अ

(Continued)

अज् (aj–) I. U. (P.) [DhātuPā. 1. 248; replaced by *vī–* when followed by *ārdhadhātuka* suffixes according to grammarians, cf. P. ii. 4. 56; JaineVyā. i. 4. 128 etc.; attested forms : अजति, अजतः, अजन्ति, अजते, अजासि, अजामसि, अजतु, अजन्तु, अज(जा), अजत, अजामहै, अजेत्, अजेत, आजन्त, आजः, आजतम्, आजन्, अजुः (? अजुर्यमुः ṚV. v. 6. 10; Sāy. अजुः + यमुः but GELD. अजुर्यम् + यमुः), pass. अज्यते; used with the following Upasargas : अनु ṚV. viii. 4. 20; अप ṚV. i. 42. 3 etc.; अभि ṚV. i. 179. 3 etc.; अभि + अव S'atBr. XI. i. 6. 22; अभि + आ AitBr. 26. 3 (684); अव ṚV. i. 161. 10; आ ṚV. i. 23. 13 etc.; उद् ṚV. i. 95. 7 etc.; उद् + आ ṚV. iv. 1. 13; उप ṚV. i. 161. 6; निर् ṚV. viii. 3. 19; प्र ṚV. vi. 49. 12 etc.; वि ṚV. v. 54. 4 etc.; सम् ṚV. i. 33. 3 etc.] **1A** to drive, to lead **B** to propel **C** to drive away **D** to steer (a boat) **2A** to run (a race) **B** to march against **C** to go **3A** to throw, to cast **B** to cast (dice) **C** to throw away, to abandon; *pass.* to be driven (towards), to be brought near] **1A** to drive, to lead अजा वृतं इन्द्र शूरपत्नीः ṚV. i. 174. 3; अनेनो वो मरुतो यामो अस्त्वनश्वश्चिद् यमजत्यरथीः ṚV. vi. 66. 7; तद्यथा विजितेन यन्ति सैन्धवान् अजन्ति हस्तिनम् JaimiBr. 3. 328; रज्ज्वोत्तमां गामजेत् HirS'S. xxii. 2. 26; **1 B** to propel दश स्वसारो अधि सानो अव्येऽजन्ति वह्निं सदनान्यच्छ ṚV. ix. 91. 1; वृष्ण्या वयम् । जम्भहनुं ग्राहं शङ्कं त्वानुजयेनां (?) अजामसि AV.(P.) xi. 2. 10; **1 C** to drive away स्वयं सो अस्मदा निदो वधैरजेत दुर्मतिम् ṚV. i. 129. 6; त्वं दस्यूँरोकसो अग्न आजः ṚV. vii. 5. 6; अजशृङ्ग्यज रक्षः AV. iv. 37. 2; ते मे देवाः पुरोहिताः प्रतीचीः कृत्याः प्रतिसरैरजन्तु AV. viii. 5. 6; AV. viii. 6. 19; ते अजन् ब्रह्मज्यं क्षेत्रे[अ]थानृतवादिनम् AV. (P.) ix. 19. 2; कजार्चैन कवित्वेन कल्पितानजते जिनः PārśvC. Praśasti 3; **1 D** to steer (a boat) यां ह खलु वै पितापुत्रौ नावमजतो न सा रिष्यति JaimiBr. 1. 166; **2 A** (with cognate object) to run आजिमेवास्मिन्नजामहै S'atBr. II. iv. 3. 4; तस्मिन्नाजिमाजन्त S'atBr. II. iv. 3. 4; **2 B** to march against कम् ··· सुरतनरजतु च्छलं तदासीनम् Kāvyālan.(Ru.) 4. 13 (comm. कं नरं जेतुमजतु गच्छतु); यो न योद्ध[? द्धृ] समाजमजति Manmatho. 3 (629. 5); **2 C** to go [अज गतिक्षेपणयोः DhātuPā. 1. 248] शङ्को विशङ्कमज Manmatho. 3. 1 (629. 18); सुराः ··· गभीरगिरिगह्वराण्यजत Manmatho. 3. 5 (632. 6); **3 A** to throw, to cast [अज गतिक्षेपणयोः DhātuPā. 1. 248] अजति क्षिपति स्पष्टं द्विषतः क्रूरयोनिषु AhirbuS. 53. 64; **3 B** to cast (dice) याभिः शारीराजतं स्यूमरश्मये ṚV. i. 112. 16; **3 C** to throw away, to abandon दासेयः । कारं चारणमाहितमाज दरम् Kāvyālan.(Ru.) 4. 27; *pass.* to be driven (towards), to be brought near तिरश्चिदर्ये रुशमे पवीरवि तुभ्येत्सो अज्यते रयिः ṚV. viii. 51. 9.

[1]**अज** (aj–á) *adj.* [JaineVyā. 83. 8 (*on* i. 4. 128); DhātuPra. 1. 227 (24. 10)] impeller, urger, driver वृत्रखादो वलंरुजः पुरां दर्मो अपामजः ṚV. iii. 45. 2; [*m.* driving, pull, AV. xviii. 2. 22? PW; a drove, troop (of Maruts)? MW]

[2]**अज** (a–já) *adj.* [*f.* –ā] [DEBRU. p. 33; JaineVyā. 110. 33 *on* ii. 2. 84; CāndraVṛ. *on* i. 2. 65; KātanVṛ. *on* iv. 3. 92; KāśiVṛ. *on* P. iii. 2. 101] **1** unborn, having no birth अज आत्मा ···तमेव धीरो विज्ञाय प्रज्ञां कुर्वीत ब्राह्मणः S'atBr. XIV. vii. 2. 23; अजो नित्यः शाश्वतोऽयम् KāṭhU. 2. 18; पुरुषः ···अजः MuṇḍaU. ii. 1. 2; दृष्ट्वेमं वृष्णिशार्दूलं स्मृतिर्मामियमागता । ··· अजं विष्णुं पुरुषं पीतवाससम् MahāBhā. iii 187. 54; iii. 13. 20; vii. 57. 40; viii. 24. 42; देवाः ··· शरणं जग्मुः ··· अजमव्यक्तरूपिणम् (शिवम्) Rāmā. vii. 6. 2; तस्मै हिरण्यगर्भाय··· । अजाय प्रथमायैव HariVaṁ. i. 29*(2); अजः शरीरग्रहणात्स जात इति कीर्त्यते YājñaSm. 3. 69; 3. 78; प्रजापतिम् ··· । ध्यायेद्ध्रुवमजं विभुम् PauṣkS. 4. 158; 29. 127; अनादिमजमव्यक्तं गुणत्रयमयं द्विज । विद्धि प्रदीपस्थानीयम् JayāS. 3. 2; 14. 56; योगिध्येयमजं नित्यम् ··· वासुदेवम् PāraS. 6. 226; 7. 80; सूक्तेन ··· योऽनेन नित्यमजमादिमनन्तमूर्तिम् । भक्त्यार्चयेत् BṛParāSm. 4. 146; 10. 200; प्रणम्य जगतामीशमजमक्षयमव्ययम् ViṣṇuP. i. 2. 7; i. 9. 37; iii. 17. 33; v. 17. 33; निर्दहत्यवमन्तारं दुर्वासा भगवानजः MārkP. 17. 14; 45. 27; तमजं विश्वकर्माणम्···व्रजामि शरणं प्रभुम् VāyuP. i. 1. 6; अजोऽपि यः क्रियायोगान्नारायण इति स्मृतः MatsyaP. 1. 3; जितम्···हरिणा··· । अजेन BrahmāṇḍP. i. 1. 2; i. 2. 28; ii. 25. 25; iii. 1. 239; अजम् ··· पशुपतिं प्रपन्नोऽन्यदेवताशून्यममन्यत त्रैलोक्यम् HarṣaC. 151. 7; अमानवं जातमजं कुले मनोः ··· मुमोच जानन्नपि जानकीं न यः S'iśuVa. 1. 67; 14. 70; अजमजरमचिन्त्यं चिन्तयित्वा भवन्तम् VeṇīSaṁ. 6. 644; राममुक्तवानिति शङ्करः । किं नारायणमात्मानं नाभोत्स्यत भवानजम् Bhaṭṭi. 21. 16; आनन्दमेकममृतमजम् ··· नमस्यामः प्रजापतिम् BrahmSi. 1. 2; तस्मादजः प्राण इति जायते कस्यचिन्मतिः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 505. 2 (*on* ii. 4. 8); 607. 11 (*on* iii. 2. 32); अजोऽव्ययो भूतानामीश्वरः GītāBh.(S'aṅ.) 2. 11 (*on* 1. 0); विद्वान्···अजं ब्रह्म भवति ChāndoUBh. 157. 15 (*on* iii. 11. 3); येषामस्माकं स्वाभाविकोऽजोऽजरोऽमृतः ··· नित्यश्च लोक इष्टः KenUBh. 29. 3 (*on* 1. 0); सत्यं पुरुषाख्यं सबाह्याभ्यन्तरमजं वक्तव्यमिति PraśnaUBh. 268. 11 (*on* 4. 1); आत्मा···अजोऽजरोऽमरोऽमृतोऽभयोऽद्वयो वै AitUBh. 249. 18 (*on* 1. 1); तद्ब्रह्मेत्यवधारयेत् ĀtmaBo. 60; उडुगणवितति र्भासयेत्किं परेशम्···अजम् S'atS'lo. 90; अजं शाश्वतं कारणं कारणानाम् VedaSāS'iSt. 7; प्रातर्भजामि ··· तं देवदेवमजमच्युतम् PrātaḥSt. 2; अजं रुक्मिणीप्राणसंजीवनं तम् ··· भजे पाण्डुरङ्गम् PāṇḍuA. 8; यदा धर्मग्लानिर्भवति जगतां क्षोभकरिणी तदा लोकस्वामी प्रकटितवपुः सेतुधृदजः ।··· भवतु कृष्णोऽक्षिविषयः KṛṣṇaA. 8; सेवे ··· त्वामजामेकां लोहितशुक्लकृष्णाम् TripuVePāSt. 21; व्योमाकारो ह्यजोऽनन्तः स कथं पूज्यते प्रिये KulārT. 13. 51; अजो ह्यहम् VṛGautaSm. 502. 3(1); अजं निरञ्जनं शान्तम् ··· अनादिनिधनं ब्रह्म S'aṅkhaSm. 7. 32; वन्दे नन्दितविश्वमव्ययमजं भक्त्या तमेकं विभुम् BṛĀraUBhVā. (Sambandha.) 1; अजमेकं स्वतःसिद्धं प्रत्यग्रूपमनन्यदृक् । वस्तु BṛĀraUBhVā. i. 2. 26; ii. 3. 12; ध्यानैकताननिबिडाहितचेतसोऽजम् ··· यतयोऽभ्युपेत्य यं देवमेकममलं प्रविशन्ति सोऽव्यात् TaiUBhāVā. 211. 12(3); पश्यन्निति यदाहोच्चैः प्रत्यक्त्वमजमव्ययम् NaiṣkaSi. 191. 6; वृषभमजरमजम् ··· नमत MahāP. 23. 171; भगवन्ननादिरज इत्यपि स्फुटं पुरुषः पुरातन इति प्रगीयसे HarVi. 6. 181; 43. 270; अजया शातैः शस्त्रैः शत्रौ हते यया DeviS'. 21; 36; अजमजरमतत्त्वं चिन्तयन्नात्मतत्त्वम्···शाश्वतं सोऽभ्युपैति NyāyMañ. ii. 76. 31; अजोऽयं जायते योगी RāmC. 9. 20; त्वमात्मनात्मानमवेहि ··· । अजं प्रजातं जगतः शिवाय तत् BhāgP. i. 5. 21; i. 8. 32; ii. 6. 38; x. 3. 47; xi. 28. 35; अनाद्यनन्तमजं सूक्ष्मं त्रिगुणं प्रभवाव्य(? प्य)यम् । ··· ब्रह्म KūrmaP. 41. 7 (1. 4); 224. 3 (1. 20); अर्चयेत् ··· । ईशानं तमजम् AgniP. 21. 8; BrahmVaiP. i. 1. 0 (1. 9); तमजं पुराणम् ··· सततं नतोऽस्मि BṛNāraP. 2. 25; ब्रह्मसंज्ञमभूदेकं ज्योतिष्मत् ··· अनन्तमजमव्ययम् NaraP. 1. 38; प्रधानलक्षणा प्रकृतिर्न जायत इत्यजा च एका च Bhām. 290. 15 (*on* i. 4. 8); अजोऽहं मां विद्धि ··· विश्वरूपम् LiṅgaP. i. 16. 35; i. 17. 21; सर्वज्ञं जगतामीशमजमक्षयमव्ययम् (प्रणम्य वक्ष्यामि पुराणम्) BrahmP. 1. 27; 30. 53; 75. 13; कः स्तोतुमीज(? श)स्तमजम् BhaviP. 108A. 29 (i. 60. 4); ब्रह्मसंज्ञमभूदेकं ज्योतिः ··· अजम् PadmP. i. 2. 4; iv. 84. 35; त्वां नमस्यामहे देवीं सतीम् ··· । अजामाद्याम् BṛDharmaP. i. 42. 57; ज्ञानम् ··· स्याच्चिद्रूपमजमव्ययम् SaurP. 11. 23; 25. 15; अजम् ··· गणेशं भजेम GaṇeP. i. 13. 3; तं विघ्नेशम्···अजम्···वन्दे KalkiP. i. 1. 1; अजस्याकर्तुरीशस्य ··· जन्मकर्मादिकं यद्यत्तदत्यन्तविडम्बनम् AdhyāRā. iv. 6. 72; परमेष्ठ्यपि निष्ठावान्हियते हरिरप्यजः YogVā. i. 26. 29; iii. 2. 45; (येन ध्वस्तमनोऽभवेन) येन ध्वस्तं बालक्रीडायामनः शकटम् । अभवेनाजेन सता Loc. 95. 16 (*on* 2. 22); आनन्दममृतं ज्ञानमजं साक्षिणमीश्वरम् । ···वन्दे NyāyRaMā. 1. 1; 59. 14; न तु ··· अजम् ··· आत्मानम् अनुभवति Kiraṇā. 127. 11; अजस्यैवात्मनो देहेन्द्रियादिभ्यो विभक्तत्वात् BrahmSūBh.(Rā.) 38. 2 (*on* i. 1. 1); ज्योतिः शान्तमनन्तमव्ययमजम् PraboCan. 5. 9 (87. 3); ĪśānS'iPa. i. 1. 91; i. 19. 48; ब्रह्माजं सदादिकारणशून्यत्वात् PrakaVi. 598. 22; अस्ति ब्रह्म···अजम् SaṁgīRa. i. 23. 2 (1. 2); अजं जन्मरहितम् Vedānt-Ka. 234. 10 (*on* ii. 1. 11); स्वरूपेणाजस्य विच्चित्रसमस्तजगद्रूपेण बहुभवनमुच्यते S'rutaPra. iB. 246. 27 (*on* i. 1. 21); आनन्दोऽहमशेषोऽहमजोऽहममृतोऽस्म्यहम् CaturCin. iv. 578. 3; तमजम् ··· गौरीकान्तं नमस्यामः NāṭaLaRaK. 3; वेदाः ··· मामद्वैतमजं न विन्दन्ति S'aṅkaVi.(Ā.) 104. 6; 277. 12; गोविन्दम् ··· अजं पूजयेद्वासरादौ KṛṣṇaKa. 3. 98; तमजमजडम् ··· देवमाराधयामः S'atDū.

139. 3; नमस्ते ··· । अजाय ··· विष्णवे Yādavā. 10. 67; जाया ··· चिक्केश ··· शिवमर्चयन्ती। क्षेत्रे वृषस्य निवसन्तमजम् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 2. 50; 9. 93; गीर्न: श्रेय: परं दद्यादजा सा HariC.(Pa.) 1; रुषिततमायाय:स्थापितमदादान्नृपाय ··· । भीमं नरकारिरज: YudhiVi. 8. 96; सान्द्रानन्दमनन्तमव्ययमजम् ··· तद्ब्रह्म SāhiDa. 371. 11; अजस्यैव परमपुरुषस्य ··· संभवाभाव: VedāntKau. 216. 13 (*on* ii. 3. 8); योगीश्वरैर्ध्येयमजम् ··· वन्दे महेशम् SarvaDaKau. 1. 9; विकारजननीं मायामष्टरूपामजां ध्रुवाम् SāṁkhyaPraBh. 17. 14 (*on* 1. 26); पुरुषोत्तममजमीशं वन्दे PraboSu. 1; अजमव्ययपायमजरम् ··· धरणेरधिभू: समारभत वर्णयितुम् Acyutarā. 5. 30; अजोऽपि देवो वसुदेवजन्मा VīraBhā. 1. 1; इह स्थाने विष्णो: ··· समारोप्य···पुरुषमजमाद्यं त्रिजगताम्···प्रविशति ṢaṭcakraNi. 38; प्रकृतिरजोच्चिताजनितया च NayaMañ. I. iv. 2. 3; पाहि यमात्प्रभो भास्वरलोचनाज ĪśvaS'. 19; विश्वद्रीचीनसृष्टिस्थितिविलयमज: स्वेच्छया निर्मिमीते MahāN. 1. 1; **ii** not produced, not created नास्त्यज: संयोगो नित्यपरिमण्डलवत् PadārthaSaṁ. 140. 19; नाज: संबन्धो धर्मिग्राहकमानबाधात् SāṁkhyaPraSū. 5. 98; अजोऽव्यय: (इन्द्रध्वज त्वम्) BṛSaṁ. 43. 54; अज: संबन्ध आत्मान्तराणामित्येक इच्छन्ति NyāyVār. 470. 10 (*on* iv. 1. 21); यानुभूतिरजामेयानन्तात्मानन्दविग्रहा IstaSi. 1. 1; व्यक्तेऽहंकारभूते च बुद्धिर्ज्ञेया बुधैरजा। अविद्या नाम विख्याता BhaviP. 556B. 34 (iii(4). 8. 89); चिदाकाशमजं शान्तम् S'ārṅgaPa. 4244; अजस्तु संयोगो नास्त्येव Upask. 57. 8 (*on* i. 2. 5); 167. 4 (*on* iii. 2. 1)

¹अज (ajá) *m.* (*n.* MānaSā. 15. 145) [IE. MAYR. 1. 23; 111. 625/ अजा अजना: Nir. 4. 25 (88. 6)] **A i** goat (*Capra hircus*) **ii** mature goat, goat that is not young **B** [pl.] name of a people **C i** name of the constellation Pūrvā Bhādrapadā **ii** name of the zodiacal sign Aries **iii** the second or third *muhūrta* of the night **iv** a type of man with special physical features **D i** *n.* goat **ii** elaboration of a sequence of musical notes (*tāna*) **A i** goat (*Capra hircus*) तस्माद्यज्ञात् सर्वहुत: ··· गावो ह जज्ञिरे तस्मात् तस्माज्जाता अजावय: ṚV. x. 90. 10; यां ते चक्रु: कृकवाकावजे वा यां कुरीरिणि। अव्यां ते कृत्यां यां चक्रु: AV. v. 31. 2; तवेमे पञ्च पशवो विभक्ता गावो अश्वा: पुरुषा अजावय: AV. xi. 2. 9; मा गृधो नो अजाविषु AV. xi. 2. 21; यो नो गोष्वजाविषु । क्रव्यादं निर्णुदामसि AV. xii. 2. 15; उपहूता इह गाव उपहूता अजावय: AV. vii. 60(62). 5; VājaS. 3. 43; गर्दभश्चाजाश्चावयश्च ··· एतस्यामेव विराजि प्रतितिष्ठति PañcBr. xvi. 1. 10; स शीर्षत एव मुखतस्त्रिवृतं स्तोमं असृजत गायत्रीम् ··· अजं पशुम् JaimiBr. 1. 68; अजा हिंकार: ChāndoU. ii. 6. 1; वामदेव्येन स्तोष्यमाण: ··· गावो अश्वा अजावय: ··· इति मनसा ध्यायेत् LāṭyāS'S. ii. 10. 1; अग्निष्टुत्स्वनडुहामश्वानामजानामिति यथोत्साहं दद्यात् तथा हिरण्यस्य LāṭyāS'S. viii. 7. 1; शुनि किलासमजे पलितं तृणे ज्वर: KauśiSū. 13. 12; [दण्ड:] पञ्च माषा गवि। ··· अजाविषु द्वौ द्वौ GautDS. ii. 3. 22; तस्यापण्यम् ··· भूमिव्रीहियवाजाव्यश्वऋषभधेन्वनडुहश्च GautDS. i. 7. 15; BaudhDS. i. 5. 130; ii. 3. 54; गौरजो मनुजो मेषो वाज्यश्वतरगर्दभा:। एते ग्राम्या: समाख्याता: पशव: सप्त साधुभि: MahāBhā. vi. 5. 14; गोऽजाविमहिषैर्हीना ··· बभूव वसुधा तदा MahāBhā. xii. 139. 22; गोमहिषमजाविकं खरोष्ट्रमश्वाश्वतराश्च व्रज: ArthS'ā. i. 137. 5 (2. 6) कारणमृतस्य ··· कर्णलक्षणमजाविकानाम्···आहरेयु: ArthS'ā. i. 316. 3 (2. 29); क्षीरद्रोणे गवां घृतप्रस्थ: द्विभागाधिकोऽजावीनाम् ArthS'ā. i. 317. 5 (2. 29); iii. 170. 4 (12. 4); अजमेद: शाखामेदसाम् CaraS. i. 25. 37 (1922 Ed.); अजैडकं खरोष्ट्रं च पालयिष्यन्ति VāyuP. ii. 37. 400; BrahmāṇḍP. ii. 74. 218; BrahmP. 230. 76; मुखतोऽजान् ससर्जाथ वक्षसश्च वयोऽसृजत् VāyuP. i. 9. 39; MārkP. 48. 25; PadmP. v. 3. 97; S'ābaBh. 361. 13 (*on* iv. 4. 22); तनुजान्यजमेषयो:। ··· धूपोऽयं पुण्य: KāśyaS. 171A. 36; स्तनवदवलम्बते य: कण्ठेऽजानां मणि: स विज्ञेय: BṛSaṁ. 65. 3; गोऽजाविमहिषपोषिण: ··· जनपदा: AvantiKa. 18. 7; न राजाविनयशङ्का नराजाविनयशङ्का ··· चाजनि प्रजानाम् AvantiKa. 22. 4; मृच्चालिन्यजमार्जारशुककङ्कशिलाहिभि:। ··· श्रोतार: समभावा: स्यु: MahāP. 1. 139; (न चोत्सृष्टम्) अजाश्वमहिषीमेषीदासीकृष्णाजिनं तथा SkandP. iv. 7. 29; अजाश्वमेषोष्ट्रखरान् सुग्रीवी चाप्यजीजनत् LiṅgaP. i. 63. 32; °गवाजैडकरासभान् । संप्रमर्दन्तमद्राक्षीन्मातङ्गम् BṛKathāS'loSaṁ. 3. 10; विद्यात्···अजाविगोमहिष्युष्ट्ररासभादिनिपीडितम्। गोधागोधैरमण्डूककृकलासैश्च गार्भिते। मूषके पुनरिच्छन्ति मरणं वास्तुवेदिन: SamarāSū. 26. 48; (अनेन) कालान्तरे स्थानान्तरेष्वजा गावो धान्यं च गृहीतम् Aparā. 610. 4 (*on* 2. 6); NyāyMāVi. 510. 19 (*on* x. 2. 29); खरोष्ट्रगर्दभमहिष्यो महान्त: गौर्मध्यमा अजाविके क्षुद्राविति विभाग: DaṇḍaVi. 284. 5; 127. 20; अजैडकानाम् ··· हरणे ··· छिन्नार्धपादिक: कार्य: ManvaMu. 347. 19 (*on* 8. 325); VīraMi. 107. 20 (*on* 1. 52); VīraMi.(Saṁskāra.) 276. 22; नाशयेद्गजमर्त्याश्वगोखरोष्ट्राजसैरिभान् TantrRā. 10. 46; BālamBha. iii. 174. 10 (*on* 3. 290); (he-goat) सुप्राङजो मेम्यत् ṚV. i. 162. 2; अत्रा पूष्ण: प्रथमो भाग एति ··· अज: ṚV. i. 162. 4; अजेव यमा वरमा सचेथे ṚV. ii. 39. 2; अजमायुरदात् ··· नो वसूनि ṚV. vii. 103. 10; पूर्वेण मघवन्पदाजो वयां यथा यम: ṚV. x. 134. 6; अश्वस्याश्वतरस्याजस्य पेत्वस्य च । अथर्षभस्य ये वाजा: AV. iv. 4. 8; प्रजापति: ··· आत्मनो वपामुदक्खिदत्तामग्नौ प्रागृह्णात् ततोऽजस्तूपर: समभवत् TaiS. II. i. 1. 4; VāsiDS. 2. 35; अज: कष्टं क्रामति MahāBh. ii. 25. 9 (*on* iii. 1. 14); गोऽजाविमृगपक्षिणाम्। ··· ब्रह्महा योनिमृच्छति ManuSm. 12. 55; तालवृन्तचामराश्वगजाजगोदधिक्षीरमधुसिद्धार्थकांश्च (दृष्ट्वा प्रया(?याया)त्) ViṣṇuSm. 63. 30; (खले) खरोष्ट्राजोरणांस्तत्र विशतस्तु निवारयेत् BṛParāSm. 5. 169; 10. 209; नरानजानश्वखरोष्ट्रपक्षिमृगांश्च ··· । त्रिभागशेषं कुरुते क्षयाब्दे VasiS. 6. 88; 32. 183; पुमान् स्त्री गौरजो वाजी ···। देहेषु लोकसंज्ञेयं विज्ञेया कर्महेतुषु ViṣṇuP. ii. 13. 97; MatsyaP. 229. 25; गौर्वत्सलाजो रुचक: (प्रयाणे शुभदर्शन:) YogYā. 13. 6; रक्तानि हृत्वा वासांसि जायते जीवजीवक:। ··· यानमुष्ट्र: पशूनज: ViṣṇuDhaP. ii. 120. 25; अन्तरेणागते मर्त्ये शास्त्रं नाध्यापयेत्कचित् । एकरात्रं गते मर्त्ये त्रिरात्रमजमेषयो: BhaviP. 329A. 13 (ii(1). 8. 5); भक्षयामोऽद्यैनमजम् Tantrākhyā. 104. 20; धूर्ताश्च नीत्वा तमजं यथेच्छं समभक्षयन् KathāSaSāg. x. 6. 68; न गजाङ्गैरज: सिध्येत् ĪśānS'iPa. ii. 1. 52; अन्तरा गामजश्चेति वृषभछागयोर्मध्ये HārLa. 155. 10; Rasā. 1. 10; PrabhāC. 142. 27; (घृतम्) अजेन वा घ्रापयेत् CaturCin. iii(1). 825. 12; अजो भयात् कम्पते PrabaK. 79. 24; (goat in the ritual) अजमनज्मि पयसा घृतेन AV. iv. 14. 6; तीर्त्वा तमांसि बहुधा महान्त्यजो नाकमा क्रमतां तृतीयम् AV. ix. 5. 1; अजस्तमांस्यप हन्ति दूरम् AV. ix. 5. 7; ix. 5. 9; ix. 5. 16; ऐन्द्रश्च ऋषभ: प्राजापत्यश्चाज उपालम्भ्यौ S'āṅkhāĀ. 1. 1 (1. 12); अश्वोऽजस्तूपरो गोमृग इति प्राजापत्या: ĀśvaS'S. II. iv. 9. 5; उत्तरेण गार्हपत्यायतनं कल्माषमजं बध्नाति ĀpaS'S. v. 7. 17; अजेनाग्नीषोमीयेण कर्णगृहीतेन यजमानो राजानमोह्यमानं प्रतीक्षते ĀpaS'S. x. 29. 4; xi. 17. 1; xvi. 8. 3; xix. 2. 1; अज आजिगम् LāṭyāS'S. i. 6. 46; iii. 1. 8; BaudhGS. i. 2. 51; अपराजितादजमानीयमानमनुमन्त्रयते KauśiSū. 64. 6; गावोऽजाश्वाश्च विज्ञेया हस्तिन: पक्षिणो मृगा:। उपयुक्ता: क्रियास्वेते यज्ञियास्त्विह(? स्विह) सर्वश: MatsyaP. 145. 17; आघातमद्याहमनुप्रयामि शामित्रमालब्धुमिवाध्वरेऽज: Mṛcch. 10. 21; अजशङ्ख्य (°ङ्ख्यो:) मांसं च मृगमांसं तथैव च। रक्तमिश्रं बलिं दत्त्वा (°द्यात्तु) पापराक्षसस्ये- (°स्या इ)ति स्मृतम् MānaSā. 8. 26; (to be given as a gift) अजं जीवता ब्रह्मणे देयमाहु: AV. ix. 5. 7; अज: ··· नाकस्य पृष्ठे ददिवांसं दधाति AV. ix. 5. 10; अज: सुब्रह्मण्यायै PañcBr. xviii. 9. 19; ĀśvaS'S. II. iii. 4. 11; अजम् ··· अग्नीधे ĀpaS'S. v. 20. 7; चतुर्विंशतिर्दक्षिणा । द्वादश । षड्वा । अश्व: । शतमानरथवासोऽजाश्च S'āṅkhāS'S. ii. 3. 22; LāṭyāS'S. iv. 12. 10; (गोदाने) अज: केशप्रतिग्रहाय DrāhyGS. ii. 5. 5; GobhiGS. iii. 1. 9; अजाविकम् । दातव्यं केशवप्रीत्यै VāmaP. 95. 42; (close association with Agni) अजो ह्य१ग्नेरजनिष्ट शोकात् AV. iv. 14. 1; ix. 5. 13; TaiS. II. i. 1. 4; VājaS. 13. 51; अजो अग्निरजमु ज्योतिराहु: AV. ix. 5. 7; अजो धूम्र: VājaS. 21. 29; पद आधास्यन्ति ··· अजस्य GopBr. i. 2. 18; आग्नेयो वा अज: GopBr. ii. 3. 19; अजस्य वा कर्णे ··· जुहुयात् ṢaḍviBr. iv(v). 1. 12; (अग्निम्) न विन्देदजायै दक्षिणे कर्णे होतव्यम् । अजस्य तु ततो नाश्नीयात् ĀpaS'S. ix. 3. 6; अजोऽग्निर्वरुणो मेष: सूर्योऽश्व: पृथिवी विराट्। ··· न विक्रेया: कथंचन MahāBhā. xii. 79. 6; (employed as a draft-animal for Pūṣan) पूषणं न्व१जाश्वमुप स्तोषाम वाजिनम् ṚV. vi. 55. 4; आजास: पूषणं रथे ··· वहन्तु बिभ्रत: ṚV. vi. 55. 6; अजा अन्यस्य वह्नयो हरी अन्यस्य संभृता ṚV. vi. 57. 3; अजाश्व: ··· पूषा ṚV. vi. 58. 2; आ ते रथस्य पूषन्नजा धुरं ववृत्यु: ṚV. x. 26. 8; i. 138. 4; ix. 67. 10; (used as a vehicle by rivers) (नदी) सीता चाजेन (ययौ) ViṣṇuDhaP. i. 215. 51; (ययौ) पयोष्णी चाप्यजेन तु NilaP. 155; (concept of páñcaudana ajá) एष वा अपरिमितो यज्ञो यदज: पञ्चौदन: AV. ix. 5. 21; अपरिमितं लोकमव रुन्धे । यो३जं पञ्चौदनं दक्षिणाज्योतिषं ददाति AV. ix. 5. 22; पञ्चौदनं च तावजं ददतो न वि योषत: AV. ix. 5. 27; ix. 5. 28; (identification with seasons) AV. ix. 5. 31; ix. 5. 36; (goat in the S'rāddha-rite) प्रयत्नाच्छ्राद्धमजस्य दर्शयेत् ViṣṇuSm. 81. 10; पिण्डांस्तु गोऽजविप्रेभ्यो दद्यादग्नौ जलेऽपि वा । प्रक्षिपेत्सत्सु विप्रेषु द्विजोच्छिष्टं न मार्जयेत् YājñaSm. 1. 257; BṛParāSm. 7. 283; LikhiSm. 31; पिण्डांश्च ब्राह्मणाय निवेदयेत् । विप्राभावे गवाजेभ्य: MahNirvāT. 10. 63; (its mouth is pure) अजाश्वा मुखतो मेध्या: VāsiDS. 28. 9; AtriSm. 5. 16; ViṣṇuSm. 23. 40; YājñaSm. 1. 194; BṛParāSm. 6. 341; MārkP. 35. 22; SkandP. iv. 40. 46; ViṣṇuDhaP. ii. 79. 14; S'aṅkhaSm. 16. 14; (wooden figures of a goat) अजैडकानाम् ··· मृद्विदलकाष्ठविनिर्मितानाम् (दानम्) KāmSū. 210. 17 (3. 3); काष्ठादिनिर्मितानाम् ···। मेषाजैडकदैवतकुलग्रहाणां तथान्येषाम् (दानम्) KandaCū. iii. 3. 13; (as an offering to a guest) महोक्षं वा महाजं वा श्रोत्रियायोपकल्पयेत् YājñaSm. 1. 109; AmaK. 2395; AnekāSa. 626;

DhanvNi. 267.27; RājNi. 268.6; ParyāRaMā. 36.755; Vaija. 70.62; AnekāSaṁ. 2.64; ViśvaPra. 32.2; DharK. 417; AnekāK. 146; NānārthSaṁ. 2.17; NānārthāSaṁ. i. 45.31; ii. 113.759; AnekāNi. 35; MediK. 31.2; 177.10; AnekāTi. 2.7; 2.238; ParaNā. 1209; 2588; NānārthaMa. 391; NānārthaRaMā. 321; S'abdaRa.(Vā.) 3725; ViśvaLoK. 66.25; KośaKaTa. 1.6793; 1.6800; 2.4300; KalpaK. 185.469; S'abdaRaSaK. 75.10; 88.14; **A ii** mature goat, a goat that is not young इह कस्मान्न भवति । अजश्च वर्करश्च MahāBh. i. 247.18 (*on* i. 2.65); अजश्च वर्करश्चेत्येवमादौ प्रसज्येत । वृद्धावस्थो हि पशुविशेषोऽज इत्युच्यते । युवा तु वर्करः Nyās. i. 204.14 (*on* i. 2.65); **B** [pl.] name of a people अजासश्च शिग्रवो यक्षवश्च बलिं शीर्षाणि जभ्रुरश्व्यानि ṚV. vii. 18.19; **C i** name of the constellation Pūrvā Bhādrapadā वसुस्त्वष्टा भवोऽजश्च मित्रस्सर्पोऽश्विनौ जलम् JyotiVe. 10; रे-मृ-घा-स्वा-पोऽजः…इत्यृक्षा लिङ्गैः JyotiVe. 18; साजे शतभिषजि भिषक् कविशौण्डिकपण्यनीतिवार्तानाम् BṛSaṁ. 10.17; 23.9; YogYā. 7.11; GaṇiNā. 15; अजसर्पसर्पिणीश्वविडालिकाः (प्रोक्ता नक्षत्रयोनयः) TantrRā. 21.79; **C ii** (Astro.) name of the zodiacal sign Aries बुफिनच पातविलोमा बुधाह्वयजार्कोदयाच्च लङ्कायाम् Āryabh. 1.2 (6); सैकाजे पञ्चाशत् पञ्चाष्टकपञ्चवर्गवेदाश्च PañcSi. 4.7; 4.30; 18.29; गोऽजाश्विकर्किमिथुनाः समृगा निशाख्याः Bṛhajjā. 1.10; 1.13; LaJāta. 1.7; अजमृगतौलिकुलीरा नवांशकाद्याः क्रमादजादीनाम् HorāSā. 1.15; गृहपा नवभागानामजमृगघटकर्कटाद्याश्च Sārā. 3.11; 9.42; अजकन्यावृषकर्किणि संक्रान्तौ यदि भवेद्दर्षम् VasiS. 19.20; वृषाजपापैः प्रयाति रिपुः PraśnaJñā. 24; अजः मेषः CaturCin. iii(1). 234.8; iii(2). 407.18; मेषाजविश्वक्रियतुंबुराद्याः…वदन्ति JātaPā. 1.4; TājiNī. 1(1). 31 (48); **C iii** the second or third *muhūrta* of the night अजास्तथाहिर्बुध्न्यश्च पूषा … एकरात्रिमुहूर्ताः VāyuP. ii. 5.43; अजो द्वितीया VīraMi.(Saṁskāra.) 235.14; KalpaK. 408.23; **C iv** (Erotics) a type of man with special physical features मध्यप्रमाणोऽम्बुजगन्धिकायो गन्धर्वजातिः कथितोऽजलिङ्गः S'ārṅgaPa. 3114; हरिणीमृगयोरजाजयोर्यस्तुरगीवृषयोरिभाश्वयोश्च । … भवेत्तु योगः सममेवं रतं बुधास्तदाहुः S'ārṅgaPa. 3124; **D i** *n.* goat काकस्वरं दक्षिणे श्रेष्ठं प्राचि चैव मध्यमम् । प्राक् (तत्) स्वरं चाधमं प्रोक्तं तस्य तूत्तर[तः] स्वरम् । यदि श्रुतं चेत् तत्काष्ठे त्रीण्यजानि बलिं क्षिपेत् MānaSā. 15.145; **D ii** elaboration of a sequence of musical notes (*tāna*) यदा धैवतगान्धारौ सुभद्रं ग्राममाश्रितौ । द्विमात्रौ जायते तानमजाख्यं साधुसंमतम् Gītālaṅ. 7.51.

²अज (a–já) *m.* **A** the unborn one (a form of Ur-god) **B i** epithet of Viṣṇu **ii** epithet of S'iva **iii** epithet of Brahman (*m.*) **iv** the sun **v** Cupid, god of love **vi** one of the gods called Bhṛgus **vii** one of the deities called Parāvata **viii** name of a Rudra superior to Indra **ix** lord of a Bhuvana **x** one of the eight forms of Agni **xi** name of a gaṇa of Bhṛṅgin **C i** [pl.] a clan of the Ṛṣis **ii** name of a Gotrarṣi **iii** one of the group of ten descendants of Manu **iv** son of Uttama Manu **v** son of Kratu **vi** Dhanvantari **vii** Vyāsa **D i** the Arhat (Buddhist prophet) **ii** the Jina **E i** individual soul **ii** the supreme Self or God **F i** name of an Ikṣvāku king **ii** name of other kings **G i** name of a demon prince **ii** name of a Piśāca **H i** a horse of the moon **ii** name of an elephant **I** name of a river **J** a serpent with two heads at both the ends **K** darkness **L** old rice. **A** the unborn one (a form of Ur-god) अजो न क्षां दाधार पृथिवीम् ṚV. i. 67.5; वि यस्तस्तम्भ षळिमा रजांस्यजस्य रूपे किमपि स्विदेकम् ṚV. i. 164.6; अजस्य नाभावध्येकमर्पितम् ṚV. x. 82.6; VājaS. 17.30 (Mahī. अजस्य जन्मरहितस्य परमेश्वरस्य); यदजः प्रथमं संबभूव स ह तत्स्वराज्यमियाय यस्मान्नान्यत्परमस्ति भूतम् AV. x. 7.31; x. 8.41; **B i** epithet of Viṣṇu अजस्य नाभावध्येकं यस्मिन्विश्वं प्रतिष्ठितम् । पुष्करं पुष्कराक्षस्य MahāBhā. xii. 47.40; अजस्य त्वनया शक्त्या तिस्रः सृष्ट्यादिशक्तयः । संचितैः संप्रवर्तन्ते AhirbuS. 14.27; 51.18; एवमभ्यर्थयित्वाजम् PauṣkS. 27.613; स्थाणुरजोऽग्निर्गिरिनायकः …विष्णोर्बालकत्वमुपेयुषः (सहस्रं नाम) PañcaRā.(Nā.) iv. 8.134; रुद्रस्वरूपो भगवानेकांशेन भवत्यजः ViṣṇuP. i. 22.28; iii. 17.34; येन विश्वमिदं व्याप्तमजेन जगदादिना MārkP. 4.38; तमःस्थानं तमासाद्य बालिशं कुलिशं रणे । अजहादज धाम स्वं वैकुण्ठस्य विकुण्ठितम् JānaHa. 2.52; य इदं मायया देव्या सृजत्यवति हन्त्यजः BhāgP. i. 8.16; i. 15.34; iii. 1.45; निजघानोर्जितैर्बाणैरजस्तमसितः HarVi. 43.338; सर्वविद्याप्रकाशाय धत्ते स भगवानजः । पद्मादीन्यपि चिह्नानि PadmP. iv. 80.18; सुखा रम्या मृदुस्पर्शाः स्पर्शैर्ये तर्पयन्त्यजम् । भोगाः सांस्पर्शिकास्ते स्युः LakṣmīT. 36.89; अद्याप्यमुञ्चन्निव केलिपूर्वमजो विशोकावपुषोऽवशेषम् S'rīKaC. 1.27; अजः स्वजन्मार्हतयानुमेने यामष्टमीं यादवभावमिच्छन् Yādavā. 2.95; निष्कारणमज भजसे यत् क्रियामीक्षणाख्याम् Nārāy. i. 1.5; xii. 99.6; AbhidhāRaMā. 1.25; AnekāSa. 626; Vaija. 230.4; TrikāS'e. iii. 3.81; AnekāSaṁ. 2.64; AbhidhāCin. 214; ViśvaPra. 32.2; AnekāK. 146; NānārthSaṁ. 2.17; MediK. 31.2; NānārthaMa. 391; NānārthaRaMā. 34; ViśvaLoK. 66.2; KośaKaTa. 2.4300; KalpaK. 452.9; **B ii** epithet of S'iva शितिकण्ठमजं शक्रं क्रथं क्रतुहरं हरम् (सोऽहमात्मोपहारेण यक्ष्ये त्रिपुरघातिनम्) MahāBhā. x. 7.3; अजश्च मृगरूपश्च गन्धधारी कपर्द्यपि (इति भक्त्या स्तुतो मया) MahāBhā. xiii. 17.45; समधिरूढमजेन नु जिष्णुना स्विदिति वेगवशान्मुमुहे गणैः Kirātā. 18.9; रुचिमिन्दुदले करोत्यजः परिपूर्णेन्दुरुचिर्महीपतिः S'iśuVa. 16.71; आरोपय सिद्धिभूमिकामज माम् Stotrā. 19.13; अजः सर्वेश्वरः सिद्धः … एवं नाम्नां सहस्रेण तुष्टाव हि हरं हरिः S'ivaP. iv. 35.38 (391B. 11); SaurP. 41.49; LiṅgaP. i. 65.67; सद्योजातादि पञ्चैव षष्ठं स्मृतमजेति च SkandaP. vii (1). 59.5; AgniP. 84.12; KūrmaP. 667.19 (2.31); स्थाणुर्वा स्यादजो वा स्यात् Subhāṣi. 2315; AmaK. 2395; AnekāSa. 626; TrikāS'e. iii. 3.81; AnekāSaṁ. 2.64; Vaija. 230.4; ViśvaPra. 32.2; ViśvaLoK. 66.2; AnekāTi. 2.7; MediK. 31.2; (form of S'iva called Sadyojāta) तद्वपुः पञ्चभिर्मन्त्रैः पञ्चकृत्योपयोगिभिः । ईशतत्पुरुषाघोरवामाजैर्मस्तकादिकम् MṛgendraT. i. 3.9; विलोभनत्वं वामस्य ध्यायित्वं यदजस्य च । तिरोभावोद्भवार्थं तत् MṛgendraT. ii. 3.44; **B iii** epithet of Brahman (Creator) अजो हि पुत्रः पूर्वोऽस्य ब्रह्मा प्रथमकल्पितः AhirbuS. 53.65; अजस्तिलोत्तमाच्चित्तः श्रीरतः श्रीपतिः स्मृतः । अर्धनारीश्वरः शंभुः YaśasCam. ii. 275.13; अग्रण्यां भगवानजः BhāgP. xi. 16.22; तदन्धकारे क्षुत्क्षामानसृजद् भगवानजः MārkP. 48.19; विष्णुनाभ्यम्बुजादजः । ब्रह्मणोऽत्रिः AgniP. 12.1; तं दृष्ट्वा चापरं सर्गममन्यद् भगवानजः KūrmaP. 59.7 (1.7); प्रथमं विधिना त्वजाभि(? य) नत्वा बलिमात्रं विनिवेदयेत्तु तस्मै MayaMa. 28.11; अजस्तुष्टाव यां देवीं तामहं शरणं व्रजे DevīBhāP. i. 2.9; न्यस्ता लिपिः …येन शरीरभाजां तस्याप्यजस्य…कपाले BhikṣāKā. 6.4; जीवानामुपभोगाय जगदेतत्सृजत्यजः SaṁgīRa. i. 25.6 (1(2).9); देहमजो विभज्य स्त्रीपुंसभावमभजन्मनुतद्वधूभ्याम् Nārāy. iii. 10.10; AnekāSa. 742; TrikāS'e iii. 3.81; AbhidhāCin. 211; AnekāSaṁ. 2.64; ViśvaPra. 32.2; NānārthSaṁ. 2.17; NānārthāSaṁ. i. 45.31; AnekāTi. 2.7; Vaija. 230.4; AnekāNā.(Dha.) 22; DharK. 416; MediK. 31.2; ViśvaLoK. 66.2; **B iv** the sun (नाम्नामष्टशतं पुण्यम्) गभस्तिमानजः कालो मृत्युर्धाता प्रभाकरः MahāBhā. iii. 3.18; BrahmP. 33.34; द्रष्टुं त्वा यात्यजः प्रभो BhāgP. x. 56.8; आदित्यस्यादिदेवत्वादजातत्वादजः स्मृतः BhaviP. 130B. 3 (i. 77.12); Vaija. 230.4; **B v** Cupid, god of love हरनेत्रसंहृतचरोऽप्यचिरादनुजीवितो यदबलानयनैः । …अजः VasaViKā. 2.24; TrikāS'e. iii. 3.81; AnekāSaṁ. 2.64; ViśvaPra. 32.2; MediK. 31.2; AnekāNi. 34; AnekāTi. 2.7; NānārthaMa. 391; ViśvaLoK. 66.2; **B vi** one of the gods called Bhṛgus प्रसवश्चाप्यजश्चैव द्वादशोऽधिपतिः स्मृतः । इत्येते भृगवो देवाः स्मृता द्वादश याज्ञिकाः VāyuP. ii. 4.87; **B vii** one of the deities called Parāvatas अजोषौ च महाभागौ यवीयश्च महाबलः । … परावताः । इत्येता देवता ह्यासन् मनुस्वारोचिषेऽन्तरे VāyuP. ii. 1.12; **B viii** name of a Rudra superior to Indra बुध्नवज्रशरीराजकपालीशप्रमर्दनाः । …त्रिदशाधिपाः MṛgendraT. i. 13.125 (oomm. एते शक्रस्य नियन्तारः); **B ix** lord of a Bhuvana प्रचण्डोमापतिश्चाजो ह्यनन्तश्चैकरुद्रकः । रागतत्त्वे स्थितं त्वेतद् भुवनानां तु पञ्चकम् ĪśānS'iPa. ii. 17.209; **B x** one of the eight forms of Agni अश्वोदरस्तथैवाजस्ततो वैश्वानराह्वयः । तद्वत् कौमारतेजाश्च विश्वेदेवमुखस्तथा । अग्नयेपदपूर्वाः स्युर्मूर्तयोऽष्टौ परे जगुः ĪśānS'iPa. i. 14.224; **B xi** name of a Gaṇa of Bhṛṅgin अक्षपादो ह्यजः कुजः LiṅgaP. i. 72.81; **B xii** the moon, MediK. 31.2; AnekāNi. 34; **C i** [pl.] a clan of Ṛṣis (sages) अजान् ह वै पृश्नींस्तपस्यमानान् ब्रह्म स्वयंभ्वभ्यानर्षत् TaiĀ. ii. 9.1 (235.1); तेषामहीयन्ताजाः SāmViBr. i. 1.17 (Sāy. अजादयः ऋषिगणाः); ĀśvaS'S. II. vi. 14.4; अजाः …मार्गमित्रा इत्येतेषामविवाहः MānS'S. 244.18; BaudhS'S. iii. 448.4; अजाश्चैवाविमूढाश्च … । ऋषयः सर्व एवैते MahāBhā. i. 203.5; अजा बभूवुर्धूम्राश्च संगताः परमर्षयः Rāmā. iii. 33.30; KūrmaP. 442.2 (1.53); अजास्त्रिप्रवराः वैश्वामित्रमाधुच्छन्दसाजेति VīraMi. (Saṁskāra.) 638.11; अथ विश्वामित्राः । ते दश । कुशिकाः … अजाः NirṇaSi. 215.10; BālamBha. i. 181.17 (*on* 1.53); **C ii** name of a गोत्रर्षि included in गर्गादिगण *on* P. iv. 1.105; JaineVyā. 166.23 (*on* iii. 1.94); CāndraVṛ. *on* ii. 4.24; SaraKaṇṭhā.(Gr.) iv. 1.46; अजश्च निध्रुवो रेभ ऋषयो गोत्रकारकाः BallāC. 84.2; **C iii** one of the groups of ten descendants of Manu (son of Dakṣa) called Sudharmāṇaḥ (सुधर्माणस्तु वक्ष्यामि नामतस्तान् निबोधत) जम्भोऽथाजस्तु शक्रकः BrahmāṇḍP. iii. 1.60; **C iv** son of Uttama Manu अजः परशुर्दिव्यो महाबलपराक्रमाः । पुत्रास्तस्य मनोरासन् MārkP. 73.10; अजः परशुदीप्ताद्यास्तथोत्तममनोस्सुताः ViṣṇuP. iii. 1.15; VāyuP. ii. 1.34; ViṣṇuDhaP. i. 178.1; **C v** son of Kratu अजश्च भगवान् देवो दुरोणश्च महाबलः । (इत्येते क्रतुपुत्रास्तु) VāyuP.

ii. 1.9; BrahmāṇḍP. i. 36.10; **C vi** Dhanvantari, the divine physician (धन्वन्तरेः सम्भवोऽयं श्रूयताम्) सर्वसंसिद्धकायं तं दृष्ट्वा विष्टम्भितः स्थितः। अजस्त्वमिति होवाच तस्मादजस्तु स स्मृतः VāyuP. ii. 30.10; **C vii** Vyāsa the author of the Brahmasūtras आनन्दमय इत्यादिनाध्यायेन वदत्यजः Anuvyā. 7A.5 (*on* 1.1); लिङ्गनाम्नाम् ··· वृत्तिं स्वस्मिन्नेवात्र वक्त्यजः AnuVyā. 12A.9 (*on* 1.3); **D i** the Arhat (Buddhist prophet) क्रमच्युतौ पादनाभिहृदयेषु मनश्च्युतिः। अधो नृसुरगाजानाम् AbhidhK. 3.44 (comm. न पुनर्जायन्त इत्यजा अर्हन्तः); **D ii** the Jina स्वयंज्योतिरजोऽजन्मा ब्रह्मयोनिरयोनिजः MahāP. 25.106; **E i** indvidual soul (not being really subject to birth) अथ श्वेतां गतिं गत्वा वायव्यं सूक्ष्ममप्यजः MahāBhā. xii. 228.20; बुद्धितद्वृत्तिसाक्षित्वाद्बुद्धितत्प्रत्ययैरजः BṛĀraUBhVā. iii. 4.155; iv. 3.990; अजा ये तां जुषमाणां भजन्ते SāṅkhyaTaKau. 3.1 (*on* 1); KalpaK. 416.94; **E ii** the supreme Self or God (not subject to birth) यदमोघमपामन्तरुप्तं बीजमज त्वया KumāSaṁ. 2.5; आदित्वाच्चादिदेवोऽसावजातत्वादजः स्मृतः VāyuP. i. 5.37; KūrmaP. 48.3 (1.4); अजाय सर्गस्थितिनाशहेतवे त्रयीमयाय त्रिगुणात्मने नमः Kād. 1.3; मृगपक्षिगणं कस्मात्तदासौ नोद्धरत्यजः YogVā. v. 43.15; iii. 3.8; तमःसत्त्वरजोयोगाद्याति क्षेत्रज्ञतामजः BṛĀraUBhVā. i. 4.152; फलप्रदं कर्म फलप्रदोऽजः S'aṅKaDigVi.(Mā.) 8.7; निजशक्तिप्रभावेण सृष्ट्वेदं निखिलं जगत्। अनुप्रविष्टस्तत्रासौ कुर्वँल्लीलां विभात्यजः KathāKau. 15.9; **F i** name of an Ikṣvāku king (father of Daśaratha) अजो नामाभवद् राजा महानिक्ष्वाकुवंशजः MahāBhā. iii. 258.6; नाभागस्य बभूवाज अजाद् दशरथोऽभवत् Rāmā. i. 69.30; ययातेरपि धर्मात्मा पुत्रोऽजः समपद्यत Rāmā. ii. 2272*(1); ii. 102.28; vi. 40.43; अजस्तु रघुतो जज्ञे HariVaṁ. 10.74; अत्रभवानजः पिता मे Prati. 2.21; अतः पिता ब्रह्मण एव नाम्ना तमात्मजन्मानमजं चकार RaghuVaṁ. 5.36; 6.78; ततो रघुरभवत्। तस्मादप्यजः VisṇuP. iv. 4.85; VāyuP. ii. 26.182; दीर्घबाहुरजाज्जातश्चाजपालस्ततो नृपः MatsyaP. 12.49; BrahmāṇḍP. ii. 63.184; सुतकृत्यमजः पितुर्वितेने RāmC. 8.47; NaraP. 27.9; KūrmaP. 231.6 (1.21); AgniP. 5.3; 272.33; अजस्य दुःखातिशयः करुणः SaraKaṇṭhā. 625.17; LiṅgaP. i. 66.34; BrahmP. 8.86; PadmP. v. 8.153; ĀdiP. 16.31; SaurP. 30.48; S'ivaP. v. 39.16 (451B.16); KalkiP. iii. 3.22; रघुकाव्येऽजस्य प्रलापे करुण एव रसः RasTa. 18.6; मौढ्यं स्त्रगियमित्यादि यदजेनापि भाषितम् BhāvPra.(S'ā.) 279.3(9); RāmāMañ. 45.3; अजमिन्दुमतीमयेन वा वपुषा किं हरिणी न शिश्रिये PṛthvīVi. 12.36; स्यादेकतरपञ्चत्वे दम्पत्योरनुरक्तयोः। शृङ्गारः करुणाख्योऽयमजस्य हि रतेरिव AlaṅkāS'e. 20.14; ParamāKā. 158.45; TrikāS'e. iii. 3.81; AnekāSaṁ. 2.61; ViśvaPra. 32.2; NānārthāSaṁ. i. 45.31; AnekāTi. 2.7; DharK. 416; MediK. 31.2; ViśvaLoK. 66.2; **F ii** name of other kings अजो भोजश्च विक्रान्तौ पाण्डवेषु महारथौ MahāBhā. v. 168.12; अजस्य राज्ञस्तनयाय···मे स्पृहा BuddhaC. 8.79; अजस्य जिह्वा गर्जोर्जे मेघे विद्युदिवाद्युतत् Kapphiṇā. 16.101; अजो नाम नरेन्द्रोऽहम् SkandP. vi. 133.18; **G i** name of a demon prince अजकस्त्वनुजो (v. l. अजस्त्ववरजो) राजन्य आसीद्वृषपर्वणः MahāBhā. i. 61.17; अजो हिरण्मयश्चैव शतमायुश्च शम्बरः। ···इति पुत्रा दनोर्वंशाः VāyuP. ii. 7.11; **G ii** name of a Piśāca (goblin) आससाद पिशाचौ वै त्वजः शण्डश्च तावुभौ BrahmāṇḍP. ii. 7.74; अजः षण्डः पिशाचौ द्वौ भूपाल कपिशासुतौ VisṇuDhaP. i. 198.1; **H i** name of a horse of the moon अजश्च त्रिपथश्चैव वृषो वाजी नरो हयः। ··· दश चन्द्रमसो हयाः MatsyaP. 126.52; **H ii** name of an elephant (अञ्जनावती) एवं माता तयोश्चापि प्रथितायुरजः सुतौ VāyuP. ii. 8.221; **I** name of a river (the confluence of which with the river Gautamī is a sacred place) अजो वृद्धः सुरो भद्रो गौतम्या सह सङ्गताः BrahmP. 105.25; **J** a serpent with two heads at both the ends स भुजंगस्त्वजो नाम यः स्यादुभयतोमुखः S'abdaRa.(Vā.) 606; **K** darkness अजः शंभुरजस्तमः। अजस्त्रैवार्षिको व्रीहिः AnekāNā(Dha.) 22; **L** (mostly Jain.) old rice (which cannot germinate) ततोऽज इत्यन्नं बीजं वि(? वी)रुद्वा S'ābaBh. 126.4 (*on* i. 2.10) (comm. ततोऽज इति बीजादीनां सामान्येनानादित्वाद् अजत्वप्रसिद्धेः); अजास्ते जायते येषां नाङ्कुरः सति कारणे PadmP.(Ra.) 11.42; अजा हि नाम ते प्रोक्ता व्रीहयो येऽप्ररोहकाः BṛKathāK. 76.108; न जायन्त इत्यजा वर्षत्रयवृत्तयो व्रीहयः YaśasCam. ii. 354.20; तत्राजा व्रीहयः सप्तवार्षिका उच्यन्ते। न जायन्ते इत्यन्वर्थबलात् Pañcā. 191.13; त्रिवार्षिकाणि धान्यानि न हि जायन्त इत्यजाः PārśvC. 2.561; AnekāNā.(Dha.) 22.

³अज (a–ja) *m.* not a *jagaṇa* (i. e. not having the metrical form ⏑–⏑) अजश्चूस्तृतीयपञ्चमौ जो लीर्वोत्साहः Chandonu. 5.2 (comm. जगणरहिताः षट् चगणा उत्साहः)

⁴अज (a–ja) (Gr.) not denoting the sense of *apādāna kāraka* (the meaning of Abl.) दिव्यन्चश्योऽजिगीषाजास्पर्शे न तस्तयोः MugdaBo. 26.90 (160.2) cf. MugdhaBo. 5.20.

अज एकपाद् (ajá ékapād) *m.* one-footed goat (a minor Vedic deity) अहिर्बुध्न्यो॒ऽ॒ज एकपादुत ṚV. ii. 31.6; शृणोत्वज एकपात् पृथिवी समुद्रः ṚV. vi. 50.14; शं नो॒ अ॒ज एकपाद्देवो अस्तु ṚV. vii. 35.13; x. 64.4; [एकपादजः] x. 65.13; x. 66.11; AV. xiii. 1.6; xix. 11.3; प्रोष्ठपदा नक्षत्रमज एकपाद्देवता TaiS. IV. iv. 10.3; (अ॒जो॑ऽस्येक॑पात्) VājaS. 5.33; PañcBr. i. 4.12; TaitBr. III. i. 2.8 (Sāy. एतत्पदद्वयमप्यग्निविशेषस्य नामधेयम्। सोऽयमादित्यरूपं धृत्वा पुरस्तादुदगात्); आहुतीर्जुहोतीन्द्रायेन्द्राण्या अजायैकपदे PāraGS. ii. 15.2; विष्णुर्वसवो वरुणोऽहिर्बुध्न्यस्तथैव च। अज एकपात्तथा पूषा अश्विनौ यम एव च। नक्षत्रदेवता ह्येताः JyotiVe. 34; अज एकपात् इति वक्तव्यम्। स पुनः अयमादित्यो नित्यम् अजनः गमनः Durga *on* Nir. 12.29.

अजक् (ajak) (*Gr.*) suffix *aja* मुर्वेरजग्लोपश्च (मुरजः) SaraKaṇṭhā. (Gr.) ii. 2.91.

¹अजक (aja–ka) *m.* **1 i** name of a prince (son of Danu) चत्वारिंशद्दनोः पुत्राः···वृषपर्वाजकस्तथा MahāBhā. i. 59.24; अजकस्त्वनुजो राजन् य आसीद्वृषपर्वणः। स मल्ल इति विख्यातः पृथिव्याम् MahāBhā. i. 61.17; **1 ii** son of Sunaha (Suhotra) जह्नुस्तु दयितं पुत्रं सुनहं नाम धार्मिकम्। कावेर्यां जनयामास अजकस्तस्य चात्मजः BrahmāṇḍP. ii. 66.30; BrahmP. 10.21; VāyuP. ii. 29.57; **1 iii** son of Sumantu जह्नोश्च सुमन्तुर्नाम पुत्रोऽभवत्। तस्याप्यजकस्ततो बलाकाश्वः VisṇuP. iv. 7.8; **1 iv** successor of Viśākhayūpa (king of Magadha) विशाखयूपो भविता नृपः पञ्चाशतीं समाः। एकत्रिंशत्समा राज्यमजकस्य भविष्यति VāyuP. ii. 37.307; BrahmāṇḍP. ii. 74.126; **1 v** son of Dilīpa रघोरभूद्दिलीपस्तु दिलीपादजकस्तथा MatsyaP. 12.48; **1 vi** son of Jahnu जह्नोस्तु दयितः पुत्रो अजको नाम HariVaṁ. 23.81 = BrahmP. 13.88; **1 vii** son of Yadu यदोः पुत्रा बभूवुर्हि पञ्च देवसुतोपमाः। ···क्रोष्टुर्नीलोऽजको लघुः LiṅgaP. i. 68.2; **1 viii** descendant of Pururavas, Pradyota [PW]; **2** name of a snake नामधेयानि भुजंगानाम्···स्फंडकोऽपरः (v. l. अजको वरः) MahāBhā. i. 31.11; **3** name of a Rudra डकाराद्या बकारान्ता रुद्राश्चैकादशैव तु। ··· अजकः शासनः शास्ता SkandP. i(2). 5.80; सुरूपासूत तनयान् रुद्रानेकादशैव तु···अजकः शासनः शास्ता SkandP. i(2). 14.19; **4** name of a particular disease of the eye वराटपृष्ठप्रतिमोऽतितोदनः। सरक्तवर्णो रुधिरोपमद्रवः। स कृष्णदेशं प्रविदार्य वर्धते स चाजकाख्योऽक्षिभयंकरो गदः KalyāKā. 15.207; **5** flower of the plant *Rosa moschata* अथ पुष्पाणि।··· कुब्जकम् अजकम् VīraMi.(S'rāddha.) 160.1; **6** *Elaeocarpus gamitrus* or its berry निघण्टुं संप्रवक्ष्यामि पूर्वशास्त्रानुसारतः। द्रव्याणाम् ··· अक्षीवश्चाक्षकश्चैव अजकः परिकीर्तितः AśvaVai. 12.16.

²अजक (ája–ka) *m.* goat अ॒ज॒को॑ऽर॒को॑ऽवि॒का ṚV.(Khila) v. 15.5; अथ ग्रामचारी पशुवर्ग(:)। गजवाजिनस्तथोष्ट्रा माहिषा सौरभाजकाः HārīS. i. 20.14; अविः स्त्री···। उष्ट्रच्छागोरभ्रकाणामौष्ट्रकं छागकाजके KalpaK. 185.473.

अजकनाशम् (ajaka–nāśam) *adv.* in the manner of a goat's death कर्तरि खल्वपि – अजकनाशं नष्टः। अजक इव नष्टः KāśiVṛ. *on* P. iii. 4.45; कांश्चिदजकनाशं नष्टान् ··· आकर्षन्तः ··· परिधावन्ति ते AvantiKa. 169.14; इवशब्दार्थे वर्तमाने कर्मणि कर्तरि भूवादिधोर्णम् भवति कर्मणि।··· कर्तरि ··· एवमजकनाशं नष्टः JaineVyā. 141.7 (*on* ii. 4.32)

अजकम्बल (aja–kambala) *m. n.* blanket of goat's hair [SWTF]

अजकरीष (aja–karīṣa) *n.* (*m.*) dung of a goat क्षारं चाजकरीषाणां स्रुतं मूत्रैर्विपाचयेत् CaraS. vi. 13.162 (1941 Ed.)

अजकर्ण (aja–karṇa) *m.* **1** goat's ear अजकर्णे वा दक्षिणे। जुहोति KātyS'S. xxv. 4.4 (Devayājñika Paddhati प्रत्यग्नि अजान्स्थापयित्वा तद्दक्षिणकर्णेषु होमः कार्यः); अजकर्णेऽश्वकर्ण इत्यत्र लिङ्गाविवक्षाहेत्वभावाद्विवक्षितमेव पुंस्त्वम् CaturCin. iii(1). 1343.20; **2** the tree *Terminalia alata tomentosa* निम्बः सर्जो वत्सकः साजकर्णः। शीघ्रं तीव्रा नाशयन्तीह दद्रूः SuśruS. iv. 9.14; सालाश्वकर्णाजकर्णधवत्वग्भिः कफोत्थितम्।···प्रलेपयेत् (आमोपदंशम्) SuśruS. iv. 19.33; (विदारिकाम्) अजकर्णैः सपालाशमूलकल्कैः प्रलेपयेत् SuśruS. iv. 20.14; iv. 11.10; v. 1.71; अजकर्णस्फूर्जकविभीतक° ··· °खर्जूरतरुणानीति, एषाम्···बस्तिश्लेष्मविकारिणे···दद्यात् CaraS. iii. 8.144 (1941 Ed.); BṛSaṁ. 43.15 (V. L.); कषायद्रव्यस्कन्धो हरीतकीप्रियङ्गु° ··· °सर्जभूर्जार्जुनाजकर्ण° ··· °प्रभृतीनि AṣṭāSaṁ. i. 99.13 (1.18); अश्वकर्णाजकर्णादौ समासानुगमे सति। अपेतावयवार्थोऽर्थो दृश्यते TantrVā. 210.18 (*on* i. 3.18); अजकर्णाजशृङ्गैः।···कफशमनमवाप्नोति KalyāKā. 10.16; 11.105; अजकर्णो वने सर्जो महासर्जोऽसनस्तु सः ParyāRaMā. 355; अर्जुनस्याजकर्णस्य प्रियकस्य वचस्य च।···अलाभे सर्वकाष्ठानां यष्टिं कुर्वीत वैणवीम् VisṇuDhaP. ii. 155.6; SiddhYo. 49.6; MadaPāNi. 36.45; तस्य सिताजकर्णप्रपौण्डरीक° ·· °रोध्रैः क्षीरेणाजेन संयोज्यावश्चोतनम् Hastyāyur. 144.1 (1.18); 68.28 (1.9); 145.27 (1.18); 196.25 (2.13); सर्जकोऽन्योऽजकर्णः स्याच्छालो मरिचपत्रकः BhāvPra.(Bhā.) 6 (6).20; BhāvPraNi. 108.21; तथार्जुनाजकर्णा-

-(? र्णौ) किरीणी च पद्मचन्दनौ वृक्षौ S'ilpaRa. i. 14. 93; KośaKaTa. 1. 3381; AbhidhāMañ. 74. 12; **3A** name of a son of Maya and Rambhā मयस्य जाता रम्भायां पुत्राः षट्…कालिकश्चाजकर्णश्च BrahmāṇḍP. ii. 6. 29; **3B** name of a disciple of Buddha [DBHS]; **3C** name of a snake (नागाः काश्मीरायां कृतालयाः) अजकर्णोऽथ गोलासः NīlaP. 924; 942; **3D** name of a sacred lake शिवसायुज्यतां व्रजेत्। अजकर्णे ह्रदे स्नात्वा PadmP. v. 29. 240.

अजकर्णक (ajakarṇa-ka) *m.* the tree *Shorea robusta* [MW] सर्जः सर्जरसः शालः … काश्योऽजकर्णकः RājNi. 194. 27; शालः स्यादजकर्णकः KalpaK. 269. 190.

अजकर्णकषाय (ajakarṇa-kaṣāya) *m.* decoction of *Terminalia alata tomentosa* अजकर्णकषायमुत्सादनार्थे SuśruS. iv. 27. 8.

अजकर्णवत् (ajakarṇa-vat) *adv.* like the word *ajakarṇa* वाक्यैरेव विशिष्टोऽर्थः स्वतन्त्रैः प्रतिपाद्यते । भागशः कथितोपायैरश्वकर्णाजकर्णवत् S'lokaVār. 7. 181 (895. 7)

अजकर्णादि (ajakarṇādi) *adj.* goat's ear etc. अजकर्णादौ होमे तु अग्नौकरणं करिष्ये इत्येव प्रयोग इति हेमाद्रिः ViraMi.(S'rāddha.) 227. 27.

अजकर्णी (aja-karṇī) *f.* the tree *Terminalia alata tomentosa* (तिलकः) अजकर्ण्या सरुदन्त्या सह सहदेव्या च लज्जालुः (मोहयति विश्वम्) RatiRaha. 15. 119; गोचन्दनाजकर्णीरुदन्तिकाकन्यकाभिरिह विहितः । भगलेपो मरणान्तं स्त्रीणां प्रेम प्रसाधयति RatiRaha. 15. 122; सालाश्वमर्यजकर्णीनामूर्ध्वे तु पतनं शुभम् MayaMa. 15. 96; 15. 64.

अजकव (ajakava) *m.* **A** bow (of the god of love) (स मारि(र)दत्तः)… मनसिजाजकवटंकारद्रवदध्वन्यहृदयेषु … पुष्पचापशरप्रसारसारेषु…कामाश्रमधर्मचारितामाप्रपेदे YaśasCam. i. 36. 2; **B** bow of S'iva अजगवोऽजगावश्च (v. l. अजकवः अजकावः इति पाठः) TrikāS'e. i. 1. 48; अजकावम् । पिनाकम् । अजकवमिति वामनः GaṇRa. 7. 426 (450); अजगवं पिणाकः । अजो विष्णुः । को ब्रह्मा । तद्योगादजकवमित्यन्ये BhāṣāVṛ. *on* P. v. 2. 110; (महेश्वरचापे) अजगावमाजगवं भवेदजकवं तथा S'abdaRa.(Su.) 2. 81; अजगावं चाजगवमजकावं तदिष्यते । तदेवाजकवम्…त्रिशूलकम् KalpaK. 391. 103.

अजका (ajakā) *f.* [DEBRU. p. 868] **1** name of a disease of the eye cf. **अजक,** अजकां पार्श्वतो विद्ध्वा सूच्या विस्राव्य चोदकम् SuśruS. vi. 12. 36; आताम्रपिच्छिलास्रस्रुदाताम्रपिटिकातिरुक् । अजाविट्सदृशोच्छ्रायकाष्ण्र्याविवर्ज्यासृजाजका AṣṭāHṛ. vi. 10. 26; AṣṭāSam. ii. 226. 24 (6. 13); ii. 232. 2 (6. 14); एकं वा पुण्डरीकं च च्छागक्षीरेण सेवितम् । रागाश्रुवेदना हन्या-क्षतपाकात्ययाजकाः SiddhYo. 61. 85; 61. 109; S'ārṅgaS. i. 7. 162; **2A** young she-goat अजका, अजिका KāśiVṛ. *on* P. vii. 3. 47; JaineVyā. 367. 17 (*on* v. 2. 52); PrakriKau. i. 332. 3; SiddhāKau. 115B. 10; **2B** insignificant she-goat अजिकाचर्मपर्याणारिं हन्तुमजकामिव । तत्वरेऽश्वचमूः सेषुभस्त्रिका DvyāśraKā. 5. 10 (comm. अजकां कुत्सितां छागीम्); **3** kind of wood (as in **अजकाव**) गाण्डी ध्वनिर्गाण्ड्यजके च नाम्नि पतञ्जलिर्नैच्छति गाण्डिशब्दम् … अजकावम् । पिनाकम् । अजकवमिति वामनः GaṇRa. 7. 426 (450); **4** fleshy protuberance on the neck of a goat अजागलस्तनौ अजका Paddhati *on* KātyS'S. ix. 2. 6.

अजकाजात (ajakā-jāta) *n.* Leucoma, disease of the pupil of the eye (a small reddish tumour protruding through the transparent cornea and discharging pus) अजापुरीषप्रतिमो रुजावान् सलोहितो लोहितपिच्छिलाश्रुः । विदार्य कृष्णं प्रचयोऽभ्युपैति तं चाजकाजातमिति व्यवस्येत् SuśruS. vi. 5. 10; RugVi. 59. 28; BhāvPra.(Bhā.) 8 (63). 63.

¹अजकाव (ajakāvá) *m.* ~ *n.* species of venomous vermine (centepeda or scorpion) अजकावं दुर्दृशीकं तिरो दधे मा मां पद्येन रपसा विदत्त्सरुः ṚV. vii. 50. 1.

²अजकाव (ajakāva) *m.* ~ *n.* [DEBRU. p. 868] **i** S'iva's bow अजकावम् CāndraVṛ. *on* iv. 2. 113; उड्डुमरडमरुकाजकावकृपाणपरशुत्रिशूलखट्वा(?ट्वा)ङ्गादिसङ्कसंकटशकोटकोटिविस्तारम् … नगरं क्षोभयामास YaśasCam. ii. 300. 19; TrikāS'e. i. 1. 48 (comm.); AbhidhāCin. 201; S'abdaBhePra.(Ma.) 1. 118; GaṇRa. 7. 426 (450); ParaNā. 162; S'abdaRa.(Su.) 2. 80; KalpaK. 391. 102; **ii** name of the tree Varvarī (of which goats are said to be very fond) [APTE]

अजकाव (ajakā-vá) *adj.* (a sacrificial vessel of wood dedicated to Mitra and Varuṇa) which has an ornament similar to the fleshy protruberance at the neck of a goat अजकावं मैत्रावरुणपात्रं तत्तस्य द्वितीयं रूपम् S'atBr. IV. i. 5. 19; KātyS'S. ix. 2. 6 (comm. अजागलस्तनौ अजका तद्वत् अजागलस्तनाकारकाष्ठावयवयुक्तं मैत्रावरुणग्रहस्य द्विदेवत्यस्य पात्रं भवति)

अजकाशन (ajakāśana) *adj.* one who eats a goat मत्स्यमांसाशना विप्रा मृगमेषाजकाशनाः । एकीभूय समागम्य चक्रुः शास्त्रार्थम् BhaviP. 556A. 23 (iii (4). 8. 66)

अजकाश्व (ajakāśva) *m.* name of the son of Jahnu जह्नोरभूदजकाश्वः AgniP. 277. 16.

अजकुक्षि (aja-kukṣi) *adj.* having the belly similar to that of a goat (सूरिपरिषद् … सिन्धुरमेकमुदयगिरिनामकं परीक्ष्य) अजकुक्षिमनुपदिग्धपेचकम् YaśasCam. i. 293. 6 (comm. अजस्येव छागस्येव उभयपार्श्वयोरुन्नतः कुक्षिरुदरं यस्य स तथा तम्); *m.* the womb of the Unborn (i. e. Brahmā) अजकुक्षौ जगन्नास्ति ह्यात्मकुक्षौ जगन्नहि TejoBiU. 6. 99.

अजकुन्द (ajakunda) *m.* (pl.) name of a region and its limit or border अदो राष्ट्रावधेः । अजकुन्देषु जातः । आजकुन्दकः JaineVyā. 189. 29 (*on* iii. 2. 103)

अजकूला (ajakūlā) *f.* name of a river अभिगम्य प्रणम्यैनं भूलिङ्गां विविशुः पुरीम् । अजकूलां ततः प्राप्य बोधीनां नगरं ययुः Rāmā. ii. 70. 15 (GORR.) (cf. v. l. for ii. 62. 13)

अजकेश्वर (ajakeśvara) *m.* name of a serpent नागः शंखनकश्चैव तथा च स्फण्डकोऽपरः (v. l. चाप्यजकेश्वरः) MahāBhā. i. 31. 11.

अजक्रन्द (ajakranda) *m.* (pl.) name of a people अजवृद्धाज्जनपदावधेः । अजमीढाः । अजक्रन्दाः KāśiVṛ. *on* iv. 2. 125.

अजक्रान्त (aja-krānta) *m.* name of a Tāna (elaboration of notes) अथैकोनपञ्चाशत्तानाः । … हयक्रान्तः अजक्रान्तः … एते विंशतिर्मध्यमग्रामिकाः ViṣṇuDhaP. iii. 18. 0 (315A. 14)

अजक्षीर (aja-kṣīrá) *n.* goat's milk अग्नये रसवतेऽजक्षीरे चरुं निर्वपेत् TaiS. II. ii. 4. 4; परमं वै एतत् पयो यदजक्षीरम् TaiS. V. i. 7. 4; V. iv. 3. 2; स्वेनायतनेनाजक्षीरेणाछृणत्ति MaiS. iii. 1. 8; TaiĀ. v. 3. 9 (602. 8); उत्तरस्यां श्रोणावन्त्यायामिष्टकायां शतरुद्रियं जुहोत्यर्कपर्णेनाजक्षीरम् MānS'S. 155. 10; गोक्षीराजक्षीरैर्वा कदलीवज्रकन्दप्रतीवापो मार्दवकरः ArthS'ā. i. 202. 2 (2. 12); आवन्तस्य छन्दसि (ह्रस्वः)। अजक्षीरेण (अजायाः क्षीरेण) जुहोति KāśiVṛ. *on* vi. 3. 63; पृच्छ(? च्छे)श्च युक्त्या बुबुधे तामजक्षीरवर्धिताम् KathāSaSāg. xii. 15. 36; SiddhāKau. 215B. 3.

अजक्षीरविधि (ajakṣīra-vidhi) *m.* injunction of (the use of) goat's milk यथा ह्यजक्षीरविधेः समीपे यज्ञतिलादेः परिकीर्तनं तत् SaṁkṣeS'ā. 3. 286 (ii. 312. 20)

¹अजग (aja-ga) *adj.* occupying Meṣa (Aries) चन्द्रे भूपबुधौ नृपोपमगुणी स्तेनोऽधनश्चाजगे Bṛhajjā. 19. 1; *m.* fire [APTE]

²अजग (aja-ga) *adj.* (Buddh.) going to be born as an Unborn (i. e. Arhat) अधोगश्च नृगश्च सुरगश्च अजगश्चेत्येतेऽपि चत्वारोऽर्थाः Sphuṭā. iii. 83. 12 (3. 44); *n.* S'iva's bow [PW]; *m.* **i** devotee of Viṣṇu अजगो विष्णुयायिनि S'abdaRaSaK. 63. 3; **ii** name of Viṣṇu [APTE]

अजगत् (a-jagat) *adj.* immovable (inanimate) जगतोऽजगतश्चेश स्थितौ पालयसे जय VāmaP. 30. 20.

अजगत (aja-gata) *adj.* [*f.* -ā] **i** relating to goats वस्तुतो गोगतधानादिवाचकस्याजगतधानादिपरत्वं लक्षणां विना न निर्वहति MayūMāli. 676. 1 (*on* x. 2. 29); अजसंबन्धबोधकस्याजपदस्य प्रत्यक्षसंनिधाने ऋषभपदस्याजगतवयोविशेषपरत्ववत् MayūMāli. 676. 2 (*on* x. 2. 29); **ii** belonging to the love-god साक्षाच्छक्तिः शरीरिणी याजगता । … पाञ्चाली रङ्गभुवं प्राप YudhiVi. 1. 80.

अजगति (aja-gati) *adj.* (a mountain) steep, precipitous having zigzag paths [nt.] (*lit.* which only goats can climb) (उद्यानानि च रम्याणि) विविधैश्च लतागृहैः । मनोहरैश्चित्रगृहैस्तथाजगतिपर्वतैः MahāBhā. i. 199. 44 (*but* comm. अजगतिपर्वतैः नृपलीलायात्रार्थैः कृत्रिमैः पर्वतैः । 'अजश्छागे हरिब्रह्मविल्वसरहरे नृपे । गतिः स्त्री मार्गदशयोर्ज्ञाने यात्राभ्युपाययोः' इति च मेदिनी)

अजगन्ध (aja-gandha) *adj.* smelling of goats अजगन्धस्तदा भूतो नाम देवैस्तु मे कृतम् । अजगन्धस्त्वमेवेति PadmP. v. 26. 105; कुलिशमुसलहस्तो भूमिबिम्बेऽजगन्धः … कः कपर्दी … पातु नस्तद्विरुचः ĪśānS'iPa. i. 3. 30; *m.* **i** name of S'iva (at Puṣkara Tīrtha) अजगन्धं च देवेशं देवदेवं पिनाकिनम् । … नत्वा रामः PadmP. v. 28. 154; पुष्करे वाजगन्धं ये प्रपद्यन्ति स मानवाः । ते … यान्ति रुद्रसलोकताम् PadmP. v. 29. 238; **ii** wild basil शिग्रुव्याघातकाग्नित्रिकटुकहयमाराश्वगन्धाजगन्धैः … श्लक्ष्णपिष्टैः … क्षपयति किटपान् KalyāKā. 10. 11; **iii** smell of a goat [PW]

अजगन्धका (ajagandha-kā) *f.* wild basil, *Gynandropsis pentakhilla* अजगन्धका । …लवङ्गं त्रिवृता दन्ती सर्वमेकत्र चूर्णयेत् RaseCin. 9. 162 (189. 10)

अजगन्धनामन् (ajagandha-nāman) *adj.* having the name Ajagandha (at Puṣkaratīrtha) देवस्त्रिनेत्रोऽप्यजगन्धनामा त्रिपुष्करे सन्निदधाति तस्मिन् PṛthvīVi. 1. 39.

अजगन्धवासिन् (ajagandhavās–in) *adj.* living at Ajagandha (i. e. Puṣkaratīrtha) पतिर्धनानामजगन्धवासिना शिवेन दत्तस्स्व इव स्वतस्सखा । उपागत: PṛthvīVi. 2. 61.

अजगन्धा (aja–gandhā) *f.* **i** wild basil यमानी हवुषा धान्यम् … पिप्पलीमूलमजगन्धा शटी वचा CaraS. vi. 13. 122 (1922 Ed.); अजगन्धाजशृङ्गी च गवाक्षी (संशोधनीनां वर्तीनां द्रव्याण्येतानि निर्दिशेत्) SuśruS. i. 37. 13; AṣṭāHṛ. iv. 15. 14; SiddhYo. 37. 18; (ऐलेयकतैलम्) मृगनाभ्यजगन्धा च शशाङ्कश्च RasRaSa. 21. 185; **ii** *Gynandropis gynandra* अजाजीं चाजगन्धां च (दद्याच्छीर्षविरेचने) CaraS. i. 2. 2 (1922 Ed.); KāśyaS. 333B. 31; नाराची काञ्चनी चाजगन्धेत्युक्ता रसो(? सौ)षधि: । अष्टषष्टिरिति प्रोक्ता: रसौषध्यो रसाधिका: RasPraSu. 9. 38; **iii** *Ocymum gratissimum* अजगन्धा तुगाक्षीरी विदारी शर्करा त्रिवृत् । … लीढ्वा साधु विरिच्यते CaraS. vii. 7. 18 (1922 Ed.); SuśruS. i. 44. 16; iv. 18. 48; AṣṭāSaṁ. ii. 141. 19 (5. 2); AṣṭāHṛ. v. 2. 10.

अजगन्धि (aja–gandhi) *adj.* possessed of the smell of a goat हस्तेऽजगन्धिमत्स्यो भवति पयोऽल्पं च सक्षारम् BṛSaṁ. 54. 22; अतितामसोऽजगन्धि: काकरव: पिशाचो रासभलिङ्गस्तु विज्ञेय: (पुरुष:) S'ārṅgaPa. 3120; *m.* name of a Ṛṣi (seer) करेणुपालयो वास्तव्या: श्वेतीया: पौञ्जिष्ठा औदजायना मान्धुक्षारा: अजगन्धय: इत्येते करेणुपालयो गौतमास्ते त्रिप्रवरा: VīraMi.(Saṁskāra.) 628. 18.

अजगन्धिका (ajagandhikā) *f.* **i** wild basil यमानी पिप्पलीमूलं शतपुष्पाजगन्धिका … सर्वाण्येकत्र चूर्णयेत् S'ārṅgaS. ii. 6. 81; बर्बरी तुवरी तुङ्गी खरपुष्पाजगन्धिका BhāvPra.(Bhā.) 6 (5). 68; BhāvPraNi. 80. 310; 88. 68; AmaK. 927; KośaKaTa. 1. 4000; ApūNā. 11B. 1; **ii** *Ocymum gratissimum* अजमोदा तूम्रगन्धा ब्रह्मदर्भाजगन्धिका ParyāMu. 2. 7.

अजगन्धिनी (ajagandhinī) *f.* *Odina wodier* विषाणिकाजशृङ्गी च चक्रश्रेण्यजगन्धिनी । मौर्वी नेत्रौषधि: ParyāRaMā. 165.

अजगर (aja–gará) *m.* [not separated into the components *aja* and *gara* according to VājaPrāti. 5. 37; a kind of Nipātana, SaraKaṇṭhā.(Gr.) ii. 3. 19] **1** boa constrictor, python सं वोँऽवन्तु सुदानव उत्सा अजगरा उत AV. iv. 15. 7; iv. 15. 9; xi. 2. 25; पयोऽजगर: AV.(P.) i. 96. 4; बलायाजगर: TaiS. V. v. 14. 1; VII. iii. 14. 1; MaiS. iii. 14. 19; VājaS. 24. 38; VājaS. (K.) xxvi. 8. 3; KāṭhS. 35. 15; 40. 5; v. 3. 4; v.7. 4; अजगरो नाम सर्प: ṚV. (Khila) ii. 14. 2; अपि ह स्मारण्ये वीर्याण्युपाजायन्ते … अघला अहयोऽजगरा: JaimiBr. 2. 266; 2. 351; गच्छति … अजगरं स्वप्न: GopBr. i. 2. 2; नहुष: शप्त: सद्यो ह्यजगरोऽभवत् MahāBhā. i. 691*; iii. 60. 20; iii. 175. 1; xii. 101. 6; SuśruS. i. 46. 78; v. 4. 33; चण्डालीपुल्कसीगमनेऽजगर: AtriSm. 4. 17; MaYānaSū. 77. 12 (12. 2); ViṣṇuSm. 50. 31; ParāSm. 6. 9; हर्य्यास्तु हरय: पुत्रा: … सर्पाश्चाजगरा ग्राहा: BrahmāṇḍP. ii. 7. 177; BṛParāSm. 8. 167; मन्दक्रमोऽप्यजगर: समुपैति सिद्धिम् YogYā. 1. 21; NyāyVār. 502. 18 (*on* iv. 1. 69); कन्या चाथ … । भक्षिताजगरेणागात्सती सानत्कुमारताम् PadmP. (Ra.) 64. 91; TilaMañ. 47. 3; AvantiKa. 48. 6; NītiSā. 15. 24; गीर्णेष्वजगरेण ह । किं नु न: कुशलं ब्रूयां गतश्रीषु गृहेष्वहम् BhāgP. iii. 2. 7; AgniP. 356. 3; SkandP. i(1). 15. 85; iii(3). 15. 40; iii(3). 22. 37; RāmāCam. 3. 10; KathāSaSāg. ii. 1. 57; viii. 3. 63; ix. 5. 159; x. 5. 313; वने महानजगर:…भीमं चक्रे निश्चेष्टविग्रहम् DaśāvaC. 8. 502; BrahmP. 215. 13; BhaviP. 285A. 30 (i. 192. 18); PadmP. ii. 70. 3; S'ivaP. v. 7. 16 (413B. 10); YogVā. iii. 113. 51; iv. 11. 69; Hastyāyur. 67. 24 (1. 9); दण्डक: … सोऽजगरोऽजायत TriṣaS'aPuC. i. 1. 435; PariPar. 2. 203; AdbhuSāg. 658. 12; Surath. 4. 21; इतोऽप्यग्रे तिष्ठत्ययमजगरो विस्तृतमुख: SaduktiKa. 258. 20; (पुरुष:) निरीक्ष्याजगरम् … निरालम्बशरस्तम्बमलोकत SamarāSaṁ. 2. 332; 2. 338; 2. 399; 5. 292; 5. 343; S'atDū. 238. 1; किं वा रवेरजगरो निरुणद्धि मार्गम् KumāDeC. 6. 15; Dhūrtā. 93; 386; KumāPraPra. 49. 7; भीमनन्दना … आरासावजगरम् Nalo. 3. 36 (comm. आर प्राप्तवती); Nalābhyu. 7. 58; VidaMā. 3. 31; RājTa.(Prā.) 235; BhārCam. 3. 119; NīlaVi. 82. 15; अजगरे शयुर्वाहस इत्युभौ AmaK. 447; AbhidhāRaMā. 3. 20; Vaija. 149. 17; TrikāS'e. i. 8. 3; Hārāva. 164; Liṅgānu.(He.) 89. 1; AbhidhāCin. 1305; MadaPāNi. 78. 99; स्याद्वाहसोऽजगर: शयु: S'abdaRa. (Vā.)607; ParaNā. 1265; अजगर: सर्पविशेष: VīraMi.(Āhnika.) 543. 21; शयुस्तनजोऽजगर: KośaKaTa. 1. 7185; KalpaK. 365. 13; S'abdaRaSaK. 285. 1; Prasā. ii. 616. 20; BālamBha. i. 442. 20 (*on* 1. 177–78); अजगरे शील: ParyāRaMā. 1518; Vaija. 244. 65; 263. 85; AnekāSaṁ. 2. 283; 3. 315; 3. 750; ViśvaPra. 86. 10; 158. 112; 175. 17; NānārthāSaṁ. i. 156. 1331; ii. 145. 1117; iii. 78. 603; MediK. 89. 21; ViśvaLoK. 188. 22; S'abdaRa.(Su.) 4. 339; KośaKaTa. 2. 6116; S'abdaRaSaK. 189. 7; **2** name of a sage अजगरचरितं व्रतम्…नरोऽनुचरेत् MahāBhā. xii. 172. 37; **3** name of a Gandharva किन्नरोऽजगरो रुह: ।… एते चान्ये च गन्धर्वा: शैलूषस्य सुता: प्रभो: ।… सभार्यां विविशु: ViṣṇuDhaP. i. 210. 5; i. 261. 77; **4** name of a Brāhmaṇa पुरा तु नैमिषारण्ये विप्रश्चाजगरोऽभवत् BhaviP. 563A. 4 (iii (4). 11. 1); **5** name of an Asura [pw]

अजगरकुल (ajagara–kula) *n.* multitude of boa constrictors, a large number of pythons लम्बमाननिश्चलनिरायताङ्गैरजरगर(? अजगर)कुलैर्दुष्टरक्तापकर्षणार्थमायोजितै: … लोको जालकैरिव दुरालोकपार्श्वभागम् … (पर्वतम्) तमवलोकितवान् (हरिवाहन:) TilaMañ. 239. 18.

अजगरगरीयस् (ajagara–garīyas) *adj.* larger than a boa constrictor व्याघ्रकेतु: … अजगरगरीयसा च भुजयुगलेन लङ्घयन्तम् … शबरयुवानमादायाजगाम HarṣaC. 310. 4.

अजगरता (ajagara–tā) *f.* the state of being a boa constrictor or python सोऽप्यजगरतां त्यक्त्वा पुन: स्वर्गं गमिष्यति SkandP. vii(1). 165. 162; KathāSaSāg. xviii. 4. 44; BhaviP. 416B. 5 (iii(1). 2. 48)

अजगरत्व (ajagara–tva) *n.* the state of being a boa constrictor or python पितरि ध्वंसिते स्थानादिन्द्राण्या धर्षणाद्द्विजै: । प्रापितो(? ते)ऽजगरत्वं वै ययातिरभवन्नृप: HariVaṁ. i. 334*(2); BhāgP. ix. 18. 3; SkandP. v (3). 99. 5; नहुषोऽपि … अगस्त्यशापादजगरत्वं जगाम VedāntKa. 354. 13 (*on* iii. 1. 22)

अजगरदेह (ajagara–deha) *m.* body of a boa constrictor or python अजगरदेहदीर्घपृथुलेन जिह्वालताग्रेण … अङ्गरागमेद:कर्दममास्वादयन्तम् … वेतालमद्राक्षीत् (उर्वीपति:) TilaMañ. 48. 6.

अजगरभाव (ajagara–bhāva) *m.* the state of being a boa constrictor or python शरीरमजगरभावेन परिणमते Bhām. 538. 15 (*on* iii. 1. 22)

अजगरभोग (ajagara–bhoga) *m.* body of a boa constrictor or python प्रतिखलबलविषमवलदजगरभोगजिह्मैर्गुहामुखै: सुतरामाररास लोकालोक: AvantiKa. 63. 1.

अजगरवसा (ajagara–vasā) *f.* fat of the boa constrictor or python सर्पाजगरवसातैलं समं त्रयमेतदपचीव्रणघ्नम् AṣṭāSaṁ. ii. 313. 16 (6. 35)

अजगरवृत्तान्त (ajagara–vṛttānta) *m.* incident about a python or boa constrictor अथाजगरवृत्तान्तमहं तस्मै महात्मने । त्रिदिन्या: परत: पङ्क्तियोजनान्ते न्यवेदयम् SamarāSaṁ. 5. 323.

अजगरवृत्ति (ajagara–vṛtti) *f.* manner of a python or boa constrictor (in obtaining food) अवधूतस्तु…अजगरवृत्त्याहारपर: NāraPaU. 5. 1.

अजगरशरीर (ajagara–śarīra) *n.* body of a boa constrictor or python न देवशरीरमजगरशरीरं शिल्पिशतेनापि क्रियते Bhām. 538. 17 (*on* iii. 1. 22)

अजगरस्वेद (ajagara–sveda) *m.* sweat of a python तृष्यद्भि: प्रतिसूर्यकैरजगरस्वेदद्रव: पीयते UttaRāC. 2. 16 = SubhāRaK. 47. 14.

अजगराकृति (ajagarākṛti) *adj.* having assumed the form of a boa constrictor or python नहुष: पतितो भूमौ शापादजगराकृति: DevīBhāP. iii. 29. 51.

अजगराचार (ajagarācāra) *m.* behaviour of a boa constrictor or python (in obtaining food) क्वचिद्भ्रान्त: सौम्य: क्वचिदजगराचारकलित: । … चरत्येवं प्राज्ञ: ViveCū. 544.

अजगराहि (ajagarāhi) *m.* serpent belonging to the species known as the boa constrictor क्वचिन्निगीर्णोऽजगराहिना जनो नावैति किंचित् BhāgP. v. 13. 9.

अजगरी (ajagarī) *f.* **1** name of a plant सर्पाभा पञ्चपर्णिनी । पञ्चारत्निप्रमाणा च विज्ञेयाजगरी बुधै: SuśruS. iv. 30. 10; KalpaK. 315. 590; **2** female python or boa constrictor (कालपुरुष:) तान्यस्त्राण्यगिलत्सर्वाण्यण्डान्या(? न्य)जगरी यथा GaṇeP. ii. 58. 39.

अजगरीभूत (ajagarī–bhūta) *adj.* turned into a boa constrictor दृष्ट्वा चाजगरीभूतमकस्माद्देवि मां तदा KathāSaSāg. xviii. 4. 33.

अजगरोपाख्यान (ajagaropākhyāna) *n.* episode of the sage named Ajagara यत्पुनरजगरोपाख्यानं स्वैरानुरूपमुपवर्णयन्ति:, तदप्यसत् S'atDū. 237. 6.

अजगर्भिणी (aja–garbhiṇī) *adj.* (*f.*) pregnant she-goat चतुष्पाज्जातिर्गर्भिणीशब्देन सहैकाश्रये समस्यते षसो भवति । … अजगर्भिणी JaineVyā. 57. 14 (*on* i. 3. 61); KātanVṛ. *on* ii. 5. 5.

अजगल (aja–gala) *m.* python, boa constrictor cf. **अजगर,** आपतन्नेव चारातिपदातीन् संमुखागतान् । दृष्टनष्टान्व्यधाच्छागानिवाऽजगलो गिलन् RājTa. (Ka.) 8. 2815; [अजगल(? ल:) कादम्बर्यां स्त(? त)ले घनद्रव्ये ApūNā. 48B. 4]

अजगलस्तन (ajagala–stana) *m.* tassel of a goat (i. e. fleshy protuberance hanging down from the neck of a goat), (fig.) symbol of anything

useless or worthless cf. **अजागलस्तन,** धर्मार्थकाममोक्षाणां यस्यैकोऽपि न विद्यते । अज(v. l. °जा)गलस्तनस्येव तस्य जन्म निरर्थकम् Indische Sprüche. 1. 1318 = CāṇaSāSaṁ. 2. 95.

अजगल्लिका (aja-gallikā) *f.* an infantile disease (*lit.* goat's cheek) समासेन चतुश्चत्वारिंशत् क्षुद्ररोगा भवन्ति । तद्यथा अजगल्लिका SuśruS. ii. 13. 3; तत्राजगल्लिकामामां जलौकोभिरुपाचरेत् SuśruS. iv. 20. 3; SiddhYo. 57. 1; BhāvPra.(Bhā.) 8 (60(?61)). 144; अथातः क्षुद्ररोगविज्ञानं व्याख्यास्यामः ··· पिटिका कफवाताभ्यां बालानामजगल्लिका AṣṭāSaṁ. ii. 314. 24 (6. 36); AṣṭāHṛ. vi. 31. 1; RugVi. 55. 1; स्निग्धा सवर्णा···कफवातोत्थिता ज्ञेया बालानामजगल्लिका BhāvPra.(Bhā.) 8. (60(? 61)). 143; क्षुद्ररोगविशेषाः स्युर्मसूरी चाजगल्लिका KośaKaTa. 1. 7383.

अजगल्ली (aja-gallī) *f.* an infantile disease cf. **अजगल्लिका,** त्वचि भवति शिशूनां नामतस्साजगल्ली KalyāKā. 14. 37; द्वाविंशतिर्बालरोगाः ··· रोदनं चाजगल्ली स्यादिति द्वाविंशतिः स्मृताः SārṅgaS. i. 7. 188.

अजगव (ajagava) *n.* (rarely *m.*) [AltGr. II. i. 280; P. v. 2. 110; JaineVyā. iv. 1. 36; KāśiVṛ. *on* v. 2. 110; GaṇRa. 7. 426 (450); PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. v. 2. 110; Prasā. i. 892. 14; SiddhāKau. 306A. 11] **1A** S'iva's bow cf. **अजकाव, अजगाव, अजीगव,** धनुराजगवं (v. l. °श्चाजगवं) नाम शराः शङ्खोद्भवाश्च ये MahāBhā. iii. 126. 31; रुद्रस्तस्य बृहस्पतेः । पार्ष्णिग्राहोऽभवद्देवः प्रगृह्याजगवं धनुः HariVaṁ. 20. 32 = VāyuP. ii. 28. 31 = BrahmāṇḍP. ii. 65. 32; धनुर्गृहीत्वाजगवं पुरारिर्जगाम भूतेश्वरसिद्धजुष्टः । युद्धाय सोमेन MatsyaP. 23. 37 = PadmP. v. 12. 41; AgniP. 359. 5; यत्र भगवतः पार्वतीजीवितेश्वरस्य धनुर्धनुरन्तेवासिनावजगवभार्गवौ भञ्जतो भवतः सहपांसुक्रीडादीर्घसखीयं वीरलक्ष्मीः AnargharRā. 7. 123 (6); अथ सोऽजगवं नाम धनुर्गृह्य महारवम् BrahmP. 4. 50; 9. 21; घोरं चाजगवं नाम प्रसिद्धमभवद्धनुः BhaviP. 566B. 2 (iii (4). 12. 36); 577A. 7 (iii (4). 16. 23); GaṇeP. i. 47. 43; जयत्यजगवं धनुर्जयति PārthPa. 36; TripuDi. 2. 14; भग्नं भग्नमुमापतेरजगवम्···असौ रावणः SaduktiKa. 292. 20; KāvyaKaVṛ. 99. 31 (3. 5); SītāSva. 24; केनेदम् ··· भग्नमजगवं नाम धनुः MahāN. 2. 7 (2); 7. 29; पिनाकोऽजगवं धनुः AmaK. 69; AbhidhāRaMā. 1. 14; Vaija. 7. 50; (*m.*) अजगवोऽजगावश्च TrikāS'e. i. 1. 48; S'abdaBhePra.(Ma.) 1. 118; DvirūK.(Ha.) 180; ParyāS'aRa. 116; NāmS'il. 1764; चापः पिनाकोऽजगवमजगावमजीगवम् S'abdaRa.(Vā.) 104; 4267; ParaNā. 162; S'abdaRa.(Su.) 2. 81; KalpaK. 391. 102; **1B** bow (in general) शुण्डालैर्धनघस्मरैरजगवैरिन्द्रायुधस्पर्धिभिः ··· संग्रामः ··· समभवत् YaśasCam. i. 579. 8; **2** name of a plant तगराजगवस्य च । दद्याद् धूपं धान्यमध्ये धान्यवृद्धिश्च जायते BhaviP. 335B. 28 (ii(1). 10. 78); **3** the middle third of the moon's orbit [PW]; **4** the southern portion of the path of the sun, moon and planets [MW]

अजगवधनुर्भङ्ग (ajagavadhanur-bhaṅga) *m.* breaking of S'iva's bow बभूव दिवौकसामजगवधनुर्भङ्गे तावानहो स महोत्सवः AnargharRā. 4. 14.

अजगवधन्वन् (ajagava-dhanvan) *adj.* a having Ajagava for his bow (i. e. S'iva) धनुःशब्दान्तस्य बसस्य अनङादेशो भवति । गाण्डीवं धनुरस्य गाण्डीधन्वा । अजगवधन्वा JaineVyā. 284. 16 (*on* iv. 2. 133)

अजगवप्रख्य (ajagava-prakhya) *adj.* similar to or resembling S'iva's bow ददर्शाजगवप्रख्यम् ··· धनुः Yādavā. 10. 18 (comm. पिनाकसदृशम्)

अजगव्यतक्र (aja-gavyatakra) *n.* goat's buttermilk अजगव्यतक्रसेकात् संकोचयति स्मरागारम् RatiRaha. 15. 48 (comm. अजस्य छागस्य गव्यतक्रं दुग्धभवघोलम्)

अजगाव (ajagāva) *m.* [Alt. Gr. I. Nt. 63; II. 2. 868; P. v. 2. 110] cf. **अजकाव, अजगव, अजीगव** name of a serpent-chief एतेन वै (अयनेन) सर्पा एषु लोकेषु प्रत्यतिष्ठन् ··· ग्लावश्चाजगावश्च प्रस्तोतृप्रतिहर्तारौ PañcBr. xxv. 15. 3; BaudhS'S. ii. 297. 16; *n.* (rarely *m.*) S'iva's bow जिह्वाय यद्यपि तथाप्यजगावं बभार सः DvyāśraKā. 7. 125; पिनाकोऽजगवं युग्यमजगावमजीगवम् Vaija. 7. 50; अजगवोऽजगावश्च TrikāS'e. i. 1. 48; S'abdaBhePra.(Ma.) 1. 118; NāmS'il. 1764; चापः पिनाकोऽजगवमजगावमजीगवम् S'abdaRa.(Vā.) 104; ParaNā. 162; S'abdaRa.(Su.) 2. 81; KalpaK. 391. 102; *adj.* having decoration similar to a goat's tassel (Soma-cup for Mitrāvaruṇau) बृहस्पतिर्देवतेत्यजगावं मैत्रावरुणस्य ĀpaS'S. xii. 1. 11 (comm. अजगावम् अजस्तनचिह्नम्); तदपरेणाजगावं मैत्रावरुणपात्रम् VaikhāS'S. 15. 2.

अजगिल (aja-gila) *m.* Boa constrictor, python, cf. **अजगर, अजगल;** अजगरः पारीन्द्रोऽजगिलः KalpaK. 365. 13.

अजगी (ajagī) *f.* instrument for cutting, a kind of sickle अजगी दात्रे ApūNā. 13A. 3.

अजग्ध (a-jagdha) *adj.* **i** not eaten (i. e. not spoiled by worms etc.) यान्यजग्धान्यपूतीनि ··· । तेषां प्रयोगं वक्ष्यामि CaraS. vi. 1(1). 40; अजग्धमविदग्धं च द्रव्यं गुणवदुच्यते KāśyaS. 242B. 14; **ii** not taken, not consumed (medicine etc.) नाजग्धभेषजः ··· व्यवायं गच्छेत् CaraS. i. 8. 22; **iii** not eaten up (i. e. not controlled or checked) यस्मात्रिदशैरप्यजग्धो मम क्रोधः AṣṭāSaṁ. i. 257. 5 (3. 1).

अजग्धपाप्मन् (ájagdha-pāpman) *adj.* one whose sin is not consumed or destroyed स॒र्वो॑ वा ए॒षोऽज॑ग्धपाप्मा॒ यस्या॒न्नं ना॒श्नन्ति॑ AV. ix. 6. 26; AV.(P.) xvi. 113. 3.

अजग्मुषी (a-jagmuṣī) *adj.* (*f.* of *ajagmivas*) who did not go सा (कन्या)···अधस्तलमजग्मुषी विकसदष्टबाहुस्फुरन्महायुधमहो गता किल विहायसा दिद्युते Nāräy. x. 39. 5.

अजघन्य (a-jaghanya) *adj.* **i** not the last, not the lowest (i. e. best, eminent or excellent) पर्जन्यश्चैव विष्णुश्च आदित्याः पावकार्चिषः (v. l. ततस्त्वष्टा ततो विष्णुरजघन्यो जघन्यजः) MahāBhā. i. 114. 56; सर्वेषामजघन्यस्तु राम आसीज्जघन्यजः MahāBhā. iii. 116. 4; HariVaṁ. 158*(7); BrahmāṇḍP. ii. 3. 68 = BṛhaspaSm. 83. 21; VāyuP. ii. 5. 67; जघनमजघन्यं दधानः ··· तुरंगरत्नं भद्रवाहनो नाम AvantiKa. 89. 14; यश्च कोऽप्यन्यादृश एव लोकपालः । तथाहि ··· अजघन्यः प्रचेताः NalaCam. 1. 33(27); तनुवपुरजघन्योऽसौ करिकुञ्जरुरुधिरक्तखरनखरः ··· हरिर्जिष्णुः KāvyPra. 538. 3; अजघन्योऽस्ति जगत्यां यस्मादन्यो न भूपालः KandaCū. i. 1. 4; **ii** not associated with the western (*lit.* later or last direction) NalaCam. 1. 33(27)

अजघन्यज (a-jaghanyaja) *adj.* not born of the lowest (i. e. eminent or highest) ततो विष्णुरजघन्योऽजघन्यजः(? जघन्यजः) । इत्येते द्वादशादित्याः कश्यपस्य सुताः स्मृताः VāyuP. ii. 5. 67.

अजघन्योत्कर्ष (a-jaghanyotkarṣa) *adj.* neither low nor high (i. e. medium) अजघन्योत्कर्षाः मध्यमा इत्यर्थः SthānṬ. 35A. 6.

अजघन्यौजस् (ajaghanyaujas) *n.* not mean power (i. e. great valour) मध्यलोकपतिर्वीरपुमान् मध्यमपार्थवत् । अजघन्यौजसारेभे सोऽसमानरणोत्सवम् DvyāśraKā. 5. 83.

अजघातन (aja-ghātana) *n.* a particular stroke or attack by the tusk (butting of a goat) वदनं तिर्यगुन्नम्य प्रहारस्त्वजघातनम् Mānaso. iv. 3. 649.

अजघोषसंनिपात (ajaghoṣa-sannipāta) *m.* a particular type of Sannipāta fever छगलकसमानगन्धः स्कन्धरुजावान्निरुद्धगलरन्ध्रः । अजघोषसंनिपातादाताम्राक्षः पुमान्भवति BhāvPra.(Bhā.) 8(1). 518.

अजघ्न (aja-ghna) *adj.* one who kills a goat मेषाजघ्नो वृषं दद्यात् प्रत्येकं शुद्धये द्विजः BṛParāSm. 8. 163.

अजघ्निवस् (á-jaghnivas) *adj.* [*f.* -°ghnuṣī] not having killed, not killing अ॒पो॒ षु॒ ण॑ इ॒यं शरु॒रादि॑त्या॒ अप॑ दुर्म॒तिः । अ॒स्मदे॒त्वज॑घ्नुषी RV. viii. 67. 15; वा॒यव्यं॑ गोमृ॒गमा॒लभे॑त॒ यमज॑घ्निवा॒ऽसमभि॒श॒ऽसेयुः TaiS. II. i. 10. 2.

अजङ्गम (a-jaṅgama) *adj.* [*f.* -ā] **i** immovable, insentient, inanimate अनित्यानीह भाग्यानि चतुष्पात्पक्षिणामपि । जङ्गमाजङ्गमानां चाप्यायुरग्रेऽवतिष्ठते MahāBhā. xii. 149. 52; भक्तिमन्ति हि भूतानि जङ्गमाजङ्गमानि च Rāmā. ii. 40. 27; क्षेत्राभ्यायतनास्सर्वे ··· । गावश्चामृतदोहास्तु जङ्गमाजङ्गमं च यत् PauṣkS. 19. 139; अजङ्गमां पादपारव्यां पत्रपुष्पफलप्रदाम् । मूर्तिम् PauṣkS. 41. 104; कृत्स्नं सपर्वतवनं जङ्गमाजङ्गमैर्वृतम् VāyuP. ii. 10. 30 = BrahmāṇḍP. ii. 9. 30; अजङ्गमं यथान्येव(? न)यन्त्रं कृतपरिभ्रमम् । शरीरमध्रुवं पूति PadmP.(Ra.) 106. 103; सरोवरं तस्य मध्ये···। जङ्गमाजङ्गमैः सर्वैर्जलजैश्च विवर्जितम् ViṣṇuDhaP. i. 4. 31; जङ्गमाजङ्गमे ज्ञाते मय्यासक्ते समन्ततः । रागलोभादिनाशेन भविन्त्री कृतकृत्यता BhaviP. 111A. 14 (i. 62. 22); चतुर्विधैर्भूतवर्गैर्जङ्गमाजङ्गमैर्युताम् । उद्दिष्टायतनादेस्तु बीजगर्भात्मिकां स्मरेत् ĪśānS'iPa. ii. 27. 103; पुनः शरीरं सामान्यतो द्विधा जङ्गममजङ्गमं चेति NyāySiA. 210. 11; ManvaMu. 199. 22 (*on* 5. 29); **ii** not moving, remaining stationary मन्त्रावरुद्ध इव भुजंगमोऽजङ्गमः संवृत्तः DhūrtaViSaṁ. 10. 1; अधिरोपिते चिकुरशेखरतामतिमुक्तके त्रिदिववामदृशाम् । अगमन्नजङ्गममधुव्रततां मुकुटेन्द्रनीलमणिदीधितयः S'riKaC. 13. 11; **iii** lame (*lit.* unable to walk) खञ्जो गतिविकलः; अजङ्गमादि(:) ManuBh. i. 309. 18 (*on* 3. 232); अबुधा अजङ्गमा अपि कयापि गत्या परं पदमवापाः ĀryāSaS'a. 41.

अजङ्गमकाय (ajaṅgama-kāya) *adj.* having an immovable body (without legs) अपूरयिष्यं तेऽवश्यमहं मातर्मनोरथान् । चेदजङ्गमकायो नाभविष्यं त्वदभाग्यतः Dhūrtā. 278.

अजङ्गमप्रतिमा (ajaṅgama-pratimā) *f.* immovable idol (made of precious stones or metals [JainL.]

अजङ्घक (ajaṅgha-ka) *adj.* one without shanks (i. e. lame) एकजङ्घैर्द्विजङ्घैश्च बहुजङ्घैरजङ्घकैः । ···महादेवः स्वगणैः परिवारितः SkandP. v(1). 6. 37.

अजङ्घाल (a-jaṅghāla) *adj.* not running swiftly [nt.]

अजङ्घालत्व (ajaṅghāla-tva) *n.* characteristic of not running swiftly [nt.]

अजच (aja-ca) *m.* metrical foot (a unit of four *mātrās*) having no *jagaṇa* (in its formation) षोऽजचः षपौ रासावलयम् Chandonu. 5.26 (comm. जगणरहितः चतुर्मात्रः)

अजचरण (aja-caraṇa) *n.* the asterism Pūrvā Bhādrapadā गतिस्तीक्ष्णाजचरणेऽहिर्बुध्न्येन्द्राश्विपूषसु (बुधस्य) NāraS. 2(4). 9; अजचरणादितिपूषाधातृमरुद्विष्णुवारीशशक्राणि । ... उपकुलभानि VasiS. 14.86; अजमार्जपदं पूर्भं तथाजचरणं मतम् । तथोत्तराभाद्रपदमाहिर्बुध्नं च भं स्मृतम् GaṇiNā. 15.

अजचरणर्क्ष (ajacaraṇarkṣa) *n.* the asterism Pūrvā Bhādrapadā अजचरणर्क्षे कुर्यात्साहसजलयन्त्रशिल्पकर्माद्यम् VasiS. 14.26.

अजज (aja-ja) *adj.* belonging or relating to a goat (अस्थि) इभेन नारं विज्ञेयं गर्दभं तु नरेण हि । गर्दभेनाजजं सूत्रलङ्घने (तु) वदेदिति S'ilpaRa. i. 4.20.

अजजनैजन (aja-janaijana) *n.* trembling of the people resembling that of goats जानानाजजनैजनम् ... जनानूनानजीजनत् (वैष्णवी) HarVi. 43.111.

अजजाति (aja-jāti) *f.* genus goat अजजातिगतं तु वयो वदितुं शक्नोति S'ābaBh. 1521.21 (*on* vi. 8.40)

अजजिगीषा (aja-jigīṣā) *f.* desire to conquer the Unborn (i. e. Viṣṇu) अजजिगीषया बालैर्भुजैरिवापरैः प्ररोहद्भिः ... केयूररत्नकिरणदण्डैः ... इव माणिक्यमहीधरम् ... हर्षमद्राक्षीत् HarṣaC. 115.10.

अजजिह्वक (ajajihva-ka) *m.* one of the eight guardian deities (Kṣetrapāla) of the sacrificial ground हेतुकं त्रिपुरघ्नं च शक्त्याख्यं यमजिह्वकम् (v. l. अजजिह्वकम्) ... तथैव पूजयेद्दिक्षु क्षेत्रपालाननुक्रमात् AgniP. 96.11.

अजजीवकोश (ajajīva-kos'a) *m.* the sheath of the individual self in the form of Brahman यस्मिन्परेऽन्येऽप्यजजीवकोशाः । भवन्ति BhāgP. ix. 4.56 (S'rīdhara अजा ब्रह्माणस्त एव जीवास्तेषां कोशा उपाधिभूता ब्रह्मांडविग्रहाः)

अजजीवन (aja-jīvana) *m.* goat-herd जावालस्त्वजजीवनः KalpaK. 185.470.

अजजीविक (aja-jīvika) *m.* goat-herd (*lit.* who lives by rearing goats) गोविन्दोऽधिकृतो गोषु जाबालस्त्वजजीविकः AbhidhāCin. 889; जाबाले त्वजजीविकः S'abdaRaSaK. 45.12.

अजज्ञिवस् (a-jajñivas) *adj.* who did not know, who has not noticed स समीपस्थितो राज्ञस्तामवस्थामजज्ञिवान् । ... अभिष्टोतुं प्रचक्रमे Rāmā. ii. App. I. 10(42)

अजट (a-jaṭa) *adj.* not having matted hair (शिष्या महेशस्य ... सर्वे पाशुपताः) सर्वजटा अजटा मुण्डशीर्षकाः S'ivaP. vii. 9.25 (554A. 16)

अजटा (ajaṭā) *f.* the plant *Flacourtia cataphracta* तामलक्यजटा ताली ... भूधात्री श्यामलक्यपि DhanvNi. 112.24; RājNi. 113.4; अज्ञ(? ज)टा बहुपत्रा च भूधात्री तामलक्यपि ṢaḍrasaNi. 22.5; भूम्यामलकिका ... बहुपत्रा बहुफला बहुवीर्याजटापि च BhāvPra.(Bhā.) 6 (4).276 = BhāvPraNi. 77.281.

अजटाल (ajaṭāla) *m.* name of one of the 25 Kṣetrapālas in heaven अह्वरो ह्यापकुम्भश्च...अजटालश्च नौमि स्वःक्षेत्रपालकान् SkandP. i(2). 62.29.

अजटिल (a-jaṭila) *adj.* not having matted hair (द्विजमुख्यान्) अमुण्डाजटिलाङ्गीवान् ... । यथेष्टं दक्षिणाभिस्तान् संयोज्य SamarāSū. 17.130; अजटिलैश्च हतैः किमेभिः DvyāśraKā. 18.78.

अजटी (ajaṭī) *f.* the plant *Flacourtia cataphracta* उलूकगृध्ररोमाणि कट्वलावृत्तथाजटी KāśyaS. 101A. 30.

अजठर (a-jaṭhara) *adj.* tender, soft, delicate [nt.] cf. **अजरठ**.

अजठरत्व (ajaṭhara-tva) *n.* tenderness, softness [nt.]

अजड (a-jaḍa) *adj.* [*f.*-ā] **1** not stupid, not dull, wise, enlightened, intelligent अजडापौगण्डधनं दशवर्षभुक्तं परैः संनिधौ भोक्तुः GautDS. ii. 3.34; अजडश्चेदपोगण्डो विषये चास्य भुज्यते । ... भोक्ता तद्द्रव्यमर्हति ManuSm. 8.148; HarṣaC. 64.1; न हि ब्रह्मातिरिक्तेऽर्थे सति संभाव्यतेऽजडेः BṛĀraUBhVā. i. 4.1285; भोक्ता किल वदति अजडोऽयमपौगण्डोऽबालोऽयमस्य संनिधौ...मया भुक्तम् Mitā. 150.10 (*on* 2.24); अतो विसीमा महिमा हिमाद्रिं हेमाद्रिसूरेरधरीकरोति । दूरादगम्यं मृगलोचनानां येनाजडं मानसमेव धत्ते CaturCin. ii(1). 2.21; अशठैरजडैरनेडमूकैर्मुनिभिश्चात्र किमङ्गयकारि मौनम् Yādavā. 15.99; अजडं विमलं सदा । आनन्दतीर्थमतुलं भजे Nyāyāmṛ. 3A. 8; उद्यच्छ्रीरजडः कलङ्करहितः ... जैवातृकः प्राणिनां चन्द्रः [कर्म]जयत्यहो जिनपतिः श्रीवैश्यसेनिर्महान् EI. ii. 69.5; अजडाः सुबुद्धयः AlaṅkāMañ. 190.14; **2i** not insentient, sentient, self-luminous, conscious (said of Brahman and Puruṣa of the Sāṁkhyas) अजडं स्वात्मसंबोधि नित्यं सर्वावगाहनम् । ज्ञानं नाम गुणं प्राहुः प्रथमं गुणचिन्तकाः AhirbuS. 2.56; चेतनेच्छावशाद्ब्रह्मसंपत्तेरजडः कथम् S'ivDṛ. 5.14; विषयैर्मे विना पुष्टा नित्यं संवित् परा तनुः । सैव पुष्णाति विषयानजडाभिर्जडात्मनः LakṣmiT. 50.155; तव देहोऽजडः पुत्र त्वं ज्योतिरीश्वरः शिवः KāliViT. 35.15; अजडा सैवं जाड्ये नार्थप्रकाशता ĪśvaPraSū. i. 2.8; यथा सदसती नैव विशेषोऽस्ति निजात्मनि । जडाजडानामप्येवं नास्त्यसाविति निश्चयः SiTrayī. 1.1; अजडस्य त्वात्मनो विभागः कुतश्चिदपि न संभवति IṣṭaSi. 195.17; 69.9; 147.18; 208.6; 208.10; 313.14; 329.10; वेदान्तवाक्येष्वजडं हि मेयम् SaṁkṣeS'ā. 1.487 (i. 352.24); मां यष्टुमीहेज्जडैरेव पदार्थैर्माजडैः चित्संवलितैर्यजस्व PārāSū. 68.16; आप्तसक्तः । ... अग्रहस्तोऽजडोऽसौ मुख्याद्दोषान् JinaS'. 2.13; न तावदयमात्माजडः घटादिवत्पराधीनप्रकाश इति युक्तम् Bhām. 19.11 (*on* i. 1.1); 20.6 (*on* i. 1.1); सर्वत्र वस्तुतो विमर्शात्मकप्रमातृस्वभावतादात्म्याहंपरामर्शविश्रान्तेः अजडत्वमेव (v. l. अजडमेव) पूर्वापरकोट्योः PratyabhiVi. i. 243.5 (*on* i. 5.11); ज्ञानं वस्तुपरिच्छेदो वस्तु च द्विविधं स्मृतम् । अजडं च जडं चैव S'ivaP. vii. 5.12 (506B. 10); अस्वप्राया अनन्ताया अजडाया मनःस्थितेः । यद्रूपं चिरनिद्रायास्तत्तदानव शिष्यते YogVā. iii. 10.43; iii. 96.37; v. 33.26; अजडः सर्वभूतस्थः जडस्थिला मुनक्ति तान् S'ivS. 1.99; अजडः पुरुषः RājMār. 7.21; एवं तद्वनुभूतेरजडाया अर्थवज्जडत्वमापद्येतेति चेत् BrahmSūBh.(Rā.) 24.15 (*on* i. 1.1); ĀryāSaS'a. 66; अर्थात्मसंबन्धिन्यां संविद्यजडायामपि नार्थात्मनोः प्रकाशमानतासिद्धिः VedāntKa. 18.19 (*on* i. 1.1); जडप्रेरकेण त्वजडेनैव भवितव्यम् S'aṅkaVi.(Ā.) 15.7; अतो जडस्याजडायां संविदि सिध्यतस्तत्राध्यस्तत्वात्पारमार्थ्यं दुर्भणम् NyāyKu. 60.3; द्रव्यं द्वेधा विभक्तं जडमजडमिति TattvMu. 1.6; परत एव भासमानं जडम् । तदन्यदजडम् NyāySiA. 190.4; 190.5; द्रव्यं द्वेधा जडमजडमिति जडं च द्वेधा प्रकृतिः काल इति अजडं च तथा प्रत्यक् परागिति NyāyPari. 5.7; 6.4; तमजमजडमन्तर्यामिणम्...देवमाराधयामः S'atDū. 139.3; तत्त्वानि च ...द्विविधानि जडाजडभेदात् । जडानि प्रकृतिमहदहंकारादीनि चतुर्विंशतिः । अजडः पुरुषः SarvaDaSaṁ. 15.245; जडाजडयोरैक्यायोगात् AdvaiSi. 598.9; सा च स्वयं जडाप्यजडेन चिदाभासेनोज्ज्वलिता SiddhāBi. 94.3; अजडो जडस्य जगतः प्रकृतिः कथमीश्वरः NayaMañ. II. i. 3.5; द्रव्यं द्विविधं जडमजडमिति YatīndraDī. 2.8; जडमेव जगत्तत्र स्वमासीदजडाः केचन मादृशोऽपि जीवाः S'ivLī. 3.77; यदधीनं व्यवहारानुगुणत्वं तदजडम् MānaMe. 250.2; न च जडाजडयोस्तयोस्तादात्म्यानुपपत्तिः SarvaMaSaṁ. 2.18; निखिलम् इत्यनेन विशेषणेन भाविनः समस्तस्य जडाजडस्यार्थजातस्यैतन्मयत्वं कथितम् Bhāsk. i. 4.19 (*on* i. 1.0); i. 18.25 (*on* i. 1.1); **2 ii** that which illuminates (something insentient), which makes (something insentient) known स्वात्मन्यजडवत्परत्राप्यजडं स्यात् ĀtmaTaVi. 472.14; **3** active स भवेदजडोऽरुजः AṣṭāSaṁ. i. 152.9(1.28); **4** not cold, not cool अजडाः कलावन्त...असाधारणा द्विजातयः HarṣaC. 64.1; अजडे शशीव तपने स तु प्रविष्टोऽपि निःसरति ĀryāSaS'a. 66; अजडः कम्पसंपादी...कोऽयं वा मुरलीरवः VidaMā. 1.35; **5** without water, not watery और्वायापूर्वरूपाय तस्मै दुर्मेन्त्रिणे नमः । अजडा अपि शोष्यन्ते येन पत्युः श्रियः परा(? राः) YaśasCam. i. 413.8; जङ्गमामजडां स्वच्छां ताम्रपर्णीमिवापराम् (दवदन्तीं नृपाः प्रेक्ष्य) MalliC. 6.69; CaturCin. ii(1). 2.21; Nyāyāmṛ. 3A. 8.

अजडकारणभाव (ajaḍakāraṇa-bhāva) *m.* existence of a sentient cause अजडकारणभावनिबन्धनं सकलमेव जडम् SaṁkṣeS'ā. 1.325 (i. 243.14)

अजडजीवजनता (ajaḍajīvajjana-tā) *f.* collection of the intelligent living beings अथ अजडजीवजनताधिकारेण उभयमपि तर्हि सर्वस्य स्वात्मा महेश्वर इति दूरतरं विप्रकर्षिता प्रत्याशा PratyabhiVi. i. 60.5 (*on* i. 1.3)

अजडता (ajaḍa-tā) *f.* sentience तेनास्तु वाक्यजनितात्मपरोक्षबुद्धिर्भ्रान्तिः सदाजडतयानुभवेऽपरोक्षे SaṁkṣeS'ā. 1.122 (i. 103.12)

अजडत्व (ajaḍa-tva) *n.* **i** not insentience (i. e. sentience) सोऽजडत्वादागमस्याविषय इति चेत् IṣṭaSi. 62.6; महांश्च आकाशादिभ्यो महान् भवत्यजडत्वादेतेषाम् PārāSū. 86.20; अनयोः ... जडाजडत्वेनात्यन्तभिन्नरूपयोरेकताभिमाने(? नो)ऽसिता RājMār. 25.34; **ii** self-awareness, self-luminousness किमिदमजडत्वं नामेति यद्युच्येत सदपि यत् न प्रकाशते तज्जडम् तद्विपरीतमव्यभिचरितप्रकाशसत्ताकमजडम् इति SiddhiTra.(ĀtmaSi.) 32.22; 17.19; संविदात्मा । अजडत्वात्तस्यात्मत्वमुपपन्नं च NītiMā. 48.6; ज्ञाततात्स्यफलस्याजडत्वेऽर्थगामित्वायोगात् TarkSaṁ.(Ā.) 35.18; प्रत्यक्त्वपराक्त्वाजडत्वजडत्वनित्यत्वपरिणामित्वादिभिर्विरुद्धधर्मैर्यथा देहात्मनोर्भेदः S'rutaPra. iA. 245.6 (*on* i. 1.1); बुद्धिर्द्रव्यम् ... बोद्धृवच्चाजडत्वात् TattvMu. 4.7; संविदात्मा अजडत्वात् S'atDū. 120.9; अजडत्वं नाम स्वयंप्रकाशत्वम् YatīndraDī. 51.8; **iii** being what is different from insentient आत्मनोऽहंप्रत्ययगोचरत्वप्रतिक्षेपकाणि आत्मत्वाजडत्व [प्रत्यक्त्व] निर्विकारत्वादीनि...निरस्तानि NyāySiA. 213.1; 238.27.

अजडत्वग्रहण (ajaḍatva-grahaṇa) *n.* inclusion of self-luminous character प्रत्यक्त्वादेरित्यादिशब्दादजडत्वग्रहणम् S'rutaPra. iA. 158.30 (*on* i. 1.1)

अजडत्वतस् (ajaḍatva-tas) *adv.* **A** because of self-luminousness तस्मादेकस्य या दृष्टिः सैवान्यादृष्टिरुच्यते । सा च स्वतन्त्रसंसिद्धिः स्वरूपेणाजडत्वतः TattvSaṁ. 1683; **B** due to being sentient (*lit.* non-insentient) विकल्पा येऽपि चार्वाकैरुक्तास्तेऽपि न बाधकाः । सर्वत्र सारभूतत्वात्सर्वत्रैवाजडत्वतः S'ivDṛ. 6. 89.

अजडत्ववत् (ajaḍatva-vat) *adv.* like sentience or self-luminosity अजडत्ववज्जडत्वमपि नाध्यासप्रयोजकम् S'rutaPra. iA. 80. 7 (*on* i. 1. 1)

अजडत्वसंभावना (ajaḍatva-sambhāvanā) *f.* possibility of being sentient or conscious इयच्छब्दः शेषस्य तत्त्वगणस्याजडत्वसंभावनाव्यावृत्तिपरः Bhāsk. i. 107. 15 (*on* i. 2. 8)

अजडत्वस्वीकार (ajaḍatva-svīkāra) *m.* acceptance of the nature of the sentient अहमर्थस्यानुरूपस्याजडत्वस्वीकारेऽपि परिच्छिन्नत्वादिस्वीकारावश्यकत्वाद् ब्रह्मैक्यासंभव इति भावः GuruCandr. iii. 59. 10.

अजडत्वादि (ajaḍatvādi) *adj* (reasons like) being sentient etc. एवं प्रत्यक्त्वाजडत्वप्रकाशत्वादिहेतवोऽपि निरस्ता वेदितव्याः S'atDū. 119. 18.

अजडत्वापादित (ajaḍatvāpādita) *adj.* caused by sentience सिद्धत्वासिद्धत्वाभ्यां जडत्वाजडत्वापादिताभ्याम् Bhāsk. i. 51. 24 (*on* i. 1. 1)

अजडत्वाविशेष (ajaḍatvāviśeṣa) *m.* non-distinction from sentience एवं धर्मभूतज्ञानाख्यमपि द्रव्यमजडत्वाविशेषेऽपि···पृथग्गणयन्ति NyāyPari. 508. 1.

अजडदृश् (ajaḍa-dṛś) *f.* knowledge of sentient object जडाजडदृशोर्मध्ये दोलायितदुराशयः । अविवेकी विमूढात्मा मोहमेव प्रयच्छति YogVā. i. 18. 3.

अजडधी (ajaḍa-dhī) *adj.* of sharp intelligence बालोऽप्यजडधीरयम् (प्रह्लादः) । न विस्मरति मेऽनार्यम् BhāgP. vii. 5. 46.

अजडपक्ष (ajaḍa-pakṣa) *m.* view that (the soul is) sentient पूर्वं प्रत्याख्यातमपि अजडपक्षं व्यवहितमाशङ्क्य पुनः परामृशति नाप्यजडस्य इति Bhāsk. i. 56. 13 (*on* i. 1. 1)

अजडप्रकाश (ajaḍa-prakāśa) *m.* self-luminous light सर्वत्र वस्तुषु जडेष्वजडप्रकाशं कुर्वत्प्रमाणम् SaṁkṣeS'ā. 1. 107 (i. 94. 13)

अजडप्रपञ्च (ajaḍa-prapañca) *m.* sentient world ब्रह्मणो जडाजडप्रपञ्चप्रेरकत्वेन स्वतन्त्रत्वं सिद्धम् BrahmSūBh.(S'rī.) i. 124. 8 (*on* i. 1. 2)

अजडबोध (ajaḍa-bodha) *m.* knowledge or cognition which is sentient तत्र ज्ञानमित्यजडो बोधः···ब्रह्मैव वाजडबोधरूपम् IṣṭaSi. 69. 21; ब्रह्मात्मवस्त्वजडबोधवपुः SaṁkṣeS'ā. 1. 107 (i. 94. 15); अज्ञानमित्यजडबोधतिरस्क्रियात्मा ··· प्रकृतिः प्रसिद्धा SaṁkṣeS'ā. 1. 317 (i. 237. 2) (comm. या अजडबोधस्य तिरस्क्रिया)

अजडमिश्र (ajaḍa-miśra) *adj.* mixed with sentient तत्तादृग्दृश्यं जडमजडमिश्रं शुद्धमेव वा शुक्तिस्थानीयम् IṣṭaSi. 203. 14.

अजडरूपता (ajaḍarūpa-tā) *f.* the state of being of sentient form विज्ञानं जडरूपेभ्यो व्यावृत्तमुपजायते । इयमेवात्मसंवित्तिरस्य याजडरूपता TattvSaṁ. 2000 = TarkBhā.(Mo.) 10. 29.

अजडरूपत्व (ajaḍarūpa-tva) *n.* the state of being of sentient form बोधानुगतिमात्रेण विज्ञानमिति चोच्यते । सा चास्याजडरूपत्वं प्राकाश्यात्परिकल्पितम् TattvSaṁ. 1849.

अजडवत् (ajaḍa-vat) *adv.* like the conscious one अजडवदेव जडोऽयं सत्संबन्धाद् भवत्यहंकारः SvātmNi. 87; तथापि स्वात्मन्यजडवत्परत्राप्यजडं स्यात् ĀtmaTaVi. 472. 14.

अजडसंविद् (ajaḍa-saṁvid) *f.* self-luminous consciousness or cognition कुतोऽस्मिन् वेदान्तवाक्यजनिताजडसंविदन्या SaṁkṣeS'ā. 1. 107 (i. 94. 16)

अजडसंबन्धिन् (ajaḍa-sambandhin) *adj.* related to what is sentient तेषामपि – अजडसंबन्धिनां शरीरादीनामपि Bhāsk. i. 66. 6 (*on* i. 1. 3)

अजडस्वरूप (ajaḍa-svarūpa) *n.* of the nature of the conscious अजडस्वरूपस्वधर्म एवायमात्मा NyāyKu. 192. 11.

अजडा (a-jaḍā) *f.* **1** the plant called *Mucuna pruritus* or *Carpopogam pruritus* or *Flacourtia catafracta* पिप्पल्याः साजडायाश्च CaraS. vi(2). 4. 31; ऋश्यप्रोक्ताजडाध्यण्डा मर्कटी प्रावृषायणी S'abdaRa.(Vā.) 1085; जाड्याभावं संपादयति या अजडा करोत्यर्थे णिच् ततः पचाद्यच् – कपिकच्छुः, आलकुशी, भूम्यामलकी, शूकशिम्बी [S'abdaKaDru.] cf. **अजटा**; **2** species of female hawk अजडेति च विख्याता श्येनयोषा बृहद्वपुः । श्येनजातिषु विख्याता त्रिनोदेष्वजडा वरा Mānaso. iv. 13. 1332.

अजडाजनि (ajaḍājani) *f.* non-origination of the conscious or sentient कृतस्य जाड्यादजडाजनेश्च SaṁkṣeS'ā. 3. 232 (ii. 284. 25)

अजडात्मक (ajaḍātmaka) *adj.* of the nature of what is sentient, of the nature of the conscious जडात्मकस्य विषयाकारस्याजडात्मकेनानुभवाकारेण प्रतीयमानत्वान्मीमांसकपक्षपातप्रसङ्गः TātpaṬ.(U.) 140. 16 (*on* 4. 82); जडेन व्यज्यते नापि चैतन्यमजडात्मकम् S'ivDṛ. 5. 13.

अजडात्मता (ajaḍātma-tā) *f.* the state of having an intelligent mind निस्पृहत्वमलोलत्वमनाक्षेपोऽजडात्मता TantrRā. 36. 79.

अजडात्मन् (ajaḍātman) *adj.* **1** holding the view that the self is sentient अजडात्मा निषेधं वा सिद्धिं वा विदधीत कः ĪśvaPraSū. i. 1. 1(48); **2** having a responsive (*lit.* not dull) (poetic) mind गलद्वेद्यान्तरोद्भेदं हृदयेऽप्यजडात्मनाम् । मिलन्मलयजालेप इवाह्लादं विकासयन् Candrā. 6. 2.

अजडात्मवत् (ajaḍātma-vat) *adv.* like a sentient being अजडात्मवदाभान्ति यत्सांनिध्याज्जडा अपि । देहेन्द्रियमनःप्राणाः सोऽहमित्यवधारय VākyaVṛ. 20.

अजडात्मवादिन् (ajaḍātmavād-in) *adj.* advocate of the theory that the soul is sentient सः ··· अजडात्मवादी Bhāsk. i. 55. 23 (*on* i. 1. 1)

अजडात्मविवर्तत्व (ajaḍātmavivarta-tva) *n.* the nature of the apparent transformation of the sentient self मम त्वजडात्मविवर्तत्वाज्जडस्य सिद्धिः IṣṭaSi. 313. 19.

अजडात्माभेद (ajaḍātmābheda) *m.* identity with the sentient self अजडात्माभेदादात्मशब्दोऽप्यजड एवेति चेत् IṣṭaSi. 171. 4.

अजडानुभव (ajaḍānubhava) *m.* experience which is conscious अजडानुभवस्य नो जडान्तःकरणस्थत्वमितीष्टता न तस्याः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 15. 99.

अजडापौगण्डधन (ajaḍāpauganḍa-dhana) *n.* property of a person who is neither an idiot nor a minor अजडापौगण्डधनं दशवर्षभुक्तं परैः संनिधौ भोक्तुः GautDS. ii. 3. 34.

अजडाफल (ajaḍā-phala) *n.* fruit of the plant called *Flacourtia cataphracta* or *Mucuna pruritus* (Svayaṁguptā or S'ūkaśimbī) खर्जूराणि मधूकानि मृद्वीकामजडाफलम् CaraS. vi(2). 2. 18; vi(2). 4. 15 (1941 Ed.)

अजडाभाव (ajaḍābhāva) *m.* non-existence of what is sentient or conscious, absence of the sentient अतो नाजडाभावात्सर्वस्याप्रकाशप्रसङ्गः IṣṭaSi. 171. 8.

अजडावतार (a-jaḍāvatāra) *adj.* not being watered स्त्रीणां कुचोष्मपटलैरजडावतारः ··· संकल्पजन्मविटपी परमुत्प्रकाशः YaśasCam. i. 75. 8 (comm. जलागमनरहितः)

अजडाशय (a-jaḍāśaya) *adj.* **1** which is not a reservoir of water प्रचेतःपस्त्यमिवाप्यजडाशयम्···(राजसदनमासादयांबभूव···वैतालिकः) YaśasCam. i. 345. 5; पद्माकरोऽपि विलसति नितरामजडाशयोऽयमुर्वीशः PratāYaBhū. 417. 4; राजहंस समारब्धसेवानप्यजडाशयान् (कर्मन्दिनः प्रणम्यैष गाहते स्म महोन्नतिम्) YātrāPra. 3. 52; **2** full of intelligent persons, YaśasCam. i. 345. 5; **3** whose mind is not dull जलाशयेन मुषितं दीनं दृष्ट्वेव वेधसा । कृपया संविभक्तं त्वां को मुष्णात्यजडाशयः KathāSaSāg. ix. 4. 92; PratāYaBhū. 417. 4; YātrāPra. 3. 52.

अजडासनस्था (a-jaḍāsanasthā) *adj.* (*f.*) who is not occupying an inanimate seat (i. e. present in the mouth of the poet) अत्रोत्प्रेक्षया चमत्कारैककारणं नवं नवं जगत् अजडासनस्था निर्मिमीते इति व्यतिरेकः KāvyPra. 142. 4 (comm. कविवदनरूपे आसने तिष्ठति या सा)

अजडीकृत (a-jaḍīkṛta) *adj.* not made immobile तस्यां च ··· नगर्याम् ···प्रमादप्रेमनिगडैरजडीकृतः···राजा मेघवाहनो नाम TilaMañ. 14. 7.

अजत् (ajat) *adj.* **i** steering (a boat) स यथा पितापुत्रौ नावमजन्तौ तामरिष्टां स्वस्ति पारं गमयेयाताम् JaimiBr. 2. 421; **ii** roaming असौ ··· अजत्पशुव्रातमजेन तेजितम् । व्रजमासदत् DhātuKā. 1. 31.

अजतनुज (aja-tanuja) *m.* son of Aja (i. e. Daśaratha) उद्भवाजतनुजादज NaiṣaC. 21. 69.

अजतस् (aja-tas) *adv.* from (the zodiacal sign) Aries ते लग्नभागा अजतो भवन्ति SiddhāTaVi. 171. 14.

अजता (aja-tā) *f.* **1** multitude of goats [MW]; **2** being a goat [MW]

अजतिल (aja-tila) *m.* wild *Sesamum indicum* अरण्यप्रभवः कृष्णतिलोऽजतिल उच्यते AbhidhāMañ. 136. 2.

अजतु (a-jatu) *n.* other than lac (i. e. red dye) च्चिरयति मुद्रां किम् । ···अजतु अलाक्षा···संत्यजतु VidaMuMa. 2. 46 (1)

अजतुङ्ग (aja-tuṅga) *m.* *n.* name of a sacred place अजतुङ्गे शुभे तीर्थे तर्पयेत्सततं पितॄन् VāyuP. ii. 15. 48 = BrahmāṇḍP. ii. 13. 48; अजतुङ्गश्च सोमश्च (एते चान्ये च बहवः पुण्यसंकीर्तनाः शुभाः । तोयैस्त्वामभिषिञ्चन्तु) ViṣṇuDhaP. ii. 22. 150.

अजतुद (aja–tuda) *n.* belly of a goat (?) अजतुदं कातीरमित्यन्यत्र JaineVyā. 300. 30 (*on* iv. 3. 116)

अजतुन्द (aja–tunda) *n.* belly of a goat नगर इति किम् ··· अजतुन्दम् KāśiVṛ. *on* vi. 1. 155; अन्यत्र कातोरम् अजतुन्दम् GaṇRa. 2. 152 (188); Prasā. i. 682. 14; SiddhāKau. 221B. 18.

अजतुल्यवदन (ajatulya–vadana) *adj.* having the face like that of a goat वानरमहिषवराहाजतुल्यवदनाः सुतार्थसुखभाजः BṛSaṁ. 68. 104 (1)

[1]**अजत्व** (aja–tvá) *n.* the state of being a (male or female) goat तर्मस्या अ॒जाऽभ्य॑रुन्ध॒ तद॒जायां॑ अ॒जत्व॑म् TaiS. VI. i. 6. 3; त्वे परतो ङ्यन्तस्य आबन्तस्य क्वचित्प्रो भवति खौ च यौ । अजत्वम् । अजात्वम् JaineVyā. 309. 25 (*on* iv. 3. 174); ङ्यापोस्त्वे परतः संज्ञायां चोत्तरपदे बहुलं ह्रस्वो भवति । ··· अजत्वम् CāndraVṛ. *on* v. 2. 73; त्वप्रत्यये परतो ङ्यापोर्बहुलं ह्रस्वो भवति । तदजाया भावः अजत्वम् KāśiVṛ. *on* vi. 3. 64; अजत्वं च परिप्राप्तो मृतो भवनदाहतः PadmP. (Ra.) 91. 7; रोहिणित्वमजत्वं च नृपैर्दातुं प्रतिश्रुतम् DvyāśraKā. 5. 3; Prasā. ii. 726. 18; ऐन्द्रमृषभम् इत्यादावातिदेशिकस्य अजत्वस्य न बाधः BhāṭṭDī. iii. 239. 4 (*on* x. 2. 28); SiddhāKau. 215B. 5.

[2]**अजत्व** (aja–tva) *n.* **1** the state of being without birth प्रथिता ब्रह्मणः पुत्रा अजत्वादजितास्तु ते BrahmāṇḍP. i. 13. 90; VāyuP. (ASS.) i. 31. 4; (आत्मा) अयं तु अजत्वात् अजरत्वाच्च अविनाशी ··· अमृतः BṛĀraUBh. 657. 14 (*on* iv. 4. 25); अनादित्वम् अजत्वे हेतुः GītāBh.(S'aṅ.) 280. 14 (*on* 10. 3); अजत्वादेव निःशेषविकाराणामपाक्रिया BṛĀraUBhVā. iv. 4. 702; इतश्च वायुश्चान्तरिक्षं चैतदमृतमिति सामर्थ्यादजत्वम् BrahmSūBh.(Bhā.) 130. 21 (*on* ii. 3. 4); अजत्वेन···आत्मानं यः पुरुषो वेद GītāBh.(Rā.) 90. 3 (*on* 2. 21); 497. 3 (*on* 10. 3); ब्रह्मणः ··· बहुत्वमुच्येत तदा जीवानामजत्वनित्यत्वबहुत्वादि विरुध्येत VedāntDī. 6. 3 (*on* i. 1. 0); अजामेकाम्···इति प्रकृतिपुरुषयोरजत्वं दर्शयति VedāSaṁ. 112. 1; TarkSaṁ.(Ā.) 29. 29; S'rutaPra. iA. 141. 23 (*on* i. 1. 1); अनुभूतेरवस्थान्तरापत्तिरेव न संभवति अजत्वादेवेति चेन्न S'atDū. 114. 8; तेजोबन्नानां प्रकृतेर्जातत्वेन योगवृत्त्या न जायत इत्यजत्वं न सिध्यति SarvaDaSaṁ. 16. 20; NyāySu.(Ja.) 421A. 1 (*on* ii. 2. 11); अजो नित्यः ··· इत्यादि श्रुतिस्मृतिभ्योऽजत्वेन प्रसिद्धस्य जीवस्य VedāntKau. 140. 15 (*on* i. 4. 21); अजत्वं च वास्तवम् BālamBha. iii. 104. 25 (*on* 3. 78); **2** the state of being immutable तथा अजत्वम् अविकारित्वम् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 448. 14 (*on* ii. 3. 17)

अजत्वप्रतिषेध (ajatva–pratiṣedha) *m.* denial of eternality or beginninglessness अजत्वप्रतिषेधे त्रिविधमुक्तम् Kiraṇā. 227. 14.

अजत्वप्रसङ्ग (ajatva–prasaṅga) *m.* contingency of being eternal or beginningless विभागस्याप्यजत्वप्रसङ्गात् Upask. 167. 5 (*on* iii. 2. 1)

अजत्वप्रसिद्धि (ajatva–prasiddhi) *f.* common knowledge of being unborn बीजादीनां सामान्येनानादित्वादजत्वप्रसिद्धेः TantrVā. 28. 13 (*on* i. 2. 10)

अजत्ववाद (ajatva–vāda) *m.* assertion of the state of having no beginning ईदृशविशेषेण जीवस्य नित्यत्वाविनाशित्वाजत्ववादा इति ह्युक्तम् S'rutaPra. ii. 360. 18 (*on* ii. 3. 18)

अजत्वश्रवण (ajatva–śravaṇa) *n.* mention in the Vedic text about the state of being unborn तत्रैवाजत्वश्रवणादित्याह PrakaVi. 599. 17; श्वेताश्वतरश्रुतौ चाजत्वश्रवणात् GoviBh. 151. 4 (*on* ii. 3. 16)

अजत्वश्रुति (ajatva–śruti) *f.* Vedic text about the state of being unborn न जायते म्रियते वा विपश्चित् इत्यादिनाजत्वश्रुतेः S'rīBh. 378. 18 (*on* i. 4. 21); अजत्वश्रुतिविरोधाद्गौणी जन्मश्रुतिर्व्याख्याता PrakaVi. 667. 22; अजत्वश्रुतिविरोधः ··· दूषणम् S'rutaPra. i. 148. 30 (*on* i. 4. 21)

अजत्वसिद्धि (ajatva–siddhi) *f.* establishment of the state of being unborn आकाशस्य अजत्वसिद्धिः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 424. 8 (*on* ii. 3. 3); अतोऽर्थादजत्वसिद्धिः PrakaVi. 585. 21.

अजथ्य (aja–thya) *adj.* [*f.* –ā] **i** good for sheep अजथ्या यूतिः MahāBh. iii. 155. 2 (*on* Vār. 8 *on* P. vi. 3. 35); अजथ्या यूथिः KāśiVṛ. *on* v. 1. 8; अजार्थे हितम् अजथ्यम् JaineVyā. 305. 22 (*on* iv. 3. 147); अजायै हिता अजथ्या PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* vi. 3. 35; अजाभ्यो हिता अजथ्या SiddhāKau. 193A. 4; अजथ्येत्यत्र जातेश्च इति निषेधो न LaS'abdeS'e. ii. 95. 13; **ii** goatherd मानं मत्तापि नौज्झत्काप्यजथ्याविथ्यवृत्तयः DvyāśraKā. 17. 129 (comm. अजेभ्यो ··· हिताः अजथ्या अजपालाः) *f.* flock of goats [APTE]

अजथ्या (ajathyā) *f.* A yellow Jasmine [MW]

अजदण्डी (ajadaṇḍī) *f.* name of a plant *Corpopogon pruriens* अजदण्डी ब्रह्मदण्डी कण्टपत्रफलाप्यथ KalpaK. 314. 579.

अजदुग्ध (aja–dugdha) *n.* goat's milk एरण्डबीजस्य तथाजदुग्धे पिष्टा पुरोवद्भवतीह हिङ्गुः ĪśānS'iPa. i. 50. 11.

अजदुग्धक (ajadugdha–ka) *n.* goat's milk द्रावयित्वाजदुग्धके Rasā. 7. 68.

अजदृष्टि (aja–dṛṣṭi) *adj.* having goat-like eyes सुबृहन्नसोऽजदृष्टिः ··· चापाद्यांशे प्रचण्डः स्यात् Sārā. 50. 74; *m.* name of one of the founders of the family of Aṅgiras आपस्तधर्मोऽजदृष्टिः ··· आर्षेयो नामतश्चैषां सर्वेषां प्रवरः ViṣṇuDhaP. i. 112. 21.

अजदेव (aja–deva) *adj.* having Aja (Ekapād) as the deity रौद्राजदेवो(? वा)हिर्बुध्न्याः ··· मुहूर्ता रात्रिचारिणः ViṣṇuDhaP. i. 83. 71.

अजदेवता (aja–devatā) *f.* Fire, presiding deity of goats [APTE]

अजदेवत्य (ajadevat–ya) *n.* *suṣumnā nāḍī* (*lit.* having Aja as the deity) वायुमजदेवत्यमानयेत् SaurB. 12. 30.

अजदेवत्रयी (ajadeva–trayī) *f.* triad of the unborn gods, namely Brahmā, Viṣṇu and Rudra अजदेवत्रयीशेषां संस्मरामि जगत्कुटीम् YogVā. vi(1). 21. 34 (comm. अजा ब्रह्मविष्णुरुद्राख्या देवत्रयी शिष्यते इति शेषो यस्याम्)

अजदैवतक (ajadaivata–ka) *adj.* having Aja (Ekapād) as the deity स्त्री तु द्वितीया भार्यायामजदैवतके तिथौ NānārthāSaṁ. ii. 128. 929.

अजद्वय (aja–dvaya) *n.* **i** two goats ततस्तेन मयाजद्वयं ग्रहीतव्यम् PañcT. 5. 2(13) (399. 2); **ii** the two unborn ones अजद्वयं जीवब्रह्मरूपम् AnuBh. 106. 4 (*on* i. 4. 9)

अजद्वि (aja–dvi) *m.* name of the asterisms Rohiṇī and Mṛgaśīrṣa (*lit.* the two belonging to Ajas, namely, Prajāpatl and Aja Ekapād) अजद्वौ रोहिणीमृगशीर्षे VīraMi.(Saṁskāra.) 283. 3.

अजद्वीपज (ajadvīpa–ja) *adj.* belonging to the island called Aja महोसदाः सिंहलजा नागाजद्वीपजा भटाः । घटयन्ति खटाटोपाद्दास्यं मम महोत्कटम् PramāKā. 105. 22.

अजधातु (aja–dhātu) *m.* root *aj–* अस्य (वीधातोः) आर्धधातुके न प्रयोग इत्यजधातावुक्तम् LaS'abdeS'e. ii. 568. 3.

अजधेनु (ajadhenu) *m.* [in *bāhvādigaṇa*] name of a Ṛṣi, GaṇRa. 3. 205(248)

[1]**अजन** (áj–ana) *adj.* driving, impelling, pushing द॒ण्डा इ॒वेद्गो॒अज॑नास आ॒सन्परि॑च्छिन्ना भर॒ताः ṚV. vii. 33. 6; अजाश्वेति पूषणमाह । अजाश्वा अजा अजनाः Nir. 4. 25 (88. 6); अज एकपादजन एकः पादः । एकेन पादेन पातीति वा । एकेन पादेन पिबतीति वा । एकोऽस्य पाद इति वा Nir. 12. 29 (215. 18) *m.* 'the instigator,' name of Brahmā [MW]; *n.* act of instigating or moving पृतनाज्यमिति संग्रामनाम । पृतनानामजनाद्वा । जयनाद्वा Nir. 9. 24 (166. 8); तथा च विकृतिः कटके कृताजनैः DurghVṛ. ii. 4. 53; MugdhaBo. 26. 171 (169. 9)

[2]**अजन** (a–jana) *adj.* **1** solitary, lonely, having no inhabitants, unpopulated अजने वने । चित्रकूटो गिरिस्तत्र Rāmā. ii. 86. 10; मन्दभाग्याजनेऽरण्ये दुःखं प्राप्तासि यत्परम् PadmP.(Ra.) 97. 158; न ह्यजनो जनपदो राज्यमजनपदं वा भवतीति कौटल्यः ArthS'ā. 13. 4 (200. 4); RāmāMañ. 207. 8; कं पृच्छाम्यजने वने KathāSaSāg. vii. 6. 94; xii. 3. 44; शैलप्रस्थे ··· यामिन्योऽमूर्विहितवसतेर्वासराश्चाजनेऽस्मिन् सम्पत्स्यन्ते नभसि भवतो राजहंसाः सहायाः NemiDū. 11; **2 i** free from birth हितेहितेऽस्तु ते ··· । जयाजया जनोऽजनो यया ययावलं बलम् DevīS'. 36; **2 ii** unborn एवं जन्मानि कर्माणि ह्यकर्तुरजनस्य च (भगवतः) BhāgP. i. 3. 35; सम्प्रदिश्यैवमजनो जनानां परमेष्ठिनम् । पश्यतस्तस्य तद्रूपमात्मनो न्यरुणद्धरिः BhāgP. ii. 9. 37; जायमानेऽजने तस्मिन् नेदुर्दुन्दुभयो दिवि BhāgP. x. 3. 5; (कृष्ण) अजनस्य च ते जन्म नाशायोत्पथगामिनाम् ĀdiP. 14. 123; *m.* **1** one who is not born (said of Viṣṇu) चक्रयग्रतः सहगदो हरिरस्तु पश्चात्त्वत्पार्श्वयोर्धनुरसी मधुहाजनश्च BhāgP. x. 6. 23; (said of S'iva) वैवस्वतो जनः। ··· एवं नाम्नां सहस्रेण तुष्टाव वृषभध्वजम् LiṅgaP. i. 98. 82; (said of Kṛṣṇa) गोप्यः ··· । हरिद्रा चूर्णतैलाद्भिः सिञ्चन्त्योऽजनमुज्जगुः BhāgP. x. 5. 12; name of Nārāyaṇa [PW.]; **2** name of a nephew of Hiraṇyakaśipu हिरण्यकशिपोर्ये वै भागिनेयाः ···। इल्वलो नमुचिश्चैव श्वसृपश्चाजनस्तथा MatsyaP. 6. 27; **3** a person who is not fit to accept a *dāna* अनायोऽजने धर्मधनेन दानम् RāmKṛViKā. 16 (comm. अजनोऽदानपात्रम्); **4** an insignificant person [MW.]; **5** a bad person [APTE]; *n.* **1** forest, secluded place होमधेन्वा वत्समस्य प्रमत्त इषुणाहनम् । चरन्तमजने शल्य MahāBhā. viii. 29. 33; अहं त्यक्ता च ते वीर अयशो भीरुणाजने Rāmā. vii. 48. 13 (Rāmāyaṇaśiromaṇi); किं करोम्यजने लब्धा विवशाहं प्रमादिना DarpDa. 3. 101; सदात्र चिनुमः प्रसूनमजने वयम् StavMā. 247. 2; **2** desert [PW]

अजनक (a–janaka) *adj.* **1** not producing, not being a cause, not effecting (the result) कथं तर्हीदानीमजनकं कुण्डं बदराणामाधारः PramāVāS'vopVṛ. 45. 24; ननु नाजनकमालम्बनं भवति ज्ञानस्याभावस्तु सकलोपाख्याविनिर्मुक्तस्वरूप इति न ज्ञानजननपटुः अतः कथं तदालम्बनम् NyāyMañ. i. 55. 27;

प्रत्यक्षसाधर्म्याच्च तज्ज्ञानं (ईश्वरज्ञानम्) प्रत्यक्षमुच्यते न पुनरिन्द्रियार्थसंनिकर्षोत्पन्नत्वमस्यास्ति। अजनकानामेवार्थानां सवितृप्रकाशेनेव ग्रहणात् NyāyMañ. i. 184. 29; वस्तु विवक्षितवस्तुप्रतिपादनशक्तमसदृशं तस्य। यदजनकमजन्यं वा तत्कथनं यत्स पर्यायः Kāvyālaṅ.(Ru.) 7. 42; न चाजनकमिन्द्रियज्ञानविषयतामनुभवति PrakaPañ. 69. 4; यः प्रागजनको बुद्धेरुपयोगाविशेषतः। स पश्चादपीति TātpaṬ.(Vā.) 137. 1 (i. 1. 3); कुण्ठदशायामजनकस्य कुठारस्य तैक्ष्ण्यातिशयवतः कार्यदर्शनात् NayaVi. 133. 4 (*on* i. 1. 5); प्रत्यक्षमनुमानं च द्वे एव प्रमाणे। साक्षाज्जनकस्य प्रत्यक्षत्वात् परम्परया जनकस्य चानुमेयत्वात् अजनकस्य चाग्राह्यत्वान्नातो द्वयादन्यत् संभवति NyāyRa. 284. 11 (*on* 5(3). 52); सर्वज्ञज्ञानस्य वार्तमानिकार्थविषयत्वं न कथञ्चिदुपपद्यते वार्तमानिकक्षणस्याजनकत्वात् अजनकस्य चाग्रहणात् PramāMī. 20. 14 (*on* i. 1. 25); यद्वदेवाजनकं प्रति न कार्यत्वं तद्वदेवाजन्यं प्रति न कारणत्वम् PramāMī. 43. 4 (*on* i. 2. 12); कारणमिति ज्ञानेतरकार्यनियतपूर्ववर्त्तिजातीयवृत्तिपदार्थविभाजकोपाधिमत्त्वं तेन … न वा पारिमाण्डल्यादावजनकेऽव्याप्तिः Upask. 27. 14 (*on* i. 1. 8); यत् पुनः संवेदनम् … सत्त्वशुद्धात्मप्रतीतेरजनकं सर्वदा च शरीरिणां विषयस्पृहोत्पादकम् … रजो जानीयात् ManvaMu. 508. 11 (*on* 12. 28); **2** not begetting अजनका अपि क्षेत्रजादिभिरपत्यवन्तः ManuBh. ii. 280. 21 (*on* 9. 132); अजनके कश्चित्पितृव्यवहारं कुर्वन्नन्येनेति ते नैष बोध्यते पिता ManuBh. ii. 294. 5 (*on* 9. 166); **3** without Janaka, bereft of Janaka तदिदमजनकं जगद् विधत्ते परशुरयं जमदग्निनन्दनस्य PrasaRā. 4. 3.

अजनकक्षण (ajanaka-kṣaṇa) *m.* moment which is not a productive cause जनकाजनकक्षणभेदाभ्युपगमः सर्वदावस्थानग्राहिप्रत्यक्षबाधितः NyāyKa. 77. 5.

अजनकजन्य (a-janakajanya) *m.* that which is neither cause nor effect यथाजनकजन्येषु न सन्ति कलशादयः। तथा जनकजन्येषु ततस्तत्त्वं निरन्वयम् NyāyVi. 2. 259.

अजनकता (ajanaka-tā) *f.* the state of not being productive or effective अतिशयनाशादजनकतास्तु। NayaVi. 134. 7 (*on* i. 1. 5)

अजनकत्व (ajanaka-tva) *n.* the state of not being generative or effective, the state of not being a productive cause जनकत्वाजनकत्वादेव विरुद्धधर्माध्यासात्…जनकाजनकावस्थयोः बीजादेः … स्वभावभेदः … अध्यवसातव्यः HetuBiṬ. 84. 5; बीजादयः प्रत्येकं समर्था अपि नाङ्कुरान्तराणि जनयन्ति नापि सामग्री। तथा च जनकत्वमजनकत्वमिति BrahmSi. 53. 21; योऽप्येकस्योभयं प्रतिजानीते भेदमभेदं च, तेनैकत्रापि विरुद्धधर्मावेशमभ्युपयता दुर्लभ एव दध्नो जनकत्वाजनकत्वाभ्यां तिलपयसोर्विभाग इति BrahmSi. 54. 14; नित्यस्याजनकत्वं च बाधकं संप्रतीयते। संयोगदूषणे सर्वं यदेवोक्तं प्रबाधकम् TattvSaṁ. 811; नापि आलम्बनस्याजनकत्वं यच्चक्षुरादावपि प्रसज्येत NyāyMañ. i. 170. 19; निर्व्यापारतया क्षेत्रिणस्तत्राजनकत्वम् ĀtmaSi. 53. 26; चक्षुःश्रोत्रे प्राप्य स्वविज्ञेयं कार्यं कुरुतः जनकत्वे सति तदप्राप्तावजनकत्वात् TātpaṬ.(Vā.) 121. 6 (*on* i. 1. 4); (सामान्यम्) असत्त्वान्न तद्विज्ञानजनकम्। अजनकत्वान्न सरूपकम्। असरूपकत्वान्न दर्शनगोचरः NyāyVārPari. 583. 1; तच्च (करणं) प्राप्यकारि जनकत्वे सति तदप्राप्तावजनकत्वात Kiraṇā. 61. 3; सर्वज्ञज्ञानस्य वार्तमानिकार्थविषयत्वं न कथंचिदुपपद्यते वार्तमानिकक्षणस्याजनकत्वात् अजनकस्य चाग्रहणात् PramāMī. 20. 14 (*on* i. 1. 25); समर्थस्यापि सहकारिसमवधानाभावादजनकत्वम् TattvPradī.(Ci.) 210. 3; एकजनकस्याप्यन्याजनकत्वेन जनकत्वाजनकत्वयोरेकस्मिन्नधिकरणे सहभावात् TattvPradī. (Ci.) 214. 5; विप्रतिपत्तिजन्यसंशयस्यानुमित्यनङ्गत्वेऽपि व्युदसनीयतया विचाराङ्गत्वमस्त्येव। तादृशसंशयं प्रति विप्रतिपत्तेः क्वचिन्निश्चयादिप्रतिबन्धादजनकत्वेऽपि स्वरूपयोग्यत्वात् AdvaiSi. 17. 2; न च काव्यलिङ्गम् (उत्तरम्)। उत्तरस्य प्रश्नं प्रत्यजनकत्वात् SāhiDa. 604. 13; अभावस्य नञ्(? ञ)वाच्यत्वे घटो नास्तीति शब्दादभावबुद्धिर्न स्यात्। … आरोपितत्वज्ञानमेव तथेति चेन्न। प्रत्यक्षे व्यभिचारेण तज्ज्ञानस्य तत्राजनकत्वात् VaiyāBhū. 202. 9 (*on* 40)

अजनकत्वविरोध (ajanakatva-virodha) *m.* incongruity with non-productiveness उत्तरकालमपि प्रथमकार्योत्पादावस्थावत्कार्यकरणसमर्थाविकलस्वभावानुवृत्तेरजनकत्वविरोधात् TattvSaṁPañ. 846. 20 (*on* 3264)

अजनकत्वस्वभाव (ajanakatva-svabhāva) *m.* nature of being non-productive अक्षणिकत्वे तु न क्रमसम्भवः समर्थस्य क्षेपायोगात् असमर्थस्य कालान्तरेऽप्यजनकत्वस्वभावस्यानतिवृत्तेः NyāyKa. 73. 24.

अजनकत्वानुपपत्ति (ajanakatvānupapatti) *f.* inexplicability of the unproductive nature जनकस्वभावत्वे तस्य सहकारिसमवधानाभावेऽपि स्वभावविरोधादेवाजनकत्वानुपपत्तेः TattvPradī. (Ci.) 210. 4.

अजनकत्वासंभव (ajanakatvāsambhava) *m.* impossibility of the unproductive nature बीजादीनां स्वकार्यजनको यः स्वभावः तस्य तेषु सत्सु अन्यथात्वाभावात् कदाचिदजनकत्वासम्भवात् HetuBiṬ. 86. 17.

अजनकदशातस् (ajanakadaśā-tas) *adv.* from unproductive condition यच्च खल्वजनकदशातो निरतिशयम्, ततः कार्यं नोत्पद्यते, कुण्ठादिव कुठारात् PrakaPañ. 218. 20; विमतमजनकदशातो जनकदशायामतिशययोगि, कारकत्वात् कुण्ठकुठारवत् TattvPradī (Ci.) 132. 11; विप्रतिपन्नोऽग्निः अजनकदशातो विलक्षणः, जनकदशाकत्वात् … यथा तीक्ष्णः कुठारः कुण्ठकुठारात् NyāyKu. 164. 4.

अजनकदशावर्तित्व (ajanakadaśāvarti-tva) *n.* the state of being in a non-productive condition दाह्यासंयुक्तवह्नेः दाह्यसंयुक्तवह्निवच्च प्रतिबन्धकसत्त्वे संयोगादेरजनकदशावर्तित्वेन तदतिरिक्तातीन्द्रियभावभूतधर्मसिद्धिः TattvCin. ii(2). 117. 5.

अजनकदशाव्यावृत्त (ajanakadaśā-vyāvṛtta) *adj.* absent in a non-producing condition जनकदशाविशिष्टो वह्निरजनकदशाव्यावृत्तभावभूतधर्मवान् जनकत्वात् कुण्ठकुठारात्तीक्ष्णकुठारवत् TattvCin. ii(2). 117. 2.

अजनकदशाव्यावृत्तत्व (ajanakadaśāvyāvṛtta-tva) *n.* the state of being absent in the non-producing condition शक्तेर्भाविहेतुजन्यत्वेन नाजनकदशाव्यावृत(? त्त)त्वम् TattvCin. ii(2). 117. 7; अजनकदशाव्यावृत(? त्त)त्वेनैव प्रयोजकत्वं न तु भावभूतत्वेनेति गौरवात् TattvCin. ii(2). 123. 2.

अजनकद्रव्य (ajanaka-dravya) *n.* non-productive substance साधर्म्यम् … सजातीयारम्भकवृत्तिपदार्थविभाजकोपाधिमत्त्वं वा विवक्षितम्। तेनाजनकद्रव्यव्यक्तीनामप्युपग्रहः Upask. 29. 7 (*on* i. 1. 10)

अजनकात्मता (ajanakātma-tā) *f.* the state of being of the form of a non-cause न चाभिन्नस्य रूपस्यैकस्थितावपि वैकल्यमस्ति, अविकलेऽपि तस्मिन्नभवत् तस्याजनकात्मतां सूचयति (कार्यम्) PramāVāSvopVṛ. 54. 27.

अजनकावस्था (ajanakāvasthā) *f.* non-productive condition or state जनकाजनकावस्थयोर्बीजादेः HetuBiṬ. 84. 6; 85. 16.

अजनकावस्थातस् (ajanakāvasthā-tas) *adv.* from the non-productive condition or state यद्धि दृष्टं कारणं तस्याजनकावस्थातो विलक्षणत्वाभावात् कार्यानुदयप्रसङ्गात् PrakaPañ. 218. 19; अजनकावस्थातो जनकावस्थायामतिशयमात्रमिह व्यापारः न पुनः प्रस्पन्दप्रयत्नयोरन्यतरः NyāyMa. 185. 3.

अजनगर (aja-nagara) *n.* name of a town नेमिः…। प्राप्तस्तदाजनगरान्नगराजि तत्र Vāgbhaṭā. 4. 32.

अजनजन्मन् (ajana-janman) *m.* name of Prajāpati [pw.]

अजनजन्मर्क्ष (ajana-janmarkṣa) *n.* an asterism of Brahmā (i. e. Rohiṇī) अथ सर्वगुणोपेतः कालः परमशोभनः। यर्ह्येवाजनजन्मर्क्षम् …। निशीथे… देवक्याम्…विष्णुः …आविरासीत् BhāgP. x. 3. 1.

अजनत (a-janata) *adj.* not belonging to common men, superhuman कुर्वन्ति यानि मुनयोऽजनता हि तानि वृत्तानि सन्तु सततं जनताहितानि SiPriSt. 24 (comm. जनतातो बहिर्भूताः अलौकिका इत्यर्थः)

अजनन (a-janana) *adj.* [*f.* -ī] **i** who is free from birth आदितामजननाय देहिनामन्ततां च दधते…नमः S'iśuVa. 14. 65; **ii** who will not give birth मदेकपुत्राजननी जरातुरा नवप्रसूतिर्वरटा तपस्विनी NaiṣC. 1. 135 (comm. यद्वा मत्तः एकः पुत्रो यस्याः सा अजननी मन्मरणानन्तरमप्रसवित्री) *n.* **A** non-production, absence of production or generation, non-rise अजनने तु सहकारिभावाभावात् TātpaṬ.(Vā.) 553. 13 (*on* iii. 2. 14); JayaMa. 82. 4 (*on* 2. 1); मनसोऽनिन्द्रियप्रत्यासन्नतयाजननात् NyāyKuA. i. 148. 1; NyāySu.(Ja.) 175B. 5 (*on* i. 3. 4); नापि फलमुखं कृतिसाध्यत्वम्, तस्य पूर्वमप्यजननात् SiddhāLeSaṁ. 258. 6; रागेण तत्प्रमाया अजननादिष्टसाध[? न]त्वप्रमाजननेऽपि तस्य निषेधावगतानिष्टसाधनत्वेन विरोधाभावान्न तदंशे रागबाधकत्वम MīmāKau. ii. 370. 15 (*on* iii. 3. 14); iii(2). ii. 63. 23 (*on* ii. 1. 7); iii(2). 226. 3 (*on* ii. 2. 19); न हि यागस्य सोमार्थत्वं दृष्टद्वारेण संभवति, व्रीहिष्ववघातेनेव यागेन सोमे कस्यचिद् दृष्टस्याजननात् MīmāNyāPra. 196. 6; मोहे चक्षुरादिभिश्चाक्षुषादेरजननम् RasGaṅ. 114. 7; 533. 4; **B** useless birth तस्याजननमेवासीदासां लावण्यवारिधौ। मग्ने दृग्मनसी यस्य निर्यातुं शक्ततां गते HammīMaKā. 4. 11.

अजननप्रसङ्ग (ajanana-prasaṅga) *m.* contingency of the absence of production विरोधेनैकस्याप्यजननप्रसङ्गात् NyāySu.(Ja.) 392A. 5 (*on* ii. 2. 7)

अजननस्वभावत्व (ajananāsvabhāva-tva) *n.* the state of having the nature of non-generation or non-production तत्र कुतोऽयं जननस्वभावत्वाजननस्वभावत्वलक्षणो भेदः HetuBiṬ. 83. 29.

अजननानुपपत्ति (ajananānupapatti) *f.* inexplicability of the absence of production नाप्यन्यत्किंचिदचेतनम्। अजननानुपपत्तेः NyāySu.(Ja.) 192B. 5 (*on* i. 4. 1)

अजननि (a-janani) *f.* (*but* PW. *m.*) [DEBRU. p. 207; P. iii. 3. 112] non-birth (generally used in cursing) मा जीवन् यः परावज्ञादुःखदग्धोऽपि जीवति। तस्याजननिरेवास्तु जननीक्लेशकारिणः S'iśuVa. 2. 45; BhāṣāVṛ. *on* iii. 3. 112 = S'ārṅgaPa. 266 = S'ubhāṣi. 2262; नार्यास्तस्या नृलोकेऽत्र वरैवाजननिः स्फुटम् SkandP. i(2). 42. 39; अजननिरस्तु विभूतेरपूरणिर्भवतु सर्वकामानाम् SaraKaṇṭhā. 723. 9 = S'ṛṅgāPra. 454. 15; SaraKaṇṭhā. 61. 26; अजननिरेवास्तु

नृपशोर्मोघजन्मन: YogS'ā. 1. 14 = MohaRāPa. 1. 14; अजननिर्योषितामस्तु वंशे सताम् ChandaśCū. 2. 194(2); PāṇḍaC. 7. 520; तेषां त्वजननिर्भूयाद् ये परद्रोहकारिण: PārśvC. 1. 182; अत्यन्ताभावनाशावजननिरपि वा सत्सु तेष्वेव न स्यु: TattvMu. 1. 46; SiddhāKau. 124A. 7; अनि: – अजननिस्ते वृषल भूयात् Liṅgānu.(He.) 36. 15; आक्रोशे स्यादकरणि: स्त्रियामजननिस्तथा KośaKaTa. 1. 1521; अकरणिस्त्वजीवनिश्चाभवनिरजननि: । शब्दा इत्यादय: प्रायो विज्ञेया: क्षेपणार्थका: KalpaK. 244. 84.

अजननिन्द्य (a–jananindya) *adj.* not to be blamed by people श्रीमानजननिन्द्यश्च शूरश्चाप्यविकत्थन: YogVā. i. 13. 11.

अजनन्दन (aja–nandana) *m.* **A** Daśaratha (*lit.* Aja's son) आजावजय्यानजनन्दनोऽन्त: स षड्द्विष: पूर्वमसौ विजिग्ये JānaHa. 1. 14; पाकोऽभूदजनन्दनस्य भुवि य: ··· भजामि तमहम् Rāmāṣṭa. 63; **B i** Sanatkumāra (Aja's (i. e. Brahman's) son) अत्र कर्माणि कुर्वन्ति त्रिविधान्यजनन्दन BṛNāraP. 3. 50; **B ii** Dakṣa (Aja's (i. e. Brahman's) son) अथ विष्णवादयस्सर्वे सुप्रशस्याजनन्दनम् ···ययुस्स्वधामानि S'ivaP. ii(2). 14. 52 (84B. 5)

अजनपद (a–janapada) *adj.* without inhabited country side न ह्यजनो जनपदो राज्यमजनपदं वा भवतीति कौटल्य: ArthS'ā. iii. 200. 4 (13. 4); *m.* not an inhabited country or kingdom यो जनपदस्य अवधि: सीमा– अजनपदोऽपि तस्मादपि प्राप्नोति, विशेषानुपादानादित्यर्थ: Pradī. iv. 193B. 27 (*on* iv. 2. 124); PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. (iv. 2. 85); एभ्यश्चातुरर्थिकप्रत्ययस्याजनपदेऽपि लुप् स्यात् PrakriKau. i. 764. 2.

अजनपदार्थ (a–janapadārtha) *adj.* intended or meant for (the locality) other than a country or kingdom अजनपदार्थे आरम्भ: KāśiVṛ. *on* iv. 2. 82; PrakriKau. i. 764 (fn. l. 1); SiddhāKau. 249A. 7.

अजनप्रचारदारुणा (ajanapracāra–dāruṇā) *adj.* (*f.*) fierce because of not being frequented by people स कश्चित्तवेह महाहिदुर्गमायां सह्यगिरितटान्तर्वर्तिन्यामजनप्रचारदारुणायामरण्यभुवि···संभूतवान् UdaySuKa. 36. 20.

अजनयत् (a–janayat) *adj.* [*f.* –ntī] not producing, not generating तद्यथा– शाल्यङ्कुरजननस्वभावनिर्वर्त्यं कार्यमजनयत् कोद्रवबीजम् HetuBiṬ. 87. 5; PrakaPañ. 470. 10; सन्निहितं सदजनयद्विज्ञानम् TātpaṬ.(Vā.) 121. 22 (*on* i. 1. 4); न तावदुक्तरूपानुपलब्धिस्तां विना अभावप्रत्ययमजनयन्ती दृश्यते NyāyKuA. ii(1). 236. 5; NyāyVārPari. 180. 7; आचार: साक्षाद्धर्ममजनयन्नपि धर्मसाधनाङ्गमाचमनादि ManvaVi. 80. 25 (*on* 1. 107); NyāySu.(Ja.) 9A. 3 (*on* i. 1. 1)

अजनयमान (a–janayamāna) *adj.* not producing, unproductive न चाजनयमानस्य हेतुत्वमुपपद्यते । हेतुत्वानुपपत्तौ च फलं कस्य भविष्यति MūlaMāKā. 20. 22.

अजनयित्वा (a–janayitvā) *ger.* having not produced or created शुष्काणि पुष्पाणि···फलान्यजनयित्वा परिपतन्ति LalitāTriBh. 326. 13 (*on* 42); अग्निहोत्रादिकर्माण्यपि स्वर्गसुखहेतुदेवशरीरादिकमजनयित्वा भोगदायीनीति न कैरपि स्वीक्रियते SiddhāTa. 52. 12.

अजनयोनि (ajana–yoni) *m.* name of Pracetas ते च ब्रह्मण आदेशान्मारिषामुपयेमिरे । यस्यां महदवज्ञानादजन्यजनयोनिज: BhāgP. iv. 30. 48 (S'rīdhara अजनयोनिर्ब्रह्मा; Vīrarāghava अजनो ब्रह्मा स एव योनि:)

अजनयोनिज (ajanayoni–ja) *m.* name of Dakṣa (*lit.* born from Ajanayoni i. e. Pracetas) ते च ब्रह्मण आदेशान्मारिषामुपयेमिरे। यस्यां महदवज्ञानादजन्यजनयोनिज: BhāgP. iv. 30. 48.

अजनवादशील (a–janavādaśīla) *adj.* not given or not addicted to gossiping (ब्रह्मचारी) अजनवादशील: (स्यात्) ĀpaDS. i(1). 3. 13.

अजनशङ्का (ajana–śaṅkā) *f.* suspicion about (the child) being the Birthless One (i. e. Viṣṇu) देवकीं वसुदेवं च निगृह्य निगडैर्गृहे। जातं जातमहन्पुत्रं तयोरजनशङ्कया BhāgP. x. 1. 66.

अजनसुत (ajana–suta) *adj.* son of Ajana बुद्धो नाम्नाजनसुत: कीकटेषु भविष्यति BhāgP. i. 3. 24.

अजनस्पर्श (a–janasparśa) *adj.* devoid of the contact of people, lonely पुलिनं रमणीयं वा सिकतोपरि विस्तृतम्। अवातमजनस्पर्शमसमीपस्थदोषवत्। ··· यायात् LakṣmīT. 34. 131.

अजनाग्रीय (a–janāgrīya) *adj.* not in the front of people, not in the presence of people मण्डलं तु प्राग्द्वारमुदग्द्वारं वा जनाग्रीय (v. l. वाजनाग्रीय)मसम्प्रमाणमसंबाधम् S'āṅkhāGS. vi. 2. 6 (*but* Nārāyaṇa जनैर्लोकैरग्रीयं मुख्यं स्तुत्यमित्यर्थ:)

अजनाभ (ajanābha) *m. n.* ancient name of Bhāratavarṣa ऋषभदेव: स्ववर्षमजनाभं नामाभ्यवर्षत् BhāgP. v. 4. 3; अजनाभं नामैतद्वर्षं भारतमिति BhāgP. v. 7. 3; xi. 2. 24.

अजनाभक (ajanābha–ka) *n.* a kind of bulbous root कन्दजानि तु (विषाणि)···°अजनाभकादीनि AṣṭāSaṁ. ii. 330. 13 (6. 40)

अजनाभवर्ष (ajanābha–varṣa) *n.* continent called Ajanābha (ancient name of Bhāratavarṣa) इन्द्रस्त्वदुत्कर्षकृतादमर्षाद् ववर्ष नास्मिन्नजनाभवर्षे Nārāy. v. 20. 5.

अजनाभि (aja–nābhi) *f.* navel of Viṣṇu अजनाभौ तु तद्बीजं क्षिपत्येष महेश्वर: KūrmaP. 733. 3 (2. 38)

अजनामक (ajanāma–ka) *m.* a mineral substance माक्षिकं तु कदम्ब: स्याच्चक्रनामाजनामक: AbhidhāCin. 1054; KośaKaTa. 1. 2899.

अजनामन् (aja–nāman) *adj.* called Aja, Aja by name (Raghu's son) स (रघु:) ···। अजनाम्नि सुते निवेशितश्रीरजरं धाम जरागमे जगाम RāmC. 8. 46; *n.* name of Aja (i. e. Viṣṇu) अजस्रसंकीर्तनयाजनाम्नां मुखादखेदस्फुरिताधरोष्ठात्। ··· दशनांशुजालमन्तस्तप:शुद्धमिवोत्किरन्तम्।··· मुनिम् ··· प्रणनाम राजा Rāgh. 2. 5.

अजनायिका (ajanāyikā) *f.* name of a medicinal plant त्रैलोक्यजननी या स्यादोषधी अजनायिका। तस्या: संपर्कमात्रेण बद्धस्तिष्ठति पारद: Rasā. 12. 28.

अजनारव (a–janārava) *adj.* devoid of the noise of the people अवाद्यमानवादित्रमगीतमजनारवम्। रङ्गस्थलमिवासन्नपात्रागममभूत्पुरम् UdaySuKa. 107. 10.

अजनार्दनप्रिय (a–janārdanapriya) *adj.* **i** not dear to Viṣṇu सेवितपुराणपुरुषोऽप्यजनार्दनप्रिय: ··· तरुणार्कमण्डलमध्यान्मुनिरवातरत् NalaCam. 3. 6 (26); **ii** not given to the harassment of the people, NalaCam. 3. 6 (26)

अजनाविल (a–janāvila) *adj.* not disturbed by people मया बिलेऽनन्यजनाविले (v. l. ऽस्मिन्नजनाविले) काल: ··· नीयते RāmC. 11. 76.

अजनाशन (aja–nāśana) *m.* wolf [pw]

अजनाशम् (aja–nāśam) *adv.* like the perishing of a goat (i. e. miserable or sudden death) अजनाशं नष्ट: PrakriKau. ii. 695. 3; अजनाशम् ··· प्रकीर्तितम् KośaKaTa. 2. 3067; यस्त्वजवत् क्षणात्। विनश्यत्यजनाशं स विनष्ट: परिकीर्तित: KośaKaTa. 2. 643.

[1]अजनि (aj–ani) *f.* path, road दिव्यमज्ममजनिम् Nir. 4. 13 (79. 16)

[2]अजनि (a–jani) *f.* non-generation, absence of birth सतोऽविनाशादसतोऽजनेश्च वृथा तत: कारणमत्र पक्षे SaṁkṣeS'ā. 3. 213 (ii. 274. 19); *adj.* without birth, having no birth अजनिममृतरूपं साम्बमीशं भजन्ते य इह परमसौख्यं ते हि धन्या लभन्ते S'ivāL. 83.

अजनिका (a–janikā) *adj.* (*f.*) which does not produce इष्टस्याजनिका सा च नियोज्येन फलार्थिना। कार्यत्वेन न संबन्धमर्हति क्षणभङ्गिनी PrakaPañ. 434. 23.

अजनित (a–janita) *adj.* not generated, not produced अजनितसत्त्वपुरुषान्यता(? था)ख्यातेस्तु चेतसोऽचरितार्थस्यास्ति साधिकारता TattvVai. 24. 10 (*on* 1. 9); अकृतं नपि। यवव्रीह्यादिसतुषहविष्यजनिते त्रिषु NānārthāSaṁ. ii. 57. 119; प्रदीप: ··· घटादिभिरजनितोऽपि तान् प्रकाशयति PramāMī. 34. 3 (*on* i. 2. 3); अफल: अजनितपरकार्योत्पत्ति: सन् सुपुष्पित: VīraMi.(Rājanīti.) 478. 15.

अजनितकुलिशक्षत (ajanita–kuliśakṣata) *adj.* not having caused a wound (i. e. not wounded) by the thunderbolt अजनितकुलिशक्षतोऽप्यमुञ्चद्रुधिरकणानवरोधकृत्रिमाद्रि: Rāgh. 14. 5.

अजनितक्लेश (ajanita–kleśa) *adj.* who has not caused pain or trouble गुरोरजनितक्लेशो वज्रोऽथ दशपूर्व्यभूत् PariPar. 12. 233.

अजनितत्व (ajanita–tva) *n.* the state of not being created or produced अकृतकस्य संबन्धिस्वभावेनाप्यजनितत्वात् KhaṇḍanKhā. 698. 3.

अजनितफल (ajanita–phala) *adj.* which has not produced the result or effect अजनितफले प्रातिस्विकयोग्यतायां मानाभावात् AdvaiSi. 455. 17; 610. 6; अजनितफलानि च पापानि तत्त्वज्ञानान्नश्यन्ति MaṇiKa. 60. 4.

अजनितबोधत्वभ्रम (ajanitabodhatva–bhrama) *m.* mistaken notion of the state (i. e. fact) that no understanding of the syntactic relatian is produced जनितान्वयबोधे त्वजनितबोधत्वभ्रम: इति दिक् BhāṭṭCin. i. 50. 30 (*on* i. 1. 4)

अजनितव्रीड (ajanita–vrīḍa) *adj.* which has not caused shame अजनितव्रीड: क्रीडारस: TilaMañ. 28. 3.

अजनितशासनभङ्गा (ajanita–śāsanabhaṅgā) *adj.* (*f.*) whose command or order was not violated अजनितशासनभङ्गा स्थिरजङ्गममण्डलै: स्ववने। निखिलप्राणिरुतज्ञा विन्दति पुरत: कथं वृन्दा VidaMā. 5. 2.

अजनिता (ajani–tā) *f.* the state of not having origination प्रकृतिरजोन्चिताऽजनितया च तथैकतया त्रिगुणमयी च सा भवति NayaMañ. I. iv. 2. 3.

अजनितान्वयबोधकत्व (ajanitānvayabodhaka–tva) *n.* the state of

not producing the knowledge of the interrelation (of words) स्वरूपयोग्यत्वे सति अजनितान्वयबोधकत्वमाकाङ्क्षा Tarkāmr̥. 20. 13.

अजनितान्वयबोधत्व (ajanitānvayabodha-tva) *n.* the state of not producing the knowledge of the interrelation (of words) यतो राज्ञ इति पुरुषेण नान्वेति किन्तु पुत्रेण तत एवाग्रेऽपि व्यर्थमजनितान्वयबोधत्वमिति TattvCin. iv(1). 206. 3.

अजनितान्वयबोधदशा (ajanitānvayabodha-daśā) *f.* stage at which the knowledge of the interrelation (of words) is not produced यद्वा त्रयाणां स्मरणेऽजनितान्वयबोधदशायां पुरुषान्वये तात्पर्याभावात् नान्वयबोध: TattvCin. iv(1). 237. 1.

अजनित्वा (a-janitvā) *ger.* without being born यदि तत्र केचिदमृत्वा न गच्छन्ति तत आगच्छन्त्यजनित्वा वा न तर्हि स प्रत्यक्षो देश एवंजातीयक: S'ābaBh. 1348. 2 (*on* vi. 1. 1)

अजनिमत्त्व (ajanimat-tva) *n.* the nature of being free from origin अजनिमत्त्वाच्चास्या: (अविद्याया:) IṣṭaSi. 372. 5; 365. 4.

अजनी (áj-anī) *f.* horse-whip अश्वा॑जनि॒ प्रचे॑त॒सोऽश्वा॑न्त्स॒मत्सु॑ चोदय R̥V. vi. 75. 13; म॒न्द्राज॑नी चोदते अ॒न्तरा॒सनि॑ R̥V. ix. 69. 2.

अजनुराग (aj-anurāga) *m.* colouring or connection with a vowel दृश्यतेऽजनुरागेण भेद: S'lokaVār. 5 (11). 30 (517. 3); यस्तु क्वचिदजनुरागेण भेदप्रत्यय: स केवलानामभावेनान्वयव्यतिरेकाभ्यामौपाधिक इति प्रतिपत्तव्यम् TātpaṬ.(U.) 449. 21 (*on* 5(11). 29); कथमयं विवेकोऽजनुरागरहितानामदर्शनात् NyāyRa. 517. 15 (*on* 5(11). 30)

अजनुस् (a-janus) *adj.* free from birth तव प्रिया प्रकृतिविशेषरूपिणी समागता मयि जनुषेऽजनु: सती BrDharmaP. i. 38. 57.

अजनेरित (a-janerita) *adj.* not trodden or frequented by the people एतान्यरण्यान्यभित: शिवानि योगानुकूलान्यजनेरितानि Saund. 16. 86.

अजन्त (aj-anta) *adj.* ending in a vowel अरुर्द्विषदजन्तस्य मुम् P. vi. 3. 67; MahāBh. i. 484. 4 (*on* ii. 4. 35); ii. 82.6 (*on* iii. 1. 97); द्विविधं प्रातिपदिकं ह्यजन्तञ्च हलन्तकम् AgniP. 350. 4; अजन्तलक्षणदीर्घत्वस्य ... अव्यावर्तनाद्दोषाभाव: Pradī. v. 277B. 7 (*on* vi. 4. 13); iii. 212B. 39 (*on* iii. 2. 178); साधुत्वार्थमज(? द)न्तधातुवर्गमुल्लङ्घ्यापि भवतिमेव प्रथमं निर्दिशति DhātuPra. 1. 1 (5. 1); 1. 233 (25. 4); नाजन्तादेरादिर्द्वि: MugdhaBo. 9. 50 (110. 9); 24. 10 (142. 23); CaturCin. iii(1). 1104. 22; iii(1). 1105. 1; SarvaDaS'aṁ. 15. 323; झलन्तस्याजन्तस्य च क्लीबस्य नुमागम: PrakriKau. i. 196. 8; SiddhāKau. 75A. 12; अजन्ता: पञ्चविंशतिर्निपात्यन्ते PrakriKau. i. 648. 10; SiddhāKau. 210B. 1; अजन्तानां हन्तेरिङादेशगमेश्च दीर्घ: स्यात् सनि PrakriKau. ii. 332. 3; SiddhāKau. 434B. 4; अजन्ताच्च्लेश्चिण् वा स्यात्कर्मकर्तरि तशब्दे PrakriKau. ii. 439. 6; SiddhāKau. 469B. 6; अजन्तपूर्वपदस्य चौ PāṇiTaVāNaMā. 41. 5; PūrvottaVāNaMā. 114. 5; अजन्तो विषयशब्द: S'ivārkaMaDī. i. 20. 33 (*on* i. 1. 1)

अजन्तता (ajanta-tā) *f.* the nature of ending in a vowel सर्वत्र स्वापवादव्यतिरेकेण अजन्तता च गोत्रशब्दस्य CaturCin. iii(1). 1105. 1.

अजन्तत्व (ajanta-tva) *n.* the nature of ending in a vowel (जुहू:) जुहोतेरेवाजन्तत्वसंभवाद्भवति Pradī. iii. 212B. 39 (*on* iii. 2. 178); नलोपस्य सुब्विधावसिद्धत्वादजन्तत्वाभावात् Pradī. vi. 68. 22 (*on* vii. 1. 73); उदात्त(? त्ते)-त्वमिदं क्षिधातुवर्जम् । तस्य त्वजन्तत्वादनुदात्तेत्त्वमित्यागम: DhātuPra. 1. 250 (26. 2); अनुशयशब्दस्याजन्तत्वेन कृदन्तत्वात् SarvaDaSaṁ. 15. 323; ण्यन्तत्वेनाजन्तत्वाच्चिण्वदिट् PrakriKau. ii. 434. 2; Prasā. ii. 482. 14; PūrvottaVāNaMā. 114 5; MīmāKau. iii(2). 28. 18 (*on* ii. 1. 5); SiddhāKau. 465B. 3; नपुंसकह्रस्वत्वं न प्राप्नोति अजन्तत्वाभावात् PariVr̥.(Sī.) 13. 2; 157. 9; LaS'abdeS'e. i. 292. 20; ii. 354. 1; ii. 350. 9.

अजन्तभूतपूर्व (ajanta-bhūtapūrva) *adj.* (verbal root) which previously terminated in a vowel तत्राज्ग्रहणस्य प्रयोजनमजन्तभूतपूर्वमात्रादपि यथा स्यात् MahāBh. i. 484. 4 (*on* ii. 4. 35); इदं तर्हि प्रयोजनमजन्तभूतपूर्वमात्रादपि यथा स्यात् MahāBh. ii. 82. 6 (*on* iii. 1. 97); KāśiVr̥. *on* P. iii. 1. 97; अजन्तभूतपूर्वादिति । अजन्तश्चासौ भूतपूर्वश्चेति कर्मधारय: Nyās. i. 567. 25 (*on* iii. 1. 97); PadMañ. *on* KāśiVr̥. *on* P. iii. 1. 97; PrakriKau. ii. 474. 6.

अजन्तर (aj-antara) *n.* another vowel इट् त्वजन्तराणां व्यावर्तक: Pradī. i. 447B. 14 (*on* i. 1. 56)

अजन्तर्भाव (aj-antarbhāva) *m.* inclusion in vowels (denoted by the Pratyāhāra *ac*) इको यणचि इत्यत्रेक: साक्षाद्विहितेन कार्यित्वेनाजन्तर्भावप्राप्तं निमित्तत्वं बाध्येत Prasā. i. 14. 5.

अजन्तुजग्ध (a-jantujagdha) *adj.* not (partly) eaten by insects अजन्तुजग्धं मृदु च पत्रं गुणवदुच्यते SuśruS. iv. 1. 116; कुटजवल्कमजन्तुजग्धम् (अतिसारवते प्रदद्यात्) SiddhYo. 3. 46.

अजन्तुसंकुल (a-jantusaṅkula) *adj.* not infested with worms, not worm-ridden, स्थानं सूत्रस्य ... आस्तीर्णम् ... फलकै: ... अजन्तुसङ्कुलै: काष्ठै: SamarāSū. 33. 26.

अजन्तोपसर्ग (ajantopasarga) *m.* vowel-ending pre-verb इह सूत्रे प्रशब्दोऽजन्तोपसर्गलक्षणार्थ: Nyās. i. 243. 7 (*on* i. 3. 64)

अजन्मजात (a-janmajāta) *adj.* whose life has not served its purpose तत: प्रभृति सौराष्ट्रै: स्त्रीत्रैषो जातजन्मभि: । अजन्मजातैश्चोपात्त: प्राह राजिभुवो यश: DvyāśraKā. 5. 130.

अजन्मतस् (a-janmatas) *adv.* because of not being born अथवा भाविकत्वेऽपि श्वमांसादिवशादिमे । जायन्तेऽशुचयो भावा नैव नित्या अजन्मत: TattvaSaṁ. 820.

अजन्मता (ajanma-tā) *f.* the state of not being born, birthlessness सङ्गत्यागं विदुर्मोक्षं सङ्गत्यागादजन्मता AnnaU. 5. 4.

अजन्मत्व (ajanma-tva) *n.* the state of not being the origin अजन्मत्वेऽपि असत्त्वनिवृत्तिस्सत्त्वप्राप्तिश्चेत् IṣṭaSi. 183. 3.

अजन्मन् (a-janman) *n.* **A** absence of (normal) birth (i. e. still-birth) मात्रादीनामेव तु खलु गर्भकराणां भावानां व्यापत्तिनिमित्तमस्याजन्म भवति CaraS. iv. 4. 28; **B i** immunity from birth तस्मात्सयोगादधिगम्य योगमजन्मनेऽकल्पत जन्मभीरु: RaghuVa. 18. 33; पुंस: परतरं यच्च व्याप्यजन्मविकारवत् VisṇuP. v. 23. 33; अजन्म काङ्क्षमाणास्ते निर्मुक्ता दोषदर्शिन: BrahmāṇḍP. ii. 4. 7; नालं बीजादिसंसिद्धो विधि: पुंसामजन्मने । तैल[ाभ्यङ्गाग्निदा]हादेरपि मुक्तिप्रसङ्गत: PramāVār. 2. 258; जन्मनिमित्तं हि पिता शशिमौलिरजन्मनो हेतु: EI. i. 114. 25; अजातं नैव गृह्णाति कुरु यत्नमजन्मनि S'ārṅgaPa. 4172; Subhāṣi. 3295; **B ii** non-appearance or non-origination नास्तीति धी: फलं चैषा प्रत्यक्षादेरजन्मन: S'lokaVār. 5(8). 43 (488. 7); मथ्यमानस्याजन्मनि यो विधि: स: ... दर्शित: comm. *on* ĀpaS'S. ix. 3. 3; BhaktiSū.(S'ā.) ii. 1. 21; *m.* **i** one of the thousand names of Viṣṇu अजन्मा शाश्वतो नित्य: ... प्रभु: SkandP. v(1). 63. 79; **ii** one who takes no birth (in this world) जन्मैव मृत्यु: संसारे नास्ति मृत्युरजन्मनाम् DaśāvaC. 8. 607.

अजन्मन् (a-janman) *adj.* **A i** unborn, birthless (epithet of the unborn or Eternal Being, Viṣṇu, S'iva or Jina) पुरुषस्य पदेष्वजन्मन: ... स हि ...चक्षुषा त्रितयं ज्ञानमयेन पश्यति RaghuVa. 8. 78; भगवान्संयोज्यात्मानमात्मनि ...अजन्मन्यमरे विष्णावप्रमेयेऽखिलात्मनि VisṇuP. v. 37. 75; व्यक्तं देवाजन्मन: शाश्वतस्य द्यौस्ते मूर्धा MatsyaP. 154. 9; अजन्मा अभू: VisṇuSaBh. 79. 10 (*on* 60); अजराय नमस्तुभ्यं नमस्ते स्तादजन्मने MahāP. 25. 97; 25. 106; (विष्णु:) अजन्मानेकजन्मा च...निर्गुणोऽपि गुणास्पदम् SkandP. iv. 59. 9; v(1). 7. 19; संयोज्यात्मानमात्मनि । ब्रह्मभूतेऽव्ययेऽचिन्त्ये वासुदेवमयेऽमले । अजन्मन्यजरेऽनाशनि BrahmP. 211. 12; पुरुष: ... अजन्मा जन्म चाप्नोति BhaviP. 578B. 2 (iii(4). 16. 69); अजन्मन: कथं जन्म ... कथय त्वं मुने मम PadmP. iv. 28. 67; अजन्मनो जन्मभृतश्च शौरे: स्वामित्वसंवादि बभूव दूत्यम् Yādavā. 23. 14; **A ii** who is not born at all लब्ध्वा जन्म न य: कश्चिद्घटयेत्पौरुषं नर: । जन्म तस्य वृथा भूतमजन्मा तु विशिष्यते MatsyaP. 148. 35; **B** as good as not born, of worthless or ignoble birth अजन्मा पुरुषस्तावत् ... यावन्नेषुभिरादत्ते विलुप्तमरिभिर्यश: Kirātā. 11. 70 = SūktiRa. 99. 15; रेऽजन्मन् ... भगदत्त तव पापिष्ठस्य कथं तां पुत्रीं दास्यामि SamyaKau. 69. 17; **C** devoid of origin or birth अजन्मनि तथा नित्ये पौर्वापर्यविवर्जिते । तत्त्वे जन्मादिरूपत्वं विरुद्धमुपलभ्यते VākyaP. 3(2). 18; नाप्येते विवक्षाजन्मानो ध्वनय:, अजन्मानो वा विवक्षाव्यङ्ग्या: PramāVāSvopVr̥. 76. 17; अजन्मानो लोका: किमवयववन्त: Mahimna. 6; तस्यैव च (आत्मन:) सर्पस्येवासर्परज्जुवन्निर्भेदाजन्मादृश्याभूतभौतिकस्याश्रयस्य देहादेस्सर्वस्य मायात्मत्वे अभ्युपेयत्वात् IṣṭaSi. 343. 22; 344. 16; वियतोऽजन्मनो जन्म यथा कुम्भादिजन्मना BrĀraUBhVā. i. 4. 355; वितनोषि जनानजन्मन: Gaṅgāva. 7. 25.

अजन्मनाश (a-janmanāśa) *adj.* not subject to birth and death न ह्यादिमध्यान्तमजस्य...विद्मो वयम्...अजन्मनाशस्य...सनातनस्य VisṇuP. iv. 1. 84.

अजन्मनिमित्त (ajanma-nimitta) *adj.* based on non-origination न च तेजोबन्नानां जन्मश्रवणादजन्मनिमित्तोऽप्यजाशब्द: संभवति Bhām. 293. 21 (*on* i. 4. 10); नाप्यजन्मनिमित्त: जन्मश्रवणात् PrakaVi. 339. 23–24.

अजन्मप्रसङ्ग (ajanma-prasaṅga) *m.* contingency of the absence of origin प्रकृतिराकाशस्य कारणमिति कश्चित् । तन्मते प्रकृतेरजन्मप्रसङ्ग: NyāySu. (Ja.) 432A. 4 (*on* ii. 3. 1)

अजन्ममात्रपर (ajanmamātra-para) *adj.* denoting only non-origination न जायत इति योगेनाजन्ममात्रपरस्याजशब्दस्य साङ्ख्याभिमतप्रकृतिपरत्वे विशेषकाभावात् S'ivārkaMaDī. i. 522. 22 (*on* i. 4. 8)

अजन्ममास् (a-janmamās) *m.* month other than that of one's birth

अजन्ममासि निर्मुक्तधनुर्मीनस्थभास्करम् । …लग्नमेतद् मनोहरम् MalliC. 2. 648.

अजन्मर्क्ष (a-janmarkṣa) *n.* constellation which is not that of (one's) birth-star अथ श्राद्धं मासि मास्यपरपक्षेऽन्यतमेऽहन्यजन्मर्क्षे VaikhāGS. 4. 7.

अजन्मसंख्याक (a-janmasaṁkhyāka) *adj.* whose births are countless or innumerable केचिद्वाजन्मसंख्याकाः (जीवाः) YogVā. iv. 43. 5.

अजन्मा (a-janmā) *adj.* (*f.*) birthless अरूपायाश्च मे रूपमजन्मायाश्च जन्म च । सुराणां रक्षणार्थाय विद्धि DevīBhāP. v. 18. 23.

अजन्य (ajanya) *m., n.* **A** unfavourable portent, evil omen, national calamity अजन्यं क्लीबमुत्पातः AmaK. 1685; ईतिरजन्यं च बुधैः … कथितः AbhidhāRaMā. 1. 127; उपलिङ्गं त्वरिष्टं स्यादजन्यं डिंबविप्लवौ Vaija. 98. 190; (अथ पुंनपुंसकलिङ्गः) पूयाजन्यप्रमयसमयाः Liṅgānu.(He.) 126. 1 (comm. अजन्यः उत्पातः); अजन्यमीतिरुत्पातः AbhidhāCin. 126; ईतिरजन्ये प्रवासे स्यात् AnekāSaṁ. 2. 157; राष्ट्रवाकुपुनः । नृशण्डयोरजन्ये च NānārthāSaṁ. i. 137. 1104; उत्पातः … । अजन्ये स्याच्चोत्पतने NānārthāSaṁ. ii. 15. 47; ii. 56. 106; अपूरयत् पाञ्चजन्यमजन्यमिव विद्विषाम् TriṣaS'aPuC. iv. 4. 169; उत्पातेता(? चो)पसर्गः स्यादजन्यं जन्यमित्यपि ParyāS'aRa. 2. 390; ईतिः प्रवासेऽजन्ये स्यात् AnekāTi. 2. 30; उत्पात- … । अजन्यमीतिरित्येते शब्दाः सप्त समार्थकाः S'abdaRa.(Vā.) 581; उत्पातेती अजन्यं च बृहद्भानोरुपाहितः ParaNā. 339; उत्पातः … । पुंसि क्लीबेऽप्यजन्यं स्यात् KalpaK. 404. 224; 129. 361; अजन्यमुपलिङ्गं चारिष्टमौत्पातिकं भवेत् KośaKaTa. 1. 679; **B** war, battle अजन्यायोधने संयद्रणो विग्रह इत्यपि ParaNā. 2427.

अजन्य (a-janya) *adj.* [*f.* -ā] **i** unborn, not produced, which is not a product वस्तु विवक्षितवस्तुप्रतिपादनशक्तमसदृशं तस्य । यदजनकमजन्यं वा तत्कथनं यत्स पर्यायः Kāvyālaṅ.(Ru.) 7. 42; राधां गङ्गा ददर्श सा । …अजन्यां सर्वजननीम् BrahmVaiP. ii. 11. 38; अजन्यं क्लीबमुत्पाते जन्यहीने तु तत् त्रिषु NānārthāSaṁ. ii. 56. 106; तद्वदेवाजन्यं प्रति न कारणत्वम् (कस्यचित्) PramāMī. 43. 5 (*on* i. 2. 12); न चैवं ध्यानक्रियाफलमजन्यम् VivaPraSaṁ. 319. 10; प्रजापतीनां जननीमजन्यां तामेष देवीमनघामसूत Yādavā. 18. 103; ननु कथमप्रामाण्यमजन्यम् YuktiSneha. 21. 32 (*on* i. 1. 2) अजन्यस्तु स्वतः सिद्धः स्वरूपं भाव इष्यते UjjvaNīMa. 402. 5; प्रागभावो विनाशी अजन्यः Tarkāmṛ. 15. 5; अजन्यो यस्स्वसमानाधिकरणान्याभावस्तत्प्रतियोगी GuruCandr. i. 426. 7; LaCandr. 417. 37; अत्र विभुनोरप्यात्ममनसोरजन्यसंयोगसाधनात्संयोगः MānaMe. 13. 1; **ii** unfit or improper to be produced or born; unfit for mankind [PW] **iii** ignoble, debased [DBHS]

अजन्यजनकभूत (ajanyajanaka-bhūta) *adj.* which is neither an effect nor a cause कोऽयमजन्यजनकभूतानामनु(? °नामु)पकारः ? स्वरूपस्य सिद्धेरकार्यत्वात् PramāVāSvopVṛ. 46. 2.

अजन्यजलदत्विष् (ajanyajalada-tviṣ) *adj.* which has the colour of portentous clouds अत्वरन्त निजपुद्गलाहुतिं प्रत्यजन्यजलदत्विषोऽस्रपाः RāmC. 29. 14.

अजन्यज्ञान (ajanya-jñāna) *n.* knowledge which is not a product (i. e. permanent, eternal) अजन्यज्ञाने प्रवृत्तिसंभवपरत्वाच्च GuruCandr. i. 162. 21.

अजन्यता (ajanya-tā) *f.* the state of not being produced आहुर्विज्ञानसामग्रीजन्यत्वे सत्यजन्यता TattvPradī.(Ci.) 122. 8; तत्किमजन्यतया स्यात् Vādā. 107. 2.

अजन्यतात्व (ajanyatā-tva) *n.* essential nature of the state of being not produced अजन्यतात्वस्य जन्यतासामान्याभावनिष्ठत्वेन शरीराजन्यत्वरूपे जन्यताविशेषाभावे अभावात् LaCandr. 403. 29.

अजन्यत्व (ajanya-tva) *n.* the state of not being produced प्रमाया ज्ञानकारणातिरिक्तकारणजन्यत्वं नाम प्रमात्वस्यैवंविधत्वेन वा ज्ञानस्य वा तत्संबन्धस्य वा । नाद्यः । अजन्यत्वात् TattvPrakā. 55B. 3 (*on* i. 3. 28); 55B. 4 (*on* i. 3. 28); न चाजन्यत्वमुपाधिः TattvPrakā. 56A. 1 (*on* i. 3. 28); जीवस्य … तस्य ब्रह्मरूपत्वेनाजन्यत्वात् GuruCandr. i. 158. 2; स आश्रयासिद्धः यथा शशविषाणं नित्यमजन्यत्वात् Tarkāmṛ. 19. 17; वस्तुतस्तु प्रागभावस्याजन्यत्वान्न फलत्वम् MīmāKau. ii. 106. 4 (*on* ii. 4. 2); i. 266. 18 (*on* i. 4. 22); अत्यन्ताभावप्रागभावयोर्ध्वंसवदजन्यत्वेन संसर्गाभावत्वस्य भाव्यतानवच्छेदकत्वात् BhāṭṭCin. i. 5. 25 (*on* i. 1. 1); अजन्यत्वस्यैव समर्थतया शरीरविशेषणवैयर्थ्यात् SarvaDaSaṁ. 11. 176; अप्रामाण्यमप्यवस्तुत्वेनाजन्यत्वादन्यानधीनम् YuktiSneha. 21. 31 (*on* i. 1. 2)

अजन्यत्वकल्पन (ajanyatva-kalpana) *n.* assumption of being not produced तस्याजन्यत्वकल्पनान्नानवस्थादोषः MīmāKau ii. 333. 23 (*on* iii. 3. 11)

अजन्यत्वनिरास (ajanyatva-nirāsa) *m.* refutation of (the view or theory of) non-origination तस्मादाकाशो जायते । … नीलं नभ इति प्रतीतेः । पञ्चीकरणप्रक्रियया रूपवांश्च । एतेनाकाशस्याजन्यत्वनिरासः YatīndraDī. 40. 11.

अजन्यत्वमात्र (ajanyatva-mātra) *n.* the mere state of being a non-product यत्र शरीराजन्यत्वं तत्र सर्वत्राजन्यत्वमात्रमप्यस्ति NyāySiA. 231. 3; ननु क्षित्यादिकमकर्तृकं शरीराजन्यत्वात् गगनवदिति सत्प्रतिपक्षते(? इ)ति चेत् अजन्यत्वमात्रस्यैवाकर्तृकत्वप्रयोजकत्वे विशेषणवैयर्थ्यात् SarvaDaKau. 21. 20.

अजन्यत्वानवधारण (ajanyatvānavadhāraṇa) *n.* non-ascertainment of being a non-product तस्यामवस्थायामजन्यत्वानवधारणाच्छब्दानन्तर्याच्छब्दजन्यत्वं भ्रान्त्यावगम्य शब्दस्य शक्तिर्भ्रान्त्यावगम्यते NyāyRaMā. 92. 1.

अजन्यप्रकाशगुण (ajanyaprakāśa-guṇa) *adj.* having the property of consciousness which is not a product अयमात्मा सति धर्मिणि अजन्यप्रकाशगुणः प्रकाशगुणत्वात् आदित्यवत् VivaPraSaṁ. 241. 9.

अजन्यप्रमात्व (ajanyapramā-tva) *n.* the nature of valid knowledge which is not a product अजन्यप्रमात्वमुपाधिः TattvPrakā. 56A. 2 (*on* i. 3. 28)

अजन्यफल (ajanya-phala) *adj.* having a non-product for its result तदेवमजन्यफलं वस्तुविषयं प्रमाणजन्यं ज्ञानम् VivaPraSaṁ. 328. 9.

अजन्यफलत्व (ajanyaphala-tva) *n.* the state of having a purpose or result which is not a product ननु ज्ञानं मानसी क्रिया, न, वैलक्षण्यादित्युत्तरम् । कथं वैलक्षण्यम् । अजन्यफलत्वात् । उक्तमजन्यफलत्वमहङ्कारटीकायाम् PañcPā. 93. 8 (*on* i. 1. 4); अक्रियात्वे मानस्याजन्यफलत्वमेष्टव्यम् IṣṭaSi. 212. 19.

अजन्यमहिका (ajanya-mahikā) *f.* natural or permanent frost or mist हेमाब्जिनीं वलयितामिव यामिनीभिः छन्नामजन्यमहिकाभिरिवार्कभासम् । … तत्रागतः परिगतां रजनीचरीभिः नारीं निरायतविपद्विधुरां ददर्श RāmC. 19. 42.

अजन्यवह्नि (ajanya-vahni) *m.* natural (*lit.* unproduced) (flash of) fire (e. g. lightning, fire of evil portent etc.) अभिजन्यमजन्यवह्निवत् कपिराजः स्वयमेव पुप्लुवे RāmC. 33. 55.

अजन्यसंयोग (ajanya-saṁyoga) *m.* unproduced (i. e. eternal) conjunction विभुनोरप्यात्ममनसोरजन्यसंयोगसाधनात् संयोगः MānaMe. 13. 1.

अजन्यसंस्कार (ajanya-saṁskāra) *m.* mental impression not caused or produced (by any agency) न च तत्तत्प्रकाराः संस्कारा अनादय एव सन्तीति साम्प्रतम् । अजन्यसंस्कारानङ्गीकारात् VaiyāBhū. 221. 10 (*on* 50)

अजन्या (a-janyā) *adj.* (*f.*) unborn, having no birth or origin राधां गङ्गा ददर्श सा । … अजन्यां सर्वजननीम् BrahmVaiP. ii. 11. 38; अमन्यतैनां तनयां स राजा रुक्मश्च मोहादनुजामजन्याम् Yādavā. 12. 6; 18. 103.

अजन्यान्त (ajanyānta) *adj.* ending with the word *ajanya* ज्ञानकरणाजन्याभावानुभवासाधारणकारणम् अनुपलब्धिरूपं प्रमाणम् । अनुमानादिजन्यातीन्द्रियाभावानुभवहेतावनुमानादावतिव्याप्तिवारणायाजन्यान्तं पदम् VedāntPari. 244. 2.

अजन्याभाव (ajanyābhāva) *m.* non-existence which is not a product (i. e. eternal non-existence) अथवा अजन्याभावसामान्यस्य स्वसामानाधिकरण्यं प्रतियोगित्धं चेत्युभयसम्बन्धेनाभावस्साध्यः GuruCandr. i. 426. 9.

[1]**अजप** (a-japa) *adj.* [*f.* -ā] **A** who does not murmur or repeat prayers or sacred formulas, who has not studied Vedas नाम वास्य वर्जयेत् । राज्ञश्चाजपः प्रेष्यः GautDS. i. 6. 13; ii. 6. 18; भविष्यन्ति कलौ युगे । अजपा ब्राह्मणास्तात शूद्रा जपपरायणाः MahāBhā. iii. 186. 28; iii. 188. 22; xii. 228. 5; xiii. 24. 23; अस्नात्वा न च भुञ्जीयादजपोऽग्निमपूज्य च LiṅgaP. i. 85. 143; अव्रतानाममन्त्राणामजपानां च भारत । प्रतिग्रहो न दातव्यः BhaviP. 17A. 7 (i. 4. 115); अजपः … निर्जपे त्रिषु NānārthāSaṁ. ii. 55. 95; **B** omitting or without repeating the utterance (of the three *vyāhṛtis*, viz. *bhūḥ*, *bhuvaḥ* and *svaḥ*) यदि कस्मैचिदवश्यकर्मणे जिगमिषेदादिश्य पालं प्राङवरुह्य चरित्वा तमर्थमेवमेवाजपयावृतारोहेत् AitĀ. V. i. 4. 24; *m.* **1** other than *japa* or silent muttering of prayers यज्ञकर्मण्यजपन्यूङ्खसामसु P. i. 2. 34; **2** absence of intrigues [SHAMASASTRY] तुल्ये लाभे देशकालौ …जवाजवौ (v. l. जपाजपौ) …च विमृश्य बहुगुणयुक्तं लाभमाददीत ArthS'ā. iii. 70. 4 (9. 4); **3** (a Brāhmaṇa) who does not properly recite his prayers or who recites heterodox texts अजपस्त्वसदध्येता NāmaMāli. 340 = Vaija. 83. 11 = KalpaK. 85. 155; अजपस्त्वसदध्येतर्ययं ना निर्जपे त्रिषु NānārthāSaṁ. ii. 55. 95.

[2]**अजप** (aja-pa) *m.* goat-herd ओषधीर्नामरूपाभ्यां जानते ह्यजपा वने CaraS. i. 1. 120 (1941 Ed.); अजपः … । अजस्य पातर्यपि च NānārthāSaṁ. ii. 55. 95.

अजपत् (a-japat) *adj.* [*f.* -tī, -ntī] not muttering (a prayer etc.) स्वयं जपेदजपन्त्यां प्रास्या इति GobhiGS. ii. 1. 21; अजपत्यां स्वयं जपेत् प्रास्या इति JaimiGS. 1. 20 (20. 5)

अजपति (aja-pati) *m.* **1** the best of goats; **2** name of Mars, lord of the sign of Aries [APTE]

अजपथ (aja-patha) *m.* [DEBRU. p. 55, Gaṇa *devapathādi* on P. v.

3. 100; GaṇRa. 3. 186 (228)] goat's path (a narrow and difficult path through which even a goat can pass with difficulty in a single file only) अजपथशङ्कुपथाभ्यां च Vār. 2 (*on* P. v. 1. 77); अयं चाजपथो नाम श्रूयमाणो विभीषणः । दृश्यमानो विशेषेण भृगुः पातार्थिनामिव BṛKathāS'loSaṁ. 18. 461.

अजपद (aja-pada) *adj.* [AltGr. II. 1. 111; P. v. 4. 120; JaineVyā. iv. 2. 121; S'ākaṭāVyā. ii. 1. 190; SaraKaṇṭhā.(Gr.) v. 4. 140; SiddhaHe. vii. 3. 129] goat-footed अजस्येव पादावस्य अजपदः KāśiVṛ. *on* P. v. 4. 120 = Prasā. i. 605. 12; एणीपदोऽजपदः प्रोष्ठपद इति भद्रपदवत् पदशब्देन सिद्धम् CāndraVṛ. *on* iv. 4. 105; औपम्ये स्यादेणीपदस्तथाजपद इत्यपि KośaKaTa. 1. 5001.

अजपद (aja-pada) *m.* **1** surgical instrument shaped like a goat's hoof वक्त्रान्तरं ततः कृत्वा भिन्द्याद् गुल्मं प्रमाणवित् । विमार्गाजपदादर्शैर्यथालाभं प्रपीडयेत् । मृद्नीयाद् गुल्ममेवैकम् CaraS. vi. 5. 140 (1941 Ed.); AṣṭāHṛ. iv. 14. 86; ततो हृदयमन्त्रं च वर्जयन् गुल्मं विमार्गाजपदादर्शान्यतमेन वक्त्रान्तरितं प्रपीडयन् प्रमृज्यात् AṣṭāSaṁ. ii. 94. 2 (4. 16); **2 i** the sign of the zodiac Aries जायाप्रमाणजनताभिरगापि सः (मैमिः) … । सुप्रातसुश्वसुदिवस्त्रिदशैश्वरो वा एणीपदाजपदभद्रपदादिराड् वा DvyāśraKā. 20. 2 (comm. अजपदो मेषराशिः । स चाश्विनीभरणीकृत्तिकैकपादरूपः) **2 ii** the asterism Pūrvā Bhādrapadā दस्रानलादितिभुजङ्गदिनेशभानां पूषासुराजपदविश्वसमीरणानाम् । वाक्यानि सव्यगतिचक्रभवादिकानि चत्वारि सर्वमुनयः प्रवदन्ति तज्ज्ञाः JātaPā. 17. 102; **3** name of Rudra [Vācaspatya, APTE]; *n.* the word *aja* अजसंबन्धबोधकस्याजपदस्य प्रत्यक्षसंनिधाने ऋषभपदस्याजगतवयोविशेषपरत्ववच्चोदकादजपदसंनिधौ तत्परत्वमेवेत्यर्थः MayūMāli. 676. 1 (*on* x. 2. 29)

अजपदकदण्ड (ajapadaka-daṇḍa) *m.* staff (cleft) like a goat's hoof [DBHS] [PW. 'a kind of pincers (Zange)'] cf. **अजपादकदण्डक.**

अजपर (aja-para) *adj.* having Brahman as the chief, headed by Brahman मुह्यन्ति यत्र कवयोऽजपरा यतन्तः । तम् … वन्दे महापुरुषमात्मनिगूढबोधम् BhāgP. xii. 8. 49 (S'rīdhara and Vīrarāghava ब्रह्ममुख्याः)

अजपशु (aja-paśu) *m.* goat as a sacrificial victim (अष्टकायाम्) गोपशुरजपशु स्थालीपाको वा S'āṅkhāGS. iii. 14. 3; यदेतज्जातिविशिष्टं धानं वयश्च न तदजपशुषु शक्यं कर्तुम् S'ābaBh. 1859. 17 (*on* x. 2. 68)

अजपा (a-japā) *f.* **1** name of a Mantra (also called Haṁsamantra) consisting of a number of specially modulated inhalations and exhalations after muttering the formula *haṁsaḥ so'ham* गायत्री सा परा ज्ञेया अजपा नाम विश्रुता MahāBhā. vi. App. I. 3(36); हकारेण बहिर्याति सकारेण विशेत् पुनः । हंस हंसेत्यमुं मन्त्रं जीवो जपति सर्वदा । …अजपा नाम गायत्री योगिनां मोक्षदा सदा DhyānBiU. 63; BrahmViU. 78; द्रुपदां वा जपेद् देवीमजपां जम्बुकां तथा । … यदि ब्रह्मत्वमिच्छति BṛParāSm. 4. 56 = BālamBha. i. 110. 21 (*on* 1. 25); AhirbuS. 51. 52; स्वर्गापवर्गदा शुद्धाजपा LalitāSa. 198; हंसौ तौ पुंप्रकृत्याख्यौ हं पुमान् प्रकृतिस्तु सः । अजपा कथिता ताभ्यां जीवोऽयमुपतिष्ठति S'āraTi. 25. 52; 6. 63; 6. 64; 14. 80; हंसमन्त्रः अजपा LalitāTriBh. 309. 4 (*on* 32); सर्वा सृष्टिः कृता तेन हंसोच्चारप्रयोगतः । अजपेयं समाख्याता विद्या सर्वाङ्गशोभना LakṣmīT. 24. 58; अजपा नाम गायत्री ब्रह्मविष्णुमहेश्वरी । अजपां जपते यस्तां पुनर्जन्म न विद्यते AgniP. 214. 26; अजपा नाम गायत्री योगिनां मोक्षदायिनी SkandP. iv. 41. 158; ĪśānS'iPa. i. 2. 71; i. 2. 74; PañcaRā.(Nā.) v. 11. 21; (जगदम्बिके) त्वं श्रद्धा च धृतिश्च वसुधा कमलाजपा च DevīBhāP. v. 19. 3; vi. 11. 63; VasiS. 46. 93; TantrSa. 5. 51; 8. 52; हंसचारो महादेवि यथा चलति सर्वदा । अजपा सैव गदिता S'aktiSaṁT. iii. 2. 87; मया पूर्वैरुरजपाम् …निःश्वासोच्छ्वासरूपिणीम् … देवताभ्यो निवेदयामीति संकल्प्य हंसस्सोऽहम् इति मन्त्रं पञ्चविंशतिवारं जपित्वा तदुपरि निःश्वासोच्छ्वासादिकं गायत्रीरूपं भावयित्वा NityoNi. 31. 18; **2** name of a S'akti or personified energy of Umā तासां परमशक्तीनामुमावयवसंभुवाम् । आख्यास्याम्याख्याम् … कामाख्या कमलाक्षी च धृतिस्त्रिपुरतापनी । …त्रिवर्गा गर्वरहिता अजपा जपहारिणी SkandP. iv. 72. 9.

अजपाजप (ajapā-japa) *m.* (symbolical) muttering of the Ajapā-mantra (which comes to 21600 times in a day as so many inhalations and exhalations take place within a day) देवीं प्रार्थ्य गुरूपदेशेन ज्ञातं सहजसिद्धमजपाजपं निवेदयेत् NityoNi. 31. 18.

अजपात्मन् (ajapātman) *adj.* of the nature of the Ajapā *mantra* तारशक्त्यादिकां न्यस्येदजपात्मद्विठान्तिकाम् S'āraTi. 6. 64; व्याहृतीनां महावाक्यपरमात्माजपात्मनाम् TantrRā. 26. 46; TantrSa. 8. 52.

अजपाद् (aja-pād) *adj.* having a goat's foot स विप्रश्च तदाजपाद् । पुरीं माहिष्मतीं प्राप्तः BhaviP. 565B. 9 (iii(4). 11. 70); *m.* **i** name of one of the 11 Rudras (born of Kaśyapa and Surabhi) शास्ताजपादहिर्बुध्न्यः … । एकादशैते रुद्राः S'ivaP. iii. 18. 26 (317A. 5); **ii** name of the 26th asterism Pūrvā Bhādrapadā अजपादश्वयुज्यपि (शून्यभान्याद्गुरग्रजाः) VasiS. 42. 75; 42. 23; NāraS. 51. 4; अजैकपादोऽजपात् । पूर्वप्रोष्ठपदर्क्षकम् JātaPā. 9. 44; **iii** name of the second of the 15 Muhūrtas at night रात्रिमुहूर्तास्त्वजपाद्दौ-द्राग्नेयाख्यपाम्यसंज्ञाश्च VasiS. 17. 8; NāraS. 9. 2; **iv** name of the divinity called *Aja ekapād* [MW.]

अजपाद (aja-pāda) *adj.* **A** goat-footed, CāndraVyā. iii. 2. 48; Gaṇ. Ra. 2. 133 (169); **B** having a foot like that of a goat (i. e. *camasa*) चमसः … अजपादोऽच्छावाकस्य MānS'S. 178. 2; *m.* **1 A** name of the 26th asterism Pūrvā Bhādrapadā पुष्पवती…विचरति गुणमध्ये दुर्भगा वाजपादे VasiS. 24. 29; 42. 42; **1 B** name of the presiding deity of the asterism Pūrvā Bhādrapadā अजपादोऽहिर्बुध्न्यः पूषा चेतीश्वरा भानाम् BṛSaṁ. 98. 5; SthāṇṬ. 78B. 10; **2** name of a sage तौ विष्णुपद्यामजपादहस्तिपादौ सह व्याघ्रपदा सुपादौ…माम्…स्तुतो पिक् DvyāśraKā. 20. 15; **3** name of a Rudra [APTE]

अजपादकदण्डक (ajapādaka-daṇḍaka) *m.* staff (cleft) like a goat's hoof [DBHS] cf. **अजपदकदण्ड.**

अजपाद्द्वितय (ajapād-dvitaya) *n.* pair of two asterisms (i. e. Pūrvā Bhādrapadā and Uttarā Bhādrapadā) अजपाद्वितये … यत्कृतं शनिसंयुक्तं गृह्यते यक्षराक्षसैः VasiS. 39. 29.

अजपाद्धिष्ण्य (ajapād-dhiṣṇya) *m.* asterism Pūrvā Bhādrapadā अष्टम्यामजपाद्धिष्ण्ये … नक्षत्रलाञ्छितो योगो देवानामपि नाशदः VasiS. 42. 33; दाम्भिको दुःसहः शूरश्चाजपाद्धिष्ण्यसंभवः NāraS. 52(0). 25.

अजपाद्भ (ajapād-bha) *n.* asterism Pūrvā Bhādrapadā अजपाद्भे भवेद्व्याधिः सर्वदा निधनप्रदः VasiS. 46. 91.

अजपामनु (ajapā-manu) *m.* *mantra* called Ajapā हंसोऽजपामनुः Tantrābhi. ix. 63. 1.

अजपामन्त्र (ajapā-mantra) *m.* the *mantra* called Ajapā (Haṁsa) अजपामन्त्रजपपरास्तद्देवताध्यानमात्रेणैव मुक्ता भवथ S'aṅkaVi.(Ā.) 117. 19; हंस इत्यजपामन्त्रो वा LalitāSaBh. 114. 32 (*on* 146)

अजपामूलमन्त्र (ajapā-mūlamantra) *m.* the basic *mantra* known as Ajapā अजपामूलमन्त्रस्य हंसरूपत्वेन सोऽहमित्यर्थे निर्धारिते परजीवयोर्भिदागन्धलेशाभावात् कथं योग इति वक्तुं शक्यते S'āṅkaVi.(Ā.) 198. 16.

अजपारूप (ajapā-rūpa) *n.* the form of Ajapā (*mantra*) अजपारूपेण प्राणापाननामकचन्द्रसूर्यनियमने LalitāTriBh. 298. 12 (*on* 27)

अजपार्ण (ajapārṇa) *m*, the (sacred) syllable belonging to Ajapā माजपार्णतारकांश्च तद्बहिः क्रमाल्लिखेत ĪśānS'iPa. i. 19. 86.

अजपार्श्व (aja-pārśva) *m.* name of a prince (son of S'vetakarṇa) (*lit.* having sides black like that of a goat) अजश्यामौ च तौ पार्श्वौ तावुभावपि समाहितौ । … ततोऽजपार्श्व इति तौ चक्राते तस्य नाम ह HariVaṁ. 114. 12; BrahmP. 13. 136.

अजपाल (aja-pālá) *m.* **1** goat-herd, shepherd तेजसेऽजपालम् VājaS. 30. 11; TaiBr. III. iv. 9. 1; महिष्युष्ट्रयजपालानामेवमेव प्रजाक्षयम् । करोति …जातहारिणी KāśyaS. 191A. 21; (अनुजग्मुश्च तं नृपम्) मेषपालाश्चाजपालाः BrahmP. 44. 32; आजीवनार्थमजाः पालयति अजपालः CaturCin. iii(1). 487. 4; KośaKaTa. 1. 7046; अजपालः अजरक्षणजीवनः VīraMi. (Āhnika.) 502. 16; **2** name of the son of Dīrghabāhu and father of Daśaratha दीर्घबाहुरजाज्जातश्चाजपालस्ततो नृपः MatsyaP. 12. 49; **3** name of a king (born in the solar dynasty) अजपालो नृपश्रेष्ठः सूर्यवंशसमुद्भवः SkandP. vii(3). 9. 4; **4** name of a king पुरा बभूव राजर्षिरजपाल इति श्रुतः BhaviP. 705A. 4 (iv. 71. 1)

अजपालादिजात (ajapālādi-jāta) *adj.* born of a goat-herd etc. अजपालादिजाता(? तां)श्च विशेषेण तु वर्जयेत् BṛParāSm. 7. 371.

अजपाविद्या (ajapā-vidyā) *f.* *mantra* called Ajapā आगमेऽप्यजपाविद्याया मूलाधारचक्रमारभ्य सहस्रारपर्यन्तं षट्चक्रस्थदेवतानां गणपत्यादीनां सम्यगुपासनेन…पुरुषः मुक्तो भविष्यति S'aṅkaVi.(Ā.) 198. 5.

अजपित्वा (a-japitvā) *ger.* without muttering a *mantra* नारत्नपाणिर्नास्नातो नोपहतवासा नाजपित्वा … अन्नमाददीत CaraS. i. 8. 20 (1922 Ed.); नाजपित्वा नानिरूप्य देवताभ्यः (अन्नमश्नीयात्) AṣṭāSaṁ. i. 65. 2 (1. 10)

अजपिन् (ajap-in) *adj.* one who does not mutter the (Gāyatrī) *mantra* भुङ्क्ते ह्यजपी पूयशोणितम् ViṣṇuP. iii. 11. 73; SkandP. iv. 10. 52; सहस्रेण (अघोरेभ्यः इति मन्त्रस्य) अजपी च तथा द्विजः … विशुध्यति LiṅgaP. i. 15. 11; BṛDharmaP. ii. 2. 15.

अजपुत्र (aja-putra) *m.* **i** son of Aja (Daśaratha) यस्याजपुत्रो दशरथः शान्तां नाम कन्यामनपत्यस्य दुहितृत्वे युयोज ViṣṇuP. iv. 18. 18; समाजगामाथ महीं हरिः स्वयम् । राज्ञोऽजपुत्रस्य वधूसु(? षु) जन्मने BṛDharmaP. i. 18. 47;

II son of Brahmā (Nārada) द्रुहिणोऽजश्चतुर्मुखः ··· तत्पुत्रोऽथ नारदः NāmMā. 73 (comm. अजपुत्रः)

अजपुर (aja-pura) *n.*~*m.* name of a Naya (territorial subdivision of a Viṣaya) श्रीनगरमुक्तौ राजगृहविषयान्तःपाति अजपुरनयप्रतिब(ब)द्धस्वसम्ब(म्ब)द्धाविच्छिन्नतलोपेत। नन्दिवनाक। मणिवाटक EI. xvii. 321. 26.

अजपुरीष (aja-purīṣa) *n.* faeces of a goat बर्बूरनिम्बकिसलाजपुरीषधूमैः। कासेक्षुराश्मवनितास्तनजेन घृष्टम्। ··· अक्षिण रुजं निहन्ति RasRaSa. 30. 53.

अजपूर्व (aja-pūrva) *adj.* beginning with Aries विंशतिरष्टिः सार्धा पादोना: सप्त चाजपूर्वाणाम् PañcSi. 3. 48 (3. 10)

अजपूर्वक (ajapūrva-ka) *adj.* beginning with Aries रव्यादिकानामजपूर्वकाणां बिन्दूपगस्थानफलं वदामि JātaPā. 10. 52.

अजपृष्ठ (aja-pṛṣṭha) *adj.* having the back like that of a goat औपम्ये ··· अजपृष्ठः KāśiVṛ. *on* vi. 2. 114.

अजपेक्ष (aj-apekṣa) *adj.* having reference to a vowel, with regard to a vowel नैतद्गुणापेक्षम्। किं तर्हि। अजपेक्षम् MahāBh. i. 208. 5 (*on* i. 2. 31); नास्त्यैचोरजपेक्षं पूर्वत्वमिति न भवति स्थानिवद्भावः Nyās. i. 105. 21 (*on* i. 1. 57); i. 137. 18 (*on* i. 1. 73); अजपेक्षमेव चान्तत्वं द्रष्टव्यम् ManuBh. i. 139. 26 (*on* 2. 125); तदेवमजपेक्षस्य पूर्वत्वस्याश्रयणात् कर्मसाधन एव विधिशब्दः PadMañ. *on* KaśiVṛ. *on* P. i. 1. 57.

अजपेक्षा (aj-apekṣā) *f.* reference or relation to a vowel अजपेक्षया पूर्वत्वस्येहाश्रयणात् Pradī. i. 476A. 30 (*on* i. 1. 57); Prasā. i. 791. 8.

अजपोपसंहार (ajapopasaṁhāra) *m.* conclusion of the Ajapā *mantra* (repeated inhalation and exhalation) यदा हंसो नादे लीनो भवति तदा तुर्यातीतमुन्मननमजपोपसंहारमित्यभिधीयते HaṁsU. 2. 0 (*l.* 13)

अजप्तव्य (a-japtavya) *adj.* not to be muttered अतो मामुद्धरासात्वम्··· । अजप्तव्यमथोपव्यं(?) तद्वदानुग्रहाद्विभो PadmP. ii. 38. 9.

अजप्त्वा (a-japtvā) *ger.* without muttering (the *mantra*) अस्नात्वा चाप्यहुत्वा चाप्यदत्त्वा (v. l. चाजप्त्वाऽदत्त्वा) ये तु भुञ्जते। ··· नरकं ते व्रजन्त्यधः DakṣaSm. 2. 62; भुङ्क्ते अजप्त्वा पूयशोणितम् BṛParāSm. 2. 224; नैव भुञ्जीत अजप्त्वा ParāSm. 12. 44.

अजप्रजाधिपकुल (ajaprajādhipa-kula) *n.* family of king Aja कृच्छ्रेणेदमजप्रजाधिपकुलं शान्ताकुटुम्बी मुनिर्वीतापत्यमवर्धयत् JānaPa. 7. 28.

अजप्रतिम (aja-pratima) *adj.* similar to the Unborn (i. e. Viṣṇu) इन्द्रसूनुराशाततया। सायकसंतत्याजप्रतिमं द्रोणं विदार्य संतत्याज YudhiVi. 6. 47 (comm. विष्णुतुल्यम्)

अजप्रवेश (aja-praveśa) *m.* entrance in the sign of Aries राकाकुहूशशिपभास्वदजप्रवेशे लग्नेश्वराः शुभखगैर्युतवीक्षिताश्चेत्। तद्वत्सरे जगति सौख्यमलं प्रकुर्युः TājiNī. iii(2). 43 (433)

अजप्रिया (aja-priyā) *f.* name of the plant *Zizyphus jujuba* (*lit.* pleasing to a goat) शम्यां सक्तुफला लक्ष्मीः शिवा तुङ्गाभिपादपः। अजप्रिया भस्मकाष्ठा NighS'e. 1961; अजप्रिया कुहा कोली विषमोभयकण्टका BhāvPra.(Bhā.) 6(7). 72.

अजप्लुत (aja-pluta) *n.* name of one of the 108 *karaṇas* (postures of the body in dance) गृहावलीनकं लीनं विष्णुक्रान्तमजप्लुतम्। ··· अष्टोत्तरशतं चैव करणानां प्रकीर्तितम् ViṣṇuDhaP. iii. 20. 51.

अजबकुमारी (ajaba-kumārī) *f.* name of an empress पट्टमहिषीमहाराज्ञीं[ज्ञी] अजबकुमारिदेवीसहितरक्षितत्रिवर्गं EI. xii. 246. 15.

अजबन्धन (aja-bandhana) *n.* tying (of) a goat गोनिकेतने। ··· गोनाशमाप्नोति तत्राजबन्धनाद् ध्रुवम् KṛṣiPa. 91.

अजबन्धु (aja-bandhu) *m.* fool [silly like a goat, APTE]

अजबभ्रु (ája-babhru) *adj.* brown like a goat सिलाची नाम कानीनोऽजबभ्रु पिता तव AV. v. 5. 8.

अजबस्त (aja-basta) *m.* name of a pupil of Hiraṇyanābha हिरण्यनाभस्य कृतशिष्यः ··· सोऽकरोच्च चतुर्विंशत्संहिता द्विपदां वरः। ··· गौतमश्चाजबस्तश्च ···इति क्रान्तास्तु सामगाः VāyuP. i. 61. 45.

अजबस्ति (aja-basti) *m.* name of a person शुभ्रादिभ्यः। शुभ्र इत्येवमादिभ्योऽपत्ये ढग् भवति।···शुभ्र···अजबस्ति CāndraVyā. ii. 4. 53; गृष्टयादिभ्यः। गृष्टि इत्येवमादिभ्योऽपत्ये ढञ् भवति। गृष्टि ··· अजबस्ति CāndraVyā. ii. 4. 77; यस्कादिभ्यः।···बहुषु विहितस्य लुग् भवति। ··· यस्क ··· अजबस्ति CāndraVyā. ii. 4. 110; KāśiVṛ. *on* ii. 4. 63; (v. l. अजवस्ति) KāśiVṛ. *on* iv. 1. 123; iv. 1. 136; GaṇRa. 1. 26 (55); 3. 219 (262); 3. 226 (268); Prasā. i. 714. 10; i. 719. 17; i. 727. 10.

अजबाध (aja-bādha) *m.* setting aside or sublation of a goat ननु नियतप्रयोगबलेन गोगतधानादिवाचकतया गोद्रव्येणाजबाधावश्यंभावात्कथं पूर्वः पक्षः MayūMāli. 675. 18 (*on* x. 2. 29)

अजबिन्दु (aja-bindu) *m.* name of a king of the Suvīras अजबिन्दुः सुवीराणाम्···शमश्च नन्दिवेगानामित्येते कुलपांसनाः MahāBhā. v. 72. 14; विननाश ···लोभादैलश्चातुर्वर्ण्यमत्याहारयमाणः सौवीरश्चाजबिन्दुः ArthS'ā. i. 38. 2 (1. 6)

अजबिल (aja-bila) *n.* name of a *liṅga* अजेन निर्मितं दिव्यं साक्षादजबिलं शुभम् LiṅgaP. i. 92. 153.

अजभ (aja-bha) *n.* **1** the asterism of Prajāpati (Rohiṇī) उत्सवभूषणमङ्गलमजभे कार्यं सपौष्टिकं कर्म VasiS. 14. 5; **2** the sign Aries देहो मेषश्चापसिंहाजभानां जीवश्चापी JātaPā. 17. 26.

अजभक्ष (aja-bhakṣa) *m.* name of a plant [PW]

अजभक्षा (aja-bhakṣā) *f.* name of the plant *Acacia arabica* अन्या क्षुद्रदुरालभ्भा मरुस्था मरुसंभवा। विशारदाजभक्षा स्यात् RājNi. 10. 25; विशारदा तुष्टभक्षाजभक्षा मरुसंभवा KalpaK. 301. 471.

अजभद्र (aja-bhadra) *m.* name of the plant *Acacia arabica* कफान्तकोऽजभद्रः स्यात् KalpaK. 284. 315.

अजभाग (aja-bhāga) *m.* area (at the centre in the diagramme) assigned to Aja (i. e. Brahman) स्थापयेद् ग्रामरक्षार्थं सर्वकामाभिवृद्धये। अनुक्तानां तु सर्वेषामजभागादिषु न्यसेत् S'ilpaR. i. 12. 3; MayaMa. 9. 127.

अजभान्तम् (ajabhāntam) *adv.* upto the zodiac sign Aries कन्यकावदनतस्त्वजभान्तम् ··· स्याद्दिनं च यमदिग्ध्रुवगानाम् SiddhāTaVi. 166. 15.

अजभू (aja-bhū) *m.* name of one of the nine sons of Ugrasena नवोग्रसेनस्य सुताः कंसस्तेषां तु पूर्वजः।···अजभू राष्ट्रपालश्च MatsyaP. 44. 75.

अजभूपति (aja-bhūpati) *m.* king Aja (son of Raghu) श्लेस आर्किरजभूपतिराबभ्लास इत्यनुदिशं त्वयि वादाः DvyāśraKā. 8. 47.

अजभृङ्गिका (aja-bhṛṅgikā) *f.* name of a root found in the Himālayas (with a milky juice and used as one of the eight medicaments in Hindu medicine) सातला क्षीरकाकोली विभाण्डी चाजभृङ्गिका RājNi. 432. 1.

अजभोजन (aja-bhojana) *n.* act of eating (the flesh of) a goat पानं सुराया अजभोजनं वा (स्वप्ने प्रशस्तम्) HāriS. ii. 2. 12.

अजमध्य (aja-madhya) *n.* flesh from the central part of a goat पुरीषक्षये ··· °अजमध्ययवशाकधान्याम्लानाम् (उपयोगः स्यात्) CaraS. iv. 6. 11 (1941 Ed.) (comm अजमध्यं छागान्तराधिः)

अजमल (aja-mala) *m.* wheet गोधूमो यवनो (v. l. °ऽजमलो)ऽपुष्पो निस्तुषः सुमनो वृषः ParyāMu. 18. 22.

अजमहामुख (aja-mahāmukha) *adj.* having a large goat's face गृध्रोलूकमुखैश्चैव मेषोष्ट्राजमहामुखैः।···भूतैः···अशून्यमभवन्नित्यम् VāyuP. i. 40. 21.

अजमानिन् (ajamān-in) *adj.* thinking oneself to be the Unborn अविक्लवस्ते परिकर्मणि स्थितो मा मे समुन्नद्धमदोऽजमानिनः BhāgP. ii. 9. 29.

अजमायु (ajá-māyu) *adj.* making sound like that of a goat, shouting like a goat गोमायुरेको अजमायुरेकः ṚV. vii. 103. 6; गोमायुरदादजमायुरदात् ··· नो वसूनि ṚV. vii. 103. 10.

अजमार (aja-māra) *m.* **1** name of a tribe or a prince [*kurvādigaṇa*] GaṇPā. 58. 4; CāndraVṛ. *on* ii. 4. 84; आजमारक्यः। अजमार इत्यन्यः GaṇRa. 3. 210 (254); अजमारक (v. l. अजमार) Prasā. i. 723. 22 (fn. l. 3); **2** name of a son of the companion of king Yaśomati नर्मसचिवकुमारोऽजमारः (अवदत्) YaśasCam. ii. 260. 25; **3** perhaps proper name of a man [pw]; **4** name of a country (modern Ajmer) [APTE]; **5** a butcher [APTE]

अजमारक (ajamāra-ka) *m.* name of a tribe or a prince अजमारक KāśiVṛ. *on* iv. 1. 151; शालीनकर्त्रे जनितान्तवृक्षाजमारकश्यावरथाश्च वेनः GaṇRa. iii. 210 (253); (कुर्वादिभ्यः) एभ्योऽपत्ये ण्यः स्यात् ··· अजमारक Prasā. i. 723. 22.

अजमारादि (ajamārādi) *adj.* (riddle) relating to *aja* (S'iva) and *māra* (Cupid) etc. अजमारादि गूढकम्। विदग्धो दुर्विदग्धानां कुरुते दर्पशान्तये VidaMuMa. 4. 9.

अजमारादिक (ajamārādi-ka) *adj.* beginning with *aja* or *māra* अजमारादिकं गूढं पदपदार्थगूढकम्।···इत्युद्देशकम् VidaMuMa. 1. 16.

अजमारी (aja-mārī) *f.* the plant *Carpopogon pruriens*, cawach अजमारी कोटराक्षी···। एकैकमौषधीबीजं मारयेद्रसभैरवम् Rasā. 5. 12.

अजमित्र (aja-mitra) *m.* name of a Brahmin अजमित्र (नडादिः) JaineVyā. 165. 27 (*on* iii. 1. 88)

अजमिश्र (aja-miśra) *m.* name of a poet कविप्रव(?ब)र्हाग्र्यकुटुम्ब(म्ब)पल्लीकुल्याजमिश्राङ्गभवाङ्गदस्य। पुत्रीम् ··· पत्नीं स लेभे कलिपञ्चनाम्नीम् EI. xiii. 291. 15.

अजमीढ (ajamīḍha) *m.* **1i** name of a Ṛṣi (descendant of Suhotra, seer of ṚV. iv. 43; 44) क उ श्रवत्सप्त पुरुमीळ्हाजमीळ्हौ सौहोत्रौ त्वाश्विनं हि । तं वाम् Sarvānu. 4. 43; ऐक्ष्वाकी जनयामास सुहोत्रात्…। अजमीढं सुमीढं च पुरुमीढं च भारत MahāBhā. i. 89. 26; i. 89. 27; v. 22. 6; अजमीढोऽस्वहार्यश्च …। एते मन्त्रकृत: सर्वे MatsyaP. 145. 103; 196. 47; आहार्योऽथाजमीट(? ढ)श्च VāyuP. i. 59. 99; आर्ष्टिशेनो(? णोऽ)जमीट(? ढ)श्च … । क्षात्रोपेता: स्मृता ह्येते तपसा ऋषितां गता: VāyuP. ii. 29. 112; BrahmāṇḍP. ii. 66. 87; i. 32. 109; भरत: …ख्यातोऽश्वमेधकृत् । ततो भरत[ा]द्भूमन्यु: ततस्सुहोत्र: । [त]तो हस्ति: । ततो विरोचन: । तस्मा[द]जमीढ: EI. iv. 231. 13; हस्तिनश्चैव दायादास्त्रय: परमकीर्तय: । अजमीढो द्विमीढश्च पुरुमीढस्तथैव च MatsyaP. 49. 43; VāyuP. ii. 37. 162; ViṣṇuP. iv. 19. 29; iv. 19. 56; सुहोत्रस्यापि दायादो हस्ती नाम बभूव ह । …हस्तिनश्चापि दायादास्त्रय: … । अजमीढो द्विमीढश्च HariVaṁ. 284*(5); 23. 95; 366*(18); KalkiP. iii. 4. 14; सुहोत्रस्य बृहत्पुत्रो बृहतस्तनयास्त्रय: । अजमीढो द्विमीढश्च पुरुमीढश्च वीर्यवान् HariVaṁ. i. 23. 73 = AgniP. 277. 15; BrahmP. 13. 81; अजमीढ: कार्त्तवीर्यो भद्रसेन: पुरूरवा: । …प्रापु: पूर्वमहीपालाश्चिरजीवित्वम् S'aktiSaṁ. i. 16. 6; **1ii** one belonging to the Ajamīḍha gotra अथाजमीढा: कण्वा: । तेषां त्र्यार्षेय: । आङ्गिरसाजमीढकाण्वेति ĀpaS'S. xxiv. 8. 2–3; अङ्गिराश्चाजमीढश्च कट्य(? ण्व)श्चैव महातपा: । परस्परमवैवाह्या: ऋषय: परिकीर्तिता: MatsyaP. 196. 47; अथाजमीढकण्वा: । तेषां त्र्यार्षेय: प्रवर: आङ्गिरसाजमीढकाण्वेति VīraMi. (Saṁskāra.) 636. 12; **2** a name of Yudhiṣṭhira (*prob.* ājamīḍha) ततोऽब्रवीद्वासुदेव: … कुन्तीसुतं धर्मभृतां वरिष्ठम् ।… निपीड्य पादौ युधिष्ठिरस्याजमीढस्य राज्ञ: MahāBhā. i. 183. 4; धर्मपुत्रोऽजमीढ: TrikāS'e. ii. 8. 14; AbhidhāCin. 707; ParaNā. 2312; KośaKaTa. 1. 5812; KalpaK. 93. 38; **3** name of a king (son of Vikuṇṭhana and Sudevā) विकुण्ठन: … उपयेमे सुदेवां नाम तस्यामस्य जज्ञे अजमीढ: MahāBhā. i. 90. 38; i. 90. 39; **4i** name of a king (son of Sudāsa) अथ चैद्यवराद् विद्वान् सुदासस्तस्य चात्मज: । अजमीढ: पुनर्जात: MatsyaP. 50. 15; **4ii** name of a king (son of Bharata and Nandā) सोमवंशं शृणुष्वाथ … दुष्यन्तस्य शकुन्तलायां भरत: । भरतस्य नन्दायामजमीढ: NaraP. 23. 9 (60. 5); 28. 13 (74. 14); **4 iii** name of a king (son of Rantideva) भरतस्यान्वये चैवाजमीढो नाम पार्थिव: । बभूव MahāBhā. xiii. 4. 2; दुष्यन्तनामाभूद्भरतस्य पिता द्विज । तत्पुत्रो रन्तिदेवोऽभूदजमीढस्ततोऽभवत् BṛDharmaP. i. 59. 37; **5** name of a king of solar dynasty नृगस्य यज्ञस्त्वजमीढस्य चासीत् MahāBhā. i. 50. 5; i. 70. 1; [pl.] name of a people 'जनपदतदवध्यो:' इत्येव ।…अवृद्धाज्जनपदावधे: । अजमीढा: KāśiVṛ. *on* P. iv. 2. 125.

अजमीढपक्ष (ajamīḍha-pakṣa) *m.* party of Ajamīḍha (i. e. Yudhiṣṭhira) यथार्हमानार्थकरा हि पार्थास्तेषां द्वेष्टा नास्त्याजमीढस्य पक्षे (v. l. अजमीढपक्षे) MahāBhā. v. 22. 6.

अजमीढमुख्य (ajamīḍha-mukhya) *adj.* king Ajamīḍha and others इक्ष्वाकुपूरुपृथुराघवधुन्धुमारमान्धातृहैहयययात्यजमीढमुख्यै: । … संपूजिता भगवती मनुजैर्भवानी SaurP. 50. 64.

अजमीढवत् (ajamīḍha-vat) *adv.* like *ṛṣi* Ajamīḍha, as in the case of Ajamīḍha कण्ववदजमीढवदङ्गिरोवदिति ĀpaS'S. xxiv. 8. 3; भेरुण्डा:…एतेषाम् … अङ्गिरोवदजमीढवत्कण्ववत् VīraMi. (Saṁskāra.) 634. 3.

अजमीढसुत (ajamīḍha-suta) *m.* son of king Ajamīḍha अजमीढसुतो जात: क्षीणे वंशे तु सोमक: BrahmP. 13. 100.

अजमीढाख्य (ajamīḍhākhya) *adj.* known as Ajamīḍha हस्ती नाम सुतो जात: … राज्यं दशसहस्रं च तत्र वासं चकार स: । तत्पुत्रस्त्वजमीढाख्य: BhaviP. 418B. 10 (iii(1). 3. 47)

अजमील (aja-mīla) *m.* name of a king (son of king Virocana cf. **अजमीढ**) ततो दुष्यन्त: ततो भ(र)त: ततो भूमन्यु: ततो हस्ती ततो विरोचन: तस्मादजमील: EI. v. 74. 6; vi. 351. 10; सु[हो]त्राद्धस्ती । हस्तिनो विरोचन: । विरोचनादजमील: EI. iv. 304. 11; vi. 336. 5.

[1]**अजमुख** (aja-mukha) *adj.* having the face of a goat, goat-faced प्रजापतेर्दग्धशीर्ष्णो भवत्वजमुखं शिर: BhāgP. iv. 7. 3; दक्षस्य यज्ञशीर्ष्णो हि भवत्वजमुखं शिर: S'ivaP. ii(2). 42. 7 (121B. 9); म्लेच्छास्तु शाका यवना: … हयमुखा गजमुखास्तुरगाजमुखा अपि TriṣaS'aPuC. ii. 3. 682; *m.* name of Prajāpati (Dakṣa) [APTE]

[2]**अजमुख** (a-jamukha) *adj.* (Poet.) not beginning with *jagaṇa* (Amphibrachys) अजमुखश्चीर्गन्तो नवमे ले मात्रासमकम् Chandonu. 3. 65.

अजमुखावासा (ajamukhāvāsā) *f.* name of Gāyatrī (*lit.* residing in the mouth of the Unborn i. e. Brahman) शृणु वक्ष्यामि यत्नेन गायत्र्यष्टसहस्रकम् । … अजा चाजमुखावासाप्यरविन्दनिभानना DevīBhāP. xii. 6. 14.

अजमुखिका (ajamukhi-kā) *f.* name of a Mātṛ (mother goddess) (created by S'iva) (पानार्थमन्धकास्रस्य सोऽसृजन्मातरस्तदा) गोकर्णिकाजमुखिका महाग्रीवा महामुखी MatsyaP. 179. 24.

अजमुखी (aja-mukhī) *f.* name of a Rākṣasī ततस्त्वजमुखी नाम राक्षसी वाक्यमब्रवीत् Rāmā. (GORR.) v. 25. 49.

अजमुदा (aja-mudā) *f.* seed of the plant called Ajwaen अथ कामेश्वरो मोदक: … रम्भाकन्दशतावरी ह्यजमुदा माषास्तिला धान्यकम् … समं चूर्णयेत् RasRaSa. 27. 116.

अजमुहूर्तक (ajamuhūrta-ka) *m.* name of an auspicious period (i. e. Brāhmamuhūrta, five Ghaṭikās prior to sunrise) मात: शृणु…अद्यतनेऽजमुहूर्तके । रात्रौ दृष्टो मया स्वप्न: S'ivaP. ii(3). 9. 17 (133A. 6)

अजमूत्र (aja-mūtra) *n.* goat's urine (बीजच्युतिविजयि) ध्वजलेपादजमूत्रै: पिष्टं वा वारुणीमूलम् RatiRaha. 15.25; 15. 111; S'ārṅgaPa. 3223; S'ārṅgaS. ii. 11. 57.

अजमूर्ति (aja-mūrti) *f.* Viṣṇu's incarnation वामनस्याजमूर्ते: … आश्रमानोकहानाम् । ततिरियम् RāmāCam. 1. 46.

अजमेदस् (aja-medas) *n.* goat's fat अजमेद: शाखादमेदसाम् (प्रधानम्) CaraS. i. 25. 38 (1941 Ed.); गुडमधूच्छिष्टाजमेद:संयुक्तेन तैलेन तलतापनं कुर्यात् Hastyāyur. 228. 26 (2. 29); महिषवराहाजमेदोभिरवसेचयेत् Hastyāyur. 229. 1 (2. 29)

अजमेध (aja-medha) *m.* offering of a goat इष्टं हास्याग्निमेधेन पुरुषमेधेन गोमेधेनाविमेधेनाजमेधेन … भवति य एवं विद्वान् अष्टाकपालेन यजते VādhūlaS'S. iv. 19A. 31; अजमेधाध्वरं कर्तुमारंभं कृतवानहम् । सोऽजो गतो गृहान्मे हि त्रोटयित्वा स्वबंधनम् S'ivaP. ii(4). 6. 5 (199B. 15)

अजमेर (ajamera) *n.* city of Ajmer चपहानिर्महीपति: । अजमेरपुरम्… अध्यास्य सुखितोऽभवत् BhaviP. 425A. 8 (iii(1). 7. 3); 468A. 25 (iii(3). 5. 4); अजस्य ब्रह्मणो मा च लक्ष्मीस्तत्र रमा गता । तया च नगरं रम्यमजमेरमजं स्मृतम् 543A. 31 (iii(4). 2. 2); 465B. 13 (iii(3). 2. 12)

अजमेरक (ajamera-ka) *n.* city of Ajmer धृतराष्ट्रांश एवासौ जनिष्यत्यजमेरके । पृथिवीराज इति स: BhaviP. 464B. 34 (iii(3). 1. 28)

अजमेरीय (ajamer-īya) *adj.* hailing from Ajmer तत्र प्रासादेऽजमेरीयश्रेष्ठिवर्गो नागपुरीयो जाम्बडवर्ग: समायात: PurāPraSaṁ. 31. 14.

अजमेरु (ajameru) *m.* city of Ajmer काबुले…लाहोरे…अजमेरौ…मुलताने …कनौजे…समरकन्दे SiddhāTaVi. 33. 1.

अजमोद (ajamoda) *m.* seeds of *Carum copticum* मृद्वीका° … °कपीतनोदुम्बराजमोदशृङ्गाटकशङ्खिनीफलासवा: षड्विंशति: CaraS. i. 25. 49 (1941 Ed); अगुरु° … °धान्यकाजमोदपृथ्वीका° … °माषाणाम् …कषायं कारयेत् CaraS. vi. 3. 267 (1941 Ed.); स्विन्नं च पाययेदेनं कुष्ठं च लवणानि च । वचाहिङ्ग्वजमोदं च समभागानि सर्पिषा SuśruS. iv. 8. 17; iv. 14. 10; vi. 44. 28; जीरकसर्षपाजमोदशतपुष्पातमालगुल्मांश्च कारयेत् KāmSū. 234. 8 (4. 1); अपामार्ग° … °बिल्वाजाज्यजमोदवार्ताक° … °हरेणुफलानि … इन्द्रियोपशमनानि AṣṭāSaṁ. i. 84. 22 (1. 14); कुष्ठाजमोदकिटिभहिंगुमूलकधान्यकम् । … गणं कटुकसंज्ञकम् । राजा संचिनुयाद्दुर्गे ViṣṇuDhaP. ii. 26. 62; (दद्यात्) कौबेर्यामजमोदं च त्वगेलाश्चेशदैवते S'ivU. 6. 75; अजमोदचूर्णं च मद्येन सह पाययेत् BhelaS. 221. 16 (6. 30); 206. 19 (6. 26); HārīS. iii. 7. 64; अजमोद: … एतेषां कार्षिका भागा: KāśyaS. 98A. 16; 114A. 23; (अश्मरीं भिनत्ति) क्रौंचोष्ट्रगर्दभास्थि° … °तालपत्रिकाजमोदनागरचूर्ण: AṣṭāSaṁ. ii. 79. 14 (4. 13); i. 71. 8 (1. 11); ii. 60. 11 (4. 10); AṣṭāHṛ. i. 15. 33; iv. 8. 77; एलाजमोदमरिचामलकाभयानाम् … क्वाथं पिबेदिह कफप्रचुरज्वरेषु KalyāKā. 9. 73; 9. 94; 9. 99; 9. 102; ग्रन्थिक° … °हपुषाजमोदै: (कल्याणको नाम गुड:) SiddhYo. 4. 38; 25. 36; त्रिकटुश्चित्रकम् । … अजमोदश्च सर्वेषां द्वौ द्वौ भागौ प्रकल्पयेत् RasRaSa. 19. 35; विश्वाजमोदसिन्धूत्थचिञ्चात्वग्भि: समाभया । … अतीसारनाशनी AgniP. 282. 28; ओषधयो वचाबलाजमोदप्रभृतय: AbhinBhā. i. 45. 16 (*on* 1. 121); अजमोद: (वातरोगे) Mānaso. iii. 6. 594; RasRaSa. 14. 47; 19. 35; MātaLī. 11. 26; Hastyāyur. 93. 8 (1. 13); 122. 9 (1. 17); 124. 3 (1. 17)

अजमोदक (ajamoda-ka) *m.* the plant *Carum copticum* or its seed अजमोदकै: । … कङ्कोलत्वग्लवंगीभि: (अशोभत वनम्) PadmP.(Ra.) 42. 18; इक्षुस्तम्बान् जीरकसर्षपमजमोदकं चैव KandaCū. iv. 1. 10; त्र्यूषणं त्रिफला …अजमोदक: । मन्थोऽयम् … हित: CaraS. i. 23. 18 (1941 Ed.); HārīS. iii. 7. 49; SiddhYo. 37. 4; अजमोज(? द)कजीरकाणि । … मण्डं सामातिसाररुधिरं हरति ĪśānS'iPa. i. 45. 179.

अजमोदा (ajamodā) *f.* the plant *Carum copticum* or its seed (मेघश्यामं च तं देशम्) शृङ्गवेराजमोदाभि: कुबेरकप्रियालकै: MatsyaP. 118. 40; कुष्ठाजमोदा किणिही … गण: कटुकसंज्ञित: MatsyaP. 217. 63; कुष्ठाजमोदासुरसादलानि चूर्णम् (भक्षणाज्जयति … पाण्डुरोगम्) HārīS. iii. 8. 31; iii. 5. 27; श्वदंष्ट्रा तालपत्रिका । अजमोदाकदंबस्य मूलम् … शर्करं

भिद्युः(? न्द्युः) AṣṭāHṛ. iv. 11.29; पिप्पली° ··· °मरिचाजमोदाभल्लातकास्थिहिङ्गुनिर्यासा इति दशेमानि दीपनीयानि CaraS. i. 4.9 (1941Ed.); vii. 7.41 (1941 Ed.); सैन्धवाजमोदायुक्तं वा निकुम्भतैलम् । ··· वातशूलेऽवचार्यम् SuśruS. iv. 14.10; v. 5.63; vi. 40.154; KāśyaS. 169B.21; अजमोदा ··· वातगुल्मं निहन्ति AṣṭāHṛ. iv. 14.35; बिल्वाजमोदे ··· तैलं वा कफवातनुत् SiddhYo. 40.26; 25.15; 25.56; 25.61; 51.70; 64.2; S'ārṅgaS. ii. 6.52; अजमोदं (v. l. °दां) विडङ्गं च पिष्ट्वा ··· पाययेत् । कृमिकोपप्रशान्त्यर्थम् RasRaSa. 14.47; RaseCin. 8.47 (102.3); अजमोदा कटुस्तीक्ष्णा दीपनी कफवातनुत् MadaPāNi. 22.375 = BhāvPra.(Bhā.) 6(2).80 = BhāvPraNi. 10.78; Hastyāyur. 118.15 (1.16)

अजमोदिका (ajamod-ikā) *f.* the plant *Carum copticum* or its seed शिफाजगन्धाकारव्यौ मेथिका चाजमोदिका RājNi. 429.28; अन्तःसम्मार्जने ज्ञेया ह्यजमोदा यवानिका । बहिःसम्मार्जने सैव विज्ञातव्याजमोदिका BhāvPra. (Bhā.) 6(1).136; यवानिकोग्रगन्धा च ब्रह्मदर्भाजमोदिका । सैवोक्ता दीप्यका दीप्या BhāvPra.(Bhā.) 6(2).76 = BhāvPraNi. 9.75.

अजमोह (aja-moha) *m.* Creator's bewilderment हरिरजमोहं कर्तुं सवत्सगोपान् विनिर्ममे स्वस्मात् PraboSu. 207.

अजम्भ (a-jambha) *adj.* **1** abstaining from sexual pleasure गुम्फन्नु हारान्वचनैरजम्भः । ··· लक्ष्मीं स रेधुषीमारभतेति नोतुम् DvyāśraKā. 10.76 (comm. अजम्भो मैथुनरहितो ब्रह्मचारीत्यर्थः ।); **2** toothless [PW] (न सन्ति जम्भा दन्ता यस्य सः) (सूर्ये च) भेकः । इति शब्दरत्नावली [S'abdaKaDru.]; *m.* **1** sun [S'abdaKaDru.]; **2** a frog [S'abdaKaDru.]

अजय (a-jaya) *adj.* [*f.* -ā] **1** invincible, unconquerable, undefeatable हिरण्यवर्णो अजयस् सुवीरो जरामृत्युं प्रजया सं विशस्व AV.(P.) xv. 6.5; तार्क्ष्यध्यानान्वितो यश्च त्रैलोक्ये ह्यजयो भवेत् AgniP. 133.24; हत्वा तं तारकं संख्ये देवानामजयं ततः SkandP. i(1). 31.5; असौ यद्यजयो देव त्रैलोक्येष्वपि सुव्रत VāmaP. 8.39; विष्णुरप्यमितौजास्तं ज्ञात्वाजयं(? य्यं) बलेः सुतम् VāmaP. 74.2; एषः ··· अजैषीदजयां मायाम् BhāgP. viii. 22.28; सुरासुराणामजयः ··· परमेश्वरो यस्तं यज्ञमूर्तिं प्रणतोऽस्मि VarāP. 5.52; जिनवरततिः ··· अजया । ···तनोतु मतिं मम CaturJiStu. 42; उत्क्षिप्य शूलमजयम्···उरसि क्षिपति स रक्षः MahāN. 9.28; अस्त्रं कामगमं विमानमजयं मध्येसमुद्रं पुरी सर्वं निष्फलम् MahāN. 9.99; **2** one who cannot win अच् क इत्येवमन्तमशक्तौ गम्यमानायामुत्तरपदं नञः परमन्तोदात्तं भवति । अपचो यः पक्तुं न शक्नोति । अजयः । KāśiVṛ. *on* vi. 2.157.

अजय (a-jaya) *m.* **1** non-victory, defeat अत्र मन्ये समायत्तो जयो वाजय एव वा MahāBhā. vii. 108.4; vii. 105.15; सुखदुःखे समे कृत्वा लाभालाभौ जयाजयौ BhagGī. 2.38; श्याश्विदिवोऽस्पर्शानपादानाजये । श्या अश्वि दिव इत्येतेभ्यः परस्य ततकारस्य नो भवत्यस्पर्शे अनपादाने अजये यथासङ्ख्यम् JaineVyā. 395.16; (*on* v. 3.65); व्यवसायो धृतिर्लोभः कामक्रोधौ जयाजयौ VāyuP. i. 30.235; जयाजयौ च समौ कृत्वा ततो युद्धाय युज्यस्व GītāBh.(S'aṅ.) 48.12 (*on* 2.38); परिणाक्षशलाकासंख्यं द्यूतेऽजये S'ākaṭāVyā. ii. 1.17; जायते ह्यजयस्तेषामसुराणां जयस्तु सः BṛĀraUBhVā. i. 3.120; देवेतराणामजयस्त्वसिद्ध्या तुष्टिर्भवान्याः परमेश्वरस्य LiṅgaP. i. 106.15; जयो हि न्यायकर्तॄणामजयोऽन्यायकारिणाम् SkandP. iii(2). 40.53; ii(7). 11.102; VāmaP. 47.113; अभग्नविक्रमस्यापि निश्चितौ न जयाजयौ RāmāMañ. 140.24; ततो विवदमानेषु निग्रहस्थानवर्त्मनि । स्थितानामजयं ब्रूयात् Mānaso. iv. 2.203(? 403); रविः स्थायी शशी यायी तद्वशाच्च जयाजयौ VasiS. 37.56; कटका विद्विषां सर्वे पर्यायेण जयाजयौ । लेभिरे RājTa.(Ka.) 8.758; यस्तु कोऽप्यजयस्तत्रान्तरायं कर्म कारणम् PārśvC. 1.153; बभाषेऽथ धराधीशो विद्यायत्तौ जयाजयौ S'aṅkaDigVi.(Mā.) 1.73; 8.46; वाचा विधेयः सङ्ग्रामो वचसैव जयाजयौ SāhiSā. 6.54; **2 Ai** epithet of Viṣṇu कृतकार्य कृतप्रज्ञ धर्मज्ञ विजयाजय MahāBhā. vi. 61.49; जय अजय अजित ··· इति स्तुत्वा BṛKathāMañ. 15.198; **2 Aii** name of Bālakṛṣṇa अजयः । इत्येतत् कथितं देवि सहस्रं नाम ··· विष्णोर्बालकत्वमुपेयुषः PāñcaRā.(Nā.) iv. 8.11; **2 Aiii** name of one of the eight deities belonging to Prathamāvaraṇa of Vaśitvavyūha in Jayābhiṣeka गगनो भवनश्चैव विजयो ह्यजयस्तथा । ··· प्रथमावरणे प्रोक्ताः LiṅgaP. ii. 27.122; विजयः अजयः ··· वशित्वप्रथमावरणम् VīraMi.(Rājanīti.) 386.4; **2 Bi** name of a king (a member of Yama's court) भीमजानुर्गयः पृष्ठो नयोऽनघः (v. l. नयोऽजयः) MahāBhā. ii. 8.19; **2 Bii** name of a king दर्भकस्तत्सुतो भावी दर्भकस्याजयः स्मृतः BhāgP. xii. 1.6; विख्यात[कीर्तिगु]हदत्तखुमाणशालिवाहाजयप्रभृतिभ(? भू)पतिवंशरत्नम् EI. xxi. 286.39; **2 Biii** name of a king in Tomara dynasty, son of Mahādeva अजयश्च ततोऽभवत् (महादेवात्) BhaviP. 543B.29 (iii(4). 2.6); **2 B iv** name of a lexicographer, author of Ajayakośa, [Medinīkośa Appendix 2]; **3** name of the first type of Prāṇāyāma called Agarbha प्राणायामः ··· द्विविधः स च कथ्यते । अगर्भश्च सगर्भश्च तयोराद्योऽजयः स्मृतः SaurP. 12.21; **4** name of a river in Rāḍha राढदेशप्रसिद्धनदविशेषः [S'abdaKaDru.]; **5** barber नापितस्त्वजयः स्मृतः AnekāNi. 101.

अजयगर्ह (ajaya-garha) *m.* name of a person [PW]

अजयदेव (ajaya-deva) *m.* name of a king तस्मिन् भुवं बभाराजयदेवः EI. ii. 442.16; महाप्रधानराजश्रीअजयदेवः EI. ix. 123.53; अस्मिन् अजयदेवे पूर्वजप्रासादान् विध्वंसयति सति PrabaCin. 96.8.

अजयन (a-jayana) *n.* defeat मूढैर्नाजयनं भावि व्यभावि पुनरात्मनः Surath. 9.75.

अजयपाल (ajaya-pāla) *m.* **1** name of a king (अ)जयपालदेवविजयराज्ये उत्कीर्णा EI. ii. 279.29; भूपालोऽजयपालोऽभूत्कल्पद्रुमसमस्ततः PrabaCin. 96.3; बालचन्द्रस्य···अजयपालेन सह मैत्री PrabaK. 98.18; मूलराज° ··· °कुमारपाल - अजयपाल - लघुभीम - अर्णोराजैः चौलुक्यैः सनाथीकृताः PrabaK. 101.18; 98.24; अथाजयपालेन प्रासादेषु पात्यमानेषु···श्रीकुमारपालदेवेन प्रासादाः कारिताः PurāPraSaṁ. 47.22; 48.29; **2** name of a person त्रैकायनं गोत्रसेनापतिकील्हणपुत्रसेनापतिअजयपालस्य पद्मेकम(? म्) त्रैकायनगोत्रसेनापति - अजयपालपुत्रराउतसोमराजस्य पद्मेकम(? म्) EI. iv. 153.20; सेनापतिअजयपालपुत्रद्वि EI. iv. 164.67; **3** name of a lexicographer (cf. **अजय**); **4** name of a jurist [PW]

अजयपालदेव (ajayapāla-deva) *m.* king Ajayapāla तदनु अजयपालदेवो राज्ये निविष्टः KumāDePra. 112 (22).2; अजयपालदेवोक्तैश्चारक्षकैर्नार्पिता PurāPraSaṁ. 47.19.

अजयपालनृप (ajayapāla-nṛpa) *m.* king Ajayapāla (पुरोधाः) तां दारुणामपि रणाङ्गणजातघातव्रातव्यथामजयपालनृपादपास्थत् Surath. 15.32.

अजयपालाज्ञा (ajayapālājñā) *f.* command of king Ajayapāla मयि सत्यप्यजयपालाज्ञा KumāDePra. 112(21).27.

अजयपुर (ajaya-pura) *n.* name of a city नवद्वीपकदेशेषु गत्वाजयपुरं ययौ KumāCaSaṁ. 7.3.

अजयप्रिय (ajaya-priya) *adj.* favourite of king Ajaya कीर्तिं स वर्तमानानां भट्टैर्जह्रे जयप्रियैः । अतीतानागतानां तु रूपकैरजयप्रियैः PṛthvīVi. 5.89.

अजयमेरु (ajaya-meru) *m.* name of a fort सुरद्रुममदो जिग्ये मेरोरजयमेरुणा PṛthvīVi. 8.69; दिनैः कतिपयैरेवाजयमेरुं सुदुर्ग्रहम् । लंकादुर्गमिवागम्यं नृपः प्राकारमासदत् PrabhāC. 197.32.

अजयमेरुगोपुर (ajayameru-gopura) *n.* tower-gate of the fort called Ajayameru निर्गमनं श्रियः···। अरु[ण]दजयमेरुगोपुरस्य प्रतिभटमूर्धभिरेव तोरणस्रक् PṛthvīVi. 10.38.

अजयमेरुत्व (ajayameru-tva) *n.* the state of being the unconquerable Meru भवत्यजयमेरुत्वं सार्थं यस्य सुरालयैः PṛthvīVi. 5.120.

अजयमेरुदुर्ग (ajayameru-durga) *m.* a fortress called Ajayameru तद्वास्तु तत्तद्धनवस्तुसारप्राग्भारवीक्षास्तुतधातृसर्गम् । स्वर्गश्रियां जित्वरकान्तिकान्तमतिष्ठिपत् योऽजयमेरुदुर्गम् HammīMaKā. 1.52; सिद्धराज्ञि दिवंगते गूर्जरात्राशालापतयः अजयमेरुदुर्गप्रत्यासन्ने बछिरापुरे गताः KumāDePra. 112(14).26.

अजयमेरुनारी (ajayameru-nārī) *f.* woman from Ajayameru (विषण्णहस्तश्रवणाः) समीयुर्भयं तदेवाजयमेरुनार्यः PṛthvīVi. 6.1.

अजयमेरुपुर् (ajayameru-pur) *f.* city of Ajamer एवंविधामजयमेरुपुरः प्रतिष्ठां कृत्वा सकौतुक इवाजयराजदेवः···दिवमीक्षितुमुच्चचाल PṛthvīVi. 5.192.

अजयमेरुपुर (ajayameru-pura) *n.* city of Ajmer शक्रः ··· अजयमेरुपुरं ललौ HammīMaKā. 4.27.

अजयमेरुमेरुभूभृत् (ajayameru-merubhūbhṛt) *m.* Ajayameru as Mt. Meru [व्यस्]जदजयमेरुमेरुभूभृत्कुहरहरेरपि दूतमेकमग्रे PṛthvīVi. 10.42.

अजयरा (ajaya-rā) *m.* [Prakṛtism for अजयराज] name of a king लाखणपूर्वजाः वासुदेव···अजयरा वीघरा सिंघरा PurāPraSaṁ. 102.28.

अजयराज (ajaya-rāja) *m.* name of a Chāhamāna prince (son of Pṛthvīrāja) तस्मादजयराजोऽभूत् PṛthvīVi. 5.83; 8.59; EI. ii. 61.5.

अजयराजकीय (ajayarājak-īya) *adj.* belonging to king Ajayarāja अस्मि[न्ने]वं(? व) ग्रामे राजपुत्र - अजयराकीय (F. N. अजयराजकीय) सेजायां शासं(स)नेन प्रदत्त(त्तः) EI. xiii. 210.5.

अजयराजदेव (ajayarāja-deva) *m.* king Ajayarāja एवंविधामजयमेरुपुरःप्रतिष्ठां कृत्वा सकौतुक इवाजयराजदेवः PṛthvīVi. 5.192.

अजयराजसूनु (ajayarāja-sūnu) *m.* son of Ajayarāja पुण्यास्तु तस्याजयराजसूनोः को वेदितुं तत्त्वगतीरभिज्ञः PṛthvīVi. 6.25.

अजयवर्मन् (ajaya-varman) *m.* name of a prince तस्मादजयवर्माभूज् जयश्रीविश्रुतः शु(सु)तः EI. ix. 108.9; ix. 121.10.

अजयसागर (ajaya-sāgara) *m.* name of a tank, tank named after Ajaya अजयसागरसंबद्धलटिआनां हलचतुष्टयावच्छिन्ना मदनपुरे भूमिः EI. iv. 158. 12.

अजयसिंह (ajaya-simha) *m.* name of a Cāhamāna king [श्री]कुमरसीहपुत्रेण अजय सि(? सिं)हेन आदीत(दित्त) । ऊगमणियो[इ]सीक्षेत्र(त्रं) EI. xiii. 208. 3.

अजयसीह (ajaya-sīha) *m.* [for अजयसिंह] name of a Cāhamāna king राज॰ कुम्वरसीहपुत्रेण अजयसीहेन कोरेण्ठकस्थाने व्रा(ब्रा)ह्मणसांधीरणसुतनारायणस्य ढीको प्रदत्तः EI. xiii. 211. 2.

अजयहेतु (ajaya-hetu) *adj.* cause of defeat मारुतोऽपि विजयाजयहेतुः YogYā. 5. 15.

अजया (ajayā) *f.* **1** name of one of the two *śaktis* of Durgā सख्यौ च विजयाजये TrikāS'e. i. 1. 53; जया च विजया चैव अजया च जयावती TantrSa. 9. 153; **2** hemp त्रायमाणाजया वीरा चोरकः कटुरोहिणी AṣṭāSaṁ. ii. 214. 9 (6. 9); दाडिमीपिप्पलीद्राक्षापिचुमंदाजयामराः ··· एते गृहांगणे वृक्षाः ··· मंगलप्रदाः VasiS. 39. 192; कपिरोमलता गुप्ता दुःस्पर्शा कच्छुराजया KalpaK. 293. 398 (न जीयते पराजीयतेऽसौ जि कर्मणि अच् स्त्रियां टाप् न जया नञ्समासः) विजया। भाङ्ग सिद्धि इति ख्याता । इति राजनिर्घण्टः [S'abdaKaDru]

अजयाकार (ajayākāra) *adj.* having the appearance of defeat जयोऽयमजयाकारो जयस्तस्मात्पराजयः MahāBhā. x. 10. 12; जयोऽयमजयाकारो भगवन्प्रतिभाति मे MahāBhā. xii. 1. 15.

अजयाभिधान (ajayābhidhāna) *adj.* called Ajaya भूसुभ्रूधवोऽभूदजयाभिधानः VasaViKā. 3. 31.

अजयान (aja-yā́na) *adj.* traversed by goats उप प्रेष्यतं पूषणं यो वहात्यजयानैः पथिभिस्तत्र गच्छतम् AV. xviii. 2. 53 (Sāyaṇa reads अञ्जयानैः and explains अञ्जसा आर्जवेन यान्ति गच्छन्ति एभिरिति अञ्जयानाः । तैः)

अजयावह (ajayāvaha) *adj.* bringing about defeat तद्यायिनां नृपाणामभिमुखमजयावहं भवति (इन्द्रधनुः) BṛSaṁ. 35. 2.

अजयी (ajayī) [w. r. for अजयिन्] *m.* name of a person आंगिरश(स)-अंव(ब)रीष-यौवनास्वे(श्वे)ति त्रिप्रवराय चतुर्वेदविजयीपौत्राय चतुर्वेद-अजयीपुत्राय चतुर्वेद-अह्लिशर्मणे व्रा(ब्रा)ह्मणाय वंटकमेकम् EI. ix. 112. 62.

अजयुद्ध (aja-yuddha) *n.* ramming of goats एके श्रमणब्राह्मणाः श्रद्धादेयं परिभुज्य विविधदर्शनसमारम्भानुयोगमनुयुक्ता विहरन्ति तद् यथा···अजयुद्धे मेषयुद्धे Sphuṭā. iv. 95. 1 (*on* 4. 86)

अजयैषिन् (a-jayaiṣin) *adj.* not hankering for victory योधानामसुखस्पर्शं दुर्धर्षमजयैषिणाम् । तीर्णाः स्म दुस्तरं तात द्रोणानीकमहार्णवम् MahāBhā. vii. 95. 3.

अजयोनिभ (ajayoni-bha) *n.* name of the asterism Pūrvā Bhādrapadā विष्णुत्रयाश्वमित्राजयोनिभान्युपनायने (शुभानि) NāraS. 24. 11.

अजयोपपद (ajayopapada) *adj.* (name) with the word *ajaya* as a prefix अजयोपपदं मेरुं मध्येकृत्य स कृत्यवित् (हम्मीरः)। पुष्करं तीर्थमासाद्य दुष्करं पुण्यमर्जयत् HammīMaKā. 9. 41.

अजय्य (a-jayyá) *adj.* [*f.* -ā] [cf. P. vi. 1. 81] **A** unsurpassable ते होचु संज्ञाय हन्तेदं तथा करवावहा इति यथा न इदमाप्रदिवमेवाजय्यमसदिति S'atBr.(K.) IV. v. 2. 3; अजय्यां ह वै कीर्तिमजय्यां श्रियमजय्यं स्वर्गं लोकं जयति य एवं वेद JaimiBr. 2. 133; **B** impossible to defeat or overcome, unconquerable, invincible ततोऽम्बरात् ··· आगतम् ··· चक्रममित्रतापनम् । ··· सुदर्शनं भीममजय्यमुत्तमम् MahāBhā. i. 17. 20; अजेयाः (v. l. अजय्याः) स्म ··· युद्धे MahāBhā. iii. 13. 119; इदं विश्वं जगत्सर्वमजय्यं चापि सर्वशः । महाभूतात्मकं ब्रह्मन्नातः परतरं भवेत् MahāBhā. iii. 201. 15 (*but* Nīlakaṇṭha अजय्यं कर्मणा न लभ्यम्); iii. 256. 28; v. 95. 3; अशक्यः स रथो जेतुं मन्ये देवासुरैरपि (v. l. अजय्यं तं रथं मन्ये देवैरपि सवासवैः) MahāBhā. vii. 9. 24; vii. 87. 65; vii. 126. 6; viii. 7. 25; viii. 872*(1); देवा ददुस्तस्मै सेनाम्···। देवशत्रुक्षयकरीमजय्यां विश्वरूपिणीम् MahāBhā. ix. 44. 25; xii. 49. 10; तेनाजय्येन मुख्येन राघवेण महात्मना । शपे ते Rāmā. ii. 200*(1); vii. 8. 26; वाटय्योनाश्रितः (नाजय्यं नास्ति नः) किंचिद्यथाजीवमृते धनात् BhelaS. 26. 5 (1. 15); तेन द्विपानामिव पुण्डरीको राज्ञामजय्योऽजनि पुण्डरीकः RaghuVa. 18. 8; विकटाक्षः···। ततः प्रभृत्यजय्योऽभूच्छत्रुभिः संमुखागतैः AhirbuS. 33. 42; MatsyaP. 151. 36; BrahmāṇḍP. iii. 24. 88; आजावजय्यानजनन्दनोऽन्तः स षड् द्विषः पूर्वमसौ विजिग्ये JānaHa. 1. 14; 2. 53; 9. 46; (मगधराजः) आत्मज(? ब)-लेन मानुषेणाजय्यमेव राजहंसमाकलय्य ··· श्रीगर्भं सस्मार AvantiKa. 113. 10; S'iśuVa. 20. 77; अभवत्तनयस्तस्य···सुरविद्याधरैः सर्वैरेकीभूयापि यत्नतः। अजय्यः ··· विनिर्मितः PadmP.(Ra.) 15. 40; 109. 132; MahāviC. 5. 47 (286. 11); ब्रह्मर्षिभिर्नूनमयम् ··· रात्रिचरक्षयाय । नराकृतिर्वानरसैन्यशाली जगत्यजय्यो विहितोऽभ्युपायः BhaṭṭiKā. 12. 57; PāraS. 13. 204; ĀścaCū. 5. 9(3); मनसिजशत्रुमजय्यमलक्ष्यं विरतिमयी शितहेतिततिस्ते । समरभरे विनिपातयति स्म MahāP. 23. 127; RāmC. 23. 62; दक्ष उवाच ··· नमस्तेऽन्धकसूदन । देवेन्द्र त्वम्···अजय्यः BrahmP. 40. 62; देवी सर्वशक्तिसमन्विता । अजय्या चाक्षया DevīBhāP. v. 27. 21; तस्य राज्ञो महिं(? हीं) सर्वान्(? म्) धर्मेण परिरक्षतः [।] अजय्यस्य जिताशेषरिपुभूपालसंहतेः। ···यज्जन्मभूरभूत् (? द्) भूमौ काञ्चिवायिलिति EI. xxii. 242. 95; RāmāCam. 5. 20(9); अर्जे(? ज)य्यस्येषुणा खड्गं दक्षः शत्रुजिदच्छिनत् Rāvaṇā. 18. 41; 18. 49; हिमगिरिरजय्योऽर्कमहसाम् S'rīKaC. 4. 63; बाणैरजय्यं ज्ञात्वारिं मेरकोऽस्त्रैर्गदादिभिः । ववर्ष TriṣaS'aPuC. iv. 3. 147; i. 4. 416; i. 4. 455; ii. 4. 232; ii. 6. 135; भवितारस्तरां पञ्चाप्यजय्या जगतोऽप्यमी PāṇḍaC. 7. 609; 11. 148; अजय्यास्ते द्यूते सकलकितवाः किन्न विजिताः HāsyCū. 148. 15; KīrtiKau. 4. 53; SūktiMu. 22. 5; खपञ्चकेन चाजय्यम् ···। सूरिं विजयसिंहाख्यमद्राक्षीदक्षतं गुणैः SamarāSaṁ. 3. 34; TīrthaKa. 63. 10; PrabaK. 71. 18; निर्जितोऽहमजितेन यत्त्वया लम्भितोन्नतिरनेन न त्रपे । न ह्यजय्यमिह किञ्चिदस्ति ते Yādavā. 17. 91; 12. 91; 23. 3; 24. 94; गुरुभट्टोदयनादिकैरजय्यम् । स हि खण्डनकारमूढदर्पं बहुधा व्युद्य वशंवदं चकार S'aṅkaDigVi.(Mā.) 15. 157; 9. 66; RājTa.(Jo.) 957; रसगन्धकप्रयोगमन्तरेण सपरिवारोऽहमजय्य इति यक्ष्मराजस्य हृदयं विश्वसनीयया तापसीवेषया धारणया गृहीतम् Jīvān. 46. 9; Rāgh. 14. 26; वितन्वन्यत्कोणं विशिखमचिरादेव भगवाननङ्गः केनापि त्रिभुवनमजय्यं विजयते S'ṛṅgāSar. 4; **C** irrefutable अजय्यममितं तीर्थ्यैः अनालीढमहोदयम् ··· परं प्रवचनं सूक्तम् MahāP. 21. 138.

अजय्य (a-jayya) *m.* epithet of Gaṇeśa (*lit.* invincible) अप्रतर्क्योऽक्षयोऽजय्यः (इति वैनायकं नाम्नां सहस्रम्) GaṇeP. i. 46. 70; *n.* contest (difficult to win) गोपालानन्वशात्केलीस्तत्राजय्यं जिगाय तान् (कृष्णः) MugdhaBo. 5. 7 (47. 1) (Rāmatarkavāgīśa अजय्यं जेतुमशक्यं युद्धम्)

अजय्यता (ajayya-tā) *f.* unconquerable state, invincibility चिरेणाजय्यतां ज्ञात्वा दुष्टदानवयोर्युधि । विष्वक्सेनस्तु देवाय न्यवेदयत् AhirbuS. 41. 35; 33. 45; अथ वा विजयाह्वं प्राङ् नगरं तन्नियम्यताम् । धत्ते यदवलम्बेन सह्यभूभृदजय्यताम् ParamāKā. 97. 17.

अजय्यत्व (ajayya-tva) *n.* invincibility मत्तमातङ्गसंदानदामनिर्दलितत्वचः। अजय्यत्वं वदन्तीव यस्य पर्यन्तभूरुहः (रामस्य) JānaHa. 6. 18.

अजय्यदोर्दण्डताण्डव (ajayya-dordaṇḍatāṇḍava) *adj.* frantic movement of whose mighty arms is impossible to overcome तदित्यजय्यदोर्दण्डताण्डवाः खलु पाण्डवः (? वाः) PāṇḍaC. 6. 159.

अजय्यमाहात्म्य (ajayya-māhātmya) *adj.* of unsurpassable magnanimity जयत्यजय्यमाहात्म्यम्··· । शासनं जैनमुद्भासि MahāP. 1. 3.

अजय्यविक्रम (ajayya-vikrama) *adj.* possessing unsurpassable valour शरणमुपस्थिता वयम् ··· । महाबलं गरुडमुपेत्य ··· वरदमजय्यविक्रमम् MahāBhā. i. 20. 14.

अजय्यशक्ति (ajayya-śakti) *adj.* possessing unsurpassable might यथाहवो हव्यवहोग्रतेजसोरजय्यशक्त्योरजयोरजायत JānaHa. 9. 38.

अजय्यात्मन् (ajayyātman) *adj.* of invincible spirit तेजोऽपास्तमुदस्तभास्कररुचामाजावजय्यात्मनां राज्ञां यस्य सहस्रमास्त सविधेऽजस्रं विधेयं स्वयम् (दिल्लीश्वरस्य) ĀnandRa. 7. 56.

अजर (a-jára, á-jara MaiS. iv. 14. 17) *adj.* [*f.* -ā] [AltGr. II. 1. 215; DEBRU. p. 88 / P. vi. 2. 116; in ṚV. a-jára as agent noun, *later* Bv. with *jara* and *jarā* नञ उत्तरे जरमरमित्रमृता बहुव्रीहौ समासे आद्युदात्ता भवन्ति KāśiVṛ. *on* P. vi. 2. 116; न विद्यते जरा यस्य तदजरम् Prasā. i. 198. 12] **1** who does not grow old, not subject to old age (deities, living beings) हव्यवाळग्निरजरश्चनोहितः ··· विभावसुः ṚV. iii. 2. 2; आस्क्रे सपत्नी अजरे अमृक्ते सबर्दुघे उरुगायस्य धेनू ṚV. iii. 6. 4; यजाम इन्नमसा वृद्धमिन्द्रं बृहन्तमृष्वमजरं युवानम् ṚV. iii. 32. 7; क्षत्रं धारयतं बृहद्दिवि सूर्यमिवाजरम् ṚV. v. 27. 6; मध्ये युवाजरः ··· हितः ṚV. v. 44. 3; रुद्रमक्तौ । बृहन्तमृष्वमजरम् ···ऋधग्घुवेम कविनेषितासः ṚV. vi. 49. 10; अयं य उर्वी महिना महिव्रतः क्रत्वा विभात्यजरो न शोचिषा ṚV. vi. 68. 9; वास्तोष्पते ···। अजरासस्ते सख्ये स्याम ṚV. vii. 54. 2; परि पाह्यग्ने। सखा सखायमजरो जरिम्णे AV. viii. 3. 20; छन्दःपक्षे उषसा पेपिशाने ··· । सूर्यपत्नी सं चरतः ··· अजरे AV. viii. 9. 12; तमेव विद्वान्न बिभाय मृत्योरात्मानं धीरमजरं युवानम् AV. x. 8. 44; हिरण्यवर्णो अजरः सुवीरो जरामृत्युः प्रजया सं विशस्व AV. xix. 24. 8; कालो अश्वो वहति ··· अजरः AV. xix. 53. 1; xviii. 4. 88; अग्निराहितो जीर्यति संवत्सरस्य पुरस्तादाग्निपावमानीभिरुपतिष्ठते पुनर्नवमेवैनमजरं करोति TaiS. I. v. 7. 3; I. v. 4. 1; अश्याम द्युम्नमजराजरं ते TaiS. I. iii. 14. 3; IV. iii. 11. 5; रण आ यो घृणे । न ततृषाणो अजरः TaiS. IV. vi. 1. 2; VājaS. 17. 10; अस्याजरासो दमामरित्रा अर्चद्धूमासो अग्नयः VājaS. 33. 1; द्यावापृथिवी ··· अजरे VājaS. 34. 45; TaiĀ. x. 11. 2 (827. 1); S'āṅkhāS'S. iii. 5. 9; KauśiSū. 6. 11;

(अश्वरत्नम्) अजरं दिव्यं सर्वलक्षणलक्षितम् MahāBhā. i. 15. 3; अजरश्चामरश्च स्याममृतेन विनाप्यहम् MahāBhā. i. 29. 14; धातारमजरं नित्यं तमाहुः MahāBhā. i. 57. 86; यौ चक्रतुर्मां भगवन्वृन्दारकमिवाजरम् MahāBhā. iii. 124. 10; iii. 895*(1); xiii. 14. 98; xiii. 14. 191; xiii. 18. 6; अम(v. l. ज)राः ··· कथं स्याम निरामयाः Rāmā. i. 44. 15; HariVaṁ. 112. 118; अजरोऽमरसंनिभः SuśruS. iv. 13. 13; वनानि रम्याण्यजराश्च योषितः Saund. 10. 61; तैलप्रयोगादजराः ··· दैत्याधिपतयः CaraS. i. 27. 284; त्वाम् ··· । दयालुमनवस्पृष्टं पुराणमजरं विदुः RaghuVa. 10. 19; JayāS. 27. 46; भविष्यत्यजरः श्रीमान्कन्दर्प इव रूपवान् MatsyaP. 69. 15; 185. 59; स्वभाभिर्भासयन्वेश्म वृन्दारक इवाजरः MārkP. 16. 85; VāyuP. i. 46. 14; BrahmāṇḍP. i. 29. 87; Hitopa. 0. 3; S'ārṅgaPa. 669; S'iśuVa. 19. 102; अजमजरम् ··· पशुपतिं प्रपन्नोऽन्यदेवताशून्यममन्यत त्रैलोक्यम् HarṣaC. 151. 7; अजमजरमचिन्त्यं चिन्तयित्वा भवन्तम् VeṇīSaṁ. 6. 644; अजरा चाप्रमेया च सर्वभूतनमस्कृता AṣṭāSaṁ. ii. 173. 18 (6. 1); i. 26. 12 (1. 6); MahāP. 23. 171; 25. 97; RāghPāṇ.(Dha.) 4. 32; NalaCam. 1. 62. (3); PārāSū. 31. 27; SiddhYo. 69. 5; तमादिदेवमजरं ज्ञानरूपं नतोऽस्म्यहम् BṛNāraP. 2. 47; अजरश्चामरश्चापि मत्प्रसादाद्भविष्यसि VāmaP. 8. 64; 46. 24; PadmP. ii. 53. 52; v. 16. 6; SkandP. vii(1). 282. 10; vii(3). 41. 37; S'ivaP. ii(5). 1. 37 (219B. 13); BrahmP. 1. 2; 36. 39; BhaviP. 177A. 24 (i. 120. 17); AdhyāRā. i. 2. 7; अजरो बहुभोक्ता च तत्र बद्धो भवेद्धयः SamarāSū. 33. 50; KathāSaSāg. vii. 6. 64; ĪśānS'iPa. i. 15. 7; i. 19. 48; SamarāSaṁ. 8. 537; RauhiC. 357; DhūrtaSa. 71. 5; NītiMañ. 51; YudhiVi. 1. 4; S'ilpaRa. ii. 23. 39; Acyutarā. 5. 30; RasSa. 48; **2** not decaying, not diminishing, not wearing off, ever–fresh, long–lasting, imperishable (inanimate objects or abstract notions) समिद्धस्य श्रयमाणः पुरस्ताद्ब्रह्म वन्वानो अजरं सुवीरम् ṚV. iii. 8. 2; प्र वामवोचमश्विना धियंधा रथः स्वश्वो अजरो यो अस्ति ṚV. iv. 45. 7; प्रति ते ते अजरासस्तपिष्ठा अघशंसं शोशुचतो दहन्तु ṚV. x. 87. 20; x. 91. 7; i. 143. 3; viii. 23. 4; vii. 3. 3; vi. 6. 2; iii. 18. 2; अजातशत्रुमजरा स्वर्वत्यनु स्वधामिता दस्मीयते ṚV. v. 34. 1; अस्माकमग्ने मघवत्सु धारयानामि क्षत्रमजरं सुवीर्यम् ṚV. vi. 8. 6; TaiS. I. v. 11. 2; AV. vi. 98. 2; त्रिनाभि चक्रमजरम् ṚV. i. 164. 2; i. 164. 14; कुर्मस्त आयुरजरं यदग्ने ṚV. x. 51. 7; हविष्पान्तमजरं स्वर्विदि दिविस्पृश्याहुतं जुष्टमग्नौ ṚV. x. 88. 1; दशाभीशुभ्यो अर्चताजरेभ्यः ṚV. x. 94. 7; कक्षीवान्···दिवि श्रवोऽजरमा ततान ṚV. i. 126. 2; ये ते शृङ्गे अजरे जातवेदः ··· ताभ्याम् ··· किमीदिनं प्रत्यञ्चमर्चिषा ··· वि निक्ष्व AV. viii. 3. 25; इन्द्रासोमा ··· युवम् ··· । तपुर्वधेभिरजरेभिरत्रिणो नि ··· विध्यतम् AV. viii. 4. 5; इमौ ते पक्षावजरौ पतत्रिणः ··· अग्ने TaiS. IV. vii. 13. 1 = VājaS. 18. 52; घृतं पिन्वन्नजरं सुवीरं ब्रह्म समिद् भवत्याहुतीनाम् TaiS. V. vii. 8. 2; दिवि ज्योतिरजरमारभेताम् TaiBr. III. vii. 5. 11; Mitā. 170. 11 (*on* 2. 52); एतद्वै तदक्षरं गार्गि ब्राह्मणा अभिवदन्ति ··· अजरम् S'atBr. XIV. vi. 8. 8; XIV. vii. 2. 30; स वा एष प्राण एव प्रज्ञात्मानन्तोऽजरोऽमृतः S'āṅkhāĀ. 5. 8 (22. 8); तच्छान्तमजरम् PraśnaU. 5. 7; वेदाहमजरम् ··· सर्वात्मानम् S'vetāU. 3. 21; अजरः ··· अहमस्मि BāṣkaU. 24; ĀrṣeU. 9. 3; ततो दिव्यमजरं प्राप्य लोकम् MahāBhā. i. 84. 15; न सख्यमजरं लोके MahāBhā. i. 122. 5; अजरां ज्याम् ···समयोजयत् MahāBhā. iii. 165. 14; ब्रह्म परमव्यक्तमजरं ध्रुवम् MahāBhā. xii. 233. 13; प्रीतिं चेच्छत्यजरां वै त्वया सः MahāBhā. xiv. 9. 14; v. 45. 5; vii. 164. 113; viii. 22. 45; xii. 175. 11; xii. 192. 123; xii. 304. 17; अजरः कम्बलः MahāBh. ii. 83. 9 (*on* iii. 1. 105); दुर्लभं शान्तमजरं परं तदमृतं पदम् BuddhaC. 12. 106; Saund. 3. 10; S'atTrayī 188; S'āntiS'. 3. 24; Subhāṣi. 3452; VijñāS'. 15; वर्षशतं वयोऽजरं तिष्ठति CaraS. vi(1). 2. 4; vi(1). 2. 7; vi(1). 2. 8; भगवान् ··· । अवस्थाय ततोऽप्येति प्रद्युम्नमजरं विभुम् AhirbuS. 4. 62; 2. 7; अजरमविनाशि चात्र धर्मः प्रतिष्ठितः S'ābaBh. 1646. 15 (*on* ix. 1. 3); तदभयमजरममृत्युपदं ब्रह्मक्षेमप्राप्तिरिति NyāyBh. 33. 3 (*on* i. 1. 22); अक्षय्यं नान्यदाधारममेयमजरं ध्रुवम् ViṣṇuP. i. 2. 20; v. 23. 34; v. 38. 21; MārkP. 45. 33; VāyuP. i. 37. 7; संसारचक्रमजरं स्थितिर्यस्य न विद्यते MārkP. 10. 46; ततो दिव्यमजरं प्राप्य लोकं प्रजापतेः MatsyaP. 38. 16; अजरं दिव्यम् ··· धनुः (प्रददौ भार्गवाय सः) BrahmāṇḍP. ii. 25. 41; अजरा ज्याभवच्चापि साम्बिका धनुषो दृढा MatsyaP. 133. 38; दत्तवान् ··· । क्षीरोदश्चामलं हारमजरे च तथाम्बरे MārkP. 82. 24; BṛĀraUBh. 623. 10 (*on* iv. 4. 6); AitUBh. 249. 18 (*on* 1. 1); GītāBh. (S'aṅ.) 540. 13 (*on* 18. 55); उपरिष्टान्मन्त्रान् जपेत् ··· अजरं कोशं ध्यात्वा ChāndoUBh. 182. 16 (*on* iii. 15. 7); KenUBh. 29. 3 (*on* 1. 0); SvātmaNi. 105; BālaKrī. ii. 63. 17 (*on* 3. 165 ? 176); अजरं धाम जरागमे जगाम RāmC. 8. 46; NyāyMañ. ii. 76. 31; पूतोऽसंसर्गिधर्मत्वादजरोऽपरिणामवान् BṛĀraUBhVā. v. 16. 83; i. 2. 225; LakṣmīT. 10. 5; BālRā. 10. 92; (नरः यातु) अक्षय्यं चाजरं स्थानम् VarāP. 205. 31; आत्माजरोऽमरोऽभेद्यः AgniP. 380. 2; KūrmaP. 41. 4 (1. 4); 655. 3 (2. 29); मां विपाट्याजरां नावं यत्र विश्वं प्रतिष्ठितम् BhāgP. iv. 17. 21; iii. 25. 20; अजेयमजरं नित्यमतीन्द्रियमनीश्वरम् BrahmP. 242. 10; SaurP. 11. 24; DevīBhāP. v. 9. 2; YogVā. iii. 2. 36; iii. 9. 50; iii. 9. 76; iii. 10. 18; iii. 10. 36; v. 17. 33; आनन्दाजरामृतप्रज्ञात्मादीनां तदसाधारणधर्माणामस्मिन् ··· अनुगमात् BrahmSūBh.(S'rī.) i. 286. 4 (*on* i. 1. 29); (अपाम् ··· पतिर्भवसि) रेतोरूपेणाजराणाम् KarmaNi. 4B. 9; AnuVyā. 30A. 2 (*on* 2. 2); तदाद्यं तत्त्वानामजरमपरिच्छेद्यमपरम् ··· परमपदमाविर्भवतु मे NīlaVi. 94. 8; SetuBa. 43. 2; **3** new, not old नयोक्तव्याजरासंधं वागितोऽन्या न वर्तते RāghPāṇ.(Dha.) 18. 64 (comm. अजरा नूतना); *m.* **1A** name of Jina बुद्धः ··· अच्युतः ··· अजरोऽजय्यः MahāP. 25. 109; **1B** name of a deity in Tantric worship related to the letter *pha* म मृषा भयसारा स्यान्मध्यमा फोऽजराय च AgniP. 146. 7; **2** God [APTE]; **3** name of a plant [APTE]; [अजर as the meaning of (i) letter *va* वकारो वरुणो बालो भेदः खड्गीश्वरोऽजराः Tantrābhi. (1) 3. 16; (ii) letter *ṇi* णिर्वृक्रोऽजरः EkārthaNā. 1. 55]; *n.* [द्वाराग्र°···°पञ्जराजर°···°छत्राणि नपुंसके Liṅgānu.(Pā.) 107. 24; सोरमादेशे कृते संनिपातपरिभाषया न जरस्, अजरम् SiddhāKau. 75B. 11]; **1** gold मङ्गल्यसौमेरवशातकुम्भशृङ्गारचन्द्राजरजाम्बवानि ।··· नेत्राब्धिनिर्धारितनाम हेम RājNi. 206. 8; **2** courtyard अङ्गणे त्वङ्गमसलमजरं चाजिरं तथा ParyāS'aRa. 2. 21; **3** indigestion cf. **अजरत्रास**; **4** Supreme Spirit [APTE]

अजरक (a–jaraka) *m. n.* indigestion योगराजः । ··· यक्ष्मविषमज्वराजरककासश्वासापस्मारहरश्च AṣṭāSaṁ. ii. 102. 25 (4. 18); पेयोऽयम् ···। श्वित्रे कुष्ठेष्वजरके AṣṭāHṛ. iv. 15. 24; iv. 16. 19; मण्डूरवटका ह्येते ···। कुष्ठान्यजरकं शोफम् ···प्लीहानं नाशयन्ति च SiddhYo. 8. 27.

अजरक्त (aja–rakta) *n.* blood of a goat पुत्तलीमजरक्ताक्ताम् ··· । छित्त्वा छित्त्वा प्रजुहुयादजरक्तान्वितां निशि S'āraTi. 22. 44; 22. 45.

अजरक्षणजीवन (ajarakṣaṇa–jīvana) *adj.* earning livelihood by looking after or rearing goats अजपालः अजरक्षणजीवनः VīraMi.(Āhnika.) 502. 16.

अजरंजरीभाव (ajarañjarī–bhāva) *m.* non-decrepit decrepitude, survival in repeated deaths अस्यैव च प्रेत्यभावस्याजरञ्जरीभाव इति वैदिकी संज्ञा Upask. 279. 5 (*on* vi. 2. 15)

अजरठकण्ठीरव (ajaraṭha–kaṇṭhīrava) *m.* young lion निरस्य नीलोत्पलमजरठकण्ठीरवकण्ठकेसरस्तबकमकरोत्कर्णावतंसम् (राजपत्नी) NalaCam. iv. 9(55)

अजरठत्व (ajaraṭha–tva) *n.* softness, delicacy (of style) (बन्धस्य) अजरठत्वं सौकुमार्यम् KāvyālaṅSū. iii. 1. 22.

अजरठपद्मिनीपत्त्र (ajaraṭha–padminīpattra) *n.* tender leaf of a lotus-plant न जललवमौक्तिकक्षोदतारकितान्यजठर(? रठ)पद्मिनीपत्राणि पार्श्वेऽप्यकारयत् Kād. 248. 7.

अजरठमरठी (ajaraṭha–maraṭhī) *f.* young Maraṭhī woman लसति···। उन्मेषश्चम्पकानामजरठमरठीगण्डपालीविलासः KarṇaSu. 1. 42.

अजरण (a–jaraṇa) *n.* **1** absence of decay अजरमजरणधर्माणम् Nir. 4. 27 (89. 8); **2** indigestion (चतुःसुधरसः) हन्यात्सर्वमरुद्गदान् ··· निर्वीर्यत्वमरोचकं त्वजरणं शूलं च गुल्मादिकम् RasRaSa. 21. 110.

अजरणधर्मन् (ajaraṇa–dharman) *adj.* possessing characteristics of non-decaying अजरमजरणधर्माणम् Nir. 4. 27 (89. 8)

अजरणा (a–jaraṇā) *f.* indigestion सेवया परिहार्याणां रसस्याजरणा भवेत् RasRaSa. 30. 92.

अजरत् (a–jarat) *adj.* not decaying [MW] cf. **अजरन्ती**.

अजरत्रास (ajara–trāsa) *m.* trouble of indigestion मगधाभिख्यया ख्यातो विषयोऽस्ति समुज्ज्वलः । ··· क्षरद्भिरजरत्रासत् (? °त्रासात्) पीतक्षीरोदवत् पयः ।···गोधनैः सितकक्षपूः(? भूः) PadmP.(Ra.) 2. 11.

अजरत्व (ajara–tva) *n.* **A** being free from old age or decay, the state of freedom from aging तावुभावपि जरामरणयोः कुपिताविवाजरत्वस्यामरत्वस्य वा प्रीतावजरममरं मे शरीरं विधत्तामिति TantrVā. 66. 2 (*on* i. 2. 49); अयं तु अजत्वात् अजरत्वाच्च अविनाशी यतः, अत एव अमृतः BṛĀraUBh. 657. 14 (*on* iv. 4. 25); AgniP. 124. 18; Bhām. 158. 9 (*on* i. 1. 28); VedāntDī. 26. 7 (*on* i. 1. 29); आनन्दत्वम् अजरत्वम् अमृतत्वञ्च ब्रह्मपरिग्रहे युज्यते नान्यथा VedāntKau. 44. 2 (*on* i. 1. 29); NyāySiA. 220. 26; BrahmSūBh.(S'rī.) i. 428. 2 (*on* i. 3. 12); **B** status of a divinity (*lit.* ageless state) (जातिः) अजरा अजरत्वं देवत्वं तत्प्राप्तिहेतुत्वात् ManvaVi. 209. 23 (*on* 2. 148); राजरे तु शशाङ्कत्वमजरत्वं च रोहणे RaseCin. 1. 15 (6. 7)

अजरत्वादि (ajaratvādi) *adj.* the state of non-aging etc., freedom from old age or decrepitude etc. तदर्थं शान्तत्वाजरत्वादयः किं मुख्या उतामुख्याः S'rutaPra. ii. 27. 24 (*on* i. 3. 12)

अजरन्ती (a–járantī) *adj.* (*f.*) [DEBRU. p. 163] non-aging, non-

decaying, not growing old or decrepit तुविक्षत्रामजरन्तीमुरूचीं सुशर्माणमदितिं सुप्रणीतिम् AV. vii. 6. 2 = TaiS. I. v. 11. 5 = VājaS. 21. 5; S'āṅkhāS'S. ii. 2. 14.

अजरपुर (ajara-pura) *n.* city of the gods, heaven शरवद्धिश्वं विलिम्पन्नजरपुरधुनीफेनपुण्यैर्यशोभिः EI. xv. 283. 18.

अजरप्रतिष्ठ (ajara-pratiṣṭha) *adj.* having undecaying or unaging status or standing वेदप्रोक्तोऽहमजरप्रतिष्ठः MahāBhā. v. 45. 27; अजरे जरामरणवर्जिते स्वे महिम्नि तिष्ठतीत्यजरप्रतिष्ठः SanatBh. 310. 12 (*on* 4. 28)

अजरभीषणा (ajara-bhīṣaṇā) *adj.* (*f.*) undiminishingly (i. e. increasingly) terrible रुधिरपटलपाटलस्फुरितबन्धुजीवभूषणायामजर(?)भीषणायां शरदि···पुरुषसहस्राण्यभूयःप्रबोधनाय स्वापयेयम् AvantiKa. 51. 6.

अजरयु (ajara-yú) *adj.* [DEBRU. p. 847] not subject to aging or old age and decrepitude नासत्या रथेन वि पर्वताँ अजरयू अयातम् RV. i. 116. 20.

अजररूपधारिन् (ajararūpadhār-in) *adj.* bearing the form of a god अनादिरायोऽजररूपधारी हारी किरीटी मकरध्वजाभः । जयं करोतु PadmP. iv. 5. 10.

अजरश्री (ajara-śrī) *f.* undiminishing wealth शिवसुखमजरश्रीसंगमं चाभिलष्य स्वमभिनियमयन्ति क्लेशपाशेन केचित् JinaCatur. 21.

अजरस् (a-jaras) *adj.* devoid of old age, unaging अजरसः खल्वमरा वयमिति ग्राम्यः प्रशंसोपक्रमः NalaCam. 5. 54 (14); सजरसमजरः परिल्पजद्विजरः सञ्जरसं च संगरे । ··· शात्रवम् DvyāśraKā. 1. 199; अजरसम् । ··· अजरसी । ··· अजरांसि MugdhaBo. 3. 89 (24. 2); PrakriKau. i. 198. 6.

अजरस् (a-jaras) *m.* name of a son of Prāṇa प्राणस्य द्युतिमान् पुत्र उत्पन्नस्तस्य चात्मजः । अजराश्च तयोः पुत्राः पौत्राश्च बहवोऽभवन् MārkP. 52. 18.

अजरस (a-jarasa) *adj.* not decaying तदेतच्चक्षुष्यं साम । अजरसं ह्यस्य चक्षुर्न व्येति य एवं वेद JaimiBr. 3. 102.

अजरसभ (aja-rasabha) *n.* (any one of the) six signs beginning with Aries अजाजरसभे मासादिकः स्यान्मधोः GrahaLā. 9. 4 (comm. मेषादिषड्राशौ)

अजरसौरभ (ajara-saurabha) *m.* undiminishing fragrance यः सृजत्यजरसौरभसारैरम्बुजैस्तव पदाम्बुजपूजाम् । प्रेत्य तस्य दिवि देवमृगाक्ष्यः स्वागतानि निगदन्ति S'rīVīraSta. 4.

अजरा (a-jarā) *f.* **A** absence (abeyance) of old age (i. e. continued youth) गाङ्गेयं चाथ रूप्यं गदहरमजराकारि मेहापहारि RasRaSa. 5. 3 = RaseCin. 6. 7 (49. 27); **B** indigestion आध्मानमुग्रमथ चोद्गिरणं विदाहः । पानेऽजरां समुपगच्छति लक्षणानि RugVi. 18. 20 (comm. अजराम् अजीर्णम्); **C** the plant *Aloe perfoliata* or *Flacourtia cataphracta* जीर्णा फञ्जी सुपुष्पिका । अजरा सूक्ष्मपत्रा च RājNi. 155. 19; गृहकन्या कुमारी च कन्यका दीर्घपत्रिका । स्थलेरुहा मृदुः कन्या बहुपत्रामराजरा RājNi. 340. 24; KalpaK. 297. 435; 310. 548; **D** stroke of solar rays चामीकरं तद्धनुः स्यात्तद्धाटी त्वजरामला ParyāS'aRa. 1. 114; **E** name of one of the 13 wives of Kaśyapa विनताताम्राक्षराजराऽरिष्टाः । ··· स्युः कश्यपगृहिण्यः S'abdaRa.(Vā.) 402; **F** name of the river Sarasvatī [pw]; **G** house-lizard [APTE]

अजराकारिन् (ajarākār-in) *adj.* preventing old age or debility गाङ्गेयं चाथ रूप्यं गदहरमजराकारि मेहापहारि क्षीणानां पुष्टिकारि RasRaSa. 5. 3 = RaseCin. 6. 7 (49. 27)

अजराक्षभ्रमि (ajarākṣa-bhrami) *f.* rotating with the unaging one (Brahman) for its axle न तेऽजराक्षभ्रमिरायुरेषां त्रयोदशारं त्रिशतं षष्टिपर्व··· धावत् (भवति) BhāgP. iii. 21. 18.

अजराग (aja-rāga) *m.* jewel called Brahmarāga शाङ्गीशे च्युतकाचनीलकुरुविन्दस्कान्दपुष्याजरागायस्कान्तविडूरजार्कहरिनीलस्फाटिकं गारुडम् TantraSa. 8. 76.

अजरागम (a-jarāgama) *adj.* free from the advent of old age, ever young मन्दाकिनीजलरयैर्हरिताभिरामरम्भोऽजरागम स कृत्स्नपितः सहे(ऽ)लम् HarVi. 5. 42 (comm. हे अजरागम नित्यतरुण)

अजराङ्गना (ajarāṅganā) *f.* heavenly woman, celestial nymph सर्वे च ते···अजराङ्गनाशतयुताम्···श्रियमिवाभ्यनन्दंस्ताम् KathāSaSāg. vii. 9. 249.

अजराज (aja-rāja) *m.* name of a king विषदूषितमचगण्डूषेण मणिकुण्डला महादेवी यवनेषु निजतनुजराज्यार्थमजराजं राजानं जघान YaśasCam. ii. 153. 1; [RājTa.(Ka.) 8. 748? PW 8. 755]

अजराजरिष्णु (a-járājariṣṇú) *adj.* not decaying with old age मेधां देवीं मनसा रेजमानां गन्धर्वजुष्टां प्रति नो जुषस्व । मह्यं मेधां वद मह्यं श्रियं वद मेधावी भूयासमजिराचरिष्णुः (v. l. अजराजरिष्णुः) RV. (Khila.) iv. 8. 6.

अजराजसूनु (ajarāja-sūnu) *m.* son of king Aja (i. e. Daśaratha) गौतमः ··· अजराजसूनवे । निवेदयामास शरासभञ्जनम् Rāgh. 4. 46.

अजराभाजनीभूता (a-jarābhājanībhūtā) *adj.* (*f.*) who is not subject to old age (i. e. ever young) ततस्तदद्भुतपुरप्रकामालोकविस्मिताम् । अजराभाजनीभूतां तामापृच्छय स्वयंप्रभाम् KathāSaSāg. vi. 3. 62.

अजरामय (a-jarāmaya) *adj.* free from old age and disease पञ्चाशीतिसहस्राणि जीवन्ति ह्यजरामयाः (चक्रवर्तिनः) MatsyaP. 142. 72.

अजरामर (ajarāmara) *adj.* [*f.* –ā, –ī] free from old age and death, undecaying and immortal धर्मो यस्यातिशङ्क्यः स्यात् ··· । वेदाच्छूद्र इवापेयात्स लोकादजरामरात् MahāBhā. iii. 32. 7; आचार्यशास्ता या जातिः सा सत्या साजरामरा MahāBhā. v. 44. 5; v. 132. 6; xiii. 14. 71; आचार्यस्त्वस्य यां जातिं विधिवद्वेदपारगः । उत्पादयति सावित्र्या सा सत्या साजरामरा ManuSm. 2. 148 = ViṣṇuSm. 30. 46; लिखितं स्याद्बहुच्छिद्रं साक्षिणो नाजरामराः NāraSm. 67. 73; अभयं भ्रान्तिरहितमनिद्रमजरामरम् । ··· यदसंवृतम् । ··· तद्विष्णोः परमं पदम् ViṣṇuP. i. 14. 41; आस्ते रक्तारविन्दाक्षो महात्मा ह्यजरामरः BrahmāṇḍP. i. 20. 47; निश्चयात्तु मरणं हि संगरे नैव भीरुरजरामरः क्वचित् YogYā. 16. 21; SūktiMu. 92. 29; न च मृषाभूतं कृत्वा कश्चिदजरामरो भवति KāṭhUBh. 105. 16 (*on* 1. 6); आत्मानं भावयेन्नित्यं स भवेदजरामरः KulārT. 16. 52; वासुदेवः परं ब्रह्म ··· अजरामरम् LakṣmīT. 14. 2; स भवेदजरामरः S'ivDr. 7. 76; हिरण्यकशिपू राजन्नजेयमजरामरम् । आत्मानम् ··· व्यधित्सत BhāgP. vii. 3. 1; नमश्चाकाशमातृणां सर्वकामार्थसाधनीनामजरामरीणाम् AgniP. 146. 1; शम्भोः कथामृतं कुर्यात्कुलमेवाजरामरम् SkandP. iii(3). 22. 19; देवलोकगतास्तत्र जायन्ते ह्यजरामराः LiṅgaP. i. 52. 40; सर्गस्थितिविनाशाय जगतो योऽजरामरः । मूलभूतो नमस्तस्मै विष्णवे परमात्मने BrahmP. 1. 24; गीर्बुद्धिरासीरजरामरे त्वम् BrahmP. 129. 73; दत्तात्रेयेण मे दत्तस्तनयो ह्यजरामरः PadmP. ii. 107. 13; तमीशमजरामरम् ··· संभावये मनसि शंकरम् S'ivaP. i. 1. 1 (1A. 2); परं ब्रह्मैव तत्सर्वमजरामरमव्ययम् YogVā. iii. 4. 68; iii. 16. 19; v. 17. 10; य एवं शक्तितः कुर्यात्स भवेदजरामरः SamarāSū. 2. 7; ये कुर्वन्त्यजरामरान्नरपतीन्काव्येषु सूक्तामृतैः UdaySuKa. 158. 4; आमृष्टममृतं येन स भवत्वजरामरः Mānaso. iv. 2. 105 (? 305); कालकूटमिह निन्दति लोको येन शम्भुरजरामर एव S'rīKaC. 11. 54 = Subhāṣi. 1121; पीत्वा कथं नापरथा चकोरा विधोर्मरीचीनजरामराः स्युः NaiṣC. 22. 100; अचिराज्जायते देवि शरीरमजरामरम् Rasā. 1. 21; 12. 303; RaseCin. 1. 14 (4. 27); निर्विशेषं स्वयं भातं निर्लेपमजरामरम् । शून्यं तत्त्वम् AnuVyā. 68A. 3 (*on* 4. 2); त्वं ह्यस्माकं पिता ब्रह्मशरीरस्याजरामरस्य विद्याया जनयितृत्वात् VedāntKa. 98. 6 (*on* i. 1. 4); (नागः) अमोघो ह्यजरामरः Hastyāyur. 695. 22 (4. 32); एकोऽसौ रसराजः शरीरमजरामरं कुरुते RasRaSa. 1. 43; 1. 54; 5. 7; यस्य स्यान्मृत्युना सख्यं यो वा स्यादजरामरः SūktiRa. 197. 19; *m.* **i** the syllable *kha* खः प्रचण्डः कामरूपी ··· सूर्पकर्णोऽजरामरः Tantrābhi. (2). 11. 13; **ii** one of the thousand names of Gaṇeśa अप्रमेयोऽजरामरः ··· इति वैनायकं नाम्नां सहस्रम् GaṇeP. i. 46. 49; **iii** unaging and immortal (i. e., god) वर्द्धतेऽयमहिमांशुचन्द्रमःसंततिप्रतिकृतिर्यदन्वयवरा(? रोऽ)जरामराजितोऽनलोद्भवः सभारतः EI. ii. 183. 9.

अजरामरकारक (ajarāmara-kāraka) *adj.* which makes one ageless and immortal महाचक्रमजरामरकारकम् NityāṢoḍa. 6. 86.

अजरामरकारण (ajarāmara-kāraṇa) *n.* cause of agelessness and immortality तस्य पादरजो नृणामजरामरकारणाम्(? णम्) SkandP. i(3) 9. 47.

अजरामरकारिणी (ajarāmarakār-iṇī) *adj.* (*f.*) making one free from old age and mortality महादेवि अजरामरकारिणि Rasā. 18. 29; पूजाकाले तु पार्वति । एकाकारा ह्याद्यशक्तिरजरामरकारिणी NityāṢoḍa. 7. 13.

अजरामरण (a-jarāmaraṇa) *adj.* [*f.* –ā] not having old age and death तत्त्वं सच्चित्सुखात्मकम् । अजरामरणं नित्यम् SarvaVeSāSaṁ. 772; त्वं ह्यस्माकं पिता ब्रह्मशरीरस्याजरामरस्य (v. l. अजरामरणस्य) विद्याया जनयितृत्वात् VedāntKa. 98. 6 *on* i. 1. 4); रसः । अजरामरणां सिद्धिमाधत्ते सेवितो नृणाम् YātrāPra. 7. 169; *n.* absence of decay and destruction विभीषणः ··· समाराध्य जनार्दनम् । अजरामरणं प्राप्तमणिमादिगुणैर्युतम् । राज्यं लङ्काधिपत्यं च भोगान्भुङ्क्ते यथेप्सितम् BrahmP. 176. 34.

अजरामरणत्व (ajarāmaraṇa-tva) *n.* the state of not having old age and death रसायनमुपयुज्याजरामरणत्वमन्याश्च सिद्धीरासादयति TattvVai. 182. 19 (*on* 4. 1)

अजरामरणंमन्य (ajarāmaraṇam-manya) *adj.* who regards oneself free from old age and death अजरामरणंमन्यः किं शोचति जनो मृतम् PadmP.(Ra.) 117. 14.

अजरामरता (ajarāmara-tā) *f.* freedom from old age and death पक्षिणस्तज्जलं पीत्वा···। अजरामरतां प्राप्तास्तत्र BrahmāṇḍP. iii. 35. 10; iii. 41. 63; वरं वृणुष्व तुलसि ··· । हरिभक्तिं च मुक्तिं वाप्यजरामरतामपि BrahmVaiP. ii. 15. 22; ये ब्रह्मभावं संप्राप्ता अजरामरतां गताः SkandP. ii(9). 4. 21; वरं वृणीष्व तुलसि यत्ते मनसि वाञ्छितम् । हरिभक्तिं हरेर्दास्यमजरामरतामपि DeviBhāP.

ix. 17.21; वत्सरत्रितयाद्योगी ··· स्यादजरामरतां गतः MāliniT. 15.32; चन्दनागुरुकर्पूरैरजरामरतां व्रजेत् NityāṢoḍa. 2.33; 2.78; बद्धं रसं मुखे क्षिप्त्वा ह्यजरामरतां व्रजेत् Rasā. 15.44; भङ्गश्लेषः पदस्तोमस्यैव चेत्पृथगर्थता। अजरामरता कस्य नायोध्येव पुरी प्रिया Candrā. 5.64; दत्ता कथं त्वयासावजरामरता मृकण्डुजनेः ĀryāS'. 34.

अजरामरता (ajarāma-ratā) *adj.* (*f.*) devoted to kings Aja and Rāma भङ्गश्लेषः पदस्तोमस्यैव चेत्पृथगर्थता। अजरामरता कस्य नायोध्येव पुरी प्रिया Candrā. 5.64.

अजरामरताभिमानिन् (ajarāmaratābhimānin) *adj.* having the conviction of oneself being free from old age and death आत्मन्यभूवमजरामरताभिमानी DīnākraSt. 42.

अजरामरत्व (ajarāmara-tva) *n.* freedom from old age and death पीयूषतां तव गिरः समुदीरयन्ति। पीत्वा यतः ··· भव्या व्रजन्ति तरसाप्यजरामरत्वम् KalyāMaSt. 21; गोविप्ररक्षाक्षपितस्वदेहाः। प्रयान्ति वीराः सुकृतामृताद्रैर्यशःशरीरैरजरामरत्वम् DarpaDa. 5.45; त्वया हि मित्रेण सुधाकरेण नीतः स भूयोऽप्यजरामरत्वम् S'rīKaC. 11.63; प्रागुक्तरीत्यैव पूजनादजरामरत्वं भवति SetuBa. 123.3; 226.17.

अजरामरत्वप्रापकत्व (ajarāmaratvaprāpaka-tva) *n.* the state of being what brings about freedom from old age and death तेषां मार्गाणां मध्ये एकस्यैव मार्गस्याजरामरत्वप्रापकत्वमुक्तम् S'ivārkaMaDī. ii. 473.31 (*on* iv. 3.3)

अजरामरत्वादिसंवेदन (ajarāmaratvādi-saṁvedana) *n.* knowledge of freedom from old age and death etc. विद्यमानस्यात्मनो यत्कार्यं फलमजरामरत्वादिसंवेदनादिलक्षणं, तत् हतस्येव तिरोभूतं भवति ĪśopBh. 9.7 (*on* 3)

अजरामरदायक (ajarāmara-dāyaka) *adj.* bestowing freedom from old age and death ततः पीयूषकलशमजरामरदायकम्। कराभ्याम्···विष्णुर्धारयन SkandP. ii(4). 8.33.

अजरामरदुःख (a-jarāmaraduḥkha) *adj.* who does not have the miseries of old age and death अजराणामदुःखानां (v. l. अजरामरदुःखानां) शतवर्षसहस्त्रिणाम्। लब्धं पुत्रशतम् MahāBhā. xiii. 18.6.

अजरामरदेह (ajarāmara-deha) *adj.* having a body not affected by old age and death अजरामरदेहस्य शिवतादात्म्यवेदनम्। जीवन्मुक्तिर्महादेवि देवानामपि दुर्लभा Rasā. 1.8.

अजरामरपिण्ड (ajarāmara-piṇḍa) *adj.* having a body free from old age and death अजरामरपिण्डो यो जीवन्मुक्तः स एव हि YogS'iU. 1.161.

अजरामरभाव (ajarāmara-bhāva) *m.* the state wherein there is neither old age nor death योगादजरामरभावमहमीहे BhartṛNi. 5.1.

अजरामरयुद्धादि (ajarāmara-yuddhādi) [w. r. for अजरामरबुद्धादि] RājTa.(S'rī.) 2.124.

अजरामरलील (ajarāmara-līla) *adj.* whose activities are as those of the undecaying and immortal (god) अजरामरलीलानामेवं विहरतां सताम्। आयास्यन्त्यापदो घोराः कृत्वा मरणमग्रतः BodhiCa. 9.166.

अजरामरवत् (ajarāmara-vat) *adv.* like one unaffected by old age and death अजरामरवन्मूढास्तिष्ठन्ति नरकीटकाः BṛNāraP. 33.4 = SaurP. 48.4; अजरामरवद् मूढाश्चेष्टन्ते नष्टचेतनाः। विषयेषु निषीदन्तो न जानन्ति हिताहितम् MalliC. 7.538; अजरामरवत्प्राज्ञो विद्यामर्थं च चिन्तयेत् Hitopa. 0.3 = S'ārṅgaPa. 669.

अजरामरसंमिश्र (ajarāmara-sammiśra) *adj.* having *ajarā* (a kind of medicinal plant, also called *ghṛtakumārī*) and *amara* (quicksilver) अजरामरसंमिश्रं बिभ्राणं कण्ठसूत्रकम्। ··· कुमारम् ··· आलिङ्गैद्वनीपतिः Mānaso. iii. 12.1272.

[1]**अजरामराजित** (ajarāmarājita) *adj.* not vanquished (i. e. unsurpassed) by gods वर्द्धतेऽयमहिमांशुचन्द्रमःप्रतिकृतिर्यदन्वयवरा(? रोऽ) जरामराजितो(ऽ)नलोद्भवः सभारतः। ग्रहेन्द्रचन्द्रयोरिव व्यजायतायमन्वयः EI. ii. 183.9.

[2]**अजरामराजित** (ajarāma-rājita) *adj.* adorned by Aja and Rāma, EI. ii. 183.9.

अजरामरीकरण (ajarāmarī-karaṇa) *n.* making ageless and immortal अजरामरीकरणसमर्थश्च रसेन्द्र एव SarvaDaSaṁ. 9.106.

अजरामरीकृ (ajarāmarī-kṛ-) VIII. Ā. to make undecaying and immortal किं सद्य एव पीतं नामृतमजरामरीकुरुते Subhāṣi. 3509.

अजरामृतिहेतु (ajarāmṛti-hetu) *m.* cause of non-decay or freedom from old age and immortality देवानामजरामृतिहेत्वमृतोत्पादने मन्दराधारत्वेनावतीर्णः कूर्मावतारः YatīndraDī. 86.9.

अजरामृत्युनश्वर (a-jarāmṛtyunaśvara) *adj.* free form old age death and destruction हन्यन्ते पशवो यत्र निर्दयैरजितात्मभिः। मन्यमानैरिमं देहमजरामृत्युनश्वरम् BhāgP. x. 10.9.

अजरायु (ajarāyu) *m.* name of a son of Āyu नहुषं वृद्धशर्माणं राजिं रम्भम् (v. l. अजरायुम्) ··· एतानायोः पुत्रान्प्रचक्षते MahāBhā. i. 70.23.

अजरायुज (a-jarāyuja) *adj.* not born with a placenta, not viviparous तत्र देवादिदेहाः स्युर्मानसाश्चाजरायुजाः ĪśānS'iPa. ii. 65.17.

अजरासंध (a-jarāsandha) *adj.* bereft of Jarāsandha अरावणजगद्धिश्चं करवै तदविष्णु वा। नयोक्तव्याजरासंधं वागितोऽन्या न वर्तते RāghPāṇ.(Dha.) 18.64; अद्य स्यादजरासन्धमकृष्णं वा महीतलम् PāṇḍaC. 14.114.

अजरासा (a-jarāsā) *adj.* (*f.*) not having a basis for old age सा राजते तनुरलम्···अजरासा ĪśvaS'. 43.

अजरितृ (a-jaritṛ) *adj.* not wearing away, lasting अजरिता कम्बलः MahāBh. ii. 83.9 (*on* iii. 1.105); अजरिता कम्बलः CāndraVṛ. *on* i. 1.116; अजर्यमर्थसङ्गतम्। अजरिता कम्बल इत्यन्यत्र JaineVyā. 98.21 (*on* ii. 1.88); KāśiVṛ. *on* P. iii. 1.105; KātanVṛ. *on* iv. 2.19; Prasā. ii. 478.20; SiddhāKau. 483A. 3.

अजरुहा (ajaruhā) *f.* name of a plant (with a white bulb and a black variety said to be an antidote for poison when tied to a wrist) मूषिकाजरुहा वापि हस्ते बद्धा तु भूपतेः। करोति निर्विषं सर्वमन्नं विषसमायुतम् SuśruS. v. 1.78; मूषकाजरुहा वापि हस्ते बद्धा विषापहा AṣṭāSaṁ. i. 53.4 (1.8); क्षितिपतिरात्मदक्षिणकरे परिबंध्य विषम्। क्षपयति मूषिका(? म)जरुहामपि चान्नगतम् KalyāKā. 19.21.

अजरूप (aja-rūpa) *adj.* having an unborn (eternal) form सर्वदा ह्यजरूपोऽहं नीरोगोऽस्मि निरञ्जनः TejoBiU. 3.42.

अजरूपिन् (aja-rūpin) *adj.* having the form of a goat (गणेशाः) केचिन्मेषाजरूपिणः MatsyaP. 154.531.

अजरोमन् (aja-roman) *n.* goat's hair नस्याञ्जनं साजमूत्रैः पानं च भ्रान्तिनाशनम्। ··वचाजरोमगोपुच्छरोमनिम्बाश्विपुत्रयुक् ĪśānS'iPa. i. 44.6; i. 44.8; पुत्रञ्जारिनताजरोमखुरमूत्राद्यैः ··· वश्याञ्जनं योजयेत् MātaLī. 10.10.

अजर्क्षसंयुता (ajarkṣa-saṁyutā) *adj.* (*f.*) accompanied by the asterism Rohiṇī शुक्लद्वादशी···पुण्या श्रावण्यजर्क्षसंयुता BṛParāSm. 10.270.

अजर्जर (a-jarjara) *adj.* [*f.* -ā] **1** not weak, strong रराजजुर्जरजर्जरः (कृष्णः) S'iśuVa. 19.102 (comm. अजर्जरः दृढः); पुत्रि पुत्रं विजायस्व यशःपात्रमजर्जरम् BṛKathāS'loSaṁ. 5.101; अजर्जरपतिव्रताहृदयवज्रमेदोद्धुराः ··· क्रियासुरधविद्विषस्तव मुदं कटाक्षेषवः StavMā. 124.7; **2 A** not worn out तेन···अजर्जरस्यापि वारं वारमापादयता सितपटस्य पाटवम् TilaMañ. 145.4; **2 B** not torn, not brittle शुकशुकुन्तिः ··· उत्सृज्य मञ्चरणयोः पुरस्तादजर्जरं भूर्जलेखम् TilaMañ. 375.9; **3** youthful, fresh इयमुल्ललयत्यजर्जरा गुरुरुत्तर्षधुरा तथापि माम् StavMā. 99.22 (comm. अजर्जरा नवीना)

अजर्जरदन्त (a-jarjaradanta) *adj.* not having loose teeth, with strong teeth अजर्जरदन्तः AupaSūṬ. 32.12.

अजर्जरपात्र (ajarjara-pātra) *n.* vessel which is not broken ब्रह्मचारिणी स्त्री···पाणिभ्यामन्नमजर्जरपात्राद्भुञ्जाना न च काञ्चिन्मृजामापद्येत CaraS. iv. 8.5 (1941 Ed.)

अजर्जरश्री (ajarjara-śrī) *f.* unfading splendour or wealth अजर्जरश्रियां धाम वेपालक्ष्यजरज्जरः। अस्ति गूर्जरदेशः PrabhāC. 121.6.

अजर्जरितेन्दुरेख (ajarjaritendurekha) *adj.* streak of the moon of which was not weakened (i. e. waned) अजर्जरितेन्दुरेखम् ··· शंभोरुद्वहत शिरः Gaṅgāva. 5.66.

अजर्ज्य (a-jarjya) [w. r. for अजर्य] *n.* friendship सौहार्दं साप्तपदीनमैत्र्यजर्याणि (v. l. °जर्ज्याणि) संगतम् AbhidhāCin. 731.

अजर्झर (a-jarjhara) *adj.* firm साग्रं नालम् ··· अविच्छिन्नमतिस्निग्धमजर्झरमनाकुलम् ··· लक्षणोद्धारणं कुर्यात् ĪśānS'iPa. ii. 38.44.

अजर्तिलयवागू (a-jartilayavāgū) *f.* the gruel of something other than the *jartila* (wild sesamum) अजर्तिलयवाग्वा जर्तिलयवाग्वा जुहोतीति S'ābaBh. 2064.11 (*on* x. 8.7)

अजर्य (a-jaryá) *adj.* [*f.* -ā] [AltGr. II. 2.791; II. 2.796; II. 2.801; *nipātana* from *a* + *jṝ*-, and in the active sense 'not perishing' (i. e. perpetual, everlasting); अजर्यं सङ्गतम् P. iii. 1.105; अजर्यं कर्तरि Vār. 1 *on* iii. 1.105; Kātan. iv. 2.19; JaineVyā. ii. 1.88; 98.21 (*on* ii. 1.88); CāndraVyā. i. 1.116; CāndraVṛ. *on* i. 1.116; KāśiVṛ. *on* iii. 1.105; S'ākaṭaVyā. iv. 3.47; कर्तर्यजर्यं सङ्गते SaraKaṇṭhā.(Gr.) i. 3.148; SiddhaHe. v. 1.5; MugdhaBo. 26.16 (150.6); 26.16 (150.10); PrakriKau. ii. 478.10; SiddhāKau. 482B.16] **1 i** not perishing, unaging, imperishable

everlasting, perpetual (mostly with abstract ideas) ते होचुः । हन्तेदं तथा करवामहै यथा न इदमाप्रदिवमेवाजर्यमसदिति S'atBr. III. iv. 2.4; तस्मात् त एवातो ज्योतिरमृतमजर्यं प्रतिपद्यन्ते S'aunako. 2.7; तदियं प्रस्तुता प्रीतिर्विच्छिद्येत यथा न नः । तथैव मयि विस्रम्भ अजर्यं ह्यार्यसंगतम् JātaMā. 140.22 (22.88); जातविस्मयश्चाकारा(? रो)न्मनस्येकमजर्यं(? र्यं) सङ्गतमपहाय कात्स्न्यां प्रतिकौशलिकेति HarṣaC. 293.12; 296.4; तेन सङ्गतमार्येण रामाजर्यं कुरु द्रुतम् Bhaṭṭi. 6.54; KuṭṭaMa. 638; MahāP. 41.156; YaśasCam. ii. 254.9; आर्यस्य शोक(? को) नैराश्यादजर्योऽयं भविष्यति RāmāMañ. 472.7; ममैव पाणौकरणेऽग्निसाक्षिकं प्रसङ्गसंपादितमङ्ग संगतम् । न ह्य सहाधीतिधृतः स्पृहा कथं तवार्यपुत्रीयमजर्यमर्जितुम् NaiṣC. 9.68; VāsuVi. 2.11; KaṁVa. 1.4; Rāgh. 10.73(? 63); **1 ii** not withering, not decaying (said of a concrete object) सदा पुष्पफलं सर्वमजर्यमृतुयोगतः । मद्रेश्वरः स ददृशे तपसा ह्यतियोगतः MatsyaP. 118.48; **2** free from old age प्रजामजर्यां नः कुरु MantrBr. ii. 2.15 (comm. अजरणीयाम्); **3** not friable, not digestible [MW; Apte]; *n.* (eternal or everlasting) friendship तस्मै विसृज्योत्तरकोसलानां धर्मोत्तरस्तत्प्रभवे प्रभुत्वम् । मृगैरजर्यं जरसोपदिष्टमदेहबन्धाय पुनर्बबन्ध RaghuVa. 18.7; PadmP.(Ra.) 22.163; तदहार्यमूर्ध्नि रविसूनुरामयोः शिखिसाक्ष्यपावनमजर्यमानिलिः RāmC. 20.9; 23.68; YaśasCam. i. 433.10; NavaSāC. 10.53; पयोधिना सार्धमजर्यमाप्तं ययेश सेयं प्रवरापगा स्यात् Rāvaṇā. 9.23; RājTa.(Ka.) 8.2453; अजर्यं पङ्कजिन्या हि राजहंसस्य युज्यते TriṣaS'aPuC. i. 2.29; ii. 6.383; सख्यं साप्तपदीनं सौहार्दं सौहृदं तथा स्नेहः । मैत्री प्रीतिरजर्यं सभाजनं संगतं प्रोक्तम् AbbidhāRaMā. 4.21; AbhidhāCin. 731; NāmMā. 197; स्नेहोऽस्त्री प्रेम सौहार्दमजर्य्यं(? अजर्यम्) हार्दसौहृदे Vaija. 98.186; S'abdaRa.(Vā.) 2606; ParaNā. 2343; KośaKaTa. 1.5888; KalpaK. 236.14; *m.* one of the 1008 names of Jina प्रभूष्णुरजरोऽजर्यः MahāP. 25.109.

अजर्यसंगत (ajarya-saṅgata) *adj.* having unending friendship बुद्ध्वावधिमयं चक्षुः व्यापार्याजर्यसंगतम् । त्वामार्यमिह सम्भूतं प्रबोधयितुमागतौ MahāP. 9.111.

अजर्षभ (ajarṣabhá) *m.* he-goat अथाजर्षभस्याजिनमुपस्तृणाति S'atBr. V. ii. 1.21; V. ii. 1.24.

अजल (a-jala) *adj.* [*f.* -ā] **A i** waterless, having no water, without water, dry गर्जित्वा सूतपुत्र त्वं शारदाभ्रमिवाजलम् । निष्फलो दृश्यसे कर्ण तच्च राजा न बुध्यते MahāBhā. vii. 133.20; ix. 32.49; अजलं तीर्थममलमकायक्लेशदं तपः । अजीवितान्ता स्वगतिः सत्यं साधुसमागमः RāmāMañ. 167.19; S'āstrDī. 111.2 (*on* i. 1.5); यस्मात्किल जगत्यस्मिन् व्यवहारक्रियां विना । न स्थितिः संभवत्यब्धौ पतितस्याजला यथा YogVā. i. 31.14; क्रमात्पथि व्रजन्तौ च प्रापतुस्तौ महाटवीम् । अजलाम् KathāSaSāg. x. 7.9; x. 5.118; राढायामजलासु जाङ्गलपथग्रामोपकण्ठस्थलीसीमासु श्रममग्नपान्थपरिषत्प्राणाशयप्रीणनः EI. vi. 207.18; YogVā. iii. 106.10; **A ii** not mixed with water तक्रम् … यत्तु सस्नेहमजलं मथितं घोलमुच्यते SuśruS. i. 45.85; BhojanKu. 145.20; **B** who is in need of water काले खल्वागता देव्यः पुत्रे मोहमुपागते । हस्तस्पर्शो हि मातॄणामजलस्य जलाञ्जलिः Prati. 3.12; **C** out of water अविचारिणमज्ञानं मूढमाशापरायणम् । निगिरन्तीह दुःखानि बका मत्स्यमिवाजलम् YogVā. v. 79.18; (comm. जलान्निर्गतम् अल्पजलस्थं वा) **D** a zodiacal sign (i. e. Aries, Sagittarius, etc. and planets Saturn, Sun, etc.) not causing rain जलवत्यजलेन गतेऽधस्ताज्जलमुपरि भवति विपरीते S'ilpaRa. ii. 32.3; *n.* non-water, what has lost the character of water उदङ्कोऽजले S'ākaṭaVyā. iv. 4.97; गिरिरगि[रि*]र्वनमवनं जलमजलं रिपुस[मू]हवलमबल[म्] EI. x. 151.20; अजलस्य घटादेः प्रत्यक्षत एव पृथिवीत्वनिश्चये व्यतिरेकव्यभिचारादस्य न्यूनत्वात् तदनवधारणे तु सत्प्रतिपक्षत्वमिष्टमेव TattvCin. ii(1). 625.7.

अजलका (ajala-kā) *adj.* (*f.*) containing no water, dry स्वयमजलकां जानानोऽपि प्रविश्य मरुस्थलीम् Subhāṣi. 946.

अजलक्षण (aja-lakṣaṇa) *n.* description of a goat भरद्वाजः– अजलक्षणमाह YuktiKa. 214.12.

अजलज (a-jalaja) *adj.* which is not an aquatic product भोजनानि निषेवेत रूक्षाण्यजलजानि च Hastyāyur. 326.1 (2.68)

अजलजातानुमत (ajalajātānumata) *adj.* meditated on continuously by the multitude of intelligent beings जलजातानुमतमपि अजलजातानुमतम्… गीर्वाणा नारायणमस्तौषुः ĀnandRa. 1.16 (14) (comm. अजलजातानुमतमिति लडयोरभेदाद् अजला अजडाः बुद्धिमन्तः, तेषां जातं वृन्दम्, तेन अनु अनुस्यूततया मतं मननविषयीकृतम्)

अजलतृण (a-jalatṛṇa) *adj.* having no water and grass म्रियन्तेऽस्मिन्मरुः अजलतृणो देशः Prasā. ii. 609.10.

अजलत्व (ajala-tva) *n.* the state of being no water सुवर्णं तावद् दशमं द्रव्यम् … नैमित्तिकद्रवत्वाधारत्वेनाजलत्वात् SarvaDaKau. 8.14.

[1]अजलद (a-jalada) *adj.* devoid of that which produces the insentient (i. e. nescience) न विद्मो रोदस्यौ न च समयमस्मिन्नजलदे चिदाकाशे S'aṅkaDigVi.(Mā.) 5.127 (comm. एतादृशेऽजलदे डलयोः सावर्ण्याज्जडं दृश्यं ददात्येतादृशं यन्मूलाज्ञानं तद्धीन इत्यर्थः)

[2]अजलद (a-jalada) *adj.* [*f.* -ā] not providing water (*or* devoid of clouds), S'aṅkaDigVi.(Mā.) 5.127; स्वयमजलदां जानानोऽपि प्रविश्य मरुस्थलीं शिशिरमधुरं वारि प्राप्तुं यदध्वग वाञ्छसि SūktiMu. 35.3 = S'ārṅgaPa. 1154; Subhāṣi. 946 (v.l.)

[1]अजलधी (a-jaladhī) *adj.* having no thought or desire for water सजलाशयोऽप्यजलधीर्वारां पतिः MahāP. 29.169.

[2]अजलधी (ajala-dhī) *adj.* not dull-headed i. e. intelligent, MahāP. 29.169 (F. N. पटुबुद्धिः)

अजलनायक (ajala-nāyaka) *adj.* chief or prominent among the intelligent (people) ऐरावतगजारूढः सयमोऽजलनायकः । धनाधीशो विजयते राजा माधवभूपतिः AlaṅkāMañ. 190.12.

[1]अजलप्रकृति (ajala-prakṛti) *adj.* (*f.*) not dull-headed (i. e. intelligent) by nature सुतनुरियम् … अजलप्रकृतिरदूरस्थितमित्रा गगननलिनीव Kāvyālaṅ.(Ru.) 11.33.

[2]अजलप्रकृति (a-jalaprakṛti) *adj.* not growing in water, growing outside water (i. e. on earth), Kāvyālaṅ.(Ru.) 11.33.

अजलम्बन (aja-lambana) *n.* antimony (अज इव लम्ब्यते कृष्णवर्णत्वात् ज्ञायते असौ) स्रोतोञ्जनम् [S'abdaKaDru.]

अजलविवेकिन् (ajala-vivekin) *adj.* different from what is not water सति मरीचिकादर्शने जलभ्रान्तिरिति तदुद्भवेत्युच्यते न यथास्वभावमजलविवेकिनार्थेन स्वभावानुकारप्रत्यर्पणेन जननात् PramāVāSvopVṛ. 33.16.

अजलादण्डी (ajalādaṇḍī) *f.* the plant *Lamprachaenium microcephalum* ब्रह्मदण्डयजदण्डी च (v. l. जलादण्डी) कण्टपत्रफला च सा RājNi. 344.7.

अजलार्द्र (a-jalārdra) *adj.* which is not drenched with water (i. e. dry) चिरंतनेन चीनवाससा प्रत्युरसमजलार्द्रेणापि संपादितजलार्द्रा(? द्रै)कुलम् … क(? उ)र्वीपतिकुमारमद्राक्षम् TilaMañ. 311.15.

[1]अजलाशय (a-jalāśaya) *adj.* not (growing) in a pond or lake भास्करदेवः … बालकमवलोक्य अहो महदाश्चर्यम् । कथमिदम् … अजलाशयमपि कुशेशयम् … समास्ते YaśasCam. ii. 310.26.

[2]अजलाशय (ajalāśaya) *adj.* not dull-headed (i. e. intelligent), YaśasCam. ii. 310.26.

अजलिङ्ग (aja-liṅga) *adj.* having the penis like that of a goat संगीतरक्तः प्रमदासु सक्तो दुःखासहो दुन्दुभिधीरघोषः । मध्यप्रमाणोऽम्बुजगन्धिकायो गन्धर्वजातिः कथितोऽजलिङ्गः S'ārṅgaPa. 3114.

अजलोम (aja-lomá) *n.* hair of goat अजलोमैः सꣳसृजति TaiS. V. i. 6.2 = TaiĀ. v. 2.13 (598.4) = S'atBr. VI. v. 1.4.

अजलोमकृत (ajaloma-kṛta) *adj.* made of a goat's hair राङ्कवकौशेयादिवस्त्रमजलोमकृतं च समत्वेनानुभवति ManuBh. i. 126.16 (*on* 2.98)

अजलोमन् (aja-lomán) *n.* goat's hair अथाजलोमान्याछिद्य S'atBr. VI. iv. 4.22; VII. v. 2.43; इन्द्रस्यौजोसीति पूतीकानजलोमानि … संसृज्य ĀpaS'S. xv. 2.1; अजलोमान्यादाय KātyS'S. xvi. 3.15; संसृजत्यजलोमभिः MānS'S. 143.11; स्वा(श्वाविद्) गोधानराजलोमभिश्चितम् (?) गोमयाग्नौ सर्षपतैलेनेमं धूपं दद्यात् Hastyāyur. 232.3 (2.30); *m.* the plant *Carpopogon pruriens* अजलोमा शिखा केशी ParyāMu. 15.37; ParyāRaMā. 408.

अजलोमसंसृष्ट (ajaloma-saṁsṛṣṭa) *adj.* mixed with the hair of a goat अग्निजा असि प्रजापते रेत इत्यजलोमसंसृष्टानि कृष्णाजिनलोमानि पृथगुपस्थाय VaikhS'S. 13.2.

अजलोमी (aja-lomī) *f.* **i** the plant *Corpopogon pruriens* गोलोमी अजलोमी … अष्टादश सोमसमवीर्या महौषधयः SuśruS. iv. 30.5; iv. 30.23; KalpaK. 317.603; **ii** white panic (Dūrvā) grass गोलोमी चाजलोमी SuśruS. vi. 60.47 (comm. श्वेतदूर्वा); AṣṭāHṛ. vi. 5.2; **iii** flax, hemp अजलोमी स्यादतसी AbhidhāMañ. 251.7.

अजलोम्नी (ajá-lomnī) *adj.* (*f.*) [Debru. p. 390] (species of cow) having full grown long hair like that of a goat यार्जलोम्नी सा पोषयिष्णुः MaiS. iv. 2.14.

अजल्पत् (a-jalpat) *adj.* not speaking or talking, observing silence (as a vow) सावित्रीमप्यधीयानः शुचौ देशे मिताशनः । अहिंस्रोऽमन्दकोऽजल्पन् मुच्यते सर्वकिल्बिषैः MahāBhā. xii. 36.33; अजल्पन्नहसंस्तन्मना भुञ्जीत CaraS.

iii. 1. 36 (1922 Ed.); सभायाममरा देव निकृष्टेऽप्युपवेशिताः । वेत्रहस्तैरजल्पन्तस्ततोऽपहसितास्तु तैः MatsyaP. 154. 39; अजल्पन्नुत्तरासङ्गी स्वच्छैरङ्गुष्ठमूलगैः (जलैराचामेत्) AṣṭāSaṁ. i. 7. 17 (1. 3); i. 65. 14 (1. 10); ये केचिदजल्पन्तो मार्गप्रदर्शनं प्रकुर्वन्ति VakroJī. 116. 1; अजल्पतो जानतस्ते शिरो यास्यति खण्डशः KathāSaSāg. xii. 10. 92; PāṇḍaC. 6. 987 (v. l. for अजानत् in Bhavanagar Ed.)

अजल्पाक (a-jalpāka) *adj.* not speaking, not talking अवाक्यजल्पाकः BrahmSūBh.(Rā.) 240. 6 (*on* i. 2. 2); तथाप्यस्मिन्नजल्पाके सीरपाणिरचिन्तयत् PāṇḍaC. 18. 28.

अजल्पाकार (ajalpākāra) *adj.* free from verbal expression (i. e. inexpressible in words) अजल्पाकारमेवादौ विज्ञानं तु प्रजायते TattvSaṁ. 730.

अजल्पित (a-jalpita) *adj.* **i** not called (i. e. unobstructed) कायचिन्तामिषेणाथ स पापिष्ठस्तदैव हि । निर्जगाम यतिरिति यामिकैरप्यजल्पितः PariPar. 6. 210; **ii** not addressed (by others) कुर्वन्ननुल्बणं वेषं श्रयन्नुचितमासनम् । अजल्पितोऽप्रजल्पंश्च राज्ञो भवति वल्लभः PāṇḍaC. 10. 13.

अजव (a-java) *adj.* having no speed, moving very slowly, with slow movement तनुकायवलीचितदेहमजवं स्तब्धपालीकमल्पपित्तत्वात् ··· नागमकामवन्तं वृद्धं विद्यात् Hastyāyur. 397. 11 (3. 6); *m.* **i** absence of speed, delay (in attainment of success) तुल्ये लाभे ··· जवाजवौ च विमृश्य बहुगुणयुक्तलाभमाददीत ArthS'ā. iii. 70. 4 (9. 4) (comm. जवाजवौ सिद्धिशैघ्र्यविलम्बौ); **ii** kind of worm (found in the excretion) अजवा विजवाः किप्याश्चिप्या गण्डूपदास्तथा ।···ज्ञेयाः सप्त पुरीषजाः SusruS. vi. 54. 8.

अजवक्त्र (aja-vaktra) *m.* name of a leader or chief of the Gaṇa of S'iva अजवक्त्रो हयवक्त्रः··· । वृन्दशस्तं समावृत्य जग्मुः सोमं गणैर्वृताः LiṅgaP. i. 72. 82; अजवक्त्रोऽष्टवक्त्रश्च ··· इत्याद्याः गणपाः ··· प्रययुः S'ivaP. ii(5). 9. 38 (231A. 3); *n.* the first point of Meṣa अथो भवेद्यः प्रतिवृत्तदेशो दूरे भुवस्तस्य कृतोच्चसंज्ञा । नीचं तथासन्नतरस्तदुच्चाद् व्यस्तं तदंशैरजवक्त्रमत्र SiddhāTaVi. 123. 18.

अजवत् (aja-vat) *adv.* **i** in the manner of sage Aja अजानां त्र्यार्षेयः प्रवरो भवति वैश्वामित्रमाधुच्छन्दसाजेति होताजवन्मधुच्छन्दोवद्विश्वामित्रवदित्यध्वर्युः BaudhS'S. iii. 448. 5; ĀpaS'S. xxiv. 9. 4; **ii** as in the case of king Aja न मलिनचेतस्युपदेशबीजप्ररोहोऽजवत् SāṁkhyaPraSū. 4. 29 (comm. यथाजनाम्नि नृपे भार्याशोकमलिनचित्ते वसिष्ठेनोक्तस्याप्युपदेशबीजस्य नाङ्कुर उत्पन्न इत्यर्थः); **iii** like a goat (कवयः) उत्पतन्त्यजवद् व्योम्नि केचित्प्राप्तपदत्रयाः TilaMañ. 2. 17.

अजवत् (ajava(n)t) *adj.* having a goat वस्तुतस्त्वजवत्यपि अजा नास्तीत्यादिप्रयोगात् स्त्रीत्वस्य नञर्थान्वयितावच्छेदकतया भानमावश्यकम् VyutpaVā. 189. 32.

अजवदन (aja-vadana) *adj.* goat-faced (वृषभराशेर्द्वितीयद्रेष्काणः) स्कन्धमुद्वहति गोपतितुल्यं क्षुत्परोऽजवदनः Bṛhajjā. 27. 5.

अजवध (aja-vadha) *m.* killing of a goat (दद्यात् ··· एकहायनमनड्वाहं खरवधे) मेषाजवधे च ViṣṇuSm. 50. 28; अजवधप्रायश्चित्तमाह CaturCin. iv(1). 111. 1.

अजवर (aja-vara) *m.* Brahman's boon दधानान् ··· तनुम् ··· असुरमुख्यानजवरात् । जघान···कपिलादीन् ··· वैकुण्ठः EI. i. 124. 1.

अजवरा (aja-varā) *f.* name of Pārvatī (*lit.* spouse of the Unborn i. e. S'iva) (अपर्णा···दुर्गा मृडानी) दुर्वाराजवरा च सा KalpaK. 394. 128.

अजवशा (aja-vaśā) *f.* barren she-goat बभ्रुकर्ण्यां चैवैतदजवशायां च दृष्टम् BaudhS'S. iii. 55. 7; ii. 179. 6; iii. 158. 4.

अजवस् (a-javás) *adj.* not quick, inactive, slow अ॒ज॒वसो॑ जु॒विनी॑भि॑र्विवृ॒श्चन्···इन्द्रः॑ ṚV. ii. 15. 6.

अजवसा (aja-vasā) *f.* goat's fat अश्वगन्धातसी°···°सैन्धवानि गोवा(?व)राहाजवसाभिः···पाचयित्वा···स्वेदयेत् Hastyāyur. 99. 11 (1. 14)

अजवस्त (ajavasta) *m.* name of a teacher [pw]

अजवस्ति (ajavasti) *m.* [*śubhrādigaṇa on* P. iv. 1. 123; *yaskādigaṇa on* P. ii. 4. 63; *gṛṣṭyādigaṇa on* P. iv. 1. 136] name of a person, [pl.] name of descendants of Ajavasti or a tribe, JaineVyā. 84. 23 (*on* i. 4. 134); 169. 19 (*on* iii. 1. 112); 170. 21 (*on* iii. 1. 124)

अजवस्था (aj-avasthā) *f.* condition or position as a vowel अचोऽवस्थानदशायां पूर्वत्वेन दृष्टस्याजवस्थाप्रभृतिपूर्वस्येत्यर्थः···अजपेक्षे तु पूर्वत्वे वि+आकरणः, सु+अश्वः इत्यजवस्थायां य्वोरभावेनैचोरदर्शनादप्रसङ्गः PadMañ. *on* i. 1. 57.

अजवाक्य (aja-vākya) *n.* sentence (stating) the Jīva as unborn अजवाक्येन जीवस्य नित्यत्वप्रतिपादनात् YuktiSneha. 113. 39 (*on* i. 1. 5)

अजवाच् (ajavāc) *adj.* going slowly or quietly अजवाजिभ्यः ··· पाण्डवसेनालोकः YudhiVi. 8. 31 (comm. अजवं निर्वेगमञ्चन्ति गच्छन्ति इति अजवाचः)

अजवारि (aja-vāri) *n.* goat's urine (तीक्ष्णमाक्षिकशुल्वम्) क्वथितेनाजवारिणा । भावितम् Rasā. 8. 77.

अजवाह (ajavāha) *m.* [*kacchādigaṇa on* P. iv. 2. 133] name of a district, GaṇPā. 35. 13.

अजवाहन (aja-vāhana) *adj.* having a goat for conveyance (वह्नेस्तु लक्षणं वक्ष्ये) ज्वालावितानसंयुक्तमजवाहनम् (कुर्वीत) MatsyaP. 261. 11; वितथं रक्तमजवाहनम् ··· ध्यात्वा BhaviP. 365B. 32 (ii(2). 10. 89); 382B. 23 (ii(2). 20(? 19). 99); अग्नये ··· अजवाहनाय ··· नमः ParaśuKS. 6. 14 (196. 7) = NityoNi. 24. 16; *m.* name of the great grand-son of Diṣṭa of Ikṣvāku lineage दिष्टपुत्रस्तु नाभागस्तस्मादपि भलन्दनः । भलन्दनस्य ··· राजासीदजवाहनः LiṅgaP. i. 66. 53.

अजवाहिन् (ajavāh-in) *adj.* moving by a goat or having a goat for vehicle (नमः) अग्नये ··· तीव्राय तथा चैवाजवाहिने BhaviP. 202B. 24 (i. 136. 54)

अजविक्रयकृत् (ajavikraya-kṛt) *adj.* who sells a goat अजविक्रयकृद्व्याधः ··· भवेत् SkandP. i(2). 51. 26.

अजविष् (aja-viṣ) *f.* goat's ordure or excretion गोगजाश्ववराहोष्ट्रखरमेषाजविड्समम् । समध्वेकैकशो लिह्याद् बहुश्लेष्मा AṣṭāSaṁ. ii. 34. 15 (4. 6) = AṣṭāHṛ. iv. 4. 36.

अजविषाण (aja-viṣāṇa) *m.* goat's horn गोमहिषाजविषाणैः ··· वज्रतरो नाम कल्कः BṛSaṁ. 57. 7.

अजवीथ (aja-vītha) [AltGr. II. 1. 280 ?] cf. **अजवीथि.**

अजवीथि (aja-vīthi) *f.* [AltGr. II. 1. 280 aja-vītha-?] **i** name of one of the divisions of the southern path in which the sun, moon and planets move नागवीथ्युत्तरा वीथी ह्यजवीथिस्तु दक्षिणा MatsyaP. 124. 53; BālaKrī. ii. 69. 22 (*on* 3. 196 (?186)); **ii** name of the constellations Mūla, Pūrvāṣāḍhā and Uttarāṣāḍhā उभे आषाढमूलं तु अजवीथ्यादयस्त्रयः MatsyaP. 124. 53; **iii** name of the constellations Hasta, Citrā and Svātī हस्तश्चित्रा तथा स्वाती ह्यजवीथिरिति स्मृता MatsyaP. 124. 58.

अजवीथिका (ajavīthi-kā) *f.* name of the constellations Rohiṇī, Mṛgaśīrṣa and Ārdrā रोहिण्याद्याजवीथिका S'abdaRa.(Vā.) 390.

अजवीथी (aja-vīthī) *f.* **i** name of one of the divisions of the southern path in which the sun, moon and planets move नागवीथ्युत्तरा वीथी अजवीथी च दक्षिणा VāyuP. i. 50. 130; BrahmāṇḍP. i. 21. 76; पितृयानोऽजवीथ्याश्च यदगस्त्यस्य चान्तरम् YājñaSm. 3. 184; सवितुर्बह्वयो वीथ्यो दिवि पद्धतयः ··· अगस्त्यस्यानन्तरा अजवीथी BālaKrī. ii. 66. 16 (*on* 3. 185); अजवीथ्यमरमार्गः Mitā. 396. 4 (*on* 3. 184) अजवीथी देवमार्गः DīpKa. 91. 12 (*on* 3. 184); BhāgP. v. 23. 5; DevīBhāP. viii. 17. 17; अजवीथीमृगवीथीवैश्वानरवीथ्यात्मको दक्षिणो मार्गः LalitāSaBh. 182. 5 (*on* 220); **ii** name of the constellations Mūla, Pūrvāṣāḍhā and Uttarāṣāḍhā मूलं चाषाढे द्वे चापि अजवीथ्यभिशब्दिता VāyuP. ii. 5. 51; i. 50. 130; मूलं पूर्वोत्तराषाढे अजवीथ्यभिशब्दिते BrahmāṇḍP. ii. 3. 51; i. 21. 76; DevīBhāP. viii. 15. 7; **iii** name of the constellations Hasta, Citrā and Viśākhā हस्तश्चित्रा विशाखिका अजवीथी Aparā. 1016. 18 (*on* 3. 184); **iv** name of the constellations S'ravaṇa, Dhaniṣṭhā and S'atatārakā कश्यपस्तु श्रवणादिनक्षत्रत्रयमजवीथीमाह Aparā. 1016. 19 (*on* 3. 184); **v** name of the constellations Rohiṇī, Mṛgaśīrṣa and Ārdrā रोहिण्याद्याजवीथी Vaija. 20. 46.

अजवृष (aja-vṛṣa) *m.* male goat स एकोऽजवृषस्तासां बह्वीनां रतिवर्धनः । रेमे BhāgP. ix. 19. 6.

अजवृषण (aja-vṛṣaṇa) *adj.* having testicles of a goat (आशीर्वादपराः कार्याः ··· द्विजोत्तमाः । यैः कृतः) क्षयी सोमोऽजवृषणस्तथैव च शतक्रतुः ViṣṇuDhaP. ii. 32. 26.

अजवृषभ (aja-vṛṣabhá) *m.* male goat [AltGr. II. 1. 250? S'atBr.? cf. **अजर्षभ**]

अजवेगनिष्कृत (ajavega-niṣkṛta) *adj.* free from the ravages of time (*lit.* unborn) धर्मः क्वचित्तत्र न भूतसौहृदं त्यागः क्वचित्तत्र न मुक्तिकारणम् । वीर्यं न पुंसोऽस्त्यजवेगनिष्कृतं न हि द्वितीयो गुणसङ्गवर्जितः BhāgP. viii. 8. 21.

अजव्यपेक्षा (aja-vyapekṣā) *f.* regard or consideration for Aja अथ काश्चिदजव्यपेक्षया गमयित्वा ··· समाः । तमसः परमापदव्ययं पुरुषं योगसमाधिना रघुः RaghuVa. 8. 24 (Mallinātha अजाकाङ्क्षानुरोधेन; Hemādri पुत्रोपरोधेन, न तु स्वेच्छया)

अजव्याख्यान (aja-vyākhyāna) *n.* explanation of the term *aja*

अजव्याख्यानवृत्तान्तं स्वपुत्रस्य पणं च तम् । त्वं प्रमाणीकृतश्चासीत्व्याख्यायार्थयते स सा PārśvC. 2. 577.

अजशकृच्चूर्ण (ajaśakṛc-cūrṇa) *n.* powder of the goat's dung अविकाजशकृच्चूर्णस्याढके द्वे तिलाढकम् । ...एतैः सेकः कार्यो वनस्पतेः BṛSaṁ. 55. 17; आविकाजशकृच्चूर्णं यवचूर्णं तिलानि च । गोमांसमुदकं चैव सप्तरात्रं निधापयेत् । उत्सेकः सर्ववृक्षाणाम् AgniP. 281. 11; 246. 28; S'ukraNī. 4(4). 55.

अजशङ्करादि (ajaśaṅkarādi) *adj.* Brahman, S'iva and other gods स एव आत्मात्मवतामधीश्वरस्त्रयीमयो धर्ममयस्तपोमयः । गतव्यलीकैरजशङ्करादिभिर्वितर्क्यलिङ्गो भगवान्प्रसीदताम् BhāgP. ii. 4. 19.

अजशरीर (aja-śarīra) *n.* body of a goat गजपरिमाणो वा कर्मवशादजशरीरं प्रविशति तदा तत्र न स मीयेत SarvaDaKau. 38. 27.

अजशावी (aja-śāvī) *f.* female young one of a goat अजशावी वराक्येषा तर्हि प्रागनुगृह्यताम् । वक्तुं पशुत्वान्नो वेत्ति किंचिन्मद्भक्तिपेशला SkandP. iv. 47. 39.

अजशासन (aja-śāsana) *n.* command of god Viṣṇu फणिपतिर्न मृणालनिभैः फणैः किमु बिभर्ति महीमजशासनात् Rāgh. 6. 61.

अजशिरस् (aja-śiras) *n.* goat's head एकं चेदजशिरः स्यादुखायामुपधाय MānS'S. 150. 19; अजो हि इत्यजशिरः VaitāSū. 29. 3.

अजशिवपूजना (ajaśiva-pūjanā) *f.* worship of S'iva who is without birth अजशिवपूजनया विशुद्धवीर्यैः।... सेवितम् ... शैवं मयमुपाश्रित्य निवसन्ति स S'ivaP. ii(5). 1. 74 (220B. 8)

अजशीर्ष (aja-śīrṣa) *n.* head of a goat अजशीर्षाम्बुजानूपमांसादपिशितैः पृथक् । साधयित्वा रसान् CaraS. vi. 28. 107 (1941 Ed.)

अजशीला (aja-śīlā) *f.* name of a type of women (*lit.* possessing characteristics of a she-goat) ऊष्मलाङ्गी सञ्चरिष्णुरजशीलेति कथ्यते BhāvPra. (Sā.) 112. 9(5)

अजशृङ्ग (aja-śṛṅga) *n.* **1** horn of a goat श्वोभूते क्षीरोदके संसृज्य शरीराण्यवसिञ्चत्यजशृङ्गेण गोशृङ्गेण मृण्मयेन कोशेन वा JaimiGS. 2. 5 (30. 19); **2** the shrub *Odina penuata* or *wodier* (and its fruit) °अजकर्णाजशृङ्गैः ... कफशमनमवाप्नोति सर्वप्रकारैः KalyāKā. 10. 16; अजशृङ्गेण धूप्यैनं स्नपयेच्छान्तिवारिभिः ĪśānS'iPa. i. 41. 22; अजशृङ्गाग्निमन्थे च जले प्रक्षिप्य पाचयेत् Hastyāyur. 246. 17 (2. 39); *m.* अपरस्तु मेषशृंगश्चक्षुष्यश्छेदनश्च ... अजशृंगो दीर्घफलः श्वेतपुष्पश्च AbhidhāMañ. 71. 6.

अजशृङ्गिका (ajaśṛṅg-ikā) *f.* a kind of *Valleriana*, the shrub *Odina wodier* तपस्विनी जटामांसी मेषपुष्पेऽजशृङ्गिका RājNi. 422. 1; मेषशृङ्गी...अजशृङ्गिका । ... मेषशृङ्गी रसे तिक्ता वातला कासनाशनी MadaPāNi. 10. 161; मेषशृङ्गी विषाणी स्यान्मेषवल्ल्यजशृङ्गिका ।...श्वासकासहृत् BhāvPra.(Bhā.) 6(4). 253 = BhāvPraNi. 73. 257; कुष्ठेऽन्त्ये पशुशृङ्गनागरदयोस्त्र्यां विषाणं स्त्रियां काकोल्यामजशृङ्गिकासु KośaKaTa. 2. 4956.

अजशृङ्गी (aja-śṛṅgī) *adj.* (*f.*) [Debru. p. 377] goat-horned अजशृङ्ग्यराटकी तीक्ष्णशृङ्गी व्यृषतु AV. iv. 37. 6.

अजशृङ्गी (aja-śṛṅgī) *f.* the plant *Odina pinnata* (with a fruit shaped like the goat's horn) or the shrub *Odina wodier* अजशृङ्ग्यज रक्षः AV. iv. 37. 2; विरेचनद्रव्याणि तु ... अश्वगन्धाजशृङ्गीक्षीरिणी° ... °कषायैश्च ... उपसंस्कृत्य...विरेचनार्हाय दद्यात् CaraS. iii. 8. 136 (1941 Ed.); अजा नामौषधिः 'अजशृङ्गी' इति विज्ञायते CaraS. vi. 1(4). 7 (1941 Ed.); विदारीसारिवारजनीगुडूच्योऽजशृङ्गी चेति वल्लीसंज्ञः SuśruS. i. 38. 72 (comm. वल्लीसंज्ञः पञ्चमूलम्); iv. 17. 14; अश्वगन्धाजशृङ्गी च सारिवे द्वे...कषायः परिषेचने KāśyaS. 100B. 42; अजशृङ्गी विषाणी स्याद्गोजिह्वादार्विके समे AmaK. 887; अजगंधाजशृङ्गीवचा° ... °सालमूलानि (विरेचनोपयोगीनि) AṣṭāSaṁ. i. 84. 8 (1. 14); i. 78. 2 (1. 12); i. 98. 25 (1. 18); ii. 98. 23 (4. 17); ii. 108. 12 (4. 19); ii. 203. 2 (6. 6); ii. 284. 24 (6. 28); अजशृङ्गीजटाकल्कमजामूत्रेण यः पिबेत् AṣṭāHr. iv. 8. 57; अजगन्धाश्वगन्धा च ... अजशृङ्गी च प्रलेपः श्लेष्मशोथहा SiddhYo. 44. 7; अजशृङ्गी च बिम्बी च ... । वरुणादिगणकाथः कफमेदोहरः स्मृतः S'ārṅgaS. ii. 2. 129; ParyāRaMā. 165; ज्योत्स्नी पटोलिका जाली अजशृङ्गी विषाणिका AgniP. 362. 56; ViṣṇuDhaP. ii. 49. 28; अजशृङ्गी मेषशृङ्गी सर्पदंष्ट्रा च वर्तिका DhanvNi. 23. 2; NighS'e. 2079; BhāvPraNi. 197. 4; 21. 181; अश्वगन्धाजशृङ्गी ... एतासां क्वाथेन परिषेचनम् BhāvPra.(Bhā.) 8(70 ? 71). 75; 6(2). 180; मुस्ता° ... °विडङ्गाजशृङ्गीभिः सह पयः शृतशीतम् ... आमाशयविशुद्धयर्थम् Hastyāyur. 62. 1 (1. 9); 63. 9 (1. 9); 365. 3 (3. 1); 606. 7 (4. 5); अजशृङ्गी कटुस्तिक्ता कफार्शःशूलशोफजित् RājNi. 23. 7; S'abdaRa.(Vā.) 1030; AbhidhāMañ. 71. 1; ApūNā. 13B. 3; KośaKaTa. 1. 4026; 1. 4413; KalpaK. 267. 166.

अजश्मश्रु (aja-śmaśru) *n.* beard of a goat ख्यात्यै प्रादादजमुखं दक्षस्य तु तदा शिवः । अजश्मश्रूण्यदाच्छ्मश्रुर्भृगवे तु महात्मने SkandP. ii(7). 8. 62; निद्रायन्तम् ... अजश्मश्रुदुर्दर्शचिबुकमध्यम् ... लेसिकापसदम् YaśasCam. ii. 43. 3.

अजश्याम (aja-śyāma) *adj.* black like a goat अजश्यामौ च पार्श्वौ तावुभावपि समाहितौ । तथैव च समारूढावजपार्श्वस्ततोऽभवत् HariVaṁ. 114. 12; अजश्यामः स (कुमारः) पार्श्वाभ्यां दृष्टाभ्यां सुसमाहितः । अजश्यामौ तु तत्पार्श्वौ देवेन संबभूवतुः BrahmP. 13. 135.

अजश्री (ajaśrī) *f.* alum [PW]

अजश्रुति (aja-śruti) *f.* Vedic expression or word *aja* अजश्रुत्या च विष्णुविरिञ्च्योः साधारणस्य ब्राह्मणनाम्नो विष्णौ समन्वयप्रतिपादनात् TattvPrakā. 63A. 2 (*on* i. 3. 43)

अजषट् (aja-ṣaṭka) *n.* the group of the six zodiac signs beginning with Aries स्यात्सायनोष्णांशुभुजश्चेसङ्स्यचराधेयोगो लवभोग्यघातात् । खाग्न्याप्तियुक्तस्तु चरं धनर्णं तुलाजषट्के तपनेऽन्यथास्ते GrahaLā. 2. 6.

अजस् (a-jas) (Gr.) the verbal root *jas-* with the negative *a* (preceding) नमिकम्पिस्म्यजस्कमहिंसदीपो रः JaineVyā. ii. 2. 148 नम्कम्पजस्कम्पसिहिंसदीपो रः S'ākaṭāVyā. iv. 3. 263.

अजस (a-jasa) (Gr.) the verbal root *jas-* with the negative *a* (preceding) नमिकम्पिस्म्यजसकमहिंसदीपो रः P. iii. 2. 167; स्म्यजसहिंसदीपनमकमकम्पो रः CāndraVyā. i. 2. 116; स्म्यजसहिंसदीपकम्पकमनमो रः SiddhaHe. v. 2. 79; हिन्सदीपकम्पाजसस्मिङ्कमनमो रः MugdhaBo. 26. 158 (167. 23)

अजसंयोग (aja-saṁyoga) *m.* unproduced (i. e. eternal) conjunction (of two all-pervasive substances or one all-pervasive substance with any other) अजसंयोगस्याप्युपपादितत्वात् TātpaṬ.(Vā.) 604. 17 (*on* iv. 1. 21); वार्तिककारस्याजसंयोगस्याभ्युपगमः प्रौढिवादतयेति लक्ष्यते TātpaṬ.(Vā.) 649. 4 (*on* iv. 2. 18–20); अजसंयोगे तदभावप्रसङ्गात् Bhām. 363. 3 (*on* ii. 1. 18); अजसंयोगेऽप्यसति तत्संयुक्ताणुसंयुक्तक्षेत्रज्ञादृष्टे NayaVi. 190. 1 (*on* i. 1. 5); अजसंयोगमिच्छन्तः केचिद्विभागं न सहन्ते Kiraṇā. 227. 9; अजसंयोगे व्यभिचारात् TattvPradī.(Ci.) 203. 10; संयोगः ... सर्वथापि नोपपद्यते ... अव्याप्तेरजसंयोगे द्रव्यत्वाद्यनिरूपणात् TattvPradī.(Ci.) 301. 2; 301. 10; अजसंयोगमनिच्छन्तं प्रति सर्वत्रासिद्धिमाह VedāntKa. 241. 24 (*on* ii. 1. 18); अजसंयोगश्च साधयिष्यते VedāntKa. 266. 15 (*on* ii. 213. 14); अजसंयोगस्याग्रे निराकरणात् TarkSaṁ.(Ā.) 55. 6; अजसंयोगः प्रामाणिकोऽपि प्रतिक्षिप्यते NyāyKu. 97. 8; भट्टपराशरपादैर्मैनोऽणुत्वसमर्थनदशायामजसंयोगो निरस्तः NyāySiA. 254. 29; अजसंयोगस्य कणभक्षाक्षचरणादिभिः प्रतिक्षेपाच्च SarvaDaSaṁ. 15. 153; अजसंयोगे नायं समाधिः संभवति NyāySu.(Ja.) 370A. 1 (*on* ii. 2. 6); जीवब्रह्मणोर्विभुत्वादजसंयोगस्यानिष्टत्वात् AṇuBh. 138. 2 (*on* ii. 2. 38)

अजसंयोगनिरास (ajasaṁyoga-nirāsa) *m.* refutation of the (view of) eternal conjunction तेषाञ्चानाधाराधेयत्वात् संयोगसिद्धौ नाजसंयोगनिराससिद्धिः NyāyKu. 97. 11.

अजसंयोगभङ्ग (ajasaṁyoga-bhaṅga) *m.* refutation of the (view of) eternal conjunction तव कथमजसंयोगभङ्गोऽन्यथा स्यात् TattvMu. 3. 17.

अजसंयोगसिद्धि (ajasaṁyoga-siddhi) *f.* establishment of eternal conjunction द्रव्यत्वेनात्मसंयोगित्वसाधने त्वजसंयोगसिद्धौ तत एव ... °विभागप्रसङ्गः TattvCin. i. 781. 7; अकार्यसंयोगस्तु विभुद्रव्ययोः । अजद्रव्यसंयोगः श्रुत्याङ्गीक्रियते । अनुमानादप्यजसंयोगसिद्धिः । यथा विभुद्रव्यं विभुद्रव्यसंयोगवद्द्रव्यत्वाद्घटवत् YatīndraDī. 96. 3.

अजसंयोगाङ्गीकार (ajasaṁyogāṅgīkāra) *m.* acceptance of eternal conjunction अजसंयोगाङ्गीकारपक्षे च सिद्धसाध्यताया दुर्वारत्वात् TarkSaṁ.(Ā.) 54. 2.

अजसंयोगाभाव (ajasaṁyogābhāva) *m.* absence of eternal conjunction अजसंयोगाभावो वक्ष्यते Kiraṇā. 26. 5.

अजसंस्थानमुख (ajasaṁsthāna-mukha) *adj.* having a face similar to that of a ram अजसंस्थानमुखः स्यान्मेषाद्यांशे Sārā. 50. 2.

अजसंक्रान्ति (aja-saṅkrānti) *f.* the sun's entry into the zodiac sign Aries ईशानादिदक्षिणाङ्कान् संलिखेदनलादितः । येन येनाजसंक्रान्तिस्तेन प्रावृट्फलं भवेत् KṛṣiPa. 55.

अजसंघ (aja-saṅgha) *m.* flock of goats नवांशदोषः सकलं गुणौघम्...। दत्तं निहन्तीव वृकोऽजसंघम् VasiS. 32. 54.

अजसंज्ञ (aja-sañjña) *adj.* **A** called *aja* (i. e. not sprouting) अजसंज्ञानि बीजानि छागं घ्नन्तुमथार्हसि ViṣṇuDhaP. iii. 345. 4; **B** called *aja* (i. e. sown in the ground) अजसंज्ञानि बीजानि भूमौ क्षिप्यन्त इत्यजसंज्ञानि भवन्ति BālamBha. iii. 177. 3 (*on* 3. 290)

अजसंज्ञा (aja-sañjñā) *f.* the name *aja* (i. e. not sprouting) तत्रापि बीजैर्यष्टव्यमजसंज्ञामुपागतैः । त्रिवर्षकालमुषितैर्न(? र्न) येषां पुनरुद्भमः SkandP. ii(9). 6. 29.

अजसंज्ञित (aja-sañjñita) *adj.* having the name Aja (i. e. S'iva) त्वं ब्रह्मा हरिरजसंज्ञितस्त्वमिन्द्रो वित्तेशः पितृपतिरम्बुपतिः समीरः MārkP. 104. 37.

अजसत्त्वाङ्गना (ajasattvāṅganā) *f.* type of woman who has the nature of a she-goat, a woman of goat-like characteristics कृशा तनुभुजोरस्का निष्टब्धशिरलोचना । संक्षिप्तपाणिपादा च सूक्ष्मरोमसमाचिता ॥ भयशीला जलोद्विग्ना बहुपथा वनप्रिया । चञ्चला शीघ्रगमना ह्यजसत्त्वाङ्गना स्मृता NāṭyaS'ā. 22. 140.

अजसंनिवेश (aj-asanniveśa) *m.* absence of (immediate) succession of vowels वृद्धसंज्ञायामजसंनिवेशादनादित्वम् Vār. 1 *on* P. i. 1. 73 (Pradī. पौर्वापर्येणावस्थानं संनिवेशः)

अजसप्तदशन् (aja-saptadaśan) *adj.* having seventeen goats (as sacrificial fee) अजसप्तदशैव सोऽपि कुरुः VaikhāS'S. 17. 11.

अजसमा (aja-samā) *adj.* (*f.*) resembling Viṣṇu (Unborn) पृथुलाजसमद्युतिः । पृथुलाजवत् कान्तिः । पक्षे पृथुला अजसमा विष्णुसमा KāvyKaVṛ. 68. 22 (3. 3)

अजसमिति (aja-samiti) *f.* flock of goats सुधायोगान्निहन्त्येव बधिरो योगचञ्चलः । वृकोऽजसमितिं यद्वत् VasiS. 43. 9.

अजसंपूज्यमाना (aja-sampūjyamānā) *adj.* (*f.*) being worshipped by Brahman (*m.*) (the Creator) भवाम्भोजनेत्राजसंपूज्यमानाम् ··· भजे शारदाम्बामजस्रं मदम्बाम् S'āraBhuA. 8.

अजसंबन्ध (aja-sambandha) *m.* eternal relation न चानधिष्ठितयोर्धर्माधर्मयोः प्रवृत्तिर्युक्तेति । तच्च न अजसंबन्धोपपत्तेः NyāyVār. 470. 10 (*on* iv. 1. 21)

अजसंबन्धबोधक (ajasambandha-bodhaka) *adj.* expressing association with goats अजसंबन्धबोधकस्याजपदस्य प्रत्यक्षसंनिधाने MayūMāli. 676. 1 (*on* x. 2. 29)

अजसंभव (aja-sambhava) *adj.* born of Brahman (*m.*) (the Unborn) धर्मैः ··· शंकरम् ··· । तुष्टाव विविधैर्वाक्यैर्दीनो भूत्वाजसंभवः S'ivaP. ii(2). 3. 31 (69B. 15); सूत उवाच । एवमेव गुरुव्यासः पृष्टवान्मेऽजसंभवम् । सनत्कुमारं सर्वज्ञं शिवभक्तम् S'ivaP. v. 4. 3 (410A. 6)

अजसर्पिस् (aja-sarpis) *n.* ghee or clarified butter (prepared from the milk) of a she-goat कुर्यात् । विषवृक्षविषाजसर्पिषोऽहीन् IśānS'iPa. i. 5. 45.

अजसलिल (aja-salila) *n.* urine of a goat त्रिकटुदहनवेल्लैः ··· अजसलिलविपिष्टैर्गुञ्जया तुल्यगोलः ··· हन्ति कुष्ठं गरिष्ठम् RasRaSa. 20. 52.

अजसादि (a-jasādi) *adj.* other than (Nom. pl. suffix) *jas* etc. अजसादिष्विति वक्तव्यम् । रात्रिं रात्रिं स्मरिष्यन्तः । रात्रिं रात्रिमजानतः । सर्वां रात्रिं सहोषित्वा । वृत्यामेकान्तरात्रिम् MahāBh. ii. 213. 12 (*on* iv. 1. 31)

अजसि (a-jasi) (Gr.) other than *jas* (Nom. pl. suffix) रात्रेश्चाजसौ P. iv. 1. 31.

अजसिद्धि (aja-siddhi) *f.* obtainment of goats (पूजयेत् परमेश्वरीम्) लकुचैरजसिद्धये TantrRā. 6. 86.

अजसुत (aja-suta) *m.* son of Aja (i. e. Daśaratha) अजनि···कुले । रवेरजसुतादजः KalkiP. iii. 3. 26.

अजसूत्र (aja-sūtra) *n.* central cord नेत्रं नेत्रमनुस्मरदजसूत्रं पार्श्वसूत्रं च । हाटकनिर्मितसूच्या आचार्यः संलिखेद् रेखाम् MayaMa. 33. 106 (cf. **ब्रह्मसूत्र** MānaSā. 52. 71)

अजसूनु (aja-sūnu) *m.* son of Aja (i. e. Daśaratha) अनेनैव प्रियसुहृदा पातयिष्यामि सह सूनुभिरजसूनुम् JānaPa. 4. 21(2)

अजस्तुन्द (aja-stunda) *n.* [AltGr. II. 1. 128] name of a city कास्तीराजस्तुन्दे नगरे P. vi. 1. 155; KāśiVṛ. *on* vi. 1. 155; अजस्तुदम्(?) JaineVyā. 300. 30 (*on* iv. 3. 116); GaṇRa. 2. 152 (188); अजस्येव तुन्दमस्य अजस्तुन्दं नगरम् Prasā. i. 682. 13; KośaKaTa. 1. 2658; अजस्येव तुन्दमस्येति अजस्तुन्दं नाम नगरम् SiddhāKau. 221B. 17.

अजस्तुमा (ajastumā) *f.* name of a plant अजस्तुमा (? अतस्युमा) रुद्रवन्ती कलायस्तु हरेणुका AśvaVai. 12. 62.

अजस्थिति (aja-sthiti) *adj.* who has an eternal existence अजस्थितिः ··· योऽभ्यागमेषु हतदुन्दुभिरेति भद्रकालीविलासमधरस्थितसैंहिकेयः HarVi. 31. 29.

अजस्य (ajasya) *m.* name of a sage (son of Surūpā) सुरूपा जनयामास ऋषीन् ···अजस्यमृषिजम् MatsyaP. 196. 4.

अजस्र (á-jasra) *adj.* [*f.* -ā] [DEBRU. p. 850; P. iii. 2. 167; नञ्पूर्वो जसु मोक्षणे । अजस्रः KātanVṛ. *on* iv. 4. 50; MugdhaBo. 26. 158 (167. 24); KāśiVṛ. *on* P. iii. 2. 167 क्रियासातत्ये admits *adv.* only] **A** indefatigable, untiring, unwearing (mostly Agni) विश्वामित्रेभिरिध्यते अजस्रः ṚV. iii. 1. 21; iii. 54. 1; विधातारो वि ते दधुरजस्राः ṚV. iv. 55. 2; इमो अग्ने वीततमानि हव्याजस्रो वक्षि देवतातिमच्छ ṚV. vii. 1. 18; viii. 60. 4; यो भानुभिर्विभावा विभात्यग्निर्देवेभिर्ऋतावाजस्रः ṚV. x. 6. 2; x. 12. 7; नृमणा अजस्रमिन्धान एनं जरते स्वाधीः ṚV. x. 45. 1 = TaiS. I. iii. 14. 5; इहैव त्वमजस्र एध्यग्ने AV. iii. 78. 1; xix. 3. 2; अजस्रमिन्दुमरुषम् ··· अग्निमीडे TaiS. IV. ii. 10. 2; VājaS. 13. 43; 11. 31; आजरसं हासिन्नजस्रो दीदाय AitBr. 5. 2(117); अजस्रं त्वां सभापालाः । विजयभागं समिन्धताम् TaiBr. III. vii. 4. 5; BhārS'S. iv. 2. 4; **B** inextinguishable, not diminishing, perpetual (flame or lustre of fire) अजस्रो घर्मो हविरस्मि नाम ṚV. iii. 26. 7; उदग्ने भारत द्युमदजस्रेण दविद्युतत् । शोच ṚV. vi. 16. 45; vi. 48. 3; प्रेद्धो अग्ने दीदिहि पुरो नोऽजस्रया सूर्म्या यविष्ठ ṚV. vii. 1. 3; TaiS. IV. vi. 5. 4; VājaS. 17. 76; ṚV. vii. 5. 4; सविता ज्योतिरुदयाँ अजस्रम् ṚV. x. 139. 1; अजस्रं घर्ममीमहे AV. vi. 36. 1; TaiS. I. v. 11. 1; VājaS. 26. 6; तेषां भानुरजस्र इच्छुक्रो देवेषु रोचते TaiS. IV. i. 5. 2; VājaS. 11. 54; यजमानोऽग्निहोत्रं जुहुयाद् अजस्रेष्वग्निष्वप्रवसन् JaimiBr. 1. 38; आधानाद् द्वादशरात्रमजस्राः ĀśvaS'S. I. ii. 1. 35; ĀpaS'S. v. 22. 13; प्रेतमाहिताग्निं ज्ञात्वाजस्रान् अग्नीन् कुर्वन्ति KauśiGS. v. 1. 4; **C** inexhaustible पाहि नो अग्ने पायुभिरजस्रैः ṚV. i. 189. 4; यस्याजस्रं शवसा मानमुक्थम् ṚV. i. 100. 14; **D** eternal, unending, everlasting यत्र ज्योतिरजस्रम् ṚV. ix. 113. 7; ज्योतिर्यच्छन्त्यजस्रम् ṚV. x. 185. 3; अजस्रं ज्योतिर्यदविन्दद्त्रिः AV. xiii. 2. 36; xvi. 2. 5; ते हि पुत्रासो अदितेः प्रजीवसे मर्त्याय । ज्योतिर्यच्छन्त्यजस्रम् VājaS. 3. 33; S'atBr. II. iii. 4. 37; अजस्रं ज्योतिर्नभसा सर्पदेति TaiĀ. iii. 11. 8 (317. 6); ब्रह्माद्वितीयमुदितं च तदस्यजस्रम् SaṁkṣeS'ā. 1. 93 (i. 85. 18); **E** uninterrupted, continuous अथास्य बाणेन विदारितस्य प्रादुर्बभूवासृगजस्रमुष्णम् MahāBhā. iv. 60. 4; अथेमान्यजस्राणि भवन्ति BaudhDS. ii. 2. 76; औपासनेऽजस्रे वर्तमाने VaikhāGS. 6. 15; अजस्रदीक्षाप्रयतस्य मद्गुरोः क्रियाविघाताय कथं प्रवर्तसे RaghuVa. 3. 44; 3. 65; कथं तर्हि अग्निषु प्रयोगः ··· आधानाद् द्वादशरात्रमजस्रा इति । अत्राप्यजस्रजागरणादजस्राः PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. iii. 2. 167; यस्य शरीरे सर्वेषां सर्वाण्यायुधानि मोघानि भवन्त्यजस्राणि च (? अस्त्राणि च) PārāSū. 98. 3; ददर्श मकराकरम् । सत्संगतमिवाजस्रमविघातान्तरं परैः RāmāMañ. 288. 9; **F** obligatory अजस्रं धर्मकार्यं च तथा नैमित्तिकं प्रिये MahāBhā. xiii. App. I. 15. 3199; काम्यनैमित्तिकाजस्रं श्राद्धकर्मणि नित्यशः VāyuP. ii. 19. 1; अजस्रं कर्म वक्ष्यामि दिनं प्रति यदाचरेत् AgniP. 234. 1; **G** huge, large मूढ मन्यसे ··· जरत्तृणमिवाजस्रं हस्तिनं तम् BṛKathāK. 33. 64; *m.* **1** fire kindled at the wedding ceremony (to be kept continuously) अजस्रैरेनं दहेयुरित्येतदेकम् ĀgniveGS. iii. 5. 2 (142. 1); अनेन विधिनोत्पन्नो विवाहाग्निरिति स्मृतः । स एव स्यादजस्राख्यः LaghvāśvaSm. 15. 49; **2** name of one of the twelve sons of Suśarman जम्भोऽस्याजस्रशक्रकाः । ··· सुशर्माणः प्रकीर्तिताः VāyuP. ii. 38. 64.

अजस्रकर्मन् (ajasra-karman) *n.* obligatory rite काम्यनैमित्तिकाजस्रकर्मसु त्रिषु संस्थिताः S'ivaP. vii. 17. 41 (520A. 1)

अजस्रगलत् (ajasra-galat) *adj.* ever flowing, continuously dropping down अजस्रगलदस्रसंप्लवकिणाङ्कगण्डस्थलाः ··· प्रयान्ति किल सस्मिताः स्म सुरलोकबन्दिस्त्रियः MahāvīC. 7. 5 (192. 14); त्वङ्गत्तुरङ्गमखुरोच्छलितै रजोभिर्लेशैरजस्रगलदस्रसहस्रनेत्रः । पाणिग्रहे समरभूमिजयश्रियस्ते स्वाराडयं नृपतिनाथ सहस्रधारः SaduktiKa. 212. 19.

अजस्रगामिन् (ajasra-gāmin) *adj.* perpetual wanderer, nomadic हिण्डकोऽजस्रगामिनि S'abdaRaSaK. 30. 16.

अजस्रघटन (ajasra-ghaṭana) *n.* constant or continuous fashioning अयमङ्कहरिणः कुर्वीत किं किं कलाकन्थामिन्दुमयीमजस्रघटनोद्घाटस्थावस्थिताम् AnarghaRā. 7. 63.

अजस्रघर्मविसरा (ajasra-gharmavisarā) *adj.* (*f.*) having a constant flow of sweat तेषां मूर्तिमजस्रघर्मविसरां संख्येऽथ नेदीयसि S'rīKaC. 18. 56.

अजस्रचञ्चत् (ajasra-cañcat) *adj.* continuously brandishing घनैरिव ···अजस्रचञ्चत्तरवारिधारैः । तटित्कडाराक्षतया···रणाजिरम्···आवृतं तैः Rāgh. 17. 41.

अजस्रचञ्चल (ajasra-cañcala) *adj.* continuously active, ever moving अमी ततस्तस्य ··· । उपाहरन्नश्वमजस्रचञ्चलैः खुराञ्चलैः क्षोदितमन्दुरोदरम् NaiṣC. 1. 57.

अजस्रचिन्ता (ajasra-cintā) *f.* constant worry or anxiety कथमिवास्याजस्रचिन्तायासविह्वलमनसो वराकस्य निद्रासुखमुपनमेत् DaśKuC. 132. 13.

अजस्रजवाभ्यास (ajasra-javābhyāsa) *m.* practice of constantly running आचार्यपरिषद् देवस्य···अर्वन्तं विज्ञापयति ··· अजस्रजवाभ्य(? भ्या)सादिव सुविभक्तघनगात्रम् YaśasCam. i. 310. 2.

अजस्रजागरण (ajasra-jāgaraṇa) *n.* keeping continuously awake अजस्रानजुहूत इन्धीरन्निति ··· अत्राप्यजस्रजागरणादजस्राः PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. iii. 2. 167.

अजस्रज्वलित (ajasra-jvalita) *adj.* constantly kindled or inflamed

विशाम्पतिः … त्रेताग्नि(? भि)रिवाजस्रज्वलितैस्त्रिभिरयोमयैरपि वारणात्मकैरङ्कुशैः …
उपेतम्…करिणसंक्रमिण(?) हेमकूटमारुरोह AvantiKa. 99. 10.

अजस्रदत्तकविक (ajasradatta-kavika) *adj.* constantly or always
bridled अश्वैः सार्धमजस्रदत्तकविकैः क्षामैरशून्यासनैः MudrāRā. 7. 15.

अजस्रदानिन् (ajasra-dānin) *adj.* continuously in rut, constantly
rutting यस्य तु गजान् … अजस्रदानिनो दृष्ट्वाभवन्नन्येऽपि दानिनः SkandP. iv.
43. 22.

अजस्रदाव (ajasra-dāva) *m.* uninterrupted or incessant forest-fire
नाश्रायि यैश्चरणपद्मद्वन्द्वं तव क्षणमपीश । तैराश्रितं वनमजस्रदावज्वलत्तरु चिराय
ChandaśCū. 2. 100 (3)

अजस्रदीक्षा (ajasra-dīkṣā) *f.* continuous consecretion or initiation
अजस्रदीक्षाप्रयतस्य मद्गुरोः क्रियाविघाताय कथं प्रवर्तसे RaghuVa. 3. 44; 3. 65.

अजस्रदुष्ट (ajasra-duṣṭa) *adj.* constantly spoilt or rendered impure
अजस्रदुष्टरुधिरं भूरि तच्छोणितार्बुदम् AṣṭāSaṁ. ii. 309. 8 (6. 34)

अजस्रद्रोहिन् (ajasradroh-in) *adj.* having constant hatred, con-
stantly hating तस्याजस्रद्रोहिणो देहभाजां बाह्वोरेकश्चिच्छिदे राघवेण Rāgh. 10. 14.

अजस्रधारण (ajasra-dhāraṇa) *n.* perpetual maintenance or preser-
vation (of fire) अग्नीनामजस्रधारणाभावे … आहवनीयादिदेवताः गार्हपत्यमनुप्रवि-
शन्ति PūrvottaVāNaMā. 298. 3; नित्ये तूल्ये…प्राप्तमप्यजस्रधारणम्…न कर्तव्य-
मेव BhāṭṭDī. iv. 278. 19 (*on* xii. 4. 10)

अजस्रपक्ष (ajasra-pakṣa) *m.* alternative practice of the perpetual
(maintenance of fire) अजस्रपक्षे चाहवनीयस्य कर्मापवर्गे धारणस्याम्नानमिति
SaṅkarKāBh. 134. 15 (*on* iii. 2. 110); 148. 1 (*on* iii. 2. 59); PūrvottaVāNaMā.
298. 1; इतरथा अजस्रपक्षे उद्धृतत्वाभावात् उद्धृत इत्यस्य पाक्षिकानुवादत्वापत्तेः
BhāṭṭDī. iii. 175. 11 (*on* ix. 4. 5); अजस्रपक्षाभिप्रायेण वा तदुपपत्तिः Bhāṭṭ-
Can. 86. 3 (*on* xv. 2. 32)

अजस्रपण्य (ajasra-paṇya) *n.* commodity to be sold without lapse
of time (i. e. quickly) अजस्रपण्यानां कालोपरोधं सङ्कुलदोषं वा नोत्पादयेत्
ArthS'ā. i. 242. 2 (2. 16) (comm. अजस्रपण्यानां क्षीरशाकादीनाम्)

अजस्रपरमाश्चर्य (ajasra-paramāścarya) *n.* perpetual and superb
wonder यस्याष्टगुणमैश्वर्यं नानातिशयशोभितम् । अजस्रपरमाश्चर्यं सुरासुरमनोहरम्
PadmP.(Ra.) 98. 61.

अजस्रपरिदेवना (ajasra-paridevanā) *adj.* (*f.*) lamenting conti-
nuously मातरौ दुःखिते एते …। विरहे मापतां मृत्युमजस्रपरिदेवते(? ने) PadmP.
(Ra.) 32. 108.

अजस्रपुष्ट (ajasra-puṣṭa) *adj.* constantly nourished or enriched तैः ।
नृभटा यशः स्मेरमजस्रपुष्टं परिगत्वरं नागणयन् विनम्राः DvyāśraKā. 12. 42.

अजस्रबाष्पवदन (ajasrabāṣpa-vadana) *adj.* **i** with the face in
continuous tears अजस्रबाष्पवदनः कर्दमाक्तो जडाशयः । वर्षोक्षितस्य तप्तस्य स्थलस्य
सदृशः शिशुः YogVā. i. 19. 20; **ii** with the surface covered with conti-
nuous vapours, YogVā. i. 19. 20.

अजस्रभाव (ajasra-bhāva) *adj.* with constant faith or devotion
यूयं द्विजाग्र्याः…। नारायणं देवम्…अजस्रभावा भजताविवेश्य BhāgP. xii. 12. 55.

अजस्रभावना (ajasra-bhāvanā) *f.* incessant meditation विलोकयन्ती-
भिरजस्रभावनाबलादमुम् NaiṣC. 1. 29.

अजस्रम् (ajasram) *adv.* [*svarādigaṇa* on P. i. 1. 37; GaṇPā. 254. 115;
GaṇRa. 1. 15 (35); SiddhāKau. 209B. 2; 514A. 3; CāndraVṛ. *on* i. 2. 116;
JaineVyā. 117. 4 (*on* ii. 2. 148); अजस्रमिति जसु मोक्षणे नञ्पूर्वो रप्रत्य-
यान्तः क्रियासातत्ये वर्तते KāśiVṛ. *on* P. iii. 2. 167; न जस्यतीत्येवंशीलमजस्रं
निरन्तरम् S'abdaBhePra. (Ma.) 3. 52] **i** incessantly, uninterruptedly,
continuously अजुहुत्संवत्सरमजस्रमग्निमिन्धीत MānS'S. 29. 16; विवाहाग्निम-
ग्रतोऽजस्रं नयन्ति ĀśvaGS. i. 8. 5; अजस्रं निपतत्स्वग्नौ नागेषु MahāBhā. i.
48. 19; i. 434*; अजस्रमेव दुःखार्तः …। परिक्रामति संसारे चक्रवत् MahāBhā.
iii. 200. 37; iii. 265. 18; माद्रीसुतौ चापि … स्मरन्ति … सेनां वर्षन्तौ शरवर्षैरज-
स्रम् MahāBhā. v. 24. 6; v. 182. 15; अजस्रमन्वकीर्यन्त शराः पार्थरथं प्रति
MahāBhā. vii. 114. 28; vii. 73. 16; प्रपेतुरुर्व्यां नृशिरांस्यजस्रम् MahāBhā. viii.
12. 58; अजस्रमार्तां करुणं रुदन्तीम् BuddhaC. 9. 56; व्यानेन रसधातुः … युगपत्
सर्वतोऽजस्रं देहे विक्षिप्यते CaraS. vi. 15. 36 (1941 Ed.); व्रणश्च कठिनः संरम्भी
कण्डूप्रायः पिच्छिलमजस्रमास्रावं स्रवति SuśruS. ii. 4. 7; अजस्रमच्छं सलिलप्रकाशं
यस्याविवर्णं स्रवतीह नासा SuśruS. vi. 22. 16; या … अस्रैरजस्रमधुना पतिधर्मचिह्न-
मार्द्रीकृतं नयनबन्धमिदं दधाति ŪruBha. 40; तस्यानन्तरमन्यद्यज्ञान्तरं चाजस्रम-
विच्छिन्नं यजतीति ViṣṇuP. iv. 13. 136; तम् … पौराङ्गनाः …। प्रसूनलाजाप्रकरैर-
जस्रमवीवृषन् BrahmāṇḍP. ii. 27. 26; गर्भः … । अजस्रं ब्रह्म चाभ्यस्य षडङ्गं वेद-
मुद्गिरन् BrahmāṇḍP. ii. 74. 39; तैक्ष्ण्यं धैर्यमजस्रमुद्यमरतिः ख्यातिः Bṛhajjā.
8. 12; गिरयो नृपात्मजाकपोलमातेनुरजस्रमश्रुभिः JānaHa. 9. 22; पर्येत्यजस्रं तन्नद्धा
ग्रहकक्षा यथाक्रमम् SūryaSi. 12. 73; स्रोतोभिर्मदजलमुज्झतामजस्रम् Kirātā.
7. 38; 16. 37; प्रातरन्तमजस्रं स्यादस्यान्तः पार्वणो विधिः PrajāSm. 1. 162; अस्याः
… अजस्रं प्रवहता नयनोदकेनेवोढा … न प्रावर्तत वाणी Kād. 232. 12; निश्वासा
ग्लपयन्त्यजस्रमधुनैवोष्णास्तथा नाधरम् PriyDa. 3. 5; श्रेणयोऽस्मिन् शिवानामस्र-
स्रोतस्यजस्रम् … स्वनन्ति Nāgā. 4. 18; छिद्राण्यूर्ध्वमधोऽतश्चक्रमजस्रं स्वयं भ्रमति
BrāhmSphuSi. 22. 54; कुर्वद्भिर्मुखरुचिमुज्ज्वलामजस्रं यैस्तोयैरसिचत वल्लभां
विलासी S'iśuVa. 8. 38; समुत्सृजदिवाजस्रमश्रु स्वामिवियोगतः PadmP.(Ra.) 8. 254;
शरोरुधारास्त्वमुचन्नजस्रम् VarāṅgaC. 18. 23; सुखेनैव भवेद्यस्मिन्नजस्रं ब्रह्मचिन्त-
नम् । आसनं तद्विजानीयात् SarvaVeSāSaṁ. 913; दधतो दुस्तरवारितामजस्रम्।…
सुभटस्येव न दृश्यतेऽस्य पृष्ठम् HarVi. 5. 5; द्वावप्यजस्रमतिकर्कशसंप्रहारौ RāmC.
36. 34; एतामष्टसहस्रीमजस्रमनुपूर्वशः कृती विमृशन् YaśasCam. ii. 418. 22;
अस्रैरजस्रं गतम् AmaS'. 35; विबभुर्गजाः । अजस्रमम्बुसंसेकाद् रदैः प्रारोहितैरिव
MahāP. 29. 135; एवमसौ … अजस्रम् … विन्ध्याचलमनुससार NalaCam. 5. 32(6);
अजस्रम् … उपचितं रुधिरं रसायनमिव मन्ये Tantrākhyā. 25. 21; भवता मत्समीप-
विहारिणाजस्रं भवितव्यम् PañcT. 1. 54(28) (45. 10); पल्लवेक्षणैरम्बुकणिकाश्रुविसर-
मजस्रमसृजन्नुपवनद्रुमाः TilaMañ. 180. 1; पथ्यागीतिरजस्रं समतालमिताक्षरं मृदङ्ग-
मपि ĪśānS'iPa. i. 19. 28; पटहोद्घोषणां मन्त्री सोऽग्रेऽजस्रमदापयत् KathāSaSāg.
xii. 27. 95; यस्मिन् वासुकिसङ्गिमंग(द)रगुरुग्राहाहृतारिश्रियः संगात् शे(? शी)र्ष-
मजश्र(स्र)मश्रुसलिलं विद्याधरीचक्षुषाम् EI. vii. 90. 16; कृष्णोऽम्बरः सरति तोयम-
सावजस्रम् RākṣaKā. 11; प्रियगात्रसगोत्रमित्यजस्रं चतुरा काचन चम्पकं ददर्श
S'rīKaC. 8. 33; उत्तेजयन्ति…जडमतीन् विटाः । सारमेयानिवाजस्रं प्रोत्साह्य प्राकृता-
शयाः RājTa.(Ka.) 7. 1120; अजस्रं भक्षयन्त्येते शीतसात्म्या महाग्नयः Hastyā-
yur. 655. 1 (4. 16); वहत्यजस्रमस्राम्बुजम्बालजटिले दृशौ PāṇḍaC. 5. 394;
खेदम्…ते हरिष्यत्यजस्रं शीतो वायः(? युः) NemiDū. 46; हस्तिहस्तपृथुलोदक-
धाराः । मुञ्चति स … पञ्चरात्रमहिशत्रुरजस्रम् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 5. 135; अङ्गै-
रुदञ्चत्पुलकैरजस्रं नलस्य शुश्राव गुणान् नताङ्गी Nalābhyu. 1. 32; यः कान्तिमान्
…कळभकौतुकवानजस्रं मान्यः … स तु देवसत्त्वः MātaLī. 8. 2; गतश्रीकत्रितयस्यै-
वाजस्रमाहवनीयधारणविधानात् BhāṭṭCan. 78. 16 (*on* xv. 2. 5); [in Cpd.]
आखण्डलः । किं चाजस्रमखार्पितेन हविषा संफुल्लमांसोल्लसत्सर्वाङ्गीणवलीविलुप्तनयन-
व्यूहः कथं वर्तते AnarghRā. 1. 28; अजस्रभूमीतटकुट्टनोद्गतैरुपास्यमानं चरणेषु रेणुभिः
NaiṣC. 1. 59 (Jīvātu अजस्रेण भूमीतटकुट्टनेन); SūktiMu. 102. 9; **ii** for
ever, perpetually भेतव्यम् … इन्द्रियेभ्यः … तैरजस्रं हि हन्यते Saund. 13. 31;
13. 40; एवं स जाग्रत्स्वप्नाभ्यामिदं सर्वं चराचरम् । संजीवयति चाजस्रं प्रमापयति
चाव्ययः ManuSm. 1. 57; न स्नानमाचरेद् भुक्त्वा … न वासोभिः सहाजस्रम्
ManuSm. 4. 129; 12. 32; येऽजस्रं विहितं कुर्युः प्राप्नुयुस्ते सदा शुभम् BṛParā-
Sm. 6. 171; वृथैव संकल्पशतैरजस्रमनङ्ग नीतोऽसि मयातिवृद्धिम् S'āk. 3. 6;
भावाभावसमुच्छेदैरजस्रं व्याकुलं जगत् MārkP. 4. 13; तया ग्रस्तमिवाजस्रम्
VākyaP. 13. 2 (*on* 1. 1); उषश्चक्रम् … अजस्रं तद् ब्रह्मणा चैव धार्यते AhirbuS.
8. 41; केचिच्चान्ये प्रकामं प्रतिवचनयुतैः कार्यजापैरजस्रम्…शासिताः भूमिपालाः
EI. ix. 191. 5; रैवतकं ददर्श । … गुर्वीरजस्रं दृषदः समन्तात्…अम्बुमुचां वितानैः ।
विन्ध्यायमानम् S'iśuVa. 4. 2; स्तोत्रस्रजं तव … धत्ते जनो यः … अजस्रं तम् …
समुपैति लक्ष्मीः BhaktāSt. 48; नीता येषां कथाभि(पि) प्रलयमभिमता कीर्ति-
पालैर[ज]स्रम् EI. xxi. 39. 19; भगवतोऽभिगमनादिलक्षणमाराधनमजस्रमन-
न्यचित्ततयाभिप्रेयते BrahmSūBh.(S'aṅ.) 415. 18 (*on* ii. 2. 42); भजे शारदाम्बा-
मजस्रं मदम्बाम् S'āraBhuA. 1; त्वं तावदजस्रं जनपदमध्यजीवी Tantrākhyā.
61. 17; PañcT. 3. 4(6) (278. 6); दुराराध्या हि नरपतयः पर्वता इवाजस्रं प्रकृति-
विषमाः PañcT. 1. 26(4) (25. 4); बुद्धिं कुरु … ब्रह्माहमस्मि परमार्थसदित्यजस्रम्
SaṁkṣeS'ā. 1. 288 (i. 217. 5); ब्रह्माद्वितीयमुदितं च तदस्यजस्रम् SaṁkṣeS'ā.
1. 93 (i. 85. 18); स्वनिलयगतमात्रः सुप्रतीपागमाभिः कपिपतिरुपदाभिस्तावजस्रं
सिषेवे RāmC. 5. 91; यस्याज्ञां परचक्रिणः स्रजमिवाजस्रं शिरोभिर्वहन्ति EI. vi.
30. 10; अजस्रं कुर्वतां कर्म … सिध्यन्ति विविधाः कामाः ParaS. 15. 27; न
भोजनाच्छादनमप्यजस्रमपेक्षते यस्तमहं नमामि Stotrā. 18. 4; भक्तिं हरौ भगवति
प्रवहन्नजस्रमानन्दबाष्पकलया … नात्मानमस्मरदसौ BhāgP. iv. 12. 18; भवन्ति
यथोर्मयस्तोयनिधेरजस्रम् VāmaP. 29. 22; तत्पुरुषः … रक्षतु मामजस्रम् SkandP.
iii(3). 12. 9; चलस्यजस्रं चरणादिवर्जितः AdhyāRā. i. 5. 44; गात्राणि कांस्य-
पात्राणि कर्मभिश्छिद्रितान्यसौ । कांस्यकार इवाजस्रं परिवर्तयते विधिः UdaySuK.
69. 24; जयति निशापतिमौलिर्दधन्महाकालविभ्रममजस्रम् VyaktiVi. 70. 13; अयि
जड … कुरु हृदयस्थां क्षमामजस्रम् ChandaśCū. 2. 200(5); पुण्यं विनश्वरम् ।…
इत्यजस्रं भावयन् स भववैराग्यमासदत् TriṣaS'aPuC. iv. 2. 9; अजस्रमभ्यासमुपे-
युषा समं मुदैव देवः कविना बुधेन च। दधौ … नयन्…उदयं दिने दिने NaiṣC.
1. 17; अमन्दमानन्दमजस्रमेव भुञ्जन्त आत्मीयमजात्समासते AnuVyā. 73B. 7
(*on* 4. 4); अजस्रं यद्गुणग्रामं वर्णयन्ति मही[भु]जाः EI. xxi. 164. 10; गोपाल-
मन्त्रम् … धार्यम् … अजस्रम् PañcaRā.(Nā.) iii. 13. 21; यस्मै श्रेयांस्यजस्रं

वितरति भगवान् देवदेवः स्वयम्भूः PratāYaBhū. 146. 7; मन्दानिलोऽपि वनितावदनारविन्दगन्धापहारनिपुणो निवसत्यजस्रम् SimhāDvā. 133. 2; ग्रहः खकक्षामित योजनानि भ्रमत्यजस्रं परिवर्तमानः GrahaGa. 22. 16 (4. 4); तावत्साळुवतिम्मकीर्तिलतिका पुष्यत्वजस्रं भुवि EI. vi. 237. 106; तनुरुचिभिरजस्रं पारदाभां पिबन्ती…प्रभवतु … शारदा पारदा नः VīraMi.(Paribhāṣā.) 1. 13; **iii** often, frequently, always कामेष्वजस्रं प्रममाद नन्दः Saund. 2. 63; 9. 9; मसीवर्णमजस्रं यो मूत्रमुष्णं प्रमेहति CaraS. ii. 4. 30; ii. 7. 7 (1941 Ed.); तीक्ष्णान्यजस्रमुपसेवेत स्नेहस्वेदोपनाहांश्च SuśruS. iv. 23. 12; अतिसुरतमजस्रं सेवनातिक्रमेण नयति रुधिरशोषं तेन वै पाण्डुरोगम् HāriS. iii. 8. 5; क्रियाप्रबन्धादयमध्वराणामजस्रमाहूतसहस्रनेत्रः RaghuVa. 6. 23; तं वासुदेवं प्रणमाम्यजस्रम् MatsyaP. 245. 24; सत्त्वानजस्रम् … समश्नता । क्षुध्यता जगृहाते तौ रक्षसा दीर्घबाहुना Bhaṭṭi. 6. 45; असावपि दुष्टमतिः … कौशलादजस्रं तान्भक्षयन् परं परितोषमुपागतः Tantrākhyā. 19. 11; 112. 22; तेषां … अजस्रं विपुलवृक्षच्छायायाम् … कृतसमागमानाम् … प्रीत्या कालोऽतिवर्तते PañcT. 2. 77(32) (251. 8); यच्छतीयं विपर्यासं भूरिभूतपरंपरा । बीजराशिरिवाजस्रं पूर्यमाणः पुनः पुनः YogVā. ii. 3. 34; (अश्वः) पश्चात्पुच्छं वहति विपुलं तच्च धूनोत्यजस्रम् UttaRāC. 4. 26; तानहम् … प्रक्षिपामि … अजस्रं संततम् GītāBh.(S'aṅ.) 462. 14 (*on* 16. 19); सृजन्ति ये मूत्रमजस्रमाविलम् KalyāKā. 11. 25; भोगसुखसाधनैकहेतोः … दानादिक्रियाभिः कर्तव्यमजस्रमुपबृंहणम् TilaMañ. 102. 17; निरन्तरैर्या (उज्जयिनी) रणितैरजस्रम् आज्ञामिवोद्घोषयति स्मरस्य NavaSāC. 1. 29; अजस्रम् … अमात्यादिलोकैः परिगतम् … भरतमवलोकयन् RāmāCam. 6. 102(3); अजस्रमारोहसि दूरदीर्घां संकल्पसोपानततिं तदीयाम् NaiṣC. 3. 106; Kuval. 85(8); बटूंश्चेष्टदानैरजस्रम्…यजेच्चापि विन्देत् ĪśānS'iPa. i. 15. 125; विद्यासमग्रस्वविभूतिजालैर्विश्वं विदित्वा च सृजत्यजस्रम् ĪśānS'iPa. ii. 2. 31; सङ्गादजस्रं मदवारणानां सावज्ञमालोकितदिग्द्विपेन्द्राः । अमुष्य वाहाः VikraDeC. 9. 138; पटहोद्घोषणां मन्त्री सोऽग्रेऽजस्रमदापयत् KathāSaSāg. xii. 27. 95; अजस्रं वाजिनां क्रयैः … चक्रे न मृत्तस्करसाद्धनम् RājTa.(Ka.) 8. 73; स चाजस्रमेव मृगोत्सादनं कुरुते Pañcā. 40. 17; परिमलमलिव्रात आसाद्य सद्यो यद्वद्दूराद् व्रजति कुसुमं सेवते चाप्यजस्रम् EI. i. 65. 15; अजस्रं हस्तिनो भक्ष्यं भक्षयन्ति यतस्ततः Hastyāyur. 24. 18 (1. 2); पायं पायमजस्रमुत्पलदृशां वक्त्रारविन्दासवम् PañcSā. 1. 20; अनुरञ्जयेदजस्रं तस्य गुणैर्वर्ण्यमानैस्तु KandaCū. iii. 5. 3; त्रिवेणीम् … अजस्रमवि(?व)गाह्य मनोविषादं तत्याज YātrāPra. 2. 42; त्वदीयकीर्तिः … श्रान्ता दिगन्तभ्रमणैरजस्रम् । श्रमं निराकर्तुमना इव स्वं स्वर्वाहिनीतोयमगाहतासौ ĀnandRa. 2. 14; भूषाविहीना न ददाति तस्मै स्वदर्शनं याचितमप्यजस्रम् AnaṅgaRa. 8. 21; आसेव्यसे च पुरुषैरजरैरजस्रम् RasSa. 48; ParyāRaMā. 550; KośaKaTa. 2. 2999; KalpaK. 381. 17.

अजस्रमुक्ति (ajasra–mukti) *f.* permanent liberation or emancipation एतद्वारमजस्रमुक्तियुवतेः ViveCū. 378.

अजस्ररत (ajasra–rata) *adj.* taking delight permanently or continuously त्वम्…स्वे सुखेऽजस्ररतोऽनवद्यः AdhyāRā. vi. 15. 52.

अजस्ररूपभाज् (ajasra–rūpabhāj) *adj.* possessed of handsome form for ever सः … दस्रतोऽजस्ररूपभाक् SkandP. iv. 43. 16.

अजस्ररोमहर्ष (ajasra–romaharṣa) *adj.* having continuous horripilation अयमसौ जयति … । कनकमणिशिलाविलासवक्षःस्थलगलदस्रमजस्ररोमहर्षः CaitaCa. 178. 17(8)

अजस्रलालाकर (ajasralālā–kara) *adj.* causing continuous flow of saliva अजस्रलालाकरकण्डुरान्वितं ब्रुवन्ति साक्षादुपजिह्विकामयम् KalyāKā. 15. 64.

अजस्रविटकुट्टन (ajasra–viṭakuṭṭana) *n.* constant pressing by the voluptuaries कैषा अजस्रविटकुट्टनस्थपुटितस्तनाभ्यन्तरा … प्रसह्य जरती पुनस्तरुणमेकमाकर्षति S'ṛṅgāBhū. 67.

अजस्रविस्रम्भ (ājasra–visrambha) *m.* ever-lasting confidence हृष्यन्नजस्रविस्रम्भादलोलैः केलिकेकिभिः(सः) PāṇḍaC. 4. 21.

अजस्रवृत्ति (ajasra–vṛtti) *adj.* existing permanently, of eternal existence अजस्रवृत्तिर्यः शब्दः सूक्ष्मत्वान्नोपलभ्यते VākyaP. 1. 108.

अजस्रवेग (ajasra–vega) *m.* undiminishing speed तस्य शैलस्य शिखरात् …गङ्गा भागीरथी शुभा । पतत्यजस्रवेगेन MahāBhā. vi. 7. 27.

अजस्रव्यसनासक्ता (ajasra–vyasanāsaktā) *adj.* (*f.*) permanently addicted to bad habits अजस्रव्यसनासक्ता तोयभे प्रथमार्तवा NāraS. 15. 22.

अजस्रशक्ति (ajasra–śakti) *adj.* possessed of eternal power यां प्राहुरजस्रशक्तिम् BrahmSūBh.(Ma.) 27A. 10 (*on* ii. 1. 31)

अजस्रशोष (ajāsra–śoṣa) *adj.* drying up constantly चिरं तदाध्यास्त मनोभवज्वराद्विमानपृष्ठं रजनीचरेश्वरः । मधूनि चन्द्रातपसङ्गशीतलान्यजस्रशोषैरनुशीलयन्मुखैः RāmC. 18. 43.

अजस्रसंविद् (ajasra–saṁvid) *adj.* possessed of eternal consciousness तुष्टुवुर्विविधैः स्तोत्रैः (शिवम्) … नित्यायाव्ययायाजस्रसंविदे…भव ते नमः S'ivaP. ii(2). 15. 54 (86A. 4); *f.* eternal consciousness, S'ivaP. ii(2). 15. 54 (86A. 4)

अजस्रसंकीर्तना (ajasra–saṅkīrtanā) *f.* continuous utterance अजस्रसंकीर्तनयाजनाम्नां मुखात्… । निसर्गशुभ्रं दशनांशुजालमन्तस्तपः शुद्धमिवोत्किरन्तम् (मुनिम् … प्रणनाम राजा) Rāgh. 2. 5.

अजस्रसङ्गम (ajasra–saṅgama) *m.* constant union तत्तु निरुपमजस्रसंगमाद् व्रीडमावहति मामकं मनः NaiṣC. 18. 63.

अजस्रसांनिध्य (ájasra–sānnidhya) *n.* constant presence अनेकसंगीतविदामजस्रसांनिध्ययोगात्सुतरां प्रवीणाः । गायन्ति यस्यां क्षितिपालकीर्तीर्विलासशारीशुकराजहंसाः Rāṣṭrau. 9. 50.

अजस्रसुख (ajasra–sukha) *n.* eternal bliss ब्रह्मेति यद्विदुरजस्रसुखं विशोकम् BhāgP. ii. 7. 48; *adj.* possessing eternal bliss समद्राक्षं शंकरम् … त्रिभिरंशैः शोभमानमजस्रसुखमव्ययम् S'ivaP. v. 1. 14 (405A. 14)

अजस्रसेवावसर (ajasrasevāvasara) *m.* opportunity for constant or permanent service अजस्रसेवावसरं प्राप्य पूज्ये सहोदरे । चत्वारोऽपि कनीयांसः कृतार्थं जन्म मेनिरे PāṇḍaC. 8. 40.

अजस्रसेव्या (ajasra–sevyā) *adj.* (*f.*) who is always to be worshipped अजस्रसेव्ये । …ललिते नमस्ते BrahmāṇḍP. iii. 30. 21.

अजस्रस्नान (ajasra–snāna) *n.* frequent or constant bathing निमित्तं विनाजस्रस्नानं निषिध्यते VīraMi. (Āhnika.) 167. 3.

अजस्रस्फूर्जिताकार (ajasrasphūrjitākāra) *adj.* ceaselessly emitting twanging sound अजस्रस्फूर्जिताकारो वान्तदुःखशरावलिः । अभावनामकोदण्डः परिस्फुरति सर्वतः YogVā. i. 24. 9.

अजस्रस्रुत (ajasra–sruta) *adj.* flowing or dripping continuously गभीरकासच्छलेन तर्जयन्त्या काळरात्र्या वाजस्रस्रुतलालास्यन्दिविस्रसया सुनियोगतः सकचग्रहं हठादाकृष्यते AvantiKa. 41. 12; °श्रेणयोऽस्मिन् शिवानामस्रस्रोतस्यजस्रस्रुतबहलवसा वासविस्रे स्वनन्ति SubhāRaK. 44. 9 (cf. Nāgā. 4. 18); आ सह्याद्रेरजस्रस्रुतमदसलि(लक्लि)न्नगण्डद्विपेन्द्रादा वारामाकरात् EI. xv. 60. 49.

अजस्रस्रुति (ajasra–sruti) *f.* continuous flow वक्त्रोद्वान्ताः पतन्त्यः शमितशिखिशिखाः श्रेणयोऽस्मिन् शिवानामस्रस्रोतस्यजस्रं स्रुतबहलवसावासविस्रे स्वनन्ति (v. l. अजस्रस्रुति) Nāgā. 4. 18.

अजस्राग्नि (ajasrāgni) *m.* fire called *ajasra* (*lit.* fire maintained permanantly) अग्निसंरक्षणे शक्तिर्यस्य चैव न वर्तते । तदारण्यामजस्राग्निं स्थापयेद्विधिपूर्वकम् LaghvāśvaSm. 1. 61; *adj.* who keeps or maintains the constant fire एकाग्निमानित्यनेन विच्छिन्नत्रेताग्निमानर्धाधान्येवाभिहितोऽजस्राग्निर्वेति सोऽप्याहिताग्निरेव VīraMi. (S'rāddha.) 325. 24.

अजस्रास्खलिताध्ययन (ajasrāskhalitādhyayana) *n.* constant and faultless study (of the Veda) सर्वेषु वेदेषु … अनन्यमनस्कतयाप्यजस्रास्खलिताध्ययनक्षमः अग्र्यः Mitā. 75. 4 (*on* 1. 219)

अजस्रास्रस्राविन् (ajasrāsrasrāv–in) *adj.* **i** causing the tears to flow constantly तदस्याजस्रास्रस्राविणो हृदयमहाव्रणस्य … दीर्घरोगस्य … विदुषामपि हृदयानि नालं सोढुमापातम् HarṣaC. 336. 2; **ii** causing the blood to flow constantly, HarṣaC. 336. 2.

अजस्रास्रितलोचना (ajasrāsrita–locanā) *adj.* (*f.*) having eyes continuously shedding tears ते दृष्ट्वा दुःखिते बाढमजस्रास्रितलोचने PadmP. (Ra.) 32. 103.

अजस्रोड्डीन (ajasroḍḍīna) *adj.* constantly flying over आसीत् … दैत्येन्द्रः … अजस्रोड्डीनरत्नौघताराढ्यखपुरान्तरः YogVā. iv. 25. 16.

अजस्रोत्थ (ajasrottha) *adj.* arising incessantly or continuously ध्यात्वा दुर्गाम्…अट्टहासैरजस्रोत्थैर्भीषितासुरसैनिकाम् S'āraTi. 22. 46.

अजस्रोत्थितोद्ध्वस्त (ajasrotthitoddhvasta) *adj.* constantly produced and destroyed रुद्रो भूत्वा भवत्येषः … धत्तेऽजस्रोत्थितोध्वस्तान्सर्गानमितभास्वरान् YogVā. i. 23. 25.

अजस्वभाव (aja–svabhāva) *adj.* of unborn nature अजस्वभावं ब्रह्मोक्तम् BṛBrahmaS. ii. 2. 76.

अजस्विषय (a–jasviṣaya) *m.* cases other than the Nom. pl. अजस्विषये ङीप् संज्ञाच्छन्दसोः Prasā. ii. 719. 16; रात्रिशब्दान्ङीप् स्यादजस्विषये छन्दसि SiddhāKau. 594A. 14.

अजहत् (a–jahat) *adj.* [*f.*–ī;–ntī] not leaving out, not abandoning, not losing गच्छन्तं महामेरुम् । एकं चाजहतम् TaiĀ. i. 7. 3 (43. 3 accent?) ग्रीष्मकालं समासाद्य यथार्कः तीक्ष्णतां व्रजेत् । स्वरूपमजहन्नेव तथैवात्र जगत्पतिः PāraS. 10. 307; 12. 41; PauṣkS. 30. 16; स्वभावमजहच्छश्वदाकारान्तरमाकृतेः । यत्तत्त्वमंशसंभूतं प्रादुर्भावान्तरं तु तत् PauṣkS. 36. 201; 30. 16; कोपापगमे नार्यास्तमेव हृदयेन भावमजहन्त्याः DhūrtaViSam. 20. 11; ततस्तु तौ लक्षणया सुलक्ष्यौ

तयोरखण्डैकरसत्वसिद्धये । नालं जहत्या न तथाऽजहत्या किन्तूभयार्थात्मिकयैव भाव्यम् VivaCū. 250; कार्यकारणवाच्यांशौ जीवेशौ यौ जहच्च तौ । अजहच्च तयोर्लक्ष्यौ चिदंशावेकरूपिणौ SadācāAnu. 27; श्रीः –स्वातन्त्र्यादेव संकोचं भजाम्यजहती स्वताम् LaksmīT. 6. 37; 32. 54; संवादितामजहतो दलिताद्रिकूटकल्पक्षयप्रसृतदण्डसमीरणानाम् । ···कसिन्··· °दानवभटाः न चकास्थ संख्ये HarVi. 13. 34; पिबच्छब्दः ···स्वार्थमजहन्नितरेतरयुक्तपिबदपिबत्परो भवतीत्यर्थः Bhām. 169. 10 (*on* i. 2. 11); 616. 12 (*on* iii. 3. 25); पिबच्छब्दः ··· स्वार्थं पिबन्तमजहत्···समुदायीभूतपिबदपिबत्परो भवति VedāntKa. 138. 1 (*on* i. 2. 11); स्वकीयं स्वभावमजहदेव स्वेच्छया बहुधा विजायते परः पुरुषः BrahmSūBh.(Rā.) 278. 1 (*on* i. 3. 1); नारायणः ··· स्वस्वभावमजहदेव ··· लोकेष्ववतीर्य ··· भक्तियोगमवतारयामास GītāBh.(Rā.) 22. 1 (*on* 1. 0); 235. 1 (*on* 4. 6); सा श्रीलङ्कक मानमार्गमजहत्यप्यात्तकण्ठा हठाद्विद्रुत्ता तव चित्रमुज्झितरजाः सूते यशःसन्ततिम् S'rīKaC. 25. 42; व्यसनविमुखं स्निग्धमजहन्न धीरोऽपि ··· शर्म लभते RājTa.(Ka.) 8. 692; एवं विभक्तं तमः तमस्त्वावस्थामजहदेव कार्यानुपयुक्तस्वजातीयतमसैकीभवति S'rutaPra. ii. 164. 18 (*on* i. 4. 23); अत्र स्वार्थमजहत एव काव्यादयः Ekāva. 2. 7(3) (65. 9); स तदा चेदिपतिः ··· अजहत्परुषोक्तिहेतिजालः ···दिदीपे Yādavā. 15. 96; तद्वैशिष्ट्यं च शास्त्रप्रथितमजहतां कोऽपराधः TattvMu. 3. 27; (ब्रूयादपि च शिष्येभ्यः सत्सिद्धान्तमहापयन्) स्वार्थिको णिच् अजहदित्यर्थः NyāySu.(Ja.) 537A. 2 (*on* iii. 3. 1); तथाप्येषोऽभिजातत्वादजहन्स्वामिभक्तताम् । ··· भोजो भूपमसेवत HammīMaKā. 9. 178; अजहतीमनुसृत्य तु लक्षणां भवति बुद्ध्यभिगामि पिबत्पदम् NayaMañ. I. ii. 3. 5; सा···जनकात्मजा···असूनजहती यद् दुर्बलानप्यसौ संदृष्टा Rāgh. 12. 63; 16. 21.

अजहत्त्व (ajahat–tva) *n.* the state of being one which does not leave (its real nature as the probans) अजहत्वे(? त्त्वे) तु लक्षणं न हेत्वाभासो भवितुमर्हति NyāyVār. 177. 20 (*on* i. 2. 5)

अजहत्प्रवृत्ति (ajahat–pravr̥tti) *f.* the signifying function which does not exclude the denotative sense वेदेऽपि लाक्षणिकवृत्तिरियं त्रिधैषा···वैश्वानरादिवचनेष्वजहत्प्रवृत्तिः SaṁkṣeS'ā. 1. 157 (i. 129. 1)

अजहत्प्रीति (ajahat–prīti) *adj.* who has not discarded affection अपि गर्भघनोदये व्यलासीदजहत्प्रीतिरहो स राजहंसः Acyutarā. 2. 6.

अजहत्समाधिक (ajahatsamādhi–ka) *adj.* who has not given up meditation समिन्धतेऽस्मिन्नजहत्समाधिकाः Yādavā. 6. 34.

अजहत्स्वगुणान्वित (ajahat–svaguṇānvita) *adj.* possessed of inherent (not to be given up) virtues or qualities आत्मानमेकमात्मस्थमजहत्स्वगुणान्वितम् । ते प्राप्नुवन्ति मामेव BrBrahmaS. ii. 2. 86.

अजहत्स्वधर्मता (ajahatsvadharma–tā) *f.* the state of not giving up the inherent characteristic होतुः सिद्धस्वरूपस्याध्वर्यवविधानादजहत्स्वधर्मतया हौत्र एव युक्त इति प्राप्तेऽभिधीयते TantrVā. 1170. 1 (*on* iii. 8. 21)

अजहत्स्वपन (ajahat–svapana) *adj.* who does not give up sleep अपि जागरूकमवने जगतामधिभोगिभोगमजहत्स्वपनम् । ··· अनमत् स हरिम् Acyutarā. 5. 58.

अजहत्स्वभाव (ajahat–svabhāva) *adj.* who does not give up his nature (true to one's nature) अहं सर्वेश्वरः ··· सर्वसमाश्रयणीयत्वायाजहत्स्वभाव एव वसुदेवसूनुरवतीर्णः GītāBh.(Rā.) 399. 8 (*on* 7. 44); नाडीसंबन्धो बहुधा जायम(? मा)नत्वं च ··· अजहत्स्वभावस्यैव परमात्मनो दृश्यते VedāntDī. 43. 10 (*on* i. 3. 1)

अजहत्स्वभावता (ajahatsvabhāva–tā) *f.* the state of not abandoning one's essential nature भगवज्जन्मनः स्वेच्छाकृतस्य निरङ्कुशैश्वर्यविरोधित्वात् अजहत्स्वभावतया विचित्रैश्वर्योद्दीपकत्वाच्च परमकारणत्वाप्रच्युतेः S'rutaPra. ii. 198. 7 (*on* i. 4. 29)

अजहत्स्वस्वभाव (ajahat–svasvabhāva) *adj.* not giving up one's essential nature (श्रद्धावान् भजते यो मां स मे युक्ततमो मतः) (माम्) अजहत्स्वस्वभावं वसुदेवगृहेऽवतीर्णम् ··· आत्मकान्त्या विश्वमाप्याययन्तं भजते सेवते उपास्त इत्यर्थः GītāBh.(Rā.) 364. 1 (*on* 6. 47)

अजहत्स्वस्वभावता (ajahatsvasvabhāva–tā) *f.* the state of not giving up one's essential nature सर्वतोमुखशब्देन नानायोनिनिवेशनम् । भद्रत्वं तत्र तस्यापि ह्यजहत्स्वस्वभावता AhirbuS. 55. 25.

अजहत्स्वार्थ (ajahat–svārtha) *adj.* [*f.* –ā] (word) not giving up the primary sense, (*lakṣaṇā*) which does not give up or exclude the denotative meaning परार्थाभिधानं वृत्तिरित्याहुः । अथ तेषामेवं ब्रुवतां किं जहत्स्वार्था वृत्तिर्भवत्याहोस्विदजहत्स्वार्था MahāBh. i. 364. 7 (*on* ii. 1. 1); i. 73. 13 (*on* i. 1. 19); i. 364. 9 (*on* ii. 1. 1); i. 364. 28 (*on* ii. 1. 1); i. 405. 22 (*on* ii. 1. 69); अजहत्स्वार्थाः सर्वाः शब्दवृत्तयः TantrVā. 319. 11 (*on* i. 4. 22); Nyās. i. 67. 2 (*on* i. 1. 19); इदमेव वृत्तित्रयमङ्गीकृत्य 'समर्थः पदविधिः' इत्यत्र सूत्रे जहत्स्वार्थाजहत्स्वार्था जहदजहत्स्वार्थेति ··· लक्षणाविभागं चक्रुः PañcPra. 13. 6; वृत्तिस्तत्राजहत्स्वार्था जहत्स्वार्थापि वर्तताम् SaraKaṇṭhā. 563. 15; 653. 20; श्रुतार्थद्वारा हि लक्षणा अजहत्स्वार्था NyāyRa. 29. 15 (*on* 1. 87); Pradī. ii. 159A. 36 (*on* i. 3. 19); NyāySu.(So.) 1080. 2 (*on* iii. 2. 1); अजहत्स्वार्थायामपि वृत्तावुपसर्जनपदं न स्वार्थमात्रे पर्यवस्यति, किन्तु तत्संसृष्टे प्रधानार्थे PadMañ. *on* KāśiVr̥. *on* P. i. 1. 19; ("सप्तमी शौण्डैः") अत्र साहचर्याद् धूर्तादिष्वजहत्स्वार्थ एव शौण्डशब्दः प्रयुज्यते PadMañ. *on* KāśiVr̥. *on* P. ii. 1. 40; सिद्धिं निजक्रियायाः कर्तुं यस्यां परस्य शब्देन । आक्षेपः क्रियतेऽसावजहत्स्वार्था समाख्याता Ekāva. 2. 7 (65. 6); ("छत्रिणो यान्ति" इत्यत्र) अजहत्स्वार्थायां प्रकरणादेव छत्रितदितरस्य यान्तीत्यनेन गमनकर्तृत्वमवगतम् TattvCin. iv(1). 174. 3; i. 826. 6; iv(2). 363. 4; सा (लक्षणा) त्रिधा जहत्स्वार्थाजहत्स्वार्था जहदजहत्स्वार्था चेति VedāntRaMañ. 1. 4 (62. 8); (उपादानलक्षणा) इयमेवाजहत्स्वार्थेत्युच्यते SāhiDa. 43. 6; 210. 10; Upask. 43. 8 (*on* i. 1. 28); "छत्रिणो यान्ति" इत्यादौ 'छत्रि'-पदस्यैकसार्थवाहित्वे लक्षणा । इयमेवाजहत्स्वार्था लक्षणा इत्युच्यते SiddhāMu. 49. 12 (*on* 82); लक्षणा द्विविधा जहत्स्वार्थाजहत्स्वार्था च Tarkāmr̥. 21. 12; लक्षणायाम् ···द्वौ भेदौ ध्वन्याश्रयतया स्थितौ जहत्स्वार्था अजहत्स्वार्था चेति RasGaṅ. 175. 11; 186. 7; 515. 11; BhāṭṭCin. i. 57. 27 (*on* i. 1. 4); जहत्स्वार्थाजहत्स्वार्थे द्वे वृत्ती ते पुनस्त्रिधा । भेदः संसर्ग उभयं वेति वाच्यव्यवस्थितेः VaiyaBhū. 140. 13 (*on* 30); 143. 6 (*on* 30); LaS'abdeS'e. i. 121. 2; VaiyāSiMañ. 123. 11.

अजहत्स्वार्थता (ajahatsvārtha–tā) *f.* the state of not giving up the primary meaning प्रथमानन्तरे वृत्तेरजहत्स्वार्थतेष्यते SaraKaṇṭhā. 563. 17; न चैकत्वलक्षणायां जहत्स्वार्थतापत्तेः प्रातिपदिक एवाजहत्स्वार्थता युक्तेति केषांचिदुक्तं युक्तम् BhāṭṭaDī. ii. 7. 12 (*on* iii. 5. 6)

अजहत्स्वार्थत्व (ajahatsvārtha–tva) *n.* the state of not giving up the primary meaning 'कुन्ताः प्रविशन्ति' इत्यादौ कुन्तसंयोगविशिष्टपुरुषाणां कुन्तत्वेन प्रतीतिरित्यजहत्स्वार्थत्वोपपत्तिः VaiyāSiMañ. 138. 17.

अजहत्स्वार्थलक्षण (ajahatsvārtha–lakṣaṇa) *adj.* characterised by not losing the primary meaning अत्र गौतमीयाः (राजपुरुष एवमादिषु) समासेषु कृप्तराजपदादेरेव सम्बन्धिलक्षणया राजसम्बन्ध्यभिन्नः पुरुष इति बोधसम्भवे न शक्तिकल्पनं युक्तम् । महाधिकारस्याप्याजहत्स्वार्थलक्षणव्यपेक्षारूपसामर्थ्ये समासादिविधानेनोपपत्तेः BhāṭṭCin. i. 110. 17 (*on* i. 1. 4)

अजहत्स्वार्थलक्षणा (ajahatsvārtha–lakṣaṇā) *f.* indication wherein the primary meaning is not given up एवञ्च छत्रिणो यान्ति ··· इत्यत्राजहत्स्वार्थलक्षणायामपि छत्रिणस्तत्समूहानन्तर्गतेनाच्छत्रिणाप्यविनाभाव एव TattvCin. iv(2). 689. 10; ("भार्या पुत्रश्च दासश्च ··· । प्राप्तापराधास्ताड्याः स्युः" इत्यत्र) भार्यापदमजहत्स्वार्थलक्षणया स्नुषादिपरमपि DaṇḍaVi. 231. 5; "दधि पश्यति" इत्यादौ द्वितीयालोपस्थले दधिशब्द एवाजहत्स्वार्थलक्षणया दधिकर्मत्वं बोधयति Tarkāmr̥. 21. 23; पूर्वाह्णपदं चाजहत्स्वार्थलक्षणया प्रत्यूषादिपूर्वाह्णपरम् VīraMi. (Āhnika.) 31. 25; 11. 8; VīraMi.(Saṁskāra.) 133. 5; VyutpaVā. 109. 25; LaCandr. 833. 35; आधारयतावजहत्स्वार्थलक्षणया यागोपस्थितिः MīmāKau. iii. 209. 18 (*on* ii. 2. 17); ii. 246. 2 (*on* iii. 2. 13); प्रकृते ('मदीयगुरुकार्मुकम्' इत्यत्र) चाजहत्स्वार्थलक्षणामूलध्वननेन मदीयेत्यनेन गर्वोत्कर्षस्यैव प्रकाशनात् ··· क्रोधस्याधिक्यं गम्यते RasGaṅ. 44. 18.

अजहत्स्वार्थवृत्ति (ajahatsvārtha–vr̥tti) *adj.* consisting of indication in which the primary meaning is not given up ('नीलमुत्पलम्' इत्यत्र) उत्पलशब्दसंनिधाने तदपेक्षी नीलशब्दस्तेनैकवाक्यतामभ्युपगच्छन्ना(? न्न)जहत्स्वार्थवृत्तिरुत्पलविशेषाभिधानपर उच्चार्यमाणः संबन्धमभ्युपैति S'ābaBh. 688. 9 (*on* iii. 1. 12); *f.* indication in which the primary meaning is not given up सृष्टिपदं अजहत्स्वार्थवृत्त्या सृष्ट्यसृष्टिसमुदायिपरम् MīmāKau. i. 289. 17 (*on* i. 4. 27)

अजहत्स्वार्थवृत्तित्व (ajahatsvārthavr̥tti–tva) *n.* the state of being an indication in which the primary meaning is not given up अक्षत्रियेऽपि च क्षत्रियकार्यापत्त्या प्रयोगोपपत्तेरजहत्स्वार्थवृत्तित्वेन जात्यत्यागसंभवान्नानेकशक्त्यापादकं निमित्तान्तरं कल्पनीयमित्याशयः NyāySu.(So.) 901. 2 (*on* ii. 3. 3)

अजहदवयवार्था (ajahad–avayavārthā) *adj.* (*f.*) a compound wherein the meanings of the component parts are not given up ननु संज्ञात्वेऽप्यजहदवयवार्थैव पञ्चजनशब्दवृत्तिः S'rutaPra. ii. 123. 32 (*on* i. 4. 11)

अजहदूष्मतरङ्ग (ajahad–ūṣmataraṅga) *adj.* wherein the heat-wave is not given up (still warm or hot) फूत्कृतैरजहदूष्मतरङ्गैर्भूयसा मसृणितोष्ठदलानि । अस्वदन्त सुदृशामभिकेभ्यः···मुखानि Gaṅgāva. 2. 43.

अजहद्गद्गदिकम् (ajahad–gadgadikam) *adv.* without giving up stuttering, in a choked voice, stutteringly शनैरवादीदजहद्गद्गदिकं स पद्मपादः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 14. 154.

अजहद्गुणशक्तिकत्व (ajahadguṇaśaktika–tva) *n.* the state of not giv-

ing up qualities and powers (व्यूहाङ्गिनम्···ध्यायेम कृष्णम्) अवतारावस्थायाम् अव्यक्तशक्तित्वेऽपि अजहद्गुणशक्तिकत्वात्···परिपूर्णमेव VedāntRaMañ. 1. 4 (47. 17)

अजहद्धर्मत्व (ajahaddharma-tva) *n.* the state of not giving up the characteristic features पूर्वत्र निमित्ते निवृत्ते यथासंख्ये कृते तस्मादिहाप्यनुवर्तते । ते निवृत्ते यथासंख्ये एवानुवर्तेते । अजहद्धर्मत्वादधिकाराणाम् Nyās. i. 975. 13 (*on* iv. 3. 3)

अजहद्धेतुलक्षण (ajahad-dhetulakṣaṇa) *adj.* wherein the characteristics of a probans are not given up अजहद्धेतुलक्षणं (साधनं) न हेत्वाभासो भवति NyāyBh. 66. 6 (*on* i. 2. 9)

अजहद्भगवच्छक्ति (ajahad-bhavacchakti) *f.* not giving up (the possessor) (i. e. abiding) divine power अजहद्भगवच्छक्ति(:) सामर्थ्यं पुनरेव तत् PāraS. 5. 27.

अजहद्भृङ्गगीत (ajahad-bhṛṅgagīta) *adj.* not abandoning the humming of black bees (ऐरावतमथारुह्य ··· आजगाम पुरन्दर:) अजहद्भृङ्गगीतेन गर्जाडम्बरशोभिना । स्वकान्त्या कर्णतालेन कृप्तसंगीतखेलनम् Yādavā. 16. 9 (but comm. अजहन्ति भृङ्गगीतानि यं तेन)

अजहद्वाच्या (ajahad-vācyā) *adj.* (*f.*) (secondary expression) in which the primary meaning is not given up संबन्धनिबन्धना (लक्षणा) जहद्वाच्याजहद्वाच्या चेति द्विविधा PratāYaBhū. 46. 2.

अजहद्वृत्ति (ajahad-vṛtti) *adj.* whose nature is not to give up (i. e. sticking to) त्यजतो न जहाति योऽखिलान् विषयान् ···। स जहातु दुरन्तभावनामजहद्वृत्तिमिमां कथं जन: RāghPāṇ.(Dha.) 4. 5 (comm. अजहती वृत्तिर्वर्तनं यस्यास्ताम्); *f.* unchanging state पूर्णत्वेनाजहद्वृत्त्या त्रिष्वप्यध्वसु वर्तते । द्वैताद्वैतात्मकं ब्रह्म BṛĀraUBhVā. v. 1. 48.

अजहद्वृत्तित्व (ajahadvṛtti-tva) *n.* the state of not abandoning one's existence, invariable presence कथं पुनर्बलाकया सलिलानुमानम्, यावानस्य देशो बलाकयाजहद्वृत्तित्वेन प्रसिद्धो भवति तावन्तमन्तर्भाव्य वृक्षादिकमर्थं पक्षीकृत्य बलाकावत्त्वेन साधयति NyāyVār. 50. 7 (*on* i. 1. 5)

अजहद्रूप (ajahad-rūpa) *adj.* without giving up its (essential) form स्तिमितं तत् परं ब्रह्म···उन्मिषत्यजहद्रूपं स्वेच्छयैव कदाचन LakṣmīT. 22. 8.

अजहन्नीतीवर्मन् (ajahan-nītivarman) *adj.* who does not abandon the armour of royal polity तस्य सम्भृतसत्कीर्तेरजहन्नीतिवर्मण: । विनोदार्थमिदं काव्यं प्रवृत्तं नीतिवर्मण: KīcaVa. 1. 25 (*but* comm. अजहद् अत्यजन्नीतिरूपं वर्म कवचं यस्य स तथा)

अजहन्मज्जनोन्मज्जना (ajahan-majjanonmajjanā) *adj.* (*f.*) who has not abandoned dipping in and coming out (of water) अम्भ:क्रीडास्वनिशमजहन्मज्जनोन्मज्जनानां यक्षस्त्रीणाम् ··· क्षालितैरङ्गरागै: ।··· यस्या वाञ्छा भवति सरसी मानसं वो निवास: HaṁsDū.(Vā.) 71.

अजहल्लक्षणता (ajahallakṣaṇa-tā) *f.* the state of being an indication which does not give up the primary meaning (of a word) (तत् त्वम् इत्यत्र) एकात्मकत्वाज्जहती न सम्भवेत्तथाजहल्लक्षणता विरोधत: AdhyāRā. vii. 5. 27.

अजहल्लक्षणा (ajahal-lakṣaṇā) *f.* indication which does not give up the primary sense (of a word) तत्र लक्षणात्रैविध्यम् । जहल्लक्षणाजहल्लक्षणा जहदजहल्लक्षणा च MāthVṛ. 13. 16 (*on* 5); PañcaPra. 7. 6; SarvaVeSāSaṁ. 744; वाच्यार्थमत्यजन्त्या: यस्या वृत्ते: प्रवृत्तिरन्यार्थे । इयमजहतीति कथिता SvātmNi. 34; वाचा । वाक्शब्दोऽजहल्लक्षणया वाक्पूर्वव्यवहारपर: S'rutaPra. i(A). 184. 10 (*on* i. 1. 1); i(A). 68. 9 (*on* i. 1. 1); i(A). 246. 21 (*on* i. 1. 1); PratāYaBhū. 49. 8; अव्यक्तसहपठिताक्षरशब्दस्य ··· जीवसंबन्धेनाजहल्लक्षणायां लयविशेषादिप्रतिपादनौचित्यात् NyāySiA. 193. 7; TattvMu. 4. 80; न च वाच्यं लक्षणायां विचाराख्यो विषयानुबन्ध एव सिध्येत्, न ब्रह्मज्ञानाख्य: फलानुबन्ध इति; अजहल्लक्षणया स्वार्थस्यापि स्वीकृतत्वात् VivaPraSaṁ. 7. 22; TattvPrakā. 142A. 6 (*on* iii. 1. 10); NyāySu.(Ja.) 126B. 2 (*on* i. 1. 6); VedāntSā.(Sa.) 25. 1; TantrRa. 28. 16; VidhiRa. 29 (163. 20); पाप्मशब्दस्य ··· अजहल्लक्षणया पुण्यसाधारण्येऽपि पापमात्रे गृहीतशक्तिकस्य तस्य मोक्षशास्त्रेऽपि तत्साधारण्यनियमाभावात् S'ivārkMaDī. i. 248. 18 (*on* i. 1. 21); i. 265. 29 (*on* i. 1. 23); i. 336. 6 (*on* i. 2. 9); यत्र शक्यार्थमन्तर्भाव्यैव अर्थान्तरप्रतीति: तत्र अजहल्लक्षणा, यथा शुक्लो घट: VedāntPari. 204. 5; SiddhāSi. i. 31. 11; केचित्तु – अजहल्लक्षणया पित्रादयो यत्र तत्र मातामहास्तेनात्र नेत्याहु: NirṇaSi. 109. 19; नदीतीरे समुद्रतीरे वेति संदेहापत्त्या ···। शक्यलक्ष्योभयस्य क्रियान्वयित्वेऽजहल्लक्षणाङ्गीकारात् BhāṭṭCin. i. 57. 22 (*on* i. 1. 4)

अजहल्लिङ्ग (ajahal-liṅga) *adj.* [AltGr. II. 1. 318] (word) which does not drop its original gender (even when used as an adjective) अजहल्लिङ्गे तु लिङ्गविशेषनियमानुशासनान्न तथा TattvCin. iv. 2. 748; अव्ययैरजहल्लिङ्गै: ··· स्वबुद्ध्या मानसीं श्रयेत् AlaṅkāS'e. xix. 12 (19); अजहल्लिङ्गानां तु दारादिशब्दानां नित्यबहुवचनान्तानामेकस्मिन्निवागत्या तथा प्रयोग इति ध्येयम् VaiyāBhū. 125. 3 (*on* 25)

अजहल्लिङ्गत्व (ajahalliṅga-tva) *n.* being (a word) which does not drop its original gender (though used as an adjective) अजहल्लिङ्गत्वेनाग्रेऽप्यन्वय: BālamBha. i. 394. 1 (*on* 1. 133)

अजहल्लिङ्गनामार्थ (ajahalliṅganāmārtha) *m.* meaning of a nominal stem which does not drop its original gender जगति नरजन्म ··· दुष्प्राप: पुण्यहीनेन । यदि तु 'तपसा नाल्पेन शक्यते लब्धुम्' इत्याख्यातान्तं क्रियते तदा लिङ्गभेदो न दूषणम् । एवमजहल्लिङ्गनामार्थस्य सकृद्वृत्तावपि न दोष: । यथा 'फलमतिशयितं तपस्याया:' इति चतुर्थचरणनिर्माणे RasGaṅ. 439. 13.

अजहा (ajahā) *f.* the plant *Mucuna prurita* आत्मगुप्ताजहाव्यण्डा कण्डुरा प्रावृषायणी AmaK. 821; ऋषभी त्वजहाध्यण्डा कण्डूरा प्रावृषायणी Vaija. 55. 129; कटुकायाम्···कपिकच्छा मह्यगुप्ता कण्डुरा दुरभिग्रहा । अजहा NighS'e. 2185; BhāvPraNi. 60. 131; KoṡaKaTa. i. 4101; KalpaK. 293. 395.

अजहाति (a-jahāti) (Gr.) other than the root *hā* अजहातेरहा: CaturA.(S'au.) 2. 46.

अजहान (a-jahāna) *adj.* not abandoning राज्यं भवतरोर्बीजं ये न जानन्ति तेऽधमा: । तेभ्योऽप्यहं विशिष्ये तदजहानो विदन्नपि TriṡaS'aPuC. i. 5. 752.

अजहित (a-jahita) *adj.* not abandoned अग्निरजहित: प्रैतु प्रथमो यज्ञियानाम् MānS'S. 93. 22.

अजहोमाय (ajahomāya) *m.* name of a king अजहोमायनामासीद्वैरी तस्य महीभृत: RājTa.(Prā.) 510; 512; तत: काश्मीरलोकेन ···। अजहोमायभूपस्य निहतं सर्वसैनिकम् RājTa.(Prā.) 513.

अजह्नु (ajahnu) *m.* name of a king (son of Jahnu) उद्धृता राजवंशेषु ये भूयो भारते हता: । जह्नोरजह्नुस्तनय: MahāBhā. xii. 49. 3.

[1]अजा (aj-ā́) *f.* 1 she-goat; (pl.) collection of goats, males and females 2 name of a metre 3 name of a plant 4 first zodiacal sign 5 A course of the planet Venus over the three constellations Hasta, Viśākhā and Citrā B name of a path in the sky comprehending the three asterisms S'ravaṇa, Dhaniṣṭhā and S'atabhiṣā 6 name of a hall in a two halled building 1 she-goat कर्णगृह्या मघवा शौरदेव्यो वत्सं नस्त्रिभ्य आनयत् । अजां सूरिर्न धातवे R̥V. viii. 70. 15; गामजामविम् । यद्देव किं च प्रतिजग्रहाहम् AV. vi. 71. 1; TaiĀ. ii. 6. 2 (266. 5); द्वौ वा अजायै स्तनौ TaiS. II. i. 1. 6; अजासि रयिष्ठा पृथिव्याः सीद TaiS. III. iv. 2. 2 (Sāy. अजासि जातितश्छागीभवसि); अजा ह्यग्नेरजनिष्ट गर्भात् TaiS. IV. ii. 10. 4; एषा वा अग्नेः प्रिया तनूर्यदजा TaiS. V. i. 6. 2; TaiĀ. v. 2. 13 (598. 5); अङ्गिरस: सुवर्गं लोकं यन्तोऽजायां घर्मं प्रासिञ्चन् TaiS. V. iv. 3. 3; गायत्र्युदपतत्तस्या ज्योतिषा तमस्या अजाभ्यरुन्ध तदजाया अजत्वम् TaiS. VI. i. 6. 3; अजारे पिशङ्गिला VājaS. 23. 56 (Mahīdhara अजा नित्या माया रात्रिर्वा); अग्नीषोमाभ्यामजां तयामृतत्वमशीय PañcBr. i. 8. 6; पुष्ट्यै वा एतद्रूपम् । यदजा TaiBr. I. iii. 7. 8; अजायाः होतव्यम् TaiBr. III. vii. 3. 1; यज्ञस्य शीर्षच्छिन्नस्य शुगुदक्रामत्ततोऽजा समभवत् S'atBr. XIV. i. 2. 13; XIV. i. 2. 25; यदजायै पय: । तद्देवानां पय: TaiĀ. v. 10. 2 (637. 1); iii. 10. 3 (300. 3); v. 2. 4 (594. 4); अजामेकां लोहितशुक्लकृष्णां बह्वीं प्रजां जनयन्तीं सरूपाम् । अजो ह्येको जुषमाणोऽनुशेते जहात्येनां भुक्तभोगामजोऽन्य: TaiĀ. x. 10. 1 (804. 3); S'vetāU. 4. 5; गामनुस्तरणीमजां वा रोहिणीं दक्षिणामुखीं प्रोक्ष्य S'āṅkhāS'S. iv. 14. 13; यदि ··· अग्निमैथ्यमानो न जायेत ··· अजायै दक्षिणे कर्णे होतव्यम् ĀpaS'S. ix. 3. 5; अनुनयन्त्यजां पुंश्छगलाम् ĀpaS'S. xv. 1. 6; xxii. 6. 7; पुंवन्मिथुनान्यन्यत्राजाभ्य: LāṭyāS'S. ii. 7. 17; (नित्यमभोज्यम्) गोश्च क्षीरमनिर्दशाहाया: सूतके । अजामहिष्योश्च GautDS. ii. 8. 23; VāsiDS. 14. 35; अजोक्षा चन्दनम् ···। गृहे स्थापयितव्यानि MahāBhā. v. 40. 9; xii. 189*(1); HariVaṁ. 116. 29; Rāmā. v. 15. 14; अजां नयति ग्रामम् MahāBh. i. 335. 13 (*on* P. i. 4. 51); VyutpaVā. 121. 3; अजा गावो महिष्यश्च अमेध्यं भक्षयन्ति या: । दुग्धं हव्ये च कव्ये च गोमयं न विलेपयेत् AtriS. 301; प्रसूता ब्राह्मणी गौश्च महिष्योऽजास्तथैव च । दशरात्रेण शुद्ध्यन्ति BṛParāSm. 6. 319; 8. 239; 10. 209; सर्पिष्यजाविमहिषीक्षीरवत् स्वानि निर्दिशेत् CaraS. i. 27. 234 (1941 Ed.); अजाक्षीरं पिबेन्नान्यदजाभिश्च वसेत् सह । अधस्तादवटेऽजानां वसन् शोषी विमुच्यते KāśyaS. 109B. 30; अजानाम् ··· लघु दोषहरं पय: KāśyaS. 356A. 6 192A. 6; BhelaS. 1. 5 (5. 12); अजाभिघातने चैव अधिकाङ्ग: प्रजायते । अजा तेन प्रदातव्या S'ātāSm. 2. 61; अजा वदति गान्धारे MāṇḍūS'i. 1. 9; S'ārṅgaPa. 2047; मुखतोऽजा: स सृष्टवान् ViṣṇuP. i. 5. 48; BrahmāṇḍP. i. 8. 43; LiṅgaP. i. 70. 237; वस्त:···। ददर्श कूपे पतितां स्वकर्मवशगामजाम् BhāgP. ix. 19. 3; गवां च महिषीणां च वर्जयित्वा तथाप्यजाम् । सर्वक्षीराणि वर्ज्यानि AgniP. 168. 19 =

VisṇuDhaP. ii. 73.36; NyāyBh. 67.21 (*on* i. 2.12); PadmP. (Ra.) 41.128; अजाश्वानखरोष्ट्राणां मार्जनात्तुपरेणुकान् । संस्पृशेद्यदि मूर्धात्मा श्रियं हन्ति हरेरपि LiṅgaP. i. 85.153; लोके यदृच्छया काचिदजा रोहितशुक्लवर्णा स्यात् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 243.12 (*on* i. 4.10); वसागुणायामजायां प्रकृतायाम् BrahmSūBh.(Bhā.) 28.17 (*on* i. 1.19); यद्यजा संस्कार्या ततः सा प्रधानम् ṬupṬ. 11.1 (*on* iv. 1.23); ManuBh. i. 422.24 (*on* 5.8); चतसृभिरजाभिरेका धेनुः ··· लभ्यते Tantrākhyā. 132.7; PañcT. 5.2 (399.6); Pañcā. 276.7; शुंशुमारो मृतिं प्राप्य जाताजा पाणपाटके BṛKathāK. 73.75; हीनसेवा न कर्तव्या कर्तव्यो महदाश्रयः । पयोऽपि शौण्डिनीहस्ते वारुणीत्यभिधीयते (v. l. अजा सिंहप्रसादेन वने चरति निर्भयात्) Hitopa. 3.11; अजा परेषां विनिहन्ति वातं स्वयं तु वातेन हि सा म्रियेत YaśasCam. ii. 123.4; ii. 219.2; ग्रामत्रयं क्षेत्रमजासहस्रं प्रभूतराशिर्लभते स भूपात् EI. xxiii. 170.63; xxiii. 170.69; व्यालाः षोडश निर्दिष्टा हरिणो गृध्रकः शुकः । कुक्कुटः सिंहशार्दूलवृकाजागण्डकोगजाः SamarāSū. 75.27; द्विपद्धयस्त्र्यस्यसि कथं वृकयूथादजा यथा KicaVa. 4.19; सः ··· वृक्को न्वजाः शताज्याम् ।···महर्षीन्···जगाम पश्यन् DvyāśraKā. 4.41; स्त्रीणां समाजे समजे न्वजानां विवाय दृष्टिं स वशी न जातु (कर्णः) DvyāśraKā. 10.9; अजा इव प्रजा मोहाद् यो हन्यात् पृथिवीपतिः Pañcā. 41.10; S'ārṅgaPa. 1290; अजामहिष्योरपि पीयूषमपेयम् SmṛtiCan. v. 235.3; v. 235.20; ManvaVi. 590. 25 (*on* 5.8); बद्धपाणिपद्द्वन्द्वां सूनानीतामजामिव (अद्राक्षीदबलाम्) MalliC. 1.51; सानीताजा वृकैरिव MalliC. 7.188; PārśvC. 2.1018; SamarāSam. 4.437; PrabaCin. 69.31; KumāCaSam. 12.30; 100.4; अजायाश्च स्निग्धवृष्यादिभोजनम् । सद्यो वह्निकरम् RaseCin. 8.23 (84.3); 9.37 (125.6); अजया क्रीणाति इति वस्त्रादीनां क्रयसाधनत्वात् NyāyMāVi. 113.24 (*on* iii. 1.6); पक्ष्यङ्गे दारिते राज्ञाजगरो निरगात्ततः । अजा Dhūrtā. 98; एकेनाजा कर्णयोर्धृता परेण मारिता । ततः साजेयं नारी PurāPraSam. 130.3; 33.17; अजामहिष्योरपि दशाहमध्ये प्रतिषेधः (दुग्धस्य) ManvaMu. 194.24 (*on* 5.8); अजाया उदरे लिण्डीः को बन्धयति RatnaCūKa. 290; अजाल्पदोग्ध्री AṇuBh. 105.24 (*on* i. 4.9); SiddhāKau. 110A.2; VaiyāBhū. 43.13 (*on* 8); LaS'abdeS'e. i. 370.8; i. 525.25; अजामार्जारमूषाश्च (नक्षत्रयोनयः) TantrRā. 21.79; AmaK. 1858; ParyāRaMā. 1.756; Vaija. 70.63; AbhidhāCin. 1275; DhanvNi. 236.26; MadaPāNi. 74.20; ParaNā. 1210; KośaKaTa. 1.6794; KalpaK. 185.468; (pl.) collection of goats consisting of males and females ग्राम्याणां पशूनां संघाः । एतेषु सह विवक्षायां स्त्री शिष्यते ··· अजा इमाः KāśiVṛ. *on* P. i. 2.73; **2** name of a metre गौश्छन्दोऽजा छन्दोऽश्वश्छन्दः TaiS. IV. iii. 7.1; VājaS. 14.19; **3** name of a plant अजास्तनाभकन्दा तु सक्षीरा क्षुपरूपिणी । अजा महौषधी ज्ञेया शङ्खकुन्देन्दुपाण्डुरा SuśruS. iv. 30.18; iv. 30.5; अजानामौषधिरजशृङ्गीति विज्ञायते CaraS. vi. 1(4).7 (1941 Ed.); VisṇuDhaP. ii. 52.30; ii. 161.23; RasRaSa. 25.61; चन्द्राह्वाजा कृष्णफला KalpaK. 302.475; 316.598; **4** first zodiacal sign अजा क्रिया छागबस्तौ तूबरा विश्वभेषजी । मेषमाद्या क्रिया प्रोक्ता छागी वागीरयस्तथा JyotiṣaNi. RāśiNi. 1; **5A** course of the planet Venus over the three constellations Hasta, Viśākhā and Citrā हस्तविशाखात्वाष्ट्राण्यजा (वीथी शुक्रचारे) BṛSam. 9.3; **5B** name of a path in the sky comprehending the three asterisms S'ravaṇa, Dhaniṣṭhā and S'atabhiṣā प्रत्येकमश्विन्यादित्रिनक्षत्रा नागाद्या नव वीथयः । नागा गजा ऐरावती ऋषभा गौर्जरद्गवी मृगी अजा दहनेति Aparā. 1017.18 (*on* 3.187); **6** name of a hall in a two-halled building महिष्यजाभ्यामुद्वेगकरी चुल्ली धनापहा SamarāSū. 22.9.

²अजा (a–jā) *f.* [mostly a reinterpretation of ¹ajā́] **1A** primordial matter (consisting of the three Guṇas), Prakṛti **B** primordial matter (consisting of the three elements of fire, water and earth) **C** primordial matter (closely associated with Brahman) **2A** primordial nescience **B** extraordinary or miraculous power of a personal god **3** name of a divine cow **4** a barren woman **5** name of S'ivā **6** name of a woman created by Brahman (*m*) **7** name of Kṛṣṇa's sister **8** name of a river **1A** primordial matter (consisting of three Guṇas Sattva, Rajas and Tamas), Prakṛti ज्ञाज्ञौ द्वावजावीशनीशावजा ह्येका भोक्तृभोगार्थयुक्ता । अनन्तश्चात्मा विश्वरूपो ह्यकर्ता त्रयं यदा विन्दते ब्रह्ममेतत् S'vetāU. 1.9; VāyuP. i. 20.27; अजा प्रकृतिर्न जायत इत्यजा S'vetāUBh. 103.21 (*on* 1.9); BrahmSūBh.(S'aṅ.) 240.16 (*on* i. 4.8); SāṁkhyaTaKau. 2.1; प्रकृतिरेवाजा जन्माभावात् NyāySu.(Ja.) 192B.5 (*on* i. 4.1); मायातीतस्य परमात्मनः सकाशादजा गुणत्रयमयी किल अजायत S'aṅkaVi.(Ā.) 71.17; मायाजा प्रकृतिः प्रसूः KośaKaTa. 1.31; **1B** primordial matter (consisting of the three elements fire, water and earth) परमेश्वरादुत्पन्ना ज्योतिःप्रमुखा तेजोऽबन्नलक्षणा चतुर्विधस्य भूतग्रामस्य प्रकृतिभूतेयमजा प्रतिपत्तव्या BrahmSūBh.(S'aṅ.) 242.4 (*on* i. 4.9); **1C** primordial matter (closely associated with Brahman) अजा ब्रह्मात्मिकेति निश्चीयते BrahmSūBh.(Rā.) 354.9 (*on* i. 4.9); ब्रह्मकारणिकेयमजा VedāntSā.(Rā.) 121.7 (*on* i. 4.9); ब्रह्मकारणिकैवैषाजा । तथाह्यधीयत एके । यथारूपोऽयमजायाः प्रतिपादको मन्त्रस्तथारूपमेव मन्त्रं ब्रह्मात्मिकायास्तस्याः प्रतिपादकमधीयत एके शाखिनः VedāntDī. 68.14 (*on* i. 4.9); मन्त्रोक्ताजा ब्रह्मात्मिका अस्तु VedāntPāSau. 122.22 (*on* i. 4.8); ब्रह्मात्मिकाजा त्वजामन्त्रे पूर्वापरवाक्यवशात् प्रतिपत्तव्या VedāntKau. 124.2 (*on* i. 4.9); **2A** primordial nescience (sometimes taken as Māyā and sometimes as Avidyā) श्वेताश्वतरेऽपि पूर्वापरपर्यालोचनया मायैवाजा प्रतीयते PrakaVi. 339.15; अप्राणं शुद्धमेकं समभवदथ तन्मायया कर्तृसंज्ञं तस्मादन्यच्च नासीत्परिवृतमजया जीवभूतं तदेव S'atS'lo. 24; 27; अजा परेशस्य जगद्विमोहिनी विवेकिनामप्यपहन्ति संविदम् S'aṅkaVi.(Ā.) 276.3; **2B** extraordinary or miraculous power of a personal god त्वं देव शक्त्यां गुणकर्मयोनौ रेतस्त्वजायां कविमादधेऽजः BhāgP. iii. 5.49; कालो देशः क्रिया कर्ता करणं कार्यमागमः । द्रव्यं फलमिति ब्रह्मन्नवधोक्तोऽजया हरिः BhāgP. xii. 11.31; स्वसृष्टमिदमापीय शयानं सह शक्तिभिः । तदन्ते बोधयांचक्रुस्तल्लिङ्गैः श्रुतयः परम् ··· । जय जय जह्यजामजितदोषगृहीतगुणाम् BhāgP. x. 87.14; ब्रह्मोवाच– कर्ता न चाहं जगतो भवन्तो विमोहिता दुस्तरयाजया BṛBrahmaS. i. 1.8; शिवेन दृष्टा प्रकृतिः शैवी समभवद्द्विजाः । बिश्वधात्री त्वजाख्या च LiṅgaP. i. 3.13; विष्णुर्जग्राह तं शापं प्रशंसन् शांभवीमजाम् S'ivaP. ii(1). 4.18 (40B.16); iii. 8.15 (303B.2); प्रलयकाले नामरूपे विहायाचिद्वस्तुरूपा मायापि सूक्ष्मरूपेण महेश्वरस्य शरीरतया तिष्ठतीत्यजा सृष्टिसमये नामरूपोपेता तत्करणिका BrahmSūBh.(S'rī.) i. 524.2 (*on* i. 4.10); **3** name of a divine cow सुरभिः ··· । सुषुवे चरमं भूयो दिव्या गोमातरः शुभाः । ···अजाम् ···धेनुम् MahāBhā. xiii. App. I. 8 (48); **4** a barren woman रेतःक्षयकरी वन्ध्या अजास्ताः परिकीर्तिताः AṅgiSm. 124; **5** name of S'ivā अव्यात्···अजा त्वथ पृष्ठदेशम् SkandP. iv. 72.61; मेनका देवी ··· मेने शिवां मूलरूपामजां शिवशिवामिति BṛDharmP. i. 53.6; **6** name of a woman created by Brahman (*m.*) ब्रह्मोवाच – अहं प्रमदारूपं मायया सृज्य नारद । ···प्रादामृषिभ्यः प्रमदां मुने । ··· अजैका या समाख्याता कृष्णलोहितरूपिणी । मुक्तकेशीत्यभिधया सास्तेऽद्यापि BrahmP. 134.6; **7** name of Kṛṣṇa's sister अयं त्वदनुजामजामुपलपट्टके पिष्टवान् Nārāy. x. 39.4; **8** name of a river पयोष्ण्यजा भारती स्यात् Kalpak. 348.45.

अजांश (ajāṁśa) *m.* middle or central part or division (of the ground plan) युग्मायुग्मपदेषु द्व्येकत्रिभिरंशकैरजांशाः स्युः MayaMa. 10.53.

अजाकण्ठ (ajā–kaṇṭha) *m.* neck of a she-goat अङ्गी मणिरजाकण्ठस्तने Vaija. 235.62; AnekāTi. 2.235; KośaKaTa. 2.4866.

अजाकरीष (ajā–karīṣa) *m.n.* dung of a she-goat अजाकरीषस्यैवैते गुणाः सम्यक्प्रकीर्तिताः Hastyāyur. 300.3 (2.60); 636.22 (4.14)

अजाकर्ण (ajā–karṇa) *m.* **1** ear of a she-goat अश्वभावे अजाकर्णेऽश्वकर्णे वा गोष्ठे वा सलिलान्तिके (श्राद्धं कार्यम्) MatsyaP. 15.34; PadmP. v. 9.60; **2** kind of Sāla tree राजकद्रुरजाकर्णः S'abdaRa.(Vā.) 919.

अजाकारपरिकल्पना (ajākāra–parikalpanā) *f.* metaphor of a she-goat तेजोऽबन्नेषु अजाकारपरिकल्पनोपदेशादजाशब्दप्रयोगो न विरुध्यते PrakaVi. 340.17.

¹अजाकृति (aj–ākṛti) *f.* vowel-class, genus of vowels सिद्धमजाकृतिनिर्देशात् Vār. 3 (*on* P. i. 1.73); MahāBh. i. 189.18 (*on* i. 1.73); Pradī. v. 311B.1 (*on* vi. 4.47)

²अजाकृति (ajākṛti) *f.* she-goats as a class यावता न तावत् तेजोऽबन्नेषु अजाकृतिरस्ति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 243.4 (*on* i. 4.10); 243.9 (*on* i. 4.10); अजाकृतिर्जातिस्तेजोऽबन्नेषु नास्ति Bhām. 293.20 (*on* i. 4.10)

अजाकृपाणीय (ajākṛpāṇ–īya) *adj.* like the she-goat and the sword (in the fable) इदं तर्हि । काकतालीयम् अजाकृपाणीयम् । अत्रापि येनैवावयवकार्ये प्रत्ययोत्पत्तिः क्रियते तेनैव समुदायकार्ये समाससंज्ञा भविष्यति । समासाच्च तद्विषयात् इति MahāBh. i. 377.13 (*on* ii. 1.3); CāndraVṛ. *on* iv. 3.83; KāśiVṛ. *on* v. 3.106; JaineVyā. 46.36 (*on* i. 8.3); 266.13 (*on* iv. 1.160); तदजाकृपाणीयं यः परेषु विश्वासः NītiVā. 10.40; S'ṛṅgāPra. 46.8; DvyāśraKā. 18.32; यथाजया भूमिं खनन्त्यात्मवधाय कृपाणो दर्शितस्तत्तुल्यं वृत्तं केनचिदात्मवधाय कृतम् । अजाकृपाणीयम् GaṇRa. 3.196 (239); KhaṇḍanKhā. 384.1; S'āliC. 5.125; KośaKaTa. 1.103; SiddhāKau. 318A.21; रघुकौत्सीयमित्यस्य काकतालीयम् अजाकृपाणीयम् इत्यादिवन्निष्पत्तिः AlaṅkāMañ. 8.16; NyāySu.(Ja.) 250A.3 (*on* ii. 1.2)

अजाक्षि (ajākṣi) *n.* goat's eye अजीव इति किम् । अजाक्षि JaineVyā. 277.28 (*on* iv. 2.72)

अजाक्षी (ajākṣī) *f.* **1** *Ficus hispida* अजाक्षी फल्गुनी चैव ··· काकोदुम्बरिका RājNi. 187.15; AṣṭāNi. [JOR. 38] 28.15; **2** name of a plant

अजाक्षी लोमपर्णी च AṣṭāNi. [JOR. 38] 31. 7.

अजाक्षीर (ajā-kṣīrá) *n.* goat's milk अथाजाक्षीरम् S'atBr. XIV. i. 2. 13; अर्कक्षीरमजाक्षीर आश्चोत्य प्रचरेत् BhārS'S. xi. 18. 11; ĀpaS'S. xv. 18. 10; xvi. 6. 1; xix. 12. 24; पाययेत्। अजाक्षीरं वार्धतैलम् SuśruS. iv. 5. 7; vi. 17. 90; CaraS. i. 1. 106 (1941 Ed.); BhelaS. 236. 8 (7. 8); स्त्रीविवक्षायां तु कुक्कुट्यण्डादिभिर्भवितव्यमेव ··· अजाक्षीरम् CāndraVṛ. *on* v. 2. 41; अजाक्षीरं पिबेत् KāśyaS. 109B. 30; 161A. 9; HārīS. iii. 9. 33; AṣṭāSaṁ. i. 48. 17 (1. 8); ii. 235. 7 (6. 16); माक्षिकं सैन्धवं शङ्खं तगरीं पिप्पलीं सिह्लाम्। अजाक्षीरेण संपेष्य गुलिकां कारयेद्भिषक् ViṣṇuDhaP. ii. 43. 5 SiddhYo. 4. 26; 9. 36; 39. 7; 61. 156; कालेयं लवणं लाक्षामजाक्षीरेण साधयेत् AśvaVai. 38. 8; Hastyāyur. 125. 25 (1. 17); 143. 18 (1. 18); ईषन्मधुरमजाक्षीरम् S'astrDī. 154. 14 (*on* i. 1. 7); S'ārṅgaS. iii. 13. 116; ĪśānS'iPa. i. 40. 144; i. 50. 13(1); ताम्रमजाक्षीरेण ···मारयेत् Rasā. 7. 148; 12. 217; RasRaSa. 17. 13; 29. 91; S'ārṅgaPa. 2970; अजाक्षीरेण टङ्कणम्। पिष्ट्वा RaseCin. 9. 109 (163. 21); 9. 176 (196. 6); 9. 184 (199. 9); AnaṅgaRa. 6. 05; (साधकः) होमादिष्टमवाप्नुयात्। अजाक्षीरयुतैस्तैश्च TantrRā. 32. 19.

अजागन्ध (ajā-gandha) *m.* name of a holy place अजागन्धे (तीर्थे) नरः स्नात्वा दृष्ट्वा ब्रह्मेश्वरं शिवम्। ब्रह्महत्यासमं पापं तत्क्षणात्संव्यपोहति SkandP. v(1). 28. 45.

अजागन्धि (ajā-gandhi) *m.* name of S'iva (जनाः) विदुः ··· पुष्करे तु ह्यजागन्धिम् (शिवम्) SkandP. iv. 109. 6.

अजागमन (ajā-gamana) *n.* sexual intercourse with a she-goat अथ महिषीवस्ताजागमनप्रायश्चित्तम् CaturCin. iv(1). 352. 1.

अजागर (ajāgara) *m.* name of the plant, *Eclipta alba* भृङ्गराजवृक्षः। इति शब्दरत्नावली [S'abdaKaDru.]; *adj.* not awake, not wakeful [PW]

अजागरण (a-jāgaraṇa) *n.* not keeping alive, not keeping burning तस्मादनित्यविशेषे दक्षिणाग्नावेवावतिष्ठते। तस्य चानित्यत्वं नित्यमजागरणात् KāśiVṛ. *on* P. iii. 1. 127 (PadMañ. सततमज्वलनादित्यर्थः। ज्वलनमेव हि तस्य जागरणम्)

अजागरयत् (a-jāgarayat) *adj.* not awakening, who does not awaken अतिस्वच्छन्दशायिनीम्। तामजागरयन्नूचे नीचकैर्नैषधापतिः PāṇḍaC. 6. 385.

अजागरूक (a-jāgarūka) *adj.* not vigilant, not attentive, not capable of apprehending, not conspicuous उक्तं चाजागरूकस्य मन्दबुद्धेः सुखात्मनः। ग्रन्थभीरोश्च सिध्यन्ति न शास्त्राणि तपांसि च BṛKathāS'loSaṁ. 7. 60; तथापि पूर्वमयं नासीत् पश्चाच्च न भविष्यतीत्यत्र प्रत्यक्षमजागरूकं पूर्वापरकालताग्रहणात् NyāyKa. 81. 24; ĀtmaTaVi. 55. 3; पारम्पर्येण साक्षाच्च तदेतत्प्रतिपद्यते। कवेरजागरूकस्य रसभङ्गनिमित्तताम् VyaktiVi. 32. 14; जागरूकाजागरूकगुणीभूतव्यङ्ग्ययोः प्रविष्टं निखिलमलंकारप्रधानं काव्यम् RasGaṅ. 23. 4.

अजागरूकत्व (ajāgarūka-tva) *n.* the state of being not capable, incapacity तस्य सादृश्यमात्रविषयतया व्याप्तिज्ञप्तावजागरूकत्वात् TattvPradī(Ci.) 244. 9.

अजागर्ति (ajāgarti) *adj.* (w. r. for अजागर्त?) BaudhPiMe. i. 6. 1; ĀgniveGS. iii. 5. 5 (144. 4)

अजागर्भिणी (ajā-garbhiṇī) *f.* [DEBRU. p. 332] pregnant she-goat चतुष्पाद्वाच्चिनः सुबन्ता गर्भिणीशब्देन समस्यन्ते, तत्पुरुषश्च समासो भवति। गोगर्भिणी। अजागर्भिणी KāśiVṛ. *on* ii. 1. 71; Prasā. i. 535. 14.

अजागल (ajā-gala) *m.* goat's tessels (*lit.* goat's neck) (*fig.* something useless) अजागलस्य यज्जन्म तज्जन्म श्रुतिचोदितम् DevīBhāP. xi. 23. 18.

अजागलकुच (ajāgala-kuca) *m.* fleshy protuberence on the neck of a she-goat (*fig.* something useless) स्वाम्युक्ते यो न यतते स भृत्यो भृत्यपाशकः। तज्जीवनमपि व्यर्थमजागलकुचाविव BhojPra. 5. 8.

अजागलस्तन (ajāgala-stana) *m.* **1** tessels on the neck of she-goat धर्मार्थकाममोक्षाणां यस्यैकोऽपि न विद्यते। अजागलस्तनस्येव तस्य जन्म निरर्थकम् S'atTrayī. 544 = CāṇaNīDa. 13. 10 = VetāPañ.(S'i.) 58. 2; प्रजां न रञ्जयेद्यस्तु राजा रक्षादिभिर्गुणैः। अजागलस्तनस्येव तस्य नाम निरर्थकम् Tantrākhyā. 120. 2 = PañcT. 3. 114 (367. 5); Pañcā. 226. 28; SūktiRa. 40. 6; S'ārṅgaPa. 1289; Subhāṣi. 2841; न कश्चिदुपयोगोऽत्र कामानां विद्यते स्थितौ। अजागलस्तनस्येव प्रमाणाद्बन्धमोक्षयोः BṛĀraUBhVā. iv. 4. 457; अजागलस्तनस्येव प्रपञ्चोऽयं निरर्थकः SkandP. i(1). 31. 75; तृतीये त्वजागलस्तनकल्पः कायः नोपयुक्तांशविवेचने स्वं निवेशयति ĀtmaTaVi. 850. 3; BhaviP. 24B. 6 (i. 6. 22); SaurP. 2. 36; जडस्य ··· अजागलस्तनवदप्राधान्यप्रसङ्गात् VedāntKau. 224. 1 (*on* ii. 3. 18); अजागलस्तनसमवस्थं तव गमनागमनम् Jīvān. 106. 4; **2** (fig.) thing or person that is good for nothing, useless entity अदृष्टान्नियमे नित्ययत्नोऽत्राजागलस्तनः NyāySiA. 230. 16; S'atDū. 145. 39; ParamāKā. 90. 21; TrikāS'e. iii. 3. 136; AnekāSaṁ. 2. 148.

अजागलस्तनन्याय (ajāgalastana-nyāya) *m.* maxim of the tessels of a she-goat (i. e. uselessness of a thing) रसाद्युपकारमात्रेणालंकारत्वं मुख्यतो रूपकादौ तु वाच्याद्युपधानम् अजागलस्तनन्यायेन इति SāhiDa. 621. 11.

अजागलस्तनायमान (ajāgalastanāyamāna) *adj.* behaving like the tessels on the neck of a she-goat कृतमनुमानेनाजागलस्तनायमानेन विरुद्धधर्माध्यासेन TattvPradī.(Ci.) 213. 7; 324. 11; किमनेनाजागलस्तनायमानेन (ध्वनिना) Ekāva. 1. 13 (18) (25. 7); S'atDū. 163. 8; S'ivārkaMaDī. i. 92. 9 (*on* i. 1. 1); SiddhāLeSaṁ. 208. 8; कृत इति पदस्याजागलस्तनायमानत्वापत्तेः BālamBha. i. 71. 28 (*on* i. 14)

अजागलस्तनायितत्व (ajāgalastanāyita-tva) *n.* the state of becoming like the tessels on the neck of a she-goat अतोऽङ्गीकृतस्यापि शिवस्याजागलस्तनायितत्वेनात्राप्युत्पत्त्यसंभव एव NyāySu.(Ja.) 424A. 2 (*on* ii. 2. 12)

अजागलस्थस्तन (ajāgalastha-stana) *m.* tessels on the neck of a she-goat तेनात्माजागलस्थस्तन इव TattvMu. 2. 4.

अजागव (ajāgava) *n.* S'iva's bow जटाजूटः कपर्दः स्यात्···। अजागवमजगवं धनुः ParyāS'aRa. 1. 56; DvirūK.(Ha.) 180. cf. **अजगव.**

अजागृह (ajā-gṛha) *n.* name of a holy place अजारूपाः प्रयान्ति स्म व्याधयः सकला द्विजाः ··· ततस्तदाश्रयात्स्थानमजागृहमिति स्मृतम् SkandP. vi. 133. 3; अजागृहे नवनिधिः पार्श्वनाथः TīrthaKa. 86. 10.

अजागृहा (ajā-gṛhā) *f.* name of a deity तथान्यापि च तत्रास्ति देवता द्विजसत्तमाः। अजागृहेति विख्याता सर्वरोगक्षयावहा SkandP. vi. 133. 1.

अजागोष्ठ (ajā-goṣṭha) *n.* fold or enclosure for she-goats गवां स्थानं गोगोष्ठम्। महिषीगोष्ठम्। अजागोष्ठम् JaineVyā. 241. 12 (*on* iii. 4. 150)

अजाग्रत् (a-jāgrat) *adj.* in an unwakeful state तं वा एतमात्मानम् ··· स्वप्नेऽजाग्रतमसुषुप्तं सुषुप्तेऽजाग्रतमस्वप्नं तुरीयेऽजाग्रतमस्वप्नमसुषुप्तम् Nṛsiṁho-TāU. 2; (यथासवो जाग्रति सुप्तशक्तयः) यद्वा अजाग्रति सुषुप्तावसवः सुप्ताः शक्तयः येषां ते Bhāvārthadīpikā *on* BhāgP. iv. 31. 16.

अजाग्रत्स्वप्ननिद्र (a-jāgratsvapnanidra) *adj.* without the states of waking, dreaming and deep sleep अजाग्रत्स्वप्ननिद्रस्य यत्ते रूपं सनातनम् YogVā. iii. 121. 55; MahāU. 5 (50)

अजाघन (ajāghana) *m.* name of a species of horses शक्त्या चैव जवेनापि रणशूरस्त्वजाघनः AśvaVai. 6. 14.

अजाघात (ajā-ghāta) *m.* name of a mode of attack or stroke in fighting (*lit.* goat's attack) वदनं तिर्यगुन्नम्य प्रहारस्त्वजघातनम्। प्र(अ)जाघाते तु वदनात्ति(नन्ति)र्यगुन्नम्य घातयेत् Mānaso. iv. 3. 649.

अजाघृत (ajā-ghṛta) *n.* clarified butter from goat's milk सर्पनिर्मोकवानररोमकुक्कुटमेदोभिरजाघृतसंयुक्तैर्दीपयेत् Hastyāyur. 65. 15 (1. 9); अजाघृताक्तैर्बन्धूककुसुमैर्मध्यरात्रके। हवनाद्वनिताः सर्वा मोहयेत् TantrRā. 22. 37.

अजाघ्राता (ajāghrātā) *adj.* (*f.*) smelt or sniffed by a goat निशां प्राप्य तु तां योनिमजाघ्रातां तु कारयेत् ĀpaSm. 7. 6.

अजाङ्कण (ajāṅkaṇa) *adj.* having a court-yard at the place of Brahman (i. e. at the centre) षडाननसमोपेतं सप्रच्छन्नमजाङ्कणम्। एकानेकतलोपेतं प्रासादवदलङ्कृतम्। द्वारादि पूर्ववन्मेरुकान्तं नामाग्रजीविनाम् MayaMa. 26. 57.

अजाङ्ग (ajāṅga) *n.* goat's limb or organ न गजाङ्गैरजः सिध्येन्नाजाङ्गैर्वा गजो भवेत् ĪśānS'iPa. ii. 1. 52; अवेरङ्गानि सहसा पच्यन्ते, अजाङ्गानि तु विलम्बेन NyāyMāVi. 659. 18 (*on* xi. 4. 11)

अजाङ्गल (a-jāṅgala) *n.* (meat of the animal) other than that of the wild one पिष्टान्नमम्लं लवणानि मद्यं मृदं दिवास्वप्नमजाङ्गलं च।···शोफं जिघांसुः परिवर्जयेत्तु SuśruS. iv. 23. 13; SiddhYo. 39. 40; RasRaSa. 28. 71; सक्तुक्षीरमजाङ्गलानि सितया शालिं रसं मांसजम् ···सेवेतोष्णदिने BhāvPra.(Bhā.) 5. 355.

अजाङ्घिकता (ajāṅghika-tā) *f.* the nature of not being quick of foot नीयमानः स हि स्कन्धमधिरोप्यानुजीविभिः। अजाङ्घिकतया मार्गोल्लङ्घनाय स निःसहः RājTa.(Ka.) 8. 2276.

अजाङ्घ्रि (ajāṅghri) *m.* **1A** deity of the constellation Pūrvā Bhādrapadā वसवो वरुणोऽप्यजांघ्रिः। भगणस्य तु देवतामी(?) ĪśānS'iPa. i. 4. 28; **1B** constellation Pūrvā Bhādrapadā त्वा(?त्व)ष्ट्रजाङ्घ्रयोर्हुताशविष्ण्वोः···विवाहे ··· वैरं सर्वदावर्जनीयम् VasiS. 32. 204; **2** foot of Viṣṇu अजाङ्घ्रिनिर्दत्तरजश्चयापि ··· गङ्गा कुसङ्गापि पुनाति लोकान् SūktiMu. 105. 4; **3** goat's foot, SūktiMu. 105. 4.

अजाङ्घ्रिज (ajāṅghri-ja) *adj.* (comet) born under the constellation Pūrvā Bhādrapadā (केतुः) हन्यात्···अजाङ्घ्रिजश्च पाञ्चालान् VasiS. 10. 48.

अजाङ्घ्रित्रितय (ajāṅghri-tritaya) *n.* group of three constellations beginning with Pūrvā Bhādrapadā क्रमादजाङ्घ्रित्रितयं च शिष्टं त्रैवर्णिकानां

निखिलानि भानि VasiS. 32.210.

अजाङ्घ्रिधिष्ण्य (ajāṅghri–dhiṣṇya) *n.* the constellation Pūrvā Bhādrapadā नेयाद्याम्यदिशं त्वजाङ्घ्रिधिष्ण्ये VasiS. 37.27.

अजाङ्घ्रिभ (ajāṅghri–bha) *n.* the constellation Pūrvā Bhādrapadā शिल्पकार्येषु कुशलाजाङ्घ्रिभे प्रथमार्तवा NāraS. 15.27.

अजाज (ajā–ja) *adj.* coming from a she-goat अजाजं तु मधुरं कषायं च त्रिदोषनुत् । नवनीतम् BhojanKu. 148.1.

अजाजाति (ajā–jāti) *f.* the generic quality of a she-goat तेजोऽबन्नेषु तावदजाजातिर्नास्ति PrakaVi. 339 23.

अजाजि (ajāji) *f.* cf. **अजाजी**, *Cuminum cyminum*, cumin seed (it refers to the white variety) इक्षवो रसराजाश्च निष्पावाजाजिधान्यकम् MatsyaP. 60.8; 62.9; 62.28; 279.9; शिग्रुसुमुखमरिचाजाजिचित्रककल्कक्षीरगोमूत्रसिद्धेन वा कटुतैलेनानुवासयेत् AṣṭāSaṁ. i. 211.22 (2.3); ii. 101.15 (4.17); KalyāKā. 10.9; अजाजिपाठाघनपञ्चकोलव्याघ्रीरजन्यः सुखतोयपीताः । शोथम् ··· निघ्नन्ति SiddhYo. 39.5; 61.27; Hastyāyūr. 118.17 (1.16); 238.4 (2.32); S'ārṅgaPa. 1710; VīraMi.(Rājanīti.) 393.25; धान्यकाजाजिसैन्धवम् । ···एतत्कल्कं समं मिश्रं पक्त्वा तक्रं सपिण्डकम् BhojanKu. 41.3; 142.6; DhanvNi. 303.2; **ii** *Nigella indica*, black cumin seed जीरको जरणो ह्यचोऽजाजिः कृष्णे तु जीरके S'abdaRa.(Vā.) 1289.

अजाजिक (ajāji–ka) *m. Cuminum cyminum*, cumin seed cf. **अजाजि,** जीरकः···। अजाजिकः RājNi. 83.2.

अजाजिन (ajājina) *n.* goat's skin कुण्डमजाजिनं पललपिण्डः MahāBh. i. 39.9 (*on* P. i. 1.1); यथा दश दाडिमानि, षडपूपाः कुण्डम् अजाजिनम् NyāyBh. 336.20 (*on* v. 2.10); NyāyMañ. ii. 199.10; NyāySā. 25.10; सर्वथाप्यसंभवदन्वयम् । यथा कुण्डमजाजिनं फलं पिण्ड इति TārkiRa. 338.11.

अजाजिलवणान्वित (ajājilavaṇānvita) *adj.* having cumin seed and salt (mixed with it) सर्वकालेषु तच्छस्तमजाजिलवणान्वितम् (तक्रम्) HārīS. i. 8.64.

अजाजिशुष्क (ajāji–śuṣka) *n.* dry *Cuminum cyminum* यवान्यजाजिशुष्कं च ··· तथा हिङ्गु हरीतकी । ··· पेषयेत् BhelaS. 155.6 (6.10)

अजाजी (ajājī) *f.* cf. **अजाजि, 1 i** *Cuminum cyminum*, cumin seed (it refers to the white variety) अजाजीं चाजगन्धां च दद्याच्छीर्षविरेचने CaraS. i. 2.2 (1922 Ed.); मोदकान् । कारयेन्मरिचाजाजीपलचूर्णावचूर्णितान् CaraS. vi. 11.74 (1941 Ed.); i. 27.304 (1922 Ed.); vi. 5.69 (1941 Ed.); vi. 12.55 (1941 Ed.); vi. 26.22 (1941 Ed.); हिङ्गुसौवर्चलाजाजीविडदाडिमदीप्यकैः SuśruS. vi. 42.27; BhelaS. 137.12 (6.5); 199.15 (6.23); ArthS'ā. i. 234.1 (2.15); बिल्वाजाजीरजनिसुरसा पथ्यया सैन्धवं च । पिष्ट्वा चैतत्समगविष्ठतं पाचयेत् ··· हरति गुदजान्वातरोगाश्मरीं च HārīS. iii. 11.65; KāśyaS. 138A.9; कारवीकुञ्चिकाजाजीकवरीधान्यतुंबरु ।···कफवातजित् AṣṭāSaṁ. i. 78.4 (1.12); i. 126.12 (1.24); अजाज्याः सगुडं कल्कम् ··· पिबेद्वा मधुसंयुतम् AṣṭāSaṁ. ii. 12.7 (4.2); प्रातराहारकाले च युञ्जीत मुखधावनम् । बिडं सौवर्चलं कुष्ट(? ष्ठ)मजाजी मरिचं सिता AṣṭāSaṁ. ii. 40.14 (4.7); ii. 71.24 (4.11); हपुषामरिचवाष्पिकासैंधवदीप्यकाजाजीपंचकोलकैः ··· क्षीरम् ··· विपचेत् AṣṭāSaṁ. ii. 89.17 (4.16); ii. 20.20 (4.4); ii. 28.2 (4.5); ii. 90.23 (4.16); ii. 106.8 (4.19); ii. 107.7 (4.19); एलापाठाजाजी ··· पंचकोलकं हन्ति AṣṭāHr. i. 15.33; i. 14.25; iv. 3.20; KalyāKā. 10.5; AgniP. 286.14; सौवर्चलमजाज्यश्च ··· एतल्लवणमष्टाङ्गम् ··· । मदात्यये कफप्राये दद्यात् SiddhYo. 18.14; 14.9; 26.10; 27.47; पिप्पलीपिप्पलीमूलाजाजीचित्रकसैन्धवैः । युक्ता पीता सुरा हन्ति गुल्मम् SiddhYo. 30.31; 30.33; 36.9; 37.45; 61.1; 64.2; वचासातिविषाजाजीपाठावत्सकरेणुकैः । ··· हन्ति वातम् S'ārṅgaS. ii. 2.35; AśvaVai. 10.15; तमस्मै दापयेत्पिण्डमजाजीमरिचैर्युतम् Hastyāyur. 159.8 (2.3); सर्षपातिविषाजाजीरेणुकाकृष्णजीरकैः (समभागस्तु गुग्गुलुः ग्राह्यः) RasRaSa. 21.72; अजाजीं वा गुडेनैव भक्षयेत् ··· । यकृत्प्लीहोदराग्रं च श्वयथुं च विनाशयेत् RaseCin. 9.304 (246.23); 9.101 (157.12); 9.275 (234.12); स्विन्नं सदा दापयेत् ··· क्रमेणैलान्यूषणहिङ्गुजीरकयुगाजाजीविलङ्गान्वितम् MātaLī. 11.12; BhāvPra.(Bhā.) 6(2).82; BhojanKu. 141.20; अजाजी जरणं दीर्घ्यं मागधं जीरकं सितम् ParyāRaMā. 229; Liṅgānu.(Ha.) 41.13; AbhidhāRaMā. 2.461; DhanvNi. 82.25; गौरादिजीरकस्त्वन्योऽजाजी स्याच्छ्वेतजीरकः RājNi. 83.12; ParyāMu. 2.3; Vaija. 129.83; AbhidhāCin. 422; ParaNā. 1054; BhāvPraNi. 10.81; AbhidhāMañ. 104.7; ṢadrasaNi. 27.1; ApūNā. 15A.2; KośaKaTa. 1.4282; KalpaK. 154.191; **1 ii** *Nigella indica*, black cumin seed दीप्यकग्रन्थिकाजाजीहपुषाधान्यकैः समैः SuśruS. vi. 42.25 (comm. कृष्णजीरक इत्यन्ये); अजाजी गुडसंयुक्ता विषमज्वरनाशिनी SiddhYo. 1.228 (comm. अजाजी कृष्णजीरकम्); S'ārṅgaS. iii. 11.104; AśvaVai. 12.55; जीरको जरणोऽजाजी कणे कृष्णे तु जीरके AmaK. 1779; ParyāS'aRa. 2.455; AbhidhāMañ. 103.9; कृष्णाजाजी कृष्णजीरके ApūNā. 14A.2; S'abdaRa.(Su.) 3.59; **2** *Ficus oppositifolia* कृष्णोदुम्बरीका काकोदुम्बरी जघनेफला । अजाजी फल्गुनी फल्गुर्मलयूश्चित्रभेषजम् KalpaK. 260.111.

अजाजीक (ajājī–ka) *m. Cuminum cyminum*, cf. **अजाजी,** जीरम् अजाजीकः । जीरकोऽपि Liṅgānu.(He.) 130.6(c)

अजाजीजम्बाल (ajājī–jambāla) *m.* paste of *Cuminum cyminum* अजाजीजम्बाले रजसि मरिचानां च लुठिताः कटुत्वादुष्णत्वाज्जनितरसनौष्ठ्यतिकराः SubhāRaK. 35.1.

अजाजीपुष्पवत् (ajājīpuṣpa–vat) *adv.* like the flower of *Cuminum cyminum* तत्रातीन्द्रियत्वस्योपगमादसाभिरनुपलम्भः । अजाजीपुष्पवदित्यादिवचनात् PramāVāBh. 210.30.

अजाजीमूतखण्ड (ajā–jīmūtakhaṇḍa) *m. n.* she-goat's flesh like that of a small piece of cloud अजाजीमूतखण्डार्थे क्षुत्क्षुण्णक्षीणकुक्षिणा । कलत्रेण सहाटव्यां कृतः कलह आकुलः YogVā. iii. 107.29 (comm. जीमूतखण्डो मेघलेश इव तुच्छो मांसखण्डस्तदर्थम्)

अजाजीव (ajājīva) *m.* goat-herd जाबालः स्यादजाजीवः AmaK. 1950 = AbhidhāRaMā. 2.226 = Vaija. 138.29 = AgniP. 365.45 = S'abdaRa.(Vā.) 3078 = KośaKaTa. 1.7046; NāmaMāli. 613; अजाजीवस्तु जाबालः TrikāS'e. ii. 10.5; KalpaK. 204.23; PañcTaPra. 6.2.

अजाजीविन् (ajājīv–in) *m.* goat-herd अजाजीविनि जाबालः ParyāS'aRa. 2.578.

अजाजैत्री (ajājaitrī) *f.* name of the goddess Lalitā (*lit.* vanquisher of nescience) अष्टमूर्तिरजाजैत्री(? जेत्री) LalitāSa. 182 (comm. अविद्यारूपाया अजाया जेत्री)

अजाज्ञा (ajājñā) *f.* Creator's command तेषां पुराणवक्तृत्वं वृत्तिरासीदजाज्ञया KūrmaP. 151.12 (1.14); प्रादुर्बभूव सः···। अजाज्ञया···गुणैस्त्रिभिः LiṅgaP. i. 3.15; ii. 9.5.

अजाज्य (ajājya) *n.* ghee (prepared from the milk) of she-goat चक्षुष्यं दीपनम्···अजाज्यम् BhojanKu. 149.20.

अजाड्य (a–jāḍya) *n.* **1** absence of insentience ततोऽजाड्ये निजोल्लेखनिष्ठात्वार्थस्थितिस्ततः ĪśvaPraSū. i. 3.5; तथापरामर्शनमेव अजाड्यजीवितम् ··· अनन्यमुखप्रेक्षित्वं नाम PratyabhiVi. i. 242.8 (i. 5.11); ज्ञानत्वाजाड्यकण्ठोक्त्यनुगुणमवदन्मुख्यतात्मनीव TattvMu. 3.62; देशाद्देशं गते चित्ते मध्ये यच्चेतसो वपुः । अजाड्यसंविन्मननं तन्मयो भव सर्वदा YogVā. iii. 121.54; S'ārṅgaPa. 4250; MahāU. 5(49); MaṇḍBrU. 2.5 (351.4); 5.1 (352.13); **2** absence of sloth, agility जिह्वाया जाड्याजाड्येन वा प्रतिनियतदिवसीयजपसंख्याया अपूर्णत्वेऽधिकत्वे वा नियमभङ्गः स्यात् TantrSā.(K.) 33.1.

अजाणु (ajāṇu) *m.* eternal atom (अणोः) अनंशत्वेऽसंयोगात् कार्यासिद्धेर्नाजाणुसिद्धिः IṣṭaSi. 2.5.

अजाण्टी (ajāṇṭī) *f. Ronrea santaloides* अजाण्टी ऋक्षगन्धा स्यात् NighS'e. 2230. cf. **अजान्त्री.**

अजाण्ड (ajāṇḍa) *n.* universe, cosmos (*lit.* Creator's egg) तमो हि शारीरप्रपञ्चमाब्रह्मस्थावरान्तमनन्ताखिलाजाण्डभूतम् MaVākyaU. 585.15; (भीमेन प्रहतो बकासुरः) अजाण्डास्फोटनं कुर्वन्नाक्रोशच्छ्रा(? श्रा)ससंचयैः । भूमौ निपत्य लुलुठे MahāBhā. i. App. I. 93.33 (+4); BṛNāraP. 11.178; जगदिदमण्वाद्यजाण्डपर्यन्तम् KāmkaVi. 10; लोकातीतमजाण्डकोटिगमपि त्रैकालिकं यत्सुखं दुःखं च UjjvaNīMa. 472.5; 481.2.

अजाण्डिका (ajāṇḍikā) *f. Ronrea santaloides* ऋक्षगन्धा ··· वृषगन्धाप्यजाण्डिका KośaKaTa. 1.4111. cf. **अजान्त्री.**

अजात (á–jāta) *adj.* [*f.* –ā] **A i** not born, yet to be born (living beings) **ii** as good as not born, worthless **iii** not born, eternal **iv** (woman) who has no issue **B i** not created, not produced (abstract or inanimate) **ii** not fully prepared, not completely made, unfermented **C** not passed, not yet happened, future **A i** not born, yet to be born (living beings) नृ॒ङ्गातैर॒जातां॑ अ॒भि ये न॑न॒क्षुः ṚV. v. 15.2; दृं॒हं॑ प्र॒त्नां जनया॒जातां॑ जा॒तान्॑ वर्षीयसस्कृधि AV. vi. 136.2; AV. (P.) i. 67.2; अ॒ने॑ जा॒तान् प्र णु॑दा मे सप॒त्नान् प्रत्य॒जातान् ··· नुदस्व AV. vii. 34.1; vii. 35.1; AV. (P.) xx, 8.8; TaiS. IV. viii. 12.1; MaiS. ii. 8.7; iii. 2.10; KāṭhS. 17.6; KapiKaS. 26.5; VājaS. 15.1; 15.2; VājaS.(K.) xvi. 1.1; TaiĀ. ii. 5.2 (213.1); यस्यं पुत्रोऽजा॒तः स्यात् ते॑जस्व्ये॑वास्य ब्रह्मवर्च॒सी पुत्रो जा॑यते TaiS. I. v. 8.5 = I. vii. 6.5; य ए॒वं वि॒द्वान॑ग्निष्टोमेन॒ यज॑ते प्रा॒जाताः प्र॒जा ज॒नय॑ति TaiS. VII. i. 1.3; स योऽनुदिते जुहोति यथा कुमाराय वा वत्साय वाजाताय स्तनं प्रतिदध्यात्तादृक् तत् AitBr. 25.6 (665); तद्य एवं वेद परिजाताः प्रजा गृह्णाति प्र जाता (? प्राजाता) जनयति PañcBr. vi. 1.3; न वा अजातस्य गर्भस्य नाम कुर्वन्ति

KausīBr. 7.2 (29.9); TaiBr. I. vi. 2.7; याश्चैवास्य प्रजा जाता आसन् याश्चाजाता: S'atBr. II. v. 2.3; BaudhS'S. iii. 46.3; ĀpaS'S. iv. 16.3; VaikhāS'S. 7.13; LāṭyāS'S. ii. 11.4; हन्ति जातानजातांश्च द्रव्याणि प्रतिगृह्य VasiDS. 10.3; (हन्ति) सप्त जातानजातांश्च साक्षी साक्ष्यं मृषा वदन् BaudhDS. i. 10.34; हन्ति जातानजातांश्च हिरण्यार्थेऽनृतं वदन् MahāBhā. v. 35.27 = Rāmā. iv. 650*(1) = ManuSm. 8.99; जातं जातमवश्य(v. l. मजात)माशु विवशं मृत्यु: करोत्यात्मसात् S'atTrayī. 198; अजातमृतमूर्खेभ्यो मृताजातौ सुतौ वरम् S'atTrayī. 357; Pañcā. 1.11; PārśvC. 6.417; S'ārṅgaPa. 1483; SiṁhāDvā. 177.2 (Vidyasagar's Ed.); Hitopa. 0.13 (Vidyasagar's Ed.); Subhāṣi. 2728; अजातश्चास्मि तत्काले NāraSm. 28.5; Mitā. 133.9 (*on* 2.7); Aparā. 612.20 (*on* 2.7); S'ukraNī. 4(5).147; ये जाता येऽपि चाजाता: ···। वृत्तिं तेऽपि हि काङ्क्षन्ति LaHārīSm. 115; अजाता: पुत्रा: पितरं तापयन्ति NyāyBh. 248.2 (*on* iv. 1.16); NyāyVār. 458.10 (*on* iv. 1.16); HarṣaC. 320.2; BrahmSi. 52.17; AṣṭāSaṁ. i. 204.5 (2.2); अश्वतर्यामजाताप्यश्वतरी IṣṭaSi. 288.10; 90.10; S'ivDṛ. 6.41; BṛĀraUBhVā. i. 2.36; i. 2.64; iv. 3.597; न हि तस्यामजातायां नष्टायां वाखिलं जगत्। नास्तीति शक्यते वक्तुम् SaṁviSi. 87.7; PadmP. ii. 108.28; न स्थूलं न च वा सूक्ष्मं नाजातं जातमेव च YogVā. iii. 81.98; RāmāMañ. 224.19; नाजात एकोऽन्यं हन्ति NyāyMa. 18.1 = Nyāyāmṛ. 574B.7; Kiraṇā. 273.7; KathāSaSāg. x. 5.292; येऽपि श्रियं लेभिरे ··· ताल्लौँकोऽयमवैति लोकतिलकान् स्वप्नेऽप्यजातानिव RājTa.(Ka.) 1.47 = Subhāṣi. 188; VasaViKā. 5.40; अविद्धो विद्धवद्विष्णुरजातो जातवन्मृषा। ··· दर्शयति AnuVyā. 59B.8 (*on* 3.4); अस्यामजाता मम संततिश्चेत् शरद्यवश्यं भविता S'aṅkaDigVi.(Mā.) 2.42; अजाते चित्रलिखिते मृते च ···। क्षत्रेषु त्रिषु विश्वासश्चतुर्थो नोपलभ्यते PurāPraSaṁ. 92.4; **A ii** as good as not born, worthless अजा॑तो वा ए॒ष यो॑ऽलं॒ भू॒त्यै सन् भू॒तिं न प्रा॒प्नोति॑ TaiS. II. i. 5.4 (Sāy. अनुत्पन्नसम:); अ॑जातो वै ता॑वत् पु॑रुषो या॑वदग्निं ना॑धत्ते MaiS. i. 6.4; iii. 6.7; JaimiUBr. iii. 14.8; तस्याजातस्य···अभोजनीयं भवति GopBr. i. 3.19; अजात एवास्मि न यावदेनाम्। प्राप्नोमि PadmP.(Ra.) 19.121; ManuBh. i. 163.30 (*on* 2.169); अजातेनाथ जातेन तेन पुत्रेण को गुण:। भूर्नरैर्यस्य तातस्य···गृह्यते RauhiC. 90; **A iii** not born, eternal अजात इत्येवं कश्चिद्भीरु: प्रपद्यते S'vetāU. 4.21; BrahmViU. 86; EkāU. 2; SubāU. 3; (ब्रह्म) अद्भुतं चाप्यचिन्त्यं (v. l. °जातं) च MahāBhā. i. 1.29; VāyuP. i. 4.18; अजातं जायते यस्मादजाति: प्रकृतिस्तत: GauḍKā. 4.29; 4.6; 4.77; अजातस्य कुतो नाश: ViveCū. 464 = AdhyāU. 58; NyāyVār. 342.9 (*on* iii. 1.1); अजातस्य च नाशोक्तिर्नैव युक्त्यनुपातिनी TattvSaṁ. 372; 1825; 2872; सतोऽपि जातस्य नाश: नाजातस्य ब्रह्मण: IṣṭaSi. 151.22; 183.16; 309.20; अजातं सत् कथं पूर्वं बाधेत TātpaṬ.(Vā.) 93.15 (*on* i. 1.2); TattvCin. i. 532.14; LiṅgaP. i. 86.54; शक्त्या ह्यजातया ब्राह्म्या नियमोऽयं प्रकल्पित: YogVā. iii. 14.32; v. 33.23; YātrāPra. 1.84; **A iv** (woman) who has no issue (जातेर्बात् इत्यत्र) जातेरिति किम् ··· अजाता JaineVyā. 157.15 (*on* iii. 1.45); **B i** not created, not produced (abstract or inanimate) अजा॑ता आसन्नृतवोऽथो॑ धा॒ता···कं ते ज्येष्ठमुपा॑सत AV. xi. 8.5; AV.(P.) xvi. 85.5; TaiS. II. i. 2.3; S'atBr. XI. i. 6.1; अजाते दर्शनं नास्ति ···। जातोऽप्यजाततां याति विधात्रा यत्र नीयते HariVaṁ. 48.48; अजातानामनुत्पत्तौ जातानां विनिवृत्तये। रोगाणां यो विधिर्दृष्ट: सुखार्थी तं समाचरेत् CaraS. i. 28.34 (1941 Ed.); KātySm. 666; RatiRaha. 5.26; न ह्यजातानन्वयप्रध्वस्तयोरतिशय: क्वचित् SphoṭSi. 33.12; TātpaṬ.(Vā.) 214.20 (*on* i. 1.10); PrakaPañ. 274.22; मूलप्रमाणाभावेनाजाता येयं प्रमाणान्तरसंगति: NyāyRa. 68.10 (*on* 2.72); TarkSaṁ(Ā.) 132.19; DīpKa. 97.27 (*on* 3.252); शुकवामदेवादीनामजाता विद्यान्यस्य भविष्यतीति का प्रत्याशा SarvaDaKau. 138.12; AdvaiSi. 864.1; पाणिग्रहणमजातं जातं वा CampaS'reKa. 101; VaiyāBhū. 247.7 (*on* 65); तस्या: कोपशान्तिमजातामालोक्य···शिव एव बालो भूत्वा···क्रोधाग्निं पपौ LalitāSaBh. 214.33 (*on* 270); **B ii** not fully prepared, not completely made, unfermented अजातानि च मध्या(? द्या)नि (पिबेत्) BhelaS. 239.18 (7.9); पयो दधि च वातघ्नमजातं वातलं तु तत् AṣṭāSaṁ. i. 43.5 (1.7); सुरामजाताम् ··· पीतवतो व्यापदुद्भवति Hastyāyur. 177.15 (1.16); 96.18 (1.13); मधूलकोऽजातमद्ये S'ivaK. 135; **C** not passed, not yet happened, future जाताजाता ग्राहिका ग्राह्यभूता ··· जाता अतीतप्रत्युत्पन्ना। अजाता अनागता MaYānaSū. 50.8 (10.2); अतीताजातयोर्वापि न च [स्यादनृतार्थं]ता PramāVār. 1.209; 2.92; अतीताजातयोर्ज्ञानमन्यथाविषयं भवेत् TattvSaṁ. 1788; पर्यायमजातं भाविनम्···जानाति TātpaVṛ. 54.16 (*on* 1.41); Kāśi. i. 120.15 (*on* 2.114–115); ĀgaPrā. 3.9; 21.7.

अजात (ajāta) *m.* **i** name of a son of Hṛdika हृदीकस्याभवन् पुत्रा: ··· अजातो वनजातश्च कनीयककरम्भकौ। ··· असामञ्जा: सुतस्तस्य तमोऽजातस्य चात्मज:। अजातपुत्रा: ···सुदंष्ट्रश्च सुनाभश्च कृष्ण इति MatsyaP. 44.82; **ii** name of a Ṛṣi of Bhṛgu family (प्रवक्ष्यामि ··· भृगूद्वहान्) ऋषिभयश्चाजातश्च VisṇuDhaP. i. 111.29; **iii** name of a form of S'iva अजातोऽधिपति: प्रोक्तस्त्रयी निष्ठैकलिङ्गिनाम् MṛgendraT. iv. 1.112; ii. 3.18; iv. 1.121; ĪśānS'iPa. ii. 13.44; **iv** name of Jina नाभेयो नाभिजोऽजात: MahāP. 25.171; **v** short form of the name Ajātaśatru [DBHS.]; (Gr.) **i** not inclusive of the word *jāta* अनाच्छादनाज्जाते: पूर्वपदात् क्तादजातकृतमितप्रतिपन्नात् S'ākaṭāVyā. i. 3.24; **ii** word *ajāta* याव° ··· °जाताजातजान्वादिभ्य: कन् SaraKaṇṭhā.(Gr.) v. 4.14.

अजातक (ajāta-ka) *adj.* [*yāvādigaṇa* P. v. 4.29; JaineVyā. iv. 2.35; CāndraVyā. iv. 4.12; SaraKaṇṭhā.(Gr.) v. 4.14] unborn असन्तका धर्मे इमे प्रकाशिता अप्रादुभू(? र्भू)ताश्च अजात सर्वे (v. l. अजातकाश्च) SaddhaPuṇ. 168.24; अजातकोऽभवद्द्वेधा ब्रह्मणोऽव्यक्तजन्मन: MatsyaP. 154.355; *m.* name of a tree (ते···पश्यन्त: पादपान्) अजातकांस्तथाजीरान् MahāBhā. iii. 154.40.

अजातककुत्त्व (ajātakakut-tva) the state of non-appearance of the hump (वत्सस्य) अजातककुत्त्वेन बाल्यम्···गम्यते LaS'abdeS'e. ii. 119.1.

अजातककुद् (ajāta-kakud) *m.* young bull (which has not developed the hump) अवस्थायां ककुदस्यान्तस्य लोप: स्यात्। अजातककुद् वत्स: BhāṣāVṛ. *on* v. 4.146; ककुदस्यान्तलोप: स्यादवस्थायां द्योत्यायाम्। अजातककुत् PrakriKau. i. 614.3 (Prasā. अजातककुदिति। बालो वत्स उच्यते); SiddhāKau. 200A.18.

अजातकलापचिह्न (ajāta-kalāpacihna) *adj.* which has not developed the characteristic feature namely the plumage विज्ञायते शिशुरजातकलापचिह्न: प्रत्युत्पदै: परिसरन् सरस: कलापी Pañcā. 141.11.

अजातकल्प (a-jātakalpa) *adj.* who has not known the rules of conduct [JainL.]

[1]**अजातकाण्ड** (ajātakāṇḍa) *adj.* having no testicles एकाण्डोऽजातकाण्डश्च हीनाण्डोऽभ्यधिकाण्डक:। घण्टी च कम्बली चैव षडेते (अश्वा:) पापकृत्तमा: YuktiKa. 188.11.

[2]**अजातकाण्ड** (ajāta-kāṇḍa) *adj.* which has no (fully grown) stalk अजातकाण्डं तरुणं पत्रलं शस्यमुच्यते Hastyāyur. 621.12 (4.8)

अजातकूर्च (ajāta-kūrca) *adj.* without the growth of a beard वृथा ववल्ग। नवीनतारुण्यनिवेदनार्थमजातकूर्चेन मुखेन कश्चित् VikraDeC. 9.83.

अजातकृच्छ्र (ajāta-kṛcchra) *adj.* having no compunction, without qualms पुत्रप्रीत्याजातकृच्छ्र: कुमारम्। धर्मात्मानं प्रेषयामास विश्वामित्रप्रीत्यै सानुजं भूमिपाल: RāghPāṇ.(Ka.) 1.77 (comm. 'अजातकृच्छ्र:' इत्यकारप्रश्लेषाद्वा। तत्र पुत्राणां दुर्योधनादीनां प्रेम्णाजातकष्टो हृष्टहृदयो न तु सकष्ट एवेति भाव:)

अजातकेसर (ajāta-kesara) *adj.* on which mane has not (yet) grown अजातकेसरै: केसरिशिशुभि: सहोपजातपरिचय: ··· आपिबति कुरङ्गशावक: सिंहीस्तनम् Kād. 45.12.

अजातक्र (ajā-takra) *n.* butter-milk from goat's milk अथासौ षष्ठभक्तान्ते भ्रमन् गोचरचर्यया। चीनकूरमजातक्रसहितं लब्धवान् मुनि: PārśvC. 6.1215; एकदा चीनककूरमजातक्रं लब्धवान् KathāK. 26.12.

अजातखेद (ajāta-kheda) *adj.* not grief-stricken, not despondent अनीकिनीमाश्रितदीर्घनिद्रां बाणो निकृत्तामपि बाहुपङ्क्तिम्। अजातखेदो बुबुधे न नूनम् (comm. अजातव्यथ:) Yādavā. 20.75.

अजातगर्वा (ajāta-garvā) *adj.* (*f.*) who has not become proud राधाभिधां तावदजातगर्वामतिप्रियां गोपवधूं मुरारे। भवानुपादाय गतो विदूरम् Nāräy. x. 67.3.

अजातगात्रक्षय (ajāta-gātrakṣaya) *adj.* by which no emaciation of the body is caused गुरूपदेश: ···। अमेचकं नूतनमञ्जनं सतामजातगात्रक्षयमद्भुतं तप: MadhuVi. 3.22.

अजातगुण (ajāta-guṇa) *adj.* in whom no improvement has appeared (i. e. who has not recovered from an affliction) अनेकमणिमन्त्रौषधिप्रमुखप्रतीकारैरजातगुणं पुत्रं प्रेक्ष्य SiṁhāDvā. 43.2(12)

अजातचिन्तिता (ajāta-cintitā) *adj.* (*f.*) whose wish or desire has not been fulfilled अजातचिन्तिता नूनमेषात्मानं जिघांसति PadmP.(Ra.) 36.31.

अजातचैतन्या (ajāta-caitanyā) *adj.* (*f.*) devoid or bereft of sentience पातितश्च कोपितेन कोऽपि तेन मयि शाप:। पापे भजस्व लोहजातिमजातचैतन्या सतीति DaśKuC. 37.12.

अजातजगत्त्रयप्रतिमल्ल (ajāta-jagattrayapratimalla) *adj.* against whom challenging wrestler has not been born in the three worlds अहो द्विजवंशपांसन, किमेतत्कदाचिदपि तव स्वामी नाश्रौषीत् यथाजातजगत्त्रयप्रतिमल्लश्चतुरङ्गमल्ल: YaśasCam. i. 563.2.

अजातजागर (ajāta-jāgara) *adj.* who has not awakened (from sleep) अङ्गदेन विज्ञापितोऽप्यनङ्गसंगरसंगतपरिश्रमादजातजागरः सुग्रीवः RāmāCam. 4. 34(2)

अजातजाड्य (ajāta-jāḍya) *adj.* which has not become dull or inactive अजातजाड्यो जगति जिनशयो जम्भजित्पूजितौजा अज्यायो जन्मबीजं जयतु JinaS'. 2. 9.

अजाततल (ajāta-tāla) *adj.* not following measure or beat of time विस्वरमजाततालं वर्णस्वरसंपदा च परिहीणम् । अज्ञातस्थानलयं स्वरगतमेवंविधं हन्यात् NāṭyaS'ā. 27. 29.

अजाततृणपल्लव (ajāta-tṛṇapallava) *adj.* where (even) grass and tender leaves have not grown अदृष्टजनसंसर्गमजाततृणपल्लवम् । अरण्यमिदमासाद्य मतिर्मे खेदमागता YogVā. iii. 106. 12.

अजाततृप्ति (ajāta-tṛpti) *adj.* not contented, not satisfied मधुमदवीतव्रीडा यथा यथा लपति संमुखं बाला । तन्मुखमजाततृप्तिस्तथा तथा वल्लभः पिबति ĀryāSaS'. 425; तस्य चाभूज्जनयिता समुद्रो नाम विश्रुतः । अजाततृप्तिर्वित्तेषु समुद्र इव वारिषु PariPar. 2. 316.

अजाततोय (ajāta-toya) *adj.* wherein no water is accumulated(?) अजाततोये जठरे पूतनो मध्यदारयेत्(?) BhelaS. 168. 27 (6. 15)

अजातत्व (ajāta-tva) *n.* **i** the state of being unborn or not produced or not come into being आदित्वाच्चादिदेवोऽसावजातत्वादजः स्मृतः VāyuP. i. 5. 37; (हिरण्यगर्भः) आद्यो हि स्वयशश्चैव अजातत्वादजः स्मृतः BrahmāṇḍP. i. 4. 29; KūrmaP. 48. 3 (1. 4); LiṅgaP. i. 70. 100; आदित्वस्यादिदेवत्वादजातत्वादजः स्मृतः BhaviP. 130B. 3 (i. 77. 2); S'ivaP. vii. 10. 30 (512B. 8); अतो जातमिदं विश्वमजातत्वादनाशि च YogVā. iii. 20. 40; पूर्वं परमजातत्वादबाधितैव जायते TantrVā. 878. 18 (*on* iii. 3. 14); पुरुषप्रयत्नानन्तरं हि श्रवणं शब्दस्य द्वेधावकल्पते प्रागजातत्वादनुपलब्धः प्रयत्नेन जनित उपलभ्यतामापद्यते PrakaPañ. 351. 6; न नास्त्यजातत्वादित्येके नास्त्यात्मा अजातत्वात् शशविषाणवदिति NyāyVār. 339. 6 (*on* iii. 1. 1); तस्य (ज्ञातत्वस्य) च ज्ञानात्पूर्वमजातत्वात् ज्ञाने जाते च जातत्वात् ··· ज्ञानेन जन्यत इत्यवधार्यते TarkBhā.(Ke.) 54. 8; अजातत्वे घटाद्यपि किं न तथा स्यात् KhaṇḍanKhā. 1221. 22; प्रथमज्ञाने हि शुद्ध एवार्थो ज्ञायते न ज्ञातताविशिष्टः । तदानीं तस्या अजातत्वात् NyāySu.(Ja.) 497A. 4 (*on* iii. 2. 1); कथं पुनर्निस्सङ्गं ब्रह्मेत्यवगच्छामः अजातत्वात् ब्रह्मणः BālaKrī. ii. 32. 16 (*on* 3. 68); ननु चात्मासत्त्वे परैः प्रमाणान्यजातत्वादीन्युपन्यस्तानि TātpaṬ.(Vā.) 497. 7 (*on* iii. 1. 1); **ii** not having happened, not being performed सप्तपदीकरणस्याजातत्वाद्भार्यात्वानिष्पत्तेः पुनर्दानाशङ्कायामिदं वचनम् ManvaMu. 376. 16 (*on* 9. 71); स्वपितुर्देयकद्रव्यस्यागरूपस्य तच्छाद्धस्याजातत्वात् VīraMi. (Āhnika.) 397. 20.

अजातदधि (ajāta-dadhi) *adj.* which has not turned into curds दधिमण्डो मस्त्वजातदधि मन्दम् BhojanKu. 147. 6.

अजातदन्त (ajāta-danta) *adj.* [*f.* –ā] who has not (yet) cut teeth शिशोरजातदन्तस्य मातुरुत्सङ्गसर्पिणः । सौचिको वेधयेत्कर्णे सूच्या द्विगुणसूत्रया BṛhaspaSm. 244. 87; ParāSm. 3. 14; अजातदन्ता ये बाला: ये च गर्भाद्विनिर्गताः । न तेषामग्निसंस्कारो नाशौचं नोदकक्रिया BṛParāSm. 8. 45; VāyuP. ii. 48. 36; (बाले देशान्तरस्थे च) बालेऽजातदन्ते मृते ManvaMu. 210. 5 (*on* 5. 78); अजातदन्ता ये केचित् ये च गर्भे प्रपीडिताः SkandP. iv. 28. 11; सुतोऽस्याजातदन्तश्च मृतः कालवशात् BrahmP. 59. 9; अजातदन्ता या तु स्याद्गर्भदन्तसमन्विता । ··· वत्सिकेति निगद्यते BṛParāSm. 10. 303; कालेऽप्यजातदन्तश्च स्वल्पाङ्गश्चापि मत्कुणौ । पञ्चवर्षो गजो बालः स्यात्पोतो दशवर्षकः AbhidhāCin. 1219. (अनुजातः) जातदन्तादनु पश्चाज्जातोऽनुजातोऽजातदन्त इत्यर्थः HārLa. 1. 11; दशमासपर्यन्तमजातदन्तस्य चूडाकरणादूर्ध्वं दन्तजननात्पूर्वं मरणं तस्याशौचेऽनध्यवसायः स्यात् HārLa. 37. 8; बालाः कृतनामकरणा अजातदन्तास्तेषु च मृतेष्वह्नैव विशोधनम् Aparā. 909. 12 (*on* 3. 23); 910. 21 (*on* 3. 23); ManvaVi. 622. 23 (*on* 5. 58); 'अदन्तजाते' दन्तजननयोग्यसमयेऽप्यजातदन्ते VīraMi. 780. 12 (*on* 3. 18); BālamBha. iii. 1. 18 (*on* 3. 1–2)

अजातदन्तत्व (ajātadanta-tva) *n.* the state of not having cut the teeth अजातदन्तत्वात् सद्यःशौचम् कृतचूडत्वाच्चिरात्रमित्यन्यतरनिर्द्धारणे हेत्वभावः HārLa. 37. 10.

अजातदन्तबाल (ajātadanta-bāla) *m.* child who has not cut teeth अजातदन्तबाले तु सद्यःशौचं विधीयते S'aṅkhaSm. 15. 4.

अजातदन्तमरण (ajātadanta-maraṇa) *n.* death of one who has not yet cut teeth अजातदन्तमरणे निर्गुणानां सोदरादिसपिण्डानामेकरात्रम् (अशौचम्) HārLa. 39. 17.

अजातदीना (ajāta-dīnā) *adv.* (*f.*) unaffected, not become poor or weak अजातदीनां द्रुपदोद्भवायाः कालस्य दीप्तामिव खड्गरेखाम् । विपक्षसंहारमहाभुजङ्गीं वेणीं प्रियैः संशमयांबभूव Yādavā. 23. 56; (comm. चिरसंस्कारविरहेऽप्यजातक्षयाम्)

अजातदुःख (a-jātaduḥkha) *adj.* not grieved, not afflicted हरिवाहनः ···पीडितोऽपि तच्चित्तदुःखेन स्वस्थ इवाजातदुःख इव मध्यस्थ इव पटुपदप्रचारया वाचा तमुच्चैरवोचत् TilaMañ. 420. 18.

अजातनन्दना (ajāta-nandanā) *adj.* childless, without a son अजातनन्दना कालं निर्गमिष्यामि किं सखि । न पुत्रो न पतिश्चापि केवलं जन्म हार्यते MalliC. 7. 855.

[1]**अजातनय** (ajāta-naya) *adj.* not prudent, not wise अजातनयश्छाग इव नाभिनन्द्यते जनेन NalaCam. 4. 16 (29)

[2]**अजातनय** (ajā-tanaya) *m.* young one of a she-goat, NalaCam. 4. 16 (29)

अजातनष्टता (ajātanaṣṭa-tā) *f.* the state of (being) unborn and (being) destroyed तथा सतः । अजातनष्टता केन AbhidhK. 5. 27 (comm. तेनैव स्वभावेन सतो धर्मस्य कथमिदं सिध्यत्यजात इति यो विनष्ट इति वेति)

अजातनिजसंगमन (ajāta-nijasaṅgamana) *adj.* with whom personal union did not take place (काचित्) तूष्णीमजातनिजसंगमने वृषाङ्के वक्तव्यहानिपरिदूयमना बभूव BhikṣāKā. 34. 5.

अजातनिद्रा (ajāta-nidrā) *adj.* (*f.*) without sleep, sleepless अशेत सा काममजातनिद्रा Yādavā. 2. 19.

अजातनिर्वेद (ajāta-nirveda) *adj.* without developing disgust पुमानजातनिर्वेदो देहबन्धं जिहासितुम् । न हि शक्नोति SarvaVeSāSaṁ. 92; तत्राप्यजातनिर्वेदो म्रियमाणः (आस्ते) BhāgP. iii. 30. 14; मेदपल्याम्···विचित्रपापकर्मनिर्माणकर्मठतायामजातनिर्वेदा मेदाः प्रतिवसन्ति स्म TīrthaKa. 57. 22.

अजातनिष्पत्ति (ajāta-niṣpatti) *adj.* which has not reached the perfection (of a pearl), which has not developed into (a pearl) तस्मिन्सुवंशे कविमौक्तिकानामुत्पत्तिभूमौ कचिदेकदेशे । कश्चित्कविः सोढ्ल इत्यजातनिष्पत्तिरासीज्जलबिन्दुरेव UdaySuKa. 154. 21.

अजातन्याय (ajāta-nyāya) *m.* one whose law-suit is not made clear (in the presence of the fire) स्वपूरुषः । ··· अनग्नकौ रक्षेदर्थिप्रत्यर्थिनौ सदा । अनग्नकावजातन्यायौ RājNīRa. 19. 9.

अजातपक्ष (ajāta-pakṣa) *adj.* [*f.* –ā] **1** who has no ally or partisan (न ह्युपायेन ते शक्याः पाण्डवाः ···विग्रहीतुम्) इहैव वर्तमानास्ते··· । अजातपक्षाः शिशवः शकिता नैव बाधितुम् MahāBhā. i. 194. 3; **2** unfledged अशक्तिमत्त्वाच्च (v. l. अजातपक्षाश्च) सुता न शक्ताः सरणे मम MahāBhā. i. 221. 5; (स ददर्श ··· रामेक्षणीं ताम्) सुजातपक्ष्माभिरक्त(v. l. अजातपक्षामभिजात)कण्ठीं वने प्रवृत्तामिव नीलकण्ठीम् Rāmā. v. 4. 22; अजातपक्षद्विजपोतसंकुला द्विजालयाः शाल्मलिपादपाश्रयाः JātaMā. 75. 17 (11. 11); 25. 13 (5. 20); अजातपक्षा इव मातरं खगाः ··· मनोऽरविन्दाक्ष दिदृक्षते त्वाम् BhāgP. vi. 11. 26; vii. 2. 55; (कृष्णसर्पः) बकबालकान्यजातपक्षाण्येव सदैव भक्षयन् कालं नयति Pañcā. 111. 19; मुखकृतकवलैर्विवृद्धदेहौ···चटकशिशू इव यावजातपक्षौ । ··· तौ···दृशोः पथं व्यतीतौ PrabhāC. 70. 3.

अजातपक्षक (ajātapakṣa-ka) *adj.* unfledged अजातपक्षकाः शावा अलेजम्व इति स्मृताः Mānaso. iv. 13. 1337.

अजातपक्षता (ajātapakṣa-tā) *f.* the state of being unfledged अजातपक्षतया···मुखेन पततः···संसर्पतो मम समभून्मनसि Kād. 35. 6.

अजातपतिसमागमा (ajāta-patisamāgamā) *adj.* (*f.*) who has not met her husband प्रियङ्गुसुन्दरी त्वजातपतिसमागमाप्यनुत्पन्नविद्वेषा सर्वविद्वचसि किंचिदुत्पन्नारतिरतिभागिनी भविष्यति भवान्तरे TilaMañ. 410. 11.

अजातपरिखेदकण (ajāta-parikhedakaṇa) *adj.* not having even a bit of trouble सुपथाशु तेन नलशिल्पभुवा । अजयन्नजातपरिखेदकणाः कपयः कूपीटनिधिमेकपदे RāmC. 26. 63.

अजातपरितोष (ajāta-paritoṣa) *adj.* [*f.* –ā] not satisfied, without satisfaction तथापि कृपणार्थिजनचेतोवृत्तिवदजातपरितोषा प्रार्थये किंचित् TilaMañ. 317. 23; तथा तथोपजनितैः पुरा मे मानसैः शारीरैश्च दुःखनिवहैरजातपरितोषो विधिरेष विजृम्भते TilaMañ. 337. 19.

अजातपर्याय (ajāta-paryāya) *m.* unborn (i. e. future) modification अजातपर्यायो भाविपर्यायः TattvPradī.(A.) 52. 13 (*on* 1. 39)

अजातपर्वन् (ajāta-parvan) *adj.* having undeveloped joints अजातपर्व तरुणं शुचि चोपहरेत्तृणम् Hastyāyur. 446. 9 (4. 1)

अजातपाक (ajāta-pāka) *adj.* not fully developed, immature, not ripened अजातपाकस्य नवातपाधिकां पुनः पुनस्तस्य विलोक्य शोणताम् । नवप्रवालोपममेणचक्षुषः स्मरन् स बिम्बोष्ठमवाप शून्यताम् NavaSāC. 13. 23.

अजातपाणिग्रहणा (ajāta-pāṇigrahaṇā) *adj.* (*f.*) not yet married

तस्यैव वा यास्यसि किं न हस्तं दृष्टं मनः केन विधेः प्रविश्य । अजातपाणिग्रहणासि तावद्रूपस्वरूपातिशयाश्रयश्च NaiṣC. 3.47.

अजातपुंस्पर्शरति (ajāta–puṁsparśarati) *adj.* (*f.*) who has not experienced the pleasure of the touch of a male अयोनिजा तु या कन्या ह्यविकांशसमुद्भवा । अजातपुंस्पर्शरतिरविकंपप्रराक्रमा S'ivaP. vii. 24.26 (529A. 14)

[1]**अजातपुत्र** (ajāta–putra) *adj.* [*f.* –ā] having no son अथाजातपुत्रस्य आप्यायस्व समेतु ते, सं ते पयांसि समुयन्तु वाजाः यमादित्या अंशुमाप्यायन्तीत्येतास्तिस्र ऋचो जपित्वा इति S'āṅkhāĀ. 4.8 (15.24); (नाम व्याहरति) आत्मनोऽजातपुत्रः S'āṅkhāS'S. ii. 12.11; अजातपुत्राय सुतान्प्रददावसमौजसे HariVaṁ. 28.8 = BrahmP. 16.8; BrahmāṇḍP. ii. 71.143; अयं त्वत्र संप्रदायः ऋतावजातपुत्रः सकृदगच्छन् प्रत्यवैति BālaKrī. i. 82.20 (*on* 1.79); तस्मादजातपुत्रेव मातः ··· गमयेर्दिवसानिति BṛKathāS'loSaṁ. 18.171; अजातपुत्रस्य सूनुरनाप्तकामिनीसंभोगस्य रतिसुखम् ··· इत्यादिभिश्चतुर्वर्गफलो निबन्ध इति तया प्रबन्धश्रिया···निर्वृतिमवाप UdaySuKa. 157.14; तेनाजातपुत्रस्यैवायमृतुगमननियम इति सिद्धम् SmṛtiCan. i. 43.8; अपुत्रा मृतपुत्रा अजातपुत्रा वा ManvaVi. 889.5 (*on* 8.28); त्वमेवैको जातपुत्रेषु (v. l. अजात°) राजन्वशं गन्ता सर्वलोके नरेन्द्र (Sarvajñanārāyaṇa *on*) MahāBhā. v. 32.28; धिङ् ममाजातपुत्रस्य पुत्रजन्मन्यपि स्फुटम् । नोत्सवो भविता PārśvC. 3.355; ManvaMu. 95.10 (*on* 3.45); अपुत्रोऽजातपुत्रो मृतपुत्रो वा VīraMi.(Saṁskāra.) 206.1; अजातपुत्रस्यापि हरिश्चन्द्रादेः पुत्रार्थयागोपाख्यानेन आहितास्तित्वदर्शनात् MīmāKau. i. 19.11 (*on* i. 3.3); अजातपुत्रस्य दुरन्तचिन्ता Vidvanmo. 7.35; योऽलं प्रजायै सन्प्रजां न विन्देत ऐन्द्राग्नमेकादशकपालं निर्वपेदित्यादिनाजातपुत्रस्याप्यधिकारदर्शनाच्च (अग्न्याधाने) BālamBha. i. 251.22 (*on* 1.89)

[2]**अजातपुत्र** (ajāta–putra) *m.* son of Ajāta हृदीकस्याभवन्पुत्रा दश ··· अजातो वनजातश्च ··· अजातपुत्रा विक्रान्तास्त्रयः परमकीर्तयः । सुदंष्ट्रश्च सुनाभश्च कृष्ण इत्यन्धका स्मृताः MatsyaP. 44.84.

अजातपुत्रकल्प (ajātaputra–kalpa) *m.* ritualistic procedure to be followed by one who has no son व्याख्यातो जातपुत्रकल्पश्चाजातपुत्रकल्पश्च BhārS'S. vi. 3.6.

अजातपुत्रक्रीडनक (ajātaputra–krīḍanaka) *n.* toy for a son who is yet to be born अङ्गसम्बन्धात्तु प्राग्विषयाभावेनाप्रतिपन्ने नियोगे सर्वमिदमजातपुत्रक्रीडनकमापद्यते NyāyRaMā. 111.20.

अजातपुत्रत्व (ajātaputra–tva) *n.* the state of one who has no son तत्रापुत्रत्वं मृतपुत्रत्वमजातपुत्रत्वं वा BālamBha. ii. 237.16 (*on* 2.135–36)

अजातपुत्रनामकरण (ajātaputra–nāmakaraṇa) *n.* naming an unborn son अनुपात्तनिमित्तेषु गम्यस्य निमित्तस्य गुणक्रियारूपत्वेन भेदगणनमजातपुत्रनामकरणकल्पं न चारुत्वावहम् CitraMī. 84.21.

अजातपुत्रपक्षा (ajāta–putrapakṣā) *adj.* (*f.*) whose young ones are not fledged अन्तिकामग्निमजनयद्दुर्वारः शिशुरागमत् । अजातपुत्रपक्षाया हृदयं मम दूयते ṚV.(Khila.) iv. 7(2).2.

अजातपुत्रभाण्डा (ajāta–putrabhāṇḍā) *adj.* (*f.*) having no child अजातपुत्रभाण्डा च विषण्णास्मि ततो दृढम् SamarāSaṁ. 8.403.

अजातपुरुषसंनिधि (ajāta–puruṣasannidhi) *adj.* (*f.*) who has never met a male person सर्वकालमन्तःपुरगतायाः स्वप्नेऽप्यजातपुरुषसंनिधि(? धे)-रधुनैव दृष्टः कथं महानर्थहेतुरस्या भवान् TilaMañ. 315.21.

अजातपुलकोद्गति (ajāta–pulakodgati) *adj.* (*f.*) on which horripilation has not appeared केन हेतुना नूतनैरपि सुहृज्जनसूक्तैरजातपुलकोद्गतिरुभयपाणिपर्यङ्कशरणा धार्यते कपोलद्वयी TilaMañ. 113.13.

अजातपूर्वा (ajāta–pūrvā) *adj.* (*f.*) never born before (i. e. strange) अजातपूर्वयमहो सुजङ्घी Subhāṣi. 1459.

अजातप्रतिचार (ajāta–praticāra) *adj.* to whom no medical treatment has been given अजातप्रतिचारोऽसौ बबाधे व्याधिनाधिकम् TriṣaS'aPuC. i. 6.36.

अजातप्रतिपत्ति (ajāta–pratipatti) *adj.* in whom knowledge has not arisen परस्मिन्नजातप्रतिपत्तौ प्रतिपादितत्वानुपपत्तेः KhaṇḍanKhā. 972.13.

अजातप्रीति (ajāta–prīti) *adj.* not satisfied with, who is not happy इत्थं दुःखत्रयार्तास्ते ··· अजातप्रीतयो वृक्षैः कुट्टिमानि गृहाणि ··· । व्यधुः SamarāSū. 6.35.

अजातप्रेयसीपाणिग्रह (ajāta–preyasīpāṇigraha) *adj.* whose marriage with his beloved has not taken place, who has not married his beloved अजातप्रेयसीपाणिग्रहो महद्दुःखमनुभविष्यति महात्मा TilaMañ. 111.20.

अजातप्रोषित (ajāta–proṣita) *adj.* exiled even before birth पश्य ··· एतावपि···अजातप्रोषितौ च KundaMā. 5.14 (84)

अजातबला (ajāta–balā) *adj.* (*f.*) who has not regained (her) strength स हि महादेवीं मलयवतीमचिरप्रतिविहितमान्द्यामजातबलामपि ··· शिरसि कर्तर्या···जघान JayaMa. 154.10 (*on* 2.7)

अजातबाध (ajāta–bādha) *adj.* **i** (a person) having no sublating cognition एवं परीक्षकज्ञानत्रितयं नातिवर्तते । ततश्चाजातबाधेन नाशङ्क्यं बाधकं पुनः TattvSaṁ. 2871; **ii** (an erroneous cognition) sublation of which has not arisen नापि द्वितीयः अजातबाधभ्रमव्यापनात् KhaṇḍanKhā. 432.2; **iii** for which no harm has occurred पुष्णाति शत्रुमपि दीप्तमुदारभावादेष श्रितं शिखिनमद्रिरजातबाधः (समुद्रः) RāmC. 25.56.

अजातबाधभ्रम (ajātabādha–bhrama) *m.* erroneous cognition which is not sublated नापि द्वितीयः अजातबाधभ्रमव्यापनात् KhaṇḍanKha. 432.2.

अजातबोधका (ajāta–bodhakā) *adj.* (*f.*) who had no instructor (until then) अजातबोधका चैकं तदा दो(? बो)धकमब्रुवम् PrabhāC. 94.9.

अजातभय (ajāta–bhaya) *adj.* without fear, fearless को गत्वा यमसदनं स्वयमन्तकम् आदिशति अजातभयः Pañcā. 84.10.

अजातभित्ति (ajāta–bhitti) *f.* non-existing (unbuilt) wall करोति कश्चित्रमजातभित्तिषु VikraDeC. 13.74.

अजातमद (ajāta–mada) *adj.* **i** which is not in rut अस्ति ··· अजातमदेनापि सुप्रतीकेन···अनुगतम्··· कुसुमपुरं नाम नगरम् VāsaDa. 112.2; **ii** who is not arrogant, VāsaDa. 112.2.

अजातमरणा (ajāta–maraṇā) *adj.* (*f.*) who was not dead तथाविधेऽप्युपद्रवे दैवादजातमरणां पुनर्जातेति माममन्यत (मत्पिता) TilaMañ. 329.1.

अजातमिथ्याशङ्क (ajāta–mithyāśaṅka) *adj.* who has no doubt about the falsity (of something), who did not doubt (something) as being false अजातमिथ्याशङ्कश्च न संवादमपेक्षते NyāyMañ. i. 166.18.

अजातमुख (ajāta–mukha) *n.* face of S'iva (called Sadyojāta) विदितमविदितं च यत्किलासीत्प्रथममजातमुखाद्गृहीतमैशात् S'ivLī. 7.26.

अजातमुष्क (ajāta–muṣka) *adj.* which has no testicles अजातमुष्कश्च यस्तथा···वर्जनीयस्तुरङ्गमः AgniP. 288.2.

अजातम्लानि (ajāta–mlāni) *adj.* which has not withered नाकनायकपुरप्रमदाभिः । चिक्षिपे कुसुममजातम्लानि बाष्पजलसीकरसेकात् Surath. 11.56.

अजातरजस् (ajāta–rajas) *adj.* **i** (girl) who has not attained puberty, who has not menstruated अजातरजसां स्त्रीणां क्रियते यदि मैथुनम् HārīS. iii. 48.5; मुग्धामजातरजसं कलिकामकाले बालां कदर्थयसि किं नवमालिकायाः S'ṛṅgāPra. 233.8; SaduktiKa. 245.10; S'ārṅgaPa. 823; Subhāṣi. 735; Kuval. 67. (19); गौर्यजातरजाः कन्या AnekāK. 678; अतिप्रसवाम् उचितकालेऽप्यजातरजसम् Vīra Mi. 136.17 (*on* 1.73); **ii** (bud) in which the pollen dust has not yet appeared, S'ṛṅgāPra. 233.8; SaduktiKa. 245.10; S'ārṅgaPa. 823; Subhāṣi. 735; Kuval. 67 (19)

अजातरति (ajāta–rati) *adj.* who had no sexual union भावप्रबोधार्थमजातरत्योश्चतुर्विधोक्ता परिरम्भलीला RatiRaha. 6.4.

अजातरतिसंभोगा (ajāta–ratisambhogā) *adj.* (*f.*) who had not the enjoyment of sexual union अजातरतिसंभोगा निभृता लज्जयान्विताः । कुमार्यः कुलजाः स्मृताः BhāvPra.(S'ā.) 292.7 (10)

अजातरदहस्तिन् (ajātarada–hastin) *m.* elephant which has not developed tusks मक्कणस्तु पुमान् कालेऽप्यजातरदहस्तिनि NānārthāSaṁ. ii. 166.1356.

अजातराग (ajāta–rāga) *adj.* without love अखर्वदोर्वेणिकया कयाचित् । निरीक्ष्य राजानमजातरागमतर्ज्यतेवातिरुषा मनोभूः VikraDeC. 12.20.

अजातराज्यलाभ (ajāta–rājyalābha) *adj.* who has not obtained kingdom केनापि हेतुनाजातराज्यलाभेऽपि ज्येष्ठे तत्पुत्रस्य भवत्येव राज्याधिकारः BālamBha. i. 615.24 (*on* 1.309)

अजातरिपु (ajāta–ripu) *m.* **i** name of Yudhiṣṭhira (*lit.* without an enemy) अजातरिपुरात्मानं चकाराक्षपणः पणम् PāṇḍaC. 6.937; 4.270; **ii** name of a king (father of Darbhaka) वेदमिश्रस्ततोऽभवत् । दशहीनं कृतं राज्यं ततोऽजातरिपुः सुतः BhaviP. 424A.22 (iii(1). 6.29)

अजातरोम (ajāta–roma) *adj.* [*f.* –ā] hairless द्वौ चास्य पिण्डावधरेण कण्ठमजातरोमौ सुमनोहरौ च (विभ्राजेते) MahāBhā. iii. 112.3; अजातरोमामतिसुन्दराङ्गीम् ··· राजकन्याम् । मुक्त्वा द्रुतं क्वापि गतो न चेत् स्याः स्यात्ते तदानर्थनिपात एव PadyaVe. 427.

अजातलज्ज (ajāta–lajja) *adj.* not ashamed, shameless धिक् तं विधेः पाणिमजातलज्जं निर्माति यः पर्वणि पूर्णमिन्दुम् NaiṣC. 3.32; ते चेन्द्रियार्थेष्वतिलोलुपत्वादजातलज्जा विषयेष्वतृप्ताः । भ्रमन्ति Vidvanmo. 7.15.

अजातलाञ्छन (ajāta–lāñchana) *adj.* **1** having no dark spot (on the body) अजातलाञ्छनस्यास्य कथमस्तु समः शशी VasaViKā. 4.12; **2**

blameless, sinless (i. e. pious, virtuous) VasaViKā. 4. 12.

अजातलोमी (ajāta-lomī) *adj.* (*f.*) with undeveloped hair (i. e. who has not reached the age of puberty) नाजातलोम्न्योपहासमिच्छेत् Drāhy-GS. iii. 1. 32 (comm. मैथुनप्रसक्तौ अजातलोम्न्या असमर्थया)

अजातलोम्नी (ajāta-lomnī) *adj.* (*f.*) [Debru. p. 390] with undeveloped hair (i. e. who has not attained the age of puberty) स्नातस्य यमान् वक्ष्यामः ··· अजातलोम्नीं विपुंसीं षण्ढं च नोपहसेत् PāraGS. ii. 7. 9; नाजातलोम्न्योपहासमिच्छेत् GobhiGS. iii. 5. 3 (comm. यस्या यौवनोद्भेदव्यञ्जिका नाभिमण्डलपार्श्ववर्तिनी श्यामा रोमराजिरल्पापि न जाता); JaimiGS. 1. 19 (18. 4); त्यजेत्समानप्रवरां सगोत्रां मातुः सपिण्डामचिकित्स्यरोगाम्। अजातलोम्नीम् ···सुताम् SkandP. iii(2). 21. 6.

अजातवत्सा (ajāta-vatsā) *adj.* (*f.*) (cow) which has not given birth to a calf, barren cow अजातवत्सां यदि गां दुहीत Saund. 16. 50.

अजातविक्लव (ajāta-viklava) *adj.* free from fear or despondency ख आपतत्तद्विचलद्ग्रहोल्कवन् निरीक्ष्य दुष्प्रेक्ष्यमजातविक्लवः। वज्रेण वज्री शतपर्वणाच्छिनद्भुजम् BhāgP. vi. 12. 3.

अजातविच्छेदलव (ajāta-vicchedalava) *adj.* not having the slightest break (i. e. continuous, without break) अजातविच्छेदलवैः सरोद्भवैरगस्त्यभासा दिशि निर्मलत्विषि। धुतावधिं कालममृत्युशङ्किता निमेषवत्तेन नयस्व केलिभिः NaisC. 9. 57.

अजातविद्विष् (ajāta-vidviṣ) *adj.* having no enemy (i. e. friendly to all) सजीवितग्रहणविधौ कृतोद्यमः क्षमापतेः प्रसभमजातविद्विषः। ··· स (रावणः) मण्डलैः परमण्डलमभ्यवर्तत RāghPāṇ.(Ka.) 8. 54 (comm. न जातो विद्विट् शत्रुर्यस्य सोऽजातशत्रुः); *m.* name of Yudhiṣṭhira, RāghPāṇ.(Ka.) 8. 54.

अजातविपुलाशया (ajāta-vipulāśayā) *adj.* (*f.*) **i** not endowed with or not possessed of a broad mind मायाप्रपञ्चबहुला बहुला नाम तस्य च। अर्थमातेव माताभूदजातविपुलाशया PariPar. 2. 317; **ii** not having a huge property, PariPar. 2. 317.

अजातविवेक (ajāta-viveka) *adj.* having no power of discrimination कदाचिदेव तद्रूपं स्फटिकमजातविवेकैर्गृह्यते न सर्वदा NyāyRa. 178. 21 (*on* 4. 143)

अजातविश्रम्भ (ajāta-viśrambha) *adj.* lacking in confidence असंगताप्यजातविश्रम्भत्वात्कन्यैव JayaMa. 107. 1 (*on* 2. 3)

अजातविश्वास (ajāta-viśvāsa) *adj.* lacking in faith or trust अवगते हि क्वचिदर्थे प्राग्दृष्टव्यभिचारो ज्ञानस्वभावालोचनेनाजातविश्वासो न तावन्निर्विचिकित्सं व्यवहरति Kāśi. i. 86. 25 (*on* 2. 39); राजसेवामत्यजन्नात्मातिरिक्तेषु सर्वेष्वप्यजातविश्वासः स्वयमेव सर्वं कुर्वाणो व्याकुलो बभूव PuruṣPa. 183. 12.

अजातवीर्य (ajāta-vīrya) *adj.* lacking in potency ओषध्यः फलपाकान्तास्तासां सर्वगतो रसः। भवत्यजातवीर्याणामम्लः श्लेष्मविवर्धनः Hastyāyur. 621. 13 (4. 8)

अजातवृजिनाबन्ध (ajāta-vṛjinābandha) *adj.* having no bond of sin अजातवृजिनाबन्धः पात्रबन्धे नियोज्य तम्। विरतं रोदनात् तुष्टिपुष्टं संदर्श्य तत्पुरः PrabhāC. 4. 10.

अजातवृत्ति (ajāta-vṛtti) *f.* absence of the etymological significance यन्नाम ते जगति रूढमजातवृत्त्या जातं पुरा कुरबकद्रुम वाच्यमेव BhikṣāKā. 27. 2.

अजातव्यञ्जन (ajāta-vyañjana) *adj.* [*f.* –ā] whose sign (of puberty) is not yet manifest or developed नार्यः ···अजातव्यञ्जनाः ··· जायन्ते MānS'S. 237. 5; बभूवावस्थितो रामश्चित्रं विस्फारयन्धनुः। अजातव्यञ्जनः श्रीमान् बालः Rāmā. iii. 36. 11; ओष्ठसंदंशेनावगृह्यौष्ठद्वयमपि चुम्बेत इति संपुटकं स्त्रियाः, पुंसो वाजातव्यञ्जनस्य KāmSū. 111. 16 (2. 3); GobhiSm. 3. 136; पुंसश्चाजातव्यञ्जनस्याप्ररूढश्मश्रोः JayaMa. 111. 22 (*on* 2. 3)

अजातव्यञ्जनाकृति (ajātavyañjanākṛti) *adj.* (*f.*) having a body without the signs (of puberty) कुत एव परित्यक्तुं सुतां शक्ष्याम्यहं स्वयम्। बालामप्राप्तवयसमजातव्यञ्जनाकृतिम् MahāBhā. i. 145. 34.

अजातव्रण (ajāta-vraṇa) *adj.* **i** (a boil) yet to be ulcerated रक्तावसेचनं कुर्यादजातव्रणशान्तये CaraS. vi. 25. 44 (1941 Ed.); **ii** having no wound, unwounded दर्शयित्वा द्विषां पृष्ठमजातव्रणविग्रहः। दर्शयिष्यसि दाराणां वियातवदनं कथम् PārthPa. 33.

अजातशक्ति (ajāta-śakti) *adj.* lacking in power यद्वप्रमुच्छेत्तुमजातशक्तिः फेनैर्विलक्षो हसतीव सिन्धुः NemiNir. 1. 35.

अजातशक्तिभेद (ajāta-śaktibheda) *adj.* who was not pierced by the S'akti (missile) निरस्तदूषणे ज्येष्ठे यस्य भक्तिं वितन्वतः। अजातशक्तिभेदस्य कथं स्याल्लक्ष्मणः समः VasaViKā. 4. 9.

अजातशत्रु (ájāta-śatru) *adj.* [*anuśatikādigaṇa* GaṇRa. 3. 166(201)] against whom no enemy is born, having no enemy अजा॑तशत्रुम् ··· दुसमीयते ṚV. v. 34. 1; अजा॑तशत्रुरस्तृतः ṚV. viii. 93. 15; रेवत् सामातिच्छन्दा उ छन्दोऽजा॑तशत्रुः स्योना नो॑ अस्तु Tais. IV. iv. 12. 4; तदास्य (ब्रह्मणः) वक्त्रान्निष्क्रम्य पन्नगेन्द्रारिकेतनः। अजातशत्रुर्भगवान् पितामहमथाब्रवीत् VāyuP. i. 24. 26; (आकाशे) युधिष्ठिर ··· न द्वेक्षि यज्जनमतस्त्वमजातशत्रुः VeṇīSaṁ. 3. 195; S'atS'lo. 21; RāghPāṇ.(Dha.) 3. 20; अजातशत्रवः शान्ताः साधवः साधुभूषणाः BhāgP. iii. 25. 21; RāghPāṇ.(Ka.) 3. 13; अजातशत्रोः ··· तव ··· मयोपदेश्यं किमिवात्र वर्तते S'ivLī. 5. 24; *m.* **i** name of a philosopher king of Kāśī स होवाचाजातशत्रुः S'atBr. XIV. v. 1. 1; स (गार्ग्यो बालाकिः) हाजातशत्रुं काश्यमाव्रज्योवाच ब्रह्म ते ब्रवाणीति S'āṅkhāĀ. 6. 1 (22. 17); BrahmSūBh.(S'aṅ.) 256. 1 (*on* i. 4. 16); BṛUBh. 216. 9 (*on* 2. 1. 0); JīvanVi. 56. 21; BṛĀraUBhVā. i. 5. 272; ii. 1. 18; Bhām. 304. 13 (*on* i. 4. 16); BrahmSūBh.(Bhā.) 78. 16 (*on* i. 4. 16); LaCandr. 536. 40; S'ivārkaMaDī. i. 536. 23 (*on* i. 4. 16); BrahmSūBh.(Rā.) 366. 12 (*on* i. 4. 16); AṇuBh. 110. 24 (*on* i. 4. 16); VedāntKau. 132. 17 (*on* i. 4. 16); पुरुषो योऽयमजातशत्रुकथितः प्राणः स जीवोऽथवा NayaMañ. I. iv. 5. 9; GoviBh. 71. 8 (*on* i. 4. 16); **ii** name of Yudhiṣṭhira अजातशत्रुमामन्त्र्य कुन्ती वचनमब्रवीत् MahāBhā. i. 133. 25; iii. 5. 13; ix. 29. 44; Kirātā. 3. 24; Kād. 56. 13; AvantiKa. 47. 7; VeṇīSaṁ. 1. 125; S'iśuVa. (Kavivaṁśavarṇana) 3; RāghPāṇ.(Dha.) 3. 20; BhāgP. i. 8. 5; SkandaP. ii. (9)2. 3; SubhaDha. 5. 1(18); BṛKathāK. 83. 83; SāṁkhyaTaKau. 401. 5 (*on* 42); TrikāS'e. ii. 8. 14; AbhidhāCin. 707; PārthPa. 58(3); Yādavā. 24. 1; RāghPāṇ.(Ka.) 3. 13; S'abdaRa.(Vā.) 3675; BhārCam. 8. 5; KośaKaTa. 1. 5813; KalpK. 93. 38; **iii** name of a king of Magadha country (son of Bimbisāra) (कोटिः) द्वितीयाजातशत्रुः AbhidhKoBh. 251. 2 (*on* 4. 81); अजातशत्रुः कुमारोऽज्ञात एव राजतन्त्रे व्याकृतः GiMS. iii(2). 25. 7; तत्पुत्रो विधिसारः। ततश्चाजातशत्रुः ViṣṇuP. iv. 24. 14; अजातशत्रुर्भविता सप्तविंशत्समा नृपः MatsyaP. 272. 10; BrahmāṇḍP. ii. 74. 131; AvantiKa. 179. 11; BhāgP. xii. 1. 6; **iv** name of a successor of king Kṣemavarman विंशतिं राजा क्षेमवर्मा भविष्यति। अजातशत्रुर्भविता ··· नृपः VāyuP. ii. 37. 311; **v** name of S'iva अजातशत्रुरालोकः ··· (एवं नाम्नां सहस्रेण तुष्टाव वृषभध्वजम्) LiṅgaP. i. 98. 43; SaurP. 41. 27; S'ivaP. iv. 35. 16 (391A. 10); **vi** name of a son of S'amīka अजातशत्रुः शत्रूणां जज्ञे तस्य विनाशनः BrahmP. 14. 34.

अजातशत्रुता (ajātaśatru-tā) *f.* **i** the state of having no enemy अविरोधेन सर्वेषां हितं चक्रे युधिष्ठिरः। ··· न तस्य विद्यते द्वेष्टा ततोऽस्याजातशत्रुता MahāBhā. ii. App. 16. 9; धर्मपुत्रस्य द्वेष्टा तस्य न विद्यते। ··· धन्यः कुन्तीसुतो राजा ···। अजातशत्रुता सत्या तस्य MahāBhā. vii. 11. 12; **ii** the state of (being called) Ajātaśatru (Yudhiṣṭhira), MahāBhā. ii. App. 16. 9; MahāBhā. vii. 11. 12.

[1]अजातशत्रुप्रमुख (ajāta-śatrupramukha) *adj.* not confronted by enemies कृतावतारायतिपुण्यनायकैरजातशत्रुप्रमुखैरियं कृतिः। न वार्च्यते केन ··· चालिता RāghPāṇ.(Dha.) 1. 8 (comm. न जाताः शत्रवः प्रमुखाः संमुखा येषां तैः)

[2]अजातशत्रुप्रमुख (ajātaśatru-pramukha) *adj.* amongst whom Yudhiṣṭhira is chief, RāghPāṇ.(Dha.) 1. 18.

अजातशत्रुसंवाद (ajātaśatru-saṁvāda) *m.* dialogue with Ajātaśatru (cf. KauṣīBrU. 4. 1–18) अजातशत्रुसंवादे ··· अधिगतोऽपि सन् BṛĀraUBh. 512. 6 (*on* iv. 3. 0); कौषीतकिब्राह्मणे बालाक्यजातशत्रुसंवादे ··· श्रूयते BrahmSūBh.(S'aṅ.) i. 255. 4 (*on* i. 4. 16)

अजातशत्रूद्यम (ajātaśatrūdyama) *m.* **i** exertion of one without an enemy (i. e. Rāma's exertion) अजातशत्रूद्यमरक्षितात्मा मायी रिपुस्तद्वनगोचरोऽभूत् RāghPāṇ.(Ka.) 5. 7; **ii** efforts of Yudhiṣṭhira, RāghPāṇ.(Ka.) 5. 7.

अजातशत्र्वभिप्रेत (ajātaśatrv-abhipreta) *adj.* intended by Ajātaśatru (king of Kāśī) पुरुषः कर्ता भोक्ता ब्रह्म ··· अजातशत्र्वभिप्रेतोऽपि तत्स्वामी भृत्येष्विव राजा संनिहित एव BṛĀraUBh. 230. 3 (*on* ii. 1. 15); नैवातोऽपि विवेकः स्यादुत्थितः कोऽनयोर्द्वयोः। नैवं गार्गीयपक्षस्य विशेषावधृतेः सदा। अजातशत्र्वभिप्रेतब्रह्मणः प्राक्प्रमाणतः BṛĀraUBhVā. ii. 1. 115.

अजातशाख (ajāta-śākha) *adj.* whose branches have not yet grown, branchless (एते द्रुमाः काण्डारोप्याः) अजातशाखान् शिशिरे ··· यथादिक् प्रतिरोपयेत् BṛSaṁ. 55. 6.

अजातशात्रव (ajāta-śātrava) *m.* name of Yudhiṣṭhira अजातशात्रवो देवः प्रयाणायान्वमन्यत PāṇḍaC. 12. 188.

अजातशृङ्ग (ajāta-śṛṅga) *adj.* whose horns have not yet appeared, without horns तूवरो(ऽ)श्मश्रुणि त्रिषु। अजातशृङ्गे छागे च AnekāK. 746;

तूबर:…त्रिषु त्वद:…अजातशृङ्गे स्यात् पशौ NānārthaSaṁ. ii. 125. 885; तूबरस्तु प्रचक्षते । अजातशृङ्गे NānārthaMa. 1562.

अजातशृङ्गक (ajātaśṛṅga-ka) *adj.* whose horns have not yet appeared, without horns मुण्डम् … । … त्रिष्वजातशृङ्गकाकृतचूडयो: AnekāK. 195; comm. *on* AnekāSaṁ. 2. 125.

अजातशोक (ájāta-śoka) *adj.* free from grief ब्रह्मस्यास्ते विष्टपेऽजातशोक: S'atBr. XII. iii. 1. 9.

अजातश्मश्रु (ajāta-śmaśru) *adj.* **i** who has not grown a beard (who has not reached youth) द्विजा: । अजातश्मश्रवो मन्दा: कुले जाता: प्रवव्रजु: MahāBhā. xii. 11. 2; अजातश्मश्रवो धीरास्तथान्ये वनवासिन: । अबुद्धिजं तमस्त्यक्त्वा स्वाध्यायेन दिवं गता: MahāBhā. xii. 19. 12; अन्त:पुरेषु स्त्रीरूपा: स्थितास्ते मा द्विज क्रुध । अजातश्मश्रवो देव देवीनां दयिता नरा: BṛKathāMañ. i. 2. 153; **ii** beardless (even though in youth) यौवनेऽप्यजातश्मश्रु: तूपर: CaturCin. iii(1). 469. 17; तूवरौ नृमृगौ कालेऽप्यजातश्मश्रुशृङ्गकौ DharK. 2092.

अजातश्मश्रुत्व (ajātaśmaśru-tva) *n.* the state of yet not growing a beard अव्यक्तलिङ्गा अजातश्मश्रुत्वात्स्त्रीरूपाभासा इत्यर्थ: JayaMa. 296. 22 (*on* 5. 6)

अजातसंविद्भ्रंश (ajāta-saṁvidbhraṁśa) *adj.* who has not lost consciousness (नृप:) अजातसंविद्भ्रंशोऽग्रे पश्यन् द्रोहपरान्निजान् । प्राणैरहानि द्वित्राणि न यदा निरमुच्यत RājTa.(Ka.) 6. 105.

अजातसंस्कार (a-jātasaṁskāra) *m.* absence of the *jātakarman* (ceremony to be performed immediately after birth) अथ गृह्यप्रायश्चित्तानि जुहोति…कुमारस्याजातसंस्कारे ĀgniveGS. ii. 7. 4 (110. 10)

अजातसंक्षोभ (ajāta-saṅkṣobha) *adj.* not disturbed, not excited निरवलम्बनोऽहं पतनवेगान्निमज्जद्(? न्दू)रमतिचिरादुन्मग्नोऽप्यजातसंक्षोभ:…तीर्त्वा सर उरोदघ्ननीरं तीरदेशमस्यासादयम् TilaMañ. 243. 16; 52. 11.

अजातसट (ajāta-saṭa) *adj.* with the mane not yet grown (i. e. still very young) संप्राप्य केशरिकिशोरमरण्यमेतदित्युद्भयं भ्रमति यूथमनेकपानाम् । एषोऽप्यजातसटमंसतटं विधूय तन्मांसगृध्नुरसटोऽपि नखान्नियुङ्क्ते SaduktiKa. 251. 16.

अजातसम (ajāta-sama) *adj.* as good as not born, like one unborn जातोऽप्यजातसमोऽनुपनीत: ManuBh. i. 111. 9 (*on* 2. 68)

अजातसमानभाव (ajāta-samānabhāva) *adj.* having no equal, whose equal is not born (i. e. superior to all) अजातसमानभावमार्यम् … । … संभावये मनसि शंकरम् S'ivaP. i. 1. 1 (1A. 2)

अजातसंप्रयोगेच्छ (ajāta-samprayogeccha) *adj.* having no desire for sexual union (राजान:) विनापि भावयोगादित्यजातसंप्रयोगेच्छा अपि JayaMa. 297. 3 (*on* 5. 6)

अजातसंभ्रम (ajāta-sambhrama) *adj.* who is not confused or agitated प्रश्नेषु तस्य बहुषु कृत्वा किंचिदिव स्मितम् । अजातसंभ्रमो वाक्यं वानर: स्वैरमाददे RāmC. 21. 94.

अजातसाति (ajāta-sāti) *adj.* who has never paid a tribute (i. e. not conquered) अजातसातिरुत्खातोऽयोध्येशस्ते सिषासति DvyāśraKā. 9. 37 (comm. अजातासंपन्ना सातिर्दानं यस्य स: पूर्वं केनाप्यगृहीतकर इत्यर्थ:)

अजातसार (ajāta-sāra) *adj.* not become mature or strong कैलासशिखरे राम साश्चिरेत: सुषाव तत् । अजातसारं प्रस्कन्नम् Rāmā. i. 828* (9); सा चेदपचाराद् द्वयोस्त्रिषु वा मासेषु पुष्पं पश्येत्, नास्या गर्भ: स्थास्यतीति विद्यात्, अजातसारो हि तस्मिन् काले भवति गर्भ: CaraS. iv. 8. 23 (1941 Ed.)

अजातसुषिर (ajāta-suṣira) *m.* a variety of bamboo (*lit.* not hollow) अजातसुष(? षि)र: क्रूर: स च संयक उच्यते AbhidhāMañ. 188. 14.

अजातसौहृद (ajāta-sauhṛda) *adj.* without friendship (i. e. not friendly) अपि पूर्वमजातसौहृदश्चिरसौहार्दवशादिवोद्धुरै: । रुषितोऽपि स रूषितोऽभवन्नवराजीवरज:कदम्बकै: RāmC. 12. 41.

अजातस्खलन (ajāta-skhalana) *adj.* **i** not stumbling यस्याम् … जनैरजातस्खलनैर्न जातु द्वयेऽप्यमुच्यन्त विनीतमार्गा: S'iśuVa. 3. 57; VyaktiVi. 74. 11 (comm. न जातं स्खलनं पाषाणादिप्रतिघात:, विरुद्धाचरणं च येषां तै:); **ii** not deviating (from the proper course of conduct), S'iśuVa. 3. 57; VyaktiVi. 74. 11.

अजातस्त्रीसंपर्क (ajāta-strīsamparka) *adj.* who has no contact with a woman, celibate ब्रह्मचारिणेऽजातस्त्रीसंपर्काय DīpKa. 9. 7 (*on* 1. 58)

अजातस्नेह (ajāta-sneha) *adj.* who does not possess affection तेषामजातस्नेहे पितर्युपांशुदण्ड: श्रेयानिति भारद्वाज: ArthS'ā. i. 84. 7 (1. 17); अजातस्नेहस्य वचने प्रत्युतावधीर्यमाणं वैलक्षण्यं (धीरणं वैलक्ष्यं) स्यात् JayaMa. 318. 16 (*on* 6. 2)

अजातस्मृति (ajāta-smṛti) *adj.* (*f.*) who has got no recollection काहम् कागता…इत्यजातस्मृति: … न जानामि कीदृश्या दृशा तमद्राक्षम् TilaMañ. 277. 15-16.

अजातस्वैरिणीसङ्गा (ajāta-svairiṇīsaṅgā) *adj.* (*f.*) not associated with lewd or lascivious women मदिरावती नाम देव्यभवत् … स्वप्नेऽप्यजातस्वैरिणीभि: सङ्गा(? °णीसङ्गा) TilaMañ. 23. 6.

अजाताकृति (ajātākṛti) *adj.* who has no form or body अस्ति वन्ध्यासुतस्येव तथाजाताकृतेरिव YogVā. iii. 2. 20.

अजातागमसंगम (ajātāgamasaṅgama) *adj.* who has no acquaintance with scriptures अजातागमसंगमम् । स्थापयेद्रुस्य(? श्य)दात्मानं समयी समयस्थितम् YaśasCam. ii. 304. 10.

अजाताद्य (ajātādya) *adj.* beginning with Sadyojāta मन्त्रवित् । मुमुक्षोर्वा निवृत्ताद्या: अजाताद्यास्तदीश्वरा: ।…त्रितत्त्वम्…सर्वत्र न्यसेत् AgniP. 96. 87.

अजाताध:पात (ajātādhaḥpāta) *adj.* which has not fallen down अजाताध:पातच्छिदशसरिदोघ: क्वचित य: S'rīKaC. 4. 63.

अजातानुभव (ajātānubhava) *adj.* having no experience स्वयमजातानुभवस्य दुरभिलेखा वचनपद्धतिरसौ इति सावष्टम्भा … अहम् TilaMañ. 339. 17.

अजातानुराग (ajātānurāga) *adj.* who has no love प्रथममजातानुरागे वत्सराजे जातानुरागाया रत्नावल्या: RasāSu. 203. 12 (2. 263)

अजातानुशय (ajātānuśaya) *adj.* having no regret or repentance (i. e. rescission) यदा पुन: क्रेत्रा प्रार्थ्यमानमपि पण्यं विक्रेता न समर्पयति अजातानुशयोऽपि Mitā. 299. 14 (*on* 2. 256); अजातानुशये आह । यदा पुनरिति BālamBha. ii. 318. 25 (*on* 2. 255)

अजातापत्य (ajātāpatya) *adj.* who has no progeny, childless ताभ्यां पुनरजातापत्याभ्यामेव कृत: समयोऽभूत् DaśKuC. 70. 15.

अजाताभिभव (a-jātābhibhava) *adj.* who has not suffered humiliation ते च…अजाताभिभवा: प्राय: TriṣaS'aPuC. i. 4. 338.

अजाताम्बु (ajātāmbu) *adj.* (dropsy) in which water is not yet formed or accumulated उदरम् … बलिनस्तदजाताम्बु यत्नसाध्यं नवोत्थितम् CaraS. vi. 13. 54 (1941 Ed.); AṣṭāHṛ. iii. 12. 46; RugVi. 35. 25 = BhāvPra. (Bhā). viii. 41. 25.

अजातारि (ajātāri) *m.* Yudhiṣṭhira (*lit.* who has no enemy) हन्त जातमजातारे: प्रथमेन त्वयारिणा S'iśuVa. 2. 102; तस्य (युधिष्ठिरस्य) पश्चादजातारिरिति त्रैलोक्यविश्रुतम् । … नामधेयमजायत PāṇḍaC. 2. 39; 3. 193; 6. 889; 6. 921; अजातशत्रुपर्याय: (v. l. अजातारिपर्याय:) शल्यारिश्च युधिष्ठिर: KalpK. 93. 38; cf. **अजातशत्रु.**

अजातारिष्ट (ajātāriṣṭa) *adj.* having no inauspicious symptoms बलवानजातारिष्ट: सर्वैरपि…ज्ञेय: CaraS. ii. 6. 15; ii. 6. 16 (1941 Ed.)

अजातार्तवकन्या (ajātārtava-kanyā) *f.* maiden whose menstruation has not begun गौरी…अजातार्तवकन्यायाम् NānārthaSaṁ. i. 75. 381.

अजातावयव (ajātāvayava) *adj.* whose limbs are not formed अजातावयव: कोऽणु: सहस्रभरलोचन: YogVā. iii. 79. 20.

अजाताशेषदूषण (ajātāśeṣadūṣaṇa) *adj.* free from all defects or faults, faultless मम भर्तरमजाताशेषदूषणम् । वाचा दूषयसे दक्ष S'ivaP. vii(1). 18. 46 (521B. 6)

अजाति (a-jāti) *f.* **A** (word) not expressive of *jāti* (class) विशेषणानां चाजाते: P. i. 2. 52; ii. 1. 68; iii. 2. 78; iii. 2. 98; v. 4. 37; vi. 4. 171; नाम्न्यजातौ णिनिस्ताच्छील्ये Kātan. iv. 3. 76; व्यतुल्याख्या अजात्या JaineVyā. i. 3. 64; ii. 2. 66; iv. 2. 43; iv. 4. 162; CāndraVyā. i. 2. 56; iv. 4. 20; कथम् अश्वाज्जात: । हस्तिनो जात इति प्राय: पञ्चम्यामजातावेव दृश्यते KātanVṛ. *on* iv. 3. 91; S'ākaṭaVyā. ii. 1. 76; iii. 4. 88; iv. 3. 182; iv. 3. 199; SaraKaṇṭhā. (Gr.) i. 4. 105; i. 4. 128; iii. 2. 90; v. 4. 41; SiddhaHe. iii. 1. 114; v. 1. 154; vii. 3. 35; MugdhaBo. 6. 34 (57. 19); एकयोगत्वे अजातौ ब्राह्म इति निपात्यते LaS'abdeS'e. ii. 222. 18; **B** non-genuine article or commodity अजातौ जातिकरणे विक्रेयाष्टगुणो दम: YājñaSm. 2. 246; **C** absence of birth जातौ सर्वात्मना सिद्धेरजातौ वस्त्वभावत: । निर्विशेषाद्विशेषस्य भावे कार्ये न किं भवेत् TattvSaṁ. 429; **D** other than the commonness or generality तथा अजातावपि जातिव्यवहारो बहुलमुपलभ्यते PrakaPañ. 63. 7; **E** out-caste, low-caste यत्संस्कारशतेनापि नाजातिर्द्विजतां व्रजेत् YaśasCam. ii. 331. 20; अजातिश्चण्डालादि: Aparā. 266. 5 (*on* 1. 188); **F** that which is not a futile or self-confuting or specious rejoinder तस्य … (व्याघात:) अजातिष्वपि भवेत् TarkSaṁ.(Ā.) 104. 8.

अजाति (a-jāti) *adj.* **A** which is without birth अतो वक्ष्याम्यकार्पण्यमजातिसमतां गतम् GauḍKā. 3. 2; अजात्यमृत्युं(? त्यु) … तद्भवपुनर्भवं च …

मोक्षमुदाहरन्ति VarāṅgaC. 10.9; **B** not good in quality, devoid of genuineness, cheap न विद्यते बहुमूल्या जातिर्यस्मिन्मृच्चर्मादिके तदजाति Mitā. 296.6 (2.246); अजातावल्पमूल्यकजातीये DaṇḍaVi. 103.1; अजातौ बहुमूल्यप्रयोजकजात्यभावे वस्तुसति VīraMi. 705.19 (*on* 2.246); **C** devoid of the universal or genus अजातिरेकवृत्तिश्च विशेष इति शिष्यते TārkiRa. 159.9; अजातिरेकवृत्तिर्विशेषः NyāySiA. 209.12; **D** devoid of race कृतधीस्त्वनाश्रममवर्णमजात्यवबोधमात्रमजमेकरसम् । स्वतयावगत्य न भजेत्…विधिकिंकरताम् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 9.93.

अजातिक (ajāti-ka) *adj.* unborn, not having a birth निषिद्धाभिनिवेशश्च यश्चालम्बनसंज्ञकः । विप्रत्ययोऽविघाती च सोऽपदागस्त्वजातिकः AbhisaAlaṅ. 4.30.

अजातिज (a-jātija) *adj.* not born of the *jāti* form of music अजातिजाः किमिति न षड्जमध्यमपृथुस्वरं बहुतरमत्र वक्ष्यते MatsyaP. 154.459.

अजातित्व (ajāti-tva) *n.* **A** the state of not being a self-confuting rejoinder प्रत्यवस्थानस्य जात्यन्तरानन्तर्भावादजातित्वं स्यात् TārkiRa. 253.13; 294.7; अत एवेश्वरानुमानादिषु व्याप्त्युत्कर्षस्याजातित्वं स्थितम् NyāyPari. 247.9; **B i** the state of not being a universal or generality (अ)दृष्टत्वस्य अजातित्वेऽपि तेन धर्माधर्मयोः सङ्करो न विरुध्यते TarkSaṁ.(Ā.) 118.18; 32.29; आत्मत्वस्य… अजातित्वेऽप्यात्ममेदसिद्धयर्थान्तरत्वाच्च Nyāyāmṛ. 604A.4; 435B.7; तेषामजातित्वाद्वा सांकर्यस्य च जात्यबाधकत्वाद्दित्यन्यदेतत् SetuBa. 186.30; **B ii** the state of not being a designation of a class or set (based on a common figure or a common property or a common descent) आनन्दशब्दस्य त्वजातित्वात् ङीष्प्राप्ते Prasā. i. 353.13; दरदोऽगोत्रत्वेनाजातित्वात् LaS'abdeS'e. ii. 96.7.

अजातिनिमित्त (ajāti-nimitta) *adj.* caused by non-production or non-origination न च तेजोऽबन्नानां जातिश्रवणादजातिनिमित्तोऽप्यजाशब्दः संभवति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 243.5 (*on* i. 4.10)

अजातिपरिप्रश्न (a-jātipariprasna) *m.* other than inquiry regarding the universal अजातिपरिप्रश्नेऽपि कतमशब्ददर्शनात् Pradī. iv. 402B.18 (*on* v. 3.92)

अजातिब्रह्मतत्त्व (ajāti-brahmatattva) *n.* essential nature of Brahman devoid of caste अजातिब्रह्मतत्त्वं मां योऽयं जात्यात्मनेक्षते BṛĀraUBhVā. ii. 4.252.

अजातिमत् (ajāti-mat) *adj.* not possessed of genus अजातिमत्सु तद्भङ्गात् TarkSaṁ.(Ā.) 8.15.

अजातिमैथुन (ajāti-maithuna) *n.* sexual intercourse with one belonging to a different class or caste परयोनिषु गच्छन्तो मैथुनं देशनाशनाः । अन्यत्र वेसरोत्पत्तेर्नृणां चाजातिमैथुनात् BṛSaṁ. 86.66; ViṣṇuDhaP. ii. 141.2.

अजातिरूपा (ajāti-rūpā) *adj.* (*f.*) of the nature of what is not the self-defeating argument नह्यत्र मेदखण्डने केनापि काप्यत्रास्त्वव्याघातिका अजातिरूपा युक्तिरुक्ता Nyāyāmṛ. 563A.11.

अजातिवचन (ajāti-vacana) *adj.* expressive of other than genus कृत्यप्रत्ययान्तास्तुल्यपर्यायाश्च सुबन्ता अजातिवचनेन समस्यन्ते KāśiVṛ. *on* ii. 1.68.

अजातिवाचक (ajāti-vācaka) *adj.* expressing other than the genus अजातिवाचके नाम्न्युपपदे धातोस्ताच्छील्ये गम्यमाने णिनिर्भवति KātanVṛ. *on* iv. 3.76.

अजातिवाचित्व (ajātivāci-tva) *n.* the state of expressing other than the genus समासस्याजातिवाचित्वात् Pradī. iv. 47B.6 (*on* iv. 1.14); PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 1.57.

अजातिवाचिन् (ajātivāc-in) *adj.* not expressing the genus, expressive of other than the genus अजातिवाचिनः सुपः परात् क्रियार्थाच्छीलाभीक्ष्ण्ययोर्गम्यमानयोर्णिनिर्भवति CāndraVṛ. *on* i. 2.56.

अजातिशब्दत्व (ajātiśabda-tva) *n.* the nature of a word not conveying genus, being a word not expressing genus रमणीयादीनामजातिशब्दत्वात् Nyās. i. 195.2 (*on* i. 2.52); i. 198.20 (*on* i. 2.58); PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 2.58.

अजातिसाङ्कर्यभव (a-jātisaṅkaryabhava) *adj.* not born in a mixed caste, not hybrid यः …। अजातिसाङ्कर्यभवोऽपि चित्रं दधाति सोमान्वयभार्गवाङ्कम् RasāSu. 4.7 (1.22)

अजातिस्मरण (a-jātismaraṇa) *n.* absence of recollection of the (former) births ततः कृतविवाहौ तौ तेन विप्रेण दंपती । अजातिस्मरणेऽप्यास्तामुत्तीर्णविरहाविव KathāSaSāg. vi. 8.88.

अजातीत (ajātīta) *adj.* who is beyond Prakṛti अजातीतस्य परमात्मन एव ज्ञानेन मुक्तिः S'aṅkaVi.(Ā.) 124.9.

अजातुष (a-jātuṣa) *adj.* not made of lac (शल्यमुद्धरेत्) अजातुषं तु जतुमधूच्छिष्टप्रलिप्तया शलाकया SuśruS. i. 27.18; AṣṭāSaṁ. i. 183.2 (1.37); AṣṭāHṛ. i. 28.36.

अजातोचितवृत्ति (ajātocitavṛtti) *adj.* in whom proper behaviour has not occured अजातोचितवृत्तीनां पुंसां किं गलगर्जितैः । शूराणां कातराणां च रणे व्यक्तिर्भविष्यति YaśasCam. i. 564.2.

अजातोद (ajā-toda) *m.* pain caused by nescience (*ajā*) अजातोदरहितो हितो भवन्नतिममाद CaitaCa. 39.4 (2)

अजातोपयमा (ajātopayamā) *adj.* (*f.*) whose marriage has not taken place, unmarried कन्या त्वजातोपयमा SāhiDa. 116.11.

अजातौल्वलि (ajā-taulvali) *m.* **A** Tulvala's son who is a dealer in she-goats [Taulvali to be bought for a goat AltGr. II. i. 245] शाकपार्थिवादीनामुपसंख्यानं कर्तव्यमुत्तरपदलोपश्च वक्तव्यः । … अजापण्यस्तौल्वलिरजातौल्वलिः MahāBh. i. 406.8 (*on* ii. 1.69); KāśiVṛ. *on* ii. 1.60; JaineVyā. 58.17 (*on* i. 3.66); SaraKaṇṭhā.(Gr.) iii. 2.100; **B** name of a sage who lived on the milk of goats [MW]

अजातौल्वलीय (ajātaulval-īya) *m.* student of Ajātaulvali गोत्रान्तादसमस्तवत् प्रत्ययो वक्तव्यः । वृद्धभारद्वाजीयाः । … अजातौल्वलीयाः BhāṣāVṛ. *on* i. 1.73.

अजात्मकत्व (ajātmaka-tva) *n.* the state of consisting of vowels त्यदादीनां चाजात्मकत्वाभावात् PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 1.74.

[1]**अजात्मज** (ajātmaja) *m.* **1** son of Brahman (Vasiṣṭha) यस्याः … हस्तं दत्तमजात्मजेन मुनिना धर्मार्थमालम्बिषि । सापि … बन्धाय मे कल्पते Āśca-Cū. 2.2; (the sage Sanatkumāra) असारभूते संसारे सारमेतदजात्मज । भगवद्भक्तसङ्गश्च हरिभक्तिस्तितिक्षुता BṛNāraP. 4.13; S'ivaP. i. 4.9 (4A.9); (the *muni* Kardama) आलोक्य कर्दमतपो भगवान्…। तस्मा अदाद्वरमजात्मजपुत्ररूपम् SātvaT. 2.8; **2** son of king Aja (i. e. Daśaratha) सत्राणार्थमजात्मजस्य नृपतेः पुत्रायमाणो हरिः … नश्चायताम् Rāmāṣṭa. 102; JānaPa. 4.22.

[2]**अजात्मज** (ajātmaja) *m.* young one of a goat अजैरजात्मजैर्यष्टव्यं हव्यकव्यार्थो विधिर्विधीयताम् YaśasCam. ii. 354.18.

अजात्मन् (ajātman) *adj.* having the essential nature of the Unborn अजात्मा चामृतात्माहं स्वयमात्माहमव्ययः । लक्ष्यात्मा ललितात्माहम् Tejo-BiU. 4.35.

अजात्य (a-jātya) *adj.* **A** not genuine काष्ठलोहमणिमयं रज्जुचर्ममृन्मयं सूत्रवल्करोममयं वा जात्यमित्यजात्यं विक्रयाधानं नयतो मूल्याष्टगुणो दण्डः ArthS'ā. ii. 125.5 (4.2); BālaKrī. i. 284.12 (*on* 2.252); अजात्यरत्नवदमी योग्या नोत्तरकर्मणाम् PāṇḍC. 3.333; **B** illegitimate, born of a wife belonging to a lower caste जात्यादजात्यो हि लुब्धदायादसंतानत्वादाधातुं श्रेयान् ArthS'ā. ii. 351.4 (7.17); **C** bad, inferior अपरीक्ष्याहृतो भृत्यः स्वामिनामतिसंकटे । करोति व्यसनापातमजात्योऽसिरिवाहवे RājTa.(Ka.) 7.1160.

अजात्यन्ध (a-jātyandha) *adj.* not blind from birth अजात्यन्धस्यापि इन्द्रियाधिष्ठानक्षोभेऽपि मात्रया इन्द्रियशक्तेरनपगमनात् NyāySiA. 202.4.

अजात्यर्थ (a-jātyartha) *adj.* not intended to be applicable to class-words अजात्यर्थोऽयमारम्भः MahāBh. ii. 208.23 (*on* iv. 1.15); इञ उपसंख्यानमजात्यर्थम् KāśiVṛ. *on* iv. 1.65; PrakriKau. i. 372.4; ii. 541.2; SiddhāKau. 498B.7; स्त्रीविषयादपीति । अजात्यर्थं तु न LaS'abdeS'e. i. 412.9.

अजात्व (ajā-tva) *n.* **1** the state of being a she-goat साजया कर्णगृह्योदपतत्तमस्या अजाभ्यारुणत्तदजाया अजात्वम् KāṭhS. 23.10; KapiKaS. 37.1; एवमिदमनजाया अजात्वं कल्प्यते BrahmSūBh.(S'aṅ.) 244.7 (*on* i. 4.10); त्वप्रत्यये परतो ङ्याप्योर्बहुलं ह्रस्वो भवति । तदजाया भाव अजत्वम् । अजात्वम् KāśiVṛ. *on* vi. 3.64; JaineVyā. 309.25 (*on* iv. 3.173); DvyāśraKā. 5.3; SarvaDaSaṁ. 16.21; SiddhāKau. 215B.5; **2** the state of being unborn, unbornness अजात्वं ज्योतिरुपक्रमात्वं च कथमुपपद्यते VedāntDī. 69.1 (*on* i. 4.10); VedāntPāSau. 125.13 (*on* i. 4.10); सृष्ट्युपदेशादजात्वमहेश्वरकार्यत्वयोरविरोधः BrahmSūBh.(S'rī.) i. 523.11 (*on* i. 4.10); i. 524.6 (*on* i. 4.10); **3** being expressed by the word *ajā* ब्रह्मात्मकत्वपक्षे अजात्वं न संभवति तत्कार्यत्वाभ्युपगमात् S'rutaPra. ii. 115.25 (*on* i. 4.8)

अजात्वजाति (ajātva-jāti) *f.* universal or class of she-goats परिशेषात्तु गोत्वाजात्वजात्योः विकल्पेन प्राप्तौ जातायां गोत्वस्य … एकहायन्या क्रीणातीति वाक्यद्वयविहितक्रयद्वयसाधनत्वात् भूयसां स्यात् सधर्मत्वमिति न्यायेनैकक्रयसाधनीभूताजात्वबाधकता MīmāKau. ii. 168.23 (*on* iii. 1.12)

अजात्वमात्रप्रतीति (ajātvamātra-pratīti) *f.* cognition of the mere state of being unborn नात्र स्मृतिसिद्धा सा (प्रकृतिः) शक्या ग्रहीतुम् । कुतः? अविशेषात् । न जायत इति व्युत्पत्त्याजात्वमात्रप्रतीतेस्तस्या ग्रहणे विशेषहेत्वाभावादित्यर्थः GoviBh. 66.6 (*on* i. 4.8)

अजात्वादि (ajātvādi) *adj.* 1 the state of being a she-goat etc. सर्वत्रापि यया कयाचित्कल्पनया अजात्वादिसंपादनोपपत्तेः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 241. 9 (*on* i. 4. 8); अत्रापि तेजोबन्नानामजात्वादिकल्पनोपदेशादविरोधः NyāySu. (Ja.) 193A. 7 (*on* i. 4. 1); S'rīkarBh. 166. 24 (*on* i. 4. 8); 2 the state of being unborn etc. प्रकृतमन्त्रेऽपि अजात्वादिना साङ्ख्यस्मृतिसिद्धेयं प्रकृतिरिति निर्धारणं न भवति VedāntKau. 123. 18 (*on* i. 4. 8)

अजाद (ajāda) *m.* name of an ancestor of a warrior-tribe (*lit.* goat-eater) वृद्धेत्कोसलाजादाञ्ञ्यङ् P. iv. 1. 171; अजादकोशलशब्दाभ्यां च ञ्यो भवति ।…अजादस्य आजाद्यः JaineVyā. 174. 10 (*on* iii. 1. 153); इत्कोशलाजादात् CāndraVyā. ii. 4. 99; KāśiVr̥. *on* iv. 1. 171; नादिद्विरकुरुकोसलाजादाञ्ञ्यः S'ākaṭaVyā. ii. 4. 102; दुनादिकुर्वित्कोशलाजादाञ्ञ्यः SiddhaHe. vi. 1. 118.

अजादक्षेक्षणापीड (ajādakṣekṣaṇāpīḍa) *m.* epithet of S'iva (*lit.* who wears Viṣṇu's left eye (i. e. moon) as a chaplet) अजादक्षेक्षणापीडः पीडां पीडयतां स वः Ḍamaru. 70.

अजादनी (ajādanī) *f.* name of the shrub *Ahlagi camelorum* मरुस्था मरुसंभवा । विशारदाजभक्षा स्यादजादन्युष्ट्रभक्षिका RājNi. 10. 25.

अजादान (ajādāna) *n.* giving a she-goat (as a gift to a Brahmin) पितृष्वस्त्रभिगमनादक्षिणां(? ना)शन्नणी भवेत् । तेनापि निष्कृतिः कार्या अजादानेन यत्नतः S'ātāSm. 5. 31.

[1]**अजादि** (aj-ādi) *adj.* (Gr.) beginning with a vowel (*ac*) अजाद्यदन्तम् P. ii. 2. 33; अजादी गुणवचनादेव P. v. 3. 58; v. 3. 83; vi. 1. 2; vi. 4. 72; इहान्ये वैयाकरणा मृजेरजादौ संक्रमे विभाषा वृद्धिमारभन्ते । परिमृजन्ति परिमार्जन्ति MahāBh. i. 48. 9 (*on* i. 1. 3); प्रादेरजाद्यदन्ताद् युजेरयज्ञपात्रेषु CāndraVyā. i. 4. 117; हलादौ इत्येवाजादिनिवृत्त्यर्थं वक्तव्यमिति भावः Pradī. v. 247A. 14 (*on* vi. 3. 59); अजादेः SiddhaHe. ii. 4. 16; अर्धवत्यजादौ प्रत्यये विधीयमानानां यणियङुवङामप्राप्तौ PāṇiTaVāNaMā. 62. 10; अजादेर्धातोर्द्वितीयस्यावयवस्यैकाचो द्वे स्तः PrakriKau. ii. 219. 8; लुप्तनकारान्नञ उत्तरपदस्याजादेर्नुडागमः स्यात् SiddhāKau. 180A. 7.

[2]**अजादि** (ajādi) *adj.* (Gr.) a group of words (*gaṇa*) beginning with the word *ajā* अजाद्यतष्टाप् P. iv. 1. 4; इत्यजादिः GaṇRa. 6. 361 (394); JaineVyā. iii. 1. 4; अजाद्यतः CāndraVyā. ii. 3. 15; अजादिभ्यो धेनोः S'ākaṭa-Vyā. ii. 4. 24 = SiddhaHe. vi. 1. 34; अजादीनामकारान्तस्य च वाच्यं यत् स्त्रीत्वम् SiddhāKau. 109B. 8.

[3]**अजादि** (aj-ādi) *adj.* (Gr.) the root *aj*- and others इणजादिभ्यः Vār. 6 (*on* P. iii. 3. 108)

[4]**अजादि** (ajādi) *adj.* 1 goat and the like अजादीनां षाण्मासिकीमूर्णां ग्राहयेत् ArthS'ā. i. 318. 3 (2. 29); क्षुद्रपशूनामजादीनां ताडननिमित्ते दुःखे (द्विपणो दण्डः) Aparā. 817. 24 (*on* 2. 225); पशुकार्ये गवाश्वव्यतिरिक्तानां प्रतिषेधः क्रियतेऽजादीनामिति S'āstrDī. 87. 9 (*on* i. 4. 16); एवंजातीयका एवामेध्या न त्वजादयः BālaKrī. i. 123. 9 (*on* 1. 175); अजादिष्वपशुत्वं यद् गुणो वादोऽथवास्तु तत् NyāyMāVi. 56. 9 (*on* i. 4. 16); अजादीनां तत्र विहितत्वेन न प्रतिषेधः LaCandr. 372. 25; MīmāKau. ii. 167. 24 (*on* iii. 1. 12); एवं च चैत्रकृतिजन्यो यः संयोगावच्छिन्नक्रियानुकूलव्यापारस्तज्जन्यग्रामवृत्तिसंयोगानुकूलकर्मवानजादिरित्यन्वयबोधः (अजा ग्रामं नीयते इत्यस्य) VyutpaVā. 126. 27; 2 beginning with Aries, Aries and other (zodiacal signs) अजमृगतौलिचन्द्रभवनादिनवांशविधिः Br̥hajjā. 1. 6; क्रान्तिर्ज्यासार्धगुणा जिनभागज्याहृता धनुरजादौ (स्फुटो रविः) BrāhmSphuSi. 3. 61; 3. 13; 15. 22; 21. 57; अथिपास्त्वजादि सिंहाद्यपि चापादिषु राशिषु त्रिधैवम् ĪśānS'iPa. i. 5. 56; इत्थं भामण्डले क्षेत्रे विभागास्तद्विदोदिताः । पूर्वक्रमादजादीनां तथा भानां च दस्रभात् SiddhāTaVi. 2. 22.

[5]**अजादि** (ajādi) *adj.* 1 Brahmā and other (gods) तम् … । अजादयो वीक्ष्य शशंसुः BhāgP. iii. 19. 27; कामम् …। निनायानङ्गपदवीं वीक्षमाणेष्वजादिषु SkandP. iv. 11. 111; ii(9). 20. 9; यतस्तदुदितं मानमजादिभ्यस्तदर्थतः AnuVyā. 1B. 5 (*on* i. 1. 1) (NyāyaSu. अजादिभ्यः श्रोतृभ्यः…तदुदितं शास्त्रम्); 2 Aja and other (kings) रघुवंशेऽजादीनां राज्ञां विवाहादिवर्णनं नेतिहासेषु वर्णितम् Loc. 148. 20 (*on* 3. 14); 3 hall called Aja etc. रुचकस्याप्यजादीनां योगेन स्युरनुक्रमात् । नामतो भद्ररुचिरोचिष्णूनि प्रहर्षणम् SamarāSū. 25. 15.

अजादि (aj-ādi) *m.* first or initial vowel द्वितीयस्येत्यवचनमजादेरिति कर्मधारयात् पञ्चमी Vār. 1 *on* P. vi. 1. 2; अच असावादिश्च अजादिः Nyās. ii. 201. 5 (*on* KāśiVr̥. *on* P. vi. 1. 2)

अजादिकीटान्त (ajādi-kīṭānta) *adj.* beginning with Brahman and ending with an insect (i. e. all creatures) अजादिकीटान्तमनर्थजातमध्यस्तमेवात्मनि बोधरूपे YātrāPra. 4. 43.

अजादिकेन्द्र (ajādi-kendra) *n.* centre of the epicycle in the half orbit beginning with Aries अजादिकेन्द्रे सर्वेषां शैघ्र्ये मान्दे(? न्द्ये) च कर्मणि SūryaSi. 2. 45; GrahaGa. 44. 3 (8. 18)

अजादिगृह (ajādi-gr̥ha) *m.* signs of a zodiac beginning with Aries शेषं गगनगुणघ्नमशुद्धहृल्लवाचम् । सहितमजादिगृहैरशुद्धपूर्वैर्भवति विलग्नमदोऽयनांशहीनम् GrahaLā. 4. 3; SiddhāTaVi. 172. 3.

[1]**अजादित्व** (ajādi-tva) *n.* the state of having a vowel as the initial (sound) यद्यपि प्रथमे त्रिके सुशब्दस्याजादित्वासंभवः Pradī. v. 109B. 11 (*on* vi. 1. 102); संघातग्रहणे यद्यप्युपपद्यते तथापि सन्निपातलक्षणो विधिरनिमित्तं तद्विघातस्येत्यजादित्वसन्निपातकृतमुकः ठप्रत्ययेनानन्तर्यमिति तदजादित्वविघातं न कुर्यात् Nyās. ii. 133. 19 (*on* v. 3. 83); अजादित्वेन सणिच्कस्यैव ककारस्य द्वित्वम् । आच्छिकत् PrakriKau. ii. 297. 2; व्यपदेशिवद्भावेनाजादित्वं ज्ञेयम् Prasā. i. 163. 15.

[2]**अजादित्व** (ajādi-tva) *n.* the state of being included in the *ajādi-gaṇa* अजादित्वात् त्रिफला PrakriKau. i. 342. 2; SiddhāKau. 119B. 3.

अजादिपदवी (ajādi-padavī) *f.* the status of Brahman (Creator) and other (gods) सिध्यति पुंसामजादिपदवी क्षणतः YātrāPra. 3. 188.

अजादिपशु (ajādi-paśu) *m.* animals like goat etc. सिंहादिमृगघाते च अजादिपशुघातने JayāS. 25. 86; पशुकार्यनिषेधरूमो(? पो) गुणो विधीयत इति चेत् । मैवम् । अजादिपशुविधिवैयर्थ्यप्रसङ्गेन निषेद्धुमशक्यत्वात् NyāyMāVi. 56. 17 (*on* i. 4. 16)

अजादिपित्त (ajādi-pitta) *n.* bile of a goat etc. अजादिपित्तैः परिभावयेच्च RaseCin. 9. 22.

अजादिप्रसङ्ग (ajādi-prasaṅga) *m.* occasion for applying suffixes beginning with a vowel सर्वत्र गोरजादिप्रसङ्गे यत् Vār. 9 (*on* P. iv. 1. 85); गोशब्दादजादिप्रसङ्गे यद् भवति CāndraVr̥. *on* ii. 4. 15; Prasā. i. 737. 12; i. 809. 20.

अजादिभेद (ajādi-bheda) *m.* species or variety of goats etc. अजादिभेदानाह BhojanKu. 133. 25.

अजादियमाशय (ajādiyamāśaya) *adj.* desirous of killing goats etc. (*lit.* having the intention of playing the part of the god of death to goats and others) अद्रोहः सर्वसत्त्वेषु यज्ञो यस्य दिने दिने । स पुमान्दीक्षितात्मा स्यान्न त्वजादियमाशयः YaśasCam. ii. 412. 12.

अजादिवत् (ajādi-vat) *adv.* like goats etc. गावः किलाजादिवत् सुदोहा न भवन्ति S'ivārkaMaDī. i. 12. 16 (*on* i. 1. 0)

अजादिवर्ण (ajādi-varṇa) *m.* colours attributed to Aries and other (zodiac signs) कृष्णकनकाभपिङ्गाः कर्बुरबभ्रु त्वजादिवर्णाः स्युः Sārā. 3. 40.

अजादिसंनिपात (ajādi-sannipāta) *m.* combination with the case-suffix beginning with a vowel कृते तु जरसभावे सन्निपातपरिभाषया अजादिसंनिपातेन जरसभावो निष्पन्नो नोत्सहतेऽजाद्यानन्तर्यं विहन्तुम् Pradī. vi. 168. 20 (*on* vii. 2. 101); vi. 205. 18 (*on* vii. 3. 50); PāṇiTaVāNaMā. 13. 7.

अजादिसंबन्ध (ajādi-sambandha) *m.* connection with a goat etc. (रजः) अजादिसंबन्धव्यतिरेकेण । तत्र … अजाविरेणुसंस्पर्शादायुर्लक्ष्मीश्च हीयते । इति दोषश्रवणात् Mitā. 67. 21 (*on* 1. 193)

अजादुग्ध (ajā-dugdha) *n.* milk of a she-goat स्नुह्याजादुग्धपिष्टं लज्जालोर्मूलमङ्घ्रिलेपनतः (बीजच्युतिविजयि भवति) RatiRaha. 15. 25; विष्णुक्रान्ता च सर्पाक्षी सहदेवा च रोचना । अजादुग्धेन संपिष्टं तिलको वश्यकारकः AgniP. 123. 28; अजादुग्धैरियं बाला मात्रा हीना विवर्धिता Br̥KathāMañ. ix. 2. 354; अजादुग्धतिलैर्लेपो नवनीतेन संयुतः शोथमारुष्करं हन्ति S'ārṅgaS. iii. 11. 7; अजादुग्धेन पानाद्यं गर्दभादिविषापहम् ĪśānS'iPa. i. 40. 116; (विषं) अतिमात्रं यदा भुक्तम् …अजादुग्धं ददेत्तावद् यावद्भ्रान्तिर्न जायते RaseCin. 7. 18; अजादुग्धं केवलं वा घृतं वा साधितं हितम् RaseCin. 9. 15; 9. 310; 9. 341.

अजादुग्धपेषण (ajādugdha-peṣaṇa) *n.* beating or kneading with goat's milk (to form paste) पूर्ववदजादुग्धपेषणादिक्रियया हिङ्गुर्भवति ĪśānS'iPa. i. 50. 12(1)

अजादुग्धाभावतस् (ajādugdhābhāva-tas) *adv.* in the absence of goat's milk (विषम्) अजादुग्धाभावतस्तु गव्यक्षीरेण शोधयेत् S'ārṅgaS. ii. 12. 294.

अजादुर्गन्ध (ajā-durgandha) *m.* bad smell of a she-goat तावत्तस्या मुखे अजादुर्गन्धेन सदृशो गन्धः समायातः VetāPañ.(S'i.) 60. 24.

अजादेश (aj-ādeśa) *m.* substitute for a vowel अजादेशः परनिमित्तकः पूर्वस्य विधिं प्रति स्थानिवद्भवति MahāBh. i. 144. 5 (*on* i. 1. 57); KāśiVr̥. *on* i. 1. 57; न हि स्थानिवद्भावस्य परभूतोऽज् निमित्तभूत आश्रीयते । किं तर्हि ? अजादेशस्य Pradī. vi. 39. 19 (*on* vii. 1. 34); SaraKaṇṭhā.(Gr.) i. 2. 117; द्विर्वचनेऽचि (P. i. 1. 59) इत्यजादेशं प्रति निमित्तभावोऽकार्यित्वेनैव नियतः PariVr̥.(Sī.) 8. 22; स्वरदीर्घयलोपेषु लोपाजादेशो न स्थानिवत् PariVr̥.(Sī.) 30. 22; 124. 21; PrakriKau. i. 45. 7; द्वित्वनिमित्तेऽचि योऽजादेशः स स्थानिवत्स्यात् द्वित्वे

कर्तव्ये PrakriKau. ii. 70.2; ii. 433.3; लोप एव योऽजादेशः स(? स न) स्थानिवन्नान्यः Prasā. ii. 80.20; न पदान्त इति सूत्रेण वरे योऽजादेशस्तस्य स्थानिवद्भावनिषेधात् यङो योऽकारस्तन्निमित्त आकारलोपो न स्यात् Prasā. ii. 595.21; PāṇiTaVāNaMā. 4.12; SiddhāKau. 13B.4; अजन्तानां हन्तेरजादेशगमेश्च दीर्घः स्याज्झलादौ सनि SiddhāKau. 434B.5.

अजादेशत्वाभाव (ajādeśatvābhāva) *m.* absence of the state of being a substitute for a vowel समुदाये स्थानिन्यवयवस्यास्थानित्वादजादेशत्वाभावान्नास्ति स्थानिवद्भावः Pradī. vi. 238.16 (*on* vii. 4.2); जुहुत इति श्लोः परनिमित्तात्वाभावेन शप्त्वेन स्थानितयाजादेशत्वाभावेन च स्थानिवद्भावेन शप्त्वमाश्रित्य न गुणः LaS'abdeS'e. ii. 579.6.

अजादेशव्यपदेश (ajādeśa-vyapadeśa) *m.* designation as a substitute for a vowel यो (आदेशः) ह्युभयोः स्थाने सम्पद्यत इति वचनादज्झलादेशस्याप्यजादेशव्यपदेशस्तथानजादेशव्यपदेशोऽप्यस्ति PariVṛ.(Sī.) 155.1.

अजादेशसंबन्ध (ajādeśa-sambandha) *m.* connection with the substitute for a vowel अरिरिषतीत्यत्रापि द्विर्वचनेऽचि (P. i. 1.59) इत्यजादेशं प्रति निमित्ताभावोऽकार्यित्वेनैव नियतः तदेवमजादेशसंबन्धेऽचीत्यस्याकार्यित्वं तत्साहचर्याद् द्विर्वचनविधानेऽपि यद्यकार्यित्वमेवाचीत्यस्य तदा स्थानिवत्त्वम् PariVṛ.(Sī.) 9.1.

[1]**अजाद्य** (ajādya) *adj.* [*f.* -ā] **i** sign Aries (*meṣa*) etc. पूर्वादितस्त्रिपरिवर्तगतैरजाद्यैर्भैः सप्तकैरनलभाच्च गमो जयाय YogYā. 5.1; शीर्षमुखबाहुहृदयोदराणि…चरणाविति राशयोऽजाद्याः LaJāta. 1.5; Sārā. 3.5; (राशिजीवाः) पतितसमतिरिक्ताः पूर्वचापैरजाद्यैर्विषुवदुदयराशिप्राणपिण्डाः क्रियाद्याः MaBhāsk. 3.9; अशुद्धपूर्वैर्भवनैरजाद्यैर्युक्तं तनु(? नुः) स्यादयनांशहीनम् Bhāsv. 5.9; GrahaGa. 69.29 (9.3); KaraṇaKu. 3.4(14); **ii** goat etc. निबद्धाः पशवोऽजाद्याः क्रोशन्तस्तत्र भूरिशः SkandP. ii(9). 6.5; द्विशफा अजाद्याः ManvaVi. 1427.24 (*on* 11.168)

[2]**अजाद्य** (ajādya) *adj.* **i** god Brahman and others प्रवर्तयामास स देवतायाः पूजामजाद्यैरपि पूजितायाः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 12.68; **ii** Aja and others (sons of Manu) सुशान्तिरिन्द्रो देवाश्च सुधामाद्या वशि(? सि)ष्ठजाः। सप्तर्षयोऽजाद्याः पुत्राश्चतुर्थस्तामसो मनुः AgniP. 150.4.

अजाद्यत् (ajādy-at) *adj.* beginning with a vowel and ending in a short (vowel) *a* लघुद्व्यजाद्यदल्पाजर्च्यमेकम् S'ākaṭāVyā. ii. 1.119.

अजाद्यदन्त (ajādy-adanta) *adj.* beginning with a vowel and ending in a short (vowel) *a* द्व्यन्ताजाद्यदन्तयोर्मिथः समासे द्व्यन्तं परम् PrakriKau. i. 624.6; द्व्यन्तस्याजाद्यदन्तस्य च परस्परं समास(? से)विप्रतिषेधात् अजाद्यदन्तं पूर्वं स्यात् Prasā. i. 624.17; अजाद्यदन्ताच्चाल्पाच्तरं लव्वक्षरम् … विप्रतिषेधेन LaS'abdeS'e. ii. 130.14.

अजाद्यदन्तत्व (ajādyadanta-tva) *n.* the state of being (a word) which begins with a vowel and ends in the short vowel *a* पूर्वनिपातः क्वचिदजाद्यदन्तत्वात् Nyās. i. 396.8 (*on* ii. 2.31); (धर्मार्थकामेभ्यो नमः) अर्थशब्दस्याजाद्यदन्तत्वेऽपि न पूर्वनिपातः JayaMa. 2.11 (*on* 1.1)

अजाद्यद्द्वारेण (ajādyad-dvāreṇa) *adv.* by means of the sūtra *ajādyat* विष्वक्सेनश्चार्जुनश्च। विष्वक्सेनार्जुनौ। अजाद्यद्द्वारेण GaṇRa. 2.81 (122)

अजाद्यसुलभा (ajādy-asulabhā) *adj.* (*f.*) difficult to be had (even) by Brahmadeva and others प्राप्याप्यजाद्यसुलभां स्थिरमोक्षलक्ष्मीं लक्ष्मीम्…किमु कामयेथाः SkandP. iv. 30.87.

[1]**अजाद्या** (ajādyā) *adj.* (*f.*) (animals like) she-goat and others दुग्धदधिघृतेष्वन्यतमं हविर्गोरजाद्यायाः PārāSū. 51.27.

[2]**अजाद्या** (ajādyā) *adj.* (*f.*) (images of) Brahmā and others रचयेद् दिशासु मूर्तीरजाद्याः TantrSa. 2.60.

अजाद्याट्त्व (ajādyāṭ-tva) *n.* presence of the augment *āṭ* (i. e. *ā*) before (the roots) beginning with a vowel अजाद्याट्त्वे Vār. 10 (*on* P. i. 1.21)

अजाद्यानन्तर्य (ajādyānantarya) *n.* immediacy of a (suffix) beginning with vowel कृते तु जरस्भावे संनिपातपरिभाषया अजादिसंनिपातेन जरस्भावो निष्पन्नो नोत्सहतेऽजाद्यानन्तर्यं विहन्तुम् Pradī. vi. 168.20 (*on* vii. 2.101)

अजाद्युक्ति (ajādy-ukti) *f.* mention of (the group of words) *aja* etc. अजाद्युक्तिर्ङीप्निषेधार्था PrakriKau. i. 319.2; SiddhāKau. 110A.1.

[1]**अजाद्युपलक्षण** (ajādyupalakṣaṇa) *n.* indication of (the prefixes) beginning with a vowel उपशब्दोऽजाद्युपलक्षणार्थः Nyās. i. 243.8 (*on* i. 3.64)

[2]**अजाद्युपलक्षण** (ajādy-upalakṣaṇa) *n.* indication of a goat etc. अतश्च गोग्रहणं तत्र अजाद्युपलक्षणार्थम् ManuBh. i. 422.25 (*on* 5.8)

अजाद्येकसूत्र (ajādy-ekasūtra) *n.* single line or circle beginning with the zodiacal sign *meṣa* अयोगोलमध्यस्थितव्योमगोले स्वधीकल्पिताः सप्त गोला अथैषु। महापिण्डरूपेष्वजाद्येकसूत्रे महद्वृत्तलग्ने ग्रहा गोलरूपाः SiddhāTaVi. 43.11.

अजाद्रव्य (ajā-dravya) *n.* (sacrificial) material viz. a she-goat श्रुत्या धेनुरिति शब्दो धेनावेव वर्तते। गोद्रव्यं त्वस्य न शब्देन नापि चोदकेन। अजाद्रव्यं त्वस्य चोदकेन प्राप्नोति ṬupṬ. 242.11 (*on* x. 2.68)

अजान (a-jāna) *adj.* imperishable सः (अक्रूरः) … अक्षाममुदा…मन्नोऽन्यथापश्यदजानमीशम् DhātuKā. 2.31 (comm. जैधातोर्ल्युट्)

अजानक (a-jānaka) *adj.* not knowing, ignorant प्रमाणबाधितत्वेन सर्वधर्माणामनात्मतामनुपलम्भात्मतामुपादाय न्यायाकारोऽजानकः AbhisaAlaṅĀ. 287.14; तत्र मनोविज्ञानेन परिच्छेदाभावादजानकाः AbhisaAlaṅĀ. 344.13.

अजानज (ajāna-ja) *m.* god by birth अजानजाः स्वतोदेवाः कर्मदेवास्तु कर्मभिः S'abdaRa.(Vā.) 151.

अजानत् (á-jānat) *adj.* [*f.* -ī, -ntī] **i** not knowing (a specific thing), unaware क्षुध्यन्निदमजानताम्। सर्वार्था न सिध्यन्ते TaiĀ. i. 31.5 (186.3); अजानति यजमानः KātyS'S. iii. 5.3; इत्येवं पितामहायैवं प्रपितामहाय नामान्यजानतः JaimiGS. 2.2 (27.14); यद्वदन्ति तमोमूढा मूर्खा धर्ममजानतः। तत्पापं शतधा भूत्वा तद्वक्तॄनधिगच्छति VāsiDS. 3.6; कण्वं हि पितरं मन्ये पितरं स्वमजानती MahāBhā. i. 66.17; i. 37.26; ii. 63.29; अजानन्नर्जुनश्चापि निहतं पुत्रमौरसम् MahāBhā. vi. 86.75; vii. 97.30; गुरोरप्यवलिप्तस्य कार्याकार्यमजानतः। …परित्यागो विधीयते MahāBhā. xii. 57.7; इति तद्वचनं श्रुत्वा राजा तेषां मनःप्रियम्। अजानन्निव जिज्ञासुरिदं वचनमब्रवीत् Rāmā. ii. 2.16; यो ह्यजानन्वै ब्राह्मणं हन्यात् सुरां वा पिबेत् सोऽपि मन्ये पतितः स्यात् MahāBh. i. 2.26 (*on* i. 1.0); ii. 213.13 (*on* iv. 1.31); अजानन् माहात्म्यं पतति शलभस्तीव्रदहने S'atTrayī. 160; अजानन्तोऽस्य द्रव्यस्यातिसर्गेण मुच्येरन् ArthS'ā. ii. 145.1 (4.6); अजानन् यो द्विजो नित्यमहुत्वात्ति शृतं हविः BṛParāSm. 4.194; तच्छ्रवणार्थं यत्किंचिदल्पाक्षराभिधेयमजानन्निव पृच्छेत् KāmSū. 3.2 (201.8); प्रच्छन्नं वा तैः संयोज्य स्वयमजानती भूत्वा … निवेदयेत् KāmSū. 7.1 (365.22); देशसात्म्यमजानन्तः कथं कुर्युश्चिकित्सितम् KāśyaS. 363B.23; तत्र वासो देवयान्याः शर्मिष्ठा जगृहे तदा। व्यतिक्रममजानन्ती दुहिता वृषपर्वणः MatsyaP. 27.6; शकटदासोऽपि तपस्वी तं तादृशं लेखमजानन्नेव कपटलेखं मया लेखित इति MudrāRā. 7.8(9); ननु जीवेन किं दुःखं न प्राप्तं मूढचेतसा। भवभ्रमणसक्तेन मोक्षमार्गमजानता PadmP.(Ra.) 98.79; पत्रच्छेदमजानञ्जानन् वा कौशलं कलाविषये KuṭṭaMa. 74; शोकश्च मोहश्च कामकर्मबीजमजानतो भवति ĪśopBh. 12.13 (*on* 7); कुलधर्ममजानन् यः संसारान्मोक्षमिच्छति KulārT. 2.47; आहारभेषजनिरुक्तिमजानतां नः… का वा क्रिया कथयताम् KalyāKā. 1.6; न चाजानन्स्वसाध्यार्थं विद्वान्कश्चित्प्रवर्तते BṛĀraUBhVā. (Sambandha.) 305; यस्तु जलार्थी जलबुद्ध्या सुरां पीतवांस्तस्याजानतो नापराधः ManuBh. ii. 383.4 (*on* 11.45); नासौ तत्फलमाप्नोति सम्यक् पाठमजानतः AmoghS'i. 124; आत्मशक्तिमजानतो विग्रहः क्षयकाले कीटिकानां पक्षोत्थानमिव NītiVā. 10.147; न हि आरोपविषयारोप्ये अजानन् आरोपयितुमर्हति TātpaṬ.(Vā.) 498.13 (*on* iii. 1.1); लब्धा अपि श्रियो यान्ति पुंसां भोक्तुमजानताम् YaśasCam. i. 386.6; प्रसङ्गस्त्वयि मे कृतः। अजानन्त्या परं भावम् BhāgP. iii. 23.54; एतच्च सर्वं देहातिरिक्तमात्मानमजानतो नोपपद्यते S'rīBh. 248.6 (*on* i. 2.12); गुणविषयविभागानौषधानामजानन् कुभिषगिव चिकित्सालोलुपो बालिशोऽसौ ĪśānS'iPa. i. 3.2; राजाथ तद्वधादन्यदजानन् दौस्थ्यभेषजम्। न्ययुङ्क्त RājTa.(Ka.) 8.2085; विवाहसमये प्राप्तमजानन्निव सोऽग्रजम्। नाकार्षीत् स्वागतमपि PariPar. 1.296; तन्माहात्म्यमजानन्तो भद्रायां यदि मङ्गलम्। कुर्याद्वंशक्षयं तस्य VasiS. 16.14; किं नु विज्ञपयिष्यामि तत्प्रवृत्तिमजानती SamarāSaṁ. 5.85; विपिनं प्रविवेश … करणीयं च किमप्यजानती (दमयन्ती) Nalābhyu. 7.57; अजानन् … पन्थानम्…स कश्मीराणामगाहत RājTa.(Jo.) 577; काव्यं कर्तुमजानतापि यदयं यत्नो मयारभ्यते Rāṣṭrau. 1.10; अमुमर्थमजानता मया कियदस्यै सरिते कृतं तपः Gaṅgāva. 7.47; **ii** ingorant (in general) नान्यत्तीर्थं न देवोऽन्यः … नरं तावदजानन्तं पावयन्ति महीपतिम् MahāBhā. xii. 298*(2); (प्रपञ्चस्य बाधम्) अजानतां तु सत्यतैव रूप्यादिवत् IṣṭaSi. 80.22; औदासीन्यमजानतोऽप्यस्तीति Bhām. 114.1 (*on* i. 1.4); लोकस्याजानतो विद्वांश्चक्रे सात्वतसंहिताम्। यस्यां वै श्रूयमाणायां कृष्णे…। भक्तिरुत्पद्यते BhāgP. i. 7.6; रामस्तु सर्वं ज्ञात्वैव भविष्यत्कार्यगौरवम्। अजानन्निव दुःखेन शुशोच जनकात्मजाम् AdhyāRā. vii. 7.49; अजानतस्त्वां नमतः फलं यत्तज्जानतोऽन्यं न तु देवतेति Viṣāpahā. 27; यदि ग्राम्यैरजानद्भिर्धर्मो न बहुमानितः PārśvC. 1.183; नो चेत्कथं भूतभवद्भविष्यत्कथाप्रबन्धान् रचयेरजानन् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 7.26; का हि नापदजानतः Subhāṣi. 3157; **iii** not caring for, unmindful of तत्राश्रमे दम्पती … तपःकष्टमजानन्तौ कंचित्कालं व्यतीयतुः PariPar. 1.115; [Inst.] unintentionally, unawares अजानता भवेत्कश्चिदपराधः कृतो यदि MahāBhā. iii. 29.29; अहो बत महत्पापं सावित्र्या नृपते कृतम्। अजानन्त्या यदनया गुणवान् सत्यवान् वृतः MahāBhā. iii. 278.11; यदस्माभिरजानद्भिः किंचिदुक्तो नराधिपः। क्षन्तुमर्हति तत्सर्वम् MahāBhā. iv. 66.20; मया प्रदूषितस्त्वं यदजानता प्रभो।…प्रसादितस्त्वं क्षम मे महीश्वर Rāmā. iv. 18.57; स राजा अजानता मया पीतमित्याह ViṣṇuP. iv. 2.55; अथवाजानता

धेनुरियं व्यापादिता मम। तत्कथं शापयोग्योऽयं दुष्टं नास्य मनो यतः MārkP. 112.17; अजानता मया सैव पत्रैः शाखा वियोजिता Mṛcch. 4.18 (192); द्वे ज्योतिषी अजानन्त्या निर्भिन्ने कण्टकेन वै BhāgP. ix. 3.7; VarāP. 55.40; SkandP. v(1). 11.8; अजानता मया विद्धस्त्वातुमर्हसि मां मुने AdhyāRā. ii. 7.25; अजानता च मया तद्दर्शनावतीर्णे त्वयि प्रयुक्तोऽनुकूतवानेषोऽपि यथोचितं पूज्येषु UdaySuKa. 89.16; अजानता यत्कृतं पापं यथा सुप्तेन पर्यङ्कात्पतता कश्चिद्धतः Aparā. 1038.25 (on 3.221); अजानन्त्या कुमार्यासौ वृतस्तत्किं सहामहे CitraPaC. 221; उल्लङ्घ्य निर्माल्यमुदासितं यदजानतानेन पदे भवत्याः NīlaVi. 130.8.

अजानत (ajānata) *adj.* venerated by Brahman (Unborn) अजानत त्वन्महिमानमद्भुतं विमोहितं देव तवैव मायया। कृतापराधम् ... क्षमस्व Yādavā. 14.53.

अजानन (ajānana) *adj.* having the face of a goat अजाननश्चलाक्षिभ्रूः कामरूपी महायशाः ... अभिरक्षतु SuśruS. vi. 36.11; AṣṭāSaṁ. ii. 199.16 (6.6); BhāvPra.(Bhā.) viii. 71.115; तत्र ... केचिद्गणा नर्दन्ति ... खरास्याजाननास्तथा VarāP. 90.8.

अजाननक (ajānana-ka) *adj.* not knowing [DBHS]

अजानन्तर्य (aj-ānantarya) *n.* close proximity with a vowel, immediate occurrence of a vowel नाजानन्तर्ये बहिष्ट्वप्रकृप्तिरिति MahāBh. i. 310.7 (on i. 4.2); VyāḍiPari. 80; PariVṛ.(Nī.) 28.1; PariVṛ(Sī.) 128.9; केचिदाहुस्तदेवेदमजानन्तर्यदूषितम् S'lokaVār. 7.212 (904.8)

अजानन्तर्याश्रयण (ajānantaryāśrayaṇa) *n.* resorting to the immediate occurrence of a vowel अन्तरङ्गबहिरङ्गयोर्यत्र कचिदजानन्तर्याश्रयणमात्राश्रयणेन बहिरङ्गपरिभाषानिषेधे PāṇiTaVāNaMā. 17.5; 27.1.

अजानात्मकदेश (ajānātmaka-deśa) *m.* region having no goat तिलांश्च ... इत्यत्र अजानात्मकदेशे फलसंबन्धप्रतिपादनार्थमजेनेत्यनूद्यते DaṇḍaVi. 203.19.

अजानान (a-jānāna) *adj.* [*f.* -ā] **i** who has not realised (his wishes) काम्यं पुनराधेयमजानानस्य S'āṅkhS'S. ii. 5.1 (comm. अजानानस्य कामान् कुर्वतोऽपि काम्यानि। यस्यासंपत्तिः स एवमुच्यते); **ii** not knowing अजानानः प्रकाशं यः परद्रव्यं क्रीणीयात्तत्र तस्यादोषः ViṣṇuSm. 5.164; वागनादिरनन्तापि तत्त्वं तन्नावगाहते। गुणैस्तटस्थितैस्तैस्तैरजानानैव सा स्थिता AhirbuS. 8.11; सोऽजानानः कथमवृक्षव्यवच्छेदं प्रतिपद्येत संकेते PramāVāSvopVṛ. 38.15; अजानानो विशेषं वा क्रोधबोधितमानसः। दशाननः कदाचिन्नौ हन्तुं वाञ्छेदुभावपि PadmP.(Ra.) 47.14; अजानानोऽपि संज्ञात्वं सम्बन्धान्तरदर्शनात् S'lokaVār. 5(15).6 (640.7); ManuBh. i. 389.8 (on 4.176); अभिप्रायमजानानश्चोदयति Kāśi. iii. 201.15 (on 5(8).19); तत्स्थानमजानानाः S'rīBh. 301.20 (on i. 3.14); बौद्धभाषामजानानः RājTa.(Ka.) 1.135; KathāSaSāg. i. 7.65; तदाशयमजानाना विलक्षा सा ...। गत्वा तमूचे PariPar. 2.481; PārśvC. 1.307; स्वयमपि कदाचिद्रूपदिष्टम्...अर्थमजानानो न जानामीत्येव भाषसे S'atDū. 114.1; अजानानस्तत्त्वं न स मृगयतेऽन्यत्र सरसीम् S'ārṅgaPa. 942; S'ivārkaMaDī. i. 177.24 (on i. 1.4); स राजानमजानानम् ... न काङ्क्षति ParamāKā. 35.28; **iii** not recognising दैवमजानानां (? °जानानानां) चार्वाकादिमतमेयुषाम् AbhinBhā. iii. 8.21 (on 19.13)

अजानि (a-jā́ni) *adj.* [AltGr. II. 1.101; N. 82] having no wife, wifeless, unmarried अयमार्यात्यर्यमा ...। अस्या इच्छन्नग्रुवै पतिमुत जायामजानये AV. vi. 60.1; widower [APTE]

अजानिक (ajāni-ka) *adj.* having no wife [GaṇPā. 144.33 assigns it to *purohitādigaṇa*]

अजानिक (ajānika) *m.* goat-herd [APTE]

[1]**अजानुरागिणी** (ajānurāgiṇī) *adj.* (*f.*) attached to (king) Aja, cherishing love for (king) Aja मुधैवेन्दुमती महिष्यप्यजानुरागिणी बभूव VāsaDa. 153.1.

[2]**अजानुरागिणी** (ajānurāgiṇī) *adj.* (*f.*) desirous of a he-goat, VāsaDa. 153.1.

अजानुसक्थ (a-jānusaktha) *adj.* without knees and thighs (ससार मारश्च ततः स्वसैन्यं विघ्नं शमे शाक्यमुनेश्चिकीर्षन्। नानाश्रयाश्चानुचराः परीयुः) अजानुसक्था घटजानवश्च दंष्ट्रायुधाश्चैव नखायुधाश्च BuddhaC. 13.20.

अजानेय (ajāneya) *m.* [= आजानेय] a horse of noble or good breed वनायुजाश्च कांबोजाः पारदाः सिन्धुदेशजाः। टंकणाः पर्वतीयाश्च पारसीकास्तथा परे। अजानेयाः(? आजानेयाः) षट्पदाः दरदाः कालवंदिजाः। ... ये हयाः BrahmāṇḍP. iii. 16.17; *adj.* fearless अजानेयस्तु निर्भयः TrikāS'e. iii. 1.21.

अजान्त्री (ajāntrī) *f.* **i** the plant *Argyreia speciosa* or *argentea* वृद्धः कोटरपुष्पी स्यादजान्त्री RājNi. 155.13; अजान्त्री बोकडी चैव RājNi. 68.22; 425.11; वृद्धदारश्च सा कृष्णाजान्त्री KośaKaTa. 1.4114; KalpaK. 297.434; अजान्त्री वृद्धिदारुणि ApūNā. 42B.1; **ii** name of a plant (*Convolvulus argenteus*) अजान्त्री नीलबुह्ना ParyāRaMā. 112; ParyāMu. 17.21.

अजाप (a-jāpa) *adj.* who does not mutter a sacred *mantra* अजापैः...। त्रिलोचनमनाराध्य कथं त्रिदिवमिग्यते BṛKathāMañ. i. 3.40; (न भोजयेत् ... °कितवाजापराजप्रेष्य° ... तालनृत्यगीतशीलान्) अजापः गायत्र्यादिजपरहितः CaturCin. iii(1). 502.13.

अजापक्व (ajā-pakva) *n.* name of a medicinal preparation of ghee (used as a remedy against cough, asthma, consumption etc.) (अजादुग्धादिभ्यो जातम्) [APTE]

अजापञ्चप्रद (ajāpañca-prada) *adj.* giving (a gift of) five she-goats चैत्रे त्रिरात्रं नक्ताशी अजापञ्चप्रदः सुखी AgniP. 197.13.

अजापण्य (ajā-paṇya) *m.* trader in she-goats अजापण्यस्तौल्वलिरजातौल्वलिः MahāBh. i. 406.8 (on ii. 1.69)

अजापति (ajā-pati) *m.* he-goat त्रिपिबं त्विन्द्रियक्षीणं श्वेतं वृद्धमजापतिम्। वार्ध्रीणसं तु तं प्राहुर्याज्ञिकाः पितृकर्मणि ManuBh. i. 321.6 (on 3.261); अजापतिमजमित्यर्थः Aparā. 553.2 (on 1.259); CaturCin. iii(1). 590.5.

अजापत्या (ajāpatyā) *f.* name of Brahman's city ब्रह्मानन्दा ब्रह्मवृन्दाजापत्या जगती परा ParyāS'aRa. 1.11.

अजापथ (ajā-patha) *m.* path like that of a goat इवे प्रतिकृतौ, खौ इति चागतस्य कस्योस् भवति देवपथादिभ्यः परस्य। देवपथ इव देवपथः ... अजापथः JaineVyā. 265.21 (on iv. 1.154)

अजापयःशृत (ajāpayaś-śṛta) *adj.* boiled in goat's milk शृङ्गाटककशेरुकम्। अजापयःशृतमिदं सुशीतं शर्करान्वितम्। पीत्वा...वाजी रक्तमेहात्प्रमुच्यते AgniP. 288.22 = ViṣṇuDhaP. ii. 46.16.

अजापयस् (ajā-payas) *n.* goat's milk महावीरे गोपय आनयति। ... 'मधु हविरसि' इत्यजापयः BhārS'S. xi. 9.19 = ĀpaS'S. xv. 10.3; अथैनान्प्रभूतेनाजापयसा छृणत्ति ĀpaS'S. xv. 4.10; xv. 10.4; (सम्भारान्) निवपति ... पूर्वार्धमजापयः MānS'S. 106.10; अजापयसावसिञ्चति (उखाम्) KātyS'S. xvi. 4.23; xxvi. 5.16; मधु मधुकमजापयः...सकन्दलीकम्। यदपि शतसहस्रधा विभिन्नं भवति मृदु त्रिभिरेव तन्निषेकैः ArthS'ā. i. 202.4 (2.12); स्वरसः पीतः ... मण्डेन वाजापयसाऽथवापि। निहन्ति ... अतिसारम् HārīS. iii. 3.40; क्षौद्रं मेषशृङ्गमजापयः।... एष धूपोत्तमो नाम्ना KāśyaS. 170B.16; अजापयः शोषघ्नस्तन्यकररक्तसंग्रहणप्रशमनानाम् (अग्र्यम्) AṣṭāSaṁ. i. 80.23 (1.13); DhanvNi. 239.18; असृग्दरमाशु हन्ति। पिष्टं च सारिवमजापयसा समेतम् KalyāKā. 9.31; 9.42; एवमगादित्यश्च इत्यजापय इत्यादावपि द्रष्टव्यम् NyāyMañ. ii. 101.9; दर्वीप्रलेपः...। पीतस्त्वसौ कालविदा...अजापयसा SiddhYo. 3.57; TattvVai. 146.17 (on 3.17); विषम्। अजापयसि संस्विन्नं यामतः शुद्धिमाप्नुयात् S'ārṅgaS. ii. 12.294; स्नुकुश्रेष्ठकन्यास्नुह्यर्कश्वेतार्काजापयस्सु च। सम्भाव्य वेणुपात्रस्थं तेन नस्यं तथाञ्जनम् Īśān-S'iPa. i. 40.18; शिलाजतुज(? च)तक्रेण शालिपिष्टमजापयः।... करणं करिणां मदे Mānaso. iv. 3.461; त्रिदोषघ्नमजापयः BhojanKu. 131.13.

अजापाल (ajā-pāla) *m.* **1** goat-herd न भोजयेत्स्तेन° ... °अजापाल° ... प्रातिहारिकान् GautDS. ii. 6.15; अजापालो माहिषिकः कर्मदुष्टाश्च...पितृश्राद्धेषु वर्जिताः BṛParāSm. 7.9; अजापालेनापि रामेण ... पौरजनेनानुगतम् ... कुसुमपुरं नाम नगरम् VāsaDa. 111.1; स तस्मै कथयामास पुरेऽसौ पुरनामनि। मित्रवन्तमजापालमुपदेष्टारमात्मवित् PadmP. vi. 172.10; **2** Brahmin who protects barren women रेतःक्षयकरी वन्ध्या अजास्ताः परिकीर्तिताः। तासां यः पालयेद्विप्रो ह्यजापालः स उच्यते AṅgiSm. 124; **3 i** name of a king (of the Raghu-dynasty) रघोर्भूद् दिलीपस्तु ... दीर्घबाहुरजात् कालस्त्वजापालस्ततोऽभवत् AgniP. 272.33; रघुवंशसमुद्भूतो ह्यजापालो नृपोत्तमः SkandP. vii(1). 287.2; **3 ii** name of a king अस्ति देवी कामप्रदा नृणाम्। अजापालेन भूपेन स्थापिता पापनाशनी SkandP. vi. 95.1; अजापालो यदा राजा सर्वलोकहिते रतः SkandP. vi. 133.2; त्रेतायुगमुखे राजा अजापालो बभूव ह SkandP. vii.(1) 58 5; अजापालो महीपालो ह्यजादानैर्दिवङ्गतः CaturCin. i. 717.12; **4** entertaining love, VāsaDa. 111.1 (comm. अकारो वासुदेवस्तस्माज्जातोऽजः कामस्तमापालयति तादृक्)

अजापालक (ajā-pālaka) *m.* goat-herd [S'abdaKaDru.]

अजापालादिक (ajāpālādi-ka) *adj.* shepherd etc. योऽन्नम् ...अश्वादजापालादिकस्य च। ...सोऽनन्तं नरकं व्रजेत् BṛParāSm. 6.287.

अजापालार्पित (ajāpālārpita) *adj.* handed over to a shepherd अजापालार्पितोऽस्म्यन्यस्तन्यपानेन जीवितः SamarāSaṁ. 4.388.

अजापालि (ajāpāli) *m.* one belonging to the Ajāpāli *gotra* आनष्टयो भागुरयः श्येनपोऽथाजापालयः। शैरीषिरौदवाही च ... इत्येतेषामविवाहः MānS'S. 247.3.

अजापालेश्वरी (ajāpāleśvarī) *f.* name of a goddess (known after king Ajāpāla) अथान्यापि च तत्रास्ति देवी कामप्रदा नृणाम् । अजापालेन भूपेन स्थापिता … । तां च … अजापालेश्वरीं नरः । यो वै पूजयते SkandP. vi. 95. 2; vii(1). 58. 14; ततो गच्छेन्महादेवि अजापालेश्वरीं शुभाम् SkandP. vii(1). 287. 1.

अजापित्त (ajā-pitta) *n.* goat's bile अजापित्तकृतं व्योषं धूमस्थाने विशोष्य च । … राज्यन्धस्याञ्जनं हितम् RasRaSa. 23. 66.

अजापिन् (ajāp-in) *adj.* who does not mutter (sacred *mantras*) अस्नात्वा शमलं भुङ्क्ते त्वजापी पूयशोणितम् DakṣaSm. 2. 63; अस्नाताशी मलं भुङ्क्ते अजापी पूयशोणितम् SkandP. vii(1). 207. 35.

अजापुरीष (ajā-purīṣa) *n.* excrement or faeces of a she-goat अजापुरीषप्रतिमो रुजावान् … । विदार्य कृष्णं प्रचयोऽभ्युपैति SuśruS. vi. 5. 10; RugVi. 59. 28; BhāvPra.(Bhā.) viii. 62(?63). 63.

अजाप्य (a-jāpya) *adj.* who does not mutter the sacred formula अथ ग्रहाणामातिथ्यम् … व्याख्यास्यामः । अश्रद्दधानमशुचिकरणमजाप्यं त्यक्तमङ्गलम् । सुव्यक्तं ग्रहा नयन्ति पुरुषं यमसादनम् JaimiGS, 2. 9 (34. 2)

अजाप्रक्लृप्ति (ajā-praklpti) *f.* assumption (of the Prakṛti) as Unborn तदियमजाप्रक्लृप्तिरिह बहिरवत्रगुणे तदनुविधायिनी प्रथितजीवभिदानुकृतिः Naya-Mañ. I. iv. 2. 4.

अजाप्रसूत (ajā-prasūta) *adj.* discharged by a she-goat मूत्रेणाजाप्रसूतेन तैलं पातालयन्त्रजम् । विसर्पं नाशयत्याशु RasRaSa. 20. 3.

अजाप्राय (ajā-prāya) *adj.* consisting mostly of the goat's (milk) भविष्यन्ति कलौ युगे । अणुप्रायाणि धान्यानि अजाप्रायं तथा पयः ViṣṇuP. vi. 1. 54.

अजाप्रार्थना (ajā-prārthanā) *f.* prayer for a she-goat किं तुष्टेन प्रदातव्यं वासवेनाखिलार्थिना । अजाप्रार्थनया किं नु कामधेनुफलं लभेत् GaṇeP. ii. 107. 24.

अजाप्रिय (ajā-priya) *m.* **1** substance called Ajāpriya (*Ligusticum ajwaen*) अजाप्रियो ग्रहावासः शिलाख्यः कृष्णचोरकः AbhidhāMañ. 119. 4; **2** jujube tree (*lit.* goat's favourite) अजाप्रियः कुहाकोलिर्विषमो भयकण्टकः BhāvPraNi. 96. 71.

अजाप्रिया (ajā-priyā) *f.* jujube tree (*lit.* goat's favourite) स्निग्धच्छदाजाप्रिया च गृध्रनख्यल्पिका द्वयोः । कर्कन्धूः स्यात्फेनिलम्बं बदरी कुवलं त्रिषु KośaKaTa. 1. 3160.

अजाभवघृत (ajābhava-ghṛta) *n.* ghee from (the milk of) a she-goat षष्ठ्यादि च दशम्यन्तमजाभवघृतैस्तथा । प्रागुक्तैर्निस्तुषैः(शालीचणकमुद्गैः)-र्होमात्प्रागुक्तफलमाप्नुयात् TantrRā. 18. 51.

अजाभिघातन (ajābhighātana) *n.* killing a goat अजाभिघातने चैव अधिकाङ्गः प्रजायते । अजा तेन प्रदातव्या विचित्रवस्त्रसंयुता SātāSm. 2. 61.

अजाभुज (ajā-bhuja) *m.* arm of the Unborn (Prakṛti) अजाभुजात्पूर्वंगताच्च जातश्चादौ महाकल्पकरोऽहमग्निः BhaviP. 601A. 33 (iii(4). 25. 25)

अजामदग्न (a-jāmadagna) *adj.* who does not belong to the Jamadagni *gotra* अथ ह्याजामदग्नानां (? °ग्न्यानाम्) भार्गवच्यावनाप्नवानेति ĀśvaŚS. II. vi. 10. 7.

अजामदग्न्य (a-jāmadagnya) *adj.* who does not belong to the Jamadagni *gotra* जमदग्नीनां तु पञ्चावत्तमप्यजामदग्न्यो जामदग्न्यमामन्त्र्य पञ्चावत्तं कुर्वीत सर्वत्र ĀpaŚS. ii. 18. 2; तस्मात्राजामदग्न्यः पञ्चावत्तं जुहोति MahāBh. i. 105. 8 (*on* i. 1. 44); तत्र भृगवो द्विविधाः जामदग्न्या अजामदग्न्याश्च VīraMi.(Saṁskāra.) 616. 21 = BālamBha. i. 183. 4 (*on* 1. 53); VīraMi.(Saṁskāra.) 619. 9.

अजामदग्न्यता (ajāmadagnya-tā) *f.* the state of not belonging to to the Jamadagni *gotra* यद्यपि अजामदग्न्यतया चतुरवत्ती यजमानः तथापि वपा पञ्चावत्तैव कार्येत्यर्थः MayūMāli. 769. 10 (*on* x. 7. 20)

अजामदग्न्यत्व (ajāmadagnya-tva) *n.* the state of not belonging to Jamadagni *gotra* ननु वत्सविदाभ्यामाष्टिषेणस्यानुद्वाहनिमित्तं न सगोत्रत्वमस्याजामदग्न्यत्वात् VīraMi.(Saṁskāra.) 619. 23.

अजामन्त्र (ajā-mantra) *m.* *mantra* containing the word *ajā* (i. e. Primordial Cause) इति च तस्या एवावगमात्र स्वतन्त्रा काचित्प्रकृतिः प्रधानं नामाजामन्त्रेणाम्नायत इति शक्यते वक्तुम् BrahmSūBh.(Śaṅ.) 242. 18 (*on* i. 4. 9); 244. 11 (*on* i. 4. 11); अजामन्त्रोऽप्यात्मनोऽसंख्यातत्वमनुजानाति NītiMā. 51. 4; PrakaVi. 336. 23; अजामन्त्रः … प्रकृतेः … प्रतिपादकोऽङ्गीकर्तव्य इत्यर्थः ŚivārkaMaDī. i. 523. 19 (*on* i. 4. 9); i. 406. 23 (*on* i. 3. 5); i. 568. 2 (*on* i. 4. 27)

अजामन्त्रान्वित (ajāmantrānvita) *adj.* possessing the *mantra* containing the word *ajā* प्रथमेऽध्याये अजामन्त्रान्विते चतुर्थे च शक्तेः प्रक्रमात् ब्रह्मशक्तिरूपो विशेष इति GoviBh. 66. 14 (*on* i. 4. 9)

अजामन्त्रार्थ (ajāmantrārtha) *m.* meaning of the *mantra* containing the word *ajā* नाजामन्त्रार्थः प्रधानम् PrakaVi. 339. 15.

अजामांस (ajā-māṁsa) *n.* she-goat's meat शनैश्चराय कृसरामजामांसं च राहवे MatsyaP. 93. 20 द्रवीभवत्यजामांसम् BhojanKu. 96. 14.

अजामांसप्रतिनिधि (ajāmāṁsa-pratinidhi) *m.* substitute for she-goat's meat अजामांसप्रतिनिधिं माषापूपं जुहोति च ĪśānŚiPa. ii. 59. 67.

अजामार्जनिकोत्थ (ajāmārjanikottha) *adj.* arising out of the broom made of a she-goat's hair त्वम् … अजामार्जनिकोत्थैश्च रजोभिर्वा समाश्रितः SkandP. vi. 22. 26.

अजामि (á-jāmi) *adj.* **1** not a kin, not related, stranger, enemy स जामिभिर्यत् समजाति मीळ्हेऽजामिभिर्वा पुरुहूत एवैः ṚV. i. 100. 11; i. 111. 3; i. 124. 6; अवं स्थिरा तनुहि यातुजूनां जामिमजामिं प्र मृणीहि शत्रून् ṚV. iv. 4. 5 = TaiS. I. ii. 14. 2 = MaiS. ii. 7. 15 = KāṭhS. 16. 15 = KapiKaS. 25. 6; VājaS. 13. 13 = VājaS.(K.) 14. 13; KauṣīBr. 28. 6 (136. 20); येन वंसाम पृतनासु शत्रून्तवोतिभिरुत जामीँरजामीन् ṚV. vi. 19. 8; vi. 25. 3; vi. 44. 17; अजामिमन्यः श्नथयन्तमातिरत् ṚV. vii. 82. 6; स नो अजामीँरुत वा विजामीनभि तिष्ठ शर्धतो वाध्र्यश्व ṚV. x. 69. 12; यच्च जामि यच्चाजामि तद् वो निजिहतामित्येवैनांस्तदाह KauṣīBr. 28. 5 (136. 18); 28. 5 (136. 17); ĀśvaŚS. I. v. 7. 3; नि वो जामयो जिहतां न्यजामयः ŚāṅkhāŚS. vii. 6. 3; **2** whose husband is not living (i. e. a widow) अजामीति । अविद्यमानभर्तृकेत्यर्थः BālamBha. i. 419. 22 (*on* 1. 157); *n.* **1** incest, unlawful sexual act, cohabitation not allowed between relations (particularly between brothers and sisters) प्रियं दुग्धं न काम्यमजामि जाम्योः सचा ṚV. v. 19. 4; यमीर्यमस्य बिभृयादजामि ṚV. x. 10. 9; AV. xviii. 1. 10; यत्र जामयः कृणवन्नजामि ṚV. x. 10. 10 = AV. xviii. 1. 11; **2** transgressive act तानि उत्तराणि युगानि अगच्छान् आगमिष्यन्ति । यत्र जामयः बालिशाः अजामि अतिरिक्तानि शास्त्रविरुद्धानि कर्माणि कृण्वन् करिष्यन्ति NyāySu.(So.) 128. 27 (*on* i. 3. 2); **3** absence of repetitiveness, non-tautology मध्यतो गुदस्यावद्यति मध्यतो हि प्राण उत्तमस्यावद्यत्युत्तमो हि प्राणो यदीतरं यदीतरमुभयमेवाजामि TaiS. VI. iii. 10. 5; VII. iv. 2. 3; रथन्तरं दिवा भवति रथन्तरं नक्तमित्याहुर्ब्रह्मवादिनः केन तदजामीति सौभरं तृतीयसवने TaiS. VII. iv. 10. 2; KāṭhS. 33. 2; MaiS. iv. 6. 8; KāṭhS. 6. 5; 6. 7; KapiKaS. 4. 6; यत्कण्वरथन्तरं भवति तेनाजामि PañcBr. xiv. 3. 17; तस्य सच्छन्दसौ याज्यापुरोनुवाक्ये निगदो व्यवैति तेनाजामि भवति KauṣīBr. 3. 6 (12. 13); अनेन ह त्वेवाजाम्युपांश्वाज्यस्य यजति ŚatBr. I. vi. 3. 27; तदाहुर्यद् आज्यानि सर्वाणि समाननिधनानि केनाजामि क्रियन्त इति । नानादेवत्यानीति ब्रूयात् तेनाजामीति JaimiBr. 1. 106; 1. 300; यथा कथा च विशेषोऽजामि भवतीत्यपरम् Nir. 10. 16 (178. 19); सप्तैव तृचेषु वैरजामीत्यपरम् LāṭyāŚS. iii. 6. 31; अथाप्येवमजामि भवति NidāSū. 33. 19 (2. 8); 20. 8 (1. 12); अपि चान्ताख्यानि कर्माणीति । यद्वैतज्जामीत्यजामि वा कल्पयेत, अर्थोऽजामिकरण इति वापि तितिक्षेत NidāSū. 34. 6 (2. 8); 139. 22 (8. 6); 153. 14 (9. 1); 167. 8 (9. 10)

अजामिकरण (ajāmi-karaṇa) *n.* absence or removal of repetitiveness न चाजामिकरणं नाम किंचिदिष्टं फलम् ŚābaBh. 2095. 4 (*on* x. 8. 70); 2087. 25 (*on* x. 8. 49); अजामिकरणं चैषु प्रत्येकमवगम्यते । जामिदोषेण चोपांशुयाजोपन्यसनं कृतम् TantrVā. 481. 19 (*on* ii. 2. 9); *adj.* which causes absence or removal of repetitiveness अपि चान्ताख्यानि कर्माणीति । यद्वैतज्जामीत्यजामि वा कल्पयेत अर्थोऽजामिकरण इति वापि तितिक्षेत NidāSū. 34. 6 (2. 8)

अजामिकरणार्थत्व (ajāmikaraṇārtha-tva) *n.* the state of being for the purpose of the absence of repetitiveness अजामिकरणार्थत्वाच्च MīmāSū. x. 8. 63; अजामिकरणार्थत्वमत्र श्रूयते ŚābaBh. 2092. 2 (*on* x. 8. 63); 2094. 24 (*on* x. 8. 70)

अजामिकरत्व (ajāmikara-tva) *n.* the state of being the remover of repetitiveness यदन्तरालकालसंयोगेन विधास्यते तस्याजामिकरत्वं प्रशंसा TantrVā. 483. 4 (*on* ii. 2. 10)

अजामिकर्मन् (ajāmi-karman) *n.* act or deed befitting one who is not a close relation आगमिष्यन्ति तान्युत्तराणि युगानि । यत्र जामयः करिष्यन्त्यजामिकर्माणि Nir. 4. 20 (85. 3)

अजामिकृत् (ajāmi-kṛt) *n.* broth, gravy, sauce (*lit.* what removes staleness) स्वदनं व्यञ्जनं क्लीबे तेमनं स्यादजामिकृत् KalpaK. 145. 113.

अजामिता (ájāmi-tā) *f.* [DEBRU. p. 620] absence or removal of repetition, variation, non-uniformity cf. **अजामित्व**, सर्वाणि स्वाराण्याज्यानि तज्जामि नानादेवत्यैः स्तुवन्त्यजामितायै PañcBr. vii. 2. 5 = xvi. 5. 21; viii. 8. 12; तौ वा उपांशु निरुक्तौ भवतोऽजामितायै KauṣīBr. 3. 6 (12. 4); 3. 6 (12. 8); 13. 9 (60. 24); 30. 11 (146. 20); तत्तदुनादिश्याज्यस्यैव रूपेण गृह्णात्यजामितायै ŚatBr.

I. iii. 2. 8 = I. iii. 2. 9; I. viii. 1. 25; न द्वे चन सहाजामितायै जामि ह कुर्यात् S'atBr. II.ii. 3. 27; IV. ii. 2. 9; IV. ii. 3. 18; उपयामेन गृहीतो भवत्यजामितायै S'atBr. IV. iii. 5. 11; वरुणपाशात्प्रजाः प्रमुञ्चति मारुती दक्षिणाजामितायै S'atBr. (K.) I. v. 1. 8; अन्त्येन स्तोत्रेण समस्तोमो भवत्यजामितायै JaimiBr. 1. 201; 3. 145; 3. 184; ततश्च व्यवधानादजामिताबगम्यते S'ābaBh. 494. 10 (*on* ii. 2. 10); TantrVā. 481. 21 (*on* ii. 2. 9); अन्योन्यस्याजामिता शब्दशक्तेः SaṁkṣeS'ā. 1. 189 (i. 149. 22)

अजामिताकरण (ajāmitā-karaṇa) *n.* absence or removal of repetition अजामिताकरणशक्तिप्रदर्शनमुखेन तज्जन्ययागस्तुतिपरतया एकवाक्यत्वेऽप्युपपत्तेः MīmāKau. iii (2). 185. 17 (*on* ii. 2. 10)

अजामितार्थवाद (ajāmitārthavāda) *m.* laudatory declaration or statement pertaining to the absence of repetition तेनाजामितार्थवादं वक्ष्यामि S'ābaBh. 494. 10 (*on* ii. 2. 10)

अजामित्व (ájāmi-tva) *n.* absence or removal of repetition, variation, non-uniformity cf. **अजामिता**; अन्तरा यजत्यजामित्वायार्थो मिथुनत्वाय TaiS. II. vi. 6. 4; II. vi. 10. 4; V. v. 6. 2; VII. ii. 5. 5; चरुर्मध्ये स्यादजामित्वाय KāṭhS. 10. 8; 12. 4; 21. 7; हुत्वोपं सादयत्यजामित्वाय TaiBr. II. i. 4. 3; I. viii. 2. 1; III. iii. 4. 6; III. ix. 1. 2; प्रशंसार्थमजामित्वं यथामृतार्थत्वम् MīmāSū. x. 8. 70; विष्णुरुपांशु यष्टव्योऽजामित्वाय S'ābaBh. 489. 6 (*on* ii. 2. 9); अजामित्वं च तस्यैव प्रशंसेत्यवधारितम् S'āstrDī. 133. 2 (*on* ii. 2. 4); 132. 13 (*on* ii. 2. 4); उपसंहारोक्तिस्तद्वाराप्यजामित्वाय VedāntKa. 221. 2 (*on* i. 4. 19); 360. 13 (*on* iii. 2. 1); न चात्र विहितयागानुवादेन देवताविधिः शङ्कनीयः। समाधातव्येन जामित्वदोषेणोपक्रमात् अजामित्वेन समाधानेनोपसंहारात् NyāyMāVi. 84. 10 (*on* ii. 2. 4); VidhiRa. 5 (25. 2); MīmāKau. iii(2). 182. 18 (*on* ii. 2. 9); विष्ण्वादिपदानामजामित्वोपपादकतया अर्थवादत्वेनोपपत्तौ MīmāKau. iii(2). 187. 21 (*on* ii. 2. 10); सर्वान्तेऽजामित्वकीर्तनादित्यर्थः MayūMāli. 133. 1 (*on* ii. 2. 4); 132. 15 (*on* ii. 2. 4)

अजामित्वगुण (ajāmitva-guṇa) *m.* merit in the form of the absence or removal of repetition तच्चान्तरालकरणादेवाजामित्वगुणेन प्रशिशंसिषितम् S'āstrDī. 133. 5 (*on* ii. 2. 4)

अजामित्वार्थवाद (ajāmitvārthavāda) *m.* laudatory statement pertaing to the absence or removal of repetition न च प्रत्येकमजामित्वार्थवादाद् भिन्नवाक्यत्वावगतिः MīmāKau. iii(2). 185. 16 (*on* ii. 2. 10)

अजामित्वोपक्रमोपसंहार (ajāmitvopakramopasaṁhāra) *adj.* possessed of the beginning (or introduction) and conclusion pertaining to the absence or removal of repetition यथोपांशुयाजवाक्येऽजामित्वोपक्रमोपसंहारे विष्णुरुपांशु यष्टव्यः इत्यादीनि वचांसि BrahmSi. 124. 19.

अजामित्वोपसंहार (ajāmitvopasaṁhāra) *m.* conclusion pertaining to the absence or removal of repetition अजामित्वोपसंहारात् ... विष्णुरुपांशु यष्टव्यः इत्यादयो न विधयः PrakaVi. 160. 21; MayūMāli. 879. 6 (*on* xii. 4. 5)

अजामिभगिनी (ajāmi-bhaginī) *f.* sister whose husband is not living भ्रातृभ्यः पृथगुपादानमजामिभगिनीप्राप्त्यर्थम् Mitā. 53. 6 (*on* 1. 158)

अजामिल (ajāmila) *m.* name of a Brāhmaṇa कान्यकुब्जे द्विजः कश्चिद्दासीपतिरजामिलः। नाम्ना नष्टसदाचारो दास्याः संसर्गदूषितः BhāgP. vi. 1. 21; अजामिलं द्विजश्रेष्ठं वृषल्या सह संयुतम्। न भिया वारयामासुः सुराः BrahmVaiP. iv. 46. 54 = S'ivaP. ii(4). 1. 38 (192B. 14); (शम्भोः) नामोच्चारणमात्रेण जप्त्वा मंत्रमजामिलः। पश्चात्तापसमायुक्तस्त्ववाप परमां गतिम् SkandP. iii(3). 22. 93; ii(2). 15. 41; iii(3). 10. 4; BṛNāraP. 2. 44; 11. 29; BhaviP. 452B. 21 (iii(2). 25. 22); अजामिलोऽपि भूपाल दासीपतिरिति श्रुतः PadmP. iv. 87. 6; i. 31. 109 S'aṅkaVi.(Ā.) 183. 4; AṇuBh. 178. 26 (*on* iii. 1. 20); अजामिल इलातले मलिनमूर्तिरासीन्महान् HariVi. 4. 61; अजामिलो नाम महीसुरः ... दृष्टवान् सुधृष्टशीलां कुलटां मदाकुलाम् Nārāy. vi. 22. 1.

अजामिलमुख्य (ajāmila-mukhya) *adj.* having Ajāmila as the chief member, headed by Ajāmila गणिकाजामिलमुख्यानवता भवता बताहमपि। ... न सर्वथोपेक्ष्यः RasGaṅ. 77. 14.

अजामिलादि (ajāmilādi) *adj.* beginning with Ajāmila, Ajāmila and others पुरुषोत्तमेन प्रयुक्तोऽमानवः पुरुषोऽर्चिःपर्यन्तमागत्योपासकाननयत्युत विद्युत्पर्यन्तमिति संशये भूपर्यन्तागतैः पार्षदैरजामिलादेर्नयनादर्चिःपर्यन्तम् GoviBh. 309. 12 (*on* iv. 3. 6)

अजामिष (ajāmiṣa) *n.* goat's flesh (जायते) घृतं हत्वा तु नकुलः काको मद्गुरजामिषम् MārkP. 15. 21.

अजामुख (ajā-mukha) *n.* mouth or throat (i. e. bleating) of a goat षड्जो वेदे शिखण्डी स्यादृषभः स्यादजामुखे YājñaS'i. 6 F. N.; *m.* [sg.] name of a son of Danu अजामुखोऽथ भगवान् शिलो वामनसस्तथा। ... इति पुत्रा दनोर्वंशाः VāyuP. ii. 7. 5; [pl.] name of a group or clan of Piśācas षोडशानां पिशाचानां गणाः प्रोक्तास्तु षोडश। अजामुखा वक्रमुखाः ... स्कन्दिनस्तथा VāyuP. ii. 8. 257 = BrahmāṇḍP. ii. 7. 381; सर्वाङ्गकेशा वृत्ताक्षा दंष्ट्रिणो नखिनस्तथा। तिर्यगङ्गा पारुषदाः पिशाचास्ते ह्यजामुखाः BrahmāṇḍP. ii. 7. 386.

अजामुखसर (ajāmukha-sara) *n.* name of a holy lake (वक्ष्यामि तीर्थान्यायतनानि च) पुण्यं ब्रह्मसरं तथा। ... अजामुखसरं चैव घण्टाकर्णह्रदं तथा BrahmP. 25. 63.

अजामुखी (ajā-mukhī) *adj.* (*f.*) goat-faced (Rākṣasī) स (हनूमान्) ददर्शाविदूरस्था राक्षसीः...अजामुखीर्हस्तिमुखीर्गोमुखीः सूकरीमुखीः Rāmā. v. 15. 14; *f.* name of a Rākṣasī in Laṅkā ततस्त्वजामुखी नाम राक्षसी वाक्यमब्रवीत् Rāmā. v. 22. 38; अजामुख्या यदुक्तं हि तदेव मम रोचते Rāmā. v. 22. 40.

अजामूत्र (ajā-mūtra) *n.* urine of a she-goat अजामूत्रम् ... । ... हस्तिमूत्रमथोष्ट्रस्य हयस्य च खरस्य च CaraS. i. 1. 93; पिबेद् वा पिप्पलीमूलमजामूत्रेण संयुतम् SuśruS. vi. 54. 32; उद्वर्तितस्त्वजालेण्डैरजामूत्राभिषेचितः। ... अजाभिश्च वसेत् सह KāśyaS. 109B. 29; AṣṭāHṛ. iv. 3. 57; अविमूत्रमजामूत्रं गोमूत्रं माहिषं तथा। एतेन चाञ्जितो नागस्तून्मादात् परिमुच्यते Hastyāyur. 239. 17 (2. 33); 636. 22 (4. 14); यत्र तु लिङ्गविशेष उपकारकस्तत्रासौ विवक्ष्यत एव यथाजामूत्रेण पर्युक्षितं दातव्यमिति Pradī. v. 236B. 11 (*on* vi. 3. 42); निर्गुण्डिमूलं च निशे पश्वजामूत्रपेषिते। ... वृषान् हरेत् ĪśānS'iPa. i. 40. 99; i. 41. 52; i. 46. 29; तैलं सिद्धार्थकोद्भूतमजामूत्रविमिश्रितम्। ... नस्यं सिंहाणकापहम् Mānaso. ii. 6. 600; Rasā. 6. 133; शुद्धा मनःशिला। दिनमेकमजामूत्रे RaseCin. 7. 55 (70. 3); (भस्म) निष्कैकमजामूत्रैः ... । पाययेद्दरमरीं हन्ति RaseCin. 9. 174 (195. 16); अजामूत्रं च तद्विष्ठा ... । बुद्बुदं लेपतो हन्यान्मण्डलिक्ष्वेडसंभवम् S'ārṅgaPa. 2919; RājNi. 283. 11.

अजामूत्रक (ajāmūtra-ka) *n.* she-goat's urine बहुकृत्वोऽजामूत्रकक्षार उषिता हरीतकीः (प्रयोजयेत्) AṣṭāSaṁ. ii. 58. 21 (4. 10)

अजामृतजीव (ajāmṛta-jīva) *m.* individual soul which is neither born nor dies अज्ञा(? जा)मृतजीवसमर्पकस्य लौकिकजन्ममरणप्रत्ययविरोधो नास्ति PrakaVi. 609. 20.

अजामेदस् (ajā-medas) *n.* fat of she-goat मूढवातस्त्वजामेदः सुराभृष्टं ससैन्धवम् (लिह्यात्) CaraS. vi. 11. 27 (1941 Ed.) = AṣṭāSaṁ. ii. 25. 20 (4. 5) = AṣṭāHṛ. iv. 3. 85.

अजामोधा (ajāmodhā) *f.* the plant Ajwaen अजामोधा वराहश्च (sic) यवनी दीप्यकश्च सः ṢadrasaNi. 30. 7 cf. **अजमोदा**.

अजाम्बु (ajāmbu) *n.* urine of a goat (कर्णम्) प्रपूरयेत् अजांबुना वा लशुनार्कसैंधवैः। कफाधिके कर्णगतामये भृशम् KalyāKā. 15. 22.

अजाम्भस् (ajāmbhas) *n.* urine of a goat सर्वं पिष्टमजाम्भसा कृतगुलीनस्यादिनाहीन् जयेत् ĪśānS'iPa. i. 40. 5; अजाम्भसा पोत्रिशकृद्दालेपो घोणसापहः ĪśānS'iPa. i. 40. 34.

अजायता (a-jāyatā) *f.* the state of not being a wife या। स्थितिरत्राजायतया सुसदाम्।...अभाषि निषधराजाय तया Nalo. 1. 42.

अजायमान (á-jāyamāna) *adj.* [*f.* -ā] not being born or produced प्रजापतिश्चरति गर्भे अन्तरजायमानो बहुधा ... विजायते VājaS. 31. 19; TaiĀ. iii. 13. 1 (341. 4); अग्निहोत्राय कालेऽग्नावजायमानेऽप्यन्यमानीय जुहुयुः ĀśvaS'S. I. iii. 14. 14); BālaKrī. ii. 33. 14 (*on* 3. 60(?70)); अन्यस्मादजायमानं ध्रुवम् ... ज्ञात्वा देवं मुच्यते सर्वपाशैरविद्यादिभिः S'vetāUBh. 148. 17 (*on* 2. 15); तस्मादजायमानैव जायमानेव लक्ष्यते। अनुभूतिः BṛĀraUBhVā. i. 4. 335; iii. 4. 115; कर्मभिरजायमानस्यैवाश्रितवात्सल्याच्छन्दतो जननं हि तस्य (परमपुरुषस्य) श्रूयते VedāntSā.(Rā.) 83. 2 (*on* i. 3. 1); विष्टपविकटवटानामजायमानाय वी(? बी)जभूताय। रुद्राय नमः EI. ix. 140. 1; KhaṇḍanKhā. 444. 5; TattvPrakā. 47A. 2 (*on* i. 3. 13); हिरण्यगर्भः ... वस्तुतः स्वयमजायमानोऽपि ... सुरनरतिर्यगादिबहुप्रकारेण जायते S'ivārkaMaDī. i. 232. 30 (*on* i. 1. 17); ii. 170. 10 (*on* ii. 4. 5)

अजायमानत्व (ajāyamāna-tva) *n.* the state of not being produced, the state of not arising गामानय इत्यतो वाक्यार्थबोधस्याजायमानत्वात्...अन्वयव्यतिरेकाभ्यां पदशक्तिग्रहजन्य इत्यध्यवसीयते MīmāKau. i. 119. 20 (*on* i. 3. 24); (गङ्गायां घोष इत्यादौ) तीरादिबोधस्य तु शक्यसंबन्धबोधव्यतिरेकेणाजायमानत्वाल्लाक्षणिकत्वव्यवहारः MīmāKau. i. 123. 4 (*on* i. 3. 24); iiiA. 11. 9 (*on* i. 2. 3); अपभ्रंशानामबोधकत्वे ततो बोध एव न स्यात्। न च साधुस्मरणाद् बोधः। तमविदुषां जायमानत्वात्। तस्मादजायमानत्वात् VaiyāBhū. 197. 6 (*on* 37)

अजायमानप्रत्यक्ष (ajāyamāna-pratyakṣa) *n.* direct perception or perceptual knowledge which is not yet taking place प्रतियोग्यनुयोगिभिन्नधर्मप्रत्यक्षमन्तरेणाजायमानप्रत्यक्षविषयोक्तान्यतरत्वात् ... प्रतियोग्यनुयोगिधर्म-

प्रत्यक्षमन्तरेणाजायमानप्रत्यक्षविषयमेदकघटपटादौ व्यभिचारात् भिन्नान्तम् LaCandr. 845. 28.

अजायाघ्न (a-jāyāghna) *adj.* not having a mole or mark indicative of one's wife's death (i. e. having auspicious marks) सोऽकृतघ्नैरजायाघ्नैर ब्रह्मघ्नैर्नरैः समम् । ···हस्तिघ्नो मल्लतां ययौ DvyāśraKā. 11. 47 (comm. अजायाघ्नैः पुण्यपुरुषत्वाच्छुभलक्षणोपेतैरित्यर्थः)

अजायात्व (ajāyā-tva) *n.* the state of not being a (legal) wife एतच्चानुलोमजस्त्रीविषयम् । तस्यां भार्यात्वसंभवात्, न तु प्रतिलोमजाविषयम् । तस्या वर्णबाह्यत्वेनाजायात्वात् Aparā. 120. 1 (*on* 1. 96)

अजायुद्ध (ajā-yuddha) *n.* fight between two goats अजायुद्ध-मृषिश्राद्धं प्रत्यूषे मेघडम्बरः । दम्पत्योः कलहश्चैव परिणामे न किंचन S'ārṅga-Pa. 1455.

अजायूथ (ajā-yūtha) *n.* flock of she-goats अजाद्वयमहं ग्रहीष्ये । ततः षण्मासे षण्मासे प्रसववशाद् अजायूथं भविष्यति Pañcā. 276. 8; यौवनस्थस्त्वजा-यूथमध्यस्थः सुखमस्ति सः SamarāSaṁ. 3. 126; आगतं अजायूथम् । ताः सर्वा आवाहे पयः पातुं लग्नाः PrabaK. 97. 28.

अजायोग्य (ajā-yogya) *adj.* (fold) fit or meant for goats रथाश्व मातङ्गखरोष्ट्रगोऽजायोग्यैरनेकैरपि मंदिरैश्च (संकुलं नगरम्) BrahmāṇḍP. ii. 27. 12.

अजायोनि (ajā-yoni) *f.* womb of a she-goat, as a she-goat तेन दोषेण सा बाला अजायोनौ ह्यजायत BhaviP. 753A. 34 (iv. 103. 9)

अजारक्त (ajā-rakta) *n.* blood of a she-goat समिधो निम्बवृक्षस्य ह्यजारक्तविमिश्रिताः । मारयेत् (शत्रून्) ··· । परसैन्यमुखो भूत्वा सप्ताहं जुहुयाद यदि AgniP. 137. 8.

अजारक्ष (ajārakṣa) *adj.* guarding goats वृका भवन्त्यजारक्षाः समस्त-वसुधातले BṛKathāK. 63. 128.

अजारचेष्टित (a-jāraceṣṭita) *adj.* not behaving like a paramour तत्र स्वदारसंतुष्टो न्यायाध्यायो ददर्श सः । अजारचेष्टितं द्वन्द्वम् DvyāśraKā. 13. 31.

अजारज (a-jāraja) *adj.* not born of a paramour, not a bastard पितृमातृविहीनं च युवकं व्याधिवर्जितम् । ··· अजारजं विशुद्धं च सच्छूद्रपरिपोषितम् । ··· स्नापयित्वा च तं कर्ता पूजयेद्गन्धचन्दनैः BrahmVaiP. ii. 64. 102.

अजारजत्व (ajāraja-tva) *n.* the state of not being a bastard (नियोगोत्पादितौ) कुण्डगोळकौ मनुना श्राद्धे निषिद्धावित्यर्थः । तदेतदयुक्तम् ··· (तयोः) अजारजत्वं च नियुक्तस्याजारजत्वात् SmṛtiCan. v. 180. 13.

अजारजस् (ajā-rajas) *n.* dust raised by (the hooves of she-) goats (व्यासः) उवाच पार्थं विच्छायः कथमत्यन्तमीदृशः । अजारजोऽनुगमनं (कृतम्) ब्रह्महत्याथवा कृता BrahmP. 212. 37.

अजारजातत्व (ajārajāta-tva) *n.* the state of not being born of a paramour or not being a bastard कुण्डगोळकौ मनुना श्राद्धे निषिद्धावित्यर्थः । तदेतदयुक्तं नियोगोत्पादितयोरजारजातत्वेनाकुण्डगोळकत्वात् SmṛtiCan. v. 180. 13.

अजारयत् (a-jārayat) *adj.* not oxidizing अजारयन्तश्रमहेमगन्धं (v. l. अजारयन्तः परि°) वाञ्छन्ति सूतात् फलमप्युदारम् । क्षेत्रादनुत्पादपि सस्यजातं कृषी-वलास्ते भिषजश्च मन्दाः RaseCin. 3. 16 (18. 21)

अजाराहूति (ajārāhūti) *m.* name of a mode of hunting मृगशिशुनय-नानां लोचनालम्भिशोभं मुदमगमदजाराहूतिनाखेटकेन VīraBhā. 11. 28.

अजारुधिर (ajā-rudhira) *n.* blood of a she-goat (पल्लवैः) अजारुधिर-संसिक्तैर्जुहुयाद्दिवसत्रयम् S'āraTi. 21. 102.

अजारूढ (ajārūḍha) *adj.* riding or seated on a goat अजारूढं सरेद्रक्तं शक्तिपाणिं हुताशनम् PauṣkS. 4. 150 = PāraS. 11. 93; हुताशनस्त्वजारूढः शक्ति-हस्तो व्यवस्थितः PadmP. v. 39. 94; अजारूढं शक्तिधरम् ··· आवाहयेद्धव्यवाहनम् MahNirvāT. 9. 21.

अजारूप (ajā-rūpa) *adj.* [*f.* -ā] **1** having the form of a she-goat तांश्चापि सकलान्व्याधीन्मंत्रैः संयम्य यत्नतः । अजारूपान्स्वयं पश्चाद्यष्टिमादाय रक्षति SkandP. vi. 95. 43; अजारूपाः प्रयान्ति स व्याधयः सकला द्विजाः SkandP. vi. 133. 2; अजारूपांश्च रोगान्वै चारयामास भूमिपः SkandP. vii(1). 287. 3; **2** having the form of Unborn One तस्य शक्तीशस्य महात्मनः । शक्तिं व्यञ्जन्ति तासां ते त्वजारूपास्तु शक्तयः PauṣkS. 10. 9; *n.* form of a she-goat शूद्र-कोऽपि क्रमेण कालिकादेव्याजारूपं विकृत्य वापीं प्रविष्टया करुणरसितेन विप्रलब्धस्त-न्निष्कासनार्थं प्राविशत् PrabaK. 74. 16; TīrthaKa. 64. 17.

अजारूपकक्लृप्ति (ajārūpaka-klpti) *f.* supposition of the metaphor of a she-goat अजारूपकक्लृप्तिस्तेजोऽबन्नलक्षणायाश्चराचरयोनेरुपदिश्यते BrahmSū-Bh.(S'aṅ.) 243. 10 (*on* i. 4. 10)

अजारूपकल्पना (ajārūpa-kalpanā) *f.* idea of the form of a she-goat इदानीं तेजोऽबन्नलक्षणां प्रकृतिं छान्दोग्योपनिषत्प्रसिद्धामजारूपकल्पनया दर्शयति S'vetāUBh. 177. 12 (*on* 4. 5)

अजारेणु (ajā-reṇu) *f.* dust raised by a she-goat कार्पासं दन्तधावनम् । अजारेणुस्पृशं चै(श्चै)व शक्रस्यापि श्रियं हरेत् AtriS. 392.

अजारोहणप्रायश्चित्त (ajārohaṇa-prāyaścitta) *n.* expiation for riding on a goat अथ खरोष्ट्रबलीवर्दमहिषवस्ताजारोहणप्रायश्चित्तमाह CaturCin. iv. 361. 1.

अजार्धनिन्दिता (ajārdha-ninditā) *adj.* (*f.*) blamable because of incomplete utterance of vowels दूतस्य वाक् प्रदुष्टा सा पूर्वा(? र्वं)मजार्ध-निन्दिता AgniP. 293. 32.

अजार्धवक्त्र (ajārdhavaktra) *n.* half of the mouth of Brahman अजार्धवक्त्राज्जनितोऽहमादौ मरुन्महाकल्पकरो महेन्द्रः BhaviP. 601A. 25 (iii(4). 25. 23)

अजार्य (a-jārya) *adj.* not perishable अजर्यं संगतम् । संगतं किम् । अज-रिता कम्बलः । भावे तु संगतकर्तृकेऽपि ण्यदेव, अजार्यं संगतेन SiddhāKau. 483A. 4.

अजार्यमध्यग (ajāryamadhya-ga) *adj.* being the mean of the calculations of Brahmasiddhānta and the Āryasiddhānta शौक्रं केन्द्रमजार्यमध्य-गमितीमे यान्ति दृक्तुल्यताम् GrahaLā. 1. 16 (comm. ब्रह्मार्यपक्षयोः)

अजाल (a-jāla) *n.* absence of a net जलेऽपि निर्मले जालमजालं मनुते नरः । ··· जीवितात् परिहीयते BhelaS. 105. 6 (5. 7)

अजालगर्भ (a-jālagarbha) *adj.* without pores inside अजालगर्भं सद्वर्णं रेखाबिन्दुविवर्जितम् । ···रत्नं श्रेष्ठं रत्नविदो जगुः S'ukraNī. 4(2). 49.

अजालघुस्मरावासा (ajālaghu-smarāvāsā) *adj.* (*f.*) with the female organ as small as that of a she-goat अजालघुस्मरावासा बाह्यसंभोगरागिणी । नारी या चित्रिणीचिह्ना साप्सरोजातिरुच्यते S'ārṅgaPa. 3100.

अजालेण्ड (ajā-leṇḍa) *n.* excrement of a she-goat उद्वर्तितस्त्वजाले-ण्डैरजामूत्राभिषेचितः । अजाक्षीरं पिबेत्···एतत् क्षयघ्नम् KāśyaS. 109B. 29.

अजालोमन् (ajā-loman) *n.* wool of a she-goat बिडालविड्जालोम मेषशृङ्गी वचा मधु । धूपः शिशोर्ज्वरघ्नोऽयम् SiddhYo. 67. 2.

अजावक्त्रवत् (ajāvaktra-va(n)t) *adj.* [w. r. for अजावक्त्रवती] having the face of a she-goat (रावणः) पतिं शूर्पणखायास्तु विद्युज्जिह्वं तु दानवम् । अजावक्त्रवत(? त्या)स्तत्र जघान रणगर्वितम् ViṣṇuDhaP. i. 223. 4.

अजावन (ajāvana) *m.* name of a king तस्य क्षेत्रस्य रक्षार्थं ददौ स पुरुषोत्तमः । ··· विद्याधरं शङ्कुकर्णं सुकेशं राक्षसेश्वरम् । अजावनं च नृपतिम् VāmaP. 22. 41.

अजावर (ajāvara) *m.* son अजावरः पुत्रः MahāBhāraDī. *on* v. 70. 55.

अजावह (ajā-vaha) *m.* name of a district, JaineVyā. 191. 9 (*on* iii. 2. 111); cf. **अजवाह** *on* P. iv. 2. 133.

अजावाक्य (ajā-vākya) *n.* Vedic passage containing the word *ajā* तैत्तिरीयके अजावाक्यचिह्नितानुवाके 'यस्मात्परम्' इति वाक्यस्याधीतत्वात् S'ruta-Pra. ii. 184. 1 (*on* i. 4. 29); अघटमानमजावाक्यं शक्तिद्वारा ब्रह्मणि नीतम् VedāntKau. 126. 24 (*on* i. 4. 11)

अजावाच्य (ajā-vācya) *m.* name of a person, JaineVyā. 165. 26 (*on* iii. 1. 88)

अजावि (ajāví) *m.* [AltGr. II. 1. 157] goat and sheep तस्मा॑ज्जा॒ता अ॑ज॒ाव॑यः ṚV. x. 90. 10; उप॑हूता इ॒ह गाव॒ उप॑हूता अ॒जा॒व॑यः AV. vii. 60. 5; VājaS. 3. 43; मा गृ॑धो नो अ॒जावि॑षु AV. xi. 2. 21; xii. 2. 15; म॒हान् वा अनु॑ प्र॒जाः प॒शव॒ः प्र जा॑यन्त उपा॒ऽश्वन्तर्या॑मावे॒जाव॑यः TaiS. VI. v. 10. 1; PañcBr. xxvi. 11. 5; S'atBr. IV. v. 5. 6; गावो अश्वा अजावयः ··· इति मनसा ध्यायेत् LāṭyāS'S. ii. 10. 1; अजाविभ्याम् ··· यजेत् MānGS. i. 18. 8; अजावयो गृहं च कनिष्ठस्य VasiDS. 17. 44; अजावय इवागोपा वने श्वापदसंकुले । भृशमुद्विग्नमनसः MahāBhā. vii. 1. 23, अभक्ष्याः पशवो ग्राम्याः ··· अन्य-त्राजाविभ्यः BaudhDS. i. 5. 130; *f.* she-goat and ewe य॒था वृ॒का॑द॒जा॒वयो॒ धाव॑न्ति ब॒हु बिभ्य॑तीः AV. v. 21. 5; योनिष्वजावी व्यामिश्रगोचरत्वादनिश्चिते Aṣṭā-Saṁ. i. 34. 10 (1. 7); AṣṭāHṛ. i. 6. 53 (Sarvāṅgasundarā अजावी इति स्त्रीलिङ्गनिर्देशोऽत्र विवक्षित एव)

अजाविक (ajāviká) *n.* **1** [sg.] [AltGr. II. 1. 105; 162; गवाश्वादीनां समाहारे ऐक्यार्थं भवति । गवाश्वम् ···अजाविकम् CāndraVṛ. *on* ii. 2. 57]; group of goats and sheep उष्णिहमन्वाहाजाविकमेवोष्णिक् KauṣīBr. 11. 2 (49. 22); त॒स्माद् स॒ह सु॒तोऽजाविक॒स्यो॒भय॒स्यै॒वाजाः पूर्वा॒ यन्त्यनूच्यो॒ऽवयः S'atBr. IV. v. 5. 4; अजाविकस्य वा॒ऽएतद्रूपं यत्पवित्रमजाविके॒नै॒वैनं पुनन्ति S'atBr. XII. viii. 1. 13; एतानि वै विशि शिल्पानि गोऽश्वं हस्तिहिरण्यमजाविकम् ··· तान्येव ··· अनक्ति JaimiBr. 1. 263; खरोष्ट्रमहिषांश्चैव यच्च किंचिदजाविकम् । तत्सर्वं प्रतिजग्राह राजा MahāBhā. i. 105. 18; iv. 17. 13; ix. 36. 12; xii. 29. 101; xiii. 53. 39; xiii. 89. 13; संगृह्य रत्नं सुबहु मणिरत्नमजाविकम् Rāmā. i. App. I. 4 (4); तत्र जातं बहु द्रव्यं धनधान्यमजाविकम् Rāmā. ii. 194*(3); गोमहिषमजाविकं खरोष्ट्रमश्वा-

श्वतराश्च व्रजः ArthS'a. i. 137.5 (2.6); क्षुधापरीतस्तु किंचिदेव याचेत कृतमकृतं वा क्षेत्रं गामजाविकमन्ततो हिरण्यम् VasiDS. 12.3; GanPā. 73.4; अजाविके तु संरुद्धे वृकैः पाले त्वनायति ManuSm. 8.235; 9.119; 10.114; माषानष्टौ तु महिषी सस्यघातस्य कारिणी। दण्डनीया तदर्धं तु गौस्तदर्धमजाविकम् YājñaSm. 2.159; 1.267; गवाश्वादीनि च गणपाठे द्वन्द्वरूपाणि च एकवद्भवन्ति। ... अजाविकम् JaineVyā. 78.7 (*on* i.4.87); अजाविकं प्रौष्ठपदे विन्देद्धावां(?द्राश्व)स्त(?त)थोत्तरे। ...श्राद्धं कुर्वंस्तथाप्नोति MārkP. 33.15; श्राद्धं त्वभिजिता कुर्वन् विन्दतेऽजाविकं फलम् VāyuP. ii. 20.12; कदलीभिरजाविकं (आदेश्यम्) भवति BṛSaṁ. 29.7; Kāśi-Vṛ. *on* ii. 4.11; विभागकाले समसंख्यया यद्विभक्तुमजाविकं न शक्यते ManuBh. ii. 276.29 (*on* 9.119); ii. 456.8 (*on* 12.5); खरोष्ट्राश्वतरान्नागाञ्शकटाद्यमजाविकम्। दातव्यं केशवप्रीत्यै मासि मार्गशिरे नरैः VāmaP. 95.42; येन शिशुरेव हस्तग्रहणादजाविकं जघान JayaMa. 279.4 (5.4); अजाविकं प्रौष्ठपद्यां विन्देद्रावस्त(द्राश्व त)थोत्तरे ... श्राद्धं कुर्वंस्तथाप्नोति भरणीष्वायुरुत्तमम् BrahmP. 220.40; अभूतदुष्टे वारण्ये सदा कुर्वीत गोकुलम्। स(?सु)गुप्तमटवीवासं नित्यं कुर्यादजाविकम् BhaviP. 33B.22 (i. 12.45); 708B.17 (iv. 73.18); भवेत्। तेषां धनं च पुत्राश्च दासीदासमजाविकम् PadmP. v. 17.76; कपिलोऽजाविकं पातु GaneP. ii. 85.33; ग्रामजाः पशवः सर्वे वर्जयित्वा त्वजाविकम्। ... न भक्ष्याः परिकीर्तिताः Mānaso. i. 4.48; ii. 6.641; अजा च। अविकश्च। अजाविकम् । अजश्च अविका चेति वा GanRa. 2.129 (166); भक्षणमर्दनाभ्यां परसस्योपघातिनी महिषी महिषो वा माषानष्टौ दण्ड्यः स्यात् । गौश्चतुरो माषान्। अजाविकं द्वौ द्वौ माषौ Aparā. 769.2 (*on* 2.159); अजाविकेन जीवन्तीति आजाविकाः CaturCin. iii(i). 491.1; गावश्च पाटलाभिः कदलीभिरजाविकं (निर्देश्यम्) भवति S'ārṅgaPa. 2316; Prasā. i. 632.12; अजाविकमिति प्रत्येकं द्वयोर्नक्षत्रयोरन्वेति। अजा छागः, अविर्मेषः, स्वार्थे कः VīraMi. 328.9 (*on* 1.267); 638.26 (*on* 2.259(?159)); स्वर्णरत्नादिवासांसि गोतुरङ्गमतङ्गजान्। अजाविकमदाच्छम्भूराजो राजसभास्तुतः ParamāKā. 102.45; 173.14; अजाविकमिति समाहारद्वन्द्वः BālamBha. ii. 279.23 (*on* 2.159); *m.* [pl.] हिरण्यं द्विरदानश्वान्महिषोष्ट्रानजाविकान्...दत्त्वा MahāBhā. i. 894*(12); कारणमृतस्य ... कर्णलक्षणमजाविकानाम् ... आहरेयुः ArthS'ā. i. 316.3 (2.29); भेदस्य चाग्रहणमतिसादृश्यादजाविकानां ज्वालादीनां दृष्टम् Bṛha. 333.9 (*on* i. 1.20); अजाविकानामश्वानां कुञ्जराणां तथा गवाम्। ... मरणे समनुप्राप्ते ViṣṇuDhaP. ii. 125.46; परस्त्रीनिरताः सर्वे परद्रव्यपरायणाः। मत्स्यामिषेण जीवन्ति दुहन्ति चाप्यजाविकाः (v. l. अजाविकान्) BṛNāraP. 38.41; खरोष्ट्रगर्दभमहिष्यो महान्तः गौर्मध्यमा अजाविके क्षुद्राविति विभागः DaṇḍaVi. 284.5; **2** wool (produced from goats and sheep) नृपा ददुः। दास्यो रूपसमन्विताः। अजाविकं च विविधम् Rāmā. vii. 39.10 (Govindarāja); अष्टमराशाविक्षुः सैक्यं लोहान्यजाविकं चापि। नवमे तु तुरगलवणाम्बरास्त्रतिलधान्यमूलानि BṛSaṁ. 41.6 (comm. अजः छागः। अविः प्रसिद्धः। तज्जातमाविकम्); **3** name of a wrestling posture जानीयान्नियुद्धस्याथ कर्म...पर्यासनविपर्यासौ पशुमारमजाविकम् ... AgniP. 251.25; पर्णासनं विपर्यासः पशुमारमजाविकम् ... नियुद्धकर्म जानीयान्नियुद्धकुशलो जनः ViṣṇuDhaP. ii. 182.22; *m.* **1** goat-herd or shepherd, who earns livelihood on goats and sheep अजाविको माहिषश्च तथा च वृषलीपतिः।... सवासा जलमाविशेत् BṛYamaSm. 3.26; अजाविको माहिषिकस्तथा चक्रध्वजी च यः BrahmāṇḍP. iii. 2.166; अजाविको माहिषिकः समुद्री ... तस्करैश्च प्रपीड्यते SkandP. i(2). 41.71; अजाविका माहिषिकाः ... सर्वे नरकगामिनः BhaviP. 284A.21 (i. 191.14); अजाविको माहिषिको यः शूद्रावृषलीपतिः PadmP. ii. 67.85; अजाविको माहिषिकस्सामुद्रः ... नारकी स्यात् S'ivaP. v. 6.38 (412B.13); **2** one whose wife is barren शुक्रक्षयकरा वन्ध्या त्याज्येति परिकीर्तिता। तस्यास्तु यो भवेद्भर्ता तं तु विद्यादजाविकम् BṛYamaSm. 3.24; *adj.* pertaining to goats and sheep हितं घृतं केवल एव पैत्तिके ह्यजाविकं यन्मधुरैर्विपाचितम् SuśruS. vi. 17.33.

अजाविककाम (ajāvika-kāma) *adj.* desirous of obtaining goats and sheep स्वर्गकामः कृत्तिकासु श्राद्धं कुर्यात्। ... अजाविककामो रेवत्याम् Aparā. 560.15 (*on* 1.267)

अजाविकधनादि (ajāvikadhanādi) *adj.* wealth in goats and sheep etc. मेषः समानमूर्तिश्च अजाविकधनादिषु । वृषः सदृशरूपेषु चरते गोकुलादिषु VāmaP. 5.47.

अजाविकवध (ajāvika-vadha) *m.* slaughter of goats and sheep खराश्वोष्ट्रमृगेभानामजाविकवधस्तथा। संकरीकरणं ज्ञेयम् ManuSm. 11.68.

अजाविका (ajāvikā) *f.* [Dv.] female goat and sheep अजा चाविका चाजाविके ManuBh. ii. 181.21 (*on* 8.235); तत्राजाविकानां पञ्च माषान्वक्ष्यति (दण्डं हिंसायाम्) ManuBh. ii. 200.2 (*on* 8.297); अजाविकान्विताागाराद्राजकोशान्महासनात्।...मृत्तिकाः। प्रगृह्य...। सर्वबीजैः समायोज्य स्नानकुम्भेषु निक्षिपेत् ViṣṇuDhaP. ii. 104.90; कार्षापणः पणपर्याय एव पुराणपर्यायत्वेऽजाविकापेक्षया नकुलविडालयोर्लघुत्वेन दण्डगौरवानुपपत्तेः DaṇḍaVi. 127.22.

अजाविकादि (ajāvikādi) *adj.* male goat and sheep etc. वृषस्योक्षणः क्षुद्रपशूनामजाविकादीनां च पुंस्त्वप्रतिघातं वृषणमर्दनेन करोति (शतपणदण्डभाक्) Aparā. 823.1 (*on* 2.234)

अजाविपाल (ajāvi-pāla) *m.* rearer of goats and sheep (*fig.* illiterate or ignorant man) आत्मानात्मविवेकिनामपि पण्डितानामजाविपालानामिवाविविक्तौ शब्दप्रत्ययौ भवतः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 32.14 (*on* i. 1.4)

अजाविप्रभव (ajāvi-prabhava) *adj.* prepared from (the milk of) a she-goat or ewe तक्रं त्वजाविप्रभवं न सेव्यमनिष्टगन्धं त्रिषु चाप्यपथ्यम् BhojanKu.144.4.

अजाविप्रभृति (ajāvi-prabhṛti) *adj.* beginning with goats and sheep विरूपांश्च सुरूपांश्चाजाविप्रभृतीन्पशूनवरुन्धे ChāndoUBh. 109.15 (*on* ii. 15.2)

अजाविलोमन् (ajāvi-loman) *n.* hair of goat or sheep अजाविलोम्नाध्वर्योः पवित्रं भवति ĀpaS'S. xix. 6.8.

अजाविशेष (ajā-viśeṣa) *m.* a particular she-goat यथा चमसविशेषो वाक्यशेषावसेयः तद्वदजाविशेषोऽपि हेत्वन्तरेण निश्चेतुं शक्यते S'rutaPra. ii. 116.17 (*on* i. 4.8)

अजावृक्ष (ajā-vṛkṣa) *m.* the shrub *Odina wodier* अजावृक्षो मेषशृङ्गश्चक्षुष्यो बहुशृङ्गकः S'abdaRa.(Vā.) 955.

अजावृत (ajāvṛta) *adj.* surrounded by goats धूम्राक्षः ... तच्च राजकुलं गतः। ददर्श च तमेकं स अजपालमजावृतम् BhaviP. 705B.7 (iv. 71.19)

अजावृन्द (ajā-vṛnda) *n.* herd of she-goats अजावृन्दमथालोक्य निविष्टं सुसुखान्वितम् SkandP. vi. 133.6.

अजावृष (ajā-vṛṣa) *m.* male goat [AltGr. II. 1.118; Hemac. on Uṇ. 518]

अजाव्रज (ajā-vraja) *m.* herd of she-goats कस्मिन्नप्यवसरे क्वापि ग्रामे यियासुरन्तरालेऽजाव्रजं व्रजन्तमालोक्य PrabaCin. 69.31; अन्यदा क्वापि ग्रामेऽजाव्रजं चरन्तं प्रेक्ष्य PurāPraSaṁ. 132.8.

अजाव्यादि (ajāvy-ādi) *adj.* goat, sheep etc. क्षुद्रपशूनामजाव्यादीनां दुःखोत्पादे ... चतुःपणादिक्रमेण दण्डो वेदितव्यः DīpKa. 66.26 (*on* 2.225)

अजाशकृत् (ajā-śakṛt) *n.* faeces of a she-goat अजाशकृन्मूत्रपयोघृतासृङ्मांसालयानि प्रतिसेवमानः।...जहाति ... शोषम् SuśruS. vi. 41.56; AṣṭāSaṁ. i. 193.5 (1.40); गवां कटुक(-मूखीक)मुष्णवीर्यमजाशकृत् । ग्रहणीं दीपयत्याशु Hastyāyur. 299.24 (2.60); RasPraSu. 4.86; अजाशकृत्तुषाग्निं च खनयित्वा भुवि क्षिपेत् RaseCin. 3.20 (21.13)

अजाशब्द (ajā-śabda) *m.* the word *ajā* नायमजाकृतिनिमित्तोऽजाशब्दः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 243.9 (*on* i. 4.10); 240.17 (*on* i. 4.8); 243.5 (*on* i. 4.10); अजाशब्दो यद्यपि छागायां रूढस्तथाप्यध्यात्मविद्याधिकारान्न तत्र वर्तितुमर्हति Bhām. 290.9 (*on* i. 4.8); नायमजाशब्दस्तन्त्रसिद्धप्रधानविषयः VedantDī. 68.4 (*on* i. 4.8); PrakaVi. 340.17; अपरप्रेर्यत्वलक्षणस्वातन्त्र्यप्रतीत्यभ्युपगमेऽपि तादृशस्वातन्त्र्यलक्षणं कर्तृत्वं किं प्रकृत्याश्रयं उताजाशब्दवाच्यप्रकृतिशरीरकब्रह्माश्रयम् S'rutaPra. ii. 116.26 (*on* i. 4.8); VedāntKau. 123.6 (*on* i. 4.8); न जायत इति योगेनाजन्ममात्रपरस्याजाशब्दस्य सांख्याभिमतप्रकृतिपरत्वे विशेषकाभावादिति सौत्रं हेतुं व्याचष्टे S'ivārkaMaDī. i. 522.22 (*on* i. 4.8)

अजाशृङ्ग (ajā-śṛṅga) *n.* horn of a she-goat अजाशृङ्गनिभं श्यामं सुपीनं शृङ्गसंभवम्। भङ्गे च शृङ्गवेराभं ख्यातं तच्छृङ्गिणां विषम् KātySm. 446; वेणुमूलैरजाशृङ्गैर्गोमूत्रैश्चामरैः समाः(?मा)। माया तथैव जायेत चतुर्गतिवितीर्णये YaśasCam. ii. 416.18.

[1]**अजाश्रय** (aj-āśraya) *adj.* relating to (or depending on) a vowel प्लुत्यादिष्वजाश्रयो विधिर्न सिध्यति MahāBh. i. 22.7 (*on* i. 1.0)

[2]**अजाश्रय** (ajāśraya) *adj.* resorting to *aja* (Viṣṇu) स रेमे पद्मया तत्र वर्षपूगानजाश्रयः।...कल्किः KālkiP. ii. 6.32.

अजाश्रयणतत्पर (ajāśrayaṇa-tatpara) *adj.* persisting in its resort to the zodiacal sign Aries अजाश्रयणतत्परो भवतु स द्विजाधीश्वरः YātrāPra 2.22.

अजाश्रुति (ajā-śruti) *f.* the Vedic word *ajā* तथेदानीमजाश्रुतिरपि ब्रह्मणि नीयते VedāntKau. 123.2 (*on* i. 4.8)

[1]**अजाश्व** (ajā́śva) *adj.* one having goats as his horses or vehicle (epithet of Pūṣṣan) पूषणं न्व१जाश्वमुप स्तोषाम वाजिनम् ṚV. vi. 55.4; i. 138.4; vi. 55.3; अविता नो अजाश्वः पूषा ṚV. ix. 67.10; vi. 58.2; अजाश्वेति पूषणमाह Nir. 4.25 (88.6); बृहस्पतिमजाश्वं च सतारं बभ्रुमेव च। पञ्चर्चेन स्तुवन्नेतान्पञ्चकामानवाप्नुयात् ViṣṇuDhaP. ii. 124.58.

[2]**अजाश्व** (ajāśva) *m.* [Du.] goat as well as horse अजाश्वयोर्मुखं मेध्यं न गोर्न नरजा मलाः YājñaSm. 1.194; अजाश्वयोर्मुखं संयोगाद्द्रव्यान्तरशोधकत्वेन मेध्यमुच्यते। स्पर्शमेध्यता तु तयोः सर्वाङ्गविषयैव Aparā. 276.11 (*on* 1.194);

n. अजाश्वं मुखतो मेध्यं गावो मेध्यास्तु पृष्ठतः S'ārṅgaPa. 605; अजश्चाश्वश्च मुखप्रदेशे मेध्यः । अजस्यापि कथञ्चित्सेनाङ्गत्वादजाश्वमित्येकवद्भावः VīraMi. 270. 11 (*on* 1. 194)

अजासन (ajāsana) *adj.* whose seat is a goat विभावयेत् ··· सप्तार्चिषं च बिभ्राणमक्षमालां कमण्डलुम् । ज्वालामालाकुलं रक्तं शक्तिहस्तमजासनम् AgniP. 96. 27.

अजासमजतस् (ajāsamaja–tas) *adv.* from a herd of she-goats अजासमजतो मध्यात्काचिदेका च बर्करी । भ्रान्ता सती समायाता प्रदेशे तत्र दुश्चरे SkandP. i(2). 39. 72.

अजासर्पिस् (ajā–sarpis) *n.* clarified butter obtained from (the milk of) a she-goat अजासर्पिषा क्षीरेण जीवनीयैश्च संस्कृतां यवागूं पिबेत् AṣṭāSaṁ. i. 215. 21 (2. 4); एतैः सिद्धमजासर्पिरूषकादिगणेन च । भिनत्ति कफसंभूतामश्मरीं क्षिप्रमेव च SiddhYo. 34. 19.

अजासादृश्यकल्पना (ajāsādṛśya–kalpanā) *f.* idea of similarity with a she-goat ईश्वरादुत्पन्नायामपि चराचरप्रकृतावजासादृश्यकल्पनयोपदेशादविरोधः BrahmSūBh.(Bhā.) 75. 20 (*on* i. 4. 10)

अजासुत (ajā–suta) *m.* young one of a she-goat, a kid अजासुतस्य बालस्य मांसं लघुतरं स्मृतम् BhāvPra.(Bhā.) 6(11). 77.

अजास्तन (ajā–stana) *m., n.* the udder or teat of a she-goat अजास्तनाभकन्दा तु सक्षीरा क्षुपरूपिणी । अजा महौषधी ज्ञेया शङ्खकुन्देन्दुपाण्डुरा SuśruS. iv. 30. 17.

अजास्तनंधय (ajā–stanandhaya) *m.* unweaned young one of a she-goat, a kid साधु भवत्ययमजास्तनंधयः खलु यज्ञकर्मणे YaśasCam. ii. 131. 7; ii. 132. 2.

अजास्थिमज्जा (ajāsthimajjā) *f.* marrow of the bone(s) of a goat हरेणुमगधाजास्थिमज्जैलायकृदन्वितम् । यकृद्रसेनाञ्जनं वा श्लेष्मोपहतदृष्टये SuśruS. vi. 17. 23 (comm. मगधाजास्थिमज्जा पिप्पलीवितुषबीजानि)

अजास्पृश्या (ajāspṛśyā) *f.* name of the plant *Adhatoda vasica* अजास्पृश्या तथाज्येन पीता सर्वविषापहा ĪśānS'iPa. i. 40. 62.

अजास्य (ajāsya) *n.* mouth of a goat किं याति कूष्माण्डफलं ह्यजास्ये SkandP. iv. 5. 15.

अजास्वरूप (ajā–svarūpa) *n.* characteristic feature or nature of Primordial Matter तैत्तिरीयोपनिषदि अजास्वरूपमुक्त्वा तदितरत्वमीश्वरस्य दर्शितम् S'aṅkaVi.(Ā.) 124. 12.

अजास्वामिन् (ajā–svāmin) *m.* owner of a she-goat तस्यास्तत्र (? तस्य तत्र) द्विजः कश्चिदजास्वाम्यच्छिनद्रुषा । ···वृषणम् BhāgP. ix. 19. 10.

अजाहित्वा (a–jāhitvā) *ger.* not leaving out or not abandoning (i. e. taking) अन्येद्युः ··· । अभूजहित्वा समयं स्वसामग्रिकामजाहित्व ऋतुर्धनानाम् DvyāśraKā. 10. 15 (comm. अजाहित्वा गृहीत्वा । ··· हित्वा इत्यत्र 'हाको हिः क्त्वि' इति हिः । यङ्लुपि । जहित्वा । द्वित्वे पूर्वदीर्घत्वमपीच्छन्त्येके । अजाहित्वा । उभयत्रेटि– आतो लुक्)

अजाह्वय (ajāhvaya) *adj.* called *ajā* (a plant) नैम्बैर्गुडाजाह्वयहिङ्गुविश्वारसोनकाः पूर्ववदेष हिङ्गुः । अजाक्षीरपेषणधान्यराशिस्थापनेत्यर्थः ĪśānS'iPa. i. 50. 13.

[1]**अजि** (aji) (Gr.) verbal root *aj* अजेर्व्यघञपोः P. ii. 4. 56; PrakriKau. ii. 479. 10; अजेर्वी Kātan. iii. 4. 91; अजेर्व्यघुघञपक्येषु CāndraVyā. v. 4. 84; अजिव्रज्योश्च P. vii. 3. 60; अजिव्रजोः CāndraVyā. vi. 1. 91; अक्षोऽजेरञ्चतेरुत AhirbuS. 59. 10; वातशर्धयोरजिजहातिभ्याम् SaraKaṇṭhā.(Gr.) i. 4. 46; अजिवृरीभ्यो नित् SaraKaṇṭhā.(Gr.) ii. 1. 56; अघञ्क्यबलच्यजेर्वी SiddhaHe. iv. 4. 2; तद्धि रूपमजेर्वीभावेनेति PariVṛ(Sī.) 190. 6; *f.* going, motion [APTE]; throwing etc. [APTE]; *adj.* going, moving (as in पदाजि, walking on foot) [APTE]

[2]**अजि** (aji) (Gr.) grammatical suffix (=*aj*) पारेरजिः SaraKaṇṭhā. (Gr.) ii. 1. 248 (Vṛtti : पारेरजिप्रत्ययो भवति । पारक् प्राकारः शाकविशेषश्च)

[3]**अजि** (aji) *m.* [from *añj*– Uṇā. 4. 139] lustre अज्यते अजिस्तेजः Prasā. ii. 608. 3.

अजिक (ajika) *m.* name of a demon (one of the thirteen sons of Siṁhikā and Vipracitti) सैंहिकेया इति ख्यातास्त्रयोदश ··· अजिको नरकश्चैव S'ivaP. v. 32. 36 (443A. 13)

अजिकर (ajikara) *m.* name of a *gandharva* [*w. r.* for अजगर cf. ViṣṇuDhaP. i. 210. 4] प्रभद्रकेण शिबिना तथैवाजिकरो रणे । ·· संगतः ViṣṇuDhaP. i. 261. 9.

अजिका (aj–ikā) *f.* young she-goat [cf. P. vii. 3. 47] भस्त्रैषाजाज्ञाद्वास्वानां नञ्पूर्वाणामपि । भस्त्रा एषा अजा ··· इत्येषां नञ्से असेऽपि आतः स्थाने यो आकारः तस्य वा इद् भवति । ··· अजका । अजिका JaineVyā. 367. 17 (*on* v. 2. 52); भस्त्रादीनामापः स्थानेऽतः के परत आप्यसुप इत्वं वा भवति । ··· अजिका, अजका CāndraVṛ. *on* vi. 1. 72; (अतियाकुच्छी) अजिकाया इवोन्नतत्वात् कुक्षी यस्य स तथा JñātāDhaṬ. 66B. 6; PrakriKau. i. 332. 3; SiddhāKau. 115B. 10.

अजिकागतितुल्यत्व (ajikāgatitulya–tva) *n.* being similar to the gait of a young she-goat उत्प्लुत्या किंचिदेकः सक्थिगुल्फदेशेभ्यः पुनरुत्प्लुतिः अङ्गान्तरेणैवमिति पर्यायशः पतनं यत्र चार्या सा अजिकागतितुल्यत्वादेडकाक्रीडिता AbhinBhā. ii. 98. 14 (*on* 10. 20)

अजिकाचर्मन् (ajikā–carman) *n.* skin of an unspecified she-goat अजिकाचर्मपर्याणारिं हन्तुमजकामिव । तत्वरेऽश्वचमूः सेपुभस्त्रिका DvyāśraKā. 5. 10 (comm. अश्वचमूः ··· अज्ञाता छागयजिका तस्याश्चर्मणा पर्याणं पल्ययनं यस्याः सा)

अजिगमिषत् (a–jigamiṣat) *adj.* not desiring to go यथाविवक्षत्यजिगमिषति मयि वचनगमनप्रतिभासाः प्रत्ययाश्चेतनसंतानान्तरसापेक्षाः Bhām. 441. 18 (*on* ii. 2. 28); SarvaDaSaṁ. 2. 254.

अजिगर्त (ajigarta) *m.* name of a Brahmin cf. **अजीगर्त**, तथाजिगर्तस्य सुतो वरिष्ठो नाम्ना शुनःशेप इति प्रसिद्धः । क्रीतस्तु पित्रा DevīBhāP. ii. 5. 40.

अजिगव (ajigava) *n.* S'iva's bow cf. **अजीगव**, भवेदजागवमजिगवं चाजगवं तथा DvirūK.(Ha.) 180.

अजिगीष (a–jigīṣa) *adj.* not desirous of conquests तत्सर्वमजिगीषेण त्यक्तमेतेन भूभृता KathāSaSāg. iii. 1. 7; क्षत्रियस्याजिगीषस्य धिग्बाहू धिक्च यौवनम् KathāSaSāg. vii. 8. 80.

अजिगीषा (a–jigīṣā) *f.* absence of a desire to win (in gambling) पूदिव्यञ्चेर्नाशाजिगीषापादाने S'ākaṭāVyā. iv. 1. 248 (Vṛtti पू दिवि अञ्चि इत्येतेभ्यो यथासंख्यं नाशे अजिगीषायामपादाने च वाच्ये क्तयोर्नकारो भवति । पूनाः यवाः । आद्यूनो देवदत्तः । परिद्यूनं वस्त्रम् ।); दिव्यञ्च्योऽजिगीषास्पर्शे न तस्तयोः MugdhaBo. 8. 90 (160. 2) (Vṛtti दिवेरजिगीषायाम् अञ्चतेर् अजे श्यायतेर् अस्पर्शेऽर्थे तयोस् तस्य नः स्यात् । आद्यूनः) (cf. P. viii. 2. 49)

अजिगीषु (a–jigīṣu) *adj.* not desirous of conquest अजिगीषुः पतिर्भूमेनिन्द्यः क्लीब इव स्त्रियाः KathāSaSāg. ix. 2. 370.

अजिगीषुता (ajigīṣu–tā) *f.* the nature of not being desirous of conquest, absence of desire for victory तात न क्षत्रियस्यैष धर्मो यदजिगीषुता KathāSaSāg. x. 3. 70.

अजिघांसत् (a–jighāṁsat) *adj.* not desiring to strike or kill युगानीषा वरूथानि यन्त्राणि विविधानि च । अजिघांसन्परातपार्थश्चिच्छेद निशितैः शरैः MahāBhā. i. App. I. 114. 427; जयार्थमेव योद्धव्यं न क्रुध्येदजिघांसतः MahāBhā. xii. 96. 11.

अजिघांसा (a–jighāṁsā) *f.* absence of desire to kill प्राणी···आचरति । ···शरीरेण प्रशस्तानि दानपरपरित्राणादीनि । वाचा हितसत्यादीनि । मनसा अजिघांसादीनि । सेयं पुण्यरूपा प्रवृत्तिर्धर्मः SarvaDaSaṁ. 11. 86.

अजिघांसु (a–jighāṁsu) *adj.* who is not inclined to kill or hurt सोऽजिघांसुर्गुरुं संख्ये ··· चकार MahāBhā. vii. 122. 6; परत्राजिघांसुमनसां व्रतरिक्तमपि चित्तं स्वर्गाय जायते NītiVā. 1. 6; सर्वथाप्यजिघांसूनां गुरुदेवहितैषिणाम् । अदीर्घमत्सराणां च मुक्तिरासन्नवर्तिनी ṢaḍdarSa.(Rā.) 178.

अजिघृक्षण (a–jighṛkṣaṇa) *n.* absence of desire for perception भावांशो ननु लिङ्गं स्यात्तदानीं नाजिघृक्षणात् S'lokaVār. 5(8). 29 (484. 2)

अजिघृक्षित (a–jighṛkṣita) *adj.* not intended to be perceived अभावावगतेर्जन्म भावांशे ह्यजिघृक्षिते S'lokaVār. 5(8). 30 (484. 3)

अजिघृक्षितत्व (ajighṛkṣita–tva) *n.* the state of not being intended to be perceived भूप्रदेशप्रतिपत्तिवेलायां देवदत्तविषयं दृश्यादर्शनमासीत् । न च तदा 'नास्ति' इति विज्ञानमुत्पन्नम्, अजिघृक्षितत्वेन सहकारिकारणाभावेन च TātpṬ.(U.) 417. 10 (*on* 5(9). 28)

अजिघ्रता (ajighra–tā) *f.* absence of the sense or faculty of smell बाधिर्यकुष्ठितान्धत्वजडताजिघ्रतामूकताकौण्यपङ्गुत्वक्लैब्योदावर्तमत्ततारूपैकादशेन्द्रिय - वध° ··· °भेदात् अष्टाविंशतिधा शक्तिः SyādvāMañ. 15 (160); SāṁkhyaPraBh. 97. 27 (*on* 3. 38)

अजिघ्रत्व (ajighra–tva) *n.* absence of the faculty of smell उच्चैः संभाषणाद्वायुः शिरस्यापाद्येद्रुजम् । आन्ध्यं जाड्यमजिघ्रत्वम् ··· लभते दन्तचालं च SuśruS. iv. 39. 30.

अजिघ्राण (a–jighrāṇa) *adj.* not smelling, who has not got the faculty of smell घ्राणात्पश्चाद्विनिष्क्रान्तौ नासत्यौ ··· । अजिघ्राणममुं प्राङ्गर्न देहः पतितस्तदा SkandP. ii(7). 19. 43 (comm. गन्धग्रहणमकुर्वन्तम्)

अजिज्ञासन (a–jijñāsana) *n.* absence of the desire to know प्रसिद्धस्य ज्ञातुं शक्यस्याप्यजिज्ञासनाद् अप्रसिद्धस्येच्छाया अविषयत्वाद् अशक्यज्ञानत्वाच्च न

ब्रह्म जिज्ञास्यमित्याक्षेपः Bhām. 60. 3 (*on* i. 1. 1)

अजिज्ञासमान (a-jijñāsamāna) *adj.* who is not desirous of knowing बालः ··· यथा(? दा) शब्दं शृणोति तदा तस्याजिज्ञासमानस्यैवार्थेषु स्मृतिरुपजायते NītiMā. 58. 16.

अजिज्ञासा (a-jijñāsā) *f.* absence of the desire to know अवते भवते बाहुर्महीमर्णवशकरीम् । महाराजन्नजिज्ञासा नास्तीत्यासां गिरां रसः Kāvyād. 3. 149.

अजिज्ञासित (a-jijñāsita) *adj.* not desired or intended to be known अजिज्ञासितानामर्थानां प्रत्यक्षादिगोचरत्वदर्शनात् TātpaṬ.(Vā.) 42. 1 (*on* i. 1. 1); अजिज्ञासितस्य चिरातिवृत्तस्याज्ञानानुसंधानानुपपत्तिः NyāyKu. 79. 9; न च ज्ञानानां जिज्ञासासमुत्पाद्यत्वं घटते । अजिज्ञासितेष्वपि योग्यदेशेषु विषयेषु तदुत्पादप्रतीतेः SyādvāMañ. 12(93); नापि (अनुव्यवसायः) मानसं प्रत्यक्षम्, अजिज्ञासितस्य मानसत्वे ज्ञानाविरामादनवस्थानात् विषयान्तरासञ्चाराच्च TattvCin. i. 789. 6; न ह्यजिज्ञासितेऽर्थे प्रवृत्तिसहस्रदर्शनेऽपि व्युत्पद्यन्ते NyāySu.(Ja.) 72A. 7 (*on* i. 1. 1); परमाण्वादौ(? दिषु) कदाप्यनुपलब्धत्वात् ··· अजिज्ञासितेष्वपलब्धस्थूलकार्यानुपपत्तिपरिहारार्थं प्रमाणप्रवृत्तिदर्शनेन MīmāKau. i. 21. 3 (*on* i. 3. 4); अजिज्ञासितस्यापि वह्नेरनुमित्युदयात् BhāṭṭCin. ii. 21. 7 (*on* i. 3. 2)

अजिज्ञासितत्व (ajijñāsita-tva) *n.* the state of not being what is desired to be known (not being an object of desire to know) जिज्ञासितधर्मणो धर्मिणः प्रक्ष्यमाणत्वेन पक्षत्वं न पुनः प्रत्यक्षावधृतसाध्यधर्मविरुद्धस्य । तस्याजिज्ञासितत्वेनापक्षतया तद्धर्मस्यापक्षधर्मत्वम् TātpaṬ.(Vā.) 43. 11 (*on* i. 1. 1); अजिज्ञासितत्वाद्धि नापिपासुं प्रति जलाशयोपदेशः क्रियते NyāySu.(Ja.) 70B. 2 (*on* i. 1. 1); 105A. 1 (*on* i. 1. 2)

अजिज्ञासितपूर्व (a-jijñāsitapūrva) *adj.* not desired to be known before (i. e. unheard of) (औषधम्) अजिज्ञासितपूर्वं च गुणैश्चोक्तैर्विवर्जितम् ···तच्च वर्ज्यं विजानता KāśyaS. 245A. 16.

अजिज्ञासितप्रतिपादकता (ajijñāsitapratipādaka-tā) *f.* presentation or teaching of what is not desired to be known न ह्यजिज्ञासितप्रतिपादकतया शास्त्रारम्भः संभवति NyāyRa. 42. 13 (*on* 1. 124)

अजिज्ञासितबोधन (ajijñāsita-bodhana) *n.* instruction of what is not desired to be known अजिज्ञासितबोधनं च कथं प्रयोजनं स्यादिति NyāySu.(Ja.) 105A. 2 (*on* i. 1. 2)

अजिज्ञासिताभिधान (ajijñāsitābhidhāna) *n.* statement of what is not desired to be known अजिज्ञासिताभिधानापत्तेस्तस्याप्रक्रान्तत्वात् GuruCandr. ii. 303. 17.

अजिज्ञासु (a-jijñāsu) *adj.* not desirous of knowing, not interested in knowing कस्यचिदाध्यात्मिकेन दुःखेनाभिभूतस्यापि संसारेऽनुद्वेगादजिज्ञासोर्न ज्ञानं तत्प्रमादम् TattvSa. (13) 133. 9; आत्मरूपविजिज्ञासोरजिज्ञासोर्वृथैव तत् BrahmSi. iii. 152. 8; PārāSū. 91. 10; न चाजिज्ञासोस्तत्त्वज्ञानम् NyāyKa. 282. 12; NyāyKuA. ii(1). 211. 1 = Kiraṇā. 312. 9; Kāśi. iii. 131. 15 (*on* 5(5). 91)

अजिज्ञास्य (a-jijñāsya) *adj.* not to be investigated or inquired into जिज्ञास्यः संशयाद्धर्मः ··· असंदिग्धो ह्यजिज्ञास्यः S'lokaVār. 1. 125 (42. 4); आत्मा संशयाभावादजिज्ञास्य इति सिद्धम् Bhām. 3. 6 (*on* i. 1. 1); विमतमजिज्ञास्यमसंदिग्धत्वात् SarvaDaSaṁ. 16. 114.

अजिज्ञास्यत्व (ajijñāsya-tva) *n.* the state of being unfit for investigation ततो (ब्रह्म) ज्ञातमेवेत्यजिज्ञास्यत्वं पुनरापन्नम् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 8. 19 (*on* i. 1. 1); धर्मस्याजिज्ञास्यत्वात् NyāyRa. 42. 13 (*on* 1. 124); VedāntKa. 24. 16 (*on* i. 1. 1); नैतावता प्रधानादीनामजिज्ञास्यत्वम् S'rutaPra. i(B.) 171. 15 (*on* i. 1. 4); TattvPrakā. 8B. 10 (*on* i. 1. 2); AṇuBh. 8. 10 (*on* i. 1. 1)

अजित् (a-jit) *adj.* having no conqueror, invincible गर्भे च वायुना पूर्णे निर्लिप्तो भगवानजित् । हृत्पद्मकोशे देवक्या अधिष्ठानं चकार ह BrahmVaiP. iv. 7. 45.

अजित (a-jita) *adj.* [*f.* -ā] **A i** unconquered, undefeated, not vanquished (mostly in battle) अस्य मदे जरितरिन्द्रः ··· अजितः ṚV. (Khila) v. 5. 11; अजितस्य वाजिती ĀrṣeBr. ii. 6. 7; अजितस्य जितिः ĀrṣeBr. vi(3). 5. 4; यमग्निर्ब्राह्मणो भूत्वा समागच्छत् ··· महाबलं महाबाहुमजितं कुरुनन्दनम् MahāBhā. iv. 2. 10; iv. 53. 12; xii. 94. 5; VasiDS. 20. 28; अजितोऽहमस्मि VṛGautaSm. 519. 20(4); कुण्डोदरोऽहमजितो रणचण्डकर्मा BālC. 2. 21; अजितो जिष्णुरत्यन्तम् RaghuVa. 10. 18; अजितो देवदैत्याद्यैर्महापुरुषपूर्वजः AhirbuS. 53. 75; यो मन्येताजितोऽस्मीति न्यायेनापि पराजितः MatsyaP. 227. 205; अजितो रिपुरात्मैव तं मूढ न जिगीषसि RāmC. 21. 122; धेनुकः।···अजितस्त्रिदशैः सर्वैः BrahmVaiP. iv. 22. 10; VāmaP. 60. 46; BrahmP. 58. 12; चणतंदुलहोमेनाजितो भवेत् BhaviP. 63A. 1 (i. 29. 21); BṛKathāS'loSaṁ. 23. 113; Kāvyānu.(He.) 259. 3; जिता अप्यजिता एव शत्रवः TriṣaS'aPuC. ii. 1. 224; अजितोऽपीन्द्रियै रेमे रामाभिः TriṣaS'aPuC. ii. 3. 76; सपत्नैरजितो राजा SamarāSaṁ. 7. 492; PrabaK. 10. 5; Subhāṣi. 1462; VīraBhā. 6. 43; S'ilpaRa. ii. 23. 39; Vīrami.(Bhakti) 31. 20; **A ii** invincible तस्य तत् ··· चक्रं प्रावर्तत···दिव्यमजितम् MahāBhā. i. 69. 45; अनेन सत्येन निहन्तव्यं शरः सुदंशितः कर्णमरिं ममाजितः MahāBhā. viii. 67. 20; अजितं पुण्यमूर्जस्वि ककुत्स्थस्येव ते महः । श्रेयसे शाश्वतो देवो वराहः परिकल्पताम् UttaRāC. 5 27; PadmP. ii. 31. 66; KathāSaSāg. viii. 6. 184; **B** not won, not attained इन्द्र एतां ससृजे ··· स्वधाम् अजिताम् AV.(P.) i. 13. 4; अभिजिता वै देवा अभ्यजयंस्तद् हान्विवैव ससञ्ज यदजितं पर्यशिष्यत KauṣīBr. 24. 1 (107. 21); यद् ब्रवीषि जितां कृष्णामजितेति MahāBhā. ii. 61. 30; तेनासौ कर्मणा भीष्म (v. l. तेनाप्नोत्यजिताल्लोँकान्) MahāBhā. iii. 80. 49 = PadmP. i. 11. 28; येषां पक्षधरो रामः ···मन्त्री जनार्दनः । किं नु तैरजितं संख्ये MahāBhā. i. 197. 20; iii. 203. 48; vii. 53. 50; ब्राह्मणेनैधितं क्षत्रं मन्त्रिमन्त्राभिमन्त्रितम् । जयत्यजितमत्यन्तं शास्त्रानुगमशस्त्रितम् ArthS'ā. i. 47. 4 (1. 9); राजेव देशानजिताञ्जिगीषुः Saund. 17. 56; BṛĀraUBh. 193. 17 (*on* i. 5. 17); तदेकस्मिन्नजिते किं जितं त्वया TriṣaS'aPuC. i. 5. 10; अजितं भूमिहिरण्यादि जेतुमिच्छेत् ManvaMu. 265. 8 (*on* 7. 99); अजितायां (भूम्याम्) तु सैव पुनरभ्यसनीया JīvanVi. 112. 21; **C** not cured योगशतैरप्यजितान् महाविकारान् (हन्यात्) CaraS. vi. 7. 147 (1922 Ed.); SiddhYo. 51. 92; **D** unsurpassed वीरः श्रीपरमारः ··· वर्द्धते[ऽ]यमहिमांशुचन्द्रमःसंततिप्रतिकृतिर्यदन्वयवराजरामराजितो[ऽ]नलोद्भवः सभारतः । ग्रहेन्द्रचन्द्रयोरिव व्यजायतायमन्वयः EI. ii. 183. 9; **E** uncontrolled इन्द्रियैरजितैर्नग्ना दुकूलेनापि संवृताः BrahmāṇḍP. i. 27. 119; LiṅgaP. i. 34. 14; AgniP. 392. 12; कायस्थैरजितैर्जिते क्षितिपतौ ··· दीनो जनः पीड्यते DaśāvaC. 7. 280.

अजित (a-jita) *m.* [in *kṛśāśvādigaṇa* acc. to Prasā. on PrakriKau. i. 160. 21 (*on* P. iv. 2. 80)] **1 A** name of a son of Dhṛtarāṣṭra **B** name of a king **C** name of a disciple of a Bodhisattva **D** name of a minister of Dhṛtisena **E** name of a person (father of Vatsa) **F** name of a friend of Kṛṣṇa **G** name of an Upāsaka (lay follower) of the ninth Jain prophet **H** name of an author **2 A** name of S'iva **B** name of one of the Pṛthuka gods **C i** name of Viṣṇu or Kṛṣṇa **ii** name of the third *vyūha* (Pradyumna) of Viṣṇu **D** epithet of Sūrya **E** the Supreme Self **3 A** name of one of the Saptarṣis in the epoch of Bhautya Manu **B** in the epoch of Satya Manu **4 A** name of a group of attendants of Brahmā **B** of the sons of Brahmā **C** of the twelve sons of Ajita and Ruci **D** of twelve gods **5 A** name of a Bodhisattva **B** one of the six teachers (contemporaries of the Buddha) **C** the second Jain prophet **6** kind of a rat **7** unfailing antidote to poison **8** the letter *j* **9** a Tantric diagram **10** name of a *mantra* **1 A** name of a son of Dhṛtarāṣṭra नामधेयानि ···धृतराष्ट्रस्य पुत्राणाम्···अजितश्च जयन्तश्च MahāBhā. i. 1153*; **1 B** name of a king श्रुतवानसि वै राज्ञः महोत्साहान्महाबलान् । ···शर्यातिमजितं जितम् MahāBhā. i. 1. 167; **1 C** name of a disciple of a Bodhisattva अथ कदाचित् स महात्मा···तत्कालशिष्येणाजितेनानुगम्यमानः ···विचचार JātaMā. 3. 4; **1 D** name of a minister of Dhṛtisena श्रुत्वा ततोऽनन्तवचोऽजितस्तु जगाद वाक्यं पुनरन्यदेव VarāṅgaC. 2. 21; 20. 21; 21. 57; **1 E** name of a person (father of Vatsa and grandfather of Yaśobhaṭa) बालेनाजितपौत्रेण स्फुटा वत्सस्य सूनुना[।] यशोभटेन EI. iv. 32. 11; **1 F** name of a friend of Kṛṣṇa कोटिसंख्याः सखीयन्ते तेषां मुख्या हरेः प्रियाः। ··· सञ्जयोऽजितसंज्ञश्च कृष्णस्यासन्सखिप्रियाः ĀdiP. 12. 44; **1 G** name of an Upāsaka (lay follower) of the ninth Jain prophet विजयोऽजितः ··· अर्हदुपासकाः AbhidhāCin. 42; **1 H** name of an author यदप्यत्राजितभवदेवादिभिः परिहृतं लिङ्गसंख्यादेः लक्षितद्रव्य एवान्वयः MīmāKau. ii. 164. 5 (*on* iii. 1. 12); **2 A** name of S'iva नमोऽस्तु···ब्रह्मण्यायाजिताय च MahāBhā. vii. 57. 54; अष्टोत्तरसहस्रं तु नाम्नां शर्वस्य मे शृणु ··· अजितश्च MahāBhā. xiii. 17. 87; देवा ऊचुः ··· नमः पवनवेगाय विरूपायाजिताय च BrahmP. 37. 2; LiṅgaP. i. 27. 34; नम तं शिवं हरमजितम् SaṁgīRa. i. 279. 21 (1(8). 14); NānārthaMa. 743; **2 B** name of one of the Pṛthuka gods विष्णुश्च विजयस्तथा । अजितश्च महाभागः पृथुकास्ते दिवौकसः VāyuP. ii. 1. 62; BrahmāṇḍP. i. 36. 74; **2 Ci** name of Viṣṇu or Kṛṣṇa. यमाहुर्वेदविद्वांसो वराहमजितं हरिम् MahāBhā. iii. 294. 28; तुषितायां समुत्पन्नो ह्यजितस्तुषितैः सह। औत्तमे ह्यन्तरे वापि अजितस्तु पुनः प्रभुः BrahmāṇḍP. ii. 3. 114 = ViṣṇuP. iii. 1. 37; Amak. 2458; स्वाङ्गोऽजितः (इति केशवस्य नाम्नां सहस्रम्) ViṣṇuSaBh. 88. 72; अहमजितस्य ··· प्रणतिमुपगतः पादपङ्केरुहाभ्याम् ViṣṇuPādāSt. 13; इमं पुष्पाञ्जलिमजित ते मूर्ध्नि निदधे BhagaMāPū. 8; AcyutA. 4; रुद्धा गुहाः किमजितोऽवति नोपसन्नान् BhāgP. ii. 2. 5; (जपन् वै पञ्चपञ्चाशद् विष्णुनामानि) विशाखयूपे ह्यजितं नेपाले लोकभावनम् AgniP. 304. 8; VāmaP. 90. 6; (हरिः) स्वायम्भुवे मानसोऽभूदजितस्तदनन्तरे AgniP. 150. 10; BṛKathāMañ. xv.

1. 198(1); नमाम्यहम् … योगीशमजितं प्रियम् PadmP. ii. 87. 19; ii. 88. 42; अजितम् … चिन्तयेत् KrsnaKa. 3. 100; Yādavā. 15. 9; NānārthaMa. 743; रेखा दक्षिणवाममध्यरचिता ब्रह्माजितानङ्गजिद्देवत्या: TantrSa. 2. 131; RasiRañ. 19; StavMā. 153. 7; Nāray. iii. 12. 5; S'ilpaRa. ii. 3. 10; VīraMi. (Bhakti.) 6. 9; **2 Cii** name of the third *vyūha* form (Pradyumna) of Visnu सर्वा: सख्य: … निरीक्षमाणा वदनं जयाया अजितस्य च JayāS. 27. 108; **2 D** epithet of Sūrya इति दृष्ट्वा रविम् … स्तुतिं चकार … नम: … अजिताय ते SaurP. 1. 31; **2 E** (L.) Supreme Self अजित: । अपराजितविष्णवीशपरमात्मसु कथ्यते NānārthaMa. 743; **3 A** name of one of the Saptarsis in the epoch of Bhautya Manu (भौत्यस्य मनो: मन्वन्तरे) अग्नीध्र: … शुक्रोऽजितश्च सप्तैते तदा सप्तर्षय: स्मृता: MārkP. 100. 31; **3 B** name of one of the Saptarsis in the epoch of Satya Manu चतुर्दशे तु पर्याये सत्यस्यैवान्तरे मनो: …अजित: पुलहश्चैव ह्यंत्यास्सप्तर्षयश्च ते S'ivaP. v. 34. 65 (446A. 3); **4 A** [pl.] name of a group of attendants (*gana*) of Brahmā अजिताश्चैव शूकाश्च गणौ द्वौ ब्रह्मण: स्मृतौ VāyuP. i. 10. 21; BrahmāndP. i. 9. 46; **4 B** [pl.] name of a group of sons of Brahmā अजिता ब्रह्मण: पुत्रा: VāyuP. i. 31. 4; **4 C** [pl.] name of the twelve sons of Ruci and Ajitā अजितायां रुचे: पुत्रा अजिता द्वादशात्मका: VāyuP. ii. 6. 33. 34; **4 D** [pl.] name of a group of twelve gods ततस्तेन रुषा शप्तास्तेऽभवन् द्वादशाजिता: BrahmāndP. ii. 4. 27; चत्वारो देवता गणा: । … अजिताख्याश्च VisnuDhaP. i. 21. 2; **5 A** name of a Bodhisattva or future Buddha समन्तभद्राजितमञ्जुघोषलोकेश्वरादीनपि मण्डयामि BodhiCa. 2. 13; AnekāSam. 3. 229; TrikāS'e. i. 1. 24; **5 B** name of one of the six teachers (contemporaries of Buddha) आदिशब्देन षट् शास्तारो गृह्यन्ते । तद् यथा … अजित: केशकम्बल: Sphutā. 86. 22 (*on* IV. 80); **5 C** name of the second Jain Prophet (son of Jitaśatru and Vijayā) प्रणमामि …अजितं विजिताशेषबाह्यशरीरशात्रवम् PadmP.(Ra.) 1. 4; 5. 212; 9. 184; नाभेय आद्योऽजितशंभवौ च VarāngaC. 27. 37; अजितो जितकामारि: MahāP. 25. 169; जिनपतिमजितं प्राप्तसत्प्रातिहार्यं नत्वा KalyāKā. 10. 1; तमजितमभिनौमि CaturJiStu. 5; TilaMañ. 226. 14; AnekāSam. 3. 229; अर्हन्तमजितम् … स्तुवे TrisaS'aPuC. i. 1. 4; iii. 7. 138; NemiNir. 1. 2; ViviTīKa. 2. 10; अत्रैवाजितशान्तिजिनौ वर्षाकालमवस्थितौ KumāPraPra. 105. 9; **6** name of a kind of rat with venomous semen पूर्वं शुक्रविषा उक्ता मूषिका: … कुलिङ्गश्चाजितश्चैव SuśruS. v. 7. 5; **7** unfailing antidote to poison एषोऽगद: स्थावरजङ्गमानां जेता विषाणामजितो हि नाम्ना SuśruS. v. 5. 65; **8** letter *j* अजितो जन्महन्ता च जकार: AhirbuS. 17. 15 = JayāS. 6. 44; अजितश्चानलस्थं च ओदनेन समन्वितम् JayāS. 6. 137; जन्महन्ताजितश्चैव जकारश्चैव शाश्वत: LaksmīT. 25. 14; **9** a kind of Tantric diagram in the form of a wheel with thirty-two spokes अक्षं कृत्वा चक्रमेतद्द्वात्रिंशदरमालिखेत् । अजिताख्यमिदं चक्रं सुरासुरनमस्कृतम् AhirbuS. 23. 15; **10** name of a *mantra* cf. **अजितसंज्ञ**.

अजित (a-jita) *n.* **1** unconquered position, the unconquered सत्रासाहीयं कुर्वीत यस्य त्वदिवाजितं स्यात् JaimiBr. i. 182; **2** name of a missile मानवं चास्त्रमजितं दैत्यं दानवमेव च … ददामि Rāmā. i. 700*(39); पैशाचमस्त्रमजितं शोषदं शामनं तथा । … एतान्यस्त्राणि दिव्यानि हिरण्यकशिपुस्तदा । असृजत् MatsyaP. 162. 27; **3 A** unfailing antidote to poison विषाणि हन्ति सर्वाणि शीघ्रमेवाजितं क्वचित् SuśruS. v. 2. 49; **3 B** name of a specially prepared medicinal ghee कल्पोक्तं चाजितं सर्पि: सेव्यमानं ज्वरं जयेत् SuśruS. vi. 39. 264; **3 C** name of a compound drug for treating dysentery (Atisāra) (अथातोऽतिसारचिकित्सितम्) तक्रदाडिमतैलाजसैंधवोपेतमजिताख्यम् AstāSam. ii. 67. 17 (4. 11); **4** name of a Text (Ajitāgama) (अष्टाविंशति: शैवागमा:) शैवानाम् … अजितम् MrgendraT. iv. 1. 44; अत्राजिते ĪśānS'iPa. i. 6. 50(1); इत्यजिते ĪśānS'iPa. ii. 8. 52(2); **5** a kind of one-roomed house using six timbers शालाविभागं ज्ञात्वैषां तिर्यक् षड् दारु विन्यसेत् । … संज्ञाश्चैषामनुक्रमात् । …उद्द्योतं भीषणं शून्यमजितं कुलनन्दनम् SamarāSū. 23. 23.

अजितकरणता (ajitakarana-tā) *f.* the state of not having conquered the senses प्रत्यक्षं हि एतदजितकरणतया … न हार्दे ब्रह्मणि मनस्तिष्ठति ChāndoUBh. 169. 8 (*on* iii. 13. 6)

अजितकीर्तिमाला (ajita-kīrtimālā) *f.* garland (in the form of songs) of the glories of Krsna इहाजितकीर्तिमालां पदे पदे नूतनयस्यभीक्ष्णम् BhāgP. iii. 8. 1 (Vīrarāghava अजित: परमपुरुष:)

अजितकेशकम्बल (ajitakeśakambala) *m.* **i** name of one of the six heretical teachers mentioned in the Buddhist and Jain texts [DBHS]; **ii** name of a Brahmin [PW]

अजितक्रोध (ajita-krodha) *adj.* who has not conquered anger य: … ज्ञातीन् मोहाल्लोभाद्दिदृक्षते । सोऽजितात्माजितक्रोधो न चिरं तिष्ठति श्रियम् MahāBhā. v. 89. 30.

अजितचक्र (ajita-cakra) *n.* name of a mystic wheel-diagram. विद्यादजितचक्रस्य सम्यगक्षमिदं बुध: AhirbuS. 23. 19; 24. 11; *m.* name of a former Buddha [DBHS]

अजितजय (ajita-jaya) *m.* conquest of the unconquered आशुगत्वास्त्यजनक्रमणात् अजितजयजिताध्यवसनादुत्पतननिपतनाच्च AbhidhKoBh. 371. 7 (*on* 6. 54)

अजितजिन (ajita-jina) *m.* name of the second prophet of the Jains अवतारो द्वितीयस्य युगस्यात: प्रचक्ष्यते । … विजयां सुताम् । जितशत्रो: समायोज्य प्रव्रज्यस्त्रिदशंजय: । निर्वाणं च परिप्राप्त: … । अथाजितजिनो जातस्तयो: PadmP. (Ra.) 5. 63.

अजितजिनेन्द्र (ajita-jinendra) *m.* Ajita, the excellent Jina विनीताख्यमहादेशे विनीता विद्यते पुरी । तीर्थेऽजितजिनेन्द्रस्य सगरोऽस्या महीश्वर: BrKathāK. 119. 1.

अजितजिनेश्वर (ajita-jineśvara) *m.* Ajita, the sovereign Jina अथ साकेतनगरोद्यानेऽजितजिनेश्वर: । भगवान् समवासार्षीत् TrisaS'aPuC. ii. 5. 1.

अजितज्ञेयविनिर्जय (ajitajñeya-vinirjaya) *m.* mastering the objects of knowledge which are not known (*lit.* conquering the unconquered objects of knowledge) अजितज्ञेयविनिर्जयाय । यथा चक्रवर्तिनश्चक्ररत्नमजितदेशविनिर्जयाय MaYānaSū. 144. 9 (18. 58)

अजितंजय (ajitañ-jaya) *m.* [AltGr. II. i. N. 62] **i** name of a king of Ayodhyā in the Gandhila region गन्धिले विषयेऽयोध्यानगरे जयवर्मण: । सुप्रभायाश्च पुत्रोऽभूत् अजितंजय इत्यसौ । जयवर्माथ निक्षिप्य स्वं राज्यमजितंजये MahāP. 7. 41; **ii** king of Vatsakāvatī region विषये वत्सकावत्यां नृपोऽस्यामजितंजय: । तद्भार्या च महादेवी BrKathāK. 66. 3; **iii** king of Kauśāmbī in the Vatsa region वच्छ(त्स)देशे कौशाम्बी पुरी । राजाजितंजय: । तस्य राज्ञी सुप्रभा SamyaKau. 56. 4; 67. 15; **iv** name of a Bodhisattva [DBHS]; **v** name of a locality [DBHS]

अजिततेजस् (ajita-tejas) *n.* Visnu's lustre or prowess देवं विरिञ्चं समगाद्विधातस्त्राह्यात्मयोनेऽजिततेजसो माम् BhāgP. ix. 4. 52.

अजितत्व (ajita-tva) *n.* invincibility, state of being unconquered अजितत्वं नृपै: सर्वैर्देहि मे BhaviP. 473A. 9 (iii(3). 8. 3)

अजितदेव (ajita-deva) *m.* Lord Ajita (the second prophet of the Jains) अर्हतोऽजितदेवस्य धर्मचक्रमदृश्यत SamarāSam. 3. 50; अथादर्शि मया श्रीमान् सुरासुरनरस्तुत: । अर्हन्नजितदेवाख्य: SamarāSam. 3. 52.

अजितदेवगुरु (ajitadeva-guru) *m.* name of a Jain teacher तस्मादभूदजितदेवगुरुर्गरीयान् Gurvā. 73.

अजितदेवसूरि (ajitadeva-sūri) *m.* name of a Jain pontiff तयोर्बभूवाजितदेवसूरि: शिष्यो बृहद्गच्छनभ:शशाङ्क: । … विशारदशिरोमणेरजितदेवसूरेरभूत क्रमाम्बुजमधुव्रतो विजयसिंहसूरि: प्रभु: KumāCaSam. 135. 6.

अजितदेवाचार्य (ajitadevācārya) *m.* name of a Jain teacher अभजदजितदेवाचार्यपट्टोदयाद्रिद्युमणिविजयसिंहाचार्यपादारविन्दे । मधुकरसमतां य: SindūPra. 100.

अजितदेशविनिर्जय (ajitadeśa-vinirjaya) *m.* conquest of the unconquered country or territory अजितज्ञेयविनिर्जयाय । यथा चक्रवर्तिनश्चक्ररत्नमजितदेशविनिर्जयाय MaYānaSū. 144. 9 (18. 58)

अजितनाथ (ajita-nātha) *m.* name of the second prophet of the Jains जयन्त्यजितनाथस्य जितशोणमणिश्रिय: ।… पादपद्मद्वयीनखा: TrisaS'aPuC. ii. 1. 1; ii. 3. 89; चरितमजितनाथस्यैहिकामुष्मिकाणि प्रवितरतु सुखानि श्रोतृसामाजिकानाम् TrisaS'aPuC. ii. 6. 702; iv. 2. 97; PrabaCin. 96. 14.

अजितनेमि (ajita-nemi) *m.* name of a sacred fig-tree called Āśvattha आश्वत्थस्त्वजितनेमिरौदुंबर उलूखल: Vaija. 84. 19.

अजितपदवी (ajita-padavī) *f.* status or abode of Ajita (i. e. Visnu) त्वमजितपदवीमुपागतोऽन्त: … व्रज परमास्पदमच्युतं महात्मन् YogVā. v. 40. 25.

अजितपावक (ajita-pāvaka) *m.* Vaishnavite sacred fire प्रासादं परितोऽष्टदिक्षु सिकताक्लृप्तेष्वथ स्थण्डिलेष्वाधायाजितपावकं शिखिमुखं कृत्वा सकुम्भार्चनम् TantrSa. 6. 29 (comm. अजितपावकं वैष्णवाग्निम्)

अजितपुष्य (ajita-pusya) *m.* name of a former Buddha [DBHS]

अजितपूर्व (ajita-pūrva) *adj.* not already conquered दण्डश्च दुर्गदेशस्थे तस्मिन्नतिबलाधिके (कर्मसेने राज्ञि) नृपैरजितपूर्वेऽन्यै: प्रयुक्त: संशयावह: KathāSaSāg. xii. 35. 125.

अजितप्रत्यनीक (ajita-pratyanīka) *adj.* who has not vanquished his enemy अजितप्रत्यनीकस्य विटाक्रान्ताबलस्य च (निद्रा पलायते) PadmP.

(Ra.) 33. 156.

अजितप्रभु (ajita-prabhu) *m.* Lord Ajita (the second prophet of the Jains) धात्रीभिः पञ्चभिः शक्रादिष्टाभिरजितप्रभुः । अपाल्यत TrisaS'aPuC. ii. 3. 1; ii. 3. 72; प्रविवेश तदुद्यानं भगवानजितप्रभुः TrisaS'aPuC. ii. 3. 254; ii. 3. 399; द्वासप्ततिपूर्वलक्षसंख्यायुरजितप्रभुः TrisaS'aPuC. ii. 6. 672.

अजितप्रिय (ajita-priya) *m.* one of the thousand names of S'iva (*lit.* dear to Viṣṇu) जितकामोऽजितप्रियः LiṅgaP. i. 98. 58 = S'ivaP. iv. 35. 32 (391B. 7)

अजितप्रिया (ajita-priyā) *adj.* (*f.*) dear to Viṣṇu, Viṣṇu's beloved गदेऽशनिस्पर्शनविस्फुलिङ्गे निष्पिण्ढि निष्पिण्ढ्यजितप्रियासि BhāgP. vi. 8. 24.

अजितबल (ajita-bala) *m.* **i** name of a king तुष्टाजितबला देवी ददौ राज्यं सुतं च मे । तेनाजितबलः पुत्रो विदधेऽभिधया मया SamarāSam. 5. 475; विशाखवर्धनाभिख्ये पुरेऽजितबलो नृपः SamarāSam. 7. 336; **ii** name of a former Buddha [DBHS]

अजितबला (ajita-balā) *f.* **1** name of a goddess in the Jain mythology देवताजितबला च ··· तदोत्पन्ना सुवर्णरुक् TrisaS'aPuC. ii. 3. 845; पूजयित्वाजितबलामूर्तिं च स्थण्डिलस्थिताम् SamarāSam. 5. 373; अजितबलादेवी ततः प्रत्यक्षतामिता SamarāSam. 5. 380; AbhidhāCin. 44; S'abdaRa.(Su.) 1. 9; **2** name of a mystic power (*lit.* having unsurpassed power) विद्याजितबला नाम साधिता खेचरत्वदा SamarāSam. 5. 351.

अजितबाह्याभ्यन्तःकरण (ajita-bāhyābhyantaḥkaraṇa) *adj.* who has not conquered or subdued the external and internal (sense-)organs अजितबाह्याभ्यन्तःकरण आत्मज्ञानाय प्रवृत्तः (मिथ्याचारः) GitāBh.(Rā.) 172. 8 (*on* 3. 6)

अजितबाह्याभ्यन्तरकरण (ajita-bāhyābhyantarakaraṇa) *adj.* who has not subdued the external and internal (sense-)organs अजितबाह्याभ्यन्तरकरणैरस्य परमपुरुषस्य दुर्दर्शत्वमभिधाय ··· इन्द्रियाणां वशीकरणप्रकारोऽयमुच्यते यच्छेद्वाङ्मनसी इति BrahmSūBh.(Rā.) 342. 15 (*on* i. 4. 1)

अजितभुजाचतुष्टय (ajita-bhujācatuṣṭaya) *n.* group of four arms of Viṣṇu आवर्तः स्मरयति···प्रत्युप्तमजितभुजाचतुष्टयस्य Ragh. 12. 12.

अजितभुजान्तर (ajita-bhujāntara) *n.* chest (space between the arms) of Kṛṣṇa अजितभुजान्तरं भजत KṛṣṇaKa. 3. 45.

अजितभूत (ajita-bhūta) *adj.* one who has not grasped the material objects अजितभूतस्य हि विवक्षोः···निरभिधेया वाक् भवति NyāyVārPari. 8. 1.

अजितभृत्य (ajita-bhṛtya) *adj.* who is not able to control his servants [pw]

अजितभृत्यता (ajitabhṛtya-tā) *f.* the state of having uncontrolled servants अपरे···अजितभृत्यता सुखोपसेव्यत्वमिति···प्रतार्यमाणाः Kād. 108. 2.

अजितमनस् (ajita-manas) *adj.* who has not conquered his mind अजितमनसश्च प्रमादोन्मादवतो (वचनसंदर्भः) निष्प्रयोजन: NyāyVārPari. 8. 4; अनात्मनोऽजितमनसः स्वकीयमेव मनः शत्रुवच्छत्रुत्वे वर्तेत GitāBh.(Rā.) 326. 2 (*on* 6. 6)

अजितमन्युरंहस् (ajita-manyuraṁhas) *adj.* who has not been able to curb the vehemence of his wrath न यस्य मायागुणचित्तवृत्तिभिर्निरीक्षतो ह्यण्वपि दृष्टिरज्यते । ईशे यथा नोऽजितमन्युरंहसाम् BhāgP. v. 17. 19.

अजितमान (ajita-māna) *m.* name of a king प्रचण्डभुजदण्डाटोप[ख]ण्डितामित्रमण्डलः । अभूदजितमानोऽपि छिन्नलायां महीपतिः EI. ii. 347. 11.

अजितयशस् (ajita-yaśas) *m.* name of a Jain teacher पराभवात् पुरं त्यक्त्वा जगाम वलभीं प्रभुः (जिनानन्दः) ··· तत्र दुर्लभदेवीति गुरोरस्ति सहोदरी । तस्याः पुत्रास्त्रयः सन्ति ज्येष्ठोऽजितयशोऽभिधः PrabhāC. 77. 12; अन्यदा श्रीजिनानन्दप्रभुस्तत्रागमच्चिरात् । ···तथाजितयशोनामा प्रमाणग्रन्थमादधे PrabhāC. 78. 11.

अजितलक्ष्मन् (ajita-lakṣman) *adj.* not hitting the target शरवर्षाभिवृष्टेषु योधेष्वजितलक्ष्मसु । न हि स्वचित्ततां लेभे कश्चिदाहतलक्षणः MahāBhā. vii. 19. 63.

अजितलपन (ajita-lapana) *n.* face of Ajita अजितलपनं वस्तदेनस्तुणेढु JinaS'. 3. 12.

अजितवत् (a-jitava(n)t) *adj.* one who has not conquered कामक्रोधावजितवान्सखा ते MahāBhā. 1. 604*(4)

अजितवतिगन्ध (ajitavati-gandha) *m.* a (mythical?) kind of jewel [DBHS]

अजितवादसत्कथा (ajitavāda-satkathā) *f.* sacred story dealing with Ajita (i. e. Viṣṇu) इमां तु कौषारविणोपवर्णितां क्षत्ता निशम्याजितवादसत्कथाम् । ···मुनेर्दधार मूर्ध्ना चरणं हृदा हरेः BhāgP. iv. 31. 28.

अजितविक्रम (ajita-vikrama) *m.* name of king Candragupta II [PW]

अजितवीर्य (ajita-vīrya) *adj.* possessing invincible power अथ लिखितमिवैतत् सैन्यमस्पन्दमास्ते नियतमजितवीर्यं जृम्भते जृम्भकास्त्रम् UttaRāC. 5. 13; VakroJī. 227. 11.

अजितशस्त्रवह्नि (ajitaśastra-vahni) *m.* the fire of the weapon of Viṣṇu (i. e. *cakra*) संदह्यमानोऽजितशस्त्रवह्निना तत्पादमूले पतितः सवेपथुः (दुर्वासाः) BhāgP. ix. 4. 61.

अजितषड्वर्ग (ajita-ṣaḍvarga) *adj.* who has not conquered the group of six passions देहज्ञोऽजितषड्वर्गो नेच्छन्कर्माणि कार्यते BhāgP. vi. 1. 52.

अजितसंज्ञ (ajita-sañjña) *adj.* called Ajita अमलश्चातिसुखस्तथा । सञ्जयोऽजितसंज्ञश्च कृष्णस्यास्यसखिप्रियाः ĀdiP. 12. 44; षष्ठेऽन्तरे तु भगवान् द्विजशापखिन्नदेहान्सुरानवनतानवलोक्य सन्नः । वैराजविप्रतनयोऽजितसंज्ञ ईशो देवासुरैरमथयत्सहसा पयोधिम् SātvaT. 2. 24; आह्लादाजितसंज्ञौ द्वौ शताख्यवरुणस्थितौ । विसर्गानन्दसंयुक्तौ ज्ञेयौ पाशध्वजाभिधौ (मन्त्रौ) JayāS. 7. 82.

अजितसिंह (ajita-siṁha) *m.* name of a Jain teacher तदनु विदितो विश्वे गच्छः स राजपदोत्तरः । सुगुरुरजितसिंहस्तत्पदाम्भोजभानुः समजनि PrabhāC. 214. 5.

अजितसिंहक (ajitasiṁha-ka) *m.* name of a Jain teacher बभूवुः श्रीमहावीरपट्टानुक्रमभूषणाः । ···श्रीसिंहप्रभसूरीशाः सूरयोऽजितसिंहकाः EI. ii. 64. 7.

अजितसेन (ajita-sena) *m.* **i** name of a Jain teacher वन्दे वन्दितमादरादहरहस्याद्वादविद्याविदाम् ··· भ[क्तय]ा त्वाजितसेनम् EI. iii. 195. 156; iii. 195. 162; सकल[भुवन]पालानम्रमूर्धावबद्धस्फुरितमकुटचूडालीढपादारविन्दः । मदवदखिलवादीभेन्द्रकुम्भप्रभेदीगणभृदजितसेनो भाति वादीभसिंहः EI. iii. 195. 164; iii. 197. 209; **ii** name of a king अस्ति कोशाभिधं पुरम् । तत्रास्त्यजितसेनाख्यः ···नृपः SamarāSam. 3. 2; तत्रास्त्यजितसेनाख्यो नृपतिः सार्थकाह्वयः (तामालिनीपुर्याम्) RatnaCūKa. 10; **iii** name of a householder [DBHS]

अजितस्त्रीक (ajitastrī-ka) *adj.* [? जितस्त्रीकः] who is not ruled over by women, यः संस्कृताशी विविक्तच्छुचिरन्तस्तथा बहिः । अलोलुपोऽजितस्त्रीकस्तद्देहमपवर्जय MārkP. 50. 63.

अजितस्य जिति (ajitasya jiti) (*f.*) name of a Sāman, ĀrṣeBr. vi(3). 5. 4 (comm. जेतुमशक्यस्यापि जयसाधनमेतन्नामधेयम्)

अजितस्वामिदेव (ajitasvāmi-deva) *m.* Tīrthaṅkara called Ajitasvāmin अजितस्वामिदेवस्य चरितं प्रस्तवीम्यतः TrisaS'aPuC. ii. 1. 2.

अजितस्वामिन् (ajita-svāmin) *m.* name of a Tīrthaṅkara स्वपाणिपङ्कजाङ्कुरे सुरसङ्क्रमितां सुधाम् । ···पिबति स्माजितस्वामी TrisaS'aPuCa. ii. 3. 2; ii. 3. 22; श्रीपुरमिति नाम्नासीत् पुरा पुरं सकलपुरमुकुटः । तस्य च बहिरुद्याने समवासार्षीद् द्वितीयजिननाथः । श्रीमानजितस्वामी PrabhāC. 41. 7; 202. 20.

अजितस्वामिनिर्वाण (ajitasvāmi-nirvāṇa) *n.* liberation of Ajitasvāmin अजितस्वामिनिर्वाणात् कोटिलक्षेषु त्रिंशति । सागराणां गतेष्वासीन्निर्वाणं संभवप्रभोः TrisaS'aPuC. iii. 1. 405.

अजितस्वामिनृप (ajitasvāmi-nṛpa) *m.* king Ajitasvāmin गुणगणेष्वेव लोभः स्वदोषेष्वेव चाक्षमा । ···समभूदजितस्वामिनृपे शासति मेदिनीम् TrisaS'aPuC. ii. 3. 109.

अजितस्वामिपाद (ajitasvāmi-pāda) *m.* the revered Ajitasvāmin (a Tīrthaṅkara) अजितस्वामिपादान् नत्वा च ते तदा । ब्रह्मलोकं ययुः TrisaS'aPuC. ii. 3. 140.

अजितसिंहाख्य (ajitasiṁhākhya) *adj.* called Ajitasiṁha अन्यदाजितसिंहाख्याः सूरयः पुरमाययुः PrabhāC. 113. 5.

अजितस्वामिशासन (ajitasvāmi-śāsana) *n.* command of Ajitasvāmin अजितस्वामिशासनात् । राज्याभिषेको विधिवत् सगरस्य व्यधीयत TrisaS'aPuC. i. 3. 174.

अजितस्वामिसंस्तव (ajitasvāmi-saṁstava) *m.* praise of Ajitasvāmin अन्यदा भूपतिं श्रीमदजितस्वामिसंस्तवम् । कुर्वन्तम् PrabhāC. 207. 16.

अजितस्वाम्यागम (ajitasvāmy-āgama) arrival of Ajitasvāmin पौत्रराज्याभिषेकेणाजितस्वाम्यागमेन च । तदानीं चक्रिणो जज्ञे हर्षोत्कर्षो यथोत्तरम् TrisaS'aPuC. ii. 6. 617.

अजिता (a-jitā) *f.* **1** name of Durgā **2** name of Pārvatī **3** name of a divine Mother **4** name of various subsidiary female deities **5** name of a queen **6** name of the seventh knot of the sacred thread **7** name of a S'ilā **8** name of a mātrā **9** name of Gaṅgā **10** name of a commentary on the Tantravārttika **11** mineral alum **12** dūrvā grass **13** name of one of the four *kumārīs* **1** name of Durgā यां दृष्ट्वैव विनाशमाप सहसा शुम्भः समायोऽजिताम् । ···सा हेतुर्भवतां(? तात्) त्रिलोचनवधूः श्रीविनाशस्य ते DevīS'. 38; जय दुर्गे···अजितायै नमस्तुभ्यम् S'ivaP. v. 47. 7 (463A. 9); **2** name

of Pārvatī अजिता ह्रयोषिति S'abdaRaSaK. 136. 7; **3** name of a divine Mother, wife of Ruci, the mother of the Ajita gods ततः स्वायम्भुवे तस्मिन् सर्गे ते जज्ञिरे सुराः । अजितायां रुचेः पुत्रा अजिता द्वो(? द्वा)दशात्मकाः VāyuP. ii. 6. 33; **4** name of various subsidiary famale deities (called S'aktis, Mātṛs) or attendants of the gods अजिता ··· । भवमालिन्यनुजरा इत्यष्टौ नृप मातरः MatsyaP. 179. 71; ViṣṇuDhaP. i. 226. 67; अजिता चापराजिता ···रसचक्रे स्थिता अमूः AgniP. 125. 9; चिन्तयेदथ चक्रस्य समन्तादष्ट योषितः । ··· अजितां पीतवर्णां तु प्रतीच्यां संस्मरेत् पराम् AhirbuS. 26. 70; प्रागादि चक्रबाह्ये तु जया चन्द्रप्रभाविनी । ···अजिता कनकप्रख्या माया नीलोत्पलप्रभा PāraS. 23. 111; ततः सम्पूजयेत् पीठं नवशक्तिसमन्वितम् । ··· अजिता चापराजिता S'āraTi. 9. 18; चत्वारि देवीबीजानि देव्यो ज्ञेया इमाः क्रमात् । जयाख्या विजया पश्चादजिता चापराजिता S'āraTi. 19. 85; यजेत् तु शक्तीः जया विजया अजिता ĪśānS'iPa. i. 16. 95; i. 21. 25(1); दूत्यौ चामरहस्ते चाप्यजितां चापराजिताम् (पूजयेत्) ĪśānS'iPa. i. 32. 114; प्रागादितोरणा ज्ञेया जयाद्या द्वारकुम्भगाः । जया च विजया प्राच्यमजिता चापराजिता ĪśānS'iPa. ii. 56. 16; झं ञं गुह्यकशब्दान्ते अजितां पूर्ववत् परम् (उच्चरेत्) KulārT. 4. 85; न्यसेन्मन्त्राध्ववर्तिन्यश्चतस्रोऽष्टिगुणाः क्रमात् । जया च विजया चैव अजिता चापराजिता LakṣmīT. 30. 23; साधकः पीठशक्तीनामथार्चनमुपाचरेत् । ··· अजितामपराजिताम् ParamāKā. 129. 40; द्वितीयवप्रद्वारेषु प्राक्क्रमेण ··· देव्यो जया च विजया चाजिता च ··· । तस्थुः TriṣaS'aPuC. i. 3. 449; चक्रेश्वर्यमप्रतिचक्राप्यजितापि कविभिरजितबला NāmS'il. 1754; पीठशक्ति(? क्ती)र्न्यसेत् । तद्यथाजया विजया अजिता (भुवनेश्वरीपूजायाम्) TantrSā.(K.) 84. 27; अजिता ··· गोमुखीद्वितीयावरणम् VīraMi. (Rājanīti.) 384. 24; अजिताजितबलायाम् S'abdaRa.(Su.) 1. 9; **5** name of Gaṅgā नाम्नां सहस्रं गङ्गायाः ··· अव्यक्तलक्षणाक्षोभ्यानवाच्छिन्नापराजिता SkandP. iv. 29. 18 (comm. अवतारादिषु न केनचिज्जितेत्यजिता); **6** name of a queen गदापाणिः कदाचन । ··· नगरान्निर्ययौ बहिः । तस्य भार्याजिता नाम VāmaP. 91. 72; **7** name of the seventh of the ten knots of the sacred thread प्रकृतिः पौरुषी वीरा चतुर्थी त्वपराजिता । जयान्या विजया षष्ठी अजिता च सदाशिवा । मनोन्मनी सर्वमुखी ग्रन्थयोऽभ्यधिकाः शुभाः AgniP. 78. 13; **8** name of one of the nine *śilās* for placing the Nidhikumbhas नन्दा भद्रा जया पूर्णा अजिता चापराजिता । विजया मङ्गलाख्या च धरणी[च]नवमी शिला AgniP. 92. 35; **9** name of a *mātrā* in Prāṇāyāma त्रिर्जानुवेष्टनान्मात्रात् त्रिगुणाच्छोटिकात्रयात् । अजितां नाक्रमेन्मात्रां वायुदोषनिवृत्तये (प्राणायामे) MālinīT. 17. 12; **10** name of a commentary on the Tantravārttika तन्त्रवार्त्तिकस्याजिता नाम टीका SarvaDaKau. 90. 12; **11** mineral alum सौराष्ट्री चामृता सङ्गा काङ्क्षी काक्षी सुराष्ट्रजा । अजिता तुवरी तुल्या मृत्सा मृत्स्ना मृतालकम् DhanvNi. 116. 14; **12** *dūrvā* grass दूर्वायामजिता स्त्रियाम् NānārthāSaṁ. ii. 50. 43; अजितौषधिभेदे स्यात् S'abdaRaSaK. 136. 8; **13** name of one of the four *kumārī* (female deities) [DBHS] cf. **4**.

अजिताकृति (ajitākṛti) *adj.* having the form of Ajita (i. e. Viṣṇu) अयं विजृम्भितैश्वर्यो जातोऽहमजिताकृतिः YogVā. v. 31. 65.

अजिताक्ष (ajitākṣa) *adj.* who has not subdued his senses युगक्षये । शुक्लदन्ताजिताक्षाश्च मुण्डाः काषायवाससः । शूद्रा धर्मं चरिष्यन्ति शाक्यमुण्डोपजीविनः HariVaṁ. 116. 15.

अजिताख्य (ajitākhya) *adj.* **i** (class of gods) called Ajita स्वायम्भुवेऽन्तरे पूर्वं चत्वारो देवतागणाः । जयाख्याश्चाजिताख्याश्च शुक्राख्याश्च प्रकीर्तिताः । तेषां बभूव देवेन्द्रो विश्वभुग् लोकपूजितः ViṣṇuDhaP. i. 21. 2; i. 176. 7; **ii** (kind of mystic diagram) called Ajita अक्षं कृत्वा चक्रमेतद्द्वात्रिंशदरमालिखेत् । अजिताख्यमिदं चक्रं सुरासुरनमस्कृतम् AhirbuS. 23. 15; **iii** (drug) called Ajita (खलकम्) तक्रदाडिमतैलाजसैन्धवोपेतमजिताख्यम् AṣṭāSaṁ. ii. 67. 17 (4. 11)

अजितागमन (ajitāgamana) *n.* arrival of the victorious (warriors) अजितागमनमङ्गलोत्सवध्वजमिव भुजमुत्कारलक्षणं समुत्क्षिप्य ··· जनमवारयदवनिपालः AvantiKa. 133. 20.

अजिताजितपादाब्ज (ajitājitapādābja) *m.* one of the thousand names of Vināyaka (*lit.* whose lotus-feet have been won by Ajitā) अजिताजितपादाब्जो नित्यानित्यावतंसितः ··· इति वैनायकं नाम्नां सहस्रमिदमीरितम् GaṇeP. i. 46. 62.

अजितात्मता (ajitātma-tā) *f.* the state of having no control over oneself अतो वृत्ताद्विपरीतस्य चलितस्य । अत्र हेतुरजितात्मता ManuBh. ii. 11. 2 (on 7. 34)

अजितात्मन् (ajitātman) *adj.* **A** who has not controlled his self अविजित्य य आत्मानममात्यान् विजिगीषते । अजितात्माजितामात्यः सोऽवशः परिहीयते MahāBhā. v. 127. 27; आत्मा जेयः सदा राज्ञा ··· । अजितात्मा नरपतिः विजयेत कथं रिपून् MahāBhā. xii. 69. 4; xiii. 17. 16; अङ्गधृक् तनयं लेभे पिशुनं नाम नामतः । सोऽस्मिमज्जागतः पुंसां बलमत्त्यजितात्मनाम् MārkP. 51. 66; 27. 11; कस्तमेवं प्रवक्ष्यति । ऋते विनाशाभिमुखं त्वामेकमविवेकिनम् । कुबुद्धिमजितात्मानम् MatsyaP. 245. 40 = VāmaP. 29. 38; धर्म्यं धनम् ··· अजितात्मनो विलुम्पन्ति (षडिन्द्रियनामानो दस्यवः) BhāgP. v. 14. 2; भूतानि हन्यन्ते निर्दयैरजितात्मभिः ĀdiP. 29. 20; शूद्रायां बहवः पुत्रा उत्पन्ना मेऽजितात्मनः AdhyāRā. ii. 6. 66; नृपतेरजितात्मनः । संक्षिप्यते यशो लोके घृतबिन्दुरिवाम्भसि ManuSm. 7. 34; अजितात्मनो धनलोभवश्यात्मनः ManvaVi. 770. 27 (on 7. 34); उत्सिक्तहृदयं धर्मे चलितगौरवमजितात्मानं शासितुं नोत्सहेत Bārhas. 2. 65; मध्यग्रजे प्रव्रजितेऽजितात्मन् ··· संविग्नचित्तेऽस्ति न वास्ति चेतः Saund. 5. 37; (विसूचिकाम्) मूढास्तामजितात्मानो लभन्ते कलुषाशयाः SuśruS. vi. 56. 5; RugVi. 6. 17; पीड्यमाना हि वाताद्याः ··· कुर्वते । ··· विषूचिकाम् । ··· सहसैवाजितात्मनः AṣṭāHṛ. i. 8. 6; विहाय चापव्यवहारमुग्रं यथानियोगं प्रयतोऽजितात्मा । ··· योगीव कंचित्समयं निनाय RāghPāṇ.(Dha.) 5. 2; ततः स्वकृष्टमर्यादोच्छेदिष्वेष्वजितात्मसु ।···स शालिस्तुपतामगात् SamarāSū. 6. 29; निर्घातेन क्षितिध्वंस्ता धृतिश्चिरमकम्पत । तनुर्विवेकहीनस्य क्रोधेनेवाजितात्मनः RāmāMañ. 47. 20; गृहे स्थितं रावणस्य निर्लज्जस्याजितात्मनः । कथं नु धारयामि त्वाम् RāmāMañ. 399. 3; इयं तपोवनमही विवेकजननी कथम् । जनयत्यभिलाषं ते जननीवाजितात्मनः DarpDa. 3. 96; धिग्जन्तोरजितात्मनोऽस्य PraboCan. 4. 18; जयेदात्मानमेवादौ विजयायान्यविद्विषाम् । अजितात्मा हि विवशो वशीकुर्यात् कथं परम् KathāSaSāg. vi. 8. 192; अयतन्त्राजितात्मानः । अथ लब्धबलास्तस्य नाशाय द्रोहिमन्त्रिणः RājTa.(Ka.) 1. 360; सः···अत्यजन्नैव कौटिल्यमजितात्मेव दुर्ग्रहम् RājTa.(Ka.) 8. 2921; मुनेरपि मनो वश्यं सरागं कुरुतेऽङ्गना । जितेन्द्रियस्य का वार्ता किं पुनश्चाजितात्मनाम् S'ukraNī. 1. 112; **A ii** whose nature is not controlled (by any one), self-dependant जलजकुसुमयोनिः श्रेष्ठभावोऽजितात्मा MahāBhā. viii. 1085*(3); **Bi** having the nature of Viṣṇu (Ajita) दानं भूमिः सर्वकामप्रदाता भवान् पात्रं देवदेवोऽजितात्मा VāmaP. 92. 40; **B ii** whose mind is set on Ajita (i. e. Viṣṇu) अजितात्मसुरादिभिरिति अजिते हरावेवात्मा येषां तथाभूतैः सुरादिभिरपि दुर्लभात् VīraMi.(Bhakti.) 6. 9.

अजिताधिगम (ajitādhigama) *m.* obtaining of what is (yet) unconquered अजिताधिगमाय मन्त्रिभिर्युयुजे ··· अजः RaghuVa. 8. 17.

अजितान्तरा (ajitāntarā) *adj.* (*f.*) carrying inside (herself) the invincible (Kṛṣṇa) तां वीक्ष्य कंसः प्रभयाजितान्तराम् BhāgP. x. 2. 20.

अजितापीड (ajitāpīḍa) *m.* name of a king राजानमजितापीडं तं बलादुत्पलो व्यधात् RājTa.(Ka.) 4. 690; 4. 709; 8. 3406.

अजिताभिख्या (ajitābhikhyā) *f.* name *ajita* ततोऽसावजिताभिख्यां संप्राप्तो धरणीतले PadmP.(Ra.) 5. 64.

अजितामात्य (ajitāmātya) *adj.* having no control over the ministers अविजित्य य आत्मानममात्यान्विजिगीषते । अमित्रान्वाजितामात्यः सोऽवशः परिहीयते MahāBhā. v. 34. 54; v. 127. 27.

अजितायतन (ajitayatana) *n.* shrine of Ajita (the second Jain Prophet) अजितायतनस्थाने बभूवानुपमासरः TīrthaKa. 2. 16.

अजितार्ण (ajitārṇa) *m.* sound *ja* (*lit.* the letter or sound of Viṣṇu) (जकारस्य पद्मनाभाख्यप्रथमावतारपरत्वम्) अवतारो हि यो विष्णोः पद्मनाभो महोदयः । अजितः कुत्रचित् कैश्चित्सोऽजितार्णेन वर्ण्यते AhirbuS. 56. 2.

अजितार्थ (ajitārtha) *m.* money which is not won तदहमिदानीमजितार्थप्रतिपादनाय दुरोदरशालामेव व्रजामि KarpūC. 7 (1)

अजितावति (ajitā-vati) *m.* kind of perfume [DBHS]

अजिताश्रय (ajitāśraya) *adj.* whose shelter is Ajita (Kṛṣṇa or Viṣṇu) (युधिष्ठिरः) शशास गामिन्द्र इवाजिताश्रयः BhāgP. i. 10. 3.

अजिताह्वा (ajitāhvā) *adj.* (*f.*) whose name is Ajitā ततः संपूजयेत्पीठं नवशक्तिसमन्वितम् । जयाख्या विजया पश्चादजिताह्वापराजिता TantrSā.(K.) 86. 24.

अजितेन्द्रिय (ajitendriya) *adj.* having unsubdued sense-organs, whose senses are not controlled कच्चिदात्मानमेवाग्रे विजित्य विजितेन्द्रियः । पराञ्जिगीषसे पार्थ प्रमत्तानजितेन्द्रियान् MahāBhā. ii. 5. 50; iii. 264. 59; iv. App. 1. 14(4); xiii. 41. 20; Rāmā. ii. 2. 7; (v. l.) vi. 46. 46; सः ··· भजेत बालिशः कलिभूतामजितेन्द्रियः प्रियाम् Saund. 8. 30; 9. 44; 18. 23; HariVaṁ. 44. 37; 118. 17; TattvSa. (20) 137. 20; ममैव दोषो नितरां येनाहमजितेन्द्रियः ViṣṇuP. i. 15. 42; MārkP. 37. 7; सबन्धुराष्ट्रा राजानो विनेशुरजितेन्द्रियाः ArthS'ā. i. 38. 6 (1. 6); Bhaṭṭi. 12. 27; VarāṅgaC. 22. 48; GītāBh.(S'aṅ.) 112. 10 (on 4. 3); 145. 11 (on 4. 39); SanatBh. 201. 3 (on 1. 15); ManuBh. ii. 10. 5 (on 7. 31); ii. 14. 16 (on 7. 44); ii. 14. 22 (on 7. 45); NītiVā. 3. 7; व्यापृतात्माजितेन्द्रियः । म्रियते BhāgP. iii. 30. 18; viii. 19. 21; xi. 8. 7; SkandP. i(2).

41. 69; NīlaP. 346; NyāyVārPari. 8. 2; एतत् …पञ्चवंण महापिण्डम् …अजितेन्द्रियदु:स्तरम् LakṣmīT. 29. 60; RāmāMañ. 252. 17; 394. 3; BrahmP. 68. 72; 178 96; BhaviP. 110B. 30 (i. 62. 14); 284A. 12 (i. 191. 10); DevīBhāP. iii. 11. 52; vi. 10. 31; न तत्र नास्तिका यान्ति न स्तेना नाजितेन्द्रिया: ।… यज्वान: … तत्र गच्छन्ति मानवा: PadmP. ii. 95. 6; ii. 96. 19; iv. 92. 8; v. 15. 143; SaurP. 47. 77; दैवादिहागमं तावत्पापोऽहमजितेन्द्रिय: PariPar. 1. 229; 8. 428; SūktiRa. 104. 6; नृपतेरजितेन्द्रियस्य … कीर्तिः लोके संकोचयति ManvaMu. 253. 9 (*on* 7. 34)

अजितेन्द्रियत्व (ajitendriya–tva) *n.* the state of having one's sense-organs uncontrolled, absence of control over sense-organs वृद्धत्वेऽप्यजितेन्द्रियत्वफलमनुभवामि PañcT. 4. 13 (382. 4); KumāPraPra. 58. 8; 58. 13.

अजितेन्द्रियमिश्र (ajitendriya–miśra) *m.* name of a teacher [nt]

अजितेश (ajiteśa) *m.* (Jain.) Lord Ajita सगरोऽपि दिने दिने । स्वनियोगं नियोगीवाजितेशाय व्यजिज्ञपत् TriṣaS'aPuC. ii. 3. 45; ii. 3. 70; **B** name of a god, God Ajita अप्क्षौद्राज्यकदर्भवल्कसुमृदद्भिश्चाजितेशे…शोधयेत् TantrSa. 3. 32.

अजितेशिन् (ajiteśin) *m.* (Jain.) Lord Ajita पुराणम् … द्वितीयमजितेशिन: MahāP. 2. 128.

अजितोरस् (ajitoras) *n.* chest of Viṣṇu किमुत श्रीरजितोरसश्च्युता RāmC. 12. 94.

अजित्पर (a–jitpara) *adj.* not followed by voiceless stops and voiceless sibilants पदादिश्चाजित्पर: VājaPrāti. 1. 167 (comm. द्वौ द्वौ प्रथमौ जित्, ऊष्माणश्च हवर्जम्)

अजित्वा (a–jitvā) *ger.* without conquering, not having conquered एकलव्यं द्रुमं श्वेतं शल्यं शकुनिमेव च । एतानजित्वा संग्रामे कथं शक्नोषि तं क्रतुम् MahāBhā. ii. 161*(4); v. 158. 13; MārkP. 116. 20; BrahmāṇḍP. i. 7. 182; अन्यकार्य: स्यान्नाजित्वा साध्यमामयम् AṣṭāSaṁ. i. 7. 12 (1. 3); AṣṭāHṛ. i. 2. 19; अजित्वा सार्णवामुर्वीम् Kāvyāda. 2. 284 = SaraKaṇṭhā. 596. 1; VeṇīSaṁ. 5. 273; AnargharRā. 5. 50; 6. 21; अजित्वा त्वपरां भूमिं नारोहेत् SarvaSiSaṁ. 10. 45; RāghPāṇ.(Dha.) 18. 72; SkandP. v(2). 63. 8; VāmaP. 8. 47; अजित्वैव महीं जाता किं ते स्वर्गजये मति: RāmāMañ. 485. 1; KathāSaSāg. iii. 4. 53; अजित्वा देवता: सर्वा न तां (देवीम्) लभेत् PadmP. v. 30. 35; v. 30. 48; GaṇeP. ii. 20. 7; PārthPa. 51; HammīMaKā. 8. 39; अजित्वा शत्रुषड्वर्गं दादूरायोऽपि भूपते: । पदं निर्विशति श्लाघ्यं कलेरेवात्र मन्दना[ता] VīraBhā. 7. 69.

अजिन (aj–ína) *n.* [perhaps from *ajá* 'goat' DEBRU. p. 351; MAYR; accent AltGr. II. 1. 267 but from *aj*– Uṇā. 2. 48; अजेरज च । इनच् अजादेशश्च । वीयते अजिनम् Prasā. ii. 620. 23; अजेरज च । वीभावबाधनार्थम् । अजिनम् SiddhāKau. 532A. 7; but वृजिनाजिनकठिनादय: SaraKaṇṭhā. (Gr.) ii. 2. 194; अजेरजचेतीनजादेशश्च । तेनाजिनमन्तोदात्तम् Nyās. ii. 414. 8 (*on* vi. 2. 165); mentioned in GaṇRa. 4. 290 (331); 4. 302 (340); *kṛśāśvādigaṇa* GaṇPā. 61. 22 *on* P. iv. 2. 80; in the *utkarādigaṇa* GaṇPā. 25. 20 *on* P. iv. 2. 90; *śubhrādigaṇa* GaṇPā. 230. 93 (*on* P. iv. 1. 123; Liṅgānu. (Pā.) 106. 15; Liṅgānu.(Va.) 38; Liṅgānu.(Ha.) 42. 10; Liṅgānu.(S'ā.) 118. 16; Liṅgānu.(He.) 62. 6 (c.)]; **A** skin (of an animal), especially of a (black) antelope (or of sheep, ass, a tiger or an elephant) परामित्रान्दुन्दुभिना हरिणस्याजिनेन च । सर्वे देवा अतित्रसन् AV. v. 21. 7; vi. 67. 3; कृष्णाजिनमुत्तरं भवति AitBr. 1. 3 (20); किं नु मलं किमजिनं किमु श्मश्रूणि किं तप: AitBr. 33. 1 (836); वास: कृष्णवलक्षे अजिने रजतो निष्कस्तद् गृहते: PañcBr. xvii. 1. 14; अथ कृष्णाजिनमादत्ते । यज्ञस्यैव सर्वत्वाय S'atBr. I. i. 4. 1; अथाजर्षभस्याजिनमुपस्तृणाति S'atBr. V. ii. 1. 21; V. ii. 1. 24; अजिनं वासो वा दक्षिणत उपवीतं(? यं) (अधीयीत) TaiĀ. ii. 1. 1 (195. 3); शिर: सुब्रह्मण्यायै । य: श्व:सुत्यां प्राह तस्याजिनम् । इडा सर्वेषाम् ĀśvaS'S. II. vi. 9. 14; फलकास्तीर्णोऽश्वोऽश्वतरश्च युग्यौ कृष्णशं वास: कृष्णबलक्षेऽजिने रजतो निष्क: ĀpaS'S. xxii. 5. 5; xxii. 5. 9; MānS'S. 198. 16; यावविकौ … तयो: पार्श्वसंहिते कृष्णबलक्षे अजिने स्याताम् LāṭyāS'S. viii. 6. 15; viii. 6. 25; ऐणेयेन वाजिनेन ब्राह्मणं रौरवेण क्षत्रियमाजेन वैश्यम् ĀśvaGS. i. 19. 8; BhārGS. 1. 1 (1. 8); अथास्मा अजिनमुत्तरीयं करोति HirGS. i. 4. 6; GobhiGS. ii. 10. 9; पश्चादग्ने: कृष्णाजिने धाना अनुमन्त्रयते KauśiSū. 10. 12; दण्डधानाजिनं ददाति KauśiSū. 10. 15; तस्यापण्यम् । गन्धरसकृतान्नतिलशाणक्षौमाजिनानि GautDS. i. 7. 9; ब्रह्मवृद्धिमिच्छन्नजिनान्येव वसीत ĀpaDS. i(1). 3. 9; i(1). 3. 10; i(1). 2. 40; कृष्णरुरुबस्ताजिनान्यजिनानि BaudhDS. i. 2. 15; ii. 6. 17; आहरामि तवाद्याहं निष्कादीन्यजिनानि च MahāBhā. i. 67. 3; आविध्यदजिनं कृष्णम् … । सर्वसंशयनिर्मोक्ता नारद: MahāBhā. ii. 36. 7; iii. 95. 10; iv. 15. 2; v. 84. 10; viii. 270*. (2); प्रविशेम महारण्यमजिनै: प्रतिवासिता: MahāBhā. ii. 66. 18; स ददर्श महाकायं भुजंगम् … । चित्राङ्गमजिनैश्चित्रैर्हरिद्रासदृशच्छविम् MahāBhā. iii. 175. 13; अहं वनं गमिष्यामि ह्यजिनै: प्रतिवासित: MahāBhā. ix. 30. 47; ix. 61. 32; जटाजिनै: । विश्वासयित्वा द्वेष्टारमवलुम्पेद्यथा वृक: MahāBhā. xii. 138. 46; xii. 18. 34; ii. 47. 7; वल्कलान्यजिनानि च । स्वयं कृत्वा निवत्स्यन्ति HariVaṁ. 117. 33; चीराजिनजटाधारी रामो भवतु तापस: Rāmā. ii. 10. 28; i. 1337*(1); ii. 647*(2); ददर्श रामो दुर्धर्षस्तापसाश्रममण्डलम् । … अजिनै: … शोभितम् Rāmā. iii. 1. 4; iv. 49. 29; अजिनेन वा … अवस्तृतशरीर: । वसौतं वसेत् VāsiDS. 10. 10; 2. 24; अनर्थकानि (वाक्यानि यथा) । दश दाडिमानि षडपूपा: कुण्डमजाजिनम् … पिता प्रतिशीन इति MahāBh. i. 38. 6 (*on* i. 1. 1); स्वपन् स्विद्यति ना सुखम् । कौरवाजिनकौषेयप्रावाराद्यै: सुसंवृत: CaraS. i. 14. 49; i. 6. 15; i. 14. 52 (1922 Ed.); BhelaS. 36. 14 (1. 22); कदलीमृगलोपाकप्रियकाजिनसंभृतान् । कारयेदुपनाहांश्च साल्वणादीन् विचक्षण SuśruS. iv. 8. 37; चतुर्थमंशं धान्यानां षष्ठं वन्यानाम्…च गृह्णीयु: । दन्ताजिनस्यार्धम् ArthS'ā. ii 194. 3 (5. 2); i. 277. 1 (2. 22); मेखलामजिनं दण्डमुपवीतं कमण्डलुम् । अप्सु प्रास्य विनष्टानि गृह्णीतान्यानि मन्त्रवत् ManuSm. 2. 64; 11. 122; VaikhāDS. i. 2. 1; i. 3. 6; धान्याजिनरज्जुतान्तववैदलसूत्रकार्पासवाससां च ViṣṇuSm. 23. 14; 3. 25; 27. 29; 28. 8; DakṣaSm. 1. 12; कार्ष्णं च रौरवं बास्तमजिनानि द्विजन्मनाम् BṛParāSm. 6. 154; 6. 280; 6. 351; अथाजिनाषाढधर: प्रगल्भवाक् … विवेश कश्चिज्जटिलस्तपोवनम् KumāSaṁ. 5. 30 (comm. अजिनं कृष्णमृगत्वक्); इच्छाम्यहं भदन्त अजिनं धारयितुम् । भगवानाह । तीर्थिकध्वजमेतन्महापुरुष यदुत अजिनम् GiMs. iii(2). 94. 4; दण्डाजिनोपवीतानि मेखलां चैव धारयेत् YājñaSm. 1. 29; न स्त्रीणामजिनं वास: ParāSm. 9. 57; अजिनम् … मृगलोमकम् । दद्यादेतानि विप्राणाम् BrahmāṇḍP. ii. 16. 33; सूर्पधान्याजिनानां च मुषलोलूखलस्य च … शौचमिष्यते MārkP. 35. 7; VāyuP. i. 8. 175; कौशेयकान्युद्वहतेऽजिनं च तृतीयरूपं नवमस्य राशे: Bṛhajjā. 27. 27; KāśyaS. 176B. 27; तपस्विनो हि वसते केवलाजिनवल्कले Kirātā. 11. 15; 12. 27; DaśKuC. 131. 2; AṣṭāSaṁ. i. 133. 9 (1. 26); AṣṭāHṛ. i. 3. 13; श्रोत्राक्षिनासावदनं सरुक्मं कृत्वाजिने प्राक्शिरसं निधाय । … ऋत्विग्जुहाव ज्वलितं चिताग्निम् Bhaṭṭi. 3. 35; तमोमशीश्यामेऽजिन इव नभसि VāsaDa. 182. 4; VedavyāSm. 1. 24; VṛGautaSm. 631. 16(21); VṛHārīSm. 8. 311; कम्बले वाजिने पीठे कुशासनविनासने । न कुर्यादुपविष्टो वै ब्रह्मयज्ञं द्विजार्चनम् LaghvāśvaSm. 1. 80; 10. 59; सन्निधत्ते कुठारस्तूणीरोंऽसे वपुषि च जटाचापचीराजिनानि MahāvīC. 2. 26 (52. 13); UttarāC. 4. 26(1); MohaMu. 18; चैलम् अजिनं कुशाश्च उत्तरे यस्मिन् आसने तत् आसनम् GītāBh.(S'aṅ.) 191. 2 (*on* 6. 11); ChāndoUBh. 275. 1 (*on* v. 2. 7); तथा … कृष्णशं वास: कृष्णवलक्षे अजिने इत्येवमादिषु कृष्णदशादिविवरणाश्रयणात् TantrVā. 211. 4 (*on* i. 3. 18); तदीयं चेदमानीतमजिनं दृश्यताम् BṛKathāS'loSaṁ. 18. 496; स्थाणोर्वैयाघ्रमारादजिनमिव भुवि स्रंसमानं विरेजे । …अम्भोऽम्बुराशे: HarVi. 22. 59; ParaS. 17. 28; मृदुस्पर्शे वाजिने देवताप्रतीकमासादयेत् PārāSū. 46. 3; उत्तरापथ: । यत्र … °अजिनसौवीर° … °तुरङ्गाणामुत्पाद: KāvyMī. 94. 14; Kāvyānu.(He.) 153. 22; नैष्किंचन्यमहिंसा च कुत: संयमिनां भवेत् । ते सङ्गाय यदीहन्ते वल्कलाजिनवाससाम् YaśasCam. ii. 281. 25; i. 125. 6; ii. 299. 7; TattvBi. 21. 8; उत्तरं तु समाख्यातं वास: कृष्णाजिनं शुभम् । अभावे दिव्यमजिनं रौरवं वा विधीयते KūrmaP. 519. 15 (2. 12); अजिनं तथा । विप्रस्य प्रोक्तमैणेयं रौरवं क्षत्रियस्य च । आजं वैश्यस्य विज्ञेयम् BṛNāraP. 23. 17; ViṣṇuDhaP. ii. 86. 10; सा चापि पद्भ्यां मृदुकोमलाभ्यां ममर्द तं क्लिन्नमिवाजिनं हि VāmaP. 20. 46; BhāgP. i. 18. 27; iii. 3. 27; मेखला च समानीता अजिनं च महाद्भुतम् SkandP. i(1). 18. 161; आसनार्थं प्रयच्छन्ति … । कम्बलाजिनवासांसि SkandP. ii(1). 27. 53; मेखलाजिनदण्डाश्च लिङ्गं स्याद् ब्रह्मचारिण: SkandP. iv. 36. 37; ii(4). 36. 34; NaraP. 58. 22; शुद्धिरुष्णेन वारिणा शूर्पाणामजिनानां च BrahmP. 221. 116; 230. 71; PadmP. iv. 19. 22; GaṇeP. ii. 10. 18; दण्डाजिनपवित्राद्या: शूद्रेष्वपि निरङ्कुशा: BhaviP. 80A. 31 (i. 41. 10); अस्थीन्यस्थीन्यजिनमजिनम् … इत्याकुला: । नृत्यारम्भप्रणयिनि शिवे पान्तु वाचो गणानाम् SaraKaṇṭhā. 256. 26; SaduktiKa. 16. 11; SūktiMu. 2. 27; RāmāMañ. 464. 7; भिक्षापात्रं मृगजमजिनं जीर्णकौपीनमेकम् … । एतावा[न्मे हर परिक]रस्त्वत्प्रसादेन नित्यं भूयात् EI. xxv. 182. 45; xxiii. 31. 14; इत्युक्त्वाजिनमन्त्रौ स तस्मै दत्त्वा मुनिर्ययौ KathāSaSāg. xii. 6. 174; Mitā. 31. 27 (*on* 1. 91); पुरारि: संवृण्वन् विगलदुपसंव्यानमजिने SubhāRaK. 4. 40; NaiṣC. 17. 189; कृष्णमृगरुरुच्छागानामजिनानि ब्राह्मणादयो यथाक्रमं वसीरन् Aparā. 955. 18 (*on* 3. 57); SmṛtiCan. i. 74. 11; BhikṣāKā. 19. 11; शंभोरावरणं किम् … अजिनम् S'ārṅgaPa. 559; 4375; वामनो ह्यर्यजिनं वसान: … आद्योऽवतादाश्रमिणामयं न: S'aṅkaDigVi.(Mā.) 12. 13; 5. 17; अजिनं भस्म फणिन: …तव वरद तन्त्रोपकरणम् Mahimna. 8 (comm. अजिनं गजचर्म); AdvaiSi. 632. 13; S'ivārkaMaDī. ii. 436. 23 (*on* iv. 1. 10); Nārāy. viii. 30. 6; YātrāPra. 1. 19(3); 1. 88; NirṇaSi. 197. 23; VīraMi. (Saṁskāra.) 127. 1; 412. 11;

S'ivLī. 6. 35; MayūMāli. 260. 20 (*on* iii. 4. 1); AmṛUda. 4. 54; अजिनं चर्म कृत्तिः AmaK. 1445; त्वक् कृत्तिरजिनं चर्म ParyāRaMā. 935; AbhidhāRaMā. 3. 8; NāmaMāli. 355; Vaija. 84. 21; अजिनं संवृतं चर्म मृगादेर्मार्गमुच्यते ParyāMu. 23. 117; AbhidhāCin. 630; NānārthāSaṁ. ii. 55. 95; S'abdaRa. (Vā.) 2244; ParaNā. 2207; AbhidhāMañ. 169. 1; KośaKaTa. 1. 5270; KalpaK. 47. 240; S'abdaRaSaK. 190. 18; DhanvNi. 285. 11; **B** a sort of leather bag [PW, APTE]; leather cover or sheath of a sword etc. कमलम् अम्बुजे । सलिले करवालादेर्हैमाचैश्चित्रिताजिने S'abdaRa.(Vā.) 4121.

²**अजिन** (ajina) *m.* [perhaps in the *śubhrādigaṇa* P. iv. 1. 123] **i** name of one of the sons of Havirdhāna and Dhiṣaṇā हविर्धानात् षडाग्नेयी धिषणाजनयत्सुतान् । ··· गयं कृष्णं व्रजाजिनौ HariVaṁ. 2. 28; ViṣṇuP. i. 14. 2; BrahmāṇḍP. i. 37. 24; VāyuP. ii. 2. 23; AgniP. 18. 40; BallāC. 48. 3; (said to be the son of Ūru at BrahmāṇḍP. i. 36. 108); **ii** name of a Brāhmaṇa अजिनस्य द्विजस्यैव सुतो भूत्वा जनार्दनः । ··· विप्रान् मोहयामास BhaviP. 566A. 22 (iii(4). 12. 27)

³**अजिन** (ajina) *n.* [mistaken to mean absence of old age अजिनमित्यतस्तु समारोपितदीर्घभावाज्ज्यानिविरहमवगच्छन्तो भवन्ति भ्रान्ता: Bhām. 355. 10 (*on* ii. 1. 14)]; *m.* other than Jina अपश्यज्जिनमन्विष्यन्नजिनं ब्रह्मचारिणा- (?णाम्) NaiṣC. 17. 189; *adj.* without Jina अजिनं चर्मणि क्लीबं जिनहीने तु मेयवत् NānārthāSaṁ. ii. 55. 95.

⁴**अजिन** (ajina) *n.* sin अन्तर्भवत्कृष्णमृगाजिनाङ्कैः सुनिर्मलैः षोडशदानकीर्तेः । खण्डैरमुष्येन्दुरकारि धात्रा मृषायमब्धेरजनीति वार्ता BhārCam. 1. 14 (comm. अजिनं पापं । अजिनं पापमुच्यते इति त्रिकाण्डशेषः ?)

अजिनक (ajina-ka) *n.* skin शकारैस्तु प्रवेष्य(?ष्ट्वा)जिनकादिभिः । किटिजराविजैर्वस्त्रैः प्रच्छाद्य स्वेदयेन्नरम् BhelaS. 35. 16 (1. 22); *m.* name of a person (नृनाम्नि ठज्वनिलचो वा) अजिनकः CāndraVṛ. *on* iv. 3. 64.

अजिनखिन्न (ajina-khinna) *adj.* dejected by (wearing) the deer-skin अथ वनसमयान्ते गूढवासप्रवृत्ताः प्रययुरजिनखिन्नाः पाण्डवा मत्स्यदेशम् DaśāvaC. 8. 541.

अजिनग्रहण (ajina-grahaṇa) *n.* possession of the deer-skin अधिकाशितरक्षुरामिषस्पृहया संहरति···बलिमृगम् । अजिनग्रहणाय राहोर्हरिणश्चायममुं मृगादनम् YātrāPra. 9. 14.

अजिनचित्रा (ajina-citrā) *adj.* (*f.*) variegated or spotted like a deer-skin (MEYER) कदलीत्रिभागा शाकुला कोठमण्डलचित्रा कृतकर्णिकाजिनचित्रा चेति ArthS'ā. i. 192. 2 (2. 11) (comm. कृतकर्णिकाजिनचित्रा कृतैः स्वभावकृतैः कर्णिकाजिनैश्चर्मग्रन्थिभिः चित्रा जनितशोभा)

अजिनचीरयुक्त (ajinacīra-yukta) *adj.* wearing the garments of deer-skin and bark (कैकेयी प्रत्युवाच) वनं न गच्छेद्यदि रामचन्द्रः प्रभातकालेऽजिनचीरयुक्तः । ···मरिष्ये पुरतस्तवाहम् AdhyāRā. ii. 3. 31.

अजिनच्छटैक (ajinacchaṭaika) *adj.* having the collection of skins only (i. e mere mass of skins) डिम्भकेन ··· ग्रासीकृतं चर्व्यमाणमजिनच्छटैकमाकर्षन्ती कुचम्···प्रेतजाया UdaySuKa. 91. 10.

अजिनच्छदा (ajina-cchadā) *f.* bat निशाटनी मातृवाहा मुखविष्ठाजिनच्छदा S'abdaRa.(Vā.) 3617.

अजिनच्छन्ना (ajina-cchannā) *adj.* (*f.*) clad in or covered with hide गृध्राल्या ··· अजिनच्छन्नेव वाहिनी सा तिष्ठत्पतिरपि नष्टपत्न्यलक्षि DvyāśraKā. 4. 65.

अजिनजेण (ajina-jeṇa) *n.* leather saddle तमताजिनजेणाजीवनोटजाकुले ···कङ्काह्निनामके ग्रामधामके YaśasCam. ii. 218. 9 (comm. अजिनजेणं चर्मपल्याणम्)

अजिनत् (a-jinat) *adj.* not giving up सिन्धुराडसुषुपद्भयजीनो दुर्गमं यमजिनन्द्विडविद्धः DvyāśraKā. 8. 85 (comm. अजिनन्नत्यजन्)

अजिनत (ajinata) *m.* name of a person (कृशाश्वादि) अजिनतसतुलवेष्येरोऽरसाधूकरश्च GaṇRa. 4. 291 (332)

अजिनदण्डभृत् (ajinadaṇḍa-bhṛt) *adj.* carrying or having the antelope skin and the staff अजिनदण्डभृतं कुशमेखलाम् ···। अधिवसंस्तनुमध्वरदीक्षितामसमभासमभासयदीश्वरः RaghuVa. 9. 21.

अजिनधर (ajina-dhara) *adj.* [*f.* -ā] wearing the deer-skin (as a garment) चीराजिनधरान् वने । ··· प्रेक्ष्य पाण्डवान् MahāBhā. v. 79. 6; मयि चीराजिनधरे जटामण्डलधारिणि । गतेऽरण्यं च कैकेय्या भविष्यति मनःसुखम् Rāmā. ii. 19. 11; ii. 44. 20; महामुनिम् ··· जटाजिनधरम् ··· राजा जगाम AhirbuS. 33. 55; प्रजास्ता वै ततः सर्वाः ··· चीरवस्त्राजिनधरा निष्पन्ना निष्परिग्रहाः । ··· सङ्करं घोरमास्थिताः VāyuP. i. 58. 98; ii. 35. 124; ii. 36. 121; (असुरगणाः) चीरवल्काजिनधराः निष्क्रिया निष्परिग्रहाः । रणे विजेतुं देवान्वै न शक्ष्याम: BrahmāṇḍP. ii. 72. 127; i. 31. 99; ii. 73. 122; SkandP. i(2). 40. 268; मुक्तभोगास्तु मुनयो जटाजिनधरास्तथा । युवतीदर्शने क्षुब्धास्तत्क्षणे च मदं गताः PadmP. v. 12. 28; v. 18. 99; केचिद् वशुक(ल्क)लिनस्तथाजिनधरा[:] EI. xi. 285. 24.

अजिनधारण (ajina-dhāraṇa) *n.* wearing an antelope-skin (as a garment) (स्वधर्मः) वानप्रस्थस्य ··· जटाजिनधारणम् ArthS'ā. i. 30. 3 (1. 3); यो यस्य विहितो दण्डो मेखलाजिनधारणम् । सूत्रं वस्त्रं च गृह्णीयाद्ब्रह्मचर्येण यन्त्रितः LaViṣṇuSm. 1. 16; जटित्वमग्निहोत्रित्वं भूशय्याजिनधारणम् ।··· धर्मोऽयं वनवासिनः AgniP. 160. 1 = NītiSā. 2. 27; वासोऽजिनधारणपक्षे नित्यवत्समन्त्रं धारणं तयोः कुर्यात् BālamBha. i. 59. 10 (*on* 1. 14)

अजिनधारिन् (ajinadhār-in) *adj.* [*f.* -ṇī] wearing antelope-skin (as a garment) महाकाल नमोऽस्तु ते । स्थूलजीर्णाङ्गजटिने वल्कलाजिनधारिणे VāyuP. i. 30. 223; सुकन्यापि पतिम् ··· आराधयत्तदा । राज्यश्रियं परित्यज्य वल्कलाजिनधारिणी BhaviP. 46A. 25 (i. 19. 18)

अजिननिवसना (ajina-nivasanā) *adj.* (*f.*) dressed in antelope-skin कालीम् ··· अजिननिवसनां नौमि पाशासिहस्ताम् S'ārṅgaPa. 4065.

अजिनपत्त्रा (ajina-pattrā) *f.* bat (*lit.* having wings of skin) जतुकाजिनपत्रा स्यात् AmaK. 1039 = Vaija. 29. 44; जतुकं हिङ्गुनि स्मृतम् । स्त्रियां त्वजिनपत्राख्यक्षुद्रपक्ष्यन्तरे स्मृता NānārthāSaṁ. ii. 114. 769; जतुका जिनपत्रायाम् (? जतुकाजिनपत्रायाम्) MediK. 8. 90; ViśvaLoK. 15. 83; जतुका चर्मचटकाजिनपत्रा KośaKaTa. 1. 4668.

अजिनपत्त्रिका (ajinapattri-kā) *f.* bat स्याच्चर्मचटकायां तु जतुकाजिनपत्त्रिका AbhidhāCin. 1336; RājNi. 406. 16; S'abdaRa.(Vā.) 1632.

अजिनपत्त्री (ajina-pattrī) *f.* [DEBRU. p. 382] bat जतुकाजिनपत्त्र्यां स्यात् S'abdaRaSaK. 16. 8; [RājNi. quoted in S'abdaKaDru.]

अजिनपरिग्रह (ajina-parigraha) *m* **1** wearing a skin-garment श्रमणोऽप्यजिनपरिग्रहः ··· तरुणार्कमण्डलमध्यानुनिरवातरत् NalaCam. 3. 6 (27); **2** (a-jinaparigraha) not devoted to Jina, NalaCam. 3. 6 (27) (comm. जिनोऽर्हन्)

अजिनपर्यन्त (ajina-paryanta) *adj.* upto or ending with the skin (in a list of articles) पण्येषु च क्रीतेषु द्रव्येषु सर्वेष्वेवाशौचं नास्तीति । लवणादिष्वप्यजिनपर्यन्तेषु स्वयंग्रहण एव नाशौचम् HārLa. 31. 3.

अजिनप्रकार (ajina-prakāra) *m.* type or variety of deer-skin (used as an upper garment) कृष्णरुरुबस्ताजिनानीत्यजिनप्रकारः । तानि चोत्तरीयाणि BālaKrī. i. 46. 10 (*on* 1. 29)

अजिनप्रच्छद (ajina-pracchada) *adj.* having a coverlet of antelope's skin अद्य भ्राजिष्यति शुभा मैथिली मृगचर्मणा । अजिनप्रच्छदे पूर्वमयोध्यायामिवासने Rāmā. iii. 789*(68)

अजिनफला (ajina-phalā) *f.* name of a plant [*ajādigaṇa* P. iv. 1. 64; GaṇPā. 4. 15] संभस्त्राजिनशणपिण्डेभ्यः फलात्प्रतिषेधो वक्तव्यः । ···अजिनफला MahāBh. ii. 226. 13 (*on* Vār. 2 *on* P. iv. 1. 64); JaineVyā. 150. 23 (*on* iii. 1. 4); CāndraVṛ. *on* ii. 3. 15; असंभस्त्राजिनैकशणपिण्डात्फलात् ।···स्त्रियां ङीः स्यात् । ···समादिप्रतिषेधः किम् । संफला ··· अजिनफला SiddhaHe. ii. 4. 57; GaṇRa. 1. 41(72); अजिनफलादर्भमूल्यमूला: ··· अदहन्पतन्त्य उल्काः DvyāśraKā. 4. 70; (संफलेत्यादि) आदिशब्दात् भस्त्रफला अजिनफला शणफला पिण्डफला Prasā. i. 321. 19.

अजिनमण्डित (ajina-maṇḍita) *adj.* adorned with a deer-skin सः ··· भृगोराश्रममण्डलम् । ददर्श ··· समित्कुशाहरैर्दण्डमेखलाजिनमण्डितैः । अभितः शोभितम्···मुनिकुमारकैः BrahmāṇḍP. ii. 21. 41.

अजिनमुनीन्द्रवत् (ajinamunīndra-vat) *adv.* like the great sage Ajina (and others) प्रजानाशप्रतीकारेष्वसमर्थो विरागवान् । जगाम विपिने कर्तुं तपोऽजिनमुनीन्द्रवत् YogVā. v. 61. 13 (comm. अजिनप्रधाना मुनीन्द्राः ···तद्वत्)

अजिनयोनि (ajina-yoni) *m.* **i** source of deer-skin कदली कन्दली चीनश्चमूरुप्रियकावपि । समूरुश्चेति हरिणा अमी अजिनयोनयः AmaK. 1006 = KośakaTa. 1. 4504; एते स्युः कृष्णसाराद्या: मृगा अजिनयोनयः Vaija. 67. 25; कन्दली नवपल्लवे । ह्राटभेदे कच्छरूढेऽजिनयोनिमृगान्तरे NānārthāSaṁ. ii. 76. 342; **ii** deer or antelope मृगे कुरङ्गवातायुहरिणाजिनयोनयः AmaK. 1003; हरिणोऽजिनयोनिः स्यादेणः पृषत इत्यपि RājNi. 270. 14; AṣṭāNi. 32. 17; ParyāMu. 20. 39; मृगे त्वजिनयोनिः स्यात् S'eṣaNā. 1728; सारङ्गोऽजिनयोनिश्च वातायुश्चपलो मृगः MadaPāNi. 74. 24; ṢaḍrasaNi. 44. 20; मृगः कुरङ्गः सारङ्गोऽजिनयोनिः कुरङ्गमः KośaKaTa. 1. 4485.

अजिनरत्न (ajina-ratna) *n.* **A** excellent deer-skin बहून्येतानि स्निग्धबहुलरोमसुकुमाराण्यजिनरत्नानि AvantiKa. 62. 1; **B** miraculous leather-bag or purse अजिनरत्नमुदारकान्मुषित्वा मया तुभ्यं देयम् DaśKuC. 54. 9; 57. 21;

58. 17.

अजिनरत्नदोह (ajinaratna-doha) *m.* extraction (of wealth) from a miraculous leather-bag काममन्नर्यपि कतिपयैरेवाहोभिरश्मन्तकशेषमजिनरत्नदोहाशया स्वमभ्युदयमकरोत् DaśKuC. 55. 14.

अजिनलोमन् (ajina-loman) *n.* hair on a deer-skin यावन्त्यजिनलोमानि··· । तावन्त्यब्दसहस्राणि दाता विष्णुपुरे वसेत् BṛParāSm. 10. 141.

अजिनवती (ajina-vatī) *f.* name of the daughter of Caṇḍasiṁha (cf. **अजिनावती**) सुताजिनवती नाम चण्डसिंहस्य कन्यका BṛKathāS'loSaṁ. 20. 111; 20. 4.

अजिनवासस् (ajina-vāsas) *adj.* clad in a deer-skin (*lit.* with a deer-skin as a garment) जटिलश्चीराजिनवासाः GautaDS. i. 3. 33; चतुर्णामेव पापानामश्रु वै नापतत्तदा । त्वयि भारत निष्क्रान्ते वनायाजिनवाससि MahāBhā. iii. 28. 7; वल्कलाजिनवाससः । को वधेन ममार्थी स्यात् Rāmā. ii. 57. 21; वल्कलाजिनवाससे । ··· नमोऽस्तु ते VāyuP. i. 30. 223; तापसा जटिलाः केचिद्वल्कलाजिनवाससः ParamāKā. 111. 68.

अजिनवासिन् (ajinavās-in) *adj.* clad in or wearing a deer-skin तत्सर्वं दुग्वाजिनवासी चरति S'atBr. III. ix. 1. 12; अथ ह्याजिनवासिनो युध्यमानाः सदः प्रपेदुः JaimiBr. 1. 337.

अजिनवृततनु (ajinavṛta-tanu) *adj.* whose body is covered with a deer-skin भरतः ··· अजिनवृततनुः पालयामास नन्दिग्रामे तिष्ठन्नयोध्याम् MahāN. 3. 43.

अजिनशालिनी (ajina-śālinī) *f.* name of one of the *mātṛs* (created by S'iva to drink Andhaka's blood) विराविणी वत्सरुता माषाभाजिनशालिनी । ··· एताश्चान्याः स देवेन्द्र ससृजे मातरस्तदा । अन्धकानां महाघोरं पपुस्तद्रुधिरं तदा ViṣṇuDhaP. i. 226. 28.

अजिनशोभिता (ajina-śobhitā) *adj.* (*f.*) adorned with a deer-skin अहं जनकेन तेन । लब्धापि कृष्णाजिनशोभितायां क्षितौ कलत्रे तनयेव सीता Rāgh-Pāṇ.(Ka.) 5. 25.

¹अजिनश्री (ajina-śrī) *adj.* beautiful with (an elephant's) hide अस्ति क्षोणीप्रशस्तिस्तनुरिव गिरिशस्योडछीपूरपूर्वा···दृप्यन्नागाजिनश्रीः सुवृषमधिगता VīraMi. 1. 13 (*on* 1. 1)

²अजिनश्री (a-jinaśrī) *adj.* containing the glories of non-Jaina or non-Buddhist doctrines (i. e. full of glories of the Brahmanical doctrines), VīraMi. 1. 13 (*on* 1. 1)

अजिनसंवीत (ajina-saṁvīta) *adj.* wrapped or clad in a deer-skin सापश्यत्तं च मारीचम् ··· वल्कलाजिनसंवीतम् BhaviP. 236B. 10 (i. 158. 19); 700A. 26 (iv. 69. 11); वल्कलाजिनसंवीतौ दम्पती तप आस्थितौ (सुगन्धाकृतवीर्यौ) GaṇeP. i. 58. 18.

अजिनसंवृत (ajina-saṁvṛta) *adj.* covered with or clothed in a deer-skin अयं पुरुषशार्दूलः सायुधोऽजिनसंवृतः MahāBhā. iii. 151. 13; xv. 5. 12.

अजिनसंध (ajina-sandhá) *m.* [DEBRU. p. 77] furrier, one who prepares skins क्रुमुभ्योऽजिनसंधम् VājaS. 30. 15.

अजिनसंधाय (ajina-sandhāyá) *m.* furrier, one who prepares skins क्रुमुभ्योऽजिनसन्धायम् (आलभते) TaiBr. III. iv. 13. 1 (comm. चर्मचीरसंधानजीविनम्)

अजिनसंधि (ajina-sandhi) *m.* joint of the skin, place where pieces of skin are stitched 'वेः स्वार्थे' ··· स्वार्थ इति किम् । विक्रामत्यजिनसंधिः । स्फुटतीत्यर्थः JaineVyā. 28. 20 (*on* i. 2. 37)

अजिनसमन्वित (ajina-samanvita) *adj.* accompanied by (i. e. clad in) a deer-skin बलखानिः ··· । ददर्श बालकं रम्यं जटाजिनसमन्वितम् BhaviP. 495A. 33 (iii(3). 19. 37)

अजिनसुत (ajina-suta) *m.* son of Ajina (grandson of Pṛthu) अजिनसुत इति पाठवजिनसुत इति पाठे नामतौल्येऽपि व्यक्तिभेदेन इक्ष्वाकुवंशस्य जिनस्य बौद्धत्वात् BālamBha. i. 7. 24 (*on* 1. 3)

अजिनादि (ajinādi) *adj.* deer-skin etc. लोहवस्त्राजिनादीनां रत्नानां च विधानवित् । ···धनाध्यक्षः प्रकीर्तितः MatsyaP. 215. 31.

अजिनादिक (ajinādi-ka) *adj.* deer-skin etc. ब्रह्मचारी ··· धारयेदजिनादिकम् LaghvāśvaSm. 12. 11.

अजिनादिपर्युदास (ajinādi-paryudāsa) *m.* exclusion of a deer-skin etc. अजिनादिपर्युदासस्यान्यत्रासंभवात् VīraMi. (Saṁskāra.) 547. 4.

अजिनादिविरागचिह्न (ajinādi-virāgacihna) *n.* mark of detachment (from the objects of worldly pleasures) like a deer-skin etc. व्यर्थः पिधातुमजिनादिविरागचिह्नैः स्त्रीवश्यतां त्रिपुरशासन ते श्रमोऽयम् YātrāPra. 3. 67.

अजिनान्त (ajinānta) *adj.* ending with the word *ajina* अजिनान्तस्योत्तरपदलोपश्च P. v. 3. 82; व्यामाजिनान्ताच्छ्लुक् S'akaṭāVyā. iii. 1. 83; व्यामाजिनान्ताल्लुप् SiddhaHe. vi. 3. 93; मनुष्यनाम्नोऽजिनान्तात् कन् उत्तरपदलोपश्च पूर्वार्थे Prasā. i. 931. 18; अजिनान्तान्मनुष्यनाम्नोऽनुकम्पायां कन्, तस्य चोत्तरपदलोपः । अनुकम्पितो व्याघ्राजिनो व्याघ्रकः SiddhāKau. 316B. 1.

अजिनान्तर (ajināntara) *n.* another deer-skin प्रावरणादजिनादतिरिक्तमन्तर्वासःस्थानीयमजिनान्तरं धारणीयम् VīraMi. (Saṁskāra.) 414. 6.

अजिनान्वित (ajinānvita) *adj.* having (i. e. wearing) a deer-skin कौशकारवसनोऽजिनान्वितो गृध्रतुल्यवदनो घटादिगः Bṛhajjā. 27. 31.

अजिनाम्बर (ajināmbara) *m.* name of S'iva (*lit.* having an elephant-skin as his garment) (शिशुः) अजिनाम्बरदिग्वासः ··· गृणन्नामावलीमिमाम् SkandP. iv. 32. 54; *adj.* [*f.* -ā] **i** having a deer-skin for clothes, clad in a deer-skin अजिनाम्बरम् ··· प्रणमामि रामम् AdhyāRā. iii. 2. 33; **ii** clad in an animal-skin प्रजाः । ··· चीरपत्राजिनाम्बराः । वृत्त्यर्थमभिलिप्सन्त्यश्चरिष्यन्ति वसुन्धराम् MatsyaP. 273. 32.

अजिनाम्बरधारिन् (ajināmbaradhār-in) *adj.* wearing a deer-skin as a garment स्वाध्यायदक्षैर्बहुभिरजिनाम्बरधारिभिः । सम्यक् प्रयोज्यमानेषु मन्त्रेषु BrahmāṇḍP. ii. 26. 17; साध्या अजिनाम्बरधारिणः । ··· सेवन्ते ··· पिनाकिनम् SkandP. iii(3). 2. 101.

अजिनाम्बरप्रधारण (ajināmbara-pradhāraṇa) *n.* the act of wearing a deer-skin as a garment (तव) अजिनाम्बरप्रधारणं योग्यतरं न मन्महे Devī-BhāP. vii. 4. 49.

अजिनाम्बरसंयुक्त (ajināmbara-saṁyukta) *adj.* having a garment of a deer-skin अजिनाम्बरसंयुक्तं श्वेतयज्ञोपवीतिनम् ···रुद्रं समालिखेत् ViṣṇuDhaP. ii. 104. 41.

¹अजिनावतार (ajināvatāra) *m.* covering or garment consisting of the (elephant-) hide धत्ते द्विजाधिपमुपर्यजिनावतारं स्वं गाहतेऽनवमम् ··· पुरुषोत्तमः S'rīKaC. 5. 22.

²अजिनावतार (a-jināvatāra) *m.* incarnation as other than the Buddha धत्ते द्विजाधिपमुपर्यजिनावतारं स्वं गाहतेऽनवमम् ··· पुरुषोत्तमः S'rīKaC. 5. 22.

अजिनावती (ajinā-vatī) *f.* **i** name of a Vidyādharī देवसिंहाभिधानस्य विद्याधरपतेरहम् । भार्या धनवती नाम कन्यैषा च सुता मम । चण्डसिंहस्य भगिनी नाम्नेयमजिनावती KathāSaSāg. xiv. 2. 38; xiv. 3. 29; xv. 2. 116; **ii** name of the daughter of Caṇḍasiṁha a Vidyādhara chief (cf. **अजिनवती**) विद्याधरी···प्राह···पुत्री ममेयं विद्यानां धाम नाम्नाजिनावती । विद्याधरपतेश्चण्डसिंहस्य कुलभूषणम् BṛKathāMañ. 13. 81.

अजिनाषाढधर (ajināṣāḍha-dhara) *adj.* wearing a deer-skin and having a *palāśa* stick (in hand) अथाजिनाषाढधरः प्रगल्भवाग्ज्वलन्निव ब्रह्ममयेन तेजसा । विवेश कश्चिज्जटिलस्तपोवनम् KumāSaṁ. 5. 30 = SaraKaṇṭhā. 741. 2 = S'ṛṅgāPra. 117. 1.

अजिनासन (ajināsana) *n.* seat consisting of a deer-skin, deer-skin as a seat अजिनासन इति 'चेलाजिनकुशोत्तरम्' इति गीते प्रधानांशग्रहणम् PāñcRāRa. 83 .13.

अजिनास्तरण (ajināstaraṇa) *n.* coverlet or bed of a deer-skin नानाबीजेषु नानात्वमुलूखल उतैकता । अजिनास्तरणादीनां भिन्नत्वात्स्यादनेकता NyāyMāVi. 282. 10 (*on* v. 2. 7)

अजिनास्तरा (ajināstarā) *adj.* (*f.*) having (for the seat) the deer-skin spread (on the floor), seated on a deer-skin दाशरथी···शबरीमापत्तुर्वने । ···क्षामाम्···दण्डिनीमजिनास्तराम् Bhaṭṭi. 6. 61.

अजिनिन् (ajin-in) *adj.* wearing a deer-skin दीर्घं विप्रोषितः कालमरण्ये जटिलोऽजिनी ।···विजहार युधिष्ठिरः MahāBhā. vii. 23. 3; दण्डी च मेखली चैव अधःशायी तथाजिनी ।···विद्यार्थी BrahmāṇḍP. i. 7. 175; समेखलो जटी मुण्डो (v. l. जटिलोऽजिनी) दण्डी वा गुरुसंश्रयः । आ विद्याग्रहणात् NītiSā. 2. 24; स हि सकलक्ष्माचक्रे प्रदक्षिणमृक्षवीरलक्ष्मा चक्रे । पश्यन्नलिनीरजिनीराश्रमकुल्या नदीश्च नलिनीरजिनी YudhiVi. 2. 24; *m.* name of one of the twenty types of inauspicious elephants (a type of inauspicious elephant having some piece of skin sticking to the withers or the fore-quarter) दीनः क्षीणः ···अजिनी मण्डली श्वित्री···निःसत्त्व इति विंशतिः । महादोषाः समाख्याता गजानां भोजभूभुजा YuktiKa. 202. 10; स्कन्धे वा गात्रदेशे वा लग्नं चर्मैऽवलक्ष्यते । अजिनी नाम नागोऽयम् YuktiKa. 203. 19; a Brahmin religious student [pw.]

अजिनी (ajinī) *f.* name of a S'akti अजिनी जृम्भिणी रौद्री शान्ति(:) निद्राविकारिणी MānaSā. 427B. 19.

अजिनोत्तरसंस्तीर्ण (ajinottara-saṁstīrṇa) *adj.* (a bed) having a deer-skin spread over (it), spread over with a deer-skin अजिनोत्तरसंस्तीर्णे

वरास्तरणसंचये । शयित्वा पुरुषव्याघ्रः कथं शेते महीतले Rāmā. ii. 82. 4.

अजिर (aj-irá) *adj.* [*f.* -ā] [Mayr., Debru. p. 361 / Vār. 12 *on* ii. 4. 54; JaineVyā. 183. 25 (*on* iii. 2. 60); KāśiVr. *on* vi. 2. 193; GaṇPā. 1. 6; Nyās. 1. 420 (jha). 20 (*on* vi. 2. 193)] **1** agile, swift (concrete objects) आशुं दूतमंजिरं प्रत्नमीड्यं श्रुष्टी देवं सपर्यत ṚV. iii. 9. 8; तदू षु वामजिरं चेति यानम् ṚV. iv. 43. 6; युङ्ग्ध्वं हरी अजिरा धुरि ṚV. v. 56. 6; iii. 35. 2; v. 47. 2; (उषाः) बाधते तमो अजिरो न वोळ्हा ṚV. vi. 64. 3; viii. 49. 8; आरोह पृथो जुहु देवयानान्···हिरण्यपक्षाजिरा संभृताङ्गा । वहासि मा सुकृतां यत्र लोकाः TaiBr. III. vii. 6. 9; श्येना अजिरा एन्द्रं वसुना वहत PañcBr. i. 2. 5; संमुखान् ग्राव्णः कृत्वाभिमृशति श्येना अजिरा ऋतस्य गर्भाः ··· इति JaimiBr. 1. 79; Vaija. 211. 125; (abstract items) असमना अजिरासो रघुष्यदो वातजूता उप युज्यन्त आशवः ṚV. i. 140. 4; त्वामीळते अजिरम् ··· मानुषासः ṚV. vii. 11. 2; प्र यो वां मित्रावरुणाजिरो दूतो अद्रवत् । अयःशीर्षा मदेरघुः ṚV. viii. 101. 3; आ देवो दूतो अजिरश्चिकित्वान् त्वद्देवापे अभि मामगच्छत् ṚV. x. 98. 2; अग्निर्दूतो अजिरः सं चराते AV. iii. 4. 3; अजिरा: ··· इह मावत TaiS. II. iv. 7. 2; नमं आशवे चाजिराय च TaiS. IV. v. 5. 2; VājaS. 16. 31; यदजिरं जविष्ठं तन्मे मनः VājaS. 34. 6; एष वै मृत्युर्यद्वाजुरजिर एव नाम JaimiBr. 1. 26; **2** decayed (*jarjara*) NānārthāSaṁ. ii. 49. 29; ii. 49. 32; Vaija. 258. 14.

अजिर (aj-irá) *m.* [KāśiVr. *on* iv. 1. 123; GaṇPā. 230. 77; JaineVyā. 169. 23 (*on* iv. 1. 112); GaṇRa. 3. 219 (262); KāśiVr. *on* iv. 2. 80; GaṇPā. 248. 14; JaineVyā. 184. 17 (*on* iii. 2. 60); GaṇRa. 4. 282 (326)] **1** messenger, runner प्र हि त्वा पूषन्नजिरं न यामनि स्तोमेभिः कृण्व ṚV. i. 138. 2; **2A** name of a serpent who acted as the Subrahmaṇya priest (at the Sarpasattra) एतेन वै (अयनेन) सर्पा एषु लोकेषु प्रत्यतिष्ठन् ··· अजिरः ··· सुब्रह्मण्यः PañcBr. xxv. 15. 3; अजिरो माहेयः सुब्रह्मण्यः ··एते वै सर्पाणां राजानश्च राजपुत्राश्च खाण्डवे प्रस्थे सत्त्रमासत पुरुषरूपेण विषकामाः BaudhS'S. ii. 298. 3; **2B** an Ekāha Soma sacrifice of exorcistic nature श्येनाजिराभ्यामभिचरन् यजेत ĀśvaS'S. II. iii. 7. 1; तस्य शस्त्रमजिरेण ĀśvaS'S. II. iii. 7. 33; श्येनाजिरौ । मृत्य्वन्तकौ । ··· इत्यभिचरणीयाः S'āṅkhāS'S. xiv. 22. 4; **2C i** name of a Rudra in the eleventh Cakra अग्र्यः प्रथम आशुश्चाजिरोऽन्यः ··· चतुर्विंशतिराख्याता एते रुद्रा महाबलाः BrahmāṇḍP. iii. 34. 30; **2C ii** name of a god in Svāyambhuvamanvantara (स्वायम्भुवेऽन्तरे) अजिरो विभुर्विभावश्च···देवा द्वादश कीर्तिताः VāyuP. i. 31. 9; **2D** a kind of rat हसिरश्चिक्किरोऽजिरः ···दशाष्टौ चेति मूषिकाः AṣṭāSaṁ. ii. 366. 5 (6. 46); AṣṭāHr. vi. 38. 1; *n.* (rarely *m.*) [Liṅgānu.(Pā.) 107. 24; Liṅgānu.(S'ā.) 119. 1; Liṅgānu.(Vā.) 5. 18; Uṇā. 1. 54; GaṇPā. 25. 20 (*on* P. iv. 2. 90); JaineVyā. 83. 10 (*on* i. 4. 129); Prasā. ii. 717. 13] **A** a gravel brick representing a subordinate measure of time to be piled up on an altar इदानीं तदानीमितर्हि क्षिप्रमजिरम् TaiBr. III. x. 1. 4; **B i** court-yard, place, region अजिर । अजिरे तिष्ठति MahāBh. i. 488. 6 (*on* ii. 4. 54); असंमृष्टाजिराणि च । देवागाराणि शून्यानि Rāmā. ii. 1667*(6); कुसुमैर्भूषिताजिराम् HariVaṁ. 89. 22; शैलो रम्यसानुगुहाजिरः HariVaṁ. 93. 14; (सोमिल्कः) गृहाजिरं प्राप्योपविष्टः PañcT. 138. 1 (Kosegarten's Ed.); प्रातर्गत्वातिदूरं च सायमायात्यथाश्रमम् । पुनश्च भरतस्याभूदाश्रमस्योटजाजिरे ViṣṇuP. ii. 13. 21; यस्याजिरं स्वच्छसुगन्धतोयैः सिञ्चन्ति सिद्धोदितकूटभागाः EI. iv. 341. 22; यद्गृहातिथिपूज ··· क्षालनाम्भसा । अजिरं कर्दमीभूतं पुनात्यासप्तमं कुलम् EI. v. 137. 27; उटजाजिरप्रकीर्णशुष्यच्छ्यामाकम् ··· आश्रममपश्यम् Kād. 39. 10; मुक्तास्थानमण्डपस्य पुरस्तादजिरे स्थितम्···हर्षमद्राक्षीत् HarṣaC. 110. 5; उपरुद्धानि भोजानामजिराणि गृहाणि च RāmC. 10. 56; शालाजिरसंपुटकोटरावकाशप्रदीपप्रकाश इव संजातवामनाकृतिः YaśasCam. ii. 320. 23; विपिनं निर्जनं प्रोक्तमजिरं स्याद्गृहाङ्गणम् ViṣṇuDhaP. iii. 10. 19; विहारस्थानविश्रामसंवेशप्राङ्गणाजिरैः ··· ईदृग्गृहं तत्पश्यन्तीम् ··· प्रावोचत् BhāgP. iii. 23. 21; इमे हि ऋषयः प्राप्ताः शैलराज तवाजिरे VāmaP. 52. 23; Liṅgānu.(Ha.) 43. 11; Liṅgānu.(Vā.) 5. 18; Liṅgānu.(He.) 64. 9(c.); प्राङ्गणं कुरुतेत्युक्ताः किमाहुस्तदनिच्छवः ।···नाजिरं करवामहै SaraKaṇṭhā. 303. 20; कचिद्गजमदाम्भोभिरजिरे कृतसेचनम् ।··· प्रासादमासदत् TrisaS'aPuC. i. 4. 656; स्वयंवरस्याजिरमाजिहानां विभाव्य···भूमिनाथैः । इदं मुदा···अवादि NaiṣC. 10. 112; अजिरं चत्वरम् DhātuPra. 1. 227 (24. 10); अजिरे रेजिरे तत्र तोरणानां परम्पराः S'āliC. 7. 41; राजा मदीयोऽजिरमस्मदीयं तदाद्रियध्वम् S'aṅkaDigVi. (Mā.) 7. 91; अजिरस्यायतं तारादधिकं प्रकरोतु वा S'ilpaRa. ii. 31. 34; मन्दिराजिरसौधाग्रसंस्कारो जायते भृशम् BrBrahmaS. iii. 3. 20; अजत्यस्मिन्नजिरम् Prasā. ii. 633. 4; अजिरमङ्गणम् SiddhāKau. 520B. 14; तेषामजिरेऽभवल्लक्ष्णात्तुरङ्गहेषा AlaṅkāMañ. 57. 17; मतङ्गजाः । गर्जन्ति घनगम्भीरमजिरे ParamāKā. 113. 95; **B ii** (battle-)field अन्योन्यं रजसा तेन ··· संवृतानि च भूतानि ददृशुर्न रणाजिरे Rāmā. vi. 43. 16; राजराजी रुरोजाजेरजिरेऽजः (कृष्णः) S'iśuVa. 19. 102; अमोघा यस्य बाणौघाः रेजिरे समराजिरे EI. vi. 151. 63; जितनिःशेषसंगरः । संख्याजिरे विग्रहपालसूनुः प्रतापनिःशेषितवैरिजातः EI. xi. 309. 7; सः ···वा(? बा)णानां श्रेणिमुच्चद्वैरेऽत्र···आजेरजिरे (अर्जुनः शम्भौ) YudhiVi. 4. 60; AmaK. 618; AbhidhāCin. 1004; AnekāSaṁ. 3. 512; Vaija. 161. 36; MediK. 141. 109; S'abdaBhePra.(Ma.) 4. 8; S'āśvaK. 434; **B iii** town, NānārthāSaṁ. ii. 49. 30; **C** object of sense-organ, AmaK. 2698; AnekāSaṁ. 3. 512; Vaija. 258. 14; NānārthāSaṁ. ii. 49. 29; MediK. 141. 109; AnekāK. 735; **D** wind, AnekāSaṁ. 3. 512; S'abdaBhePra.(Ma.) 4. 8; MediK. 141. 109; **E** frog, Liṅgānu.(He.) 85. 5; AnekāSaṁ. 3. 512; S'abdaBhePra.(Ma.) 4. 8; MediK. 141. 109; S'abdaRaSaK. 264. 9; **F** human body, AmaK. 2698; AnekāSaṁ. 3. 512; S'abdaBhePra.(Ma.) 4. 8; AnekāK. 735; NānārthāSaṁ. ii. 49. 29; **G** swiftness, Vaija. 258. 14; NānārthāSaṁ. ii. 49. 29.

अजिरक (ajira-ka) *n.* court-yard पालेगाराः प्रहारिणः ··· तिष्ठन्त्यजिरके मम ParamāKā. 105. 25.

अजिरकुट्टिम (ajira-kuṭṭima) *m. n.* pavement of a court-yard अजिरकुट्टिमोपविष्टनिभृतभूपाललोकम् ··· रम्भागृहमपश्यत् TilaMañ. 228. 22.

अजिरग (ajira-ga) *m.* cloud स्तनयित्नुर्धूमयोनिर्मुदिरः शिशिरः शुची । अजिरगः कन्दरश्च ParyāS'aRa. 158.

अजिरगृह (ajira-gṛha) *n.* house with a court-yard तेषामर्थे महार्हाणि धाराजिरगृहाणि च । अत्यद्भुतानि शोभन्ते SkandP. i(1). 24. 68.

अजिरद्रुम (ajira-druma) *m.* tree in a court-yard फलमाल्यमहाभारभासुरैरजिरद्रुमैः । आनीय पुष्पसंभारम् YogVā. iii. 28. 28.

अजिरद्वार (ajira-dvāra) *n.* gate of a court-yard आग्नेय्यामजिरद्वारं दक्षिणाभिमुखं स्मृतम् VāstuVi. 13. 31; अजिरद्वारेऽप्येवं मार्गं कर्तव्यमाहुराचार्याः VāstuVi. 5. 22.

अजिरपथ (ajira-patha) *m.* passage in a court-yard निर्यताजिरपथेषु··· वेत्रधारीगणेनोपदिश्यमानसरणिः···भोजनभवनमण्डपमगच्छम् TilaMañ. 373. 18.

अजिरभाज् (ajira-bhāj) *adj.* standing in a court-yard मन्दुरापालकाक्रन्दकथिते चाजिरभाजि राजवाजिनि HarṣaC. 237. 15.

अजिरभू (ajira-bhū) *f.* ground of a court-yard गङ्गावासं नृपतिभटजनः संस्थाप्यास्थानजिरभुवि ततः Rāvaṇā. 2. 5; जङ्घालो जैत्रजन्याजिरभुवि जनयञ्जन्तुजाते ज्वरार्तिम् ··· खड्गः KhaḍgaS'. 7.

अजिरभूमि (ajira-bhūmi) *f.* ground of a court-yard विहर्तुमेष जानाति ···। कीर्णपुष्पोपहारासु स्वकास्वजिरभूमिषु YogVā. i. 8. 9; अजिरभूमिषु पुष्पकौघम् नासादयति···अलिकुले YogVā. v. 3. 23.

अजिरभूमिका (ajira-bhūmikā) *f.* ground of a court-yard जनताः पूरयामासुः पूरैरजिरभूमिकाः YogVā. iii. 17. 49.

अजिरम् (ajirám) *adv.* quickly प्र मुष्कभारः श्रवं इच्छमानोऽजिरं बाहू अभरत्सिषासन् ṚV. x. 102. 4; खादामूर्न्खदिराजिरम् AV. viii. 8. 3; नमो वामस्तु ··· प्राणापानावजिर सञ्चरन्तौ TaiĀ. iii. 14. 3 (350. 1) (Sāy. अजिरं अजरणशीलं गमनस्वभावं शरीरम्); Nigh. 2. 15.

अजिरमण्डप (ajira-maṇḍapa) *m.* bower in a court-yard अजिरमण्डपच्छायानिविष्टगोरसपरिपुष्टमहाकायदुष्टकौशलेयकैः ··· सर्वतः समाकुलैर्गोकुलैरधिष्ठितकक्षौ(? क्षो)पकण्ठां नगरसीमामलङ्घयम् TilaMañ. 117. 17.

अजिरमण्डल (ajira-maṇḍala) *n.* circle of (the entire battle-) field शब्दात्मकमिवोद्भूतं तदा त्वजिरमंडलम् PadmP.(Ra.) 12. 263.

अजिरवती (ajira-vatī) *f.* [Debru. p. 362, 874; P. vi. 3. 119; GaṇPā. 5. 1; P. vi. 1. 223] **i** the river on which the town S'rāvastī was situated GaṇRa. 2. 143; अनजिरादीनामिति किम् । अजिरवती KāśiVr. *on* vi. 3. 119; PrakriKau. i. 765. 16; ii. 749. 1; SiddhāKau. 219A. 8; JaineVyā. 316. 5 (*on* iv. 3. 222); **ii** name of a town अयम् । शरावतीशाजिरवत्यलंकारवत्यधीशांश्च युधे दिदेश DvyāśraKā. 6. 62.

अजिरविलासभूमि (ajira-vilāsabhūmi) *f.* pleasure-ground in a court-yard दुग्धबिन्दुधवलैः सुधारुचः सौधजालगलितैरमीषुभिः । रेजिरेऽजिरविलासभूमयो मौक्तिकप्रकरदन्तुरा इव Surath. 6. 57.

अजिरवेदि (ajira-vedi) *f.* platform in a court-yard यस्यां महावेश्मसु पद्मरागग्रावोत्करस्याजिरवेदिभाजः । असृग्भुजामाविरभूत्प्रभाभिरसृक्पयोराशिरिवाम्बुराशिः RāmC. 17. 8.

अजिरशोचिस् (ajirá-śocis) *adj.* agile with flames, with spreading lustre यो अग्निम् ··· सुदक्षमाविवासति । गिरा वाजिरशोचिषम् ṚV. viii. 19. 13; पवमानस्य ··· चन्द्रा असृक्षत । जीरा अजिरशोचिषः ṚV. ix. 66. 25.

अजिरशोभित (ajira-śobhita) *adj.* adorned with a court-yard तुलाकपाटार्गलकुड्यदेहलीनिशान्तशालाजिरशोभितैर्भृशम् BrahmāṇḍP. ii. 26. 59.

अजिरसहकारशाखिन् (ajira-sahakāraśākhin) *m.* mango tree in a court-yard यत्र च ··· न यान्ति परमपरिपाकमजिरसहकारशाखिनां फलानि Tila-

Mañ. 261. 18.

अजिरा (ajirā́) *f.* i name of sand to be piled up in the third row in the Sāvitracayana एज॒त्का जौ॒त्का॒ः…अ॒जि॒रासो॑ गमि॒ष्णवः॑ TaiBr. III. x. 1. 4 (Sāy. सिकताविशेषाणां नामधेयानि); ii river अ॒जि॒रा॑ मा॒तरः॑ नद्यः इति नदीनाम् Nigh. 1. 13; NānārthāSaṁ. ii. 49. 31; iii Pārvatī, MediK. 141. 109; NānārthāSaṁ. ii. 49. 31.

अजिराग्रभूमि (ajirāgrabhūmi) *f.* the front part of a court-yard पूर्वं कवीनामजिराग्रभूमयस्तुरङ्गनागेन्द्ररथाकुलाकुला: AlaṅkāMañ. 58. 12.

अजिरादि (ajirādi) *adj.* (*gaṇa*) beginning with the word *ajira* तिलकादयः शब्दा अजिरादिषु द्रष्टव्या: KāvyālaṅSū. v. 2. 75; GaṇRa. 2. 143 (179)

अजिराधिराज (ajirādhirājá) *m.* swift overruler अ॒जि॒रा॒धि॒रा॒जौ श्ये॒नौ सं॑पा॒तिना॑विव । आज्यं॑ पृतन्य॒तो ह॑तां यो न॒: कश्चा॑भ्यघा॒यति॑ AV. vii. 70. 3.

अजिरान्तर्गता (ajirāntargatā) *adj.* (*f.*) who is in a court-yard ततः प्रविष्टाजिरान्तर्गता यशोदा GopāKeCan. 113. 24.

अजिराप्रभु (ajirā-prabhu) *m.* name of Agni (conceived as a water-brick to be piled up in Āruṇaketuka Cayana) अग्निश्च जातवे॑दाश्च । सहो॑जा अ॑जिरा॒प्रभु॑: । … एतेऽष्टौ वसवः क्षिता इति TaiĀ. i. 9. 1 (62. 4); अजिराप्रभव उपदिश्यस्य स्थाने स्वतेजसा भानि TaiĀ. i. 18. 1 (123. 2)

अजिराय (ajir-āya-) *denom.* (Ā.) to hurry (on the road) like a messenger अ॒पामू॒र्मिर्मद॑न्निव॒ स्तोम॑ इन्द्राजिरायते RV. viii. 14. 10.

अजिरायु (ajirāyu) *m.* name of a son of Āyu नहुषं वृद्धशर्माणं रजिं रम्भमनेनसम् (v. l. °र्माणमजिरायुमने°) … आयो: पुत्रान् प्रचक्षते MahāBhā. i. 70. 23.

अजिराशिरीषशाखिन् (ajirāśirīṣa-śākhin) *m.* variety of S'irīṣa tree अचिरविकचानामजिराशिरीषशाखिनाम् … प्रसूनस्तबकैः…अनुसृतपुरोभागम् … जलमण्डपमगच्छत् TilaMañ. 106. 11.

अजिरोपविष्ट (ajiropaviṣṭa) *adj.* seated in a court-yard द्वारपालैः प्रणम्यमानः … अजिरोपविष्टैः … नरपतिभिर्नीयमानन्तन्दिवम् … राजकुलं विवेश HarṣaC. 215. 6.

अजिर्वि (a-jirvi) *adj.* not old, non-decaying आ हि रोहेमम् … र॒थम॒थ जि॒र्वि॑ (v. l. रथमजिर्वि Sāy.) वि॒दथ॒मा व॑दासि AV. viii. 1. 6 (Sāy. अजीर्णः)

अजिष्ट (ajiṣṭa) *m.* name of one of the Pṛthuka gods अजिष्टः शाक्यनः …पृथुकास्ते दिवौकसः VāyuP. ii. 1. 62.

अजिष्णु (ajiṣṇu) *m.* fire अजिष्णुस्तु पुमानग्नावुदके तु नपुंसकम् NānārthāSaṁ. ii. 60. 156; *n.* water, NānārthāSaṁ. ii. 60. 156.

अजिहट्टा (ajihaṭṭā) *f.* female deity mentioned in the Mataṅga spell अट्टे मट्टे अजिहट्टे…स्वाहा…इत्येतया मतङ्गविद्यया KāśyaS. 200A. 7.

अजिहान (ajihāna) *m.* [v. l. अट्टहास cf. JOR. 38 : v. 321] kind of jasmine अजिहानः शङ्खशुङ्का नाम्ना ना शङ्खयूथि(? थि)कः AṣṭāNi. 30. 5.

अजिहासित (a-jihāsita) *adj.* not intended to be abandoned, not desired to be rejected अजिहासितानुपादित्सितानामप्यजिज्ञासितानामर्थानां प्रत्यक्षादिगोचरत्वदर्शनात् TātpaT.(Vā.) 41. 25 (*on* i. 1. 1); न तावद् दुःखं नास्ति, नाप्यजिहासितम् SāṁkhyaTaKau. 12. 1 (*on* 1)

अजिहासु (a-jihāsu) *adj.* not wishing to abandon, not desiring to leave किञ्चिदजिहासोरनुपादित्सोरर्थनिरीहस्य सत्यपि पुरुषार्थसिद्धिहेतुत्वे अप्रवर्तनात् DharmoPra. 6. 18; तमेव तरुमजिहासुस्तेनैव सह तस्मिन् दहने प्राणानाहुतीचकार PrabaCin. 54. 8.

अजिह्म (a-jihma) *adj.* [*f.* -ā] Ai not crooked, not bent, straight (in a physical sense) निर्मलानामजिह्मानां नाराचानां विशांपते ।…संपातोऽभूत्सुदारुणः MahāBhā. vii. 73. 18; अजिह्ममोजिष्ठमोघमङ्गमम् …। प्रसेहिरे सादयितुं न सादिताः शरौघमुत्साहमिवास्य विद्विषः Kirātā. 14. 57; इयं सा मोक्षमाणानामजिह्मा राजपद्धतिः VākyaP. 1. 16; अजिह्मैः…। तैर्धर्मो धार्यते स्तम्भैः प्रासाद इव साधुभिः MattaVi. 18; यस्यामजिह्मा महतीमपङ्क्ताः सीमानमत्यायततयोऽत्यजन्तः ।…विनीतमार्गाः S'iśuVa. 3. 57; प्रचेतःपुरकान्तारस्मेरताजिह्मब्रह्मतरुप्रसूनसंदोहसुन्दरे…संध्यारागमहसि YaśasCam. ii. 3. 2 (comm. ब्रह्मतरुप्रसूनानि पलाशपुष्पाणि); सप्तजिह्वाजिह्मज्वालाजालाहुतीकृताकाशलावण्यं श्मशानारण्यं व्यलोकत YaśasCam. i. 114. 5 (comm. अकुटिला उग्रतरा इत्यर्थः); अजिह्मं चेति चैत्यस्य गुणा विंशतिरित्यमी SamarāSū. 41. 4; Aii not squinting, straight नयनाभ्यामजिह्माभ्यां मुखं ते मुच्यते जलम् MahāBhā. iv. 339*(4); Bi (*fig.*) not crooked, straightforward, honest, without deceit, truthful अजिह्मोऽशठोऽशरणोऽवसङ्कुतुकः VasiDS. 10. 27; आसंस्तु पाण्डुपुत्राणां त्रयोऽजिह्मा महारथाः । यमौ च भीमसेनश्च MahāBhā. vii. 164. 55; अजिह्ममशठं मार्गं सेवमानस्य भारत । सर्वदा सर्वभूतेषु ब्रह्माश्रमपदं भवेत् MahāBhā. xii. 66. 11; xii. 282. 12; अनसूयुरजिह्मश्च शतं वर्षाणि जीवति MahāBhā. xiii. 107. 14; xiv. 46. 36; अजिह्ममशठां शुद्धां जीवेद् ब्राह्मणजीविकाम् ManuSm. 4. 11; सुहृत्स्वजिह्मः स्निग्धेषु ManuSm. 7. 32; ViṣṇuSm. 3. 96; 81. 23; अशठोऽजिह्मः … मन्त्री स्यात् BṛhaspaSm. 301. 505; स्निग्धेष्वजिह्मः क्रोधनोऽरिषु । स्याद्राजा YājñaSm. 1. 334; शरभकुलमजिह्मं प्रोद्धरत्यम्बु कूपात् ṚtuSaṁ. 1. 23; कवयः पुनः पिशाचा इव विषयेषु विभ्रमयन्ति निसर्गादजिह्मान्यपि चित्तानि YaśasCam. ii. 67. 3; AgniP. 161. 13; KūrmaP. 633. 4 (2. 25); यश्च(च) भूमिगतं विप्रोच्छिष्टं तदजिह्मायाशठाय मृताय दासवर्गाय संकल्पनीयम् Aparā. 504. 15 (*on* 1. 240); अशठमलोलमजिह्मं त्यागिनमनुरागिणं विशेषज्ञम् । यदि नाश्रयति नरं श्रीः श्रीरेव हि वञ्चिता तत्र S'ārṅgaPa. 470; Subhāṣi. 233; न खल्वजिह्माः कितवा राजवलं विना शक्त्या दापयितुम् DaṇḍaVi. 111. 4; Bii (not naive) proficient, well-versed होमाजिह्मब्राह्मणसमिध्यमानमहसि हुतान्धसि YaśasCam. i. 250. 2 (comm. प्रगुणाः); Biii excellent or fluent आत्मसंभावनाजिह्मब्राह्मीकमुपह्वरे ह्यता प्रकृतयो ज्ञातयश्च कथंकारं न साधु प्रसादिताः YaśasCam. i. 427. 1 (comm. अजिह्मा प्रगुणा); [Kośas give ऋजु AmaK. 2168; AbhidhāCin. 1456; NānārthaMa. 1243; ऋजुभावयुक्त TrikāS'e. iii. 1. 26; सरल KalpaK. 228. 130; सत्कृति NānārthaMa. 1243;] *m.* A fish पर्यायवचनानां न भवति । अजिह्मान् हन्तीति MahāBh. i. 177. 15 (*on* i. 1. 68); पर्यायाणां न भवति अजिह्मान् हन्ति अनिमिषान् हन्तीति KāśiVṛ. *on* i. 1. 68; B one of the Parāvata deities विश्रुतो यश्च अजिह्मश्चारिमर्दनः । … इत्येते पराक्रान्ताः परावताः VāyuP. ii. 1. 11; BrahmāṇḍP. i. 36. 13.

अजिह्मकारिन् (ajihmakār-in) *adj.* not doing dishonest act कथं च ज्ञातयस्तात श्रेयांसः साधुसंमताः । तथान्याय्यमुपस्थातुं जिह्मेनाजिह्मचारिणः (v. l. अजिह्मकारिणः) (अर्हाः) MahāBhā. v. 126. 5.

अजिह्मग (ajihma-ga) *adj.* i going straight, taking a straight course (animate subject) नैर्ऋतीं दिशमास्थाय निपतेत्स त्वजिह्मगः MahāBhā. xii. 159. 47; अपराजितां वास्थाय व्रजेद्दिशमजिह्मगः ManuSm. 6. 31; 11. 104; ViṣṇuDhaP. ii. 130. 32; ii. 73. 114; AgniP. 160. 5; KūrmaP. 677. 3 (2. 22); ii following a straightforward policy (नृपतिः) नातिदण्डो न निर्दण्डः चारचक्षुरजिह्मगः ViṣṇuDhaP. ii. 3. 4; iii flying straight (arrows etc.) समादाय शरान् घोरान् … मुमोचाशु सुयोधने । ज्वलिताग्निशिखाकारान् वज्रकल्पानजिह्मगान् MahāBhā. vi. 75. 10; रथं दृष्ट्वा महारथः । अन्वधावत्किरन् बाणैः कङ्कपत्रैरजिह्मगैः MahāBhā. viii. 35. 40; ix. 9. 35; मुमोच लीलया रामः कङ्कपत्रानजिह्मगान् Rāmā. iii. 24. 16; निशम्य रामेण शरैरजिह्मगैर्हताञ्जनस्थानगतान्निशाचरान् Rāmā. iii. 32. 24; vi. 78. 32; कांश्चिद् बिभेद शूलेन कांश्चिद् बाणैरजिह्मगैः MatsyaP. 150. 33; 151. 10; 153. 75; SkandP. i(2). 17. 49; VāmaP. 8. 7; तं वीरसेनो विशिखैः शिलाशितैः समावृणोदाशुगमैरजिह्मगैः DevīBhāP. iii. 15. 5; AdhyāRā. vi. 9. 46; रुन्धत्या ककुभः सर्वा विकीर्णैरप्यजिह्मगैः । सेनया वृषसेनस्य HarVi. 43. 147; तस्य पक्षमरुता निवर्तितैः वाहिनी दिविषदामशेषतः ।…प्रत्यविध्यत शरैरजिह्मगैः Yādavā. 17. 62; *m.* arrow (as it flies straight) गाण्डीवमुक्तान् स्तनयित्नुघोषानजिह्मगान् कच्चिदनुसरन्ति MahāBhā. v. 23. 20; तान्प्रत्यविध्यद्गाङ्गेयस्त्रिभिस्त्रिभिरजिह्मगैः MahāBhā. vi. 99. 11; vii. 2. 15; क्षणेन तस्य ते राजन् क्षयं जग्मुरजिह्मगाः MahāBhā. xvi. 8. 59; नानिर्भिन्नं न चास्तब्धमा कराग्रादजिह्मगैः Rāmā. vi. 35. 20; MatsyaP. 150. 226; पृषत्कबाणविशिखा अजिह्मखगाशुगाः AgniP. 365. 15; SkandP. i(2). 19. 65; अजिह्मगान् … अमर्षतः समिति ववर्ष रावणिः RāmāCam. 6. 44; AmaK. 1640; AbhidhāCin. 778; अजिह्मगो गार्धपक्षः पत्रिमार्गणसायकाः KośaKaTa. 1. 6269; ParaNā. 2407; *m.* *n.* not a serpent त्रि स्यादृजुगामिन्यजिह्मगः । असर्पे तु द्वयोर्ना तु शरे NānārthāSaṁ. iii. 30. 51.

अजिह्मगति (ajihma-gati) *adj.* with a straight motion, moving straight अथ…अजिह्मगतिम्…। द्रुपदानीकमायान्तं कुरुसैन्यमभिद्रवत् MahāBhā. i. App. I. 103. 115.

अजिह्मगमुख (ajihmaga-mukha) *n.* mouth of one who is not a serpent अजिह्मगमुखोद्गलद्गरलबिन्दुसन्दूषितं तदेतदपयःपयोनिलयफेनसम्मिश्रितम् (अधरामृतम्) MadaKeC. 96.

अजिह्मगराजि (ajihmaga-rāji) *f.* series of arrows नेदं कूजितमस्ति कार्मुककृतं किं तूर्जितं गर्जितं नैवाजिह्मगराजिराजिवदने किं तूग्रधारातति: AlaṅkāKau.(Vi.) 236. 19.

अजिह्मगामिन् (ajihmagām-in) *adj.* i moving straight, not going in a zigzag manner अजिह्मगामिभिः । तमिद्धमाराधयितुं सकर्णकैः कुलैर्न भेजे फणिनां भुजंगता S'iśuVa. 1. 63; ii behaving without crookedness, S'iśuVa. 1. 63.

अजिह्मचरित (ajihma-carita) *adj.* i having a straightforward behaviour, not behaving crookedly यो भोगिप्रवरोऽप्यजिह्मचरितः YātrāPra. 6. 76; ii with a straight gait or movement, YātrāPra. 6. 76.

अजिह्मचारिन् (ajihmacār-in) *adj.* behaving honestly, not behaving crookedly कथं च ज्ञातयः …। तथान्याय्यमुपस्थातुं जिह्मेनाजिह्मचारिणः (अर्हाः)

MahāBhā. v. 126. 5.

अजिह्मचित्तवृत्ति (ajihma-cittavṛtti) *adj.* having an honest mental disposition अजिह्मचित्तवृत्तीनाम् ··· । अकृत्रिमं मुक्तिसुखं स्वसंवेद्यं महात्मनाम् TriṣaS'aPuC. iv. 5. 302.

अजिह्मता (ajihma-tā) *f.* non-crookedness, straightforwardness, honesty नित्याविद्यासु भक्तानां लक्षणं शृणु सुन्दरि । ··· नैष्ठिकत्वमजिह्मता TantrRā. 30. 87.

अजिह्मत्व (ajihma-tva) *n.* non-crookedness, straightforwardness, honesty अजिह्मत्वमशाठ्यं च यत्नतः परिमार्गत MahāBhā. xii. 149. 76.

अजिह्मधी (ajihma-dhī) *adj.* of an honest disposition, not having a crooked mind सुहृदर्थमीहितमजिह्मधियां प्रकृतेर्विराजति विरुद्धमपि S'isuVa. 9. 62.

अजिह्मपरब्रह्मन् (ajihma-parabrahman) *n.* honest excellent vow of celibacy अयं महर्षिः सर्वदेवावतारः । अजिह्मपरब्रह्मावलोककरतलकलितमुक्ताफलवत् कालत्रयविज्ञातस्वरूपः PrabaCin. 85. 28; KumāCaSaṁ. 63. 31; अजिह्मपरब्रह्मवर्चसं पद्मासनासीनम् ··· श्रीहेमचन्द्रं दृष्ट्वा KumāCaSaṁ. 88. 3; 89. 7.

अजिह्मब्रह्मचर्यव्रत (ajihmabrahmacarya-vrata) *n.* honest vow of celibacy भोगान् भुञ्जानोऽप्यजिह्मब्रह्मचर्यव्रतनिरतः PrabaCin. 18. 20.

अजिह्मब्रह्मचारिन् (ajihmabrahmacār-in) *adj.* honestly observing the vow of celibacy एकरात्रमपि प्रायेणाजिह्मब्रह्मचारिणः । पुराणमतिभिः पुण्यमुच्यते PārśvC. 2. 725.

अजिह्मब्रह्मन् (ajihma-brahman) *n.* honest vow of celibacy परमतपश्चरणगणग्रहणाजिह्मब्रह्मास्तम्बस्य ··· भगवतोऽकम्पनाचार्यस्य YaśasCam. ii. 316. 17; अजिह्मब्रह्मवाधिना । आगम्यते त्वया PāṇḍaC. 10. 32; अजिह्मब्रह्ममनसः सर्वं स्त्रैणं तृणं मम PāṇḍaC. 13. 199; यदस्य धर्मैकार्यस्यान्तरायपरिहाराय ध्वजारोपं यावदजिह्मब्रह्मसेवा PrabaCin. 84. 12; Dhūrtā. 227.

अजिह्मभ्रुकुटीक्षण (ajihmabhrukuṭīkṣaṇa) *adj.* looking without raising the eye-brows, without brow-beating तत्र स्वामिसंपत् । ··· अजिह्मभ्रुकुटीक्षणः ArthS'ā. ii. 226. 3 (6. 1)

अजिह्मम् (a-jihmam) *adv.* i in a straight line or direction दक्षिणाप्रतीचीं व्रजेदजिह्मम् GautDS. iii. 5. 10; ii honestly, in a straightforward manner तत्र चेद्युध्यमानानामजिह्ममनिवर्तिनाम् । सर्वशो हि वधः श्रेयान् MahāBhā. iii. 34. 17.

अजिह्ममनस् (ajihma-manas) *adj.* having an honest mind, not having a crooked mind सर्वे नराश्च ··· अजिह्ममनसः ··· बभूवुः MahāBhā. xiv. App. I. 1. 23.

अजिह्मयोधिन् (ajihmayodh-in) *adj.* fighting honestly गान्धारी ··· श्रुत्वा विनिहतं पुत्रं छलेनाजिह्मयोधिनम् MahāBhā. ix. 62. 13; घातयित्वा तमेवाजौ छलेनाजिह्मयोधिनम् । उपसंप्रष्टुमर्हामि तमहं केन हेतुना MahāBhā. xii. 38. 19.

अजिह्मरेख (ajihma-rekha) *adj.* (drawn) in straight lines श्वेतत् प्रमाणमनुरूपमनिन्दितं च । स्थानैरनेककिरणैः स्थिरभूमिलम्भैः कार्यं तदेव सकुमारमजिह्मरेखम् ViṣṇuDhaP. iii. 37. 17.

अजिह्मवर्चस् (ajihma-varcas) *adj.* of undimmed lustre प्रदह्य यः क्षत्रियगोत्रजं वपुस्तपोमयेनोज्ज्वलितेन वह्निना । अविन्दत ब्राह्ममजिह्मवर्चसे नमोऽस्तु तस्मै Rāgh. 4. 4.

अजिह्मवाग्ब्रह्मन् (ajihmavāg-brahman) *m.* lord of plain speech ब्रह्मन्नजिह्मवाग्ब्रह्मन् वचस्ते प्रतिभासते । कर्कन्धूफलवत् पूर्वं कोमलं कठिनं ततः PāṇḍaC. 11. 59.

अजिह्मविक्रम (ajihma-vikrama) *adj.* having straightforward valour अजिह्मविक्रमस्तस्यां विश्वाक्रमनिवारणः । जिष्णोः सब्रह्मचारीव ब्रह्मोत्यासीन्महीपतिः TriṣaS'aPuC. iv. 2. 194.

अजिह्मवृत्ति (ajihma-vṛtti) *adj.* of honest or straightforward behaviour एकान्त एक एवास्तेऽजिह्मवृत्तिरचापलः YogVā. vi(2). 64. 42.

अजिह्मवृत्तिता (ajihmavṛtti-tā) *f.* straightforward behaviour अजिह्मवृत्तिता ।··· एवंविधो गुरुर्ज्ञेयः TantrRā. 1. 20; NityoNi. 5. 25.

अजिह्मस्वरूपा (ajihma-svarūpā) *adj.* (*f.*) of straightforward nature, truthful (speech) संसारोदन्वदम्भसि ··· मज्जतो जन्तुराशीन् । प्रत्यप्रान्तप्रथिम्नि सारमकरवति ब्राह्म्यजिह्मस्वरूपा निर्व्याजं नाव्यते या यतिपतिगदिता सा हताद्वो द्विषन्तम् JinaS'. 4. 5.

अजिह्माक्ष (ajihmākṣa) *adj.* having unsquinting eyes तदेवाजिह्माक्षं मुखमविशदास्ता गिर इमाः S'ārṅgaPa. 3538; Subhāṣi. 1577.

अजिह्माग्र (ajihmāgra) *adj.* having a straight point अहमेनानजिह्माग्रैः शतशो विकिरञ्शरैः । वारयिष्यामि संक्रुद्धान् MahāBhā. i. 181. 3; अथापरानजिह्माग्राञ्जग्राह रथमार्गणान् Rāmā. iii. 958*3.

अजिह्मान (ajihmāna) *m.* one of the Pārāvata deities अजिह्मानमहीयानौ तथैव च ।···इत्येते पराक्रान्ताः परावताः VāyuP. ii. 1. 12.

अजिह्मित (a-jihmita) *adj.* not contracted, not obscured अनष्टमन्धकारेषु बहुतेजःस्वजिह्मितम् । पश्यत्यपि व्यवहितं विचारश्चारुलोचनम् YogVā. ii. 14. 40.

अजिह्व (á-jihva) *adj.* 1 lacking the organ of tongue, tongueless (yet talking) स तं मणिमविन्दत् । सोऽनङ्गुलिरावयत् । सोऽग्रीवः प्रत्यमुञ्चत् । सोऽजिह्वो असश्चत TaiĀ. i. 11. 7 (95. 1); i. 11. 5 (92. 1); VākyaP. 32. 9 (*on* 1. 8); (Supreme Self) तदपाणिपादमचक्षुःश्रोत्रमजिह्वम् S'āṇḍU. 418. 19 (2); अनासिकमजिह्वं च (चैतन्यम्) SaurP. 55. 23; अजिह्वो वदते सर्वं वेदशास्त्रानुगम् PadmP. ii. 86. 74 = iv. 84. 83; त्वं रसज्ञोऽप्यजिह्वः SkandP. iv. 10. 130 = S'ivaP. iii. 13. 46 (311B. 5); अजिह्वोऽन्नं स गृह्णाति स जिघ्रति नसा विना BhaviP. 578A. 18 (iii(4). 16. 63); 2 tongueless (hence unable to talk) (animate beings) यदनधीयन् गायेदजिह्वा गर्भा जायेरन् । अजिह्वा ह वै दुरुद्गातुर्वर्तन्यां गर्भा जायन्ते JaimiBr. 1. 261; 1. 103; यदसमित्के जुहुयाद्यथाजिह्वेऽन्नं दद्यात्तादृक् तत् BaudhS'S. iii. 192. 7; (देवास्त्वनुग्रहं चक्रुर्मण्डूकानाम्) अग्निशापादजिह्वापि रसज्ञानबहिष्कृताः । सरस्वतीं बहुविधां यूयमुच्चारयिष्यथ MahāBhā. xiii. 84. 30; xii. 173. 16; शरभकुलमजिह्वं(v. l. ह्वं) प्रोद्धरत्यम्बु कूपात् ṚtuSaṁ. 1. 23; AvantiKa. 65. 21; *m.* 1 tongueless (a type of ascetic) इदमिष्टमिदं नेति योऽश्नन्नपि न सज्जति । हितं सत्यं मितं वक्ति तमजिह्वं प्रचक्षते NāraPaU. 3. 63; 3. 62; 2 frog (cf. MahāBhā. xiii. 84. 30) भेकः । कोकोऽजिह्वः TrikāS'e. i. 10. 19; AbhidhāCin. 1354.

अजिह्वक (ajihva-ka) *adj.* [*f.* -ā] tongueless (दिदेश राक्षसीस्तत्र रक्षणे) दीर्घजिह्वामजिह्वि(v. l. °ह्व)काम् MahāBhā. iii. 264. 44; एकजिह्वैः ··· अजिह्वकैः । ···भूतैर्भूतपतिर्वृतः BrahmāṇḍP. i. 25. 39.

अजिह्वत्व (ajihva-tva) *n.* tonguelessness (speech-behaviour of a type of ascetic) न चाजिह्वत्वषण्डत्वाद्यभ्यासेनैव तद्रक्षा सिद्धेति वाच्यम्, नष्टे मनस्यजिह्वत्वादीनामर्थसिद्धत्वेनाभ्यासप्रयासाभावात् JīvanVi. 82. 4; 77. 2.

अजिह्वास्पृष्ट (a-jihvāspṛṣṭa) *adj.* not touched by the tongue एवं च यद्रसहीनमजिह्वास्पृष्टमनिर्हार्यं च तद्गन्तवदित्युक्तं भवति SmṛtiCan. ii. 267. 18.

अजिह्विका (ajihv-ikā) *adj.* (*f.*) tongueless रावणः ···। संदिदेश ··· राक्षसीः ··· दीर्घजिह्वामजिह्विकाम् Rāmā. v. 20. 33; MahāBhā. iii. 264. 44; [pw. name of a Rākṣasī]

अजीकव (ajīkava) *n.* S'iva's bow [PW]; cf. **अजीगव.**

अजीगर्त (ajīgarta) *m.* [*bāhvādigaṇa* GaṇPā. 163. 43 (*on* P. iv. 1. 96); JaineVyā. iii. 1. 85; CāndraVyā. ii. 4. 20] name of a sage (father of S'unaḥśepa and son of Suyavasa) सोऽजीगर्तं सौयवसिमृषिमशनया परीतमरण्य उपेयाय AitBr. 33. 3 (845); S'āṅkhāS'S. xv. 19. 1; xv. 21. 1; xv. 24. 1; हरिश्चन्द्रो ह वै राजा सोऽजीगर्तस्य सौयवसेः पुत्रं चिक्राय VāsiDS. 17. 32; अजीगर्तः सुतं हन्तुमुपासर्पद् बुभुक्षितः । न चालिप्यत पापेन ManuSm. 10. 105; SkandP. vii(1). 129. 26; रोहितः ··· अजीगर्तादक्रीणान्मध्यमं सुतम् BhāgP. ix. 7. 20; अजनका अपि क्षेत्रजादिभिरपत्यवन्तो जनकाश्च विक्रीतापविद्धादिपितरो नैवाजीगर्तादयः पुत्रवन्तः ManuBh. ii. 280. 22 (*on* 9. 232); अपश्यत् ··· । अजीगर्तमिति ख्यातमृषेस्तु वयसः सुतम् BrahmP. 104. 45; अजीगर्तेन पुत्रोऽपि हरिश्चन्द्राय ··· यज्ञार्थे दत्तः DeviBhāP. i. 15. 41; vi. 13. 15; vii. 16. 18; S'abdaRa. (Vā.) 412.

अजीगर्तेश्वर (ajīgarteśvara) *m.* name of an image of S'iva गच्छेत् ··· अजीगर्तेश्वरं हरम् SkandP. vii(1). 191. 1.

अजीगव (ajīgava) *n.* S'iva's bow पिनाकः ··· अजीगवम् Vaija. 7. 50; S'abdaRa.(Vā.) 104; cf. **अजीकव.**

अजीजक (ajījaka) *n.* S'iva's bow शर्वसर्वौ ··· तच्चापे त्वजकावमजीजकम् S'abdaRa.(Su.) 2. 80; cf. **अजकाव.**

अजीजि (a-jīji) *f.* absence of decline, absence of defeat तेषां यो अज्यानिमजीजिमावहाः MantrBr. ii. 1. 10 (Guṇaviṣṇu जिजि अभिभवे । न जीजिमजीजिमनभिभवम्); PāraGS. iii. 1. 2.

अजीत (á-jīta) *adj.* [*f.* -ā] unscathed, unharrassed, not oppressed इन्द्राण्येतु प्रथमाजीतामुषिता पुरः AV. i. 27. 4; (P.) xix. 31. 7; अजीतोऽहतो अक्षतोऽध्यष्ठां पृथिवीमहम् AV. xii. 1. 11; (P.) xvii. 2. 2; शतं यो नः शरदो अजीतानिन्द्रो नेषदति दुरितानि विश्वा TaiS. V. vii. 2. 3; V. vii. 2. 4; KāṭhS. 13. 15; VārāS'S. I. v. 5. 7; JaimiGS. 2. 3 (29. 2); अजीताः स्याम शरदः शतम् TaiĀ. iv. 42. 5 (576. 4); BhārGS. 1. 9 (10. 1); ĀgniveGS. i. 1. 4 (11. 1); ĀpaManPātha. ii. 5. 21.

अजीतपुनर्वण्य (ajīta-punarvaṇya) *n.* [AltGr. II. 1. 161 'non-deprivation and recovery'] name of a rite to be performed by a *kṣatriya* (at the Rājasūya sacrifice) अजीतपुनर्वण्यं वा एतद् यदेते आहुती AitBr.

34. 4 (866)

अजीता (ajītā) *f.* Dūrvā grass अजीतामोषधीं नस्त: करोति ĀśvaGS. i. 13. 5.

अजीति (á–jīti) *f.* unimpairedness, absence of decay, prosperity अजीतयेऽहतये पवस्व ··· सोम R̥V. ix. 96. 4; (इन्दो) आ पवस्व विशे अस्या अजीतिम् R̥V. ix. 97. 30; तेषां यो अज्यानिमजीतिमावहात् तस्मै नो देवा: परि दत्तेह सर्वे TaiS. V. vii. 2. 3; BaudhDS. ii. 6. 13.

अजीन (a–jīna) *adj.* not subject to old age or decay अजिनमिति चर्म अजीनमिति ज्यानिहीनम् TattvBi. 21. 8; Bhām. 355. 9 (*on* ii. 1. 14)

अजीमूतवर्षिन् (á–jīmūtavarṣin) *adj.* sending down rain even without clouds अथो अजीमूतवर्षी पर्जन्यो भवति MaiS. iv. 8. 8.

अजीयियिष (ajīyiyiṣa–) [*desid.* of *denom.* ajīya–] to wish to have a goat अरर्यदत्र नृपचक्रमशेषम् । स्माजिजीयिषति नापि वृकोऽन्य: को ह्यजीयियिषति स बुभुक्षु: DvyāśraKā. 8. 29.

अजीयिषिष (ajīyiṣiṣa–) [*desid.* of *denom.* ajīya–] to wish to have a goat जात्वजीयिषिषति स न कश्चिद्यच्छ्रिय: क्षितिभुजीह यथेष्टम् । ··· द्विरभूवन् DvyāśraKā. 8. 30.

अजीर्ण (á–jīrṇa) *adj.* [*f.* –ā] **A** unaging, not grown old, not consumed (living beings) एका सती बहुधोषो व्युच्छस्यजीर्णा त्वं जरयसि सर्वमन्यत् TaiS. IV. iii. 11. 5; MaiS. ii. 13. 10; KāṭhS. 39. 10; PāraGS. iii. 3. 5; अथ यन्निधनेन बृहतीं परिचक्षते युवान इवैतर्हि पशवो भवन्त्यजीर्णा इव JaimiBr. 1. 305; एतज्जरायुजं शरीरं शरदमजीर्णम् Nir. 13. 5 (224. 18); तूर्णं संभावयात्मानमजीर्णं मम तेजसा MahāBhā. i. 25. 4; का नाम जरा ··· या । अजीर्णमपि कालेन कुरुते गात्रमीदृशम् SamarāSaṁ. 9. 147; **B i** not digested (food etc.) अजीर्णे यदि तु स्नेहे तृष्णा स्याच्छर्दयेद्भिषक् CaraS. i. 13. 73 (1941 Ed.); प्रातराशे त्वजीर्णेऽपि सायमाशो न दुष्यति CaraS. vi. 15. 237 (1941 Ed.); vi. 9. 11 (1941 Ed.); RugVi. 20. 9; पानीयं न तु पानीयं पानीयेऽप्रदेशजे । अजीर्णे क्वथितं चामे पक्वे जीर्णेऽपि नेतरत् AṣṭāSaṁ. i. 22. 10 (1. 6); i. 302. 10 (3. 15); AṣṭāHr̥. iii. 15. 47; RugVi. 24. 1; बभौ ··· सर: प्रपीयमानम् ··· खगै: । यमेन रक्तं विनिगीर्य देहिनामजीर्णमुद्गीर्णमिवातिपानत: RāghPāṅ.(Dha.) 6. 42; SiddhYo. 72. 16; Hastyāyur. 151. 1 (1. 18); अजीर्णं भोजनं विषम् Subhāṣi. 3430; **B ii** uncooked (food) अद्यादजीर्णमथ शोकविषैर्भयैर्वा ··· । सञ्जायते हि मनुजस्य तदातिसार: HārīS. iii. 3. 4; अजीर्णाध्यशनातपैश्च । ··· कुप्यन्ति दोषा: RugVi. 53. 1 (comm. अजीर्णाशनमपक्वद्रव्याशनम्); **C** not decaying, not perishing, not worn out, not torn, new, fresh (material things) अरण्या अरणिमनुसंक्रमस्व जीर्णां तनुमजीर्णया निर्णुदस्व BaudhS'S. iii. 331. 13; AVPari. 22(9). 2; यथा जीर्णमजीर्णं वा वस्त्रं त्यक्त्वा तु वै नर: । अन्यद्रोचयते वस्त्रमेवं देहा: शरीरिणाम् MahāBhā. xi. 3. 6; CaraS. vi. 1(2). 11 (1941 Ed.); अजीर्णं सुकुमारकम् ।···पत्रम् SuśruS. iv. 1. 116 (comm. नवम्); PāraS. 15. 933; पत्रै: ··· । अजीर्णतरुणाच्छिद्रै: समन्तात्सुनिवेशितै: (आच्छादयेत्) AṣṭāSaṁ. i. 189. 6 (1. 38); ManuBh. i. 501. 29; (*on* 6. 15); अदुष्टमजीर्णम् । हीनं पूजादिभिर्लिङ्गमजीर्णमपि दु:स्थितम्··· अजीर्णं दृढमनेककालस्थितियोग्यमित्यर्थ: VīraMi.(Lakṣaṇa.) 628. 21; (Āhnika.) 238. 11; AnekāK. 252; **D** not subdued, not exhausted, not reduced (abstract things) अनन्यया भावनया यावज्जीवमजीर्णया । परितुष्टास्मि ते वत्से गृहाणाभिमतं वरम् YogVā. iii. 45. 6; एतद् नूनमजीर्णमप्यविकलं यस्या: सुखं निस्तुषं श्रीमानेष रविप्रभ: MalliC. (Praśasti.) 4.

अजीर्ण (a–jīrṇa) *n.* (rarely *m.*) **1** indigestion, indigestibility, dyspepsia यदास्य ··· प्रादुर्भवन्ति व्याधयो वानेकविधा: ··· अजीर्ण[मति]निद्राणि ··· यमदेवत्यान्यद्भुतानि प्रायश्चित्तानि भवन्ति ṢaḍviBr. v. 4. 2; तर्पिता: पितरो देवास्ते नान्नं जरयन्ति वै । अजीर्णेनाभिहन्यन्ते ते देवा: पितृभि: सह MahāBhā. xiii. 92. 4; iii. 8*(2); VāsiDS. 13. 31; अजीर्णाध्यशनैस्तथा । शरत्कालस्वभावाच्च शोणितं संप्रदुष्यति CaraS. i. 24. 10; अजीर्णमुद्धार्याणाम् (अग्र्यम्) CaraS. i. 25. 39 (1922 Ed.); अजीर्णादतिभुक्ताच्च । ··· व्रणा न प्रशमं यन्ति CaraS. vi. 25. 33 (1941 Ed.); ii. 3. 10 (1922 Ed.); iii. 1. 40 (1922 Ed.); रसावशेषेण तु सप्रसेकं चतुर्थमेतत्प्रवदन्त्यजीर्णम् SuśruS. i. 46. 503; विरुद्धाजीर्णशाकाद्यै: शोणितोत्था भवन्ति हि (रोगा:) SuśruS. vi. 54. 18; RugVi. 7. 6; अजीर्णे लङ्घयेदामे पाचनीयं ततो भवेत् BhelaS. 18. 24 (1. 10); 22. 1 (1. 12); नाधीयीताश्वमारूढ: ···न भुक्तमात्रे नाजीर्णे ManuSm. 4. 121; नाजीर्णे (स्नानमाचरेत्) ViṣṇuSm. 64. 3; 68. 9; अजीर्णे भोजनं विषम् CāṇaNīDa. 4. 15 = SūktiRa. 181. 4; अजीर्णे भैषजं वारि CāṇaNīDa. 8. 7; Br̥ParāSm. 6. 365; परान्नविघ्नकरणादजीर्णमभिजायते S'ātāSm. 3. 9 = PadmP. iv. 48. 43; अजीर्णं च जरत्याशु पीतमुष्णोदकं निशि HārīS. i. 7. 84; ii. 1. 18; (छायाविशुष्का गुटिका विधेया क्षौद्रेण मूत्रेण गवां च भक्षयेत्) गुल्मोदराजीर्णविषूचिकानां शोफातिसारग्रहणीविबन्धान् HārīS. iii. 8. 24; अजीर्णेनाथ मनुजे तृष्णा संलक्ष्यते गद: HārīS. iii. 13. 8; iii. 13. 3; स्वस्थवृत्तोपरोधश्च तदजीर्णस्य लक्षणम् KāśyaS. 32A. 2; नारीणां व्याधय: संभवन्ति हि । सूतिकानां दिवास्वप्नादजीर्णाध्यशनादपि KāśyaS. 97B. 1; अजीर्णाद् दुष्प्रजायनात् । ज्वर: संजायते नार्या: षड्विधो हेतुभेदत: KāśyaS. 307B. 11; 130A. 35; 144A. 21; 178B. 41; 333B. 26; यदि ह्यजीर्णेन यजमानो म्रियेत तदा सर्वतन्त्रलोप: स्यात् S'ābaBh. 1517. 16 (*on* vi. 8. 29); Sphuṭā. iv. 76. 3 (*on* 4. 73); अजीर्णं हि पूर्वस्याहारस्यापरिणतो रस: AṣṭāSaṁ. i. 64. 19 (1. 10); अजीर्णादनिलादीनां विभ्रमो बलवान् भवेत् AṣṭāSaṁ. i. 187. 1 (1. 38); i. 82. 25 (1. 13); i. 189. 17 (1. 38); i. 206. 12 (2. 2); अजीर्णं च कफादामं तत्र शोफोऽक्षिगण्डयो: AṣṭāHr̥. i. 8. 25; iv. 1. 80; त्वामजीर्णं प्रवेक्ष्यति SkandP. i(2). 29. 112; KūrmaP. 591. 6 (2. 19); VāmaP. 12. 52; अजीर्णेन समाविष्टो यस्तु मामुपगच्छति VarāP. 117. 33; 136. 106; वल्लीफलैरध्यशनैरजीर्णै: । ··· श्लेष्मप्रकोपं समुपैति नृणाम् KalyāKā. 3. 60; 6. 3; 6. 13; 11. 22; स्वल्पेऽप्यजीर्णे न भोजनं सुखाय ManuBh. ii. 460. 18 (*on* 12. 18); अजीर्णे मन्दमश्नीयादित्यादौ व्यभिचारिता ĀgaPrā. 31. 2; SiddhYo. 30. 33; स्वामिनस्तदजीर्णाय स्यान्नाशाय च वाजिनाम् SamarāSū. 33. 73; अजीर्णं त्रिविधं प्रोक्तम् S'ārṅgaS. i. 7. 9; आमेषु सगुडां शुण्ठीमजीर्णे गुडपिप्पलीम् । ··· दद्यात् S'ārṅgaS. ii. 7. 24; ii. 5. 14; ii. 7. 81; पीत्वोपवासपरमस्तु भवेदजीर्णं यावद्घृतम् ĪśānS'iPa. i. 16. 107; अजीर्णादथवा क्षुद्रादभिघातज्वरो भवेत् ĪśānS'iPa. i. 45. 36; i. 39. 155; i. 45. 100; i. 45. 105; Hārāva. 141; अजीर्णश्चातिसारश्च···इत्ययं व्याधिनिर्देश: AśvaVai. 28. 2; 41. 1; अजीर्णस्यानुबन्धेन ··· जायते व्याधि: Mānaso. i. 19. 258; ii. 6. 578; ii. 6. 628; अजीर्णे तु भवेन्नाडी कठिना परितो जडा NāḍiVi. 90; YogS'ā. 1. 52; अत्यन्तवृष्ट्यनावृष्टी अजीर्णातिक्षुधाविव । प्रभावेनागदेनेव जगतोऽप्यपसारयन् (ऋषभध्वज:) TriṣaS'aPuC. i. 6. 57; रसं तु भक्षयेत् प्रातरन्जीर्णं नैव जायते Rasā. 16. 86; 11. 66; अजीर्णेऽपरेद्युर्भुक्तोद्गारे SmṛtiCan. ii. 314. 12; अजीर्णप्रभवा रोगास्तच्चाजीर्णं चतुर्विधम् PārśvC. 7. 392; 6. 359; 7. 384; रुगपगममजीर्णाज्जीवितं कालकूटादभिलषति वधाद्य: प्राणिनां धर्ममिच्छेत् SindūPra. 27; JīvānVi. 113. 15; KumāDeC.(So.) 32. 31; नारीसङ्गाद्विना देवि अजीर्णं तस्य जायते RaseCin. 3. 82 (36. 9); (गर्भविलासरसस्य) देयं गुञ्जाचतुष्टयम् । गार्भिण्या: शूलविष्टम्भज्वराजीर्णेषु केवलम् RaseCin. 9. 346 (267. 4); 9. 24 (119. 17); 9. 58 (136. 13); 9. 255 (226. 9); अजीर्णे कृश: ··· तैलं पायित: सहसा तैलव्यापदमृच्छति Hastyāyur. 115. 10 (1. 16); भिषक् । जीर्णाजीर्णे प्रहर्षं च दौर्मनस्यं बलाबलम् । ··· परीक्ष्य Hastyāyur. 119. 12 (1. 16); 118. 4 (1. 16); 611. 26 (4. 5); अजीर्णे पुनरा सन्ध्यागमनात् स्वापो विधीयते PāñcRāRa. 82. 3; ManvaMu. 157. 20 (*on* 4. 70); अजीर्णे पथ्यमप्यन्नं व्याधये मरणाय वा Subhāṣi. 2653; BhāvPra.(Bhā.) 6(2). 59; अथवा अजीर्णे इत्यनेनाजीर्णमात्रस्य स्नाननिमित्तत्वम् VīraMi.(Āhnika.) 199. 17; BhojanKu. 124. 2; इदमुपलक्षणमजीर्णस्यापि BālamBha. i. 407. 19 (*on* 1. 146); ViśvaLoK. 266. 77; **2** satiety, satiation (with reference to water) आलवाले स्थितं तोयं शोषं न भजते यदा । अजीर्णं तद्विजानीयात् न देयं तादृशे जलम् S'ārṅgaPa. 2156; त्वग्भ्रंशनाद्वारिकृतादजीर्णात्तरोर्भवेत्तत्र चिकित्सनीयम् S'ārṅgaPa. 2272; **3** vigour, energy, absence of decay [Apte]

अजीर्णक (ajīrṇa–ka) *n.* indigestion उष्णाम्बुभिरजीर्णके । (पेयमेतद्विरेचनम्) SiddhaYo. 37. 23; (कुर्यात्) किण्वगन्धिरजीर्णकम् ।··· एवमेते सुरादोषा: Hastyāyur. 572. 16 (4. 3); वमथुर्वमतिश्चाथापक्वाहारे त्वजीर्णकम् KośaKaTa. 1. 7314; *adj.* **i** which has indigestion, suffering from indigestion पयो न देयं स्यात् कदाचन ।···गजायाजीर्णकाय च Hastyāyur. 669. 3 (4. 21); **ii** not being exhausted (by experience as *karman*) नश्च जान(? त)मजीर्णकम् । यथा भजाम प्रकृतिं तथा कुरु सुरोत्तम BhaviP. 600A. 20 (iii(4). 25. 2)

अजीर्णकण्टक (ajīrṇa–kaṇṭaka) *m.* a particular alchemic preparation which cures indigestion अजीर्णकण्टक: सोऽयं रसो हन्ति विषूचिकाम् S'ārṅgaS. ii. 12. 226 = RasRaSa. 16. 111; RaseCin. 9. 74 (146. 25) = RasPraSu. 8. 172.

अजीर्णकारक (ajīrṇa–kāraka) *adj.* which causes indigestion अजीर्णकारकभोजनादि सुवर्णापहरणादि न हीदृशमनायुष्यम्···यादृशं परदारगमनम् ManuBh. i. 377. 7 (*on* 4. 134)

अजीर्णकारिन् (ajīrṇakār–in) *adj.* who cannot digest food (i. e. who has indigestion) षष्ठीप्रजागरेणेव वृद्धस्याजीर्णकारिण: । पर्यन्तकारी विषम: श्वास: समुपजायते Deśopa. 7. 26.

अजीर्णज (ajīrṇa–ja) *adj.* arising from or caused by indigestion अजीर्णजं (आनाहम्) वर्जयित्वा रूक्षसेकं प्रदापयेत् Hastyāyur. 92. 5 (1. 12)

अजीर्णजनकत्व (ajīrṇajanaka–tva) *n.* the nature of causing indigestion अतिभोजनमनारोग्यमनायुष्यं च भवति, अजीर्णजनकत्वेन रोगमरणहेतुत्वात ManvaMu. 45. 20 (*on* 2. 57)

अजीर्णजरण (ajīrṇa–jaraṇa) *n.* a variety of *Curcum* [Nighaṇṭuprakāśa, pw.]

अजीर्णतस् (ajīrṇa-tas) *adv.* due to indigestion मूर्च्छा प्रलापो वमथुः प्रसेकः सदनं श्रमः । उपद्रवा भवन्त्येते मरणं चाप्यजीर्णतः RugVi. 6. 13.

अजीर्णता (ajīrṇa-tā) *f.* the state of being undigested ज्ञात्वा सद्रसमेव भोजनविधिं कुर्यान्मनुष्योऽन्यथा भुक्तं शुष्कमजीर्णतामुपगतं बाधाकरं देहिनाम् KalyāKā. 4. 19.

अजीर्णतैल (ajīrṇa-taila) *adj.* who has not digested the (medicated) oil अथास्याजीर्णतैलस्य लिङ्गानीमानि लक्षयेत् Hastyāyur. 555. 15 (4. 2)

अजीर्णदूषित (ajīrṇa-dūṣita) *adj.* affected by indigestion अजीर्णं चापि धात्रीणां नित्यमेव न शस्यते । अजीर्णदूषि(ता दोषा धात्रीणां जनयन्ति हि) । …(अ)रुचिग्लानिमदमोहविचर्चिका: KāśyaS. 145A. 39.

अजीर्णदोष (ajīrṇa-doṣa) *m.* illness caused by indigestion तं विषान्नेन व्यापाद्याजीर्णदोषं ख्यापयेयम् DasKuC. 77. 16.

अजीर्णधी (ajīrṇa-dhī) *f.* thought of indigestion मात्राजीर्णधिया दृढं चकितया नष्टासि दृष्टः कया धू धू वत्सक जीव जीव चिरमित्युक्तोऽवताद्वो हरिः KṛṣṇaKa. 2. 62.

अजीर्णपर (ajīrṇa-para) *adj.* denoting indigestion अजीर्णपदं उद्गाराभिव्यक्ताजीर्णपरम् VīraMi.(Pūjā.) 187. 13.

अजीर्णपरिपीडित (ajīrṇa-paripīḍita) *adj.* suffering from indigestion अजीर्णपरिपीडितान्…नरान्…न घृतमेतदापाययेत् KalyāKā. 8. 30; 8. 37.

अजीर्णपिशित (ajīrṇa-piśita) *n.* undigested meat ये … रात्रौ भूरिभोजनसेविनः । अजीर्णपिशितोद्गारानित्यदुर्गन्धकन्धरा: RājTa.(Ka.) 7. 285.

अजीर्णपीडित (ajīrṇa-pīḍita) *adj.* suffering from indigestion तर्पिताः पितृयज्ञेषु पितरोऽजीर्णपीडिताः । आगताः शरणं ब्रह्मन् VarāP. 190. 70.

अजीर्णपुरोगम (ajīrṇa-purogama) *adj.* headed by indigestion क्षयकुष्ठगुदावर्तगुल्माजीर्णपुरोगमाः । तस्य दोषाः क्षयं यान्ति महामुद्रां च योऽभ्यसेत् SkandP. iv. 41. 142 = HaṭPra. 3. 17.

अजीर्णप्रतिश्याय (ajīrṇa-pratiśyāya) *m.* undeveloped or immature cold नस्यकर्मणा … अजीर्णप्रतिश्याये पार्श्वोपरोधकण्ठोद्ध्वंसकासश्वासच्छर्दिज्वरारोचकारतयः KāśyaS. 160B. 4.

अजीर्णप्रभव (ajīrṇa-prabhava) *adj.* arising from indigestion अजीर्णप्रभवाः सर्वे दुःखाः पापोद्भवास्तथा MahāBhā. iii. 8*(2); अजीर्णप्रभवा रोगाः … मन्त्रस्यास्य प्रभावेन सर्वे यान्ति द्रुतं क्षयम् SkandP. vi. 114. 83; अजीर्णप्रभवा रोगाः PārśvC. 7. 392.

अजीर्णबलवती (ajīrṇa-balavatī) *adj.* (*f.*) severe due to indigestion अजीर्णबलवत्यां तु (पिपासायां) शीतैर्दिह्याच्छिरोमुखम् AṣṭāSaṁ. i. 131. 3 (1. 25)

अजीर्णबाधा (ajīrṇa-bādhā) *f.* affliction from indigestion कङ्कोलजातीफलवल्लवङ्गं विशेषतश्छर्दिहरं विषघ्नम् ।…अजीर्णबाधासु च पथ्यमेतत् BhojanKu. 227. 23.

अजीर्णभक्त (ajīrṇa-bhakta) *adj.* food consumed by whom is not digested स्वेदैः साध्यो दुर्बलोऽजीर्णभक्तः SuśruS. iv. 32. 25; मूर्च्छाक्रान्तोऽजीर्णभक्तः पिपासी … तं चाभ्यङ्गं वर्जयेत् KalyāKā. 6. 6.

अजीर्णभय (ajīrṇa-bhaya) *m.* fear of indigestion अजीर्णभयान्नाहारपरित्यागः PañcPā. 63. 22 (*on* i. 1. 1); PramāMā. 21. 14; VivaPraSaṁ. 220. 4; अजीर्णभयात् किं भोजनं परित्यज्यते NitiVā. 10. 123; कैरजीर्णभयात् भ्रातर्भोजनं परिहीयते Hitop. 2. 50.

अजीर्णभाज् (ajīrṇa-bhāj) *adj.* suffering from indigestion (*fig.* who is not able to comprehend or understand completely) अग्रे मुद्गरसप्रायदत्तविद्यया त्वमजीर्णभाक् PrabaCin. 93. 23 = KumāDeC.(So.) 23. 28 = KumāPraPra. 98. 22 = PurāPraSaṁ. 126. 10.

अजीर्णभुक्त (ajīrṇa-bhukta) *n.* undigested food (सामुद्राद्यं चूर्णम्) अजीर्णभुक्तम् … निहन्ति SiddhYo. 37. 5; देवास्मत्कुलजन्मनां विधिवशाद्धर्मिगतानामथ । रोगाः स्युर्विषमातिभोजनविरुद्धाजीर्णभुक्तादिभिः MātaLī. 1 13; *adj.* who has not digested his food (i. e. having indigestion) दुर्बलोऽजीर्णभुक्तश्च हिक्कामूर्च्छामदान्वितः BhāvPra.(Bhā.) 5. 38.

अजीर्णभुक्तवत् (ajīrṇabhukta-va(n)t) *adj.* who has not digested food (स्नानम्) आध्मानपीनसाजीर्णभुक्तवत्सु च गर्हितम् BhāvPra.(Bhā.) 5. 87.

अजीर्णभूत (ajīrṇa-bhūta) *adj.* (experience or suffering) which are in the form of indigestion (कलेः) चतुर्थचरणे जाते(? ते)र्मनुजैरेकविंशतिः । अजीर्णभूता नरका यास्यन्ति च यमालयम् BhaviP. 600A. 18 (iii(4). 25. 1)

अजीर्णभृशपीडित (ajīrṇa-bhṛśapīḍita) *adj.* acutely afflicted by indigestion पक्षी खञ्जरीटस्तु कीटकान् । बहून् भुक्त्वा…अजीर्णभृशपीडितः VarāP. 138. 10.

अजीर्णभोजन (ajīrṇa-bhojana) *n.* eating while suffering from indigestion उष्णाम्ललवणक्षारकटुकाजीर्णभोजनैः … पित्तं प्रकुप्यति CaraS. i. 17. 32 (1941 Ed.); अजीर्णभोजनान्नित्यं त्रयः कुप्यन्ति धातवः BhelaS. 158. 14 (6. 11); अतिमात्राशनाच्चैव विरुद्धाजीर्णभोजनात् । षष्ठिग्रहः कुमाराणां जायते KāśyaS. 145A. 18; विषमाजीर्णभोजनात् … त्रयो दोषाः प्रकुप्यन्ति KāśyaS. 214A. 10 (8. 8); (न कर्म निष्फलं कुर्यान्नायत्यामसुखोदयम्) यस्मात् कर्मण आगामिनि काले असुखं दुःखमुत्पद्यते यथा अजीर्णभोजनम् ManuBh. i. 356. 21 (*on* 4. 70); विषमाजीर्णभोजनात् । सूतिकायाश्च ये रोगा जायन्ते दारुणास्तु ते RugVi. 62. 2; भुक्तेऽजीर्णे यदा नागो भोज्यते विषमाशनम् । संसक्तभक्तस्तेनाशु जायतेऽजीर्णभोजनात् Hastyāyur. 83. 28 (1. 12); DaśāvaC. 9. 67.

अजीर्णभोजनरुज् (ajīrṇabhojana-ruj) *f.* affliction from undigested food भोगी नित्यमजीर्णभोजनरुजा जिह्वां सदा दर्शयन्वैद्यं पृच्छति तद्भयादभिमतं नाश्नाति तृष्णातुरः DaśāvaC. 9. 67.

अजीर्णभोजनोपसेविन् (ajīrṇabhojanopasevin) *adj.* who eats food while suffering from indigestion उष्माम्ललवणक्षारकटुकाजीर्णभोजनोपसेविनः पित्तं प्रकोपमापद्यते CaraS. ii. 4. 24 (1941 Ed.)

अजीर्णभोजिन् (ajīrṇabhoj-in) *adj.* [*f.* -ī] who eats during indigestion यः अपथ्याजीर्णभोजी च नरो व्यायामसेवितः … तस्य वातः प्रकुपितः शिरा बाह्याः प्रपद्यते BhelaS. 184. 13 (6. 19); अजीर्णभोजी मधुराम्लनित्यः…विरुद्धभुक् संलभते क्रिमींस्तु RugVi. 7. 4; अजीर्णभोजिनी चापि तथा पथ्यविवर्जिता ।… एतासां स्तन्यपानेन शिशुर्भवति सामयः BhāvPra.(Bhā.) 4. 28.

अजीर्णमात्र (ajīrṇa-mātra) *adj.* indigestion only (अजीर्णेऽभ्युदिते वान्ते…स्नानमात्रं विधीयते) अजीर्णे इत्यनेनाजीर्णमात्रस्य स्नाननिमित्तत्वम् VīraMi.(Āhnika.) 199. 17.

अजीर्णयोग (ajīrṇa-yoga) *m.* association with (i. e. existence of) indigestion अशुद्धगात्रत्वं चाजीर्णयोगेऽपि AbhinBhā. ii. 117. 9 (*on* 10. 101)

अजीर्णयौवनधर (ajīrṇayauvana-dhara) *adj.* possessing undiminishing youth (तस्मिन् देशे नराः श्रेष्ठाः) अजीर्णयौवनधराः सुप्रियाः प्रियदर्शनाः VāyuP. i. 45. 46.

अजीर्णरोग (ajīrṇa-roga) *m.* disease of indigestion (निहन्ति) अजीर्णरोगस्त्वसूधर्ममचिरान्मनुजोत्तमम् VasiS. 43. 69.

अजीर्णलक्षण (ajīrṇa-lakṣaṇa) *adj.* of the form of indigestion कालस्तु ऋतुव्याध्यपेक्षो जीर्णाजीर्णलक्षणश्च AṣṭāSaṁ. i. 64. 18 (1. 10)

अजीर्णलावण्यता (ajīrṇalāvaṇya-tā) *f.* the state of having undiminishing beauty अजीर्णलावण्यतया जृम्भमाण इवाचलः SivaP. vii(1). 24. 18 (529A. 8)

अजीर्णलिङ्ग (ajīrṇa-liṅga) *n.* sign or symptom of indigestion अजीर्णलिङ्गं सामान्यं विष्टम्भो गौरवं भ्रमः AṣṭāHṛ. i. 8. 31.

अजीर्णवत् (ajīrṇa-vat) *adv.* like indigestion ग्रहणीमाश्रितं दोषमजीर्णवदुपाचरेत् SiddhYo. 4. 1.

अजीर्णवर्जिन् (ajīrṇavarj-in) *adj.* who avoids indigestion, who does not get indigestion जम्बूकमांसं भक्षेत … । अजीर्णवर्जी मासेन मुच्यते तु भगंदरात् SiddhYo. 48. 13.

अजीर्णविकार (ajīrṇa-vikāra) *m.* disorder caused by indigestion (खलः) वामाध्वानुरक्तश्चाजीर्णविकार इव कलेवरे वचसि मन्दिमानमावहति VāsaDa. 75. 1.

अजीर्णविबन्धिन् (ajīrṇa-vibandhin) *adj.* having indigestion and constipation (काञ्जिकम्) शूलवातार्दितानां तु तथाजीर्णविबन्धिनाम् । श्रेष्ठं प्रोक्तम् HārīS. i. 11. 9.

अजीर्णविषापमर्दिन् (ajīrṇaviṣāpamardin) *adj.* destroyer of indigestion and poison पिबेत् … क्वाथं सुखोष्णं लवणप्रगाढं विसूचिकाजीर्णविषापमर्दिनम् AṣṭāSaṁ. i. 71. 12 (1. 11)

अजीर्णव्यथित (ajīrṇa-vyathita) *adj.* afflicted by indigestion एतेऽप्यजीर्णव्यथिता वाम्याः SiddhYo. 73. 21; SārṅgaS. iii. 3. 9.

अजीर्णव्याधि (ajīrṇa-vyādhi) *m.* disease of indigestion सोऽजीर्णव्याधिदुःखार्तो मन्दाग्निः संप्रजायते MārkP. 15. 39.

अजीर्णशङ्का (ajīrṇa-śaṅkā) *f.* fear or doubt of indigestion स्नेहस्याजीर्णशङ्कायां पिबेदुष्णोदकं नरः SārṅgaS. iii. 1. 23; दद्यादजीर्णशङ्कायां सिंहवल्लीरसस्य तु । चतुर्बिन्दून् Rasā. 11. 174; भवेद्यदि प्रातरजीर्णशङ्का तदाभयां नागरसैन्धवाभ्याम् । विचूर्णितां शीतजलेन भुक्त्वा भुञ्जीत चान्नं मितमन्नकाले BhāvPra. (Bhā.) 5. 233; देव पाक्षिकविपत्तिशङ्कया न क्रियेत यदि काचन क्रिया । लोक एष तदजीर्णशङ्कया भोजनेऽपि न कदा प्रवर्तताम् Rāṣṭrau. 4. 8.

अजीर्णशमक (ajīrṇa-śamaka) *adj.* destroying or removing indigestion पानीयम्…अजीर्णशमकम् BhojanKu. 177. 4.

अजीर्णशमन (ajīrṇa-śamana) *adj.* which gives relief from indiges-

tion मात्स्ये चूतफलं त्वजीर्णशमनम् BhojanKu. 204. 3; *m.* name of a plant नीपो महाकदम्बस्त्वजीर्णशमन: AbhidhāMañ. 89. 1; श्मशानवृक्ष: ··· अजीर्णशमन: AbhidhāMañ. 236. 12.

अजीर्णशीलिन् (ajīrṇa–śīlin) *adj.* suffering from chronic indigestion (निर्दिशति) विरुद्धाध्यशनाजीर्णशीलिनो विषलक्षणम् । आमदोषं महाघोरं वर्जयेत् AṣṭāHṛ. i. 8. 13.

अजीर्णसंबोधन (ajīrṇa–sambodhana) *n.* vocative of the word meaning *ajīrṇa* किमजीर्णसंबोधनम् । ···हे रस हे अजीर्ण VidaMuMa. 3. 42.

अजीर्णसंभव (ajīrṇa–sambhava) *adj.* arising from indigestion अजीर्णसंभवे दोषे घृतं पिबति क: सुधी: PārśvC. 6. 994; *m.* possibility of indigestion अजीर्णसंभवे कार्यं व्रतं नो वाग्निमो विधे: । रोगोत्पत्त्या प्रधानस्य विरोधान्न पयोव्रतम् NyāyMāVi. 371. 23 (*on* vi. 8. 8)

अजीर्णहन्तृ (ajīrṇa–hantṛ) *adj.* destroyer of indigestion तुषोदकम् ··· अजीर्णहन्तृ HārīS. i. 11. 2.

अजीर्णहीन (ajīrṇa–hīna) *adj.* free from indigestion क्रोधायास° ··· °अजीर्णहीन: । ···मुनिगणवृषभान् पूजयेदौषधार्थी KalyāKā. 6. 56.

अजीर्णातिभोजन (ajīrṇātibhojana) *n.* excess in eating inspite of indigestion अभोजनादजीर्णातिभोजनाद्विषमाशनात् (ग्रहणीदोषविकाराणां] हेतव:) CaraS. vi. 15. 42 (1941 Ed.)

अजीर्णादि (ajīrṇādi) *adj.* indigestion etc. यथाहारोऽजीर्णादिदोषं जनयन्नपि ··· सेव्यते तथा कामोऽपि JayaMa. 25. 4 (*on* 1. 2); विषमाजीर्णादिभिर्भोजनै: । ···दोषा: ···कुप्यन्ति···रोगांश्च कुर्वन्ति MātaLī. 11. 43.

अजीर्णादिक (ajīrṇādi–ka) *adj.* indigestion etc. अजीर्णादिकं लघुना प्रतिविधानौषधेन समाधास्यामि PūrvottaVāNaMā. 59. 6.

अजीर्णाध्यशन (ajīrṇādhyaśana) *n.* eating inspite of indigestion (श्रेष्ठम्) अजीर्णाध्यशनं ग्रहणीदूषणानाम् CaraS. i. 25. 40 (1941 Ed.); अजीर्णाध्यशनात् क्षतात् (विसर्पाणां समुद्भव:) CaraS. vi. 21. 20 (1941 Ed.) (comm. अविदग्धे पूर्वदिनान्नेऽशनमध्यशनम्); विरुद्धमाहारयतोऽप्यजीर्णाद्यशनने- (? ध्यशनेन) ··· वातपित्तकफास्त्रय: । जनयन्त्याशु कुष्ठानि BhelaS. 139. 13[f](6. 6); नित्यवेगप्रतीघातादजीर्णाद्य(? ध्य)शनादपि···सूर्यावर्तमिति प्राहु: BhelaS. 196. 8 (6. 23); कफे प्रकुपिते कोष्ठे ससमानरसादिभि: । अजीर्णाद्य(? ध्य)शनाद्वापि लिङ्गाद्दोषा(? षान्) विनिर्दिशेत् Hastyāyur. 287. 25 (2. 57); (यो नर:) सेवते च दिवास्वप्नमजीर्णाध्यशनानि च । ज्वरोऽभिवर्धते तस्य KāśyaS. 228A. 17.

अजीर्णाध्यशिन् (ajīrṇādhyaśin) *adj.* who eats even before the focd alrealy eaten is digested अजीर्णाध्यशिनां चैव (कुष्ठं समुपलभ्यते) CaraS. vi. 7. 6 (1941 Ed.)

अजीर्णाध्युषित (ajīrṇādhyuṣita) *adj.* (food) left over (in the stomach) as undigested अजीर्णाध्युषितं कुर्यात्(? द्) रोगानेतान्विषोपमान् । तस्मादजीर्णेऽध्युषिते भोजनं प्रतिषिध्यते BhelaS. 203. 12 (6. 24)

अजीर्णानुसारतस् (ajīrṇānusāra–tas) *adv.* following the treatment of indigestion ग्रहणीसमाश्रयं दोषमादावेव यथास्वमजीर्णानुसारतो मात्राशितीयोक्तविधानेनोपक्रमेत AṣṭāSaṁ. ii. 72. 8 (4. 12)

अजीर्णान्न (ajīrṇānna) *adj.* whose food is not digested वमनसाध्या विषपीत° ··· °विरुद्धाजीर्णान्न° ··· °स्तन्यदोषादय: AṣṭāSaṁ. i. 137. 2 (1. 27); आमयावी अजीर्णान्न: Mitā. 401. 27 (*on* 3. 210); VīraMi. 907. 13 (*on* 3. 210)

अजीर्णाभास (ajīrṇābhāsa) *adj.* looking like new चिरकाले भाण्डेऽवस्थितत्वात् प्राप्तविभावं जीर्णमजीर्णाभासं वस्त्रादि ManuBh. ii. 168. 27 (*on* 8. 203)

अजीर्णाम्लरसोद्गार (ajīrṇāmlarasodgāra) *m.* belching caused by acidity through indigestion व्याकुर्यात् ··· तन्त्रार्थम् ··· । नाजीर्णाम्लरसोद्गारे MṛgendraT. iv. 1. 30; नाजीर्णाम्लरसोद्गारे ··· योगमाचरेत् S'ivaP. vii(2). 38. 51 (597A. 2)

अजीर्णावस्था (ajīrṇāvasthā) *f.* the state of indigestion (अजीर्णे ··· स्नानमात्रं विधीयते) एतच्चोत्तरकालस्नानप्राप्त्यर्थम् । अजीर्णावस्थायां तन्निषेधात् VīraMi.(Āhnika.) 199. 16.

अजीर्णाशन (ajīrṇāśana) *n.* eating when the food (already eaten) is undigested विरुद्धाध्यशनाजीर्णाशनशीलिन: पुनरामदोषमामविषमित्याचक्षते भिषज: CaraS. iii. 2. 12 (1941 Ed.); स्यादजीर्णाशनं नाम व्युष्टाजीर्णे चतुर्विधे KāśyaS. 260B. 13; अजीर्णाशनं ग्रहणीदूषणानाम् (अग्र्यम्) AṣṭāSaṁ. i. 82. 8 (1. 13); जीर्णाजीर्णाशनाद्वापि सततं पृथिवीपते । हृदये श्लेष्मणा दिग्धे नाभिनन्दति भोजनम् Hastyāyur. 315. 26 (2. 65); *adj.* who has not digested (his) food न चाजीर्णाशिनो जन्तुर्जिघांसुर्व्याधिसंभवम् BhelaS. 9. 19 (1. 6)

अजीर्णाहार (ajīrṇāhara) *adj.* who has not digested what is eaten अजीर्णाहारं पुनर्न पाययेत् (औषधम्) AṣṭāSaṁ. i. 72. 2 (1. 11); *m.* undigested food तत्राप्यजोर्णाहारवेदनाम् । तैर्विज्ञप्तो जगन्नाथ: TriṣaS'aPuC. i. 2. 939; भक्षयन्तु ··· तत्राप्यजीर्णाहारेण विधुरेषु जनेष्वथ TriṣaS'aPuC. i. 2. 941.

अजीर्णि (a–jīrṇi) *f.* indigestion यस्याजीर्णि: संभाविता तेनापि विहितत्वात्पयो व्रतयितव्यमेव NyāyMāVi. 371. 25 (*on* vi. 8. 8)

अजीर्णिन् (ajīrṇ–in) *adj.* suffering from indigestion अजीर्णिन: क्षता: CaraS. i. 21. 39; (1941 Ed.); अजीर्णिनो वा ग्राम्यधर्मसेवनात् SuśruS. iv. 23. 4; vi. 39. 114; नाजीर्णी ViṣṇuSm. 30. 21; तीव्रार्तिरपि नाजीर्णी पिबेच्छूलघ्नमौषधम् AṣṭāHṛ. i. 8. 18; i. 2. 9; i. 8. 30; कल्याणमातृकोऽजीर्णी गुरुस्तन्योपसेविता(? त:) । सुत: KāśyaS. 4A. 27; वर्ज्योऽभ्यङ्ग: कफग्रस्तकृतसंशुद्ध्यजीर्णिभि: AṣṭāSaṁ. i. 10. 13 (1. 3); i. 58. 17 (1. 9); i. 123. 12 (1. 23); i. 176. 10 (1. 36); विप्रवृत्त्यपहारी स्यादजीर्णी सर्वदाधम: SkandP. i(2). 51. 13; अजीर्णी ··· न पिबेदौषधम् SiddhYo. 1. 73 (comm. अपरिपक्वभोजन:); विवर्जयेत् स्नेहपानमजीर्णी तरुणज्वरी SiddhYo. 71. 17; 78. 10(2); अजीर्णी वर्जयेत्स्नेहम् S'ārṅgaS. iii. 1. 25; विषं रूक्षाशिन: कुर्यान्मृत्युमेव त्वजीर्णिन: RasaRaSa. 29. 47.

अजीर्णौषध (ajīrṇauṣadha) *adj.* who has not digested the medicine स्तन्यं पाययेन्नाजीर्णौषधं च बालम् AṣṭāSaṁ. ii. 172. 15 (6. 1); i. 142. 10 (1. 27)

अजीर्ति (a–jīrti) *f.* indigestion अजीर्णे जीर्णताकालेऽप्यन्नस्याजीर्तौ ManvaVi. 516. 2 (*on* 4. 121); अजीर्तिगुल्मामयशूलमेति कुजे विलग्ने JātaPā. 6. 90.

अजीर्यत् (a–jīryat) *adj.* **A** who does not get old, undecaying अजीर्यताममृतानामुपेत्य KāṭhU. 1. 28; अजीर्यतां वयोहानिमप्राप्नुवताममृतानां सकाशमुपेत्य KāṭhUBh. 119. 5 (*on* 1. 28); **B** not getting digested अजीर्यदथ रूक्षं हि विरेचनमथोल्लिखेत् BhelaS. 24. 11 (1. 14); तस्मिन्नजीर्यत्याहारे TriṣaS'aPuC. i. 2. 936; **C** not dissolved, undissolved स्वप्रमाणो रसस्तिष्ठेज्जीर्णे ग्रासे त्वजीर्यति RasRaSa. 30. 4.

अजीर्यता (ajīrya–tā) *f.* imperishableness, indestructibility KāṭhU. 1. 28. [nt.]

अजीर्यविक्रम (ajīrya–vikrama) *adj.* possessed of undiminishing power षट्त्रिंशदायुधभृतो धृतोदया वीरा विनिर्ययुरजीर्यविक्रमा: HammīMaKā. 12. 12.

अजीला (ajīlā) *f.* the female of a species of ape [pw.]

अजीलाका (ajīlākā) *f.* variety of spider विषस्वेदा मर्कटी स्यादजीलाका हलाहल: KalpaK. 325. 70.

अजीव् (a–jīv–) 1. P. to live a low life (*lit.* not to live) मा गास्तिरश्रीनमजीवसि त्वमवीर···इत्युदित्वा लाट: ···कुमारं निजघान मुष्ट्या DvyāśraKā. 6. 93 (comm. अजीवसि कुत्सितं प्राणिषि)

अजीव (a–jīva) *adj.* [*f.* –ā] not living, dead, lifeless अजीवा प्रकृति: प्रोक्ता हरिणा क्षेत्रलक्षणा BṛBrahmaS. iv. 1. 98; तुलया तोलितस्तद्वन्नरोऽजीव: सजीवक: BṛKathāK. 73. 149; द्रव्यपञ्चकम् पूर्वोक्तलक्षणचेतनाया उपयोगस्य चाभावादजीवमचेतनं भवतीत्यर्थ: TātpaVṛ. 180. 14 (2. 35); अजीवं च शरीरं वीक्ष्य सात्यजत् (माया) KalkiP. iii. 16. 37; प्राप्तावधिरजीवेऽपि जीवेत्सुकृतसंतति: CāruCaS'. 98; यस्यैक: पुरुष: स जीवति भवे भ्राम्यन्त्यजीवा: परे CaturSaṁ. 1. 11; जीवद्विभागेऽजीवे चेति पत्यौ जीवति मृतेऽपीत्यर्थ: Subodhi. 66. 28 (*on* 2. 135–36)

अजीव (a–jīva) *m.* non-living, inanimate matter जीवाजीवास्रवबन्धसंवरनिर्जरामोक्षास्तत्त्वम् TattvārthaSū. 1. 4; प्रकुष्यगर्हे मन्यकर्मण्यजीवे वा JaineVyā. 68. 31 (*on* i. 4. 27); 277. 26 (*on* iv. 2. 72); 280. 34 (*on* iv. 2. 100); 311. 15 (*on* iv. 3. 185); 407. 30 (*on* v. 4. 54); रक्तं सैनिकानामजीवैर्जीवै: पश्चात् ··· पत्रिपूगैरपायि S'iśuVa. 18. 74; इह सप्त पदार्था: स्युर्जीवाजीवास्रवास्रय: MṛgendraT. i. 2. 16; सप्त चैषां पदार्था: संमता: । जीवाजीवास्रवसंवरनिर्जरबन्धमोक्षा नाम BrahmSūBh.(S'aṅ.) 403. 12 (*on* ii. 2. 33); जीवाजीवौ तथा पुण्यम्···नव तत्त्वानि तन्मते ṢaḍdarSa.(Ha.) 47; 49; BrahmSūBh.(Bhā.) 125. 15 (*on* ii. 2. 33); कालकर्मस्वभावस्थो जीवोऽजीवमजीवयत् BhāgP. ii. 5. 34; iii. 29. 28; द्रव्यं जीवोऽजीवो जीव: पुनश्चेतनोपयोगमय: TattvPradī.(A.) 179. 1 (*on* 2. 35); बोधात्मको जीवो जडवर्गस्त्वजीव इति Bhām. 455. 9 (*on* ii. 2. 33); जीवश्चेतन: तदितरोऽजीव: NyāyVārPari. 214. 4; NānārthāSaṁ. i. 108. 770; जीवाजीवाश्रवा: ··· मोक्षश्च तानि तत्त्वानि व्याप्नुवन्ति जगत्त्रयम् NemiNir. 15. 51; TriṣaS'aPuC. iv. 4. 223; तथा अजीवस्य पुद्गलसमुदायस्य यत्कर्मतया परिणमनं सा अजीवक्रिया SthānṬ. 40B. 7; 268A. 10; 333B. 1; जीवभोग्यवस्तुजातमजीव: VedāntKau. 203. 20 (*on* ii. 2. 33); 203. 12 (*on* ii. 2. 33); जीवाजीवौ तथापुण्यम् ··· नवतत्त्वी मतार्हताम् ṢaḍdarSa.(Rā.) 12; अबोधात्मकस्त्वजीव: SarvaDaSaṁ. 3. 203; ननु जीवमजीवमास्रवं च ··· उपैषि सप्तसंख्यान् S'aṅkaDigVi. (Mā.) 15. 143; मोक्षोपयोगिन: सप्त पदार्था: जीवाजीवास्रव ··· °मोक्षा: NyāySu. (Ja.) 411B. 5 (*on* ii. 2. 10); 411B. 6 (*on* ii. 2. 10); जीवोऽजीवश्चेति द्वौ पदार्थौ BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 101. 6 (*on* ii. 2. 31); ii. 101. 7 (*on* ii. 2. 31); संक्षेपतस्तु जीवाजीवौ द्वावेव पदार्थौ । ··· जडवर्गस्त्वजीव: SarvaDaKau. 34. 20; 34. 18;

34.19; पदार्थो द्विविध: जीव: अजीवश्चेति GoviBh. 133.12 (*on* ii. 2.33); 133.13 (*on* ii. 2.33); 134.5 (*on* ii. 2.33)

अजीवक (ajīva-ka) *n.* lifeless or inanimate object राजाथ सास्रं दध्यौ च यत् सजीवमजीवकम् PārśvC. 3.713.

अजीवक (a-jīvaka) *adj.* A devoid of king Jīva अजीवकमरोगं वा पुरमेतद्भविष्यति Jīvān. 397.2; B devoid of soul, soulless, dead, Jīvān. 397.2; C devoid of letter *sa* तदग्रे कुर्वीत द्विजमाद्यमजीवकम् MāliniT. 17.29.

अजीवकर्तृत्व (ajīvakartr̥-tva) *n.* absence of the state of having the individual soul for cause (agent) तथापि कथमजीवकर्तृ(? क)त्वे दृष्टान्त: TattvaPrakā. 85A.13 (*on* ii. 1.13)

अजीवकाय (ajīva-kāya) *m.* non-sentient element or category अजीवकाया धर्माधर्माकाशपुद्गला: TattvārthāSū. 5.1; अजोवाश्च ते कायाश्च ते अजीवकाया इति समानाधिकरणलक्षणा वृत्तिरियं वेदितव्या TattvāRāVā. v. 1.1.

अजीवक्रिया (ajīva-kriyā) *f.* transformation of matter (into Karman) तथा अजीवस्य- पुद्गलसमुदायस्य यत्कर्मतया परिणमनं सा अजीवक्रियेति SthānT. 40B.8.

अजीवजीवभाव (ajīvajīva-bhāva) *m.* inanimate and animate entities अजीवजीवभावावभासतरणिम् ... देवागमं तव नरा विमला महन्ति MahāViSt.(J.) 11.

अजीवज्ज्येष्ठ (ajīvaj-jyeṣṭha) *adj.* whose elder brother is not alive चतुर्थे त्वजीवज्ज्येष्ठे मृतवंश्ये औपगवे: फक् SiddhāKau. 228A.2.

अजीवत् (a-jīvat) *adj.* [*f.*-ntī] A not living, lifeless, dead अजीवतस्तथैवासीन्न सुखं न परा गति: MahāBhā. vii. 923*(6); जीवता हि शक्यं नाजीवता S'ābaBh. 1853.8 (*on* x. 2.57); आवाहने विशेषोऽयं जीवतां वाप्यजीवताम् (भक्तोत्तमानाम्) PāraS. 8.209; भर्तु: सहचरी भूयाज्जीवतोऽजीवतोऽपि वा SkandP. iii(2). 7.52; iv. 4.52; iv. 47.14; वृक्षेऽजीवति तत्र स्यादनृतं मूलमात्मन: BhāgP. viii. 19.39; जडा इति अजीवन्त: PratyabhiVi. i. 70.1 (*on* i. 1.3); अजीवतोऽपि मुक्ति: BrahmSūBh.(Rā.) 157.12 (*on* i. 1.4) = S'atDū. 137.23; जीवतैव परो लोक: साध्यते यश्च सर्वदा । अजीवतस्तथैवास्ति न राज्यं न परा गति: SūktiRa. 159.3; प्रथमे न जीवनं वर्जनीयम् । अजीवतो ज्ञातृत्वानुपपत्ते: SarvaDaSaṁ. 9.84; न चाशक्तस्याजीवतश्च कार्यकरणायोगाच्छक्तो जीवन्नेव नियोज्योऽस्तु MayūMāli. 381.18 (*on* iv. 3.5); 466.16 (*on* vi. 2.5);; तदा तद्गुरावजीवति नि:शङ्कं तं परिगृह्णीयात् SetuBa. 183.1; B unable to subsist or maintain oneself, not pursuing one's (prescribed) livelihood अजीवन्त: स्वधर्मेणानन्तरां यवीयसीं वृत्तिमातिष्ठेरन् VāsiDS. 2.22; अजीवंस्तु यथोक्तेन ब्राह्मण: स्वेन कर्मणा जीवेत्क्षत्रियधर्मेण ManuSm. 10.81; BrhaspaSm. 365.2; इदमपि पूर्वेणाजीवत: कल्पान्तरम् ManuBh. ii. 134.4 (*on* 8.142); ii. 133.24 (*on* 8.141); अगर्हितै: शिल्पैरजीवन्तो गर्हितैर्जीवेत् ManuBh. ii. 263.26 (*on* 9.76); ii. 353.12 (*on* 10.81); ii. 359.3 (*on* 10.98); ii. 388.17 (*on* 11.61); ब्राह्मणक्षत्रियवृत्तिभ्यामप्यजीवन्वैश्यवृत्तिकामास्थाय जीवेत् SmrtiCan. ii. 470.3-4; शस्त्रधारणेन जीवेत् तेनाप्यजीवन्वैश्यकर्मणा कृष्यादिना DīpKa. 79.31 (*on* 3.35); अजीवन्तौ स्वस्ववृत्त्या जीविकामलभमानौ VīraMi. (Rājanīti.) 141.22; BālamBha. iii. 83.26 (*on* 3.35)

अजीवतत्त्व (ajīva-tattva) *n.* non-living (i. e. inanimate) principle अजीवतत्त्वमप्येवमवधारय MahāP. 24.131; अथाजीवतत्त्वमाहु: KumāPraPra. 81.20.

अजीवत्काल (a-jīvatkāla) *m.* time other than the period of one's life प्रकृते त्वजीवत्कालस्याप्रसक्तत्वेनाव्यावर्तनीयत्वात् MīmāKau. ii. 104.5 (*on* ii. 4.2)

अजीवत्पितृक (ajīvatpitr̥-ka) *adj.* whose father is not living (dead) अजीवत्पितृक: पौत्र: ... स्वपितुर्दायमर्हति MahNirvāT. 12.51.

अजीवत्व (ajīva-tva) *n.* lifelessness, inanimate nature स्थावरा गृह्यन्ते ...तेषामजीवत्वात् SarvaDaSaṁ. 3.243.

अजीवत्वप्राप्ति (ajīvatva-prāpti) *f.* attainment (i. e. possession) of inanimate nature तेषां च दशविधप्राणधारणाभावादजीवत्वप्राप्ति: SyādvāMañ. 27(86)

अजीवदृष्टिका (ajīva-dr̥ṣṭikā) *f.* (action) directed towards an inanimate object दृष्टिका दर्शनार्थं या गतिक्रिया ... अजीवानां चित्रकर्मादीनां दर्शनार्थं गच्छतो या सा अजीवदृष्टिकेति SthānT. 42B.2.

अजीवद्रव्य (ajīva-dravya) *n.* insentient or inanimate substance पुद्गलद्रव्यप्रमुखमचेतनं भवत्यजीवद्रव्यम् TātpaVr. 180.14 (*on* 2.35)

अजीवद्वंश्या (ajīvad-vaṁśyā) *adj.* (*f.*) whose kinsmen are not alive अजीवद्वंश्यायां च स्त्रियां पौत्रप्रभृतेरपत्ये Pradī. iv. 124A.7 (*on* iv. 1.93)

अजीवद्विभाग (ajīvad-vibhāga) *m.* division (of property) when (the owner) is not alive तथा ह्यौरसेषु पुत्रेषु सत्स्वपि जीवद्विभागे अजीवद्विभागे च पत्न्या: पुत्रसमांशग्रहणमुक्तम् Mitā. 241.23 (*on* 2.135-136); अथाजीवद्विभागे समविभागप्रकार: SmrtiCan. iv. 614.5; iv. 711.12.

अजीवद्विभागविषय (ajīvadvibhāga-viṣaya) *adj.* relating to the division (of property) when (the owner) is not alive अथान्यान्यप्यजीवद्विभागविषयाणि कानिचिद्वचनानि लिख्यन्ते SmrtiCan. iv. 622.6.

अजीवन (á-jīvana) *adj.* not having a livelihood योऽत्रासदजीवन: AV. xviii. 2.30; *n.* i non-living, non-existence, death, destruction अजीवनार्हेण मया नृशंसा कृता प्रतिज्ञा नियमेन तावत् Rāmā. ii. 873*(11); सर्वदेशपीडनं दुर्भिक्षं प्राणिनामजीवनायेति ArthS'ā. iii. 25.11 (8.4); इह त्वजीवनकालव्यावृत्त्यर्था न चोदना MayūMāli. 179.19 (*on* ii. 4.1); ii absence of livelihood अजीवनदशायाम्...नृपतिर्याच्य: ManvaVi. 1333.22 (*on* 10.113)

अजीवनश् (a-jīvanaś) *adj.* free from the destruction of life अजीवनग्भिर्तुमिभि: ... उष्णिकुरस्तुतो वोस्तवनड्कृतेऽर्कै: DvyāśraKā. 2.42 (comm. नास्ति जीवनग् जीवस्य नशनं येषां तै: अजीवनग्भि: अजरामरै:)

अजीवनापत्ति (ajīvanāpatti) *f.* contingency of absence of (any) livelihood क्षत्रियादीनां तद्दाने सति प्रतिग्रहानधिकारादजीवनापत्तेश्च TristhaSe. 126.22.

अजीवनार्ह (a-jīvanārha) *adj.* [*f.*-ā] unworthy of living (any longer) अजीवनार्हेण मया नृशंसा कृता प्रतिज्ञा नियमेन तावत् Rāmā. ii. 873*(11); अहम् ... अजीवनार्हा जीवामि Rāmā. ii. 1519*(8); iv. App. I. 14(85)

अजीवनि (a-jīvani) *f.* wretched life (*lit.* as good as death) अभावे भवतां योऽस्मिन् जीवेत्तस्यास्त्वजीवनि: Bhaṭṭi. 7.79; एवमजीवनि: ... मृतिस्ते वृषल भूयात् KātanVr. *on* iv. 5.91; तस्याजीवनिरस्तु मातरवमा SaraKaṇṭhā. 61.25; अथैवाजीवनिर्मेऽस्तु DvyāśraKā. 13.19; अजीवनिस्ते भूयात् MugdhaBo. 26.196 (172.10); अजीवनिस्ते शठ भूयात् PrakriKau. ii. 672.9; SiddhāKau. 576A.19; अकरणिस्त्वजीवनिश्चाभवनिरजननि: । शब्दा इत्यादय: प्रायो विज्ञेया क्षेपणार्थका: KalpaK. 244.84.

अजीवन्मुक्त (a-jīvanmukta) *adj.* (one) who is not liberated while living न चाजीवन्मुक्तोऽपि विद्वान् संस्यात् IṣṭaSi. 327.21; प्रयूप: स्वगुरुमजीवन्मुक्त एवमकरोत् PārāSū. 96.5.

अजीवन्मुक्ति (ajīvan-mukti) *f.* liberation or emancipation while not living (i. e. emancipation after death) इति जीवन्मुक्तेरजीवन्मुक्तेश्च न विशेषं पश्याम: S'atDū. 137.24.

अजीवपितृक (ajīva-pitr̥ka) *adj.* whose father is not alive अजीवपितृकस्तु पूर्वसंस्कृतभ्रात्रसंभवे स्वयमेव पितृभ्यो दद्यात् SmrtiCan. v. 434.2.

अजीवप्रातीत्यिकी (ajīva-prātītyikī) *f.* (mental activity) with reference to inanimate objects, (a variety of bondage) due to the feelings (of hatred or affection) towards inanimate things अजीवं प्रतीत्य यो रागद्वेषोद्भवस्तज्जो वा बन्ध: सा अजीवप्रातीत्यिकी SthānT. 42B.7.

अजीवप्राद्वेषिकी (ajīva-prādveṣikī) *f.* (activity) due to the feeling of hatred towards inanimate objects अजीवे पाषाणादौ स्खलितस्य प्रद्वेषादजीवप्राद्वेषिकी SthānT. 41B.3.

अजीवमातृक (ajīvamātr̥-ka) *adj.* whose mother is not alive प्रयोजनं तु जीवपितृकस्याजीवमातृकस्य चाधिकाराव्याघात: BālaKrī. i. 154.4 (*on* 1.225)

अजीववक्तृकत्व (ajīvavaktr̥ka-tva) *n.* the nature of what has been spoken (i. e. composed) by one other than an individual soul अजीववक्तृकत्वे सतीति विशेषयिष्याम इति चेन्न NyāyPari. 387.14.

अजीववत् (ajīva-vat) *adv.* as if lacking in life, as if dead आ दूरात्प्रतिपान्थमाहितदृश: प्रत्याशयोन्मीलति ध्वान्ते स्वान्तमहर्थ्येऽपि न परावृत्तं कुरङ्गीदृश: । तस्या: ... अजीववत्प्रियसखीवर्गेण नीतं वपु: SaduktiKa. 107.14.

अजीववत्त्व (ajīvavat-tva) *n.* the state of not being possessed of life or soul शुकशकुनिशशादादिशरीराणां विवादविषयाणामेवाजीववत्त्वात् NyāyMa. 24.2.

अजीवशब्दवाच्य (ajīvaśabda-vācya) *adj.* denotable or expressible by the word *ajīva* धर्माधर्मौ नभ: कालो(? ल:) पुद्गलश्चेति पञ्चम: । अजीवशब्दवाच्या: स्युरेते विविधपर्यया: YaśasCam. ii. 279.26.

अजीवशब्दाभिलपनीय (ajīvaśabdābhilapanīya) *adj.* denotable or expressible by the word *ajīva* जीवाजीवशब्दाभिलपनीयभोक्तृभोग्यात्मकं जगत् VedāntDi. 111.11 (*on* ii. 2.32)

अजीवसंयम (ajīva-saṁyama) *m.* self-control (while dealing with) inanimate things पुस्तकवस्त्रपात्रदण्डकादीनां यतनया धरणमजीवसंयम: KumāPraPra. 67.1; 81.34.

अजीवसंज्ञित (ajīva-sañjñita) *adj.* termed non-living धर्माधर्माणव:

कालाकाशौ चाजीवसंज्ञिताः NemiNir. 15. 70.

अजीवस्पृष्टिका (ajīva–spṛṣṭikā) *f.* (activity) involving contact with inanimate object, (a variety of bondage) due to the act of touching any insentient object (with affection or hatred) जीवमजीवं वा रागद्वेषाभ्याम् … स्पृशतः …या सा…जीवस्पृष्टिका…अजीवस्पृष्टिका वेति SthānṬ. 42B. 4.

अजीवस्वाहस्तिकी (ajīva-svāhastikī) *f.* (a variety of bondage) caused by harming (a being) with one's own hand through an insentient object यच्च स्वहस्तगृहीतेनैवाजीवेन खड्गादिना जीवं मारयति सा अजीवस्वाहस्तिकी SthānṬ. 42B. 13.

अजीवहिंसन (a-jīvahiṁsana) *n.* not injuring any living being स्तेयकर्मविरतिर्दयार्जवं क्षान्तिशौचधृतयो मिताशनम् । सत्यभाषणमजीवहिंसनं ब्रह्मचर्यमिति ते यमा दश Vidvanmo. 7. 47.

अजीवाख्य (ajīvākhya) *adj.* called *ajīva* (insentient or inanimate) अत्र संक्षेपतस्तावज्जीवाजीवाख्ये द्वे तत्त्वे स्तः SarvaDaSaṁ. 3. 202.

अजीवाप्रत्याख्यान (ajīvāpratyākhyāna) *n.* (bondage due to) not renouncing the inanimate things (which are prohibited like liquor etc.) यदजीवेषु मद्यादिषु अप्रत्याख्यानात् कर्मबन्धनं सा अजीवाप्रत्याख्यानक्रिया SthānṬ. 41B. 11.

अजीवादितत्त्व (ajīvādi–tattva) *n.* principles such as the non-living or lifeless etc. जीवाजीवादितत्त्वानां सम्यग्ज्ञानादिचक्षणः । हित्वा हेयमुपादेयमुपादाय विमुच्यते PāṇḍaC. 16. 333.

अजीवाभिगम (ajīvābhigama) *m.* knowledge of the non-living object or matter अजीवाभिगमः पुद्गलास्तिकायाद्यधिगमः SthānṬ. 359B. 6.

अजीवारम्भिकी (ajīvārambhikī) *f.* (activity) of sinful nature dealing with inanimate objects, (bondage) arising from injury to the insentient or inanimate यच्चाजीवान् जीवकडेवराणि पिष्टादिमयजीवाकृतींश्च वस्त्रादीन् वा आरभमाणस्य सा अजीवारम्भिकी SthānṬ. 41B. 14.

अजीविकार्थ (a–jīvikārtha) *adj.* intended for (the case) other than livelihood or profession अजीविकार्थमिदम् LaS'abdeS'e. ii. 1055. 3.

अजीवित (a–jīvita) *n.* absence of life, death मुक्तं प्रियाण्यवाप्तानि … न मां तप्स्यत्यजीवितम् MahāBhā. i. 146. 31; भटानां भयभग्नानां धिग्जीवितमजीवितम् RāmāMañ. 331. 11; जीवितमजीवितं मे सम्प्रति सुभ्रु त्वदायत्तम् SamudraMa. 2. 5; *adj.* [*f.* –ā] lifeless, dead सूर्यप्रभाद्याः सर्वे तु विषण्णाः सहसाभवन् । दृष्ट्वा निपतितं चन्द्रप्रभदेहमजीवितम् KathāSaSāg. viii. 2. 122; माद्रीं विलोक्य …अनङ्गसङ्गेऽभूत्पाण्डुः शापादजीवितः DaśāvaC. 8. 367; इत्याकर्ण्य तदम्बा च तथैवास्थादजीविता PrabhāC. 127. 21.

अजीवितप्रेक्ष्य (ajīvita–prekṣya) *adj.* which can be seen at the cost of death(?) सुवर्णप्रेक्षितमजीवितप्रेक्ष्यमनवहितमवनिगोचरानीतमातिष्ठतामश्वयुद्धम् AvantiKa. 111. 5.

अजीवितान्ता (a–jīvitāntā) *adj.* (*f.*) not ending with life अजलं तीर्थममलमकायक्लेशदं तपः । अजीवितान्ता स्वगतिः सत्यं साधुसमागमः RāmāMañ. 167. 20.

अजीविताशा (a–jīvitāśā) *f.* absence of hope of living सोऽपि कामज्वरभराक्रान्तोऽजीविताशया मित्रगृहं ययौ VetāPañ.(S'i.) 84. 8.

अजीवितुम् (a–jīvitum) *inf.* not to live (i. e. to die) त्यज शोकं च दुःखं च मोहं च जनकात्मजे । रामलक्ष्मणयोरर्थे नाथ शक्यमजीवितुम् Rāmā. vi. 38. 33.

अजीव्यव्यसन (ajīvya–vyasana) *n.* indulgence in (food) harmful to life विषमस्थानशयनादजीव्यव्यसनादपि ।…स्तब्धो भवति गात्रेषु … वारणः Hastyāyur. 339. 2 (2. 72)

अजुगुप्स (a–jugupsa) *adj.* not disliking, not abhorring अजुगुप्सांश्च विज्ञाय ब्राह्मणान्वृत्तिकर्शितान् । …वृत्त्या तान्प्रतिपादय MahāBhā. xiii. 60. 14.

अजुगुप्सक (ajugupsa–ka) *adj.* not detesting, not blaming प्रतिश्रावी …बलवान् दक्षिणो दक्षः प्रियवागजुगुप्सकः BhelaS. 16. 10 (1. 9); नरामराणां सिद्धानां शास्त्राणां चाजि(? जु)गुप्सकः AṣṭāSaṁ. i. 13. 12 (1. 3)

अजुगुप्सन (a–jugupsana) *adj.* not criticizing, not censuring (i. e. praising) द्रागजुगुप्सना भावयितार आजौ । … रणदीक्षितारोऽस्य बसुश्चमूपाः DvyāśraKā. 12. 26 (comm. श्लाघनाः)

अजुगुप्सन्ती (a-jugupsantī) *adj.* (*f.*) not loathing, without feeling disgust यदि मां शुभे । दध्ना लवणमिश्रेण स्वव्य(? भ्य)क्तं नग्नकं तथा । लिहिष्यस्यजुगुप्सन्ती आपादतलमस्तकम् । ततस्त्वं प्राप्स्यसे देवि पुत्रान् VāyuP. ii. 37. 77; MatsyaP. 48. 69; BrahmāṇḍP. ii. 74. 79.

अजुगुप्समान (a–jugupsamāna) *adj.* not loathing जुगुप्समानो नृपतिः (v. l. अजुगुप्समानो नृपते) मनसेदं विचिन्तयन् MahāBhā. i. 155. 20.

अजुगुप्सविशोधन (ajugupsa–viśodhana) *n.* washing clean without feeling disgust अजुगुप्सविशोधनादिरूपां परिचर्यामकृतास्य तोटकार्यः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 16. 3.

अजुगुप्सा (a–jugupsā) *f.* absence of disgust शौचात्स्वाङ्गेऽजुगुप्सा स्यात् SarvaSiSaṁ. 10. 29.

अजुगुप्सापद (ajugupsā–pada) *n.* object of absence of disgust अंसकस्तूरिका भूमिर्भवतां बाहुशालिनाम् । अजुगुप्सापदं न स्यादसद्वृत्तिमलीमसा Yādavā. 22. 7.

अजुगुप्सित (a–jugupsita) *adj.* **i** not prohibited, (i. e. not against the recognised rules) श्राद्धकाले तु यत्नेन भोक्तव्या ह्यजुगुप्सिताः MahāBhā. iii. 200. 17 (Citrashala Press Edn.); उपवेश्य तु तान्विप्रानासनेष्वजुगुप्सितान् ManuSm. 3. 209; अजुगुप्सितान् अनिन्दितान् विप्रान् ManuBh. i. 296. 25 (*on* 3. 199); VṛddhaGauSm. 512. 14; CaturCin. iii(1). 1310. 8; तस्यापि जीवितं प्रति उपायान्तरेऽजुगुप्सिते सति जुगुप्सितमेतत्कर्म दोषाय ChāndoUBh. 66. 5 (*on* i. 10. 4); शास्त्र(? स्त्रा)निषिद्धमजुगुप्सितम् … शृङ्गारशब्दवाच्यम् AbhinBhā. i. 301. 6 (*on* 6. 45); यतीनामपि भक्तपानमजुगुप्सितं कल्पते TīrthaKa. 81. 14; PrabaK. 75. 15; **ii** not loathsome, not disgusting व्याधिं चैकम् … अजुगुप्सितम् … ख्यापयेत् KāmSū. 315. 8 (6. 2); अनिन्द्यमजुगुप्सितम् JayaMa. 315. 25 (*on* 6. 2); (वेश्या) शिरःशूलादिकं व्याधिमनित्यमजुगुप्सितम् ।…समादिशेत् SamaMā. 5. 69.

अजुगुप्सितरूपा (ajugupsita–rūpā) *adj.* (*f.*) of the form of not being disgusting अजुगुप्सितरूपा चेदुपहतिरखिलेषु साधनीयैवम् । तच्छुद्धिरन्यथा चेत् त्यागः TantrSa. 10. 104.

अजुगुप्सिषा (a–jugupsiṣā) *adj.* (*f.*) not willing to blame (i. e desirous of praising) तस्या (दुर्लभदेव्याः) द्वास्था बुबूर्षंस्ताञ्शशंसेत्यजुगुप्सिषा DvyāśraKā. 7. 96.

अजुगुप्सु (a–jugupsu) *adj.* not disliking, not abhorring स्निग्धोऽजुगुप्सुः…परिचरः स्मृतः SiddhYo. 82. 7; BhāvPra.(Bhā.) 6 (1). 89.

अजुपराग (aj–uparāga) *m.* association with (*and hence* influence of) vowels अचामेव स्वरमनुविदधाति हलस्ततो निश्चीयते – अजुपरागादेषु स्वरप्रतिभासो न स्वत इति । अजुपरागश्च पूर्वपरसंनिधानेऽपि परेणैव भवति, न पूर्वेण PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 2. 29.

अजुपरागवश (ajuparāga–vaśa) *m.* [Abl.] on account of the force of association with vowels स्वत एव हलोऽनुदात्तत्वं भवतु, अजुपरागवशाद्वा, तदनुवादेन कार्यविधाने न कश्चिद्विशेषः Pradī. ii. 24B. 38 (*on* i. 2. 29–30)

अजुपलक्षणार्था (ajupalakṣaṇārthā) *adj.* (*f.*) intended for indicating a vowel अजुपलक्षणार्थानुदात्तश्रुतिः स्यात् Pradī. i. 172B. 4 (*on* i. 1. 1)

अजुपश्लेष (aj–upaśleṣa) *m.* contact or union with vowels विनापि च अजुपश्लेषं दिग्गजादौ भेदप्रत्ययो वर्णितः NyāyMañ. i. 202. 22.

अजुर् (a–júr) *adj.* not subject to old age (इन्द्रमित् स्तोता वृषणम्) अवक्रक्षिणं वृषभं यथाजुरं गां न चर्षणीसहम् ṚV. viii. 1. 2.

अजुर्य (a–juryá) *adj.* [*f.* –ā] not subject to old age, not decaying, not diminishing यः सुनीथो ददाशुषेऽजुर्यः ṚV. ii. 8. 2; इन्द्रमजुर्यम् … अवसे हवामहे ṚV. ii. 16. 1; वातेवाजुर्या (अश्विनौ) ṚV. ii. 39. 5; त्वाष्ट्रम् … अजुर्यम् ṚV. iii. 7. 4; iii. 7. 7; शुभ्रं यच्छुभ्रा उषसश्चरन्ति … सदृशीरजुर्याः ṚV. iv. 51. 6; vi. 22. 9; वैश्वानरं कवयो यज्ञियासोऽग्निं देवा अजनयन्नजुर्यम् ṚV. x. 88. 13; x. 94. 12; मित्रो वृणीते श्रुष्टिं राजेवाजुर्यम् ṚV. i. 67. 1; धीरासः पदं कवयो नयन्ति नाना हृदा रक्षमाणा अजुर्यम् ṚV. i. 146. 4; v. 69. 1; द्वारो देवीः अजुर्याः ṚV. ii. 3. 5; आ सूर्यस्य दुहिता ततान श्रवो देवेष्वमृतमजुर्यम् ṚV. iii. 53. 15; एते…सदःसद आतिष्ठन्तो अजुर्यम् AV. v. 1. 4.

अजुर्यमुर् (ajuryamur) [for अजुर्यं यमुः due to haplology] एवाँ अग्निमजुर्यमुः ṚV. v. 6. 10.

अजुशीर्ष (aju–śīrṣa) *n.* name of a building with a straight top कल्पयेद्वा विशेषेण सालानां बाह्यभागतः । कूटकोष्ठादिसंयुक्तं सपादं समसूरकम् । बुद्बुदार्धेन्दुशीर्षं वाप्य(? प्यृ)जुशीर्षमथापि वा S'ilpaRa. i. 40. 47.

अजुषत् (a–juṣat) *adj.* not serving, not attending अब्जोऽजुषन्तः प्रपतत्पतन्तः PāramāU. 9. 5 (comm. अब्जः ब्रह्मा । … अजुषन्तः सृष्टिकर्तृत्वाभिमानेन त्वत्पादसेवामकुर्वन्तः । अब्ज इति जातावेकवचनम्)

अजुषमाणा (a–juṣamāṇā) *adj.* (*f.*) not entertaining (i. e. not realising, not grasping) मणिप्रभायां मणिदीप्रायां मणिकिरणविषयिणी मणिबुद्धिरयथार्थतया भेदमजुषमाणापि मणिमनु प्रतिबद्धेति मणिसमधिगमनिमित्तं भवेत् PrakaPañ. 75. 6.

अजुष्ट (á–juṣṭa) *adj.* [*f.* –ā] **i** not liked, not enjoyed, abhorred इमौ तमांसि गूहतामजुष्टा ṚV. ii. 40. 2; अप द्रुहस्तम आवरजुष्टम् ṚV. vii. 75. 1;

न सायमस्ति देवया अजुष्टम् ṚV. v. 77. 2; सः···अवाजुष्टान् विध्यति कर्ते अव्रतान् ṚV. ix. 73. 8; दुष्कृतान्यजुष्टानि ṚV. x. 164. 3; AV. vi. 45. 2; AV. vii. 115. 2; मृगः सृतिं यदि धावादजुष्टाम् AV. x. 3. 6; त्रयो ह्त्वै ग्राम्याः पशवोऽजुष्टा दुर्वराह एडकः श्वा JaimiBr. 1. 51; **ii** not enjoyed, not put to use क्रीत्वा चानुशयात्पण्यं त्यजेद्दोषादृते नरः । अजुष्टमेव काले तु स मूल्याद्दशमं वहेत् । ··· अजुष्टमनभियु(? मु)क्तम् VīraMi.(Vyavahāra.) 340. 21.

अजुष्टग्राम्यविषय (ajuṣṭa–grāmyaviṣaya) *adj.* who has not (yet) tasted the pleasures of senses अजुष्टग्राम्यविषयावनपत्यौ च दंपती । न वव्राथेऽपवर्गं मे मोहितौ देवमायया BhāgP. x. 3. 39.

अजुष्टि (á–juṣṭi) *f.* disfavour, displeasure एवा चन तं यशसामजुष्टिर्नांहो मर्तं नशते न प्रदृप्तिः ṚV. vi. 3. 2; त्वम् ··· इन्द्रारिषण्यन्दुळहस्य चिन्मतीनामजुष्टौ ṚV. i. 63. 5.

अजुहू (a–juhū) *adj.* without a ladle तदुदीक्ष्य यायावरमाशु सैन्यम् ··· अजुहूः ··· अभवत् परिव्राड्जनः DvyāśraKā. 12. 44.

अजुह्वत् (á–juhvat) *adj.* [*f.* –ī] not offering (oblations) जुह्वदेवाजुह्वतोवसीयानिति AitBr. 13. 12 (385); एवमेवैनानजस्रानजुह्वत इन्धीरन् AitBr. 32. 2 (808); यो ह वा एतानि षड् जुह्वति वेदाजुह्वत एवास्य हुतं भवति KauṣīBr. 2. 8 (7. 10); प्रजा वै सत्रमासत तपस्तप्यमाना अजुह्वतीः TaiBr. I. iv. 9. 1; अजुह्वत्संवत्सरमजस्रमग्निमिन्धीत MānS'S. 29. 16; काममजुह्वत एव तद्द्भावं लभेरन् TantrVā. 1157. 4 (*on* iii. 7. 47); S'āstrDī. 331. 3 (*on* iii. 7. 22); भुङ्क्ते ··· अजुह्वंश्च कृमीन् कीटान् BṛParāSm. 2. 224; दीक्षितोऽप्यजुह्वत्प्रत्यवेयात् GuruCandr. ii. 236. 12.

अजू (a–jū) *adj.* not speeding, not moving quickly अस्य मदे जरितरिन्द्रोऽपिन्वदपितोऽजिन्वदजुवः S'āṅkhāS'S. viii. 25. 1; *f.* **i** non-divine speech **ii** not a Piśācī, cf. AnekāSaṁ. 1. 8; क्रुसंबन्धिनौ यावीदूतौ तदन्तं नाम स्त्रीलिङ्गम् ··· कच्छूः अजूः तनूः इत्यादि Liṅgānu.(He.) 34. 2.

अजूर्मन् (a–jūrman) *adj.* who is not affected by fever (i. e. healthy, strong) ओमतूमैभिरजूमैभिरासेषेपि किं नृभिरनूः कृतभूते ।··· नक्रचक्र इति नूनमराटीत् DvyāśraKā. 8. 103 (comm. अज्वरद्भिर्नीरोगैः)

अजूर्य (á–jūrya) *adj.* [*f.* –ā] unperishing, not subject to drying up, not decaying cf. अजुर्य, द्वौ समुद्रौ विततावजूर्यौ पर्यावर्तेते जठरेव पादाः TaiS. III. ii. 2. 1; महीं देवीं विष्णुपत्नीमजूर्याम् TaiBr. III. i. 2. 7.

अजूर्यत् (á–jūryat) *adj.* not getting old, ever youthful अजूर्यतो वज्रिणो वीर्याणीन्द्र ṚV. iii. 46. 1; v. 42. 2.

अजूषक (a–jūṣaka) *adj.* not hurting, not killing, harmless अजूषकस्त्वं भूषसि···क्ष्माम् DhātuKa. 1. 86 (comm. यूष हिंसायाम् । जूष च)

अजेकपाद् (ajekapād) *m.* one of the eleven Rudras अजे(? जै)कपादहिर्बुध्न्या(? ध्न्यः) ··· रुद्राश्चैकादश स्मृताः BṛhaspaSm. 83. 23; VyavaNi. 151. 3.

अजेजमेस्र (ajejamesra) *m.* name of a person (cf. KathāKau. 7. 36 **अजेज**) अजेजमेस्रनामाहं तथैव वरवर्णिनि । इत्युक्त्वान्तर्हितस्तत्र KathāKau. 4. 45; 4. 123; 7. 35.

अजेतरद्विस्तनी (ajetara–dvistanī) *f.* two-teat female other than a she-goat स्त्रैणमिति स्त्रीग्रहणमजेतरद्विस्तनीनामुपलक्षणार्थम् Aparā. 246. 9 (*on* 1. 170)

अजेतृ (a–jetṛ) *adj.* **A** non-conqueror नास्य जेता रणे कश्चिदजेता नैष कस्यचित् MahāBhā. iii. App. 1. 31 (13); **B** one who is not conquered by any one, invincible कार्तवीर्यमजेतारं यथा जेष्यसि सांप्रतम् । ··· तत्सर्वं कथयामि ते BrahmVaiP. iii. 38. 29.

अजेय (a–jeya) *adj.* **A** unconquarable, invincible (living being) अथ यर्हेता न विजग्युरजेया ह ब्राह्मणा आसुः JaimiBr. 1. 265; पौलोमानः··· । देवैरजेया निर्जिता अर्जुनेन MahāBhā. i. 43*(3); i. 26. 8; iii. 26. 10; iii. 37. 15; iii. 142. 5; vi. 61. 45; xiii. 18. 12; सा ददर्श विमानाग्रे रावणम् ··· देवगन्धर्वभूतानाम् ··· । अजेयं समरे शूरम् Rāmā. iii. 30. 6; vi. 1643*; vii. 5. 14; अजेयः शाश्वतो नित्यं स्वयंभूर्भूतभावनः HariVaṁ. 113. 34; परमं कारणं विष्णुमजेयं स्मर पद्मज JayāS. 2. 60; अजेयः पुरुषव्याघ्र मर्त्यलोके भविष्यसि ViṣṇuP. v. 30. 25; VāyuP. i. 30. 114; BrahmāṇḍP. ii. 1. 49; ii. 66. 40; (रावणम्) तमद्याप्यनवद्येन वसुना वसवः स्वयम् । अजय्यं (v. l. अजेयम्) पूजयत्येकवीरम् JānaHa. 2. 53; DaśKuC. 127. 14; CāṇaNīDa. 6. 22; GītāBh. (S'aṅ.) 320. 10 (*on* 11. 33); ते (असुराः)···सुरैरजेयाः HarVi. 16. 18; बाष्कलिर्नाम दैत्येन्द्रः···। अजेयः संगरे देवैः SkandP. vi. 41. 15; vii(3). 49. 7; VāmaP. 17. 52; 69. 75; BṛNāraP. 7. 19; अजेयः क्षत्रियैर्लोके क्षत्रियर्षभसूदनः BrahmP. 10. 32; 39. 40; 203. 22; BhaviP. 222A. 31 (i. 154. 3); 498B. 3 (iii(3). 21. 16); DevīBhāP. vi. 4. 8; PadmP. ii. 40. 6; अजेयस्त्रिषु लोकेषु ··· जनार्दनः SaurP. 31. 60; 41. 156; 53. 46; GaṇeP. ii. 13. 28; ii. 22. 2; AdhyāRā. vi. 10. 9; vii. 4. 4; SamarāSū. ii. 111. 18; एतत्प्रभावाच्छत्रूणामजेयस्त्वं भविष्यसि KathāSaSāg. ii. 3. 38; vii. 4. 15; x. 3. 67; Mānaso. iv. 3. 645; अजेयोऽसि त्वमेकोऽपि शात्रवाणां शतैरपि PāṇḍaC. 13. 967; SaṁgīRa. i. 279. 22 (1. 8); मर्त्यश्चेन्मनुजैरजेयमज[य]न् म्लेच्छाधिनाथं कथम् EI. i. 27. 10; PrabhāC. 70. 28; 78. 19; स कच्छदेशाधिपतिः सर्वतोऽप्यजेयः PrabaC. 19. 1; KumāPraPra. 37. 15; Nalo. 1. 36; YudhiVi. 1. 59; 6. 59; VetāPañ.(S'i.) 29. 9; यो (राजा) द्यूतक्रुद्धचतुरङ्गयुद्धक्रीडास्वजेयः समभूत्परेषाम् HammīMaKā. 1. 43; भूमीश्वरैर्जगति ··· अजेयः । ··· शूराग्रणीश्चरति चोलगनामधेयः Raghunā. 8. 7; **B** invincible, indefeatable (inanimate and abstract objects) वज्रो नामैष तु व्यूहः ··· अजेयः MahāBhā. vi. 19. 35; अस्त्राणामप्रधृष्याणामजेयानां महौजसाम् । तानि सर्वाण्ययं वेद विश्वामित्रो महायशाः Rāmā. i. 603*(1); BrahmP. 242. 10; Surath. 2. 54; तेजोबीजमजेयमस्य हृदये न्यस्तं पुनर्वेधसा S'ārṅgPa. 906; मनस्तु प्रबलं काममजेयमकृतात्मभिः DevīBhāP. i. 18. 30; *m.* **A i** name of one of the Vikuṇṭha deities नाथो विद्वानजेयश्च ··· । कीर्तितास्तु विकुण्ठा वै VāyuP. ii. 1. 50; BrahmāṇḍP. i. 36. 14; i. 36. 57; **A ii** name of S'iva अजेयो दुरतिक्रमः । ··· एवं नाम्नां सहस्रेण तुष्टाव हि हरं हरिः S'ivaP. iv. 35. 105 (393A. 13); **B i** name of a king अजेयः परशुः पुण्ड्रः ··· राजानो निधनं प्राप्ताः MahāBhā. i. 1. 174; **B ii** name of a warrior तदेतौ मातुलजामेयौ द्वावप्यजेयाश्वत्थामानौ ··· इदमिन्द्रसूनुनाभिभाषितौ PārthPa. 44 (12); **C** name of a *samādhi* [DBHS]; *n.* **1** name given to medicinal ghee मधुकं तगरं कुष्ठम् ··· कल्कैरेषां घृतं सिद्धमजेयमिति विश्रुतम् SuśruS. v. 2. 49; AṣṭāSaṁ. ii. 338. 15 (6. 40); **2** name of a song (in this *gīta* there are five varieties namely rūpa, ajeya etc.) गीतेऽस्मिन् पञ्चनामानि प्रसिद्धान्युदितानि हि । रूपं च रूपकं वस्तु प्रबन्धोऽजेयमित्यपि SaṁgīPā. 505.

अजेयक (ajeya–ka) *adj.* invincible कृष्णभटादयः । मन्वाना राज्यधौरेयं गुणप्राज्यमजेयकम् (कुमारपालम्) । अभिषेकविधिं चक्रुः KumāDeC.(So.) 15. 9.

अजेयता (ajeya–tā) *f.* invincibility लोकः पच्यमानश्चतुर्भिरेवं मुनक्ति अर्चया दानेनाजेयतया चावध्यतया ManuBh. i. 74. 13 (*on* 2. 13); PāṇḍaC. 13. 847; तस्याजेयतां दिनत्रयेण विमृश्य PrabaCin. 19. 8; KumāPraPra. 37. 16.

अजेयत्व (ajeya–tva) *n.* unconquerability, invincibility अष्टौ वरान्प्रयच्छामि तव पुत्रस्य पार्थिव । ब्रह्मण्यतामजेयत्वं युद्धेषु च तथा रतिम् MahāBhā. ii. 180*(6); HariVaṁ. 354*(1); BṛhaspaSm. 9. 50; JayāS. 2. 70; (देवी सा हीन्द्रदुहिता जयन्ती) भार्गवाय पुनः पुनः । अजेयत्वं धनेशत्वमवध्यत्वं च वै ददौ VāyuP. ii. 35. 160; ii. 37. 30; MatsyaP. 48. 27; BrahmāṇḍP. ii. 25. 42; ii. 74. 30; iii. 11. 12; AgniP. 274. 5; SkandP. i(1). 20. 32; v(2). 83. 50; VāmaP. 9. 5; 11. 5; 54. 20; BrahmP. 13. 33; बलेस्तु ब्रह्मणा दत्तो वरः ··· संग्रामे चाप्यजेयत्वम् BallāC. 58. 18.

अजेयध्वनि (ajeya–dhvani) *adj.* whose subtle sound (*nāda*) is beyond perception ते···नमो धूतार्थजेयध्वने···शर्वाय (comm. अजेयो दुरवगाह्यो ध्वनिर्नादरूपो यस्य स तथाविधः) ĪśvaS'. 49.

अजेयप्रताप (ajeya–pratāpa) *adj.* possessing invincible glory प्राज्याजेयप्रतापम्···युग्मं यत्पादयोः स्तात् स भवदविभवाभावकृत्तीर्थनाथः JinaS'. 1. 14.

अजेयराजेन्द्र (ajaya–rājendra) *m.* invincible great king, invincible emperor जयत्यजेयराजेन्द्रो रतिवर्धन इत्यभूत् । उत्सवो दर्शने तस्य PadmP.(Ra.) 108. 29.

अजेयविक्रम (ajeya–vikrama) *adj.* whose valour is invincible, of invincible valour खगेश्वरं शरणमुपस्थिता वयम्···परावरं वरदमजय्यविक्रमम् (v. l. अजेयविक्रमम्) MahāBhā. i. 20. 14.

अजेयशक्ति (ajeya–śakti) *f.* invincible or unconquerable power तव काचिदजेयशक्तिरस्ति PrabhāC. 70. 31.

अजेयसौन्दर्य (ajeya–saundarya) *adj.* possessing invincible (i. e. unsurpassable) beauty यस्यादजेयसौन्दर्यः ···वर्तते स्मरः BrahmāṇḍP. iii. 35. 68.

अजेयाख्य (ajeyākhya) *adj.* called *ajeya* (a medicinal ghee, cf. SuśruS. v. 2. 47–49) पिबेद्घृतमजेयाख्यम् SuśruS. v. 1. 80; AṣṭāSaṁ. i. 54. 3 (1. 8)

अजेश (ajeśa) *m.* **A i** name of one of the eleven Rudras कपाली पिङ्गलो भीमो विरूपाक्षो विलोहितः । अजेशः शासनः शास्ता शम्भुश्चण्डो ध्रुवस्तथा । एते एकादशानन्तबला रुद्राः प्रभाविणः MatsyaP. 153. 19; **A ii** name of an aspect of Rudra as a presiding deity over one of the alphabets (in Tantric worship) अजेशः शर्वसोमेशौ···रुद्रमूर्तयः उद्दिष्टा मदीया वर्णपालिकाः AhirbuS. 17. 34; ध्यानपूर्वं ततः श्रीकण्ठादिविन्यासमाचरेत् । श्रीकण्ठानन्तसूक्ष्मौ च···अजेशः व(? स्व)रमूर्तयः BrahmāṇḍP. iii. 44. 52; पञ्चाशदधिका षष्टिर्भुवनैस्तुल्यसंज्ञिताः । तावन्त

एव रुद्राश्च···अजेशश्चैव सर्वज्ञो AgniP. 85. 9; 292. 44; द्वितीयावरणे रुद्राः षोडशैव प्रकीर्तिताः । कथितं लघिमाव्यूहं महिमां शृणु सुव्रत । अजेशः LiṅgaP. ii. 27. 107; अजेशशर्वसोमेशास्त्रयो लाङ्गलिदारुकौ ··· रुद्राः पञ्चाशदीरिताः ĪśānS'iPa. i. 2. 4; अजेशशर्वसोमेशाः ···एते रुद्राः स्मृता रक्ता धृतशूलकपालकाः S'āraTi. 2. 32; **B i** the vowel *o* ओकारः सत्यपीयूषौ···प्रणवांशो ब्रह्मसूत्रमजेशः सर्वमङ्गला Tantrābhi. (2). 9. 18; ओः सद्योजात ऊर्ध्वास्यः ··· अजेशश्चैव पीयूषः पश्चिमास्यः श्रुतिस्तथा Tantrābhi. (7). 48. 10; **B ii** the sound *jha* झः पाशी स्यादजेशश्च Tantrābhi. (1). 2. 19; झो झङ्कारी गुहः ··· अजेशो द्राविणी नादः पाशी जिह्वा जलं स्थितिः Tantrābhi. (2). 13. 15; स्थितिः पाशी तथाऽजे(हे)शो वामाङ्गुलितलस्थितः। स्वस्तिकः खण्डसंज्ञश्च झकारो जान्तसंज्ञकः Tantrābhi. (5). 37. 13; (8). 56. 9; मनुस्वरेन्द्रजेशाग्निसंयुतश्चतुराननः । पिण्डबीजमिदं प्रोक्तं पुंसां सर्वार्थसाधकम् S'āra-Ti. 24. 53 (comm. मनुस्वर औ इन्दुर्बिन्दुः अजेशो झकारः अग्नी रेफ एतद्युतश्चतु-राननः जकारः); **B iii** the sound *ṣa* षः श्वेतो वासुदेवश्च···लम्बोदरो यमोऽजेशः कामधुक् काम(ल)धूमकः Tantrābhi. (2). 21. 3; षः श्वेत उष्मा सूर्याग्निरजेशः कालधूमकः Tantrābhi. (7) 51. 16; कर्णौ पाली बाहुमध्यं पार्श्वाजेशौ च मज्जया। उमाकान्तश्च कथिता वर्णाः कारण्डवस्य हि ĪśānSiPa. i. 52. 11; **C** one of the deities of the *mahimā vyūha* of the second *āvaraṇa* to be worshipped in the *jayābhiṣeka* वक्ष्यमाणदेवतानाम् ··· स्थापनं पूजनं च । ततः प्रधानकमलकेसरेषु ···वामा ज्येष्ठा···ततो ··· 'बाह्यषोडशव्यूहमध्यमकोष्ठेषु सुभद्रादिकाः शिवस्य द्वितीया-वरणदेवताः स्थाप्याः । तत्र ··· दक्षिणनैर्ऋत्यमध्ये महिमा ··· अजेशः क्षेमरुद्रः ViraMi. (Rājanīti.) 385. 12.

अजेशपुरुहूतेडय (ajeśapuruhūte.lya) *adj.* praised by Brahmā, S'iva and Indra अजेशपुरुहूतेड्य नमो नारायणाय ते PramāLa. 3A. 8.

अजेशमुखवन्दित (ajeśamukha-vandita) *adj.* bowed to or revered by Brahmā, S'iva and others जयति ··· अजेशमुखवन्दितो गुणगणार्णवः श्रीपतिः Tattvodyo. 5B. 3.

अजेश्वर (ajeśvara) *m.* **1** the mystic sound *jha* अजेश्वरं त्रिरावृत्तं सदण्डं प्रथमं पठेत् । तिमिरेति पदं ब्रूयाद्धस्तपर्यायमेव च । ···एतत् तामसमित्युक्तमखं सर्वारिमोहनम् AhirbuS. 34. 77; **2** name of a *liṅga* of S'iva in Benares (and the holy place associated with it) स्थानेश्वरम् ··· कालेश्वरमजेश्वरम् । ··· यानि चान्यानि पुण्यानि स्थानानि मम भूतले ··· तानि सर्वाणि ··· वाराणस्यां विशन्ति माम् LiṅgaP. i. 92. 136; कन्दुकेशमजेश्वरम् ··· इत्यादि कोटिलिङ्गानां मध्येऽहं किमुपाश्रये S'ivaP. v. 44. 68 (457B. 15)

अजैकचरण (ajaikacaraṇa) *m.* name of the son of Vasuvarman तस्य तैरभवद्युद्धमजैकचरणस्य वै BhaviP. 565A. 13 (iii(4). 11. 66)

अजैकप (ajaikapa) *n.* name of the constellation Pūrvā Bhādrapadā अजैकपे द्यूतजीविनां पीडा (शुक्रे) BṛSaṁ. 9. 34; (मित्रभाद्रकुलो जातो विष्टिः पौरन्दरर्क्षजः) अजैकपाच्चूतवृक्षो ··· जातः NāraS. 6. 68.

अजैकपद् (ajaikapad) *m.* name of one of the Rudras, name of Viṣṇu [PW. pw. nt.]

अजैकपद (ajaikapada) *n.* the constellation Pūrvā Bhādrapadā चित्रा विशाखा चाग्नेयमजैकपदवैष्णवे । ··· अजादिषु । मासेष्वेतानि वर्ज्यानि ĪśānS'iPa. ii. 26. 21.

अजैकपाद् (ajaikapād) *m.* **1 i** name of one of the eleven Rudras (called Gaṇeśvaras or Bhuvaneśvaras) अजैकपादहिर्बुध्न्यः ··· रुद्रा एकादश स्मृताः MahāBhā. i. 60. 2; i. 114. 57; अजैकपादहिर्बुध्न्यो विरूपाक्षः ··· एते रुद्राः समाख्याता एकादश BṛParāSm. 2. 189; अजैकपादहिर्बुध्न्यः ··· एते रुद्राः समा-ख्याताः ··· गणेश्वराः MatsyaP. 5. 29; अङ्गारकस्तथा सूर्यः ··· । अजैकपाच्चाहि-र्बुध्न्यो धूमकेतुर्ध्वजस्तथा । ··· एकादशैते विज्ञेया रुद्रास्त्रिभुवनेश्वराः NīlaP. 609; तेऽत्र रुद्रपुरे रम्ये रुद्ररूपधरा नराः । अजैकपादहिर्बुध्न्यमुख्या एकादशापि वै । ··· प्रयच्छन्ति वरान्नित्यं शिवभक्तजने वराः SkandP. iv. 14. 4; वृषध्वजश्च ··· । अजैक-पादहिर्बुध्न्यः ··· वृषाकपिस्तु दशमो रुद्रस्त्र्यम्बक एव च SkandP. vi. 146. 2; अजैकपादहिर्बुध्न्यः ··· एकादशैते रुद्रास्त्वामभिषिञ्चन्तु पार्थिव ViṣṇuDhaP. ii. 22. 43; i. 95. 94; बिभेद पुरुषत्वं च दशधा चैकधा च सः । तेषां नामानि वक्ष्यामि...। अजैकपादहिर्बुध्नः कपाली ··· एकादशैते कथिता रुद्रास्त्रिभुवनेश्वराः NaraP. 5. 9; LiṅgaP. i. 63. 20; BhaviP. 237A. 34 (i. 159. 6); PadmP. v. 6. 30; v. 18. 20; सरूपायां प्रसूतस्य स्त्रियां रुद्र(? द्रा)श्च कोटिशः । तत्रैकादश मुख्यास्तु तन्नामानि मुने शृणु । अजैकपादहिर्बुध्न्यस्त्वष्टा रुद्रश्च वीर्यवान् S'ivaP. v. 31. 37 (442A. 14); अजैकपादे नमः ··· इत्येकादश रुद्रान् ĪśānS'iPa. i. 18. 8 (3); ii. 57. 72; अजैकपादहिर्बुध्न्यः ··· एते रुद्राः समाख्याताः BṛBrahmaS. iii. 10. 20; S'abda-Ra.(Vā.) 97; KalpaK. 372. 22; **1 ii** name of one of the four sons of Viśvakarman तस्य (विश्वकर्मणः) पुत्रास्तु चत्वारस्तेषां नामानि मे शृणु । अजैक-पादहिर्बुध्न्यस्त्वष्टा रुद्रश्च वीर्यवान् ViṣṇuP. i. 15. 121; **1 iii** name of one of the eleven Rudras born of Surabhī and Kaśyapa (कश्यपात्) अजैकपादहि-र्बुध्नम् ··· सुरभी तानजीजनत् VāyuP. ii. 5. 69; BrahmāṇḍP. ii. 3. 71; सुरभी कश्यपात्···विजज्ञुषी । महादेवप्रसादेन तपसा भाविता सती । अजैकपादहिर्बुध्नस्त्वष्टा AgniP. 18. 42; BrahmP. 3. 47; **2 i** name of the constellation Pūrvā Bhādrapadā हस्ता ज्येष्ठा तथा मूलं वारुणं चाप्यजैकपात् AgniP. 136. 2; अजैक-पात्प्रोष्ठपदा पूर्वा भाद्रपदा तथा NakṣaNi. 26; **2 ii** the presiding deity of the constellation Pūrvā Bhādrapadā अजैकपादहिर्बुध्न्यै (v. l. ध्न्यो) रक्ष्यते धनदेन च MahāBhā. v. 112. 4 (Nīlakaṇṭha अज एकपात् पूर्वप्रोष्ठपदा देवता); ViṣṇuP. iii. 14. 9; पूर्वभाद्रपदे मोक्षो नास्ति दैवमजैकपात् ĪśānS'iPa. i. 45. 21; **3** name of one of the *muhūrtas* (divisions) of the night अजैकपादहिर्बुध्न्यः पूषाश्वियमदेवताः । ···एते रात्रेर्मुहूर्ताः स्युः क्रमोक्ता दश पञ्च च BrahmāṇḍP. ii. 3. 42; रात्रेस्तावन्त एव (अंशाः) हि । आद्यो रौद्रोऽथ गन्धर्वोऽजैकपादथ भास्करः । अहिर्बुध्न्योऽथ पूषापि KalpaK. 408. 30; **4** name of one of the (sacred) fires (also called S'ālāmukhīya) अजैकपादुपस्थेयः स वै शालामुखीयकः । अनुद्देश्यो-ऽप्यहिबु(? बु)ध्नः सोऽग्निर्गृहपतिः स्मृतः VāyuP. i. 29. 24; BrahmāṇḍP. i. 12. 25; MatsyaP. 51. 22; **5 i** one of the thousand names of S'iva (अष्टोत्तरसहस्रं तु नाम्नां शर्वस्य मे शृणु) अजैकपाच्च कापाली ··· भक्त्या स्तुतो मया MahāBhā. xiii. 17. 100; हरस्य ··· अष्टोत्तरसहस्रं तु नाम्नां शृणुत सुव्रताः । ··· अजैकपात् LiṅgaP. i. 65. 125; **5 ii** an epithet of Viṣṇu कश्यप उवाच नमोऽस्तु ते ··· एकशृङ्ग वराह ··· त्वमेव समुद्रवास अजैकपात्सहस्रशीर्ष सहस्रसंमित HariVaṁ. (Calcutta Ed.) 928. 1; **5 iii** one of the thousand names of Bālakṛṣṇa अजैकपात् ··· इत्येतत् कथितम् ··· नाम ··· विष्णोर्बालकत्वमुपेयुषः PañcaRā. (Nā.) iv. 8. 133.

अजैकपाद (ajaikapāda) *m.* **1 i** one of the thousand names of S'iva (अष्टोत्तरसहस्रं तु नाम्नां शर्वस्य मे शृणु) अजैकपाच्च(v. l. दः) कापाली ··· भक्त्या स्तुतो मया MahāBhā. xiii. 17. 100; **1 ii** name of one of the eleven Rudras विनता जनयामास रुद्रान् ··· अङ्गारकम्···अजैकपादाहिर्बुध्न्यधूमकेतुध्वजा-स्तथा।··· एकादशैते कथितास्तव रुद्राः ViṣṇuDhaP. i. 128. 42; एकस्तेषां मृग-व्याधः ··· । अजैकपाद इत्युक्तः पञ्चमः ··· । ईश्वरो दशमः प्रोक्तः कपाली चान्तिम-स्तथा SkandP. vi. 277. 3; **2** name of Viṣṇu(?) अजैकपादाय बलिं छागं दद्यात् ViṣṇuDhaP. ii. 99. 78; **3** name of the son of Vasuśarman (through the grace of Rudra) (having one foot as of a goat) अजस्येव पदश्चैको द्वितीयो नरवत्ततः । अजैकपाद इति स प्रसिद्धोऽभून्महीतले BhaviP. 565A. 10 (iii(4). 11. 64); *n. m.* name of the constellation Pūrvā Bhādrapadā अजैकपादे नक्षत्रे प्राजापत्ये न तत्समम् BhaviP. 824B. 7 (iv. 145. 21); 'अजैकपादं' पूर्वभाद्रपदा CaturCin. iii(2). 643. 19; अजैकपादोऽजपात् । पूर्वप्रोष्ठपदर्क्षकम् JātaPā. 9. 44.

अजैकपादऋक्ष (ajaikapāda-ṛkṣa) *n.* the constellation Pūrvā Bhā-drapadā अजैकपादऋक्षं पूर्वभाद्रपदानक्षत्रम् CaturCin. iii(1). 175. 9.

अजैकपाददेवत्य (ajaikapāda-devatya) *n.* the constellation Pūrvā Bhādrapadā (*lit.* having Ajaikapāda as the presiding deity) अजैकपाद-देवत्यं पूर्वभद्रपदा स्त्रियाम् KalpaK. 401. 197.

अजैकपाददैवत्य (ajaikapāda-daivatya) *n.* the constellation of Ajaikapāda = पूर्वभाद्रपदा [pw.]

अजैकपादर्क्ष (ajaikapādarkṣa) *n.* the constellation Pūrvā Bhādra-padā अजैकपादर्क्षे । यदि वर्षति पर्जन्यः प्रावृट् शस्ता BṛSaṁ. 26. 14; वासवाजैक-पादर्क्षे पितॄणां तृप्तिमिच्छताम् । वारुणे वाप्यमावस्या देवानामपि दुर्लभा ViṣṇuP. iii. 14. 9; SkandP. v(1). 16. 18; VarāP. 13. 38.

अजैकपादृक्ष (ajaikapād-ṛkṣa) *n.* the constellation Pūrvā Bhādra-padā अजैकपादृक्षं पूर्वभाद्रनक्षत्रम् SmṛtiCan. v. 35. 15.

अजैकभ (ajaika-bha) *n.* the constellation Pūrvā Bhādrapadā अजैकपे (v. l. भे) द्यूतजीविनां पीडा (शुक्रे) BṛSaṁ. 9. 34.

अजैडक (ajaiḍaka) *n.* [in *gavāśvagaṇa* GaṇPā. 73. 5; P. ii. 4. 11; CāndraVyā. ii. 2. 57; SaraKaṇṭhā.(Gr.) iii. 3. 38; GaṇRa. 2. 130]; **i** group of she-goats and ewes दुहन्तश्चाप्यजैडकम् । गोषु नष्टासु पुरुषा भविष्यन्ति युगक्षये MahāBhā. iii. 188. 21; **ii** group of goats and sheep अजैडकं खरोष्ट्रं च पाल-यिष्यन्ति HariVaṁ. 117. 34.

अजैडकादि (ajaiḍakādi) *adj.* goat, sheep etc. केचिज्जातिस्वभावतः (क्षुद्रकाः) अजैडकादयः ManuBh. ii. 200. 2 (*on* 8. 297); पशूनां चाजैडकादीनां (हरणे) ManuBh. ii. 209. 11 (*on* 8. 325)

अजैन (ajaina) *m.* name of a man तथा मा(म)हत्तरगोयाससुतअजैनः EI. ix. 6. 33.

अजैमिनीय (a-jaiminīya) *adj.* not approved or taught by Jaimini कार्यार्थिताप्रतिज्ञानं पुनरशाबरमजैमिनीयं च Kāśi. i. 67. 14 (*on* 2. 21)

अजैलक (ajailaka) *n.* **i** goat and ram आहारयामास ··· अजौरभ्रं च सुभृशम् (v. l. अजैलकं च सुकृतम्) MahāBhā. iv. 14. 8; **ii** things made

of the wool of goats and rams अजैलकस्य च दशभाग: पञ्चदशभागो वा Arth-S'ā. i. 277. 2 (2. 22) (comm. अजैलकस्य अजैलकालोमजस्य)

अजोक्ति (ajokti) *f.* decree or order of the Unborn One (i. e. Brahman) मुग्काभावस्त्वजोक्त्या द्रुततरगतये स्वैरमायोधनादौ (करिणाम्) Māta-Lī. 1. 39.

अजोक्षन् (ajokṣan) *m.* goat and bull or ox अजोक्षा चन्दनं वीणा आदर्शो मधुसर्पिषी । ··· गृहे स्थापयितव्यानि MahāBhā. v. 40. 9 (BhārBhāDī. अजेन सहित उक्षा)

अजोगन्ध (ajogandha) *m.* **i** name of S'iva (at the holy place Prabhāsapaṭṭaṇa in Saurāṣṭra) अजोगन्धस्य देवस्य पूर्वमाराधितस्य च । प्रासादं कारयामास SkandP. vii(1). 294. 12; **ii** name of a Tīrtha अजोगन्धश्च पार्थिव । एते चान्ये···पुण्यसंकीर्तना: शुभा: । तोयैस्त्वामभिषिञ्चन्तु ViṣṇuDhaP. ii. 22. 150.

अजोगन्धसमीपतस् (ajogandhasamīpa-tas) *adv.* near the holy place called Ajogandha (Prabhāsapaṭṭaṇa in Saurāṣṭra) तस्मिन् कुण्डे तु विन्यस्य अजोगन्धसमीपत: SkandP. vii(1). 294. 16.

अजोदर (ajodara) *m.* name of one of the soldiers of Skanda (शृणु नामानि चान्येषां येऽन्ये स्कन्दस्य सैनिका: ।) अजोदरो गजशिरा: MahāBhā. ix. 44. 56.

अजोदरभव (ajodara-bhava) *adj.* (hair) growing on the belly of a goat लेखनी त्रिविधा ज्ञेया स्थूला सूक्ष्मा च मध्यमा । ··· विन्यसेच्छङ्कुम्··· । तत्र संयोजयेत्पुन: । स्थूलायां वत्सकर्णोत्थमजोदरभवं परे S'ilpaRa. i. 46. 55.

अजोदुम्बरफला (ajodumbaraphalā) *f.* name of a plant [pw]

[1]अजोद्भव (ajodbhava) *adj.* which is the source of *aja* or *ajā* (the Unborn One, viz. Viṣṇu, S'iva, Brahmā, or Māyā) (लिङ्गं स्मरामि) षड्विंशकमजोद्भवम् LiṅgaP. i. 1. 23; नारायणश्च भगवान् तुष्टाव च कृताञ्जलि: । ब्रह्मा च मुनय: सर्वे पृथक् पृथगजोद्भवम् LiṅgaP. i. 100. 50; ततो वर्षसहस्रान्ते द्विधाकृतमजोद्भवम् । अण्डमप्सु स्थितम् LiṅgaP. i. 17. 67 = S'ivaP. ii(1). 8. 22 (46B. 9)

[2]अजोद्भव (ajodbhava) *adj.* (meat) of a goat आविकं तरसं रुच्यं लघुक्रव्यमृ(म)जोद्भवम् Mānaso. iii. 13. 1418.

अजोपगत (ajopagata) *adj.* occupying the zodical sign Aries कर्किवृषाजोपगते चन्द्रे लग्ने धनी सुरूपश्च LaJāta. 10(6). 5.

अजोपचारकुशल (ajopacāra-kuśala) *adj.* expert in attending to the goats अजोपचारकुशले पुंसि स्यान्मलहारक: NānārthāSaṁ. iii. 99. 76.

अजोपम (ajopama) *adj.* like the Unborn One (i. e. Nārāyaṇa) यशश्च ते दिक्षु रजश्च सैनिका वितन्वतेऽजोपम दंशिता युधा Kāvyāda. 3. 60.

अजोर्जित (ajorjita) *adj.* strong like the Unborn One (i. e. Vāsudeva) विभातिरामा परमा रणस्य विभाति ··· । सदैव तेऽजोर्जित ··· Vāgbhaṭā. 4. 26 (comm. अजो वासुदेव: तद्वद् बलिष्ठ:)

अजोषा (á-joṣā) *adj.* (*f.*) unsatiated, unsatisfied असृग्रमिन्द्र ते गिर: प्रति त्वामुदहासत । अजोषा वृषभं पतिम् ṚV. i. 9. 4.

अजोषित (a-joṣita) *adj.* not worshipped, not pleased अजोषितस्य जोषणं कर्तव्यम् S'ābaBh. 1683. 4 (*on* ix. 1. 37); 1683. 8 (*on* ix. 1. 37)

अजोष्य (á-joṣya) *adj.* unsatisfied मा वो मृगो न यवसे जरिता भूदजोष्य: ṚV. i. 38. 5.

अज्ग्रहण (aj-grahaṇa) *n.* **A** mention of the (Pratyāhāra) *ac* प्रत्याहारेऽनुबन्धानां कथमज्ग्रहणेषु न MahāBh. i. 32. 13 (*on* i. 1. 0) = Cāndra-Vṛ. *on* Pratyāhārasūtra 4; अज्ग्रहणस्याप्रत्युदाहरणमेव Nyās. i. 108. 6 (*on* i. 1. 57); ज्ञापकं चात्र अचो यत् इत्यज्ग्रहणम् PariVṛ.(Sī.) 82. 12; 91. 8; 144. 10; इकोऽचीत्यज्ग्रहणं व्यर्थं स्यात् PrakriKau. i. 200. 2; i. 201. 2; Prasā. i. 199. 22; i. 200. 9; तेषामज्ग्रहणेन ग्रहणं कस्मान्न LaS'abdeS'e. i. 10. 2; **B** mention of the suffix *ac* (in the Sūtra) अज्ग्रहणे णज्ग्रहणं मा भूत् MahāBh. ii. 208. 10 (*on* iv. 1. 15)

अज्ग्रहणसामर्थ्य (ajgrahaṇa-sāmarthya) *n.* force of the use of the word *ac* (Pratyāhāra) अज्ग्रहणसामर्थ्याद्यदेव भवति MahāBh. ii. 82. 9 (*on* iii. 1. 97); अज्ग्रहणसामर्थ्यादूसदृशोऽजित्यर्थे LaS'abdeS'e. i. 23. 14.

अज्ग्रहणानर्थक्य (ajgrahaṇānarthakya) *n.* futility of the use of *ac* (Pratyāhāra) इको यणचीत्यत्राज्ग्रहणानर्थक्यं स्यात् VaiyāBhū. 152. 23 (*on* 30)

अज्ग्रहणानुवृत्ति (ajgrahaṇānuvṛtti) *f.* carrying over of the word *ac* (from the previous Sūtra) तस्मादज्ग्रहणानुवृत्तिसामर्थ्यादजेव योऽज् न कथंचन हल् तत्रैव दीर्घत्वं विज्ञास्यते Nyās. i. 60. 18 (*on* i. 1. 10); यदि त्वज्ग्रहणानुवृत्तिसामर्थ्यादच इत्येवं विहिता या वृद्धिस्तस्या: प्रतिषेधो विज्ञायेत Pradī. vi. 96. 19 (*on* vii. 2. 3); अज्ग्रहणानुवृत्तिनिराकरणवाद्यपवादं पठति Prasā. i. 68. 14.

अज्जक (ajjaka) *m.* name of a person क्षतोऽप्युदयराजाख्य: क्षत्तायु:शेषसत्तया । प्राणैर्नियोगभागाजौ नाज्जकोऽपि व्ययुज्यत RājTa.(Ka.) 7. 1481; 8. 324; 8. 472.

अज्जकात्मज (ajjakātmaja) *m.* son of Ajjaka तन्वङ्गपौत्रष्टुल्लाख्यस्तं जगादाज्जकात्मज: RājTa.(Ka.) 7. 1033.

अज्जटा (ajjaṭā) *f.* the plant *Flacurtia cataphracta* (*bhūmyāmalakī*) तामलक्यज्झटा (v. l. अज्जटा) ParyāRaMā. 122.

अज्जभट्ट (ajja-bhaṭṭa) *m.* name of a Brāhmaṇa वासिष्ठगोत्रस्य नारणभट्टप(पु)त्रस्य अज्जभट्टस्य वृत्तिरेका EI. xxi. 21. 55.

अज्जंभट्ट (ajjam-bhaṭṭa) *m.* name of a Brāhmaṇa भारद्वाजगा(गो)त्रस्य अज्जंभट्टपुत्रस्य महादेवभट्टस्य वृत्तिरेका EI. xxi. 21. 67; भारद्वाजगोत्रस्य अज्जंभट्टपुत्रस्य क(के)शवभट्टस्य वृत्तिरेका xxi. 22. 76; भारद्वाजगोत्रस्य अज्जंभट्टपुत्रस्य जानुभट्टस्य वृत्तिरेका xxi. 22. 77.

अज्जराज (ajja-rāja) *m.* name of a king स प्रभावं दर्शयितुं प्राप्तस्य विजयेश्वरम् । अज्जराजस्य सेनायां व्यावृत्य प्रस्थितोऽभवत् RājTa.(Ka.) 8. 748.

अज्जलोणि (ajjaloṇi) *m.* name of a village अपरत: अज्जलोणिग्रामसीमा EI. x. 87. 42.

अज्जुका (ajjukā) *f.* [Prakritization of *āryakā*, MAYR. 1. 545] **i** an elderly lady, queen, mistress (a term of respect) आर्यपुत्र विज्ञापयत्यज्जुका देवदत्ता PadmPrā. 4. 6; तेन गीतकेन शिथिलीकृतमानपरिग्रहास्मदज्जुका ··· पादचारेणैवास्मद्भर्तृदारकगृहमभिप्रस्थिता Ubhayābhi. 14. 13; अज्जुकारूपया तुभ्यमात्मा संदर्शितो मया BṛKathāS'loSaṁ. 14. 116; **ii** term of address for courtesan (in dramas) अज्जुकेति च वक्तव्या वेश्या परिजनेन च NāṭyaS'ā. 17. 92; नाट्योक्तौ गणिकाज्जुका AmaK. 384; समा हलेति प्रेष्या च हञ्जे वेश्याज्जुका तथा ···शब्द्यते DaśRū. 2. 70; नाद्याज्जुके भुज्यते SaraKaṇṭhā. 536. 8; गणिका पुनरज्जुका Vaija. 144. 104; ParyāS'aRa. 1. 156; गणिकाज्जुका AbhidhāCin. 334; शब्द्यते वेश्याज्जुकेति वृद्धा तु सात्ता तुल्या स्त्रिया हला NāṭyaDa. 210. 25 (200); वारयोषिज्जनस्याख्या भृत्यैरुक्ता तथाज्जुका NāṭaLaRaK. 2227; गणिकाथवा । वार्तासु सर्वदा काममज्जुकेत्यभिधीयते BhāvPra.(S'ā.) 271. 20(9); भाष्यते । ···गणिका त्वज्जुकाख्यया RasāSu. 300. 16 (3. 309); प्रेष्या हञ्जे वेश्याज्जुका तथा SāhiDa. 332. 8; S'abdaRa.(Vā.) 1899; अज्जुकानुचरैर्वेश्या वाच्या KośaKaTa. 1. 1749; SāhiSā. 3. 76; **iii** mother-in-law (a term of address in dramas) अम्बा माताज्जुका श्वश्रूरन्तिका भगिनीसुता NāṭaLaRaK. 2196; भर्तृमाताङ्गनाभिर्वा चेटीभिर्गणिकाथवा । वार्तासु सर्वदा काममज्जुकेत्यभिधीयते BhāvPra.(S'ā.) 271. 20(9); SāhiSā. 3. 76.

अज्जू (ajjū) *f.* mother अज्यते प्राप्यते पुत्रै: अज्जू: जननी Nārāyaṇa on Uṇādi (Bhoja.) 1. 79.

अज्झ (ajjha) *m.* the tree *Acacia catechu* or *Mimosa catechu* खदिरो गायत्र्याह्व:···प्रोच्यते बालपत्रोऽज्झो बाल: कुटिलकण्टक: AbhidhāMañ. 69. 11.

अज्झटा (ajjhaṭā) *f.* the plant *Flacourtia cataphracta* cf. **अजटा,** झटामलाज्झटा ताली शिवा तामलकीति च AmaK. 902; तामलक्यज्झटा सूक्ष्मफला क्षेत्रामलक्यपि ParyāRaMā. 7. 122; भूम्यामलक्यसौ । तामलक्यज्झटा ParyāMu. 13. 14; अज्झटा चणकं हन्यादार्द्रकं लाङ्गलीविषम् ĪśānS'iPa. i. 40. 158; i. 45. 126; S'abdaRa.(Vā.) 1303; AbhidhāMañ. 241. 12; 259. 13; S'abdaRa.(Su.) 4. 171.

अज्झटासंज्ञस्तम्ब (ajjhaṭāsañjña-stamba) *m.* bush called *ajjhaṭā* सेव्या नीवारधान्यके । वन्दाकेऽप्यज्झटासंज्ञस्तम्बे NānārthāSaṁ. i. 175. 1555.

अज्झल् (aj-jhal) *n.* (Gr.) vowels and consonants अज्झलिति समाहारद्वन्द्वं कृत्वा आपदेन द्वन्द्वे तु LaS'abdeS'e. i. 37. 7.

अज्झल (ajjhala) *n.* shield अज्झलं (v. l. अड्डनं) फलकं चर्म AbhidhāCin. 783.

अज्झलादेश (ajjhalādeśa) *m.* (Gr.) substitute for a vowel and a consonant अज्झलादेशस्याप्यजादेशव्यपदेश: PariVṛ.(Sī.) 155. 1.

अज्झलादेशत्व (ajjhalādeśa-tva) *n.* the nature of being a substitute for a vowel and a consonant उत्तरपदलोपे तु अज्झलादेशत्वेन स्थानिवत्त्वाभावात्तुल्यावधिकया भसञ्ज्ञया पदसञ्ज्ञा बाध्यते LaS'abdeS'e. ii. 379. 3.

अज्झल्त्व (ajjhal-tva) *n.* (Gr.) the state of being a vowel and a consonant अज्झलो: प्रतिषेधे शकारप्रतिषेधोऽज्झल्त्वात् Vār. 1. *on* P. i. 1. 10; आकारहकारयोरज्झल्त्वात्···मूर्धन्यो नास्ति PariVṛ.(Sī.) 35. 16.

अज्झल्भिन्न (ajjhal-bhinna) *adj.* different from vowels and consonants अज्झल्भिन्नं तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णसंज्ञं भवति PāṇiTaVāNaMā. 48. 10.

अज्झल्समुदाय (ajjhal-samudāya) *m.* group of vowels and consonants अज्झल्समुदायरूपं पदमनुदात्तगुणयोगादनुदात्तमिति सामानाधिकरण्येन निर्देश उपपद्यते Pradī. v. 143B (*on* vi. 1. 158); यङोऽचि च इति ह्यज्झल्समुदायस्य लोपे कृते PariVṛ.(Sī.) 153. 5; अत्र त्वज्झल्समुदायेन व्यवधानमिति वृद्धिर्न Prasā. ii. 60. 21; द्विर्वचनं तु धात्ववयवस्याज्झल्समुदायस्य PāṇiTaVāNaMā. 73. 18.

अज्झल्समुदायत्व (ajjhalsamudāya-tva) *n.* the state of being a group of vowels and consonants उत्तरपदस्याज्झल्समुदायत्वात्तल्लोपस्यानजादेशत्वात् Pradī. iv. 401A (*on* v. 3. 84); vii. 145 (*on* viii. 2. 88)

अज्झल्साधारण (ajjhal-sādhāraṇa) *adj.* common to vowels and consonants स्वरितत्वम् ··· अज्झल्साधारणम् ··· अविक्रियमाणपदघटकाज्झिष्ठं वा LaS'abdeS'e. i. 65. 1.

अज्झि (aj-jhi) *adj.* (Gr.) (stem) after which the suffix *jhi* undergoes the change *at* (i. e. is reduplicated) नाज्झेः शतुः CāndraVyā. v. 4. 32; अज्झेश्शतुः S'ākaṭāVyā. i. 2. 14; i. 4. 107; iv. 2. 47.

अज्झितदेवी (ajjhita-devī) *f.* name of the queen of king Vyāghra and mother of king Jayanātha महाराजव्याघ्रः। तस्य पुत्रस्तत्पादानुध्यातो महादेव्यामज्झितदेव्यामुत्पन्नो महाराजजयनाथः EI. xix. 129. 5.

अज्झितभट्टारिका (ajjhita-bhaṭṭārikā) *f.* name of the queen (of Narendrasena) नरेन्द्रसेनस्य सूनोः कुन्तलाधिपतिसुताया[म्] महादेव्यामज्झितभट्टारिकायामुत्पन्नस्य ··· महाराजश्रीपृथिवीषेणस्य EI. ix. 271. 31.

अज्झुल (ajjhula) *m.* burning coal, live coal अङ्गारः कोकिलाज्झुलौ TrikāS'e. i. 1. 69.

अज्ञ (a-jña) *adj.* [*f.* -ā] [Debru. p. 77] **1** not knowing, not knowing (what should be known), not knowing (the highest self or the real state of affairs), not versed (in a particular branch of knowledge), not proficient, inexperienced, having one-sided view, totally ignorant, knowing a little, not taught (the Mantras) ऋचां मूर्धानम् ··· अथर्वणां मुण्डमुण्डम्। नाधीतेऽधीते वेदमाहुस्तमज्ञम् S'āṅkhāĀ. 14. 1 (47. 16); ज्ञाज्ञौ द्वावजावीशनीशौ S'vetāU. 1. 9; अज्ञो जन्तुरनीशोऽयमात्मनः सुखदुःखयोः MahāBhā. iii. 31. 27; न बुद्धिभेदं जनयेदज्ञानां कर्मसङ्गिनाम् MahāBhā. vi. 25. 26; क्षेत्रज्ञो विशरीरश्च ज्ञो वा स्यादज्ञ एव वा BuddhaC. 12. 80; अज्ञो भवति वै बालः पिता भवति मन्त्रदः। अज्ञं हि बालमित्याहुः ManuSm. 2. 153; 4. 194; किमज्ञो ज्ञः स नित्यः किम् (पुरुषः) CaraS. iv. 1. 4 (1941 Ed.); विकलो वा भवत्यज्ञैरुपक्रान्त इवातुरः BhelaS. 15. 10 (1. 9); 19. 2 (1. 17); अज्ञं कर्माणि लिम्पन्ति तज्ज्ञं कर्म न लिम्पति S'atTrayī. 358; 360; किं ज्ञश्चाज्ञश्च सर्वो वाचयितव्यः S'ābaBh. 1121. 3 (*on* iii. 8. 18); अज्ञा गुणैः प्रवर्तन्ते रजःसत्त्वतमोऽभिधैः BrahmāṇḍP. iii. 4. 23; यथा चाज्ञेऽफलं दानं तथा विप्रोऽनृचोऽफलः ParāSm. 8. 18; BṛParāSm. 2. 49; ज्ञे च ज्ञातरि वेदार्थविदि अज्ञे च कुतार्किकादौ ··· विशेषानभिज्ञः BālaKrī. ii. 57. 13 (*on* 3. 143–145 (? 153–155)); तद्वशेन पश्चाद्व्यवस्थाप्यते। विकारदर्शनेनेव विषमज्ञैः PramāVāSvopVṛ. 66. 14; आरभन्तेऽल्पमेवाज्ञाः कामं व्यग्रा भवन्ति च S'iśuVa. 2. 79; Kāvyālaṅ. (Bh.) 1. 3; अज्ञो वा यदि वा विपर्ययगतः ··· यस्तस्य गोप्ता गुरुः MahāvīC. 3. 35; वृद्धेभ्यो न च तद्बोधस्तेऽपि ह्यज्ञाः स्वतः स्थिताः TattvSaṁ. 2773; NyāyVi. 2. 67; यच्च अज्ञैरलसतया अकर्तृत्वाभ्युपगमः ChāndoUBh. 128. 16 (*on* ii. 23. 1); अथ एवमज्ञः सन् ··· अनुशिष्टोऽसीति अवोचथाः ChāndoUBh. 278. 6 (*on* v. 3. 4); S'vetāUBh. 102. 2 (*on* 1. 2); यस्तु अज्ञः देही देहेन्द्रियसंघातमात्रात्मदर्शी GītāBh. (S'aṅ.) 165. 1 (*on* 5. 13); कुम्भकः प्राणसंयमः। अयं चापि प्रबुद्धानामज्ञानां घ्राणपीडनम् AparoAnu. 120; स्थाणुं संभावयत्यज्ञो न तु दृष्टं तमो विना BṛĀraUBhVā. (Sambandha.) 116; 234; 283; 1026; उक्तं ब्रह्मविदाप्नोति परं नाज्ञोऽसदाश्रयः TaiUBhāVā. 114. 4(2); IṣṭaSi. 71. 22; अज्ञोऽहमित्यवगतिर्न परस्य पुंसः SaṁkṣeS'ā. 2. 178 (ii. 108. 18); ParāTri. 279. 3; भवति च चतुष्प्रकारः पुरुषः अज्ञः संदिग्धो विपर्यस्तो निश्चितमतिश्चेति। ··· अमुना शास्त्रेणाज्ञस्य ज्ञानमुपजनयति NyāyMañ. i. 5. 16; अथवा अज्ञा अनात्मज्ञाः शास्त्रानवगतात्मतत्त्वाः ManuBh. i. 527. 15 (*on* 6. 84); KulārT. 2. 111; आरभन्तेऽल्पमेवाज्ञाः Hitopa. 3. 118; अज्ञस्य जन्तोः पलिताङ्कुरेक्षणं भवेन्मनोभङ्गकृते न धीमतः YaśasCam. i. 255. 5; ii. 139. 1; SubhāRaSaṁ. 16; जागर्त्यपि स्वपन्नज्ञः स्वप्ने जागरणं यथा BhāgP. xi. 13. 30; i. 3. 37; i. 8. 19; AgniP. 346. 2; अज्ञा जानन्ति विश्वेशं पाषाणादिषु सर्वतः BṛNāraP. 2. 48; 7. 77; भोगाभ्यासजडेनाज्ञो मुग्धस्य मनसा यथा YogVā. iii. 106. 8; ii. 19. 15; Bhām. 75. 2 (*on* i. 1. 3); अज्ञानामेकमार्गदृश्वनां चासंशयाद् बहुविदां वाक्यार्थनिर्णये संशयान्न मतिरुपजायते Kāśi. i. 58. 17 (*on* 1. 128); NyāyRa. 44. 8 (*on* 1. 127); LakṣmīT. 24. 51; Suvṛti. 2. 24; SaraKaṇṭhā. 393. 21; परमपुरुषोऽप्यज्ञ इति पक्षे GītāBh. (Rā.) 63. 3 (*on* 2. 12); अज्ञ एवमुपदेशलब्धज्ञानरहितः GītāBh. (Rā.) 282. 9 (*on* 4. 40); मधुद्विषं राधा। अज्ञेव पृच्छति कथां शंभोर्दयितार्धतुष्टस्य ĀryāSaS'a. 508; ब्रह्मैवाज्ञमुपाधिसंबद्धं चेति सर्वश्रुतिस्मृतिन्यायविरोधोऽन्येषाम् VedāntSā. (Rā.) 22. 1 (*on* i. 1. 2); VedāntDī. 30. 9 (*on* i. 2. 3); किं जीवः परमात्मनोऽत्यन्तभिन्नः उत परमात्मैवाज्ञः VedāntDī. 128. 13 (*on* ii. 3. 42); VedāSaṁ. 73. 3; 75. 7; Kiraṇā. 95. 15; DevīBhāP. iii. 26. 40; vii. 17. 11; PadmP. ii. 67. 26; ĀdiP. 5. 10; आचक्षते तयोर्भेदमज्ञा न परमार्थतः SaurP. 2. 17; 3. 3; AdhyāRā. i. 5. 57; iii. 7. 19; सहस्व मे तदज्ञस्य निह्नुते दोषमज्ञता TriṣaS'aPuC. i. 4. 184; BrahmSūBh. (Ma.) 4B. 2 (*on* i. 1. 4); AnuVyā. 17A. 1 (*on* 2. 1); TattvPradī. (Ci.) 10. 10; PārśvC. 2. 700; PrabhāC. 164. 29; S'rutaPra. iA. 246. 25 (*on* i. 1. 1); अज्ञानां ध्यानोचितज्ञानशून्यानाम् ManvaVi. 745. 9 (*on* 6. 84); न त्वज्ञानां वेदहेत्वादिज्ञानशून्यानाम् ManvaVi. 1534. 10 (*on* 12. 113); अज्ञेभ्योऽत्यन्ताज्ञेभ्यः ManvaVi. 1528. 1 (*on* 12. 103); SūktiRa. 35. 34; S'aṅkaVi. (Ā.) 13. 12; S'atDū. 53. 9; वस्त्राभासस्थितान् वर्णान् यद्वदाधारवस्त्रगान्। वदन्त्यज्ञाः PañcDa. 6. 8; NyāyMāVi. 209. 7 (*on* iii. 8. 9); TattvPrakā. 142B. 10 (*on* iii. 1. 13); अज्ञो विप्रतिपन्नः संदिग्धो ना शास्त्रे अधिकारी स्यात् NyāySu. (Ja.) 64B. 12 (*on* i. 1. 1); VedāntPāSau. 113. 8 (*on* i. 3. 43); VedāntKau. 235. 25 (*on* ii. 3. 42); 386. 24 (*on* iv. 1. 3); BrahmSūBh. (S'rī.) ii. 141. 6 (*on* ii. 3. 19); अहमज्ञ इत्याद्यनुभवाच्च अज्ञानमात्मेति वदतः VedāntSā. (Sa.) 19. 8; SarvaDaKau. 125. 7; ईषदध्ययना अज्ञाः ManvaMu. 521. 9 (*on* 12. 103); साधयति यत्प्रयोजनमज्ञस्तत् तस्य काकतालीयम् Subhāṣi. 401; अज्ञोऽपि तज्ज्ञतामेति शनैः शैलोऽपि चूर्ण्यते Subhāṣi. 2679; 3523; कश्चित्तु व्याचष्टे शून्यं तत्त्वमित्यज्ञानां कुत्सितवादमात्रं न पुनरत्र युक्तिरस्ति SāṁkhyaPraBh. 22. 1 (*on* 1. 45); 27. 24 (*on* 1. 57); भक्तिरसस्य प्रस्तुतिः ··· अज्ञेनापि मयास्य क्रियते BhaktiRaSi. i. 1. 6 (but comm. दैन्येऽपि न विद्यते ज्ञो यस्मात्तेनेति ज्ञेयम्); StavMā. 88. 12; CaitaCa. 102. 20(4); ज्ञाज्ञौ सर्वज्ञकिञ्चिज्ज्ञौ S'ivārkaMaDī. i. 124. 21 (*on* i. 1. 2); SiddhāTa. 4. 26; अज्ञ एव वाजपेयादावधिकारी BhāṭṭDī. ii. 69. 6 (*on* iii. 8. 8); VīraMi. (Bhakti.) 54. 20; कामं यन्मौलिरज्ञानां कम्पते कविसूक्तिषु Gaṅgāva. 1. 25; 8. 94; सर्वमद्भुतमज्ञानां जानतां तु न किंचन SabhāS'. 10; SiddhāTaVi. 30. 19; सुखेन चिकित्सितुं शक्यः (*on* अज्ञश्चाश्रद्दधानश्च) Nīlakaṇṭha on MahāBhā. vi. 28. 4 (Bombay Ed.); SarvaMaSaṁ. 11. 10; Ḍamaru. 13(6); LalitāSaBh. 161. 11 (*on* 202); Bhāsk. i. 18. 20 (*on* i. 1. 1); GoviBh. 17. 7 (*on* i. 1. 12); VedāntSiSūMañ. 1. 73; **2** foolish, stupid, unwise, not careful, not exercising judgement, silly, childish न जानीषे पुरा त्वं तु (v. l. अज्ञोऽसि त्वं पुरा मूढ) MahāBhā. vii. 98. 5; आत्मोदरकृतेऽथाज्ञः करोति विघसं बहु MahāBhā. xii. 24*; कामार्थमज्ञः कृपणं करोति BuddhaC. 11. 34; सशेषमातुरं कुर्यान्नत्वज्ञमतमौषधम् CaraS. i. 1. 126 (1922 Ed.); i. 9. 13 (1922 Ed.); i. 11. 51 (1922 Ed.); तदेवान्नमज्ञेन सेव्यमानममात्रया···कुरुते मदम् SuśruS. vi. 47. 9; AtriS. 144; यदाढ्याना(v. l. यदज्ञाना)मग्रे द्रविणमदनिःसंज्ञमनसाम् S'atTrayī. 168; अज्ञः सुखमाराध्यः S'atTrayī. 8; Hitopa. 4. 104; SūktiMu. 29. 23; S'ārṅgaPa. 208; Subhāṣi. 393; एरण्डभिण्डार्कनलैः ··· दारुकृत्यं यथा नास्ति तथा नाज्ञैः प्रयोजनम् Tantrākhyā. 10. 18; PañcT. 1. 48 (32. 8); Mṛccha. 1. 55 (14); Bṛhajjā. 18. 3; यश्चाज्ञः तस्य किं प्रतिपादयितव्यम् NyāyVār. 109. 13 (*on* i. 1. 31); तत्र कश्चिद् द्विष्टाज्ञधूर्तानामन्यतमः स्यादपीत्यनाश्वासः PramāVāSvopVṛ. 113. 24; मया पुनरेभ्य एवाभिद्रुग्धमज्ञेन UttaRāC. 6. 13(2); अज्ञानाम् अविवेकिनाम् GītāBh. (S'aṅ.) 97. 17 (*on* 3. 26); अविचारितरमणीयं सर्वमुदुम्बरफलोपमं भोग्यम्। अज्ञानामुपभोग्यम् SarvaVeSāSaṁ. 42; विदधति गुरुपक्षोत्सेकमज्ञा जलानाम् (मत्स्याः) HarVi. 41. 40; SaṁkṣeS'ā. 1. 268 (i. 205. 2); ManuBh. i. 154. 5 (*on* 2. 153); ii. 483. 25 (*on* 12. 102); वानरानुपदिश्याज्ञान्स्थानभ्रंशं ययुः खगाः Hitopa. 3. 5; छन्नकामसुखार्थाज्ञस्वतन्त्राहंयुपण्डकान्। रक्तेव रञ्जयेत DaśRū. 2. 22; मूढामज्ञाम् JayaMa. 285. 23 (*on* 5. 4); तद्यानृण्यमुपैम्यज्ञ मित्राणां मित्रवत्सलः BhāgP. x. 78. 6 (but comm. S'rīdhara न विद्यते ज्ञो यस्मात्); iii. 3. 4; iii. 18. 3; मया ज्ञातं शंकराय सुतां दातुं त्वमिच्छसि। ···अज्ञायानाथायाबन्धवे BrahmVaiP. iv. 41. 22; BṛNāraP. 4. 12; अज्ञो जनस्त्यजति लब्धमपीह रत्नं काचेन तुल्यमिति DharmoPra. 257. 25; कालः कलिर्जगदिदं न कृतज्ञमज्ञे SaraKaṇṭhā. 437. 14 = Kuval. 90(22); स्वपन्त्यज्ञा हि निश्चेष्टाः कुतो निद्रा विवेकिनाम् KathāSaSāg. vi. 6. 60; SaurP. 48. 4; DevīBhāP. i. 11. 52; NāraS. 15. 12; NaiṣC. 3. 64; जानन्ति नैवं हृदये स्थितं वै चामीकरं कण्ठगतं यथाज्ञाः AdhyāRā. i. 1. 21; VasiS. 16. 12; SaduktiKa. 307. 17; बालग्रहणमुपनीतादेरप्यज्ञस्य निवृत्त्यर्थम्। अज्ञेऽपि बालशब्दप्रयोगदर्शनात् CaturCin. iii(1). 1486. 12; RasāSu. 29. 11 (1. 114); RājNiRa. 46. 17; नृपसमितावज्ञेन स्वोरुस्तेनाहतः (दुर्योधनेन) YudhiVi. 4. 17; बालिशोऽज्ञः ManvaMu. 122. 12 (*on* 3. 176); अज्ञो न वितरत्यर्थान् पुनर्दारिद्र्यशङ्कया Subhāṣi. 2977; वनिता नितान्तमज्ञा स्वाज्ञामुल्लङ्घ्य वर्तते यदि सा PraboSu. 34; हारं वक्षसि केनापि दत्तमज्ञेन मर्कटः। लेढि जिघ्रति RasGaṅ. 542. 6; 457. 5; SiddhāTaVi. 92. 24; अज्ञस्त्वं प्रतिपक्षराक्षसमुखे मोहात् पदं मा कृथाः MahāN. 6. 109; **3** without consciousness, insentient, incapable of attaining any knowledge, lacking knowledge वत्सविवृद्धिनिमित्तं क्षीरस्य यथा प्रवृत्तिरज्ञस्य SāṁkhyaKā. 57; एवं पुरुषविमोक्षनिमित्तं प्रधानस्याज्ञस्य प्रवृत्तिः MāṭhVṛ. 73. 15 (*on* 57); अज्ञातमज्ञं वा शून्यं जडं वा यद्यविद्यया IṣṭaSi. 205. 4; सेयं बुद्धिरज्ञा सांख्यैः कल्पिता NyāyMañ. ii. 61. 20; यद्येवमज्ञं मनः Kiraṇā. 157. 5; न हि शकुनिसूत्रयोः ··· अज्ञप्राणादि-

नियामकयोस्तेनापहार्ययोश्चैक्यम् VisnuTaNi. 8B.7; ManvaVi. 214.23 (*on* 2.158); अज्ञेष्वपि द्रव्येषु शक्तिदर्शनात् NyāyPari. 504.20; **4** obstinate यो युक्तियुक्तमवमत्य विमूढबुद्धिः कष्टाग्रहो भवति तं विदुरज्ञमेव YogVā. iii. 7.45; **5** innocent तद् बालत्वाद् मया क्षान्तं बाला अज्ञा इति श्रुतिः MalliC. 7.163; या जन्मान्तरनन्दनम् । ऋजुरज्ञा मुनिं स्नेहात्प्रस्तुता प्रत्यलाभयत् S'āliC. 7.89; अज्ञानामपि बालानामार्जवं प्रीतिहेतवे KumāPraPra. 69.17; **6** confused सुयोधनः ··· मानसमापद्यज्ञं दधत्ततः पौण्डरीकमापद्यज्ञम् YudhiVi. 5.50 (comm. अज्ञं मूढं मानसं मनो दधत्); [Lexicons give the meanings: fool, non-sentient, lifeless, unintelligent, child, idle जडोऽज्ञः AmaK. 2101; मूर्खोऽज्ञो बालिशः ParyāRaMā. 1213; अज्ञो मातृमुखः प्रोक्तः AbhidhāRaMā. 2.222; Vaija. 202.21; अज्ञस्त्रिषु जडे मूर्खे TrikāS'e. iii. 3.89; AbhidhāCin. 352; Vis'vaPra. 35.1; अज्ञो मूर्खेऽर्भके द्वयोः AnekāK. 154; ParyāS'aRa. 1672; MediK. 34.1; NānārthaRaMā. 328; मूढे मूर्खवृथाजातमातृशिष्टाज्ञबालिशाः S'abdaRa.(Vā.) 3275; VisvaLoK. 72.1; देवानां प्रियमूर्खाज्ञमूढवैधेयपामराः KośaKaTa. 2.37; अज्ञोऽलसे मन्दमतौ च KośaKaTa. 2.4405; KalpaK. 33.120; S'abdaRaSaK. 82.1; Lexicons give अज्ञ as a meaning of मूढ AmaK. 2120; NānārthāSaṁ. i. 130.1020; मूर्ख AmaK. 2120; वैधेय AmaK. 2120; बालिश AmaK. 2120; 2771; NānārthaMa. 1823; यथाज्ञान AmaK. 2120; बाल AnekāSa. 229; AnekāSaṁ. 2.490; DharK. 2343; AnekāK. 807; मन्द Vaija. 235.60; S'abdaRa.(Vā.) 3953; पामर Vaija. 255.20; अनेडक TrikāS'e. iii. 2.4; किंपाक AnekāSaṁ. 3.22; MediK. 6.67; नालीक AnekāSaṁ. 3.52; AnekāK. 26; AnekāTi. 3.161; VisvaLoK. 19.105; S'abdaRaSaK. 20.1; बालक VisvaPra. 8.76; MediK. 11.29; मूक AnekāK. 19; मन्दवाच् NānārthāSaṁ. i. 122.929; पामर NānārthāSaṁ. ii. 44.41; मेल MediK. 160.43; शम् NānārthaMa. 1788; पशु S'abdaRa.(Vā.) 3918; पृथग्जन S'abdaRa.(Vā.) 4437; जड Anekā.(Pa.) 2986; ब्ल (*m.*) DvyaksaNā. 2.54; ध्र DvyaksaNā. 2.59; मुहिर KośaKaTa. 2.8004]

अज्ञक (ajña-ka) *adj.* [*f.* –ā, –ikā P. vii. 3.47] **i** ignorant, foolish विदुषामज्ञकानां वा प्रसादं कुरु नाथ नः PadmP.(Ra.) 88.21; तथा मायेन्द्रजालादिकुशलाः केचिदज्ञकम् । भ्रामयन्ति जनं येन सर्वज्ञाः प्रतिभान्ति ते TattvSaṁ. 3198; रिक्तः स्वर्गेणाकारि मानोऽज्ञकेन RāghPāṇ.(Dha.) 8.27; **ii** devoid or bereft of the wise उत्तरपदान्तोदात्तत्वे नञ्सुभ्यां समासान्तोदात्तत्वं वक्तव्यम् अज्ञकः MahāBh. iii. 136.17 (*on* vi. 2.143); तेनाज्ञकः सुज्ञक इत्यत्र कबन्तस्यैवान्तोदात्तत्वं भवति KāśiVr. on P. vi. 2.174; नास्य ज्ञो विद्यत इत्यज्ञकः Nyās. ii. 420.3 (*on* vi. 2.174); अज्ञकादौ तु कथं बाध्यते Pradī. v. 206B.11 (*on* vi. 2.143); नास्त्यस्य ज्ञः इति अज्ञकः PadaMañ. *on* KāśiVr. *on* P. vi. 2.174; Prasā. ii. 782.14; SiddhāKau. 654A.15.

अज्ञकर्मन् (ajña-karman) *n.* rite (performed) by an ignorant person यद्यप्यज्ञकर्मणो नाशशिरस्काल्पफलत्वम् TattvPrakā. 205A.7 (*on* iv. 1.18)

अज्ञकर्मफलत्याग (ajña-karmaphalatyāga) *m.* abandonment of the fruit of (all) rites by an ignorant person सर्वकामत्यागसामान्यम् अज्ञकर्मफलत्यागस्यास्ति GītāBh.(S'aṅ.) 347.15 (*on* 12.12)

अज्ञकृतकर्मन् (ajñakṛta-karman) *n.* rite performed by an ignorant person अज्ञकृतकर्मणोऽल्पफलत्वमुक्त्वा TattvPrakā. 204B.11 (*on* iv. 1.16)

अज्ञकृता (ajña-kṛtā) *adj.* (*f.*) prepared by an ignorant person अज्ञकृतायां च शिखरिण्यामहो शिखरिणीति न तज्ज्ञानां चमत्कारः । अपि तु दधिगुडमरिचं चैतदसमञ्जसयोजितमिति वक्तारो भवन्ति Loc. 221.21 (*on* 3.43)

अज्ञक्लृप्ता (ajña-klptā) *adj.* (*f.*) made by an ignorant person न खल्वतिशयं कंचिदियमाधातुमर्हति । सुमणावज्ञक्लृप्तेव स्तुतिरस्मत्कृता त्वयि Yādavā. 10.83.

अज्ञकोटिपतित (ajñakoṭi-patita) *adj.* fallen into the group of ignorant (persons) वयमज्ञकोटिपतिता मायी स तेनोच्यते SaṁkseS'ā. 3.101 (ii. 208.27)

अज्ञखण्डनकुगर्व (ajñakhaṇḍana-kugarva) *m.* false pride of refuting the ignorant अज्ञखण्डनकुगर्ववशाच्चन्द्रभास्करप्रभृतिभिर्निजतन्त्रे । आर्षसत्कृतिविरुद्धमबोधादीरितं श्रवणयोजनमानम् SiddhāTaVi. 41.13.

अज्ञगृहीतपादा (ajñagṛhīta-pādā) *adj.* (*f.*) whose feet are resorted to by the ignorant क्वाहं गुणप्रकृतिरज्ञगृहीतपादा BhāgP. x. 60.34.

अज्ञजनकृपा (ajñajana-kṛpā) *f.* compassion towarda the ignorant पूर्वमुक्तस्यावयवार्थस्य पुनः कथनमज्ञजनकृपाहेतुकं ज्ञेयम् Bhāsk. i. 36.21 (*on* i. 1.1)

अज्ञजनप्रसिद्ध (ajñajana-prasiddha) *adj.* well-known or popular amongst the ignorant न पत्युरज्ञजनप्रसिद्धेश्वरस्य पशुपतेर्जगत्कारणत्वं युक्तम् TattvPrakā. 104B.9 (*on* ii. 2.37)

अज्ञजनबोधनार्थम् (ajñajana-bodhanārtham) *adv.* in order to teach or enlighten the ignorant सर्वसहत्वेनाज्ञजनबोधनार्थं तद्युक्तत्वमारोप्यैवमुक्तम् Bhāsk. ii. 26.14 (*on* ii. 1.8)

अज्ञजनविडम्बना (ajñajana-viḍambanā) *f.* ridiculing the ignorant पश्यामि···तमज्ञजनविडम्बनैकहेतुम् ··· कुमारम् Kād. 242.19.

अज्ञजनसंवाद (ajñajana-saṁvāda) *m.* accord with the ignorant people जीवाद्भिन्नः परेशोऽस्ति परेशत्वं कुतस्तव । इत्यज्ञजनसंवादः विचारः क्रियतेऽधुना SvātmPra. 35.

अज्ञजनार्थम् (ajñajanārtham) *adv.* for the sake of ignorant people कृपालुभिः कृपाविवशत्वेनाज्ञजनार्थं कल्पितासु युक्तिषु Bhāsk. ii. 26.15 (*on* ii. 1.8)

अज्ञजानपदरीति (ajñajānapada-rīti) *adj.* consisting of the way or manner of (the speech of) the ignorant rural folk देव ··· भवन्तं विज्ञापयितुमज्ञजानपदरीतिर्भारती मां मुखरयति RāmāCam. 2.48 (3)

अज्ञजीव (ajña-jīva) *m.* ignorant person यदज्ञजीवो विधुनोति कर्म तपोभिरुग्रैर्भवकोटिलक्षैः SubhāRaSaṁ. 185.

अज्ञजीवाश्रय (ajñajīvāśraya) *adj.* pertaining to the ignorant individual soul अज्ञजीवाश्रयोऽयं विचारः CaitaCa. 19 21 (1)

अज्ञज्ञापन (ajña-jñāpana) *n.* teaching the ignorant इत्यज्ञज्ञापनायैकानुपाख्योदाहृतिमेता PramāVār. 4.263.

अज्ञतम (ajña-tama) *adj.* most ignorant शिव उवाच ··· नाहं क्वचित् स्वं पितरं स्मरामि···न मातरं त्वज्ञतमो विरूपः S'ivaP. ii(5).44.58 (273A.12)

अज्ञता (ajña-tā) *f.* ignorance, stupidity अनृतं ज्ञाज्ञता सत्यं श्रद्धाश्रद्धे तथैव च (एवं दण्डस्य कौरव्य लोकेऽस्मिन् बहुरूपता) MahāBhā. xii. 121.29; विधात्रा विनिर्मितं छादनमज्ञतायाः ··· मौनम् S'atTrayī. 68 = Subhāsi. 2382; प्रमाद्यतां संवृणोति खलु दोषमज्ञता Kirātā. 13.63; TattvSaṁ. 1188; ज्ञानाभावे कथं विद्युरज्ञोऽहमिति चाज्ञताम् SarvaVeSāSaṁ. 565; अज्ञता कुतोऽनादिः Praśno-RaMāli. 60. RāmC. 28.36; CaturJiStu. 54; Kāśi. i. 15.8 (*on* 1.37); Uday-SuKa. 32.22; राज्ञामज्ञतया कृतं यदनिशं दैन्यं तदुत्सृज्यतां संतोषाम्भसि Sevya-Se. 58; वृत्तरत्नावली कामादस्थाने विनिवेशिता । कथयत्यज्ञतामेव मेखलेव गले कृता SuvṛTi. 3.13; KathāSaSāg. x. 9.176; निह्नुते दोषमज्ञता TriṣaS'aPuC. i. 4.184; कोपस्तेज इति ··· स्वच्छत्वमित्यज्ञता । ··· यद्वशाद् दोषोऽपि व्यपदिश्यते गुणतया तस्यै नमोऽस्तु श्रियै SaduktiKa. 50.15; अज्ञताखिलसंवेत्तुर्घटते न कुतश्चन UpādhiKha. 1B.2 (238B.2); PratāYaBhū. 441.3; न च प्रलयादिषु निद्रानिर्देशात् कदाचिदज्ञता S'atDū. 159.21; अज्ञतातज्ज्ञते पूर्वं वस्तुनिर्णीय कार्यतः । यः करोति नरः प्रश्नं प्रच्छकः स महामतिः YogVā. ii. 11.47; जगमुस्तिमिरसंघाताः ··· । श्रुतज्ञानगिरश्चित्तान्महीपानामिवाज्ञताः YogVā. iii. 4.28; iv. 35.50; अहो नृपतेरज्ञता BhojPra. 14.25; ManvaMu. 249.19 (*on* 7.12); 'दिनोदये' इति पाठात् सूर्योदयोत्तरं त्रिमुहूर्ते स्नानं वदतां गौडानां तदनुसारिणां चाज्ञतैव NirṇaSi. 147.16.

अज्ञताजड (ajñatā-jaḍa) *adj.* senseless through ignorance परोऽवजानाति यदज्ञताजडस्तदुन्नतानां न विहन्ति धीरताम् Kirātā. 14.23.

अज्ञताटवी (ajñatāṭavī) *f.* forest or wilderness in the form of ignorance वासनाजालवलिता दुःखकण्टकसंकुला । निपातोत्पातबहुला भीमरूपाज्ञताटवी YogVā. i. 29.16.

अज्ञतादि (ajñatādi) *adj.* ignorance or nescience etc. (*lit.* beginning with ignorance) अन्तेऽज्ञतादिः परमेश्वरे स्यात् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 6.77.

अज्ञतावश (ajñatā-vaśa) *m.* [Abl.] through or due to (the sway of) ignorance यन्त्राणां घटना नोक्ता गुप्त्यर्थं नाज्ञतावशात् SamarāSū. 31.79.

अज्ञतावाक्य (ajñatā-vākya) *n.* stupid utterance चापल्यमज्ञतावाक्यं संस्तवो लालनं गेहे । एते योगाः प्रलापाङ्गं नाहं तत् क्षम्यतां विभो BṛKathāK. 14.19.

अज्ञत्व (ajña-tva) *n.* **A** ignorance, nescience शुद्धसन्मात्रसंवित्तेः स्वरूपान्न चलन्ति ये । रागद्वेषादयो भावास्तेषां नाज्ञत्वसंभवः MahāU. 5.(3); PadārthaSaṁ. 89.19; पुंसो विज्ञानसंकोचादज्ञत्वं समुदाहृतम् AhirbuS. 14.19; आत्मा कर्ता भविष्यतीति उक्तमेतदज्ञत्वादिति NyāyVā. 464.9 (*on* iv. 1.21); °आर्यभटलाटसिंहानाम् ।···द्विगुणमज्ञत्वम् BrāhmSphuSi. 11.46; BrahmSi. 7.5; न च ज्ञानस्याप्रत्यक्षतायां तदुपादानुपादयोर्विशेषादज्ञत्वं सर्वज्ञत्वं वा परिशङ्कनीयम् NyāyMañ. i. 30.6; PrakaPañ. 303.4; SaṁviSi. 85.11; ईश्वरप्रेरणायामज्ञत्वमप्रयतमानत्वञ्च हेतू दर्शितौ VyāyKuA. ii(1). 54.10; नन्वेवं ब्रह्मण एवाज्ञत्वात्तन्मूलाश्च जन्मजरामरणादयो दोषाः प्रादुःष्युः S'rīBh. 165.4 (*on* i. 1.4); GītāBh.(Rā.) 68.2 (*on* 2.12); 570.12 (*on* 13.2); VedāntSā.(Rā.) 142.1 (*on* ii. 1.4); VedāntDī. 78.6 (*on* i. 4.27); 82.9 (*on* ii. 1.4); प्रमातुः पुनः पूर्वमज्ञत्वेन बुद्ध्युपारूढानन्तरं ज्ञत्वोपत्तेर्जिज्ञासादिविरहः AlaṅkāRa. 1 (10); Smṛti-

Can. iii. 182. 16; iii. 193. 4; पराधीनपदप्राप्तिरज्ञत्वं प्रलये भवः। प्रतीयन्ते सदोषत्वात् AnuVyā. 32A. 8 (*on* 2. 2); आदावज्ञत्वं पश्चाद् गुरूपदेशादिभिरधिगतज्ञानत्वं तेषामेव संभवति VedāntTaSā. 10. 7; VedāntPāSau. 210. 4 (*on* ii. 2. 41); ManvaVi. 549. 1 (*on* 4. 194); S'atDū. 155. 25; जीवस्याज्ञत्वमेव हि श्रूयते BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 141. 6 (*on* ii. 3. 19); i. 351. 2 (*on* i. 2. 11); ii. 143. 1 (*on* ii. 2. 19); Sāṁkhya PraBh. 64. 37 (*on* 1. 146); S'ivārkaMaDī. i. 349. 22 (*on* i. 2. 11); अज्ञत्वमन्यनिन्दासु यतोऽपि जितषड्रिपून् (कर्मन्दिनः प्रणम्यैष गाहते स मदोन्नतिम्) YātrāPra. 3. 53; जीवेशावेव … विशेषितौ विज्ञायेते।…छायातपावित्यज्ञत्वविज्ञत्वाभ्याम् GoviBh. 33. 9 (*on* i. 2. 12); **B** the state of being insentient वास्यादीनां करणानां कर्तृप्रयोज्यत्वदर्शनात् … प्रसाधकोऽनुमीयते। न शरीरेन्द्रियमनसामज्ञत्वात् PadārthaSaṁ. 69. 10; शून्यजडयोर्नाविद्या कल्पनीया। … न हि ते भ्रमतः अज्ञत्वात् IṣṭaSi. 200. 22; 204. 21; 205. 6; 328. 12; 343. 12; 343. 14; 352. 22; शरीरेन्द्रियमनसां चैतन्यं न भवति, कुतस्तत्राह। अज्ञत्वादिति। ज्ञानं प्रति समवायिकारणत्वाभावादित्यर्थः NyāyKa. 72. 7; कर्तृत्वं नाव्यक्तस्य … अज्ञत्वात् पुरुषस्य च S'ivP. vii. 9. 9 (511B. 5); **C** incapacity for distinguishing or discriminating दंतहर्षो रसाज्ञत्वं हनुस्तंभश्च वक्त्रगे AṣṭāHṛ. i. 7. 21.

अज्ञत्वकृता (ajñatva-kṛtā) *adj.* [*f.*] done through ignorance तं (गुरूपदेशम्) विना प्रवृत्तेष्वज्ञत्वकृताश्चोदना अपि मौर्ख्यावहा एव Bhāsk. i. 9. 22 (*on* i. 1. 1)

अज्ञत्वप्रयुक्त (ajñatva-prayukta) *adj.* caused by ignorance or nescience अहमिति भासनं न स्वस्मै भासमानत्वप्रयुक्तम्, अपि त्वज्ञत्वप्रयुक्तमिति S'rutaPra. iA. 171. 20 (*on* i. 1. 1)

अज्ञत्वप्रसक्ति (ajñatva-prasakti) *f.* contingency of ignorance or nescience शुद्धस्यैवाज्ञत्वे मुक्तस्याप्यज्ञत्वप्रसक्तेः ViṣṇuTaNi. 16A. 1; सर्वेषामज्ञत्वप्रसक्तिश्च कर्मतारतम्यात् परिहृता S'rutaPra. iA. 160. 17 (*on* i. 1. 1)

अज्ञत्वप्रसङ्ग (ajñatva-prasaṅga) *m.* contingency of ignorance or nescience कथं च तदात्मकत्वेऽपि…करणैरन्वितस्यापि पूर्वज्ञानं नास्ति। संसार्यात्मतया विच्छेदादेवेति चेत्, अज्ञत्वप्रसङ्ग एव स्यात् BālaKrī. ii. 49. 23 (*on* 3. 120 (?130)); TārkiRa. 316. 13; न च मोक्षे अहमर्थानुवृत्तावज्ञत्वप्रसङ्गः S'atDū. 122. 29.

अज्ञत्वप्रसिद्धि (ajñatva-prasiddhi) *f.* common knowledge of insentience न त्वेकस्यैव ज्ञातृज्ञेयत्वे, तदसंभवात् ज्ञेयस्य च घटादेरज्ञत्वप्रसिद्धेः IṣṭaSi. 206. 18.

अज्ञत्वबाध (ajñatva-bādha) *m.* annulment of ignorance or nescience अज्ञातमज्ञं वा शून्यं जडं वा यद्यविद्यया। अज्ञाताज्ञत्वबाधस्स्याद् विद्यया रूप्यवत् तदा IṣṭaSi. 205. 5.

अज्ञत्वव्याप्तता (ajñatvavyāpta-tā) *f.* the state of being pervaded by ignorance or nescience शरीरेन्द्रियमनसामन्यतमस्मिन्नाश्रितं भविष्यतीत्यत आह। न शरीरेन्द्रियमनसां चैतन्यमग्रे वक्ष्यतीति कुतः, अज्ञत्वव्याप्ततयैव तेषां सिद्धत्वात् Kiraṇā. 129. 3.

अज्ञत्वादि (ajñatvādi) *adj.* ignorance or nescience etc. (*lit.* beginning with ignorance) न ब्रह्मण्यज्ञत्वादयः प्रसज्येरन् VedāntDī. 84. 6 (*on* ii. 1. 9); 82. 4 (*on* ii. 1. 4); 84. 13 (*on* ii. 1. 9); सर्वज्ञत्वादिमत्त्वेन परमेश्वरस्य भोक्तृत्वाज्ञत्वादिना जीवस्य चोभयोर्विभागो निर्दिष्टः BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 22. 1 (*on* ii. 1. 15); तद्विलक्षणतया मुक्तेस्तत्र नाज्ञत्वादि BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 495. 7 (*on* iv. 4. 16); ii. 10. 2 (*on* ii. 1. 4); ii. 259. 19 (*on* iii. 2. 29); अज्ञत्वादिना तदवैलक्षण्यं चानिवार्यम् S'ivārkaMaDī. i. 349. 25 (*on* i. 2. 11)

अज्ञत्वादिक (ajñatvādi-ka) *adj.* (consisting of) ignorance or nescience etc. ननु कथमेतयोः (जीवेश्वरयोः) शरीरसंबन्धे समानेऽपि कस्यचिदज्ञत्वादिकानर्थसंबन्धः कस्यचिदनर्थाभावः RrahmSūBh.(S'rī.) i. 351. 3 (*on* i. 2. 11)

अज्ञत्वादिगुण (ajñatvādi-guṇa) *m.* attribute or property like ignorance or nescience etc. अज्ञत्वादिगुणानां सर्वज्ञत्वादिगुणके परमात्मनि विरोधः सद्वारकतया परिहृत इत्यर्थः S'rutaPra. iB. 54. 12 (*on* i. 1. 1)

अज्ञत्वादिदोष (ajñatvādi-doṣa) *m* fault like ignorance etc. तत्र परीक्षाविधानार्थं ऋणादिसाहचर्यादज्ञत्वादिदोषपरीक्षायाः सार्वत्रिकत्वेन कुत्रचिद्विधानासंभवाच्च SmṛtiCan. iii. 183. 15; iii. 183. 9; ब्रह्मणो न स्वरूपहानाज्ञत्वादिदोषलेशावकाशः S'atDū. 146. 6.

अज्ञत्वादिप्रयोजकत्व (ajñatvādiprayojaka-tva) *n.* the state of being the cause of ignorance etc. अहंप्रत्ययस्याज्ञत्वादिप्रयोजकत्वदूषणेनाज्ञत्वादेरविद्यान्वय एवोपाधिरित्यर्थादुक्तं भवति S'rutaPra. iA. 171. 28 (*on* i. 1. 1)

अज्ञत्वादिप्रसङ्ग (ajñatvādi-prasaṅga) *m.* contingency of ignorance etc. नन्वज्ञाच्छारीरादभेदात् ब्रह्मणोऽप्यज्ञत्वादिप्रसङ्ग इत्याशङ्क्याह न च तस्य ज्ञानप्रतिबन्ध इति PrakaVi. 446. 23; अहमर्थो नात्मा, सुषुप्तिमोक्षयोरननुवर्तमानत्वात्। मोक्षे च तदनुवृत्तावज्ञत्वादिप्रसङ्गाच्च S'atDū. 121. 25.

अज्ञत्वादिप्रसञ्जन (ajñatvādi-prasañjana) *n.* contingency of ignorance etc. अतोऽहंप्रत्ययेनात्मनोऽज्ञत्वादिप्रसञ्जनम् S'rutaPra. iA. 171. 14 (*on* i. 1. 1)

अज्ञत्वादिसाधर्म्य (ajñatvādi-sādharmya) *n.* commonness of properties or homogeneousness with ignorance etc. (गौर्वाहीक इत्यत्र) गोशब्दो मुख्यया वृत्त्या वाहीकशब्देन सहान्वयमलभमानोऽज्ञत्वादिसाधर्म्यसंबन्धाद् वाहीकार्थं लक्षयति SāhiDa. 51. 8.

अज्ञत्वादिहेतु (ajñatvādi-hetu) *m.* cause of ignorance etc. यथावस्थितस्वरूपप्रकाशो नाज्ञत्वादिहेतुः S'atDū. 122. 30.

अज्ञत्वाद्यतिशयबोधन (ajñatvādyatiśaya-bodhana) *n.* expression of excess of stupidity etc. (गौर्वाहीक इत्यत्र) वाहीकस्याज्ञत्वाद्यतिशयबोधनं प्रयोजनम् SāhiDa. 51. 8.

अज्ञत्वानुकरण (ajñatvānukaraṇa) *n.* imitation of ignorance श्रीनारदस्य भगवतः सार्वज्ञयोगेऽपि सर्वलोकोपकारार्थकावतारत्वात्…श्रीपुरुषोत्तमलीलानुका(? क)रणवदज्ञत्वानुकरणं बोध्यम् VedāntRaMañ. 2. 6 (76. 8)

अज्ञत्वाभिधान (ajñatvābhidhāna) *n.* statement of being ignorant ब्रह्मणोऽज्ञत्वाभिधानं परिच्छिन्नाश्रयत्वाभावाभिप्रायम् PrakaVi. 3. 17.

अज्ञत्वार्थम् (ajñatvārtham) *adv.* for the sake of the state of being ignorant जडशून्ययोः … तयोरज्ञातत्वाज्ञत्वार्थमपि स्वाश्रयाविद्या नार्थनीया IṣṭaSi. 207. 1.

अज्ञत्वावस्था (ajñatvāvasthā) *f.* the state of being ignorant ननु तर्हि कथमज्ञत्वावस्थायां विच्छिन्न इव दृश्यते इत्यत्राह Bhāsk. i. 36. 14 (*on* i. 1. 1)

अज्ञत्वोक्ति (ajñatvokti) *f.* statement as being ignorant यद्यप्यज्ञानाश्रयकेवलाभेदाज्जीवस्याज्ञत्वोक्तिः संभवति LaCandr. 578. 23.

अज्ञत्वोक्त्ययोग (ajñatvokty-ayoga) *m.* inapplicability of the statement about ignorance इत्यादिश्रुतिषु जीवे अज्ञत्वोक्त्य(अज्ञानीशत्वोक्त्य)योगात् Nyāyāmṛ. 341A. 6.

अज्ञत्वोपगम (ajñatvopagama) *m.* admission of being ignorant द्रष्टृत्वादेवाज्ञत्वोपगमात् PrakaVi. 6. 18–19.

अज्ञत्वोपपत्ति (ajñatvopapatti) *f.* justification for being ignorant न क्रियावचनदोषद्वारेण कर्तृवक्तृणामज्ञत्वोपपत्तेः NyāyVār. 558. 3 (*on* v. 2. 1)

अज्ञदुर्बोधसम्बन्धा (ajñadurbodha-sambandhā) *adj.* (*f.*) arrangement of which is beyond the understanding of an ignorant person असौ निर्ममे बुधः। अज्ञदुर्बोधसम्बन्धां प्रस्तावाष्टकसम्भृताम्। रम्याम् … महाकथाम् PrabhāC. 123. 31.

अज्ञदृष्टि (ajña-dṛṣṭi) *f.* point of view of the ignorant यत्त्वज्ञदृष्ट्या सत्यत्वं तदन्यत् किञ्चिदेव सत्याभासरूपत्वात् Bhāsk. ii. 64. 5 (*on* ii. 2. 7); एतेन घटाकाशवदज्ञदृष्ट्यभिप्रायमेतदिति बालकोलाहलोऽपि निरस्तः GoviBh. 153. 9 (*on* ii. 3. 19)

अज्ञनाश (ajña-nāśa) *m.* destruction of the ignorant उच्यतेऽबोधनाशेऽज्ञनाशश्चेत्कोऽत्र बुध्यते IṣṭaSi. 327. 15.

अज्ञनिष्पत्ति (ajña-niṣpatti) *f.* origination of the ignorant (राक्षसाः) अष्टौ विभागा ह्येषां हि व्याख्याता अनुपूर्वशः। भद्रका निकराः केचिदज्ञनिष्पत्तिहेतुकाः BrahmāṇḍP. ii. 7 157.

अज्ञपक्ष (ajña-pakṣa) *m.* case of the ignorant ज्ञपक्षे ब्रूहीति स्मारणं वाचनमज्ञपक्षे च खण्डशः पाठनम् MayūMāli. 336. 14 (*on* iii. 8. 8)

अज्ञपद (ajña-pada) *n.* status of the ignorant शापेनाज्ञपदं नीत्वा पृच्छकस्त्वं मया कृतः। पुत्रास्य ज्ञानसारस्य समस्तजनसिद्धये YogVā. ii. 10. 38.

अज्ञपरम्परास्थ (ajñaparamparā-stha) *adj.* belonging to the succession of ignorant people अबुधैरज्ञपरम्परास्थैः। प्राङ् नाशितः सम्प्रति सप्रमाणं विज्ञैः स्वभक्त्या नितरां गृहीतः SiddhāTaVi. 112. 17.

अज्ञप्ति (a-jñapti) *f.* other than cognition यदि च…वृत्तिरज्ञप्तिस्तर्हि… स्मृतयो न स्युः Nyāyāmṛ. 69B. 7.

अज्ञप्तित्व (ajñapti-tva) *n.* absence of cognition मुक्तानन्दस्य ज्ञप्त्यभावापत्त्या तस्याप्यज्ञप्तित्वात् GuruCandr. ii. 324. 8.

अज्ञप्रबोध (ajña-prabodha) *m.* enlightenment of the ignorant अज्ञप्रबोधान्नैवान्यत् कार्यमस्त्यत्र तद्विदः PañcDa. 7. 290.

अज्ञप्रयुक्त (ajña-prayukta) *adj.* administered by an ignorant person विरेचनैर्यान्ति नरा विनाशमज्ञप्रयुक्तैरविरेचनीयाः SiddhYo. 74. 28.

अज्ञप्रवृत्ति (ajña-pravṛtti) *f.* volitional effort of the ignorant विशेषाभावेऽपि चेद्बन्धमोक्षौ स्तः सदैव स्तां विनाप्यज्ञप्रवृत्त्या IṣṭaSi. 362. 4.

अज्ञप्रसिद्धा (ajña-prasiddhā) *adj.* (*f.*) firmly established or well-known among ignorant people अहमित्यनात्मधीरज्ञप्रसिद्धा न तु तत्त्वदर्शिनः

AdhyāRā. vii. 5. 23.

अज्ञप्राज्ञभाव (ajñaprājña-bhāva) *m.* the state of the ignorant and the wise अधिकरणाधिकर्तव्यभावव्याप्यव्यापकभावाज्ञप्राज्ञभावनियाम्यनियन्तृभावरूपविरुद्धधर्मैः स्वारस्यभङ्गस्यात्यर्थमपोदितत्वाच्च S'rutaPra. iB. 59. 21 (*on* i. 1. 1)

अज्ञप्राणिहितार्थम् (ajñaprāṇi-hitārtham) *adv.* for the good of the ignorant people अपृष्टोऽपि जनः साधुर्गुरुभक्तिप्रचोदितः । अज्ञप्राणिहितार्थं च धर्मवाक्ये प्रवर्तते PadmP.(Ra.) 17. 172.

अज्ञबाध (ajña-bādha) *m.* sublation of the ignorant नाज्ञबाधे हि विद्या स्यात् IṣṭaSi. 329. 8; अज्ञबाधे च विद्यावदाचार्याभावान्नाज्ञानां विद्याप्राप्तिः IṣṭaSi. 329. 13; 329. 17.

अज्ञबालिका (ajña-bālikā) *f.* innocent girl (unaffected by feelings of love) अज्ञातमन्मथविकारा बाला यथा – आरक्तललितपत्रं लिखितं दत्त्वाज्ञबालिकाहस्ते । कश्चित्प्राह प्रापय निभृतं स्वामग्रजामेतत् S'ṛṅgāMañ.(A.) 47. 8.

अज्ञबुद्धि (ajña-buddhi) *adj.* unwise, stupid दक्ष उवाच । अयि कन्ये …तादृग्विधाय यत्पत्ये मया दत्ताज्ञबुद्धिना SkandP. iv. 88. 72.

अज्ञबोधन (ajña-bodhana) *n.* enlightenment of the ignorant व्यवहारे त्वज्ञबोधनं वाक्यानामुपयोगः AṇuBh. 142. 8 (*on* ii. 3. 7)

अज्ञबोधनार्थ (ajña-bodhanārtha) *adj.* meant for the enlightenment of the ignorant न हि साध्यावस्थितिविमतसन्दिग्धाज्ञबोधनार्थोऽयं ग्रन्थः NayaVi. 65. 5 (*on* i. 1. 3); *m.* purpose of teaching the ignorant तथापि व्युत्पादनाय अज्ञबोधनार्थाय Bhāsk. i. 398. 6 (*on* i. 8. 1)

अज्ञब्रह्मजीववाद (ajñabrahmajīva-vāda) *m.* view that Brahman conditioned by ignorance is the individual self अज्ञब्रह्मजीववादे … भोगव्यवस्था न सिध्यति VedāntDī. 130. 21 (*on* ii. 3. 48)

अज्ञब्रह्मविवर्तवाद (ajñabrahmavivarta-vāda) *m.* theory that the world is the illusory appearance of Brahman subject to nescience अज्ञब्रह्मविवर्तवादे हि तद्भवत्येव VedāntDī. 78. 9 (*on* i. 4. 27)

अज्ञभाव (ajña-bhāva) *m.* the state of the ignorant स्वीयैः परैस्ताडनमज्ञभावम् … कुमारभावे प्रतिषिद्धवृत्तिं विचार्य को वा विरतिं न याति SarvaVeSāSaṁ. 29; तत्क्षमस्वाज्ञभावेन भाषितं कुलनन्दन AdhyāRā. v. 5. 55.

अज्ञभी (ajña-bhī) *f.* fear of (censure of) the ignorant आज्ञया च पितुरज्ञभिया च श्रीरहीयत महीप्रभवा ह्रिः NaiṣC. 21. 71.

अज्ञभू (ajñabhū) *f.* *Phaseolus mungo* (both plant and beans) मुद्गो ह्व्योऽज्ञभूर्लघुः PañcTaPra. 18. 18.

अज्ञमत (ajña-mata) *adj.* prescribed (thought fit) by an unqualified person कुर्यान्निपतितो मूर्ध्नि सशेषं वासवाशनिः । सशेषमातुरं कुर्यान्न त्वज्ञमतमौषधम् CaraS. i. 1. 128 (1941 Ed.)

अज्ञमरण (ajña-maraṇa) *n.* death of the ignorant अत्र … मनुष्याणां मुक्त्यर्थं देहोत्क्रमणस्याज्ञमरणविलक्षणत्वसमर्थनादस्ति शास्त्रादिसङ्गतिः TattvPrakā. 210B. 9 (*on* iv. 2. 17); 211A. 1 (*on* iv. 2. 17); 211B. 4 (*on* iv. 2. 18); 212A. 12 (*on* iv. 2. 21)

अज्ञमात्र (ajña-mātra) *m.* all the ignorant persons बाल इत्यनेन शब्देनाज्ञमात्रः ManuBh. i. 154. 11 (*on* 2. 153)

अज्ञरूढि (ajña-rūḍhi) *f.* conventional signification among the ignorant or untutored तानि लिंगानि ते शब्दाः…। बहुलाप्यज्ञरूढिस्तत्प्राज्ञरूढिं न बाधते AnuVyā. 12A. 7 (*on* 1. 2); अज्ञरूढितोऽपि विद्वद्रूढेरेव प्राबल्यात् TattvPrakā. 22A. 12 (*on* i. 1. 21)

अज्ञरूढित्व (ajñarūḍhi-tva) *n.* the state of being a conventional signification among the ignorant अन्यत्राज्ञरूढित्वाद्भगवति च विद्वद्रूढ्या ब्रह्मशब्द इति TattvPrakā. 7A. 2 (*on* i. 1. 1)

अज्ञलक्षणा (ajña-lakṣaṇā) *adj.* (*f.*) of the nature of ignorance धियः। वृत्तिस्तमोमूलतयाज्ञलक्षणा यावद्भवेत्तावदसौ भवोद्भवः AdhyāRā. vii. 5. 33.

अज्ञवत् (ajña-vat) *adv.* like an ignorant or innocent person अप्येव (v. l. अज्ञवत्) दहनं स्पृष्ट्वा वने तिष्ठन्ति पादपाः Rāmā. vi. 20. 10; अज्ञवन्नोत्सहेथास्त्वम् Bhaṭṭi. 19. 16; सर्वज्ञोऽपि महादेवो ह्यब्रवीत्तामथाज्ञवत् SkandP. i(1). 27. 82; बालोऽपि बालकै रन्तुं ययौ पूर्ववदज्ञवत् GaṇeP. ii. 18. 54; अज्ञवन्नाडयन्तस्तमसैव गमनं स्यात् TattvPrakā. 211B. 3 (*on* iv. 2. 18)

अज्ञवाच् (ajña-vāc) *f.* words of an ignorant person अपरः क्रियते प्रश्नो ममायं क्षम्यतां प्रभो । अज्ञवागपराधाय कल्पते न महात्मनाम् SarvaVeSāSaṁ. 632.

अज्ञविज्ञान (ajña-vijñāna) *n.* understanding of an ignorant person वर्जयित्वाज्ञविज्ञानं जगच्छब्दार्थभाजनम् । जगद्ब्रह्मस्वशब्दानामर्थे नास्त्येव भिन्नता YogVā. iii. 15. 10.

अज्ञविषय (ajña-viṣaya) *adj.* pertaining to the ignorant नियमविधानं अज्ञविषयमित्येकं परिहारमुक्त्वा PrakaVi. 937. 16; इत्यादिकं तु भवत्यज्ञविषयम् GoviBh. 306. 6 (*on* iv. 2. 21)

अज्ञविषयता (ajñaviṣaya-tā) *f.* the state of being related to the ignorant नामुक्तमित्यादिकं त्वज्ञविषयतया युक्तिमत् GoviBh. 293. 12 (*on* iv. 1. 13)

अज्ञविषयत्व (ajñaviṣaya-tva) *n.* the state of being related to the ignorant यथा…एतत्स्मृतेरकृतप्रायश्चित्तविषयत्वं कल्प्यते तथाज्ञविषयत्वस्यापि संभवात् TattvPrakā. 204A. 7 (*on* iv. 1. 13)

अज्ञव्याख्यान (ajña-vyākhyāna) *n.* explanation given by the unwise (i. e. unsound explanation) 'या पत्या वा परित्यक्ता' इत्येतस्या एव तच्छब्देन परामृश्य गतप्रत्यागतत्वोक्तेः पूर्वापरानालोचनपूर्वकं चेत्यज्ञव्याख्यानमेव BālamBha. iii. 39. 31 (*on* 3. 16)

अज्ञशिष्य (ajña-śiṣya) *m.* ignorant disciple or pupil न हि साध्यावस्थितिविमतसन्दिग्धाज्ञबोधनार्थोऽयं ग्रन्थः, किन्तु स्वसंविदनुसरणप्रकाराज्ञशिष्यशिक्षार्थः NayaVi. 65. 5 (*on* i. 1. 3)

अज्ञसंज्ञान (ajña-sañjñāna) *n.* enlightenment of the ignorant दुर्गसिंहोक्तकातन्त्रवृत्तिदुर्गपदान्यहम् । विवृणोमि यथाप्रज्ञमज्ञसंज्ञानहेतुना Trilocanadāsa's Pañjikā *on* KātanVṛ. *on* i. 1. 0.

अज्ञसत्त्व (ajña-sattva) *m.*∼*n.* ignorant being कृत्वा पापानि सुदारुणानि यदाश्रयादुत्तरति क्षणेन । शूराश्रयेणेव महाभयानि नाश्रीयते तत्कथमज्ञसत्त्वैः (बोधिचित्तम्) BodhiCa. 1. 13.

अज्ञसंभव (ajña-sambhava) *adj.* born of or found in ignorant (persons) क्व शोकमोहौ स्नेहो वा भयं वा येऽज्ञसंभवाः । क्व चाखण्डितविज्ञानज्ञानैश्वर्यस्त्वखण्डितः (श्रीकृष्णः) BhāgP. x. 77. 31; चिदात्मनि परिज्ञाते नष्टे मोहेऽज्ञसंभवे । देहः पततु वारब्धकर्मवेगेन तिष्ठतु AdhyāRā. iv. 8. 45.

अज्ञसार्थ (ajña-sārtha) *m.* flock of ignorant persons अज्ञसार्थः पादौकस्ते शरणद कदा याति कामोपसृष्टः BhāgP. iv. 7. 28.

अज्ञस्थित (ajña-sthita) *adj.* remaining ignorant एवं चाज्ञस्थिते राज्ञि यमदूता अथागमन् SkandP. ii (7). 10. 62.

अज्ञा (ajñā) *f.* **i** name of the plant also called *nīlinī* नीलिन्युक्ता नीलिका नीलपत्त्री…। चण्डाल्यज्ञा रंजनी भारवाही AbhidhāMañ. 19. 5; **ii** name of a plant also called *vanarambhā* वनरम्भा बीजाढ्या … असितखरबीजा स्यात् सि(? स्नि)ग्धफलमज्ञा AbhidhāMañ. 90. 10.

अज्ञाकृत (a-jñākṛta) *adj.* without bodily sensation, deprived of tactual perception प्रपद्य पवनः करोति निभृताङ्गमज्ञाकृतम् KalyāKā. 8. 13.

अज्ञाङ्ग (ajñāṅga) *adj.* ignorant of the scriptures called Aṅgas प्रदीपने भवाख्येऽस्मिन्नज्ञाङ्गाः सङ्गिपङ्गवः । दह्यन्ते PārśvC. 8. 353.

अज्ञाज्ञान (ajñājñāna) *n.* ignorance of an ignorant person अज्ञाज्ञानोपशमनमितरेषां बुद्धिवर्धनं नित्यम् VasiS. 1. 13.

अज्ञात (á-jñāta) *adj.* [*f.* –ā] **Ai** unknown, not realised **ii** of unknown nature or species or relation **iii** of unknown identity **iv** incognito, undetected **v** unexpected, not thought of, sudden **vi** supersensual **vii** unintentional **B** not knowing, ignorant; *m.* a specific fallacy *n.* the unknown element **Ai** unknown, not realised दूरे अज्ञाता उषसो बबाधे ṚV. iv. 23. 7; x. 27. 4; (कृत्ये) अज्ञातस्तेऽयं जनः AV. x. 1. 8; अज्ञाते कस्य चित्ते तु जहतुस्ते चतुष्पथे MahāBhā. ii. 183*(2); अज्ञातं मानुषे लोके भवतो नास्ति किंचन MahāBhā. iii. 25. 5; xii. 17. 20; अज्ञातं नास्ति ते किंचित्त्रिषु लोकेषु राघव Rāmā. vi. 11. 26; या गर्भिणी संस्क्रियते ज्ञाताज्ञातापि वा सती । वोढुः स गर्भो भवति ManuSm. 9. 173; बन्धमोक्षश्च वै कुतः । अज्ञाते परतत्त्वे तु JayāS. 1. 14; किमज्ञातं तव ब्रह्मन्मनसा यन्मयेक्षितम् ViṣṇuP. i. 12. 77; तेनाज्ञातस्तमन्वगात् BrahmāṇḍP. iii. 7. 27; अज्ञातस्य हि ज्ञापनं विधिः S'ābaBh. 1874. 11 (*on* x. 3. 20); अज्ञातश्चात्र संबन्धः Bṛha. 110. 11; वाच्यगम्ययोः । … अज्ञातयोर्न जायेत संदेहो वाच्यवस्तुनि TantrVā. 264. 5 (*on* i. 3. 26); (शास्त्रम् … प्रवृत्तम्) यथाभूतानाम् अज्ञातानां (पदार्थानाम्) ज्ञापने BṛĀraUBh. 258. 1 (*on* ii. 1. 20); अज्ञातस्यैव फलं चत्वारिंशद्धि तेनाप्तम् GaṇiSāSaṁ. 5. 224; न ह्यज्ञाते प्रागभावे कस्यचिज्जन्मनिश्चयस्स्यात् IṣṭaSi. 23. 21; मानान्तरेण विज्ञातो नाज्ञातः शून्यताप्तितः BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 921; TaiUBhVā. 147. 7 (2); अज्ञातमर्थमवबोधयतः प्रमायाम् SaṁkṣeS'ā. 1. 113 (i. 98. 3); अज्ञाते राशिनक्षत्रे नामाद्यक्षरराशितः KulārT. 15. 92; अज्ञाते स्वात्मकर्तृत्वे न घटः सम्प्रवर्तते S'ivDṛ. 5. 16; नन्वेतावत्सु ज्ञातेष्वपि कश्चित्कदाचिदज्ञातो विषयोऽस्ति SāṁkhyaTaKau. 486. 2 (*on* 64); अज्ञाते तु बले कामं नैव युद्धं प्रशस्यते DeviBhāP. i. 7. 2 ; अत्र रूपत्रयमहावाक्ये तावद्भिः प्रकारैर्भेदनीय इति तेभ्य एकसत्त्वयोजनाच्चाज्ञातो भेद्यकः AbhinBhā. i. 191. 11 (*on* 4. 288); यो न्यायमार्गः तस्मिन्नज्ञाते दुर्ज्ञाते वा … महान् दोषः NyāyRa. 5. 18 (*on*

1. 15); नाज्ञाताद्दृश्यते भाटी चरन्ति म्लेच्छगायना: SamaMā. 3. 26; 'सर्वस्य वशी सर्वस्येशान:' इति तेषामज्ञातानामादरेण विधानात् VedāntSā.(Rā.) 317. 5 (*on* iii. 3. 39); निदेशेनामुना वेत्ति स्वमज्ञातं च धम्मट: RājTa.(Ka.) 7. 1027; किमज्ञातं सुबुद्धीनामतो मन्दार्थमुच्यते Lilā. 61 (12); प्रधानपुरुषाणां ज्ञानाज्ञानाभ्यां ग्रामो ज्ञातोऽज्ञात इत्येवमादिव्यपदेश: SarvaDaSaṁ. 5. 213; **Aii** of unknown nature or species or relation प॒रा तम॑ज्ञा॒तं यक्ष्म॑मध॒राञ्चं सुवा॒मसि AV. vi. 127. 3; अज्ञा॒ते किमि॒हेच्छ॑सि AV. x. 1. 20; अज्ञाते P. v. 3. 73; GaṇPā. 186. 19; GaṇRa. 3. 187 (229); अज्ञातान् डुण्डुभांश्चैव ··· विद्यात् मधुरान् रसपाकत: BhelaS. 46. 4 (1. 27); नातिकाल्यं नातिसायं नातिमध्यंदिने स्थिते । नाज्ञातेन समं गच्छेत् ManuSm. 4. 140; 5. 17; अज्ञाते मन्त्रे तद्गतो भावशब्द: S'ābaBh. 434. 5 (*on* ii. 1. 32); वाक्शस्तमम्बुनिर्णिक्तमज्ञातं च सदा शुचि YājñaSm. 1. 191; अनुक्तवृत्तिस्त्वज्ञात: परपूर्वापतिस्तथा। ··· पितृश्राद्धेषु वर्जिता: BṛParāSm. 7. 9; CāndraVyā. iv. 3. 62; JaineVyā. 271. 29 (*on* iv. 2. 35); S'ākaṭāVyā. iii. 4. 86; SiddhaHe. vii. 3. 33; सर्वथा तद्भवेन्नूनमज्ञातमौषधं यथा DevīBhāP. v. 4. 18; न ह्यज्ञातस्य रोगस्य चिकित्सा जातु युज्यते TrisaS'aPuC. i. 1. 646; भोज्यमेदे फलं सर्वमज्ञातं बहुबीजवत् MalliC. 7. 645; न ह्यज्ञाते व्याधौ चिकित्सा PurusPa. 123. 8; अज्ञातमद्य तनये त्यज शोकशङ्कुम् BhikṣāKā. 21. 5; याचितभूपाप्रभृतेरज्ञातस्य व्ययस्याथ। ··· कथयेद्वित्तप्रणाशनं चतुरा KandaCū. vi. 3. 8; न द्वितीय: नायकसंबन्धित्वेनाज्ञातस्य मुखचुम्बनमात्रस्याहृद्यत्वात् RasGaṅ. 501. 8; **Aiii** of unknown identity वी॒रुधो॒ याश्च॒ पश्या॑मि॒ चक्षु॑षा । अज्ञा॑ता जानी॒मश्च॒ AV. viii. 7. 18; अथैतं राजतं वृषलाय वाज्ञाताय वातिप्रयच्छति BaudhS'S. i. 61. 4; पुष्पेषून्मत्तकाद्येषु त्वज्ञातेषु विशेषत: PauskS. 25. 22; संग्रामाग्रे मानिनां लज्जितानाम् । अज्ञातानां शत्रुभिर्युक्तमुच्चै: श्रीमन्नाम श्रावयन्ति स्म नम्रा: S'is'uVa. 18. 16; अज्ञाताय किमर्थं वासो दत्त: KuttaMa. 226; अज्ञातोऽतिथिरुच्यते VṛGautaSm. 535. 4 (6); यत्र त्वज्ञातश्चण्डालादि: कस्यचिद्गृहेऽवतिष्ठते BālaKrī. ii. 139. 7 (*on* 3. 257 (?263)); अज्ञातेऽपि तथा पुत्रे प्रस्तुता साप्यसंस्तुता S'āliC. 6. 198; भो राजन् अज्ञातस्य कथं दीयते (दुहिता) SiṁhāDvā.(App.) 242. 1; अज्ञातस्य गले पुंसो दृष्ट्वा मालां प्रलम्बिताम् । रुष्टा: सर्वेऽपि भूपाला: CitraPaC. 220; अज्ञाता नामतो जातितश्च अज्ञाता: VīraMi.(Āhnika.) 545. 3; **Aiv** incognito, undetected वनं प्रस्थापयामास सप्त वर्षाणि पञ्च च । अज्ञातमेकं राष्ट्रे च तथा वर्षं त्रयोदशम् MahāBhā. i. 55. 40; हस्ती श्वेत इवाज्ञात: कथं जिष्णुश्चरिष्यति MahāBhā. iii. 36. 24; iv. 4. 8; अज्ञातश्चैव लोकस्य विजह्वार युधिष्ठिर: MahāBhā. vii. 23. 3; अज्ञातो नगरं प्रविश्य भवतो मित्रगृहे कालं प्रतिपालयामि Avimā. ii. 11 (6); तयोरज्ञातयोरेवं यथोचितविधायिनो: । अतीयाय निशानेका क्षणाद्दर्शनभीतयो: PadmP.(Ra.) 16. 212; विवाह्य सुन्दरीं तत्र तिष्ठाज्ञातो यथेच्छसि KathāSaSāg. viii. 6. 229; नृप: । काकशङ्की भवेन्नित्यमज्ञातां वसतिं वसेत् AgniP. 224. 30; वने द्वादशवर्षाणि निवासाय पणे कृते । त्रयोदशे तथाज्ञाते विजिता: पाण्डवा ययु: Das'āvaC. 8. 460; नाज्ञात: प्रविशेच्छालां बालो वृद्धोऽथ भिक्षुक: Hastyāyur. 163. 5 (2. 6); देव कामपि युक्तिं कृत्वागतास्मि येनाज्ञात एव भवान् स्थास्यति GopāKeCan. 132. 23; किमधिकमस्य ब्रूमो महिमानं वारिधेर्हरिर्यत्र । अज्ञात एव शेते कुक्षौ निक्षिप्य भुवनानि SābiDa. 596. 3; अज्ञाता एव गृहिणां भक्षयन्त्याखुवद् गृहे KaliVid. 42; (कामपालोऽपि) परिवारेणाज्ञातो गत: पञ्चनदिश्रेष्ठिगृहे KathāK. 55. 25; **A v** unexpected, not thought of, sudden ततोऽभ्यगच्छत्कौन्तेयमज्ञातो नाम माधव: MahāBhā. i. 210. 4; हरीणामियमज्ञाता विपत्ति: सहसागता Rāmā. iv. 55. 8; **A vi** supersensual अज्ञाते चक्षुराद्यविषयभूते वाचामगोचरे··· प्रत्यग्भूते ब्रह्मणि चर्या SanatBh. 226. 11 (*on* 1. 31); सा तु चित्प्रतिबिम्बसहिता सती प्रत्यगभिन्नमज्ञातं परं ब्रह्म विषयीकृत्य तद्गताज्ञानमेव बाधते VedāntSā.(Sa.) 26. 13; **A vii** unintentional संवत्सरस्यैकमपि चरेत्कृच्छ्रं द्विजोत्तम: । अज्ञातभुक्तशुद्ध्यर्थं ज्ञातस्य तु विशेषत: ManuSm. 5. 21; उपवासस्त्रिरात्रं तु दुष्टभक्ताशिनो भवेत् । अज्ञाते ज्ञानपूर्वं तु तद्दोषोपशमे(? मो) न तु MārkP. 35. 27; एतज्जन्मकृतं पापं यच्च जन्मान्तरार्जितम् । मनोवाक्कायजं यच्च ज्ञाताज्ञाते च ये पुन: SkandP. iv. 51. 79; अज्ञातमपराधं यमोऽपि क्षमते PurusPa. 195. 11; **B** not knowing, ignorant प्रस्थाने वा पिता तस्य पञ्चत्वं च गतो भवेत् । श्राद्धादिकं तु पुत्रेण अज्ञातेन कृतं यदा BṛYamaSm. 5. 10; अज्ञातश्च द्विजो यस्तु विधवामुद्वहेद्यदि । परित्यज्य च वै तां च प्रायश्चित्तं समाचरेत् LaghvāśvaSm. 21. 11; नैवेद्यं भुक्त्वा चेदीदृशी गति: । अकामतश्चाप्यज्ञातो जीर्णं मार्गस्थितं सुत । यो भक्षेत् कामतो ज्ञातो नित्यं नैवेद्यमीप्सितम् । न जानन्ति गतिं तस्य वेदा: PañcaRā.(Nā.) i. 4. 74; गरलं तन्मध्ये पपात । तेनाज्ञातेन पीतम् PurāPraSaṁ. 100. 2; *m.* a specific fallacy अज्ञात: संशयासिद्धव्यतिरेकान्वयादित: PramāSaṁ. 3. 49; *n.* the unknown element रूपं न्यस्याव्यक्ते प्राग्विधिना यत्फलं भवेत् तेन । भक्तं परिदृष्टफलं प्रभागजातौ तदज्ञातम् GaṇiSāSaṁ. 2. 107.

अज्ञातक (ajñāta-ka) *adj.* unknown ज्ञात एव ज्ञातक: । अज्ञात एव अज्ञातक: GaṇRa. 3. 187 (230)

अज्ञातकन्द (ajñāta-kanda) *m.* unknown or unidentified bulbous root अन्ये तेऽज्ञातकन्दाश्च ते न प्रोक्ता मयानघ HārīS. i. 16. 35.

अज्ञातकरण (ajñāta-karaṇa) *n.* unknown means एतेन अज्ञातकरणम् इन्द्रियम् इति प्रत्युक्तम् अज्ञातत्वस्य दुर्ज्ञानत्वात् TarkSaṁ.(Ā.) 34. 21; इन्द्रियव्यापारान्वयव्यतिरेकानुविधायित्वाद् अज्ञातकरणजन्यत्वात् SarvaDaKau. 56. 7.

अज्ञातकरणकत्व (ajñātakaraṇaka-tva) *n.* the state of having an unknown instrument परोक्षत्वे अज्ञातकरणकत्वानुपपत्ते: TattvCin. i. 680. 7.

अज्ञातकरणता (ajñātakaraṇa-tā) *f.* absence of knowledge of the instrument (of *pratyakṣa*) अज्ञातकरणतया ज्ञानजननार्थमनुमानानपेक्षणात् AdvaiSi. 363. 8.

अज्ञातकरणत्व (ajñātakaraṇa-tva) *n.* **A** the state of having an unknown instrument अज्ञातकरणत्वापातात् KhaṇḍanKhā. 517. 16; प्रतिपत्तेरापरोक्ष्यात् ··· अज्ञातकरणत्वाच्च NyāyKuA. ii(1). 230. 8; ii(1). 238. 1; ततश्चाज्ञातकरणा(? ण)त्वाद् रूपादिज्ञानवदेवाभावज्ञानस्येन्द्रियजन्यत्वं व्यवसानम् TārkiRa. 105. 4; TattvCin. i. 681. 7; **B** the state of being an unknown instrument or means न हि संस्कार: प्रत्यक्षादिष्वन्तर्भवति । ··· अज्ञातकरणत्वाच्च NyāySu. (Ja.) 277A. 13 (*on* ii. 1. 2); नाप्यनुमाने संस्कारस्याज्ञातकरणत्वात् SarvaDaKau. 52. 3; यद्यपीन्द्रियमनुमेयं तथापि तस्याज्ञातकरणत्वान्नानुमोपजीव्या Nyāyāmṛ. 106A. 5.

अज्ञातकरणा (ajñāta-karaṇā) *adj.* (*f.*) whose instrument or means is not known अज्ञातकरणाप्येवं स्मृतिर्निध्यक्षतां गता MānaMe. 139. 14.

अज्ञातकरणिका (ajñāta-karaṇikā) *adj.* (*f.*) having an unknown instrument एवमभावधी: परोक्षा चेत्तदा नाज्ञातकरणिका TattvCin. i. 681. 4.

अज्ञातकरणीय (ajñāta-karaṇīya) *adj.* ignorant of what is worth doing किमप्यज्ञातकरणीयै: ··· अमरगणैरसकृदुपसंगृह्यमाणचरणारविन्दमालक्ष्य चन्द्रशेखरम् ··· सनकादय: ··· स्तोतुमारेभिरे NīlaVi. 102. 19.

अज्ञातकर्ण (ajñāta-karṇa) *m.* (Astron.) unknown hypotenuse अज्ञातकर्णे फलसंस्कृतोत्थस्फुटस्वकेन्द्रोद्भवदो: फलं स्यात् SiddhāTaVi. 120. 13; तच्चापं चाज्ञातकर्णस्य मानमत्र व्यक्तं जायते तद्विलोमात् SiddhāTaVi. 159. 8.

अज्ञातकर्तृक (ajñātakartṛ-ka) *adj.* having an unknown agent खुरपुटनिष्पेषशब्देन चाज्ञातकर्तृकं गमनमनुमितम् TantrRaha. 27. 22.

अज्ञातकर्तृकत्व (ajñātakartṛka-tva) *n.* the state of having an unknown agent नैवं समस्तयोरेव मैत्रावरुणचोदना । अज्ञातकर्तृकत्वेन S'āstrDī. 330. 11 (*on* iii. 7. 21); अज्ञातकर्तृकत्वे ··· आप्तकर्तृकत्वनिश्चयाभावादप्रामाण्यशङ्का स्यादिति चेन्न NyāyPari. 384. 7.

अज्ञातकर्तृभेद (ajñātakartṛ-bheda) *adj.* (act of running) specified by an unknown agent अश्वस्याप्रतिपन्नगुणविशेषस्य प्रत्यक्षहेषाशब्दानुमितस्य ··· अज्ञातकर्तृभेदस्य धावनस्य च श्वेतोऽश्वो धावतीत्यन्वयबोधकत्वदर्शनात् PrakaPañ. 392. 12.

अज्ञातकर्मन् (ajñāta-karman) *n.* unknown rite उत्पत्तिविधिरज्ञातकर्मस्वरूपबोधपर: VedāntKa. 59. 7 (*on* i. 1. 3)

अज्ञातकल्प (ajñāta-kalpa) *adj.* as good as unknown येषामज्ञातकल्पानि नामगोत्राणि पार्थिव । ते हतास्तत्र भीष्मेण शूरा: MahāBhā. vi. 111. 9.

अज्ञातकाम (ajñāta-kāma) *adj.* ignorant of sexual desire, to whom love is unknown अज्ञातकामा निष्कोशा निर्गुण्डा इति च स्मृता: । वधूपस्थापने राज्ञाम् BhāvPra.(S'ā.) 293. 11(10)

अज्ञातकामत्व (ajñātakāma-tva) *n.* unawareness of or ignorance about sexual urge or desire तयोरनभिप्रेतत्वादज्ञातकामत्वाच्च काम: स्यान्न वेति संशय: JayaMa. 356. 25 (*on* 6. 6)

अज्ञातकामशास्त्रार्था (ajñāta-kāmaśāstrārthā) *adj.* (*f.*) ignorant of the teachings of Erotics सहास्यमभया प्राह कपिले ··· अज्ञातकामशास्त्रार्थे MalliC. 7. 296.

अज्ञातकारण (ajñāta-kāraṇa) *adj.* cause (of whose death) is unknown तस्मिन्नेवोत्सवदिने दीर्घदर्शी व्यपद्यत । अज्ञातकारण: BṛKathāMañ. ix. 2. 658; VetāPañ. 82. 24.

अज्ञातकारणत्व (ajñātakāraṇa-tva) *n.* the state of having an unknown cause योगिनामज्ञातकारणत्वादिग्रहे ··· साक्ष्येव शरणम् GuruCandr. ii. 97. 13.

अज्ञातकाल (ajñāta-kāla) *adj.* whose time is unknown यानि चाज्ञातकालान्यङ्गानि तेषां प्रधानकालत्वं वक्ष्यते TantrVā. 1095. 7 (*on* iii. 6. 22)

अज्ञातकालम् (ajñāta-kālam) *adv.* for an unknown period of time सुखसागरे निमग्नौ रविभावज्ञातकालमवतस्थाते PadmP.(Ra.) 99. 117.

अज्ञातकुल (ajñāta-kula) *n.* unknown family अज्ञातकुलजातस्य मे वृद्धा मिलिता कथम् CampaS'reKa. 366; *adj.* of unknown family अज्ञातकुलस्य

-व्याधितस्य पुत्रीं दातुं तव न युज्यते KathāK. 136. 31.

अज्ञातकुलता (ajñātakula-tā) *f.* the state of one whose family is unknown, belonging to unknown family विष्णुरिदं प्राह ··· अज्ञातकुलतां तस्य (हरस्य) पृच्छ्यतामयमेव च SkandP. i(2). 26. 72.

अज्ञातकुलनामन् (ajñāta-kulanāman) *adj.* of unknown family and name अज्ञातकुलनामानं तत्कालसमुपस्थितम् ··· प्राहुरतिथिं स पूज्यः MārkP. 29.27; ViṣṇuP. iii. 11. 61; SkandP. iii(3). 8. 75; हराय त्वं स्वसुतां दातुमिच्छसि···अज्ञातकुलनाम्ने S'ivaP. ii(3). 31.45 (160A. 2); Mānaso. i. 15. 114.

अज्ञातकुलशील (ajñāta-kulaśīla) *adj.* of unknown family and character अज्ञातकुलशीलाभ्यामावाभ्यां त्वं ततोऽन्यथा । पलायनमिदं कुर्वन् कथं न त्रपसेऽधुना PadmP.(Ra.) 101. 56; अज्ञातकुलशीलस्य प्रवेशो नात्र सर्वथा DevīBhāP. i. 17. 20; अज्ञातकुलशीलस्य वासो देयो न कस्यचित् Hitopa. 1. 42; 1. 52(7); KaumuMi. 1. 19(30); PrabaCin. 108. 22; PālaGoKa. 130; अज्ञातकुलशीलेन पुरुषेण···सह न गच्छेत् ManvaMu. 170. 26 (*on* 4. 140)

अज्ञातकुलशीलक (ajñātakulaśīla-ka) *adj.* of unknown family and character एतौ तावागतावावामज्ञातकुलशीलकौ PadmP.(Ra.) 101. 55.

अज्ञातकुलशीलिन् (ajñāta-kulaśīlin) *adj.* having an unknown lineage and character अकिञ्चनमसम्बन्धमज्ञातकुलशीलिनम् । असंपूज्यातिथिं मुक्त्वा भोक्तुकामं व्रजत्यधः ViṣṇuP. iii. 11. 62; PadmP.(Ra.) 24. 96; मया ज्ञातं शंकराय सुतां दातुं त्वमिच्छसि । इमां पद्मास्यां दिव्यामज्ञातकुलशीलिने BrahmVaiP. iv. 41. 19; S'ivaP. iii. 35. 26 (339A. 10)

अज्ञातकुलसंभवा (ajñātakula-sambhavā) *adj.* (*f.*) born in an unknown family अधमास्तमसश्चांशा अज्ञातकुलसंभवाः । दुर्मुखाः कुलटा धूर्ताः BrahmVaiP. ii. 1. 148.

अज्ञातकेत (ájñāta-keta) *adj.* [DEBRU. p. 100] having unknown intention स्तेना अदृश्रन् रिपवो जनासोऽज्ञातकेता वृजिना अभूवन् ṚV. v. 3. 11.

अज्ञातकेशावसन (ajñāta-keśāvasana) *adj.* unconscious of the (condition of one's) hair and clothes(?) अत्रान्तरे कापि कापालिकलिङ्गधारिणी··· प्रविश्य देव्या वामभागे करतलगलितकर्पूरलिकुचफलमवनितलपतितमज्ञातकेशावसनमतिकम्पले महति बाष्पपूरे प्लवमानमवलोक्य···मामप्राक्षीत् VasaTi. 26. 12.

अज्ञातकैतवकथागन्ध (ajñāta-kaitavakathāgandha) *adj.* ignorant (i. e. innocent) of even the slightest talk or speech of deceit अथ तावत्··· अज्ञातकैतवकथागन्धं सिन्धुमिव जडाशयम् ··· कमपि कज्जलमेचकं पाचकमपश्यम् Mukundā. 218(1)

अज्ञातकैतवा (ajñāta-kaitavā) *adj.* (*f.*) ignorant of deceitful behaviour, straightforward, innocent अज्ञातकैतवा साथ भार्या साध्वी महामुनेः । ···स्वभर्तारमवैक्षत RāmāMañ. 459. 7.

अज्ञातकोष्ठ (ajñāta-koṣṭha) *n.* undiagnosed (condition of the) bowels अज्ञातकोष्ठे हि बहुः कुर्याज्जीवितसंशयम् AṣṭāSaṁ. i. 129. 3 (1. 25)

अज्ञातकौलिक (ajñāta-kaulika) *m.* an unknown Kaula teacher अज्ञातकौलिके प्राप्ते पौर्वापर्यं तु चिन्तयेत् । स्मृत्वा स्वस्य गुरुं देवि स्वस्य मार्गेण तर्पयेत् KulārT. 11. 7.

अज्ञातक्रम (ajñāta-krama) *adj.* not knowing the (proper) order (of prescribed rites) अज्ञातक्रमपुरुषाधिकारिकं चेदं वचनं ज्ञेयम् TristhaSe. 368. 21.

अज्ञातक्रियाकर्तृसंबन्ध (ajñāta-kriyākartṛsambandha) *m.* unknown connection between action and agent ननु अध्यवसायः आकूतम्···अज्ञातक्रियाकर्तृसंबन्ध इति विधिविदो विधिं व्याचक्षते BrahmSi. 117. 4.

अज्ञातक्लेशसंपर्क (ajñāta-kleśasamparka) *adj.* who has not known (i. e. experienced) any association with hardships अज्ञातक्लेशसंपर्कः कमलक्रोडकोमलः । कथं भूमितलेऽरण्ये निशां व्यालिनि नेष्यसि PadmP.(Ra.) 107. 5.

अज्ञातक्षयक (ajñātakṣaya-ka) *adj.* (Math.) that (proportion of a thing) which is related to the unknown negative quantity (to be subtracted) चतुर्दशैव वर्णानि सप्त स्वर्णानि तत्क्षये । चतुस्स्वर्णे दशोत्पन्नमज्ञातक्षयकं वद (वर्णम्) GaṇiSāSaṁ. 5. 179.

अज्ञातखेट (ajñāta-kheṭa) *m.* (Astron.) unknown (position of a) planet अज्ञातखेटः स्वमृणं कृतश्चेदज्ञातचक्राणि भवन्ति तानि Golā. 252. 4 (31. 9)

अज्ञातगति (ajñāta-gati) *adj.* whose course is unknown अथोदीचीं दिशं यातु स्वैरज्ञातगतिर्भवान् BhāgP. i. 13. 26.

अज्ञातगमन (ajñāta-gamana) *n.* sexual union with one (whose relationship is) not known असवर्णासु तु (पितृभार्यासु जननीव्यतिरेकेण) सकृद्विज्ञातगमने (v. l. सकृदज्ञातगमने) 'चान्द्रायणं वा त्रीन् मासानभ्यसेद् वेदसंहिताम्' इति BālaKrī. ii. 127. 12 (*on* 3. 260)

अज्ञातगर्भा (ajñāta-garbhā) *adj.* (*f.*) whose pregnancy is not known (i. e. undetected) यदा त्वेकस्यां भार्यायामज्ञातगर्भायां भर्ता मृतः ···तदा विभागमाह ManvaVi. 1199. 20 (*on* 9. 164); या गर्भवती अज्ञातगर्भा ज्ञातगर्भा वा परिणीयते, स गर्भस्तस्यां जातः परिणेतुः पुत्रो भवति ManvaMu. 396. 3 (*on* 9. 173)

अज्ञातगवय (ajñāta-gavaya) *adj.* who does not know what a *gavaya* (Gayal or *Bos gavaeus*) is, who has not seen a Gayal आप्तेन वनेचरेण विदितगवयेनाप्रसिद्धगवयस्याज्ञातगवयस्य नागरिकस्य कीदृग्गवय इति पृच्छतो गवा गोसारूप्येण गवयस्य प्रतिपादनादुपमानम् NyāyKa. 220. 21; आप्तेन ··· अज्ञातगवयस्य···गवा गोसादृश्येन गवयशब्दवाच्यस्य प्रतिपादनात् 'यथा गौस्तथा गवय' इति आप्तवचनमेवातिदेशवाक्यमेवोपमानम् Kiraṇā. 321. 18.

अज्ञातगाध (ajñāta-gādha) *adj.* whose depth is not known यत्तावत्प्रथमसमागमे रतं तदप्यलब्धविस्रम्भायां कामिन्यामज्ञातगाधमिव सरः शङ्कावगाहं भवति DhūrtaViSaṁ. 20. 2.

अज्ञातगाम्भीर्य (ajñāta-gāmbhīrya) *adj* whose depth is not known प्रविशेज्जलम् । तथा नाज्ञातगाम्भीर्यं न हिंस्रप्राणिसेवितम् BhāvPra.(Bhā.) 5. 254.

अज्ञातगुडमण्डक (ajñāta-guḍamaṇḍaka) *adj.* unfamiliar with (wheat) cakes made with molasses पप्रच्छ च ततो ज्ञातीनज्ञातगुडमण्डकः PariPar. 2. 363.

अज्ञातगुण (ajñāta-guṇa) *m.* unknown multiplier यः कश्चिदज्ञातगुणोऽस्ति येन भाज्यो हतः क्षेपयुतोनितश्च । हरोद्धृतः शुद्धिमुपैति तत्र SiddhāTaVi. 385. 7.

अज्ञातगुणदूषण (ajñāta-guṇadūṣaṇa) *adj.* ignorant of (the difference between) virtue and vice बालस्वभावचपलावज्ञातगुणदूषणौ । नयनानन्दिनःष्यन्दौ कूटयुद्धैर्जिघांसति (कंसः) KaṁVa. 6. 36.

अज्ञातगुरुपारंपर्या (ajñāta-gurupāramparyā) *adj.* (*f.*) whose traditional line of preceptors is not known अथ प्रासङ्गिकः अज्ञातगुरुपारम्पर्याणाम् (विद्यानाम्) गुरुक्रमः NityoNi. 50. 2.

अज्ञातगृह (ajñāta-gṛha) *n.* an unknown house or house of an unknown person वासोऽज्ञातगृहे नैव कुर्याद् निद्रां घनां न च । विश्वासो नैव कस्यापि कर्तव्यो हितमिच्छता RatnaCūKa. 105.

अज्ञातगोत्र (ajñāta-gotra) *adj.* whose lineage is not known अज्ञातगोत्रा विदितात्मतत्त्वा लोकस्य दृष्ट्या जडवद्विभान्तः । ··· सन्तः S'aṅkaDigVi. (Mā.) 14. 88.

अज्ञातगोत्रजन्मन् (ajñātagotra-janman) *adj.* born in an unknown family or clan चतुर्दश्याममावास्यां तथा च पितृतर्पणम् । अज्ञातगोत्रजन्मानस्तेभ्यः पिण्डांस्तु निर्वपेत् SkandP. iii(2). 29. 64.

अज्ञातगोत्रनामन् (ajñāta-gotranāman) *adj.* whose *gotra* and name are not known अज्ञातगोत्रनाम्ना(?म्नां) तु पिण्डमन्त्रमिमं शृणु SkandP. iii(2). 29. 56; अज्ञातगोत्रनामानमन्यग्रामादुपागतम् । विपश्चितोऽतिथिं प्राहुः BṛNāraP. 25. 35.

अज्ञातगोत्वक (ajñātagotva-ka) *adj.* whose bovine nature is not grasped (understood) गौः सास्नादिमान्धर्मी स्वरूपेण अज्ञातगोत्वकेन धर्मिस्वरूपमात्रेण न गौः न गोव्यवहारनिर्वाहकः । नाप्यगौः RasGaṅ. 183. 8.

अज्ञातगोव्यक्ति (ajñāta-govyakti) *adj.* one who has not seen a bovive animal who does not know what a bovive animal is (अज्ञातगोव्यक्तेः जिज्ञासोः पुरुषस्य) अज्ञातगोव्यक्तेः प्रत्यक्षेणादृश्यमानगोव्यक्तेरित्यर्थः S'rutaPra. iB. 109. 21 (*on* i. 1. 2)

अज्ञातग्रहभगण (ajñātagraha-bhagaṇa) *m.* number of revolutions of an unknown planet अज्ञातग्रहभगणा ज्ञातस्येष्टैर्हता भगणमानैः ĀryaSi. 17. 2 (195) (comm. अज्ञातग्रहस्य कल्पभगणाः)

अज्ञातघट (ajñāta-ghaṭa) *m.* unknown jar अधीकर्मणः सिद्धिरप्यज्ञातघटादिसद्भाववत् ··· समर्थिता NyāySiA 239. 5; अज्ञातत्वांशे तदसंभवेन अज्ञातघटसंयोगानुकूलव्यापारे प्रवृत्त्यसंभवात् GuruCandr. ii. 92. 13; 'घटोऽज्ञातो न वे'ति संशयोत्तरं चौचित्यावर्जितः अज्ञातघटेन्द्रियसंयोगादेः संशय एव स्यात्, न तु निश्चय इति भावः LaCandr. 469. 15.

अज्ञातघटादिक (ajñātaghaṭādi-ka) *adj.* beginning with an unknown jar ननु प्रमोत्पत्तेः पूर्वमप्रतीतमप्यज्ञातघटादिकं पश्चादनुमानादिना ज्ञेयत्वात् नासत् LaCandr. 469. 39.

अज्ञातघटासिद्धि (ajñātaghaṭāsiddhi) *f.* non-determination of an unknown jar ज्ञाते घटे अयं पूर्वं न ज्ञात इति घटेऽज्ञानं सिध्यतीति चेत् – तन्न, अज्ञातघटासिद्धेः । न ह्यज्ञातरूपो घटः प्रमाणात्सिध्यति, प्रमाणप्रवृत्तेः प्रागेव तस्येष्टत्वात् IṣṭaSi. 196. 21.

अज्ञातघटोत्पत्तिकाल (ajñāta-ghaṭotpattikāla) *adj.* who is not aware of the time of origin (production) of a jar प्रत्यक्षेणैव चान्यथात्वमभिनवपुराणावस्थयोरज्ञातघटोत्पत्तिकालैरपि पुरुषैरुपलभ्यते S'āstrDī. 144. 11 (*on* i. 1. 6)

अज्ञातघातवत् (ajñātaghāta-va(n)t) *adj.* unaware of (one's) injury or wound सैन्ययोरुभयोः शौर्यविशादज्ञातघातवान् । तस्मिन्नुदयनोऽपि स्वस्वामिनः पुरतः स्थितः । प्रजह्रे प्रहृतश्चासौ व्यपतद् भूमिमण्डले PrabhāC. 198. 18.

अज्ञातचक्र (ajñāta-cakra) *n.* (Astron.) unknown (number of) revolutions (of a planet), revolution of an unknown planet अज्ञातखेटः स्वमृणं कृतश्चेदज्ञातचक्राणि भवन्ति तानि Golā. 252. 4 (31. 9)

अज्ञातचन्द्रज्ञापक (ajñātacandra-jñāpaka) *adj.* indicator of the moon which is not known प्रकृष्टत्वे सति प्रकाशत्वमज्ञातचन्द्रज्ञापकम् VedāntKa. 55. 13 (*on* i. 1. 2)

अज्ञातचर (ajñāta-cara) *adj.* who moves without being known or seen (i. e. coming secretly) धन्या सा रजनी तदेव सुदिनं पुण्यः स एव क्षणो यत्राज्ञातचरः प्रियानयनयोः सीमानमेति प्रियः KaviKanṭhā. 5. 1 (56) = SubhāRaK. 49. 12 = SaduktiKa. 294. 11.

अज्ञातचरित (ajñāta-carita) *adj.* whose behaviour or activities are not known तस्मिन् काले जरासंधः ··· । अज्ञातचरितं शत्रुं श्रीवधूहरणोद्यतम् । विरित्सन् ···अतप्यत RāghPāṇ.(Dha.) 9. 4.

अज्ञातचरित (ajñāta-carita) *n.* [Inst.] incognito, so as not to make their activities known पञ्चापि पाण्डवाः । अज्ञातचरितेनैते विराटस्य गृहे स्थिताः BṛKathāK. 83. 92.

अज्ञातचरितम् (a-jñātacaritam) *adv.* so as to keep the performance unknown गूढधर्माश्रितो विद्वानज्ञातचरितं चरेत् MahāBhā. xiv. 46. 49.

अज्ञातचर्य (ajñāta-carya) *adj.* acting incognito क नु स्युः पाण्डवा गताः । अल्पावशिष्टं कालस्य···तेषामज्ञातचर्यायाम् (v. l. अज्ञातचर्याणाम्) अस्मिन् वर्षे त्रयोदशे MāhāBhā. iv. 25. 3.

अज्ञातचर्या (ajñāta-caryā) *f.* **i** activity incognito, living in concealment अज्ञातचर्या पाण्डूनां वासो ब्राह्मणवेश्मनि MahāBhā. i. 2. 85; iii. 36. 23; अल्पावशिष्टं कालस्य ··· तेषामज्ञातचर्यायामस्मिन्वर्षे त्रयोदशे MahāBhā. iv. 25. 3; xii. 16. 19; हंसाः संप्रति पाण्डवा इव वनादज्ञातचर्यां गताः Mṛcch. 5. 6; अज्ञातचर्या गूढचर्या मे मम कर्तव्या SanatBh. 225. 17 (*on* 1. 31); वर्षाणि द्वादशारण्ये सह तिष्ठन्तु निष्ठया । अज्ञातचर्यया वर्षम् BālBhā. 2. 36; **ii** activity (meditation) directed towards the Unknown (i. e. Brahman) नित्यमज्ञातचर्या मे अज्ञाते चक्षुराद्यविषयभूते वाचामगोचरे ··· प्रत्यग्भूते ब्रह्मणि चर्या निष्ठा समाधिलक्षणा SanatBh. 226. 11 (*on* 1. 31)

अज्ञातचाण्डाल (ajñāta-cāṇḍāla) *m.* *cāṇḍāla* (one belonging to the lowest caste) incognito वेश्मन्यज्ञातचाण्डालो द्विजातेर्यदि तिष्ठति । ब्रह्मकूर्चं चरेन्मासं त्रिःस्नायी नियतेन्द्रियः BṛParāSm. 8. 203.

अज्ञातचारित्र (ajñāta-cāritra) *adj.* whose conduct or way of life remains unknown सर्वभावविशेषज्ञौ धृतिमन्तौ मनस्विनौ । परैरज्ञातचारित्रौ (पराशक्तिः नीललोहितश्च) BrahmāṇḍP. iii. 14. 25.

अज्ञातचितिवत् (ajñātaciti-vat) *adv.* like the unknown consciousness अज्ञायमानो मात्रादिर्न यस्मादनुभूयते । अज्ञातचितिवत्तस्मादज्ञातोऽनुभवः स्मृतः BṛĀraUBhVā. iv. 4. 900.

अज्ञातचित्त (ajñāta-citta) *adj.* whose mind (i. e. thought) is not known सर्वत्रानुचरः शोषकारी छायाग्रहाभिधः । अज्ञातचित्तः स्तब्धाख्यो भूतसंज्ञो विचेतनः SamaMā. 5. 47.

अज्ञातचित्तवृत्ति (ajñāta-cittavṛtti) *adj.* whose mental disposition is not known प्रवासादिभिरज्ञातचित्तवृत्तौ प्रिये जने । इतरक्लेशकारी यः स प्रौढः स्नेह उच्यते RasāSu. 152. 2 (2. 114); UjjvaNīMa. 420. 3.

अज्ञातचोलदुरुपद्रव (ajñāta-coladurupadrava) *adj.* having no idea of pain caused by the bodice (i. e. not accustomed to breastwear) कूर्पासगूढकुचपङ्कजकुड्मलानां को नाम शंसति रतिं भुवि गुर्जरीणाम् । अज्ञातचोलदुरुपद्रवचोलनारीपीनस्तनस्तबकमण्डलदत्तहस्तः Mukundā. 79.

अज्ञातचौरवृत्ति (ajñāta-cauravṛtti) *f.* stealthy behaviour of a thief (i. e. ambush) त्रिभिः कुमारैः ··· स्वसैन्यं सज्जीकृत्याज्ञातचौरवृत्त्या तत्सर्वमाच्छिद्य स्वपितुरुपनिन्ये PrabaCin. 14. 11.

अज्ञातज (ajñāta-ja) *adj.* produced or caused by (something) unknown सापत्नं वास्तुजं स्त्रीजं वाग्जातम् (v. l. वाङ्गातजम्) अपराधजम् । ··· वैरं पञ्चविधं स्मृतम् NītiSā. 10. 16 (Mitra's Ed.)

अज्ञातजडसिद्धि (ajñātajaḍa-siddhi) *f.* establishment of an inanimate (object) which is not cognised or perceived तत्सर्वं ज्ञातमेवेति नाज्ञातजडसिद्धिर्मानात् IṣṭaSi. 200. 3.

अज्ञातजन्तुवध (ajñāta-jantuvadha) *m.* act of killing living beings unknowingly or unintentionally अज्ञातजन्तुवधादिकर्मजनितपापानि च प्राणायामादिना नाशयन्नियतेन्द्रियः ··· सुखं वसेत् ManvaMu. 246. 23 (*on* 6. 95)

अज्ञातजन्मन् (ajñāta-janman) *adj.* **A** whose origin or birth (i. e. mother or father) is unknown तौ त्वद्गृहे ··· अज्ञातजन्मनः । दासमभ्युपगच्छेताम् BṛKathāSloSaṁ. 28. 68; अज्ञातजन्मा स्वगृहे उत्पन्नो गूढजोऽस्य सः BṛDharmaP. ii. 6. 71; **B** whose (time of) birth is not known अज्ञातजन्मनां नृणां नामभं परिकल्पयेत् VasiS. 32. 196.

अज्ञातजन्मसमय (ajñāta-janmasamaya) *adj.* whose time of birth is not known वक्ष्यामि भूपमधिकृत्य ··· । अज्ञातसूतिमथवा (v. l. अज्ञातजन्मसमयम्) विदितैष्यभाग्यम् YogVā. 1. 2.

अज्ञातजलाशय (ajñāta-jalāśaya) *m.* reservoir of water which is not known (i. e. not familiar) (नृपः) न गाहेज्जनसंबाधं न चाज्ञातजलाशयम् MastyaP. 215. 73.

अज्ञातजातक (ajñāta-jātaka) *adj.* whose horoscope is not known अज्ञातजातकानामपि यात्रां प्रवदेन्निमित्तशकुनाद्यैः VasiS. 37. 2.

अज्ञातजाति (ajñāta-jāti) *adj.* whose caste is not known प्रासादप्रतिमापीठे ··· । मूर्खैरज्ञातजातिभिः ··· । दूषिते सति (संप्रोक्षणविधिर्भवेत्) PāraS. 22. 4.

अज्ञातजातिविशेष (ajñāta-jātiviśeṣa) *adj.* not knowing to which species one belongs एवं ते त्रयोऽपि शिशवः परस्परं अज्ञातजातिविशेषाः ··· बालकालं निर्वाहयांचक्रुः Pañcā. 242. 11.

अज्ञातजैनगिर् (ajñāta-jainagir) *adj.* who does not understand the words of the Jina गुरुराह महासत्त्वाज्ञातजैनगिरामयम् । आलापं(पः) PrabhāC. 104. 29.

अज्ञातज्ञप्ति (ajñāta-jñapti) *f.* knowledge of the unknown आत्मनस्तु स्वरूपसत्ताविनिश्चितिरज्ञातज्ञप्तिर्विधेयतेति न विरोधः VedāntKa. 65. 5 (*on* i. 1. 4)

अज्ञातज्ञाततस् (ajñātajñāta-tas) *adv.* **i** from the knowledge of what is not known अज्ञातज्ञाततोऽन्यत्वान्निर्देश्यं न तदक्षरम् BṛĀraUBhVā. iii. 8. 53; **ii** because of (the senses) being known as unknown मात्वमक्षादयो यान्ति नाज्ञातज्ञाततोऽन्यथा BṛĀraUBhVā. (Sambandha.) 1003.

अज्ञातज्ञान (ajñta-jñāna) *n.* knowledge of the unknown यद्यपि प्रतिपन्नं प्रत्यनुमानस्य न संशयविपर्ययनिवृत्तिरज्ञातज्ञानं वोपयोगः NyāyVārPari. 747. 6; अज्ञातज्ञापकमेव प्रमाणम् । अज्ञातज्ञानमेव वा NyāySu.(Ja.) 253A. 8 (*on* ii. 1. 2); SarvaDaKau. 76. 2.

अज्ञातज्ञानाभाव (ajñātajñānābhāva) *m.* absence of knowledge of the unknown असदादीनाम् ··· अज्ञातज्ञानाभावेऽपि अज्ञानज्ञानम् Nyāyāmṛ. 362B. 5.

अज्ञातज्ञापक (ajñāta-jñāpaka) *adj.* conveying or making known what is not known अज्ञातज्ञापकं शास्त्रमेवं स्वाभाव्यतो मितेः BṛĀraUBhVā. ii. 1. 493; मन्त्राः ··· कर्मतत्साधनाभिधानार्थाः नाज्ञातज्ञापकाः इत्याचक्षते मीमांसकाः PrakaVi. 296. 21; 'विधिः' अज्ञातज्ञापको वेदभागः CaturCin. ii(1). 17. 9; TarkSaṁ.(Ā.) 85. 10; तत्र प्रमाणं नाज्ञातज्ञापकम् GuruCandr. iii. 8. 17; 'विधौ' विधायके अज्ञातज्ञापके वाक्ये LaCandr. 374. 34; अज्ञातज्ञापकमेव प्रमाणम् NyāySu.(Ja.) 253A. 8 (*on* ii. 1. 2)

अज्ञातज्ञापकता (ajñātajñāpaka-tā) *f.* nature of teaching or conveying what is not known अतश्च श्रुत्याद्यविरुद्धविषयात्मतुष्टे धर्मे अज्ञातज्ञापकतयापि प्रामाण्यम् MīmāKau. i. 46. 10 (*on* i. 3. 7)

अज्ञातज्ञापकत्व (ajñātajñāpaka-tva) *n.* the state of conveying what is not known अज्ञातज्ञापकत्वेन वेदस्य स्वतःप्रामाण्याभ्युपगमात् LalitāTriBh. 350. 7 (*on* 57); 328. 14 (*on* 43); नन्विदमितिप्रमाणवृत्तेरज्ञानानिवर्तकत्वे अज्ञातज्ञापकत्वरूपप्रमात्वेन व्यवहारो न स्यात् AdvaiSi. 562. 7; 701. 12; तस्मादज्ञातज्ञापकत्वात् सप्रयोजनत्वाच्चात्मतत्त्वप्रतिपादनं न व्यर्थम् SiddhāBi. 3. 3; 52. 5; प्रयोजनवदज्ञातज्ञापकत्वं च मानता BhaktiRa. 3. 28; तच्च (वेदान्तवाक्यम्) अज्ञातज्ञापकत्वेऽप्यनुष्ठानाप्रतिपादकत्वान्न विधिः PrasthāBhe. 6. 2; 6. 7; शाखान्तराधिकरणे तेषां (विधीनाम्) तत्तच्छाखाध्यायिनं प्रति स्वशाखाध्ययनप्राथम्येन अज्ञातज्ञापकत्वं समर्थितम् VidhiRa. 8(37. 20); 8(38. 10); तम् (विधिम्) आदाय सर्ववाक्यानामज्ञातज्ञापकत्वानुपपत्तेः MīmāKau. ii. 115. 6 (*on* ii. 4. 8); अत एव धारावाहिज्ञानस्थले ज्ञानानां स्वस्वाधिकरणक्षणविशिष्टतया स्वस्वविषयग्राहित्वेनाज्ञातज्ञापकत्वमिति मीमांसकाः LaCandr. 319. 22; 397. 42; 427. 38.

अज्ञातज्ञापन (ajñāta-jñāpana) *n.* teaching or conveying what is not (already) known केचिदाहुः अज्ञातज्ञापनं विधिः KāśiVṛ. *on* P. iii. 3. 163; अज्ञातज्ञापनमतोऽथाप्रवृत्तप्रवर्तनम् । विधिमाचक्षते धीराः BrahmSi. 114. 1; विधिरज्ञातज्ञापनम् KātanVṛ. *on* iii. 1. 20; DurgaSiṁha. *on* KātanVṛ. *on* i. 1. 21; अज्ञातज्ञापनं चातो विधिरत्राभिधीयते BṛĀraUBhVā. ii. 4. 115; iv. 4. 924; Bhām. 589. 13 (*on* iii. 3. 4); 754. 22 (*on* iv. 4. 5); NyāyRaMā. 144. 20; अज्ञातज्ञापनं ज्ञातस्य स्थिरीकरणं संशयनिवर्तनमिति त्रिविधस्तत्त्व-

निर्णयः TārkiRa. 211.5; औदुम्बरतायाः साधनतया विधिरज्ञातज्ञापनमित्यर्थः NyāySu.(So.) 74.19 (*on* i. 2.19); अप्रतिपन्नार्थविषयं शास्त्रमज्ञातज्ञापनरूपप्रयोजनवत् S'rutaPra. iB. 57.27 (*on* i. 1.1); Ekāva. 6.1(2) 151.4); अनेकशाखाबोधिते चैकस्मिन् कर्मणि प्रथमेनाज्ञातज्ञापने सिद्धे द्वितीयादेरनुवादकत्वेन तत्र प्रामाण्यम् SarvaDaKau. 97.23; SiddhāSi. i.32.14; (विधिः) प्रमाणत्वाचाज्ञातज्ञापनफलः MīmāKau. ii. 78.5 (*on* ii. 3.24); विधिफलस्य हि अज्ञातज्ञापनस्यैकविषयत्वमेव सर्वत्र क्लृप्तम् BhāṭṭDī. i. 114.7 (*on* ii. 2.3); विधानमत्राज्ञातज्ञापनमेव न तु प्रवर्तनाविषयत्वम् LaS'abdeS'e. i. 307.6.

अज्ञातज्ञापनरूपविधि (ajñātajñāpanarūpa-vidhi) *m.* injunction which consists in conveying what is not known यच्छब्दस्य प्राप्तिद्योतकत्वेन स्वविषये अज्ञातज्ञापनरूपविधिप्रतिबन्धकत्वं स्पष्टम् BhāṭṭDī. i. 98.18 (*on* ii. 1.7); तस्य च विशेष्यांशे अज्ञातज्ञापनरूपविधिफलाभावेऽपि विशेषणांशे तत्फललाभेन सार्थक्योपपत्तिः MīmāKau. iii(2). 198.13 (*on* ii. 2.16)

अज्ञातज्ञापनविषयत्व (ajñātajñāpanaviṣaya-tva) *n.* the state of being the object of making known what is not known यागस्याज्ञातज्ञापनविषयत्वाख्यं विधेयत्वम् MīmāKau. i. 223.17 (*on* i. 4.8); ii. 78.6 (*on* ii. 3.24); iii(2). 164.15 (*on* ii. 2.3)

अज्ञातज्ञापनाभिप्राय (ajñātajñāpanābhiprāya) *adj.* which purports to making known what was (hitherto) unknown अज्ञातज्ञापनाभिप्रायं विधीयमानतयेति व्याख्येयम् NyāySu.(So.) 73.15 (*on* i. 2.19)

अज्ञातज्ञापनार्थत्व (ajñātajñāpanārtha-tva) *n.* purpose of making known what is not known उत्पत्तिविधेरज्ञातज्ञापनार्थत्वात् Bhām. 76.11 (*on* i. 1.4)

अज्ञातज्ञापनावलम्बन (ajñātajñāpanāvalambana) *n.* dependence on the act of making known what is unknown अज्ञातज्ञापनावलम्बनेनोदाहृतो नियमः AlaṅkāRa. 83(41)

अज्ञातज्ञापनैकस्वभाव (ajñātajñāpanaikasvabhāva) *adj.* whose only nature is making known what is unknown गोद्रव्यकयागदानादेरनूद्यमानस्याज्ञातज्ञापनैकस्वभावविधिविषयत्वायोगस्स्पष्ट एव MīmāKau. iii(2). 104.5 (*on* ii. 1.32)

अज्ञातज्ञाप्यता (ajñātajñāpya-tā) *f.* the state of becoming knowable of (something) not (already) known यद्यसौ साधनांशोऽज्ञातज्ञाप्यतयापूर्वेण साधनांशप्रतिपादकेनौदुम्बरो यूपो भवतीत्यनेन वाक्यभागेनावगतः NyāySu.(So.) 73.16 (*on* i. 2.19)

अज्ञातज्ञाप्यत्व (ajñātajñāpya-tva) *n.* the state of being fit to be made known what is not (already) known अज्ञातज्ञाप्यत्वरूपस्य चात्र विधेयत्वस्य ··· अभिप्रेतत्वात् NyāySu.(So.) 83.23 (*on* i. 2.26); अज्ञातज्ञाप्यत्वाख्यं विधेयत्वं च प्रमेयम् BhāṭṭDī. i. 161.2 (*on* ii. 3.11); अज्ञातज्ञाप्यत्वरूपविधेयत्वस्य ··· वाच्यत्वात् GuruCandr. i. 448.19.

अज्ञातज्ञेय (ajñāta-jñeya) *adj.* knowable (object which was hitherto) unknown अस्मिन्नपवरके शतं हस्तिनो धावन्ति तान्विजानीहीत्युक्तो विज्ञाता मयेत्याह अज्ञातज्ञेयाभावं विवक्षन् IṣṭaSi. 370.19.

अज्ञाततत्त्व (ajñāta-tattva) *adj.* **i** who does not know the (Supreme) Reality लोकानज्ञाततत्त्वांस्तु समाह्वादय नागरान् PāraS. 15.371; ज्ञानमज्ञाततत्त्वाय यो दद्यात्सत्पथेऽमृतम् BhāgP. iv. 12.51; तस्मादज्ञाततत्त्वानां पुंसां कुर्वतामकुर्वतां च कर्तृता YogVā. iv. 38.5; शृण्वन्त्वज्ञाततत्त्वास्ते PañcDa. 7.260; AvadhūU$_1$. 16; **ii** who does not know the truth कथमेनामज्ञा(त)तत्त्वोऽहं यन्त्रपुत्रिकामिव रुदन्तीं(? °तीं) निवारयामि UdaySuKa. 90.6; अज्ञाततत्त्वस्य न तत्र दोषः KathāK. 105.13; **iii** who has not known the real sense (of a word or expression) संशयोऽज्ञाततत्त्वस्य वाक्ये स्याद्यदनिश्चयः SāhiDa. 336.9; तैरज्ञाततत्त्वैः किमिति पृष्टः PrabaCin. 89.27; **iv** whose real nature is not known (i. e. the unknown) अज्ञाततत्त्वः स परो न मुनक्ति ह्यतद्विदम् BṛĀraUBhVā. i. 4.1676.

अज्ञाततत्त्वक (ajñātatattva-ka) *adj.* **i** who has not known or realized the ultimate truth नराः ··· । प्रावर्तन्त ततो भीताः कर्मस्वज्ञाततत्त्वकाः BṛĀraUBhVā. iii. 5.144; iv. 4.299; **ii** whose real nature is not known अज्ञानं च तदुत्थं च ह्यात्मैवाज्ञाततत्त्वकः BṛĀraUBhVā. ii. 1.174.

अज्ञाततत्त्वचेतस् (ajñātatattva-cetas) *adj.* whose mind has not grasped the truth or not known the facts अज्ञाततत्त्वचेतोभिर्दुराग्रहमलीमसैः । युद्धमेव भवेद्गोष्ठ्यां दण्डादण्डि कचाकचि YaśasCam. ii. 406.15.

अज्ञाततत्त्वता (ajñātatattva-tā) *f.* the state of not knowing the facts अज्ञाततत्त्वतया तस्मिन् स्तब्धतां भजमाने PrabaCin. 45.20; 82.16.

अज्ञाततत्त्वम्पदार्थ (ajñāta-tattvampadārtha) *m.* the unknown senses of the words *tat* and *tvam* (in the Upaniṣadic statement *tat tvam asi*) अज्ञाततत्त्वंपदार्थयोरैक्यं वेदान्तस्य विषयः SarvaDaKau. 114.18.

अज्ञाततत्त्वविस्व (ajñātatattvavit-tva) *n.* the state of being one who knows the unknown Supreme Reality अज्ञाततत्त्वविस्त्वेन ··· कल्पितस्य उपदेष्टृत्वसंभवेन उदाहृतवाक्याविरोधात् AdvaiSi. 541.14.

अज्ञाततत्त्वार्थज्ञान (ajñātatattvārtha-jñāna) *n.* knowledge of the real thing which was (hitherto) unknown प्रमा चाज्ञाततत्त्वार्थज्ञानम् MānaMe. 2.2; 7.5.

अज्ञाततत्त्वावगम (ajñātatattvāvagama) *m.* knowledge of the reality (hitherto) unknown अज्ञाततत्त्वावगमरूपायाः प्रमायाः MānaMe. 5.6.

अज्ञाततत्पद (ajñāta-tatpada) *adj.* who does not know that word अच्युतपरमना यावद् भवानज्ञाततत्पदः । गुरुशास्त्रप्रमाणैस्तु निर्णीतं तावदाचर MuktiU. 2.30.

अज्ञाततत्प्रभाव (ajñāta-tatprabhāva) *adj.* not knowing its power अज्ञाततत्प्रभावानाम् ··· । अथैषाममवद्देवादवज्ञा त्रिदशान्प्रति SamarāSū. 6.16.

अज्ञाततत्स्वरूप (ajñāta-tatsvarūpa) *adj.* who has not known its nature अज्ञाततत्स्वरूपो यस्तत्र याति कदाचन । सर्वस्वं तस्य गृह्णन्ति तत्रत्या विविधा जनाः RatnaCūKa. 125.

अज्ञाततदर्थ (ajñāta-tadartha) *adj.* who does not know its sense or import सर्वैरपि विद्वद्भिरज्ञाततदर्थैर्विमृशद्भिर्नृपेण पृष्टा हेमाचार्या इत्थं व्याचख्युः PrabaCin. 64.17.

अज्ञाततद्गुण (ajñāta-tadguṇa) *adj.* who does not know its merit वज्रश्रिमवज्ञातोऽस्माभिरज्ञाततद्गुणैः PariPar. 12.198.

अज्ञाततद्योग (ajñāta-tadyoga) *adj.* not knowing whose union (she had) अज्ञाततद्योगाद्धोगादाधानमभूत् PrabaCin. 106.26.

अज्ञाततद्वृत्त (ajñāta-tadvṛtta) *adj.* who does not know the incident अहमज्ञाततद्वृत्तः शोकशङ्कुसमाकुलः SamarāSaṁ. 2.279.

अज्ञाततन्मनस् (ajñāta-tanmanas) *adj.* who has not known her mind चकार परमं दुःखं वायुरज्ञाततन्मनाः PadmP.(Ra.) 16.1.

अज्ञाततस् (ajñāta-tas) *adv.* from the unknown ज्ञातस्याज्ञाततोऽन्यत्वात्तत्र स्यात्कि न मानता BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 689.

अज्ञातता (ajñāta-tā) *f.* the state of being unknown अज्ञाततया ··· ब्रह्मविदनुरूपमकुर्वन् ··· यो जनः सः ··· श्रेयान् SanatBh. 224.13 (*on* 1.29); अज्ञाततात्यनवबोधनिबन्धनैव SaṁkṣeS'ā. 1.51 (i. 54.15); 1.113 (i. 98.5); 1.316 (i. 235.15); 2.18 (ii. 11.3); ज्ञाततया अज्ञाततया वा ज्ञानान्तरसापेक्षं तन्निरपेक्षं वा S'rutaPra. iB. 10.8 (*on* i. 1.1); विश्वस्यापि ज्ञाततयाज्ञाततया वा साक्षिवेद्यत्वस्य भवदभिमतत्वात् S'atDū. 69.7; 169.9; विषयगतामज्ञाततां निराकर्तुं स्वदेशगतेति SarvaDaSaṁ. 16.757; अज्ञाततायाः कश्चित्कालं ज्ञाततया निवृत्तेः VivaPraSaṁ. 23.15; अस्माकं तु सर्वं वस्तु ज्ञाततयाज्ञाततया वा साक्षिचैतन्यविषय एवेति Vādā. 32.1; सर्वं वस्तु ज्ञाततयाज्ञाततया वा साक्षिविषय इति प्रसिद्धम् SiddhāTa. 54.17.

अज्ञातताकाल (ajñātatā-kāla) *m.* the time of the unknown state (of something) अज्ञातताकालेऽपि घटादिकं योगिना प्रमीयते GuruCandr. ii. 96.8; अज्ञातताकाले ··· कारणताग्राहकान्वयव्यतिरेकज्ञानसंभवः LaCandr. 469.41.

अज्ञातताकालीन (ajñātatākāl-īna) *adj.* pertaining to the time of the unknown state (of something) हेतुताग्राहकान्वयव्यतिरेकज्ञानमज्ञातताकालीनघटान्वयज्ञानं विना न संभवति GuruCandr. ii. 95.19.

अज्ञाततादशा (ajñātatā-daśā) *f.* the state of unknownness अयं तद्वेदीयशाखान्तरस्थवाक्यरूपो वादः पुरः पूर्वं अज्ञाततादशायामग्निहोत्रादेर्ज्ञापकः LaCandr. 425.18.

अज्ञाततानुभवन (ajñātatānubhavana) *n.* experience of unknownness अज्ञाततानुभवनं न च वास्तवं तदज्ञाततोद्वहति कल्पिततां हि तस्याः SaṁkṣeS'ā. 1.316 (i. 235.17)

अज्ञातताधगति (ajñātatāvagati) *f.* knowledge of unknownness नाज्ञातताधगतिरस्ति जडेषु पूर्वम् SaṁkṣeS'ā. 2.16 (ii. 10.5); नाज्ञाततावगतये स्वयमेव बाह्यं मेयं समर्थम् SaṁkṣeS'ā. 2.17 (ii. 10.13)

अज्ञाततावरोधित्व (ajñātatāvirodhi-tva) *n.* the state of being opposed to the state of being not known 'अज्ञातो घट' इत्याकारा प्रमाणवृत्तिर्न संभवति, प्रमाणवृत्तेरज्ञाततावरोधित्वेन स्वसमानकालीनाज्ञातताविषयत्वासंभवात् LaCandr. 469.11.

अज्ञाततासत्त्व (ajñātatā-sattva) *n.* existence of the state of being not known यत्तु भास्वररूपादौ व्यभिचार इति, तन्न; दुःखादाविव तत्राप्याद्यक्षणावच्छेदेनाप्रकाशात्, सन्निकर्षाद्यधीनवृत्त्यभावकाले अज्ञाततासत्त्वाच्च LaCandr. 781.31.

अज्ञाततासिद्धि (ajñātatā-siddhi) *f.* establishment of the state of

being not known सिद्वेऽनवगते यस्मात्पुरस्ताद् व्याप्तिनिर्मितेः। मानादज्ञाततासिद्धौ स्यादन्योन्यसमाश्रयः BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 570.

अज्ञातत्व (ajñāta-tva) *n.* 1 the state of being not known विरुद्धौ सदसद्भावौ न स्यातामेकवस्तुनि। ननु तुल्यं विरोधित्वं ज्ञाताज्ञातत्वयोरपि S'lokaVār. 5 (15). 34 (647.12); यद् ज्ञायते तदेव गतिः तदन्यस्याज्ञातत्वात् गतित्वानुपपत्तेः LalitāTriBh. 330.11 (*on* 44); (ज्ञातत्वं) तद्व्याप्यत्वोपाधिकं चाज्ञातत्वं नाम S'arka. 119.7; (प्रमाणप्रवृत्तेः) ऊर्ध्वं चेदज्ञातत्वं स्यात्, अज्ञातत्वमेव मानास्यात्र तु ज्ञातत्वम् IṣtaSi. 196.23; 204.21; अज्ञातत्वापमार्ष्ट्यर्थमुपादित्सन्ति मानिनः। मानानि मानसंबन्धादज्ञातत्वं च नश्यति BṛĀraUBhVā. i. 2.101; (Sambandha.) 686; अज्ञातत्वे यानवोचाम दोषान् मायावित्वे ब्रह्मणस्तानवेहि SaṁkṣeS'ā. 2.142 (ii. 90.13); विषयाश्रयं चेदज्ञानं निवर्तते तर्ह्येकेन ज्ञातस्य घटस्यान्यैरज्ञातत्वं न स्यात् Tattvodyo. 2B.3; अज्ञातत्वस्य च ज्ञानाभावादुपपत्तेः VedāntKa. 173.12 (*on* i. 3.30); CaturCin. iii(1). 98.14; एतेन अज्ञातकरणं इन्द्रियं इति प्रत्युक्तं अज्ञातत्वस्य दुर्ज्ञानत्वात् TarkSaṁ.(Ā.) 34.21; 106.7; अज्ञातत्वं नाम अज्ञानविषयत्वम् VivaPraSaṁ. 23.17; संनिहितेऽपि धर्मिणि व्यवहितप्रतियोगिज्ञानमन्तरेण भेदस्याज्ञातत्वेनान्वयव्यतिरेकाभ्यां कार्यकारणभावावगमात् SarvaDaSaṁ. 5.23; विषयगतमज्ञातत्वं व्युदसितुं साध्यविशेषणानि Nyāyāmṛ. 298A.6; प्रमेयत्वेन सकलप्रमेयज्ञाने जातेऽपि विशिष्य सकलपदार्थानामज्ञातत्वेन सार्वज्ञ्याभावात् SiddhāMu. 35.4 (*on* 65); तत्र त्रिविधं तात्पर्यलिङ्गम् प्रामाण्यशरीरघटकमर्थनिष्ठमज्ञातत्वमबाधितत्वं प्रयोजनवत्त्वं च AdvaiSi. 425.6; अद्वितीयात्मतत्त्वं हि प्रधानं फलवत्त्वादज्ञातत्वाच्च प्रमेयं शास्त्रस्य SiddhāBi. 51.7; ननु कार्यस्य घटत्वाद्यवस्थाविशेषविशिष्टत्वेन बुद्ध्यभिलापविशेषविषयत्वाज्ञातत्वासत्त्वादिकमुपपद्यताम् S'ivārkMaDi. ii. 24.5 (*on* ii. 1.16); न च प्रत्यक्षादिविषयस्य घटादेरज्ञातत्वमस्ति SiddhāLeSaṁ. 234.3; न चाज्ञातत्वमेवाप्राप्तशब्दार्थः VidhiRa. 8 (38.1); 10 (76.1); अर्थिनि मृते तत्पुत्रादिना अज्ञातत्वादनुपन्यस्तेऽर्थे क्वासौ साक्षी स्यादिति मृतान्तरोऽसाक्षी VīraMi. 500.24 (*on* ii. 68.72); पूर्वमज्ञातत्वेनाकामितत्वान्मयैव पूर्वं कामितम् LaCandr. 8.18; 80.22; (इष्टिम्) अविहितां विदधाति, विहितां चातिदिशतीत्युक्तम्। ज्ञातत्वाज्ञातत्वयोर्विरोधात् MayūMāli. 651.13 (*on* x. 1.4); (भक्तमानसहंसिका) ... परैरज्ञातत्वात् कपलय: LalitāSaBh. 100.29 (*on* 132)

अज्ञातत्वक्षति (ajñātatva-kṣati) *f.* loss of the state of being not known अज्ञातत्वक्षतिं कुर्वन्मानं मानत्वमश्नुते BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 989.

अज्ञातत्वज्ञापक (ajñātatva-jñāpaka) *adj.* indicative of the state of being not known अर्थस्याज्ञातत्वज्ञापकमपि मानं तद्विषयमेव उत अन्यविषयम् IṣtaSi. 198.3.

अज्ञातत्वदोष (ajñātatva-doṣa) *m.* defect of the state of being not known सवित्रादिदेवताविशेषविज्ञानसद्भावेनाज्ञातत्वदोषः परिहृतो भवति MayūMāli. 38.29 (*on* i. 3.7)

अज्ञातत्वधर्म (ajñātatva-dharma) *m.* quality of the state of being not known अज्ञानमज्ञातत्वधर्मं स्वविषये संपाद्य तस्य साक्षिणा संबन्धं घटयति VivaPraSaṁ. 20.21; 20.10.

अज्ञातत्वनिवेश (ajñātatva-niveśa) *m.* inclusion or insertion of the state of being not known अन्यथा स्वरूपेणाज्ञातत्वनिवेशे व्यवहारकालबाध्यप्रातीतिकबुद्धेः संवादिप्रवृत्तिप्रयोजकप्रमात्वाभावापत्तेः GuruCandr. i. 247.12.

अज्ञातत्वनिह्नुति (ajñātatva-nihnuti) *f.* dissimulation of the state of being unknown प्रमाणाच्च न तत्सिद्धिस्तस्य मानविरोधतः। मानैश्चेदविरोधः स्यात्कुतोऽज्ञातत्वनिह्नुतिः BṛĀraUBhVā. iv. 3.548.

अज्ञातत्वबोधन (ajñātatva-bodhana) *n.* conveying or making known the state of being unknown अत्राज्ञातत्वबोधने प्रयोजनाभावेन ... साकल्यार्थकत्वस्यैव ग्राह्यत्वात् VidhiRa. 10 (76.6)

अज्ञातत्वभाव (ajñātatva-bhāva) *m.* existence of the state of being unknown न च संदिग्धस्यैव साध्यत्वम्, अन्यथाज्ञातस्य अज्ञातत्वभावाभ्युपगमात् TarkSaṁ.(Ā.) 94.21.

अज्ञातत्वरूप (ajñātatva-rūpa) *adj.* having the form of the state of being unknown अज्ञातत्वरूपापूर्वत्वं फलं अबाधितत्वरूपोपपत्तिश्च GuruCandr. i. 313.20; LaCandr. 374.35.

अज्ञातत्वविघातिन् (ajñātatva-vighātin) *adj.* destroyer of the state of being unknown तेनागमस्य तत्र स्यादज्ञातत्वविघातिनः। प्रमाणत्वम् BṛĀraUBhVā. (Sambandha.) 1007.

अज्ञातत्वविशिष्टघटादि (ajñātatvaviśiṣṭa-ghaṭādi) *adj.* jar etc. qualified by the state of being unknown तस्याज्ञातत्वविशिष्टघटादौ कारणतादिग्रहेऽनुपयोगः LaCandr. 469.12.

अज्ञातत्वविशेषित (ajñātatva-viśeṣita) *adj.* qualified by the state of being unknown प्रमाणज्ञानोदयात्प्रागज्ञातत्वविशेषितोऽर्थः साक्षिसिद्धोऽनुवादगोचरो भवति च प्रश्नार्हः Vādā. 32.2.

अज्ञातत्वव्याघात (ajñātatva-vyāghāta) *m.* contradiction of the state of being unknown न च सामान्येन ज्ञाने विशेषतो अज्ञातम्। ... प्रमितत्वे चाज्ञातत्वव्याघातात् VedāntKa. 173.26 (*on* i. 3.30)

अज्ञातत्वसंसिद्धि (ajñātatva-saṁsiddhi) *f.* determination of the state of being unknown यतोऽज्ञातत्वसंसिद्धिर्ज्ञातत्वस्यापि चाञ्जसा। तत एव च मानत्वम् BṛĀraUBhVā. i. 4.287.

अज्ञातत्वसंभव (ajñātatva-sambhava) *m.* possibility of being not known or not cognised चिदात्मनि अज्ञातत्वसंभवेऽपि कर्मकाण्डे लक्षणस्य अव्याप्ति(? स)त्वं प्रागुक्तरीत्या स्थितम् TarkSaṁ.(Ā.) 106.10; अज्ञातत्वसंभवेनाज्ञातविषयकत्वसंभवात् LaCandr. 70.4.

अज्ञातत्वसिद्धि (ajñātatva-siddhi) *f.* establishment of unknownness (of something) शुक्तीदमंशावच्छिन्नचैतन्यगतमज्ञानं रजताध्यासमुत्पाद्य तदवभासस्यमतिशयं शुक्तौ करोतीति शुक्तेरज्ञातत्वसिद्धिः VivaPraSaṁ. 23.20.

अज्ञातत्वादि (ajñātatvādi) *adj.* unknownness and others अपि सर्वप्रमाणानामज्ञातत्वादिसिद्धये। नेक्ष्यतेऽन्यतमं मानम् BṛĀraUBhVā. i. 4.258; iv. 3.183; अज्ञातत्वादिरूपेण चिद्रेचत्वं तु चित्यपि Nyāyāmṛ. 68B.5; AdvaiSi. 488.1.

अज्ञातत्वादित्रय (ajñātatvādi-traya) *n.* triad of features of unknownness and others (i. e. unsublatedness and purposefulness) अज्ञातत्वादित्रयविशिष्टार्थप्रमापकत्वरूपं तात्पर्यम् GuruCandr. i. 456.10.

अज्ञातत्वापनुद् (ajñātatvāpanud) *adj.* remover of unknownness or the state of being unknown अज्ञातत्वापनुन्मानात्क्रिमन्यदिति कथ्यताम् BṛĀraUBhVā. i. 4.248.

अज्ञातत्वापनोदकृत् (ajñātatvāpanoda-kṛt) *adj.* causing removal of unknownness संभाव्यतेऽपरं रूपमज्ञातत्वापनोदकृत् BṛĀraUBhVā. ii. 4.190.

अज्ञातत्वापमार्ष्टि (ajñātatvāpamārṣṭi) *f.* wiping out of unknownness अज्ञातत्वापमार्ष्ट्यर्थमुपादित्सन्ति मानिनः BṛĀraUBhVā. i. 2.101.

अज्ञातत्वाभाव (ajñātatvābhāva) *m.* absence of unknownness, absence of the state of being unknown ब्रह्मणोऽज्ञत्वाज्ञातत्वाभावात् ज्ञातृत्वज्ञेयत्वासिद्धेः IṣtaSi. 324.18; अथवा अज्ञातो विषयोऽनुभव एव जडे अज्ञातत्वाभावात् GuruCandr. i. 172.20; ii. 411.9; iii. 36.13; अविद्यादेरज्ञातत्वाभावेनैव तदवच्छिन्ना चित् न प्रमा LaCandr. 311.19; 318.41; 494.22; विषयगतोऽज्ञातत्वाभावस्तु वृत्त्यनवच्छेदकदेशेनाप्यवच्छिद्यते LaCandr. 563.36; 588.43.

अज्ञातत्वाभिनय (ajñātatvābhinaya) *m.* expression pertaining to unknownness कस्यायमिति। अज्ञातत्वाभिनयोऽयम् LaS'abdeS'e. ii. 376.2.

अज्ञातत्वावच्छेदक (ajñātatvāvacchedaka) *adj.* delimiting the state of being unknown अज्ञातत्वावच्छेदकघटाद्यस्वीकारे ... ऐक्यप्रत्यभिज्ञादेश्चानुपपत्तिः GuruCandr. i. 203.22; LaCandr. 332.14.

अज्ञातत्वावच्छेदकत्व (ajñātatvāvacchedaka-tva) *n.* the state of delimiting the unknownness चैतन्यस्यैवाज्ञातत्वान्मुख्यं प्रमाविषयत्वमज्ञातत्वावच्छेदकत्वाद्घटादेः GuruCandr. ii. 158.15.

अज्ञातत्वाविशेष (ajñātatvāviśeṣa) *m.* absence of distinction in regard to the unknownness अज्ञातत्वाविशेषेऽपि मानानां यदि मानता BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 689.

अज्ञातत्वासिद्धि (ajñātatvāsiddhi) *f.* want or absence of establishment of unknownness अज्ञातत्वासिद्धौ च ज्ञातत्वासिद्धिः IṣtaSi. 197.6; 197.12; अज्ञातत्वासिद्धौ ज्ञातत्वासिद्धेः IṣtaSi. 326.19.

अज्ञातत्वाहान (ajñātatvāhāna) *n.* non-disappearance of unknownness अन्यथा मानादज्ञाततत्वाहानात् IṣtaSi. 369.9.

अज्ञातत्वोपपत्ति (ajñātatvopapatti) *f.* propriety of unknownness सविशेषत्वेन ज्ञाताज्ञातत्वोपपत्तेः NyāySu.(Ja.) 382B.5 (*on* ii. 2.6)

अज्ञातत्वोपहितरूप (ajñātatvopahita-rūpa) *n.* form delimited by unknownness अज्ञानद्वारा अज्ञातत्वोपहितरूपेण LaCandr. 495.41.

अज्ञातत्वोपाधिक (ajñātatvopādhika) *adj.* having the unknownness as a condition अज्ञान(? त)त्वोपाधिकेऽर्थे वर्तमानात् प्रातिपदिकात्तिङन्ताच्च स्वार्थे यथाविहितं प्रत्ययो भवति KāśiVṛ. *on* v. 3.73.

अज्ञातदशा (ajñāta-daśā) *f.* unknown state, the state in which (the object) is not realised यत्कात्पनिकं न तदज्ञातदशायामस्ति VedāntKa. 224.2 (*on* i. 4.19)

अज्ञातदुःख (ajñāta-duḥkha) *adj.* who has not experienced sorrow, to whom sorrow is not known स्वयमज्ञातदुःखो यः स दुनोति न विस्मयः SūktiMu. 40.2; Subhāṣi. 1109.

अज्ञातदेवतत्व (ajñātadevata-tva) *n.* the state of having an unknown deity त्वत्पक्षे त्वपूर्वयोः कर्मणोरज्ञातदेवतत्वात्र मन्त्रापेक्षा TantrVā.

467. 11 (*on* ii. 2. 3)

अज्ञातदेशकाल (ajñāta-deśakāla) *adj.* not unknowing the place and time अज्ञातदेशकाला: ··· मुग्धा भक्ष्यन्ते धूर्तमार्जारैः KalāVi. 1. 19.

अज्ञातदेशगत (ajñātadeśa-gata) *adj.* gone to an unknown place यस्य तु अज्ञातदेशगतस्य जीवनमरणान्यतरानिर्धारणात् पञ्चदशवर्षाणि प्रतीक्ष्य पश्चात् प्रतिकृतिदाहाद्यौर्ध्वदेहिकं क्रियते VīraMi.(Samaya.) 191. 26.

अज्ञातदैववृत्तान्त (ajñāta-daivavṛttānta) *adj.* who had not known the way of fate or destiny अज्ञातदैववृत्तान्तो ययौ लोकेषु हास्यताम् RājTa.(S'rī.) 4. 304.

अज्ञातदोष (ajñāta-doṣa) *adj.* [*f.* -ā] whose fault or offence is not known अज्ञातदोषेणोढा या निर्दोषा नान्यमाश्रिता NāraSm. 186. 96; अज्ञातदोषैर्दोषज्ञैरुद्दूष्य···भेद्या: शत्रो: ··· सामवायिका: S'iśuVa. 2. 113; दैवादज्ञातदोषस्य शान्तिं मे कर्तुम र्हसि BrahmVaiP. iii. 2. 10; अज्ञातदोषा ताडंकं मद्दृष्ट्वा(? ष्ट्या)-लिङ्गितप्रिया। धत्ते निश्चलमा(द्या)पि प्रीत्या मदनुवृत्तये EI. viii. 111. 55; VīraMi. 1069. 10 (*on* 3. 300); *m.* unknown defect or fault पुंसामज्ञातदोषेण ··· कश्चिद् दु:खेन तिष्ठति SkandP. i(2). 42. 68.

अज्ञातदोषक (ajñātadoṣa-ka) *adj.* whose fault or offence is not known अदृष्टदोषेऽपीति । अज्ञातदोषकेऽपीत्यर्थ: BālamBha. i. 454. 29 (*on* 1. 191)

अज्ञातदोषत्व (ajñātadoṣa-tva) *n.* the state of one whose discrepancy or fault is unknown तृतीयेन तु द्वितीये बाधिते सति अज्ञातदोषत्वान्निरपवादं भवति NyāyRa. 64. 7 (*on* 2. 60)

अज्ञातद्रव्यदेवत (ajñāta-dravyadevata) *adj.* (rite) of unknown (sacrificial) material and deity न च तत्र प्रवृत्ति: स्यादज्ञातद्रव्यदेवते TantrVā. 466. 1 (*on* ii. 2. 3)

अज्ञातद्रव्यदैवत (ajñāta-dravyadaivata) *adj.* (rite) of unknown (sacrificial) material and deity देवताद्रव्ययाथात्म्यज्ञानं कर्माङ्गतां गतम्। तावदेव हि तत्कर्म नाज्ञातद्रव्यदैवतम् BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 360.

अज्ञातद्विपभक्ष (ajñāta-dvipabhakṣa) *adj.* to whom the food or diet of the elephant is not known (who is ignorant about the food or diet of the elephant) अज्ञातद्विपभक्षभिक्षुभवनावस्थानदु:स्थाशया वेपन्ते नवदन्तिन: PadyāTa. 56.

अज्ञातधर्मशासना (ajñāta-dharmaśāsanā) *adj.* (*f.*) to whom the code of law (pertaining to women's conduct) is not known नोद्वाहयेत् पिता बालामज्ञातधर्मशासनाम् MahNirvāT. 8. 107.

अज्ञातधर्मसद्भाव (ajñāta-dharmasadbhāva) *adj.* to whom the true nature of righteousness (*dharma*) is not known अज्ञातधर्मसद्भाव: ···जातोऽसौ दीर्घसंसृति: BṛKathāK. 46. 181.

अज्ञातधातुलिङ्ग (ajñāta-dhātuliṅga) *adj.* **1** in which verbal root and gender are not known अज्ञातधातुलिङ्गम् ··· अज्वरमिव वमति कवि: श्लोकं कृच्छ्रात्सह प्राणै: Deśopa. 8. 18; **2** in which the bodily humour and symptom are not known or diagnosed, Deśopa. 8. 18.

अज्ञातनयागमक्रम (ajñāta-nayāgamakrama) *adj.* to whom the way of the science of the polity is not known (who is ignorant of the way of the science of polity) युवानमज्ञातनयागमक्रमम् ··· नृपम् ··· । ··· क्षिणोति चन्द्रं क्षणदेव तामसी MadhuVi. 3. 26.

अज्ञातनानात्व (ajñātanānā-tva) *adj.* to whom the difference (of the soul from the body) is not known ये चेहाज्ञातनानात्वास्तेषां देहेष्वहंमति: S'lokaVār. 5(17). 132 (722. 7)

अज्ञातनामगोत्र (ajñāta-nāmagotra) *adj.* whose name and family are not known अज्ञातनामगोत्राय प्रेताय सतिलोदकम्। प्रदद्यात् S'ātāSm. 6. 27; मया तु जातु नाज्ञातनामगोत्रो हत: पर: PāṇḍaC. 17. 251.

अज्ञातनामत्व (ajñātanāma-tva) *n.* the state of one whose name is unknown अज्ञातनामत्वे न सगोत्रत्वदोषस्तथापि नेदं कलौ प्रवर्तते NirṇaSi. 218. 25.

अज्ञातनामन् (ajñāta-nāman) *adj.* whose name is not known एते ··· नैव भक्ष्या न चेष्टा ये चान्येऽप्यज्ञातनामाण्डजाश्च HāriS. i. 22. 11; लव: (प्रविश्य) अज्ञातनामक्रमाभिजनान् पूज्यानपि न: स्वत: कथमभिवादयिष्ये UttaRāC. iv. 24 (1); अज्ञातनाम्ना सा तेन प्रार्थितेत्यसकृद्रह: SkandP. iv. 59. 89; iv. 28. 17; तीर्थेष्वशिवेष्वज्ञातनामकर्ममर्मस्वदृष्टपूर्वेषूदकेषु हस्तिनम् ··· पाययन्ति ··· हस्तिजीविन: Hastyāyur. 66. 8 (1. 9)

अज्ञातनामवर्ण (ajñāta-nāmavarṇa) *adj.* whose name and caste are not known अज्ञातनामवर्णेष्वात्मापि ययार्प्यते धनांशेन। तस्या अपि सद्भावं मृगयन्ते मोघसंकल्पा: KalāVi. 4. 12; SūktiRa. 114. 17.

अज्ञातनामानोकह (ajñātanāmānokaha) *m.* a tree whose name is not known अज्ञातनामानोकहपरित्यागेन व्यतिक्रान्तकिंपाकफलादितापत्ति: YaśasCam. ii. 284. 13.

अज्ञातनिजपुण्या (ajñāta-nijapuṇyā) *adj.* (*f.*) to whom her own merit is not known (who is ignorant of her own merit) गणिका कापि तत्रस्था···। अज्ञातनिजपुण्या सा किंचिदुत्सृष्टवत्यभूत् PadmP. vi. 171. 41.

अज्ञातनिधातृक (ajñātanidhātṛ-ka) *adj.* whose depositor is not known संपश्येत् स्वपुरुषैरन्येन चोत्धृ(? द्धृ)तम्। पुराणमज्ञातनिधातृकम् ManvaVi. 894. 17 (*on* 8. 38)

अज्ञातनिर्माणका (ajñātanirmāṇa-kā) *adj.* (*f.*) of unknown creation एकैवास्त्यमरावती ननु पुरी साज्ञातनिर्माणका RājTa.(S'rī.) 1 (5). 3.

अज्ञातनिलय (ajñāta-nilaya) *adj.* whose home is not known, homeless अज्ञातनिलयस्यास्य कीदृशो दारसंग्रह: PadmP.(Ra.) 33. 319.

अज्ञातनिवृत्ति (ajñāta-nivṛtti) *f.* expiation for the unknown (fault) जुहुयात् ··· । अनाज्ञातमिति द्वाभ्यां ज्ञाताज्ञातनिवृत्तये LaghvāśvaSm. 2. 64.

अज्ञातनिश्चय (ajñāta-niścaya) *adj.* whose decision was not known (by others) (महीपति:) अज्ञातनिश्चयासिद्धे(? य: सिद्धे)र्विनान्त:करणं परै:। अथ प्रास्थापयद्देवीं सामात्यां तारमूलकम् RājTa.(Ka.) 8. 3097 (Hoshiarpur Ed. अजातनिश्चय:)

अज्ञातनिषेध (ajñāta-niṣedha) *m.* unknown negation उक्तानुवादस्याज्ञातनिषेधज्ञापनार्थत्वादेव GuruCandr. i. 479. 14.

अज्ञातनिष्ठ (ajñāta-niṣṭha) *adj.* present in the unknown कृतिविषयत्वेन ज्ञाप्यत्वमज्ञातनिष्ठज्ञाप्यत्वं च विधिवाक्यमात्रस्यावश्यं वाच्यम् LaCandr. 826. 32.

अज्ञातनिष्पतित (ajñāta-niṣpatita) *adj.* fallen or discharged imperceptibly अज्ञातनिष्पतितरामशरावलीकम् । आलोक्य ··· उरस्तदीयं दूराद्दु: प्लवगवीरबलानि पृष्ठम् RāmC. 36. 16.

अज्ञातनृपविक्रम (ajñāta-nṛpavikrama) *adj.* not aware of the valour of the king आयाता: केन विश्वस्ता अज्ञातनृपविक्रमा: RājTa.(Prā.) 448.

अज्ञातन्यायवर्त्मन् (ajñāta-nyāyavartman) *adj.* ignorant of the ways of reasoning or logic श्रोत्रियाणां त्वकम्पोऽयमज्ञातन्यायवर्त्मनाम् TattvSaṁ. 1509.

अज्ञातपतिमर्यादा (ajñāta-patimaryādā) *adj.* (*f.*) not knowing the rule of behaviour towards the husband अज्ञातपतिमर्यादामज्ञातपतिसेवनाम्। नोद्वाहयेत् पिता बालाम् MahNirvāT. 8. 107.

अज्ञातपतिसेवना (ajñāta-patisevanā) *adj.* (*f.*) not knowing how to serve the husband अज्ञातपतिसेवनाम् । नोद्वाहयेत् पिता बालाम् MahNirvāT. 8. 107.

अज्ञातपदसमन्वय (ajñāta-padasamanvaya) *adj.* who does not understand the syntactical relation between words तथा चात्र तथापि तत्र सुरतव्यापारलीलाविधौ रेवारोधसि वेतसीतरुतले चेत:समुत्कण्ठानुपपत्तेरेव साक्षाच्छब्देनावगमाद् विभावनैव निश्चितेति क: संदेहमभिदधीत अन्यत्र तथापीत्यत्राज्ञातपदसमन्वयमात्रात् सहृदयमानिन: AlaṅkāRa. 112 (73)

अज्ञातपदार्थ (ajñāta-padārtha) *adj.* not knowing the meaning of individual words पदार्थासङ्गतेऽर्थे चेद्वाक्यं साक्षात् प्रवर्तते। पदार्थसंविदस्तत्र न स्याद् दृष्टोपकारिता। तेनाज्ञातपदार्थोऽपि बुध्येतैव स्वभावत: S'lokaVār. 7. 106 (875. 6); YuktiSneha. 152. 28 (*on* i. 1. 7)

अज्ञातपद्धति (ajñāta-paddhati) *adj.* whose footprint or movement has not been known पराजितस्ततो राजा विवेश गिरिगह्वरे।···अज्ञातपद्धतिश्चान्यै: SkandP. ii(7). 15. 10; मुनीन्द्रौ ··· राजा ···। ननाम शिरसा भक्त्या प्रवासेनातिपीडित:। राजचिह्नविहीनश्च केनाप्यज्ञातपद्धति: SkandP. ii(7). 15. 17.

अज्ञातपद्मप्रयोग (ajñāta-padmaprayoga) *adj.* not knowing the usage of the word *padma* तर्ह्यज्ञातपद्मप्रयोगस्य कुमुदसाधारणबोधो न स्यात् TattvCin. iv(2). 612. 3.

अज्ञातपरचक्रविप्लवा (ajñāta-paracakraviplavā) *adj.* (*f.*) unaware of the disaster caused by the army of enemy समाश्वासय श्वा(स्वा)मिविरहविक्लवा: प्रतिग्रामनगरमज्ञातपरचक्रविप्लवा(? वा:) पौरजनता(? ता:) TilaMañ. 402. 13.

अज्ञातपरमार्थ (ajñāta-paramārtha) *adj.* not knowing the truth माया तवेयमज्ञातपरमार्थातिमोहिनी ViṣṇuP. v. 30. 14; अज्ञातपरमार्थेन क्रियामात्रे च तिष्ठता। फलकार्पण्ययुक्तेन मनसा सोऽकरोन्मखम् YogVā. iv. 51. 3; अज्ञातपरमार्थैस्तै: क्षुधादिपरिपीडितै:। फलाद्याहारसंतुष्टै: प्रणीतास्तापसादय: PadmP.(Ra.) 11. 291; (वसिष्ठोऽशिष्टभावन:) अज्ञातपरमार्थोऽसौ तिष्ठति प्रीतमानस: BṛKathāK. 106. 13; अज्ञातपरमार्थानामेवमन्येऽपि दुर्णया:। मिथ्यादृशां न गण्यन्ते जात्यन्धा-

नामिव द्विपैः (? द्विपे) YaśasCam. ii. 270. 13; अज्ञातपरमार्थोऽसि तद्विदित्वा जिनागमम् ।…परिव्रज्यां त्वमाश्रये: PārśvC. 6. 1276; अज्ञातपरमार्थो हि स्तौति वैषयिकं सुखम् NemiC. 9. 20; तत्क्षन्तव्यं त्वयाज्ञातपरमार्थेन यन्मया । निदेशितोऽसि देशस्य त्यागे साधुधुरंधर: SamarāSaṁ. 2. 221; एकदा च यशश्चन्द्रगणिना प्रत्युपेक्षितम् । आसनं हेमसूरीणाम् …। अज्ञातपरमार्थेन तद् दृष्ट्वायुक्ति भूभुजा KumāDeC.(So.) 18. 15.

अज्ञातपरमार्थ (ajñāta-paramārtha) *m.* unknown truth (नमस्ते) अज्ञातपरमार्थाय परमार्थविबोधिने PadmP.(Ra.) 9. 181; ननु प्रथममज्ञातपरमार्थं कथमभिलषणम् AbhinBhā. i. 13. 17 (*on* 1. 14)

अज्ञातपरमार्थक (ajñātaparamārtha-ka) *adj.* who did not know the truth अज्ञातपरमार्थकैः । तैरिदं कल्पितं तीर्थं कातरैः BṛKathāK. 131. 68.

अज्ञातपरमार्थत्व (ajñātaparamārtha-tva) *n.* the state of not knowing the truth शोच्यः कार्पटिकस्त्वेष यमाहूवैवमादरात् । मातुलुङ्गमिमं दत्तं तुष्टेनानेन भूभृता ।…इति सर्वेऽपि…विषादिनः । अज्ञातपरमार्थत्वात्स्वैरमूचुः परस्परम् KathāSaSāg. ix. 3. 36.

अज्ञातपरस्परवियोग (ajñāta-parasparaviyoga) *adj.* in which mutual separation is not known अज्ञातपरस्परवियोगं भोगमु(? सु)खमुपभुञ्जानयोः TilaMañ. 343. 16.

अज्ञातपरानुवर्तना (ajñāta-parānuvartanā) *adj.* (*f.*) unaware of imitating others दृशमस्य तृणीकृतामरां गिरमज्ञातपरानुवर्तनाम् ।…परिपश्यन्नृपतिर्विसिष्मिये S'ivLī. 15. 59.

अज्ञातपरिच्छित्ति (ajñāta-paricchitti) *f.* correct knowledge of the unknown अज्ञातपरिच्छित्तिरेव प्रमा PramāLa. 2B. 11 (comm. परिच्छित्तिरिति यथार्थज्ञानमुच्यते । अज्ञातेति स्मृतिसाधनव्युदासार्थम्)

अज्ञातपरिमाण (ajñāta-parimāṇa) *adj.* 1 extent of which is not known न चाज्ञातपरिमाणादर्थावगतिः सम्भवति, अतो दध्यत्रेति सर्वमिदमेकं पदं न भेद इति NyāyRa. 906. 11 (*on* 7. 217); 2 of unknown number कथंभावापेक्षितापूर्वोपकारस्याज्ञातपरिमाणाङ्गसाध्यत्वात् TantrVā. 119. 9 (*on* i. 3. 5); अज्ञातपरिमाणेऽपि बाहुल्यमात्रेण लोके अपरिमितशब्दप्रयोगात् बाहुल्ये शक्तिः BhāṭṭDī. ii. 322. 20 (*on* vi. 7. 10); MayūMāli. 514. 5 (*on* vi. 7. 10)

अज्ञातपरिश्रम (ajñāta-pariśrama) *adj.* who has not felt fatigue नरवाहनदत्तः …। प्राक्रामत्पथि तस्मिन्नज्ञातपरिश्रमः स तत्सहितः KathāSaSāg. vii. 8. 223.

अज्ञातपात (ajñāta-pāta) *adj.* whose alighting or falling is not noticed अज्ञातपातः प्रतिहारपालैः … लङ्काधिपस्य प्रसभं पुरोऽभूत् (अङ्गदः) RāmC. 27. 73; लोलकल्लोलकीलालकूलिनीमेत्य पत्तिभिः । लेभे मरणमज्ञातपातैर्निमज्ज्य कैश्चन PāṇḍaC. 13. 448.

अज्ञातपातम् (ajñāta-pātam) *adv.* without the fall being noticed तदस्य जैत्राभरणं विहर्तुरज्ञातपातं सलिले ममज्ज RaghuVa. 16. 72.

अज्ञातपाप (ajñāta-pāpa) *adj.* whose sin is not known अनाविष्कृतपापाः तत्पापहेतुकर्माविनाभूतव्यतिरिक्तैरज्ञातपापाः ManvaVi. 1457. 7 (*on* 11. 226); *n.* unintentional sin (गृही) अज्ञातपापैः प्रमुच्यते ManvaMu. 177. 30 (*on* 4. 181); ज्ञाताज्ञातपापक्षयकामोऽष्टोत्तरसहस्रसावित्रीजपमहं करिष्ये TantrSā.(K.) 41. 11.

अज्ञातपार (ajñāta-pāra) *adj.* whose other shore is not known, boundless अज्ञातपारे…स्वानन्दैकरसे निमग्नमनसां न त्वं न चाहं जगत् PraboSu. 165.

अज्ञातपारार्थ्य (ajñāta-pārārthya) *n.* unknown subordination एवं चाज्ञातपारार्थ्ये नार्थवादः फलश्रुतिः BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 434.

अज्ञातपारावार (ajñāta-pārāvāra) *adj.* to whom the ocean is unknown (one who has not known the ocean) वयमज्ञातपारावारा गोपायन्तः क्वचिदात्मानं गोविन्दमेव निरन्तरमनुसंदधीमहि NīlaVi. 76. 15.

अज्ञातपारुष्यता (ajñātapāruṣya-tā) *f.* the state of not knowing harshness राज्ञीमज्ञातपारुष्यतयादूषितभक्तयः । अनुसस्रुश्चतस्रस्ताः परिवारवरस्त्रियः RājTa.(Ka.) 8. 1223.

अज्ञातपितृक (ajñātapitṛ-ka) *adj.* whose father is not known अज्ञातपितृको यश्च कानीनोऽनूढमातृकः NāraSm. 194. 18; स्वयं च अज्ञातपितृकः S'rīBh. 169. 4 (*on* i. 1. 4)

अज्ञातपितृवंश (ajñāta-pitṛvaṁśa) *adj.* who does not know the paternal lineage अज्ञातपितृवंशो यो दूरादपि समागतः । सामान्यं वांछते पदम् SkandP. vi. 201. 8.

अज्ञातपितृवर्ग (ajñāta-pitṛvarga) *adj.* who does not know the paternal ancestors नागरस्य…अज्ञातपितृवर्गस्य सामान्यं पदमिच्छतः SkandP. vi. 201. 4.

अज्ञातपित्रादिनामक (ajñātapitrādināma-ka) *adj.* who does not know the names of one's father etc. (i. e. grandfather and great grandfather) अज्ञातपित्रादिनामका ये तेषामेतैः शब्दैः श्राद्धादि चोद्यते ManuBh. i. 291. 5 (*on* 3. 184)

अज्ञातपीडागमा (ajñāta-pīḍāgamā) *adj.* (*f.*) who does not know the source of suffering इति । बान्धवजनस्याज्ञातपीडागमे AmaS'. 105; SaraKaṇṭhā. 550. 16; KāvyaPra. 20. 3; SubhāRaK. 25. 1; SaduktiKa. 142. 6; SūktiMu. 48. 2; मिथ्यावादिनि दूति बान्धवजनस्याज्ञातपीडागमा वापीं स्नातुमितो गतासि S'ārṅgaPa. 3508; Subhāṣi. 1423.

अज्ञातपुरुष (ajñāta-puruṣa) *m.* person whose investment is unknown लाभोनमिश्रराशेः प्रक्षेपकतः फलानि संसाध्य । तेन हृतं तल्लब्धं मूल्यं त्वज्ञातपुरुषस्य GaṇiSāSaṁ. 5. 222.

अज्ञातपुरुषार्थत्व (ajñātapuruṣārtha-tva) *n.* the state of being not known and being the goal of life अज्ञातपुरुषार्थत्वाच्छ्रौतत्वात्तत्त्वमर्थयोः NaiṣkaSi. 155. 2 (comm. तत्त्वमर्थयोरन्योन्यविशेषणविशेष्यभावस्याज्ञातत्वे सति पुरुषार्थत्वेन श्रुतितात्पर्यविषयत्वात्)

अज्ञातपूजा (ajñāta-pūjā) *f.* worship not known before इति चिन्तयमानानां पार्थो दुःखमपानुदत् । प्राप्तमज्ञातपूजाभिरुत्तमाभिरपूजयत् MahāBhā. i. App. I. 114 (68)

अज्ञातपूर्व (ajñāta-pūrva) *adj.* not known before अज्ञातपूर्वाणि न दन्तकाष्ठान्यश्वत्थ पत्रैश्च समन्वितानि BṛSaṁ. 85. 2; YogYā. 2. 20; एते के जगतीरुहो वनजुषाप्यज्ञातपूर्वा मया ĀścaCū. 6. 4; यथैवाज्ञातपूर्वोऽयं भवद्भक्तिरसो मम … स एव परिपुष्यतु Stotrā. 16. 5; महामत्स्योऽज्ञातपूर्वः SkandP. vi. 263. 44; कथमज्ञातपूर्वेण प्रवर्तेयितुर्धर्मेणाव्युत्पन्नो बालः प्रथमं लिङादेः संबन्धं गृह्णाति NyāySu.(So.) 30. 9 (*on* i. 2. 7); (दन्तधावनं) अज्ञातपूर्वं पत्राढ्यं युग्मपर्णं तु वर्जयेत् BṛBrahmaS. iii. 7. 109; अज्ञातपूर्वस्यैव यागस्य फलसम्बन्धकरणेन MīmāKau. i. 223. 16 (*on* i. 4. 8); ननु कथमज्ञातपूर्वे परमेश्वरे प्रत्यभिज्ञा युक्ता Bhāsk. i. 36. 12 (*on* i. 1. 1)

अज्ञातपूर्वरूप (ajñātapūrva-rūpa) *adj.* whose form was not known before तं चाज्ञातपूर्वरूपं हास्यजननं दृष्ट्वा सिंहः पृष्टवान् Tantrakhyā. 32. 4.

अज्ञातपृष्ठभाग (ajñāta-pṛṣṭhabhāga) *adj.* whose back is never perceived (by enemies) दन्तिनः…अज्ञातपृष्ठ(दानैः ? भागैः)…योधपुरुषैरधिष्ठिता AvantiKa. 96. 4.

अज्ञातप्रकारत्व (ajñātaprakāra-tva) *n.* the state of having an unknown nature or type तस्यापि चादृष्टत्वेनाज्ञातप्रकारत्वात्परमापूर्वसिद्धयौपयिकत्वेन … तादर्थ्यमेवावधातादेर्युक्तम् S'āstrDī. 189. 2 (*on* iii. 1. 4)

अज्ञातप्रकारावच्छिन्न (ajñātaprakārāvacchinna) *adj.* delimited by unknown adjunct केवलकिञ्चित्पदस्याज्ञातप्रकारावच्छिन्ने शक्तिः BhāṭṭCin. i. 127. 14 (*on* i. 1. 4)

अज्ञातप्रकृति (ajñāta-prakṛti) *adj.* whose origin is not known अज्ञातमज्ञातप्रकृतिमांसम् ManvaVi. 1422. 7 (*on* 11. 155)

अज्ञातप्रतिविधान (ajñāta-pratividhāna) *adj.* not knowing how to counteract शठमृगयुः कुसृतिशरैरज्ञातप्रतिविधानसाधुमृगान् … निघ्नन् न परिश्रमं व्रजति KuṭṭaMa. 710.

अज्ञातप्रतीकारत्व (ajñātapratīkāra-tva) *n.* the state of having unknown remedies मिथ्याज्ञानस्य च सम्यग्ज्ञानं प्रतिपक्षः प्रतिपक्षभावनाभ्यासेन च समूलमुन्मूलयितुं शक्यन्ते दोषा इति नाज्ञातप्रतीकारत्वं तेषाम् NyāyMañ. ii. 86. 8.

अज्ञातप्रतीति (ajñāta-pratīti) *f.* apprehension of what was unknown अज्ञातप्रतीतिश्रुतार्थप्रतिष्ठापनवैशद्यरूपकार्यभेदस्य प्रसिद्धत्वात् S'rutaPra. ii. 530. 24 (*on* iii. 3. 56)

अज्ञातप्रत्यक्षसिद्धहेतुक (ajñātapratyakṣasiddhahetu-ka) *adj.* not having a known cause which is perceptible तस्मात् स स विचित्रनीलपीतादिरूप आकस्मिकोऽज्ञातप्रत्यक्षसिद्धहेतुकः सन् PratyabhiVi. i. 212. 1 (*on* i. 5. 4)

अज्ञातप्रभुका (ajñātaprabhu-kā) *adj.* (*f.*) whose master is unknown नाह्वानयेन्नृपः । … सर्ववर्णोत्तमां कन्यां नाज्ञातप्रभुकास्त्रियः S'ukraNī. iv. 5. 101.

अज्ञातप्रमदासङ्ग (ajñāta-pramadāsaṅga) *adj.* not knowing (having) contact with women अज्ञातप्रमदासङ्गमाकुलीभूतमानसम् । कुरु नागरकं तावत्त्वं माम् BṛKathāS'loSaṁ. 11. 66.

अज्ञातप्रमाकरणत्व (ajñātapramākaraṇa-tva) *adj.* the state of being an instrument of valid knowledge itself being not known अज्ञातप्रमाकरणत्वस्य भावत्वविशेषितस्येन्द्रियत्वनिरुक्तेः सम्भवात् KhaṇḍanKhā. 583. 16.

अज्ञातप्रमेयसिद्धि (ajñātaprameya-siddhi) *f.* establishment of an object which was not known अज्ञातप्रमेयसिद्धये हि प्रमाणं मृग्यते SarvaDaKau. 64. 17.

अज्ञातप्रयोजन (ajñāta-prayojana) *adj.* the purpose of which is not known अज्ञातप्रयोजनमिवाविदितसम्बन्धमपि श्रोतुं नाद्रियन्ते शिष्याः Kāśi. i. 7. 16 (*on* 1. 17)

अज्ञातप्राच्ययोग (ajñāta-prācyayoga) *adj.* who does not know the contact with the former region अज्ञातप्राच्ययोगः परमभिमनुते स्वेन रूपेण चैनम् TattvMu. 5. 57.

अज्ञातप्रायश्चित्त (ajñāta-prāyaścitta) *n.* unspecified expiation तेषामज्ञातप्रायश्चित्तं यदज्ञातमनाम्नातमिति मध्ये जुहुयात् पुरुषसूक्तं च AVPari. 72(4). 3.

अज्ञातफल (ajñāta-phala) *n.* **Ai** unknown fruit (i. e. effect) ज्ञाते फले इच्छया तत्साधनेषु पुरुषः प्रवर्तते न त्वज्ञातफलसाधने LalitāTriBh. 330. 12 (*on* 44); **Aii** unknown fruit अनन्तकायमज्ञातफलं रात्रौ च भोजनम् ···वर्जयेत् YogŚā. 3. 6; अज्ञातफलानां भक्षणे मम नियमोऽस्ति SamyaKau. 87. 7; 87. 18; ततः सूरिभिश्चत्वारो नियमा दत्तास्तद्यथा – अज्ञातफलानि न भोक्तव्यानि TīrthaKa. 81. 18; PrabaK. 75. 21; KumāPraPra. 72. 32; 74. 31; **B** *adj.* having an unknown result or effect अप्यज्ञातफलं साक्षान्मान्तरैर्विधिसंश्रयात् । ···प्रसंख्यानं फलाय नः BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 767.

अज्ञातफलहान (ajñātaphala-hāna) *n.* avoidance of unknown fruits अज्ञातफलहानेन व्रतयोगेन केवलम् । उमकः पञ्चतावाप्ति न यातः BṛKathāK. 69. 34.

अज्ञातबन्धु (ajñāta-bandhu) *m.* **i** unknown friend अज्ञातबन्धुरयमृक्षहरीश्वरो मे SaraKaṇṭhā. 604. 3; **ii** unspecified relative अज्ञातबन्धुभिः सह भक्षणे चांद्रायणं कृत्वा पुनःसंस्कारं (कुर्यात्) BālamBha. iii. 176. 16 (*on* 3. 290)

अज्ञातबलवीर्य (ajñāta-balavīrya) *adj.* whose strength and valour are unknown नाज्ञातबलवीर्येषु पुमान् किंचित् प्रयोजयेत् Pañcā. 10. 9.

अज्ञातबाहु (ajñāta-bāhu) *m.* unknown side of a geometrical figure त्रिज्यानिघ्नं ज्ञातकोटिज्ययाप्तं तच्चापं स्यान्मानमज्ञातवा(? बा)होः SiddhāTaVi. 158. 21; 159. 3.

अज्ञातबोधक (ajñāta-bodhaka) *adj.* making known what is unknown अज्ञातबोधकं हि प्रमाणम् SiddhāLeSaṁ. 234. 2.

अज्ञातबोधवाक्य (ajñāta-bodhavākya) *adj.* who has not understood the words of enlightenment गणभृद्बोधवाक्येन त्वं श्रीश्रेणिकमन्वभूः । अज्ञातबोधवाक्यः सन्नहं वैभारपर्वते RauhiC. 459.

अज्ञातब्रह्मकर्मन् (ajñātabrahma-karman) *adj.* the object of which is the unknown Brahman विज्ञाते ब्रह्मणि स्याद्विधिरयमफलः प्रत्यये तस्य तद्वन्नाज्ञातब्रह्मकर्मा विधिविषय इति प्रत्ययो बुद्धियोग्यः SaṁkṣeŚā. 1. 455 (i. 330. 22)

अज्ञातब्रह्मतत्त्व (ajñāta-brahmatattva) *adj.* who has not known the real nature of Brahman (the Supreme Self) अज्ञातब्रह्मतत्त्वस्य दुःसंभाव्यमिदं वचः BṛĀraUBhVā. ii. 1. 90.

अज्ञातब्रह्मन् (ajñāta-brahman) *n.* Brahman (i. e. the Supreme Self) as unknown अज्ञातब्रह्मण एव एतन्मते ईश्वरत्वेऽपि अज्ञातशुक्ते रजतोपादानत्ववत् तस्य आकाशादिप्रपञ्चोपादानत्वाभिधानासंभवात् JñānBiPra. 2. 27.

अज्ञातभक्तिरस (ajñāta-bhaktirasa) *adj.* who has not known or experienced the sentiment of devotion अज्ञातभक्तिरसमप्रसरद्विवेकम्···कामाक्षि नैव तव काङ्क्षति दृष्टिपातः MūkaPañ. 1. 99.

अज्ञातभक्षणदोष (ajñātabhakṣaṇa-doṣa) *m.* sin due to eating (prohibited food) unknowingly कृच्छ्रं प्रथमाम्नानात्प्राजापत्याख्यमज्ञातभक्षणदोषोपशमनार्थमनुतिष्ठेत् । ज्ञातस्य पुनरभक्ष्यभक्षणदोषस्य विशेषतो यत्र यद्विहितं तदेव प्रायश्चित्तं कुर्यात् ManvaMu. 197. 31 (*on* 5. 21)

अज्ञातभर्तृव्यसना (ajñāta-bhartṛvyasanā) *adj.* (*f.*) unaware of the calamity (death) of the husband तावत्स वह्निभवनेत्रजन्मा भस्मावशेषं मदनं चकार ।···अज्ञातभर्तृव्यसना मुहूर्तं कृतोपकारेव रतिर्बभूव KumāSaṁ. 3. 73.

अज्ञातभागासिद्ध (ajñātabhāgāsiddha) *adj.* unestablished with respect to the unknown portion of the subject न च तत्रायं हेतुः सिद्ध इति अज्ञातभागासिद्धो हेतुरिति TārkiRa. 279. 9.

अज्ञातभान (ajñāta-bhāna) *n.* manifestation or appearance as unknown अज्ञाततया सर्वस्याज्ञातभानस्येष्टत्वात् GuruCandr. ii. 96. 11.

अज्ञातभाव (ajñāta-bhāva) *adj.* whose thought or mind is not known अचिन्तनीयं मनसापि लब्धुमज्ञातभावं जनमन्तरेण । ··· मनोभवः किं नु फलं लभेत KaumuMa. 3. 1; *m.* the state of unintentional (sinful) activity स खल्वज्ञातभावोऽनभिसन्धाय प्राणातिपातकारीत्यत्रापि पूर्ववदेव कर्मबन्धविशेषो द्रष्टव्यः Siddhasena *on* TattvāBh. *on* 6. 7.

अज्ञातभाषित (ajñāta-bhāṣita) *n.* utterance of an ignorant मर्षणीयमज्ञातभाषितम् PārthPa. 37 (1)

अज्ञातभुक्तशुद्धि (ajñātabhukta-śuddhi) *f.* purification of the sin due to what is unknowingly eaten चरेत्कृच्छ्रम् ··· अज्ञातभुक्तशुद्ध्यर्थम् ManuSm. 5. 21 (ManvaVi. अज्ञायमानदुष्टसंसर्गभुक्तान्नदोषनिवृत्त्यर्थम्)

अज्ञातभूतसंचार (ajñāta-bhūtasañcāra) *m. n.* name of a forest (in which the movement of animals is not known) अज्ञातभूतसंचारनाम्नारण्येन मालिताम् YogVā. iii. 25. 29.

अज्ञातभेद (ajñāta-bheda) *adj.* of unknown difference न ह्यनयोरैक्यमस्तीति ज्ञातभेदयोर्व्यधिकरणतया भ्रमः किन्तु ··· सामानाधिकरण्येनैवाज्ञातभेदयोः IṣṭaSi. 107. 12; 110. 14; अज्ञातभेदग्रहणैर्न बाधकमतिर्भवेत् PrakaPañ. 45. 2.

अज्ञातम् (a-jñātam) *adv.* unknowingly, without anybody's knowledge, secretly माता तु तस्याः कौन्तेय दुहित्रे स्वं चरुं ददौ । तस्याश्चरुमथाज्ञातमात्मसंस्थं चकार ह MahāBhā. xii. 49. 15; जमदग्निपत्न्यास्ते वत्समानिन्युर्भरतर्षभ । अज्ञातं कार्तवीर्यस्य MahāBhā. xii. 49. 40; i. 38. 19; iv. 66. 25; यदि तत्राज्ञातमेव प्रवेष्टुं स्यादुपायः किं करिष्यति भवान् Avimā. 4. 12 (39); मू(ष्टिता? षिका)हम् ··· तीर्थयात्रोन्मुखस्यास्य मात्रा भाण्डं वारितापि विरहविह्वलत्वादज्ञातं प्रविष्टा AvantiKa. 180. 15; अज्ञातं यत्कृतं पापं पश्चात्कृच्छ्रं(? च्छ्रं) समाचरेत् HāriS. ii. 1. 61; बभ्रविभङ्गमगृहीतश(स)त्रम् अज्ञातमप्रणिहिताङ्गम् यो वल्लभं सपदि दण्डबलेन जित्वा EI. xiii. 279. 11; PāṇḍaC. 3. 208.

अज्ञातमदविभ्रम (ajñāta-madavibhrama) *adj.* having unrevealed (i. e. concealed) display of pride or pride and erroneous knowledge अज्ञातमदविभ्रमः···जिनानन्दमुनीश्वरम् । जिग्ये वितण्डया बुद्ध्वा नन्दाख्यः सौगतो मुनिः PrabhāC. 77. 8.

अज्ञातमध्यभूमिक (ajñāta-madhyabhūmika) *adj.* intermediate space between which is not known पञ्चदशकरोच्छ्रायवेण्वोरज्ञातमध्यभूमिकयोः । इतरेतरमूलाग्रगसूत्रयुतेर्लम्बमानमाचक्ष्व Līlā. 160; BījGa. 7. 114.

अज्ञातमन्त्रलिङ्ग (ajñātamantra-liṅga) *n.* phallus the *mantra* for which is not known अज्ञातमन्त्रलिङ्गेषु प्रणवम् ··· विन्यस्य ĪśānŚiPa. ii. 19. 23 (5. 6)

अज्ञातमन्मथविकारा (ajñāta-manmathavikārā) *adj.* (*f.*) not knowing the emotions of love अज्ञातमन्मथविकारा बाला यथा ŚṛṅgāMañ. (A.) 47. 7.

अज्ञातमांसास्वाद (ajñāta-māṁsāsvāda) *adj.* not knowing the taste of meat घेवराः किं भक्ष्या वा अभक्ष्याः । ये तु वणिग्ब्राह्मणादयोऽज्ञातमांसास्वादास्तेषां भक्ष्याः KumāPraPra. 95. 24.

अज्ञातमाज्ञास्यामीन्द्रिय (ajñātamājñāsyāmīndriya) *n.* faculty of resolving to know what is not known त्रीणीन्द्रियाणि । अज्ञातमाज्ञास्यामीन्द्रियम् । आज्ञेन्द्रियम् । आज्ञातावीन्द्रियं च । अज्ञातमाज्ञास्यामीन्द्रियं कतमत् । प्रयोगमार्गे पञ्चदशसु च दर्शनमार्गचित्तक्षणेषु यदिन्द्रियम् AbhidhSa. 75. 25.

अज्ञातमार्ग (ajñāta-mārga) *m.* unknown or unfamiliar path अहमज्ञातमार्गेण प्रविष्टः···वने SkandP. ii(5). 11. 81.

अज्ञातमार्गणाभ्यास (ajñāta-mārgaṇābhyāsa) *adj.* to whom the practice (i. e. art) of shooting arrows is unknown भर्तृमित्रोऽपि तद्वने । अज्ञातमार्गणाभ्यासो बभूवानतमस्तकः BṛKathāK. 116. 20.

अज्ञातमार्गा (ajñāta-mārgā) *adj.* (*f.*) tracks in which are not known दिवाप्यज्ञातमार्गाणाम् ··· भवता विना । दरीणां श्वापदैः शब्दैर्मार्गे ज्ञाताच कः प्रिय RauhiC. 80.

अज्ञातमुख (ajñāta-mukha) *adj.* of unfamiliar face, unacquainted अज्ञातमुखैः···जनैः···अपह्रियमाणेषु विमानेषु NīlaVi. 4. 20.

अज्ञातमुखभङ्ग (ajñāta-mukhabhaṅga) *adj.* who has never experienced a rebuff त्रैलोक्यैश्वर्यभोक्तायं त्रैलोक्यैकमहाभटः । अज्ञातमुखभङ्गोऽयं त्रैलोक्यस्यैककण्टकः (रावणः) AdbhuDa. 8. 15.

अज्ञातमुख्य (ajñāta-mukhya) *m.* the unknown primary meaning अज्ञातमुख्येष्वमुख्येष्वपि बहुलप्रयोगोऽस्ति NyāySu.(Ja.) 145B. 7 (*on* i. 1. 1)

अज्ञातमुख्यसंबन्ध (ajñāta-mukhyasambandha) *m.* unknown relation or connection with the primary meaning न चाज्ञातमुख्यसंबन्धो लक्षणा । अतिप्रसङ्गात् SiddhāSi. i. 30. 26.

अज्ञातमूर्ति (ajñāta-mūrti) *adj.* of unknown form अज्ञातमूर्तिना । भुवनानि विडम्बयन्ते केनचिद्भ्रमदायिना YogVā. i. 26. 31.

अज्ञातमूल (ajñāta-mūla) *adj.* **A** whose root-cause is unknown यथा चाज्ञातमूलस्य विनाशोऽपि न संभवी । को वा विनाशो नित्यस्य भवेद्व्यातिशायिनः TattvSaṁ. 3121; **B** whose supporting evidence is unknown तेषामज्ञातमूलानां न ह्यनुज्ञोपपद्यते TantrVā. 143. 21 (*on* i. 3. 7); जीवग्राहं गृहीतः सुरपतिरिति च स्वैरमज्ञातमूलाः···अभवन् भिन्नभिन्नाः प्रवादाः NīlaVi. 16. 19; **C** whose origin or antecedents are unknown न चैतं(? तत्) परमं ज्ञानम् ···अज्ञातमूल-

भक्ताय दातव्यम् ParaS. 31. 52.

अज्ञातमृत्यु (ajñāta-mṛtyu) *adj.* in whose case death is unknown (i. e. unpredictable), to whom death is unknown, immortal शंकराय सुतां दातुं त्वमिच्छसि।··· अज्ञातमृत्यवेऽज्ञायानाथायाबन्धवे भवे BrahmVaiP. iv. 41. 22.

अज्ञातमेघजल (ajñāta-meghajala) *adj.* having no rainfall (*lit.* not knowing water from the cloud) अज्ञातमेघजलमश्रुतसस्यमेदं देशं समीक्ष्य···बभूव स करग्रहणे निराशः S'ivLī. 9. 70.

अज्ञातमोक्षरूप (ajñāta-mokṣarūpa) *adj.* to whom the nature of liberation is not known अज्ञातमोक्षरूपोऽपि कैवल्याय प्रवर्तते TaiUBhVā. 45. 5 (2)

अज्ञातमोक्षसंधाना (ajñāta-mokṣasandhānā) *adj.* (*f.*) (army) whose release and fixing of the arrows is not perceived अज्ञातमोक्षसंधाना नासज्यातोद्यतोरणे।···सा सेना सहदेवस्य Kapphiṇā. 18. 24.

अज्ञातयक्ष्म (ajñāta-yakṣma) *m.* secret consumption or tuberculosis मुञ्चामि त्वा हविषा जीवनाय कमज्ञातयक्ष्मादुत राजयक्ष्मात् ṚV. x. 161. 1; AV. iii. 11. 1.

अज्ञातयोनि (ajñāta-yoni) *adj.* of unknown origin अनुशिष्टोऽसि देवेन गालवाज्ञातयोनिना MahāBhā. v. 106. 1.

अज्ञातयौवना (a-jñātayauvanā) *adj.* (*f.*) ignorant of (attaining) youth, innocent of youth नायिका तावन्निरूप्यते। स्वीया तु त्रिविधा। मुग्धा ··· सा च ज्ञातयौवनाज्ञातयौवना च RasMañ. 3 (2–3); एतेन अज्ञातयौवनां मुग्धाभेदं वदतो भानुकरस्य लेखः परास्तः S'ṛṅgāraL. 142. 21; स्वकीययौवनोत्पत्तिं या न जानाति सा अज्ञातयौवना S'ṛṅgāMañ.(A.) 4. 9; 3. 26.

अज्ञातयौवनात्व (ajñātayauvanā-tva) *n.* the state of being ignorant of one's youth अत्र कयाचित्प्रौढनायिकया सपत्न्यां प्रियेणाज्ञातयौवनात्वेनैव विदितायां तदनुरागप्रतिबन्धार्थं प्रियस्य पुरस्तदीयदुर्गुणानावेदयन्त्या चिकीर्षितोऽर्थो न सम्पादितः RasGaṅ. 600. 3.

अज्ञातयौवनालक्षण (ajñātayauvanā-lakṣaṇa) *n.* definition of a *nāyikā* who is unaware of (her) youth अज्ञातयौवनालक्षणम् – स्वकीययौवनोत्पत्तिं या न जानाति S'ṛṅgāMañ.(A.) 4. 9.

अज्ञातयौवनोदाहरण (ajñātayauvanodāharaṇa) *n.* example of a *nāyikā* who is unconscious of (her) youth अज्ञातयौवनोदाहरणम् – दृष्टमकस्मात् ··· फलोद्गमो जातः S'ṛṅgāMañ. 4. 10.

अज्ञातरज्जुज (ajñātarajju-ja) *adj.* arising from the unknown rope नाज्ञातरज्जुजः सर्पो रज्जुमुल्लङ्घ्य वर्तते BṛĀraUBhVā. i. 4. 303.

अज्ञातरज्जुतत्त्व (ajñāta-rajjutattva) *adj.* who has not known the real nature of the rope अज्ञातरज्जुतत्त्वो हि रज्जुं सर्पधियेक्षते BṛĀraUBhVā. i. 3. 65.

अज्ञातरज्जुसतत्त्वक (ajñātarajjusatattva-ka) *adj.* whose real nature is the unknown rope रज्जुसर्पो यथा लोकेऽज्ञातरज्जुसतत्त्वकः। नोत्क्रामति न चाप्यास्ते न च नश्यति रज्जुतः BṛĀraUBhVā. iv. 4. 289.

अज्ञातरणवृत्त (ajñāta-raṇavṛtta) *adj.* ignorant of warfare अज्ञातरणवृत्तः सर्वोऽपि भवति शूरः NītiVā. 30. 40 (v. l.)

अज्ञातरहस्यस्थल (ajñāta-rahasyasthala) *n.* secret place which is not known (गणाम्बा गुह्यकाराध्या कोमलाङ्गी गुरुप्रिया) गुह्यकैर्देवविशेषैरज्ञातरहस्यस्थले वा आराध्या LalitāSaBh. 150. 11 (*on* 190)

अज्ञातरात्रिदिनभेदम् (a-jñātarātridinabhedam) *adv.* so as to be unaware of the difference between night and day आरोप्य वक्षसि ममानिशमायताक्षीमज्ञातरात्रिदिनभेदमहं वसेयम् Mukundā. 43.

अज्ञातरूप (ajñāta-rūpa) *adj.* [*f.* –ā] whose identity or nature is not known अज्ञातरूपैः पुरुषैः स राजन्पुच्छयतामिति Rāmā. vi. 11. 50; तावदज्ञातरूपस्त्वं विकृती विहरावनिम् PadmP.(Ra.) 23. 39; अज्ञातरूपस्य विनियोगाशक्तेः TantrVā. 432. 3 (*on* ii. 1. 47); 466. 3–4 (*on* ii. 2. 3); न ह्यज्ञातरूपो घटः प्रमाणात्सिध्यति IṣṭaSi. 196. 22; 208. 9; न च परप्रकृतीरज्ञातरूपा उपजपेत् ManuBh. ii. 34. 7 (*on* 7. 104); तयोरज्ञातरूपः सन् यत्र राजा प्रवर्तते। द्वैधीभावं तमप्याहुर्युग्मप्राभृतकं बुधाः Mānaso. ii. 16. 968; (गणेशस्य) नो यक्षराण्नाङ्गिरा माहात्म्यं परिवेद देव निगमैरज्ञातरूपस्य ते GaṇeP. i. 67. 30; हेषारवेणाज्ञातरूपोऽश्वोऽनुमितः TantrRaha. 27. 22; वास्तुष्वज्ञातरूपेषु प्रसिद्धं नामतो भवेत् TantrRā. 5. 100; *n.* unknown form शक्रो ह्यज्ञातरूपेण जटी भूत्वा ··· प्रश्नं पप्रच्छ शम्बरम् MahāBhā. xiii. 36. 2.

अज्ञातरूपता (ajñātarūpa-tā) *f.* the state of being unidentified, incognito वर्षमेकं तथा लोकेऽज्ञातरूपतया पुनः। स्थातव्यं साधुताधारैर्युष्माभिरखिलैरपि BṛKathāK. 83. 85.

अज्ञातरूपत्व (ajñātarūpa-tva) *n.* the state of being of unknown nature ते च विशेष्यस्य ज्ञातरूपत्वेऽज्ञातरूपत्वे च भवत इति फलतो विध्यनुवादावेव विवक्षाविवक्षाकारणम् MīmāKau. i. 52. 17 (*on* i. 3. 3)

अज्ञातरूपिन् (ajñāta-rūpin) *adj.* of unknown nature, incognito कालियं चापि जानामि···। वैनतेयभयाद्विप्र सर्पमज्ञातरूपिणम् HariVaṁ. 47. 7.

अज्ञातरोग (ajñāta-roga) *m.* unknown disease अज्ञातरोगसद्भावे योग्यता चातिदुर्लभा AṣṭāSaṁ. ii. 340. 1 (6. 40)

अज्ञातलक्षण (ajñāta-lakṣaṇa) *adj.* whose characteristic is not known, of unknown nature मन्त्रमज्ञातलक्षणम्। व्यक्तं वाप्यचनीयं च प्रार्थयेत्तद(म)नन्तरम् PauṣkS. 27. 602; अतोऽनुभव एवैको विषयोऽज्ञातलक्षणः BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 1002.

अज्ञातलक्ष्मन् (a-jñātalakṣman) *adj.* which is not known to have a dark spot अज्ञातलक्ष्मणि सदोदयवृत्तभाजि पूर्वं सरोरुहदृशां घटिते मुखेन्दौ। सारूप्यदूषणभयाद्विधिनायमिन्दुः पक्षक्षयी च घटितः स्फुटलाञ्छनश्च KaumuMi 5. 8.

अज्ञातलङ्घित (ajñāta-laṅghita) *adj.* crossed without being aware of कथाभिरज्ञातलङ्घितविशङ्कटविन्ध्यपादाः।···अध्वनोऽन्तमीयुः क्रमानुदयकान्तमुखाः कपीन्द्राः RāmC. 25. 37; अज्ञातलङ्घितपथो मिथिलोपकण्ठमभ्याससाद मुनिः Rāgh. 3. 81.

अज्ञातलाभ (ajñāta-lābha) *m.* unknown profit or interest ज्ञाताज्ञातलाभैर्मूलानयनसूत्रम् – लाभोनमिश्रराशेः प्रक्षेपकतः फलानि संसाध्य। तेन हृतं तल्लब्धं मूल्यं त्वज्ञातपुरुषस्य GaṇiSāSaṁ. 5. 221 (1)

अज्ञातलिप्सा (ajñāta-lipsā) *f.* unknown desire अज्ञातलिप्सां लिप्सेत न चैनं हर्ष आविशेत् MahāBhā. xii. 269. 18 (Nīlakaṇṭha reads अज्ञातलिप्सम्)

अज्ञातलोकवृत्तान्त (ajñāta-lokavṛttānta) *adj.* unacquainted with the ways of the world, unaware of the (clever) behaviour of the people अज्ञातलोकवृत्तान्तो मण्डितः खण्डितोद्यमः। हेलया बालचन्द्रेण गत्वा बद्धो मृगो यथा PadmP.(Ra.) 26. 56.

अज्ञातवंश (ajñāta-vaṁśa) *adj.* of unknown family or lineage अज्ञातवंशः परदेशजातो धन्योऽयमस्याः पतितामुपेतः VarāṅgaC. 19. 29; केयं भूपसुता शुद्धकुला लावण्यशालिनी। क्व चायं भृतकोऽज्ञातवंशः परवशः सदा KathāKau. 13. 37.

[1]**अज्ञातवत्** (a-jñātava(n)t) *adj.* who was not aware of द्विषतां च प्रहर्षोऽभूदातिश्चाद्विषतामपि। एवं विजितवान् (v. l. अज्ञातवान्) वीर पश्चादश्रौषमच्युत MahāBhā. iii. 23. 16.

[2]**अज्ञातवत्** (ajñāta-vat) *adv.* **A** as if ignorant सम्यक् प्रजानन्नपि सत्यविक्रमो ह्यज्ञातवत्सर्वकुरुप्रवीरः। ऊर्ध्वं क्षिपन्वीरवरोऽभ्यहारयत्···पुनश्च यत्नात्कवचं धनंजयः MahāBhā. iv. 638*(6); **B** like the unknown अज्ञातवज्ज्ञाप्यते विधीयमानोऽर्थः ज्ञातवदनूद्यते गुणसंबन्धार्थम् S'ābaBh. 690. 14 (*on* iii. 1. 12); न परामृश्यतेऽर्थात्मा ज्ञातोऽप्यज्ञातवत्ततः S'lokaVār. 5 (3). 243 (339. 1); स्वतो ज्ञातो ज्ञ आत्मैव।···ज्ञाताज्ञातवदाभाति नान्यदस्तीति चापतेत् IṣṭaSi. 205. 11; ज्ञातोऽप्यर्थः कदाचिदज्ञातवन्न सर्यते Kāśi. ii. 188. 11 (*on* 5 (3). 243)

अज्ञातवयस् (ajñāta-vayas) *adj.* whose age is not known शंकराय सुतां दातुं त्वमिच्छसि ··· अज्ञातवयसेऽतीव वृद्धाय चाविकारिणे BrahmVaiP. iv. 41. 23; S'ivaP. ii(3). 31. 46 (160A. 3)

अज्ञातवरुणद्वीपव्यवहार (ajñāta-varuṇadvīpavyavahāra) *adj.* who is ignorant of the customs on Varuṇa's Island ततस्तावप्यज्ञातवरुणद्वीपव्यवहारावतिथी विशेषतो निवारयामि KaumuMi. 2. 0 (10)

अज्ञातवर्ण (ajñāta-varṇa) *m.* unknown *varṇa* (i. e. colour or purity of gold) अज्ञातवर्णस्य पुनरपि सूत्रम् – स्वस्ववर्णविनिहतयोगं स्वर्णैक्यदृढहृताच्छोध्यम्। अज्ञातवर्णहेम्ना भक्तं वर्णं बुधाः प्राहुः GaṇiSāSaṁ. 5. 176; स्वर्णैक्यनिघ्न(घ्ना)युतिजातवर्णात् सुवर्णतद्वर्णव(व)धैक्यहीनात्। अज्ञातवर्णाग्निजसंख्ययाप्तमज्ञातवर्णस्य भवेत् प्रमाणम् Līlā. 104; 105.

अज्ञातवर्णसंख्या (ajñātavarṇa-saṅkhyā) *f.* numerical value of an unknown *varṇa* (colour or purity) अज्ञातवर्णहेम्नः पञ्च विमिश्रक्षयं च सैकदश। अज्ञातवर्णसंख्यां ब्रूहि सखे गणिततत्त्वज्ञ GaṇiSāSaṁ. 5. 178.

अज्ञातवर्णहेमन् (ajñātavarṇa-heman) *n.* gold of unknown *varṇa* (colour or purity) स्वस्ववर्णविनिहतयोगं स्वर्णैक्यदृढहृताच्छोध्यम्। अज्ञातवर्णहेम्ना भक्तं वर्णं बुधाः प्राहुः GaṇiSāSaṁ. 5. 176; 5. 178.

अज्ञातवर्णाग्निज (ajñāta-varṇāgnija) *n.* gold of unknown fineness अज्ञातवर्णाग्निजसंख्ययाप्तमज्ञातवर्णस्य भवेत्प्रमाणम् Līlā. 104.

अज्ञातवर्णानयन (ajñātavarṇānayana) *n.* finding out the unknown *varṇa* (purity of gold) अज्ञातवर्णानयनसूत्रम् GaṇiSāSaṁ. 5. 174.

अज्ञातवर्ष (ajñāta-varṣa) *n.* year spent secretly, year in incognito अवाप्य कृच्छ्रं विहितं ह्यरण्ये दीर्घं चैकमज्ञातवर्षम् (v. l. °चर्याम्) MahāBhā. v.

47. 86.

अज्ञातवसति (ajñāta-vasati) *f.* residence incognito, residence in disguise उपकारो भवेत्तुभ्यमज्ञातवसतौ पुरा। इतीन्द्रो मामनुग्राह्य ततः प्रेषितवान्वृषा MahāBhā. 4.757*(9); त्वमिवाज्ञातवसतिं चन्द्रो वसति वार्षिकीम् HariVaṁ. 54.23; नृपः…काकशङ्की भवेन्नित्यमज्ञातवसतिं वसेत् MatsyaP. 215.22 = ViṣṇuDhaP. ii. 65.64; विरागः-अहो … मे अमी कलिजनैः किमुन्मूलीभूता विदधति किमज्ञातवसतिम् CaitaCa. 29.17 (2); *adj.* whose residence is not known अज्ञातवसतिं कान्तं त्वमेऽकस्माद्विलोकितम्। अनुक्तनामधेयं तं कथमन्वेषयाम्यहम् KathāKau. 2 69.

अज्ञातवस्तु (ajñāta-vastu) *n.* unknown thing अज्ञातवस्तुना योगो मानस्येह यतस्ततः BṛĀraUBhVā. iv. 4.684.

अज्ञातवस्तुचरित (ajñāta-vastucarita) *adj.* of unknown substance and history (?)अज्ञातवस्तुचरितं प्रतिष्ठितमथाविषा (देवम्) MatsyaP. 119.36.

अज्ञातवस्तुतत्त्व (ajñāta-vastutattva) *adj.* who has not understood the real nature of a thing अज्ञातवस्तुतत्त्वस्य दुष्करं नास्ति किंचन BṛĀraUBhVār. i. 4.499.

अज्ञातवाच् (ajñāta-vāc) *adj.* who has not known (the real nature of) speech अप्येकः अज्ञातवाक्…वाचं न पश्यति Prasā. i. 8.19.

अज्ञातवाच्य (ajñāta-vācya) *adj.* who does not know the primary meaning (of words) यथा त्वज्ञातशब्दानां वाच्ये तद्धीर्न जायते। तथैवाज्ञातवाच्यानामुपलब्धेऽपि वाचके S'lokaVār. 4.204 (196.2)

अज्ञातवार्त्त (ajñāta-vārtta) *adj.* who had not known the (earlier) events अज्ञातवार्त्तः प्राक् तूष्णीं तत्प्रस्थानेऽभवज्जनः। ज्ञातवार्तस्तदा त्वासीदाक्रन्दमुखराननः RājTa.(Ka.) 7.348.

अज्ञातवास (ajñāta-vāsa) *m.* dwelling or living incognito, unknown dwelling यदाश्रौषं तानथाज्ञातवासे त्वपश्यमानान्विविधैरुपायैः। दक्षान्पार्थान्मे सुतैरग्निकल्पान् MahāBhā. i. 48*; i. 55.40; एवम् … इन्द्रेण सह भार्यया। अज्ञातवासश्च कृतः MahāBhā. v. 18.10; स्थितः पङ्कजमध्ये च बहुवर्षगणानपि। अज्ञान-(? त)वासं मघवा DevīBhāP. iii. 29.50; अज्ञातवासेऽप्यनुभूयमाने रक्ष्यं हि शीलं कुलपालिकानाम् BhārCam. 6.50; हन्त कथमज्ञातवासस्तेषां संभावनीयः तथाविधस्थलविरहात् CaitaCa. 29.18 (2); (cognate object) कच्चित्तु नापराधं ते कृतवानस्मि नैषध। अज्ञातवासं वसतो मद्गृहे निषधाधिप MahāBhā. iii. 76.11; कथं विराटनगरे मम पूर्वपितामहाः। अज्ञातवासमुषिताः MahāBhā. iv. 1.1; अज्ञातवासं घोरं च वसता दुष्करं कृतम् MahāBhā. v. 8 21; viii. 34.19; *adj.* who lives incognito (cognate object) तानथाज्ञातवासे (v. l. वासान्) त्वपश्यमानान्…पार्थान्मे सुतैः। … तदा नाशंसे विजयाय संजय MahāBhā. i. 48*; नृपतिः पुरीं तामज्ञातवासश्चिरमध्युवास Nalābhyu. 8.20.

अज्ञातवासचर्या (ajñātavāsa-caryā) *f.* act of dwelling incognito अज्ञातवासचर्या च नानावेशसमावृतैः MahāBhā. ix. 62.41.

अज्ञातवाससमय (ajñātavāsa-samaya) *m.* **i** period of living incognito अज्ञातवाससमयं शेषं वर्षं त्रयोदशम्। तद्वत्स्यामो वयं छन्नास्तदनुज्ञातुमर्हथ MahāBhā. iii. 299.4; iv. App. I. 1 (11); अज्ञातवाससमये पूर्णे पाण्डुसुतानथ। …विराटः समपूजयत् DaśāvaC. 8.581; **ii** condition or agreement of living incognito, DaśāvaC. 8.581; *adj.* which contains the condition or stipulation of living incognito MahāBhā. iii. 299.4; iv. App. I. 1. (11)

अज्ञातवाह्यसंख्या (ajñāta-vāhyasaṅkhyā) *f.* unknown number of passengers अज्ञातवाह्यसंख्याभिः बहवः शिल्पिनो नृपैः। विपन्नयन्त्रैः श्रूयन्ते मथिताः कुपितैरिति BṛKathāS'loSaṁ. 5.277.

अज्ञातविकलिकावशेष (ajñāta-vikalikāvaśeṣa) *m.* unknown remainder in seconds अज्ञातविकलिकावशेषायोगे सशेषा लब्धिः स्यात् SiddhāTaVi. (S'eṣavāsanā) 48.14.

अज्ञातविग्रह (ajñāta-vigraha) *adj.* who has not known the analysis (into component words) of the compound अज्ञातविग्रहस्य बहुव्रीहौ शक्तिभ्रमादन्यपदार्थधीरिति चेत् TattvCin. iv(2). 727.6.

अज्ञातविधि (ajñāta-vidhi) *adj.* who does not know the procedure (of worship) ते खिन्नाः किमस्माभिरज्ञातविधिभिरिति PārāSū. 66.17.

अज्ञातविप्लव (ajñāta-viplava) *adj.* who does not know that (it is) a false knowledge अतद्वानपि संबन्धात्कुतश्चिदुपनीयते। दृष्टिं भेदाश्रयैस्तेऽपि तस्मादज्ञातविप्लवाः PramāVār. 4.236.

अज्ञातविभाग (ajñāta-vibhāga) *adj.* wherein the distinction (between the warring parties) was not known स्वेषां परेषां चाज्ञातविभागोऽभून्महाहवः KathāSaSāg. xvii. 2.56.

अज्ञातविमतोत्पादा (ajñāta-vimatotpādā) *adj.* (*f.*) wherein the appearance or rise of controversies was unknown (i. e. wherein no controversies existed) अज्ञातविमतोत्पादामभुङ्क्त तदपि क्षितिम् Gaṅgāva. 1.71.

अज्ञातविलक्षणत्व (ajñātavilakṣaṇa-tva) *n.* the state of being different from what is unknown तेनाज्ञातविलक्षणत्वमुचितं मायाविनो लौकिका मायावीति पुमांसमेव निपुणं येनाहुरत्यादरात् SaṁkṣeS'ā. 3.102 (ii. 209.16)

अज्ञातविवेक (ajñāta-viveka) *adj.* who does not know the difference कथं तर्हि देहेऽहंप्रत्ययः। अज्ञातविवेकानां भ्रान्त्येति ब्रूमः YuktiSneha. 121.26 (*on* i. 1.5)

अज्ञातविशेष (ajñāta-viśeṣa) *m.* unknown special feature अज्ञातविशेषवत्त्वस्य … ब्रह्मण्यसंभवात् AdvaiSi. 494.3; स्थाणुत्वमन्यत्र ज्ञातमपि स्थाणावज्ञातमित्यज्ञातविशेषवत्त्वमक्षतम् GuruCandr. ii. 165.20 = LaCandr. 494.16; अध्यसनीयापेक्षया अधिकसत्ताको योऽज्ञातविशेषः तद्वत्त्वमधिष्ठानत्वे तन्त्रम् LaCandr. 495.35; *adj.* whose specific nature or form is not known अज्ञातविशेषोऽज्ञातः … कस्यायमश्व इति स्वस्वामिसंबन्धेनाज्ञातेऽश्वे प्रत्ययः। अश्वकः KāśiVṛ. *on* P. v. 3.73.

अज्ञातविशेषणा (ajñāta-viśeṣaṇā) *adj.* (*f.*) (cognition) by which the attribute or qualification is not known विशेष्यबुद्धिरिष्टेह न चाज्ञातविशेषणा S'lokaVār. 5(17). 88 (589.2); TattvSaṁ. 948.

अज्ञातविशेषत्व (ajñātaviśeṣa-tva) *n.* the state of being one whose specific feature is not known आत्मनि अधिष्ठानत्वे तन्त्रस्य सामान्यतो ज्ञातत्वे सत्यज्ञातविशेषत्वस्याभावात् Nyāyāmṛ. 234B. 6.

अज्ञातविशेषरूपकत्व (ajñātaviśeṣarūpaka-tva) *n.* the state of one whose specific feature is unknown ज्ञातसामान्यरूपस्याप्यज्ञातविशेषरूपकत्वसंभवात् GuruCandr. i. 165.16.

अज्ञातविषय (ajñāta-viṣaya) *adj.* **i** having an unknown object अज्ञातविषयः बोधः TarkSaṁ.(Ā.) 107.11; प्रमाणजन्यज्ञानं चाज्ञातविषयमेव LaCandr. 671.37; **ii** relating to a thing (done) unknowingly 'चाण्डाल्यां गर्भमारोप्य गुरुतल्पव्रतं चरेत्' अज्ञातविषयमेतत् Aparā. 1123.13 (*on* 3.268); **iii** relating to unknown subject-matter प्रज्ञातविषय(v. l. अज्ञातविषय)मिदम् VyavaNi. 507.16; *m.* **i** unknown case कुत्र गत इत्यज्ञातविषये सुतैर्देयम् SmṛtiCan. iv. 394.7; अज्ञातविषये च विषयोपदेशः BālaKrī. ii. 83.22 (*on* 3.212 (? 222)); अज्ञातविषयकथनं तज्ज्ञानं विस्मयः कुत्सा (निःसारणोपायः) KandaCū. vi. 3.27; **ii** unknown object तात्त्विकप्रमात्वमेवाज्ञातविषयघटितम् LaCandr. 320.6.

अज्ञातविषयक (ajñātaviṣaya-ka) *adj.* the object of which is unknown अज्ञातविषयकनिश्चयत्वरूपेण … साक्षिग्राह्यत्वनियमः GuruCandr. ii. 3.14; एवं चाज्ञातविषयकं बाधकज्ञानरहितज्ञानं प्रमेति फलितम् BhāṭṭCin. i. 11.13 (*on* i. 1.3)

अज्ञातविषयकत्व (ajñātaviṣayaka-tva) *n.* the state of having an unknown thing for its object तत्राज्ञातविषयकत्वनिवेशेऽपि क्षत्यभावात् GuruCandr. i. 176.8; i. 286.20; आद्यबुद्धौ…अज्ञातविषयकत्वसंभवात् LaCandr. 70.5; 364.34; 430.32.

अज्ञातविषयभेद (ajñāta-viṣayabheda) *m.* particular or specific object which is not known विषयतासंबन्धेन तदुत्पत्तौ अज्ञातविषयभेदस्य हेतुत्वात् GuruCandr. i. 368.19.

अज्ञातविषयास्वाद (ajñāta-viṣayāsvāda) *adj.* unfamiliar with the joys of the worldly objects अज्ञातविषयास्वादो बालः पर्यङ्किकागतः। रुदन्गीतामृतं पीत्वा हर्षोत्कर्षं प्रपद्यते SaṁgīRa. i. 16.5 (1(1). 28)

अज्ञातविहित (ajñāta-vihita) *adj.* committed unknowingly अज्ञातविहिते पापे नास्ति वीरेन्द्र कल्मषम् SkandP. i(2). 64.62.

अज्ञातवीर्य (ajñāta-vīrya) *adj.* who has not known the power (of some one else) विज्ञातवीर्यैः (v. l. अज्ञातवीर्यैः) शक्यमेवं प्रवक्तुं दृष्टश्चासौ ब्राह्मणैर्वादशीलैः MahāBhā. iii. 133.19.

अज्ञातवृत्त (ajñāta-vṛtta) *adj.* who was not aware of what had happened, ignorant of the happenings इति वादिनमज्ञातवृत्तम् … शनैरुवाच कैकेयी सुमन्त्रम् RāmāMañ. 63.11; अवाप्य संज्ञामज्ञातवृत्तः … सात्यकिः … चक्रर्तास्यासिना शिरः DaśāvaC. 8.718.

अज्ञातवृत्तान्त (ajñāta-vṛttānta) *adj.* **i** who had no knowledge of what happened चिरमज्ञातवृत्तान्तैर्मन्त्रिभिः प्रहितस्ततः RājTa.(Ka.) 4.340; **ii** about whom no information was known सा कामलता … पशुपालमज्ञातवृत्तान्तमेव वृत्वा PrabaCin. 18.26.

अज्ञातवृत्ति (ajñāta-vṛtti) *f.* (Instr.) **i** in a secret manner कर्णौ पाणिभ्यां पिधाय मैवं मादिशेत्यज्ञातवृत्त्यैवं विज्ञपयंस्तेन प्रोचे PrabaCin. 57.8-9; अज्ञातवृत्त्या पृष्ठतः समागताया मृणालवत्या वदनप्रतिबिम्बं जराजर्जरं मुकुरे निरीक्ष्य PrabaCin. 23.4; PurāPraSaṁ. 44.7; **ii** unknowingly, unawares कुमारेण

रथारूढेन पथि सञ्चरताऽज्ञातवृत्त्या कश्चिद्वत्सतरः पथि व्यापादितः PrabaCin. 111. 3.

अज्ञातवेदन (ajñāta-vedana) *adj.* who did not feel the pain कौमोदकीप्रहारेण वीरभद्रं प्रतापिनम् । जघान वासुदेवोऽपि तरसाज्ञातवेदनम् SkandP. iv. 89. 79.

अज्ञातव्यत्व (ajñātavya-tva) *n.* the state of being what need not be known एकशाखोक्तस्याप्येकेनाज्ञातव्यत्वप्रसङ्गात् TattvPrakā. 164A. 8 (*on* iii. 3. 2)

अज्ञातव्यवहार (ajñāta-vyavahāra) *adj.* who has not known the worldly ways अज्ञातव्यवहारौ हि शिष्यावेतौ प्रभोः पदे । न युज्येते PrabhāC. 110. 21; *m.* usage (that something is) unknown तत्राप्यज्ञातव्यवहारोपपत्तेः SiddhāBi. 52. 6.

अज्ञातशक्ति (ajñāta-śakti) *f.* unknown denotation संज्ञासूत्राणामज्ञातशक्तिज्ञापकतया विधित्वम् LaS'abdeS'e. i. 42. 10; वृद्धिरादैच् इत्यादीनामज्ञातशक्तिज्ञापकसंकेतरूपतया विधित्वमेव VaiyāSiMañ. 94. 18.

अज्ञातशक्तिक (ajñātaśakti-ka) *adj.* **i** denotative power of which is not known न हि…अन्यस्मादज्ञातशक्तिकादर्थप्रतीतिः संभवति NyāyRa. 643. 11 (*on* 5(19). 15); विशेषं गमयेद्वाक्यं न तदज्ञातशक्तिके AnuVyā. 41A. 2 (*on* 3. 2); न…वाक्यं पदसमूहेऽज्ञातशक्तिके सति विशेषं गमयेत् NyāySu.(Ja.) 492B. 10 (*on* iii. 2. 1); the capacity of which (cognition) is not known प्राशस्त्यज्ञानस्याज्ञातशक्तिकस्येतिकर्तव्यतात्वाभिधानमयुक्तम् NyāySu.(So.) 34. 2 (*on* i. 2. 7)

अज्ञातशब्द (ajñāta-śabda) *adj.* (person) who has not known (heard) the word यथा त्वज्ञातशब्दानां वाच्ये तद्धीर्न जायते S'lokaVār. 4. 204 (196. 1)

अज्ञातशमनोपाय (ajñāta-śamanopāya) *adj.* means of alleviating which are not known नाज्ञातशमनोपाया न चाशक्यप्रतिक्रियाः … दोषाः NyāyMañ. ii. 47(? 71). 20; ii. 86. 4.

अज्ञातशस्त्रव्यवहार (ajñātaśastra-vyavahāra) *m.* the use of the unknown weapon अज्ञातशस्त्रव्यवहारदक्षो भटोऽहमस्मीत्युदिते न दोषः VarāngaC. 16. 85.

अज्ञातशास्त्र (ajñāta-śāstra) *adj.* not knowing the (relevant) science वालं दुष्टं साहसिकमज्ञातशास्त्रमन्त्रे (? °शास्त्रं मन्त्रे न) प्रवेशयेत् Bārhas. 2. 51.

अज्ञातशास्त्रव्यवहार (ajñāta-śāstravyavahāra) *adj.* not knowing the rules laid down in the scriptures अज्ञातशास्त्रव्यवहाराणां म्लेच्छादीनामपि स्वत्वव्यवहारो दृश्यते Subodhi. 44. 17 (*on* 2. 100)

अज्ञातशास्त्रसद्भाव (ajñata-śāstrasadbhāva) *adj.* not knowing the real purport of the science अज्ञातशास्त्रसद्भावाञ्शास्त्रमात्रपरायणान् । तान् वर्जयेद् भिषक्पाशान् RasRaSa. 30. 114; SūktiRa. 110. 1.

अज्ञातशील (ajñāta-śila) *adj.* whose character or nature is unknown लुब्धत्रस्ताभिमानिप्रकुपितकुभृताज्ञातशीलैर्विहीनम् … परविषयमियात् …नरेन्द्रः YogYā. 1. 11; अन्यथा हि कुमारः क्व दूरदेशो हयः क्व च । तत्र चाज्ञातशीले क्व कुमारस्याधिरोहणम् TriṣaS'aPuC. iv. 7. 104; किमज्ञातशीलस्य ज्ञायते PañcT. 93. 28; त्वमप्यज्ञातशीलेऽस्मिन्मा कृथाः सादरं मनः BṛKathāMañ. xv. 1. 303; युष्माकं पुनरज्ञातशीलचरित्रजन्मनाम् । … ईदृक्कः श्रद्दध्यात् BṛKathāS'loSaṁ. 26. 40; तेनाज्ञातशीलपान्थादेः श्राद्धादौ विनियोगो न कार्यः कलौ NirṇaSi. 264. 15.

अज्ञातशुक्ति (ajñāta-śukti) *f.* unknown conch-shell अज्ञातशुक्तिब्रह्मविवर्तत्वेन रजतजगद्भ्रमसिद्धेः VedāntKa. 174. 11 (*on* i. 3. 26); अज्ञातब्रह्मण एव एतन्मते ईश्वरत्वेऽपि अज्ञातशुक्ते रजतोपादनत्ववत् तस्य आकाशादिप्रपञ्चोपादानत्वाभिधानासंभवात् JñānaBiPra. 2. 27.

अज्ञातशेषत्व (ajñātaśeṣa-tva) *n.* unknown subservience or subordination गुणोपादानवशेन धात्वर्थादुत्तारितो विधायकः फलाय गुणं विदधदन्यत्राज्ञातशेषत्वं विधत्ते TantrVā. 556. 14 (*on* i. 2. 27)

अज्ञातश्रुतितत्त्वा (ajñāta-śrutitattvā) *adj.* (*f.*) not aware of the import of the scriptures सनत्कुमार उवाच । यूयं तिस्रो भगिन्यः … अज्ञातश्रुतितत्त्वाः S'ivaP. ii(3). 2. 20 (125A. 10)

अज्ञातसंसारसुख (ajñāta-saṁsārasukha) *adj.* not knowning the worldly pleasures (भवतोः) अज्ञातसंसारसुखं च बाल्ये जातं कुतः प्रव्रजनाय चेतः YaśasCam. i. 193. 3.

अज्ञातसंख्यत्व (ajñātasaṁkhya-tva) *n.* the state of having an unknown number न तेषामज्ञातसंख्यत्वादानन्त्यम् IṣṭaSi. 342. 16; न … अज्ञातसंख्यत्वमपरिमेयत्वसाधकम् NyāyMa. 333. 8.

अज्ञातसंगतित्व (ajñātasaṅgati-tva) *n.* the state of being one whose relation (with meaning) is not known अज्ञातसंगतित्वान्न ब्रह्मरूपपरा वेदान्ताः Bhām. 83. 1 (*on* i. 1. 4)

अज्ञातसंज्ञ (ajñāta-sañjña) *adj.* whose name is not known एवं जाते महाहवे । भटेष्वज्ञातसंज्ञेषु निपतत्सु PadmP.(Ra.) 6. 17.

अज्ञातसंज्ञक (ajñātasañjña-ka) *adj.* name of which is not known (i. e. not understood) अधीष्व…दृष्टिवादं जिनोपज्ञमन्यैरज्ञातसंज्ञकम् PrabhāC. 9. 25.

अज्ञातसत् (ajñāta-sat) *adj.* existing even when not perceived प्रातिभासिकरजते ज्ञातैकसदेकं रजतत्वम् लौकिकपरमार्थरजते अज्ञातसदपरं रजतत्वम् AdvaiSi. 657. 21.

अज्ञातसतत्त्वक (ajñātasatattva-ka) *adj.* whose true nature is not known ज्ञानमात्रसतत्त्वं यद्ब्रह्माज्ञातसतत्त्वकम् BṛĀraUBhVā. i. 2. 9.

अज्ञातसत्ता (ajñāta-sattā) *f.* unknown existence रूप्यस्याविद्यया भानेऽज्ञातसत्तोपयोगिनी IṣṭaSi. 134. 6; ज्ञानेच्छासुखादीनामज्ञातसत्तास्वीकारे तेष्वपि घटादाविव संशयादिप्रसङ्गादहं जानामि न वा सुखी न वेत्यादिरूपेण Sāṁkhya-PraBh. 147. 21; SiddhāLeSaṁ. 309. 9; कल्पितभेदस्याज्ञातसत्तानभ्युपगमेन व्यावहारिकत्वाभावात् LaCandr. 394. 22.

अज्ञातसत्त्व (ajñāta-sattva) *adj.* who has not known (one's own) strength इत्युक्तस्तं प्रणम्याथाज्ञातसत्त्वोऽथ वानरः SkandP. iii(1). 45. 72; *n.* unknown existence अज्ञातसत्त्वं प्रपञ्चस्य VedāntKa. 199. 17 (*on* i. 4. 3); 224. 20 (*on* i. 4. 22); AdvaiSi. 496. 13; प्रातिभासिकस्य अज्ञातसत्त्वाभावात् इन्द्रियाणां च अतीन्द्रियाणां सत्त्वे अज्ञातसत्त्वस्य वाच्यत्वात् SiddhāLeSaṁ. 299. 1; तस्मिन्मते चैतन्यातिरिक्तपदार्थानामज्ञातसत्त्वं नास्ति SiddhāTa. 57. 10.

अज्ञातसत्त्वाभाव (ajñātasattvābhāva) *m.* absence of the unknown existence इह वाक्ये कल्पितस्याज्ञातसत्त्वाभावात् प्रतीत्यप्रतीतिभ्यामुत्पत्तिलयाभिधानम् VedāntKa. 112. 18 (*on* i. 3. 33); अथ केयं दृष्टिसृष्टिः …अज्ञातसत्त्वाभावो वा ज्ञातैकसत्त्वं वा AdvaiSi. 533. 4; न तावत्…प्रातिभासिको विवर्तः शक्यते वक्तुम् । प्रातिभासिकस्याज्ञातसत्त्वाभावात् SiddhāLeSaṁ. 298. 8.

अज्ञातसत्त्वेष्टि (ajñātasattveṣṭi) *f.* desirability of the unknown existence न चाप्रामाणिकत्वमसत्त्वव्याप्तमज्ञातसत्त्वेष्टेः PrakaVi. 430. 7.

अज्ञातसत्या (ajñāta-satyā) *adj.* (*f.*) not knowing the truth अज्ञातसत्यया कष्टं पापया किं मया कृतम् PadmP.(Ra.) 18. 65.

अज्ञातसदर्थकत्व (ajñātasadarthaka-tva) *n.* the state of having for its meaning the unknown and real one तदर्थम् अज्ञातसदर्थकत्वार्थम् LaCandr. 427. 41.

अज्ञातसंदिग्धार्थ (ajñātasandigdhārtha) *adj.* the meaning of which is not known or is doubtful अज्ञातसंदिग्धार्थस्य हि पदस्य … अर्थो निश्चीयते Kāśi. ii. 26. 25 (*on* 5(2). 3)

अज्ञातसप्रयोजनार्थक (ajñātasaprayojanārtha-ka) *adj.* having an unknown and purposeful thing for its meaning अद्वैतश्रुतिः तात्त्विकप्रमाणम्… अव्यावहारिकप्रमाणत्वे सत्यज्ञातसप्रयोजनार्थकश्रुतित्वात् GuruCandr. i. 458. 11.

अज्ञातसमय (ajñāta-samaya) *m.* period of (remaining) incognito अर्वाक्कालस्य विज्ञाताः (v. l. अज्ञातसमये ज्ञाताः) प्रविशेयुः … पुनर्वनम् MahāBhā. iv. 25. 6; पिता धर्मः क्षमापतेः । जीवयित्वानुजान् गुप्तिमज्ञातसमये व्यधात् DaśāvaC. 8. 540; *adj.* **i** not knowing the convention or rule अज्ञातसमयो राजा इलः शरवणे पुरा । स्त्रीत्वमाप विशन्नेव MatsyaP. 11. 47; PadmP. v. 8. 86; **ii** not knowing the relation (between the word and the meaning) भूतार्थद्योतने शक्तिः प्रकृत्यैव स्थितास्य चेत् । अज्ञातसमयस्यापि भवेदर्थगतिस्ततः TattvSaṁ. 1505.

अज्ञातसमस्तवेद (ajñāta-samastaveda) *m.* all the Vedas which are not known महर्षिभिः शास्त्रवित्तर्कबुद्ध्या न दूषणीयाः कुलदेशधर्माः । तन्मूलमज्ञातसमस्तवेदाः VasiS. 32. 241.

अज्ञातसमुच्चय (ajñāta-samuccaya) *m.* inclusion of the unknown अपिकारेणाज्ञातसमुच्चयः VīraMi. 393. 6 (*on* 2. 4)

अज्ञातसमुदायद्वय (ajñāta-samudāyadvaya) *n.* two unknown groups अन्यथा अज्ञातसमुदयाद्वय(? समुदायद्वय)बोधकत्वेन स्वार्थपरत्वाभावे LaCandr. 428. 37.

अज्ञातसंबन्ध (ajñāta-sambandha) *adj.* **i** the relation of which is not understood कथमज्ञातसंबन्धः शक्यतेऽवगन्तुम् … अयमनेन विना नोपपद्यते इति Bṛha. 110. 11 (*on* i. 1. 5); पदमज्ञातसंबन्धम्…निर्णीयते TantrVā. 283. 1 (*on* i. 4. 2); न चाप्यज्ञातसंबन्धं पदं किंचित्प्रकाशकम् S'lokaVār. 5(5). 25 (413. 3); मानान्तरेणासौ किल नार्थोऽवगम्यते । शब्दाच्च ज्ञायतेऽज्ञातसंबन्धादिति चित्रता BṛĀraUBhVā. (Saṁbandha.) 496; NyāyMañ. i. 65. 15; कथमज्ञातसंबन्धात् प्रतीतिः प्रमाणमिति चेत् Kāśi. iii. 170. 10 (5(7). 29); नन्वेवं सामान्यतोऽप्यज्ञातसंबन्धः पक्षैकदेशी कथमिव … अभिधीयते NyāyRaMā. 69. 8; न ह्यज्ञातसंबन्धमुपलक्षणमुपलक्ष्यमुपलक्षयितुं क्षमम् S'āstrDī. 63. 1 (*on* i. 1. 5); पदमज्ञातसंबन्धं न प्रत्यायकम् S'āstrDī. 150. 12 (0*n* i. 1. 7); BhāṭṭCin. i. 48. 13 (*on* i. 1. 4); **ii** not knowing the relation (between two persons) क्षमस्व यदस्माभिरज्ञातसंबन्धैरपराद्धम्

KaumuMi. 9.17 (32); *m.* unknown relationship न चाज्ञातसंबन्धो लक्षणा SiddhāSi. i. 22.7.

अज्ञातसंबन्धत्व (ajñātasambandha-tva) *n.* the state of being something the connection of which is not known केनचिद्धि सामान्यात्मना ज्ञातसंबन्धेन विशिष्टं किंचिदनुमीयते न वस्तुसत्तामात्रम् । न च विशिष्टः अज्ञातसंबन्धत्वात् Kāśi. iii. 180.13 (5(7).63); कार्यं लिङ्गादिवाच्यं सत्स्वतन्त्रं स्यात् प्रवर्तकम् । तदप्ययुक्तमज्ञातसंबन्धत्वाल्लिङ्गर्थता । मानान्तराप्रमेयत्वे कार्यस्य हि कथं भवेत् NyāySu.(So.) 27.23 (*on* i. 2.7)

अज्ञातसंभव (ajñāta-sambhava) *adj.* whose origin is not known अज्ञातसंभवम् ... पूर्वं करग्रहणमङ्गलतो भवन्त्याः शंसुं क एवं बुबुधे गिरिराजकन्ये DevīPañ. 4.8.

अज्ञातसाधनत्व (ajñātasādhana-tva) *n.* the state of being the means that is not known शरीरसंयुक्तमपरोक्षप्रतीतिसाधनमतीन्द्रियम् ।...अतीन्द्रियत्वं नामाज्ञातसाधनत्वम् Lakṣaṇā. 3.15.

अज्ञातसामर्थ्य (ajñāta-sāmarthya) *adj.* of which the power (i. e. the relation between the word and its meaning) is not known यद्यभिनवमन्यं करोति सोऽप्यज्ञातसामर्थ्यः कथं किमर्थं च क्रियते इत्यभिप्रायेणाह S'arka. 115.17; NyāyRa. 645.19 (*on* 5(15).24)

अज्ञातसिद्धान्त (ajñāta-siddhānta) *adj.* to whom the true doctrine is not known उत्पादात्यन्तविध्नोऽन्यो निरोधोऽप्रतिसंख्यया । तस्मादज्ञातसिद्धान्ताः प्लवन्तेऽलीकमानिनः TattvSaṁ. 2749.

अज्ञातसुकृत (ajñāta-sukṛta) *n.* unknown merit बह्वर्थव्ययायाससाध्यानां यज्ञादीनामज्ञातसुकृतरूपत्वासम्भवात् S'rutaPra. iA. 62.29 (*on* i. 1.1); न चाज्ञातसुकृतवशात् धर्मरुचिवत् यज्ञादिना वेदनेच्छासिद्धिरिति वाच्यम् S'rutaPra. iA. 62.28 (*on* i. 1.1)

अज्ञातसुनय (ajñāta-sunaya) *adj.* to whom good policy is unknown अज्ञातमुनयो(? °सुनयो) मन्त्री राजानमनयाम्बुधौ । आत्मना सह दुर्बुद्धिर्लोहनौरिव मज्जयेत् BrahmāṇḍP. ii. 28.49.

अज्ञातसुपर्वसूक्तिक (ajñātasuparvasūkti-ka) *adj.* to whom the language of the gods (i. e. Sanskrit) is not known अथ तोटकवृत्तपद्यजातैरयमज्ञातसुपर्वसूक्तिकोऽपि । दययैव गुरोस्त्रयीशिरोऽर्थं स्फुटयन्नैक्षि विचक्षणः सतीर्थ्यैः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 12.82.

अज्ञातसुरतोल्लासा (ajñāta-suratollāsā) *adj.* (*f.*) to whom erotic sport is not known, unfamiliar with erotic sport (मुग्धा) अज्ञातसुरतोल्लासा SāhiSā. 4.7.

अज्ञातसुरापान (ajñāta-surāpāna) *n.* unintentional drinking of wine प्रागुपनयनात्त्वज्ञातसुरापाने तेनैवोपनयनसंस्कारेण शुद्धिः BālaKrī. 115.27 (*on* 3.249)

अज्ञातसूति (ajñāta-sūti) *adj.* whose time of birth is not known वक्ष्यामि भूपमधिकृत्य...अज्ञातसूतिमथवा (v. l. अज्ञातजन्मसमयं) विदितैष्यभाग्यम् YogYā. 1.2.

अज्ञातस्त्रीजन (ajñāta-strījana) *m.* unfamiliar woman-folk किमर्थमज्ञातस्त्रीजनविरुद्धम्...आगतासि रहःस्थानमिति प्रोक्ता नृपेण सा ... प्रत्युवाच Uday-SuKa. 10.2.

अज्ञातस्त्रीपुंसभेद (ajñāta-strīpuṁsabheda) *adj.* to whom the difference between male and female is not known अज्ञातस्त्रीपुंसभेदैः कैश्चच्छ्वादिभिरपि मदाज्ञा नातिवर्त्यते Manmatho. 1.25 (426.22)

अज्ञातस्थानलय (ajñāta-sthānalaya) *adj.* whose voice-registers and tempo are not known अज्ञातस्थानलयं स्वरगतमेवंविधं हन्यात् NāṭyaS'ā. 27.29.

अज्ञातस्थापित (ajñāta-sthāpita) *adj.* secretly placed बालकः । अज्ञातस्थापितस्तत्र महाकार्यमिदं कृतम् GaṇeP. ii. 131.25.

अज्ञातस्वपथ (ajñāta-svapatha) *adj.* to whom one's own way is not known (राजा) अज्ञातस्वपथः कुत्र व्रजामीति व्यचिन्तयत् DevīBhāP. vii. 18.45.

अज्ञातस्वपरान्तर (ajñāta-svaparāntara) *adj.* to whom difference between oneself and the enemy is not known मन्ये तवैतन्नीरन्ध्रमज्ञातस्वपरान्तरे NavaSāC. 16.106.

अज्ञातस्वरूप (ajñāta-svarūpa) *n.* unknown nature or form तस्य अज्ञातस्वरूपं स्थितमेव IṣṭaSi. 212.10; न तावदज्ञातस्वरूपवदज्ञातव्यापारफलमेदा वादादयश्चेतनेनाधिष्ठातुं शक्यन्ते NyāyVārPari. 346.4; *adj.* whose nature or identity is not known, of unknown form or nature ते च नाज्ञातस्वरूपा व्यावर्तयितुं शक्याः SyādvāMañ. 14 (40); तेनाप्यज्ञातस्वरूपेणौषधाङ्कुरेण वदनन्यस्तेन स वृषभो मनुष्यतां प्राप । यथा तदज्ञातस्वरूपोऽपि मेषजाङ्कुरः समीहितकार्यसिद्धिं चकार PrabaCin. 70.22; KumāPraPra. 41.24.

अज्ञातस्वरूपत्व (ajñātasvarūpa-tva) *n.* the state of being one whose true nature is not known तस्याज्ञातस्वरूपत्वान्नाज्ञातत्वं निहन्ति तत् IṣṭaSi. 212.2; अज्ञातस्वरूपत्वमेव भ्रमे प्रयोजकम्, न त्वज्ञातविशेषवत्त्वम् La-Candr. 494.21.

अज्ञातस्वरूपिन् (ajñāta-svarūpin) *adj.* of unknown form योगिनो विविधै रूपैर्भ्रमन्ति धरणीतले । नराणामुपकाराय ते चाज्ञातस्वरूपिणः BṛParāSm. 4.204.

अज्ञातस्वर्णानयनसूत्र (ajñātasvarṇānayanasūtra) *n.* rule for arriving at the quality of an unknown weight of gold अज्ञातस्वर्णानयनसूत्रम् स्वस्वर्णवर्णविनिहतयोगं स्वर्णैक्यगुणितदृढवर्णात् । त्यक्त्वाज्ञातस्वर्णक्षयदृढवर्णान्तराहृतं कनकम् GaṇiSāSaṁ. 5.180.

अज्ञातस्वसिद्धान्त (ajñāta-svasiddhānta) *adj.* who has not grasped the principle of his own doctrine अहमेव सर्वं चेतनजातमित्यहमर्थस्यैक्यमुपपादितं तदज्ञातस्वसिद्धान्तस्य भ्रान्तिजल्पितम् S'rīBh. 434.18 (*on* ii. 1.15)

अज्ञातस्वापजागर (ajñāta-svāpajāgara) *adj.* which does not know sleep or waking, not subject to sleep or waking अस्ति सारस्वतं चक्षुरज्ञातस्वापजागरम् Gaṅgāva. 1.9.

अज्ञातस्वामिक (ajñātasvāmi-ka) *adj.* (wealth) whose owner is not known अज्ञातस्वामिकं धनम् ManvaMu. 294.8 (*on* 8.30); अप्रज्ञायमानमज्ञातस्वामिकम् (वित्तं योऽधिगच्छेद्राजा) DaṇḍaVi. 287.13; राजा अज्ञातस्वामिकं निधिं लब्धा (? ब्ध्वा) अर्धं द्विजेभ्यो दद्यात् ViraMi. 454.21 (*on* 2.34); S'ukraNī. 2.328.

अज्ञातहिंसाभिभव (ajñāta-hiṁsābhibhava) *adj.* which has never experienced or received any injury and insult सा मृगानप्यपोषयत् । अज्ञातहिंसाभिभवानाश्रमोपान्तवर्तिनः SkandP. i (3B). 18.74.

अज्ञातहृदय (ajñāta-hṛdaya) *adj.* **i** whose heart (i. e. intention) is not known अज्ञातहृदयेष्वेवं वैरीभवति सौहृदम् S'āk. 5.25; अयमज्ञातहृदयो दुःखमास्ते ध्रुवं बहिः RājTa.(Ka.) 3.184; **ii** who does not understand or know the mind (of others) एवमज्ञातहृदया मूर्खाः कृत्वा विपर्ययम् । घ्नन्ति स्वार्थं परार्थं च तादृग् ददति चोत्तरम् KathāSaSāg. x. 6.203; सैनिकाः । कोपमज्ञातहृदया न यास्यन्ति विवक्षवः RājTa.(Ka.) 4.562.

अज्ञातहेतु (ajñāta-hetu) *adj.* who does not know the reason (for impurity) अज्ञातहेत्वनाशौचिभ्रान्तरेण कृतं कर्माशुचिद्रव्यकृतत्वाद्वा स्यात् Bālam-Bha. iii. 57.30 (*on* 3.17)

अज्ञातहेयोपादेय (ajñāta-heyopādeya) *adj.* who has not understood what is to be abandoned and what is to be accepted तस्मादज्ञातहेयोपादेयस्यातुलितात्मनः । गृहवासपरित्यागः कर्तुं समुचितो न ते SamarāSaṁ. 6.325.

अज्ञातांश (ajñātāṁśa) *m.* **i** unknown fractional quantity क्रमशः खण्डसमानास्तेऽज्ञातांशप्रमाणानि GaṇiSāSaṁ. 2.122 = 2.132; **ii** unknown part or aspect अज्ञातांशः सर्वोऽपि ह्युपदेष्टव्यः S'rutaPra. iB. 342.16 (*on* i. 2.26); घटप्रतीतौ कारणत्वादिसंदेहो न स्यात् अज्ञातांशलेशाभावात् S'aṅkaVi.(Ā.) 259.8; तस्याज्ञातांशे निश्चयत्वाभावात् LaCandr. 351.26.

अज्ञाताक्षरत्व (ajñātākṣara-tva) *n.* the state of being an unknown syllable ओंकारः...परमात्मवाचकतया गुह्यो न त्वज्ञाताक्षरत्वेन ManuBh. ii. 452.14 (*on* 11.264)

अज्ञातागम (ajñātāgama) *adj.* unaware (of other's) arrival अज्ञातागममीलिताक्षियुगलं किं त्वं मुधा तिष्ठसि Subhāṣi. 2068.

अज्ञातागमन (ajñātāgamana) *adj.* whose arrival is unnoticed सः । अज्ञातागमनोऽपश्यत् सहसा तद्विचेष्टितम् PadmP.(Ra.) 91.14.

अज्ञातागमसद्भाव (ajñātāgamasadbhāva) *adj.* ignorant of the truth of scriptures विप्रः...। अज्ञातागमसद्भावो जग्राह परमं तपः BṛKathāK. 10.50.

अज्ञातागोचरत्व (ajñātāgocara-tva) *n.* the state of not having the unknown as its object अविद्यावच्छिन्ना चित्तु न प्रमा, अज्ञातागोचरत्वात् GuruCandr. i. 156.9.

अज्ञाताचारविद्यक (ajñātācāravidya-ka) *adj.* whose conduct and learning are unknown अज्ञाताचारविद्यकः...तज्ज्ञैः सोऽतिथिरुच्यते BṛParāSm. 4.199.

अज्ञातात्मन् (ajñātātman) *m.* **A** unknown nature अज्ञातमर्थमज्ञातात्मनैव ज्ञापयति मानम् IṣṭaSi. 199.1; **B** unrealised self अज्ञातात्मैकसंसिद्धबीजावस्थमिदं जगत् BṛĀraUBhVā. i. 4.191; i. 4.238; i. 4.400; i. 4.413; i. 4.724; iv. 4.179; *adj.* **i** who has not realised the self अज्ञातात्मा ह्यविद्योत्थसंघातो देहलिङ्गवान् ।... देहान्तोऽत्राभिधीयते BṛĀraUBhVā. i. 4.1783; **ii** of unknown nature यत्राज्ञातात्मतत्त्वात्मा...। तत्र मिथ्याग्रहग्रस्तो द्रष्टृदृश्यादिभेदधीः BṛĀraUBhVā. ii. 4.453.

अज्ञातात्मयाथात्म्य (ajñātātmayāthātmya) *adj.* who has not known the real nature of the self अप्यज्ञातात्मयाथात्म्यो जिज्ञासुर्योऽत्र वस्तुनि । सर्वकर्म-

परित्यागो ज्ञानाप्त्यै तस्य साधनम् BṛĀraUBhVā. iii. 5. 141; ii. 4. 454.

अज्ञातात्मवादिन् (ajñātātmavād-in) *adj.* who maintains that the Self is non-cognizable येषां तान् प्रति चोद्यं स्यान्न त्वज्ञातात्मवादिनाम् BṛĀraUBhVā. i. 4. 420.

अज्ञातात्मस्थिति (ajñātātmasthiti) *adj.* who has not known one's own position अज्ञातात्मस्थितेरातेन शस्त्रपातादन्यत्र प्रायश्चित्तनम् YaśasCam. i. 561. 2.

अज्ञातात्मस्वरूप (ajñātātmasvarūpa) *adj.* who has not known the real nature of the Self अज्ञातात्मस्वरूपः···अहं कर्तेति मन्यते GītāBh.(Rā.) 202. 2 (*on* 3. 27)

अज्ञातादि (ajñātādi) *adj.* **i** unspecified and other (meanings) अज्ञाताद्यर्थविवक्षायामुपाधिक्रमित्यत्राकच् न भवति Nyās. i. 85. 9 (*on* i. 1. 41); i. 76. 12 (*on* i. 1. 29); Pradī. ii. 548B. 25 (*on* ii. 4. 32); निःस्वकेति ।··· अज्ञातादौ कः LaŚabdeŚe. i. 379. 90; i. 213. 7; **ii** (signifying) unspecified and other (meanings) अज्ञातादिकनस्तु बहिरङ्गत्वात् प्रागेव स्त्रीप्रत्ययः सिध्यति Pradī. iv. 15B. 28 (*on* iv. 1. 1)

अज्ञातादियोग (ajñātādi-yoga) *m.* association with unspecified and other (meanings) विभक्त्यन्तस्य हि सतः पश्चादज्ञातादियोगो भवति PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. iv. 1. 1.

अज्ञाताद्यर्थ (ajñātādy-artha) *m.* meanings like unknown etc. अहं पितास्येति विगृह्य बहुव्रीहौ कृतेऽज्ञाताद्यर्थविवक्षायाम् Nyās. i. 76. 12 (*on* i. 1. 29); i. 85. 9 (*on* i. 1. 41); अज्ञाताद्यर्थे कः AbhinBhā. i. 10. 17 (*on* 1. 11); न ह्यन्यथा अज्ञाताद्यर्थावगतिर्भवति । अथवाज्ञाताद्यर्थापेक्षत्वाद्बहिरङ्गोऽकच् Pradī. v. 338B. 25 (*on* vi. 4. 101); vi. 198. 11 (*on* vii. 3. 44); अज्ञाताद्यर्थगतिः प्रकरणाधीना···प्रकरणादिनैवाज्ञाताद्यर्थः प्रतिपत्स्यते PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. ii. 4. 32; काकचोश्च प्रयोजनमेकमज्ञाताद्यर्थद्योतनं नाम PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. v. 3. 71; PrakriKau. i. 930. 2; Prasā. i. 142. 16; कप्रत्ययस्याज्ञाताद्यर्थविशिष्टस्वार्थे विधानेन LaŚabdeŚe. i. 213. 7; अज्ञाताद्यर्थे के दत्तशब्दस्य लोपः Prasā. i. 929. 19.

अज्ञाताधिगम (ajñātādhigama) *m.* knowledge of the unknown अज्ञाताधिगमं कुर्वन्मानं स्यात् सर्ववादिनाम् BṛĀraUBhVā. i. 2. 24.

अज्ञाताधिष्ठानकार्य (ajñātādhiṣṭhāna-kārya) *n.* effect with unknown substratum अध्यारोपितस्य अज्ञाताधिष्ठानकार्यस्य तदतिरिक्तस्वरूपाभावात् TarkSaṁ.(Ā.) 134. 12.

अज्ञाताध्यापक (ajñātādhyāpaka) *m.* superior teacher मलोपश्च वक्तव्यः । दारुणाध्यापकः । अज्ञाताध्यापकः SiddhāKau. 662B. 13.

अज्ञाताध्वपरिश्रम (ajñātādhvapariśrama) *adj.* who has not felt fatigue of journey अहं गृहमागच्छमज्ञाताध्वपरिश्रमः KathāSaSāg. i. 4. 89.

अज्ञातानन्दतत्त्व (ajñātānandatattva) *adj.* who has not known the true nature of bliss अज्ञातानन्दतत्त्वानामनुमानमिदं भवेत् TaiUBhāVā. 127. 13 (2)

अज्ञातानुपलब्धि (ajñātānupalabdhi) *f.* non-perception which itself is not known (by any other means of knowledge like words etc.) अज्ञातानुपलब्धिजन्ये साक्षात्कारः NyāyKuA. ii(1). 231. 8; अज्ञातानुपलब्धीन्द्रियकरणभेदात् फलभेद इहापि TattvCin. i. 682. 3; i. 689. 1; SarvaDaKau. 99. 1.

अज्ञातान्योन्यनिश्चय (ajñātānyonyaniścaya) *adj.* who have not known each other's decision or intention राज्ञः स्थैर्येण चारयः । ऐच्छन् पलायितुं भीता अज्ञातान्योन्यनिश्चयाः RājTa.(Ka.) 8. 801; RājTa.(Śrī.) 4. 214.

अज्ञातान्वय (ajñātānvaya) *m.* unknown lineage अज्ञातान्वयजा··· त्याज्या ··· कन्या विवाहे PañcSā. 4. 6; *adj.* whose concomitance is not known इत्यज्ञातान्वयेऽस्मिन् कथमिव सुशकः स्यादभावो नियन्तुम् TattvMu. 4. 53.

अज्ञातापचयक्रमम् (ajñātāpacayakramam) *adv.* in such a way that the gradualness of reduction is unknown अज्ञातापचयक्रमं द्विजवरैरास्वाद्यमाने रसे···जम्बूतरोर्द्राक्षं फलम् YātrāPra. 5. 128.

अज्ञाताभाव (ajñātābhāva) *m.* **i** non-existence of the unknown अज्ञानाभावेऽज्ञाताभावात् ज्ञानस्याप्यभावप्रसङ्गात् IṣṭaSi. 64. 21; **ii** non-existence which is unknown अज्ञाताभावस्य मिथ्यात्वघटकत्वं स्वीकृत्य LaCandr. 134. 11.

अज्ञाताभिव्यक्ति (ajñātābhivyakti) *f.* manifestation of the unknown योगिनामज्ञातकारणत्वादिग्रहेऽज्ञाताभिव्यक्त्यर्थं प्रवृत्तौ वा साक्ष्येव शरणम् GuruCandr. ii. 97. 13.

अज्ञातारुस् (ajñātārus) *n.* sore of unknown nature अज्ञातारुः शान्त्युदकेन संप्रोक्ष्य ··· औषधीभिर्धूपयति KauśiSū. 31. 21.

अज्ञातार्थ (ajñātārtha) *adj.* **i** which includes in it unknown things दद्यात्···संवत्सरम्···अज्ञातार्थे च वस्तुनि KātySm. 157; **ii** the meaning of which is not known यद्यप्यविवक्षितवाच्ये शब्द एव व्यञ्जकस्तथाप्यर्थस्य सहकारिता न त्रुट्यति । अन्यथाज्ञातार्थोऽपि शब्दस्तद्व्यञ्जकः स्यात् VyaktiVi. 19. 20; प्राश्निकप्रतिवादिष्वन्यतमेनाप्यज्ञातार्थं वचनमविज्ञातार्थम् NyāyPari. 196. 2; *m.* **i** unknown object or thing मानामेदाच्च मेयस्य नाज्ञातार्थः प्रसिध्यति BṛĀraUBhVā. i. 2. 23; भूतार्थस्य अज्ञातार्थस्य इव तया (स्मृत्या) ज्ञापनात् TarkSaṁ.(Ā.) 84. 24; अर्थेऽनुपलब्धे तत्प्रमाणमिति जैमिन्युक्तेरज्ञातार्थ एव श्रुतितात्पर्योक्तेः LaCandr. 330. 30; वामकेश्वरतन्त्रेऽस्मिन्नज्ञातार्थास्त्वनेकशः NityāṢoḍa. 6. 1; अनेकशोऽप्यज्ञातार्थाः सन्ति SetuBa. 178. 9; **ii** unknown reality (i. e. the *ātman*) स्वानुभूत्यनुरोधेन योऽज्ञातार्थः पुरोदितः BṛĀraUBhVā. i. 4. 495; प्रमित्सायां य आभाति स्वयं मातृप्रमाणयोः । स्वमहिम्ना च यस्सिद्धः सोऽज्ञातार्थोऽवसीयताम् NaiṣkaSi. 114. 6; **iii** the sense 'unknown' अज्ञातार्थे कप्रत्ययः LalitāSaBh. 203. 29 (*on* 242); सङ्केतकमित्यज्ञातार्थे कप्रत्ययः SetuBa. 224. 4; ततश्चाप्यज्ञातार्थे कः LaŚabdeŚe. i. 377. 15.

अज्ञातार्थत्व (ajñātārtha-tva) *n.* the state of being one who has not known the meaning (of the Veda) श्रोतुरज्ञातार्थत्वान्नेति चेत् ŚrutaPra. iA. 36. 21 (*on* i. 1. 1)

अज्ञातार्थक (ajñātārtha-ka) *adj.* **i** having the sense 'unknown' त्रिषु कप्रत्ययस्त्वज्ञातार्थकः SetuBa. 184. 23; **ii** the meaning of which is not known सर्वत्र हि अज्ञातार्थकं सन्दिग्धार्थकं वा पदं प्रसिद्धपदसामानाधिकरण्येन निर्णीयते MīmāKau. i. 168. 5 (*on* i. 4. 2); अत एवाज्ञातार्थकेष्विदमेकं पदमिति ज्ञातेषु चैत्रगवयनलादिपदेषु श्रुतेषु क एतदर्थ इति प्रश्ने VaiyāBhū. 126. 17 (*on* 26)

अज्ञातार्थकत्व (ajñātārthaka-tva) *n.* the state of having the meaning 'unknown' यत्किंचिदित्यस्याज्ञातार्थकत्वोपपत्तेर्नात्र वीप्सानिश्चयः VidhiRa. 9 (76. 3); MīmāKau. i. 168. 12 (*on* i. 4. 2)

अज्ञातार्थक्रिय (ajñātārthakriya) *adj.* who has not been aware of the purposeful activity अज्ञातार्थक्रिये ज्ञातार्थक्रिये च एष क्रमेण विकल्पयोगः ParāTri.(comm.) 249. 9.

अज्ञातार्थज्ञापक (ajñātārtha-jñāpaka) *adj.* which makes known a thing which was (previously) unknown अज्ञातार्थज्ञापकं प्रमाणम् TarkSaṁ. (Ā.) 85. 9; ArthSaṁ. 28. 3.

अज्ञातार्थज्ञापकत्व (ajñātārthajñāpaka-tva) *n.* शास्त्रं तु अन्त्यं प्रमाणम् अतद्धर्माध्यारोपणमात्रनिवर्तकत्वेन प्रमाणत्वमात्मनः प्रतिपद्यते न तु अज्ञातार्थज्ञापकत्वेन GītāBh.(Śaṅ.) 31. 9 (*on* 2. 18); स्मृतेरपि प्रमाणेऽन्तर्भावात् अज्ञातार्थज्ञापकत्वाविशेषात् TarkSaṁ.(Ā.) 84. 24; अज्ञातार्थज्ञापकत्वेन प्रामाण्यमुररीकृतम् LalitāTriBh. 275. 1 (*on* 10); न चेह प्रत्यक्षादिप्रामाण्यस्य बाधाभावाधीनसिद्धिकत्वदोषः अज्ञातार्थज्ञापकत्वलक्षणस्य प्रामाण्यस्य भ्रान्त्यादिष्वप्रवृत्तेः SarvaMaSaṁ. 29. 6.

अज्ञातार्थपरिच्छेद (ajñātārtha-pariccheda) *m.* determination of an object not known (previously) प्रामाण्यं नाम ज्ञानाश्रया अज्ञातार्थपरिच्छेदशक्तिः PrakaVi. 529. 20.

अज्ञातार्थप्रकाश (ajñātārtha-prakāśa) *m.* revelation of an object not (already) known अज्ञातार्थप्रकाशो वा स्वरूपाधिगतेः परम् । प्राप्तं सामान्यविज्ञानम् PramāVār. 2. 5.

अज्ञातार्थप्रकाशन (ajñātārtha-prakāśana) *n.* making known an object not (already) known न चाप्रमाणं तज्ज्ञानमज्ञातार्थप्रकाशनात् TattvSaṁ. 1542.

अज्ञातार्थप्रतिभास (ajñātārtha-pratibhāsa) *n.* cognition of an object not (already) known तत्र सम्यगनुभवशब्देन किं सत्यार्थप्रतिभासो विवक्षितः, उताज्ञातार्थप्रतिभासः PrakaVi. 562. 12.

अज्ञातार्थबोधकत्व (ajñātārthabodhaka-tva) *n.* the state of making known an object which is not (already) known तर्हि मद्वाक्यमपि ते मानम्, अज्ञातार्थबोधकत्वादक्षजवत् IṣṭaSi. 345. 3.

अज्ञातार्थबोधन (ajñātārtha-bodhana) *n.* act of making known an object not (already) known श्रुतिरज्ञातार्थबोधनपरा VedāntKa. 332. 13 (*on* ii. 4. 6)

अज्ञातार्थबोधिन् (ajñātārthabodh-in) *adj.* which makes known the object not (already) known अतत्परः शब्दो नाज्ञातार्थबोधीति मते VedāntKa. 185. 21 (*on* i. 3. 34)

अज्ञातार्थसंबन्धक (ajñātārthasambandha-ka) *adj.* whose relation with (its) meaning is not known अज्ञातार्थसंबन्धकपदघटितवाक्येन तदसंभवात् BhāṭṭCin. i. 130. 22 (*on* i. 1. 5)

अज्ञातार्थसिद्धि (ajñātārtha-siddhi) *f.* establishment (i. e. cognition) of the object not (already) known यस्मान्मानादज्ञातार्थसिद्धिरिष्यते IṣṭaSi. 198. 20; अज्ञातार्थसिद्ध्यर्थं वृत्त्यतिरिक्तज्ञानस्यावश्यमभ्युपेयत्वात् AdvaiSi. 468. 13.

अज्ञातार्थाधिगति (ajñātārthādhigati) *f.* knowledge of the (previously) unknown object वर्णस्वरादिक्रमवद्वाक्यरूपानुरञ्जितम् । अज्ञातार्थाधिगतौ तु ज्ञानं

मानमितीर्यते BṛĀraUBhVā. iv. 4. 747.

अज्ञातार्थाधिगमन (ajñātārthādhigamana) *n.* making known the object which is not (already) known सर्वतीर्थदृशां तावत्सामान्यं मानलक्षणम् । अज्ञातार्थाधिगमनम् BṛĀraUBhVā. iv. 3. 158.

अज्ञातार्थाप्रकाशत्व (ajñātārthāprakāśa-tva) *n.* the state of being that which does not bring about the cognition of what is not (already) known अज्ञातार्थाप्रकाशत्वादप्रमाणं तदिष्यते TattvSaṁ. 1486.

अज्ञातार्थाभाव (ajñātārthābhāva) *m.* absence of (any) unknown object सर्वप्रमाणानां चानर्थक्यम् अज्ञातार्थाभावात् IṣṭaSi. 116. 13.

अज्ञातार्थावबोध (ajñātārthāvabodha) *m.* knowledge of the thing not (already) known वेदस्य सिद्धे प्रामाण्ये ह्यज्ञातार्थावबोधतः BṛĀraUBhVā. (Sambandha.) 890.

अज्ञातार्थावबोधन (ajñātārthāvabodhana) *n.* act of making known the thing which is not (already) known तदा ध्वनेर्न स्यादज्ञातार्थावबोधने । विशेषः कश्चित् BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 619.

अज्ञातार्थासिद्धि (ajñātārthāsiddhi) *f.* non-establishment (i. e. absence of cognition) of an unknown object अतो नाज्ञातार्थासिद्धिः IṣṭaSi. 197. 10.

अज्ञातार्थोपलब्धि (ajñātārthopalabdhi) *f.* knowledge of an object not (previously) known उपादित्सन्ति मानानि ह्यज्ञातार्थोपलब्धये BṛĀraUBhVā. iv. 3. 546.

अज्ञातालाप (ajñātālāpa) *adj.* whose talk is not comprehensible स पिप्रिये तानज्ञातालापान्वीक्ष्य गिरिव्रजान् RājTa.(Ka.) 8. 2766.

अज्ञातालोकसंकथ (ajñātālokasaṅkatha) *adj.* about which there is no talk of (day-) light (i. e. which has never seen the day-light at all) अपि तद्विपिनं सान्द्रमज्ञातालोकसंकथम् । शासनात्पाण्डयनृपतेर्जातं जाङ्गलवत्क्षणात् S'ivLī. 4. 87.

अज्ञातावगम (ajñātāvagama) *m.* knowledge of what was not known (earlier) अज्ञातावगमे यद्वत्प्रमातर्यर्पितं फलम् BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 1077; अज्ञातावगमस्यैव प्रमात्वे घटोऽयं घटोऽयमिति धारावाहिकज्ञानेषु द्वितीयादीनामप्रमात्वं स्यात् MānaMe. 2. 7.

अज्ञातावधि (ajñātāvadhi) *adj.* **i** the extent of which is not known कथं तर्ह्यविभक्तस्याज्ञातावधेरर्थवत्त्वम् NyāyRa. 906. 15 (*on* 7. 219); अविभक्तस्याज्ञातावधेर्नार्थवत्त्वम् YuktiSneha. 156. 32 (*on* i. 1. 7); **ii** the limit of (separation from) which is not known नाप्यज्ञातावधीनां पृथगिदमिति धीः TattvMu. 5. 51.

अज्ञातावयव (ajñātāvayava) *adj.* whose parts are not known नैवाज्ञातावयवमत्यन्ताननुभूतं पदतत्त्वमुपकल्पयति TattvBi. 74. 1.

अज्ञातावान्तरजाति (ajñātāvāntarajāti) *adj.* species of which is not known वर्जयेत् … अनिर्दिष्टान् अज्ञातान् अज्ञातावान्तरजातिविशेषान् मृगपक्षिणः SmṛtiCan. v. 247. 7.

अज्ञाताविषयक (ajñātāviṣaya-ka) *adj.* not having an unknown thing for its object सुखाद्यंशे च प्रमाभ्रमविलक्षणत्वमिष्टम्, अज्ञाताविषयकत्वात् स्मृतिवत् GuruCandr. i. 155. 18; अज्ञाताविषयकत्वेऽपि घटाद्याकारवृत्तेरज्ञाततावच्छेदकविषयकत्वेन प्रमात्वसंभवात् LaCandr. 320. 5.

अज्ञाताशनिपतन (ajñātāśanipatana) *adj.* not aware of the fall of a thunderbolt अज्ञाताशनिपतना दिशासु लीलां कुर्वन्तः किल कुलभूभृतां कुमाराः Acyutarā. 11. 6.

अज्ञाताशय (ajñātāśaya) *adj.* who has not understood the intention अज्ञाताशयः पृच्छति YuktiSneha. 70. 34 (*on* i. 1. 5)

अज्ञाताशेषदोष (ajñātāśeṣadoṣa) *adj.* who has no defects at all (*lit.* in whom all defects are unknown) अज्ञाताशेषदोषेण सर्वज्ञेन शिवेन यत् । प्रणीतममलं वाक्यं तत्प्रमाणम् S'ivaP. vii. 12. 24 (558A. 6)

अज्ञाताश्रय (ajñātāśraya) *adj.* abode or substratum of which is unknown येन नाम प्रत्यक्षेणाज्ञाताश्रयं श्वैत्यं प्रतिपन्नम् TantrRaha. 27. 21.

अज्ञातासिद्ध (ajñātāsiddha) *adj.* unestablished due to absence of knowledge एवमेव संदिग्धविशेषणासिद्धादयोऽप्यज्ञातासिद्धभेदा ऊहितव्याः MānaMe. 73. 2.

अज्ञातास्त (ajñātāsta) *adj.* which never sets अज्ञातास्तत्रियामादयितम् … भूतेशस्य … अवतु शिरः श्रेयसां संततिं वः SaduktiKa. 8. 24.

अज्ञाति (a-jñāti) *m.* not a kinsman or an agnate relative स्वमज्ञातिधनाख्यायाम् P. i. 1. 35 = SaraKaṇṭhā.(Gr.) i. 1. 115; नाज्ञातिरनुगृह्णाति नाज्ञातिर्दिग्धमस्यति MahāBhā. xii. 81. 37; नाज्ञातिर्दृश्यते हितः Saund. 15. 38; अनुगम्येच्छया प्रेतं ज्ञातिमज्ञातिमेव च । स्नात्वा सचैलः स्पृष्ट्वाग्निं घृतं प्राश्य विशुध्यति ManuSm. 5. 103; ParāSm. 3. 42; त्यक्त्वान्योन्यं तं च वृक्षं विहङ्गा यद्वत्तद्वज्ज्ञातयोऽज्ञातयश्च TaiUBhāVā. 86. 4(2); नाज्ञातिरनुगृह्णाति नाज्ञातिः स्नेहमिच्छति ViṣṇuDhaP. ii. 68. 14; यस्त्वनुगन्तव्यो ज्ञातिरज्ञातिर्वा सजातीयः BālaKrī. ii. 9. 21 (*on* 3. 26); अज्ञातिष्वतिदेशमाह Aparā. 873. 26 (*on* 3. 4); अज्ञातिमसंबन्धिनम् ManvaVi. 657. 1 (*on* 5. 103); *adj.* who does not belong to the same *gotra* (i. e. who belongs to a different *gotra*) अज्ञातीन् यजमानभिन्नगोत्रान् (ब्राह्मणान्निमन्त्रयेत्) CaturCin. iii(1). 1131. 20; iii(1). 1152. 4.

अज्ञातिता (ajñāti-tā) *f.* the state of not being a kinsman अज्ञातिता नातिसुखा नावज्ञेयास्त्वतः परम् MahāBhā. xii. 81. 34.

अज्ञातिमत् (ajñāti-ma(n)t) *adj.* not having any kinsman अज्ञातिमन्तं पुरुषं परे परिभवन्त्युत MahāBhā. xii. 81. 34.

अज्ञातृ (a-jñātṛ) *adj.* who does not know, other than the knower or cogniser तस्मिन् क्षणमप्यज्ञातरि सति तदिच्छाप्रेर्यमाणकर्माधीननानाप्रकारव्यवहारविरामप्रसङ्गात् NyāyMañ. i. 184. 22; तस्य तस्याः परं भावमज्ञातुश्चापि केवलम् । पुत्रीत्येवं विमूढस्य तस्यां वैरमजायत S'ivaP. vii. 18. 9 (520B. 11); यथा ह्यज्ञातरि परस्मिन् जानातीति NyāyKu. 82. 8; न शक्यं मर्माण्यजाता (ज्ञात्रा) शस्त्राद(दि)चारणं कर्तुम् Hastyāyur. 501. 4 (3. 20)

अज्ञातृत्व (ájñātṛ-tva) *n.* the state of not being a knower or cogniser अज्ञातृत्वस्य सिद्धत्वात् … स्यादभेदमतिभ्रमः S'lokaVār. 5(17). 129 (722. 1); स्वरूपस्यैवाज्ञातृत्वमापद्यते PañcPra. 61. 4; भेदपरामर्शादेव … सिद्धमज्ञातृत्वम् NyāyRa. 721. 16 (*on* 5(17). 128); ततोऽस्माद्विवेकावभासात्पूर्वोक्तन्यायेन च शरीरस्याज्ञातृत्वात् S'āstrDī. 121. 15 (*on* i. 1. 5); अज्ञातृत्वादिरूपानात्मत्वस्यासत्यत्वं विना व्याघाताभावेनोपाधेरप्रयोजकत्वात् Nyāyāmṛ. 42A. 8; 68B. 7; 68B. 9; 75B. 9; 499A. 5; सिद्धमज्ञातृत्वम् YuktiSneha. 121. 36 (*on* i. 1. 5); 121. 38 (*on* i. 1. 5); किमिदं जडत्वमज्ञातृत्वं वा AdvaiSi. 295. 1; ब्रह्मादीनामज्ञातृत्वे परिकरालङ्कारेण हेतुगर्भं विशेषणम् LalitāSaBh. 220. 17 (*on* 288)

अज्ञातृविज्ञापिन् (ajñātṛ-vijñāpin) *adj.* making the ignorant understand मृषोत्तरं साक्षिणि हृत्सु नृणामज्ञातृविज्ञापि ममापि तस्मिन् NaiṣC. 6. 91.

अज्ञातेय (a-jñāteya) *adj.* who is not (born) of a kinsman अज्ञातेयेनेति त्वन्यासामपि तादृशीनामपरिणेयत्वार्थमुक्तम् ManvaVi. 1429. 26 (*on* 11. 172)

अज्ञातेप्सितहृदय (ajñātepsita-hṛdaya) *adj.* whose desires of the heart are not known अज्ञातेप्सितहृदयः स्मृतिमान्धृतिमान् स तु ज्येष्ठः NāṭyaS'ā. 23. 55 (comm. गम्भीर इत्यर्थः)

अज्ञातैकात्म्य (ajñātaikātmya) *adj.* of unrealised unity अज्ञातैकात्म्यकार्यं तद्यदेतदभिशब्दितम् BṛĀraUBhVā. i. 6. 2; अज्ञातैकात्म्ययाथात्म्यो यदा त्विह विवक्ष्यते BṛĀraUBhVā. ii. 1. 26; क्रियाकारकभेदोऽयमज्ञातैकात्म्यवस्तुनः । तज्ज्ञानेऽसावसंभाव्यः BṛĀrāUBhVā. ii. 4. 194.

अज्ञातोत्तरम् (a-jñātottaram) *adv.* in such a manner that the reply is not (clearly) understood ज्ञात्वा परमतं सम्यक् तेनाज्ञातोत्तरं वदेत् S'ukraNī. 3. 62.

अज्ञातोत्पलसंविद् (ajñātotpalasaṁvid) *adj.* who has not understood the intention of Utpala दूतौ टिक्कस्य … । तत्र प्रसङ्गादासातामज्ञातोत्पलसंविदौ RājTa.(Ka.) 8. 1305.

अज्ञातोदर्कवैषम्या (ajñātodarkavaiṣamyā) *adj.* (*f.*) the evil nature of the results of which was not known अज्ञातोदर्कवैषम्या दुर्नीतिः सा महीभुजाम् RājTa.(Ka.) 8. 2961.

अज्ञातोपघात (ajñātopaghāta) *adj.* the defilement of which is unknown अदृष्टं वस्तु उपघाते सत्यप्यज्ञातोपघातम् ManvaVi. 673. 1 (*on* 5. 127)

अज्ञातोपनत (ajñātopanata) *adj.* who has come unknowingly पादः …अज्ञातोपनतेन तेन सहसा मूर्ध्नैव संभावितः SubhāRaK. 21. 59.

अज्ञातोपपादक (ajñātopapādaka) *m. n.* the unknown thing which establishes (something) अनुपपन्नदर्शनादज्ञातोपपादके बुद्धिः अर्थापत्तिः इत्यपि न TarkSaṁ.(Ā.) 107. 25 (cf. अनुपपन्नं अर्थं उपलभ्य तदुपपादनार्थं अज्ञाते अर्थान्तरे बुद्धिः TarkSaṁ.(Ā.) 107. 28)

अज्ञातोपाय (ajñātopāya) *m.* unknown means अपि च अज्ञातोपाये चेन्न प्रवर्तते । अवश्यमुपायज्ञापनया तत्र प्रवर्त्यः फलमुद्दिश्य BrahmSi. 116. 10; अज्ञातोपाये कथं पुरुषेच्छातः प्रवृत्तिः VedāntKa. 184. 23 (*on* i. 3. 34)

अज्ञातोपायत्व (ajñātopāya-tva) *n.* the state of being one who has not known the means अपि च उपाये वा प्रवृत्तः पुरुषः प्रवर्त्यते अज्ञातोपायत्वात् BrahmSi. 24. 2.

अज्ञातोपासन (ajñātopāsana) *adj.* who has not known the *upāsanā* (meditation) (of some one else) अज्ञातोपासनो राजा नानर्थं करोति NyāySu. (Ja.) 621A. 4 (*on* iv. 1. 4)

अज्ञातौषध (ajñātauṣadha) *n.* unknown herb तेनाप्यज्ञातौषधेन स गौर्नर: PurāPraSaṁ. 132. 18.

अज्ञातौषधिमन्त्र (ajñātauṣadhimantra) *adj.* ignorant of the drug or charm (for curing a disease) अज्ञातौषधिमन्त्रस्तु यश्च व्याधेरतत्त्ववित् । रोगिभ्योऽर्थं समादत्ते स दण्ड्यश्चोरवद्भिषक् BṛhaspaSm. 179. 10.

अज्ञात्यनुगमन (ajñāty-anugamana) *n.* following a non-kinsman अज्ञात्यनुगमने तु अशौचाभावेऽपि अनुगमनस्य स्नानाग्निस्पर्शघृतप्राशननिमित्तत्वात् HārLa. 86. 8.

अज्ञात्वा (a-jñātvā) *ger.* not knowing, not realising, not ascertaining, not having known मन्त्रेणाहूतवान् कचम् ··· अज्ञात्वा स्वकुक्षिस्थम् MahāBhā. i. 706*; आवृतं तमसा चेत: सर्वेषां स्वर्गवासिनाम् । येन त्वां नाभिजानन्ति ततोऽज्ञात्वासि पातित: MahāBhā. v. 121. 8; अज्ञात्वा धर्मशास्त्राणि प्रायश्चित्तं ददाति य: ··· भवेत्पूत: BṛYamaSm. 4. 29; गाम्भीर्यौदार्यवादे परहितकरणायोदिते दीर्घधर्मे । अज्ञात्वैवाधिमुक्तिर्भवति MaYānaSū. 13. 4 (3. 12); योऽज्ञात्वा ह्यप्रकाश्यानि पुंसामविदुषां वदेत् ।···आत्मानं नरकं नयेत् BṛParāSm. 6. 130; जिज्ञासमानश्चिरमज्ञात्वाध्यवस्यति NyāyBh. 167. 2 (*on* iii. 1. 14); बहुधा विवदन्ति ग्रहार्थिन: ··· रवीन्दुभूयोगमज्ञात्वा BrāhmSphuSi. 11. 59; उपायं केचिदज्ञात्वा धर्माख्यं सुखसन्तते: । ··· तस्य समारम्भे न यतन्ते PadmP.(Ra.) 14. 319; तत्त्वमात्मस्थमज्ञात्वा मूढ: शास्त्रेषु मुह्यति KulārT. 1. 96; 5. 94; 15. 70; स मद्वृत्तान्तमज्ञात्वा दशां यास्यति कामपि BṛKathāS'loSaṁ. 14. 104; अज्ञात्वा कमसौ शब्दमादावेव विवक्षति S'lokaVār. 6. 246 (792. 6); 2. 174 (98. 3); तादृक्साध्यबुभुत्सायां साध्यानुरूपं साधनमज्ञात्वा विहत: TātpaṬ.(U.) 228. 17 (*on* 5(3). 150); अज्ञात्वैवं परं तत्त्वं मायामोहितचेतस: SarvaVeSāSaṁ. 428; न हि गुणस्वरूपमज्ञात्वा गुणेभ्य: पुरुषस्यान्तरं शक्यं ज्ञातुम् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 233. 13 (*on* i. 4. 4); आत्मन: सद्रूपतामज्ञात्वैव सत्संपद्यन्ते ChāndoUBh. 387. 15 (*on* vi. 9. 3); प्रसीदतु देवी यन्मया परमार्थमज्ञात्वा प्रियसखीत्याहूता TāpaVa. 6. 5 (62); न ह्यज्ञात्वा ब्रह्मबुद्धिं तदीयं कर्तव्यत्वं कश्चिदीष्टे ग्रहीतुम् SaṁkṣeS'ā. 1. 451 (i. 328. 21); 2. 148 (ii. 92. 19); इदं कवचमज्ञात्वा जपेल्लक्ष्मीं जगत्प्रसूम् । ··· न मन्त्र: सिद्धिदायक: BrahmVaiP. iii. 38. 82; बाह्यं प्रयुञ्जते ते तु अज्ञात्वाचार्यकीं क्रियाम् NāṭyaS'ā. 22. 80; तमज्ञात्वा विमूढात्मा कुरुते केवलं बहि: AdhyāRā. vii. 7. 74; स: ··· श्रुत्वा स्वरं गोमायुपक्षिणाम् । अज्ञात्वापि वधूवृत्तम् ··· । राक्षसैर्भक्षितां सीतां नि:संशयममन्यत RāmāMañ. 154. 17; इदं कवचमज्ञात्वा ···यजेद्य: पुरुषोत्तमम् । ··· न मन्त्रस्तस्य सिध्यति PañcaRā.(Nā.) iv. 5. 41; v. 7. 7; स: ···राजेत्यज्ञात्वा कथितं जनै: RājTa.(Ka.) 8. 55; स्वाम्यभिप्रायम्···अज्ञात्वा यद् ब्रुवे तत्राप्रसादं नाथ मा कृथा: TriṣaS'aPuC. i. 2. 761; i. 5. 487; iv. 1. 552; शत्रोर्विक्रममज्ञात्वा वैरमारभते हि य: । स पराभवमाप्नोति PañcT. 1. 124 (123. 4); 1. 127(61) (139. 1); कन्दराया: पुनर्मार्गमज्ञात्वा गहने वने PāṇḍaC. 6. 638; अज्ञात्वा विविधान्वेधान्यो ग्रहज्ञो(? ज्ञ:) फलं वदेत् NāraS. 12. 9; श्रीकान्त: ··· वारिधेरज्ञात्वाशु समु(? द्धृ)तां लघुतयोद्धर्तुं क्षितिं दंष्ट्रया यस्तावद्ववृधे EI. iii. 84. 1; फलशब्दं च नाज्ञात्वा···सङ्केतं क: प्रकल्पयेत् NyāyKu. 12. 23; 184. 14; उपाधिभेदेन वास्तवं विरोधाभावमप्रबुध्यैव अज्ञात्वैव SyādvāMañ. 24(43); तस्य चोरत्वं हन्तृत्वं चाज्ञात्वा भक्तादिदाने दोषाभाव: DaṇḍaVi. 81. 21; सामग्र्येणात्मतत्त्वमज्ञात्वा चेदुपदिशेत्···भ्रान्तीकुर्यात् SāṁkhyaPraBh. 108. 15 (*on* 3. 81); अज्ञात्वा ते महत्त्वं यदिह निगदितं विश्वनाथ क्षमेथा: Nārāy. xii. 100. 11; S'ṛṅgāDī. 1. 67.

अज्ञान (a-jñāna) *n.* **1 A** ignorance, absence of knowledge **B i** ignorance as one of the *tāmasa* Guṇas **ii** one of the *tāmasa* Bhāvas **iii** one of the *tāmasa* forms of Prakṛti or Mahat **iv** one of the types of *tāmasa* Buddhi **v** one of the *asiddhis* viz. Atāratāra **2** name of a Tantric deity **3** name of a clincher or place of refutation **4** non-cognition, non-production of knowledge **5** prior absence **6** nescience, spiritual ignorance **7** non-realisation of the Self **8 A** ignorance identified with *avidyā* the first link in the Pratītyasamutpāda **B** false knowledge, knowledge accompanied with false faith **9 A** non-valid cognition, erroneous knowledge **B** uncertainty, uncertain knowledge, unclear knowledge **C** delusion **10** (meaning) other than 'to know' **11 A** knowledge other than that which leads to liberation **B i** other than knowledge, not the same as knowledge **ii** other than cognition (i. e. sense organs) **12** unawareness **13** past act that forms a hindrance to knowledge **14** evil, sin **1 A** ignorance, absence of knowledge राजन्यबन्धुनि मेऽज्ञानम् BaudhS'S. i. 40. 4; सर्वं मार्गं विलुम्पन्ति लोभाज्ञानेषु निष्ठिता: MahāBhā. xii. 152. 17; अथ योऽवाग्योगवित् । अज्ञानं तस्य शरणम् MahāBh. i. 2. 25 (*on* i. 1. 0); AtriS. 200; JaimiUpaSū. iv. 4. 32; अज्ञानाच्च VaiśeSū. iii. 1. 6; BuddhaC. 3. 46; तुल्यं भवति ज्ञानमज्ञानेनेति CaraS. i. 15. 4; i. 9. 14 (1922 Ed.); सप्तभिरेव कारणैर्न सम्पद्यते । तद्यथा अज्ञानादनारम्भादस्थिरचित्तत्वात् SuśruS. iv. 30. 4; BṛYamaSm. 2. 2; उत्पथग्राहिणश्चैव तेऽज्ञाने ज्ञानमानिन: MārkP. 47. 20; BrahmāṇḍP. i. 27. 56; किं प्राप्तम् । अज्ञानम् S'ābaBh. 1099. 11 (*on* iii. 7. 36); अज्ञानादल्पशास्त्रार्था मोहयन्ति पदे पदे PrajāSm. 6; EI. xxi. 198. 5; सामान्यविशेषविषयमज्ञानमत्रापराध्यते एवं चोदयत: Bṛha. 158. 7 (*on* i. 1. 5); 216. 8 (*on* i. 1. 5); NyāyVār. 447. 10 (*on* iii. 2. 69); निद्रायत्तं सुखम्···ज्ञानमज्ञानं जीवितं न च AṣṭāHṛ. i. 7. 53; यदासीदज्ञानं स्मरतिमिरसंस्कारजनितम् S'atTrayī. 6 = SaraKaṇṭhā. 609. 2 = S'āntiS'. 4. 14; आर्यभटस्याज्ञानान्मध्यममन्दोच्चशीघ्रपरिधिना(? धीनाम्) । न स्पष्टा भौमाद्या: BrāhmSphuSi. 2. 33; कस्येदं कर्तव्यमित्यज्ञानात् सापेक्षमसमसमप्रतिपत्तिकरमेव शास्त्रं स्यात् BhāvanāVi. 192. 3; EI. ii. 21. 2; अज्ञानं शरणं तत्र प्राज्ञानां तु न युज्यते S'lokaVār. 5(17). 58 (703. 6); नापि भवत्पक्षे ज्ञानाभावरूपमज्ञानमपोह्यम् TātpaṬ.(U.) 273. 11 (*on* 5(4). 137); धर्मिभेदविकल्पेन याश्रयासिद्धिरुच्यते । सोऽनुमालक्षणाज्ञानाद्धर्मित्वं भासिनो यत: TattvSaṁ. 2737; अविनयभुवामज्ञानानां शमाय भवन्नपि ···विद्याभ्यास: AnarghaRā. 4. 12 = Subhāṣi. 364; यदि ज्ञानाभाव: ··· उच्यते अज्ञानम् BṛĀraUBh. 388. 17 (*on* iii. 3. 1); अविधि: अज्ञानं तत्पूर्वकं यजन्ते इत्यर्थ: GītāBh. (S'aṅ.) 269. 3 (*on* 9. 23); तयोरैक्यं प्रपश्यन्ति किमज्ञानमत: परम् AparoAnu. 17; SarvaSiSaṁ. 12. 62; अज्ञानं हि नाम ज्ञानाभाव: NaiṣkaSi. 112. 8; SphoṭSi. 223. 2; यद्यपि क्षितौ निहितस्य केनचिदज्ञानान्न राजकीयरक्षोपयुज्यते ManuBh. ii. 89. 8 (*on* 8. 39); ते च नृपतय: कामक्रोधाभ्यामज्ञानेन वा यथैव शुभमशुभं वा कर्मारभन्ते तथैव जानपदा अपि YaśasCam. ii. 95. 9; KālīViT. 22. 18; अहो मे पश्यताज्ञानं हृदि रूढं दुरात्मन: BhāgP. i. 8. 48; SkandP. iv. 27. 28; VāmaP. 61. 15; सद्भिश्च मुच्यतेऽसद्भिरज्ञानात् संसृतो द्विज: AgniP. 161. 13; VarāP. 99. 5; स्त्रैणमज्ञानमाश्रित्य संतुष्टो हि पतिस्त्वया BṛKathāS'loSaṁ. 12. 53; ज्ञानार्हस्य मैत्रस्याज्ञाने TātpaṬ.(Vā.) 112. 19 (*on* i. 1. 3); NyāyKuA. ii. 3. 8; अहो दक्ष तवाज्ञानं तव नाशस्य कारणम् SaurP. 7. 32; GaṇeP. ii. 111. 24; AdhyāRā. vii. 5. 5; YogVā. vi(1). 6. 39; SamarāSū. 33. 67; PratyabhiHṛ. 30. 9(12); घटतदभावयोश्चाज्ञानं ज्ञानाभाव: S'āstrDī. 84. 10 (*on* i. 1. 5); KaviKaṇṭhā. 1. 8; BṛKathāMañ. ii. 2. 36; GītāBh.(Rā.) 594. 2 (*on* 14. 17); 608. 23 (*on* 16. 4); KathāSaSāg. xii. 5. 204; BrahmSūBh.(Rā.) 88. 21 (*on* i. 1. 1); MālinīT. 1. 23; Mānaso. iv. 2. 194; पूर्वजन्मपतिर्मे ··· । क्व सम्प्रत्यवतीर्णोऽस्तीत्यज्ञानं हा दुनोति माम् TriṣaS'aPuC. i. 1. 637; ii. 1. 187; PariPar. 2. 345; KhaṇḍanKhā. 970. 3; Aparā. 603. 12 (*on* 2. 4); SmṛtiCan. iii. 300. 17; अज्ञानमनृतम् ··· । एते राज्यहृतौ वत्स स्यु: पञ्चदश दस्यव: PāṇḍaC. 7. 72; MalliC. 2. 547; TarkSam.(Ā.) 79. 1; CaturCin. iii(1). 1129. 3; SamarāSaṁ. 1. 342; NyāyKu. 124. 10; S'rutaPra. iA. 213. 6 (*on* i. 1. 1); अज्ञानेन किल प्राप्ता व्यवस्था भवता द्विज S'aṅkaVi.(Ā.) 236. 11; क्रयणस्यान्यकृतत्वेनाज्ञानस्यापि तत्र संभवादपलापाभावादित्यभिप्राय: Subodhi. 9. 2 (*on* 2. 20); अज्ञानादिव या पृच्छा प्रतीतस्यापि वस्तुन: SāhiDa. 137. 2; TarkKau. 8. 20; अज्ञानात् ज्ञानशून्यत्वात् Upask. 141. 13 (*on* iii. 1. 4); ये पुनरधिकरणभङ्गं कुर्वन्ति तेषामज्ञानमेव AṇuBh. 38. 3 (*on* i. 1. 18); 110. 18 (*on* i. 4. 15); अज्ञानालस्यादिना यदा निरुद्यमो राजा भवति तदा कलि: स्यात् ManvaMu. 419. 13 (*on* 9. 302); TantrSā.(K.) 7. 27; Prasā. i. 722. 17; NirṇaSi. 70. 6; योग्यताया अज्ञानात् RasGaṅ. 644. 9; VyutpaVā. 164. 3; SetuBa. 161. 29; TantrRā. 35. 72; **1 B i** ignorance enumerated as one of the *tāmasa* Guṇas संमोहो भयम्···क्रोधो नास्तिक्यमज्ञानम् ··· असमत्वमिति तामसानि MaiU. 3. 5; संमोहोऽज्ञानमत्याग: (सर्वे एते गुणा: ··· तामसा:) MahāBhā. xiv. 36. 12; अज्ञानमालस्यजडत्वनिद्राप्रमादमूढत्वमुखास्तमोगुणा: ViveCū. 118; PārśvC. 2. 1038; अज्ञानेति तमोगुणो लक्ष्यते NyāySu.(Ja.) 629A. 8 (*on* iv. 2); GītāBh.(Rā.) 634. 6 (*on* 18. 7); अज्ञानम्···क्रोधान्धता मूढता प्रख्याता हि तमोगुणेन सहितस्यैते गुणाश्चेतस: BhāvPra.(Bhā.) 1(2). 9; तस्य नित्यशुद्धस्य ··· अज्ञान° ··· °क्रोधादिकामङ्गलगुणसङ्करप्रसङ्ग: BrahmSūBh.(S'rī.) i. 338. 2 (*on* i. 2. 9); तमोगुणोऽज्ञानम् LalitāSaBh. 36. 30 (*on* 70); **1 B ii** one of the *tāmasa* Bhāvas अज्ञानं तामसो भाव: ViṣṇuP. vi. 5. 25; अज्ञानम् ··· इति अष्टौ भावा: SaṁkhyaKāBh. 25. 20 (*on* 43); MāṭhVṛ. 60. 18 (*on* 43); **1 B iii** one of the *tāmasa* forms of Prakṛti or Mahat महत: ··· रूपं चतुर्धा प्रविभज्यते । अधर्माज्ञानवैराग्यानैश्वर्यं च तामसम् AhirbuS. 7. 12; अज्ञानम् ··· एतानि प्रकृते: सप्त रूपाणि SāṁkhyaKāBh. 33. 8 (*on* 63); **1 B iv** one of the types of *tāmasa* Buddhi चत्वार्येतानि बुद्धे: सात्त्विकानि रूपाणि । ··· अस्माद्धर्मादेर्विपरीतं तामसं बुद्धिरूपम्···एवमज्ञानमवैराग्यमनैश्वर्यमिति SāṁkhyaKāBh. 17. 5 (*on* 23); तथा अधर्मोऽज्ञानमवैराग्यमनैश्वर्यमित्यष्टधा सात्त्विकतामसभेदा बुद्धि: MāṭhVṛ. 41. 8 (*on* 23); अज्ञानं नाम ज्ञानविपर्ययस्तत्त्वभावभूतानामनवबोध: TattvSa. 119. 14; **1 B v** one of the *asiddhis* viz. Atāratāra अध्ययनश्रवणाभिनिविष्टस्यापि पञ्चविंशतितत्त्वज्ञानसिद्धिर्न भवति तदातारतारं तदज्ञानम् TattvSa. (13) 133. 7;

2 name of a Tantric deity प्रागादावुत्तरान्तं तु त्वधर्मममलेक्षण । अज्ञानं च त्ववैराग्यमनैश्वर्यमनन्तरम् PauskS. 23. 35; तत्पूर्वदिग्विभागादि यावदुत्तरगोचरम् । न्यस्याधर्मं तथाज्ञानमवैराग्यमनैश्वरम् JayāS. 12. 8; BrBrahmaS. iv. 2. 15; TantrSā.(K.) 80. 20; स्मरेत् ··· अज्ञानम् LaksmīT. 36. 15; MahNirvāT. 6. 127; ओं रूं अज्ञानाय वै नमः AgniP. 98. 6; ऋं अधर्माय ॠं अज्ञानाय ··· नमः ParaśuKS. 2. 7 (80. 4); NityoNi. 138. 8; VīraMi.(Pūjā.) 145. 4; वामपार्श्वे ··· अज्ञानाय TantrSā.(K.) 48. 6; VīraMi.(Bhakti.) 91. 6; **3** name of a clincher or place for refutation consisting of not being able to understand the opponent's statements (which are understood by others present, even after being repeated thrice) अविज्ञातं चाज्ञानम् NyāySū. v. 2. 17; NyāyBh. 72. 81 (*on* i. 2. 20); NyāyVār. 179. 10 (*on* i. 2. 53); तदज्ञानं नाम निग्रहस्थानं भवति NyāyMañ. ii. 203. 20; ज्ञातेऽपि वादिवाक्यार्थे प्राश्निकैस्तत्र चेत्परः । स्वाज्ञानमुद्भावयति तदाज्ञानेन निग्रहः TārkiRa. 350. 11; 350. 18; पर्षदा विज्ञातस्यापि वादिवाक्यार्थस्य प्रतिवादिनो यदज्ञानं तदज्ञानं नाम निग्रहस्थानम् PramāMī. 71. 5 (*on* ii. 1. 34); SyādvāMañ. 10 (143); NyāyPari. 205. 5; **4** non-cognition, non-production of knowledge तत्र संशयोऽज्ञानं विपर्ययः SāṁkhyaKāBh. 26. 22 (*on* 46); अज्ञानं पुनरप्रतिपत्तिः NyāyVār. 557. 10 (*on* v. 2. 1); अन्वयव्यतिरेकाभ्यामप्रामाण्यं न दोषतः । नाज्ञाने दृश्यते ह्येतत् कारणाभावहेतुके S'lokaVār. 2. 45 (58. 6) (Kāśi. त्रिविधमप्रामाण्यमज्ञानसंशयविपर्ययैः); अदृष्टपूर्वे त्वज्ञानं संबन्धप्रत्ययोऽपि वा S'lokaVār. 5(5). 102 (431. 7); 5(14). 61 (628. 1); को हि तद्वेदेति पूर्ववदेवाज्ञानसंशयविपर्ययाणामनौपयिकत्वादानर्थक्यम् TantrVā. 8. 1 (*on* i. 2. 2); 588. 9 (*on* ii. 3. 3); सर्वथाज्ञाने नैषा तदर्थ्यते SphoṭSi. 60. 1 (comm. ज्ञानानुत्पत्तौ); TātpaṬ.(Vā.) 156. 9 (*on* i. 1. 5); Bhām. 145. 11 (*on* i. 1. 22); NyāyPari. 279. 7; VivaPraSaṁ. 127. 6; मूर्च्छायां प्रपञ्चस्याज्ञानमेव न तभावः Nyāyāmṛ. 166B. 6; **5** prior absence मिथ्यात्वशङ्का तु तद्धेतुभूतदोषाज्ञानादयत्नेनैव निवर्तते । न हि दोषाणामज्ञानं प्रागभावो यत्नसाध्यः Kāśi. i. 91. 17 (*on* 2. 52); **6** nescience, spiritual ignorance (also called *avidyā*, conceived of as a positive entity, opposite of knowledge) अज्ञानेनावृतो लोकः MahāBhā. iii. 1383*(7); संसृतिरेषामभक्तिः स्यान्नाज्ञानात् कारणासिद्धेः BhaktiSū.(S'ā.) iii. 2. 6; विभेदजनकेऽज्ञाने नाशमात्यन्तिकं गते VisṇuP. vi. 7. 96; MārkP. 39. 1; अथाज्ञानमविद्या AmaK. 290 = AgniP. 359. 51; KulārT. 9. 123; किंनिमित्तं जगतः अज्ञानमित्युच्यते GītāBh.(S'aṅ.) 220. 21 (*on* 7. 13); BṛĀraUBh. 5. 17 (*on* i. 1. 0); अज्ञानं कल्पनामूलम् UpadeSā. 272. 17; जगत्कारणमज्ञानमेकमेव चिदन्वितम् SvātmPra. 1; अवच्छिन्न इवाज्ञानात्तन्नाशे सति केवलः ĀtmaBo. 4; अहमात्मा ··· नाज्ञानम्, नापि तत्कार्यम् Pañcī. 190. 10; यः प्रमादाख्यो मृत्युः अज्ञानं स एव SanatBh. 181. 17 (*on* 1. 6); अज्ञानमाययोरैक्यम् SadācāAnu. 24; अज्ञानं प्रकृतिस्तन्मते मता SarvaSiSaṁ. 12. 88; जगदध्यासकारणम् । सदसद्भ्यामनिर्वाच्यमज्ञानं त्रिगुणात्मकम् SarvaVeSāSam. 302; 299; अज्ञानमिति च जडात्मिकाविद्याशक्तिः ज्ञानपर्युदासेनोच्यते PañcPā. 4. 20 (*on* i. 1. 0); BṛĀraUBhVā. iii. 3. 95; iv. 4. 787; IṣṭaSi. 48. 10; 325. 2; अज्ञानमावरणविभ्रमशक्तियोगात् (विक्षिपति) SaṁkseS'ā. 1. 20 (i. 26. 1); 2. 185 (ii. 112. 17); PañcPra. 62. 2; SaurP. 11. 24; S'ivaP. ii(1). 15. 11 (58A. 12); AdhyāRā. ii. 1. 28; YogVā. iii. 11. 16; तच्च ··· अविद्येति गीयते तदेकार्थतया चाज्ञानमिति PramāMā. 11. 21; ज्ञानप्रागभावातिरिक्तं सदसदनिर्वचनीयं तमोमायादिशब्दवाच्यं वस्तुयाथात्म्यज्ञाननिवर्त्यं भावरूपं किंचिद्वस्त्वज्ञानम् NītiMā. 21. 9; BrahmSūBh.(Ma.) 57A. 7 (*on* iii. 3. 43); सिद्धत्वात्स्वरूपस्य विशेषभावाच्च नाज्ञानं कस्यचिदावरकम् MāyāKha. 2A. 11; AnuVyā. 2B. 3 (*on* i. 1. 1); VedāntSā.(Rā.) 220. 7 (*on* ii. 3. 48); BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 161. 4 (*on* ii. 3. 49); TarkSaṁ.(Ā.) 138. 23; अज्ञानं तु ··· त्रिगुणात्मकं ज्ञानविरोधि भावरूपं यत्किञ्चित् VedāntSā.(Sa.) 5. 8; JīvanVi. 50. 9; 151. 12; NyāySu.(Ja.) 23B. 11 (*on* i. 1. 1); SarvaDaKau. 122. 20; अज्ञानस्य सर्वगतदेशकालोपादानत्वेन Nyāyāmṛ. 77B. 7; 547A. 9; 616B. 13; कार्यैककल्प्यत्वादज्ञानस्य YuktiSneha. 111. 31 (*on* i. 1. 5); SiddhāBi. 35. 5; SiddhāLeSaṁ. 429. 3; LalitāSaBh. 95. 21 (*on* 129); BālamBha. i. 96. 19 (*on* 1. 25); **7** non-realisation of the Self ज्ञानलाभयोरेकार्थत्वस्य विवक्षितत्वात् । आत्मनो ह्यलाभोऽज्ञानमेव, तस्माज्ज्ञानमेवात्मनो लाभः BṛĀraUBh. 116. 3 (*on* i. 4. 8); **8 A** (Buddh.) ignorance identified with *avidyā* the first link in the Pratītyasamutpāda यत्कर्माज्ञानतृष्णानां त्यागान्मोक्षश्च कल्प्यते BuddhaC. 12. 73; तत्राविद्या कतमा । यैषामेव षण्णां धातूनामेकसंज्ञा पिण्डसंज्ञा ··· आत्मसंज्ञा ··· मनुजमानवसंज्ञा अहंकारममकारसंज्ञा । एवमादि विविधमज्ञानमियमुच्यतेऽविद्येति ĀryaS'āS. 9. 15; अज्ञानं हि भूतार्थदर्शनप्रतिबन्धादन्धकारम् AbhidhKoBh. 1. 10 (*on* 1. 1); अन्ये पुनरिहाज्ञानमलीमसधियो जगुः TattvSam. 2085; अज्ञानमविद्या ··· अभूतं ख्यापयत्यर्थं भूतमावृत्य वर्तते । अविद्या जायमानैव BodhiCaPañ. 171. 1; **8 B** (Jain.) false knowledge, knowledge accompanied with false faith ज्ञानावरणे प्रज्ञाज्ञाने TattvārthāSū. 9. 13; अज्ञानं त्रिविधं मत्यज्ञानं श्रुताज्ञानं विभङ्गं चेति । ज्ञानाज्ञानविभागस्तु मिथ्यात्वकर्मोदयानुदयापेक्षः TattvāRāVār. 6 (*on* 2. 5); **9 A** non-valid cognition, erroneous knowledge विद्यायाः प्रतिपक्षत्वाच् चैत्तत्वेनोपलब्धितः । मिथ्योपलब्धिरज्ञानं युक्तेश्चान्यदयुक्तिमत् PramāVār. 2. 214; अज्ञानं पुनः ··· विप्रतिपत्तिः NyāyVār. 557. 10 (*on* v. 2. 1); यदि विपरीतज्ञानम् ··· उच्यते अज्ञानमिति BṛĀraUBh. 388. 17 (*on* iii. 3. 1); SarvaSiSaṁ. 4. 20; अज्ञानम् ··· कर्तव्याकर्तव्यादिविषयमिथ्याप्रत्ययः GītāBh.(S'aṅ.) 454. 10 (*on* 16. 4); अज्ञानं च विपर्ययज्ञानम् TattvVai. 5. 21 (*on* 1. 2); अज्ञानमसम्यग्ज्ञानम् NyāyVārPari. 24. 5; तज्ज्ञानमज्ञानमतोऽन्यदुक्तम् BrahmP. 233. 75; अज्ञानं मिथ्याज्ञानम् RājMār. 36. 1; BrahmSūBh.(Rā.) 88. 21 (*on* i. 1. 1); अज्ञानं समक्षदर्शनश्रवणसमय एवान्यथाज्ञानम् SmṛtiCan. iii. 216. 2; यथार्थविभासो ज्ञानम् ··· एतद्विपरीतमज्ञानम् ManvaMu. 507. 30 (*on* 12. 26); **9 B** uncertainty, uncertain knowledge, unclear knowledge यदि संशयज्ञानम् ···उच्यते अज्ञानमिति BṛĀraUBh. 388. 17 (*on* iii. 3. 1); अज्ञानं तद्विषयस्फुटज्ञानाभावः ManvaVi. 947. 1 (*on* 8. 118); अज्ञानस्य निश्चयाभावस्य सन्देहेऽपि सम्भवात् VīraMi. (Vyavahāra.) 86. 4; अज्ञानमस्फुटज्ञानम् VīraMi. (Vyavahāra.) 135. 24; **9 C** delusion अज्ञानम्···तात्कालिको भ्रम इति कल्पतरुः VīraMi. (Vyavahāra.) 135. 24; **9 D** insufficient knowledge अज्ञानं किञ्चिज्ज्ञता Aparā. 680. 16 (*on* 2. 4); अज्ञानं किञ्चिज्ज्ञानम् VīraMi. (Vyavahāra.) 136. 4; **10** (meaning) other than 'to know' णौ गमज्ञाने JaineVyā. i. 4. 118 = S'ākaṭāVyā. iv. 2. 125; णावज्ञाने गमुः SiddhaHe. iv. 4. 24; सिध्यतेरज्ञाने JaineVyā. iv. 3. 42 = S'ākaṭāVyā. iv. 1. 190 = SiddhaHe. iv. 2. 11; ज्ञोऽज्ञाने घे MugdhaBo. 5. 24 (51. 4); अज्ञाने कुत्सायां च (कप्रत्ययः) KātanVṛ. ii. 2. 64; करणे ज्ञोऽज्ञाने S'ākaṭāVyā. i. 3. 165; SiddhaHe. ii. 2. 80; **11 A** knowledge other than that which leads to liberation असतः असत्कर्मणोऽज्ञानाच्च मा मां सत् शास्त्रीयकर्मविज्ञाने गमय BṛĀraUBh. 74. 16 (*on* i. 3. 28); अज्ञानं मोक्षोपायज्ञानादन्यत् S'rutaPra. iA. 213. 5 (*on* i. 1. 1); **11 B i** other than knowledge, not the same as knowledge प्राभाकरतार्किकौ तु···अज्ञानमात्मेति वदतः VedāntSā.(Sa.) 19. 8; **11 B ii** other than cognition (i. e. sense organs) ज्ञानमज्ञानं वा उपलब्धिहेतुः प्रमाणम् TātpaṬ.(Vā.) 22. 1 (*on* i. 1. 1); **12** unawareness तत्राज्ञानभ्रमाघातघूर्णनादर्शनादयः (मोहे) DaśRū. 4. 26; अज्ञानं ग्लानिः ··· एते देहभवा भावाः DevīBhāP. iv. 25. 9; मोहः ··· मूर्च्छनाज्ञानपतनभ्रमणादर्शनादिकृत् SāhiDa. 150. 12; SāhiSā. 5. 24; **13** past acts that form a hindrance to knowledge जपाद्विलयमायाति तत्त्वज्ञानं शनैः शनैः PauskS. 33. 107; अज्ञानेनावृतं ज्ञानं ज्ञानविरोधिना पूर्वकर्मणा ··· ज्ञानमावृतम् GītāBh.(Rā.) 302. 1 (*on* 5. 15); ज्ञानेन तज्ज्ञानावरणमनादिकालप्रवृत्तानन्तकर्मसंचयरूपाज्ञानं नाशितम् GītāBh.(Rā.) 303. 5 (*on* 5. 16); **14** evil, sin अज्ञानमुच्यते पापं तद्विचारेण नश्यति YogVā. v. 42. 8;

अज्ञानात् (a-jñānāt) [Abl.] **A** due to ignorance or insufficient knowledge, ignorantly, foolishly देवा वै स्वर्गं लोकं यन्तोऽज्ञानादबिभयुः PañcBr. v. 7. 11; अज्ञानात्पतितो विप्रः BaudhDS. ii. 2. 67; अज्ञानाद्धर्षिता विप्र Rāmā. vii. 30. 40; ये केचिदज्ञानात्तां पुरीं नृपाः । जिगीषन्ति MahāBhā. ii. 28. 22; कर्तारमपि लोकानाम्···अज्ञानादवमन्येरन् Rāmā. iii. 60. 37; तृष्णया हि महत्पापमज्ञानादस्मि कारितः MahāBhā. xii 9. 29; xii. 298 7; ArthS'ā. 33. 3 (1. 4); अज्ञानात् पिबते जलम् AtriS. 61; AṅgiSm. 81; अज्ञानात्तु मया पूर्वं यद्भवान् नाभिवादितः MadhyaVyā. (BhāNāCa.) 1. 50 = PañcRā. 2. 68; यदन्यत्कुरुते द्विजः । अज्ञानादथ वा लोभात्स तेन पतितो भवेत् DaksaSm. 2. 3; BrahmP. 10. 37; तदिदमापतितं ममाज्ञानात् Tantrākhyā. 103. 23 = PañcT. 3. (55)1 (311. 11); व्यर्थोऽपि ह्युपदेशोऽज्ञानात्सम्भवति S'ābaBh. 1401. 21 (*on* vi. 2. 20); Nāgā. 5. 17 (5); DaśKuC. 96. 5; अज्ञानादह्नि कुर्याच्चेदंकुराणामथार्पणम् PāraS. 16. 90; स मीनोऽप्यज्ञानाद् बडिशयुतमश्नातु पिशितम् S'atTrayī. 160 = PadyāTa. 289; अज्ञानाद्वा प्रमादाद्वा यन्मया नानुकीर्तितम् PañcRā.(Ha.) i. 1. 29; SkandP. iii(3). 2. 27; KulārT. 2. 19; ParaS. 8. 76; S'ivDṛ. 5. 17; RugVi. 41. 15; अणिमादिगुणोपेते जगत्कारणकारणे । कथमाचरितं दौष्ट्यमज्ञानाद्बालवन्मया GaṇeP. i. 61. 10; LaksmīT. 33. 117; अज्ञानाद्यदि वाधिपत्यरभसादस्मत्परोक्षे हृता SuvṛTi. ii. 46. 37; Dūtāṅg. 9; YuktiKa. 36. 3; DarpDa. 3. 141; उपेक्षयाथवाज्ञानाद्यो न कुर्यात्पवित्रकम् ĪśānS'iPa. ii. 21. 2; PañcRā.(Nā.) iv. 10. 3; TriṣaS'aPuC. ii. 1. 151; अज्ञानाद्वा प्रमादाद्वा···सा चेत्कुर्यान्निषिद्धानि गर्भो दोषांस्तदाप्नुयात् BhavPra.(Bhā.) 1(3). 6; अज्ञानात्स भिषग्राजन् दन्तिनो विनिपातयेत् Hastyāyur. 193. 4 (ii. 11); **B** unknowingly, inadvertantly, unintentionally; unwittingly कच्चिन्मया नापराद्धमज्ञानात् Rāmā. ii. 16. 11; ii. 58. 21; भगवन् अज्ञानादेतदन्नं सकेशमुपहृतम् MahāBhā. i. 3. 129; i. 101. 18; अज्ञानाज्ज्ञानतो वापि···यत्किञ्चिदशुभं कर्म कृतम् MahāBhā. iii. 81. 123; iii. 122. 15; AhirbuS. 28. 79; PañcaRā.(Nā.) i. 2. 66; BrahmāṇḍP. i. 27. 73; अज्ञानाद्बालया यत्ते कृतं तत्क्षन्तुमर्हसि MahāBhā. iii. 122. 21; अज्ञानात्पितरं हत्वा मृगबुद्ध्या परावसुः MahāBhā. 3. 668*. 2;

xiii. 6. 37; अज्ञानादतिक्रान्तवान् BālC. 4. 11(1); (जम्बुकः) अज्ञानान्नीलीकलशे सन्निपतितः Tantrākhyā. 27. 3; भगवन्मयैतदज्ञानादनुष्ठितम् ViṣṇuP. iv. 7. 30; भद्र, सत्यं मयाज्ञानादपकृतम् PañcT. 3. 45 (11) (289. 6); PāraS. 12. 460; अज्ञानाद्वा यो मृताहमतिक्रमेत् LaghvāśvaSm. 24. 28; SubhaDha. 5. 10(1); (दशरथोऽब्रवीत्) कौशल्यां स कथां पौर्वां यदज्ञानाद्धतः पुरा। कौमारे शरयूतीरे यज्ञदत्तकुमारकः। शब्दभेदात् AgniP. 6. 37; यदा तूक्तलक्षणामुक्तलक्षणस्य स्वामिनो गामज्ञानादकामतो हन्ति Aparā. 1100. 23 (*on* 3. 265); 1146. 12 (*on* 3. 285); PāṇḍaC. 6. 836; Hitopa. iii. 15. 7; KathāK. 166. 10; अज्ञानाज्ज्ञानतो वापि जम्बूर्येन प्ररोपिता S'ārṅgaPa. 2102; VetāPañ.(S'i.) 33. 11; **C** without conscious effort, unawares स्कन्धे ··· महिषस्याहितोऽसूनहार्षीदज्ञानादेव यस्याश्वरणः CaṇḍiS'. 2; **अज्ञानेन** (a-jñānena) [Inst.] due to ignorance, without knowledge, unknowingly प्रकृतः समुदयमज्ञानेन परिहापयति ArthS'ā. i. 146. 3 (2. 7); DaśKuC. 28. 2; दशमीं य कलामात्रां मूढोऽज्ञानेन लङ्घयेत् BrahmVaiP. iv. 26. 29; अज्ञानेन किं ब्रवीषि SamyaKau. 49. 16; यद्यज्ञानेन मोहेन चापलेनापि वाचरेत् TantrRā. 12. 35.

अज्ञान (a-jñāna) *adj.* [*f.* -ā] **A** ignorant न ह्यज्ञानादपरः पशुरस्ति NītiVā. 5. 36; बाला यत्रेयमज्ञानाप्येवं भ्रातृशुचा मृता KathāSaSāg. ix. 3. 155; अज्ञानाय ज्ञानदानं परं निर्वाणकारणम् PañcaRā.(Nā.) ii. 7. 49; अविवेकिनमज्ञानमसज्जनार्तिं जनम्। चिरं दूरतरे कृत्वा पूजनीया हि साधवः YogVā. ii. 11. 57; v. 79. 18; Mugdhopa. 15; यैस्त्वच्छासनसर्वस्वमज्ञानैर्नात्मसात्कृतम् Vītarā. 15. 3; आदौ पशुवदज्ञानं व्यवहारनये जनम्। इमं प्रवर्तयामास TriṣaS'aPuC. i. 6. 686; अज्ञानैर्मद्यपानाचैर्डिम्भरूपैर्महामुने। अपराद्धमिदं यत्ते PāṇḍaC. 17. 272; **B** unknown भक्ष्याभक्ष्येषु सर्वेषु वाच्यावाच्ये तथैव च। अज्ञानज्ञानयो राजन् विहितान्यनुजानते MahāBhā. xii. 36. 40; गुरुश्चपलाय दद्याच्छिष्यायैतान्यवाप्य शिष्योऽपि। पुत्रेणाप्यज्ञानं (v. l. अज्ञातम्) बीजं संयोजयेद्यंत्रे PañcSi. 14. 28.

अज्ञानक (ajñāna-ka) *n.* ignorance सुखदुःखे ··· एते ह्यज्ञानकस्यैव YogVā. v. 5. 24 (comm. अज्ञानमेवाज्ञानकम्)

अज्ञानकरण (a-jñānakaraṇa) *n.* other than the means of knowledge अज्ञानकरणे(कारणा?) तत्त्वमारोपितमकार्यकृत् NyāyKu. 13. 19.

अज्ञानकरतालान्तम् (ajñāna-karatālāntam) *adv.* clapping hands unknowingly अज्ञानकरतालान्तम्···नृत्यन्ति कुलशक्तयः KulārT. 8. 72.

अज्ञानकर्तृक (ajñāna-kartṛka) *adj.* agent of which is not known एतच्चाज्ञानकर्तृके मनुष्यमारणेऽपि द्रष्टव्यम् DaṇḍaVi. 87. 20.

अज्ञानकर्मन् (ajñāna-karman) *n.* effect of nescience अज्ञानकर्म निर्दिष्टमेतत्कारणलक्षणम् MahāBhā. xii. 204. 6 (Nīla. मायाकार्यम्)

अज्ञानकलुष (ajñāna-kaluṣa) *adj.* sullied by ignorance or nescience अज्ञानकलुषं जीवं ज्ञानाभ्यासाद्विनिर्मलम्। कृत्वा ĀtmaBo. 5.

अज्ञानकल्पक (ajñāna-kalpaka) *adj.* leading to the postulation of nescience नाज्ञानकल्पकं किंचिदन्योन्याश्रयता यतः AnuVyā. 16A. 8 (*on* 1. 4)

अज्ञानकल्पना (ajñāna-kalpanā) *f.* **i** assumption of what is other than knowledge अज्ञानकल्पनया तदपोहेन ज्ञानशब्दो वर्तिष्यते Kāśi. ii. 152. 18 (*on* 5(3). 138); **ii** assumption of nescience ब्रह्मणोऽज्ञानकल्पनास्वरूपतिरोधानकल्पनाहेतव आभासा एव VedāntDi. 131. 2 (*on* ii. 3. 49); अज्ञानकल्पनापेक्षयेदृशार्थकल्पनस्यैवौचित्यात् LaS'abdeS'e. i. 236. 10.

अज्ञानकल्पित (ajñāna-kalpita) *adj.* assumed or imagined through ignorance or nescience (तद्ब्रह्म परमं शुद्धम्) असद्विश्वमिदं भाति यस्मिन्नज्ञानकल्पितम् VāyuP. ii. 42. 39; अहंकारादिदेहान्तान् बन्धानज्ञानकल्पितान्। ···मोक्तुमिच्छा मुमुक्षुता ViveCū. 28; तं परादादिति तथा प्रतीच्यज्ञानकल्पितम् BṛĀraUBhVā. i. 4. 697; i. 4. 1279; अतो हित्वा कोशानज्ञानकल्पितान्। ··· परमात्मानमाश्रयेत् TaiUBhāVā. 113. 14(2); 138. 1(2); अज्ञानकल्पितमनिर्वचनीयमिष्टं मात्रादि SaṁkṣeS'ā. 1. 118 (i. 101. 2); 1. 336 (i. 249. 6); अज्ञानकल्पितानाम्···अज्ञानाभावे यद्यप्यभावः PañcPra. 23. 3; 64. 3; स्वभावो नाज्ञानकल्पित इति यावत् NyāySu. (Ja.) 64A. 8 (*on* i. 1. 1); स्वकल्पितस्य अज्ञानकल्पितस्य GuruCandr. iii. 10. 23 = LaCandr. 577. 39; चिन्मात्रेऽज्ञानकल्पितं जीवत्वं भासत इति चेत् SiddhāTa. 59. 26.

अज्ञानकल्पितत्व (ajñānakalpita-tva) *n.* the state of being imagined or assumed through nescience न तावज्जीवाश्रयत्वं तस्य संभवति, अज्ञानकल्पितत्वाज्जीवानाम् NītiMā. 23. 10; सदेहत्वस्याज्ञानकल्पितत्वेन ज्ञानैकनिवर्त्यत्वात् JīvanVi. 42. 20; तत्त्वज्ञानेन निवर्तनायास्य बन्धस्याज्ञानकल्पितत्वमङ्गीकर्तव्यम् SarvaDaSaṁ. 16. 844; मिथ्यात्वमेवाज्ञानकल्पितत्वापरपर्यायमवच्छेदकम् AdvaiSi. 528. 5; जडस्याज्ञानकल्पितत्वेन इतरेतराश्रयत्वात् NyāySu.(Ja.) 60B. 3 (*on* i. 1. 1)

अज्ञानकष्ट (ajñāna-kaṣṭa) *n.* hardship or penance undertaken in wrong faith वराहः ··· अज्ञानकष्टानि महान्ति कृत्वा PrabaK. 4. 18.

अज्ञानकष्टतस् (ajñānakaṣṭa-tas) *adv.* through hardship or penance undertaken in wrong faith देवायुर्बन्धकोऽकामनिर्जराज्ञानकष्टतः SamarāSaṁ. 9. 500.

अज्ञानकान्तारधनंजय (ajñānakāntāra-dhanañjaya) *m.* fire to the forest of nescience सदाश्रयी···। अज्ञानकान्तारधनंजयस्य धनंजयस्य क्षणराशिरासीत् HariVi. 5. 85.

अज्ञानकाम (ajñāna-kāma) *m.* desire preceded by nescience अज्ञानकामजन्यत्वं वाङ्मनःकायकर्मणाम् BṛĀraUBhVā. iii. 5. 120.

अज्ञानकारण (ajñāna-kāraṇa) *n.* cause of ignorance तान्येतानि चत्वार्यज्ञानकारणानि भवन्ति Sphuṭā. i. 6. 1 (*on* 1. 1); तदार्थस्य भविष्यत्वं न स्यादज्ञानकारणम् S'lokaVār. 4. 92 (163. 2); युक्तिकाहस्तिदेहयोः। अन्तराभवसंचारस्तद्भावाज्ञानकारणे TantrVā. 379. 13 (*on* ii. 1. 5); मा मां पृच्छ शोकबीजं तव चाज्ञानकारणम् BrahmVaiP. iv. 47. 113; *adj.* caused by or based on ignorance or nescience ग्राह्यत्वं शरणं सङ्गो भयं चाज्ञानकारणम् BṛĀraUBhVā. iii. 9. 97.

अज्ञानकारणता (ajñānakāraṇa-tā) *f.* causality nature of nescienee, the state of having nescience for cause अज्ञानकारणतापि साक्षिसिद्धा नानुभूयते SiddhāTa. 59. 5.

अज्ञानकारणत्व (ajñānakāraṇa-tva) *n.* **i** being the cause of nescience अज्ञानेति तमोगुणो लक्ष्यते। अज्ञानकारणत्वात् NyāySu.(Ja.) 629A. 8 (*on* iv. 2. 10); विचाररूपस्याज्ञानकारणत्वानुपपत्तेः YuktiSneha. 111. 34 (*on* i. 1. 5); **ii** causality of nescience तस्मादज्ञानकारणत्वादिवदपूर्वस्य···साक्षिसिद्धत्वं वक्तव्यमेव SiddhāTa. 59. 11; BhāṭṭCin. i. 38. 13 (*on* i. 1. 4)

अज्ञानकारणोपलक्षण (ajñānakāraṇopalakṣaṇa) *n.* implication of the cause of ignorance प्रोषिते इत्यज्ञानकारणोपलक्षणम् CaturCin. iii(1). 289. 11; iii(2). 559. 8.

अज्ञानकारिता (ajñānakāri-tā) *f.* nature of acting through ignorance मम। अज्ञानकारितां मा दास्त्वम् TriṣaS'aPuC. iv. 5. 132.

अज्ञानकार्य (ajñāna-kārya) *n.* result or effect of nescience ज्ञानेनाज्ञानकार्यस्य समूलस्य लयो यदि ViveCū. 464; तद्वद्दृष्टं सदज्ञानकार्यं स्रगिव पन्नगम्। सर्वं बिभर्ति BṛĀraUBhVā. i. 4. 181; IṣṭaSi. 120. 17; ब्रह्मणोऽज्ञानदर्शनवदज्ञानकार्यतयाभिमतप्रपञ्चदर्शनस्यैव संभवात् S'rīBh. 89. 19 (*on* i. 1. 1); शुक्त्यादिप्रमा···अज्ञानकार्यनिवर्तिका GuruCandr. ii. 322. 20; LaCandr. 531. 20.

अज्ञानकार्यकारित्व (ajñānakāryakāri-tva) *n.* the state of doing the function of nescience अज्ञानकार्यकारित्वादहमर्थोऽज्ञानाश्रितः LaCandr. 578. 32.

अज्ञानकार्यता (ajñānakārya-tā) *f.* nature of the effect of nescience भ्रान्तेः स्वरूपतः ··· अज्ञानकार्यताङ्गीकारात् NyāySu.(Ja.) 206B. 11 (*on* i. 4. 6)

अज्ञानकार्यत्व (ajñānakārya-tva) *n.* being the product or effect of nescience बुद्धेरज्ञानकार्यत्वाद्विनाशित्वात्प्रतिक्षणम् SarvaVeSāSaṁ. 559; अज्ञानकार्यत्वान्न···समकालम् ··· ज्ञानकर्मणोः ··· संगतिरस्ति NaiṣkaSi. 43. 3; अज्ञानातिरिक्तस्य मिथ्याभूतस्याज्ञानकार्यत्वाभ्युपगमात् NyāySu.(Ja.) 60B. 13 (*on* i. 1. 1)

अज्ञानकार्यविशेष (ajñāna-kāryaviśeṣa) *m.* a particular effect of nescience or ignorance अज्ञपदस्याज्ञानकार्यविशेषाश्रय इव ··· लक्षणा न दोषः GuruCandr. iii. 12. 17; LaCandr. 578. 29.

अज्ञानकार्योपहित (ajñānakāryopahita) *adj.* delimited or conditioned by the effect of nescience or ignoaance अज्ञानकार्योपहितस्य···उक्तत्वात् GuruCandr. i. 134. 19.

अज्ञानकाल (ajñāna-kāla) *m.* the time of nescience or ignorance कल्पितेनाभिसंबन्धो न ह्यकल्पितवस्तुनः। अज्ञानकालेऽप्यस्तीह किमुताज्ञाननिह्नुतौ BṛĀraUBhVā. iv. 4. 519; तत्रात्मनि तत्र चाज्ञानकाले आत्मैकत्वं पश्यतः को मोहः VedāntKa. 97. 26 (*on* i. 1. 4); VedāntKau. 34. 13 (*on* i. 1. 20); LaCandr. 587. 41.

अज्ञानकालीन (ajñāna-kālīna) *adj.* belonging to the time of ignorance अज्ञानकालीनघटज्ञानं विना···तत्कालीनप्रवृत्त्यसंभवः GuruCandr. ii. 92. 10.

अज्ञानकालुष्य (ajñāna-kāluṣya) *n.* confusion or evil caused by ignorance यदा ह्यज्ञानकालुष्यं जन्तोर्बुद्धिः क्रमिष्यति। तदासौ याति वैराग्यम् GaṇeP. ii. 138. 51.

अज्ञानकृत (ajñāna-kṛta) *adj.* [*f.* -ā] **i** (action) done inadvertently ज्ञानकृतेभ्योऽज्ञानकृतेभ्यश्चोपपातकेभ्यः ··· प्रमुच्यते BaudhDS. iii. 5. 5; (सः) तदज्ञानकृतं मत्वा ब्राह्मणाय न्यवेदयत् MahāBhā. xii. 2. 21; प्रायश्चित्तैरपैत्येनो यदज्ञानकृतं भवेत् YājñaSm. 3. 226; ज्ञानाज्ञानकृतैरपि। महापातकसंघैश्च··· मुच्यते KulārT. 3. 105; संतुष्टः (रघुनाथः) ··· अज्ञानकृतगोहत्यापापनाशं करिष्यति PadmP. iv. 31. 47; अज्ञानकृतदोषेण नैव कुप्यति शान्तिमान् DeviBhāP. iv.

14. 34; अज्ञानकृतसंकष्टचतुर्थीव्रतसंभवात् । पुण्यात् GaṇeP. i. 59. 14; इत्यज्ञानकृते प्रायश्चित्तविधानाच्च YuktiSneha. 27. 24 (*on* i. 1. 2); यदज्ञानकृतं कर्म सफलं दृश्यते हि तत् BṛBrahmaS. iv. 7. 6; विश्वेश्वरार्चनादेश्चाज्ञानकृतस्वल्पपापनिरासार्थत्वम् TristhaSe. 288. 24; एतदप्युक्तव्याध्युपशमार्थं पाने एवाज्ञानकृते बोद्धव्यम् Bālam-Bha. i. 54. 6 (*on* 1. 14); **ii** caused by ignorance (abstract things) अबुद्धिरज्ञानकृता अबुद्धया दुष्यते मनः MahāBhā. xii. 197. 4; भवत्यभेदी भेदश्च तस्याज्ञानकृतो भवेत् ViṣṇuP. vi. 7. 95; यदज्ञानकृतं सर्वं भयं त्यक्त्वा सुखी भव SarvaVeSāSaṁ. 270; तस्माज्जह्यङ्ग वैकल्यमज्ञानकृतमात्मनः BhāgP. i. 13. 44; अज्ञानकृतः परिच्छेदभ्रमो व्यावर्तिष्ट PrakaVi. 63. 18; अज्ञानकृतविक्षेपं रोदनादिं विदुर्बुधाः PañcDa. 7. 25; विचरेदिति पाठोऽज्ञानकृतः NirṇaSi. 93. 4; **iii** caused by nescience or primordial ignorance हेतुकर्तृत्वं च अज्ञानकृतं दर्शितम् Gītā-Bh.(S'aṅ.) 38. 5 (*on* 2. 21); ब्रह्मात्मकत्वेन नानाभूतवस्तुदर्शनमज्ञानकृतम् S'rīBh. 382. 6 (*on* i. 4. 22); जीवब्रह्मणोरज्ञानकृतो भेदः VedāntDī. 90. 7 (*on* ii. 1. 21); न भाति नास्ति दशम इति स्वं दशमं तदा । मत्वा वक्ति तदज्ञानकृतमावरणं विदुः PañcDa. 7. 24; अज्ञानकृतो हि मुक्तात्संसारिणो भेदः Vādā. 147. 1; परमार्थत ईश्वराज्ञानेन अज्ञानकृतजीवत्वा(? त्व)नाशात् YuktiSneha. 113. 38 (*on* i. 1. 5)

अज्ञानक्रिया (ajñāna-kriyā) *f.* activity performed through ignorance अज्ञानात् वा चेष्टा कर्म वा सा अज्ञानक्रिया SthānṬ. 153B. 14.

अज्ञानक्लेश (ajñāna-kleśa) *m.* affliction or defilement of ignorance or wrong faith षडिन्द्रियं पञ्चस्कन्धं षडायतनं पञ्चभूतम् । स्वभावेन विशुद्धम(प्य)-ज्ञानक्लेशैरावृतम् HevajraT. i. 9. 2.

अज्ञानक्षति (ajñāna-kṣati) *f.* destruction of ignorance अज्ञानक्षति-रुपले तवापि किं न S'ivLī. 6. 41.

अज्ञानक्षार (ajñāna-kṣāra) *m.* lime in the form of nescience अज्ञानक्षारवलितं नेष्टं देहगृहं मम YogVā. i. 18. 24.

अज्ञानगता (ajñāna-gatā) *adj.* (*f.*) existing in nescience चैत्रावरण-शक्तेरेवाज्ञानगतायाः … नाशितत्वेन स पश्यति AdvaiSi. 486. 12.

अज्ञानगति (ajñāna-gati) *adj.* (born in) a type of existence incapable of oblaining enlightenment पशूनथाज्ञानगतीननाथान् … हत्वा जडान् किं लभते वराकान् VarāṅgaC. 25. 16.

अज्ञानगर्त (ajñāna-garta) *m.* pit of ignorance जिनेन्द्रबिम्बं यदि नाभ-विष्यदज्ञानगर्तेषु जनो न्यमङ्क्ष्यत् VarāṅgaC. 22. 44.

अज्ञानगहन (ajñāna-gahana) *n.* **i** forest or cave in the form of ignorance अज्ञानगहनालोकसूर्यसोमाग्निमूर्तये । दुःखत्रयाग्निसंतापशान्तये गुरवे नमः JayāS. 16. 364 = LakṣmīT. 41. 64; **ii** dense ignorance चिद्बीजनिचयस्य च । आविष्कृतस्य भेदेन … । अज्ञानगहनेनैव नित्यानित्यामलात्मना PāraS. 15. 419.

अज्ञानगोचर (ajñāna-gocara) *adj.* having ignorance for object साक्षिप्रकाशस्याज्ञानगोचरभ्रान्तित्वेन तन्निवर्तकत्वायोगात् S'atDū. 169. 11; अज्ञान-गोचरसंस्कारहेतुत्वे…नोक्तानवस्था LaCandr. 768. 28.

अज्ञानग्रन्थि (ajñāna-granthi) *m.* knot of nescience अज्ञानग्रन्थिभिदा स्वशक्त्यभिव्यक्तता मोक्षः ParamāSā. 60.

अज्ञानग्रह (ajñāna-graha) *m.* apprehhension or grasping of nescience अज्ञानग्रहे…व्याहतिः स्यादेव AdvaiSi. 550. 6.

अज्ञानग्रहण (ajñāna-grahaṇa) *n.* appehension or grasping of nescience तदवच्छेदकप्रकाशस्य तद्विरोधित्वे भवत्पक्षेऽप्यज्ञानग्रहणानुपपत्तिप्रसङ्गात S'atDū. 169. 16; ब्रह्मधीपूर्वकालमात्रगतत्वेनाज्ञानग्रहणात् GuruCandr. i. 460. 17.

अज्ञानग्राहक (ajñāna-grāhaka) *adj.* apprehending nescience अज्ञान-ग्राहकं प्रत्यक्षमपेक्ष्य…प्रामाण्यसंभवात् AdvaiSi. 426. 10; 565. 11.

अज्ञानग्राहिता (ajñānagrāhi-tā) *f.* nature of comprehending nescience तम आसीदित्यस्य…अज्ञानग्राहितया…प्रामाण्यसंभवात् AdvaiSi. 426. 10.

अज्ञानघनता (ajñāna-ghanatā) *f.* denseness of nescience यावदज्ञान-घनता तावत् प्रघनचित्तता YogVā. v. 52. 26.

अज्ञानघनयामिनी (ajñāna-ghanayāminī) *f.* dark night of ignorance अज्ञानघनयामिन्या संकोचं न नराम्बुजम् । याति YogVā. ii. 15. 10.

अज्ञानघनान्धकार (ajñāna-ghanāndhakāra) *m.* dense darkness of ignorance तेनाज्ञानघनान्धकारपटलप्रक्षेपदीपाङ्कुरं व्यातेने कृतिनां कृते सुकृतिना काव्यं शिवस्वामिना Kapphiṇā. 20. 46.

अज्ञानघस्मर (ajñāna-ghasmara) *adj.* which devours nescience अतः परं तदैकात्म्यं वक्ष्यतेऽज्ञानघस्मरम् TaiUBhVā. 40. 2(2).

अज्ञानघातिनी (ajñāna-ghātinī) *adj.* (*f.*) destroying nescience सुखादिगोचरा वृत्तिर्ननु नाज्ञानघातिनी VedāntSiSūMañ. 1. 90.

अज्ञानचक्षुस् (ajñāna-cakṣus) *adj.* possessing an eye in the form of ignorance तत्प्रित्रा या कृता निन्दा भवतोऽज्ञानचक्षुषा BhaviP. 571A. 8 (iii (4). 14. 29); महानलः । तत्तदाकृतिभेदेन भिद्यतेऽज्ञानचक्षुषाम् AdhyāRā. vi. 2. 38; vii. 2. 74.

अज्ञानचित्संबन्ध (ajñānacit-sambandha) *m.* relation between nescience and consciousness अज्ञानचित्संबन्धरूपावरणप्रयुक्तत्वादुक्तावरणकृत्यत्वमव्या-हतम् GuruCandr. iii. 28. 14; उक्तवृत्त्यभावस्याज्ञानचित्संबन्धरूपावरणप्रयुक्तत्वात् LaCandr. 586. 21.

अज्ञानचेष्टित (ajñāna-ceṣṭita) *n.* behaviour or activity of nescience प्रत्यग्वस्त्वात्मकत्वेऽपि चित्रमज्ञानचेष्टितम् BṛĀraUBhVā. i. 4. 1356.

अज्ञानचोदित (ajñāna-codita) *adj.* impelled by ignorance यथा च विवरं प्राप्य निष्क्रान्तः पञ्जरात् खगः । निवृत्य प्रविशेद्भूप(? य)स्तत्रैव(? वा)-ज्ञानचोदितः PadmP.(Ra.) 11. 133.

अज्ञानच्छद्मन् (ajñāna-cchadman) *n.* guise of ignorance त्वम् … अज्ञानच्छद्मना छन्नः BṛKathāS'loSaṁ. 16. 29.

अज्ञानच्छेदन (ajñāna-cchedana) *n.* warding off of ignorance अज्ञा-नच्छेदनार्थाय खड्गं तेऽस्तु सदा करे VarāP. 31. 14.

अज्ञानज (ajñāna-ja) *adj.* [*f.* -ā] **i** caused by ignorance or nescience येन…। तमश्चाज्ञानजं भिन्नं तस्मै पाणिनये नमः PāṇiS'i. 58; अज्ञान-जमविवेकतः जातं मिथ्याप्रत्ययलक्षणं मोहान्धकारं तमः नाशयामि GītāBh.(S'aṅ.) 285. 1 (*on* 10. 11); 416. 9 (*on* 14. 8); नानात्वदर्शनं यस्माद्भयादज्ञानजं **मतम्** BṛĀraUBhVā. iv. 3. 1392; अज्ञानजमपि ब्रह्मज्ञानम् अज्ञानं दन्दहीति IṣṭaSi. 69. 20; कदाप्यज्ञानजामार्तिं नाधिगच्छाव शंकर SkandP. i(3B). 16. 47; साश्रुरूचे न कोप्यं मे मन्तुरज्ञानजो ह्ययम् । मयोचे कीदृशः कोपो भोक्तव्ये निजदुष्कृते SamarāSaṁ. 8. 444; कर्मणातिप्रवृद्धेन योक्तुरज्ञानजेन वा ।…नित्यं दुष्यन्ति वारणाः Hastyāyur. 429. 12 (3. 8); क्षमस्व मम मन्दस्य शेषमज्ञानजं पितुः BhaviP. 495. 23 (iii(3). 19. 47); SarvaVeSāSaṁ. 359; **ii** born of what is opposed to real knowledge ज्ञानविरोधिप्राचीनकर्मरूपाज्ञानजं मद्व्यतिरिक्तविषयप्रावण्यरूपं पूर्वाभ्यस्तं तमो नाशयामि GītāBh.(Rā.) 508. 5 (*on* 10. 11)

अज्ञानजत्व (ajñānaja-tva) *n.* the state of being produced or caused by nescience मत्पक्षे तु रूप्यादेरज्ञानजत्वात्…शुक्त्यादिज्ञानानां बाधकत्वम् IṣṭaSi. 121. 8; 149. 3; 204. 14; अथ तस्याज्ञानजत्वान्न स्यात् अन्यत्र सतोऽन्यत्र संसर्गाव-भासोऽन्यथाख्यातिः PrakaVi. 19. 20; सुतादयः । अज्ञानजत्वात्सर्वे ते क्षणसंगम-भङ्गुराः AdhyāRā. vi. 12. 25.

अज्ञानजत्वसाम्य (ajñānajatva-sāmya) *n.* similarity due to being the product of nescience अज्ञानजत्वसाम्येऽपि स्वप्ने किंचिन्न बाध्यते IṣṭaSi. 204. 12.

अज्ञानजत्वादि (ajñānajatvādi) *adj.* the state of being produced by nescience and the like रूप्यादेश्चाज्ञानजत्वाद्यप्रसिद्धं कल्पनीयम् IṣṭaSi. 158. 18.

अज्ञानजत्वाभाव (ajñānajatvābhāva) *m.* absence of the state of being the product of nescience अन्यथा त्वात्मनोऽमुक्तिरेव अज्ञानजत्वाभावात् बन्धस्य ज्ञानानिवर्त्यत्वात् IṣṭaSi. 85. 13.

अज्ञानजत्वाविशेष (ajñānajatvāviśeṣa) *m.* non-difference with regard to the state of being the product of nescience शुक्त्यादीनामपि रूप्या-दिवदज्ञानजत्वाविशेषात् IṣṭaSi. 204. 7.

अज्ञानजन (ajñāna-jana) *m.* ignorant person अज्ञानजनबोधार्थं प्रारब्ध-मिति चोच्यते NādaBiU. 29.

अज्ञानजनकत्व (ajñānajanaka-tva) *n.* the state of not being the producer of knowledge न च संशयविपर्ययजननमेवाप्रामाण्यम् , अज्ञानजनकत्व-मप्यप्रामाण्यमेव NyāyMañ. i. 261. 21.

अज्ञानजनित (ajñāna-janita) *adj.* caused or produced by ignorance अज्ञानजनितं दोषं वीरौ मे क्षन्तुमर्हथ PadmP.(Ra.) 101. 58; अज्ञानजनिते पापे प्रायश्चित्तं विधीयते SkandP. i(1). 15. 46; न तद्ब्रह्मात्मकं कर्म त्वज्ञानजनितं हि तत् BṛBrahmaS. iv. 7. 5.

अज्ञानजन्य (ajñāna-janya) *adj.* produced by nescience अज्ञान-जन्यकर्त्रादिकारकोत्पन्नकर्मणा । श्रुत्युत्पन्नात्मविज्ञानप्रदीपो बाध्यते कथम् VarāU. 2. 48; अज्ञानजन्यकरणप्रतिबिम्बवाचि जीवाभिधानमिह वृद्धजनप्रसिद्धम् SaṁkṣeS'ā. 2. 207 (ii. 124. 5); यदप्याहुः – अज्ञानजन्यः प्रपञ्चो ज्ञानेन विनाश्यते मृगतोयवत् … इति S'āstrDī. 111. 12 (*on* i. 1. 5)

अज्ञानजन्यत्व (ajñānajanya-tva) *n.* the state of being the product of ignorance or nescience यद्यप्यज्ञानजन्यत्वं कर्मणामवगम्यते S'lokaVār. 5(15). 95(666. 5); अज्ञानजन्यत्वस्य साक्षिण्यध्यस्तत्वस्य च तुल्यत्वात् SiddhāTa. 57. 22; नापि ज्ञानबाध्यत्वमज्ञानजन्यत्वं वा BhāṭṭCin. i. 37. 18 (*on* i. 1. 4); i. 37. 19 (*on* i. 1. 4)

अज्ञानजन्योपाधि (ajñānajanyopādhi) *adj.* attribute produced by nescience अज्ञानजन्योपाधेरहङ्कारस्य निरुपाधिकभ्रमरूपस्यात्मतत्त्वज्ञानान्निवृत्तौ

कर्तृत्वादेर्ज्ञानान्निवृत्तिरर्थात्सिध्यति VivaPraSaṁ. 83. 1.

अज्ञानजलबुद्धि (ajñāna–jalabuddhi) *f.* idea of water due to ignorance अज्ञानजलबुद्ध्या तु सुरां पीत्वा द्विजश्चरेत् । ब्रह्महत्याव्रतम् BṛNāraP. 28. 29.

अज्ञानजात (ajñāna–jāta) *adj.* born of ignorance (i. e. due to ignorance) स्तेयादिपापानि च कृष्णभक्तैरज्ञानजातानि लयं ह्रियन्ते PadmP. iv. 87. 22.

अज्ञानजृम्भित (ajñāna–jṛmbhita) *n.* display of ignorance अहो चाज्ञानजृम्भितम् ।...सर्वथा गहनं ह्यदः SamarāSaṁ. 9. 377.

अज्ञानज्ञान (ajñāna–jñāna) *n.* knowledge of ignorance अस्मदादीनां सर्वज्ञानेऽपि ईश्वरसार्वज्ञ्यज्ञानवच्चाज्ञातज्ञानाभावेऽप्यज्ञानज्ञानम् Nyāyāmṛ. 362B. 5.

अज्ञानज्ञानसंचित (ajñānajñāna–sañcita) *adj.* accumulated due to ignorance and knowledge मुच्यन्ते पातकैः सर्वैरज्ञानज्ञानसंचितैः SkandP. v(3). 44. 25; v(3). 125. 31.

अज्ञानज्ञानायोग (ajñānajñānāyoga) *m.* impossibility of the knowledge of ignorance भावरूपाज्ञानावच्छेदकविषयस्याज्ञाने अज्ञानज्ञानायोगात् Nyāyāmṛ. 313A. 6.

अज्ञानतत्कार्य (ajñāna–tatkārya) *n.* ignorance and its effects तं मामजम्…यो वेत्ति विजानाति लोकमहेश्वरम्…तुरीयमज्ञानतत्कार्यवर्जितम् GītāBh. (S'aṅ.) 280. 16 (*on* 10. 3); LalitāTriBh. 269. 1 (*on* 7); एवमन्यत्रापि बुद्धियुक्तो बोध एव अज्ञानतत्कार्यं दहति IṣṭaSi. 70. 5; चितोऽज्ञानतत्कार्यावच्छेदो बन्धः PrakaVi. 29. 7; तथैवाज्ञानतत्कार्यदमनहेतोर्ज्ञानस्य दण्डत्वम् JīvanVi. 155. 15; तिष्ठन्त्वज्ञानतत्कार्यशवा बोधेन मारिताः PañcDa. 7. 282; VivaPraSaṁ. 129. 17; जीवन्मुक्तो नाम … अज्ञानतत्कार्यसंचितकर्मसंशयविपर्ययादीनामपि बाधितत्वादखिलबन्धरहितो ब्रह्मनिष्ठः VedāntSā.(Sa.) 32. 16; वाक्यार्थबोधे च सति तस्य स्वत एव प्रामाण्यात्तेनाज्ञानतत्कार्यनिवृत्त्युपपत्तौ किं विचारेण SiddhāBi. 10. 4; AdvaiSi. 252. 2; SiddhāTa. 52. 25; निवर्तकत्वात् – अज्ञानतत्कार्यसंशयादिनिवर्तकत्वात् LaCandr. 678. 20.

अज्ञानतत्परा (ajñāna–tatparā) *adj.* (*f.*) completely ignorant स्त्रीजातिरबला मूढा वस्तुतोऽज्ञानतत्परा BrahmVaiP. iv. 111. 3.

अज्ञानतद्वासना (ajñāna–tadvāsanā) *f.* ignorance and its residual impression सत्यामप्यज्ञानतद्वासनानिवृत्तौ तस्या निवृत्तेर्विनाशाभावान्नित्यत्वं द्रष्टव्यम् JīvanVi. 151. 3.

अज्ञानतनुता (ajñāna–tanutā) *f.* thinness or smallness of nescience यावदज्ञानतनुता तावच्चित्तस्य तानवम् YogVā. v. 52. 27.

अज्ञानतन्निवृत्ति (ajñāna–tannivṛtti) *f.* ignorance and its removal अज्ञानं निवृत्तम् , पुनर्न जानामीति अज्ञानतन्निवृत्त्योः प्रसिद्धत्वात् IṣṭaSi. 65. 17.

अज्ञानतपस् (ajñāna–tapas) *n.* penance based on ignorance or wrong faith मित्रमज्ञानतपसा मृत्वा यक्ष इहाजनि PārśvC. 2. 189; ततश्च्युत्वा तिर्यग्जातिषु भ्रान्त्वाज्ञानतपसासिताक्षयक्षो जज्ञे KathāK. 25. 9.

अज्ञानतमःप्रशान्ति (ajñānatamaḥ–praśānti) *f.* annihilation of the darkness in the form of ignorance प्राह प्रपन्नार्तिहरः प्रसन्नधीः । विज्ञानमज्ञानतमःप्रशान्तये श्रुतिप्रपन्नं क्षितिपालभूषणः AdhyāRā. vii. 5. 6.

अज्ञानतमस् (ajñāna–tamas) *n.* darkness in the form of ignorance, darkness of ignorance (अच्युतम्) जेतुकामो अज्ञानतमसा वृतः MahāBhā. vii. 1428*(5); अज्ञानतमसाच्छन्नो मूढान्तःकरणो नरः ViṣṇuP. vi. 5. 21 = BrahmP. 233. 21; नष्टधर्मे जगत्यस्मिन्नज्ञानतमसावृते । भ्राम्यतां भव्यसत्त्वानामुदितस्त्वं दिवाकरः PadmP.(Ra.) 3. 202; ते तस्य अज्ञानतमसो गोचराः BṛĀraUBh. 632. 3 (*on* iv. 4. 11); इत्यज्ञानतमश्छन्नाः स्वदोषोन्मार्गगामिनः । … भ्रश्यन्ति निश्चितम् KathāSaSāg. xii. 5. 216; अज्ञानतमसि च्छन्नं ज्ञानदीपमनुत्तमम् BrahmVaiP. iv. 47. 114; अज्ञानतमसारूढा निकृतिज्ञाः … पच्यन्ते नरके नराः VarāP. 190. 35; अज्ञानतमसाच्छन्ने यत्प्रदीपस्त्वया धृतः BhaviP. 170A. 25 (i. 116. 97); अज्ञानतमसा व्याप्तं शिष्यमुद्योतयेद्गुरुः PadmP. ii. 85. 10; यथा पापात्मनां स्वान्तमज्ञानतमसावृतम् ĀdiP. 2. 32; अज्ञानतमसाकीर्णे चेतो जन्तोः स्वयं गुरुः । ज्ञानाञ्जनेन सम्माज्र्य करोति ब्रह्म निर्मलम् BṛDharmaP. i. 4. 3.

अज्ञानतमस्तिरस्कृति (ajñānatamas–tiraskṛti) *f.* concealment on account of the darkness of ignorance तत्राज्ञानतमस्तिरस्कृतिवशाद्दुस्सूत्रमुत्सूत्रयं यत्किञ्चित्किल मय्यनुग्रहधिया शोध्यं तदेतद्बुधैः PāṇḍaC. 18. 280.

अज्ञानतमोग्रन्थि (ajñānatamo–granthi) *m.* knot of darkness of ignorance परोक्षं हि ज्ञानमतिदृढतराज्ञानतमोग्रन्थिगुण्ठनान्निमीलितस्य … आत्मनः …अत्यन्तविसंष्ठुलत्वमवलम्बमानम् TattvPradī.(A.) 73. 4 (*on* 1. 55)

अज्ञानतमोनिवृत्ति (ajñānatamo–nivṛtti) *f.* removal of darkness of ignorance नमामि भक्त्या नमिनामधेयं सर्वज्ञमज्ञानतमोनिवृत्त्यै NemiNir. 1. 21.

अज्ञानतमोनुद (ajñānatamo–nuda) *adj.* removing the darkness of ignorance तस्मै नमोऽज्ञानतमोनुदाय HariVaṁ. 4*(4)

अज्ञानतमोऽन्ध (ajñānatamo'ndha) *adj.* blind on account of the darkness of ignorance येनाज्ञानतमोऽन्धस्य लोकस्योन्मीलनं कृतम् MatsyaP. 201. 32; ततोऽज्ञानतमोऽन्धस्य कावस्था जगतो भवेत् PadmP. v. 1. 42.

अज्ञानतमोऽनुवृत्ति (ajñānatamo'nuvṛtti) *f.* continuation of the darkness of ignorance उपासनीयं नितरां जनैः सदा प्रहाणयेऽज्ञानतमोऽनुवृत्तेः SiddhāRa. 6 (74. 3)

अज्ञानतरु (ajñāna–taru) *m.* tree of nescience सर्वापदामेकसखीमज्ञानतरुमञ्जरीम् । अनर्थसार्थजननीमविद्यामलमुद्धर YogVā. iv. 41. 38.

अज्ञानतरुशातन (ajñānataru–śātana) *adj.* [*f.* –ī] cutting off of the tree of ignorance परं विवर्धनं बुद्धेरज्ञानतरुशातनम् । … विद्धि साधुसमागमम् YogVā. ii. 16. 5; Subhāṣi. 210; सुखदा ज्ञानसंप्राप्तिरज्ञानतरुशातनी YogVā. v. 13. 11.

अज्ञानतस् (ajñāna–tas) *adv.* **A** unwillingly, inadvertantly, unintentionally (sin, crime etc.) दुर्यष्टं दुरधीतं पापं यच्चाज्ञानतोकृतम् ṚV.(Khila) iii. 10. 8; सः (कर्णः) … ब्रह्मवादिनः । जघानाज्ञानतः पार्थ होमधेनुम् MahāBhā. xii. 2. 20; अह्ना यदेनः क्रियते इन्द्रियैर्मनसापि वा । ज्ञानादज्ञानतो वापि MahāBhā. 1*. 496; xiv. App. I. 4(2981); अज्ञानतश्चान्द्रायणद्वयं कुर्यात् ViṣṇuSm. 53. 6; यः … चण्डालं स्पृशेत् । … अज्ञानतः वापि तस्य वक्ष्यामि निष्कृतिम् YamaSm. 2; यद्गृहस्थार्जितं पापं ज्ञानतोऽज्ञानतोऽपि वा । निर्दहिष्यति तत्सर्वम् … यतिः VṛGautaSm. 588. 15 (12); मामसम्भाष्याज्ञानत एव शयानस्य शापोत्सर्गमसौ … चकार ViṣṇuP. iv. 5. 10; अज्ञानतः कृते दण्डं पातयन्ति बुधा यदि । बुधेभ्यस्तम(? द)हं मन्ये वरमज्ञानिनो नराः MārkP. 112. 19; BrahmāṇḍP. iii. 7. 75; ज्ञानतोऽज्ञानत इति प्रमादकृते बुद्धिपूर्वे चाविशेषेण हिंसनात् ManuBh. ii. 197. 4 (*on* 8. 288); द्रव्याणि यो हरेद् यस्य ज्ञानतोऽज्ञानतोऽपि वा । स तस्योत्पाद्य तुष्टिं तु राज्ञे दद्यात् AgniP. 226. 33; अहोरात्रं च याञ्जन्तून्हिनस्त्यज्ञानतो यदि । तेषां स्नात्वा विशुद्ध्यर्थं प्राणायामान्षडाचरेत् ViṣṇuDhaP. ii. 131. 36; BṛNāraP. 9. 116; महतां दर्शनं ब्रह्मन् जायते न हि निष्फलम् । द्वेषादज्ञानतो वापि BrahmP. 163. 38; (ध्वजः) विधूतो हन्ति वातेन दातुरज्ञानतः कृतम् । पापम् BhaviP. 114A. 9 (i. 64. 25); 157A. 25 (i. 103. 41); 161A. 5 (i. 107. 13); पुरुषो यः स्त्रियं हन्यात् ज्ञानतोऽज्ञानतोऽपि वा DevīBhāP. vii. 25. 77; PadmP. ii. 29. 11; iii. 4. 24; देही … ज्ञानतोऽज्ञानतो वापि … । गङ्गामृत्युमवाप्यैव परं पदमवाप्नुते BṛDharmaP. i. 56. 7; i. 56. 18; भयादज्ञानतोऽपि वा । हर इत्युच्चरन्मर्त्यः सर्वपापैः प्रमुच्यते SaurP. 7. 31; भाद्रशुक्लचतुर्थ्यां यो ज्ञानतोऽज्ञानतोऽपि वा । अभिशापी भवेच्चन्द्रदर्शनात् GaṇeP. i. 61. 25; अज्ञानतः सुरादिकं भक्षयित्वा द्विजातयः पुनरुपनयनमर्हन्ति DīpKa. 98. 10 (*on* 3. 255); 99. 10 (*on* 3. 259); 102. 5 (*on* 3. 269); ManvaVi. 253. 27 (*on* 2. 220); अज्ञानतस्तथा कृतं मया । मम प्रायश्चित्तं दापयितव्यम् SamyaKau. 45. 10; अज्ञानतः कृते विप्र तत्प्रसादेन नश्यति SātvaT. 7. 54; अज्ञानतः ब्राह्मणेन मुक्तम् VetāPañ.(S'i.) 33. 19; अज्ञानतः संसर्गे तु षड्वार्षिकमेव VīraMi. 981. 28 (*on* 3. 261); यद्यप्यज्ञानतस्तथापि ब्रह्मवध्यादोषमावहेदेव Manmatho. 2. 17(16) (433. 16); **B** unknowingly, ignorantly, without understanding ब्राह्मणान्नं यदुच्छिष्टमश्नात्यज्ञानतो द्विजः ।… जपं कृत्वा विशुध्यति AtriS. 70; ĀpaSm. 5. 5; स्नेहाद्वा यदि वा लोभाद् भयादज्ञानतोऽपि वा । कुर्वन्त्यनुग्रहं ये तु तत्पापं तेषु गच्छति LikhiSm. 77; तस्मादज्ञानतो वापि मया भक्त्यैव संस्तुतः । प्रीतश्च भव BrahmāṇḍP. ii. 25. 31; दैवादज्ञानतो वा…नाप्नुवन्ति स्वहिततरमहाभेषजान्यप्युदाराः KalyāKā. 6. 66; 11. 135; लिप्सतेऽज्ञानतो लब्धं कण्ठे चामीकरं यथा NaiṣkaSi. 22. 4; विषमविशेषेणोपात्तं ज्ञानतोऽज्ञानतश्च मरणाय कल्पत एव ManuBh. ii. 383. 8 (*on* 11. 45) इदमज्ञानतः कृतम् Hitopa. 3. 15(4); ज्ञानतोऽज्ञानतो वापि भजतां कामदो मनुः KulārT. 3. 87; अज्ञानतो वापि द्विजो बौद्धालयं विशेत् BṛNāraP. 14. 71; DevīBhāP. ix. 45. 54; (ये) नामानि च महेशस्य गृणन्त्यज्ञानतोऽपि वा SaurP. 3. 13; अज्ञानतः शमीपत्रैस्त्वयापूजि विनायकः GaṇeP. ii. 33. 45; अज्ञानतो वापि भजन्तु लोकांस्तानेव योगैरपि चाधिगम्यान् AdhyāRā. vii. 9. 63; तथाप्यज्ञानतो नाथ मया पर्यनुयुज्यसे TrisaS'aPuC. ii. 6. 633; अज्ञानतः विक्रेतुरस्वामित्वाज्ञानतः SmṛtiCan. iv. 500. 7; जारश्च यस्याज्ञानतो गृहे स्थितस्तस्य गेहे नाद्यात् ManvaMu. 184. 25 (*on* 4. 216); ज्ञानादज्ञानतो वापि विष्णुनिन्दापरायणम् BṛBrahmaS. iii. 7. 82; त्वद्ब्राह्मयमित्थं व्यवहरति यदज्ञानतः सर्व एव Vidvanmo. 2. 14; यन्त्रं संहरयामि यामि भगवन् यक्षोऽहमज्ञानतो बालामद्य समागतोऽस्मि VasaTi. 30. 8; **C i** out of ignorance, due to lack of knowledge चाण्डालान्त्यस्त्रियो गत्वा भुक्त्वा च प्रतिगृह्य च । पतत्यज्ञानतो विप्रः LaS'ātāSm. 155; 168; सूक्ष्मत्वादतिलोभाच्च प्रकृत्याज्ञानतस्तथा । कामलक्ष्म तु दुर्ज्ञानं स्त्रीणां तद्भावितैरपि KāmSū. 323. 3 (6. 2); ज्ञानतोऽज्ञानतो वापि यथोक्तं न तु तन्मया । तत्सर्वं पूर्णमेवास्तु PauṣkS. 30. 150; ज्ञानतोऽज्ञानतो वापि यथोक्तं न कृतं मया । तत् सर्वं पूर्णमेवास्तु PāraS. 12. 388; ज्ञानतोऽज्ञानतो वापि यावद्देहस्य धारणम् । तावद्वर्णाश्रमाचारः BrahmāṇḍP. iii. 43. 58; हतं ज्ञानं क्रियाहीनं हतश्चाज्ञानतो नरः CāṇaNīDa. 8. 8; ज्ञानतोऽज्ञानतो वापि यन्मया

क्रियते शिवे । तव कृत्यमिदं सर्वम् KulārT. 7. 56; अज्ञानत: ··· कुरुते चिकित्साम् । सर्वानसौ मारयतीह जन्तून् KalyāKā. 7. 49; अतीतं वर्तमानं च ज्ञानतोऽज्ञानत: कृतम् । यदेनस्तत्क्षयं यायात् SkandP. iv. 86. 116; बालो वै यानि कर्माणि करोत्यज्ञानत: स्वग्रम् । न स लिप्यति पापेन VarāP. 137. 110; बाल्ये चाज्ञानतस्तात कृत्याकृत्यं कृतं मया PadmP. ii. 8. 79; iv. 94. 88; एषा तु शीलमेवैकं ररक्षाज्ञानतस्तदा । तेन श्वयोनौ पतिता KathāSaSāg. ii. 5. 135; व्याजह्रु: सूरयोऽनार्यदेशेष्वज्ञानत: सदा PariPa. 11. 97; स स्वभावत: । अज्ञानतो वा (अज्ञ:) UpādhiKha. 1B. 3; अज्ञानतो मया पूर्वं दृष्ट: प्राणप्रियोऽप्रिय: MalliC. 2. 507; यत्किंचिदत्र गदितं न चरित्रशेषमज्ञानत: PrabhāC. 40. 16; अज्ञानतस्त्वं गुरुरल्पबुद्धि: । शिष्योऽहमेतत् खलु भेदजातम् S'aṅkaVi.(Ā.) 276. 1; केचिदज्ञानतो नष्टा: केचिन्नष्टा: प्रमादत: S'ārṅgaPa. 1437; Subhāṣi. 2764; अज्ञानत: शिखानित्यत्वाज्ञानात् VīraMi. (Saṁskāra.) 316. 23; यावदज्ञानतो मौनम् ··· । तावान्माहात्म्यरूपेण पर्यवस्यति मान्त्रिके KaliVid. 13; दु:खाय नित्यं प्रकृतेश्च योगादज्ञानत: स्यात्पुरुषस्य बन्ध: Vidvanmo. 6. 21; स्थापितं यदि लोभेन मोहेनाज्ञानतोऽपि वा TantrRā. 6. 57; **C ii** due to nescience, from primordial ignorance अज्ञानत: स्फुरणमस्फुरणं च दृष्टम् SaṅkṣeS'ā. 44 (i. 50. 9); कूटस्थे विक्रिया नास्ति तस्मादज्ञानतो जनि: BṛĀraUBhVā. i. 4. 626; i. 4. 1011; अज्ञानतोऽध्यासवशात्प्रकाशते AdhyāRā. vii. 5. 36; S'aṅkaDigVi.(Mā.) 10. 91; तत्रापि यदि अज्ञानतोऽतिरिक्ता माया न तत्र प्रमाणम् SiddhāTa. 47. 11; 58. 18; **D** due to misunderstanding, out of mistake अज्ञानत: स्वचरितं नृपति: शशंस RaghuVa. 9. 77 (Malli. करिभ्रान्त्या); जघान मृगरूपान् सोऽज्ञानतो ब्राह्मणान् नृप: VarāP. 41. 19; मध्याह्नार्कमरीचिकास्विव पय:पूरो यदज्ञानत: PraboCan. 1. 1.

अज्ञानतस्कर (ajñāna-taskara) *m.* thief in the form of nescience दिष्ट्येदानीं परिज्ञातो मयैवाज्ञानतस्कर: YogVā. v. 52. 47.

अज्ञानता (ajñāna-tā) *f.* **i** the state of ignorance, positive ignorance कदाचिदज्ञानतयैवमंगना । गृहीतगर्भा प्रथमे दिने भवेत् KalyāKā. 2. 46; द्वयोरप्यभावयोर्जनिमत्वादज्ञानस्य च तदप्रतीतेर्न तयोरज्ञानता IṣṭaSi 67. 2; छादयिष्यत्यात्मजयोर्दोषमज्ञानतैव हि TriṣaS'aPuC. iv. 3. 127; तेनाप्यज्ञानता तस्मादध्येतव्यं ध्रुवं मया PrabhāC. 124. 4(14); अज्ञानतया यन्मया कृतं तत् सर्वं सहनीयम् SamyaKau. 52. 9; 75. 1; **ii** the state of being false knowledge अज्ञानतामज्ञानमिति प्रतीतिविषयतां संदेहगोचरतां च TattvPrakā. 3A. 5 (i. 1. 1)

अज्ञानतादात्म्य (ajñāna-tādātmya) *n.* identity with nescience अज्ञानोपहित, आत्मा अज्ञानतादात्म्यापन्नस्वचिदाभासाविवेकादन्तर्यामी ··· ईश्वर इति च कथ्यते SiddhāBi. 42. 6; अहंकारावच्छेदेन चित्संबन्धमज्ञानतादात्म्यमपि स्वीक्रियताम् GuruCandr. i. 53. 11; i. 53. 23; i. 156. 20; iii. 170. 16.

अज्ञानतापसंतप्त (ajñānatāpa-santapta) *adj.* afflicted by the troubles arising out of ignorance (जलै:) अज्ञानतापसंतप्तप्राणिप्राणैकरक्षिभि: । ··· स ईशान: ··· स्नपयामास (लिङ्गम्) SkandP. iv. 33. 23.

अज्ञानताप्रसिद्धि (ajñānatā-prasiddhi) *f.* common knowledge as ignorance न हि भ्रान्तिसंशयौ मुक्त्वा अन्यस्य सर्वमानातिगस्य अज्ञानताप्रसिद्धि: IṣṭaSi. 48. 13.

अज्ञानतिमिर (ajñāna-timira) *n.* **i** darkness of ignorance अज्ञानतिमिरप्लोषिललाटनयनत्विषे । नमस्ते त्रिपुराराते AhirBuS. 14. 1; तत्र प्रथमोक्तेषु ह्रासहेतुषु कार्यकारणभावेऽपि सत्यज्ञानतिमिरतिरोधीयमानज्ञानालोको लोको विरुद्धत्वमभिमन्यते TattvSaṁPañ. 157. 3 (*on* 442); सत्यमेकत्वमज्ञानतिमिरतिरोहितं परमभिध्यायत: अभिव्यज्यते BrahmSūBh.(Bhā.) 162. 6 (*on* iii. 2. 5); अज्ञानतिमिराच्छन्नो ज्ञानं प्राप्नोति तद्विद: BrahmVaiP. iii. 42. 34; iii. 44. 64; iii. 40. 91; अज्ञानतिमिरस्यैश्वर्यमहाग्रहस्य च समवाय: YaśasCam. ii. 66. 6; अज्ञानतिमिरच्छन्ने जगत्कारागृहान्तरे (भ्राम्यन्न मुक्तिमाप्नोति) SkandP. ii(2). 27. 34; iii(1). 26. 116; iv. 36. 1; अज्ञानतिमिरान्तरितदृष्टे: ··· मे पुनरात्मलाभेन प्रसीदतु भगवान् UdaySuKa. 142. 17; अज्ञानतिमिरं हत्वा नवभानुरिव प्रभो PārśvC. 1. 650; DīpKa. 1. 7 (*on* 1. 1); VīraBhā. 4. 25; **ii** amaurosis (*timira*) in the form of ignorance अज्ञानतिमिरोपेतान् संदेहपटलान्वितान् । निरामयान् य: कुरुते शास्त्राञ्जनशलाकया BṛhaSm. 16. 96; शास्त्राञ्जनेन योऽज्ञानतिमिरं विनिपातयेत् JayāS. 1. 65; अज्ञानतिमिरयोगादेकमपि स्वं स्वभावमात्मानम् । ग्राह्यग्राहकनानावैचित्र्येणावबुध्येत ParamāSā. 25.

अज्ञानतिमिरान्ध (ajñānatimirāndha) *adj.* **i** blinded by the darkness of ignorance अज्ञानतिमिरान्धस्य कावस्था जगतो भवेत् MahāBhā. i. 66*(2); अज्ञानतिमिरान्धानां जनानामविवेकिनाम् । शास्त्रपीठप्रतिष्ठानात् ज्ञानमेति च निर्मलम् PauṣkS. 41. 95; अज्ञानतिमिरान्धस्य मद्यपानरतस्य च ĀpaSm. 8. 16; दृष्टमपि येन न दृष्टं तस्याज्ञानतिमिरान्धस्य किं क्रियताम् Kād. 288. 21; BṛNāraP. 21. 20; SkandP. ii(2). 33. 1; iv. 40. 152; v(3). 168. 4; अज्ञानतिमिरान्धस्य व्रतेनानेन केशव । प्रसीद संमुखो भूत्वा PadmP. vi. 64. 39; अज्ञानतिमिरान्धानाम् ··· । प्लवो नान्योऽस्ति जगति लिङ्गाराधनमन्तरा S'ivaP. i. 21. 35 (28A. 5); अज्ञानतिमिरान्धोऽपि ।··· शृण्वन्नेतन्महातन्त्रं कर्मबन्धाद्विमुच्यते MahNirvāT. 14. 205; **ii** blinded by amaurosis (*timira*) in the form of ignorance अज्ञानतिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जनशलाकया । चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्रीगुरवे नम: BrahmVaiP. iv. 59. 147; SkandP. v(3). 43. 25; BrahmP. 245. 12; अज्ञानतिमिरान्धानाम् ···। नेत्रमुन्मीलितं येन तस्मै श्रीगुरवे नम: KumāPraPra. 35. 8; TantrSā.(K.) 63. 17; अज्ञानतिमिरान्धानां त्वमेव परमाञ्जनम् BṛBrahmS. i. 2. 26.

अज्ञानतिमिरापह (ajñānatimirāpaha) *adj.* dispelling the darkness of ignorance पावनं परमं ज्ञानमज्ञानतिमिरापहम् PauṣkS. 1. 44; तन्निष्ठानामिदं नित्यमज्ञानतिमिरापहम् PāraS. 24. 26; इति संचिन्त्य भगवानज्ञानतिमिरापह: । तमुवाच ··· वसिष्ठ: YogVā. iv. 39. 27; नमस्यामि···। ईश्वराख्यं परं ज्योतिरज्ञानतिमिरापहम् ChandaśCū. 1. 16 (13); KāvyKaVṛ. 12. 24 (1. 2)

अज्ञानतिमिरार्क (ajñānatimirārka) *m.* sun (dispelling) darkness of ignorance अज्ञानतिमिरार्काभै: (कलशै: ईशान: स्नपयामास लिङ्गम्) SkandP. iv. 33. 24.

अज्ञानतिमिरावृत (ajñānatimirāvṛta) *adj.* covered with darkness in the form of ignorance (अगस्त्य:) जन्तूनज्ञानतिमिरावृतान् ··· दृष्ट्वा चिन्तयामास तान् प्रति BrahmāṇḍP. iii. 5. 5; (देवा:) शून्यं गिरिमपश्यन्त ह्यज्ञानतिमिरावृता: VāmaP. 62. 4; यदा शप्तो महादेवो ह्यज्ञानतिमिरावृतै: (ऋषिभि:) SkandP. vii(1). 304. 8.

अज्ञानतिमिरोद्भूति (ajñānatimirodbhūti) *f.* rise of the darkness of ignorance अज्ञानतिमिरोद्भूतिदूषिताशयलोचन: । जन: ··· प्रायो वस्तु न पश्यति SkandP. i(3B). 9. 32.

अज्ञानतिरोभाव (ajñāna-tirobhāva) *m.* disappearance of ignorance अथाज्ञानतिरोभावार्थमुपादानमिति NyāyVār. 490. 5 (*on* iv. 1. 99)

अज्ञानतिरोहित (ajñāna-tirohita) *adj.* **A** concealed by ignorance ऐश्वर्यमज्ञानतिरोहितं सद् ध्यानादभिव्यज्यत इत्यवोचत् SaṁkṣeS'ā. 3. 175 (ii. 255. 8); अनुभूयते हि स्वयंज्योतिषोऽपि भोक्तुर्देहादिसंघाताद्व्यावृत्तत्वमज्ञानतिरोहितमेव VivaPraSaṁ. 61. 11; 'अस्य महिमानमिति' इत्यस्याज्ञानतिरोहितब्रह्मभावाविर्भावपरत्व एव साङ्गत्यात् S'ivārkaMaDī. i. 406. 32 (*on* i. 3. 6); **B** overpowered by ignorance सच्चित्सदानन्दकृतस्वरूपं अभे(? वे)द्यमज्ञानतिरोहितानाम् । ···प्रणता: स्म देवम् BṛNāraP. 15. 64.

अज्ञानतुम्ब (ajñāna-tumba) *adj.* having the nave of ignorance अज्ञानतुम्बम्···मोहाभिरागप्रतिबद्धनेमिम् ।··· संसारचक्रं समनुर्जिगाय (? स मुनि°) VarāṅgaC. 31. 32.

अज्ञानतुल्य (ajñāna-tulya) *adj.* equal to ignorance एक: शत्रुर्न द्वितीयोऽस्ति शत्रुरज्ञानतुल्य: पुरुषस्य राजन् SaṁkṣeS'ā. 1. 321 (i. 24. 23)

अज्ञानत्व (ajñāna-tva) *n.* **i** the state of having ignorance अज्ञानत्वं च मूकत्वमित्याद्यास्तामसा: स्मृता: (व्याधय:) SaurP. 13. 11; विष्णुब्रह्मसूर्या मयि देवबोधे क्रुद्धे सति अज्ञानत्वान्न का: न वादिन: PrabhāC. 173. 18; यथा लोष्टो लुठद्वृक्षं वञ्चयित्वाशु गच्छति । अज्ञानत्वेऽजपशवस्तथा ह्यस्ति पुरादिकम् YogVā. iii. 57. 41; अज्ञानत्वा(? °ज्ञाना)द्वे शते दण्ड्य: ManvaMu. 311. 9 (*on* 8. 121); अहो मम अज्ञानत्वम् KathāK. 94. 7; **ii** the state of non-knowledge, the nature of being different from knowledge अज्ञानत्वे परिज्ञाते तदा स्यात्स्वविरोधिता S'ivDṛ. 4. 25; अज्ञानत्वे वा न ज्ञानोपादानत्वम् NyāyVārPari. 517. 2; इदंता हि अज्ञानत्वम् PratyabhiVi. i. 75. 3 (*on* i. 1. 4); जडत्वमप्यज्ञातृत्वं वा अज्ञानत्वं वा Nyāyāmṛ. 68B. 7; अविद्यावृत्तेरज्ञानत्वे ज्ञानस्यौत्सर्गिकं प्रामाण्यमिति विरुध्येत AdvaiSi. 654. 15; 295. 1; **iii** nature of ignorance (as a positive entity) अज्ञानत्वविरुद्धधर्मवत्तया वा अधिष्ठानज्ञानम् AdvaiSi. 650. 10; **iv** the state or nature of nescience अवस्थासु अज्ञानत्वरूपाखण्डधर्मानङ्गीकारात् GuruCandr. ii. 151. 15; i. 103. 5; अज्ञानमिति प्रत्यये ··· विषयविशेषाश्रितमज्ञानत्वरूपाखण्डधर्मविशिष्टं विषय: LaCandr. 550. 26; 299. 10.

अज्ञानत्वजाति (ajñānatva-jāti) *f.* generic quality of nescience नञ्पूर्वकजानातेरज्ञानत्वजातिमति लक्षणया तादृशज्ञानस्य तद्विषयकत्वात् LaCandr. 550. 30; 564. 20.

अज्ञानत्वप्रसङ्ग (ajñānatva-prasaṅga) *m.* possibility of being of the nature of what is different from knowledge सर्वात्मना हि सारूप्ये ज्ञानमज्ञानतां व्रजेत् (v. l. न च सर्वात्मना साम्यमज्ञानत्वप्रसङ्गत:) न च केनचिदंशेन सर्वं सर्वस्य वेदनम् PramāVār. 3. 435; निर्विषयत्वेनाज्ञानत्वप्रसङ्गात् NyāySiA. 242. 22; तद्वदेवाज्ञानत्वप्रसङ्गात् NyāyPari. 483. 21.

अज्ञानत्वप्रसिद्धि (ajñānatva-prasiddhi) *f.* common knowledge of being of the nature of ignorance ननु भ्रान्तिरेवाज्ञानम्, तस्या अज्ञानत्वप्रसिद्धे: IṣṭaSi. 48. 12.

अज्ञानत्वप्राप्ति (ajñānatva-prāpti) *f.* contingency of being nescience

-न तावज्ज्ञाननिवर्त्यमज्ञानम् पूर्वज्ञानस्यापि तन्निवर्त्यस्याज्ञानत्वप्राप्तेः TattvPradī.(Ci.) 54. 12.

अज्ञानत्वशून्यत्व (ajñānatvaśūnya-tva) *n.* the state of being devoid of the nature of nescience अनीदृक्त्वात् अज्ञानत्वशून्यत्वात् LaCandr. 488. 16.

अज्ञानत्वहेतु (ajñānatva-hetu) *m.* reason in the form of nescience अज्ञानत्वहेतोर्व्यभिचारः LaCandr. 302. 7.

अज्ञानत्वानधिकरणत्व (ajñānatvānadhikaraṇa-tva) *n.* the state of not being the substratum of the state of ignorance न चाज्ञानत्वानधिकरणत्वमुपाधिः Nyāyāmr. 301B. 8.

अज्ञानत्वापत्ति (ajñānatvāpatti) *f.* **i** contingency of being nescience तस्या भ्रमोपादानत्वेऽज्ञानत्वापत्तेः GuruCandr. ii. 155. 23; शक्तेर्भ्रमोपादानत्वेऽज्ञानत्वापत्तेः LaCandr. 489. 14; **ii** contingency of the state of non-knowledge ज्ञानस्यापि … ज्ञेयत्वे घटवदज्ञानत्वापत्तेः SarvaMaSaṁ. 33. 12.

अज्ञानत्वाभाव (ajñānatvābhāva) *m.* absence of the nature of nescience त्वदुक्तलक्षणस्यापि तस्याज्ञानत्वाभावात् TattvPradī.(Ci.) 55. 1.

अज्ञानत्वाभिमत (ajñānatvābhimata) *adj.* accepted as non-knowledge एवं च तस्याज्ञानत्वाभिमतस्य ज्ञानत्वाभावादर्थत्वमेवापन्नम् Kāśi. ii. 153. 12 (*on* 5. 143)

अज्ञानत्वायोग (ajñānatvāyoga) *m.* impossibility of the state of ignorance चैतन्याज्ञानयोरविरोधे ज्ञानत्वाज्ञानत्वायोगस्योक्तत्वात् Nyāyāmr. 364B. 5.

अज्ञानत्वाविशेष (ajñānatvāviśeṣa) *m.* non-difference in (the case of) the state of non-knowledge एवमज्ञानत्वाविशेषेऽपि … केचिदवश्यसंवेद्याः NyāyVārPari. 522. 3.

अज्ञानत्वाश्रय (ajñānatvāśraya) *m.* locus of the nature of ignorance अज्ञानत्वाश्रययोग्यव्यक्त्यन्तरस्य चाभावाच्च Nyāyāmr. 344A. 5.

अज्ञानदन्त (ajñāna-danta) *adj.* possessed of tusk in the form of ignorance ज्ञानाश्वत्थं निहन्ति…मनोवारणोऽज्ञानदन्तः VairāS.(Ja.) 97.

अज्ञानदम्भतस् (ajñānadambha-tas) *adv.* by feigning ignorance अज्ञानदम्भतः सर्वप्रकारैस्ते निषेधिताः PrabhāC. 181. 5.

अज्ञानदर्शन (ajñāna-darśana) *n.* discerning of ignorance जीवानामेवाज्ञानदर्शनाद् ब्रह्मणः सर्वज्ञत्वदर्शनात् AṇuBh. 81. 24 (*on* i. 3. 15)

अज्ञानदशा (ajñāna-daśā) *f.* the state of nescience शब्दश्रवणयोग्यमित्यज्ञानदशायां कार्यकरत्वात् सत्यत्वमुक्तम् VedāntKa. 223. 17 (*on* i. 4. 22); प्रियामरणहेतोरपि तत्त्वेनाज्ञानदशायाम् … कर्तव्यत्वदर्शनेन व्यभिचारात् AdvaiSi. 698. 8.

अज्ञानदाह (ajñāna-dāha) *m.* burning off (i. e. destruction) of nescience ज्ञानादज्ञानदाहेष्टेर्मुक्तिस्तेनापि योक्ष्यते IṣṭaSi. 362. 18; ज्ञातो ह्यात्मा अज्ञानदाह इत्युक्तम् IṣṭaSi. 371. 6; 76. 20; SaṁkṣeŚā. 4. 22 (ii. 372. 13)

अज्ञानदीर्घनिद्रा (ajñāna-dīrghanidrā) *f.* long sleep in the form of nescience अज्ञानदीर्घनिद्रामोहिताः सन्तः कथंचिदिव ब्रह्मतत्त्वम्…विद्युः BṛĀraU-Bh. 634. 11 (*on* iv. 4. 14)

अज्ञानदुःखौघ (ajñāna-duḥkhaugha) *m.* aggregate of miseries caused by nescience विधूयाज्ञानदुःखौघं मोक्षानन्दं समश्नुते NirguMāPū. 33.

अज्ञानदुर्ग्रह (ajñāna-durgraha) *m.* evil planet of ignorance दुर्निमित्तं समालोच्य तेन ते स्यातुमर्थिताः । अज्ञानदुर्ग्रहग्रस्ता न व्यलम्बन्त सत्वराः BṛKathā-Mañ. vii. 1. 381.

अज्ञानदूरीकरण (ajñāna-dūrīkaraṇa) *n.* removal of ignorance अज्ञानदूरीकरणं मानसं शौचमान्तरम् SarvaVeSāSaṁ. 115.

अज्ञानदृश् (ajñāna-dṛś) *adj.* possessed of eyes in the form of ignorance न लक्ष्यसेऽज्ञानदृशां शैलूष इव रूपधृक् AdhyāRā. iv. 6. 64.

अज्ञानदोष (ajñāna-doṣa) *m.* **i** ignorance as a fault अज्ञानदोषतो नाशं मा नैषीस्त्वैव जातुचित् । सुहृदम् PadmP.(Ra.) 47. 112; LiṅgaP. i. 86. 21; अन्येषां शास्त्रकर्तृणाम्…अज्ञानदोषदुष्टत्वात्तदुक्तेर्न प्रमाणता DevīBhāP. vii. 39. 19; GaṇeP. i. 61. 44; एतन्महाकष्टं जन्म दुःखं प्रकीर्तितम् । पुंसामज्ञानदोषेण ŚivaP. v. 23. 34 (432B. 13); ध्यात्वेत्यज्ञानदोषेण निदानं क्षुन्निदानतः । भवे भवेऽस्य भूयासं वधायेति व्यधादयम् SamarāSaṁ. 1. 194; BālamBha. iii. 202. 6 (*on* 3. 327); ŚivS. 1. 43; **ii** fault committed through ignorance अज्ञानात् कुशास्त्रसंस्काराद्धिंसादिष्वधर्मस्वरूपेषु धर्मबुद्ध्या या प्रवृत्तिस्तल्लक्षणो दोषः अज्ञानदोषः AupaSūṬ. 83. 4; SthānṬ. 190A. 3.

अज्ञानद्वारक (ajñānadvāra-ka) *adj.* [*f.* -ikā] **i** brought about by the absence of knowledge (भागासिद्धौ) अज्ञानद्वारिकायां त्वविषयवृत्तित्वं, अज्ञानं हि पक्षादेर्दोषः TārkiRa. 280. 12; **ii** brought about by ignorance यत्र तु पूर्ववादिनः पित्रर्णादिग्रहणहेतुकधारणादिप्रतिज्ञा तत्राज्ञानद्वारकः साक्षाद्वा तदपह्नवो मिथ्योत्तरम् VīraMi. (Vyavahāra.) 58. 10.

अज्ञानद्वारा (ajñāna-dvārā) *adv.* [Inst.] through ignorance or nescience केवलस्य घटस्य साक्षिवेद्यत्वाभावेऽपि अज्ञातत्वधर्मविशिष्टस्याज्ञानद्वारा … प्रतीतिरुपपद्यते VivaPraSaṁ. 20. 10; ज्ञानस्याज्ञानद्वारैवान्यविरोधित्वेन Nyāyāmr. 228B. 5.

अज्ञानद्वैविध्य (ajñāna-dvaividhya) *n.* twofold nature of ignorance ननु शुक्त्यज्ञानमपि शुक्त्यवच्छिन्नचैतन्यगतं वाच्यम् … अहं न जानामीति ज्ञातृस्थत्वानुभवविरोध इति चेन्न अज्ञानद्वैविध्यात् AdvaiSi. 578. 18.

अज्ञानधर्षित (ajñāna-dharṣita) *adj.* overpowered by ignorance संसाराङ्गारमध्यस्थाः पच्यमानाः स्वकर्मणा । सुखाभिमानिनो दुःखे नित्यमज्ञानधर्षिताः LakṣmiT. 13. 4.

अज्ञानधी (ajñāna-dhī) *f.* **i** idea of ignorance यथोष्णेऽनुष्णधीर्नास्ति ज्ञानेऽप्यज्ञानधीस्तथा ŚlokaVār. 5(3). 146 (308. 1); **ii** perception of nescience चिदात्मत्वात् स्वतो भाति सुखमज्ञानधीस्ततः PañcDa. 11. 60.

अज्ञानधूर्त (ajñāna-dhūrta) *m.* rogue in the form of nescience or ignorance चिरमज्ञानधूर्तेन पोथितोऽसि … । वृकेन दृप्तेनाटव्याम् … पशुपोतकः YogVā. v. 52. 46.

अज्ञानध्वंस (ajñāna-dhvaṁsa) *m.* destruction of nescience अज्ञानध्वंसकारित्वान्मोक्षो ज्ञानस्य भण्यते । उपचारात् कार्यमिति BṛĀraUBhVā. iii. 3. 90; अज्ञानध्वंसोचिता स्वाभाविकी ब्रह्मात्मता व्यवतिष्ठते PrakaVi. 66. 23; अज्ञानध्वंस प्रागेव सिद्धत्वे श्रवणादिवैयर्थ्यम् Nyāyāmr. 632A. 8; 426B. 5; अज्ञानध्वंसलक्षण एव तत्कार्यस्य जीवेशभेदादेश्च ध्वंस एक इत्येकैव तदीया तेषु … प्रतियोगितेति नाज्ञानभिन्नाव्याप्तिः GuruCandr. i. 96. 11; i. 127. 17.

अज्ञानध्वंसक (ajñānadhvaṁsa-ka) *adj.* destroyer of nescience यत्तत्तु वृत्तिजं ज्ञानं विज्ञानं ज्ञानमात्रकम् । अज्ञानध्वंसकं ज्ञानं विज्ञानं चोभयात्मकम् SadācāAnu. 49.

अज्ञानध्वंसिन् (ajñānadhvaṁs-in) *adj.* destroyer of nescience अज्ञानध्वंसि विज्ञानं न च कारकरूपताम् । गृहीत्वेह तमो हन्ति BṛĀraUBhVā. iv. 4. 942.

अज्ञानध्वस्तिवर्त्मन् (ajñānadhvasti-vartman) *n.* path of the destruction of nescience दशमोऽस्मीत्यतो ज्ञानादज्ञानध्वस्तिवर्त्मना । दशमाप्तिवदाप्तिः स्यात् TaiUBhāVā. 47. 1(2)

अज्ञानध्वान्त (ajñāna-dhvānta) *n.* darkness in the form of ignorance अज्ञानध्वान्तविध्वंसप्रचण्डमतिभास्करम् । आत्मनो ब्रह्मताज्ञानं नीराजनमिहात्मनः NirguMāPū. 24; ज्ञानम्…अज्ञानध्वान्तसन्तानप्रक्षयानन्तरोद्भवम् MahāP. 24. 118; न लक्ष्यसे । अज्ञानध्वान्तचित्तानाम् AdhyāRā. i. 3. 25; अनन्तस्य कथामेतामज्ञानध्वान्तनाशिनीम् । … प्रपठन् … बन्धाद्विमुच्यते KalkiP. ii. 5. 43; गुरुरत्र भवेदज्ञानध्वान्तपतितस्य YogŚā. 12. 16; अथोद्याने समाजग्मुः श्रीगुणन्धरसूरयः । अज्ञानध्वान्तहरणे सूरयः UttaKuC. 518; नतोऽसि वाङ्मनःकायैरज्ञानध्वान्तभास्करम् YogSā. 1. 6(1)

अज्ञाननानात्व (ajñāna-nānātva) *n.* plurality of nescience अज्ञाननानात्वाज्जीवनानात्वम् SiddhāBi. 47. 4.

अज्ञाननामन् (ajñāna-nāman) *adj.* ignorance by name, called ignorance मायीयकार्ममलमूलमुशन्ति तावद् अज्ञाननाममलमाणवमेव भद्राः Parā-Tri. 111. 13.

अज्ञाननाश (ajñāna-nāśa) *m.* destruction of ignorance or nescience ननु तेऽज्ञाननाशोऽपि सत्यश्चेद् द्वैतसत्यता IṣṭaSi. 364. 2; 373. 18; अज्ञाननाशपदमत्र हि मुख्यमिष्टम् SaṁkṣeŚā. (1. 213) i. 167. 7 (3. 111); ii 215. 4; BṛNāraP. 31. 146; दोषनाशे यथा शुक्ळो गृह्यते रोगिणा स्वयम् । शुक्लज्ञानात्तथाज्ञाननाशादात्मा तथा कृतः ŚivS. 1. 44; ज्ञानादज्ञाननाशेन लब्धमेव हि लभ्यते DevīBhāP. vii. 37. 33; vii. 34. 6; GaṇeP. i. 91. 48; PañcDa. 7. 92; चैत्रस्याज्ञाननाशेऽपि मैत्रस्य तदनाशात् Nyāyāmr. 227B. 7; 633B. 11; ज्ञानजन्योऽज्ञाननाशः GuruCandr. ii. 408. 19; ii. 155. 9; वृत्तेर्हि नाज्ञाननाशे हेतुत्वम् LaCandr. 482. 40; 500. 21; 562. 33; पादध्यानेनाज्ञाननाश इति भावः LalitāSaBh. 36. 31 (*on* 70)

अज्ञाननाशक (ajñāna-nāśaka) *adj.* [*f.* -ikā] destroyer of ignorance or nescience अज्ञाननाशकं नास्ति जटातीर्थाद्विते द्विजाः SkandP. iii(1). 20. 2; अज्ञाननाशक(म)मलं च दिनेशतुल्यमानन्दकन्दमखिलं महिमासमेतम् । तम् … प्रगाये PadmP. ii. 20. 21; अविद्यावृत्तिस्तावन्नाज्ञाननाशिका AdvaiSi. 655. 4; LalitāSaBh. 141. 9 (*on* 182); वृत्तिज्ञानमज्ञाननाशकम् GuruCandr. ii. 130. 8; LaCandr. 591. 30.

अज्ञाननाशकज्ञान (ajñānanāśaka-jñāna) *n.* knowledge which destroys ignorance or nescience अधिष्ठानज्ञानत्वं हि अज्ञाननाशकज्ञानत्वं वा AdvaiSi. 529. 15; अज्ञाननाशकज्ञाननिवर्त्यत्वेन मिथ्यात्वनिर्वाहः LaCandr. 758. 39;

प्रमेयतया अज्ञाननाशकज्ञानविषयतया LaCandr. 691. 42.

अज्ञाननाशकता (ajñānanāśaka-tā) *f.* the state of being the destroyer of ignorance or nescience न च ज्ञानस्य अज्ञाननाशकतापि प्रमाणसिद्धा JñānBiPra. 29. 12.

अज्ञाननाशकत्व (ajñānanāśaka-tva) *n.* the state of being the destroyer of nescience असदर्थस्यैव ··· अज्ञाननाशकत्वम् VedāntRaMañ. 1. 1 (10. 5); साधकत्वं साक्षिणोऽज्ञाननाशकत्वेऽनुपपन्नम् GuruCandr. ii. 376. 17; चैतन्यनिष्ठाया: प्रमाणजन्यापरोक्षान्त:करणवृत्तेरेव अज्ञाननाशकत्वाङ्गीकारेऽपि न दोष: JñānBiPra. 24. 21; तस्य मन्दबुद्धीनाम्···अज्ञाननाशकत्वासामर्थ्यात् SiddhāBi. 10. 6; अन्यथा ज्ञानस्य अज्ञाननाशकत्वपक्षे घटाभाववानयं घटवानयमिति ज्ञानस्य दुर्वारत्वात् GuruCandr. i. 130. 16; ब्रह्मान्यज्ञानमात्रस्याज्ञाननाशकत्वप्रसङ्गात् GuruCandr. ii. 157. 12; शुक्त्यादिज्ञानस्याप्यज्ञाननाशकत्वस्वीकारात् GuruCandr. ii. 157. 14.

अज्ञाननाशकनाश्यत्व (ajñānanāśakanāśya-tva) *n.* the state of being destroyable by the destroyer of nescience अज्ञानप्रयुक्तत्वेनाज्ञाननाशकनाश्यत्वात् GuruCandr. i. 166. 20.

अज्ञाननाशकभेद (ajñānanāśaka-bheda) *m.* a variety of what destroys nescience व्यञ्जकेति···अज्ञाननाशकभेदेनेति यावत् LaCandr. 655. 15.

अज्ञाननाशकवृत्ति (ajñānanāśaka-vṛtti) *f.* mental modification which destroys nescience व्यञ्जकेति । अज्ञाननाशकवृत्तीत्यर्थ: LaCandr. 655. 15; व्यञ्जकभेदेन अज्ञाननाशकवृत्तिभेदेन GuruCandr. iii. 183. 22.

अज्ञाननाशकाल (ajñānanāśa-kāla) *m.* time of the destruction of nescience अज्ञाननाशकालेऽपि नष्टक्षणावच्छेदेनाधिकरणस्थूलकालमादाय न जानामीति बुद्ध्यापत्ते: GuruCandr. iii. 37. 17.

अज्ञाननाशकृत् (ajñāna-nāśakṛt) *adj.* destroyer of ignorance or nescience प्रयत्नेन विनाज्ञाननाशकृत् ध्यायिनां महत् PāraS. 6. 199 = 10. 178; आदाय वास्तवं वृत्तं ज्ञानमज्ञाननाशकृत् BṛĀraUBhVā. ii. 4. 197.

अज्ञाननाशत्व (ajñānanāśa-tva) *n.* the state of being the destruction of nescience यदज्ञाननाशत्वमज्ञानप्रयुक्तनाशत्वं च तयोरन्यतरत्वं वा LaCandr. 175. 4; 500. 20; वृत्तेरज्ञाननाशत्वपक्षेऽपि तेन रूपेण वृत्तिप्रयुक्तत्वात् फलत्वम् GuruCandr. ii. 159. 20.

अज्ञाननाशद्वार् (ajñānanāśa-dvār) *f.* [Instr.] by means of the destruction of nescience तच्च अज्ञाननाशद्वारा ज्ञाने तमोनाशाधीनचाक्षुषद्वारा आलोके च बोध्यम् GuruCandr. ii. 415. 14; प्रपञ्चे साक्षात् कल्पने गौरवस्योक्तत्वेनाज्ञाननाशद्वारैव तद्वाच्यम् LaCandr. 573. 28.

अज्ञाननाशद्वारक (ajñānanāśadvāra-ka) *adj.* chanelled through the destruction of nescience तच्च ज्ञाने अज्ञाननाशद्वारकमालोके च तमोनाशजन्यचाक्षुषद्वारकम् LaCandr. 565. 17.

अज्ञाननाशन (ajñāna-nāśana) *adj.* destroying ignorance भगवंस्त्वत्प्रसादेन ज्ञातो ह्यज्ञाननाशन: । ··· हृद्याग: JayāS. 13. 4; PāraS. 6. 2; तीर्थमज्ञाननाशनम् । एतद्विनिर्मितं साक्षाच्छम्भुना SkandP. iii(1). 20. 8; iii(1). 30. 64; पठस्व ··· पुराणम् ··· अज्ञाननाशनं दिव्यं ज्ञानभास्करबोधकम् DevīBhāP. i. 16. 36; AdhyāRā. vi. 5. 1; *n.* destruction of ignorance ते प्रोचु: कीदृश: कोपोऽस्माकमज्ञाननाशने SamarāSam̐. 9. 45; ज्ञातताज्ञातते न स्त: ··· अज्ञाननाशनात् PañcDa. 8. 23.

अज्ञाननाशनाश्यता (ajñānanāśanāśya-tā) *f.* the state of being destroyable by the destruction of ignorance or nescience अज्ञाननाश्यता-(? नाशनाश्यता)वच्छेदकत्वस्य···आवश्यकत्वात् GuruCandr. ii. 186. 11.

अज्ञाननाशनाश्यत्व (ajñānanāśanāśya-tva) *n.* the state of being destroyable by the destruction of nescience शुक्तिरूप्यादेरज्ञानप्रयुक्तत्वादज्ञाननाशनाश्यत्वम् GuruCandr. ii. 314. 20; iii. 27. 16; अज्ञानकल्पितत्वात् अज्ञानप्रयुक्तत्वात् अज्ञाननाशनाश्यत्वात् LaCandr. 586. 12.

अज्ञाननाशित (ajñāna-nāśita) *adj.* destroyed unintentionally न्यासादिकं परद्रव्यं प्रभक्षितमुपेक्षितम् । अज्ञाननाशितं चैव येन दाप्य: स एव तत KātySm. 596.

अज्ञाननाशिनी (ajñāna-nāśinī) *adj.* (*f.*) removing ignorance हे मोहच्छिद् अज्ञाननाशिनि Kāvyānu.(He.) 268. 25; अज्ञाननाशिनी प्रज्ञा CāṇaNīDa. 5. 11.

अज्ञाननाशेष्टि (ajñānanāśeṣṭi) *f.* intention (i. e. acceptance) of the annihilation of nescience भेदस्य मायात्वान्माय्यात्मैकोऽस्त्वबोधदृक् । बोधादज्ञाननाशेष्टेर्मुक्तिस्स्यात् IṣṭaSi. 344. 13.

अज्ञाननाशोत्पत्ति (ajñānanāśotpatti) *f.* origination of the annihilation of nescience ज्ञानोपहितात्मनोऽज्ञाननाशत्वे ज्ञानादज्ञाननाशोत्पत्तिर्न संभवति LaCandr. 500. 35.

अज्ञाननिगूहन (ajñāna-nigūhana) *n.* hiding of ignorance अज्ञाननिगूहनार्थं तु प्रयुक्तज्ञानमेव परिहारेणाविष्करोति NyāyVār. 566. 17 (*on* v. 2. 20)

अज्ञाननिदान (ajñāna-nidāna) *adj.* based on ignorance [WBTF]

अज्ञाननिद्रा (ajñāna-nidrā) *f.* sleep in the form of ignorance or nescience अज्ञाननिद्राशयितो भवता प्रतिबोधित: । सर्वप्राणिवधादेष विरतोऽद्यप्रभृत्यहम् Nāgā. 5. 25; अज्ञाननिद्राया: प्रबुद्धो जागर्ति संयमी GītāBh.(S'an̐.) 68. 14 (*on* 2. 69); जाग्रत अज्ञाननिद्राया घोररूपाया: ··· क्षयं कुरुत KāṭhUBh. 145. 19 (*on* 3. 14); अज्ञाननिद्रया सुप्तं धर्मवाक्यानिलै: प्रबोधयेत Bārhas. 2. 66; चिरश्रुतिश्चाज्ञाननिद्राभिहननापनयनमात्रविलम्बिकैवल्याभिप्रायत्वाद्युक्ततरा PañcPra. 25. 2 (comm. अज्ञानमेव महती निद्रा सैवाभिहननमात्मनो बन्धनमाच्छादनम्); अज्ञाननिद्राक्षुभितो जीवो यावन्न बोधित: । तावत्पश्यति दुर्भेदं संसारारम्भविभ्रमम् YogVā. iii. 115. 16; (किरातजनमण्डले । हस्तहार्यतम:पिण्डा बभूवासितयामिनी) अज्ञाननिद्रानिबिडा भृङ्गपृष्ठच्छदच्छवि: YogVā. iii. 77. 15; अज्ञाननिद्राविद्राणसुप्रभातमिदं नृणाम् (चरितं कीर्तयिष्यामि श्रीमत्पार्श्वजिनप्रभो:) PārśvC. 1. 15.

अज्ञाननिधि (ajñāna-nidhi) *m.* store of ignorance, ignorant person सलीलमामीलितभीमचक्षुश्श्रुश्रवा वा सुकथाप्रसङ्ग: । सावज्ञमज्ञाननिधिर्व्यसर्पत् सर्पाधिराजोरुधनु:समीपम् SītāSva. 68.

अज्ञाननिन्दा (ajñāna-nindā) *f.* censure of ignorance अथापि ज्ञानप्रशंसा ··· अज्ञाननिन्दा च Nir. 1. 17 (40. 15)

अज्ञाननिन्दित (ajñāna-nindita) *adj.* censured by the ignorant तपश्च विपुलं तप्त्वा देवदानवदुश्चरम् । अर्थदेशादिसंयुक्तं गूढमज्ञाननिन्दितम् LiṅgaP. ii. 20. 10.

अज्ञाननिबन्धन (ajñāna-nibandhana) *adj.* [*f.* -ā] caused by nescience अब्रह्मात्मते यद्वदत्राज्ञाननिबन्धने BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 905; अज्ञाननिबन्धन एव शरीरप्रपञ्चो न वस्तुनिबन्धन: BālaKrī. ii. 33. 16 (*on* 3. 61(?71)); जीवस्य परमात्मना विपरीतमतित्वमज्ञाननिबन्धनम् NyāySu.(Ja.) 508B. 7 (*on* iii. 2. 10); अज्ञाननिबन्धनसंसारहेतुभूतपुण्यापुण्यकर्माचरणतद्विपाकभोगयोगादन्तवत्त्वम्···ईश्वरस्य···स्यात् VedāntKau. 210. 8 (*on* ii. 2. 4)

अज्ञाननिबन्धनत्व (ajñānanibandhana-tva) *n.* the state of being caused by ignorance न स्वपक्षसिद्ध्यसिद्धिनिबन्धनौ जयपराजयौ तयोर्ज्ञानाज्ञाननिबन्धनत्वात् PramāMī. 73. 26 (*on* ii. 1. 35)

अज्ञाननिमित्त (ajñāna-nimitta) *adj.* [*f.* -ā] caused by or based on ignorance or nescience न च अज्ञाननिमित्तं भगवत्प्रतिवचनं कल्पनीयम् GītāBh.(S'an̐.) 80. 3 (*on* 3. 0); अनेकजन्मान्तरसंचितैर्नरो विमुच्यतेऽज्ञाननिमित्तपातकै: UpadeSā. 302. 31; तत्त्वेन ब्रह्मणो नान्यद्वस्त्वन्तरमस्ति···। कथं तर्हि विज्ञानात्मनां नानेवोपलब्धि: । अज्ञाननिमित्तैव सा BālaKrī. ii. 31. 16 (*on* 3. 66); कर्मनिमित्तो बन्ध: कर्म त्वज्ञाननिमित्तम् NyāyRa. 668. 20 (*on* 5 (15). 101); वैलक्षण्यमात्मनो ब्रह्मणश्चान्यत्वमत्यन्तमविद्यमानमेवाज्ञाननिमित्तमज्ञाने विनष्टे स्वयमेव विलीयते S'āstrDī. 113. 29 (*on* i. 1. 5); बन्धश्चाज्ञाननिमित्त: NyāyMa. 282. 6; अज्ञाननिमित्तो बन्धो ज्ञाननिमित्तश्च मोक्ष: सुप्रसिद्ध: TattvPrakā. 151A. 2 (*on* iii. 2. 5)

अज्ञाननिमित्तता (ajñānanimitta-tā) *f.* the state of being caused by ignorance ज्ञानाज्ञाननिमित्ततया प्रतीतयोरपि स्वप्नाविर्भावतिरोधानयो: परमात्माधीनत्वमेव TattvPrakā. 151A. 4 (*on* iii. 2. 5)

अज्ञाननिमित्तत्व (ajñānanimitta-tva) *n.* the state of being caused by ignorance अज्ञाननिमित्तत्वात्स्वप्नप्रतीतेस्तत्तिरोधानं ज्ञानेन युक्तम् TattvPrakā. 151A. 2 (*on* iii. 2. 5); त एव परमाणव: प्रतिसंधीयमाना नाज्ञाननिमित्तत्वेऽवस्थिता: ĀtmaTaVi. 804. 21.

अज्ञाननिम्नपथ (ajñānanimna-patha) *adj.* going down towards wrong knowledge यदस्य अज्ञाननिम्नपथं बहिर्मुखं विषयोपभोगफलं चित्तमासीत् RājMār. 80. 6.

अज्ञाननियम (ajñāna-niyama) *m.* necessary presence of ignorance न चाग्रे वक्ष्यमाणार्थानामारम्भदशायामज्ञाननियम: श्रुतशास्त्रेभ्यस्तदज्ञानसंभवात् S'ivārkaMaDi. i. 83. 5 (*on* i. 1. 1)

अज्ञाननिरास (ajñāna-nirāsa) *m.* removal of ignorance संवेदनस्य प्रकाश्यत्वात् प्रकाशकत्वमसिद्धमिति चेत् न अज्ञाननिरासादिद्वारेण प्रकाशकत्वोपपत्ते: PramāMī. 4. 1 (*on* i. 1. 3); SyādvāMañ. 12 (58); ज्ञानमज्ञाननिरासस्यैव निदानम् PrakaVi. 3. 6.

अज्ञाननिरूपक (ajñāna-nirūpaka) *adj.* correlating non-cognition यदि च विषयसामान्यविशेषितमेव ज्ञानं सुषुप्तावज्ञाननिरूपकं तर्हि तदेव तदा ज्ञानाभावनिरूपकमस्तु Nyāyāmṛ. 316B. 9.

अज्ञाननिरोधित्व (ajñānanirodhi-tva) *n.* the state of obstructing nescience अज्ञाननिरोधित्वलक्षणं प्रकाशकत्वं रूपं प्रत्येव AdvaiSi. 485. 2.

अज्ञाननिर्भासा (ajñāna-nirbhāsā) *adj.* (*f.*) manifesting non-cognition बुद्धिरज्ञाननिर्भासा तवाज्ञानं प्रकल्पितम् । ततश्च ज्ञानमेवैकमपोह्यत्वेन संमतम् S'lokaVār. 5(3). 139 (306. 3)

अज्ञाननिर्माल्य (ajñāna-nirmālya) *n.* ignorance (nescience ?) in the form of remains of offering देहो देवालयः प्रोक्तो जीव एव महेश्वरः । त्यजेदज्ञाननिर्माल्यं सोऽहंभावेन योजयेत् BrahmāṇḍP. iii. 43. 53; KulārT. 9. 41.

अज्ञाननिर्हरण (ajñāna-nirharaṇa) *n.* removal of ignorance (nescience) अज्ञाननिर्हरणस्य च प्रसक्तत्वेन प्रसङ्गदोषाभावात् TattvPrakā. 3A. 1 (*on* i. 1. 0)

अज्ञाननिवर्तक (ajñāna-nivartaka) *adj.* [*f.* -ikā] which removes ignorance, dispeller of nescience अज्ञाननिवर्तकान्येव सर्वाणि ज्ञानान्येष्टव्यानि IṣṭaSi. 64. 9; अज्ञाननिवर्तकाभिमतप्रमाणज्ञानाभावस्तावत् त्वयाभ्युपगन्तव्यः S'rutaPra. iB. 14. 5 (*on* i. 1. 1); VivaPraSaṁ. 60. 20; अज्ञाननिवर्तकादन्यस्य च ज्ञानस्यानुपलम्भात् त्वयापि ··· वृत्तिप्रतिबिम्बितस्य घटानधिष्ठानस्य चैतन्यस्यैव घटानुभवत्वोक्तेश्च Nyāyāmṛ. 200A. 5; 338A. 6; 607B. 7; अज्ञानावृतत्वात् घटवदज्ञाननिवर्तकान्तरापेक्षा चेत्तर्हीष्टापत्तिः वृत्तेरेवापेक्षणात् AdvaiSi. 590. 28; शुद्धब्रह्माकारा चित्तवृत्तिः निष्प्रकारिकेवाज्ञाननिवर्तिका AdvaiSi. 678. 5; 654. 8; SiddhāLeSaṁ. 144. 2; 407. 3; एवं चाज्ञानानुमाने वृत्तिरेव प्रमात्वेनाज्ञाननिवर्तिका GuruCandr. iii. 39. 23; ii. 322. 9; ii. 368. 16; सप्रकारं निष्प्रकारं वा ब्रह्मज्ञानं अज्ञाननिवर्तकमिति वक्तव्यम् JñānBiPra. 26. 14; 23. 25.

अज्ञाननिवर्तकता (ajñānanivartaka-tā) *f.* the state of being the dispeller of nescience नन्वहं मनुष्य इत्यादिव्यावहारिकसंघातज्ञानस्य प्रमाणाजन्यत्वात् कथमज्ञाननिवर्तकता SiddhāBi. 113. 3; ब्रह्मज्ञानस्य जातिविशेषादिनैव अज्ञाननिवर्तकतावश्यकत्वस्योक्तत्वात् GuruCandr. i. 147. 22; 'अहं ब्रह्म मूलाज्ञानतत्कार्ये ज्ञाते' इत्यादिसमूहालम्बनस्याप्यज्ञाननिवर्तकतायां बाधकाभावात् LaCandr. 253. 13; 682. 33; 886. 36.

अज्ञाननिवर्तकत्व (ajñānanivartaka-tva) *n.* the state of being the dispeller of ignorance (nescience?) अज्ञाननिवर्तकत्वात् ज्ञानस्य BṛĀraUBh. 388. 8 (*on* iii. 3. 1); तुल्यमेतत्तवापि, अज्ञाननिवर्तकत्वात्सर्वज्ञानानां बाधकत्वप्रसङ्गात् IṣṭaSi. 94. 12; 72. 12; 199. 17; अज्ञानम्···ज्ञातयैव भवितुमर्हति ज्ञानस्य स्वाश्रय एवाज्ञाननिवर्तकत्वव्याप्तेः S'atDū. 107. 11; VivaPraSaṁ. 60. 18; AdvaiSi. 253. 1; 562. 10; 590. 23; 654. 14; 776. 7; अविद्याहङ्कारसुखदुःखादितद्धर्मप्रत्यक्षस्याज्ञाननिवर्तकत्वानभ्युपगमात् SiddhāLeSaṁ. 153. 1; कवितार्किकचक्रवर्तिनृसिंहभट्टोपाध्यायास्तु ··· रजतोत्पत्तेः प्रागिदमाकारवृत्तिरेव नास्तीति तस्या अज्ञाननिवर्तकत्वसदसद्भावविचारं निरालम्बनं मन्यन्ते SiddhāLeSaṁ. 188. 3; 144. 8; 152. 8; 211. 5; 225. 1; चरमवृत्तावपि अज्ञाननिवर्तकत्वाय चित्प्रतिबिम्बावश्यकत्वात् GuruCandr. i. 157. 15; i. 130. 24; ii. 141. 13; शुद्धब्रह्मणो यत् वृत्त्युपहितं रूपं तद्विषयकवृत्तेरेवाज्ञाननिवर्तकत्वात् LaCandr. 251. 16; 253. 12; 482. 31; 531. 18; 678. 21; अज्ञाननिवर्तकत्वं तु घटादिज्ञानवदस्त्येव SiddhāTa. 53. 25; निष्प्रकारकज्ञानस्य कुत्रापि अज्ञाननिवर्तकत्वं दृष्टमिति शुद्धब्रह्मज्ञाननिवृत्तिः JñānBiPra. 26. 17; 23. 31.

अज्ञाननिवर्तकप्रमा (ajñānanivartaka-pramā) *f.* valid knowledge which dispels nescience अज्ञाननिवर्तकप्रमायां घटकान्तरापेक्षेत्यर्थः GuruCandr. iii. 41. 16; अज्ञाननिवर्तकान्तरेति । अज्ञाननिवर्तकप्रमाघटकान्तरेत्यर्थः LaCandr. 590. 42.

अज्ञाननिवर्तकप्रमिति (ajñānanivartaka-pramiti) *f.* valid knowledge which dispels nescience न च रामशब्दस्य पदत्वात्कथमज्ञाननिवर्तकप्रमितिजनकत्वमिति वाच्यम् VīraMi.(Bhakti.) 39. 19.

अज्ञाननिवर्तकवृत्ति (ajñānanivartaka-vṛtti) *f.* modification or state of mind or internal organ which dispels nescience अज्ञाननिवर्तकवृत्तिविषयत्वयोग्यत्वस्यापरोक्षव्यवहारयोग्यपदेन विवक्षितत्वात् AdvaiSi. 288. 3; तथा चोपाध्यन्तरेत्यस्याज्ञाननिवर्तकवृत्तिविषयत्वेन संभवदुपाध्यन्तरेत्यर्थः LaCandr. 252. 9.

अज्ञाननिवर्तन (ajñāna-nivartana) *n.* termination of nescience ज्ञानस्य स्वप्रागभावनिवर्तन इवाज्ञाननिवर्तनेऽपि प्रतिबन्धायोगात् Nyāyāmṛ. 639B. 11; प्रकृते च निर्विकल्पको वाक्यार्थबोधः । तस्यैव प्रमात्वेनाज्ञाननिवृत्ति(v. l. °निवर्तन°)सामर्थ्यात् SiddhāBi. 9. 5; अव्यवहितज्ञानेनापि अज्ञाननिवर्तनात् AdvaiSi. 654. 11.

अज्ञाननिवृत्ति (ajñāna-nivṛtti) *f.* termination or elimination of ignorance or nescience आचार्यमुपसङ्गम्योत्पन्नषट्पदार्थज्ञानस्याज्ञाननिवृत्तौ विरक्तस्य रागद्वेषाभावात् PadārthaSaṁ. 281. 21; ViṣṇuP. v. 1. 42; न हि अनुपजातविशेषस्याज्ञाननिवृत्तिर्युक्ता NyāyVār. 490. 6 (*on* iv. 1. 49); तेनाज्ञाननिवृत्तौ हि ज्ञानेऽन्यार्थः प्रसज्यते S'lokaVār. 5(3). 138 (306. 1); BṛĀraUBh. 388. 19 (*on* iii. 3. 1); अज्ञाननिवृत्तिरेव भ्रमनिवृत्तिः तच्छरीरत्वात्तस्य IṣṭaSi. 83. 4; 187. 10; अज्ञाननिवृत्तेश्च सम्यग्ज्ञानस्वरूपलाभमात्रहेतुत्वात्तदुपादानम् NaiṣkaSi. 4. 1; NyāyKa. 282. 18; न तत्त्वज्ञानमज्ञाननिवृत्तिमात्रेण निःश्रेयसोपयोगि TātpaṬ.(Vā.) 638. 15 (*on* iv. 2. 1); अविद्यानिवृत्तिरेव मोक्षः।···कर्म सकलभेददर्शननिवृत्तिरूपाज्ञाननिवृत्तेः कथमिव साधनं भवेत् S'rīBh. 5. 19 (*on* i. 1. 1); GītāBh.(Rā.) 604. 13 (*on* 15. 15); अज्ञाननिवृत्तिर्वा PramāMī. i. 1. 38 (comm. प्रमाणप्रवृत्तेः पूर्वं प्रमातुर्विवक्षिते विषये यत् 'अज्ञानम्' तस्य निवृत्तिः फलमित्यन्ये); न चाज्ञाननिवृत्तिर्ज्ञाननिवर्त्या ज्ञानजन्यत्वात् TattvPradī.(Ci.) 389. 7; VedāntKa. 150. 18 (*on* i. 3. 2); जडस्याज्ञानप्रसङ्गाभावाच्च अज्ञाननिवृत्तेः पुरुषार्थत्वमपि न स्यात् S'atDū. 172. 13; तत्रानन्तर्येण सर्वप्रमाणानामज्ञाननिवृत्तिः फलम् SyādvāMañ. 17 (165); VivaPraSaṁ. 23. 6; ज्ञानेनाज्ञाननिवृत्तिरिति विशेषव्याप्तिः NyāySu.(Ja.) 19B. 12 (*on* i. 1. 1); 64B. 13 (*on* i. 1. 1); ननु यद्यज्ञाननिवृत्तिरात्मा तदोत्पन्नतत्त्वज्ञानस्य शरीरानुवृत्तिर्न स्यात् SarvaDaKau. 142. 17; 141. 27; 141. 28; अज्ञाननिवृत्तेर्मोक्षत्वेऽपि ··· अज्ञाने च···ब्रह्मस्वरूपत्वस्य मोक्षत्वस्य चादर्शनात् Nyāyāmṛ. 554A. 6; 69B. 7; 228A. 6; 632A. 12; प्रकृते च निर्विकल्पको वाक्यार्थबोधः। तस्यैव प्रमात्वेनाज्ञाननिवृत्तिसामर्थ्यात् SiddhāBi. 9. 5; 10. 7; 63. 1; 115. 5; अनृतव्यावृत्त्यज्ञाननिवृत्त्योरज्ञानादिप्रकाशरूपज्ञानस्य च ब्रह्मरूपत्वे अनृतादीनामपि तद्रूपत्वम् AdvaiSi. 794. 12; 468. 12; 776. 6; अज्ञानव्याप्यस्य निवृत्तिरप्यज्ञाननिवृत्तिद्वारा तादृशी GuruCandr. i. 103. 20; i. 101. 14; i. 126. 12; एकदेशनाशादिपक्षेऽप्युक्तविशिष्टाज्ञानसंबन्धस्य···विरहोऽज्ञाननिवृत्तिर्बोध्या GuruCandr. ii. 159. 19; ii. 42. 14; ii. 156. 4; अज्ञानप्रयुक्तत्वं तु अज्ञानतल्लेशान्यतरतादात्म्यानापन्नत्वम्, तेनाज्ञाननिवृत्तौ प्रतियोगिविधया अज्ञानस्य प्रयोजकत्वेऽपि न क्षतिः LaCandr. 290. 9; 454. 38; 500. 43; 562. 33; न तावत् ज्ञानेऽपूर्वविधिमङ्गीकृत्याज्ञाननिवृत्तेर्भाव्यत्वम् SiddhāTa. 51. 9; 55. 26; प्रारब्धकर्मरूपप्रतिबन्धकदशायामज्ञाननिवृत्तेरङ्गीकारात् VedāntPari. 364. 2; JñānBiPra. 24. 12.

अज्ञाननिवेदन (ajñāna-nivedana) *n.* expression of ignorance मायागिरोऽज्ञाननिवेदनेऽपि न काचिदत्रानुपपत्तिः SaṁkṣeS'ā. 3. 98 (ii. 206. 18)

अज्ञाननिश्चयत्व (ajñānaniścaya-tva) *n.* the state of certainty of nescience अज्ञानसाधकत्वं हि अज्ञाननिश्चयत्वम् LaCandr. 441. 39.

अज्ञाननिष्ठ (ajñāna-niṣṭha) *adj.* present in nescience संसारस्याज्ञाननिष्ठत्वाभावात् Nyāyāmṛ. 345A. 7; AdvaiSi. 580. 9; अज्ञाननिष्ठेनैव तादात्म्येन द्वयाकारत्वादुक्तधियोऽपि तदेव विषयो निर्णीयते GuruCandr. i. 11. 3; i. 18. 14.

अज्ञाननिह्नुति (ajñān-nihnuti) *f.* removal of ignorance संस्कारकं तु कर्म स्याज्ज्ञानात्त्वज्ञाननिह्नुतिः BṛĀraUBhVā. (Sambandha.) 368; iv. 4. 323; iv. 4. 519.

अज्ञाननीली (ajñāna-nīlī) *f.* particular disease of the lens of the eye in the form of nescience यथा दवाग्नेरपसर्तुकामो धावंस्तु तत्रैव पतत्यचक्षुः । अज्ञाननीलीवृतलोचनस्तु तथैव दुःखानलमभ्युपैति VarāṅgaC. 3. 59.

अज्ञाननुद् (ajñāna-nud) *adj.* removing ignorance न चाज्ञाननुदो मानस्यान्यकर्तृत्वम् IṣṭaSi. 367. 6.

अज्ञाननैमित्तिक (ajñāna-naimittika) *adj.* caused by ignorance, of which ignorance is the cause अज्ञाननैमित्तिक एष तापः BuddhaC. 9. 34.

अज्ञाननैरपेक्ष्य (ajñāna-nairapekṣya) *n.* independence of ignorance, non-requirement of ignorance अज्ञाननैरपेक्ष्येण कर्मणां स्वभाव एवैष यत्फलाविनाभावित्वमिति NyāyMañ. ii. 84. 14.

अज्ञानपक्ष (ajñāna-pakṣa) *m.* view of non-knowledge वैषयिकानन्दे तद्व्यतिरेकस्य हेतोरसिद्धेः तस्याप्यात्मत्वे अज्ञानपक्षोक्तदोषः प्रसञ्जनीयः AdvaiSi. 296. 1.

अज्ञानपङ्क (ajñāna-paṅka) *m.* mud (in the form) of ignorance अज्ञानपङ्कमग्नानां त्वं गतिर्नो महामुने JayāS. 2. 1; अज्ञानपङ्कगर्भस्थमनुद्धारं महामतिः । आत्मानं च समुत्तीर्णं गाथामेतामगायत MārkP. 44. 32; अज्ञानपङ्कनिर्मग्नं या समुद्धरते जनम् S'ivU. 7. 41.

अज्ञानपट (ajñāna-paṭa) *m.* veil of ignorance वासुदेवस्तमोऽन्धानां प्रत्यक्षो नैव जायते । अज्ञानपटसंवीतैरिन्द्रियैर्विषयेप्सुभिः S'aṅkhaSm. 7. 21.

अज्ञानपटल (ajñāna-paṭala) *m.* film in the form of ignorance येऽज्ञानपटलरुद्धदृशोऽन्यं ब्राह्माद्वदन्ति सिद्धान्तम् BrāhmSpuSi. 11. 1; अज्ञानपटले ध्वस्ते गुरुणा शास्त्रशास्त्रतः PārśvC. 2. 1032; अज्ञानपटलध्वान्तं विधूय परिमुच्यते AdhyāRā. iii. 4. 54.

अज्ञानपद्धति (ajñāna-paddhati) *f.* path of ignorance अज्ञानपद्धतिरियम् Kād. 173. 20.

अज्ञानपरंपरा (ajñāna-paramparā) *f.* sequence of ignorance तमसः फलमज्ञानपरंपरारूपम् GītāBh.(Rā.) 593. 21 (*on* 14. 16); भखेटयोः केवलयोर्युतेश्च संसाधनं श्रीरविणा मयार्थम् । पूर्वैस्तदज्ञानपरंपरोत्थभ्रान्त्यान्यथा तद्द्युतिजं निबद्धम् SiddhāTaVi. 358. 19.

अज्ञानपरराष्ट्र (ajñāna-pararāṣṭra) *n.* enemy-kingdom in the form of ignorance अज्ञानपरराष्ट्रं च न रन्ध्रं त्वस्य पश्यति YogVā. iv. 23. 25.

अज्ञानपरा (ajñāna-parā) *adj.* (*f.*) given to ignorance, ignorant मेनोवाच ··· कीदृशं शिवरूपं हि यदर्थे तप उत्तमम् । ···इत्यज्ञानपरा S'ivaP. ii(3). 43. 2 (174A. 9)

अज्ञानपरामर्श (ajñāna-parāmarśa) *m.* recollection of ignorance or nescience अज्ञानपरामर्शस्य तु···अन्यदेवाज्ञानं विषयः Nyāyāmṛ. 375A. 9; 318A. 8;

आत्मवेदनश्रुतिविरोधः ··· प्राज्ञविषयकत्वेनाज्ञानपरामर्शस्याभावः GuruCandr. iii. 54. 20.

अज्ञानपराहति (ajñāna-parāhati) *f.* destruction of nescience प्रमाणजन्यासाधारणाकारभानस्यैवाज्ञानविरोधित्वान्नापरोक्षतामात्रेणाज्ञानपराहतिप्रसङ्गः AdvaiSi. 407. 9.

अज्ञानपरिकल्पितत्व (ajñānaparikalpita-tva) *n.* the state of being imagined by ignorance अनृतेनापिधानं हि तेषां विशेषणम्। अज्ञानावेष्टितत्वमित्यर्थः। न त्वज्ञानपरिकल्पितत्वम् AnuBh. 81. 9 (*on* i. 3. 15)

अज्ञानपरिणाम (ajñāna-pariṇāma) *m.* modification of nescience अहंकारस्येव ··· अज्ञानपरिणामानां सुषुप्तौ संस्कारतापन्नत्वेन साक्षिभास्यत्वायोग्यत्वादेव तदा सप्रकारकवृत्त्यभावः GuruCandr. ii. 401. 11.

अज्ञानपरिणामत्व (ajñānapariṇāma-tva) *n.* the state of being the modification of nescience रूप्यमपि ··· अज्ञानपरिणामत्वाच्चोभयोपादानकम् Nyāyāmr. 502A. 7; अहङ्कारादेरज्ञानपरिणामत्वादज्ञानावच्छिन्नचित्यैक्याध्यासादुक्तभ्रमः GuruCandr. iii. 9. 24; LaCandr. 577. 31.

अज्ञानपरिणामभेद (ajñānapariṇāma-bheda) *m.* particular modification of nescience जीवस्यान्तःकरणरूपोऽज्ञानपरिणामभेदः SiddhāLeSaṁ. 88. 5.

अज्ञानपरिणाममनस् (ajñānapariṇāma-manas) *n.* mind which is the modification of nescience अज्ञानपरिणाममनसोऽपि तत्पक्षे शुद्धाश्रितत्वेन तत्परिणामवृत्तेरपि तदाश्रितत्वम् GuruCandr. ii. 411. 20; LaCandr. 563. 42.

अज्ञानपरीषहजय (ajñānaparīṣaha-jaya) *m.* conquest of the obstacle or hardship due to ignorance अज्ञानावमानज्ञानाभिलाषसहनमज्ञानपरीषहजयः TattvāRāVār. ix. 9. 27; अज्ञोऽयं न वेत्ति पशुसम इत्येवमाद्यधिक्षेपवचनं सहमानस्य परमदुश्चरतपोऽनुष्ठायिनो नित्यमप्रमत्तचेतसो मेऽद्यापि ज्ञानातिशयो नोत्पद्यते इति अनभिसंदधतोऽज्ञानपरि(?री)षहजयोऽवगन्तव्यः SarvāSi. 9. 9 (427. 8)

अज्ञानपवन (ajñāna-pavana) *m.* wind of ignorance रम्भास्तम्भनिभं मनः। अज्ञानपवनं जित्वा धृष्यमाणं निवारय PārśvC. 2. 715.

अज्ञानपाश (ajñāna-pāśa) *m.* snare of nescience अज्ञानपाशबद्धानां पशूनां पाशमोचकम्। रामेश्वरं शिवं शान्तमुपैमि शरणं सदा SkandP. iii(1). 49. 36.

अज्ञानपुष्प (ajñāna-puṣpa) *adj.* having flowers in the form of ignorance अज्ञानपुष्पम् ··· कर्मतरुं प्रभज्य मुनिद्विपास्तत्र सुखं वसन्ति VarāṅgaC. 10. 21.

अज्ञानपूर्व (a-jñānapūrva) *adj.* not preceded by knowledge यथा कस्यचिद्वैराग्यमस्ति न तत्त्वज्ञानम्, तस्मादज्ञानपूर्वाद् वैराग्यात् प्रकृतिलयः Sāṁkhya-KāBh. 26. 8 (*on* 45)

अज्ञानपूर्वक (ajñāna-pūrvaka) *adj.* preceded by ignorance or absence of knowledge वैषयो रागः संभूत्याः कारणम् ··· संसारे ··· । अज्ञानपूर्वकं तस्मादज्ञानं तु विवर्जयेत् BrahmāṇḍP. iii. 3. 49; अज्ञानपूर्वकैर्दोषैः प्रागुक्तैस्तु विवर्जितः। ··· यदा यजेत् PāraS. 12. 466; ननु सत्यं चेतनव्यवहारो नाज्ञानपूर्वकः किं त्वविदितविवेकग्रहणस्मरणपूर्वक इति Bhām. 17. 4 (*on* i. 1. 1); SarvaDaSaṁ. 16. 514.

अज्ञानपूर्वकत्व (ajñānapūrvaka-tva) *n.* the state of being preceded by nescience or absence of knowledge अज्ञानपूर्वकत्वात् तत्त्वज्ञानस्य Bhām. 591. 11 (*on* iii. 3. 6); चेतनव्यवहारस्याज्ञानपूर्वकत्वानुपपत्तेः Bhām. 17. 3 (*on* i. 1. 1); विशिष्टव्यवहारस्य विशिष्टज्ञानपूर्वकत्वनियमेनाज्ञानपूर्वकत्वानुपपत्तेः SarvaDa-Saṁ. 16. 512.

अज्ञानपूर्वम् (a-jñānapūrvam) *adv.* unknowingly, unintentionally अत उत्तरं तेन संभाष्य तिष्ठेदेकरात्रं जपन् सावित्रीमज्ञानपूर्वम् GautDS. iii. 2. 8.

अज्ञानप्रकार (ajñāna-prakāra) *m.* mode of ignorance यद्यज्ञानसाम्येऽपि विषयभेदमाश्रित्य निग्रहस्थाननानात्वम् ··· तर्ह्यज्ञानप्रकारवैचित्र्याद् भेदान्तराण्यपि वक्तव्यानि NyāyMañ. ii. 203. 33.

अज्ञानप्रकाश (ajñāna-prakāśa) *m.* manifestation of ignorance विषयावच्छिन्नाज्ञानज्ञानार्थं विषयावच्छिन्नत्वेनाज्ञानप्रकाशार्थम् GuruCandr. iii. 36. 12.

अज्ञानप्रकाशन (ajñāna-prakāśana) *n.* display of ignorance कृते स्नाने क्षणं शौचम् ··· । क्षीरक्षालनमङ्गार इवाज्ञानप्रकाशनम् SamarāSaṁ. 4. 473; तम्···दृष्ट्वानुकम्पया। प्रभुर्विमोचयामास तदज्ञानप्रकाशनात् PrabhāC. 119. 26.

अज्ञानप्रतिपक्ष (ajñāna-pratipakṣa) *m.* opposite of ignorance, remedy against ignorance ज्ञानमनास्रवमज्ञानप्रतिपक्षः Sphuṭā. i. 4. 19 (*on* 1. 1)

अज्ञानप्रतिबद्ध (ajñāna-pratibaddha) *adj.* obstructed by ignorance नन्वन्तरायध्वंसमात्रं चेन्मुक्तिस्तर्हि श्रवणमात्रेणैव तत्सिद्धिः स्यात्, अज्ञानप्रतिबद्धकण्ठचामीकरसिद्धिवदिति तत्राह SāṁkhyaPraBh. 151. 34 (*on* 6. 22)

अज्ञानप्रतिबन्धकत्व (ajñānapratibandhaka-tva) *n.* obstructive nature that abides in nescience उक्तव्यवहारकाले ··· अज्ञानप्रतिबन्धकत्वकल्पनावैयर्थ्यम् GuruCandr. ii. 413. 7.

अज्ञानप्रतिबिम्बित (ajñāna-pratibimbita) *adj.* [*f.* -ā] reflected in nescience अज्ञश्चाज्ञानप्रतिबिम्बिता चिदुच्यते PrakaVi. 3. 14; त एते पञ्च विशिष्टा अज्ञानप्रतिबिम्बितचित्स्वरूपे समारोपिताः PrakaVi. 116. 7; अज्ञानप्रतिबिम्बितस्य चिद्धातोः PrakaVi. 117. 16; अज्ञानप्रतिबिम्बितं चैतन्यं जीवः Siddhā-Bi. 46. 2; 48. 1; SiddhāLeSaṁ. 88. 4; SiddhāTa. 2. 10.

अज्ञानप्रतिबिम्बितता (ajñānapratibimbita-tā) *f.* the state of being reflected in nescience स एवाज्ञानप्रतिबिम्बिततया चेता द्रष्टा जीवः PrakaVi. 69. 14.

अज्ञानप्रतिभास (ajñāna-pratibhāsa) *adj.* appearing as other than knowledge कल्प्यमानमपि तदज्ञानप्रतिभासं विज्ञानमेव कल्प्येत TātpaṬ.(U.) 273. 16 (*on* 5(4). 139)

अज्ञानप्रतियोगिकत्व (ajñānapratiyogika-tva) *n.* the nature of having nescience for its counter-correlative अज्ञानतत्प्रयुक्तयोः ध्वंसैक्ये निवृत्तावज्ञानप्रतियोगिकत्वं वाच्यम् GuruCandr. i. 99. 11; i. 412. 15.

अज्ञानप्रतिषेध (ajñāna-pratiṣedha) *m.* negation of ignorance आत्मन्यज्ञानप्रतिषेधाच्च YogVār. 1. 4.

अज्ञानप्रतिसंधान (ajñāna-pratisandhāna) *n.* recollection of nescience उत्तरत्राज्ञानप्रतिसंधानानुपपत्तिरिति चेन्न S'atDū. 122. 24.

अज्ञानप्रतीति (ajñāna-pratīti) *f.* **1** experience of nescience अहमज्ञो मामन्यं च न जानामीत्यत्र वर्तमानतयैवाज्ञानप्रतीतेः S'atDū. 168. 28; न हि साक्षिणा अज्ञानमित्यज्ञानप्रतीतिः SiddhāTa. 8. 17; **2** knowledge of (the existence) of ignorance तपसा चीयते ब्रह्मेत्यत्राज्ञानप्रतीतौ तन्निरासाय TattvPrakā. 38A. 13 (*on* i. 2. 22)

अज्ञानप्रत्यक्ष (ajñāna-pratyakṣa) *n.* direct knowledge of nescience 'अहमज्ञः' इत्याद्याश्रयविषयप्रतीतिगर्भितमज्ञानप्रत्यक्षं व्याहतमेव VivaPraSaṁ. 20. 2; NyāySu.(Ja.) 62B. 10 (*on* i. 1. 1); अज्ञानप्रत्यक्षोत्पत्तेः पूर्वमज्ञाने विशेषणतयावच्छेदकज्ञानादिग्रहनियमः LaCandr. 551. 33.

अज्ञानप्रत्यक्षत्व (ajñānapratyakṣa-tva) *n.* perceptible nature of nescience अद्वैतसिद्धौ अज्ञानप्रत्यक्षत्वोपपत्तिः AdvaiSi. 559. 7.

अज्ञानप्रत्यय (ajñāna-pratyaya) *m.* cognition of ignorance or nescience अज्ञानप्रत्ययश्चायं किमालम्बन इष्यते S'lokaVār. 5 (3). 142 (307. 2); Kāśi. ii. 153. 14 (*on* 5 (3). 142); योऽयमज्ञानप्रत्ययः ग्राह्योपस्थापकः सः NyāyRa. 307. 9 (*on* 5 (3). 142); सामान्यज्ञानजनितोऽप्यज्ञानप्रत्ययः AdvaiSi. 589. 1; नञो विरोध्यर्थकतया ज्ञानविरोधित्वेनाज्ञानप्रत्ययात् LaCandr. 550. 29.

अज्ञानप्रधानद्वार (ajñāna-pradhānadvāra) *n.* nescience as the principal means अज्ञानप्रधानद्वारमादाय (परमात्मनः) क्षेत्रकारणत्वम् PañcPra. 70. 3 (5)

अज्ञानप्रभव (ajñāna-prabhava) *adj.* [*f.* -ā] arising from ignorance or nescience अज्ञानप्रभवं हीदं यद्दुःखमुपलभ्यते MahāBhā. xii. 153. 5; xii. 205. 18; एवं पशुसमैर्मूढैरज्ञानप्रभवं महत्। अवाप्यते नरैर्दुःखम् ViṣṇuP. vi. 5. 24 = BrahmP. 233. 24; अज्ञानप्रभवं सर्वं ज्ञानेन प्रविलीयते AparoAnu. 14; अज्ञानप्रभवो मन्युरहंमानोपबृंहितः BhāgP. viii. 19. 13; अज्ञानप्रभवाहंधीः स्वपरेति भिदा यतः BhāgP. x. 4. 26; अज्ञानप्रभवो मोहस्तस्माद्रागः प्रवर्तते ViṣṇuDhaP. iii. 233. 275; अज्ञानप्रभवं दुःखं ज्ञानेनैव निवर्तते S'ivaP. vii. 5. 11 (506B. 9); अज्ञानप्रभवाहंधीः AdhyāRā. vi. 10. 37; vi. 10. 39.

अज्ञानप्रभवत्वतस् (ajñānaprabhavatva-tas) *adv.* because (of the nature) of what is caused by ignorance अन्येषां शास्त्रकर्तॄणामज्ञानप्रभवत्वतः। तदुक्तेर्न प्रमाणता DevīBhāP. vii. 39. 19.

अज्ञानप्रमाण (ajñāna-pramāṇa) *n.* proof or means of revealing ignorance अज्ञानप्रमाणमपि केवलं नान्यप्रमाणविषयं स्पृशति IṣṭaSi. 195. 11; 193. 13.

अज्ञानप्रयुक्त (ajñāna-prayukta) *adj.* which is caused by or brought about by nescience अज्ञानप्रयुक्ततत्संस्कारान्यतरस्याभावाच्च व्यापकः LaCandr. 161. 22; विषयोऽज्ञानप्रयुक्तरूपो विवक्षितः GuruCandr. i. 368. 14.

अज्ञानप्रयुक्तता (ajñānaprayukta-tā) *f.* the state of being caused by or brought about by nescience अज्ञानकल्पितत्वेन अज्ञानप्रयुक्ततायोग्यत्वेन अस्वप्रकाशत्वेनेति यावत् LaCandr. 495. 41.

अज्ञानप्रयुक्तत्व (ajñānaprayukta-tva) *n.* the state of being caused by or brought about by nescience अविद्यासंबन्धादेरपि अज्ञानप्रयुक्तत्वेनाज्ञाननाशकनाश्यत्वात् GuruCandr. i. 166. 19; ii. 170. 22; आकाशादेरज्ञानप्रयुक्तत्वासिद्ध्या मिथ्यात्वासिद्धिः GuruCandr. ii. 314. 23; न तु शुक्तिरूप्यादेरज्ञानप्रयुक्तत्वाज्ज्ञाननाश्यत्वम् LaCandr. 528. 24.

अज्ञानप्रयुक्तध्वंस (ajñānaprayukta-dhvaṁsa) *m.* annihilation or destruction of what is brought about or caused by nescience अज्ञानध्वंसो-

त्तरमज्ञानप्रयुक्तध्वंसस्वीकारे GuruCandr. i. 97. 16.

अज्ञानप्रयुक्तनाश (ajñānaprayukta–nāśa) *m.* destruction of what is caused by nescience अज्ञानप्रयुक्तनाशस्य प्रमात्वेन ज्ञानजन्यत्वाभावादेवाज्ञानप्रयुक्तवारणात् GuruCandr. ii. 366. 16; ज्ञाननाश्यतावच्छेदकं यदज्ञाननाशत्वमज्ञानप्रयुक्तनाशत्वं च तयोरन्यतरत्वं वा LaCandr. 175. 4.

अज्ञानप्रयुक्तवारण (ajñānaprayukta–vāraṇa) *n.* exclusion of what is caused by nescience अज्ञानप्रयुक्तनाशस्य प्रमात्वेन ज्ञानजन्यत्वाभावादेवाज्ञानप्रयुक्तवारणात् GuruCandr. ii. 366. 17.

अज्ञानप्रयुक्तसाहित्य (ajñānaprayukta–sāhitya) *n.* association with what is caused by nescience अज्ञानप्रयुक्तसाहित्यस्याज्ञाने कथनादज्ञानस्य निवृत्तिक्रियायां प्राधान्यलाभात् LaCandr. 166. 19.

अज्ञानप्रयोज्य (ajñāna–prayojya) *adj.* what is due to nescience अज्ञानप्रयोज्यस्य ज्ञानप्रयुक्ता निवृत्तिः GuruCandr. i. 99. 8.

अज्ञानप्रवणीभूत (ajñāna–pravaṇībhūta) *adj.* inclined towards ignorance अज्ञानप्रवणीभूतचेतसा मयकेदृशम् । किंवदन्तीभयात्सृष्टं कष्टं प्राप्तासि यत्सति PadmP.(Ra.) 105. 64.

अज्ञानप्रशम (ajñāna–praśama) *m.* removal of ignorance त्रिदशसंदोहाः सदाभीष्टदा अज्ञानप्रशमाय यत्र मनसो वृत्तिं समस्तां दधुः Tarkāmṛ. 1. 3.

अज्ञानप्रसङ्ग (ajñāna–prasaṅga) *m.* contingency of ignorance or nescience साधनानां फलस्य एकत्वे साध्यसाधनभेदोपदेशशास्त्रानर्थक्यप्रसङ्गः तत्कर्तुः अज्ञानप्रसङ्गो वा BṛĀraUBh. 536. 16 (*on* iv. 3. 7); जडस्य स्वाज्ञाननिवृत्तिवाञ्छानुपपत्तेः जडस्याज्ञानप्रसङ्गाभावाच्च S'atDū. 172. 12.

अज्ञानप्रसवा (ajñāna–prasavā) *adj.* (*f.*) having an insentient thing for cause ताः ··· इदमूचिरे ···। अज्ञानप्रसवा नित्यं वह्निका त्रिदिवौकसाम् । सर्वज्ञप्रसवे मातः कथं तव तयोपमा NemiC. 4. 12 (comm. नास्ति ज्ञानं यस्य सः प्रसवः कारणं यस्याः सा)

अज्ञानप्रसूतत्व (ajñānaprasūta–tva) *n.* nature of being produced by nescience अनात्मनश्चाज्ञानप्रसूतत्वात् NaiṣkaSi. 104. 6.

अज्ञानप्रहाण (ajñāna–prahāṇa) *n.* abandoning of nescience तेन विनाज्ञानप्रहाणं नोपपद्यते NaiṣkaSi. 62. 2.

अज्ञानप्राप्त (ajñāna–prāpta) *adj.* happening through ignorance अज्ञानप्राप्तगोहत्याप्रायश्चित्तं तु विद्यते PadmP. iv. 31. 37.

अज्ञानप्राप्ति (ajñāna–prāpti) *f.* attainment of (i. e. possessing) ignorance लोकस्य च संप्रदायप्रवर्तकाभावेन कालतश्चाज्ञानप्राप्तिः TattvPrakā. 3A. 7 (*on* i. 1. 0)

अज्ञानप्राबल्य (ajñāna–prābalya) *n.* overpowering nature of ignorance or nescience कस्मादज्ञानप्राबल्यमिति । भक्तिज्ञानवैराग्यवासनाभावाच्च TripāMaNāU. 367. 4.

अज्ञानफलकत्व (ajñānaphalaka–tva) *n.* nature of having wrong knowledge as result तदेतद्धिंसाया अनन्तदुःखाज्ञानफलकत्वम् YogVār. 2. 34.

अज्ञानफलत्व (ajñānaphala–tva) *n.* **i** nature of having wrong knowledge as result अथमैतस्तमःसमुद्रेके सति चतुर्विधविपर्ययलक्षणस्याज्ञानस्याप्युदय इत्यज्ञानफलत्वमप्येतेषाम् TattvVai. 108. 16 (*on* 2. 34); **ii** the state of not having knowledge as the result तत्रासिद्धस्तावत् ···अज्ञानफलत्वादप्रामाण्यमनुभवति NyāyMañ. ii. 159. 19.

अज्ञानबन्धन (ajñāna–bandhana) *n.* bond of ignorance गजेन्द्रो भगवत्स्पर्शाद्विमुक्तोऽज्ञानबन्धनात् BhāgP. viii. 4. 6; अज्ञानबन्धनाज्जन्तुर्बुद्धायं मुच्यते GaṇeP. ii. 140. 21.

अज्ञानबहलध्वान्त (ajñāna–bahaladhvānta) *n.* dense darkness in the form of ignorance तत्र भ्रमन्ति तेऽज्ञानबहलध्वान्तसागरे LaBhāska. 1. 3.

अज्ञानबहुत्व (ajñāna–bahutva) *n.* plurality of nescience स चाज्ञानबहुत्ववादिनां हिरण्यगर्भविराडादिभेदेन नाना SiddhāTa. 2. 14.

अज्ञानबहुल (ajñāna–bahula) *adj.* abounding in ignorance तमोबहुत्वात्ते सर्वे ह्यज्ञानबहुलाः स्मृताः VāyuP. i. 6. 40 = BrahmāṇḍP. i. 5. 37.

अज्ञानबाधन (ajñāna–bādhana) *n.* sublation by nescience अविद्याहेतुरागादीन्सम्यग्ज्ञानादनन्तरम् । यतो वीक्षामहे तस्माज्ज्ञानस्याज्ञानबाधनम् BṛĀraUBhVā. iv. 4. 880.

अज्ञानबाहुल्य (ajñāna–bāhulya) *n.* abundance of ignorance प्रत्युताज्ञानबाहुल्याद्द्वेष एव विजायते DevīBhāP. ii. 9. 18.

अज्ञानबिम्बिता (ajñāna–bimbitā) *adj.* (*f.*) reflected in nescience अज्ञानबिम्बिता चित्स्यान्मुखमानन्दभोजने PañcDa. 11. 72.

अज्ञानबीज (ajñāna–bīja) *adj.* with nescience as its seed (i. e. source) शरीरेन्द्रियमनोबुद्धिविषयवेदनासन्तानस्य अहंकारसंबन्धादज्ञानबीजस्य ··· विनिवृत्तौ ··· मोक्षसंज्ञा KenUVāBh. 92. 3 (*on* 3. 1); *n.* seed (source) in the form of nescience अज्ञानबीजस्य विच्छेद आत्मनो मोक्षसंज्ञा KenUVāBh. 92. 5 (*on* 3. 1)

अज्ञानबुद्धि (ajñāna–buddhi) *adj.* ignorant-minded नैव स्वर्गगतां मर्त्याः पश्यन्त्यज्ञानबुद्धयः (गङ्गाम्) BrahmP. 76. 11; *f.* ignorant mind (i. e. mind without discrimination) तस्मादज्ञानबुद्धिं पापपङ्कलिप्तां परित्यज्य सन्मार्गगामी भव S'aṅkaVi.(Ā.) 151. 7.

अज्ञानबोधन (ajñāna–bodhana) *n.* enlightening the ignorant प्रतिभान्त्यः स्वयं पुंसामपूर्वा ह्युपपत्तयः । भ्रान्तिं बहुमताः सत्यः कुर्युरज्ञानबोधनात् TantrVā. 81. 4 (*on* i. 3. 2) (comm. उपपत्तिरहितानां पुंसां बोधोत्पादनात्)

अज्ञानब्रह्महत्या (ajñāna–brahmahatyā) *f.* unintentional killing of a Brahmin अज्ञानब्रह्महत्या तु प्रायश्चित्तैरपोह्यते PadmP. iv. 100. 151.

अज्ञानभान (ajñāna–bhāna) *n.* apprehension of ignorance मोहभानार्थमज्ञानभानं यदि च कल्प्यते Nyāyāmṛ. 362B. 5; अस्यात्र यत् ज्ञानं तद्विरोधित्वेनाज्ञानभानमित्याशयेनोक्तमज्ञानमिति GuruCandr. ii. 374. 12 = LaCandr. 549. 42.

अज्ञानभाव (ajñāna–bhāva) *m.* **1** the state of being ignorant, ignorance राक्षसाधिपतिः ··· मौर्ख्यादज्ञानभावाच्च न्यष्ठीवदाकाशगतो महर्षेस्तस्य मूर्धनि MahāBhā. iii. 158. 54; नूनमज्ञानभावेन कर्मैतद्दारुणं मया । तत्क्षन्तव्यम् NaraP. 33. 49; अज्ञानभावादशुभाशयाद्वा कुर्वीत चेत्कोऽपि जनः खलत्वम् YaśasCam. i. 166. 1; ii. 107. 2; ii. 154. 3; तथा चाज्ञानभावेन संस्तुतोऽसि मया प्रभो BrahmP. 49. 57; दैवेनाज्ञानभावाद्वञ्चितः PrabaCin. 10. 5; पूर्वमज्ञानभावेन पापं कृतवती KathāK. 71. 6; **2** presence of nescience नन्वज्ञानभावाच्चेन्न भाति शुक्तिज्ञाने उदितेऽपि न भासेत IṣṭaSi. 64. 14; उच्यते यादृगज्ञानभावोऽभावोऽपि तादृशः IṣṭaSi. 364. 14; 83. 10; 364. 19.

अज्ञानभावतस् (ajñānabhāva–tas) *adv.* due to the presence of ignorance, unknowingly गङ्गायाम् ··सस्नुस्ताः षटत्र्यो(? षट्पल्यो)ऽज्ञानभावतस् SkandP. i(2). 29. 117; तस्यैका दासिका तेन विहिता गृहिणी गृहे । अज्ञानभावतो रूक्षात्मिका सर्वाधमा च या PārśvC. 3. 449.

अज्ञानभासक (ajñāna–bhāsaka) *adj.* revealing nescience प्राज्ञत्वमस्यैकाज्ञानभासकत्वेन सम्मतम् । व्यष्टेर्निकृष्टत्वेनास्य नानेकाज्ञानभासकम् SarvaVeSāSaṁ. 322.

अज्ञानभिन्न (ajñāna–bhinna) *adj.* different from or other than nescience अज्ञानभिन्नद्वयत्वावच्छिन्नप्रतियोगिताकविरहत्वेन ··· ब्रह्मज्ञानप्रयुक्तत्वाङ्गीकारात् GuruCandr. i. 97. 17; अज्ञानभिन्नस्य ज्ञानात् सूक्ष्मरूपता नेत्यस्यास्वीकारात् LaCandr. 486. 40; 558. 37.

अज्ञानभिन्नार्थ (ajñānabhinnārtha) *adj.* object other than nescience अज्ञानभिन्नार्थो विषयः GuruCandr. ii. 402. 20.

अज्ञानभिन्नाव्याप्ति (ajñānabhinnāvyāpti) *f.* non-pervasion over what is different from nescience तत्कार्यस्य जीवेशभेदादेश्च ध्वंस एक इत्येकैव तदीया तेषु प्रतियोगितेति नाज्ञानभिन्नाव्याप्तिः GuruCandr. i. 96. 13.

अज्ञानभुक्त (ajñāna–bhukta) *adj.* eaten unknowingly अभोज्यमन्नं नात्तव्यमात्मनः शुद्धिमिच्छता । अज्ञानभुक्तं तूत्तार्यं शोध्यं वाप्याशु शोधनैः ManuSm. 11. 160.

अज्ञानभू (ajñāna–bhū) *f.* stage of nescience कीदृश्यो भगवन्योगभूमिकाः सप्तसिद्धिदाः । ··· अज्ञानभूः सप्तपदा ज्ञभूः सप्तपदैव हि YogVā. iii. 117. 2; MahāU. 5(1)

अज्ञानभूत (ajñāna–bhūta) *n.* element (consisting of) nescience तथैवाज्ञानभूतेभ्यः परः क्षेत्रज्ञतां ययौ BṛĀraUBhVā. ii. 4. 417 (comm. यत्र सर्वं कार्यं लीयते तन्मूलकारणमविद्याभूतशब्देनोच्यते)

अज्ञानभूमि (ajñāna–bhūmi) *f.* stage of nescience कल्पनामात्रनिष्पत्तेर्नापेक्षाज्ञानभूमिषु BṛĀraUBhVā. i. 4. 500; अज्ञानभूमिरिति सप्तपदा मयोक्ता YogVā. iii. 117. 29.

अज्ञानभूमिका (ajñāna–bhūmikā) *f.* stage of ignorance एताश्च सर्वा अज्ञानभूमिका इत्युच्यन्ते । एताः परस्परान्तर्भावेन सप्तैवेति वसिष्ठः SetuBa. 2. 29.

अज्ञानभूमिग (ajñānabhūmi–ga) *adj.* being in the stage of nescience अज्ञानभूमिगं वस्तु मानसंगतिमाप्नुवत् । मेयत्वं लभते BṛĀraUBhVā. iii. 4. 117.

अज्ञानभेद (ajñāna–bheda) *m.* difference in nescience अज्ञानभेदतस्तद्वन्मायाया भेदतस्तथा । जीवेश्वरविभागश्च कल्पितो माययैव तु DevīBhāP. vii. 33. 7; सद्योमुक्तिजिहीर्षया प्रतिविषयमज्ञानभेदे वा अध्यासस्याज्ञानानुपादानकत्वे वाङ्गीक्रियमाणे कल्पनागौरवाध्याससत्यत्वे प्रसज्येयाताम् VivaPraSaṁ. 24. 5; अज्ञानभेदस्वीकारेऽपि अज्ञानसत्त्वे अधिष्ठानप्रकाशानुपपत्तेः GuruCandr. i. 102. 11.

अज्ञानभेदन (ajñāna–bhedana) *adj.* which destroys ignorance वज्रसूचीं प्रवक्ष्यामि शास्त्रमज्ञानभेदनम् VajraSūU. 260. 21.

अज्ञानम् (ajñānam) *adv.* ignorantly or without knowledge वेदान्ता-

न्धाविहाज्ञानं मुह्यन्ति पतिता द्विजाः SkandP. iii(1). 20. 4.

अज्ञानमदमत्त (ajñānamada-matta) *adj.* intoxicated by the pride in the form of ignorance कष्टं चिरतरं कालमनर्थोऽर्थधिया मया । अज्ञानमदमत्तेन कालेन स्वेन सेवितः YogVā. v. 25. 14.

अज्ञानमय (ajñāna-maya) *adj.* [*f.* -ī] full of ignorance, of the nature of ignorance दुःखाज्ञानमया धर्माः प्रकृतेस्ते तु नात्मनः VisnuP. vi. 7. 22; यश्चाज्ञानमयं तमः । हन्ति ज्ञानप्रदानेन MatsyaP. 244. 31; अध्यात्मं छायामयः अज्ञानमयः पुरुषः BrĀraUBh. 466. 9 (*on* iii. 9. 16); इत्यज्ञानमयीमकार्ष्मं कियतीं नानर्थकन्थाम् VikraDeC. 18. 104; नोचेत्त्वमज्ञानमयेन वह्निना ज्वलन्तमात्मान-मरक्षितारिवत् । नयस्यधोऽधः स्वकृतैश्च पातकैः AdhyāRā. v. 4. 25.

अज्ञानमयत्व (ajñānamaya-tva) *n.* the state of having the nature of nescience विकल्पनानां मनःस्पन्दितमात्रत्वमज्ञानमयत्वम् ··· विवृणोति PrakaVi. 46. 19.

अज्ञानमरण (ajñānā-marana) *n.* death of a person in (the stage of) ignorance अज्ञानमरणं मिथ्यादृष्टित्वेनाज्ञातहेतुतद्द्रम्यभावस्य मरणम् SthānT. 306A. 13.

अज्ञानमल (ajñāna-mala) *n.* dirt (in the form) of ignorance सा महामाया ··· निर्णीयते कचित्पुनरज्ञानमलसद्भावोपरोधात् मायातत्त्वपुच्छतया Parā-Tri. 119. 8; ज्ञानं जिनोदितं पथ्यं संसारार्णवतारणम् । अज्ञानमलनिर्नाशि BrKathāK. 25. 27; अज्ञानमलपूर्वत्वात्पुरुषो मलिनः स्मृतः LiṅgaP. i. 86. 102.

अज्ञानमलपङ्क (ajñānamala-paṅka) *m.* mud in the form of the defilement of ignorance अज्ञानमलपङ्कं यः क्षालयेज्ज्ञानतोयतः । स एव सर्वदा शुद्धः JābālaDaU. 5. 14.

अज्ञानमलीमसधी (ajñānamalīmasa-dhī) *adj.* having intellect darkened with ignorance (i. e. ignorant-minded) अन्ये पुनरिहाज्ञानमलीमस-धियो जगुः । चित्तमात्रतया नायं युज्यते श्रुतिबाधनात् TattvSaṁ. 2085.

अज्ञानमहान्धकार (ajñāna-mahāndhakāra) *m.* great darkness in the form of ignorance (दुःखाज्ञानमहौघे महान्धकारे च निश्रितं लोकम्) दुःख-महौघे अज्ञानमहान्धकारे चेति योज्यम् MaYānaSū. 127. 10 (xvii. 44)

अज्ञानमहाभय (ajñāna-mahābhaya) *m.* great fear in the form of ignorance संवादमेतं यदि चिन्तयेन्नरो विमुच्यते[ऽ]ज्ञानमा(? म)हाभयागमात् UpadeSā. 163. 6.

अज्ञानमहाम्बुराशि (ajñāna-mahāmburāśi) *m.* great ocean of ignorance मज्जन्तमज्ञानमहाम्बुराशौ निजं निजेनैव न किं निषिद्धः RāmC. (App. 2). 39. 94.

अज्ञानमहावट (ajñāna-mahāvata) *m.* big banyan tree of nescience तृष्णापिशाच्या परिचर्यमाणं विश्रान्तमज्ञानमहावटेषु । ··· नोत्सादयेच्चित्तपिशाचमेनं यावत्कुतस्तावदिहात्मसिद्धिः YogVā. v. 50. 70.

अज्ञानमहासमुद्र (ajñāna-mahāsamudra) *m.* great ocean of ignorance मुमुक्षवः केचन कर्मपाशांस्तितीर्षवोऽज्ञानमहासमुद्रम् VarāṅgaC. 3. 21.

अज्ञानमहिमन् (ajñāna-mahiman) *m.* strength or power of nescience अज्ञानमहिम्ना जीवभेदवत् चिदानन्दभेदोऽपि अध्यस्त इति SiddhāLeSaṁ. 446. 9.

अज्ञानमात्र (ajñāna-mātra) *n.* mere ignorance or nescience, nescience pure and simple, nescience or ignorance in general सविलासमेवाज्ञानं निवर्तयज्ज्ञानं बाधकं न त्वज्ञानमात्रम् IstaSi. 94. 19; SaṁkseS'ā. 1. 125 (i. 105. 12); 3. 112 (ii. 215. 27); अज्ञानमात्रनिमित्तत्वात्तद्विभागस्य NaiskaSi. 107. 1; 193. 7; उदेत्यज्ञानमात्रेण नश्यति ज्ञानमात्रतः YogVā. iii. 114. 57; सुषुप्तावज्ञान-मात्रावच्छिन्नस्य जीवस्य VivaPraSaṁ. 84. 13; अज्ञानमात्रस्य प्रपञ्चज्ञानैरविरोधेऽपि विशेषाकारपरिणताज्ञानस्य तद्विरोधित्वात् VivaPraSaṁ. 74. 9; स्वाप्ययसंपत्त्योरज्ञान-मात्रविशेषात् AnuBh. 186. 21 (*on* iii. 2. 7); NyāySu.(Ja.) 19A. 2 (*on* i. 1. 1); S'aṅkaVi (Ā.) 154. 18; श्रवणम् । तच्चाज्ञानमात्रविरोधि Nyāyāmr. 623A. 3; अज्ञानमात्राद्दण्डघटाद्युत्पत्तिवच्च यागस्वर्गाद्युत्पत्तिः SiddhāTa. 58. 11; सुप्तं प्रत्यज्ञान-मात्रभानेऽपि मैत्रीयत्वाद्यभानात् LaCandr. 754. 39; अन्यथा अज्ञानमात्रस्य साक्षि-भास्यत्वेन ज्ञानविरोधित्वेन भानासंभवात् GuruCandr. ii. 374. 19.

अज्ञानमात्रजन्यत्व (ajñānamātrajanya-tva) *n.* produced by mere nescience एवं च घटादीनां यदा प्रतीतिस्तदा सत्त्वं नान्यदेति न दण्डादिजन्यत्वं किं तु अज्ञानमात्रजन्यत्वम् SiddhāTa. 57. 13; किं तु घटादेरज्ञानमात्रजन्यत्ववत्स्वर्ग-नरकादेर्नाज्ञानमात्रजन्यत्वम् SiddhāTa. 58. 7.

अज्ञानमात्रता (ajñānamātra-tā) *f.* the state of being mere nescience नानावस्तुदर्शनस्याभासता अज्ञानमात्रता उच्यते IstaSi. 147. 4.

अज्ञानमात्रत्व (ajñānamātra-tva) *n.* the state of being mere nescience अभ्यासजन्यज्ञानद्वैयत्वे चाज्ञानमात्रत्वप्रसङ्गात् PrakaVi. 372. 15.

अज्ञानमात्रव्यवधि (ajñānamātra-vyavadhi) *f.* intervention in the form of mere nescience अज्ञानमात्रव्यवधेर्ब्रह्मैकात्म्यफलस्य च । ब्रह्मविद्यातिरेकेण तत्प्राप्तौ नापरा क्रिया BrĀraUBhVā. ii. 5. 82; *adj.* intervened by nescience alone अज्ञानमात्रव्यवधौ वस्तुनि व्यापृतिर्मितेः BrĀraUBhVā. iii. 3. 21.

अज्ञानमात्रशरीरत्व (ajñānamātraśarīra-tva) *n.* the state of having mere nescience as one's body मत्पक्षे तु रूप्यादेः ··· अज्ञानमात्रशरीरत्वात् ··· शुक्त्यादिज्ञानानां बाधकत्वम् IstaSi. 121. 9.

अज्ञानमात्रसाक्षिन् (ajñānamātra-sāksin) *m.* witness of bare nescience सुषुप्तौ अज्ञानमात्रसाक्षी प्राज्ञः SiddhāLeSaṁ. 81. 1.

अज्ञानमात्रहेतु (ajñānamātra-hetu) *m.* mere nescience as the cause अज्ञानमात्रहेतौ तु सर्वमेतत्समञ्जसम् BrĀraUBhVā. i. 4. 379.

अज्ञानमात्रहेतुकत्व (ajñānamātrahetuka-tva) *n.* the state of having mere nescience as cause बन्धस्याज्ञानमात्रहेतुकत्वेन ज्ञानातिरिक्तनिवर्तकान-पेक्षणाच्च AdvaiSi. 530. 16.

अज्ञानमात्रहेतुत्व (ajñānamātrahetu-tva) *n.* the state of having mere nescience as the cause किं च भ्रमाणामज्ञानमात्रहेतुत्वं युक्तम् SiddhāTa. 58. 23.

अज्ञानमात्रोपाधि (ajñānamātropādhi) *adj.* having mere nescience as an adjunct or condition अज्ञानमात्रोपाधिः सन्नहमादिदृगीश्वरः NaiskaSi. 193. 7.

अज्ञानमात्रोपाधित्व (ajñānamātropādhi-tva) *n.* the state of having mere nescience as an adjunct or condition अज्ञानमात्रोपाधित्वादविद्यामुषिता-त्मभिः ।··· साक्षीत्यध्यस्यते जडैः BrĀraUBhVā. i. 4. 372.

अज्ञानमाया (ajñāna-māyā) *f.* illusion in the form of ignorance or nescience सर्वे ··· कालचक्रं समारुह्य भ्रमन्त्यज्ञानमायया ParaS. 2. 65; सर्वज्ञेश्वर-संश्रया भवति सैवाज्ञानमाया श्रुतौ SaṁkseS'ā. 3. 99 (ii. 207. 10)

अज्ञानमुद्रितमुख (ajñānamudrita-mukha) *adj.* whose mouth is sealed through ignorance अज्ञानमुद्रितमुखाः किमिह ब्रूमहे वयम् TrisaS'aPuC. ii. 6. 499.

अज्ञानमुषिततत्त्वज्ञान (ajñānamusita-tattvajñāna) *adj.* deprived (*lit.* robbed) of true knowledge by nescience एवं ह्यज्ञानमुषिततत्त्वज्ञानैर्विज्ञा-तम् S'atDū. 168. 14.

अज्ञानमूढ (ajñāna-mūdha) *adj.* perplexed or deluded by ignorance अज्ञानमूढो जनः । मत्वा विश्वमनश्वरं निविशते संसारकारागृहे S'atTrayī. 252; 699; अज्ञानमूढा दुरनुष्ठिता ये धर्माशयात्क्लेशगणान् भजन्ते VarāṅgaC. 3. 55; (सार्थवाहसुताः) युगपन्मृतिमाययुः । अज्ञानमूढचेतस्काः किंपाकफलभक्षणात् BrKathāK. 69. 33.

अज्ञानमूर्तिमत् (ajñānamūrti-ma(n)t) *adj.* possessing the form of ignorance, ignorance incarnate नन्दया निहतो विन्ध्ये महाबलपराक्रमः । अथवा ज्ञानशक्तिश्च (sic) महिषोऽज्ञानमूर्तिमान् PadmP. v. 31. 6.

अज्ञानमूल (ajñāna-mūla) *adj.* [*f.* -ā] **A** based on or rooted in ignorance ज्ञानमूलात्मकं (v. l. अज्ञानमूलं ते) क्लेशमतिवृत्तस्य मोहजम् । Mahā-Bhā. iii. 202. 15; प्रहरिष्यन्ति बन्धुभ्यः स्नेहमुत्सृज्य दूरतः । अविज्ञानविमूढाश्च (v. l. अज्ञानमूला देवाश्च) दैवाच्च विधिनिर्मितात् MahāBhā. iii. 240. 14; **B** caused by or originating from nescience अज्ञानमूलोऽयमनात्मबन्धो नैसर्गिको-ऽनादिरनन्त ईरितः ViveCū. 148; विदुषोऽपि कंचित्कालं शरीरस्थितेरिष्टत्वात् तस्याश्च अज्ञानमूलभेददर्शनादिसापेक्षाशनपानाद्यपेक्षत्वात् IstaSi. 74. 16; भ्रान्तिरप्यज्ञान-मूला IstaSi. 71. 24; 200. 8; अज्ञानमूलो हि संसारः KūrmaP. 455. 5 (2. 2) = LiṅgaP. i. 86. 16; NyāyMa. 102. 3; परमपुरुषवाक्यस्याज्ञानमूलमिथ्यार्थत्वे विशेषा-भावात् GitāBh.(Rā.) 63. 4 (*on* 2. 12); अज्ञानमूलभेदभ्रमवादे चोपदेश एव नोप-पद्यते S'atDū. 193. 17; SāṅkhyaPraBh. 36. 29 (*on* 1. 68); *n.* root of nescience प्रबोधमहिमा ह्यज्ञानमूलं भिनत्ति NayaMañ. IV. ii. 8. 16.

अज्ञानमूलक (ajñānamūla-ka) *adj.* **A** having ignorance as its root अज्ञानमूलकं कर्म ज्ञानं तूभयनाशकम् SarvaVeSāSaṁ. 854; **B** having nescience as its cause अज्ञानमूलकभ्रमविशेष्यतावच्छेदकरूपावच्छिन्नस्यैवाज्ञाना-धारतावच्छेदकत्वात् GuruCandr. iii. 180. 11; LaCandr. 654. 27.

अज्ञानमूलतस् (ajñānamūla-tas) *adv.* due to having nescience as the root कामहेतौ हि विध्वस्ते न कश्चिदवशिष्यते । संस्कारो बाधवाप्यन्यः सर्वस्याज्ञानमूलतः BrĀraUBhVā. iv. 4. 379.

अज्ञानमूलत्व (ajñānamūla-tva) *n.* the state of being caused by (*lit.* rooted in) ignoaance भ्रान्तेरज्ञानमूलत्वात्तस्य भेदव्यपेक्षया AnuVyā. 16A. 8 (*on* 1. 4); श्रुतिषु कस्यचिदङ्गस्यानुक्तेरज्ञानमूलत्वायोगात् S'rutaPra. ii. 464. 17 (*on* iii. 3. 5); प्रतीतेरज्ञानमूलत्वसंभवात् TattvPrakā. 11B. 2 (*on* i. 1. 4); 21A. 2 (*on* i. 1. 17); धर्मादिसाक्षात्कारवतस्तस्य न रागद्वेषादिदोषाः संभवन्ति अज्ञानमूलत्वात्तेषाम् NyāySu. (Ja.) 82B. 10 (*on* i. 1. 1)

अज्ञानमृत्यु (ajñāna-mrtyu) *m.* **I** death (i. e. destroyer) in the

form of nescience प्रमादाख्य: अज्ञानमृत्यु: स प्रथममस्यात्मना परिणमते Sanat-Bh. 192. 11 (*on* 1. 7); 201. 18 (*on* 1. 16); **ii** death of an ignorant person (called *bālamaraṇa*) तद्भद्र कुरु सद्धर्मं विरमाज्ञानमृत्युत: PārśvaC. 6. 622.

अज्ञानमेरु (ajñāna-meru) *m.* mountain of ignorance कोऽज्ञानमेरु: Nāṭa. 4. 20.

अज्ञानमोचन (ajñāna-mocana) *n.* removal of ignorance अज्ञानमोचनं साध्यं विशेषज्ञो हि मोचक: S'ivaP. i. 18. 98 (23B. 7)

अज्ञानमोहतस् (ajñānamoha-tas) *adv.* due to infatuation caused by ignorance त्वया हि सुमहत्पापं कृतमज्ञानमोहत: LiṅgaP. ii. 3. 39.

अज्ञानमोहित (ajñāna-mohita) *adj.* deluded by ignorance व्यसनसागरात् । घोराद्य समुत्तीर्णावुभावज्ञानमोहितौ MahāBhā. viii. 49. 115; xiv. 85. 10; अवतीर्णस्त्वमित्युक्तो जनैरज्ञानमोहितै: ViṣṇuP. v. 34. 4 = BrahmP. 207. 4; संसारचक्र एतस्मिन् जन्तुरज्ञानमोहित: । भ्राम्यन् सुखं च दु:खं च भुङ्क्ते BhāgP. vi. 17. 18; ततो विध्वंसयामास यज्ञानज्ञानमोहित: BrahmP. 209. 5; द्विखण्डं तु चरं लिङ्गं कुर्वन्त्यज्ञानमोहिता: S'ivaP. i. 19. 33 (25B. 10); KathāSaSāg. iii. 2. 14; अज्ञानमोहितं प्रति तन्निवृत्तये पारमार्थिकनित्यत्वोपदेशसमये अहं त्वम् ··· इति व्यपदेशात् GītāBh.(Rā.) 60. 1 (*on* 2. 12); इति तत्र तु ये शून्यं वदन्त्यज्ञानमोहिता: AnuVyā. 68A. 11 (4. 2); सर्वजन्तव: । जायन्ते च म्रियन्ते च हा हन्ताज्ञानमोहिता: KulārT. 1. 71.

अज्ञानयामिनी (ajñāna-yāminī) *f.* night in the form of ignorance अहंभावोल्लसद्यक्षा क्षीणा नाज्ञानयामिनी YogVā. vi(2). 24. 18.

अज्ञानयोग (ajñāna-yoga) *m.* meditation of an ignorant person (false meditation) अज्ञानयोगमेतस्य भित्त्वा लोचनमानसे । अपप्तत्तां प्रदेशेषु तेषु तस्या: PadmP.(Ra.) 39. 192; अज्ञानयोगयुक्तस्य न त्वेतत्त्वयि विद्यते KūrmP. 663. 3(2. 31); [Abl.] due to ignorance तद्वदात्मनि देहत्वं पश्यत्यज्ञानयोगत: AparoAnu. 75; वयं भ्रामिता: सर्वथाज्ञानयोगात् GaṇeP. i. 13. 14.

अज्ञानयोगिन् (ajñāna-yogin) *adj.* who practises meditation out of ignorance, ignorant Yogin ज्वरश्च जायते सद्यस्तत्तदज्ञानयोगिन: MārkP. 39. 53; S'ārṅgaPa. 4509.

अज्ञानरजनी (ajñāna-rajanī) *f.* night in the form of ignorance सुखं तद्व: शास्तुर्दिशतु शिवमज्ञानरजनीव्यवच्छेदोद्गच्छन्महिमघनसंध्यातप इव Subhā-RaK. 1. 12.

अज्ञानरज्जु (ajñāna-rajju) *f.* rope of ignorance अज्ञानरज्ज्वा बद्धानाम् ··· । महादेवादृते नान्यं शक्र पश्यामि मोचकम् SaurP. 32. 29.

अज्ञानरहित (ajñāna-rahita) *adj.* devoid of ignorance or nescience मलरहितानज्ञानरहितान् GītāBh.(Rā.) 593. 2 (*on* 14. 14); अनिद्रमज्ञानरहितम् VedāntKa. 234. 10 (*on* ii. 1. 11)

अज्ञानराशि (ajñāna-rāśi) *m.* name of an ascetic विक्रीतलज्जो रमयन्मुजङ्गानज्ञानराशि: समुपागतोऽयम् LaṭaMe. 1. 29; तापसो ऽज्ञानराशिश्च Campa-S'reKa. 398.

अज्ञानरिपु (ajñāna-ripu) *m.* enemy in the form of ignorance अहम् ···अज्ञानरिपुणा हत: YogVā. v. 35. 41.

अज्ञानरूप (ajñāna-rūpa) *adj.* [*f.* -ā] **i** having the form of ignorance, of the nature of ignarance तस्मात्सिद्धं ग्राहकाद्भिन्नं ग्राह्यमज्ञानरूपं च TātpaT(U.) 275. 11 (*on* 5(4). 147); अज्ञानरूपक्रियाजन्यस्य अतिशयस्य आवरणरूपस्यैव प्रकृते कर्मत्वात्मकत्वात् JñānBiPra. 2. 14; तर्हि किंरूपा सा (माया) कल्प्यते अज्ञानरूपा इति चेत् तदज्ञानं भावरूपमभावरूपं वेति विवेचनीयम् Bhāsk. 13. 1 (*on* i. 1. 1); **ii** of the nature of the absence of knowledge यत्त्वज्ञानरूपमप्रामाण्यं तत्र दोषाणां व्यापारो नैवास्माकमपि विद्यते NyāyRa. 62. 8 (*on* 2. 55); 210. 16 (*on* 5. 9); **iii** of the nature of what is other than knowledge अज्ञानरूपस्य संनिकर्षादे: प्रामाण्यसमर्थनमयुक्तम् PramāMī. 22. 30 (*on* i. 1. 29); 3. 2 (*on* i. 1. 2); **iv** of the nature of nescience तावताप्यज्ञानरूपासिद्धिरेव SiddhāMu. 44. 21 (*on* 74); अज्ञानरूपावरणाभिभवाय तत्संश्लेष आवश्यक: Advai-Si. 482. 8; वैचित्र्यस्याप्यज्ञानरूपशक्तिविशेषरूपत्वात् GuruCandr. iii. 3. 11; *n.* (essential) nature of the absence of knowledge अज्ञानरूपविपरीतं विज्ञानरूपम् NyāyRa. 307. 20 (*on* 5(3). 145)

अज्ञानरूपता (ajñānarūpa-tā) *f.* the state of being of the nature of what is other than knowledge अज्ञानरूपतायां पुन: प्रमाणम् NyāyVārPari. 519. 5.

अज्ञानरूपत्व (ajñānarūpa-tva) *n.* the state of being of the nature of ignorance अस्य ह्यज्ञानरूपत्वे ज्ञानरूपस्मृतिजनकत्वं न स्यात् PramāMī. 22. 6 (*on* i. 1. 29); किमिदं जडत्वं नाम । ··· अज्ञानरूपत्वं वा अस्वप्रकाशत्वं वा Vādā. 48. 8.

अज्ञानरूपदोष (ajñānarūpa-doṣa) *m.* fault or defect in the form of ignorance विरुद्धयोर्जीवब्रह्मणोरैक्यमज्ञानरूपदोषमूलमन्यतरमिथ्यात्वमन्तरेण नोपपद्यते NītiMā. 21. 14; अज्ञानरूपदोषप्रयुक्तधीविषयत्वयोग्यत्वं स्वाश्रयनिष्ठाभावप्रतियोगितारूपम् GuruCandr. ii. 313. 21.

अज्ञानरूपहेतु (ajñānarūpa-hetu) *adj.* whose cause or reason is in the form of insentient (body) अज्ञानरूपहेतुस्तद्धेतुत्वप्रसङ्गत: NyāyVi. 2. 79 (comm. अज्ञानं अचेतनं रूपं स्वभाव: यस्य शरीरस्य स एव हेतु: कारणं यस्य स:)

अज्ञानरूपिन् (ajñāna-rūpin) *adj.* having the form of ignorance प्रत्यग्याथात्म्यविज्ञानं मृत्युरज्ञानरूपिण: BṛĀraUBhVā. iii. 2. 19.

अज्ञानलक्षण (ajñāna-lakṣaṇa) *adj.* **i** characterised by ignorance, caused by ignorance तमस: परस्तात् अज्ञानलक्षणात् मोहान्धकारात् परं तम् अनुचिन्तयन् याति GītāBh.(S'aṅ.) 237. 17 (*on* 8. 9); ChāndoUBh. 191. 9; विचित्रो जायते बुद्धे: प्रत्ययोऽज्ञानलक्षण: (comm. अज्ञानोपाधिनिबन्धन इत्यर्थ:) UpadeSā. 257. 35; BṛĀraUBhVā. (Sambandha.) 903; अज्ञानलक्षणे तु प्रपञ्चविलासेऽनुपपत्तिचोद्यं चाचोद्यमेव BālaKrī. ii. 33. 9 (*on* 3. 70); स्वयमेव कृतं पूर्वमज्ञानलक्षणं महत् SkandP. i(1). 15. 41; **ii** of the nature of the absence of knowledge तत्राज्ञानलक्षणस्याप्रामाण्यस्य दोषाधीनत्वं नास्ति NyāyRa. 58. 20 (*on* 2. 45); *n.* definition of ignorance or nescience स्वयमेव हि···अज्ञानलक्षणमभिधाय NyāySu.(Ja.) 20A. 10 (*on* i. 1. 1); भ्रमोपादानत्वमज्ञानलक्षणम् AdvaiSi. 545. 22.

अज्ञानलिङ्ग (ajñāna-liṅga) *n.* inferential mark of ignorance अज्ञानलिङ्गान्येतानि कुत: सन्ति चिदात्मनि AdhyāRā. vi. 1. 52.

अज्ञानलीन (ajñāna-līna) *adj.* hidden in or covered by ignorance or nescience अज्ञानलीनमखिलं जगदस्ति सूक्ष्मम् SaṁkṣeS'ā. 3. 120 (ii. 220. 20)

अज्ञानलेश (ajñāna-leśa) *m.* trace of ignorance अतोऽज्ञानलेशादेव तद्विदश्शरीराद्याभास एष्टव्य: IṣṭaSi. 76. 19; 74. 15; जीवन्मुक्तावज्ञानलेशानुवृत्त्यभ्युपगमेन सांशत्वात् SiddhāLeSaṁ. 110. 2.

अज्ञानवचन (ajñāna-vacana) *n.* expression of ignorance दुर्ज्ञानत्वादज्ञानवचनं गौणम् S'ābaBh. 128. 7 (*on* i. 2. 13); 1667. 5 (*on* ix. 1. 25); इति भवत्यज्ञानवचनस्य प्रत्यक्षविरोध: TantrVār. 7. 9 (*on* i. 2. 2); 30. 23 (*on* i. 2. 13); NyāySu.(So.) 63. 16 (*on* i. 2. 13)

अज्ञानवञ्चिता (ajñāna-vañcitā) *adj.* (*f.*) deceived by ignorance नैवोपलक्षितासि त्वं धिग् मामज्ञानवञ्चिताम् MalliC. 6. 376.

अज्ञानवत् (ajñāna-va(n)t) *adj.* possessing ignorance, ignorant अज्ञानवत्यपि सदैव कथंचिदेव ज्ञानं त्वयि स्फुरति विश्वविकासहेतु: KalyāMaSt. 30 (पक्षे अज्ञान् अवति अपि); जातकर्म कृतं नास्य पित्राज्ञानवता हरे SkandP. iv. 28. 51; BhaviP. 582B. 22 (iii(4). 18. 22); येऽज्ञानवन्त: पुरुषा जगत्त्रये वैरं विकुर्वन्ति महात्मभि: समम् PadmP. ii. 55. 6; ब्रह्म च पुनर्न जीवस्यात्ममात्रं अज्ञानवद्वा AṇuBh. 16. 25 (*on* i. 1. 3)

अज्ञानवत्त्वप्रकारकत्व (ajñānavattvaprakāraka-tva) *n.* the state af having the possession of nescience as an adjunct शुद्धचितोऽज्ञानाश्रयत्वविषयकप्रत्ययान्तराभावादयं प्रत्ययोऽहमर्थेऽज्ञानवत्त्वा(? त्व)प्रकारकत्वेन न निर्णेतुं शक्यत इति न युक्तम् GuruCandr. ii. 367. 18.

अज्ञानवधिन् (ajñāna-vadhin) *adj.* who kills through ignorance अज्ञानवधिनां दण्डो विहित: MahNirvāT. 11. 73.

अज्ञानवर्जितता (ajñānavarjita-tā) *f.* the state of being free from ignorance अज्ञानवर्जिततया परमेश्वरोऽसौ सर्वज्ञ एव SaṁkṣeS'ā. 2. 183 (ii. 111. 20)

अज्ञानवर्त्मन् (ajñāna-vartman) *n.* path of ignorance आदित्यादेरिहावाप्तिरात्मनोऽज्ञानवर्त्मना BṛĀraUBhVā. iv. 3. 90.

अज्ञानवलित (ajñāna-valita) *adj.* covered with ignorance, full of ignorance अज्ञानवलितो बाल्ये मदमूढश्च यौवने । ··· कदा कुशलभाग्जन: Subhāṣi. 3302.

अज्ञानवश (ajñāna-vaśa) *m.* influence of ignorance [Abl.] due to ignorance, under the influence of ignorance तदेव वाच्यं प्रणवो हि वाचको विभाव्यतेऽज्ञानवशान्न बोधत: AdhyāRā. vii. 5. 48; iii. 9. 33; उदेति दोषादपि दोषलाघवं कृशत्वमज्ञानवशादिवैनस: NaiṣC. 9. 132; NyāySu.(Ja.) 30A. 8 (*on* i. 1. 1); तव सुतेनाज्ञानवशात्तथा कृतम् SiṁhāDvā. 219. 12 (3); अज्ञानवशादन्यथासतोऽन्यथा प्रत्ययो जायते VedāntKau. 424. 19 (*on* iv. 4. 4); 126. 6 (*on* i. 4. 10); यथा रज्जुरज्ञानवशात् सर्पदण्डधारादिरूपेण विवर्तते SarvaDaKau. 122. 11; यदर्थमज्ञानवशाद् भ्रमन्ति स्वस्वाभिमानाद् ग्रहगोलविज्ञा: SiddhāTaVi. 225. 2; विचित्रा: शक्तिसमूहा जीवे विद्यमाना अप्यज्ञानवशात्तिरोहिता: LalitāSaBh. 43. 31 (*on* 75); [Inst.] due to ignorance (अन्त:पुरान्त:) सोऽज्ञानवशेन प्रविशेदपि PariPar. 3. 275.

अज्ञानवह्नि (ajñāna-vahni) *m.* fire in the form of ignorance अज्ञानवह्निसंतप्तं निर्वापयति य: शनै: । ज्ञानामृतेन BhaviP. 278A. 24 (i. 187. 31)

अज्ञानवाच् (ajñāna-vāc) *f.* words of ignorance, foolish words अथाह गुरुरज्ञानवागेषा ते PrabhāC. 93. 29.

अज्ञानवाचोयुक्ति (ajñāna-vācoyukti) *f.* use of the word *ajñāna* (ignorance) अतोऽज्ञानवाचोयुक्त्यर्थं एवाभिमत: Kāśi. ii. 153. 13 (*on* 5. 143)

अज्ञानवादन (ajñāna-vādana) *n.* playing on (a musical instrument) without proper knowledge एते स्वरा महाभाग मूर्च्छिता: पतिता भुवि । अज्ञानवादनेनैव पापं जातं तवाधुना SkandP. vii(1). 152. 8.

अज्ञानवाराकर (ajñāna-vārākara) *m.* ocean of ignorance आलोकये कंचन देशिकेन्द्रमज्ञानवाराकरवाडवाग्निम् DakṣiMūSt. 10.

अज्ञानवासना (ajñāna-vāsanā) *f.* latent impression of ignorance अभेदज्ञानमभ्यस्यमानमज्ञानवासनामुच्छिनत्ति BrahmSūBh.(Bhā.) 3. 22 (*on* i. 1. 1)

अज्ञानविकारास्पद (ajñānavikārāspada) *n.* substratum of modifications of nescience नन्वज्ञानविकारास्पदहेयप्रपञ्चरूपेण प्रकृतिभावेन कथं वर्तते ··· परमशिव: BrahmSūBh.(S'rī.) i. 565. 2 (*on* i. 4. 27)

अज्ञानविघातिन् (ajñāna-vighātin) *adj.* destroyer of ignorance or nescience यावन्नोपैति चरणौ तवाज्ञानविघातिन: । तावद् भ्रमति संसारे पण्डितोऽचेतनोऽपि वा BrahmāṇḍP. ii. 25. 27; तेनानुभवसिद्धानां लोकेऽज्ञानविघातिन: । मातृमक्षादयो यान्ति BṛĀraUBhVā. (Sambandha.) 1003.

अज्ञानविच्छित्ति (ajñāna-vicchitti) *f.* destruction or termination of ignorance तस्मादज्ञानविच्छित्त्यै ज्ञानं संपादयेत् SarvaVeSāSaṁ. 518; ननु नाज्ञानविच्छित्ति: परोक्षज्ञानतस्तत: VedāntSiSūMañ. 1. 86.

अज्ञानविच्छेद (ajñāna-viccheda) *m.* destruction of ignorance or nescience तस्मादज्ञानविच्छेद: BṛNāraP. 31. 71.

अज्ञानविच्छेदन (ajñāna-vicchedana) *n.* destruction or termination of ignorance अज्ञानविच्छेदनदात्ररूपाम् ··· विश्वस्य धात्रीं गिरमानतोऽस्मि VīraBhā. 1. 2.

अज्ञानविच्छेदिन् (ajñāna-vicchedin) *adj.* destroying ignorance or nescience नाकारमादास्यते ··· तव विभोरज्ञानविच्छेदिन: SaṁkṣeS'ā. 1. 254 (i. 195. 12)

अज्ञानविजृम्भित (ajñāna-vijṛmbhita) *adj.* produced by ignorance संसारबन्धनात् जन्म अज्ञानविजृम्भितानामविद्याकार्याणां उपलक्षणम् ViṣṇuSaBh. 3. 5 (*on* 3); त्वय्यज्ञानविजृम्भिता न हि गिरो मुख्यप्रवृत्तिक्षमा: SaṁkṣeS'ā. 1. 239 (i. 183. 14); (शतमन्यु:) अज्ञानविजृम्भितोपालम्भसंभवमट्टहासमिव ··· अशृणोत् NīlaVi. 20. 6; *n.* display of ignorance तस्मादज्ञानविजृम्भितमेतत् NaiṣkaSi. 74. 4; व्याकृतिर्योदिता पूर्वं तदज्ञानविजृम्भितम् BṛĀraUBhVā. iv. 4. 417; पलायते स्वयं चैव पश्याज्ञानविजृम्भितम् YogVā. iii. 99. 36; किंनरीवादका: प्राय: स्थायिनं पञ्चमं स्वरम् । रागे कुर्वन्ति बङ्गाले तदज्ञानविजृम्भितम् SaṁgīRa. 6. 334; AdvaiSi. 597. 1; तदिदमज्ञानविजृम्भितम् MānaMe. 157. 8.

अज्ञानविजृम्भितत्व (ajñānavijṛmbhita-tva) *n.* the state of being the result of ignorance or product of ignorance or nescience जगतो ज्ञानैकस्वरूपब्रह्माज्ञानविजृम्भितत्वम् S'rīBh. 103. 13 (*on* i. 1. 1); चिन्मात्रब्रह्मणोऽज्ञानविजृम्भितत्वं जगत: प्रतिज्ञायते S'rutaPra. i(A). 81. 22; तद्वयं नाङ्गीकुर्म: तस्याज्ञानविजृम्भितत्वात् S'aṅkaVi.(Ā.) 144. 7.

अज्ञानविधि (ajñāna-vidhi) *m.* injunction of ignorance (about a person being a Brahmin) पूर्ववच्चात्रापि क्लृप्तत्वात्प्रत्यक्षस्य कल्प्येनाज्ञानविधिना सह विकल्पो संभवति TantrVār. 7. 23 (*on* i. 2. 2)

अज्ञानविध्वंस (ajñāna-vidhvaṁsa) *m.* destruction of ignorance or nescience न युक्तोऽज्ञानविध्वंसो बलात्कल्पयितुं त्वया BṛĀraUBhVā. iii. 3. 100; ii. 4. 331.

अज्ञानविध्वंसन (ajñāna-vidhvaṁsana) *m.* name of a former Buddha [DBHS]

अज्ञानविध्वस्ति (ajñāna-vidhvasti) *f.* destruction of ignorance or nescience ज्ञानेनाज्ञानविध्वस्ते: प्रात्यक्ष्यात्तदसद्वच: BṛĀraUBhVā. iii. 3. 97; iv. 4. 559.

अज्ञानविनिवर्तन (ajñāna-vinivartana) *n.* removal of ignorance प्रमाणस्य फलं साक्षादज्ञानविनिवर्तनम् Nyāyāva. 28.

अज्ञानविनिवृत्ति (ajñāna-vinivṛtti) *f.* removal of ignorance अज्ञानविनिवृत्तौ तु शिवज्ञानं प्रवर्तते S'ivaP. i. 17. 101 (20A. 15)

अज्ञानविपर्यय (ajñāna-viparyaya) *m.* reverse of ignorance, opposite of ignorance ज्ञानं नामाज्ञानविपर्ययस्तत्त्वभावभूतानां सम्बोध: TattvSa. 119. 9.

अज्ञानविप्लव (ajñāna-viplava) *m.* confusion caused by ignorance यस्मिन् रमन्ते मुनयो विद्ययाज्ञानविप्लवे AdhyāRā. i. 3. 40.

अज्ञानविभावरी (ajñāna-vibhāvarī) *f.* night of ignorance कदा मदज्ञानविभावरीं हरे हरिष्यति त्वन्नयनारुणोदय: KaruṇāL. 6.

अज्ञानविमोहित (ajñāna-vimohita) *adj.* deluded by ignorance यक्ष्ये दास्यामि मोदिष्य इत्यज्ञानविमोहिता: BhagGi. 16. 15; BṛBrahmaS. iv. 10. 18; (विष्णो) मनुष्यगतिक: प्रायो भवाज्ञानविमोहित: S'ivaP. ii(1). 4. 17 (40B. 15)

अज्ञानविरोधिता (ajñānavirodhi-tā) *f.* the state of being opposed to ignorance or nescience अज्ञानविरोधितावच्छेदकविशिष्टापरोक्षस्य ··· अभावात् GuruCandr. i. 404. 20.

अज्ञानविरोधित्व (ajñānavirodhi-tva) *n.* the state of being opposed to ignorance or nescience अनुभूतिव्यतिरिक्तेषु सर्वेष्वपि साक्षादज्ञानविरोधित्वाभावात् S'atDū. 111. 11; वृत्तिचितोरज्ञानविरोधित्वाविरोधित्वे ··· युक्ते Nyāyāmṛ. 360B. 8; ज्ञानत्वम् ···अज्ञानविरोधित्वं वा AdvaiSi. 750. 6; वह्न्यादेरज्ञानविरोधित्वादिरूपोक्तसम्बन्धस्य अतात्त्विकत्वात् GuruCandr. i. 158. 21; SiddhāSi. i. 22. 20.

अज्ञानविरोधिन् (ajñāna-virodhin) *adj.* [*f.* -nī] opposed to ignorance, incompatible with ignorance ब्रह्म तु स्वानुभवसिद्धस्वयाथात्म्यमिति स्वाज्ञानविरोध्येव S'rīBh. 84. 8 (*on* i. 1. 1); अथ विशदस्वरूपावभासोऽज्ञानविरोधी NītiMā. 23. 2; किं वा आत्मा अज्ञानविरोधिस्वरूप: प्रकाशत्वात् VivaPraSaṁ. 56. 14; अथ विशद: स्वरूपावभास एवाज्ञानविरोधी नाज्ञानेन सह भासते SarvaDaSaṁ.4. 72; न च परोक्षवृत्तिरज्ञानविरोधिनी नेति युक्तम् Nyāyāmṛ. 315B. 7.

अज्ञानविलसित (ajñāna-vilasita) *n.* display of ignorance, effect of ignorance रूप्यादिवत्तज्ज्ञानमप्यज्ञानविलसितमित्युक्तम् IṣṭaSi. 94. 15; उन्मादयोग इव प्रसवभूमिरज्ञानविलसितस्य YaśasCam. i. 281. 4; यदभाणि तदज्ञानविलसितम् BrahmSūBh.(S'rī) i. 194. 1 (*on* i. 1. 5); PūrvottaVāNaMā. 297. 10; तथापि पुत्रवात्सल्येनेदमज्ञानविलसितमनुशीलितम् CaitaCa. 91. 4 (4); JñānaBiPra. 22. 31; VīraMi.(Vyavahāra.) 81. 26; 335. 31; दोषस्याज्ञानविलसितत्वात् BālamBha. ii. 262. 24 (*on* 2. 145)

अज्ञानविवेकदर्शिन् (ajñānavivekadars'-in) *adj.* who realises the distinctive nature of ignorance न च अज्ञानविवेकदर्शी अज्ञानम् आत्मन: कर्मभूतमुपलभमान: उपलब्धृधर्मत्वेन गृह्णाति BṛĀraUBh.(S'aṅ.) 622. 16 (*on* iv. 4. 6)

अज्ञानविशेष (ajñāna-viśeṣa) *m.* a specific type of nescience or ignorance अथाज्ञानविशेषनिरासकवृत्तिमेदजननादर्थवत्तेति मतम् NyāyKu. 73. 6; Nyāyāmṛ. 350A. 5; सामग्रीविशेषजन्यत्वमज्ञानविशेषनाशकत्वे प्रयोजकम् GuruCandr. iii. 43. 19; चैतन्ये अज्ञानविशेषाङ्गीकारसंभवात् GuruCandr. i. 55. 10; LaCandr. 299. 11; 778. 27.

अज्ञानविशेषणता (ajñānaviśeṣaṇa-tā) *f.* the state of being an adjunct (qualification) of ignorance अज्ञानविशेषणतया सदा घटादिभानं तु इष्टमेव SiddhāTa. 9. 15; GuruCandr. i. 246. 21.

अज्ञानविशेषत्व (ajñānaviśeṣa-tva) *n.* the state of being a particular form of ignorance अतोऽनादित्वसामान्यं बुद्धानामभिधीयते । मीमांसकायमानैस्तैर्यद्वेदाध्यायिनामिव । तदज्ञानविशेषत्वान्न तेषां याति तुल्यताम् TattvSaṁ. 3182; Nyāyāmṛ. 130A. 8.

अज्ञानविशेषित (ajñāna-viśeṣita) *adj.* qualified by nescience अज्ञानविशेषितोऽर्थ: साक्षिसिद्ध: NyāySu.(Ja.) 63A. 12 (*on* i. 1. 1)

अज्ञानविषय (ajñāna-viṣaya) *adj.* **i** having nescience as the object न हि अज्ञानविषयेण ज्ञानेनाज्ञानं निवर्त्यते BrahmSūBh.(Rā.) 87. 12 (*on* i. 1. 1); अज्ञानविषयाज्ञानाभावेन तदयोगात् AdvaiSi. 557. 25; **ii** relating to (what is done through) ignorance प्राणायामत्रयं कृत्वा घृतं प्राश्य विशुद्ध्यति इति । इदमज्ञानविषयम् Mitā. 495. 2 (*on* 3. 289); 261. 15 (*on* 2. 159); एतच्चाज्ञानविषयम् ManvaMu. 468. 7 (*on* 11. 86); 472. 30 (*on* 11. 105); *m.* object of nescience तस्याज्ञानविषयप्रतिभासत्वात् NyāySu.(Ja.) 62B. 7 (*on* i. 1. 1); वृत्तिरज्ञानविषयभूतचिद्विषया Nyāyāmṛ. 368A. 7; ब्रह्मैवाज्ञानविषय: SiddhāLeSaṁ. 234. 5; अधिष्ठानतत्त्वशब्देन अज्ञानविषयसंबन्धिनोऽनारोपितस्वरूपस्योक्त्या GuruCandr. i. 366. 16; ii. 62. 15; ii. 166. 12; पक्षपरत्वे चाज्ञानविषयविषयकज्ञानाबाध्यानात्मप्रसिद्धि: LaCandr. 409. 22.

अज्ञानविषयक (ajñānaviṣaya-ka) *adj.* which has nescience for its object अनुभूयते ह्यज्ञानविषयकानुमित्यादिरूपवृत्तिवदज्ञानविषयकसाक्षिणोऽप्यज्ञानविषयकाज्ञानविरोधित्वम् Nyāyāmṛ. 365A. 7–8; 365B. 5; प्रमाणवृत्तिसामान्यविरोधित्वेनाज्ञानविषयकोक्तधीकालेऽज्ञानाकाराया: प्रमाणवृत्तेरावश्यकत्वात् GuruCandr. ii. 374. 16.

अज्ञानविषयकत्व (ajñānaviṣayaka-tva) *n.* the nature of being that which has nescience for its object तस्यामेवाज्ञानविषयकत्वं स्वीकृत्याज्ञानांशेऽप्यनुभूयमानं स्मृतित्वम् ··· नापलपितुं युक्तम् GuruCandr. ii. 405. 14.

अज्ञानविषयता (ajñānaviṣaya-tā) *f.* the nature of being the object of nescience न च स्वरुक्त्वेनाप्यज्ञानविषयतया अज्ञादन्यद् ब्रह्म भाति जनस्य IṣṭaSi. 327. 4; तथापि सविशेषत्वाङ्गीकारादज्ञानविषयतोपपत्ति: NyāySu.(Ja.)

64B. 2 (*on* i. 1. 1); स्वाप्नस्य प्रातिभासिकत्वेनाज्ञानविषयतानवच्छेदकत्वात् GuruCandr. i. 55. 8; ii. 65. 9; ii. 161. 10; अज्ञानविषयतानवच्छेदकत्वं प्रातीतिके सर्वत्र स्वकालावच्छेदेनास्ति LaCandr. 330. 32; 489. 12.

अज्ञानविषयत्व (ajñānaviṣaya-tva) *n.* **i** the state of having nescience as the object अज्ञानविषयत्वमस्तु ततः किमित्यत्राह न हीति S'rutaPra. iB. 9. 20 (*on* i. 1. 1); **ii** the nature of being the object of nescience अज्ञातत्वं नाम अज्ञानविषयत्वम् VivaPraSaṁ. 23. 17; निर्गुणब्रह्मतया अज्ञान-विषयत्वाश्रयत्वाभ्यामप्राप्तपुरुषार्थरूपतया संसारदशायां प्रतीयमानत्वात् LalitāTri-Bh. 289. 3 (*on* 19); प्रकाशमानस्यात्मनोऽज्ञानविषयत्वे Nyāyāmṛ. 370A. 5; अज्ञानविषयश्च शुद्धं ब्रह्म अज्ञानकल्पितस्य तदितरस्याज्ञानविषयत्वायोगात् AdvaiSi. 678. 5; जडे आवरणकृत्याभावेनाज्ञानविषयत्वानुपगमात् SiddhāLeSaṁ. 234. 4; 413. 5; रजताभावादौ साक्षिण्युत्पन्ने प्रकाशप्रसक्त्या तदवच्छेदेनाज्ञानविषयत्वसंभवात् GuruCandr. i. 55. 14; ii. 94. 14; ब्रह्मनिष्ठस्याज्ञानविषयत्वाभावस्य धीः LaCandr. 299. 7; 402. 38.

अज्ञानविषयिता (ajñāna-viṣayitā) *f.* subjectness of nescience असंबद्धस्यापि …अतीतानागतयोरिव ज्ञानविषयितायामिवाज्ञानविषयितायामप्यवच्छेदकत्वसंभवात् LaCandr. 330. 41.

अज्ञानविषयीभूत (ajñāna-viṣayībhūta) *adj.* which has become the object of nescience अज्ञानविषयीभूतं चैतन्यमीश्वरः SiddhāBi. 47. 3; घटावच्छिन्न-चैतन्यविषया वा वृत्तिरज्ञानविषयीभूतकेवलचिद्विषयत्वादज्ञानविरोधिनी न स्यात् AdvaiSi. 591. 4.

अज्ञानविस्तीर्णमरु (ajñāna-vistīrṇamaru) *m.* wide-desert of ignorance अज्ञानविस्तीर्णमरौ … स्ववासनानाममरीचिवारि परिस्फुरति YogVā. v. 19. 41 (*but* comm. अज्ञानलक्षणेन आतपेन विस्तीर्णे आच्छन्ने मरौ मरुभूमिसदृशे आत्मनि)

अज्ञानविहितागस् (ajñānavihitāgas) *adj.* who has committed sin through ignorance (i. e. unknowingly) प्रसीद देवि शापान्तं कुर्वस्या दुहितुर्मम । एतेषां च स्वभृत्यानामज्ञानविहितागसाम् KathāSaSāg. xvii. 1. 73.

अज्ञानवृत्ति (ajñāna-vṛtti) *f.* **i** modification of nescience अज्ञानवृत्तयो नाना तत्तद्गुणविलक्षणाः SarvaVeSāSaṁ. 316; ससर्जाग्रे … । महामोहं च मोहं च तमश्चाज्ञानवृत्तयः BhāgP. iii. 12. 2; अज्ञानवृत्तयः सूक्ष्मा विस्पष्टा बुद्धि-वृत्तयः PañcDa. 11. 66; ईश्वरप्राज्ञौ चैतन्यप्रदीप्ताभिरतिसूक्ष्माभिरज्ञानवृत्तिभिरा-नन्दमनुभवतः VedāntSā.(Sa.) 7. 8; मिथ्याग्रहास्मिमतिरागविकोपभीतिरज्ञानवृत्ति-मिति पञ्चविधां स सृष्ट्वा Nāräy. iii. 10. 2; **ii** evil or wrong impression मनो महामयोत्तप्तं क्षुब्धमज्ञानवृत्तिषु । मामुद्धर YogVā. vi(2). 6. 3 (comm. अज्ञान-वृत्तिषु दुर्वासनासु); *adj.* existing in nescience अज्ञानवृत्तिभेदादिप्रतियोगितया सिद्धसाधनस्य वारणाय विशेषणम् GuruCandr. i. 96. 16.

अज्ञानवृत्तित्व (ajñānavṛtti-tva) *n.* the state of existing in nescience शक्तीनामज्ञानवृत्तित्वं न त्ववस्थानाम् GuruCandr. ii. 156. 12.

अज्ञानवृत्तिप्रतिबिम्बित (ajñānavṛtti-pratibimbita) *adj.* reflected in the modification of nescience अज्ञानस्याज्ञानवृत्तिप्रतिबिम्बितसाक्षिभास्यत्वेन वृत्ति-नाशादेव संस्कारोपपत्तेः AdvaiSi. 557. 22; 558. 8.

अज्ञानवृत्तिप्रतियोगित्व (ajñānavṛttipratiyogi-tva) *n.* counter correlativeness existing in nescience अज्ञानवृत्तिप्रतियोगित्वं लक्षणं निर्दोषम् GuruCandr. i. 96. 11.

अज्ञानवैभव (ajñāna-vaibhava) *n.* magnitude of nescience अज्ञान-वैभवादेव दुःखमाप्नोति मानवः SkandP. iii(1). 45. 36.

अज्ञानवैयर्थ्य (ajñāna-vaiyarthya) *n.* purposelessness of nescience मोक्षेऽप्यप्रकाशापातात् । अज्ञानवैयर्थ्याच्च Nyāyāmṛ. 395B. 8; आवरणविक्षेपकार्य-सिद्धेरज्ञानवैयर्थ्यात् GuruCandr. ii. 156. 1.

अज्ञानव्यक्त्यन्तर (ajñāna-vyaktyantara) *n.* another instance of nescience तत्राकारः जातिशक्त्यादिरूपो धर्मो वा … अज्ञानव्यक्त्यन्तरं वा Nyāyāmṛ. 639B. 3.

अज्ञानव्यतिरिक्तदोष (ajñānavyatirikta-doṣa) *m.* defect other than nescience अध्यक्षधीः अज्ञानव्यतिरिक्तदोषमहिमाजन्यं प्रपद्यास्पदम् । …बोभवीति… सफला YātrāPra. 6. 163.

अज्ञानव्यतिरेक (ajñāna-vyatireka) *m.* [Inst.] without nescience न च अज्ञानव्यतिरेकेण मोक्षस्य व्यवधानान्तरं कल्पयितुं शक्यम् BṛĀraUBh. 388. 10 (*on* iii. 3. 1); अतोऽज्ञानव्यतिरेकेण असत इव जडस्यापि स्वरूपासिद्धेः IṣṭaSi. 200. 8.

अज्ञानव्यभिचरित (ajñāna-vyabhicarita) *n.* adultery through ignorance चान्द्रायणं कुर्यात् सकृदज्ञानव्यभिचरिताविषयमल्पत्वात् ManvaMu. 485. 2 (*on* 11. 171)

अज्ञानव्यवच्छेद (ajñāna-vyavaccheda) *m.* exclusion of ignorance बुद्ध्यधिकारेण ज्ञानमिति लब्धे अज्ञानव्यवच्छेदः Kiraṇā. 276. 23.

अज्ञानव्यवधान (ajñāna-vyavadhāna) *n.* **A** obstacle in the form of ignorance अज्ञानव्यवधाननिवर्तकत्वात् ज्ञानस्य मोक्षो ज्ञानकार्यमित्युपचर्यते BṛĀraUBh. 388. 8 (*on* iii. 3. 1); कामानुपपाद्याज्ञानव्यवधानं ज्ञानप्रशंसार्थमुक्त्वा AṇuBh. 201. 12 (*on* iii. 2. 31); **B** intervention by nescience अत एव प्रमाणव्यवधानेनाज्ञानव्यवधानेन च… घटादयो न केवलसाक्षिवेद्याः SiddhāTa. 6. 22.

अज्ञानव्यवहार (ajñāna-vyavahāra) *m.* use of (the concept of) ignorance or nescience इतरथा ह्यज्ञानव्यवहारः क्वापि न स्यात् NyāyKu. 78. 11; तदवच्छिन्नचैतन्याज्ञानादेव तत्रापि अज्ञात(v. l. अज्ञान)व्यवहारोपपत्तेः SiddhāBi. 52. 6.

अज्ञानव्यवहित (ajñāna-vyavahita) *adj.* concealed by nescience अज्ञानव्यवहितस्य च तस्य प्राप्तिः SiddhāBi. 145. 2.

अज्ञानव्याप्य (ajñāna-vyāpya) *adj.* invariably concomitant with nescience अज्ञानव्याप्यस्य निवृत्तिरपि अज्ञाननिवृत्तिद्वारा तादृशी GuruCandr. i. 103. 20.

अज्ञानव्यावर्तक (ajñāna-vyāvartaka) *adj.* which defines or limits the (specific) nescience अहं घटं न जानामीत्यत्राज्ञानव्यावर्तको घटो न तावत्संबन्धरहितेन साक्षिणा प्रत्येतुं योग्यः VivaPraSaṁ. 20. 7.

अज्ञानव्यावर्तकता (ajñānavyāvartaka-tā) *f.* the state of defining or limiting the (specific) nescience अन्यस्तु अज्ञानव्यावर्तकतया … अवभास्यते NyāySu.(Ja.) 62B. 9 (*on* i. 1. 1)

अज्ञानव्यावर्तकत्व (ajñānavyāvartaka-tva) *n.* the state of defining or limiting the (specific) nescience विशेषस्य चाबुद्धस्याज्ञानव्यावर्तकत्वेन प्रति-भासायोगात् VedāntKa. 173. 26.

अज्ञानव्यावृत्ति (ajñāna-vyāvṛtti) *f.* **i** exclusion of non-knowledge तदेव ज्ञानमज्ञानव्यावृत्तिकल्पितज्ञानत्वांशं फलम् Bhām. 438. 11 (*on* ii. 2. 28); 438. 15 (*on* ii. 2. 28); अज्ञानव्यावृत्त्यात्मकापोहरूपेण कल्पितो ज्ञानत्वसामान्यरूपोंऽशो यस्य तत् VedāntKa. 285. 22; **ii** removal of ignorance सर्वत्राज्ञानव्यावृत्तेर्ज्ञान-मात्रतन्त्रतादर्शनात् PrakaVi. 64. 17.

अज्ञानव्याहति (ajñāna-vyāhati) *f.* contradiction of nescience तादृशाधिष्ठानज्ञानस्येदानीमपि सत्त्वात् अज्ञानव्याहतिः GuruCandr. i. 404. 15.

अज्ञानशक्ति (ajñāna-śakti) *f.* power in the form of ignorance चैतन्यस्याज्ञानशक्तेरनादेर्जीवत्वं तु व्यञ्जकं कल्पयन्तः । जीवारूढं व्यक्तमज्ञानमाहुः SaṁkṣeS'ā. 2. 192 (ii. 116. 2); (शुक्त्यादिज्ञानस्याज्ञानात्मिका) अज्ञानशक्त्यभि-भावकत्वं न युक्तम् GuruCandr. ii. 155. 21; शुक्त्यादिज्ञानस्याज्ञानशक्तिनाशकत्व-मुक्तम् LaCandr. 489. 13.

अज्ञानशङ्का (ajñāna-śaṅkā) *f.* doubt about ignorance प्राश्निकेष्वज्ञान-शङ्कया सभ्यानां वरणम् NyāySu.(Ja.) 273B. 9 (*on* ii. 1. 2)

अज्ञानशमन (ajñāna-śamana) *n.* removal (*lit.* pacification) of ignorance नैव राज्येन महता …। प्राप्तमज्ञानशमनं परलोके सुखावहम् BhaviP. 278A. 27 (i. 187. 32)

अज्ञानशरीरत्व (ajñānaśarīra-tva) *n.* the state of having the form of nescience अज्ञानशरीरत्वेऽपि ब्रह्मज्ञानस्य सत्यार्थत्वात् … ज्ञानत्वं तदज्ञान-निवर्तकत्वं चेष्यते IṣṭaSi. 69. 16.

अज्ञानशात्रव (ajñāna-śātrava) *m.* enemy in the form of nescience युगप्रधानसूरीणाम् …चेच्चित्तवृत्तावज्ञानशात्रवः । अवस्कन्दं ददात्यद्य PrabhāC. 58. 15.

अज्ञानशान्ति (ajñāna-śānti) *f.* dispelling of the ignorance ततो मामीश्वरः सृष्ट्वा … । विससर्ज महीपीठं लोकस्याज्ञानशान्तये YogVā. ii. 11. 7; पृच्छाम्यौशनसं नाथं नूनमज्ञानशान्तये YogVā. v. 25. 18.

अज्ञानशीलत्व (ajñānaśīla-tva) *n.* the state of being characterised by ignorance तत्राज्ञानशीलत्वाद्द्यान्न वेत्यर्थसंशयः JayaMa. 356. 21 (*on* 6. 6)

अज्ञानशून्यचित् (ajñānaśūnya-cit) *f.* consciousness devoid of nescience ज्ञानमज्ञानशून्यचिद्रूपमपेक्ष्य लाघवादाह GuruCandr. ii. 334. 17; i. 413. 5; अज्ञानशून्यचिद्रूपस्य भानस्य च व्यवहारे तादृशाज्ञानस्याज्ञानसामान्यस्य चानुपलब्धेः हेतुत्वात् LaCandr. 564. 21; चिद्धातीत्यत्राज्ञानशून्यचित् … विषयः LaCandr. 777. 14; 281. 3; 533. 21.

अज्ञानशेष (ajñāna-śeṣa) *m.* residue of nescience अतो नाज्ञानशेषः कल्प्यः IṣṭaSi. 71. 9; 72. 21; 73. 9.

अज्ञानसंयुत (ajñāna-saṁyuta) *adj.* associated with ignorance अज्ञानसंयुतं भूतं शमलं सर्वसंमतम् PadmP. iv. 110. 87; मायया मोहिताः सर्वे जना अज्ञानसंयुताः AdhyāRā. iv. 5. 19.

अज्ञानसंयुतात्मन् (ajñānasaṁyutātman) *adj.* whose mind is accompanied by ignorance केचित् … अज्ञानसंयुतात्मानः संचरन्ति प्रतारकाः KulārT. 1. 73.

अज्ञानसंवरण (ajñāna-saṁvaraṇa) *n.* act of concealing or covering ignorance अज्ञानसंवरणाय यत्किंचिन्नाभिधेयम् PrakaVi. vi. 531. 20.

अज्ञानसंवित्ति (ajñāna-saṁvitti) *f.* cognition of ignorance अज्ञान्यस्मीति चाज्ञानसंवित्तिश्चादृशः कथम् IṣtaSi. 194. 1.

अज्ञानसंवृतत्व (ajñānasaṁvṛta-tva) *n.* the state of being covered with ignorance प्रायेण घटपटस्त्रीपुरुषादिसंवृतिग्रहात् । अज्ञानसंवृतत्वात् इत्यपरे AbhidhKoBh. 392. 1 (*on* 7. 2)

अज्ञानसंशय (ajñāna-saṁśaya) *m.* doubt of ignorance ऐश्वर्यं दिव्यदेहश्च ज्ञानमज्ञानसंश(? क्ष)यः । ··· क्रियादीनां फलं भवेत् S'ivaP. i. 18. 151 (24B. 12)

अज्ञानसंसर्ग (ajñāna-saṁsarga) *m.* association with nescience अज्ञानसंसर्गासंसर्गावेव बन्धमोक्षौ SiddhāLeSaṁ. 111. 8.

अज्ञानसंस्कार (ajñāna-saṁskāra) *m.* impression of nescience जीवन्मुक्तौ अज्ञानसंस्कारस्वीकारपक्षे व्यभिचारात् LaCandr. 155. 33.

अज्ञानसंकट (ajñāna-saṅkaṭa) *n.* critical situation in the form of ignorance एतस्मिन्मे मनो विद्धं खिद्यतेऽज्ञानसंकटे SkandP. i(2). 46. 51; i(2). 3. 66; BhāgP. iii. 7. 1; स्व एवालोक एतेन संप्राप्तोऽज्ञानसंकटे YogVā. v. 28. 17.

अज्ञानसंकुल (ajñāna-saṅkula) *adj.* full of ignorance विद्यया तारिताः स्मो यैर्जन्ममृत्युमहोदधिम् । सर्वज्ञेभ्यो नमस्तेभ्यो गुरुभ्योऽज्ञानसंकुलम् UpadeSā. 346. 89.

अज्ञानसंगति (ajñāna-saṅgati) *f.* association with nescience अज्ञानसंगतिं मुक्त्वा न स्यात्तज्जेन संगतिः BṛĀraUBhVā. ii. 1. 308.

अज्ञानसंगूहन (ajñāna-saṅgūhana) *n.* act of concealing ignorance विक्षेपादि । तस्याज्ञानसंगूहनाद्यर्थत्वात् । तत्त्वनिर्णीषोश्च तत्र अनार्थित्वात् NyāySu. (Ja.) 465B. 1 (*on* iii. 2. 1)

अज्ञानसत्ता (ajñāna-sattā) *f.* existence of nescience न खलु साक्ष्यवभासादन्या अज्ञानसत्ता तवास्ति NyāySu.(Ja.) 30A. 9 (*on* i. 1. 1)

अज्ञानसत्त्व (ajñāna-sattva) *n.* existence of nescience अज्ञानभेदस्वीकारेऽपि अज्ञानसत्त्वे अधिष्ठानप्रकाशानुपपत्तेः GuruCandr. i. 102. 11; चिदुपरागसत्त्वेऽपि रसादावज्ञानसत्त्वान्न प्रकाशः GuruCandr. ii. 141. 10; उक्तविषयतासंबन्धेन भाविन्यप्यज्ञानसत्त्वम् LaCandr. 42. 11; 485. 23; अज्ञानसत्त्वेन च न सुषुप्तिप्रलययोर्मुक्तिः LaCandr. 535. 25; 564. 26.

अज्ञानसद्भाव (ajñāna-sadbhāva) *m.* existence of nescience (अज्ञाननाशस्य) मिथ्यात्वेऽज्ञानसद्भावान्मायात्वादिन्न मुच्यसे IṣtaSi. 364. 3; 364. 17; (अन्तःकरणसंसर्गभावाभावौ) अज्ञानसद्भावाभावाभ्यां संभवत इति चेन्न Vādā. 148. 2.

अज्ञानसंतति (ajñāna-santati) *f.* continuity of ignorance असम्यग्दर्शनं त्यक्त्वा व्यर्थमज्ञानसंततिम् । सर्तव्यं सम्यगेवेदम् YogVā. iv. 61. 11.

अज्ञानसंतमस (ajñāna-santamasa) *n.* thick darkness (in the form) of nescience असादवाप्य ··· अनुज्ञामज्ञानसंतमसबन्धविभेदभानोः HarVi. 12. 70; अज्ञानसंतमसमाश्रयणोन्मुखानां संवित्प्रदीपमहसा सहसा निरुन्धन् S'atDū. 105. 17.

अज्ञानसमन्वय (ajñāna-samanvaya) *m.* positive invariable concomitance with nescience यत्र वा अन्यदित्येवं भेदज्ञानमभाषत । सत्येव प्रत्यगज्ञाने तस्याज्ञानसमन्वयात् BṛĀraUBhVā. iv. 3. 1308; मोहतत्कार्यनीडो यस्तस्याज्ञानसमन्वयात् BṛĀraUBhVā. ii. 4. 434.

अज्ञानसमविषयत्व (ajñānasamaviṣaya-tva) *n.* the state of having the same object as that of ignorance ज्ञानस्याज्ञानसमविषयत्वेनैव तन्निवर्तकत्वम् AdvaiSi. 678. 3.

अज्ञानसमष्टि (ajñāna-samaṣṭi) *f.* aggregate or collective form of ignorance यत्तु ··· अज्ञानसमष्ट्यवच्छिन्नं चैतन्यमीश्वर इति वदन्ति SiddhāTa. 47. 4; 47. 5.

अज्ञानसमानविषयक (ajñānasamānaviṣaya-ka) *adj.* having the same object as that of nescience अधिष्ठानज्ञानत्वं हि अज्ञाननाशकज्ञानत्वं वा, अज्ञानसमानविषयकप्रमात्वं वा AdvaiSi. 529. 15; GuruCandr. i. 132. 19; ii. 169. 14; ii. 323. 23; अज्ञानसमानविषयकमनोवृत्त्युत्पत्तिक्षणे मनोवृत्त्यादिसत्त्वेऽपि न क्षतिः LaCandr. 155. 39.

अज्ञानसमाश्रय (ajñāna-samāśraya) *adj.* abode or resort of ignorance अज्ञानानि बहून्यसंख्यवपुषो जीवान् मुमुक्षूनपि ज्ञानाज्ञानसमाश्रयाननुयुगं तेषां च निःश्रेयसम् SaṁkṣeS'ā. 2. 133.

अज्ञानसमुत्थत्व (ajñānasamuttha-tva) *n.* the state of having arisen from ignorance कर्मज्ञानसमुत्थत्वान्नालं मोहापनुत्तये NaiṣkaSi. 23. 8.

अज्ञानसमुदाय (ajñāna-samudāya) *m.* aggregate of ignorance न चेहाप्यज्ञानसमुदाय एवावरणं एकेन च ज्ञानेनैकस्मिन्नज्ञाने निवृत्ते स नास्तीति प्रकाशोपपत्तिरिति वाच्यम् Nyāyāmṛ. 233B. 7.

अज्ञानसमुद्रसेतु (ajñānasamudra-setu) *m.* bridge across the ocean of ignorance हेमाद्रिरज्ञानसमुद्रसेतुं ब्रूते चतुर्थीव्रतम् CaturCin. ii(1). 501. 3.

अज्ञानसंपन्न (ajñāna-sampanna) *adv.* full of ignorance अयमज्ञानसंपन्नो वसिष्ठः कुरुते तपः BṛKathāK. 106. 80.

अज्ञानसंबन्ध (ajñāna-sambandha) *m.* association with nescience or ignorance ब्रह्मैव संसरति ब्रह्मैव मुच्यते, न तु जीवानां ज्ञानाज्ञानसंबन्धः PañcPra. 64. 1; 57. 4; 58. 2; 69. 4; किं नु खलु न करोति देहिनामयं मोहबन्धः, तस्य प्रसवभूमिरज्ञानसम्बन्धश्च YaśasCam. ii. 91. 5; आवरणं च तद्योग्यता अज्ञानसम्बन्धरूपा सुषुप्त्यादिसाधारणी आब्रह्मज्ञानमवतिष्ठते AdvaiSi. 587. 5; जीवस्यैवाज्ञोऽस्मीत्यज्ञानसम्बन्धानुभवः नेश्वरस्य SiddhāLeSaṁ. 68. 10; 140. 2; नापि पूर्वभ्रमकाले अज्ञानसम्बन्धस्याननुभवात् अभावेन भिन्नकालावच्छिन्नयोरवच्छेद्यावच्छेदकभावासंभवात् GuruCandr. i. 12. 23; ii. 97. 11; iii. 77. 11; वृत्त्यभावविशिष्टो योऽज्ञानसंबन्धः तदभाव एवाभिभवः LaCandr. 487. 31; 603. 43.

अज्ञानसंबन्धिन् (ajñāna-sambandhin) *adj.* associated with nescience or ignorance अज्ञब्रह्मजीववादे उपाधिसम्बन्धिब्रह्मजीववादे चाज्ञानसम्बन्ध्युपाधिसम्बन्धि ब्रह्मैवेति भोगव्यवस्था न सिध्यति VedāntDī. 130. 22 (*on* ii. 3. 48)

अज्ञानसंभव (ajñāna-sambhava) *m.* origin or rise of ignorance or nescience दोषदर्शनतश्चैव द्वापरेऽज्ञानसंभवः BrahmāṇḍP. i. 31. 21; मायां तु प्रकृतिं विद्यात् इत्यत्रापि नाज्ञानसंभव उच्यते NītiMā. 22. 7; *adj.* caused by ignorance (पीड्यते जगत्) तिलपीडैरिवाक्रम्य भोगैरज्ञानसंभवैः MahāBhā. xii. 204. 9; xii. 205. 18; कृतान्तेनाहमानीता व्यवस्थामेति कामिति । पृथङ्निरूपणं तत्र जनस्याज्ञानसंभवम् PadmP.(Ra.) 96. 10; ज्वरश्च जायते सद्यस्तद्वदज्ञानसंभवः BrahmP. 234. 11; योगिनो न हि दुःखं वा सुखं वाज्ञानसंभवम् AdhyāRā. iv. 8. 46; i. 7. 31; यस्य स्मरणमात्रेण ··· । अन्येऽपि बहवो मुक्ताः पापादज्ञानसंभवात् PadmP. iv. 88. 70; तर्कैः सारस्वतै रत्नैश्चन्द्रिकाचन्द्रभूषणैः । दुरन्तध्वान्तभङ्गाय रूप्याद्यज्ञानसंभवम् GuruCandr. iii. 173. 16; BālamBha. ii. 24. 20 (*on* 2. 20)

अज्ञानसंभावन (ajñāna-sambhāvana) *n.* possibility of ignorance अभ्यस्तेऽपि हि नाम वस्तुनि चिरादज्ञानसंभावनम् SūktiMu. 89. 5.

अज्ञानसंभूत (ajñāna-sambhūta) *adj.* born of ignorance अज्ञानसंभूतं हृत्स्थम् ··· छित्त्वैनं संशयं योगमातिष्ठ MahāBhā. vi. 26. 42 = BhagGī. 4. 42; अज्ञानसंभूतं अज्ञानात् अविवेकात् जातं (संशयम्) GītāBh.(S'aṅ.) 147. 16 (*on* 4. 42); उत्पाद्याज्ञानसंभूतं संशयाख्यं विषद्रुमम् । शिवाद्वैतमहाकल्पवृक्षभूमिर्यथा भवेत् S'ivaP. vi. 16. 11 (491A. 16)

अज्ञानसंभूति (ajñāna-sambhūti) *f.* rise or birth of ignorance क्रोधादज्ञानसंभूतिर्विभ्रमस्तु ततः स्मृतेः GaṇeP. ii. 138. 60.

अज्ञानसंभृतात्मन् (ajñānasambhṛtātman) *adj.* whose mind is filled with ignorance केचित् ··· अज्ञानसंयुतात्मानः (v. l. अज्ञानसंभृतात्मानः) संचरन्ति KulārT. 1. 73.

अज्ञानसंमोह (ajñāna-sammoha) *m.* confusion or illusion caused by ignorance कच्चिदज्ञानसंमोहः प्रनष्टस्ते धनंजय MahāBhā. vi. 40. 72 = BhagGī. 18. 72; अज्ञानसंमोहः अज्ञाननिमित्तः संमोहः अविविक्तभावः अविवेकः GītāBh.(S'aṅ.) 567. 13 (*on* 18. 72); योऽहमज्ञानसंमोहादज्ञया संप्रवृत्तवान् BrahmP. 243. 29.

अज्ञानसर्प (ajñāna-sarpa) *m.* snake in the form of ignorance अज्ञानसर्पदष्टस्य ब्रह्मज्ञानौषधं विना । किमु वेदैश्च शास्त्रैश्च किमु मन्त्रैः किमौषधैः ViveCū. 63.

अज्ञानसलिलोर्मि (ajñānasalilormi) *m.* wave of the flood of ignorance ककुप्कूलंकषैस्तैस्तैरज्ञानसलिलोर्मिभिः । ह्रियन्ते सर्वदा तेन केषां नाम न दृष्टयः PāṇḍaC. 17. 62.

अज्ञानसहभाव (ajñāna-sahabhāva) *m.* coexistence with nescience or ignorance न च ज्ञानमज्ञानस्यैव निवर्तकमिति न्यायेन विरोधः । अज्ञानसहभावनियतानामब्रह्मत्वादीनामज्ञानशब्देन पञ्चपादिकाचार्यैर्विवक्षितत्वात् JīvanVi. 45. 18.

अज्ञानसहित (ajñāna-sahita) *m.* accompanied by (i. e. full of) ignorance प्रमादादज्ञानसहितः ··· शठः । ··· कर्तासौ तामसो मतः GaṇeP. ii. 148. 20.

अज्ञानसाक्षिता (ajñānasākṣi-tā) *f.* the state of being a witness of nescience नाहमहं नाप्यर्थान्तरमपि तु अनुभूतिमात्रमज्ञानसाक्षितयावतिष्ठते Ātma-Si. 29. 19; न हि सुप्तोत्थितः अहमज्ञानसाक्षितयावतिष्ठ इत्येवंविधां स्वापसमकालामनुभूतिं परामृशति BrahmSūBh.(Rā.) 49. 13 (*on* i. 1. 1)

अज्ञानसाक्षित्व (ajñānasākṣi-tva) *n.* the state of being a witness of nescience स्थितमज्ञानसाक्षित्वं नित्यानन्दत्वमात्मनः SarvaSiSaṁ. 12. 65; ब्रह्माज्ञानपक्षे स्वप्रकाशस्वरूपस्य ब्रह्मणोऽज्ञानसाक्षित्वम् ··· न संभवति VedāntDī. 90. 10 (*on* ii. 1. 21) = VedāntTaSā. 74. 1; NītiMā. 23. 18; अहं न ज्ञातवानित्यत्र अज्ञानसाक्षित्वेन अहमर्थानुवृत्तिः स्वानुभवसिद्धा S'rutaPra. iA. 169. 15 (*on* i. 1. 1); iA. 167. 25 (*on* i. 1. 1); आसंसारमज्ञानसाक्षित्वेन ब्रह्मावतिष्ठते S'atDū. 128. 3; 81. 27.

अज्ञानसाक्षिन् (ajñāna-sākṣin) *m.* witness of nescience रघूत्तमे ··· न विद्यते तमः। अज्ञानसाक्षिण्यरविन्दलोचने मायाश्रयत्वान्न हि मोहकारणम् AdhyāRā. i. 1.24.

अज्ञानसाक्षिप्रकाश (ajñānasākṣi-prakāśa) *m.* illumination in the form of the witness of nescience प्रतियोगिविषयप्रकाशतामात्रेण तद्विरोधित्वे त्वज्ञानसाक्षिप्रकाशस्यापि प्रतियोगिप्रकाशत्वावश्यंभावेन विरोधाविशेषात् S'atDū. 170. 9.

अज्ञानसागर (ajñāna-sāgara) *m.* ocean of ignorance अनादिनिधने देवे हरिशंकरसंज्ञिते। अज्ञानसागरे मग्ना भेदं कुर्वन्ति पापिनः BṛNāraP. 6. 42; यदि वा मुच्यते वापि तस्मादज्ञानसागरात् BrahmP. 244. 49; 244. 50; अज्ञानसागरं तीर्त्वा ब्रह्मतत्त्वमभीप्सताम्। नीतिनौकर्णधारेण मयापूरि मनोरथः Bhām. 766. 7 (*on* iv. 4. 22)

अज्ञानसाधक (ajñāna-sādhaka) *adj.* establishing or proving nescience किं प्रकाशस्वभावस्य अज्ञानाश्रयत्वविरोधोऽनुभूयते उतानुमीयते। नाद्यः अज्ञानसाधकसाक्षिचैतन्ये 'अहमज्ञः' इत्यज्ञानाश्रयतया एवानुभवात् VivaPraSaṁ. 56. 11.

अज्ञानसाधकत्व (ajñānasādhaka-tva) *n.* the state of establishing or proving nescience सत्यस्य साक्षिणोऽज्ञानसाधकत्वं पराभ्युपगतमुपन्यस्तम् NyāySu.(Ja.) 30A. 12 (*on* i. 1. 1); Nyāyāmṛ. 634A. 8; तच्चाज्ञानसाधकत्वात् स्वरूपतो नाज्ञाननिवर्तकम् AdvaiSi. 469. 2; अज्ञानसाधकत्वं हि अज्ञाननिश्चयत्वम् LaCandr. 441. 39.

अज्ञानसाधन (ajñāna-sādhana) *n.* **i** means of establishing what is not knowledge सुखमपि तर्हि···किमसुखसाधनेन तज्जनितम्, ज्ञानमपि किमज्ञानसाधनेन जनितम् NyāyMañ. i. 72. 23; **ii** establishment of non-cognition तत्र युगपदवभासो नास्तीति तद्दृष्टान्तेन सर्वत्राप्येवमनुमीयत इति चेन्न। असन्निहितवत् सन्निहितस्यापि अज्ञानसाधने प्रतीतिविरोधात् NyāySu.(Ja.) 408A. 10 (*on* ii. 2. 8)

अज्ञानसापेक्षता (ajñānasāpekṣa-tā) *f.* dependence on nescience एतेन ब्रह्मान्यद् ब्रह्मावरणाज्ञानावृतमिति तृतीयोऽपि (पक्षः) निरस्तः। तस्य मिथ्यात्वेनाज्ञानसापेक्षतयान्योन्याश्रयत्वात् NyāySu.(Ja.) 61A. 2 (*on* i. 1. 1)

अज्ञानसापेक्षा (ajñāna-sāpekṣā) *adj.* (*f.*) dependent on or requiring nescience जीवब्रह्मणोर्भेदो यया भ्रान्त्या सिद्धः सा तावदज्ञानसापेक्षा NyāySu. (Ja.) 206B. 11 (*on* i. 4. 6)

अज्ञानसामान्य (ajñāna-sāmānya) *n.* nescience in general अपरोक्षत्वमज्ञानसामान्यविरोधि चैतन्यम् GuruCandr. i. 141. 13; i. 139. 13; ii. 130. 6; वेदान्तजन्यवृत्तेस्त्वज्ञानसामान्यविरोधित्वम् LaCandr. 887. 41; अज्ञानसामान्यविरोध्युपहितात्मनः परमपुरुषार्थत्वादस्थिरत्वमकिंचित्करम् LaCandr. 888. 19; 288. 8; 564. 22.

अज्ञानसाम्य (ajñāna-sāmya) *n.* similarity in lack of comprehension ननु यद्यज्ञानसाम्येऽपि विषयभेदमाश्रित्य निग्रहस्थाननानात्वमित्थमभिधीयते तर्ह्यज्ञानप्रकारवैचित्र्याद् भेदान्तराण्यपि वक्तव्यानीति उक्तमत्र सारसंग्रहविवक्षया द्वे एव निग्रहस्थाने विप्रतिपत्तिरप्रतिपत्तिश्चेति NyāyMañ. ii. 203. 32.

अज्ञानसिद्ध (ajñāna-siddha) *adj.* w. r. for **आजानसिद्ध**, S'aṅkaVi. (Ā.) 253. 2.

अज्ञानसिद्धि (ajñāna-siddhi) *f.* establishment of nescience सम्यग्ज्ञानाद् ब्रह्मणोऽज्ञानसिद्धौ तस्यापि स्यात् सत्यता तद्वदेव SaṁkṣeS'ā. 2. 140 (ii. 89. 19); अतो न प्रमाणं विना अज्ञानसिद्धिः IṣṭaSi. 194. 20; मिथ्याविशेषोऽप्यज्ञानसिद्धिमेव ह्यपेक्षते AnuVyā. 2B. 3 (*on* 1. 1); NyāySu.(Ja.) 30A. 7 (*on* i. 1. 1); अज्ञानसिद्धौ मिथ्योपाधिसिद्धिः ViṣṇuTaNi. 15B. 11; अज्ञानसिद्धिपूर्वं दृश्यमात्रस्य साक्षात् ज्ञाननाश्यत्वसिद्धावपि न स(? सा)धनवैकल्यम् LaCandr. 567. 27; GuruCandr. ii. 424. 21.

अज्ञानसिद्धिकृत् (ajñānasiddhi-kṛt) *adj.* establishing ignorance or nescience बोधमात्रातिरेकेण नान्योऽर्थोऽज्ञानसिद्धिकृत् BṛĀraUBhVā. iv. 4. 898.

अज्ञानसिन्धु (ajñāna-sindhu) *m.* ocean of ignorance or nescience तदनु तदपरोऽज्ञानसिन्धुं प्रविष्टः S'atS'lo. 27.

अज्ञानसुघनाकारा (ajñāna-sughanākārā) *adj.* (*f.*) having solid or very dense form of ignorance अज्ञानसुघनाकारा घनाहंकारशालिनी। पुनर्जन्मकरी प्रोक्ता मलिना वासना बुधैः YogVā. i. 3. 12 (तेन (अज्ञानेन) सुष्ठु घनीभूत आकारो यस्याः सेयमज्ञानसुघनाकारा JīvanVi. 50. 10)

अज्ञानसुहृद् (ajñāna-suhṛd) *m.* friend in ignorance or foolishness छन्दानुवर्तिनः पापाद् दुर्नयेष्वनुवादिनः। मन्त्रिणः शत्रवो राज्ञामज्ञानसुहृदः परम् RāmāMañ. 350. 12.

अज्ञानसूत्र (ajñāna-sūtra) *n.* string or bond of ignorance अज्ञानसूत्रेण तथावबद्धो गतोऽपि दूरं पुनरेति लोकः Saund. 11. 59.

अज्ञानस्थ (ajñāna-stha) *adj.* abiding or present in ignorance or nescience ज्ञानक्रियासंस्काराणां च त्वन्मते अज्ञानस्थत्वेऽपि नित्यातीन्द्रियाणां तेषामात्मनि कदाप्यप्रतीतेः Nyāyāmṛ. 345A. 8.

अज्ञानस्थगिता (ajñāna-sthagitā) *adj.* (*f.*) veiled or obscured by ignorance अज्ञानस्थगितां सतीमपि तथा त्वद्रूपतामात्मनः प्राप्यैवागमतः प्रहृष्यति सुधीर्ज्ञानप्रसूनाम्बिके YātrāPra. 6. 171.

अज्ञानस्थान (ajñāna-sthāna) *n.* **i.** topic of ignorance or nescience न शक्यते दर्शयितुमिति मन्यमानो यदि शब्दं प्रयुङ्क्ते पूर्वान्तेऽज्ञानमपरान्तेऽज्ञानं बुद्धेऽज्ञानं धर्मेऽज्ञानं संघेऽज्ञानं इत्येवमादीनां सर्वेषामज्ञानस्थानानामुक्तत्वात् Sphuṭā. iii. 48. 5 (*on* 3. 38); **ii** place of nescience अज्ञानस्थाने अज्ञानीयावरणशक्तिर्वाच्या LaCandr. 155. 41.

अज्ञानस्पर्शदोष (ajñānasparśa-doṣa) *m.* fault of touching (somebody) unintentionally (मुनिपत्न्य ऊचुः) अजानन्त्यः परस्पृष्टा न च नस्त्यक्तुमर्हसि। ···अज्ञानस्पर्शदोषश्च न स्यान्नो विधिबोधितः BrahmVaiP. iv. 18. 92.

अज्ञानस्वभाव (ajñāna-svabhāva) *adj.* of nature of ignorance or nescience संभवदप्यज्ञानस्वभावे (आत्मनि) अज्ञानं कमतिशयं जनयेत् NaiṣkaSi. 104. 4.

अज्ञानस्वरूप (ajñāna-svarūpa) *adj.* [*f.* -ā] **i** of the nature of false knowledge सत्कायदृष्ट्यादयोऽपि क्लेशा अज्ञानस्वरूपा विपरीतग्रहणत इति Sphuṭā. iii. 57. 23 (*on* 3. 29); **ii** of the form or nature of ignorance or nescience न चात्मनोऽज्ञानस्वरूपता NaiṣkaSi. 105. 6; (मुक्तजीवः) निरञ्जनं ज्योतिः प्राप्य स्वयमपि ज्योतिःस्वरूपो भवति अज्ञानस्वरूपाया रात्रेस्तत्राभावात S'aṅkaVi.(Ā.) 257. 14; *n.* form or nature of ignorance or nescience यद्यतिरोहितस्वरूपमेव ब्रह्माज्ञानमनुभवतीति तिरोधानकल्पना स्यात् अज्ञानस्वरूपकल्पना च BrahmSūBh.(Rā.) 89. 18 (*on* i. 1. 1); अहमज्ञ इत्यज्ञानस्वरूपकीर्तनम् S'rutaPra. iB. 8. 15 (*on* i. 1. 1); Nyāyāmṛ. 335A. 6; उपहिते विषये अज्ञानस्वरूपसिद्धिः GuruCandr. i. 134. 9; ii. 400. 22; तदा तत्प्रमाणावेद्यत्वेन व्यावहारिकं न स्यात् अज्ञानस्वरूपवत् LaCandr. 550. 24.

अज्ञानस्वीकार (ajñāna-svīkāra) *m.* acceptance or assumption of ignorance or nescience श्रीरामरूपलीलाविग्रहे श्रीविष्णोः सर्वज्ञस्य निर्मातृचित्तेनाज्ञानस्वीकारश्च नोपपद्यत इति भावः YogSā. 63. 9 (3); न चाज्ञानतद्विरोधित्वयोः कल्पने गौरवमिति वाच्यम्, ज्ञानप्रागभावस्थले अज्ञानस्वीकारात् GuruCandr. i. 148. 13.

अज्ञानहन् (ajñāna-han) *m.* name of Viṣṇu (destroyer of ignorance) अज्ञानहा···नाम्नां सहस्रं नामेदं विष्णोरतुलतेजसः SkandP. v(1). 63. 121.

अज्ञानहन्तृ (ajñāna-hantṛ) *adj.* destroyer of ignorance सर्वलोकाश्च राजा च ततस्तं (विनायकम्) तुष्टुवुर्मुदा।··· नमोऽज्ञानहन्त्रे GaṇeP. ii. 15. 46; *m.* name of Viṣṇu अज्ञानहन्ता···इति···कथितम्···नाम···विष्णोर्बालकत्वमुपेयुषः PañcaRā.(Nā.) iv. 8. 148.

अज्ञानहान (ajñāna-hāna) *n.* removal of nescience विद्यैवाज्ञानहानाय न कर्माप्रतिकूलतः UpadeSā. 123. 6; 135. 25; दशमाप्तिवदाप्तिः स्याद्ब्रह्मणोऽज्ञानहानतः TaiUBhVā. 47. 2 (2); 61. 16 (2); NaiṣkaSi. 16. 5; 28. 9; अज्ञानहानतः। सिद्धे पुमर्थे विलयकल्पना निष्प्रयोजना BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 397; स इदं सर्वमात्मैव भवत्यज्ञानहानतः BṛĀraUBhVā. i. 4. 1460; ii. 1. 238; iii. 3. 37; iv. 4. 775.

अज्ञानहानि (ajñāna-hāni) *f.* destruction of nescience स्वसिद्धेः कारणं नान्यज्ज्ञानमज्ञानहानये TaiUBhāVā. 189. 17 (2); BṛĀraUBhVā. i. 3. 229; iii. 3. 91; iv. 3. 1282; नाज्ञानहानिः ··· भवेत् AdhyāRā. vii. 5. 10; VedāntKa. 511. 15 (*on* iv. 1. 2); अज्ञानहानिवत् ··· भेदस्य सापेक्षत्वं हि युज्यते Nyāyāmṛ. 551A. 8; 631A. 6; 633A. 10; 640A. 10; AdvaiSi. 792. 1; 884. 3; 885. 17.

अज्ञानहारिन् (ajñānahār-in) *adj.* [*f.* -ṇī] removing ignorance पुरुषो मे पुराणः श्रीमानज्ञानहारी मनसि निवसताम् VṛHārīSm. 6. 400; SkandP. iii(1). 46. 41; प्रीता भूत्वा भगवती भवत्यज्ञानहारिणी SaurP. 29. 53; नमः सद्गुरवे तुभ्यम्···अज्ञानहारिणे MahNirvāT. 5. 32.

अज्ञानहृदयग्रन्थि (ajñāna-hṛdayagranthi) *m.* knot of the heart in the form of nescience अज्ञानहृदयग्रन्थेः निःशेषविलयस्तदा ··· यदाद्वैतात्मदर्शनम् ViveCū. 355; 425.

अज्ञानहेतु (ajñāna-hetu) *adj.* cause of which is nescience, caused by nescience न ततोऽमृतताशास्ति कर्मणोऽज्ञानहेतुतः UpadeSā. 190. 15; BṛĀraUBhVā. i. 3. 90; SaṁkṣeS'ā. 1. 30 (i. 39. 20); 2. 172 (ii. 105. 17); *m.* **A** cause of ignorance अनिवेदिते च अज्ञानहेतौ ह प्रजापतिरुवाच ChāndoUBh. 512. 15 (*on* viii. 8. 1); UpādhiKha. 1B. 3; **B** cause namely nescience or ignorance आत्मस्वभावतो नाप्तिस्तथाप्यज्ञानहेतुतः BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 1101; i. 4. 390; ii. 1. 218; iv. 4. 376; AdhyāRā. v. 4. 17; द्वैतस्य सत्यता स्वत

एव चेत् । अनवस्थितिरज्ञानहेतौ UpādhiKha. 1B. 3.

अज्ञानहेतुक (ajñānahetu-ka) *adj.* caused by ignorance, whose cause is nescience इत्येते वै त्रयः प्रोक्ता बन्धा अज्ञानहेतुकाः VāyuP. ii. 40. 60; BrahmāṇḍP. iii. 3. 38; संप्रत्यज्ञानहेतुकाः । अनुमानविहीनोऽपि सोऽस्तीति परिकल्प्यते TattvSaṁ. 2088; कोशपञ्चक एतस्मिन्निषिद्धेऽज्ञानहेतुके । नानन्दमयता न्याय्या TaiUBhāVā. 111. 1 (2); 194. 12 (2); BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 109; iv. 3. 1346; PañcPā. 2. 1 (*on* i. 1. 1); कर्तृत्वम् ··· अज्ञानहेतुकं स्यात् NyāySu.(Ja.) 22A. 6 (*on* i. 1. 1); YuktiSneha. 122. 25 (*on* i. 1. 5); AdvaiSi. 530. 17; मोहोऽज्ञानहेतुकः GuruCandr. ii. 332. 19.

अज्ञानहेतुज (ajñānahetu-ja) *adj.* arising from the cause namely nescience मनोऽपि स्मरतीत्येतत् ज्ञानमज्ञानहेतुजम् UpadeSā. 219. 16.

अज्ञानहेतुत्व (a-jñānahetutva) *n.* absence of being the cause of perception असतोऽज्ञानहेतुत्वे व्यक्तिरव्यभिचारिणी NyāyVi. 2. 32; (ajñāna-hetu-tva) being caused by nescience एकत्वपक्षे त्वेतेषां दोषो नान्यतमो भवेत् । भयस्याज्ञानहेतुत्वात्तन्निवृत्तौ निवर्तते TaiUBhāVā. 157. 15 (2); BṛĀraUBhVā. i. 3. 91.

अज्ञानांश (ajñānāṁśa) *m.* element of nescience न द्राक्प्रतिहतशक्तिज्ञानं प्रारब्धबलादस्य निदानम् । अज्ञानांशं ग्रसते NayaMañ. IV. i. 11. 20.

अज्ञानाकल्पित (ajñānākalpita) *adj.* not produced by nescience, not imagined through nescience अन्यस्य चाज्ञाना(? न)कल्पितस्याभावात् Nyāyāmṛ. 227B. 6.

अज्ञानाकार (ajñānākāra) *adj.* A [*f.* –ā] of the form of ignorance अज्ञानाकारा बुद्धिरेवाज्ञानतया कल्पनीया Kāśi. ii. 152. 22 (*on* 5(3). 139); ii. 154. 14 (*on* 5(3). 145); B of the form of nescience अज्ञानाकारप्रमाणवृत्तिसत्त्वे···अज्ञानं स्थितम् GuruCandr. ii. 375. 9; ii. 378. 11; LaCandr. 551. 14.

अज्ञानाकार्यत्व (ajñānākārya-tva) *n.* the state of not being the effect of nescience अज्ञानाकार्यत्वेन ··· बिंबप्रतिबिंबभेदः सत्यः स्यात् Nyāyāmṛ. 607B. 12; GuruCandr. i. 66. 22.

अज्ञानाकृष्ट (ajñānākṛṣṭa) *adj.* drawn away or removed by ignorance (विप्रः) अज्ञानाकृष्टसद्भावो विपन्नः MārkP. 10. 39.

अज्ञानाक्षेपकत्व (ajñānākṣepaka-tva) *n.* nature of causing the presumption of ignorance प्रकृते वाचनोपपत्तेरज्ञानाक्षेपकत्वे प्रमाणाभावात् BhāṭṭDī. ii. 69. 11 (*on* iii. 8. 8)

अज्ञानाङ्गीकार (ajñānāṅgīkāra) *m.* acceptance of nescience सति तस्मिन्नज्ञानाङ्गीकारे व्याघातः Nyāyāmṛ. 151B. 8; SiddhāLeSaṁ. 412. 10.

अज्ञानाचरित (ajñānācarita) *adj.* practised inadvertently [Apte]

अज्ञानाजीर्ण (ajñānājīrṇa) *n.* indigestion (i. e. excess) of ignorance मैथिलाः···गजयोर्मध्यबलं चालयन्ति । तत्तेषामज्ञानाजीर्णोद्गारवमनम् CaturDī. 5. 6.

अज्ञानाज्ञान (ajñānājñāna) *n.* ignorance about nescience अज्ञानाज्ञानभेत्त्री किमियमनुमितिः TattvMu. 3. 37.

अज्ञानातिरिक्त (ajñānātirikta) *adj.* different from nescience सत्यपि प्रमाणगम्ये जडे अज्ञानातिरिक्ते तस्य क्वचिदज्ञानं न संभवति IṣṭaSi. 196. 10; यदनादि तदज्ञानातिरिक्तं न निवर्तते NyāySu.(Ja.) 20B. 4 (*on* i. 1. 1); 60B. 13 (*on* i. 1. 1); अज्ञानातिरिक्तकारणाभावेऽपि वेदे स्वर्गादिसाधनता संमता SiddhāTa. 58. 25; 58. 3.

अज्ञानातिरेक (ajñānātireka) *m.* **i** excess of nescience (आत्मनः) अज्ञानातिरेकाच्छरीरग्रहणं प्रपञ्चयति BālaKrī. ii. 33. 1 (*on* 3. 60 (?70)); **ii** difference from nescience न चाज्ञानातिरेकेण व्यवधानान्तरं मतम् BṛĀraUBhVā. iii. 3. 92.

अज्ञानातिशय (ajñānātiśaya) *m.* excess of ignorance स्पर्धन्ते किलानेन केचन दुष्कविहतकाः···अज्ञानातिशयेन Ḍamaru. 13 (4)

अज्ञानात्मक (ajñānātma-ka) *adj.* [*f.* –ikā] **i** of the nature of inadvertence क्षमास्माकं महादेव यदज्ञानात्मकं प्रभो BrahmāṇḍP. ii. 4. 13; **ii** of the nature of ignorance बुद्धिवृत्तिर्द्वेधा मता । ज्ञानाज्ञानात्मिका SarvaSiSaṁ. 4. 6; S'ivDṛ. 4. 24; अज्ञानात्मकाणवमलावलम्बित्वं श्रीपूर्वशास्त्रे विकथितम् ParāTri. 118. 8; इदमेव ज्ञानमज्ञानात्मकमलप्रतिपक्षत्वात् PratyabhiVi. ii. 259. 4 (*on* iii. 2. 12); अज्ञानात्मिका बुद्धिरेव तवापद्यते NyāyRa. 306. 16 (*on* 5(3). 139); **iii** of the nature of the absence of knowledge अज्ञानात्मकं तावदप्रामाण्यं कारणाभावमात्रसमधिगम्यम् Kāśi. i. 88. 21 (*on* 2. 45); **iv** of the nature of nescience सुखं ज्ञातं मयेत्येवं तवाज्ञानात्मकत्वतः UpadeSā. 292. 54; IṣṭaSi. 148. 13; अज्ञानात्मकवस्तु नाश्रयतयाज्ञानस्य संभाव्यते SaṁkṣeS'ā. 2. 209; (ii. 125. 8); PrakaVi. 20. 10; विमतो ज्ञाननिवर्त्यः अज्ञानात्मकत्वात् VivaPraSaṁ. 118. 20; 9. 23; अज्ञानमात्रहेतुत्वेन अज्ञानात्मकमात्रपरिणामिकत्वात् GuruCandr. ii. 319. 19; LaCandr. 529. 41; **v** of the nature of what is other than knowledge नन्वज्ञानात्मकत्वे घटादिवदवश्यसंवेद्या घटादिवत् सुखादयो न भवेयुः NyāyVārPari. 521. 5.

अज्ञानात्मकता (ajñānātmaka-tā) *f.* the state of being of the form of nescience नाज्ञानात्मकताबहिष्कृतमिदं जीवत्वमङ्गीकृतम् SaṁkṣeS'ā. 2. 209 (ii. 125. 6)

अज्ञानात्मकत्व (ajñānātmaka-tva) *n.* **i** the state of being of the form of nescience सुखं ज्ञातं मयेत्येवं तवाज्ञानात्मकत्वतः UpadeSā. 292. 54; तत्तयोरज्ञानात्मकत्वे युज्यते IṣṭaSi. 148. 13; तस्याज्ञानात्मकत्वान्न च तमसि तमस्तन्निवृत्तेरयोगात् SaṁkṣeS'ā. 2. 208 (ii. 124. 14); PrakaVi. 20. 10; बन्धस्याज्ञानात्मकत्वं सूत्रेणैव सूचितम् VivaPraSaṁ. 9. 23; 118. 20; **ii** the state of being other than knowledge नन्वज्ञानात्मकत्वे घटादिवदवश्यसंवेद्या घटादिवत् सुखादयो न भवेयुः NyāyVārPari. 521. 5.

अज्ञानात्मता (ajñānātma-tā) *f.* the state of being of the form of nescience रूप्यादेश्च ज्ञानबाध्यत्वप्रसिद्धेरज्ञानात्मता IṣṭaSi. 93. 23; यदात्मके नामरूपे इत्यज्ञानात्मता तयोः BṛĀraUBhVā. i. 4. 482.

अज्ञानात्मन् (a-jñānātman) *adj.* (authority) which is not knowledge in essence अत्राज्ञानात्मनस्तावत् प्रामाण्यमपहस्तितम् । ज्ञानात्मनश्च प्रमाणस्या(? स्य)भिन्नेऽपि ··· फलेऽवश्यमर्थपरिच्छेदात्मताभ्युपेतव्या DharmoPra. 80. 19; (ajñānātman) *m.* nescient Self पुण्यपापात्मकं कर्म ··· अज्ञानात्मसमाश्रयम् S'ivaP. vii. 5. 26 (407A. 6)

अज्ञानात्यन्ताभाव (ajñānātyantābhāva) *m.* absolute non-existence of nescience किं तर्हि तत्त्वज्ञानस्य साध्यम् ··· नास्त्येवाज्ञानात्यन्ताभावबोधात्मकव्यतिरेकेण SiddhāTa. 56. 23.

अज्ञानादर्शन (ajñānādarśana) *n.* absence of experiencing nescience साक्षिवेद्ये सुखादावज्ञानादर्शनात् Nyāyāmṛ. 338A. 8; 634A. 11.

अज्ञानादि (ajñānādi) *adj.* A inadvertance etc. स चेदज्ञानादिभिः परिहापयति तदेनं यथागुणं दापयेत् ArthS'ā. i. 162. 1 (2. 9); PauṣkS. 27. 14; SmṛtiCan. iii. 51. 5; एतच्चाज्ञानादिकृतपापविषयम् ManvaMu. 55. 17 (*on* 2. 102) = VīraMi.(Āhnika.) 258. 1; B ignorance etc. सुखदुःखमोहाज्ञानादयः S'vetāUBh. 100. 18 (*on* 1. 8); Īśva Si. 77. 9; अनेनाज्ञानादयः परपुरुषवर्तिनः ··· अनुमातव्याः SāṁkhyaTaKau. 126. 4 (*on* 56); रागाज्ञानादिभिर्दोषैर्ग्रस्तत्वादनृतं वदेत् S'ivaP. viiB. 12. 23 (558A. 3); GītāBh.(Rā.) 66. 3 (*on* 2. 12); C nescience etc. न हि अज्ञानादावापरोक्ष्यं प्रातिभासिकम् Nyāyāmṛ. 67A. 7; तदभावेऽपि सुषुप्तावज्ञानादिज्ञातृत्वस्य दर्शनात् Nyāyāmṛ. 402A. 8; 623B. 9; अज्ञानादिसाधके परमार्थसति साक्षिणि तदभावात् AdvaiSi. 441. 21 (comm. अज्ञानादिघटितेनाज्ञानादिज्ञानत्वेन रूपेणाज्ञानादिविषयकेच्छाद्वेषादिकार्यजनके); ननु कथमज्ञानादीनामध्यस्ततया प्रतीतिः SiddhāTa. 5. 18.

अज्ञानादिक (ajñānādi-ka) *adj.* **i** ignorance etc. संभवदपि वा प्रतिज्ञान्तराज्ञानादिकमुद्भाव्यम् NyāyPari. 173. 3; **ii** nescience etc. द्वेषाज्ञानादिकं कुर्यात् स्वकार्यमपि चात्मनि Nyāyāmṛ. 525B. 7; 554A. 8.

अज्ञानादित्रय (ajñānādi-traya) *n.* **i** triad consisting of nescience etc. अज्ञानादित्रयं प्रत्यगाभासं यद्यपीष्यते BṛĀraUBhVā. iii. 3. 41; iv. 4. 788; **ii** triad consisting of the absence of knowledge etc. अज्ञानादित्रयमेवोपपादयति MayūMāli. 235. 20 (*on* iii. 3. 4)

अज्ञानादिदुःख (ajñānādi-duḥkha) *n.* misery or distress like ignorance etc. मोहाज्ञानादिदुःखानामात्मन्यस्तमयो दृढम् TantrRā. 35. 20.

अज्ञानादिदोष (ajñānādi-doṣa) *m.* defect namely nescience etc. अज्ञानादिदोषयुक्तं कथं जगत्कर्तारमाहुः NyāySu.(Ja.) 417A. 9 (*on* ii. 2. 11); 99A. 10 (*on* i. 1. 2)

अज्ञानादिध्वंसत्व (ajñānādidhvaṁsa-tva) *n.* the state of being the destruction of nescience etc. ब्रह्मणः तद् ज्ञानस्य वाज्ञानादिध्वंसत्वेन ब्रह्मज्ञानप्रयुक्तत्वमखण्डं युक्तम् GuruCandr. i. 95. 18.

अज्ञानादिनाश (ajñānādi-nāśa) *m.* destruction of nescience etc. न तु चरमवृत्तेरुत्पत्तिद्वितीयक्षणः अज्ञानादिनाशात् GuruCandr. ii. 189. 12.

अज्ञानादिनिबन्धन (ajñānādi-nibandhana) *adj.* **i** caused by ignorance etc. न हि कर्मकाण्डे क्वचित्कस्यचिदनाम्नानमुपासनार्थम्, नाप्यज्ञानादिनिबन्धनम् S'rutaPra. ii. 495. 22 (*on* iii. 3 31); **ii** caused by nescience etc. यद्यज्ञानादिनिबन्धनोऽयमनुसन्धानाभावो भवेत् NyāySu.(Ja.) 508A. 12 (*on* iii. 2. 10)

अज्ञानादिनिमित्त (ajñānādi-nimitta) *adj.* caused by ignorance etc. अग्रेदिधिषूपतिः कृच्छ्रातिकृच्छ्रौ चरित्वा तस्मै दत्त्वा पुनर्निर्विशेतान्यां परिणयेदित्यर्थः । अत्यन्तासमर्थस्याज्ञानादिनिमित्तेऽपराध एतत् Aparā. 1116. 25 (*on* 3. 268)

अज्ञानादिनिवारण (ajñānādi-nivāraṇa) *n.* removal of ignorance etc. तच्चैतदज्ञानादिनिवारणं प्रमाणान्तरेऽपि दृष्टम् NyāyRa. 931. 15 (*on* 7. 306)

अज्ञानादिनिवृत्ति (ajñānādi-nivṛtti) *f.* **i** cessation or dispelling of wrong knowledge etc. अज्ञानादिनिवृत्तये तमेव ⋯ आद्यं पुरुषम् ⋯ शरणं प्रपद्येत GītāBh.(Rā.) 599. 26 (*on* 15. 4); **ii** cessation of nescience etc., NyāySu. (Ja.) 18B. 10 (*on* i. 1. 1)

अज्ञानादिपदपर्यायत्व (ajñānādipadaparyāya-tva) *n.* the state of being synonymous with words like *ajñāna* (ignorance) etc. मायादिशब्दानामपि व्युत्पत्तिनैरपेक्ष्येण बोधकत्वासंभवादज्ञानादिपदपर्यायत्वेन च व्युत्पन्नत्वात् स्वरूपेण सिद्धिर्दुर्वचा S'rutaPra. iB. 15. 21 (*on* i. 1. 1)

अज्ञानादिपरिकल्पन (ajñānādi-parikalpana) *n.* assumption of nescience etc. यदि वा माभूत्प्रामाण्यम्, यदज्ञानादिपरिकल्पनेऽप्यन्ततः फलति तच्चेदादौ तदप्रामाण्यं सिध्यति S'atDū. 193. 20.

अज्ञानादिप्रकारकज्ञान (ajñānādiprakāraka-jñāna) *n.* knowledge having nescience etc. for its adjunct or qualification स्वाविषयकत्वस्य सत्यन्तार्थत्वे वृत्त्युपहितांशे अज्ञानादिप्रकारकज्ञानस्य सङ्ग्रहापत्तेः LaCandr. 265. 3.

अज्ञानादिप्रकाश (ajñānādi-prakāśa) *m.* illumination of nescience etc. अनृतव्यावृत्त्यज्ञाननिवृत्त्योः अज्ञानादिप्रकाशरूपज्ञानस्य च ब्रह्मस्वरूपत्वेऽपि ⋯ ब्रह्मस्वरूपत्वस्य ⋯ अदर्शनात् Nyāyāmṛ. 554A. 6; AdvaiSi. 794. 12.

अज्ञानादिप्रतिबन्धक (ajñānādi-pratibandhaka) *m.* obstructer namely nescience etc. अनुसंधानाभावो नाज्ञानादिप्रतिबन्धकनिबन्धनः NyāySu. (Ja.) 508B. 2 (*on* iii. 2. 10)

अज्ञानादिप्रसक्ति (ajñānādi-prasakti) *f.* occurrence of ignorance etc. अर्थविरोधो नाम सर्वज्ञत्वादिगुणस्याज्ञानादिप्रसक्तिविरोधः S'rutaPra. iB. 42. 21 (*on* i. 1. 1)

अज्ञानादिबाध (ajñānādi-bādha) *m.* nullification or sublation of nescience etc. कथं पुनर्दृष्टिसृष्टिवादे श्रवणादिपरिपाकजन्मना ज्ञानेनाज्ञानादिबाधः SiddhāTa. 57. 9.

अज्ञानादिभान (ajñānādi-bhāna) *n.* illumination of nescience etc. अपरे पुनराचार्याः ⋯ वृत्तिभानप्रयोजकाध्यासिकसंबन्धस्यैवाज्ञानादिभानप्रयोजकत्वे ⋯ नाज्ञानाद्याकारा वृत्तिर्भानार्था SiddhāTa. 9. 13.

अज्ञानादिमल (ajñānādi-mala) *n.* impurity in the form of nescience etc. संभवति ह्यात्मन्यज्ञानादिमलापकर्षलक्षणः संस्कारः VivaPraSam. 143. 1.

अज्ञानादिमिश्रत्व (ajñānādimiśra-tva) *n.* the state of being mixed with nescience etc. ब्रह्मादिबुद्धिसंकीर्णता नाम सज्जनानुक्रोशयुक्तैव नाज्ञानादिमिश्रत्वम् TattvPrakā. 3A. 6 (*on* i. 1. 0)

अज्ञानादिमूलत्व (ajñānādimūla-tva) *n.* the state of being based on ignorance etc. लौकिकप्रसिद्धेरज्ञानादिमूलत्वेनान्यथोपपत्तावपि ⋯ अग्न्यादीनां वाच्यत्वं स्यात् TattvPrakā. 41A. 6 (*on* i. 2. 29)

अज्ञानादिरहित (ajñānādi-rahita) *adj.* devoid of nescience etc. अज्ञानादिरहितेऽपि ब्रह्मणि भ्रान्तिसिद्धैक्येन तदुपदेशोऽपि संभवत्येव S'atDū. 193. 27.

अज्ञानादिवर्जन (ajñānādi-varjana) *n.* avoidance or exclusion of nescience etc. सार्वज्ञा(? ज्ञ्या)द्यभावेऽज्ञानादिवर्जनं चेतनस्य नोपपद्यते NyāySu.(Ja.) 417A. 10 (*on* ii. 2. 10)

अज्ञानादिविरोधिता (ajñānādivirodhi-tā) *f.* the state of what is opposed to nescience etc. अज्ञानादिविरोधितया स्मृत्यनुभवयोरुपपत्तेः AdvaiSi. 873. 25.

अज्ञानादिविशिष्ट (ajñānādi-viśiṣṭa) *adj.* characterised by or possessed of nescience etc. अज्ञानादिविशिष्टस्य जीवस्य ⋯ ग्राहकं प्रत्यक्षम् ⋯ प्रमाणं स्यात् NyāySu.(Ja.) 443B. 10 (*on* ii. 3. 14); अज्ञानादिविशिष्टविषयकमप्युपहितविषयकम् GuruCandr. i. 132. 9; LaCandr. 253. 11.

अज्ञानादिवृत्तान्त (ajñānādi-vṛttānta) *adj.* having events in the form of ignorance etc. किं चाज्ञानादिवृत्तान्तं तन्नाटव्यां विसंकटम् । अतिनेदीय एवास्ति मिथ्यात्वाख्यं महासरः PāṇḍaC. 17. 61.

अज्ञानादिव्यष्टि (ajñānādi-vyaṣṭi) *f.* individual aspect or form of nescience etc. अज्ञानादिव्यष्टिः एतदुपहितप्राज्ञत्वादिविशिष्टचैतन्यम् ⋯ त्वंपदवाच्यार्थो भवति VedāntSā.(Sa.) 21. 18.

अज्ञानादिव्यावृत्ति (ajñānādi-vyāvṛtti) *f.* exclusion of nescience etc. सत्यपदेनैवाज्ञानादिव्यावृत्तिसिद्धेर्ज्ञानादिपदवैयर्थ्यम् Nyāyāmṛ. 454B. 5; 457B. 6; AdvaiSi. 695. 3.

अज्ञानादिसमष्टि (ajñānādi-samaṣṭi) *f.* collective aspect or form of nescience etc. अज्ञानादिसमष्टिः एतदुपहितं सर्वज्ञत्वादिविशिष्टं चैतन्यम् ⋯ तत्पदवाच्यार्थो भवति VedāntSā.(Sa.) 21. 13.

अज्ञानादिसंबन्ध (ajñānādi-sambandha) *m.* relation with nescience etc. अज्ञानादिसंबन्धस्यैवोक्तप्रतिबन्धकत्वसंभवात् GuruCandr. iii. 28. 12 = LaCandr. 586. 20; GuruCandr. i. 98. 13.

अज्ञानादिसंबन्धित्व (ajñānādisambandhi-tva) *n.* relationship with nescience etc. जीवानामेव । तेषामेवाज्ञानादिसंबन्धित्वात् NyāySu.(Ja.) 508A. 13 (*on* iii. 2. 10)

अज्ञानादिसाक्षिता (ajñānādisākṣi-tā) *f.* the state of being the witness of (i. e. observer of) nescience etc. निर्विशेषचित्श्चाज्ञानादिसाक्षितया प्रकाशमानत्वेन Nyāyāmṛ. 321A. 6.

अज्ञानादिसाक्षित्व (ajñānādisākṣi-tva) *n.* the state of being the witness of (i. e. observer of) nescience etc. विवर्ताधिष्ठानचिन्मात्रस्याज्ञानादिसाक्षित्वेन सदा प्रकाशनात् Nyāyāmṛ. 227B. 5; AdvaiSi. 486. 8.

अज्ञानादिसाधक (ajñānādi-sādhaka) *adj.* which establishes nescience etc. यदि तादृगनुभवेऽज्ञानादिसाधको नेष्यते असिद्धिरेव IṣṭaSi. 61. 5; न च साक्ष्यप्यविद्यावृत्तिप्रतिबिम्बित एवाज्ञानादिसाधकः Nyāyāmṛ. 172B. 8; अज्ञानादिसाधके⋯साक्षिणि तदभावात् AdvaiSi. 441. 21.

अज्ञानादिसाधकत्व (ajñānādisādhaka-tva) *n.* the nature of being the establisher of nescience etc. साक्षिणोऽज्ञानादिसाधकत्वान्न दृष्टान्तः साधनहीनः Nyāyāmṛ. 150A. 6.

अज्ञानादिसिद्धि (ajñānādi-siddhi) *f.* establishment of nescience etc. साक्षी अज्ञानादिसिद्धिरेव न तज्जनकः GuruCandr. ii. 7. 19.

अज्ञानादिहेतुत्व (ajñānādihetu-tva) *n.* the nature of being the cause of ignorance etc. मिथ्याज्ञानरूपस्याविवेकस्य च संयोगत्वे आत्माश्रयः पुंप्रकृतिसंयोगस्याज्ञानादिहेतुत्वात् SāṁkhyaPraBh. 14. 31 (*on* 1. 19)

अज्ञानाद्य (ajñānādya) *adj.* [*f.* -ā] ignorance or nescience etc. सत्त्वरजसोरभिभवात् तमसो मूढा वृत्तिरुत्पद्यते अज्ञानाद्या MāṭhVṛ. 22. 1 (*on* 12); 41. 6 (*on* 23); उत्पत्त्यादेरभावान्न यदि दृशि भिदा ⋯ अज्ञानाद्यैरनैकान्तिकमपि TattvMu. 4. 5.

अज्ञानाद्यंश (ajñānādy-aṁśa) *m.* part consisting of nescience etc. अज्ञानाद्यंशेऽप्यपरामर्शत्वापातात् Nyāyāmṛ. 373A. 9.

अज्ञानाद्यध्यास (ajñānādy-adhyāsa) *m.* superimposition of nescience etc. शुद्धचित एव ⋯ अज्ञानाद्यध्यासाधिष्ठानत्वाच्च Nyāyāmṛ. 164A. 6.

अज्ञानाद्यनिरास (ajñānādy-anirāsa) *m.* non-removal of nescience etc. अज्ञानाद्यनिरासेन नास्ति लोके प्रबोधकम् BṛĀraUBhVā. iv. 4. 786.

अज्ञानाद्यनिष्ट (ajñānādy-aniṣṭa) *n.* undesired object like ignorance etc. तथा सति हि जगत इव ब्रह्मणोऽपि विकाराज्ञानाद्यनिष्टप्रसङ्गः समुन्मिषति BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 13. 6 (*on* ii. 1. 8)

अज्ञानाद्यभाव (ajñānādy-abhāva) *m.* absence of ignorance etc. परमात्मा⋯तस्य सर्वज्ञत्वेनाज्ञानाद्यभावात् NyāySu.(Ja.) 508B. 1 (*on* iii. 2. 10)

अज्ञानाद्यवद्य (ajñānādy-avadya) *n.* defects like ignorance etc. देवाः ⋯अज्ञानाद्यवद्यविधुराश्च⋯आसन् TattvPrakā. 52A. 4 (*on* i. 3. 24)

अज्ञानाद्यविषयक (ajñānādyaviṣaya-ka) *adj.* not having nescience etc. for its object अज्ञानाद्यविषयकस्यैव तत् (अज्ञाननिवर्तकत्वम्) इति नियमे तु किं मानम् LaCandr. 253. 12.

अज्ञानाद्यविषयकत्व (ajñānādyaviṣayaka-tva) *n.* the state of not having nescience etc. for its object शुद्धब्रह्मविषयकत्वनियमेऽपि अज्ञानाद्यविषयकत्वनियमः कुतः GuruCandr. i. 128. 2.

अज्ञानाद्याकारा (ajñānādy-ākārā) *adj.* (*f.*) of the form of nescience etc. सुषुप्तौ चाज्ञानाद्याकाराविद्यावृत्तिर्नास्ति Nyāyāmṛ. 501A. 5; नाज्ञानाद्याकारा वृत्तिर्भानार्था SiddhāTa. 9. 14; अज्ञानाद्याकाराया अविद्यावृत्तेः ⋯ स्वीकारात् LaCandr. 535. 33.

अज्ञानाद्यात्मिका (ajñānādy-ātmikā) *adj.* (*f.*) of the form of nescience etc. यदसाधारणाविद्या प्रत्यगात्मैकगोचरा । अज्ञानाद्यात्मिका सिद्धा BṛĀraUBhVā. iv. 4. 892.

अज्ञानाद्यापात (ajñānādy-āpāta) *m.* contingency of ignorance (i. e. non-cognition) etc. विशिष्टे ज्ञातेऽपि कदाचिद्विशेष्ये अज्ञानाद्यापाताच्च Nyāyāmṛ. 54B. 6.

अज्ञानाद्याश्रय (ajñānādy-āśraya) *m.* abode or substratum of nescience etc. अज्ञानाद्याश्रयाभेदेन च प्रत्यभिज्ञायमाने शुद्धे भेदप्रतीतेः Nyāyāmṛ. 568A. 8; AdvaiSi. 810. 14.

अज्ञानाद्युपाधि (ajñānādy-upādhi) *m.* adjunct consisting of nescience etc. अज्ञानाद्युपाधिभिरुपहितस्यैकस्यैव ब्रह्मणो धर्मः S'ivārkaMaDī. ii. 161. 31 (*on* ii. 3. 50); अज्ञानाद्युपाध्यवच्छिन्नस्य प्रकाशेऽपि ⋯ आवरणमावश्यकम् LaCandr. 486. 34; GuruCandr. ii. 147. 24.

अज्ञानाद्रि (ajñānādri) *m.* mountain in the form of ignorance अज्ञानाद्रितटे⋯धावति⋯मदीयं मनः VairāS'.(Pa.) 51.

अज्ञानाधारता (ajñānādhāra-tā) *f.* the nature of being the locus or abode of nescience अज्ञानाधारतावच्छेदकत्वस्यैवारोप्यसंबन्धावच्छेदकत्वे नियामकत्वात् GuruCandr. i. 52. 18; अज्ञानमूलकभ्रमविशेष्यतावच्छेदकरूपावच्छिन्नस्यैवाज्ञानाधारतावच्छेदकत्वात् LaCandr. 651. 27.

अज्ञानाधिकरण (ajñānādhikaraṇa) *n.* locus or abode of nescience अज्ञानाधिकरणस्थूलकालमादाय न जानामीति बुद्ध्यापत्तेः GuruCandr. iii. 37. 17.

अज्ञानाधीन (ajñānādhīna) *adj.* dependent on nescience संसारः सत्योऽप्यज्ञानाधीन इत्युक्तेः Nyāyāmṛ. 292B. 11; जीवत्वमज्ञानाधीनम् GuruCandr. iii. 12. 12; LaCandr. 578. 25.

अज्ञानाधीनत्व (ajñānādhīna-tva) *n.* the state of being dependent on nescience साक्षिगतत्वाधकताया अज्ञानाधीनत्वे Nyāyāmṛ. 173A. 8.

अज्ञानाधीनभ्रम (ajñānādhīna-bhrama) *m.* erroneous cognition caused by nescience अज्ञानाधीनभ्रमस्य तेन रूपेण ज्ञानादेव बाधात् GuruCandr. i. 371. 15.

अज्ञानाध्यक्ष (ajñānādhyakṣa) *n.* perception of nescience दुरन्तध्वान्तनाशायाज्ञानाध्यक्षोपपादनम् GuruCandr. ii. 406. 15.

अज्ञानाध्यारोपण (ajñānādhyāropaṇa) *n.* superimposition of nescience अज्ञानाध्यारोपणनिवृत्तिरेव आत्मानमेवावेदित्युक्तम् BṛĀraUBh. 131. 18 (*on* i. 4. 10)

अज्ञानाध्यास (ajñānādhyāsa) *m.* superimposition of nescience अज्ञानाध्यासाधीनसिद्धिकत्वादन्यस्य सर्वस्य सविकल्पकसंपादकस्य वस्तुनः VivaPraSaṁ. 104. 15; अज्ञानाध्यासविशिष्टचैतन्येऽहंकाराध्यासः SiddhāBi. 38. 7; अज्ञानाध्यासस्य सविकल्पकतापत्त्या सुषुप्तानुभवत्वहान्यापत्तेः GuruCandr. ii. 78. 21; अज्ञानाध्यासस्य… निर्विशेष्यकत्वात् LaCandr. 465. 26.

अज्ञानानङ्गीकार (ajñānānaṅgīkāra) *m.* non-acceptance of nescience जडे च प्रमाणप्रयोजनाभावेनाज्ञानानङ्गीकारात् SiddhāBi. 52. 5.

अज्ञानाननुविद्ध (ajñānānanuviddha) *adj.* not associated with nescience ब्रह्मशब्दप्रवृत्तिनिमित्तभूतब्रह्मत्वनिरुक्तौ … अज्ञानाननुविद्धनिरतिशयज्ञानदुःखाननुविद्धनिरतिशयसुखादिमत्त्वं च S'ivārkaMaDi. i. 94. 2 (*on* i. 1. 1)

अज्ञानानन्तफल (ajñānānantaphala) *adj.* resulting endlessly in ignorance वितर्का हिंसादयः … दुःखाज्ञानानन्तफला इति प्रतिपक्षभावनम् YogSū. 2. 34.

अज्ञानानन्दरूप (ajñānānandarūpa) *adj.* of the form of what is not knowledge and (not) happiness अथ ज्ञानानन्दयोरज्ञानानन्दरूप एवाश्रयो दृष्ट इति S'atDū. 201. 9.

अज्ञानानपेक्ष (ajñānānapekṣa) *adj.* not dependent on nescience अज्ञानानपेक्षस्य चात्मनः स्वत एव स्वरूपसिद्धेः NaiṣkSi. 106. 2.

अज्ञानानभिभावकत्व (ajñānānabhibhāvaka-tva) *n.* the state of that which does not suppress or remove nescience शुक्तिरजतस्थले इदमाकारवृत्तेरज्ञानानभिभावकत्वात् SiddhāLeSaṁ. 185. 6.

अज्ञानानभ्युपगम (ajñānānabhyupagama) *m.* non-acceptance of nescience जडेऽज्ञानानभ्युपगमेनान्तःकरणवृत्तिलक्षणप्रमाणज्ञानानाम् … तत्र सद्भावाद् अनैकान्तिकत्वात् Vādā. 24. 5; जडे च प्रमाणप्रयोजनाभावेनाज्ञानानङ्गीकारात् (v. l. अज्ञानानभ्युपगमात्) SiddhāBi. 52. 5.

अज्ञानानर्थक्य (ajñānānarthakya) *n.* purposelessness of nescience नास्त्येव जन्यत्वमिति चेन्न । अज्ञानानर्थक्यप्रसङ्गात् SiddhāTa. 56. 8.

अज्ञानानवच्छिन्न (ajñānānavacchinna) *adj.* not delimited by nescience चैतन्यं स्वरूपेणापरिच्छिन्नमपि अनादिभावरूपाज्ञानस्य चिन्मात्रनिष्ठत्वेन व्यापकत्वात् तदवच्छिन्नं सत् साक्षिरूपतामापन्नं साक्षिरूपेणैवावतिष्ठते न त्वज्ञानानवच्छिन्नं पृथगिति ViraMi.(Bhakti.) 168. 19.

अज्ञानानवच्छिन्नत्व (ajñānānavacchinna-tva) *n.* nature of not being delimited by nescience न हि सुषुप्तिकाले … अज्ञानानवच्छिन्नत्वमप्यस्ति AdvaiSi. 810. 17.

अज्ञानानवच्छेदकता (ajñānānavacchedaka-tā) *f.* the state of not being the delimiting factor of nescience सामान्यस्य ज्ञातत्वादेवाज्ञानानवच्छेदकतया Nyāyāmṛ. 360B. 7.

अज्ञानानात्मक (ajñānānātma-ka) *adj.* not consisting of nescience जीवन्मुक्तभोगादिकमज्ञानानात्मकमपि न तल्लेशात्मकम् GuruCandr. i. 144. 24 = LaCandr. 290. 10.

अज्ञानानाविष्करण (ajñānānāviṣkaraṇa) *n.* non-exhibition of ignorance अज्ञानानाविष्करणे त्वननुभाषणमेव TārkiRa. 350. 14.

अज्ञानानाश (ajñānānāśa) *m.* non-destruction of nescience नातोऽद्वैतहानिरज्ञानानाशश्च IṣṭaSi. 375. 15.

अज्ञानानाश्रयत्व (ajñānānāśraya-tva) *n.* the state of not being the locus or abode of nescience अहमर्थस्याज्ञानानाश्रयत्वेन कथमयं प्रत्ययः … उपपद्यते AdvaiSi. 548. 3; ब्रह्मणोऽपीति । अज्ञानानाश्रयत्वेऽपीति शेषः GuruCandr. iii. 12. 9 = LaCandr. 578. 24.

अज्ञानाश्रितत्व (ajñānānāśrita-tva) *n.* the state of not having nescience as the support or locus न हि ज्ञानस्याध्यासोऽज्ञानाश्रयत्वे प्रयोजकः। … किं तु प्रसक्तप्रकाशत्वमज्ञानानाश्रितत्वं च AdvaiSi. 578. 12.

अज्ञानानिवर्तक (ajñānānivartaka) *adj.* [*f.* -ikā] not removing nescience अथ तान्यज्ञानानिवर्तकानि (शुक्तिज्ञानानि) अनर्थकानि तर्हि IṣṭaSi. 63. 23; प्रमाणपदं प्रमाणवृत्तेरेव पक्षत्वेन सुखादिप्रमायाम् … अज्ञानानिवर्तिकायां बाधवारणाय AdvaiSi. 562. 3.

अज्ञानानिवर्तकता (ajñānānivartaka-tā) *f.* the state of not being the remover of nescience न च पूर्वज्ञानस्य कर्मणा प्रतिबन्धादज्ञानानिवर्तकतेति युक्तम् Nyāyāmṛ. 639B. 10; वृत्तिमात्रस्याज्ञानानिवर्तकतया … वृत्तिप्रतिबिम्बितचैतन्यावश्यकत्वेन फलव्याप्यत्वात् GuruCandr. i. 146. 1.

अज्ञानानिवर्तकत्व (ajñānānivartaka-tva) *n.* the state of not being the remover of nescience (सुखादिप्रमा) तस्याः साक्षिरूपत्वेनाज्ञानानिवर्तकत्वात् Nyāyāmṛ. 319A. 7; 364A. 5; आपातदर्शनस्य प्रतिबद्धत्वेनाज्ञानानिवर्तकत्वात् AdvaiSi. 691. 10; 263. 3; इदमाकारवृत्तेरज्ञानानिवर्तकत्वेऽपि न क्षतिः GuruCandr. iii. 181. 21 = LaCandr. 654. 35.

अज्ञानानिवृत्ति (ajñānānivṛtti) *f.* non-removal of nescience शुक्तिज्ञानेनाज्ञानानिवृत्तौ Nyāyāmṛ. 288B. 6; 315B. 8; ब्रह्मणो मननादेः प्रागज्ञानानिवृत्तावस्पष्टता अनन्तरं तन्निवृत्तौ स्पष्टता SiddhāLeSaṁ. 218. 2; 17. 6; चैत्रो ब्रह्मेति वाक्यजबुद्ध्याज्ञानानिवृत्तेः शक्तिविशेषेण मूलाज्ञाननाशकत्वावश्यकत्वात्क-(? त्का)रणविशेषणादिनिवेशे गौरवं नेति भावः GuruCandr. iii. 43. 21; LaCandr. 591. 31.

अज्ञानानुच्छेद (ajñānānuccheda) *m.* non-removal of nescience अज्ञानानुच्छेदे तत्कार्यस्य… उत्तरज्ञानेन निवृत्तिसंभवात् LaCandr. 654. 24.

अज्ञानानुद्भावन (ajñānānudbhāvana) *n.* not revealing ignorance, non-manifestation of ignorance अज्ञानानुद्भावनवद्विच्छेदोऽपि कथायां विवक्षितः TārkiRa. 348. 2.

अज्ञानानुन्मज्जन (ajñānānunmajjana) *n.* non-emergence of ignorance न च…अज्ञानानुन्मज्जनं तु…युक्तमिति वाच्यम् Nyāyāmṛ. 633B. 5.

अज्ञानानुपमर्द (ajñānānupamarda) *m.* absence of destruction of nescience अज्ञानानुपमर्देन व्याकृतिर्यास्य जायते BṛĀraUBhVā. i. 2. 132.

अज्ञानानुपहित (ajñānānupahita) *adj.* not delimited by nescience अज्ञानानुपहितं तु बिम्बचैतन्यं शुद्धमिति संक्षेपशारीरककाराः SiddhāBi. 46. 3; 50. 3.

अज्ञानानुपादानक (ajñānānupādāna-ka) *adj.* not having nescience as the material cause प्रपञ्चोऽज्ञानवदज्ञानानुपादानक इत्यपास्तम् GuruCandr. ii. 324. 3.

अज्ञानानुपादानकत्व (ajñānānupādānaka-tva) *n.* the state of not having ignorance as the material cause सद्योमुक्तिपरिजिहीर्षया प्रतिविषयमज्ञानभेदे वा अध्यासस्याज्ञानानुपादानकत्वे वाङ्गीक्रियमाणे कल्पनागौरवाध्यासत्वे प्रसज्येयाताम् VivaPraSaṁ. 24. 6; तस्याज्ञानानुपादानकत्वे ज्ञानान्निवृत्तिर्न स्यात् Nyāyāmṛ. 300A. 8; AdvaiSi. 544. 3; 848. 1; आकाशादेरज्ञानानुपादानकत्वेऽपि व्यावहारिकदृश्यनाशे मूलाज्ञाननिवृत्तेर्हेतुत्वकल्पनात् GuruCandr. ii. 314. 16 = LaCandr. 528. 22.

अज्ञानानुपादेयत्व (ajñānānupādeya-tva) *n.* the state of being what is not to be produced from nescience अवस्थानामनादित्वेनाज्ञानानुपादेयत्वात् GuruCandr. ii. 156. 24.

अज्ञानानुप्रवेश (ajñānānupraveśa) *m.* penetration into (i. e. association with) nescience एकस्यैव चिद्धातोरज्ञानानुप्रवेशेन प्रमातृत्वाद्यध्यासशालित्वं संसारः PrakaVi. 4. 15.

अज्ञानानुबन्ध (ajñānānubandha) *m.* association with nescience प्रत्येकमज्ञानानुबन्धश्च … तेन मुह्यन्ति जन्तवः इत्यादिश्रुति° … °सिद्धेः … नापलपमर्हति PrakaVi. 4. 5.

अज्ञानानुभव (ajñānānubhava) *m.* experience or realisation of nescience or ignorance अज्ञान्यसि न जानामीति चाज्ञानानुभवो यथा पुंसो भवति नैवं जडस्य स्यात् IṣṭaSi. 194. 3; अज्ञानानुभवस्याश्रयविषयभूतप्रत्यगर्थानुभवपुरस्सरत्वात् NītiMā. 22. 23; जागरितावस्थायामेवाज्ञानानुभवोऽयमिति संप्रदायः S'rutaPra. iB. 8. 18 (*on* i. 1. 1); सुषुप्तिमरणमूर्च्छाद्यहंकारविलयदशायामज्ञानानुभवभङ्गप्रसङ्गात् S'atDū. 105. 26; विशदः स्वरूपावभास एवाज्ञानविरोधी नाज्ञानेन सह भासत इत्याश्रयविषयज्ञाने सत्यपि नाज्ञानानुभवविरोधः SarvaDaSaṁ. 4. 73; SiddhāLeSaṁ. 152. 1; GuruCandr. iii. 41. 23; ii. 336. 22.

अज्ञानानुविद्धता (ajñānānuviddha-tā) *f.* the state of being penetrated by nescience न च एवमज्ञानानुविद्धतया भ्रमस्य प्रतीत्यापत्तिः मृदनुविद्धतया घटस्येवेति वाच्यम् AdvaiSi. 546. 5.

अज्ञानानुवृत्ति (ajñānānuvṛtti) *f.* continuity of nescience भावकार्यम् …प्रत्युपादानत्वेनाज्ञानानुवृत्त्यापातात् Nyāyāmṛ. 638B. 8.

अज्ञानानुवेध (ajñānānuvedha) *m.* penetration of nescience यथा शुक्लत्वादिना रूपाद्यनुवेधः तथा जडत्वादिनाज्ञानानुवेधः GuruCandr. ii. 365. 16; यथा शुक्लत्वादिना रूपाद्यनुवेधः तथा जडत्वादिना अज्ञानानुवेधोऽस्त्येव LaCandr. 546. 23.

अज्ञानानुसंधान (ajñānānusandhāna) *n.* remembrance or recollection of ignorance न च जिज्ञासितस्य सहसैव ग्रहणेऽप्यजिज्ञासितस्य चिरातिवृत्तस्याज्ञानानुसंधानानुपपत्तिः NyāyKu. 79. 9.

अज्ञानान्तर (ajñānāntara) *n.* another nescience भेदस्य भेदान्तरानपेक्षत्ववदज्ञानसंबन्धस्याप्यज्ञानान्तरसंबन्धानपेक्षत्वात् PañcPra. 58. 3; एकाज्ञानाभावेऽपि अज्ञानान्तराणां तत्र भावात् IṣṭaSi. 64. 15; अनादि च अज्ञानम्, न च अज्ञानान्तरमिच्छसि IṣṭaSi. 84. 2; न हि तस्यानुमानप्रमेयस्याज्ञानस्यावारकं भावरूपमज्ञानान्तरमस्ति NītiMā. 22. 17; आरोपितत्वे पूर्ववदज्ञानान्तरारोपोपगमादनवस्था NyāySu.(Ja.) 62A. 1 (*on* i. 1. 1); 62A. 3 (*on* i. 1. 1); किन्तु … मूलाज्ञानस्यावस्थाभेदरूपमज्ञानान्तरमिति तन्नाश एवाभिभवः SiddhāLeSaṁ. 136. 7; अज्ञानान्तरनिबन्धनं च प्रयोजनं प्रतिबध्नाति इति किमनुपपन्नम् AdvaiSi. 488. 2.

अज्ञानान्तरत्व (ajñānāntara-tva) *n.* the state of being a different nescience ज्ञप्तिविरोधित्वेनानुभूयमानस्याज्ञानान्तरत्वापातात् Nyāyāmṛ. 338A. 8.

अज्ञानान्तरसम्बन्ध (ajñānāntara-sambandha) *m.* relation with another nescience ब्रह्माज्ञानपक्षेऽपि…अज्ञानसम्बन्धोऽपि ब्रह्मणोऽज्ञानसम्बन्धद्वारक एव, न ब्रह्मद्वारकः । नाप्यज्ञानान्तरसम्बन्धद्वारकः PañcPra. 58. 2.

अज्ञानान्तराभाव (ajñānāntarābhāva) *m.* absence of another nescience न चाज्ञानस्यापि मेयेऽन्तर्भावः अज्ञानान्तराभावात् IṣṭaSi. 369. 18.

अज्ञानान्तरितत्व (ajñānāntarita-tva) *n.* the state of being separated by nescience अज्ञानान्तरितत्वेन संप्राप्तत्यक्तयोः पुनः । याथात्म्यज्ञानतो नान्यत्पुरुषार्थाय कल्पते BṛĀraUBhVā. (Sambandha.) 888.

अज्ञानान्तर्गहन (ajñānāntargahana) *n.* the inner forest of nescience अज्ञानान्तर्गहनपतितानात्मविद्योपदेशैस्त्रातुं लोकान्…शंभोर्मूर्तिश्चरति भुवने S'aṅkaDigVi.(Mā.) 4. 60.

अज्ञानान्ध (ajñānāndha) *adj.* blind with ignorance अज्ञानान्धस्य लोकस्य ज्ञानाञ्जनशलाकया । चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै पाणिनये नमः PāṇiS'i. 59; VarāP. 187. 79; भगवन् … ज्ञानं च … अज्ञानान्धप्रदीपकम् … मां बोधयितुमर्हसि PañcaRā.(Nā.) i. 1. 17; i. 1. 83; अज्ञानान्धमबान्धवम् … मा मां मुञ्च महेश Subhāṣi. 3522; अज्ञानान्धस्य देवेश प्रकाशं मे निदर्शय KathāKau. 1. 6; सुदर्शन… । अज्ञानान्धस्य मे देव विष्णोर्मार्गं प्रदर्शय BṛBrahmaS. i. 2. 99.

अज्ञानान्धक (ajñānāndha-ka) *adj.* blind with ignorance कथयामि ते । सारभूतं च तत्त्वानामज्ञानान्धकलोचनम् । … परमात्मस्वरूपम् BrahmVaiP. i. 28. 11.

अज्ञानान्धकार (ajñānāndhakāra) *m.* darkness of ignorance भवे यस्य कस्यापि प्राणिनोऽज्ञानान्धकारमग्नस्य यस्तत्त्वातत्त्वव्यक्तिं दर्शयति स एव गुरुः KumāPraPra. 65. 17.

अज्ञानान्धजन (ajñānāndha-jana) *m.* person blinded by ignorance अज्ञानान्धजनानां यो मोहान्धतमसं मुनिः । निराचिकीर्षुः ĀdiP. 1. 8; DevīBhāP. xi. 1. 12.

अज्ञानान्धतमस् (ajñānāndhatamas) *n.* dense darkness of ignorance यच्छ्रुतं व्यासवक्त्रेण ब्रह्मखण्डमनुत्तमम् । अज्ञानान्धतमोध्वंसि ज्ञानवर्त्मप्रदीपकम् BrahmVaiP. i. 2. 3; ii. 36. 101; अज्ञानान्धतमोऽन्वितम् । … मां सुवर्त्म प्रदर्शय PañcaRā.(Nā.) ii. 4. 17; श्रीहेमचन्द्रप्रभोरज्ञानान्धतमःप्रचारहरणं मात्रादृशां मादृशाम् । …विश्वविबोधनाय भवतात् PrabhāC. 212. 6.

अज्ञानान्ध्य (ajñānāndhya) *n.* darkness of ignorance अज्ञानान्ध्यविहन्ता विरचितविज्ञानपङ्कजोल्लासः । मानसगगनतलं मे भासयति श्रीनिवासगुरुभानुः SvātmNi. 156.

अज्ञानान्य (ajñānānya) *adj.* other than nescience यदि चाज्ञानान्यस्य परिणामिन एव परिणामावच्छेदेन तादात्म्यं जायते GuruCandr. i. 53. 24; ज्ञानमज्ञानान्यस्य नोच्छेदकम् GuruCandr. ii. 148. 20.

अज्ञानान्यत्व (ajñānānya-tva) *n.* the state of being different from nescience शक्तेरज्ञानान्यत्वे आवरणत्वायोगात् GuruCandr. ii. 155. 22.

अज्ञानान्यावच्छेद (ajñānānyāvaccheda) *m.* delimitation by what is other than nescience अज्ञानानवच्छेदेन अज्ञानान्यावच्छेदेन GuruCandr. iii. 31. 16; LaCandr. 587. 43.

अज्ञानापनुत्ति (ajñānāpanutti) *f.* removal or destruction of nescience न ह्यज्ञानापनुत्तेरधिकमपि फलं किंचिदस्ति प्रमाणात् SaṁkṣeS'ā. 4. 7 (ii. 361. 17); 1. 246 (i. 190. 5)

अज्ञानापनुद् (ajñānāpanud) *adj.* dispeller of nescience कर्मणोऽदृष्टसामर्थ्यं यद्यज्ञानापनुन्मतम् BṛĀraUBhVā. iii. 3. 97.

अज्ञानापराध (ajñānāparādha) *m.* guilt or crime due to ignorance ममाज्ञानापराधः क्षम्यतां विभो PārśvC. 8. 177.

अज्ञानापरामर्श (ajñānāparāmarśa) *m.* non-apprehension of ignorance न च जिज्ञासितस्य स्मर[णाद]ज्ञानापरामर्शः NyāyKu. 78. 18; अतस्ततोऽपि ज्ञानस्याज्ञानापरामर्शान्नानुमेयज्ञानवादः NyāyKu. 79. 4.

अज्ञानापरिकल्पन (ajñānāparikalpana) *n.* non-assumption of nescience अज्ञानापरिकल्पने अनुपपत्तिर्नास्ति S'rutaPra. iB. 40. 25 (*on* i. 1. 1)

अज्ञानापात (ajñānāpāta) *m.* contingency of nescience अज्ञानस्य स्वविरोधिज्ञानाभावव्यापकत्वेन मोक्षेऽप्यज्ञानापाताच्च Nyāyāmṛ. 364A. 6; AdvaiSi. 589. 31.

अज्ञानापोह (ajñānāpoha) *m.* exclusion of non-knowledge अपि चायमज्ञानापोहवादी वक्तव्यः Kāśi. ii. 153. 14 (*on* 5(3). 143)

अज्ञानाप्रयुक्त (ajñānāprayukta) *adj.* not caused by nescience अज्ञानाप्रयुक्तं सत् यज्जन्यं तदन्यत्वे सति कालसंबन्धित्वम् GuruCandr. i. 144. 15; LaCandr. 290. 7; तदकल्पिततया अज्ञानाप्रयुक्ततया GuruCandr. iii. 181. 13; LaCandr. 654. 31; शुक्तिरूप्यादेः … अज्ञानाप्रयुक्तत्वात् GuruCandr. ii. 314. 22; अज्ञानाप्रयुक्तत्वं तु अज्ञानतल्लेशान्यतरतादात्म्यानापन्नत्वम् LaCandr. 290. 9.

अज्ञानाप्रसक्ति (ajñānāprasakti) *f.* absence of the possibility of (the presence of) nescience साक्षिणि यदज्ञानविरोधित्वमनुभूयते तन्नाज्ञाननिवर्तकत्वनिबन्धनम् किं तु स्वविषय इच्छादौ यावत्सत्त्वं प्रकाशादज्ञानाप्रसक्तिनिबन्धनम् AdvaiSi. 590. 23.

अज्ञानाप्रसिद्धि (ajñānāprasiddhi) *f.* absence of the common knowledge of nescience परेषां तत्त्ववादितार्किकादीनां तदसिद्धेः अज्ञानाप्रसिद्ध्या तदप्रसिद्धेः इति वा अर्थः GuruCandr. i. 199. 17.

अज्ञानाब्धि (ajñānābdhi) *m.* ocean of ignorance अज्ञानाब्धेस्तारकस्तात (शिवः) एव S'ivLī. 13. 57.

अज्ञानाभाव (ajñānābhāva) *m.* absence or negation of nescience अज्ञानाभावश्चात्मनः कल्पितः स्यात् AitUBh. 275. 11 (*on* 4. 0); तयोरभावे त्वज्ञानाभावः सर्वेषां समानः IṣṭaSi. 56. 20; अतोऽज्ञानाभावेऽपि भावान्न तत्कार्यता रूप्यादेरिति चेत् IṣṭaSi. 63. 16; 122. 23; 204. 7; गुर्वाकाशादिप्रपञ्चवत् अज्ञानाभावे यद्यप्यभावः PañcaPra. 23. 3; ईश्वरस्याज्ञानाभावात् संसारैणैक्यं तेनानुभूयेत Tattvoddyo. 4B. 5; विपरीतनिश्चये सति अज्ञानाभावादेव भ्रमानुत्पादात् GuruCandr. i. 285. 6; तेनाज्ञानाभावत्वेन कारणत्वाभावात् GuruCandr. ii. 135. 13; यदज्ञानाभावत्वमज्ञानप्रयुक्ताभावत्वं च तयोरन्यतरत्वं वा ज्ञानप्रयुक्तनिवृत्तित्वम् LaCandr. 175. 4.

अज्ञानाभावतस् (ajñānābhāva-tas) *adv.* because of the absence of nescience अज्ञानाभावतः शास्त्रं सर्वं व्यर्थीभविष्यति AnuVyā. 2B. 4 (*on* 1. 1)

अज्ञानाभावसिद्धि (ajñānābhāva-siddhi) *f.* establishment of the negation of nescience अपरामर्शात् प्राज्ञेऽज्ञानाभावसिद्धौ चात्मवेदनबोधकश्रुतिरनावृतप्राज्ञप्रकाशं बोधयति LaCandr. 597. 37.

अज्ञानाभावाश्रय (ajñānābhāvāśraya) *m.* substratum of the non-existence of nescience अज्ञानाभावाश्रयचिज्ज्ञानम् … अज्ञानविशेषणम् GuruCandr. ii. 161. 20.

अज्ञानाभावोपहित (ajñānābhāvopahita) *adj.* conditioned by negation of nescience अज्ञानाभावोपहितचिदाकारवृत्तावज्ञानोपहितचित उक्तप्रतिबन्धकत्वात् GuruCandr. iii. 28. 13 = LaCandr. 586. 21; 776. 39.

अज्ञानाभिगति (ajñānābhigati) *f.* sexual intercourse or cohabitation through ignorance अज्ञानाभिगतौ स्त्रीणां पुंसामनुलोमजस्य च । इमां निष्कृतिमिच्छन्ति BṛParāSm. 8. 246.

अज्ञानाभिधान (ajñānābhidhāna) *adj.* called nescience तस्या एव परिच्छिन्नानिर्वाच्यानन्तप्रदेशेष्वज्ञानाभिधानेषु…प्रतिबिम्बितं तदेव चैतन्यमनन्तजीवव्यवहारास्पदम् PrakaVi. 3. 25; ज्ञानाभावभ्रान्तिज्ञानतत्संस्कारा एवाज्ञानाभिधानाः VivaPraSaṁ. 25. 11.

अज्ञानाभिन्न (ajñānābhinna) *adj.* not different from (i. e. identical with) nescience अवस्थाशेषाणामज्ञानाभिन्नत्वे एकाज्ञानपक्षक्षतिः AdvaiSi. 487. 12; तमः अज्ञानाभिन्नं जगत्तदानीमप्यासीत् GuruCandr. iii. 155. 18 = LaCandr. 643. 32; ii. 151. 21.

अज्ञानाभिन्नावरक (ajñānābhinnāvaraka) *n.* veil or covering not different from nescience अज्ञानाभिन्नावरकस्यैव ज्ञाननाश्यत्वादिस्वीकारात् Guru-

Candr. ii. 151. 16.

अज्ञानाभिभव (ajñānābhibhava) *m.* overcoming or subjugation of nescience न च···अज्ञानाभिभवद्वारा तस्य जीवचैतन्याभेदाभिव्यञ्जकान्तःकरणवृत्तिरिव Nyāyāmṛ. 500B. 13; अज्ञानाभिभवद्वारा तस्य जीवचैतन्याभेदाभिव्यञ्जकान्तःकरणवृत्तिवत्तादृशवृत्त्यभावाच्च AdvaiSi. 754. 8; तथा वृत्त्युत्पत्त्युत्तरमज्ञानाभिभवः GuruCandr. ii. 150. 19; अज्ञानाभिभवद्वाराभेदव्यञ्जकमनोवृत्तेः सुखादावभावात् LaCandr. 754. 32.

अज्ञानाभिभावक (ajñānābhibhāvaka) *adj.* which overcomes (i. e. overwhelms) nescience अयं घट इति वृत्तेरज्ञानाभिभावकत्वं न स्यात् Nyāyāmṛ. 368A. 6; तत्त्वं च ··· अज्ञानाभिभावकवृत्त्यवच्छिन्नत्वाच्चितोऽपीति भावः GuruCandr. ii. 134. 12.

अज्ञानाभिमानित्व (a-jñānābhimānitva) *n.* identification of oneself with nescience जीवावस्थात्वमज्ञानाभिमानित्वादवादिषम् PañcDa. 7. 43.

अज्ञानाभिव्यञ्जकत्व (ajñānābhivyañjaka-tva) *n.* the state of manifesting nescience अस्ति चान्तःकरणस्य···अज्ञानाभिव्यञ्जकत्वम् PañcPra. 67. 7.

अज्ञानाभेद (ajñānābheda) *m.* non-difference from (i. e. identity or oneness with) nescience अज्ञानाभेदोऽवस्थासु व्यर्थः GuruCandr. ii. 151. 20; ii. 156. 3.

अज्ञानारूढत्व (a-jñānārūḍhatva) *n.* absence of the state of being the object of knowledge विशेषणस्याज्ञानारूढत्वे विशिष्टस्यालिङ्गत्वात् NayaVi. 113. 4 (*on* i. 1. 5)

अज्ञानारोप (ajñānāropa) *m.* superimposition of nescience अज्ञानारोपः स्वाभाविकः सहेतुको वा NyāySu.(Ja.) 61B. 9 (*on* i. 1. 1)

अज्ञानारोपोपादान (ajñānāropopādāna) *n.* material cause of the superimposition of nescience अज्ञानारोपोपादानमप्यज्ञानं सत्यं चेत् NyāySu. (Ja.) 61B. 13 (*on* i. 1. 1)

अज्ञानार्णव (ajñānārṇava) *m.* ocean of ignorance अज्ञानार्णवमग्नानां सर्वेषां प्राणिनामयम् । सौरधर्मो ह्ययं श्रीमान्परतीरप्रदो यतः BhaviP. 257A. 20 (i. 173. 8)

अज्ञानार्थ (a-jñānārtha) *adj.* not having the meaning 'knowledge' जानातेरज्ञानार्थस्य करणे षष्ठी स्यात् PrakriKau. i. 441. 8; त्यदादिषूपपदेष्वज्ञानार्थाद्दृशेर्धातोः कञ्स्यात् SiddhāKau. 99A. 1; 152B. 10.

अज्ञानार्थक (ajñānārtha-ka) *adj.* having ignorance or nescience for its meaning अज्ञानार्थकं मायापदम् GuruCandr. ii. 428. 16; मानशब्दस्य ··· रूढ्या अज्ञानार्थकत्वम् LaCandr. 571. 30.

अज्ञानार्थापत्ति (ajñānārthāpatti) *f.* presumption (as a means of knowledge) establishing nescience तर्कैरित्यादि अज्ञानार्थापत्तिरक्षणम् GuruCandr. iii. 6. 20.

अज्ञानावच्छिन्न (ajñānāvacchinna) *adj.* delimited by nescience नाज्ञानावच्छिन्नस्य ··· चिद्धातोरज्ञानावच्छेदः PrakaVi. i. 3. 16; अज्ञानावच्छिन्नप्रकाशेऽपि विशेष्यस्यापि प्रकाशेन ··· अज्ञानस्याप्यावरणत्वायोगाच्च Nyāyāmṛ. 356B. 8; 357A. 6; 356B. 6; स्वात्मन्यज्ञानावच्छिन्ने शुक्तिकाशकल इव रजतखण्डः समुत्पद्यमानोऽनिर्वचनीयः RasGaṅ. 30. 7; सुखादेरज्ञानावच्छिन्नचित्प्रकाश्यत्वे सुखादिकं न प्रकाशते इत्यनुभवापातेन AdvaiSi. 587. 18; अहङ्कारादेरज्ञानपरिणामत्वादज्ञानावच्छिन्नचित्यैक्याध्यासादुक्तभ्रमः GuruCandr. iii. 9. 24 = LaCandr. 577. 32; अज्ञानावच्छिन्नचित्स्वरूपं जीवत्वम् ··· वक्ष्यत एव GuruCandr. iii. 12. 12 = LaCandr. 578. 6; नाहङ्कारस्याज्ञानावच्छिन्नत्वसंभवः LaCandr. 577. 31; जीवस्त्वज्ञानप्रतिबिम्बितं चैतन्यमज्ञानावच्छिन्नमित्यन्ये SiddhāTa. 2. 10.

अज्ञानावच्छेद (ajñānāvaccheda) *m.* delimitation by nescience न चाज्ञानावच्छिन्नस्य ··· चिद्धातोरज्ञानावच्छेदः PrakaVi. i. 3. 16; नित्यातीन्द्रियस्याप्यज्ञानावच्छेदेनापरोक्षव्यवहारयोग्यत्वेन स्वप्रकाशत्वापाताच्च Nyāyāmṛ. 356B. 7.

अज्ञानावच्छेदक (ajñānāvaccheda-ka) *adj.* which delimits the nescience तद्वदत्रापि अज्ञानावच्छेदकविषयप्रकाशः S'atDū. 169. 12; 169. 10; अज्ञानावच्छेदकस्याप्यप्रकाशेन साक्षिवेद्यतायोगात् Nyāyāmṛ. 367A. 7; 360B. 5; 362B. 7; अज्ञानावच्छेदकविषयकत्वादिरूपव्यावहारिकप्रामाण्यस्य ··· न क्षतिः GuruCandr. i. 375. 15; i. 39. 16; ii. 94. 15.

अज्ञानावभास (ajñānāvabhāsa) *m.* knowledge of nescience सतोऽप्यज्ञानावभासाभावादपि स्वप्रकाशत्वसिद्धिः NyāyKu. 80. 7.

अज्ञानावभासक (ajñānāvabhāsa-ka) *adj.* which manifests nescience न द्वितीयः अज्ञानावभासकभाने व्यभिचारात् VivaPraSaṁ. 56. 18.

अज्ञानावरण (ajñānāvaraṇa) *n.* cover or veil in the form of nescience अज्ञानावरणं ज्ञेयं जगत्सृष्टिप्रयोजनम् ViṣṇuDhaP. iii. 47. 17; ब्रह्मास्तीत्यपि···अज्ञानावरणं समम् PañcDa. 7. 57; अथ मन्यसे नीलावगतिकाल एवाज्ञानावरणसंभवेऽपि नीलावगतेः पूर्वकालीनमावरणं गम्यत एवेति VivaPraSaṁ. 22. 1; मिथ्याभूतेनाज्ञानावरणविषयतायां तु परस्पराश्रयत्वं स्यात् NyāySu.(Ja.) 60B. 12 (*on* i. 1. 1); अज्ञानावरणकृतभेदसत्त्वात् SiddhāLeSaṁ. 405. 4.

अज्ञानावरणत्व (ajñānāvaraṇa-tva) *n.* the state of having the cover or veil of nescience ब्रह्मणोऽज्ञान(? ना)वरणत्वे ज्ञेयत्वप्रसङ्ग इत्यर्थः S'rutaPra. i(B). 23. 24.

अज्ञानावरणशक्ति (ajñānāvaraṇa-śakti) *f.* obscuring power of nescience अज्ञानावरणशक्तिकार्यं मोहनादि ··· सर्वं मोहयति LalitāTriBh. 296. 11 (*on* 25)

अज्ञानावरणीय (ajñānāvaraṇīya) *adj.* which is to be covered or veiled by nescience यदज्ञानावरणीयं तद्विषयत्वस्यैव ज्ञाने···निवेशनात् SiddhāLeSaṁ. 413. 6.

अज्ञानावरणांश (ajñānāvaraṇāṁśa) *m.* obscuring aspect of nescience अन्ये वृत्त्येदमज्ञानावरणांशपरिक्षयात् । विक्षेपांशेन रजतम् VedāntSiSūMañ. 1. 109.

अज्ञानावश्यंभाव (ajñānāvaśyambhāva) *m.* necessary existence of nescience ब्रह्मकल्पितत्वे तस्याज्ञानावश्यंभावः Nyāyāmṛ. 351A. 5.

अज्ञानावस्था (ajñānāvasthā) *f.* state or condition of nescience सुषुप्तेऽपि च सुखसाक्षात्कार एव पुरुषार्थः ··· अज्ञानावस्था भेदावच्छिन्नचिदाभाससंस्कारसंभवात् PrakaVi. 1097. 23; रजताद्युपादानानामज्ञानावस्थाविशेषाणां चैतन्यव्यवधायकत्वेन फलत आवरणत्वम् VivaPraSaṁ. 24. 15; निद्रा ··· अज्ञानावस्थाभेदरूपा SiddhāLeSaṁ. 137. 2; AṇuBh. 114. 5 (*on* i. 4. 19); अज्ञानावस्थायाः ···न ज्ञानसाक्षान्निवर्त्यत्वाद्यनुपपत्तिः AdvaiSi. 487. 15.

अज्ञानाविरोधित्व (ajñānāvirodhi-tva) *n.* the state of not being opposed to nescience घटादेरप्यसंविदाश्रयत्वाज्ञानाविरोधित्वयोरेव तत्प्रयोजकम् ĀtmaSi. 23. 23; एवं तर्हि घटादेरप्यननुभूतित्वनिबन्धनमज्ञानाविरोधित्वमेव नानुभाव्यत्वमित्यास्थीयताम् । अनुभूतेरनुभाव्यत्वेऽज्ञानाविरोधित्वमपि तस्या घटादेरिव प्रसज्यत इति चेदननुभाव्यत्वेऽपि गगनकुसुमादेरिवाज्ञानाविरोधित्वमपि प्रसज्यत एव BrahmSūBh.(Rā.) 34. 19 (*on* i. 1. 1); घटाद्यधिष्ठानचैतन्यस्याज्ञानाविरोधित्वात् Nyāyāmṛ. 326A. 8; 337B. 7; GuruCandr. i. 404. 16.

अज्ञानाविरोधिन् (ajñānāvirodhin) *adj.* [*f.* –ī] not opposed to nescience अज्ञानाविरोधिस्फुरणरूपत्वस्य चात्मनीव घटादावपि सुवचत्वात् Nyāyāmṛ. 62A. 6; अज्ञानाविरोधिज्ञानवदज्ञानाविरोधिन्यज्ञाननिवृत्तिरपि स्वीकार्या स्यात् Nyāyāmṛ. 362B. 9; AdvaiSi. 589. 17.

अज्ञानाविशेषित (ajñānāviśeṣita) *adj.* not qualified by nescience अज्ञानाविशेषितापरोक्षव्यवहारायोग्यत्वमावरणकृत्यम् Nyāyāmṛ. 357A. 8.

अज्ञानाविषयत्व (ajñānāviṣaya-tva) *n.* the state of not being the object of nescience जडे आवरणकृत्याभावेन घटस्याज्ञानाविषयत्वात् SiddhāLeSaṁ. 410. 1; शुद्धचितोऽज्ञानाविषयत्वे नित्यसिद्धे वृत्तेरप्रयोजकत्वेऽप्यज्ञानाविषयत्वविशिष्टचित एव तत्र क्षेमसाधारणप्रयोजकत्वात् LaCandr. 279. 4; 281. 2.

अज्ञानावृत (ajñānāvṛta) *adj.* [*f.* –ā] **i** covered (obscured) by nescience or false knowledge अज्ञानावृतो देही ब्रह्म नास्तीति मन्यते ĀtmaBoU. 26 = SvātmaPra. 48; अज्ञानावृतचित्तानाम् ··· वृद्धिमाप्नोति तत्कर्म VarāṅgaC. 15. 83; कुतर्कहेतुदृष्टान्तैरज्ञानावृतचेतसः । मोहयन्ति नराः PadmP. v. 18. 329; अज्ञानावृतमोहान्धा जना वृद्धिं गताः कलौ ĀdiP. 3. 18; VairāS'.(Pa.) 71; मम ज्ञानप्रकाशितापि शुक्तिः पार्श्वस्थस्य न प्रकाशीभवति तथा ममाज्ञानावृतापि तस्यानावृता PrakaVi. 11. 16; निर्विशेषे स्वयं भाते किमज्ञानावृतं भवेत् । मिथ्याविशेषोऽप्यज्ञानसिद्धिमेव ह्यपेक्षते AnuVyā. 2B. 2 (*on* i. 1. 1) (Jayatīrtha नाज्ञानावृत इत्यपेरर्थः:); अत्राप्यज्ञानावृतचैतन्यकृतप्रकाशलेशमपि वारयितुं पृथगावरणम् ··· न द्वितीयः ··· अज्ञानावृतचैतन्यकृतप्रकाशलेशस्येष्टत्वात् VivaPraSaṁ. 23. 2; आसंसारमज्ञानावृतस्य शुद्धस्य Nyāyāmṛ. 64B. 6; अज्ञानावृते ऐक्ये आपरोक्ष्याभावेनासिद्धेः Nyāyāmṛ. 627A. 4; 82A. 7; 627B. 8; ब्रह्मणः ··· अज्ञानावृतस्य···कथं घटः सन्नित्यादिबुद्धिविषयता स्यात् AdvaiSi. 318. 2; अज्ञानावृतवास्तवस्वरूपकत्वेन गूढः GuruCandr. ii. 351. 14; LaCandr. 540. 34; **ii** covered or enveloped by ignorance अज्ञानावृतचेतसामतिरुषां कोऽर्थस्तिरश्चां गुणैः Pañcā. 131. 21.

अज्ञानावेष्टितत्व (ajñānāveṣṭita-tva) *n.* the state of being covered by nescience अज्ञानावेष्टितत्वमित्यर्थः AṇuBh. 81. 9 (*on* i. 3. 15)

अज्ञानाश्रय (ajñānāśraya) *m.* locus or substratum of nescience तस्याः सहेतुत्वेऽप्यात्मनोऽपि सादित्वादज्ञानाश्रयाभावः IṣṭaSi. 83. 13; नाज्ञानाश्रयमध्यपाति घटते जीवत्वमेतेन वः SaṁkṣeS'ā. 2. 209 (ii. 125. 10); अज्ञानाश्रयचिदैक्याध्यासात्···अहमज्ञ इति धीर्भ्रान्तिः ···चितोऽज्ञानाश्रयत्वासिद्ध्यान्योन्याश्रयात् Nyāyāmṛ. 339A. 6; AdvaiSi. 577. 10; अज्ञानाश्रयचैतन्यसंसर्गनियतत्वं निवर्तकज्ञानविशेषणं वाच्यम् SiddhāLeSaṁ. 224. 2; अज्ञानाश्रयकोटौ चिदन्यनिवेशे गौरवात् GuruCandr. ii. 367. 19 = LaCandr. 548. 25; चैतन्यस्य अज्ञानाश्रयशुद्धचिदभिन्नसाक्षिणः GuruCandr. iii. 13. 13 = LaCandr. 578. 33.

अज्ञानाश्रयता (ajñānāśraya-tā) *f.* the state of being the substratum of nescience अहं न ज्ञातवानिति स एव ह्यज्ञानाश्रयतया प्रतिसंधीयते S'atDū. 122.27; GuruCandr. iii. 12.15; जीवत्वं तु ··· अज्ञानाश्रयतावच्छेदकं वक्ष्यत एव LaCandr. 578.26; 44.5.

अज्ञानाश्रयत्व (ajñānāśraya-tva) *n* the state of being the substratum of nescience न चाज्ञानप्रमाणगम्यमेवाज्ञानाश्रयत्वक्षमं जडमन्यदस्तीतीष्यते त्वया । नापि मया । अन्तःकरणादीनां चानित्यत्वादज्ञानाश्रयत्वानुपपत्तिः IṣṭaSi. 195.13; ज्ञानाश्रयत्वविरहिणां घटादीनां हि नाज्ञानाश्रयत्वं दृष्टम् NītiMā. 23.11; TarkSaṁ.(Ā.) 138.4; ननु कल्पितं ज्ञातृत्वं ब्रह्मणः ···अस्तीति तस्याज्ञानाश्रयत्वोपपत्तिरिति चेन्न ··· संविदात्मन एवाज्ञानाश्रयत्वाभ्युपगमात् S'atDū. 107.18; 107.3; अज्ञानाश्रयत्वधीबलादेवाहमर्थोऽकल्पितः ··· अस्तु Nyāyāmṛ. 340A.7; बुद्धेरेवाज्ञानाश्रयत्वापातात् Nyāyāmṛ. 341B.8; सर्वज्ञस्याज्ञानाश्रयत्वभङ्गः Nyāyāmṛ. 349B.9; 339A.8; तत्राप्यज्ञानाश्रयत्वापत्तिः ··· न हि ज्ञातृत्वाध्यासोऽज्ञानाश्रयत्वे प्रयोजकः AdvaiSi. 578.11; अज्ञानाश्रयत्वयोग्यव्यक्त्यन्तरस्याभावात् AdvaiSi. 580.1; 577.12; शुद्धचितोऽज्ञानाश्रयत्वविषयकप्रत्ययान्तराभावात् GuruCandr. ii. 367.17; शुद्धस्य ··· अज्ञानाश्रयत्वात्तस्य च वृत्त्यादिरूपज्ञानानाश्रयत्वम् LaCandr. 563.40; अज्ञानाश्रयत्वेन अनावृतं चैतन्यम् JñānBiPra. 2.6.

अज्ञानाश्रयभूत (ajñānāśraya-bhūta) *adj.* which has become the substratum of nescience अज्ञानाश्रयभूताहमर्थानुभवोऽभ्युपगन्तव्यः S'rutaPra. iA. 167.25 (*on* i. 1.1); ननु क एवमाह अज्ञानाश्रयभूतं ब्रह्मेति S'atDū. 108.15.

अज्ञानाश्रयीभूत (ajñānāśrayī-bhūta) *adj.* which has turned into the substratum of nescience चैतन्यम् ··· अज्ञानाश्रयीभूतं च जीवः SiddhāBi. 47.3; AdvaiSi. 548.4.

अज्ञानाश्रित (ajñānāśrita) *adj.* residing in nescience अज्ञानकार्यत्वादहमर्थोऽज्ञानाश्रितः GuruCandr. iii. 12.23 = LaCandr. 578.32.

अज्ञानासंसृष्ट (ajñānāsaṁsṛṣṭa) *adj.* not associated with ignorance अज्ञानासंसृष्टवस्तुप्रदर्शनेनाज्ञानात् निवर्तितवान् PrakaVi. 64.12.

अज्ञानासंस्पृष्ट (ajñānāsaṁspṛṣṭa) *adj.* not touched by nescience (वेदाहमेतं पुरुषम्···तमसः परस्तात्) अज्ञानासंस्पृष्टमित्यर्थः PrakaVi. 631.17.

अज्ञानासङ्ग (ajñānāsaṅga) *m.* **i** attachment caused by nescience स्वाभाविकादज्ञानासङ्गप्रयुक्तात् कर्मलक्षणान्मृत्योः अतिमुक्तिर्व्याख्याता BṛĀraUBh. 360.5 (*on* i. 5.4); **ii** attachment to or association with ignorance कृता वैडूर्याशा विततकिरणे काचशकले यदज्ञानासङ्गादविबुधजने सेवनरतिः Pañcā. 60.29.

अज्ञानासत्त्व (ajñānāsattva) *n.* absence of nescience विदेहत्वप्रयोजकब्रह्मसाक्षात्कारोत्पत्तिक्षणे ब्रह्म साक्षात्करोमीत्यनुभवेनाज्ञानासत्त्वेऽपि LaCandr. 155.35.

अज्ञानासमन्वित (ajñānāsamanvita) *adj.* not related to nescience न च ज्ञात्रनुरोधिन्या दृष्ट्याज्ञानासमन्वितम् । आत्मात्मानमलं द्रष्टुं रूपं श्रोत्रधिया यथा BṛĀraUBhVā. i. 4.1385.

अज्ञानासंभव (ajñānāsambhava) *m.* impossibility of nescience अज्ञानव्यतिरेकेण असत इव जडस्यापि स्वरूपासिद्धेः तस्य तत्र चाज्ञानासंभवात् स्वरूपेण स्वाविद्यया वा जडस्याप्यात्माज्ञानातिरिक्तस्य व्यवहारास्पदत्वं संभवतीति नाशङ्कनीयम् IṣṭaSi. 200.9; अज्ञानासंभवादेव मिथ्याभेदो निराकृतः AnuVyā. 2B.11 (*on* i. 1.1); MāyāKha. 2A.11; यथा जगत्तमोनाशमुद्दिश्य सवितुः प्रवृत्तिः न तु शशशृङ्गीयतमोनाशमुद्दिश्य तस्यालीकत्वेनाज्ञानासंभवात् LaCandr. 470.20; 597.33.

अज्ञानासिद्ध (ajñānāsiddha) *adj.* (a type of fallacy) with an unestablished (probans) due to ignorance यद्वा वादिनोऽज्ञानासिद्धः यदि वा प्रतिवादिनः विपर्ययासिद्धः ··· प्रतिवादिनः अज्ञानासिद्धो यद्वा विपर्ययासिद्धो भवति वादिनः प्रतिवादिनः सन्देहासिद्ध एवमाश्रयोऽपीति योजनीयम् NyāyKa. 240.20; अज्ञानासिद्धो यथा– देवदत्तो बहुधनो भविष्यति तद्धेतुभूतादृष्टाश्रयत्वादिति TārkiRa. 226.9; अज्ञानासिद्धो यथा– सर्वं क्षणिकं सत्त्वादिति व्याप्त्यज्ञानादसिद्धः SarvaDaKau. 47.5; यत्र पक्षाद्व्यतिरेकाभावेन पक्षसंबन्धित्वं नास्ति स व्यतिरेकासिद्धः । यथा अनित्यं गगनं गगनत्वादिति । अत्र गगनस्वरूपादन्यत् गगनत्वं नास्ति इति । एषां स्वरूपादीनामज्ञानेऽज्ञानासिद्धः संदिग्धासिद्धो वा भवति MānaMe. 72.6.

अज्ञानासिद्धि (ajñānāsiddhi) *f.* non-establishment of (the probans) due to ignorance (विवादाध्यासितं तन्त्रं प्रमाणम्···। निर्दोषज्ञानजन्मत्वात्···नापि हेतोरनैकान्तिकत्वादयो दोषाः) न तावदज्ञानासिद्धिः तत्प्रतिपादकशब्दोच्चारणात् ĀgaPrā. 32.19; अज्ञानासिद्धिस्त्वप्रसिद्धार्थपदप्रयोगे दर्शयितव्या NyāyRa. 372.7 (*on* 5(4).78); व्याप्त्यादीनां त्रयाणामन्यतमस्य प्रतीत्यभावे त्वज्ञानासिद्धिः TārkiRa. 225.6; व्याप्तत्वे सति पक्षधर्मतया प्रमितिर्हि हेतोः सिद्धिः तदभावश्च व्याप्तेः पक्षस्य तद्धर्मस्य तत्प्रमितेर्वा खल्वभावात् स्यात् । तत्र च व्याप्यत्वासिद्धिराश्रयासिद्धिः स्वरूपासिद्धिस्तत्रैवाज्ञानासिद्धिरिति समाख्यानिवेशः NyāyPari. 281.11; धूमानुमानादिष्वेवाविदितधूमादिस्वरूपस्याज्ञानासिद्धिः NyāyPari. 284.4; (शैवाद्यागमसंप्राप्तदृष्टगेन फलेन तु । तद्वाक्योपमयान्यच्च प्रमाणत्वेऽनुमीयते) अज्ञानासिद्धिं परिहर्तुमुक्तं दृष्टगेनेति NyāySu.(Ja.) 108A.1 (*on* i. 1.3); व्याप्त्यभावाद् व्याप्यत्वासिद्धिः । पक्षाभावादाश्रयासिद्धिः । पक्षधर्मताभावात् स्वरूपासिद्धिः । एतेषामन्यतमज्ञानाभावादज्ञानासिद्धिः SarvaDaKau. 46.6.

अज्ञानास्वीकार (ajñānāsvīkāra) *m.* non-acceptance of nescience इदमंशेऽज्ञानास्वीकारपक्षेऽपि ···अज्ञाननाशकत्वं बोध्यम् LaCandr. 655.14.

अज्ञानाहतचेतस् (ajñānāhata-cetas) *adj.* whose mind is overpowered with ignorance अज्ञानाहतचेतसामतिरुषां कोऽर्थस्तिरश्चां गुणैः Subhāṣi. 458.

अज्ञानाहान (ajñānāhāna) *n.* non-destruction of ignorance अज्ञानाहाने च मानवैफल्यात्तत्प्रवृत्त्या विशेषाभावात् IṣṭaSi. 369.19.

अज्ञानाहानि (ajñānāhāni) *f.* negation of the loss of ignorance अज्ञाननाशोऽप्यज्ञानजश्चेत् तदात्मा तत्रैव स्यादित्यज्ञानाहानिः IṣṭaSi. 365.14.

अज्ञानाहित (ajñānāhita) *adj.* caused by ignorance हृदि चिन्तितवानेवमज्ञानाहितदुर्मतिः PārśvC. 2.502.

अज्ञानिकवादिन् (ajñānika-vādin) *m.* agnostic, who denies the existence of knowledge अज्ञानमभ्युपगमद्वारेण येषामस्ति ते अज्ञानिकाः त एव वादिनोऽज्ञानिकवादिनः SthānṬ. 268A.6.

अज्ञानिजन (ajñāni-jana) *m.* ignorant people अज्ञानिजनबोधार्थं प्रारब्धं वक्ति वै श्रुतिः AparoAnu. 97; कारणान्तरं निरपेक्ष्य स्वयमेव यथादित्यः स्वपरप्रकाशरूपं तेजो भवति···तथा चाज्ञानिजनानां देवता भवति TātpaVṛ. 87.16.

अज्ञानिज्ञानदान (ajñāni-jñānadāna) *n.* imparting knowledge to the ignorant सर्वं ज्ञानं च यज्ञश्च ···। अज्ञानिज्ञानदानस्य कलां नार्हन्ति षोडशीम् DevīBhāP. ix. 38.5.

अज्ञानितम (ajñāni-tama) *adj.* most ignorant कुशला ब्रह्मवार्तायां वृत्तिहीनाः सुरागिणः । तेऽप्यज्ञानितमा नूनं पुनरायान्ति यान्ति च AparoAnu. 133.

अज्ञानिता (ajñāni-tā) *f.* the state of being ignorant नाज्ञानितावगतिरस्ति वशित्वहेतोः SaṁkṣeS'ā. 2.81 (ii. 110.22); PañcDa. 7.14.

अज्ञानित्व (ajñāni-tva) *n.* the state of being ignorant नानात्मनोऽज्ञानित्वम् NaiṣkaSi. 105.3; प्रत्यग्ब्रह्मण एवाज्ञानित्वमभ्युपगन्तव्यम् PañcPra. 55.2; 69.7; न च···मुक्तस्याज्ञानित्वसंसारित्वादिप्रसङ्गः ĀtmaSi. 31.19; Bhāsk. i. 125.11 (*on* ii. 3.13); न चाज्ञानिनां भगवत्संसर्गोऽननुरूप एवेति वाच्यम् । एवं तर्हि तक्रविक्रयकर्तृत्वेनैवाज्ञानित्वलाभे वराटिकालोभरूपहेतूपन्यासस्यानतिप्रयोजनकत्वापत्तेः RasGaṅ. 681.6.

अज्ञानिन् (a-jñānin) *adj.* **i** not having right knowledge, possessing wrong knowledge ऊचुर्लाक्षणिका ये मां पुत्रिण्यविधवेति च । तेऽद्य सर्वे हते रामेऽज्ञानिनोऽनृतवादिनः Rāmā. vi. 38.2; परमज्ञानिनो मूर्खा वदन्ति तामसं शिवम् BrahmVaiP. i. 8.21; अज्ञानी भूसुरो यस्तु त्यजेद् (दत्ताम्) भूमिं विमोहितः ।···भवेच्चात्यन्तदुःखभाक् PadmP. iii. 24.8; अज्ञानिनो भवन्त्येते दिव्यज्ञानपरिच्युताः (विप्राः) BṛKathāK. 76.68; **ii** ignorant, dull, stupid, not learned अज्ञानं तामसो भावः कार्यारम्भप्रवृत्तयः । अज्ञानिनां प्रवर्तन्ते कर्मलोपास्ततो द्विज ViṣṇuP. vi. 5.25; तेषामज्ञानिनां पूर्वमाद्ये स्वायम्भुवेऽन्तरे । उत्पद्यन्ते हि शास्त्राणां द्वापरे परिपन्थिनः BrahmāṇḍP. i. 31.22; अज्ञानतः कृते दण्डं पातयन्ति बुधा यदि । बुधेभ्यस्तमहं मन्ये वरमज्ञानिनो नराः MārkP. 112.19; (गङ्गे) अज्ञानी त्वज्जलस्पर्शाद्यदि प्राणान् समुत्सृजेत् । तस्मै ददामि सारूप्यम् BrahmVaiP. ii. 10.81; अज्ञानी कातरः शोके विपत्तौ च न पण्डितः BrahmVaiP. ii. 17.70; iv. 76.80; एतावत्येव घोरेयं सर्वभूतभवावनिः । सीदन्त्यज्ञानिनो यस्याम् MṛgendraT. i. 13.155; अज्ञानिना यत्कृतकर्मजातं कृतार्थमप्यत्र विगर्हणीयम् KalyāKā. 7.50; अज्ञानी मूर्खतोपेतो मत्स्यः स्वार्थपरिच्युतः BṛKathāK. 147.9; हतं ज्ञानं क्रियाशून्यं हता चाज्ञानिनः क्रिया YaśasCam. ii. 271.12; ii. 409.21; पुत्रार्थं क्लिश्यते लोकः किं पुत्रेण भविष्यति । ज्ञानी वाप्यथवाज्ञानी (पुत्रः) BrahmP. 104.4; अज्ञानिनोऽपि वा गृहस्थैर्यतयः पूज्याः VṛGautaSm. 588.17(12); न खलु ज्ञानप्रसक्तिशून्यो घटादिरज्ञानीत्युच्यते ĀtmaSi. 28.14; अतस्त्वं ब्राह्मणो भूत्वा पौलस्त्यतनयश्च सन् । अज्ञानीव सदा भोगाननुधावसि किं मुधा AdhyāRā. vi. 4.53; शापितो विष्णुः सर्वज्ञत्वं तवास्ति यत् । किंचित्कालं हि तत् त्यक्त्वा त्वमज्ञानी भविष्यसि YogVā. i. 1.60; S'rīKaC. 1.36; न चाज्ञानिनां भगवत्संसर्गोऽननुरूप एव RasGaṅ. 681.5; **iii** unaware of the fact, innocent प्रसह्य यद् उक्तं हे कृष्ण ··· अज्ञानिना (मया) GītāBh.(S'aṅ.) 327.2 (*on* 11.41); द्विविधा रज्जुर्ज्ञानिनोऽज्ञानिनोऽनिशम् AparoAnu. 68; रज्जुखण्डलकमप्यज्ञातमज्ञानिभिर्मायावीति गिरोच्यताम् SaṁkṣeS'ā. 3.102 (ii. 209.14); (तारकोत्पत्तौ) बहूत्पाता जज्ञिरे मुनिसत्तम । अज्ञानिनो जनास्तत्र मेनिरे विश्वसंप्लवम् S'ivaP. ii(3). 15.17 (139A.11); गुप्तापराधः सन् अज्ञानीवागच्छन् शठः S'ṛṅgāMañ.(A.) 49.21; **iv** lacking spiritual knowledge अविद्यायां बहुधा वर्तमानाः···बालाः अज्ञानिनः MuṇḍUBh. 319.10 (*on* i. 2.9); अज्ञानिना आरुरुक्षुणा सर्वकर्माणि सर्वदा अनुष्ठेयानि SanatBh. 184.10 (*on* 1.6); अज्ञानिनो भवति दुःखमनेन क्लृप्तम् SaṁkṣeS'ā.

2.173 (*on* ii. 105.22); अज्ञानिनः स्यान्मरणं संसर्गः कारणात्मनि BṛĀraUBhVā. i. 4.1673; अज्ञानिनो भ्रमो भ्रान्तो बध्यते स च मुच्यते IṣṭaSi. 193.16; साकारं च निराकारं ब्रह्म यत् परिकीर्तितम् । अज्ञानिनो न पश्यन्ति पश्यन्ति ज्ञानचक्षुषः PadmP. iv. 101.30; अज्ञानिभिर्देहे सुखबुद्धयात्र भण्यते ĪśānŚiP. ii. 65.24; जनाः कृत्वेह कर्माणि सुखदुःखानि भुञ्जते । परत्राज्ञानिनो देवि यान्त्यायान्ति पुनः पुनः KulārT. 1.52; 11.28; तथायमज्ञानी जीवोऽपि ⋯ स्वकीयशुद्धप्राणं हन्ति TātpaVṛ. 211.11 (*on* 2.57); 329.23 (*on* 3.38); 349.17 (*on* 3.56); ज्ञानिनः सम्यग्दृष्टयोऽज्ञानिनो मिथ्यादृष्टयः SthānṬ. 92B.10; ज्ञानी तेन प्रकाशेन प्रकाशित नाडीद्वारः सन् देहान्निष्क्रामति न तु तथाज्ञानी TattvPrakā. 211A.3 (*on* iv. 2.17); अज्ञानिनाप्यारब्धकर्मक्षये तन्निवृत्तेः JīvanVi. 44.20; अहमपि ⋯ तस्मिन्नेव योगिन्याविर्भूतोऽवस्थितोऽस्मि । नेतरेष्वज्ञानिषु तेषामविद्यावृतत्वात् JīvanVi. 144.20; अज्ञानी विदुषा पृष्टः कूटस्थं न प्रबुध्यते । न भाति नास्ति कूटस्थ इति बुद्धा वदत्यपि PañcaDa. 6.27; ज्ञानिनाज्ञानिनावापि यावद्देहस्य धारणम् । तावद्वर्णाश्रमप्रोक्तं कर्तव्यं कर्म मुक्तये SāṁkhyaPraBh. 26.25 (*on* i. 56); **v** covered with nescience अज्ञानि ब्रह्म बुद्धीरनुसरति SaṁkṣeŚā. 2.136 (ii. 86.15); *m.* one who argues for the nescience द्वैतं न विद्यत इति तस्मादज्ञानिनां मतम् AnuVyā. 17A.9 (*on* 1.4); अज्ञानिनां पक्ष एव द्वैतं न विद्यते VisṇuTaNi. 14B.7.

अज्ञानिरजस् (ajñāni-rajas) *n.* dust of an ignorant, ignorance (comm. *rajoguṇa* of an ignorant रजो बुद्धिगुणः पांसुना व्यवसितः) या (सरस्वती) वेगनृत्यद्रथहंसपक्षपुटैरिवाज्ञानिरजः प्रमार्ष्टि ŚrīKaC. 1.36.

अज्ञानिविनिश्चय (ajñāni-viniścaya) *m.* decision of the ignorant न भाति नास्ति चाद्वैतमित्यज्ञानिविनिश्चयः PañcDa. 6.240.

अज्ञानिविषयत्व (ajñāni-viṣayatva) *n.* the state of pertaining to a person who is ignorant (of the Supreme Self) यदुक्तं 'नामुक्तं क्षीयते कर्म' इति तस्याज्ञानिविषयत्वादविरोधः BrahmSūBh.(Śrī.) ii. 440.3 (*on* iv. 1.13)

अज्ञानिसेवित (ajñāni-sevita) *adj.* performed or practised by the ignorant प्रतिष्ठादेवकर्मादिध्यानादिफलयोगतः । सत्येऽपि न फलं दृष्टं क्वचिदज्ञानिसेवितात् ŚivaDṛ. 4.28.

अज्ञानीभूत (ajñānī-bhūta) *adj.* who has become ignorant यो हि न खलु ज्ञानात्मानमात्मानमेकमग्रं भावयति सोऽवश्यं ज्ञेयभूतं द्रव्यमन्यदासीदति । तदासाद्य च ज्ञानात्मात्मज्ञानाद् भ्रष्टः स्वयमज्ञानीभूतो मुह्यति TattvPradī.(A.) 337.4 (*on* 3.43)

अज्ञानीय (ajñān-īya) *adj.* related to nescience अज्ञानस्थाने अज्ञानीयावरणशक्तिर्वाच्या LaCandr. 155.41; नानाज्ञानपक्षेऽज्ञानीयनानाशक्तिपक्षे च शुक्त्यादिज्ञानेन किंचिदज्ञानस्य शक्तेश्च नाशः LaCandr. 489.18.

अज्ञानुग्रहकृत् (ajñānugraha-kṛt) *adj.* favouring (i. e. compassionate towards) the ignorant अज्ञानुग्रहकृत्स्वभावं श्रीमद्विठ्ठलं नमताम् Prasā. i. 3.16.

अज्ञानेतरत्व (ajñānetara-tva) *n.* the state of being different from nescience अज्ञानेतरत्वस्य समव्याप्त्यभावात् NyāySu.(Ja.) 20B.13 (*on* i. 1.1)

अज्ञानैककारण (ajñānaikakāraṇa) *adj.* having the only cause of the nescience स एष इत्यनेनापि सुविरुद्धात्मतां ब्रुवन् । विरुद्धवस्तुसंसृष्टिं ब्रूतेऽज्ञानैककारणम् BṛĀraUBhVā. i. 4.493.

अज्ञानैकघस्मर (ajñānaikaghasmara) *adj.* sole destroyer of nescience यच्चाप्यैकात्म्यविज्ञानं तदज्ञानैकघस्मरम् BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 362.

अज्ञानैकत्व (ajñānaika-tva) *n.* oneness of nescience अज्ञानैकत्वपक्षे तत्तद्विषयाकारवृत्त्यभावविशिष्टाज्ञानस्य तत्तद्विषयावरकत्ववदुक्तधीविरहविशिष्टाज्ञानं भ्रमत्वावारकम् GuruCandr. i. 354.7.

अज्ञानैकव्यपाश्रया (ajñānaikavyapāśrayā) *adj.* (*f.*) depending merely on nescience साध्यसाधनतां तस्मादज्ञानैकव्यपाश्रयाम् । उच्चैरनूद्य तत्तत्त्वं वेदान्ताः प्रत्यपीपदन् BṛĀraUBhVā. i. 2.129.

अज्ञानैकसमन्वय (ajñānaika-samanvaya) *m.* close or invariable relation with nescience alone मिथ्याधियोऽपि बाध्यत्वमज्ञानैकसमन्वयात् BṛĀraUBhVā. i. 4.438.

अज्ञानैकहत (ajñānaika-hata) *adj.* struck with mere ignorance (i. e. completely ignorant) अज्ञानैकहतो बाल्ये यौवने गृहतत्परः । वार्धकेऽपत्यचिन्तार्तः कर्मभिर्बध्यते पुनः ŚārṅgaPa. 4329.

अज्ञानैकहेतुक (ajñānaikahetu-ka) *adj.* having nescience as the only cause सद्वितीयपरोक्षत्वे यतोऽज्ञानैकहेतुके । न वस्तु स्पृशतः BṛĀraUBhVā. iv. 4.852.

अज्ञानैक्य (ajñānaikya) *n.* oneness of nescience, nescience as one and only one अज्ञानैक्यपक्षे तदयोगात् Nyāyāmṛ. 639B.7; अज्ञानैक्यं तु सर्वावस्थानुस्यूतैकाकारमादाय AdvaiSi. 487.14; अज्ञानैक्येऽपि तच्छक्तिभेदात् ⋯ नानेत्यपि वदन्ति SiddhāTa. 2.15; 4.12; अज्ञानैक्यात् तदापि घटादिवृत्त्या संपद्यमानः स तत्स्वरूपः GuruCandr. ii. 150.11; LaCandr. 394.14.

अज्ञानैक्यसमर्थन (ajñānaikya-samarthana) *n.* substantiation or justification of oneness of nescience अवस्थास्वीकारपक्षे सर्वावस्थानुस्यूतैकाकारेणाज्ञानैक्यसमर्थनं न युक्तम् GuruCandr. ii. 156.18.

अज्ञानोक्ति (ajñānokti) *f.* statement through ignorance अज्ञानोक्तौ दण्डयित्वा पुनः सीमां विचारयेत् KātySm. 741; अज्ञानोक्तौ त्वाह कात्यायनः SmṛtiCan. iv. 547.6.

अज्ञानोच्चारण (ajñānoccāraṇa) *n.* utterance without the knowledge or intention यस्य नाम्नः फलमिदमज्ञानोच्चारणादपि SaurP. 3.42.

अज्ञानोच्छित्ति (ajñānocchitti) *f.* annihilation of nescience अज्ञानोच्छित्तये ज्ञानं स्वतन्त्रं तेन भण्यते BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 373.

अज्ञानोच्छिष्टकर (ajñānocchiṣṭa-kara) *m.* hand (soiled by) the remains of food in the form of nescience (i. e. hand that is polluted by nescience) अभावविरोधानपेक्षस्याज्ञानोच्छिष्टकरस्य क्षालनं ज्ञानवारिणा । विशुद्धस्वात्मलिङ्गस्य हस्तप्रक्षालनं स्मरेत् NirguMāPū. 22.

अज्ञानोच्छेद (ajñānoccheda) *m.* annihilation or destruction of nescience अज्ञानोच्छेदस्यैव तत्कार्यप्रातीतिकसत्त्वापहारकत्वात् GuruCandr. i. 82.16; ii. 151.12; LaCandr. 487.42.

अज्ञानोच्छेदकत्व (ajñānocchedaka-tva) *n.* nature of destroying nescience अज्ञानोच्छेदकत्वेऽपि विरोधिविषयकत्वं नापेक्षते GuruCandr. i. 83.14.

अज्ञानोत्तर (ajñānottara) *n.* reply based on ignorance विशेषशास्त्रस्य विषयं निह्नवोत्तरं परिहृत्याज्ञानोत्तरे प्रवर्तते Mitā. 144.9 (*on* 2.20); एवमेव ⋯ व्यवहारे शङ्काभियोगाज्ञानोत्तरादिना मिथ्याभियोगनिह्नवाभावे दण्डाभावोऽध्यवसेयः SmṛtiCan. iii. 287.17; सामान्यविषयं कात्यायनवचनं कर्तृविशेषशास्त्रस्य निह्नवोत्तरं परिहृत्याज्ञानोत्तरे प्रवर्तते Subodhi. 9.4 (*on* 2.20); अज्ञानोत्तरे ज्ञानाभावेनोत्तरे प्रवर्तते BālamBha. ii. 24.23 (*on* 2.20); निह्नवोत्तरमपहायाज्ञानोत्तर ईदृशे प्रवर्तते VīraMi. (Vyavahāra.) 100.25.

अज्ञानोत्थ (ajñānottha) *adj.* arising from nescience अज्ञातात्मैकसाक्षित्वादज्ञानोत्थं न वस्तुगम् BṛĀraUBhVā. i. 4.724; ii. 4.239; iv. 3.1073; अज्ञानोत्थबुद्ध्यादिकर्तृत्वोपाधिमात्मानं परिगृह्य ⋯ अनात्मधर्मत्वमुक्तम् NaiṣkaSi. 79.6; नाज्ञानोत्थस्य विद्याजनिरिह घटते SaṁkṣeŚā. 2.208 (ii. 124.15)

अज्ञानोत्थत्व (ajñānottha-tva) *n.* the state of having arisen from nescience अहमर्थोऽनर्थोपसृष्टत्वादज्ञानोत्थत्वाच्च हेयः NaiṣkaSi. 152.8.

अज्ञानोत्थमहाभय (ajñānottha-mahābhaya) *n.* great fear arising from nescience यच्छ्रुत्वा मुच्यते जन्तुरज्ञानोत्थमहाभयात् AdhyāRā. i. 2.5.

अज्ञानोत्पन्नवृत्ति (ajñānotpanna-vṛtti) *f.* modification arising from nescience अन्तर्मुखो य आनन्दमयो ब्रह्मसुखं तदा । भुङ्क्ते चिद्बिम्बयुक्ताभिरज्ञानोत्पन्नवृत्तिभिः PañcDa. 11.65.

अज्ञानोपरम (ajñānoparama) *m.* end or destruction of nescience अज्ञानोपरमो मोक्षो विज्ञेयः ŚivaP. ii(5). 5.30 (226A.4)

अज्ञानोपलम्भ (ajñānopalambha) *m.* knowledge of ignorance अनुव्यवसायो नास्तीति निश्चयेऽप्यज्ञानोपलम्भाभावात् NyāyKu. 80.9.

अज्ञानोपहत (ajñānopahata) *adj.* affected by ignorance अज्ञानोपहतो वेद्मि रहस्यं कथमुत्तमम् SkandP. ii(2). 2.44; अज्ञानोपहतो बाल्ये यौवने मदनाहतः । ⋯किं करोतु कदा जनः Subhāṣi. 3303.

अज्ञानोपहित (ajñānopahita) *adj.* **1** delimited by nescience, having nescience as adjunct अज्ञानोपहितं चैतन्यं चेश्वरादिकम् VedāntSā.(Sa.) 21.9; अज्ञानोपहितं बिम्बचैतन्यमीश्वरः SiddhāBi. 46.1; स्वरूपं चाज्ञानोपहितमेव साक्षिविषयः AdvaiSi. 426.4; ज्ञानस्यापि ⋯ अज्ञानोपहितानाश्रितत्वात् GuruCandr. ii. 411.24; अज्ञानोपहितः कैश्चिल्लिङ्गैरुपहितः परैः VedāntSiSūMañ. 1.94; अज्ञानोपहित आत्मा ⋯ साक्षी ⋯ इति च कथ्यते SiddhāBi. 42.6; अज्ञानोपहितस्य साक्षित्वेऽपि नाज्ञानं साक्षिकोटौ प्रविशति AdvaiSi. 261.1; चिदात्मा ह्यज्ञानोपहितो भासकतया साक्षीति व्यपदिश्यते SiddhāTa. 5.20; 13.25; 60.3; **2** consisting of insentience भट्टस्तु ⋯ सुषुप्तौ प्रकाशाप्रकाशसद्भावात् मामहं न जानामीत्याद्यनुभवाच्च अज्ञानोपहितं चैतन्यमात्मेति वदति VedāntSā.(Sa.) 19.12.

अज्ञानोपहितचित् (ajñānopahita-cit) *f.* consciousness limited by nescience अज्ञानोपहितचिदेव ज्ञानाज्ञानयोराश्रयः GuruCandr. ii. 411.18; ii. 411.17; ii. 412.5; प्रत्यक् अज्ञानोपहितचित् LaCandr. 558.35; 563.41.

अज्ञानोपहितचैतन्य (ajñānopahita-caitanya) *n.* consciousness having nescience as an adjunct तत्सिद्धमज्ञानोपहितचैतन्यरूपसाक्षिवेद्यत्वं देहस्य SiddhāTa. 12.21.

अज्ञानोपहितब्रह्मन् (ajñānopahita-brahman) *n.* the Supreme Being delimited by nescience अज्ञानोपहितब्रह्माज्ञान्याविषयकाज्ञानवृत्तिप्रतियोगितासंबन्धेन

नाशत्वेन कार्यत्वम् GuruCandr. i. 133. 13.

अज्ञानोपहितविषयक (ajñānopahitaviṣaya-ka) *adj.* having for its object that which is conditioned by nescience अज्ञानोपहितविषयकत्वसंभवात् GuruCandr. i. 132 7.

अज्ञानोपहितसाक्षिन् (ajñānopahita-sākṣin) *m.* witness (i. e. self) having nescience as an adjunct प्रत्यक् अज्ञानोपहितसाक्षी GuruCandr. ii. 402. 17.

अज्ञानोपहितता (ajñānopahita-tā) *f.* the state of being limited or conditioned by nescience जीवस्यैवाज्ञानोपहिततया जगदुपादानत्वात् SiddhāBi. 47. 5.

अज्ञानोपहितानन्द (ajñānopahitānanda) *m.* bliss conditioned by nescience सौषुप्तानुभवोऽज्ञानोपहितानन्दरूपत्वविषयांशे भ्रम एव GuruCandr. i. 375. 19; LaCandr. 397. 34.

अज्ञानोपहिताश्रित (ajñānopahitāśrita) *adj.* located in what is conditioned by nescience अज्ञानोपहिताश्रितस्य मनसः शुद्धाश्रितत्वासंभवात् GuruCandr. ii. 411. 22; ज्ञानमज्ञानोपहिताश्रितम् LaCandr. 564. 11.

अज्ञानोपहिताश्रितत्व (ajñānopahitāśrita-tva) *n.* the state of being located in what is conditioned by nescience अज्ञानोपहिताश्रितत्वेन मनसः शुद्धानाश्रितत्वात् LaCandr. 563. 43.

अज्ञानोपादान (ajñānopādāna) *adj.* [*f.* -ā] having nescience as the material cause अज्ञानोपादानमप्यात्मज्ञानम् ··· नासम्यग्ज्ञानम् IṣṭaSi. 374. 20; अज्ञानोपादानाया एव बुद्धेर्भेदः NaiṣkaSi. 118. 3; *n.* the material cause of nescience अज्ञानोपादानमज्ञानम् NyāySu.(Ja.) 62A. 3 (*on* i. 1. 1)

अज्ञानोपादानक (ajñānopādāna-ka) *adj.* having nescience as the material cause अज्ञानोपादानकदोषनिमित्तकशुक्तिरजतव्यावृत्तये प्रेक्षापूर्वं इत्युक्तम् VivaPraSaṁ. 250. 22; अज्ञानोपादानकस्य ··· उपादाने निवृत्ते स्वयमेव विलयनम् NyāySu.(Ja.) 39A. 13 (*on* i. 1. 1); अध्यस्तमज्ञानोपादानकम् Nyāyāmṛ. 424A. 7; 639A. 3; अज्ञानोपादानकं जगत् मिथ्या AdvaiSi. 659. 2; 648. 1.

अज्ञानोपादानकत्व (ajñānopādānaka-tva) *n.* the state of having nescience as the material cause लाघवेनाज्ञानोपादानकत्वस्यैव लक्षणत्वापाताच्च Nyāyāmṛ. 40B. 6; 316B. 6; अनिर्वाच्यस्य सादेरज्ञानोपादानकत्वनियमेन ··· ज्ञाननिवर्त्यत्वापत्तेश्च SiddhāLeSaṁ. 435. 7; आद्ये ··· सत्यत्वापत्त्या अज्ञानोपादानकत्वकल्पनविरोधः AdvaiSi. 757. 7.

अज्ञानोपादेयत्व (ajñānopādeya-tva) *n.* the state of being one produced by nescience (as its material cause) अज्ञानोपादेयत्वं च शुक्तिरजतादीनाम् AdvaiSi. 528. 11.

अज्ञानोपाधि (ajñānopādhi) *m.* the delimiting adjunct nescience अज्ञानोपाधिनेदं स्याद्विक्रियातोऽहमो मम NaiṣkaSi. 143. 6; *adj.* having nescience as the limiting adjunct न ह्यज्ञानोपाधिरहंप्रत्ययः ĀtmaSi. 31. 20–21.

अज्ञानोपाधिक (ajñānopādhi-ka) *adj.* having nescience as the delimiting adjunct जीवस्यापि ईशस्य तत्त्वंपदवाच्यार्थस्य मायाज्ञानोपाधिकस्य ··· अधि उपरि ··· देवता LalitāTriBh. 277. 17 (*on* 11); 336. 2 (*on* 47); जीवः ··· अज्ञानोपाधिकः सर्वगतः AdvaiSi. 754. 5.

अज्ञानोपाधित्व (ajñānopādhi-tva) *n.* the state of having nescience as the delimiting adjunct अज्ञानोपाधित्वे तु नायं दोषः SiddhāTa. 13. 21.

अज्ञानोपाधिपरित्याग (ajñānopādhi-parityāga) *m.* abandonment of the delimiting adjunct in the form of nescience न तावदज्ञानोपाधिपरित्यागः SiddhāLeSaṁ. 89. 2.

अज्ञानोपेत (ajñānopeta) *adj.* possessing ignorance (i. e. ignorant) अथ गोलके विधनमलिनोऽज्ञानोपेतः कुशिल्प्यलसोऽटनः Bṛhajjā. 12. 19.

अज्ञान्तर (ajñāntara) *n.* another or different nescient (individual) अतो नाज्ञान्तराविद्यान्तराणि स्वप्ने कल्प्यन्ते IṣṭaSi. 333. 13.

अज्ञान्तरहेतु (ajñāntara-hetu) *m.* cause of a different nescient (individual) अतो नाज्ञान्तरहेतवस्तदीयाश्चानन्ता अविद्याः कल्प्याः IṣṭaSi. 333. 5.

अज्ञान्ध्य (ajñāndhya) *n.* blindness of nescience इदं शृणु श्रवणभूषणम्। मयोपदिश्यमानं त्वं ज्ञानमज्ञान्ध्यनाशनम् YogVā. ii. 4. 7 (comm. अज्ञानमज्ञा सैवान्ध्यं तस्य नाशनम्)

अज्ञापक (a-jñāpaka) *adj.* **i** not conveying, not indicative of ये तूपेष्यन्ते फलभूतास्ते भारहारा इत्युक्ताः इत्यज्ञापकमेतत् TattvSaṁPañ. 130. 21 (*on* 349); कथमज्ञापकस्य ज्ञापकधर्मा आपाद्यन्ते Kāśi. ii. 120. 24 (*on* 5(3). 64); तस्मादेतदुभयं संदिग्धत्वाद्विसृष्टिसुखस्य प्राप्तेरप्राप्तेश्च(? श्चा)लक्षणमज्ञापकम् JayaMa. 80. 13 (*on* 2. 1); **ii** not implying प्रयोग एव प्राप्ते विवृतत्वे संवृतत्वप्रत्यापत्तिः स्यादिति अज्ञापकमेतदित्यर्थः Pradī. i. 88A. 4 (*on* i. 1. 0(1)); ii. 5A. 30 (*on* i. 2. 4); मित्प्रतिषेधः ··· अज्ञापको णिज्वृद्धेः Pradī. iii. 73A. 27 (*on* iii. 1. 30); iii. 130B. 16 (*on* iii. 1. 91); v. 308A. 28 (*on* vi. 4. 46); अज्ञापकं तत्र झल्ग्रहणम् PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 2. 5; *on* P. i. 4. 3; *on* P. iii. 1. 30.

अज्ञापकत्व (ajñāpaka-tva) *n.* the state of being not conveying किमज्ञातत्वमर्थाद्भिन्नम्, उत अभिन्नम्। ··· भेदेऽप्यर्थे अज्ञाते तत्सम्बन्ध्यज्ञातत्वं न ज्ञाप्येत। अज्ञातत्वमपि न ज्ञाप्यते चेत् तन्मानं व्यर्थं स्यात् अज्ञापकत्वात् IṣṭaSi. 198. 18.

अज्ञापननिवृत्ति (ajñāpana-nivṛtti) *f.* setting aside of not causing knowledge सामर्थ्यं प्रयोजनाभिसंबन्धः। संबन्धज्ञापनपक्षेऽज्ञापननिवृत्तिः प्रयोजनम् TatpaṬ.(Vā.) 288. 15 (*on* i. 1. 35)

अज्ञापयत् (a-jñāpayat) *adj.* not teaching, not revealing, not informing शास्त्रान्तराणि कथयन्नप्ययमज्ञापयंश्चतुःषष्टिम्। विदुषां संसदि न तथा कथया परिपूज्यतामेति KandaCū. ii. 10. 47.

अज्ञापयित्वा (a-jñāpayitvā) *ger.* **i** having not informed, without telling केचिद्ध्वजखेदेन सामन्ता व्रजतोस्तयोः। पश्चादज्ञापयित्वैव विवृत्ताः PadmP.(Ra.) 32. 26; छलाचारो राजानमज्ञापयित्वा न कार्यौ ManuBh. ii. 95. 21 (*on* 8. 49); ii. 159. 13 (*on* 8. 176); **ii** having not implied, not implying 'सुप्तिङन्तं पदम्' इत्यत्रान्तग्रहणमकृत्वा संज्ञाविधौ प्रत्ययग्रहणे तदन्तविधिर्नास्तीत्यप्यज्ञापयित्वा तरप्तमपौ पितौ घ इति क्रियताम् PariVṛ.(Sī.) 56. 4.

अज्ञापित (a-jñāpita) *adj.* [*f.* -ā] without being made known, not anounced कस्त्वमज्ञापितो भद्र विशसि क्षितिपालयम् PadmP.(Ra.) 38. 85; यदि वा द्वारपालाज्ञयामिकैरज्ञापितानामनुद्घाटितकवाटसंपुटे शयनसद्मनि प्रवेशोऽत्र मनुजसीमन्तिनीनाम् UdaySuKa. 9. 26.

अज्ञापितत्व (ajñāpita-tva) *n.* the state of being not declared or made known लकारस्यानुबन्धत्वाज्ञापितत्वाद्धल्ग्रहणाप्रसिद्धिः Vār. 3 *on* i. 3. 3; MahāBh. i. 261. 17 (*on* i. 3. 3)

अज्ञापितस्वागमन (ajñāpita-svāgamana) *adj.* who has not informed or anounced one's arrival कः ··· अयम् ··· अज्ञापितस्वागमनः प्राविशत् तातपर्षदि TrisaS'aPuC. iv. 1. 292.

अज्ञाप्यत्व (ajñāpya-tva) *n.* the state of being not to be conveyed यदपि रसस्याज्ञाप्यत्व(? त्वा)भिधानं तदपि रामस्य रतेरतीतत्वात् संनिहितदेशवर्तमानकालेन्द्रियसंनिकर्षाद्यज्ञाप्यत्वाभिप्रायेण Ekāva. 3. 1 (67) (94. 1)

अज्ञाबाध (ajñābādhā) *m.* non-anullment of the nescient अतोऽज्ञाबाधेनैवाविद्या हन्ति IṣṭaSi. 329. 16.

अज्ञाभाव (ajñābhāva) *m.* absence of the nescient अज्ञाभावात् फलं कस्य UpādhiKha. 2A. 2.

अज्ञाम्बु (ajñāmbu) *n.* water in the form of ignorance आचन्ते वै प्रपत्स्यन्ते क्षेत्रमज्ञाम्बु सर्वशः BrahmāṇḍP. iii. 4. 26.

अज्ञाय (a-jñāya) *ger.* having not understood यो मामज्ञाय कामार्तः अश्रद्धानि प्रभाषते MahāBhā. iv. 280*(1); आत्मनो बलमज्ञाय···। अलभ्यमिच्छन्नैष्कर्म्यान्मूढबुद्धिरिहोच्यते MahāBhā. v. 33. 37; भ्रातॄणां मतमाज्ञाय(v. l. अज्ञाय) त्वया वाचा प्रतिश्रुतम्। सैन्धवं श्वोऽसि हन्तेति तत्साहसतमं कृतम् MahāBhā. vii. 53. 2; मार्गोऽयमिति यो वाञ्छेत् दिशमज्ञाय मोहवान्। द्राघीयसापि कालेन नेष्टं स्थानं स गच्छति PadmP.(Ra.) 6. 279; ओजः सहो बलं प्राणममृतं मृत्युरेव च। तमज्ञाय जनो हेतुमात्मानं मन्यते जडम् BhāgP. vi. 12. 9; पुरंदरोऽपृच्छत्। पुरुषं तं स्वमार्गान्तस्थितमज्ञाय शंकरम् S'ivaP. ii(5). 13. 9 (234B. 5); iii. 30. 7 (331A. 9)

अज्ञायमान (a-jñāyamāna) *adj.* [*f.* -ā] **i** not being known, not being understood भूर्भुवः स्वः स्वाहेत्यज्ञायमाने दोषे S'āṅkhāS'S. iii. 21. 6; अज्ञायमाने च मते परस्य किं स्यात् समारभ्यतमं मतं वः MahāBhā. v. 1. 23; न जातु रज्ज्वामज्ञायमान उरगो भयकम्पादिकार्याय पर्याप्तः Bhām. 322. 6 (*on* i. 4. 22); प्रमाणत्वेनाज्ञायमानं प्रमाणं स्वविषयं परिच्छिनत्ति NyāyVārPari. 43. 7; अज्ञायमानस्यापि स्वरूपसद्भावसंभवात् S'āstrDī. 144. 18 (*on* i. 1. 6); KhaṇḍanKhā. 587. 15; चक्षुरादिवदनुपलब्धेरज्ञायमानाया एव करणत्वात् TattvPradī.(Ci.) 276. 6; त्वदुक्तमर्थं न जानामीत्यादिव्यवहारोऽस्त्यन्तसुप्ते ··· ज्ञायमाने चाज्ञायमाने संभाव्यमानोऽज्ञानं गमयति Vādā. 29. 6; Upask. 154. 13 (*on* iii. 1. 14); अत्रैवर्णिकेन निषादस्थपतिना स्वयमज्ञायमानोऽपि स्वपत्यधिकार एव यथा प्रयोजकः TantrRaha. 70. 27; (संज्ञाकरणं) न चाज्ञायमानेषु तेषु तत्संभवति YuktiSneha. 117. 32 (*on* i. 1. 5); तीर्थाद्भिनिःसृतास्तीर्थत्वेनाज्ञायमानाः (आपः) VīraMi. 191. 5 (*on* 1. 100); **ii** (a person) not being known, being incognito यदाश्रौषं तानथाज्ञातवासे त्वपश्यमानान् विविधैरुपायैः। (v. l. अज्ञायमानान्मामकानां सकाशे) MahāBhā. i. 48*(2); सोऽज्ञायमानः निविष्टोऽभूद्भार्गवस्य निवेशने MahāBhā. i. 184. 2; (पाण्डोः सुतैस्त्वद्वतम्) अज्ञायमानैर्भवतां समीपे।···उषितम् MahāBhā. v. 1. 12; ते ··· अज्ञायमाना गृह्णन्ति बालकान् रौद्रकर्मिणः MahāBhā. iii. 219. 31; अज्ञायमानो हीनत्वे कुर्यात् सन्धिं परेण वै (नृपतिः) MahāBhā. xii. 69. 15;

अन्यैरज्ञायमानस्त्यजामि निजपदानुषङ्गिणीं भुवमिति विचिन्त्य ··· अलक्षितक्रमेण निर्गत्य UdaySuKa. 57. 16; 100. 10.

अज्ञायमानकरण (ajñāyamāna-karaṇa) *n.* means or instrument (of knowledge) which is not being known अज्ञायमानकरणजं ज्ञानम् NyāyKuA. ii(1). 238. 1; अज्ञायमानकरणजन्यः तत्त्वानुभवः प्रत्यक्षप्रमा SaptaPa. 142 (40)

अज्ञायमानकार्य (ajñāyamāna-kārya) *n.* effect that is not being known अज्ञायमानकार्यस्य दृष्टिसृष्टिपक्षे अनङ्गीकारात् LaCandr. 535. 25; अज्ञायमानकार्यानङ्गीकारेण तादृशसंस्काराद्यसंभवः GuruCandr. ii. 337. 22.

अज्ञायमानजन्मपरंपराक (ajñāyamānajanmaparamparā-ka) *adj.* of unknown lineage (*lit.* series of generations) अज्ञायमानजन्मपरंपराकेऽसद्गोत्रज इत्येवमाकारमात्रज्ञानगोचरे गोत्रजे ··· सद्यः शौच(? चम्) इति VīraMi. 800. 3 (*on* 3. 24–25)

अज्ञायमानज्ञान (ajñāyamāna-jñāna) *n.* knowledge which is not being known न ह्यज्ञायमानज्ञानसद्भावे किञ्चिन्मानम् TattvPrakā. 4A. 8 (*on* i. 1. 1)

अज्ञायमानता (ajñāyamāna-tā) *f.* the state of not being known दीनेषु परिपाल्यताबुद्धिः···करुणा···तस्याः आन्तरत्वेन अज्ञायमानतया LalitāTriBh. 300. 19 (*on* 28); अवज्ञा सा प्रकृष्टस्य यत्तथाज्ञायमानता BhāvPra.(S'ā.) 71. 1 (3)

अज्ञायमानतादशा (ajñāyamānatā-daśā) *f.* the state of being unknown अज्ञायमानतादशायाम् ··· तस्य प्रत्यक्षहेतुत्वम् ··· न कल्प्यते GuruCandr. ii. 346. 19; LaCandr. 537. 25.

अज्ञायमानत्व (ajñāyamāna-tva) *n.* the state of not being known or cognised सन्नप्यज्ञायमानत्वादसन्नित्यभिधीयते S'lokaVār. 7. 101 (874. 1); AṇuBh. 57. 23 (*on* i. 2. 9)

अज्ञायमानार्थत्व (ajñāyamānārtha-tva) *n.* nature of unknown substance or matter लोमादयः पश्ववयवा वेदे चोदिताः सन्तोऽध्वर्य्वादिभिः स्वयमज्ञायमानार्थत्वाद्ये नित्यं प्राणिवधाभियुक्तास्तेभ्य एवावधार्य विनियुज्यन्ते TantrVā. 158. 21 (*on* i. 3. 9)

अज्ञायमानदशा (ajñāyamāna-daśā) *f.* the state of not being known तदुपलक्षितस्य विषयस्याज्ञायमानदशायामपि भयादिहेतुत्वप्रसङ्गात् S'atDū. 133. 18.

अज्ञायमानदुष्टसंसर्ग (ajñāyamāna-duṣṭasaṁsarga) *m.* poluting touch of which is not known अज्ञातभुक्तशुद्ध्यर्थं अज्ञायमानदुष्टसंसर्गभुक्तान्नदोषनिवृत्त्यर्थम् ManvaVi. 599. 14 (*on* 5. 21)

अज्ञायमानदेशत्व (ajñāyamānadeśa-tva) *n.* the state of being one whose place is not known मूलं विक्रेता स चाज्ञायमानदेशत्वादनाहार्यः Aparā. 776. 18 (*on* 2. 170)

अज्ञायमानदोष (ajñāyamāna-doṣa) *adj.* of unknown sin अपाङ्क्त्योपहता अज्ञायमानदोषापाङ्क्त्योपहता ManvaVi. 390. 5 (*on* 3. 183)

अज्ञायमानवचन (ajñāyamāna-vacana) *n.* statement as being not known ज्ञायमानेऽप्यज्ञायमानवचनमितरप्रशंसार्थम् TantrVā. 31. 16 (*on* i. 2. 14)

अज्ञायमानस्वामिक (ajñāyamānasvāmi-ka) *adj.* (property) the owner of which is not known or traced पुराणमिति वदन्नज्ञायमानस्वामिकत्वं दर्शयति Aparā. 640. 14 (*on* 2. 34); स (निधिः) द्विविधो ज्ञायमानस्वमिकोऽज्ञायमानस्वामिकश्च DaṇḍaVi. 286. 8; 291. 2.

अज्ञायमानार्थ (ajñāyamānārtha) *adj.* **i** (word or sentence) sense of which is not being understood यदि चोदकेन कर्तृविशेषो दीक्षायां न लभ्यते; ततो वचनेनापि न लब्धुं शक्यते तद्वर्तिनां पदानामज्ञायमानार्थत्वात् NyāyRaMā. 153. 24; वाक्यमज्ञायमानार्थमविज्ञातार्थमुच्यते TārkiRa. 335. 3; *m.* **ii** unknown object अज्ञाननिवर्तकान्येव सर्वाणि ज्ञानान्येष्टव्यानि अज्ञायमानार्थविषयत्वाविशेषात् IṣṭaSi. 64. 10.

अज्ञाविशेष (ajñāviśeṣa) *m.* non-difference from the ignorant तज्ज्ञा अपि हि अज्ञाविशेषेणैव शरीरयात्रानिमित्तं यावच्छरीरं व्यवहारं कुर्वन्त्येव Bhāsk. i. 392. 19 (*on* i. 7. 14)

अज्ञाविद्ध (ajñāviddha) *adj.* not penetrated with (i. e. not containing) wrong things भारतं मानवो धर्मः साङ्गवेदं चिकित्सितम् । अज्ञाविद्धानि चत्वारि न हन्तव्यानि हेतुभिः VṛGautSm. 512. 17 (3)

अज्ञावृता (ajñāvṛtā) *adj.* (*f.*) surrounded by ignorant men or fools गायनक्षपिता लक्ष्मीः दस्युनिर्दालिता दिशः । कायस्थदुःस्था पृथिवी राज्ञामज्ञावृताः सभाः DaśāvaC. 10. 13.

अज्ञास् (á-jñās) *adj.* without an acquaintance अनापिरज्ञा असजात्यामतिः । पुरा तस्या अभिशस्तेरवस्पृतम् ṚV. x. 39. 6.

अज्ञासंभव (ajñāsambhava) *m.* impossibility of an ignorant अतोऽज्ञासंभवादेव नाधिकार्यैक्यवादिनाम् UpādhiKha. 2A. 1.

अज्ञिका (ájñi-kā) *adj.* (*f.*) an ignorant (woman, lady) भस्त्रा — ज्ञाद्रास्वा इत्येतेषां नञ्से असेऽपि आतः स्थाने यो अकारस्तस्य वा इद् भवति । ··· अज्ञिका JaineVyā. 367. 18 (*on* v. 2. 52); CāndraVṛ. *on* vi. 1. 72; KāśiVṛ. *on* vii. 3. 47.

अज्ञित (ajñi-ta) *adj.* not defeated or conquered (by others) घोरद्रवच्चक्रजिताज्ञितारिम् ··· गै त्वाम् DhātuKā. 2. 35 (comm. अज्ञिताः अन्यैरनभिभूता अरयो येन)

अज्ञेय (a-jñeya) *adj.* **A** unknowable (Brahman, Supreme Being, Viṣṇu etc.) असांप्रतिक्रमज्ञेयं ब्रह्म यत्सदसत्परम् BrahmāṇḍP. i. 3. 11; स्वरूपेण स्वयं नात्मा ज्ञेयोऽज्ञेयोऽथवा ततः UpadeSā. 262. 48; अज्ञेयं तु कल्पितं कृत्वा तदपोहेन ज्ञेयशब्दः प्रवर्तते S'arka. 68. 6; 68. 20; शिव एव तच्चोदकः स चाज्ञेयो ज्ञातैव ParāTri. (comm.) 257. 7; नन्वज्ञेयमिदं भवेद्यदि मम प्रत्यक्स्वरूपम् SaṁkṣeS'ā. 1. 244 (i. 188. 5); न ह्यसदज्ञेयं वा किंचिदवगतं यद् व्यवच्छिद्यते NyāyMañ. i. 279. 11; अज्ञेयम् ··· तं वासुदेवं शरणं प्रपद्ये VāmaP. 85. 46; (शिवम्) केचिज्ज्ञेयमिति प्राहुरज्ञेयमिति केचन S'ivaP. vii(2). 5. 33 (550B. 10); परमेश्वरः स्वात्मानं ज्ञात्रेकरूपत्वादज्ञेयमपि ज्ञेयीकरोति PratyabhiVi. i. 268. 1 (*on* i. 5. 15); न हि जात्यन्धो नीलं ज्ञातुं निर्वक्तुं वा न शक्त इत्यज्ञेयानिर्वाच्यमेव तल्लोक इति ĀtmaTaVi. 499. 17; मानेन केन विज्ञेयमवाच्याज्ञेयनिर्गुणम् AnuVyā. 6B. 7 (*on* 1. 1); 70A. 8 (*on* 4. 2); जीवाश्रिताज्ञानस्य चाज्ञेयेन ब्रह्मणा व्यवहारस्य च···संबन्धो न Nyāyāmṛ. 193B. 7; 290B. 9; **B** incomprehensible, difficult to understand के च सौम्या(? म्य)रसा ज्ञेयाः के चाज्ञेयाः प्रकीर्तिताः Hastyāyur. 631. 14 (4. 11); एवं हृदयमज्ञेयमगाधं वेशयोषिताम् KathāSaSāg. x. 2. 54; स तत्त्वं ज्ञातवान् मन्त्री··· किमज्ञेयं हि धीमताम् KathāSaSāg. i. 4. 105; नास्ति किंचिन्निपुणस्याज्ञेयम् DhūrtaViSaṁ. 21. 10; *m.* name of S'iva (not knowable),S'ivaP. iv. 35. 71 (392B. 4)

अज्ञेयता (ajñeya-tā) *f.* the state of being not cognisable, incognisability, unknowability विशिष्टसंस्कृतिः शब्दात्सा हि न व्यतिरेकिणी । शब्दस्याज्ञेयताप्राप्तेः ततः शब्दोऽपि जायते TattvSaṁ. 2570; निषेधस्त्वज्ञेयतामात्रार्थः TattvPrakā. 76B. 2 (*on* i. 4. 28)

अज्ञेयत्व (ajñeya-tva) *n.* unknowability, the nature of being unknowable आत्मनोऽन्यस्य चेद्धर्मा अस्थूलत्वादयो मताः । अज्ञेयत्वेऽस्य किं तैः स्यात् UpadeSā. 141. 2; मुख्यस्त्वात्मा ब्रह्मैव तस्यात्मत्वश्रुतेरज्ञेयत्वाच्च IṣṭaSi. 174. 16; 91. 14; 206. 3; तदेतदिति मन्यन्तेऽनिर्देश्यं परमं सुखमित्यादिना ज्ञानिसुखस्याप्यनिर्देश्यत्वमज्ञेयत्वं चोच्यते BrahmSūBh.(Ma.) 17A. 9 (*on* i. 3. 22); अवाच्यत्वादज्ञेयत्वाच्छून्यमेव तदिति प्राप्तम् ViṣṇuTaNi. 17B. 2; निर्गुणं वस्तु केन मानेन विज्ञेयम् । न केनापि । कुतः । अज्ञेयत्वात् NyāySu.(Ja.) 121B. 5 (*on* i. 1. 5); पूर्वमदृश्यत्वादिगुणाः परमेश्वरस्योक्ताः तेषामदृश्यत्वाज्ञेयत्वे कस्यचिदानुकूल्येन गृह्यमाणस्य काठके कथ्येते TattvPrakā. 50A. 13 (*on* i. 3. 22); नन्वेतावता रसस्याज्ञेयत्वमुक्तं भवति SāhiDa. 79. 8; AdvaiSi. 535. 9; तथा सति हि तस्याज्ञेयत्वेन साधकाभावरूपं बाधकं परेषूपन्यासानर्हम् SāṁkhyaPraBh. 158. 13 (*on* 6. 50); तत्राज्ञेयत्वात्पित्तरक्तमादायानिल ऊर्ध्वमागत्य शिरः संतापयति Hastyāyur. 145. 7 (1. 18)

अज्ञेयवासन (a-jñeyavāsana) *adj.* without impressions of knowable objects त्यक्तदेहो विमुक्तोऽन्यो वर्ततेऽज्ञेयवासनः YogVā. v. 16. 17.

अज्ञोक्ति (ajñokti) *f.* statement of an ignorant (a foolish or wrong statement) अस्य वचनस्य निर्मूलत्वोक्तिरज्ञोक्तिरेव NirṇaSi. 381. 19; सामान्यायाः कुत्राप्यनुरागो नास्तीत्यज्ञोक्तिः S'ṛṅgāMañ.(A.) 13. 8.

अज्ञोत्था (ajñotthā) *adj.* (*f.*) arisen in a nescient एते (विचिकित्सिते) न तरतोऽज्ञोत्थे तद्धेत्वज्ञानघस्मरम् ।···ब्रह्मासीत्यात्मवेदिनम् BṛĀraUBhVā. iv. 4. 1172.

अज्ञोपदेशकरण (ajñopadeśakaraṇa) *n.* the act of teaching by the ignorant (person) ज्ञानवान् मृश्यते कश्चित्तदुक्तप्रतिपत्तये । अज्ञोपदेशकरणे विप्रलम्भनशङ्किभिः PramāVā. 2. 30; YaśasCam. ii. 274. 17.

अज्ञोपबोध (ajñopabodha) *m.* instructing the ignorant कथमज्ञोपबोधाय योग्यं स्यान्मतमीदृशम् S'aṅkaVi.(Ā.) 106. 6.

अज्दन्त्यपर (ajdantya-para) *adj.* followed by a vowel or a dental sound अथवा लक्षणं क्रियते । अज्दन्त्यपराः सादयः षोपदेशाः KāśiVṛ. *on* P. vi. 1. 64; Nyās. ii. 238. 19 (*on* vi. 1. 64)

अज्द्वयसमुदाय (ajdvaya-samudāya) *m.* group of two (successive) vowels असत्यज्ग्रहणेऽज्द्वयसमुदायस्य प्रत्येकवर्णकालसंकलनया द्विमात्रत्वाद् दीर्घसंज्ञा स्यात् PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 2. 27.

अज्धर्मता (ajdharma-tā) *f.* the state of being a quality of a vowel उदात्तादीनामज्धर्मताया एव लोकप्रसिद्धत्वेन LaS'abdeS'e. i. 25. 2.

अज्धर्मत्व (ajdharma-tva) *n.* the state of being a quality of a vowel अज्धर्मत्वाद् उदात्तादीनाम् Pradī. v. 181a. (*on* vi. 1. 223); पारिभाषिकस्य

(स्वरितस्य) अज्धर्मत्वात् Nyās. i. 218. 26 (*on* i. 3. 11); PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 3. 11; अनुदात्तस्याज्धर्मत्वादिति प्राप्तिरेव नास्ति PariVṛ.(Ni.) 104. 20.

अज्भक्ति (aj-bhakti) *f.* vocalic part मध्ये द्वौ रेफौ तयोरेका मात्रा, अभितोऽज्भक्तेरपरा PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 1. 9; *on* P. vi. 1. 101; *on* P. viii. 4. 1; SiddhāKau. 22A. 7.

अज्भेद (aj-bheda) *m.* difference in vowel ननु गोगुरुगिरिगेहादावज्भेदेऽपि गकारप्रत्ययानुवृत्तेरेक एवायं गकार: NyāyMañ. i. 202. 21.

अज्म (áj-ma) *m.* course, march, way, passage येषामज्मेषु पृथिवी ··· । भिया यामेषु रेजते ṚV. i. 37. 8; i. 37. 10; प्रैषामज्मेषु विथुरेव रेजते भूमि: ṚV. i. 87. 3; यदाक्षिषुर्दिव्यमज्ममश्वा: ṚV. i. 163. 10; TaiS. iv. 6. 7. 4; VājaS. 29. 21; iii. 2. 12; घृतव्रतो मह्नो अज्मस्य राजति ṚV. iv. 53. 4; v. 87. 7; तं त्वामज्मेषु वाजिनं तन्वाना अग्ने अध्वरम् ṚV. viii. 43. 20.

अज्मन् (áj-man) *n.* **1** course, march, contest, way, passage अत्यो नाज्मन् ṚV. i. 65. 6; अग्निर्नादीदेच्चित इद्धो अज्मन्ना ṚV. i. 112. 17; उप वामव: शरणं गमेयं शूरो नाज्म ṚV. 1. 158. 3; i. 166. 5; चक्रे अग्निर्जनुषाज्मान्नम् ṚV. vi. 4. 4; (ajmán) TaiS. I. iii. 14. 7; अच्युता चिद्वो अज्मन्ना नानदति पर्वतासो वनस्पति: ṚV. viii. 20. 5; viii. 46. 18; वज्रबाहुं जयन्तमज्म ṚV. x. 103. 6; AV. vi. 97. 3; TaiS. iv. 6. 4. 2; VājaS. 17. 38; अज्मनामिहेत: श्यामा् AV. xi. 10. 22; समानमज्मा परियाति जागृवि: TaiĀ. iii. 10. 4 (301. 3); अज्म··· । सङ्ग्रामनामानि Nigh. 2. 17; अज्मेति गृहाणाम् Nigh. 3. 4; **2** cow [Apte]

अज्य (a-jyá) *adj.* without the bow string तदिन्द्रधनुरित्यज्यम् । अभ्रवर्णेषु चक्षते TaiĀ. i. 5. 2 (31. 1)

अज्य (a-jya) *adj.* not defective, perfect दण्डछत्रकमण्डलूनि कलयन् स ब्रह्मशान्तिः क्रियात् सन्त्यज्यानि शमी CaturJiStu. 64 (comm. अहीनानि)

अज्यभदेव (ajyabha-deva) *m.* name of a person अन्येऽप्यज्यभदेवाद्या: समस्ता भद्रमण्डले । तत्तारखानमुत्सृज्य तुष्टास्तमुपतस्थिरे RājTa.(Śrī.) 3. 319.

[1]**अज्यमान** (ajyá-māna) *adj.* being urged or driven अत्यो न वाजी रघुरज्यमान: ṚV. v. 30. 14.

[2]**अज्यमान** (ajyá-māna) *adj.* [*f.* ā] being anointed सोम: सुत: पूयते अज्यमान: ṚV. ix. 97. 35; स्तरीर्यत्सूत सद्यो अज्यमाना ṚV. x. 31. 10; x. 31. 9; इत्यज्यमानायामिरूपा AitBr. 4. 2(84); यूपायाज्यमानायेत्युक्तोऽञ्जन्ति त्वामित्यन्वाह ŚāṅkhāŚS. v. 15. 2; प्रेषितो यूपायाज्यमानाय ··· अर्धर्चे आरमेत् ĀśvaŚS. I. iii. 1. 8; तर्पय मा प्रजया पशुभिरिति पुरोडाशानज्यमानान् ĀpaŚS. iv. 8. 1; v. 9. 8; MānaŚS. 51. 14; अज्यमानमपि तथा यावन्तस्तैलबिन्दव: । तावद्वर्षसहस्राणि स्वर्गलोके महीयते VarāP. 118. 20.

अज्यान (a-jyāna) *n.* freedom from decay तेषामज्यानं यतमो न आवहात् तस्मै नो देवा: परिदत्त विश्वे MānŚS. 39. 13.

अज्यानि (á-jyāni) *f.* **1** freedom from injury, freedom from decay or loss तेषामज्यानिं यतमो वहाति तस्मै मा देवा: परि धत्तेह सर्वे AV. vi. 55. 1; स नो रास्वाज्यानिं रायस्पोषम् TaiS. III. iii. 8. 3; III. iv. 7. 2; तेषां यो अज्यानिमजीतिमावहात् TaiS. V. vii. 2. 3; KāṭhS. 13. 25; तिस्र आज्याहुतीरैन्द्री: प्रपदं जुहोत्यनार्त्या अरिष्टया अज्यान्यै AitBr. 37. 6; ChāndoUBr. ii. 1. 10; BaudhāDS. ii. 6. 13; **2** name of certain offerings गार्हपत्य आज्यं विलाप्योत्पूय स्रुचि चतुर्गृहीतं गृहीत्वाहवनीयेऽज्यानीर्जुहोति BaudhāŚS. i. 82. 8; ĀpaŚS. vi. 29. 12; VārāŚS. I. v. 5. 7; तस्मिन्नुदरेऽज्यानीर्जुहोति BaudhāPiMe. iii. 9. 3; **3** name of some bricks in a Sacrifice अथाज्यानीरुपदधाति शतायुधाय शतवीर्यायेति BaudhāŚS. ii. 44. 22; ĀpaŚS. xvii. 9. 4.

अज्यानी (ajyānī) *f.* ṛk containing the word *ajyānī* (cf. KāṭhS. 13. 15); नवस्याग्रायणदेवताभ्योऽज्यानीभिरभिजुहुयात् KāṭhGS. iv. 3. 3; (comm. अज्यानीभिरिति मन्त्रनिर्देश:)

अज्यामयिन् (a-jyāmayín) *adj.* free from decay and sickness पराङेत्यज्यामयी । पराङेत्यनाशकी । ···विद्वान् TaiĀ. i. 27. 4 (169. 4)

अज्यायस् (á-jyāyas) *adj.* [*f.* -ī] [P. v. 3. 61; v. 3. 62] not elder, not superior, not larger, not excellent अज्यायो यवमात्रात् TaiBr. III. vii. 5. 6; लोके चेतनवर्गस्तु द्विधैव परिकीर्त्यते । ज्यायांश्चैव तथाज्यायान् AhirbuS. 52. 4; मन्दोऽज्यायान् ग्रहेषु JaimiUpaSū. i. 1. 24; न चाभिवादयेदेनं गुरुरज्यायसि स्थितम् MṛgendraT. ii. 8. 231; जिनशय: ··· अज्यायो जन्मबीजं जयतु JainŚ. 2. 9; पूर्वोत्तरकालभावितपर्यायपर्यालोचना पुनरज्यायसी SyādvāMañ. 28(83)

अज्येय (a-jyeya) *adj.* unconquerable तस्माद् ब्राह्मण्यो राजन्यस्याज्येयोऽमार्य: JaimiBr. 2. 196; अनन्ते स्वर्गे लोकेऽज्येये प्रतितिष्ठति JaimiUBr. iv. 21. 9.

अज्येयता (ajyeya-tā) *f.* unconquerableness, invincibility लोक: पुच्यमानश्चतुर्भिर्धर्मैर्ब्राह्मणं भुनक्त्यर्चया च दानेन चाज्येयतया चावध्यतयाच ŚatBr. xi. v. 7. 1.

अज्येष्ठ (a-jyeṣṭhá) *adj.* [*f.* -ā] [P. v. 3. 61; v. 3. 62] not the eldest, [pl.] not having the eldest among them ते अज्येष्ठा अकनिष्ठास उद्भिदोऽमध्यमासो महसा वि वावृधु: ṚV. v. 59. 6; v. 60. 5; (not worthy of being called the eldest) यो ज्येष्ठो विनिकुर्वीत लोभाद् भ्रातॄन्यवीयस: । सोऽज्येष्ठ: स्यादभागश्च नियन्तव्यश्च राजभि: ManuSm. 9. 213; ततो वृषादन्ये ये वृषभा अज्येष्ठास्ते बहूनामेकश: कृत्वा देया: ManuBh. ii. 278. 2 (*on* 9. 123); अज्येष्ठायां ज्येष्ठो जात: पञ्चदश गा हरेत् ManuBh. ii. 278. 8 (*on* 9. 124)

अज्येष्ठविशाल (ajyeṣṭha-viśāla) *n.* not a large (i. e. small) extension or width ज्येष्ठाज्येष्ठविशालमन्येषामन्यदिष्टं स्यात् MayaMa. 29. 7.

अज्येष्ठवृत्ति (ajyeṣṭha-vṛtti) *adj.* who does not behave like the elder (brother) अज्येष्ठवृत्तिर्यस्तु स्यात्स संपूज्यस्तु बन्धुवत् ManuSm. 9. 110.

अज्यैष्ठिनेय (a-jyaiṣṭhineya) *adj.* born of a junior wife समधा वाज्यैष्ठिनेयेन यवीयसाम् GautDS. iii. 10. 14.

अज्योतिष्क (a-jyotiṣka) *adj.* without radiance तस्मादज्योतिष्क उत्करो भवति GopaBr. i. 3. 10.

अज्यौतिषिक (a-jyautiṣika) *m.* who is not an astrologer अस्ति ज्यौतिषमित्यज्यौतिषिका अपि कुतश्चिदुपलभ्य शास्त्रदिनेषु कर्म कुर्वते JayaMa. 29. 12 (*on* I. 3)

अज्रूपत्व (ajrūpa-tva) *n.* nature of having a vocalic form हन्तैवममामोरपि अज्रूपत्वेनाचोऽन्त्यात्परत्वेन तयोर्नुमश्च ··· संभवात् PāṇiTaVāNaMā. 84. 5.

अज्र (áj-ra) *m.* [Debru. p. 855; Mayr. 1. 23] plane, field आ सूर्यो बृहतस्तिष्ठदज्रान् ṚV. iv. 1. 17; iv. 19. 7; वि यदज्राँ अजथ नाव ईं यथा ṚV. v. 54. 4; अज्रा इन्द्रस्य गिरयश्चिदृष्वा: ṚV. vi. 24. 8; vi. 62. 2; यस्य ··· बृहत्सहो दाधार रोदसी । गिरीँरज्रान् ṚV. iii. 15. 2; viii. 27. 19; x. 27. 9; x. 59. 3; गिरीँरज्रान् रेजमानाँ आधारयत् ṚV. x. 44. 8.

अज्र (áj-ra) *adj.* impelling, inciting, moving नूनं घासे अज्राणां यवसप्रथमानाम् VājaS. 21. 43; अज्रा: । क्षिप्रनामानि Nigh. 2. 15; अज्रोऽन्यवद् गन्तरि नायकेऽथ KośaKaTa. ii 7771.

अज्रोक (ajroka) *m.* name of a poet त्वां हित्वा ··· । अज्रोकस्य SaduktiKa. 247. 31.

अज्र्य (ajr-yá) *adj.* belonging to the planes समज्र्या पर्वत्या उ वसूनि दासा वृत्राण्यार्या जिगेथ ṚV. x. 69. 6.

अज्लक्षणा (aj-lakṣaṇā) *adj.* (*f.*) specified by *ac* (a vowel), of the nature of a vowel अज्लक्षणेयं वृद्धि: स्यात् Nyās. iii. 694. 3 (*on* vii. 2. 7); स्थानिवद्भावाद्वा ह्रस्वभाविनी अज्लक्षणोपधा न संभवति Nyās. ii. 570. 4 (*on* vi. 4. 96)

अज्वर (a-jvara) *adj.* without fever, without malady अज्वरा ह्यस्य पशव: प्रजनिष्णवो भवन्ति य एवं वेद JaimiBr. 3. 24; युक्तं प्रकृतिसत्त्वेन विद्यात् पुरुषमज्वरम् CaraS. vi. 3. 329 (1941 Ed.); आभूतसंप्लवास्तत्र दश तिष्ठन्ति तेऽज्वरा: । ···सिद्धा: BrahmāṇḍP. iii. 2. 72; सोऽयं दुर्लभेष्वनुराग: पुंसाम् अज्वरमस्वास्थ्यम् NalaCam. 1. 62 (1); अज्वरमिव वमति कवि: श्लोकं कृच्छ्रात् सह प्राणै: Deśopa. 8. 18; *m.* absence of fever अच्युतम् । ध्यात्वा जुहुति भूतस्य मूर्ध्न्यज्वरमभ्यसेत् PañcRā.(Nā.) iii. 14. 49.

अज्वलन (a-jvalana) *n.* lack of burning, not burning नित्यमजागरणादिति । सततमज्वलनादित्यर्थ: Nyās. i. 580. 1 (*on* iii. 1. 127); PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. iii. 1. 127; अग्नेरज्वलनमिन्धनवतोऽप्यग्नेरज्वलनमित्यर्थ: AdbhuSāg. 416. 8.

अज्वाल (a-jvāla) *adj.* without flames विद्युत्प्रदग्धोऽङ्गारोऽज्वालो वा विद्युत्प्रदग्धै: काष्ठैर्गृहीत: ArthŚā. iii. 219. 3 (14. 1); अज्वाल(? लो) ज्वालसंयुक्तस्त्वाग्नि(? ग्ने)र्द्विविधो व्रण: Hastyāyur. 352. 26 (3. 1)

अज्विधान (aj-vidhāna) *n.* enjoining the suffix *ac* अर्शआदिगणे पठितो वर्णशब्दो वर्णविशेषवाची, शुक्लनीलगौरादिशब्दवत् तेभ्य: अज्विधानात् शुक्लादिगुणवद्द्रव्यविशिष्टप्रतीतिनिर्वाहार्थम् PūrvottaVāNaMā. 108. 3; 112. 5.

अज्विधि (aj-vidhi) *m.* **i** operation pertaining to a vowel हुल्यादिष्वज्विधि: Vār. 2 *on* ŚivSū.(Gr.) 3-4; **ii** application of the *kṛt* suffix *ac* अज्विधि: सर्वधातुभ्य: पठ्यन्ते च पचादय: KāśiVṛ. *on* P. iii. 1. 134; अज्विधौ भयादीनामुपसंख्यानम् DhātuPra. 1. 706 (50. 15); PariVṛ.(Sī.) 78. 23.

अज्विन् (aj-vin) *adj.* [*f.* -ī] [Debru. p. 916] quick, agile, active अग्निरज्वी गायत्रेण च्छन्दसा तमश्यां तमन्वारभे तस्मै मामवतु तस्मै स्वाहा । उषा अज्विनी ···। अश्विनावज्विनौ ĀśvaŚS. I. vi. 5. 2.

अज्विशेष (aj-viśeṣa) *m.* a specific vowel अज्विशेषवाचिनो गुरुशब्दस्य PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. iii. 3. 103.

अझट् (a-jhaṭ) (Gr.) (roots) not beginning with the sounds in the Pratyāhāra *jhaṭ* (i. e. aspirated voiced and voiceless stops) त्रप्फलिभजत्र-

झट्कजह्वादिदशिसिकृतस्यातोऽन्तर्हलो: S'ākaṭāVyā. iv. 1. 63, cf. P. vi. 4. 126.

अझटा (ajhaṭā) *f. Flacortia cataphracta*, cf. **अजटा**, अझटा बहुपुत्रा च भूधात्रीदामलक्यपि ṢaḍrasaNi. 22. 5.

अझल् (a–jhal) (Gr.) not included in the Pratyāhāra *jhal* अझल: पर: सिजिति Nyās. i. 31. 20; अझल्यप्यनुस्वार: PrakriKau. ii. 354. 3.

अझलन्तत्व (ajhalanta–tva) *n.* the state of not ending in a sound included in the Pratyāhāra *jhal* ईकारात्परो नुम् प्राप्त: अझलन्तत्वान्न भवति Pradī. vi. 7. 23 (*on* vii. 1. 1); नुम्विधौ तु झल्ग्रहणमनुवर्तिष्यते, अझलन्तत्वान्न भविष्यति PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. iii. 2. 141; नुमि कर्तव्येऽल्लोपस्य स्थानिवत्त्वेनाझलन्तत्वात् PariVṛ.(Sī.) 8. 4; अझलन्तत्वान्न नुम्, वारि SiddhāKau. 103A. 13.

अझलर्थ (ajhal–artha) *adj.* meant for the case where the suffix is not beginning with a sound included in *jhal* अज्झ(? झ)ला(? ल)र्थोऽयमारम्भ: Prasā. ii. 540. 12

अझलादित्व (ajhalādi–tva) *n.* the state of not having a consonant included in the Pratyāhāra *jhal* at the beginning अझलादित्वान्नाकार: Prasā. ii. 233. 9.

अझल्परत्व (ajhalpara–tva) *n.* the state of not being followed by a sound denoted by *jhal* अझल्परत्वादनुस्वारो न प्राप्नोति Pradī. vi. 263. 18 (*on* vii. 4. 85)

अझि (a–jhi) (Gr.) which is not an indeclinable खिद्यझे: JaineVyā. iv. 3. 176, cf. P. vi. 3. 65.

अझीर्ण (a–jhīrṇa) *adj.* not decayed, not old (i. e. new) देहि प्रभो: प्रेष्य सुतोहनाय मे जीर्णाशुकाय:(? य) त्वमझीर्णमंशुकम् DhātuKā. 2. 57 (comm. अझीर्णं नवम् ··· झृष् वयोहानौ)

अझेरट (ajheraṭa) *m., n.* name of a village, EI. vi. 140. 42.

अञ् (añ) (Gr.) *taddhita* suffix, *a* unaccented, causing the lengthened grade of the first syllable, with acute on it and with fem. in –ī (ṅīp and ṅīn); used in various meanings as (patronymic) उत्सादिभ्योऽञ् P. iv. 1. 86; JaineVyā. iii. 1. 71; S'ākaṭāVyā. ii. 4. 10; SiddhaHe. vi. 1. 19; अनृष्यानन्तर्ये बिदादिभ्योऽञ् P. iv. 1. 104 (बैद:); JaineVyā. iii 1. 93; CāndraVyā. ii. 4. 22; जनपदशब्दात् क्षत्रियादञ् P. iv. 1. 168 (वैदेह:); JaineVyā. iii. 1. 150; S'ākaṭāVyā. ii. 4. 98; SiddhaHe. vi. 1. 114; (coloured with) हरिद्रामहारजनाभ्यामञ् वक्तव्य: Vār. 4 *on* P. iv. 2. 2; (covered with) द्वैपवैयाघ्रादञ् P. iv. 2. 12; (collection) अनुदात्तादेरञ् P. iv. 2. 44 (कापोत, मायूर); (cāturarthika) ओरञ् P. iv. 2. 71 (पारशव:); P. iv. 2. 72 (ऐषुकावत:); (when speaking of wells) P. iv. 2. 73; iv. 2. 74; (belonging to) मद्रेभ्योऽञ् P. iv. 2. 108; S'ākaṭāVyā. iii. 1. 18; SiddhaHe. vi. 3. 24; ग्रामजनपदैकदेशादञ्ठञौ P. iv. 3. 7; (born in) अणञौ च P. iv. 3. 33 (आपकर:); (a citizen of) सिन्धुतक्षशिलादिभ्योऽणञौ P. iv. 3. 93; SiddhaHe. vi. 3. 216; (produced by) क्षुद्राभ्रमरवटरपादपादञ् P. iv. 3. 119; (वातप for पादप) CāndraVyā. iii. 3. 83; (modification or member) ओरञ् P. iv. 3. 139 (दैवदारवम्); P. iv. 3. 140; iv. 3. 141; iv. 3. 154; S'ākaṭāVyā. ii. 4. 161; SiddhaHe. vi. 2. 45; P. iv. 3. 168; (duty or function) ऋतोऽञ् P. iv. 4. 49 (हौत्रम्); P. v. 1. 15; JaineVyā. iii. 4. 14; CāndraVyā. iv. 1. 18; S'ākaṭāVyā. iii. 2. 222; SiddhaHe. vii. 1. 45; (bought with) शूर्पादञन्यतरस्याम् P. v. 1. 26; CāndraVyā. iv. 1. 29; S'ākaṭāVyā. iii. 2. 133; (ruler) P. v. 1. 42; CāndraVyā. iv. 1. 55; (child of) पृथिव्या ञाञ् S'ākaṭāVyā. ii. 4. 9; SiddhaHe. vi. 1. 18; (strength of a group) सप्तनोऽञ् छन्दसि P. v. 1. 61; (nature or duty) प्राणभृज्जातिवयोवचनोद्गात्रादिभ्योऽञ् P. v. 1. 129; JaineVyā. iii. 4. 119; CāndraVyā. iv. 1. 145; S'ākaṭāVyā. iii. 3. 12; SiddhaHe. vii. 1. 66; (food consisting mostly of) कुल्माषादञ् P. v. 2. 83; (pleonastic) पर्श्वादियौधेयादिभ्योऽणञौ P. v. 3. 117; SiddhaHe. vii. 3. 65; (cāturarthika) अह्रादिभ्योऽञ् SiddhaHe. vi. 2. 87 (आह्नम् , लौलम्); S'ākaṭāVyā. iii. 1. 57; iii. 1. 201 = P. अण् ; S'ākaṭāVyā. iii. 2. 63 = P. ण.

अञंश (añ–aṁśa) *m.* part consisting of the suffix *añ* अञंशे च लौकिकमेव गोत्रम् LaS'abdeS'e. ii. 278. 11.

अञन्त (añ–anta) *adj.* ending in the suffix *añ* अञन्तं यद्बहुषु यञन्तं यद्बहुष्वित्येवं (लुक्) भविष्यति MahāBh. i. 491. 10 (*on* ii. 4. 62); शार्ङ्गरवादेरञन्ताच्च जातिवाचिन: स्त्रियां ङीन् स्यात् PrakriKau. i. 376. 2; SiddhāKau. 230A. 18.

अञन्तत्व (añanta–tva) *n.* the state of ending in the suffix *añ* अञन्तत्वाभावात् Pradī. iv. 226B. 14 (*on* iv. 3. 154); अन्यत्र अञन्तत्वात् ङीप् PrakriKau. i. 355. 5; i. 726. 3; SiddhāKau. 123A. 13; VaiyāBhū. 144. 23; LaS'abdeS'e. ii. 231. 13.

अञि (a–ñi) (Gr.) not having the causal suffix, non-causal verb (cf. P. अणि); घोऽञौ ञे: शब्दाशनगतिज्ञार्थादिग्रहदृशश्रोरखादनीक्रन्दायशब्दायह्वादासृतधवहार्हिंसाभक्षो दृक्रमाभिवादिदृशस्तु वा MugdhaBo. 5. 5 (46. 1) (अण्यन्तानां शब्दार्थादीनां यो घ: स ण्यन्तानां ढं स्यात्); ञेर्हेऽञौ घे MugdhaBo. 23. 38 (139. 1); (अण्यन्ते यङ्गं ण्यन्ते यदि घो भवति तस्माज् ण्यन्ताद् धातोर्घे मं स्यादस्मृतौ); MugdhaBo. 8. 47 (86. 7); 22. 2 (135. 1)

अञित् (a–ñit) *adj.* not having *ñ* as an indicatory letter वृवृञोरञितो धातोर्वृणाति वरणे भवेत् DaivaVyā. 37; 38.

अञ्च् (añc–) I. U. [DhātuPā. sets up *añcú* गतिपूजनयो: 1. 203; and *ancù* गतौ याचने च 1. 915 with the remark अचु इत्येके अचि इत्यपरे; as against *ac–*, we can set up *añc–* with constant nasal as original; later *añc–* with and without nasal taken together cf. **अच्**: MAYR., नाञ्चे: पूजायाम् P. vi. 4. 30; CāndraVyā. v. 3. 50; SiddhaHe. iv. 2. 46; अञ्चे: पूजायाम् P. vii. 2. 53; CāndraVyā. v. 4. 113; JaineVyā. v. 1. 101; अञ्चोऽनपादाने P. viii. 2. 48; CāndraVyā. vi. 3. 84; JaineVyā. v. 3. 65; SiddhaHe. iv. 2. 72; अञ्चेर्नत्वे व्यक्तप्रतिषेध: Vār. 1 *on* P. viii. 2. 48; नैतदञ्चे रूपम् । अञ्चेरेतद् रूपम् MahāBh. iii. 408. 15 (*on* viii. 2. 48); at the end of a compound-word, P. v. 3. 30; CāndraVyā. iv. 3. 29; SiddhaHe. vii. 2. 123; P. v. 4. 8; CāndraVyā. iv. 2. 23; accent P. vi. 1. 170; vi. 1. 182; DhātuPra. 1. 185 (21. 19); DhātuVṛ. 1. 190; root with nasal used with preverbs as अभि (AV.(P.) आ (AV.), उद् (ṚV.), (S'atBr.), (ṚV.) and सम् (VājaS.); अञ्च् is often used for etymological purpose and given a suitable sense, P. iii. 2. 59; अङ्कोऽञ्चते: Nir. 2. 28 (57. 15); पराञ्चि परागञ्चन्ति गच्छन्तीति खानि KāṭhUBh. 149. 12 (*on* 4. 1); BṛĀraUBh. 448. 6 (*on* iii. 8. 10); ChāndoUBh. 389. 9 (*on* vi. 10. 1); स एव देहादिष्विदन्तया बहिर्भावमापद्यमानेषु प्रातिलोम्येनाञ्चतीत्योपलक्ष्यते PañcPā. 35. 23 (*on* i. 1. 0); प्रथममस्यामञ्चति सवितेति प्राची NyāyKa. 68. 25 = Kiraṇā. 125. 17; विषयप्रातिकूल्येन स्वान्त:करणाभिमुखमञ्चति या चेतना दृक्शक्ति: सा प्रत्यक्चेतना RājMār. 13. 21; प्रति प्रति अञ्चति गच्छतीति प्रत्यक् Bhām. 747. 16 (*on* iv. 3. 7); एष एव चिद्धातुरुपाधि प्रत्युपाधि प्रत्यञ्चति प्रतिबिम्बित इति प्रत्यगात्मोच्यते PrakaVi. 196. 22; Upask. 117. 9 (*on* ii. 2. 14)] **1** to curve, to bend towards, to go to, to wander त्वमप्सरायमाणेह स्वतन्त्रा कथमञ्चसि Bhaṭṭi. 4. 22; 14. 99; कच्चिदञ्चति लोकेषु लीला लीलावतीपते: Kapphiṇā. 16. 16; एतन्मनाग्वलतु लोचनमञ्चतु भ्रू: RāmC. 19. 70; यावद्यावन्निरस्यार्य देहादीन् प्रत्यगञ्चति NaiṣkSi. 124. 2; दक्षिणं करमुपैति वामतो वाममञ्चति च दक्षिणादिति BālBhā. 1. 66; BhāgP. x. 44. 13; शालामञ्च तमङ्गमञ्च वलभीमञ्चेति वेश्माञ्चति SaraKaṇṭhā. 176. 5; प्राचीमञ्चति किञ्च दुग्धलहरीमुग्धे विधौ धामनि PrasaRā. 7. 57; अयमस्तमञ्चति रवि: SaduktiKa. 104. 24; 58. 21; उदयगिरिगुहागृहान्निरीयाञ्चति हरिरम्बरकाननस्थलीषु VasaViKā. 9. 56; तत्रैतदीयं यशो दिग्पालानिव साक्षितां गमयितुं दिङ्मण्डलीमञ्चति CaturCin. iii(2). 3. 2; पत्युर्मुखे तु स्वमुखं निवेश्य प्रेम्णा मनागञ्चति दन्तवेष्ट(? ष्ट)म् PañcSā. 4. 41; प्लवमानाञ्चति यद्यशोऽम्बुधौ धरणी S'aṅkaDigVi.(Mā.) 3. 4 (*but* comm. धरणी पृथ्व्यञ्चति पूजिता भवति राजत इत्यर्थ:); 6. 8; मुक्ताफलं शशिसमस्य मुखस्य तस्या हेमोर्मिकान्तगतमञ्चति नासिकान्ते Subhāṣi. 1504; पुत्रादेव त्राणमेषां कृतं चेत्किं कोऽप्यञ्चेदान्तराञ्जेतुमेतान् BhartṛNi. 5. 17; पश्चादञ्चन्ति तेषामुपरि करुणया रामभूपालमौले: ···कटाक्षा: PadyaVe. 104; Ḍamaru. 28; **2** to attain, to reach, to possess, to have (mostly with abstract objects) यत: स्वलक्षणं जातिस्तद्योगो जातिमांस्तथा । बुद्ध्याकारो न शब्दार्थे घटामञ्चति तत्त्वत: TattvSaṁ. 871; शिर:स्खलभ्रंशिसुरस्रवन्तीनिषेवणाभ्यागतहंसलीलाम् । ···अञ्चति पाञ्चजन्य: HarVi. 9. 21; धृतराष्ट्रस्य पाण्डोश्च ममाज्ञा मौलिमञ्चति BālBhā. 2. 12; अन्यथा कृत्वाराधक इव ध्रुवं पञ्चजन: पञ्चतामञ्चेत् YaśasCam. ii. 142. 5; इति संविद्विवर्तत्वं प्रपञ्च: स्फुटमञ्चति SaṁviSi. 97. 14; कुम्भभुवो जयतीह माहात्म्यं तद्रुडवामुखतेजसश्चापि । यस्य जगत्प्रलयप्रगल्भोर्मिरञ्चति रोचकगोचरं सिन्धु: ChandaśCū. 2. 127 (3) (comm. रोचकगोचरं बुभुक्षाविषयं सिन्धुरञ्चति प्रकटीकरोति); PuṣpBaVi. 10; व्रतं हन्त भवानहो परिचयश्चेदौचितीमञ्चति MudriKu. 1. 27; तेन किं सकलचक्रविलूने बाणबाहुनिचयेऽञ्चति चित्रम् NaiṣC. 21. 97; एकं महाव्रतम् ··· । कामधेनुपय:सिक्तकल्पद्रो: साम्यमञ्चति MalliC. 7. 521; 1. 467; अथ प्रस्तुतगुणस्थिति: सम्यक् परीक्षाक्षमाणां दिव्यदृशामेवौचितीमञ्चति SyādvāMañ. 2(19); 14(43); पतितस्य तस्य कृपाणस्य कूपद्वारे तिर्यक्पतनाच्छिन्नाङ्ग: पञ्चतामानञ्च ViviTīKa. 64. 18; 82. 14; गुरवो देवलोकललनानयनत्रिभागपात्रत्वमानञ्चु: PrabaK. 34. 5; 74. 17; 76. 28; त्वामनुसन्दधान: ··· सायुज्यमम्बाञ्चति साधकेन्द्र: S'aṅkaDigVi.(Mā.) 12. 36; सौभाग्यसीमपदमञ्चति पञ्चबाण: KṛṣṇaKa. 3. 58; शृङ्गारत: समरसंभवो रसो नूनं विशेषमधुरत्वमञ्चति HammīMaKā. 12. 13; 2. 32; Subhāṣi. 2629; KaṁVa. 1. 14;

अयं यदि महामना वितरणाय धत्ते धियं भियं कनकभूधरोऽञ्चति VīraMi. (Saṁskāra.) 121. 20; मध्यस्तनिमानमञ्चति RasGaṅ. 385. 3; 505. 7; Raghunā. 1. 46; प्रसमीक्ष्य निजं क्रुधमञ्चति या मुकुरे भवतः प्रतिबिम्बमपि PadyaVe. 880; लाक्षासम्भ्रमनिर्व्यपेक्षमधु(? ध)रं लावण्यमेवाञ्चति VasaTi. 13. 11; **3** to bend down, to honour, to worship, to adorn भीमोऽयं शिरसाञ्चति VeṇiSaṁ. 5. 258; यदोः कुलम् ··· स्वजन्मना चङ्क्रमणेन चाञ्चति BhāgP. i. 10. 26; देवानञ्चति देवग्रह AgniP. 366. 8; मिथ्या देव भुजेन तेऽल्पविभवः कल्पद्रुमः स्पर्धते न ह्येनं भुवनत्रयाभयमहासत्री कृपाणोऽञ्चति SaraKaṇṭhā. 359. 24; अञ्च्यन्ते सुजनेषु तेऽपि सगुणं दोषं विविञ्चन्ति ये SiddhāSi. iv. 130. 8; अञ्चामि ते चरणतामरसालिलीलासंघायि ··· चरणम् MahāViSt.(J.) 16; अञ्चामि पञ्चचत्वारिंशतमृषिभाषितानि SiddhāĀSt. 9; 38; ताराप्रसूनैरपि । एतद्विष्णुपदं किमञ्चति भवत्कीर्तिर्महायोगिनी SūktiSu. 91; **4** to know, to grasp प्रतीपं विपरीतमञ्चति विजानातीति प्रत्यक् (? ङ्) TattvaVai. 34. 16 (*on* 1. 29); तिर्यञ्चमप्यञ्च मृषानभिज्ञरसज्ञतोपज्ञसमज्ञमज्ञम् NaiṣC. 3. 64 (Malli. अञ्चतेर्गत्यर्थत्वात् ज्ञानार्थत्वम्); आत्मानं प्रतीपं निर्वचनीयमञ्चति जानातीति प्रत्यङ् Bhām. 21. 8 (*on* i. 1. 1); अञ्चति अवगच्छति VedāntKa. 198. 14 (*on* i. 4. 1); **5** to place घटय जघने काञ्चीमञ्च स्रजा कबरीभरम् GītGo. xii. 24. 17 (Skt. Academy Ed. Sañjīvanī किञ्च कबरीभरं केशसमूहं स्रजा पुष्पमालया अञ्च संयोजय); **6** to come, to appear अञ्चति रजनिरुदञ्चति तिमिरमिदं चञ्चति मनोभूः RasMañ. 98 (comm. अञ्चति समायाति); **7** to remain, to continue विभवे गते सकलमेव गतं ध्रुवमेकमञ्चति यशः सरसः PadyaVe. 726; **8** to beg, to request अञ्चु गतौ याचने च । अञ्चति अञ्चते DhātuPra. 1. 865 (63. 7); गतियाचनयोरञ्चति DaivaVyā. 50; DhātuVṛ. 1. 190.

अञ्च् (añc–) x. U. to distinguish अञ्चु विशेषणे । अञ्चयति DhātuPra. 10. 203 (142. 23); अञ्चते णौ विशेषणे DaivaVyā. 50; विशेषणे शिनष्टि स्यादञ्चयत्यपि चाञ्चति KośaKaTa. 2. 2227.

अञ्च् (–añc–) a grammatical formans [DEBRU. p. 152; AltGr. III. 229] meaning 'directed towards' 'bent towards' (coming from IE* aṅk– (POK. 44) P. iii. 2. 59; vi. 3. 92) applied to preverbs (ápāñc– nyàñc–), adverbs (viṣvañc–), pronouns (asmatrāñc), some words ending in –drī (madryàñc–, devadryàñc–); meaning 'looking at, appearing like' (from IE* ok– BRUGMANN II. 1. 144; P. vi. 4. 138; vi. 4. 139) from nominal stems (śvityáñc–, ghṛtā́cī– *f.* etc.)

अञ्च (añca) *m.* end of a garment अञ्चले । अञ्चः S'abdaRaSaK. 71. 2.

अञ्चकि (añcaki) *m.* one belonging to the Añcakigotra तैतुरिधौरिधौताञ्चकीनाम्···पौलिखाङ्कलायना इत्येते आत्रेयाः VīraMi. (Saṁskāra.) 644. 8.

अञ्चच् (añcac) *m.* [*w. r.* for ङ्वच्] a *kṛt* suffix SaraKaṇṭhā.(Gr.) ii. 2. 82.

अञ्चत् (añcat) *adj.* **A i** going, moving द्विहस्तः स्रोतसां श्रेष्ठं कुमारीपुरमञ्चताम् BrahmāṇḍP. i. 7. 104; अञ्चतोऽयं मरुतो जुनन्ति क्षिपन्ति TantrVā. 66. 9 (*on* i. 2. 49); Kapphiṇā. 17. 57; ĀtmaSi. 26. 18; RāmāMañ. 233. 4; समित्कुशार्थं स कुशाग्रबुद्धिस्तपोवने तत्र कदाचिदञ्चन् । विलोकयामास ··· धरेन्द्रम् Surath. 2. 26; S'aṅkaDigVi.(Mā.) 12. 22; Nārāy. x. 75. 8; गगनमञ्चति तारकापुञ्जे··· पतिदेवतेयम्···सुष्वाप YātrāPra. 1. 103(8); संकोचमञ्चति सरस्वयि दीनदीनो मीनो नु हन्त कतमां गतिमभ्युपैतु BhāmiVi. 1. 16; 2. 43; App. (8. 5); RasGaṅ. 128. 5; (कुम्भकर्णः) जिह्वायां लयमनयच्च कांश्चिदञ्चन् प्राकाम्यं कपिषु कपित्थकेष्विवाप RāmC. 34. 19; NarmaMā. 1. 114; **A ii** attaining समिति दशमुखे वीक्ष्य रोमाञ्चमञ्चन् ··· पातु नः पीतवासाः RasTa. 1. 2; YātrāPra. 1. 76; **B** worshipping मुनिर्जयति लक्ष्मणो मुदमुदञ्चयन्नञ्चतां मुकुन्दगुणमौक्तिकप्रकरशुक्तिभिः सूक्तिभिः S'atDū. 225. 3; **C** bearing यः सपत्नबलपेषविधाता पेषवेति पदमर्थवदञ्चन् । तस्य सैनिकगजा इव शैला भान्ति AlaṅkāMañ. 12. 8.

अञ्चति (añcati) *m.* root *añc–* अञ्चतिसहत्योः कुल्लोपे VājaPrāti. 5. 30; अनिगन्तोऽञ्चतौ वप्रत्यये P. vi. 2. 52; vi. 3. 92; Vār. 2 (*on* P. iv. 1. 6); अञ्चतेश्चोपसंख्यानम् ··· अञ्चतेरवोगितो धातोः MahāBh. ii. 202. 17 (*on* iv. 1. 6); iii. 129. 11 (*on* vi. 2. 52); iii. 408. 16 (*on* viii. 2. 48); Kātan. iv. 6. 70; अक्षोऽञ्जेरञ्चतेरुत AhirbuS. 59. 10; HārLa. 134. 21; PrakriKau. i. 228. 7; i. 264. 2; i. 323. 6; i. 663. 2; Prasā. i. 228. 18; i. 264. 10; ii. 738. 4; SiddhāKau. 85A. 1; LaS'abdeS'e. i. 370. 16; ii. 387. 3; *m.f.* **1** [DEBRU. p. 642; included in *bahvādigaṇa* GaṇPā. 162. 3; Uṇā. 4. 61 (comm.); JaineVyā. 155. 7 (*on* iii. 1. 31; KāśiVṛ. *on* iv. 1. 6; Prasā. i. 358. 15] wind अञ्चतिरङ्कतिर्भ्रह्मवाय्वग्निघृणयः Prasā. ii. 605. 20; अञ्चतिर्वातः SiddhāKau. 551A. 11; (वायुः) अञ्चतिः KośaKaTa. 1. 517; **2** fire दहनः अञ्चतिः Vaija. 10. 18; TrikāS'e. i. 1. 65; अञ्चतिः अग्निः Uṇā.(He.) 656; S'eṣaNā. 1712; NānārthāSaṁ. ii. 59. 142; KalpaK. 376. 1; Prasā. ii. 605. 20; **3** Creator, Prasā. ii. 605. 20; **4** sun, Prasā. ii. 605. 20; **5** one who goes [APTE]

अञ्चतिका (añcatikā) *f.* group of primary notes to be played on the drum करणैर्बहुभिश्चित्रैः सर्वमृदङ्गप्रहारसंयुक्ता । स्वाभाविकोत्तमगतावञ्चतिका सा तु विज्ञेया [Bharatakośa]

अञ्चतिग्रहण (añcati–grahaṇa) *n.* use of the root *añc–* उगितयञ्चतिग्रहणात्सिद्धमधातोः Vār. 3 (*on* P. iv. 1. 6); अञ्चतिग्रहणं नियमार्थं भविष्यति MahāBh. ii. 202. 17 (*on* iv. 1. 6); iii. 263. 10 (*on* vii. 1. 70); Pradī. iv. 35B. 9 (*on* iv. 1. 6); Prasā. i. 229. 6; PāṇiTaVāNaMā. 15. 6; LaS'abdeS'e. i. 345. 7.

अञ्चती (añcatī) [*bahvādigaṇa*, GaṇPā. 162. 3] *f.* **1** wind; **2** fire cf. **अञ्चति**.

अञ्चत्यकार (añcaty–akāra) *m.* sound *a–* in the word *añcati* अञ्चत्यकारस्य स्वरितः PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 2. 40.

अञ्चत्यन्त (añcaty–anta) *adj.* ending in the root *añc–* अञ्चत्यन्तमतोऽन्यत्र यथासंहितमेव तत् APrāti. 136B; KāśiVṛ. *on* v. 4. 8; अञ्चत्यन्ताद्दिक्शब्दात्परस्यास्तातेर्लुक् स्यात् PrakriKau. i. 910. 11; Prasā. i. 940. 18; अञ्चत्यन्ताद्दिक्छब्दात् अस्तातेर्लुक् स्यात् SiddhāKau. 310B. 22; 320B. 7; LaS'abdeS'e. ii. 363. 1.

अञ्चत्यर्थ (añcaty–artha) *m.* meaning of the root *añc–* अञ्चत्यर्थौ वै गम्यते । कः पुनरञ्चत्यर्थः । अञ्चतिः प्रकाशने वर्तते । अञ्चितं गच्छति । MahāBh. iii. 408. 15 (*on* viii. 2. 48)

अञ्चदङ्ग (añcad–aṅga) *n.* gracefully moving limb उदंचन्त्यञ्चदङ्गानां लाघवं परितन्वती···मृडानी किल खेलन्ती ददृशे S'ivaP. ii(5). 59. 13 (294A. 4)

अञ्चद्धर्मवृष (añcaddharma–vṛṣa) *m.* moving piety in the form of a bull अञ्चद्धर्मवृषाधार ··· विजयी भव NīlaVi. 105. 13.

अञ्चद्रत्न (añcad–ratna) *adj.* which has bright beautiful jewels, possessing glittering jewels अम्भसामाकरस्य । अञ्चद्रत्नस्यात्तमौखर्यपूर्तैरन्तःकीलभ्रान्तिमासूत्रयन्तम् । ··· सेतुं सीताश्वासहेतुं य एति Acyutarā. 7. 10.

अञ्चद्रस (añcad–rasa) *adj.* who is inclined towards devotion माम् ··· विभो किञ्चिदञ्चद्रसं त्वय्याशापाशैर्निबध्य भ्रमय न भगवन् Nārāy. xi. 92. 7 (comm. किञ्चिदञ्चद्रसम् ईषदारब्धभक्तिम्)

अञ्चन (añc–ana) *n.* **A** bending कोदण्डाञ्चनचातुरीं रचयतः YaśasCam. i. 601. 3; बालास्त्रप्रायचापाञ्चनचतुरविधेस्तस्य किं श्लाघनीयम् YaśasCam. i. 602. 1; हस्तस्य बाहुशिरस्यञ्चनेन करिहस्तप्रयोगः सूच्यते AbhinBhā. i. 119. 8 (*on* 4. 108); **B** going, movement तव हृदि लग्नाम्रदिमाकरेण करेण स्वेदबिन्दुपयोधरेण पयोधरेण वक्षःफलकाञ्चनेन जितानाविलकाञ्चनेन VāsaDa. 213. 2; पराञ्चः पराग् अञ्चनात् ऊर्ध्वा लोकाः ChāndoUBh. 49. 14 (*on* i. 6. 8); 140. 14 (*on* iii. 1. 2); तथांसयोः कूर्परयोश्चाञ्चनं किञ्चिचलनं भवति AbhinBhā. ii. 74. 13 (*on* 9. 195); अञ्चनं त्वचने गत्याम् NānārthāSaṁ. ii. 33. 5; LaS'abdeS'e. i. 342. 22; **C** worship, honour कुरङ्गइवान्धीभूतः को वा गुरावञ्चनं करोति NalaCam. 4. 16 (64); Vaija. 86. 39; अञ्चनं त्वर्चने गत्याम् NānārthāSaṁ. ii. 33. 5; S'abdaRa.(Vā.) 2497; **D** that which is bright अङ्गारा अङ्कनाः [अञ्चनाः] Nir. 3. 17 (69. 8); **E** transfer उष्णरुचिः ··· तद्विमानशुकचञ्चुरोचिषामञ्चनादिव भृशं शुशोण यत् (comm. अञ्चनासंक्रमणात्) S'rīKaC. 10. 17; **F** throwing, casting, directing towards वाग्देवीनयनाञ्चलाञ्चनचमत्कारं विनोदेति किं सा वाणी S'rīKaC. 2. 41; *adj.* [*f.* –ā] bending अङ्गुल्यः कस्मात् ··· अञ्चना भवन्ति Nir. 3. 8 (63. 9); 4. 3 (75. 19)

अञ्चनक्रिया (añcana–kriyā) *f.* act of bending or moving त्रिपताकौ हस्तौ ··· कृतौ अञ्चनक्रियया युक्तौ AbhinBhā. ii. 74. 12 (*on* 9. 195)

अञ्चनसमय (añcana–samaya) *m.* time of bending अञ्चनसमये उत्तानत्वप्राप्तिः पुनरप्यञ्चनेनोद्गमनक्रियायोगान्मुद्गतानावञ्चितौ AbhinBhā. ii. 74. 13 (*on* 9. 195)

अञ्चनिका (añcanikā) *f.* loop of a cord (त्रिवली) मध्ये चाञ्चनिकायुता SaṁgīRa. iii. 482. 4 (6. 1144); (डक्कुली) विधायाञ्चनिकामेकां तां डुंडुमिति वादयेत् SaṁgīRa. iii. 480. 10 (6. 1130)

अञ्चनी (añcanī) *f.* loop of a cord (डमरुकम्) मध्ये च गाढतां नीतावञ्चन्यौ वादनाय च । भवेताम् SaṁgīRa. iii. 477. 4 (6. 1110); (रुञ्जा) सैकच्छिद्रं वामवक्त्रं सूत्रतन्त्वाञ्चनीयुतम् SaṁgīRa. iii. 476. 6 (6. 1105)

अञ्चन्मति (añcan–mati) *f.* brilliant intellect ममामीषामञ्चन्मतिमुकुरबिम्बेषु महतां निबन्धः सन्धत्तामनिशमनुबिम्बव्यतिकरम् SiddhāSi. i. 3. 11.

अञ्चयत् (añcay–at) *adj.* [*f.* –ntī] **1** kissing अबला ··· तं संमुखं सरभसं स्फुटमुन्नयन्ती (v. l. अञ्चयन्ती) (आह्वः) NāgaSa. 24. 2 (comm. चुम्बन्ती); **2** pressing मृदुकरजमुखैरञ्चयन्तो नितम्बप्राग्भारं मन्दसीत्काः प्रतिपदि युवतीं नागरा द्रावयन्ति RatiRaha. 2. 7 (comm. अञ्चयन्तः संभावयन्तः); 2. 13.

अञ्चल (añcala) *m. n.* **1i** (end of) a woman's garment अञ्चले गृहीत्वा Mṛcch. 4. 17 (3); 10. 57 (7); प्रविधेयमञ्चलेन प्रस्फोटनमङ्घ्रियुगलस्य KuṭṭaMa. 139; विमुञ्च ममाञ्चलम् S'ṛṅgāTi.(Ru.) 1. 51; SaduktiKa. 71. 14; दुकूलस्याञ्चले धारयामि ViddhaS'ā. 1. 18; अञ्चलगलज्जलबिन्दुना दिव्यांशुकपटेन स्तनतटावरणाय गात्रिकां बद्धुमारब्धवती TilaMañ. 338. 7; सा … औत्सुक्यत्वरिता वेद नाञ्चलं पतितं स्वकम् GaṇeP. ii. 72. 2; इत्यञ्चलासक्तलतो न याच्ञामस्याः करोतीव स कर्णिकारः NavaSāC. 14. 60; स्वेनाञ्चलेनादरादुन्मृष्टम् … रजः SaraKaṇṭhā. 610. 12; उत्तरीयवल्कलस्यैव मृदुनाञ्चलेन मुखाम्भोजमपमृज्य (तपस्विनीकन्या) जगाद UdayKa. 90. 9; आयाते दयिते मरुस्थलभुवामुल्लङ्घ्य दुर्लङ्घ्यतां गेहिन्या … स्वेनाञ्चलेनादरादामृष्टं करभस्य केशरसटाभारावलग्नं रजः SubhāRaK. 17. 48; कान्तेनाथ प्रणयमधुरं किंचिदाचञ्चलेन श्रान्ता श्रान्ता जनकतनया वल्कलस्याञ्चलेन PrasaRā. 5. 28; काश्चिदप्यञ्चलान् पाणिपद्मैश्चपललोचनाः … चलयामासुः TriṣaS'aPuC. i. 3. 46; त्रिदशयुवतयोऽप्यञ्चलैरंशुकानां चक्षूंषि छादयन्त्यो दिवि दयिततमैर्दूरमालिङ्ग्य नीताः RāghPāṇ.(Ka.) 13. 15; इत्याशास्य पुरीवृद्धा भ्रमयामासुरञ्चलम् PāṇḍaC. 7. 634; लग्नः सुतोऽञ्चलेऽमुष्यास्तारतारस्वरं रुदन् MalliC. 1. 392; चलितायां सुतारायां रोहिताश्वोऽञ्चलेऽलगत् PārśvC. 3. 800; प्रिये गृहाणासच्छरीरम् (इत्यञ्चले धारयति) DhūrtaSa. 85. 15; उत्सुकापि सुतरां जलकेलावञ्चले प्रणयिना विधृतापि HammīMaKā. 6. 15; परिमृज्याञ्चलेनास्रं बभाषे गद्गदस्वना । पद्माक्षी BallāC. 27. 12; अकरुण मृषाभाषासिन्धो विमुञ्च ममाञ्चलम् BhāmiVi. 2. 20; नतभ्र(? भ्रू)राच्छाद्य वक्षःस्थलमञ्चलेन । उत्तारयन्ती निविडं निचोलं मनोभवस्यापि मनो मिनोति PadyaVe. 310; Vaija. 169. 131; (man's garment) हरः … द्वितीयकौपीनचलाञ्चलेनाहरन्मुखेन्दोरकलङ्किनोऽस्याः KumāSaṁ. 9. 19; अङ्गदेशमनयद्विधूय च स्रस्तरातिस्तमञ्चलं त्वचः (अग्रजन्मनः लक्ष्मणः) RāmC. 2. 46; उत्तरीयदुकूलाञ्चलपिहितबिम्बिना Yaśas-Cam. i. 316. 4; रुद्रसोमा … भ्रमयन्त्यञ्चलं तस्य निजगाद प्रसादभाक् PariPar. 13. 36; वीज्यमानोऽञ्चलैः कैश्चित् (विशामीशः) TriṣaS'aPuC. i. 4. 636; कुन्तीसुतस्य सानन्दमुदहारयदञ्चलम् PāṇḍaC. 7. 324; तरुमूलसमासीनां भीमजां निरवापयत् । स्वकीयपरिधानस्य चालयन्नञ्चलं नलः MalliC. 6. 154; स प्राह गुटिका कास्ति सोऽवोचत ममाञ्चले SamarāSaṁ. 6. 115; रतिपालं जगादैष विस्तार्याग्रे निचोऽञ्चलम् HammīMaKā. 13. 73; RājTa.(S'rī.) 3. 235; KathāK. 7. 10; VasaTi. 41. 16; (general) प्राच्यादञ्चलात्प्रभृति प्रतीचीनमञ्चलं यावद् विविञ्चन्नसौ तन्तुसंततिमेव केवलामुपलभते NyāyMañ. ii. 114. 19; AbhidhāCin. 667; S'abdaRa.(Vā.) 1767; Liṅgānu.(Para.) (158) 3752; **1ii** edge, end, corner तावदेव कृतिनामपि स्फुरत्येष निर्मलविवेकदीपकः । यावदेव कुरङ्गचक्षुषां ताड्यते चटुललोचनाञ्चलैः S'atTrayī. 77; यदि चलाञ्चले लोचने किमुत्पलकदम्बकैः MahāvīC. 6. 9; ये (राजानः) … वंशे मनोर्जज्ञिरे । तेषामञ्चलमेष ते दशरथः AnargharRā. 1. 51; पुरन्दरपुरपताकाञ्चलचुम्बनोचितमण्डले YaśasCam. i. 243. 9; ज्योत्स्ना सितस्याञ्चलः SaraKaṇṭhā. 166. 25; तमल्पशेषमपि कल्पप्रमाणं मन्यमानोऽञ्चलं रात्रेः UdayKa. 11. 8; यत्सद्यः पुटभेदसालसलसत्पक्ष्माञ्चले चक्षुषी EI. viii. 113. 65; अञ्चलं नयनयोराधाय राधानने GītaGo. 7. 10; वैदग्ध्यसिद्धिं विदधातु देवी कवीन्द्रजिह्वाञ्चलनर्तकी वः S'rīKaC. 1. 35; अभजत नभःपश्चाद्भागं विधुर्विधुरच्छविर्हरिहयहरित्याविः किंचिद्बभूव दिवाञ्चलः Suratho. 6. 114; नखानामञ्चलैर्भूमिलेखनं चैवमादयः RasāSu. 173. 6 (2. 66); इत्युक्तः सचिवेन रागकणिकामीषद्दृशोरञ्चले बिभ्राणः … प्राग्रेसरो भूभुजाम् Acyutarā. 4. 58; ख्यातचोळसमुद्राख्यग्रामसीमाञ्चलस्थितात् EI. xi. 335. 139; xi. 335. 145; ix. 337. 141; नयनाञ्चलावमर्शं या न कदाचित् पुरा सेहे BhāmiVi. 2. 48; माध्वीलिह्वा विरुरुचे मलिनीकृताग्रा कान्तारसीम्नि नवकेतकबर्हरेखा । दग्धाञ्चले सरभिया दयिताजनेन संप्रेषिता पथिकभर्तृषु पत्रिकेव BhārCam. 3. 55; स्वस्वकार्थव्यापृतप्रश्रितससंभ्रमपरिजनैरञ्चलकलिताष्टापदरेखिकायां चतुरन्तपीठिकायाम् … निर्वर्तिताभिषेकः ĀnandaRa. 8. 0 (13); **2** name of a Gaṇa of Jain monks श्रीअञ्चलगणाती(? धी)शा आर्यरक्षितसूरयः EI. ii. 64. 5; श्रीअञ्चलगणाधीश्वरभट्टारक … श्रीकल्याणसागरसूरीश्वरैः सार्धम् … श्रीशत्रुंजयगिरिशिरःप्रासादे … सन्ति बिम्बानि स्थापितानि EI. ii. 66. 27; ii. 67. 2.

अञ्चलकर्मन् (añcala-karman) *n.* embroidering the end of a garment सुवर्णमण्डितम् अन्तकर्म - अञ्चलकर्म वानलक्षणं येषां तानि AupaSūṬ. 105. 3.

अञ्चलग्रन्थि (añcala-granthi) *m.* knot at the end of the garment तत एवाम्बुमध्याच्च वस्त्रं चौरनिवेशितम् । प्राप्तवानञ्चलग्रन्थिबद्धहारमशङ्कितम् KathāSaSāg. ii. 2. 167.

अञ्चलग्राह (añcala-grāha) *m.* seizing the end of the garment कण्ठकेशाञ्चलग्राहः कर्णनासाकरादिषु । एकस्थानासनाहाराः संग्रहो नवधा स्मृतः KātySm. 829.

अञ्चलग्राहिन् (añcalagrāh-in) *adj.* who seizes the end of the garment यूनः कण्टकविटपानिवाञ्चलग्राहिणस्त्यजन्ती सा ĀryāSaS'a. 460.

अञ्चलतः (añcala-tas) *adv.* from the end of the garment इति तासामञ्चलतः कुसुमान्यादाय कृष्णोपकण्ठं विकिरति CaitaCa. 79. 14.

अञ्चलता (añcala-tā) *f.* the nature of forming the end (of a series) सगरः … श्रीरामोऽपि युधिष्ठिरः … शत्रुञ्जयोद्धारिणस्तेषामञ्चलतामियेष सुकृती यः VasaViKā. 14. 23.

अञ्चलदल (añcala-dala) *n.* tip of the end of the garment ददाति दयया चान्नं पयः पाययते तु यः । तस्याञ्चलदलैर्लग्नो मारिः प्रसरितः क्षितौ KathāK. 124. 8.

अञ्चलन्यस्त (añcala-nyasta) *adj.* placed in the end-portion of the garment दिनकरबिम्बेन चुम्बितप्रान्तमञ्चलन्यस्तधातुमुद्रास्तबकमिवाम्बरमराजत TilaMañ. 350. 10.

अञ्चलपिहितमुख (añcalapihita-mukha) *adj.* with the face covered with the end of the garment शून्यालयः … अञ्चलपिहितमुखो रोदिति ĀryāSaS'a. 504.

अञ्चलमोक्षण (añcala-mokṣaṇa) *n.* untying the end of the garment सद्वैव पाणिमोक्षेण तेषामञ्चलमोक्षणम् । … कारयामास वासवः TriṣaS'aPuC. i. 2. 872; यौतके सावधाना च कृतिन्यञ्चलमोक्षणे । … अपत्योद्वाहकल्याणसुखमित्याप धारिणी PariPar. 2. 156.

अञ्चलव्यजन (añcala-vyajana) *n.* fanning with the end of the garment अञ्चलव्यजनैरङ्के भीमं प्रगुणमर्जुनः PāṇḍaC. 7. 311.

अञ्चलव्यतिकर (añcala-vyatikara) *m.* removing the end of the garment प्रियसंनिधौ … अवयवावरणं च यदञ्चलव्यतिकरेण तदङ्गसमर्पणम् SubhāRaK. 17. 38 = SaduktiKa. 73. 9.

अञ्चलाकर्ष (añcalākarṣa) *m.* dragging the end of the garment संध्यायामञ्चलाकर्षैः स्वल्पभाटीमयाचत SamaMā. 2. 57.

अञ्चलादिक (añcalādika) *adj.* *añcala* and other (*mantras*) अनन्ययाजिनो विप्रा मन्त्रसङ्घेऽञ्चलादिके PauṣkS. 27. 711.

अञ्चलान्तरित (añcalāntarita) *adj.* hidden behind the end of the garment अञ्चलान्तरितगुर्जराङ्गनाकुङ्कुमारुणकुचप्रभाधरम् … भानुमन्तम् … आश्रये PadyaVe. 49.

अञ्चलावलम्बिन् (añcalāvalambin) *adj.* clinging to the end of the garment अञ्चलावलम्बिनो वल्लभस्य प्रसभमभिहननम् … विप्रलम्भपरिपोषकम् Kāvyānu.(He.) 138. 13.

अञ्चलि (añcali) *f.* end-part बहिर्वासोऽञ्चल्यामवकरचयं शोधनिकया समाहृत्यापूर्य CaitaCa. 252. 15.

अञ्चलोत्तारण (añcalottāraṇa) *n.* removing the end of the garment अञ्चलोत्तारणैर्वृद्धास्तरुण्यस्त्ववगूहनैः । तस्य प्रचक्रिरे घोषयोषितः पारितोषिकम् PāṇḍaC. 2. 284; 14. 300.

अञ्चलोदेजय (añcalodejaya) *adj.* tossing the end of the garment अञ्चलोदेजयैः स्त्रैणैरक्षतामत्रधारयैः । … उपस्थितम् DvyāśraKā. 11. 31.

अञ्चित (añc-ita) *adj.* [*f.* -ā] [DEBRU. p. 555; 570; P. vi. 4. 30; vii. 2. 53] **1 A** bent, curved, arched **B** inclined towards, marked by, mixed with **C** contracted, closed **2** suffused with, packed with, covered with **3** attained, obtained, held **4A** honoured, worshipped **B** beautified, charming, graceful **5** adorned, decorated, applied **1A** bent, curved, arched अञ्चितौ बाहुशिरसि हस्तस्त्वभिमुखाङ्गुलिः । निकुञ्चितार्धयोगेन भवेदर्धनिकुट्टकम् NāṭyaS'ā. 4. 70; व्यूह्य स्थितः किंचिदिवोत्तरार्धमुन्नद्धचूडोऽञ्चितसव्यजानुः RaghuVa. 18. 51; मय्यभिमुखीभूय तिष्ठति तत्प्रथमावतीर्णकन्दर्पकान्तिकटाक्षदृष्टिस्तदनुमार्गविलासितलीलाञ्चितभ्रूलता … पर्यक्रीडत राजकन्या DaśKuC. 104. 14; 121. 13; दष्टाधरसंभ्रमभ्रान्तमुग्धलोचनमञ्चितकररुहलिख्यमानकपोलविह्वलाननव्यञ्जितस्तनितकूजितम् … सुरतमाचचार AvantiKa. 35. 11; अधिज्यचापः स्थिरवाहुमुष्टिरुदञ्चिताक्षोऽञ्चितदक्षिणोरुः Bhaṭṭi. 2. 31; उच्चैरञ्चितलाङ्गूलः … दधद्विलुभितं वातैः केशरं वह्निपिङ्गलम् (कपिः बभञ्ज) Bhaṭṭi. 9. 40; दोर्लीलाञ्चितचन्द्रशेखरधनुर्दण्डावभङ्गोद्यतष्टङ्कारध्वनिः … कथमहो नाद्यापि विश्राम्यति MahāvīC. 1. 54; आत्तं वन्दितमञ्चितञ्च सहसा भग्नं च तादृग्धनुः AnargharRā. 4. 13; वामं पद्मासनं पादं दक्षिणं किञ्चिदञ्चितम् … लिखेत् Mānaso. iii. 1. 742; iii. 1. 772; प्रयोगानुकृतौ चारी प्रसारे चासकृत्सकृत् । ऊर्ध्वमग्रतलं भूमौ पार्ष्णिरङ्गुलयोऽञ्चिताः NṛttaRa. 2. 327; **1B** inclined towards, marked by, mixed with रे रे चञ्चललोचनाञ्चितरुचे चेतः प्रमुच्य स्थिरप्रेमाणं बहुमानमेणनयनामालोक्य किं नृत्यसि S'atTrayī. 720; कस्तूरीतिलकेन … अञ्चिता चिह्निता LalitāTriBh. 228. 4 (*on* 28); तत्कालं मदनफलरसभावनयाञ्चितम् । … वररुचेरर्पयामास पङ्कजम् PariPar. 8. 103; मुनिमण्डली … रुद्ध्वा नेत्रपुटीं पटीं विदधती चीराञ्चलैरञ्चिताम् GopāKeCan. 67. 6; फाणिताञ्चितपयःसहोदरे गद्यपद्यमयकाव्यगुम्फने । चापलम् … मे रसज्ञया … अनुभूयते YātrāPra. 1. 10; अथ वेदशिरोनिष्ठानपि … सत्याञ्चितेक्षणान् … प्रणम्य YātrāPra. 3. 50; **1C** contracted, closed सीत्काराञ्चितलोचना सरभसं यैश्चुम्बिता

मानिनी S'atTrayī. 772; **2** suffused with, packed with, covered with [cf. आचित] आचितं (v. l. अञ्चितं) पश्य कौन्तेयं कर्णिकारैरिवाचलम् MahāBhā. iv. 826*(2); अर्धाञ्चिता (SPP. आचिता Malli. अर्धगुम्फिता) सत्वरमुत्थितायाः पदे पदे ··· गलन्ती। कस्याश्चिदासीद्रशना तदानीमङ्गुष्ठमूलार्पितसूत्रशेषा RaghuVa. 7.10; भूपतिः ··· सितलैरनपुष्पाद्यैरञ्चितः संस्मरन्हरिम्।··· पारायणमृचां शृण्वन्नासीत सपुरोहितः PāraS. 20.69; स्वयंप्रभमिति ख्यातं नगरं च निवेशितम्। ··· रत्नजाम्बूनदस्तम्भैरञ्चितं चैत्यवेश्मभिः PadmP.(Ra.) 7.338; कर्णालङ्कारनानामणिनिकररुचां संचयैरञ्चितायाम् ··· प्रणतजनहृदम्भोजवासस्य शम्भोर्नित्यं नश्चित्तमेतद्विरचयतु सुखेनासिकां नासिकायाम् S'ivPāKeSt. 27; वराककः। ··· पुष्पमालाभिरञ्चितः ··· निहतो वसुदासेन BṛKathāK. 71.16; उन्निद्रपङ्क्तिस्थितचम्पकानि चक्राशिरे केलिवनान्तराणि। वियोगिनीनां कवलीकृतानां सुवर्णकाञ्चीभिरिवाञ्चितानि VikraDeC. 7.50; मृदुभिरभितो देवस्येन्दोर्मरीचिभिरञ्चितम्। निजवपुरिदं मन्ये तस्याः KaumuMi. 3.2; (वदनम्) प्रभाभिरिवाञ्चितम् S'rīKaC. 24.41 (comm. शोभितम्); दोर्दण्डाञ्चितखड्ग(? ङ्ग)खण्डितरिपोर्यस्योर्जितश्रीजुषः कोपाग्निः द्विषदङ्गनास्रसलिलैः स्नातः परं शाम्यति EI. xviii. 42.272; अनेहसं रक्तशिलीन्ध्रजालैराकालिकैरञ्चितमन्वकार्षीत् Yādavā. 7.11 (comm. पूजितं मनोहरमिति यावत् but later व्याप्तो वर्षासमयः); विविधहारलताञ्चितवक्षः ··· त्रिदशनाथमनारतमाश्रये S'ilpaRa. ii. 25.6; येन भिन्नकरिकुम्भविस्खलन्मौक्तिकावलिभिरञ्चिता मही BhāmiVi. 1.49 (*but* comm. पूजिता); कान्ताराभरणीभवन्ति कलशच्छत्रध्व(जा)ङ्काचितान्युन्माञ्जन्त्यधिभूपदानि ··· किं ह्याः EI. iii. 243.75; स्फुरन्ति। मुखान्यस्य पञ्चाञ्चितानीन्दुखण्डैरखण्डैश्च बिल्वीदलैः कुण्डलैश्च Vidvanmo. 8.106; सुतमविमारकमथ चिन्तयामि। तव चरणरजोऽञ्चिताग्रकेशो यदि स भवेदिह को नु मद्विशिष्टः Avimā. 6.4; सर्वे नीरोगिणो दान्ताः सुखिनो दययाञ्चिताः BrahmāṇḍP. iii. 7.10; शब्दादिभिः पञ्चभिरेव पञ्च पञ्चत्वमापुः स्वगुणेन बद्धाः। कुरङ्गमातङ्गपतङ्गमीनभृङ्गा नरः पञ्चभिरञ्चितः किम् ViveCū. 78; 167; अपास्ताशेषवाह्यार्थस्तज्जवासनयाञ्चितः। ···विरिञ्चः पर उच्यते BṛĀraUBhVā. i. 3.262; मण्डलानि···वर्णैः स्वैरञ्चितान्याहुः स्वस्वनामावृतान्यपि S'āraTi. 1.25; (भद्राद्युः) तस्मिन्वने प्रवालकुसुमोद्योतचूतशाखिभिरञ्चिते ··· विजहार SkandP. iii(3). 14.4; सरांसि सुबहूनि च ··· खगैर्जलचरैश्चान्यैर्नानारवविभूषितैः। नानावर्णैः सदा हृष्टैरञ्चितानि समन्ततः BrahmP. 43.63; तनुरनुसरति श्रीसंस्तवं यस्य शृङ्गेष्वनुरजनि सुधांशोर्मूर्तिभिर्बिम्बिताभिः। भरसहनभृतान्तस्तोषभर्गप्रसादीकृतनिजनृकपालस्रक्सहस्राञ्चितेव S'rīKaC. 4.48 (comm. सहितेव); 10.14; हरायतनसोपानक्षालनाम्भःकणाञ्चितैः। संस्पृष्टः पवनैः सोऽभूदानन्दास्पन्दविग्रहः RājTa.(Ka.) 2.124; अन्तश्शकुन्तिभिरिवाञ्चितमन्तरिक्षम् RāghPāṇ.(Ka.) 8.26; इत्यादितीर्थकृद्धर्मं श्रावंश्रावं महाबलः। रोमाञ्चैरञ्चितो देहे MalliC. 2.630; 5.20; इत्युदित्वा मुदोल्लासिरोमाञ्चैरञ्चितां तनुम् ··· दधानः PārśvC. 1.197; 5.34; आम्राणां विपिनं च ··· जम्बूवनेनाञ्चितम् EI. ix. 79.46; आत्मबाहुयुगलोद्दृढाञ्चितस्तम्भसौरभशुभं सुतोरणम् ··· भूपरिसरे चकार यः EI. i. 284.43; विशिष्टविटपैः सुमनोभिरञ्चितं तं मेनिरे जङ्गमकल्पपादपम् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 2.38; मञ्जीरक्वणितैर्मरालवनितामंजुस्वनैरंचितं वन्दे रामपदारविन्दमनघं वंदारुकल्पद्रुमम् EI. vi. 233.6; ग्राप्तस्पर्शनवि[विं]भ्रमाय [न] (? विभ्रमो धन°) पतिस्सर्व[ज्ञ]भावांचितः प्रायो यः प्रकटीकरोति भुवने तत्तद्गिरीशांशताम् EI. xi. 332.65; vi. 117.17; कनकभासितभूमितलेऽञ्चिते विबुधशालितैरखिलार्थदैः।··· त्रिदशनाथमनारतमाश्रये S'ilpaRa. ii. 25.1; अभिजातगुणकरम्बितव्यञ्जनपरम्पराञ्चितम् ··· अनेषमस्त्यशाल्यमवनीमखमुजो बुभुजिरे YātrāPra. 1.22 (5); 3.36 (7); सिन्दूरस्य रक्तचूर्णस्य ··· तिलकेन ··· अञ्चिता युक्ता LalitāSaBh. 134.24 (*on* 177); रोमाञ्चालीमञ्चितां कम्पमूर्वोः शीतव्याजात्सीत्कृतं चाधितोयम्। काचिद्वेयः कामरागोत्थमग्रे प्रत्यग्रोढा स्पष्टमद्योष्ट सख्याः HarVi. 18.40; **3** attained, obtained, held (= गत) उत्खातत्रिभुवनकण्टकोऽतिदृप्यद्दोर्दण्डाञ्चितमहिमापि MahāviC. 7.8 (193.12); तस्मिन्पञ्चतामञ्चिते स्वयं योद्धुमुपतस्थे (मायासुरः) TīrthaKa. 63.24; EI. xviii. 42.272; **4A** honoured, worshipped, praiseworthy अथ समाववृते कुसुमैर्नवैस्तमिव सेवितुमेकनराधिपम्। यमकुबेरजलेश्वरवज्रिणां समधुरं मधुरञ्चितविक्रमम् RaghuVa. 9.24; अञ्चतेः पूजेऽर्थे नकारस्य खं न भवति। अञ्चितोऽस्य गुरुः JaineVyā. 320.10 (*on* iv. 4.29); 348.20 (*on* v. 1.101); अञ्चितमिव शिरो वहति CāndraVṛ. *on* v. 3.50; *on* v. 4.113; AmaK. 2220; अञ्चिता अस्य गुरवः KāśiVṛ. *on* P. vi. 4.30; *on* P. vii. 2.53; अञ्चितः। अञ्चितवान्। इति इटा व्यवहितत्वात् KātanVṛ. *on* iv. 6.108; ये कुन्त्यां जननमिता विभासयन्तो राजानः पथिषु नभःसदाञ्चितेन। धाम्ना ते ननु चतुरङ्गसैनयोचैः प्रासादिक्षितियुतया स्म संचरन्ते RāghPāṇ.(Dha.) 14.7; मासे भाद्रपदेऽञ्चिते पितृपर्वणि EI. iv. 61.46; सदा यतिगुरोरहो नमत मानवैरञ्चितं मतं वरदमेनसा रहितम् CaturJiStu. 51; स त्वं वत्समहीपतेरगणितं रूपेण चन्द्रस्मयः। पेठे न स्तुतिरञ्चिता न रचितश्चित्रे गुणेष्वञ्जलिः BṛKathāMañ. xviii. 1.42; Vaija. 210.113; तस्य···आसीत्सूनुः सकलविदुषामञ्चितः काञ्चनार्यः EI. iv. 308.70; त्वामञ्चितमार्य देहभाजां नाञ्चित्वा स गतो युधे दशास्यः Rāvaṇā. 22.57; AbhidhāCin. 447; ये संभोगरसालसालसवधूनेत्राञ्चलैरञ्चिताः S'rīKaC. 6.65 (comm. पूजिताः); 7.3; 7.59; Subhāṣi. 1663; अथोपकार्यां निषधावनीपतिर्निजामयासीद्वरणस्रजाञ्चितः NaiṣC. 15.1; तस्य प्रिया काञ्चनकान्तिरासीच्छ्रीकाञ्चनेत्यञ्चितशासनस्य EI. xii. 139.11; अञ्चु गतिपूजनयोः।··· अञ्चिता अस्य गुरवः DhātuPra. 1.185 (21.21); ParyāS'aRa. 2.712; MugdhaBo. 26.102 (161.14); गोपालडिम्भः ··· कुले यदोरञ्चितमातपत्रम्। अन्यच्च भूम्यामधरोत्तरत्वं हन्तेति वादान् प्रभुरभ्यनन्दत् Yādavā. 11.2; 24.3; S'aṅkaDigVi.(Mā.) 2.38; 14.121; S'abdaRa.(Vā.) 3160; चिटेयाटवूरुसंज्ञकम्। ग्रामं तम् ··· अखण्डं सीमभिर्जुष्टं निरुपाधिकमंचितम् EI. iii. 38.47; PrakriKau. ii. 559.6; ParaNā. 1857; यं शंसन्ति यशोदयांचितगुणं कृष्णावतारं बुधाः EI. xiv. 344.64; xiv. 220.69; iv. 14.89; ix. 334.80; अपश्यत्···अञ्चितामुन्नतिमभिव्यञ्जयन्तं कमपि खञ्जरीटकखगम् YātrāPra. 6.33 (4); SiddhāKau. 504A.12; S'abdaRaSaK. 136.16; सहर्षो हयहेषाभिरूर्जितो गजगर्जितैः। क्षीबः प्रत्रीरक्ष्वेडाभिरञ्चितो रथचीत्कृतैः PāṇḍaC. 12.439; **4B** beautified, charming, graceful आपीनभारोद्वहनप्रयत्नाद्गृष्टिर्गुरुत्वाद्वपुषो नरेन्द्रः। उभावलंचक्रतुरञ्चिताभ्यां तपोवनावृत्तिपथं गताभ्याम् RaghuVa. 2.18; सा राजहंसैरिव संनताङ्गी गतेषु लीलाञ्चितविक्रमेषु। व्यनीयत KumāSam. 1.34; संप्रश्यतामिति शिवेन वितायमानं लक्ष्मीवतः क्षितिपतेस्तनयस्य वीर्यम्। अङ्गान्यभिन्नमपि तत्त्वविदां मुनीनां रोमाञ्चमञ्चिततरं बिभरांबभूवुः Kirātā. 15.53 (comm. अतिरुचिरम्); मालवेश्वरः ··· परित्यज्य ··· अञ्चितमृदुकथितहसितम् ··· अन्तःपुरसुन्दरीजनमतनीयस्ति तपस्वत्वेत AvantiKa. 38.11; कलशभवनिलयहरिदङ्गनाञ्चितकाञ्चीयमानां काञ्चीमविनाश्य EI. ix. 203.38; v. 204.43; रुद्राणीसत्सखीनां मदतरलकटाक्षाञ्चलैरञ्चितानाम्। उद्धृतः कङ्कणालीवलयकलकलो वारयेदापदो नः S'ivPāKeSt. 36; मुहुरहमजितस्याञ्चिताभ्यामुभाभ्याम् ··· प्रणतिमुपगतः पादपङ्केरुहाभ्याम् ViṣṇuPādāSt. 13; माधवपरभृतगलचञ्चत्पञ्चमैरञ्चितासु ··· अरमत रामश्चित्रकूटस्थलीषु RāmāCam. 2.52; कदाचिच्चषकैर्हैमैरञ्चितैः स्मेरपङ्कजैः। रामाभिः सह मैरेयं पिबति स MalliC. 7.531; पत्रीन्द्रं तम् ··· अञ्चितं बर्हभारैः। आलोक्य MayūSaṁ. 1.9; 1.64; अवलोक्य हंसकुलमञ्चितैर्गतैरभिभूतम् Acyutarā. 9.5; करलसत्कल्याणदामाञ्चिताम् ··· वन्दे परां देवताम् S'ilpaRa. ii. 24.51; परितः प्रणवाकारप्राकारवलयाञ्चितम् ··· रंगमंटपं विधाय EI. ix. 336.120; अञ्चितव्रीडम् ··· वदनं तस्याः स्मरामि SundaS'. 49; मामञ्चितेन तव किञ्चन कुञ्चितेन कामाक्षि तेन शिशिरीकुरु वीक्षितेन MūkaPañ. 1.4; बुद्धिसाहससत्त्वाढ्यचरित्रा शीतलप्रिया। अत्यञ्चितगतिः क्षारगन्धिस्वेदाल्पभोगभाक् RatiPra. 2.58; **5** adorned, decorated, applied [= अञ्जित] सान्ध्यरागहरिचन्दनाञ्चितैर्भिर्नभोऽर्थकर्णवद्बदावभौ S'rīKaC. 10.18; नयनयोर्दिव्याञ्जनं तेऽञ्चितम् ··· त्वत्प्रीतये कल्पताम् MantrMāSta. 7; विराजतेऽस्याखिलकोऽयमञ्चितो विकुञ्चितभ्रूलतिकान्तरे नृप। विजित्य लोकत्रितयं दिवं प्रति स्मरेण बाणो धनुषीव संहितः NavasāC. 7.15 = S'ārṅgaPa. 3295; दृशौ नीलाञ्जनेनाञ्चिते SaraKaṇṭhā. 551.4.

अञ्चित (añcita) *m.* **i** name of one of the sixteen postures of the arm in dancing अञ्चितः स्यात्करो वामः ··· चतुरं तत्प्रकीर्तितम् NāṭyaS'ā. 4.100 (comm. अञ्चित इत्यलपल्लवः); रेचितावञ्चितौ हस्तौ NāṭyaS'ā. 4.166; 2.195; हस्तौ तु मणिबन्धान्ते कुञ्चितावञ्चितौ यदा NāṭyaS'ā. 9.206; अधोमुखश्चाञ्चितोऽपविद्धस्तु। ··· स्मृताः प्रकारास्तु बाह्वोरिति करणगता विज्ञेयाः NāṭyaS'ā. 9.220; अथ बाहुभेदाः ··· अञ्चितो मण्डलगतिः SaṁgīRa. iv. 99.5 (7.336); iv. 101.3 (7.340); प्राप्योरस्तः शिरःक्षेत्रपुरः प्रत्याहृतोऽञ्चितः NṛttaRa. 2.222; वक्षोदेशाच्छिरो गत्वा वक्षःप्रत्यागतोऽञ्चितः। खेदादौ विनियुक्तोऽयम् NṛtyaK. i. 2.17; उरसः प्राप्य शीर्षं यो वक्षः पुनरुपाश्रितः। स बाहुरञ्चितः खेदे नियोज्यो नृत्यपण्डितैः Nṛtyā. 382–383; **ii** name of one of the thirteen postures of the foot in dancing अञ्चितेन तु पादेन रेचितौ तु करौ यदा। उन्मत्तं करणं तत्तु विज्ञेयम् NāṭyaS'ā. 4.75; अञ्चितः कुञ्चितश्चैव पादः पञ्चविधः स्मृतः NāṭyaS'ā. 9.266; पार्ष्णिर्यस्य स्थिता भूमौ पादमग्रतलं तथा। अङ्गुल्यश्चाञ्चिताः सर्वाः स पादोऽञ्चित उच्यते NāṭyaS'ā. 9.276; 10.35; 10.37; 12.135; 12.203; उद्घट्टितसमश्चैव ··· संचरः। अञ्चितः कुञ्चितश्चैव पादः पञ्चविधः स्मृतः ···उत्क्षिप्ताग्रतलः पादः कथितस्तु तथाञ्चितः ViṣṇuDhaP. iii. 24.56; अथ चरणभेदाः – समोऽञ्चितः कुञ्चितश्च सूच्यग्रतलसंचरः SaṁgīRa. iv. 92.2 (7.312); भूस्थपार्ष्णिः समुत्क्षिप्ताग्रतलः प्रसृताङ्गुलिः। अञ्चितः स भवेत्पादो हस्तभ्रमरकादिषु SaṁgīRa. iv. 92.11 (7.316); यो भूमिस्थितपार्ष्णिः सन्नुत्क्षिप्ताग्रतलस्ततः। प्रसृताङ्गुलिकः पादः सोऽञ्चितोऽभिहितस्तदा Nṛtyā. 358; अङ्गुल्यः प्रसृता यस्य पार्ष्णिभू(? भूं)मौ व्यवस्थिताः। उत्क्षिप्ताग्रतलश्चैव चरणोऽञ्चितसंज्ञितः NṛtyaK. i. 1.801; चञ्चूर्तिं स्वयमञ्चितेन विधिना किंचिद्द्रुतं चान्तरा चञ्चत्पादयुगेन चञ्चलयते मौर्वीमपि स्वाश्रयाम् RasSa. 202.

अञ्चित (añcita) *n.* **i** name of one of the gestures of the head in dancing किञ्चित्पार्श्वनतग्रीवं शिरो विज्ञेयमञ्चितम् NāṭyaS'ā. 8.31; शिरः स्यादञ्चितं किञ्चित्पार्श्वतो नतकन्धरम्। रुक्चिन्तामोहमूर्च्छासु तत्कार्यं हनुधारणे SaṁgīRa. iv. 21.9 (7.64); ईषदानमितं पार्श्वे शिरो ज्ञातव्यमञ्चितम्। मत्तमूर्च्छितरोगार्तचिन्तापर्याकुलादिषु NṛttaRa. 2.9; पार्श्वतो विनतग्रीवं किञ्चिदञ्चितमुच्यते। ··· इति चतुर्दशविधं शिरः NṛtyaK. i. 1.501; **ii** name of a Nṛttakaraṇa (graceful movements of the hands, feet etc.) अञ्चितं च तथापरम् ··· अष्टोत्तरशतं ह्येत-

न्करणानां मयोदितम् NāṭyaŚā. 4. 38; व्यावृत्तपरिवृत्तस्तु स एव तु करो यदा। अञ्चितो नासिकाग्रे तु तदञ्चितमुदाहृतम् NāṭyaŚā. 4. 84; योऽर्धस्वस्तिककरणे करिहस्त उक्तः स एव व्यावर्तितकरणेन यदा नासाक्षेत्रे अलपल्लवाकृतित्वादञ्चितोदञ्चितसारणानुकारि तदञ्चितम् AbhinBhā. i. 108. 19 (*on* 4. 84); स्यात्क्रिया करपादादेर्विलासेनात्रुटद्रसा। करणं नृत्तकरणं भीमवद्भीमसेनवत्। प्रभेदान्करणस्यास्य ब्रूमहे भरतोदितान्। तलपुष्पपुटम् ··· स्वस्तिकमञ्चितम् SaṁgīRa. iv. 192. 3 (7. 551); उक्तोऽर्धस्वस्तिके हस्तो दक्षिणो यः स एव चेत्। व्यावृत्त्या परिवृत्त्या च नासादेशेऽलपद्मवत्। अञ्चिताङ्घ्र्यनुसारी स्यात् तदञ्चितमुदाहृतम् NṛttaRa. 4. 41; **iii** name of an Utplutikaraṇa (symmetric placement of the various lower limbs of the body) in dancing वदत्युत्प्लुतिपूर्वाणि करणानि हरप्रियः। अञ्चितं चैकचरणाञ्चितं स्याद्वैरवाञ्चितम् SaṁgīRa. iv. 240. 6 (7. 750); समपादस्थितो यत्र कृतोत्तानोत्प्लुतिर्दिवि। विवृतः पूर्ववत्तिष्ठेत् तदञ्चितमुदीरितम् NṛttaRa. 5. 48; विधाय समपादाख्यं स्थानमुत्तानितो यदा। उत्पतेदञ्चितं प्रोक्तं तदा करणवेदिभिः Nṛtyā. 1302; **iv** a particular mode of kissing समं पीडितमञ्चितं मृदु शेषाङ्गेषु चुम्बनं स्थानविशेषयोगात् इति चुम्बनविशेषाः KāmSū. 112. 15 (2. 3); ललाटचिबुकयोः कक्षापर्यन्ते चुम्बनमञ्चितम् JayaMa. 112. 21 (*on* 2. 3); स्थानविशेषाच्छेशे(? षे) चुम्बनदेशे चतुर्धा तत्। समपीडितमृदुमेदादञ्चितसहितात् प्रकीर्तितान्वर्थात्। इति विस्तरतः कथितं चुम्बनमधरस्य चान्यस्य KandaCū. ii. 3. 25; **v** a particular type of look (indicating amorousness) पर्यायेण चलत्तारं मन्दं मन्दमथाञ्चितम् BhāvPra.(Śā.) 120. 3(5); ŚabdaRa.(Vā.) 1930; **vi** one of the thirteen aspects of the play called Vīthi अञ्चितं यथा। नानार्थानामुपक्षेपोऽञ्चितं श्लिष्टानि यत्र पदानि तद्वाञ्चितम् NāṭaLaRaK. 3013; **vii** movement or gait (of a horse) भाति स मूर्तिः ··· चतुराञ्चितानाम्। ···तुरङ्गमाणाम् HarVi. 40. 36.

अञ्चितकक्ष्य (añcita-kakṣya) *adj.* having stretched straps अञ्चितकक्ष्ये पणवे रेफः सोऽर्धे तु हस्योर्ध्वे ग्रहे। कार्या मयूरककरा(:) सूक्ष्मौघास्तथा प्रहारा विधातव्याः NāṭyaŚā. 34. 77.

अञ्चितकञ्चुका (añcita-kañcukā) *adj.* (*f.*) whose slough is covered कबरीभुजगी तथामरीभिस्तगरैरञ्चितकञ्चुकेव चक्रे ŚrīKaC. 8. 34.

अञ्चितकण्टकाभ (añcitakaṇṭakābha) *adj.* having the beauty of studded thorns (in the form of horripilation) अम्ब स्मरप्रतिभटस्य वपुर्मनोज्ञमम्भोजकाननमिवाञ्चितकण्टकाभम्। भृङ्गीव चुम्बति ··· त्वदपाङ्गमाला MūkaPañ. 1. 22.

अञ्चितकन्धर (añcita-kandhara) *adj.* with curved neck दूरादञ्चितकन्धरः ··· कोकूयते कुक्कुटः SūktiMu. 82. 7.

अञ्चितकर (añcita-kara) *adj.* with the hand pressed against अनङ्गागारचुचूलिकाञ्चितकराः कुर्युः स्त्रियं विह्वलाम् RatiRaha. 2. 17.

अञ्चितकल (añcita-kala) *adj.* chirping sweet notes सा ··· नैवोन्मुञ्चति वाचमञ्चितकला विघ्नन्ति मां कोकिलाः SubhāRaK. 23. 27.

अञ्चितकाञ्चनाभ (añcita-kāñcanābha) *adj.* possessed of the (beautiful) lustre of gold अञ्चितकाञ्चनाभम्···यस्य वपुः (तस्य···निजनिबन्धनमथ बध्नाति बुधहृदयम्) SubhaDha. 1. 2.

अञ्चितकुण्डल (añcita-kuṇḍala) *adj.* having the earrings shining with जय···हारकलापरुचाञ्चितकुण्डल···वीर StavMā. 146. 5.

अञ्चितकुश (añcita-kuśa) *adj.* having (a ring of) twisted kuśa-grass पञ्चाङ्गमञ्चितकुशेन करेण धृत्वा···तारादि वाचयति Mukundā. 125.

अञ्चितक्रियाविष्ट (añcitakriyāviṣṭa) *adj.* which has formed the *añcita* posture करिहस्तः ··· यदा त्रिपताकोऽसावञ्चितक्रियाविष्टो डोलापादचारी तदा गजक्रीडितकम् AbhinBhā. i. 124. 17 (*on* 4. 129)

अञ्चितगजयुत (añcitagaja-yuta) *adj.* **1** having a decorated elephant अथ वर्णाक्षेपेण श्लेषप्रकारान्तरमाह···अञ्चितगजयुतः पक्षे अञ्जः KāvyKaVṛ. 52. 5 (3. 1); **2** (word) containing the word *gaja* to which *aṁ* is added (initially) KāvyKaVṛ. 52. 5 (3. 1)

अञ्चितगामिन् (añcitagām-in) *adj.* who has an easy or undisturbed gait अञ्चितं गच्छतीति ··· गमनस्याव्याकुलत्वमित्यर्थः। तथा च नागाश्चाञ्चितगामिन इति प्रयोगो दृश्यते Pradī. vii. 122. 14 (*on* viii. 2. 48)

अञ्चितग्रीवा (añcita-grīvā) *adj.* (*f.*) having a bent neck (स्त्रियः ··· नानाशीलाः) स्थूलशीर्षाञ्चितग्रीवा ··· । ज्ञेया मकरसत्त्वा च क्रूरा NāṭyaŚā. 22. 130.

अञ्चितचक्षुस् (añcita-cakṣus) *adj.* having contracted eyes (कुञ्जरस्य) किञ्चिदञ्चितचक्षुषः। स्विद्यदाभोगगण्डस्य कः शोभां वर्णितुं क्षमः MahāBhā. xii. 276*(3); ViṣṇuDhaP. ii. 48. 8.

अञ्चितचर्चम् (añcita-carcam) *adv.* repeatedly करिवदनोऽञ्चितचर्चमर्चिताम्। ···व्यतनुत विघ्नहतिं धनुष्मताम् ŚrīKaC. 23. 16.

अञ्चितचाटु (añcita-cāṭu) *adj.* adopting flattery स किलाञ्चितचाटुरानयत् सुमुखीं तामनुकूलवृत्तिताम् NavaSāC. 12. 68.

अञ्चितचुम्बन (añcita-cumbana) *n.* the bent kiss ललाटादिस्थानेषु कर्ममेदात्समचुम्बनम् ··· अञ्चितचुम्बनम् ··· चेति चतुर्विधम्। ··· ललाटचिबुकयोः कक्षापर्यन्ते चुम्बनमञ्चितम् JayaMa. 112. 18 (*on* 2. 3)

अञ्चितजङ्घ (añcita-jaṅgha) *adj.* in which the shanks are bent किञ्चिदञ्चितजङ्घं च···। वैष्णवस्थानमेतद्धि NāṭyaŚā. 10. 53; स्वभावसंश्रितः पादस्त्र्यंशः पक्षगतोऽपरः। किञ्चिदञ्चितजङ्घश्च वैष्णवं स्थानमुच्यते ViṣṇuDhaP. iii. 23. 2.

अञ्चितजानुक (añcitajānu-ka) *adj.* having bent knees पृष्ठप्रसारितः पादः किञ्चिदञ्चितजानुकम्। यत्र प्रसारितौ बाहू तत्स्याद् गृध्रावलीनकम् NāṭyaŚā. 4. 135.

अञ्चिततनु (añcita-tanu) *adj.* whose body is bristling with (horripilation) यदन्योन्यप्रेमप्रवणयुवतीमन्मथकथासमारम्भे स्तम्भीभवति पुलकैरञ्चिततनुः। तथा मन्ये धन्यं परमसुरतब्रह्मनिरतं कुरङ्गाक्षी दीक्षागुरुमकृत कञ्चित्सुकृतिनम् SubhāRaK. 15. 41; SaduktiKa. 71. 34.

अञ्चिततम (añcita-tama) *adj.* most honoured or distinguished अस्य श्रीजयसिंहदेवनृपतेः श्रेयोऽर्णवं प्रोगयन्पूर्णः शीतमरीचिरञ्चिततमैरभ्यर्चितः सद्गुणैः EI. xxi. 96. 41.

अञ्चिततमोमणि (añcita-tamomaṇi) *m.* beautiful dark gem, jet केचिदस्य किरणास्सविलम्बाः। शार्वरैर्जगृहिरे किल हस्तग्राहमञ्चिततमोमणिदम्भात् Acyutarā. 8. 28.

अञ्चिततर (añcita-tara) *adj.* extremely beautiful अङ्गानि ··· रोमाञ्चमञ्चिततरं बिभरांबभूवुः Kirātā. 15. 53 (comm. अतिरुचिरतरम्); आभाति कर्कशबलं सुरराजसैन्यमश्रीयमञ्चिततरं च रसखलीनम् HarVi. 39. 40.

अञ्चिततल (añcita-tala) *adj.* with bent palms प्रकुर्यादञ्चिततलौ हस्तौ तलविलासिते NāṭyaŚā. 4. 117; तेनैवोर्ध्वगतेन पादेन सहाञ्चिततलो वा श्लिष्टतलत्वात्कर्तव्यः AbhinBhā. i. 122. 15 (*on* 4. 117)

अञ्चिततारका (añcita-tārakā) *adj.* (*f.*) having contracted pupils कुञ्चिताकुञ्चिता दृष्टिः किञ्चिदञ्चिततारका ViṣṇuDhaP. iii. 25. 20; यथाह भरतः– आघूर्णमानमध्या या क्षामा चाञ्चिततारका। दृष्टिर्विकसितापाङ्गा मदिरा तरुणे मदे VyaktiVi. 81. 27.

अञ्चितत्रिनयन (añcita-trinayana) *adj.* possessing three eyes अञ्चितत्रिनयनं रक्ताभमार्गे भजे ŚāraTi. 14. 95.

अञ्चितदक्षिणोरु (añcita-dakṣiṇoru) *adj.* who has contracted his right thigh उदञ्चिताक्षोऽञ्चितदक्षिणोरुः। तौल्लक्ष्मणः ··· जघान Bhaṭṭi. 2. 31 (JayaMañ. न चात्र पूजा गम्यते किंतु गतिविशेष एव)

अञ्चितदल (añcita-dala) *adj.* (*f.* –ā) petals of which are curved (or closed) विरिञ्चनिर्मुक्तमञ्चितदलं हरिनाभिपद्मम्। उत्खाय यः ···विनिधातुमैच्छत् HarVi. 16. 49; संचार्याञ्चितदलासु च चञ्चरीकान्। ···कुमुद्वतीषु HarVi. 20. 82.

अञ्चितदृश् (añcita-dṛś) *adj.* having beautiful eyes गण्डभित्तिषु पुरा सदृशीषु व्याञ्जि नाञ्चितदृशां प्रतिमेन्दुः ŚiśuVa. 10. 31 (comm. सुदृशाम्); BhikṣāKā. 2. 6.

अञ्चितदोहदत्व (añcitadohada-tva) *n.* **1** the state of having a noble desire प्राप्तामधिप्रधनमञ्चितदोहदत्वं सेनां विधाय सुरभर्तुरनुत्तमाङ्गाम्। प्राज्यं यशः पिबतु वो भटचक्रवालमभ्याहृतं पय इवेन्दुमरीचिगौरम् HarVi. 45. 34; **2** the state of having good milking, HarVi. 45. 34.

अञ्चितधी (añcita-dhī) *adj.* having a distinguished intellect दर्शितावयवपञ्चकम् ··· वाक्यमञ्चितधियः प्रयुञ्जते HarVi. 14. 27; हीर रञ्जनृपतिः··· अञ्चितधीः ··· चञ्चच्छक्तिमनीनयद्युधि रिपुं यद् दुर्जयं पञ्चताम् ĀnandRa. 8. 7.

अञ्चितपक्ष्माक्ष (añcitapakṣmākṣa) *adj.* having eyes with curved or beautiful eyelashes अन्यदञ्चितपक्ष्मान्तं (v. l. पक्ष्माक्षम्) दक्षिणं निःसृतं मुखम् MahāBhā. i. 203. 23.

अञ्चितपक्ष्माग्र (añcita-pakṣmāgra) *adj.* having curved or beautiful eyelashes अन्यदञ्चितपक्ष्मान्तं (v. l. पक्ष्माग्रम्) दक्षिणं निःसृतं मुखम् MahāBhā. i. 203. 23.

अञ्चितपक्ष्मान्त (añcita-pakṣmānta) *adj.* having beautiful or curved eye-lashes अन्यदञ्चितपक्ष्मान्तं दक्षिणं निःसृतं मुखम् MahāBhā. i. 203. 23.

अञ्चितपञ्चकूर (añcita-pañcakūra) *adj.* mixed or decorated with *pañcakūra* (five types of cooked grains) कुशप्रसूनाक्षतवारिहव्यैस्त्रिशः क्रिरेत्··· अञ्चितपञ्चकूरैः TantrSa. 1. 72.

अञ्चितपञ्चमा (añcita-pañcamā) *adj.* (*f.*) singing (*lit.* honouring) the fifth note of the gamut माकन्दवाटीषु मधुव्रतानां कुलं वितेने कलकूजितानि। पिकावलेरञ्चितपञ्चमायास्तानार्पणायेव धृताभिलाषम् YātrāPra. 3. 16.

अञ्चितपत्त्र (añcita-pattra) *m.* a kind of a lotus with curved leaves

[MW, APTE]

अञ्चितपत्त्राक्ष (añcitapattrākṣa) *adj.* having lotus eyes [MW]

अञ्चितपद (añcita-pada) *adj.* having beautiful feet विंशत्या नखसङ्ख्ययाञ्चितपदः ···करी MātaLī. 2. 3.

अञ्चितपद्माक्ष (añcita-padmākṣa) *adj.* having beautiful lotus-like eyes अन्यदञ्चितपक्ष्मान्तम् (v. l. °पद्माक्षम्) दक्षिणं निःसृतं मुखम् MahāBhā. i. 203. 23; तचार्वञ्चितपद्माक्षम् ··· । अपश्यतो मुखं तस्याः सीदतीव मनो मम Rāmā. iv. App. I. 2 (10)

अञ्चितपयोधरभारा (añcita-payodharabhārā) *adj.* possessing heavy udders which are beautiful गौरवाञ्चितपयोधरभारा गौतमी हरति लोचनजाड्यम् YātrāPra. 7. 13.

अञ्चितपाद (añcita-pāda) *m.* foot in the posture called *añcita* (heel on the ground, the front part raised) अञ्चितपादः सन्नपसृतो द्वितीयपादनिकटात् पलायितकोऽर्थः (?तो यः तत्) समकालमेव तत्पार्श्वगं शिरः AbhinBhā. i. 129. 10 (*on* 4. 141)

अञ्चितपिञ्छाचूड (añcitapiñchā-cūḍa) *adj.* having a beautiful peacock feather on the crest अञ्चितपिञ्छाचूडम् ··· बालं गोपालमनिशमवलम्बे KṛṣṇaKa. 2. 78.

अञ्चितपुटता (añcitapuṭa-tā) *f.* the state of having bent or contracted eye-lids प्रम्लानाञ्चितपुटतामरालकेश्याः···। अन्यस्याः···श्रान्ताया दयिततमं जहार दृष्टिः HarVi. 17. 101 (but comm. अञ्चितौ प्रसृतौ पुटौ)

अञ्चितपूर्वकाय (añcita-pūrvakāya) *adj.* who has bent (backwards) the forepart of his body (while shooting) आरादपश्यत् ··· । आकुञ्चितैकपदमञ्चितपूर्वकायं लक्ष्यीकृतात्मवपुषं मदनं महेशः PārvPa. 3. 10.

अञ्चितफालदेश (añcita-phāladeśa) *adj.* with a forehead rendered beautiful स्वेदोद्गमैरञ्चितफालदेशम् ···। धूमाभिषङ्गेण मुखं मृगाक्ष्या रक्तारविन्दद्युतिमन्वयासीत् Nalābhyu. 5. 56.

अञ्चितभव्यभागा (añcita-bhavyabhāgā) *adj.* (*f.*) of which the noble regions are honoured (द्वारकाम्) अर्चिर्मुखैरञ्चितभव्यभागाम् । निवृत्तिधर्मे नियतस्थितीनां नैःश्रेयसीं पद्धतिमाहुरेनाम् Yādavā. 18. 119.

अञ्चितभूपालचक्र (añcita-bhūpālacakra) *adj.* who has made a host of kings bow down अभूच तनयस्तस्य ···। गुणैरञ्चितभूपालचक्रः PārśvC. 3. 1073.

अञ्चितभ्रम (añcita-bhrama) *adj.* moving all around अम्बु पीतम् ···। प्रावृषा पवनचक्रयोजिता वारिदा ववमुरञ्चितभ्रमाः Acyutarā. 4. 7 (comm. अञ्चितः कृतः भ्रमः भ्रमणं इतस्ततः संचारश्च)

अञ्चितभ्रु (añcita-bhru) *adj.* characterised by arched eyebrows आविर्मयूखसितमञ्चितभ्रु । लब्ध्वा प्रिये दुर्लभमाननं ते MattaVi. 2; गीतं स्फुरत्पञ्चममञ्चितभ्रु विलोकितं नूपुरनिस्वनश्च । नृपाङ्गनायास्त्रयमेतदासीत् त्रैलोक्यराज्ये मदनस्य शस्त्रम् VikraDeC. 10. 33.

अञ्चितभ्रू (añcita-bhrū) *adj.* (*f.*) (a lady) having beautiful arched eye-brows बिभ्रत्यराजदसितागुरुपङ्कदिग्धपत्त्रावलीविरचनाशबलं कपोलम् । ··· अञ्चितभ्रूः HarVi. 23. 22; जनी सुनेत्रा प्रमदा च सुन्दरी स्यादञ्चितभ्रूर्ललिता विलासिनी RājNi. 262. 2.

अञ्चितभ्रूकम् (añchitabhrū-kam) *adv.* with raised eyebrows वक्ष्यामि सापराधं क्रोधस्फुरदधरमञ्चितभ्रूकम् । इति विदधाति सुमध्या हृदयेन मनोरथावृत्तिम् KuṭṭaMa. 1019.

अञ्चितभ्रूलत (añcita-bhrūlata) *adj.* [*f.* -ā] in which the creeper-like eye-brows are curved or raised स्खलितवलयशब्दैरञ्चितभ्रूलतानाम् ···सुचिरमनभिमृष्टान्धारयत्येव केशान् PādaTā. 48. 5; तन्नयनाभिमुखैः किंचिदाकुञ्चितैरेधितभ्रूलतै- (v. l. KALE's Ed. अंचितभ्रूलतै)रपाङ्गवीक्षितैः ··· राजवाहनं विलोकयन्त्यतिष्ठत् DaśKuC. 28. 18; संक्षिप्यत्यरुणं गृहीतवसने किंचाञ्चितभ्रूलतम् । मानिन्याः ··· चक्षुर्जातमहो प्रपञ्चचतुरं जातागसि प्रेयसि KāvyPra. 97. 2.

अञ्चितम् (añcitam) *adv.* **i** unperturbedly, calmly अञ्चितं गच्छति । प्रकाशयत्यात्मानमिति गम्यते । न वै लोकेऽञ्चितं गच्छतीति प्रकाशनं गम्यते । किं तर्हि समाधानं गम्यते । समाहितो भूत्वा गच्छतीति MahāBh. iii. 408. 16 (*on* viii. 2. 48); अव्याकुलं गच्छतीत्यर्थके 'अञ्चितं गच्छति' इत्यादौ नलोपो न LaSabdeS'e. i. 343. 11; **ii** gracefully, beautifully अञ्चितोत्थितपृथुनितम्बबिम्बलम्बिचलदंशुकाञ्चलम् (पर्यक्रीडत राजकन्या) DaśKuC. 104. 21.

अञ्चितमरुद्बल (añcitamarud-bala) *n.* force of the wind blowing across (दोला) किं चेयमञ्चितमरुद्बलतो वलन्ती ··· पश्य प्रिये नभसि लास्यमिव प्रयुङ्क्ते S'rīKaC. 7. 59 (*but* comm. अञ्चितो मृदुत्वेन पूजितो यो मरुत्तद्बलेन)

अञ्चितमाल्य (añcita-mālya) *n.* beautiful offering consisting of flowers हेमनिभाम् ··· अञ्चितमाल्यैरधिगतवपुषं कान्तिमतीं वसुधाराम् ĪśānS'iPa. i. 26. 20.

अञ्चितलड्डुकव्रज (añcitalaḍḍuka-vraja) *m.* multitute of sweet-balls decorated or smeared (with powdered sugar) सितयाञ्चितलड्डुकव्रजान् ··· । परमान्नमिदं च पार्वति प्रणयेन प्रतिपादयामि ते TripuMāPūSt.(S'aṅ.) 108.

[1]**अञ्चितलाङ्गलिक** (añcita-lāṅgalika) *adj.* adorned with or beautified by the herb called *lāṅgalikā* (*Methonia superba* or *Jussicea repens*) सहरिगोपकमैक्षत भूतलं व्रजमिवाञ्चितलाङ्गलिकं जनः HarVi. 3. 51 (*but* comm. अञ्चिता श्रेष्ठा लाङ्गलिका ओषधिविशेषो यत्र)

[2]**अञ्चितलाङ्गलिक** (añcitalāṅgali-ka) *adj.* adorned (i. e. inhabited) by Balarāma, HarVi. 3 51 (comm. अञ्चितश्च पूजितो लाङ्गली हलधरो यत्र)

अञ्चितलाङ्गूल (añcita-lāṅgūla) *adj.* having a curved tail, who has curved his tail (upwards) ततः श्रुत्वा कपीनां तं निनदं कपिसत्तमः । आयताञ्चितलाङ्गूलः सोऽभवद् धृष्टमानसः Rāmā. v. 62. 35; vi. 18. 38; उच्चैरञ्चितलाङ्गूलः शिरोऽञ्चिन्वेव संवहन् (कपिकेशरी वनं चचार) Bhaṭṭi. 9. 40.

अञ्चितलोचन (añcita-locana) *adj.* [*f.* -ā] **1A** (a look) in which the eyes are turned or cast downwards श्रमात्प्रम्लोपितपुटा क्षामान्ताञ्चितलोचना । सन्ना पतिततारा च श्रान्ता दृष्टिः प्रकीर्तिता NāṭyaS'ā. 8. 65; 8. 82; **1B** having eyes contracted (out of haughtiness) कामदेवस्तु कर्तव्यो रूपेणाप्रतिमो भुवि । ··· चापबाणकरश्चैव मदादञ्चितलोचनः ViṣṇuDhaP. iii. 73. 20; **2** [= अञ्जित] having eyes smeared with collyrium कदम्बवनमध्ये तु यायादञ्चितलोचनः JayāS. 32. 40; नक्रवश(? स)याञ्चितलोचनस्य स्थलं ते सकलमम्बुधिजलम् TilaMañ. 146. 11; **3** possessing beautiful eyes इत्युक्त्वा रघुनाथस्य भार्यामञ्चितलोचनाम् । तूष्णीं बभूव हृष्टा सा समुद्गततनूरुहा PadmP. iv. 4. 44; सहेलकृतकण्ठहठग्रहं च । निर्लुच्य कञ्चुकमथाञ्चितलोचनाभिस्तत्कर्मणः पदमकल्प्यत कान्तलोकः S'rīKaC. 15. 11.

अञ्चितलोचनद्वयपुट (añcita-locanadvayapuṭa) *adj.* with the lids of both eyes cast down (i. e. lowered in obedience) गच्छेत्युन्नतया भ्रुवैव गदितं मन्दं वलन्त्या तया । तेनाप्यञ्चितलोचनद्वयपुटेनाज्ञा गृहीता शनैः AmaS'. 144 = Subhāṣi. 2079.

अञ्चितवत् (añcita-va(n)t) *adj.* **1** one who has honoured (the preceptor etc.) नकारे सत्यञ्चतेः परस्य क्त्वः क्तक्तवतोश्च इड् भवति । ··· अञ्चितवान् CāndraVṛ. *on* v. 4. 113; अञ्चतेः पूजायामर्थे त क्त्वा इत्येतयोरिड् भवति । ··· अञ्चितः । अञ्चितवान् । अञ्चित्वा गुरून् गतः JaineVyā. 348. 20 (*on* v. 1. 101); **2** which has adorned or beautified (the various quarters) दिशो ध्वजैरञ्चितवद्गमौकोऽञ्चित्वा ··· अप्सरोगणोऽथो पवितः प्रपेदे DvyāśraKā. 10. 34; **3** who has reached or attained (death etc.) श्रीकर्णः ··· निद्रामुद्रितलोचनः कण्ठपीठप्रणयिना सुवर्णशृङ्खलेन प्रविष्टन्यग्रोधपादपेनालम्बितः पञ्चतामञ्चितवान् PrabaCin. 92. 29 = KumāDePra. 112 + 18. 7; KumāPraPra. 106. 29.

अञ्चितवपुःपश्चार्ध (añcita-vapuḥpaścārdha) *m.* hind part of the body which is bent (upwards, i. e. raised) पश्योदञ्चदवाञ्चदञ्चितवपुःपश्चार्धपूर्वार्धभाक् ··· उत्कर्णः कुरुते क्रमं करिपतौ क्रूराकृतिः केसरी VāsaDa. 103. 1; SubhāRaK. 49. 18 = SaduktiKa. 280. 11.

अञ्चितवामचरण (añcita-vāmacaraṇa) *adj.* bending the left foot केचिदञ्चितवामचरणा दक्षिणखुलुखित (v. l. दक्षिणखुरलिखित) भूतलाः ··· शारभं नाम (सप्तयः समादर्शयन्) AvantiKa. 66. 18.

अञ्चितविक्रम (añcita-vikrama) *adj.* of esteemed or adorable prowess अथ समाववृते कुसुमैर्नवैस्तमिव सेवितुमेकनराधिपम् । ··· मधुरञ्चितविक्रमम् RaghuVa. 9. 24.

अञ्चितविधुतशिरस्क (añcitavidhutaśiras-ka) *adj.* (posture of a horse) in which the head is tilted and shaken केचिदञ्चितविधुतशिरस्कं दर्शितनाभि ··· त्रीतालं नाम (सप्तयः समादर्शयन्) AvantiKa. 66. 22.

अञ्चितविबुध (añcita-vibudha) *m.* honoured wise man तत्र च संततौ ··· अञ्चितविबुधाभिवाञ्छितप्रतिपादनमन्दारैः ··· महात्मभिरलंकृतायाम् ··· गर्भधारक इति कृताभिधानः ··· सुधीराविरासीद् ĀnandRa. 2. 0(2)

अञ्चितविलोचना (añcita-vilocanā) *adj.* (*f.*) with cast-down eyes मणिकाञ्चिरञ्चितविलोचनया रभसादबध्यत ततोऽपरया S'rīKaC. 13. 24 (*but* comm. अञ्चिते सुरतावसरे लज्जाविषयत्वाभावादानन्देन विस्तीर्णे लोचने यस्यास्तया मणिकाञ्चिरबध्यत बद्धा)

अञ्चितविष्टर (añcita-viṣṭara) *m.* seat which is sanctified (*lit.* worshipped) (दर्भान्) मूलेन प्रयजेज्जलादिभिरुपान्त्येनैनमुत्तानयेदुत्त्रीयाञ्चितविष्टरे स्वमनुनिष्ठेनान्तिमेन न्यसेत् TantrSa. 8. 21.

अञ्चितवीर्यरूप (añcita-vīryarūpa) *adj.* possessing valour and form which are honourable or dignified इन्द्राच्छचीवाञ्चितवीर्यरूपं जयन्तमीशाद्गुहमम्बिकेव । तस्मात्तनूजं लभते स राज्ञी VīraBhā. 1. 71.

अञ्चितवृत्त (añcita-vṛtta) *adj.* of esteemed or honourable conduct

अपश्यच्च तापसानामञ्चितवृत्तोऽयं पञ्चाग्निमध्यस्थानादितपःप्रपञ्चम् GadyCin. 99. 2.

अञ्चितशंकरवाणी (añcitaśaṅkara-vāṇī) *adj.* possessed of speech that is most decorous and beneficial अञ्चितशंकरवाणि त्वत्पदसेवां दिवानिशं करवाणि YātrāPra. 3. 195.

[1]**अञ्चितशङ्खशोभ** (añcitaśaṅkha-śobha) *adj.* possessing the beauty of lovely conches (अम्भोनिधिं स निरवर्णयत्) आवर्तचक्रम् ··· । बिभ्राणमच्युतमिवाञ्चितशङ्खशोभम् ··उन्नतवीचिदोष्णा HarVi. 30. 68.

[2]**अञ्चितशङ्खशोभ** (añcita-śaṅkhaśobha) *adj.* adorned with the beauty of the (Pāñcajanya) conch, HarVi. 30. 68.

अञ्चितशर (añcita-śara) *m.* arrow fixed (on the bow) तच्चक्रीकृतचापमञ्चितशरप्रेङ्खत्करः क्रोधनो धावत्यग्रत एव शासनधरः सत्यं सदासां स्मरः KāvyPra. 697. 3.

अञ्चितशिरोधर (añcita-śirodhara) *adj.* with the neck bent (on one side) उत्क्षिप्तांसावसक्तं यत्कुञ्चितभ्रूलतं मनाक् (v. l. उत्क्षिप्तबाहुशिरसस्तथाञ्चितशिरोधरम्) । निहञ्चितं तु विज्ञेयम् NāṭyaŚā. 8. 32.

अञ्चितशेखर (añcita-śekhara) *adj.* whose crest is shaking (on account of anger) तदाट्टहासकुपितः प्रोवाचाञ्चितशेखरः । उद्यम्य तर्जनीमग्रे नन्दी भैरवविग्रहः RāmāMañ. 430. 7.

अञ्चितश्री (añcita-śrī) *f.* excellent beauty कुचौ सप्रभौ अग्रे अञ्चितश्रिया KāvyKaVr. 79. 22 (3. 4); *adj.* whose prosperity is glorified अभिमतपिकवाणीपञ्चमैरञ्चितश्रीः ··· । पतिरुचदवन्याः प्राप्तसामान्यलक्ष्म्या शतमखपुरशाखी चैत्रलक्ष्म्या यथैव Acyutarā. 3. 54.

अञ्चितसव्यजानु (añcita-savyajānu) *adj.* whose left knee is bent उन्नद्धचूडोऽञ्चितसव्यजानुः ··· व्यरोचत ···सः RaghuVa. 18. 51.

अञ्चितसहित (añcita-sahita) *adj.* associated with the *añcita* variety of kissing स्थानविशेषच्छेशे(? षे) चुम्बनदेशे चतुर्धा तत् । समपीडितमृदुभेदादञ्चितसहितात् प्रकीर्तितान्वर्थात् KandaCū. ii. 3. 25 (comm. ललाटचिबुकयोः कक्षापर्यन्ते चुम्बनमञ्चितम्)

अञ्चितसूचीरूप (añcitasūcī-rūpa) *n.* [Inst.] in the form of either *añcita* or *sūcī* pose आक्षिप्तरेचितं करणम् । पादावत्र प्रयोगानुसारेण अञ्चितसूचीरूपेण AbhinBhā. i. 107. 14 (*on* 4. 81)

अञ्चितस्कन्ध (añcita-skandha) *adj.* (tree) having a bent or curved trunk [APTE]

अञ्चितस्मित (añcita-smita) *adj.* having a beautiful smile ऊचेऽञ्चितस्मितो दीप्तदोःप्रसेनः प्रसेनजित् Kapphiṇā. 16. 15.

अञ्चितस्मितम् (añcita-smitam) *adv.* with eyes charmingly smiling अञ्चितस्मितमकेवलेक्षणम् ··· तरलाक्षि तावकीं नन्दनं नयनवृत्तिमर्हति Yādavā. 17. 13 (comm. अञ्चितं पूजितं प्रसन्नं स्मितं नयनविकसनं यस्मिन् कर्मणि तत्तथा तथा)

अञ्चितस्मितरुच् (añcita-smitaruc) *f.* lustre of a beautiful smile स्वाभाव्यात्तव वक्त्रमेव ललितं संतोषसंपादनं शंभोः किं पुनरञ्चितस्मितरुचः पाण्डित्यपात्रीकृतम् MūkaPañ. 2. 88.

अञ्चितहासानना (añcitahāsānanā) *adj.* (*f.*) with the face marked with a beautiful smile अञ्चितहासाननया रक्षन्त्या ··· अस्मि भृशं पावन्या धन्या कृपया YātrāPra. 1. 94.

अञ्चिता (añcitā) *f.* name of one of the nine postures of the neck in dancing अतः परं प्रवक्ष्यामि ग्रीवाकर्माणि वै द्विजाः । ··· कुञ्चिताञ्चिता । ग्रीवा नवविधार्थतः NāṭyaŚā. 8. 170; अञ्चितापसृतोद्बद्धकेशकर्षोर्ध्वदर्शने NāṭyaŚā. 8. 174; अञ्चिता प्रसृता लोला केशाकर्षेऽर्धवीक्षणे SaṁgīRa. iv. 98. 3 (7. 333) (comm. लोला चञ्चला भूत्वा प्रसृता विस्तृता ग्रीवा अञ्चिता); समाञ्चिता नता त्र्यस्रा रेचिता कुञ्चितोन्नता । वलिता च विवृत्ता च ग्रीवा नवविधा स्मृता NṛttaRa. 2. 65; (ग्रीवा) चञ्चला प्रसृता यासावञ्चिताधोनिरीक्षणे । केशपाशाकर्षणेऽपि विनियुक्ता नियोक्तृभिः Nṛtyā. 367; लोलातिप्रसृताञ्चिता NṛtyaK. i. 2. 10;

अञ्चिताकृति (añcitākṛti) *adj.* having a beautiful form मत्स्यः साममदो नाम्ना ··· सर्वेषामेव मत्स्यानामग्रणीरञ्चिताकृतिः PadmP. vi. 232. 37.

अञ्चिताक्ष (añcitākṣa) *adj.* [*f.* –ī] **1** whose eyes are turned down आकर्ण्य स्वरमस्य धीरनिनदं चित्रार्पिताङ्गा इव । उत्कर्णस्तिमिताञ्चिताक्षवलितग्रीवार्पिताग्राननास्तिष्ठन्त्यस्ववशांगयष्टि सहसा यान्तो ममैते हयाः KarṇaBhā. 15; **2** (a woman) with charming or beautiful eyes अञ्चिताक्ष्याश्चेतश्च निर्भरमनायितरां प्रसादम् HarVi. 26. 68; अङ्कयोर्भ्रमादञ्जनमञ्चिताक्षी प्रादाद्ध्रुवं दृक्द्वितयं विहाय AcyutaRā. 12. 7; KoṭiVi. 71.

अञ्चिताक्षिपक्ष्मन् (añcitākṣipakṣman) *adj.* having charming eyelashes अञ्चिताक्षिपक्ष्मा । ···क्षितिपसमाजमगात् RaghuVa. 5. 76 (Malli. अञ्चितानि रुचिराण्यक्षिपक्ष्माणि यस्य)

अञ्चिताग्रा (añcitāgrā) *adj.* (*f.*) top of which is honoured स मारुतिपदन्यासादञ्चिताग्रामधित्यकाम् । प्रभुः प्रदक्षिणीचक्रे Yādavā. 22. 193.

अञ्चिताङ्गुलि (añcitāṅguli) *adj.* having the fingers bent पश्यामि स ··· युवतिम् ··· चलयन्तीं क्वचित्कांचिद्विपञ्चीमञ्चिताङ्गुलिम् BṛKathāŚloSaṁ. 10. 66.

अञ्चिताञ्जलि (añcitāñjali) *adj.* with beautiful folding of the hands समभ्यर्च्य काञ्चनैरञ्चिताञ्जलिः । विराटभूपतिश्चक्रे सभास्तारं युधिष्ठिरम् PāṇḍaC. 10. 41.

अञ्चितानन (añcitānana) *adj.* [*f.* –ā] having the face turned down पनसः ··· आचष्ट दृष्टं न मया किञ्चिदित्यञ्चिताननः RāmC. 10. 18; प्रबुद्धैवाञ्चितानना । ···भीमसुता वने···बभ्राम BhaviP. 694A. 30 (iv. 64. 7)

अञ्चिताम्भोजशिल्प (añcitāmbhojaśilpa) *adj.* which has obtained the beauty or art of a lotus अञ्चिताम्भोजशिल्पैः ··· काश्मल्यं नः कवलयतु सा कामकोटी कटाक्षैः MūkaPañ. 5. 71.

अञ्चितायतदीर्घ (añcitāyatadīrgha) *adj.* (which is) curved, thick and long कपिकुञ्जराः । अञ्चितायतदीर्घाणि लाङ्गूलानि प्रविव्यधुः Rāmā. v. 55. 30 (F. N. दीर्घशब्दसन्निधानादायतशब्देन स्थौल्यमुच्यते)

अञ्चितायताक्षी (añcitāyatākṣī) *adj.* (*f.*) whose eyes are large and beautiful अञ्चितायताक्षी । ··· प्रथममुपांशु तिरोदधेऽशुकेन Nalābhyu. 6. 15.

अञ्चितारव (añcitārava) *adj.* which is full of loud noise अम्बुदा न परमञ्चितारवास्तद्भवानि तटिनीजलान्यपि । सेहिरे न तरणेर्विजृम्भणम् Acyutarā. 4. 23 (comm. अञ्चितः कृतः आरवः गर्जितं यैस्तादृशाः)

अञ्चितालक (añcitālaka) *adj.* having curly lock (of hair) उवाह लज्जानतमञ्चितालकम् NavaSāC. 7. 24.

अञ्चिताविद्धम् (añcitāviddham) *adv.* in the manner of striking with *añcita* posture निपतेदञ्चिताविद्धमाविद्धा नाम सा स्मृता NāṭyaŚā. 10. 38.

अञ्चितिका (añcitikā) *f.* group of primary notes relating to the drum cf. **अञ्चतिका** यस्य चित्राः प्रहारास्तु मृदङ्गस्तम्भसंभवाः । राज्ञां चैषां चोत्तमानां गतावञ्चितिकेति सा । अस्तामञ्चन्ति गच्छन्ति जातावुत्तमभूमिकाः Bharatakośa. 8B. 16.

अञ्चितुकाम (añcitu-kāma) *adj.* **1** wishing to worship (को न) तुष्यत्यञ्चितुकामः प्रातस्तनकमलमुकुलवीक्षणतः RasiRañ. 52 (comm. अर्चनं कर्तुकामः); **2** wishing to go (on a journey), RasiRañ. 52 (comm. यातुकामः)

अञ्चितेक्षण (añcitekṣaṇa) *adj.* having beautiful eyes पद्मनाभः सुरारिघ्नः पृथुचार्वञ्चितेक्षणः (v. l. पृथुवक्षांचितेक्षणः) MahāBhā. i. 58. 50.

अञ्चितोच्छ्वासम् (añcitocchvāsam) *adv.* full of sighs शोच्यते नाञ्चितोच्छ्वासं प्रीतिदायो महाशयैः RājTa.(Ka.) 3. 136.

अञ्चितोत्थित (añcitotthita) *adj.* gracefully risen or projected अञ्चितोत्थितपृथुनितम्बबिम्बलम्बिचलदंशुकाञ्चलम् ··· अतिचित्रं पर्यक्रीडत राजकन्या DaśKuC. 104. 21.

अञ्चितोदञ्चितसारण (añcitodañcita-sāraṇa) *n.* movement of *añcita* or *udañcita* postures (of the hand) करिहस्त उक्तः स एव···यदा नासाक्षेत्रे अलपल्लवाकृतित्वादञ्चितोदञ्चितसारणानुकारि तदञ्चितम् AbhinBhā. i. 108. 19 (*on* 4. 84)

अञ्चितोद्यत (añcitodyata) *adj.* charmingly active or effortful योऽयं वहति ते पार्ष्णिं दक्षिणामञ्चितोद्यतः (हयः) MahāBhā. iv. 40. 21 (MahāBhāṬ. शोभनोद्यमः)

अञ्चितोद्यम (añcitodyama) *adj.* charmingly active or effortful योऽयं वहति पार्ष्णिं दक्षिणामञ्चितोद्यतः (v. l. °द्यमः) MahāBhā. iv. 40. 21.

अञ्चितोद्वेल्लित (añcitodvellita) *adj.* bent and lifted up केचिदचिरभास इव पूर्वगात्राश्रिताकाशाश्चरणैरञ्चितोद्वेल्लितैः AvantiKa. 66. 17.

अञ्चितोपकण्ठ (añcitopakaṇṭha) *adj.* whose vicinity or proximity is charming or shining सः ··· अस्तौदथो माधवम् ··· अस्त्रदेवताभिः ··· अञ्चितोपकण्ठम् ŚaṅkaDigVi.(Mā.) 14. 40 (comm. स्फुरत्समीपम्)

अञ्चितोरस्क (añcitoraska) *adj.* having a charming chest अथाञ्चितोरस्कम्···कृत्वा विवक्षाप्रवणं शरीरम् । ···विभीषणोऽभाषत यातुधानान् Bhaṭṭi. 12. 21 (comm. रम्योरस्कम्)

अञ्चितोरु (añcitoru) *adj.* whose thighs are beautiful चेतोऽहरत् कुचयुगम्···अञ्चितोर्वाः HarVi. 23. 12.

अञ्चित्वा (añci-tvā) *ger.* [P. i. 2. 25; JaineVyā. v. 1. 101; अञ्चेः पूजायामितीट् । अञ्चित्वा । गतौ तु अक्त्वा PrakriKau. ii. 682. 7; SiddhāKau. 579B. 16] **i** having worshipped अञ्चित्वा गुरून् गतः JaineVyā. 348. 20 (*on* v. 1. 101); त्वाम्···नाञ्चित्वा स गतो युद्धे···विपदस्य तेन जाता Rāvaṇā. 22. 57; रमौकोऽञ्चित्वा ··· अप्सरोगणः ··· प्रपेदे DvyāśraKā. 10. 34; **ii** having bent

अञ्चित्वा जानु जुहोति CāndraVṛ. *on* v. 4. 113 = KāśiVṛ. *on* P. vii. 2. 53; Bhatti. 9. 40.

अञ्चु (añc-u) 1 verbal root *añc-* **A** अञ्चु गतिपूजनयो: DhātuPā. i. 203 = DhātuPra. i. 185 (21. 19) = DhātuVṛ. i. 190; DhātuPā.(S'āk.) i. 337; KāvyKaVṛ. 92. 25 (3. 5); **B** अञ्चु गतौ याचने च DhātuPā. i. 915 = DhātuPra. i. 865 (63. 7) = DhātuVṛ. i. 852; **C** अञ्चु विशेषणे DhātuPā. x. 198 = DhātuPra. x. 203 (142. 23) = DhātuVṛ. x. 201; **D** *-añc* as a derivative suffix अपपरिबहिरञ्चव: पञ्चम्या P. ii. 1. 12; JaineVyā. i. 3. 10 (48. 21); ऋत्विग्दधृक्स्रग्दिगुष्णिगञ्चुयुजिक्रुञ्चां च P. iii. 2. 59; JaineVyā. ii. 2. 57 (107. 9); CāndraVyā. i. 2. 50; MugdhaBo. 3. 134 (31. 1); अञ्चुरूपे उत्तरपदे इत्यर्थात् LaS'abdeS'e. i. 342. 22; i. 346. 20.

अञ्चुद्यु (añcu-dyu) *adj.* (a compound) with *-añc* as the last (derivative) member दिक्छब्दान्यारादितरर्तेऽञ्चुध्वा(? द्युवा)हियुक्ते JaineVyā. i. 4. 38 (70. 17) cf. **अञ्चूत्तरपद.**

अञ्चू (añc-ū) (Gr.) verbal root *añc-* (to go) अञ्चू गतौ च DhātuPā.(S'āk.) i. 337; अञ्चू इति पठन् शाकटायन: DhātuVṛ. i. 852; DhātuPā. (H.) 1. 105; अञ्चुञ् (v. l. अञ्चू) गते KaviKaDru. 100.

अञ्चूग् (añc-ūg) (Gr.) the verbal root *añc-* (to go) (*g* indicates the use of both P. Ā.) अञ्चूग् गतौ च DhātuPā.(H.) i. 890.

अञ्चूत्तरपद (añcūttarapada) *adj.* (a compound) with *-añc* as the last (derivative) member अन्यारादितरर्तेदिक्छब्दाञ्चूत्तरपदाजाहियुक्ते P. ii. 3. 29; अञ्चूत्तरपदं प्राक्प्रत्यगादिपदम् BhāṭṭCin. i. 105. 12 (*on* i. 1. 4); तथापि पराक्छब्दस्य अञ्चूत्तरपदत्वेन अञ्चूत्तरपदयोगनिमित्ता पञ्चमीयं कुतो न भवेत्… न तदर्थमञ्चूत्तरपदग्रहणं च कर्तव्यम् … अञ्चूत्तरपदप्रत्याख्यानाभिप्रायेण दिक्छब्दत्वाभाव उपपादित: MayūMāli. 725. 9 (*on* x. 5. 11); LaS'abdeS'e. i. 503. 10.

अञ्चोल (añcola) *m.* name of a country अञ्चोलद्विचराश्च ये। कृत्वा त्रिधा सिंहवन्तं सीतागात् पश्चिमोदधिम् BrahmāṇḍP. i. 18. 45.

अञ्ज् (añj-) VII(I). P. (Ā.) [MAYR. 1. p. 32; अञ्जू (áñjū) व्यक्तिम्रक्षण(कान्ति)गतिषु DhātuPā. vii. 21; KṣīraTa. 7. 21; DhātuPra. 7. 21 (120. 14); DhātuVṛ. 7. 21; Nyās. iii. 997. 9 (*on* viii. 2. 48); used with Acc. of object and Inst. of means, or Loc. of place and Acc. of substance; with two Acc. S(?) ṚV. viii. 63. 1; recorded forms अनक्ति (Vedic अञ्जति), अङ्क्ते, अनक्तन, अनजत्, अङ्ग्धि, अनक्तु, अञ्ज्यात्, अञ्जीत, आनक्, आञ्जन्, अञ्जत (without aug.), आनञ्ज, आनजे, अनजा, अनज्यात्, आञ्जिजत्, आञ्जीत्, अञ्जी:, अज्यते; used with the preverbs अनु (S'atBr. अनुवि AVPrāti.), अभि (ṚV. अभिवि, अभ्या AitBr.), आ (ṚV.), उद् (ṚV.) उप (S'atBr.), नि (AV.), प्रति (AitĀ. प्रत्युप S'atBr.), वि, सम् (ṚV. संनि S'atBr.), समा and *gati* अन्तर्] **A i** to anoint, to besmear, to cover with, to consecrate (with any liquid substance) स दक्षाणां दक्षपतिर्बभूवाञ्जन्ति यं दक्षिणतो हविर्भि: ṚV. i. 95. 6; युवां यज्ञै: प्रथमा गोभिरञ्जत ऋतावाना ṚV. i. 151. 8; अनक्ति यद्वां विदथेषु होता ṚV. i. 153. 2; अञ्जन्ति त्वामध्वरे देवयन्त: … मधुना ṚV. iii. 8. 1; TaiBr. III. vi. 1. 1; मधोर्धाराभिरज्यसे ṚV. iii. 40. 6; पश्वो अनक्ति सुधित: सुमेक: ṚV. iv. 6. 3; शुचिरङ्क्ते शुचिभिर्गोभिरग्नि: ṚV. v. 1. 3; v. 3. 2; v. 43. 7; आयुं न यं नमसा रातहव्या अञ्जन्ति सुप्रयसं पञ्च जना: ṚV. vi. 11. 4; अग्निर्देवाँ अनक्तु न: ṚV. viii. 39. 1; viii. 63. 1; मध्वा होतारो अञ्जते ṚV. viii. 72. 9; सोमासो गोभिरञ्जते ṚV. ix. 10. 3; ix. 32. 3; ix. 66. 9; इन्दुर्हिन्वानो अज्यते मनीषिभि: ṚV. ix. 76. 2; ix. 78. 2; ix. 102. 7; ix. 109. 20; भगो वा गोभिरर्यमेमनज्यात् ṚV. x. 31. 4; x. 76. 1; x. 100. 10; x. 118. 3; अङ्ग्धि सं वर्तया पणिम् ṚV. x. 156. 3; अजमनज्मि पयसा घृतेन AV. iv. 14. 6; देव: पथो अनक्ति मध्वा घृतेन AV. v. 27. 1; v. 28. 3; अश्विना सारघेण मा मधुनाङ्क्तं शुभस्पती AV. vi. 69. 2; देवस्त्वा सविता मध्वानक्तु TaiS. I. iii. 5. 1; VājaS. 6. 2; याङ्क्ते तस्यै काण: TaiS. II. v. 1. 7; III. iii. 10. 2; घृतेनाक्तौ पशुं त्रायेथाम् TaiS. I. iii. 8. 1; VājaS. 6. 11; 20. 39; 27. 12; अध्वरे ह्येनं देवयन्तोऽञ्जन्ति AitBr. 6. 2 (142); स्वमङ्क्ष्व त्वचमङ्क्ष्व TaiBr. III. vii. 5. 2; इमान् एवैतल्लोकान् रसेनानक्ति JaimiBr. 1. 72; घृतेन समिधोऽनक्ति GopBr. i. 2. 15; नाधीयीत…नाङ्क्ते BaudhS'S'. i. 298. 5; इलामुपह्वास्यमानस्य दक्षिणस्य पाणे: प्रदेशिन्यामनक्ति S'āṅkhāS'S. i. 10. 1; iv. 16. 6; अनक्त्यग्राणि जुह्वाम् MānS'S. 23. 8; देवस्त्वा सविता मध्वानक्तीति स्रुवेण पुरोडाशमनक्ति ĀpaS'S. ii. 11. 3; iii. 5. 7; xviii. 14. 8; xxiii. 7. 8; iii. 14. 7; अञ्जन्ति घर्मं तत्र शार्ङ्गम् LāṭyāS'S. i. 6. 23; पुरोडाशौ … अनक्ति KātyS'S. ii. 8. 14; स्त्रीणामक्षीण्यनक्ति KauśiGS. v. 8. 5; नाङ्क्ते BaudhGS. i. 7. 29; सव्यं अग्रे अक्षि अञ्जीत अथ दक्षिणम् JaimiGS. 6. 19 (17. 19); अञ्जनानुलेपनं स्रजश्चाञ्जस्वानुलिम्पस्व स्रजोऽभिनह्यस्वेति PāraGS. ii. 14. 17; ताभिरद्भि: पुत्रकामो मुखमनक्ति ĀśvaGS. iv. 7. 13; i. 8. 9; अथ परिधीननक्ति BaudhGS. i. 4. 35; VaikhāGS. 4. 1 (54. 10); बर्हिराज्यशेषेऽनक्ति KauśiSū. 6. 5; 25. 4; कृष्णचतुर्दश्यां शस्त्रहताया: गो: कपिलाया: पित्तेन राजवृक्षमयीममित्रप्रतिमामञ्ज्यात्; अन्धीकरणम् ArthS'ā. iii. 235. 6 (14. 3); त्रिरात्रं रजस्वला शुचिर्भवति सा नाञ्ज्यात् VasiSm. 5. 7; अनक्ति हृदये तस्या दध्नालाभे घृतं च तत् LaghvāśvaSm. 15. 53; आज्येन यूपमनक्ति S'ābaBh. 1133. 8 (*on* iii. 8. 31); शलाकया सुवर्णस्य अक्षिणी … । अञ्जयेत् AgniP. 96. 51; ṬupṬ. 19. 12 (*on* iv. 2. 1); इन्दुर्नेत्रे सुधाभिरनक्ति न: AnarghaRā. 2. 69; प्रथमं सव्यमञ्ज्यात् SiddhYo. 61. 17; मौर्यवंशाब्धिचन्द्रमा: । अनक्ति स स्वयमपि नेत्रे तप्तशलाकया PariPar. 9. 29; यजमान: स्वमुखमञ्ज्यात् CaturCin. iii(1). 1297. 13; अनक्ति स नयने क्षणात् SamarāSaṁ. 6. 116; VīraMi. (S'uddhi.) 11. 6; **A ii** to anoint with, to bathe in, to put on (lustre, ray etc.) पूर्वे अर्धे रजसो भानुमञ्जते ṚV. i. 92. 1; देवासो विश्वधायसस्ते माञ्जन्तु वर्चसा AV. iii. 22. 2; xviii. 3. 10; वसवस्त्वाञ्जन्तु गायत्रेण छन्दसा TaiS. VII. v. 20. 1; VājaS. 23. 8; वर्चसा माञ्जी: TaiĀ. iv. 10. 4 (492. 1); तेजसैवैनमनक्ति TaiĀ. v. 4. 5 (605. 1); भित्त्वा शनैस्तिमिरमञ्जनपुञ्जनीलमानञ्जुरिन्दुकिरणा जगदङ्गसारात् HarVi. 20. 52; **A iii** to besmear, to cover with, to endow with (abstract things) त्वम्…मायागुणैर्नाज्यसे AdhyaRā. vii. 1. 63; न हि श्रोत्रोत्थविज्ञानं रूपवासनयाज्यते BṛĀraUBhVā. ii. 3. 108; प्रकृतिस्थोऽपि पुरुषो नाज्यते प्राकृतैर्गुणै: BhāgP. iii. 27. 1; xi. 6. 8; कथमज्यते जगदशेषमिदं कलयन्मृषेति हृदि कर्मफलै: S'aṅkaDigVi.(Mā.) 9. 95; **B** to put on, to decorate with (ornaments etc.) व्युच्छन्ती रश्मिभि: सूर्यस्याञ्ज्यङ्क्ते समनगा इव व्रा: ṚV. i. 124. 8; प्र शर्धाय मारुताय स्वभानव इमां वाचमनजा पर्वतच्युते ṚV. v. 54. 1; बभ्रुरेको विषुण: सूनरो युवाञ्ज्यङ्क्ते हिरण्ययम् ṚV. viii. 29. 1; **C i** to make manifest, to reveal, to show (due to अञ्ज् with वि) पुरुदस्मो विषुरूप इन्दुरन्तर्महिमानमानञ्ज धीर: VājaS. 8. 30; तुभ्येत्सो अज्यते रयि: VājaS. 33. 82; अज्यते केनचित् [कश्चित्] किंचित्केनचिदज्यते MūlaMādhyaKā. 9. 5 (comm. अभिव्यज्यते); मा नाञ्जी राक्षसीर्माया: Bhaṭṭi. 9. 49 (comm. मा न व्यक्तीकुरु); तद्दादृशुष्यं प्रति वैविदुष्यमाञ्जीञ्चुलुक्यश्च समाधिलग्न: DvyāśraKā. 10. 67; **C ii** to praise, to extol इमां ते धियं प्र भरे महो महीमस्य स्तोत्रे धिषणा यत्त आनजे ṚV. i. 102. 1; **D** to unite, to join together जनेन मित्रो न दंपती अनक्ति ṚV. x. 68. 2.

अञ्ज् (añj-) x. [अजि…भासार्था: । एते सकर्मका भासार्था णिचमुत्पादयन्ति KṣīraTa. x. 245; DhātuPra. 7. 21 (120. 15); अजि … इत्येते पंचदश स्वामिकाश्यपानुसारेण लिख्यन्ते । भाषार्था: DhātuVṛ. x. 245] to anoint, to besmear, to apply collyrium काचिदञ्जनमादाय नेत्रे अञ्जयति ध्रुवम् ĀdiP. 25. 34; वृक्षमूले कज्जलं संगृह्य … । नेत्राण्यञ्जयेत् BhaviP. 63A. 13 (i. 29. 25); EI. xxi. 48. 28; कज्जलेनाञ्जयेत्तेन लोचने प्रयतो नर: Mānaso. ii. 3. 344; तेन पांसुनाक्षं रथस्याञ्जयेल्लिम्पेत् VedāntKa. 452. 23 (*on* iii. 3. 40); निर्घृष्य नृकपालं तु नारीस्तन्येन चाञ्जयेत् RasRaSa. 23. 55; 23. 54; मनुष्यलालया घृष्टा ततो नेत्रे तयाञ्जयेत् RaseCin. 9. 357 (271. 4); अञ्जयेद्द्विपमेतेन Hastyāyur. 636. 10 (4. 14); गोरोचना प्रियङ्गुर्मन:शिला नागपुष्पचूर्णं च । अञ्जयेच्चक्षुरमीभिर्यस्तस्य वशत्वमेति जन: NāgaSa. 12. 12; समानिनाय पुरतो नयने तेन चाञ्जयत् KathāKau. 2. 52; 13. 24; NirSi. 248. 1; अञ्जयेन्मतिमान्वैद्य: AśvaVai. 30. 20; विलोचने नाञ्जयति स तारम् BhāvS'. 32.

अञ्ज (añja) *m.* (hollow of) both hands joined together प्रसृतैककरे वै तु प्रसृति: … उक्तपाणिद्वये प्रोक्तश्चाञ्जलिश्चाञ्ज इत्यपि ParyāS'aRa. 656.

अञ्जक (añj-aka) *adj.* (a word) indicative of (similarity) अन्यतमस्य च लोपे वाचकधर्मोपमानानाम् । धर्माञ्जकयोरञ्जकसमयो: समधर्मयो: समान्येषाम् AlaṅkāKau.(Vi.) 104. 11; (उपमा) न वाक्यजाञ्जकलुक् AlaṅkāKau.(Vi.) 117. 6; *m.* name of a son of Vipracitti and Siṁhikā (सिंहिकायामथोत्पन्ना विप्रचित्ते: सुता:) अञ्जको नरकश्चैव … । स्वर्भानुश्च ViṣṇuP. i. 21. 11 (VIDYĀSĀGARA Ed.)

अञ्जकेश (añjakeśa) *m.* name of a king मु(v. l. अ)ञ्जकेश इति ख्यात: …आसीत् स पार्थिव: MāhāBhā. i. 61. 26.

अञ्जत् (añját) *adj.* anointing, besmearing, decking, adorning स्वरुं न पेशो विदथेष्वञ्जन् ṚV. i. 92. 5; समिद्धो अञ्जन् कृदरं मतीनाम् TaiS. V. i. 11. 1; उपयामेऽञ्जन् समिध आदधाति MānS'S. 110. 9; ĀpaS'S. xv. 11. 6; तिमिरहतमयं महोभिरञ्जयति जगन्नयनौघमुष्णभानु: AnarghaRā. 2. 13; अञ्जन्निवाक्षीणि विलोककानाम् Rāgh. 20. 9.

अञ्जन (áñj-ana) *n.* [for accent cf. आञ्जन; अञ्जेरञ्जनमञ्जनं च प्रकाशनम् । अङ्क्तेऽक्षिणी इत्युच्यते यत्तत्सितं चासितं चैतत्प्रकाशयति MahāBh. iii. 408. 23 (*on* viii. 2. 48); अज्येते येनाक्षिणी तदञ्जनम् Pradī. vii. 123. 16 (*on* viii. 2. 48); included in the *goṣadādi gaṇa* GaṇPā. 80. 10; GaṅRa. 7. 436 (460); *añjanādi*, *kiṁśulakādi* GaṇPā. 50. 4; GaṇRa. 2. 141 (177); CāndraVṛ. *on* iv. 2. 156; JaineVyā. iv. 1. 66; neut. gender is given by Liṅgānu.(Ha.)

43. 1; KośaKaTa. 2. 2525] **1** butter or oil used as an ointment **2 A** act of applying (ointment or some other substance to the eyes) **B** act of anointing, smearing (with butter, ghee, oil or some other substance) **C** act of instigation, stimulation **3 A** collyrium, kohl, eye-salve (prepared from mineral, herb or lamp-black) **B** paste **4** a kind of mineral, antimony, vitriol of copper **5** bending (?) (thrusting *nt.*) **6 A** manifestation **B** suggestion (poetics) **7** name of a Sāman **8** pimple on the eye **9** covering of the soul **10 A** (fig.) ignorance **B** darkness **C** impurity **D** stain, blemish **E** fault **11** ink **12** name of a heavenly missile **13** form, shape **14** leading to fruition, realisation **15** kind of dye **16** kind of corn **17** kind of gem, jet **18** flower of Añjana tree **19** epithet of S'iva **1** butter or oil used as an ointment अथ यत्प्रदेशिन्यामिडायाः पूर्वमञ्जनमधरौष्ठे निलिम्पति KauṣīBr. 3. 7 (12. 15); S'āṅkhāS'S. i. 10. 2; अपर आह । यत्तदञ्जनोपाञ्जनमिति MahāBh. ii. 338. 6 (*on* v. 1. 2) (Pradī. तैलाभ्यङ्गः); मध्ये यूपं समारोप्य ··· मधुलाजाक्षतं दद्यादञ्जनं माल्यमेव च BhaviP. 396B. 27 (ii(3). 2. 73); तदेतद्रजः संगृह्य हविर्धानयोः शकटयोरक्षे तेन रजसा संयुक्तमञ्जनं प्रक्षिपेत् NyāyMāVi. 225. 25 (*on* iv. 1. 10); KandaCū. vii. 1. 40; नभ्यः अक्षः । नभ्यम् अञ्जनम् SiddhāKau. 277B. 9; **2 A** act of applying (ointment or some other substance to the eyes) अनिष्ठीवनं सदा चाञ्जनं सत्यवचनं सुमनसां धारणम् SāmaViBr. iii. 1. 2 (comm. अक्ष्णोः अञ्जनम्); प्रसाधनं च केशानामञ्जनं दन्तधावनम् । पूर्वाह्ण एव कुर्वीत MahāBhā. xiii. 107. 21; मुष्टिकपालावदानाञ्जनाभ्यञ्जनवपनपावनेषु चैकेन MīmāSū. v. 2. 4; पीडनावेष्टनाञ्जनप्रकर्षणाध्यासनेषु पूर्वः साहसदण्डः ArthS'ā. ii. 106. 8 (3. 19) (comm. कज्जलादिलेपने); एवं नेत्रेषु मर्त्यानामञ्जनाश्च्योतनादिभिः दृष्टिर्निराकुला भाति CaraS. i. 5. 16 (1922 Ed.); i. 5. 36 (1922 Ed.); vi. 9. 64 (1941 Ed.); अञ्जनादन्धः ··· गर्भो भवतीत्येवमेतान् परिहरेत् SuśruS. iii. 2. 25; SuśruS. iii. 2. 25; HārīS. i. 2. 14; VaikhāDS. i. 2. 6; वर्जयेत् ··· अञ्जनं चाक्ष्णोः ManuSm. 2. 178; YājñaSm. 1. 33; अञ्जनाभ्यञ्जने चैव पिण्डसंवपनं तथा VāyuP. ii. 13. 58; BrahmāṇḍP. ii. 11. 88; नावनाञ्जनपानेषु योजयेद्विषशान्तये AṣṭāHṛ. i. 7. 26; अञ्जनं पक्वदोषस्य (कर्तव्यम्) AṣṭāSaṁ. i. 43. 15 (1. 7); i. 158. 24 (1. 30); सा मषी···अक्षिपाकमञ्जनादपहरति AṣṭāSaṁ. ii. 251. 18 (6. 20); ii. 211. 8 (6. 8); KalyāKā. 9. 69; मरिचं ··· सर्पदष्टानां पाने नस्याञ्जने हितम् SiddhYo. 68. 10; 68. 11; 68. 14; मधुमांसं प्राणिहिंसां भास्करालोकनाञ्जने ··· विवर्जयेत् SkandP. iv. 36. 21; vii(1). 166. 120; LakṣmīT. 39. 22; अभ्यञ्जनाञ्जने पानं छत्रधारणमेव च ··· विवर्जयेत् PadmP. i. 53. 17; v. 24. 195; BhaviP. 75B. 4 (i. 36. 28); सव्यस्य पूर्वमञ्जनं निर्दिष्टम् S'āstrDī. 38. 2 (*on* i. 3. 7); तत्रेष्टं सर्पिषः पानं नावनाञ्जनतर्पणम् S'ārṅgaS. iii. 9. 7; iii. 13. 34; मूषकस्य क्षारकायस्य वा ··· काकयोर्वा मेदसा वा नेत्रयोरञ्जनं धूपनं च कुर्यात् Hastyāyur. 64. 3 (1. 9); 65. 11 (1. 9); नस्याञ्जने तथा कृत्वा फणिनां गरलं हरेत् IśānS'iPa. i. 40. 13; i. 44. 5; PañcaRā.(Nā.) iii. 14. 42; Mānaso. ii. 6. 652; गोदोहनेऽप्यञ्जने ··· कपित्थः संप्रयुज्यते AbhinDa. 123; कान्तनागोऽयमुदकेनाञ्जनं नयनामृतम् RasRaSa. 28. 90; 12. 111; अञ्जनात् । वैरिङ्गवृञ्जनम् NyāyMāVi. iv. 3. 1 (241. 21); xii. 4. 14 (702. 16); S'ārṅgaPa. 2986; एतस्यैव तरोः कुसुमेन ··· यद्यञ्जनं क्रियते तदा नष्टचक्षुश्चक्षुष्मान् भवति PuruṣPa. 68. 26; 69. 1; RaseCin. 9. 33; BhāvPra.(Bhā.) 3. 5; अञ्जनपदं च भेषजोत्सवादिनिमित्तकेताञ्जनपरम् VīraMi.(Āhnika.) 33. 1; MayūMāli. 38. 16 (*on* i. 3. 7); अञ्जनं त्वक्षिसंस्कारः Vaija. 171. 157; क्ली त्वनक्तिक्रियायाम् (रभसः) NānārthāSaṁ. ii. 53. 72; अक्तौ (v. l. अङ्क्तौ) S'abdaRaSaK. 190. 2; *f. n.* नपुंसियोस्त्वञ्जयत्यर्थे NānārthāSaṁ. ii. 53. 73; **2 B** act of anointing, smearing (with butter, ghee, oil or some other substance) अञ्जनादि पर्यग्नि कृत्वोत्सृजन्त्यपुनरायनाय ĀśvaS'S. I. vi. 14. 11; अत्र स्वरोरञ्जनमेके समामनन्ति ĀpaS'S. vii. 27. 3; संमार्जनेनाञ्जनेन सेकेनोल्लेखनेन च । ··· भुवः शुद्धिः ViṣṇuSm. 23. 56; गुरुपत्नीनां गात्रोत्सादनाञ्जनकेशसंचयनपादप्रक्षालनादीनि न कुर्यात् ViṣṇuSm. 32. 6; अञ्जनमपि ··· चोदकप्राप्तं ··· गुणाय स्यात् S'ābaBh. 1863. 9 (*on* x. 2. 73); TupT. 232. 12 (*on* x. 1. 4); श्लक्ष्णीकुर्यात्प्रयत्नेन लेपनैः श्लक्ष्णमञ्जनैः ··· कुड्यं तत् ViṣṇuDhaP. ii. 40. 8; उल्लेखनेनाञ्जनेन ··· शुद्धा सेचनेन धरा स्मृता LiṅgaP. i. 89. 66; TantrRa. 85. 16; 223. 4; S'āstrDī. 423. 7 (*on* v. 2. 4); अञ्जनं तैलादिना गात्रस्य SmṛtiCan. i. 122. 18; PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. v. 1. 2; अञ्जनस्य द्रव्यसामान्येन करणासंभवेन BhāṭṭCan. 72. 22 (*on* xv. 1. 10); तैलादिनाऽञ्जिता अक्ता घृतेनैवाथ वाञ्जनम् NyāyMāVi. i. 4. 19 (59. 2); सुच्यमाघार्यं जुह्वा पशुमनक्ति इत्याघाराञ्जने लिङ्गान्तरे NyāyMāVi. 396. 25 (*on* viii. 1. 5); अञ्जनं घृतादिना गात्रस्य VīraMi. 94. 24 (*on* 1. 33); MīmāKau. iii. 38. 8 (*on* i. 2. 18); यूपधर्मा अञ्जनोच्छ्रयणसम्मानपरिव्याणादयः BhāṭṭDī. ii. 182. 10 (*on* v. 2. 5); एतच्चाञ्जनार्थमाज्यं लौकिकं ग्राह्यं न संस्कृतम् VīraMi.(Saṁskāra.) 934. 16; 493. 24; MānaMe. 44. 1; **2 C** act of instigation, stimulation यावच्चक्रे नाञ्जनं बोधनाय व्युत्थानज्ञो हस्तिचारी मदस्य । ··· स्थूलास्तावत् प्रावहन् दानकुल्याः S'iśuVa. 18. 26 (comm. अञ्जनमुद्दीपनं कर्म); संवादितां नयदहर्गणमञ्जनेन सेनामतङ्गजगणा मुमुचुर्मदाम्भः HarVi. 44. 12 (but comm. मेढ्); **3 A** collyrium, kohl, eye-salve (prepared from mineral, herb or lamp-black) वृत्रस्य कनीनिकासीति त्रैककुदेनाञ्जनेनाङ्क्ते ĀpaS'S. x. 7. 1 (comm. त्रिककुदाख्ये पर्वते भवं त्रैककुदम्); ĀpaS'S. x. 7. 2; MānS'S. 59. 6; अञ्जनाभ्यञ्जनगन्धपुष्पधूपदीपांश्च दद्यात् KauśīGS. iii. 4. 10; VaikhāGS. 2. 15 (33. 2); KauśiSū. 35. 21; आहवेषु विशेषेण भ्रष्टनेत्रैष्विवाञ्जनम् MahāBhā. vii. 39*(1); न चन्दनं नाञ्जनपानभोजनम् । न किञ्चिदिच्छामि Rāmā. ii. 183*(20); चोररूपोऽयम्; अप्ययमक्ष्णोरञ्जनं हरेत् MahāBh. ii. 419. 5 (*on* v. 3. 66); अञ्जनाभ्यञ्जनमेवास्या न प्रतिग्राह्यम् VasiSm. 5. 13; Saund. 8. 50; सौवीरमञ्जनं नित्यं हितमक्ष्णोः प्रयोजयेत् CaraS. i. 5. 12 (1922 Ed.); i. 1. 69 (1922 Ed.); नदीजशिम्बीत्रिकटून्यथाञ्जनम् ··· प्रशस्यते वै दिवसेष्वपश्यताम् SuśruS. vi. 17. 27; iv. 19. 30; iv. 25. 33; BhelaS. 1. 18 (30. 23) (? अञ्जनम्); तदञ्जनं पुष्येणोद्धृत्य तस्यामञ्जन्यां निदध्यात् ArthS'ā. iii. 230. 5 (14. 3); iii. 216. 5 (14. 1); योषितां नेत्रयोरञ्जनं ज्ञेयम् NāṭyaS'ā. 21. 28; धूमाञ्जनजृम्भणात् ··· भवेदास्रम् NāṭyaS'ā. 7. 151; 8. 117; लिम्पतीव तमोऽङ्गानि वर्षतीवाञ्जनं नभः Cāru. 1. 19 = BālC. 1. 15 = Mṛcch. 1. 34; Svapna. 5. 10 = Kāvyāda. 2. 226 = SaraKaṇṭhā. 733. 7 = KāvyPra. 587. 1 = AlaṅkāSa. 58. 13 = SūktiRa. 191. 1 = Subhāsi. 890 = Kuval. 33; इदानीमस्माकं पटुतरविवेकाञ्जनजुषां समीभूता दृष्टिः S'atTrayī. 6; 827; BhāvS'a. 43; एतेन श्येनभासमयूराश्मिमयान्यञ्जनानि व्याख्यातानि KāmSū. 366. 24 (7. 1); एतैरेव सुपिष्टैर्वर्तिमालिप्याक्षतैलेन नरकपाले साधितमञ्जनं च KāmSū. 365. 6 (7. 1); विलोचनं दक्षिणमञ्जनेन संभाव्य ··· ययौ शलाकामपरा वहन्ती KumāSaṁ. 7. 59 = RaghuVa. 7. 8; उपवासे न दुष्यन्ति दन्तधावनमञ्जनम् VṛS'ātāSm. 55; बिम्बं ··· पूजयेत् ··· वसनच्छत्रवस्त्रैस्तु दर्पणाञ्जनवाहनैः JayāS. 20. 255 (256); 23. 40 23. 77; 27. 72; MatsyaP. 59. 6; 193. 39; तदञ्जनं त्रैककुदं शैलं त्रिककुदं प्रति MatsyaP. 121. 15; अपसव्यं पितृभ्यश्च दद्यादञ्जनमुत्तमम् BrahmāṇḍP. ii. 11. 55; ii. 11. 57; i. 18. 14; ViṣṇuP. iii. 11. 22; VākyaP. 1. 79; भृङ्गावलीष्वञ्जनमायताक्ष्यः JānaHa. 3. 61; पिशाचदितितनयदानवाः पूज्याः । अभ्यञ्जनाञ्जनतिलैः BṛSaṁ. 48. 30; 48. 35; धूमेनाञ्जनभङ्गमेचकरुचा दिक्चक्रवाले तते EI. xiv. 116. 9; Kirātā. 8. 38; सौवीरमञ्जनं नित्यं हितमक्ष्णोस्ततो भजेत् AṣṭāHṛ. i. 2. 4; अञ्जनादेरिव व्यक्तेः संस्कारो नेन्द्रियस्य च PramāVār. 1. 149; सुदृशां ··· नवमञ्जनं नयनपङ्कजयोर्बिभेदे न शङ्कनिहितातपयसः S'iśuVa. 9. 46; DaśKuC. 32. 23; 105. 18; वध्याद् ब्रह्मस्य सिद्धाञ्जनविधिपरः प्राक्तनोऽर्चिःप्रचारः SūryS'. 32; 73; Kāvyālaṅ. (Bhā.) 1. 55; AṣṭāSaṁ. i. 8. 11 (1. 3); i. 77. 8 (1. 12); ii. 10. 6 (4. 2); RatiRaha. 14. 52; 15. 43; PāraS. 6. 351; TattvSaṁ. 1103; LaghvāśvaSm. 14. 4; अञ्जनोद्वर्तनादर्शस्रग्विलेपनयोषितः···ब्रह्मचारी विवर्जयेत् VedavyāSm. 1. 29; EI. vii. 104. 9; SāraTi. 10. 87; अञ्जनं तिलकं गुप्तिं ··· साधयेत् साधकः KulacūT. 6. 16; 16. 93; HarVi. 42. 36; 44. 12; Kapphiṇā. 7. 8; अतसीपुष्पसंकाशं यत्तावन्नेत्रमण्डलम् । तत्रस्थमञ्जनं यत्तत् तेजोवृत्तिनिरोधकम् PrakaPañ. 56. 8; BālRā. 1. 42; अञ्जनं गुटिकां दिव्यां गृहीत्वा रक्षकाग्रतः BṛKathāK. 138. 15; प्रमदालोचनन्यस्तमलीमसमिवाञ्जनम् Hitopa. 2. 144; ज्वलन्नञ्जनमाधत्ते प्रदीपो न रविः पुनः YaśasCam. ii. 394. 1; i. 539. 2; ii. 289. 26; तैस्तैरञ्जनै रञ्जितेक्षणः क्षणदास्वपि समस्तवस्तुजातं ··· आवेदयति TilaMañ. 130. 11; 213. 9; अवलेहोऽञ्जनं चैव प्राक् प्रयोज्यं त्रिदोषजे SiddhYo. 1. 143; हेमन्ते ··· मध्याह्नेऽञ्जनमिष्यते SiddhYo. 61. 9; 61. 135; AgniP. 58. 25; 70. 3; उमायाः पूजनं कार्यं ··· कुङ्कुमाञ्जनकङ्कतैः NīlaP. 761; गुटिकासिद्धिमञ्जनम् । खड्गं च पादुके चैव ··· सर्वं तुष्टा प्रयच्छेत SkandP. v(1). 18. 2; v(2). 11. 8; iii(2). 38. 34; ViṣṇuDhaP. i. 63. 16; ii. 52. 25; VarāP. 128. 60; 188. 67; यथा लोचनस्थमञ्जनमतिसामीप्यान्न दृश्यते SāṁkhyaTaKau. 213. 6 (*on* 7); नस्यं तस्य प्रयुञ्जीत पानमालेपनाञ्जनम् BhaviP. 73B. 14 (i. 35. 35); 295B. 23 (i. 202. 14); 401B. 24 (ii(3). 10. 16); 672A. 25 (iv. 45. 3); विष्णुः ··· सांनिध्येऽपि स्थितो दूरे नेत्रयोरञ्जनं यथा PadmP. vi. 128. 24; YogVā. vi(1). 90. 27; कान्ताविलोचनन्यस्तं मलीमसमिवाञ्जनम् SaraKaṇṭhā. 102. 17; 465. 2; CaṇḍaKau. 4. 31; NarmaMā. 3. 28; AśvaVai. 7. 61; Hastyāyur. 186. 12 (2. 10)); 191. 22 (2. 11); KāvyPra. 676. 6; DaśāvaC. 8. 510; EI. xii. 278. 91; Mitā. 22. 1 (*on* 1. 70); IśānS'iPa. i. 8. 120; i. 15. 128; S'ārṅgaS. i. 6. 18; ii. 12. 138; iii. 8. 42; S'aṅkhaSm. 3. 13; बाष्पश्चक्षुषि नाञ्जनम् SubhāRaK. 22. 22; 24. 13; ĀryāSaS'a. 683; अक्ष्णोर्निक्षिपदञ्जनम् ··· सुदृशां प्रत्यङ्गमालिङ्गति GītaGo. 11. 20. 3; EI. xii. 153. 52; तिलकश्चकासे । एणीदृशां दोहददृष्टिपातैरिवाञ्जनेनाहितसंविभागः S'rīKaC. 6. 28; 2. 19; तयोः प्रसाधयामासुर्नयनान्यञ्जनेन ताः । नीलोत्पलवनापातिभृङ्गसब्रह्मचारिणा TriṣaS'aPuC. i. 2. 811; अञ्जनेन ··· सितांशुकम् । निर्मलोऽपि गुणग्रामो लोमेनैकेन दूष्यते TriṣaS'aPuC. i. 2. 1026; PariPar. 8. 385; 12. 386; NaiṣC. 15. 34; EI. xiii. 201. 14; SmṛtiCan.

v. 373. 18; v. 376. 16; SaṁgīRa. iv. 50. 9 (7. 178); अञ्जनं क्षीरसंनिभम् ।··· करोति यशसा महान् PārśvC. 3. 219; 6. 26; CaturCin. iii(1). 1407. 5; अश्रु । धूमाञ्जनामर्षहर्षानिमेषदर्शनशोकैः NāṭaLaRaK. 2123; EI. vi. 138. 15; RasRaSa. iii. 98; MadhuVi. 22. 15; SaṁyaKau. 30. 22; 31. 22; S'ārṅgaPa. 326; 3201; ईषत्कर्पूरसंयुक्तमंजनं तिमिरापहम् RasaCin. 9. 342; SāhiDa. 135. 4; 574. 3; 616. 9; अञ्जनं दूषणं वक्त्रे भूषणं किल लोचने DṛṣṭāKaS'. 83; TantrSa. 1. 100; 4. 98; EI. ii. 413. 12; HammīMaKā. 6. 47; 6. 55; तत्तुल्यवर्णाञ्जनरञ्जितेषु । लावण्ययुक्तेष्वपि वित्रसन्ति दैत्याः स्वकान्तानयनोत्पलेषु Subhāṣi. 32; 175; 247; ManvaMu. 152. 27 (on 4. 44); AnaṅgaRa. 7. 12; RasiRañ. 28; Acyutarā. 12. 7; अक्षतैलेन साधितमञ्जनयुक्तम् KandaCū. vii. 1. 8; v. 4. 27; Kuval. 144(3); CitraMī. 3. 7; SivārkaMaDī. i. 111. 24 (on i. 1. 2); BṛBrahmaS. iii. 4. 22; S'aktiSaṁT. i. 6. 2; YātrāPra. 1. 27; एकस्मिन् दब्बके धवलमञ्जनं द्वितीये कृष्णम् KathāK. 94. 23; NirṇaSi. 247. 31; अञ्जनं च सौवीराञ्जनादि । सौवीराञ्जनं मध्यदेशे सुरमेति प्रसिद्धः पाषाणविशेषः VīraMi. (Āhnika.) 33. 1; 148. 21; अञ्जनं त्रैककुदादि VīraMi. (S'rāddha.) 271. 21; BhaṭṭDī. ii. 181. 7 (on v. 2. 3); KośaKaTa. 1. 2077; लोचनयुगले यासामञ्जनमासीन्निरञ्जनं ब्रह्म RāsiJi. 1. 74; S'ṛṅgāMañ(A.) 14. 27; अस्माभिर्वत बुध्यतां कथमयं स्वामीति तारा व्यधुश्चन्द्रे चिह्नमिवाञ्जनैस्त्रिभुवनभ्रान्तासु यत्कीर्तिषु PadyaVe. 85; 548; Ragh. 8. 16; BālāmBha. i. 552. 29 (on 1. 249); TantrRā. 3. 59; 17. 3; Mūka-Pañ. 1. 42; 1. 83; PuṣpBāVi. 15; LaS'ābdeS'e. ii. 373. 21; Hāsyārṇa. 1. 12; MahāN. 6. 13; कज्जलम् ··· अञ्जनम् AneKāSa. 152; तार्क्ष्यं शैलं नीलवर्णमञ्जनं च रसाञ्जनम् ParyāRaMā. 426; सुवीरकं पार्वतेयं सौवीरं नीलमञ्जनम् ParyāRaMā. 424; (सौवीर) 66. 1586; (स्रोतोज); Abhidhā-RaMā. 2. 400; Vaija. 171. 157; DhanvNi. 125. 14; RājNi. 125. 20; AṣṭāNi. 56; ParyāMu. 6. 22; 22. 66; AnekāSaṁ. 3. 346; 3. 347; AbhidhāCin. 686; 1053; ViśvaPra. 91. 79; DharK. 1597; AnekāK. 478; NānārthaSaṁ. 1. 8; NānārthāSaṁ. ii. 52. 70; AnekāNā.(Dha.) 9; NāmMā. 181; MediK. 89. 26; AnekāTi. 3. 12; MadaPāNi. 32. 36; S'abdaRa. (Vā.) 222; 4079; ParaNā. 2291; 2637; 2638; BhāvPraNi. 128. 136; 197. 19; AbhidhāMañ. 58. 10; 265. 9; ViśvaLoK. 190. 30; PañcTaPra. 88 (दैपम्); KośaKaTa. 1. 2888; 1. 5448; 2. 6379; KalpaK. 196. 573; 68. 430; (दीपोच्छिष्टम्) S'abdaRaSaK. 190. 2; **3 B** paste अथैतान्यस्थान्येवाञ्जनं पिष्ट्वा पुराणसर्पिषा समुदायुत्य जुह्वा प्रसेकं जुहोति BaudhPiMe. i. 16. 2; अञ्जनं यवक्षारं काककुक्कुटयोः रुधिरेण शिरीषफलसंयुक्तेन कुर्यात् Hastyāyur. 65. 17 (1. 9); **4** a kind of mineral, antimony, vitriol of copper गोपित्तमञ्जने द्वे पिप्पल्यः CaraS. vi. 7. 171 (1941 Ed.); चतुर्भागताम्रं रूप्यरूपं तीक्ष्णत्रपुसीसाञ्जनानामन्यतममाषबीजयुक्तं कारयेत्पणम् ArthS'ā. i. 205. 5 (2. 12); तालकं च शिलवज्रमञ्जनं श्याममेव च MatsyaP. 266. 41; मुक्ताप्रवालाञ्जनगैरिकम् AṣṭāHṛ. i. 10. 32; i. 15. 14; देवदारुनतानंतामधुकाञ्जनगैरिकम्···विकिरेत् श्लक्ष्णचूर्णितम् AṣṭāSaṁ. i. 50. 15 (1. 8); ii. 20. 8 (4. 4); ii. 24. 15 (4. 4); कुम्भेष्विदं न्यसेत्··· कासीसाञ्जनगैरिकम् MṛgendraT. ii. 8. 192; ParaS. 19. 45; SiddhYo. 49. 4; 51. 26; गैरिकं शृङ्गवेरञ्च अञ्जनं बृहतीफलम् ··· एतानि ··· समभागानि कारयेत् AśvaVai. 30. 41; सैन्धवाञ्जनलोहानामेकैको भाग इष्यते Hastyāyur. 637. 4 (4. 14); MānaSā. 12. 42; पारावतशकृच्छुण्ठीकुष्ठोग्राञ्जनरोचनाः । मधुना पेषिता लिप्ता ध्वजे योषिद्वशीकराः ĪśānS'iPa. i. 48. 71; काङ्क्षीतालशिलाञ्जनम् । कङ्कुष्ठं चेत्युपरसाश्चाष्टौ पारदकर्मणि RasRaSa. 3. 1; सुरदारुतिलारिष्टदाडिमाञ्जनकाञ्चनैः । तैलं सुसिद्धम् AnaṅgaRa. 6. 48; रसाञ्जनेऽक्तौ AnekāSaṁ. 3. 347; तुत्थमवृतासङ्गमञ्जनम् AbhidhāCin. 1053; ViśvaPra. 91. 79; DharK. 1598; NānārthāSaṁ. ii. 52. 70; MediK. 89. 26; AnekāTi. 3. 12; ViśvaLoK. 189. 29; KośaKaTa. 2. 6379; S'abdaRāSaK. 190. 2; **5** bending (?) ('thrusting' nt.) [? अञ्चन] पीडनावेष्टनाञ्जनप्रकर्षणाध्यासनेषु पूर्वः साहसदण्डः ArthS'ā. ii. 106. 8 (3. 19); **6 A** manifestation संकर्षणादि भूम्यन्तमञ्जनं विगतं यतः । तदव्यक्तमिति ज्ञेयम् AhirbuS. 4. 71; **6 B** suggestion (poetics) अनेकार्थस्य शब्दस्य वाचकत्वे नियन्त्रिते । संयोगाद्यैरवाच्यार्थधीकृद्व्यापृतिरञ्जनम् KāvyPra. 63. 5; RasGaṅ. 137. 3; Bhāv-Pra. vi. 170. 15; **7** name of a Sāman अञ्जनादञ्जनः साम्नो विजज्ञे चाञ्जनावती BrahmāṇḍP. ii. 7. 343; VāyuP. ii. 8. 221; **8** a stye on the eye मुद्गमात्रासृजा ताम्रा पिटिकाऽञ्जननामिका AṣṭāHṛ. vi. 8. 14; **9** covering of the soul तदावरणं ··· बहुभिर्गीतम् । ··· पशुत्वपशुनीहारमृत्युमूर्च्छामलाञ्जनैः MṛgendraT. i. 7. 7 (comm. on i. 7. 6 अस्यात्मनस्तदावरणमञ्जनं···वक्ष्यमाणैर्नामभिरभिहितम्); **10 A** (fig.) ignorance अञ्जनमविद्या सा च जीवानाम् BrahmSūBh.(Bhā.) 82. 26 (on i. 4. 21); अञ्जनमज्ञानं तदभावान्निरञ्जनः S'aṅkaVi.(Ā.) 29. 4; **10 B** darkness (attachment to illusion) अञ्जनं नाम कालिमा । मायासङ्ग इति यावत् तमोरूपत्वेनावरणधर्मेण सादृश्यम् । ···निर्गतमञ्जनं यस्याः सा निरञ्जना । ···अविद्यासंपर्काभाववतीत्यर्थः LalitāSaBh. 61. 27 (on 94); **10 C** impurity मारदत्तः प्रतिक्षणं शुभाशयामृतप्रवाहप्रविगलन्निखिलाञ्जनः YaśasCam. ii. 265. 17. (but 'night' nt.); लिपिकरेषु चाञ्जनोपार्जनम् YaśasCam. ii. 247. 18; **10 D** stain, blemish, वैगुण्यं कस्य वै नास्ति कस्य नास्ति किलाञ्जनम् PadmP. ii. 33. 27; अञ्जनं कज्जले चाङ्के ViśvaPra. 91. 79; **10 E** fault अञ्जनानि अहंकारस्थानानि जातिलाभादीनि निर्गतानि यस्य स निरञ्जनः PrabhāC. 57. 17; **11** ink लिपिकरेषु चाञ्जनोपार्जनम् YaśasCam. ii. 247. 18; अञ्जनं मसौ AnekāSaṁ. 3. 346; **12** name of a heavenly missile बाणश्चिक्षेप दिव्यास्त्रमञ्जनं नाम नारद BrahmVaiP. iv. 120. 26; **13** form, shape स्वव्यञ्जकं कारणमञ्जनाकारो यस्य स तथोक्तः । स्वकारणाकार इत्यर्थः TattvVai. 17. 13 (on 1. 11); **14** leading to fruition or realisation स्वकारणाकारव्यञ्जकमुद्बोधकं तेनाञ्जनं फलाभिमुखीकरणं यस्येति वेत्यर्थः TattvVai. 17. 14 (on 1. 11); **15** kind of dye? वार्जिता···अञ्जनानां गृहैश्छाया(?) कर्मकारगृहैर्वृता (भूमिः) MānaSā. 4. 13; **16** kind of corn? नीवारमञ्जनं चैव तुवरं च प्रियङ्गुभिः ··· न्यसेत् ĪśānS'iPa. ii. 27. 87; **17** kind of gem (black in colour), jet अञ्जनं कृष्णरत्नविशेषः तन्मयाः सर्वे एवानन्यमयत्वेन सर्वथैवाञ्जनमयाः परमकृष्णा इति भावः SthānT. 232A. 3; AupaT. 45A. 14; JñātāDhaT. 34B. 4; वज्रेन्द्रनीलवैडूर्यपद्मरागाञ्जनादिकम् । ···स रत्नौघमुपार्जयत् PārśvC. 7. 788; **18** flower of the Añjana tree (?) (ब्रह्माण्डपुराणे । सर्वश्राद्धेऽञ्जनं पुष्पं कुसुम्भं राजसर्षपाः ··· वर्जम्) 'अञ्जनं पुष्पं' अञ्जनद्रुमकुसुमम् CaturCin. iii(1). 549. 8; **19** epithet of S'iva Gal. [pw]; Kośas give additional meanings like अञ्जनं ··· अक्तौ AnekāSaṁ. 3. 347; DharK. 1597; MediK. 89. 26; S'abdaRaSaK. 190. 2; अञ्जनं कज्जले याने AnekāTi. 3. 12; ParaNā. 2637; केशीनलिका(?) ApūNā. 50. 4; fire [in Viśva in SabdaKaDru.]; अञ्जन is given as the meaning of; **i** सौवीर, ParyāRaMā. 67. 1611; ParyāMu. 23. 261; AnekāK. 727; MediK. 151. 239; AnekāTi. 3. 278; S'abdaRa.(Vā.) 4371; AbhidhāMañ. 262. 14; **ii** तुत्थ, AnekāSaṁ. 2. 214; ViśvaPra. 75. 5; ViśvaLoK. 163. 8; S'abdaRaSaK. 169. 1; **iii** मेला, AnekāSaṁ. 2. 495; **iv** कापोत ViśvaPra. 66. 117; DharK. 911; AnekāTi. 3. 61; **v** मलीक (i. e. मलिक) NānārthaSaṁ. ii. 167. 1368; as meaning of; **i** the letter *ṅ*. ङं क्लीबमञ्जने NānārthaMa. 345; **ii** the letter *n* नं नेत्रमञ्जनं श्रोत्रम् EkārthaNā. 1. 68.

अञ्जन (añj-ana) *m.* [mas. gender ViṣṇuDhaP. iii. 12. 14] **1 A** name of a mountain **B** name of a mythical elephant **C** name of a tree or plant **D** name of a serpent **E i** name of the son of Kṛti **ii** a Guhyaka **iii** one of the demons of the army of Mahiṣāsura **iv** Hiraṇyakaśipu's sister's son **v** a people in the east **vi** a king of Benares **2** a dog (offspring of Saramā) **3** house-lizard **4** name of a posture in dancing **1 A** name of a mountain अञ्जनस्य क्षयं दृष्ट्वा वल्मीकस्य च सञ्चयम् । अवन्ध्यं दिवसं कुर्याद् दानाध्ययनकर्मसु YājñaS'i. 175; NāraS'i. ii. 8. 20 = Hitopa. 2. 10; अञ्जने पर्वते चैव ये वसन्ति प्लवङ्गमाः Rāmā. iv. 36. 5; i. 6. 22; अञ्जनः कुक्कुटः ··· पश्चिमेन तथा मेरोः MārkP. 55. 10; VāyuP. i. 36. 28; i. 38. 45; वृषध्वजोऽञ्जनश्चैव ··· गिरयो ··· मुखे कूर्मस्य संस्थिताः MarkP. 58. 11; अथ पूर्वस्यां अञ्जनवृषभध्वजपद्मास्यवद्रिरयः BṛSaṁ. 14. 5; तस्मिन्नञ्जनशैलभित्तिविपुले वक्ष[:]स्थले EI i. 125. 2; i. 127. 16; मेरुपुत्रोऽञ्जनो नाम ··· एते शैलवराः सर्वे त्वदाधारा वसुंधरे SkandP. ii(1). 1. 38; KūrmaP. 393. 4 (1. 45); VarāP. 80 (355. 1); कुमुदे किन्नरावासस्त्वञ्जने चारणालयः LiṅgaP. i. 50. 12; i. 49. 50; BrahmP. 84. 2; अल्पमित्येव नावज्ञां चरेदन्येषु वै द्विजाः । मधुवल्मीकयोर्वृद्धिं क्षयं दृष्ट्वाञ्जनस्य BhaviP. 34. 1 (i. 12. 54); अञ्जनं च धनं चैव स्तोकस्तोकेन हीयते YuktiKa. 6. 4; प्रभूतोऽपि संचितोऽर्थः प्रवेच्यमानोऽञ्जनमिव क्षीयते Pañcā. 3. 10; EI. ii. 443. 25; SūktiRa. 163. 2 = S'ārṅgaPa. 650 = Subhāṣi. 2684; कल्पान्ते मन्दराग्रेऽञ्जन इव समरे मुद्गरः कुम्भकर्णे MahāN. 9. 36; अञ्जनो दिग्गजः शैलः DharK. 1598; NānārthSaṁ. 1. 8; AnekāTi. 3. 13; ParaNā. 2637; Viśva-LoK. 190. 30; KośaKaTa. 2. 6397; **1 B** name of one of the mythical elephants standing in the quarters (born in the family of Supratīka) वामनः कुमुदोऽञ्जनः । प्रसूताः सुप्रतीकस्य वंशे वारणसत्तमाः MahāBhā. v. 97. 15; दिङ्नागाः ··· अञ्जनो वामनश्चैव महापद्मश्च सुप्रभः MahāBhā. vi. 60. 51; (progenitor of a family) ये त्वेते सुमहानागा अञ्जनस्य कुलोद्भवाः MahāBhā. vii. 87. 33; vii. 97. 24; उत्ततार जलात्तस्मादिङ्नातोयादिवाञ्जनः Rāmā. vii. 32. 37; vii. 5. 5; (son of Bala) औपवाह्यश्च वै बलः । तस्य पुत्रोऽञ्जनश्चैव सुप्रतीकोऽथ वामनः VāyuP. ii. 8. 207; ii. 8. 232; BrahmāṇḍP. ii. 7. 328; (son of Irāvatī) इरावत्यास्तथा जाताश्चत्वारो लोकसंमताः । ··· अञ्जनो वामनस्तथा BrahmāṇḍP. ii. 7. 292; ii. 7. 327; (born of añjana Sāman) अञ्जनादञ्जनः साम्नो विजज्ञे BrahmāṇḍP. ii. 7. 343; ii. 7. 339; (ridden by Indra) इन्द्रस्य वाह्याश्च गजाः कुमुदाञ्जनवामनाः MatsyaP. 133. 10; AvantiKa. 203. 16; S'āraTi.

8. 97; NalaCam. 6. 59; AgniP. 268. 14; 290. 4; 219. 46; (ridden by Vāyu) VisṇuDhaP. i. 251. 11; ii. 22. 99; NīlaP. 785; SkandP. i(2). 39. 28; ii(9). 14. 18; BhaviP. 870B. 3 (iv. 180. 29); Hastyāyur. 436. 16 (3. 8); YuktiKa. 198. 12; ParaśuKaSū. 221. 15 (7. 32); ĪśānS'iPa. i. 16. 56; i. 18. 7; TantrSā. 119. 21–22; BṛBrahmaS. i. 10. 35; NityoNi. 142. 4; ऐरावतः पुण्डरीको वामनः कुमुदोऽञ्जनः ।…दिग्गजाः AmaK. 151; AnekāSa. 152; AbhidhāRaMā. 1. 104; Vaija. 17. 8; AnekāSaṁ. 3. 347; AbhidhāCin. 170; ViśvaPra. 91. 79; DharK. 1598; AnekāK. 478; NānārthSaṁ. 1. 8; NānārthāSaṁ. ii. 52. 70; AnekāNā.(Dha.) 9; MediK. 89. 27; AnekāTi. 3. 13; S'abdaRa.(Vā.) 311; 4070; ParaNā. 414; 2637; ViśvaLoK. 189. 29; KośaKaTa. 1. 634; 2. 6379; KalpaK. 375. 51; S'abdaRaSaK. 190. 3; **1 C** *m.* (*n.*) name of a tree or plant (fragrant) वासाकषायोत्पलमृत्प्रियङ्गुरोध्राञ्जनाम्भोरुहकेसराणि । पीत्वा HāriS. iii. 10. 23; दृष्टवान् पर्वताग्रेषु … अञ्जनाशोकवर्णाश्च बहवश्चित्रका द्रुमाः MatsyaP. 161. 59; 118. 12; न्यस्य क्रमेण पूर्वादि चन्दनं रक्तचन्दनम् । अगरुं चाञ्जनं चापि उशीरं च ततः परम् MatsyaP. 266. 13; अञ्जनमुस्तोशीरैः … कतकफलसमायुक्तैर्योगः कूपे प्रदातव्यः BṛSaṁ. 54. 121; S'ārṅgaPa. 2173; एलात्वक्पत्राञ्जनमधुमरिचैः … गन्धाम्भः कर्तव्यम् BṛSaṁ. 77. 32; 54. 50; 79. 2; चन्दनार्जुनशिरीषमधूका देवदारुसरलाञ्जनशालाः … शीताः शिवाश्च द्विपबन्धनार्थमेतत् द्रुमाः पुष्टिकरा द्विपानाम् YogYā. 10. 28; AṣṭāSaṁ. i. 48. 12 (1. 8); ParaS. 9. 3; शोभाञ्जनैरञ्जनैश्च (शोभितं पर्वतस्य प्रदेशम्) VisṇuDhaP. i. 151. 12; श्रेष्ठम् (चापम्) … ककुभस्याञ्जनस्य च VisṇuDhaP. ii. 16. 12; सर्जार्जुनाञ्जनैर्बीजैर्व्यजनैर्वीज्यमानवत् SkandP. iv. 1. 26 (comm. अञ्जनः शिग्रुः । शिग्रुः शोभाञ्जनोऽञ्जन इत्युत्पलिनी); खदिरोऽथाञ्जनस्तथा । … श्रेष्ठाः स्युः प्रतिमाद्रुमाः BhaviP. 194A. 29 (i. 131. 10); अञ्जनं तगरोशीरं प्रियङ्गुं चैव योगवित् … समाहरेत् Hastyāyur. 708. 5 (4. 36); खदिराञ्जनवंशादि … दारु हस्तप्रकल्पने SamarāSū. 9. 11; अञ्जनः … कील कर्मणि । पुन्नामानो द्रुमाः शस्ताः SamarāSū. 37. 2; 16. 16; काश्मीरामयरोचनाञ्जनमदैः पाद्मं रजः पद्मकम् … सर्वं समं चूर्णितम् ĪśānS'iPa. i. 48. 91; i. 46. 133; अञ्जनं पद्मकोशश्च Mānaso. iii. 13. 1552; iv. 3. 462; सः (रथकारः) … अरण्ये महाञ्जनस्तम्भाञ्छिनत्ति Pañcā. 81. 3; (पार्वतीकाननम्) अञ्जनैः…विराजितम् PañcaRā.(Nā.) i. 7. 24; महाटवी … अभिगम्या च हिन्तालसरलाञ्जनचन्दनैः PārśvC. 1. 383; 7. 64; 'अञ्जनं पुष्पं' अञ्जनद्रुमकुसुमम् CaturCin. iii(1). 549. 10; S'ārṅgaPa. 2199; VīraMi.(Lakṣaṇa.) 256. 23; अञ्जनः…वृक्षविशेषेऽपि AbhidhāRaMā. 5. 26; **1 D** name of a serpent (born of Kadrū) सकर्णीरश्च जम्भश्च अञ्जनो वामनस्तथा (काद्रवेयाः) VāyuP. ii. 8. 66; SkandP. vi. 114. 34; VisṇuDhaP. ii. 22. 92; **1 E i** name of the son of Kṛti कृतेरञ्जनः तत्पुत्रः कुरुजित् VisṇuP. iv. 5. 31; **1 E ii** name of a Guhyaka अथापश्यत्समायान्तमञ्जनं गुह्यकोत्तमम् VāmaP. 64. 14; 63. 80; **1 E iii** one of the demons in the army of Mahiṣāsura तत्राञ्जनो नीलकुक्षिः…दैत्याष्टौ वसून् दुद्रुवुराहवे VarāP. 94. 5; PadmP. v. 30. 82; **1 E iv** name of Hiraṇyakaśipu's sister's son हिरण्यकशिपोः … भागिनेयाः…अञ्जनस्तथा PadmP. v. 6. 60; **1 E v** [pl.] a people in the east श्रोतुं जनानिहेच्छामि सागरद्वीपवासिनः ।… वृषध्वजाञ्जनाः पन्नाः…पूर्वस्यां कोशलास्तथा VisṇuDhaP. i. 9. 3; **1 E vi** name of a king of Benares [DBHS]; **2** a dog (offspring of Saramā) दुल्लोलकं ललोहं च सरमा द्वौ व्यजायत ।… अञ्जनस्तथा । कृष्णधूम्रारुणाश्चैव दुल्लोलस्याष्ट कद्रुकाः BrahmāṇḍP. ii. 7. 442; **3** house-lizard अमलामलाञ्जनयुता पीता शीताम्बुना हरति । गर्भमृतौ RatiRaha. 15. 60 (comm. अञ्जनः गृहगोधिका); अञ्जनम् … पुंसि ज्येष्ठादिग्गजयोः MediK. 89. 27; **4** name of a posture of the hand in dancing अञ्जनश्चन्द्रकान्तश्च जयन्तश्चेति नामभिः ललितं वक्षसः क्षेत्रे कपोतं कर्णदेशगम् । संदंशविधिनैवं स्यादञ्जनो नाम हस्तकः NṛtyaK. i. 1. 774–775; Kośas give additional meanings like a part of the sacrificial post, fourth *aratni* from the bottom Vaija. 91. 107; NānārthāSaṁ. ii. 65. 209; name of a monkey-chief अञ्जनम् … ना तु दिग्गजे कपिपुंगवे S'abdaRa.(Vā.) 4070; name of S'iva कपिशोऽञ्जनः KalpaK. 390. 96; अञ्जन is given as meaning of the letter न (*m.*), नः … दन्तुरो नारदोऽञ्जनः Tantrābhi. ii. 17. 3; *adj.* (material) used for anointing त्रिषु त्वञ्जनसाधने NānārthāSaṁ. ii. 52. 70; dirty (?) अञ्जनम्…मालिन्ये वाच्यलिङ्गकम् S'abdaRa.(Vā.) 4070.

अञ्जन (añjana) *adj.* [used for अरञ्जन] not nasalised, without having a nasal timbre पूषा मित्रो वसुश्चैव अञ्जनाश्च प्रकीर्तिताः PārāS'i. 156; पूषा मित्रो वसुश्चैव अञ्जनाः परिकीर्तिताः AmoghS'i. 42.

अञ्जनक (añjana-ka) *n.* **1** name of a family of elephants यदेतत्कुञ्जरानीकं साहस्रमनुपश्यसि । कुलमञ्जनकं नाम MahāBhā. vii. 87. 16; **2** name of a medicinal plant अञ्जनकमधुकपुष्पैरुशीराम्रसारैः … पित्तमायाति शान्तिम् KalyāKā. 10. 20; अञ्जनको वनस्पतिविशेषः AupaSūṬ. 19. 6; अञ्जनको वनस्पतिः JñātāDhaṬ. 6B. 1; **3** collyrium, black salve for the eye अञ्जनकं जनरञ्जनकं च दृक् च न नश्यति वर्षशतं च SiddhYo. 61. 162; अलिकुलगञ्जनमञ्जनकं रतिनायकसायकमोचने । उज्ज्वलय प्रिय लोचने GītGo. xii. 24. 2; न्यसतु रसं समनोह्वं हरितालाञ्जनकमाक्षिकश्यामम् TantrSa. 1. 110; *adj.* possessing collyrium अञ्जनक इत्यपि शकटाङ्गजः GaṇRa. 7. 403 (427); 7. 436 (460); cf. P. v. 2. 62 (text) containing the word *añjana* GaṇPā. 80. 10.

अञ्जनकप्रयोग (añjanaka-prayoga) *m.* application of (magical) ointment तदेते मानुषिण्यौ अञ्जनकप्रयोगात्करभ्यौ संजाते KathāK. 94. 25.

अञ्जनकरण (añjana-karaṇa) *n.* instrument or means of anointing उत्तरपदे चाञ्जनश्रवणादञ्जनकरणम् TantrRa. 118. 14.

अञ्जनकरा (añjana-karā) *adj.* (*f.*) with collyrium in the hand काचिद्धस्ते शलाकां च धृत्वाञ्जनकरा … संद्रष्टुं ययौ शैलसुतावरम् S'ivaP. ii(3). 45. 31 (179A. 6)

अञ्जनकर्मक (añjana-karmaka) *adj.* having *añjana* (collyrium) as the (grammatical) object लेपनमुत्प्रेक्ष्यते, नभःकर्तृकमञ्जनकर्मकं वर्षणं च RasGaṅ. 391. 4.

अञ्जनकर्मत्व (añjanakarma-tva) *n.* the state of being the object of anointing अञ्जनकर्मत्वमात्रं शर्कराणां प्रतीयते MayūMāli. 91. 1 (*on* i. 4. 19)

अञ्जनकर्षित (añjana-karṣita) *adj.* weakened by the use of (strong) ointment रात्रिः…चक्षुः पुष्यत्यञ्जनकर्षितम् SiddhYo. 61. 133.

अञ्जनकल्पना (añjana-kalpanā) *f.* application of collyrium तदीया रम्या बभौ चूचुकरत्नकान्तिः तद्गर्भसंदर्शनलोलुपानामन्तर्दृशामञ्जनकल्पनेव Yādavā. 2. 13 (comm. अञ्जनरञ्जनमिव बभौ)

अञ्जनकार्य (añjana-kārya) *n.* purpose of smearing अवधृते चाञ्जनकार्येऽर्थादुत्पत्तिर्भविष्यति ṬupṬ. 20. 12 (*on* iv. 2. 3)

अञ्जनकाल (añjana-kāla) *m.* time of anointing (the *yūpa*) अञ्जनकालोऽस्योपादानात् S'āstrDī. 820. 11 (*on* xi. 3. 5); MayūMāli. 820. 14 (*on* xi. 3. 5)

अञ्जनकालिमन् (añjana-kāliman) *m.* blackness of collyrium किं भाति सम्यगधरेऽञ्जनकालिमायम् … विरचितः S'ṛṅgāMañ.(A.) 14. 22.

अञ्जनकाली (añjana-kālī) *adj.* (*f.*) dark like collyrium द्यौरञ्जनकालीभिर्जलदालीभिः … वव्रे RasGaṅ. 382. 10.

अञ्जनकालीनत्व (añjanakālīna-tva) *n.* the state of belonging to the time of anointing 'स्वरुणा स्वधितिना वा पशुमनक्ति' इत्यञ्जनकालीनत्वावगमादञ्जनवच्छेदः NyāyMāVi. 643. 14 (*on* xi. 3. 5)

अञ्जनकालोपात्त (añjanakālopātta) *adj.* acquired at the time of anointing यूपस्यैकतयानेकप्रथमशकलासंभवादञ्जनकालोपात्तस्यापि तन्त्रत्वमेव स्वीकार्यम् MayūMāli. 820. 20 (*on* xi. 3. 5)

अञ्जनकालोपादान (añjanakālopādāna) *n.* acquisition at the time of anointing अञ्जनकालोपादानमभ्युपेत्य तन्त्रत्वमुक्तमिदानीम् MayūMāli. 820. 21 (*on* xi. 3. 5)

अञ्जनकी (añjanakī) *f.* name of a medicinal plant (a kind of Indigo ?) श्यामागिरिह्वाञ्जनकीरसेषु…घृतं पिबेत् SuśruS. iv. 18. 34.

अञ्जनकुलोद्भूत (añjanakulodbhūta) *adj.* sprung from the Añjana family (of elephants) कुमुदाञ्जनकुलोद्भूतैरञ्जनादपि निर्वृतैः … द्विपैः Rāmā. i. 244*(1); i. 248*(41)

अञ्जनकूटाभ (añjanakūṭābha) *adj.* resembling a peak of Añjana mountain (हरयः) केचिदञ्जनकूटाभाः … दीर्घबा(? वा)लास्तथापरे AdhyāRā. iv. 6. 9.

अञ्जनकेतन (añjana-ketana) *m.* lamp जटाज्वालो गृहमणिर्द्योतनोऽञ्जनकेतनः KośaKaTa. 1. 5450.

अञ्जनकेश (añjana-keśa) *adj.* (horse) whose hair (or mane) is as black as pigment, [pw, MW] cf. **अञ्जनकेशी**.

अञ्जनकेशक (añjana-keśaka) *adj.* (horse) whose hair (or mane only) is as black as pigment कृष्णैः केशैरन्यवर्णस्तुरगोऽञ्जनकेशकः KośaKaTa. 1. 6058.

अञ्जनकेशिका (añjanakeśikā) *f.* name of a plant (*nīlikā* or *nīlī*) धमन्यञ्जनकेशिका KośaKaTa. 1. 3875; 1. 4032; AbhidhāMañ. 234. 7.

अञ्जनकेशी (añjana-keśī) *adj.* (*f.*) (mule) having hair (or mane) as black as collyrium ददौ कृष्णः … अश्वतरीणाम् … शतान्यञ्जनकेशीनां श्वेतानां पञ्च पञ्च च MahāBhā. i. 213. 43; viii. 306*(2)

अञ्जनकेशी (añjanakeśī) *f.* **1** name of a medicinal plant (*nalī* or *haṭṭavilāsinī*) धमन्यञ्जनकेशी च AmaK. 908; Vaija. 131. 101; NighS'e. 250. 1926; सा ख्यातेऽञ्जनकेशीति स्त्रियां हट्टविलासिनी । भैषज्यभेदे … सा स्मृता NānārthāSaṁ. iii. 104. 1; धमन्यञ्जनकेशी च … सुषिरा नली BhāvPra.(Bhā.) 6(3). 129; BhāvPraNi. 44. 29; **2** name of a vegetable perfume [pw, MW]

अञ्जनकोश (añjana-kośa) *m.* receptacle of collyrium चित्तिरा उपबर्हणमित्यञ्जनकोशमादत्ते KauśiGS. i. 8. 4.

अञ्जनकोशी (añjanakośī) *f.* a kind of plant (*nilinī*) नीलिनी ··· स्थिरङ्गाञ्जनकोशी राजनीलपरा पुनः KalpaK. 303. 482; cf. **अञ्जनकेशी.**

अञ्जनक्रिया (añjana-kriyā) *f.* A application of collyrium (to the eye) यः कुर्यात्परिषेकाञ्जनादिकम् । नस्याञ्जनक्रियां वैद्यः स श्रो(स्रो)तोऽन्धं निवर्तयेत् Hastāyur. 147. 6 (1. 18); B act of anointing (of gravel) उपक्रमेऽञ्जनक्रियाक्षिप्तद्रवद्रव्यसामान्यनिश्चयात् UpaParā. 7. 10; अञ्जनक्रियैव तत्साधनत्वेन स्नेहद्रव्यसामान्यमाक्षिप्यत इति भावः MayūMāli. 91. 3 (*on* i. 4. 19); 92. 1 (*on* i. 4. 19)

अञ्जनक्लेद (añjana-kleda) *m.* wetness (on account of applying) collyrium तदञ्जनक्लेदसमाकुलाक्षम्···वधूमुखं बभूव RaghuVa. 7. 21.

अञ्जनक्षय (añjana-kṣaya) *m.* being exhausted or used up like collyrium अवर्धमानश्चार्थः कालेन स्वल्पव्ययोऽप्यञ्जनक्षयमेति Hitopa. 2. 8(3)

अञ्जनक्षितीन्द्र (añjana-kṣitīndra) *m.* mountain called Añjana यत्र ···अपर इवाञ्जनक्षितीन्द्रः शेते स स्वपनरतः स कुम्भकर्णः Rāgh. 18. 48.

अञ्जनक्षोद (añjana-kṣoda) *m.* powder of collyrium त्रिशिखमुखविभेदादञ्जनक्षोदपुञ्जच्छविरवनिमुद्धद् व्योमसीम्न्यर्थमानः HarVi. 50. 87; सौवर्णमञ्जनक्षोदभाजनं पुंमृगाकृति···भवेत् VīraMi. (Lakṣaṇa.) 656. 23.

अञ्जनक्ष्माधर (añjana-kṣmādhara) *m.* the mountain Añjana ते प्रकृतिमेचका बसुः नूतनाम्बुधरराञ्जिताञ्जनक्ष्माधरभ्रमविधानबन्धवः S'rīKaC. 22. 17.

अञ्जनक्ष्मापति (añjana-kṣmāpati) *m.* the mountain Añjana पार्श्वेऽप्यत्राञ्जनक्ष्मापतिरिव शनकैः सञ्चरिष्णुः कनीयान् रक्षोनाथः MahāvīC. App. A (283. 8)

अञ्जनखण्डाभा (añjanakhaṇḍābhā) *adj.* (*f.*) resembling a mass of collyrium (शबरीमापतुः) क्षामामञ्जनपिण्डाभां (v. l. अञ्जनखण्डाभां) दण्डिनीमजिनास्तराम् Bhaṭṭi. 6. 61.

अञ्जनगिरि (añjana-giri) *m.* i name of a mountain ईन्द्रं वै वृत्रं जघ्निवांसं रक्षांस्यसचन्त । तान्यञ्जनगिरिणान्तरधत्त KāṭhS. 23. 1; KapiKaS. 35. 7; अञ्जनगिरिः CāndraVyā. v. 2. 132; अञ्जनगिरिमलामलिनाभिः कुञ्जरघटाभिरन्धकारितदिङ्मुखतया जलधरदिवसायमानं राजद्वारमासाद्य तुरंगमादवततार Kād. 86. 16; एष खलु···अञ्जनगिरिरिव ण(? न)लगिरी(रिः) दृश्यते TāpaVa. 5. 27. (8); शिलाकलापो लुठितः किमञ्जनगिरेरयम् KathāSaSāg. xii. 35. 77; अञ्जनस्य गिरिः । अञ्जनगिरिः GaṇRa. 2. 143 (179); शाश्वतान्यर्हच्चैत्यानि सन्त्यञ्जनगिरिष्विव TrisaS'aPuC. ii. 3. 729; TīrthaKa. 48. 31; अञ्जनगिरिं कृष्णवर्णपर्वतविशेषम्···उद्दिरत् JñātāDhaṬ. 138A. 9; ii name of an elephant मदभावस्थो ह्यञ्जनगिरिः Avimā. 1. 1(14); सत्कुञ्जरोऽञ्जनगिरिर्जयवर्धनस्य मत्तद्विपो रणभटस्य च कालमेघः KathāSaSāg. xviii. 2. 276.

अञ्जनगिरिगुहा (añjanagiri-guhā) *f.* cave of the mountain Añjana तरुणतमालकाननमिवाञ्जनगिरिगुहागर्भमिव ··· विशति सकलजीवलोके स लोकश्रेष्ठः NalaCam. 2. 30 (48)

अञ्जनगिरिच्छाय (añjanagiri-cchāya) *adj.* of the shade or colour of the mountain Añjana अथाञ्जनगिरिच्छायः प्रगलद्दाननिर्भरः । आजगाम गजस्तासां स्त्रीणामभिमुखो बलात् PadmP.(Ra.) 8. 324.

अञ्जनगिरिशिखर (añjanagiri-śikhara) *m. n.* peak of the mountain Añjana नश्यन्ति ··· अञ्जनगिरिशिखरेष्विव निशासु चन्द्रांशवः पतिताः Tantrākhyā. 30. 4 = PañcT. 1. 101 (105. 8) = Pañcā. 60. 17.

अञ्जनगिरिशिला (añjanagiri-śilā) *f.* rock from the mountain Añjana अञ्जनगिरिशिलास्तम्भैरिवोपजातहस्तपादैः ···निषादाधिपैः संरक्षितानि TilaMañ. 134. 15.

अञ्जनगिरीश्वर (añjanagirīśvara) *m.* lord of the mountain Añjana विद्याधराणामधिपः ···षष्ठश्च धूर्तवहनो नाम्नाञ्जनगिरीश्वरः KathāSaSāg. viii. 5. 53.

अञ्जनग्रहण (añjana-grahaṇa) *n.* mention of collyrium अञ्जनग्रहणं स्वलङ्कारलक्षणार्थम् BālaKrī. i. 48. 12 (*on* 1. 32)

अञ्जनघनश्यामा (añjanaghana-śyāmā) *adj.* (*f.*) dark like a solid mass of collyrium दृष्ट्वा कुन्तलराजिमञ्जनघनश्यामां किमुत्ताम्यसि S'ṛṅgāVaiTa. 38.

अञ्जनचयप्रख्य (añjanacaya-prakhya) *adj.* appearing like a mass of collyrium तमञ्जनचयप्रख्यं द्रौणिर्दृष्ट्वा महीधरम् । ···न चुक्षुभे MahāBhā. vii. 131. 69; vii. 150. 68.

अञ्जनचूर्ण (añjana-cūrṇa) *n.* powder of antimony निमेषादपि कौन्तेय यस्यायुरपचीयते । सूच्येवाञ्जनचूर्णस्य MahāBhā. iii. 36. 3; मेघावलीमञ्जनचूर्णवर्णां संपश्यामः MahāBhā. vii. 154. 24; सूक्ष्मेनाञ्जनचूर्णेन नभः कृत्स्नमिवाञ्जितम् Rāmā. i. 796*(1); अञ्जनचूर्णवर्णाः ··· कृष्णाः (जलायुकाः) SuśruS. i. 13. 11; ViṣṇuP. v. 9. 5; BṛSaṁ. 30. 15; AṣṭāSaṁ i. 177. 14 (1. 36); LiṅgaP. i. 92. 30; अञ्जनचूर्णपूर्णसमुद्गकन्यायेन सर्वलोक एवेति TattvPradī.(A.) 193. 2 (*on* 2. 44); SaraKaṇṭhā. 154. 6; KumāCaSaṁ. 83. 27.

अञ्जनचोर (añjana-cora) *m.* name of a thief (because of possessing a magic salve to become invisible and visible) अदृश्याञ्जनावर्जितोर्जितप्रज्ञः प्रतीताञ्जनचोरापरसंज्ञः YaśasCam. ii. 289. 26.

अञ्जनचौर (añjana-caura) *m.* name of a thief cf. **अञ्जनचोर,** संपत्त्यासत्रशिवाचारोऽञ्जनचौरः YaśasCam. ii. 290. 19.

अञ्जनच्छवि (añjana-cchavi) *adj.* having the hue or colour of collyrium अञ्जनच्छविभिर्घनयन् हृदयान्धकारमम्भोधरैः (विवेश अम्भोमुचां कालः) UdaySuKa. 103. 10.

अञ्जनच्छाय (añjana-cchāya) *adj.* possessing (dark) colour of collyrium or antimony संक्रान्तयाञ्जनच्छायदेहप्रतिमयाथ सः । प्रविशन्स्फटिकागारानैन्द्रनीलानिवाकरोत् HarVi. 32. 28; UdaySuKa. 20. 11.

अञ्जनजुष् (añjana-juṣ) *adj.* containing collyrium व्यलीके पार्वत्याः परिलुलवैरञ्जनजुषः । पतद्भिर्वाष्पस्य क्रमलिखितलक्ष्मा विजयते । लसल्लीलाचन्द्रश्शरणगतमौलेः स्मरजितः SaduktiKa. 9. 30 = SūktiMu. 1. 18.

अञ्जनडब्बडक (añjana-ḍabbaḍaka) *m.* vessel of collyrium सुमित्रेणाप्यञ्जनडब्बडकौ गृहीतौ । ते स्त्रियौ मानुष्यौ कृत्वा···पुनरपि करभ्यौ कृतौ KathāK. 98. 24.

अञ्जनतन्तु (añjana-tantu) *m.* a line (*lit.* thread) of collyrium हरति हृदयं शलाकानिहितोऽञ्जनतन्तुरेष सखि मुग्धे ĀryāSaS'a. 687.

अञ्जनतस् (añjana-tas) *adv.* by application, by anointing कर्पूरजं रजः क्षिप्रमञ्जनतो हन्ति शुक्रम् SiddhYo. 61. 97.

अञ्जनतस्कर (añjana-taskara) *m.* name of a thief cf. **अञ्जनचोर,** अन्तरिक्षगतिं प्राप निःशङ्कोऽञ्जनतस्करः YaśasCam. ii. 291. 5.

अञ्जनता (añjana-tā) *f.* the state of being collyrium मिथ्यावचनदक्षश्च धृष्टोऽयं खलु कथ्यते । यथा ··· धियं धत्से चित्रं बत मृगमदेऽप्यञ्जनतया UjjvaNī. 40. 1.

अञ्जनत्रय (añjana-traya) *n.* three types of collyrium कालाञ्जनसमायुक्ते पुष्पाञ्जनरसाञ्जने । अञ्जनत्रितयं प्राहुस्त्र्यञ्जनं चाञ्जनत्रयम् RājNi. 419. 20.

अञ्जनत्रितय (añjana-tritaya) *n.* three types of collyrium, RājNi. 419. 19.

अञ्जनत्वच् (añjana-tvac) *f.* bark of the Añjana tree लोध्राङ्कोलाञ्जनत्वचः ĪśānS'iPa. i. 45. 121.

अञ्जनत्विष् (añjana-tviṣ) *adj.* of complexion like that of collyrium विसृज्यमानं तमसा नभस्तलं जहाति निर्मोकमिवाञ्जनत्विषा JānaHa. 3. 68; राजा ···अञ्जनत्विषा निजशरीरच्छायापुरुषेण ··· अनुगम्यमानं विद्याधरमुनिमपश्यत् TilaMañ. 24. 9; BhāgP. viii. 22. 13.

अञ्जनदर्शन (añjana-darśana) *n.* (extraordinary) vision acquired through (magical) ointment निधिनिक्षेपाञ्जनदर्शनमोहनस्तम्भनवश्यवादिस्तम्भनादिविद्याविशेषैः S'aṅkaVi.(Ā.) 224. 8.

अञ्जनदान (añjana-dāna) *n.* offering of ointment or collyrium अथवा 'अञ्जस्व' इति अञ्जनदानम् VīraMi. (Saṁskāra.) 942. 14; यद्यप्यन्यस्मृतावञ्जनदानमादावुक्तम् BālamBha. i. 530. 14 (*on* 1. 242)

अञ्जनदिग्ध (añjana-digdha) *adj.* mixed with collyrium पाणौ ··· कपोलस्थलं विन्यस्याञ्जनदिग्धलोचनजलैः किं म्लानिमानीयते SubhāRaK. 21. 17 = SaduktiKa. 101. 8.

अञ्जनदूषिका (añjana-dūṣikā) *f.* a disease of the eye lid तथैवाञ्जनदूषिका । ··· एकविंशतिरित्येते विकारा वर्त्मसंश्रयाः BhāvPra.(Bhā.) 8. 62(? 63). 76.

अञ्जनदृष्टि (añjana-dṛṣṭi) *f.* eyes anointed with (magical) collyrium क्षौशनसमार्गेषु गन्तुमान्ध्यं भजन्त्यहो । दुर्लभे दोषमार्गे तु यावदञ्जनदृष्टिभिः Ḍamaru. 45.

अञ्जनद्युति (añjana-dyuti) *adj.* of the colour of collyrium वसानमेणाजिनमञ्जनद्युति (नारदं ददर्श) S'iśuVa. 1. 6; SkandP. iii(1). 38. 18; *m.* a tree (having the lustre of collyrium) महानीलोऽञ्जनद्युतौ NānārthaMa. 1984.

अञ्जनद्रव्य (añjana-dravya) *n.* A besmearing or anointing substance अञ्जनद्रव्ये घृततैलवसादिमेदेन संदिह्यमाने ··· घृतेनाक्ताः शर्करा उपधेयाः NyāyMañ. i. 260. 31; DaṇḍaVi. 203. 11; B collyrium तुदति तुत्थमञ्जनद्रव्यम् Prasā. ii. 625. 20.

अञ्जनद्रुमकुसुम (añjanadruma-kusuma) *n.* flower of the Añjana-tree अञ्जनपुष्पम् अञ्जनद्रुमकुसुमम् VīraMi. (S'rāddha.) 40. 21.

अञ्जनद्विरद (añjana-dvirada) *m.* name of one of the mythological

elephants guarding the quarters एषोऽञ्जनद्विरदम् ... आरुह्य संयुगरसान्मरुद्भ्युपेतः HarVi. 39. 18.

अञ्जनध्वज (añjana-dhvaja) *m.* lamp (*lit.* with soot as the banner) दशेन्धनः प्रदीपोऽपि दशाकर्षाञ्जनध्वजौ ParaNā. 2292.

अञ्जननाडिका (añjana-nāḍikā) *f.* tube for collyrium वर्तिशलाकया अञ्जननाडिकावर्तिकया न्यूनादीनां पूरणम् AbhinBhā. ii. 52. 15 (*on* 9. 113)

अञ्जननामिका (añjana-nāmikā) *f.* (a pustule on the eye-lid) called Añjana तथार्शोवर्त्मशुष्कार्शस्तथैवाञ्जननामिका SuśruS. vi. 3. 5; उत्सङ्गपिटिकामञ्जननामिकां च भित्त्वा AṣṭāSaṁ. ii. 223. 8 (6. 12); सदाहताम्रा पिटकातिकोमला। वितेदना साञ्जननामिका भवेत् KalyāKā. 15. 183; RugVi. 59. 82; SiddhYo. 61. 234; वर्त्मगदाः ... लगणोऽञ्जननामिका S'ārṅgaS. i. 7. 156; iii. 11. 49; iii. 13. 37.

अञ्जननिकर (añjana-nikara) *m.* mass of collyrium अञ्जननिकरस्तु दृशोस्तव कुचयोश्च पत्त्रभङ्गकं च वृथा S'ṛṅgāTi.(Ru.) 1. 98.

अञ्जननिभ (añjana-nibha) *adj.* [*f.* -ā] resembling collyrium (i. e. black) नीलोत्पलाञ्जननिभा भयदाः श्वपाक्यः BālC. 2. 2; वपुः संदर्शयामास दिव्यं कृष्णवपुर्हरिः । बलाहकाञ्जननिभम् MatsyaP. 172. 21; VāyuP. ii. 9. 43; तिस्रः सुनीलाञ्जननिभगररेखाः समाभान्ति यस्याम् ... विलसतु कन्धरा वः S'ivaKePāSt. 14; VāmaP. 6. 31; देवोऽथ भैरववपुः किल निर्जगाम । व्यात्ताम्बरोऽञ्जननिभश्च KathāSaSāg. xiv. 2. 182; अथाश्रीयं व्याचक्ष्महे । यदञ्जननिभं क्षिप्तं सद्रह्वौ विकृतिं व्रजेत् RaseCin. 4. 1.

अञ्जननिमित्त (añjana-nimitta) *adj.* resulting from anointing यूपस्य ... अञ्जननिमित्तं तेजस्वित्वम् TantrVā. 325. 18 (*on* i. 4. 22); S'āstrDī. 87. 1 (*on* i. 4. 15)

अञ्जननिष्पन्न (añjana-niṣpanna) *adj.* fashioned of Añjana-wood विश्राणयामासुर्वाजिनोऽलर्कवाजिनः । केचिदञ्जननिष्पन्नान् रथान् देवरथोपमान् TriṣaS'aPuC. i. 4. 278.

अञ्जननील (añjana-nīla) *adj.* **i** black or dark like collyrium अञ्जननीलमावयोः खम् ... उत्पततोः ĀścaCū. 7. 2; अञ्जननीलभासः ... जलदा बभूवुः HarVi. 30. 9; इदमञ्जननीलमाहृतम् (तमः) NavaSāC. 12. 55; **ii** black or dark with or due to collyrium अपवर्गवाञ्छा । यावन्न वक्रगतिरञ्जननीलरोचिरेणीदृशां दशति लोचनदन्दशूकः SubhāRaK. 17. 35.

अञ्जनपङ्क (añjana-paṅka) *m.* collyrium-paste विस्पष्टमेव पुनरञ्जनपङ्कदिग्धपर्यन्तता रुदितमाह तयोः (चक्षुषोः) स तस्याः HarVi. 25. 66.

अञ्जनपत्त्र (añjana-pattra) *n.* leaf of the Añjana-tree योगी ... सर्वत्राञ्जनपत्राभाम् ...त्वचं स्मरन् । शस्त्रैरपि न मासेन हन्तुं शक्यो भविष्यति MāliniT. 15. 30; कर्णलग्नमिन्दीवरं मृदुलमञ्जनपत्त्ररम्यम् Hāsyārṇa. 2. 3.

अञ्जनपत्त्रिका (añjana-pattrikā) *f.* hemp, *Canabis sativa* चित्रकं त्रिफला भृङ्गी हरिद्राञ्जनपत्त्रिका । रसः ... जरावैरूप्यनाशनः RasRaSa. 30. 78; गान्धारी विजया भङ्गी भृङ्गी चाञ्जनपत्त्रिका ṢaḍrasaNi. 21. 17.

अञ्जनपराग (añjana-parāga) *m.* particle of collyrium नेत्रैरिवाञ्जनपरागकणावकीर्णतूलीविनिर्गमनमार्गनिबद्धरेखैः । वातायनैः ... विबभुर्गृहाणि HarVi. 19. 65.

अञ्जनपर्वत (añjana-parvata) *m.* the Añjana mountain सोऽवतीर्य पुनस्तस्थौ रथे हेमपरिष्कृते । महीधर इवात्युच्चः श्रीमानञ्जनपर्वतः MahāBhā. vii. 131. 52; संगताविव राजेन्द्र कैलासाञ्जनपर्वतौ MahāBhā. ix. 353*(1); एहि क्षिपामि धरणीतलमभ्युपेहि वज्राहतस्तट इवाञ्जनपर्वतस्य BālC. 3. 14; न यावदेतावुदपश्यदुत्थितौ जनस्तुषाराञ्जनपर्वताविव S'iśuVa. 1. 15; (गुह्यकः) दुःखशोकसमायुक्तो जगामाञ्जनपर्वतम् VāmaP. 64. 17; किं स्यादञ्जनपर्वतः स्फटिकयोर्द्वन्द्वं दधद्दीर्घयोः NalaCam. 1. 44 = SūktiMu. 109. 9; वपुर्महावराहस्य शुशुभे ... । पतद्भिरिव खद्योतैः प्रांशुतरामञ्जनपर्वतः S'ivaP. vii. 11. 33 (513B. 15); रेजेतरामञ्जनपर्वतस्य लग्नेव तिग्मांशुमयूखमाला NavaSāC. 17. 58; अस्य मध्यप्रदेशे तु क्रमात् पूर्वादिदिक्षु च । अञ्जनवर्णाश्चत्वारस्तिष्ठन्त्यञ्जनपर्वताः TriṣaS'aPuC. ii. 3. 706 = TīrthaKa. 48. 6.

अञ्जनपर्वतशिखर (añjanaparvata-śikhara) *n.* summit of the mountain Añjana महानञ्जनपर्वतशिखराकारः क्रोडः समासादितः PañcT. 2. 28 (221. 3 F. N.)

अञ्जनपर्वताकार (añjanaparvatākāra) *adj.* having the size of the mountain Añjana अरण्यमध्ये कश्चिदञ्जनपर्वताकारो महान् वराहः समागतोऽस्ति SiṁhāDvā. 147. 0 (17)

अञ्जनपर्वन् (añjana-parvan) *m.* name of the son of Ghaṭotkaca पौत्रेण भीमसेनस्य शरैः सोऽञ्जनपर्वणा । बभौ मेघेन धाराभिर्गिरिमेरुरिवार्दितः MahāBhā. vii. 131. 45; ध्वजमेकेन बाणेन चिच्छेदाञ्जनपर्वणः MahāBhā. vii. 131. 46.

अञ्जनपिण्डाभा (añjanapiṇḍābhā) *adj.* (*f.*) resembling a lump or mass of collyrium (दाशरथी शबरीमापतुर्वने) क्षामाञ्जनपिण्डाभां दण्डिनीम् Bhaṭṭi. 6. 61.

अञ्जनपुञ्ज (añjana-puñja) *m.* heap or mass of collyrium भित्त्वा शनैस्तिमिरमञ्जनपुञ्जनीलमानञ्जुरिन्दुकिरणा जगदञ्जनात् HarVi. 20. 52; शार्वरं तमोऽञ्जनपुञ्ज इव श्याममिति ज्ञानमञ्जन्ततेजोऽभावे सति NyāyKa. 179. 16; आदावञ्जनपुञ्जलिप्तवपुषाम् ... दृशाम् ।...चेतोभुवो भल्लीनामिव पानकर्म कुरुते कामं कुरङ्गेक्षणा KāvyPra. 321. 1; कालिन्द्याः ... जले मग्नस्याञ्जनपुञ्जसंचयनिभस्याहेः कुतोऽन्वेषणा SubhāRaK. 40. 1; Pañcā. 75. 2; (क्षेत्रपालः) पायादञ्जनपुञ्जकुञ्जरघटानीलाञ्जनाम्भोदवत् ĪśānS'iPa. i. 32. 52; अद्रिष्वञ्जनपुञ्जकान्ति ... उद्गच्छति ... तमः SaduktiKa. 164. 11; SāhiDa. 543. 12; (हे भगवन्) कुर्वन्नञ्जनपुञ्जगञ्जनमतिश्यामाङ्गकान्तिश्रिया ... मां हन्त संतर्पय StavMā. 138. 14.

अञ्जनपुञ्जगौरी (añjanapuñja-gaurī) *adj.* (*f.*) fair like a mass of collyrium (i. e. very dark) अञ्जनपुञ्ज(? ञ्ज)गौरी ... कामिनी सा Hāsyārṇa. 1. 43.

अञ्जनपुञ्जतेजस् (añjanapuñja-tejas) *adj.* having the lustre or shine of a mass of collyrium सद्यो विभिन्नाञ्जनपुञ्जतेजसो मुखैर्विषाग्निं विकिरन्त उच्चकैः ।... महाभुजंगमाः ... भृशं ययुः KumāSaṁ. 15. 16.

अञ्जनपुञ्जभास् (añjanapuñja-bhās) *adj.* shining like a mass of collyrium अञ्जनपुञ्जभासः ... गजानसींश्च । व्यापारयन्ति स्म रयेण वीराः ... वैरिवरूथिनीषु NavaSāC. 17. 8.

अञ्जनपुञ्जसंनिभ (añjanapuñja-sannibha) *adj.* resembling a mass of collyrium गिरयोऽञ्जनपुञ्जसंनिभाः ... वृष्टिदाः BṛSaṁ. 28. 6.

अञ्जनपुञ्जाभ (añjanapuñjābha) *adj.* [*f.* -ā] resembling a mass of collyrium क्वचिदञ्जनपुञ्जाभं हिमवन्तमुपागमत् MahāBhā. iii. 107. 12; केचिदञ्जनपुञ्जाभाः केचिच्छ्वेताचलप्रभाः । सप्तमातृगणाश्चैव MahāBhā. ix. 43. 28; इत्युक्त्वाञ्जनपुञ्जाभं विमलं खड्गमाददे MārkP. 2. 22; क्वचिदञ्जनपुञ्जाभः ... सोऽयुतद् रत्नपांसुभिः MahāP. 22. 84; उत्तिष्ठन्ति ... दिविचरा घनाः । केचिदञ्जनपुञ्जाभाः केचिद्राजकुलोपमाः VisṇuDhaP. i. 76. 7; दशकन्यास्ततो दिक्षु आगताश्च महार्णवे । ...काश्चिदञ्जनपुञ्जाभा काश्चिद्रक्तोत्पलप्रभा SkandP. v(3). 8. 15.

अञ्जनपुद्गल (añjana-pudgala) *m.* particle of collyrium परिनिबद्धमिवाञ्जनपुद्गलैः ।... प्रसुवपुः फलिनीद्युति दिद्युते NemiC. 8. 2.

अञ्जनपुर (añjana-pura) *n.* name of a city [pw]

अञ्जनपुलक (añjana-pulaka) *m.* mass of collyrium वैक्रियसमुद्घातो वैक्रियकरणार्थो जीवव्यापारविशेषः ... तत्स्वरूपमेवाह ... विविधपुद्गलानादत्ते...अञ्जनपुलकानाम्...ततो वैक्रियं करोति JñātāDhaṬ. 35A. 1.

अञ्जनपुष्प (añjana-puṣpa) *n.* flower of the Añjana-tree अञ्जनपुष्पम् अञ्जनद्रुमकुसुमम् VīraMi.(S'rāddha.) 40. 21.

अञ्जनपूरण (añjana-pūraṇa) *n.* application of collyrium प्रयोक्तृभ्योऽग्रसंदंशः...। वृन्तात्पुष्पोद्धृतौ वर्तिशलाकाञ्जनपूरणे SaṁgīRa. iv. 50. 9 (7. 178)

अञ्जनप्रख्य (añjana-prakhya) *adj.* [*f.* -ā] (dark) like collyrium प्राकारं तेन कुर्वीत मन्त्रेण मनुवित्तमः । सितरक्ताञ्जनप्रख्यं तारं मूर्धनि विन्यसेत् S'āraTi. 16. 73; शाकिनी त्वञ्जनप्रख्या मार्जारास्या सुशोभना । कुलिशञ्च तथा दण्डं धारयन्ती KulārT. 10. 142; आ नाभेरञ्जनप्रख्यमुदिताकाभमा गलात् । ... स्वैक्यं ध्यायञ्जपेन्मनुम् ĪśānS'iPa. i. 39. 135.

अञ्जनप्रतीति (añjana-pratīti) *f.* knowledge about the (means of) anointing तत्र विधेरुपक्रमस्थत्वात् तेन चाञ्जनसाधनीभूतस्नेहद्रव्यमात्राक्षेपाद्येन केनचिदञ्जनप्रतीतेः MīmāKau. i. 294. 1 (*on* i. 4. 29)

अञ्जनप्रभ (añjana-prabha) *adj.* [*f.* -ā] (dark) like collyrium बाला भूत्वाञ्जनप्रभाः । आविशध्वं हयं क्षिप्रं दासी न स्यामहं यथा MahāBhā. i. 18. 6; कद्रूं कर्कोटकोऽब्रवीत्...आविश्य वाजिनं मुख्यं वालो भूत्वाञ्जनप्रभः । दर्शयिष्यामि तत्राहमात्मानम् MahāBhā. i. 286*(4); xiii. App. I. 1A. 123; स तदा राक्षसो बली । तं नर्मदाहृदम् ... आजगामाञ्जनप्रभः Rāmā. vii. 32. 24; (मन्त्रराट्) ध्यातव्याथ विभवं सर्वं व्योमाख्यं विग्रहाद्बहिः । नानाशब्दसमाकीर्णं नीरूपं चाञ्जनप्रभम् JayāS. 10. 49; PāraS. 3. 170; ब्रह्मा कमलगर्भाभः कालो जात्याञ्जनप्रभः VāyuP. i. 5. 29; केशिनी ह्यञ्जनप्रभा PāraS. 3. 101; KulārT. 4. 55; कर्कोटकः ... कद्रूं वचनमब्रवीत् । अहमुच्चैःश्रवोवालं विधास्याम्यञ्जनप्रभम् SkandP. iii(1). 38. 16; तस्य क्रुत्ति विदार्याशु करिणस्त्वञ्जनप्रभाम् VarāP. 27. 17; सारङ्ग[:] शृङ्गहीनोऽञ्जनप्रभः । जानासि तृषितः कस्मात् GopāKeCan. 136. 25; ध्यात्वा तद्रूपं चाञ्जनप्रभम् ... पूर्णम् BṛBrahmaS. iv. 1. 43; *m. Moringa pterygosperma guertu* [pw]

अञ्जनप्रभृति (añjana-prabhṛti) *adj.* **1** collyrium etc. यथा ... सिकताशर्करागैरिकाञ्जनप्रभृतयः पुरुषार्थक्रियाकारित्वादुपादीयन्ते तथा शरीरसर्गोऽपीति NyāyVār. 443. 3 (*on* iii. 2. 62); **2** the Añjana mountain and the like

उदपद्यन्तैरावतसुप्रतीककुमुदवामनाञ्जनप्रभृतयोऽष्टौ दिग्गजेन्द्राः NalaCam. 6. 59 (7)

अञ्जनप्रयुक्त (añjana–prayukta) *adj.* **1** employed or used with collyrium (धातकीपुष्पचूर्णे) अञ्जनप्रयुक्तेऽश्रुदूषिकोपदेहदाहरागवेदनादृष्टिविभ्रमा भवन्त्यान्ध्यं च AstāSaṁ. i. 47. 19 (1. 8); **2** meant for smearing (of the axle) (i. e. employed in smearing) किं तु संस्कारकमात्रमुपादानम् अञ्जनप्रयुक्तमेव TantrRa. 86. 8.

अञ्जनप्रयोग (añjana–prayoga) *m.* application of collyrium एषोऽञ्जनप्रयोगस्तेन राक्षसेन कृतः KathāK. 98. 9.

अञ्जनप्राथम्य (añjana–prāthamya) *n.* priority of collyrium अञ्जनप्राथम्यमापस्तम्बादिविषयम् NirṇaSi. 323. 10.

अञ्जनबल (añjana–bala) *n.* [Abl.] on the strength of collyrium तदेते मानुषिण्यौ अञ्जनकप्रयोगात् करभ्यौ सञ्जाते।···ततश्चाञ्जनबलादप्रतिमरूपे मानुष्यौ जाते KathāK. 94. 27.

अञ्जनबाष्पबिन्दु (añjana–bāṣpabindu) *m.* tear-drop mixed with collyrium सा पद्मिनी···विससर्ज भृङ्गान्।···स्थूलानिवोढाञ्जनबाष्पबिन्दून् JānaHa. 3. 58.

अञ्जनबिन्दु (añjana–bindu) *m.* dot of collyrium उद्भासते ह्यञ्जनबिन्दुवत्त्वच्छुक्ले वस्त्रे यद्भवेत्किल्बिषं वः MahāBhā. v. 25. 6; अलिभिरञ्जनबिन्दुमनोहरैः ··· अङ्कितः। ··· शोभयति स्म वनस्थलीम् ··· तिलकः RaghuVa. 9. 41 = VyaktiVi. 91. 8 = 105. 14; अलिभिरञ्जनबिन्दुमलीमसैः स्मरबलैरिव कङ्कटितैर्वृते। मरुति···नाभवन् सरति के रतिकेलिरसाकुलाः HarVi. 3. 25.

अञ्जनभक्ति (añjana–bhakti) *f.* decoration of collyrium लग्नद्विरेफाञ्जनभक्तिचित्रं मुखे मधुश्रीस्तिलकं प्रकाश्य KumāSaṁ. 3. 30.

अञ्जनभा (añjana–bhā) *f.* lustre or colour of collyrium तं नेमिं नमः ··· चक्रे यदूनां च यो दक्षामञ्जनभासमानमहसं राजीमतीतापदम् CaturJiStu. 85.

अञ्जनभाजन (añjana–bhājana) *n.* collyrium-container सिद्धेनाञ्जनेन यथोक्तानामेवाञ्जनभाजनद्रव्याणामन्यतमया शलाकया ··· अक्षि दक्षिणमञ्जयेत् AstāSaṁ. i. 52. 6 (1. 8)

अञ्जनभावना (añjana–bhāvanā) *f.* volitional effort in respect of the anointing or smearing साक्षादेवाञ्जनभावनाविशेषणसमर्पकत्वानुपपत्तेः MīmāKau. i. 296. 4 (*on* i. 4. 29); घृतस्य विधेयत्वावगतेः तस्य चाञ्जनभावनासाधनत्वं तद्वाचकपदकल्पनया अवसीयते MīmāKau i. 297. 9 (*on* i. 4. 29)

अञ्जनभूभृत् (añjana–bhūbhṛt) *m.* the mountain Añjana आख्यामञ्जनभूभृतो निजतनुच्छाया ··· त्वर्थयन् कोऽप्यास्ते मणिरिन्दिराकुचतटीशाणोपलोत्तेजितः YātrāPra. 6. 92; तस्य सुवर्णमेखलं कटिस्थलम् ···। व्यडम्बयन्नूतनधातुपट्टिकापरिष्कृतामञ्जनभूभृतस्तटीम् MadhuVi. 3. 8; उपरि ···परिबभौ···अञ्जनभूभृतो विततशारदनीरदमम्बरम् Rāgh. 19. 3.

अञ्जनमञ्जुता (añjana–mañjutā) *f.* beauty or charm (of the eyes) on account of ointment or collyrium पश्योल्लासितसन्तताश्रुसरितामेषां द्विषन्नायिकानेत्रेष्वञ्जनमञ्जुतामलिनतां मार्ष्टुं कियानुद्यमः SūktiMu. 97. 12.

अञ्जनमय (añjana–maya) *adj.* [*f.* –ī] made of or consisting of collyrium कुशद्वीपस्य तु कुमुदः···ककुद्मानिति···वर्षपर्वताः। (हरिता)लमय उन्नतो वराहकोऽञ्जनमयः AvantiKa. 212. 14; त्रियामावामायाः···। तदक्ष्णः सीम्नेयं यदुरसि मनागञ्जनमयी मृगच्छाया दैवादघटि न कलङ्कः पुनरयम् SubhāRaK. 29. 58.

अञ्जनमलीमस (añjana–malīmasa) *adj.* [*f.* –ā] **i** black like collyrium हिमशैलकन्यां कुर्वन्तमञ्जनमलीमसकालकूटकण्ठप्रभाभिरभितः पुनरेव कालीम् HarVi. 2. 14; **ii** darkened due to collyrium (put in the eyes) अञ्जनमलीमसैरश्रुभिर्लिप्तं क्षालयितुमिवात्मानमम्भोधिमनुप्राप्ते प्रतापे UdaySuKa. 7. 23; कृतारिवञ्चने दृष्टिर्येनाञ्जनमलीमसा AuciViCa. 1.

अञ्जनमहाशैल (añjana–mahāśaila) *m.* the great mountain called Añjana (कर्कटी नाम राक्षसी चिन्तयामास) कदा स्यामञ्जनमहाशैलपुत्रकरूपिणी YogVā. iii. 71. 22.

अञ्जनमहीध्र (añjana–mahīdhra) *m.* Añjana mountain स्फटिकसुभगं कैलासमिवाञ्जनमहीध्रमेखलया गाढालिङ्गितम् (प्रासादमद्राक्षीत्) UdaySuKa. 14. 3.

अञ्जनमुख्य (añjana–mukhya) *adj.* **i** the best type of ointment (i. e. sulphate of Antimony) मेचकमञ्जनमुख्यम् AbhidhāMañ. 58. 12; **ii** (the supernatural power) headed by (the one obtained by) a magical ointment घुटिकांशुकखड्गपादुकारसलेपाञ्जनमुख्यसिद्धयः। तमनुस्मरतां शरीरिणां स्वयमेव प्रचकाशिरे तदा S'ivLī. 15. 52.

अञ्जनमूलक (añjanamūla–ka) *adj.* a variety or minor type of gem (i. e. dark-blue in colour) विमलकः ··· अञ्जनमूलकः ··· इत्यन्तरजातयः ArthS'ā. i. 185. 1 (2. 11) (comm. अञ्जनमूलकः नीलश्यामः)

अञ्जनमेचक (añjana–mecaka) *adj.* [*f.* –ā] dark like collyrium, shining like collyrium कुर्वन्नञ्जनमेचका इव दिशो मेघः समुत्तिष्ठते Mṛcch. 5. 23; नमोऽर्कपुत्राय शनैश्चराय नीहारवर्णाञ्जनमेचकाय BhaviP. 770B. 10 (iv. 114. 41); (स मारुतिः ··· भवनं दशकण्ठस्य ददर्श) रक्षितं राक्षसैरात्तशस्त्रैरञ्जनमेचकैः RāmāMañ. 238. 5; वपुषि मञ्जुलमञ्जनमेचके वयसि बालमहो मधुरं महः KṛṣṇaKa. 3. 64; अङ्गत्विषामञ्जनमेचकानां व्याजेन विस्तारयति स्फुटं यः।··· लक्ष्म्याः नवेन्दीवरपत्रशय्याम् YātrāPra. 3. 200.

अञ्जनमेचकप्रभ (añjanamecaka–prabha) *adj.* having a dark lustre like collyrium शिरोरुहैरञ्जनमेचकत्रयैः (? प्रभैः) ··· नरो वर्षशतं च जीवति RaseCin. 9. 345 (266. 8)

अञ्जनयोग (añjana–yoga) *m.* application of collyrium or ointment अञ्जनयोगैश्च ···। स चिकित्स्यः स्याद्य उन्मार्गेण गच्छति MahāBhā. xii. 14. 34; दक्षाण्डत्वक्शिलाशङ्खकाचचन्दनगैरिकैः। तुल्यैरञ्जनयोगोऽयं पुष्पार्मादिविलेखनः SiddhYo. 61. 88; निर्मलं चक्षुर्भवत्यञ्जनयोगतः SiddhYo. 81. 77.

अञ्जनयोजन (añjana–yojana) *n.* application of collyrium प्रागेव मोहनमथाञ्जनयोजनेन चक्रे तथा मृगदृशो नयनं सखीभिः BhikṣāKā. 2. 21.

अञ्जनरजस् (añjana–rajas) *n.* particle of collyrium अञ्जनरजोलेखाश्यामलां रोमराजिमुदरेण तनीयसीं बिभ्राणम् ··· मुनिकुमारकमपश्यम् Kād. 140. 3; दीर्घिकायाम्। विस्पष्टमञ्जनरजश्छटया द्विरेफपङ्क्त्येव पक्ष्मलदृशो दृशि संनिपेते HarVi. 23. 33; अञ्जनरजोरागमिव निधित्सुरक्षालयत्तरङ्गायतापाङ्गमक्षियुगलमानन्दबाष्पः TilaMañ. 347. 14; (दीपिकाः) सान्द्रतां निन्युरञ्जनरजोभरैस्तमः S'rīKaC. 10. 24.

अञ्जनरञ्जित (añjana–rañjita) *adj.* coloured with collyrium नेत्रे चाञ्जनरञ्जिते वितनुयाद् भूयः समिद्धोऽणुना (मन्त्रेण) TantrSa. 4. 87.

अञ्जनराशिवर्ण (añjanarāśi–varṇa) *adj.* having the colour of (i. e. black like) a heap of collyrium कोऽयं विनिष्पतति गर्भगृहं विगाह्य उल्कां प्रगृह्य सहसाञ्जनराशिवर्णः BālC. 2. 4.

अञ्जनरुच् (añjana–ruc) *adj.* whose lustre is like that of collyrium (अभिचिन्तयेत् ···अच्युतम्) कलिन्दसुतया···संपरिरब्धमञ्जनरुचा PañcaRā.(Nā.) v. 4. 24.

अञ्जनरुचि (añjana–ruci) *adj.* of dark or black colour like collyrium यन्नीडप्रभवो यदञ्जनरुचिः···तेन त्वं स्वजनः किलेति करटैर्यत्तैरुपश्रूयसे SubhāRaK. 33. 19; त्वयि न सुव्रत कच्छपलाञ्छनोऽञ्जनरुचिर्हरिवंशविभूषणः। शिवसुखाय CaturJiSta. 20; यावद्वर्षति वीरसिंहतनयो वृष्टीरिमाः काञ्चनीर्धीराः प्रावृषि तावदञ्जनरुचिर्धारा न धाराधरः PadyaVe. 102; VīraMi.(Paribhāṣā.) 3. 18; *f.* lustre due to (the application of) collyrium न माल्यं धम्मिल्ले न च नयनयोरञ्जनरुचिः···तदपि तरलाक्ष्यः शुशुभिरे Rāṣṭrau. 17. 23.

अञ्जनरुचिर (añjana–rucira) *adj.* with lustre dark like collyrium भीमदंष्ट्रोऽञ्जनरुचिरतनुर्भीतिदश्चाप्यघोरः S'ilpaRa. ii. 22. 202.

अञ्जनरुज् (añjana–ruj) *f.* disease caused by an ointment (applied to the eyes) नारीपयश्चाञ्जनरुग्विदारि BhojanKu. 209. 26.

अञ्जनरूप (añjana–rūpa) *adj.* dark in appearance (i. e. full of darkness inside) (वृत्तचतुष्कोणः षोडशाष्टश्रियः) चत्वारोऽञ्जनरूपाः (प्रासादाः) BṛSaṁ. 56. 28.

अञ्जनरेखा (añjana–rekhā) *f.* line or streak of collyrium निर्गते ··· कन्ये ··· मनोज्ञधवलापाङ्गे तनीयोऽञ्जनरेखया RājTa.(Ka.) 1. 208; 7. 929; दृशौ कर्णाभ्यर्णेऽञ्जनरेखामिषात् PrabaCin. 46. 5; आयामिनोस्तदक्ष्णोरञ्जनरेखाविधिं वितन्वन्त्याः। पाणिः प्रसाधिकायाः प्रापदपाङ्गं चिरेण विश्रम्य PārvPa. 5. 19; अक्ष्णोरञ्जनरेखया···मुह्यामि नाहं तथा S'ṛṅgāTi.(Rā.) 84.

अञ्जनरेणु (añjana–reṇu) *m.* dust or particle of collyrium लाक्षारसैरञ्जनरेणुभिश्च चिक्षेप गात्रेषु परस्परस्य VarāṅgaCa. 23. 101.

अञ्जनरोचिस् (añjana–rocis) *adj.* collyrium-coloured, as dark as collyrium केशवाद्याः···। काश्मीरमेघाञ्जनरोचिषश्च S'ilpaRa. ii. 23. 42.

अञ्जनलिप्त (añjana–lipta) *adj.* besmeared with collyrium अत्र संभाव्यमानैरिन्द्रादिगतैरञ्जनलिप्तत्वादिभिः कार्यरूपैः ··· वदनादिगतः सौन्दर्यातिशयः कारणरूपः···प्रतीयते AlaṅkāSa. 105. 19.

अञ्जनलेप (añjana–lepa) *m.* besmearing with lamp-black or collyrium इन्द्रादिष्वप्रकृतेषु अञ्जनलेपादिनिकर्षसंभावना क्रियते CitraMī. 75. 19.

अञ्जनलेश (añjana–leśa) *m.* particle of dirt or dust (*lit.* collyrium) श्रीच्छिदेऽञ्जनलेशोऽपि धौतस्य श्वेतवाससः TriṣaS'aPuC. iv. 1. 636.

अञ्जनलोप (añjana–lopa) *m.* removal or disappearance of collyrium कालतः स्नानेन वा सर्वतोऽञ्जनलोपः स्यात् CitraMī. 3. 9.

अञ्जनवंश (añjana–vaṁśa) *m.* family or race of Añjana (a *diggaja*) ते कुञ्जराश्चाञ्जनवंशजाताः YuktiKa. 199. 17.

अञ्जनवत् (añjana–vat) *adv.* like collyrium (put in the eye) अवर्धमानश्चार्थः शनैरप्युपयुज्यमानोऽञ्जनवत्क्षीयते PañcT. 1. 2 (8. 9); Hitop. 2. 8 (3); चतुरस्रं प्रबध्नीयान्मणिमञ्जनवत्तथा ViṣṇuDhaP. ii. 109. 41; अञ्जनवच्चाक्षिगतस्य

तद्गतकृष्णिमादिवच्चादृश्यत्वात् BrahmSi. 140. 11.

अञ्जनवती (añjana-vatī) *adj.* who has applied collyrium (to the eyes) अञ्जनवती…वेश्या युक्ता सिद्धगुणैरिव Deśopa. 3. 47.

अञ्जनवपुस् (añjana-vapus) *adj.* having the appearance of collyrium अञ्जनवपुश्च(विसर्पः) भवेदसाध्यः RugVi. 52. 25.

अञ्जनवर्ण (añjana-varṇa) *adj.* collyrium-coloured (i. e. as black as collyrium) षट्त्रिंशदङ्गुलमञ्जनवर्णं सामूरम् ArthS'ā. i. 192. 3 (2. 11); वायुराश्रयतो धत्ते गन्धवर्णादिकं यतः । तस्मादञ्जनवर्णस्तु गमनस्य समाश्रयात् Viṣṇu-DhaP. iii. 58. 4; अञ्जनवर्णाश्चत्वारस्तिष्ठन्त्यञ्जनपर्वताः TriṣaS'aPuC. ii. 3. 706 = TīrthaKa. 48. 6; यं अः अञ्जनवर्णाय दामोदराय लज्जायै विष्णवे नम इति ककुदि VīraMi.(Bhakti.) 93. 1.

अञ्जनवर्णक (añjanavarṇa-ka) *n.* colour of collyrium (i. e. black colour) भृङ्गस्याञ्जनवर्णकम् । मृशस्य धूम्रवर्णं च MānaSā. 7. 115.

अञ्जनवर्णाभ (añjanavarṇābha) *adj.* rsembling the colour of collyrium or antimony, collyrium-coloured क्वचिदञ्जनवर्णाभाः क्वचित् काञ्चनसंनिभाः । धातवः MahāBhā. iii. 155. 80.

अञ्जनवर्ति (añjana-varti) *f.* preparation (antidote against phlegm) in stick or globule form सिन्धूत्थहिङ्गुत्रिफलामधूकप्रपौण्डरीकाञ्जनतुत्थताम्रैः । पिष्टैर्जलेनाञ्जनवर्तयः स्युः SuśruS. vi. 11. 7.

अञ्जनवर्तिका (añjana-vartikā) *f.* collyrium stick or globule (as an antidote against eye-disease) हरिद्रात्वचमाहृत्य पिप्पलीं चाथ भागशः । वरप्रसन्नया मण्डं कुर्यादञ्जनवर्तिकाम् । पिल्लिका चोपलेपश्च नेत्रयोस्तेन शाम्यति KāśyaS. 320B. 15; 321A. 28; 321B. 10; 321B. 31.

अञ्जनवर्मन् (añjana-varman) *m.* name of the son of Ghaṭotkaca ववर्षाञ्जनपर्वा (v. l. °वर्मा) स द्रुमवर्षं नभस्तलात् MahāBhā. vii. 131. 50; cf. **अञ्जनवर्षन्**, **°वर्ष्मन्**.

अञ्जनवर्षण (añjana-varṣaṇa) *n.* shower of collyrium (वर्षतीवाञ्जनं नभः) अञ्जनवर्षणस्य तमःसंपातः (विषयः) SāhiDa. 544. 1; नभसो भूपर्यन्तं गाढनीलिमव्याप्तत्वेन निमित्तेनाञ्जनवर्षणकर्तृतादात्म्योत्प्रेक्षा Kuval. 35 (14)

अञ्जनवर्षन् (añjana-varṣan) *m.* name of the son of Ghaṭotkaca ववर्षाञ्जनपर्वा (v. l. °वर्षा) स द्रुमवर्षं नभस्तलात् MahāBhā. vii. 131. 50 cf. **अञ्जनवर्ष्मन्**.

अञ्जनवर्षुक (añjana-varṣuka) *adj.* showering or raining collyrium (वर्षतीवाञ्जनं नभः) नभसो भूपर्यन्तगामिनीलिमव्याप्तत्वमञ्जनवर्षुकसाधारणनिमित्तम् CitraMī. 82. 6.

अञ्जनवर्ष्मन् (añjana-varṣman) *m.* name of the son of Ghaṭotkaca ववर्षाञ्जनपर्वा (v. l. °वर्ष्मा) स द्रुमवर्षं नभस्तलात् MahāBhā. vii. 131. 50; cf. **अञ्जनवर्षन्**.

अञ्जनवल्लिका (añjana-vallikā) *f.* the plant *Rabia munjita* जिंग्यां समंगा विकसा मंजिष्ठांजनवल्लिका Vaija. 56. 135.

अञ्जनवश (añjana-vaśa) *m.* [Abl.] due to the power of the (magical) ointment स्फारान्धकारविततेऽपि जगत्यञ्जनवशात् परमाणुप्रायमपि वसु सर्वत्र पश्यामि BhojaPra. 20. 26.

अञ्जनवाक्य (añjana-vākya) *n.* (Vedic) passage or statement for anointing (a sacrificial victim, implement etc.) अथ त्वञ्जनवाक्यवदिहाप्येवं श्रूयेत TantrVā. 329. 14 (*on* i. 4. 23); अञ्जनवाक्येनैव तत्साधनत्वमात्रेणावगतस्य स्वरोरर्थप्राप्तमादानम् TantrRa. 115. 10.

अञ्जनवारि (añjana-vāri) *n.* liquid collyrium (*lit.* collyrium-water) अङ्गनानां तनुरोमराजिः । शलाकयोन्मीलयतो विधातुर्मुखाच्च्युतेवाञ्जनवारिरेखा NemiNir. 1. 49.

अञ्जनविधि (añjana-vidhi) *m.* **A** rule or method of applying collyrium or ointment to the eyes (for medical treatment) अथात आश्च्योतनाञ्जनविधिमध्यायं व्याख्यास्यामः AṣṭāSaṁ. i. 163. 3 (1. 32); (for magical or supernatural effects) यदप्यञ्जनविधौ कालिकापुराणे – 'कपालसंपुटे कृत्वा महातैलघृते तथा । चन्द्रसूर्योपरागे च कज्जलं गृह्य बुद्धिमान् । अञ्जयेदक्षिणी तेन वशीकुर्यात् पुरंदरम्' इत्यादि तत् … अधर्म एव Aparā. 15. 16 (*on* 1. 7); अथाञ्जनविधिः । महाष्टमीदिने यत् तु श्मशाने नरमस्तके । पातितं कज्जलं विश्वं मोहयेन्नयनाञ्जनात् AnaṅgaRa. 7. 9; **B** act of applying collyrium (as cosmetic) क्षोणीचन्द्र दिगङ्गनास्तव … पुञ्जाकीर्तिमषीभिरञ्जनविधिं नेत्रद्वये तन्वते Ḍamaru. 26; **C** injunction for anointing (a sacrificial victim or implement) अत एव चात्र … अञ्जनविध्यर्थाक्षेपसंकोचोऽपि नाशङ्क्यः MīmāKau. i. 296. 23 (*on* i. 4. 29); स चाञ्जनविधिरेव घृतेनेत्यध्याहृतपदसहितो भिन्नो वा BhāṭṭCin. ii. 75. 11 (*on* i. 4. 18); ii. 74. 16 (*on* i. 4. 18); MayūMāli. 521. 3 (*on* vi. 8. 10)

अञ्जनविशेष (añjana-viśeṣa) *m.* special kind of collyrium or eye-ointment दिवाभीतादिव्यतिरिक्तलोचनानाम् अञ्जनविशेषादिशून्यानां तिमिराद्यतिरिक्तविषयप्रत्ययोत्पादने प्रभूतरूपमाप्यायकातिरिक्तं तदवश्यापेक्षितम् NyāySiA. 200. 10.

अञ्जनविशेषपुष् (añjanaviśeṣa-puṣ) *adj.* **i** possessing a special kind of eye-ointment नमतामित्रान्ध्यहरणाय नृणां नवरोचिषाञ्जनविशेषपुषम् । (अजम्) अभिवन्द्य कामफलदं धरणेरधिभूः समारभत वर्णयितुम् Acyutarā. 5. 28; **ii** having the complexion of the best kind of collyrium, Acyutarā. 5. 28.

अञ्जनविस्तर (añjana-vistara) *m.* detailed account of collyrium or ointment पुनश्च कल्येऽञ्जनविस्तरः शुभः प्रवक्ष्यते SuśruS. vi. 17. 47.

अञ्जनवृक्ष (añjana-vṛkṣa) *m.* a species of tree (= Areca nut or catechu) तत्रैकस्य शिल्पिनोऽर्धपाटितोऽञ्जनवृक्षदारुमयस्तम्भः खदिरकीलकेन मध्यनिहितेन तिष्ठति PañcT. 1. 26 (10. 7) [KOSEGARTEN's Ed.]

अञ्जनवृत (añjana-vṛta) *adj.* mixed with collyrium प्रस्थाने तव भूमिपाल वसुधा जाता रजोदोषला त(? त्व)द्विड्दारपयोधरोऽञ्जनवृतं वर्षत्यधोऽश्रूदकम् SūktiSu. 154.

अञ्जनव्यञ्जना (añjana-vyañjanā) *adj.* (*f.*) displaying or marked by (the application of) collyrium or cosmetic paint करे बद्धा पाटलपट्टकेन सरलस्थूलाञ्जनव्यञ्जना ।… विद्याधरी केयं नूतननिर्गतेति विदधे सा मुग्धसंमोहनम् SamaMā. 2. 54.

अञ्जनव्यापार (añjana-vyāpāra) *m.* power of suggestion (of a word), suggestive meaning न च लक्षणात्मकमेव ध्वननम् … न च शब्दानुसार्येव अशब्दात्मकनेत्रत्रिभागावलोकनादिगतत्वेनापि तस्य सिद्धेः । इत्यभिधातात्पर्यलक्षणात्मकव्यापारत्रयातिवर्ती अञ्जनव्यापारोऽनपह्नवीय एवेति सिद्धमेव निषेधस्य व्यङ्ग्यत्वम् Kāvyānu.(He.) 35. 12 (comm.)

अञ्जनशलाका (añjana-śalākā) *f.* pencil for applying collyrium (to the eyes) अज्ञानान्धस्य लोकस्य ज्ञानाञ्जनशलाकया । चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै पाणिनये नमः PāṇiS'i. 59; अथ कस्मादञ्जनशलाकादि नोपलभ्यते । … न चाञ्जनशलाकादीन्द्रियेण सम्बद्धम् NyāyVār. 388. 5 (*on* iii. 1. 50); न रश्मिनाञ्जनशलाका सम्बद्धा NyāyVār. 388. 8 (*on* iii. 1. 50); NyāyMañ. ii. 51. 24; सौवर्णी मालिकाञ्जनशलाकोदपात्रमश्वः … एतेष्वन्यतमम् … शिष्याय दद्यात् PārāSū. 60. 11.

अञ्जनशलाकाकृति (añjanaśalākākṛti) *adj.* (*f.*) shaped like a pencil for applying collyrium (to the eyes) एषणी दशाङ्गुला विंशत्यङ्गुला त्रिंशदङ्गुला यथायोगमञ्जनशलाकाकृति(:) मुखतः श्लक्ष्णा Hastyāyur. 531. 16 (3. 30)

अञ्जनशारित (añjana-śārita) *adj.* speckled with collyrium सखीजनं प्रेमगुरूकृतादरं निरीक्षमाणा इव नम्रमूर्तयः । स्थिरद्विरेफाञ्जनशारितोदरैर्विसारिभिः पुष्पविलोचनैर्लताः Kirātā. 8. 11.

अञ्जनशिला (añjana-śilā) *f.* antimony-rock, solid (mass of) collyrium व्याघ्रकेतुः … अञ्जनशिलाच्छेदमिव चलन्तम् … शबरयुवानमादायाजगाम HarṣaC. 311. 10; अञ्जनशिलास्तम्भसंभारमिव … शबरसैन्यमद्राक्षम् Kād. 29. 10; अञ्जनशिलाघटितैरिव … खुरपुटैर्जर्जरितवसुन्धरैर्मुरजवाद्यमिवाभ्यस्यन्तम् … इन्द्रायुधमद्राक्षीत् Kād. 79. 15; तमोभिरञ्जनशिलापुञ्जैरिव पुरस्कृतम् । अपश्यम् … जगत् BṛKathāMañ. ix. 1. 80.

अञ्जनशैल (añjana-śaila) *m.* mountain Añjana अथवाञ्जनशैलशिलानिचयप्रतिरूपधरैः स्थगितं गगनम् । … अम्बुधरैः BṛSaṁ. 24. 16; कैलासाञ्जनशैलावेतौ तुल्योन्नतत्वपरिणाहौ MahāviC. 7. 24; शराली । लग्ना दृढं द्विरदकुम्भतटे रराज दावाग्निसंहतिरिवाञ्जनशैलशृङ्गे HarVi. 44. 3; NalaCam. 1. 45; सशिखिशिखेव धूमनिचिताञ्जनशैलगुहा SuvṛTi. 2. 26 (7); छायेवाञ्जनशैलस्य कालियाहेरिवाग्रजा Surath. 10. 14; चत्वारोऽञ्जनशैलेषु … जिनालयाः PārśvC. 6. 887; TīrthaKa. 49. 13; पुरतः फणिनं समलोकयथा बहुशृङ्गिणमञ्जनशैलमिव Nārāy. x. 55. 5.

अञ्जनशैलकल्प (añjanaśaila-kalpa) *adj.* resembling (in complexion) the mountain of collyrium तुषारशैलाञ्जनशैलकल्पयोरभेदभागीश्वरविश्वरूपयोः ।… वपुर्धिनोतु वः SubhāRaK. 49. 1.

अञ्जनशैलस्थलाधिदेवता (añjanaśailasthalādhidevatā) *f.* presiding deity of a region of the Añjana mountain अञ्जनशैलाधिदेवता इव तीर्थावगाहनानुरागिण्यः … दृष्टिपथमवतेरुः … तरुणकिरातकामिन्यः NalaCam. 5. 56 (31)

अञ्जनशैलाभ (añjanaśailābha) *adj.* resembling (in complexion or size) a mountain of collyrium or the Añjana mountain नागैरञ्जनशैलाभैः प्रक्षरद्दण्डभित्तिभिः PadmP.(Ra.) 33. 161; तावदञ्जनशैलाभाः प्लावयन्तो महीतलम् । अकस्मादुन्नता मेघाः PadmP.(Ra.) 109. 58; दशाननः । पपाताञ्जनशैलाभः RāmāMañ. 460. 22; 147. 5; क्व किलाञ्जनशैलाभं वपुर्भरितदिक्तटम् । क्व प्राचिकाखुरसमं सूचित्वं तृणपेलवम् YogVā. iii. 71. 32; ii. 1. 7.

अञ्जनश्याम (añjana-śyāma) *adj.* black like collyrium अन्वये चास्य जायन्ते … वामदेवोऽञ्जनश्यामः VāyuP. ii. 8. 217; तटेऽञ्जनश्यामतनौ महाद्रेः

NavaSāC. 17. 35; 16. 72; तिमिरैञ्जनश्यामैः ··· चक्रवाकीवियोगाग्निधूमाभैरुत्थित ततः BṛKathāMañ. ix. 2. 830; (सूर्यः) रूक्षोऽञ्जनश्यामो ह्रस्वमण्डल इत्यपरम् (अनावृष्टेः निमित्तम्) AdbhuSāg. 21. 26; अम्भोधय इवोत्पत्य भुवोऽम्भोदा नभस्तलम्। व्याप्नुवन्तोऽञ्जनश्यामरुचः संजज्ञिरे क्षणात् TriṣaS'aPuC. i. 4. 419.

अञ्जनश्यामल (añjana-śyāmala) *adj.* as black as collyrium यस्याञ्जनश्यामलखड्गपट्टजातानि जाने धवलत्वमापुः।···यशांसि VikraDeC. 1. 71.

अञ्जनश्री (añjana-śrī) *f.* beauty due to collyrium or beauty of collyrium नयनयोर्नाञ्जनश्रीः (कामिनीनां रतान्ते) YaśasCam. i. 620. 3; दीर्घापाङ्गं नयनयुगलं भूषयत्यञ्जनश्रीः SaraKaṇṭhā. 140. 2 = SaduktiKa. 140. 6.

अञ्जनसंयोग (añjana-saṁyoga) *m.* application of collyrium नेत्रमञ्जनसंयोगाद्भवेच्चामलतारकम् SuśruS. iv. 24. 67 = SiddhYo. 81. 75; त्रिधैवाञ्जनसंयोगो गुटिकारसचूर्णतः SiddhYo. 61. 164; तत् च तमः···योगजधर्मेणापसार्यते अञ्जनसंयोगेन नयनमालिन्यवत् SāṁkhyaPraBh. 46. 11 (*on* 1. 91)

अञ्जनसंस्कार (añjana-saṁskāra) *m.* application of collyrium न च प्राग्विवाहाद् भार्या सिद्धास्ति यस्या विवाहसंस्कारः क्रियेत, चक्षुष इवाञ्जनसंस्कारः ManuBh. i. 206. 22 (*on* 3. 4)

अञ्जनसंस्थान (añjana-saṁsthāna) *adj.* having the shape of the mountain Añjana रम्यं तालवनं तद्धि ··· कुमुदाञ्जनसंस्थानैः परिवृत्तैर्महाफलैः VāyuP. i. 37. 24.

अञ्जनसंकाश (añjana-saṅkāśa) *adj.* [*f.* – ā] resembling collyrium (in colour) आययुः ··· ततस्तेऽञ्जनसंकाशाः (वानराः) Rāmā. iv. 36. 20; उत्तिष्ठन्ति महामेघाः नभस्यद्भुतदर्शनाः।··· केचिदञ्जनसंकाशाः MahāBhā. iii. 186. 68; अमरेशविरूपाक्षौ ··· कुङ्कुमाञ्जनसंकाशौ PāraS. 11. 210; असावञ्जनसंकाशस्त्वं तु चामीकरद्युतिः Kāvyāda. 2. 183; भवान् ··· ज्ञाननिर्मलः। ··· स चाप्यञ्जनसंकाशः कथं तेनेह युज्यते VāmaP. 67. 32; 85. 21; BrahmP. 53. 4; ददर्शाञ्जनसङ्काशां रावणस्तु प्रतिमां वासुदेवस्य BrahmP. 176. 22; S'ivaP. v. 7. 54 (414B. 7); SaraKaṇṭhā. 357. 24; भूमिरञ्जनसंकाशा धारा चास्य सिता भवेत्। अञ्जनाख्यमिदं प्रायः सर्वदैवोपलभ्यते YuktiKa. 147. 22; योगी ··· आत्मानं परिभावयेत्। रूक्षमञ्जनसंकाशम् MāliniT. 14. 29; Rasā. 18. 17; चूर्णमभ्रकसत्वस्य···यावदञ्जनसंकाशं वस्त्रच्छन्नं विशोष्य।··· मधुना लिह्यात् RaseCin. 4. 7 (39. 27); *m.* name of Viṣṇu (महीपालः संस्तोतुमुपचक्रमे) वासुदेव ··· नमस्तेऽञ्जनसंकाश नमस्ते भक्तवत्सल BrahmP. 49. 4.

अञ्जनसंनिभ (añjana-sannibha) *adj.* having the appearance of collyrium, resembling collyrium रावणोऽञ्जनसंनिभः। ··· निःशब्दपदमव्रजत् Rāmā. vii. 34. 13; नानारजतधातवः ···क्वचिदञ्जनसंनिभाः MahāBhā. iii. 155. 80; iv. 44. 100; मण्डूरं द्विगुणं चूर्णाच्छुद्धमञ्जनसंनिभम् CaraS. vi. 16. 74 (1941 Ed.); नित्यं योऽञ्जनसंनिभः कलियुगे वः पातु दामोदरः BālC. 1. 1; नीलरक्तसितापीतपावकाञ्जनसंनिभैः। ···माल्याङ्गरागवसनैः ··· समलङ्कृताः PāraS. 11. 131; 11 .191; वायुतत्त्वं भ्रुवोर्मध्ये वृत्तमञ्जनसंनिभम्। ··· ध्यायन्वायुं जयेत् SkandP. iv(1). 41. 116; SiddhYo. 8. 24; (सर्पाः) ये चाञ्जनसंनिभाः। ··· ते शूद्राः परिकीर्तिताः BhaviP. 75B. 31 (i. 36. 41); 299B. 19 (i. 206. 42); (योगी) भ्रुवोर्मध्ये स्मरेद्रूपमात्मनोऽञ्जनसंनिभम् MāliniT. 13. 39.

अञ्जनसप्रभ (añjana-saprabha) *adj.* having the lustre of collyrium, resembling collyrium (यमदूताः) क्रूराश्चाञ्जनसप्रभाः BrahmP. 215. 53; भ्रमराञ्जनसप्रभाः। कचा यस्य तु दृश्यन्ते स भवेत्पृथिवीपतिः BhaviP. 59B. 23 (i. 26. 85)

अञ्जनसब्रह्मचारिन् (añjana-sabrahmacārin) *m.* companion of collyrium (i. e. having the same features as those of collyrium) नीरन्ध्रेणान्धकारेणाञ्जनसब्रह्मचारिणा। तदाभूद्रोदसीरन्ध्रं पातालविवरोपमम् PariPar. 7. 8.

अञ्जनसमद्युति (añjanasama-dyuti) *adj.* having the complexion similar to collyrium स्थिरो जयन्तः सततं श्यामाञ्जनसमद्युती PāraS. 11. 251.

अञ्जनसमर्थ (añjana-samartha) *adj.* fit for anointing स्वरुणा पशुमनक्तीत्युच्चरितेऽञ्जनसमर्थं द्रव्यं प्रतीयते ṬupṬ. 20. 5 (*on* iv. 2. 3); विधेश्च··· तेन बाधितो घृतशब्दोऽर्थवादस्थोऽञ्जनसमर्थद्रव्यमात्रलक्षणार्थो भविष्यति S'āstrDī. 91. 7 (*on* i. 4. 19)

अञ्जनसम्बन्धिन् (añjana-sambandhin) *adj.* connected with collyrium आञ्जन एव च। त्रिषु त्वञ्जनसम्बन्धिनि NānārthāSaṁ. ii. 65. 210.

अञ्जनसवर्ण (añjana-savarṇa) *adj.* having the same colour as that of collyrium तत्राञ्जनसवर्णानाम् ···। दृष्टास्तेन प्रवृत्तानां तिस्रः कोट्यः प्रभावताम् RāmāMañ. 461. 1; गुग्गुलोः पञ्च जातयः। भृंगाञ्जनसवर्णस्तु महिषाक्ष इति स्मृतः BhāvPra.(Bhā.) 6(3). 34.

अञ्जनसाधन (añjana-sādhana) *n.* means of smearing or anointing (material or instrument) अत्र ह्यञ्जनसाधनं सर्पिस्तैलादि यत्किञ्चिद्विधिनापेक्षितम् ManuBh. i. 61. 14 (*on* 2. 6); विधेश्च यत्किञ्चिदञ्जनसाधनं गम्यते S'āstrDī. 91. 6 (*on* i. 4. 19); 366. 13 (*on* iv. 2. 6); (अञ्जनः) त्रिषु त्वञ्जनसाधने NānārthāSaṁ. ii. 53. 73; विधिवाक्येन किमञ्जनसाधनसामान्यं विधीयते तद्विशेषो वा NyāyMāVi. 59. 16 (*on* i. 4. 19); घृततैलवसादीनामन्यतमं अञ्जनसाधनं भविष्यति UpaParā. 20. 4; ननु अक्ता इति विधावञ्जनकर्मत्वमात्रं शर्कराणां प्रतीयते न त्वञ्जनसाधनं स्नेहद्रव्यम् MayūMāli. 97. 2 (*on* i. 4. 19); अञ्जनसाधनशकलविशेषः स्वरुशब्दार्थः MayūMāli. 366. 10 (*on* iv. 2. 1)

अञ्जनसाधनत्व (añjanasādhana-tva) *n.* the state of being the means of smearing or anointing (material or instrument) अञ्जनसाधनत्वेनावगतस्य हि स्वरोरर्थप्राप्तमादानमनूद्य यूपादिति विधौ वाक्यार्थविधानम् S'āstrDī. 366. 15 (*on* iv. 2. 1); ग्रहणकर्मार्हेष्वञ्जनसाधनत्वेन निरूढेषु TattvCin. iv(2). 724. 2; किं त्वञ्जनसाधनत्वेन कीदृशं द्रव्यमुपादेयमिति संशये MayūMāli. 32. 17 (*on* i. 3. 5); 366. 10 (*on* iv. 2. 1)

अञ्जनसाधनद्रव्य (añjanasādhana-dravya) *n.* substance used for smearing or anointing अक्ताः शर्करा उपदधाति इत्यादिवेदवाक्यानामञ्जनसाधनद्रव्यविशेषानुपस्थापनेन संदेहलक्षणाप्रामाण्ये···उक्ते S'rutaPra. ii. 70. 20 (*on* i. 3. 29); तत्राञ्जनसाधनद्रव्यविशेषोपादानसन्देहे वाक्यशेषेण निर्णयः MīmāKau. i. 58. 2 (*on* i. 3. 9); ननु विधावप्याक्षेपादञ्जनसाधनद्रव्यप्रतीतिर्वाच्या MayūMāli. 91. 10 (*on* i. 4. 19); 91. 24 (*on* i. 4. 19)

अञ्जनसाधनीभूत (añjana-sādhanībhūta) *adj.* which has become a means of smearing तेन चाञ्जनसाधनीभूतस्नेहद्रव्यमात्राक्षेपात् MīmāKau. i. 293. 21 (*on* i. 4. 29)

अञ्जनसामान्य (añjana-sāmānya) *n.* material in general for smearing अञ्जनसामान्येन वाक्यस्योपक्रमः S'ābaBh. 365. 10 (*on* i. 4. 24); शर्कराः। ताश्च घृततैलवसादीनामन्यतमेन द्रव्येणाञ्जनीयाः। कुतः। अञ्जनसामान्यबोधकस्य विधिवाक्यस्य घृतविशेषबोधकादर्थवादात्प्रबलत्वात् NyāyMāVi. 59. 11 (*on* i. 4. 19)

अञ्जनसिद्ध (añjana-siddha) *adj.* possessed of miraculous powers due to the use of a salve इत्यञ्जनसिद्धोऽभून्मन्त्रीशः RauhiC. 453.

अञ्जनसिद्धि (añjana-siddhi) *f.* 1 miraculous power due to the use of collyrium गुटिकासिद्धिदा काञ्चित्काचिदञ्जनसिद्धिदा SkandP. iv(1). 45. 14; 2 accomplishment of smearing अक्ता इत्यत्रैकेनैवाञ्जनसिद्धेः MayūMāli. 437. 23 (*on* v. 3. 15)

अञ्जनसिद्धिक (añjanasiddhi-ka) *m.* miraculous power due to the use of collyrium रससिद्धिः ··· अञ्जनसिद्धिकः। ··· एता अष्टौ सिद्धयः BrahmāṇḍP. iii. 36. 52.

अञ्जनसुन्दरी (añjana-sundarī) *f.* i name of a daughter of Mahendra and Hṛdayavegā (हृदयवेगायां महेन्द्रतः) उदयाद्यनुजास्तेषां कीर्तिताञ्जनसुन्दरी PadmP.(Ra.) 15. 16; 16. 231; ii name of a woman निष्कारणकलिकार्याञ्जनसुन्दर्या···प्रतीताञ्जनचोरापरसंज्ञः किलैवमुक्तः YaśasCam. ii. 289. 22.

अञ्जनसोदरद्युति (añjanasodara-dyuti) *adj.* having a lustre resembling that of collyrium (black like collyrium) सद्योनिकृत्ताञ्जनसोदरद्युतिं फणामणिप्रज्वलदंशुमण्डलम् KumāSaṁ. 15. 30.

अञ्जनस्तम्भ (añjana-stambha) *m.* log of the Añjana tree अथैकस्य शिल्पिनः ··· अञ्जनस्तम्भः शिरसि निखातखदिरकीलकोऽवतिष्ठते Pañcā. 5. 22.

अञ्जनस्निग्ध (ajñana-snigdha) *adj.* i lovely due to collyrium चलकुवलयधाम्नोरञ्जनस्निग्धमक्ष्णोर्भयचलधृति युग्मं केयमालोलयन्ती SubhaDha. 1. 12; ii lovely like collyrium अथाञ्जनस्निग्धनभःप्रकाशाः ··· दीनाम्बुवाहा दिवसा बभूवुः Yādavā. 5. 49.

अञ्जनस्नेहशून्य (añjanasneha-śūnya) *adj.* devoid of the anointment of collyrium अञ्जनस्नेहशून्यम् ··· नयनम् ··· मीनक्षोभाच्चलकुवलयश्रीतुलामेष्यतीति MeghaDū. 92; SaraKaṇṭhā. 345. 13.

अञ्जनस्पर्शाभाव (añjanasparśābhāva) *m.* absence of the application of collyrium अत्र···अञ्जनस्पर्शाभावरूपस्य कार्यस्य वाच्यस्य···समं प्राधान्यम् Ekāva. 4. 5 (141. 6)

अञ्जनहेतु (añjana-hetu) *m.* purpose of applying collyrium पराञ्जयित्वा नयनाम्बुजातमेकं परस्याञ्जनहेतवेऽथ। शलाकया कज्जलमाददाना शीघ्रं गवाक्षं प्रति निर्जगाम NemiC. 18. 18.

अञ्जना (añjanā) *f.* 1 wife of Kesarin and mother of Hanumat अप्सराप्सरसां श्रेष्ठा ··· अञ्जनेति परिख्याता पत्नी केसरिणो हरेः Rāmā. iv. 65. 8; iv. 65. 17; vii. 35. 20 जानीते हि ··· । कामार्तं जनमञ्जनां प्रति भवानालक्षितप्रार्थनः Vikramo. 2. 19; केसरी कुञ्जरस्याथ सुतां भार्यामविन्दत। अञ्जना नाम सुभगा ···। पर्युपास्ते च तां वायुः ··· तस्यां जातस्तु हनुमान् BrahmāṇḍP. ii. 7. 224; AnekāSa. 152; ततो वायुरुवाचेदं शृणु मित्राञ्जना मया। न कदाचित्कृतप्रीतिः PadmP.(Ra.) 16. 134; स्तनकलशमपान्न जातु पीतत्रिदशवरामृतरञ्जनोऽञ्जनायाः (हनूमान्) RāmC. 6. 79; 15. 55; 19. 37;

अञ्जनायां समुत्पन्नो मारुतस्यौरसः सुतः। प्रेषितो राघवेणाहं हनूमान्नाम वानरः Abhiṣe. 3.15; अञ्जनायामयं जातः क्षेत्रे केसरिणोऽनिलात् RāmāMañ. 462.21; AnekāSaṁ. 3.347; S'abdaBhePra.(Ma.) 1.92; ViśvaPra. 91.79; अञ्जना मारुताङ्गना DharK. 1597; NānārthSaṁ. 1.8; NānārthāSaṁ. ii. 52.70; अञ्जना वानरीभिदि Med. 89.27; AnekāTi. 3.13; वायुसुतो मातरञ्जनाम्। अप्राक्षीत् को ममाहारः क्षुधितस्य भविष्यति Dhūrtā. 187.336; अञ्जना नाम तत्रासीदुत्तमाङ्गेन वानरी। केसरी नाम तद्भर्ता BrahmP. 84.3; अञ्जना नाम विख्याता कीशकेसरिभोगिनी BhaviP. 569B.3 (iii(4). 13.32); S'abdaRa.(Vā.) 4070; ParaNā. 2638; मामञ्जनेति स्पृश मा समीर YātrāPra. 4.101; KośaKaTa. 2.6379; S'abdaRaSaK. 190.3; कपिकुञ्जरं सुकृतपुञ्जमञ्जनापवमानयोः ··· । विषयं दृशोः ··· वृकोदरः स चकार BhārCam. 5.19; जातो वातादञ्जनायां जनोऽयम्···वानरः Rāgh. 10.51; 13.51; **2** name of a river सरित्तमाञ्जना नाम तामुवाच मुनिस्ततः Rāmā. 4.826*(1); कावेरी चाञ्जना नदी। ··· श्राद्धमेतेषु सर्वेषु दत्तं कोटिगुणं भवेत् PadmP. v. 11.39; SkandP. v(3). 5.8; **3** concept नैवाभावो नैव भावो निर्वाणमिति याञ्जना। अभावे चैव भावे च सा सिद्धे सति सिध्यति MūlaMāKā. 25.15 (comm. इति कल्पना); **4** name of a female elephant अञ्जनादञ्जना साम्नो विजज्ञे चाञ्जनावती VāyuP. ii. 8.221; **5** birth in a lower region अधोगतिश्च ··· सप्तप्रभेदतः। सप्तानां सप्त नामानि ··· अञ्जनारिष्टका तथा ··· यथाख्यातमुदाहृताः VarāṅgaC. 5.12; **6** manifestation (तेन अरिमण्डली) या जरापत्तदाक्षोद्दक्षोदात्तपराजया। साञ्जनामगताघानि निघातागमनाञ्जसा HarVi. 43.184; (comm. अञ्जनाम् ··· व्यक्तिम्); **7** one of the thousand names of Ganges नाम्नां सहस्रं गङ्गायाः स्तवराजेषु शोभनम्···अञ्जना SkandP. iv. 29.39; **8** one of the hells भवेत्पङ्कप्रभांजना ··· एवं नरकभूमयः S'eṣaNā. 1740; **9** name of a queen तस्याञ्जनाभिधा। ऐक्ष्वाकस्यात्मजा राज्ञी वज्रेन्द्रस्यास्त गुर्विणी RājTa.(Ka.) 3.105; **10** a kind of poison or insect ViśvaLoK. 190.30; अञ्जनाम्बायां मारुतेश्च हलाहले NānārthSaṁ. 1.8; अञ्जना स्त्रियाम्। हालाहलाख्यजन्तौ स्याद् NānārthāSaṁ. ii. 52.70; MediK. 170.168; **11** name of a capital city अष्टानां महादेवीनां राजधान्योऽष्टदिक्षु ताः। ···पद्मा शिवा शुच्यञ्जने भूता TriṣaS'aPuC. ii. 3.734; TīrthaKa. 49.3; **12** a kind of lizard अञ्जनो दिग्गजे ज्येष्ठ्यामञ्जनाप्यनिलस्त्रियाम् ViśvaPra. 91.79; KośaKaTa. 2.6379; **13** ointment अञ्जनः ··· मारुतयोषिति स्त्री। ज्येष्ठ्यां भवेत्तत्र च लेपनायाम् KośaKaTa. 2.6379.

अञ्जनाकार (añjanākāra) *adj.* (black) in appearance like collyrium कृष्णमेघाञ्जनाकारस्तीक्ष्णदंष्ट्रोज्ज्वलाननः। ··· कालः शूद्रो मतस्तथा HāriS. iii. 2.224; (संचालवाजयोः कुण्डम्) तप्ततोयेऽञ्जनाकारैः परिपूर्णं धनुःशतम्। चलद्भिः BrahmVaiP. ii. 33.59; हे वक्रचित्त ते विप्र ··· । शरीरमञ्जनाकारं रूपयौवनवर्जितम् (सद्यो भवतु) BrahmVaiP. iv. 30.101.

अञ्जनाकारतोय (añjanākāra-toya) *n.* water as black as collyrium जगत्येकार्णवे घोरे··· । अञ्जनाकारतोयेन संप्लुते च चराचरे BrahmVaiP. iv. 27.14.

अञ्जनाक्त (añjanākta) *adj.* smeared with collyrium अयोगीतिविशेषणेऽपि अञ्जनाक्तचक्षुषा गृह्यमाणैः NyāySiA. 202.8; अद्धा स्पर्धां करिष्यत्ययमिति मिषतो लाञ्छनस्याञ्जनाक्तं वक्त्रं कृत्वा विधात्रा···भ्राम्यते शीतरश्मिः VīraMi. (Paribhāṣā.) 4.9; अञ्जनाक्ताक्षियुगलः ··· जपेद्विद्यां समाहितः TantrRā. 12.24; वीरसिंहारिनारीणामञ्जनाक्ताश्रुबिन्दवः। उरोजे पतिता रेजुः PadyaVe. 164.

अञ्जनाक्ष (añjanākṣa) *m.* a kind of bird स्यान्नीलकण्ठोऽपि च कालकण्ठो हरे मयूरे चटकेऽञ्जनाक्षे KośaKaTa. 2.4668.

अञ्जनाक्षेत्र (añjanā-kṣetra) *n.* sacred place known as Añjanā यस्याः स्थेम्ने ललितगिरिजाकोमलापाङ्गभङ्गीभृङ्गीपङ्क्ते रुहमधिवसत्यञ्जनाक्षेत्रमोजः MayūSaṁ. 1.90.

अञ्जनाख्य (añjanākhya) *adj.* known as Añjana (a kind of sword) भूमिरञ्जनसंकाशा धारा चास्य सिता भवेत्। अञ्जनाख्यमिदं प्रायः सर्वदैवोपलभ्यते (खड्गम्) YuktiKa. 147.23.

अञ्जनाख्या (añjanākhyā) *adj.* (*f.*) **1** known as Añjanā (a kind of disease of the eye-lid) मन्थस्यन्दौ ··· । सिराजाताञ्जनाख्या सिराजालं च यत्स्मृतम्। ··· एते साध्या विकारेषु SuśruS. vi. 1.37; **2** name of a female monkey (the wife of Kesarin) शापात्पुराप्सराः कान्ता विख्याख्या मुक्तिकास्थला। वानर्यभूदञ्जनाख्या पत्नी केसरिणः कपेः RāmāMañ. 226.10.

अञ्जनागर्भसम्भूत (añjanāgarbha-sambhūta) *adj.* born of the womb of Añjanā अञ्जनागर्भसंभूतहनुमान् पवनात्मजः। यदा जातो महादेव हनुमान् ··· तदेवं(?दं) निर्मितं तीर्थं वायुना VāyuP. i. 60.73; अञ्जनागर्भसंभूतम् ··· । दृष्टिदोषविनाशाय हनूमन्तं सराम्यहम् BhojanKu. 215.19.

अञ्जनागिरि (añjanā-giri) *m.* [अञ्जनागिरिः CāndraVṛ. *on* v. 2.132; संज्ञायां विषये गिरि निकाय इत्येतयोरुत्तरपदयोः पूर्वपदमन्तोदात्तं भवति। अञ्जनागिरिः KāśiVṛ. *on* P. vi. 2.94; गिरि वन इत्येतयोः परतो यथासंख्यं किंशुलकादीनां कोटरादीनां च दीर्भवति खौ। गिरौ ··· अञ्जनागिरिः JaineVyā. 315.31 (*on* iv. 3.220); अञ्जनेनोपलक्षितो गिरिः। अञ्जनागिरिः GaṇRa. 2.141 (178)] name of a mountain in the west रौद्रमञ्जनागिरिसोदरम्। ··· मैमी कंचिदैक्षिष्ट राक्षसम् PāṇḍaC. 6.553; नाविकः ··· गृहकोकिलहंससिंहभवान् यथासंख्यं सभामृतगङ्गातीराञ्जनागिरिष्ववाप्य···राजा समजनिष्ट TīrthaKa. 72.22; Prasā. ii. 772.11; SiddhāKau 644A.11; उदयः पूर्वशैलः स्यादस्ताद्रिश्चाञ्जनागिरिः KośaKaTa. 1.2799.

अञ्जनागिर्यधिप (añjanāgiry-adhipa) *m.* chief of the mountain full of *añjana* trees, chief of the mountain Añjana साल्वागिर्यञ्जनागिर्यधिपान्यदिक्षत् DvyāśraKā. 6.61.

अञ्जनाग्र्य (añjanāgrya) *n.* best ointment राजार्हाण्यञ्जनाग्र्याणि निबोधेमान्यतः परम् SuśruS. vi. 18.84.

अञ्जनाङ्कित (añjanāṅkita) *adj.* decorated or marked with antimony हेमराजतलोहाख्यमणिरत्नाञ्जनाङ्किताः। प्राकारास्त्रिपुरे तस्मिन्गिरिप्राकारसंनिभाः MatsyaP. 130.22.

अञ्जनाचल (añjanācala) *m.* mountain Añjana महाद्रिशिखराकारानञ्जनाचलसंनिभान्। खेचरान् पातयामास राक्षसान् धरणीतले Rāmā. iii. 453*(3); काङ्क्षन्ती राक्षसं प्रायान्महोल्केवाञ्जनाचलम् Rāmā. vii. 8.12; अथ···तस्य···क्रीडापर्वतका इव वसन्तस्याञ्जनाचलमया इव पल्लविताः ··· दर्शनपथमवतेरुस्तरवः HarṣaC. 315.10; एषोऽञ्जनद्विरदम् ···। पश्याञ्जनाचलमिवोन्नतगण्डशैलमारुह्य संयुगरसान्मरुदभ्युपेतः HarVi. 39.18; व्यानशे भुवनमञ्जनाचलप्रस्थपङ्क्तिनिबिडं निशातमः RāmC. 2.64; अथ हंसमिवासीनमञ्जनाचलमूर्धनि। मृणालधवलं केशं दृष्टवानात्ममूर्धनि BṛKathāS'loSaṁ. 14.15; प्रादुरासीज्जगन्नाथः ··· आरुह्य गरुडं श्रीमानञ्जनाचलसन्निभः NaraP. 64.107; आगतं च तमञ्जनाचलनिकाशम् ··· नक्तंचरं निशाम्य RāmāCam. 6.53(1); 6.32(9); (शूर्पनखा) दशकन्धरम्। ददर्श ··· रक्तचन्दनशोणेन लक्षितं पृथुवक्षसा। नीलसन्ध्यारुणाभेन तटेनेवाञ्जनाचलम् RāmāMañ. 128.26; 221.13; ईशानेन्द्रोऽप्यवातारीत् ···। रमणीयाह्वये नित्यरमणीयेऽञ्जनाचले TriṣaS'aPuC. i. 2.637; i. 2.640; i. 2.643; i. 2.679; i. 6.407; ii. 1.72; ii. 2.526; बलीन्द्रोऽष्टाह्निकां चक्रे पश्चिमे त्वञ्जनाचले TriṣaS'aPuC. ii. 2.527; तां दृष्ट्वा पुरीम् ··· मातङ्गैरञ्जनाचलसंनिभैः। ··· विराजिताम् PadmP. v. 25.87; स विलोकते स्म शुम्भं सदवं शृङ्गमिवाञ्जनाचलस्य Surath. 8.12.

अञ्जनाज (añjanā-ja) *m.* Hanumat (born of Añjanā) अञ्जनाजविदेहाजसुताराजास्ततः कृताः। अयोध्यां गमिनः PadmP.(Ra.) 65.2.

अञ्जनाञ्चित (añjanāñcita) *adj.* smeared with collyrium या विद्या ··· । ताम्···अञ्जनाञ्चितलोचनाम्। ··· ध्यायेन्नारायणप्रियाम् KāliViT. 20.2; विहरेत् स्वेच्छया ततः। ···देवतायतने वापि अञ्जनाञ्चितलोचनः KulaCūT. 4.53; तदीक्षणे। अपि खञ्जनमञ्जनाञ्चिते विदधाते रुचिगर्वदुर्विधम् NaiṣC. 2.23 = SaduktiKa. 115.9 = S'ārṅgaPa. 3301.

अञ्जनातनय (añjanā-tanaya) *m.* Hanumat (son of Añjanā) सुग्रीवस्य वचः श्रुत्वा ···। अञ्जनातनयः क्रोधाद्वाडवाग्निसमोऽभवत् PadmP.(Ra.) 47.77; 51.11; 53.94; जयाञ्जनातनय RāmC. 15.59; अवनीसुतां भुवि विचेतुमञ्जनातनयादिमान्स विससर्ज तद्भटान् Raghunā. 4.59.

अञ्जनातनूज (añjanā-tanūja) *m.* Hanumat (son of Añjanā) आकलय्य प्रतिभटभञ्जनमञ्जनातनूजम् Rāgh. 14.26.

अञ्जनातिग (añjanātiga) *adj.* without lamp-black कीदृक्षो वद रत्नदीपः ··· अञ्जनातिगः कज्जलरहितः AlaṅkāCin. 20.25.

अञ्जनात्मक (añjanātma-ka) *adj.* of the nature of suggestion तद्भूर्लाक्षणिकः शब्दस्तद्व्यापारोऽञ्जनात्मकः BhāvPra.(S'ā.) 167.13(6)

अञ्जनात्मज (añjanātmaja) *m.* Hanumat (son of Añjanā) उवाच रामं धर्मज्ञं हनूमानञ्जनात्मजः SkandP. iii(1). 45.4; अस्य (पवनस्य) पर्यायपुत्रौ भीमाञ्जनात्मजौ NāmMā. 63.

अञ्जनात्मन् (añjanātman) *adj.* of the nature of suggestion तस्मादेव च शब्दात्तद्व्यापारस्तथाञ्जनात्मैव BhāvPra.(S'ā.) 167.18(6).

अञ्जनादर्शनोत्सव (añjanādarśanotsava) *m.* joy at the sight of Añjanā अञ्जनादर्शनोत्सवम् ··· एतत्सर्वं समाधाय मनः शृणुत सज्जनाः PadmP. (Ra.) 1.75.

अञ्जनादर्शनोत्सुक (añjanādarśanotsuka) *adj.* eager to see Añjanā गगनचारिणः। क्षिप्रं हनूरुहं जग्मुरञ्जनादर्शनोत्सुकाः PadmP.(Ra.) 18.126.

अञ्जनादि (añjanādi) *adj.* **1 A** anointing (of the sacrificial post) etc. वचनात्तु परिव्याणान्तमञ्जनादि स्यात् MīmāSū. v. 2.5; अञ्जनादिना परिव्याणान्तेन पदार्थकाण्डेनानुसमय इति TantrRa. 308.1; तेनाञ्जनादिसङ्घोऽत्र सङ्घेनानुसमीयते S'āstrDī. 425.13 (*on* v. 2.4); यूपगणे चाञ्जनादीनां यूपधर्माणां काण्डानुसमयम् CaturCin. iii(i). 759.19; परिदेर्यूपकार्यत्वेऽपि न यूपधर्मास्तक्षणादयोऽञ्जनादयश्च तत्र युक्ताः NyāyMāVi. 450.15

(*on* ix. 2. 13); MayūMāli. 825. 18 (*on* xi. 3. 11); **1B** greasing etc. (at the nave of a wheel) तत्रावयवो यश्चक्रस्य नाभिसंज्ञकः सोऽञ्जनादिगुणयुक्तनाभिसंज्ञावयवप्रकृतिः Pradī. iv. 244B. 8 (*on* v. 1. 2); **2 A** magic collyrium etc. अनेनैव विधानेन अञ्जनादीनि साधयेत् JayāS. 26. 66; तेषां दृश्यद्रष्टृणामञ्जनादिसिद्धानाम् … यद्दर्शनमिन्द्रियाधीनानुभवस्तत्प्रत्यक्षमेव NyāyKa. 259. 7; अन्तर्धानं चाञ्जनादिना मनुजादीनामिव तेषाम् … उपपद्यते Bhām. 234. 2 (*on* i. 3. 27); निधिदर्शनादिहेतोरञ्जनादेरप्यस्वाभाविकतया दोषत्वप्रसङ्गात् S'atDū. 178. 12; Upask. 415. 4 (*on* ix. 2. 13); **2 B** collyrium etc. कथं पुनरक्षं प्रतिगतं ज्ञानमिष्यते न संयोगित्वेन अञ्जनादेः प्रत्यक्षप्रसङ्गात् NyāyMañ. i. 85. 28; SiddhYo. 20. 21; अञ्जनादिवच्चक्षुरुपकारित्वेन चाभ्युपगमात् PramāMī. i. 19. 27 (*on* i. 1. 25); TattvMu. 5. 24; Vādā. 27. 3; अञ्जनादेः चक्षुःसंस्कार इव स्वान्तसंस्कारे भगवद्भजनस्योपयोगात् VīraMi. (Bhakti.) 8. 7; **2 C** application of collyrium or unguent etc. एवकारमञ्जनादिप्रतिषेधे व्याचक्षते। न केवलं स्त्रीक्षीरं भक्षणे वर्ज्यं किं तर्ह्यन्यास्वप्येवंविधासु क्रियासु ManuBh. i. 423. 9 (*on* 5. 9); अञ्जनादिफलश्रुतिवदित्यनुमानम् VedāntKa. 479. 11 (*on* iii. 4. 1); S'ārṅgaPa. 2907; तदभावे त्वन्यत्राञ्जनादि समर्थयत् किंचिद्द्रव्यापादानमेव Mīmā-Kau. i. 58. 4 (*on* i. 3. 9); Hastyāyur. 27. 2 (1. 2); **3** (Gr.) (*gaṇa*) beginning with the word Añjana वनगिर्योः कोटराञ्जनादीनाम् CāndraVyā. v. 2. 132; कोटराञ्जनादीनां वनगिरौ S'akaṭaVyā. ii. 2. 95; अञ्जनादीनां गिरौ SiddhaHe. iii. 2. 77; GaṇRa. 2. 142 (178): **4** (a class of medicinal plants) beginning with *Añjanā* पित्तजे ज्वरे। अञ्जनादिः सकाश्मर्यः सारिवादिः सशर्करः AṣṭāSam. ii. 4. 25 (4. 1); **5** (mountains) Añjana etc. पर्वतेष्वञ्जनादिषु शाश्वतार्हत्प्रतिमाष्टाह्निकां शक्रादयो दधुः TriṣaS'aPuC. ii. 3. 277; ii. 3. 839.

अञ्जनादि (añjanādi) *adv.* from anointing onwards अञ्जनादि यूपं यजमानो नोत्सृजत्या परिव्ययणात् ĀpaS'S. vii. 10. 5; ĀśvaS'S. I. vi. 14. 11.

अञ्जनादिक (añjanādi-ka) *adj.* **1** jet (a black gemlike substance) etc. वज्रेन्द्रनीलवैडूर्यपद्मरागाञ्जनादिकम्। … रत्नौघमुपार्जयत् PārśvC. 7. 788; **2** applying ointment etc. अञ्जनादिकं वा। दुःस्वप्नं हरति ĪśānS'iPa. i. 23. 36; योगमानेन यः कुर्यात्परिषेकाञ्जनादिकम्। … वैद्यः स श्रो(स्रो)तोन्धं निवर्तयेत् Hastyāyur. 147. 5 (1. 18); **3** collyrium etc. अञ्जस्त्वेत्यादिभिरेव मन्त्रैरञ्जनादिकं ददातीत्याहुः VīraMi. (Saṁskāra) 937. 8.

अञ्जनादिकसत्सिद्धि (añjanādika-satsiddhi) *f.* perfect preparation of magic collyrium etc. अत्रैव नगरे … विद्युच्चौरोऽभवत्तदा। अञ्जनादिकसत्सिद्धिगुटिकासिद्धिकोविदः BṛKathāK. 10. 4.

अञ्जनादिकाण्ड (añjanādi-kāṇḍa) *n.* part of sacrificial rites beginning with the anointing (of the sacrificial post) यजमानस्य यूपत्यागनिषेधोऽञ्जनादिकाण्डस्यानुसमये सत्युपपद्यते NyāyMāVi. 281. 10 (*on* v. 2. 5)

अञ्जनादिकालीन (añjanādikāl-īna) *adj.* connected with the time of anointing etc. तदिदमुच्छ्रयणाञ्जनादिकालीने वैदिकस्पर्शे भवति NyāyMāVi. 456. 8 (*on* ix. 3. 3)

अञ्जनादिजन्य (añjanādi-janya) *adj.* to be produced by anointing etc. तदपि (यूपत्वम्) दीक्षाकालकर्तव्यकतिपयच्छेदनादिधर्मजन्यमेव न त्वञ्जनादिजन्यमपि BhāṭṭDī. iii. 198. 6 (*on* x. 1. 5)

अञ्जनादिदान (añjanādi-dāna) *n.* giving or offering of collyrium etc. तस्मादट्टार्थमञ्जनादिदानम् ManuBh. i. 303. 3 (*on* 3. 210)

अञ्जनादिसंस्कार (añjanādi-saṁskāra) *m.* amelioration through anointing etc. अञ्जनादिसंस्कारेषु … फलश्रवणमर्थवादः S'ivārkaMaDī. ii. 385. 13 (*on* iii. 4. 2); MayūMāli. 825. 17 (*on* xi. 3. 11)

अञ्जनादिसंस्कृत (añjanādi-saṁskṛta) *adj.* ameliorated by the use of collyrium etc. न ह्यत्राञ्जनादिसंस्कृतेन पितुः किंचित्प्रयोजनमस्ति ManuBh. i. 303. 2 (*on* 3. 210); यथाञ्जनादिसंस्कृतं चक्षुः सातिशयं भवति PramāMī. 36. 7 (*on* i. 2. 4); NyāySiA. 195. 5.

अञ्जनाद्यपवर्ग (añjanādy-apavarga) *m.* end of (the amelioration through) anointing etc. अञ्जनादेर्हि न यूपगतातिशयो द्वारं किं तु यूपस्वरूपमेव तच्च यूपापकर्षविधानात्पशुत्रयस्याप्येक इति पशुत्रयापवर्गेऽञ्जनाद्यपवर्गः MayūMāli. 825. 19 (*on* xi. 3. 11)

अञ्जनाद्युपयोग (añjanādy-upayoga) *m.* use of collyrium etc. अञ्जनाद्युपयोगोऽपि दोषनिर्हरणायैव न गुणजन्मने NyāyMañ. i. 148. 12.

अञ्जनाद्रि (añjanādri) *m.* **A** mountain or heap of collyrium महामहिषसंस्थं तमञ्जनाद्रिसमप्रभम् … सस्मरे देवमपीश्वरम् PauṣkS. 4. 151; अञ्जनाद्रिप्रकाशोऽपि स जिनो देहतेजसा। जिगाय तिग्मगुम् PadmP.(Ra.) 21. 25; 71. 19; 74. 39; अञ्जनाद्रिप्रतीकाशं शिखामन्त्रं तथाकृतिम् PāraS. 6. 252; 11. 94; BṛNāraP. 29. 47; अञ्जनाद्रिसमानेषु महिषेषु कलस्वनाः। गुरुरारोपयामास पुमांसो गोणिकास्तकाः BṛKathāK. 11. 79; TilaMañ. 426. 21; LiṅgaP. i. 97. 39; सः (सूकरः) … अञ्जनाद्रिरिव श्यामः GaṇeP. ii. 106. 6; SaurP. 37. 9; AdhyāRā. v. 4. 4; चिन्तयेत् … प्रद्युम्नम् … अञ्जनाद्रिप्रतीकाशम् LakṣmīT. 10. 37; EI. iii. 75. 6; MalliC. 1. 84; **B** name of a mountain, the Añjana mountain काश्चित् (नार्यः) अञ्जनाद्रिसमासक्तसंध्यारेखाद्युतिं दधुः PadmP.(Ra.) 77. 18; वक्त्राणि … शृङ्गाणीवाञ्जनाद्रेर्वदहनशिखादीपितानीव रात्रौ … (दशग्रीव) दिक्षु क्षिपामि ĀścaCū. 4. 11; RāghPāṇ. (Dha.) 18. 77; नवघनवलयैरिवाञ्जनाद्रिर्बहुलनिशीथ इवान्धकारपुञ्जैः। अधिवसति … तटमिममुल्बणवृक्षमृक्षराजः RāmC. 6. 61; कृतेऽञ्जनाद्रिं त्रेतायां नारायणगिरिं तथा SkandP. ii(1). 1. 60; गच्छानेतुं गुह्यकं त्वमञ्जनाद्रौ महाजनम् VāmaP. 65. 130; किमेष पुनरुद्धतपक्षतया समुड्डीयान्तरिक्षशिरस्यारूढवानञ्जनाद्रिः UdaySuKa. 75. 10; बाणव्रणगलद्रक्तस्तस्येभः शत्रुमर्दनः। सधातुनिर्झरोद्गारमञ्जनाद्रिं व्यडम्बयत् KathāSaSāg. ix. 1. 169; तेऽपतन्निहता भुवि। अञ्जनाद्रिदृषत्खण्डा धातुस्यन्दोज्ज्वला इव RājTa.(Ka.) 4. 329; शक्रः …। नामतो देवरमणेऽञ्जनाद्राववतीर्णवान् TriṣaS'aPuC. i. 2. 632; ii. 3. 721; ĪśānS'iPa. ii. 17. 81; हिरण्यशृङ्गोऽञ्जनाद्रिरित्याख्याः स्युर्महीधराः BhāvPra.(S'ā.) 277. 8 (9); EI. vi. 330. 1; ĀnandRa. 8. 0 (47)

अञ्जनाद्रीयमाण (añjanādrīya-māṇa) *adj.* resembling a mountain of collyrium उषसि विहितकृत्यः सोऽञ्जनाद्रीयमाणः सरितमुपजगाम स्नातुकामो दशास्यः Rāvaṇā. 9. 52.

अञ्जनाधिका (añjanādhikā) *f.* a kind of lizard (also called Hālinī or Añjanī etc.) स्यादञ्जनाधिका हालिन्यञ्जनिका हलाहलः AbhidhāCin. 1298; S'abdaRa.(Su.) 4. 334; KośaKaTa. 1. 4524.

अञ्जनानन्दन (añjanā-nandana) *m.* Hanumat (*lit.* son of Añjanā) इत्याकूतं तस्य भीमोहितस्य ज्ञात्वालापैरञ्जनानन्दनोऽसौ। इत्थंकारं पथ्यमर्थं जगाद RāghPāṇ.(Dha.) 11. 22; 16. 34.

अञ्जनानन्दवर्धन (añjanānanda-vardhana) *adj.* increasing the joy of Añjanā (i. e. the son of Añjanā) दिष्ट्या सोऽयं महाबाहुरञ्जनानन्दवर्धनः UttaRāC. i. 32 = SaraKaṇṭhā. 694. 11.

अञ्जनानुगमन (añjanānugamana) *n.* entering (i. e. applying) of the ointment ततोऽञ्जनानुगमनायानुन्मीलयन् शनैरन्तश्चक्षुः संचारयेत् AṣṭāSam. i. 165. 5 (1. 32)

अञ्जनानुपलब्धि (añjanānupalabdhi) *f.* non-apprehension of the collyrium (in one's own eye) सामीप्याद्यथा चक्षुषोऽञ्जनानुपलब्धिः Sāṁkhya-KāBh. 6. 19 (*on* 7)

अञ्जनान्त (añjanānta) *m.* [Loc.] at the end of the application of collyrium or unguent प्रतिमर्शश्चतुर्दशसु कालेषूपादेयः।… मूत्रोच्चारकवलाञ्जनान्ते SiddhYo. 78. 10 (6)

अञ्जनान्तर (añjanāntara) *n.* another anointing अञ्जनकालेऽस्योपादानात्तदपवर्गे चापवर्गादञ्जनान्तरेऽन्यशकलोपादानम् S'āstrDī. 820. 11 (*on* xi. 3. 5)

अञ्जनान्तर्हित (añjanāntarhita) *adj.* invisible with the help of (magical) collyrium अञ्जनान्तर्हितो भूत्वा गुणशर्मा ततो ययौ KathāSaSāg. viii. 6. 81.

अञ्जनान्वय (añjanānvaya) *m.* name of a particular type of elephant believed to be descended from Añjana (the mystical elephant guardian (*diggaja*) of the southwest or west) रौद्रो लघुशिरा ह्रस्वश्वेतबिन्दुसमन्वितः। पाटलापुष्पनयनः स भवेदञ्जनान्वयः KalpaK. 109. 188.

अञ्जनान्वयसम्भव (añjanānvaya-sambhava) *adj.* born in the line of Añjana, descendent Añjana, (a particular tpye of elephant) स्निग्धवालधिदन्तो यः श्वेतोहरकरान्वितः। उन्नतस्थूलजघनः सोऽञ्जनान्वयसम्भवः Mānaso. ii. 3. 279.

अञ्जनान्वितलोचना (añjanānvita-locanā) *adj.* (*f.*) with eyes having collyrium अञ्जनान्वितलोचनाम् … ध्यायेत्तां विजयाम् KālīViT. 18. 16.

अञ्जनापति (añjanā-pati) *m.* husband of Añjanā वायुम् … पूजयेदञ्जनापतिम् NāraS. 33. 74.

अञ्जनाभ (añjanābha) *adj.* (dark-) coloured like collyrium, of the colour of collyrium लोहितैरञ्जनाभैश्च वैडूर्यसदृशैरपि (पुष्पैः) MahāBhā. iii. 155. 61; ज्ञात्वा तान्यञ्जनाभानि सूक्ष्मचूर्णानि कारयेत् CaraS. vi. 1. (3). 17 (1941 Ed.); vi. 4. 12 (1941 Ed.); BṛSaṁ. 54. 110; अञ्जनाभं महाकायं दशम्यां यममर्चयेत् ParaS. 13. 50; अपरेऽञ्जनाभैः…केचिद्विचेलुः…वक्त्रैः प्लवगपतयः RāmC. 25. 16; RugVi. 9. 6; नमः … कवचायाञ्जनाभाय LiṅgaP. ii. 21. 13; DevīBhāP. xii. 2. 7; अञ्जनाभं तथाकाशम् LakṣmīT. 35. 41 = 54. 14; साष्टत्रिंशत्कलामूर्तेमञ्जनाभं चतुर्मुखम्…ध्यात्वा ĪśānS'iPa. i. 30. 24; ii. 12. 13; अङ्गुष्ठमात्रं पुरुषं भजन्ते प्रफुल्लनेत्रोत्पलमञ्जनाभम् PañcaRā.(Nā.) v. 11. 26; प्रावृषेण्याः प्रियतमदिवसाः … अञ्जनाभमहावारिवाहौघनिचिताम्बराः VidaMuMa. 3. 3(1); S'ārṅgaPa. 3635; सोल्लासं मयि कृतनेत्रपद्मपातं लोकेऽहं कमपि किशोरमञ्जनो(? ना)भम् GopāKe-

Can. 95.5.

अञ्जनाभ (añjanābha) *m.* **1** name of a mountain चित्रकूटोऽञ्जनाभश्च पर्वतो गन्धमादनः MahāBhā. xiii. 151.27; **2** a kind of lentils मुद्गाः ··· अञ्जनाभाश्च सप्तैते अन्तर्भेदा उदाहृताः PāraS. 18.139; **3** name of a deity presiding over Pālikā vessels etc. यजेत् ··· पालिकाद्यधिदेवताः । अञ्जनाभं परं चैव पद्मनाभं ध्रुवं तथा PāraS. 16.159; **4 A** epithet of Viṣṇu (dark like collyrium) अञ्जनाभ हृषीकेश मायामय नमोऽस्तु ते NaraP. 11.46; अञ्जनाभो विष्णुः VīraMi. (Lakṣaṇa.) 41.4; **4 B** epithet of Rāhu [nt.]

अञ्जनाभक (añjanābha-ka) *n.* a kind of poison (from an inanimate material) मुस्तकं पौष्करम् ··· लाङ्गलक्यञ्जनाभकम् । ··· एवमादीनि चान्यानि मूलजानि स्थिराणि च CaraS. vi. 23.12 (1941 Ed.)

अञ्जनाभाग्य (añjanā-bhāgya) *n.* good-fortune of Añjanā (i. e. Hanumat) संजीवनमाशासे मञ्जुलमहिमानमञ्जनाभाग्यम् HanuPañ. 2.

अञ्जनाभाम्बर (añjanābhāmbara) *adj.* wearing a collyrium-coloured garment समं सीरिणा । अञ्जनाभाम्बरेण ··· पातु वश्चक्रपाणिः ChandoMañ. 2 375.

अञ्जनाभास् (añjanābhās) *adj.* resembling collyrium in colour तमालनीलोत्पलाञ्जनाभासः ।···घनाः प्रभूतजलाः BṛSaṁ. 21.23.

अञ्जनाभ्यञ्जन (añjanābhyañjana) *m. n.* name of a fortynine-night sacrifice cf. **आञ्जनाभ्यञ्जन**; अस्ति अञ्जनाभ्यञ्जनो नामैकोनपञ्चाशद्रात्रः S'ābaBh. 1919.1 (*on* x. 4.10); अस्ति अञ्जनाभ्यञ्जनं नाम सत्रम् S'āstrDī. 702.8 (*on* x. 4.6); अस्त्यञ्जनाभ्यञ्जनसंज्ञकः एकोनपञ्चाशद्रात्रः सत्रविशेषः NyāyMāVi. 535.25 (*on* x. 4.7); अञ्जनाभ्यञ्जनसत्रे···उक्तम् LaCandr. 695.31; अञ्जनाभ्यञ्जने सत्रे··· इति श्रुतम् BhāṭṭDī. iii. 280.9 (*on* x. 4.7)

अञ्जनाम्बुदसंकाश (añjanāmbuda-saṅkāśa) *adj.* resembling collyrium and rain cloud (in colour) अञ्जनाम्बुदसंकाशाः ··· अञ्जने पर्वते चैव ये वसन्ति प्लवङ्गमाः Rāmā. iv. 36.5.

अञ्जनाम्भस् (añjanāmbhas) *n.* water (tears ?) mixed with collyrium कालिम्ना समधित मन्युरेव वक्त्रं प्रापाक्ष्णोर्गलदपशब्दमञ्जनाम्भः S'iśuVa. 8.43.

अञ्जनार्जन (añjanārjana) *n.* acquisition of collyrium मुखसौरभभ्रमदलिप्रभावतो दशनच्छदोऽभजदिवाञ्जनार्जनम् S'rīKaC. 14.49.

अञ्जनार्ति (añjanārti) *f.* irritation due to the application of collyrium पिहितौ तौ (पुटौ) दृशो रुजि । सुप्तिमूर्च्छातिवर्त्मोष्णधूमवाताञ्जनार्तिषु SaṁgīRa. iv. 154.7 (7.444)

अञ्जनार्थ (añjanārtha) *adj.* meant for anointing तस्य ह्यञ्जनार्थेन स्वरुणा प्रयोजनम् S'ābaBh. 1281.13 (*on* iv. 4.27); मूलं तु ··· यूपशकलमिवाञ्जनार्थं कपालोपधानार्थमुपादीयते TantrRa. 123.6; अञ्जनार्थ एव स्वरुः MayūMāli. 402.3 (*on* iv. 4.10); 820.13 (*on* xi. 3.5)

अञ्जनार्थ (añjanārtha) *m.* [Loc.] for application as medicinal ointment पिष्ट्वाञ्जनार्थे कफजेषु धीमान् वर्तीर्विदध्यान्नयनामयेषु SuśruS. vi. 11.10; मरिचानि च श्वेतानि अञ्जनार्थे प्रदापयेत् Hastyāyur. 239.27 (2.33); [Inst.] for the purpose of anointing स्वरुशब्दश्चाञ्जनार्थेन शकले उपचरित इति गम्यते S'ābaBh. 1227.6 (*on* iv. 2.3)

अञ्जनार्थम् (añjanārtham) *adv.* **i** for the purpose of anointing शलाकायन्त्राण्यपि नानाप्रकाराणि···अञ्जनार्थमेकं कलायपरिमण्डलमुभयतो मुकुलाग्रम् SuśruS. i. 7.14; तत्र यः शकलः प्रथमः परापतेत्तं च स्वरुमञ्जनार्थं करोतीति S'ābaBh. 1227.17 (*on* iv. 2.4); **ii** for preparing ointment एतानि समभागानि अञ्जनार्थं प्रदापयेत् Hastyāyur. 239.29 (2.33); **iii** for the purpose of revealing (the filial devotion) सद्भावं चिन्तयामास अञ्जनार्थं द्विजोत्तमः PadmP. ii. 1.19.

अञ्जनार्पित (añjanārpita) *adj.* applied as an eye-ointment उन्मत्ताम्भः सलवणं नस्यालेपाञ्जनार्पितम् । ताम्बूलीसलिलं वापि समस्ताहिविषं हरेत् IśānS'iPa. i. 40.59.

अञ्जनावती (añjanā-vatī) *f.* name of the mate of the quarter-elephant called Añjana or Supratika अञ्जनादञ्जना(? नः) साम्नो विजज्ञे चाञ्जनावती VāyuP. ii. 8.221; BrahmāṇḍP. ii. 7.343; सप्तभिश्च रथन्तरा(दि)भिः सामभिरभ्रमुकपिला° ··· (अञ्जीन ? अञ्जना)वती° ··· °पिङ्गलेत्यादिभिः सह गजवधूभिरष्टाभिरष्टावुत्पन्नाः पतयो वारणानामैरावतः ··· अञ्जनः AvantiKa. 203.14; अञ्जना चाञ्जनावती···करिण्यश्च जातास्तस्मात्तु तत्प्रियाः BhaviP. 580B.8 (iii(4).17.53); AmaK. 154; Vaija. 17.9; Hārāva. 147; S'abdaRa.(Vā.) 314; KośaKaTa. 1.637; KalpaK. 375.53; S'abdaRaSaK. 166.6; **ii** epithet of the river Ganges अन्धतामिस्रहन्त्यन्ध्युरञ्जना ह्यञ्जनावती SkandP. iv. 29.39 (comm. अञ्जतीत्यञ्जना अविद्या । अञ्जनावती अविद्यावती); **iii** name of the plant *kālāñjana* [APTE]

अञ्जनाविल (añjanāvila) *adj.* **i** sullied with collyrium भ्रमरैः कुसुमानुसारिभिः परिकीर्णा परिवादिनी मुनेः । ददृशे पवनावलेपजं सृजती बाष्पमिवाञ्जनाविलम् RaghuVa. 8.35; अञ्जनाविलैरश्रुवारिभिर्मलिनितया ··· श्यामलितमास्पदं शिशुपादुमस्य दृष्टवती UdaySuKa. 109.30; **ii** filled with darkness मयानुरोधेन मया बिलेऽनन्यजनाविले [v. l. बिलेऽस्मिन्नञ्जनाविले] । कालोऽयम् ··· नीयते RāmC. 11.76.

अञ्जनाश्रु (añjanāśru) *n.* tear(s) mixed with collyrium सौवीरं कञ्चिके देशे उद्योते चाञ्जनाश्रुणि DharK. 2145; पल्लावस्तं व्रजति निगलच्चञ्चरीकाञ्जनाश्रुम् । ···अर्कः करेण । द्रागालिङ्गेदपि कुमुदिनीम् Jīvān. 132.10.

अञ्जनासङ्ग (añjanāsaṅga) *m.* contact with collyrium भ्रूकोदण्डस्फुरणरहितोऽप्यञ्जनासङ्गहान्या मालिन्यं च स्फुटमपनयन्नूनमच्छिन्नधारैः । ···बाष्पासारैः स्नपयति धरां नेत्रमेघे मृगाक्ष्याः MayūSaṁ. 2.44.

अञ्जनासंभव (añjanā-sambhava) *m.* Hanumat (born of Añjanā) साप्यञ्जनासंभवसिन्धुवर्जम् ··· । शोषं प्लवङ्गध्वजिनी जगाम धूम्राक्षनाम्नि क्षयधूमकेतौ RāmC. 32.36.

अञ्जनासुत (añjanā-suta) *m.* Hanumat (son of Añjanā) अयं च पुनरञ्जनासुतसमानीतमहीधरमहौषधिविधिलब्धजीवितानुजसमाश्लेषसुखलब्धमनोरथः ··· दाशरथिः RāmāCam. 6.82(1); ददाववलम्बं वपुषाञ्जनासुतः । ··· प्लवगानाम् RāmC. 12.2; 12.62; 20.39; 31.10; 34.30; 35.87; अञ्जनासुतम् । आजुहाव विभुरक्षिसंज्ञया Rāgh. 11.71.

अञ्जनासुतसमक्षम् (añjanāsuta-samakṣam) *adv.* in the presence (before the very eyes) of the son of Añjanā (i. e. Hanumat) अञ्जनासुतसमक्षमिदानीं कः प्रमादिनि विकत्थनवादः RāmC. 16.50.

अञ्जनासूनु (añjanā-sūnu) *m.* Hanumat (son of Añjanā) दशास्यस्त्रासितं वीक्ष्य निजं केसरिभिर्बलम् । समीपं चाञ्जनासूनुं कृतान्तमिव दुर्धरम् PadmP.(Ra.) 60.45; अतस्त्वमञ्जनासूनो ··· ब्रह्म चिन्तयस्व SkandP. iii(1). 45.55; मतान्यध्याप्य तान्यञ्जनासूनोरप्यथ नाद्यत्रेदमखिलं सम्यक्तमध्यापयत् BhāvPra.(S'ā.) 2.19(1); सन्देशं भरताय हारयति च द्रागञ्जनासूनुना JānaPa. 7.2.

अञ्जनिक (añjan-ika) *m.* [*purohitādigaṇa*] a species of lizard (cf. अञ्जनिका) GaṇPā. 144.18; अञ्जनमस्यास्तीति अञ्जनिकः GaṇRa. 7.403 (427)

अञ्जनिका (añjan-ikā) *f.* **i** box for collyrium उष्ट्रस्यास्थि भृङ्गराजरसेन भावितं दग्धमञ्जनमुष्ट्रास्थ्यञ्जनिकायां निहितमुष्ट्रास्थिशलाकयैव स्रोतोञ्जनसहितम् ··· चक्षुष्यं वशीकरणं चेत्याचक्षते KāmSū. 366.22 (7.1); KandaCū. vii. 1.39; तदञ्जनम्···सुवर्णरजत° ··· °घटितायामञ्जनिकायां निधापयेत् AṣṭāSaṁ. i. 51.24 (1.8); **ii** a kind of lizard हालाहलश्चाञ्जनिका ज्येष्ठा स्याद्गृहगोधिका AbhidhāRaMā. 2.102; AbhidhāCin. 1298; Vaija. 150.29; **iii** name of a maiden (daughter of Kāla) नवंम्यञ्जनिका नाम कालस्य दुहिता विभोः KathāSaSāg. viii. 2.351; **iv** a kind of medicinal plant नीलपुष्पी चाञ्जनिका नीला चाञ्जनकेशिका । चित्रिका पूतिमाषेति भिषग्भिः परिपठ्यते AbhidhāMañ. 234.7; **v** a small mouse [S'abdaKaDr.]; **vi** name of the mate of the quarter-elephant Supratīka [APTE]

अञ्जनिन् (añjan-in) *adj.* having collyrium (in the eyes) अञ्जनं चटापितम् । अञ्जनी भणति । ···किं मुधा क्लिश्यध्वे PrabaK. 100.23; अञ्जनी मृगदृशो दृगञ्चलः CaitaCa. 80.6(3)

अञ्जनिसुत (añjani-suta) *m.* Hanūmat (son of Añjani) हनूमानञ्जनिसुतो वायुपुत्रो महाबलः SkandP. v(3). 83.30.

अञ्जनी (añjanī) *f.* **i** name of the mother of Hanumat अञ्जना (v. l. अञ्जनी) सुप्रजा येन मातरिश्वा च नैर्ऋत Rāmā. vi. 61.18; अञ्जन्यामञ्जनापि च S'abdaBhePra.(Ma.) 1.92; अञ्जनीगर्भसंभूत आञ्जनेयो बभूव सः BṛBrahmaS. iii. 1.114; **ii** container or box for the eye-salve त्रिरात्रोपोषितः पुष्येण पुरुषघातिनः । काण्डकस्य शलाकामञ्जनीं च कारयेत् ArthS'ā. iii. 230.1 (14.3); **iii** name of the queen of king Hemasadana मागधे हेमसदनादञ्जन्यां प्रभविष्यति । विष्णोरंशो धर्मपाता बुधः SkandP. i(2). 40.255; **iv** name of one of the sixteen *śaktis* belonging to the second *āvaraṇa* of the S'auṇḍavyūha (worshipped during the king's victorious bathing) शौण्डव्यूहं शृणुष्व मे । ... प्रथमावरणं प्रोक्तं द्वितीयावरणं शृणु । ··· अञ्जनी मोहनी माया LiṅgaP. ii. 27.158; VīraMi. (Rājanīti.) 387.20; **v** name of a demoness सिंहिकासरसीबीजं रेणुकाबीजमेव च । अञ्जनीबीजकं ख्यातमनृतमपरं स्मृतम् । डकारस्य मया देवि ग्रन्थे वै रुद्रयामले UddhāK. 5.36; **vi** name of the daughter of the sage Gautama तगौतमसुतायां तद्वीर्यं शंभोर्महर्षिभिः । कर्णद्वारा तथाञ्जन्यां रामकार्यार्थमाहितम् S'ivaP. iii. 20.6 (319A.11); **vii** figure of a woman moulded in clay अञ्जनी लेप्ययोषिति AnekāSaṁ. 3.347; ViśvaPra. 91.80; MediK. 89.27; ViśvaLoK. 190.30; S'abdaRaSaK. 190.4; अञ्जनी लेपकामिनी Hārāva. 161; **viii** name of some plant or tree (used as purgative) कालाञ्जनी चाञ्जनी च रेचनी चासिताञ्जनी । नीलाञ्जनी च RājNi.

338.21; KalpaK. 308. 525; **ix** a kind of lizard अञ्जन्यामञ्जनाधिका हालिनी च हलाहल: S'abdaRa.(Su.) 4. 334.

अञ्जनीकार (añjanī-kārá) *m.* one who prepares collyrium शीलो॑याञ्जनीका॒रम् [आलभते] TaiBr. III. iv. 10(1)

अञ्जनीकारी (añjanī-kārī́) *f.* a woman preparing ointments शीलो॑याञ्जनीका॒रीम् VājaS. 30. 14.

अञ्जनीकृत्य (añjanī-kṛtya) *ger.* having used as collyrium अञ्जनीकृत्य कस्तूरीम् … काचित् सखीनां हास्यतामगात् NemiNir. 12. 51.

अञ्जनीगर्भसंभूत (añjanīgarbha-sambhūta) *adj.* born of the womb of Añjanī चिरं जीवतु दीर्घायुर्नरो हनुमान्सदा । अञ्जनीगर्भसंभूत: SkandP. v(2). 79. 6; अञ्जनीगर्भसंभूतं कुमारं ब्रह्मचारिणम् । दृष्टिदोषविनाशाय हनूमन्तं स्मराम्यहम् BhāvPra. (Bhā.) 5. 132.

अञ्जनीजन्मन् (añjanī-janman) *m.* Hanumat (born of Añjanī) धूम्राक्षम् …हतवानञ्जनीजन्मा BālRā. 9. 8.

अञ्जनीनन्दन (añjanī-nandana) *m.* son of Añjanī (i. e. Hanumat) अञ्जनीनन्दनम्…कपीशमक्षहन्तारं वन्दे Rāmā. 1. 20*(1)

अञ्जनीपति (añjanī-pati) *m.* husband of Añjanī (i. e. the god of wind) प्रपूजयेत्…वायुम्…अञ्जनीपतिम् VasiS. 37. 131.

अञ्जनीपुत्र (añjanī-putra) *m.* son of Añjanī (i. e. Hanumat) तत: प्राहाञ्जनीपुत्र: SkandP. iii(2). 37. 24.

अञ्जनीया (añjan-īyā) *adj.* (*f.*) to be anointed घृततैलवसानामन्यतमेन द्रव्येणाञ्जनीया: शर्करा: S'ābaBh. 365. 9 (*on* i. 4. 24); शर्करा: । ताश्च घृततैलवसादीनामन्यतमेन द्रव्येणाञ्जनीया: NyāyMāVi. 59. 10 (*on* i. 4. 19)

अञ्जनीरोग (añjanī-roga) *m.* an eye-disease एकदा श्रीवीसलदेवस्य दक्षिणे चक्षुषि अञ्जनीरोगो जात: PurāPraSaṁ. 79. 28.

अञ्जनीसुत (añjanī-suta) *m.* son of Añjanī (i. e. Hanumat) हनुमानञ्जनीसुत: । न किंचिदब्रवीत् Rāmā. iv. 1325*(2); vii. 36. 31; रामदेवेन दूतं कृत्वाञ्जनीसुतम् । …दत्तं ग्रामशतं नृप SkandP. iii(2). 36. 82; गन्तुं प्रचक्रे मतिमञ्जनीसुत: समुद्रमुत्तीर्य निशाचरालयम् NaraP. 50. 153; अहर्मुखाकृष्टपतङ्गमण्डल: फलाशया बाल इवाञ्जनीसुत: NavaSāC. 23. 19.

अञ्जनीसूनु (añjanī-sūnu) *m.* son of Añjanī (i. e. Hanumat) हनूमन्नञ्जनीसूनो वायुपुत्र महाबल । कैलासं परितो गत्वा लिङ्गमानय मा चिरम् SkandP. iii(1). 44. 97; iii(2). 37. 7; S'ivP. iv. 17. 70 (369. 5)

अञ्जनेभगिरि (añjanebha-giri) *m.* the mountain called Kālahastī स विनम्य चन्द्रशकलाभरणं शिवमञ्जनेभगिरिसंचरणम् Acyutarā. 5. 47.

अञ्जनोत्क्लेशित (añjanotkleśita) *adj.* (caused to be) irritated or excited by an ointment अञ्जनोत्क्लेशितं नस्यै: … वातकफं जयेत् AṣṭāSaṁ. i. 8. 21 (1. 3)

अञ्जनोदककृष्ण (añjanodaka-kṛṣṇa) *adj.* as black as water mixed with collyrium (रक्तम्) गृहधूमाञ्जनोदककृष्णं पीतं हरितम्…अस्कन्दि…पित्तात् AṣṭāSaṁ. i. 179. 11 (1. 36)

अञ्जनोद्भव (añjanodbhava) *m.* Hanumat (*lit.* born of Añjanā) तं समुद्रविजयं प्रतापत: शूरतैकपरमञ्जनोद्भवम् । सुप्रतिष्ठितमवेक्ष्य लज्जित: … अभवदुपप्लुतो नृप: RāghPāṇ.(Dha.) 10. 20 (comm. अञ्जनोद्भवं हनुमन्तम्)

अञ्जनोद्वेग (añjanodvega) *m.* fear caused by the ointment or collyrium अन्यथाञ्जनोद्वेगसंकुचितेऽन्त: सम्यगौषधं नानुप्रविशेत् AṣṭāSaṁ. i. 164. 19 (1. 32)

अञ्जनोपपद (añjanopapada) *adj.* having the word *añjana* as an epithet or adjunct (= अञ्जनगिरिपत्तन) अञ्जनोपपदं प्राप तदायं गिरिपत्तनम् BṛKathāK. 57. 417.

अञ्जनोपम (añjanopama) *adj.* resembling collyrium अश्माञ्जनोपमोऽध: शिरा सुजला BṛSaṁ. 54. 11.

अञ्जनोपार्जन (añjanopārjana) *n.* **1** acquiring lamp-black or collyrium (अस्ति…वसति:) यत्र च … लिपिकरेषु चाञ्जनोपार्जनम् YaśasCam. ii. 247. 18; **2** acquiring a stigma or black spot, YaśasCam. ii. 247. 18.

अञ्जनोल्लेखन (añjanollekhana) *n.* to draw a line with collyrium अत्र कुङ्कुमरजोयावकरागाञ्जनोल्लेखनरूपाणां जातिगुणक्रियाणामभावा उत्प्रेक्ष्यन्ते CitraMī. 87. 11.

अञ्जनौघ (añjanaugha) *m.* heap of collyrium दैत्येन्द्रनारीनयनाञ्जनौघहृतेरिवासादितकालिमा य: S'rīKaC. 1. 29.

अञ्जन्मषि (añjan-maṣi) *adj.* anointed with collyrium कृतागसं तं प्ररुदन्तमक्षिणी कषन्तमञ्जन्मषिणी स्वपाणिना BhāgP. x. 9. 11.

अञ्जन्य (añjanya) *m. n.* portent [*w. r.* for **अजन्य**] Hārāva. 210.

अञ्जन्याश्रम (añjany-āśrama) *n.* hermitage of Añjanī विन्ध्यस्य चोत्तरे भागे अञ्जन्याश्रममुत्तमम् SkandP. v(1). 54. 17.

अञ्जयत् (añjayat) *adj.* [*f.* -ntī] applying collyrium or ointment भगो न चित्र इत्येताभ्यामञ्जयन् सुभगो भवति SāmaViBr. ii. 6. 5; नाञ्जयन्तीं स्वके नेत्रे न चाभ्यक्तामनावृताम् । न पश्येत्प्रसवन्तीं च तेजस्कामो द्विजोत्तम: ManuSm. 4. 44 (ManvaMu. अञ्जनं कुर्वतीम्); ViṣṇuDhaP. ii. 89. 15; स्नानोत्तीर्णा…कज्जलेनाञ्जयन्ती नेत्रे दन्तीश्वरगतिरतिप्रेमपात्रीबभूव PadyaVe. 548.

अञ्जयितव्य (añjay-itavya) *adj.* to be anointed with (ointment or collyrium) पिप्पलीम्…वर्तयेत्…एतया सततमञ्जयितव्यं य: सुपर्णसममिच्छति चक्षु: AṣṭāSaṁ. ii. 251. 6 (6. 19) = SiddhYo. 61. 153.

अञ्जयित्वा (añjay-itvā) *ger.* having applied or anointed साक्षतैराधावै: शिवा न इति शिरोऽञ्जयित्वा VaikhāGS. 2. 13; यन्मे मन इति वामं चाञ्जनेनाञ्जयित्वा VaikhāGS. 2. 15.

अञ्जरक्करे (añjarakkare) name of a place विख्यातश्रीतिरुवडिदेसे वसतिमाश्रितम् । अंजरक्करेसन्मुळिळनाडुकेऽपि च विश्रुतम् EI. xvi. 313. 124.

अञ्जल (añjala) *m.* [in Cpd. for *añjali*, द्वित्रिभ्यामञ्जले: P. v 4. 102; MugdhaBo. 6. 57 (60. 18)] cf. **अञ्जलस्थ**; *m.* a kind of gem अर्को विमलकश्चैव गोमेदाञ्जलपूलिका: Hastyāyur. 635. 14 (4. 14)

अञ्जलस्थ (añjala-stha) *adj.* found in the joined palms ततो दत्त्वाञ्जलस्थं तदन्तर्धानाञ्जनं दृशो: KathāSaSāg. viii. 6. 150; अञ्जलस्थानि पुष्पाणि वासयन्ति करद्वयम् SaduktiKa. 301. 12.

अञ्जलि (añjalí) *m.* [DEBRU. p. 291; MAYR. i. p. 24. 545; iii. p. 625; Uṇā. 4. 2; Liṅgānu. (Pā.) 110. 11; (S'ā.) 120. 2; (Vā.) 13. 14; (He.) 28. 9; (Va.) 16; (Ha.) 24. 2; (Para.) (28) 3444] **i** joined open palms (as a container) तस्या॑ञ्जलिना॑ ब्रह्महत्यामुपा॑गृह्णात् TaiS. II. v. 1. 2; अ॒ञ्जलि॒ना स॒क्तू॑न् प्र॒दा॒व्ये॑ जुहुयात् TaiS. III. iii. 8. 4; स॒र्वा॑भि: (अङ्गुलीभि:) स॒म॒स्या॒ञ्ज॒लि॒ना॒ध्या॒वपति S'atBr. III. iii. 2. 13; अञ्ज॒लि॒नाप उ॒पाचति S'atBr. XIV. iii. 1. 27; स इत आदायाप: । अञ्जलिना पुरस्तादुपादधात् TaiĀ. i. 23. 5 (145. 1); अञ्जलौ मन्थमाधाय जपति ChāndoU. v. 2. 6; स्पृष्ट्वोदकमञ्जलिना प्रतिगृह्य ĀśvaS'S. I. i. 7. 3; प्राशित्रम् … अञ्जलिना प्रतिगृह्य ĀśvaS'S. I. i. 13. 1; अञ्जलौ पत्न्या: कृत्वा वेदं च मुक्तम् S'ānkhāS'S. i. 15. 10; अथाञ्जलिनाप उपहन्ति सुमित्रा न आप: … इति BaudhS'S. i. 41. 3; i. 184. 16; न्युप्तमाग्नीध्रोऽञ्जलिनाभिगृह्णाति ĀpaS'S. ii. 1. 8; स: योक्त्रमञ्जलिं कुरुते MānS'S. 24. 17; अक्ता धाना अञ्जलिना ĀśvaGS. ii. 1. 7; तस्याञ्जलौ फलानि दत्त्वा S'āṅkhāGS. i. 16. 10; इत्यञ्जलींस्त्रीनासिच्य दक्षिणोत्तराभ्यां पाणिभ्यां पाणी संगृह्य जपति KauṣīGS. ii. 2. 7; अञ्जलावुपस्तीर्य KāṭhGS. iii. 1. 29; लाजा अञ्जलिनाञ्जल्योरावपति MānGS. i. 11. 11; VārāGS. 5. 13; अथास्तमित आदित्ये गौरसर्षपान् फलीकरणमिश्रानञ्जलिना जुहोति BaudhGS. ii. 1. 17; दध्ना लवणमिश्रेणाञ्जलिना … अवोक्षेत् ĀpaGS. vii. 18. 1; इत्यपामञ्जलिमवसिञ्चति GobhiGS. iii. 4. 14; सकृद्गृहीतमञ्जलिं लाजानां वध्वञ्जलावावपेद् भ्राता DrāhyGS. i. 3. 20; दूर्वाग्रैरञ्जलावप आनीय KauśiSū. 24. 18; अञ्जलिना वा पिबेल्लोहितायसेन वा VasiDS. 5. 7; लिङ्गं वा सवृषणं परिवास्याञ्जलावाधाय … गच्छेत् BaudhDS. ii. 1. 14; नाञ्जलिना पिबेत् GautDS. i. 9. 20; येषामा सहस्रादञ्जलिर्न पूर्यते ते क्षुद्रजन्तव: MahāBh. i. 474. 15 (*on* ii. 4. 8); भीमोऽपि … पूरयित्वाञ्जलिं भूयो रुधिरस्योग्रनिस्वन: MahāBhā. viii. App. 1. 33. 22; प्रगृह्य च महीपालो जलपूरितमञ्जलिम् Rāmā. ii. 95. 27; कमलप्रतिमेऽञ्जलौ गृहीत्वा वचनम्…उवाच BuddhaC. 5. 29; न वार्यञ्जलिना पिबेत् ManuSm. 4. 63; ViṣṇuSm. 68. 47; सौवर्णपुष्पसंपूर्णमञ्जलिं संप्रसार्य च । … ध्यात्वा नारायणं देवमञ्जलौ संनिरोधयेत् JayāS. 12. 108; अञ्जलिना सक्तून् प्रदाव्ये जुहोति । द्विहस्तसंयोगोऽञ्जलि: S'ābaBh. 369. 3 (*on* i. 4. 25); सत्यञ्जलौ किं पुरुधान्नपात्र्या BhāgP. ii. 2. 4; S'atTra. 3. 111; तृषितेन मया…अञ्जलिर्विहित: पातुं कान्तारमृगतृष्णिकाम् KundMā. 4. 22; जलं नाञ्जलिना पिबेत् MārkP. 34. 111; अञ्जलिकाञ्जलिस्थाना AṣṭāSaṁ. i. 170. 9 (1. 34); अञ्जलौ मालां मुञ्चति MālaMā. 9. 291; कृत्वाभिमुखमाधाय कुसुमान्यञ्जलौ पुर: । त्याजयेत् MṛgendraT. ii. 7. 59; तृषितस्याञ्जलिना क्षुधितस्य पञ्चाङ्गुलियोगात्…ज्ञानमित्याद्यनुमानमेव MāṭhVṛ. 11. 21 (*on* 4); अञ्जलौ मनसा पीठं प्रथमं परिकल्पयेत् ParaS. 4. 40; अरुणे … अञ्जलौ निपतन्तो नयनोदबिन्दव: ĀścaCū. 6. 17; धृत्वाञ्जलिं कुमारस्य सुवर्णफलसंयुतम् LaghvāśvaSm. 10. 6; भक्षयन्त्यास्तिलास्तव । अष्टौ निपतिता वह्नावञ्जलेर्विरलाङ्गुले: BṛKathāS'loSaṁ. 4. 112; ततोऽञ्जलिं समापूर्य तोयै: प्राग्वदन: स्थित: … क्षिपेत् ĪśānS'iPa. i. 9. 91; एतत्पर्यालोचनया च पुष्पपूर्णमञ्जलिं कृत्वा CaturCin. iii(2). 196. 9; अञ्जलिर्युगंधरीलाजैर्भृत: ViviTīKa. 64. 12; तां च वेणीमञ्जलौ निधाय…क्षिपेत् TristhaSe. 22. 20; कुसुमगर्भितेऽञ्जलौ मूर्तं मूलमन्त्रान्ते महागणपतिमावाहयामीति त्रिकोणे आवाह्य NityoNi. 20. 28; पतञ्जलिरिति तु अञ्जले: पतित इति विग्रहे LaS'abdeS'e. i. 106. 9; **ii** (as a measure equal to 4 *palas* or 2 *prasṛtas*) य॒द्य॒नु॒ल॒भेरन् प्रसृ॒तमा॒त्रं वाञ्जलिमा॒त्रं वा S'atBr. IV. v. 10. 7; ब्रह्मौदनं नि॒र्वपति … चतु॒र: पा॒त्रांश्चतु॒रोऽञ्ज॒लीं॒श्चतु॒र: प्र॒सृ॒तान् S'atBr. XIII. iv. 1. 5; S'āṅkhāS'S. xvi. 1. 2; द्वित्रिभ्यामञ्जले: P. v. 4. 102;

(PadMañ. अञ्जलिपरिमितो व्रीह्यादिरञ्जलिः । न पाणिद्वयम्) JaineVyā. iv. 2. 105; CāndraVyā. iv. 4. 86; S'ākaṭāVyā. ii. 1. 164; SaraKaṇṭhā.(Gr.) v. 4. 118; SiddhaHe. vii. 3. 101; MugdhaBo. 6. 57 (60. 18); द्राक्षाञ्जलिं मृदित्वा वा CaraS. vi. 16. 55; पलं चतुर्गुणं विद्यादञ्जलिम् CaraS. vii. 12. 93 (1941 Ed.); भस्माञ्जलिं चापि घटे निधाय SuśruS. v. 3. 10; चतुःपलं बिल्वमानं पले द्वेऽञ्जलिरुच्यते HāriS. iv. 1. 6; दशैवाञ्जलयः प्रोक्ता उदकस्य त्वगाश्रयाः KāśyaS. 78A. 41; द्वे पले प्रसृतस्तौ द्वावञ्जलिः AṣṭāHṛ. v. 6. 27; त्रयोऽप्यञ्जलयो वसायाः KalyāKā. 3. 7; पाययत्यञ्जलिं जलम् SiddhYo. 1. 79; रक्तस्य सरसस्यात्र क्रमशोऽञ्जलयो मताः AgniP. 369. 41; S'ārṅgaS. i. 1. 26; रसस्याञ्जलयो नव SaṁgīRa. i. 50. 14 (i(2). 116); Aparā. 905. 9 (on 3. 104); एकोऽञ्जलिर्मज्जा BālaKrī. ii. 42. 7 (on 3. 96); RasaRaSa. 11. 7; BhāvPra.(Bhā.) 7(1). 12; **iii** contents of joined open palms अञ्जलीनावपति MānGS. i. 8. 7; एकैकस्य तिलान् मिश्रान् दद्यात् त्रीनष्ट वाञ्जलीन् Dakṣa-Sm. 2. 55; इति चापि विधाय दीयतां सलिलस्याञ्जलिरेक एव नौ KumāSaṁ. 4. 37; चतुर्दद्याञ्जलिं कुर्यात् BṛParāSm. 4. 142; एकैकमञ्जलीन् अर्हन्त्येते ··· देवर्षिपितरस्त्रयः LaghvāśvaSm. 1. 95; तृणैरञ्जलिभिश्चैव देवांस्तृप्येत् पुनः पितॄन् S'aṅkha-LiSm. 9; कृत्वाग्निवर्णं निर्वाप्य क्षीरे तस्याञ्जलिं पिबेत् AṣṭāHṛ. ii. 1. 39; प्रकीर्णैः पुष्पाणां हरिचरणयोरञ्जलिरयम् VeṇiSaṁ. 1. 8; चिक्षिपुः पौष्पमञ्जलिम् MahāP. 22. 152; ते जलमाविश्य प्रासिञ्चन्नञ्जलीन् मिथः GaṇeP. ii. 99. 20; सोऽपि··· दृष्ट्वा भस्मीकृतान् पितॄन् । साश्रुस्तेभ्योऽञ्जलिं दित्सुः RāmāCaṁ. 1. 72; RāmāMañ. 96. 22; स्वःसुन्दरीवृन्दपरिग्रहाय दत्तोऽञ्जलिः संप्रति दानवेन्द्रैः VikraDeC. 1. 52; तत्तोयैस्त्र्यञ्जलीन् दत्त्वा MahNirvāT. 5. 41; एतस्मिन् सरिदस्ति ··· यस्यां निवापाञ्जलौ ··· व्यग्राः शफर्यः EI. ii. 419. 47; एवं च दशसु दिनेषु पञ्चपञ्चाशदञ्जलयो भवन्ति VīrMi. (S'uddhi.) 202. 13; **iv** closely joined palms (as a mark of reverence or submission) अथ बर्हिषि प्राञ्चमञ्जलिं निधाय जपति नम उपेति KauṣīBr. 3. 8 (13. 16); पूर्वेण स्रुचावञ्जलिं निदधाति S'atBr. I. iv. 5. 1; सोऽञ्जलिं कृत्वा त्रिरुपतिष्ठतु JaimiBr. 1. 362; अञ्जलिं कृत्वा उपाश्चित ChāgU. 6. 9; तत्र उपेति बर्हिष्यञ्जलिं निधाय जपति S'āṅkhā-S'S. i. 14. 20; नमो देवेभ्य इति प्राञ्चमञ्जलिं करोति BaudhS'S. i. 196. 16; अग्रेण ध्रुवां जुहूं वाञ्जलिं कृत्वा··· जुहूमादत्ते ĀpaS'S. ii. 13. 2; KātySS. iii. 1. 15; अञ्जलिं कृत्वा नमो व इति DrāhyāGS. iii. 5. 27; अप्सरा देवकन्या वा ··· इति कृत्वाञ्जलिं सर्वे दद्दृशुस्ताम् MahāBhā. iii. 248. 10; सा तु ··· कृत्वा शिरसि चाञ्जलिम् । देवराजमथोवाच MahāBhā. v. 13. 3; अभिवाद्याञ्जलिं बद्ध्वा वन्दमानोऽभ्यभाषत MahāBhā. vii. 3. 8; अतो भयार्ताः प्रणिपत्य भूयः कृत्वाञ्जलीनुपतिष्ठन्ति शूरान् MahāBhā. xii. 100. 16; तावन्योन्याञ्जलिं कृत्वा···ननन्दतुर्दशरथो रोमपादश्च Rāmā. i. 10. 22; एषोऽञ्जलिर्मया बद्धः Rāmā. iv. 7. 11; इज्याञ्जलिनमस्कारजपहोमव्रतादिभिः SuśruS. vi. 37. 15; भो महाब्राह्मण अयमनुनयसर्वस्वमञ्जलिः Cārud. 1. 25(9); कृतो वित्तस्तम्भप्रतिहतधियामञ्जलिरपि SatTrayī. 150; एषोऽञ्जलिर्विरचितो वनदेवतानाम् KundaMā. 1. 23; सर्वे चतुर्भुजास्त्वेते द्वाभ्यां संधारयन्ति च । पीठमञ्जलिना द्वाभ्यां प्रणमन्ति जगत्प्रभुम् JayāS. 12. 13; रामाय सेषुचापाभ्यां कराभ्यां विदधेऽञ्जलिम् BrahmāṇḍP. ii. 23. 16; MārkP. 8. 6; यस्योदयास्तसमये ··· कुरुतेऽञ्जलिं त्रिनेत्रः LaghuJā. 1(0). 1; अञ्जलिं किल भयेन कुर्वती JānaHa. 8. 26; स्वागतमित्यञ्जलिनाभ्युपैति PādaTā. 16. 1; (मालती) अकथयच्च दधीचसंदिष्टं शिरसि निहितेनाञ्जलिना नमस्कारम् HarṣaC. 54. 7; क्षीणमनङ्गायाञ्जलिं ददे Kāvyāda. 3. 79; शिरसि कुर्वन्नञ्जलिम् ··· अशयिषि DaśKuC. 92. 5; शिरस्यञ्जलिमाधाय कृतसिद्धनमस्कृतिः PadmP.(Ra.) 7. 392; अञ्जलिना ··· स्वामिनमभिवन्दयेत् BārhaS. 4. 38; अञ्जलिं संप्रसार्य च PāraS. 5. 143; तत्त्वं प्रसीद भगवन्नयमञ्जलिस्ते MahāviC. 4. 21; देवताप्रसादाभयप्रार्थनादौ संहतहस्तसंयोगमात्रमञ्जलिः TantrVā. 332. 7 (on i. 4. 24); पूज्यानामञ्जलिस्तद्वदन्येषां वाक्यवन्दनम् KulārT. 12. 112; तुभ्यं मातर्योऽञ्जलिम् मूर्ध्नि धत्ते TripuVePāSt. 95; मातर्जाह्नवि शंभुसङ्गमिलिते मौलौ निधायाञ्जलिम् GaṅgāA. 8; व्याबद्धाञ्जलिशोभितेन शरणं मूर्ध्ना यदंघ्रिद्वयम् EI. vi. 245. 37; अयमञ्जलिरञ्जनासुतः सुदति प्रह्वशिरा विसृज्यताम् RāmC. 12. 82; जग्मुः ··· विद्विषां ··· सेवाञ्जलिं मौलयः EI. ix. 32. 40; तेषामु वा विनिहतोऽञ्जलिरेष मूर्ध्नि EI. iii. 275. 82; केवलमवलम्ब्य मध्यमपन्थानमुपरचयामि तेऽञ्जलिम् TilaMañ. 43. 2; क्रूराः कृतोऽञ्जलिरयम् TātpaṬ.(Vā.) 726. 11 (on v. 2. 24); को नाम तत्प्रति विनाञ्जलिमस्य कुर्यात् BhāgP. iii. 31. 18; अञ्जलिः शिरसा ब्रह्मन् कृतोऽयं पादयोस्तव BhaviP. 2. 2 (i. 1. 28); नाभिहृन्मस्तकेष्वेतैः क्रमात् कुर्यात् त्रिरञ्जलिम् IśānS'iP. i. 26. 15; अयं साधुचरस्तस्मादञ्जलिर्बध्यतामिह KāvPra. 325. 6; सद्यः कृत्वा पवन विनयादञ्जलिं मूर्ध्नि किंचिद्भक्त्योऽसौ रहसि भवता मद्गिरा गौडराजः PavaDū.(Dh.) 96; संभृतश्रुतैः । नाञ्जलिर्दीयते जातु मानाय च गुणाय च RājTa.(Ka.) 3. 132; ये वृद्धा लघवोऽपि येऽत्र गणका बद्धाञ्जलिं वच्मि तान् Golā. 280. 12 (31. 60); शिरस्यञ्जलिमुत्तंससंनिभं विरचय्य सः TriṣaS'aPuC. ii. 2. 460; समानेतुं कान्तं व्रज मदन बद्धोऽञ्जलिरयम् PratāYaBhū. 29. 5; ह्रीमूढानां करकिसलयच्छन्नकाञ्चीपटानामाकाङ्क्षन् वा कपटभणितैरञ्जलीन् मञ्जुवाचाम् (व्रज) HaṁsSaṁ. 70; छायाहेतोः पथि विटपिनामञ्जलिः केन बद्धः Subhāṣi. 282; **v** closely joined hands (as a posture in dance or a *mudrā* in Tantra) अञ्जलिश्च कपोतश्च ··· एते तु संयुता हस्ताः NāṭyaSā. 9. 8; पताकाभ्यां तु हस्ताभ्यां संश्लेषादञ्जलिः स्मृतः NāṭyaS'ā. 9. 128; अञ्जलिः प्रथमा मुद्रा वन्दनी हृदयानुगा AgniP. 26. 1; अञ्जलिश्च कपोतश्च कर्कटः स्वस्तिकस्तथा । एते वै संयुता हस्ताः ViṣṇuDhaP. iii 26. 5; SamarāSū. 83. 192; AbhinDa. 248; अथ संयुतहस्ताः । पताकहस्ततलयोः संश्लेषादञ्जलिः SaṁgīRa. 7. 185; 7. 82; अन्योन्यसंपुटदृढा घटिताग्रहस्ता मुद्राञ्जलिर्मुकुलिताम्बुरुहानुरूपा TantrSa. 12. 180; किंचिदाकुञ्चिताङ्गुल्यग्रयोः स्वाभिमुखं करयोरन्योन्यसंबन्धेऽञ्जलिः NityoNi. 72. 23; AmaK. 1244; 1481; Vaija. 179. 78; TrikāS'e. iii. 5. 2; AnekāSaṁ. 3. 617; AbhidhāCin. 598; MediK. 162. 60; अञ्जलि is given as one of the meanings of कर्वर, NānārthāSaṁ. ii. 79. 383.

अञ्जलिक (añjali-ka) *m. n.* [included in the *purohitādigaṇa* GaṇPā. 144. 17; KāśiVṛ. on v. 1. 128; JaineVyā. 236. 12 (on iii. 4. 118); GaṇRa. 7. 403 (426); 7. 403 (427); Prasā. i. 862. 12]; **1** a kind of arrow अञ्जलिकैरपि । पातयन्तोत्तमाङ्गानि पाण्डवा गजयोधिनाम् MahāBhā. vi. 58. 38; स पाण्डवानाम् ··· महारथान् ··· वारयामास ··· शितैरञ्जलिकैस्तथा MahāBhā. vi. 104. 30 (Devabodha अञ्जल्याकारफलैः); vii. 37. 22; अञ्जलिकेनाथ ··· चापं चिच्छेदाशु घटोत्कचः MahāBhā. vii. 150. 78; vii. 631*; आदत्त पार्थोऽञ्जलिकं निषङ्गात् MahāBhā. viii. 67. 16; viii. 60. 2; vii. 67. 33; viii. 1158*(1); viii. 1159*(3); भल्लैरञ्जलिकैरपि । विव्याध Rāmā. vi. 35. 23; शरेणाञ्जलिकेनारादूर्ध्वरोम्णः शिरोऽच्छिनत् KathāSaSāg. viii. 5. 59; DaśāvaC. 8. 761; खुरप्रोऽपि क्षुरप्रः स्यादर्धेन्दुप्रमुखा भिदाः । अप्यञ्जलिक इत्याद्या वाजः पक्षश्च पिच्छकः KalpaK. 119. 275; **2** who has folded the palms together, cf. **अञ्जलिकारिन्**, सुमन्त्रः । उपस्थितैरञ्जलिकारिभिश्च(v. l. अञ्जलिकैश्च)···समाकुलं द्वारपथं ददर्श Rāmā. ii. 305*(11)

अञ्जलिकरण (añjali-karaṇa) *n.* making *añjali*, joining the open palms, folding the palms in respectful salutation लौकिकश्चेश्वरो दानपरिचरणप्रणामाञ्जलिकरणस्तुतिमयीभिः ··· भक्तिभिः ··· आराधकाय फलं प्रयच्छति Bhām. 577. 19 (on iii. 2. 41); अञ्जलिकरणं प्रणामो भणितमिह गुणाधिकानां हि Tattv-Pradī.(A.) 354. 2 (on 3. 62); TātpaVṛ. 354. 11 (on 3. 62); 354. 14 (on 3. 62); नमस्काराञ्जलिकरणादुभौ हस्तौ समौ जान्वोरन्तरे यथा स्थितौ स्यातां तथा कृत्वा ··· द्विजोत्तमान् ··· पृच्छेत् SmṛtiCan. v. 280. 17.

अञ्जलिकर्मन् (añjali-karman) *n.* the act of joining the open palms, the act of folding the palms, respectful salutation भयेन भेदयेद् भीरुं शूरमञ्जलिकर्मणा MahāBhā. i. App. I. 81(101) = SūktiRa. 129. 2; लुब्धमर्थेन गृह्णीयात् स्तब्धमञ्जलिकर्मणा CāṇaNīDa. 6. 12 = Hitopa. 4. 107.

अञ्जलिका (añjali-kā) *f.* **1** folded or hollowed palms त्वं करोषि न्यञ्जलिकाम् TaiĀ. i. 6. 1 (34. 2); नि जानुका मे न्यञ्जलिका TaiĀ. i. 6. 2 (35. 1); **2** a small mouse तदिति तस्य वचनं निशम्य केचिदवादिषुः(?:) (v. l. एकोनल(? लो) निजदर्पस्फूर्जद्भुजा संज्ञितो) जृम्भमाणविजातिमुखध्वनिमुखर्शिजाननिजनिर्यत्परासुभोजनजनितविषज्वालाज(v. l. °जा)टालाभिर्व्यंजितजगज्जस्य प्रथमजांजलिका(v. l. °गलिका) इति S'ukSa. 67. 12; **3** a palm-shaped implement तत्र क्षारकर्मण्युपहरेत् पिचुवर्तिशलाकादर्व्यंजलिकाघृतमधुसुक्तयोदकमस्तुक्षीरोदकशीतोष्णदेहशयनासनादीनि AṣṭāSaṁ. i. 191. 16 (1. 39); i. 170. 8 (1. 34); **4** doll of clay स्याल्लेप्यमय्यञ्जलिका S'abdaRa.(Vā.) 2081; **5 A** ichneumon plant ऋक्षगन्धा सर्पगन्धा ऋषिजा[ञ्जलिका]स्तथा (v. l. ऋषिकाञ्जलिका) Paryā-Mu. 17. 23; **5B** *Mimosa pudica* [APTE]; **6A** a kind of insect (*hālāhala*) हालाहलस्त्वञ्जलिका सोक्ता कुटिलकीटकः RājNi. 404. 2; S'abdaRa.(Vā.) 1641; **6B** an insect of a spider tribe [APTE]

अञ्जलिकार (añjali-kāra) *m.* the plant *Mimosa pudica* or *natans*, cf. **अञ्जलिकारिका**, मातृवाहकाञ्जलिकारप्रचलाकभेकाक्षिपीलुकयोगो विषूचिकाकारः ArthS'ā. iii. 217. 8 (14. 1)

अञ्जलिकारक (añjali-kāraka) *adj.* making *añjali* (the folded palms) cf. **अञ्जलिकारिन्**, सुमन्त्रः । उपस्थितैरञ्जलिकारिभिश्च (v. l. अञ्जलिकारकैश्च) ···समाकुलं द्वारपथं ददर्श Rāmā. ii. 305*(11)

अञ्जलिकारिका (añjali-kārikā) *f.* **1** doll of clay, earthen doll, a kind of statue (जामाता) जगाम च ··· अञ्जलिकारिकाभिरुद्भासितपर्यन्ताम् ··· वेदीम् HarṣaC. 207. 15; स्मृता लेप्यमयी स्त्री तु बुधैरञ्जलिकारिका AbhidhāRa-Mā. 2. 338; NāmaMāli. 590; Vaija. 137. 13; AbhidhāCin. 1014; ParaNā. 678; KośaKaTa. 1. 2762; KalpaK. 18. 92; 208. 61; **2** the plant *Mimosa pudica* or *natans* षट्पदी नाम विख्याता तथा चाञ्जलिकारिका AśvaVai. 63. 2; Hastyāyur. 150. 9 (1. 18); (*Kośas* identify it with *lajjālu*, *raktapādī* or *raktaparṇī*, *namaskārī* etc.) Vaija. 57. 148; DhanvaNi. 155. 24; RājNi. 156. 3; NighS'e. 275. 2171; NānārthāSaṁ. iii. 105. 2; S'abdaRa.(Vā.) 1179;

KośaKaTa. 1. 4096; KalpaK. 313. 572; **3** a kind of small insect अञ्जलिकारिका । क्षुद्रजन्तुविशेषे च गजायुर्वेदभाषिते NānārthaSaṁ. iii. 105. 2.

अञ्जलिकारिन् (añjalikār-in) *adj.* who joins the hollowed palms together for salutation सूतो रामवेश्म ददर्श ह । उपस्थितैः समाकीर्णं जनैरञ्जलिकारिभिः Rāmā. ii. 300*(9); सुमन्त्रः । उपस्थितैरञ्जलिकारिभिश्च ··· समाकुलं द्वारपथं ददर्श Rāmā. ii. 305*(11); JayāS. 22. 32.

अञ्जलिकारी (añjali-kārī) *f. Mimosa pudica* or *natans* अन्या नमस्करी स्यादंजलिकारी कृताञ्जलिश्चेति AbhidhāMañ. 109. 3.

अञ्जलिकावेध (añjalikāvedha) *m.* particular mode of fighting with an elephant जानन्नञ्जलिकावेधं नापाक्रामत पाण्डवः MahāBhā. vii. 189*(3)

अञ्जलिकिसलय (añjali-kisalaya) *n.* sprout-like folded palms सा मामञ्जलिकिसलयोत्तंसितेन मुखविलोलकुन्तलेन मूर्ध्ना प्रणिपत्य DaśKuC. 82. 10.

अञ्जलिकुड्मल (añjali-kuḍmala) *n.* bud-like folded palms स मया प्रह्वया भूत्वा बद्धा चाञ्जलिकुड्मलम् । उक्तो वाक्यमिदम् Rāmā. ii. App. I. 7 (32); रुद्रमभ्यर्च्य दिव्यैरंजलिकुड्मलैः ··· बाणश्च स्वगृहं गतः S'ivaP. ii(5). 52. 20 (284B. 4); हस्तावञ्जलिकुड्मलं रचयितुम् SūktiRa. 124. 23.

अञ्जलिकृत (añjali-kṛta) *adj.* [*f.* -ā] who has joined palms अञ्जलिकृतः पिता उपतिष्ठते GobhiGS. ii. 8. 1 (comm. आहिताग्न्यादिपाठात् कृतशब्दस्य परनिपातः); iv. 3. 21; अञ्जलिकृतं प्रदक्षिणं मुञ्जमेखलामावध्नन् DrāhyGS. ii. 4. 20; इत्युक्तमात्रे भीष्मस्तु मूर्ध्न्यञ्जलिकृतोऽह्वयत् MahāBhā. i. 1056*; इत्यञ्जलिकृता सीता देवता अभ्ययाचत Rāmā. vii. 46. 18; vii. 47. 6.

अञ्जलिगत (añjali-gata) *adj.* [*f.* -ā] **i** found in folded palms, what is present in folded palms सत्यव्रतोऽञ्जलिगतां ···। उत्ससर्ज नदीतोये शफरीम् BhāgP. viii. 24. 13; **ii** pertaining to *añjali* द्वादशभिरव्ययैर्द्वादशसु वस्तुषु न्यूनाधिकसंख्याञ्जलिगता व्यवच्छिद्यते VīraMi. 862. 10 (*on* 3. 105)

अञ्जलिग्रथनादि (añjaligrathanādi) *adj.* act of saluting with folded palms etc. वन्दनोपासने कृत्वा सोऽञ्जलिग्रथनादिभिः ··· उत्ततार ताम् DvyāśraKā. 13. 15.

अञ्जलिग्रहण (añjali-grahaṇa) *n.* taking in joined palms अभिप्राणनस्याग्युद्दीपनसमर्थत्वेनाञ्जलिग्रहणप्रयोजनत्वमिति भावः MayūMāli. 408. 23 (*on* v. 1. 2)

अञ्जलिग्राह्यता (añjaligrāhya-tā) *f.* possibility of taking in joined palms अञ्जलिग्राह्यता चन्द्रत्विषः AlaṅkāCin. 7. 21.

अञ्जलिघटन (añjali-ghaṭana) *n.* act of joining palms करुणमातुरकृपणकोमलाञ्जलिघटनयाचितावसानमनलसोपलभ्यमानसद्भवरसं चोरिकासुरतरसतृप्तिमन्वगच्छत् AvantiKa. 36. 18.

अञ्जलिचुम्बितचूड (añjalicumbita-cūḍa) *adj.* whose crest has been kissed (i. e. touched) by joined palms (सः) अञ्जलिचुम्बितचूडश्चिरमशेत DaśKuC. 134. 3.

अञ्जलिच्छन्नवदन (añjalicchanna-vadana) *adj.* who has covered one's face with joined palms अवस्थां तां वीक्षितुमिवाक्षमाः अञ्जलिच्छन्नवदनाः चेल्यश्चेटाश्च चक्रन्दुः TriṣaS'aPuC. ii. 6. 175.

अञ्जलिच्छादितमुखी (añjalicchādita-mukhī) *adj.* (*f.*) who has covered the face with joined palms अञ्जलिच्छादितमुखी ··· रोदितुं प्रवृत्ता TāpaVa. iv. 9. 27.

अञ्जलिजलजपुट (añjalijalaja-puṭa) *m. n.* cavity of the lotus-like joined palms आदरादिवाञ्जलिजलजपुटावर्जिताभिर्नखांशुजालवेणिकाभिरभिषिच्यमानमौलिः AvantiKa. 144. 17.

अञ्जलित्रय (añjali-traya) *n.* three measures of joined palms गायत्रीमंत्रतोयाढ्यं दत्तं येनांजलित्रयम् । ··· किं न स्यात्तेन दत्तं जगत्त्रयम् SkandP. iv. 9. 46; अनेन खलु मन्त्रेण दद्यादम्भोऽञ्जलित्रयम् BṛDharmaP. i. 15. 49; क्रमादारोपयेच्छम्भोर्दमनस्याञ्जलित्रयम् ĪśānS'iPa. ii. 22. 65; ताप्येन रुक्मलोहस्य हतस्याप्यञ्जलित्रयम् (क्षिपेत्) RasRaSa. 28. 46; एवमेकैकस्याञ्जलित्रयप्रसेकः SmṛtiCan. ii. 522. 9; जलानामञ्जलित्रयम् । दत्त्वा जपेत्तु गायत्रीम् MahNirvāT. 5. 61; अञ्जलित्रयदानेन संक्षेपतर्पणमाचरन्ति VīraMi.(Āhnika.) 145. 16; 284. 7; अञ्जलित्रयपक्षतृतीयः प्रकृतः BālamBha. iii. 11. 19 (*on* 3. 3)

अञ्जलित्रितय (añjali-tritaya) *n.* three measures of joined palms निर्वाते तोयमादाय अञ्जलित्रितयं पिबेत् Rasā. 12. 252.

अञ्जलित्व (añjali-tva) *n.* the state of being with folded palms (in reverence) एकहस्तेन नमनं तु श्रीभागवते प्रतिषिद्धम्-एकेन पाणिना ··· इति । अञ्जलित्वमपि ह्यस्य नास्ति PāñcRāRa. 115. 17.

अञ्जलिदान (añjali-dāna) *n.* offering with joined palms उदकक्रिया अञ्जलिदानरूपा नित्यवत्कार्या VīraMi. 762. 7 (*on* 3. 4); अञ्जलिदानोत्तरं स्नानं भवति BālamBha. iii. 11. 31 (*on* 3. 5); iii. 11. 25 (*on* 3. 5)

अञ्जलिदानादि (añjalidānādi) *adj.* offering (water) with joined palms etc. यदत्र संध्याकर्मणि श्रौतमञ्जलिदानादि तदेवानुष्ठेयं नान्यदित्यभिप्राय इत्यनुसन्धेयम् SmṛtiCan. ii. 367. 19; पिण्डपदेन दशसु दिनेषु दीयमानाः । उदकमञ्जलिदानादि BālamBha. ii. 229. 19 (*on* 2. 135)

अञ्जलिदानापत्ति (añjalidānāpatti) *f.* contingency of the offering with joined palms परिभाषया मन्त्रसमाप्तौ अञ्जलिदानापत्तेः VīraMi.(Āhnika.) 353. 19.

अञ्जलिद्वय (añjali-dvaya) *n.* (contents of) pair of folded hands स्वगृह्ये विशेषानुक्तौ एकाञ्जलिना अञ्जलिद्वयस्य विकल्पः VīraMi.(Āhnika.) 344. 12.

अञ्जलिद्वितय (añjali-dvitaya) *adj.* of two measures of joined palms अञ्जलिद्वितये तोये कंसमात्रपयोन्विते । तुलार्धशर्करां दत्त्वा RasRaSa. 22. 114.

अञ्जलिनियम (añjali-niyama) *m.* rule regarding (the water libation with) joined palms अत्राञ्जलिनियममाह बोधायनः SmṛtiCan. ii. 513. 10; अञ्जलिनियमायाह । वसिष्ठेनापीति BālamBha. iii. 10. 24 (*on* 3. 3)

अञ्जलिनिर्देश (añjali-nirdeśa) *m.* indication or pointing out by joined palms नन्वञ्जलिनिर्देशादनामग्रहणाच्च दत्तमेव प्रतिवचनं कुशो ज्यायानिति KundaMā. 5. 14 (29)

अञ्जलिनिवृत्त्यर्थम् (añjali-nivṛttyartham) *adv.* for excluding *añjali* (i. e. joined palms) एकेन हस्तेनेत्यञ्जलिनिवृत्त्यर्थमुक्तम् SmṛtiCan. v. 367. 10.

अञ्जलिपद्म (añjali-padma) *m.* joined palms resembling a lotus (-bud) तेषामञ्जलिपद्मानि प्रगृहीतानि सर्वशः Rāmā. ii. 3. 1.

अञ्जलिपरिमित (añjali-parimita) *adj.* of the measure of joined palms अञ्जलिपरिमितो व्रीह्यादिरञ्जलिः PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. v. 4. 102.

अञ्जलिपात (añjali-pāta) *m.* showing reverence by joined palms शूरमञ्जलिपातेन भीरुं भेदेन भेदयेत् MahāBhā. xii. 347*(1)

अञ्जलिपात्र (añjali-pātra) *n.* cup of joined palms क्षीबः । अञ्जलिपात्रे पिबति च निजमूत्रविजृम्भितं चन्द्रम् KalāVi. 6. 20.

अञ्जलिपान (añjali-pāna) *adj.* who drinks (water) with joined palms पुण्यां तेरुरिक्षुमतीं नदीम् । अवेक्ष्याञ्जलिपानांश्च ब्राह्मणान्वेदपारगान् Rāmā. ii. 1588*(2)

अञ्जलिपुट (añjali-puṭa) *n.* cavity produced by joined palms नाञ्जलिपुटेनापः पिबेत् SuśruS. iv. 24. 98; शूद्रश्चेन्मन्त्रं लिखित्वाञ्जलिपुटे दद्यात् PārāSū. 6. 3; अञ्जलिपुटैर्ग्राह्या ··· सा वर्तते चन्द्रिका KāvyMī. 81. 1; ViddhaS'ā. 3. 14; SaraKaṇṭhā. 178. 8; SaduktiKa. 55. 26; S'ārṅgaPa. 3638; न गोचरश्चतुरोक्तिसुधारसास्वादविस्फुरितश्रवणाञ्जलिपुटायाः सहालापगोष्ठीनाम् YaśasCam. 84. 3; नमाम्येष बद्धाञ्जलिपुटम् GaṇeP. i. 4. 10; लोकनाथमवनिमव [भ]क्तिनम्रं रचिताञ्जलिपुटम् EI. xxi. 32. 7; किमेतदञ्जलिपुटे तातेन गोपायितम् SubhāRaK. 4. 30 = SaduktiKa. 7. 30; Subhāṣi. 69; त्वत्स्तोत्रायाञ्जलिपुटमिवाविर्भवत्कुड्मलौघाः S'rīKaC. 16. 15; पूजासज्जाः अञ्जलिपुटाः - अञ्जलय एव यासां ताः AupaSūT. 105. 12; शिरसि निदधानोऽञ्जलिपुटम् ··· अये गौरीनाथ ··· नेष्यामि दिवसान् S'atTrayī. 227 = SaduktiKa. 317. 13 = Ekāva. 3. 1 (102. 10); SāhiDa. 194. 10; Kuval. 171 (22); प्रेयसीवदनमुक्षितुमात्तं नीरमंजलिपुटे दयितेन HammīMaKā. 6. 22; बद्धाञ्जलिपुटं ततः । उवाच KathāKau. 4. 67; अर्घ्योदकानि महसामधिपाय दातुमाविश्चतोऽञ्जलिपुटेष्वखिलान्द्विजातीन् ··· किमिहानुकुर्वन्ति ··· अरविन्दाः AcyutarA. 10. 10; शक्यमञ्जलिपुटैः सलिलार्द्रैः ··· तदानीं विष्वगुज्ज्वलयितुं विपिनानि Gaṅgāva. 2. 36; आधारमण्डपस्थं ज्योतिर्विशेषमञ्जलिपुटं प्रति दक्षिणनासापुटेन संप्राप्तं परिभाव्य BālamBha. i. 86. 18 (1. 23)

अञ्जलिपुटक (añjali-puṭaka) *adj.* who has joined palms (in salutation) इत्युक्त्वाञ्जलिपुटकं स्तुवन्तं शंकरो नरम् । ··· पुनर्वचनमब्रवीत् PadmP. v. 14. 37.

अञ्जलिपुटसंभृत (añjaliputa-sambhṛta) *adj.* held in the joined palms अञ्जलिपुटसम्भृतोपजातबीजतण्डुलैः ··· वैखानसकुमारकैः ··· नर्मदैकगूढपार्श्वम् ··· आश्रमवनमदर्शयत् AvantiKa. 139. 8.

अञ्जलिपुरुष (añjali-puruṣa) *m.* man with joined palms अञ्जलिपुरुषः करयोः परस्परपृष्ठलग्नयोः ViṣṇuDhaP. iii. 32. 0 (328A. 3)

अञ्जलिपूरित (añjali-pūrita) *adj.* filled in the joined palms नाभिदघ्ने जले स्थित्वा जलैरञ्जलिपूरितैः ··· मन्त्री सहस्रमभिषेचयेत् ĪśānS'iPa. i. 38. 5.

अञ्जलिपूर्णम् (añjali-pūrṇam) *adv.* filling the cavity of folded palms मुक्तवन्तमपामञ्जलिपूर्णमादित्यमुपस्थापयेत् ĀśvaS'S. II. ii. 14. 6.

अञ्जलिपूर्वम् (añjali-pūrvam) *adv.* preceded by folding of hands (in respectful salutation) तत्र संघस्याञ्जलिपूर्वं विज्ञप्तिकां चक्रे PurāPraSaṁ. 66. 26.

अञ्जलिपेय (añjali-peya) *adj.* to be drunk with joined palms आरादञ्जलिपेयमत्र ··· सौरभ्यं पवनोपनीतमसितो धावन्त्यमी षट्पदाः PārvPa. 1. 8.

अञ्जलिप्रक्षेप (añjali-prakṣepa) *m.* throwing of (water, rice or

sesamum) with joined hands यद्यपि सन्ध्याया विनिवृत्तिः श्रूयते तथाप्यञ्जलिप्रक्षेपादिकं कुर्यात् Mitā. 334. 1 (*on* 3. 17); अञ्जलिप्रक्षेपस्तूच्चार्यमाणया सावित्र्या कार्यः Aparā. 893. 6 (*on* 3. 17); मनसोच्चारयेदित्येतदञ्जलिप्रक्षेपव्यतिरिक्तविषयम् SmṛtiCan. vi. 74. 17; स्थले स्थित्वा जलेऽञ्जलिप्रक्षेपो न कार्यः BālamBha. i. 339. 24 (*on* 1. 101)

अञ्जलिप्रग्रह (añjali-pragraha) *adj.* given to joining the palms (in respectful salutation) सोऽञ्जलिप्रग्रहो भूत्वा चतुर्वक्त्रो निरुक्तगः MahāBhā. (Chitraśālā Press, Poona, 1932) xii. 342. 124; xiii. 140. 36; Rāmā. vii. 100. 15; *m.* joining the palms (as a mark of respect) एषोऽञ्जलिप्रग्रहं करोति Padm-Prā. 15. 19; अञ्जलिप्रग्रहेण हस्तजोटनेन मनस एकत्वकरणेन JñātāDhaṬ. 46B. 8.

अञ्जलिप्रणयिन् (añjali-praṇayin) *adj.* given to holding palms together (in respectful salutation) यत्र यत्र दृशः पेतुस्तव ... तत्र तत्राबभौ श्रीमानञ्जलिप्रणयी जनः RāmāMañ. 393. 12.

अञ्जलिप्रमाण (añjali-pramāṇa) *n.* measure of joined palms जातस्य वर्धमानस्य...देहिनः। स्वेनाञ्जलिप्रमाणेन द्रवाणि प्रमिमीमहे KāśyaS. 78A. 21.

अञ्जलिप्रसूनस्थ (añjaliprasūna-stha) *adj.* residing in the flowers in the joined palms आवाहयामि लक्ष्मीशं ... अञ्जलिप्रसूनस्थं स्वमूर्तावितवतायें LakṣmīT. 36. 96.

अञ्जलिप्रह्वम् (añjali-prahvam) *adv.* bowing with joined palms (in respectful salutation) नम्यमानोऽञ्जलिप्रह्वम् ... मुदागादाश्रमपदम् PārśvC. 6. 101.

अञ्जलिप्रिय (añjali-priya) *m.* name of a Yakṣa [DBHS]

अञ्जलिप्रिया (añjali-priyā) *f.* name of a plant (*añjalinī*) *Mimosa pudica* मुशली शक्रवल्ली च सदाभद्राञ्जलिप्रिया S'āraTi. 8. 158.

अञ्जलिबद्ध (añjali-baddha) *adj.* with hollowed palms joined together (in reverence) सर्वे...एते (ऋग्वेदादयः) द्वाभ्यामञ्जलिबद्धाभ्यां(भुजाभ्यां) प्रणमन्त्यासनस्थिताम् (देवीं लक्ष्मीम्) LakṣmīT. 36. 20; मयि अञ्जलिबद्धे एतैरपि अञ्जलिः कृतः VedāntRaMañ. 3. 8 (108. 4)

अञ्जलिबन्ध (añjali-bandha) *m.* folding of the palms, joining of the palms (in salutation) त्वय्यपि विपद्धान्धव विन्ध्य वन्ध्योऽयमञ्जलिबन्धः HarṣaC. 327. 11; सभाविसर्जनानन्तरमञ्जलिबन्धस्य कारणं पृच्छन् PrabaCin. 80. 24; 80. 27; आम्बडः सचिवाग्रणीः। चकाराञ्जलिबन्धेन नमस्कारं नरेशितुः KumāCaSaṁ. 17. 10; 17. 11; 56. 8; 56. 10; अकरोदञ्जलिबन्धमब्जिनी MadhuVi. 7. 7; आचार्यनामग्रहणे भगवन्नामग्रहणे च अञ्जलिबन्धादिकं तत्र तत्र ग्राह्यम् PañcRāRa. 116. 6; न बलं भुजयोः क्रमेत तस्मिन्नवशादञ्जलिबन्धशिक्षितौ यौ S'ivLī. 3. 2.

अञ्जलिबन्धन (añjali-bandhana) *n.* folding of the hands (in salutation) अरातेर्यः प्रयुङ्क्ते तौ (करौ) पुरुषोऽञ्जलिबन्धने PadmP.(Ra.) 9. 87; दूरेऽप्यञ्जलिबन्धनं प्रणमनं स्तब्धार्धमूर्ध्नः कृतः SūktiMu. 1. 10; S'ārṅgaPa. 71; PrabaCin. 73. 13.

अञ्जलिबन्धसंपद् (añjalibandha-sampad) *f.* glory of the folded palms (in salutation) विवेश ता(पुरी)मञ्जलिबद्धसंपदा (v. l. अञ्जलिबन्धसंपदा) मुहुर्मुहुःखेन्दोरुदयेन सर्वतः। नरेन्द्रसूनुर्मुकुलानि कल्पयन् JānaHa. 9. 51.

अञ्जलिभृत् (añjali-bhṛt) *adj.* holding together both the palms (in salutation) नवपल्लवाञ्जलिभृतः ... तरून् गमयतावनतिम् Kirātā. 6. 26; प्रपन्नानां मूर्तः सुकृतपरिपाको जनिमताम् (v. l. सुकृतपरिपाकोऽञ्जलिभृताम्) MahāvīC. 7. 33 (208. 7)

अञ्जलिभोजनी (añjali-bhojanī) *adj.* (*f.*) eating from the joined palms ऋतुकालं वनिता मुनिव्रता। ... शरावपत्रांजलिभोजनी दिने KalyāKā. 2. 42.

अञ्जलिमध्यग (añjalimadhya-ga) *adj.* placed in palms joined together (in reverence) आमन्त्र्य च पवित्रं तत् विधायाञ्जलिमध्यगम् (तच्छिवाय निवेदयेत्) AgniP. 78. 52.

अञ्जलिमध्यस्थ (añjalimadhya-stha) *adj.* found in the palms joined together अञ्जलिमध्यस्थत्रिकोणचक्रे सञ्चिन्त्यमूर्तिं ... पूजयेत् SetuBa. 81. 15.

अञ्जलिमस्तक (añjali-mastaka) *adj.* with folded hands on the head जगाद मन्दनिःस्वानो विजयोऽञ्जलिमस्तकः PadmP.(Ra.) 96. 39.

अञ्जलिमात्र (añjali-mātrá) *adj.* measuring an *añjali* यद्यनुलमेरन् प्रसृतमात्रं वाञ्जलिमात्रं वा तदन्यैरेकधनैरभ्युन्नीय यथाप्रभावं प्रचरेयुः S'atBr. IV. v. 10. 7; पयो गृह्णीयात्सौवर्णे पात्रेऽञ्जलिमात्रम् SuśruS. iv. 29. 10.

अञ्जलिमाला (añjali-mālā) *f.* row of folded palms गृह्णन्नञ्जलिमालाश्च धार्तराष्ट्रो जनाधिपः। सुयोधनो ययावग्रे MahāBhā. iii. 240. 44.

अञ्जलिमालाधारिन् (añjalimālādhār-in) *m.* name of a former Buddha [DBHS]

अञ्जलिमाल्यमौलि (añjalimālya-mauli) *adj.* whose head (is adorned with) the flower of folded palms नृपो निधायाञ्जलिमाल्यमौलिः मुनिम्...जगाद SītāSva. 79.

अञ्जलिमित (añjali-mita) *adj.* measured by the cavity of the joined palms ज्ञातयः ... उदकमञ्जलिमितं सकृदेव सपिण्डादयः प्रसिञ्चन्ति VīraMi. 762. 12 (*on* 3. 5); इषुः ... परिध्या चाञ्जलिमितः NītiPra. 4. 28.

अञ्जलिमितायत (añjalimitāyata) *adj.* [*f.* -ā] as broad as the joined palms अञ्जलिमितायतो वितस्तिमात्रो दीर्घः शङ्खो विष्णोः PārāSū. 39. 3; अञ्जलिमितायता...घण्टा PārāSū. 39. 8.

अञ्जलिमुद्रा (añjali-mudrā) *f.* position of joined palms हृदयङ्गमसंज्ञं यत् पञ्चकं त्वङ्गणादिकम्। कृत्वमञ्जलिमुद्रायाम्...निवेदनीयं बहुधा PauṣkS. 38. 238; एवं संपूरयित्वा तु प्रणम्याञ्जलिमुद्रया PāraS. 14. 248; अञ्जल्याऽञ्जलिमुद्रा स्याद्वासुदेवप्रियैव सा Tantrābhi. xi. 78. 1; उत्तानौ किञ्चिदाकुञ्चितकरशाखौ पाणी विधारयेदिति अञ्जलिमुद्रा [JainL.]

अञ्जलियोगिन् (añjali-yogin) *adj.* which is in contact with palms joined together (in salutation) इत्युक्त्वा शिरसा पादौ वन्दित्वाञ्जलियोगिनः (? ना)। ...स भवनं गतः PadmP.(Ra.) 35. 91.

अञ्जलियोजन (añjali-yojana) *n.* joining together of the palms (in salutation) (स्थानकम्) अञ्जलियोजनात् गुरूणामतिवात्सल्यकरणं तु तुरीयकम् TriṣaS'aPuC. i. 1. 886.

अञ्जलिरूपक (añjalirūpa-ka) *adj.* in the form of an *añjali* (folded hands) स्पष्टौ प्रसारितौ हस्तौ कुर्यादञ्जलिरूपकौ JayāS. 8. 78; LakṣmīT. 34. 54.

अञ्जलिविरचन (añjali-viracana) *n.* joining of palms (in supplication) स्तब्धेऽर्धाङ्गे चरणपतनं नैव वामस्य पाणेर्वैमत्येनाञ्जलिविरचनं नैव वाचां प्रपञ्चः RasiJī. 34.

अञ्जलिवृद्धि (añjali-vṛddhi) *f.* increase (in the number of offerings) of handsful (of water) तावदञ्जलिवृद्धिः कार्येत्यर्थः। अत्र प्रेतोपकारविशेषापेक्षया यावन्त्याशौचदिनानि तावदुदकदानावृत्तिः कार्या SmṛtiCan. vi. 98. 1.

अञ्जलिव्यञ्जनम् (añjali-vyañjanam) *adv.* with the folded palms exposed भवन्तमुपसेवितुं बहिरिहाञ्जलिव्यञ्जनं पुरन्दरपुरःसरः सुरजनो ननूदीक्षते S'rīKaC. 16. 27.

अञ्जलिशत (añjali-śata) *n.* a hundred (salutations with) folded palms इदानीमस्माकं स्फुरदुरुजराजर्जरमिदं वपुर्जातं तृष्णे विरम विरमेत्यञ्जलिशतम् SaduktiKa. 320. 2.

अञ्जलिशुक्ति (añjali-śukti) *f.* trivial shell or conch [pw]

अञ्जलिश्लिष्टहस्त (añjaliśliṣṭa-hasta) *adj.* with palms joined to form an *añjali* श्रीगुप्तो नाम धूर्तः ... दृष्ट्वा दूरात्प्रसिद्धां तव नवजननीमञ्जलिश्लिष्टहस्तः ...स्तोतुमेतां प्रवृत्तः SamaMā. 6. 29.

अञ्जलिसंयुक्त (añjali-saṁyukta) *adj.* having palms joined together (in salutation) हृदयेऽञ्जलिसंयुक्तचण्डेशो भक्तिसंयुतः। ... दक्षिणामूर्तिमीशानं कुर्याद्वटतरोरधः S'ilpaRa. ii. 22. 145.

अञ्जलिसंयुता (añjali-saṁyutā) *adj.* [*f.* -ā] having palms joined together (in salutation) शंभोरर्धाङ्गुलेनैव षोडशाङ्गुलमुन्नता। श्रीमानोत्तुङ्गसंपूर्णा हृदयेऽञ्जलिसंयुता S'ilpaRa. ii. 22. 47.

अञ्जलिसंश्लेष (añjali-saṁśleṣa) *m.* placing of the palms joined together (in salutation) शिरस्यञ्जलिसंश्लेषः ... प्रतिपत्तिरियं गुरोः YogS'ā. 3. 125.

अञ्जलिसंसिक्त (añjali-saṁsikta) *adj.* poured with joined palms एवं त्रिरभिषुतमध्वर्युणा अञ्जलिसंसिक्तं राजानमुन्नेतान्तरेषे उद्धृत्याधवनीयेऽवनयति VaikhāS'S. xv. 13.

अञ्जलिसंस्थित (añjali-saṁsthita) *adj.* present in the palms joined together (विष्णुः) स्वमूर्तिसंस्थितः पूज्यः पुष्पैरञ्जलिसंस्थितैः JayāS. 13. 76.

अञ्जलिसख (añjali-sakha) *adj.* associated with joined palms देवः... मुनिगुरुं तमञ्जलिसखे(न) मौलिनोपतस्थौ AvantiKa. 206. 7.

अञ्जलिसंख्या (añjali-saṁkhyā) *f.* number of offerings of handsful (of water) यमतर्पणेऽञ्जलिसंख्यामाह VīraMi. (Āhnika.) 353. 12; अञ्जलिसंख्यापक्षाश्च त्रयः स्मृतिषूक्ताः BālamBha. iii. 10. 16 (*on* 3. 3); i. 340. 19 (*on* 1. 101)

अञ्जलिसंख्येय (añjali-saṁkhyeya) *adj.* to be measured by joined palmsful यत्त्वञ्जलिसंख्येयं तदुपदेक्ष्यामः (उदकादिकम्) CaraS. iv. 7. 16. (1941 Ed.)

अञ्जलिसंचित (añjali-sañcita) *adj.* collected in the folded palms त्वद्वैरिवामभ्रुवः ... सिञ्चन्त्यञ्जलिसंचिताश्रुभिरलं युष्मत्प्रतापानलम् SūktiSu. 97.

अञ्जलिसञ्जन (añjali-sañjana) *n.* joining of the palms (in reverence) कर्तुमर्हाञ्जलिसञ्जनेन स्वसंभूतिः प्राञ्जलतापि NaiṣC. 8. 22.

अञ्जलिसनाथमौलि (añjalisanātha-mauli) *adj.* who have joined

their hands at the forehead अयम्…अवलोकयति स…अञ्जलिसनाथमौलिभिः… परमभागवतसूरिभिराबध्यमानसेवानुवृत्तिम्…अनिमेषपतिम् YātrāPra. 3. 199(8)

अञ्जलिसंपुट (añjali-sampuṭa) *m.* cavity of the folded palms निशितमायुधमञ्जलिसंपुटः … । ननु भवज्जयसाधनमाहवे…द्विषाम् HarVi. 45. 21; मन्त्राक्षतान्…आदाय भूमिपतिरञ्जलिसंपुटेन Raghunā. 4. 70; Rāgh. 13. 69.

अञ्जलिसंबद्ध (añjali-sambaddha) *adj.* joined together into a cavity of joined palms (तस्य) हरिः … अञ्जलिसंबद्धं गृहीत्वाशु करद्वयम् SkandP. v(1). 3. 37.

अञ्जलिस्थ (añjali-stha) *adj.* contained in the folded hands समर्पयामि स्फुटमञ्जलिस्थं विकासिजातीकुसुमोत्करं ते TripuMāPūSt.(S'aṅ.) 101; ParaS. 4. 42; अञ्जलिस्थाम्भसा सेकादायुर्लक्ष्मीं च विन्दति IśānS'iPa. i. 37. 43; अञ्जलिस्थानि पुष्पाणि वासयन्ति करद्वयम् SubhāRaK. 37. 20; SūktiMu. 6. 4; S'ārṅgaPa. 199; KrsnaKa. 2. 47.

अञ्जलिस्थाना (añjali-sthānā) *adj.* (*f.*) shaped like folded hands अञ्जलिकाञ्जलिस्थाना AstāSaṁ. i. 170. 9 (1. 34)

अञ्जलिस्नान (añjali-snāna) *n.* bath with handfuls (of water) (भर्तरि मृते) तूष्णीं भौमजले नित्यमञ्जलिस्नानमुत्तमम् (कुर्याच्चैवंविधं तपः) MahāBhā. xiii. App. 15 (4669+)

अञ्जलिहस्तबन्ध (añjalihasta-bandha) *adj.* bearing the position of closely joined palms ऊचे वेत्री…अञ्जलिहस्तबन्धः DvyāśraKā. 6. 16.

अञ्जलिहोम (añjali-homa) *m.* offering with (substance contained in) the folded palms किं देवताप्रसादादिप्रार्थनायामिव हस्तसंयोगमात्रमञ्जलिहोमे S'āstrDī. 92. 9 (*on* i. 4. 20)

अञ्जली (añjalī) *f.* **i** joined palms (as a container) जलम् … पपुः सर्वे स्वचुलकैरञ्जलीभिश्च केचन GaṇeP. ii. 91. 6 (in reverence) श्रीकुम्भः … । विरचय्याञ्जलीबन्धं स्तुतवान् MalliC. 5. 324; **ii** a measure sufficient to fill hollow of joined palms अञ्जली कुडवे विद्यादञ्जलिः करसंपुटे ViśvaPra. 160. 136.

अञ्जलीक (añjalī-ka) *m.* **1** one of the types of Vaisṇava devotees चतुर्भिरञ्जलीकैस्तु ततो वायव्यगोचरे (एकायनीयशाखोत्थमन्त्रान् … । पाठयेत्) JayāS. 20. 267 = PāraS. 12. 313; **2** a species of lizard हालाहलोऽञ्ज (? लोऽञ्ज)लीकः प्रोक्तः AbhidhāMañ. 147. 11.

अञ्जलीकारिका (añjalī-kārikā) *f.* a kind of statue [nt.] cf. अञ्जलिकारिका.

अञ्जलीकूल (añjalī-kūla) *n.* name of a place धूम … अञ्जलीकूल JaineVyā. 190. 6 (*on* iii. 2. 105)

अञ्जलीकृत (añjalī-kṛta) *adj.* made into a cavity of the palms सप्ताश्वत्थस्य पर्णानि हस्तयोरञ्जलीकृतयोर्न्यसेत् Mitā. 205. 9 (*on* 2. 103); VyavaNi. 160. 6.

अञ्जलीकृत्य (añjalī-kṛtya) *ger.* having turned into a hollow of the palms प्रभुरप्यञ्जलीकृत्य पाणिपात्रमधारयत् TriṣaS'aPuC. i. 3. 292.

अञ्जलीपुट (añjalī-puṭa) *m.* cavity of the folded hands कुम्भः … । अञ्जलीपुटसंस्थानः SamarāSū. 63. 11.

अञ्जलीभूत (añjalī-bhūta) *adj.* which has turned into a cavity of the palms (हस्तयोः) अञ्जलीभूतयोरश्वत्थस्य सप्त पत्राणि न्यसेत् Aparā. 705. 6 (*on* 2. 103)

अञ्जलीयक (añjalīya-ka) *m.* one of the types of Vaisṇava devotees अञ्जलीयकविप्राय यद्दत्तं विधिपूर्वकम् JayāS. 21. 87; cf. अञ्जलीक.

अञ्जल्यर्ध (añjaly-ardha) *n.* half the measure of *añjli* श्लेष्मण ओजसस्तावदेवाञ्जल्यर्धमेव … रेतसोऽप्यञ्जल्यर्धमेव Aparā. 985. 15 (*on* 3. 107); VīraMi. 862. 9 (*on* 3. 107); अञ्जल्यर्धमितं पयः पिबेत् VīraMi.(Saṁskāra.) 293. 25.

अञ्जल्यादिहस्त (añjalyādi-hasta) *m.* *añjali* and other positions of hands देवतागुरुनृपादयो यदा निर्दिश्यन्ते तदा ललाटक्षेत्रचारिभिः अञ्जल्यादिहस्तैः AbhinBhā. ii. 67. 4 (*on* 9. 172) cf. **अञ्जलिहस्त.**

अञ्जल्यावृत्ति (añjaly-āvṛtti) *f.* repetition of the offering (of the contents) of folded hands अञ्जल्यावृत्त्या प्रत्यञ्जलि त्यागबोधकमन्त्रावृत्तिः VīraMi. (Āhnika.) 345. 2.

अञ्जल्युदक (añjaly-udaka) *n.* water contained in the cavity of hands folded कुर्वतो जलतर्पणम् । तस्याञ्जल्युदके मत्स्यः स्वल्प एकोऽभ्यपद्यत AgniP. 2. 5.

¹अञ्जस् (áñj-as) *n.* [DEBRU. p. 228] ointment, mixture स्वर्जेषे भरं आप्रस्य वक्मन्युषर्बुधः स्वस्मिन्नञ्जसि क्राणस्य स्वस्मिन्नञ्जसि ṚV. i. 132. 2; अञ्जैदग्निः … प्राञ्जोभिर्हिन्वानः MaiS. iv. 13. 4; KāṭhS. 16. 21; KhilaSūkta. v. 7(2). 1; TaiBr. III. vi. 5. 1.

²अञ्जस् (áñj-as) *n.* **1** proper form, fitness, propriety अञ्जसार्यो माल्यः शकरीः प्रारौत्सीत् … एतद्वा एतासामञ्जः … य आभिः क्षिप्तं प्रस्तुत्य क्षिप्रमुद्गायति PañcBr. xiii. 4. 11; अथ ह स्म सुदक्षिणः क्षैमिर्यदेव यज्ञस्याञ्जो यत्सुविदितं तद्ध स्मैव पृच्छति JaimiUBr. iii. 7. 4; **2** name of a Sāman अथाञ्जः पदनिधनं राथन्तरम् JaimiBr. 3. 209; अञ्जश्च वैरूपम् ĀrṣeBr. vi(1). 1. 1 = MaśaKa. 1. 4. 11–13; श्रायन्तीयवरुणसामद्वैगताञ्जसां दश LāṭyāS'S. vi. 12. 7; vi. 12. 10; **3** velocity, speed [APTE]; **4** strength [APTE]

अञ्जस् (áñj-as) *adv.* **i** quickly, instantly वाश्राइव धेनवः स्यन्दमाना अञ्जः समुद्रमव जग्मुरापः ṚV. i. 32. 2; i. 190. 2; AV. ii. 5. 6; (P.) xiii. 6. 2; MaiS. iv. 14. 13; TaiBr. ii. v. 4. 2; अनेन सर्वदुर्गाणि यूयमञ्जस्तरिष्यथ BhāgP. x. 8. 16 = x. 26. 19; तदङ्गसङ्गप्रमुदाकुलेन्द्रियाः…कुचपट्टिकां वा । नाञ्जः प्रतिव्योढुमलं व्रजस्त्रियः BhāgP. x. 33. 18; x. 80. 33; AdhyāRā. vii. 9. 67; CaitaCa. 103. 10 (4); **ii** duly, rightly, properly पुत्रस्ते भविता भद्रे इन्द्रहा…संवत्सरं व्रतमिदं यद्यञ्जो धारयिष्यसि BhāgP. vi. 18. 45; vi. 18. 55; AnuVyā. 14B. 3 (*on* 1. 4)

अञ्जस् (áñj-as) (Gr.) the word *añjas* स्फिगपूतवीणाञ्जोऽध्वकुक्षिसीरनामनाम च P. vi. 2. 187 (Nyās. अञ्जू इत्येतस्माद् असुन् । तेनाञ्ज आद्युदात्तः); अञ्जस उपसंख्यानम् Vār. 1 *on* vi. 3. 3; JaineVyā. iv. 3. 122 (301. 24); CāndraVyā. v. 2. 5; S'ākaṭāVyā. ii. 2. 4; SiddhaHe. iii. 2. 12.

अञ्जस (añjasa) *adj.* [DEBRU. p. 137] proper, fit, straightforward न हि विविधविग्रहतामन्तरा बहुत्वमणुपरिमाणस्य तस्याञ्जसमवकल्पेत GoviBh. 319. 13 (*on* iv. 4. 11); सर्वकलाविद्याविदोऽञ्जसः(? सान्) । सुविनीतान् प्रकुर्वीत … नृपः सुतान् S'ukraNī. 2. 23; AbhidhāCin. 375; ParaNā. 1719; S'abdaRa. (Su.) 3. 24.

अञ्जसा (áñjasā) *adv.* [DEBRU. p. 230; MAYR. 1. 24; 545; 3. 625; P. calls it *avyaya*; given in the *svarādigaṇa* GaṇPā. 254. 125 P. i. 1. 37; GaṇRa. 1. 15 (36)] **1A** rightly, correctly, truly, in a proper way, without a mistake, certainly, clearly, really, in fact, fittingly सं पूषन् विदुषा नय यो अञ्जसानुशासति ṚV. vi. 54. 1; vi. 16. 3; पथेव यन्तावनुशासता रजोऽञ्जसा शासता रजः ṚV. i. 139. 4; गायत्री सुवर्गं लोकमञ्जसा वेद TaiS. V. ii. 3. 5; शंयुर्ह वै बार्हस्पत्योऽञ्जसा यज्ञस्य संस्थां विदांचकार S'atBr. I. ix. 1. 24; न वै मनुष्यः स्वर्गं लोकमञ्जसा वेद S'atBr. XIII. ii. 3. 1; XIII. v. 3. 6; XIV. vii. 2. 18; यदैतमनुपश्यत्यात्मानं देवमञ्जसा BṛĀraU. iv. 4. 15; एतदात्मवतां वृत्तमेष धर्मः सनातनः ।… तत्कर्तास्म्यहमञ्जसा MahāBhā. iii. 30. 50; तस्मात् सत्यं तु वक्तव्यं जानता सत्यमञ्जसा MahāBhā. ii. 61. 68; एषोऽपि हि महाभागः पितुर्वचसि तिष्ठति । अत एव न शक्ताः स्मो व्यावर्तयितुमञ्जसा Rāmā. ii. 103. 21; यथाश्रुतं यथादृष्टं सर्वमेवाञ्जसा वद ManuSm. 8. 101 (ManvaMu. तत्त्वतः but ManvaVi. शीघ्रम्; SmṛtiCan. अञ्जसा शुद्धेन हृदयेन); विद्म हे शठ । पलायनच्छलान्यञ्जसा RaghuVa. 19. 31; साक्षाद्दृष्टोऽसि न पुनर्विद्मस्त्वां वयमञ्जसा KumāSaṁ. 6. 22; तस्याकाशवद् द्रव्यत्वनित्यत्वे सिद्धे काललिङ्गाविशेषादञ्जसैकत्वेऽपि … °उपाधिभेदान्मणिवत् पाचकवद्वा नानात्वोपचारः PadārthaSaṁ. 64. 3 (*but* NyāyKa. मुख्यया वृत्त्या); परं ब्रह्म … इदमीदृगियत्ताभिरपरिच्छेद्यमञ्जसा AhirbuS. 2. 26; 53. 22; संस्कृत्य योजयेत्तत्र बध्वा तु ध्वजमञ्जसा PāraS. 19. 147; प्रत्यक्षलक्षणं प्राहुः स्पष्टं साकारमञ्जसा NyāyVi. 2. 3; 3. 407; न हि नित्यस्य ओंकारस्य अञ्जसैवोत्पत्तिरवकल्पते TaiUBh. 197. 13 (*on* 1. 4); तावदञ्जसा कृत्स्नमात्मानं न वेद BṛĀraUBh. 105. 14 (*on* i. 4. 7); UpadeSā. 217. 12; 338. 13; SvātmaPra. 27; नैयायिकमतस्यैष समासः कथितोऽञ्जसा । सांख्याभिमतभावानामिदानीमयमुच्यते ṢaḍdarSa.(Ha.) 33 (*but* comm. अञ्जसा प्राक्); चक्रिकाभञ्जनो नाम्ना चक्रिकाभञ्जनोऽञ्जसा GaṇiSāSaṁ. 0. 6; ओंकारस्य हि नित्यत्वान्नाञ्जसोत्पत्तिरुच्यते TaiUBhVā. 19. 7 (1); 117. 1 (2); BṛĀraUBhVā. i. 3. 219; i. 4. 564; रूपं तावकमुज्झितद्वयमभूदद्वैतमेवाञ्जसा SaṁkṣeS'ā. 1. 269 (i. 205. 21); त्रिभिरेतैः प्रमाणैस्तु यत्परिच्छिन्नमञ्जसा ParaS. 23. 21; मन्त्रार्थवादानाञ्च भूयसाममुमर्थमञ्जसा वदतामन्यथा वर्णनम् PrakaPañ. 304. 14; द्वीपायनमुनिस्तूर्णं पठित्वागममञ्जसा BṛKathāK. 81. 18; गण्डपाली । सुतनु कथय कस्य व्यञ्जयत्यञ्जसैव स्मरनरपतिकेलीयौवराज्याभिषेकम् VakroJī. 69. 1 = KāvyaPra. 342. 4 (comm. अञ्जसा शीघ्रं तत्त्वतो वा); एतेष्वञ्जसा परमार्थतो दीर्घेष्वपि NyāyKa. 134. 19; LakṣmīT. 4. 5; 30. 19; तत्र तत्राञ्जसायुष्मन्भवता यद्विनिश्चितम् BhāgP. i. 1. 9; i. 14. 7; न हि कश्चित्प्रियः स्त्रीणामञ्जसा स्वाशिषात्मनाम् BhāgP. vi. 18. 42; तस्मात् सत्यं तु वक्तव्यं जानता सत्यमञ्जसा PadmP. v. 34. 100; शंकरः । त्वत्सुतायाः वियोगेन न शर्म लभतेऽञ्जसा S'ivaP. ii(2). 17. 62 (89A. 12); ii(2). 3. 76 (71A. 1); GaṇeP. ii. 63. 30; ii. 98. 52; भर्तव्यमेवेह कुटुम्बमञ्जसा केनाप्युपायेन शुभाशुभेन DevīBhāP. iii. 11. 32; स्थित्वा तत्र चिरं कालं राजा भवति चाञ्जसा BhaviP. 151B. 18 (i. 99. 6); वक्त्यञ्जसा मुनीश्वरः GaṇRa. 1. 15 (36); अथ क्ष्माभृद्रक्ष क्ष्मां श्रेष्ठसेनस्तदात्मजः । प्राहुः प्रवरसेनं यं तुञ्जीनं चाञ्जसा जनाः

RājTa.(Ka.) 3. 97; 3. 386; 4. 376; अञ्जसासौ बलाग्रे। … निजतेजस्तेजयामास पूर्वम् RāghPāṇ.(Ka.) 7. 48 (comm. तत्त्वेन प्रकाशेन इत्यर्थः); मध्यं तदाज्ञया शेषपैलाभ्यां कृतमञ्जसा AnuVyā. 4A. 10 (*on* 1. 1); वयं त्वां श्रुतियुक्तिभ्यां बध्वास्मच्छास्त्रमञ्जसा AnuVyā. 7A. 2 (*on* 1. 10); 7B. 9 (*on* 1. 11); प्रत्यक्षादिविरोधाच्च दुष्टः पक्षोऽयमञ्जसा UpādhiKha. 238B. 10; S'rutaPra. 113. 19 (*on* i. 4. 6); VedāntKau. 133. 23 (*on* i. 4. 16); शुभगतिषु धियो यश्चोदयत्यञ्जसा नः S'atDū. 116. 20; तमः प्रदोषे तरुणिम्नि कस्य वा समञ्जसं पश्यति दृष्टिरञ्जसा MadhuVi. 3. 25; S'ārṅgaPa. 2291; NyāySu.(Ja.) 499A. 2 (*on* iii. 2. 1); अस्त्वेतत्सूत्रत्वमञ्जसा ब्रह्मसूत्राणाम् TattvPrakā. 3B. 4 (*on* i. 1. 0); क्षमास्तु न रमेश्वर श्रुतिगिरः स्वरूपं तव प्रकाशयितुमञ्जसा विदधिरे पदं मूढताम् HariC (Pa.) 146 (*but* comm. अञ्जसा सद्यः); PāñcRāRa. 45. 5; HariVi. 4. 55; तस्माद् यत्नात् समुद्धृत्य दुःशल्यं पुनरञ्जसा S'ilpaRa. i. 4. 26; प्रतिबिम्बेशजीवैक्यवादयोर्नैतदञ्जसा VedāntSiSūMañ. 4. 22 (comm. असामञ्जस्यम्); तत्त्वे त्वद्धाञ्जसा द्वयम् AmaK. 2872; तत्त्वतूर्णार्थमञ्जसा AnekāSa. 803; AbhidhāRaMā. 5. 96; AgniP. 360. 27; Vaija. 286. 31; निश्चयेऽद्धाञ्जसा द्वयम् S'eṣaNā. 1743; ViśvaPra. 191. 66; DharK. 2975; AnekāK. 1005; अञ्जसाशब्द आख्यातस्तत्त्वतूर्णार्थयोरपि MediK. 202. 81; NānārthaMa. 1918; S'abdaRa.(Vā.) 4581; ViśvaLoK. 418. 74; KośaKaTa. 2. 2975; KalpaK. 459. 16; **1 B** sincerely, devotedly, with great respect स भीष्मं पूजयामास वार्ष्णेयो वाग्भिरञ्जसा MahāBhā. v. 87. 15; अमराः … देवं पूजयामासुरञ्जसा VāmaP. 62. 25; तत्पुत्राः श्राद्धदानेन तर्पयामासुरञ्जसा VarāP. 13. 13; गुहः कृताञ्जलिरञ्जसा रघुनाथमनुनाथितवान् RāmāCaṁ. 2. 48 (1); जोगराजमुपाध्यायं ध्यायन्तं शुभमञ्जसा S'rīKaC. 25. 107; अञ्जसा परमादरेण NyāySu.(Ja.) 615A. 3 (*on* iv. 1. 2); आराधयन् … गुरुमञ्जसा शिवयोगी … सिद्धिं कामप्युपालभत् ParamāKā. 141. 90; **1 C** completely, entirely अतीक्ष्णदण्डांश्चतुरो वर्णाञ्जुगुपुरञ्जसा HariVaṁ. 41. 7 (comm. साकल्येन); अञ्जसा रिपुगणश्च चिकीर्षीष्टेति तत्र किरते स नृणां वाक् DvyāśraKā. 8. 24; प्रतापकेसरी…निरीक्ष्य…निरुद्धमञ्जसा पुरम् ĀnandRa. 7. 3 (? 4); **1 D** in truth, in reality अतो यच्च किमुच्चारणमात्रेणोपकुर्वन्तीति सिद्धवत्प्रयोगाभिधानं नैतदञ्जसैव द्रष्टव्यम् TantrVā. 50. 19 (*on* i. 2. 31); **1 E** clearly, distinctly इत्यञ्जसा न विचकास न संचुकोच पर्याकुलं कुमुदकाननचक्रवालम् HarVi. 19. 48; **1 F** reliably, trustworthily यद्यात्मोपासनाप्राप्तिः क्वचित् संभाव्यतेऽञ्जसा BṛĀraUBhVā. i. 4. 927 (comm. प्रमाणनिबन्धनेन); **1 G** by right knowledge अञ्जसा आत्मज्ञानेनेत्यर्थः BālaKrī. i. 57. 7 (*on* 1. 50) (while quoting ManuSm. स गच्छत्यञ्जसा विप्रो ब्रह्मणः सद्म शाश्वतम्); **1 H** in absolute reality न वा मायामात्रम्। अञ्जसैव विश्वसृजो रूपम्। तत्तु न चक्षुषा ग्राह्यम् VedāntSā.(Rā.) 43. 6 (*on* i. 1. 21); **1 I** by virtue of being chief, principally तमेव शास्त्रप्रभवं प्रणम्य जगद्गुरूणां गुरुमञ्जसैव AnuVyā. 1A. 3 (*on* 1. 1); जगत एतच्छास्त्रप्रवक्तृणां ब्रह्मादीनामञ्जसा मुख्यतया न तु वयोऽधिकत्वादिमात्रेण गुरुम् NyāySu.(Ja.) 3A. 11 (*on* i. 1. 1); तत्त्वं मुख्यत्वमञ्जसा AnekāK. 1005; **1 J** under the pretext अञ्जसा छद्मना ViṣamaPaVi. *on* MahāBhā. iv. 33. 4 (घोषान् विद्राव्य तरसा गोधनं जह्रुरञ्जसा); **2** directly, straightaway, in a straightforward way, without hindrance or difficulty, easily, primarily, without any intermediary, continuously, in a straight line त्वं च॑कर्थ॒ मन॑वे स्यो॒नान्प॒थो दे॑व॒त्राञ्ज॑सेव॒ याना॑न् ṚV. x. 73. 7; अञ्ज॑सा स॒त्यमुप॑गेषम् TaiS. I. ii. 10. 2 = VājaS. 5. 5; क्षे॒त्र॒विद॒ञ्ज॑सा नयति TaiS. V. ii. 8. 5; वसिष्ठो वा एतेन वैडवः स्तुत्वाञ्जसा स्वर्गं लोकमपश्यत् PañcBr. xi. 8. 14; ते॒ ए॒वैतद॒ञ्जसा प्रत्य॒क्षं यजत्य॒ञ्जसा ह वा॒ अस्य दर्शपूर्णमा॒सा॒भ्यामि॒ष्टं भवति S'atBr. II. iv. 4. 17; य॒था क्षेत्रज्ञो॒ऽञ्जसा न॒येत् S'atBr. XIII. ii. 3. 2; III. vii. 3. 7; अहरहरेवैतदञ्जसा स्वर्गं लोकमुपयन्ति JaimiBr. 2. 383; 3. 209; GopBr. ii. 2. 3; धानारुह इव वै वृक्षोऽञ्जसा प्रेत्य संभवः BṛĀraU. iii. 9. 28; अञ्जसैव भ्रातृव्यानपहनानि S'aunako. 2. 1; होता दक्षिणेनौदुम्बरीमञ्जसेतरेऽपरया द्वारोत्तरां वेदिश्रेणीमभिनिःसर्पन्ति ĀśvaS'S. I. v. 11. 1; S'āṅkhāS'S. v. 8. 2; एवमुक्तः प्रत्युवाच पूरुः पितरमञ्जसा MahāBhā. i. 79. 27 (comm. आर्जवेन); MahāBhā. iv. 33. 4 (Arjunamiśra अव्यवधानेन); उभे सेने … स्थिते … हन्तुमन्योन्यमञ्जसा MahāBhā. viii. 7. 39; viii. 67. 34; दूताः … गिरिव्रजं पुरवरं शीघ्रमासेदुरञ्जसा Rāmā. ii. 62. 14; अञ्जसा सत्यमुपगेयम् MahāBh. ii. 65. 10 (*on* iii. 1. 86); स गच्छत्यञ्जसा विप्रो ब्रह्मणः सद्म शाश्वतम् ManuSm. 2. 244 (ManuBh. अञ्जसाक्लिष्टेन मार्गेण but ManvaVi. शीघ्रम्); समिदिक्षुवंशादिष्वञ्जसा दीर्घेष्वपि तत्प्रकर्षभावाभावमपेक्ष्य भाक्तो ह्रस्वत्वव्यवहारः PadārthaSaṁ. 131. 3; VāyuP. i. 60. 49; BrahmāṇḍP. i. 34. 54; नाञ्जसा निगदितुं विभक्तिभिर्व्यक्तिभिश्च निखिलाभिरागमे S'iśuVa. 14. 23; न ह्यञ्जसा अतिमात्रस्य परमात्मनोऽङ्गुष्ठमात्रत्वमुपपद्यते BrahmSūBh.(S'aṅ.) 185. 7 (*on* i. 3. 25); तपसि ब्रह्मविज्ञानसाधने ब्रह्मशब्दो भक्त्या प्रयुज्यते अञ्जसा तु विज्ञेये ब्रह्मणि BrahmSūBh.(S'aṅ.) 425. 15 (*on* ii. 3. 5); TaiUBh. 215. 8 (*on* 1. 11); धानातोऽपि प्रेत्य संभवो भवेत् अञ्जसा पुनर्वनस्पतेः BṛĀraUBh. 485. 5 (*on* iii. 9. 27); 635. 12 (*on* iv. 4. 15); उल्मुकादौ यथाग्न्यर्थाः परार्थत्वान्न चाञ्जसा UpadeSā. 359. 31; रागाद्युत्थप्रवृत्तीनां निषेधेषु लयोऽञ्जसा BṛĀraUBhVā. (Sambandha.) 381; संयोज्य क्रिययातस्तं व्याचष्टे श्रुतिरञ्जसा BṛĀraVBhVā. i. 3. 318; i. 4. 951; लक्षयन्ति परं ब्रह्म नाञ्जसा तत्प्रचक्षते TaiUBhVā. 60. 23(2); 193. 10(2); प्रतीच्येवं प्रवृत्तं तत्सदसीति वचोऽञ्जसा NaiṣkaSi. 133. 6; व्यवधानकल्पनविडम्बनया किमिहाञ्जसैव जनकं भवतु SaṁkṣeS'ā. 1. 375 (i. 278. 2) (comm. अञ्जसा साक्षाच्छक्त्या); 2. 193 (ii. 116. 20); व्रज प्रतिज्ञाम्बुधिपारमञ्जसा RāmC. 4. 55; योगिनां हृदयाम्भोजे नृत्यन्ती नित्यमञ्जसा S'āraTi. 1. 53; मिथ्या वा परमार्थो वा नाद्यः कल्पोऽयमञ्जसा SaṁviSi. 96. 5; तस्यार्थस्तत्पदैस्तेन संक्षिप्य क्रियतेऽञ्जसा DaśRū. 1. 5 (comm. ऋजुवृत्त्या); यद्वासुदेवशरणा विदुरञ्जसैव BhāgP. ii. 7. 19; पारिजातेऽञ्जसा लब्धे सारङ्गोऽन्यन्न सेवते BhāgP. iv. 30. 32; ii. 10. 2; iii. 1. 31; NaraP. 6. 46; पौर्वापर्यपरामर्शाद् यदाम्नायोऽञ्जसा वदेत् Bhām. 123. 19 (*on* i. 1. 5); धनम्…न देवास्तत्करे कृत्वा समर्था दातुमञ्जसा DevīBhāP. iii. 16. 50; यथाञ्जसाज्ञानमपारवारिधिं सुखं तरिष्यामि AdhyāRā. vii. 5. 5; अद्रिशिखरं विमुञ्चन्नेवायमञ्जसा राममाजगाम RāmāCam. 6. 57(5); न तावद्वक्तृविशेषबुद्धिमनादृत्य शब्देनैवाञ्जसाऽर्थोऽनुमातुं शक्यते NyāyRa. 418. 17 (*on* 5(5). 47); अञ्जसा मुख्यया वृत्त्या आरम्भ इति सन्निकृष्टं प्रागभावमाह Kiraṇā. 120. 13; अञ्जसा मुख्यतः दीर्घत्वोत्पत्तौ कारणोपपत्तेः Kiraṇā. 212. 23; न खल्वन्तरेण द्वैतावमर्शं तदधीननिरूपणमद्वैतमध्यक्षमञ्जसा साक्षात्कर्तुमलम् NyāyMa. 298. 3; 84. 5; PañcaRā.(Nā.) iii. 1. 16; राजा प्रवरसेनोऽपि कश्मीरोत्पत्तिमञ्जसा। निखिलां मातृगुप्ताय प्राहिणोत् RājTa.(Ka.) 3. 321; विचिन्तयेत् … तत्त्ववित्तत्त्वमञ्जसा YogS'ā. 10. 5; अत्राञ्जसानुरज राजनि राजमाने NaiṣC. 11. 77 (comm. अञ्जसा स्वत एव); अस्माकं च द्वे गती। ऊर्ध्वा। अञ्जसा च Pañcā. 168. 23; प्रवक्ष्यामि कथालक्षणमञ्जसा KathāLa. 1B. 2; अञ्जसा प्रियतमोरसि काचन … स्वकुचमण्डलम् … दधे VasaViKā. 6. 8; संसारः सुतरः शिवं करतलक्रोडे लुठत्यञ्जसा SindūPra. 10; नटः …रङ्गे रामाद्यवस्थाभिरनुकार्याभिरञ्जसा। रामादितादात्म्यापत्तेः प्रेक्षकान् रसयिष्यति BhāvPra.(S'ā.) 194. 12(7); मुनयस्तदा यदनधीतमधीतवदञ्जसा। निगमजातमशेषमवेक्ष्य तन्निरविशन्निव मुक्तिमयीं दशाम् Yādavā. 3. 7; PañcDa. 9. 27; अञ्जसेति। साक्षादित्यर्थः NyāySu.(Ja.) 277B. 8 (*on* ii. 1. 2); अस्मच्छास्त्रं वेदं सूत्रसूचिताभिः श्रुतिभिर्युक्तिभिश्चाञ्जसा नैरन्तर्येण सादरं च शिष्यैर्विचारयामः NyāySu.(Ja.) 123A. 9 (*on* i. 1. 5); CampaS'reKa. 197; StavMā. 246. 17; Nārāy. x. 61. 8; कियत्यपि दिने राजाचिन्तयन्नक्तमञ्जसा CitraPaC. 300; अञ्जसा अनायासेन VīraMi.(Bhakti.) 4. 22; **3** immediately, at once, quickly, soon, hastily अथा॒ञ्जसै॒वैनमेत॒त्प्रत्य॒क्षमा॒धत्ते S'atBr. II. ii. 1. 22 (*but* comm. अञ्जसा ऋजुनैव मार्गेण); श्वोभूते शुनासीर्यं सद्यो वाञ्जसा वा MānS'S. 179. 6; युधिष्ठिरः। गुरुवद्भूतगुरवे प्राहिणोद्दूतमञ्जसा MahāBhā. ii. 12. 28; गुणाः क्रोधाभिभूतेन न शक्याः प्राप्तुमञ्जसा MahāBhā. iii. 30. 20; vii. 92. 18; ix. 6. 5; ix. 13. 5; कृताञ्जलिरुवाचेदं रामागमनमञ्जसा Rāmā. iii. 11. 6; iv. 46. 1; मुक्तषट्पदविरावमञ्जसा KumāSaṁ. 8. 70; प्रविश्य चापि भगवान् तद्वृक्षबिलमञ्जसा। अभिद्रुते कुरङ्गाय PañcT. 2. 95 (9–11) (267. 4–6 F. N.); अञ्जसा रतः सारतः किमपि कन्दर्पकं दर्पकं न तनोषि VāsaDa. 209. 1; करेण पस्पर्श सुषेणमञ्जसा VarāṅgaC. 21. 14; भिन्ना तेन भुजान्तरे महति सा जीवं जहावञ्जसा JānaPa. 4. 36; ParaS. 19. 31; तत्त्वस्वरूपानुभवादुत्पन्नं ज्ञानमञ्जसा। अहं ममेति चाज्ञानं बाधते ĀtmaBo. 46; स्वलक्षणविविक्तैस्तैः प्रत्यक्षादिभिरञ्जसा…शक्याः प्रविवेक्तुम् TantrVā. 80. 14 (*on* i. 3. 2); 766. 1 (*on* iii. 2. 1); प्रसीद चण्डि त्यज मन्युमञ्जसा KāvyālaṅSū. iii. 1. 12 = SaraKaṇṭhā. 126. 13; भवपञ्जरं दृढमनञ्जनाञ्जसा। …पुरुषो भनक्ति HarVi. 6. 160; विष्टपत्रयमलङ्घयताञ्जसा दूरमस्खलितया यशःश्रिया HarVi. 14. 8 (*but* comm. अञ्जसा स्पष्टम्); RāmC. 2. 42; NalaCam. 7. 10(13); BṛKathāK. 99. 62; JinaS'. 2. 9; LakṣmīT. 49. 23; महापद्मो भुजंगमः। आजगाम महानागं नीलं शरणमञ्जसा NīlaP. 960; VarāP. 51. 23; उद्डीयत खे मुखेन बिभ्रद् भुजगेन्द्रप्रतिमं तमञ्जसा सः NavaSāC. 5. 35; BhaviP. 29B. 17 (i. 8. 65); स्वकीयकर्मबन्धीयगुणान्विधुनुतेऽञ्जसा DevīBhāP. viii. 19. 19; अनेकविज्ञानवचोभिरञ्जसा वियोजयन्ती पुरुषं स्त्रियं च ĀdiP. 13. 44; GaṇeP. ii. 53. 1; KalkiP. ii. 5. 29; Loc. 115. 18 (*on* 2. 28); शूलमखण्डयदञ्जसा … रघुनायकसायकः RāmāCam. 3. 3; RāmāMañ. 448. 26; DaśāvaC. 8. 315; SātvaT. 4. 3; बृंहितेन गजानां च जानीयाज्जयमञ्जसा Mānaso. ii. 20. 1156 = SūktiRa. 142. 6; सुतनु कथय कस्य व्यञ्जयन्त्यञ्जसैव GaṇRa. 1. 15(36); तिमिरमेव …चित्तनाथमभिसर्तुमञ्जसा जायते स्म पथि हस्तदीपिका S'rīKaC. 10. 27; RājTa.(Ka.) 1. 223; TriṣaS'aPuC. ii. 3. 387 = VītaRā. 3. 4; जगद्देवस्ततः प्राग्देशतोऽञ्जसा। समेत्य राजाधिपतिर्व(र्ब)भूव EI. xxi. 164. 11; PāṇḍaC. 1. 322; 2. 100; Surath. 2. 49; MalliC. 1. 218; न कलङ्की विधुः किंतु स्थगयित्वैनमञ्जसा VasaViKā. 4. 45; 7. 64; PārśvC. 3. 349; 6. 220; यत्प्रतापौर्वतापः प्रतिनृपजलराशीनञ्जसा संजहार EI. xviii. 351. 31; SamarāSaṁ. 3. 107; लक्ष्मीः …चैतन्यं विषसंनिधेरिव नृणामुज्जासयत्यञ्जसा SindūPra. 76; S'ṛṅgā-

VaiTa. 11; S'āliC. 6. 140; VedāntPāSau. 164. 7 (*on* ii. 1. 19); बाल: किं कमलाकरान् दिनमणिर्नोल्लासयेदञ्जसा RasāSu. 8. 17 (1. 55); Yādavā. 8. 21; इत्यञ्जसा प्रविशत: सलिलं द्युसिन्धु: S'aṅkaDigVi.(Mā.) 6. 70; Nalo. 3. 32; 4. 13; HariC.(Pa.) 7; YudhiVi. 2. 103; ChandoMañ. 2. 92; Nalābhyu. 3. 16; PārvPa. 4. 7; S'ṛṅgāBhū. 1; 36; RājTa.(Jo.) 229; 367; TantrSa. 1. 134; स पितृशापेन … विलयं प्रापदञ्जसा RājTa.(Śrī.) 2. 208; अमलतां स्फटिकस्य विगञ्जसा भजति रूपमुपान्तगतस्य य: Subhāṣi. 899. 851; क्रियते सीत्कृतमञ्जसा तया AnaṅgaRa. 10. 50; VidaMā. 4. 19; 5. 45; Acyutarā. 9. 27; लोको रम्य: कोऽपि वृन्दाटवीतो नास्ति कापीत्यञ्जसा बन्धुवर्गम्…भूयो गोष्ठं निन्ये StavMā. 210. 2; आघ्राणनादञ्जसा माद्यन्त्यन्यगजा: MātaLī. 1. 40; Nārāy. x. 51. 7; S'ilpaRa. ii. 17. 42; YātrāPra. 6. 70; MūkaPañ. 2. 50; 2. 70; RasSa. 212; प्रभञ्जयन्नञ्जसैव जयध्वजान् … मारुत: … पराचक्रमे NīlaVi. 22. 16; Jīvān. 21. 5; 49. 7; यैरुक्तै: स्वस्वरूपं ज्ञायते सम्यगञ्जसा TantrRā. 36. 8; PuṣpBāVi. 15; VasaTi. 9. 13; S'ṛṅgāS'. 60; MahāN. 4. 19; SāhiSā. 2. 28; स्राग्झटित्यञ्जसाह्नाय AmaK. 2852; AnekāSa. 803; क्षिप्रं द्रुतमञ्जसा झटिति AbhidhāRaMā. 4. 12; 5. 96; AgniP. 360. 20; Vaija. 286. 31; AbhidhāCin. 1530; ViśvaPra. 191. 66; DharK. 2975; NānārthaSaṁ. 8. 70; MediK. 202. 81; NānārthaMa. 1918; ViśvaLoK. 418. 74; KośaKaTa. 2. 3007; KalpaK. 458. 3.

अञ्जसाकृत (añjasā–kṛta) *adj.* done rightly or justly or quickly अञ्जस उपसंख्यानं कर्तव्यम्। अञ्जसाकृतम् MahāBh. iii. 142. 19 (*on* vi. 3. 3); JaineVyā. 301. 25 (*on* iv. 3. 122); CāndraVṛ. *on* v. 2. 5; KāśiVṛ.*on* P. vi. 3. 3 = Prasā. i. 685. 20 = SiddhāKau. 212A. 8.

अञ्जसात्त (añjasātta) *adj.* [Vār. 1 (*on* P. vi. 3. 3)] (an attitude) assumed or adopted out of affection न तेन किंचित् तमसाकृतम् … प्रजायाम्। पुंसानुजायां नु यदञ्जसात्तो दोषावलोके जनुषान्धभाव: DvyāśraKā. 6. 10 (comm. अञ्जासात्त: स्नेहेनाङ्गीकृत:)

अञ्जसायन (añjasāyana) *adj.* [*f.* –ī] [DEBRU. p. 183] going or leading straight on सा यथा स्रुतिरञ्जसायन्येवमभिप्लव: षळह: स्वर्गस्य लोकस्य AitBr. 18. 3 (485); एता उ ह वै स्वर्गस्य लोकस्य मे पन्थावञ्जसायनौ यद् बृहद्रथन्तरे JaimiBr. 2. 383; स्वर्गस्य स्म लोकस्य पथोऽञ्जसायनान् मेत JaimiBr. 2. 419.

अञ्जसायनि (añjasā́yani) *adj.* (*f.*) [DEBRU. p. 183] going or leading straight on एते वै यज्ञस्याञ्जसायनी स्रुती TaiS. VII. ii. 1. 2 = VII. iii. 5. 3 = VII. iii. 7. 3 = VII. iv. 1. 3; एषा पङ्क्ति: स्वर्गस्य लोकस्याञ्जसायनि: स्रुति: TaiBr. III. xii. 5. 2.

अञ्जसायिनी (añjasāyin–ī) *adj.* (*f.*) going or leading straight, Jaiminīya – Ārṣeya – Brāhmaṇa. 1. 499 [VIŚVA.]

अञ्जसी (añjasī́) *f.* [DEBRU. p. 137, 224, 407] name of a (heavenly) river अञ्जसी कुलिशी वीरपत्नी पयो हिन्वाना उदभिर्भरन्ते ṚV. i. 104. 4.

अञ्जसीना (añjasīnā) *adj.* (*f.*) [DEBRU. p. 430] leading straight ahead, right, correct उत स्रुतिं विन्दत्यञ्जसीनाम् ṚV. x. 32. 7.

अञ्जस्कीय (añjask–īya) *adj.* (a sacrificer) who has gone straight (to heaven) एतेन वै (सत्त्रेण) नमी साप्यो वैदेहो राजाञ्जसा स्वर्गं लोकमैदञ्जसागामेति तदञ्जस्कीयानामञ्जस्कीयत्वम् PañcBr. xxv. 10. 17.

अञ्जस्त्व (añjas–tva) *n.* characteristic of the Añjas Sāman ततो वै तेऽञ्जसा स्वर्गं लोकमारोहन्। तदेवाञ्जसोऽञ्जस्त्वम्। तदेतत् स्वर्ग्यं साम JaimiBr. 3. 209.

अञ्जस्पा (añjas–pā́) *adj.* drinking instantly (i. e. talkative) इममञ्जस्पामुभये अकृण्वत धर्माणमग्निं विदथस्य साधनम् ṚV. x. 92. 2; तदिद् वदन्त्यद्रयो विमोचने यामन्नञ्जस्पाइव घेदुपब्दिभि: ṚV. x. 94. 13.

अञ्जस्य (añjasya) [VIŚVA. *w. r.* for **आञ्जस्य**] proper form, appropriateness, GopBr. i. 5. 10.

अञ्ज:सव (añjas–savá) *m.* immediate pressing (of Soma), accelerated Soma-feast अथ हैतं शुन:शेपोऽञ्ज:सवं ददर्श AitBr. 33. 5 (851); ते विश्वजितमेव सर्वपृष्ठम्। पृष्ठ्यस्य षडहस्याञ्ज:सवमपश्यन् S'atBr. XII. iii. 3. 6.

अञ्ज:सवकारीरी (añjassava–kārīrī) *f.* name of an Iṣṭi अथातोऽञ्ज:सवकारीरी BaudhS'S. ii. 148. 6; संतिष्ठतेऽञ्ज:सवकारीरी BaudhS'S. ii. 148. 10.

अञ्जान (añj–āná) *adj.* [*f.* –ā] **i** being anointed (with ghee, milk etc.) अग्निर्देवेभिरा गमत्…अञ्जान: सप्त होतृभिर्हविष्मते ṚV. iii. 10. 4; स पवस्व मदिन्तम गोभिरञ्जानो अक्तुभि:। इन्दविन्द्राय पीतये ṚV. ix. 50. 5; इमा नारीरविधवा: सुपत्नीरित्यञ्जाना ईक्षेत ĀśvaGS. iv. 6. 12; **ii** decorating, adorning (themselves) कन्याइव वहतुमेतवा उ अञ्ज्यञ्जाना अभि चाकशीमि ṚV. iv. 58. 9.

अञ्जारिका (añjārikā) *f.* name of a plant शिखिशिखयाञ्जारिकया सहिते सुरवारुणीकृताञ्जल्यौ। भगनिहिते भामिन्या दासीभावं च दासतां पुंस: RatiRaha. 15. 120.

अञ्जासा (añjāsā) *f.* a species of small grape [PW]

अञ्जि (añj–í) *adj.* **A** applying ointment (said of priests) ऊर्ध्वो वाजस्य सनिता यदञ्जिभिर्वाघद्भिर्विह्वयामहे ṚV. i. 36. 13 = VājaS. 11. 42; छन्दांसि वा अञ्जयो वाघत: AitBr. 6. 2 (145); रश्मयो वा एतस्याञ्जयो वाघत: S'atBr. VI. iv. 3. 10; **B** decorated, furnished with ornaments, branded or furnished with a mark दाना सचेत सूरिभिर्यामश्रुतेभिरञ्जिभि: ṚV. v. 52. 15; आश्विनमञ्जिमालभेताम् MaiS. ii. 5. 9; स एतमाश्विनमञ्जिमालभेत MaiS. ii. 5. 9; MānS'S. 135. 9; तदु वा आहुरञ्जयो वै प्रात:सवनं वहन्ति KauṣīBr. 14. 1 (62. 1) [NānārthāSaṁ. i. 47. 53 gives additional meanings straight, suggestive and white त्रिस्तवृजौ व्यञ्जके शुक्के]

अञ्जि (añjí) *n.* [sg.] **i** rouge, colour, decoration, ornament व्युच्छन्ती रश्मिभि: सूर्यस्याञ्ज्यङ्क्ते समनगाइव व्रा: ṚV. i. 124. 8; ṚV. iv. 58. 9; VājaS. 17. 97; मरुत: …। आ… समानमञ्ज्यञ्जते शुभे कम् ṚV. vii. 57. 3; viii. 20. 11; बभ्रुरेको विषुण: सूनरो युवाञ्ज्यङ्क्ते हिरण्ययम् ṚV. viii. 29. 1; [pl.] ornaments, decorations ये पृषतीभिर्ऋष्टिभि: साकं वाशीभिरञ्जिभि:। अजायन्त स्वभानव: ṚV. i. 37. 2; i. 87. 1; अञ्जिषु श्रिया: ṚV. ii. 36. 2; v. 53. 4; अग्ने शर्धन्तमा गणं पिष्टं रुक्मेभिरञ्जिभि: ṚV. v. 56. 1; x. 78. 7; *m.* [pl.] **i** ornaments, decorations वक्ष:सु रुक्मा रभसासो अञ्जय: ṚV. i. 166. 10; श्रिये मर्यासो अञ्जीँरकृण्वत ṚV. x. 77. 2; **ii** lustres, splendours व्य१ञ्जिभिर्दिव आतास्वद्यौत् ṚV. i. 113. 14; ते क्षोणीभिररुणेभिर्नाञ्जिभी रुद्रा ऋतस्य सदनेषु वावृधु: ṚV. ii. 34. 13; ऊर्ध्वा अस्या अञ्जयो वि श्रयन्ते ṚV. vii. 78. 1; ता अञ्जयोऽरुणयो न सस्रु: ṚV. x. 95. 6; *m.* [sg.] sexual organ (both male and female) उत् सक्थ्योर्गृदं धेह्यञ्जिमुदञ्जिमन्वज TaiS. VII. iv. 19. 1; समङ्जिं चारया वृषन् VājaS. 23. 21; उत् सक्थ्योरव गुदं धेह्यवाञ्चमञ्जिमा भर S'āṅkhāS'S. xvi. 3. 36; अञ्जिस्थाने अनुक्षणव्याघातस्य साधकतमं दार्ढ्यं परमकारणम् Paurūravasamanasijasūtra 10; [Kośas give additional meanings *m.* **1** *Mesua ferrea* (*hīnā*); **2** the plant *Cucurbita pepo* (*kumbhaphala*); **3** *Michelia Campaka* (cāmpeya); **4** *Merua* Roxburghii (*nāgakesara*) Vaija. 51. 82; **5** sender, commander (comm. *on*) Uṇā. 4. 139; *f.* grind-stone (peṣaṇī), NānārthāSam. i. 47. 53]

अञ्जि (añj–i) (Gr.) the root *añj–* अञ्जे: सिचि P. vii. 2. 71; अञ्जेश्चोपसंख्यानं संज्ञायाम् Vār. 2 (*on* iii. 1. 109); अञ्जिराजिवानिति MahāBh. i. 200. 10 (*on* i. 2. 18); Kātan. iii. 7. 8; JaineVyā. v. 1. 130; CāndraVyā. v. 4. 168; यत् हि करणगोचरं तत् व्यक्तम् उच्यते, अञ्जे: धातो: तत्कर्मकत्वात् GītāBh.(S'aṅ.) 340. 7 (*on* 12. 1); SaraKaṇṭhā.(Gr.) ii. 1. 78; ii. 1. 153; SiddhaHe. iv.4. 84.

अञ्जिक (añjika) *m.* **1** name of a son of Yadu बभूवुस्तु यदो: पुत्रा: पञ्च देवसुतोपमा:। सहस्रद: पयोदश्च क्रोष्टा नीलोऽञ्जिकस्तथा HariVaṁ. 23. 134 = BallāC. 52. 22; BrahmP. 13. 154; **2** name of a demon (son of Siṁhikā) सैंहिकेया इति ख्यातास्त्रयोदश महाबल:।…अञ्जिको नरकश्चैव कालनाभस्तथैव च। … एते वै दानवा: श्रेष्ठा: BrahmP. iii. 3. 88.

अञ्जिका (añjikā) *f.* **1** name of an evil spirit seizing a child and causing some kind of illness (तत्र बालचिकित्सायाः प्रकारा बहुधा स्मृता:) अञ्जिका नाम नवमत्रये चेष्टा ज्वरस्तथा।… मुञ्च बालकं ठठ ĪśānS'iPa. i. 41. 34; **2** a kind of script अञ्जिका … लिपिविशेष: DhātuVṛ. VII. 21.

अञ्जिकूल (añji–kūla) *m.* name of a village आञ्जीकूलो नाम ग्राम:।… अञ्जिकूल इति भोज: GaṇRa. 5. 330 (369)

अञ्जिग (añjiga) *m.* name of a demon (dānava) स्वपस आञ्जिगस्य सामनी द्वे। आञ्जिगस्य (v. l. अञ्जिगस्य) दानवस्य वा ĀrṣeBṛ. iii. 3. 8.

अञ्जित (añj–ita) *adj.* [*f.* –ā] **i** anointed, smeared over सूक्ष्मेणाञ्जनचूर्णेन नभ: कृत्स्नमिवाञ्जितम् Rāmā. i. 796*(1); तव चरणरजोऽञ्जिताग्र (v. l. °ञ्जिताग्र) केशो यदि स भवेदिह को नु मद्विशिष्ट: Avimā. 6. 4; एवं हि त्रिविधं यागम् …। द्रव्यै: … अञ्जितै: स्थापितैर्बर्हि:। तृतीयम् PauṣkS. 26. 44; AṣṭāSaṁ. i. 165. 12 (1. 32); एकेनाक्ष्णाञ्जितेनैव श्रुत्वा भीममुपागतम्।… धावति VāmaP. 53. 26; शर्करा उपधत्तेऽक्ता: …। तैलादिनाञ्जिता अक्ता: NyāyMāVi. 59. 2 (*on* i. 4. 19); हिङ्गुमरिचशिखिपित्तैरञ्जितस्य (गजस्य) प्रत्यञ्जनं कुर्यात् Hastyāyur. 218. 17 (2. 21); 185. 27 (2. 10); 239. 12 (2. 33); धवलाञ्जनेन करभीनेत्राण्यञ्जितानि KathāK. 94. 25; **ii** coloured, tinted, affected स च काममयो देव: कामभावनयाञ्जित: BṛĀraUBhVā. iii. 9. 50; iv. 3. 449; iv. 4. 136; BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 233; **iii** (ointment, salve etc.) applied, smeared (on the body or limb) पुष्याहृतं शुन: पित्तं हन्त्यपस्मारमञ्जितम् ĪśānS'iPa. i. 44. 16; स्रोताख्यमञ्जितं नेत्रे दिवानक्षत्रदर्शकम् ĪśānS'iPa. i. 51. 10; **iv** adorned, decorated, possessing किङ्किणीवलयहारनूपू(? पु)रैरञ्जितं नमत गोपबालकम् PāñcaRā.(Nā.) v. 1. 60; सुवर्तुलै: पाण्डुरशोणनीलैरनेकाक्षिभिरञ्जितानि। करालदंष्ट्राणि भयंकराणि भास्वन्ति वक्त्राणि तथापराणि Vidva-

nmo. 8. 18; **v** (Poetics) suggested, implied रतिर्देवादिविषया व्यभिचारी तथाञ्जितः। भावः प्रोक्तः KāvyPra. 118. 1 = RasGaṅ. 57. 1; न हि वाच्यस्य व्यभिचारिणो भावत्वं वक्तुं युक्तम्। 'व्यभिचार्यञ्जितो भावः' इति सिद्धान्तविरोधात् RasGaṅ. 291. 11; **vi** seasoned (with condiments or aromatic substances) एलाभिरञ्जितमिदं पुटितं घनेन। ... भवति पायसमास्यवास्यम् GopāKeCan. 71. 6. cf. **अक्त.**

अञ्जिततनु (añjita-tanu) *adj.* whose body is smeared (with ashes) वन्दे देवमनङ्गम् ...। येन ... भस्मनाञ्जिततनुर्देवः कपाली बलात् प्रेमक्रुद्धनगात्मजाङ्घ्रिविनतिक्रीडान्नते दीक्षितः SaduktiKa. 65. 10.

अञ्जितदृश् (añjita-dṛś) *adj.* whose eyes are anointed (with some salve) गुटिकास्ति मे। तयाञ्जितदृशं मर्त्यं देवोऽपि हि न पश्यति SamarāSaṁ. 6. 114; *f.* eye smeared with salve औक्षमौक्षमबलाञ्जितदृग्भ्यां कालिमा य उदवास्यत भर्त्रा। सोऽसहिष्णुवनितावदनाब्जे व्यक्ततामभजदाशु निविश्य HammīMaKā. 6. 39.

अञ्जितनेत्र (añjita-netra) *adj.* whose eyes are anointed (with salve) (कुञ्जरः) अनेनाञ्जितनेत्रस्तु करोति कदनं रणे AgniP. 286. 31.

अञ्जितलोचन (añjita-locana) *adj.* [*f.* -ā] having eyes smeared with (ointment) संभोगजं बीजरजो वराङ्गे तल्लिप्तसंशुष्कसितार्कवर्तिः। तदञ्जनेनाञ्जितलोचनायाः सदैव दासत्वमुपैति कान्तः NāgaSa. 12. 13.

अञ्जितव्यभिचारिन् (añjita-vyabhicārin) *m.* (Poetics) transitory emotion which is suggested अञ्जितव्यभिचारी यथा...नो यावत्परिरभ्य चाटुशतकैराश्वासयामि प्रियां भ्रातस्तावदहं शठेन विधिना निद्रादरिद्रीकृतः। अत्र विधिं प्रत्यसूया KāvyPra. 120. 1.

अञ्जिताक्ष (añjitākṣa) *adj.* having eyes smeared with (ointment) (चूर्णाञ्जनेन) तेनाञ्जिताक्षो नृपतिर्भवेत् सर्वजनप्रियः SuśruS. vi. 18. 93.

अञ्जिताक्षियुगल (añjitākṣiyugala) *adj.* having collyrium applied to the pair of eyes पद्मसूत्रकृतां वर्तिं कज्जलार्थं प्रदीपयेत्। तेनाञ्जिताक्षियुगलः...। शर्वर्यां वीक्षते बाढं निधिं भूमितलस्थितम् Mānaso. ii. 3. 349.

अञ्जितेक्षण (añjitekṣaṇa) *adj.* having eyes smeared with (ointment) रसेन लाङ्गलीयेन समन्त्रेणाञ्जितेक्षणः। निधनं वा निधानं वा धीरः समधिगच्छति HāsyCū. 143. 10.

अञ्जित्वा (añj-itvā) *ger.* having smeared, KātanVṛ. *on* iv. 1. 14; DhātuPra. 7. 21 (120. 15); MugdhaBo. 26. 207 (173. 19); PrakriKau. ii. 683. 11; SiddhāKau. 580A. 17. cf. **²अक्त्वा, ¹अङ्क्त्वा.**

अञ्जिमत् (añji-má(n)t) *adj.* coloured, bright, adorned (मुरुतः) पुरुद्रप्सा अञ्जिमन्तः ... अर्का अमृतं नाम भेजिरे ṚV. v. 57. 5.

अञ्जिव (añjivá) *adj.* slippery यः कृणोति मृतवत्सामवतोकामिमां स्त्रियम्। तमोषधे त्वं नाशयास्याः कमलमञ्जिवम् AV. viii. 6. 9.

अञ्जिषक्थ (añji-ṣaktha) *adj.* [= अञ्जिसक्थ] (goat) having white spots on the thighs कृष्णग्रीवः शितिकक्षोऽञ्जिषक्थस्त ऐन्द्राग्नाः MaiS. iii. 13. 5.

अञ्जिष्ठ (añj-iṣṭha) *m.* **A** the sun (*lit.* most brilliant) अञ्जिष्ठो भानुः Ujjvaladatta *on* Uṇā. 4. 2; SiddhāKau. 547A. 11; सूर्यः स्यात् ... अञ्जिष्ठः KośaKaTa. 1. 651; **B** motion अनक्ति अञ्जिष्ठः गतिरग्निश्च Prasā. ii. 646. 9; **C** fire, Prasā. ii. 646. 9.

अञ्जिष्णु (añj-iṣṇu) *m.* the sun अञ्जिष्ठो भानुः। केचिदञ्जतेरिष्णुच्प्रत्ययमिच्छन्ति। तेषामञ्जिष्णुरित्युदाहरणम् Ujjvaladatta *on* Uṇā. 4. 2.

अञ्जिसक्थ (añji-sakthá) *adj.* [cf. P. vi. 2. 199] (goat) having white spots on the thighs अञ्ज्येताय स्वाहाञ्जिसक्थाय स्वाहा शितिपदे स्वाहा TaiS. VII. iii. 17. 1 (*but* Sāy. श्वेतारुणः); कृष्णग्रीवः शितिकक्षोऽञ्जिसक्थस्त ऐन्द्राग्नाः VājaS. 24. 4 (Mahīdhara अञ्जि पुण्ड्रं सक्थ्नोरूर्वोर्यस्य); VājaPrāti. 3. 81; KāśiVṛ. *on* P. vi. 2. 199.

अञ्जिहिष (añjihiṣa-) [*desid.* of *aṁh-*] to desire to go, DhātuPra. 1. 636 (47. 13); प्राच्यमा(v. l. म)ञ्जिहिषांचक्रे प्रहस्तो रावणाज्ञया। द्वारम् Bhaṭṭi. 14. 15.

अञ्जिहिषा (añjihiṣā) *f.* desire for going आंहिष्ट जाताञ्जिहिषस्तदासावुत्कण्ठमानो भरतो गुरूणाम् Bhaṭṭi. 3. 25.

अञ्जी (añjī) *f.* **1** benediction अञ्जी मङ्गलार्थः Ujjvaladatta *on* Uṇā. 4. 139; **2** pounding machine [Vācas.]

अञ्जीकुल (añjī-kula) *m.* name of a place, CāndraVṛ. *on* iii. 2. 41.

अञ्जीकेश (añjī-keśa) *m.* name of a king (originally an Asura-chief called Nicandra) निचन्द्रश्चन्द्रवक्त्रश्च य आसीदसुरोत्तमः। मुञ्जकेश (v. l. अञ्जीकेश) इति ख्यातः श्रीमानासीत् स पार्थिवः MahāBhā. i. 61. 26.

अञ्जीर (añjīra) *m.* [Iranian, MAYR. 1. p. 24] species of fig-tree पश्यन्तः ... अजातकांस्तथा जीरान् (v. l. °स्तथाञ्जीरान्) MahāBhā. iii. 155. 40; *n.* fruit of the Añjīra tree चातुर्जातकमञ्जीरं कङ्कोलं जातिपत्रिका। ... पचेत् S'ārṅgaS. ii. 9. 206; अञ्जीरं मञ्ज(?ञ्जु)लं ज्ञेयं काकोदुम्बरिकाफलम्। अञ्जीरं शीतलं स्वादु गुरु पित्तास्रवातजित्। तस्मादन्यगुणं ज्ञेयमञ्जीरं लघु वा गुणैः MadaPāNi. 41. 64; KośaKaTa. 1. 3301.

अञ्जूप्रकृतिक (añjūprakṛti-ka) *adj.* having *añjū* (i. e. the root *añj-*) for the base प्रकृतसूत्रस्थभाष्यं त्वञ्जूप्रकृतिककसुपरम् LaS'abdeS'e. ii. 797. 1.

अञ्जोगति (añjo-gati) *adj.* having a straightforward motion or flight कर्णस्य शरजालैर्भीमसेनस्य चोभयोः। अग्निस्फुलिङ्गसंस्पर्शैरञ्जोगतिभिराहवे। ... चौरासीत् संवृता MahāBhā. vii. 114. 37; प्रगाढमञ्जोगतिभिर्नाराचैरभिताडिताः। निपेतुर्द्विरदा भूमौ MahāBhā. vii. 131. 116 = vii. 136. 6; ततो भास्करवर्णाभमञ्जोगतिमयस्मयम्। ससर्ज तोमरं भीमः प्रत्यमित्राय भानुमान् MahāBhā. viii. 8. 34; viii. 57. 67; viii. 60. 6; viii. 67. 17; रुक्मपुङ्खैः प्रसन्नाग्रैरञ्जोगतिभिराशुगैः Rāmā. 6. 751*(1)

अञ्जोयान (añjo-yāna) *adj.* going straight, having a straight course अग्नीषोमा पथिकृता स्योनं देवेभ्यो रत्नं दधथुर्वि लोकम्। उप प्रेष्यन्तं पूषणं यो वहात्यञ्जोयानैः (v. l. अञ्जोयानैः) पथिभिस्तत्र गच्छतम् AV. xviii. 2. 53.

अञ्जोवैरूप (añjo-vairūpa) *n.* name of a *sāman*, the first of the eight Vairūpa *sāmans* अन्तरिक्षस्य लोकेऽञ्जोवैरूपम् Kṣudra. 91.

अञ्ज्य (añjya) *adj.* to be applied as ointment श्वेतं पुनर्नवामूलं जलेनाञ्ज्यं च शूलनुत् RasRaSa. 23. 53.

अञ्ज्येत (añjyetá) *adj.* variegated with white spots अञ्ज्येताय स्वाहाञ्जिसक्थाय स्वाहा TaiS. VII. iii. 17. 1 (Sāy. अञ्जिः शुक्लः, एतः सांध्यो वर्णः, अञ्जिश्चासावेतश्चेति अञ्ज्येतः मिश्रवर्ण इत्यर्थः); अञ्ज्येताय स्वाहा कृष्णाय स्वाहा श्वेताय स्वाहेत्यश्वरूपाणि जुहोति TaiBr. III. viii. 17. 4.

अञ्णित् (a-ñṇit) (Gr.) (*pratyaya*) other than those marked by the indicatory letters *ñ* and *ṇ* गाङ्कुटादिभ्योऽञ्णित् ङित् P. i. 2. 1; JaineVyā. i. 1. 75; कुटादीनामञ्णिति CāndraVyā. vi. 2. 13; S'ākaṭāVyā. iv. 1. 144; SiddhaHe. iv. 3. 17; PrakriKau. ii. 213. 5; SiddhāKau. 395A. 2.

अञ्प्रकरण (añ-prakaraṇa) *n.* topic of the affix *-añ* (P. iv. 1. 86 – P. iv. 2. 44) अञ्प्रकरणे ग्रीष्मादच्छन्दसि Vār. 1 *on* P. iv. 1. 86; अञ्प्रकरणे क्षुद्रकमालवात्सेनासंज्ञायाम् Vār. 1 *on* P. iv. 2. 45.

अञ्बाधन (añ-bādhana) *n.* annulment of the operation of the suffix *-añ* युवतिशब्दस्य पाठः...युवतिशब्दस्यानुदात्तादित्वादनुदात्तादेरञ् इत्यञ्बाधनार्थः स्यात् PariVṛ.(Sī.) ii. 1. 28 (58. 4)

अञ्लोप (añ-lopa) *m.* loss of the suffix *-añ* तेषां प्रत्येकपदस्य बहुषु वृत्त्यभावादञ्लोपो न स्यात् TattvCin. iv(2). 795. 8.

अञ्शेरा (añśérā) *adj.* (*f.*) [Alt. Gr. 1, N. 81] rushing straight or forward (as waters) अथ यां आपोऽञ्शेरा ओजसा वा एतां वीर्येणापोऽञ्शेराः MaiS. iv. 4. 1; cf. **अच्छेर.**

अट् (aṭ-) I. P. (Ā.) [cerebralisation of *at-*, MAYR. 1. p. 25; अट पट गतौ DhātuPā. 1. 317; DhātuPra. 1. 293 (28. 15); KāvyKaVṛ. 92. 25 (3. 5); [with pre-verb परि]; attested forms अटति, अटते, अटेत्, अटेत, अट, अटस्व, आटत्, आट, आटीत्, अटीत्, आटिषुः, आटिटत्, अटिटत्, अटिष्ये, अटाट्यते] **i** to wander over, to roam about, to move over, to go (Acc. of the place) कपालपाणिः पृथिवीमटतां चीरसंवृतः Rāmā. ii. 1795* (5); स ऋक्षरजसः पुत्रः पम्पामटति शङ्कितः Rāmā. iii. 68. 16; v. 959(1)*; अटध्वं पृथ्वीं कृत्स्नाम् HariVaṁ. 46. 26; अटन्ति वसुधां विप्राः ViṣṇuP. iii. 9. 12; v. 14. 6; कथमल्पेन कालेन पृथिवीमटसि द्विज MārkP. 61. 11; वयम्...सततमिमामटवीमटामः HarṣaC. 320. 21; संचेरुः सहसा केचिदस्वनाः केचिदाटिषुः Bhaṭṭi. 7. 57; कपिराटीद् गृहाद् गृहम् Bhaṭṭi. 8. 42; 17. 84; यः संश्रित्य त्रिलोकीमटति SūryaS'. 60; गूढः प्रदीप्त्या रविराट भूमिम् RāghPāṇḍ.(Dha.) 5. 1; आटामरावतीं सोऽथ साकं पवनवेगया BṛKathāK. 12. 59; 95. 3; अटति यद् भवानह्नि काननम् BhāgP. x. 31. 15; अटस्व लोकानखिलान् भैक्षार्थी मन्नियोगतः KūrmaP. 670. 9 (2. 31); अटामि जगतीमेतां ब्रह्मघ्नोऽहमिति ब्रुवन् PadmP. iv. 88. 23; (वत्सेश्वरः) आखेटकार्थमटवीमटति स दिने दिने KathāSaSāg. iii. 2. 5; विश्वं ततापाट दिशः DvyāśraKā. 2. 79; 13. 100; MalliC. 1. 85; अटाट्यते प्रतिकुटं स भिस्साभिस्सटाकृते S'āliC. 6. 87; कुलात्कुलमटतीति कुलटा स्वैरिणी SmṛtiCan. ii. 464. 2; यत्कीर्तिः कौतुकेन त्रिभुवनमटति स्पष्टपुण्यः स एषः श्रीहेमाद्रिः CaturCin. iii(1). 630. 5; सिद्धसेनश्चित्रकूटमटति स PrabaK. 17. 6; अटत गेहमगात् समयो बहुः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 16. 21; विश्रान्तो दिवसस्तटीमयमटत्यस्ताचलस्यांशुमान् S'ārṅgaPa. 3420; अतिविदग्धतया भ्रमिमाचरन् कुलटाजन आट दृशोः पदम् HammīMaKā. 7. 18; 13. 225; तीर्थान्यटानीतीच्छा S'ivārkaMaDī. ii. 70. 32 (*on* ii. 2. 11);

आचार्याहमटामि भोगिरमणीवृन्दस्य वृन्दाटवीम् UjjvaNīMa. 149.7; देशं देशमटाम्यहम् RasGaṅ. 703.11; अपर्णेयं भूभृद्वनमटति वल्काम्बरधरा PadyaVe. 172; **ii** to wander (in a locality), to walk (on it), to move on (Loc. of the place) क्षितावटसि राजंस्त्वमन्तरिक्षे चराम्यहम् MahāBhā. i. 69.3; को भवानटते शून्ये वने स्त्रीगणसंवृतः MahāBhā. iii. 40.18; कृष्णादन्यचतुष्पादटति शुभकरो दक्षिणाद्वामभागे VasiS. 37.45; आट च तस्यामितश्चेतश्च सुबहून् दिवसान् HarṣaC. 30?.6; विजने परितोऽट कपालकरः सुमते SuvṛTi. 1.25; आश्रमे ह्यटते भिक्षुः KūrmaP. 735.13 (2.38); इत्यहं शिक्षयन् घोषे अटामि प्रतिवासरम् ĀdiP. 24.67; अटते यत्र कृष्णा गौर्मृगो नित्यं स्वभावतः। स ज्ञेयो याज्ञिको देशः BhaviP. 27B.13 (i.7.66); व्योम्नि यदा पयोद आटीद्वलाकततिराटदादरात् DvyāśraKā. 10.23; स्वैरं वीरस्त्रियामाख्यटति ··· श्मशाने Mudri-Ku. 2.21; सा ते कथमरिवनिता कण्टकविकटाटवीष्वटति Subhāṣi. 2614; पयस्यटति ···इत्यर्थे आगच्छ हे पयोऽट् LaS'abdeS'e. i. 146.13; **iii** to wander (for something), to go on (for hunting, for begging (Acc.)) राजा च राजमात्रो वा मृगयामटते वने Rāmā. ii. 90.6; vii. 12.3; अटेत योगविद् भैक्ष्यं न तु त्रिष्वेव नित्यशः MārkP. 41.6; भिक्षामटति ··· प्रचुरतरभिक्षां स लभते PañcRā.(Nā.) iii. 13.18; राज्यं करोतु विज्ञानी भिक्षामटतु निर्भयः SvātmPra. 21; अज्ञात्वैव हि निक्षेपं भिक्षामटति दुर्मतिः। स्ववेश्मनि निधिं ज्ञात्वा को नु भिक्षामटेत् सुधीः SarvaVeSāSaṁ. 536; यौवननाशे वेश्या यदि परमटति स्फुटं भिक्षाम् SamaMā. 8.103; स्वगृहे पायसं त्यक्त्वा भिक्षामटति पार्वति KulārT. 2.42; बटो भिक्षामट गां चानयेति क्रमेण क्रियाद्वयसंबन्धः PrakriKau. i. 622.5; प्रभुर्न भिक्षामटति स्वयं यदि Gaṅgāva. 3.69; **iv** to attain, to reach, to obtain (due to the meaning *gati*) सन्तानावस्थितेस्तस्य स्मृत्याद्यपि घटामटेत् MahāP. 5.40; न क्षेकत्र प्रमाणताम्। वस्तुन्यटन्ति मानानि NaiṣkaSi. 49.7; परतोऽपि नास्य घटनामटति SaṁkṣeS'ā. 3.91 (ii. 201.14); अथ वायौ नात्मशब्दो घटामटति PrakaVi. 220.16; कर्तव्यमात्रे पटिमानमाटीत् सा देवकी VāsuVi. 2.1; ह्रियं च कर्णोऽटति VīraMi. (Saṁskāra.) i. 121.20; न गीतिरटति Jivān. 129.2; **v** to go about, to move around, to wander (without Acc. or Loc.) मुनिः ···अटति सर्वशः MahāBhā. i. 250*(3); ये परश्रियं प्राप्तुमटन्ति मूढाः VarāṅgaC. 2.80; श्वेतरूपतुरगोऽटतीति धीः SaṅkṣeS'ā. 1.377 (i. 279.25); वल्गीवद्धोर्ध्वजूटोद्भटमटति रटत्कोटिकोदण्डदण्डः KāvyālaṅSū. iv. 1.9; सन्ति मे गुरवो राजन् ···। यतो बुद्धिमुपादाय मुक्तोऽटामीह तान् शृणु BhāgP. xi. 7.32; वृषेणाटति देवेन्द्रो विहाय वरवाहनम् BrahmVaiP. iv. 36.73; अटति समुत्कटवेष्टितविकटपटस्फुटफटाटोपः। ···पुरपतिनामा निधिव्यालः KalāVi. 2.20; किराटोऽटति साटोपं पटाञ्चितकटीतटः Subhāṣi. 2295; लक्ष्मणः ···। अग्रतो रघुपतेरटति स्म Rāgh. 5.89; पुष्पैः पूर्णं पिटकमटतम् Manmatho. 437.10.

अट् (aṭ) *adj.* who wanders, wanderer अटतीति अट्। ··· क्विबन्तोऽयम् KāśiVṛ. *on* P. viii. 2.3; Prasā. i. 94.10.

अट् (aṭ) (Gr.) Pratyāhāra which includes the vowels, *h* and the semivowels *y*, *v* and *r*, P. viii. 3.3; viii. 3.9; viii. 4.2; viii. 4.63; अण् एङ् अट् ···इति प्रत्याहाराः AgniP. 348.3.

अट् (aṭ) (Gr.) **i** the augment *á-* prefixed in the past tenses cf. [4]अ, P. vi. 4.71; JaineVyā. iv. 4.70; S'ākaṭāVyā. iv. 2.131; SiddhaHe. iv. 4.29; **ii** the subjunctive marker *a* (called an *āgama*) P. iii. 4.94; PrakriKau. ii. 709.12; **iii** āgama *a* in the imperfect forms of some roots like *rud-* optionally used अट् गार्ग्यगालवयोः P. vii. 3.99; S'ākaṭāVyā. iv. 2.29; SiddhaHe. iv. 4.90; **iv** *samāsānta a* (= P. अच्), S'ākaṭāVyā. ii. 1.162; ii. 3.75; SiddhaHe. vii. 3.99; **v** *āgama* (infix) *a* to be inserted before *ṅit* case-suffixes after feminine bases ending in *ī* or *ū* अण् मोः JaineVyā. v. 2.107 (comm. म्वन्ताद्वोः परस्य ङितोऽडागमो भवति।···कुमार्यै) = (आट् P. vii. 3.112)

अट् (-aṭ) a formans to explain the words लघट्, सरट् [DEBRU. p. 157] cf. **अटि.**

अट (aṭa) *adj.* wanderer अटतीत्यटः। पचाद्यच् Nyās. ii. 466.2 (*on* vi. 3.72); अटतीति अटः।··· साधनं कृतेति समासः PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. vi. 3.72; (पशुपालानसौ अपश्यत्) अम्लेटकैश्चाकटुवाटुभाषितैरटैः पटसंरटिताङ्गनोत्करैः DhātuKā. 1.39; क्षपास्वटैः क्षपाटैः निशाचरैः Mallinātha *on* Bhaṭṭi. 2.30; ज्यो वृद्धो गगनेऽटोऽग्निः DvyakṣaNā. 2.63.

अट (aṭa) *m.* **1** name of a king आनर्तपतिः···। अटो नाम सुविख्यातः SkandP. vi. 128.39; **2** name of one of the *nāgas* settled in Kashmir नागाः कश्मीरायां कृतालयाः···नागः···अटः श्वभ्रो वितारणः NīlaP. 929; **3** shore, bank, slope (*taṭa*) अटश्चापि तटश्च स्यात् DvirūK.(Ha.) 125.

अट (aṭa) (Gr.) formans found in words like *avaṭa*, *śakaṭa* and personal names in Kashmir like *mammaṭa*, *rudraṭa* [DEBRU. p. 157]

अटक (aṭaka) *adj.* wanderer प्रथमे रविजे ··· विमुखार्थसुतोऽटकदीनमुखः BṛSaṁ. 104.39.

अटकरूष (aṭakarūṣa) *m.* *Adhatoda vasika*, cf. **अटरुष,** कन्यकाटकरूषयोः RasRaSa. 13.72.

अटच् (aṭac) primary suffix *aṭa* कुसुभृवृकृवशाकिकङ्किकिंमर्क्यविभ्योऽटच् SaraKaṇṭhā.(Gr.) ii. 2.97 (comm. एभ्योऽटच्प्रत्ययो भवति)

अटचार (aṭac-cāra) *m.* roaming spy बद्धा यत्प्रहताः स्थ यष्टिभिरटच्चारार्थिभिः प्रतिभिः KaumuMi. 6.12.

अटज (aṭaja) = उटज [pw]

अटजि (aṭaji) *f.* a kind of plant मयूरकं देवदारु निचुलं कुटजाटजी। वरुणं चेति संकुट्य KāśyaS. 110A.5.

अटज्ज्वाल (aṭaj-jvāla) *adj.* having spreading flames विषमुद्चरत्··· अटज्ज्वालं कालं कदर्थितविष्टपम् Manmatho. 1.5 (420-21)

अटट (aṭaṭa) *m.* (Buddh.) name of a cold hell अष्टौ शीतनरकस्थानानि। तद्यथा। अर्बुदो निरर्बुदोऽटटो हुहुव उत्पलः पद्मो महापद्मः YogāBhū. 74.17; AbhidhKoBh. 164.23 (*on* 3.59); (Jain.) a measure of time consisting of 1512 years raised to 55 अटटप्रमितं तस्य बभूवायुः MahāP. 3.92 (पञ्चपञ्चाशच्छून्याग्रमष्टादशप्रमाणचतुरशीतिसंगुणनमटटवर्षप्रमाणम्); cf. **अडड.**

अटत् (aṭat) *adj.* [*f.* -ntī] **1** wandering, roaming सुविति किमर्थम्। करोष्यटन् MahāBh. ii. 375.2 (*on* ii. 1.2); मयाटन्त्येह वल्मीके दृष्टं सत्त्वमभिज्वलत् MahāBhā. iii. 122.19; अटता तु सदा देशान् MahāBhā. viii. 30.52; अटवीमटन् व्याघ्राघ्रातो मरणमगमत् VijñāS'. 17; मर्मज्ञत्वाद्रात्रावटने चाटन्तीभिर्नागरस्य (संप्रयोगः) KāmSū. 290.5 (5.5); मृगव्यामटता वने। स्त्रीत्वमासादितं तेन MārkP. 111.12; अटंस्तीर्थप्रसङ्गेन पृथिवीम् MatsyaP. 167.15; अटद्भिरटवीम् HarṣaC. 143.12; तत्पुत्रेण च ··· अटता भिक्षाम् Kād. 21.3; अहमपि महीमटन् DaśKuC. 41.2; कुलात्कुलमटन्तीदं चरामि कुलटाव्रतम् BṛKathāS'loSaṁ. 21.155; Bhaṭṭi. 20.30; SūryaS'. 18; KuṭṭaMa. 769; सः अन्नार्थमटन् ChāndoUBh. 64.18 (*on* i. 10.2); UpadeSā. 213.2; VarāP. 69.2; BrahmP. 78.19; PadmP. iv. 99.42; मकरन्दभिक्षामटत्सु मधुव्रतद्विजेषु RāmāCam. 5.9(20); केल्याप्यटन् भापयते स भूपान् DvyāśraKā. 2.80; RājTa.(Ka.) 8.99; संवत्सरमटन्स्वामी···कस्याप्यादत्त नातिथ्यम् TriṣaS'aPuC. i. 3.308; NaiṣC. 1.104; SamarāSaṁ. 2.323; EI. i. 65.11; PrabaCin. 80.14; SarvaDaSaṁ. 8.136; YudhiVi. 8.11; वाक्पुष्पाटवीं लीलारसादटन् RājTa.(Jo.) 393; Subhāṣi. 597; YātrāPra. 6.58; BhāmiVi. 2.40; SūktiSu. 55; ParamāKā. 150.19; LaS'abdeS'e. ii. 381.8; HammīMaKā. 1.61; **2** glittering or flashing राजन्योच्चांसकूटक्रथनपटुरटद्धोरधारः कुठारः MahāN. 2.6 (comm अटन्ती स्फुरन्ती घोरा उग्रा धारा यस्य तादृशः)

अटत (aṭata) = (aṭaṭa) name of a Buddhist hell [PW] cf. **अटट.**

अटदर्थिद्विज (aṭadarthidvija) *m.* wandering Brahmin-beggar लुक्प्रग्राहेणाटदर्थिद्विजानां राज्ञेत्युक्त्वाबन्धि संग्राहवत्सः DvyāśraKā. 12.74.

अटद्धोरधार (aṭadghora-dhāra) *adj.* having flashing and dreadful edge राजन्योच्चांसकूटक्रथनपटुरटद्धोरधारः कुठारः MahāN. 2.6 (comm. अटन्ती स्फुरन्ती घोरा उग्रा धारा यस्य तादृशः)

अटद्भ्रूभङ्ग (aṭad-bhrūbhaṅga) *adj.* having various (curved) movements of the eyebrows अटद्भ्रूभङ्गम्···पायान्नृसिंहाकृतेर्देवस्य···वपुः SaduktiKa. 32.30.

अटद्भ्रूभीषण (aṭadbhrū-bhīṣaṇa) *adj.* terrible due to moving eyebrows कोपाटोपनटत्सटोद्भटमटद्भ्रूभीषणभ्रुकुटिभ्राम्यद्भैरवदृष्टिनिर्भरनमद्गुर्वीकरोर्वीधरम्।··· नृहरेरव्यादपूर्वं वपुः VīraMi.(Saṁskāra.) 117.4.

अटन (aṭana) *n.* wandering, roaming, travelling युधिष्ठिरः। पप्रच्छ ···अटने च प्रयोजनम् MahāBhā. iii. 89.3; HariVaṁ. App. 29B (184); अटनम्। स्वप्नोऽन्यगेहवासश्च नारीसंदूषणानि षट् ManuSm. 9.13 (ManvaVi. अटनमितस्ततो भ्रमणम्, ManuBh. अटनमापणभूमिषु अन्नशाकादिक्रयार्थम्); रात्रावटने चाटन्तीभिः (संप्रयोगः) KāmSū. 290.5 (5.5); स्वाधिकारं समारोप्य योग्यस्याटनमाचरेत् JayāS. 18.79; तीर्थानामटनं च यथाक्रमम् BrahmāṇḍP. ii. 26.2; ViṣṇuP. iv. 15.13; (पिटकाः) स्कन्धेऽप्यटनमथ भिक्षार्थमसकृत् ··· विदधति BṛSaṁ. 52.4; अटनं स्खलितनियममपि चरमे LaJāta. 10(6).1; SūryaS'. 50; वृथाटनं वृथादानम् ···। न कर्तव्यं गृहस्थेन VāmaP. 14.41; वरम्··· भिक्षार्थमटनम् SkandP. iv. 21.103; BhāgP. i. 15.19; धिया दृष्टे तत्त्वे रमणमटनं जागतमिदम् YogVā. ii. 12.20; SthānṬ. 364B.11; KāvyKaVṛ. 81.35 (3.4); व्रज्याटाट्याटनम् S'abdaRa.(Vā.) 2488; विकटोर्व्यामप्यटनम् BhojPra. 6.23; BhāvPra.(Bhā.) 2.8; उच्चैर्गजैरटनम् Kuval. 93(9); YātrāPra. 3.81; Alaṅkā-Mañ. 43.9; *m.* an epithet of the syllable *ya* सकलभुवनमानभ्राटनः ··· यकारः ĪśānS'iPa. i. 3.54; *adj.* wanderer, fond of wandering अटनो नृपसेवको भाग्ये BṛSaṁ. 101.6; Bṛhajjā. 16.6; अथ गोलके ··· कुशिल्प्यलसोऽटनः Bṛhajjā.

12. 19; क्षुधालुरटनोऽनुराधासु Bṛhajjā. 16. 9; 18. 7; NāraS. 52. 11.

अटनकुटिल (aṭana-kuṭila) *adj.* crooked in movement (मारुता:) कर्णाटीनामटनकुटिला: कुन्तलावर्तनेषु SaduktiKa. 62. 19.

अटनचापलत्व (aṭanacāpala-tva) *n.* fickleness in making a move महादेवी···उपविवायार्धमुहूर्तमात्रं बहिरन्तश्चाटनचापलत्वम्···कपाटपुटमाशु प्रस्थितवती YaśasCam. ii. 40. 10.

अटनज्ञ (aṭana-jña) *adj.* knower of (the art of) travelling शोभनमटनज्ञमल्पवित्तं च···बुधेन संवीक्षित: सौर: Sārā. 29. 64.

अटनपरा (aṭana-parā) *adj.* (*f.*) fond of (or given to) wandering or roaming about काणी काली कुरूपा कटुरटनपरा गेहिनी स्नेहहीना S'at-Trayī. 515.

अटनयोगिन् (aṭanayog-in) *adj.* endowed with (i. e. capable of) wandering मनव:···ते···चक्षुष्मन्त: पादवन्तो वीक्षणाटनयोगिन: AhirbuS. 7. 33.

अटनवृत्ति (aṭana-vṛtti) *f.* act of wandering or roaming शयनासनकालेषु भोजनाटनवृत्तिषु । येषां वदति नो वाणी नामानि च हरे: LiṅgaP. ii. 6. 55.

अटनादि (aṭanādi) *adj.* wandering etc. भिक्षानिमित्तमटनादिनापि परपीडा स्यात् ChāndoUBh. 552. 19 (*on* viii. 15. 1); नागानाम् ··· दु:स्थानेष्वटनादिभिश्च ··· दोषा: समीरादिका: कुप्यन्त्याशु MātaLī. 11. 43.

अटनार्थम् (aṭanārtham) *adv.* for the sake of wandering (on pilgrimage) बहूनि संपरिक्रम्य तीर्थानि ··· अटनार्थम् ··· दृष्ट: पत्तनराजश्च SkandP. v(2). 32. 17.

अटनि (aṭani) *f.* A notched extremity of the bow (शृगाल:) धनुषोऽटनिं मुखे प्रक्षिप्य स्नायुं भक्षयितुमारब्ध: । तत: स्नायुच्छिन्ना । अटन्या तालुच्छिद्रितम् GiMs. iii(2). 122. 11; निन्यतु: स्थलनिवेशिताटनी लीलयैव धनुषी अधिज्यताम् RaghuVa. 11. 14 (comm. स्थले निवेशिते अटनी धनु:कोटी याभ्याम्); YaśasCam. i. 559. 9; 599. 9; सुमनसो नमयन्नटनौ धनुस्तव तु बाहुरसौ यदि दक्षिण: NaiṣC. 4. 96; अप्राप्ताटनि ताटकारिपुधनु: पापानि मे पाटयेत् RāmCāSta. 65; RāmBāSta. 82; ViśvaSta. 123; अटनिर्धनुष्प्रान्त: Liṅgānu.(He.) 36. 4; AbhidhāRaMā. 2. 310; S'abdaRa.(Vā.) 2659; ParyāS'aRa. 2. 358; **B** edge of the roof, cornice cf. **अटनितट**; **C** peak of a mountain शैलाटनितटीटङ्कघटित° YaśasCam. i. 486. 4; स्वर्गस्त्रीगीतकान्ताटनिरमरतरुश्लाघ्यशाखाक्षिपस्ति: ··· विजयार्धावनीध्रश्चकास्ति YaśasCam. ii. 228. 2; AnekāSaṁ. 2. 156; ParaNā. 2613; [AnekāTi. 2. 13 gives *aṭani* as a meaning of *arti* and NānārthaSaṁ. 27. 50 andAnekāTi. 2. 77 as a meaning of *koṭi*)] *adj.* moving यश्च क्वचित्कटिकटदंष्ट्रोत्पाटिताटनिपुटकिनीकन्ददन्तुरदरवदनविन्यास: साट्टहास इव (comm. अटनिपुटकिनीनां तरलपद्मिनीनाम्) YaśasCam. ii. 169. 3.

अटनिखर्वट (aṭanikharvaṭa) *m.* name of a Rākṣasa युयुधे ।··· तारेण च निखर्वट: (v. l. तारेणाटनिखर्वट:) MahāBhā. iii. 269. 8.

अटनिजटङ्कार (aṭanija-ṭaṅkāra) *m.* twanging sound arising from the notched end of the bow ततोऽटनिजटङ्कारबधिरीकृतविष्टपम् । आचकर्ष धनु: पद्म: PadmP.(Ra.) 28. 240.

अटनितट (aṭani-taṭa) *m.* edge of the roof, cornice अटनितटनिविष्टविकटसटोत्कटकरटिरिपुसमीपसंचारचकितचन्द्रमृगविलोचनरुचिविकचकुवलयोपहारिभि: ··· चैत्यालयै: YaśasCam. i. 17. 3.

अटनिन् (aṭan-in) *adj.* wandering [DBHS]

अटनिन्यास (aṭani-nyāsa) *m.* placing of the end or extremity of bow प्रथममटनिन्यासादुर्वीमियं चरममनमचापं यस्यां पुरा धरणीसुताम् । स्वभुजमहिमा देवायादात्ततो जनकेश्वर: PṛthviVi. 11. 48.

अटनिप्रान्त (aṭani-prānta) *m.* border of a bow (i. e. notched extremity of a bow) करेषु कार्मुकं कर्तुमपि केचिन्न सेहिरे । शिञ्जिनीमटनिप्रान्तमानेतुं तु कथैव का PāṇḍaC. 13. 129.

अटनी (aṭanī) *f.* notched extremity of a bow, tip of a bow धनुश्चापौ ··· कोटिरस्याटनी AmaK. 1636; अनुकुर्वत्या कन्यां तथा तथा नायकस्तया दृष्ट: । येन जरत्स्वप्यटनी धनुष: स्पृष्टा दशार्धबाणेन KuṭṭaMa. 969; एष ज्यामटनीं नेतुं न शक्नोति BālRā. 3. 62; यज्जिष्णुर्भुजयोर्बलेन नयति ज्यां हेलयैवाटनीम् BālBhā. 1. 77; AgniP. 365. 14; लस्तको धनुषो मध्यमग्रं लुस्तमटन्यपि Vaija. 118. 177; AnekāSaṁ. 2. 84; AbhidhāCin. 775; NāmMā. 79; ParyāS'aRa. 2. 358; कोदण्डाटनीलग्नं स्नायुबन्धं खादयामि Hitopa. 1. 125(2); कर्ण: ··· कार्मुकस्य । ··· पूर्वं गुणेनाशुगजातमेकं पश्चादटन्याप्यपरं निरास्थत् BhārCam. 10. 73; S'abdaRa. (Su.) 3. 273; KośaKaTa. 1. 6259; KalpaK. 118. 263; SabdaRaSaK. 191. 1.

अटनीकोटि (aṭanī-koṭi) *f.* end of the notched extremity of a bow द्रुतमुत्पतिते धनुषाटनीकोट्या हृदि निर्भिन्नो दीर्घराव: पञ्चत्वं गत: Hitopa. 1. 125(4)

अटनीखातसमुच्छ्रित (aṭanīkhāta-samucchrita) *adj.* risen from digging (the earth) by the end of a bow अम्बु···स विमृग्य वनेष्वनापिबानटनीखातसमुच्छ्रितं पयौ RāghPāṇ.(Dha.) 4. 40.

अटनीतट (aṭanī-taṭa) *m.* region of the notched extremity of a bow न्यस्यैकं लस्तके हस्तमपरं त्वटनीतटे । चक्रेऽधिज्यं हयग्रीवो यमभ्रूभीषणं धनु: TriṣaS'aPuC. iv. 1. 672; i. 4. 96.

अटनीध्र (aṭanī-dhra) *n.* support of the roof इदं रमणीयं मन्मनोहरमदश्च सुन्दरमटनीध्रतटम् YaśasCam. ii. 312. 1.

अटनीनिपीडन (aṭanī-nipīḍana) *n.* pressing with the notched extremity of a bow ज्यारोपणाय मध्ये धनुषो निहितस्य मारवीरेण । अटनीनिपीडनोदितमवटं त्वन्नाभिरिति वदन्ति जना: YātrāPra. 3. 127.

अटनीमुख (aṭanī-mukha) *n.* point of the notched extremity of a bow (स:) ज्यालेखामटनीमुखेन घटयन्केनापि नालोकित: RāghPāṇ.(Ka.) 2. 27.

अटन्मृग (aṭan-mṛga) *adj.* where the deers are roaming (अवनिप:) सुन्दरीभि: ··· अटन्मृगेषु···क्रीडापर्वतेषु विजहार AvantiKa. 30. 15.

अटमान (aṭa-māna) *adj.* wanderer अटमान: कदाचित्स स्वान्दर्श पितामहान् MahāBhā. i. 13. 11; iii. 45. 9; कदाचिच्छाकुनिकस्तद्वनमटमान: ··· तस्य शल्मलेरध: ··· निषसाद Tantrākhyā. 121. 23; तत्राभवद्भगवान् व्यासपुत्रो यदृच्छया गामटमानोऽनपेक्ष: BhāgP. i. 19. 25; ix. 10. 9; स्नातकाश्च···अटमानाश्च तीर्थानि शक्तिभाजस्तपस्विन: Rāvaṇā. 11. 15; BrahmP. 93. 8; अटमान: स भगवांस्त्रीँलोकान्प्रचचार ह BhaviP. 125B. 4 (i. 72. 15); (ब्राह्मण:) यात्राव्याजेन तीर्थानां भ्रमत्येक: स मेदिनीम् । अटमान: समायातस्तव गेहं महामुनि: PadmP. ii. 17. 5; ii. 14. 5; GaṇeP. i. 21. 20; *m.* name of a prince लम्बोदरस्तु तत्पुत्रस्तस्माच्चिबिलको नृप: । मेघस्वातिश्चिबिलकादटमानस्तु तस्य च BhāgP. xii. 1. 24.

अटय् (aṭay-) (causal from *aṭ* 1 P.) to cause to wander कानि पुनरस्य योगस्य प्रयोजनानि । ···आटिटत् MahāBh. i. 157. 2 (*on* i. 1. 59)

अटरु (aṭaru) *m.* the plant *Justicia adhatoda* अटरूषोऽप्यटरुषस्तद्वच्चाटरुरित्यपि KalpaK. 301. 468.

अटरुष (aṭaruṣa) *m.* the plant *Justicia adhatoda* आटरुषोऽप्यटरुषो DvirūK.(Pā.) 7. 4; अटरुषोऽटरुषक आटरूषो अटाद् रुष: S'abdaRa.(Su.) 4. 155; KalpaK. 301. 468.

अटरुषक (aṭaruṣa-ka) *m.* the plant *Justicia adhatoda* अटरुषककलाङ्कुल्य: काकमाच्या: शिफा पृथक् । नाभेरध: समालिप्य प्रसूते प्रमदा सुखम् AgniP. 301. 22; S'abdaRa.(Su.) 4. 155.

अटरूष (aṭarūṣa) *m.* [अटन् कुटिलं गच्छन् रूषयत्यटरूष: S'abdaBhePra.(Ma.) 1. 7; अटन् रूषतीति । अटरूष: GaṇRa. 3. 176(213)] the plant *Justicia adhatoda* रजनीसप्तपर्णाटरूषम् ··· पीत्वा मांसं जयति कुष्ठम् AṣṭāHṛ. iv. 19. 41; वृषोऽटरूष: सिंहास्यो वासको वाजिदन्तक: AmaK. 855; बिम्बीकशेरुकबलातिबलाटरूष° ··· तत्कथिततोयपयोविपकमाज्यं पिबेदनिलशोणितपित्तरोगी KalyāKā. 9. 41; AśvaVai. 12. 2; S'abdaBhePra.(Pu.) 3. 4; KalpaK. 301. 468; S'abdaRaSaK. 27. 13; S'abdaRa.(Su.) 4. 155.

अटरूषक (aṭarūṣa-ka) *m.* **i** the plant *Justicia adhatoda* °अटरूषकबकुलकुटज° ··· °मधूकानामन्येषां च ··· कषायं कारयेत् CaraS. vi. 3. 258 (1941 Ed.); मण्डूकपर्णी° ··· °वेत्रकरीराटरूषकार्कपुष्पीप्रभृतीनि (comm. तिक्तप्रायाणि) SuśruS. i. 46. 262; °अटरूषकनक्तमाल° ··· इत्येवं वर्गं समूलपत्रशाखमार्द्रमाहृत्य SuśruS. iv. 4. 32; अटरूषकम् । ···एतैस्तैलम्···योजितं पचेत् KāśyaS. 103A. 1; 311A. 24; निर्यासो वाटरूषकात् । शर्करामधुसंयुक्त: केवलो वा शृतोऽपि वा । ··· स ह्यस्य परमौषधम् AṣṭāHṛ. iv. 2. 25; दूर्वा° ··· °··· अटरूषकेत्कटप्रियङ्गु ··· इति वित्तशमनानि AṣṭāSaṁ. i. 85. 22 (1. 14); ii. 16. 22 (4. 3); आटरूष: सिंहमुखी भिषग्माताटरूषक: RājNi. 11. 14; 423. 5; वासा स्यादटरूषके ViśvaPra. 174. 7; AbhidhāCin. 1140; तत्तुल्यं पुटयेन्नागमहिमाराटरूषकै: Rasā. 14. 141; NāmS'il. 1852; तरसं मरिचशृङ्गवेराटरूषक° ··· °पिप्पलीभि: ···कवलान्दद्यात् Hastyāyur. 93. 15 (1. 13); 79. 8 (1. 11); BhāvPraNi. 55. 90; KalpaK. 301. 466; **ii** flower of *Justicia adhatoda* पद्मबिल्वार्कधत्तूरपारिभद्राटरूषका: । न देया: पितृकार्येषु MatsyaP. 15. 37 = PadmP. v. 9. 65; लोध्रस्तथा चैवाटरूप(? ष)क: (अमी पुष्पप्रकारास्तु शस्ता भास्करपूजने) BhaviP. 166B. 24 (i. 115. 25)

अटरूषकपत्र (aṭarūṣaka-patra) *n.* leaf of the plant *Justicia adhatoda* अथवाटरूषकपत्राणि ··· °बिल्वमूलदन्तीं च गोमूत्रे विपाच्य तेन क्वाथेन निरूहं दद्यात् Hastyāyur. 293. 2 (2. 59)

अटरूषा (aṭarūṣā) *f.* the plant *Justicia adhatoda* अटरूपा त्वाटरूप: सिंहास्यो वाजिदन्तक: । वाशको मातृका वाशा KośaKaTa. 1. 3714.

अटल (a-ṭala) *adj.* not shaky, firm, steady, solid [MW, Apte]

अटलिका (aṭalikā) *f.* name of a town सोमपालस्तदन्तरे । अलुण्ठयच्चाटलिकां लब्धरन्ध्रो ददाह च RājTa.(Ka.) 8. 764.

अटवक (aṭavaka) *m.* name of a *Nāga* king [DBHS]

अटवटगोत्र (aṭavaṭa-gotra) *n.* name of an imaginary *gotra* (family) किं ते प्रवरगोत्रम् । निर्मूलनिःसंताननिर्वंशेति त्रिप्रवरमटवटगोत्रम् Nāṭa. 7. 21.

अटवर्ग (a-ṭavarga) *adj.* other than the one belonging to the ṭ-class, non-retroflex मूर्ध्नि वर्गान्त्यगाः स्पर्शा अटवर्गा रणौ लघू KāvyPra. 484. 5; तत्र निजान्त्याक्रान्ता अटवर्गा वर्गा ह्रस्वान्तरितौ रणावसमासो मृदुरचना च Kāvyānu.(He.) 241. 8.

अटवि (aṭavi) *f.* [Mayr. 1. p. 25; Debru. p. 219; cf. **अटवी**] forest जनस्थानादपसृत्य गमोऽटवेः । प्रायोपगमनं तज्ज्ञैः निरुक्तम् MahāP. 11. 97; पर्वताटविदुर्गादौ रक्षिणी मेऽस्तु चण्डिका ĪśānŚiPa. i. 22. 70; छविस्थवि° ... °अटविशिवय: SaraKaṇṭhā.(Gr.) ii. 1. 235; Liṅgānu.(He.) 56. 8; ParaNā. 3529; अटव्यटविः ŚabdaRa.(Su.) 4. 121.

अटविक (aṭavi-ka) *m.* **1** forest-officer तीर्थशब्देनात्र युक्तकर्माभिधीयते । ... तन्नृपस्याभ्युदयाय स्यात् । तद्यथा मन्त्री । पुरोहितः । ... अटविकश्च परपक्षे PañcT. (*Kosegarten Ed.*) 156. 19; **2** forest-dweller सामा(? म)न्ताटविकान् भेददण्डाभ्यामपराद्धकान् (साधयेत्) AgniP. 240. 62.

अटविदेवी (aṭavi-devī) *f.* goddess of the forest प्रविष्टं मंस्यन्ते विधिमटविदेव्यस्त्वयि गते HaṁsDū.(Rū.) 28.

अटविदेश (aṭavi-deśa) *m.* forest-region वनान्यटविदेशांश्च समीक्ष्य मतिरागमत् Rāmā. iv. 59. 6.

अटविबल (aṭavi-bala) *n.* army raised from the forest-region मित्राटविबलं चैव ··· सर्वमेतद्बलं ग्राह्यं वर्जयित्वा द्विषद्बलम् Rāmā. vi. 177*(11)

अटविमध्यतस् (aṭavimadhya-tas) *adv.* in the midst of a forest सा ···भ्रमन्त्यटविमध्यतः । ··· निहता मृगराजेन SamarāSaṁ. 6. 507.

अटविशिखर (aṭavi-śikhara) *m.* name of a people (PW)

अटवी (aṭavī) *f.* [Debru. p. 305; Mayr. 1. p. 95 / अटति गच्छत्यस्यामटविः (v. l. अटवी) ŚabdaBhePra.(Ma.) 2. 29; अटन्त्यस्यामटविः । स्त्रियामीः NāmMā. 13; अटवी स्त्रियाम् Liṅgānu.(Pā.) 112. 18; Liṅgānu.(Va.) 25; Liṅgānu (Vā.) (comm.) 3. 1; 10. 7; Liṅgānu.(Śā.) 121. 1; Liṅgānu.(He.) 126. 9]; **i** forest, woodland एतत्तु श्रोतुमिच्छामि अटव्याम् ··· । संवादम् MahāBhā. i. 46. 26; अटवीष्वपरः कार्यः सामन्तनगरेषु च MahāBhā. xii. 87. 30; द्रव्यवनकर्मान्तानटवीश्च (निवेशयेयुः) (comm. वनानि) ArthŚā. i. 116. 8 (2. 2); उद्यानारामसरितस्त्वाश्रमा अटवी तथा NāṭyaŚā. 13. 4 यथाटव्यां विषाणमात्रदर्शनाद् गौर्गवयो वेति PadārthaSaṁ. 175. 3 = NyayKa. 176. 21; BṛSaṁ. 104. 61; सततमिमामटवीमटामः HarṣaC. 320. 21; 305. 5; DaśKuC. 12. 22; 94. 9; AvantiKa. 200. 9; EI. xv. 308 38; एतौ द्वावपि गच्छन्तौ महता सामर्थ्येनाटव्याम् SāṁkhyaKāBh. 17. 18 (*on* 21); प्रत्यागच्छन् ···अटवीम् ··· पृथ्वीकर्णतटाभिधाम् PadmP. (Ra.) 6. 50. 9; VāsaDa. 63. 2; चीरी नाम निदाघकालेऽटवीषु वाश्यते कीटविशेषः BālaKrī. ii. 77. 4 (*on* 3. 206 (216); ĀścaCū. 2. 1; GaṇiSāSaṁ. 3. 34; ViṣṇuDhaP. iii. 11. 14; स्वदेशे परदेशे वा पर्वतेष्वटवीषु च । न ··· भयं तस्य SkandP. v(1). 8. 19; जातगर्भा च तां श्वशुरः कुलदोषभयादटव्यां तत्याज JayaMa. 279. 1 (*on* 5. 4); एवमसौ (नलः) अटवीश्चातिक्रामन् ··· विन्ध्याचलमनुससार NalaCam. 5. 32 (4); NītiVā. 23. 11; TilaMañ. 193. 22; वयस्येन सहाटव्यां ददर्शाक्रन्दिनीं स्त्रियम् BṛKathāMañ. ii. 1. 84; ii. 1. 104; समुद्रमटवीं दुर्गं विशन्ते लोभमोहिताः PadmP. v. 18. 359; अटवीं पितृसंदेशाद्यो रामः RāmāCam. 2. 83; 2. 47; कथंचिच्चातिचक्राम नदीशैलवनाटवीः KathāSaSāg. ix. 6. 325; vii. 3. 35; VikraDeC. 11. 27; एवंविधाटवी रम्या Mānaso. iv. 15. 1440; अटवीषु श्मशानेषु रथ्यास्ववसथेषु च । क्षुत्क्षामः क्षमाभुजा तेन न हि कश्चिदुपैक्ष्यत RājTa.(Ka.) 2. 29; 8. 2266; GopāKeCan. 77. 20; तथा ह्यटव्यामेकस्यामन्योन्यमनुरागिणौ । वानरो वानरी चास्ताम् PariPar. 2. 407; 2. 191; संवत्सरमटन्स्वामी ग्रामाकरपुराटवीः । कस्याप्यादत्त नातिथ्यम् TriṣaŚaPuC. i. 3. 308; अटवीं कान्तारमनुप्रविष्टा SthānṬ. 314B. 13; HammīMaMa. 5. 14; MalliC. 6. 144; पुमान् जन्तुरटव्येषा चतुर्गतिगतिः स्मृता SamarāSaṁ. 2. 340; 7. 290; स्वगृहेऽप्यटव्यपि नृणां शीलप्रभावाद् ध्रुवम् SindūPra. 40; येऽटव्यामुत्पन्ना अकृष्टायां च भूमौ फलितास्ते जर्तिलाख्यास्तिलाः CaturCin. iii(1). 648. 22; यः कादम्बर्यामटव्याम् ··· श्रीपार्श्वनाथम् ··· प्रतिष्ठापितवान् TīrthaKa. 65. 9; PrabaK. 53. 24; 75. 6; अटव्याम् ··· परासुम् । ··· तं वीक्ष्य ŚaṅkaDigVi.(Mā.) 9. 75; जीवितेशः शिवाया गच्छाटव्यामिति हतवचाः पातु वश्चन्द्रचूडः ŚārṅgaPa. 95 = Subhāṣi. 103; DaṇḍaVi. 316. 4; ग्रामे चाटव्यां च ··· ब्राह्मणानां भिक्षुकाणां च द्रविणं समर्पणीयम् RājTa.(Prā.) 910 (2); RājTa.(Śrī.) 1(1). 41; गौरित्यटव्यां गवयं प्रकाश्य Acyutarā. 1. 36; VīraBhā. 5. 150; YātrāPra. 1. 70; दुर्गाटवीनगरराष्ट्रपदानि ··· भृत्येषु ··· न्यासीचकार ··· राज्ञी ŚivLī. 9. 20; MahāN. 3. 13; (dense forest) ये स्मरन्ति ···अटवीषु च MahāBhā. iv. App. I. 4D. 42; अयोध्यामटवीं विद्धि Rāmā. ii. 35. 8; ii. 42. 9; नैकः शून्यगृहं न चाटवीमनुप्रविशेत् CaraS. i. 8. 19 DaśKuC. 82. 9; PadmP.(Ra.) 26. 40; (न सेवेत) सूनाटवीशून्यगृहश्मशानानि AṣṭāSaṁ. i. 9. 15 (1. 3); (सेवेत) सूनाटवीशून्यगृहश्मशानानि दिवापि न AṣṭāHṛ. i. 2. 38; तीर्थार्थिनो दुःखिता यत्र काप्यटवीमटन्ति VijñāŚ. 46; पुत्रकोऽप्यटवीं प्राप्य निर्जनाम् BṛKathāMañ. i. 2. 48; भ्रष्टः पन्था ममाटव्याम् BṛKathāŚloSaṁ. 20. 234; स्त्रियश्चाभ्यन्तरचारिण्योऽटव्यां वनेचराः कार्याः (राज्ञा) ManuBh. ii. 45. 28 (*on* 7. 154); अस्ति रामाटवी स्फारा शून्या शान्तातिभीषणा YogVā. iii. 98. 5; PārśvC. 2. 925; 4. 27; RājTa.(Śrī.) 1(5). 28; UjjvaNīMa. 158. 7; अटवीषु भीषणम् ··· प्रादुरास विषमे समं तमः RāmC. 2. 62; अध्युवास दुर्गामटवीं श्रीपर्वतद्वारसंश्रिताम् EI. viii. 32. 5; PadmP. iv. 1. 33; VidaMuMa. 1. 58; TriṣaŚaPuC. iv. 7. 107; दुर्गामटवीमटन्ति SindūPra. 57; कर्णाटराट् तुरगापहृतोऽटव्यां नीतः PrabaCin. 54. 7; अटव्यां गहनादौ द्रव्यापहर्तारः ManvaVi. 1243. 20 (*on* 9. 257); 1083. 4 (*on* 8. 356); KumāPraPra. 53. 1; (राजा) अटव्यः ···चारैस्तस्करनिवारणार्थं चारयेत् ManvaMu. 413. 2 (*on* 9. 265); PurāPraSaṁ. 82. 1; (full of wild beasts) नाबिभ्यत्सा नृपसुता भैमी तत्राथ कस्यचित् । दारुणामटवीं प्राप्य MahāBhā. iii. 61. 10; iii. 245. 28; xiii. 12. 18; सन्त्यटव्यश्च वैदेहि दुर्गमा बहुयोजनाः Rāmā. ii. 654*(3); अटवीमटन् व्याघ्राघ्रातो मरणमगमत् VijñāŚ. 17; स चाटव्यां मृगयार्थी पर्यटन् व्याघ्रद्वयमपश्यत् ViṣṇuP. iv. 4. 41; iv. 13. 77; Tantrākhyā. 41. 5; PañcT. 3. 33 (4) (286. 6 F. N.); आदिसिंहोऽथ कदाचिदटवीमिमाम् ··· खेलनोद्युक्तः प्रविवेश EI. ii. 346. 6; BṛKathāŚloSaṁ. 16. 3; RāmC. 20. 24; NalaCam. 6. 52 (4); ViṣṇuDhaP. ii. 120. 4; TilaMañ. 184. 23; क्षिप्तश्च कर्दमे प्रायादटवीं रवितापितः BṛKathāMañ. ii. 2. 103; अटव्यां द्रक्ष्यसि भ्राम्यन् सिंहारूढं कुमारकम् KathāSaSāg. i. 6. 92; Mānaso. iv. 15. 1435; TriṣaŚaPuC. i. 4. 275; i. 5. 43; Pañcā. 4. 1; न श्वापदेभ्योऽप्यटवीषु शङ्का EI. xiv. 90. 14; (दमयन्ती) अटवीमतिभीषणामगात् Nalābhyu. 7. 67; राजा मृगयारसेनाटवीमटन् ··· परिश्रान्तः BhojaPra. 74. 15; SiṁhāDvā. 38. 18; VīraBhā. 2. 29; स्फुटतरमटवीनां प्रान्तरे पर्यटन्ती ··· °मुक्ताफलानि । परिकरयति RasiJī. 206; Rāgh. 5. 66; 6. 13; मृगयारतः प्रसेनो विघटितसेनोऽटवीमटन्नेकः । केसरिणा विनिजघ्ने UpadeŚ. 94; (lonely or deserted place) अटवीकानन° ··· °भुवनानि (वर्णयेत्) Kāvyālaṅ.(Ru.) 16. 13 (comm. निर्जनो देशः); ViṣṇuDhaP. ii. 89. 18; (pasture land or grazing land) अटद्भिरटवीम् ··· गोधनैर्धवलितविपिनः ··· श्रीकण्ठो नाम जनपदः HarṣaC. 143. 12; अटवीषु चलम् (वन्देमहि ··· त्वाम्) StavMā. 49. 21; [Kośas give meanings of अटवी as अरण्य AmaK. 650; AbhidhāRaMā. 2. 55; Vaija. 45. 1; AbhidhāCin. 1110; RājNi. 324. 26; AgaNi. 53; KalpaK. 248. 1; KośaKaTa. 1. 2987; वन ŚabdaRaSaK. 319. 2; ParaNā. 889] **ii** wild or aboriginal tribe, robber यस्या हि भूमेर्बहुदुर्गाश्चोरगणैर्म्लेच्छाटवीभिर्वा नित्याविरहिताः प्रत्यन्ताः ArthŚā. ii. 303. 1 (7. 10); ii. 276. 2 (7. 6); iii. 87. 8 (9. 6); iii. 199. 6 (13. 3); अटवीभिर्वा राज्यं (शत्रोः) घातयेत् ArthŚā. iii. 155. 9 (12. 1); **iii** name of a town [DBHS] [Vaija. 281. 11 gives जलमुस्तक as the meaning of अटवी and its synonyms; MediK. 181. 12 gives अटवी as the meaning झष]

अटवीकान्तार (aṭavī-kāntāra) *m.* wilderness of a forest वयमपि ··· धात्र्या प्रच्छन्नमेव रजन्यामटवीकान्तारमुपनीय ··· विप्रणाशिताः KaumuMa. 4. 7(9)

अटवीकुञ्ज (aṭavī-kuñja) *m. n.* bower in the forest मण्डलं धेनूनां परिपालयन्तमटवीकुञ्जे भवन्तं भजे StavMā. 187. 9.

अटवीकुटुम्बिन् (aṭavī-kuṭumbin) *m.* householder living in a forest अटवीकुटुम्बिनां गृहैरुपेतं वनग्रामकं ददर्श HarṣaC. 308. 2.

अटवीकोटरचारिन् (aṭavīkoṭaracār-in) *adj.* wandering in the hollow recesses of the forest (trees) भवदीयवैरिणाम् अटवीकोटरचारिणां नृप । ··· तालीयरसः सुधोपमः ChandaśCū. 3. 53 (4)

अटवीगत (aṭavī-gata) *adj.* **i** found in the forest परस्वं न हरेद्यस्तु तृणमप्यटवीगतम् PadmP. v. 43. 140; **ii** gone to the forest चन्द्रस्वामी शुशोच स्वौ दारकावटवीगतौ KathāSaSāg. ix. 6. 25; किं त्वेकाकिनमात्मानमपश्यमटवीगतम् । ·· अभूवं च भयातुरा PāṇḍaC. 9. 313.

अटवीगहन (aṭavī-gahana) *n.* inaccessible place in the forest अन्वेषितः प्रेषितपदातिजनैस्तत्र तत्राटवीगहनेषु (कुमारः) TilaMañ. 191. 8.

अटवीगह्वर (aṭavī-gahvara) *m. n.* interior of a forest मुच्यन्तां शृङ्खलाभ्यः श्वगणिभिरटवीगह्वरे सारमेयाः CaṇḍaKau. 2. 2.

अटवीगृहमेधिन् (aṭavī-gṛhamedhin) *m.* householder in the forest, forest-dweller फलं च भोज्यं पुत्रस्य जातमटवीगृहमेधिनस्ते BālRā. 6. 40 = VyaktiVi. 97. 16.

अटवीग्रस्त (aṭavī-grasta) *adj.* occupied by foresters, laid waste by foresters परचक्राटवीग्रस्तम् ··· देशं परिहरेद्राजा ArthŚā. i. 115. 1 (2. 1)

अटवीघात (aṭavī-ghāta) *m.* destruction of forest-tribes ततः स्वामी हस्तिबन्धनमटवीघातं वापदिश्य गूढमेव प्रहरेत् ArthŚā. iii. 192. 6 (13. 3)

अटवीघोषण (aṭavī-ghoṣaṇa) *n.* crying in wilderness (*lit.* forest)

तस्यायस्तमटवीघोषणमित्यसत् AbhinBhā. ii. 36. 11 (*on* 9. 44)

अटवीचन्द्रोदय (aṭavī-candrodaya) *m.* rise of the moon in a forest रूपमपि दाक्षिण्यहीनमटवीचन्द्रोदय इव कां प्रीतिं करिष्यति DhūrtViSaṁ. 23. 13.

अटवीचर (aṭavī-cara) *adj.* wandering in the forest पुरा वराक्रानटवीचरान् ⋯ पुलिन्दान् । जित्वा रणे VarāṅgaC. 17. 30; *m.* forester, a forest-tribe (राजा) प्रपासत्रमटवीचराणाम् ⋯ तडागमद्राक्षीत् UdaySuKa. 129. 26; 126. 23; करिणो मूत्रशङ्कातां लिप्ताङ्गैरटवीचरैः । ⋯ जानीयादिभयूथकम् Mānaso. ii. 3. 81; वनेचरः NāmMā. 13 (comm. अटवीचरः)

अटवीजात (aṭavī-jāta) *adj.* born in a forest गच्छत एव तस्य ⋯ तनया इवाटवीजाता विन्ध्यस्याद्रेः ⋯ दर्शनपथमवतेरुस्तरवः HarṣaC. 315. 11.

अटवीतटिनीप्राय (aṭavītaṭinī-prāya) *adj.* mostly consisting of forests and rivers अटवीतटिनीप्रायः पन्था दुर्गोऽपि लङ्घितः PāṇḍaC. 7. 404.

अटवीतरुकाण्ड (aṭavītaru-kāṇḍa) *m.* stem of a forest-tree उत्क्षिपद्भिरटवीतरुकाण्डानुद्भटैरपरदिक्पवमानैः । भग्नरंहसि पतङ्गशताङ्गे द्राघिमानमलभन्त दिनानि YātrāPra. 6. 5.

अटवीतीर्थ (aṭavī-tīrtha) *n.* name of a holy place situated in a forest ततो गच्छेत राजेन्द्र अटवीतीर्थमुत्तमम् PadmP. i. 21. 30.

अटवीतुल्य (aṭavī-tulya) *adj.* like a forest पञ्चवर्षोपेक्षितं क्षेत्रमटवीतुल्यं स्यात् Aparā. 768. 13 (*on* 2. 158)

अटवीत्व (aṭavī-tva) *n.* the state of being a forest इतो मिया भूपतिभिर्वनं वनादटद्भिरुच्चैरटवीत्वमीयुषी । निजापि सावापि चिरात् पुनः पुरी पुनः स्वमध्यासि विलासमन्दिरम् NaiṣC. 12. 17.

अटवीदण्ड (aṭavī-daṇḍa) *m.* army of foresters यदा वा पश्येत् ⋯ ' स्वदण्डैर्मित्राटवीदण्डैर्वा समं ज्यायांसं वा कर्शयितुमुत्सहे ' इति ArthS'ā. ii. 255. 1 (7. 4); ii. 283. 6 (7. 7)

अटवीदहन (aṭavī-dahana) *m.* forest-fire (सा) तदद्यावधिदिने दिनेशमुपस्थायाटवीदहनदहने निवारिता त्वया DaśKuC. 153. 25.

अटवीदुर्गग्रह (aṭavīdurga-graha) *adj.* pride for a fort (encircled) by a forest तावत्तोयमहामहीभृदटवीदुर्गग्रहो विद्विषां यावन्नैव जुझारसिंहनृपतिर्युद्धाय बद्धोत्सवः ViraMi.(Saṁskāra.) 121. 17.

अटवीदेवता (aṭavī-devatā) *f.* sylvan deity कण्ठे शौरेः ⋯ शबलितं सस्पृहम् ⋯ अनिशमटवीदेवतानां कटाक्षैः HaṁsSaṁ. 58.

अटवीद्वार (aṭavī-dvāra) *n.* entrance to a forest दिनैः प्राप्याटवीद्वारं सायं सार्थे कृतस्थितौ KathāSaSāg. vi. 3. 106; (सर्वे) अतिष्ठन्नटवीद्वारे राज्ञो मार्गावलोकिनः KathāSaSāg. xviii. 4. 83.

अटवीधनुर्धर (aṭavī-dhanurdhara) *m.* archer of the wild tribes विघटनमटवीधनुर्धराणां विषमपथेषु विधाय लीलयैव ।⋯ स जगाम तुङ्गभद्राम् VikraDeC. 6. 25.

अटवीनिकटवर्तिन् (aṭavī-nikaṭavartin) *adj.* lying close to a forest, which is near a forest अटवीनिकटवर्तिक्षेत्रविषयमेतदिति मृगग्रहणात् गम्यते SmṛtiCan. iv. 488. 13.

अटवीनिग्रह (aṭavī-nigraha) *m.* suppression or curbing of wild tribes दूष्यामित्राटवीनिग्रहं वा विगृहीतो न करिष्यति ArthS'ā. ii. 256. 1 (7. 4)

अटवीपथ (aṭavī-patha) *m.* path through a forest मैथिलेन्द्रस्तु⋯अटवीपथमवगाह्य लुब्धकलुप्तसर्वस्वोऽभूत् DaśKuC. 66. 13; प्रियसखस्य नः⋯अन(? ट)-वीपथावतरमारण्यकैरत्यासादनम् AvantiKa. 174. 17; ययौ च स वणिक्सार्थः पुरस्कृत्याटवीपथम् KathāSaSāg. vi. 3. 105.

अटवीपदवी (aṭavī-padavī) *f.* path through a forest पर्याटमटवीपदवीष्वहम् PāṇḍaC. 9. 314.

अटवीपर्यटन (aṭavī-paryaṭana) *n.* roaming in a forest अकार्यमिदम् ⋯संत्यज्य राज्यमटवीपर्यटनं विधातुम् RāmāCam. 2. 28(4)

अटवीपाटक (aṭavī-pāṭaka) *m.* name of a village दक्षिणतः सुवर्णारपल्लिग्रामगामी पन्थाः अटवीपाटकग्रामसन्धिश्च EI. v. 40. 13.

अटवीप्रतिषेध (aṭavī-pratiṣedha) *m.* resistance of (the attack of) wild tribes दुर्गवासिभिर्हि स्वभूमिरक्षणममित्राटवीप्रतिषेधं च करोति ArthS'ā. ii. 301. 8 (7. 10); iii. 3. 3 (8. 1); तूष्णींयुद्धं स्वपक्षनिग्रहो दण्डबलव्यवहारः ⋯परचक्राटवीप्रतिषेधश्च ArthS'ā. iii. 7. 3 (8. 1)

अटवीप्रदेश (aṭavī-pradeśa) *m.* forest-region स एव पद्मग्रामटवीप्रदेशं खरं सपाषाणमयं चचार VarāṅgaC. 12. 79; शैलाटवीप्रदेशानां विविधकर्मक्षमाणामालोचनमाटविकवर्गविश्रम्भणम् ⋯ इति बहुतमा गुणाः DaśKuC. 135. 16.

अटवीप्रवेश (aṭavī-praveśa) *m.* entering a forest गुहाटवीप्रवेशश्च स्वप्ने स्वप्ने विगर्हितम् KāśyaS. 89B. 34; क चाटवीप्रवेशस्ते कोपहाराय बन्धनम् KathāSaSāg. xii. 34. 325.

अटवीप्रवेशप्रपा (aṭavīpraveśa-prapā) *f.* watering place at the entrance to a forest अटवीप्रवेशप्रपाणां शैल्ये(? त्ये)न त्याजयन्तमिव ग्रैष्ममूष्माणम् (वनग्रामकं ददर्श) HarṣaC. 304. 20.

अटवीप्रान्त (aṭavī-prānta) *m.* outskirts of a forest गत्वाटवीप्रान्ते वसुदत्तपुरे नृपम् KathāSaSāg. vi. 3. 152; अहमाप्तवान् । अकस्मादटवीप्रान्ते क्रान्तो दिव्यं महत्पुरम् KathāSaSāg. xii. 6. 12.

अटवीप्राप्त (aṭavī-prāpta) *adj.* obtained in a forest वणिक्कनकवर्माख्यः⋯अटवीप्राप्तावादाय द्विजदारकौ । गतः KathāSaSāg. ix. 6. 59.

अटवीप्राय (aṭavī-prāya) *adj.* mostly passing through forest यथा कश्चित् ⋯ अभक्तमटवीप्रायं दावदग्धमहीरुहम् । पन्थानम् ⋯ अभिपतेत् BrahmP. 238. 51.

अटवीप्रायप्रान्तता (aṭavīprāyaprānta-tā) *f.* the state of having borders consisting mainly of forests अटवीप्रायप्रान्ततया कुटुम्बभरणाकुलैः ⋯ कृषीवलैः ⋯ भज्यमानभूरिखिलक्षेत्रखण्डलकम्⋯वनग्रामकं ददर्श HarṣaC. 304. 3.

अटवीप्रिया (aṭavī-priyā) *adj.* [*f.*] fond of jungles, liking the forests उद्भूतसत्त्वाटवीप्रिया NāṭyaS'ā. 22. 129.

अटवीबल (aṭavī-bala) *n.* army of wild tribes पत्त्यध्यक्षः ⋯ मौलभृतश्रेणिमित्रामित्राटवीबलानां सारफल्गुतां विद्यात् ArthS'ā. i. 338. 4 (2. 33); ii. 290. 1 (7. 8); iii. 51. 1 (9. 2); तेषां कुप्यभृतममित्राटवीबलं विलोपभृतं वा कुर्यात् ArthS'ā. iii. 54. 7 (9. 2); नायकः पुरतो यायात् ⋯ रथानां पार्श्वयोर्नागा नागानां चाटवीबलम् NītiSā. 19. 46.

अटवीबलकाल (aṭavībala-kāla) *m.* time for (employing) the army of wild tribes अटवीबलप्रायः शत्रुर्वा बिल्वं बिल्वेन हन्यताम् अल्पः प्रसारो हन्तव्यः इत्यटवीबलकालः ArthS'ā. iii. 54. 3 (9. 2)

अटवीबलघात (aṭavībala-ghāta) *m.* destruction of the army of wild tribes दूष्यबलघातिनोर्यो बहुलतरं शक्तिमत्तरमत्यन्तदूष्यं च घातयेत् सोऽतिसंधत्ते । तेनामित्राटवीबलघातो व्याख्यातः ArthS'ā. ii. 326. 5 (7. 13)

अटवीबलप्राय (aṭavībala-prāya) *adj.* having an army consisting mostly of wild tribes अटवीबलप्रायः शत्रुर्वा बिल्वं बिल्वेन हन्यताम् अल्पः प्रसारो हन्तव्यः ArthS'ā. iii. 54. 2 (9. 2)

अटवीभू (aṭavī-bhū) *f.* forest-region केचित् ⋯ सेवाविमुखाः ⋯ अटवीभुवः शून्या जगृहुः HarṣaC. 238. 14; (समरकेतुः) गन्तुमटवीभुवा प्रावर्तत TilaMañ. 200. 23; प्रविश्य कटके तस्मिंस्तस्यामेवाटवीभुवि । तस्मादुज्जयिनीवार्तां ज्ञातुं वत्सेश्वरः KathāSaSāg. ii. 5. 46; ix. 1. 172; xii. 6. 441.

अटवीभूता (aṭavī-bhūtā) *adj.* (*f.*) which has become a forest अयोध्यामटवीभूतां पित्रा भ्रात्रा च वर्जिताम् । पिपासार्तोऽनुधावामि क्षीणतोयां नदीमिव Prati. 3. 10.

अटवीभ्रमण (aṭavī-bhramaṇa) *n.* roaming in a forest शबरसेनापतिरटवीभ्रमणसमुद्भवं श्रममपनिनीषुरागत्य⋯समुपाविशत् Kād. 32. 13.

अटवीमण्डन (aṭavī-maṇḍana) *adj.* adorning a forest भाग्यं नः क नु तादृगल्पतपसां येनाटवीमण्डनाः स्याम SubhāRaK. 48. 25.

अटवीमध्य (aṭavī-madhya) *n.* centre or interior of a forest का त्वमस्मिन्नटवीमध्ये बालकमुद्वहन्ती DaśKuC. 8. 22; 9. 8; गत्वाटवीमध्ये नदीम् ⋯ आवसाम BṛKathāS'loSaṁ. 18. 206; अटवीमध्ये यान्ती पुरुषवेषभृत्⋯सा KathāSaSāg. vi. 3. 154; संप्राप्तं कुलकण्टकं तमटवीमध्यादवन्ध्यैर्भटैः ⋯ संभाष्य संतोष्य च VikraDeC. 15. 87; युवानमटवीमध्ये विधृतं पाशरज्जुभिः । भण्डुकत्वसमायातमेषाम(णमा)टविकं(का) विदुः Mānaso. iv. 15. 1565; RājTa.(Ka.) 2. 165; करेणुकाभिरटवीमध्येषु विक्रीडितम् । सारंसारम् ⋯ पुण्ड्रेक्षुकाण्डादिकं नो काङ्क्षति ⋯ करी MātaLī. 11. 2.

अटवीमर्दन (aṭavī-mardana) *n.* destroying the forest-tribes तस्य सूनुः ⋯ उग्रवर्माणमटवीमर्दनाय लब्ध्वा AvantiKa. 221. 5.

अटवीमार्ग (aṭavī-mārga) *m.* way through a forest कथमस्माभिरितो बह्वपायेनाटवीमार्गेण प्रस्थितैः ⋯ रत्नानि रक्षणीयानि Pañcā. 119. 6.

अटवीमुख (aṭavī-mukha) *n.* entrance of a forest दृष्ट्वा तं तुरगप्रायं सैन्यं क्वाप्यटवीमुखे । गजेन्द्रबन्धकुशलो विवेशैको महद्वनम् BṛKathāMañ. ii. 2. 34; *adj.* towards the forest (गवां प्रचारे गोपालाः ⋯ नासेध्याः) गवां प्रचारोऽटवीमुखः SmṛtiCan. iii. 69. 16.

अटवीय (aṭavīya) *adj.* belonging to a forest-region निवृत्य च महाबाहुर्मेदर्वीकं महीधरम् (v. l. अटवीयं च पर्वतम्) । सोपदेशं विनिर्जित्य प्रययावुत्तरामुखः MahāBhā. ii. 27. 9.

अटवीराज्य (aṭavī-rājya) *n.* kingdom of a forest-region अत्राटवीराज्येऽभिषेक्तुं भवान्सर्वस्वामिगुणोपेतो निरूपितः Hitopa. 1. 158(9); मत्पित्रा दापितः⋯अशेषमटवीराज्यम् KathāSaSāg. iv. 2. 149; (राजा) मत्पित्रा दापितः⋯। अशेषमटवीराज्यंरत्नोपायनदायिना KathāSaSāg. iv. 2. 149.; राजपादान्तिकमनुप्रविष्टो हतकण्टकमटवीराज्यं कृत्वा बलभद्रः Pañcā. 103. 22.

अटवीलक्ष्मी (aṭavī-lakṣmī) *f.* the goddess Lakṣmī in the form of a forest (अयम् … पर्वतमपश्यत्) यः खलु … किरीटोच्छ्रय इवाटवीलक्ष्म्याः स्तनाभोग इव महीमहिलायाः YaśasCam. i. 132. 3.

अटवीवन (aṭavī-vana) *n.* dense forest अटवीवने। स सार्थो लुण्ठितश्चौरैः BṛKathāK. 49. 3.

अटवीवर्णक (aṭavī-varṇaka) *n.* description of a forest अस्तिक्रियोपहिता अकार्यार्था अप्यटवीवर्णकादयो लोके बहुलमुपलभ्यन्ते Bhām. 107. 11 (*on* i. 1. 4)

अटवीवर्तिन् (aṭavīvart-in) *adj.* staying in the forest द्विपिजन्मवनम्… । अटवीवर्तिभिर्लोकै रक्षणीयं क्षमाभुजा Mānaso. ii. 3. 171.

अटवीवास (aṭavī-vāsa) *adj.* dwelling in a forest अभूतदुष्टे वारण्ये सदा कुर्वीत गोकुलम् । सगुप्तमटवीवासं सदा कुर्यादजाविकम् BhaviP. 33B. 22 (i. 12. 45); *m.* dwelling in a forest, stay in a forest तम् … । पप्रच्छ विकटाकारमटवीवासकारणम् BṛKathāMañ. i. 2. 4; सोऽटवीवासवियोगविषमायतम् …स्वप्रसुवृत्तान्तं जगौ KathāSaSāg. xii. 36. 129.

अटवीविप्रनष्ट (aṭavī-vipranaṣṭa) *adj.* who has lost his way in a forest अटवीविप्रनष्टस्य मम मार्गस्त्वयोदितः BṛKathāK. 111. 8.

अटवीवेणिका (aṭavī-veṇikā) *f.* braid of hair of (the lady in the form of) a forest इयमटवीवेणिकानुकारिणी … यूथपतेः … संचारवीथी Kād. 28. 2.

अटवीव्यथिता (aṭavī-vyathitā) *adj.* (*f.*) oppressed or harrassed by wild tribes परस्यापचरिताः क्षीणा लब्धाः स्वचक्रस्तेनाटवीव्यथिता वा प्रकृतयः स्वयमुपजापेन वा मामेष्यन्तीति ArthŚā. ii. 255. 7 (7. 4)

अटवीव्यवहित (aṭavī-vyavahita) *adj.* separated by a forest यदि वा मन्येत…अटवीव्यवहितम् … देशं परो यास्यति विपरीतमहमिति, एतस्मिन्विशेषे परिपणितदेशं संधिमुपेयात् ArthŚā. ii. 270. 6 (7. 6); iii. 174. 1 (12. 5)

अटवीशबर (aṭavīśabara) *m.* (pl.) name of a country अत ऊर्ध्वं जनपदान्निबोध गदतो मम ।… अटवीशबराश्चैव मरुभौमाश्च मारिष MahāBhā. vi. 10. 46.

अटवीशिखर (aṭavīśikhara) *m.* (pl.) name of a country अटवीशबराश्चैव (v. l. अटवीशिखराश्चैव) MahāBhā. vi. 10. 46 [name of a people, PW]

अटवीशुक (aṭavī-śuka) *m.* a wild parrot किं भ्राम्यस्यटवीशुकाय कुसुमान्येषा ननान्दाग्रहीत् PuṣpBāVi. 6.

अटवीशेखर (aṭavīśekhara) *m.* (pl.) name of a country अटवीशेखराः …एते चान्ये जनपदाः PadmP. i. 6. 43.

अटवीसंचार (aṭavī-sañcāra) *m.* movement in the forest अमित्राटवीसंचारं च राज्ञो गृहकपोतैर्मुद्रायुक्तैर्हारयेयुः ArthŚā. i. 342. 6 (2. 34)

अटवीसत्त्व (aṭavī-sattva) *m.* wild beast अवगणय्य बान्धवेषु परिचितव्यमटवीसत्त्वेष्विव प्रीतिं गतवान् YaśasCam. ii. 75. 2; रोदयन्नटवीसत्त्वान् विललापेति भूपतिः PāṇḍaC. 5. 265.

अटवीसम (aṭavī-sama) *adj.* resembling a forest क्षेत्रम्…पञ्चवर्षोपेक्षितं पुनरटवीसमं स्यात् SmṛtiCan. iv. 560. 15.

अटवीसमीपवासिन् (aṭavīsamīpavās-in) *adj.* living near a forest नवपत्रिकाप्रथमवर्षेण प्ररूढनवपत्रासु वनस्थलीषु या क्रीडा सा प्रायेणाटवीसमीपवासिनामाटविकानां च JayaMa. 56. 10 (*on* 1. 4)

अटवीसंपद् (aṭavī-sampad) *f.* grandeur of the forest पदवीमदवीयसीं विमुक्तेरटवीसंपदमम्बुवाहयन्तीम् । अरुणाधरसाभिलाषवंशां करुणां कारणमानुषीं भजामि Yādavā. 15. 89.

अटवीसंबन्ध (aṭavī-sambandha) *m.* alliance with the wild tribes तत्रस्थः कोशदण्डसंपन्नः प्रवीरपुरुषकन्यासंबन्धमटवीसंबन्धं कृत्यपक्षोपग्रहं वा कुर्यात् ArthŚā. i. 91. 1 (1. 18) (comm. अटवीसंबन्धमित्यत्र अटवीशब्दः तात्स्थ्यादाटविके वर्तते)

अटवीसंभवा (aṭavī-sambhavā) *f.* name of a pond [DBHS]

अटवीसुखसंगत (aṭavīsukha-saṅgata) *adj.* possessing the delights of the forest प्रशंसितं जनैः सर्वैरटवीसुखसंगतम् ।…वनकुञ्जरम् । वारिबद्धं विलोक्येमम् BṛKathāK. 127. 159.

अटवीसुलभ (aṭavī-sulabha) *adj.* easily obtainable in the forest अटवीसुलभसालकुसुमस्तबकाञ्चितनवखातकूपिकोपकण्ठप्रतिष्ठितनागस्फुटानाम् Harṣa-C. 304. 11.

अटवीस्थ (aṭavī-stha) *adj.* [*f.* -ā] staying in a forest-region संविभागांश्च कारयेत् । परराष्ट्राटवीस्थेषु यथा स्वविषये तथा MahāBhā. xii. 87. 31; यश्च मुख्यः पक्षवान् दुर्गाटवीस्थो वा वैगुण्यं भजेत ArthŚā. ii. 219. 1 (5. 6); निर्वासिताटवीस्था सा विन्नापि न जहौ तनुम् KathāSaSāg. xii. 8. 182.

अटवीस्थान (aṭavī-sthāna) *n.* **i** place to protect foresters or wild tribes तेषाम् … धान्वनवनदुर्गमटवीस्थानमापद्यपसारो वा ArthŚā. i. 119. 5 (2. 3) (comm. आटविकरक्षास्थानम्); **ii** forest-region राजा…। ययौ तदटवीस्थानम् KathāSaSāg. iii. 4. 40.

अटवीस्वाम्य (aṭavī-svāmya) *n.* lordship over the forest येनायं दत्तो मेऽर्भको यस्यैवेयमटवीस्वाम्यं समर्प्यं AvantiKa. 200. 13.

अटवीहुतवाह (aṭavī-hutavāha) *m.* forest conflagration अस्फुरत् … अटवीहुतवाहः YātrāPra. 6. 8.

अटवीहृत (aṭavī-hṛta) *adj.* [*f.* -ā] carried away by wild tribes परचक्राटवीहृतं तु प्रत्यानीय राजा यथास्वं प्रयच्छेत् ArthŚā. ii. 96. 9 (3. 16); परचक्राटवीहृतामोघप्रत्यूढामरण्येषु … त्यक्तां … परस्त्रियं निस्तारयित्वा यथासंभाषितं समुपभुञ्जीत ArthŚā. ii. 175. 8 (4. 12)

अटव्य (aṭavya) *m.* (pl.) **i** name of a country (in the South) अथापरे जनपदाः दक्षिणापथवासिनः … अटव्याः सरवाश्च ये । … दाक्षिणात्यास्त्वमी देशाः BrahmP. 27. 56; **ii** forester, forest-thief अटव्या आटविकाः । अटव्यां गहनादौ द्रव्यापहर्तारः ManvaVi. 1243. 19 (*on* 9. 257); अटव्या अटव्याश्रिताः DaṇḍaVi. 121. 4; अटव्याः … दिवापि चौर्यकारिणः इति रत्नाकरः DaṇḍaVi. 121. 4.

अटव्यङ्क (aṭavy-aṅka) *m.* act (of a drama) called *aṭavī* (Forest) शोकसमुत्थमापदि परिदेवनं विलापः । यथा कृत्यारावणेऽटव्यङ्के NāṭaLaRaK. 3098.

अटव्यनुयाज (aṭavy-anuyāja) *m.* post-offerings made in a forest सोढ्वक्रं … मद्गुभिरनाशि तदोषात् । न्यङ्कुवक्त्रमभिवक्ति सैन्ये मेघवृष्टिवदटव्यनुयाजैः DvyāśraKā. 8. 105.

अटव्यन्त (aṭavy-anta) *m.* outskirts of the forest स चाटव्यन्ते निविष्टो गताध्वा वणिग्जनः अध्वश्रमार्तो विश्रमितुम् Mālavikā. 5. 9 (59)

अटव्यपसारिन् (aṭavy-apasārin) *adj.* possessing a forest as a place of retreat मित्रं नित्यमवश्यं तद् दुर्गाटव्यपसारि च ArthŚā. ii. 297. 4 (7. 9)

अटव्यादि (aṭavy-ādi) *adj.* forest etc. निपातैरनुक्ता अटव्यादयः साक्षात् AbhinBhā. ii. 198. 17 (*on* 13. 7)

अटव्यादिक (aṭavyādi-ka) *adj.* (relating to) wild tracts etc. द्विविधं विजिगीषोः समुत्थानम् … अटव्यादिकमेकग्रामादिकं च ArthŚā. iii. 209. 1 (13. 5)

अटव्यादिदेश (aṭavyādi-deśa) *m.* regions like a forest etc. द्विजः तृणोदकादीनि सर्वतोऽटव्यादिदेशासंभवेऽन्यपरिगृहीतादप्यात्मीयवदाहरेत् DīpKa. 60. 30 (*on* 2. 166)

अटव्यन्तर् (aṭavy-antar) *ind.* inside the forest तीर्थं प्रियमेलकम् । वदन्ति च तदैतिह्यमटव्यन्तः पुराभवत् SamarāSaṁ. 7. 336.

अटव्यारक्ष (aṭavy-ārakṣa) *adj.* having wild tribesmen as guards प्रत्यन्ते हस्तिवनमटव्यारक्षं निवेशयेत् ArthŚā. i. 117. 1 (2. 2) (comm. अटव्याः आरक्षाः परिरक्षकाः यस्मिंस्तत्)

अटव्याश्रित (aṭavy-āśrita) *adj.* residing in a forest तथा वनचरा ये च क्रव्यादा मृगपक्षिणः । गृहेष्वेते न कर्तव्याः शैलाटव्याश्रिताश्च ये SamarāSū. 34. 18; *m.* forester अटव्या अटव्याश्रिताः DaṇḍaVi. 121. 4.

अटव्यासन्न (aṭavy-āsanna) *adj.* close to the forest व्रजमटव्यासन्नमपसर्पाः सार्थं वा चोरैर्घातयेयुः ArthŚā. iii. 198. 6 (13. 3)

अटव्युपघात (aṭavy-upaghāta) *m.* oppression by foresters दुर्भिक्षस्तेनाटव्युपघातेषु च पौरजानपदानुत्साहयन्तः सत्रिणो ब्रूयुः ArthŚā. iii. 184. 1 (13. 1)

अटा (aṭā) *f.* **i** act or habit of roaming or wandering about (as a religious mendicant) अटाट्टाशीकाकोटापोटासोटाप्रुष्टाप्लुष्टाग्रहणं कर्तव्यम् । अटा अटायते MahāBh. ii. 26. 2 (*on* iii. 1. 17); AmaK. 1423; ParyāRaMā. 1036; ŚabdaRa.(Vā.) 2488; अट् भावे अङ् ततष्टाप् पर्यटनं भ्रमणं इति रत्नकोषः नीलकण्ठश्च ŚabdaKaDru.; **ii** *adj.* (*f.*) roaming at will straying away from (one's legal husband and in violation of chastity) शकन्ध्वादिषु च पररूपं वक्तव्यम् शक अन्धुः शकन्धुः । कुल अटा कुलटा MahāBh. iii. 75. 20 (*on* vi. 1. 94); अटति इत्यटा । पचाद्यच् । पश्चात् कुलेन संबन्धः Pradī. v. 106B. 22 (*on* vi. 1. 94) (Uddyota कुलटा भिक्षुकी स्वैरविहारिणी च)

अटाख्य (aṭākhya) *adj.* having the name Aṭa अटाख्यो भूपतिस्तस्माल्लोके ख्यातो भविष्यति SkandP. vi. 128. 51.

अटाटा (aṭāṭā) *f.* [*śabhādigaṇa*, GaṇRa. 8. 442 (468)] habitual wandering or roaming अटाट्यतेरटाटा CāndraVṛ. *on* i. 3. 84; KātanVṛ. *on* iv. 5. 80; वाटाट्यात् । अटेर्यङन्तात् स्त्रियां भावकर्त्रोर्वा स्यात् अटाट्या अटाटा SiddhaHe. v. 3. 103; परिचर्याङ्कतोऽटाट्यां जह्रेऽटाटां परस्य च DvyāśraKā. 13. 11; यलोपे च अटाटा इति भवति PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* iii. 3. 101; NāmŚil. 1885; PrakriKau. ii. 669. 3; ŚabdaRa.(Su.) 6. 81; शस्सृत्याद् अः MugdhaBo. 26. 189 (171. 11) (comm. अटाट्या(? टा))

अटाटाय (aṭāṭāya-) [*denom.*] to wander habitually अन्ये पुनरटाटेति पठन्ति तेषामटतेर्यङि स्त्रियामकारे च रूपम् अटाटायते CāndraVṛ. *on* i. 1. 36; GaṇRa. 8. 442 (469)

अटाट्टनी (aṭāṭṭanī) *f.* house-lizard शकुनज्ञा तु ज्येष्ठा गृहोलिकाटाट्टनी मूली TrikāS'e. ii. 5. 22.

अटाट्य (aṭāṭya-) I. U. [*intensive*] to roam or wander constantly or habitually or again and again अटाट्यते MahāBh. ii. 29. 11 (*on* iii. 1. 22); धातोर्यङ् क्रियासमभिहारे ··· अटाट्यते JaineVyā. 90. 23 (*on* ii. 1. 19); 287. 10 (*on* iv. 3. 2); CāndraVṛ. *on* i. 1. 41; KāśiVṛ. *on* P. iii. 1. 22; KātanVṛ. *on* iii. 2. 14; iii. 3. 2; iii. 3. 7; लोलवीत्यपथगान्स्म स तेनाटाट्यताटिटिषति स न चौर: DvyāśraKā. 8. 28; MugdhaBo. 20. 4 (129. 10); SiddhāKau. 437B. 5.

अटाट्य (aṭāṭya) *n.* act of (habitual) wandering इत्थं देशान्तरेऽटाट्यं कुर्वाणोऽनेकतीर्थानि ··· दर्शं दर्शम् S'ukSa. 7. 16.

अटाट्यमान (aṭāṭya-māna) *adj.* [*f.* -ā] wandering continuously or excessively (राम:) अटाट्यमानोऽरण्यानीं ससीत: सहलक्ष्मण: ··· जहे भीमेन रक्षसा Bhaṭṭi. 4. 2; काचिदंसात्पतद्दादद्रियमाणोदरांशुकम्। नावाव्यताटाट्यमाना DvyāśraKā. 7. 84; तदात्तटं मन्द्र(? न्द)मटाट्यमानं मत्वा ककुद्मन्तमुमापतेस्तत् PṛthviVi. 1. 61; अटाट्यमानो महतो दिदृक्षु: क्रमादिमं देशमुपागतोऽसि S'aṅkaDigVi.(Mā.) 6. 5; 14. 17.

अटाट्यया (aṭāṭyayā) *f.* act or habit of roaming or wandering about पर्यटनेऽटाट्याटाटाप्यटाट्यया S'abdaRa.(Su.) 6. 81.

अटाट्या (aṭāṭyā) *f.* [DEBRU. p. 245] **1** habit of wandering, constant or frequent wandering इच्छापरिचर्यापरिसर्यामृगयाटाट्यानां निपातनं कर्तव्यम् MahāBh. ii. 153. 6 (*on* iii. 3. 101); AmaK. 1423; JaineVyā. 127. 22 (*on* ii. 3. 84); CāndraVyā. i. 3. 81; अटाट्यतेरटाट्या CāndraVṛ. *on* i. 3. 81; KāśiVṛ. *on* P. iii. 3. 101; अटेश्चेक्रीयितान्तादेवाभिधानाद् अटाट्या KātanVṛ. *on* iv. 5. 76; 'यूतिजूतिसातिहेतिकीर्तयटाट्यामृगयेच्छायाञ्चाकृपा:' यूत्यादय: शब्दा: अकर्तरि स्त्रियां निपात्यन्ते S'akaṭāVyā. iv. 4. 73; Vaija. 192. 11; S'ṛṅgāPra. 5. 25; वाऽटाट्यात्। अटेर्यङन्तात् स्त्रियां भावकर्त्रोर्यो वा स्यात्। अटाट्या SiddhaHe. v. 3. 103; AbhidhāCin. 1501; परिचर्याक्तितोऽटाट्यां जह्रेऽटाटां परस्य च DvyāśraKā. 13. 11; MugdhaBo. 26. 186 (171. 4); 26. 189 (171. 11); सुधाचुण्टीवटावाटास्तस्याटाट्यासु जज्ञिरे S'āliC. 6. 94; मृगयाक्षादिवास्तम्न: ··· तौर्यत्रिकं वृथाटाट्या कामजो दशको गुण: SūktiRa. 48. 1; अटाट्या पर्यटनमानुपूर्व्यमनुक्रमे NāmS'il. 1885; PrakriKau. ii. 668. 7; S'abdaRa.(Su.) 6. 81; आशा: प्रकाशयति यस्तिमिराणि भङ्क्त्वा···खेदाय यस्य न परोपकृतिष्वटाट्या धीमान्नमस्यति न कस्तमिनं प्रशस्यम् Subhāṣi. 574; ParaNā. 1599; पर्यटनेऽटाट्याटाटाप्यटाट्यया S'abdaRa(Su.) 6. 81; KośaKaTa. 1. 5671; KalpaK. 81. 117; अटते: शे यकि व्यशब्दस्य द्वित्वं पूर्वभागे यकारनिवृत्तिर्दीर्घश्च अटाट्या SiddhāKau. 574B. 18; **ii** (*fig.*) effort न हि प्रतिहेतुत्वान्वेषिणा वृथाटाट्या कर्तव्या NyāyMañ. i. 216. 2; इत्थमस्यैवोदाहरणस्योपपत्तेरुदाहरणान्तरनिरूपणं वृथाटाट्यैव NyāyMañ. ii. 195. 21.

अटाट्याय (aṭāṭyāya) [*denom.*] to wander constantly or ceaselessly शब्दाटाट्याकण्वमेघाभ्रकोटा: पोटासोटाशुभ्रनीहारशीका:···शब्दादे: करोतीत्यर्थे क्यङ् वा भवति···अटाट्यायते GaṇRa. 8. 441 (468)

अटाट्यामात्र (aṭāṭyāmātra) *n.* mere effort तदपि वृथाटाट्यामात्रम् NyāyMañ. i. 94. 4.

अटाबन्त (a-ṭābanta) *adj.* (a word) not ending in *ṭāp* (i. e. feminine suffix *ā*) तथान्तरेण शब्देनाटाबन्तेन साहचर्यादन्तराशब्दस्याप्यटाबन्तस्यैव ग्रहणं, स च निपात एव PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. ii. 3. 4; अन्तरेणेत्यटाबन्तसाहचर्यादन्तरेत्यटाबन्तम् LaS'abdeS'e. i. 469. 6.

अटाबन्तसाहचर्य (a-ṭābantasāhacarya) *n.* association with a word not ending in *ṭāp* (i. e. feminine suffix *ā*) अन्तरेणेत्यटाबन्तसाहचर्यादन्तरेत्यटाबन्तम् LaS'abdeS'e. i. 469. 5.

अटाय (aṭāya-) [*denom.*] I. Ā. to wander अटा। अटायते MahāBh. ii. 26. 2 (*on* iii. 1. 17); CāndraVṛ. *on* i. 1. 36; अटाट्टाशीकाकोटापोटासोटाप्रुष्टाप्योऽपीति केचित्। अटायते JaineVyā. 89. 28 (*on* ii. 1. 14); GaṇRa. 8. 442(469); Prasā. ii. 380. 19.

अटाल (a-ṭāla) *adj.* full, complete देवो न तस्ताम विचिन्त्य गोपी: ।··· अटालशोकटुलितप्रतापा: DhātuKā. 2. 21.

अटि (aṭi) (Gr.) root *aṭ-* समजासनिसदनिपतिशीङ्सुविद्यटिचरिमनिभृञ्णिां संज्ञायाम् Kātan. iv. 5. 76; KātanVṛ. *on* iii. 5. 45; SiddhaHe. iii. 4. 10; v. 3. 97; अश्वर्तिसृत्रिमृत्रिसूच्यशूर्णुभ्य: SaraKaṇṭhā.(Gr.) i. 3. 33; ii. 1. 211; ii. 1. 253; PrakriKau. ii. 348. 5.

अटि (aṭi) (Gr.) formant in words like *avaṭi* [DEBRU. p. 158]

अटि (aṭi) (Gr.) suffix *aṭ* सर्तेरटि: Uṇā. 1. 133; सरट् स्याद्वातमेघयो:। वेदभाष्येऽतु याभि: कृशानुमिति मन्त्रे सरड्भ्यो मधुमक्षिकाभ्य इति व्याख्यातम् SiddhāKau. 526A. 4 (लङ्घेर्नलोपश्च Uṇā. 1. 134; लघट् वायु: SiddhāKau. 526A. 4)

अटिकळ (aṭikaḷa) *m.* name of a person तुवबूरवान् अणुक्क इति विख्यात: श्रीमानटिकळात्मज: EI. xxii. 243. 100.

अटिका (aṭikā) *f.* **1** woman who roams (as a religious mendicant) रक्षितव्यैव साटिका SamarāSaṁ. 7. 53; **2** a centipede कारस्कराटिका कर्णजलौका शतपाद्यपि KalpaK. 325. 72.

अटिटिष- (aṭiṭiṣa-) [*desid.*] to wish to wander आदे: परस्यैकाचो द्वे भवत इत्यधिक्रियते। अटिटिषति JaineVyā. 287. 9 (*on* iv. 3. 2); KāśiVṛ. *on* vi. 1. 2; KātanVṛ. *on* iii. 3. 7; Nyās. ii. 197. 9 (*on* vi. 1. 1); PāṇiTaVāNaMā. 82. 79; लोलवीत्यपथगान्स्म स तेनाटाट्यताटिटिषति स्म न चौर: DvyāśraKā. 8. 28.

अटित् (a-ṭit) *adj.* not having *ṭ* as an indicatory letter added to it अटितो लङ: स्थाने टिदिट् कृत इत्येवं न भवति Pradī. iii. 279B. 10 (*on* iii. 4. 19)

अटित (aṭ-ita) *adj.* [*f.* -ā] wandered about, traversed इदमस्तीत्कार्यम्। अभ्र आँ अटित: MahāBh. i. 260. 14 (*on* i. 3. 2); RāghPāṇ.(Dha.) 7. 13; तदर्थं चैव वसुधा अस्माभिरटिता नृप VāmaP. 65. 61.

अटितुम् (aṭ-itum) *inf.* in order to wander, for roaming सूक्ष्मं दिक्करिदन्तकोटिमटितुं क्रा[न्तौ] गि[रि]णां ल[घु] व्याप्तुं व्योम पृथुस्थिताविह दिशि प्रोतं वशि भ्रान्तिषु EI. ii. 336. 23; भिक्षामप्यटितुं जाने नैष जानाति योग्यताम् RājTa.(Ka.) 8. 372; BhartṛNi. 3. 5; Subhāṣi. 2614.

अटित्वा (aṭ-itvā) *ger.* having wandered, moved about, roamed कृत्स्नामटित्वा पृथिवीं बाल्हीकेषु विपर्यय: MahāBhā. viii. 30. 56; Rāmā. iii. 6. 17; KuṭṭaMa. 229; RāmC. 5. 58; अटित्वा स बहून्देशान्वसिष्ठस्याश्रमं ययौ SkandP. iii(1). 39. 26; VarāP. 171. 23; LiṅgaP. i. 20. 23; SaurP. 31. 30; Hastyāyur. 693. 18 (4. 31); RājTa.(Ka.) 8. 1945.

अटीकृ- (aṭī-kṛ-) VIII. U. to traverse, to go to or wander फेरुण्डी ··· वालुकावाटीनिकटभुवमटीकरोति स्म S'ukSa. 23. 8.

अटीत्ति (aṭītti) *m.-f.* panel of a door कवाट: अटीत्ति: Liṅgānu.(Ha.) 15. 1.

अटु (aṭu) (Gr.) formant in words like *avaṭu, karaṭu, saraṭu* [DEBRU. p. 158]

अटुच् (aṭuc) (Gr.) suffix *aṭu* अर्त्यविभ्यामटुच् SaraKaṇṭhā.(Gr.) ii. 1. 49 (comm. अरटु: वृक्षविशेष:। अवटु: कृकाटिका)

अटेश्वर (aṭeśvara) *m.* name of S'iva presiding over a specific region अटेश्वर इति ख्यात: ··· देवोऽत्र निर्मित: SkandP. vi. 128. 40.

अटोला (aṭolā) *f.* *Oalis corniculate* स्यादम्ललोणिकायां तु ··· दन्तशठाटोलाम्लटोलक: NighS'e. 2236.

अटौठ् (aṭauṭh) *adj.* troubling the (warriors), wandering or moving to and fro on a battlefield क: ··· झाञ्झोऽटौठीडडण्ढण:। तथोदधीन्पफर्बं SaraKaṇṭhā. 267. 8.

अट्ट (aṭṭ-) I. Ā. (KātanVṛ. U) **1** to kill अट्ट अतिक्रमहिंसयो: DhātuPā. 1. 273; DhātuPra. 1. 251 (26. 4); अट्ट अट्टते JaineVyā. 416. 26 (*on* v. 4. 120); अट्टति, अट्टते KātanVṛ. *on* ii. 4. 46; अट्ट हिंसातिक्रमयो: KāvyaKaVṛ. 92. 32 (3. 5); हिंसातिक्रमयोरट्टेरट्टतेऽनादरेऽट्टयेत् DaivaVyā. 72; हिंसायाम् ··· अट्टते KośaKaTa. 2. 1104; **2** to exceed, to go beyond, to trangress.

अट्ट (aṭṭ-) X (U.) to disregard अट्ट ··· अनादरे DhātuPā. x. 25; DhātuPra. x. 25 (132. 19); KāvyKaVṛ. 94. 5 (3. 5); DaivaVyā. 72; KośaKaTa. 2. 875; to lessen, to diminish? [MW, APTE]

[1]**अट्ट** (aṭṭa) *m. n.* [MAYR. 1. p. 25; 3. p. 625; Liṅgānu.(He.) 115. 2; ParaNā. 3703; KośaKaTa. 2. 2723] **1** a particular type of building, a tall and many-storeyed house, a palace पुरं च ते सुगुप्तं स्याद् दृढप्राकारतोरणम्। अट्टाट्टालकसंबाधम् MahāBhā. xv. 9. 16; xiii. 110. 54; नरेन्द्रमार्गाट्ट इव प्रपेदे विवर्णभावं स स भूमिपाल: RaghuVa. 6. 67; 16. 11 (अट्टाख्यो गृहभेद: Mallinātha); AnekāSa. 675; चक्रं च विष्णोस्तदनुप्रविष्टं वाराणसीं साट्टसभालयापणाम् BhāgP. x. 66. 41; विस्तीर्णमुच्छ्रितं यस्मात् वेश्म सोऽट्ट उदाहृत: SamarāSū. 18. 45; सुदिनं दुर्दिनं युद्धं वैराटाट्टशीकरा: GaṇRa. 8. 442 (468); अट्टम् ··· क्षौमेऽस्त्यर्थे गृहान्तरे ViśvaPra. 37. 14; DharK. 477; AnekāK. 163; अट्ट: सद्मातिशययो: NānārthSaṁ. 7. 65; MediK. 35. 1; चतुष्पथानि तत्संख्यानि च प्रत्येकमस्ति च। चतुर्विंशतिरट्टानामेवं पुरि च सूत्रणा PrabhāC. 156. 19; NānārthaMa. 441; अट्टं गृहान्तरे क्षौमे ViśvaLoK. 74. 2; S'abdaRaSaK. 83. 4; **2 A** turret or watch-tower (serving as defence

for a rampart battlement [PW] पुच्छेन च प्रदीप्तेन तां पुरीं साट्टगोपुराम्। दहाम्यहम् Rāmā. v. 56.135; v. 35.39; गोपुराट्टप्रतोलीषु चर्यासु विविधासु च। प्रासादेषु च संहृष्टाः ससृजुस्ते हुताशनम् Rāmā. vi. 62.6; vi. 18.28; (तरुहरिणबलम्) रावणवलमवगन्तुम्... । अट्टतरुमञ्चमन्दिरतोरणमालासभासु समारूढम् Bhaṭṭi. 13.50; MālaMā. 9.10; निर्यूहाग्निलयानट्टान्निष्कुटान्स सभाश्रयान्। निर्जगाम भुजैः भञ्जन् प्रभिन्न इव कुञ्जरः RāmC. 28.114; अट्टानारुरुहुः केचित्... । प्रासादाग्राणि केचित्तु (पौराः) TriṣaS'aPuC. ii. 3.225; ii. 4.52; AbhidhāRaMā. 2.139; अट्टो हट्टाट्टालकयोर्भृशे AnekāSaṁ. 2.78; AbhidhāCin. 981; DvirūK.(Ha.) 22; कपालाट्टतटादीनां प्राकाराणां च भञ्जनात्। ...उरःस्तम्भोऽस्य भवति स निषीदति वेपते Hastyāyur. 246.7 (2.39); अट्टं भित्तिचतुष्के स्यात् NānārthaMa. 441; NānārthaRaMā. 361; अट्टोऽस्त्र्यट्टालको द्वन्द्वे क्षौमं कथितमस्त्रियाम् KośaKaTa. 1.2726; पुरेऽट्टपरिखावप्रप्रतोलीतोरणध्वजाः (वर्णप्रकाराः) AlaṅkāS'e. 16 (19) = KaviKaLa. 31.5; **2 B** tapering stone on a rampart (कपिशीर्ष), a type of border-stone प्राकाराग्रं कपिशीर्षं क्षौमाट्टाट्टालकाः समाः AbhidhāCin. 981; अट्टो हट्टे चतुष्केऽश्मभेदे AnekāTi. 2.16; अट्टश्चतुष्पथे। हट्टे पाषाणभेदे च ParaNā. 2610; **3** room on top of a fort wall or of a residential house, a garret (क्षौम), न वृक्षं चैव नैवाट्टम्... । परिखां वा समाक्रामेदबला गर्भधारिणी MārkP. 51.64; AmaK. 616; (प्रवृत्तं दारुणं रणम्) खे वटत्केतुपट्टाट्टपटत्पटपटारवम् YogVā. vi(2). 110.12; तोरणं गोपुरद्वारमट्टो येषां गृहे भवेत्। गृहाणां मौलिकद्वारं श्रोत्रे चैतान् प्रवेशयेत् SamarāSū. 39.43; Vaija. 161.33; 214.5; अत्यर्थक्षौमयोरट्टः TrikāS'e. iii. 3.91 (comm. क्षौमः ...प्रासादस्योपरिगृहे प्राचीरोपरिस्थसैन्यगृहे च); अट्टेषु काण्डपटवारितशीकरेषु धन्याः पिबन्ति मुखतामरसं वधूनाम् SubhāRaK. 10.10 = SaduktiKa. 303.14; अट्टम्... क्षौमेऽस्त्यर्थे गृहान्तरे ViśvaPra. 37.14; NānārthāSaṁ. i. 45.25; MediK. 35.1; अट्टः ... अतिशये क्षौमवेश्मनि S'abdaRa.(Vā.) 3730; ParaNā. 619; 3703; चित्ताम्बुजे शास्त्रमर्णि दधाना रात्राविवाट्टे वणिजः प्रदीपम्। ... नृपाज्ञया स्वप्नविदो निषेदुस्ते भद्रपीठेषु पुरा धृतेषु NemiC. 3.14; स्नानालयस्याभिमुखं सुसौधमट्टं गताश्चन्द्रकराभिगुप्तम्। देवा इवैते विलसन्ति भक्ताः सर्वे नभोमध्य इवोपविष्टाः CaitaCa. 243.8(10); ViśvaLoK. 74.2; क्षौमे तु अट्टवत्। अट्टालकयुतोऽट्टालः S'abdaRa.(Su.) 4.29; S'abdaRaSaK. 83.4; [Lexicons give excess or pre-eminence or superiority अत्यर्थगृहयोरट्टः AnekāSa. 675; Vaija. 214.5; TrikāS'e. iii. 3.91; अट्टम्... क्षौमेऽस्त्यर्थे गृहान्तरे ViśvaPra. 37.14; DharK. 477; अट्टः ... अतिशये S'abdaRa.(Vā.) 3730; NānārthSaṁ. 7.65; अट्टो नातिशये घाते NānārthāSaṁ. i. 45.25; AnekāK. 163; अट्टं भक्ते च शुष्के ना क्षौमेऽस्त्यर्थे गृहान्तरे MediK. 35.1; NānārthaMa. 441; अट्टस्त्वट्टालके पूरे NānārthaRaMā. 361; अट्टं गृहान्तरेऽस्त्यर्थे S'abdaRaSaK. 83.4]; *adj.* **1 A** mighty, powerful (भद्रकालि नमस्तुभ्यम्) अट्टशूलप्रहरणे खड्गखेटकधारिणि MahāBhā. vi. App. I. 1 (13) (Nīla. अट्टं अत्युत्कटं शूलं तदेव प्रहरणमायुधं यस्याः); **1 B** [only in lexicons] excessive, repeated, frequent अट्टो हट्टाट्टालकयोर्भृशे AnekāSaṁ. 2.78; अट्टः ... भृशे शुष्के त्वयं त्रिषु NānārthaRaMā. 361; अट्टम्... शुष्के चात्यल्प(? र्थ)भक्तयोः ViśvaLoK. 74.2; अट्टा तु (? अट्टस्तु) क्षौमगृहप्रभेदविपुलानाट्टेषु भक्ते तथा KośaKaTa. 2.4445; **1 C** frequent, constant (in cpd.) [APTE]; **1 D** high, lofty, loud [MW, APTE]; **2** [MAYR. iii. 626] dry, dried घोरजलदन्तिसङ्कुलमट्टमहापङ्काहलजलावासम्। आरीणं लवणजलम् Bhaṭṭi. 13.4 (comm. अट्टतीत्यट्टं शुष्कमित्यर्थः); ViśvaPra. 37.14; DharK. 477; अट्टः ... । शुष्कस्फुटितभूभागे त्रिषु पक्वौदने तु नपू NānārthāSaṁ. i. 45.25; MediK. 35.1; अट्टम्...क्षौमेऽस्त्यर्थे गृहान्तरे NānārthaMa. 441; NānārthaRaMā. 361; ViśvaLoK. 74.2; अट्टा तु(? अट्टस्तु) क्षौमगृहप्रभेदविपुलानाट्टेषु भक्ते तथा KośaKaTa 2.4445; S'abdaRaSaK. 83.4; [अट्ट is given as a synonym for क्षौम in TrikāS'e. iii. 3.295; ViśvaPra. 110.6; NānārthāSaṁ. i. 68.293; MediK. 115.9; ViśvaLoK. 248.42; KośaKaTa. 2.7003; S'abdaRaSaK. 227.10; for तल्प in AmaK. 2596; AnekāSa. 375; ParyāRaMā. 1601; AgniP. 361.29; Vaija. 225.12; Liṅgānu.(He.) 83.4; AnekāSaṁ. 2.290; DharK. 1633; AnekāK. 537; ViśvaPra. 104.8; NānārthāSaṁ. i. 35.28; MediK. 108.6; NānārthaMa. 1101; ViśvaLoK. 228.5; S'abdaRaSaK. 210.13; for शिलाटक in TrikāS'e. iii. 3.46; AnekāSaṁ. 4.37; ViśvaPra. 19.209; MediK. 18.17; AnekāTi. 4.181]

[2]**अट्ट** (aṭṭa) *n.* (in S'abdaRa.(Vā.) *m.*), [MAYR. 1. p.546, 111. p. 625, TURN. 1338 अर्त] food, cooked victuals like rice, rice-gruel अट्टशूलाः जनपदाः शिवशूलाश्चतुष्पथाः। केशशूलाः स्त्रियो राजन् भविष्यन्ति युगक्षये MahāBhā. iii. 186.36 ('अट्टमन्नम्... शूलं तद्विक्रयं विदुः' इति पूर्वेषां व्याख्यासंक्षेपः। अट्टमन्नं तदेव शूलं दुःखदं येषां ते क्षुद्व्याधिग्रस्ता इत्यर्थः Nīla.); अट्टमन्नमिति प्राहुः शूलं विक्रयमुच्यते MahāBhā. iii. 922*; HariVaṁ. 116.12; अट्टशूलाखिलजना शिवशूलचतुष्पथा (मही) YogVā. vi(2). 71.16 (comm. अद्यत इत्यट्टमोदनादि शूलं विक्रयापहारादिना उपजीव्यं येषां तथाविधा अखिलजना यस्याम्); AnekāSaṁ. 2.78; अट्टं भक्ते ViśvaPra. 37.14; DharK. 477; अट्टः सिद्धान्ने च AnekāK. 163 (comm. सिद्धान्ने मण्डिकादौ अट्टस्त्रितोपचारादित्यर्थः); अट्टः ... पक्वौदने तु नपू NānārthāSaṁ. i. 45.25; MediK. 35.1; अट्टं त्वन्ने NānārthaRaMā. 362; अट्टः पक्वौदने S'abdaRa.(Vā.) 3730; ViśvaLoK. 74.2; अट्टम्... क्षौमे शुष्केऽन्धसि स्मृतम् S'abdaRaSaK. 83.4.

[3]**अट्ट** (aṭṭa) *m. n.* [probably for हट्ट] **A** market place or shop समा निम्नोन्नता वापि यत्र भूमिर्यथाविधा। शालाट्टपरिखाश्च कर्तव्याश्च तथाविधाः। समन्तात्तत्र वेश्मानि कुर्युः प्रकृतयस्ततः BṛhaspaSm. 6.33; यत्र तु सामर्थ्याक्षिप्तं सदलङ्कारान्तरं शब्दशक्त्या प्रकाशते स सर्व एव ध्वनेर्विषयः। यथा—'अत्रान्तरे ... अजृम्भत ग्रीष्माभिधानः फुल्लमल्लिकाधवलाट्टहासो महाकालः Dhvanyā. 241.5 (*on* 2.21) (Loc. धवलानि हृद्यान्यट्टान्यापणा येन ताहक् फुल्लमल्लिकानां हासो विकसनमिति स यत्र); AnekāSaṁ. 2.78; अट्टो हट्टो विपणिरापणः AbhidhāCin. 1002; अट्टः ... वणिक्पथे AnekāK. 163; महाट्टालकशालाट्टमन्दिरादीनि पातयन् PāṇḍaC. 6.458; KāvyKaVṛ. 86.27 (3.5); AnekāTi. 2.16; ParaNā. 657; 2611; हट्टोऽट्टोऽस्त्रियाम् S'abdaRa.(Su.) 4.41; KośaKaTa. 1.2664; **B** a square where roads meet, cross-roads अट्टः ... । चतुष्कभक्तयोः AnekāSaṁ. 2.78 (comm. चतुष्कः स्वस्तिकादिः। चतुष्पथं वा); AnekāTi. 2.16; अट्टश्चतुष्पथे ParaNā. 2611; [[3]अट्ट is given as synonym of जन्य in AnekāSaṁ. 2.353 and of पण्य in NānārthaMa. 1293]

[4]**अट्ट** (aṭṭa) *m.* used as an abbreviation for **अड्डताल**, अट्टभेदोऽपि चतुष्पात एव पूर्वमुक्तः AbhinBhā. iv. 163.5 (*on* 31.26); [a particular way of striking with the hand to maintain the measure of tune in music [*but* APTE killing, injuring] अट्टो नातिशये घाते NānārthāSaṁ. i. 45.25; अट्टः पक्वौदने घाते S'abdaRa.(Vā.) 3730]

[5]**अट्ट** (aṭṭa) *m.* name of a Yakṣa देव्या शारिकयाट्टेन यक्षेणाधिष्ठिते च सः। ग्रामे शारीटकेऽपश्यत् सूत्रं वेतालपातितम् RājTa.(Ka.) 3.349.

अट्टक (aṭṭa-ka) *m.* **1** tower अट्टकं लासकं विदुः Hārāva. 159; S'ilpaRa. i. 5.26; **2** market हट्टकोऽट्टकः PañcTaPra. 1.12; **3** palace [APTE]

अट्टचेट (aṭṭa-ceṭa) *m.* market-slave (सः) अट्टचेटोचिताश्लिष्टाः विटैः प्रैर्यत सेवितुम् RājTa.(Ka.) 8.870.

अट्टट (aṭṭaṭṭa) *adv.* loudly [pw.]

अट्टट्टहास (aṭṭaṭṭa-hāsa) *m.* loud laughter अट्टट्टहासमशिवं शिवदूती चकार ह MārkP. 89.21; CitraPaC. 455.

अट्टति (aṭṭati) (Gr.) root *aṭṭ*- अट्टतिः स्यादतिक्रमे KośaKaTa. 2.1042.

अट्टन (aṭṭana) *n.* **1** point of a weapon shaped like a discus स्यादट्टनं चक्रफलम् TrikāS'e. ii. 8.55; **2** disregard [APTE]

अट्टनशाला (aṭṭana-śālā) *f.* place for exercise, gymnasium अट्टनशाला व्यायामशाला JñātāDhaṬ. 22A. 8.

अट्टपङ्क्ति (aṭṭa-paṅkti) *f.* row of towers ते च भवनपतयो दक्षिणोत्तरयोर्दिशोः। श्रेणीद्वयेन तिष्ठन्ति राजमार्गेऽट्टपङ्क्तिवत् TriṣaS'aPuC. ii. 3.506.

अट्टपति (aṭṭa-pati) *m.* lord of the market कर्मस्थाने ... तेनाट्टपतिभागाख्यगृहकृत्याभिधे...कृते RājTa.(Ka.) 5.167.

अट्टपाल (aṭṭa-pāla) *m.* market-superintendent स पुरुषः ... अट्टपालेन व्यापादितः VetāPañ. [note on 121.36]

अट्टभिक्षाक (aṭṭa-bhikṣāka) *m.* street-beggar केऽप्युच्चैरट्टभिक्षाकाः ... स्तोत्रपाठिनः RājTa.(Ka.) 8.101.

अट्टम् (aṭṭam) *adv.* loudly इति वदति पुरस्ताद् वानरे नेतरीव त्रिभुवनरिपुरट्टं रोषवेगाज्जहास RāmC. 21.127; उच्चैरर्थेऽट्टं कीर्तितम् TrikāS'e. iii. 4.3.

अट्टमण्डली (aṭṭa-maṇḍalī) *f.* multitude of towers सस्रंसे चाट्टमण्डली PāṇḍaC. 17.138 (Bhāvanagar Ed. 1936)

अट्टमान (aṭṭa-māna) *adj.* barred तस्य चैत्यस्य गर्भाज्झगिति।...अट्टमाननिर्गमनमार्गः (शुको निर्जगाम) UdaySuKa. 28.30.

अट्टमूर्धन् (aṭṭa-mūrdhan) *n.* top of a house प्रयाणमीक्षितुं पादप्रान्तस्थैरट्टमूर्धनि। पतद्भिरुपरि स्त्रैणैरगुः कामिनां मुदः PāṇḍaC. 12.136.

अट्टमेलकभृत्य (aṭṭamelaka-bhṛtya) *m.* servant Aṭṭamelaka by name अट्टमेलकभृत्येनाप्यवापीष्टेन मन्त्रिता RājTa.(Ka.) 8.577.

अट्टयन्त्रविवर्जिता (aṭṭayantra-vivarjitā) *adj.* (*f.*) devoid of appliances fixed on the towers अशोधिताम्बुपरिखाद्याट्टयन्त्रविवर्जिताम्। चिन्तयन्पुरमात्मानममंस्त निहतं नृपः BallāC. 119.3.

अट्टल (aṭṭala) *m.* tower सा नगरी (अयोध्या) ... सद्रत्नतोरणोत्तुङ्गगोपुराट्टलभूषिता BrahmāṇḍP. ii. 49.14.

अट्टलक (aṭṭala-ka) *m.* tower अट्टश्चाट्टा(v. l. ट्ट)लक: Dvirū.(Ha.) 22.

अट्टलिका (aṭṭalikā) *f.* name of a town अशक्नुवन्नट्टलिकामरिप्लुष्टां निरीक्षितुम् ।···आरुरोह स लोहरम् RājTa.(Ka.) 8. 831; 8. 1842.

अट्टविदारण (aṭṭa-vidāraṇa) *n.* breaking a tower प्राकारहर्म्याट्टविदारणे च जयो ध्रुवं नागवतां बलानाम् NītiSā. 16. 12.

अट्टशालिन् (aṭṭa-śālin) *adj.* endowed with towers जैनकोट्टं घट्टितारिरट्टशालि···राजा विनिर्ममे RājTa.(Jo.) 1284.

अट्टशील (aṭṭa-śīla) *adj.* given to eating only, gluttonous अट्टशूला (v. l. अट्टशीला) जनपदा: MahāBhā. iii. 186. 36.

अट्टशूल (aṭṭa-śūla) *adj.* where food is sold अट्टशूला जनपदा: ···भविष्यन्ति युगक्षये MahāBhā. iii. 186. 36 (Nīla. क्षुद्व्याधिग्रस्ता:); HariVaṁ. 116. 12; MatsyaP. 47. 258; BrahmāṇḍP. i. 31. 50; KūrmaP. 304. 5 (1. 30); SkandP. i(2). 40. 235; LiṅgaP. i. 40. 25; BrahmP. 230. 11; PadmP. iv. 100. 134; YogVā. vi(2). 71. 16; SūktiRa. 33. 10.

अट्टशूलप्रहरणा (aṭṭaśūla-praharaṇā) *f.* name of Durgā (whose weapon is a spear with a wheel as its tip) अट्टशूलप्रहरणे ··· नमोऽस्तु ते ··· दुर्गे MahāBhā. vi. App. 1. 1 (13)

अट्टशोभा (aṭṭa-śobhā) *f.* beauty of the market तयाट्टशोभयातीत्य पद्ययेव पुरार्णवम् । सौधं पोतमिवायासीत् हेलया राजकुञ्जर: S'āliC. 4. 93.

अट्टशोभापताका (aṭṭaśobhā-patākā) *f.* decorative banner on the tower अट्टशोभापताकाभिर्नर्तनायोद्भुजामिव ।··· पुरीं वासकसज्जां तां प्रविवेश विशांपति: TriṣaS'aPuC. ii. 4. 339.

अट्टसदृश (aṭṭa-sadṛśa) *adj.* similar to a tower दानवा: कृतिनो जग्मु: ··· अश्मभिश्चाट्टसदृशै: HariVaṁ. 37. 10.

अट्टसद्मन् (aṭṭa-sadman) *n.* store of grain, granary अयुतानि गवामष्टौ पञ्चपञ्चशतानि तु । हलाट्टसद्मनां यानपात्राणामनसामपि MohaRāPa. 3. 41.

अट्टसूद (aṭṭa-sūda) *m.* bazaar-cook मल्लस्य रामलाख्योऽहं सूनुरासं दिगन्तरे । अट्टसूद: कश्चिदेवं चक्रिकाचतुरो वदन् RājTa.(Ka.) 8. 216.

अट्टस्तबकयुज् (aṭṭastabaka-yuj) *adj.* consisting of a multitude of watch-towers क्षितिप्रतिष्ठितं नाम नगरं सुप्रतिष्ठितम् । अट्टस्तबकयुग् यत्र प्राकार: परित: स्थित: SamarāSaṁ. 1. 43.

अट्टस्थ (aṭṭa-stha) *adj.* sitting on a turret (खञ्जनक:) °गृहकोणशर्करादिस्थ: (v. l. अट्टस्थ: Dvivedi Edn.) ।··· अरुणरुग्भयद: BṛSaṁ. 45. 9.

अट्टस्थली (aṭṭa-sthalī) *f.* **1** name of a region *dhūmādigaṇa* GaṇPā. 124. 9; आट्टस्थलक: (v. l. अट्टस्थली) GaṇRa. 5. 332 (370); **2** a place or country full of palaces etc. [Apte]

अट्टहर्म्य (aṭṭa-harmya) *n.* palatial house in the market (or palatial house with turrets) तत्र दृष्ट्वाट्टहर्म्येषु रत्नराशीन् ··· । तदवकरकूटोऽयं तर्क्यते रोहणाचल: TriṣaS'aPuC. i. 2. 919.

अट्टहस (aṭṭa-hasa) *m.* loud laughter अट्टहसं कुरुते स किंतु मुदितो मदन: NemiNir. 10. 24.

अट्टहसन (aṭṭa-hasana) *n.* loud laughter अकस्मादट्टहसनमपस्माराय कल्पते KāśyaS. 34B. 1.

अट्टहसित (aṭṭa-hasita) *n.* loud laughter वक्त्रैर्घनाघनघटाघनघोरघोषसंघट्टमट्टहसितं दनुजैर्निरासे HarVi. 49. 45; मुहुर्मुञ्चदट्टहसितं सहार्चिषा । केवलं कपिलकुन्तलं शिर: पश्यतोऽस्य न चमत्कृतं मन: NavaSāC. 8. 56; जज्ञे दष्टघनौष्ठमट्टहसितोद्रिक्तं समस्तं मुखम् RāmāCam. 6. 77; भगवाननैषीत्तस्याम्भो घटितपटुफेनाट्टहसितम् S'rīKaC. 9. 50; 10. 44; 18. 58; कोपस्मितं नरपतेरकालकुसुमं तरो: । वेतालस्याट्टहसितं नैवमेव प्रशाम्यति RājTa.(Ka.) 7. 1209; 2. 19; उल्कामुख इत्याभूत्स हर्षाट्टहसितोत्कट: RājTa.(Ka.) 4. 313.

अट्टहार (aṭṭa-hāra) *m.* bribe पुंस्युत्कोच उपचारोदाहार: (v. l. उपाचारोट्टहार:) KalpaK. 98. 84.

अट्टहास (aṭṭa-hāsa) *m.* [Mayr. 1. p. 25, 546] loud laughter अट्टहासान्विमुञ्चन्तो घननादसमस्वना: । वाश्यन्त्यश्च शिवास्तत्र Rāmā. vii. 6. 55; राशीभूत: प्रतिदिशमिव त्र्यम्बकस्याट्टहास: MeghDū. 58; VakroJī. 193. 16; NemiDū. 62; एवमुक्त्वा तत: शर्व: अट्टहासं मुमोच ह VāyuP. i. 22. 26; MārkP. 80. 31; अट्टहासं प्रमुञ्चन्ति हया(? °या:) काष्ठमयास्तदा MatsyaP. 188. 11; (देव्य:) कठोरेणाट्टहासेन भिन्दन्त्यो भुवनत्रयम् BrahmāṇḍP. iii. 20. 11; कल्कि: ···अट्टहासं चकार स: BrahmāṇḍP. iii. 29. 134; iii. 27. 91; iii. 29. 79; दधिरेऽधिभित्ति पटहप्रतिस्वनै: स्फुटमट्टहासमिव सौधपङ्क्तय: S'iśuVa. 13. 31; (महीधर:) निर्झरैर्हसतीवायमट्टहासेन भासुर: PadmP.(Ra.) 6. 513; 9. 144; 39. 61; 58. 29; 79. 27; पुष्टां तुष्टिं कृषीष्ट स्फुटमिह भवतामट्टहासोऽष्टमूर्ते: S'ivaKePāSt. 12; वानरेन्द्राणामट्टहासैर्दिशो विदिशश्च विदारयिष्यन्ति MahāvīC. 6. App. B. (300. 2); गोविन्दराज: ··· दृष्ट्वा च[मू]रभिमुखी[:] सुभटाट्टहासा [उन्ना]मितं सपदि येन रणेषु नित्यं ।···खड्गं कुलं च EI. xiv. 124. 4; x. 85. 3; viii. 184. 3; iii. 106. 3; xxii. 182. 3; पौरसमूहस्य ··· । हर्षहासाट्टहासानामासीन्नान्तरमम्बरे BṛKathāS'loSaṁ. 22. 112; नृत्तगीताट्टहासैश्च विशालं कुर्युरुत्सवम् ParaS. 19. 65; EI. xxi. 140. 4; xxii. 81. 3; vi. 288. 3; xxii. 71. 3; ततोऽट्टहासो व्यवलद्विवक्षया HarVi. 12. 1; 13. 7; 20. 86; 34. 20; ततश्च मुक्त्वा कपिरट्टहासम् ···। पपात पृष्ठेषु महागृहाणाम् RāmC. 22. 36; अट्टहासमिव पातालत्र्यम्बकस्य ··· अदृष्टपाराभिधानं सरो दृष्टवान् (समरकेतु:) TilaMañ. 203. 6; YaśasCam. i. 329. 8; ततोऽट्टहासं भगवान्मुमोच शशिशेखर: SkandP. v(1). 2. 63; क्षयं निनीषता दैत्यान् सोऽट्टहासो मया कृत: VarāP. 71. 57; मुमोचाशनिनिर्घोषमट्टहासं दशानन: RāmāMañ. 430. 6; 414. 10; BṛKathāMañ. 5. 117; अट्टहासो महाहास: Vaija. 142. 84; KathāSaSāg. xii. 27. 79; SuvṛTi. 3. 22(8); श्रेयांसि वो दिशतु ·· शंभो: ··· अट्टहास: SubhāRaK. 4. 12 = SaduktiKa. 7. 28; यस्यास्ति फेननिकुरम्ब इवाट्टहास: S'rīKaC. 18. 40; 1. 8; 1. 9; 6. 12; 24. 18; अदृश्यत ततो दूरात् ··· । अट्टहास: कृतान्तस्य संचारीव मृगाधिप: RājTa.(Ka.) 4. 450; ते चित्या इव जङ्गमा: । अट्टहासं विमुञ्चन्त: पतत्पविरवोपमम् TriṣaS'aPuC. iv. 7. 199; EI. vi. 205. 4; अत्रान्तरे ददत्त्रासमट्टहासेन भीषण: । आजगाम हिडम्बोऽपि PāṇḍaC. 7. 290; आकाशस्याट्टहास: ··· शशाङ्क: SaduktiKa. 59. 19; 1. 26; 223. 17; राक्षसास्तन्वते क्षोभम् ···। अट्टहासं तु वेताला: PārśvC. 7. 145; लङ्कापतेर्मौलय: । ··· प्रीत्याट्टहासं दधु: SūktiMu. 92. 15; गुणसेननृप: ··· अट्टहासं भवाभिख्यरक्षस: ··· शुश्राव SamarāSaṁ. 1. 313; असकृच्चेदिनियन्तुरट्टहासान् ।··· मणिभित्तिभिस्सभा सा प्रजहासेव Yādavā. 15. 104; S'aṅkaDigVi.(Mā.) 11. 43; Tantrābhi. (2) 14. 1; हसितं नाम कण्ठोष्ठपुटविस्फूर्जनपुर:सरमट्टहेत्यट्टहास: SarvaDaSaṁ. 6. 87; अट्टहासं प्रमुञ्चन्ति भीता: कष्टमयास्तथा PadmP. i. 15. 12; v. 14. 112; ततोऽट्टहासं जगदम्बिकाकरोत् S'ivaP. v. 48. 39 (365B. 13); ii(5). 52. 12 (284A. 14); KumāPraPra. 64. 14; अट्टहासेन शम्भो: सौधश्रेणी हसति नगरीमामरीम् HaṁsDū.(Vā.) 5; असंवृतमुखं हास्यं ललज्जिह्वा(? ह्व)न्निरीक्षितम् । प्रचण्डाट्टरवं भूयानट्टहास उदाहृत: (जगद्धर:) Bharatakośa p. 788; अनुभावास्तु ··· लालास्रवोऽट्टहासश्च BhaktiRaSi. ii. 2. 3; त्वं वीक्षेथा मधुप ··· पुञ्जीभूतानिव पशुपतेरायतानट्टहासान् BhramDū. 57; AdhyāRā. iii. 1. 22; शतमन्यु: ··· अट्टहासमिव परमेष्ठिनो घनस्तनितमनभ्र एव···अशृणोत् NīlaVi. 20. 7; 21. 5; 29. 14; कुर्वन्ति कुण्ठितघनारवमट्टहासम् Jīvān. 408. 3; RāmCāSta. 52; JānaPa. 1. 59; योधा: ···भिन्दन्त: भीरुजनहृदयान् अट्टहासै: ··· जयमापेदिरे ĀnandRa. 7. 39 (12); MahāN. 9. 89; 7. 70; **2 A** an incarnation of S'iva महादेवावताराणि कलौ शृणुत ··· यजमाल्यट्टहासश्च KūrmaP. 440. 11 (1. 53); तेषामपि हि लिङ्गानि तत्र सन्ति सहस्रश: ।···प्रतीच्यामट्टहासस्य SkandP. iv. 77. 32; शिव उवाच···परिवर्ते विंशतितमे···तत्राट्टहासनामाहमट्टहासप्रिया नरा: S'ivaP. iii. 5. 25 (299A. 8); vii(2). 9. 4 (554A. 1); एतत्पत्यष्टकं प्रोक्तम् ···। भीमेश्वरमहेन्द्राट्टहासा: सविमलेश्वरा: MāliniT. 5. 18; पुरारिपञ्चाननभैरवाट्टहासप्रहासाश्च TrikāS'e. i. 1. 43; ईश: शम्भु: पशुपतिरट्टहासो बक: शिव: KalpaK. 388. 79; **2 B** name of one of the Rudras पञ्चाशदधिका षष्टिर्भुवनैस्तुल्यसंज्ञिता: । तावन्त एव रुद्राश्च ··· विमलश्चाट्टहासश्च AgniP. 85. 8; प्राग्द्वारमट्टहासश्च गणकोटिपरीवृत: । रक्षेदहर्निशं क्षेत्रम् SkandP. iv. 74. 50; **2 C** name of an attendant of S'iva अट्टहासो गणो नाम प्रभासं तत्र रक्षति SkandP. vii(1). 4. 94; **2 D** name of a Yogācārya अट्टहासश्च दारुण: ···इत्याद्या योगेश्वरा: क्रमात् SkandP. i(2). 40. 214; तदाप्यहं भविष्यामि अट्टहासस्तु नामत: LiṅgaP. i. 24. 95; i. 7. 33; **2 E** name of a Yakṣa आहूय चात्र तम् । सद्योऽट्टहासं तातेन विवाहो नौ विनिश्चित: KathāSaSāg. xii. 6. 35; xii. 6. 135; **2 F** name of a Vidyādhara अट्टहासोऽर्धचन्द्रेण सुबाहोरच्छिनच्छिर: KathāSaSāg. viii. 4. 57; **2 G** name of a mountain तत्रैव हिमवत्पृष्ठे अट्टहासो महागिरि: LiṅgaP. i. 24. 96 = S'ivaP. iii. 5. 26 (299A. 9); **2 H** name of a Bhuvana belonging to wind विमलेशोऽट्टहासश्च ··· इत्यष्टौ भुवनानि स्युर्वायुतत्त्वगतानि तु ĪśānS'iPa. ii. 17. 196; **3** name of a sword नरपति: ··· उत्सृज्य ··· अट्टहासमसिम् ··· बबन्ध बाहुयुद्धाय कक्ष्याम् HarṣaC. 167. 9; 167. 1; 162. 9; 162. 17; **4** *Jasminum pubescens* कुन्द: सुमकरन्दश्च सदापुष्पो मनोहर: । अट्टहासो भृङ्गसुहृत् DhanvNi. 201. 8; ApūNā. 53A. 2; अट्टहासो भृङ्गमित्रम् NighS'e. 2127; अट्टहासो मनोज्ञ: स्याद्वनहासोऽथ शाम्भव: KalpaK. 278. 269.

अट्टहास (aṭṭa-hāsa) *n.* name of a sacred place अट्टहासं तथा तीर्थम् ··· एतेषु श्राद्धदातार: प्रयान्ति परमां गतिम् MatsyaP. 22. 68; तत: पीठानि पञ्चाशदेकं मनो न्यसेत् ··· अट्टहासं च विरजं राजवेश्म महापथम् BrahmāṇḍP. iii. 44. 96; देवी स्वायंभुवी यत्र ··· । अट्टहासमिति प्रोक्तं महास्थानं मया तव SkandP. i(3B). 2. 37; महानादेश्वरं लिङ्गमट्टहासादिहागतम् SkandP. iv. 69. 22; vi. 108. 28 vi. 109. 7; VarāP. 122. 12; PadmP. v. 11. 61; पर्वतेषु वसन्त्येव महत्यो देवता अपि । ··· अट्टहासे महानन्दा DevīBhāP. vii. 38. 25.

अट्टहास (aṭṭa-hāsa) *adj.* having a roaring laughter तेन शुक्लाष्टम्यां श्वेतचन्दनमयो वज्रधरः कार्यः अट्टहासः सर्वालंकारविभूषितः GiMs. i. 58. 14.

अट्टहासक (aṭṭahāsa-ka) *m.* **1** *Jasminum pubescens* कुन्दश्च मकरन्दश्च …तारपुष्पोऽट्टहासकः RājNi. 201. 12; **2** name of a leader of S'iva's attendants अट्टहासकः … इत्याद्यो गणेश्वराः SkandP. iv. 85. 44.

अट्टहासकुपित (aṭṭahāsa-kupita) *adj.* enraged due to loud laughter तदाट्टहासकुपितः प्रोवाचाञ्चितशेखरः । …नन्दी भैरवविग्रहः RāmāMañ. 430. 7.

अट्टहासकुसुम (aṭṭahāsa-kusuma) *n.* the Jasmine flower कुन्दावदातैरट्टहासकुसुमवदुज्ज्वलैः comm. *on* YaśasCam. i. 253. 24.

अट्टहासघोष (aṭṭahāsa-ghoṣa) *m.* noise of loud laughter तस्याट्टहासघोषेण दिशः … स्फुटिता इव सर्वशः SkandP. iii(1). 8. 85.

अट्टहासच्छल (aṭṭahāsa-cchala) *n.* pretext of loud laughter अट्टहासच्छलेनास्यायस्य फेनौघपाण्डुराः । जगत्क्षय इवापीताः क्षरन्ति क्षीरसागराः KāvyMī. 83. 9.

अट्टहासच्छेद (aṭṭahāsa-ccheda) *m.* peal of loud laughter प्रमथाधिनाथाः । भिन्दन्तु दानवचमूमधुनाट्टहासच्छेदा इव प्रलयकालनिशां स्मरारेः HarVi. 13. 74; और्वदहनस्य दर्शनाच्छटिति निःसृतैरट्टहासच्छेदैरिव कैलासविशदैः फेनराशिभिराशामुखानि धवलयन्तम् …अम्भोनिधिमपश्यम् TilaMañ. 122. 4.

अट्टहासतरङ्ग (aṭṭahāsa-taraṅga) *m.* wave of loud laughter हनुमता …दृष्ट्यैवाट्टहासतरङ्गैर्लङ्केशस्य…प्रतापाग्निः शमितः AuciViCa. 20(44)

अट्टहासता (aṭṭahāsa-tā) *f.* the state of Aṭṭahāsa (i. e. Yakṣa of that name) जाते सुते क्षीणशापः स संप्राप्तोऽट्टहासताम् BṛKathāMañ. ix. 1. 607.

अट्टहासत्व (aṭṭahāsa-tva) *n.* the state of being loud laughter यत्र फेनततित्वमपह्नुतं तत्रैवाट्टहासत्वोत्प्रेक्षणात् Kuval. 37(13)

अट्टहासनिधन (aṭṭahāsa-nidhana) *n.* death of Aṭṭahāsa ततो विकृतदंष्ट्राख्यो हर्षं विद्याधरेश्वरः । एत्याट्टहासनिधनक्रुद्धो बाणैरवाकिरत् KathāSaSāg. viii. 4. 69.

अट्टहासनिनादिन् (aṭṭahāsa-ninādin) *adj.* resounding with loud laughter ततः शिष्याः समुत्तस्थुरट्टहासनिनादिनः NarmaMā. 3. 84.

अट्टहासपटल (aṭṭahāsa-paṭala) *n.* peal of loud laughter अथोन्नादः — अथाकाण्डिकमट्टहासपटलं निर्माति धर्माम्बुभाक् चीत्कारं कुरुते … राधा माधवविप्रयोगरभसात् UjjvaNiMa. 557. 7.

अट्टहासपुष्प (aṭṭahāsa-puṣpa) *n.* *Jasminum pubescens* (हेमन्त इव पल्लविताश्रितकुन्दकन्दलः … यशोधनामा क्षितिपतिः) हेमन्ततुः कुन्दकन्दलानामट्टहासपुष्पलतानां पल्लवको भवति YaśasCam. (comm.) i. 210. 11.

अट्टहासपूर्वम् (aṭṭahāsa-pūrvam) *adv.* preceded by loud laughter तावत् स शवोऽट्टहासपूर्वमुत्तिष्ठन् सैन्धवेन प्रोचे PrabaCin. 21. 16.

अट्टहासप्रिय (aṭṭahāsa-priya) *adj.* fond of loud laughter अट्टहासप्रियाश्चैव भविष्यन्ति तदा नराः LiṅgaP. i. 24. 96; परिवर्ते विंशतिमे भविता व्यास गौतमः । तत्राट्टहासनामाहमट्टहासप्रिया नराः S'ivaP. iii. 5. 25 (299A. 8)

अट्टहासभयानक (aṭṭahāsa-bhayānaka) *adj.* terrific with loud laughter (नृहरिम्) गर्जन्तमतिगम्भीरमट्टहासभयानकम् । … ध्यात्वा ĪśānS'iPa. i. 35. 138.

अट्टहासमहावज्र (aṭṭahāsa-mahāvajra) *m. n.* great thunderbolt in the form of loud laughter अट्टहासमहावज्रदीर्णब्रह्माण्डमण्डलः (क्षेत्रपालः) BrahmāṇḍP. iii. 20. 59.

अट्टहासमुखर (aṭṭahāsa-mukhara) *adj.* resounding with loud laughter (रावणः) बन्दीकृतामरपतेर्जितपुष्पकस्य तस्याट्टहासमुखराणि मुखानि मेऽद्य । … भृगुबटुर्वदयं विपक्षः BālRā. 2. 46.

अट्टहासमुच् (aṭṭahāsa-muc) *adj.* emitting a loud sound योऽभूद्दीप्तशिखोऽग्निर्मे सोऽट्टहासमुचाधुना । सज्योतिर्धूमलेखोऽपि कालमेघेन नाशितः KathāSaSāg. xii. 6. 403.

अट्टहासवचन (aṭṭahāsa-vacana) *n.* words of Aṭṭahāsa (S'iva's attendant) इत्यट्टहासवचनादथ जृम्भमाणसंरम्भभीषणतरभ्रुकुटीविभङ्गम् । चण्डेश्वरेण … चेले HarVi. 13. 1.

अट्टहासविकट (aṭṭahāsa-vikaṭa) *adj.* terrible with loud laughter (ताटका) व्यादायाननमट्टहासविकटं दूरेण तारापथात् …उपक्रामति JānaPa. 1. 19.

अट्टहासविभीषण (aṭṭahāsa-vibhīṣaṇa) *adj.* frightening with loud laughter भूतैः परिवृतं नैकैरट्टहासविभीषणैः । … रूपं पाशुपतास्त्रस्य ĪśānS'iPa. ii. 12. 94.

अट्टहासविलास (aṭṭahāsa-vilāsa) *m.* display of loud laughter अट्टहासविलासैरिव व्योमव्योमकेशस्य … चैत्यालयैः … उपशोभितं राजपुरं नाम नगरम् YaśasCam. i. 21. 1.

अट्टहासशब्द (aṭṭahāsa-śabda) *m.* noise of loud laughter अट्टहासं भगवान् मुमोच शशिशेखरः । तेनाट्टहासशब्देन मोहयित्वा पितामहम् । …ब्रह्मणः पञ्चमं शिरः (चकर्त) SkandP. v(1). 2. 54.

अट्टहाससमुद्गारिन् (aṭṭahāsa-samudgārin) *adj.* disclosing through loud laughter तां ददर्श महादेवः (दाक्षायणीम्) । अट्टहाससमुद्गारितदूर्ध्वदन्तपङ्क्तिकाम् BṛDharmaP. i. 36. 67.

अट्टहाससंबन्ध (aṭṭahāsa-sambandha) *m.* relation with loud laughter उदजृम्भत ग्रीष्माभिधानः फुल्लमल्लिकाधवलाट्टहासो महाकालः इत्यत्राप्राकरणिकमहाकालाख्यदेवताविशेषविषया प्रतीतिः साध्या । तस्याश्चाट्टहाससंबन्धः … साधनम् VyaktiVi. 119. 17.

अट्टहासहासत्विष् (aṭṭahāsahāsa-tviṣ) *f.* splendour of loud laughter उत्तानवक्त्रकुहरोत्थितयाट्टहासहासत्विषा कलुषया बिभरांबभूवे । प्रेङ्खत्नगरलसातलगर्भनिर्यदिन्दुप्रभाधवलशेषशरीरलक्ष्मीः HarVi. 7. 46.

अट्टहासा (aṭṭahāsā) *f.* name of Durgā महिषासुरप्रिये … । अट्टहासे … नमोऽस्तु ते MahāBhā. vi. App. i. 1(16); श्रीकालिका…दिगम्बरा चाट्टहासा … शतनाम इतीरितम् KāliViT. 5. 8.

अट्टहासाख्य (aṭṭahāsākhya) *adj.* called Aṭṭahāsa (name of a S'ivaliṅga) तद्दक्षिणेऽट्टहासाख्यं लिङ्गं सर्वसुखप्रदम् SkandP. iv. 97. 30; (name of a Yakṣa) एकदा च समं सख्या क्रीडन्ती कपिशभ्रुवा । अद्राक्षमट्टहासाख्यं कैलासे यक्षपुत्रकम् KathāSaSāg. xii. 6. 33.

अट्टहासानुज (aṭṭahāsānuja) *m.* younger brother of Aṭṭahāsa (a Yakṣa) अट्टहासानुजः सोऽहं यक्षो दीप्तशिखाभिधः BṛKathāMañ. ix. 1. 766.

अट्टहासानुप्रास (aṭṭahāsānuprāsa) *m.* replica of loud laughter तरुणकुमुदिनीनाथचूडाट्टहासानुप्रासः …रुचिरुपचिनुते चातुरीं यस्य S'rīKaC. 6. 64.

अट्टहासाभिधान (aṭṭahāsābhidhāna) *adj.* named Aṭṭahāsa (said of a Vidyādhara or Yakṣa) पूर्वं सुबाहोर्नृपतेर्विद्याधरपतेस्तथा । अट्टहासाभिधानस्य द्वन्द्वयुद्धमभूद् द्वयोः KathāSaSāg. viii. 4. 56; अट्टहासाभिधानस्त्वं कान्तो यक्षकुमारकः BṛKathāMañ. ix. 1. 600.

अट्टहासिन् (aṭṭahās-in) *adj.* [*f.* -inī] who laughs loudly सा च देवी…चतुःषष्टिस्वरूपा च शतरूपाट्टहासिनी SkandP. v(3). 14. 50; मुक्तकेशीं च नृत्यन्तीं विधवाम्…अपश्यं चाट्टहासिनीम् BrahmVaiP. iii. 34. 14; कश्चिदेको मषीश्यामो व्यात्तवक्त्रो नरसिंहवपुरट्टहासी…नखरैर्लोकं दारयितुं प्रववृते PrabaK. 95. 5; निर्ययुर्युगपदट्टहासिनः सङ्घशो युधि गणा मदोल्बणाः (कपर्दिनः) S'ivLī. 10. 78; *m.* **1** name of a Rākṣasa, son of Bhaṇḍa अट्टहासी महाशी च महाशीर्षः … इत्येवमादयः मम पुत्राः (भण्डस्य) BrahmāṇḍP. iii. 21. 88; **2** name of S'iva मृडोऽट्टहासी…शिवः AbhidhāCin. 197; मृत्युञ्जयः पिङ्गजटोऽट्टहासी KośaKaTa. 1. 318; ParaNāMā. 154.

अट्टहासेन्दुरुच् (aṭṭahāsendu-ruc) *f.* light of the moon in the form of loud laughter नतिरस्तु शैलतनयाविलासिने । … यस्याट्टहासेन्दुरुचा पयोऽब्धिलीलां दधाने लवणाम्बुराशौ । निद्राणनारायणनर्म धत्ते सेतुः YātrāPra. 5. 70.

अट्टहासेश्वरतीर्थ (aṭṭahāseśvara-tīrtha) [pw.]

अट्टहासोज्ज्वल (aṭṭahāsojjvala) *adj.* radiant with loud laughter वज्रकङ्कटसंछन्ना अट्टहासोज्ज्वलाः परे । …मुशुण्डिकाः BrahmāṇḍP. iii. 19. 76.

अट्टहासोर्मि (aṭṭahāsormi) *f. m.* wave of loud laughter विशदैस्तैर्नाट्टहासोर्मिभिः लङ्केशस्य विलङ्घितो दिशि दिशि क्रूरः प्रतापानलः RāmC. 15. 64= SubhāRaK. 45. 11.

अट्टहास्य (aṭṭahāsya) *n.* loud laughter यौगन्धरायणः । स चकारात्मनः सद्यो रूपस्य परिवर्तनम् । बभूव तेन विकृतः कुब्जो वृद्धश्च तत्क्षणात् । उन्मत्तवेषः खल्वाटो हास्यसंजननः (v. l. खल्वट्टहास्यसंजननः) परम् KathāSaSāg. ii. 4. 5 (Brockhaus Ed. 1839)

[1]**अट्टा** (aṭṭā) *f.* overbearing conduct? [MW.]; committing of an excess [Gold.] (शब्दवैरकलहाभ्रकण्वमेघेभ्यः करणे (क्यङ्) अटाट्टाशीकाकोटापोटासोटाप्रुष्टाप्लुष्टाग्रहणम् Vār. 1 (*on* P. iii. 1. 17, Bombay 1937 Ed.); अट्टा । अट्टायते MahāBh. ii. 26. 2 (*on* P. iii. 1. 17); [a tent; boiled rice; अट्टा तु क्षौमगृहप्रभेदविपुलानार्द्रेषु भक्ते तथा KośaKaTa. 2. 4445]; *adj.* large, extensive, not wet, dry

[2]**अट्टा** (aṭṭā) *f.* name of a Buddhist minor deity तद्यथा…अट्टे मट्टे LaṅkāSū. 106. 6; अट्टे मट्टे स्वाहा KāśyaS. 200A. 7.

अट्टाग्र (aṭṭāgra) *n.* top of a turret केऽप्यारुरुहुरट्टाग्रं सौधाग्राणि च केचन MalliC. 5. 242.

अट्टाट्टक (aṭṭāṭṭaka) *adj.* very loud द्वे च स्त्रियौ तात मया दृष्टे च तत्र वै । …ते द्वे हास्यैरट्टाट्टकैः पुनः । भक्षेते च स्वमांसानि PadmP. ii. 93. 29.

अट्टाट्टम् (aṭṭāṭṭam) *adv.* very loudly धूर्जटिः … मुहुर्मुहुः श्वसन् घोरं हसन्नट्टाट्टमेव च । जगाम दक्षनिलयम् BṛDharmaP. i. 38. 16.

अट्टाट्टहास (aṭṭāṭṭa-hāsa) *m.* very loud laughter, boisterous laughter, loud cry (of a boar or the like) अट्टाट्टहासेषु च चामरेषु प्रेङ्खासु चान्या मदलोलभावात्। संदोलयन्ते(? न्ती) कलसंप्रहासाः (? सा) प्रोवाच काञ्चीगुणसूक्ष्मनादा MatsyaP. 139.39; अट्टट्टहास (v. l. अट्टाट्टहास)मशिवं शिवदूती चकार ह MārkP. 89.21; काली··· । अट्टाट्टहासमशिवं चकार च पुनः पुनः BrahmVaiP. ii. 19.45; iv. 63.5; तदातितुष्टा सुरसत्तमा सा अट्टाट्टहासं मुमुचे त्रिनेत्रा VāmaP. 18.18; अट्टाट्टहासमशिवं चामुण्डा खे चकार ह BhaviP. 491A.19 (iii(3). 17.8; अट्टाट्टहासेन पुनर्हास्यमेवं कृतं तदा (वराहेण) PadmP. ii.46.52; वीरभद्रस्ततो दग्धान् दृष्ट्वा दक्षपुरोगमान्। अट्टाट्टहासमकरोत् S'ivaP. ii(2) 37.64 (116A.5); काली···सा च गत्वा हि संग्रामम् ··· अट्टाट्टहासमशिवं चकार ii(5). 38.2 (264A.8); यक्षेणापि···उच्चैरट्टाट्टहासमकारि VetāPañ.(Jam.) 102.6; अट्टाट्टहासविध्वस्तशैलशृङ्गोऽहिभूषणः (शङ्करः) BrBrahmS. iii. 8.97.

अट्टाट्टहासहसिता (aṭṭāṭṭahāsa-hasitā) *adj.* (*f.*) who has laughed a very loud laughter अट्टाट्टहासहसिते ··· । चामुण्डे ··· साहाय्यं मे कुरु त्वम् KathāSaSāg. ix. 2.159.

अट्टाट्टहासा (aṭṭāṭṭa-hāsā) *adj.* (*f.*) laughing a loud laughter (i. e. laughing very loudly) ओं ह्रीं चामुण्डे···अट्टाट्टहासे किलि किलि AgniP. 135.1; *f.* name of a Yoginī (नामधेयानि वक्ष्यामि योगिनीनाम्) अट्टाट्टहासा SkandP. iv. 45.41.

अट्टाट्टालक (aṭṭāṭṭālaka) *m.* lofty watch-tower पुरी···साट्टाट्टालकगोपुरा MahāBhā. iii. 16.6; पुरं च ते सुगुप्तं स्यात् ··· । अट्टाट्टालकसंबाधम् MahāBhā. xv. 9.16; RājNītiRa. 26.20.

अट्टाय (aṭṭāya-) I. A. [*denom.*] to behave overbearingly cf. **अट्टा,** अट्टा । अट्टायते MahāBh. ii. 26.2 (*on* P. iii. 1.17); JaineVyā. 89.28 (*on* ii. 1.14); CāndraVṛ. *on* i. 1.36; GaṇRa. 8.442 (469)

अट्टाल (aṭṭāla) *m.* **i** watch-tower मयूराट्टालपर्वेन्दुकाशनीलनिभानि तु । ···अभ्राणि दृश्यन्ते AVPari. 61(1).12; प्रासादतोरणाट्टालद्वारप्रासादवेश्मनाम्। अकस्मात् पतनं तेषां राजमृत्युकरम् AVPari. 70B(14).1; 64(3).9; परिखाः ··· । कर्णाट्ट (v. l. अट्टाल) यन्त्रदुर्धर्षाः MahāBhā. iii. 268.4; iii. 23.39; (ददर्श हनुमान् पुरीम्) अट्टालकवतंसकाम् (v. l. महाट्टालावतंसिकाम्) Rāmā. v. 2.22; (राक्षसाः) प्राकाराट्टालक (v. l. अट्टालसं)स्थिताः Rāmā. vi. 637*(1); i. 5.11; प्रासादतोरणाट्टालद्वारप्राकारवेश्मनाम्। निर्निमित्तं तु पतनं दृढानां राजमृत्यवे MatsyaP. 238.1; Avimā. 3.13(1); (ययाविन्द्रपुरीम्) प्राकारेण ··· साट्टालेन (जुष्टाम्) BhāgP. viii. 15.14; रुरुधुर्वाणनगरम् ··· भज्यमानपुरोद्यानप्राकाराट्टालगोपुरम् BhāgP. x. 63.5; x. 76.10; नारायणं नाम पुरं प्रासादैरुपशोभितम्। हैमप्राकारसंयुक्तम् ··· । हर्म्यप्रासादसंयुक्तमट्टालक(v. l. प्राकारसंयुक्तमट्टाल)समाकुलम् KūrmaP. 421.10 (1.49); प्राकारतोरणाट्टालद्रुमभङ्गश्च सद्मजे AgniP. 235.48; चतुष्पथपुराट्टालशून्यालयनिकेतनाः (भूताः) ViṣṇuDhaP. ii. 22.86; ii. 26.88; नालभच्छर्म गोपुराट्टालभूमिषु SkandP. ii(4). 21.6; S'ivaP. ii(5). 23.9 (247B.7); अट्टालसालवलयम् ··· चुम्बितभानुबिम्बम् HarVi. i. 23; 34.20; गन्धर्वनगरज्ञाने जलदाः ··· । आलम्बनं गृहाट्टालप्राकाराकारधारिणः NyāyMañ. i. 170.27; तत्तत्प्रासादाट्टालगोपुरतोरणाद्युपजननिदर्शनसहस्रैः Bhām. 577.14 (*on* iii. 2.41) (VedāntKa. दुर्गेषु यो जनानां निवेदनार्थं भूमिकाविशेषो रच्यते ऽसावट्टालः); TātpaṬ.(Vā.) 598.18 (*on* iv. 1.21); GaṇeP. ii. 152.1; SaurP. 34.20; KalkiP. ii. 1.41; सर्व(? साल)स्याभ्यन्तरतः ··· संहताट्टालम् (दुर्गम्) MayaMa. 10.45; SamarāSū. 3.14; 10.1; रामशरैर्लङ्का प्राकाराजा(? ट्टा)लकैलिभिः। स्पष्टीकृता कृतान्तस्य RāmāMañ. 384.5; 278.19; 369.24; ĪśānS'iPa. ii. 25.33; नगर्यः ··· उच्चैरट्टालमेखलाः RājTa.(Ka.) 1.301; 1.274; S'ilpaRa. i. 5.26; **ii** terrace पुष्पावनद्धे तिलकद्रुमस्य दृष्ट्वान्यपुष्टं शिखरे निविष्टम्। संकल्पयामास शिखां प्रियायाः शुक्लांशुकेऽट्टालमपाश्रितायाः Saund. 7.7; (तत्पत्तनं मन्त्रिवरो विवेश) अट्टालमारोहति ··· ललनासमूहे। ···बभूव भङ्गः परस्परं काञ्चनकङ्कणानाम् VasaViKā. 11.50; अट्टालो गृहस्योपरिभूमिकम् KalpaK. 16.70; upper storey, apartment in the roof [APTE]

अट्टालक (aṭṭāla-ka) *m.n.* **i** watch-tower भज्यन्ते ··· तोरणाट्टालकानि (उदये वायुपुत्राणाम्) AVPari. 55(6).2; इन्द्रकीलगोपुराट्टालकध्वजादीनां अङ्गे AVPari. 72(3).10; 71(19).2; प्रत्याहरन्ति क्रव्यादाः ··· प्राकाराट्टालकेषु MahāBhā. ii. 71.27; गोपुराट्टालकवतीम् ··· । प्रविश्य स पुरीम् MahāBhā. iii. 198.6; नगरीम् ··· । प्राकाराट्टालकोपेतां समुद्रः प्लावयिष्यति MahāBhā. xvi. 7.17; iii. 16.6; iii. 170.3; xv. 9.16; अट्टालकेषु ··· ध्वजाः समुच्छ्रिताः Rāmā. ii. 6.11; अट्टालकशताकीर्णाम् (ददर्श ··· लङ्काम्) Rāmā. v. 2.16; v. 2.22; vi. 637*(1); (पिशाचानाम् ··· स्थानानि) द्वाराण्यट्टालकाश्चैव VāyuP. ii. 8.277; BrahmāṇḍP. ii. 7.405; SkandP. vii(1). 167.113; दुर्गम् ··· वप्राट्टालकसंयुतम् MatsyaP. 217.8; 129.35; 130.2; विष्कम्भचतुरश्रमट्टालकम् ···कारयेत् ··· द्वयोरट्टालकयोर्मध्ये ··· प्रतोलीं कारयेत् ··· अट्टालकप्रतोलीमध्ये ··· इन्द्रकोशं कारयेत् ArthS'ā. i. 121.7 (2.3); सालद्वाराट्टालकभञ्जनम् ··· हस्तिकर्माणि ArthS'ā. iii. 125.1 (10.4); iii. 103.3 (10.1); PādaTā. 12.17; चतुष्पथाट्टालकनिष्कुटेषु । ··· ये वसन्ति ते पूजनीयाः प्रमथा यथावत् YogYā. 6.21; गिरिशिखरतरुतटाट्टालकोपतल्पद्वारशरणोच्छ्रयविध्वंसिना EI. viii. 43.6; KūrmaP. 421.10 (1.49); पिशाचानां च दातव्या बलयः ··· अट्टालकश्मशानेषु NīlaP. 558; दुर्गाणां कर्तव्यं दर्शनम् ··· वप्राट्टालकपर्वतैः ViṣṇuDhaP. iii. 42.63; ii. 50.5; करिणां घटाशतैरथ कृताट्टालकपङ्क्तिः ··· सा चमूः S'iśuVa. 12.65; TattvSaṁ. 73; MahāP. 16.162; (ददर्श वैष्णवं लोकम्) समलंकृतम्। ···गोपुराट्टालकैः PadmP. ii. 83.33; ii. 111.8; SaurP. 57.32; प्राकारेऽट्टालकाः ··· चतुर्दिशम् ··· तदर्धं निर्गमान् कुर्यात् ससालाट्टालकानथ। शतं शतं स्याद्धस्तानां मिथश्चाट्टालकान्तरम् SamarāSū. 10.33; 3.15; 43.20; अट्टालकैरलंकृतेन···प्राकारचक्रेण UdaySuKa. 20.12; S'rīKaC. 3.3; संधानमविषेयं विद्गन्नृपः। तानादिदेश कर्तव्यं कोट्टाट्टालकवेष्टनम् RājTa.(Ka.) 6.2543; 8.2580; अट्टालकाः प्राकारोपरिवर्त्याश्रयविशेषाः AupaSūT. 6.3 = JñātāDhaṬ. 2B.14; PrasaRā. 6.51; Pañcā. 3.5; PāṇḍaC. 6.458; सौधाट्टालकहर्म्यगोपुरबृहत्प्राकारभास्वत्पुरं द्वीपं भूपनिवासयोग्यमकरोच्च EI. iii. 86.59; PrabhāC. 201.6; **ii** a smaller form of Aṭṭa विस्तीर्णमुच्छ्रितं यत् स्याद् वेश्म सोऽट्ट उदाहृतः। संक्षिप्तमेतदेवोक्तं तज्ज्ञैरट्टालकाख्यया SamarāSū. 18.45; **iii** upper storey [APTE]

अट्टालकान्त (aṭṭālakānta) *m.* border of a watch-tower क्रामन्नट्टालकानामुपरि कृतपदो (v. l. °न्नट्टालकान्तानुरुशिखरभुवो) निर्दहत्येव लङ्काम् PrasaRā. 6.51.

अट्टालज (aṭṭāla-ja) *n.* name of a place where a demoness was killed तस्याश्चापि (अट्टालयायाः) वधस्थानमट्टालजमिति स्थितम्। भविष्यति पुरं तत्र मां च संस्थापयिष्यति SkandP. i(2). 65.110.

अट्टालया (aṭṭālayā) *f.* name of a demoness सः ··· । अट्टालयां नाम तदा राक्षसीं निहनिष्यति SkandP. i(2). 65.109.

अट्टालयाज (aṭṭālayā-ja) *n.* name of a place (where Aṭṭālayā was killed अट्टालयाजग्रामे मामर्चयिष्यन्ति ये ··· तेषां सर्वफलावाप्तिर्भविष्यति SkandP. i(2). 65.111. cf. **अट्टालज.**

अट्टालिका (aṭṭāli-kā) *f.* **A i** multi-storeyed mansion सौधम् ··· अट्टालिकेत्यर्थः LalitāTriBh. 346.9 (*on* 54); BrahmVaiP. i. 10.96; iv. 17.27; SamarāSū. 18.46; सप्तपातालं यथैवाट्टालिकागृहम् PañcaRā.(Nā.) ii. 2.44; रचितविचित्रप्रासादाट्टालिकादेवकुल°···°उपसो(? शो)भाजितसुरपुरमहिम्नः EI. xxiii. 251.4; ParamāKā. 178.31; Vaija. 161.33; **Aii** terrace (मूत्रपुरीषोत्सर्गं कुर्यात् ··· नाकाशे) आकाशः अन्तरिक्षम्, अट्टालिकादि Nanda *on* ViṣṇuSm. 60.20; S'abdaRaSaK. 32.4; **B** name of a town कोट्टादट्टालिकाम्···अवरुरोह सः RājTa.(Ka.) 8.1819; अट्टिवाट्टालिकादिभ्यो देशेभ्यः ··· । तेन ··· कोशशेषः कश्चिदवाप्यत RājTa.(Ka.) 8.1947 (Calcutta Ed.)

अट्टालिकाकार (aṭṭālikā-kāra) *m.* mason, (progeny of sculptor or painter father and unchaste S'ūdra mother) कुलटायां च शूद्रायां चित्रकारस्य वीर्यतः। बभूवाट्टालिकाकारः BrahmVaiP. i. 10.96; i. 10.97.

अट्टालिकाबन्ध (aṭṭālikā-bandha) *m.* a figure resembling a tower सुतलोऽट्टालिकाबन्धे AnekāSaṁ. 3.685; सुतलप्रतलौ ··· अट्टालिकाबन्धे तताङ्गुलिकरे क्रमात् ViśvaPra. 154.73; DharK. 2468; सुतलोऽट्टालिकाबन्धनागलोकप्रभेदयोः MediK. 169.146 = S'abdaRaSaK. 311.4.

अट्टालिकाबन्धम् (aṭṭālikā-bandham) *adv.* in the manner of tying or binding according to the *aṭṭālikā* type कथमट्टालिकाबन्धं बद्धः चण्डालिकाबन्धं बद्धः। उपमाने कर्मणि च इत्येवं भविष्यति MahāBh. ii. 176.17 (*on* iii. 4.41); JaineVyā. 140.39 (*on* ii. 4.39); KātanVṛ. *on* iv. 6.26.

अट्टालिकारूढ (aṭṭālikārūḍha) *adj.* fixed on the turret अट्टालिकारूढचकोरनेत्रा समीरलोकाम्बरपल्लवश्रीः। विद्योतते यत्र···महापताका Rāṣṭrau. 16.9.

अट्टालिकालय (aṭṭālikālaya) *m.* house with a turret विशिष्टेन मणीन्द्रेण चकाराट्टालिकालयम् BrahmVaiP. iv. 17.27.

अट्टालिकासादृश्य (aṭṭālikā-sādṛśya) *n.* comparison or resemblance with the turret हकारस्य श्वेतवर्णतया अट्टालिकासादृश्यम् (ह्रींकारे) LalitāTriBh. 346.11 (*on* 54)

अट्टाली (aṭṭālī) *f.* apartment on roof तदेवात्यन्तसंक्षिप्तमट्टालीति निगद्यते। अट्टाली या तु नात्युच्चा तामत्राट्टालिकां विदुः SamarāSū. 18.46.

अट्टि (aṭṭi) (Gr.) the root *aṭṭ-* हिंसातिक्रमयोरट्टेः। अट्टतेऽनादरेऽट्टयेत् DaivaVyā. 72.

अट्टिका (aṭṭ-ikā) *f.* vegetable-market क्रय्यशाकाट्टिका MediK. 48.19.

अट्टियिष (aṭṭiyiṣa-) [*desid.* of causal of *aṭṭ-*] to wish to cause to disregard or disrespect अट्ट···अनादरे। ··· अट्टियिषति DhātuPra. 10.26 (132.19)

अट्टिटिषा (aṭṭiṭiṣā) *f.* **1** desire to kill कोऽपि नाड्डिडिषदट्टिटिषायाम् DvyāśraKā. 8.28 (comm. हिंसेच्छायाम्); **2** desire to transgress or override, DvyāśraKā. 8.28 (comm. अतिक्रमेच्छायाम्)

अट्टितुम् (aṭṭi-tum) *inf.* to set out (for victory) सारोऽस्मिण्ढौकित-धनुर्विश्वमट्टितुमड्डुति DvyāśraKā. 1.125 (comm. अट्टितुं हिण्डितुं विजययात्रां कर्तुमित्यर्थः)

अट्टिलिका (aṭṭilikā) *f.* name of a town पुरीमट्टिलिकां जातु स प्रयातोऽन्तिकक्षितैः । अत्तैः प्रैर्यत कस्ह्याथैर्गर्गोच्छेदाय भूपतिः RājTa.(Ka.) 8.581.

अट्टिलिकापण (aṭṭilikāpaṇa) *m.* market of the town Aṭṭilikā जहार तुरगांलुण्ठि चकाराट्टिलिकापणे । मार्गद्रङ्गादिभङ्गं च···सर्वत्र सोऽकरोत् RājTa.(Ka.) 8.1991.

अट्टेश्वर (aṭṭeśvara) *m.* name of an eagle कूटशाल्यामपि द्वौ सुपर्णिनावट्टेश्वरश्चडेश्वरश्च GiMs. iii(1). 260.19.

अट्णार (aṭṇārá) *m.* name of Para's father (one of the kings of Kośala) अभिजिदितिरात्रस्तेन ह पर आट्णार ईजे कौसल्यो राजा तदेतद्गाथयाभिगीतमट्णारस्य परः पुत्रोऽश्वं मेध्यमबन्धयत् SatBr. XIII. v. 4.4.

अट्त्वाभाव (aṭtvābhāva) *m.* absence of being one of the letters represented by the *pratyāhāra aṭ* लस्याट्त्वाभावादप्राप्तं छत्वम् Prasā. i. 90.18.

अट्य (a-ṭya) *adj.* other than the suffix *ṭya (ya)* येऽनोऽट्ये S'akaṭāVyā. ii. 3.61 (comm. अनित्येतदन्तस्य ट्यवर्जिते ये प्रत्ययेऽन्त्याजादेर्लुग्न भवति । सामन्यः । वेमन्यः); SiddhaHe. vii. 4.51.

अट्या (aṭyā) *f.* wandering, roaming about मृगयाक्षो दिवास्वप्नः परिवादः स्त्रियो मदः । तौर्यत्रिकं वृथाट्या च कामजो दशको गणः ManuSm. 7.47; अट्यया च सः । विद्याभ्यात् कचित्पश्यन्मेने चर्याफलं महत् DvyāśraKā. 13.8 (comm. अट्यया भ्रमणेन); परिव्रज्या व्रतादानं व्रज्याट्या च गतिः स्मृता AbhidhāRaMā. 4.91; Liṅgānu.(He.) 36.8;

अट्यादि (aṭyādi) *adj.* the root *aṭ*- and others अट्याद्येकाज्झलादि-भ्योऽरुचिशुभिभ्यां भृशाभीक्ष्ण्ये यङ् S'akaṭāVyā. iv. 1.10.

अठ् (aṭh-) I. U. to go अठि (अठ) गतौ DhātuPā. 1.280; अनन्तरं अठ गताविति कचित् पठ्यते । मैत्रेयादयस्तु न पठन्ति । अठतीत्यादि DhātuVr. 1.334.

अठ (aṭha) *ind.* a threatening interjection अठावाडां स्वरादयः GaṇRa. 1.9(23); अठ, अव, अड इत्येते भर्त्सने । अठ करोतीत्यादि GaṇRa. 1.9(24)

अठच् (aṭhac) (Gr.) the suffix *aṭha* कर्मणि घटोऽठच् (कर्मणि घटते कर्मठः पुरुषः) P. v. 2.35; CāndraVyā. iv. 2.36; SaraKāṇṭhā. (Gr.) ii. 2.114; v. 2.52; यथा कर्मणि घटोऽठच् । इत्यठजङ्गस्य निमित्तम्, न ठ इति कर्मठ इत्यत्रेकादेशो न भवति Pradī. iv. 199A. 30 (*on* iv. 3.15); LaS'abdeS'e. ii. 224.8.

अठताल (aṭha-tāla) *m.* name of a musical measure (of time) अठतालेन संयुक्तमठतालं प्रचक्षते CaturDa. 3.106.

अठतालक (aṭhatāla-ka) *m.* name of a musical measure (of time) चतुर्दशाक्षरी कालो जातस्तेनाठतालकः CaturDa. 3.108.

अठसुआ (aṭhasuā) name of a village in Unāvisa Pattalā श्रीमज्जयचंद्रदेवो विजयी । उनाविसपत्तलायां । सपाटकअर्हेती – ग्राम – सरसा – ग्राम – अठसुआ – ग्राम निवासिनः EI. iv. 124.20.

अठि (aṭhi) (Gr.) the root *anṭh*- अठि गतौ DhātuPā. 1.280.

अठिद (aṭhida) *m.* [pl.] name of a people [PW, pw, MW]

अठिल्ला (aṭhillā) *f.* Sanskritized name of a Prakrit metre *adillā* [PW, pw, MW, APTE]

अठी (a-ṭhī) *f.* other than the perfect endings [MugdhaBo. 8.2] वेमुदित् ··· निष्कुषोऽखसो रुदुसुनोत्स्वठ्याः MugdhaBo. 8.46 (86.4); 8.100 (95.6); ऊुरस्यठ्याम् MugdhaBo. 9.29 (107.9); 16.4 (121.16).

अठ्ठ (aṭhṭha) *m.* tower प्राकाराट्टप्रतोलीभिः ··· विराजमाना सर्वत्र (अयोध्या नाम पुरी आसीत्) NaraP. 25.5 cf. **अट्ट.**

अठ्यच् (a-ṭhyac) (Gr.) a vowel not belonging to the perfect endings नुण् रधो मुवां नशमस्जो रभलभोऽनठीमच्य् ए त्तस्य अरठ्यचि MugdhaBo. 11.4 (114.7) (Vṛtti रभलभोरठीवर्जेऽचि नुण् स्यात् । अरन्धत् । रधिता)

अड् (aḍ-) I. P. [अड उद्यमे DhātuPā. 1.389; DhātuPra. i. 359 (31.25); DhātuPā.(C.) 1.131; DhātuVr. 1.357] to endeavour, to exert, to attempt विशेषेणाडत्युद्यमं करोतीति व्याडिः Prasā. i. 814.14.

अड् (aḍ-) (Gr.) an artificial term meaning 'in the middle of a metrical foot' pādamardhīya (? pādamadhyīya) घान्तोऽडि विसर्जनीयं यवोहिषु ṚTPrāti. 112 (comm. दीर्घात्परो नकारः पादमर्धीये प्रत्यये विसर्जनीयमापद्यते यवोहिषु प्रत्ययेषु); अडि ṚTPrāti. 143 (comm. पादमर्धीये विसर्जनीयः सकारमापद्यते); अट्पादाद्दरायाः Sāmatantra. i. 10.1.

अड् (aḍ) (Gr.) a primary suffix *-a* applied to roots ending in *ā* आतोऽह्वावामोऽड् S'akaṭāVyā. iv. 3.113 (comm. कर्मणः पराद् ह्वावामावर्जितादाकारान्तादनुपसर्गाद्धातोरड् डित्कारः प्रत्ययो भवति = क P. iii. 2.3 (गोदः); आख्य इति आङ्पूर्वस्य ख्यातेरडि सिद्धिः SyādvāMañ. 29 (45); a secondary suffix *-a* पुत्रेऽर्द्दे मातुः कचोऽड् S'akaṭāVyā. i. 2.126 = मातच् Vār. *on* P. vi. 1.14; अधिकमस्मिन् शतसहस्रे तत्संख्यं शतिशद्दशान्तदड् S'akaṭāVyā. iii. 3.75 = ड P. v. 2.45.

अड (aḍa) *m.* **1** sting of a scorpion अडः वृश्चिकलाङ्गूलम्, तेन च तैक्ष्ण्यं लक्ष्यते PadMañ. on KāśiVr. *on* P. ii. 4.21; **2** effort, exertion (उद्यम), S'abdaRaSaK. 96.1.

अड (aḍa) (Gr.) a secondary suffix अडवू वोपादेः JaineVyā. iv. 1.136; अनुकम्पित उपेन्द्रदत्त उपडः JaineVyā. 263.13 (*on* iv. 1.136) = अडच् P. v. 3.80; वोपादेरडाकौ च SiddhaHe. vii. 3.36.

अडक (aḍaka) *m.* ram, MadaPāNi. 74.22.

अडकवती (aḍakavatī) *f.* name of the capital of the Yakṣas अडकवतीनिवासी दशभूमीश्वरो महावज्रधरः ··· आर्यमैत्रेयादिमहाबोधिसत्त्वगणमेवमित्याद्याहेति पूर्वाचार्याः AbhisaAlaṅĀ. 6.10.

अडक्षीणम् (aḍakṣīṇam) *adv.* [*w.r.* for अपडक्षीणम्] in secret, in seclusion, comm. *on* YaśasCam. ii. 164.13.

अडगौं (aḍagauṁ) *n.* name of a village (Kheṭaka) EI. xxv. 211.35.

अडच् (aḍac) (Gr.) a secondary suffix *aḍá* प्राचामुपादेरडज्वुचौ च P. v. 3.80 (उपडः); अडच् वुच् घन् इलच् ठच् क एते प्रत्ययाः Prasā. i. 931.12.

अडड (aḍaḍa) *n.* (Jain.) a large measure of time चतुरशीत्यडडाङ्गशतसहस्राण्येकमडडम् [JainL.]

अडडाङ्ग (aḍaḍāṅga) *n.* (Jain.) a measure of time made of a large number of *truṭitas* चतुरशीतिमहात्रुटितशतसहस्राण्येकमडडाङ्गम् [JainL.]

अडण्ढण (a-ḍaṇḍhaṇa) *adj.* not fickle, firm कः ··· अटौठीडडण्ढणः SaraKaṇṭhā. 267.8 (comm. अटाः सुभटास्तानोठते बाधते इति क्विप् । तेषामीडीश्वरः । अडण्ढणोऽचपलः । डण्ढणः इत्यव्युत्पन्नं चपलवाचि प्रातिपदिकम्)

अडताल (aḍa-tāla) *m.* name of a musical *tāla* मकरन्दः परो ज्ञेय अडतालश्च षड्विधः S'ārṅgaPa. 2016; 1964.

अडताली (aḍa-tālī) *f.* one of the 120 Deśitālas अड्डताली (v. l. अडताली) दो लघुद्वयम् SaṁgīRa. iii. 158.3 (5.305)

अडतिरिक्त (aḍ-atirikta) *adj.* other than the Pratyāhāra *aṭ* 'आदर्शेन' इत्यादौ तु नातिप्रसङ्गः, अडतिरिक्तव्यवायात् LaS'abdeS'e. i. 190.8.

अडन्तर (aḍantara) *m. n.* a type of *nṛtta* (dance) पुरतोऽपिहितौ पादौ डाण्डुरेवाप्यनन्तरः (? अडन्तरः) NṛttaSaṁ. 286; अडादस्य पदद्वन्द्वं संयोज्य निपतेद्भुवि । अडन्तरमिति प्रोक्तं कोहलेन महात्मना [Bharatakośa 9B. 36]

अडन्तर (aḍ-antara) *adj.* separated by the augment *a* तथोपसर्गात् सुनोति सुवति स्यति स्तौति स्तोभतीनाम् अडन्तरोऽपि । अभिषुणोति KātanVr. iii. 8.26.

अडभाव (aḍ-abhāva) *m.* absence of the augment *a* सत् विद्यमानम् जायत समुत्पन्नम् । अडभावः छान्दसः ChāndoUBh. 344.6 (*on* vi. 2.1); 'बहुलं छन्दस्यमाङ्योगेऽपि' इत्यडभावः Prasā. ii. 705.19.

अडमरीकृत (a-ḍamarīkṛta) *adj.* not made tumultuous (rendered free from disturbance or revolt) अडमरीकृतदिग्वलयः EI. xii. 275.32.

अडम्बर (a-ḍambara) *adj.* without disturbance, silent, peaceful जागर्ति योगनिद्रालुर्यावद्विभमडम्बरः (रामः) RāmC. 9.34.

अडयार (aḍayāra) *m.* name of a village EI. xxiii. 202.8.

अडर्क (aḍarka) *m.* name of a king अलर्कः (v. l. अडर्कः) कक्षसेनश्च MahāBhā. ii. 8.17.

अडविमुष्टूरु (aḍavimuṣṭūru) *m.* name of a village, EI. vii. 83.67.

अडशियमणवाल (aḍaśiyamaṇavāla) *m.* name of a Brahmin, EI. v. 86.169.

अडागम (aḍ-āgama) *m.* the augment *a* आख्यानावयवभूतायाः प्रकृतेरडागमादिकार्यं यथा स्यात् Nyās. i. 516.4 (*on* iii. 1.26); अडागमयुक्तोऽपि आतिदेशिकः Pradī. v. 136A. 4 (*on* vi. 1.135); अगम इति छान्दसेनाडागमेन Loc. 27.17 (*on* 1.5); पञ्चमलकारत्वस्य चाडागमादिचिह्नाभावेनानिश्चयात् NyāySu. (So.) 78.15 (*on* i. 2.22); अडागमस्तु लुङादिविशेषापेक्षत्वाद् बहिरङ्ग इति पूर्वं लादेशो विकरणश्च प्राप्नोति अडागमश्च PadMañ. *on* KāśiVr. *on* P. i. 3.17; न चाडागमप्रवृत्तिकाले नित्यो विकरणः शक्यते प्रवर्तयितुम् । पूर्वमेव नियमेनापसारितत्वात् PariVr.(Sī.) 40.11; 178.5; पश्यतेत्यडागमाभावः (छान्दसः) S'ivārkaMaDī. i. 161.10 (*on* i. 1.3); i. 231.12 (*on* i. 1.17); अत्राडागमस्तु आगम-

शास्त्रस्य अनित्यत्वान्न कृत: SetuBa. 21. 18.

अडाडा (aḍāḍā) *f.* name of a demoness called Ḍhauṇḍhā अडाडेति च का संज्ञा BhaviP. 798A. 8 (iv. 132. 3); अडाडयेति गृह्णाति सिद्धमन्त्रं कुटुम्बिनी । गृहेषु तेन सा लोके ह्यडाडेत्यभिधीयते BhaviP. 798B. 20 (iv. 132. 21)

अडादि (aḍ–ādi) *adj.* **i** augment *a* and other grammatical operations अडादीनां व्यवस्थार्थं पृथक्त्वेन विकल्पनम् । धातूपसर्गयोः शास्त्रे VākyaPa. 2. 182; Pradī. vii. 9. 9 (*on* viii. 1. 1); अडादिप्रसङ्गः प्राप्नोतीत्यादाविष्यर्थः Pradī. iii. 130A. 13 (*on* iii. 1. 90); प्रादीनां धातुगर्भत्वोपगमाच्च यदुक्तवान् । अडादीनां व्यवस्थार्थमित्यादि विदुषां वरः VyaktiVi. 32. 4; उपसर्गात् पूर्वमडादिः स्यात् LaS'abdeS'e. i. 186. 10; **ii** the Pratyāhāra *aṭ* and others अडादिव्यवाये णत्वमनुजानाति नान्यव्यवाये Pradī. vii. 213. 16 (*on* viii. 4. 2)

अडादिक (aḍādi–ka) *adj.* augment *a* and others अडादिकमुपसर्गात् प्राक् च स्यात् VaiyāBhū. 206. 13.

अडारक (aḍāraka) *m.* [*upakādigaṇa*] name of a person, GaṇRa. 1. 29 (59); [pl.] descendants of Aḍāraka अडतीति अडारकः । तस्य अडारकाः । आडारकयः GaṇRa. 1. 29 (59)

अडालज (aḍālaja) *m.* (pl.) name of a people or family of merchants ते च जातास्त्रिधा तात गोभूजाडालजास्तथा । माण्डलीयास्तथा चैते त्रिविधाश्च मनोरमाः SkandP. iii(2). 36. 182; iii(2). 36. 183; वणिजश्चैव···अडालजा माण्डलीयाः गोभूजाश्च पवित्रकाः । ब्राह्मणानां वृत्तिदास्ते ब्रह्मसेवासु तत्पराः SkandP. iii(2). 38. 94.

अडालञ्ज (aḍālañja) *m.* name of a village अन्यमार्गे गता यस्मात्तस्मात्तन्नामसंभवम् । ग्रामं निवासयामासुरडालञ्जमिति क्षितौ SkandP. iii(2). 23. 46.

अडालय (aḍālaya) *m.* (pl.) name of a holy place अडालयेषु ये जाताः शूद्रा आहूय तान्नृपः । निवार्यन्तामिति प्राह वाडवा गमनोद्यताः SkandP. iii(2). 36. 112.

अडालयिजग्राम (aḍālayija–grāma) *m.* the village (called) Aḍālayija अट्टालयाजग्रामे (v. l. अडालयिजग्रामे) मामचैयिष्यन्ति ये जनाः । वत्सेश्वरीं सिताष्टम्याम् SkandP. i(2). 65. 111.

अडालहुरुमयी (aḍālahurumayī) *f.* name of a particular kind of dancing pose अडालहुरुमयी स्खललागनृत्तम् । अडालाद्या हुरुमयी वामपादेन भूतले । यदा तिष्ठेन्निगदिता गणने तण्डुना तदा [Bharatakośa 9B. 1]

अडालिज (aḍālija) *n.* name of the place where the demoness Aṭṭālayā was killed मत्प्रसादात्स राजा वै भवनोत्तापकारिणीम् । अट्टालयां नाम तदा राक्षसीं निहनिष्यति । तस्याश्चापि वधस्थानमट्टालजम् (v. l. अडालिजम्) इति स्थितम् SkandP. i(2). 65. 110.

अडालु (aḍālu) *m.* name of a kind of *nṛtta* (dance) सुलं बद्ध्वा यदोत्प्लुत्य चरणौ पक्षिपक्षवत् । भ्रामयित्वा पतेद्भूमौ तदाडालुरितीरितः NṛttaSaṁ. 277.

अडि (aḍi) (Gr.) **1** suffix *aṭ* सर्त्तेरडिः । सरड् उष्ट्रजातिः SaraKaṇṭhā. (Gr.) ii. 1. 254; **2** root *aḍ*– अडेरुपक्प्रत्यय उपधायाश्चोकारादेशो भवति । उडुपं प्लवः) SaraKaṇṭhā.(Gr.) ii. 2. 215 (comm. अडेरुपक्प्रत्यय उपधायाश्चोकारादेशो भवति । उडुपं प्लवः)

अडिक (aḍika) *m.* [*sutaṅgamādigaṇa*] name of a person, Prasā. i. 762. 7.

अडित्थवत् (a–ḍitthavat) *m.* not possessed of the person called Ḍittha नेदमडित्थवच्छरीरम् । (अ)प्राणादिमत्त्वप्रसङ्गात् NyāyVār. 127. 10 (*on* i. 1. 35)

अडित्थादिनिवृत्ति (aḍitthādi–nivṛtti) *f.* exclusion of absence of Ḍittha and other (individuals) एवं च सर्वात्मकं शरीरं प्राप्नोति किं कारणं अप्राणादिनिवृत्तेरडित्थादिनिवृत्तिप्रतिपादकत्वात् NyāyVār. 127. 9 (*on* i. 1. 35)

अडित्थादिप्रतिषेध (aḍitthādi–pratiṣedha) *m.* negation of the absence of Ḍittha and other (individuals) एवमडित्थादिप्रतिषेधोऽपि वक्तव्यः NyāyVār. 127. 11 (*on* i. 1. 35)

अडिनी (aḍinī) *f.* (tinkling) ornament on the feet, KalpaK. 50. 270; an ornament on the toes [Galanos in PW]

अडिला (aḍilā) *f.* metres Vadanaka and Upavadanaka with rhyme at the end of all four feet or even feet ते यमितेऽन्तेऽडिला । ते वदनकोपवदनके चतुर्णां पादानां द्वयोर्द्वयोर्वान्ते यमकिते सत्यडिला Chandonu. 5. 30.

अडिहनंबि (aḍihanambi) *m.* name of a Brahmin अडिहनंबिचतु[र्व्वे]दिभट्टः श्रीवेदव्यासभट्टः । इति कौशिकगोत्रजाः । अष्टोत्तरचत्वारिंशत् EI. v. 84. 129.

अडुखली (aḍukhalī) *f.* name of one of the Samaskhalita forms of the beating of the musical drum (Mṛdaṅga) with the hands and consisting of the production of the eight sounds *di gi na gi di gi na gi* समस्खलितकस्याद्यः समस्खलितसंज्ञकः । विकटः सदृशः पाटखली चाडुखली ततः । अनुच्छलस्तथा खुत्तो मेदाः सप्तेति सन्त्यमी SaṁgīRa. iii. 398. 3 (6. 838); तझें तझें झें इति समस्खलितः ··· दिगिनगि दिगिनगि इत्यडुखली SaṁgīRa. iii. 402. 8 (6. 851)

अडुस्खलित (aḍuskhalita) *m.* beating of the musicul drum (Mṛdaṅga) producing the sounds *di gi na gi di gi na gi*, see **अडुखली,** दिगिनगि दिगिनगि इत्यडुखली अडुस्खलितो वा SaṁgīRa. iii. 402. 8 (6. 851)

अडू (aḍū) *m./f.* boat, raft अणो डश्च । अडूर्जलप्लवद्रव्यम् SiddhāKau. 522B. 4, cf. **आडू.**

अडेयार (aḍeyāra) *m.* name of a district श्रीनन्दिवर्मेण अडेयारराष्ट्रिरकाञ्चिवाल्याम आरण्यक्षेत्रचतुष्टयं च···कुलशर्मणे···दत्वा EI. iii. 146. 11.

अड्ग्रहण (aḍ–grahaṇa) *n.* mention of the Pratyāhāra *aṭ* हकारस्य परोपदेशेऽड्ग्रहणेषु ह्ग्रहणम् Vār. 1 *on* S'ivSū.(Gr.) 5; अड्ग्रहणं च श्रुतत्वात् दृशेरेव विशेषणं नेक: Pradī. vi. 16. 16 (*on* vii. 1. 6); vii. 213. 19 (*on* viii. 4. 2)

अड्ड (aḍḍ–) I. P. [JaineVyā. v. 4. 120; KātanVṛ. *on* ii. 4. 46; KāśiVṛ. *on* P. viii. 4. 41] **i** to attack अद्ड अभियोग इत्यत्र यः संयोगः स दकारादिः । तस्य ष्टुत्वेन दकारस्य डकारः Nyās. ii. 201. 17 (*on* vi. 1. 3); iii. 1130. 6 (*on* viii. 4. 41); सारोऽसिण्डौकितधनुर्विश्वमट्टितुमड्डति DvyāśraKā. 1. 125 (comm. अड्डति उद्यच्छति); अड्ड अभियोगे । अड्डति DhātuPra. 1. 350 (31. 13); अड्ड अभियोगे । अड्डयतेऽनेन अड्डनम् AbhidhāCin. 783 (comm.); KāvyKaVṛ. 92. 27 (3. 5); PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. vi. 1. 3; *on* P. viii. 4. 41; PrakriKau. ii. 304. 4; KośaKaTa. 2. 1042; **ii** to hurt or injure, to kill अड्ड अतिक्रमहिंसयोरिति पठन्ति AbhinBhā. ii. 100. 7 (*on* 10. 23); **iii** to overpower, to transgress, AbhinBhā. ii. 100. 7 (*on* 10. 23); **iv** to bind अड्ड बन्धने KāvyKaVṛ. 92. 27 (3. 5); [to infer, argue [MW, APTE]; to join [MW, APTE]; to meditate, to discern [MW, APTE]; to pacify (*samādhāne*) [Durgādāsa quoted in PW]; to connect in all parts (*samantād yoge*) [Govindabhaṭṭa quoted in PW]]

अड्डकलिगच्छ (aḍḍakaligaccha) *m.* name of a particular family अड्डकलिगच्छनामा वलहारिगणप्रतीतविख्यातयशा[:] EI. vii. 187. 50.

अड्डचल (aḍḍacala) *m.* part of the plough [APTE]

अड्डचल्ल (aḍḍacalla) *m.* pin of the yoke ईषायुगहलस्थाणुर्नियोलस्तस्य पाशिका: । अड्डचलश्च शौलश्च पचनी च हलाष्टकम् KṛṣiPa. 112.

अड्डताल (aḍḍa–tāla) *m.* name of a particular musical time measure, cf. **अड्डताली,** अड्डतालस्ततो रास एकतालीत्यसौ मतः SaṁgīRa. ii. 336. 2 (4. 314); ii. 340. 7 (4. 348)

अड्डतालिका (aḍḍa–tālikā) *f.* name of a particular musical time measure, cf. **अड्डताली,** रासयतिलम्बाड्डतालिकाः । एकतालीत्यमी ताला झोम्बडे नियता दश SaṁgīRa. ii. 260. 6 (4. 157); iii. 137. 14 (5. 251)

अड्डताली (aḍḍa–tālī) *f.* name of a particular musical time measure अड्डताली दो लघुद्वयम् । इय(? म)मेवोचिरे तालं केचित् त्रिपुटसंज्ञया SaṁgīRa. iii. 158. 3 (5. 305)

अड्डदिण्ड (aḍḍadiṇḍa) *n.* name of a *deśī nṛtta* दाण्टपादस्य संलग्नं जानुमूर्ध्नि पदं परम् । तिर्यक् प्रसारणे लग्नाद्वलनद्वितयं भवेत् । अड्डदिण्डमिति प्रोक्तं नाम ध्वाडविशारदैः [Bharatakośa 9B. 10.]

अड्डन (aḍḍana) *n.* **1** shield, AbhidhāCin. 783; Vaija. 120. 200; ParaNā. 2415; KośaKaTa. 1. 6295; **2** act of attacking अड्डनं त्वड्डने भवेत् । अर्थे सोऽप्यति(? भि)योगः स्याच्छस्त्राणां च निवारणे । वेत्रादिरचिते खेटभेदे NānārthaSaṁ. ii. 33. 5.

अड्डनिका (aḍḍanikā) *f.* upholstered seat तीर्थेऽत्र नोपवेष्टव्यं परेणाप्यासनादिके । स्वापस्तल्पे विधेयो न मुक्तौ नाड्डनिका तथा PrabhāC. 195. 10.

अड्डपल्यान (aḍḍapalyāna) *n.* a kind of saddle used in the Lāṭa country लाटानां यानि अड्डपल्यानानि तान्यन्यविषयेषु ··· अभिधीयन्ते AupaSūṬ. 112. 8; JñātāDhaṬ. 43B. 14.

अड्डय् (aḍḍay–) I. P. [caus.] to cause to attack आड्डिडत् MugdhaBo. 18. 1 (123. 5); SiddhāKau. 429B. 11.

अड्डस्खलितिका (aḍḍaskhalitikā) *f.* name of a type of *deśī bhaumicārī* in dance (stumbling of the feet obliquely) रथचक्रा परावृत्ततला ··· अड्डस्खलितिका परा ··· पञ्चत्रिंशदितीरिताः । इति देशीचारीषु भौम्यः SaṁgīRa. iv. 281. 6 (7. 912); स्खलितोऽङ्घ्रिर्यत्र तिर्यगड्डस्खलितिका तु सा Nṛtyā. 1075; अड्डस्खलितिका तिर्यक् स्खलिते चरणे भवेत् NṛtyaK. ii. 3. 41.

अड्डा (aḍḍā) *f.* attack अड्ड अभियोगे ।···अड्डा DhātuPra. 1. 350 (31. 13)

अड्डाण (aḍḍāṇa) *m.* name of a particular *rāga* पूर्णोऽड्डाणः पाद्यो धांशः सन्यास उल्लसेद्रात्रौ RāgVi. 4. 42 (comm. पाद्यः पञ्चमग्रहः । धांशो धैवतांशः । सन्यासः षड्जन्यासः । रात्रौ गेयेति शेषः । अयं कर्णाटमेले)

अड्डाणक (aḍḍāṇa–ka) *n.* shield विशोपकैकचणकान् कड्डवणिज आपणे ।

क्षुधार्त्तो भक्षयित्वासौ खड्गमड्डाणकं ददौ KumāDeC. 3.21; KumāPraPra. 45.20.

अड्डावज (aḍḍāvaja) *m.* name of a musical instrument (also called *deśīpaṭaha*) देशीपटहमेवाहुरिममड्डावजं जनाः SaṁgīRa. iii. 395.4 (6.824)

अड्डिडिष (aḍḍiḍi-ṣa) I. P. [desid.] to desire to attack etc. अड्डिडिषति KātanVr. *on* iii. 3.3; DhātuPra. 1.350 (31.13); KāśiVr. *on* P. vi. 1.3.

अड्डित (aḍḍita) *n.* name of one of the Bhauma (earthly) *maṇḍalas* (combination of Cārīs) चारीसंयोगजानीह मण्डलानि निबोधत।··· मण्डलानि द्विजश्रेष्ठा भूमिगानि निबोधत। भ्रमरास्कन्दिते ··· अड्डितं शकटास्यं च NāṭyaŚā. 11.5; मण्डलानि दशान्यानि···भौमानि···अड्डितं शकटाव्यं(? स्यं) च तथाहार्यमिति स्मृतम् ViṣṇuDhaP. iii. 20.27; चारीचयविशेषः प्राङ्मण्डलं प्रतिपादितम्। तद्भेदानधुना धीमान् वक्ति श्रीकरणाग्रणीः। भ्रमरास्कन्दितावर्तशकटास्यानि चाड्डितम् SaṁgīRa. iv. 348.1 (7.1143); वाममड्डितमन्यत्तु कुर्यादध्यर्द्धिकं ततः। वामं तु भ्रमरं चान्यत् स्पन्दितं तेन भूतलम्। यस्मिन्नास्फालयेदेतत् परिकीर्तितमड्डितम् NrttaRa. 3.154; उद्घट्टितोऽथ बद्धः स्यात् समोत्सरितपूर्वकः।··· दक्षिणो यदि पादः स्यादड्डितं मण्डलं तदा Nrtyā. 1569; उद्घाटितस्ततो बद्धः समोत्सारितपूर्वकः। मत्तल्लिरर्धमत्तल्लिरपक्रान्ताभिधस्ततः। उद्वृत्तो विद्युद्भ्रान्तश्च भ्रमरः स्पन्दितस्तथा। दक्षिणो वामपादस्तु शकटास्यः परः पुनः। द्विः स्याचाषगतिर्वामोऽड्डितोऽध्यर्धिकतां गतः। तथा चाषगतिर्दक्षः समोत्सरितमत्तल्लिः। मत्तल्लिर्भ्रमरश्चैव वामोऽथो दक्षिणः पुनः। स्पन्दितां चारिकां कृत्वा भूतटास्फोटनं यदा। कुरुते प्राहुराचार्यास्तदा मण्डलमड्डितम् NrtyaK. ii. 4.22; *m.* name of one of the ways of playing the musical drum (Mrdaṅga) अड्डितालिप्तमार्गौ तु वितस्ता गोमुखी तथा। मार्गाश्चत्वारः···प्रहारकरणाश्रयाः NāṭyaŚā. 34.48; *adj.* (the foot-posture) in the *aḍḍitā cārī* आद्यो भ्रमरकः कार्यो वामश्चैवाड्डितो भवेत् NāṭyaŚā. 11.47; वामोऽड्डितोऽध्यर्धिकश्च क्रमाचाषगतिः परः Nrtyā. 1568; द्विः स्याचाषगतिर्वामोऽड्डितोऽध्यर्धिकतां गतः NrtyaK. ii. 4.21.

अड्डित (aḍḍ-ita) *adj.* attacked अन्योऽन्यमपि यावदड्डितौ द्वौ तावद् भट्टैरन्तरा प्रविश्य मेलः कृतः PrabaK. 106.25; 108.24.

अड्डितमण्डल (aḍḍita-maṇḍala) *n.* name of a particular Maṇḍala (a group of *cārīs*) in dance सव्यमुद्घट्टितं कृत्वा तेनैवावर्तमाचरेत्। तेनैवास्कन्दितः कार्यः शकटास्यश्च वामकः। आद्यः पृष्ठापसर्पी च स च चाषगतिर्भवेत्। अड्डितश्च पुनर्वाम आद्यश्चैवापसर्पितः। वामो भ्रमरकः कार्यः आद्य आस्कन्दितो भवेत्। तेनैवास्फोटनं कुर्यादितदड्डितमण्डलम् NāṭyaŚā. 11.61.

अड्डितमार्ग (aḍḍita-mārga) *m.* **i** a manner of playing the drum (Mrdaṅga) तत्र किङ्क(त्राङ्किक)मृदङ्गप्रहारयुक्तोऽड्डितमार्गः··· तत्राड्डित(ता)प्रहारजातम्। मटकटथिधधटघेधोधहमंधि धंधनधिधि इत्यड्डितामार्गः NāṭyaŚā. 34.49; **ii** a particular type of Dhruvā song अड्डिता ध्रुवा (ध्रुवाध्यायोक्ता) शृङ्गारविषयका तत्रोचितेति कृत्वा अड्डितमार्गः Bharatakośa 9B.34.

अड्डिता (aḍḍitā) *f.* **i** name of a kind of Cārī (i.e. when one foot is at rest and the other foot rubs against its fore-part and hind-part rests on the fore-foot and this is repeated with the legs inter-changed) अग्रतः पृष्ठतो वापि पादोऽग्रतलसंचरः। द्वितीयपादनिर्घृष्टो यस्यां स्यादड्डिता तु सा NāṭyaŚā. 10.23; 10.9; अड्डिता चात्रादौ चारी AbhinBhā. i. 119.12 (*on* 4.114); भौमी चाकाशिकीत्येषा द्वेधा भौम्योऽत्र षोडश। समपादा स्थितावर्ता··· अड्डिता SaṁgīRa. iv. 279.4 (7.903); समस्थितस्य पादस्य द्वितीयस्तलसंचरः। अग्रे पृष्ठे च सुश्लिष्टः क्रमात् सा चाड्डिता मता NrttaRa. 3.33; समाङ्घ्रेः पुरतः साक्षादन्योऽग्रतलसञ्चरः। निघृष्टोऽङ्घ्रिः क्रमाद् यत्र सा धीरैरड्डिता मता Nrtyā. 991; अग्रेण चाथ पृष्ठेन यत्राग्रतलसञ्चरम्। ताडयेच्चरणं पादः समः सोक्ताड्डिताभिधा NrtyaK. ii. 2.32; **ii** name of a type of Dhruvā song चतुर्भिः संनिपातैश्च चतुरश्रा प्रमाणतः। आद्यमन्त्यं चतुर्थं च पञ्चमं च तथा गुरु। यस्यां ह्रस्वानि शेषाणि सा ज्ञेया त्वड्डिता बुधैः NāṭyaŚā. 5.123; 5.121; 5.187; 5.190; 5.214; 32.11; 32.329; अड्डिता जातिरिति AbhinBhā. i. 239.18 (*on* 5.116); सापेक्षभावरूपं संविद्विकाससुन्दरं रसमाश्रयत्यड्डिता AbhinBhā. iv. 365.25 (*on* 32.329)

अड्डिताप्रहार (aḍḍitā-prahāra) *m.* a manner of playing the drum producing particular sounds तत्राड्डित(ता)प्रहारजातम्। मटकटथिधधटघेधोधहमंधि धंधनधिधि इत्यड्डितामार्गः NāṭyaŚā. 34.50.

अड्डितामार्ग (aḍḍitā-mārga) *m.* a method of playing the drum producing certain particular sounds तत्राड्डित(ता)प्रहारजातम्। मटकटथिधधटघेधोधहमंधि धंधनधिधि इत्यड्डितामार्गः NāṭyaŚā. 34.50.

अड्डितावाद्य (aḍḍitā-vādya) *n.* playing the drum in *aḍḍitā* manner producing particular sounds दाधदद्थिमटां धीमटां दिथिथिङ्कं थिङ्काथितांङ्काथिकटाम्। कटथिमटां खोखोघेटामड्डितावाद्यम् NāṭyaŚā. 34.55.

अड्यालय (aḍyālaya) *m.* name of holy place इत्थमट्टालये (v.l. अड्यालये) वासो लोहाणे च भविष्यति SkandP. i(2). 65.113.

अड्व्यवधान (aḍ-vyavadhāna) *n.* intervention by the augment *aṭ* सेवासितेत्यत्र सितशब्दात् प्राग्ये सुनोत्यादयस्तेषामड्व्यवधानेऽपि षत्वं स्यात्। न्यषेधत् PrakriKau. ii. 58.2.

अड्व्यवाय (aḍ-vyavāya) *m.* **A** intervention by the augment *aṭ* प्राक् सितादड्व्यवायेऽपि P. viii. 3.63; viii. 3.71; viii. 3.119; स्तुस्वञ्जसिवादीनां वाड्व्यवाये CāndraVyā. vi. 4.56; अड्व्यवायेऽभ्यासव्यवाये सुट् कात् पूर्वो भवति KāśiVr. *on* P. vi. 1.136; परिनिविभ्यः परेषां सिवसहसुट्स्तुस्वञ्जामड्व्यवायेऽपि वा षत्वं स्यात्। झलो झलि। न्यस्वङ्क। न्यष्वङ्क PrakriKau. ii. 137.4; ii. 263.9; सितशब्दात् प्राग् ये सुनोत्यादयस्तेषामड्व्यवायेऽपि षत्वं स्यात् SiddhāKau. 354B.6; **B** intervention by the vowels or semi-vowels (except *l*) or *h* (included in the Pratyāhāra *aṭ*) अड्व्यवाये तावत्। करणम्···गिरिणा KāśiVr. *on* P. viii. 4.2; अत्राड्व्यवायेऽपि णत्वं स्यादिति Prasā. i. 14.12.

अढ (a-ḍha) *adj.* **1** (verb) without an object (*ḍha*) (i.e. intransitive) देशाध्वकालभावं वाढैः MugdhaBo. 5.3 (45.15); 5.5 (46.1); 19.13 (128.7); **2** other than the object ढवड़ ढ्योऽढे MugdhaBo. 24.8 (142.15); 26.87 (159.12); **3** other than the (*taddhita*) suffix *ḍha* तत्र ह्यढ इति किमित्युक्त्वा श्यैनेयो रौहिणेय इति प्रत्युदाहृतम् PariVr.(Sī.) 132.22; भस्याढे तद्धिते। पुंवद्भावः। हास्तिनीनां समूहो हास्तिनम् PrakriKau. i. 586.4; LaŚabdeŚe. ii. 98.1; ii. 232.11.

अढवीज (aḍhavīja) *m.* name of a merchant caste येऽभूवन्गोभुजाः पुरा। तेषां मध्यात्तु संजाता अढवीजा वणिग्जनाः SkandP. iii(2). 38.48.

अढूजी (aḍhūjī) *m.* name of a Jain merchant श्रीगंधारवास्तव्यप्राग्वंशज्ञातीय। संघवी श्रीजावडा सुत सं. श्री[सीपा]भार्या बाई॥ गिर [सुनाम्ना सुत। सं] जिवंत भातृ। सं। काउजी। सं। अ[ढू]जी प्रमुख[स्व]कुटं(?टुं)बेन युतः EI. ii. 49.5.

¹अण् (aṇ-) I. P. [अण··· शब्दार्थाः DhātuPā. 1.471; अण रण इति शब्दार्थः Nyās. ii. 322.10 (*on* vi. 1.203); अणेरणति शब्दार्थे DaivaVyā. 92; DhātuPra. 1.444 (37.6); SiddhāKau. 367A.1; अणति KośaKaTa. 2.2095; used for etymology only] to sound, to speak अणश्च Uṇā. 1.8 = SaraKaṇṭhā.(Gr.) ii. 1.8; यस्मात्पुरा ह्यणंतीदं पुराणं तेन चोच्यते BrahmāṇḍP. iii. 4.54; धात्वादेरित्येव। अणति KāśiVr. *on* vi. 1.65; अणुः···अणति नदति ParāTri. 256.5; अथवा - अण रणेति धातोरणः शब्दः PrabhāC. 57.26; अपि तु ब्रह्म वेदानणति शब्दायते व्याहरतीति यावत्। स ब्रह्माणः LalitāSaBh. 14.21 (*on* 34); शुभात्मिका वाणी कल्या तामेवाणति शब्दायतेऽसौ कल्याणी LalitāSaBh. 90.16 (*on* 124)

²अण् (aṇ-) IV. A. [cerebralisation of *an*-; MAYR. 1. p. 26 / अण··· प्राणने DhātuPā. 4.66; प्राणने त्वण्यते इयनि DaivaVyā. 92; cf. *an*-, अन इति दन्त्यान्त्योऽयमित्येके SiddhāKau. 404A.10; SiddhāKau. gives the forms अण्यते, आणे, अणिता] to breathe अणुः - अण्यते प्राणिति ParāTri. 256.5.

³अण् (aṇ-) II. P. [cerebralisation of *an*-] to breathe प्रकर्षेण अणिति क्षितिं लभते तस्मिन् कृत्स्नं जगदिति प्राणः BrahmSūBh.(Bhā.) 31.25 (*on* i. 1.23)

⁴अण् (aṇ) (Gr.) **1** a technical term (Pratyāhāra) of Grammar standing for the vowels *a*, *i* and *u* (based on ŚivSū.(Gr.) 1 and formed according to P. i. 1.71) उरण् रपरः P. i. 1.51; ऋकोऽणो रलौ CāndraVyā. i. 1.15 = SaraKaṇṭhā.(Gr.) i. 2.37; ढ्लोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः P. vi. 3.111; JaineVyā. iv. 3.216; ढ्लुपेऽणः CāndraVyā. v. 2.137; ढ्लुच्यणः ŚākaṭāVyā. i. 1.80; अचश्चेत्येवं सिद्धयोर्ह्रस्वदीर्घयोर्यदण्ग्रहणं करोति तस्यैतत्प्रयोजनमनचोऽप्यणे दीर्घह्रस्वौ यथा स्याताम् PariVr.(Sī.) 2.7; PrakriKau. i. 900.4; केऽणः P. vii. 4.13; CāndraVyā. vi. 2.70; के परेऽणो ह्रस्वः स्यात् PrakriKau. i. 935.4; ii. 408.4; अणोऽप्रगृह्यस्यानुनासिकः P. viii. 4.57; अणोऽनुनासिकः CāndraVyā. vi. 4.150; विरामेऽगिदनाङ्चाचण् वानुनासिकः ŚākaṭāVyā. i. 1.68; शासेरिदुपधाया अणव्यञ्जनयोः Kātan. iii. 4.48; मोऽणोऽमः ŚākaṭāVyā. i. 2.36; आण्जश्रज्झ्प्सः ŚākaṭāVyā. iv. 1.77; AgniP. 348.3; **2** a technical term (Pratyāhāra) of Grammar standing for all the vowels, semi-vowels and *h* (based on ŚivSū.(Gr.) 1–6 and formed according to P. i. 1.71) अणुदित्सवर्णस्य चाप्रत्ययः P. i. 1.69; अणुदित् स्वस्यात्मनाभाव्योऽतपरः JaineVyā. i. 1.72; अविधीयमानोऽण् ससवर्णः SaraKaṇṭhā.(Gr.) i. 2.4; PariVr.(Sī.) 23.4; PrakriKau. i. 24.4; अणमुद्दिश्य सवर्णबोधकतात्र विधीयते LaŚabdeŚe. i. 38.4.

⁵अण् (aṇ) (Gr.) *kṛt* suffix *a* causing *vṛddhi* (P. vii. 2.115), with accent on the initial syllable of the first member of the compound in certain cases (P. vi. 2.75–78) and feminine suffix *ī* (*ṅīp*) (P. iv. 1.15) expressing: **A** agent (when the first member of the compound expresses the

object of the action) कर्मण्यण् P. iii. 2. 1 = Kātan. iv. 3. 1 = JaineVyā. ii. 2. 1 = SaraKaṇṭhā. (Gr.) i. 4. 1; P. iv. 1. 15; vi. 2. 75; कर्मणोऽण् S'ākaṭāVyā. iv. 3. 100 = SiddhaHe. v. 1. 72 (कुम्भकारः); क्षेमप्रियमद्रेऽण् च P. iii. 2. 44; Kātan. iv. 3. 42; JaineVyā. ii. 2. 42; SaraKaṇṭhā. (Gr.) i. 4. 57; अणि स्युः कुम्भकाराद्याः AgniP. 358. 8; ManvaMu. 138. 8 (3. 264); **B** agent (when the first member of the compound expresses the object of a future action which is indicated by the mention of another action) अण् कर्मणि च P. iii. 3. 12 (काण्डलावो व्रजति); कर्मणि चाण् Kātan. iv. 4. 71 = JaineVyā. ii. 3. 10 = SaraKaṇṭhā. ii. 4. 18; कर्मणोऽण् S'ākaṭāVyā. iv. 4. 185 = SiddhaHe. v. 3. 14

[6]**अण्** (aṇ) (Gr.) **A** *taddhita* suffix *a* causing lengthened grade of the first syllable (*ac*) and with fem. ending in -ī (*ṅīp*), used in various meanings as (patronymic) शिवादिभ्योऽण् P. iv. 1. 112 = JaineVyā. iii. 1. 101 = CāndraVyā. ii. 4. 41; S'ākaṭāVyā. ii. 4. 46 (शैवः); द्व्यञ्मगधकलिङ्गसूरमसादण् P. iv. 1. 170; JaineVyā. iii. 1. 152; CāndraVyā. ii. 4. 100; S'ākaṭāVyā. ii. 4. 100; SiddhaHe. vi. 1. 116 (आङ्गः); वाणपत्ये Kātan. ii. 6. 1 (औपगवः); (coloured with) रागात् ... एवमादेरणिष्यते Kātan. ii. 6. 7 (cf. P. iv. 2 51) (काषायम्); (season connected with) नक्षत्रयोगाच्च Kātan. ii. 6. 7 (cf. P. iv. 2. 3) (पौषः); (seen by) डिद्वाण् SiddhaHe. vi. 2. 136 (cf. P. iv. 2. 7); (belonging to the deity) महेन्द्राद् घाणौ च P. iv. 2. 29; JaineVyā. iii. 2. 24 (माहेन्द्रम्); (collection) भिक्षादिभ्योऽण् P. iv. 2. 38 = CāndraVyā. iii. 1. 44 (भैक्षम्) (battle concerned with) सङ्ग्रामे प्रयोजनयोद्धृभ्यः P. iv. 2. 56 (सौभद्रः भारतः); (*cāturarthika*) सुवास्त्वादिभ्योऽण् P. iv. 2. 77 (सौवास्तवम्); कोपधाच्च P. iv. 2. 79 (कार्कवाकवम्); (born in) कोपधादण् P. iv. 2. 132; JaineVyā. iii. 2. 110; CāndraVyā. iii. 2. 47; S'ākaṭāVyā. iii. 1. 47; SiddhaHe. vi. 3. 56 (आर्षिकः); अणञौ च P. iv. 3. 33; JaineVyā. iii. 3. 4; S'ākaṭāVyā. iii. 1. 91; SiddhaHe. vi. 3. 101 (आपकरः); (produced in) ग्रीवाभ्योऽण् च P. iv. 3. 57; JaineVyā. iii. 3. 32; CāndraVyā. iii. 3. 20 (ग्रैवम्); P. iv. 4. 112; ग्रामराष्ट्रयोरणठञौ JaineVyā. iii. 2. 127; CāndraVyā. iii. 2. 69 (= *añ* of P. iv. 3. 7) (पौर्वार्द्धः); (explanation of) छन्दसो यदणौ P. iv. 3. 71; CāndraVyā. iii. 3. 44; (छान्दसः); अणृगयनादिभ्यः P. iv. 3. 73; JaineVyā. iii. 3. 47 (आर्गयनः); शिक्षादेश्चाण् S'ākaṭāVyā. iii. 1. 136; SiddhaHe. vi. 3. 148; (coming form) शुण्डिकादिभ्योऽण् P. iv. 3. 76 = JaineVyā. iii. 3. 50 = CāndraVyā. iii. 3. 48; S'ākaṭāVyā. iii. 1. 163; SiddhaHe. vi. 3. 154 (शौण्डिकः); (a citizen of) सिन्धुतक्षशिलादिभ्योऽणञौ P. iv. 3. 93; JaineVyā. iii. 3. 67; CāndraVyā. iii. 3. 61 (सैन्धवः); (belonging to) सङ्घाङ्कलक्षणेष्वञ्यञिञामण् P. iv. 3. 127; JaineVyā. iii. 3. 95 (बैदः); आथर्वणिकस्येकलोपश्च P. iv. 3. 133; CāndraVyā. iii. 3. 81 (आथर्वणः); (modification or member) बिल्वादिभ्योऽण् P. iv. 3. 136; P. iv. 3. 152 = CāndraVyā. iii. 3. 106; P. iv. 3. 164 = JaineVyā. iii. 3. 122 (बैल्वम्, प्लाक्षम्); (seasoned with) कुलत्थकोपधादण् P. iv. 4. 4; JaineVyā. iii. 3. 129; CāndraVyā. iii. 4. 4; S'ākaṭāVyā. iii. 2. 4; SiddhaHe. vi. 4. 4 (कौलत्थम्); (duty) अण् महिष्यादिभ्यः P. iv. 4. 48; JaineVyā. iii. 3. 169 (माहिषम्); (skilful in) मड्डुकझर्झरादणन्यतरस्याम् P. iv. 4. 56; CāndraVyā. iii. 4. 58; SiddhaHe. vi. 4. 58 (माड्डुकः); (bought with) शतमानविंशतिकसहस्रवसनादण् P. v. 1. 27; CāndraVyā. iv. 1. 30; S'ākaṭāVyā. iii. 2. 129 (साहस्रकम्); P. v. 1. 36; JaineVyā. iii. 4. 34; (given at) व्युष्टादिभ्योऽण् P. v. 1. 97; JaineVyā. iii. 4. 90 (वैयुष्टम्); (which is due) ऋतोरण् P. v. 1. 105; CāndraVyā. iv. 1. 124; S'ākaṭāVyā. iii. 2. 114 (आर्तवम्); (purpose) विशाखाषाढादण् मन्थदण्डयोः P. v. 1. 110 (वैशाखः); चूडादिभ्योऽण् CāndraVyā. iv. 1. 130 = SiddhaHe. vi. 4. 119 (चौडम्); (state or action) हायनान्तयुवादिभ्योऽण् P. v. 1. 130; JaineVyā. iii. 4. 120 (यौवनम्); (measure) पुरुषहस्तिभ्यामण् च P. v. 2. 38; CāndraVyā. iv. 2. 40; SiddhaHe. vii. 1. 41 (पौरुषम्); (possessor of) विमुक्तादिभ्योऽण् P. v. 2. 61 = CāndraVyā. iv. 2. 155; S'ākaṭāVyā. iii. 3. 177 (वैमुक्तः); अण् च P. v. 2. 103; JaineVyā. iv. 1. 30; P. v. 2. 114; S'ākaṭāVyā. iii. 3. 130 = SiddhaHe. vii. 2. 34; (like) शर्करादिभ्योऽण् P. v. 3. 107 = CāndraVyā. iv. 3. 84; SiddhaHe. vii. 1. 118 (शार्करम्); (pleonastic) पर्श्वादियौधेयादिभ्यामणञौ P. v. 3. 117; JaineVyā. iv. 2. 6 = SiddhaHe. vii. 3. 66 (पार्शवः); अणिनुणः P. v. 4. 15; JaineVyā. iv. 2. 21 (सांराविणम्); P. v. 4. 36 = JaineVyā. iv. 2. 42; SaraKaṇṭhā. (Gr.) v. 4. 40; P. v. 4. 38; S'ākaṭāVyā. iii. 4. 132 = SiddhaHe. vii. 2. 165; (food mostly consisting of) कुल्माषादण् JaineVyā. iv. 1. 15 = CāndraVyā. iv. 2. 88 = SiddhaHe. vii. 1. 195 (कौल्माषी) (= *añ* of P. v. 2. 83); (*śaiṣika* or remaining meanings) प्रस्थोत्तरपदपलद्यादिकोपधादण् P. iv. 2. 110; सन्धिवेलाद्यृतुनक्षत्रेभ्योऽण् P. iv. 3. 16; JaineVyā. iii. 2. 137; बाहीकादिभ्योऽण् CāndraVyā. iii. 2. 20; मद्रेभ्योऽण् JaineVyā. iii. 2. 85 (= *añ* of P. iv. 2. 108); (student of) तद्वेत्त्यधीते Kātan. ii. 6. 7 (वैयाकरणः) (cf. P. iv. 2. 59); **B** words ending in *aṇ* टिड्ढाणञ्द्वयसज्दघ्नञ्मात्रच्तयप्ठक्ठञ्कञ्क्वरपः P. iv. 1. 15; CāndraVyā. ii. 3. 171; अणिञोरनार्षयोर्गुरूपोत्तमयोः ष्यङ् गोत्रे P. iv. 1. 78; CāndraVyā. ii. 3. 82; SiddhaHe. ii. 4. 78; अणो द्व्यचः P. iv. 1. 156; JaineVyā. iii. 1. 143 = S'ākaṭāVyā. = ii. 4. 85; P. v. 3. 118.

[7]**अण्** (aṇ) (Gr.) *āgama* (infix) *a* to be inserted after the final vowel of the stems *anaḍuh* and *catur* before the vocative singular suffix (*am* of P. vii. 1. 99) अनडुच्चतुरोऽणाणौ धिध्योः MugdhaBo. 3. 104 (26. 14)

[8]**अण्** (aṇ) (Gr.) aorist marker *a* अण् असुवचिख्यातिलिपिसिचिह्वः Kātan. iii. 2. 27; iii. 6. 11; iii. 6. 94 = अङ् P. iii. 1. 52.

अण (aṇ-a) *m.* sound अण रणेति धातोरणः शब्दः PrabhāC. 57. 26; प्रकृष्टोऽणः शब्दो वेदरूपः LalitāS'aBh. 168. 11 (*on* 207)

अण (-aṇa) (Gr.) suffix set up to derive a few words like *ogaṇa, lavaṇa, ambhraṇa* [DEBRU. p. 158]

अणंश (aṇ-aṁśa) *m.* the part (portion) *aṇ* अणंशेऽपि तदप्रवृत्तेः La-S'abdeS'e. ii. 210. 11.

अणक् (aṇak) (Gr.) suffix *ana* (= ana) अङ्गितङ्गिकङ्किमङ्क्किपिवृषिभ्योऽणक् SaraKaṇṭhā. (Gr.) ii. 2. 124 cf. **अणच्**

अणक (aṇaka) *n.* sorrow इदमणकमिहैकं मे कृशाङ्गत्वहेतुः कुसचिववशवृत्तिर्भूपतिश्च द्वितीयम् YaśasCam. i. 421. 3 (comm. अणकं दुःखम्); *m.* a kind of bird [APTE]

अणक (aṇaka) *adj.* **1** insignificant, contemptible पापाणके कुत्सितैः P. ii. 1. 54; GaṇPā. 25. 11; JaineVyā. i. 3. 49; कुपूयकुत्सितावद्यखेटगर्ह्याणकाः समाः AmaK. 2133; अर्वाणमणकम् ... निकृष्टम् ... । अधमम् ... प्राहुः Abhidhā-RaMā. 2. 182; तत्र चिह्नचिकिताणकैकलोचनायाम् ... परुषतरुतनुपृषत्याम् ... पृषतेन गर्भावासविषयतां नीतः YaśasCam. ii. 202. 3; गर्ह्ये ... °निकृष्टाणककुत्सिताः Vaija. 207. 75; निकृष्टमणकं गर्ह्यमवद्यं काण्डकुत्सिते AbhidhāCin. 1442; अणकम् अधमम् GaṇRa. 4. 302(341); कुपूयः क(? कु)त्सितः ... अवद्योऽवरोऽणका(? कः) S'abdaRa. (Vā.) 3169; अप्रधानाधमे गर्ह्यमणकं कुत्सितं पुनः ParaNā. 1509; KalpaK. 225. 104; **2** making noise [अण रण वण ... शब्दार्थाः ... आणकः । अणः । अणकः DhātuPra. 1. 444 (37. 7)] अणकैश्च शिलाधौतैर्वज्राशनिविषोपमैः । शरैर्निजघ्निवान् पार्थो महेन्द्र इव दानवान् MahāBhā. viii. 14. 15.

अणककुलाल (aṇaka-kulāla) *m.* contemptible potter पापाणकशब्दौ कुत्सनाभिधायिनौ ... अणककुलालः KāśiVṛ. *on* P. ii. 1. 54; SiddhāKau. 176B. 5.

अणकनरेन्द्र (aṇaka-narendra) *m.* **A** vile master of charms क्रियेतास्याणकनरेन्द्रस्य केनचिदनन्तशक्तिना सिद्धयन्तरायः DaśKuC. 120. 9 (S'ivarāma अणकनरेन्द्रेति कुत्सितमन्त्रज्ञस्य); **B** despicable king प्रतारणपरमेतदणकनरेन्द्रस्याकर्ण्य कस्यचिद्भाषणं किमभैषीः GadyCin. 144. 10.

अणकनापित (aṇaka-nāpita) *m.* contemptible barber विशेषणमित्येव सिद्धम् ... अणकनापितः CāndraVṛ. *on* ii. 2. 18; पाप अणक एते सुबन्ते कुत्सितवचनैस्सह समस्येते ... अणकनापितः KāśiVṛ. *on* P. ii. 1. 54; पूर्वनिपातार्थोऽयमारम्भः ... अणकनापितः Prasā. i. 530. 25.

अणकपणिक (aṇaka-paṇika) *m.* contemptible merchant अणकपणिक ... मामकाण्डे चण्डकर्मन्पर्यनुयुञ्जानः कथं न लज्जसे YaśasCam. ii. 346. 31.

अणकपदबन्ध (aṇaka-padabandha) *m.* bad verbal composition (मन्त्री) यत्पुनः सेवकलोकदौरात्म्यं प्रचिख्यापयिषुः किमप्यणकपदबन्धेन भगवतीं सरस्वतीं विधमति YaśasCam. i. 435. 1.

अणकभार्या (aṇaka-bhāryā) *f.* low or contemptible wife मृतेऽपि त्वयि जीवन्त्या किं मयाणकभार्यया Bhaṭṭi. 14. 58; पापाणके कुत्सितैः । एते कुत्सितैः समस्येते ... अणकभार्या BhāṣāVṛ. *on* ii. 1. 54.

अणकयोद्धृ (aṇaka-yoddhṛ) *m.* despicable or bad fighter or soldier क्षत्रखेटः पापदैत्यः स वृतोऽणकयोद्धृभिः । शस्त्रीश्यामः क्वेति जल्पन्नृव्याघ्रो ज्याममवीवदत् DvyāśraKā. 5. 81.

अणकारम् (a-ṇakāram) *adv.* without the sound *ṇ* स यदि विचिकित्सेत्सणकारं ब्रवाणी३ अणकारा३ इति सणकारमेव ब्रूयात् AitĀ. III. ii. 6. 7.

अणकीय (aṇak-īya) *adj.* connected with what is insignificant अणकम् अधमम् अणकीयम् GaṇRa. 4. 302 (341)

अणकेहित (aṇakehita) *adj.* with evil conduct अणकेहितचिन्तामणिरधमनिधिस्तव नृपामात्यः YaśasCam. i. 450. 11.

अणच् (aṇac) (Gr.) suffix *ana* (=ana) अङ्गितङ्गिकङ्किमङ्क्किपिवृषिभ्योऽणक्(v. l. अणच् TSS. Ed.) SaraKaṇṭhā. (Gr.) ii. 2. 124.

अणत् (aṇ-at) *adj.* **1** showing strength तीव्रोद्धवम् ... परासुषेऽणन्तमरि-

व्रजाय । ··· वैरोचनी दीप्तिरुपायतेव RāghPāṇ.(Dha.) 16. 39 (comm. अणन्त-मूर्जन्तम्); 2 roaring अरावणञ्जगद्रिश्चं करवै तदविष्णु वा । ··· वागितोऽन्या न वर्तते RāghPāṇ.(Dha.) 18. 64 (comm. अरौ ··· अणन् गर्जन्)

अणतपाल (aṇata-pāla) *m.* name of a person अणतपालस्य पदमेकम् EI. iv. 162. 55.

अणतशर्मन् (aṇata-śarman) *m.* name of a Brahmin अणतस(? श)र्मणे ब्रा(ब्रा)ह्मण[स्य] शासनीकृत्य प्रदत्तो मत्वा EI. v. 118. 22.

अणतिग (aṇatiga) *m.* name of a man राष्ट्रकूटपातूकेल्हण ··· काल्हण-आहडआसलअणतिगादिभिः ··· अस्मिन्नेव कल्याणके प्रदत्तः EI. xi. 47. 2.

अणत्व (a-ṇatva) *n.* absence of the substitution of *ṇ* (for *n*) (i. e. cerebralization) निपातनाचाणत्वं स्यात् MahāBh. i. 86. 16 (*on* i. 1. 27); आचार्यादणत्वं च PrakriKau. i. 362. 1.

अणदौरा (aṇadaurā) *f.* name of a Brahmin-village अणदौरी । अण-दारा ··· कुण्डाम । द्विजग्रामाः EI. xiv. 195. 29.

अणदौरी (aṇadaurī) *f.* name of a Brahmin-village अणदौरी । अणदौरा ··· द्विजग्रामाः EI. xiv. 195. 29.

अणद्दिश् (aṇad-diś) *adj.* by whom the quarters are made noisy, resounding the quarters अणद्दिशः ··· । वनात्कुमाराः ··· आययुः DhātuKā. 1. 53.

अणधिकार (aṇ-adhikāra) *m.* domain of the suffix *aṇ* अणधिकारे पुनरण्ग्रहणेन एभ्यो बाधकं बाधित्वाण् स्यादित्यभियुक्ताभ्यां व्याख्यानात् VīraMi. 80. 22 (*on* 1. 29)

अणनणसमुदाय (aṇanaṇ-samudāya) *m.* group consisting of Pratyāhāra *aṇ* and what is not an *aṇ* Pratyāhāra अणनणसमुदायस्य सौधातकिरि-त्यादौ रपरत्वं न भवति Pradī. v. 162A. 24 (*on* vi. 1. 174)

अणनणसाधारण्य (aṇanaṇ-sādhāraṇya) *n.* the state of being common to both Pratyāhāra *aṇ* and what is not an *aṇ* Pratyāhāra अनयाणनण्-साधारण्येन निषेध इति सूचितम् LaS'abdeS'e. i. 316. 23.

अणनहृत् (aṇana-hṛt) *adj.* remover of life-breath, killer प्राग्विच-मानवसनेष्वधृतैकमीशः ··· कंसानुरोध्यणनहृत् DhātuKā. 2. 62.

अणन्त (aṇ-anta) *adj.* i ending in the suffix *aṇ* अणन्तं तु जनपदनाम न भवतीति नातोऽण् भवति CāndraVṛ. *on* iii. 1. 68; अणन्तादपि ङीबिष्टो लक्ष्मीः पौरन्दरी यथा Kāvyālaṅ.(Bh.) 6. 51; नन्वणन्तान्ङीब् विधीयमानः ··· कुम्भकार-शब्दादेव भविष्यति PariVṛ.(Sī.) 53. 7; लेख इत्यणन्तस्य ग्रहणम् SiddhāKau. 214B. 5; प्रथममेवाणन्तान्ङीपि कृते LalitāSaBh. 85. 14 (*on* 119); अणन्तस्या-प्रातिपदिकत्वाच्च LaS'abdeS'e. i. 383. 5; ii ending in a sound represented by the Pratyāhāra *aṇ* अणन्तस्याप्रगृह्यस्यावसाने वर्तमानस्यानुनासिको वा स्यात् Prasā. i. 84. 9; i. 734. 17.

अणन्तग्रहण (aṇanta-grahaṇa) *n.* employment of a word ending in the suffix *aṇ* लेख इत्यणन्तग्रहणम् Prasā. i. 672. 13.

अणन्तत्व (aṇanta-tva) *n.* the state of having the suffix *aṇ* at the end अणन्तत्वात् ङीप् PrakriKau. i. 697. 4.

अणप् (a-ṇap) (Gr.) other than the 1st and 3rd per. sg. ending *ṇap* of the pf. जाग्रोऽणब्वीण्ङिति क्सुकाने तु वा MugdhaBo. 9. 30 (107. 12); 18. 25 (126. 3) = P. णल्.

अणपन्नी (aṇapannī) *f.* name of a kind of evil spirit अणपन्नीपणपन्नी-व्यन्तराणां मध्येऽवतीर्णः PurāPraSaṁ. 100. 2; 100. 26.

अणपवाद (aṇ-apavāda) *m.* setting aside the suffix *aṇ* पत्युत्तरपद-यमादित्यदित्यदितेर्ण्योऽणपवादे चास्वे SākaṭāVyā. ii. 4. 6; ततश्चैताभ्यां विकारे न कश्चिदणपवादोऽस्तीति ठकं बाधित्वा अणेव भवति । हालः । सैर इति Pradī. iv. 221A. 21 (*on* iv. 3. 133); अनिदम्यणपवादे च दित्यदित्यादित्ययमपत्युत्तरपदाञ्ण्यः SiddhaHe. vi. 1. 15; ततोऽणपवादोऽञ् LaS'abdeS'e. ii. 237. 1.

अणपवादबाधकत्व (aṇapavādabādhaka-tva) *n.* the state of being what supercedes exception to the suffix *aṇ* ण्यादीनां पूर्वविप्रतिषेधेन पराणप-वादबाधकत्वात् LaS'abdeS'e. ii. 187. 1.

अणपवादार्थम् (aṇapavādārtham) *adv.* for the purpose of setting aside the suffix *aṇ* अणपवादार्थं वचनम् CāndraVṛ. *on* iii. 1. 4.

अणपुष्पा (aṇa-puṣpā) *adj.* (*f.*) having a word of praise as the flower अणरणेति धातोरणः शब्दः स एव पुष्पमभिगम्यत्वाद्यस्याः साणपुष्पा कीर्तिः PrabhāC. 57. 26.

अणभाव (aṇ-abhāva) *m.* absence of the suffix *aṇ* अन्यथा गोदः ··· इत्यत्राणभावोऽपि तद्विषयः स्यात् VyaktiVi. 55. 13.

अणरुध (aṇarudha) *m.* name of a man अणरुधपौत्राय व(रा)ह-स्वामिपुत्राय वरुणेस्वय(? श्वर)स(? श)र्मणे ··· °करतलोदकेनास्माभिः ··· प्रदत्तः EI. ix. 305. 13.

अणर्थ (aṇ-artha) *adj.* A having the meaning of the suffix *aṇ* नाणर्थेऽचि S'ākaṭāVyā. ii. 4. 119; B intended for the suffix *aṇ* अणग्रहणं तूदपानादुत्सादेर्यथाविहिताञं बाधित्वाणर्थम् LaS'abdeS'e. ii. 271. 8; ii. 279. 18.

अणल् (a-ṇal) (Gr.) other than suffix *ṇal* (pf. 1st and 3rd per. sg.) आतो युगणलि CāndraVyā. vi. 1. 41.

अणवत् (aṇa-va(n)t) *adj.* humming (*lit.* "having sound") धिग-तादृशं मधुकरेण बताणवता कृतम् Kāvyālaṅ.(Ru.) 3. 58.

अणव्य (aṇav-ya) *n.* field of *aṇu* (*Panicum miliaceum*) यवाश्च मे तिलाश्च इत्यादौ पठितानीत्यपरे ··· आणवीनम्, अणव्यम् JaineVyā. 238. 8 (*on* iii. 4. 129); भङ्गा अणु इत्येतेभ्यो विभाषा यत् प्रत्ययो भवति भवने क्षेत्रेऽभिधेये ··· तिल माष उमा एषां भवनं क्षेत्रं, तिल्यम् ··· अणव्यम् KāśiVṛ. *on* v. 2. 4; (क्षेत्रम्) त्रैहेयं स्यात्कि च शालेयमेवं बुद्ध्वाणव्यं चाणवीनं च विद्यात् RājNi. 324. 13; अणव्यं स्यादाणवीण(? न)मणोः AbhidhāCin. 966; अणव्यमाण्यम् । ··· अभङ्गि तैलीनं वा न केनापि विभोः प्रसह्य DvyāśraKā. 18. 18; विभाषा । आदिना ··· अणव्यम् । आणवीनम् Prasā. i. 865. 20; अणुक्षेत्रे चाणवीनमणव्यमपि S'abdaRa. (Su.) 4. 20; अणव्यमाणवीनं च KośaKaTa. 1. 6449; SiddhāKau. 293B. 8.

अणसीहु (aṇa-sīhu) *m.* name of a person स्वस्तिसोनाणाग्रामे(।)ठा अणसीहुस्य EI. xi. 48. 2.

अणहक (aṇahaka) *m.* name of a Brahmin उत्तरतः ब्राह्मण - अणहक-स्यैव सत्क-क्षेत्रम् EI. xxii. 119. 52; xxii. 119. 49; xxii. 119. 51.

अणहादित्य (aṇahāditya) *m.* name of a Brahmin तथा गोवशर्म्मः तथा अणहादित्यः तथा नासेणः EI. iii. 56. 28.

अणहिल (aṇahila) *m.* name of a king आसीदुग्रप्रतापाद्यः श्रीमदणहिल-भूपतिः EI. xi. 31. 1; xi. 53. 1; लाखणपूर्वजाः ··· सोही माहिन्द अणहिल ··· इत्यादि PurāPraSaṁ. 102. 28.

अणहिलगोप (aṇahila-gopa) *m.* cowherd named Aṇahila पुरनिवेशाय भूमिं विलोकयता अणहिलगोपः प्राप्तः PurāPraSaṁ. 128. 15.

अणहिलपाटक (aṇahila-pāṭaka) *n.* name of a town (capital city of Chalukyas) अद्येह श्रीमदणहिलपाटके समस्तराजावलीविराजितमहाराजाधिराज-श्रीमत्त्रैलोक्यमल्लः श्रीकर्णदेवः EI. i. 317. 1; क्रमेण नगरं भावि नाम्नाणहिलपाटकम् KumāCaVa. 137. 6; अणहिलपाटकवसतिः प्रागासीत् तापमहाकुलजः EI. i. 65. 7; अणहिलपाटकनगरे श्रीमद्द्रोणाख्यसूरिमुख्येन । ··· संशोधिता चेयम् AupaSūṬ. 227. 6; अणहिलपाटकनगरे विजयदशम्यां च सिद्धेयम् JñātāDhaṬ. 254A. 8; अद्येह श्रीमदण-हिलपाटके EI. viii. 219. 1.

अणहिलपुर (aṇahila-pura) *n.* name of a town निहत्य क्ष्मापालानण-हिलपुरे मूलनृपतिः प्रभुत्वं तत्पुत्रेष्वकृत EI. ii. 440. 6; अणहिलपुरमस्ति स्वस्ति-पात्रम् EI. viii. 209. 2; viii. 219. 3; viii. 223(iii). 1; श्रीमत्प्राग्वाटवंशेऽणहिल-पुरभुवश्चण्डपस्याङ्गजन्मा PurāPraSaṁ. 53. 10; cf. **अणहिलपाटक.**

अणहिला (aṇahilā) *f.* name of a queen तस्य प्रियापि ··· जगत्यणहिलेति समस्तकान्तशुद्धान्तवक्त्रकमलेन्दुकला बभूव EI. i. 78. 10.

अणहिलेश्वरी (aṇahileśvarī) *f.* name of a deity (S'ivā) तथा श्रीअण-हिलेश्वरीभट्टारकवरुणसिउ EI. xi. 40. 26.

अणहिल्ल (aṇahilla) *m.* name of a king अणहिल्लो(ल्लो) नृपतिवरोऽभूत् पृथुलतेजाः EI. ix. 64. 6; जितारातिमल्लोऽणहिल्लः EI. ix. 75. 11.

अणहिल्लदेव (aṇahilla-deva) *m.* name of a king तस्याभूच्छ्रीअणहिल्ल-देवः सुतः EI. xi. 309. 8; श्रीअणहिल्लदेवनृपतेः श्रीजेन्द्रराजः सुतः EI. ix. 68. 7.

अणहिल्लनामन् (aṇahilla-nāman) *adj.* named Aṇahilla सुखनिषण्णेन ···अणहिल्लनाम्ना पृष्टः PrabaCin. 13. 5.

अणहिल्लपत्तन (aṇahilla-pattana) *n.* town (called) Aṇahilla स अण-हिल्लपत्तनान्निर्गत्यामितैः सैन्यैर्मालवदेशराजधानीं धारां द्वादशभिर्वर्षैर्जग्राह PrabaK. 90. 27; अस्त्यत्र गूर्जरात्रायां नाम्नाणहिल्लपत्तनम् KumāDeC. 1. 3; अणहिल्लपत्तने मलधारिश्रीदेवप्रभ (Ps हेमप्रभ) सूरिव्याख्याने गादीयां १४ शत उपविष्टेषु Purā-PraSaṁ. 53. 16; अणहिल्लपत्तनाधीशदुर्लभराजसंसच्चैत्यवासिपक्षविक्षेपाशीत्यधिकदश-शतसंवत्सरप्राप्तखरतरबिरुदश्रीजिनेश्वरसूरि EI. i. 323. 7.

अणहिल्लपशुपाल (aṇahilla-paśupāla) *m.* herdsman named Aṇahilla ततः शशकेनैकेन श्वानभंगाभिज्ञानेऽणहिल्लपशुपालेनार्पिते वीरक्षेत्रेऽणहिल्लपुरस्थापना PurāPraSaṁ. 12. 30.

अणहिल्लपाटक (aṇahilla-pāṭaka) *n.* name of a city अणहिल्लपाटकं पुरम् Vāgbhaṭā. 4. 131; अणहिल्लपाटकमिति प्रथितं पुरमस्ति VasaViKā. 2. 1; cf. **अणहिलपाटक.**

अणहिल्लपाटणक (aṇahilla-pāṭaṇaka) *n.* name of a city नन्वसिन्नण-हिल्लपाटणकसुकुटमणौ श्रीशान्त्युत्सवदेवगृहे भगवतो नाभेयस्य ··· यात्रामहोत्सवे समु-त्सुकः सामन्तजनः KarṇaSu. 1. 8(2)

अणहिल्लपुर (aṇahilla-pura) *n.* name of a city अस्ति हस्तिमदक्लेद-

विराजद्गोपुरं पुरम् । अणहिल्लपुरं नाम KīrtiKau. 1.48; ऊचे तत्रस्थिताचार्यैरणहिल्लपुरादिति PrabhāC. 157.1; 128.23; 168.6; 172.28; 189.13; 198.2; कस्मिन्नप्यवसरेऽणहिल्लपुरे श्रीकुमारपालदेवनामा नृपः PrabaCin. 126.4; जयसिंहदेवः …पत्तनं अणहिल्लपुरं प्रविष्टः PrabaKo. 93.5; 97.23; नृपः अणहिल्लपुरमाययौ KumāDeC. 1.24; KumaPraPra. 36.13; यत्र शशकेन श्वा त्रासितस्तत्र तन्नाम्नाणहिल्लपुरम् PurāPraSaṁ. 128.15; श्रीअणहिल्लपुरपत्तनशृंगारसारसुरनरमनोनुरंजनसुरगिरिसमानं चैत्यं कारितम् EI. i. 324.46.

अणहिल्लपुरीय (aṇahillapur-īya) *adj.* belonging to Aṇahillapura श्रीअणहिल्लपुरीय° … °देवधरादिसमस्तमहाजनम् EI. xi. 41.35.

अणहिल्लाख्यपत्तन (aṇahillākhya-pattana) *n.* city called Aṇahilla तैरणहिल्लाख्यपत्तनात् । …आकृष्याभरणं तत्समर्पितम् KumāDeC. 1.15.

अणादि (aṇ-ādi) (Gr.) suffix *aṇ* etc. यच्यणादौ । यकारादावजादौ चाणादौ परतः स्त्रियां वर्तमानं पुंवद्भवति CāndraVyā. v. 2.32; नोऽणादौ । अणादौ यत्रि परतो नकारान्तायाः प्रकृतेरन्त्याजादिलोपो भवति CāndraVyā. v. 3.139; v. 3.155; तद्धितोऽणादिः SiddhaHe. vi. 1.1; प्राग्जितीयाणादयः तद्धिताः SaraKaṇṭhā.(Gr.) i. 1.15; अणादयस्तु भृगोरपत्यं भार्गवः KāvyKaVṛ. 30.3 (2.1); समर्थादपत्येऽर्थे यथायथमणादयः स्युः PrakriKau. i. 695.8; प्रथमोच्चारितात्प्रातिपदिकादणादय इत्यर्थः LaS'abdeS'e. ii. 193.7; ii. 270.1.

अणादिग्रहण (aṇādi-grahaṇa) *n.* mention of the suffix *aṇ* etc. अणादिग्रहणं किम् CāndraVṛ. *on* ii. 2.87.

अणादिप्रत्याहार (aṇādi-pratyāhāra) *m.* Pratyāhāras like *aṇ* etc. स चाणादिप्रत्याहारद्वारा शास्त्रप्रवृत्त्यर्थः LaS'abdeS'e. i. 7.22.

अणादिलुक् (aṇādi-luk) (Gr.) disappearance of the suffix *aṇ* etc. (by the term *luk*) लुगणादिलुक्यगोण्यादीनाम् CāndraVyā. ii. 2.87.

अणादिविधान (aṇādi-vidhāna) *n.* enjoining of the suffix *aṇ* etc. उपग्वादिभ्योऽणादिविधानेनेष्टसिद्धेः LaS'abdeS'e. ii. 203.1.

अणादिविधि (aṇādi-vidhi) *m.* injunction of the suffix *aṇ* etc. अपत्यार्थस्याणादिविधावुपयोगात् Pradī. iv. 117B.19 (*on* iv. 1.92); योगविभागे त्वणादिविधावपत्यत्वेनापत्यस्योपयोगान्न शेषत्वम् LaS'abdeS'e. ii. 195.7.

अणादिसमावेश (aṇādi-samāveśa) *m.* inclusion of the suffix *aṇ* etc. वावचनमणादिसमावेशार्थम् SiddhāKau. 291A.7.

अणादिसंज्ञा (aṇādi-sañjñā) *f.* technical term *aṇ* etc. प्रत्याहारा अणादिसंज्ञाः Prasā. i. 14.21; इति माहेश्वराणि सूत्राण्यणादिसंज्ञार्थानि SiddhāKau. 2A.3.

अणाद्यन्त (aṇādy-anta) *adj.* (word) ending with the suffix *aṇ* etc. अणाद्यन्तास्तेन रक्ताद्यर्थे नानार्थभेदकाः KalpaK. 484.208.

अणाल (aṇāla) *m.n.* name of a city [DBHS]

[1]**अणि** (aṇi) *m. f.* **1 i** linch-pin, the pin fastening the yoke to the pole (पाण्डुनन्दनाः) स्तूयमाना ययू राजन् रथैर्मणिविभूषितैः (v. l. अणिभूषितैः) MahāBhā. v. 149.57; अणी कृत्वैलपत्रं च पुष्पदन्तं च त्र्यम्बकः MahāBhā. App. I. vii. 25(5); अक्षाग्रकीलके तु द्वयोरणिः AmaK. 1580; AnekāSa. 487; शङ्कु(ङ्को)रा(र)णिं च शल्यं च कीलं तु पर्याय(यं) च MānaSā. 17.63; अक्षकीले त्वणिर्न क्ली Vaija. 114.131; ViśvaPra. 49.22; S'abdaBhePra.(Ma.) 1.64; NānārthSaṁ. 6.59; TrikāS'e. iii. 3.120; अयम् इयम् वा अणिः अक्षाग्रकीलिका अश्रिः सीमा च Liṅgānu.(He.) 98.13; AnekāSaṁ. 2.130; AbhidhāCin. 756; NānārthāSaṁ. i. 47.48; ParyāS'aRa. 2.314; MediK. 47.2; NānārthRaMā. 456; S'abdaRa.(Vā.) 2636; ParaNā. 3650; ViśvaLoK. 99.1; KośaKaTa. 2.4867; S'abdaRaSaK. 103.8; **1 ii** pointed dart or spike (अणी(? णि)माण्डव्यः) अणिः शूलं तेन उपलक्षितो माण्डव्यः JñānDī. *on* i. 101.21; **1 iii** pointed end of a weapon called *gadā* ततोऽङ्गुष्ठमात्राणिरेतदाकारा गदा वासुदेवस्य PārāSū. 39.2; **2** corner of a house अणिस्तु … (अ)क्लीबेऽश्रौ रूप्य एव च NānārthāSaṁ. i. 47.48; अणिमश्रिविजानीयादणिरक्षाग्रकीलकः AnekāSa. 487; अणिरश्रिस्तथा कोटिः AbhidhāRaMā. 4.42; कोणाश्रौ नर्यणिर्न क्ली Vaija. 163.52; 230.5; अणिराणिवदक्षाग्रकीलके स्यादस्ति (? अश्रि)सीमयोः ViśvaPra. 49.22; S'abdaBhePra.(Ma.) 1.64; NānārthSaṁ. 6.59; TrikāS'e. iii. 3.120; Liṅgānu.(He.) 98.13; AnekāSaṁ. 2.130; AbhidhāCin. 1013; NānārthāSaṁ. i. 47.48; (अणिः) एकदेशे गृहादीनामश्रौ च MediK. 47.9; ParaNā. 3650; ViśvaLoK. 99.1; KośaKaTa. 2.4867; S'abdaRaSaK. 103.8; **3** edge or boundary ViśvaPra. 49.22; कीलकाग्र्याश्रिसीमासु स्यादाणिवदणिर्द्वयोः TrikāS'e. iii. 3.120; Liṅgānu.(He.) 98.13; AnekāSaṁ. 2.130; MediK. 47.2; NānārthRaMā. 456; ParaNā. 3650; ViśvaLoK. 99.1; KośaKaTa. 2.4867; S'abdaRaSaK. 103.8; **4** silver coin अणिरक्ल्यश्रौ रूप्ये Vaija. 230.5; NānārthāSaṁ. i. 47.48; NānārthSaṁ. 6.59; **5** liberation मुक्तौ त्वाणिरणिस्तथा DvirūK.(Ha.) 89; [ध्रुव gnomon, Vaija. 230.5]; **6** *m.* fortnight with longer lunar days क्षीयमाणतिथिप्रायः पक्षो रिक्तोऽपरस्त्वणिः Vaija. 23.79; अणिस्तु … वर्धमानतिथिप्रायपक्षे त्वेष पुमानथ NānārthāSaṁ. i. 47.48; S'abdaRa.(Vā.) 3733.

[2]**अणि** (a-ṇi) (Gr.) non-causative णेरणौ यत्कर्म णौ चेत्स कर्तानाध्याने P. i. 3.62; अणावकर्मकाच्चित्तवत्कर्तृकात् P. i. 3.88; अणौ घेः प्राणिकर्तृकात् JaineVyā. i. 2.85; i. 2.122; अणौ चित्तवत्कर्तृकाण्णेः CāndraVyā. i. 4.138; न स्विदिस्वदिसह्यणिस्तोः S'ākaṭāVyā. iv. 1.75; लभेर्गत्यर्थत्वाण्णिच्यणौ कर्तुः कर्मत्वाकर्मत्वे KāvyālaṅSū. v. 2.9; अणौ यौ ञित्त्वसाफल्यात् प्रीणयेत् DaivaVyā. 20; गत्यर्थादीनामणौ यः कर्ता स ण्यन्तानां कर्मसंज्ञः स्यात् PrakriKau. i. 392.4 SiddhāKau. 135B.2; AlaṅkāKau.(Vi.) 262.3.

[3]**अणि** (aṇ-i) (Gr.) the root *aṇ*- अलि … अणिपणिभ्य इण् SaraKaṇṭhā.(Gr.) ii. 1.168; कृसृभृवृ … तम्यमि (v. l. अणि) … सह्यञिभ्यो वुन् SaraKaṇṭhā.(Gr.) ii. 2.7; अणेरणति शब्दार्थे DaivaVyā. 92.

अणिक (aṇika) *adj.* who studies Veda from his son मत्त उन्मत्तो बद्धोऽणिकः प्रत्युपविष्टो यश्च प्रत्युपवेशयते तावन्तं कालम् ĀpaDS. i(6). 19.1 (comm. अणिकः पुत्राच्छ्रुतग्राही पुत्राचार्य इति शास्त्रेषु निन्दितः); [Prakrit] loaning money (comm. अपर आह । अणिक ऋणिक ऋणस्य दाता)

अणिकर्तृ (aṇi-kartṛ) *adj.* agent of non-causative गतिबुद्धिप्रत्यवसानार्थशब्दकर्माकर्मकाणामणिकर्ता स णौ P. i. 4.52; गतिज्ञानप्रत्यवसानार्थशब्दक्रियाकर्मकश्रुदृशीनामणिकर्ता स णौ SaraKaṇṭhā.(Gr.) i. 1.42; हृक्रोरणिकर्ता स णौ वा कर्म स्यात् PrakriKau. i. 395.5.

अणिकाषम् (a-ṇikāṣam) *adv.* [AltGr. 1.194, *N* 107] without rubbing or scratching पुरोडाशमनक्ति स्वक्तमकूर्मपृषन्तमपरिवर्गमणिकाषम् ĀpaS'S. ii. 11.3 (comm. निकाषो निकषणम् । …णमुलन्तौ वा । णकारश्छान्दसः)

अणिकासम् (a-ṇikāsam) *adv.* (*w. r.* for '*aṇikāṣam*' or *anikāṣam*) [nt.]

अणिकूर्च (aṇikūrca) *m.* fifteenth day of the dark fortnight (*kṛṣṇapakṣa*) of a lunar month अणिकूर्चस्त्वमावास्या भूतेष्टा प्रतिपत्क्षयात् Vaija. 23.80.

अणिक्कर्तृ (aṇik-kartṛ) *adj.* agent of non-caustive वा कर्मणामणिक्कर्ता णौ SiddhaHe. ii. 2.4.

अणिग् (a-ṇig) *adj.* not ending in *ṇig* (i. e. causal suffix), non-causative अणिक्कर्मणिक्कर्तृकाणिगोऽस्मृतौ SiddhaHe. iii. 3.88; अणिगि प्राणिकर्तृकानाप्याण्णिगः SiddhaHe. iii. 3.107.

अणिग्रहण (aṇi-grahaṇa) *n.* mention of (the technical term) *aṇi* अणिग्रहणमिदानीं किमर्थं स्यात् MahāBh. i. 295.1 (*on* i. 3.88)

अणिङन्त (a-ṇiṅanta) *adj.* not ending in the suffix *ṇiṅ* (i. e. *i*) अणिङन्तात् कमेर्यदा णिच् क्रियते तदा ह्रस्वनिवृत्त्यर्थो मित्प्रतिषेधः स्यात् Pradī. iii. 74B.16 (*on* iii. 1.30)

अणिचि (aṇici) *m.* bamboo or reed अणीचिस्तु (v. l. अणिचिस्तु) पुमान् वेणौ त्रिषु शाकटिके मतः NānārthāSaṁ. ii. 58.139; *adj.* belonging to a cart or going in a cart, NānārthāSaṁ. ii. 58.139.

अणिजन्त (a-ṇijanta) *adj.* not ending in the causal suffix *ṇic* आरोहणम् इति, रुहिरिति अणिजन्तः णिजन्तोऽपि PratyabhiVi. i. 171.2 (*on* i. 4.4); तत्र … अणिजन्तप्रयोगोऽपि न विरुध्यते UpaParā. 4.13; 4.16; दृष्टश्च हेतुकर्तर्यपि अणिजन्तप्रयोगः VīraMi. (Tīrtha.) 62.4; प्रयोज्यव्यापारस्याणिजन्तधात्वर्थाफलत्वेऽपि…तत्र कर्मत्वमुपपद्यते VaiyāBhū. 53.20 (*on* 12)

अणिजन्तत्व (aṇijanta-tva) *n.* the state of not ending in the causal suffix *ṇic* संयम्यनियम्यशब्दावणिजन्तत्वात् KāvyālaṅSū. v. 2.77.

अणिजाद्युपपत्ति (aṇijādy-upapatti) *f.* justification of non-causative (root) etc. उपाधिभेदेनात्मनो भेदेनाणिजाद्युपपत्तिः BālamBha. iii. 84.7 (*on* 3.35)

अणिञ् (a-ṇiñ) *adj.* not ending in the causative suffix *ṇiñ* न प्राणिन्यणिञो णिञन्तस्य S'ākaṭāVyā. i. 4.60.

अणित (aṇ-ita) *m.* sound (produced by strokes) दधत्सदाशो(ऽ)णितपानशौण्डताम् … । बभूव यस्य … क्षयाय कौक्षेयकराक्षसो द्विषाम् HarVi. 12.5 (comm. अणितं प्रहाररचितो ध्वनिः)

अणिद्वार (aṇi-dvāra) *n.* [*w. r.* for **आणिद्वार**] small door, a boundary gate, ArthS'ā. i. 125.3 (2.3)

अणिभङ्ग (aṇi-bhaṅga) *m.* breaking of the axle-pin अर्थक्षयोऽक्षभङ्गे तथाणिभङ्गे च वर्धकिनः BṛSaṁ. 43.22 (Utpala अणिरक्षाग्रे कीलकः । तस्य भङ्गे वर्धकिनस्तक्षणः क्षयः)

अणिभूत (aṇi-bhūta) *adj.* which has become a linch pin ह्रीबीजम्…

-तच्चाणिभूतं प्रविशन्त्यपश्चात् ĪśānŚiPa. i. 10. 17.

अणिमकार्य (aṇima-kārya) *n.* purpose of achieving the supernatural power *aṇiman* अणिमकार्यमन्तर्धानमावरकेन विनादृश्यत्वलक्षणम् VīraMi. 902. 27 (*on* 3. 202)

अणिमगुण (aṇima-guṇa) *m.* quality of smallness प्रेर्यते न महता महतीयं भिद्यतेऽणिमगुणेन कदाचित् RāmC. 16. 53.

अणिमत् (aṇi-ma(n)t) *adj.* [Debru. 358, 767; AltGr. III. 264; III. 272]; **i** small, thin अणिमति स्थविमत्प्रवयति BaudhŚS. i. 114. 20; BhārŚS. vii. 9. 5; अथैतस्यैव बर्हिषोऽणिमत्सचते BaudhŚS. i. 119. 6; BhārŚS. vii. 19. 6; यं कामयेत पुमानस्य जायेतेत्यान्तं तस्य प्रवेष्टयाणिमति स्थविमत् ĀpaŚS. vii. 11. 9; मध्यमं द्वैधं विभज्य दैवतेष्ववदधाति । अणिमत्सौविष्टकृतेषु ĀpaŚS. vii. 24. 6; vii. 24. 7; चतुरस्रमेकतोऽणिमत् चिकीर्षन् BaudhŚuS. 1. 55; 1. 72; **ii** possessed of subtlety अव्यादजोऽङ्घ्रिमणिमांस्तव जान्वथोरू यज्ञोऽच्युतः कटितटं जठरं हयास्यः BhāgP. x. 6. 22.

अणिमतस् (aṇima-tás) *adv.* from the small or thin side तस्मादणिमतो यदिन्द्र उदयच्छत् MaiS. iii. 9. 4; यदणिमत उपर्यजेत् MaiS. iii. 10. 4.

अणिमत्करणी (aṇimat-karaṇī) *f.* side making (the oblong) smaller तस्यै दीर्घकरण्यामेकतोऽणिमत्करण्यां च याथाकामीति BaudhŚuS. 1. 87.

अणिमत्व (aṇima-tva) *n.* the state of being *aṇiman* (minuteness) धानासु तु ··· इवशब्दप्रयोगाच्च नाणिमत्वम् ViṣṇuTaNi. 9B. 10.

अणिमन् (aṇ-imán) *m.* [Debru. p. 356, derived from *aṇ(u)* with *iman(ic)* P. v. 1. 122; *aṇu* is listed in the *pṛthvādigaṇa* in GaṇPā. 147. 30; GaṇRa. 7. 392 (418); for gender see Liṅgānu.(Pā.) 113. 12 (comm.) = SiddhāKau. 670B. 20; Liṅgānu.(Ha.) 27. 3] **A** minuteness, thinness, smallness, meagreness, fineness आरम्भणतो वै वज्रस्याणिमाथो दण्डस्याथो परशोः AitBr. 10. 3 (264); 19. 4 (516); ता वाअस्यैता । हिता नाम नाड्यो यथा केशः सहस्रधा भिन्नस्तावताणिम्ना तिष्ठन्ति ŚatBr. XIV. vii. 1. 20; BṛĀraU. iv. 3. 20; ŚatBr. XIV. vii. 1. 41; BṛĀraU. iv. 3. 36; KauṣīBrU. 4. 19; यो ज्यान्या वोपतपता वाणिमानं नीतः स्यात् स एतेन यज्ञक्रतुना यजेत BaudhŚS. ii. 379. 13; अयम् अणिमानम् अणोर्भावम् अणुत्वं कार्श्यमित्यर्थः न्येति BṛĀraUBh. 596. 15 (*on* iv. 3. 36); नाड्योऽणिम्ना समानास्ता नानान्नरससंभृताः BṛĀraUBhVā. iv. 3. 1215; iv. 3. 1927; VedāntKa. 108. 7 (*on* i. 1. 7); **B** essence, atomic nature, subtle nature दध्नः सोम्य मथ्यमानस्य योऽणिमा स ऊर्ध्वः समुदीषति ChāndoU. vi. 6. 1; स य एषोऽणिमैतदात्म्यमिदं सर्वम् ChāndoU. vi. 8. 4 = vi. 9. 3; viii. 6. 1; तदा पुरुष आत्मानं केवलं प्रकृतेः परम् । निरन्तरं स्वयंज्योतिरणिमानम् (परिपश्यति) BhāgP. iii. 25. 17; तथोन्मानमपि जीवस्याणिमानं गमयति BrahmSūBh.(Śaṅ.) 454. 17 (*on* ii. 3. 22); अणिमा पूर्वपत्रं स्यात् SaurP. 42. 25; GaṇeP. i. 73. 10; **C i** Supreme Spirit अणिमशब्देन पर एवाभिहितः ViṣṇuTaNi. 9B. 9; एतस्यैव सोम्यैषोऽणिम्न एवं महान् न्यग्रोधस्तिष्ठतीत्यत्राणिमशब्दः परमसूक्ष्मेश्वरपरः Nyāyāmṛ. 598B. 11; **C ii** epithet of Śiva अजैकपाच्च कापाली त्रिशंकुरजितः शिवः (v. l. त्रिशंकुरणिमा गिरः) MahāBhā. xiii. 17. 100; **C iii** name of a deity शिवस्य द्वितीयावरणदेवताः स्थाप्याः ···पूर्वाग्नेयमध्ये अणिमा VīraMi. (Rājanīti.) 383. 8; ओं अणिम्ने नमः VīraMi. (Pūjā.) 135. 16; **D** the miraculous power of becoming very fine, subtle or atomic in size त्वं वै···अणिमा लघिमा प्राप्तिरीशानः MahāBhā. xiii. 15. 42; PauṣkS. 27. 717; अणिमा लघिमा चैव महिमा ··· गुणानेतांस्तथैश्वरान् । प्राप्नोति MārkP. 40. 29; VāyuP. i. 13. 3; अणिमा महिमा चैव लघिमा प्राप्तिरेव च BrahmāṇḍP. i. 27. 125; iii. 36. 50; iii. 44. 108; अणिमा भवत्यणुः YogBh. 169. 8 (*on* 3. 45); अणिमा··· । अणोर्भावोऽणिमा SāṁkhyaKāBh. 16. 25 (*on* 23); AmaK. 71; MāṭhVṛ. 41. 1 (*on* 23); करिष्यामि विद्यानां नामकीर्तनम् ··· अणिमा PadmP.(Ra.) 7. 326; PāraS. 15. 8; तत्राणिमा यदणुशरीरो भूत्वा ··· सञ्चरति TattvSaṁPañ. 836. 3 (*on* 3206); SarvaSiSaṁ. 10. 69; LalitāTriBh. 275. 20 (*on* 10); अणिमा महिमा मूर्तेर्लघिमा प्राप्तिरिन्द्रियैः BhāgP. xi. 15. 4; BrahmVaiP. i. 6. 18; iv. 78. 33; SkandP. i(2). 55. 117; ii(9). 27. 50; ViṣṇuDhaP. i. 57. 18; i. 248. 17; वानरं विहरमाणमणिम्ना । सा तम्···न विवेद RāmC. 16. 54; 22. 34; महर्षयः ··· विचित्राणि कार्याणि वितन्वते अणिमाद्यैश्वर्ययोगात् BrahmSūBh.(Bhā.) 104. 16 (*on* ii. 1. 25); BṛKathāK. 61. 61; Bhām. 235. 21 (*on* i. 3. 27); तत्राणिमा अणुभावः यतः शिलामपि प्रविशति SāṁkhyaTaKau. 344. 1 (*on* 23); LiṅgaP. i. 34. 20; BhaviP. 688A. 33 (iv. 59. 56); श्लाघ्यं यत्तत्क्वपि(प)णमनसां सप्तलोकाधिपत्यं या मृग्यन्ते तरलमतिभिः सिद्धयश्चाणिमाद्याः EI. xxv. 181. 40; ĪśānŚiPa. ii. 19. 4; अणिमा ··· सिद्धश्च षोडशविधम् (ज्ञानम्) PañcaRā.(Nā.) i. 1. 49; ii. 8. 2; SātvaT. 3. 13; अणिमा । ··· प्राप्तिरैश्वर्यमष्टधा AbhidhāCin. 202; समदृश्यत । स्पष्टमष्टगुणैश्वर्यरूपर्यवस्यन्निवाणिमा NaiṣC. 17. 5; 16. 38; PṛthvīVi. 12. 14; SāṁkhyaTaPra. 173. 12; PrabhāC. 193. 12; अत्र तिष्ठन्ति भक्तानामणिमाद्यष्टकप्रदाः EI. xxv. 18. 48; i. 105. 9; vi. 200. 6; अणिमा लघिमा चैव महिमा प्राप्तिरेव च ŚārṅgaPa. 4542; ŚabdaRa.(Vā.) 110; VetāPañ.(Śi.) 6. 22; ParaNā. 165; स्वेच्छयाणुपरिमितशरीरो भवतीत्यणिमा YogSā. 58. 5(3); 62. 15(3); ŚivārkaMaDī. i. 411. 5 (*on* i. 3. 7); VīraMi. (Lakṣaṇa.) 72. 4; विभूतिर्भूतिरैश्वर्यमणिमा महिमा पुनः KalpaK. 391. 106; Ragh. 12. 39; TantrRā. 4. 66.

अणिमन् (áṇ-iman) *n.* very small piece, narrow piece जुह्वां द्वेधा कृत्वावद्यत्यणिमन्यङ्गेषु ŚatBr. III. viii. 3. 18.

अणिमप्राप्ति (aṇima-prāpti) *f.* acquisition of the supernatural power *aṇiman* (minuteness) अणिमप्राप्त्या परैरदृश्यत्वमन्तर्धानम् Mitā. 399. 19 (*on* 3. 202)

अणिमव्यपेत (aṇima-vyapeta) *adj.* devoid of meagreness (i. e. plentiful) तमूर्जसारावणिमव्यपेतौ दुर्योधनं क्रोधपराक्रमौ तौ । दृष्ट्वा दधानं पुलकात्तमङ्गं रागेण भीत्याप्यभवद् ध्वजिन्यः RāghPāṇ.(Dha.) 16. 11 (comm. अरौ शत्रावणिमव्यपेतावणिम्ना व्यपेतौ प्राचुर्ययुक्तौ क्रोधपराक्रमौ दधानं दुर्योधनं पाण्डवविपक्षं राजानम्)

अणिमश्रुति (aṇima-śruti) *f.* scriptural passage referring to subtlety तद्वलवत्यनुरुध्यतामणिमश्रुतिर्वैभववर्णनमौपचारिकतां भजेत् NayaMañ. II. iii. 13. 25.

अणिमसिद्धि (aṇima-siddhi) *f.* name of a deity अणिमम(? अणिम)-सिद्ध्यै स्वाहा NityoNi. 70. 7; नमः ··· अणिमसिद्धे BrahmāṇḍP. iii. 43. 15 (5)

अणिमा (aṇimā) *f.* **A i** name of a deity (belonging to the second enclosure of a Śiva-temple) शक्तिचयः ··· स्वधा विद्याणिमा माया PauṣkS. 21. 3; नवधा चक्रयोगिन्यो नामभिस्ताः समर्चयेत् । अणिमां पश्चिमद्वारे NityāṢoḍa. 1. 166; LiṅgaP. ii. 27. 55; **A ii** one of the epithets of the goddess Tārā असिता अणिमा तथा ··· शतनाम च ते भक्त्या तारायाः परिकीर्तितम् KālīViT. 12. 2; 34. 3; **B** one of the *māyābījas* (in Tantra) अणिमा शशिमा प्रोक्ता चन्द्रबिन्दुसमन्विता KālīViT. 22. 24; 25. 8; बुद्धयुपरि समासीनाणिमा ··· मायाबीजमितीरितम् KālīViT. 26. 11; **C** deified miraculous power (*siddhi*) of becoming very fine, subtle or atomic दश प्रोक्ता सिद्धिदेव्यस्तासां नामानि मच्छृणु । अणिमा महिमा चैव लघिमा गरिमा तथा । ईशिता वशिता चैव प्राप्तिः सिद्धिश्च सप्तमी । प्राकाम्यमुक्तिसिद्धिश्च सर्वकामाभिधापरा BrahmāṇḍP. iii. 19. 4; ViṣṇuDhaP. ii. 129. 12; GaṇeP. ii. 63. 15.

अणिमाख्यगुण (aṇimākhya-guṇa) *m.* (supernatural) quality called *aṇiman* (i. e. power of becoming very small) अन्तर्धानमदृश्यशरीरत्वम् । तच्चाणुपरिमाणत्वे तस्य भवति । तच्चाणिमाख्यगुणप्राप्त्या Aparā. 1028. 10 (*on* 3. 202)

अणिमागुण (aṇimā-guṇa) *adj.* [*f.* -ā] possessing the supernatural power of becoming small चन्द्रिकान्तर्गता नित्या विशालाक्षाणिमागुणा KālīViT. 27. 12; 29. 19.

अणिमाङ्कित (aṇimāṅkita) *adj.* possessed of atomic size उपास्यमानं चरणेषु रेणुभिः । रयप्रकर्षाध्ययनार्थमागतैर्जनस्य चेतोभिरिवाणिमाङ्कितैः (स हयमारुरोह) NaiṣC. 1. 59; अत्र विशेष्यभूतचेतोरूपत्वोत्प्रेक्षायामणिमाङ्कितैरिति निमित्तमुपात्तम् CitraMī. 97. 3.

अणिमाण्डव्य (aṇimāṇḍavya) *m.* name of a sage शूले प्रोतः ··· । अणीमाण्डव्यः (v. l. अणिमाण्डव्यः) MahāBhā. i. 57. 77; स तेन तपसा लोकान्विजिग्ये दुर्लभान्परैः । अणीमाण्डव्यः (v. l. अणिमाण्डव्यः) MahāBhā. i. 101. 21.

अणिमादि (aṇimādi) *adj.* **i** supernatural power called *aṇiman* (becoming very small) and others अणिमादिभिरष्टाभिरैश्वर्यैः समन्वितः (वायुः) VāyuP. i. 2. 35; ii. 30. 15; पद्मारत्रीस्थलाचिन्तामणिन्तेश्मान्तरं मुने । हस्तविंशतिरुन्नम्रं तत्र स्युरणिमादयः BrahmāṇḍP. iii. 36. 48; i. 2. 39; मूलाधारेऽणिमादीनां सिद्धीनां दशकं ततः BrahmāṇḍP. iii. 44. 106; हैहयानामधिपतिः ··· लेभे ··· । योगेश्वरत्वमैश्वर्यं गुणा यत्राणिमादयः BhāgP. ix. 15. 19; सिद्धीनामणिमादीनां सर्वासां चाप्यकाङ्क्षया ।··· भवन्ति तादृशा नूनम् SkandP. ii(9). 4. 27; मन्त्री ··· योगमभ्यसन् । अणिमादिमवाप्नोति AgniP. 30. 35; VāmaP. 32. 11; ऐश्वर्यं नामानैश्वर्यविपर्ययोऽणिमादयोऽष्टगुणाः TattvSa. (1) 119. 11; मुद्रैषा कपिली स्मृता···अणिमादिषु साधनी JayāS. 8. 28; 26. 131; 29. 162; यस्य चानित्यमैश्वर्यं तस्य कारणभेदो भवति अणिमादेः NyāyVār. 467. 19 (*on* iv. 1. 21); धारणा द्वादश ध्यानं दिव्यालोकप्रवृत्तिदम् । समाधिरणिमादीनां द्वादशैतानि कारणम् MṛgendraT. iii. 1. 50; कायसिद्ध्याणिमादिः स्यात् SarvaSiSaṁ. 10. 32; अणिमाद्यैश्वर्याष्टकम् ŚvetāUBh. 82. 17 (*on* 1. 4); वसुधादिषु त्रिदशयोनिवर्तिनां परमेष्ठिनिष्ठमजितोत्तरोत्तरम् । स्थितमीश्वरत्वमणिमादि यद्विभो भवदिच्छयात्र तदहो

विजृम्भितम् HarVi. 6.153; ततो भूयस्तमो यान्ति ये विद्यायां रता जनाः । अणिमादावविद्योत्थे पराचित्ततया रताः BṛĀraUBhVā. iv. 4.602; (प्लवगेश) किमनेन कायविभवेन वारिधिर्विजितस्त्वयाथ परिवार्तितं वपुः । अणिमादयस्तव कथं महागुणाः RāmC. 20.19; (जीवन्मुक्तः) वा अणिमादिभिर्युक्त आस्ते PārāSū. 30.15; शिवस्त्वम् ··· त्वमात्मा त्वं दीक्षा त्वमयमणिमादिर्गुणगणः DeviPañ. 5.34; षडक्षरं मन्त्री ··· । जपेत्क्रमेणाणिमादीन् प्राप्य विद्याधरो भवेत् ĪśānS'iPa. i. 28.124; PauṣkS. 19.16; 26.33; 27.719; दुस्साधमणिमादिभिरष्टभिः ।··· निर्माय पृथिवीपालः पुत्रजन्ममहोत्सवम् PṛthviVi. 8.28; योगगुणे चाणिमादौ प्रवृत्ते ··· ब्रह्मशरीरं प्राप्तस्य योगिनो न जरादि VedāntKa. 183.8 (*on* i. 3.34); योगस्वरूपं चित्तवृत्तिनिरोधस्तत्साधनं यमादि तदवान्तरफलं विभूतिरणिमादिः VedāntKa. 231.14 (*on* ii. 1.3); ParaśuKS. 7.28 (219.21); अणिमादिभिरेक एव भिन्नः परविद्यामणिदर्पणेषु भानात् । सुदृशां भजसि त्वमात्मभूतः Yādavā. 15.24; सर्वस्मिन्नणिमादिपङ्कजवने रम्येऽपि हित्वा रतिं शुद्धां मुक्तिमरालिकां प्रति दृशं यो दत्तवानादरात् KumāPraPra. 47.22; S'ārṅgaPa. 4187; S'abdaRaSaK. 182.12; 242.10; LalitāSaBb. 208.26 (*on* 255); **ii** goddess presiding over the supernatural power *aṇiman* etc. (ददर्श) अणिमादिभिरावृताम् । प्रसन्नवदनां देवीम् PadmP. iv. 74.28; **iii** the goddess Aṇimā etc. अणिमादिब्राह्म्याद्योरेव पूजनकथनात् SetuBa. 38.23; Bhāsk. i. 33.23 (*on* i. 1.1); ओघत्रयाणिमादिषु दैवतेषु चतुर्थ्यन्तं तत्तन्नामोत्तरं स्वाहापदसम्बन्धः NityoNi. 69.28.

अणिमादिक (aṇimādi-ka) *adj.* supernatural power called *aṇiman* (becoming very small) and others ये भक्तियुक्ता गोविन्दे तेषां वक्ष्यामि लक्षणम् । न हि वाञ्छन्ति ते स्वर्गमणिमादिकमष्टकम् ĀdiP. 8.2; (एकैश्वर्यप्रदायिनी) एकं च निरतिशयमणिमादिकमैश्वर्यं निःश्रेयसं प्रददातीति LalitāTriBh. 270.5 (*on* 7); कर्मानुष्ठानाभावात् कुतो धर्मस्तथा चाणिमादिकमैश्वर्यं कार्यरूपं विनैव कर्मणेत्यकृताभ्यागमप्रसङ्गः TātpaṬ.(Vā.) 595.4 (*on* iv. 1.21); पूर्वमैश्वर्यमणिमादिकमष्टविधं निर्दिष्टम् MāṭhVṛ. 62.21 (*on* 45); शिशिरमयूखशेखर तथा कुरु ··· अणिमादिकमुपैमि यथा विभवम् Stotrā. 11.10; देवाः खल्वणिमादिकमष्टविधमैश्वर्यमासाद्य SāṁkhyaTaKau. 422.1 (*on* 48); 421.1 (*on* 48); सत्त्वप्राधान्यात् खलु चित्तं तत्त्वे प्रणिधित्सदपि तत्त्वस्य तमसापिहितत्त्वादणिमादिकमैश्वर्यमेव तत्त्वमभिमन्यमानं तत्प्रणिधित्सति प्रणिधत्ते च क्षणम् TattvVai. 5.16 (*on* 1.2); योगिनामष्टस्वणिमादिकेष्वैश्वर्येष्वश्रेयःसु श्रेयोबुद्धिरष्टविधो मोहः TattvVai. 14.13 (*on* 1.8); Vaija. 280.34; ĪśānS'iPa. i. 29.70; श्रीकृष्णे यस्य भक्तिश्च तस्यात्र ··· अणिमादिकद्वात्रिंशत्सिद्धिः करतले परा PañcRā.(Nā.) i. 4.17; VīraMi. 4.5 (*on* 1.1); अणिमादिकमूलदेव्यादिकौ प्रत्येकमेकादशावयवकौ (न्यासौ) SetuBa. 304.21; ईश्वरत्वं च परमपरं चेति द्विविधम् ।··· यत्त्वणिमादिकमैश्वर्यजातं तदेतदंशरूपमेव Bhāsk. i. 11.23 (*on* i. 1.1); i. 292.16 (*on* i. 5.19)

अणिमादिकविरह (aṇimādika-viraha) *m.* absence of supernatural power *aṇiman* etc. भक्तिर्भगवति भवति त्रिलोकनाथे न तूत्तमा सिद्धिः । किंत्वणिमादिकविरहात् सैव न पूर्णेति नास्ति चिन्ता मे Stotrā. 15.16.

अणिमादिकशक्ति (aṇimādika-śakti) *f.* supernatural power *aṇiman* etc. परिचारकशक्तयः । अणिमादिकशक्तीनामर्थ्यन्ति(?) मदोद्धताः BrahmāṇḍP. iii. 35.104.

अणिमादिकसिद्धि (aṇimādika-siddhi) *f.* supernatural power *aṇiman* etc. उपतिष्ठन्ति तूर्णं तमणिमादिकसिद्धयः (कृष्णभक्तम्) BrahmVaiP. iv. 1.37; ईश्वरम् । अणिमादिकसिद्धीनां कारणम् ··· कः स्तोतुमीश्वरः BrahmVaiP. iv. 4.65; iv. 5.123; गोलोकनाथ ··· अणिमादिकसिद्धीश ··· नमोऽस्तु ते BrahmaVaiP. iv. 27.105; PañcRā.(Nā.) i. 8.24; ii. 2.30; अणिमाद्यष्टगुणं हुत्वा जपेन्मन्त्रसहस्रकम् । अणिमादिकसिद्धीनां पतिरेव भवेद् द्विजः BṛParāSm. 11.183.

अणिमादिकृत (aṇimādi-kṛta) *adj.* produced by the supernatural power *aṇiman* and others रक्ष रक्षेति चापरे । प्रत्यूचुर्देवगन्धर्वानणिमादिकृतान् (दैतेयाः) GaṇeP. ii. 63.42.

अणिमादिगण (aṇimādi-gaṇa) *m.* a group of attendant-deities *aṇimā* etc. अणिमादिगणैर्वृताः । सूर्यकोटिप्रतीकाशास्तत्राजग्मुर्गणेश्वराः S'ivaP. ii(1). 20.28 (65B.3)

अणिमादिगुण (aṇimādi-guṇa) *m.* supernatural power *aṇiman* etc. अनादिनिधनो देवः ··· । ज्ञानानि च वशे यस्य तारकादीन्यशेषतः । अणिमादिगुणोपेतमैश्वर्यं न च कृत्रिमम् MahāBhā. xii. 127*(3); ललिताचरितं पुण्यमणिमादिगुणप्रदम् BrahmāṇḍP. iii. 29.4; अणिमादिगुणोपेतमस्पृष्टपुरुषान्तरम् । शब्दमीश्वर इत्युच्चैः सार्धचन्द्रं बिभर्ति यः KumāSaṁ. 6.75; JayāS. 6.70; योगिनः । ऊर्ध्वं प्रवर्तते रेतो ह्यणिमादिगुणोदयम् SkandP. iv. 41.109; v(1). 6.32; v(2). 74.56; इह जन्मनि यः शुभक्रियार्थैः स परत्राभ्युपगम्य नाकलोकम् । अणिमादिगुणैर्गुणप्रधानैः सुचिरं क्रीडति निर्गमप्रबन्धैः VarāṅgaC. 24.72; अणिमादिगुणैर्युक्तम् ऐश्वर्यं परमोदयम् । भुक्त्वेहैव पुनर्मुक्त्वा मुनिर्निर्वाति योगवित् MahāP. 21.238; विचरति परकारणेन कृत्स्नामयमणिमादिगुणेश्वरस्त्रिलोकीम् (हनुमान्) RāmC. 6.80; 19.2; अणिमादिगुणोपेतः···। बभूव प्रथमे नाके दिव्यरूपधरोऽमरः BṛKathāK. 29.36; 37.8; निषण्णस्य चास्य संजातपरमनिर्वृतेः ··· अणिमादिगुणाधिष्ठितमिव···आत्मानं मन्यमानस्य (सा विभावरी विराममभजत) TilaMañ. 61.21; अणिमादिगुणोपेता भवन्त्येवेह योगिनः LiṅgaP. i. 88.1; विभीषणः···। अजरामरणं प्राप्तमणिमादिगुणैर्युतम् । राज्यं लङ्काधिपत्यं च भोगान् भुङ्क्ष BrahmP. 176.34; नरोऽमरत्वं प्राप्नोति पार्थ अणिमादिगुणोपपन्नम् BhaviP. 715B.22 (iv. 76.67); 249A.14 (i. 165.26); 253B.6 (i. 169.20); अणिमादिगुणाधाराप्यर्कमण्डलसंस्थिता (गायत्री) DevīBhāP. xii. 6.11; अणिमादिगुणान्वितम् । ध्यात्वा तं धारयेच्चित्ते (देवम्) PadmP. iv. 110.311; अणिमादिगुणावाप्तिर्मनसा चावलोकनम् ।··· संतताभ्यासयोगेन खेचरत्वं प्रजायते S'ivaP. v. 27.21 (438A.10); v. 28.13 (439A.5); अणिमादिगुणोपेते ··· किं वक्तव्यं मया देव सर्ववक्तृवरे त्वयि GaṇeP. i. 44.11; i. 53.3; i. 61.9; (सिंहमन्त्रम्) सर्वाहःसु जपेद्यस्तु ··· संसिद्धिमतुलां गच्छेदणिमादिगुणैर्युताम् AhirbuS. 48.43; अणिमादिगुणैर्युक्तं पुंस्तत्त्वं तेन कल्प्यते PāraS. 12.541; साधयेत्खेचरीं सिद्धिमणिमादिगुणान्विताम् NityāṢoḍa. 4.73; (अष्टधा गुणिता शक्तिः) अणिमादिगुणान् नागान् वह्नेर्मूर्तीर्यमादिकान् । अष्टात्मकं जगत्यस्मिन् सर्वं वितनुते S'āraTi. 1.86; प्रभावोऽलौकिकी शक्तिरणिमादिगुणयोगः ManuBh. i. 42.1 (*on* 1.84); अणिमादिगुणसम्पत्तौ दृष्टानुश्रविकविषयप्रत्युपस्थाने च कल्पान्ते सर्वमेतन्नङ्क्ष्यतीति यस्त्रासः सोऽभिनिवेशोऽन्धतामिस्रः TattvVai. 14.18 (*on* 1.8); योगी···। अणिमादिगुणाँल्लब्ध्वा विचरेद् भुवनत्रये S'ivS. 5.59; 3.92; एतत्त्रयं महागुह्यं जरामृत्युविनाशनम् । ··· अणिमादिगुणप्रदम् HaṭhPra. 3.30; 3.130; मनुमुपलभ्य···स भवति···खचरोऽणिमादिगुणभाक् ĪśānS'iPa. i. 25.84; अणिमादिगुणोपेतः ··· । ललिताङ्ग इति ख्यातः TrisaS'aPuC. i. 1.464; योगी संयमवान् । तत्रापि चेश्वरोऽणिमादिगुणशाली Aparā. 2.6 (*on* 1.1); 2.19 (*on* 1.1); रसायने भवेद्विप्रो ह्यणिमादिगुणप्रदः Rasā. 6.75.

अणिमादिगुणाधार (aṇimādiguṇādhāra) *adj.* [*f.* -ā] possessing the qualities like *aninan* etc. अणिमादिगुणाधारा···गङ्गा SkandP. iv. 29.19 (*but* comm. ते गुणाः यस्याः सा अणिमादिगुणा । अः विष्णुराधारो यस्याः सा आधारा); अणिमादिगुणाधारं त्रैलोक्यैश्वर्यदायकम् । अष्टोत्तरशतं ह्येतन्मूर्तीनाम् ··· । शिवस्य दानवो ध्यायन् मुक्तः ··· महाभयात् S'ivaP. ii(5). 49.8 (280A.11)

अणिमादिगुणाष्टक (aṇimādiguṇāṣṭaka) *n.* group of eight supernatural qualities beginning with *aṇiman* ततस्तुतोष भगवान्··· । दत्तवानखिलं ज्ञानमणिमादिगुणाष्टकम् LiṅgaP. i. 85.19; वक्ष्ये मनुम् ··· अणिमादिगुणाष्टकदम् PañcaRā.(Nā.) iii. 3.5.

अणिमादिगुणैश्वर्य (aṇimādiguṇaiśvarya) *adj.* having the greatness of supernatural powers beginning with *aṇiman* अणिमादिगुणैश्वर्यो बुद्ध्यात्मा कार्यरूपिणः । ··· कामान् समश्नुते TaiUBhāVā. 106.16 (2); *n.* mastery over the supernatural powers beginning with *aṇiman* अघोरं वा जपेन्मन्त्रम् ··· । अणिमादिगुणैश्वर्यं संसिद्धिं प्राप्नुयाद् ध्रुवम् SkandP. vii(1). 301.7; अणिमादिगुणैश्वर्यं मया वत्स पराशर । लब्धम् LiṅgaP. i. 64.100; सः ··· अणिमादिगुणैश्वर्यं लब्ध्वा सिद्धैश्च···वन्द्यमानः ĪśānS'iPa. i. 28.142; संततयुक्तात्मा योगी ··· । अणिमादिगुणैश्वर्याण्यधिगम्याप्यविस्मितः । ··· परं निर्वाणमृच्छति ĪśānS'iPa. ii. 67.76; इच्छया देहनिर्माणमिन्द्रजालोपमं विदुः । अणिमादिगुणैश्वर्यवशीकारानतिक्रमात् S'ivaP. vii. 30.15 (534B.9); अणिमादिगुणैश्वर्यमाज्ञासिद्धिः प्रजायते Rasā. 18.161.

अणिमादिचतुष्टय (aṇimādi-catuṣṭaya) *n.* group of four goddesses presiding over supernatural powers beginning with *aṇiman* चतुरश्रप्रथमरेखायामणिमादयो दश सिद्धयः पूज्याः । तास्वणिमादिचतुष्टयमाद्यं पश्चिमादिदक्षिणान्तदिक्षु SetuBa. 84.4.

अणिमादितस् (aṇimādi-tas) *adv.* from the goddess Aṇimā (presiding over the supernatural power called *aṇiman*) तृतीयावरणे, अणिमादितो गणनया विस्तृतार्चने SetuBa. 93 5.

अणिमादिदशक (aṇimādi-daśaka) *n.* group of ten goddesses presiding over supernatural powers beginning with *aṇiman* सिद्धयोऽणिमादिदशकम् SetuBa. 159.12 (cf. NityāṢoḍa. 1.168 : *aṇimā*, *laghimā*, *mahimā*, *īśitva*, *vaśitva*, *prākāmya*, *bhukti*, *icchā*, *prāpti* and *sarvakāma*)

अणिमादिनिकेतन (aṇimādi-niketana) *n.* place of habitation of the supernatural powers *aṇiman* and others जगाद च स योगीन्द्रः सैषा सिद्धिरिदं च तत् । ज्ञानं स्वातन्त्र्यमैश्वर्यमणिमादिनिकेतनम् KathāSaSāg. viii. 2.80.

अणिमादिन्यास (aṇimādi-nyāsa) *m.* assigning of the various parts of the body to the tutelory deities of supernatural powers beginning with *aṇiman* अणिमादिन्यासस्यापि पूजाकाल एव विधास्यमानतया SetuBa. 288.14; चक्रन्यासशब्दोऽपि वक्ष्यमाणावान्तरन्यासनवकसमूहवाचकः । स च यद्यप्यणिमादिन्यासमूलदेव्यादिन्यासभेदेन ··· द्विप्रकारो वक्ष्यते SetuBa. 288.17; अणिमादिन्यासोत्तरमेवैतयोर्निवेशः (चक्रेश्वरीन्यासयोः) SetuBa. 225.4; 304.25.

अणिमादिप्रद (aṇimādi-prada) *adj.* bestowing supernatural powers *aṇiman* etc. सर्वसिद्धिप्रदमणिमादिप्रदम् SetuBa. 42. 23.

अणिमादिप्रसिद्धि (aṇimādi-prasiddhi) *f.* acquisition of the super natural powers *aṇiman* etc. वस्वश्रं शाङ्करे कुण्डमणिमादिप्रसिद्धये MṛgenraT. ii. 6. 49.

अणिमादिप्रादुर्भाव (aṇimādi-prādurbhāva) *m.* appearance of the supernatural powers *aṇiman* and others स्थूलस्वरूपसूक्ष्मान्वयत्वसंयमाद् भूतजय: । ततोऽणिमादिप्रादुर्भाव: कायसम्पत्तद्धर्मानभिघातश्च YogSū. 3. 45; अणिमादिप्रादुर्भाव इत्यनेनैव तद्धर्मानभिघातसिद्धौ पुनरुपादानं कायसिद्धिवदेतत्सूत्रोपबद्धसकलविषयसंयमफलवत्त्वज्ञापनाय TattvVai. 170. 20 (*on* 3. 45); ऐश्वर्यमपि बुद्धिधर्म: यतोऽणिमादिप्रादुर्भाव: SāṁkhyaTaKau. 344. 1 (*on* 23); बुद्धिधर्मादैश्वर्यादणिमादिप्रादुर्भाव: SāṁkhyaTaPra. 173. 11; ततश्च भूतजयादणिमादिप्रादुर्भाव: कायसंपद् भूतधर्मानभिघातश्चेत्येतत् सिद्धित्रयं भवति YogSā. 57. 18(3)

अणिमादिप्राप्ति (aṇimādi-prāpti) *f.* acquisition of the supernatural powers *aṇiman* and others हिरण्यगर्भोपासनेन ह्यणिमादिप्राप्ति: फलम् ĪśopBh. 18. 2 (*on* 14)

अणिमादिप्रेप्सा (aṇimādi-prepsā) *f.* desire to attain the supernatural powers *aṇiman* and others चित्तैकाग्र्यं यथा योगी महायासेन साधयेत् । अणिमादिप्रेप्सयैवं विविच्यात् स्वं मुमुक्षया PañcDa. 7. 208.

अणिमादिफलप्रदा (aṇimādiphala-pradā) *adj.* (*f.*) yielding the result in the form of the supernatural powers *aṇiman* and others सा सार्धमैहिकैर्भोगैरणिमादिफलप्रदा (प्रतिष्ठा) PāraS. 15. 8.

अणिमादिभाज् (aṇimādi-bhāj) *adj.* achieving the supernatural powers *aṇiman* and others व्रत्याशन: शस्तदेशे जपकोट्याणिमादिभाक् ĪśānS'iPa. i. 35. 59.

अणिमादिभूति (aṇimādi-bhūti) *f.* wealth of supernatural powers beginning with *aṇiman* अणिमादिभूतयोऽस्या: स्वीकृतकमनीयकामिनीरूपा: (परमेश्वर्या:) KāmKaVi. 49.

अणिमादिमहासिद्धि (aṇimādi-mahāsiddhi) *f.* great supernatural powers beginning with *aṇiman* अणिमादिमहासिद्धिनि:साधारणवैभव: । कथं त्वाममरैरन्यैरुपेक्षे समभिष्टुतम् SkandP. i(3. 2). 14. 29.

अणिमादियोग (aṇimādi-yoga) *m.* conjunction with (i. e. possession of) the superhuman powers of *aṇiman* etc. (मुक्ति:) नाणिमादियोगोऽपि SāṁkhyaPraSū. 5. 82.

अणिमादिरूप (aṇimādi-rūpa) *adj.* [*f.* -ā] in the form of the superhuman powers like *aṇiman* etc. देवानां जन्मसिद्धिरणिमादिरूपा YogSā. 64. 8(3); फलमाकाशगमनादिरूपा गति: । अणिमादिरूपमैश्वर्यमपि मदीयात् गमनादैश्वर्यादधिकम् LaCandr. 898. 27; अन्यदपि यत् सिद्धिसन्तानमणिमादिरूपम्…तत् सर्वमनेनैव प्रयोगेण साधयेत् SetuBa. 123. 20.

अणिमादिलक्षण (aṇimādi-lakṣaṇa) *adj.* characterised by (the superhuman powers like) *aṇiman* etc. न हि तदा योगिनामणिमादिलक्षणमैश्वर्यं याज्ञवल्क्यस्योक्तं भवति Aparā. 2. 22 (*on* 1. 1)

अणिमादिविभूति (aṇimādi-vibhūti) *f.* supernatural powers like *aṇiman* etc. विदेहनिर्माणशक्तेरणिमादिविभूतेश्चावश्याभ्युपगन्तव्यत्वात् NyāyKuA. i. 142. 8; यत्पादपद्मस्मरणादणिमादिविभूतय: । भवन्ति भविनामस्तु भूतनाथ: स भूतये RājMār. 42. 19; VīraMi. 4. 5 (*on* 1. 1)

अणिमादिशक्ति (aṇimādi-śakti) *f.* supernatural powers like *aṇiman* etc. तत्राणिमादिशक्तीनां परिवारवरूथिनी BrahmāṇḍP. iii. 25. 59; अणिमादिशक्तिर्मोह: S'vetaUBh. 77. 7 (*on* 1. 4); दैवी स्थितिरणिमादिशक्तियोगोऽनेकप्रकार: ManuBh. ii. 445. 8 (*on* 11. 236); तत्र स्थितं शक्तिचक्रमणिमादिशक्तिकदम्बं स्वमुद्रया योजयेत् SetuBa. 97. 24; कालखण्डा: षण्णवतिर्भवन्ति । ते क्रमेणाणिमादिशक्तिरूपा इति SetuBa. 175. 20; 162. 2.

अणिमादिसंपत्ति (aṇimādi-sampatti) *f.* attainment of supernatural powers like *aṇiman* etc. वर्षान्तरसञ्चरणमेव हि दुष्करम् । कुतो लोकान्तरसञ्चार: । …अणिमादिसम्पत्तेरेवमपि स्यादिति चेन्न NyāyKuA. i. 142. 5.

अणिमादिसिद्ध (aṇimādi-siddha) *adj.* possessed of supernatural powers like *aṇiman* etc. कुण्डमध्ये । वेतालसंज्ञां गुलिकां लभेत तां धारयन् स्यादणिमादिसिद्ध: ĪśānS'iPa. i. 15. 127; नन्दन्तु साधककुलान्यणिमादिसिद्धा: NityoNi. 61. 27.

अणिमादिसिद्धि (aṇimādi-siddhi) *f.* supernatural powers *aṇiman* and others अणिमादिसिद्धीर्मुद्रा नमामि TripuMāPūSt.(S'aṅ.) 89; ददर्श स महेशानम् …अणिमादिसिद्धिभिश्च मूर्ताभि: समुपासितम् BṛDharmaP. i. 38. 72; अपजहसुरवाप्तसंयमा: स्वान् अपरिमितानणिमादिसिद्धिभेदान् Yādavā. 24. 68; NyāySu.(Ja.) 277B. 4 (*on* ii. 1. 2); आत्मजिज्ञासुभिरयमेव संयम: संयमान्तराण्यणिमादिसिद्धिहेतुभूतानि विहाय कर्तव्य इति YogSā. 55. 13(3); SāṁkhyaPraBh. 146. 23 (*on* 5. 128); VīraMi. 903. 4 (*on* 3. 202); गिरिश: । अणिमादिसिद्धिमनुगृह्य पुनर्नयति स यक्षवनितास्त्रिदिवम् S'ivLī. 17. 45; 17. 42; अणिमादिसिद्धयो मामवन्तु देवीप्रभास्वरूपिण्य: LalitāStaRa. 126; 127.

अणिमाद्य (aṇimādya) *adj.* [*f.* -ā] **1** (supernatural powers) beginning with *aṇiman* तामिस्रो नामाष्टगुणैश्वर्येऽणिमाद्ये दशविधे च विषये यो द्वेषोऽप्रतिहतस्तत्र यद् दु:खमुत्पद्यते TattvSa. (12) 132. 1; ऐश्वर्येणाणिमाद्येन…ऋषीनभिभवन्ति च VāyuP. i. 57. 76; ऐश्वर्यमणिमाद्यं हि कारणं ह्यष्टलक्षणम् VāyuP. ii. 40. 97 = BrahmāṇḍP. iii. 3. 75; VāyuP. i. 20. 22; ii. 4. 123; ii. 5. 63; ऐश्वर्येणाणिमाद्येन …ऋषींस्तेऽभिभवन्ति हि MatsyaP. 142. 68; BrahmāṇḍP. i. 29. 82; सिद्धयो ह्यणिमाद्याश्च…आगत्य ते महादेवीं तुष्टुवु: BrahmāṇḍP. iii. 14. 7; महाकलकलं चक्रुरणिमाद्या: पर:शतम् BrahmāṇḍP. iii. 25. 59; ii. 3. 64; iii. 31. 94; iii. 36. 46; अणिमाद्यां प्रयच्छन्ति तदङ्गानि महात्मनाम् PauṣkS. 19. 108; SaundL. 30; 95; अणिमाद्यात्मकमैश्वर्यं मुक्तानां भवितुमर्हति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 858. 14 (*on* iv. 4. 17); सिध्यन्ति सिद्धय: सर्वा अणिमाद्या: समृद्धय: SarvaVeSāSaṁ. 143; TripuVePāSt. 57; 74; SkandP. iii(3). 7. 39; vi. 262. 72; न हि समाधय: … अणिमाद्या: कार्यसिद्धी: … आसादितवन्त: Kiraṇā. 285. 10; योगैश्वर्यं चाष्टगुणं स्यादणिमाद्यम् ĪśānS'iPa. i. 23. 47; Upask. 388. 7 (*on* ix. 1. 13); अणिमाद्याश्च सिद्धय: । मन्त्रराजस्य पुरतश्चरन्ति BṛBrahmaS. i. 6. 9; LalitāSaBh. 71. 9 (*on* 106); **2** (Āvaraṇa deities) like Aṇimā etc. प्रभा अणिमाद्या आवरणदेवता: LalitāSaBh. 103. 26 (*on* 137)

अणिमाद्यखिलदेवता (aṇimādy-akhiladevatā) *f.* all the deities like Aṇimā etc. अणिमाद्यखिलदेवतानामासनस्थाने प्रत्येकं वागुराकारेण सर्वमातृका: पुन:पुनर्लेख्या इत्यन्ये SetuBa. 122. 27.

अणिमाद्यावरणशक्ति (aṇimādy-āvaraṇaśakti) *f.* defied energies of the *āvaraṇa* like Aṇimā etc. न त्वेता वृत्तयोऽणिमाद्यावरणशक्तय: इति भ्रमितव्यम् SetuBa. 175. 10.

अणिमाद्यष्टक (aṇimādy-aṣṭaka) *n.* group of eight (supernatural powers) beginning with *aṇiman* जपान्तमखिलं कर्म…प्रयच्छति । अणिमाद्यष्टकं चैव PauṣkS. 32. 149; परमेश्वरा: … अणिमाद्यष्टकोपेता: PauṣkS. 36. 385; 33. 145; सृष्टश्चतुर्मुख: … अणिमाद्यष्टकोपेत: JayāS. 2. 38 = PāraS. 10. 116; सदाणिमाद्यष्टकसेवनीये … सवित्रि लोकस्य नमो नमस्ते BrahmāṇḍP. iii. 30. 18; अणिमाद्यष्टकं तस्य योगसिद्धस्य जायते SarvaSiSaṁ. 10. 68; योगिनी … अणिमाद्यष्टकच्छलात् । अपश्यत् फलितां स्थाणावहिंसाद्यष्टपुष्पिकाम् PṛthvīVi. 5. 38.

अणिमाद्यैश्वर्य (aṇimādy-aiśvarya) *n.* supernatural powers beginning with *aṇiman* यत्राष्टगुणमणिमाद्यैश्वर्यं तत्र सङ्गादिन्द्रादयो देवा न मोक्षं प्राप्नुवन्ति SāṁkhyaKāBh. 27. 11 (*on* 48); अन्यदेव पृथगाहु: फलम् … अणिमाद्यैश्वर्यलक्षणम् ĪśopBh. 17. 9 (*on* 13); इतरेषामणिमाद्यैश्वर्यं श्रूयते BrahmSūBh.(S'aṅ.) 858. 19 (*on* iv. 4. 17); योगोऽप्यणिमाद्यैश्वर्यप्राप्तिफलक: BrahmSūBh.(S'aṅ.) 208. 7 (*on* i. 3. 33); KāṭhUBh. 128. 19 (*on* 2. 11); BṛĀraUBhVā. iv. 4. 131; अणिमाद्यैश्वर्ययोगिनो वा…अन्तर्यामिता स्यात् Bhām. 180. 13 (*on* i. 2. 18); GītāBh.(Rā.) 499. 1 (*on* 10. 3); NītiMā. 32. 1; 67. 2; Aparā. 2. 23 (*on* 1. 1); अणिमाद्यैश्वर्यसंबन्धोऽपि न मुक्ति: SāṁkhyaPraBh. 134. 30 (*on* 5. 82)

अणिमाद्वितीयावरण (aṇimā-dvitīyāvaraṇa) *n.* the second enclosure of the (deified) supernatural power Aṇimā केशव: रुद्र: चन्द्रमा: भास्कर: … भूतपति: भीम: अणिमाद्वितीयावरणम् VīraMi.(Rājanīti.) 385. 8.

अणिमामय (aṇimā-maya) *adj.* consisting of the divinity Aṇimā कल्पयेदासनं पश्चात् पद्माख्यं प्रणवेन तत् । तस्य पूर्वदलं साक्षादणिमामयमक्षरम् LiṅgaP. i. 27. 25; S'ivaP. ii(1). 11. 45 (51A. 4)

अणिमाव्यूह (aṇimā-vyūha) *n.* group of subordinate deities belonging to the tutelary deity Aṇimā अणिमाव्यूहमावेष्ट्य प्रथमावरणे क्रमात् । ऐन्द्रा …पितामह: । प्रथमावरणं प्रोक्तम् (कथितं चाणिमाव्यूहम्) LiṅgaP. ii. 27. 98.

अणिमासिद्धि (aṇimā-siddhi) *f.* deified supernatural power Aṇimā देव्या: पृष्ठभागेऽणिमासिद्धि: SetuBa. 84. 12.

अणिमोक्ष (aṇi-mokṣa) *m.* slipping away of the pin fixed at the end of the axle (of a cart) अक्ष: …अणिमोक्षादनुपाङ्गाद् … अन्तरावसानमापद्यते CaraS. iii. 3. 38 (1941 Ed.)

अणिम्नी (aṇimnī) *adj.* (*f.*) of very small or minute size (नाड्य:) तद् यथा सहस्रधा केशो विपाटितस्तावदण्व्य: पिङ्गलस्याणिम्न्यस्तिष्ठन्ति S'āṅkhāĀ. 6. 19 (25. 15)

अणिलावाड (aṇilā-vāḍa) *m.* village Aṇilāvāḍa (राजेन्द्रो वस्त्रभाण्डाधिकारिणम् । आनेतुमादिशद्वस्त्राणि) अणिलावाडजातानि Mānaso. iii. 6. 1019.

अणिष्ठ (áṇ-iṣṭha) *adj.* [*f.* -ā] (superlative) the smallest or the most minute त्रेधा तण्डुलान् विभजेत् … येऽणिष्ठास्तान् विष्णवे शिपिविष्टाय शृते चरुम्

TaiS. II. v. 5.2; पूर्वार्धं च जघनार्धं चाणिष्ठौ करोति S'atBr. VIII. ii. 4.20; तदाहुः कुतो यज्ञस्याणिष्ठमिति JaimiBr. 1.258; त्रिषु नक्षत्राणि तस्मात् तान्यणिष्ठाणि JaimiBr. 2.6; योऽणिष्ठस्तन्मनः ChāndoU. vi. 5.1; स्त(? स्थ)विष्ठो मध्यमोऽणीयान् द्राघीयान् दक्षिणार्ध्योऽणिष्ठो ह्रसिष्ठ उत्तरार्ध्यः ĀpaS'S. i. 5.10; HirS'S. i. 2.62; MānS'S. 8.16; ĀgniveGS. ii. 3.1 (55.10); वर्षिष्ठाणिष्ठयोरेषां लघूपोत्तममक्षरम् ṚPrāti. 17.22; अणिष्ठा बहुपादानां भारद्वाजी पुरूतमम् ṚPrāti. 17.31; TaiPrāti. 13.11; ये त्वणिष्ठा धातवः … अन्तःकरणसंघातमुपचिन्वन्ति ChāndoUBh. 383.8 (*on* vi. 8.6); योऽणिष्ठो रसः BṛĀraUBh. 508.15 (*on* iv. 2.3); 275.1 (*on* ii. 2.1); योऽन्नस्याणिष्ठो भागस्तन्मनः Bhām. 52.1 (*on* ii. 4.21); (परिधिः) अणिष्ठो ह्रसिष्ठो मध्यतः NyāyMāVi. 569.15 (*on* x. 5.26); अणिष्ठानां शृतं चाधिकरणं विधेयम् VidhiRa. 41 (201.7) = S'ivārkaMaDī. i. 314.26 (*on* i. 2.1); VidhiRa. 41 (201.15); गुदस्य विषमं त्रेधा विभक्तस्य यस्तृतीयोऽणिष्ठो भागः VīraMi. (S'aṁskāra) 985.24; *m.* name of Jina श्रेष्ठोऽणिष्ठो गरिष्ठगीः MahāP. 25.122.

अणिष्ठता (aṇiṣṭha-tā) *f.* minuteness त्रसरेणुमपि हि ततोऽणिष्ठतयाभिमतद्रव्यान्तरापेक्षया महिमगुणशालीति वदन्ति S'rutaPra. iA. 19.15 (*on* i. 1.1)

अणिष्ठधातु (aṇiṣṭha-dhātu) *m.* the most minute substance or constituent element of the body अन्नाप्स्नेहजातानि अणिष्ठधातुरूपेण मनःप्राणवाच उपचिन्वन्ति ChāndoUBh. 365.15 (*on* vi. 5.4)

अणिष्ठभाव (aṇiṣṭha-bhāva) *m.* the state of being extremely minute दर्शिकाग्नेययागार्थतण्डुलानां मध्यमस्थविष्ठाणिष्ठभावेन त्रेधा विभागोऽर्थ इति स्वारस्येन प्रतीयते S'ivārkaMaDī. i. 30.31 (*on* i. 1.1)

अणिष्ठमध्या (aṇiṣṭha-madhyā) *adj.* (*f.*) (verse) having the middle foot smaller (than the first and the third) त्रिपादणिष्ठमध्या पिपीलिकमध्या ChandaḥSū. 3.57.

अणी (aṇī) *f.* **1** linch-pin धवलबलीवर्दपङ्क्तिरिव समाधुर्या वाणी मनो हरति NalCam. 4.16(51) (comm. अनः शकटम्। अणीं वा। अक्षाग्रकीलिकामिव हरति वहतीत्यर्थः); **2** point of a spear अणी शूलाग्रं तद्युक्तो माण्डव्यः (अणीमाण्डव्यः) Nīlakaṇṭha *on* MahāBhā. i. 101.21; धाराभिश्च अणीभिश्च सुप्रयुक्तौ च जघ्नतुः SkandP. i(1). 30.30; KalpaK. 104.35; **3** tail (ब्रह्माणी ब्रह्मजननी) ब्रह्मरूपा अणी पुच्छम् LalitāSaBhā. 165.34 (*on* 20)

अणीचि (aṇīci) *adj.* driver of a cart अणीचिः …त्रिषु शाकटिके मतः NānārthāSaṁ. ii. 58.139; *m.* bamboo अणीचिस्तु पुमान् वेणौ NānārthāSaṁ. ii. 58.139.

अणीचिन् (aṇīc-in) *m.* name of a sage तद्धाप्यणीची मौनो जाबालगृहपतीन् … पप्रच्छाह्वोऽगाता३ परुच्छेपा३ इति KauṣīBr. 23.5 (105.13)

अणीमन् (aṇīman) *m.* supernatural power of assuming the most minute form सिद्धयोऽकृष्टपच्याः (v. l. सिद्धयोऽष्टावणीमाद्याः) SkandP. iv. 58.134 (F. N. तत्र दीर्घश्छान्दसः)

अणीमाण्डव्य (aṇī-māṇḍavya) *m.* name of a sage (wrongly suspected to be a thief) शूले प्रोतः पुराणर्षिरचोरश्चोरशङ्कया। अणीमाण्डव्य इति वै विख्यातः सुमहायशाः MahāBhā. i. 57.77; i. 101.21.

अणीय (aṇ-īya) *adj.* [for अणीयस्] thin, minute अणीयरूपं क्षुरधारया तन्महच्च रूपं त्वपि पर्वतेभ्यः MahāBhā. v. 44.22.

अणीयस् (áṇ-īyas) *adj.* [*f.* -ī] (comparative) **A i** (with animate beings) smaller पुरस्तात् पशुरणीयान् KāṭhS. 20.10; KapiKaS. 31.12; पशुः … शिरः स्थवीयोऽणीयस्यो ग्रीवा पार्श्वभ्यां वरीयान् PañcBr. xvi. 2.6; जलौकसाम् … महान्तोऽदन्त्यणीयसः BhāgP. i. 15.25; **A ii** more subtle, atomic अणोरणीयान् महतो महीयानात्मा TaiĀ. x. 10.1 (800.4); KāṭhU. 2.20; S'vetāU. 3.20; NāraPaU. 9.13; NārāyUTāU. 81.1(1); ParamāU. 9.3; S'arabhU. 18; S'aṅkhaSm. 7.20; DevīBhāP. vii. 34.34; एष म आत्मान्तर्हृदयेऽणीयान् ChāndoU. iii. 14.3; MaitrīU. 463.4(7); अणोरणीयानहम् KaivaU. 1.20; अणोरणीयांसमिममात्मानमोंकारं नो व्याचक्ष्व NṛsiṁhoTāU. 1; अणीयान् बिसोर्णाया यः सर्वमावृत्य तिष्ठति HirS'S. xxvi. 6.10 = ĀpaDS. i(8). 23.2; अणोरणीयान् … सर्वभूतेषु जागृमि MahāBhā. v. 45.28; कविं पुराणम् …अणोरणीयांसमनुस्मरेद्यः MahāBhā. vi. 30.9 (BhagGī. 8.9); (प्राहुर्नारायणम्) अणीयसामणीयांसं स्थविष्ठं च स्थवीयसाम् MahāBhā. xii. 47.15 = ViṣṇuDhaP. i. 52.18; ManuSm. 12.122; आधारभूतं विश्वस्याप्यणीयांसमणीयसाम्। प्रणम्य अच्युतम् ViṣṇuP. i. 2.5 = BrahmP. 1.25 = 180.10; AhirbuS. 35.88; 52.42; नारायणमणीयांसं निराशीरयजत् प्रभुः BhāgP. ix. 18.50; ii. 2.25; BṛNāraP. 2.52; 11.51; अणीयसे विश्वविधारिणे नमः Kirātā. 18.41; MahāP. 24.43; ĀtmaTaVi. 812.7; BhaviP. 550A.4 (iii(4). 6.18); AdhyāRā. vi. 3.26; परमाणोरपि परं तदणीयो ह्यणीयसः YogVā. iii. 10.32 = S'ārṅgaPa. 4256; VedāSaṁ. 115.6; अणीयांश्च महीयांश्च भगवान् AnuVyā. 25A.5 (*on* 2.2); PañcDa. 6.80; त्वाम् … मुनिजनः … अणीयांसम् … स्मरति देव YudhiVi. 6.143; AmṛUda. 4.73; **A iii** weaker (तं न पश्यामि फल्गुनम्) यः क्षमाशीलः क्षिप्यमाणोऽप्यणीयसा। ऋजुमार्गप्रपन्नस्य शर्मदाताभयस्य च MahāBhā. iii. 142.13; HarVi. 11.65; ननु जगत्त्रयाक्रमणकर्मठोरुविक्रमः किमित्येवमेतावत्यणीयसि रिपावार्यः स्वयमेनं कृपाणमादत्ते UdaySuKa. 6.11; **B i** (with inanimate things) smaller ये स्थूला अङ्गारास्ते ऋतवो येऽणीयांसस्तेऽर्धमासाः KāṭhS. 6.7; KapiKaS. 4.6; विक्षुद्रमिव वा अन्तस्त्यमणीय इव च स्थवीय इव च AitBr. 4.4 (88) = AitĀ. I. v. 1.4; वज्रः … आरम्भणतोऽणीयान् ṢaḍviBr. iii. 3.4; JaimiBr. 3.295; द्वेधा तण्डुलान् कुर्वन्ति। स येऽणीयाꣳसः परिभिन्नास्ते बार्हस्पत्याः S'atBr. V. iii. 2.7; (दन्ताः) अधर एवाग्रे जायन्तेऽथोत्तरे यस्मादणीयांसः S'atBr. XI. iv. 1.5; XI. iv. 1.13; GopBr. i. 3.7; i. 3.9; तस्य मध्ये वह्निशिखा अणीयोर्ध्वा व्यवस्थिता (accent and sandhi?) TaiĀ. x. 11.2 (827.4); GopīU. 66.23; CaturveU. 21.4; MahāU. 1; VāsuU. 406.9; अरत्निमात्रेण पक्षाग्रावणीयांसौ भवतः BaudhS'S. ii. 307.5; स्थविष्ठो मध्यमोऽणीयान् द्राघीयान् दक्षिणार्ध्योऽणिष्ठो ह्रसिष्ठ उत्तरार्ध्यः BhārS'S. i. 5.8; ĀpaS'S. i. 5.10; MānS'S. 8.16; VārāS'S. I. ii. 1.31; ĀgniveGS. ii. 3.1 (55.10); NyāyMāVi. 569.15 (*on* x. 5.26); (यूपम्) अग्रेऽणीयांसमष्टाश्रिं करोति BhārS'S. vii. 2.8; ĀpaS'S. vii. 3.2; HirS'S. iv. 1.2; VaikhāS'S. 10.2; अणीयांसं स्थवीयस्युपकर्षति MānS'S. 52.1; अणीयसीं स्थवीयस्युपकर्षति VārāS'S. I. vi. 3.22; मृद्देहिका …मुखाग्रेणाप्यणीयसा। करोति मृद्धारचयम् MārkP. 43.52 = S'ārṅgaPa. 4614; HarṣaC. 253.18; AvantiKa. 182.17; अन्तः … अणीयसी या त्वदप्रथनकालिकास्ति मे। तामपीश परिमृज्य Stotrā. 13.2; बिभ्रतीम् …रोमराजिमणीयसीम् IśānS'iPa. i. 15.61; किमचलशिरोऽतिमहदिति वज्रमणीयो न दारयति SūktiRa. 99.22; वेणी नाणीयशी(? सी)व … वीरलक्ष्म्या रणाग्रे EI. xiv. 220.73; xiv. 344.68; DṛṣṭāKaS'. 99; जालान्तरगते भानौ यदणीयो रजो भवेत् Hastyāyur. 22.6 (1.2); अथाभ्यषेचि तत्पुत्रो जडैः … अणीयःपत्रविस्फारः कुन्दो माघदिनैरिव RājTa.(Jo.) 39; **B ii** more subtle, atomic सर्वगतमपि व्योम …अणीयः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 103.1 (*on* i. 2.7); पृथिव्यप्तेजांसि … स्थूलान्यणून्यणीयांसि S'ivārkaMaDī. ii. 190.20 (*on* ii. 4.18); **C i** (with abstract notions) small, insignificant सैषा सज्जनाचरिता सरणिर्यदणीयसि कारणेऽनणीयानादरः संदृश्यते DaśKuC. 121.9; 100.10; TattvSaṁ. 3; RāghPāṇ. (Dha.) 11.9; स व्यधत्त करणीयमणीयः VakroJi. 106.5; न च महाफलं ब्रह्मोपासनमणीयसे फलाय कल्पते Bhām. 150.7 (*on* i. 1.24); अणीयोभ्यः सुखेभ्यः … पुरुषाणामभिलाषः TantrRa. 175.9; परमार्थदृशां न किमपि सारमणीयः S'āntiS'. 2.1; अनुसंधानमत्राल्पमणीयोऽनुष्ठेयम् ManvaVi. 180.6 (*on* 2.106); YudhiVi. 6.106; MayūSaṁ. 2.37; प्रेमा विभावाद्यैः स्वल्पैर्नीतोऽप्यणीयसीम्। विभावनाद्यवस्थां तु BhaktiRaSi. ii. 1.12; नाणीयसीमपि नृपोऽर्हति हन्त चिन्ताम् KaṁVa. 1.39; ĀnandRa. 4.18 (7); **C ii** too subtle to grasp धर्मो ह्यणीयान् वचनाद् बुद्धेश्च MahāBhā. xii. 128.6; सूक्ष्मात् सूक्ष्मतमोऽणीयान् शीघ्रत्वं लघिमा गुणः MārkP. 40.31; S'ārṅgaPa. 4544; ये पुनरप्राप्यकारि चक्षुराहुस्तेषां व्यवहितविप्रकृष्टार्थग्रहणं दुर्निवारम् … विप्रकर्षेऽपि … अणीयांसोऽप्यर्था गृह्येरन् PrakaPañ. 131.4; **C iii** sharp ध्वनेः स्वरूपम् … अणीयसीभिरपि चिरन्तनकाव्यलक्षणविधायिनां बुद्धिभिरनुन्मीलितपूर्वम् Dhvanyā. 35.2 (*on* 1.1); **C iv** weaker, insufficient वाणी वाणीपतेर्यस्या वर्णनायामणीयसी TristhaSe. 1.6; *n.* more minute thing यस्मान्नाणीयो न ज्यायोऽस्ति कश्चित् TaiĀ. x. 10.3 (816.1) (comm. ब्रह्मतत्त्वादणीयोऽत्यल्पं वस्तु नास्ति); Nir. 2.3 (45.16); TattvSa. (3) 126.10.

अणीयस्क (aṇīyas-ká) *adj.* [DEBRU. p. 449] more minute बालादेकमणीयस्कमुतैकं नेव दृश्यते AV. x. 8.25.

अणीयस्त्व (aṇīyas-tva) *n.* [DEBRU. p. 716] **i** minuteness (of word) व्याप्तिमत्त्वात्तु शब्दस्याणीयस्त्वाच्च शब्देन संज्ञाकरणं व्यवहारार्थं लोके Nir. 1.2 (29.3); **ii** the state of being more subtle (of Self etc.) अणीयस्त्वम् …जीवस्यावकल्पते … न तावदणीयस्त्वं ज्यायस्त्वं चोभयमेकस्मिन् समाश्रयितुं शक्यम् …प्रथमश्रुतत्वादणीयस्त्वं युक्तमाश्रयितुम् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 97.3 (*on* i. 2.1); 102.15 (*on* i. 2.7); 462.2 (*on* ii. 3.29); अणीयस्त्वश्रुतिः …जीवस्य …अवकल्पते BrahmSūBh.(Bhā.) 37.20 (*on* i 2.1); 137.22 (*on* ii. 3.29); VedāntDī. 139.11 (*on* ii. 4.18); BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 190.5 (*on* ii. 4.18); अणीयस्त्वं प्रकृतेरपि व्यापनयोग्यसूक्ष्मत्वम् S'rutaPra. iA. 237.12 (*on* i. 1.1); iB. 289.18 (*on* i. 2.1); ii. 403.25 (*on* ii. 4.18); स्वशब्देनैवाणीयस्त्वस्य व्यपदेशात् … अणीयस्त्वं च … उपासनाविशेषविवक्षया व्यपदिश्यते VedāntKau. 53.5 (*on* i. 2.7); 48.6 (*on* i. 2.1); NyāySu.(Ja.) 161A.7 (*on* i. 2.2); अन्यत्राणीयस्त्वम् … श्रूयते … महत्त्वाणीयस्त्वयोः … विकल्पः … छान्दोग्ये … अणीयस्त्ववर्णनानन्तरं ज्यायस्त्वकीर्तनम् S'ivārkaMaDī. ii. 315.13 (*on* iii. 3.19); i. 279.27 (*on* i. 1.26); i. 297.26 (*on* i. 2.1); i. 444.10 (*on* i. 3.20); ii. 190.21 (*on* ii. 4.18); अणीयस्त्वोपदेशाच्च जीव एव मनोमयः GoviBh. 30.13 (*on* i. 2.6); **iii** the state of being smaller परिधेश्चाणीयस्त्वान्न …नियोजनं च शक्यं कर्तुम् (पशोः) S'āstrDī.

683. 12 (*on* x. 3. 3); मांसमनसोः पुरीषाणीयस्त्वेन VedāntSā.(Rā.) 233. 4 (*on* ii. 4. 18)

अणीव (aṇī-va) *m.* [*subhrādigaṇa*, P. iv. 1. 123; GaṇPā. 230. 38; GaṇRa. 3. 219 (262)] name of a person शुभ्र इत्येवमादिभ्यः … ढक् प्रत्ययो भवति…अणीव KāśiVṛ, *on* P. iv. 1. 123.

अणु (áṇu) *adj.* [*f.* -ṇvī] [MAYR. 1. 26; DEBRU. p. 413; GaṇPā. 147. 30 (*pṛthvādi* v. 1. 122); 186. 11 (*yāvādi*. v. 4. 29); KāśiVṛ. (*on* P. v. 4. 29); JaineVyā. iv. 2. 35; CāndraVyā. iv. 3. 27; iv. 4. 12; SaraKaṇṭhā.(Gr.) v. 4. 18; SiddhaHe. vii. 3. 23; GaṇRa. 3. 182 (221); 3. 188 (231); 7. 392 (416)] **Ai** minute, of atomic size, insignificant **ii** thin, slim **Bi** small, little, slight (abstract things) **ii** subtle (metaphysical entity) **Ai** minute, of atomic size, insignificant अति … गव्या जिगात्यण्व्या ṚV. ix. 14. 6; एष धिया यात्यण्व्या ṚV. ix. 15. 1; तममृक्षन्त … विप्रासो अण्व्या ṚV. ix. 26. 1; ओतं निहितमुच्छिष्टे यज्ञस्याणूनि विद्यया AV. xi. 7. 10; तस्मादाभिरण्वीभिः सतीभिर्गुरुं भारं हरति GopBr. i. 5. 3; तद्यथा सहस्रधा केशो विपाटितस्तावदण्व्यः पिङ्गलस्याणिम्न्यस्तिष्ठन्ति शुक्लस्य कृष्णस्य S'āṅkhāĀ. 25. 14 (6. 19); अणोरणीयान्महतो महीयानात्मा TaiĀ. 800. 4 (x. 10. 1); KāṭhU. 2. 20; S'vetāU. 3. 20; अण्व्य इवेमा धाना भगव इति ChāndoU. vi. 12. 1; यदणुभ्योऽणु…तदेतदक्षरं ब्रह्म MuṇḍaU. ii. 2. 2; मूले छेदयित्वा प्राङ् वोदङ् वा तिष्ठन्नुत्पाट्य यद्यणुरुदुम्बरः स्यात् S'āṅkhāS'S. xvii. 1. 8; अणुरनु स्थवीयांसम् Nir. 124. 5 (6. 22); कृशास इत्यणवस्तत्र यान्ति BaudhDS. i. 5. 86; अणोर्महतश्चोपलब्ध्यनुपलब्धी VaiśeSū. vii. 1. 8; vii. 1. 10; यद् गृहीतं फलं राज्ञा तत्र कृमिरभूदणुः MahāBhā. i. 39. 29; i. 26. 19; तारारूपाणि यानीह दृश्यन्ते द्युतिमन्ति वै। दीपवद्विप्रकृष्टत्वादणूनि सुमहान्त्यपि MahāBhā. iii. 43. 30; iii. 163. 28; अणोरणीयान्सुमनाः सर्वभूतेषु जागृमि MahāBhā. v. 45. 28; कविं पुराणमनुशासितारमणोरणीयांसमनुस्मरेद्यः BhagGī. 8. 9; अणुर्बृहत्पुनः स्थूलो नादान्मुञ्चन्निवाम्बुदः MahāBhā. vii. 561*; रूपं च बहुधा स्मृतम् … अणु वृत्तवान् MahāBhā. xii. 177. 32; सर्वो महान्हेतुरणोर्वधाय Saund. 10. 45; 16. 72; न कन्यायाः पिता विद्वान् गृह्णीयाच्छुल्कमण्वपि ManuSm. 3. 51; स्थूलाणुस्रोतसां भेत्ता CaraS. i. 12. 8; iii. 7. 10; vi. 14. 7; HārīS. iii. 5. 10; स सकृद्भवति स्थूलः पुनर्भवति चाप्यणुः BhelaS. 54. 14 (2. 3); 216. 10 (6. 30); अणुभ्यस्तैलद्रव्येभ्यो निष्पाद्यते इत्यणुतैलम् SuśruS. iv. 4. 28; iv. 35. 32; vi. 24. 13; मृत्पिण्डो जलरेखया वलयितः सर्वोऽप्ययं नन्वणु (v. l. °णुः) S'atTrayī. 304; गृहीतं क्षेत्रिणो धान्यं निवेदयसि वाण्वपि BṛParāSm. 5. 163; (चन्द्रमाः) अमावास्याष्टमेंऽशे च पुनः किल भवेदणु(?ः) GobhiSm. 2. 84; परिमाणं मानव्यवहारकारणम्। तच्चतुर्विधम्। अणु महद्दीर्घं ह्रस्वं चेति PadārthaSaṁ. 130. 21; TarkBhā.(Ke.) 69. 5; अधिष्ठितः स विभुना … अणीयांसमणोर्विद्धि JayāS. 6. 209; कुर्यादणुश्च पुररोधमगस्त्यनामा BṛSaṁ. 12. 19; 17. 9; मेरोरिवाणुर्यस्यैतद्यन्मयं च द्विजोत्तम ViṣṇuP. vi. 8. 26; v. 7. 51; अणोरणुतरे देवि महतोऽपि महीयसि BrahmāṇḍP. vi. 6. 7; अलंकृतं केसररेणुनाणुना Kirātā. 4. 7; 6. 40; अणोर्भावोऽणिमा S'āṁkhyaKāBh. 16. 26 (*on* 23); अंशादूनेऽपसव्याख्यं युद्धमेकोऽत्र चेदणुः SūrySi. 7. 19; यथाणुरग्निस्तृणगोमयाद्यैः संधुक्ष्यमाणो भवति क्रमेण। महान् स्थिरः AṣṭāSaṁ. i. 141. 1 (1. 27); नवमः शूकिषु दशमः स्थूलेष्वेकादशो भवत्यणुषु BrāhmSphuSi. 12. 50; यतः क्षितेरवयवसंपदोऽणवस्त्विषां निधेरपि वपुरावरीषत S'iśuVa. 17. 59; पृथ्वीरेणुरणुः पयांसि कणिकाः … … दृष्टे यत्र स तावको विजयते भूमावधूतावधिः MukuMā. 1; S'ākaṭāVyā. iii. 4. 115; अणोरणीयानणुः MahāP. 25. 176; तदिति चतुर्धा विषमं यत्राण्वपि नैव गुर्वपि च कार्यात् Kāvyālaṅ.(Ru.) 7. 51; पतन्त्यमूर्ग्रहततयो दिवाकरप्रभाहता दिशि दिशि वासरेऽणवः HarVi. 29. 51; शुक्लं कृष्णमणु स्थूलमिति धीः कर्मणो वशात् BṛĀraUBhVā. i. 5. 119; ज्ञानं ह्यज्ञानमेव निवर्तयितुं क्षमते न तु वस्त्वण्वपि IṣṭaSi. 94. 2; एकोद्यमं जरति यूनि महत्यणौ च…अयं यतते कृतान्तः YaśasCam. i. 256. 7; कन्यायां ये प्रयच्छन्ति दानमण्वपि भारत PadmP. i. 38. 53; अणु धनमपि न त्याज्यम् KalāVi. 2. 79; सुसूक्ष्मम् … तदणोरणु ĪśānS'iPa. i. 1. 26; अनणुषु दशमांशोऽणुष्वथैकादशांशः परिधिनवमभागः शूकधान्येषु वेधः Līlā. 233; अणुर्नागो महानागः … ये चापि धरणीधराः Hastyāyur. 711. 25 (4. 36); यादृगाश्रयेऽणुमहदादिपरिमाणसमवायः परेणाङ्गीक्रियते TattvPradī.(Ci.) 317. 13; ध्वान्तक्रान्तदृशो न यत्र पततः पश्यन्ति जन्तूनणून् MohaRāPa. 1. 12; अमावास्याष्टमांशान्ते (चन्द्रः) चाणुर्भूत्वा पुनर्जायते CaturCin. iii(1). 176. 14; स्थूलं चाणु महत्तथा … आच्छाद्य जलपूरो व्यजृम्भत RājTa.(Jo.) 1220; अणुरपि मणिः प्राणत्राणक्षमो विषभक्षिणाम् Subhāṣi. 325; अणोरल्पशरीरावच्छिन्नस्य जन्तोः S'ivārkaMaDī. i. 182. 24 (i. 1. 4); महान्तोऽप्यणवो राजन्नणवश्च महत्तराः RasGaṅ. 572. 7; TrikāS'e. iii. 3. 120; NānārthāSaṁ. i. 47. 56; **A ii** thin, slim पूर्वार्धाच्च यजमानभागमणुमिव दीर्घम् ĀpaS'S. iii. 1. 9; ह्रस्वः शीघ्रः कृशश्चाणुः … स वातप्रकृतिर्नरः BhelaS. 72. 12 (3. 4); अणुनावेष्ट्य पट्टेन SuśruS. iv. 3. 24; धीरागच्छदुमे…अणुरविकिरणा तेजःसु भव Kāvyālaṅ.(Ru.) 4. 15; अणु°…°सिंहादिभिः समः। मुष्टिग्राह्यो भवेन्मध्यः AlaṅkāS'e. 13. 12; न्यायप्राप्तसर्वहोमस्यैवाण्व्या धारया करणे MayūMāli. 286. 16 (*on* iii. 5. 6); अस्याः किल मध्यभागः। अणुः परं योगिदृशानुलक्ष्यः PadyaVe. 209; **Bi** small, little, slight (abstract things) अणुभिश्च महद्भिश्च। समारूढः प्रदृश्यते। संवत्सरः प्रत्यक्षेण TaiĀ. i. 2. 3 (12. 1); i. 12. 2 (100. 2); स नाणु साम्नोऽन्विच्छतीति JaimiUBr. iii. 10. 3; अनुस्वारेऽण्विति (आनुनासिक्यम्) भारद्वाजः TaiPrāti. 17. 3; न क्षुधाभयमण्वपि MahāBhā. i. 62. 8; अणुरप्युपचारश्च नास्त्यस्माकं नराशन MahāBhā. iii. 154. 12; निवर्तनाद्धि सर्वतो न वेत्ति दुःखमण्वपि MahāBhā. v. 36. 14; नोवाचाप्रियमण्वपि MahāBhā. vi. 94. 1; न च कायेन कृतवान् स पापं परमण्वपि MahāBhā. xii. 322. 25; न हि मे वृजिनं किंचिद्विद्यते ब्राह्मणेष्विह। अणु वा यदि वा स्थूलं विदितं साधुकर्मभिः MahāBhā. xiii. 8. 15; न स किंचिन्महासत्त्वः कृतवान् पापमण्वपि Rāmā. ii. 1712*(2); आस्वादः स किमेतेषां करोति सुखमण्वपि BuddhaC. 14. 8; सस्मार कृतमण्वपि Saund. 2. 9; 9. 41; 17. 36; अणुर्हि प्रथमं भूत्वा रोगः CaraS. i. 11. 58; सर्वमपि तु खल्वेतद्गुणोपादानमणुना कालेन भवति CaraS. iv. 4. 8; अणुः शब्दोऽल्पो मन्द इत्येतस्य ग्रहणम् NyāyBh. 104. 2 (*on* ii. 1. 37); ततस्तं भगवानाह न तेऽस्तु भयमण्वपि ViṣṇuP. v. 37. 72; त्वदणु प्रियमाश्रयामहे JānaHa. 4. 26; अणुरप्युपहन्ति विग्रहः Kirātā. 2. 51; नापि कौस्तुभमणिरणुनापि गुणलवेन शेषमतिशेते Kād. 203. 22; पूष्णोर्य(?य)स्य करैरुग्रैस्तापोऽणुरपि नो कृतः PadmP.(Ra.) 26. 42; बुद्ध्यादेरपि न स्वतोऽस्त्यणुरपि स्फूर्तिः SarvaVeSāSaṁ. 619; पश्यति। आत्मत्वेन यदा सर्वं नेतरस्तत्र चाण्वपि AparoAnu. 53; अणुरपि च धूमः S'ivāL. 6; संभाव्यते नास्मात्प्रार्थनाफलमण्वपि BṛKathāS'loSaṁ. 23. 14; श्रुत्वाहृष्यत्तत्र चाणूरपीडाः प्राक्कर्तासौ दृप्तचाणूरपीडाः HarVi. 46. 58; विस्मृत्याप्यनृतं नित्यं न च वक्तव्यमण्वपि TaiUBhāVā. 37. 1 (1); 45. 1 (1); फलमण्वपि संभाव्यं ज्ञानस्याकारकत्वतः BṛĀraUBhVā. i. 4. 126; इत्यतोऽरावणो रोषसिद्धेस्ताम्यन्निवात्मनि। बहुधा मागधेयोऽसौ वीरैश्चक्री रणं ययौ RāghPāṇ.(Dha.) 18. 9 (comm. अतोऽस्या रोषसिद्धेः क। अरौ शत्रौ। कथंभूताया रोषसिद्धेः। अणोः लवोः); उदीक्ष्यते रन्ध्रमिहैव नाण्वपि RāmC. 4. 60; अनवयवद्रव्यं द्वेधा व्यापकमणु च TātpaṬ.(Vā.) 218. 3 (*on* i. 1. 10); तस्याश्चिन्ता न कर्तव्या त्वया अणुरपि प्रभो SkandP. i(1). 5. 135; पुण्यक्षेत्रे निवासे हि पापमण्वपि नाचरेत् S'ivaP. i. 12. 7 (10B. 9); न च कालभयं तत्र न चान्यद्भयमण्वपि GaṇeP. ii. 92. 22; ĀdiP. 17. 30; राजा वा कैकेयी वापि नात्र कारणमण्वपि- AdhyāRā. ii. 5. 24; कार्यमण्वपि काले तु कृतमेत्युपकारताम् YogVā. i. 7. 26; अर्थापेक्षया अणोः लघोः…सूत्रस्य SthānṬ. 3B. 12; पृथुरित्थमथाणुरस्तु सा (उपक्रिया) न विशेषे विदुषामिह ग्रहः NaiṣC. 2. 14; न ते पुनः। दोषोऽणुरपि PrabhāC. 129. 14; अणुनापि प्रविश्यारिश्छिद्रेण SūktiRa. 156. 33; न निरुद्धमण्वपि मुनेर्वचसि S'aṅkaDigVi.(Mā.) 9. 14; संवत्सरादणवोऽयनादयः S'aṅkaVi.(Ā.) 215. 1; वैगुण्यमण्वपि सरोजदृशो यदि स्यात् BhartṛNi. 2. 12; अणु पूर्वं बृहत् पश्चाद्भवत्यार्येषु संगतम् Subhāṣi. 2710; तुरीयं ते धाम ध्वनिभिरवरुन्धानमणुभिः Mahimna. 27; अणुभ्यश्च महद्भ्यश्च शास्त्रेभ्यः कुशलो नरः SāṁkhyaPraBh. 112. 17 (*on* 4. 13); तदणुमपि विलम्बं न क्षमन्तेऽसवोऽस्य KaṁVa. 2. 24; अन्योपचारविधिरस्तु महानणुर्वा YātrāPra. 6. 111; न कपोत भवन्तमण्वपि स्पृशतु श्येनसमुद्भवं भयम् RasGaṅ. 48. 9; कालस्त्वतीतादिव्यवहारहेतुरणुश्च GoviBh. 134. 2 (*on* ii. 2. 33); Vaija. 212. 136; AbhidhāCin. 1426; AnekāSaṁ. 2. 131; **B ii**; subtle (metaphysical entity) अणुः पन्था विततः पुराणो माऽस्पृष्टः S'atBr. XIV. vii. 2. 11; BṛĀraU. iv. 4. 8; अणुरेष धर्मः KaṭhU. 1. 21; 2. 13; यदणुभ्योऽणु MuṇḍU. ii. 2. 2; अण्व्यो मात्रा विनाशिन्यो दशार्धानां तु याः स्मृताः ManuSm. 1. 27; तदभावादणु मनः VaiśeSū. vii. 1. 23; स हि भगवान् (वायुः)…भावानामणुर्विभुर्विष्णुः CaraS. i. 12. 8; प्राणाद्या वायवः स्थूलाः संकल्पाद्यास्तथाणवः BṛParāSm. 12. 75 (254. 5); तद् ब्रह्म … नैव चाप्यणु AhirbuSaṁ. 2. 49; 14. 20; अण्वनन्तमपारवत् ViṣṇuP. i. 14. 24; योऽतीन्द्रियः परो व्यक्तादणुर्ज्यायान्सनातनः MatsyaP. 2. 27; अणुः शरीरमात्रो वा सर्वथापि न युज्यते TantrVā. 378 19 (*on* ii. 1. 5); न च सतोऽणुरवयवः … जीवाख्यः ChāndoUBh. 295. 18 (*on* v. 10. 2); अक्षरं यदि न स्थूलमणु तर्हि तदिष्यताम् BṛĀraUBhVā. iii. 8. 71; अणुर्भवति रूपेण पुरुषः ParaS. 30. 84; अणु … तन्मनः LakṣmīT. 43. 97; स पुनरयमात्मा अणुः शरीरपरिमाणो विभुर्वेति चिन्तनीयम् S'āstrDī. 124. 15 (*on* i. 1. 5); उत्क्रान्तिगत्यागतीनां श्रुतेरणुर्जीवः VedāntSā.(Rā.) 203. 4 (*on* ii. 3. 20); ते चाणवोऽनन्ता नित्याः NītiMā. 31. 17; आत्मा। हेतूनां सकाशादणुरेव BrahmSūBh.(Ma.) 35A. 11 (*on* ii. 3. 20); अणुसंयोगिमनः TarkBhā.(Ke.) 66. 13; अणुं हि जीवं पतिदेहभिन्नं ज्ञातृत्ववन्तं यदनन्तमाहुः SiddhāRa. 1(3. 17); 'सर्वे …' इत्युत्क्रान्तिश्रुतेः प्राणा अणवः VedāntPāSau. 244. 6 (*on* ii. 4. 7); अणुरवगतिमान् जीवः TattvMu. 1. 7; अणुर्महान्मध्यमो वेत्येवं तत्रापि वादिनः। बहुधा विवदन्ते हि श्रुतियुक्तिसमाश्रयात् PañcDa. 6. 78; तद्भयणोर्जीवस्यैव युक्तम् TattvPrakā. 47B. 7 (*on* i. 3. 14); सिध्यति अणु मनः Upask. 166. 11 (*on* iii. 2. 1); जीवो नाणुः प्रत्यक्षगुणाश्रयत्वात् Nyāyāmṛ. 610B. 3; हृदये प्रादेशो मूर्धनि च मनसीन्द्रियेषु चाणुः AṇuBh. 71. 2 (*on* i. 2. 28); जीवो बुद्ध्युपाधिकोऽणुः AdvaiSi. 754. 4; एतानीन्द्रियाण्यणूनि YatīndraMaDī. 39. 6(4); प्राणा व्यापिनोऽणवो वा इति संशये GoviBh.

172.8 (*on* ii. 4.7); AmaK. 2148; MediK. 47.2; TrikāS'e. iii. 1.25; iii. 3.120; cf. **अण्वी**.

अणु (áṇu) *m.* [Uṇā. 1.8; Prasā. ii. 609.14; Liṅgānu.(He.) 11.6;(Ha.) 62.8; (Para.) (164)3772; (Va.) 75] **1 A i** a kind of grain, *Panicum miliaceum* **ii** ear of corn **B i** a particle (practical meaning) **ii** an atom (philosophical meaning) **iii** a measure of length **iv** a unit of time **C** individual soul **D i** one of the names of S'iva **ii** one of the names of Kṛṣṇa **iii** one of the names of Gaṇeśa **iv** one of the names of Viṣṇu **v** an epithet of Gaṅgā **E** nescience **2** a duct (vessel in the body) **3** a *mantra* **4** name of a region **5** wind **6** a mountain **7** a pit **8** maxim, saying, aphorism *n.* **i** a quarter *mātrā* **ii** name of a medicinal oil **iii** sense-organ **iv** sea-salt **1 A i** a kind of grain, *Panicum miliaceum* प्रियङ्गवश्च मेऽणवश्च मे TaiS. IV. vii. 4.2; VājaS. 18.12; अणुप्रियङ्गवः ··· तान् ··· घृतेनो॑सिञ्चति S'atBr. XIV. ix. 3.22; दश ग्राम्याणि धान्यानि भवन्ति । व्रीहियवाः ··· अणुप्रियङ्गवः BṛĀraU. vi. 3.13; सप्त ग्राम्या ओषधयस्तिलमाषव्रीहियवाः प्रियङ्गवोऽणवो गोधूमाः सप्तमे BaudhS'S. iii. 189.4; चतुर्दशाणवः BaudhS'uS. 1.4; विभाषा तिलमाषोमाभङ्गाणुभ्यः P. v. 2.4; CāndraVyā. iv. 2.4; S'ākaṭāVyā. iii. 3.28; SiddhaHe. vii. 1.82; GaṇPā. 251.2; GaṇRa. 2.77(119); गोधूमा अणवस्तिलाः ···इत्येता ओषधीनां तु ग्राम्याणां जातयः स्मृताः VāyuP. i. 8.144; वर्ज्या मर्कटकाः श्राद्धे राजमाषास्तथाणवः MārkP. 32.11; राजमाषानणूंश्चैव मसूरांश्च विसर्जयेत् ViṣṇuP. iii. 16.7; BṛĀraUBh. 795.7 (*on* vi. 3.13); कारयित्वा गृहान् ··· संपूर्णान् ··· निष्पावाढक्यचणककुलत्थाणुमसूरकैः ··· दद्याद् द्विजातिषु BhaviP. 851B.30 (iv. 168.23); अणवः वरयिकाः CaturCin. iii(1). 537.10; AmaK. 1747; TrikāS'e. iii. 3.120; AnekāSaṁ. 2.131; S'abdaBhePra.(Ma.) 4.33; MediK. 47.2; **1 A ii** ear of corn (जुहोति) एवमणून् KauśiSū. 14.19; **1 B i** a particle (practical meaning) अणून् मेहति यो नरः CaraS. ii. 4.20; हिरण्मयेनाणुना वै अष्टचक्रैकनेमिना MatsyaP. 125.38; अवनिरणोरपि शीर्यते भरेण RāmC. 6.69; (प्रमेहति) मूर्ताणून सिकतामेही RugVi. 33.11; अपरमपि यदीयैर्जन्मनिर्माणशेषैरणुभिरिव चकार स्पष्टमानन्दि वेधाः EI. ix. 32.37; दुग्धाम्बुधेरुदपतन्नणवः सुधायाः RasGaṅ. 672.4; MediK. 32.13; मेरोरिवाणुर्यस्येदं ब्रह्माण्डमखिलं जगत् SāṁviSi. 83.7; अभ्युन्नतानामणुरप्युदारं पश्चात्प्रकोपं जनयेदरीणाम् NītiSā. 16.14; **1 B ii** [Liṅgānu.(He.) 137.13; (Para.) (164)3772.] an atom (philosophical meaning) अणूनां मनसश्चाद्यं कर्मादृष्टकारितम् VaiśeSū. v. 2.13; अतीन्द्रियत्वादणूनाम् NyāySū. II. i. 3.7; परमाणुरणुस्तथा AbhidhK. 3.85; स एष परमाणुस्स्यादष्टाभिस्तैरणुस्स्मृतः PauṣkS. 4.5; देवर्षीणां शरीरं धर्मविशेषसहितेभ्योऽणुभ्यो जायते PadārthaSaṁ. 28.1; नित्यद्रव्येष्वण्वाकाशकालदिगात्ममनस्सु प्रतिद्रव्यमेकैकशो वर्तमाना अत्यन्तव्यावृत्तिबुद्धिहेतवः PadārthaSaṁ. 321.13; तन्मात्राण्यविशेषाणि महाभूतप्रकृतयो भोग्यान्यणवः शान्तघोरमूढानीति (पर्यायशब्दाः) TattvSa. (2) 121.10; (एकः ···प्रभुः) कोऽप्यंशेन तु मानेन सुसूक्ष्मेषु स्थितोऽणुषु JayāS. 4.111; विशत्येव योऽणीयानणुषु स्वयम् AhirbuS. 52.42; स्पर्शवांश्चाणुर्नित्यश्चेति NyāySūBh. 61.4 (*on* i. 2.5); वायोरणूनां ज्ञानस्य शब्दत्वापत्तिरिष्यते VākyaP. 1.108; 1.111; अर्थान्तराभिसंबन्धाज्जायन्ते येऽणवोऽपरे । उक्तास्ते सञ्चितास्ते हि निमित्तं ज्ञानजन्मनः PramāVār. 3.195; धर्माधर्माणवस्सर्वे चेतनावदधिष्ठिताः । स्वकार्यारम्भकाः TattvSaṁ. 50; तन्निर्माणे जाता लावण्यमयाः कणा विधेरणवः KuṭṭaMa. 973; अत्यासन्नानसंसृष्टानणूनेवाक्षगोचरान् NyāyVi. 2.101; यैः ··· परमाणुभिस्त्वं निर्मापितः ··· तावन्त एव खलु तेऽप्यणवः पृथिव्यां यत्ते समानपरं न हि रूपमस्ति BhaktāSt. 12; नित्यानामप्रयोगित्वमणूनामपि दृश्यते S'lokaVār. 6.232 (789.5); यथा च काणादानामणवः AitUBh. 250.13 (*on* 1.1); न च ··· अणुभ्यो वा ··· (जगतः) उत्पत्त्यादि संभावयितुं शक्यम् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 10.15 (*on* i. 1.2); 379.4 (*on* ii. 2.17); अणुरण्वन्तरं काले व्यतिक्रामति यावति । स कालः समयः GaṇiSāSaṁ. 0.32; गुणगुणिसमवायसंधिगामी गमयति वर्त्म दृशोरणूनशेषान् (हनुमान्) RāmC. 6.82; अणून् प्रत्येकशः सर्वान्स गृह्णीयादयत्नतः BṛĀraUBhVā. iii. 2.108; TaiUBhVā. 72.2; अनेकेषामणूनां च कथमेकत्र संस्थितिः S'ivDṛ. 6.97; नेश्वरेण न धर्मेण न प्रधानेन नाणुभिः । ···तादृशी सुकराकृतिः BṛKathāS'loSaṁ. 10.110; सद्वितीयेनाणुना तत्संयोगाद् द्व्यणुकाद्यारम्भात् NayaVi. 97.7 (*on* i. 1.5); अणोरल्पतरं प्राहुः ··· महादेवम् SaurP. 34.50; परं ब्रह्म ··· अणुभ्योऽप्यणुतरम् GaṇeP. ii. 51.30; कोऽणुर्दूरेऽप्यदूरे च कोऽणुरेव महागिरिः YogVā. iii. 79.9; अणुष्विति परमाणुष्वित्यर्थः Kiraṇā. 186.9; अतिलघुवाचि पदं किम् ··· अणुः VidaMuMa. 3.53; अणूनामतीन्द्रियत्वेन तैः सह अविनाभावस्य ··· अशक्यत्वात् SyādvāMañ. 16(181); त्रुटिः स्यादणुभिः षड्भिः RasRaSa. 11.1; पुद्गलाः । ते च द्विविधा अणवः स्कन्धाश्च । भोक्तुमशक्या अणवः SarvaDaSaṁ. 3.250; विजातीययोरण्वोर्द्रव्यं प्रत्यसमवायिकारणं संयोगो नेष्यते Upask. 211.11 (*on* iv. 2.4); आदाद्दानानि तावन्ति द्विजेभ्यो राजसत्तमः ···भानोः करेषु यावन्तोऽणवः समुपबृंहिताः ParamāKā. 174.27; अणूनां शब्दतन्मात्रादिरूपपरमाणूनाम् VaiyāSiMañ. 186.1; **1 B iii** a measure of length अणू रजश्च वालश्च ··· । अणवोऽष्टौ रजः प्रोक्तम् NāṭyaS'ā. 2.16–17 (comm. यतःप्रभृति दृश्यता प्रवर्तते सोऽणुः); **1 B iv** a unit of time consisting of two Paramāṇu units अणुर्द्वौ परमाणू स्यात् त्रसरेणुस्त्रयः स्मृतः BhāgP. iii. 11.5; **1 C** individual soul (with limited powers) अयमपि पुरुषो मण्डलेऽणुर्यजूंषि SūryaS'. 89; शिवः । पूर्वव्यत्यासितस्याणोः पाशजालमपोहति MṛgendraT. i. 2.1; i. 3.5; गायति प्रकृतिं बुभुत्सुरणुरेष तावकीम् HarVi. 6.35; 6.126; ततोऽपि सकलमलतानवतारतम्यातिशयधाराप्राप्तौ शिवत्वव्यक्त्या अणुरपवृज्यते ParaTri. 20.11; 256.5; प्राणादिना निरुद्धोऽणुः परमात्मा त्वखण्डितः AjaḍaPraSi. 1.16; अणोस्तु विषयत्यागः संसारभयतः क्रमात् LiṅgaP. i. 6.23; परोऽणुर्वा देही जगति विहरामीत्यनघया धिया दृष्टे तत्त्वे रमणमटनं जागतमिदम् YogVā. ii. 12.22; मायासहितं कञ्चुकषट्कमणोरन्तरङ्गमिदमुक्तम् ParamāSā. 17; कथमयं मलावृतः अणुः ··· संसारी अभिधीयते PratyabhiHṛ. 20.14(9); ज्वलतीव ततोऽप्यणुः MālinīViT. 17. $39^{1}/_{2}$; महेश्वरः ··· दुःखपङ्काद्भवाम्भोधेस्तारयत्यमलानणून् ĪśānS'iPa. ii. 1.49(24); **1 D i** one of the names of S'iva (अणुम्) ··· प्रतिपद्य शंकर भवन्तम् ··· भवत्यणुः स्फुटम् HarVi. 6.170; (शूलिने नमः) अणवे LiṅgaP. i. 21.29; अणुः ··· एवं नाम्नां सहस्रेण तुष्टाव वृषभध्वजम् LiṅgaP. i. 98.132; SaurP. 41.116; **1 D ii** one of the names of Kṛṣṇa शब्दब्रह्मेति कर्मेत्यणुरिति भगवन् कालहत्यालपन्ति त्वामेकं विश्वहेतुम् Nārāy. xii. 98.5; **1 D iii** one of the names of Gaṇeśa सत्यमणुः ···इति वैनायकं नाम्नां सहस्रम् GaṇeP. i. 46.134; **1 D iv** one of the names of Viṣṇu अणुर्बृहत्कृशः (विष्णोर्नामसहस्रम्) ViṣṇuSaBh. 111.103; **1 D v** *f.* an epithet of Gaṅgā देवी ··· गङ्गा ··· अणुश्च परमाणुश्च BṛDharmaP. i. 50.75; **1 E** *m* nescience तत्राज्ञानमणुः LalitāSaBh. 95.9 (*on* 129); SetuBa. 250.16; 250.25; **2** a duct (vessel in the body) वर्षे वर्षेऽणुतैलं च कालेषु त्रिषु नाचरेत् CaraS. i. 5.53 (1922 Ed.) (comm. अणूनां स्रोतसां हितमित्यणुतैलम्); **3** a *mantra* (Tantra) कृत्वा शिवगतानणून् । हृदा गृह्यासुमार्गेण स्वहृदब्जे निवेशयेत् MṛgendraT. ii. 3.38; विकिरान् विकिरेत् सप्तजप्तांश्छराणुना S'āraTi. 4.15; प्रणवनमसोरन्तरभुवाणुनावाह्य TantrSa. 1.77; 3.7; परम उत्कृष्टोऽणुर्मन्त्रो वा LalitāSaBh. 164.6 (*on* 204); NityoNi. 165.7; **4** name of a region, GaṇPā. 35.10 (*kacchādigaṇa*) (*on* P. iv. 2.133); KāśiVṛ. *on* P. iv. 2.133); **5** wind, NānārthāSaṁ. i. 47.55; **6** a mountain, AnekāTi. 2.13; **7** a pit, DharK. 655; **8** maxim, saying, aphorism [pw]; *n.* **i** (sometimes *m.*) a quarter *mātrā* व्यञ्जनमर्धमात्रा । तदर्धमणु VājaPrāti. 1.60; ṚTPrāti. 41; सूर्यरश्मिप्रतीकाशा कणिका यत्र दृश्यते । अणोस्तु तत्प्रमाणं स्यान्मात्रा तु चतुराणवम् LomS'i. 8.7; 8.8; द्रुतार्धमणुरेवं स्यात्प्रमाणं मुनिसंमतम् [Bharatakośa 788]; **ii** name of a medicinal oil दशकृत्वोऽणु तत्स्मृतम् CaraS. vi. 26.141; (1941 Ed.); **iii** sense-organ अथैषां पर्यायाः । इन्द्रियाणि करणानि वैकारिकाणि खानि नियतानि पदानि अवधृतानि अणूनि अक्षाणीति TattvSa. (2) 122.8; **iv** sea-salt, Vaija. 132.119; NānārthāSaṁ. i. 47.55.

अणु (aṇú) *adv.* **i** in a low tone योऽयमणु दीर्घमस्वरमाश्रावयति S'atBr. XI. iv. 2.9; क्षणं रावांस्ततो मुक्त्वा त्राहि मुञ्चेति वक्त्यणु SkandP. I. ii. 63.8; **ii** in the smallest degree पश्यतो नात्मनः किंचिद् द्वितीयं स्पृशतेऽण्वपि NaiṣkaSi. 194.9; नोद्धवोऽण्वपि मन्न्यूनः BhāgP. iii. 4.31; असंख्याताः शरास्तस्य रोमकूपेषु निर्गताः । स्रवन्तो रुधिरं सर्वे न जानात्यणु वेदनाम् GaṇeP. ii. 58.38; जये पराजये लज्जा न मेऽत्राण्वपि पार्थिवाः DevīBhāP. iii. 20.30; आसने पूजने दाने यत्र भेदो न चाण्वपि DevīBhāP. iii. 10.40.

अणु (a-ṇu) (Gr.) which does not cause *guṇa*(*ṇu*) हनगमजनखनवसामुङ्लोपोऽङेऽच्यणौ MugdhaBo. 3.153 (35.24); हसुङ्नो लोपोऽणौ MugdhaBo. 8.40 (85.5); 9.12 (104.21); 10.2 (111.12); 14.1 (119.2); 19.12 (128.2)

अणुक (áṇu-ka) *adj.* [*f.* –ā only in SuśruS.] [(*sthūlādigaṇa*) P. v. 4.3; GaṇPā. 251.2] **1** minute (in size), atomic, subtle, fine, very small पामाणुकाभिः पिडकाभिरूह्या SuśruS. ii. 5.14; स्थूल इत्येवमादिभ्यः प्रकारोक्तौ गम्यमानायां को भवति···अणुकः JaineVyā. 268.26 (*on* iv. 2.11); प्रकारो विशेषः स्थूलप्रकारः स्थूलकः । अणुकः KāśiVṛ. *on* P. v. 4.3; लोकाकाशसमस्तदेशनिचितोऽप्येकैक एवाणुकः (कालः) KalyāKā. 4.3; द्व्यमेवैतदथवा ब्रह्म तत्रैव संभवात् । आकाशे परमाण्वन्तर्द्रव्यादेरणुकेऽपि च YogVā. iii. 44.34; DharK. 40 (स्वल्प); SiddhāKau. 319B.15; **2** [(*yāvādigaṇa*) P. v. 4.29; GaṇPā. 186.11; GaṇRa. 3.188 (231)] clever, expert, subtle अणुकः सूक्ष्मदृक् निपुणः PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. v. 4.29; अणुको निपुण इत्यर्थः Nyās. ii. 151.24 (*on* v. 4.29); अणुको निपुणेऽल्पे च AnekāSaṁ. 3.1; पुत्रको न्वणुकः स्रष्टुरग्निकार्यं प्रचक्रमे DvyāśraKā. 19.72; MediK. 4.41; DharK. 40; Prasā. i. 944.5; ViśvaLoK. 6.30; KośaKaTa. 2.3387; S'abdaRaSaK. 7.1; **3** of high quality, fine अणुकः पटः Nyās. ii. 143.22 (*on* v. 4.3); अणुः प्रकारोऽस्य

अणुकः पटः GaṇRa. 3.182 (222); **4** short (in experience or size etc.) तज्जगत्त्रयमहीयसि मातर्मैषणीयमणुकस्य ममागः RāmC. 16.78; AnekāSaṁ. 3.1; कुनस्त्वमणुकः…न यत्कस्य चित् SubhāRaK. 6.11; MediK. 4.41; Vis'vaLoK. 6.30; Kos'aKaTa. 2.3387; S'abdaRaSaK. 7.1; **5** acute [Apte]; **6** reduced सृणिरणुकघृणि: SudarS'. 84 (comm. अणुका नष्टा घृणयो यस्य); *m.* small (black) beans *Panicum miliaceum* माषेष्विन्युपाधि: अणुका माषाः JaineVyā. 268.27 (*on* iv. 2.11); CāndraVṛ. *on* iv. 3.27.

अणुकणक्षामा (aṇukaṇa-kṣāmā) *adj.* (*f.*) thin as a particle of grain लिक्षामणुकणक्षामां क्षुधा खादति मक्षिका YogVā. v. 14.21.

अणुकघृणि (aṇuka-ghṛṇi) *adj.* whose lustre (i. e. power) is reduced शूलं त्यक्तात्मशीलं सृणिरणुकघृणिः … यत्पुरस्तात् SudarS'. 84 (comm. अणुका नष्टा घृणयः यस्य)

अणुकथा (aṇu-kathā) *f.* mention or talk of the smallness राज्यस्याणुकथा नु का तदधुना केनोपमेयः प्रभुः ParamāKā. 20.142.

अणुकरूप (aṇuka-rūpa) *n.* diminutive form छलान्नीतोऽधस्ताद्बलिरणुकरूपेण SubhāRaK. 40.31.

अणुकर्मन् (aṇu-karman) *n.* activity in an atom यथा सर्गादावणुकर्म PadārthaSaṁ. 309.13; अणुकर्मसमकालं वीरणकर्मसंचिन्तनादेतल्लभ्यते Kiraṇā. 249.9; **ii** very mild action अव्यक्तरेखमणुकर्म नखैः … गण्डस्तनाधरगमनाच्छुरितं वदन्ति RatiRaha. 8.3.

अणुकर्माख्यपाशद्वय (aṇukarmākhya-pāśadvaya) *n.* the two traps or nooses called the ignorance and action अणुकर्माख्यपाशद्वयबद्धास्तु प्रलयाकलाः LalitāSaBh. 96.10 (*on* 129)

अणुकर्मोत्पत्ति (aṇukarmotpatti) *f.* rise of activity in an atom अणुकर्मोत्पत्तौ मिथः संयोगात् द्व्यणुकादिसमस्तकार्यद्रव्योत्पत्तिः TarkSaṁ. (Ā.) 41.28.

अणुकल्प (aṇu-kalpa) *m.* **1** process of preparing the medicated *aṇutaila* नासाशोषे … तैलं चाणुकल्पेन नस्यम् SuśruS. vi. 23.11 (comm. अणुतैलविधानेन); **2** almost (as minute as) an atom अणुकल्पाश्च वर्णाशा न सन्तीत्युपपादितम् S'lokaVār. 6.292 (803.4); 7.135 (884.2); यत्र पतत्यणुकल्पः सहाण्डकोटिकोटिभिस्तदनन्तः BhāgP. vi. 16.37; ध्वनिरप्यणुकल्प एव कल्प्यः NyāyRa. 884.18 (*on* 7.135)

अणुकल्पित (aṇu-kalpita) *adj.* which is brought about by (a group of) atoms रूपस्योपचयः स्तम्भकुम्भादिरणुकल्पितः SarvaSiSaṁ. 4 (iv). 13.

अणुका (aṇukā) *f.* **i** tiny or very small pimple अनु(णु)काभिश्च कृष्णाभिरास्यं जिह्वा च तालुके।… न स जीवति BhelaS. 109.5 (5.9); **ii** very small line in the palm of the hand कीदृक् शस्यते रेखा …। करिणीं च वदान्येन पर्यायेण करेऽणुका MahāP. 12.220.

अणुकारण (aṇu-kāraṇa) *n.* **1** cause of atoms नासिद्धेर्दृश्यते येन कुविन्दाद्यणुकारणम् TattvSaṁ. 554; **2** trace of (least) cause नाणुकारणमत्रास्ति PrabhāC. 51.12.

अणुकार्यप्रतिषेध (aṇukārya-pratiṣedha) *m.* denial of the effect of an atom अण्ववयवस्य चाणुतरत्वप्रसङ्गादणुकार्यप्रतिषेधः NyāyVār. 521.10 (*on* iv. 2.24–25)

अणुकार्यभाव (aṇukārya-bhāva) *m.* the state of being an atom and a product तदपि द्विविधमणुकार्यभावात् PadārthaSaṁ. 39.2.

अणुकीटवत् (aṇukīṭa-vat) *adv.* like a very tiny insect कीटाणुकीटवच्चाहं कमलात्प्रज्वलद्द्युतेः। ततोऽभवम् ĀdiP. 10.6.

अणुकोटर (aṇu-koṭara) *n.* small hollow मशकेन कृतं युद्धं सिंहैर्वैरे-(? र)णुकोटरे MahāU. 4.64; अणुकोटरविस्तीर्णे त्रैलोक्यं चेज्जगद् भवेत् TejoBiU. 6.87.

अणुक्क (aṇukka) *m.* name of a person अणुक्क इति विख्यातः श्रीमान् अविकलात्मजः EI. xxii. 243.100.

अणुक्ति (aṇ-ukti) *f.* mention of the suffix *aṇ* अणुक्तेर्ह्रस्वाद्रौ टो न PrakriKau. ii. 525.8.

अणुक्रीडा (aṇu-krīḍā) *f.* small (i. e. insignificant) sport अपि रेणुकृतक्रीडं नरेणुक्रीडयान्वितम्।… वैचित्र्यमावहत् NalaCam. 3.27.

अणुक्षेत्र (aṇu-kṣetra) *n.* field (for growing the grain called) *aṇu* अणुक्षेत्रे चाणवीनमणव्यमपि S'abdaRa.(Su.) 4.20.

अणुगत (aṇu-gata) *adj.* existing in (i. e. belonging to) an atom अदृष्टं किमणुगतमुत क्षेत्रज्ञगतम् VedāntDī. 102.15 (*on* ii. 2.11)

अणुगतकर्मन् (aṇugata-karman) *n.* activity existing in (i. e. belonging to) the atom तदपेक्षत्वे न तत्कृतकादाचित्काणुगतकर्मसंभवः BrahmSūBh. (S'rī.) ii. 68.4 (*on* ii. 2.11)

अणुगतत्वशङ्का (aṇugatatva-śaṅkā) *f.* doubt as to the state of (*adṛṣṭa*) remaining in the atom ननु प्रत्यात्मनियतभोगसाधनस्यादृष्टस्याणुगतत्वशङ्का न भवितुमलम् S'rutaPra. ii. 294.22 (*on* ii. 2.16)

अणुगतरूप (aṇugata-rūpa) *n.* colour belonging to the atom दृष्टानुसाराच्च अणुगतरूपादौ तथाभ्युपगमः ĀtmaSi. 15.18.

अणुगतसंयोग (aṇugata-saṁyoga) *m.* conjunction existing in the atom अणुगताद्यकर्माभावादेव तत्कृताणुगतसंयोगाभावः BrahmaSūBh.(S'rī.) ii. 68.3 (*on* ii. 2.11)

अणुगताद्यकर्मन् (aṇugatādyakarman) *n.* first or initial activity existing in the atom अणुगताद्यकर्माभावादेव तत्कृताणुगतसंयोगाभावः BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 68.3 (*on* ii. 2.11); अणुगताद्यकर्मासंभवात्तत्कृताणुसंयोगाभावः VedāntSā.(Rā.) 171.1 (*on* ii. 2.11)

अणुचटन (aṇu-caṭana) *n.* flying of sparks from a red hot iron [JainL.]

अणुचय (aṇu-caya) *m.* mass or collection of atoms यथानेकवस्त्वनुपगमेऽपि परमतेऽणुचयो धीहेतुः NayaVi. 97.8 (*on* i. 1.5)

अणुचैतन्य (aṇu-caitanya) *n.* consciousness of atomic size विभुचैतन्यमीश्वरोऽणुचैतन्यं तु जीवः GoviBh. 2.3 (*on* i. 1.1)

अणुच्छाया (aṇu-cchāyā) *f.* very minute shadow अनु(णु)च्छायाथवा जन्तोर्द्वंच्छायाथवा पुनः। विच्छिन्ना यस्य वा छाया न च जीवति तादृशः BhelaS. 110.19 (5.10)

अणुच्छिद्र (aṇu-cchidra) *adj.* which has a very minute hole अणुच्छिद्रे महद्रूपमेकदेशे विशिष्यते AṣṭāSaṁ. ii. 66.4 (4.10)

अणुज (aṇu-ja) *m.* a kind of medicinal tree bearing fruit तुंबरुः सौरभः सौरो वनजः सोऽणुजोऽन्धकः BhāvPraNi. 14.114.

अणुजङ्घ (aṇu-jaṅgha) *adj.* possessing small shanks, having thin shanks परिबाधं यजामहेऽणुजङ्घम् MantrBr. ii. 5.6.

अणुजन्य (aṇu-janya) *adj.* produced by that which is of atomic size महदारब्धस्य महत्तरत्ववदणुजन्यस्याणुतरत्वप्रसङ्गात् SiddhāMu. 8.15 (*on* 15)

अणुजलवर्षण (aṇujala-varṣaṇa) *n.* raining with small drops of water, drizzling झञ्झा ध्वनिविशेषेऽपि झञ्झाऽणुजलवर्षणे Vis'vaPra. 35.1; DharK. 445; Vis'vaLoK. 72.1.

अणुजातीय (aṇujāt-īya) *adj.* belonging to the class of atoms न ह्यणुजातीयः तन्तुः कार्यं पटजातीयमारभते VedāntKa. 260.19 (*on* ii. 2.11)

अणुजीव (aṇu-jīva) *m.* **1** individual soul of atomic size आराग्रमात्रो ह्यवरोऽपि दृष्टः इत्यादिश्रुतिप्रतिपादिताणुजीवाभिन्नत्वाच्च (v. l. इत्यादिश्रुतिप्रतिपादितादणुजीवादभिन्नत्वाच्च) न ब्रह्मणः सर्वव्यापकत्वम् SiddhāBi. 82.6; **2** name of one of the sixteen *śaktis* belonging to the second *āvaraṇa* of *animāvyūha* in *jayābhiṣeka* अणुजीवः … अणिमाद्वितीयावरणम् VīraMi. (Rājanīti.) 385.7.

अणुजीवरूपत्व (aṇujīvarūpa-tva) *n.* being of the form of the individual soul of atomic size अहमर्थस्याणुजीवरूपत्वात् GuruCandr. iii. 52.13; LaCandr. 596.37.

अणुज्योतिस् (aṇu-jyotis) *adj.* **i** having weak digestive power अणुज्योतिरनेकाग्रो दुश्छायो दुर्मनाः सदा। रतिं न लभते CaraS. v. 11.3 (1922 Ed.) (comm. अणुज्योतिर्मन्दाग्निः); AṣṭāHṛ. ii. 5.62; **ii** having weak vision (comm. अणुज्योतिस्तोकदृक्। केचित्स्वल्पतेजा इत्याहुः) = AṣṭāSaṁ. i. 246.8 (2.10)

अणुज्योतीय (aṇujyot-īya) *adj.* pertaining to one which has become weak in its bodily fire (or pertaining to one having weak digestive power) अथातोऽणुज्योतीयमिन्द्रियं व्याख्यास्यामः CaraS. v. 11.1 (1922 Ed.)

अणुतत्त्व (aṇu-tattva) *n.* the subtle reality (i. e. the soul) विमलीकृतं सदणुतत्त्वमिच्छया तव नाथ नच्छैति तथा स्ववासनाम् HarVi. 6.137, 6.159.

अणुतम (aṇu-tama) *adj.* [*f.* -ā] minutest, smallest अण्विति अणुतरमणुतममिति तदिदमुभयं चक्षुष्युपलभ्यमानं भौतिकत्वं चक्षुषो बाधते NyāyVār. 376.14 (*on* iii. 1.31); यः अणिष्ठः अणुतमो धातुः … मनो भवति ChāndoUBh. 363.10 (*on* vi. 5.1); द्व्यणुकस्यापि अणुतमत्वप्रसक्तिः NyāyKa. 137.8; अमून्यालोक्यन्ते भगवति न कुत्राप्यणुतमामवस्थां प्राप्तानि त्वयि तु परमव्योमवपुषि DevīPañ. 5.16; वामनादणुतमादनु जीयास्त्वं त्रिविक्रमतनूभृतदिक्कः SaduktiKa. 37.28.

अणुतर (aṇu-tara) *adj.* [*f.* -ā] [Debru. p. 599] smaller (than an atom), smaller, very small तदेवाणोरणुतरं तन्महद्भ्यो महत्तरम्। तदन्तः सर्वभूतानां ध्रुवं तिष्ठन्न दृश्यते MahāBhā. xii. 231.30; यस्मादणुतरं नास्ति यस्मान्नास्ति बृहत्तरम् MārkP. 4.38; नमः …अणोरणुतरे देवि BrahmāṇḍP. iii. 13.7; iii. 29.9;

जालान्तरगे भानौ यदणुतरं दर्शनं रजो याति तद्विन्द्या(? द्या)त्परमाणुम् BṛSaṁ. 58. 1; अणिवति अणुतरमणुतममिति NyāyVār. 376. 14 (*on* iii. 1. 31); तिमिरतिरस्करिणीं तरणिरणुतरोऽपि तेजसा तिरस्करोति AnargharRā. 1. 40(11); अण्व्य: अणुतरा इव इमा: धाना: बीजानि पश्यामि ChāndoUBh. 394. 11 (*on* vi. 12. 1); 177. 4 (*on* iii. 14. 3); KāṭhUBh. 126. 19 (*on* 2. 8); S'vetāUBh. 161. 13 (*on* 3. 9); 171. 15 (*on* 3. 20); अणोरणुतर: ··· आत्मा ··· जयति NāraS. 1(0). 1; नमस्कृत्वा सुरेशाय ··· यस्मादणुतरं नास्ति BrahmP. 180. 3; GaṇeP. i. 12. 17; ii. 51. 30; अणोरणुत्वेन प्रसिद्धात् परमाण्वादेरप्यणीयान् अणुतर: S'ivārkaMaDī. i. 182. 22 (*on* i. 1. 4); अणुतरे ब्रह्मणि परे नियोज्य: स्वात्मा VarivaRaha. 108.

अणुतरजिनवासन (aṇutara–jinavāsana) *adj.* having very little desire for Jina अणुतरजिनवासनं स कापालिक इति नामकमैक्षताथ भव्यम् PrabhāC. 75. 2.

अणुतरत्वप्रसङ्ग (aṇutaratva–prasaṅga) *m.* contingency of the state of being more minute than the atom (i. e. very small) अणवयवस्य चाणुतरत्वप्रसङ्गादणुकार्यप्रतिषेध: NyāyVār. 521. 10 (*on* iv. 2. 24–25); अवयवगताणुपरिमाणस्यासमवायित्वे तस्याणुतरत्वप्रसङ्गात् TarkKau. 5. 14; SiddhāMu. 8. 15 (*on* 15)

अणुतरनि:श्वास (aṇutara–niḥśvāsa) *m.* minute, very indistinct breathing (अहम्) अणुतरनि:श्वासारम्भकम्पमानकठोरकुचकुड्मलम् ··· विश्रब्धप्रसुप्ताम्···राजकन्यामपश्यम् DaśKuC. 62. 8.

अणुतरपरिमाण (aṇutara–parimāṇa) *n.* smaller measure, smaller dimension यच्च कार्यद्रव्यं स्वपरिमाणादणुतरपरिमाणारब्धम् इत्यनुमानं तदप्यनैकान्तिकम् PrakaVi. 514. 20.

अणुतरबिन्दुमाला (aṇutarabindu–mālā) *f.* a series of very small dots सूरिरिषत्···सिन्धुरमेकमुदयगिरिनामकं परीक्ष्य मन्मुखेनैवं विज्ञापयति···अणुतरबिन्दुमालाभिश्च निचितोचितप्रतीकम् YaśasCam. i. 297. 6.

अणुतररन्ध्र (aṇutara–randhra) *n.* comparatively smaller hole अणुतररन्ध्रप्रविष्टेन तेन नादेनाहं दत्तसंज्ञ: । ···निरगमम् DaśKuC. 143. 10.

अणुतररूपा (aṇutara–rūpā) *adj.* (*f.*) having a very subtle form परा शक्ति: । अणुतररूपानुत्तरविमर्शलिपिलक्ष्यविग्रहा भाति KāmaKaVi. 3.

अणुतरविषय (aṇutara–viṣaya) *m.* matter of very little importance, trifling matter अणुतरविषयेऽपि दृढं सहायं परिहरते हि क: PrabhāC. 69. 20.

अणुतस् (aṇu–tas) *adv.* **1** [Abl.] very small दुष्टा स्त्री यान्यभावा प्रियं पतिम् । सा याति नरकं घोरं तद्द्रोहादणुतोऽपि च BṛParāSm. 6. 51; **2** (smaller) than an atom अणुतोऽपि अणीयानित्यादेरणुतोऽप्यणीयान्पदार्थ: परमेश्वर: S'ivārkaMaDī. ii. 270. 23 (*on* iii. 2. 36)

अणुता (aṇu–tā) *f.* **1** narrowness, closeness आयामो दारुण्यमणुता खस्येत्युच्चै:कराणि शब्दस्य TaiPrāti. 22. 9; अणुता खस्य कण्ठस्य संवृतता MahāBh. i. 207. 7 (*on* i. 2. 29–30); **2** state of being of a small measure or leanness व्याधीनामणुता रुचि: । ··· सम्यग्विरिक्तलिङ्गानि CaraS. i. 16. 5 (1922 Ed.); अशक्तेरणुता रूपे त्रिधैव व्यपदिश्यते LakṣmīT. 7. 26; **3** minuteness or thinness एवं चाणुतयैव मनस: सिद्धि: TārkiRa. 126. 1–2; धवेन सादर्शि वधूररुन्धतीं सतीमिमां पश्य गतामिवाणुताम् NaiṣC. 16. 39; वायुज: ··· प्रविश्य कर्णरन्ध्रेण नि:ससाराणुतां गत: BṛDharmaP. i. 20. 1; श्रुत्युदिताप्यणुतास्य सर्वशरीरकव्यापिसुखोदयदर्शनेन विरुध्यते NayaMaṅ. II. iii. 13 26; I. iii. 3. 5; नानात्वस्थौल्यकार्श्यादि तु गुणजवपुस्सङ्गतोऽध्यासितं ते। वह्नेर्दारुप्रभेदेष्विव महदणुतादीप्तताशान्ततादि Nāráy. ii. 94. 1; नापि मनोगुणत्वं तस्य, अणुतया···ज्ञानादीनामप्रत्यक्षत्वप्रसङ्गात् BhāṭṭCin. i. 41. 14 (*on* i. 1. 4); सिद्धायां चाणुतायाम् इत्थमप्यविरोध: स्यात् GoviBh. 154. 13 (*on* ii. 3. 23); प्राप सा शिखराकारा संकल्पाद्रिरिवाणुताम् YogVā. iii. 70. 4.

अणुतातिरोहित (aṇutā–tirohita) *adj.* concealed due to smallness (by assuming a very small form) सचमत्कृतिर्द्रुतममो नयत्कपिस्समुपेत्य पाशमणुतातिरोहित: RāmC. 20. 3.

अणुतेज:कण (aṇu–tejaḥkaṇa) *m.* very small particle of fire or of a luminous body जीवाकाशस्त्विमं देहं यथा विन्दति तच्छृणु।···अणुतेज:कणोऽस्मीति स्वयं चेतति चिन्तया YogVā. iii. 13. 19.

अणुतैल (aṇu–taila) *n.* name of a medicinal oil (extracted from small particles or as it does good to the small channels in the body) अणुभ्यस्तैलद्रव्येभ्यो निष्पाद्यत इत्यणुतैलम् SuśruS. iv. 4. 28; वर्षे वर्षेऽणुतैलं च कालेषु त्रिषु ना चरेत् CaraS. i. 5. 53 (1922 Ed.) (comm. अणूनां स्रोतसां हितमित्यणुतैलम्); योजयेत् ··· अणुतैलं ततो नस्यं ततो गण्डूषधारणम् AṣṭāSaṁ. i. 8. 14 (1. 3); शमनमकालवली° ··· °रक्तपित्तादिषु ··· समदोषे वाऽणुतैलेनेति AṣṭāSaṁ. i. 154. 4–5 (1. 29); i. 154. 18 (1. 29); ii. 251. 13 (6. 20); ii. 272. 25 (6. 26); वातरोगमणुतैलमशेषं हन्ति KalyāKā. 12. 18; नस्यं स्यादणुतैलेन तथा नारायणेन वा SārṅgaS. iii. 8. 34 = BhāvPra. (Bhā.) 7(5). 221.

अणुतैलविधान (aṇutaila–vidhāna) *n.* process of preparing the medicinal oil known as *aṇutaila* अणुतैलविधानं तु ··· °चन्दनै: सुपिष्टैरष्टगुणं षड्गुणेन पयसा तैलं पचेत् AṣṭāSaṁ. i. 154. 10 (1. 29)

अणुत्पत्ति (aṇ–utpatti) *f.* affixing or application of the suffix *aṇ* अणुत्पत्ते: प्राक् षष्ठ्यभावेन षष्ठ्यन्तस्यानुपपद्यत्वात् LaS'abdeS'e. ii. 768. 9.

अणुत्व (aṇu–tva) *n.* **i** smallness, minuteness, small size बालेनैवास्यामणुत्वाच्चन्द्रमा: सेवितव्यो भवति Nir. 11. 31; स पिण्डितत्वाद् गुल्म इत्युच्यते, स मुहुराध्मति मुहुरणुत्वमापद्यते CaraS. ii. 3. 7; यदा सर्वाङ्गानुसारी प्रयत्नस्तीव्रो भवति तदा गात्रस्य निग्रह: कण्ठबिलस्य चाणुत्वम् ··· भवति ĀpiŚi. 8. 20; आकारस्य तिरोधानादणुत्वं पुंस इष्यते AhirbuS. 14. 18; अणुत्वं चैषां सौक्ष्म्यपरिच्छेदो BrahmSūBh.(S'aṅ.) 503. 17 (*on* ii. 4. 7); 511. 1 (*on* ii. 4. 13); अनुद्भूतरूपस्पर्शता चाणुत्वं दुरधिगमत्वान्न तु परमाणुत्वम् Bhām. 512. 3 (*on* ii. 4. 7); महत्त्वे सर्ववस्तूनामणुत्वं ह्यतिदूरत: AparoAnu. 80; अङ्गेषु वज्रकठिनेषु निपत्य तेषां मुक्ता: शिला: कपिभिरापुरणुत्वमुच्चै: RāmC. App. ii. 37. 49; मायाकलापिनाणुत्वं निर्माय परमात्मनि YogVā. iii. 81. 23; उदरस्येदमणुत्वं सहजगुरुत्वं यदि नेदं हृदयस्य । स्वार्थे कथमलसत्वं कथमनुसत्वं हितकरणे मतिरस्य SubhāRaK. 2. 6; अणुत्वं नाम परिच्छिन्नत्वे सत्युपलब्ध्यर्हस्थूलताराहित्यमत्र विवक्षितम् S'rutaPra. 721. 8 (*on* ii. 4. 6); 705. 12 (*on* ii. 3. 52); आराग्रमात्रो ह्यवरोऽपि दृष्ट इति चात्मनोऽणुत्वमाह NyāyKu. 75. 2; NyāyPari. 498. 6; अणुत्वं चैषामुपलब्ध्ययोग्यपरिच्छिन्नपरिमाणत्वमेव NyāySiA. 194. 4; 261. 30; अहमिहैवास्मि सदने जानान इति प्रमाणमेव । जीवस्याणुत्वात् AdvaiSi. 389. 14; तत्र हि तत्तद्वाक्यप्राप्तग्रहणविशेषानुवादेन धारामात्रस्य विधानं न त्वणुत्वस्यापि, वाक्यभेदापत्ते: MimāKau. iii. 221. 8 (*on* ii. 2. 18); अणोरणुत्वेन प्रसिद्धात् परमाण्वादेरप्यणीयान् अणुतर: S'ivārkaMaDī. i. 182. 22 (*on* i. 1. 4); **ii** (Vaiśeṣika and others) atomic nature, the smallest measure or size (found in atoms and dyads) अणुत्वमहत्त्वयोरणुत्वमहत्त्वाभाव: कर्मगुणैर्व्याख्यात: VaiśeSū. vii. 1. 14; vii. 1. 16; vii. 2. 3; vii. 2. 12; अविशेषादणुत्वाच्च न गतिश्चेन्न सिध्यति PramāVā. 2. 86; समुदायेऽपि चाणुत्वं नैतेषामपगच्छति S'lokaVār. 8. 180 (403. 4); अणुत्वह्रस्वत्वे हि द्व्यणुकवर्तिनी परिमाणे वर्णयन्ति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 365. 3 (*on* ii. 2. 11); 836. 19 (*on* iv. 3. 14); परिमाणविशेषा एते, अणुत्वं महत्त्वम् ··· इति PrakaPañ. 294. 11; नन्वेवं तर्हि द्व्यणुकानामुत्पत्तिविनाशौ न प्रतिज्ञातौ स्याताम् तेषामणुत्वात् NyāyKa. 50. 9; कायस्य यथेच्छमणुत्वमहत्त्वादीनि RājMar. 38. 18; द्वयो: परमाण्वोर्यासौ द्वित्वसंख्या सा द्व्यणुकेऽणुत्वं ह्रस्वत्वं चारभते BrahmSūBh. (Bhā.) 113. 7 (*on* ii. 2. 11); द्वित्वसंख्या ··· अणुत्वह्रस्वत्वे जनयति TarkSaṁ. (Ā.) 66. 16; 42. 28; TārkiRa. 144. 10; यत्स्यादणुत्वं तदुपाश्रितं तज्जायेत कस्माद्द सर्वविचेत् S'aṅkDigVi.(Mā.) 16. 16; अणुत्वं परिमाणापकर्ष: NyāySu.(Ja.) 344B. 10 (*on* ii. 2. 60); ननु मनो विभु ··· अणुत्वे हि सुखदु:खादेरणुमात्रवृत्तित्वं स्यात् SarvaDaKau. 23. 21; जीवसम्बन्ध एव बोध्यते नाणुत्वम् AṇuBh. 147. 11 (*on* ii. 3. 20); अणुत्वं हि कार्यं द्व्यणुकमात्रवृत्ति Upask. 298. 11 (*on* vii. 1. 11); मध्यमपरिमाणत्वे सावयवत्वापत्त्या विनाशित्वमणुत्वे च देहव्यापिज्ञानाद्यनुपपत्ति: SāṁkhyaPraBh. 23. 21; (*on* i. 51); द्वित्वसंख्या च द्व्यणुकेऽणुत्वम् ··· आरभते VedāntKau. 185. 18 (*on* ii. 2. 11); द्व्यणुकमणुसंज्ञं तत्समवेतं परिमाणं त्वणुत्वं ह्रस्वत्वं च GoviBh. 120. 9 (*on* ii. 2. 11); यथा मनसोऽणुत्वं तथा वक्ष्यते SiddhāMu. 25. 1; तस्मादणुत्वमहत्त्वयोर्गुणदोषसाम्यान्मनोग्राहकं प्रमाणं मनोमात्रमेव गृह्णाति MānMe. 216. 3.

अणुत्वकारण (aṇutva–kāraṇa) *n.* cause of atomicity विशेषस्य अणुत्वकारणस्य···असद्भावात् Upask. 299. 2 (*on* vii. 1. 11)

अणुत्वज्ञान (aṇutva–jñāna) *n.* knowledge of atomicity कुवलामलकादावणुत्वज्ञानम्···तावदविद्या Upask. 305. 5 (*on* vii. 1. 21)

अणुत्वतस् (aṇutva–tas) *adv.* due to minuteness अप्रत्यक्षत्वमेव स्याद्यत: कार्येष्वणुत्वत: AnuVyā. 24B. 7 (*on* 2. 2); SaṁgīRa. i. 150. 1 (1(5). 9)

अणुत्वनिराकरण (aṇutva–nirākaraṇa) *n.* refutation of minuteness अनेन कालस्याणुत्वनिराकरणं फलितम् S'rutaPra. ii. 309. 28 (*on* ii. 2. 31)

अणुत्वपक्ष (aṇutva–pakṣa) *m.* view that (something) is of atomic size अणुत्वपक्षे शरीरव्यापकं सुखादि न स्यात् TattvCin. i. 768. 1.

अणुत्वपरिमाण (aṇutva–parimāṇa) *n.* atomic dimension अणुत्वपरिमाणस्य परमाणौ द्व्यणुके च साम्यात् NyāySu.(Ja.) 336B. 11 (*on* ii. 2. 6)

अणुत्वप्रतिपादन (aṇutva–pratipādana) *n.* statement of atomic size अणुत्वप्रतिपादनान्मूर्तत्वे सिद्धेऽपि विस्पष्टार्थमेतदुक्तम् NyāyKa. 93. 16; BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 147. 16 (*on* ii. 3. 32)

अणुत्वप्रत्यय (aṇutva–pratyaya) *m.* perception of atomic size अणुत्वप्रत्ययप्रयोगौ च भाक्तौ Upask. 299. 8 (*on* vii. 1. 12)

अणुत्वप्रसक्ति (aṇutva–prasakti) *f.* contingency of being atomic

(in size) न नैवं सति त्र्यणुकस्याप्यणुत्वप्रसक्तिः NyāyKa. 133. 23.

अणुत्वप्रसङ्ग (aṇutva-prasaṅga) *m.* contingency of being atomic (in size) पारिमाण्डल्यादेरारंभकत्वे सर्वकार्याणामणुत्वप्रसङ्गः TattvPrakā. 98A. 6 (*on* ii. 2. 11)

अणुत्वमत (aṇutva-mata) *n.* view that (something) is of atomic size मनसोऽणुत्वमते विषये संश्लेषः ⋯ न सम्भवति GuruCandr. ii. 131. 15.

अणुत्वमात्र (aṇutva-mātra) *n.* mere minuteness आश्चर्यं त्विदमेव शाहमनसा सच्छास्त्रसंसेवनैः संप्राप्तं तु मनुत्वमेव हि कथं नाणुत्वमात्रं जहौ Paramā-Kā. 3. 16

अणुत्वलिङ्ग (aṇutva-liṅga) *n.* probans (in the form of) being atomic (in size) मनसः प्राणानां चाणुत्वलिङ्गोपस्थापितजीवाश्रयत्वप्रतिपादनात् S'ivārkaMaDī. i. 403. 8 (*on* i. 3. 3)

अणुत्ववचन (aṇutva-vacana) *n.* statement of smallness or minuteness दुर्ज्ञानत्वाभिप्रायमिदमणुत्ववचनम् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 461. 9 (*on* ii. 3. 29)

अणुत्ववत् (aṇutva-vat) *adv.* like minuteness अणुत्ववत् तस्यापि (ह्रस्वत्वस्य) परमाण्वादौ अनित्यत्वात् TarkSaṁ.(Ā.) 66. 9.

अणुत्ववाचिन् (aṇutvavāc-in) *adj.* expressing minuteness or atomic size साक्षादेवास्याणुत्ववाची शब्दः श्रूयते BrahmSūBh.(S'aṅ.) 454. 14 (*on* ii. 3. 22); GoviBh. 154. 2 (*on* ii. 3. 21)

अणुत्ववाद (aṇutva-vāda) *m.* opinion that (something) is of atomic size ये चोपनिषत्स्वणुत्ववादाः ⋯ ते सूक्ष्मग्रहणगोचरत्वाभिप्रायाः S'āstrDī. 124. 21 (*on* i. 1. 5)

अणुत्वविनिश्चय (aṇutva-viniścaya) *m.* ascertainment of minuteness तत्किल तावति हृदि स्थितैरेव तु तावत्स्वरूपतया⋯तस्याणुत्वविनिश्चयात् GoviBh. 50. 11 (*on* i. 3. 25)

अणुत्वविपरीत (aṇutva-viparīta) *adj.* contrary to atomic size नाणुरयमात्मा, कस्मात् । अतच्छ्रुतेः अणुत्वविपरीतपरिमाणश्रवणात् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 454. 1 (*on* ii. 3. 21); जीवो नाणुर्भवितुमर्हति । कुतः । अतच्छ्रुतेः । अणुत्वविपरीतव्यापकत्वश्रुतेः AṇuBh. 147. 17 (*on* ii. 3. 21)

अणुत्वविवक्षा (aṇutva-vivakṣā) *f.* desire to convey the sense of being atomic न चाद्यशब्देनाणुत्वविवक्षोपपन्ना S'rutaPra. ii. 311. 14 (*on* ii. 2. 34)

अणुत्वविशेष (aṇutva-viśeṣa) *m.* a kind of smallness or minuteness अणुत्वविशेष एव ह्रस्वत्वम् NyāyKa. 137. 16.

अणुत्वविश्रान्ति (aṇutva-viśrānti) *f.* limit of atomic size अतो नाणुत्वविश्रान्तिर्न महत्त्वस्य च क्वचित् AnuVyā. 25A. 9 (*on* 2. 2)

अणुत्ववैशिष्ट्य (aṇutva-vaiśiṣṭya) *n.* the characteristic of being atomic निरुपाधिकस्वरूपस्याणुत्ववैशिष्ट्यावगमाच्च तदवगमः S'rutaPra. ii. 368. 26 (*on* ii. 3. 32)

अणुत्वव्यपदेश (aṇutva-vyapadeśa) *m.* mention of (something) being atomic अणुत्वव्यपदेशः कथमिति चेत्तद्गुणसारत्वात् BrahmSūBh.(Bhā.) 137. 10 (*on* ii. 3. 29); SiddhāBi. 84. 2.

अणुत्वव्यवहार (aṇutva-vyavahāra) *m.* usage that (something) is atomic कुवलयामलकबिल्वादिषु महत्त्वपि तत्प्रकर्षभावाभावमपेक्ष्य भाक्तोऽणुत्वव्यवहारः PadārthaSaṁ. 131. 1; Upask. 295. 7 (*on* viii. 1. 8)

अणुत्वश्रवण (aṇutva-śravaṇa) *n.* Vedic authority of (something) being atomic (in size) अणुत्वश्रवणाच्च संशयः S'ivārkaMaDī. ii. 493. 23 (*on* iv. 4. 15); SiddhāLeSaṁ. 336. 3; 344. 3.

अणुत्वश्रुति (aṇutva-śruti) *f.* Vedic authority of (something) being atomic (in size) ' एषोऽणुरात्मा चेतसा वेदितव्यः ⋯ ' इति साक्षादणुत्वश्रुतेः Niti-Mā. 51. 9; S'rutaPra. ii. 367. 28 (*on* ii. 3. 32); ii. 369. 3 (*on* ii. 3. 32); न चाणुत्वश्रुतिविरोधः TattvPrakā. 115B. 13 (*on* ii. 3. 20); 128B. 11 (*on* ii. 4. 8); 129A. 2 (*on* ii. 4. 8); अणोरणीयान् इति ब्रह्मणोऽणुत्वश्रुतेः SiddhāBi. 82. 5; S'ivārkaMaDī. ii. 144. 15 (*on* ii. 3. 20); ii. 145. 33 (*on* ii. 3. 23)

अणुत्वसमानाधिकरण (aṇutva-samānādhikaraṇa) *adj.* co-existent with atomic size केचित्तु अणुत्वसमानाधिकरणं ह्रस्वत्वं तद्वदेव द्विविधम् ⋯ इत्याहुः SarvaDaKau. 26. 12.

अणुत्वसाधन (aṇutva-sādhana) *n.* establishment of (something) being atomic उत्क्रान्तिरपि सापादानाणुत्वसाधनम् Bhām. 486. 5 (*on* ii. 3. 20); VedāntKa. 320. 18 (*on* ii. 3. 19)

अणुत्वसामान्य (aṇutva-sāmānya) *n.* the genus of atomic size समुदायेऽपीष्यमाणेऽणुत्वसामान्यमभ्युपगन्तव्यमापद्येत Kāśi. iii. 97. 16 (*on* 5(4). 180)

अणुत्वसिद्धि (aṇutva-siddhi) *f.* establishment of minuteness or atomic size अतः पारिशेष्यादणुत्वसिद्धिः Bhām. 485. 21 (*on* ii. 3. 20); SāṁkhyaPraBh. 136. 5 (*on* 5. 87); TattvPrakā. 129A. 13 (*on* ii. 4. 8); Upask. 308. 4 (*on* vii. 1. 23); खगशरीरवदित्याद्यनुमानैश्च⋯अणुत्वसिद्धेः Nyāyā-mṛ. 610B. 8.

अणुत्वस्वीकार (aṇutva-svīkāra) *m.* acceptance of (something) being atomic उपाधेश्चाणुत्वस्वीकारेण शिरःपाण्याद्यवयवैर्युगपत्संबन्धतया तद्गतसुखादीनां युगपदनुसंधानाभावापत्तेश्च VedāntRaMañ. 1. 1 (17. 7)

अणुत्वहेतु (aṇutva-hetu) *m.* [Abl.] by reason of minuteness स्थूलत्वाणुत्वहेतोर्नैतूर्वाचार्यैः स्वकल्पितम् । उक्तं तत्र मतं मेऽस्ति गोलयुक्तिविरोधतः SiddhāTaVi. 209. 3.

अणुत्वाक्षेपक (aṇutvākṣepa-ka) *adj.* indicative of (something) being atomic (in size) स्वशब्दः अणुशब्दः । न त्वणुत्वाक्षेपकशब्दः S'rutaPra. ii. 363. 26 (*on* ii. 3. 23)

अणुत्वाद्यारम्भक (aṇutvādy-ārambhaka) *adj.* productive of atomic size etc. पारिमाण्डल्यादेरेव त्वराविशेषादणुत्वाद्यारम्भकत्वम् VedāntKa. 262. 5 (*on* ii. 2. 11)

अणुत्वाद्यभिधान (aṇutvādy-abhidhāna) *n.* statement that (something) is atomic etc. अस्थूलादिर्हि(? अस्थूलादिपदैर्हि) स्थूलत्वादिविपरीतमणुत्वाद्यभिधानं वा स्यात् NyāySu.(Ja.) 173B. 4 (*on* i. 3. 3)

अणुत्वाद्यभिधायक (aṇutvādy-abhidhāyaka) *adj.* expressive of (something) being atomic etc. अस्थूलादिपदानामणुत्वाद्यभिधायकत्वपक्षमुपादाय NyāySu.(Ja.) 174B. 9 (*on* i. 3. 3)

अणुत्वानुपपत्ति (aṇutvānupapatti) *f.* impossibility of being of atomic size न तावदविद्या, तस्या अणुत्वाभावेन तदवच्छिन्नस्याप्यणुत्वानुपपत्तेः S'ruta-Pra. ii. 368. 3 (*on* ii. 3. 32)

अणुत्वानुमान (aṇutvānumāna) *n.* inference of (something) being of atomic size न च हरिचन्दनबिन्दुदृष्टान्तेनाणुत्वानुमानं जीवस्य Bhām. 487. 14 (*on* ii. 3. 24)

अणुत्वापत्ति (aṇutvāpatti) *f.* contingency of (something) being of atomic size परमाणुकार्यस्य द्व्यणुकवदणुत्वापत्तेश्च SarvaDaKau. 13. 5.

अणुत्वापादन (aṇutvāpādana) *n.* production of the fragmentary or limited nature (of the individual soul) स एव च संसारः अपूर्णाभिमानेन स्वात्मनि अणुत्वापादनात् आणवमलस्य ParāTri. 41. 1.

अणुत्वाभाव (aṇutvābhāva) *m.* absence of atomic size उत्क्रान्त्यादिकं तु अणुत्वाभावेऽप्यौपाधिकपरिच्छेदादुपपद्यते GuruCandr. i. 347. 20.

अणुत्वायोग (aṇutvāyoga) *m.* incompatibility with atomic size परिमाणस्य अणुत्वायोगात् TarkSaṁ.(Ā.) 29. 26.

अणुत्वावगमकत्व (aṇutvāvagamaka-tva) *n.* the state of being one which conveys the characteristic of atomic size अणुत्वावगमकत्वाभावे तदानन्त्यश्रवणस्योपासनार्थत्वाभावात् (सर्वगतानि इन्द्रियाणि) S'rutaPra. ii. 393. 20 (*on* ii. 4. 6)

अणुत्वावच्छिन्न (aṇutvāvacchinna) *adj.* delimited by atomic size अणुत्वावच्छिन्नः कथं स्थूलप्रतिभाससंवेद्यः TātpaṬ.(U.) 347. 21 (*on* 5(5). 180)

अणुत्वाश्रयण (aṇutvāśrayaṇa) *n.* taking recourse to the atomic size (of something) अणुत्वाश्रयणे तु ⋯ उपपद्यत एव वेदनायास्तत्तदधिकरणत्वप्रतीतिः MānaMe. 215. 3.

अणुत्वोत्पत्ति (aṇutvotpatti) *f.* origination of atomic size or measure द्व्यणुकैर्बहुभिरारभ्यते इत्यपि नियमो न द्वाभ्यां तस्याणुपरिमाणोत्पत्तौ कारणसद्भावेनाणुत्वोत्पत्तावारम्भवैयर्थ्यात् NyāyKa. 32. 7; ह्रस्वत्वपारिमाण्डल्याभ्यां महत्त्वाणुत्वोत्पत्तेर्वैशेषिकैरनङ्गीकृतत्वात् S'ivārkaMaDī. ii. 65. 16 (*on* ii. 2. 11)

अणुत्वोत्पादक (aṇutvotpādaka) *adj.* productive of atomic size or measure अणुत्वोत्पादकमेव ह्रस्वत्वोत्पादकम् Upask. 302. 8 (*on* viii. 1. 17)

अणुत्वोपगम (aṇutvopagama) *m.* acceptance of atomic size जीवस्याणुत्वोपगमेन व्यवस्थोपपादनं न युक्तम् SiddhāLeSaṁ. 344. 1.

अणुत्वोपपत्ति (aṇutvopapatti) *f.* justification of atomic size प्रत्यगात्मनः ⋯ नाणुत्वोपपत्तिरिति चेन्न VedāntRaMañ. 1. 1 (15. 24)

अणुत्वोपाधि (aṇutvopādhi) *m.* limiting adjunct of atomic size मनोव्यतिरिक्ता बुद्धिरणुत्वोपाधिरिति चेत् S'rutaPra. ii. 368. 20 (*on* ii. 3. 32); अणुत्वोपाधेरनपगमादेव । न हि देहान्तरावस्थितिदशायामणुत्वोपाध्यपगमो भवतामिष्टः S'rutaPra. ii. 369. 20 (*on* ii. 3. 32)

अणुदायादवलग्ना (aṇudāyāda-valagnā) *adj.* (*f.*) whose waist is extremely slender (*lit.* kinsman of atom) अणुदायादवलग्नाम्⋯अन्तःकलयामि सुन्दरीमनिशम् LalitāStaRa. 166.

अणुदेश (aṇu-deśa) *m.* atomic region अणुदेशावच्छिन्नाद्यालोकसंयोगात् न चाक्षुषम् GuruCandr. i. 222. 19.

अणुदेशत्व (aṇudeśa-tva) *n.* the state of having an atomic (i. e. extremely small) region अन्यथाणुत्वपक्षे प्रयत्नस्याणुदेशत्वं शरीरमात्रदेशत्वं वा स्यात् TattvCin. i. 768. 6; मनसोऽणुत्वे तत्संयोगस्याप्यणुदेशत्वात् सुखादेरणुदेशापत्तिः SarvaDaKau. 23. 23.

अणुदेशापत्ति (aṇudeśāpatti) *f.* contingency of occupying atomic region सुखादीनामणुदेशापत्तिः Upask. 166. 15 (*on* iii. 2. 1); मनसोऽणुत्वे ··· सुखादेरणुदेशापत्तिः SarvaDaKau. 23. 24.

अणुदेह (aṇu-deha) *m.* tiny body अणुदेहस्य जीवस्य गजत्वे विकृतिर्हि या AnuVyā. 32A. 1 (*on* 2. 2) (NyāySu.(Ja.) 416B. 2 पिपीलिकादिदेहस्य ··· यद्वा ···हस्तवितस्त्यादिपरिमितदेहस्य)

अणुद्रव्य (aṇu-dravya) *n.* substance in atomic form अणुद्रव्यसामान्यात् सामान्यप्रत्ययविषयत्वं मन्दता NyāyVār. 249. 12 (*on* ii. 1. 34); क्व वा दृष्टमणुद्रव्यारभ्यं द्रव्यम् NyāyKuA. ii(2). 38. 3.

अणुद्वय (aṇu-dvaya) *n.* a pair of atoms द्व्यणुकमणुद्वयात् NayaVi. 146. 5 (*on* i. 3. 5); 191. 4 (*on* i. 3. 5); अणुद्वयसंयोगे तदनुपपत्तेश्च NyāySiA. 191. 1.

अणुद्वार (aṇu-dvāra) *adj.* having a very fine (*lit.* atomic) opening पूयगर्भानणुद्वारान् व्रणान् ··· परिपीडयेत् SuśruS. iv. 1. 46; AṣṭāSaṁ. ii. 293. 2 (6. 30)

अणुधन (aṇu-dhana) *adj.* **i** having very little wealth पङ्कजम् ··· अणुधनः ··· इत्यादौ पङ्कादिभिरन्यपदार्थस्याभेदान्वयापत्तेश्च VaiyāBhū. 148. 17 (*on* 30); **ii** having *Panicum miliaceum* for wealth, VaiyāBhū. 148. 17 (*on* 30)

अणुधर्म (aṇu-dharma) *m.* **A** minute (i. e. small) rite, ritual detail अणुहो नाम तस्यासीत् पुत्रः परमधार्मिकः । अणुधर्मरतिर्नित्यमणुहोऽध्यगमत्पदम् HariVaṁ. 18. 4; **B** minor vow (to be observed by the householder) (called Aṇuvrata) अणुधर्मोऽग्रधर्मश्च श्रेयसः पदवी द्वयी । ··· गृहाश्रमविधिः पूर्वः PadmP. (Ra.) 85. 18 (अणुधर्मः बृहत्साधुधर्मापेक्षया अल्पो धर्मः AbhidhānaRājendra. P. 385)

अणुधान्य (aṇu-dhānya) *n.* **i** non-bearded grain प्रवद गणक खार्यः किंमिताः सन्ति तस्मिन्नथ पृथगणुधान्यैः शूकधान्यैश्च शीघ्रम् Līlā. 234; **ii** grain of *Panicum miliaceum*, Līlā. 234.

अणुधी (aṇu-dhī) *f.* perceiving (something) as of atomic size कुर्यान्मेरावणुधियमणौ मेरुधियं तथा BṛĀraUBhVā. i. 3. 313.

अणुनित्यता (aṇu-nityatā) *f.* eternality of atom नाणुनित्यता तत्कार्यत्वश्रुतेः SāṁkhyaPraSū. 5. 87 (comm. पृथिव्याद्यणूनां नित्यता नास्ति)

अणुनित्यत्व (aṇu-nityatva) *n.* eternality of atom नाणुनित्यत्वात् NyāySū. ii. 2. 24; यथा सत्यणुनित्यत्वे घटे तद्रचनात्मके । न नित्यतैवं वर्णेषु नित्येषु पदनाशिता S'lokaVār. 6. 281 (*on* 800. 9)

अणुनिराकरण (aṇu-nirākaraṇa) *n.* refutation of atom (as a separate category) न चैतदधिकमणुत्वमस्तीत्यणुनिराकरणादपि सिद्धम् NyāySiA. 261. 30.

अणुनिरोधिन् (aṇu-nirodhin) *adj.* that which binds the individual soul इति यदणुनिरोधि ध्वान्तबीजाद्यदृष्टं पशुमतसृतदृग्भिः पाशजालं सुभूयः MṛgendraT. i. 13. 198.

अणुनिविष्ट (aṇu-niviṣṭa) *adj.* occupied by an atom आकाशम् अणुनिविष्टम् । पुद्गलपरमाणुव्याप्तम् TātpaVṛ. 198. 14 (*on* 2. 48)

अणुनिष्ठ (aṇu-niṣṭha) *adj.* found in an atom अणुपरिमाणशब्देनाणुनिष्ठपरिमाणविवक्षायाम् TattvPradī.(Ci.) 290. 3; केचित्तु आत्मत्वमणुनिष्ठम् द्रव्यत्वसाक्षाद्व्याप्यजातित्वात् पृथिवीत्ववत् Nyāyāmṛ. 611B. 9 (*on* 2. 33)

अणुप (aṇu-pa) *m.* (pl.) name of a tribe (residing in the Vindhyas) अनुपास्तुण्डिकेराश्च वीतिहोत्रा ह्यवन्तयः । एते जनपदाः सर्वे विन्ध्यपृष्ठनिवासिनः VāyuP. 1. 45. 134 (ASS. Ed. अणुपाः)

अणुपदवाच्यत्व (aṇupadavācya-tva) *n.* the state of being denoted by the term *aṇu* तत्राज्ञानमणुः । ··· अणुपदवाच्यत्वं चास्यापरिच्छिन्नस्याप्यात्मनः परिच्छेदकत्वात् LalitaSaBh. 95. 11 (*on* 129)

अणुपदार्थ (aṇu-padārtha) *m.* minute or subtle thing कुर्वाणाणुपदार्थदर्शनवशाद्भास्वत्प्रभायास्त्रपाम् CaturJiStu. 87 (comm. अणवः सूक्ष्माः पदार्थाः जीवाजीवादयः)

अणुपरत्व (aṇupara-tva) *n.* the state of conveying the atomic size भवद्भिरुदाहृतश्रुतेरणुपरत्वेनास्मदिष्टत्वात् युष्मदनिष्टत्वाच्च VedāntRaMañ. 16. 9 (*on* 1. 1)

अणुपरिच्छिन्न (aṇu-paricchinna) *adj.* delimited by the atomic size अप्रत्यक्षोऽणुपरिच्छिन्नपरिमाणः परमाणुः SiddhāTaVi. 58. 7.

अणुपरिणाम (aṇu-pariṇāma) *m.* modification of an atom (स्निग्धा वा रूक्षा वा अणुपरिणामाः समा वा विषमा वा) अणुपरिणामशब्देनात्र परिणामपरिणता अणवो गृह्यन्ते TātpaVṛ. 226. 6 (*on* 2. 73)

अणुपरिमाण (aṇu-parimāṇa) *adj.* [*f.* –ā] having the size of an atom (i. e. very small) (सप्तदशकं लिङ्गम्) अणुपरिमाणं तत्कृतिश्रुतेः SāṁkhyaPraSū. 3. 14; अल्पपरिमाणेन (v. l. अणुपरिमाणेन) महापरिमाणस्याव्याप्तिः NyāyVār. 507. 16 (*on* iv. 2. 7); BrahmSi. i. 7. 2; गमनक्षणाश्चाणुपरिमाणदेशातिक्रमक्रमेण ··· प्रभवन्ति SphoṭSi. 41. 2; (जीवः) किमणुपरिमाणः उत मध्यमपरिमाणः आहोस्वित् महापरिमाणः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 452. 5 (*on* ii. 3. 19); BrahmSūBh.(Bhā.) 135. 13 (*on* ii. 3. 19); (आत्मा) अणुपरिमाणः ···इत्यादिवादिनो विवदन्ते PrakaPañ. 316 1; अणुपरिमाणस्य (वायोः) तृणादिप्रेरणसामर्थ्याभावात् NyāyKa. 47. 21; 92. 20; ĀtmaSi. 3. 13; तन्निष्ठं द्व्यणुकं नाम कार्यद्रव्यमणुपरिमाणम् PratyabhiVi. i. 225. 1 (*on* i. 5. 6); TātpaṬ.(Vā.) 514. 5 (*on* iii. 1. 17); न चैतदणुपरिमाणम् (चित्तम्) TattvVai. 190. 20 (*on* 4. 10); अणुपरिमाणश्रवणस्य चाविरोधार्थमिदमधिकरणम् Bhām. 485. 10 (*on* ii. 3. 19); AbhinBhā. i. 51. 8 (*on* 2. 13); अणुपरिमाणा तु (मही) नोपलभ्यते Kiraṇā. 50. 11; स चायमात्माणुपरिमाणः BrahmSūBh.(Rā.) 531. 15 (*on* ii. 3. 31); अणुपरिमाणस्य मनसः TattvPradī.(Ci.) 380. 2; S'rutaPra. i. 314. 17 (*on* i. 2. 18); आत्मनः पुनरणुपरिमाणान्तःकरणोपहितस्याणोरिन्द्रियसंचारो युज्यते Aparā. 1014. 1 (*on* 3. 176); TarkBhā.(Ke.) 60. 2; JīvanVi. 59. 2; NyāySu.(Ja.) 173B. 5 (*on* i. 3. 3); अणुपरिमाणो जीवः VedāntKau. 94. 15 (*on* i. 3. 21); SarvaDaKau. 23. 18; सर्वे प्राणा अणुपरिमाणाः AṇuBh. 160. 7 (*on* ii. 4. 7); LaCandr. 853. 39; BhāṭṭCin. 16. 6 (*on* i. 1. 4); GoviBh. 319. 13 (*on* v. 4. 11)

अणुपरिमाण (aṇu-parimāṇa) *n.* atomic size or measure or dimension अणुपरिमाणं क्वचिन्निरतिशयम् NyāyKa. 31. 24; तस्याणुपरिमाणोत्पत्तौ कारणसद्भावेन NyāyKa. 32. 7; 133. 20; 134. 17; परमाणुद्वयारब्धे तु द्व्यणुकेऽणुपरिमाणमस्तु AbhinBhā. i. 51. 10 (*on* 2. 14); अणुपरिमाणतरतमादिभावः क्वचिद्विश्रान्तः KhaṇḍanKhā. 914. 9; परमाणवः ··· न तु अणुपरिमाणयुक्ताः BrahmSūBh. (S'rī.) ii. 65. 3 (*on* ii. 2. 10); द्वाभ्यां परमाणुभ्यामणुपरिमाणरहिताभ्यामणुपरिमाणोपेतं द्व्यणुकमुत्पद्यते BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 65. 4 (*on* ii. 2. 10); अणुपरिमाणे स्थिते न जीवानां ब्रह्मभावो घटते । नष्टे वा नाब्रह्मभावोऽपि घटते PrakaVi. 170. 16; 'यतः' इति अणुपरिमाणग्रहणान्न इति चेन्न TarkSaṁ.(Ā.) 30. 1; NyāySu.(Ja.) 352A. 3 (*on* ii. 2. 6); प्रत्यक्षसिद्धान्महतः परिमाणाद् यद्विपरीतं तदणुपरिमाणम् Upask. 297. 5 (*on* vii. 1. 10); पारिमाण्डल्यम् अणुपरिमाणम् SiddhāMu. 8. 12 (*on* 15); तत्रासन्नयेऽणुपरिमाणम् ··· भूतेन्द्रियाणां मूलकारणेषु सत्त्वादिगुणेषु मन्तव्यम् SāṁkhyaPraBh. 136. 35 (*on* 5. 90)

अणुपरिमाणक (aṇuparimāṇa-ka) *adj.* of the size of an atom अणुपरिमाणकः प्रतिशरीरं भिन्नः ··· चित्पदार्थः VedāntKau. 7. 12 (*on* i. 1. 1); अयमात्मा ··· आहोस्विदणुपरिमाणकः VedāntKau. 224. 15 (*on* ii. 3. 19); किमिन्द्रियाणि सर्वगतानि ? उताणुपरिमाणकानि ? S'rutaPra. ii. 393. 19 (*on* ii. 4. 6)

अणुपरिमाणकत्व (aṇuparimāṇaka-tva) *n.* the state of having atomic size आत्मनोऽणुपरिमाणकत्वे कृत्स्नदेहव्यापिसुखाद्यनुभवः कथमुपपद्यते VedāntKau. 226. 3 (*on* ii. 3. 23)

अणुपरिमाणतारतम्य (aṇuparimāṇa-tāratamya) *n.* gradation of the atomic dimension अणुपरिमाणतारतम्यं क्वचिद्विश्रान्तम् NyāyKa. 31. 16 = Kiraṇā. 52. 6 = TārkiRa. 229. 5 = TattvPradī.(Ci.) 290. 1 = NyāySiA. 191. 27 = SarvaMaSaṁ. 17. 1; अणुपरिमाणतारतम्यस्यापि क्वचिद्विश्रान्तत्वमस्ति SiddhāMu. 16. 15 (*on* 37)

अणुपरिमाणत्व (aṇuparimāṇa-tva) *n.* the state of having atomic size अणीयानित्युक्तेऽणुपरिमाणत्वं प्राप्तमाशङ्क्य ChāndoUBh. 177. 6 (*on* iii. 14. 3); BrahmSūBh.(Bhā.) 238. 27 (*on* iv. 3. 13); अणुपरिमाणत्वे स्थूलोऽहं दीर्घ इति च न स्यात् Bhām. 7. 9 (*on* i. 1. 1); NyāyKuA. ii. 64. 2; तत्राणुपरिमाणत्वे युगपच्छिरःपादयोर्वेदनानुपपत्तिः S'āstrDī. 124. 15 (*on* i. 1. 5); VedāntDī. 123. 16 (*on* ii. 3. 24); अन्तर्धानमदृश्यशरीरत्वम् तच्चाणुपरिमाणत्वे तस्य भवति Aparā. 1028. 7 (*on* 3. 203); हृदयायतनमणुपरिमाणत्वं चाप्यात्मनोऽभिधाय AṇuBh. 149. 2 (*on* ii. 3. 27); SarvaMaSaṁ. 18. 8.

अणुपरिमाणपक्ष (aṇuparimāṇa-pakṣa) *m.* the view (that individual soul is) of an atomic size अपि चाणुपरिमाणपक्षे निखिलशरीरव्यापि वेदनासंधानानुपपत्तेः NyāyMa. 26. 3.

अणुपरिमित (aṇu-parimita) *adj.* measured by the size of an atom तत्र स्वेच्छयाणुपरिमितशरीरो भवतीत्यणिमा YogSā. 58. 5(3)

अणुपरिमितत्व (aṇuparimita-tva) *n.* the state of being of the size of an atom अविद्याया अणुत्वाभावादणुपरिमितत्वं जीवस्य आमोक्षस्थायि न भवेत्

S'rutaPra. ii. 370. 12 (*on* ii. 3. 32)

अणुपर्यन्त (aṇu-paryanta) *adj.* **A** extending upto the shortest duration वर्णानां गुरूणां विशेषेणाणुपर्यन्तं त्रिमात्रचतुर्मात्रतया प्रकृष्टं तद्दार्घं कर्तव्यम् AbhinBhā. i 195. 3 (*on* 4. 299); **B** extending upto an atom महदाद्यणुपर्यन्तम् …त्वदधीनमिदं जगत् MahNirvāT. 4. 11.

अणुपुद्गल (aṇu-pudgala) *m.* particle of matter मणीनां स्थूलपुद्गलान्। परितः शातयामासु र्जगृहुश्चाणुपुद्गलान् TriṣaS'aPuC. ii. 2. 171.

अणुपुष्पिका (aṇupuṣpi-kā) *adj.* (*f.*) bearing tiny flowers (symbol for human body) तथा हि अणु अल्पमायूरूपं पुष्पं यस्याः सा अणुपुष्पिका मानुषतनुः तस्याः पुष्पाणि आयुःखण्डानि मा त्रोटयत PrabhāC. 57. 15.

अणुपुष्पी (aṇu-puṣpī) *adj.* (*f.*) bearing flowers of a kind of food grain (symbol for human body) अथवाणुर्नामाल्पधान्यं तस्य पुष्पाणि अल्पविषयत्वान्मानवतनोः सा अणुपुष्पी PrabhāC. 57. 20.

अणुप्रकाश (aṇu-prakāśa) *adj.* having very little (i. e. faint) lustre विरराज वक्त्रम्। सौधाकरं विम्बमणुप्रकाशं प्रगे यथा मञ्जुतमालपत्रम् Ānand-Ra. 3. 3.

अणुप्रकाशक (aṇu-prakāśaka) *adj.* which manifests things of minute dimensions बुद्धिरिति नाभौतिकं महदणुप्रकाशकमस्ति NyāyVār. 377. 2 (*on* iii. 1. 31)

अणुप्रकाशकत्व (aṇuprakāśaka-tva) *n.* the characteristic of illuminating things of minute dimensions प्रदीपाद्यनभ्युपगमे वा महदणुप्रकाशकत्वं चक्षुष एवेत्यसाधारणत्वादहेतुः भौतिकाभौतिकयोर्निवृत्तेः NyāyVār. 376. 18 (*on* iii. 1. 31)

अणुप्रतियोगित्व (aṇupratiyogi-tva) *n.* the characteristic of being the correlative of a thing of atomic size नन्वणोरणीयानिति श्रुतौ सर्वस्मात्स्थूलात्स्थूलत्वमेवोच्यते न महत्तत्त्वपरत्वम्। स्थूलस्यैवाणुप्रतियोगित्वात् TattvPrakā. 68A. 6 (*on* i. 4. 5)

अणुप्रतियोग्यपेक्षत्व (aṇupratiyogyapekṣa-tva) *n.* characteristic of requiring an entity of atomic dimension as a correlative न हि महत्त्वप्रतीतिर्दैर्घ्यप्रतीतिवद्ध्रस्वमपेक्ष्य जायते तत्प्रतीतेरणुप्रतियोग्यपेक्षत्वात् TattvPradī. (Ci.) 309. 5.

अणुप्रत्यय (aṇu-pratyaya) *m.* perception of minute or subtle one अथ मन्यसे महान् शब्दोऽणुः शब्द इति शब्दे दृष्टो महदणुप्रत्ययः प्रधानम् NyāyVār. 248. 7 (*on* ii. 1. 34)

अणुप्रमाण (aṇu-pramāṇa) *adj.* which is of atomic dimensions, subtle अणीयान् ह्यतर्क्यमणुप्रमाणात् KaṭhU. 2. 8; KāṭhUBh. 126. 19 (*on* 2. 8); अशक्यमङ्गान्तरवद्विभक्तुमणुप्रमाणं करणं यदन्तः S'ivLī. 1. 2.

अणुप्रमाणम् (aṇu-pramāṇam) *adv.* in a small measure अणुप्रमाणमपि या मध्येकाशि विकासिनी। मही महीयसी ज्ञेया सा सिद्ध्यै न मुधा क्वचित् SkandP. iv. 35. 6.

अणुप्रमुखश्रुतिवाक्य (aṇupramukha-śrutivākya) *n.* scriptural passage in which atoms etc. (are stated to be the material cause of the world) ब्रह्म यदि प्रकृतिर्जगतोऽस्य श्रौतमृदादिनिदर्शनतः स्यात्। नैवमणुप्रमुखश्रुतिवाक्यव्रातनिदर्शनतः किमिति स्युः NayaMañ. I. iv. 8. 15.

अणुप्रवणभाव (aṇupravaṇa-bhāva) *m.* characteristic of being minute and having a propensity to flow out अणुप्रवणभावाच्च द्रुतत्वान्मारुतस्य च। अष्टाभ्य एभ्यो हेतुभ्यः शुक्रं देहात्प्रसिच्यते CaraS. vi. 2(4). 48 (1941 Ed.) (comm. अनु(? णु)प्रवणभावः अणुत्वे सति बहिर्निर्गमनस्वभावः); स (शरीरगतदोषसंघातः) विच्छिन्नः परिप्लवन्, स्नेहभाविते काये स्नेहाक्तभाजनस्थमिव क्षौद्रमसज्जन्नणुप्रवणभावादामाशयमागम्योदानप्रणुन्नः … ऊर्ध्वमुत्क्षिप्यते CaraS. vii. 1. 5 (1941 Ed.)

अणुप्रवेश (aṇu-praveśa) *m.* entering (of fire) into atoms (composing the earthen pot) न च कार्यद्रव्य एव रूपाद्युत्पत्तिर्विनाशो वा संभवति सर्वावयवेष्वन्तर्बहिश्च वर्तमानस्याग्निना व्याप्त्यभावादणुप्रवेशादपि च व्याप्तिर्न संभवति कार्यद्रव्यविनाशादिति PadārthaSaṁ. 107. 8; द्रव्यारम्भकसंयोगविनाशादवश्यं द्रव्यविनाश इति कुतस्तस्याणुप्रवेशादभिव्यक्तिः NyāyKa. 109. 14.

अणुप्राणिन् (aṇu-prāṇin) *m.* small living being (like a worm) अणुप्राण्युपपन्नां च हलोत्खातां च पार्थिव। परित्यजेन्मृदो श्वेतास्सकलाश्शौचकर्मणि ViṣṇuP. iii. 11. 17.

अणुप्राय (aṇu-prāya) *adj.* consisting mostly of *Panicum miliaceum* अणुप्रायाणि धान्यानि अजाप्रायं तथा पयः। भविष्यति कलौ प्राप्ते ViṣṇuP. vi. 1. 54; BrahmP. 229. 53.

अणुफल (aṇu-phala) *n.* tiny fruit, immature fruit आम्रस्याणुफले भवन्ति युगपन्मांसास्थिमज्जादयः लक्ष्यन्ते न पृथक्पृथक्तनुतया पुष्टास्त एव स्फुटाः BhāvPra.(Bhā.) 3. 315; *m.* (*lit.* having minute fruit) millet [DBHS]

अणुबन्धवृत्ति (aṇubandha-vṛtti) *adj.* having the function of bindihg the individual soul इयमन्तरङ्गबहिरङ्गरूपतां दधती कलापरिणतिर्द्विधा स्थिता। अणुबन्धवृत्तिरनुलोमवर्तिनी प्रतिलोमतः पुनरपोह्यते त्वया HarVi. 6. 139 (comm. अणुबन्धवृत्तिरात्मतत्त्वस्य बन्धिनी)

अणुबहुविदारित (aṇubahu-vidārita) *adj.* in which there are many small cracks (काण्डभग्नमत ऊर्ध्वं वक्ष्यामः) पाटितमणुबहुविदारितं वेदनावच्च SuśruS. ii. 15. 10.

अणुबहुविधतृण (aṇubahuvidha-tṛṇa) *n.* small grass of many varieties क्वचिदणुबहुविधतृणपरिनिचितम्। … इदं तद्दण्डकारण्यं प्रसिद्धं दयिते वनम् PadmP.(Ra.) 42. 47.

अणुबिन्दु (aṇu-bindu) *m.* **1** tiny drop (of water) त्वयि नाथ घर्मजलदत्वमीयुषि …। स्फुटशक्तिशुक्तिकृतसंस्कृतिः क्रमादणुबिन्दुरेति शुचिमौक्तिकात्मताम् HarVi. 6. 134; **2** drop in the form of the individual soul, HarVi. 6. 134.

अणुबिम्ब (aṇu-bimba) *adj.* having a small disc उच्चस्थितो व्योमचरः सुदूरे नीचस्थितः स्यान्निकटे धरित्र्याः। अतोऽणुबिम्बः पृथुलश्च भाति भानोस्तथासन्नसुदूरवर्ती Golā. 201. 28 (23. 22)

अणुबिम्बत्व (aṇubimba-tva) *n.* characteristic of having a small disc स्थूलत्वं चाणुबिम्बत्वं दृश्यते यच्च तच्छृणु SiddhāTaVi. 208. 10.

अणुबीज (aṇu-bīja) *n.* tiny seed पेष्यां यथाणुवी(? बी)जं स्यादङ्कुरस्तद्वदुच्यते MarkP. 11. 3.

अणुभा (aṇu-bhā) *f.* lightning (having short-lived (*lit.* atomic) brilliance) सौदाम्नी त्वशनिर्विद्युदणुभा वाचिरद्युतिः TrikāS'e. i. 3. 3.

अणुभाव (aṇu-bhāva) *m.* **1** essence, subtle nature दध्नः सोम्य मथ्यमानस्य योऽणिमा अणुभावः सः … संभूयोर्ध्वं नवनीतभावेन गच्छति Chāndo-UBh. 366. 4 (*on* vi. 6. 1); स यः सदाख्यः एषः उक्तः अणिमा अणुभावः जगतो मूलम् ChāndoUBh. 384. 18 (*on* vi. 8. 7); **2** the state of an atom अणुभावात् कार्यभावात् तेजोऽपि द्विविधमिति NyāyKa. 39. 22; **3** smallness, minuteness, atomic size (सरमाम्) तां बिभेद घनपीवरकायां वायुसूनुरणुभावगुणेन RāmC. 16. 55; तत्राणिमा अणुभावः यतः शिलामपि प्रविशति Sāṁkhya-TaKau. 344. 2 (*on* 23); स एव (अर्थः) चेदणुभावेनापि वर्तते, कथं तदानीं प्रत्यक्षो भवेत् NyāyKu. 145. 19.

अणुभावापादक (aṇubhāvāpādaka) *adj.* producing limited powers (in the individual soul) इदमाणवमलं कर्तृ अपरिमितस्य प्रमातुः अणुभावापादकं मलम् Bhāsk. ii. 249. 11 (*on* iii. 2. 5)

अणुभावाभिन्नत्व (aṇubhāvābhinna-tva) *n.* identity with (*lit.* non-distinction from) the atomic nature एकस्याप्यणुभावोपहितस्यैवोपादानता (ब्रह्मणः), न तु स्थूलरूपेण विकृतस्येति ज्ञापनायाणुभावाभिन्नत्वेन धानानिर्देशः LaCandr. 838. 22.

अणुभावोपहित (aṇubhāvopahita) *adj.* conditioned by the state of being atomic (in size) एकस्याप्यणुभावोपहितस्यैवोपादानता (ब्रह्मणः) LaCandr. 837. 43.

अणुभिन्न (aṇu-bhinna) *adj.* different from or other than an atom तदेवं षडमी पदार्थाः …। तेषु चाणुभिन्नानि पञ्च द्रव्याण्यस्तिकाया इत्याख्यायन्ते GoviBh. 134. 3 (*on* ii. 2. 33)

अणुभूत (aṇu-bhūta) *adj.* which has become minute in size अथवा जीवो दहर इति अल्पपरिमाणत्वात् तस्याणुभूतेऽस्मिन् (दहरपुंडरीके) संभवात्, न व्यापी परमेश्वरो दहरः BrahmSūBh.(S'rī.) i. 432. 1 (*on* i. 3. 13)

अणुभेद (aṇu-bheda) *m.* (Trika) distinction (of body) from the individual soul (= *aṇu*) विग्रहः स्वाणुभेदाच्च द्विधा भिन्नोऽप्यनेकधा MālinīT. 12. 12.

अणुभेदपर (aṇubheda-para) *adj.* purporting to indicate varieties of ignorance (अनादिमलसंछन्नो मायाकर्मावृतो विभुः) अत्र मलमायाशब्दावणुभेदपरौ LalitāSaBh. 96. 3 (*on* 129)

अणुभ्रू (aṇu-bhrū) *adj.* having thin eye-brows क्व कीदृक् शस्यते रेखा तवाणुभ्रू(? भ्रु) सुविभ्रमे MahāP. 12. 220.

अणुम् (aṇum) *adv.* slightly सर्वे स्वस्वस्थानविशेषादणुमुत्थाय GopāKe-Can. 77. 5.

अणुमण्डल (aṇu-maṇḍala) *n.* group of individual souls अणुमण्डलस्य भवतानुगृह्णता क्रियते सुरेश सदृशत्वमात्मनः HarVi. 6. 109; 6. 65.

अणुमण्डली (aṇu-maṇḍalī) *f.* group of individual souls अणुमण्डलीमनुजिघृक्षतो विभोस्तरणेरिवाकलुषतां प्रभा गता HarVi. 6. 148.

अणुमत्स्य (aṇu-matsya) *m.* a small fish सदा सेवितैर्वास्तुकैश्चाणुमत्स्यैः (कफस्य प्रकोपः) HāriS. i. 5. 62.

अणुमध्यवीज (aṇumadhyavīja) *n.* name of a hymn [PW]

अणुमध्या (aṇu-madhyā) *adj.* (*f.*) having a thin waist महतोऽपि महीयांसमणीयांसमणोरपि । त्वत्प्रतीकं विदुर्नूनमणुमध्ये नगस्तनि AlaṅkāS'e. 13. 10 (16); S'ṛṅgāSar. 106.

अणुमत् (aṇu-ma(n)t) *adj.* an epithet of S'iva स्तुवेण जुहुयाद्विद्वान् शिवायाणुमते मनाक् MṛgendraT. ii. 7. 49 (comm. अणुमत इति हृदादिपरिवार-युक्ताय)

अणुमनःसंयोग (aṇumanaḥ-saṁyoga) *m.* contact or conjunction with mind which is atomic (in dimension) येऽप्यजं संयोगं नेच्छन्ति तेषा-मप्यणुमनःसंयोगोपपत्तेरस्ति संबन्धः NyāyVār. 470. 19 (*on* iv. 1. 21); द्वितीये अणुमनःसंयोगेऽपि स्वावच्छिन्ने अधिकदेशे च (असमवायिकारणं विभुकार्ये) जन-येन्नियामकाभावात् TattvCin. i(1). 765. 1.

अणुमनोगुणत्व (aṇumanoguṇa-tva) *n.* characteristic of being a quality of the mind which is atomic भूजलतेजोवायुगुणानां गुणिना सह ग्रहणम्, शब्दस्य न तथेति न तद्गुणता । अणुमनोगुणत्वमशक्यम् NayaVi. 205. 4 (*on* i. 1. 5)

अणुमात्र (aṇu-mātra) *adj.* **A i** very small or minute (in size), tiny (*lit.* atomic in size) तमाचष्ट बृहस्पतेः । अणुमात्रेण वपुषा पद्मतन्त्वाश्रितं प्रभुम् MahāBhā. v. 16. 12; SūktiRa. 196. 19; अङ्कुरावस्थायामणुमात्रस्य महावृक्षावस्थायां च महतो विकारित्वं विकारित्वादनित्यत्वं च प्रसज्येत NyāySu.(Ja.) 416A. 6 (*on* ii. 2. 10); माधुर्यं गुडपिण्डे यत्तत्तस्यांशकेऽणुमात्रेऽपि PraboSu. 158; **A ii** of the size of a single atom, having atomic dimension सर्वे हि क्षणिकं कर्म गमनमात्रसमुत्पन्नं स्वाश्रयस्योर्ध्वमधस्तिर्यग्वाप्यणुमात्रैः प्रदेशैः संयोगविभागान् करोति PadārthaSaṁ. 292. 12; NyāyVi. 2. 87; यदा ह्यणुमात्र आत्मा भवति तदा यावा-नेव प्रदेशविशेषस्तेनाधिष्ठितः तन्मात्रगतानामेव सुखदुःखादीनामुपलब्धिः(ब्धि ?) प्राप्नोति TantrVā. 378. 24 (*on* ii. 1. 5); KalyāKā. 7. 5; उपर्यधःपार्श्वस्थाः षडपि परमाणवः समानदेशा इति प्रथिमानुपपत्तेरणुमात्रः पिण्डः प्रसज्येत Bhām. 370. 20 (*on* ii. 1. 29); S'rutaPra. ii. 159. 8 (*on* i. 4. 22); आत्मा विभुः स्यादथवाणुमात्रः संयोगिता नोभयथापि युक्ता S'aṅkaDigVi.(Mā.) 8. 97; **B** small in measure or degree, very little, slight तस्माचारित्रसंपन्नो ब्रह्मचर्यमिदं चर । अणुमात्रेष्व-वद्येषु भयदर्शी दृढव्रतः Saund. 13. 20; अणुमात्रेऽपि वैधर्म्ये जायमानेऽविपश्चितः । असंगता सदा नास्ति GauḍKā. 4. 97; SarvaVeSāSaṁ. 462; तस्मादणुमात्रमपि विशेषमनाश्रित्य न स्वत एव प्रियशिरस्त्वादि ब्रह्मण उपपद्यते BrahmSūBh.(S'aṅ.) 62. 12 (*on* i. 1. 19); 3. 4 (*on* i. 1. 0); ChāndoUBh. 77. 18 (*on* i. 12. 5); अणु-मात्रमपि अविकलानुत्तरस्वरूपापरिज्ञानमेव चित्तवृत्तीनां वैषम्यम् ParāTri. 40. 11; BṛĀraUBhVā. iii. 3. 80; अतोऽणुमात्रेऽपि ज्ञाने (अंशे) नाज्ञानं ते किंचित्स्यात् IṣṭaSi. 318. 21; 127. 9; आदेया(? यां)शे नाणुमात्रोऽपि भेदः SaṁkṣeS'ā. 1. 161 (i. 131. 22); Stotrā. 13. 9; नास्ति पुण्यं चाणुमात्रं नरके परिपच्यताम् PadmP. iii. 16. 19; GaṇeP. ii. 45. 28; S'ivaP. v. 23. 59 (433A. 16); तस्मात् प्रकाशः प्रकाश एव, अणुमात्रमपि न रूपान्तरमस्यास्ति PratyabhiVi. i. 211. 3 (*on* i. 5. 4); S'aṅkaDigVi.(Mā.) 3. 74; अणुमात्रमपि नात्र मया मिथ्या वचः कथ्यते Mukundā. 37 (4); **C** very minute (for perception), imperceptible, subtle यदा चाणु-कल्पा ध्वनयस्तदा न तैस्ताद्दक्कार्यनिर्माणं संभवति यत्नानापदवर्णरूपेण क्रमशोऽभि-व्यक्तिस्तेनाणुमात्रस्य शब्दस्य ग्रहणं स्यात् NyāyRa. 884. 20 (*on* 7. 136); **D** very small (in importance), insignificant योषिता स्वातन्त्र्येण ··· भर्त्राद्यन-नुज्ञया किंचिदणुमात्रमपि न कार्यं कार्यम् ManvaVi. 685. 25 (*on* 5. 147)

अणुमात्र (aṇu-mātra) *n.* (sometimes *m.*) **1 A** a small part or parti-cle, a bit, an iota त्रीणि रूपाणीत्येव सत्यम्, नाणुमात्रमपि रूपत्रयव्यतिरेकेण सत्यमस्ति ChāndoUBh. 358. 6 (*on* vi. 4. 1); KāṭhUBh. 156. 13 (*on* 4. 11); KhaṇḍanKhā. 1333. 24; PrakaVi. 568. 6; शुक्तित्वस्यावयवसंघातविशेषवृत्तित्वा-भावादणुमात्रेऽपि शुक्तित्वं पुष्कलम् S'rutaPra. iB. 33. 15 (*on* i. 1. 1); अपि चैकैकं (वस्तु) सर्वमोहजं चेत् – नैकमोहक्षयादेकोऽपि मोहजोऽणुमात्रोऽपि नश्येत्, तद्धेतुसर्वमोहाक्षयात् IṣṭaSi. 339. 1; लेशः उपपदं गन्धः अनुबन्धः ईषत्करः इति पञ्च लेशस्य, अणुमात्रस्य च (नामानि) comm. *on* TrikāS'e. iii. 2. 9; **1 B** atoms in general अणुमात्रमिति वक्तव्ये समुदायग्रहणमेको महानिति प्रत्यक्षप्रत्ययविरोध-परिहारार्थम् NyāySu.(Ja.) 389B. 1 (*on* ii. 2. 7); पीलुः··· । अणुमात्रेऽपि Viśva-LoK. 335. 34; **2** a small measure or degree वेदोक्तादणुमात्रेऽपि विपरीतं तु यद्भवेत् । तादृशं वा स्वतन्त्रं चेदुभयं मूलतो मृषा AṇuBh. 137. 20 (*on* ii. 2. 37); **3** nescience alone तत्राणुर्नामाज्ञानं तच्च द्विविधम् ··· अणुमात्रेण बद्धः (पशुः) शुद्धः SetuBa. 250. 26.

अणुमात्रक (aṇumātra-ka) *adj.* **i** of the duration of a quarter-mora अणुमात्रक इत्येके स्वरमन्यं प्रचक्षते KauhaS'i. 9; **ii** of the size of an atom, of very minute size षट्केन युगपद्योगात्परमाणोः षडंशता । षण्णां समानदेशत्वा-त्पिण्डः स्यादणुमात्रकः Viṁśa. 12; SarvaSiSaṁ. 4 (1). 13; **iii** very little कथ्यतां गुह्यकाधीश किञ्चिदप्यणुमात्रकम् PadmP.(Ra.) 70. 88; यत्किंचित्कुरुते कर्म श्रद्धयाप्यणुमात्रकम् BṛNāraP. 4. 10; Stotrā. 12. 18; दानं पात्रे प्रदातव्यं नापात्रेऽप्यणुमात्रकम् SaurP. 10. 1; शिवद्रव्यापहरणं गुरोरप्यणुमात्रकम् (पापान्ये-तानि सर्वाणि ब्रह्महत्यासमानि वै) SaurP. 52. 56; *m.* or *n.* an atom सूक्ष्मः पुंस्यणुमात्रके ViśvaLoK. 247. 38.

अणुमात्रकपिण्ड (aṇumātraka-piṇḍa) *m.* substance of the size of an atom न चैतदस्ति अणुमात्रकपिण्डप्रतिभासाभावात् DharmoPra. 43. 6.

अणुमात्रकाल (aṇumātra-kāla) *m.* very short time साधवः ··· अणु-मात्रकालमपि कल्पसहस्रं मन्वानाः GītāBh.(Rā.) 240. 3 (*on* 4. 8)

अणुमात्रत्व (aṇumātra-tva) *n.* the state of being of the size of an atom जीवावयवानां त्वमूर्तत्वात् सर्वेषां समानदेशत्वाविघातान्नित्यमणुमात्रत्वप्रसङ्गः स्यात् TantrVā. 38. 8 (*on* ii. 1. 5); प्रथिमानुपपत्तेरणुमात्रत्वप्रसङ्गः BrahmSūBh. (S'aṅ.) 338. 3 (*on* ii. 1. 29); 370. 4 (*on* ii. 2. 12); पिण्डस्याणुमात्रत्वप्रसङ्ग इति परोक्तमनुवदति TātpaṬ.(Vā.) 651. 11 (*on* iv. 2. 24); SarvaDaKau. 24. 7.

अणुमात्रदर्शन (aṇumātra-darśana) *n.* observation of the (first) small part (of the sun when it rises) अणुमात्रदर्शनात्प्राग्विभागः PañcSi. 15. 12.

अणुमात्रदृश् (aṇumātra-dṛś) *f.* the knowledge of a very small part (of the object) मेयांशस्यस्तदंशश्चेत्फलं स्यादणुमात्रदृक् IṣṭaSi. 310. 21.

अणुमात्रदेश (aṇumātra-deśa) *adj.* (the effort) arising from a space of atomic size एवं विंशतिक्रियाचिकीर्षाजन्यादणुमात्रदेशादपि प्रयत्नाद्विंशतिक्रिया युगपदुत्पद्यन्ते TattvCin. i(1). 782. 13.

अणुमात्रदेशता (aṇumātradeśa-tā) *f.* the state of having a space of the dimension of an atom only अन्त्ये तथापि सुखादेरणुमात्रदेशतापत्तिः TattvCin. i(1). 765. 2; अव्यवहितसमवायिकारणनियमादेव···अणुमात्रदेशता दुर्वारैव AdvaiSi. 853. 10.

अणुमात्रप्रमाण (aṇumātra-pramāṇa) *n.* the measure of a mere atom (लिङ्गम्) अणुमात्रप्रमाणेन प्रत्यहं समवर्धत SkandP. iii(2). 27. 28.

अणुमात्रभेद (aṇumātra-bheda) *m.* little or minute difference (*lit.* of the demension or size of an atom) यदा कदा वापि विपश्चिदेष ब्रह्मण्यनन्तेऽ-प्यणुमात्रभेदम् । पश्यत्यथामुष्य भयं तदैव ViveCū. 332.

अणुमात्रवृत्तित्व (aṇumātravṛtti-tva) *n.* the state of existing in a mere atom ननु मनो विभु ··· अणुत्वे हि सुखदुःखादेरणुमात्रवृत्तित्वं स्यात् Sarva-DaKau. 23. 21.

अणुमात्रशब्दांश (aṇumātra-śabdāṁśa) *m.* a very small or minute (i. e. imperceptible) part of a sound न च कार्यान्तरारम्भस्तैस्ताद्दगुपपद्यते । तेनाणुमात्रशब्दांशगृहीतिः केवला भवेत् S'lokaVār. 7. 136 (884. 4)

अणुमात्रशेषा (aṇumātra-śeṣā) *adj.* (*f.*) having a very little part left behind (*lit.* remaining) उद्बुद्धमेकमपि तेषु किल व्यनक्ति संसारमोहरजनी-मणुमात्रशेषाम् NīlaVi. 117. 12.

अणुमात्रा (aṇu-mātrā) *f.* a quarter-mora (i. e. one-fourth of a mora or time required for a short vowel) पूर्वाभिरणुमात्राभिः कण्ठ्यं संसेव्यतेऽक्षरम् AVPari. 47 (2). 7; द्वियम एके द्वियमपरे ता अणुमात्राः TaiPrāti. 19. 3; व्यञ्जन-मर्धमात्रा, तदर्धमणु, परमाण्वर्धणुमात्रा VājaPrāti. 1. 61; अभिनिहित°···°स्वरितोद-यानामणुमात्रा निघाता CaturA.(S'au.) 3. 65; अर्धमात्रा तु पूर्वस्य रज्यते त्वणुमात्रया NāraS'i. ii. 4. 6; तस्य(रङ्गस्य)मात्रा तु हृदये अणुमात्रा तु मूर्धनि LomS'i. 1. 7.

अणुमात्राक्षर (aṇumātrākṣara) *n.* speech sound uttered in one-fourth of a mora घ्राणादनुप्रयातेन श्वासेनैकेन जन्तवः । हन्यन्ते शतशो ब्रह्मन्नणु-मात्राक्षरवादिना ṢaḍDarSa.(Rā.) 36.

अणुमात्रात्मक (aṇumātrātma-ka) *adj.* (body) of a small size or dimension अणुमात्रात्मकं देहम् BhaviP. 15A. 1 (i. 4. 46)

अणुमात्रिक (aṇumātr-ika) *adj.* [*f.* -ā] **i** of the length of one-fourth mora चतसृणां विवृत्तीनामन्तरं मात्रिकं भवेत् । अर्धमात्रिकमन्येषामन्येषा-मणुमात्रिकम् NāraS'i. ii. 4. 3; कम्पेषु प्रथमः स्वारोऽणुमात्रिक इष्यते KauhaS'i. 18; व्यञ्जनं त्वणुमात्रिकम् KauhaS'i. 74; **ii** of a minute size, of the size of an atom (दुर्योधनः) उवाच भीष्मम्···महीं न दद्याद(? म)णुमात्रिकान(? म)पि MahāBhā. iv. App. 60. 44 (16); यदाणुमात्रिको भूत्वा बीजं स्थास्नु चरिष्णु च । समाविशति संसृष्टस्तदा मूर्तिं विमुञ्चति ManuSm. 1. 56 (ManvaMu. अणवो मात्रा पुर्यष्टकरूपा यस्य सोऽणुमात्रिकः)

अणुमार्ग (aṇu-mārga) *adj.* having a very small opening or passage (in case of surgical operation) नष्टं कथंचिदणुमार्गमुदीरितेषु स्थानेषु शल्यम-चिरेण गतिं करोति BhāvPra.(Bhā.) 8. (48 ? 49). 7 (comm. अणुमार्गमत एवा-दृश्यमानम्)

अणुमिश्र (aṇu-miśra) *adj.* mixed with particles (of parched barley grains) पुरोडाशपिण्डानणुमिश्रान् ··· उपास्यन्ति MānS'S. 87. 19.

अणुमुख (aṇu-mukha) *adj.* [*f.* -ī] **i** with a very small or minute opening (a wound or sore) छिद्रैरणुमुखैर्वस्तु चितं यस्य समन्ततः । वातशोणितजो व्याधिर्विज्ञेयः शतपोनकः SuśruS. ii. 14.12; AṣṭāHr. vi. 28.12; (व्रणाः) क्षीणमांसानां च सर्वतोगतयस्त्वणुमुखा मांसबुद्बुदवन्तः AṣṭāSaṁ. ii. 290.14 (6.29); RugVi. 48.9; **ii** having a very small mouth (जलायुका) गोवृषणवदधोभागे द्विधाभूताकृतिरणुमुखी गोचन्दनेति SuśruS. i. 13.11; **iii** beginning with a small measure आरंभे च व्यग्रमणुमुखं बाणधारावलीना(?नां) प्रावृड्व्यक्तातिशयविषमं मेघवन्मेघनादः RāmC. 30.82.

अणुमुष्टिक (aṇumuṣṭi-ka) *m.* a kind of shrub possessing medicinal properties (commonly called *Bishdori*) विषमुष्टिः···अणुमुष्टिकः RājNi. 338.11.

अणुमेहन (aṇu-mehana) *adj.* (an elephant) having a small penis (शुद्धः संजायते जात्या मृगनामा मतङ्गजः) ह्रस्वरोमाणुमेहनः Hastyāyur. 418.4 (3.8)

अणुरजःपथा (aṇu-rajaḥpathā) *adj.* [*f.* -ā] (a woman) with a very narrow path of mentrual discharge स्त्रीव्यवायनिवृत्तस्य सहसा भजतोऽथ वा । दोषाध्युषितसंकीर्णमलिनाणुरजःपथाम् ।··· दोषा दुष्टा गता गुह्यं त्रयोविंशतिमामयान् । जनयन्ति AṣṭāSaṁ. ii. 319.15 (6.38) (F. N. अणुः सूक्ष्मः रजोमार्गः यस्यास्तथाविधां स्त्रियम्)

अणुरन्ध्र (aṇu-randhra) *n.* small hole, narrow passage आधिभौतिकदेहोऽहमिति यस्य मतिभ्रमः । तस्यासावणुरन्ध्रेण गन्तुं शक्नोति नानघ YogVā. iii. 40.8.

अणुराजि (aṇu-rāji) *f.* a mark on sword हरकस्तरवारिः स्त्री पुलकास्त्वणुराजयः (v. l. पुलाकस्त्व°) NāmaMāli. 514; Vaij. 117.163.

अणुरूप (aṇu-rūpa) *adj.* [*f.* -ā] **i** possessing the form of an atom, having a very small size or form जीवा ज्ञानवन्तोऽणुरूपाः कर्तारो योगफलभोक्तार आ मुक्तेः PārāSū. 25.29; गौरि तेऽयं सुतः ··· अणुरूपः स्थूलरूपः GaṇeP. ii. 85.12; ii. 97.43; तत्राणुरूपोऽर्थः सर्वथा घटते SyādvāMañ. 16 (206); कालस्तु चिरक्षिप्रभूतादिव्यवहारहेतुरणुरूपो द्रव्यविशेषः VedāntKau. 204.2 (*on* ii. 2.33); कालोऽभूद्भवतिभविष्यतीतिव्यवहारहेतुरप्यणुरूपः NyāySu.(Ja) 411B.3 (*on* ii. 2.10); वागादयश्चाणुरूपा नित्याः AṇuBh. 162.11 (*on* ii. 4.14); कैतस्य राज्ञः सुमहच्चरित्रं कैषा पुनर्मे धिषणाणुरूपा HammiMaKā. 1.11; (नासीत्) व्योमकारणमणुरूपम् S'aṅkaVi.(Ā.) 30.8; अणुरूपे तस्मिन् किंचिदवच्छेदेन तिरोधानं किंचिदवच्छेदेन प्रकाश इति कल्पयितुमशक्यत्वात् S'ivārkaMaDī. ii. 481.27; (*on* iv. 4.1); को हि सिंहार्भकं सत्रेऽणुरूपमपि लङ्घयेत् PrabhāC. 30.3; *m.* **1** name of S'iva (देवं महेश्वरं तुष्टाव) नमः स्थूलाय सूक्ष्माय अणुरूपाय वै नमः SkandP. iii(2). 4.45; **2** name of Viṣṇu (विष्णोर्नामसहस्रं शृणु) अणुरूपो बृहद्रूपः SkandP. v(1). 63.149.

अणुरूपतस् (aṇurūpa-tas) *adv.* in a very minute or subtle form धरित्री सर्वबीजानाम् ···। धत्तेऽङ्कुराणि ···। कालकर्मेच्छया विष्णोः स्वाश्रितान्यणुरूपतः BṛBrahmaS. i. 13.91.

अणुरूपता (aṇurūpa-tā) *f.* the state of being of very minute or atomic form नावयव्यात्मता तेषाम् (महाभूतानाम्) नापि युक्ताणुरूपता TattvSaṁ. 1889; जीवानामणुरूपतया स्वाभाविकांशाभावेन काल्पनिकांशस्यैव वक्तव्यत्वात् AdvaiSi. 745.14.

अणुरूपत्व (aṇurūpa-tva) *n.* the state of being of the form of an atom अर्थसारूप्यं च यत् व्यवस्थाकारणमुक्तम् । तदसिद्धम् । अणुरूपत्वाचार्थस्य PrakaPañ. 143.9.

अणुरूपिन् (aṇu-rūpin) *adj.* [*f.* -iṇī] of very subtle or minute size अमा नाम कलेन्दोर्या वसत्यर्केऽणुरूपिणी BṛDharmaP. i. 20.50; तेषां निखातैर्ध्रुवमुत्तमैर्गुणैः सतां प्रपूर्णानि मनांसहो तथा । यथो(?था)त्र केषामपि तेषु तेऽधुनावकाशमायान्त्यणुरूपिणोऽपि न Gurvā. 342.

अणुरेणु (aṇu-reṇu) *m. f.* minute dust (as seen in sun-beams) [MW]

अणुरेणुजाल (aṇureṇu-jāla) *n.* aggregate of atomic dust [MW]

अणुरेवती (aṇu-revatī) *f.* a medicinal plant *Croton polyandrum* (yielding pungent oil) दन्ती ··· उदुम्बरदला चैव तरुणी चाणुरेवती RājNi. 53.19; चित्रा दन्ती निकुम्भः स्यादुपचित्रामकूलकः (v. l. °त्राणुरेवती) ParyāMu. 15.9.

अणुलक्षण (aṇu-lakṣaṇa) *adj.* [*f.* -ā] of the nature of an atom न घटादितया सिद्धः सोऽर्थितापरिपूर्वकः । न चेश्वरोऽनीश्वरो वा प्रकृतोऽत्राणुलक्षणः ĪśvaSi.(U.) 2.35; (पृथिवी) नित्या स्यादणुलक्षणा BhāṣāPa. 36.

अणुवंशक (aṇuvaṁśa-ka) *adj.* **1** of a family of low birth (शत्रुभिः) संक्षिप्तैरणुवंशकैर्मृगसमं प्रायः समाचर्यते YaśasCam. i. 494.2 (comm. जातिकुलहीनैः); **2** having a thin back-bone, YaśasCam. i. 494.2 (comm. अविस्तीर्णपृष्ठ(?ष्ठ?)प्रदेशैः)

अणुवचन (aṇu-vacana) *n.* statement that (something) is atomic स्थूलार्थासंभवे तु स्यान्नैव वृक्षादिदर्शनम् । अतीन्द्रियतयाणूनां न चाणुवचनं भवेत् TattvSaṁ. 562.

अणुवत् (aṇu-vat) *adv.* like an atom गतियोगेऽप्याद्यकारणताहानिरणुवत् SāṁkhyaPraSū. 6.37; 1.74; 6.35; यदनित्यं तु तन्मूर्तमणुवद् बुद्धिवत्खवत् S'lokaVār. 5(4). 128 (386.9); न च तदणुवत्संमतं तद्वदेतत् SaṁkṣeS'ā. 2.71 (ii. 44.5); मूर्ध्न्यर्पितमणुवत्सहस्रमूर्ध्नो भूगोलं सगिरिसरित्समुद्रसत्त्वम् DeviBhāP. viii. 21.5.

अणुवर्ग (aṇu-varga) *m.* group of individual souls जय जय जनिमार्गलग्नाणुवर्गापवर्गप्रदे NīlaVi. 56.8.

अणुवर्ण (aṇu-varṇa) *m.* letter or sound of a basic mantra (in Tantra) नादः शिवे क्षादिकपश्चिमानि शेषेषु बीजान्यथवाणुवर्णैः TantrSa. 5.51 (comm. अणुवर्णैः पञ्चाक्षराक्षरैः, स्वमूलाक्षरैः)

अणुवाचक (aṇu-vācaka) *adj.* (a letter) expressive of the individual soul यावन्तः कीर्तिता भेदैः शंभुशक्त्यणुवाचकाः MāliniT. 8.47.

अणुवातेरित (aṇuvāterita) *adj.* shaken by a gentle breeze अंशुधारय इवाणुवातेरितः MaiU. 6.35.

अणुवाद (aṇu-vāda) *m.* theory of atoms, (that the world is produced from the *paramāṇus* through the process of forming *dvyaṇuka* etc.) 'अणोरणीयान्' इत्यणुवादस्य···लिङ्गमापाततो भाति PrakaVi. 381.23; अत्र न किंचनेति शून्यस्वभाववादावणिम्न इत्यदृश्यमानाणुनिर्देशादणुवादश्च भान्ति दार्ष्टान्तिका इति VedāntKa. 228.11 (*on* i. 4.28)

अणुवादनिराकरण (aṇuvāda-nirākaraṇa) *n.* refutation of the theory of atomism समवायभ्युपगमाच्च – तदभाव इति – प्रकृतेनाणुवादनिराकरणेन संबध्यते BrahmSūBh.(S'aṅ.) 371.1 (*on* ii. 2.13)

अणुवादिन् (aṇuvād-in) *adj.* (one) who believes in the theory of atoms (as the material cause of the world) तथा अणुवादिनोऽप्यणुरण्वन्तरेण संयुज्यमानो निरवयवत्वाद्यदि कार्त्स्न्येन संयुज्येत BrahmSūBh.(S'aṅ.) 338.1 (*on* ii. 1.29); 364.2 (*on* ii. 2.10); सर्वगतत्वश्रुतिविरोधमाशङ्क्याणुवादी परमात्मविषयताभिधानेन परिहरति PrakaVi. 619.21; उर्वीनगाद्याः । सूक्ष्मैरारब्धा इति यदणुवाद्युक्तमेतद्दुरुक्तम् NayaMañ. II. ii. 3.5.

अणुवाम (aṇu-vāma) *m.* name of one of the three types of the S'āktas or S'akti worshippers (also called आणव) शाक्ताश्च त्रिविधाः । महावामा मध्यवामा अणुवामाश्चेति । एत एव क्वचिच्छाक्तशांभवाणवशब्दैरुच्यन्ते NyāySu.(Ja.) 423A.4 (*on* ii. 2.12)

अणुविनिःसृत (aṇu-vinissṛta) *adj.* discharged or released from an atom उदकं शोषयामास यत्तेजोऽणुविनिःसृतम् VāmaP. 43.33.

अणुवीक्षण (aṇu-vīkṣaṇa) *n.* **1** minute observation, observation of very minute parts [APTE]; **2** an instrument like the microscope enabling one to discern the smallest objects [APTE]

अणुवीर्य (aṇu-vīrya) *m.* (an ironical) name of Ativīrya (*lit.* of negligible valour) पश्य स्त्रो(?श्रो) निहतं पापमणुवीर्यं मया रणे PadmP.(Ra.) 37.69.

अणुवेददारिन् (aṇuveda-dārin) *adj.* having a crack like a thin grass-blade called Veda असंभिन्नं पुनर्द्वादशविधम् । अणुवेददारि वेदनावच्च दारितम् AṣṭāSaṁ. ii. 301.15 (6.32)

अणुवेदन (aṇu-vedana) *adj.* causing little or slight pain गुल्मः ··· अनियतविपुलाणुवेदनश्च भवति चलत्वाद्वायोः CaraS. ii. 3.7 (1922 Ed.)

अणुव्यतिरिक्त (aṇu-vyatirikta) *adj.* different from the atom पुद्गलो रूपरसगंधस्पर्शवद्द्रव्यम् । ··· परमाणुरूपं संघातरूपं च । कालः ···। आकाशः ···। एतेभ्वणुव्यतिरिक्तान्यस्तिकायशब्दानि NyāySu.(Ja.) 411B.4 (*on* ii. 2.10); पक्षाव्यापकविपर्ययः, यथा-क्षित्यादिकं सकर्तृकं कार्यत्वादित्यत्राणुव्यतिरिक्तत्वम् TattvCin ii(1). 399.2; ii(1). 399.3.

अणुव्यतिरेक (aṇu-vyatireka) *m.* elimination of the atom अणुव्यतिरेकेणाणुसङ्घातवादः VedāntKa. 101.10 (*on* i. 1.5)

अणुव्यपदेश (aṇu-vyapadeśa) *m.* designation as *aṇu* तथा च बुद्ध्वाद्युपाधिकृतमस्य जीवत्वमिति बुद्धेरन्तःकरणस्याणुतया सोऽप्यणुव्यपदेशभाग्भवति नभ इव करकोपहितं करकपरिमाणम् Bhām. 490.12 (*on* ii. 3.29); ब्रह्मणश्च सूक्ष्मत्वाभिप्रायेणाणुव्यपदेशात् SiddhāBi. 84.2.

अणुव्यवहार (aṇu-vyavahāra) *m.* use of the word *aṇu* (atom), calling (something) *aṇu* अनित्यमणुपरिमाणं द्व्यणुक एवेत्युक्तम् कुवलयामलकबिल्वादिषु परस्परोपक्षयाणुव्यवहारदर्शनात् NyāyKa. 134.2; अणुव्यवहारस्तु तेषु भाक्तः Upask. 298.9 (*on* vii. 1.11); अणुव्यवहारश्च अपकृष्टपरिमाणनिबन्धनो महत्यपि महत्तमादणुव्यवहारात् PadārthaTaNi. 15.1-3 (L1)

अणुव्रत (aṇu-vrata) *n.* (Jain.) minor vow, vow of a layman अणुव्रतानाम् ··· परिपालका ये ।··· ते त्रिदशा भवन्ति VarāṅgaC. 9. 30; अणुव्रतानि सेवन्ते केचिद्भङ्गमुपागता: PadmP.(Ra.) 2. 185; अणुव्रतानि पञ्च स्युः ··· धर्मोऽयं गृहसेविनाम् PadmP.(Ra.) 4. 46; सेवन्तेऽणुव्रतं शेषा जन्तवो गृहमाश्रिता: PadmP.(Ra.) 11. 39; 109. 125; BṛKathāK. 56. 35; 57. 334; 126. 51; अणुव्रतानि पञ्चैव YaśasCam. ii. 333. 23; हिंसातो विरतिः सत्यमदत्तपरिवर्जनम् । स्वस्त्रीरतिः प्रमाणं च पञ्चधाणुव्रतं मतम् SubhāRaSaṁ. 791; 763; 773; GadyCin. 164. 7; तत्र शीलव्रतानि – अणुव्रतानि गुणाः – गुणव्रतानि JñātāDhaṬ. 139B. 1; गृहिणः तेषां यश्चरित्रधर्मः – सम्यक्त्वमूलाणुव्रतादिपालनरूप: SthānṬ. 53A. 1; 110B. 12; 291A. 6; सम्यक्त्वमूलानि पञ्चाणुव्रतानि गुणास्त्रयः । व्रतानि गृहमेधिनाम् YogS'ā. 2. 1; तत्र स्थूलाहिंसासत्यास्तेयब्रह्मापरिग्रहाः । अणुव्रतानि पञ्चेति कीर्तितानि जिनेश्वरैः TriṣaS'aPuC. i. 1. 188; i. 1. 189; i. 1. 594; i. 3. 625; i. 6. 240; ii. 3. 880; मृषावादं परिहरेत् द्वैतीयीकमणुव्रतम् MalliC. 7. 61; 3. 204; 7. 522; अणुव्रतानि मुख्यानि गृहिणां पञ्च तद्यथा । अहिंसा ··· ब्रह्मचर्यापरिग्रहौ PārśvC. 2. 45; निषिद्धैः स्युर्वधासत्यस्तेयाब्रह्मपरिग्रहैः । अणुव्रतानि पञ्चापि राजन्महदपेक्षया SamarāSaṁ. 1. 292; KumāPraPra. 70. 21.

अणुव्रतधर (aṇuvrata-dhara) *adj.* (Jain.) who observes the minor vows or vows of householders श्रुत्वा धर्मं बभूवासावणुव्रतधरो महान् PadmP. (Ra.) 22. 148; 26. 99; 35. 83; 106. 35; अणुव्रतधरः कश्चिद् गुणशिक्षाव्रतान्वितः । सिद्धिभक्तो व्रजेत् सिद्धिं मौनव्रतसमन्वितः BṛKathāK. 57. 567.

अणुव्रतपरायण (aṇuvrata-parāyaṇa) *adj.* devoted to (the observance of) the minor vows अणुव्रतपरायणाः । तरणावुदिते भव्या भुञ्जते दोषवर्जितम् PadmP.(Ra.) 14. 283.

अणुव्रतपालन (aṇuvrata-pālana) *n.* keeping up or observance of the minor vows सम्यक्त्वपूर्वकं वत्स कुर्वणुव्रतपालनम् BṛKathāK. 73. 167.

अणुव्रतयुक्त (aṇuvrata-yukta) *adj.* (one) engaged in the minor vows नाथाणुव्रतयुक्तानां का गतिर्दृश्यते वद PadmP.(Ra.) 26. 96.

अणुव्रतविधि (aṇuvrata-vidhi) *m.* act of observing the minor vows अणुव्रतविधौ रम्ये करोमि परमां धृतिम् PadmP.(Ra.) 33. 116.

अणुव्रतसमन्वित (aṇuvrata-samanvita) *adj.* associated with (i. e. who has observed) the (five) minor vows लब्ध्वा परमसम्यक्त्वमणुव्रतसमन्वितः । पञ्चतां प्राप्य शुक्राह्वे जातो विबुधसत्तमः PadmP.(Ra.) 13. 61.

अणुव्रतस्वरूप (aṇuvrata-svarūpa) *n.* nature of the (five) minor vows अथ राजाणुव्रतस्वरूपमपृच्छत् KumāPraPra. 71. 24.

अणुव्रतात्मक (aṇuvratātmaka) *adj.* consisting of (the observance of) the minor vows गुरुणादेशितं धर्मं सम्यक्त्वाणुव्रतात्मकम् । अस्माभिरात्मसात्कृत्वा पृष्टोऽथ भगवानिति SamarāSaṁ. 5. 486.

अणुव्रतादान (aṇuvratādāna) *n.* acceptance of the minor vows लग्नेष्वणुव्रतादाने माध्यस्थाद्यच्छतो मुनेः । आकाराद्यवदातं तद्विधिदानं प्रकीर्तितम् SamarāSaṁ. 9. 548.

अणुव्रतादिक (aṇuvratādi-ka) *adj.* beginning with (the observance of) the minor vows, consisting of (the observance of) the minor vows etc. गुरुणा गृहिधर्मोऽथ भूभुजेऽणुव्रतादिकः । दत्तः PārśvC. 2. 94.

अणुव्रतादिसंयुक्त (aṇuvratādi-saṁyukta) *adj.* observing the minor vows etc. योऽणुव्रतादिसंयुक्तः ··· । कथं चानीयते सोऽत्र मया तन्वि त्वदन्तिकम् BṛKathāK. 60. 82.

अणुव्रताद्य (aṇuvratādya) *adj.* commencing with the minor vows गुरुणाणुव्रताद्येऽथाख्याते धर्मे जगाद स: SamarāSaṁ. 4. 433.

अणुव्रतान्वित (aṇuvratānvita) *adj.* possessed of the minor vows बभूव सौम्यया साकं श्रावकोऽणुव्रतान्वितः BṛKathāK. 65. 6.

अणुव्रताश्रम (aṇuvratāśrama) *m.* stage of life (of a householder) in which one observes the minor vows स्मर्यमाणोपदेशोऽसौ सीतयाणुव्रताश्रमे । पद्मलक्ष्मणमार्गेण रममाणो भ्रमन्महीम् PadmP.(Ra.) 41. 158.

अणुव्रताश्रय (aṇuvratāśraya) *adj.* based on the minor vows पद्मरथो नाम नरपतिः ··· सुधर्माचार्यात् ··· सम्यग्दर्शनमणुव्रताश्रयमादाय YaśasCam. ii. 288. 16.

अणुव्रतासि (aṇuvratāsi) *m.* sword in the form of the minor vows अणुव्रतासिदीप्ताङ्गो नियमच्छत्रशोभितः ।··· सुखितो भव PadmP.(Ra.) 73. 107.

अणुव्रतिन् (aṇu-vratin) *adj.* who is engaged in the observance of the minor vows सम्यग्दर्शनसंपन्नः शूरः कश्चिदणुव्रती । पृष्ठतो वीक्ष्यते पत्न्याः (? त्न्या) पुरस्त्रिदशकन्यया PadmP.(Ra.) 73. 168.

अणुव्रतोद्यम (aṇuvratodyama) *m.* effort of observing the minor vows गृहिणो विषयासेवापूर्वं सोऽणुव्रतोद्यमः PārśvC. 7. 818.

अणुव्रीहि (aṇu-vrīhi) *m.* a fine sort of rice-grains [S'abdaKaDru.]

अणुशब्द (aṇu-śabda) *m.* **1** the word *aṇu* अणुप्रियङ्गवः अणवश्च अणुशब्दवाच्याः BṛĀraUBh. 795. 7 (*on* vi. 3. 13); एषोऽणुरात्मा इत्यणुशब्दात् आराग्रमात्रो ह्यवर इत्युद्धृत्य मानाच्चाणुरात्मा VedāntSā.(Rā.) 204. 5 (*on* ii. 3. 23); VedāntDī. 123. 14 (*on* ii. 3. 23); भवत्यसावित्यणुशब्दमत्र विहाय वाक्यानि बहूनि दोषः AnuVyā. 73B. 6 (*on* 4. 4); अणुशब्दप्रयोगात् परमाणुपरिमाणत्वाशङ्कां प्राप्तां पराकरोति PrakaVi. 678. 20; स्वशब्दः अणुशब्दः न त्वणुत्वाक्षेपकशब्द इति भावः S'rutaPra. ii. 363. 26 (*on* ii. 3. 23); NyāySiA. 191. 29; इवशब्दशिरस्केन चाणुशब्देन निर्दिष्टतया Nyāyāmṛ. 599A. 1; श्रुतिगतस्याणुशब्दस्य श्रुतित्वसंचितं सच्छब्दोक्तं जगत्कारणम् S'ivārkaMaDī. i. 80. 27 (*on* i. 1. 1); न चात्र वाक्येऽणुशब्देन द्व्यणुकाद्येव ग्राह्यमिति वाच्यम् SāṁkhyaPraBh. 136. 1 (*on* 5. 87); 136. 3 (*on* 5. 87); अणुशब्दप्रतिपाद्ये अणिमशब्दो न प्रयुक्तः LaCandra. 837. 41; **2** minute sound (मेदोजन्यगलगण्डः) गलेऽणुशब्दं कुरुते च नित्यम् BhāvPra. (Bhā.) 8. 43 (? 44). 6.

अणुशरीरप्राप्ति (aṇuśarīra-prāpti) *f.* obtainment of a small body गजादिशरीरस्थस्याणुशरीरप्राप्तावतिरेकः स्यात् TattvPrakā. 104A. 7 (*on* ii. 2. 34)

अणुशस् (aṇu-śas) *adv.* in small parts or divisions काला: संवत्सरं श्रिताः । अणुशश्च महशश्च सर्वे समवयन्त्रि तम् TaiĀ. i. 2. 2 (11. 2); °असनसाराणां चाणुशः कृत्तानामभयाबिभीतक° ··· °विडङ्गानाम् ···दशगुणेनाम्भसा साधयेत् CaraS. vi. 1(3). 3 (1941 Ed.); अश्मर्येव च शर्करा । अणुशो वायुना भिन्ना ···। निरेति सह मूत्रेण AṣṭāHṛ. iii. 9. 19; RugVi. 32. 14; न च देशविभागेन स्थितो नीलादिरिष्यते । व्यज्यते यस्तदा तेन तस्य भेदोऽणुशस्ततः TattvSaṁ. 637; पृथ्वीनीरतेजोवायवोऽणुशः परस्परं भिन्नाः परिच्छेदकाश्च PārāSū. 28. 29; एवमेव नानासमुत्थाः काला अणुशो महशश्च ··· सर्वेऽपि संवत्सरं कालमाश्रिताः S'aṅkaVi.(Ā.) 215. 1; कृत्तानप्यणुशः करोमि निखिलान्नृत्नाङ्गतेजोबलान् Manmatho. 3. 8 (633. 6)

अणुशिरस् (aṇu-śiras) *adj.* having a very small head अणुर्बृहच्छिरा भूत्वा बृहच्चाणुशिराः पुनः ।··· सोऽभ्यवर्तत मां युधि MahāBhā. iii. 163. 28.

अणुशेष (aṇu-śeṣa) *adj.* of which only a quarter mora is left अणुशेषोऽध्रिगोर्वापि युगलादिरविस्फुटः NāraS'i. ii. 2. 18.

अणुश्यामता (aṇuśyāma-tā) *f.* dark colour of the atom अणुश्यामतानित्यत्ववदेतत्स्यात् NyāySū. iii. 2. 71; iv. 1. 67; अणुश्यामतादृष्टान्तेनाकर्मनिमित्तां शरीरोत्पत्तिं समादधानस्याकृताभ्यागमप्रसङ्गः NyāyBhā. 239. 9 (*on* iii. 2. 72); यथा मन्त्रायुर्वेदप्रामाण्यवदणुश्यामतानित्यत्ववदेवमादि तद् व्याहन्यते TātpaṬ.(Vā.) 52. 19 (*on* i. 1. 1); 635. 17 (*on* iv. 1. 67)

अणुसंयुक्त (aṇu-saṁyukta) *adj.* conjunct (conjoined) with the atom अजसंयोगेऽप्यसति तत्संयुक्ताणुसंयुक्तक्षेत्रज्ञादृष्टे संयुक्तसंयोगिसमवायात् NayaVi. 190. 2 (i. 1. 5)

अणुसंयोग (aṇu-saṁyoga) *m.* conjunction of atoms अणुसंयोगस्त्वप्रतिषिद्धः VaiśeSū. iv. 2. 4.

अणुसंसर्ग (aṇu-saṁsarga) *m.* combination of atoms कल्पाद्यब्ध्यणुसंसर्गप्र(? प्री)तिचक्षुष्यणुर्महान् AlaṅkāS'e. 19. 5.

अणुसंस्थ (aṇu-saṁstha) *adj.* as confined to an atom त्रिजगद्विषयं ध्यानादणुसंस्थं धारयेत् क्रमेण मनः YogS'ā. 11. 19.

अणुसंहति (aṇu-saṁhati) *f.* **i** group of individual souls उदमीमिलस्त्वमणुसंहतेर्ज्ञताम् HarVi. 6. 108; **ii** collection of atoms अणुसंहतिमात्रं च घटाद्यस्माभिरिष्यते TattvSaṁ. 78.

अणुसंघविकार (aṇusaṅgha-vikāra) *m.* modification of the aggregate of atoms त्वन्मयोऽयमणुसङ्घविकारः RāmC. 16. 64.

अणुसंघात (aṇu-saṅghāta) *m.* multitude of individual souls मन्त्राणां कोट्यस्तिस्रः सार्धाः शिवनियोजिताः । अनुगृह्याणुसङ्घातं याताः पदमनामयम् MālinīT. 1. 41.

अणुसंघातवाद (aṇusaṅghāta-vāda) *m.* theory of the collection of atoms अणुव्यतिरेकेणाणुसङ्घातवादः VedāntKa. 101. 10 (*on* i. 1. 5)

अणुसंचय (aṇu-sañcaya) *m.* collection (aggregate) of atoms मा भूत्प्रत्यक्षलोप इत्यणुसञ्चयं दर्शनविषयं प्रतिजानानः किमनुयोक्तव्य इति NyāyBh. 101. 5 (*on* ii. 1. 36) = NyāyVār. 243. 3 (*on* ii. 1. 33); किमेते एकादिप्रत्यया अणुसञ्चयमात्रे आहोस्विदर्थान्तरभाव इति संदिह्यते NyāyVār. 247. 16 (*on* ii. 1. 34); अणुसञ्चयमात्रमिच्छतः ··· दृष्टान्ताभाव इति तात्पर्यार्थः TātpaṬ.(Vā.) 397. 18 (*on* ii. 1. 36); अणुसञ्चयबाह्यवादेऽपि सञ्चयस्यान्यस्याभावे परमाणव एव PratyabhiVi. i. 224. 1 (i. 5. 6)

अणुसंचार (aṇu-sañcāra) *m.* movement of atoms सावयवत्वाच्चन्दनबिन्दोरणुसंचारेण देहव्याप्तिरुपपद्यते Bhām. 487. 20 (*on* ii. 3. 25)

अणुसंज्ञा (aṇu-sañjñā) *f.* name Aṇu अत एव···जीवत्वाभिप्रायेण मन्त्राणामणुसंज्ञा SetuBa. 251. 19; अपकाणवमलवज्जीवत्वादेव मन्त्राणामणुसंज्ञा LalitāSaBh. 96. 23 (129)

अणुसंज्ञोपचार (aṇu-sañjñopacāra) *m.* figurative application of the word atom त्र्यणुकेषु अणुसंज्ञोपचारात् NyāySu.(Ja.) 336B. 12 (*on* ii. 2. 6)

अणुसदृश (aṇu-sadṛśa) *adj.* similar to an atom अणुसदृशं वस्तूदाहृत्य तन्मानत्वप्रदर्शनम् BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 145. 17 (*on* ii. 3. 23)

अणुसद्भाव (aṇu-sadbhāva) *m.* existence of the atom न प्रलयोऽणुसद्भावात् NyāySū. iv. 2. 16; NyāyVār. 514. 14 (*on* iv. 2. 16)

अणुसमवस्थान (aṇu-samavasthāna) *n.* particular arrangement (pattern) of atoms अणुसमवस्थानं विषय इति चेत् प्राप्ताप्राप्तसामर्थ्यवचनम् NyāyBh. 105. 15 (*on* ii. 1. 37); अधिकरणमवश्यं वक्तव्यमणुसमवस्थानमधिकरणमिति NyāyVār. 250. 18 (*on* ii. 1. 34)

अणुसमवायिन् (aṇu-samavāyin) *adj.* inherent in atoms तत्पुनरात्मसमवायि वा स्यात् अणुसमवायि वा BrahmSūBh.(S'aṅ.) 369. 11 (*on* ii. 2. 12); अतः सन्ति केचनाणुसमवायिनो विशेषाः Kāśi. iii. 232. 12 (*on* 5(10). 28)

अणुसमुदाय (aṇu-samudāya) *m.* aggregate (collection) of atoms अणुसमुदाया एव गोघटादिबोधबोध्याः NyāySu.(Ja.) 389A. 13 (*on* ii. 2. 7)

अणुसमूह (aṇu-samūha) *m.* collection of atoms अणुसमूहस्तूपलभ्यते NyāyBh. 294. 6 (*on* iv. 2. 13); 103. 16 (*on* ii. 1. 37); NyāyVār. 248. 1 (*on* ii. 1. 34); बाह्यस्याणुसमूहादेर्ग्राह्यस्यासम्भवे क्षणात् S'lokaVār. 5(3). 262 (344. 1)

अणुसमूहविषय (aṇusamūha-viṣaya) *adj.* pertaining to the collection of atoms तदिदमणुसमूहविषयं ग्रहणमिति NyāyBh. 294. 6 (*on* iv. 2. 13); NyāyVār. 512. 18 (*on* iv. 2. 13)

अणुसमूहान्तर (aṇusamūhāntara) *n.* another collection of atoms अणुसमूहमुपलभ्याणुसमूहान्तरेऽतिशयं गृह्णतो महत्प्रत्ययो भवति NyāyVār. 248. 2 *on* ii. 1. 34)

अणुसंपद् (aṇu-sampad) *f.* collection of individual souls अणुसंपदस्त्वमसि नाथ कारणम् HarVi. 6. 88;

अणुसंबन्धाभाव (aṇusambandhābhāva) *m.* absence of association with atoms अदृष्टस्याणुसंबन्धाभावात् PrakaVi. 498. 13.

अणुसार (aṇu-sāra) *adj.* having very little substance वाक्यं ममैतदणुसारमपि ग्रहीतुमर्हाः स्थ यूयम् HarVi. 37. 5.

अणुस्थान (aṇu-sthāna) *n.* narrow place (in a military formation) अणुस्थानेषु विन्यस्ताः कुमाराः सूर्यवर्चसः MahāBhā. vii. 253*(1)

अणुस्रवण (aṇu-sravaṇa) *n.* thin flow अणुस्रवणभावादामाशयमागम्य … ऊर्ध्वं प्रवर्तते (दोषसंघातः) AṣṭāSaṁ. i. 136. 21 (1. 27)

अणुस्रोतस् (aṇu-srotas) *n.* thin flow ह्रस्वे त्वणुस्रोतसि च क्लेशो बस्तिश्च पूर्ववत् SuśruS. iv. 36. 9.

अणुस्वरूप (aṇu-svarūpa) *adj.* of atomic form (गणेशः) योऽणुभ्योऽणुस्वरूपः GaṇeP. i. 18. 12; ते ह्यणुस्वरूपाः S'rutaPra. iA. 18. 10 (*on* i. 1. 1); अणुस्वरूपस्य जीवात्मनो द्युभ्वाद्यायतनत्वासंभवाच्च VedāntKau. 78. 24 (*on* i. 3. 4); एकेनाणुस्वरूपेणानेकदेहव्याप्त्यसंभवात् VedāntKau. 430. 24 (*on* iv. 4. 5); अस्यार्थः ऋतमणुस्वरूपं सत्यं महद्रूपं परं ब्रह्म S'aṅkaVi.(Ā.) 22. 13.

अणुस्वरूपत्व (aṇusvarūpa-tva) *n.* the state of being atomic in size अणुस्वरूपत्वेन दहरत्वम् … संगच्छते VedāntKau. 89. 17 (*on* i. 3. 14)

अणुह (aṇuha) *m.* name of a king अनेना (v. l. अणुहो) युवनाश्वश्च … विक्रमी रघुः MahāBhā. i. 1. 172; विभ्राजस्य तु पुत्रोऽभूदणुहो नाम पार्थिवः HariVaṁ. 15. 23; 15. 4; पृथोस्सुकृतिस्ततो विभ्राजः। तस्माच्चाणुहः ViṣṇuP. iv. 19. 43; (कीर्तिमती) ब्रह्मदत्तस्य जननी महिषी त्वणुहस्य तु VāyuP. ii. 11. 74; BrahmāṇḍP. ii. 8. 94; LiṅgaP. i. 63. 87; विभ्राजस्य तु दायादस्त्वणुहो नाम पार्थिवः VāyuP. ii. 37. 174; MatsyaP. 49. 56; कन्याम् … व्यासपुत्रः प्रतापवान्। ददौ विभ्राजपुत्राय त्वणुहाय महात्मने DevīBhāP. i. 19. 42; अणुहो नाम वैभ्राजः पञ्चालाधिपतिः पुरा PadmP. v. 10. 98; v. 10. 65.

अणुहात्मज (aṇuhātmaja) *m.* son of Aṇuha सर्वसत्त्वरुतज्ञश्च राजासीदणुहात्मजः HariVaṁ. 18. 19.

अणुहेतुक (aṇuhetu-ka) *adj.* caused by atoms, having atoms as cause समुदायः … अणुहेतुकश्च भूतभौतिकसंहतिरूपः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 382. 4 (*on* ii. 2. 18); योऽयमणुहेतुकः पृथिव्यादिभूतात्मकः समुदायः BrahmSūBh.(Rā.) 484. 13 (*on* ii. 2. 17); अणुहेतुके पृथिव्यादिसमुदाये … समुदायासिद्धिः VedāntSā.(Rā.) 174. 6 (*on* ii 2. 17); अणुहेतुको भूतभौतिकसंघातः S'rutaPra. ii. 296. 24 (*on* ii. 2. 17)

अणूक (aṇūka) *n.* [AltGr. I. 191] **1** vertebral column, back-bone यत्र शीर्ष्णोऽवद्यति नांसयोर्नाणूकस्य ĀpaS'S. vii. 25. 6; **2** fourth portion (of a *puruṣa* as a measure) चतुर्भागीयमणूकम् ĀpaS'uS. iv. 11. 5; HirS'S. xxv. 4. 4; ऋष्यणूकं देवताणूकं वा BaudhGS. ii. 1. 28.

अणूकमात्री (aṇūka-mātrī) *adj.* (*f.*) of the measure of the back-bone मृन्मयीरिष्टकाः करोति … उर्वस्थिमात्र्योऽणूकमात्र्य ऋजुलेखाः ĀpaS'S. xvi. 13. 6; HirS'S. xxv. 4. 3; अणूकमात्र्यो भवन्तीति विज्ञायते ĀpaS'uS. iv. 11. 4.

अणूकाण्डा (aṇū-kāṇḍā) *adj.* (*f.*) [AltGr. II. i. 131] having a thin stalk तेजनी रराटयैषीकी प्राच्यणूकाण्डा मध्ये विततां तां वंशे निबध्नाति HirS'S. vii. 5. 17.

अणूकृ (aṇū-kṛ-) VIII. P. to make small, to reduce in size अपानः …। अणूकरोति बाह्यान्तर्मार्गमस्य ततः शकृत् AṣṭāSaṁ. ii. 316. 6 (6. 36)

अणूत्पादक (aṇūtpādaka) *adj.* producer of atoms सद्धर्मोपगतं नोचेदणूत्पादकमिष्यते। विद्यमानोपलम्भार्थप्रमाणाविषयत्वतः TattvSaṁ. 553.

अणूदर (aṇūdara) *n.* interior of an atom द्रष्टा तत्रास्य दृश्यश्रीः समुदेत्यप्यणूदरे YogVā. iii. 1. 27.

अणूदरा (aṇūdarā) *adj.* (*f.*) (woman) having a slender belly (i. e waist) अनर्तिषुर्दृष्टिमुखैरणूदरा रयादहंपूर्विकया रसोत्तरम् Raghunā. 12. 20.

अणूदरी (aṇūdarī) *adj.* (*f.*) (woman) having a slender belly (i. e. waist) बन्दी मुखस्येन्दुरणूदरीणामिन्दीवरश्रीर्नयनांशुबन्दी YātraPra. 1. 13; अम्भोविहारे यदणूदरीणां हारान्विशीर्णानधिसह्यजातम् Raghunā. 1. 36.

अणूदाहरण (aṇūdāharaṇa) *n.* corroborative instance of an atom न व्यावृत्तस्ततो धर्मः साध्यत्वेनाभिवाञ्छितः। अणूदाहरणादस्माद्वैधर्म्येण प्रकाशितात् TattvSāṁ. 79.

अणूपम (aṇūpama) *adj.* [*f.* -ā] comparable to an atom तस्य मध्ये वह्निशिखा…पीता भास्वत्यणूपमा TaiĀ. x. 11. 2 (828. 2); आशागर्तः प्रतिप्राणि यस्मिन्विश्वमणूपमम् SūktiRa. 175. 19; अन्तरा जलकणैरणूपमैरार्दिते रजसि नीपनिःसृते Acyutarā. 4. 26.

अणूपरि (aṇūpari) *ind.* on the subtle principles ननु बुद्धिधर्मभूतावैराग्यरूपस्य रागस्य कथमणूपरि संनिवेशः Bhāsk. ii. 238. 15 (*on* iii. 1. 9)

अणूभाव (aṇū-bhāva) *m.* smallness, littleness काणः … कणतेर्वा स्यादणूभावकर्मणः। कणतिः शब्दाणूभावे भाष्यते। … मात्राणूभावात्कणः। दर्शनाणूभावात्काणः Nir. 6. 30 (128. 4); 9. 19 (164. 18)

अणूभूय (aṇū-bhūya) *ger.* having become minute or small (हनूमान्) आस्यं प्रविश्य निरगादणूभूयाप्रचेतितः Bhaṭṭi. 8. 24.

अणूरण (aṇūraṇa) *n.* injury to the vital breaths सा … चकासती… अणूरणैः HarVi. 43. 59. (comm. अणवः प्राणास्तेषामुरणैर्हिंसाभिः)

अणेक्कोट्टपुत्तूरु (aṇekkoṭṭaputtūru) *m.* name of a village (in Chingleput Dist.) रम्याणेक्कोट्टपुत्तूरुसीमान्तात्प्राग्दिशि स्थितम् EI. iv. 17. 176.

अणोपदेश (a-ṇopadeśa) *adj.* (root) not read (in the Dhātupāṭha) with initial cerebral nasal *ṇ* नर्द गर्द शब्दे। … प्रनर्दति अणोपदेशोऽयमिति णत्वं न भवति DhātuPra. I. 55 (10. 15)

अण्कृत (aṇ-kṛta) *n.* the grammatical operation applied to the suffix *aṇ* कर्मण्यण्…इति केऽप्यण्कृतं प्राप्नोति MahāBh. ii. 42. 10 (*on* iii. 1. 32); अणि कृतानि कार्याणि अण्कृतानि Nyās. ii. 609. 6 (*on* vi. 4. 172); ताच्छीलिकेऽप्यण्कृतं भवति PariVṛ.(Nī.) 36. 3; *adj.* which is caused by the suffix *aṇ* णेऽपि क्वचिदण्कृतं कार्यं भवति KāśiVṛ. *on* P. iv. 1. 15; ताच्छीलिके णेऽप्यण्कृतं कार्यं भवति PariVṛ.(Sī.) 133. 12.

अण्कृतप्रसङ्ग (aṇkṛta-prasaṅga) *m.* contingency of the grammatical operation applied to the suffix *aṇ* केऽप्यण्कृतप्रसङ्गः Pradī. i. 454B. 32 (*on* i. 1. 56)

अण्ग्रहण (aṇ-grahaṇa) *n.* **i** mention of the Pratyāhāra *aṇ* यदि हि परेण स्यादण्ग्रहणमनर्थकं स्यात् MahāBh. i. 34. 8 (*on* i. 1. 0); अण्ग्रहणानि तु पूर्वेण णकारेण CāndraVṛ. *on* i. 1. 0; KāśiVṛ. *on* P. i. 1. 0; यदण्ग्रहणं तत्पूर्वेण णकारेण प्रत्याहारार्थम् PariVṛ.(Sī.) 2. 22; 1. 12; अत्रत्यमेवाण्ग्रहणं परेण णकारेण Prasā. i. 24. 19; अण्ग्रहणस्य … निवृत्तिपक्षसमाश्रयणेन PāṇiTaVāNaMā. 41. 21; अण्ग्रहणेषु … संदेहवारणाय लण् इति सूत्रेऽन्यानुबन्धे कर्तव्ये PariVṛ.(Nī.) 1. 4; अण्ग्रहणेन यण्सु गुणभेदकत्वं ज्ञाप्यते LaS'abdeS'e. i. 38. 16; i. 41. 2; **ii** mention of the suffix *aṇ* अण्ग्रहणं कृत्वा लेखग्रहणात् ह्रस्वविधावपि न तदन्तविधिः PariVṛ.(Sī.) 55. 20; 104. 22; अण्ग्रहणं नद्यां मतुवो बाधनार्थम् Prasā. i. 760. 2; i. 775. 10.

अण्ग्रहणसामर्थ्य (aṇgrahaṇa-sāmarthya) *n.* strength of the mention of the Pratyāhāra *aṇ* एवं तर्ह्यण्ग्रहणसामर्थ्यात्पूर्वेण न परेण MahāBh. i. 35. 5 (*on* i. 1. 0); अण्ग्रहणसामर्थ्यादवसीयते पूर्वेणेति PariVṛ.(Sī.) 2. 2; अण्ग्रहणसामर्थ्येनाण्पूर्वेणैव इत्युक्तं भाष्ये LaS'abdeS'e. i. 264. 26.

अण्ग्रहणाननुवृत्ति (aṇgrahaṇānanuvṛtti) *f.* absence of continuity of taking into account of the Pratyāhāra *aṇ* in the following rules इदं च विध्यर्थमेव अण्ग्रहणा(? न)नुवृत्तेः LaS'abdeS'e. i. 41. 15.

अण्ग्रहणानर्थक्य (aṇgrahaṇānarthakya) *n.* purposelessness of the

mention of the suffix *aṇ* अण्ग्रहणानर्थक्यं च कच्छादिभ्योऽण्विधानादिति वार्त्तिकात् LaS'abdeS'e. ii. 256. 11.

अण्ग्रहणानुवृत्ति (aṇgrahaṇānuvṛtti) *f.* continuity of taking into account the Pratyāhāra *aṇ* in the following rules तपरसूत्रेऽप्रत्ययग्रहणानुवृत्तावण्ग्रहणानुवृत्तौ च मानाभावात् LaS'abdeS'e. i. 316. 11; ii. 563. 17.

अण्ग्रहणाभाव (aṇgrahaṇābhāva) *m.* absence of mention of the Pratyāhāra *aṇ* उरण्रपर इति सूत्रेऽण्ग्रहणाभावे ऊ रपर इति भाष्यप्रयोगविरोधाच्च LaS'abdeS'e. i. 263. 5.

अण्टदुव (aṇṭaduva) *m.* name of a tank सत्प्रसादाण्टदुवतटाकस्योत्तरशृङ्गस्याधस्तात् EI. xii. 53. 58.

अण्ठ् (aṇṭh-) I. Ā. [AltGr. I. 169] to go, to move अठि गतौ । … आनण्ठे DhātuPra. I. 258 (26. 13); अण्ठते DhātuVṛ. I. 263; KośaKaTa. 2. 1276 [*aṇṭhati* 'to visit' (Buddhistic) AltGr. 1. 167]

अण्ठित (aṇṭh-ita) *adj.* possessed of, having दाहपाकरुगन्विते (v. l. रुगण्ठिते (Calcutta Ed. 1836)) । गुल्मे रक्तं जलौकोभिः … हरेत् SuśruS. vi. 42. 52 [gone; rained, APTE]

अण्ड (aṇḍá) *m. n.* [MAYR. 1. 26; 547; 3. 626; ञमन्ताड्डः Uṇā. 1. 113 अमन्ति संप्रयोगं यान्त्यनेनेत्यण्डः प्राण्यङ्गावयवः Ujjvaladatta; SiddhāKau. 524B. 1; but a *nipātana* in SaraKaṇṭhā.(Gr.) ii. 2. 117] **1 A** testicle **B** sperm, semen **C** scrotum **2 A** egg, (golden) cosmic egg **B** world, universe, hemisphere **C** one of the four spheres into which the cosmos is divided **D** musk-bag **E** individual **3** name of S'iva **4** name of a country **5** cupola, dome **6** sword with white and long irregular spots **7** bowl of an ascetic **8** mystic syllable **9** a kind of corn **10** emmediate envelope **11** musk [part of a *stūpa*] **1 A** testicle अण्डाभ्यां स्वाहा TaiS. VII. iii. 16. 2; अथ ये द्वे स्तोत्र्येऽतिरिच्येते आण्डावेव (v. l. अण्डावेव) तावतिरिच्येते JaimiBr. 2. 434; काण्डाण्डादीरः (अण्डीरः) JaineVyā. iv. 1. 37 (250. 23); काण्डाण्डादीरच् CāndraVyā. iv. 2. 115; स्तनावण्डौ च पुंस्त्वं च षड्ढोतापान एव च LakṣmīT. 29. 21; आकृष्टे च चूर्णिताण्डद्वयः पञ्चत्वमुपागतः Hitopa. 51. 2; लिङ्गं हस्तप्रमाणं तथाण्डौ चतुरङ्गुलौ YuktiKa. 183. 2 = AśvaCi. 6. 9; यैर्याति कुत्सितं रक्तं सर्वदेहसमुद्भवम् । … अण्डयोरथपादेषु YuktiKa. 192. 7; 192. 19; 201. 28; नापितः शल्यहर्तायं नृणां येनोपजीविना । नीतान्यण्डानि दुर्लेपैः स्थूलस्थालीप्रमाणताम् NarmaMā. 3. 61; AśvaCi. 11. 3; 4; तत्र कूजत्यधो नाभेर्गुदवस्त्यण्डमाश्रितः AśvaVai. 3. 133; 3. 146; यदण्डं कम्पतेऽश्वस्य तेन पादेन खञ्जति AśvaVai. 50. 4; 50. 27; साण्डं अण्डाभ्यां युक्तं अक्लीबमित्यर्थः VīraMi. (Sāṁskāra.) 998. 22–23; **1 B** sperm, semen केषांचित् पुत्रकामानामनुसंतानमिच्छताम् । सिद्धौ प्रयतमानानां नैवाण्डमुपजायते MahāBhā. xii. 318. 16; अण्डम् … स्यान्मुष्के वीर्येऽपि च क्वचित् ViśvaPra. 43. 7; अण्डं स्यान्मुष्कवीर्ययोः ViśvaLoK. 90. 1; KośaKaTa. 2. 4696; तथा वीर्ये चाण्डम् Comm. *on* TrikāS'e. iii. 3. 110; कठिनब्रह्मकोशवीर्येष्वपि … क्षीणाण्डस्य कुतः सुतः Comm. *on* AnekāSaṁ. 2. 108; **1 C** scrotum मुष्कोऽण्डमण्डकोशश्च वृषणो बीजपेशिका RājNi. 399. 4; स्यादण्डं पेलमण्डकः । मुष्कोऽण्डकोशो वृषणः AbhidhāCin. 611; perhaps also मुष्कोऽण्डं वृषणो कोशः AbhidhāRaMā. 2. 368; अस्त्रियो मुष्ककोशाण्डाः Vaija. 178. 63; [PW wrongly in प्राण्यङ्गकोषयोरण्डम् TrikāS'e. iii. 3. 110 (*but* comm. प्राण्यङ्गं पुंसोऽङ्गावयवाः । कोषः पक्षिडिम्बः तयोः)]; **2 A** egg, (golden) cosmic egg [mentioned in the *pakṣādigaṇa*, GaṇPā. 132. 5; GaṇRa. 4. 278 (323)] स यथाण्डं प्रथमनिर्भिण्णमेवमेव JaimiUBr. iii. 14. 8; यश्चतुर्थस्तं पितरो ये चाण्डेषु शेरते (ते उपजीवन्ति) SāmaViBr. i. 1. 8 (Sāy. सर्वेषु ब्रह्माण्डेषु); तमभ्यतपत्तस्याभितप्तस्य मुखं निरभिद्यत यथाण्डम् AitĀr. II. iv. 1. 6; अग्निना पिहितः सहस्राक्षेण हिरण्मयेनाण्डेन MaiU. 6. 8; बृहदण्डमभूदेकम् MahāBhā. i. 1. 27; कालेन महता कद्रूरण्डानां दशतीर्दश । जनयामास MahāBhā. i. 14. 12; अण्डानि बिभ्रति स्वानि न भिन्दन्ति पिपीलिकाः MahāBhā. i. 68. 54; ii. 38. 33; iii. 133. 26; हिरण्यवर्णमभवत्तदण्डमुदकेशयम् HariVaṁ. 1. 25; धार्तराष्ट्रचकोराणाम् … चटकानां च यानि स्युरण्डानि च हितानि च CaraS. i. 27. 82 (1922 Ed.); iv. 3. 16 (1941 Ed.); कुलीरकूर्मनक्राणामण्डान्येवं तु भक्षयेत् SuśruS. iv. 26. 26; तदण्डमभवद्धैमं सहस्रांशुसमप्रभम् ManuS. 1. 9; तैजसेभ्योऽणुभ्यो … महदण्डमारभ्यते PadārthaSaṁ. 49. 9; JayāS. 13. 190; ततो हरिः । तैः सर्वैरण्डमुत्पाद्य तस्मिन् ब्रह्माणमासृजत् AhirbuS. 41. 6; येनेदमावृतं सर्वमण्डमप्सु प्रलीयते ViṣṇuP. vi. 4. 31; i. 2. 54; MārkP. 45. 62; VāyuP. i. 1. 44; MatsyaP. 2. 29; नारायणा(? णः)त्परोऽव्यक्तादण्डमव्यक्तसंज्ञितम् BrahmāṇḍP. i. 5. 109; i. 1. 43; i. 3. 36; BṛSaṁ. 1. 6; मध्ये समन्तादण्डस्य भूगोलो व्योम्नि तिष्ठति SūrySi. 12. 32; 12. 14; PañcT. 1. 127 (33); तण्डुलीयकमूलानि कुक्कुटाण्डमवल्गुजम् । नावनाञ्जनपानेषु योजयेद्विषशान्तये AṣṭāHṛ. i. 7. 25; AvantiSuKa. 65. 6; VāsaDa. 191. 2; AṣṭāSaṁ. i. 35. 19 (1. 7); PāraS. 6. 59; PāñcaRā.(Ha.) i. 1. 14; आकाशादिक्रमेण अण्डमुत्पाद्य अम्भःप्रभृतीन् लोकानसृजत AitUBh. 252. 1 (*on* 1. 2); ChāndoUBh. 197. 17 (*on* iii. 19. 1); 296. 12 (*on* v. 10. 2); 352. 10 (*on* vi. 3. 1); BṛĀraUBh. 22. 16 (*on* i. 2. 2); 26. 13 (*on* i. 2. 4); SarvaVeSiSaṁ. 435; BṛĀraUBhVā. i. 2. 151; i. 2. 178; Kapphiṇā. 11. 2; आशि(? सी)त् कोटयाश्रममहातपोवनात् मायूराण्डं भित्त्वा गणदण्डवीरभद्राख्यः … नृपतिः EI. xxv. 155. 4; अण्डस्यापि बहिर्योऽयं तस्य बुद्धिर्बहिः स्थिता ParaS. 26. 63; LakṣmīT. 5. 81; खादेत् क्षुधार्ता भुजगी स्वमण्डम् Hitopa. 4. 58; 2. 138 (3); मक्षिकागर्भसंभूतबालाण्डपरिपीडनात् । जातं मधु कथं सन्तः सेवन्ते कललाकृति YaśasCam. ii. 330. 13; तैजसेभ्यः परमाणुभ्यः पार्थिवपरमाणुसहितेभ्यो महदण्डं महद्बिम्बमारभ्यते NyāyKa. 52. 25; 34. 17; BrahmSūBh.(Bhā.) 65. 14 (*on* i. 3. 30); वर्षपूगसहस्रान्ते तदण्डमुदकेशयम् BhāgP. ii. 5. 34; ii. 10. 10; xi. 3. 39; KūrmaP. 45. 2 (1. 4); AgniP. 59. 9; SkandP. iv. 51. 12; v(1). 2. 6; VāmaP. 43. 17; ViṣṇuDhaP. ii. 112. 3; VarāP. 7. 39; EI. xviii. 33. 53; अण्डोद्भवत्वं शर्वस्य रजोगुणसमाश्रयात् LiṅgaP. i. 2. 6; i. 3. 28; BrahmP. 1. 39; 232. 30; मार्तस्त्वं भव चाण्डस्तु मार्तण्डस्तेन स स्मृतः BhaviP. 131B. 3 (1. 79. 22); 70A. 2 (i. 33. 13); PadmP. i. 2. 26; vi. 81. 66; KalkiP. iii. 1. 32; YogVā. iii. 13. 34; TātpaṬ.(Vā.) 403. 1 (*on* ii. 1. 37); अण्डस्य हिरण्यमयत्वं विवक्षितम् Kiraṇā. 95. 7; अण्डे किल समुत्पन्ना वारणाः पौर्वकालिकाः Hastyāyur. 16. 21; 16. 22; 16. 23; 16. 24; ĪśānS'iPa. i. 39. 16; BrahmaSūBh.(S'rī.) ii. 184. 9 (*on* ii. 4. 17); तदण्डभाण्डखण्डाभ्यां द्यां भुवं विदधे धिया । व्र(ब्र)ह्मा EI. i. 140. 4; सूते बह्न्यण्डानि लाविका Mānaso. iv. 8. 1196; अण्डं पक्ष्यादिप्रसवः GaṇRa. 2. 63 (100); बहुष्वण्डेषु जातेषु यद्येकाण्ड एवावशिष्यते तदैकाण्डता शुभाय भवति AdbhuSāg. 697. 20; Rasārṇa. 10. 14; AbhinDa. 137; ब्रह्माण्डमण्डादभूद्विश्वम् SaduktiKa. 236. 6; SaṁgīRa. i. 29. 7 (1. 2. 17); RasRaSa. 1. 83; यथाण्डेऽन्तर्महासर्पो जगदस्ति तथात्मनि PañcDa. 13. 17; 13. 91; S'ārṅgaPa. 1165; Dhūrtā. 103; HaṁsSaṁ. 23; VedāntKau. 252. 10 (*on* ii. 4. 19); VedāntSā.(Sa.) 15. 11; कैलासमानससरोवरराजहंस्या निःक्षिप्तमण्डमिव जाग्रति पुण्डरीके Subhāṣi. 1503; MātaLī. 11. 5; S'ivārkaMaDī. i. 233. 24 (*on* i. 1. 17); त्वम् … हैरण्यमण्डं व्यधाः Nārāy. ii. 5. 9; S'aktiSaṁT. i. 2. 57; SiddhāTa. 10. 3; CitraPaC. 108; अण्डं नाम कपित्थफलाकारं पञ्चीकृतपञ्चमहाभूतारब्धं प्राकृतद्रव्यम् YatīndraDī. 47. 7; GoviBh. 54. 2 (*on* i. 3. 30); 303. 9 (*on* iv. 2. 16); फेनाद् बुद्बुदो भवति । बुद्बुदादण्डो भवति । अण्डादात्मा भवति BālamBha. i. 105. 25 (*on* 1. 24); **2 B** world, universe (= Brahmāṇḍa), hemisphere अण्डानां ब्रह्माण्डानाम् LalitāTriBh. 276. 14 (*on* 11); 281. 19 (*on* 15); कपालमर्बुदं स्थौल्याद् ब्रह्मणोऽण्डस्य योजनैः MṛgendraT. i. 13. 9; स्फुटमिव मातुमशेषमण्डमूर्ध्वम् । … कराः शितांशोर्द्रुतमुदहासत HarVi. 28. 8; कमलमनयदुन्मुखत्वमर्कः स्फुटदलमण्डलसच्छिद्रयासु दीप्त्या HarVi. 28. 46 (comm. अण्डे ब्रह्माण्डे लसन्ती); 46. 45; प्रलयशिखिनि यश्च कोटिकृत्वः स्मरति विलीनमिदं विधातुरण्डम् RāmC. 6. 63; 32. 85; YaśasCam. i. 483. 3; अण्डानामीदृशानान्तु कोट्यो ज्ञेयाः सहस्रशः KūrmaP. 426. 15 (1. 50); धारयन्ति यथा विश्वमण्डस्याभ्यन्तरे स्थिताः । वाय्वग्निसोमाः सततम् ViṣṇuDhaP. ii. 142. 4; SkandP. ii(9). 18. 10; NyāyKuA. i. 138. 6; अण्डानां कोटयश्चैव विश्वमूर्तेस्तनौ तदा LiṅgaP. i. 36. 60; i. 2. 18; द्यावापृथिव्योरूर्ध्वलोकांस्तथाधश्चाण्डादस्मात्त्वं विभागं चकार PadmP. v. 40. 10; v. 2. 22; BrahmP. 20. 98–99; त्रिवृत्कृतैस्तेजोऽबन्नैरण्डमुत्पाद्य पश्चाच्चतुर्मुखसृष्टेः VedāntSā.(Rā.) 232. 6 (*on* ii. 4. 17); TattvSaṁkhyā. 50. 7; शुष्यत्यण्डमपीदमम्बुजभुवो मन्त्रा भवेयुर्न चेत् SaduktiKa. 202. 20; 'रोमकूपेष्वनन्तानि ब्रह्माण्डानि भ्रमन्ति ते' इत्यादिवचनैरण्डानामनन्तत्वेन S'rutaPra. iA. 198. 25 (*on* i. 1. 1); विश्वाख्ये पार्थिवे चाण्डे प्राणिनो भूतमूर्तयः BhāvPra.(S'ā.) 182. 13(7); PañcDa. 1. 28; EI. i. 192. 4; BṛBrahmS. iii. 1. 173; अण्डं नाम कियत्त्रिविक्रमपदैराक्रान्तमेतत्त्रिभिः AdbhuDa. 10. 31; मध्ये समन्तादण्डस्य भूगोलो व्योम्नि तिष्ठति SiddhāTaVi. 27. 3; GoviBh. 310. 16 (*on* iv. 3. 10); भाण्डेऽण्डे विपुल उदेति बुद्बुदाली तारावल्यखरकरोऽपि मण्डपिण्डः Manmatho. 1. 20 (425. 3); **2 C** (Trika) one of the four spheres into which the cosmos is divided (each consisting of a nnmber of *bhuvanas* (worlds)) अण्डं च नाम भुवनविभागस्थितिकारणम् । प्राहुरावरणं तच्च शक्त्यन्तं यावदस्ति हि Tantrālo. 11. 12; पार्थिवं प्राकृतं चैव माथीयं शाक्तमेव च । इति संक्षेपतः प्रोक्तमेतदण्डचतुष्टयम् Tantrālo. 11. 8 (comm.); पृथिव्यादिशक्तीनाम् अत्र अवस्थानेन शक्तितत्त्वे यावत् परस्पर्शो विद्यते स्पर्शस्य च सप्रतिघत्वमिति तावति युक्तम् अण्डत्वम् TantraSā.(A.) 110. 5 (10); **2 D** musk-bag of musk-deer (having the shape of an egg) कस्तूरिकामृगाणामण्डाद्गन्धगुणमखिलमादाय । यदि पुनरहं विधिः स्यां खलजिह्वायां निवेशयिष्यामि Kuval. 126; **2 E** individual पुरुषः जीवाख्यः अण्डः BhāsK. ii. 287. 11 (*on* iv.

1. 5); **3** *m.* name of S'iva नमश्चण्डाय मुण्डाय अण्डायाण्डधराय च MahāBhā. xii. App. I. 28 (180); अण्डश्च बहिरण्डश्च विराड्भूतो विशेषकृत् MahāBhā. xiii. 155*(13); नमो दण्डाय चण्डाय अण्डायोत्पत्तिहेतवे VāmaP. 47. 73; **4** *m.* name of a country, GaṇPā. 35. 10; **5** cupola, dome नन्दीति (प्रासादः) …कार्यश्च सप्तभौमो विभूषितोऽण्डैश्च विंशत्या BṛSaṁ. 56. 21; 56. 22; [एत]-त्स्वर्णाण्डकान्तिप्रवरतममहामण्डपाभोगभद्रम् (हर्म्यम्) EI. ii. 121. 11; यस्यात्युच्छ्रितकाञ्च(ञ्च)नाण्डकलसम् EI. i. 150. 19; अण्डस्य द्व्यंश उत्सेधो विस्तारः सप्तभागिकः SamarāSū. 57. 138; एकोनत्रिंशदण्डोऽयं प्रासादः शुभलक्षणः SamarāSū. 57. 199; पादोनमात्रा ग्रीवाण्डं सपादं पदमुच्छ्रितम् SamarāSū. ii. 107. 28(57); ii. 56. 24 (57); **6** *m.* sword with white and long irregular spots पुलकैरण्डस्सितदीर्घानवस्थितैः Vaija. 117. 162; **7** bowl of an ascetic (अण्डम्) कठिनब्रह्मकोशवीर्येष्वपि । कठिने तापसभाजने comm. on AnekāSaṁ. 2. 108; **8** technical term for some mystic sound or syllable कुम्भोऽथाग्नियुतो भुजादिरषडी कर्णान्विताण्डाय हुं वर्णाश्चेति विनायकस्य गदितः षड्वर्णकोऽयं मनुः IśānS'iPa. i. 16. 50; **9** a kind of seed चीनानकानामण्डानि साथ रुद्राक्षसंज्ञया । ददौ SamaMā. 2. 99; तिलमाषव्रीहियवा गोधूमाण्डप्रियङ्गवः VasiS. 18. 105; **10** immediate envelope अण्डं मुष्के कोशेऽप्यनन्तरे Anekā.(Pa.) 2612; **11** [musk PW; pw; nt. (E. 897 P.)]; [a part of a *stūpa.* nt.]; [Most of the kośas give the meanings (1) egg and (2) testicle. A few correlate the difference in meaning with the difference in gender पेशी कोषो द्विहीनेऽण्डम् AmaK. 1062; मुष्के खगादिकोशेऽण्डम् AnekāSa. 712; मुष्कमण्डमपानञ्च वृषणं फलकोशकम् ParyāRaMā. 519; पेशीकोशः स्मृतोऽण्डश्च AbhidhāRaMā. 2. 85; 2. 308; AgniP. 362. 77; पेशीकोशश्च डिम्बोऽण्डम् Vaija. 30. 50; अस्त्रियो मुष्ककोशाण्डाः Vaija. 178. 63; 224. 2; प्राण्यङ्गकोषयोरण्डम् TrikāS'e. iii. 3. 110; मुष्कोऽण्डमण्डकोशश्च वृषणो बीजपेशिका RājNi. 399. 4; ParyāMu. 23. 89; AnekāSaṁ. 2. 108; AbhidhāCin. 611; ViśvaPra. 43. 7; *m.* पुंसि पेशीकोशः स्मृतोऽण्डश्च S'abdaBhePra.(Ma.) 4. 20 (comm.); अण्डः अण्डम् पक्ष्यादिप्रसवः… वृषणे नपुंसकः S'abdaBhePra.(Ma.) 4. 20 (comm.); DharK. 562; AnekāK. 197; अण्डं क्लीबं विहङ्गादेः पेशीकोशेऽपरे पुनः । मुष्के त्वाहुः परेऽप्येनं पुंनपुंसकयोर्विदुः NānārthāSaṁ. i. 46. 40; ParyāS'aRa. 2. 70; MediK. 42. 1; AnekāTi. 2. 16; NānārthRaMā. 390; S'abdaRa.(Vā.) 1651; 2134; ParaNā. 2178; Anekā.(Pa.) 2612; AbhidhāMañ. 172. 2; अण्डं तु खगमीनादिकोशे स्यान्मुष्कवीर्ययोः ViśvaLoK. 90. 1; S'abdaRa.(Su.) 3. 184; KośaKaTa. 1. 4588; 1. 5075; 1. 5076; 2. 4696; KalpaK. 43. 211; अण्डं मुष्के पेश्यां नपुंसके S'abdaRaSaK. Some Liṅgānuśāsanas list अण्ड only among neuter nouns Liṅgānu. (Ha.) 51. 17; Liṅgānu.(Vā.) 9. 15; Liṅgānu.(Para.) (89) 3591; also TrikāS'e. iii. 5. 6; KośaKaTa. 2. 2570; while some others list it among both *m.* and *n.* Liṅgānu.(S'ā.) 118. 15; 122. 14; Liṅgānu.(He.) 80. 8; 116. 3; Liṅgānu.(Para.) (89) 3591; (137) 3707; एते अर्धर्चादयः शब्दाः पुंसि नपुंसके साधवो भवन्ति GaṇRa. 2. 63 (99); also KośaKaTa. 2. 2729; KalpaK. 339. 197; अण्ड is given as the meaning of (1) मुष्क AnekāSaṁ. 2. 13; AnekāTi. 2. 223; Anekā.(Pa.) 3280; cf. वृषण S'abdaRaSaK. 116. 3; (2) कोश Vaija. 231. 16; S'abdaRa.(Vā.) 3767; पेशीकोष AbhidhāCin. 1319; पेशी DharK. 2599; डिम्ब MediK. 111. 5; S'abdaRaSaK. 216. 6; (3) चञ्चु DharK. 378; (4) पा MediK. 108. 1; (5) र NānārthaMa. 1372]

अण्ड (–aṇḍa) (Gr.) a grammatical primary suffix तथाअनुक्ताभ्योऽपि प्रकृतिभ्यस्त्या भवन्ति । अण्डः । जॄकृसृवृङः जरण्डः । करण्डः । सरण्डः । वरण्डः JaineVyā. ii. 2. 167 (119. 3); कृसृभृवृतॄभ्योऽण्डः SaraKaṇṭhā.(Gr.) ii. 2. 116; a formant in words like *eraṇḍa* etc. [DEBRU. p. 159]

अण्डक (aṇḍa–ka) *m. n.* [*pakṣādigaṇa* JaineVyā. iii. 2. 60 (184. 11)] **1A** egg कलिलं (? कललं) चैकरात्रेण पञ्चरात्रेन[°ण] बुद्बुदम् । पक्षैकेनाण्डकः सोऽथ मासपूर्णे शिरो कुरु S'atTrayī. 445; समुद्रेणापहृतास्तेऽण्डकाः Tantrākhyā. 38. 8; समर्पयाधुनाण्डानि टिट्टिभस्येति (v. l. दीयतामस्य टिट्टिभस्याण्डकानि) PañcT. 1. 127 (56) (138. 5); ततो देवाज्ञया समुद्रेण सभयेन तान्यण्डानि समर्पितानि (v. l. समुद्रोऽपि … तान्यण्डकानि … समर्पयामास PañcT. i. 127 (57) (138. 8 v. l. for 139. 9); विनिक्षिपन्त्यः सलिलेऽण्डकानि पिपीलिका वृष्टिनिरोधमाहुः BṛSaṁ. 95. 59; मासेष्वाधानादिषु गर्भस्य यथाक्रमेण जायन्ते । सप्तसु कलिला-(? कलला)ण्डकशाखास्थित्वग्रोमचेतनताः Sārā. 8. 29; नागी … ततः कार्त्तिकमासे तु अण्डकानि प्रसूयते BhaviP. 69B. 21 (i. 33. 9); एकान्तरे दिने प्राप्ते लावी सूते तथाण्डकम् Mānaso. iv. 8. 1195; iv. 11. 1292; अण्डकं वा मयूराण्डकादिः AupaSūṬ. 69. 5; JñātāDhaṬ. 10B. 6; KathāK. 33. 18; पश्य स्वर्गतरङ्गिणीपरिसरे कुन्दावदातं तया (कीर्तिहंस्या) । नुक्तं भाति विशालमण्डकमिदं शीतत्विषो मण्डलम् MahāN 6. 62; पेशीकोशोऽण्डके पुनः ParaNā. 1290; **1B** egg-like cover तत्राण्डके स्थितं जिष्णोः निराबाधमभूद्बलम् MahāP. 32. 63; **1C** female (unfertilised) egg पुष्टासु तासु लावीषु विवृते स्मरमन्दिरे । गर्भाशये घनीभूते व्यक्तीभूते चा(तथा)ण्डके Mānaso. iv. 8. 1189; **1D** universe, cosmic egg (ब्रह्माण्ड) हिरण्यगर्भो भुवनाण्डकादिव … अभूत् … द्विजन्मनामर्थपतिः पतिस्ततः Kād. 3. 13; रुरुचे विरिञ्चिनखभिन्नबृहज्जगदण्डकैकतरखण्डमिव S'iśuVa. 9. 9; आधिभूतं चाधिदैवं देहचक्रं तथाण्डके S'aktiSaṁT. i. 2. 49; **2** *n.* cupola शोभनैः पत्रवल्लीभिरण्डकैश्च विभूषितः । प्रासादोऽयम् MatsyaP. 269. 20; अंशेनोच्छ्रितमण्डकम् (मेरोः) SamarāSū. 55. 11; भागेनाण्डकमुच्छ्रितम् (कैलासस्य) SamarāSū. 55. 18; 55. 28; 56. 25 etc.; अण्डके वर्तना कार्या कङ्कतीफलसंनिभा SamarāSū. ii. 68. 4 (57) etc.; **3** *n.* a variety of *kaṅkuṣṭha* (a medicinal earth) हिमवत्पादशिखरे कङ्कुष्ठमुपजायते । तत्रैकं रक्तकालं स्यात्तदन्यदण्डकं स्मृतम् BhāvPra. vi. 8. 160–161; **4A** (*m. n.*) testicle स्यादण्डं पेलमण्डकः । मुष्कोऽण्डकोषो वृषणः AbhidhāCin. 611; मुष्क आण्डाण्डकौ नरि S'abdaRa.(Su.) 3. 184; वृषणोऽण्डोऽण्डकं मुष्कः PañcTaPra. 7. 16; **4B** *m.* scrotum (?) (पुंश्चिह्नं शिश्नमाख्यातम्) अण्डकोशाण्डकौ समौ ParaNā. 2177; अण्डकः पेलकः पेलमस्त्रियामण्डकोषवत् KośaKaTa. 1. 5074; [अण्डक is given as the meaning of कोश, कोशः कोष इवाण्डके AnekāSaṁ. 2. 533; also of पीशीकोश and पेशी, अथ चाण्डके पीशीकोषः पेशीकोशौ S'abdaRa.(Su.) 4. 347]

अण्डकजृम्भित (aṇḍaka–jṛmbhita) *n.* bursting or opening of an egg यथेदं भासुरं भाति जगदण्डकजृम्भितम् YogVā. iv. 13. 17.

अण्डकटाह (aṇḍa–kaṭāha) *m.* rarely *n.* shell of the cosmic egg तमश्चाण्डकटाहेन समन्तात्परिवेष्टितम् ViṣṇuP. ii. 4. 95; ii. 7. 22; एतदण्डकटाहस्य प्रमाणं परिकीर्तितम् VāyuP. i. 50. 78; तत्र भगवतः … विष्णोः … वामपादाङ्गुष्ठनखनिर्भिन्नोर्ध्वाण्डकटाहविवरेण BhāgP. v. 17. 1; येनाण्डकटाहमस्फुटत् BhāgP. vii. 8. 16; KūrmaP. 426. 12 (1. 50); AgniP. 120. 12; SkandP. i(2). 39. 28; BrahmP. 23. 22; S'ivaP. v. 18. 76 (48A. 16); BṛBrahmaS. ii. 7. 129; VedāntRaMañ. 1. 3 (35. 10); S'ivārkaMaDī. i. 232. 23 (*on* i. 1. 17); YatīndraDī. 48. 9.

अण्डकटाहक (aṇḍa–kaṭāhaka) *m.* shell of the cosmic egg कोटिरण्डकटाहकः MṛgendraT. i. 13. 119.

अण्डकटाहतस् (aṇḍakaṭāha–tas) *adv.* on account of or from the shell of the cosmic egg लोकालोकस्तु तमसावृतोऽथाण्डकटाहतः AgniP. 119. 28; ĪśānS'iPa. ii. 17. 120; MānaMe. 308. 8.

अण्डकटाहभित्ति (aṇḍakaṭāha–bhitti) *f.* wall of the shell of the cosmic egg भिन्दन्नण्डकटाहभित्तिमभितो बभ्राम वंशीध्वनिः VidaMā. 1. 27.

अण्डकटाहवर्तिन् (aṇḍakaṭāhavart–in) *adj.* resting on the shell of the cosmic egg ते चतुर्दशभुवनात्मकाण्डकटाहवर्तिनः YatīndraDī. 75. 8.

अण्डकत्रिक (aṇḍaka–trika) *n.* group of three eggs सुषुवे साण्डकत्रिकम् Dhūrtā. 273.

अण्डकद्वय (aṇḍaka–dvaya) *n.* a pair of eggs निजनीडे शुकी रम्यं प्रसूते साण्डकद्वयम् PārśvC. 7. 349; SamarāSaṁ. 4. 420.

अण्डकप (aṇḍaka–pa) *m.* protector of the cosmic egg बहिरण्डकपात् (? द्) वेधाः …तिष्ठति ParaS. 26. 63.

अण्डकपाल (aṇḍa–kapāla) *n.* a piece or a half of the shell of the cosmic egg यान्यस्याण्डकपालस्य प्राकृतस्याभवंस्तदा । तस्माद्ब्रह्मा समुत्पन्नः VāyuP. i. 51. 42; तान्येवाण्डकपालानि सर्वे मेघाः प्रकीर्तिताः MatsyaP. 125. 16; BrahmāṇḍP. i. 21. 20; ये ते अण्डकपाले द्वे तद्दलं परमं मतम् BrahmāṇḍP. ii. 7. 289; ताभ्यां सोऽण्डकपालाभ्यां दिवं भूमिं च निर्ममे BhaviP. 40A. 12 (i. 16. 42); सेयं पृथिवी पृथिव्युपलक्षितमधोऽण्डकपालमित्यर्थः ChāndoUBh. 198. 6 (*on* iii. 19. 2); द्यावापृथिव्यौ अण्डकपाले BṛĀraUBh. 761. 14 (*on* vi. 2. 2); ManuBh. i. 14. 29 (*on* 1. 13); सूर्यस्याण्डकपाले द्वे समानीय प्रजापतिः Hastyāyur. 17. 15 (1. 218); कुक्कुटाण्डकपालानि कतकम् … दापयेत् SuśruS. iv. 1. 99.

अण्डकपालतस् (aṇḍakapāla–tas) *adv.* from the half of the shell of the cosmic egg अस्यैव किञ्चिदुपरि अधश्चाण्डकपालतः । वैकुण्ठभुवनं राजन् SkandP. ii(2). 22. 38.

अण्डकपालस्थ (aṇḍakapāla–stha) *adj.* occupying half the shell of the (cosmic) egg शर्वश्चाण्डकपालस्थो भवश्चाम्भसि LiṅgaP. i. 70. 57.

अण्डकपालोदर (aṇḍakapālodara) *n.* cavity of half the shell of the cosmic egg (मगधराजः) तमापतन्तम् …रुधिरस्रोतोभिः पूरयन्तमिवाण्डकपालोदरम् … लवशश्चकर्त AvantiK. 113. 16.

अण्डकमानतस् (aṇḍakamāna–tas) *adv.* from the size or measurement of a cupola एवं श्रेष्ठोऽयमाख्यातः प्रासादोऽण्डकमानतः SamarāSū. ii. 57. 14 (57)

अण्डकमोक्षण (aṇḍaka–mokṣaṇa) *n.* laying of eggs किमपि निरुपद्रवं

स्थानमन्विष्यतां यत्राहमण्डकमोक्षणं करोमि (v. l. for प्रसवयोग्यं स्थानमन्विष्यताम्) PañcT. i. 124 (5) (124. 2)

अण्डकयुगल (aṇḍaka-yugala) *n.* a couple of eggs तस्मिन्नण्डकयुगले एकः शुकः KathāK. 33. 24.

अण्डकयुग्म (aṇḍaka-yugma) *n.* a couple of eggs तत्र संपूर्णदोहदा शुकी अण्डकयुग्मं प्रसूता KathāK. 33. 16.

अण्डकर्पर (aṇḍa-karpara) *n.* shell of the cosmic egg ये स्थिताः सत्यलोकोर्ध्वमधस्तादण्डकर्परात् । एका कोटिर्भवेत्तेषां पञ्चाशन्नियुतान्विता SamarāSū. 5. 90.

अण्डकविस्फोट (aṇḍaka-visphoṭa) *m.* breaking of an egg इयं मम सुहृच्चटिका दुष्टगजेनाण्डकविस्फोटेन पराभूता Pañcā. 91. 7.

अण्डकस्थिति (aṇḍaka-sthiti) *f.* number of the cupolas कनीयान्मध्यमार्धेनेत्यण्डकस्थितिरीरिता SamarāSū. ii. 89. 19 (57)

अण्डकापहार (aṇḍakāpahāra) *m.* carrying off the eggs टिट्टिभः प्रोवाच … पराभूतोऽहं समुद्रेणाण्डकापहारेण (v. l. for तेन … निवेदितं तदपत्यहरणजं दुःखम्) PañcT. 1. 127 (38) (136. 18)

अण्डकारक (aṇḍakāraka) *m.* a particular small bird पूत्यण्डस्तु । क्षुद्रपक्षिविशेषे स्यादण्डकारकसंज्ञके NānārthaSaṁ. ii. 153. 1206.

अण्डकारण (aṇḍa-kāraṇa) *n.* cause of the cosmic egg अप एव ससर्जादौ अपूछब्दोऽण्डकारणसमस्ततत्त्वप्रदर्शनार्थः S'rutaPra. ii. 209. 8 (*on* ii. 1. 1)

अण्डकाष्ठ (aṇḍa-kāṣṭha) *n.* [*w. r.* for *eraṇḍakāṣṭha* in DBHS]

अण्डकुक्षि (aṇḍa-kukṣi) *f.* inside or cavity of the egg मत्स्यादयश्च विविधा अण्डकुक्षौ विशेषतः…जायन्ते VāyuP. ii. 8. 305.

अण्डकोटरपुष्पी (aṇḍakoṭarapuṣpī) *f.* the plant *Convolvulus argenteus* (?) (v. l. अन्तःकोटर°) नीलरास्ना नीलवुह्ना इति ख्याता । इति काचिद्रत्नमाला [S'abdaKaDru.]

अण्डकोत्सेध (aṇḍakotsedha) *m.* height of the cupola द्विपदश्चाण्डकोत्सेधः SamarāSū. ii. 57. 9 (57)

अण्डकोश (aṇḍa-kośa) *m.* **1** scrotum, testicle मुष्कोऽण्डकोशो वृषणः AmaK. 1226; AbhidhāCin. 612; ViśvaPra. 6. 45; वृषणमण्डकोशः ManvaVi. 1398. 28 (*on* 11. 104); NānārthaMa. 68; ParaNā. 2177; ViśvaLoK. 5. 20; KośaKaTa. 2. 3317; KalpaK. 43. 211; S'abdaRaSaK. 226. 18; RājNi. 399. 4; सीमाण्डकोशः SiddhāKau. 157B. 2; LaS'abdeS'e. i. 519. 3; अण्डकोशौ च यत्नेन शस्त्रेणास्योपवेधयेत् Hastyāyur. 247. 17 (2. 40); **2** shell of the cosmic egg प्रमाणमण्डकोशस्य बाह्यान्तरभेदतः BhāgP. ii. 8. 16; स्थूलेऽण्डकोशे देहे ते … वैराजो धारणाश्रयः AdhyāRā. iii. 9. 35; BrahmSūBh.(Ma.) 7B. 4 (*on* i. 1. 20)

अण्डकोशक (aṇḍakośa-ka) *m.* scrotum, testicle [pw.]

अण्डकोशी (aṇḍa-kośī) *f.* scrotum अण्डकोशीश्रितास्तिस्त्रस्त्रिषष्टिर्जङ्घमाश्रिताः । …पेश्यः स्युः Hastyāyur. 450. 23 (3. 9)

अण्डकोष (aṇḍa-koṣa) *m.* **i** the cosmic egg प्रधाने क्षोभ्यमाने तु स देवो ब्रह्मसंज्ञितः । समुत्पन्नोऽण्डकोषस्थः MārkP. 46. 11; शातोदरं भगवतः … ध्यायेऽण्डकोषनिलयं तनुरोमरेखम् KalkiP. i. 7. 16; **ii** scrotum, testicle, TrikāS'e. ii. 6. 24; MediK. 99. 155.

अण्डकोषक (aṇḍakoṣa-ka) *m.* scrotum, testicle [PW, S'abdaratnāvalī in S'abdaKaDru.]

अण्डक्रम (aṇḍa-krama) *m.* sequence beginning with the form of an egg संकल्पाद्यात्मकान्मनसः सत्यं सत्याख्यमाकाशादिभूतपञ्चकमभिजायते । … भूतपञ्चकादण्डक्रमेण सप्त लोका भूरादयः MuṇḍUBh. 312. 1 (*on* i. 1. 8)

अण्डखण्ड (aṇḍa-khaṇḍa) *m.* egg-shell नभसि शीतमरीचिबिम्बम् । येनाण्डखण्ड इति निर्दुधुवेऽङ्गलग्नम् (तार्क्ष्येण) HarVi. 33. 40.

अण्डगज (aṇḍa-gaja) *m.* *Cassia tora* चक्रमर्दस्त्वेडगजो मेषाक्षोऽण्डगजः DhanvNi. 134. 21; स्याच्चक्रमर्दोऽण्डगजः RājNi. 135. 2; दृढबीजस्तरवटः खर्जूघ्नोऽण्डगजश्च सः KalpaK. 308. 531.

अण्डगत (aṇḍa-gata) *adj.* being (still) in the egg तानपास्य स तत्रैव जगाम लपितां प्रति । बालान्सुतानण्डगतान् मात्रा सह मुनिर्वने MahāBhā. i. 220. 17; तेन त्यक्तानसंत्याज्यानृषीनण्डगतान् वने । नाजहत् पुत्रकानार्ता जरिता MahāBhā. i. 220. 19.

अण्डगर्भ (aṇḍa-garbha) *adj.* being (still) in the egg तानपास्य स तत्रैव जगाम लपितां प्रति । बालान् सुतानण्डगतान् (v. l. अण्डगर्भान्) मात्रा सह मुनिर्वने MahāBhā. i. 220. 17; *m.* yolk of the egg महिषीमेढ्राण्डगर्भकालिङ्गः …वर्गोऽयं लोहकाठिन्यनाशनः RasRaSa. 10. 99.

अण्डघ्नी (aṇḍa-ghnī) *adj.* (*f.*) destroying the embryo यस्यात्वालक्ष्वमालग्नमण्डं प्रपतति स्त्रियाः । अण्डघ्नीमि(? रि)ति ह्याहुस्तां दारुणां जातहारिणीम् KāśyaS. 192B. 15.

अण्डचतुष्टय (aṇḍa-catuṣṭaya) *n.* **1** group of four eggs भिन्ने कोष्ठे शशाङ्काभं भूमावण्डचतुष्टयम् । आयुषः सावशेषत्वात् तूलराशाविवापतत् MārkP. 2. 38; **2** group of four spheres of the cosmos (called S'akti, Māyā, Prakṛti and Pṛthvī) निजशक्तिवैभवभराद् अण्डचतुष्टयमिदं विभागेन । शक्तिर्माया प्रकृतिः पृथ्वी चेति प्रभावितं प्रभुणा ParamāSā. 4; पार्थिवं प्राकृतं चैव मायीयं शाक्तमेव च । इति संक्षेपतः प्रोक्तमेतदण्डचतुष्टयम् MālinīT. 2. 49.

अण्डज (aṇḍa-ja) *adj.* [*f.* –ā] egg-born oviparous (आत्मा) अण्डजानि च जारुजानि च AitĀ. ii. 6. 9 (Ṣaḍguruśiṣya जरायु जारु); ChandoU. vi. 3. 1; अण्डजाः पक्षिणः सर्पा नक्रा मत्स्याश्च कच्छपाः । यानि चैवंप्रकाराणि स्थलजान्यौदकानि च ManuSm. 1. 44; जरायुजाण्डजानां च…भूतग्रामस्य…प्रभवं प्रलयं तथा ManuSm. (Mandalik Ed. 1. 2 + 1); अण्डजा उद्भिदाश्च … दिष्टक्षये स्वां प्रकृतिं भजन्ते MahāBhā. i. 84. 10; MatsyaP. 38. 10; MahāBhā. xii. 160. 20; xii. 185. 3; xiv. 42. 19; संस्वेदजाण्डजोद्भिज्जजरायुजानाम् … चक्षुषा वैशेष्यमुत्पादयति BhelaS. 80. 10 (*on* 4. 49); ये चाप्यज्ञातनामाण्डजाश्च (नैव भक्ष्याः) HārīS.i. 22. 11; चतस्रो योनयस्तत्र सत्त्वानामण्डजादयः AbhidhK. 3. 8; मनुष्याश्चतुर्विधाः । …अण्डजास्तावद्यथा क्रौञ्चीनिर्यातौ शैलोपशैलौ स्थविरौ मृगारमातुश्च द्वात्रिंशत्पुत्राः AbhidhK-Bh. 119. 5 (*on* 3. 9); तद् (योनिजं शरीरं) द्विविधं जरायुजमण्डजं च Padārtha-Saṁ. 28. 4; जरायुजाण्डजादीनां वाङ्मनःकायकर्मभिः । युक्तः कुर्वीत न द्रोहम् ViṣṇuP. iii. 9. 27; VāyuP. ii. 4. 122; ii. 45. 48; अवारका ह्यण्डजा वा ते ह्यधर्मप्रसूतयः MārkP. 49. 17; नगरचतुष्पादाण्डजमनुजानां भयंकरं ज्वलनमाहुः BṛSaṁ. 46. 22; अण्डजान् स्वेदजान् वापि जीवान् पश्यति यान् सदा GauḍKā. 4. 63; वदन्ति …अण्डजामपरे सृष्टिं पद्मजामपि चापरे AhirbuS. 8. 6; आधिभौतिकम् जरायुजाण्डजस्वेदजोद्भिज्जेभ्यः सकाशादुपजायते SāṁkhyaKāBh. 1. 22 (*on* 1); AmaK. 2125; पोताण्डजजरायूना(? णा)मादितो गर्भसंभवः PadmP.(Ra.) 105. 149; त्रिशून्यसप्ताहुरथाण्डजानाम् (आयुः) VarāṅgaC. 6. 43; पेलवोपस्थिताण्डजाः । …श्रुतिदुष्टा मता गिरः Kāvyālaṅ(Bh.) 1. 49; जरायुजाण्डजस्वेदजोद्भिज्जाद्याश्चतुर्विधाः … तिष्ठन्ति जन्तवः SarvaVeSāSaṁ. 434; अण्डाज्जातमण्डजम् । अण्डजमेव आण्डजं पक्ष्यादि ChāndoUBh. 352. 11 (*on* vi. 3. 1); अण्डजानि पक्ष्यादीनि AitUBh. 292. 9 (*on* 5. 3); चतुर्विधे भूतग्रामे जरायुजाण्डज° … °लक्षणे BrahmS'ūBh.(S'aṅ.) 551. 11 (*on* iii. 1. 20); जन्मनि क्रमयोगो जरायुजाण्डजा इत्यादि वक्ष्यते ManuBh. 28. 7 (*on* 1. 42); चरास्तु त्रिविधाः प्रोक्ताः स्वेदाण्डजजरायुजाः … अण्डजाः पन्नगादयः S'āraTi. 1. 28; जरायुजैश्चाण्डजैश्च … गन्तव्यं हि यमालयम् VṛGautaSm. 522. 9(5); अण्डं बिम्बं तेन वेष्टितं जायते तदण्डजम् NyāyKa. 34. 18; अपि कीटपतङ्गा ये पशवः पक्षिणो मृगाः । स्वेदजाश्चाण्डजाश्चापि ह्युद्भिज्जाश्च जरायुजाः SkandP. viii(3). 63. 6 स्वेदोद्भिज्जास्तथाऽण्डजाः । मूर्ताश्चैवाप्यमूर्ताश्च VāmaP. 93. 8 (13); द्विजास्तु अण्डजाः सर्पा नक्रा मत्स्याः सकच्छपाः BhaviP. 7A. 18 (i. 2. 70); अण्डजाः पक्षिणः सर्वे नक्रा मत्स्याश्च भूपते PadmP. ii. 66. 7; v. 15. 261; जरायुजाण्डजोद्भिज्जस्वेदजैः सह स प्रभुः । … असृजल्लोके भूतग्रामम् SamarāSū. 4. 28; जरायुजाण्डजस्वेदजोद्भिज्जान्यखिलान्यपि पृथ्वीतत्त्वगतान्येव ĪśānS'iPa. ii. 1. 151; AbhidhāCin. 1355; जरायुजमण्डजम् … इति षट्प्रकाराणि तस्य जीवस्य शरीराणि Aparā. 979. 7 (*on* 3 83); अण्डजाः पक्षिमत्स्यसर्पादयः SthānṬ. 385. 14; अनावृष्टिः सौम्यवर्षे मृगाशुशलभाण्डजैः । सर्वसस्यवधः NāraS. 2(5). 3; प्रत्यक्षत : जरायुजाण्डजस्वेदजोद्भिज्जेषु … पञ्चमाहुतिसापेक्षत्वं नास्ति VedāntKau. 267. 10 (*on* iii. 1. 20); रोगोऽण्डजोऽङ्कुरोऽग्निः …स्वाश्रयमविनाश्य नैधन्ते Subhāṣi. 383; भूतानां त्रीण्येव बीजानि भवन्ति अण्डजं जीवजम् उद्भिज्जमिति SāṁkhyaPraBh. 142. 1 (*on* 5. 111); योनिजमपि द्विविधम्…जरायुजमण्डजं च SiddhāMu. 17. 1 (*on* 38); अण्डजानि अण्डेभ्यो जातानि (शरीराणि) VedāntPari. 296. 9; तत्त जरायुजाण्डज° … °भेदेन चतुर्विधम् MānaMe. 151. 9; वपुः …तदण्डजं पन्नगमीनपक्षिणाम् Vidvanmo. 4. 9; जरायुजाण्डजा स्वेदोद्भिज्जा जातिस्सुसङ्ग्रहात् S'ukraNī. 4(3). 13; सा स्वेदजाण्डजोद्भिज्ज° … °पोषणार्थम् … स्थिरा भूयात् EI. iv. 299. 15; अण्डजवंशप्रभव° … °कुलतिलकः EI. xi. 100. 16; xii. 323. 12; xii. 326. 14; xx. 102. 18; अण्डं तैजसमण्डजाश्च करिणो जन्मप्रभृत्यौष्ण्यतः … पङ्कादिभिर्हर्षिताः । तस्मात् … तोयमेव करिणां प्राणाः MātaLī. 11. 5; Vaija. 173. 2; DharK. 431; S'abdaRa.(Vā.) 3353; KośaKaTa. 2. 371; ParyāMu. 23. 112; KalpaK. 225. 98.

अण्डज (aṇḍa-ja) *m.* **1** bird **2** musk **3** Brahmā, the creator **4** name of a vowel of the prapañca Nyāsa **5** one of the disciples of the Yogācāryas **6** the sun **7** scorpion **8** silken garment **9** name of a yoga in Astrology **10** fish **11** pisces **12** lizard **13** snake **14** horse **15** iguana **1** bird लूनपक्षाविव द्विजौ (v. l. लूनपक्षाविवाण्डजौ) MahāBhā. v. 123. 20; तत्र तत्र मही कीर्णा विबर्हैरण्डजैरिव MahāBhā. vii. 95. 40; vii. 112. 6; x. 1. 38; छित्त्वा वृक्षादीनण्डजान् पशून् । मनुष्यास्तन्वते यज्ञान् MahāBhā. xii. 15. 28; xii. 76. 36; xiii. 60. 24 (v. l.); रुधिरार्द्रमुखा हृष्टा

रक्तपक्षाण्डजाश्च ह Rāmā. vi. 1506*(1); vii. 62.4; वासवृक्षे समागम्य विगच्छन्ति यथाण्डजा: BuddhaC. 6.46; प्रमेह: क्षिप्रमभ्येति नीडद्रुममिवाण्डज: CaraS. ii. 4.49 (1922 Ed.); नानावारिचराण्डजैर्विरचिता दृष्टा मया दीर्घिका: Abbise. 2.6; (प्रधान:) गरुडोऽण्डजेषु VarāṅgaC. 8.11; (भूपति:) अशक्त एवोत्पतितुं छिन्नपक्ष इवाण्डज: NītiSā. 14.25; नीडं गच्छद्भिरण्डजै: ··· स्यादस्तंगतसूर्यधी: AlāṅkāCin. 125.5; कपिञ्जलादय: शशंसुराशंसितसिद्धिमण्डजा: RāmC. 4.4; 4.13; पश्याण्डजम् ··· धनुर्विमुक्तेन हतं शरेण BṛKathāK. 32.28; उड्डीनं मुहुरण्डजै: YaśasCam. i. 615.9; ii. 173.2; ii. 199.4; काका यथाण्डजानां च श्वापदानां च जम्बुका:। धूर्ता तथा मनुष्याणां स्त्री ज्ञेया सततं बुधै: SkandP. i(1). 12.22; अदृश्यं विदधे व्याप्तं महाद्रुममिवाण्डजै: RāmāMañ. 414.19; तमोऽरेर्बहिरैक्षिष्ट नीडाच्छिशुरिवाण्डज: RājTa.(Ka.) 7.1699; 8.2586; फलहीनं नृपं भृत्या: ··· संत्यज्यान्यत्र गच्छन्ति शुष्कं वृक्षमिवाण्डजा: Pañcā. 22.4; 37.14; निपानमिव मण्डूका: सर: पूर्णमिवाण्डजा:। शुभकर्माणमायान्ति सहाया: Tantrākhyā. 74.4; सर:पूर्णमिवाण्डजा: सोद्योगं स्वयमायान्ति सहाया: PañcT. 2.59 (243.3); Hitopa. 1.133; अण्डजो हंसादि: AupaSūṬ. 69.5; आश्रयन्नतिथय: सदाश्रयं विश्रमाय तरुष(ख)ण्डमण्डजा: Surath. 6.17; भग्नपक्षा इवाण्डजा: KumāCaS'aṁ. महाद्रुममिवाण्डजा:। नरा: समुपजीवन्ति नृपं सर्वार्थसाधकम् SūktiRa. 162.9; पशुमीनाण्डजान्निघ्नन् मृगयायां महीपति:। न पापार्हो भवेत् MahNirvāT. 11.142; वासनाभरवाहिन:। कायात्कायमुपायान्ति वृक्षाद् वृक्षमिवाण्डजा: S'ārṅgaPa. 4342; मेहिनां तिक्तशाकानि जाङ्गला हरिणाण्डजा:। ··· शस्यन्ते BhāvPra.(Bhā.) 8 (38). 42; तेऽप्यण्डजाश्च्युततरुं तटस्था: पश्यन्ति हारीतनिकृष्यमाणम् PadyaVe. 675; (Garuḍa) वाक्येनानेन तुष्टोऽहं यत्त्वयोक्तमिहाण्डज MahāBhā. i. 30.10; अलमस्मत्समक्षं ते स्तोतुमात्मानमण्डज MahāBhā. v. 103.19; रावणम् ··· जग्राह वाली सर्पमिवाण्डज: Rāmā. vii. 34.20; (Haṁsa) तथेत्युक्त्वाऽण्डज: कन्यां वैदर्भस्य विशां पते MahāBhā. iii. 50.31; नगरं कुण्डिनमण्डजो ययौ NaiṣC. 2.64; पश्याण्डजं पद्मवने प्रसुप्तम् Pañcā. 72.4; (Kāka) प्रतार्यमाणस्तु स तैरल्पबुद्धिभिरण्डज:। तद्वच: सत्यमित्येव ··· मन्यते MahāBhā. viii. 28.16; (Jaṭāyu) गन्तुं वर्षसहस्राणि जीव मे चिरमण्डज Rāmā. iii. 1229*; ममाण्डजेन सर्वनाश एव प्रारब्ध: TantrāKhyā. 39.1; (Mayūra) वशे तमण्डजं कृत्वा चारुरोह गुणेश्वर: GaṇeP. ii. 98.38; नटतीह ताण्डविकहूतिरण्डज: VidaMā. 7.34; eastern nightingale बुल्बुलानामण्डजानां सप्तसंख्या: समा: स्मृता: JātaPā. 5.44; AmaK. 1053; ParyāRaMā. 489; AbhidhāRaMā. 2.83; AbhidhāMañ. 166.8; AbhidhāCin. 1317; DhanvNi. 294.25; ParyāMu, 20.67; ParyāS'aRa. 2.66; ParaNā. 1285; S'abdaRa.(Vā.) 1572; KalpaK. 326.82; ViśvaPra. 34.25; Vaija. 257.11; TrikāS'e. iii. 3.81; AnekāK. 149; AnekāSaṁ. 3.131; DharK. 431; MediK. 32.18; S'abdaRaSaK. 78.1; AnekāSa. 581; ViśvaLoK. 69.17; KośaKaTa. 2.4376; (rarely *n.*) अण्डजस्तु द्वयोर्मत्स्ये कृकलासपतत्त्रिणो: NānārthāSaṁ. ii. 52.69; **2** *m. n.* musk मृगनाभिर्मृगमदो मद: कस्तुरिकाण्डज: ParyāRaMā. 265; TrikāS'e. iii. 3.81; S'abdaRaSaK. 78.1; रोमजं बालजं चर्म व्याघ्रजं चाण्डजं बहु Rāmā. vi. 1407*(10) (comm. अण्डजं मृगमदादि); **3** *m.* Brahmā, the creator वसिष्ठ: ··· पितामहमथोवाच ··· देव देव महादेव वायुभूतोऽहमण्डज Rāmā. vii. 56.7 (cf. MahāBhā. i. 1.27 बृहदण्डमभूदेकम् ··· यस्मात्पितामहो जज्ञे प्रभुरेक: प्रजापति:; also ManuSm. 1.9 तदण्डमभवद्धैमम् ··· तस्मिञ्जज्ञे स्वयं ब्रह्मा); अण्डजस्तु स्वयं ब्रह्मा BrahmāṇḍP. i. 5.109; नाभिजन्माण्डज: पूर्वो निधन: कमलोद्भव: AmaK. 34 (PadCan. *on* 1.11 *on* Hiraṇyagarbha – उपचाराद् हिरण्मयम्); यजेदङ्गानि पूर्वादौ द्वारि पूर्वे परेऽण्डजम् AgniP. 23.15; ब्रह्मभागं परित्यज्य किंचिदाश्रित्य चाण्डजम् AgniP. 60.2; आत्मैव आत्मेति प्रजापति: प्रथम: अण्डज: शरीर्यभिधीयते BṛĀraUBh. 79.9 (*on* i. 4.1); भव भक्त्याद्य दृष्टोऽहं त्वयाण्डज जगद्गुरो LiṅgaP. i. 10.50; i. 37.34; S'abdaRa.(Vā.) 4087; **4** *m.* name of a vowel of the Prapañca Nyāsa स्वेदाण्डजजरायुजा इत्युक्तास्ते हि षोडश KulārT. 4.22; **5** *m.* one of the 112 disciples of 28 Yogācāryas (incarnations of S'iva) शङ्खश्चाण्डज एव च···एते शिष्या महेशस्य योगाचार्यस्वरूपिण:···संख्या च शतमेतेषां सह द्वादशसंख्यया S'ivaP. vii 9.10 (554A. 6); **6** *m.* the sun प्राप्तो(? प)करणैर्यस्तमेकाग्रमतिरण्डजम् ··· सन्तोषयति BhaviP. 170A. 12 (i. 116.92); ParyāS'aRa. 1.110; **7** *m.* scorpion etc. अण्डजं हि किंचिद् वृश्चिकादि मातुरुदरं निर्भिद्य मृताज्जायते VedāntKa. 354.2 (*on* iii. 1.21); **8** *m.* silken garment अण्डजैर्वोण्डजैर्वापि विविधं परिवेष्टितम्···अण्डजानि कौशेयानि CaturCin. ii(2) 240.15–16; अण्डजं वस्त्रं कोशिकारकीटाण्डकप्रभवम् AupaSūṬ. 69.7; अण्डजै: कृमिकोशोत्थै:··· वस्त्रै: ··· परिवेष्टयेत् VīraMi.(Pūjā.) 225.23; **9** *m.* name of a Yoga in Astrology (*pakṣiyoga*), configuration of stars (the situation is called *aṇḍaja* when all the planets are situated in the fourth and tenth houses of a horoscope) योगा व्रजन्त्याश्रयजा: समत्वं यवाब्जवज्राण्डजगोलकाद्यै: JātaPā. 7.167 (All the planets being in opposition the effect must be bad; cf. notes *on* 7.168); **10** *m.* fish पृथु रोमा झषो मत्स्यो मीनो वैसारिणोऽण्डज: AmaK. 500; AnekāSa. 581; ParyāRaMā. 497; ViśvaPra. 34.25; Vaija. 151.42; 257.11; RājNi. 273.5; ParyāS'aRa. 3.55; TrikāS'e. iii. 3.81; **11** *m. pisces*, JyotiṣaNi. (Rāśi.) 12; AbhidhāCin. 1343; AnekāK. 149; AnekāSaṁ. 3.131; DharK. 431; NāmMā. 17 (comm. 28); ParyāMu. 20.69; ParaNā. 1331; MediK. 32.18; KośaKaTa. 1.2367; 2.4376; ViśvaLoK. 69.17; KalpaK. 351.73; S'abdaRaSaK. 78.1; (rarely *n.*) NānārthāSaṁ. ii. 52.69; **12** *m.* lizard, AnekāSa. 581; ViśvaPra. 34.25; Vaija. 257.11; TrikāS'e. iii. 3.81; AnekāSaṁ. 3.131; DharK. 431; MediK. 32.18; ViśvaLoK. 69.17; KośaKaTa. 1.4525; 2.4376; S'abdaRaSaK. 78.1; (rarely *n.*) NānārthāSaṁ. ii. 52.69; **13** *m.* snake, ViśvaPra. 34.25; TrikāS'e. iii. 3.81; AnekāK. 149; AnekāSaṁ. 3.131; DharK. 431; MediK. 32.18; ViśvaLoK. 69.17; KośaKaTa. 2.4376; S'abdaRaK. 78.1; S'abdaRa. (Vā.) 4087; **14** *m.* horse तुरगतुरङ्गतुरङ्गम° ··· वृषोऽण्डजश्शालिहोत्रस्तुङ्गको बहुविक्रम: AbhidhāMañ. 151.9; **15** *m.* iguana अण्डजो ब्रह्मणि व्याले गोधायां सरटे खगे S'abdaRa.(Vā.) 4087; [अण्डज is given as one of the meanings of ऊ:, द्विज, द्विजाति, द्विजन्मन् etc. EkārthaNā. 1.7; AnekāSa. 627; NānārthāSaṁ. i. 93.594; ParyāRaMā. 1587; AnekāK. 145; 464; AnekāTi. 2.151; AmaK. 2394; AnekāSaṁ. 3.258; ViśvaPra. 32.4; 68.153; ViśvaLoK. 67.7; S'abdaRaSaK. 76.13; NānārthaMa. 529; MediK. 31.9; 65.114; DharK. 416; S'abdaRa.(Vā.) 591; 657]

अण्डजकुल (aṇḍaja–kula) *m.* group of fish (*lit.* egg-born) स्थलं पाशैर्व्याप्तं प्रबलपवनैरम्बुजवनं जलं क्षीणप्रायं विवरशरणं चाण्डजकुलम्। इदानीमेतस्मिन् सरसि चिरसेवाप्रणयिनां विहङ्गानां भावी स खलु पुटपाकव्यतिकर: SaduktiKa. 241.9.

अण्डजजन्मन् (aṇḍaja–janman) *adj.* born of an oviparous creature मार्जाराखुभयं यत्र नैषामण्डजजन्मनाम्। श्येनतो नकुलाद्वापि स्थाप्यन्तां तत्र पक्षिण: MārkP. 2.60.

अण्डजडिम्भ (aṇḍaja–ḍimbha) *m.* young one of a bird श्रीकण्ठाण्डजडिम्भानाम् ··· कीराणां वरदो भव SkandP. iv. 79.6.

अण्डजत्व (aṇḍaja–tva) *n.* the nature of being born of an egg एतदपि न नियमार्थमन्येषामपि मत्स्यादीनामण्डजत्वात् NyāyKa. 34.23.

अण्डजनिहन्तृ (aṇḍaja–nihantṛ) *adj.* who kills the egg-born ones द्विजाण्डजनिहन्तॄणां यथा पापं विशिष्यते। जीवयोगाविशेषेऽपि तथा पलपलाशिनाम् YaśasCam. ii. 331.5.

अण्डजन्मन् (aṇḍa–janman) *adj.* egg-born सुपर्णा भुजगा: कीटा: येऽपि च स्यु: पिपीलिका:। चतुर्थेत्यण्डजन्मानो जन्मिनस्ते प्रकीर्तिता: SamarāSū. 4.34; मूलाधार: ··· चतुष्पदानां हृन्मध्ये क्रोडमध्येऽण्डजन्मनाम् ĪśānS'iPa. ii. 66.58.

अण्डजपति (aṇḍaja–pati) *m.* Garuḍa ((*lit.* lord of birds) वामार्धध्वजराजदण्डजपतित्रस्तापरार्धस्खलत्केऊीकङ्कणदन्दशूकबहुलोत्फालावचूलं वपु: S'rīKaC. 3.70.

अण्डजपीडा (aṇḍaja–pīḍā) *f.* harassment to the egg-born creatures कूपकृदण्डजपीडा चित्रास्थे (शुक्रे) शोभना वृष्टि: BṛSaṁ. 9.30.

अण्डजभेद (aṇḍaja–bheda) *m.* a kind of bird त्रोटि: ··· पुमांस्तु मत्स्याण्डजभेदयो: KośaKaTa. 2.4491.

अण्डजयोनि (aṇḍaja–yoni) *f.* egg-born species जरायुजोद्भिज्जस्वेदजाण्डजयोनिषु। भूत्वाभूत्वा यथाकर्म म्रियते SkandP. ii(9). 25.17.

अण्डजरूप (aṇḍaja–rūpa) *adj.* who has the form of a fish कारुणिको देव: ··· स्वयमण्डजरूपोऽभूत् GaṇeP. ii. 91.36.

अण्डजव्रज (aṇḍaja–vraja) *m.* flock of birds न वादिनो वा तमिहोपदुद्रुवु: सुरक्षकं क्षेत्रमिवाण्डजव्रजा: Gurvā. 99.

अण्डजशल्य (aṇḍaja–śalya) *n.* harm or torment from the egg-born creatures तवर्गोच्चारिते प्रश्ने प्रतीच्यां च समादिशेत्। सर्पस्याण्डजशल्यं वा VasiS. 39.87.

अण्डजश्रेष्ठ (aṇḍaja–śreṣṭha) *adj.* excellent amongst birds वद त्वमण्डजश्रेष्ठ ज्ञानपूर्वं सुविस्तरम्। किं वा ब्रह्मा च विष्णुश्च किं वा रुद्रो भविष्यसि PadmP. ii. 61.54.

अण्डजसंनिभ (aṇḍaja–sannibha) *adj.* resembling the morning sun (Aruṇa) ततो याति परं लोकम्···प्रभयाण्डजसंनिभ: BhaviP. 143B. 10 (i. 92.17)

अण्डजहन् (aṇḍaja–han) *adj.* destroying egg-born creatures अण्डजहा रविजो यदि चित्र: क्षुद्भयकृद् यदि पीतमयूख: BṛSaṁ. 10.20.

अण्डजा (aṇḍa–jā) *f.* **i** musk कस्तूर्यामण्डजा ViśvaPra. 34.25; Vaija. 257.11; ParyāMu. 1.33; AnekāSaṁ. 3.131; NānārthāSaṁ. ii. 52.69; MediK. 32.18; ViśvaLoK. 69.17; KośaKaTa. 2.4376; **ii** iguana अन्या गोधाण्डजा

ज्ञेया KalpaK. 322. 43

अण्डजाखण्डल (aṇḍajakhaṇḍala) *m.* Garuḍa (Indra amongst birds) यदण्डजाखण्डलभङ्गखण्डनात् करोति कद्रू अदरिद्रमन्वयम् S'rīKaC. 3. 13.

अण्डजाण्डक (aṇḍajāṇḍa-ka) *m. n.* egg of a bird उद्भ्रान्ताभॅकगर्भेऽसिन्नण्डजाण्डकखण्डवत् । कुतो मधु मधुच्छत्रे व्याधलुब्धकजीवितम् YaśasCam. ii. 330. 15.

अण्डजात (aṇḍa-jāta) *adj.* born from the egg, egg-born द्विजेन्द्रवर्यम् ... आनयाशु श्येनो यथा लावकमण्डजातम् SkandP. iv(1). 16. 34; S'ivaP. ii(5). 47. 46 (278A. 10); ब्रह्मा हिरण्यगर्भोऽयमण्डजातश्चतुर्मुखः PadmP. v. 14. 88; *n.* aggregate or multitude of cosmic eggs अखिलशब्देन सर्वदेशसर्व(सकल)-कालवर्तीन्यण्डजातानि विवक्षितानि S'rutaPra. iA. 4. 2 (*on* i. 1. 1); Yatīndra-Dī. 47. 7; निजोदरदरीगतं बहुलमण्डजातं बहिः प्रकाशयितुमाशयादिव ससर्ज पुत्रच्छलात् (शौरिः) ĀnandRa. 1. 34.

अण्डजात्मक (aṇḍajātma-ka) *adj.* of the nature of the one born of the cosmic egg विद्यायुरण्डजात्मकः YogVā. iii. 14. 64.

अण्डजादि (aṇḍajādi) *adj.* egg-born etc. जरायुजाण्डजादीनि वपूंषि योऽग्रहीन्निजैः । कर्मभिः BṛParāSm. 12. 27; MāṭhVṛ. 71. 13 (*on* 54); सर्वेषां प्राणिनां प्रायणप्राक्काले नोपदेशादिसंभवः ।... चाण्डालाण्डजादीनां पदार्थस्मरणाभावेन शाब्दबोधाभावात् VīraMi.(Tīrtha.) 318. 4.

अण्डजादिजाति (aṇḍajādi-jāti) *f.* species of the egg-born etc. यच्चान्यदण्डजादिजातौ । ईदृशं वृश्चिकाद्यपि ManvaVi. 45. 2 (*on* 1. 45)

अण्डजादिभेदत्व (aṇḍajādibheda-tva) *n.* the state of being the variety like egg-born etc. परेत्यादिपूर्वश्रुतावेकवचनान्तपुरुषशब्दोक्तस्य जीवस्याण्डजादिभेदत्वेन प्रतिपादितस्यैवेदमा परामर्शात् VīraMi.(Bhakti.) 165. 30.

अण्डजादिरूप (aṇḍajādi-rūpa) *adj.* of the form of the egg-born etc. अण्डजादिरूपं शरीरत्रैविध्यं प्रायिकाभिप्रायेणोक्तं न तु नियमः SāṃkhyaPraBh. 142. 2 (*on* 5. 111)

अण्डजाद्यभाव (aṇḍajādy-abhāva) *m.* absence or extinction of the egg-born etc. दृश्यते च अण्डजाद्यभावे तज्जातीयसंतत्यभावः न अण्डाद्यभावे ChāndoUBh 352. 18 (*on* vi. 3. 1)

अण्डजाधम (aṇḍajādhama) *m.* vilest of the birds तद्दृष्टमात्रं कङ्केन रक्षः क्रोधसमन्वितम् । प्रोवाच कस्मादायातस्त्वमितो ह्यण्डजाधम MārkP. 2. 6.

अण्डजाधिप (aṇḍajādhipa) *m.* Garuḍa (*lit.* king of birds) चमूपतयः ... अण्डजाधिपा इव कुण्डलिमण्डलेषु ... निःशङ्कमापत्य यवनेश्वरसैनिकेषु ĀnandRa. 7. 18 (13)

अण्डजापूर्णा (aṇḍajāpūrṇā) *adj.* (*f.*) full of birds (swans) ततः कर्णः द्विषत्सेनां शरवर्षैर्विलोडयन् । विजगाहेऽण्डजापूर्णां पद्मिनीमिव यूथपः MahāBhā. viii. 16. 18.

अण्डजेन्द्र (aṇḍajendra) *m.* Garuḍa (*lit.* king of a birds) माल्यवांस्तम् । आहत्य तिग्मगदयाहनदण्डजेन्द्रम् BhāgP. viii. 10. 57.

अण्डजेश (aṇḍajeśa) *m.* Garuḍa (*lit.* king of birds) ददर्श रामः ... तमग्रतः ... अण्डजेशम् RāmC. 32. 6.

अण्डजेश्वर (aṇḍajeśvara) *m.* A Garuḍa (*lit.* king of birds) स तं समाविध्य सहस्रशः कपिर्महोरगं गृह्य इवाण्डजेश्वरः । मुमोच वेगात् Rāmā. v. 45. 35; B king of birds (Kandhara) कन्धरः क्रोधमूर्च्छितः । विद्युद्रूपवधायाशु मनश्चक्रेऽण्डजेश्वरः MārkP. 2. 10.

अण्डतस् (aṇḍa-tas) *adv.* from the (universal) egg एकस्मादण्डतो जातावम्बिकापुरुषोत्तमौ BrahmāṇḍP. iii. 40. 6; KūrmaP. 74. 10 (1. 9); एकस्मादण्डतश्चान्यद् ब्रह्माण्डान्तरमाविशम् GaṇeP. iii. 104. 49.

अण्डत्रय (aṇḍa-traya) *n.* triad of the eggs (i. e. the three worlds) इयमेव महालक्ष्मीः ससर्जाण्डत्रयं पुरा BrahmāṇḍP. ii. 40. 5; ParamāSā. 46; सार्गेनाण्डत्रयं व्याप्तम् MālinīT. 4. 25.

अण्डत्रयोपेत (aṇḍatrayopeta) *adj.* possessed of the three egg-shaped cupolas केचिदण्डत्रयोपेताः ... ज्ञेयाः प्रासादाः SamarāSū. 56. 3.

अण्डत्व (aṇḍa-tva) *n.* the state of being an egg (i. e. the universe) स्वं मेहत्स्वप्सु वै वीर्यमण्डत्वेनेति वै महान् (देवः) AhirbuS. 54. 22.

अण्डदल (aṇḍa-dala) *n.* egg-shell [MW]

अण्डदान (aṇḍa-dāna) *n.* return or giving back of the eggs समर्पयाधुनाण्डानि (v. l. समुद्रमण्डदानायादिदेश) PañcT. 1. 127 (55-56) (138. 4-5 F. N.)

अण्डदायक (aṇḍa-dāyaka) *adj.* cutter of scrotum असिपत्रवनाङ्गारैः क्षारगर्ताण्डदायकैः । ...आस्थाने संभूतो भाति यमो मृत्युपमोपमः BhaviP. 733A. 2 (iv. 89. 16)

अण्डद्वयमध्यवर्तिनी (aṇḍadvayamadhyavart-inī) *adj.* (*f.*) situated or existing in between the two scrota or testicles नादस्तु पद्मरागवदण्डद्वयमध्यवर्तिनीव सिरा VarivaRaha. 24; सीवनी, अण्डद्वयमध्यवर्तिनी शिरा Setu-Ba. 293. 14; NityoNi. 90. 3.

अण्डधर (aṇḍa-dhara) *m.* an epithet of S'iva [PW, pw, MW, APTE]

अण्डनाडी (aṇḍa-nāḍī) *f.* tubular organ in the (cosmic) egg नद्योऽण्डनाम्नः (v. l. नद्योऽण्डनाड्यः) संभूताः पितरो मनवस्तथा MatsyaP. 2. 34.

अण्डनामन् (aṇḍa-nāman) *adj.* (the object) known as the (primeval) egg नद्योऽण्डनाम्नः संभूताः पितरो मनवस्तथा MastyaP. 2. 34.

अण्डनिचय (aṇḍa-nicaya) *m.* multitude of the cosmic eggs यदन्तराण्डनिचया ननु सावरणाः । ख इव रजांसि वान्ति BhāgP. x. 87. 41.

अण्डन्तर (aṇḍantara) *n.* a kind of dance [nt]

अण्डपद्धति (aṇḍa-paddhati) *f.* process or course of (the creation from) the cosmic egg स्वर्गस्था नरकस्थाश्च लोकाश्चैव चतुर्दश । सरिद्द्वीपसमुद्राश्च विविधा ह्यण्डपद्धतिः LakṣmīT. 14. 520.

अण्डपरम्परा (aṇḍa-paramparā) *f.* series of eggs करवालकालभुजगी यद्विभेभकपोललोलविगलन्मुक्ताकलापच्छलादच्छामण्डपरम्परामधिरणं सूते स्फुरन्ती मुहुः SūktiSu. 134 = PadyāTa. 85.

अण्डपरिपालक (aṇḍa-paripālaka) *adj.* protector of the cosmic egg तस्य ब्रह्मणः स्थितिप्रलयावादिनारायणस्यांशेनावतीर्णस्याण्डपरिपालकस्य महाविष्णोरहोरात्रिसंज्ञकौ TripāMaNāU. 363. 27(3)

अण्डपरिपालिनी (aṇḍa-paripālinī) *f.* one of the thousand epithets of Rādhā (protector of the world) अण्डरूपाण्डमध्यस्था तथाण्डपरिपालिनी (राधानामसहस्रकम्) PañcaRā.(Nā.) v. 5. 52.

अण्डपरिशु (aṇḍa-pariśu) *f.* [pariśu = parśu, a case of *svarabhakti*] sternum(?), name of a particular rib त्रयोदशैमाः परिशवस् (v. l. (परि)पशवः (? परिपर्शवः)) अण्डपरिशुस् सप्तविंशी JaimiBr. 2. 58.

अण्डपालक (aṇḍa-pālaka) *m.* protector of the egg (i. e. the universe) अनन्तेशादयस्त्वेवं प्रत्येकं चाण्डपालकाः । चक्रवर्तिन इत्युक्तास्ततो विद्येश्वरास्त्विह LiṅgaP. i. 50. 19.

अण्डपिण्ड (aṇḍa-piṇḍa) *n.* a ball of or ball-like (cosmic) egg तेन व्यलोकि...मृगाङ्कबिम्बम् ।...अण्डपिण्डमध्यास्यमानमिव कालियपन्नगेन HarVi. 30. 5.

अण्डप्रहरण (aṇḍa-praharaṇa) *m.* crab कुलीरः कर्कटः पृष्ठचक्षुः पार्श्वोदरप्रियः । बिल्वकोऽण्डप्रहरणष्षोडशांघ्रिर्द्विधागतिः Vaija. 151. 47.

अण्डबहिर्भूत (aṇḍa-bahirbhūta) *adj.* existing outside the (cosmic) egg अण्डान्तर्गतसर्गादिरुक्तत्वादण्डबहिर्भूततत्त्वसर्गादेर्वक्ष्यमाणत्वाच्च S'rutaPra. iA. 236. 25 (*on* i. 1. 1)

अण्डबाहुल्य (aṇḍa-bāhulya) *n.* multitude of cosmic eggs कल्पादौ एकक्षेत्रज्ञस्य प्रतिपन्नत्वं हेतुरिति चेन्न, असिद्धेः । असिद्धिश्च यौगपद्येन प्रवाहतश्चाण्डबाहुल्येन चतुर्मुखतत्सृष्टमहर्षिबाहुल्यात् S'rutaPra. ii. 70. 7 (*on* i. 3. 29)

अण्डबाह्य (aṇḍa-bāhya) *adj.* being outside the cosmic egg प्रत्यण्डं द्विजशार्दूलास्तेषां हेतुर्महेश्वरः । अण्डेषु चाण्डबाह्येषु तथाण्डावरणेषु च LiṅgaP. i. 53. 49.

अण्डबाह्या (aṇḍabāhyā) *f.* one of the names of Rādhā अण्डबाह्याण्डसंहर्त्री (राधानामसहस्रकम्) PañcaRā.(Nā.) v. 5. 52.

अण्डबाह्यस्थ (aṇḍabāhya-stha) *adj.* existing outside the cosmic egg (स्वं रूपं दर्शयामास) अण्डबाह्यस्थं बाह्यमाभ्यन्तरं परम् KūrmaP. 108. 2 (1. 12)

अण्डभ (aṇḍabha) *m.* name of a Yakṣa [DBHS]

अण्डभाग (aṇḍa-bhāga) *m.* the testicle region षडङ्गुलेष्वण्डभागे पीतेन परिकल्पयेत् BhaviP. 348A. 34 (ii(2). 2. 16)

अण्डभित्ति (aṇḍa-bhitti) *f.* 1 wall or cover of the cosmic egg दिक्चक्रं कियदण्डभित्तिभिरिदं नन्वावृतं सर्वतोऽप्यण्डं नाम कियत् AdbhuDa. after 10. 31 in the ग्रन्थकर्तुः प्रशस्तिः (stanza 3a); 2 wall (adorned with or) of a cupola (प्रासादमथ वक्ष्यामः पूर्णम्) आगत्या चतुरो (भागाव-(? न)ण्डभित्तेर्विनिर्गमा? (? र्गमाः ।))। भद्रं सुशोभनं तस्या (द्वि? वि) धातव्यं द्विभागिकम् SamarāSū. ii. 59. 21 (57)

अण्डभूमि (aṇḍa-bhūmi) *f.* region of the cosmic egg (पुरुषः) योऽण्डभूमिं समाविश्य दशाङ्गुलमथाभवत् BṛBrahmaS. i. 12. 92.

अण्डभेद (aṇḍa-bheda) *m.* 1 breaking off of the cosmic egg अथाण्डभेदान्निपपात शीतलम् । महाजलम् KūrmaP. 209. 9 (1. 17); 2 egg (of a bird) अण्डभेदेऽपि पेशी स्यात् ViśvaPra. 168. 15; पेशी — मांसपिण्डयामण्डभेदे MediK. 177. 12; 3 different cosmic egg अवायवीयद्रव्यत्वे तु यथोप-

देशं कल्पभेदेनाण्डभेदेन वोपादाननियमः NyāySiA. 250. 11.

अण्डभेदन (aṇḍa-bhedana) *n.* castration (?) अण्डभेदनं क्रियते प्रश्रयश्च MahāviC. 3. 26(1) (comm. औद्धत्येनेति शेषः) [bursting of ice? nt.]

अण्डभ्रम (aṇḍa-bhrama) *m.* mistaking for an egg छत्रीकुड्मलकानि रक्षति चिरादण्डभ्रमात्कुक्कुटी SubhāRaK. 10. 5.

अण्डमण्डल (aṇḍa-maṇḍala) *n.* group of eggs ब्रह्माण्डं निजमण्डमण्डलमिवाच्छाद्यैव···यस्य भास्वरयशोहंसी VīraMi. (Saṁskāra.) 120. 19.

अण्डमण्डिता (aṇḍa-maṇḍitā) *adj.* (*f.*) decked in (or covered by) the cosmic egg चतुर्विधा यदा शेते प्रजाः सर्वाण्डमण्डिताः। पश्यन्ते तं महात्मानं कालं सप्तमहर्षयः VāyuP. ii. 38. 189.

अण्डमध्य (aṇḍa-madhya) *m.* interior of the cosmic egg सर्वे देवाः सपितरो ब्रह्माद्याश्चाण्डमध्यगाः। विष्णोः सकाशादुत्पन्ना: VarāP. 17. 23; संभूतात्मैव आत्मासावण्डमध्याद्विनिःसृतः BhaviP. 40A. 9 (i. 16. 41); [Loc.] inside the cosmic egg (सूर्यः) सर्वलोकपितामहम्। प्रतिष्ठाप्याण्डमध्येऽथ स्वयं पर्येति SūrySi. 12. 21; अण्डमध्ये समुत्पन्नो ब्रह्मा लोकपितामहः VāmaP. 43. 36; अण्डमध्ये प्रधानं यत्कार्यमासीत्तु वेधसः। तदेतत्पालयामास पद्मया सह केशवः LakṣmīT. 5. 17; 6. 28; अण्डमध्ये देवादिनामरूपव्याकर्तृत्वं च S'ivārkaMaDī. ii. 185. 11 (*on* ii. 4. 17)

अण्डमध्यतस् (aṇḍamadhya-tas) *adv.* from the interior of the cosmic egg (श्रीः) अहमवतीर्णाण्डमध्यतः LakṣmīT. 8. 37.

अण्डमध्यस्था (aṇḍamadhya-sthā) *f.* one of the names of Rādhā अण्डमध्यस्था तथाण्डपरिपालिनी (राधानामसहस्रकम्) PañcaRā.(Nā.) v. 5. 52.

अण्डमात्रक (aṇḍamātra-ka) *adj.* of the size of an egg ददर्श परमाकाशं तत्प्रमाणविवर्जितम्। तथा ततं जगदिदं यथा तत्राण्डमात्रकम् YogVā. iii. 30. 2.

अण्डमूर्धन् (aṇḍa-mūrdhan) *n.* the top of the cosmic egg (गङ्गा) अण्डमूर्ध्नि स्थिता देवी SkandP. i(2). 38. 50.

अण्डमूलक (aṇḍa-mūlaka) *n.* the root of the scrotum पीठीवं त्वण्डमूलकम् Vaija. 178. 60.

अण्डयुक्त (aṇḍa-yukta) *adj.* having an egg as cover (अण्डजाः पक्षिणः) एतान्यण्डयुक्तानि जायन्ते ManvaVi. 44. 20 (*on* 1. 44)

अण्डयुगल (aṇḍa-yugala) *n.* a pair of eggs शुकी शुकश्च सञ्जातं तत्राण्डयुगले द्वयम् PārśvC. 7. 356.

अण्डयोनित्व (aṇḍayoni-tva) *n.* the state of having an egg as the origin भगवन्नण्डयोनित्वम्··· श्रुतं वै ब्रह्मणो मया LiṅgaP. i. 37. 13.

अण्डयोःस्तब्ध (aṇḍayoḥ-stabdha) *n.* name of a disease in which the urinary passage is blocked by the *semen virile* शुक्रेण संरुद्धगतिः प्रवाहो मूत्रं स कृच्छ्रेण विमुञ्चतीह। तमण्डयोःस्तब्धमिति ब्रुवन्ति रेतोऽभिघाते प्रवदन्ति कृच्छ्रम् CaraS. vi. 26. 39 (1922 Ed.)

अण्डर (aṇḍara) *m.* name of a tribe (गौरादिः) गौर ··· अण्डर GaṇPā. 81. 107; (भृशादिः) भृश ··· अण्डर GaṇPā. 174. 21; CāndraVṛ. *on* i. 1. 30; च्व्यर्थे ··· पण्डिताण्डर···मद्रेभ्यः SaraKaṇṭhā.(Gr.) i. 3. 16; अण्डर इत्यन्ये GaṇRa. 8. 440 (467)

अण्डरस (aṇḍa-rasa) *m.* fluid inside an egg (बस्तिः) कल्पोऽयं शिखिगोनर्दमत्स्याद्यण्डरसेष्वपि AṣṭāSaṁ. ii. 155. 13 (5. 5)

अण्डराय (aṇḍarāya-) Gr. (denom.) behave like one from the Aṇḍara tribe (भृशादिः) भृश ··· अण्डर GaṇPā. 174. 21.

अण्डराशि (aṇḍa-rāśi) *f.* multitude of cosmic eggs दशोत्तरादिकैर्यत्र प्रविष्टः परमाणुवत्। लक्ष्यतेऽन्तर्गताश्चान्ये कोटिशो ह्यण्डराशयः BhāgP. iii. 11. 40.

अण्डरूप (aṇḍa-rūpa) *n.* the from of the cosmic egg तेन रेतसा बीजेनाप्स्वनुप्रविश्याण्डरूपेण गर्भीभूतः सः संवत्सरोऽभवत् BṛĀraUBh. 26. 5 (*on* i. 2. 4); विष्णोस्तदेव वीर्यमण्डरूपेण परिणामयितुम् S'ivārkaMaDī. ii. 185. 9 (*on* ii. 4. 17); महदादिसृष्टिः अण्डरूपकार्योत्पत्त्युपयुक्ता सम्भरणम् S'rautaPra. i. 213A. 27 (*on* i. 1. 1)

अण्डरूपा (aṇḍa-rūpā) *f.* one of the names of Rādhā अण्डरूपाण्डमध्यस्था (राधानामसहस्रकम्) PañcRā.(Nā.) v. 5. 52.

अण्डली (aṇḍalī) *f.* a disease of the female organ (a scrotum-like projection in the organ) (योनिः) अतिकायगृहीतायास्तरुण्यास्त्वण्डली भवेत् RugVi. 62. 11.

अण्डलसच्छ्री (aṇḍa-lasacchrī) *adj.* whose charm shines all over the cosmic egg (i. e. universe) कमलमनयदुन्मुखत्वमर्कः स्फुटदलमण्डलसच्छ्रियासु दीप्त्या HarVi. 28. 46.

अण्डलीना (aṇḍa-līnā) *adj.* (*f.*) pervading the cosmic egg रत्नांशुसंहतिरमुं दधतं च मूर्तिमभ्रान्तरागमलिपन्नगमण्डलीनाम् HarVi. 5. 122 (comm. अण्डलीनां ब्रह्माण्डव्यापिनीं मूर्तिं बिभ्रतम्)

अण्डलौहित्य (aṇḍa-lauhitya) *n.* a kind of awned grain गवेधुकाण्डलौहित्य (इति शूकधान्यवर्गः) AṣṭāSaṁ. i. 30. 7 (1. 7)

अण्डवत् (aṇḍa-va(n)t) *adj.* laying an egg, a bird वेति मतुसमुच्चयार्थे वर्तते।··· अण्डवान् JaineVyā. 250. 24 (*on* iv. 1. 37); प्रेङ्खोलनेन हृताण्डवतोऽधिकं च धौताम्बरां क्षय इवोर्मिगणेन गङ्गाम् (वन्दे) HarVi. 31. 5.

अण्डवर्धन (aṇḍa-vardhana) *n.* hydrocele or swelling of the scrotum कुरण्डश्चाण्डवर्धने Vaija. 183. 131; AbhidhāCin. 470; ParaNā. 1903; S'abdaRa.(Su.) 3. 92.

अण्डवस्त्रका (aṇḍa-vastrakā) *f.* louse (or egg of a louse) लिक्षा यूकाण्डवस्त्रके RājNi. 407. 9.

अण्डविभेदन (aṇḍa-vibhedana) *n.* breaking of an egg (सुतम्) यद्येनमपि मातस्त्वं मामिवाण्डविभेदनात्। न करिष्यस्यदेहं वा व्यङ्गं वा MahāBhā. i. 14. 19; SkandP. v(2). 76. 17.

अण्डवृद्धि (aṇḍa-vṛddhi) *f.* hydrocele, swelling of the scrotum अण्डवृद्धिस्तथा चैका S'ārṅgaS. i. 7. 67; (गुटिका···चन्द्रप्रभादिव्याख्याता) अण्डवृद्धिं तथा पाण्डुं (हन्यात्) S'ārṅgaS. ii. 7. 47; एरण्डतैलकर्षैकं गवां क्षीरं दलद्वयम्। अण्डवृद्धिहरं ख्यातं मासमात्रान्न संशयः RasRaSa. 18. 31.

अण्डशकल (aṇḍa-śakala) *m. n.* piece of the cosmic egg (नारायणः) दिवं भूमिं समकरोत्तदण्डशकलद्वयम् MatsyaP. 2. 32; व्याप्तवतोऽस्य ··· ऊर्ध्वमशेषमण्डशकलं सरसिरुहभुवः।··· कटकमुवम्···शबरी भजति शिखरिणः HarVi. 5. 49; 36. 25; यस्माद्यानुरभूत्ततोऽण्डशकलाद्धस्ते धृतादात्मभूः···यान्···अस्राक्षीत् ··· ते हस्तिनः YaśasCam. i. 299. 5; ताभ्यामण्डशकलाभ्यामुत्तरेण दिवम् ··· निर्मितवान् (ब्रह्मा) ManvaMu. 8. 8 (*on* 1. 13)

अण्डसंलग्न (aṇḍa-saṁlagna) *adj.* closely associated with the cosmic egg लोकोऽयमण्डसंलग्नः ViṣṇuDhaP. i. 4. 7.

अण्डसंहर्त्री (aṇḍa-saṁhartrī) *f.* one of the names of Rādhā अण्डसंहर्त्री (राधानामसहस्रकम्) PañcaRā.(Nā.) v. 5. 52.

अण्डसंकीर्णमानस (aṇḍasaṁkīrṇa-mānasa) *adj.* engrossed in the thoughts about the cosmic egg (श्रीकण्ठः) दुःखताण्डवदीनोऽभूदण्डसंकीर्णमानसः। मारमारश्च यो देवः कस्तस्मात्परमो भवेत् SkandP. i(2). 33. 22.

अण्डसन्धिस्थित (aṇḍasandhi-sthita) *adj.* being at the joint of the testicles अण्डसन्धिस्थिता याति शर्करा शस्त्रसाध्यका HāriS. iii. 31. 7.

अण्डसमुद्गक (aṇḍa-samudgaka) *m.* box in the form of the cosmic egg अथाण्डसमुद्गके निगूढम्।··· द्रुहिण तवापहरामि धातुकोषम् AmṛUda. 4. 15.

अण्डसमुद्भवा (aṇḍa-samudbhavā) *f.* a species of lizard गोधा गोधिकाऽण्डसमुद्भवा KalpaK. 324. 60.

अण्डसंभव (aṇḍa-sambhava) *m.* origin of the cupola सञ्चयद्वारसोपानमुण्डिकामण्डसम्भवा(न्) (यथावत् संप्रचक्ष्महे) SamarāSū. 68. 8.

अण्डशून (aṇḍa-śūna) *n.* name of a kind of disease of the horse with the swelling of its testicles अण्डस्कन्द(v. l. अण्डशूनम्)स्तुरङ्गानां(? णां) जायते बहुसंज्ञकः AśvaVai. 50. 1.

अण्डसंभूति (aṇḍa-sambhūti) *f.* origination of the cosmic egg (i. e. the universe) भगवंस्त्वण्डसंभूतिर्यथावत्कथिता मम MārkP. 46. 1.

अण्डसिद्धि (aṇḍa-siddhi) *f.* coming into existence of the cosmic egg (i. e. the universe) त्रिवृत्करणस्याण्डसिद्धिपूर्वभावासिद्धेः S'ivārkaMaDī. ii. 190. 10 (*on* ii. 4. 18)

अण्डसू (aṇḍa-sū) *adj.* laying eggs सदादिभ्यो क्विप् भवति ··· अण्डं सूते अण्डसूः JaineVyā. 108. 1 (*on* ii. 2. 59); CāndraVṛ. *on* i. 2. 53; KāśiVṛ. *on* P. iii. 2. 61; KātanVṛ. *on* iv. 3. 74; PrakriKau. ii. 532. 3; SiddhāKau. 497A. 11.

अण्डसृष्टि (aṇḍa-sṛṣṭi) *f.* production or creation of the cosmic egg (i. e. the universe) अण्डसृष्टेः प्रागेव च तेजोऽबन्नानां त्रिवृत्करणेन भवितव्यम् BrahmSūBh.(Rā.) 562. 5 (*on* ii. 4. 18); पाठक्रमेणाण्डसृष्टेः पश्चात् त्रिवृत्करणमिति ज्ञायते S'rutaPra. iB. 29. 24 (*on* i. 1. 1); अण्डसृष्ट्यनन्तरभाविष्वश्यादिषु छान्दोग्ये प्रदर्श्यमानस्य त्रिवृत्करणस्य S'ivārkaMaDī. ii. 186. 11 (*on* ii. 4. 17); अयमीश्वरोऽण्डसृष्ट्यनन्तरं चतुर्मुखदक्षकालादिष्वन्तर्यामितया स्थित्वा सृष्टिं करोति YatīndraDī. 83. 15.

अण्डसृष्टितस् (aṇḍasṛṣṭi-tas) *adv.* with reference to the creation of the cosmic egg (i. e. the universe) तोयाभिमानिनो नारायणस्योत्पत्तेरण्डसृष्टितः प्राचीनत्वात् S'ivārkaMaDī. ii. 186. 29 (*on* ii. 4. 17)

अण्डसृष्टिसंभव (aṇḍasṛṣṭi-sambhava) *m.* possibility of creation of the universe त्रिवृत्कृतैरेव तेजोऽबन्नैरण्डसृष्टिसंभवाच्च VedāntDī. 138. 9 (*on* ii. 4. 17)

अण्डसृष्ट्यनन्तरम् (aṇḍasṛṣṭy-anantaram) *adv.* after the creation of the cosmic egg (i. e. the universe) अयमीश्वरोऽण्डसृष्ट्यनन्तरं चतुर्मुखदक्ष-

कालादिष्वन्तर्यामितया स्थित्वा सृष्टिं करोति YatīndraDī. 83.15.

अण्डसृष्ट्यर्थत्व (aṇḍasṛṣṭyartha-tva) *n.* the state of having the creation of the universe as the purpose अण्डसृष्ट्यर्थत्वात्त्रिवृत्करणस्य। त्रिवृत्करणमुपायः; अण्डसृष्टिः फलम् S'rutaPra. iB. 29.25 (*on* i. 1.1); ii. 402.31 (*on* ii. 4.17)

अण्डसृष्ट्युत्तरकाल (aṇḍasṛṣṭy-uttarakāla) *m.* time subsequent to the creation of the cosmic egg (i. e. the universe) अण्डसृष्ट्युत्तरकालभावित्वाच्चतुर्मुखोत्पत्तेः VedāntDī. 138.8 (ii. 4.17)

अण्डसृष्ट्युत्तरकालम् (aṇḍasṛṣṭy-uttarakālam) *adv.* at the time subsequent to the creation of the universe अण्डसृष्ट्युत्तरकालं हि चतुर्मुखसृष्टजीवेषु त्रिवृत्करणप्रकार उपदिश्यते BrahmSūBh.(Rā.) 560.7 (*on* ii. 4.18); BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 189.1 (*on* ii. 4.18); S'ivārkaMaDī. ii. 190.10 (*on* ii. 4.18)

अण्डसृष्ट्युपाय (aṇḍasṛṣṭy-upāya) *m.* the means for creation of the universe व्यष्टिसृष्टिसंकल्पवाक्ये पश्चान्निर्दिष्टमण्डसृष्ट्युपायभूतं त्रिवृत्करणम् S'rutaPra. iB. 30.70 (*on* i. 1.1)

अण्डसृष्ट्युत्तरकालीनता (aṇḍasṛṣṭyuttarakālīna-tā) *f.* the state of being that which relates to a time subsequent to the creation of the cosmic egg (i. e. the universe) त्रिवृत्करणश्रुतिश्च त्रिवृत्करणस्याण्डसृष्ट्युत्तरकालीनतामवगमयति नेति S'rutaPra. ii. 401.10 (*on* ii. 4.17); तेषां प्राबल्ये त्रिवृत्करणस्याण्डसृष्ट्युत्तरकालीनतावगमकतया तस्य हिरण्यगर्भकर्तृकत्वसंभवेन S'rutaPra. ii. 401.12 (*on* ii. 4.17)

अण्डस्कन्द (aṇḍa-skanda) *m.* name of a disease of a horse affecting its testicles अण्डस्कन्दस्तुरङ्गानां(? णां) जायते बहुसंज्ञकः AśvaVai. 50.1.

अण्डस्थ (aṇḍa-stha) *adj.* existing in the egg or womb न खल्वयं मृतोऽण्डस्थ इति स्नेहादभाषत HariVaṁ. 8.4 = SkandP. iv. 17.72; BrahmāṇḍP. ii. 59.29; अण्डेन सह जातो वै अण्डस्थो बुद्धिमान्प्रवान् ··· अण्डस्थ एव सुचिरं स्थितो मार्तण्ड इष्यतः BhaviP. 87A.24 (i. 47.2); तत्पालनं तयोः। निर्दोषमासीदण्डस्थफणिलालनसंनिभम् RājTa.(Ka.) 5.291; **ii** existing (i. e. immanent) in the universe (*lit.* cosmic egg) (स्वं रूपं दर्शयामास) अण्डस्थं चाण्डबाह्यस्थं बाह्यमाभ्यन्तरं परम् KūrmaP. 108.2 (1.12)

अण्डस्रू (aṇḍa-srū) *adj.* attaining an egg (i. e. producing an egg) अण्डं स्रौष्यतीति अण्डस्रूः JaineVyā. (318.29) iv. 4.18

अण्डस्वरूप (aṇḍa-svarūpa) *n.* nature of the cosmic egg ब्रह्मादयः सुराः ··· अण्डाभ्यन्तरप्रपञ्चैकदेशमेव वर्णयन्ति, अण्डस्वरूपं न जानन्ति TripāMaNāU. 369.11 (6)

अण्डहस्तिन् (aṇḍa-hastin) *m.* name of the plant *Cassiatora* स्याच्चक्रमर्दोऽण्डगजो गजाख्यो मेषाह्वयश्चैडगजोऽण्डहस्ती RājNi. 135.2.

अण्डहीन (aṇḍa-hīna) *adj.* having no testicles भवन्ति स्वैश्च कर्मभिः। वाताण्डाश्चाण्डहीनाश्च VarāP. 203.19.

अण्डहेतुभेद (aṇḍa-hetubheda) *m.* difference in the cause such as egg स्वेदोद्भेदजराय्वण्डहेतुभेदाच्चतुर्विधम् SaṁgīRa. i. 29.5 (i(2).16)

अण्डाकर्षण (aṇḍākarṣaṇa) *n.* castration [MW, APTE]

अण्डाकार (aṇḍākāra) *adj.* of the form of an egg मेढ्रान्नवाङ्गुलादूर्ध्वं नाडीनां कन्द (v. l. कन्दम्) उच्यते।···अण्डाकारम् AhirbuS. 32.8.

अण्डाकृति (aṇḍākṛti) *adj.* having the shape of an egg, oval (कन्दस्थानम्) अण्डाकृति तिरश्चां च द्विजानां च चतुष्पदाम् TriBrU. 58; *f.* an ellipse [MW, APTE]

अण्डाक्ष (aṇḍākṣa) *m.* name of one of the twenty kinds of eye-disease of an elephant संग्रहस्त्वक्षिरोगाणामत ऊर्ध्वं प्रचक्ष(? क्ष्य)ते। ··· अण्डाक्षस्तथ काचाक्षः Hastyāyur. 33.21 (1.4); 49.4 (1.7); 139.3 (1.18); 141.8 (1.18)

अण्डाख्य (aṇḍākhya) *adj.* called *aṇḍa* (i. e. cosmic egg) असौ तेजःकणोऽण्डाख्यः कल्पनात्कश्चिदण्डताम्। प्रयात्यन्तःस्फुरद्ब्रह्मा जलमापिण्डतामिव YogVā. iii. 64.20.

अण्डात (aṇḍāta) *m.*∼*n.* (?) a kind of dance [Saṁgītasārasaṁgraha 261 nt.]

अण्डात्मक (aṇḍātma-ka) *adj.* [*f.* -ikā] in the form of a cosmic egg सृष्ट्वा तदाण्डात्मकविश्वलोकं संभाव्य शुद्धं गतपाशबन्धम् ĪśānS'iPa. i. 10.35; इयमण्डात्मिका माया सप्तावरणसंयुता BṛBrahmaS. iii. 3.11.

अण्डादि (aṇḍādi) *adj.* **i** list of words beginning with *aṇḍa* कुक्कुट्यादीनामण्डादिषु पुंवद्वचनम् Vār. 2 (*on* P. vi. 3.42); PrakriKau. i. 587.2; कुक्कुटाण्डमित्यादौ उत्तरपदस्याण्डादेरक्लीबत्वात्···पुंस्त्वं न प्राप्नोतीत्यारभ्यते Prasā. i. 587.16; LaS'abdeS'e. ii. 184.6; **ii** cosmic egg etc. पञ्चीकृतपञ्चमहाभूतेभ्यो यदुत्पन्नमण्डादि तत्सर्वं पञ्चीकृतपञ्चमहाभूतव्यतिरेकेण नास्ति PañcPra. 35.3; ब्रह्माण्डलोकदेहेषु सद्वस्तुनि पृथक्कृते। असन्तोऽण्डादयो भान्तु PañcDa. 2.97; शब्दादुच्चलिते सिन्धौ शैलाण्डादौ च दारिते AlaṅkāS'e. 19.12(9)

अण्डादिकार्य (aṇḍādi-kārya) *n.* effect or product such as the cosmic egg etc. जनयति स जगद्धेतुरण्डादिकार्याणि TattvMu. 1.17.

अण्डाधिपति (aṇḍādhipati) *m.* lord of the cosmic egg (i. e. the universe) अण्डाधिपतिश्चतुर्मुखः BrahmSūBh.(Rā.) 294.7 (*on* i. 3.12); पश्यामि···ब्रह्माणम् ··· चतुर्मुखमण्डाधिपतिम् GītāBh.(Rā.) 545.13 (*on* 11.15); अण्डान्तर्गतपदार्थधारणादेरण्डाधिपतौ संभवात् S'rutaPra. ii. 190.10 (*on* i. 4.29)

अण्डाधिपत्य (aṇḍādhipatya) *n.* lordship over the cosmic egg (i. e. the universe) ब्रह्मणोऽपि हि ··· अण्डाधिपत्यादधिकं फलं भोक्तुं चाशक्यम् S'rutaPra. iB. 104.6 (*on* 1. 1.2)

अण्डान्त (aṇḍānta) *adj.* ending with the cosmic egg अण्डान्तमेव व्याख्यातं किमन्यदवशिष्यते BṛĀraUBhVā. iii. 6.19.

अण्डान्तम् (aṇḍāntam) *adv.* upto the cupola आपादभूमेरण्डान्तमनुरूपं च यत्नयम्। उत्तरोत्तरतः कुर्याद्गर्भवस्वादिकोत्थितैः PauṣkS. 43.82.

अण्डान्तर् (aṇḍāntar) *ind.* inside or within the cosmic egg (i. e. the universe) यथाडा(? ण्डा)न्तर्जले वहीं (मही) SetuBa. 186.7.

अण्डान्तर (aṇḍāntara) *n.* a different egg प्रजापतिरथाक्षिपत्। बलं चाण्डे चकाराथ ततस्त्वण्डान्तरे शिशुः। यदण्डं तद्बलं प्रादुर्यत्तेजः स शिशुर्मतः BrahmāṇḍP. ii. 7.284.

अण्डान्तरस्थ (aṇḍāntara-stha) *adj.* existing within the universe अण्डान्तरस्थपरमाणुचयान्तरस्थं गोविन्दमादिपुरुषं तमहं भजामि BrahmS. 5.44.

अण्डान्तर्गत (aṇḍāntar-gata) *adj.* existing (i. e. included) in the cosmic egg (i. e. the universe) अण्डान्तर्गतसर्गादेरुक्तत्वादण्डबहिर्भूततत्त्वसर्गादेर्वक्ष्यमाणत्वाच्च S'rutaPra. iA. 236.25 (*on* i. 1.1); iB. 49.23 (*on* i. 1.1); ii. 190.10 (*on* i. 4.29)

अण्डान्तर्वर्तिन् (aṇḍāntarvart-in) *adj.* existing within the cosmic egg त्रिवृत्करणं तु चतुर्मुखस्याण्डान्तर्वर्तिनो न संभवति BrahmSūBh.(Rā.) 559.4 (*on* ii. 4.17); प्रागुक्तत्रिवृत्करणादर्थान्तरभूतोऽण्डान्तर्वर्तिपुरुषसुक्तान्नादीनां परिणामप्रकार उच्यते VedāntSā.(Rā.) 233.3 (*on* ii. 4.18); तदण्डान्तर्वर्तिनो हिरण्यगर्भस्य न संभवति BrahmSūBh.(S'rī.) i. 235.3 (*on* i. 1.17); ii. 186.7 (*on* ii. 4.17); ii. 190.4 (*on* ii. 4.18); अन्ये चैव यथायोगमण्डान्तर्वर्तिनं हरिम्। ···पश्यन्ति AnuVyā. 57A.10 (*on* 3.4); अण्डान्तर्वर्त्यर्थ्यादिषु त्रिवृत्करणस्य प्रदर्शनात् S'rutaPra. iB. 30.15 (*on* i. 1.1); ii. 352.1 (*on* ii. 3.17); ii. 401.10 (*on* ii. 4.17); न चैवमण्डान्तर्वर्तिनश्चैतन्यस्य तत्तदन्तःकरणोपाधिभिः सर्वात्मना जीवभावेनावच्छेदात्तदवच्छेदरहितचैतन्यरूपस्येश्वरस्याण्डाद्बहिरेव सत्त्वं स्यात् SiddhāLeSaṁ. 95.5; अण्डान्तर्वर्तिनामिन्द्रादिदेवानां नामरूपादिक्लृप्तिमेतदधिकरणविषयत्वेन निर्दिश्य S'ivārkaMaDī. ii. 184.19 (*on* ii. 4.17)

अण्डान्तव्याप्त (aṇḍanta-vyāpta) *adj.* pervading upto the end of the universe तं दृष्ट्वा ··· अण्डान्तव्याप्तवपुषम्···दैत्यसैनिकाः। ··· नेशुः AhirbuS. 41.39.

अण्डापहार (aṇḍāpahāra) *adj.* carrying away the eggs अब्धिनाण्डापहारेण वयं नाथे सति त्वयि। अनाथवत्पराभूताः PañcT. 1.127 (48) (137.5 FN.) = KathāSaSāg. x. 4.192.

अण्डायन (aṇḍāyana) *m.* (pl.) name of a Brahmanical *gotra* [DBHS]

अण्डायिक (aṇḍāyika) *adj.* born of an egg अण्डायिकाः सर्पगृहकोकिलाः ब्राह्मण्यादयः [JainL.]

अण्डायित (aṇḍāyita) *adj.* become (i. e. looked like) an egg मध्ये रत्नद्वयस्यास्य स्थितमा सप्तमाद्दिनात्। जलप्लवे बलं भर्तुः व्यक्तमण्डायितं तदा MahāP. 32.62.

अण्डारक (aṇḍāraka) *m.* [*upakādigaṇa* GaṇPā. 29.8] name of a man, (pl.) name of the descendants of Aṇḍāraka, KāśiVṛ. *on* P. ii. 4.69.

अण्डारम्भक (aṇḍārambhaka) *adj.* which produces or creates (i. e. the material cause of) the universe ब्रह्मलोका नाम अण्डारम्भकाणि भूतानि BṛĀraUBh. 425.6 (*on* iii. 6.1); अण्डारम्भकभूतानां ब्रह्मलोकाभिधेयते BṛĀraUBhVā. iii. 6.18; न चैरित्यादिश्रुतिस्तु अण्डान्तर्वर्त्यूर्ध्वाधरमध्यमरूपस्वलोकप्रलयपरा न त्वण्डारम्भकतत्त्वप्रलयपरा S'rutaPra. ii. 352.2 (*on* ii. 3.17)

अण्डालु (aṇḍālu) *m.* [DEBRU. p. 290] fish (*lit.* full of eggs) अण्डं विद्यते चास्य अण्ड + मत्वर्थे आलुच्। मत्स्यः इति शब्दचन्द्रिका [S'abdaKaDru.]

अण्डावकिरण (aṇḍāvakiraṇa) *m.* strewing or breaking of the egg अण्डावकिरणमेकाण्डताप्रसूतिश्च न शिवाय (काकस्य) BṛSaṁ. 95.6 = S'ārṅgaPa. 2500.

अण्डावधि (aṇḍāvadhi) *adv.* upto the end of the egg कुहूकण्ठैरण्डा-

वषिसहनिवासात् परिचिता विसृज्यन्ते सद्यः कलितनवपक्षैर्बलिभुजः HamsDū. (Rū.) 72.

अण्डावरण (aṇḍāvaraṇa) *n.* cover of the cosmic egg (i. e. the universe) दशोत्तरमथैकैकमण्डावरणसप्तकम् । समन्तात् संस्थितं विप्राः KūrmaP. 427.2 (1.50); अण्डेषु चाण्डबाह्येषु तथाण्डावरणेषु च । तमोऽन्ते च तमःपारे चाष्टमूर्तिर्व्यवस्थितः LiṅgaP. i. 53.49; i. 87.20; भूयस्तान्संप्रवक्ष्यामि अण्डावरणकारकान् BhaviP. 188A. 24 (i. 126.11)

अण्डावरणायित (aṇḍāvaraṇāyita) *adj.* which acted like the cover of the universe आविध्यमानात्रिशिखाभिघातैरधः कपालाज्जगदण्डभित्तेः । अम्भो यदण्डावरणायितं तदुद्बुद्बुदं तत्क्षणमुद्बभूव SivLī. 2.72.

अण्डिक (aṇḍ-ika) *m.* **1** name of a person सुतङ्गमादिभ्य इञ् भवति ··· अण्डिक JaineVyā. 184.16 (*on* iii. 2.60); **2 i** name of a fever of an elephant or lion, Vaija, 184.134; **2 ii** unhealthy condition of water, Vaija. 184.134.

अण्डिका (aṇḍikā) *f.* weight of four *yavas* अण्डिका ते तु चत्वारः CaraS. vii. 12.88 (1941 Ed.); पञ्चनद्याः प्रदेशे तु संज्ञेयं व्यवहारिकी । कार्षापणोऽण्डिका ज्ञेयाः KātySm. 494; तौ यवः । अतः परं चतुर्गुणवृद्ध्याण्डिकामाषकषाणकर्षपलकुडवप्रस्थाढकद्रोणवहाः कल्प्यन्ते AṣṭāSam. ii. 169.4 (5.8); Vaija. 190.48.

अण्डिन् (aṇḍ-in) *adj.* having a scrotum, BhāvPra. vi. 173.24 [as cited in PW]

अण्डिनी (aṇḍinī) *f.* disease of the female organ अनार्तवास्तनी षण्डी खरस्पर्शा च मैथुने । महामेदृगृहीताया बालायास्त्वण्डिनी भवेत् BhāvPra. 8(69 ? 70).14 (comm. अण्डवल्लम्बमाना योनिर्भवति)

अण्डिर (aṇḍira) *m.* **1** a man मानुषा अपि । अण्डीरा (v. l. अण्डिरा) जगतः पञ्चजनाश्चर्षणयः पुनः KalpaK. 20.2; **2** name of Indra अर्की बिडौजा मघवा वैकुण्ठाण्डीर (v. l. अण्डिर) कौटिराः KalpaK. 382.20.

अण्डीर (aṇḍīra) *adj.* [Debru. p. 461; P. v. 2.111; JaineVyā. iv. 1.37; CāndraVyā iv. 2.115] **A** having testicles, adult, strong, full-grown काण्ड अण्ड इत्येताभ्यां यथासंख्यमीरन्नीरचौ प्रत्ययौ भवतो मत्वर्थे । काण्डीरः । अण्डीरः KāśiVr. (*on* P. v. 2.111); JaineVyā. 250.24 (*on* iv. 1.37); CāndraVr. *on* iv. 2.115; विद्यादण्डीरमाण्डीरम् SabdaBhePra. (Ma.) 1.64 (comm. अण्डे अस्य स्तः); अण्डीरः ··· मुष्कवत्पशौ NānārthāSam. ii. 58.128; MugdhaBo. 7.33 (70.7); PrakriKau. I. 892.6; KośaKaTa. 1.5033; **B** competent (person), proud of valour प्रकृत्या विप्रेभ्यः पुनरकृतशिल्पा रघुभुवः । चिरादण्डीरेण (मया) त्वयि तदपि रामे न गणितं तपोविद्यावीरव्रतमय मयि क्षाम्यतु भवान् AnarghaRā. 4.58; अण्डीरौ शक्तपुरुषौ AnekāSa. 619; Vaija. 258.15; AnekāSam. 3.513; ViśvaPra. 140.191; NānārthSam. 6.59; अण्डीरः पुरुषे पुंसि सज्जने मुष्कवत्पशौ । त्रि तु शक्ते NānārthāSam. ii. 58.128; MediK. 141.110; SabdaRaSaK. 264.11; DharK. 1997; TrikāSe. iii. 3.330; **C** not castrated शक्तोऽनिरण्डश्चाण्डीरौ TrikāSe. iii. 3.330; **D** noble person अण्डीरः पुरुषे पुंसि सज्जने मुष्कवत्पशौ । त्रि तु शक्ते NānārthāSam. ii. 58.128; *m.* **1** virile person अण्डीरौ शक्तपुरुषौ AnekāSa. 619; Vaija. 258.15; AnekāSam. 3.513; ViśvaPra. 140.191; NānārthSam. 6.59; NānārthāSam. ii. 58.128; MediK. 141.110; SabdaRaSaK. 264.11; DharK. 1997; शक्तोऽनिरण्डश्चाण्डीरौ TrikāSe. iii. 3.330; **2** name of Indra मघवा वैकुण्ठाण्डीरकौटिराः KalpaK. 382.20; **3** name of various princes वस्थात्तु तथाण्डीरः संधानस्तस्य चात्मजः MatsyaP. 48.4; सरूप्यात्तु तथाण्डीरश्चत्वारस्तस्य चात्मजाः । पाण्ड्यश्च केरलश्चैव चोलः कुल्यस्तथैव च BrahmāṇḍP. ii. 74.5; **4** name of a plant, *bījapūraka* मृगलण्डिकमण्डीरं प्राचीनं बीजपूरकम् AbhidhāMañ. 197.9.

अण्डीरक (aṇḍīraka) *m.* a kind of bird (roaming by day) चाषाण्डीरकखञ्जरीटकशुकध्वांक्षाः कपोतास्त्रयः ।···उक्ता दिवासंचराः BrSam. 88.1; अण्डीरकेति रुतेन पूर्णाष्टिट्टिभशब्देन तु दीप्त उक्तः BrSam. 88.26; YogYā. 14.15.

अण्डीवत् (aṇḍīvat) *m.* name of a king (?) JaineVyā. 184.15 (*on* iii. 2.60 [in *karṇādigaṇa*]; cf. *āṇḍīvat*, GaṇRa. 4.281.

अण्डु (aṇḍu) *m. n.* iron or wooden stocks (for hands and feet) अण्डूनि – अन्दुकानि काष्ठमयानि लोहमयानि वा हस्तयोः पादयोर्वा बन्धनविशेषाः ··· निगडानि – पादयोर्बन्धनानि AupaSūT. 164.7; शृङ्खले निगलोऽण्डुश्च NāmSil. 1860.

अण्डुक (aṇḍuka) *m. n.* a kind of bird टिट्टिभस्तु कटुकाण उत्पादशयनोऽण्डुकः Vaija. 28.34; अण्डुकः ··· द्वे तु टिट्टिभे NānārthāSam. ii. 58.128; आतापी चिल्ल उत्पादशयनोऽण्डुकटिट्टिभौ SabdaRa. (Vā.) 1609; *m.* **1** testicles फेलुको वृषणोऽण्डुकः Vaija. 178.63; अण्डुको ना मुष्के स्यात् NānārthāSam. ii. 58.128; **2** frog भेके शालुः प्लवव्यङ्गशालूराण्डुककेण्डुकाः Vaija. 152.47.

अण्डेकि (aṇḍeki) *m.* name of a village (अम्मराजः) – अण्डेकिनामग्रामे उत्तरदिग्भागे पूर्ववद्दशखारिकोद्रवबीजावापक्षेत्रमाद[ा]य ··· भारद्वाजगोत्राय मुसियनशर्म्मणे ··· प्र[ा]दात् EI. xviii. 232.54.

अण्डोत्थ (aṇḍottha) *m.* bird पतेरो विष्किरोऽण्डोत्थो वक्लकाङ्गः कठाकवः KośaKaTa. 1.4582.

अण्डोत्पत्ति (aṇḍotpatti) *f.* creation of the cosmic egg सर्गादौ ··· अण्डोत्पत्तिम् ··· निरूप्य SivārkaMaDī. i. 233.11 (*on* i. 1.17); (परमात्मा) एकैकां देवतां त्रिरूपामण्डोत्पत्तेः प्राक् संविधाय ततोऽण्डमुत्पाद्य तत्र प्रविश्य नामरूपे कृतवान् VedāntKau. 252.9 (*on* ii. 4.19); न चात्रिवृत्कृतैस्तेजोऽबन्नैरण्डोत्पत्तिः GoviBh. 179.4 (*on* ii. 4.20)

अण्डोत्पत्तिक (aṇḍotpatti-ka) *adj.* who has his origin from the cosmic egg त्रिवृत्करणस्याण्डोत्पत्तिकहिरण्यगर्भकर्तृकत्वसंभवात् SivārkaMaDī. ii. 186.12 (*on* ii. 4.17)

अण्डोत्पत्तिक्रम (aṇḍotpattikrama) *m.* course of creation out of the cosmic egg अण्डोत्पत्तिक्रमेण सूर्याचन्द्रमसावकल्पयत् (प्रजापतिः) PraśnaUBh. 240.19 (*on* 1.4)

अण्डोत्पादकत्व (aṇḍotpādaka-tva) *n.* the state of being the material cause of the cosmic egg पञ्चीकृतानां भूतानामेवाण्डोत्पादकत्वम् YatīndraDī. 46.10.

अण्डोत्पादन (aṇḍotpādana) *n.* creation of the cosmic egg अण्डोत्पादनात् पूर्वसृष्टिः समष्टिसृष्टिः YatīndraDī. 46.10.

अण्डोद्भव (aṇḍodbhava) *adj.* **i** arising from the cosmic egg जनस्तपश्च सत्यं च लोकास्त्वण्डोद्भवास्तथा KūrmaP. 367.11 (1.41); तस्मादण्डोद्भवो जज्ञे त्वकाराख्यश्चतुर्मुखः LiṅgaP. i. 17.69; पृथिवी चान्तरी(? रि)क्षं च स्वर्महर्जन एव च । तपः सत्यं च सप्तैते लोकास्त्वण्डोद्भवाः शुभाः LiṅgaP. i. 45.8; कदाचित्पद्मजो ब्रह्मा कदाचित्सलिलोद्भवः । अण्डोद्भवः कदाचित्तु कदाचिज्जायतेऽम्बरात् YogVā. iv.47.9; **ii** egg-born (bird) मृगोरगाण्डोद्भवतोयजाद्याः शब्देन पञ्चेन्द्रियजातयस्ते VarāṅgaC. 6.7.

अण्डोद्भवत्व (aṇḍodbhava-tva) *n.* the state of being born from the cosmic egg अण्डोद्भवत्वं शर्वस्य रजोगुणसमाश्रयात् LiṅgaP. i. 2.7.

अण्डोद्भवात्मज (aṇḍodbhavātmaja) *m.* Sanatkumāra (the son of Brahmā, who is born of the cosmic egg) तत्त्वशुद्धिं ततः कुर्यात् पञ्चतत्त्वप्रकारतः । निवृत्त्या रुद्रपर्यन्तमण्डमण्डोद्भवात्मज LiṅgaP. ii. 21.47.

अण्डोपचार (aṇḍopacāra) *m.* consuming of eggs स्नेहादण्डोपचाराच्च पाण्डुशोफरुजाभयम् (अस्ति) KāśyaS. 178B.25.

अण्डोपम (aṇḍopama) *adj.* resembling an egg, oval-shaped कुर्यात् किरीटम् ··· अण्डोपमम् TantrSa. 2.110; SilpaRa. ii. 16.2.

अण्डोपसंक्रान्ति (aṇḍopasaṅkrānti) *f.* transference of eggs विनोपघातेन पिपीलिकानामण्डोपसंक्रान्तिः···वृष्टेर्निमित्तानि BrSam. 28.7; पिपीलिकाकुलस्याण्डोपसंक्रान्त्यैव वर्षणम् RājTa. (Ka.) 8.715.

अण्डोर्ध्वम् (aṇḍordhvam) *adv.* above the cupola or dome अण्डोर्ध्वे कलशं न्यस्य तदूर्ध्वं विन्यसेद् ध्वजम् AgniP. 61.29.

अण्ण (aṇṇa) *m.* name of a person भारद्वाजान्वयोद्भूत[ः] श्रीद्राह्यायणसूत्रजः । शैलप्पनंदनोऽन्नार्धवृत्तिमंणस्समश्नुते EI. iii. 157.170; लेखावलोकनात् ज्ञातं मतमण्णमयूरयोः । विवक्षुरसि चेदन्यदपि तत् केन वक्षि न ParamāKā. 35.40; अण्णाय च मयूराय प्रह्लादाय च राहवे । सद्यः संदेशमेनं च मदीयं विनिवेदय ParamāKā. 36.41.

अण्णन (aṇṇana) *m.* name of a person कौशिकान्वयसंभूतो याजोप्पन्सुधीसुतः ।··· शिंगियप्पाह्वयो धीमान् याजुषः कौशिकान्वयः । अंणनाख्यसुधीसूनुरत्र सार्द्धद्विवृत्तिकः EI. iii. 156.155.

अण्णन्त (aṇṇ-anta) *adj.* ending with the *taddhita* suffix *aṇ* श्रायसशब्दादण्णन्तात् LaSabdeSe. i. 75.9; i. 382.3; आपत्य इति द्वितीयवार्तिके पुंलिङ्गप्रयोगः । न चापत्ये भव इत्यर्थेऽण्णन्तः सः । छप्रत्ययापत्तेः LaSabdeSe. ii. 198.7; मूले यद्यप्यण्णन्तं तथाप्यविशेषात् णिन्यन्तेनाह ऋश्यग्राहीति BālamBha. ii. 65.14 (*on* 2.51)

अण्णन्तान्त (aṇṇantānta) *adj.* ending with a word which ends with the suffix *aṇ* अण्णन्तादेः प्रातिपदिकविशेषणत्वेनाण्णन्तान्तमित्येवंरूपमित्यर्थः LaSabdeSe. i. 382.3; कारशब्दस्य व्यपदेशिवद्भावेनाण्णन्तान्तत्वात्ततोऽपि कदाचिन्ङीपि कुम्भकारेयो दुर्वारः LaSabdeSe. i. 383.1.

अण्णप (aṇṇapa) *m.* name of a person कौशिको बह्वृचः सैकभागः श्रीमाधवांणपः EI. xiv. 74.80; गार्ग्य[ः] श्रीयाजुषः सार्द्धवृत्तिः शिंगार्यजाण्णपः EI. xiv. 76.134.

अण्णम (aṇṇama) *m.* name of a person [धा]राशिववास्तव्यतत्त्रैविद्यसामान्यकाश्यपसगोत्र(ब)ह्वृचसत्र(ब्र)ह्मचारिणो भट्टमा(सो)पवासिपौ[त्रा]य अण्णमभट्टसुताय भट्टरिषिअप्पाय सुरुम्ब[म्ब]विषयप्रतिव(ब)द्धलोहारग्रामः EI. xxiii. 221.47.

अण्णमुख (aṇṇamukha) *m.* name of a person अण्णमुखमालोक्य मयूरो वाक्यमब्रवीत् ParamāKā. 37. 15.

अण्णलैअ (aṇṇalaia) *m.* name of a person ता(? त)था व(ब)ह्वृचशाखाय अण्णलैआय EI. ii. 220. 76.

अण्णाजि (aṇṇāji) *m.* name of a person अत्रैकामश्नुते वृत्तिमंणाजिभा(र्भा)गैवान्वय: EI. xii. 184. 310; अधर्म: पण्डितंमन्यमण्णाजिं विशतु ParamāKā. 50. 121.

अण्णादीक्षित (aṇṇā-dīkṣita) *m.* name of an author [nt.]

अण्णिग (aṇṇiga) *m.* name of a king परिमलिताण्णिगपल्लवविपत्तिरासीन्न विस्मयस्थानम् EI. iv. 284. 42.

अण्त्व (aṇ-tva) *n.* the state of being the Pratyāhāra *aṇ* एवं च रूपाश्रयोऽयं विधिरिति ताद्रूप्यानतिदेशादण्त्वाभावाद्ध्रस्वाभाव: Pradī. vi. 246. 15 (*on* vii. 4. 23); उकालो(ऽच्) ह्रस्व इति वाक्येऽण्त्वात्सवर्णग्रहणे LaS'abdeS'e. i. 23. 12.

अण्दर्शन (aṇ-darśana) *n.* presence (*lit.* appearance) of the *taddhita* suffix *aṇ* तत्राण्दर्शनमात्रकृतं सादृश्यमाश्रीयते Pradī. iv. 283B. 37 (*on* v. 1. 97)

अण्निमित्तक (aṇnimitta-ka) *adj.* caused by the *taddhita* suffix *aṇ*, occasioned by *aṇ* अण्निमित्तकाल्लोपस्तु व्याश्रयत्वान्नासिद्ध: LaS'abdeS'e. i. 395. 14.

अण्निरूपित (aṇ-nirūpita) *adj.* pointed out or ascertained by the *taddhita* suffix *aṇ* सपत्नशब्दस्य भाष्यतोऽण्निरूपितप्रकृत्यन्तरत्वमेव लभ्यते LaS'abdeS'e. ii. 99. 2.

अण्प्रकरण (aṇ-prakaraṇa) *n.* section dealing with the *taddhita* suffix *aṇ* अण्प्रकरणेऽग्निपदादिभ्य उपसंख्यानम् Vār. 1 (*on* v. 1. 97); MahāBh. ii. 362. 3 (*on* v. 1. 97); अण्प्रकरणे श्रोत्रियस्य घलोपश्च Vār. 1 (*on* v. 1. 130); MahāBh. ii. 371. 9 (*on* v. 1. 131); अण्प्रकरणे ज्योत्स्नादिभ्य उपसंख्यानम् Vār. 2 (*on* v. 2. 103); MahāBh. ii. 397. 2 (*on* v. 2. 103); अण्प्रकरणे कुलालवरुडनिषादचण्डालामित्रेभ्यश्छन्दसि Vār. 1 (*on* v. 4. 36); MahāBh. ii. 435. 8 (*on* v. 4. 36); अण्प्रकरणादृकारस्याप्राप्ति: Vār. 1 (*on* vi. 4. 2); MahāBh. iii. 181. 2 (*on* vi. 4. 2)

अण्प्रत्यय (aṇ-pratyaya) *m.* **i** the *kṛt* suffix *aṇ* व्याप्त्यर्थादक्षतेर्धातो: पुष्करोपपदादण्प्रत्यये पुष्कराक्ष: ViṣṇuSaBh. 89. 10 (*on* 72); कर्मण्युपपदे धातुमात्रादण्प्रत्ययो भवति NyāyMañ. i. 382. 2; अर्थापेक्षायां तु सप्तम्यामण्प्रत्ययस्याभिधेयं कर्म स्यात् Pradī. iii. 133B. 23 (*on* iii. 1. 92); iii. 213B. 21 (*on* iii. 2. 188); कर्तृवचनस्त्वण्प्रत्यय: सह कामयतिनानुवाद: NyāyRaMā. 161. 7; उपासनाशब्दो नाण्प्रत्ययान्त:। येन स्त्रियां ङीबन्त: स्यात् Aparā. 891. 8 (*on* 3. 17); कर्मोपपदाद्धातुमात्रादण्प्रत्यये कृते ··· बहूनां शब्दानामनुशासनमुपलभ्यते SarvaDaSaṁ. 13. 77; कप्रत्ययेनाण्प्रत्ययस्य बाधनं भवति PariVṛ.(Sī.) 76. 15; **ii** *taddhita* suffix *aṇ* तस्येदमिति संबन्धमात्रेऽपि चाण्प्रत्ययस्मरणात् ĀgaPrā. 75. 16; वृद्धसंज्ञानां शरादिगणान्तगतानां च मयडेव, नाण्प्रत्यय इत्यपवदति S'rutaPra. i. 226. 30 (*on* i. 1. 13); ii. 209. 24 (*on* ii. 1. 1); 'तस्येदम्' (P. 4. 3. 120) इत्यण्प्रत्यय: ManvaMu. 7. 17 (*on* 1. 10); अष्टाकपालप्रातिपदिकात्संस्कृतमित्यर्थे विहितस्याण्प्रत्ययस्य ··· लुक्स्मरणात् VidhiRa. 9 (58. 5); 'तस्येदम्' इति संबन्धसामान्ये अण्प्रत्ययविधानात् S'ivārkaMaDī. i. 75. 11 (*on* i. 1. 1); अष्टसु कपालेषु संस्कृतमित्यस्मिन्नर्थे विहितस्य तद्धितरूपस्याण्प्रत्ययस्य MīmāKau. i. 258. 3 (*on* i. 4. 17); पूर्वं तु 'तत्र भव:' इति अण्प्रत्ययो विहित: Bhāsk. ii. 218. 10 (*on* iii. 1. 2); कूटिन्शब्दादण्प्रत्ययविभक्त्यो: प्राप्तयो: LaS'abdeS'e. i. 175. 15; ii. 310. 2; 'तस्येदम्' इति शास्त्रेण तादृशेऽर्थेऽण्प्रत्ययान्तस्यैव वा साधुत्वनियमात् VaiyāSiMañ. 134. 4.

अण्प्रत्याहार (aṇ-pratyāhāra) *m.* Pratyāhāra called *aṇ* **i** (including the vowels *a, i, u*) अण्प्रत्याहारे ऋकारस्यानन्तर्भावात् ··· ऋकारस्य अच्त्वं नास्ति PariVṛ.(Sī.) 3. 15; **ii** (including the vowels, semivowels and *h*) व्याकरणतन्त्रे चतुर्दशाक्षरोऽयं परणकारेणाण्प्रत्याहार: SetuBa. 325. 20.

अण्प्रसङ्ग (aṇ-prasaṅga) *m.* contingency of the *taddhita* suffix *aṇ* न च 'तदधीते' इत्यण्प्रसङ्गो, वैकल्पिकत्वात् LaS'abdeS'e. i. 534. 19.

अण्बाधक (aṇ-bādhaka) *adj.* which sets aside the suffix *aṇ* अण्ग्रहणमुदपानादण्बाधकस्योत्साद्यञो बाधनार्थम् Prasā. i. 775. 21; लिप्यर्थकोऽत्र ङीष् 'तस्येदम्' इत्यण्बाधक इति बहव: LaS'abdeS'e. i. 401. 7.

अण्बाधनार्थ (aṇbādhanārtha) *adj.* meant for prevention of the suffix *aṇ* तेन ज्ञापनस्य प्रयोजनाभावादण्बाधनार्थमेवेदं वक्तव्यम् Pradī. iii. 159A. 15 (*on* iii. 2. 1); मत्वर्थीयेनैव सिद्धेऽण्बाधनार्थमिदम् SiddhāKau. 246A. 9; 497B. 2.

अण्मणंगुरु (aṇmaṇaṅguru) *m.* name of a village अण्मणंगुरुन[ा]मग्र[ा]मे दक्षिणदिग्भागे EI. xviii. 232. 52; xviii. 232. 59.

अण्य (a-ṇya) (Gr.) absence of the (meaning of) *ṇya* (Potential Pass. Part.) तेऽण्ये JaineVyā. iv. 4. 59 = P. ण्यत् iii. 1. 124.

अण्यदर्थ (a-ṇyadartha) *m.* other than the meaning conveyed by *ṇyat* निष्ठायामण्यदर्थे P. vi. 4. 60.

अण्यन्त (a-ṇyanta) *adj.* not ending in the causal suffix *ṇi* युतान्यण्यन्तानाम् PhiṭSū. 56; णेरात्मनेपदविधानेऽण्यन्तस्य कर्मणस्तत्रोपलब्धि: Vār. 1 (*on* i. 3. 67); शब्दकर्मकाणामकर्मकाणां च अण्यन्तानां य: कर्त्ता KāśiVṛ. (*on* i. 4. 52); न च तेषामण्यन्तानामशक्तिरिति TantrVā. 344. 15 (*on* ii. 1. 1); अण्यन्तस्य तु शिश्वयिषति PrakriKau. ii. 328. 7; अत्राण्यन्तस्य गत्यर्थस्य गमेर्धातो: स्वर्गं गच्छन्त: शत्रव: कर्तार: Prasā. i. 393. 5; ii. 691. 14; अण्यन्तादपि रगित्याहु: LalitāSaBh. 80. 16 (*on* 115); नन्वण्यन्ततत्प्रकृतिकल्युडन्तेनादनीयवस्तुनो भोजनार्थं भोजनपात्रे निक्षेपोऽप्युच्यते LaS'abdeS'e. ii. 600. 4; VaiyāBhū. 39. 12.

अण्यन्तकर्तृ (aṇyanta-kartṛ) *m.* agent of the non-causal verbal root नियमविधित्वपक्षे लभेरण्यन्तकर्तु: कर्मत्वस्य व्यावर्तनात् RasGaṅ. 606. 9.

अण्यन्तापेक्षा (aṇyantāpekṣā) *f.* comparison with or reference to the verb not ending with the causal suffix *ṇi* अण्यन्तापेक्षयोक्तमुत्तरार्थमित्येके PariVṛ.(Sī.) 4. 19.

अण्यन्तार्थ (aṇyantārtha) *adj.* intended for the verb not ending in the causal suffix *ṇi* अण्यन्तार्थं च भूषाग्रहणम् Pradī. iii. 124B. 37 (*on* iii. 1. 87)

अण्यन्तावस्था (aṇyantāvasthā) *f.* non-causal state, situation of not ending with the suffix *ṇi* क्रियापि च सर्वेष्वेतेषूदाहरणेषु यैवाण्यन्तावस्थायां सैव ण्यन्तेऽपि Nyās. i. 244. 21 (*on* i. 3. 67)

अण्यन्तावस्थात्व (aṇyantāvasthā-tva) *n.* the nature of the state of not having *ṇi* at its end अण्यन्तावस्थात्वावच्छेदेनाकर्मकत्वप्रतीत्या LaS'abdeS'e. ii. 701. 13.

अण्लक्षण (aṇ-lakṣaṇa) *adj.* having the *taddhita* suffix *aṇ* as cause औपगवस्यापत्यं स्त्रीत्यत इञो लुकि कृतेऽनुपसर्जनाधिकारादणश्चार्थद्वारेणोपसर्जनत्वात्तदर्थस्य प्रत्ययार्थम्प्रति विशेषणत्वादण्लक्षण ईकारो न प्राप्नोतीत्यर्थ: Pradī. iv. 130A. 3 (*on* iv. 1. 93)

अण्लोप (aṇ-lopa) *m.* elision of the *taddhita* suffix *aṇ* सवितरीत्यत्राण्लोप: छान्दस: VīraMi. (Saṁskāra.) 282. 3.

अण्व (áṇv-a) *n.* **1** [AltGr. III. 319] (fine interstice in the) strainer (used for the Soma juice) सूरा अण्वं वि तन्वते ṚV. ix. 10. 5; क्रत्वा दक्षस्य रथ्यम् ···। गोषामण्वेषु सश्चिम ṚV. ix. 16. 2 (Sāyaṇa अङ्गुलीषु); प्र ते धारा अत्यण्वानि मेष्य: ···यन्ति···सोम ṚV. ix. 86. 47; ix. 91. 3; ix. 107. 11; **2** field producing flax or *Panicum miliaceum* औमीनं तूमिनं तूम्यमण्वं चाणवि(? वी)नं तथा ParyāS'aRa. 2. 416.

अण्वधिष्ठान (aṇv-adhiṣṭhāna) *n.* substratum of a *mantra* or sacred formula ततो भगवताक्रम्य तद्रूपवपुषा नयेत्। एकीभूयाण्वधिष्ठानमासिद्धेस्तत्त्ववर्त्मना MṛgendraT. ii. 4. 6.

अण्वन्त (áṇv-anta) *m.* subtle disputation, hair-splitting question or argument स होवाच जनको वैदेहो याज्ञवल्क्य किमर्थमचारी: पशूनिच्छन्नण्वन्तानिति S'atBr. XIV. vi. 10. 1; BṛĀraU. iv. 1. 1; आहो स्वित् अण्वन्तान् सूक्ष्मान्तान् सूक्ष्मवस्तुनिर्णयान्तान् प्रश्नान् मत्त: श्रोतुमिच्छन् (आगतोऽसि) BṛĀraUBh. 494. 10 (*on* iv. 1. 1); *adj.* ending with atom, up to atom तत्र हि क्रमिकाणां कपालादीनामण्वन्तानां सर्वेषां अतत्त्वता प्रतिपादिता GuruCan. i. 90. 2.

अण्वन्तर (aṇv-antara) *n.* **i** another quarter-mora द्वे अण्वन्तरेऽङ्गुष्ठस्य प्रदेशिन्यां तु षट् स्मृता: LomS'i. 5. 8; **ii** another atom अण्वन्तराभिमुख्येन तदेव यदि कल्प्यते। प्रचयो भूधरादीनाम् ··· न युज्यते TattvSaṁ. 1991; अणुवादिनोऽप्यणुरण्वन्तरेण संयुज्यमानो निरवयवत्वात् ··· अणुमात्रत्वप्रसङ्ग: BrahmSūBh.(S'aṅ.) 338. 1 (*on* ii. 1. 29); अणुरण्वन्तरं काले व्यतिक्रामति यावति GaṇiSāSaṁ. 0. 32; अणोरण्वन्तरसंगतस्य परिणतिरिव TattvPradī.(A.) 164. 1 (*on* 2. 24); 165. 1 (*on* 2. 24); अण्वन्तरादारम्भकसंयोगिन: अण्वन्तरे ··· अनारम्भककर्मसंचिन्तनात् Kiraṇā. 245. 15; 246. 16; अणोरण्वन्तरसंयोगेन द्व्यणुकापत्तिवत् वस्त्वन्तरसंयोगो वा VivaPraSaṁ. 260. 10; **iii** even a minutest point further यो जन: क्षणमध्यास्ते नैव जातु चलात्मक:। तस्याण्वन्तरमात्रेऽपि देशसंक्रान्त्यसंभव: TattvSaṁ. 697.

अण्वपेक्ष (aṇv-apekṣa) *adj.* considered or referred to in contrast with a minute or smaller object तदपेक्षयैव तु तत्र स्थूलज्ञानं स्यादिति चेन्न अण्वपेक्षत्वात् तस्य IṣṭaSi. 104. 6.

अण्वर्थ (aṇv-artha) *m.* (even a) small or subtle objective (of a human being) प्रयोक्त्र्यादिमहीप्रान्तमेतदण्वर्थसाधनम् MṛgendraT. i. 12. 32 (comm. पुमर्थसाधनम्)

अण्ववयव (aṇv-avayava) *m.* part or component of an atom अण्ववयवस्य चाणुतरत्वप्रसङ्गादणुकार्यप्रतिषेध: NyāyVār. 521. 10 (*on* iv. 2. 24)

अण्ववस्था (aṇv-avasthā) *f.* state of an atom क्षोणीयं क्षुद्यमाना

क्षणमपि चरमामण्ववस्थां न जह्यात् TattvMu. 1.22; नित्याणौ जीवतत्त्वे न कथमपि भवेदण्ववस्थाप्रसूतिः TattvMu. 5.50.

अण्वश्मवृक्षा (aṇvaśmavṛkṣā) *adj.* (*f.*) abounding in small stones and trees अण्वश्मवृक्षा ह्रस्वलङ्घनीयश्वभ्रा मन्ददरणदोषा चाश्वभूमिः ArthS'ā. iii. 122.2 (10.4)

अण्वाकार (aṇv-ākāra) *m.* atomic form गृह्येरन् सर्वभावानामण्वाकाराश्च तद्गताः S'lokaVār. 5(3).44 (281.4)

अण्वाकाशसंयोग (aṇvākāśa-saṁyoga) *m.* contact of atom with ether अण्वाकाशसंयोगं तु कृतकमितीच्छन्ति NyāyVār. 299.2 (*on* ii. 2.18)

अण्वाख्यपरिमाण (aṇvākhya-parimāṇa) *n.* dimension called *aṇu* अणुपरिमाणम्-अण्वाख्यपरिमाणयुक्तम् Bhāsk. i. 225.10 (*on* i. 5.6)

अण्वात्मवाद (aṇvātma-vāda) *m.* theory about the atomic nature of soul अण्वात्मवादेऽपि भोगश्चेशो प्रसज्यते VedāntSiSūMañ. 2.67.

अण्वादि (aṇv-ādi) *adj.* **1** atom and others स्थित्वा प्रवृत्तिरण्वादेर्न सिद्धा क्षणभङ्गतः TattvSaṁ. 83; SarvaDaSaṁ. 3.252; **2** small, etc. कर्णसंधिः ··· (पाल्याम्) बाह्यः समः समयोश्च । अण्वादिविषमयोस्तु परस्परविपर्ययेण AṣṭāSaṁ. ii. 261.5 (6.22); **3** minute etc. अस्थूलमनण्वित्यादिना स्थूलाण्वादीनामन्यवस्तुस्वभावानां व्यावृत्तेः BrahmSūBh.(Ma.) 16A.2 (*on* i. 3.12); **4** (series of words) commencing with *aṇu*, (class of words) headed by *aṇu* कोऽण्वादेः S'akaṭāVyā. iii. 3.180 = SiddhaHe. vii. 2.76.

अण्वादिकारणवाद (aṇvādikāraṇa-vāda) *m.* theory of atoms etc. as the cause (of the world) यत्नोऽतीव कृतो नाण्वादिकारणवादप्रतिषेधे BrahmSūBh.(S'aṅ.) 274.14 (*on* i. 4.28); 274.18 (*on* i. 4.28); येऽण्वादिकारणवादास्तेऽपि व्याख्याता द्रष्टव्याः NyāySu.(Ja.) 292A.3 (*on* ii. 1.4)

अण्वादिगण (aṇvādi-gaṇa) *m.* aggregate of atoms etc. तदलमिहाण्वादिगणो नः NayaMañ. II. ii. 4.7.

अण्वादिशरीरस्थ (aṇvādiśarīra-stha) *adj.* being in the body of atomic size etc. जीवस्य ··· अण्वादिशरीरस्थस्य ··· अकात्स्न्र्यं स्यात् BrahmSūBh.(Ma.) 30B.10 (*on* ii. 2.34)

अण्वादिसंघात (aṇvādi-saṅghāta) *m.* conjunction of atoms and others अण्वादिसंघातात् द्व्यणुकादिरुत्पद्यते SarvaDaSaṁ. 3.252.

अण्वाद्यवयव (aṇvādy-avayava) *adj.* having atoms and others as the parts अण्वाद्यवयवं मूर्तं पीनं संस्थानवद्दृढम् BṛĀraUBhVā. ii. 3.23.

अण्वारभ्यत्व (aṇvārabhya-tva) *n.* the state of being produced by atoms त्र्यणुकवदण्वारभ्यत्वाविशेषात् NyāyKuA. ii(2). 64.3.

अण्विका (aṇvikā) *f.* a kind of weight equal to two *kṛṣṇalas* कृष्णलद्वितयं प्रोक्तं अण्विका VyavaNi. 219.1.

अण्विधान (aṇ-vidhāna) *n.* prescription of the *taddhita* suffix *aṇ* साल्वानां कच्छादिषु पाठोऽण्विधानार्थः Vār. *on* P. iv. 2.133; MahāBh. ii. 300.12 (*on* iv. 2.133); कच्छादिभ्योऽण्विधानात् LaS'abdeS'e. ii. 256.11.

अण्विधि (aṇ-vidhi) *m.* prescription of the *taddhita* suffix *aṇ* अण्विध्यर्थत्वमस्य वाच्यम् LaS'abdeS'e. ii. 202.7.

अण्विशिष्ट (aṇ-viśiṣṭa) *adj.* characterised by the *taddhita* suffix *aṇ* न तु कदाचिदप्यौपगव इत्यण्विशिष्टमिष्टं सिध्यति LaS'abdeS'e. ii. 202.2.

अण्विषय (aṇ-viṣaya) *m.* reference to *aṇ*, subject of the *taddhita* suffix *aṇ* अण्विषय एव पररूपम् LaS'abdeS'e. i. 106.3.

अण्वी (áṇv-ī) *f.* **1** [DEBRU. p. 742] finger इन्द्रा याहि चित्रभानो सुता इमे त्वायवः । अण्वीभिस्तना पूतासः ṚV. i. 3.4; VājaS. 20.87; तमीमण्वीः समर्य आ गृभ्णन्ति योषणो दश ṚV. ix. 1.7; अग्रुवः । अण्व्यः । क्षिपः Nigh. 2.5; तत्रापि स्त्र्यर्थे वाण्वीत्यथाङ्गुलौ NānārthāSaṁ. i. 47.56; cf. **अणु**; **2** cord or rein रश्मौ चाण्वी स्त्री NānārthāSaṁ. i. 47.56.

अण्व्य (aṇv-ya) *adj.* of the atomic size शरीरप्रादेशाङ्गुष्ठमात्रमणोरप्यणुं (v. l. अण्व्यं) ध्यात्वा MaitriU. 460.13 (6) (comm. सूक्ष्मादपि सूक्ष्मतरम्)

अण्समावेश (aṇ-samāveśa) *m.* simultaneous application of the *taddhita* suffix *aṇ* पृथ्वादिभ्यो वावचनमण्समावेशार्थम् Vār. 1 (*on* P. v. 1.122); MahāBh. ii. 37.19 (*on* v. 1.122); Pradī. iv. 308B.4 (*on* v. 1.122)

अण्संबद्ध (aṇ-sambaddha) *adj.* connected with the suffix *aṇ* अण्संबद्धसङ्घादीनामनुवृत्तेः LaS'abdeS'e. ii. 278.15.

अण्सिद्धि (aṇ-siddhi) *f.* establishment of the suffix *aṇ* तत्रेन्बाधनार्थं शिवादिभ्यो यथा विहितमित्येवाण्सिद्धेः LaS'abdeS'e. ii. 213.11; ii. 275.8.

अण्स्मरण (aṇ-smaraṇa) *n.* authoritative dictum prescribing the suffix *aṇ* तद्विषयकः प्रेमा सांपरायः कथ्यते । तत्र भव इत्यण्स्मरणात् GoviBh. 236.13 (*on* iii. 3.28)

अत् (at–) 1. P. (Ā.) [अत (átá) सातत्यगमने DhātuPā. 1.38; अतति··· गतिकर्माणः Nigh. 2.14; DhātuPra. 1.37 (11.19); सातत्यगमनेऽतति Daiva-Vyā. 94; अत गतौ KāvyKaVṛ. 92.27; KośaKaTa. 2.1339. forms अतसि, अतति, अतत्, अतमान, अतित, with preverbs अभि, अव and सम्] **1** to go constantly, to walk, to run, to wander समतसि कपोत इव गर्भधिम् ṚV. i. 30.4; आत्मातते र्वा । आप्तेर्वा Nir. 3.15 (67.20); भवेष्वतति सातत्यादेति MahāP. 24.107; क्रमं धनसंबन्धक्रमम् अतति गच्छति इति क्रमात् BālamBha. ii. 222.20 (*on* 2.135); **2** to pervade, to reach, to obtain, to shine [used for etymology] अतिथिरभ्यतितो गृहान् भवति Nir. 4.5 (76.17); अतति व्याप्नोतीत्यत् AṇuBh. 11.14 (*on* i. 1.2); प्राचुर्यमतति प्राप्नोतीति प्राचुर्यात् AṇuBh. 34.12 (*on* i. 1.12); नाप्यात्मशब्दात् प्राणभृद्ग्रहणाज्ञा अत्र संभवति । अततीति व्युत्पत्तेः सर्वव्यापके ब्रह्मण्येव मुख्यत्वात् GoviBh. 41.11 (*on* i. 3.4); अतति प्रकाशते इति GoviBh. 315.9 (*on* iv. 4.3)

अत् (at) *adj.* **i** spreading, growing, becoming manifest नृपः । सद्योध्यामतो रागाद्ययौ द्वारवतीं पुरीम् RāghPāṇ.(Dha.) 18.130 (comm. अतः अततीति अत् क्विपि कृते सति रूपं सिद्धं तस्मात् विजृम्भमाणाद् रागात्); **ii** who goes अतति गच्छतीति अत् Prasā. i. 82.16.

[1]**अत्** (at) (Gr.) **i** the short vowel *a* (according to P. i. 1.70) अदेङ्गुणः P. i. 1.2; अदेङ्गुणः SaraKaṇṭhā.(Gr) i. 1.81; अतो गुणे P. vi. 1.97; एङः पदान्तादति P. vi. 1.109; एङोऽति पदान्तात् JaineVyā. iv. 3.96; द्व्यचोऽतस्तिङः P. vi. 3.135; अतोर्लान्तस्य P. vii. 2.2; अत उपधायाः P. vii. 2.116; अतो दीर्घो यञि P. vii. 3.101; अत आदेः P. vii. 4.70; एप्यतोऽपदे JaineVyā. iv. 3.84; अत आत इत् CāndraVyā. i. 4.2; इटोऽत् CāndraVyā. i. 4.38; एङोऽति पदादौ CāndraVyā. v. 1.115; भुवोऽत् CāndraVyā. vi. 2.126; पदान्तेऽत्येङः S'ākaṭāVyā. i. 1.94; लुगतः S'ākaṭāVyā. i. 3.78; भ्रुवोऽच्च कुटिकुंसे S'ākaṭāVyā. ii. 2.81; वात्यसन्धिः SiddhaHe. i. 2.31; अतोऽति रोरुः SiddhaHe. i. 3.20; अत आः स्यादौ जस्-भ्याम्-ये SiddhaHe. i. 4.1; एङोऽतः MugdhaBo. 2.17 (5.16); वातोऽवाप्योः MugdhaBo. 3.171 (40.3); **ii** (Abl.) (word) ending in *a* अजाद्यतष्टाप् P. iv. 1.4; JaineVyā. iii. 1.4; अत इनिठनौ P. v. 2.115; अतो हेः P. vi. 4.105; अतोऽङ्गस्यैकारः स्यात् PrakriKau. i. 132.2; अजाद्यत् JaineVyā. i. 3.99 (comm. अदन्तम्); अतो भिस ऐस् P. vii. 1.9; CāndraVyā. ii. 1.2; अतोऽम् CāndraVyā. ii. 1.24; अजाद्यतः CāndraVyā. ii. 3.15; अतोऽम् S'ākaṭāVyā. i. 2.4; अजाद्यताम् S'ākaṭāVyā. i. 3.13; हलतः सप्तम्याः S'ākaṭāVyā. ii. 2.9; अदेतः स्यमोर्लुक् SiddhaHe. i. 4.44; अतोऽह्नस्य SiddhaHe. ii. 3.73; अमव्ययीभावस्यातोऽपञ्चम्याः SiddhaHe. iii. 2.2; क्लीबात् स्यमोऽधेर् मोऽतः MugdhaBo. 3.83 (23.8); स्त्रियामत आप् MugdhaBo. 4.1 (40.8); **iii** (Loc.) beginning with the short vowel *a* तिरसस्तिर्यति SiddhaHe. iii. 2.124 (comm. अकारादौ)

[2]**अत्** (at) (Gr.) **i** the syllable substituted for the technical *jh* in the personal terminations of the third person pl. both primary and secondary, active and medial (where the sound *a* comes from the sonant nasal) अदभ्यस्तात् P. vii. 1.4; द्विरुक्तादत् CāndraVyā. i. 4.4; **ii** the syllable *at* which is lost before *iti* in some imitative words like *paṭiti*, *jhaṭiti* (coming from पटदिति, झटदिति); अव्यक्तानुकरणस्यात इतौ P. vi. 1.98; CāndraVyā. v. 1.102; S'ākaṭāVyā. i. 1.127.

[3]**अत्** (at) (Gr.) *a* as the substitute for the base of the pronoun *idam* अद् व्यञ्जनेऽनक् Kātan. ii. 3.35 (comm. इदमोऽम्वर्जितोऽद् भवति व्यञ्जनादौ विभक्तौ)

[4]**अत्** (at) (Gr.) a *taddhita* suffix in the function of a case found in the adverb *kva* किमोऽत् P. v. 3.12; अत् क्व च Kātan. ii. 6.32.

[5]**अत्** (at) (Gr.) the ending *a* of the 1st sg. medial of Potential इटोऽत् P. iii. 4.106.

[6]**अत्** (at) *ind.* [v. l. for श्रत् in *ūryādigaṇa on* P. i. 4.61; GaṇPā. 31.36; said to express surprise and explained as abbreviation of *ati* probably found in *adbhuta*]

[7]**अत्** (at) (Gr.) a case suffix found in personal pronouns in Abl. sg. and plural in the forms *asmat*, *yuṣmat* पञ्चम्या अत् P. vii. 1.31; Kātan. ii. 3.14; JaineVyā. v. 1.27; CāndraVyā. ii. 1.30.

[8]**अत्** (at) (Gr.) the *samāsānta* suffix *a* (= अ P. v. 4.74) ऋक्पूःपथ्यपोऽत् S'ākaṭāVyā. ii. 1.139; SiddhaHe. vii. 3.76.

[9]**अत्** (a–t) (Gr.) *adj.* not having the sound *t* एङ्ह्रस्वात्संबुद्धावतः CāndraVyā. v. 1.68 (comm. अतकारस्य लोपः)

[1]**अत** (at–a) *adj.* **i** zealous, making continuous efforts रसा ··· । अत तवातासा रक्षतस्त्वस्तु Kāvyālaṅ.(Ru.) 5.20 (comm. हे अत । अतति नित्यमेवोद्यमं भजत इत्यर्थः); **ii** moving (continuously), spreading (all around)

ईशिता ⋯ आशातैः शतशोऽतुत्त ताः (रिपूणां सेनाः) शितैः (शरैः) HarVi. 43.224 (comm. आशास्वतन्ति संततं गच्छन्तीत्याशातैर्दिङ्मुखप्रसारिभिः)

²**अत** (a-ta) (Gr.) other than a *taddhita* suffix श्रयुवमघोनामुवोऽते पौ MugdhaBo. 3.117 (28.9)

³**अत** (a-ta) *adj.* not having the letter *ta* कीदृक्कुलं दैत्यकुलं केशवेनेति कथ्यताम्। कमारुह्य पिकः कान्ते पुष्पानेहसि कूजति। रसातलमतम् KavindraKa. 2.9(4) (comm. रसातले मतं इच्छा यस्य। पक्षे अतं तकाररहितं रसातलशब्दं रसालं इति यावत्)

अत इतस् (ata itas) *adv.* here and there, this way and that way, in different directions (देहम्) सांप्रतं चाक्षिकर्णत्वगिजह्वाघ्रा विकर्षन्त्यवशमत इतः कोऽपि न त्वत्पदाब्जे Nārāy. xi. 93.9 (comm. एवम् अत इतः स्वस्वविषयेषु रूपादिषु कर्षन्ति)

अत उत्तरम् (ata uttaram) *adv.* then onwards, after that (period) अत उत्तरमर्थार्जनम् Bārhas. 1.90.

अत ऊर्ध्वम् (áta ūrdhvám) *adv.* **A** after this (time indicated by an act or some recitation in a ritual) अत ऊर्ध्वं केशश्मश्रुलोमनखानि वापयित्वा ⋯पूतो भवति SāmaViBr. i. 5.15 (comm. उक्तशपथपूर्वकसंभाषणादनन्तरम्); अत ऊर्ध्वं वाग्यत आस्त आ हविष्कृत उद्वादनात् ĀśvaS'S. I. i. 12.16; II. ii. 2.2; I ii. 2.7; प्रकृत्यात ऊर्ध्वम् ĀśvaS'S. I. ii. 19.26; यजमानोऽत ऊर्ध्वं प्राचीनावीती कर्माणि करोति ĀpaS'S. i. 8.9; एष एवात ऊर्ध्वं यजमानस्य संचरो भवति ĀpaS'S. iv. 2.11; शफाभ्यामेवात ऊर्ध्वं महावीरानादत्ते ĀpaS'S. xv. 3.19; एकचितीकानेवात ऊर्ध्वं चिन्वीत ĀpaS'S. xvi. 15.4; i. 24.8; iii. 17.3; एषोऽत ऊर्ध्वं गार्हपत्यो भवति MānS'S. 69.14; 89.8; 146.10; अत ऊर्ध्वं यथाकामम् KauśiSū. 2.12; न चात ऊर्ध्वं शुक्लं वासो धारयेत् BaudhDS. ii. 10.39; **B** henceforth or here onwards (in a text), after this (statement, narration or description) अत ऊर्ध्वं संनिर्वचनाः TaiĀ. i. 6.3 (comm. उपरितनेष्वनुवाकेषु); नानालिङ्गत्वादृतूनां नानात्सूर्यत्वम्। अष्टौ तु व्यवसिता इति। सूर्यमण्डलान्यष्टात ऊर्ध्वम् TaiĀ. i. 7.6; अत ऊर्ध्वमिष्ट्ययनानि ĀśvaS'S. I. ii. 14.1 (comm. अत ऊर्ध्वं यानि वक्ष्यन्तेऽस्मिन्नध्याये); अत ऊर्ध्वं प्रवक्ष्याम्यार्चिकस्य स्वरत्रयम् NāraS'i. i. 8.1; अत ऊर्ध्वं प्रवक्ष्यामि सर्वानेव प्रजापतीन् MahāBhā. xii. 201.5; अत ऊर्ध्वं प्रवक्ष्यामि वृक्षाणामपि रोपणे (फलम्) MahāBhā. xiii. 99.22; CaraS. i. 2.15; अत ऊर्ध्वं प्रवक्ष्यामि वेतनस्यातपक्रियाम् ManuSm. 8.214, 8.218; अत ऊर्ध्वं तर्को लक्षणीय इति NyāyBh. 52.11 (on i. 1.40); अत ऊर्ध्वं प्रवक्ष्यामि रजसां पातने विधिम् ParaS. 7.59; 18.75; अत ऊर्ध्वं प्रवक्ष्यामि प्रदेशानां विनिर्णयम् Mānaso. iii. 1.234; PrakriKau. ii. 183.9; **C** thereafter (after a stipulated period) अत ऊर्ध्वं गुरुभिरनुमता देवराज्जनयेत्पुत्रमपुत्रा BaudhDS. ii. 2.62; अत ऊर्ध्वं त्रयोऽप्येते यथाकालमसंस्कृताः। सावित्रीपतिता व्रात्या भवन्ति ManuSm. 2.39; 4.98; नातिवर्तेत सावित्रीमत ऊर्ध्वं निवर्तते S'aṅkhaSm. 2.7; अत ऊर्ध्वं प्रसक्तश्चेद् रोगोऽन्यः परिकीर्त्यते Mānaso. i. 19.219; **D** henceforth, hereafter अत ऊर्ध्वं तु भूयस्त्वं प्रीतिमाहर्तुमर्हसि MahāBhā. iii. 76.14; अत ऊर्ध्वं कुमारः स स्वर्णष्ठीवी महायशाः। चित्तं प्रसादयामास पितुर्मातुश्च MahāBhā. xii. 31.42; निवसिष्यसि मय्येव अत ऊर्ध्वं न संशयः MahāBhā. vi. 34.8 = BhagGī. 12.8; भवतादवियुक्ता त्वमत ऊर्ध्वं स्ववेश्मनि Bhaṭṭi. 20.13; अत ऊर्ध्वं न जीवामि चिरं रामं विनाकृतः AdhyāRā. ii. 5.49; **E** next (in a sequence) अनन्तरः सपिण्डाद्यस्तस्य तस्य धनं भवेत्। अत ऊर्ध्वं सकुल्यः स्यात् ManuSm. 9.187.

अत एव (áta evá) **i** from this very (place) यद्गार्हपत्य उद्वार्येत्। अतं एव पुनर्मन्थेत्। अत्र वाव स निर्लयते TaiBr. I. iv. 7.2 (comm. अत एव अस्मादेव शेषात्); अत एवैके प्रणयन्त्यन्वाहार्य दक्षिणम् ĀśvaS'S. I. iii. 12.24 (comm. अत एवाहवनीयादाहवनीयं प्रणयन्त्येके); **ii** from this very (*tṛca*) अत एवोत्तरं तृचमैन्द्रवायवम्। यावत्तरस्तन्वो यावदोज इति S'āṅkhāĀ. 1.2 (2.3); **iii** for that very (reason), from that very (argument, Vedic statement, indication), hence, therefore धर्मं जैमिनिरत एव BrahmSū. iii. 2.40; आज्ञा नृपस्येऽभ्यधिकेति यत् स्यान्महान्ति दुःखान्यत एव राज्ञः BuddhaC. 11.45; PañcT. 1.70(1) (87.3); अत एव निपीयतेऽधरो हृदयं मुष्टिभिरेव ताड्यते SatTrayī. 298; अत एव चानुमानव्युत्पत्तिविषयं प्रकरणव्यापारं प्रतिपादयितुं णिचा निर्दिशति HetuBiṬ. 3.15; UttaRāC. 4.7(3); अत एव न ब्रह्मशब्दस्य जात्याद्यर्थान्तरमाशङ्कितव्यम् BrahmSūBh (S'aṅ.) 7.8 (on i. 1.1); अत एवोक्तेभ्यो हेतुभ्यो न देवता वैश्वानरः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 136.12 (on i. 2.27); अतः प्रभवात्। अत एव हि वैदिकाच्छब्दाद्देवादिकं जगत् प्रभवति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 190.1 (on i. 3.28); ज्ञः नित्यचैतन्योऽयमात्मा अत एव यस्मादेव नोत्पद्यते परमेव ब्रह्म अविकृतमुपाधिसंपर्काज्जीवभावेनावतिष्ठते BrahmSūBh.(S'aṅ.) 451.1 (on ii. 3.18); UpadeSā. 132.12; SiTrayī. 2.21; अत एवोक्तेभ्यो हेतुभ्यो न देवता भूताग्निः प्रतीयते BrahmSūBh.(Bhā.) 49.4 (on i. 2.27); जैमिनिराचार्यो धर्मं हेतुं मन्यते। कस्मात्। अत एव श्रुतेरुपपत्तेश्च BrahmSūBh.(Bhā.) 172.15 (on iii. 2.40); अत एव हि नेच्छन्ति साधवः सत्समागमम् Hitopa. 4.81; अत एव कृतनमस्कारस्यापि कादम्बर्यादेरपरिसमाप्तिः NyāyKa. 2.5; PratyabhiHṛ. 3.1(1); एतद्विलक्षणा तु कविवाङ्निर्मितिः। अत एव जयति KāvyPra. 6.2; अत एव खशब्दाभिधेयः स आकाशः परं ब्रह्म S'rīBh. 254.1 (on i. 2.16); अत एव ⋯ परमात्मा तत्र तत्रावस्थितोऽपि निर्दोषः S'rīBh. 595.22 (on iii. 2.18); अत एवोपसंपत्तेरेव हेतोः सर्वेषु लोकेषु कामचार उच्यते S'rīBh. 656.20 (on iii. 3.40); 695.15 (on iii. 4.25); 699.20 (on iii. 4.31); AśvaVai. 2.2; अत एव संख्याप्रत्यासत्तिनिबन्धनत्वम् SaptaPa. 178(52); जीवोऽप्यत एव परमेश्वरादुत्पद्यते। शब्दादेव BrahmSūBh.(Ma.) 35A.6 (on ii. 3.18); VedāntPāSau. 277.1 (on iii. 2.8); 283.22 (on iii. 2.18); अत एव गृहरथादावारे भग्ने इन्द्रवाह्नुर्वद्वव्यः TattvCin. i. 27.2; SarvaDaSaṁ. 1.21; अत एव हेतुद्वयादेव कृष्यादिवत्कर्मण एव फलहेतुत्वोपपत्तेः ⋯ श्रुतत्वाच्च VedāntKau. 297.11 (on iii. 2.40); 367.21 (on iii. 4.25); अत एव खशब्दाभिधेय आकाशः परमेव ब्रह्म BrahmSūBh.(S'ri.) i. 360.3 (on i. 2.16); अत एव ज्ञापकादन्यस्य यणः संप्रसारणम् PrakriKau. i. 232.5; i. 719.4; TantrRa. 2.9; TantrSā.(K.) 39.17; अत एव कुमुदमिव मुखं प्रसन्नमित्यादि नोपमा CitraMī. 6.5; VyutpaVā. 10.1.

अतःपद (ataḥ-pada) *n.* the word *atas* मन्दता च ⋯ अतःपदस्य लौकिकार्थतानुकीर्तनात् NayaVi. 7.4 (on i. 1.1); एतेन सौत्रमपि अतःपदं व्याख्यातं स्यात् Kiraṇā. 5.10.

अतःपदपरामृष्ट (ataḥpada-parāmṛṣṭa) *adj.* referred to by the word *atas* अतःपदपरामृष्टहेतुबलादविदुषो मरणं प्रशस्तमुत्तरायणे Bhām. 737.14 (on iv. 2.20)

अतःपदविशिष्ट (ataḥpada-viśiṣṭa) *adj.* marked by (i.e. having) the word *atas* अतःपदविशिष्टश्रुतिवाक्यादित्यर्थः AṇuBh. 269.5 (on iii. 4.1)

अतःपर (ataḥ-para) *adj.* [*f.* -ā] **i** beyond that (place or region) स ज्ञेयो यज्ञियो देशो म्लेच्छदेशस्त्वतःपरः ManuSm. 2.23; अतःपरो यो म्लेच्छानां यज्ञानुष्ठानानर्हाणामेव निवासदेशः ManvaVi. 116.3 (on 2.23); **ii** more than or higher than this अतःपरा दक्षिणा का यत्त्वां प्राप्य परं स्पृहे BṛDharmP. i. 46.83; कन्येयं कलधौतकोमलरुचिः कीर्तिस्तु नातःपरा MahāN. 1.35.

अतःपरतर (ataḥpara-tara) *adj.* much more than that, much higher than that नातःपरतरं किंचित् पुरुषस्य शुभोदयम् ParaS. 31.32; तेनावाप्तं यशः स्फीतं तव मात्राक्षयं कृतम्। त्वया पुत्रेण सर्वत्र नातःपरतरं कृतम् BrahmP. 110.153.

अतः परम् (ataḥ param) *adv.* **1 A** higher than this, beyond this **B** more than this (worse than this) **2 A** after this (moment), henceforth **B** after that (next) **C** beyond that (stated limit) **3** hereafter, after what has been said **4** other than this, other than what has been said or thought **5** beyond this (place or region) **6** more than this (measure, size or number) **1 A** higher than this, beyond this एतावदेवाहमेतत्परं ब्रह्म वेद। नातःपरमस्तीति PraśnaU. 6.7; एतज्ज्ञेयं नित्यमेवात्मसंस्थं नातः परं वेदितव्यं हि किंचित् S'vetāU. 1.12; नातः परं किंचिदाकाङ्क्ष्यमस्ति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 313.4 (on ii. 1.14); नातः परं वेदितव्यं हि किंचित् TripuMāPūSt.(S'aṅ.) 170.29; अतः परं यदव्यक्तमव्यूढगुणव्यूहितम् BhāgP. i. 3.32; **1 B** more than this (worse than this) किं नु दुःखतरं शक्यं यथा द्रष्टुमतः परम् MahāBhā. i. 138.20; भगवान् यदि मे प्रसन्नः किमतः परमहमिच्छामि Avimā. 6.20(9); कथितानि रहस्यानि सौहृदं किमतः परम् PañcT. 4.8(378.8) = SūktiRa. 88.20; दैवाधीनमतः परं न खलु तत्स्त्रीबन्धुभिर्याच्यते S'āk. 4.19; अतः परमपि प्रियमस्ति Mṛcch. 10.58(38); Ratnā. 4.19(41); Nāgā. 1.7; एतानि तानि नाम कान्ताराणि। किमतः परं भयानकस्य UttaRāC. 2.17(2); किमयशो ननु घोरमतः परम् UttaRāC. 3.28; 7.19(34); MālaMā. 10.207; तयोरैक्यं प्रपश्यन्ति किमज्ञानमतः परम् AparoAnu. 17; किं न दुःखमतः परम् Hitopa. 1.145; SaurP. 3.13; कुलाङ्गनानां हि दशानुरूपं नातः परं भद्रतरं समस्ति KāvyPra. 366.2; HammīMaMa 5.59(1); नायिकयैव भर्तुरभ्युदयिनः अतः परं किं ते करोमीत्यभिधाय संहारः कर्तव्यः NāṭaLaRaK. 2764; मातर्नातः परमनुचितं यत्खलानां पुरस्तादस्ताशङ्कम् ⋯ नर्तितासि KṛṣṇaKa. 2.4; UnmaRā. 68; समधिगतमनोरथानां किमतः परं प्रार्थनीयम् PārvPa. 5.35(2); साधु दूति पुनः साधु कर्तव्यं किमतः परम् Kuval. 71; Rāgh. 17.58; **2 A** after this (moment), henceforth, beyond a fixed period of time, after what has happened or has been described न चैव न भविष्यामः सर्वे वयमतः परम् MahāBhā. vi. 22.12 = BhagGī. 2.12; अतः परं परममिति व्यवस्थितः परां धृतिं परममुनौ चकार सः Saund. 10.64; 16.3; नार्हति भवानतः परं पीडयितुम् Abhiṣe. 6.22(2); अतःपरं न मातुः परिवादं श्रोतुमिच्छामि Prati. 1.15(2); Avimā. 5.3(5); त्रिरात्रमा व्रतादेशाद्दशरात्रमतः परम् YājñaSm. 3.23; अतः परं

प्रमाणं स्याद्भुक्तिरेवागमादृते KātySm. (Kane.) 11. 38; प्राप्तरूपमतः परं चिन्त्यताम् DaśKuC. 61. 12; अतः परमार्यस्य … उत्तरोत्तराणि कर्माश्चर्याणि UttaRāC. 1. 33(1); वत्सैतस्माद्विरम विरमातःपरं न क्षमोऽस्मि UttaRāC. 1. 33; कामन्दक्यपि नातः परं वत्सावियोगेन जीविष्यति MālaMā. 10. 45; PañcaRā.(Ha.) i. 8. 9; संगमयति विधैव नीचगापि नरं सरित्। समुद्रमिव दुर्दर्शं नृपं भाग्यमतः परम् Hitopa. 0. 7; अतः परं यद्व्यसनं नूनमभ्युदयो हि सः CaṇḍaKau. 5. 7; सर्वे वयमतः परमस्मादनन्तरे काले … अपि तु भविष्याम एव GītāBh.(Rā.) 56. 2 (*on* 2. 12); DvyāśraKā. 10. 73; दोषपाके च सञ्जाते सप्तरात्रादतः परम् Mānaso. i. 19. 173; अतःपरं धर्मः प्रकाशताम् TriṣaS'aPuC. i. 2. 335; i. 5. 230; PariPar. 3. 278; 5. 35; अतः परं संवत्सरात्परमित्यर्थः HārLa. 34. 16; किमतः परं कालक्षेपेण PrasaRā. 6. 31(1); 6. 50(1); 4. 37(2); सर्वाप्यतः परं त्यक्ता त्वद्गिरा मृगया मया PāṇḍaC. 1. 141; 6. 689; नातः परमनीप्सुभिरित्यस्य विंशतिवर्षादूर्ध्वं न विलम्बः कार्यः … इत्यर्थः SmṛtiCan. iv. 399. 3; MohaRāPa. 1. 24(3); Saṁgī-Ra. i. 3. 22; PrabhāC. 32. 20; RasRaSa. 2. 16; PrabaCin. 41. 2; किं कोऽपि भारते। अतः परं जैनभक्तः सार्वभौमो भविष्यति KumaDeC. 5. 13; KumāDeC.(So.) 32. 31; KumāPraPra. 52. 15; गुरो किमतः परं विधातव्यम् PārvPari. 2. 3(4); PurāPraSaṁ. 42. 4; इत्यागतं तमपि योऽलिनमुन्ममाथ मातङ्ग एव किमतः परमुच्यतेऽसौ Subhāṣi. 628; HammīMaKā. 14. 14; CaitaCa. 25. 11(1); अतः परमुपनयनकालानन्तरम् VīraMi. 781. 3 (*on* 3. 18); आयात्ययफलालोकममुं शोकमनोकहम्। मातर्मातः परं सिञ्चेरविवेकेन वारिणा ParamāKā. 24. 35; 45. 43; AdbhuDa. 9. 0; Jivām. 156. 3; अतःपरमित्यनुषज्यते अत ऊर्ध्वमित्यर्थः Bālam-Bha. i. 165. 18 (*on* 1. 37–38); RasSa. 36(1); **2 B** after that, next (in showing a sequence) वाग्दण्डं प्रथमं कुर्याद्धिग्दण्डं तदनन्तरम्। तृतीयं धनदण्डं तु वधदण्डमतःपरम् ManuSm. 8. 129; **2 C** beyond that (stated limit) दशभल्लातकान्या त्रिंशतः प्रयोज्यानि। नातः परमुत्कर्षः CaraS. vi. (1)2. 93 (382) (1941 Ed.) (comm. नातः परमिति त्रिंशतः परेण न प्रयोगो भल्लातकस्य); **3** hereafter, beyond or after what has been said, narrated or explained next or what follows (in a text) अतःपरं प्रवक्ष्यामि सूतकस्य विनिर्णयम् AtriS. 12. 82; विभक्तिसंज्ञा विज्ञेया वक्ष्यन्तेऽतःपरं तु ये Kātan. ii. 6. 24; CaraS. i. 21. 10 (1941 Ed.); NāṭyaS'ā. 12. 1; अतःपरं प्रवक्ष्यामि योषितां धर्ममापदि Manu-Sm. 9. 56; 10. 131; अतःपरं कथय Mālavikā. 4. 1(25); अतःपरं ययातेः प्रथमपुत्रस्य यदोर्वंशमहं कथयामि ViṣṇuP. iv. 11. 1; vi. 4. 11; अतःपरं महाभाग किमन्यत् कथयामि ते MārkP. 15. 81; BrahmāṇḍP. i. 1. 47; अतःपरमाचार्यस्य सूत्रोपन्यासः S'ābaBh. 1524. 7 (*on* vii. 1 1); देव नातः परं विज्ञापयितुं शक्यम् MudrāRā. 10. 37 HarṣaC. 339. 17; Kāvyālaṅ.(Bh.) 2. 96(50); ParaS. 8. 11; KāliViT. 14. 1; AuśaSm. 1; SamarāSū. 5. 85; 10. 107; अतःपरं प्रवक्ष्यामि नागानां रूपलक्षणम् BhaviP. 74. 27 (i. 36. 3); KalkiP. iii. 11. 47; YuktiKa. 160. 16; 181. 12; TantrRa. 70. 5 अतः परं समुदायानुवादापवादकतयाधिकरणत्रयमारभ्यते S'āstrDī. 131. 16 (*on* ii. 2. 4); आद्यमत्र कथापीठं कथामुखमतः परम् KathāSaSāg. i. 1. 4; VidaMuMa. 1. 11; TātpaVṛ. 207. 6 (*on* 2. 53); 270. 9 (*on* 3. 1); (सूत्रधारः) न वयं प्रभवामोऽस्य विचित्रानन्तशक्तेर्भगवतो लीलामितो दर्शयितुम्। यतः। षाण्मासिकीं रात्रिमसर्वरूपां ततान स्वात्मानमनेकधा यः। द्वन्द्वेषु कोटित्रयबल्लवीनामतः परं कोऽनुनयेच्चरित्रम् GopāKeCan. 150. 21; PariVṛ.(Si.) 164. 13; अतःपरमग्रिमवाक्यार्थे संदेहः AṇuBh. 53. 8 (*on* i. 2. 1; 133. 11 (*on* ii. 2. 18); Prakri-Kau. i. 487. 2; MīmāKau. iii(1). 33. 21 (*on* i. 2. 11); BālamBha. i. 369. 7 (*on* 1. 119); SāhiSā. 2. 91; **4** other than this, other than what has been said or thought अयुक्तरूपं किमतः परं वद त्रिनेत्रवक्षः सुलभं तवापि यत्। स्तनद्वयेऽस्मिन् हरिचन्दनास्पदे पदं चिताभस्मरजः करिष्यति KumāSaṁ 5. 69 (comm. अस्मात् … अन्यत्); सन्नाहोऽयमतः परं सुवदने चिन्त्यस्त्वया चिन्त्यताम् ĀścaCū. 2. 2 (comm. अतःपरमन्यदेव); **5** beyond this (place or region) विषयानन्तरो राजा शत्रुर्मित्रमतःपरम् AmaK. 1486 = AbhidhāCin. 732; प्रच्छादनं भवेद्वर्त्मे चाक्षिकूटमतःपरम्। तस्मादूर्ध्वं भ्रुवोर्लेखा AśvaVai. 2. 10; रोमराजीं ततो विन्द्या(? द्या)त् मूत्रकोशमतःपरम् AśvaVai. 2. 27; अतरुरवारिरतः परमसमशिलादुर्गमो मार्गः SubhāRaK. 504; प्राक् ताम्रम्। ततो रूप्यम्। ततश्च सुवर्णं प्राप्तम्। तन्नूनमतः परं रत्नानि भविष्यन्ति Pañcā. 265. 17; **6** beyond, more than this (measure, size or number) एकैकहस्तवृद्ध्या तु भवेन्मञ्चमतःपरम् Yukti-Ka. 55. 19; अतः परं प्रमाणेन मानेन च न लक्ष्य(भ्य)ते YuktiKa. 92. 10; 118. 5; त्रिनेत्रं च त्रिभिर्ज्ञेयं बहुनेत्रमतःपरम् YuktiKa. 165. 2; अस्माकं चादशतः संख्याः संख्येये वर्तन्ते। अतःपरं संख्याने संख्येये चेत्यनुशासनाद्दशादिशब्दानां शतादिशब्दवत्संख्यानार्थकत्वाभावात् VyutpaVā. 109. 8.

अतः परेण (ataḥ pareṇa) *adv.* hereafter, henceforth प्रियं मृगक्षीरमभून्न ते प्राक् पेयं मृगीक्षीरमतःपरेण DvyāśraKā. 6. 49.

अतः प्रभृति (ataḥ prabhṛti) *adv.* **1** starting from this (point) अतःप्रभृति सूर्यस्य तिर्यगावर्तते गतिः MahāBhā. v. 108. 14; **2** henceforth, from this time onwards अतः प्रभृति भूयस्त्वं श्रद्धेन्द्रियपुरःसरः। … वृत्तं रक्षितुमर्हसि Saund. 13. 10; आर्य वैहीनरे अतःप्रभृत्यनादृत्य चाणक्यं चन्द्रगुप्तः स्वयमेव राज्यं करिष्यति MudrāRā. 3. 32 (2); BrahmP. 110. 77; अतःप्रभृति कोदण्डमङ्गुलीभिरपि स्फुटम्। आकर्षन् PāṇḍaC. 3. 320; 6. 281; अतःप्रभृति जामातृशुद्धिः PūrāPraSaṁ. 116. 19; **3** hereafter (said in or about the text) अतःप्रभृति द्रव्याणां कर्मणां चार्थे प्रयोजने समत्रैषम्यं वक्ष्यते S'ābaBh. 1208. 16 (*on* iv. 1. 21); तदिदमतःप्रभृति होमाभिषवाभ्यामित्येवमन्तमेकमधिकरणम् S'āstrDī. 285. 15 (*on* iii. 5. 6); 795. 19 (*on* xi. 1. 2); TantrRa. 231. 2 (*on* v. 1. 1); *adj.* beginning with उपदंशस्तृतीयायामित्यतःप्रभृतीन्युपपदान्यमा वा समस्यन्ते PrakriKau. i. 563. 2.

अतःप्राक् (ataḥ prāk) *adv.* before that (part in a text) तेन दीव्यतीत्यतःप्राग्यदितः परं वक्ष्यते तत्राण् प्रत्ययः स्यादिति ज्ञेयम् PrakriKau. i. 695. 5.

अतक (ataka) *m.* wanderer, passer by, traveller [अतति सततं गच्छति, अत्-कन् Apte]

अतक्य (a-takya) *adj.* not worth ridiculing अफक्कतातक्यगुणेन … अमुना। … वृन्दावनमैक्षि DhātuKā. 1. 17 (comm. अतक्याः अपरिहसनीयाः … तक हसने)

अतक्षन् (a-takṣan) *adj.* not (doing the work of) a carpenter क्वचित्तात्कर्म्यात्। यथा अतक्षा तक्षा KāvyPra. 53. 3 = Kāvyānu.(He.) 29. 15; KāvyKaVṛ. 45. 25 (2. 4); Ekāva. 2. 9 (23) (71. 4)

अतक्षर (a-takṣara) *adj.* bestowing much (prosperity) रसा…तवातासा रक्षतस्त्वस्त्वतक्षर Kāvyālaṅ.(Ru.) 5. 20 (comm. तक्षणं तक्षस्तनूकरणं तं राति ददातीति तक्षरः, न तक्षरोऽतक्षरः); KāvyPra. 533. 2.

अतच्छब्द (a-tacchabda) *adj.* not signifying that (i. e. consecration) बर्हिराज्ययोरसंस्कारे शब्दलाभादतच्छब्दः MīmāSū. i. 4. 10; *m.* term not denoting that (Brahman) नानुमानमतच्छब्दात् BrahmSū. i. 3. 3 (S'aṅ. न तच्छब्दः)

अतङ् (a-taṅ) (Gr.) active (i. e. exclusive of the Pratyāhāra *taṅ* i. e. *ta* to *mahiṅ*) personal endings दाधागातिस्थाभूपोऽतङि लुक् CāndrVyā. i. 1. 62; i. 4. 11; क्रमोऽतङाने CāndrVyā. vi. 1. 104; vi. 2. 99; माङ्लटद्दशापेऽतङ्तङ्वच्छत्रानशौ S'ākaṭāVyā. i. 4. 78; iv. 2. 171; मोटयेदतङ्स्त्रयः DaivaVyā. 72.

अतच् (atac) (Gr.) the suffix *ata* भृदृशिवलियजादिभ्योऽतच् SaraKaṇṭhā. (Gr.) ii. 2. 135.

अतच्चमसता (ataccamasa-tā) *f.* the state of not being that *Camasa* (goblet) तथा संबन्धापह्नवादतच्चमसतैव स्यात्, द्रव्यान्तरं स्यात् S'ābaBh. 1000. 9 (*on* iii. 5. 22)

अतच्छक्तित्व (atacchakti-tva) *n.* the state of not having that capacity (वह्नेः) अदाहकत्वम् अतच्छक्तित्वम् NyāyRa. 367. 23 (*on* 5(4). 67)

अतच्छक्तियुक्त (a-tacchaktiyukta) *adj.* not endowed with (i. e. devoid of) that power अदाहक इति। अतच्छक्तियुक्त इत्यर्थः Kāśi. iii. 49. 10 (*on* 5(4). 67)

अतच्छङ्कीभूय (a-tacchaṅkībhūya) *ger.* not having that doubt, undoubtedly किन्त्वयमभ्यवहारकरणादतच्छङ्कीभूय गतो वासरः प्रहरमात्रावशिष्टश्च वर्तते UdaySuKa. 14. 9.

अतच्छरीर (a-taccharīra) *adj.* not constituting his (god) body चतुर्थे तु अतत्कार्यतच्छरीरातदात्मकवस्त्वसंभवः प्रतिपाद्यते S'rutaPra. ii. 204. 5 (*on* i. 4. 29)

अतच्छाखाध्यायिन् (a-tacchākhādhyāyin) *adj.* not studying that branch or recension (of the Veda) शाखान्तरं त्वनधीतमश्रुतम्। कथं तद्विहितानि कर्माण्यतच्छाखाध्यायी वेत्तु ManuBh. i. 145. 26 (*on* 2. 136)

अतच्छास्त्रसिद्ध (a-tacchāstrasiddha) *adj.* not proved or established in that science (i. e. other than grammar) इह तु प्रत्यासत्तेरतच्छास्त्रसिद्धस्यैव वृद्धस्य ग्रहणमित्याह – वृद्धिर्यस्येति PadMañ. *on* P. iv. 1. 113.

अतच्छील (a-tacchīla) *adj.* not possessing that (religious) characteristic धर्मशीले महीपाले यान्ति तच्छीलतां प्रजाः। अताच्छील्यमतच्छीले यथा राजा तथा प्रजाः MahāP. 41. 97.

अतच्छेष (a-tacchesa) *adj.* what does not form remnant of that (i. e. of worship) अतश्च तेषां मांसेन देवार्चनासंभवादतच्छेषस्याभक्ष्यत्वात् ManuBh. i. 430. 29 (*on* 5. 26)

अतच्छेषत्व (atacchesa-tva) *n.* **A** the state of not being its (i. e. milk) subordinate ननु पयसि दध्यानयतीति पयःशेषभूतस्य दध्यानयनस्य पयोरूपयैवामिक्षया प्रयुक्तिर्युक्ता न वाजिनेनातच्छेषत्वात् TantrRa. 71. 5 (*on* iv. 1. 22); **B** the state of not being its (i. e. sacrifice) ancillary rite ततश्चावघातः क्रत्वङ्गत्वादतिदिश्यते न प्रोक्षणमतच्छेषत्वात् S'āstrDī. 576. 8 (*on* ix. 1. 2)

अतच्छेषिभूत (a-tacchesibhūta) *adj.* which has not been its (i. e. study) chief matter न तु … अतच्छेषिभूतश्चाचार्यकरणविधिः TantrRa. 82.4 (*on* iv. 1.24)

अतच्छ्रुति (atac-chruti) *f.* scriptural statement about what is not that (i. e. of atomic size) नाणुरतच्छ्रुतेरिति चेन्न BrahmSū. ii. 3.21.

अतच्प्रत्यय (atac-pratyaya) *m.* the suffix *ata* यस्य…दर्शतं ज्ञानरूपं च दृशेरौणादिकोऽतच्प्रत्ययः NyāySu.(Ja.) 656B.2 (*on* iv. 4.8)

अतज्जनक (a-tajjanaka) *adj.* not the producer of that (i. e. knowledge) द्विविधो ह्यर्थः स्वविषयकबोधजनकः, अतज्जनकश्च PrakaPañ. 197.4.

अतज्जनकरूपत्व (atajjanakarūpa-tva) *n.* the state of not being of the form of that cause अन्यस्माज्जनकात्तेषां व्यावृत्तिरुपवर्ण्यते । अतज्जनकरूपत्वं वाच्यं तच्चेष्टमेव नः TattvSaṁ. 1766 (comm. स चासौ जनकश्च तज्जनको रूपादिः, तस्य रूपं स्वभावः स यस्य नास्ति सोऽतज्जनकरूपस्तद्भावस्तत्त्वम्)

अतज्जननस्वभाव (atajjanana-svabhāva) *adj.* having the nature of not producing that (other thing) यवबीजं चातज्जननस्वभावम् HetuBiṬ. 84.9; 158.1.

अतज्जन्य (a-tajjanya) *adj.* not to be produced from that (thing or person) एकेन वानेको जनितोऽतज्जन्येभ्यो भेदात् PramāVāSvopVr̥. 27.7; गोमयादावतज्जन्येऽप्येष (करोति) शब्दो हि दृश्यते S'lokaVār. 6.159 (770.1); अतज्जन्यं च न ततोऽवधारयितुं शक्यम् NyāyRaMā. 37.26; 91.19; NyāyRa. 56.18 (*on* 2.39)

अतज्जन्यत्व (atajjanya-tva) *n.* the state of non-producible from it (i. e. word) पश्चादतज्जन्यत्वमवगत्य NyāyRaMā. 92.3; 92.7; वाक्यार्थबोधस्यैवातज्जन्यत्वेऽपि MīmāKau. i. 122.5 (*on* i. 3.24)

अतज्जय (a-tajjaya) *m.* absence of victory over him (i. e. enemy) कथंकारमिदं चक्रं विश्रमं यात्वतज्जये MahāP. 34.66.

अतज्जात (a-tajjāta) *m.* not a product of that (place) सारभाण्डमित्यसारभाण्डं तज्जातमित्यतज्जातम् … विक्रयाधानं नयतो हीनमूल्यं चतुष्पञ्चाशत्पणो दण्डः ArthS'ā. ii. 125.6 (4.2)

अतज्जातिमत् (a-tajjātima(n)t) *adj.* not belonging to that category अतज्जातिमति संस्कारसंस्कृतेऽपि प्रयोगाभावाच्च MīmāKau. i. 235.8 (*on* i. 4.10); BhāṭṭCin. ii. 62.8 (*on* i. 4.7)

अतज्जातीय (a-tajjātīya) *adj.* **A** not of that category (i. e. of some other category) न वातज्जातीयव्यवायात् Vār. 8 (*on* P. i. 1.7) (MahāBh. अतज्जातीयस्य व्यवायात्); येन च ज्ञायन्ते सः ज्ञातृत्वात् अतज्जातीयः UpadeSā. 106.3; VyaktiVi. 78.28; अतज्जातीयेन तु विरूपम् । तत्तु षोढा NyāyPari. 238.5; अतज्जातीये च लवनादिसंस्कृते अयाज्ञिकानां बर्हिरादिशब्दप्रयोगाभावात् MīmāKau. i. 236.8 (*on* i. 4.10); **B** not belonging to that caste ततोऽतज्जातीययोर्वैश्यब्राह्मणयो राजोपपदवशेनार्थान्निवृत्तेः S'āstrDī. 162.14 (*on* ii. 3.2)

अतज्जातीयक (atajjātīya-ka) *n.* not belonging to the same category अतज्जातीयकं हि लोके व्यवधायकं भवति MahāBh. 59.15 (*on* P. i. 1.7)

अतज्जातीयत्व (atajjātīya-tva) *n.* the state of not belonging to that category ननु रसगन्धस्पर्शानां उपादानाभेदमेदानुबद्धं तज्जातीयातज्जातीयत्वम् NyāyVārPari. 516.11; S'rutaPra. i(B). 113.19 (*on* i. 1.2)

अतज्जातीयव्यवाय (atajjātīya-vyavāya) *m.* intervention by an object of a different category न वातज्जातीयव्यवायात् Vār. 8 (*on* i. 1.7)

अतज्जातीयव्यावृत्त (atajjātīya-vyāvr̥tta) *adj.* excluded from those of different category तासां च तद्वृत्तीनां रूपमतज्जातीयव्यावृत्तम् TātpaṬ. (Vā.) 487.18 (*on* ii. 2.65)

अतज्ज्ञ (a-tajjña) *adj.* not knowing the thing, ignorant of that अयमप्यतज्ज्ञः । गान्धारराजस्य सुतं मताक्षं समाह्वयद्देवितुमाजमीढः MahāBhā. v. 2.9; BhāgP. v. 5.15; v. 9.10; सर्वदेहिनाम्–तज्ज्ञानामतज्ज्ञानाञ्च सर्वेषां प्राणिनाम्, ग्राह्यग्राहकसंवित्ति: Bhāsk. i. 392.17 (*on* i. 7.14); ii. 85.18 (*on* ii. 3.2); VedāntKau. 90.5 (*on* i. 3.14); 128.17 (*on* i. 4.11)

अतज्ज्ञान (ataj-jñāna) *n.* knowledge of other than that अतज्ज्ञानावि(त्र)च्छेदादिति चेत्, तत एव तत्रानपेक्षा निवर्तताम् NyāyKu. 72.15.

अतट (a-taṭa) *m.* **1** precipice असंनिवृत्त्यै तदतीव मन्ये मनोरथानामतटप्रपातम् S'āk. 6.11; प्रपातस्त्वतटो भृगुः AmaK. 641; AbhidhāCin. 1032; KośaKaTa. 1.2823; 2.5490; KalpaK. 342.17; **2** name of a third hell [MW]; *adj.* [*f.* -ā] **1** having no banks मकरयुक्तमीनराशियुता रात्रिंचरव्याप्तदिङ्मुखा । द्रुतममावास्येवातटा मुदं चक्रे नदी तामसं तदा Rāvaṇā. 9.31; **2** precipitous निःशुष्कैरतटैर्महाहिमपथैरुल्लङ्घ्य घोरान्गिरीन् SamaMā. 2.92.

अतटप्रपात (ataṭa-prapāta) *m.* fall from a precipice, precipitate fall असंनिवृत्त्यै तदतीव मन्ये मनोरथानामतटप्रपातम् S'āk. 6.11; PādaTā. 34.2.

अतटस्थ (a-taṭastha) *adj.* not standing on the bank अतटस्थस्वादुफलग्रहणव्यवसायनिश्चयो येषाम् । ते शोकक्लेशरुजां केवलमुपयान्ति पात्रतां मन्दाः KuṭṭaMa. 825.

अतटाघात (ataṭāghāta) *m.* attack on the precipice, striking the precipice तत्रैकं करिणीवियुक्तमतटाघातक्रियाकौतुकम्…गजम् । दृष्ट्वा … ब्रूते स ते वल्लभः SūktiMu. 46.4.

अतण्डुलत्व (ataṇḍula-tva) *n.* the state of not being rice दधिपयसोरतण्डुलत्वेन देवतापनयो न स्यात् NyāyMāVi. 341.8 (*on* vi. 5.4)

अतण्डुलभूत (a-taṇḍulabhūta) *adj.* not turned into rice-grains सोऽतण्डुलभूतेषु नावकल्पते S'ābaBh. 1464.23 (*on* vi. 5.16)

अतत् (at-at) *adj.* **i** spreading over, extending, crossing over सा नो विश्वा अति द्विषः स्वसॄरन्या ऋतावरी । अतन्नहेव सूर्यः R̥V. vi. 61.9; **ii** going प्रतिजपितुर्विततो दूतदण्डाननुप्रविष्टास्तीक्ष्णाः शस्त्ररसादिभिरेषां छिद्रेषु प्रहरेयुः ArthS'ā. iii. 76.5 (9.5); HarVi. 43.3.

अतत (a-tata) *adj.* not full of, not covered, not present तदनु गतायामन्तं निशि पार्थं धृतधनुर्लतायामन्तम् । आहूयाकुर्वत ते देशे समरं जिघांसया कुर्वतते (comm. अतते अभृते) YudhiVi. 7.46.

अततवत् (a-tatavat) (Gr.) suffixes other than (*k*)*ta* and (*k*)*tavat* वेः स्कन्दोऽततवतोः CāndraVyā. vi. 4.62.

अततस् (a-tatas) *adv.* not from that, not owing to that, not due to that अततश्च न ततश्चेत्यर्थः NyāyVārPari. 643.5.

अतति (atati) *m.* root *at* अततेर्डः अः MahāBh. i. 183.25 (*on* i. 1.72); आत्मा आप्नोतेरत्तेरततेर्वा AitUBh. 249.16 (*on* 1.1); ChāndoUBh. 176.8 (*on* iii. 14.2); अततिः … पुमांस्त्वततिधातौ स्यात् NānārthāSaṁ. ii. 59.149; ii. 59.150; *f.* way अततिस्तु पथि स्त्रियाम् NānārthāSaṁ. ii. 59.149.

अतत्कर्तृत्व (atatkartr̥-tva) *n.* the state of not being the agent of it तत्र सन्निपाते अतत्कर्तृत्वान्निमित्तविघातादनङ्गं नाराशंसः TupṬ. 146.5 (*on* vi. 6.1)

अतत्कर्मन् (a-tatkarman) *n.* not being its object नाप्यतत्कर्म तद्व्यापारविषयः NyāyVārPari. 32.5.

अतत्कारण (a-tatkāraṇa) *n.* not the cause of it कार्यस्यापि भेदोऽतत्कारणेभ्यो भिन्नस्वभावतोच्यते HetuBiṬ. 95.19; TattvSaṁ. 1041; AbhinBhā. i. 274.18 (*on* 6.31)] NyāySu.(Ja.) 464B.4 (*on* iii. 2.1)

अतत्कारणजन्यता (atatkāraṇajanya-tā) *f.* the state of being originated from what is not its cause तत्किम् … स्यात् … अकारणजन्यतया अतत्कारणजन्यतया वा Vādā. 107.2.

अतत्कारणता (atatkāraṇa-tā) *f.* the state of not being its cause अतत्कारणतया प्रसङ्ग एव अस्य नास्ति NyāyVārPari. 631.6; NyāyKu. 77.15.

अतत्कारणत्व (atatkāraṇa-tva) *n.* the state of not having that for its cause सन्निधानेऽप्यनुत्पन्नस्यातत्कारणत्वात् तयोर्भिन्नाखिलकारणत्वम् PramāVāsvopVr̥. 92.10; न तु कोशी तस्य प्रकृतिरिति । अतत्कारणत्वात् Nyās. ii. 12.15 (*on* v. 1.12)

अतत्कारणभेद (atatkāraṇa-bheda) *m.* diversity of causes other than that thing अतत्कारणभेदेन क्वचिच्छब्दो निवेद्यते । प्रयत्नोत्थो यथा शब्दो भ्रामरं वा यथा मधु TattvSaṁ. 1041.

अतत्कारिन् (a-tatkārin) *adj.* not producing that तत्कारिणामतत्कारिभेदसाम्ये न किं कृतः । तद्वद्दोषस्य साम्याच्चेदस्तु जातिरलं परा PramāVār. 1.97; 1.111; 1.113; PramāVāSvopVr̥. 25.6; न च सर्वस्य भावस्यार्थक्रियाकारितानियमः, अतत्कारिणोऽपि संभवात् S'āstrDī. 144.17 (*on* i. 1.6); S'arka. 26.27.

अतत्कार्य (atat-kārya) *adj.* having a different purpose सा चातत्कार्यविश्लेषः तदन्यस्यानुवर्तिनः । अदृष्टेः प्रतिषेधाच्च संकेतस्तद्विदर्थिकः PramāVār. 1.112; 1.140; 3.162; PramāVāSvopVr̥. 16.27; TattvSaṁ. 1039; अतत्कार्यस्य संमार्गः परिषेर्न कृतो भवेत् TantrVā. 392.21 (*on* ii. 1.12) साध्योऽर्थश्चेदतत्कार्यो वाक्ये यस्मिन्प्रकल्प्यते VisnuDhaP. iii. 5.29; *n.* effect having a different cause जात्यन्तरोपलम्भेन कथञ्चित्सकलग्रहः । अतर्का(त्का)र्यव्यवच्छेदेऽप्यर्थमात्रोप्र(प)योगतः PramāSaṁ. 3.42; अतत्कार्यपरावृत्त आकार उल्लिख्यते NyāyMañ. i. 280.21; PrakaPañ. 200.19; विभावाद्योऽतत्कारणातत्कार्यात्तत्सहचाररूपाः AbhinBhā. i. 274.18 (*on* 6.31); चतुर्थे त्वतत्कार्यात्तच्छरीरात्तदात्मकस्वस्वसंभवः प्रतिपाद्यते S'rutaPra. ii. 204.5 (*on* i. 4.29)

अतत्कार्यता (atatkārya-tā) *f.* the state of not being its effect एताभिश्च प्रकारैरतत्कार्यता भवन्ती भवेत् HetuBiṬ. 45.21; 45.22.

अतत्कार्यत्व (atatkārya-tva) *n.* the state of not being its effect

चरमधातुविसर्गादीनां चानुवृत्तावप्यतत्कार्यत्वात् NyāyVārPari. 525. 14; S'rutaPra. ii. 204. 21 (*on* i. 4. 29)

अतत्कार्यार्थ (a-tatkāryārtha) *m.* object having a different purpose तत्स्वभावग्रहाद्या धीस्तदर्थे वाप्यनर्थिका । विकल्पिकातत्कार्यार्थभेदनिष्ठा प्रजायते PramāVār. (SvopVr. Ed.) 1. 78; 1. 85.

अतत्काल (a-tatkāla) *adj.* **i** not belonging to that time, not of that time असन्त इति ह्यतत्काला अतद्देशा इति वा ĀtmaTaVi. 524. 12; **2** not governed by its time अतत्कालादिरप्यात्मा NyāyVi. 2. 42.

अतत्कालकृत (a-tatkālakrta) *adj.* not carried out immediately अशुचित्वमतत्कालकृतशौचस्यावस्थाने प्रतिषिद्धसेवनादि ManuBh. i. 129. 17 (*on* 2. 102)

अतत्कालत्व (atatkāla-tva) *n.* **i** the nature of having a different syllabic length प्लुतानां तु प्रगृह्यसंज्ञा न प्राप्नोति । किं कारणम् । अतत्कालत्वात् MahāBh. i. 66. 5 (*on* i. 1. 11); **ii** the state of belonging to a different time अतत्कालत्वान्न तदर्थम् SaṅkarKāBh. 19. 13 (*on* i. 2. 20)

अतत्कालवर्तिन् (a-tatkālavartin) *adj.* [*f.* -ī] not existing at that time 'तात्कालिकी' यस्मिन्काले उपवासादिव्रतपारणं मरणं वा तत्कालवर्तिन्येव तयोस्तिथिः । न पुनरतत्कालवर्तिनी CaturCin. iii(1). 281. 19; iii(2). 542. 10; NyāyPari. 499. 1.

अतत्कालीन (a-tatkālīna) *adj.* not of that time अतत्कालीनस्य चापूर्वस्य तच्छक्तिवत्तद्व्यापारत्वायोगात् NyāyRaMā. 194. 23.

अतत्कुलीन (a-tatkulīna) *adj.* belonging to a different family राजकुलीनापहारस्यातत्कुलीनापहारापेक्षया गुरुत्वादार्थशारीरदण्डयोः साहित्यं वाक्यार्थः DaṇḍaVi. 128. 6.

अतत्कृत (a-tatkrta) *adj.* not produced by him न ह्येकेन कृतोऽन्येषामघटः स्यात्, अतत्कृतोऽपि IṣṭaSi. 213. 2.

अतत्क्रतु (atat-kratu) *adj.* one who contemplates on other than it (Brahman) न च ब्रह्मक्रतव एव ब्रह्मलोकभाजो नातत्क्रतवः Bhām. 751. 19 (*on* iv. 3. 15); अपरं प्रतीकदृशोऽपि नयति वचनादमानवः । ब्रह्म ये च वचसो विषयान् द्युमुखान्धिदृष्टिवदतत्क्रतूनपि NayaMañ. IV. iii. 6. 11.

अतत्क्रतुत्व (atatkratu-tva) *n.* the characteristic or state of being one who contemplates on other than it (Brahman) न च तत् (पारमेश्वररूपम्) निर्विकाररूपम् इतरालम्बनाः प्राप्नुवन्तीति शक्यं वक्तुम् अतत्क्रतुत्वात्तेषाम् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 860. 6 (*on* iv. 4. 19); PrakaVi. 1088. 19; विकारालम्बनानां निर्विकारपररूपप्राप्तिरनुपपन्ना अतत्क्रतुत्वादित्यभिप्रायः SrutaPra. ii. 653. 29 (*on* iv. 4. 22)

अतत्क्रिय (a-tatkriya) *adj.* one whose duty is not that (action) अतत्क्रियस्य प्रदोषे हरिदर्शनादिकं प्रतिषिध्यते PāñcRāRa. 151. 14.

अतत्क्रियाकारिन् (a-tatkriyākārin) *adj.* which is not productive of that action, not producing that action अथैकार्थक्रियाकारित्वात् अतत्क्रियाकारिव्यावृत्तेस्तुल्यत्वात् BrahmSi. 73. 5.

अतत्क्रियायोग (atatkriyā-yoga) *m.* connection with action different from that सोऽयमतत्क्रियायोगः AlaṅkāSa. 99. 12.

अतत्ख्यातित्व (atatkhyāti-tva) *n.* the state of not being the perception of that (object) न हि सा अन्यत्र सता रूप्येण अरूप्येण वा तत्रस्थेन सार्था स्यात्, अतत्ख्यातित्वात् IṣṭaSi. 130. 15.

अतत्तत्त्व (atattat-tva) *n.* the state of turning into what is not that (i. e. different) कृभ्वस्तिभ्यां कर्मकर्तृभ्यां प्रागतत्तत्त्वे च्विः SiddhaHe. vii. 2. 126; कृभ्वस्तियोगेऽतत्तत्त्वसंपत्तरि च्विः JaineVyā. iv. 2. 55; कर्मकर्तृभ्यां प्रागतत्तत्त्वे च्विः S'akaṭāVyā. iii. 4. 55.

अतत्तत्त्वविद् (a-tattattvavid) *adj.* not knowing the true nature (i. e. cause) of it (calamity) दृष्ट्वान्यांश्च महोत्पातानतत्तत्त्वविदः प्रजाः । ··· भीता मेनिरे विश्वसंप्लवम् BhāgP. iii. 17. 15.

अतत्तात्पर्यवती (a-tattātparyavatī) *adj.* (*f.*) not purporting to mean that देशना शून्यतैवाद्वयातल्लक्षणा अतत्तात्पर्यवत्यभिन्ना VedāntKa. 272. 20 (*on* ii. 2. 18)

अतत्तुल्य (a-tattulya) *adj.* not equal to it, which is not its equal एवं तत्तुल्यसद्भाव इति अत्रापि तत्तुल्य एव नातत्तुल्ये सद्भाव एव नासद्भाव इति पदार्थः TātpaṬ.(Vā.) 192. 25 (*on* i. 1. 5); गोत्वारोपेण वाहीके तत्साम्यमनुमीयते । को ह्यतस्मिन्नतत्तुल्ये तत्त्वं व्यपदिशेद्बुधः VyaktiVi. 24. 21; ब्रह्मै(व) तत्त्वमित्यङ्गीकुर्वतोऽपि सर्वं अतत्तुल्यमिति चेत् TarkSaṁ.(Ā.) 7. 12.

अतत्त्व (a-tattva) *adj.* **i** false, unreal, what is not true अतत्त्वं कुरुते तत्त्वं तेन मोहयते प्रजाः MahāBhā. v. 68. 14; v. 85. 8; सान्त्वं ह्यतत्त्वं परुषं च तत्त्वं ह्रियाशकन्नात्मन एव वक्तुम् BuddhaC. 2. 38; अतत्त्वमिति मन्यन्ते तत्त्वमेवाविचारितम् VākyaPa. 3(2). 7; तदसत्त्वमतत्त्वं वा NyāyVi. 2. 59; सोऽयमतत्त्वे तत्त्वदृक् NaiṣkaSi. 182. 5; अतत्त्वात्सर्वविषयं विविनक्ति स्मृतिर्न चेत् VibhraVi. 68; 151; कर्मादिहेतुजं रूपमतत्त्वं तदनन्वयात् BrĀraUBhVā. ii. 1. 206 (Ānandagiri अनात्मा); अतत्त्वे तत्त्वविज्ञानम् Yas'asCam. ii. 282. 21; लौकिकानां वैदिकानां छन्दसि भाषायां निगम इति चातत्त्वे भेदे युक्तम् NayaVi. 260. 5 (*on* i. 1. 24); S'ivS. 1. 88; अतत्त्वं तत्त्वमात्मानम् ··· अबुद्धत्वाद्धि मन्यते BrahmP. 241. 51; (समापत्तिः) वस्तुतत्त्वग्राहिणी नातत्त्वे प्रवर्तत इत्यर्थः TattvVai. 50. 17 (*on* 1. 44); तत्प्रत्यनीकाब्रह्मात्मकवस्तुनानात्वमतत्त्वमिति प्रतिषिध्यते GītāBh.(Rā.) 574. 16 (*on* 13. 2); असद्गुरुगिरा मेऽभूदतत्त्वे तत्त्वधीश्चिरम् PariPar. 5. 48; कथंभूतेऽन्धतमसे इति द्रव्यान्धकारव्यवच्छेदार्थमाह । तत्त्वातत्त्वव्यतिकरकराले SyādvāMañ. 32 (12); भ्रान्तिर्विपर्ययज्ञानं द्विधा सापि प्रयुज्यते । अतत्त्वे तत्त्वरूपा च SaraKaṇṭhā. 363. 11; NyāyKu. 25. 3; उभयमपि किं तत्त्वम्? उभयमप्यतत्त्वम्? उतान्यतरत्तत्त्वम्? अन्यतरदतत्त्वम् S'atDū. 196. 25; इति तत्त्वमतत्त्वं च यथावदवगाह्या । अच्यीनच्यौ धिया भिन्दन् Yādavā. 6. 97; अतत्त्वं तात्त्विकत्वेन प्रपञ्चं नावभासयेत् Nyāyāmr. 143A. 7; बाधेन हि किंचिद्विरुद्धं तत्त्वमुपदर्शयता आरोपितमतत्त्वम् बाधनीयम् AdvaiSi. 495. 25; अतत्त्वे तत्त्ववादी वराकः AdvaiSi. 709. 4 = 900. 10; यत्र विवादविषये प्रत्यर्थी संदिहानस्तत्र तस्योत्तरानर्हतेति व्यवहारतत्त्वलिखनं त्वतत्त्वमेव VīraMi.(Vyavahāra.) 86. 3; **ii** the state of being other than that अतथाभूतस्य च तल्लक्षणानुपपत्तेः अतत्त्वात् Kiraṇā. 16. 3; न च वदतेः प्रकाशो वाच्य इति शक्यं वक्तुम् ··· प्रकाशस्य चातत्त्वात् VyaktiVi. 24. 13; तस्य (वाक्यस्य) अतत्त्वात् GuruCandr. i. 94. 12; **iii** beyond which there is no other principle (i. e. the Self) अजममरमतत्त्वं चिन्तयन्नात्मतत्त्वं गतभयमपवर्गं शाश्वतं सोऽभ्युपैति NyāyMañ. ii. 76. 31.

अतत्त्वकुशल (a-tattvakus'ala) *adj.* not well-versed in the essence of that science (i. e. Polity) अन्ये ते पुनर्नाममात्रमन्त्रिणः (v. l. ते महामूर्खा मन्त्रिमात्रव्यपदेशोपजीविनोऽतत्त्वकुशलाः) PañcT. 3. 85 (352. 5, FN.)

अतत्त्वकोटिनिवेश (atattvakoṭi-nives'a) *m.* placement in the group or inclusion in the class of unreals तत्त्वविषयत्वस्याप्यतत्त्वकोटिनिवेशेन पुनरप्यविशेषात् S'atDū. 143. 27.

अतत्त्वगोचर (atattva-gocara) *adj.* having for its object what is not true or real अनुत्पन्न एव तत्त्वज्ञाने श्रवणमननिदिध्यासनैः क्रमात्तन्निरास इति चेत् किं तानि तत्त्वगोचराणि? उतातत्त्वगोचराणि S'atDū. 61. 5.

अतत्त्वज्ञ (a-tattvajña) *adj.* not knowing the truth or (ultimate) reality अतत्त्वज्ञोऽसि बालश्च MahāBhā. xii. 171. 38; xii. 276. 1; एवमनादिः क्लेशसंततिरतत्त्वज्ञस्य तत्त्वज्ञानेन विरोत्स्यत इति NyāyVār. 502. 2 (*on* iv. 1. 67); अतत्त्वज्ञस्य तमसो रज्ज्वज्ञानोरगादिवत् ।··· मिथ्याज्ञानं प्रजायते BrĀraUBhVā. i. 3. 314; i. 4. 1781; i. 5. 273; वयं सर्वे ··· अतत्त्वज्ञाः SkandP. i(1). 31. 47; i(1). 6. 66; अतत्त्वज्ञोऽसि प्रतीतिवृत्तस्य PratyabhiVi. ii. 86. 10 (*on* ii. 3. 2); जीवोऽपि ब्राह्मणः प्रोक्तो यैरतत्त्वज्ञमानवैः BhaviP. 79A. 11 (i. 40. 22); 82B. 5 (i. 41. 54); अतत्त्वज्ञमनादेयवचनम् ···। यः पृच्छति नरं तस्मान्नास्ति मूढतरो नरः YogVā. ii. 11. 45; v. 50. 52; किमेवमसि ···। मुमुक्षुणेवातत्त्वज्ञेनात्मा यत्खेदितश्चिरम् PariPar. 8. 395; Surath. 9. 55; यदा समाहितव्यवहर्तारौ उभावप्यतत्त्वज्ञौ सवासनौ च JīvanVi. 140. 2; अतत्त्वज्ञविषयोक्तवाक्यानुसारेण तत्त्वज्ञविषयमध्यवाक्यस्य स्वार्थसमर्पणेनाप्युपयुक्तत्वात् AdvaiSi. 842. 23.

अतत्त्वज्ञान (a-tattvajñāna) *n.* **i** erroneous knowledge, wrong knowledge आत्मादीनामन्यतमस्याप्यतत्त्वज्ञाने संसारानिवृत्तेः TātpaṬ.(Vā.) 36. 2 (*on* i. 1. 1); 208. 16 (*on* i. 1. 9); ĀtmaTaVi. 10. 12; तत्त्वज्ञानाच्च निःश्रेयसाधिगमो नातत्त्वज्ञानाद्भवितुमर्हति Bhām. 63. 16 (*on* i. 1. 1); 31. 21 (*on* i. 1. 1); 'विपर्ययाद्' अतत्त्वज्ञानाद् 'इष्यते बन्धः' SāṁkhyaTaKau. 406. 5 (*on* 44); 487. 5 (*on* 65); अतत्त्वानुभवो (v. l. अतत्त्वज्ञानम्) अप्रमा SaptaPa. 140 (39); जिज्ञासितस्यातत्त्वज्ञानव्यतिरेकप्रमाणामभावसमुदायः स्वव्यापकं जिज्ञासितस्य प्रमितत्वमानयति KhaṇḍanKhā. 81. 7; S'rutaPra. iB. 81. 24 (*on* i. 1. 1); ii. 576. 20 (*on* iv. 1. 3); S'atDū. 50. 23; 52. 23; 142. 14; **ii** knowledge of an entity other than the (thirty-six) principles तत्त्वज्ञानं हि तज्ज्ञानमतत्त्वज्ञानमन्यथा । षट्त्रिंशदेव तत्त्वानि विश्वसिद्धेर्यथार्थतः ĪśānS'iPa. ii. 1. 156.

अतत्त्वज्ञानजाता (atattvajñāna-jātā) *adj.* (*f.*) arising from nescience अतत्त्वज्ञानजातेयं संसारभ्रान्तिरातता । तत्त्वज्ञानात् क्षयं याति रज्ज्वामिव भुजंगधीः YogVā. v. 18. 30.

अतत्त्वज्ञानत्व (atattvajñāna-tva) *n.* the state of being wrong knowledge ब्रह्मण्यसतां तेषां तत्त्वज्ञानोदयदशायां प्रकाशे तत्त्वज्ञानस्यैवातत्त्वज्ञानत्वप्रसङ्गेन पुनरप्यनिर्मोक्षप्रसङ्गात् S'atDū. 146. 15.

अतत्त्वज्ञानदशा (atattvajñāna-das'ā) *f.* the state of the absence of the knowledge of reality नन्वतत्त्वज्ञानदशायामुपदेशादयः सत्या एव VedāntTaSā. 7. 2.

अतत्त्वज्ञानवत् (a-tattvajñānava(n)t) *adj.* (a person) lacking in the knowledge of the ultimate reality अतत्त्वज्ञानवतः संसारं दर्शयित्वा तत्त्वज्ञानवतः संसारनिवृत्तिमाह TātpaṬ.(Vā.) 639.25 (*on* iv. 2.1)

अतत्त्वतस् (atattva-tas) *adv.* not in reality ततस्तत्त्वं गतं केन कुतस्त्वमतत्त्वतः NyāyVi. 2.58 (comm. अतत्त्वतः अविद्यमानसद्भावाद्विचारात्); अतत्त्वतोऽन्यथाभावो विवर्तः VedāntKa. 2.25 (*on* i. 1.0); अतत्त्वतस्तदानीमपि तद्व्यवहारोपपत्तेः NyāySiA. 215.5.

अतत्त्वता (atattva-tā) *f.* unreality कपालादीनामण्वन्तानां सर्वेषां अतत्त्वता प्रतिपादिता ··· तदतत्त्वताया अप्रदर्शनात् GuruCandr. i. 90.3.

अतत्त्वदर्शन (atattva-darśana) *n.* false knowledge तमसाभिभवाज्जन्तुर्यं(? र्या)थातथ्यं न विन्दति । अतत्त(? त्त्व)दर्शनात्सोऽथ त्रिविधं बध्यते ततः VāyuP. ii. 40.58.

अतत्त्वदर्शिन् (atattvadarś-in) *adj.* [*f.* -inī] not knowing the reality अतत्त्वदर्शिन्यो हि भवन्त्यविदग्धानां धियः HarṣaC. 275.1; Kād. 149.22; TātpaṬ.(U.) 238.18 (*on* 5 (3). 201); अहो असेव्याः साधूनां राजानोऽतत्त्वदर्शिनः KathāSaSāg. viii. 6.152.

अतत्त्वदोष (a-tattvadoṣa) *m.* defect not pertaining to the nature of the probans (*hetu*) अतत्त्वदोषाश्छलजातिनिग्रहा विमतबोधोपायतयादृतास्ताकिकैः NayaVi. 140.5 (*on* i. 1.5)

अतत्त्वनिर्बन्ध (atattva-nirbandha) *m.* attachment to falsehood वितथाभिनिवेशोऽतत्त्वनिर्बन्धः DīpKa. 87.15 (*on* 3.134)

अतत्त्वनिष्ठ (atattva-niṣṭha) *adj.* based on unreality इतरेतरविरुद्धद्वैतवादाः···अतत्त्वनिष्ठाः ChāndoUBh. 355.10 (*on* vi. 3.2)

अतत्त्वपराङ्मुखत्व (atattvaparāṅmukha-tva) *n.* the state of being averse to whatever is unreal तत्त्वज्ञानावहितत्वमतत्त्वपराङ्मुखत्वं च मुनेः प्रतिपाद्यते VyaktiVi. 134.7.

अतत्त्वप्रसङ्ग (atattva-prasaṅga) *m.* contingency of not being in an (effective) stage आद्येऽशालेरतत्त्वप्रसङ्गः द्वितीये तु शालेरेवातत्त्वप्रसङ्गः ĀtmaTaVi. 84.5.

अतत्त्वबुद्धिता (atattvabuddhi-tā) *f.* the nature of being false knowledge संशयस्यापि भवद्भिरतत्त्वबुद्धितयाङ्गीकारात् KhaṇḍanKhā. 1248.9.

अतत्त्वभाषिन् (atattvabhāṣ-in) *adj.* telling lies दृष्टार्थातत्त्वभाषिणः। पाषण्डिनस्तापसादीन् परराष्ट्रे नियोजयेत् YuktiKa. 10.5.

अतत्त्वरूप (atattva-rūpa) *adj.* [*f.* -ā] of unreal form यतस्तत्त्वरूपतया जनिताः संस्काराः बलवत्त्वादतत्त्वरूपप्रज्ञाजनितान् संस्कारान् बाधितुं शक्नुवन्ति RājMār. 21.17; अतत्त्वरूपे यन्मिथ्यैव तत्त्वारोपणम् SaraKaṇṭhā. 364.1; (भ्रान्तिः) अतत्त्वरूपा तत्त्वे SaraKaṇṭhā. 365.8.

अतत्त्वरूपिणी (a-tattvarūpiṇī) *adj.* (*f.*) of a form different from the real nature (of a thing) भ्रान्तिः विपर्ययज्ञानं द्विधा सापि प्रयुज्यते । अतत्त्वे तत्त्वरूपा च तत्त्वे चातत्त्वरूपिणी SaraKaṇṭhā. 363.11.

अतत्त्वलोलुप (atattva-lolupa) *adj.* desirous of the unreal यद् बुध्यते न तत्त्वं तद् यत्तत्त्वं तन्न बुध्यते । अतत्त्वलोलुपो·लोको धिग्मू(? ड्मू)खैर्विप्रतार्यते MalliC. 3.158.

अतत्त्ववचन (atattva-vacana) *n.* utterance of falsehood न तत्त्ववचनं सत्यं नातत्त्ववचनं मृषा। यद्भूतहितमत्यन्तं तत्सत्यमिति कथ्यते SūktiRa. 10.2 = Subhāṣi. 2969.

अतत्त्ववाद (atattva-vāda) *m.* false doctrine देहाद्बहिरात्मतत्त्वमतत्त्ववादोपहताः पठन्ति MahāViSt. 1(H.).9; तस्य च अतत्त्ववादे हि विरोधं ब्रूमः NyāySiA. 191.8.

अतत्त्ववादिन् (atattvavād-in) *adj.* propounder of falsehood or untruth निग्रहस्थानानि···तत्त्ववादिनमतत्त्ववादिनं चाभिसंप्लवन्ते NyāyBh. 333.5 (*on* v. 2.1); NyāyMañ. ii. 191.1.

अतत्त्ववासना (atattva-vāsanā) *f.* latent impression of unreality उत्तरत्रातत्त्ववासनया कथं तत्त्वज्ञानोत्पत्तिप्रतिबन्धकवासनानिरासः S'atDū. 61.5.

अतत्त्ववित्तम (atattvavit-tama) *adj.* most ignorant of the reality मया समं त(? य)त्त्वमतत्त्ववित्तमो मुधा कृतोन्मादविवादसादरः KāvyKaVṛ. 22.5 (1.4)

अतत्त्वविद् (a-tattvavid) *adj.* not knowing the truth or essence or real nature, ignorant अज्ञातौषधिमन्त्रस्तु···यश्च व्याधेरतत्त्ववित्। रोगिभ्योऽर्थं समादत्ते स दण्ड्यः···भिषक् BṛhaspaSm. 179.10; BhāgP. iv. 3.11; NaraP. 43.9; अतत्त्ववित् अहंकारविमूढात्मा कर्ताहमिति मन्यते, तत्त्ववित्तु नाहं करोमि इति GītāBh.(S'aṅ.) 37.6 (*on* 2.21); BṛĀraUBhVā. ii. 1.577; VedāntKa. 31.7 (*on* i. 1.1); अतत्त्वविरूज्यनवारकूटभूषायमाणाः पुरुषा यदीये । प्रज्ञाविशेषे निकषे प्रयान्ति विवर्णतां धर्मविधौ स्वकीयाम् Raghunā. 3.13; 3.6; Jivān. 16.7.

अतत्त्वविदुर (a-tattvavidura) *adj.* not knowing the truth अतत्त्वविदुरो जन्तुरमार्गज्ञ इवाध्वगः । अस्मिन् संसारकान्तारे बम्भ्रमीति TriṣaS'aPuC. iv. 4.222.

अतत्त्वविद्वस् (a-tattvavidvas) *adj.* not knowing the truth अतत्त्वविदुषां श्रुङ्गे न पुच्छे ग्रहः UdaySuKa. 157.23.

अतत्त्वविषय (atattva-viṣaya) *adj.* having (something) unreal as the object प्रमाणसिद्धयोःसंशयविपर्यययोरतत्त्वविषययोरप्रमात्वात् NyāyKu. 54.18.

अतत्त्वविषयत्व (atattvaviṣaya-tva) *n.* the state of having (something) unreal as the object अतत्त्वविषयत्वेन परमार्थतोऽसाध्वपि साधनमह्नाय दूषणस्याप्रतिभासनात् साध्वित्युक्तम् TātpaṬ.(Vā.) 672.5 (*on* v. 1.1); गरुडोऽहमितिवदीश्वरोऽहमिति ज्ञानस्यातत्त्वविषयत्वात् S'rutaPra. ii. 576.20 (*on* iv. 1.3)

अतत्त्ववृत्ति (atattva-vṛtti) *adj.* engaged in the pursuit of an unreal object मतिमानतत्त्ववृत्तिः ··· विभाति भवान् KāvyPra. 130.2 (comm. अवस्तुभूते विषये व्यवसायः यस्य तादृशः)

अतत्त्ववेदित्व (atattvavedi-tva) *n.* the state of being one who does not know truth or reality वरमितोऽतत्त्ववेदित्वम् ĀtmaSi. 26.6; अहो विषयलोलत्वमहो चाज्ञानजृम्भितम् । अहो अतत्त्ववेदित्वम् SamarāSaṁ. 9.377.

अतत्त्वव्यवच्छेदक (atattva-vyavacchedaka) *adj.* differentiating (an object) from the state of being other than that (object) तत्रोद्दिष्टस्यातत्त्वव्यवच्छेदको धर्मो लक्षणम् NyāyBh. 14.3 (*on* i. 1.3) (ASS. Ed.)

अतत्त्वशील (atattva-śīla) *adj.* practising the unreal (i. e. improper diction) अतत्त्वशीलस्य तत्त्वानिष्पत्तेः । न ह्यतत्त्वं शीलयतस्तत्त्वं निष्पद्यते KāvyālaṅSū. i. 2.17.

अतत्त्वसंसक्त (attattva-saṁsakta) *adj.* attached to unreality अवैतु शास्त्राणि नरः ···करोतु···तपांसि··· । अतत्त्वसंसक्तमनास्तथापि नो विमुक्तिसौख्यम्··· अश्नुते SubhāRaSaṁ. 144.

अतत्त्वसंस्कार (atattva-saṁskāra) *m.* subliminal impression which refers to unreality संस्कारबुद्धिः । चक्रक्रमेणावर्तमानानादिमप्यतत्त्वसंस्कारबुद्धिक्रमं बाधत एव TattvVai. 54.12 (*on* 1.50)

अतत्त्वसंभव (a-tattvasambhava) *m.* possibility of not being that एकत्र वृत्तिनियामकस्यापरत्र(? त्रा)तत्त्वसंभवात् GuruCandr. i. 30.4.

अतत्त्वानुपातित्व (atattvānupāti-tva) *n.* the state of not referring to the truth or fact अतत्त्वानुपातित्वादतत्त्वानुपात्ययं निर्णयान्तो वितर्कः SaraKaṇṭhā. 370.16; सोऽयं तत्त्वानुपातित्वादतत्त्वानुपातित्वाचोभयात्मा···वितर्कः SaraKaṇṭhā. 370.23.

अतत्त्वानुपातिन् (atattvānupātin) *adj.* having the unreal as the final determination (वितर्कः) तत्त्वानुपात्यतत्त्वानुपाती यश्चोभयात्मकः । स निर्णयान्तः SaraKaṇṭhā. 369.23; 370.10.

अतत्त्वानुभव (atattvānubhava) *m.* incorrect apprehension, erroneous cognition तत्त्वानुभवः प्रमा । अतत्त्वानुभवोऽप्रमा SaptaPa. 140(39)

अतत्त्वानुभूति (atattvānubhūti) *f.* incorrect apprehension, erroneous cognition तत्त्वानुभूतिः प्रमेति न वाच्यम् ।··· अतत्त्वानुभूतेः शुक्तिकारजतादिसंविदो व्यवच्छेदाय तत्त्वविशेषणमुपादेयमिति चेन्न NyāyKu. 41.4.

अतत्त्वान्तरत्व (atattvāntara-tva) *n.* absence of the state of being a different category तस्य तन्नाशात् अतत्त्वान्तरत्वात् TarkSaṁ.(Ā.) 72.19.

अतत्त्वाबोध (atattvābodha) *m.* non-cognition of the nature of what is not that तत्त्वबोधादथातत्त्वाबोधाद्रजतवेदनात् BrahmSi. 137.18; VibhraVi. 64.

अतत्त्वाभिधान (atattvābhidhāna) *n.* expression of the unreal आत्मनो विशेषं जिज्ञापयिषोरतत्त्वाभिधानमसंबद्धम् Bhām. 306.17 (*on* i. 4.16)

अतत्त्वाभिनिवेश (atattvābhiniveśa) *m.* persistence in falsehood or incorrect notion हृदये व्याकुले दोषैरथ मूढः ··· । विषमां कुरुते बुद्धिं नित्यानित्ये हिताहिते । अतत्त्वाभिनिवेशं तमाहुराप्ता महागदम् CaraS. vi. 10.60 (1941 Ed.); i. 19.12 (1922 Ed.); अतत्त्वाभिनिवेशसंस्कारकारी मोहोपचयः TattvPradi.(A.) 109.1 (*on* 1.86); अन्धतमसे तत्त्वेऽतत्त्वाभिनिवेशोऽतत्त्वे च तत्त्वाभिनिवेशः SyādvāMañ. 32(15)

अतत्त्वार्थ (atattvārtha) *adj.* having the unreal as object एकं ज्ञानं सात्त्विकं स्यात् पृथग् ज्ञानं तु राजसम् । अतत्त्वार्थं तामसं स्यात् AgniP. 380.52.

अतत्त्वार्थवत् (atattvārtha-va(n)t) *adj.* having the unreal thing (for its object) यत्तु कृत्स्नवदेकस्मिन् कार्ये सक्तमहैतुकम् । अतत्त्वार्थवदल्पं च तत्तामसमुदाहृतम् MahāBhā. vi. 40.22 (BhagGī. 18.22)

अतत्त्वालोक (a-tattvāloka) *m.* absence of knowledge of reality अतत्त्वालोकजातेयमहंकारचमत्कृतिः । तापेन हिमलेखेव तत्त्वालोके विलीयते YogVā.

v. 53. 23.

अतत्त्वावेदक (atattvāvedaka) *adj.* [*f.* –ikā] **1** conveying or teaching what is not real (as unreal) अतत्त्वावेदकं यस्मात् प्रमाणं तेन कथ्यते AnuVyā. 68B. 10 (*on* 4. 2); **2** conveying what is not real कथं तत्त्वावेदकस्यातत्त्वावेदकमुपबृंहणं स्यात् S'atDū. 192. 5; 142. 12; तन्मिथ्यात्वे श्रुतिरतत्त्वावेदिका S'atDū. 192. 10; न प्रत्यक्षमतत्त्वावेदकम् NyāySu.(Ja.) 27B. 8 (*on* i. 1. 1); मन्त्रब्राह्मणयोरतत्त्वावेदकयोः…द्वैतालम्बनत्वेऽप्युपनिषदामद्वैतनिष्ठत्वात् NyāySu.(Ja.) 65A. 6 (*on* i. 1. 1); 631A. 13 (*on* 4. 2); किं चातत्त्वावेदकं प्रमाणं चेति व्याघातः Vādā. 16. 6; 16. 3; न हि मिथ्यात्वप्रमाणं तत्त्वावेदकम् अन्यदतत्त्वावेदकम् इति व्यवस्था सिद्धा Nyāyāmr̥. 107A. 7; 133A. 7; 134B. 9; 417B. 13.

अतत्त्वावेदकता (atattvāvedaka–tā) *f.* the state of being that which conveys the unreal अद्वैतवाक्यस्यातत्त्वावेदकता स्यात् Nyāyāmr̥. 251B. 9; 143A. 7.

अतत्त्वावेदकत्व (atattvāvedaka–tva) *n.* the state of being that which conveys or teaches the unreal मिथ्यात्वे चैक्यस्यातत्त्वावेदकत्वमागमस्य स्यात् MāyāKha. 2B. 1; प्रत्यक्षादेरतत्त्वावेदकत्वेन विरोधाभावेऽपि चेतनस्य … विरोध इति पूर्वपक्षमुपक्रमते PrakaVi. 445. 21; उपहितं ब्रह्म शास्त्रवेद्यमिति चेन्न अतत्त्वावेदकत्वप्रसङ्गात् S'atDū. 111. 19; 166. 5; 193. 23; मिथ्याभिधायकत्वेऽतत्त्वावेदकत्वेन श्रुतेरप्रामाण्यापातात् TattvPrakā. 44A. 1 (*on* i. 3. 7); 118B. 3 (*on* ii. 3. 28); अन्यथा तत्त्वमस्यादिशास्त्रस्यातत्त्वावेदकत्वं स्यात् NyāySu.(Ja.) 103B. 9 (*on* i. 1. 2); 436A. 10 (*on* ii. 3. 14); Vādā. 16. 4; 17. 1; 65. 2; अन्त्ये सिद्धसाधनमद्वैतश्रुतेरतत्त्वावेदकत्वं च स्यात् Nyāyāmr̥. 42A. 6; 27A. 9; 146B. 5; 148B. 9; 256B. 6; 591A. 5; जगन्मिथ्यात्वप्रमाणानां चातत्त्वावेदकत्वापात इति निरस्तम् AdvaiSi. 789. 20; 96. 1; 352. 15; 510. 8; 630. 15; तथा च द्वैतनिषेधस्यैव रूप्यादिबाधकस्यातत्त्वावेदकत्वेऽपि बाधकत्वं दृष्टान्तसिद्धिश्चेति भावः GuruCandr. iii. 129. 14; ii. 221. 17.

अतत्त्वावेदकप्रमा (atattvāvedaka–pramā) *f.* valid knowledge conveying the unreal दीर्घभ्रान्तिकरी चेत्स्यादतत्त्वावेदकप्रमा AnuVyā. 68B. 11 (*on* 4. 2); या दीर्घभ्रान्तिकरी सातत्त्वावेदकप्रमेति यदि मतं स्यादित्यर्थः NyāySu. (Ja.) 631B. 1 (*on* 4. 2); न च … अतत्त्वावेदकप्रमोक्तौ त्वप्रयोजकतेति वाच्यम् Nyāyāmr̥. 148B. 9.

अतत्त्वावेदकव्यावृत्ति (atattvāvedaka–vyāvr̥tti) *f.* exclusion of that which conveys the unreal नानाविधानि लक्षणानि प्रणयन्तोऽपि परीक्षका अतत्त्वावेदकव्यावृत्तये प्रयतन्त एव NyāySu.(Ja.) 631A. 10 (*on* 4. 2)

अतत्त्वोपायतस् (atattvopāya–tas) *adv.* through the unreal means अतत्त्वोपायतोऽपि तत्त्वभूतमोक्षफलत्वात् श्रुतेः प्रामाण्यम् NayaVi. 260. 1 (*on* i. 1. 24)

अतत्त्वोपासन (atattvopāsana) *n.* meditation on an unreal thing कथमतत्त्वोपासनपरत्वाङ्गीकारेण ब्रह्मणो दृष्टिविशेषणत्वपरं द्वितीयसूत्रं घटते S'rutaPra. ii. 577. 21 (*on* iv. 1. 5)

अतत्पद (a–tatpada) *adj.* not having the (repetition of) the same word तुल्यश्रुत्यक्षरावृत्तिरनुप्रासः स्फुरद्गुणः। अतत्पदः स्याच्छेकानां लाटानां तत्पदश्च सः Vāgbhaṭā. 4. 17.

अतत्पर (a–tatpara) *adj.* **1** not following it (i. e. the number *ṣaṣṭi* etc.) षष्ट्याद्यतत्परात् Kātan. ii. 6. 23 (comm. तस्याः परस्तत्परः। संख्यायाः पर इत्यर्थः); **2** not having that as import, not purporting to convey it नापि नित्यागमगम्यत्वं तत्परे सत्यनित्यत्वात्, अतत्परे च तत्राप्रामाण्यादित्याह TātpaṬ.(U.) 75. 18 (*on* 2. 119); यदपि क्वचित्तत्परमिव श्रवणमवभासते, तदप्यतत्परं व्याख्यातम् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 286. 17 (*on* ii. 1. 2); व्याख्येयो गुणवादेन योऽर्थवादादतत्परात्। अर्थोऽधिगन्तुमिष्येत ManuBh. i. 66. 2 (*on* 2. 6); यत्परं वेदवाक्यं तत्तेनोपात्तं विवक्षितम्, अतत्परेण चानुपात्तमविवक्षितमित्यर्थः Bhām. 165. 7 (*on* i. 2. 2); यदतत्परात् पदादविनाभावाद्गम्यते धूमपदादिवाग्निः NayaVi. 117. 7 (*on* i. 1. 5); अनधिकृतशास्त्रमतत्परमपि तत्परं योजयतां वाक्यमपि NyāyPari. 351. 1; S'aṅkaDigVi.(Mā.) 8. 113; **3** not devoted to it, careless about it भ्रातरात्मनि किमस्यतत्परः RāmC. 2. 51; तेन सत्यपि वेदार्थवित्त्वे यदतत्पराणां स्मरणं न तद्धर्ममूलं भ्रान्त्यादिसंभवाच्छास्त्रार्थविधानशून्यानाम् ManuBh. i. 67. 11 (*on* 2. 6); अतत्परस्तु सति देहे जीवन्मुक्तः तत्पाते परमेश्वर एवेति PratyabhiVi. ii. 308. 7 (iv. 1. 15)

अतत्परतस् (atatpara–tas) *adv.* from not having that as its import उक्तं यदपि वेदेऽस्मिन्कस्यचिद्विलयः क्वचित्। तन्नातत्परतस्तूक्तेर्न देहादिलयस्ततः BrĀraUBhVā.(Sambandha.) 424.

अतत्परता (atatpara–tā) *f.* **1** absence of having that as import कालप्रधानं ह्येतद्वाक्यं न यागविधानपरम्। कथमतत्परतास्य S'ābaBh. 1265. 8 (*on* iv. 3. 37); अतत्परतया यत्र जल्प्यमानेन वस्तुना। विवक्षितं प्रतीयेत पर्यायोक्तिरियम् Vāgbhaṭā. 4. 107; **2** carelessness, absence of diligence अतिक्रमस्तदुपचर्याविज्ञानं पथ्यौषधादिष्वतत्परता ManuBh. ii. 265. 15 (*on* 9. 78); ii. 316. 18 (*on* 9. 284)

अतत्परत्व (atatpara–tva) *n.* **1** absence of having that as its import एवम्…कर्मविधिषु यद्यपि भेदप्रतीतिरस्ति तथापि तेषामतत्परत्वान्न तत्र प्रामाण्यं वृत्तान्तेष्विवार्थवादपदानाम् BrahmSi. 44. 1; अतत्परत्वे फलता (स्वर्गादेः)पश्वादेर्नास्ति शब्दतः BhāvanāVi. 194. 2; अध्ययनविधेरतत्परत्वेन वाक्यार्थनिर्णयानाक्षेपादनारम्भः TātpaṬ.(U.) 6. 6 (*on* 1. 11); 125. 19 (*on* 4. 23); न च कार्ये एवार्थे वेदः प्रमाणमिति मन्त्रार्थवादानामतत्परत्वमभिधातुमुचितम् NyāyMañ. i. 183. 20; SaṅkṣeS'ā. 3. 186 (ii. 260. 26); अन्यपरेण शास्त्रेणोपायमात्रत्वेन उपात्तं विषयत्वं न शास्त्रार्थः स्यादतत्परत्वात् S'āstrDī. 68. 4 (*on* i. 4. 4); NyāyRaMā. 13. 12; परस्परविरुद्धत्वाद् विवक्षातत्परत्वयोः। यः … अन्यः प्रभेदो वर्णितो ध्वनेः VyaktiVi. 36. 25; काव्यस्यातत्परत्वेन तात्पर्यं तद्रसे भवेत् BhāvPra.(S'ā.) 153. 11(6); इह प्रधानादीनामजिज्ञास्यत्वं किं वेदान्तानामतत्परत्वोपपादनेन समर्थ्यते S'rutaPra. iA. 22. 10 (*on* i. 1. 1); ii. 205. 28 (*on* ii. 1. 1); ii. 182. 9 (*on* i. 4. 29); मृत्तिकेत्येव सत्यम् इत्यादिः आगमोऽतत्परत्वात् … अपबाध्यते TarkSaṁ. (Ā.) 5. 19; प्रत्युत निर्देशस्यैवार्थप्रतीतिहेतुत्वाच्छब्दस्यातत्परत्वनिश्चय एव NyāyKu. 3. 18; NyāySu.(Ja.) 66A. 8 (*on* i. 1. 1); 146B. 7 (*on* i. 1. 7); यत्पुनरुक्तं पौरुषेयमपौरुषेयं च वाक्यं सर्वमेव कार्यपरम् अतत्परत्वेऽनुपादेयत्वादुन्मत्तवाक्यवत् SāhiDa. 255. 4; न च … अतत्परत्वेऽपि तत्प्रत्यायकत्वमात्रं (हेतुः) इति वाच्यम् Nyāyāmr̥. 436A. 8 (*on* 2. 2); YuktiSneha. 10. 26 (*on* i. 1. 1); अतत्परत्वेनावधारितस्य विश्वसत्यत्ववाक्यस्यैवान्यथा व्याख्यातुमुचितत्वात् AdvaiSi. 425. 14; 540. 22; 693. 6; 717. 5; अतत्परत्वादाप्तत्वाद्यभावाच्च किंत्वनुमापकतयागमेन तथा बोधनात्, तथोक्तवाक्यस्य सदर्थ इत्यर्थः GuruCandr. ii. 209. 22; LaCandr. 359. 16; SiddhāSi. i. 33. 5; **2** absence of devotion or diligence मातापित्रोः परित्यागः … तदाराधनेऽतत्परत्वम् ManuBh. i. 275. 15 (*on* 3. 147)

अतत्परत्वतस् (atatparatva–tas) *adv.* on account of the state of not having that as its import (sense or purpose) रसः स एव स्वाद्यत्वात् … नानुकार्यस्य वृत्तत्वात्काव्यस्यातत्परत्वतः BhāvPra.(S'ā.) 152. 19(6)

अतत्परवशता (atatparavaśa–tā) *f.* the state of not being under the control of that (*doṣa*) व्यतीतः विशेषेणातीतः नियमेन [अ]तत्परवशतया संबन्धानर्ह इत्यर्थः S'rutaPra. iA. 211. 18 (*on* i. 1. 1)

अतत्परवेदान्त (atatpara–vedānta) *m.* Upaniṣadic text which does not refer to that (Brahman) अतत्परवेदान्तप्रत्ययो यद्यप्यप्रमा VedāntKa. 24. 17 (*on* i. 1. 1)

अतत्परश्रुति (atatpara–śruti) *f.* Vedic passage which does not refer to that (the unborn nature of Brahman) अतत्परश्रुतेः … नास्ति विरोध इति सिद्धान्तमाह PrakaVi. 598. 23.

अतत्परावृत्ति (a–tatparāvr̥tti) *adj.* which is not dissociated from that (Vikalpanā) तस्मात् सत्यामपि विकल्पनायामतत्परावृत्तयो भावाः यथास्वभाववृत्तय एव स्युः PramāVāSvopVr̥. 87. 20.

अतत्परिहारार्थ (a–tatparihārārtha) *adj.* not meant for the avoidance or destruction of that (sin) यदप्युक्तं प्रायश्चित्तविधिर्दग्धगेहेष्टिविधिवदतत्परिहारार्थ इति तन्न TattvPrakā. 204A. 8 (*on* iv. 1. 13)

अतत्पर्यन्त (a–tatparyanta) *adj.* which is not within the limits of that (Brahman) कृत्स्नस्य ब्रह्मपर्यन्तत्वेन तच्छरीरत्वात् कृत्स्नशरीरं ब्रह्मैव परमार्थः, अतत्पर्यन्तो मिथ्येत्यर्थः S'rutaPra. iA. 238. 18 (*on* i. 1. 1); iA. 238. 20 (*on* i. 1. 1)

अतत्पर्यवसान (atat–paryavasāna) *n.* culminating in something other than that (*kārya*) न ह्यकार्यरूपे वस्तुनि…शाब्दी बुद्धिः पर्यवस्यति। याः … आनुमानिक्योऽभिहिताः तासामतत्पर्यवसानम् ĀgaPrā. 21. 20.

अतत्पुरुष (a–tatpuruṣa) *adj.* which is not a Tatpuruṣa (determinative) compound तदतत्पुरुषस्य नञ्समासस्य…मा भूदिति MahāBh. i. 477. 13 (*on* ii. 4. 19)

अतत्पूर्वक (atatpūrva–ka) *adj.* **A** not preceded by that (quality of the cause) कथमतत्पूर्वकः शरीरे चैतन्यगुणः संभवेत् ĀtmaSi. 11. 4; **B** not accompanied by that (intellect) अतत्पूर्वको निरोधोऽप्रतिसङ्ख्यानिरोधः VedāntKau. 196. 8 (*on* ii. 2. 22)

अतत्पूर्वकत्व (atatpūrvaka–tva) *n.* the state of not being preceded or caused by that (i. e. barley seed) शालिगुटिकाद्यनन्तरमङ्कुरः प्रादुर्भवति …अनन्तरं महाभूतैरनुगृह्यमाणमुत्तरशालिबीजं जनयति न यवबीजमतत्पूर्वकत्वात् NyāyVār. 67. 15 (*on* i. 1. 10); (i. e. perception) प्रत्यक्षलक्षणादेषां तत्पूर्वकत्वातत्पूर्वकत्वे एव न सिध्यतः TātpaṬ.(U.) 122. 14 (*on* 4. 6); (i. e. seeing the mark twice and remembering the connection) न त्वनुमितिरनुमानं

प्रमाणव्यापारत्वेनातन्निमित्तत्वात् करणकारकादन्यत्वाद् अतत्पूर्वकत्वाच्चेति भाव: TātpaṬ.(Vā.) 169.19 (*on* i. 1.5); (i. e. inference of what is to be negated) न च ··· येन तत्पूर्वकत्वे तदनुमाबाध: अतत्पूर्वकत्वे चाश्रयासिद्धिरिति वाच्यम् NayaVi. 195.4 (*on* i. 1 5)

अतत्पूर्वक (a–tatpūrvaka) *adj.* not preceded by that (cognition of the word-meaning) पदार्थावगमपूर्वकं वाक्यार्थविज्ञानं जनयेत् अतत्पूर्वकं वा TattvBi. 86.2.

अतत्पूर्वप्रसङ्ग (atatpūrva–prasaṅga) *m.* contingency of not being based on that (Vedic statement) न च श्रुतिसरूपापि स्मृतिरत्रानुमीयते, आचाराणामतत्पूर्वप्रसङ्गात्सविपर्ययात् TantrVā. 144.21 (*on* i. 3.7)

अतत्प्रकरण (a–tatprakaraṇa) *n.* absence of that context (i. e. that of Udgītba) उद्गीथविधिशेषश्चेत् ··· नातत्प्रकरणान्न्याय्यमितोऽन्यत्र च तद्विधे: BṛĀraUBhVā. i. 3.35.

अतत्प्रकार (a–tatprakāra) *adj.* which does not have that (particular) qualifier अथ सर्वप्रकाराणामग्रह: कस्यचिद्ग्रह: । वस्तुनोऽतत्प्रकारस्य तथा ख्यातिस्तु नेष्यते VibhraVi. 49.

अतत्प्रकाशक (a–tatprakāśaka) *adj.* not signifying or referring to that (Agniṣvātta) अग्निष्वात्तादिप्रकाशकानां मन्त्राणाम् अतत्प्रकाशका: नाममन्त्राश्चादेशास्तत्कार्यकारिण इत्यर्थ: CaturCin. iii(1). 17.5.

अतत्प्रकृति (a–tatprakṛti) *adj.* who is not of hat nature दोषा अतत्प्रकृतेरपि भयादय: । अकार्यकरणादयश्च विकृतवेषादय एव वा AbhinBhā. i. 313.13 (*on* 6.48)

अतत्प्रकृतिक (atatprakṛti–ka) *adj.* which does not have that (Darśapūrṇamāsa) as the archetype दर्शपूर्णमासप्रकृतिके त्रैस्वर्यमेव । अतत्प्रकृतिके तु नानावेदस्वर एव MīmāKau. ii. 325.2 (*on* iii. 3.9)

अतत्प्रकृतित्व (atatprakṛti–tva) *n.* **1** the state of not having that (*sattra*) as the archetype न त्वतत्प्रकृतित्वाद्विभक्तचोदितत्वाच्च MīmāSū. x. 2.40; **2** the state of not having that (*manas*) as the material cause नेत्याह अतत्प्रकृतित्वात् । यत्र हि यत उत्पत्तिस्तस्य तत्र प्रलयो न्याय्यो मृदीव शरावस्य BrahmSūBh.(S'aṅ.) 800.10 (*on* iv. 2.1); 802.3 (*on* iv. 2.3)

अतत्प्रतिपादक (a–tatpratipādaka) *adj.* which does not state or mean that (*bhāvanā*) अतत्प्रतिपादकानामर्थवादानामानर्थक्यम् MīmāKau. iii(1). 6.22 (*on* i. 2.1)

अतत्प्रतिभा (atat–pratibhā) *f.* image of other than that (i. e. a jar) एवं च तत्प्रतिभां घटाभासम् अतत्प्रतिभां च अघटाभासं च प्रमाता भजते PratyabhiVi. i. 309.6 (*on* i. 6.3)

अतत्प्रतिभान (atat–pratibhāna) *n.* cognition of something which is not that अन्यथा त्वतत्प्रतिभानं तथेति व्यवहृतिरिति गवाकारे चेतसि तुरगबोध इत्यस्तु ĀtmaTaVi. 282.4.

अतत्प्रतिभासित्व (atatpratibhāsi–tva) *n.* the state of not enlightening about that (the thing itself) एतौ द्वावनुमेयप्रत्ययौ साक्षादनुत्पत्तेरतत्प्रतिभासित्वेऽपि तदुत्पत्ते: तदव्यभिचारिणाविति प्रमाणं प्रत्यक्षवत् PramāVāSvopVṛ. 2.11; तत्प्रतिबद्धजन्मनां विकल्पानामतत्प्रतिभासित्वेऽपि वस्तुनि अविसंवादो मणिप्रभायामिब मणिभ्रान्ते: PramāVāSvopVṛ. 27.23.

अतत्प्रतिभासिन् (a–tatpratibhāsin) *adj.* which is not enlightening about that (the thing itself) वस्तूत्पत्तेरभ्रान्तिरिति चेत्, न । अतत्प्रतिभासिनस्तदध्यवसायात् PramāVāSvopVṛ. 32.7.

अतत्प्रतीकभूत (a–tatpratīkabhūta) *adj.* which is not a part of that ((i. e. name of a Vidyā) कैव कथा शाखान्तरीये विप्रकृष्टतमेऽतत्प्रतीकभूतसमाख्यान्तराभिधेये ज्ञात इति Bhām. 581.17 (*on* iii. 3.1)

अतत्प्रत्यय (atat–pratyaya) *m.* cognition of what is other than that (i. e. the object of contemplation) उपासनं च यथाशास्त्रं तुल्यप्रत्ययसंततिरसंकीर्णा च अतत्प्रत्ययै: TaiUBh. 195.6 (*on* 1.3)

अतत्प्रधान (a–tatpradhāna) *adj.* which does not have that as the main (purport) सति तु विरोधे तत्प्रधानानि अतत्प्रधानेभ्यो बलीयांसि भवन्ति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 585.9 (*on* iii. 2.14); S'vetāUBh. 47.15 (*on* 1.0); अतत्प्रधानेभ्यस्तत्प्रधानप्राबल्यनयोऽप्यत्र निर्विषय: S'rutaPra. ii. 447.16 (*on* iii. 2.29)

अतत्प्रधानत्व (atatpradhāna–tva) *n.* the state of not having that (the man) as the main thing उत्पत्तेश्चातत्प्रधानत्वात् MīmāSū. iv. 3.2.

अतत्प्रभावविद् (a–tatprabhāvavid) *adj.* not knowing his power भ्रातर एनमतत्प्रभावविद: ··· न्यवृत्सन्त BhāgP. v. 9.8.

अतत्प्रभावा (a–tatprabhāvā) *adj.* (*f.*) who does not have that power (of curing fever) अतत्प्रभावा नङ्क्ष्यामि तदैवोद्घाटिता सती KathāSaSāg. xii. 4.206.

अतत्प्रमेयतस् (atatprameya–tas) *adv.* since it is not to be cognised through that (Upamāna) नागमस्तदृते भावान्नोपमातत्प्रमेयत: TattvPradī.(Ci.) 244.3.

अतत्प्रयत्नजनितत्व (atatprayatnajanita–tva) *n.* the state of not being produced by his (i. e. master's etc.) efforts मनुष्यादिहिंसने स्वामी प्राजको वा दोषभाङ् न भवति । अतत्प्रयत्नजनितत्वाद्धिसनस्य Mitā. 318.16 (*on* 2.299)

अतत्प्रयुक्तता (atatprayukta–tā) *f.* the state of not being accomplished or prompted by that (*ādhāna*) यदि चाग्निमात्रेण कर्माणि संबध्येरंस्ततस्तत्स्वरूपस्यान्तरेणापि आधानं निष्पत्तेरतत्प्रयुक्तता भवेत् TantrVā. 1087.21 (*on* iii. 6.15)

अतत्प्रयुक्तत्व (atatprayukta–tva) *n.* the state of not being prompted by that (i. e. context) सर्वेषां वा शेषत्वस्यातत्प्रयुक्तत्वात् MīmāSū. iii. 7.2; (i. e. the fruit) नियोग: ··· न फलस्य ··· द्वारीभवितुमर्हति । अतत्प्रयुक्तत्वाच्च NyāyRaMā. 196.25.

अतत्प्रयुक्ति (a–tatprayukti) *f.* absence of prompting by that (injunction about teaching) न चातत्प्रयुक्त्या पूर्व: पक्ष: तत्प्रयुक्त्या च राद्धान्त इति युक्तम् PrakaPañ. 17.1.

अतत्प्रयोजन (a–tatprayojana) *adj.* which has not that purpose अतत्प्रयोजनव्यावृत्तिस्तु भिन्नानामप्यविरुद्धेति स एवार्थभेद: शब्दाभेदस्य कारणं भवतु PramāVāSvopVṛ. 44.13.

अतत्प्रागभाव (a–tatprāgabhāva) *m.* other than the prior absence of that (knowledge) अतत्प्रागभावस्यापि ज्ञानभावे निवृत्त्युपपत्ते: IṣṭaSi. 67.20.

अतत्फल (a–tatphala) *adj.* which does not have that (specific) fruit प्रत्यक्षेऽप्यर्थे फलस्यानन्तर्याभावात् अतत्फलसाधर्म्याद्विपर्यस्तोऽपवदेतापि PramāVāSvopVṛ. 68.17; अतत्फलपरावृत्तार्थाकारस्मृतिहेतव: NyāyVi. 2.310; अतत्फलानामप्यावृत्ति: सिध्यति S'ivārkaMaDī. ii. 421.31 (*on* iv. 1.1)

अतत्फलत्व (atatphala–tva) *n.* the state of not having that (heaven) as the fruit न हि यागभावनाया: स्वर्गफलत्वे धात्वर्थस्यातत्फलत्वे समानपदोपात्तत्वधात्वर्थयो: कश्चिद्विरोध: NyāyVārPari. 333.4.

अतत्व (ata–tva) *n.* the state of being pervasive अत्रातत्वस्यादिमत्त्वेऽपि तस्य सर्वगतत्वानतिरिक्तत्वेन साध्यत्वात् अश्रुतत्वादीनामेव ग्रहणम् TattvPrakā. 29B.9 (*on* i. 2.2)

अतत्संयोग (a–tatsaṁyoga) *m.* other than a conjunct consonant of that (root) धातोस्तिकारकसमस्तानेकाचोऽतत्संयोगाद्यन्यो: S'ākaṭāVyā. i. 2.38.

अतत्संयोगज (atatsaṁyoga–ja) *adj.* which is produced without contact with that (thing) तत्संयोगजं प्रत्यक्षं, अतत्संयोगजमाभासम् NyāyRa. 217.15 (*on* 5(2).1)

अतत्संसर्गिन् (a–tatsaṁsargin) *adj.* not having any contact with them (i. e. the new birth and death) अतत्संसर्गिणामेषां नाशौचं नापि सूतकम् BṛParāSm. 8.7.

अतत्संस्कारक (a–tatsaṁskāraka) *adj.* which does not ameliorate him (the listener) किञ्चिद्भयशङ्कमानोऽसौ किमर्थं परिपृच्छति । अतत्संस्कारकं शब्दं ब्रुवन्वा स्वस्थधी: कथम् TattvSaṁ. 1170.

अतत्संस्कारत्व (atatsaṁskāra–tva) *n* the state of not being a refinement of that (*caru*) नातत्संस्कारत्वात् MīmāSū. vi. 5.24.

अतत्संस्कारार्थत्व (atatsaṁskārārtha–tva) *n.* the state of not being meant for the refinement of that (*kuśa*–bundle) अतत्संस्कारार्थत्वाच्च MīmāS'ū. vi. 4.45.

अतत्संख्य (a–tatsaṅkhya) *adj.* which does not have that (particular) number यद्यतत्संख्येष्वाहृत्य तत्संख्योच्चार्यते S'ābaBh. 1770.19 (*on* ix. 4.10)

अतत्सन् (a–tatsan) *adj.* which does not (end in) that *san* suffix (of the same sense) कर्म्येककर्तृकात्सन्नतत्सन: S'ākaṭāVyā. iv. 1.16; तुमर्हादिच्छायां सन्नतत्सन: SiddhaHe. iii. 4.21.

अतत्संनिवेशिन् (a–tatsanniveśin) *adj.* not falling in that (*dṛśya* and *vikalpya*) group दृश्यविकल्प्यावर्थावेकीकृत्यातत्संनिवेशिभ्यो भ्रान्त्या प्रतिपत्ति: प्रतिपत्तृणामिति NyāyKa. 320.21.

अतत्सम (a–tatsama) *adj.* not similar to him (Acyutarāya) अतत्समानव्जभव: सरादिमान्यधत्त Acyutarā. 3.12.

अतत्समक्षकृत (atatsamakṣa–kṛta) *adj.* done in their (guards') absence स्तेयलक्षणे साहसलक्षणे चाव्याप्ति: । रक्षिसमक्षकृतस्यापि परद्रव्यग्रहणस्यापह्नवे स्तेयत्वादतत्समक्षकृतस्यापि परदारपरिग्रहादे: साहसत्वात् DaṇḍaVi. 293.11.

अतत्समवेत (a-tatsamaveta) *adj.* not inherent in that (karman) अतत्समवेतस्यातत्कालीनस्य च्चापूर्वस्य तच्छक्तत्वतद्व्यापारत्वायोगात् NyāyRaMā. 194. 23.

अतत्समान (a-tatsamāna) *adj.* not equal to that (blue lotus) परा पद्मसहस्रकान् नीलोत्पलादिष्टोऽप्यतत्समानं बिल्वपत्रकम् CaturCin. ii(2). 216. 1.

अतत्समानता (a-tatsamānatā) *f.* absence of that (particular) universal तन्न केवलसामान्याग्रहणाद् ग्रहणेऽपि वा । अतत्समानताव्यक्ती PramāVār. 3. 20.

अतत्संप्रयुक्तत्व (atatsamprayukta-tva) *n.* non-association with the thing कुतस्तत्संप्रयुक्तत्वमतत्संप्रयुक्तत्वं वा Bṛha. 68. 2.

अतत्संप्रयोग (atat-samprayoga) *m.* contact with a thing other than that अतत्संप्रयोगे तु प्रत्यक्षाभासत्वमर्थादुक्तं भवति TātpaṬ.(U.) 193. 8 (6. 5); 199. 22 (7. 20); नेदं रजतमिति बाधकोदयाच्चातत्संप्रयोगजत्वानिश्चय: NayaVi. 86. 6 (I. i. 3. 5); तदपि नातत्संप्रयोगजं स्यात् NyāyRa. 222. 11(5); तत्संप्रयोगजत्वातत्संप्रयोगजत्वे कथं विविच्येते S'āstrDī. 50. 4 (i. 1. 5)

अतत्संप्रयोगज (atatsamprayoga-ja) *adj.* born of contact with what is not that (thing) तत्स(? अतत्स)म्प्रयोगजं हि प्रत्यक्षं भ्रान्तमिति सर्वसंमतम् NyāyKu. 72. 12.

अतत्संबद्ध (a-tatsambaddha) *adj.* not related with the thing परंपरयापि अतत्संबद्धस्य विवक्षामात्रनिबन्धनतयोपर्येवावस्थापनात् HetuBiṬ. 65. 25.

अतत्संबन्धित्व (atatsambandhi-tva) *n.* the state of not being related to that (Vājapeya sacrifice) यूपशब्दार्थस्त्वतत्संबन्धित्वाद्दूरभ्रष्ट: TantrVā. 747. 7 (iii. 1. 8)

अतत्संबन्धिन् (a-tatsambandhin) *adj.* not being related to the thing परस्य चातत्संबन्धिभिरभिक्तस्य(? न्धिभिरभियुक्तस्य) वृथासाक्ष्ये शपमानस्य न दोष: ManuBh. ii. 125. 7 (8. 112); शकुन्तलादिभिरतत्संबन्धिभि: कथमभिव्यक्ति: RasGaṅ. 30. 14; 31. 1.

अतत्सहचार (a-tatsahacāra) *m.* association with the other thing ते हि विभावादयोऽतत्कारणातत्कार्यातत्सहचाररूपा अपि … किं कृत्रिमत्वेन सामाजिकैर्गृह्यन्ते न वा AbhinBhā. i. 294. 18 (6. 31)

अतत्सहभावश्रुति (a-tatsahabhāvaśruti) *f.* absence of scriptural statement of the association of them (of subordinate deities with the supreme being) न वातत्सहभावश्रुते: BrahmSū. iii. 3. 67 (Madhva. उपसंहारस्य सहाश्रवणात्; TattvPrakā. तथोपासनस्य सर्वशाखागतोपासनेन सहाश्रवणात्)

अतत्साधन (a-tatsādhana) *adj.* which is not a means of that (object) अथ तदिच्छावतोऽतत्साधने कर्तृता नोपपद्यते PrakaPañ. 434. 7; न चासुखस्यातत्साधनस्य वापूर्वस्य कृतिं प्रति प्राधान्ययोग्यतास्ति NyāyRaMā. 118. 7; 199. 14; ग्रामादिकामानामपि भोजनादावतत्साधने कार्यधीदर्शनात् NyāyMa. 217. 7.

अतत्साधनत्व (atatsādhana-tva) *n.* the state of not being a means of that (object) अतत्साधनत्वं चित्रादीनामवगम्यते S'āstrDi. 89. 4 (i. 1. 5); प्रयोजनाभावश्च परवञ्चनस्यापुरुषार्थत्वात् अतत्साधनत्वाच्च निश्चीयते NyāySu.(Ja.) 234A. 7 (ii. 1. 1)

अतत्साधनभूत (a-tatsādhanabhūta) *adj.* which is not the means of the thing न चातत्साधनभूतव्रीहिद्वारा तत्प्रतिव्यापर्तुं शक्यते VidhiRa. 149. 21 (29)

अतत्साध्य (atat-sādhya) *adj.* having a different purpose अभिन्नसाध्यान् भावान् अतत्साध्येभ्यो भेदेन ज्ञात्वा तत्परिहारेण प्रवर्तेत इति PramāVā-SvopVṛ. 26. 2.

अतत्सूचनार्थ (a-tatsūcanārtha) *adj.* intended for the non-indication of that (quality of oblation) पुनर्निषेधो हस्तसंकेतेनाप्यतत्सूचनार्थ: SmṛtiCan. v. 355. 9.

अतत्स्थ (atat-stha) *adj.* existing in other than that अतत्स्थं तत्र दृष्टं चेत् CāndraVṛ. ii. 3. 61; PrakriKau. i. 366. 1 (iv. 1. 54); SiddhāKau. 126B. 3 (iv. 1. 64); स्वाङ्गं स्यात्…दृष्टं तत्रातत्स्थमपि MugdhaBo. 43. 5 (4. 17)

अतत्स्वभाव (a-tatsvabhāva) *adj.* not of that nature अतत्स्वभावस्य अतदुत्पत्तेश्च तत्राप्रतिबद्धस्वभावत्वात् NyāyBi. 2. 23; नादृष्टज्ञापक: अतत्स्वभाव इत्यपि सतामपि कार्यानारम्भसंभवात् PramāVāSvopVṛ. 83. 11; न हि अतत्स्वभावस्य भावे एकान्तेनान्यस्य भाव: तन्निवृत्तौ वा निवृत्ति: HetuBi. 56. 7; 63. 10; अतद्रूपस्य अतत्स्वभावस्य … अध्यवसानम् अध्यवसाय: KāvyālaṅSū. iv. 3. 9; अक्षणिको हि भावो अर्थक्रियाजननस्वभावो वा भवेत् अतत्स्वभावो वा PrakaPañ. 367. 2; उत्तरत्रातत्स्वभावानां घटादीनामनित्यता न स्यात् TārkiRa. 302. 1; किं कुसूलस्थो व्रीहिरङ्कुरजननस्वभावोऽथातत्स्वभाव इति BrahmSūBh.(Bh.) 118. 6 (*on* ii. 2. 20); *m.* not the nature of that कर्तृत्वमतत्स्वभावं मन्वाना: । एके प्रस्थिता: PañcPā. 74. 6 (i. 1. 1)

अतत्स्वभावक (atatsvabhāva-ka) *adj.* not of the nature of that (supreme being) इहापि नेति वाक्येन प्रतीचोऽतत्स्वभावकम् BṛĀraUBhVā. ii. 4. 104.

अतत्स्वभावतस् (atatsvabhāva-tas) *adv.* because of the absence of being of that nature (diversity) भेदात्मलाभोऽनुज्ञा स्यान्निषेधोऽतत्स्वभावत: NaiṣkaSi. 195. 11.

अतत्स्वभावता (atatsvabhāva-tā) *f.* the state of not being of that nature, heterogeneity तस्यातन्मात्रान्वयित्वेऽर्थान्तरनिमित्ततया विशेषणेनातत्स्वभावता कथ्यते HetuBiṬ. 59. 13; 57. 18; 139. 7.

अतत्स्वभावत्व (atatsvabhāva-tva) *n.* **i** heterogeneity, the state of not being of that nature यदि प्रयत्नानन्तरीयकत्वमन्तरेणापि कृतकत्वस्य भावादतत्स्वभावत्वम् HetuBiṬ. 73. 25; यथा प्रकाशनं उष्णत्वं वा लोहोदकादिषु परत: अपेक्ष्यते अग्न्यादित्यादिभ्य: अतत्स्वभावत्वात् UpadeSā. 87. 8; **ii** the state of not being of the nature of that (cause) प्रवृत्तिसामर्थ्यादपि न कार्यं शक्यमनुमातुम् । अकार्यत्वादतत्स्वभावत्वाच्च NyāyRaMā. 57. 2.

अतत्स्वभावपक्ष (atatsvabhāva-pakṣa) *m.* view that something is not of that nature अतत्स्वभावपक्षे तु न जातु जगन्ति सृजेत् स्वभावायोगाद्गगनवत् SyādvāMañ. 217(6)

अतत्स्वभावभूत (atatsvabhāva-bhūta) *adj.* heterogeneous, becoming what is not of that nature अतत्स्वभावभूतस्यारम्भाभ्युपगमे भावस्य प्रागसाधकत्वात्, नाक्षणिकात् क्रमेणार्थक्रियासिद्धि: PrakaPañ. 367. 13.

अतत्स्वरूप (a-tatsvarūpa) *adj.* different from that lustre यं नास्पृशंश्चैत्यम् … दुरन्तधामानमतत्स्वरूपम् । मनोवचोवृत्तय आत्मभाजां स एष पूज्य: परम: शिवो न: SkandP. iii(3). 8. 93.

अतत्स्वरूपरूपत्व (atatsvarūparūpa-tva) *n.* being of the form of what has not that (knowledge) form अतत्स्वरूपरूपत्वे नान्यस्यान्यग्रहाद्ग्रह: S'ivDṛ. 5. 88.

अतत्स्वाभाव्य (atatsvābhāv-ya) *n.* the state of not being of that nature रूपणादेरर्थस्यायोगादसंभवात् । रूपस्वभावं यावद्विज्ञानस्वभावमिति वा न शक्यमेष्वेव पञ्चस्कन्धेष्वन्तर्नेतुम् । अतत्स्वाभाव्यात् Sphuṭā. 56. 6 (*on* 1. 22)

अतथा (á-tathā) *adj.* [AltGr. II. 1. 124; III. 128]; (acting) otherwise or differently उपो षु शृणुही गिरो मघवन्मातथाइव ṚV. i. 82. 1.

अतथा (á-tathā) *adv.* otherwise, differently, wrongly तदु वै देवानामतथास S'atBr.(K.) II. v. 3. 2; II. vii. 2. 2; सोऽयमेवमनुदितानस्तमितावगतिमात्रशरीर: आत्मापि सन्नविचारिताप्रसिद्धाविधामात्रव्यवहित एवातथैवेक्ष्यते NaiṣkaSi. 171. 5; अतथा यदि पश्यन्ती मिथ्या पश्यन्त्युदाहृता S'ivDṛ. 2. 46; तदितरदतथा TattvMu. 2. 39; पूर्व: शरीरभृत् स्यात्परस्त्वतथा NayaMañ. III. iii. 22. 43.

अतथाकरण (a-tathākaraṇa) *n.* not doing in that manner अशृतेनाप्यातञ्चनेन दध्न: शक्यकरणत्वात् अतथाकरणार्थं शृतातङ्क्यविशेषणम् comm. *on* ĀpaS'S. xi. 21. 8.

अतथाकृत (atathā-kṛta) *adj.* done otherwise गीतानां ब्रह्मोपासनबुद्ध्या कृतानां मोक्षहेतुत्वम् । अतथाकृतानां तु फलमाह ViraMi. 866. 16 (*on* 3. 116)

अतथागत (a-tathāgata) *adj.* not gone in that manner अतथागतैर्गमनमपि युक्तम् JayaMa. 98. 24 (*on* 2. 2)

अतथाजातीय (a-tathājātīya) *adj.* not analogous, not belonging to that class or species अतथाजातीयेन प्रत्यवस्थानादनुत्तरमिति सूत्रार्थ: NyāyVār. 301. 12 (*on* ii. 2. 22)

अतथाता (atathā-tā) *f.* the state of being otherwise (faulty or wrong) अपदार्थस्य तथातातथाते युक्तायुक्तत्वे NyāyVār. 160. 10 (*on* i. 2. 42)

अतथात्मक (atathātma-ka) *adj.* not of that nature मैवं पदार्थसंसर्गरूपस्यैवातथात्मके । ऐकात्म्ये वाक्यहेतूत्थबोधस्योद्भूतिकारणात् BṛĀraUBhVā. iv. 4. 799.

अतथात्मतत्त्व (a-tathātmatattva) *adj.* different from the true nature of the soul परात्मतत्त्वादतथात्मतत्त्वा(द्) द्वयं वदन्तो कुशला: स्खलन्ति MahāViSt. 1(H.) 4; अतथात्मतत्त्वात् । मा भूत् पराभिमतस्य परात्मतत्त्वस्य सत्यरूपतेति विशेषणमिदम् SyādvāMañ. 4 (37)

अतथात्मता (atathātma-tā) *f.* the state of not having that character सामान्यं वीर्यवत्ता स्यादितरस्यातथात्मता TaiUBhVā. 97. 23 (2)

अतथात्मन् (atathātman) *m.* dissimilar nature शक्तो बलीयानीश: सन् पिप्रीषुरतथात्मना । अतीयते Kapphiṇā. 16. 70.

अतथात्व (atathā-tva) *n.* being otherwise, being wrong, being improper शब्दार्थस्य तथात्वातथात्वे युक्तायुक्तत्वे युक्तत्वं तथाभावोऽयुक्तत्वमतथाभाव: NyāyVār. 158. 28 (*on* i. 2. 42); दृश्यस्य विद्युदादेरतथात्वात् न सह भानम् IṣṭaSi.

14. 21; न हि कामापाये दाराणामतथात्वम् BālaKrī. ii. 20. 26 (*on* 3. 45); अतथात्वे तथाभावो यत्र स्यादथ चोद्यते S'ivDr̥. 3. 54; NayaVi. 229. 3 (*on* i. 2. 6); प्रतिपत्ता तु तथाभूतमप्यतथात्वेनाभिमन्यते TattvVai. 8. 11 (*on* 1. 3); न हि ज्ञानं स्वविषयस्य तथात्वमतथात्वं च युगपच्छक्नोति वेदयितुम् S'āstrDī. 20. 11 (*on* i. 1. 2); सतोः संयोगनाशस्यातथात्वात् TarkSaṁ.(Ā.) 72. 8; अतथात्वविपर्ययत्वाद्युपाध्यन्तराधीनसंग्रहविभजनाभ्यां न्यूनाधिकोद्देशस्यापि शक्यत्वात् NyāyPari. 30. 5; विरक्तेन्द्रियाणामतथात्वात् AṇuBh. 101. 22 (*on* i. 4. 1); 278. 4 (*on* iii. 4. 18); ननु कथमव्यभिचारः … विपर्ययस्य … संशयस्य स्वप्नस्य वातथात्वात् TantrRaha. 2. 13; कारणस्यातथात्वे कार्यस्य तथात्वायोगात् S'ivārkaMaDī. ii. 55. 22 (*on* ii. 2. 1); ii. 350. 17 (*on* iii. 3. 38); मिथ्यात्वघटकाभावस्य चातथात्वात् GuruCandr. ii. 2. 23; अतथात्वेन ज्ञातान् व्यवहारान् पुनः…दृष्ट्वा…सभ्याः…दण्ड्याः VīraMi. 752. 1 (*on* 2. 305); द्रव्यत्वादेश्चातथात्वेनातिप्रसङ्गविरहात् S'aktiVā. 78. 2; उपमेयव्यङ्ग्यकोपगतभस्मीकरणपटुत्वस्यातथात्वात् RasGaṅ. 170. 2; अतथाभूतोऽयमर्थ इत्यतथात्वावधारणादप्रामाण्यसंवित्तिः MānaMe. 182. 2; त्वन्मते कारकचक्रप्रयोक्तुरेव कर्तृत्वेन घटस्यातथात्वात् VaiyāBhū. 46. 7 (*on* 9); न च वेदत्वस्यातथात्वादसिद्धिरिति वाच्यम् BhāṭṭCin. i. 140. 1 (*on* i. 1. 8); सकलविद्वच्चमत्कारकस्याप्यर्थस्यातथात्वात् SetuBa. 12. 31; अनन्वयोपमासमूहालम्बनरूपत्वेनातथात्वात् AlaṅkāKau.(Vi.) 7. 7; शंसने च शब्दमात्रस्य प्राधान्येनार्थज्ञानस्यातथात्वात् GoviBh. 272. 16 (*on* iii. 4. 23)

अतथात्वतस् (atathātva-tas) *adv.* due to being otherwise (i. e. *anitya*) तत्कार्यस्यातथात्वतः TarkSaṁ.(Ā.) 43. 12; (not an oblation) हविषो वागशेषत्वाद् घृतादेर्हविरात्मनः। प्रयोजकत्वं तस्यैव नेतरस्यातथात्वतः NyāyMāVi. 227. 7 (*on* iv. 1. 12)

अतथादृष्ट (a-tathādr̥ṣṭa) *adj.* not observed so before अन्यथा ह्यतथादृष्टशिष्टाचारेषु ताम्बूलादिदानेष्वपि प्रसङ्गः स्यात् CaturCin. i. 94. 10.

अतथापरिणाम (atathā-pariṇāma) *m.* different modification तस्य चातत्त्ववादे हि विरोधं ब्रूमः न पुनस्तथाभूतस्यातथापरिणामे NyāySiA. 191. 8.

अतथाप्रतीति (atathā-pratīti) *f.* apprehension otherwise (in other ways) अतथाप्रतीतावन्यथाख्यातिप्रसङ्गात् NyāySiA. 265. 19.

अतथाप्रयुज्यमान (atathā-prayujyamāna) *adj.* being imposed in a wrong manner तथाप्रयुज्यमानस्यातथाप्रयुज्यमानस्य च दण्डस्य फलमिष्टमनिष्टं च क्रमेणाह VīraMi. 376. 15 (*on* 1. 356)

अतथाप्रवर्तन (atathā-pravartana) *n.* directing or employing in a wrong way तथा हि अतथाप्रवर्तनादनीप्सिता प्रीतिरप्रीतिरेव स्यात् JayaMa. 94. 18 (*on* 2. 1)

अतथाप्राप्ति (a-tathāprāpti) *f.* knowledge of adverse nature अतथाप्राप्तौ साक्षात्प्रामाण्यप्रसङ्गात् NyāyPari. 490. 16.

अतथाबोध (a-tathābodha) *m.* absence of required knowledge संस्कारे सत्यप्यतथाबोधात् KhaṇḍanKhā. 312. 18.

अतथाभाव (atathā-bhāva) *m.* the state of being otherwise, different nature न कार्यकारणभावेन पदार्थानां तथाभावोऽतथाभावो वा सिध्यति NyāyVār. 454. 17 (iv. 1. 8); 158. 18 (i. 2. 42); तथा सत्यतथाभावो बुद्ध्यनुत्पत्तिमाश्रितः S'lokaVār. 2. 101 (76. 2); 2. 86 (71. 5); 4. 220 (199. 5); विषयकृतो हि ज्ञानानां तथाभावोऽतथाभावो वा NyāyMañ. i. 8. 22; ब्रह्मणोऽप्यतथाभावस्त्वयैवैवं समर्थितः SaṁviSi. 96. 15; अन्यथास्थितेरतथाभावेनावस्थितेः VakroJī. 207. 17; यथा हि संशयविपर्ययौ निराकरिष्येते तदा ज्ञानानुत्पत्तिविषयमेव अतथाभावचोद्यं भवति NyāyRa. 76. 9 (*on* 2. 101); (नेत्राणि…अम्भोजताम्…गमितानि) असावपि यदतथाभावान्मुञ्चत्युलूकविलोचने NaiṣC. 19. 40; (not real) आधारस्यातथाभावात् TarkSaṁ.(Ā.) 59. 23; फलान्तरस्यातथाभावात् TattvCin. i. 9. 3; मुख्यानामेव काम्यत्वात्तेष्वेव परिचोदना । अङ्गानामतथाभावादुपांशुत्वं प्रधानगम् NyāyMāVi. 215. 17 (*on* iii. 8. 20)

अतथाभावविरस (atathābhāva-virasa) *adj.* unpleasant because of not being so (original) परिच्छेदव्यक्तिर्भवति न पुरःस्थेऽपि विषये भवत्यभ्यस्तेऽपि स्मरणमतथाभावविरसम् MālaMā. 1. 276 = SubhāRaK. 17. 20.

अतथाभावशङ्का (atathābhāva-śaṅkā) *f.* apprehension of being otherwise or false, doubt or apprehension of not being of the said nature अपौरुषेयी हि सा (चोदना) … अतः कथमतथाभावशङ्का Kāśi. i. 65. 24 (*on* 2. 21); KhaṇḍanKhā 1306. 10; यत्रासंभावनया समीचीनयोरपि लक्षणप्रमाणयोरतथाभावशङ्कया प्रवृत्तिसंकोचस्तत्रैव संभावनोपयोगः NyāySu.(Ja.) 124A. 1 (*on* i. 1. 6); MānaMe. 185. 3.

अतथाभावापात (atathābhāvāpāta) *m.* occurrence or contingency of being otherwise न हि सत्त्वमेव तत्त्वं, तस्यानन्तरमेव निराकरणात्, असत्त्वस्य च अतथाभावापातात् TarkSaṁ.(Ā.) 7. 11.

अतथाभावोपगम (atathābhāvopagama) *m.* acceptance of (some object's) not being of the said nature परदर्शनसिद्धान्तस्य भूरिकक्षाधाविनोऽपि ततः परकक्षाबाध्यमानत्वेनातथाभावोपगमात् KhaṇḍanKhā. 71. 6.

अतथाभिमत (a-tathābhimata) *adj.* not considered to be so अतथाभिमतानां चाप्रत्यक्षता यथा शब्दादिरूपसंनिवेशिनां सुखादीनां द्रव्यकर्मसामान्यसंयोगादीनां च PramāVāSvopVr̥. 72. 16.

अतथाभूत (a-tathābhūta) *adj.* [*f.* -ā] **i** false, unreal, not true, wrong, imaginary नन्वतथाभूतमप्यर्थं ब्रूयाच्चोदना S'ābaBh. 13. 4 (*on* i. 1. 2) = Kāśi. i. 65. 21 (*on* 2. 21) = NyāyRa. 50. 19 (*on* 2. 21); तत्राभिध्यायतेरतथाभूतमपि वस्तु कर्म भवति मनोरथकल्पितस्याप्यभिध्यायतिकर्मत्वात् BrahmSū-Bh.(S'aṅ.) 162. 16 (*on* i. 3. 13); यदि ज्ञानं भ्रमः स्यात् तदा वस्त्वतथाभूतमित्यवसीयते NyāySu.(Ja.) 449A. 11 (*on* ii. 3. 14); **ii** not existing in that manner अत्यन्तमतथाभूते निमित्ते श्रुत्युपाश्रयात्। दृश्यतेऽलातचक्रादौ वस्त्वाकारनिरूपणा VākyaPa. 1. 131; **iii** dissimilar, unlike भक्तिर्नामातथाभूतस्य तथाभाविभिः सामान्यम्, उभयेन भज्यत इति भक्तिः NyāyVār. 245. 9 (*on* ii. 1. 34); BhāvanāVi. 200. 3; अतथाभूते वस्तुनि योऽध्यारोपिततथाभावो ज्ञानविशेषः स उपचारः Nyās. i. 884. 5 (*on* iv. 1. 88); PrakaPañ. 88. 4; अतथाभूतस्यापुरुषभूतस्य स्थाणोस्तथाभाविभिः सामान्यम् TātpaṬ.(Vā.) 480. 22 (*on* ii. 2. 65); भावनोपरागेण ह्यतथाभूतोऽप्यर्थस्तथा भासते NyāyKuA. ii(2). 79. 14; NyāyVārPari. 480. 3; Loc. 14. 22 (*on* 1. 4); अतथाभूतेऽर्थे तथोत्पद्यमानं ज्ञानं विपर्ययः RājMār. 5. 7; अलिङ्गे लिङ्गाभिमानादतथाभूते तथाभूतानुमानमित्यनुमित्याभासः Kiraṇā. 266. 21; 16. 13; समारोपितोऽतथाभूतोऽपि तथात्वेनाध्यवसितो गुणेभ्य आयातत्वाद् गौणः Kāvyānu.(He.) 28. 7; 299. 1; सम्यक् सृष्टं संसृष्टम्। अतथाभूतमसंसृष्टम् TattvSaṁkhyāṬ. 50. 8; S'rutaPra. ii. 48. 21 (*on* i. 3. 21); ii. 474. 28 (*on* iii. 3. 14); Ekāva. 8. 25(6) (259. 1); NyāySu.(So.) 7. 28 (*on* i. 2. 2); आगन्तुकधर्माश्रयो द्रव्यम्। अतथाभूतमद्रव्यम् NyāyPari. 5. 6; NyāySiA. 187. 18; वस्तुन्यप्यतथाभूते तथाभावप्रदर्शनम्। इन्द्रजालमिति प्राहुः PurusPa. 136. 2; PrakriKau. i. 947. 4; न त्वतथाभूतस्येत्यन्वयव्यतिरेकाभ्यामुक्तरसस्यैवैष धर्म इति निश्चीयते AṇuBh. 324. 14 (*on* iv. 2. 11); अतथाभूतानामुदाहृतलिङ्गानां बाधो युक्तः S'ivārkaMaDī. i. 181. 33 (*on* i. 1. 4); i. 251. 28 (*on* i. 1. 21); i. 300. 19 (*on* i. 2. 1); ii. 7. 13 (*on* ii. 1. 3); (अर्थयोः) कविसमयप्रसिद्ध्यनुरोधेनोपमानोपमेयत्वयोग्ययोरेव साधर्म्यमुपमा। न त्वतथाभूतयोः CitraMī. 6. 5; GuruCandr. ii. 249. 22; अतथाभूतस्यापि प्रमात्वे इच्छाद्वेषादेरपि प्रमात्वापत्तिः LaCandr. 429. 29; अन्यथा तात्पर्यविषयतया निर्णीतस्यार्थस्येवातथाभूतस्यापरस्याप्यर्थस्य प्रथमं शाब्दधीः स्यात् RasGaṅ. 140. 12; MānaMe. 182. 2; अतथाभूतः प्रेतस्तथाभूतः संपद्यते BālamBha. i. 597. 14 (*on* 1. 255)

अतथाभूतता (atathābhūta-tā) *f.* the state of not being true प्रामाण्याप्रामाण्ये द्वे स्वतः, द्वे परतः, अप्रामाण्यं स्वतः प्रामाण्यं परतः इति पक्षत्रयेऽप्यतथाभूतताशङ्का NayaVi. 55. 9 (*on* i. 1. 2)

अतथाभूतत्व (atathābhūta-tva) *n.* the state of not being of a particular nature or type, the state of being different or dissimilar तमोव्यतिरिक्ताः पदार्था धर्मिणः प्रकाशस्वभावा न भवन्तीति साध्यम्, तमस्यतथाभूतत्वादिति हेतुः VakroJī. 8. 18; तच्च ज्ञानं न तत्त्वपदेन व्यवच्छेत्तुं शक्यम्। वस्तुतस्तस्य पञ्चसंख्यावच्छिन्नत्वेनातथाभूतत्वाभावात् KhaṇḍanKhā. 384. 5; मलमासमृतस्य …मलमासगतक्षयाह एवाब्दिकश्राद्धं कर्तव्यम्। न तु शुद्धमासगतक्षयाहे, अतथाभूतत्वात् SmṛtiCan. v. 114. 6; NyāySu.(Ja.) 6A. 8 (*on* i. 1. 1); SarvaDa-Kau. 52. 25; ननु…अयं संदर्भो ब्रह्मपरः कर्तुं शक्यस्तथापि जीवसंकीर्तनादतथाभूतत्वं तस्य GoviBh. 73. 5 (*on* i. 4. 18)

अतथाभूतप्रतिज्ञा (atathābhūta-pratijñā) *f.* proposition about something not true अतथाभूतप्रतिज्ञया चोदनानामप्रामाण्यं प्रसाध्यते Kāśi. i. 111. 26 (*on* 2. 10) [cf. S'ābaBh. 13. 4 (*on* i. 1. 2)]

अतथाभूतवादिन् (atathābhūta-vādin) *adj.* stating something as not being true or as not being of a particular nature प्रमाणेन यथादृष्टं तथावादीति चेन्न । एकदेशे तथाभूतवादित्वेऽप्यंशान्तरेऽतथाभूतवादिन्यपि प्रसङ्गात् NyāySu.(Ja.) 6A. 8 (*on* i. 1. 1)

अतथाभूतविषय (atathābhūta-viṣaya) *adj.* having an object which is not true इदमेव हि ज्ञानस्य प्रामाण्यं यदर्थस्य तथाभूतत्वम्, अतथाभूतविषयस्य ज्ञानस्याप्रामाण्यात् NyāyRaMā. 33. 11.

अतथाभूतांशत्व (atathābhūtāṁśa-tva) *n.* the state of being a part of a different type अंशशब्दस्यानेकार्थत्वम्। तत्र मत्स्यादीनां स्वरूपांशत्वं जीवानां त्वतथाभूतांशत्वमित्येतत् कुत इत्यतोऽत्रागमवाक्यं पठति NyāySu.(Ja.) 453A. 12 (*on* ii. 3. 18)

अतथाभूतार्थ (a-tathābhūtārtha) *m.* object as different from its real nature, different from a real object इह तु कारणदोषादतथाभूतार्थावभासः PañcPā. 10. 4 (*on* i. 1. 1); अतथाभूतार्थनिश्चयो ह्यप्रामाण्यम् NyāyRaMā.

31.23; TantrRaha. 5.14; विपर्ययोऽप्यतथाभूतार्थे तथाभावनिश्चायकं ज्ञानमेव NyāyRa. 61.20 (*on* 2.54)

अतथाभेद (a-tathābheda) *m.* division of a different nature (having no *hetu* or cause) (लक्षणा) तथा सहेतुरतथाभेदभिन्ना च कुत्रचित्। सौन्दर्येणैव कन्दर्पः सा च मूर्तिमती रतिः Candrā. 9.15.

अतथायुक्त (a-tathāyukta) not possessing the same nature उपचारो यथासत्त्वं स्त्रीणामल्पोऽपि हर्षदः। महानप्यतथायुक्तो नैव तुष्टिकरो भवेत् BhāvPra.(S'ā.) 112.16(5)

अतथायोनि (atathā-yoni) *adj.* (a sāman) having a base which is different (from the real base) (साम) अयोनौ चापि दृश्यतेऽतथायोनि MīmāSū. vii. 2.18.

अतथार्थत्व (atathārtha-tva) *n.* the state of having a different sense अग्निहोत्रादिविधिजनिताग्निहोत्रादिकर्तव्यताबुद्धीनामतथार्थत्वमनुत्पन्नत्वं वा न शक्यते वक्तुम् (वाक्यानाम्) ChāndoUBh. 411.13 (*on* vi. 16.3)

अतथाविध (a-tathāvidha) *adj.* [*f.* -ā] not of a particular type or nature, not of such a sort or kind, unlike, dissimilar तादृशस्य सामान्यात्मन एव लिङ्गत्वात् तस्य चातथाविधादपि जन्माशङ्कायां कुतस्तथाविधेनान्वयो व्यतिरेको वा HetuBiṬ. 154.7; अतथाविधो न तथाविधरहस्यवेदी BālRā. 3.17(1); शेषाभिरतथाविधाभिः …योगे द्वासप्ततिः JayaMa. 89.8 (*on* 2.1); अनात्मनो जन्मजरामृतिक्षुधातृष्णासुखक्लेशभयादिधर्मान्। विपर्ययेण ह्यतथाविधेऽस्मिन्नारोपयन्त्यात्मनि बुद्धिदोषात SarvaVeSāSaṁ. 463; DaṇḍaVi. 39.8; KandaCū. v. 4.36.

अतथाविधत्व (atathāvidha-tva) *n.* the state of not being of such a sort or kind, disparity विनियोगोऽनुष्ठापकविधित्वान्मुख्यः। उत्पत्तिविधिरतथाविधत्वाद्गुणः NyāyMāVi. 139.15 (*on* iii. 3.2); जनसमूहश्चातथाविधत्वादभ्युपेयः JīvanVi. 31.4.

अतथाविधशक्तित्व (atathāvidhaśakti-tva) *n.* the state of not having such a sort of strength or prowess रिञ्चनभूपतिः। पुत्रं हैदरनामानं बाल्यादनभिषिक्तवान्। अतथाविधशक्तित्वात् RājTa.(Jo.) 255.

अतथाविधस्वरूप (a-tathāvidhasvarūpa) *adj.* not having such a sort of nature, not of that kind अव्याप्तिस्तावद् अतथाविधस्वरूपस्य बोधस्येन्द्रियादेश्च निर्मलफलजनकतया लब्धप्रमाणभावस्यापि प्रामाण्यं नोक्तं भवेत् NyāyMañ. i. 61.12.

अतथाव्युत्पत्ति (a-tathāvyutpatti) *f.* absence of the growth of such a sort of knowledge or of such causation न च विशेष्यैक्यवत् … विशेषणानामैक्यप्रसक्तिर्वा लक्षणाविरोधादिदोषात् अतथाव्युत्पत्तेश्च NyāyPari. 376.20.

अतथाश्रवण (a-tathāśravaṇa) *n.* absence of such scriptural statement कर्मणां स्वस्वकाले विहितानामकरणे प्रत्यवायश्रवणादितरत्रातथाश्रवणाद् अन्यदापि तत्कृतिसंभवात् सावकाशत्वेन तेषामेव बाधो युक्तः AṇuBh. 247.6 (*on* iii. 3.40)

अतथासंप्रतिपत्ति (a-tathāsampratipatti) *f.* absence of such and such agreement आ समाप्तेर्यावदेवं करिष्यामि नैवं करिष्यामि इति वा तस्य सम्प्रतिपत्तिर्भवति असमाप्तावतथासंप्रतिपत्तौ नाश्यो निर्वास्यः DaṇḍaVi. 261.4.

अतथास्थित (a-tathāsthita) *adj.* not of such a sort or kind, unreal यदि तर्हि स्वतन्त्राः शब्दाः अतथास्थितेऽप्यर्थे शब्दानुसारिणीष्टसिद्धिर्भवेत् Kāśi. iii. 72.13 (*on* 5(4).111)

अतथोचित (a-tathocita) *adj.* [*f.* -ā] not deserving such (a fate), not accustomed to such (a condition or state) एका बालानभिज्ञा च मार्गाणामतथोचिता MahāBhā. iii. 64.17; धिगस्तु माम्…। यत्कृते पृथिवीपालः शेतेऽयमतथोचितः MahāBhā. xv. 6.25; कुन्तीम् … महार्हशयनोचिताम्। शयानां पश्यताद्येह पृथिव्यामतथोचिताम् MahāBhā. i. 138.18; i. 147.9; i. 1075*(1); x. 9.8; तां तत्र पतितां भूमौ शयानामतथोचिताम्। … सोऽपश्यज्जगतीपतिः Rāmā. ii. 10.2; अतदर्हं महाराजं शयानमतथोचितम्। पुनराकारयामास तमेव वरमङ्गना Rāmā. ii. 11.1; अद्यायमपि ते पुत्रः क्लेशानामतथोचितः Rāmā. ii. 2189*(3)

अतथोचिताङ्ग (atathocitāṅga) *adj.* whose body does not deserve that state or condition कथ नु…वृकोदरः … । शेते पृथिव्यामतथोचिताङ्गः MahāBhā. iii. 225.11.

अतथोत्पत्ति (a-tathotpatti) *f.* absence of occurrence in a particular way or manner कर्मोत्पत्त्यानुपूर्वं प्रशस्तम्। अतथोत्पत्तेर्यथालिङ्गम् KauśiSū. 63.16.

अतथ्य (a-tathya) *adj.* [*f.* -ā] false, unreal, not true, faked ब्राह्मणपुंगवाः। तथ्यान् वाप्यथवातथ्यान् गुणानाहुः समागताः MahāBhā. xii. 41.2; वचांस्यतथ्यानि कृतघ्नभावः … हेतुः किलासस्य CaraS. vi. 7.177 (1941 Ed.); निरुक्तं द्विविधं प्रोक्तं तथ्यं चातथ्यमेव च।…अतथ्यं चाप्रसाधितम् NāṭyaS'ā. 16.12; SāhiSā. 3.7; द्विविधं कथितं साम तथ्यं चातथ्यमेव च MatsyaP. 222.3; AgniP. 225.6; ViṣṇuDhaP. ii. 67.3; ii. 67.5; द्वैतदर्शनमतथ्यमित्युच्यते S'rīBh. 76.2 (*on* i. 1.1); संभोगयोगसुखसंगतिरप्यतथ्या DarpDa. 1.44; अतथ्यं तथ्यवद्वस्तु तथ्यं वातथ्यवन्नृपः। यः पश्येन्मूढवत् सोऽर्थैस्त्यक्तोऽनर्थैः कदर्थ्यते RājTa.(Ka.) 8.2083; प्रपञ्चो मिथ्येत्यत्र मिथ्यात्वं तथ्यमतथ्यं वा SarvaDaSaṁ. 5.224; PuruṣPa. 49.46; अतथ्यास्तथ्यसंकाशास्तथ्याश्चातथ्यदर्शनाः। … दृश्यन्ते विविधा भावाः Subhāṣi. 2788; मोहशास्त्राणि कारय। अतथ्यानि वितथ्यानि दर्शयस्व महाभुज ViraMi.(Bhakti.) 135.27; स्नेहः शोककृशानोर्विनोदसदनं सदेति नातथ्यम् VidaMā. 5.1; *n.* falsehood, untruth, fiction, unreal object अतथ्यं तथ्यभावेन स्थापितं ज्ञानविभ्रमात् KātySm. 295; न खल्वतथ्यमगम्भीरमाङ्गिरसो ब्रवीति AnarghaRā. 3.3(12); अतथ्यान्यपि तथ्यानि दर्शयन्ति हि पेशलाः Hitopa. 2.101; PadmP. v. 18.330; BṛĀraUBhVā. i. 4.1628; KaviKaṇṭhā. 5.1(86); अमात्याः …। चित्तग्रहाय प्रियतामवाप्तुं कर्णानुकूलं कथयन्त्यतथ्यम् DaśāvaC. 7.202; अतथ्यमारोपयितुं तथ्यापास्तिरपह्नुतिः Candrā. 5.24; साक्षिणः … अतथ्येन तु निश्चिन्वन्तः … दण्डं दाप्या भवेयुः ManvaMu. 335.30 (*on* 8.257); प्रवीणमन्त्रिणश्चातुर्येणातथ्यानि अप्रतीर्याणि सप्रतीर्याणि दर्शयन्ति RājNiRa. 13.2; अतथ्यैरद्भुतैर्यत्र शौर्यौदार्यादि वर्ण्यते। अत्युक्तिस्तत्र गदिता AlaṅkāMañ. 217.12.

अतथ्यतस् (atathya-tas) *adv.* falsely तेनैव क्रीडमानेन कृत्वा गर्भमतथ्यतः। स पृष्टः … ऋषिः VarāP. 149.17.

अतथ्यता (atathya-tā) *f.* unreality परस्परं नाम्नोरन्यत्र तथ्यत्वं स्वविषये त्वतथ्यता AbhinBhā. ii. 304.18 (*on* 16.12)

अतथ्यदर्शन (atathya-darśana) *adj.* appearing as unreal, seeming to be unreal तथ्याश्चातथ्यदर्शनाः। … दृश्यन्ते विविधा भावाः Subhāṣi. 2786.

अतथ्यदर्शिन् (atathyadarś-in) *adj.* observing wrongly, holding a wrong view द्वैतिनोऽतथ्यदर्शिनः ViṣṇuP. ii. 14.31.

अतथ्यभय (atathya-bhaya) *n.* fear of falsehood अतथ्यभये मग्नः … युधिष्ठिरः। अश्वत्थामानमाह MahāBhā. vii. 165.115; vii. 164.106.

अतथ्यभाव (atathya-bhāva) *m.* the state of being false, falsehood एतेषाम् … सर्वच्चित्साक्षिकाणां कथ्येतातथ्यभावे कथमिव कथकद्वन्द्वयुद्धावतारः TattvMu. 5.69.

अतथ्यवत् (atathya-vat) *adv.* as untrue, as unreal तथ्यं वातथ्यवन्नृपः। यः पश्येत् (सः)…अनर्थैः कदर्थ्यते RājTa.(Ka.) 8.2083.

अतथ्यवर्जित (atathya-varjita) *adj.* free from falsehood, without falsehood ध्रुवलोक उपागतस्ततो नयनातिथ्यमतथ्यवर्जितः SkandP. iv. 18.31.

अतथ्यवादिन् (atathyavād-in) *adj.* speaking untruth or falsehood अद्वैतिनो ह्यतथ्यवादिनोऽवैदिका भवेयुः SanatBh. 206.11 (*on* 1.20); राजा … कामुकोऽतथ्यवादी च AdhyāRā. ii. 2.59; भो नाडुक अतथ्यवादिन्। महाकायं धनदेवं कथमिव श्येनोऽपहरति Pañcā. 115.17.

अतथ्यविहित (atathya-vihita) *adj.* falsely laid down अतथ्यविहितं यो वा नेदं वाक्यमुपाश्रयात् MahāBhā. xii. 140.23.

अतथ्यसामर्थ्य (atathya-sāmarthya) *adj.* having false or sham prowess अहो नन्वपसदोऽयमतथ्यसामर्थ्यः…प्रोज्झितः सत्त्वेन UdaySuKa. 139.18

अतद् (a-tad) *pron.* (Neg.) other than that, not the same सिद्धं त्वतस्मिण्णाविति वचनात् Vār. 2 (*on* P. i. 3.88); असो ददाति JaineVyā. 299.10 (*on* iv. 3.109); Pradī. ii. 424B. 34 (*on* ii. 2.6); अतस्मिंस्तदिति प्रत्ययो विपर्ययः PadārthaSaṁ. 117.13; NyāyBh. 14.8 (*on* i. 1.14); (एषः) शिशुपालसंज्ञया प्रतीयते संप्रति सोऽप्यसः परैः S'iśuVa. 1.69; अतस्मिंस्तद्भावं भजति हि जगन्नैवमिति चेत् MahāviC. App. 285.4; ज्ञातरि प्रत्यभिज्ञां च वासना कर्तुमर्हति। नातस्मिन् स इति ज्ञानम् S'lokaVār. 5.(25) (720.8); TattvSaṁ. 280; अनादेः शतादतस्मिन् यठौ S'ākaṭāVyā. iii. 2.127; व्यभिचारः अतस्मिंस्तथाभावः NyāyMañ. i. 72.16; ii. 71.8; अत्रैव मृग्यः पुरुषो नेति नेतीत्यतत् त्यजन् BhāgP. vii. 7.23; ii. 2.18; न चातस्मिंस्तद्ग्रहः पारमार्थिकत्वात् तस्य Kāśi. iii. 80.21 (*on* 5.133); i. 123.4 (*on* 2.115); i. 260.17 (*on* 4.140); न ह्यतस्मादारोपिताद्रूपादिति NyāyVārPari. 643.8; अथ अतदेव तथापि कथमर्थ्यते PratyabhiVi. ii. 61.9 (*on* ii. 2.7); i. 305.1 (i. 6.1); NyāyRa. 721.7 (*on* 5.125); Kiraṇā. 263.23; अतेभ्यो भेदो गृहीतः ĀtmaTaVi. 351.2; SiddhaHe. vi. 4.131; असो गच्छति Rūpāva. 1.28 (*on* iii. 3.59); असः शिवः MugdhaBo. 2.55 (10.13); SiddhāKau. 39A. 4 = VaiyāBhū. 203.11 (*on* 39); कारणस्य तु स चासश्चेति कालभेदः NyāyKu. 144.9; S'rutaPra. iB. 260.18 (*on* i. 1.25); iB. 348.27 (*on* i. 2.32); ii. 4.19 (*on* i. 3.3); अतस्मिंस्तदिति प्रत्ययो भ्रान्तिः Ekāv. viii. 9.1 (225.3); SarvaDaSaṁ. 5.187; 15.231; द्वितीयेऽपि स एव सः न त्वसः S'atDū. 104.20; अतस्मिंस्तदिति न भवेत् NyāySu.(Ja.) 59A. 2 (*on* i. 1.1); 411B. 11 (*on* ii. 2.10); अस्ति … अतत् त्वमसीत्यादिरूपो रूढार्थः TattvPrakā. 119A. 7 (*on* ii. 3.29); अतस्मिंस्तद्ग्रहो यस्य लोहितं तद्विलोभितम् BhāvaPra.(S'ā.) 124.16 (5); SāhDa. 532.5; Upask. 413.5 (*on* ix. 2.11);

अविद्या ह्यतस्मिंस्तदाकारता SāṁkhyaPraBh. 119. 30 (*on* 5. 13); UjjvaNīMa. 518. 3; अतदिव तदपि शरीरं सख्याः जयति PadyaVe. 180; PadyāTa. 123.

अतदंशत्व (atadaṁśa–tva) *n.* the state of not forming a part of it (the whole) शुक्तिरूप्ययोरतदंशत्वस्य निषेधात् … सिद्धत्वे च निषेधानर्थक्यात् IṣṭaSi. 109. 21.

अतदङ्ग (a–tadaṅga) *n.* what is not its ancillary, what is not subservient to that अतदङ्गेन हि तुल्यकक्षेण व्यवधानं भवति TantraVā. 123. 14 (*on* i. 3. 7)

अतदङ्गत्व (atadaṅga–tva) *n.* the state of not being ancillary or subservient to that संनिधिसमाम्नातानां शुक्रं प्रविध्य इत्यादीनामतदङ्गत्वमुक्तम् S'rutaPra. iB. 487. 24 (*on* iii. 3. 26); NyāyKu. 63. 12.

अतदधिकरण (atad–adhikaraṇa) *n.* substratum of other than that अतदधिकरणव्यवच्छेदप्रतीतिजननमेव विशेषणेन विशेष्यस्योपकारः NyāyVārPari. 629. 2.

अतदधिकारनिमित्तत्व (atadadhikāranimitta–tva) *n.* the state of not being the cause of qualification for it (i. e. renunciation) विद्याग्रहणस्यातदधिकारनिमित्तत्वात् SiddhāSi. i. 3. 22.

अतदधीन (a–tadadhīna) *adj.* not depending on it अतदधीने तु प्रत्यक्षशब्दो न प्रयुक्तः TātpaṬ.(U.) 152. 9 (*on* 4. 124)

अतदधीनत्व (atadadhīna–tva) *n.* the state of not being dependant on it अतदधीनत्वात्पुरुषप्रवृत्तिनिवृत्त्योः Bhām. 69. 10 (*on* i. 1. 2); चतुर्थपादे त्वतदधीनत्वं जगत आद्ये व्युदस्तम् S'rutaPra. ii. 204. 17 (*on* i. 4. 29)

अतदनुबन्धक (a–tadanubandhaka) *adj.* what has not that particular indicatory letter तदनुबन्धकग्रहणेऽतदनुबन्धकस्य ग्रहणं न MahāBh. ii. 16. 6 (*on* iii. 1. 8); ii. 208. 8 (*on* iv. 1. 15); Pradī. iv. 48B. 5 (*on* iv. 1. 15); तदनुबन्धकग्रहणे नातदनुबन्धकस्य PariVṛ.(Nī.) 32. 14; PariVṛ.(Sī.) 103. 15.

अतदनुसार (a–tadanusāra) *m.* [Loc.] in accordance with the absence of that (the view of the Vaiśeṣikas) अतदनुसारे द्व्यादिसंख्यायोगात् KhaṇḍanKhā. 625. 4.

अतदन्तत्व (atadanta–tva) *n.* the state of not ending with that वचनादतदन्तत्वम् MīmāSū. x. 6. 44; S'ābaBh. 2007. 15 (*on* x. 6. 44)

अतदन्यता (atadanya–tā) *f.* the state of not being distinct from that अतदन्यतयाखिलात्मकैरनुगृह्येय कदा नु धामभिः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 10. 25.

अतदभिधायकत्व (atadabhidhāyaka–tva) *n.* the state of not being denotative of it (i. e. meaning) न चासौ (अर्थः) पदैरुद्देतुमर्हति तेषामतदभिधायकत्वात् NyāyRaMā. 88. 14.

अतदभिमानित्व (atadabhimāni–tva) *n.* the state of not laying claim to or presiding over it मयट्शब्दो युज्यते न विष्णोस्तस्याविकारित्वादतदभिमानित्वाच्च TattvPrakā. 17A. 6 (*on* i. 1. 13)

अतदर्थ (a–tadartha) *adj.* [*f.* –ā] **1** not having that for its purpose आम्नायस्य क्रियार्थत्वादानर्थक्यमतदर्थानाम् MīmāSū. i. 2. 1; दृष्टो ह्यतदर्थेन गुणिनोऽर्थभावः Vār. 11 (*on* P. i. 2. 45); दृश्यते हि पुनरतदर्थेन गुणेन गुणिनोऽर्थभावः MahāBh. i. 220. 16 (*on* i. 2. 45); तदर्थादिवत्तं, नातदर्थादिति न विशेषः श्रूयते S'ābaBh. 2080. 9 (*on* x. 8. 31); वेद्यां हविषामासादनं श्रुतम्। इयमपि च वेदिः। न तत्र तदर्थायामतदर्थायां वेत्येष विशेषः श्रूयते S'ābaBh. 2225. 7 (*on* xii. 1. 9); अनुपकारिणि हि स्थितं नोपकरोति नातदर्थे TantrVā. 1129. 13 (*on* iii. 7. 4); क्रतौ चातदर्थस्यानियमान्न नियमार्थता NyāyRaMā. 22. 8; दृश्यते ह्यतदर्थस्यापि तादर्थ्यवर्णनं स्तुत्यर्थम् S'ivārkaMaDī. ii. 398. 8 (*on* iii. 4. 26); **2** not being an object of that (sense organ) अमी चक्षुरादिसंनिकृष्टा अप्यन्यविषयज्ञानापेक्षया अतदर्था एव NyāyVārPari. 558. 16; **3** not having that as its meaning, not expressive of that sense अतदर्थोऽप्यन्यः शब्दः सामग्रीवशात् समासोक्तिन्यायेन तमवगमयितुं क्षमेतैव VyaktiVi. 120. 24; यानि पुनश्चोदकक्रियाप्रतिपादनपरैः…सद्यपदैः समभिव्याहृतान्यतदर्थानि पदानि तान्यध्ययनविधिविहितक्रियार्थत्वानुरोधेन…क्रियापरतया वर्णितानि CaturCin. iii(1). 72. 2; किं तर्हीत्याशङ्क्याह – अतदर्थानामानर्थक्यमिति VedāntPāSau. 20. 5 (*on* i. 1. 4); 20. 6 (*on* i. 1. 4); 'विद्यां चाविद्यां च' इति समसमुच्चयपरत्वेन परोक्ता श्रुतिश्चातदर्था S'rutaPra. iA. 45. 29 (*on* i. 1. 1); आम्नायस्य … क्रियार्थत्वावश्यंभावादतदर्थानाम् … आनर्थक्यम् PūrvottaVāNaMā. 240. 17; *m.* sense different from that तद्व्यतिरिक्तस्यातदर्थस्य बाधितत्वात् LalitāTriBh. 298. 11 (*on* 27)

अतदर्थक (atadartha–ka) *adj.* not meant for that (i. e. sacrifice) अतदर्थकानि तु वचांसि वृथा S'aṅkaDigVi.(Mā.) 9. 8.

अतदर्थकत्व (atadarthaka–tva) *n.* the state of not having that for its meaning न चाप्रक्रान्तत्वादतदर्थकत्वम् VīraMi.(Vyavahāra.) 446. 16.

अतदर्थगति (a–tadarthagati) **1** *f.* non-comprehension of that meaning किमतदर्थगतेरिति।… अथवा सोऽर्थस्तदर्थः। तदर्थस्य गतिस्तदर्थगतिः। न तदर्थगतिरतदर्थगतिः। अतदर्थगतेरिति MahāBh. i. 30. 21 (*on* i. 1. 0); **2** *f.* non-comprehension of the meaning of that (word) किमतदर्थगतेरिति। तस्यार्थस्तदर्थः। तदर्थस्य गतिस्तदर्थगतिः। न तदर्थगतिरतदर्थगतिः। अतदर्थगतेरिति MahāBh. i. 30. 18 (*on* i. 1. 0)

अतदर्थता (atadartha–tā) *f.* the state of not being intended for that (purpose or object) अतदर्थतया क्लृप्तमपि योग्यमपेक्षितं तादर्थ्यमर्हति S'rutaPra. iA. 25. 5 (*on* i. 1. 1) = SiddhāSi. i. 39. 20.

अतदर्थत्व (atadartha–tva) *n.* **1** the state of not having that for its object or purpose or not being for the sake of that पृष्ठार्थे वातदर्थत्वात् MīmāSū. x. 6. 25; तथा सति अतदर्थत्वान्न ते प्राजापत्या भवेयुः S'ābaBh. 525. 2 (*on* ii. 2. 21); फलार्थत्वातदर्थत्वाभ्यां क पुरुषः प्रधानं धर्मस्य क वा पुरुषो गुणभूत इत्यादि TantrVā. 654. 7 (*on* iii. 1. 1); 1134. 15 (*on* iii. 7. 13); **2** the state of not denoting that meaning भावकर्मकर्तारः सार्वधातुकार्थाश्चेदेकद्विबहुषु नियमानुपपत्तिरतदर्थत्वात् Vār. 1 (*on* P. iii. 1. 67); तानि (अर्थवादमन्त्रनामधेयानुपातीनि) … धर्माधर्मयोरप्रमाणमतदर्थत्वात् TantrVā. 1. 17 (*on* i. 2. 1); सर्वतः प्रियतमस्यात्मनः समुच्छेदाय प्रेक्षावत्प्रवृत्त्यनुपपत्तेर्बन्धविच्छेदपर्यायस्य मुक्तिशब्दस्यातदर्थत्वाच्च NyāyKa. 3. 23; अग्निशब्दस्य माणवकेऽपि प्रयोगादतदर्थत्वम् NyāyRaMā. 151. 9; S'rutaPra. iB. 52. 20 (*on* i. 1. 1); तस्य (वेदादेरागमस्य) विश्वसत्यत्वग्राहकप्रत्यक्षबाधितत्वेनातदर्थत्वात् NyāySu.(Ja.) 485B. 10 (*on* iii. 2. 1); **3** the quality of not being the sense of that (word) देहविशेषयुक्त एव ब्राह्मणशब्दप्रयोगेण देहस्यातदर्थत्वाच्च Nyāyāmṛ. 402A. 7.

अतदर्थनिवृत्तितस् (atadarthanivṛtti–tas) *adv.* because of exclusion from what is not that particular thing अथेदमसरूपं किमतदर्थनिवृत्तितः NyāyVi. 2. 29.

अतदर्थपरावृत्त (atadartha–parāvṛtta) *adj.* excluded from what is not that particular thing अतदर्थपरावृत्तमतद्रूपं तदर्थदृक् NyāyVi. 2. 28.

अतदर्थविद् (a–tadarthavid) *adj.* not knowing the meaning of that (i. e. of the Vedas) अज्ञानामतदर्थविदां जपादिष्वधिकारेण ManuBh. i. 527. 14 (*on* 6. 84)

अतदर्थविहित (a–tadarthavihita) *adj.* not prescribed for it (i. e. a particular rite) चोदकप्राप्तस्य … अतदर्थविहितसाधनान्तराग्राहकत्वात् NyāySu. (So.) 71. 30 (*on* i. 2. 19)

अतदर्थिन् (a–tadarthin) *adj.* one not expecting that, not seeking that न हि स्वर्गफले कर्मण्यतदर्थी नियोज्यः संभवति NyāyRaMā. 165. 23; अतदर्थिनां तत्र व्यवहारानुदये नेदं रजतमित्यादिज्ञानस्याबाधकत्वप्रसङ्गात् TattvPradī. (Ci.) 66. 5; NyāySu.(Ja.) 51B. 8 (*on* i. 1. 1); अतदर्थिनो व्यवहारानुत्पत्तावविषयत्वापत्तेः NyāySu.(Ja.) 42B. 10 (*on* i. 1. 1)

अतदर्थोत्पत्ति (a–tadarthotpatti) *f.* coming into existence not for that purpose आवेश्येरन् वा यूपधर्माः परिधौ। … संस्कारो बन्धनं निष्पादयति तदर्थोत्पत्तिमतदर्थोत्पत्तिं वा नापेक्षते S'ābaBh. 1733. 9 (*on* ix. 2. 42)

अतदर्ह (a–tadarha) *adj.* [*f.* –ā] not deserving that (fate or condition) स दृष्ट्वा पितरं वीरः मृत्युवशं गतम्। अनर्हन्तं (v. l. अतदर्हं) तथाभूतं विललाप MahāBhā. iii. 116. 29; iv. 17. 27; v. 22. 2; ऊढाप्रभृति दुःखानि श्वशुराणाम् …। निकारानतदर्हा च पश्यन्ती दुःखमश्नुते MahāBhā. v. 81. 42; v. 88. 8; मया विनिहतं देवी रोदतामद्य पार्थिव। अतदर्हा महाभागा भगीरथसुता नदी MahāBhā. v. 179. 5; अतदर्हं महाराजं शयानमतथोचितम्। … पुनराकारयामास तमेव वरमङ्गना Rāmā. ii. 11. 1; निशम्य शप्तमतदर्हं नरेन्द्रं स ब्राह्मणो नात्मजमभ्यनन्दत् BhāgP. i. 18. 41; तत्पत्न्यनुगता वनम्। सुकुमार्यतदर्हा च BhāgP. iv. 23. 19; आत्मैकविषयया बुद्ध्या युक्ताः सांख्याः। अतदर्हाः कर्मयोगाधिकारिणो योगिनः GitāBh.(Rā.) 169. 8 (*on* 3. 3); बन्धं चासावगमदतदर्होऽपि गाढोपशान्त्यै Nārāy. viii. 31. 3.

अतदर्हण (a–tadarhaṇa) *adj.* [*f.* –ā] not deserving or not fit for that (fate or condition) तां कृष्यमाणाम् … स्रस्तोत्तरीयामतदर्हमाणाम् (v. l. अतदर्हणां च)। वृकोदरः प्रेक्ष्य … चकार कोपम् MahāBhā. ii. 60. 47; तान् … वेत्रेण चास्खलयतामतदर्हणांस्तौ BhāgP. iii. 15. 30; अराजकभयादेष कृतो राजातदर्हणः BhāgP. iv. 14. 9; x. 1. 10; DevīBhāP. viii. 18. 1.

अतदर्हता (atadarha–tā) *f.* the state of being not worthy of that (fate) येन (मध्यमेन) तुलयित्वा जरासन्धं कण्ठश्लिष्टेन बाहुना। असह्यकर्म तत् कृत्वा नीतः कृष्णोऽतदर्हताम् PañcRā. 2. 57.

अतदर्हम् (a–tadarham) *adv.* undeservedly, unjustly [MW]

अतदर्हमाणा (a–tadarhamāṇā) *adj.* (*f.*) not deserving that (fate) तां कृष्यमाणाम् … स्रस्तोत्तरीयामतदर्हमाणाम्। वृकोदरः प्रेक्ष्य … चकार कोपम् MahāBhā. ii. 60. 47.

अतदर्हमाना (a-tadarhamānā) *adj.* (*f.*) not deserving that (fate) तां कृष्यमाणाम् ... स्रस्तोत्तरीयामतदर्हमाणाम् (v. l. अतदर्हमानाम्) । वृकोदरः प्रेक्ष्य...चकार कोपम् MahāBhā. ii. 60. 47.

अतदविद्याजत्व (atadavidyāja-tva) *n.* the state of not being born of (i. e. caused by) the nescience of that (i. e. the shell) द्रष्टृविद्याजश्चेत् तदाश्रयो भासेत रूप्यादिस्तज्ज्ञानादिवत् न तु शुक्त्याद्याश्रयः अतदविद्याजत्वात् IṣṭaSi. 201. 18.

अतदसमवधान (a-tadasamavadhāna) *n.* absence of the lack of contiguity of that नातदसमवधाने केवलस्यापीत्यर्थिकया कृद्ग्रहणपरिभाषयादोषात् LaS'abdeS'e. ii. 389. 13.

अतदाकार (a-tadākāra) *adj* [*f.* -ā] not of that form अतदाकारस्य तदाकारप्रतीतेर्मिथ्यात्वम् Kāśi. i. 281. 23 (*on* 4. 219); ii. 173. 16 (*on* 5(3). 203); बुद्धिरेव विषयाकारेण परिणता सत्यतदाकारायै चितिशक्त्यै विषयमादर्शयति Tattv-Vai. 6. 20(1. 2); अतदाकारो वा धर्मो न धर्मिणस्तदाकारतामापादयति TārkiRa. 304. 1; 304. 11; अनुत्पन्नस्यातदाकारस्य च ज्ञानस्य सर्वार्थान् प्रत्यविशेषणात् PramāMī. 20. 18 (*on* i. 1. 25); ज्ञानयोरप्यैक्यापातात् समूहालंबनज्ञानस्यापि भेदापाताच्च तस्यातदाकाररूप्यवृत्तौ प्रतिफलनायोगाच्च Nyāyāmṛ. 426A. 11; *m.* form not of that तासामेकरूपत्वात् अस्येदम् इति व्यतिरेकप्रतीतिरतदाकारवती च न स्यात् PramāVāSvopVṛ. 51. 28; सर्वं खल्विदं ब्रह्मेत्यत्र सामानाधिकरण्यस्य चातदाकारारोपणनिबन्धनत्वमयुक्तम् S'rutaPra. iB. 70. 12 (*on* i. 1. 1)

अतदाकारता (atadākāra-tā) *f.* the nature of having a form different from the one of that (word) नापि शब्दसंबन्धात् पूर्वमतदाकारता TātpaṬ.(U.) 173. 17 (*on* 4. 219)

अतदाकारत्व (atadākāra-tva) *n.* the nature of not having the form of that (i. e. word) यद्यप्यगृहीतसंबन्धानामतदाकारत्वेन प्रतिपत्तिः तथापि गृहीतसंबन्धाः शब्दाकारमेवार्थं प्रतिपद्यन्ते TātpaṬ.(U.) 173. 20 (*on* 4. 219)

अतदाकारप्रतिपत्ति (atadākāra-pratipatti) *f.* apprehension of a form different from the one of that (word) कथमियमतदाकारप्रतिपत्तिः बाधिका भविष्यति TātpaṬ.(U.) 173. 21 (*on* 4. 219)

अतदाकृतिक (a-tadākṛtika) *adj.* not having that shape (i. e. not like that) इतरया अतदाकृतिकानामवचात् S'ābaBh. 1780. 16 (*on* ix. 4. 26)

अतदाक्षिप्त (a-tadākṣipta) *adj.* not inferred from it (*vidhi*) अतदाक्षिप्तानुष्ठानस्य च न विधेयत्वसंभवः NyāyRaMā. 148. 24.

अतदाक्षेपकत्व (atadākṣepaka-tva) *n.* the state of not being one that leads to its (absence of knowledge) inference एवं तर्हि नित्यं ज्ञानमित्यपि व्याहतम् । ...न अतद्भावत्वात् अतदाक्षेपकत्वाच्च ĀtmaTaVi. 869. 8.

अतदाख्य (a-tadākhya) *adj.* (*mantras*) not appearing in that (context) अधिकारे च मन्त्रविधिरतदाख्येषु शिष्टत्वात् MīmāSū. iii. 2. 21; सूत्रमप्यतदाख्यप्रापणं करोतीति नातदाख्यमात्रनियमार्थमिति व्याख्येयम् TantrVā. 793. 18 (*on* iii. 2. 21); MīmāKau. ii. 264. 6 (*on* iii. 2. 21)

अतदात्मक (a-tadātmaka) *adj.* [*f.* -ikā] which is not of that nature or form अतदात्मकेष्वन्यनिमित्तः प्रत्ययो भवति PadārthaSam. 322. 11; NyāyKa. 324. 6; यथा विषयधर्माणां ज्ञानेऽत्यन्तमसंभवः । तदात्मेव च तत् सिद्धमत्यन्तमतदात्मकम् VākyaP. 3(2). 9; 3(2). 10; व्यावर्तेते खदिरादिभ्यः शिंशपेत्यतदात्मिका TātpaṬ.(U.) 306. 10 (*on* 9. 4); यावदतदात्मकतदात्मकौ हेतू कारणव्यापकरूपसाध्यस्य साधकौ HetuBiṬ. 51. 11; अतदात्मकस्य तादात्म्यप्रतीतेर्मिथ्यात्वम् NyāyRa. 200. 9 (*on* 4. 223); न तदस्ति विना यत्स्यादित्यादिना अतदात्मकस्य नास्तित्वमुच्यते S'rutaPra. iA. 211. 12 (*on* i. 1. 1); iB. 179. 33 (*on* i. 1. 6); ते हि कुलालान्मृत्पिण्डवत् पुरुषाद्भिन्नमतदात्मकम् ... द्रव्यं जगदुपादानकारणमङ्गीचक्रुः VedāKau. 169. 23 (*on* ii. 1. 26)

अतदात्मकत्व (atadātmaka-tva) *n.* **i** the state of being not of that nature or being different अध्यासपक्षे च प्रवृत्तिनिवृत्तिरूपार्थविगतिर्न प्राप्नोति अतदात्मकत्वाच्छब्दस्य TātpaṬ.(U.) 171. 15 (*on* 4. 207); अभिवृत्वीकरणस्य क्रियापरत्वात् प्रातिपदिकार्थे तस्यान्तर्भावो नास्ति तस्यातदात्मकत्वात् Nyās. i. 424. 2 (*on* ii. 3. 47); ननु नान्यदतोऽस्ति द्रष्टृ इति वाक्यम् ... अतदात्मकत्वनिषेधपरं किं न स्यात् S'rutaPra. ii. 25. 13 (*on* i. 3. 11); **ii** the nature of not having Him as the inner self सर्वस्य परमात्मकत्वादेवातदात्मकत्वानुसंधाननिषेधः S'rutaPra. ii. 145. 20 (*on* i. 4. 19)

अतदात्मकवस्तु (atadātmaka-vastu) *n.* thing that does not have Him as the inner self (पादे) चतुर्थे त्वतत्कार्यातच्छरीरातदात्मकवस्त्वसंभवः प्रतिपाद्यते S'rutaPra. ii. 204. 6 (*on* i. 4. 29)

अतदात्मत्व (atadātma-tva) *n.* the state of not being of that nature चक्षुर्न वीक्षते शब्दमतदात्मत्वकारणात् NaiṣkaSi. 181. 5.

अतदात्मन् (a-tadātman) *adj.* **i** not having that form or nature केयं तच्छायता ? अतदात्मनस्तदवभासः BrahmSi. 8. 5; करणानां क्रियापेक्षिणां अतदात्मना करणान्तरेण संगमायोगात् BhāvanāVi. 29. 2; स्वयमतदात्मनो दैवैरपि तादात्म्यापत्तेः कर्तुमशक्यत्वात् TātpaṬ.(U.) 43. 5 (*on* 2. 34); YuktiSneha. 20. 26 (*on* i. 1. 2); यत एवमविद्योत्थं प्राणाद्यस्यातदात्मनः BrĀraUBhVā. i. 4. 687; अतदात्मनोऽतत्कार्यभूताच्च रसाद्रूपानुमानं न स्यात् PrakaPañ. 200. 19; TātpaṬ.(Vā.) 195. 16 (*on* i. 1. 5); अतदुत्पत्तिरतदात्मा च तदविनाभावनियतः प्रत्ययः Bhām. 12. 9 (*on* i. 1. 1); NyāyMa. 108. 2; न च फलस्यातदात्मनः कार्याद्विशेषतः प्रयोजकत्वं लोकसिद्धम् NyāyRaMā. 195. 18; (कार्यव्यक्तेः) तस्यास्तत्कारणात्मत्वे चातदात्मनां तत्कारणत्वविरोधात् KhaṇḍanKhā. 1224. 20; Tattv-Pradī.(Ci.) 71. 11; (प्रत्ययम्) तमनुपश्यन्नतदात्मापि तदात्मक इव प्रतिभासते SyādvāMañ. 15(62); SarvaDaSaṁ. 15. 30; **ii** which is not of that nature (apprehensible by the cognition of word-sound) तज्ज्ञेयात्मा न शब्दश्चेदतदात्मरसादिवत् TattvSaṁ. 2506.

अतदात्मनियत (a-tadātmaniyata) *adj.* what is not invariably concomitant with what is of that nature न ह्यतदात्मनियतस्य तन्निवृत्तौ निवृत्तिः PramāVāSvopVṛ. 64. 28.

अतदात्मभूत (a-tadātmabhūta) *adj.* which is not the soul or essence of that (i. e. poetry) अतोऽतदात्मभूतस्य येऽभावं जगदुर्ध्वनेः । ते मुधैव प्रतिक्षिप्ताः स्वोक्तिभावमपश्यता VyaktiVi. 35. 3.

अतदात्मवेदिन् (a-tadātmavedin) *adj.* one who does not know (all this world) as the *ātman* or his own self तदात्मभूतस्य सर्वस्य तावन्मात्रत्वं पश्यतः ... त्यागेनैवात्मपरिपालनमुक्त्वा अतदात्मवेदिनः केन तर्हि आत्मपरिपालनम् SanatBh. 186. 7 (*on* 1. 6)

अतदानयन (atad-ānayana) *n.* act of bringing (something) other than that नाद्यः दण्डपुरुषसंबन्धमन्तरेण दण्डिनोऽन्यस्याप्रतीतेः । दण्डिनमानयेत्युक्तेऽतदानयनप्रसङ्गाच्च KhaṇḍanKhā. 1057. 14.

अतदाभ (a-tadābha) *adj.* which does not resemble that अतदाभ एव हि तदात्मतां दधत्...त्वमित्थमलमद्भुतायसे HarVi. 6. 49

अतदाभता (atadābha-tā) *f.* characteristic of not throwing light on them (i. e. the atoms and their distinction) प्रतिक्षणं विशेषा न प्रत्यक्षाः परमाणुवत् । अतदाभतया बुद्धेरर्थाकारविवेकवत् NyāyVi. (Ed. with Vivaraṇa) 2. 140 (comm. परमाणुतद्विशेषावभासित्वाभावेन)

अतदायत्तत्व (atadāyatta-tva) *n.* the state of not being dependent on that (sentence) सम्यक्प्रयुक्तेऽपि वाक्येऽर्थस्यातदायत्तत्वान्नेष्टसिद्धिः Kāśi. iii. 76. 27 (*on* 5(4). 127); (Karman) बुद्धिजीवौ च कर्मगोचरमनतिक्रान्तौ । जीवो हि भोक्तृतया बुद्धिश्च भोगसाधनतया धर्मस्य गोचरे स्थितौ । न तु ब्रह्म तस्यातदायत्तत्वात् Bhām. 170. 2 (*on* i. 2. 11)

अतदालम्ब (a-tadālamba) *m.* that which is not their (i. e. S'āstra or scripture) support or object शास्त्रिणोऽप्यतदालम्बे विरुद्धोक्तौ तु वस्तुनि । न बाधा प्रतिबन्धः स्यात् तुल्यकक्षतया तयोः PramāVār. 4. 98.

अतदालम्बन (a-tadālambana) *n.* that which is not their (i. e. perception etc.) support or object अतदालम्बनप्रतीतये प्रमाणमागमः PramāVār-SvopVṛ. 112. 4.

अतदाश्रय (a-tadāśraya) *adj.* **i** not residing in it (i. e. residing in a different abode ननु स्वाश्रयमेव जातिरुपलक्षयति, ताल्वादिसमवेतया तु जात्या कथमतदाश्रयः क्रमः शक्यते लक्षयितुम् NyāyRa. 805. 19 (*on* 6. 299); **ii** not having that (Brahman) for its abode ब्रह्माश्रयमतदाश्रयमिति विवादाध्यासितमित्यर्थः S'rutaPra. iB. 23. 18 (*on* i. 1. 1); **iii** not resting on that उपाधिगतसामान्यवशादेवानुवृत्तता । तस्याः सर्वत्र चेन्नैवं वैलक्षण्यातदाश्रयात् Tattv-Saṁ. 768.

अतदाश्रयत्व (atadāśraya-tva) *n.* the state of not having that as the abode विप्रकृष्टत्वमतदाश्रयत्वादनुकम्पायाः । न हि तस्यां धानादिराश्रयः । किं तर्हि अनुकम्प्यमानो देवदत्तादिः Nyās. ii. 131. 23 (*on* v. 3. 77); अविद्यायाश्च स्वतन्त्रत्वे ... नाप्यनुभवमात्रगम्यता अतदाश्रयत्वाद्घटादिवत् IṣṭaSi. 208. 13; देश एवाग्निविशिष्टः प्रमेयोऽवतिष्ठते स हि धर्मो तदाश्रयत्वादग्नेः । न त्वग्निः अतदाश्रयत्वाद्देशस्य Kāśi. iii. 35. 15 (*on* 5(4). 48)

अतदारोप (atad-āropa) *m.* superimposition (of something) on something else निरुपचरितमतदारोपमध्यासो नामातस्मिंस्तद्बुद्धिरित्यवोचामेति परामृशति PañcPā. 34. 20 (*on* i. 1. 1)

अतदावेश (a-tadāveśa) *m.* absence of connection with that (i. e. an act producing the separation) तथा च विश्लेषवत्त्वे सति विश्लेषहेतुक्रियायामुदासीनमनाश्रयः । अतदावेशात् विश्लेषहेतुक्रियानाश्रयत्वात् VaiyāBhū. 110. 12 (*on* 3. 24); LaS'abdeS'e. i. 497. 10.

अतदीय (a-tadīya) *adj.* not belonging to that अन्यनिमित्तवशाद्यथा

-भवेद्रस्तु तस्य तु तथात्वे । हेत्वन्तरमतदीयं यत्रारोप्येत सान्येयम् Kāvyālaṅ.(Ru.) 9. 14; यत्रैव हि सिद्धवत्कारेणोत्कृष्टधर्मा अतद्रीयास्तदेव ब्रह्मेति AṇuBh. 97. 9 (*on* i. 3. 41)

अतदुचित (a-taducita) *adj.* not appropriate to it एकप्रत्ययमर्शे तदुचितोऽपि (v. l. अतदुचितोऽपि) हि अस्त्येकावभासः PratyabhiVi. ii. 118. 1 (*on* ii. 3. 11)

अतदुत्पत्ति (a-tadutpatti) *adj.* (fact) which is not a product of or not originating from that अतत्स्वभावस्य अतदुत्पत्तेश्च तत्राप्रतिबद्धस्वभावत्वात् NyāyBi. 2. 23; अहो बतास्यासत्पक्षपातो यदयमतदुत्पत्तिः अतदात्मा च तदविनाभावनियतः प्रत्ययः इति Bhām. 12. 9 (*on* i. 1. 1); अहो महानस्य प्रमादो यदसावतदुत्पत्तिरतदात्मा च प्रत्ययस्तदविनाभूत इत्यभिधत्ते NyāyMa. 108. 2; अतदुत्पत्तेरतदात्मनश्चानुभवस्य तदविनाभावासंभवात् TattvPradi.(Ci.) 71. 11; *f.* absence of origination from that अर्थासंस्पर्शी श्चास्यातद्रुत्तित्वादतदुत्पत्तेश्चेति पूर्वैव युक्तिरित्याशयः NyāyVārPari. 574. 7; एकदेशसारूप्ये नीलमपि पीतसंविदः सरूपम् उभयोः क्षणिकत्वादसाधारणत्वाचेति तदपि ग्राह्यं भवेत् । एवं च सर्वः सर्ववित् स्यात् । अतदुत्पत्तेरग्राह्यत्वमिति चेत् Kāśi. ii. 101. 5 (*on* 5(3). 20)

अतदुत्पन्न (a-tadutpanna) *adj.* not originated or produced from that (word) न ह्यतदुत्पन्नाद्वाक्यार्थविज्ञानाच्छब्दस्याभिधायकत्वं कल्पयितुं शक्यते NyāRaMā. 93. 15.

अतदुत्पादकत्व (atadutpādaka-tva) *n.* the state of not producing that (change) अतदुत्पादकत्वेऽपि न किञ्चिन्मुद्गरादिना NyāyMañ. i. 57. 11.

अतदुद्देश (a-taduddeśa) *m.* absence of that aim or purpose अत एव अतदुद्देशेन कृतेऽपि निषिद्धे प्रायश्चित्तार्थमुक्तम् TattvCin. iv(2). 221. 3; अतदुद्देशेन तेषां प्रवृत्तिदर्शनात् NyāyPari. 385. 14; YuktiSneha. 27. 23 (*on* i. 1. 2)

अतदुपशमन (a-tadupaśamana) *adj.* which is not capable of quenching that (i. e. thirst) न च तोयमेव द्विविधमुदन्योपशमनमतदुपशमनमिति युक्तम् Bhām. 545. 13 (*on* iii. 2. 3)

अतदुपाधित्व (atadupādhi-tva) *n.* the state of not being caused or conditioned by that (nescience) अतदुपाधित्वाच्च तत्प्रत्ययस्य न ह्यज्ञानोपाधिरहंप्रत्ययः ĀtmaSi. 31. 20.

अतदुपाय (a-tadupāya) *adj.* not having that as the means ननु शब्दपुरःसरत्वनियमाद्विकल्पस्य तदुपायता तद्विषयत्वं वा स्यात् तत्पुरःसरत्वनियमस्यातदुपाया(? यत्वा)दतद्विषयत्वान्नियमतो व्यावृत्तेः NyāyVārPari. 549. 11.

अतद्गत (atad-gata) *adj.* belonging to what is different from that तद्गतस्यातद्गतस्य वा प्रकाशान्तरस्य तद्विषयस्यानभ्युपगमात् S'atDū. 145. 23.

अतद्गम्यत्व (a-tadgamyatva) *n.* **A** absence of the state of being known through them (i. e. perception etc.) जगतोऽक्षजादिगम्यत्वेऽपि ब्रह्मणोऽतद्गम्यत्वात्तयोर्भेदो नाक्षजादिगम्यः IṣṭaSi. 242. 23; **B** absence of the state of being known through that (the Vedic injunction) अग्निहोत्रादेर्धर्मत्वं न चैत्यवन्दनादेरतद्गम्यत्वात् NyāyRa. 45. 7 (*on* 2. 1)

अतद्गुण (a-tadguṇa) *adj.* **i** devoid of that power वचनादानसंह्लादविसर्गविहृतिक्रियाः । वागादीनां पदान्यत्वं पदे सत्यप्यतद्गुणाः MṛgendraT. i. 12. 8 (comm. तच्छक्तिविरहिणो जनाः); **ii** not having the quality or property (proper for it) अतद्गुणोऽतश्छागः स्यात् मेषो वा तद्गुणो भवेत् VākyaP. 3(1). 80; न हि देवदत्तः शौर्यादिगुणत्वेन स्वदेशे प्रसिद्धः देशान्तरं गतः तद्देश्यैरविभावितशौर्यादिगुणोऽपि अतद्गुणो भवति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 632. 19 (*on* iii. 3. 10); अतद्गुणेषु भावेषु व्यवहारप्रसिद्धये । यत्संज्ञाकर्म तन्नाम नरेच्छावशवर्तनात् YaśasCam. ii. 408. 3; अतद्गुणे वस्तुनि तद्गुणत्वेनाभिनिवेशः संप्रत्ययः NītiVā. 6. 12; यथैकोऽतद्गुणोऽपि तद्गुणवस्त्वन्तरसंनिधौ तद्गुण उपलभ्यते Pradi. ii. 308B. 18 (*on* i. 4. 108); **iii** not having the quality of that (cause) कारणाद्विजातीयस्यातद्गुणस्य वा कार्यस्य विरूपस्योत्पत्तिः AlaṅkāRa. 60. 1; **iv** (*bahuvrīhi* compound) in which the qualities conveyed by the constituent members are not taken into consideration (but only the principal idea or meaning) पौत्रादिरित्यतद्गुणो बहुव्रीहिः SmṛtiCan. iii. 165. 14; *m.* **i** not its accessory गुणस्य तु विधानार्थेऽतद्गुणाः प्रयोगे स्युरनर्थकाः न हि तं प्रत्यर्थवत्तास्ति MīmāSū. i. 4. 18; तथा चातद्गुणाः ⋯ प्रयोगे स्युरनर्थकाः TantrVā. 314. 15 (*on* i. 4. 18); अतद्गुणाः पूर्वकर्मणोऽगुणाः सन्तः ⋯ अनर्थकाः ⋯ स्युः MīmāKau. i. 262. 14 (*on* i. 4. 18); **ii** not its quality or attribute न ह्यतद्गुणस्तं गुणिनं विकर्तुमुत्सहते PrakaPañ. 328. 4; उपसंहारः न प्रियशिरस्त्वादीनामतद्गुणानाम् VedāntKau. 310. 8 (*on* iii. 3. 17); **iii** *bahuvrīhi* compound in which the qualities conveyed by the constituent members are not taken into consideration (but only the principal idea or meaning) तद्गुणे हि श्रुतग्रहणमग्रहणमतद्गुणे CaturCin. iii(1). 81. 3; **iv** not consideration of the qualities conveyed by the constituent members (but only of the principal idea or meaning) लोके हि तद्गुणेऽतद्गुणे च बहुव्रीहिर्दृश्यते PariVṛ.(Si.) 87. 20; **v** name of a figure of speech wherein a thing is described as not assuming the qualities of another (even though there is reason for doing so) तद्रूपाननुहारश्चेदस्य तत्स्यादतद्गुणः । यदि तु तदीयं वर्णे संभवन्त्यामपि योग्यतायामिदं न्यूनगुणं न गृह्णीयात् तदा भवेदतद्गुणो नाम KāvyPra. 747. 1 (comm. अत्युज्ज्वलगुणयोगेऽपि यदि न्यूनगुणोऽप्रकृतः प्रकृतस्य गुणं नानुहरति तदा अतद्गुणनामालंकारः); सति हेतौ तद्गुणाननुहारोऽतद्गुणः AlaṅkāSa. 170. 14; एवं च विभावनाविशेषोक्त्यसंगतिविषमाधिकव्याघातातद्गुणाः पृथगलंकारत्वेन न वाच्याः Kāvyānu.(He.) 327. 5; सङ्गतान्यगुणानङ्गीकारमाहुरतद्गुणम् Candrā. 5. 105; तत्संश्लिष्टमपि वस्तु यद्गुणं नाश्रयति सोऽतद्गुणः Kāvyānu.(Vā.) 45. 14; Ekāva. 8. 65 (322. 3); PratāYaBhū. 416. 2; SāhiDa. 612. 7; Kuval. 144; स्वगुणत्यागपूर्वकं स्वसंनिहितवस्त्वन्तरसंबन्धिगुणग्रहणं तद्गुणः ⋯ तद्विपर्ययोऽतद्गुणः RasGaṅ. 693. 3; मिलितस्य पदार्थस्य गुणानङ्गीकृतिस्तु या । अतद्गुणः स संप्रोक्तः AlaṅkāMañ. 192. 10; अतद्गुणं निरूपयति, अन्यगुणासंबन्धे प्रकृतस्यातद्गुणः प्रोक्तः । स्वनिष्ठगुणस्यान्यगुणनिष्ठप्रतिबन्धकतानिरूपितप्रतिबध्यतानाश्रयत्वेऽतद्गुणः AlaṅkāKau.(Vi.) 405. 15; **vi** name of a variety of figure of speech *mīlita* wherein a thing is discarded through the attribution of contrary qualities (not belonging to that) वस्त्वन्तरतिरस्कारो वस्तुना मीलितं स्मृतम् । पिहितापिहिते चैव तद्गुणातद्गुणौ च तत् SaraKaṇṭhā. 372. 5; अतद्गुणो यथा – कर्कन्धूफलमुच्चिनोति शबरी मुक्ताफलाकाङ्क्षिणी ⋯ अत्र कर्कन्धूफलानामपगतनिजगुणत्वादतद्गुणत्वादतद्गुणाख्यं मीलितमिदम् SaraKaṇṭhā. 374. 18.

अतद्गुणत्व (atadguṇa-tva) *n.* **i** the state of not being an accessory to that अतद्गुणत्वात्तु नैवं स्यात् MīmāSū. vi. 7. 16; **ii** the state of not being the quality of that शब्दः सर्वव्यापी एकद्रव्यवर्तित्वे सत्याकाशगुणत्वात् तत्परिमाणवत्, मैवं; अतद्गुणत्वात् वायवीयः शब्दः ĀtmaSi. 63. 6.

अतद्गुणबहुव्रीहि (atadguṇa-bahuvrīhi) *m.* adjectival compound wherein the qualities conveyed by the constituent members are not taken into consideration (but only the principal meaning of the compound) अतद्गुणबहुव्रीह्याश्रयणात्प्राप्तिः LaS'abdeS'e. i. 322. 8.

अतद्गुणवत् (atadguṇa-va(n)t) *m.* the figure of speech wherein a thing does not assume the qualities of another (even when there is reason for doing so) तदतद्गुणवान् स्याद् व्याघातः सृष्टिसंकरौ चेति ।⋯अलंकाराः AlaṅkāKau.(Vi.) 4. 1. cf. **अतद्गुण.**

अतद्गुणसंविज्ञान (atadguṇa-saṁvijñāna) *adj.* (*bahuvrīhi* compound) which is incapable of expressing the sense of its own component parts in syntactical construction along with its principal sense of a compounded whole अतो वस्त्रशौचादीत्यतद्गुणसंविज्ञानो बहुव्रीहिः CaturCin. iii(1). 1150. 19; सुशब्दं वर्जयित्वेत्यनन्तरमेवाभिधानादतद्गुणसंविज्ञानो बहुव्रीहिः PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. iii. 2. 89; क्षीबादीनामित्यतद्गुणसंविज्ञानो बहुव्रीहिः ManvaVi. 1218. 26 (*on* 9. 203); जन्म आदिर्येषामित्यवयवसमासादतद्गुणसंविज्ञानो बहुव्रीहिः AṇuBh. 10. 17 (*on* i. 1. 2); आम्प्रत्ययो यस्मादित्यतद्गुणसंविज्ञानो बहुव्रीहिः SiddhāKau. 346B. 5; कौण्डिन्यादिपदे त्वतद्गुणसंविज्ञानो बहुव्रीहिः SetuBa. 56. 12; प्रत्ययग्रहणसामर्थ्यादतद्गुणसंविज्ञानो बहुव्रीहिः LaS'abdeS'e. i. 322. 3; ii. 90. 8; अतद्गुणसंविज्ञानः यो बहुव्रीहिः स्वार्थस्यान्वयिनि स्वार्थघटकस्यापि अर्थस्य अन्वयबोधनेऽसमर्थः सः इति प्राचीनाः आहुः NyāyaK. 6; *m.* a kind of *bahuvrīhi* compound which is incapable of expressing the sense of its own component parts in syntactical construction along with its principal sense of a compounded whole जन्म आदिरस्य स्थित्यादेरित्यतद्गुणसंविज्ञाने स्थितिभङ्गमात्रं जन्मादिशब्दार्थः स्यात् PrakaVi. 38. 21; स आद्यो येषां ते तदाद्यास्तद्गुणसंविज्ञानो बहुव्रीहिः तस्यातद्गुणसंविज्ञानाद्बलीयस्त्वात् CaturCin. iii(1). 81. 2; महर्लोकादीस्तद्गुणसंविज्ञानः TattvPrakā. 212A. 8 (*on* iv. 2. 21); अतद्गुणसंविज्ञानलभ्यार्थभिन्नत्वकथनं व्यर्थम् LaCandr. 775. 25; 777. 30; (अतद्गुणसंविज्ञानः) यत्र स्वार्थस्योपलक्षणतया विधेयान्वयः स यथा चित्रगुरित्यादौ NyāyaK. 6; *n.* non-consideration of the meaning of its constituent parts as construed with the principal sense अपिना अतद्गुणसंविज्ञानमपि PariVṛ.(Ni.) 26. 11; PariVṛ.(Si.) 87. 18.

अतद्गुणसंविज्ञानबहुव्रीहि (atadguṇasaṁvijñāna-bahuvrīhi) *m.* *bahuvrīhi* compound which is incapable of expressing the sense of its own component parts in syntactical construction along with its principal sense of a compounded whole द्व्यादिशब्देनातद्गुणसंविज्ञानबहुव्रीहिणा मध्यमविलम्बितयोरेव ग्रहणम् NyāyRa. 525. 13 (*on* 5(11). 61); प्रतिष्ठादीत्यादिशब्देनातद्गुणसंविज्ञानबहुव्रीहिणोपयन्तीति धात्वर्थस्य लाभः TantrRa. 178. 20; अतद्गुणसंविज्ञानबहुव्रीहित्वीकारप्रसङ्गात् AdvaiSi. 445. 2; 728. 9; यद्वा अतद्गुणसंविज्ञानबहुव्रीहिणाब्राह्मभिन्नदैवार्षप्राजापत्यगान्धर्वाश्चत्वारः ViraMi.(Vyavahāra.) 552. 6; अतद्गुणा

संविज्ञानबहुव्रीहिः समाधिसौकर्यादुक्तः LaCandr. 728. 34; 777. 23; एवं चाहिंसादि-वचनमिति पूर्ववाक्येऽतद्गुणसंविज्ञानबहुव्रीहिर्बोध्यः MayūMāli. 31. 2 (*on* i. 3. 4); अतद्गुणसंविज्ञानबहुव्रीहिणा तदन्येषां चतुर्णां लाभाच्च BālamBha. ii. 264. 18 (*on* 2. 145)

अतद्गुणाख्य (atadguṇākhya) *adj.* called *atadguṇa* (a kind of *mīlita* figure of speech in which the quality of a thing is overpowered by a different quality of another अतद्गुणाख्यं मीलितमिदम् SaraKaṇṭhā. 374. 23.

अतद्गोचर (a-tadgocara) *adj.* not having that as the object (शब्दयोः) न परस्परसंबन्धः स्यादतद्गोचरौ हि तौ S'lokaVār. 7. 32 (855. 1); संप्रज्ञातसमानगोचरतयाऽज्ञान्तरेभ्योऽतद्गोचरेभ्योऽस्यान्तरङ्गत्वप्रतीतेः TattvVai. 111. 28 (*on* 2. 45); (मननस्य) ध्यानालम्बनशुभाश्रयगोचरत्वेनातद्गोचरेभ्यो यज्ञा-दिभ्यः शमादिभ्यश्च विलक्षणत्वात् S'rutaPra. ii. 562. 30 (*on* iii. 4. 46); ii. 562. 31 (*on* iii. 4. 46); *m.* not its object अतद्गोचरोऽपि तद्गोचर इवाभासते TātpaṬ.-(Vā.) 489. 23 (*on* ii. 2. 65); कथं वा अतद्गोचरो विधीयेत Kāśī. i. 169. 12 (*on* 2. 206)

अतद्ग्रह (a-tadgraha) *m.* absence of the knowledge of that कथं रूप्याकृतिरशुक्त्यावसती भात्यतद्ग्रहे IṣṭaSi. 270. 20.

अतद्घटित (a-tadghaṭita) *adj.* not included in that (= Kriyāpāda) (व्यवहारस्य) क्रियारूपपादभेदे साध्यभेदेन भाषारूपपादभेदे चातद्घटिते व्यवहारभेद-प्रसङ्गस्य सचेतसा दुरपह्नवत्वात् ViraMi. (Vyavahāra.) 66. 25.

अतद् (atad-da) *m.* a word (*da* = pada) other than one (in which *n* occurs) षृडुर् णोऽदान्ते नोऽवकुप्व् अन्तरेऽप्यू अतद्दात् त्व् अपक्वयुवाह्नः ससेप्-स्यादेर् नैकाचकोस् तु वा MugdhaBo. 3. 30 (13. 16)

अतद्दर्शिन् (a-taddarśin) *adj.* **i** who does not see or find it (sweet neem or myrabolan) यथा क्वचिद्देशे मधुराणि निम्बफलानि संस्कारविशेषादा-मलकीफलानि च। न चेदानीमतद्दर्शिना तानि प्रतिक्षिप्तव्यान्येवेति PramāVāSvop-Vr. 103. 9; **ii** who cannot see that (= a supersensual object) न ह्यतीन्द्रि-येष्वतद्दर्शिनः प्रतिक्षेपः संभवति। सतामप्येषामज्ञानात् PramāVāSvopVr. 110. 22.

अतद्दृश् (a-taddṛś) *f.* another point of view ब्रह्मणि विदुषां कलालयं काचन विदधाति तद्दृशा। तेषु तमितरा त्वतद्दृशा तेन समुचिता श्रुतिद्वयी Naya-Mañ. IV. ii. 7. 14.

अतद्देश (a-taddeśa) *m.* a place other than that of the said component तत्संबद्धस्वभावस्य ह्यतद्देशेऽपि वृत्तितः। प्राप्तं तदेकदेशत्वमैकात्म्यं चाविभागतः TattvSaṁ. 610; *adj.* not present in that place or substratum असन्त इति ह्यतत्काला अतद्देशा इति वा ĀtmaTaVi. 524. 13.

अतद्देशकाल (a-taddeśakāla) *adj.* not pertaining to a given time and place अतोऽतद्देशकालं यन्मात्रं वाचेह (? वाच्येह) शून्यता। नन्वस्ति त(य)थावस्तु तथाख्यातौ न विभ्रमः VibhraVi. 123; अथातद्देशकालं या मतिस्तद्देशकालगम्। प्रथयेत् सान्यथाख्यातिः IṣṭaSi. 254. 4.

अतद्देशकालत्व (ataddeśakāla-tva) *n.* the characteristic of not pertaining to a given time and place किं तु(त्व)तद्देशकालत्वं गम्यते बाह्य-वस्तुनः VibhraVi. 155.

अतद्देशत्व (a-taddeśatva) *n.* the characteristic of not pertaining to a given part or region अस्ति चावयविनि तद्देशत्वातद्देशत्वावृतत्वानावृतत्वरक्त-त्वारक्तत्वचलत्वाचलत्वलक्षणो विरुद्धधर्मसंसर्गः TattvVai. 47. 27 (*on* 1. 43); निःशब्दाः पणवत्रीणावेणवः ··· अभिमानमात्रादिति चेन्न, तथापि शब्दप्रध्वंसस्या-तद्देशत्वात् NyāyKuA. i. 94. 5.

अतद्देशवर्तिन् (a-taddeśavartin) *adj.* not existing in that (= a given) region (यद्येवमगृहीतेषु तेषु किं सा न जायते) अगृहीतेष्वतद्देशवर्तिष्वि-त्यर्थः S'arka. 79. 24.

अतद्देशीय (a-taddeśīya) *adj.* not connected with that (= a given) region हात्रादिकर्तृकपदार्थानां तत्तद्देशाप्रासिवत् अतद्देशीयानामप्यापराम्रिकानां प्रति-प्रश्नात्कर्तृकत्वानापत्तेः BhāṭṭDī. iv. 165. 19 (*on* xi. 2. 10)

अतद्दोषनिदर्शन (a-taddoṣanidarśana) *n.* non-awareness of the faults (or pitfalls) of those (desires) स मार्गमाणः कामानामतद्दोषनिदर्शनात्। विश्वाच्या सहितो रेमे BrahmāṇḍP. ii. 68. 69.

अतद्द्वयीजित्वर (a-taddvayījitvara) *adj.* not surpassing those two (i. e. the lotus and the moon) (in beauty) अतद्द्वयीजित्वरसुन्दरान्तरे न तन्मुखस्य प्रतिमा चराचरे NaiṣC. 1. 23 (comm. तयोश्चन्द्रपद्मयोर्द्वयी तद्द्वयी, तस्या जित्वरं जयनशीलम्। न विद्यते तद्द्वयीजित्वरं सुन्दरान्तरमन्यत्सुन्दरं वस्तु यस्मिन्)

अतद्द्रव्यत्व (ataddravya-tva) *n.* the nature of not being that very substance (= itself) तद्द्रव्यत्वस्य हि अतद्द्रव्यत्वं विरुद्धम्। न तु तस्यैव सतोऽनेकधर्मयोगोपाधिकं बहुत्वम् NyāySiA. 191. 11.

अतद्धर्म (a-taddharma) *m.* **1** not an auxiliary rite of that (= the broken *kapāla*) स्याद्वा प्राप्तनिमित्तत्वादतद्धर्मो नित्यसंयोगात् MimāSū. vi. 4. 12; **2 A** not the property or adjunct of that (= subject in a logical syllogism) ज्ञातेऽपि हि स्वरूपेण नातद्धर्मेऽस्ति हेतुता S'lokaVār. 5(4). 80 (372. 2); अत्र ह्यप्रतिपन्न एवोपदिष्टे पक्षेऽतद्धर्मः पूरो लिङ्गं तद्वदिहापि भविष्यतीति Kāśī. iii. 167. 9 (*on* 5(7). 17); **2 B** an attribute not belonging (intrinsically) to a given thing (a jar) अभेदश्चेत् घटाद्भिन्नः अतद्धर्मस्स्यात् पटवत् IṣṭaSi. 25. 13; (non-sentient primordial matter) तस्य धर्मस्तद्धर्मः न तद्धर्मोऽतद्धर्मः तस्या-भिलापात् ··· चेतनधर्मोपदेशादित्यर्थः BrahmSūBh.(Bhā.) 44. 24 (*on* i. 2. 19); VedāntKau. 65. 21 (*on* i. 2. 20); (the individual soul or sentient being) शास्त्रं हि प्रत्यगात्मनि अविद्याध्यारोपितमतद्धर्मं निवर्तयत्येव केवलं, न तु तं कर्मी-करोति PañcPra. 14. 4; नानात्वं जन्म नाशश्च ··· । द्रष्टुराभान्त्यतद्धर्माः यथाद्रे-र्दारुविक्रियाः AdhyāRā vi. 12. 17; (the Reality) पूर्वावसितमतद्धर्मं निरस्यदेव तत्त्वावद्योति वाक्यं तत्त्वमवसाययति PañcPā. 38. 11 (*on* i. 1. 0); (Brahman) तस्माद् यत्रैवातद्धर्मैकथनमन्यवाच्यस्य तत्रैव ब्रह्मपरत्वमिति सिद्धम् AṇuBh. 97. 13 (*on* i. 3. 41); 67. 20 (*on* i. 2. 24)

अतद्धर्मक (ataddharma-ka) *adj.* devoid of a given attribute (of being the doer of actions) कर्त्रादिकारकाण्यस्मिन्नसाधारणरूपतः। अतद्धर्मक आभान्ति ह्यागमापायसाक्षिणि BṛĀraUBhVā. i. 4. 668; (spreading of knowledge) स्वधर्मभूतज्ञानप्रसरकर्तृत्वलक्षणविकारः तद्धर्मकस्यात्मन एव संभवति, न तु जडस्वरूपत्वात् अतद्धर्मकस्याहंकारस्येत्यर्थः S'rutaPra. iA. 161. 8 (*on* i. 1. 1)

अतद्धर्मता (ataddharma-tā) *f.* the state of not being a property or adjunct of a given thing (the individual soul) दर्शनवृत्तौ स्वप्ने वासनाराशेर्दृश्य-त्वादतद्धर्मतेति विशुद्धता अवगता आत्मनः BṛĀraUBh. 242. 17 (*on* ii. 1. 18); प्रथममिह विविच्य तं (जीवम्) प्राणमुख्यादनात्मव्रजात् तदनु समुपदर्श्य च स्वप्नसु-प्त्योरतद्धर्मताम्। उपदिशति परेण तस्यैक्यम् NayaMañ. I. iii. 13. 26; (the *pakṣa* i. e. subject in a logical syllogism) विशेषयोश्च हेतुत्वं पक्षतत्तुल्यसंश्रयोः। न स्यादन्वयहीनत्वादतद्धर्मतयापि च S'lokaVār. 5(2). 105 (242. 1); यथार्थे पक्षीकृते पदं अतद्धर्मतया न हेतुरित्युक्तं एवमेषोऽपि भूतलभावो न घटाद्यभावधर्म इति Kāśī. iii. 205. 18 (*on* 5(8). 31); (knowledge, cognition) न चार्थानामेव ज्ञाने समवायः, तेषां बाह्यत्वात्, अतद्धर्मतयैव प्रतीयमानत्वाच्च S'atDū. 100. 20.

अतद्धर्मत्व (ataddharma-tva) *n.* **1 A** the nature of not being an (intrinsic) attribute or adjunct of a given thing (the individual soul) सत्त्वादीनामतद्धर्मत्वं तद्रूपत्वात् SāṁkhyaPraSū. 6. 39; 1. 52; SāṁkhyaPraBh. 39. 29 (*on* 1. 76); न च शारीरः ··· जीवोऽन्तर्यामिशब्दवाच्यः सर्वात्मत्वसर्व-नियन्तृत्वसर्वद्रष्टृत्वादीनामतद्धर्मत्वात् VedāntKau. 66. 9 (*on* i. 2. 21); (the physical body) देहभावेऽपि अभावात् अतद्धर्मत्वमेव एषां किं न मन्येत Brahm-SūBh.(S'aṅ.) 700. 12 (*on* iii. 3. 54); (cognition) नास्या मेयो धर्मोऽप्यस्तीत्यर्थः। अतोऽनन्ता। अन्तस्यापि मेयत्वेऽतद्धर्मत्वात् IṣṭaSi. 1. 10; (a *pakṣa* i. e. subject in a logical syllogism) कृतकत्वस्यातद्धर्मत्वान्न पक्षैकदेशस्य लिङ्गत्वं स्यात् Nyāy-Ra. 355. 15 (*on* 5 (4). 30); **1 B** the nature of not being possessed of a given property (difference as well as non-existence of identity) दृशोऽ-तद्धर्मत्वात् दृक्प्रतियोगितया दृश्यस्यापि तौ धर्मौ न स्तः (भेदेतरेतराभावौ) Iṣṭa-Si. 6. 1; (difference or non-difference) भेदाभेदावेकस्य कस्यचिन्न धर्मौ स्तः। तद्वतो द्वावपि स्त इति चेत्, नैकोऽपि, अतद्धर्मत्वात् IṣṭaSi. 20. 14; 101. 10; **1 C** non-possession of the characteristics of that (something homogenious or alike) सजातीयस्यातद्धर्मत्वं च (व्यतिरेकः) AlaṅkāRa. 23 (comm. अतद्धर्मत्वं च सजातीयसम्बन्धिधर्माभावाद् विजातीयधर्मसद्भावाच्चेति द्विविधम्); **2** the state of not being ancillary to that (the study of Upaniṣads other than the Muṇḍaka) न ह्यस्य (शिरोव्रतस्य) विद्याधर्मत्वं विद्याभेदकम् ··· न चानुपसंहारार्थ-मेवातद्धर्मत्वं बोध्यत इति वाच्यम् AṇuBh. 212. 3 (*on* iii. 3. 3); 212. 5 (*on* iii. 3. 3)

अतद्धर्मन् (a-taddharman) *adj.* **A** not possessing those properties (which were perceived in the same substratum when doubt arose in the mind) समानधर्मोपपत्तेरनुच्छेदात् संशयानुच्छेदः। न ह्ययमतद्धर्मा धर्मी विमृश्य-माणो गृह्यते, सततं तु तद्धर्मा भवतीति NyāyBh. 75. 6 (*on* ii. 1. 5); (which are short-lived) यथा खलु दीर्घकालाः पदार्था मितकालैर्धर्मैः संबध्यमानास्तद्धर्माणोऽ-तद्धर्माणश्च न विरोधपदभाजः, तथा परिमितदेशैर्विपुलदेशा अनन्ताश्च Brahm-Si. 53. 14; (which belong to some of the causal constituents) (कार्यम् शरीरम्) तदतद्धर्मारब्धं चातद्धर्मं वाततरुसंयोगवत् NayaVi. 206. 4 (*on* i. 1. 15); (which belong to the vocal word accepted as a means of valid cognition) शब्दो हि ··· यद्विरोधी यद्धर्मा यद्रूपः ··· तदविरोध्यतद्धर्मातद्रूपः ··· अर्थः प्रत्यक्षत एवावसीयते NyāyVārPari. 556. 9; **B** not practising that [pw]

अतद्धर्मभाविन् (a-taddharmabhāvin) *adj.* **1** (a probans) present

even where properties of that (the probandum) are absent 'अतद्धर्मभावी च' असत्यपि साध्यधर्मे भवनशील: प्रतिबन्धानभ्युपगमात् 'कथमन्यदापि' अप्रदर्शितप्रतिहेत्ववस्थायामपि 'साधनं' कस्यचित् ? नैव तदापि साधनं, न केवलं प्रदर्शितप्रतिहेत्ववस्थायामिति HetuBiṬ. 220. 4; 219. 24; **2** (an example) in which the property of that (the probans) is not present साध्यवैधर्म्यादतद्धर्मभावी दृष्टान्त उदाहरणम् NyāyVār. 138. 6 (*on* i. 1. 37); तद्विपर्ययात्साध्याभावाद्विपरीत: अतद्धर्मभावी साधनरहितो यो दृष्टान्त: स वैधर्म्यदृष्टान्त: NyāyMañ. ii. 139. 17.

अतद्धर्मस्वभाव (a-taddharmasvabhāva) *adj.* which by nature is devoid of such properties (as light and shade) छायाभाभ्यां नगादीनां भागभेद: प्रकल्पते । अतद्धर्मस्वभावेषु भागभेदो न कल्पते VākyaP. 3 (6). 12.

अतद्धर्माध्यारोप (ataddharmādhyāropa) *m.* superimposition of attributes not (intrinsically) belonging to *it* (the individual soul) उक्तं च अन्यापोहेन अतद्धर्माध्यारोपेण च (क्षेत्रक्षेत्रज्ञविषयं ज्ञानम्) GītāBh.(S'aṅ.) 393. 8 (*on* 13. 21); (Brahman, the attributeless reality) न ब्रह्म स्वात्मन्यतद्धर्माध्यारोपनिमित्तम् अविद्याकर्तृ च BṛĀraUBh. 124. 8 (*on* i. 4. 10)

अतद्धर्माध्यारोपण (ataddharmādhyāropaṇa) *n.* superimposition of attributes not (intrinsically) belonging to *it* (the individual soul) अतद्धर्माध्यारोपणमात्रनिवर्तकत्वेन प्रमाणत्वम् आत्मन: प्रतिपद्यते, न तु अज्ञातार्थज्ञापकत्वेन GītāBh.(S'aṅ.) 31. 8 (*on* 2. 18); (Brahman, the attributeless reality) अविद्याया: सतत्त्वं निर्धारितम् अतद्धर्माध्यारोपणरूपत्वम् अनात्मधर्मत्वं च BṛĀraUBh. 593. 6 (*on* iv. 3. 34)

अतद्धर्माध्यारोपणा (a-taddharmādhyāropaṇā) *f.* superimposition of an attribute not (intrinsically) belonging to it (Brahman, the attributeless reality) न ब्रूम: – शुक्तिकायामिव ब्रह्मण्यतद्धर्माध्यारोपणा नास्तीति BṛĀraUBh. 124. 7 (*on* i. 4. 10)

अतद्धर्माभिलाप (ataddharmābhilāpa) *m.* mention of the qualities not belonging to it (*pradhāna*) न च स्मार्तं प्रधानमन्तर्यामिशब्दं भवितुमर्हति । कस्मात् । अतद्धर्माभिलापात् । यद्यप्यदृष्टत्वादिव्यपदेश: प्रधानस्य संभवति तथापि न द्रष्टृत्वादिव्यपदेश: संभवति प्रधानस्याचेतनत्वेन तैरभ्युपगमात् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 120. 19 (*on* i. 2. 19); स्मार्तं च शारीरश्च नान्तर्यामी । अतद्धर्माभिलापात् । तयोरसंभावितधर्माभिलापात् S'rīBh. 259. 11 (*on* i. 2. 20); VedāntPāSau. 65. 15 (*on* i. 2. 20); (a-taddharmābhilāpa) *m.* non-mention of the qualities belonging to it (*pradhāna*) अतद्धर्माभिलापात् (त्रिगुणत्वादिप्रधानधर्मानुक्तेर्न स्मृत्युक्तं प्रधानमन्तर्यामी BrahmSūBh.(Ma.) 94A. 4 (*on* i. 2. 19); न च स्मार्तं प्रधानमन्तर्यामीति श्रुतं तस्य विकारजडत्वादिधर्मानभिलापात् BrahmSūBh.(S'rī.) i. 372. 3 (*on* i. 2. 20))

अतद्धर्माशङ्का (ataddharmāśaṅkā) *f.* doubt about (something) not being a duty of his (the celibate's) ब्रह्मचारिग्रहणं प्रकरणान्तरत्वेनातद्धर्माशङ्कयानुसंधानार्थम् ManuBh. i. 166. 5 (*on* 2. 175)

अतद्धर्मिणी (a-taddharmiṇī) *adj.* (*f.*) not having the character of those (i. e. the harlots) अथवा जानामि वेशाङ्गनावंशसंभवामपि भवतीमतद्धर्मिणीम् RasSa. 52 (8)

अतद्धित (a-taddhita) *n.* not a secondary formation, other than a secondary formation एतदतद्धितम् GobhiGS. ii. 8. 15 (comm. एतदिति नाम्न: परामर्श: । सूत्रितनाम्नस्तद्धितत्वासम्भवादेतदतद्धितान्तमिति व्याख्येयम्); विभक्तौ तवर्गप्रतिषेधोऽतद्धिते Vār. 1 (*on* i. 3. 4); Vār. 1 (*on* vi. 1. 222); पदव्यवायेऽतद्धिते इति वक्तव्यम् Vār. 1. (*on* viii. 4. 38); चुस्वरोऽतद्धित इति वक्तव्यम् । इह मा भूत् । दाधीच: माधूच इति MahāBh. iii. 118. 18 (*on* vi. 1. 222); पदेऽनाङ्ग्यतद्धिते S'ākaṭāVyā. i. 2. 53; *adj.* (suffix) other than a secondary suffix लशक्वतद्धिते P. i. 3. 8 = SaraKaṇṭhā.(Gr.) i. 2. 15; अतद्धितानां डित्करणसामर्थ्याद्यत्रैव ह्यभस्य लोपो भवति एवमतद्धितेष्वपि Pradī. vi. 232. 11 (*on* vii. 3. 118–9); भसंज्ञानामेषामतद्धिते परे संप्रसारणं स्यात् (श्वयुवमघोनाम्) PrakriKau. i. 231. 2; Prasā. i. 589. 16.

अतद्धितग्रहण (ataddhita-grahaṇa) *n.* reference to that (suffix) which is not a secondary suffix गोरतद्धितलुकि (v. 4. 92) इत्यत्रातद्धितग्रहणं केचिदाहु: । तद्धि सुब्लुकि मा भूदित्येवमर्थं क्रियते राजगवीयतीति PariVṛ.(Sī.) 99. 21.

अतद्धितत्व (ataddhita-tva) *n.* the characteristic of not having a secondary suffix (at the end) एक इति । अत्रासर्वविभक्तिकत्वमस्ति ··· अतद्धितत्वान्न भवति । औपगव इति । अत्र तद्धितान्तत्वमस्ति Nyās. i. 83. 11 (*on* i. 1. 38)

अतद्धितलुक् (a-taddhitaluk) (Gr.) non-elision of a secondary suffix गोरतद्धितलुकि P. v. 4. 92 = SaraKaṇṭhā.(Gr.) v. 4. 108; 'द्विगोर्लुगनपत्ये' इत्यत्र वेत्यनुवृत्तेरत्र तद्धितस्य न लुक् । अतद्धितलुकीत्येव । पञ्चभिर्नौभि: क्रीत: पञ्चनौ: PrakriKau. i. 558. 2; LaS'abdeS'e. ii. 73. 6.

अतद्धितहेतुक (a-taddhitahetuka) *adj.* not formed with the help of a secondary suffix तद्धितहेतुकात् द्विगोर्लुकि योऽर्थ: प्रतीयते स एवातद्धितहेतुकादपि यदीत्यर्थ: Pradī. iv. 105B. 5 (*on* iv. 1. 88)

अतद्धितान्त (a-taddhitānta) *adj.* not ending in a secondary suffix इममतद्धितान्तस्यास्यशब्दस्य ग्रहणे दोषं दृष्ट्वा तद्धितान्तस्येदं ग्रहणमिति दर्शयन्नाह आस्ये भवमास्यमिति Nyās. i. 54. 18 (*on* i. 1. 9)

अतद्धिताभिधेय (ataddhitābhidheya) *adj.* to be expressed by a suffix other than a *taddhita* one गोरतद्धिताभिधेये KātaυVṛ. *on* ii. 6. 41 (2)

अतद्धितार्थ (ataddhitārtha) *adj.* intended for the case where there is no *taddhita* suffix अतद्धितार्थोऽयमारम्भ: Nyās. ii. 600. 13 (*on* vi. 4. 152); Prasā i. 94B. 15.

अतद्धेतु (a-taddhetu) *adj.* not having that (particular object) for its cause अतद्धेतोरहेतोश्च तत्संवादो न युज्यते TattvSaṁ. 1630.

अतद्धेतुक (ataddhetu-ka) *adj.* not having that (particular object) for its cause न ह्यतद्धेतुकस्तद्व्यापारो नाम NyāyVārPari. 32. 5.

अतद्धेतुत्व (ataddhetu-tva) *n.* the state of not being its cause न संविद्धेया असुखदु:खत्वात् अतद्धेतुत्वाच्च NyāyVār. 9. 6 (*on* i. 1. 1); IṣṭaSi. 313. 12; नाप्यधर्मनिमित्तमदु:खत्वादतद्धेतुत्वाच्च NyāyVārPari. 524. 14; TarkSaṁ. (Ā.) 109. 5.

अतद्धेतुफल (atad-dhetuphala) *n.* the cause and effect of the other aspect एकत्र निर्णयेऽनन्तकार्यकारणतेक्षणे । अतद्धेतुफलापोहे कुतस्तत्र विपर्यय: NyāyVi. 2. 6.

अतद्धेतुफलापोह (ataddhetuphalāpoha) *m.* exclusion of the cause and effect not pertaining to that (object) अतद्धेतुफलापोहे कुतस्तत्र विपर्यय: NyāyVi. 2. 6; 2. 144; अतद्धेतुफलापोह: न तथाप्रतिपत्तित: NyāyVi. 2. 195.

अतद्धेत्वाश्रय (ataddhetvāśraya) *adj.* the locus for which is not the cause of that (i. e. inference) अतद्धेत्वाश्रयस्य तद्धेतुव्यापारत्वे चात्यापत्ते: KkaṇḍanKhā. 502. 13 (comm. तस्या: प्रधानक्रियाया हेतुस्तद्धेतु: स आश्रयो यस्य न भवति सोऽतद्धेत्वाश्रय:)

अतद्बुद्धि (a-tadbuddhi) *adj.* who does not have knowledge of that (Self) अगोचरत्वादतद्बुद्धीनाम् GītāBh.(S'aṅ.) 68. 13 (*on* 2. 69)

अतद्बुद्धिभाज् (atadbhuddhi-bhāj) *adj.* which does not possess that knowledge (i. e. the object in which that type of cognition does not arise) न हि यन्निमित्तो योऽन्यत्रातद्बुद्धिभाजि तद्व्यवसाय: स तदनुपलक्षणे युक्त: HetuBiṬ. 47. 22.

अतद्भाव (atadbhāva) *m.* the state of not becoming that, not being that, (a-tadbhāva) absence of the state of that, (atad-bhāva) having a nature different from that तद्भूतस्य तु नातद्भावो जैमिनेरपि नियमातद्रूपाभावेभ्य: BrahmSū. iii. 4. 40; अतद्भावेऽपि तदुपचार: NyāySū. ii. 2. 62; अभावश्चाप्यतद्भाव: प्रकृति: शून्यता मता MadhyāVi. 3. 7; NyāyBh. 69. 11 (*on* i. 2. 14); तद्भावश्चाप्यतद्भाव: परस्परविरोधत: । एकवस्तुनि नैवायं कथञ्चिदवकल्प्यते TattvSaṁ. 1729; 342; BrahmaSūBh.(Bhā.) 213. 27 (*on* iii. 4. 40); TattvPradī.(A.) 146. 7 (*on* 2. 14); रजतस्य सतो नाकस्मादतद्भाव: संभवति NyāyRaMā. 65. 17; S'āstrDī. 331. 3 (*on* iii. 7. 22); तद्भूतस्य नैष्ठिकाद्याश्रमनिष्ठस्य नातद्भाव: S'rīBh. 703. 15 (*on* iii. 4. 40); 541. 10 (*on* iii. 3. 42); अर्थस्य तदतद्भावो विवक्षामात्रतो भवेत् VyaktiVi. 62. 2; किंचातद्भाव: संज्ञालक्षणप्रयोजनादिभेद: इत्यर्थ: TātpaVṛ. 149. 17 (*on* 1. 15); 183. 17 (*on* 2. 38); यद्यप्युत्कर्षमात्रेण ह्यतद्भावेऽप्युपासना AnuVyā. 66A. 11 (*on* 4. 1); 11B. 8 (*on* 1. 2); प्राप्तस्योर्ध्वरेतोभावस्य अतद्भाव: तत: प्रच्युतिर्न भवति VedāntKau. 375. 10 (*on* iii. 4. 40); 375. 19 (*on* iii. 4. 40); तद्भूतस्य नैरपेक्ष्येण ब्रह्मैकरतस्य नातद्भाव: GoviBh. 280. 7 (*on* iii. 4. 40)

अतद्भावत्व (atadbhāva-tva) *n.* the state of not being that (object) अतद्भावत्वात् अतदाक्षेपकत्वाच्च ĀtmaTaVi. 869. 8.

अतद्भावबुद्धि (atadbhāva-buddhi) *f.* notion of distinction from that तदतद्भावबुद्धे(? द्धि)श्च भेदबुद्धिमपेक्षते TarkSaṁ.(Ā.) 81. 3.

अतद्भावभावित्व (atadbhāvabhāvi-tva) *n.* the state of not originating or coming into existence during the presence of that अतद्भावभावित्वाच्च तयोर्न कार्यकारणभावस्स्यात् IṣṭaSi. 50. 1; 50. 11.

अतद्भावविशिष्ट (atadbhāva-viśiṣṭa) *adj.* characterized by non-identity with that अतद्भावविशिष्टा: । ··· तेनातद्भावेन संज्ञादिभेदरूपेण स्वकीयस्वकीयद्रव्येण सह विशिष्टा भिन्ना इति TātpaVṛ. 183. 14 (*on* 2. 38)

अतद्भावाशङ्का (atadbhāvāśaṅkā) *f.* doubt about the absence of the given state or condition असत्यामप्यतद्भावाशङ्कायामस्या: स्मृतेर्न्यायमूलतां

दर्शयितुमतिदेशमाह Mitā. 259. 5 (*on* 2. 154)

अतद्भावित (a-tadbhāvita) *adj.* not enjoined with that (i. e. the term *vṛddhi*) वृद्धिशब्दः संज्ञात्वेन ··· (वर्णानाम्) तद्भावितानामतद्भावितानां च KāśiVṛ. *on* P. i. 1. 1; Nyās. i. 39. 10 (*on* i. 1. 1); वृद्धिशब्दस्तद्भावितानाम-तद्भावितानामपि संज्ञा Nyās. i. 118. 15 (*on* i. 1. 61); LaS'abdeS'e. i. 43. 18.

अतद्भावितत्व (atadbhāvita-tva) *n.* the state of not being enjoined with that (i. e. the term *vṛddhi*) अतद्भावितत्वेन तस्यासम्प्रसारणत्वाद् हलः इति दीर्घप्राप्तेः LaS'abdeS'e. i. 297. 15.

अतद्भूत (a-tadbhūta) *adj.* not being (one with) that (स्वभावः) भावात् न तत्त्वमन्यत्वं वा लङ्घयेत्, रूपस्यातद्भूतस्यान्यत्वाव्यतिक्रमात् PramāVā-SvopVṛ. 49. 7; TattvPrakā. 20B. 8 (*on* i. 1. 17)

अतद्भेदकत्व (atadbhedaka-tva) *n.* absence of the state of causing distinction between them (i. e. between the supreme soul and individual soul) (न) भेदो निरूपयितुं शक्यते चेतनत्वाचेतनत्वयोः अतद्भेदकत्वात् Tark-Saṁ.(Ā.) 86. 12.

अतद्भोग (a-tadbhoga) *m.* enjoyment of other than him (i. e. Kṛṣṇa) अभजन्त द्विजेन्द्रास्तमतद्भोगपराङ्मुखाः Yādavā. 10. 94.

अतद्योग (a-tadyoga) *m.* **1** absence of its expression (i. e. of common features) व्याघ्रैरुपमेयोऽतद्योगे JaineVyā. i. 3. 51; **2** absence of the connection or contact with that (object) तदतद्योगजन्यस्य विभागस्तेन दुर्लभः S'lokaVār. 5(2). 21 (222. 2); रूप्याकृतित्वात्तद्धीश्चेन्नातद्योगे तदाकृतिः IṣṭaSi. 288. 17.

अतद्योग्य (a-tadyogya) *adj.* not fit or compatible for that (mind) अतद्योग्यभ्रमो न स्यान्न चेच्छ्रोत्राद्रसभ्रमः IṣṭaSi. 283. 7; *m.* absence of fitness for that (*niyoga*) अतद्योग्यभावादयोग्यः पदार्थो न वाक्यार्थभागिष्यते Saṁkṣe-S'ā. 1. 437 (i. 321. 5)

अतद्रचना (a-tadracanā) *f.* action pertaining to other than that (self i. e. body etc.) श्रेयस्यतद्रचनयाचिरसुप्तबुद्धेः। लोकस्य यः (आख्यात्) BhāgP. v. 6. 19 (Siddhāntapradīpa अनात्मभूतदेहाद्यर्थकव्यापारेण; Bālaprabodhinī देहादि अतत् तदर्था या रचना लौकिको व्यवहारस्तया)

अतद्रूप (a-tadrūpa) *n.* **A** absence or difference of that form or nature, difference in form विदितबन्धकारणस्य दृष्ट्यातद्रूपम् SāṁkhyaPraSū. 1. 155; अ[तद्रूप]परिहारेणैव तद्रूपप्रतिपत्तेः HetuBiṬ. 10. 20; 5. 14; 47. 1; अतद्रूपं रूपभेद इत्यर्थः SāṁkhyaPraBh. 71. 38 (*on* 1. 155); **B** absence of (the Vedic passage stating) the other form or state (i. e. descent from the highest *āśrama*) तद्भूतस्य तु नातद्भावो जैमिनेरपि नियमातद्रूपाभावेभ्यः BrahmSū. iii. 4. 40; *adj.* **A** which is not of that form or nature, different from its form अतद्रूपपरावृत्तगजादिव्यतिरेकिणी। न संख्या भासते TattvSaṁ. 638; NyāyVi. 2. 28; जात्याद्यर्थान्तरं यस्मादतद्रूपेऽपि वस्तुनि। भवत्यध्यस्य धीः S'lokaVār. 4. 140 (177. 7); S'arka. 54. 16; अतद्रूपस्यान्यथाध्यवसानमतिशयार्थमुत्प्रेक्षा KāvyālaṅSū. iv. 3. 9; आत्मैव···अनेकधा भात्यतद्रूप एव सन् IṣṭaSi. 205. 14; 270. 15; यत्र पूजातिशयः ··· महाकुलीनतया वा प्राप्यते तत्रातद्रूपमात्मानमावेदयति ManuBh. ii. 385. 16 (*on* 11. 54); PañcPā. 4. 5 (*on* i. 1. 1); अतद्रूप एव हि तद्रूपज्ञानकर्तव्यता-वचनं लोके दृश्यते Kāśi. i. 71. 1 (*on* 2. 21); NyāyVārPari. 556. 9; NyāyRa-Mā. 65. 17; अतद्रूपस्य तद्रूपताप्रतीतिनिबन्धनत्वात् AlaṅkāSa. 48. 3; Candrā. 7. 13; Ekāva. 8. 10(3) (227. 3); नाप्यतद्रूपस्य, अपसिद्धान्तात् S'atDū. 196. 14; AṇuBh. 306. 20 (*on* iv. 1. 4); अतद्रूपोऽपि तद्रूपेणारोप्यबुद्धौ स्फुरन्नाधारः SidhhāLeSaṁ. 186. 7; तदेव वस्तु एकं प्रति तद्रूपं अन्यं प्रति अतद्रूपं न किंचिद्वा स्यात् Bhāsk. i. 219. 19 (*on* i. 5. 5); i. 304. 20 (*on* i. 6. 1); **B** who is not of that nature (unjust) अन्यायगामिनि पतौ ह्यतद्रूपस्सुबोधकः S'ukraNī. 2. 61.

अतद्रूपता (atadrūpa-tā) *f.* the state of not being of that nature केषांचिज्जीवानामतद्रूपताभ्युपगमात् NyāySu.(Ja.) 451B. 7 (*on* ii. 3. 14)

अतद्रूपत्व (atadrūpa-tva) *n.* the state of not being of that form or nature, the state of not being of the form or nature of that अस्याश्चा-तद्रूपत्वान्मूलत्वं न स्यात् TantrVā. 935. 11 (*on* iii. 4. 12); शब्दादीनां चातद्रूपत्व-प्रतीतेः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 351. 19 (*on* ii. 2. 1); KāvyālaṅSū. v. 1. 17; S'arka. 12. 1; तस्मादज्ञानतत्कार्ययोर्भावाभावप्रमाणास्पृष्टत्वादतद्रूपत्वात् IṣṭaSi. 120. 17; 166. 17; 270. 14; PañcPā. 26. 23 (*on* i. 1. 1); अतद्रूपत्वात् ताद्रूप्यनि-ष्पत्त्ययोगात् Kāśi. ii. 132. 18 (*on* 5(3). 77); NyāyRa. 870. 13 (*on* 7. 86); Nīti-Mā. 24. 21; विशेषणधर्मस्य तद्रूपत्वमतद्रूपत्वं वेति विकल्प्य TārkiRa. 300. 7; BrahmSūBh.(Ma.) 64A. 5 (*on* iii. 4. 40); S'atDū. 122. 17; न हि द्रष्टृस्वरूपं दृश्यज्ञानेन ज्ञातं भवत्यतद्रूपत्वात् AṇuBh. 114. 5 (*on* i. 4. 19); 293. 15 (*on* iii. 4. 39); Nyāyāmṛ. 123B. 5; कारकाणां चातद्रूपत्वान्न साक्षाद्विधानम् YuktiSneha. 152. 14 (*on* i. 1.7)

अतद्रूपपरावृत्त (atadrūpa-parāvṛtta) *adj.* excluded from that which is not of that nature (object or effect) अतद्रूपपरावृत्तं वस्तुमात्रमनित्यताम्। तादात्म्यात्साधयत्येषः TattvSaṁ. 67; 142; 638; अतद्रूपपरावृत्तं वस्तुमात्रम् ···। यत्नेन क्रियमाणोऽयमन्वयो न विरुध्यते TattvSaṁ. 1052; PramāVāBh. 18. 21; TarkBhā.(Mo.) 30. 29.

अतद्रूपपरावृत्ति (atadrūpa-parāvṛtti) *f.* exclusion or rejection of the unlike अतद्रूपपरावृत्तेरुभयत्र समानत्वात् HetuBiṬ. 162. 17; अतद्रूपपरावृत्तिर-भिन्ना कल्पितैव हि TattvSaṁ. 2460; TātpaṬ.(U.) 343. 17 (*on* 5(5). 161); अतद्रूपपरावृत्तिस्वभावम् ··· सामान्यमालम्बते हि विकल्पः NyāyMañ. i. 276. 28; अतद्रूपपरावृत्तिप्रत्यासत्त्या साधारणरूपतामापन्नं सत् तथा भवत्येव ĀtmaTaVi. 380. 19; 296. 12.

अतद्रूपपरिहार (atadrūpa-parihāra) *m.* exclusion or rejection of the unlike अ[तद्रूप]परिहारेणैव तद्रूपप्रतिपत्तेः HetuBiṬ. 10. 20.

अतद्रूपप्रतिष्ठ (atadrūpa-pratiṣṭha) *adj.* based on what is not of that form विपर्ययो मिथ्याज्ञानमतद्रूपप्रतिष्ठम् YogSū. 1. 8; YogBh. 48. 2 (*on* 1. 43); ĀtmaSi. 57. 17; Bhām. 515. 6 (*on* ii. 4. 12)

अतद्रूपप्रतिष्ठता (atadrūpapratiṣṭha-tā) *f.* the state of being based on what is not of that form अतद्रूपप्रतिष्ठता च संशयेऽप्यस्ति Bhām. 515. 6 (*on* ii. 4. 12)

अतद्रूपप्रतिष्ठत्व (atadrūpapratiṣṭha-tva) *n.* the state of being based on what is not of that form मिथ्याज्ञानत्वे हेतुरतद्रूपप्रतिष्ठत्वम् Vedānt-Ka. 334. 19 (*on* ii. 4. 12); अतद्रूपप्रतिष्ठत्ववचनादन्यथाख्यातिः YogSūVṛ. *an* 1. 8.

अतद्रूपप्रतिष्ठित (atadrūpa-pratiṣṭhita) *adj.* based on what is not of that form विपर्ययो मिथ्याज्ञानमतद्रूपप्रतिष्ठितम् YogSū. 1. 8 (reading in RājMār. 5. 6)

अतद्रूपप्रतिष्ठितत्व (atadrūpapratiṣṭhita-tva) *n.* the state of being based on what is not of that form संशयोऽप्यतद्रूपप्रतिष्ठितत्वान्मिथ्याज्ञानम RājMār. 5. 10.

अतद्रूपरजतज्ञान (atadrūparajata-jñāna) *n.* knowledge of silver not being of that (shell) form अन्यव्यवच्छेदः अतद्रूपरजतज्ञानव्यवच्छेदः Bhāsk. i. 370. 19 (*on* i. 7. 7)

अतद्रूपवस्तु (atadrūpa-vastu) *n.* thing which is not of that form द्वित्र्यादिबुद्धिरेकस्मिन् मिथ्यातद्रूपवस्तुनः BṛĀraUBhVā. iv. 3. 1680.

अतद्रूपव्यावृत्त (atadrūpa-vyāvṛtta) *adj.* excluded from the unlike (भावाः) तदन्येनाप्यतद्रूपव्यावृत्तेनात्मना भ्रान्तिकारणसद्भावादनिश्चीयमानाः Hetu-BiṬ. 59. 7.

अतद्रूपव्यावृत्ति (atadrūpa-vyāvṛtti) *f.* exclusion from the unlike अतद्रूपव्यावृत्तेस्तासु भावात् HetuBiṬ. 5. 14.

अतद्रूपव्युदास (atadrūpa-vyudāsa) *m.* exclusion of the unlike अत-द्रूपव्युदासेनैव स्वविषयमालम्ब्यैवोत्पत्तेस्तथैवानुभवः NyāyVārPari. 117. 3.

अतद्रूपाध्यास (atadrūpādhyāsa) *m.* superimposition of a form which is not of that (object) आत्मन्यतद्रूपाध्यासासंभावनया कौन्तेयादिभेददर्शनम् ···न संभवति GītāBh.(Rā.) 570. 10 (*on* 13. 2)

अतद्रूपापत्ति (atadrūpāpatti) *f.* attainment of a nature which is not of that (object) अतद्रूपापत्तौ शास्त्राभावाच्च S'ivārkaMaDī. ii. 406. 27 (*on* iii. 4. 40)

अतद्रूपाप्रकाश (atadrūpāprakāśa) *m.* non-luminosity which is not its form न तु विकल्पः, अतद्रूपाप्रकाशव्यवच्छेदनं भवति Bhāsk. i. 308. 15 (*on* i. 6. 2)

अतद्रूपाभाव (atadrūpābhāva) *m.* absence of the opposite तद्भूतस्य तु नातद्भावो जैमिनेरपि नियमातद्रूपाभावेभ्यः BrahmSū. iii. 4. 40 (S'rikarBh. अतद्रूपाणां नियमप्रतिपादकानां वचनानामभावेभ्यः हेतुभ्यः)

अतद्रूपावभासिता (atadrūpāvabhāsi-tā) *f.* the state of manifesting the unlike नातद्रूपावभासितयानर्थहेतुत्वम् PañcPā. 30. 12 (*on* i. 1. 1)

अतद्वचन (atad-vacana) *n.* statement of other than that (diversity) न भेदादिति चेन्न प्रत्येकमतद्वचनात् BrahmSū. iii. 2. 12.

अतद्वचनत्व (atadvacana-tva) *n.* **i** the state of not being expressive of that अतद्वचनत्वं शक्यं निर्णेतुम् NyāyRa. 766. 16 (*on* 6. 141); S'āstrDī. 76. 2 (*on* i. 4. 8); **ii** the state of being the statement of other than that (diversity) प्रत्युपाधिभेदमतद्वचनत्वं च त्वदुदाहृतश्रुतौ नास्ति S'ruta-Pra. ii. 447. 12 (*on* iii. 2. 29)

अतद्वत् (a-tadvat) *adj.* [*f.* -tī] who does not possess that अतद्वान् लभते शुद्धं वैराग्येणोपपत्तितः AbhidhK. 8. 14; Kāvyālaṅ.(Ru.) 9. 11; अतद्-

त्त्विका ततः । आत्मविद्यैव···प्रथते BṛĀraUBhVā. i. 4. 309; अतद्वानपि संमोहा-द्यथोक्तात्मकतामगात् BṛĀraUBhVā. ii. 4. 429; TaiUBhāVā. 87. 2 (2); (सा) आत्मन्येव युक्ता कल्पयितुं न पुनरतद्वत्यामस्य स्मृतिजननशक्तौ TattvBi. 27. 9; TātpaṬ.(Vā.) 268. 1 (*on* i. 1. 33); ĀtmaTaVi. 132. 11; अतद्वत उपलक्ष्यत्वेऽति-प्रसङ्गात् KhaṇḍanKhā. 1057. 15; NyāyKu. 179. 12; अतद्वत्यर्थे (? अतद्वत्यर्थे) तत्र पुनरुपचारतो वर्तते SyādvāMañ. 28 (122)

अतद्वशा (a-tadvaśā) *adj.* (*f.*) not dependent on that (वस्तूनाम्) भिन्नस्यातद्वशाद् (? भिन्नस्यातद्वशा) वृत्तिस्तदिच्छाजा PramāVār. 4. 119.

अतद्वस्तु (a-tadvastu) *n.* what is other than that thing अत-द्वस्त्वात्मकत्वं तु तद्रूपेण युज्यते TattvSaṁ. 1752; अतद्वस्तुषु नाम ब्रह्म ··· इत्या-दिश्रुत्युक्तेषु वागादिषु VedāntRaMañ. 83. 1 (2. 6)

अतद्वाचिन् (a-tadvācin) *adj.* non-denotative of that अतद्वाचिनां सताम् । कल्पयित्वाभिधाशक्तिं श्रुतिः···प्रकल्प्यते TantrVā. 848. 10 (*on* iii. 3. 14)

अतद्वाच्य (a-tadvācya) *adj.* other than which is denotable by that (word) शरीरस्याव्यक्तशब्दलक्ष्यत्वाङ्गीकारेणातद्वाच्ये शरीरत्वसंशयायोगात् S'ivārka-MaDī. i. 508. 29 (*on* i. 4. 1)

अतद्विकार (a-tadvikāra) *m.* not modelled on that (rite) अतद्विकारश्च MīmāSū. v. 3. 11 = vi. 5. 47.

अतद्विकारत्व (atadvikāra-tva) *n.* the state of being one not modelled on that (rite) अपि वातद्विकारत्वात् क्रत्वर्थत्वात् प्रवृत्तिः स्यात् MīmāSū. viii. 1. 25; प्रतिपत्ती तु ते भवतस्तस्मादतद्विकारत्वम् MīmāSū. viii. 4. 27; अतद्विकारत्वान्म-न्थाख्यस्य कर्मणः ChāndoUBh. 272. 2 (*on* v. 2. 4); अतद्विकारत्वाच्च सौर्यादिस्तत्र होमयोरप्रवृत्तिः S'āstrDī. 618. 6 (*on* ix. 2. 18)

अतद्विज्ञान (atad-vijñāna) *n.* cognition of other than that अतद्विज्ञान-प्रसङ्गे हि कल्पनाया अर्थवत्त्वम् BṛĀraUBh. 489. 15 (*on* iii. 9. 27)

अतद्विद् (a-tadvid) *adj.* not knowing that, ignorant of that तेषु चेदहितं किंचिन्मन्त्रयेयुरबुद्धितः (v. l. रतद्विदः) MahāBhā. i. 197. 12; त्वां केचिदुन्मत्तं मन्यन्तेऽतद्विदो जनाः MahāBhā. v. 73. 7; यं वदन्ति तमोभूता मूर्खा धर्ममतद्विदः । तत्पापं शतधा भूत्वा तद्वक्तॄनधिगच्छति ManuSm. 12. 115; ParāSm. 8. 5; श्रद्धस्वैतन्मतम्···। येन मामभवं याया मृत्युमृच्छन्त्यतद्विदः BhāgP. iii. 33. 11; तं विवक्षन्तमतद्विदं हरिः···कम्बुना पस्पर्श BhāgP. iv. 9. 4; iii. 19. 6; जगतो दर्शनं शून्यमिति प्राहुरतद्विदः SarvaVeSāSaṁ. 589; BṛĀraUBhVā. i. 4. 1676; न वक्तुं शक्यं कुमारीष्विव भर्तृसुखमतद्विद्सु Loc. 4. 17 (*on* 1. 1); S'āstrDī. 249. 2 (*on* iii. 3. 7); अतद्विदभिमतार्थमनादृत्य VedāntKau. 377. 24 (*on* iii. 4. 44)

अतद्विध (a-tadvidha) *adj.* not of that type or character श्रीयशो-ज्ञानसिद्धानां व्यपदेशादतद्विधाः । वैद्यशब्दं लभन्ते ये ज्ञेयास्ते सिद्धसाधिताः CaraS. i. 11. 52 (1922 Ed.); अनंशाः । जडोन्मत्तान्धकुष्ठिनः···तेषामपत्यमतद्विधं भागं हरेत् ArthS'ā. ii. 35. 2 (3. 5); अतद्विधेऽपि देशे तज्जन्यं युक्तम् । ··· अत एवार्थेन्द्रिय-संयोगादिरतद्विध आत्माश्रये···धीकार्येऽतिक्रान्तनियमः NayaVi. 130. 4 (*on* i. 1. 5); PadmP. iv. 77. 18.

अतद्विधिविषयत्व (atadvidhiviṣaya-tva) *n.* the state of not being a sphere of that injunction तथाप्यतद्विधिविषयत्वेनास्य सूत्रस्य तत्संभवसाधने अर्थान्तरत्वात् SiddhāSi. i. 12. 20.

अतद्विभिन्न (a-tadvibhinna) *adj.* not different from them (i. e. similar) रत्यादयो यदि रसाः स्युरतिप्रकर्षे हर्षादिभिः किमपराद्धमतद्विभिन्नैः S'ṛṅgā-Pra. 2. 7.

अतद्विवक्षा (a-tadvivakṣā) *f.* absence of intention of expressing that दार्ष्टान्तिकवाक्येऽतद्विवक्षायामत्र वैयर्थ्यापरिहारात् NyāySu.(Ja.) 226B. 11 (*on* i. 4. 6)

अतद्विशिष्ट (a-tadviśiṣṭha) *adj.* not characterised by that (i. e. desire for heaven) स्वर्गेच्छाविशिष्टस्य यागे कर्तृता अतद्विशिष्टेन यागो न कर्तव्यः । यथा राजजातिविशिष्टेन राजसूयः कार्यो नातद्विशिष्टेन ṬupṬ. 83. 13 (*on* vi. 1. 1)

अतद्विशेषण (a-tadviśeṣaṇa) *n.* not its attribute निमित्तत्वमतद्विशेष-णस्य न संभवति TantrRa. 197. 20.

अतद्विशेषणत्व (atadviśeṣaṇa-tva) *n.* the state of not being its (predicative) attribute द्रव्यादिवदिति चेत् । न अतद्विशेषणत्वात् NyāyRaMā. 148. 3.

अतद्विशेषत्व (atadviśeṣa-tva) *n.* the state of not being its speciality परभावभूतस्य च वाक्यविशेषस्यातद्विशेषत्वात् । तदभिन्नस्वभावानां सर्वेषां पुरुष-क्रिया PramāVāSvopVṛ. 10. 9.

अतद्विषय (a-tadviṣaya) *adj.* not referring to it, not having that for its object कृते वधे पश्चात् तद्विषयमतद्विषयं वानृतं वक्तव्यमित्यर्थ आपतति । तत्त्वनिष्टम् ManuBh. ii. 118. 4 (*on* 8. 104); न चातद्विषयेण (मानेन) ज्ञातत्वं भवेत (अर्थस्य) IṣṭaSi. 198. 8; शब्दो हि···यद्विषयः···अतद्विषयोऽर्थः प्रत्यक्षत एवा-वसीयते NyāyVārPari. 556. 9; अतद्विषयेण तत्सिद्धिरलौकिकी NyāySu.(Ja.) 30B. 7 (*on* i. 1. 1)

अतद्विषयज्ञान (atadviṣaya-jñāna) *n.* knowledge which has not that (particular thing) for its object अतद्विषयज्ञानेन तदज्ञाननिवृत्तौ घटज्ञाने-नापि निवर्तेत (आत्माज्ञानम्) Tattvoddyo. 2B. 3.

अतद्विषयत्व (atadviṣaya-tva) *n.* the state of not referring to that, the state of referring to a different (thing) न तावदेकस्मिन् स्वलक्षणे द्वयोर्वृत्तिः अतद्विषयत्वात् TātpaṬ.(U.) 168. 23 (*on* 4. 196); अथातद्विषयत्वेऽपि स्मृतेस्तदव-सायतः । दृष्टालम्बनता भ्रान्त्या ĪśvaPraSū. i. 3. 3; वस्तुनी अविविक्ते । वस्तु वा वस्त्वन्तरात्मना भासमानं मिथ्यावस्तु । तद्विषयं ज्ञानमप्रमाणमिति चेत् न तर्हि प्रत्यक्षाद्यप्रामाण्यमतद्विषयत्वात् IṣṭaSi. 33. 18; (रूप्यम्) नापि विषयः अतद्विषय-त्वात् ख्यातेः IṣṭaSi. 135. 2; द्विचन्द्रदर्शनस्यैकशशभृद्बिम्बवेदिनी । धीरतद्विषयत्वेऽपि तद्रूपवच्छेदकारिणी NyāyMañ. ii. 19. 21; विषयवित्तिर्हि विषयवित्तिरेव न हि तया आत्मवित्तिः स्वरूपं वा सेद्धुमर्हति अतद्विषयत्वात् ĀtmaSi. 46. 18; प्राणभूयस्त्वाभि-धानानन्तरमपृष्टेन भूमोच्यमानः प्राणस्यैव भवितुमर्हति ।··· अतद्विषयत्वे चोत्तरस्य ··· अप्रामाण्यप्रसङ्गात् Bhām. 199. 22 (*on* i. 3. 8); शब्दपुरःसरत्वनियमाद्विकल्पस्य तदुपायता तद्विषयत्वं वा स्यात् तत्पुरःसरत्वनियमस्यातदुपायादतद्विषयत्वान्नियमतो व्यावृत्तेः NyāyVārPari. 549. 12; अपोहस्त्वप्रत्यक्षः । केवलं शब्दलिङ्गावसेयः । शब्दलिङ्गयोश्चान्वयाधीना प्रवृत्तिः । न चान्वयग्रहणमसाधारणेन संभवति । तस्मात-द्विषयत्वात् NyāyRa. 584. 19 (*on* 5 (14). 71); न चात्मनो दृक्कर्मत्वं विना तज्ज्ञान-त्वम् । तदज्ञाननिवृत्तिश्च तेन भवति । न च तदाकारम् । अतद्विषयत्वादेव । तद्विष-यत्वमेव हि तदाकारत्वम् Tattvoddyo. 2B. 1.

अतद्विषयत्वाविशेष (atadviṣayatvāviśeṣa) *m.* non-distinction or similarity in the state of not referring to it रूप्यस्याप्यज्ञातरूपेण सत्त्वम्, घटादेरिव सत्त्वम्, तथाभाने हेतुर्न स्यात् । अतद्विषयत्वाविशेषात् IṣṭaSi. 134. 14.

अतद्विषयाभास (atadviṣayābhāsa) *m.* manifestation of a thing which is other than that (i. e. different) नित्यो हि आत्मभावः सर्वस्य अत-द्विषय इव प्रत्यवभासते । तस्मादतद्विषयाभासनिवृत्तिव्यतिरेकेन न तस्मिन्नात्मभावो विधीयते BṛĀraUBh. 639. 9 (*on* iv. 4. 20)

अतद्वीर्यकोविदा (a-tadvīryakovidā) *adj.* (*f.*) not knowing his power त्यक्त्वा यष्टिं सुतं भीतं विज्ञायार्भकवत्सला । इयेष किल तं बद्धुं दाम्ना-तद्वीर्यकोविदा (यशोदा) BhāgP. x. 9. 12.

अतद्वीर्यविद्वस् (a-tadvīryavidvas) *adj.* not knowing his (S'iva's) power एष लोकगुरुः साक्षाद्धर्मं वक्ता शरीरिणाम् । आस्ते मुख्यः सभायां वै मिथुनीभूय भार्यया ।··· इत्यतद्वीर्यविदुषि ब्रुवाणे बह्वशोभनम् BhāgP. vi. 17. 10.

अतद्वृत्ति (a-tadvṛtti) *adj.* 1 not having that behaviour विपरीताम-तद्वृत्तिर्निम्नगामुन्नतस्थितिः । त्रिमार्गगां व्यजेष्टासौ पूतना MahāP. 28. 19; नृत्यज्ज-गन्नित्यमतद्वृत्त्यात्मनि स्थितम् BṛĀraUBhVā. i. 4. 1485; 2 not present in that (thing) श्रोत्रादिवृत्तिः प्रत्यक्षं यदि तैमिरिकादिषु । प्रसङ्गः किमतद्वृत्तिस्तद्विकारानुका-रिणी NyāyVi. 2. 166; शब्दो भिन्नात्मा अतद्वृत्तिः कथमवच्छेदकः स्यात् यदि तद्वतस्त-दात्मा वा न प्रतीयेत NyāyVārPari. 604. 3.

अतद्वृत्तित्व (atadvṛtti-tva) *n.* the state of not being in that (अभि-लापः संवेदनधर्मो न) अर्थासंस्पर्शी यतः । अर्थासंस्पर्शश्चास्यातद्वृत्तित्वात् अतदुत्पत्तेश्च NyāyVārPari. 574. 6.

अतद्वेदिन् (a-tadvedin) *adj.* not having the knowledge of that, not knowing that न च विवेकेनाप्रतिभासमानाः शक्या मिथो योजयितुं क्षीरोदकवद-तद्वेदिना TātpaṬ.(Vā.) 135. 12 (*on* i. 1. 3)

अतद्व्यपोहन (atad-vyapohana) *n.* exclusion or elimination of one which is not that तत्तत्प्रतिभाभाजा मात्रैवातद्व्यपोहनात् । तन्निश्चयनमुक्तो हि ĪśvaPraSū. i. 6. 3.

अतद्व्यवच्छेद (atad-vyavaccheda) *m.* elimination of the one which is not that or is different from that वस्त्वन्तरज्ञानमेव वस्त्वन्तराभावज्ञानं भवति अतद्व्यवच्छेदेनैव तद्व्यवस्थासंभवात् Bhāsk. i. 371. 10 (*on* i. 7. 7)

अतद्व्यवधान (a-tadvyavadhāna) *n.* absence of intervention of that सर्गादिकार्येष्वधिकृतानां भक्तानाम् ···उपाध्यन्तरितरस्नेहवत्त्वाच्च···तदर्थं तद्व्यवहित एव प्रकटीभवति । ये तु भगवत्स्वरूपमात्रासक्तास्तदर्थं स्वयमेवातद्व्यवधानेन प्रादुर्भवति (भगवान्) AṇuBh. 213. 19 (*on* iii. 3. 3)

अतद्व्याख्यानभूत (a-tadvyākhyānabhūta) *adj.* not being the explanation of that (कायपूजाया आरचने स्तुति) पदानि प्रयुञ्जानस्य अतद्व्याख्यान-भूतस्य अस्य श्लोकस्य अप्रकृतस्य करणं नापद्येत DharmoPra. 2. 8.

अतद्व्यापिन् (a-tadvyāpin) *adj.* not present with it everywhere, not pervading it चोदकवशाद्वेदः ··· सर्वत्रास्तु किमतद्व्यापिना तद्धितोपन्यासेन S'āstrDī. 145. 5 (*on* ii. 2. 7)

अतद्व्यावृत्त (atad-vyāvṛtta) *adj.* differentiated from what is not

that किं तु यादृशः क्षणः प्रत्यक्षेण गृह्यते तादृशो विकल्पेनाध्यवसीयते तादृशश्च प्रवृत्त्या लभ्यत इत्यनाकलितक्षणभेदस्यातद्व्यावृत्तवस्तुमात्रापेक्षया संवादः NyāyKa. 191. 3; विशेषणवद्विशेष्यज्ञानत्वं विशिष्टज्ञानत्वम् । एतदेवातद्व्यावृत्तबोधजनकतावच्छेदकम् TattvCin. i. 821. 12.

अतद्व्यावृत्तता (atadvyāvṛtta-tā) *f.* the state of being distinguished from what is not that कथं पुनरेकत्वाध्यवसायो दृश्यविकल्प्ययोः, अतद्व्यावृत्ततया तत्सदृशत्वात्, यथा दृश्यस्यातद्व्यावृत्तता तथा विकल्प्यस्यापि PrakaPañ. 76 6.

अतद्व्यावृत्ति (atad-vyāvṛtti) *f.* elimination of what is not that (i. e. different from it) अतीतः पन्थानं तव च महिमा वाङ्मनसयोरतद्व्यावृत्त्या यं चकितमभिधत्ते श्रुतिरपि Mahimna. 2; अतस्माद्व्यावृत्तिः अतद्व्यावृत्तिः HetuBiṬ. 26. 17; ĀtmaTaVi. 364. 9; अतद्व्यावृत्तिरेव सर्वानुगता शब्दार्थः NyāyRa. 566. 12 (*on* 5(13). 1); अतद्व्यावृत्तिर्विशिष्टत्वम् Kiraṇā. 202. 13; अतद्व्यावृत्तिरेव गोत्वादिसामान्यबुद्धिबोध्या NyāySu.(Ja.) 390A. 2 (*on* ii. 2. 7); विधिरूपं सामान्यं नास्त्येव । अनुगतमतेरतद्व्यावृत्त्यैवोपपत्तेः Upask. 52. 1 (*on* i. 2. 3); न हि वैशिष्ट्यमतद्व्यावृत्तेरन्यत् Upask. 52. 4 (*on* i. 2. 3); 321. 4 (*on* vii. 2. 8); अतद्व्यावृत्तेरसंभवात् ··· सविकल्पकमपि प्रमाणम् SarvaDaKau. 41. 7; क्वचिच्च विद्यमानमप्यतद्व्यावृत्तिन्यूनाधिकवृत्तितया तत्र न विशेषणमित्युच्यते किं तूपलक्षणम् । यथा विद्यमानापि जटा तापस उपलक्षणम् VyutpaVā. 168. 4; अतद्व्यावृत्तिस्तद्भिन्ननिवर्तनम् । यथा योगाचारबौद्धमते नीलत्वादिरूपो धर्मः अनीलव्यावृत्तिरूपः NyāyK. 6.

अतद्व्यावृत्तिकारिन् (atadvyāvṛttikār-in) *adj.* causing elimination of what is different from it यत् प्रमेयीकरणम् ··· तेन लब्धम् ··· अतद्व्यावृत्तिकारीत्यादिसिद्धम् Bhāsk. ii. 213. 22 (*on* iii. 1. 1)

अतद्व्यावृत्तितस् (atadvyāvṛtti-tas) *adv.* through the elimination of what is different from it अतीतो महिमा ध्यानं तव वाङ्मनसोः शिवे । अतद्व्यावृत्तितस्त्वां वै ··· अभिधत्ते श्रुतिरपि S'ivaP. 2(3). 4. 11 (127A. 5)

अतद्व्यावृत्तिधी (atadvyāvṛtti-dhī) *f.* knowledge of elimination of what is different from it तत्तद्धर्मप्रकारकज्ञानोत्तरमतद्व्यावृत्तिधीविषयत्वस्यापि तत्रैव पर्यवसानम् LaCandr. 156. 33.

अतद्व्यावृत्तिनिष्ठ (atadvyāvṛtti-niṣṭha) *adj.* based on the elimination of what is different from it न हि किंचिद्वस्तुभूतं वाच्यं नाम सौगतानां समस्ति । लक्षणवाक्येन व्यवहारमात्रं साध्यते स चातद्व्यावृत्तिनिष्ठ इत्यर्थः NyāyVārPari. 650. 10.

अतद्व्यावृत्तिपरत्व (atadvyāvṛttipara-tva) *n.* the state of being expressive of the elimination of what is different from it सत्यादिवाक्यानामतद्व्यावृत्तिपरत्वाभ्युपगमात् S'rutaPra. ii. 500. 25 (*on* iii. 3. 34)

अतद्व्यावृत्तिबोध (atadvyāvṛtti-bohha) *m.* knowledge of the elimination of what is different from it विशिष्टज्ञानत्वम् ···नापि विशेषणत्वविषयकत्वम्, अतद्व्यावृत्तिबोधजनकज्ञानविषयत्वस्य विशेषणत्वस्य तत्राप्रकाशात् TattvCin. i. 815. 8.

अतद्व्यावृत्तिमुख (atadvyāvṛtti-mukha) *n.* [Instr.] through the elimination of what is not that (i. e. the different) न हि निर्विकल्पकाः पदार्थाः प्रतिभान्ति । वाक्यार्थस्तु सविकल्पक इति दृष्टचरम् । उत्तरस्मिंस्तु नीलत्वादियोगादतद्व्यावृत्तिमुखेन परस्परमपि व्यावृत्तयोरेव तयोः प्रतिभाससंभवः PramāMā. 6. 27; सामानाधिकरण्यस्यातद्व्यावृत्तिमुखेन वस्तुमात्रपरत्वं सत्यादिवाक्यनिरूपणेन निरस्तम् S'rutaPra. iB. 70. 4 (*on* i. 1. 1); अतद्व्यावृत्तिमुखेन प्रतिपत्तेर्मुख्यार्थापवादाभावेनायुक्तत्वाच्च S'rutaPra. ii. 476. 19 (*on* iii. 3. 17); शोधकवाक्येषु सामानाधिकरण्यमतद्व्यावृत्तिमुखेन वस्त्वैक्यपरम् S'rutaPra. iB. 53. 14 (*on* i. 1. 1)

अतद्व्यावृत्तिरूप (atadvyāvṛtti-rūpa) *adj.* of the form of exclusion or elimination of what is not that अतद्व्यावृत्तिरूपनिषेधमुखेन···ब्रह्मस्वरूपलक्षणप्रतिपादनायोगेन LalitāTriBh. 265. 3 (*on* 6); परीक्षकास्तु व्यावृत्तेष्वनुवृत्तं वस्तुरूपमसंभावयन्तोऽतद्व्यावृत्तिरूपमाचक्षते NyāyRa. 592. 13 (*on* 5(13). 100); न चातद्व्यावृत्तिरूपमपि सामान्यमनङ्गीकृतविधिरूपसामान्येन शक्यते प्रत्येतुम् S'āstrDī. 104. 3 (*on* i. 1. 5); YuktiSneha. 104. 11 (*on* i. 1. 5); अतद्व्यावृत्तिरूपेणाभावेनैव प्रत्यभिज्ञोपपादनीया SāṁkhyaPraBh. 137. 13 (*on* 5. 93); *n.* form of elimination of what is not that त्वमर्थमेवं निश्चित्य तदर्थं चिन्तयेत् पुनः । अतद्व्यावृत्तिरूपेण साक्षाद्विधिमुखेन च VākyaVṛ. 28; अतद्व्यावृत्तिरूपेण वेदान्तैर्लक्ष्यतेऽव्ययम् । अखण्डानन्दमेकं यत् तद्ब्रह्मेत्यवधारयेत् ĀtmaBo. 57; अतद्व्यावृत्तिरूपेण साक्षाद्विधिमुखेन च । वेदान्तानां प्रवृत्तिः स्याद् द्विधा PañcDa. 7. 87.

अतद्व्यावृत्तिरूपतस् (atadvyāvṛttirūpa-tas) *adv.* in the form of the elimination of what is not that श्रुतिर्बाध्यं बाधित्वा शेषयत्यदः । स एष नेति नेत्यात्मेत्यतद्व्यावृत्तिरूपतः PañcDa. 3. 32.

अतद्व्यावृत्तिविषयत्व (atadvyāvṛttiviṣaya-tva) *n.* the state of having for its sphere the elimination of what is not that धूमोऽनग्निव्यावृत्तिमुखेनाग्निं गमयति । अत एवातद्व्यावृत्तिविषयत्वं लिङ्गशब्दयोः NyāyRa. 388. 11 (*on* 5(4). 132); नाप्यतद्व्यावृत्तिविषयत्वं विशिष्टज्ञानत्वम् । अपोहवादनिरासेन गौरितिविकल्पे तथात्वासिद्धेः TattvCin. i. 816. 5

अतद्व्यावृत्तिसामान्य (atadvyāvṛtti-sāmānya) *n.* similarity in or generality of elimination of what is not that ननु तुच्छरूपा जातिः कथं स्वरूपवत्त्वेन भाति । मैवम् । कल्पनाज्ञानाकारकतया वस्तुनोऽवगमात् । बाह्यात्मकताभिमानस्त्वतद्व्यावृत्तिसामान्याद् भेदाग्रहादध्यासापरपर्यायात् NayaVi. 96. 7 (*on* i. 1. 5)

अतद्व्यावृत्तिस्वरूप (atadvyāvṛtti-svarūpa) *n.* form of the elimination of what is not that स्वरूपलक्षणवाक्येषु वाच्यार्थस्य ··· श्रुत्या मिथ्यात्वप्रतिपादनात् निषेधमुखेनैव अतद्व्यावृत्तिस्वरूपप्रतिपादनेन लक्षणवाक्यानि समञ्जसानि LalitāTriBh. 265. 12 (*on* 6)

अतद्व्युत्पन्न (a-tadvyutpanna) *adj.* not competent to signify it अविद्यानिवृत्त्यर्थमिह ज्ञातव्युमुपहितं निरुपाधिकं वा । ··· द्वितीये तु अतद्व्युत्पन्नेन तदुक्त्ययोग एव S'atDū. 50. 23.

अतन (atana) *m.* race horse अत्या अतनाः Nir. 4. 13 (79. 14); *n.* constant motion श्वात्रमिति क्षिप्रनाम । आशु अतनं भवति Nir. 5. 3 (93. 7); अतनं सततगमनम् AlaṅkāCin. 24. 5.

अतनय (a-tanaya) *adj.* one who has no son दुःखाय संततिः सत्यमैहिकायामुष्मिकाय तत् । तथाप्यतनयान् यान्ति ऋणानीति श्रुतं मया MārkP. 121. 38.

अतनवत् (atana-va(n)t) *adj.* swift, wandering (अथर्युम्) दूरे दर्शनं गृहपतिमतनवन्तम् Nir. 5. 10 (98. 14); अतनवानथर्यः । अत सातत्यगमने । सततं गार्हपत्यात् स्वस्थानं दक्षिणाग्निर्गच्छति Mahīdhara *on* VājaS. 3. 37.

अतनिमन् (a-taniman) *adj.* not thin (i. e. thick) तमः ··· अतनिम मनो मोहयन्मानवानाम् JinaS'. 3. 2.

अतनिष्ठ (a-taniṣṭha) *adj.* not the least or smallest (i. e. thick) अधिकतरचारुतारोपणाय संचारयितुमतनिष्ठमोष्ठरुचकरागमिव लोचनान्तयोरनवरतकृतगतागतेन ··श्वासपवनेन···मधुकरकुलानि स्तम्भयन्तीम् ··· बालिकामपश्यम् TilaMañ 247. 17.

अतनीयस् (a-tanīyas) *adj.* [*f.* -ī] not small, great, (excellent) thick (मालवेश्वरः) अतनीयसि तपस्यवर्तत AvantiKa. 38. 11; अप्रभूतमतनीयसि तन्वी काञ्चिधाम्नि ··· क्षौममाकुलकरा विचकर्ष क्रान्तपल्लवमभीष्टतमेन S'iśuVa. 10. 83; स्वर्लोकस्यापि संप्रीतिमतनोदतनीयसीम् MahāP. 15. 76; वितेनेऽप्यहिकन्याभिः कौतुकेनातनीयसा NavaSāC. 6. 105; तदङ्गमङ्गरागेण···अचर्चयत् सुरभिणा चान्दनेनातनीयसा PariPar. 3. 86.

अतनु (a-tanu) *m.* **A** god of love, Cupid (*lit.* bodiless) यद्यस्त्रं न स्युरेते स्वयमतनुरसौ कातरः किं करोमि KaumuMa. 3. 3; इत्थं रतिं निगदतातनुना सुराणां स्थानं व्यधायि हृदये SiPriSt. 9. आस्फालयतो नूनं धनुरतनोः कौसुमं रजः पतितम् KuṭṭaMa. 108; कुटजपुष्पचयेन···उडुगणायितं कलयतालयतामतनोः श्रियः HarVi. 3. 52; जगति यामतनोर्जयघोषणां जगदुरन्यभृतो व्यपदेशतः Kapphiṇā. 8. 11; देहतापं तस्यातनुस्त्वद्विरहाद्विधत्ते NaiṣC. 3. 102; नाधिज्यं धनुरतनुस्तनोति यावत् Surath. 12. 58; धिगतनुम् RasMañ. 53; इषुभिरतनोर्मनो मे विद्धम् SundaS'. 5; यदि सामान्यतनुः करोतु किम् RasiRañ. 91; मथ्नाति पान्थानतनोः शताङ्गः YātrāPra. 4. 73; संतापयत्यतितरामतनुर्मृगाक्षीम् S'ṛṅgāMañ.(A.) 36. 15; 12. 17; **B** the self (different from the body) आत्मा पुरुषः ··· अतनुः KalpaK. 416. 94.

अतनु (a-tanu) *adj.* **A** not little, abundant, plentiful, thick अतनुषु विभवेषु ज्ञातयः सन्तु नाम S'āk. 5. 7 = SūktiRa. 153. 11; अतनुवनराजिश्यामितोपत्यकान्तं नगम् ··· आसाद्य Kirātā. 4. 38; पत्नीमुवाच रोमाञ्चमतनुं शान्तनुर्वहन् PāṇḍaC. 1. 141; जयतूर्यरवो जगदण्डदानमतनु व्यतनोत् Acyutarā. 5. 5; **B i** bodiless, incorporal अतनुस्स जातः BrahmāṇḍP. iii. 30. 36; नताः स्म ··· विष्णोर्यत्परमं पदम्···अतनुम् ViṣṇuP. i. 14. 39; पश्य···अतनुः सन्न पुष्पायुधोऽस्मि CaṇḍiS'. 62; Liṅgānu.(Ha.) 58. 8; कर्तृस्थेऽतनावाप्ये S'ākaṭāVyā. i. 4. 15; अतनोः ···संपन्ना मुक्तिः ··· तव YogVā. iv. 46. 20; नमन्मुक्तः संप्रत्यहमतनुरग्रेऽप्यनतिभाक् KāvyPra. 678. 4; SubhāRaK. 4. 7 = SaduktiKa. 65. 31; Kuval. 121(19); भूतये च जगतामतनुस्तनुमास्थितः ĪśānS'iPa. i. 15. 5; किं कामोऽयमसावसे(शे)(षम)तनुस्त्र्यक्षाक्षिदृष्टः EI. i. 36. 24; **B ii** not produced from body आकर्ण्य वाचमिति तामतनुं गुरुर्नः ·· कृष्णम् ···प्रातिष्ठिपत् S'aṅkaDigVi.(Mā) 5. 79; **C i** great, huge, massive, broad, large वपुरतनु तथैव संवर्मितम् ··· पश्यन् वृषभगतिरुपययौ विस्मयम् Kirātā. 18. 16; 10. 13; दन्तज्योत्स्नावितानैरतनुभिरतनुर्न्यक्कृतार्धेन्दुभाभिः CaṇḍiS'. 48; बिभ्रता नृसिंह सैंहीमतनुं तनुं त्वया S'iśuVa. 1. 47; अवे(वि)हितमतनुभिस्तेजोभिर्लक्ष्म नृपतिभवनेषु EI. xii. 74. 31; (सः) अकृत च समरं सुराङ्गनानामतनु दधच्छुचि मानसं सदंसः HarVi. 46. 57; 8. 36; ऋच्छस्वी तस्याप्यतनुपौरुषः EI. v. 137. 26; प्रभूतान्तरमणिरतनुः ··· शोभते भूप भद्रः YaśasCam. i. 492. 4; यस्तापसेन्द्राः शिष्याणामाशशंसुः शिवमतमतनु व्यस्त-

नि:शेषदोषम् EI. xxii. 130. 6; अतनु: स्तनाभोग:···बालाया: SubhāRaK. 15. 43; अस्यातन्वां तनौ सुरा:···जाताश्चर्या: DvyāśraKā. 1. 175; छिन्नमप्यतनु हारमण्डलं मुग्धया ··· न व्यतर्कि NaiṣC. 18. 107; मन्ये तनुतनुगर्भमतनुं वोढुमक्षमा Samarā-Saṁ. 9. 15; इह नाम तनुमहे यम् ··· धर्ममतनुमहेयम् YudhiVi. 4. 38; 7. 128; (राजते) तनुरद्रिसुताकान्त ··· वाहिनीवामृतमयी ··· विमलातनु: ĪśvaS'. 10; **C ii** not slender तनुरतनुरपि स्याद्दीर्घदेहा···शङ्खिनी RatiRaha. 1. 16; **D** excessive, intense, abundant सकृदपि कृतमुद्वर्तनमतनुं तनुगन्धमपनयति RatiRaha. 15. 87; विश्राणयस्यतनुतपिशितावदंशलेशानुविद्धदशनाम्ब न कस्य भीतिम् Har-Vi. 47. 14; आददा(v. l. धा)न: पूर्वं प्राणाहुतिमतनुतत्सुन्दरीनेत्रनीरै: S'rīKaC. 24. 13; **E** not weak शृङ्गे पश्य ··· अतनु: सन्न पुष्पायुधोऽस्मि CaṇḍiS'. 62; **F** many त्रुटदतनुशिरान्ता:···रिपुहृदयालीर्लाङ्गलं लेलिखीति YaśasCam. i. 559. 7; **G** loud प्रथममतनुभिस्तौ जघ्नतु: सिंहनादै: RāghPāṇ.(Ka.) 12. 23.

अतनु (a-tanu) *adv.* **A** widely, extensively, exceedingly अतनु वितनुते तिग्मरोचिर्मरीचीन् SūryaS'. 4; चितमतनु विसर्पता समन्तात् NavaSāC. 3. 9; अतनु वितनुते कानि न क्रीडितानि S'rīKaC. 1. 51; बहु मनुतेऽतनु ते तनुसङ्गतपवन-चलितमपि रेणुम् GītGo. v. 11. 2; **B** without delay, instantly तुङ्गौ तस्या उरोजावतनु वरतनोर्निर्गतौ मा स्म भूताम् GītGo. xi. 22. 10.

अतनुक (atanu-ka) *adj.* not thin (मूत्रम्) अतनुकम् ··· ऋजुवेगं प्रशस्यते KāśyaS. 47B. 29.

अतनुकर्णिका (atanu-karṇikā) *f.* large pericarp of a lotus अतनु-कर्णिकाग्रकरालपर्यन्तविघूर्णितार्चि:। भस्मीकरोति···विष्टरपुण्डरीकम् (वह्नि:) HarVi. 9. 36.

अतनुकल्पतरु (atanu-kalpataru) *m.* large wish-fulfilling tree (प्रियङ्गु-सुन्दरी) अकारयत् ··· अतनुकल्पतरुखण्डपरिगतेन मण्डिताभ्यन्तरम् ··· आरामम् TilaMañ. 408. 5.

अतनुकारण (atanukāraṇa) *adj.* found in great depth (मृगसेन:) कालक्षेपमतनुकारणं वैसारिणमासाद्य YaśasCam. ii. 338. 6.

अतनुकार्मुकावली (atanu-kārmukāvalī) *f.* row of huge bows वैष्णव-मिदं महाधनु: ··· दर्शयत्यतनुकार्मुकावली: BālBhā. 1. 69.

अतनुकालकूटच्छाया (atanu-kālakūṭacchāyā) *f.* deep shade of virulent poison तल्लाञ्छनच्छविमिवातनुकालकूटच्छायाछलेन दधतं पृथुकण्ठलग्नाम् HarVi. 2. 8.

अतनुकालकूटलेखा (atanu-kālakūṭalekhā) *f.* thick streak of virulent poison अम्भोदराजिमलिनातनुकालकूटलेखेव मन्मथरिपो: समवर्तिसीमा HarVi. 8. 41.

अतनुकुचभर (atanukuca-bhara) *m.* weight of large breasts अतनुकुचभरानतेन भूय: श्रमजनितानतिना शरीरकेण (अतमि तदा नितरां नित-म्बिनीभि:) S'iśuVa. 7. 66.

अतनुकुन्तलता (atanu-kuntalatā) *f.* long creeper-like lance भ्रम-यञ्जवादतनुकुन्तलताम्···अध:स्थमवैत्···सुभटं भट: HarVi. 42. 43.

अतनुकुलिशाश्रि (atanukuliśāśri) *f.* edge of a huge (large) thunderbolt शृङ्गीवातनुकुलिशाश्रिभिन्नसंधिस्ताभि: स द्रुतमथ भङ्गुरत्वमापत् HarVi. 46. 14.

अतनुकूर्म (atanu-kūrma) *m.* large tortoise अतनुकूर्मकर्परप्रतिष्ठाष्ठीव-त्प्रदेशम्···अष्टवङ्कनामपदम्···विनिवेश्य YaśasCam. ii. 44. 1.

अतनुकूर्मपृष्ठ (atanu-kūrmapṛṣṭha) *n.* large back of the tortoise (मयि) आरोपयन्तु विबुधा: भरमीश···मन्दरमिवातनुकूर्मपृष्ठे HarVi. 13. 60.

अतनुकेतनयष्टि (atanu-ketanayaṣṭi) *f.* staff of Cupid's banner अतनुकेतनयष्टिरनुच्चकै: प्रविकचा सहकारतरोर्लता Kapphiṇā. 8. 14

अतनुकौसुमसौकुमार्य (atanu-kausumasaukumārya) *n.* intense (great) tenderness of a flower इन्दो: करैरतनुकौसुमसौकुमार्यभाग्भिर्मनोभुव इवेषुभिराहताभि: ।··· अजृम्भि कुमुद्वतीभि: HarVi. 20. 66.

अतनुक्लम (atanu-klama) *adj.* having extreme fatigue or languor तीव्रतरतरणितापोपनतातनुक्लमस्य यत्रैव शरीरावयवे शिशिरहरिचन्दनपङ्कस्थासकमुपर-चयति NyāyMañ. ii. 96. 3

अतनुक्लेशा (atanu-kleśā) *adj.* (*f.*) bringing great distress अतनु-क्लेशां कृषिं कुर्वते ।··· धनान्धितधिय: SindūPra. 57.

अतनुक्षय (atanu-kṣaya) *m.* extensive destruction, complete annihilation तत्कुर्वतेऽन्त:सुषिरा गूढं येनातनुक्षयम् । दह्यन्ते जीर्णतरव: कोटरस्थानला इव RājTa.(Ka.) 4. 317.

अतनुखेद (atanu-kheda) *m.* affliction or lassitude caused by Cupid अङ्गानि लङ्घिमतराङ्गि करेण किं वा संवाहयाम्यतनुखेदकरम्बितानि VidMā. 3. 44.

अतनुख्याति (atanu-khyāti) *f.* great renown or fame गोपालान्वय-मौलिरत्नमतनुख्यात्यावनीमण्डन: GopāKeCan. 85. 16.

अतनुगुणश्लेषा (atanuguṇa-śleṣā) *adj.* (*f.*) associated with great qualities स्वर्गरङ्गाङ्गनानां लीलाकर्णावतंसश्रियमतनुगुणश्लेषया संश्रयन्त्या । आभाति ···त्वत्कीर्त्या भूषितेयम्···त्रिलोकी SuvṛTi. 1. 37.

अतनुघोरघर्म (atanu-ghoragharma) *m.* terrific heat caused by the god of love सुतनुरतनुघोरघर्मशान्त्यै विनिहितचन्दनराजिकेव रेजे Kapphiṇā. 10. 7.

अतनुचषक (atanu-caṣaka) *m.* (*n.*) large cup बिभ्राण: कनकमयं नु बीजकोशव्याजेनातनुचषकं कुशेशयिन्या: HarVi. 17. 38.

अतनुचित्र (atanu-citra) *n.* large picture मणिमण्डपे···अतनुचित्रविस्तृत-वितानशालिनि···अभिचिन्तयेत्···अच्युतम् PañcaRā.(Nā.) v. 3. 14.

अतनुजघन (atanu-jaghana) *m.* broad hip अतनुजघनकूलाश्चारुलावण्य-वारस्तव नृप जलकेलिं कुर्वत: स्त्रीसरस्य: YaśasCam. i. 535. 9.

अतनुज्वर (atanu-jvara) *m.* **A** love-fever एतावत्यतनुज्वरे वरतनु-र्जीवेन्न किं ते रसात् स्ववैद्यप्रतिम प्रसीदसि यदि GītGo. iv. 9. 9; अतनुज्वरादभि-हतोऽस्मि S'ivLī. 17. 35; **B** high-fever, GītGo. iv. 9. 9.

अतनुज्वरभाज् (atanujvara-bhāj) *adj.* suffering from fever caused by the god of love अतनुज्वरभाक् तनुते स सा प्रियकथासरसीरसमज्जनम् NaiṣC. 4. 2.

अतनुज्वाला (atanu-jvālā) *f.* heat caused by the god of love स तनोरतनुज्वालां शमयिष्यन्मुहुर्मुहु: BrahmāṇḍP. iii. 30. 78.

अतनुतक्षणतस् (atanutakṣaṇa-tas) *adv.* through hurting greatly or very much भग्नमतनुतक्ष(? क्ष)णत: कर्णं जिष्णु: शरैरतनुत क्षणत: Yudhi-Vi. 6. 48.

अतनुतत (atanu-tata) *adj.* largely expanded संहृतिमतनुत तस्य स्वस्य शरीरस्य तूर्णमतनुततस्य YudhiVi. 5 27.

अतनुतनु (anuta-tanu) *f.* big body नाराच: ··· द्रागतनुतनुकुटीं चण्ड-शक्तिर्भनक्ति KirātāVyā. 34; *adj.* possessing gigantic body अतनुतनुं नारसिंहं नमामि S'ilpaRa. ii. 23. 8.

अतनुतनुभृत् (atanu-tanubhṛt) *m.* many living beings अन्येऽपि वृक्षा:···अतनुतनुभृतां तापमुन्मूलयन्ति S'atS'lo. 2.

अतनुतन्त्रबन्ध (atanutantra-bandha) *m.* composition of a great work कृती भवति मादृशोऽप्यतनुतन्त्रबन्धेऽल्पधी: GrahaGa. 2. 21 (1. 2)

अतनुतन्त्रीजाल (atanutantrī-jāla) *n.* net of thick (strong) strings साधुजनमन:शकुनिबन्धनायातनुतन्त्रीजालमिव खलु तदेवं यज्ञोपवीतम् YaśasCam. ii. 348. 16.

अतनुतमस् (atanu-tamas) *n.* dense darkness अतनुतम: पाटयन्त्य: ··· विधातुर्मुखशशिविसृता: पान्तु वो दन्तभास: SaduktiKa. 3. 6.

अतनुतमस्तानव (atanutamas-tānava) *n.* thinning of dense darkness (of ignorance) श्रीजिनेन्द्रो द्रुतमतनुतमस्तानवं वस्तनोतु JinaS'. 1. 3.

अतनुतमतमस् (atanutama-tamas) *n.* very dense darkness आलोके-नातनुतमतमोमोषकेणाप्यमूषां नैवास्माभिर्जित उरुदृशां विप्रयोगान्धकार: Kapphiṇā. 15. 11.

अतनुतमोहर (atanutamo-hara) *adj.* remover of dense darkness (of ignorance) संपदं दिशतु जिनोत्तमागम: ··· अतनुतमोहर: CaturJiStu. 75.

अतनुतर (atanu-tara) *adj.* more abundant, much more सरभस-ललनादृढावगूढैरतनुतरं समवाप्य रागमाभ्य: Kapphiṇā. 10. 25.

अतनुतरङ्ग (atanu-taraṅga) *m.* large wave सिन्धुरम्भोगजानाम् । द्रुतम-कृत शिर:सु स्वच्छनक्षत्रमालाश्रियमतनुतरङ्गक्षिप्तरत्नावलीभि: HarVi. 22. 60.

अतनुतरचन्द्रक (atanutara-candraka) *m.* very large eye in the peacock's tail घनैरिवातनुतरचन्द्रकच्छलस्फुटामरायुधशतशोभिभिर्दिश: । धुतैरमी विदधति पिच्छमण्डलै: शिखण्डिनो रजनिपय:परिप्लुता: HarVi. 29. 15.

अतनुतरता (atanutara-tā) *f.* abundance, heaviness अतिसुरभिरभाजि पुष्पश्रियातनुतरतयेव संतानक: S'iśuVa. 6. 67.

अतनुतरसिन्दूर (atanutara-sindūra) *m.* abundant vermilion इमां मन्ये मुद्रामतनुतरसिन्दूरसुभगाम् SubhāRaK. 16. 40 = SūktiMu. 74. 10.

अतनुतरागम (atanutarāgama) *m.* vast knowledge क इह न रतिकेलि-संपदामरमतनुतरागमोहित: । ···अरमत नुत रोगमोहित: HarVi. 5. 129.

अतनुतरुतल (atanu-tarutala) *n.* spacious level ground round the foot of a tree तन्वी सङ्केतवेश्मन्यतनुतरुतले सा त्वदर्थं शयाना जानीते नोपधानी-कृतमपि भुजगम् SūktiMu. 44. 32.

अतनुतस् (atanu-tas) *adv.* **A** from the large or great (mountain) तातेतोऽतनुतोऽनीतं न नुत्तंतोनुतान्तत: Yādavā. 6. 79; **B** from many or majority (most) असौ (राजा) जनाद् रराजातनुत: Nalo. 1. 30.

अतनुता (atanu-tā) *f.* **A** bodilessness (i. e. death) स्वामिन् तथा स्निह्यतां तन्वाना तनुतां क्रमादतनुतां नैषा यथा गच्छति RasMañ. 132; **B** ex-

cess, abundance देव्या नृपतिः ··· अरमत ··· क्रमरम्यभावमरमतनुतया YudhiVi. 2. 15; स्वनिचयमतनुतयागं दधन्नृपो राजसूयमतनुत यागम् YudhiVi. 3. 35.

अतनुताप (atanu-tāpa) *m.* A intense heat (of the sun) सुदृशां सुरतस्विदाम् ··· । व्यतनुतातनुतापकुलं गिलद्द्रुमलयो मलयोऽनिलवीजनैः VasaViKā. 6. 62; B intense torment अकृत युधि विनायको विद्विषां न च कमतनुतापदावं चित्तम् HarVi. 46. 41; अतनुतापमपास्य निशि प्रभाकरकलत्रमसौ ··· । कमलिनीमचिरात्कलहंसको रमयति Mukundā. 197.

अतनुतापकृत् (atanutāpa-kṛt) *adj.* (*f.*) causing great anguish हैमनः ··· पृषतां पतिः । सलिलसंततिमध्वगयोषितामतनुतातनुतापकृतं दृशाम् S'iśu-Va. 6. 55.

अतनुतिमिर (atanu-timira) *n.* great darkness अतनुतिमिरतिरोहितहरिततासु···तरुराजिषु Kād. 176. 10.

अतनुतुहिन (atanu-tuhina) *adj.* having heavy frost अधिकमुल्लसत्तनुतुहिने···शिशिरसमये S'ṛṅgāMañ.(Bho.) 67. 23; *n.* heavy frost अतनुतुहिनाहतनवनलिनदलदीनदीर्घेक्षणम् ··· तस्याः स्थानकमवलोक्य ··· माम् ···व्यसर्जयत्(सा) NalaCam. 7. 24(2)

अतनुतेजस् (atanu-tejas) *adj.* possessing great power स पुण्यजनः शनैः । मखमथर्वमहोष्मसमर्थकं प्रतनुतेऽतनुतेजसि रावणे RāmC. (App. 1.) 37. 64.

अतनुत्राण (a-tanutrāṇa) *adj.* devoid of armour एकश्चाप्यगणः संख्ये (v. l. एकश्चास्म्यतनुत्राणः) प्रत्याश्वासमरोचयम् MahāBhā. ix. 30. 36.

अतनुत्व (atanu-tva) *n.* the state of not having a body द्वितीयवाक्यार्थेऽतनुत्वमेकपदार्थो हेतुः Kuval. 121(22)

अतनुत्विष् (atanu-tviṣ) *adj.* of no small radiance, highly illustrious ब्राह्मणो वेदपारगः । वर्षोपवर्षौ तस्येमौ तनयावतनुत्विषः BṛKathāMañ. i. 2. 24.

अतनुदन्तमण्डल (atanu-dantamaṇḍala) *adj.* A having a group of large teeth बभूव यस्यातनुदन्तमण्डलः क्षयाय कौक्षेयकराक्षसो द्विषाम् HarVi. 12. 5; B having a large ivory disc (for handle) HarVi. 12. 5.

अतनुदलचय (atanu-dalacaya) *m.* large heap of leaves नीलाब्जे चातनुदलचयोदञ्चिते देह एव प्रायस्तापस्तदपि च सखे कोऽप्यपूर्वस्तरुण्याः Yaśas-Cam. i. 618. 3.

अतनुदानाध्वर (atanudānādhvara) *m.* sacrifice with plentiful gifts अपि घ्नन्तो विप्रान्···। विहाय त्वय्यन्ते तनुमतनुदानाध्वरजुषामुपर्यम्ब क्रीडन्ति GaṅgāL. 34.

अतनुदिनकर (atanu-dinakara) *m.* fierce (blazing) sun नासीत्पूर्वं न पश्चादतनुदिनकराच्छादको वारिवाहः S'atS'lo. 32.

अतनुदुर्निरीक्ष्यरूप (atanudurnirīkṣya-rūpa) *adj.* whose form is extremely difficult to see क्रुद्धं मयूरपतिकेतनम् ··· न द्वादशापि ककुभः ··· । संहारवासरमिवातनुदुर्निरीक्ष्यरूपं विलोचनसहस्ररुचो न चक्रुः HarVi. 7. 24.

अतनुदृश् (atanu-dṛś) *f.* (woman) with large eyes बभुरतनुदृशां तथा न पूर्वं सतिलकपत्रलताः कपोलभागाः HarVi. 28. 7.

अतनुद्युति (atanu-dyuti) *adj.* (*f.*) of great splendour, highly radiant अथासूत पुनर्देवी तनयामतनुद्युतिम् BṛKathāMañ. xiv. 1. 72; i. 3. 63; ii. 1. 140.

अतनुधनुस् (atanu-dhanus) *n.* bow of the god of love (*lit.* the bodiless one) तव सुभग वियोगात्···सुदत्याः । ···तनुरतनुधनुर्ज्यातानवं चातनोति YaśasCam. i. 616. 2.

अतनुनितम्ब (atanu-nitamba) *m.* large hip वभुरतनुनितम्बाभोगरुद्धा वधूनां निधुवनरसखेदच्छेदिनः प्राह्णवाताः HarVi. 28. 116; SaduktiKa. 64. 17.

अतनुनिर्वृति (atanu-nirvṛti) *f.* great bliss (मम) अभवत्पूर्वमचैका सम्पन्नातनुनिर्वृतिः YogVā. v. 35. 36.

अतनुपदविक्षेप (atanu-padavikṣepa) *adj.* taking long strides, going hurriedly अथासावपि वृकः ··· अतनुपदविक्षेपः ··· जगाम Tantrākhyā. 41. 4.

अतनुपाणिसरोज (atanu-pāṇisaroja) *n.* large lotus in the form of palms (विष्णोः) विरराज यस्य । विश्वाक्रतेरतनुपाणिसरोजयुग्ममुत्तम्भितार्कशशिमण्डलबीजकोशम् HarVi. 16. 71.

अतनुपाण्डिमा (atanu-pāṇḍimā) *adj.* (*f.*) possessing excessive whiteness अतनुपाण्डिमाभिः । कीर्णा दिशः ··· इन्दोरदीपिषत दीधितिदीपिकाभिः HarVi. 20. 51.

अतनुपादलग्न (atanupāda-lagna) *adj.* 1 stuck to the large feet ददृशेऽथ तेन विन्ध्यश्रियः ···। रेवापगाम्बु···अम्बरमिवातनुपादलग्नम् HarVi. 30. 23; 2 touching the extensive base-region (of the mountain) HarVi. 30. 23.

अतनुपीडित (atanu-pīḍita) *adj.* troubled by the god of love भजस्व तनुपीडितो विरहकातरः कामिनीम् (जन्मवान्) SubhāRaSaṁ. 254.

अतनुपुण्या (atanu-puṇyā) *adj.* (*f.*) possessing great religious merit तनुरतनुपुण्येयमपि मे Manmatho. 2. 16 (432. 14)

अतनुपूर्वशुभ (atanu-pūrvaśubha) *n.* great merit of the past (lives) यज्जन्म दुर्लभमुशन्ति मनुष्यलोके तत्प्राप्तमप्यतनुपूर्वशुभप्रभावात् Dinākra-St. 24.

अतनुप्रकाश (atanu-prakāśa) *adj.* possessing abundant light मध्ये किलाहुतिभुजामतनुप्रकाशमिच्छन्ति पञ्चतपसस्तपनं न चन्द्रम् HarVi. 11. 51.

अतनुप्रतिबिम्ब (atanu-pratibimba) *n.* large reflection लक्ष्मच्छलोपहितपीवरपङ्कपिण्डकल्माषमध्यमतनु प्रतिबिम्बमिन्दोः । लक्ष्मीं दधौ HarVi. 20. 18.

अतनुप्रभाव (atanu-prabhāva) *adj.* 1 possessed of immense power वीतप्रभावतनुरप्यतनुप्रभावः प्रत्याचकाङ्क्ष जयिनीं भुजवीर्यलक्ष्मीम् । अस्त्रेषु भूतपतिनापहृतेषु जिष्णुर्वर्षिष्यता दिनकृतेव जलेषु लोकः Kirātā. 16. 64; 2 very industrious, Kirātā. 16. 64 (comm. अन्यत्रोद्योगवान्)

अतनुप्रवृद्ध (atanu-pravṛddha) *adj.* grown greatly तपःकृशामप्यतनुप्रवृद्धैस्तनूमनूनां दधतं महोभिः (मुनिम् ··· प्रणनाम राजा) Rāgh. 2. 4.

अतनुप्राण (atanu-prāṇa) *adj* possessing great vigour एतत्कृष्णस्य शार्ङ्गं ननु धनुरतनुप्राणदोर्दण्डचण्डैर्दूराद् भूपप्रकाण्डैः ···परिहृतम् BālBhā. 1. 75.

अतनुप्रेमन् (atanu-preman) *adj.* having great love (रत्नावतीम्) एतामतनुप्रेमा शन्तनुः परिणेष्यति PāṇḍaC. 1. 231.

अतनुफल (atanu-phala) *adj.* 1 having a large reward शब्दा इवातनुफलाः···चक्रुर्महोदयजुषो विशिखाः प्रयोक्तॄन् HarVi. 44. 45; 2 having a strong point or tip HarVi. 44. 45.

अतनुफेनवल्लरी (atanu-phenavallarī) *f.* long creeper-like streak of foam मुखादवगलन्तीभिरतनुफेनवल्लरीभिः ···पन्थानमिव (चि)ह्नयन्त्याः ···तुरङ्गमाः UdaySuKa. 127. 28.

अतनुबल (atanu-bala) *adj.* possessed of great strength चित्रं यदस्यामत्र ··· अतनुबले तनुप्रभाजाले निरन्तरनिमग्नाः ··· मनागपि दर्शयन्ति नात्मानमायतनप्रदीपाः TilaMañ. 38. 15.

अतनुबाष्पपात (atanu-bāṣpapāta) *m.* heavy shedding of tears कपोलभागात्कमलदृशोऽगुरुपङ्कपत्रभङ्गः । व्यगलदतनुबाष्पपातभिन्नः HarVi. 28. 104.

अतनुभुजबल (atanu-bhujabala) *adj.* possessed of great strength of arms पुरैकदा वालिनमतनुभुजबलम् ··· दुन्दुभिः ··· परिभूय समरे समतिष्ठत RāmāCam. 4. 10(18)

अतनुभुवन (atanu-bhuvana) *n.* vast world जैनी गौर्गौरवं वोऽतनुभुवनकुटीकोटरान्तः करोतु JinaS'. 4. 2.

अतनुभूति (atanu-bhūti) *adj.* possessed of great prosperity विरतिवनितासङ्गमुदितः सुखं शान्तः शेते मुनिरतनुभूतिर्नृप इव S'atTrayī. 190.

अतनुभूपाल (atanu-bhūpāla) *m.* great king मयैनातनुभूपाला दृष्टनष्टा विचार्यताम् RājTa.(S'rī.) 1(7). 64.

अतनुमकरन्द (atanu-makaranda) *m.* honey in ample quantity अतनुमकरन्दद्रवहरश्रमस्वैरो वायुर्मैनसिजशरैर्जर्जरयति SubhāRaK. 34. 22.

अतनुमण्डलता (atanumaṇḍala-tā) *f.* i the condition of a big circle विकटचापलता भटनायकः प्रसभकृष्टिनताः । ··· व्यनयत्क्रमादतनुमण्डलताम् HarVi. 42. 35; ii the state of a big disc, HarVi. 42. 35.

अतनुमतनिगम (atanumata-nigama) *m.* science of the teachings of Cupid उडुभिदि तु युगे स्याच्छ्रावणो मासभेदेऽतनुमतनिगमे च KośaKaTa. 2. 4922.

अतनुमत्सर (atanu-matsara) *adj.* having strong hatred धत्तेतरामतनुमत्सरसैंहिकेयनिष्पीतमुक्तमलिनामिव कान्तिमिन्दुः HarVi. 31. 53.

अतनुमद (atanu-mada) *adj.* 1 having excessive rut (elephant) वज्राङ्कुशि ··· विधत्स्व प्रयत्नम् ··· तनुमदवने । अध्यारूढे ··· द्विपेन्द्रे ··· अतनुमदवने CaturJiStu. 32; PārthPa. 44; 2 filled with excessive pride (Arjuna) द्विरदवदवगाहते समन्तादतनुमदश्चिदशाधिराजसूनुः PārthPa. 44.

अतनुमहिमन् (atanu-mahiman) *adj.* possessed of great power (तिरुवेङ्कटेन्द्रः) कदाचित् अतनुमहिमा हिमानीमहीध्रसध्रीचीनः ··· तनयं दिदृक्षुः ĀnandRa. 4. 0(1)

अतनुमानपरिग्रह (atanumāna-parigraha) *adj.* [*f.* -ā] 1 possessed of great indignation स्पृशति तिग्मरुचौ ककुभः करैर्दयितयेव विजृम्भितलापया अतनुमानपरिग्रहया स्थितं रुचिरया चिरयायिदिनश्रिया HarVi. 3. 37; KāvyPra. 786. 4; 2 assuming great length, HarVi. 3. 37 = KavyPra. 786. 4; *m.* possession of great indignation वामभ्रुवामतनुमानपरिग्रहेण चेतो दुनोत्यभिमुखं स्फुरितोऽधरोऽपि HarVi. 11. 62.

अतनुमुक्ता (atanu-muktā) *f.* big pearl इति दितिसुतसिन्धुर्वाक्यरत्नं विसृज्य व्यरमदतनुमुक्ताकर्णपूरश्रियोच्चैः HarVi. 36. 61; मण्डपनिवेशितानामतनुमुक्तावचूलवलयानां प्रतिबिम्बपरिपाटिभिः सहजरङ्गावलिमनोहरम् (मणिमयमायतनम-

पश्यम्) UdaySuKa. 65. 12.

अतनुमुद् (atanu-mud) *adj.* greatly delighted बन्धूनां तुष्टिदानैः क्वचिदतनुमुदः सौविदल्लास्त्वरन्ते YaśasCam. i. 230. 11.

अतनुमृगपतिनिनद (atanu-mṛgapatininada) *m.* loud roaring of a lion दिक्षु चक्षुरनिलहतकुवलयतरलं प्रक्षिपत्यतनुमृगपतिनिनदचकिता । …तव रिपुनृपललना ChandaśCū. ii. 283. 3.

अतनुमेचकत्विष् (atanumecaka-tviṣ) *adj.* of deep black colour विस्फुरन्मणिकरालमूर्धतां बिभ्रतामतनुमेचकत्विषाम् । भोगिनामिव न दण्डघट्टना नोपघातघटनाय विद्विषाम् HarVi. 14. 29.

अतनुरज्जु (atanu-rajju) *f.* thick, strong cord बद्धेवातनुरज्जुभिः … परगुणान् वक्तुं न शक्ता सती । जिह्वा … खलमुखे विद्धेव संलक्ष्यते VidaMuMa. 1. 3 = SubhāRaK. 38. 49; अतनुरज्जुसरोरुहकोषयोरपि कपर्दकनाम्नि वराटकः KośaKaTa. 2. 3771.

अतनुरति (atanu-rati) *f.* **1** extreme happiness यस्य प्रेङ्खन्नखालीद्युतिरतनुरतिं रातु स श्रीजिनो वः JinaS'. 1. 16; **2** (a-tanurati) absence of attachment to the body, JinaS'. 1. 16.

अतनुरव (atanu-rava) *adj.* possessed of loud (i. e. far-reaching) voice पातात्स पार्श्वः…अतनुरवः CaturJiStu. 89 (comm. अतनुर्योजनप्रमाणभूमौ श्रूयमाणत्वात् प्रौढो रवो देशनाध्वनिर्यस्य)

अतनुरसातलताल (atanu-rasātalatālu) *n.* large dome (*lit.* palate) of the nether region called *rasātala* पोत्राभिघातदलिताचलचक्रवालमुत्तम्भितातनुरसातलतालुनः क्ष्मा । आभाति HarVi. 38. 52.

अतनुराग (atanu-rāga) *m.* great passion सविधसीम्नि सरोजदृशः शनैर्नटति चारुतरं नयनाञ्चले । महिपतेरथ मानसमादरादतनुतातनुरागमहो नवम् Raghunā. 12. 19.

अतनुरागजन्मन् (atanurāga-janman) *adj.* caused by passion आकुलाकुलरतिप्रवाळमयमिव लोलपारिहार्यरवैरतनुरागजन्मभिः … तमरण्योद्देशमादर्शयन्त्यः … सुरस्त्रियः … उत्सर्पं प्रचक्रुः AvantiKa. 162. 12.

अतनुरागसंपद् (atanurāga-sampad) *adj.* **1** full of wealth of great love प्रथममतनुरागसंपदं ताम् … । उषसि रुचमवाप्य साधुमैत्रीं न खलु तरां जहृषुर्न चक्रवाकाः HarVi. 28. 105; **2** possessed of wealth of abundant colour, HarVi. 28. 105.

अतनुरागा (atanu-rāgā) *adj.* (*f.*) **1** full of great love वासरं वासरश्रीरभिमतमभिसर्तुं प्राणनाथं प्रदोषे । स्वतनुमतनुरागा संवृणोतीव SubhaDha. 1. 20; **2** full of abundant redness, SubhaDha. 1. 20.

अतनुलज्जापरिकरा (atanulajjā-parikarā) *adj.* (*f.*) full of abundant bashfulness (पश्यामि पद्मावतीम्) मदास्ये न्यस्यन्ती(? न्तीं) दृशमतनुलज्जापरिकराम् TāpaVa. 5. 6.

अतनुवन्यगज (atanu-vanyagaja) *m.* Cupid in the form of a wild elephant नालीकिनीं निशि घनोत्कलिकामशङ्कं क्षिप्त्वा वृतीरतनुवन्यगजः क्षुणत्ति VidaMā. 3. 13.

अतनुवपुस् (atanu-vapus) *adj.* having a large body तेनुरतनुवपुषः पृथिवीम्…आत्मजाः श्रियः S'iśuVa. 15. 78.

अतनुवाहिन् (atanu-vāhin) *adj.* flowing abundantly यत्र अतनुवाही चित्तवृत्तिपरिस्पन्दः तत्र लघ्वक्षरप्रधानं वृत्तम् AbhinBhā. ii. 344. 22 (*on* 16. 114)

अतनुविप्रयोग (atanu-viprayoga) *m.* long separation (सा) विगर्ह्यमाणातनुविप्रयोगकृशानुसंतापदशेव दूरम् ।… भृङ्गैः HarVi. 25. 37.

अतनुविरह (atanu-viraha) *m.* separation for a long time श्लाघ्यः कालः…यूनामासीदतनुविरहोपप्लवक्रान्तकान्तागाढाश्लेषश्लथभरगलत्ताररत्नाङ्कहारः HarVi. 25. 71.

अतनुविलास (atanu-vilāsa) *m.* abundant sport युवमिथुनमिदम् … जल्पति कल्पयदतनुविलासम् StavMā. 283. 23.

अतनुविशिख (atanu-viśikha) *m.* arrow of Cupid (जय शङ्कर) सुतनोऽतनुविशिखविशोषणधैर्यनिधे SkandP. iv(1). 17. 35; स्वरूपं संवीक्ष्याभवदभिक उद्भ्रान्तकरणो विधिर्विद्धो वृद्धोऽप्यतनुविशिखैराशु दुहितुः Manmatho. 1. 19 (424. 10)

अतनुविस्तर (atanu-vistara) *adj.* of great expanse स्तनयोरुपर्यतनुविस्तरयोः । सुदृशामराजततमामरुणा मदनाङ्कुशक्षततति: सुरते NemiNir. 10. 44.

अतनुविस्मय (atanu-vismaya) *m.* great surprise (समरकेतुः) तच्च… आयतनमतनुविस्मयस्फारितपुटाभ्याम् …लोचनाभ्याम्…ईक्षमाणः…एकेन्द्रियत्वमिवापेदे TilaMañ. 216. 12.

अतनुवृत्ति (atanu-vṛtti) *adj.* whose mode of life is not meagre विरतिवनितासङ्गमुदितः । सुखं शान्तः शेते मुनिरतनुभूति (v. l. °वृत्ति°)र्नृप इव S'atTrayī. 190.

अतनुवेग (atanu-vega) *m.* great speed प्लवङ्गमनुसरन्त्याः…अतनुवेगोज्झितस्य पश्चादागच्छतो मरुतः पन्थानमिव (चि)ह्नयन्त्याः … तुरङ्ग्याः … अकस्मादात्मानमेकत्र महावने पतितं व्रजन्तमद्राक्षीत् UdaySuKa. 127. 28.

अतनुवैभव (atanu-vaibhava) *adj.* **1** possessing great wealth अङ्गज इव कुवलयाञ्चितधर्मा अतनुवैभवश्च … चिरम् अयनपुरम् अध्युवास ĀnandRa. 2. 1 (7); **2** possessing the glory of the bodiless (god), ĀnandRa. 2. 1 (7)

अतनुशक्ति (atanu-śakti) *f.* weapon of the god of love तरुशृंगसंस्थितसुमग्रहणोर्ध्वसरत्करत्वतः सुकृशादुदरात् । गलदंबरा क्षणमभादपरा प्रकटीभवन्त्यतनुशक्तिरिव HammīMaKā. 5. 68.

अतनुशरलीला (atanu-śaralīlā) *f.* sportive action of the arrows of Cupid कुसुमसुकुमारतनुमतनुशरलीलया । स्रगपि हृदि हन्ति माम् GītGo. vii. 13. 6.

अतनुशाख (atanu-śākha) *adj.* (tree) having thick branches आम्रवनं महत्…अतनुशाखैः समन्ततः VāyuP. i. 38. 20.

अतनुशासन (atanu-śāsana) *m.* chastiser of the god of love अतनुशासनसमाराधनाय नवकुसुमनिचयमवचिचीषुरयमवतरति स्म (उद्यानम्) YātrāPra. 4. 13 (1)

अतनुशास्त्रपारगा (atanuśāstra-pāragā) *adj.* (*f.*) expert in the science of love चतुरामिलाधिभूरङ्गनां पुनरभूषिताङ्गकाम् । विभ्रमैः … आतनोदतनुशास्त्रपारगाम् Raghunā. 12. 44.

अतनुशिखा (atanu-śikhā) *f.* big flame तस्थुः सिन्धोस्तरङ्गाः क्षणमतनुशिखाशेखरौर्वानलार्चिस्तापप्लोषप्रशान्त्यै शिशिरशशधरस्पर्शतर्षादिवोर्ध्वम् HarVi. 22. 57.

अतनुशिलीमुखसमाकुला (atanuśilīmukha-samākulā) *adj.* (*f.*) **1** surrounded by many a bee हरतितरां जनहृदयम् … लता च दयिता च । यदि पुनरतनुशिलीमुखसमाकुला किं न पर्याप्तम् SubhāRaK. 15. 44; **2** attacked by the arrows of Cupid, SubhāRaK. 15. 44.

अतनुशीत (atanu-śīta) *n.* great cold अतनुशीतपरिप्लवभीतितः … । सपरिरम्भ इवोपवनद्रुमश्चतुरयातुरया लतया कृतः HarVi. 3. 81.

अतनुश्वसन (atanu-śvasana) *n.* heavy breathing सातनुश्वसनस्पृष्टपाटलाधरपल्लवम् । उवाह मुखमुज्जृम्भमम्भोजमिव पद्मिनी NavaSāC. 6. 6.

अतनुसंरम्भ (atanu-saṁrambha) *adj.* full of great vehemence (शक्रः) संप्रहारे स पर्यस्तनानाशम्बहुलोऽहितम् । व्यदधादतनुसंरम्भो नानाशं बहुलोहितम् HarVi. 43. 304.

अतनुसंभृति (atanu-saṁbhṛti) *adj.* in large quantity शान्तिं न यात्यपरथा परविप्रकारपांसुर्जगत्यतनुसंभृतिरेष तावत् HarVi. 11. 58.

अतनुसलिलगर्भा (atanusalila-garbhā) *adj.* (*f.*) containing plenty of water within अतनुसलिलगर्भाः…नभसि जलदलेखा वेल्ल्यमाना मरुद्भिः ।… वारणानां नवान्दूनिबिडनिगडलीलां पादलग्ना वितेनुः HarVi. 41. 45.

अतनुसान्ध्यराग (atanu-sāndhyarāga) *m.* excessive reddish colour of (evening) twilight द्युवल्ल्या रेजेऽग्रपल्लव इवातनुसान्ध्यरागः HarVi. 49. 55.

अतनुसायकविकला (atanusāyaka-vikalā) *adj.* (*f.*) depressed by the arrows of the god of love तदतनुसायकविकलां हारलताम् … आश्वासयितुं यामः KuṭṭaMa. 330.

अतनुसौकुमार्य (atanu-saukumārya) *adj.* possessed of extreme tenderness सरस्वती यस्य…अतनुसौकुमार्यं पर्याप्तशोभं मुखमध्युवास HarVi. 9. 5.

अतनुसौख्यसन्दोहिनी (atanusaukhya-sandohinī) *adj.* (*f.*) bestowing immeasurable bliss स्वजननीमसौ … अतनुसौख्यसन्दोहिनीम् । यतिक्षितिपतिर्गतिं वितमसं स नीत्वा … अन्यमतशातने प्रयतते स्म पृथ्वीतले S'ānkaDigVi.(Mā.) 14. 54.

अतनुसौहृद (atanu-sauhṛda) *adj.* full of great affection यौवराज्ये च सगरमजितस्वाम्यपि न्यधात् । द्वैतीयीकीमिव निजां तनूमतनुसौहृदः TriṣaS'aPuC. ii. 3. 96.

अतनुस्यन्दन (atanu-syandana) *m.* big chariot रथाश्वकेशावलिकर्णचामरं ददाह…। हुताशनस्तस्यातनुस्यन्दनधुर्यगोचरः KumāSaṁ. 15. 31.

अतनुहेषित (atanu-heṣita) *n.* loud sound of neighing सैन्यादयस्तव हयाः … । आवर्तयन्त्यतनुहेषितवीचिभेदैः वैरात्रिकं बटुभिरध्ययनं प्रवृत्तम् Yādavā. 19. 59.

अतनूत्कण्ठा (atanūtkaṇṭhā) *f.* **1** longing of love म्लायल्लीलाभवनवलभीदीपकान्तौ भजन्ते याः प्रत्यूषे दयितमतनूत्कण्ठया कम्बुकण्ठ्यः S'rīKaC. 16. 8; **2** immense longing, S'rīKaC. 16. 8.

अतनूत्पुलक (atanūtpulaka) *adj.* with abundant horripilations एतेऽपि जेतुमतनूत्पुलकांसकूटदोर्दण्डखण्डितनिरर्गलयुद्धशौण्डाः … युधि केन शक्याः HarVi. 37. 8.

अतनूद्वहा (atanūdvahā) *adj.* (*f.*) to be married out of love मधुपिङ्गलः 'धिगिदमभोगायतनं भोगायतनं यदेकदेशदोषादिमामुचितसमागमामपि माम(? ममा) तनूद्वहामहं नालप्सि' इति मत्वा … परिगृहीतदीक्षः … मनाग्व्यलम्बत YaśasCam. ii. 352. 8.

अतनून (a-tanūna) *adj.* neither worthless nor imperfect जिनराजि …मतमतनूनं नूनं सर CaturJiStu 19; 71 (comm. तनु तुच्छमूनमपूर्णं च न)

अतनूष्मन् (atanūṣman) *adj.* very hot करमर्पितमानने दधौ … श्वसितैः सुष्टमिवातनूष्मभिः HarVi. 24. 31; स मुनिः…आत्मतनुमतनूष्मणि तनूनपाति पातयित्वा शाश्वतं पदं समाश्रितवान् RāmāCam. 3. 7 (2)

अतन्तु (a-tantu) *m.* other than a thread अन्यथा तन्तुष्विवातन्तुष्वपि व्यावहारिकपटस्वरूपापातात् Nyāyāmṛ. 30B. 8.

अतन्तुमत् (a-tantuma(n)t) *adj.* not stringy (milk) नीरे स्तन्यं यदेकि स्याद्विवर्णमतन्तुमत्…शुद्धमादिशेत् BhāvPra.(Bhā.) 4. 23.

अतन्त्र (a-tantra) *n.* not a significant rule अतन्त्रं तरनिर्देशः । यावदुच्चैस्तावदुच्चैस्तरामिति MahāBh. i. 210. 6 (*on* i. 2. 33); नात्र निर्देशस्तन्त्रम् । कथं पुनस्तेनैव नाम निर्देशः क्रियते तच्चातन्त्रं स्यात् MahāBh. i. 212. 1 (*on* i. 2. 39); ii. 245. 20 (*on* iv. 1. 192); अतन्त्रमेवात्र पात्नीवतशब्दः S'ābaBh. 608. 6 (*on* ii. 3. 19); KāvyālaṅSū. v. 2. 85(Vṛ.); पुत्रमिति चोद्देश्यत्वादतन्त्रं संख्या BālaKrī. i. 82. 4 (*on* 1. 79); अतन्त्रमेव सोमशब्दो भक्षयतिश्च TantrVā. 1070. 3 (*on* iii. 5. 53); वस्तुवृत्तिरतन्त्रं कविसमयः प्रमाणमिति यायावरीयः KāvyMī. 99. 9 [name of a Sāman ? ĀrṣeBr. v. 6. 5, nt.]

अतन्त्र (a-tantra) *adj.* [*f.* -ā] **1** (a word or expression) the significance of which is not intended अतन्त्रे तरनिर्देशे शङ्कूणवयोर्मृदङ्गेन समासः Vār. 1 *on* P. ii. 2. 34; वचनमतन्त्रम् । स च त्वं च पचथः KātanVṛ. *on* iii. 1. 4; पात्नीवतग्रहणं नित्यानुवादत्वादतन्त्रमिति TantrVā. 612. 14 (*on* ii. 3. 19); नान्यत्रेति यश्चोदयेत् तं प्रत्याह बहुवचनमतन्त्रमिति । अप्रधानमित्यर्थः Nyās. ii. 39. 12; (द्विवचनमतन्त्रम्) अप्रधानम् अविवक्षितमित्यर्थः PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. ii. 4. 27; सर्वथा अतन्त्रा विंशतिसंख्या ManuBh. i. 185. 29 (*on* 2. 212); ii. 258. 12 (*on* 9. 60); एष इति एतस्मिन्नर्थेऽभिनेता स्या(दिति चे)द्विभक्तिरतन्त्रा AbhinBhā. ii. 29. 20 (*on* 9. 19); तत्र दौहित्रग्रहणमतन्त्रमिति भ्रान्त्या कथंचित्प्राप्तोऽत्र निषिध्यते SmṛtiCan. v. 169. 15; षूङ् प्राणिप्रसवे । … प्राणिग्रहणमतन्त्रम् DhātuPra. iv. 26 (91. 4); लिङ्गवचनमतन्त्रम् PariVṛ.(Nī.) 18. 10; पूर्वसूत्रे तर्हि परिसंख्यानमतन्त्रम् Upask. 395. 6 (*on* ix. 2. 2); आरोप्या इति बहुवचनमतन्त्रम् AlaṅkāKau.(Vi.) 214. 5; द्वित्वमतन्त्रम् । अश्ववडवान् PrakriKau. i. 568. 1; ii. 679. 3; ह्रस्वग्रहणमतन्त्रम् SiddhāKau. 4B. 2; द्वित्वमतन्त्रम्, स्नात्वा भुक्त्वा पीत्वा व्रजति SiddhāKau. 579A. 6; 187B. 14; 288B. 7; 306B. 3; **2** not characteristic, insignificant, superfluous तस्मादुपाख्यानासत्यत्वमतन्त्रम् TantrVā. 28. 5 (*on* i. 2. 10); सा चेत् कान्तिरतन्त्रमेव कनकम् BālRā. 2. 17; अवृत्त्यंशस्तु सन्नपि न कारणमित्यतन्त्रम् Kāśi. iii. 59. 16 (*on* 5(4). 86); iii. 7. 21 (*on* 5(4). 3); न विना लिङ्गसंख्याभ्यां सत्त्वभूतोऽर्थ उच्यते । इत्यतन्त्रमुपादानं तयोर्न तु विवक्षितम् PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. iii. 3. 18; DāyaBhāga 37. 15; शरीरविमोक्षमात्रविलम्बश्रुतेस्तच्छरीरावसाने इति पूर्वपक्षः । राद्धान्तस्तु … कर्मणोर्भोगेनैव क्षपयितव्यत्वाभिप्रायेण … शरीरमतन्त्रम् VedāntDī. 226. 22 (*on* iv. 1. 19); ननु यममात्रमेव तन्त्रं तर्हि भोजनमतन्त्रमेवेत्यत आह Upask. 274. 11 (*on* vi. 2. 9); अत्रानुक्तं दुरुक्तम्…तद्धि सूक्तं कृषीरन् संख्यावन्तो महान्तो यदुपकृतिविधौ शीलमेषामतन्त्रम् Subodhi. 110. 16 (Praśasti); मानुषीत्वं चात्रातन्त्रं गवादिगमनेऽपि दण्डोपदेशात् DaṇḍaVi. 33. 11; सामान्यतो यत्र कुत्रचिदूहप्राप्तिस्तु न विधिलाघवापादिकेत्यतन्त्रा सा MīmāKau. ii. 300. 10 (*on* iii. 2. 38); इह मन्त्रमतन्त्रमाहुरार्या बलवीर्यैरवरो हि यत्र शत्रुः Rāgh. 15. 39; **3** independent कस्त्वां स्तोतुमिहेश्वरः । …विश्वतन्त्रमतन्त्रं च स्वतन्त्रं तन्त्रबीजकम् BrahmVaiP. iii. 29. 46; पृथगेव खण्डत्रये तालयोगः … कतमदेतत् । अतन्त्रमिति न चोद्यम् । न ह्यत्र सदुदायाश्रयं मानम् AbhinBhā. iv. 107. 14 (*on* 29. 88); मन्ये जगाय निजवैभमतन्त्रमेतत् BhikṣāKā. 37. 9; **4** unsystematic, without rules, without limits उद्दिसममतन्त्रं तन्त्रमेतद्वदन्ति प्रखलजडधियो ये तेऽनुकम्प्यन्त एते Kiraṇā. 3. 5; **5** not useful, ineffective इदं तन्त्रमतन्त्रम् Upask. 176. 10 (*on* iii. 2. 8)

अतन्त्रज्ञ (a-tantrajña) *adj.* ignorant of the Tantraśāstras अदीक्षितैरनाचारैरतन्त्रज्ञैरदैवतैः । … न कुर्याद् द्रव्यसंगतिम् KulārT. 8. 8; किं त्वां संप्रार्थयाम्यद्य गतामर्वं निरुद्यमम् । अवैरज्ञमतन्त्रज्ञं बालचेष्टासमन्वितम् DevīBhāP. ii. 11. 20.

अतन्त्रता (atantra-tā) *f.* the state of being insignificant, absence of significance अतन्त्रता तु व्यभिचाराव्यभिचारयोः । असति तस्मिन् धूमादेरव्यभिचारस्याप्यप्रमाणत्वात् BrahmSi. 144. 19; यद्यपि पारिव्राज्यमधिकृत्यायं मुक्त्युपदेशः तथाप्याश्रमस्यातन्त्रतैव BālaKrī. ii. 72. 12 (*on* 3. 206); तथा पात्नीवतेऽप्युक्ता तेन त्वष्टुरतन्त्रता । तथा डित्थस्य मातेति माता डित्थडवित्थयोः TantrVā. 759. 16 (*on* iii. 1. 26); वृत्तिप्रतिबिम्बितचैतन्यस्य घटप्रकाशकत्वे आध्यासिकसंबन्धस्यातन्त्रतापातः AdvaiSi. 462. 1.

अतन्त्रत्व (atantra-tva) *n.* the state of not being the cause or an effective factor, insignificance, uselessness ऐन्द्रशब्देनेन्द्रो महेन्द्रश्च न शक्योऽनुवदितुम् । … ऐन्द्रशब्दस्यातन्त्रत्वात् S'ābaBh. 1449. 13 (*on* vi. 4. 29); न च गुणत्वात्संयोगः संबन्धान्तरमपेक्षते, न समवायः अगुणत्वादिति युज्यते वक्तुम्; अपेक्षाकारणस्य तुल्यत्वात्, गुणपरिभाषायाश्चातन्त्रत्वात् BrahmSūBh. (S'aṅ.) 371. 18 (*on* ii. 2. 13); 372. 12 (*on* ii. 2. 14); तेन निर्गुणेन्द्रप्रकाशनं गुणस्यातन्त्रत्वात् TantrVā. 395. 20 (*on* ii. 1. 15); 415. 18 (*on* ii. 1. 32); 890. 16 (*on* iii. 3. 21); उद्देशक्रमस्यातन्त्रत्वात् … संप्रति संज्ञातो भेदोऽभिधीयते S'āstrDī. 145. 10 (*on* ii. 2. 8); तेन कर्मणा यमभिप्रैति इत्यत्र यमिति पुंलिङ्गैकवचनेन च निर्देशस्यातन्त्रत्वात् लिङ्गान्तरे वचनान्तरे च संज्ञा भवति PariVṛ.(Sī.) 62. 14; व्यभिचारिसंबन्धस्यापि … व्याप्तिरूपत्वेऽपि तज्ज्ञानस्यानुमितावतन्त्रत्वात् Upask. 150. 17 (*on* iii. 1. 14); 69. 2 (*on* ii. 1. 1); अविप्रकर्षस्य … आपरोक्ष्येऽतन्त्रत्वात् Nyāyāmṛ. 628B. 10; 296B. 4; एकशरीराश्रयत्वस्य … अतन्त्रत्वं दर्शितम् S'ivārkaMaDī. i. 351. 22 (*on* i. 2. 11); वह्निप्रश्ने धूमोऽस्तीति प्रतिवचनदर्शनेन प्रतिवचनोक्तत्वस्य प्रष्टुर्बुभुत्सितत्वेऽतन्त्रत्वात् AdvaiSi. 684. 21; उपक्रमाकाङ्क्षाया अतन्त्रत्वादिति तदधिकरणविरोधो वज्रलेपायितः UpaParā. 32. 3; SiddhāLeS'aṁ. 218. 11; न शाब्दबुद्धौ भानानुपपत्तिः शक्तिधियः शाब्दज्ञानसमानविषयकत्वस्यातन्त्रत्वादिति वाच्यम् S'aktiVā. 98. 2; न च नायिकाया नाशात्तद्गताया रतेरसन्निधानात्कथमङ्गतेति वाच्यम् । संनिधानस्याङ्गतायामतन्त्रत्वेन RasGaṅ. 60. 14; 560. 14; प्रवृत्तिनिमित्ततायां शास्त्रमूलकत्वस्यातन्त्रत्वात् … त्रयाणामपि वर्णानां राजशब्दवाच्यत्वमुपपद्यते MayūMāli. 162. 16 (*on* ii. 3. 2); VaiyāBhū. 14. 16 (*on* 2)

अतन्त्रत्वापात (atantratvāpāta) *m.* contingency of ineffectiveness किं च किं घटाकारवृत्तिप्रतिबिम्बितं चैतन्यं घटप्रकाशकं किं वा तदभिव्यक्तं घटाधिष्ठानचैतन्यं, नाद्यः आध्यासिकसंबन्धस्यातन्त्रत्वापातात् Nyāyāmṛ. 191A. 9; 222B. 7; 224A. 9; 227A. 7.

अतन्त्रत्वाभिप्राय (atantratvābhiprāya) *m.* intention of the absence of significance चत्वारि पदान्य(? न्यु)पलभेमहीत्यतुल्यार्थत्वादतन्त्रत्वाभिप्रायेण TantrVā. 301. 1 (*on* i. 4. 8)

अतन्त्रपक्ष (atantra-pakṣa) *m.* view upholding the insignificance (of *tarap*) अतन्त्रपक्षे तु अतिशयः सर्वथाविवक्षित एव LaS'abdeS'e. ii. 130. 5.

अतन्त्रयत् (a-tantrayat) *adj.* not caring for, considering (it) insignificant इह जगति केचित्…विधिनिषेधयन्त्रणामतन्त्रयन्तः …विश्रमाविलयन्ति S'atDū. 230. 7.

अतन्त्रविद् (a-tantravid) *adj.* not knowing the Tantraśāstras परमं तन्त्रम् … । नाव्रतस्नायिने देयम् … । न चातन्त्रविदे LakṣmīT. 50. 234.

[1]**अतन्त्रित** (a-tantrita) *adj.* **i** unregulated, uncontrolled, free from restraint इतो याति ततश्चेति लोको व्यक्तमतन्त्रितः । इति राजनि कुण्ठाङ्गे कोऽप्यजृम्भत विप्लवः RājTa.(Ka.) 8. 794; अतन्त्रितत्रिजगदपि व्रजाङ्गनानियन्त्रितं विपुलविलोचनाज्ञया KṛṣṇaKa. 3. 4 (*but* Suvarṇacaṣaka अप्रयोजकम् अप्रेरकमिति यावत् । त्रिजगत् जगत्त्रयं यस्य तत्); **ii** not considered, not intended आग्नेयादीनां चातन्त्रितावान्तरव्यापाराणां परमकार्यसाधनत्वमापादयेत् NyāyRaMā. 85. 22 (comm. GOS. Ed. p. 106 अतन्त्रितमनपेक्षितम्)

[2]**अतन्त्रित** (a-tantrita) *adj.* [= **अतन्द्रित**] not lazy, careful, assiduous धूपपुष्पोपहाराभ्यां पूजां चक्रुरतन्त्रिताः MārkP. 109. 60; इमं विधिं यो हि पठेदतन्त्रितः समाहितः संसदि पर्वसंधिषु । अपत्यभाग्भवति VāyuP. ii. 21. 77; दिवोदितानि कर्माणि स्वकाले न कृतानि चेत् । शर्वर्याः प्रथमे भागे तानि कुर्यादतन्त्रितः GobhiGS. i. 5. 56 (comm.); धारयेद्वारुणीं मन्त्री तुष्टयर्थं चाप्यतन्त्रितः AgniP. 374. 15; पात्रेषु विश्वासपात्रेषु निःक्षिपेत् अतन्द्रितः (v. l. अतन्त्रितः) निरालसः RājNiRa. 7. 20; यद्यन्यस्तावदनान्यभक्तो कुर्यादतन्त्रितः । न तत्र कश्चिद्दोषः स्याद्धरिसेवा यतः कृता SātvaT. 4. 39.

अतन्त्री (a-tantrī) *adj.* (*f.*) without strings नातन्त्री वाद्यते वीणा नाचक्रो वर्तते रथः Rāmā. ii. 34. 25 = SiṁhāDvā. 211. 12; अतन्त्री वाग्वीणा … अस्यास्तारुण्यं भुवनविपरीतं घटयति SaduktiKa. 69. 17; *f.* devoid of a string (i. e. of loosened string) वल्लकि व(? क)रात्तन्त्रीमतन्त्रीं कुरु । … वाचः श्रुताः सुभ्रुवः SaduktiKa. 117. 20.

अतन्त्रीकरण (atantrī-karaṇa) *n.* treating (a particular factor) as insignificant उद्धरणभेदस्य प्रकृतावेवातन्त्रीकरणात्तस्य वचनमेव न्याय्यमित्याह MayūMāli. 633. 1 (*on* ix. 4. 1)

अतन्त्रीकृत (atantrī-kṛta) *adj.* made insignificant or useless यदैव नैतदेवमित्यादिना वेदाध्ययनमतन्त्रीकृतम् Kāśi. i. 34. 14 (*on* 1. 74) यदैव ह्यन्यस्या-

पीति वेदाध्ययनमतन्त्रीकृतं तदैवाविशेषेण प्रागपि प्रसक्तिरुक्तैव NyāyRa. 24. 21 (*on* 1. 74)

अतन्त्रीकृत्य (antantrī-kṛtya) *ger.* having made (or set aside as) insignificant or unimportant भाष्यकारोदाहरणमतन्त्रीकृत्योदाहरणान्तरं दातव्यम् TantrVā. 35. 15 (*on* i. 2. 19); व्याकरणेन पुनरतन्त्रीकृत्यार्थं पदस्वरूपमात्रेऽन्वाख्यायमाने दूरादपेतमेवार्थज्ञानम् TantrVā. 210. 9 (*on* i. 3. 18); नात्र मानान्तरमतन्त्रीकृत्य बुद्धवचनमात्रस्य सत्यतावगता Kāśi. i. 128. 7 (*on* 2. 122); यदि हि क्रमविशेषमतन्त्रीकृत्यैव प्रयोगविधिः … अनिवृत्तव्यापारस्तदा पश्चात्किं चिन्त्यते TantrRa. 232. 16; तथा विकृतिष्वप्युद्धारभेदमतन्त्रीकृत्य प्रयोगसमवेतसमस्तवंत्रीयत्ता मन्त्रेण प्रकाशयितव्या S'āstrDī. 633. 3 (*on* ix. 4. 1); वाक्यं विद्यायोनिशरीरावसानमवगमयति उत शरीरमतन्त्रीकृत्य फलभोगावसानमवगमयति S'rutaPra. ii. 591. 20 (*on* iv. 1. 19); अत एव … पाठक्रममतन्त्रीकृत्य सर्वैरेव (नैराकाङ्क्ष्यम्) BhāṭṭDī. iv. 83. 12 (*on* x. 7. 9); गौरवमतन्त्रीकृत्य सामा(? म)र्थ्यान्तरकल्पनमप्यपास्तम् MīmāKau. i. 300. 9 (*on* i. 4. 30); ii. 79. 18 (*on* ii. 3. 24); ii. 86. 3 (*on* ii. 1. 24); ii. 145. 5 (*on* iii. 1. 8); अत्र च द्वादशीमतन्त्रीकृत्य पारणाहो ग्राह्यम् NirṇaSi. 68. 9; MānaMe. 22. 5; एवमिहापि गुणप्रकाशनमतन्त्रीकृत्य तन्मुखेन गुणप्रकाशन एव तात्पर्यम् MayūMāli. 111. 6 (*on* ii. 1. 5); 348. 27 (*on* iv. 1. 12); 464. 19 (*on* vi. 2. 5)

अतन्द्र (á-tandra) *adj.* **A i** unwearied, free from lassitude, indefatigable अन्तर्विद्वाँ अध्वनो देवयानानतन्द्रो दूतो अभवो हविर्वाट् ṚV. i. 72. 7; सः … अभवत् … अतन्द्रो दूतो यजथाय देवान् ṚV. vii. 10. 5; अतन्द्रो हव्या वहसि ṚV. viii. 60. 15; अतन्द्रो द्वे रूपे कृणुते रोचमानः AV. xiii. 2. 42; अतन्द्रो देवः सदमेव प्रार्थः TaiA. iii. 14. 2 (347. 3); भवान् शास्ता शिष्यः पुनरयमतन्द्रः MahāvīC. 283. 20 (after v. 46; App. A); कुर्यात्कार्यमतन्द्रः KandCū. i. 4. 18; **A ii** alert, ever active, vigilant दशेमं त्वष्टुर्जनयन्त गर्भमतन्द्रासो युवतयो विभृत्रम् ṚV. i. 95. 2; अतन्द्रासः … ते पायवः … अग्ने तव नः पान्त्वमूर ṚV. iv. 4. 12; TaiS. I. ii. 14. 5; यन्ति प्रमादमतन्द्राः ṚV. viii. 2. 18; यो अस्य सर्वजन्मन ईशे … अतन्द्रः AV. xi. 4. 24; अतन्द्रो यास्यन् हरितो यदास्थात् AV. xiii. 2. 28; प्रजा नित्यमतन्द्रेण यथाशक्त्यभिरक्षता Rāmā. ii. 2. 4; अतन्द्रबन्दिस्तुतिगुम्फशुम्भितम् … बभूव तज्जन्मदिनं महोत्सवः Rāgh. 1. 67; गोप्ता…सुजनवदनपद्मोन्निद्रभास्वान् अतन्द्रः EI. iii. 272. 24; **B i** not sleeping मतिधनमितरे सुदीर्घनिद्राप्रवणधियस्त्वयि निक्षिपन्त्यतन्द्रे AmṛUda. 4. 13; **B ii** not getting sleep क्षीणानां दुर्बलानां च … दीप्ताग्नीनामतन्द्राणाम् … क्षीरपानं विधीयते HārīS. i. 8. 27; **C** clean, bright, shining अजनि । चन्द्रश्चन्द्र इवातन्द्रः शरत्समुदयोद्यमे SāhiDa. 519. 9 (comm. अतन्द्रो निर्मलः)

अतन्द्रचन्द्राभरणा (atandracandrābharaṇā) *adj.* (*f.*) beautified with the shining moon अतन्द्रचन्द्राभरणा समुद्दीपितमन्मथा … श्यामा सानन्दं न करोति किम् KāvyPra. 146. 5 (comm. अतन्द्रः मेघाद्यनावृततया स्फुरद्रूपः)

अतन्द्रधी (atandra-dhī) *adj.* of alert mind अथाह्वास्त महीचन्द्रोऽतन्द्रधीश्चन्द्रशेखरः । मन्त्रिणम् MalliC. 1. 421.

अतन्द्रभद्रदन्तिन् (atandra-bhadradantin) *m.* active or prompt *bhadra*-kind of elephant चङ्गः संगमकस्याथ जीवः पीवरपुण्यभूः । अतन्द्रभद्रदन्तीव भद्राकुक्षात्ववातरत् S'āliC. 2. 48.

अतन्द्रम् (a-tandram) *adv.* without lassitude, energetically अतन्द्रमिन्द्रद्रुयुगं तथाविधं समेयुषा मन्थरगामिना त्वया ।… परिपातितौ तरू Nārāy. x. 48. 6.

अतन्द्रय (atandraya-) P. [*denom.*] to quicken, to send fast अत्यन्तशीतलमतन्द्रयतु क्षणार्धं…अक्षिप्ररोहमचिरान्मयि कामकोटि MūkaPañ. 1. 24.

अतन्द्रालु (a-tandrālu) *adj.* [P. iii. 2. 158] not being in the habit of being lazy, without lassitude, ever active अनिद्रालुरतन्द्रालुर्जागरूकः प्रमामयः (जिनेन्द्रः) MahāP. 25. 207; मृगयाल्वनिद्रालुचरैरतन्द्रालुभिरस्तु नो यैरिदमप्यबोधि DvyāśraKā. 12. 21; अहम् … अतन्द्रालुना … मकरन्दनाम्ना बालवयस्येन समं यानपात्रमधिरूढः KaumuMi. 1. 16 (5)

अतन्द्रि (a-tandri) *adj.* alert, active विजयानन्दरङ्गः … आहूय चान्द्रिमतन्द्रिम् ĀnandRa. 6. 34 (9)

अतन्द्रिका (a-tandrikā) *f.* absence of sluggishness लक्षणानि च वक्ष्यामि सम्यग्वान्तस्य देहिनः । लघुरामाशये शुद्धिः हृच्छुद्धिश्चाप्यतन्द्रिका BhelaS. 243. 3 (*on* 8. 1)

अतन्द्रित (a-tandrita) *adj.* [*f.* -ā] **A i** unwearied, free from lassitude, unfatigued, ever active, energetic **A ii** alert, watchful, vigilant **A iii** flawless, careful, cautious **A iv** prompt, quick, losing no time **A v** continuously doing, leaving no gap in between, regular in action **A vi** persevering, making persistent efforts **A vii** having concentration of mind, quite attentive, completely devoted **A viii** long-lasting **B** not sleeping **A i** unwearied, free from lassitude, unfatigued, ever active, energetic द्विजातिरतन्द्रितो नित्यं गृहे … नारायणमर्चयेत् VaikhāGS. 4. 12; अत्यक्रामत्स दुर्गाणि दिवारात्रमतन्द्रितः MahāBhā. iii. 38. 29; iii. 39. 28; ये च त्वां मनुजा लोके कीर्तयिष्यन्त्यतन्द्रिताः । भयं तेषाम् … न भविष्यति MahāBhā. iii. 70. 33; iii. 160. 28; दापयित्वा करं धर्म्यम् … अशेषान्कल्पयेद्राजा योगक्षेमानतन्द्रितः MahāBhā. xii. 72. 11; xii. 88. 9; xvii. 1. 11; श्राद्धी श्राद्धैरतन्द्रितः HariVaṁ. i. 11. 38; प्राणायामांश्चरेत्त्रींस्तु यथाकालमतन्द्रितः AtriSm. 2. 1; जपेच्च जुहुयाच्चैव नित्यमग्निमतन्द्रितः ManuSm. 4. 145; अतन्द्रिता सा स्वयमेव वृक्षकान् घनस्तनप्रस्रवणैर्व्यवर्धयत् KumāSaṁ. 5. 14; कीनाशान्नाशयन्ति स्म पृथिव्यां प्रागतन्द्रिताः । वैश्यानेव तु तानाहुः VāyuP. i. 8. 157; ii. 39. 257; इमं विधिं यो हि पठेदतन्द्रितः … स व्रजते सलोकताम् BrahmāṇḍP. ii. 19. 73; राजपत्न्यौ … सर्वकालमतन्द्रिते । मुनेरतनुतां प्रीतिम् BrahmāṇḍP. ii. 51. 22; iii. 34. 68; कुर्यात्कर्माण्यतन्द्रितः ViṣṇuP. iii. 11. 98 = BhojanKu. 219. 4 (1); एकान्तराशी वश्यात्मा भव भिक्षुरतन्द्रितः MārkP. 16. 5; स्नपनं पूजनं चैव विभोः कुर्यादतन्द्रितः PāraS. 17. 306; अर्चनीयं यथाकामं मन्त्रनाथमतन्द्रितैः PauṣkS. 26. 18; 31. 249; (ऋषिः) नृपतेरतन्द्रितं सुतं समादिदेश JānaHa. 5. 11; बलवानतन्द्रितः MāṇḍūS'i. 12. 7; ब्राह्मे मुहूर्ते पुरुषस्त्यजेन्निद्रामतन्द्रितः CārucaS'. 128 = S'ārṅgaPa. 1504; भाजनव्यञ्जनानां च तथा कुर्यादतन्द्रितः (प्रक्षालनम्) AṣṭāSaṁ. i. 49. 1 (1. 8); धनमहं सर्वम् … अर्पयामि सुखं येन तिष्ठत्ययमतन्द्रितः BṛKathāK. 102 (10). 24; भगवच्छिक्षितमहं करवाणि ह्यतन्द्रितः BhāgP. ii. 9. 28; पञ्च यज्ञान् सदा … कुर्यान्नित्यमतन्द्रितः ViṣṇuDhaP. ii. 95. 8; ii. 125. 100; अकामः पौरुषं सूक्तं जप्त्वा नित्यमतन्द्रितः ViṣṇuDhaP. ii. 129. 14; निराहारस्तपस्तेपे स्मरन् गुरुमतन्द्रितः VarāP. 38. 6; प्रातः सर्वौषधीस्नानं कृत्वा शुचिरतन्द्रितः … गृही गृहं प्रविशेत् AgniP. 65. 14; क्षीरानुपानं पित्तोत्थे पिबेत्सर्पिरतन्द्रितः SiddhYo 13. 1; वेदोदितं स्वकं कर्म नित्यं कुर्यादतन्द्रितः PadmP. i. 54. 13 = SaurP. 17. 40; iv. 71. 28; iv. 89. 49; शूद्रस्तु ब्राह्मणादीनां पूजां कुर्यादतन्द्रितः BṛDharmaP. ii. 4. 14; ii. 4. 3; श्रद्धापूतेन चित्तेन श्राद्धं कुर्यादतन्द्रितः Mānaso. i. 14. 111; iv. 7. 1025; वस्त्राणि षोडशाष्टौ वा शुक्लसूक्ष्माण्यतन्द्रितः VasiS. 43. 12; सुमतीन्द्रं तमतन्द्रितं स जित्वा ।… विमतग्रन्थममन्थरं ममन्थ S'aṅkaDigVi.(Mā.) 15. 139; एतेऽपराधाः … शृण्वेषां प्रतिक्रिया(? याम्) यावज्जीवं परिचर्ये(? रे)दतन्द्रितः SātvT. 7. 52; तस्मात्पुरुषकारेण यत्नं कुर्यादतन्द्रितः Hitopa. 0. 21; साधनं चोक्तमार्गेण कुर्याल्लक्षमतन्द्रितः TantrRā. 13. 20; वेश्यादिदर्शनं विद्वन्मैत्रीं कुर्यादतन्द्रितः S'ukraNī. 3. 130; धर्मज्ञः सचिवः कश्चित्तदपेक्षेदतन्द्रितः NītiPra. 8. 52; **A ii** alert, watchful, vigilant धृतराष्ट्रेन चाज्ञप्ता उषिता जातुषे गृहे … संवत्सरमतन्द्रिताः MahāBhā. i. 476*. (9); न चास्य शक्नुमः सर्वे प्रिये स्थातुमतन्द्रिताः MahāBhā. iii. 8. 16; iii. 178. 10; ततः सुदीर्घं गत्वा … श्रान्तः कच्चिन्न शरणं लभाम्यहमतन्द्रितः MahāBha. iii. 186. 80; v. 13. 14; v. 150. 13; सौमदत्तिस्तु राजानं मणिमन्तमतन्द्रितम् … पर्यवारयत् MahāBhā. vii. 24. 51; यदि न प्रणयेद्राजा दण्डं दण्ड्येष्वतन्द्रितः MahāBhā.xii. 17* = ManuSm. 7. 20; (कैकेयी) प्रवासयति … वनवासे … सानुक्रोशमतन्द्रितम् Rāmā. ii. 43. 6; (प्लवङ्गमाः) परिपेतुर्बिले तस्मिन्कंचित्कालमतन्द्रिताः Rāmā. iv. 49. 17; vi. 131*(2); य इदं धारयिष्यन्ति धर्मशास्त्रमतन्द्रिताः…ते यास्यन्ति त्रिविष्टपम् AtriSm. 27. 399; उत्तानं शाययेच्चैनं सप्तरात्रमतन्द्रितः SuśruS. iv. 3. 39; iv. 40. 6; पश्चात्पिबेत्क्षीरमतन्द्रितश्च SuśruS. vi. 41. 42; अध्येष्यमाणं तु गुरुर्नित्यकालमतन्द्रितः । अधीष्व भो इति ब्रूयात् ManuSm. 2. 73; तौ धर्मं पश्यतस्तस्य पापं चातन्द्रितौ सह ManuSm. 12. 19 (ManvaVi. अतन्द्रितौ नित्यप्रकाशौ); इदं चक्रं वर्तमानमतन्द्रिताः । ततः प्राप्स्यथ यद्धितम् VāyuP. i. 1. 165 = BrahmāṇḍP. i. 1. 157; इतरे च यथा वर्णाः स्वे स्वे कर्मण्यतन्द्रिताः … (चक्रुः) क्रियाः MārkP. 130. 8; (सः) ददर्श … व्यवहारानतन्द्रितः RaghuVa. 17. 39; (ते मोक्षमभिव्रजन्ति) अतन्द्रिताः संपरिगृह्य योगम् VarāṅgaC. 10. 15; गोपालको यथा…गाः संरक्षत्यतन्द्रितः MahāP. 42. 139; स्वपित्ययमतन्द्रितः RāmC. 9. 10; किं निमज्जसि मायायां पश्य तत्त्वमतन्द्रितः RāmC. 31. 114; त्वं तु धर्मरतो नित्यं पालयैतदतन्द्रितः KūrmaP. 225. 8 (*on* i. 20); 647. 10 (*on* 2. 27); गृही कर्मण्यतन्द्रितः । आत्मानं शोधयेत् AgniP. 27. 74; नन्दी शिलां गृह्य … अतन्द्रितः आराधयामास हरम् NīlaP. 1049; चकर्ष च धनुः कामः पुनः पुनरतन्द्रितः VarāP. 146. 25; अयं तत्पत्तनं याति नक्तंदिवमतन्द्रितः BṛKathāK. 138. 51; पूर्वाह्णे भोजयेन्नागं प्रतिपीतमतन्द्रितः Hastyāyur. 26. 5 (*on* 1. 2); कृत्वैतदास्ते त्वद्द्वारि दिवारात्रिमतन्द्रितः BṛKathāMañ. ix. 2. 282; निर्माल्याद्यैश्च संधूप्य रक्षेच्छिशुमतन्द्रितः ĪśānS'iPa. i. 41. 70; यस्तु पुत्रो न निस्तारं पितुः कुर्यादतन्द्रितः PadmP. iv. 94. 80; iv. 81. 66; भार्या रक्ष्या सर्वभूतैर्यथाशक्ति ह्यतन्द्रितैः DevīBhāP. i. 11. 48; नागमिष्याम्यहं पुत्र कुरु राज्यमतन्द्रितः DevīBhāP. vii. 12. 59; iii. 20. 13; तदाचख्युः ससंदेहाः परस्परमतन्द्रिताः KathāSaSāg. x. 10. 43; राजानस्ते … सर्वतः कृतसंरक्षा दिवानिशमतन्द्रिताः KathāSaSāg. xiv. 3. 82; राजा महीरुहं पृष्ठे कृत्वा पृच्छे(पश्ये)दतन्द्रितः Mānaso. iv. 15. 1658; अनघोऽयमतन्द्रितः क्रियायाम् … कुतोऽसौ (भीष्मः) मतिमोहेन गृहीतः Yādavā. 15. 98 (comm. अतन्द्रितः

सदैवावहितः); प्रागेव प्रतिकुर्वीत तन्निमित्तमतन्द्रित SūktiRa. 156.22; गोपायितारं दातारं धर्मनित्यमतन्द्रितम् ··· अनुरज्यन्ति मानवाः SūktiRa. 162.8; (स्थपतिः) अमात्सर्योऽनपूयश्चातन्द्रितस्त्वभिजातवान् (स्यात्) MayaMa. 5.16; अपि मृद्व्या गिरा लभ्यः सदा जागर्त्यतन्द्रितः SabhāS'. 77; सामन्तक्ष्मेशसङ्घैः ··· अतन्द्रितैरनुगतः ··· स नारसकेसरी ĀnandRa. 7.35 (11); 2.16 (6); चौरवत् त्रासयेद्राजा लेखकं द्रागतन्द्रितः S'ukraNī. iv. 5.61; **A iii** flawless, careful, cautious नित्यमतन्द्रितः AVPari. 46.2; शिश्नं गृहीत्वा उत्थाय यथा गन्धलेपक्षयकरं तथा अतन्द्रितः शौचं कुर्यात् ĀgniveGS. 104.15 (*on* ii. 6.8) = ParaS. 2.43 = YājñaSm. 1.17; तं यथा पुत्र नाभ्येषि तथा कुर्यास्त्वतन्द्रितः MahāBhā. iii. 136.15; शिष्टाचारं निषेवन्ते नित्यं धर्मेष्वतन्द्रिताः MahāBhā. iii. 198.92; v. 3.22; एवमेतान्योगदोषाञ्जयेन्नित्यमतन्द्रितः MahāBhā. xii. 232.7 = BrahmP. 235.43; उदकं ··· प्राश्नीयादानुपूर्व्येण यथादीक्षमतन्द्रितः MahāBhā. xiv. 46.12; व्रणं सीव्येदतन्द्रितः SusruS. iv. 2.61; vi. 18.106; एवं चरति यो विप्रो ब्रह्मचर्यमतन्द्रितः। स गच्छत्युत्तमं स्थानं VisnuSm. 28.22; 23.42; जितेन्द्रियैस्तु भाव्यं स्यादहोरात्रमतन्द्रितैः BrParāSm. 7.28; 12.105–106; आगमं संस्करोति यः। अतन्द्रितः सदा विद्धि तं शास्त्रज्ञं हि वैष्णवम् JayāS. 22.53; समाहितः कुर्यात् प्राणायाममतन्द्रितः VrGautaSm. 593.11 (13); प्राणायामान्धारयेत् त्रीन्यो यथाविध्यतन्द्रितः। ··· पापं तत्क्षणादेव नश्यति VasiSm. 26.1; स्नेहस्वेदौ च सेवेत मासमेकमतन्द्रिता KāsyaS. 306B.8 (comm. प्रमादरहिता); शुक्लतण्डुलदूर्वादि तत्र दद्यादतन्द्रितः BrDharmaP. i. 57.14; कुर्यादतन्द्रितः शौचं विशुद्धैरुद्धृतोदकैः PadmP. i. 52.45; एवं मन्त्राः प्रयोक्तव्याः सर्वकर्मस्वतन्द्रितैः BhaviP. 222A.12 (i. 149.19); यः स्मरेत्सततम् ··· नारायणमतन्द्रितः BrahmP. 61.50; पौर्णमास्याममावास्यां वर्षमेकमतन्द्रिता। उपवासरता नारी LiṅgaP. i. 84.15; उदकोदरे ततः कर्म कुर्याद्भिषगतन्द्रितः AśvaVai. 52.24; 30.49; ईदृक् चतुर्बलम् ··· कुर्यादतन्द्रितो राजा शत्रुसंहरणोद्यतः Mānaso. ii. 6.684; अतन्द्रितान् प्रमादशून्यान् ManvaVi. 785.3 (*on* 7.61); एतदङ्गोकुर्यादतन्द्रितः S'ukraNī. 4(5).124; **A iv** prompt, quick, losing no time याहि देव यतो दैत्याश्चोदयाश्वानतन्द्रितः MahāBhā. viii. 24.113; ता गत्वा पितरं प्राहुः प्रजापतिमतन्द्रिताः MahāBhā. ix. 34.45; ix. 41.34; मां भोः प्रक्षिप होत्रे त्वं गच्छ स्वर्गमतन्द्रितः MahāBhā. xii. 264.9; (सुग्रीवः) कुर्वन् युक्तमतन्द्रितः। जग्राह ··· मालाम् Rāmā. iv. 22.18; अग्निदीप्तिमतन्द्रितां करोति ··· निद्रा काले निषेविता SusruS. iv. 24.88; अवनीपतिः। मन्त्रिवृद्धं समाहूय पप्रच्छ तमतन्द्रितः DeviBhāP. iii. 17.1; vii. 9.18; (अहम्) मयैव स्थापितां (सीतां) नीत्वा यातायोध्यामतन्द्रितः AdhyāRā. iii. 8.6; vi. 5.70; कामं विवृणुते काकुरर्थान्तरमतन्द्रिता KāvyMī. 32.24; **A v** doing continuously, leaving no gap in between, regular in action ततश्च वायुभक्षोऽभूत्संवत्सरमतन्द्रितः MahāBhā. i. 81.15; तस्य कामांश्च भोगांश्च नरा नित्यमतन्द्रिताः। उपजह्रुः MahāBhā. i. 106.11; अतन्द्रितो नित्यमुदेति सूर्यः MahāBhā. v. 29.8; xiii. 15.6; तत्र चाप्सरसः ··· नित्यकालमतन्द्रिताः ··· क्रीडन्ति MahāBhā. ix. 36.4; योऽधीतेऽहन्यहन्येतां त्रीणि वर्षाण्यतन्द्रितः ManuSm. 2.82; (वैष्णवः) कामतो ब्राह्मणं हत्वा ··· जपेत्। अतन्द्रितः सिंहमन्त्रम् JayāS. 25.23; तन्मम प्रीतये पुत्राः प्रजावृद्धिमतन्द्रिताः। कुरुध्वम् VisnuP. i. 14.11; ते तेजसो वृद्धिं वाञ्छाम्यहमतन्द्रिता DeviBhāP. vi. 9.38; उवास पुष्करे राम शतवर्षमतन्द्रितः BrahmāndP. ii. 34.7; ii. 56.46; क्षीराब्धिमत्सहायेन निर्मथध्वमतन्द्रिताः AgniP. 3.5; PratyabhiHr. 40.15 (18); नित्यं सायंप्रातरतन्द्रितः। उपस्थानं गवां कुर्यात् VisnuDhaP. ii. 126.44; iii. 136.18; लोकाः सपाला यच्छन्ति सर्वे बलिमतन्द्रिताः BhāgP. vi. 14.20; अदितिः ··· अन्वतिष्ठद्व्रतमिदं द्वादशाहमतन्द्रिता BhāgP. viii. 17.1; अनेन विधिना नित्यं जपेदब्दमतन्द्रितः BhaviP. 92B.21 (i. 49.31); करिष्ये क्रीडनं पुनः। डिम्भः सार्धं सुखेनापि दिवारात्रावतन्द्रितः PadmP. ii. 122.24; iv. 82.49; यस्य प्रणम्य चरणौ ··· स्तुत्वा च वाग्भिरमलाभिरतन्द्रिताभिः। तं शंकरम् ··· शरणं व्रजामि PadmP. v. 28.174; त्रैवार्षिकाधिकान्तस्तु पिबेत्सोममतन्द्रितः S'aṅkhaSm. 5.16; त्रिफलाकाथगोमूत्रं पिबेत्प्रातरतन्द्रितः SiddhYo. 40.15; एवं प्रतिदिनं कुर्यात्सप्तरात्रमतन्द्रितः AśvaVai. 13.38; **A vi** persevering, having persistent efforts तां नावं सोऽथ मत्स्यकः। चकर्षातन्द्रितो राजन् MahāBhā. iii. 185.43; भक्तस्त्वम् ··· स्थिरबुद्धिरतन्द्रितः JayāS. 10.100; (नायकः) उपचारपरैर्लेखैः साधयेत्तामतन्द्रितः S'ṛṅgāTi.(Ru.) 2.36; अशक्तस्तु जपेदेतद्दीर्घकालमतन्द्रितः ParaS. 16.40; यदि यूयं मुनिश्रेष्ठा मोक्षमिच्छथ शाश्वतम्। तस्मिन् क्षेत्रवरे पुण्ये निवसध्वमतन्द्रिताः BrahmP. 177.28; तस्मात्सर्वप्रयत्नेन मोक्षहेतोरतन्द्रितः। वासुदेवमुपासीत ParaS. 3.22; (प्रादुरासीत्) सारिकाशुकवृन्दानां धरणे ··· प्रीतिः अतन्द्रिता (राजसाया हृदम्बुजे) ParamāKā. 177.21; **A vii** having concentration of mind, quite attentive, completely devoted योगी नित्यमतन्द्रितः। ध्यायेत पुरुषं विष्णुम् VisnuSm. 97.16; शास्त्राध्ययनमाचरेत्। अतन्द्रितश्च सततम् JayāS. 16.314; शुश्रूषा यत्र वो विप्रास्तच्छृणुध्वमतन्द्रिताः BrahmāndP. i. 17.2; i. 27.5; ii. 7.204; मनोऽनुकूलैश्च ह्युपचारैरतन्द्रिता। देवी ··· अगात्तम् BrahmāndP. ii. 72.153; जपं कुर्यादतन्द्रितः DevaSm. 32; गुरूपदेशाद्विज्ञेयं कालज्ञानमतन्द्रितैः SūrySi. 13.20 (comm. अभ्रान्तैः (सावधानैः)); सर्वः ··· सन्ध्यामुपासीत सर्वकालमतन्द्रितः LaVisnuSm. 2.2; बद्ध्वासनमतन्द्रितः। ध्यायन्मन्त्रं जपेद्विद्वान् MrgendraT. iv. 1.87; मनो दुष्टमसत्पथम्। बुद्ध्या युञ्जीत शनकैर्जितप्राणो ह्यतन्द्रितः BhāgP. iii. 28.7; (कनकस्थलीं) सरेत्पुनरतन्द्रितो विगतपद्दतरङ्गां बुधः PadmP. iv. 99.25; PañcaRā.(Nā.) iii. 5.5; साधकः ··· जपेत्। तल्लक्ष्यस्तन्मयो भूत्वा लक्षद्वयमतन्द्रितः MāliniT. 10.14; गोप्यः ··· संस्नाताः प्रयताश्चैव न्यासं चक्रुरतन्द्रिताः ĀdiP. 17.64; एतच्छिवपुराणं हि यः प्रत्यहमतन्द्रितः। पठेत् ··· स जीवन्मुक्त उच्यते S'ivaP. 2A.11 (i. 2.21); शालग्रामशिलायां वा पूजयेन्मामतन्द्रितः AdhyāRā. iv. 4.14; अतन्द्रितः लयविक्षेपहीनः JñānDī. (*on* MahāBhā. v. 45.24); (साधकः) मातृकाणां न्यासं कृत्वा त्वतन्द्रितः (मन्त्रसन्ध्यामुपासीत) GaneP. i. 11.13; कुर्यात् ··· जपमारब्धमन्त्रस्य ब्रह्मपूर्वमतन्द्रितः PauskS. 29.63; कृतवन्तस्तपश्चर्यां जपन्तो मामतन्द्रिताः BrBrahmS. i. 2.38; (पुरुषः) अतन्द्रितः। समाधिना परं देवं सततं हृदि धारयेत् ParaS. 10.57; अभ्यासात्सिद्धिमाप्नोति सर्वयोगेष्वतन्द्रितः HatPra. 1.64; शिक्षेथास्त्वमाचार्यादतन्द्रितः ParamāKā. 66.92; **A viii** long lasting अवध्ये शन्तनोः पुत्रे हते भीष्मे महौजसि। अभावः सुमहानासीत्कुरूणामतन्द्रितः MahāBhā. vi. 114.105; **B** not sleeping यस्त्वेकवारं पठति पक्षमेकमतन्द्रितः LalitāSa. 275 (comm. अतन्द्रितो निद्राप्रमीलादिरहितः ··· तेन च निशीथेऽयं प्रयोग इत्यपि सूचितम् LalitāSaBh. 216.7); अनायासप्रदायीनि कुर्यात्कर्माण्यतन्द्रितः BhāvPra.(Bhā.) 5.176 (comm. अतन्द्रितः निरन्तरं जाग्रत् तिष्ठेन्न तु स्वप्यात्); सिषेवे शयनं रात्रौ याममात्रमतन्द्रितः KathāSaSāg. iii. 3.101.

अतन्द्रितचेतस् (atandrita–cetas) *adj.* having no disinclination of mind मथुरापुरदेवताः ··· भक्तजने वरं ददुरशेषमतन्द्रितचेतसः Yādavā. 3.6 (comm. अनुत्पन्नवैरस्यं चेतो यासाम्)

अतन्द्रितधी (atandrita–dhī) *adj.* with full concentration of mind, with alert mind जपतु लक्षमतन्द्रितधीर्मनुम् ĪśānS'iPa. i. 15.17.

अतन्द्रितम् (a–tandritam) *adv.* **i** actively, indefatigably अतन्द्रितं च देवीभिर्व्यस्यमानं गृहाङ्गणे ··· बलिम् MahāP. 14.202 (comm. अजाड्यं यथा भवति तथा); **ii** devotedly अहमाराधितस्ताभ्यां पूर्वजन्मन्यतन्द्रितम् GaneP. i. 16.26; **iii** without fail ममाश्रीनि त्वया पुत्र क्षेपणीयान्यतन्द्रितम् S'ivaP. 355A.1 (iv. 5.28); **iv** continuously (विप्राः) वृता ये शम्भुराजेन कर्तुं जपमतन्द्रितम् ParamāKā. 164.55.

अतन्द्रितमनस् (atandrita–manas) *adj.* one who has an alert mind अतन्द्रितमना आसीत्सा तल्लिङ्गनिरीक्षणे SkandP. iv. 74.77.

अतन्द्रिता (a–tandritā) *f.* **i** absence of lethargy निद्रा तु सेविता काले धातुसाम्यमतन्द्रिताम् ··· करोति BhāvPra.(Bhā.) 5.314; **ii** absence of sleep लघुत्वमाशये शुद्धिर्हृच्छुद्धिश्चाप्यतन्द्रिता BhelaS. 8.1 (ChaukhambaSS. 1959 Ed.)

अतन्द्रितात्मन् (atandritātman) *adj.* whose mind is free from lassitude करोति कर्मेतदतन्द्रितात्मा न जातु लाभाद्विनिवर्ततेऽसौ VisnuDhaP. ii. 83.13.

अतन्द्रिन् (a–tandrin) *adj.* **i** alert, wakeful अभिप्रायं यो विदित्वा तु भर्तुः सर्वाणि कार्याणि करोत्यतन्द्री MahāBhā. v. 37.23; जागर्तव्यमतन्द्रिभ्यामद्यप्रभृति रात्रिषु Rāmā. ii. 47.3; ii. 81.23; वर्षाणां व्यधिकाशीतिरत्यक्रामदतन्द्रिणाम् PrabhāC. 181.27; **ii** careful, attentive अस्य शुश्रूषणं कार्यं मया नित्यमतन्द्रिणा MahāBhā. xii. 41.5; भूपतेरनुमतो द्विजवर्यो भावयेदनिशमेतदतन्द्री AhirbuS. 24.26; अनेन भवितव्यं च दिव्यं कल्पमतन्द्रिणा। सर्वविद्याधरेन्द्राणामचिराच्चक्रवर्तिना KathāSaSāg. iv. 3.74; **iii** having full faith in प्राचीनावीतिना सम्यगपसव्यमतन्द्रिणा। पित्र्यमा निधनात्कार्यम् ManuSm. 3.279; अतन्द्रिणा ··· श्रद्दधानेनेति यावत् ManuBh. i. 323.20 (*on* 3.269)

अतन्द्री (a–tandrī) *adj.* alert, vigilant (यः) भर्तुः सर्वाणि कार्याणि करोत्यतन्द्री: MahāBhā. v. 37.23; अस्त्रेषु शिक्षासु ··· सम्यग्विनेता विनयत्यतन्द्रीस्तांश्चाभिमन्युः MahāBhā. iii. 180.28.

अतन्द्रीकृत (atandrī–kṛta) *adj.* made attentive, alert तेषु कौन्तेय रज्येथा येष्वतन्द्रीकृतं मनः MahāBhā. xii. 152.29.

अतन्नाश (a–tannāśa) *m.* annihilation of other than that (i. e. self) भोगेच्छा महामोहः। तामिस्रः क्रोधः। अतन्नाशे स्वनाशबुद्धिरन्धतामिस्रः VedāntRaMañ. 1.4 (43.19)

अतन्निग्रहसंप्राप्त (a–tannigrahasamprāpta) *adj.* who has not obtained that particular clincher अतन्निग्रहसंप्राप्तं तन्निग्रहनिमित्ततः। निगृह्णतो निग्रहः स्यादचोद्यस्यानुयोगतः TārkiRa. 356.7; 356.11.

अतन्निबन्धना (a–tannibandhanā) *adj.* (*f.*) not prompted by it (i. e. knowledge of benefit or purpose) न चैष नियमः सर्वत्र प्रयोजनपरिज्ञानपूर्विकैव प्रवृत्तिः स्वाध्यायाध्ययनेऽतन्निबन्धनायाः प्रवृत्तेर्दर्शनात् ManuBh. i. 1.17 (*on* 1.1)

अतन्निमित्तत्व (atannimitta–tva) *n.* the state of being other than

the cause of it (i. e. inference) प्रमाणव्यापारत्वेनातन्निमित्तत्वात् करणकारकादन्यत्वाद् अतत्पूर्वकत्वाच्चेति भाव: TātpaṬ.(Vā.) 169. 18 (*on* i. 1. 5); (i. e. the group of words) उत्पत्तौ वावचना: स्युरर्थस्यातन्निमित्तत्वात् MīmāSū. i. 1. 24.

अतन्निरसन (atan–nirasana) *n.* expelling or eliminating what is not that (i. e. Brahman) श्रुतयस्त्वयि हि फलन्त्यतन्निरसनेन BhāgP. x. 87. 41; अतन्निरसनमुखैर्वेदशीर्षैरहर्निशम् ।…गृहीता यदि योगिन: AdhyāRā. vii. 2. 75.

अतन्निर्धारण (a–tannirdhāraṇa) *n.* non-ascertainment of that (i. e. wish of the god) कर्म कर्तव्यमेवातन्निर्धारणे त्वाधुनिकानाम् AṇuBh. 249. 2 (*on* iii. 3. 42)

अतन्निषेध (atan–niṣedha) *m.* negation of what is not that (i. e. body etc.) तस्माद्यतोऽसावतन्निषेधानुप्राणितोऽहमित्यवमर्शो जात: 'अहं स्थूलो, न कृशो, न घटादि:' इति PratyabhiVi. i. 315. 2 (*on* i. 6. 5); (i. e. jar) अतन्निषेधपरस्य निश्चयस्यैव विकल्पत्वादिति भाव: Bhāsk. i. 306. 23 (*on* i. 6. 2)

अतन्निष्ठ (atan–niṣṭha) *adj.* which abides in other than that (particular thing), which does not abide in that (particular thing) तथा चोक्तम् – व्यापकं तदतन्निष्ठं व्याप्यं तन्निष्ठमेव च TātpaVṛ. 37. 14 (*on* 1. 27); न चातन्निष्ठम्…उपयुज्यते S'ivārkaMaDī. i. 118. 9 (*on* i. 1. 2)

अतन्निष्ठत्व (a–tanniṣṭhatva) *n.* absence of the state of abiding in that (i. e. word) अस्तु रूपादिवदवाचकत्वेनैवानुवेध इति चेत्, न, अतन्निष्ठत्वादारोपासम्भवाच्च S'atDū. 83. 8; (i. e. Brahman) नैतद्ब्रह्मणो लक्षणं भवितुमर्हति अतन्निष्ठत्वात् S'ivārkaMaDī. i. 118. 8 (*on* i. 1. 2); i. 120. 16 (*on* i. 1. 2)

अतन्निहित (a–tannihita) *adj.* not kept by him परनिहितमिति तन्निहितमेवातन्निहितमिति वदन्त इत्यर्थ: DaṇḍaVi. 286. 19.

अतन्मति (a–tanmati) *adj.* whose mind is not like that of any one of these (dull, blind etc.) जडान्धबधिरोन्मत्तमूकाकृतिरतन्मति: । लक्षित: पथि बालानाम् BhāgP. iv. 13. 10.

अतन्मध्यगत (a–tanmadhyagata) *adj.* not included among them (i. e. brothers) साधारणस्याप्यन्यस्यातन्मध्यगतस्य प्रतिषेध: ManuBh. i. 399. 19 (*on* 4. 209)

अतन्मय (a–tanmaya) *adj.* not consisting of or being without those (i. e. qualities *sattva* etc.) सत्त्वरूपं रजोरूपं तमोरूपमतन्मयम् । संसाररूपम् TantrRā. 36. 25.

अतन्मयीभाव (a–tanmayībhāva) *m.* lack of identification with that (the original feeling) पुनरनुभावप्रतिपादने हि पुनरुक्तमतन्मयीभावो वा Loc. 25. 20 (*on* 1. 4)

अतन्महिज्ञ (a–tanmahijña) *adj.* who does not know his greatness स: … गत्वा … अविध्यदतन्महिज्ञ: BhāgP. xi. 4. 7.

अतन्मात्रत्व (atanmātra–tva) *n* the state of being other than merely that, being not merely that (existing thing) सत्त्वं न सर्वसंग्राहकं, तस्य अतन्मात्रत्वे अनेकत्वसंभवात् कुतोऽवान्तरसङ्ख्या TarkSaṁ.(Ā.) 16. 9.

अतन्मात्रान्वयित्व (atanmātrānvayi–tva) *n.* the state of not accompanying only that much (साधनधर्ममात्रे) तस्यातन्मात्रान्वयित्वेऽर्थान्तरनिमित्ततया विशेषणेनातत्स्वभावता कथ्यते HetuBiṬ. 59. 12.

अतन्मूल (a–tanmūla) *adj.* [*f.* –ā] not based on that (i. e. *śruti*) तस्मादतन्मूला तदानीं सावधार्यते TantrVā. 93. 17 (*on* i. 3. 3); (i. e. means of valid knowledge) लोके प्रमाणान्तरमूलानां प्रामाण्यं अतन्मूलानां चाप्रामाण्यं दृश्यते S'āstrDī. 44. 1 (*on* i. 1. 5); (i. e. usage) प्रयोगमूला हि पाणिनिस्मृतिरार्यप्रयोगविरोधे चातन्मूला स्यात् VedāntKa. 462. 11 (*on* iii. 3. 52)

अतन्मूलत्व (atanmūla–tva) *n.* the state of not being based on that (i. e. Veda) विरोधादतन्मूलत्वमिति BālaKrī. i. 58. 17 (*on* 1. 50); (i. e. means of valid knowledge) अतन्मूलत्वे पुरुषार्थत्वहानिप्रसङ्गात् NyāyVārPari. 351. 3.

अतन्मोहत्व (atanmoha–tva) *n.* the state of not being the ignorance of that (particular person) अकल्प्यश्चेन्नान्यमोहोऽन्यस्य भाति तन्मोहाकल्पितत्वादतन्मोहत्वाच्च IṣṭaSi. 339. 7.

अतन्वतीतापद् (atanvatītāpad) *adj.* who has overcome many miseries ते शस्यमानस्य वासं सदातन्वतीतापदानन्दधानस्य सामानिन: CaturJiStu. 95 (comm. अतनवो बहुतरा अतीता आपदो यस्य तस्यामन्त्रणं अतन्वतीतापत्)

अतन्वान (a–tanvāna) *adj.* not weaving तन्तुवायस्यापि तन्तूनतन्वानस्यापि तन्वानस्येव वस्त्रलाभ: (स्यात्) BrahmSūBh.(S'aṅ.) 394. 1 (*on* ii. 2. 27)

अतन्वार्यधी (atanv–āryadhī) *adj.* having great noble intellect जिनपते…विभयातन्वार्यधी रक्ष माम् CaturJiStu. 61 (comm. अतनुरकृशा आर्या प्रशस्या धीर्यस्य)

अतप (atapa) *m.* name of a class of gods and their region (without heat or torment) सत्त्वजन्म कतमत् ।… अबृहेष्वतपेषु AbhidhSa. 36. 10; पञ्च शुद्धावासभूमय: अनृहा: अतपा: Yogācā. 76. 4; नात्र क्लेशास्तपन्तीत्यतपा: । … न परांस्तापयन्तीत्यतपा: Sphuṭā. 4. 7 (*on* 3. 2); *adj.* **i** not excited, cool [APTE]; **ii** unostentatious [APTE]; **iii** unemployed [APTE]

अतप:क्लेशसुभग (atapaḥkleśa–subhaga) *adj.* charming due to the absence of the troubles of penance सुकृतमतप:क्लेशसुभगम् Ekāva. 4. 6 (1) (142. 4) = 8. 36 (13) (280. 5)

अतपत्तपनाकार (atapattapanākāra) *adj.* having the appearance of the sun which does not burn अतपत्तपनाकारम् … दृष्ट्वैव तं मुनिं देवास्तत्रसु: S'ivLī 4. 7.

अतपन (a–tapana) *m.* other than the sun (without heat) (अवतीर्ण:) तपनमतपनम् … अमंस्त (समरकेतु:) TilaMañ. 212. 15.

अतपर (a–tapara) *adj.* not followed by *t* अणुदित् स्वस्यात्मनाभाव्योऽतपर: JaineVyā. i. 1. 72.

अतपस् (a–tapas) *adj.* one who does not practise penance यद् वा कृषेतो भूयोऽतप: (? अतपा:) तदेव तत् S'āṅkhāĀ. 1. 6; ते जनानां गतिं यान्ति…। नाबुद्धयो नातपस: MahāBhā. xii. 17. 23; अतपास्त्वनधीयान: प्रतिग्रहरुचिर्द्विज: ManuSm. 4. 190; नाल्पकालोषितायैतद्देयम् … नातपसे MṛgendraT. iii. 1. 65; विजिगीषुमप्यतपसं भजते न सपत्नकुल्यपरमाणुरपि RāmC. 26. 35; *n.* absence of penance, what is not penance स तु खलु मन्त्राणामतपसा … यदूनम् (करोति) GopBr. i. 1. 22; नातपसा युक्तो मन्येऽहं सुरसंगमम् MatsyaP. 148. 4; किं पुनस्तप: फलमतपसा मात्रादिशुश्रूषया ManuBh. i. 191. 22 (*on* 2. 229); अतपसि प्रेम तनुते SindūPra. 70.

अतपस्क (atapas–ka) *adj.* who has not practised penance, irreligious, impious रमन्ते पापाचारास्तपसस्तान्यपाप (v. l. पापाचाराण्यतपस्कान्यपाप) MahāBhā. iii. 113. 3; इदं ते नातपस्काय … न चाशुश्रूषवे वाच्यम् MahāBhā. vi. 46. 67 = BhagGī. 18. 67; अतपस्काय तपोरहिताय न वाच्यम् GītāBh.(S'aṅ.) 563. 12 (*on* 18. 67); अतपस्कायातप्ततपसे GītāBh.(Rā.) 691. 12 (*on* 18. 67)

अतपस्य (a–tapasya) *adj.* who neglects *tapas* or the practice of austerities, [MW]

अतपस्विन् (a–tapasvin) *adj.* [*f.* –ī] who does not practise penance यथाश्वा रथहीना:…। एवम्…विद्या चाप्यतपस्विन: AtriSm. 2. 11; VasiSm. 26. 18; (इदम्) नादान्तायातपस्विने … वाच्यम् MahāBhā. xii. 238. 16; xiii. 6. 17; न दुर्भग: … नातपस्वी धनुर्धर: (राम:) Rāmā. iii. 676; नातपस्विनो योग: सिध्यति YogBh. 57. 6 (*on* 2. 1); MāṭhVṛ. 39. 24 (*on* 23); अतपस्व्यनधीयान: प्रतिग्रहरुचिर्द्विज:…मज्जति AgniP. 209. 36; धनवन्तमदातारं दरिद्रं वातपस्विनम् । उभावंभसि मोक्तव्यौ SkandP. i(2). 2. 69; अत्र स्वयमतपस्विन्योऽपीत्युक्तमिति न पुनरुक्तम् AbhinBhā. ii. 382. 17 (*on* 17. 86); अतपस्विभि: । त्रिलोचनमनाराध्य कथं विद्याधिगम्यते BṛKathāMañ. i. 3. 40; द्वावम्भसि विनिक्षेप्यौ … दरिद्रं चातपस्विनम् SūktiRa. 163. 4; S'ārṅgaPa. 1551; अथातपस्विनस्तपस्विलिङ्गिनो दण्डमाह DaṇḍaVi. 115. 6; ब्राह्मणं चातपस्विनम् … देवा घ्नन्ति S'ukraNī. 1. 120.

अतपोविद्य (a–tapovidya) *adj.* not having done austerities and acquired learning अनासोऽहं किं करोमि अतपोविद्य एव च BrahmP. 107. 37.

अतप्त (á–tapta) *adj.* [*f.* –ā] **1** not heated, not boiled, cold अतप्ततनूर्न तदामो अश्नुते ṚV. ix. 83. 1; यदतप्तं प्रणमति न तत्संतापयन्त्यपि MahāBhā. v. 34. 34; xii. 67. 10; नातप्तं लोहं लोहेन संधत्ते ArthS'ā. ii. 248. 9 (7. 3); क्षीरं ग्राह्यमतप्तम् PāraS. 22. 59; (अद्भि:) वह्निना चाप्यतप्ताभिरक्षाराभिरुपस्पृशेत् S'aṅkhaSm. 10. 6; न चैकं तप्तमतप्तेनापरेण लोहं लोहेन संधीयते NalaCam 5. 2 (13); NītiVā. 30. 58; BṛKathāS'loSaṁ. 21. 206; क्षीरं यदतप्तमेतद्विकृतिं प्रयाति BhojanKu. 128. 18; 129. 8; **2** not illuminated तच्छुक्रं ज्योतिषां मध्येऽतप्तं तपति तापनम् MahāBhā. v. 45. 2; (ब्रह्म) तै: अतप्तम् अप्रकाशितं सत् तपति SanatBh. 290. 12 (*on* 4. 2); **3** not troubled, not oppressed क्षुद्रदु:खपरिक्लेशैरतप्तो घर्मतस्तथा सात्त्विक: SarvaSiSaṁ. 11. 10; क्षुत्तृड्दु:खक्लेशधर्मै(? र्मै)रतप्तो बुद्ध्या युक्त: सात्त्विक: BhāvPra.(Bhā.) 4. 72.

अतप्ततनू (átapta–tanū) *adj.* whose body is not heated अतप्ततनूर्न तदामो अश्नुते ṚV. ix. 83. 1; PañcBr. i. 2. 8; TaiĀ. i. 11. 1 (84. 1)

अतप्ततपस् (atapta–tapas) *adj.* who has not practised austerities समारोढुम् … नातप्ततपसा शक्य: (महारथ:) MahāBhā. iii. 43. 17; iii. 44. 4; iii. 109. 14; iii. 142. 25; iii. 245. 12; नातप्ततपसां सिद्धिर्महत्कर्माणि यान्ति SkandP. (i)2. 25. 6; ii(8). 1. 91; नातप्ततपसो लोके ये च पापकृतो जना: VāmaP. 85. 15; (य:) प्रदर्श्यातप्ततपसामवितृप्तदृशां नृणाम् BhāgP. iii. 2. 11; नातप्ततपसो यान्ति ब्रह्मलोकम् PadmP. vi. 28. 37 = S'ivaP. v. 12. 43 (420B. 9); नातप्ततपसो यान्ति शिवलोकम् S'ivaP. v. 20. 4 (428B. 7); (इदम्) शास्त्रम् … अतप्ततपसे त्वया न वाच्यम् GītāBh.(Rā.) 691. 12 (*on* 18. 67)

अतप्तम् (atapt–am) *adv.* in a manner which does not generate heat

तपस्ततं तपन: RāmāMañ. 436. 13.

अतप्तरहस (atapta-rahasa) *adj.* having no unobtainable secret, one who has disclosed the secret to the enemy अन्येऽप्यतप्तरहसा भियावरहसं ययुः DvyāśraKā. 19. 104 (comm. तथा भिया नास्ति तप्तरहसं तप्तं तप्ताय इवानधिगम्यं रहोऽप्रकाश्यं वस्तु येषां तेऽतप्तरहसाः । यद्वा । तप्तं रहो येषां ते तप्तरहसा न तथा-ऽस्वजी वेताश्यातिगोप्यं स्वाम्यादिमपि द्विषां दर्शयन्त इत्यर्थः)

अतप्त्रितप (á-taptritapa) *adj.* [DEBRU. p. 491] not having warming heat or rays तस्मा॑द्विहार्त॑प्त्रितपा॒: TaiĀ. i. 7. 4 (44. 1)

अतप्यमान (á-tapyamāna) *adj.* not being oppressed, free from grief अत॑प्यमाने॒ अव॒सावन्ती॒ अनु॑ ष्याम॒ रोद॑सी ṚV. i. 185. 4.

अतमबादि (a-tamabādi) *adj.* not having affixes beginning with *tamap* अतमबादेरीषदसमाप्ते कल्पप्-देश्यप्-देशीयर् SiddhaHe. vii. 3. 11.

अतमस् (a-tamás) *adj.* i devoid of darkness or ignorance एतद्वै॒ तद॒क्षरं गार्गि ब्राह्मणा॒ अ॒भिवद॑न्ति ··· अ॒तमोऽवा॒य्वना॑काश॒म् S'atBr. XIV. vi. 8. 8; न तमोऽस्त्येऽत्रतम: S'vetāUBh. 196. 6 (*on* 4. 18); अवरजः ··· अतमसं तमसन्नमिवा-करोत् RāmC. App. i. 37. 43; न क्रुधोऽवसर एष सांप्रतं गाढमान्ध्यमतमो नृणामसौ-HarVi. 14. 16; प्रथितमत्र जिनेन मनीषिणामतमसा रतरागमदारिणा CaturJiStu. 39; तत्राहं जगतां चक्षुः स्वामादित्य इवातमा: YaśasCam. ii. 395. 12; मणिप्रदीपैरत-मांसि गोप्यः प्रविश्य रम्याणि गुहागृहाणि Yādavā. 7. 66; तदक्षरम् ··· अतमोऽवायु: TattvPrakā. 46A. 7 (*on* i. 3. 12); ii devoid of nescience अतमस्तज्ज आत्मस्थो ज्योतिषां ज्योतिरात्मभा: IṣṭaSi. 378. 12.

अतमस् (a-tamas) *n.* absence of darkness or ignorance यदातमस्तन्न दिवा न रात्रिः S'vetāU. 4. 18; अस्तु तर्हि तम: अतम: BṛĀraUBh. 445. 1 (*on* iii. 8. 9); सत्यापैशुनातृष्णाप्रातिकूल्यातमोऽरतिलोकाद्वेष° °अहिंसा इत्येते मदनाशकराः SanatBh. 254. 3 (*on* 2. 24); तमो ध्वान्तमिति ज्ञेयमतमोऽक्षरमुच्यते BṛĀraUBh-Vā. iii. 8. 95.

अतमस्क (a-tamaska) *adj.* devoid of darkness, bright ताराधिपः पक्ष इवातमस्के BuddhaC. 2. 20; वास्तुविद्याकुशल: ···अतमस्कं (कुमारागारम्) ···कुर्यात् CaraS. iv. 8. 59 (1941 Ed.); निर्मत्कुणाखुमशकमतमस्कं च शस्यते AṣṭāSaṁ. ii. 173. 2 (6. 1)

अतमान (áta-māna) *adj.* [DEBRU. p. 774] wanderer, who enters in नू॒नम॑री॑रम॒दत॑मानं चि॒देतो॑: ṚV. ii. 38. 3; नाहं तन्तुं न वि जा॑ना॒म्योतुं न यं वय॑न्ति सम॒रेऽत॑मानाः ṚV. vi. 9. 2.

अतमाविष्ट (a-tamāviṣṭa) *adj.* [AltGr. II. 1. 65] not enveloped in darkness (i. e. nescience) अतमाविष्टमागच्छति MaitrīU. 428. 8 (6) (comm. अतमआविष्टं तमआवेशनरहितं संघाताद्विविक्तम्)

अतमिस्र (a-tamisra) *adj.* devoid of darkness, bright नभः । अवसन्न-तापमतमिस्रमभात् S'iśuVa. 9. 12; Subhāṣi. 1925.

अतमेरु (á-tameru) *adj.* [DEBRU. p. 513] not languid अत॑मेरु॒र्यज्ञोऽत॑-मेरु॒र्यज॑मानस्य प्र॒जा भू॑यात् VājaS. 1. 23.

अतमोरूपत्व (atamorūpa-tvá) *n.* the state of not being of the nature of darkness प्रकाशानामन्योन्यमितरेतराभावस्य अतमोरूपत्वात् IṣṭaSi. 68. 11.

अतमोविरोधित्व (atamovirodhi-tva) *n.* the state of not being opposed to darkness विमतं अतैजसं अतमोविरोधित्वात् TarkSaṁ. (Ā.) 38. 15 (1. 17)

अतर (a-tara) *adj.* i difficult to cross, not fordable उत्तेरुरतरान् नदान् Bhaṭṭi. 7. 55; (दुःखम्) कुखगस्यातरोऽम्भोधिः सर्पारेर्गोष्पदायते YogVā. v. 67. 3; ii difficult to overcome or resist समदनागमतयातरसारथिनोदधौ HarVi. 46. 67 (comm. अतरो दुर्लङ्घ्यः सारथिर्यस्य); अचरमतरं शृङ्गाराङ्गम् ··· प्रियचटुविधिः स्त्रीगाम् ··· अभवत् Kapphiṇā. 14. 35.

अतर (atara) *m.* a high number [DBHS]

अतरङ्ग (a-taraṅga) *adj.* 1 devoid of waves, not lashed by waves अन्तरङ्गः स देशो हि कश्यपेन पुरा कृतः Rāmā. iv. 810*(8); iv. 810*(12); Lakṣ-mīT. 34. 107; महामूल्येऽप्यत्रीचिस्त्वतरङ्गे नरकान्तरे AnekāSaṁ. 3. 127; Rāmā-Mañ. 206. 21; 2 not unstable, trustworthy क्रूरामरधनश्रुती । जातावत्यन्तवि-क्रान्तावतरङ्गौ सुविश्रुतौ PadmP. (Ra.) 5. 129; 3 devoid of movements अत-रङ्गमनिर्देश्यं निःसत्त्वं सत्त्वमव्ययम् LakṣmīT. 2. 44; 8. 4.

अतरङ्गमहार्णव (ataraṅga-mahārṇava) *m.* waveless (i. e. serene) great ocean संपूर्णशक्तिमतरङ्गमहार्णवाभं ध्यायेद्धरिम् AhirbuS. 23. 7.

अतरङ्गसुधोद (ataraṅga-sudhoda) *n.* serene (waveless) ocean of nectar (सरमा) ब्रह्मसे त्वमतरङ्गसुधोदस्फीतशीतलरहस्यविभूतिः । वीतरागमलपङ्क-विलेपैरम्ब संविदिति सूरिभिरन्तः RāmC. 16. 75.

अतरङ्गार्णव (ataraṅgārṇava) *m.* ocean without waves (i. e. serene) परं ब्रह्म···अतरङ्गार्णवोपमम् AhirbuS. 2. 23; 9. 38; LakṣmīT. 4. 12; 32. 32.

अतरङ्गित (a-taraṅgita) *adj.* not wavy, without waves स्थितास्तरङ्गाः सलिले यथान्तरतरङ्गिते । सृष्टिशब्दार्थरहितास्तथान्तः सृष्टयः परे YogVā. iii. 61. 9.

अतरत् (a-tarat) *adj.* unable, incapable तदुक्तं कैश्चिद्विपश्चिद्भिरेतदेव हृद-यस्थमपि जिह्वास्थं कर्तुमतरद्भिः समासोक्तिमिषेण YaśasCam. i. 425. 6 (comm. अतरद्भिरसमर्थैः अशक्नुवद्भिः सद्भिः)

अतरपण्य (a-tarapaṇya) *n.* absence of ferry-money or freight यो युष्माकमुत्सहते मूषिकाहैरण्येन सार्धमशुल्केनागुल्मेनातरपण्येन महासमुद्रमवतरितुं स महासमुद्रगमनीयं पण्यं समुदानयतु Divyāva. 437. 27.

अतरल (a-tarala) *adj.* 1 not unsteady, steady, firm अभूत् ··· अतर-लोऽपि महानायको राजा चिन्तामणिर्नाम VāsaDa. 17. 1; अतरलो भरनेन स प्राथि-तोऽपि न मनः शिथिलं चकार RāghPāṇ. (Ka.) 3. 41; स्तिमितोऽतरले छिन्ने Anekā-Saṁ. 689; AnekāK. 324; 2 not a central gem of a necklace, Vāsa-Da. 17. 1.

अतरलमध्य (atarala-madhya) *adj.* 1 having no central gem तस्य ··· मुक्तामयोऽप्यतरलमध्यः ··· तनयः कन्दर्पकेतुर्नाम VāsaDa. 35. 2; 2 having no unsteady waist, VāsaDa. 35. 2.

अतरलमानसा (atarala-mānasā) *adj.* (*f.*) whose mind is not fickle रूपिणी···उवाच लक्ष्मीसौभाग्यमदातरलमानसा BṛKathāMañ. ii. 2. 114.

अतरललभ्या (atarala-labhyā) *adj.* (*f.*) obtainable by the steady-minded संपदमतरललभ्याम्···पुष्णातु चित्तयोनेः···विभुता PārvP. 1. 2.

अतरसारथि (atara-sārathi) *adj.* whose charioteer is not to be over-come, having an invincible charioteer बलिना रुरुचे श्रिया । समदनागमनतयातर-सारथिनोदधौ HarVi. 46. 67.

अतरस्विन् (a-tarasvin) *adj.* not strong, weak कालोऽशैसेनाभ्र इवा-तरस्विना मायाविनानायितमामियांस्त्वया DvyāśraKā. 18. 85.

अतराम्भोधि (atarāmbhodhi) *m.* uncrossable ocean बन्धुस्नेहोऽन्तर-म्भोधि (v. l. तराम्भोधि) रेष्यतीनां सुखश्रियाम् । दुःखश्रेण्याश्च ··· तद्विधुनीहि तम् PāṇḍaC. 18. 79.

अतरित्र (a-taritra) *adj.* without a boat यदा परिकरिष्यन्ति ऐणेयानिव तन्तुना । अतरित्रानिव जले बाहुभिर्मामका रणे MahāBhā. v. App. 1. 3 (2)

अतरु (a-taru) *adj.* without any tree, treeless अतरुवारिरतःपरमसम-शिलादुर्गमो मार्गः SubhāRaK. 24. 5.

अतरु (ataru) a high number [DBHS]

अतरुच्छाया (a-tarucchāyā) *adj.* (*f.*) without the shade of trees क्रमात्पथि व्रजन्तौ च प्रापतुस्तौ महाटवीम् । ··· अतरुच्छायाम् KathāSaSāg. x. 7. 9.

अतरुण (a-taruṇa) *adj.* 1 not young ग्राम्यपशुसंघेष्वतरुणेषु स्त्री P. i. 2. 73; 2 not tender नववल्कलैरक (v. l. त) रुणैरुत्तिष्ठ यामो वनम् S'at-Trayī. 181.

अतरुणदारु (ataruṇadāru) *n. Argyreia speciosa* or *argentea* °अतरुण-दारुरास्नापुराः । ··· भवन्ति ··· °पक्षघातद्रुहः BhāvPra. (Bhā.) 8. 662 (comm. वृद्धदारु)

अतरुणप्रजाता (ataruṇa-prajātā) *adj.* (*f.*) recently delivered अत-रुणप्रजाता अचिरप्रसूता DaṇḍaVi. 275. 14.

अतरुणमद (a-taruṇamada) *m.* great intoxication, excessive joy अतरुणमदताण्डवोत्सवान्तेषु···कदम्बे नदति···शिखण्डी UttaRāC. 3. 19.

अतरुणरोहिणीरमण (ataruṇa-rohiṇīramaṇa) *m.* full moon (who is not young) ममापि तस्मिन्नतरुणरोहिणीरमणचूडामणिपाणिप्रणयिनि शरासने चिरस्य कौतुकमस्ति AnarghaRā. 2. 87 (4)

अतरुमरुभूमि (ataru-marubhūmi) *f.* treeless desert, desert without any trees सः···सम्प्रत्यतरुमरुभूमौ विचरति SūktiMu. 19. 6.

अतर्क (a-tarka) *adj.* A free from speculation अकल्कको ह्यतर्कश्च ब्राह्मणो भरतर्षभ । ··· केतनक्षमः MahāBhā. xiii. 24. 30; B without gross mental activity (intermediate stage between the first and second *dhyāna*, in which there is no mental activity of ratiocination) अतर्कं ध्यानमन्तरम् AbhidhK. 8. 22.

अतर्कगम्य (a-tarkagamya) *adj.* not to be known by reasoning अहं न बोद्धा न गभीरबोद्धा बुद्धो गभीरं किमतर्कगम्यम् MaYānaSū. 7. 12 (1. 7)

अतर्कगोचर (a-tarkagocara) *adj.* not falling within the perview of reasoning अप्रतर्क्यम् अतर्कगोचरम् S'rutaPra. ii. 165. 11 (*on* i. 4. 23)

अतर्कणीय (a-tarkaṇīya) *adj.* [*f.* -ā] not to be thought of, not conceivable, not to be guessed यस्य ··· आस नराधिपश्रीः । अतर्कणीयान्यमही-पतीनां सिंहाभिगुप्तेव गुहा मृगाणाम् JātaMā. 52. 6 (9. 1); हेतुस्त्वम्···अतर्कणीयेन क्रमेण ज्ञायते PañcPā. 27. 14 (*on* i. 1. 1); ManvaMu. 508. 16 (*on* 12. 29);

S'ivārkaMaDī. ii. 40. 25 (*on* ii. 1. 30)

अतर्कता (atarka-tā) *f.* the state of not being a corroborative reasoning तदसिद्धिरितिव्याप्तिः सक्तिः सप्रतिसाधने । असंभवोऽतर्कता च दोषास्तेषां क्रमादमी TattvPradī.(Ci.) 275. 1.

अतर्कत्व (atarka-tva) *n.* the state of not being a corroborative reasoning न गौरवातिव्याप्त्यादिनेतरनिरासे गोत्वादेर्निमित्तत्वग्रहः गौरवादेरतर्कत्वात् TattvCin. iii. 91. 2.

अतर्कमार्गग (a-tarkamārgaga) *adj.* not following the way of reasoning पादरेणुपरमाणुयोगतः सिद्धता युवतिसृष्टिकर्मणा । साधयन्नपि मतं मुनेः कथं जानकीपतिरतर्कमार्गगः YātrāPra. 8. 112.

अतर्कयत् (a-tarkayat) *adj.* not considering, not taking note of विपक्षवृत्तित्वमतर्कयन्तो वदन्त्यनैकान्तिकतां नयज्ञाः NyāyMañ. ii. 156. 24; VedāntKa. 400. 5 (*on* iii. 3. 4); Nalābhyu. 1. 45.

अतर्कयित्वा (a-tarkayitvā) *ger.* without surmising सरोजिनीमानसरागवृत्तेरनर्कसंपर्कमतर्कयित्वा । मदन्यपाणिग्रहशङ्कितेयमहो महीयस्तव साहसिक्यम् NaiṣC. 3. 76; Raghunā. 12. 67.

अतर्करूपत्व (a-tarkarūpatva) *n.* absence of the state of being in the form of *reductio ad absurdum* श्लोकयोरतर्करूपत्वे यदिशब्दद्वयम् ··· व्यर्थम् ··· स्यात् Nyāyāmṛ. 288A. 11.

अतर्कविषय (a-tarkaviṣaya) *adj.* not subject to reasoning अप्रतर्क्यमतर्कविषयम् ManvaVi. 11. 7 (*on* 1. 5)

अतर्कावचर (a-tarkāvacara) *adj.* not belonging to the domain of ratiocination अधिगतो मे धर्मः···अतर्क्योऽतर्कावचरः Sphuṭā. 13. 4 (*on* 2. 9)

अतर्किक (a-tarkika) *adj.* free from (sophistical) ratiocination [DBHS]

अतर्कित (a-tarkita) *adj.* [*f.* -ā] **i** not known through reasoning येन आदेशेन···अतर्कितं तर्कितं भवति ChāndoUBh. 337. 11 (*on* vi. 1. 3); **ii** not thought of, unimagined, unexpected अत्यद्भुतमचिन्त्यं च अतर्कितमिदं मया Rāmā. i. 66. 21; vi. 177*(1); (नारकाः) अतर्किता इव श्वानः···अन्योऽन्यमभिघ्नन्ति TattvāBh. 242. 17 (*on* 3. 4); (मदन) गतोऽस्यतर्कितां गतिमङ्गेन KumāSaṁ. 4. 22; अतर्किता एव विन्ध्यकेतोरुपरि निपातिताः स्मः PriyDa. 1. 8 (16); दाक्षिण्यं मायया शक्त्या ब्राह्मणानामतर्कितम् BrahmVaiP. iv. 18. 72; केयमतर्किता दृष्टिवृष्टिः KaumuMa. 2. 14 (3); द्रुतमित्थमतर्किते गतेऽपि द्विविधं कालमवेत शौर्यशौण्डाः HarVi. 15. 35; न संपन्नः प्रयत्नसंरक्षितस्यार्थस्य कस्यचिदतर्कितो विनाशः TilaMañ. 27. 10; 96. 22; 241. 13; तस्य स्कन्धादगमद्वेतालोऽतर्कितः स्वपदम् KathāSaSāg. xii. 9. 41; vii. 3. 187; दग्ध्वा द्वारमतर्कितः ।···नगरं सत्वरोऽविशत् RājTa.(Ka.) 7. 140; विषज्य हारैस्त्रुटितैरतर्कितैः कृतं कयापि क्षणलाजमोक्षणम् NaiṣC. 15. 75; भवेद्दैवात्सा काप्यापदतर्किता PārśvC. 3. 766; दध्युपघातकत्वेनातर्कितात्रक्षणोपदेशानर्हत्वात् TattvCin. iv(2). 690. 2; तनोति घर्षरवनोद्घोषं किलातर्कितम् UjjvaNīMa. 557. 7; यत्र यथावत्प्रवृत्तिर्नातर्किता···तत्र ··· विधिर्नियमविधिः VidhiRa. 44 (223. 8); आगतां नरचमूमतर्कितां तावकीति कथमप्यजानता । प्रस्थस्थितम् S'ivLī. 10. 29; AnyāS'.(Nī.) 61; (दनुजाः) निर्वापयामासुरतर्किता एव गीर्वाणबलम् NīlaVi. 24. 19; Mukundā. 127 (2); अतर्कितम् ··· शोकावेगं प्रसोढुमक्षमतया क्षमायां निपत्य ĀnandRa. 3. 20 (1); JaineVyā. 46. 33 (*on* i. 3. 3); PrabaCin. 17. 7; PuruṣPa. 30. 19; **iii** not having any idea, not being aware of ततो विन्ध्याटवीमेतौ प्राप्तमात्रावतर्कितौ । चौरसेनातिमहती रुरोध शरवर्षिणी KathāSaSāg. ii. 2. 187; **अतर्किते** (a-tarkite) [Loc.] unexpectedly, suddenly, all of a sudden हृतखेदमतर्किते पुनः स्थितमात्मानमपश्यदाश्रमे (हनुमान्) RāmC. 12. 83; अतर्किते तु सहसा AgniP. 360. 23 = S'abdaRa. (Vā.) 455.

अतर्कितगति (atarkita-gati) *adj.* of unpredictable movement (i. e. moving at will) (शिवयोगी) अतर्कितगतिर्मौनी SkandP. iii(3). 15. 4; (ध्रुवः) ददर्श सप्तर्षीनतर्कितगतीन् NaraP. 31. 43 = SkandP. iv. 19. 78.

अतर्कितगमन (atarkita-gamana) *n.* unexpected or sudden departure (i. e. visit) एक एवाहममात्यराक्षसस्यातर्कितगमनेन प्रीतिमुत्पादयितुमिच्छामि MudrāRā. 4. 6 (2)

अतर्कितगमागम (atarkita-gamāgama) *adj.* whose coming and going (i. e. obtainment and loss) are unpredicatable अतर्कितगमागमाननुभवामि भोगानहम् S'atTrayī. 267 = Subhāṣi. 3153.

अतर्कितद्रोहिन् (atarkita-drohin) *m.* unexpected enemy अतर्कितद्रोहिभिस्तैः ···। हन्यमानाः प्रणेशुस्ते TriṣaS'aPuC. iv. 3. 113.

अतर्कितप्रत्युपकारलेशा (atarkita-pratyupakāraleśā) *adj.* (*f.*) not expecting even the smallest recompense अतर्कितप्रत्युपकारलेशामाकस्मिकीमाद्रियतानुकम्पाम् Yādavā. 20. 87.

अतर्कितप्रवृत्ति (atarkita-pravṛtti) *f.* sudden or unexpected action अतर्कितप्रवृत्तौ च साहसं क्लीति NānārthāSaṁ. ii. 217. 1946.

अतर्कितप्राप्त (atarkita-prāpta) *adj.* appearing unexpectedly अतर्कितप्राप्तमवेक्ष्य कान्त्या मेचकं मेचकमम्बरं ते । ··· नृत्यन्त्यमी सानुषु नीलकण्ठाः Yādavā. 8. 36.

अतर्कितभवा (atarkita-bhavā) *adj.* (*f.*) of unknown source or unexpected occurrence इस्ते स्वर्गसुखान्यतर्कितभवास्ताश्चक्रवर्तिश्रियो देवाः पादतले लुठन्ति YaśasCam. ii. 379. 3.

अतर्कितम् (a-tarkitam) *adv.* unexpectedly, all of a sudden अतर्कितं पाणितलान्निपेतुः क्रियाफलानीव तदायुधानि Kirātā. 16. 29; क्षिप्त्वातर्कितमम्भोगर्भितनलिनीपलाशपुटभाजनात् KuṭṭaMa. 691; (जिनमैक्षत) प्रवर्षन्तं धर्मामृतमतर्कितम् MahāP. 24. 26; अतर्कितं समभ्येत्य यमदूताः ··· हनिष्यन्ति SkandP. iv. 26. 144; अतर्कितमुपायातो नारदो दिव्यदर्शनः AdhyāRā. ii. 1. 4; निशम्यातर्कितं प्राप्तं चकम्पे हर्षभूपतिः RājTa.(Ka.) 7. 1303; (शरः) यथावधीद्विप्रवधूमतर्कितम् S'ivLī. 16. 45; अतर्कितम् ··· अमर्त्यबलमप्यालोकयन् वासवः ··· आलोचयामास NīlaVi. 26. 1.

अतर्कितमुद्गरपातायमान (atarkitamudgarapātāyamāna) *adj.* behaving like an unexpected fall of a mace पक्षवचनाभावे हेतुवचनमतर्कितमुद्गरपातायमानमसंबद्धमिति PramāVāBh. 488. 17.

अतर्कितलब्धा (atarkita-labdhā) *adj.* (*f.*) met unexpectedly कुवलयदृशा शून्ये दैवादतर्कितलब्धया ··· ये चुम्ब्यन्ते त एव विदुः सुखम् SubhāRaK. 24. 7.

अतर्कितवर्णभेदम् (atarkita-varṇabhedam) *adv.* without thinking of the difference of castes (जनाः) छायां तदा भूरुहसंततीनामध्यासतातर्कितवर्णभेदम् Raghunā. 9. 43.

अतर्कितविनाश (atarkita-vināśa) *m.* unexpected loss अभक्षितः (v. l. अतर्कित)विनाशं च देवनेन···वर्णयेयम् MahāBhā. iii. 14. 6.

अतर्कितव्यक्ति (atarkita-vyakti) *adj.* of unknown clarity or distinctness ध्वनिरतर्कितव्यक्तिरेव श्रवणकन्दरे···अविशत् TilaMañ. 221. 7.

अतर्कितसमीक्षण (atarkita-samīkṣaṇa) *n.* unexpected look or sight अतर्कितसमीक्षणोल्लसितया मुदाश्लिष्यतोः ··· रुचः प्रचुरयन्तु वाम् ··· मम चमत्कृतिं चक्षुषः StavMā. 101. 14.

अतर्कितस्वरूप (atarkita-svarūpa) *adj.* of unexpected form or nature अतर्कितस्वरूपेण तेन···मृगयते (तिलकसुन्दरी) TilaMañ. 355. 2.

अतर्कितागत (atarkitāgata) *adj.* arriving unexpectedly, suddenly happening अतर्कितागतमूर्च्छेव निमीलिताक्षी ··· तस्थौ Kād. 242. 20; अतर्कितागतेन तमसा समास्कन्दितं वदनम् TilaMañ. 113. 9; अतर्कितागतो यावदानन्दयति तत्क्षणात् KathāSaSāg. v. 2. 219; आकुलमतर्कितागता सा चकार नगरं शचीपतेः Gaṅgāva. 5. 32; जातं प्रातरतर्कितागतमहातङ्कप्रसङ्गक्षणप्रक्षुभ्यत्पुनरुद्भटामरचरचमूनीरन्ध्रमैन्द्रं पुरम् NīlaVi. 16. 14.

अतर्कितागम (atarkitāgama) *adj.* whose appearance or arrival was unexpected अतर्कितागमस्तावत्ताभिर्दृष्टस्त्रिलोचनः SkandP. iv. 76. 103; v(2). 45. 93; v(2). 46. 114; अन्तस्तु निश्चिकायेति प्रविश्यातर्कितागमः RājTa.(Ka.) 8. 1242.

अतर्कितागमन (atarkitāgamana) *n.* unexpected arrival एक एवाहममात्यराक्षसस्यातर्कितगमनेन(v. l. अतर्कितागमनेन) प्रीतिमुत्पादयितुमिच्छामि MudrāRā. 4. 6 (2)

अतर्किताधिगत (atarkitādhigata) *adj.* received unexpectedly अतर्किताधिगतकान्तकुशलोदन्तनिर्वृताम् ··· मलयसुन्दरीमुपगम्य TilaMañ. 352. 9.

अतर्कितानीत (atarkitānīta) *adj.* unexpectedly brought अतर्कितानीतेन ··· गोलाङ्गूलबलेन ··· परिज्ञातः (अध्यबलायः) AdbhuDa. 1. 18 (3)

अतर्कितापतिताशनि (atarkitāpatitāśani) *m.* thunderbolt which has fallen suddenly (कादम्बरी) अतर्कितापतिताशनिनेव मूर्ध्नि ताडिता Kād. 250. 22.

अतर्कितापाता (atarkitāpātā) *adj.* (*f.*) with a sudden jump or arrival नागसुता पातालं पार्थमनैषीदतर्कितापातालम् YudhiVi. 2. 22.

अतर्कितामृतवृष्टि (atarkitāmṛtavṛṣṭi) *f.* unexpected or sudden shower of nectar श्रुत्वा चेदमाकस्मिकमतर्कितामृतवृष्टिकल्पम् TilaMañ. 192. 2.

अतर्कितालोकित (atarkitālokita) *adj.* observed or noticed unexpectedly सिंहलेश्वर्तक(? तर्कि)तालोकितैतथाविधसुताविपत्यप्रीतहृदयेन चन्द्रकेतुना TilaMañ. 427. 17.

अतर्कितासन्न (atarkitāsanna) *adj.* come close or near all of a sudden अतर्कितासन्नमरातिसैन्यमाकर्णयन् पाण्डवनृपः (प्रतस्थे) S'ivLī. 19. 84.

अतर्कितोद्धृत (atarkitoddhṛta) *adj.* pulled out or uprooted unexpectedly ते दद्दृशुरतर्कितोद्धृतमन्दरमूल°···°निरन्तरम्···भूतलम् NīlaVi. 80. 17.

अतर्कितोपनत (atarkitopanata) *adj.* [*f.* –ā] occuring or happening unexpectedly सिद्धमभिवाञ्छितमनेनातर्कितोपनतेन रक्तांशुकयुगलेन Nāgā. 4. 20 (14); अतर्कितोपनतात्मविरहपीडाम् … पत्रलेखाम् … अभाषत Kād. 264. 20; अहमतार्कितोपनतदर्शनोल्लसितलोचनयानया …नद्ध: MālaMā. 3. 213; एकस्यां नियतो रागो रूपग्रहणलालसस्य अतर्कितोपनतायां विरूपायां रागपीडितस्य न प्रवर्तक: स्यात् PramāVāBh. 123. 19; अतर्कितोपनतेन प्रियासमागमोत्सवेन … स्वामिनमाराधयामि KaumuMa. 4. 16 (10); यत्कार्यमतर्कितोपनतवाग्दण्डपारुष्यसंग्रहस्तेयसाहसादि-रूपम् ManuBh. ii. 105. 24 (*on* 8. 69); ii. 216. 21 (*on* 8. 348); फलितम् … पुण्यजातमतर्कितोपनतेनामुना त्वदवलोकनेन TilaMañ. 39. 13; 92. 17; 113. 19; कोपेन शप्तोऽयमतर्कितोपनतदुश्चेष्टितविपाकस्तपस्वी UdaySuKa. 70. 13; तत्र चक्रे तया सार्कं पानाहारादिनिर्वृतिम् । अतर्कितोपनतया लसन्मदविलासया KathāSaSāg. ix. 2. 306; अतर्कितोपनतपर्वतनितम्बनिर्गतधूमदर्शनेन कृशानुकल्पनमिव NyāyMañ. ii. 149. 23; ii. 80. 22; विनिर्गतोऽप्यतर्कितोपनततदीयशापसमुत्सारितोत्साह: … सुरपति: NilaVi. 14. 10; 62. 17; 99. 6; तथा च 'काकतालीयो देवदत्तस्य वध:' इत्यत्र तद्धिते उपमानस्य काकवधस्यातर्कितोपनतत्वस्य च AlaṅkāKau.(Vi.) 136. 5; AmṛUda. i. 23 (16)

अतर्कितोपनिष्क्रान्त (atarkitopaniṣkrānta) *adj.* gone out unexpectedly अथ तमतार्कितोपनिष्क्रान्तमरविन्दनाभमवसरज्ञो विधि: … समेत्य … अवतस्थे NilaVi. 77. 9; 110. 5.

अतर्कितोपपन्न (atarkitopapanna) *adj.* occurring or happening unexpectedly अतर्कितोपपन्नं वो दर्शनं प्रतिभाति मे KumāSaṁ. 6. 54; अतर्कितोपपन्न: स्यात् सिद्धिरिष्टार्थसंगम: RasāSu. 251. 21 [3. 107)

अतर्कितोपपादिता (atarkitopapāditā) *adj.* (*f.*) offered unexpectedly (भिक्षा) केवलमतर्कितोपपादिता तत्काल एव दर्शिताभिप्राया ManuBh. i. 413. 20 (*on* 4. 248)

अतर्कितोपलब्ध (atarkitopalabdha) *adj.* obtained unexpectedly सिद्धि: प्रधानानाम् … प्रयोजनान्तराणामतर्कितोपलब्धानां परिकीर्तनम् AbhinBhā. ii. 354. 21 (*on* 16. 17)

अतर्कितोपस्थित (atarkitopasthita) *adj.* [*f.* –ā] appearing or approaching unexpectedly कश्चिच्छ्रेष्ठी पुरस्यास्य कुमारभक्त्या अतर्कितोपस्थित-जातराग: … इत्युवाच वाचम् VarāṅgaC. 2. 9; यदृच्छयातर्कितोपस्थिते चित्रीकरणे वायमिष्यते JaineVyā. 46. 32 (i. 3. 3); न भेतव्यम् । अतर्कितोपस्थितया त्वया च स्खलितं मया SkandP. iv. 59. 29.

अतर्कितोपागत (atarkitopāgata) *adj.* approaching unexpectedly अतर्कितोपागतमन्तिके नलं विदर्भजा … विलोचनेन … सा पपौ Nalābhyu. 4. 32.

अतर्कितोपायान्तर (atarkitopāyāntara) *adj.* which has not thought of another means of alternative अनुचितेनापि विधेनाजीवितस्वामिनीं कर्तुमिच्छति त्वामतर्कितोपायान्तरं हतहृदयम् TilaMañ. 110. 1.

अतर्किन् (a–tarkin) *adj.* not guessing स्थानप्रत्ययात्तु वयमतर्किण: S'āk. 7. 18(2)

अतर्कोपेतत्व (a–tarkopetatva) *n.* absence of the state of conforming to reasoning, illogicality तस्या एकत्वादस्फुटार्थत्वादतर्कोपेतत्वाच्च श्रुत्यन्तरा-विरोधेन वर्णनीयत्वात् S'rutaPra. iA. 45. 29 (*on* i. 1. 1)

अतर्क्य (a–tarkya) *adj.* [*f.* –ā] [DEBRU. p. 473] inconceivable, irrefutable, uninferable अणीयान् ह्यतर्क्यमणुप्रमाणात् KāṭhU. 2. 8; एष परमात्मा अपरिमित: … अतर्क्य: MaitrīU. 419. 24(6); अव्ययातर्क्यकूटस्थनिर्मला-पारसद्वृहत्PauṣkS. 19. 42; जगद्धातु: क्रिया सृष्टिरतर्क्या व्याप्तिपूर्विका AhirbuS. 58. 46; प्रसुप्तमिव चातर्क्यमप्रज्ञातमलक्षणम् MatsyaP. 2. 25; अधिगतो मे धर्मो गम्भीरो गम्भीरावभासो दुर्दर्शो दुरवबोधोऽतर्क्योऽतर्कावचर: Sphuṭā. ii. 3. 4; प्रागासीद्भावरूपं तम इति तमसा गूढमस्मादतर्क्यम् S'ataS'lo. 25; HariStu. 7; अतर्क्यं सोऽमृतं पदमश्नुते MahāP. 11. 59; श्रीरुवाच-अतर्क्याया ममोद्यत्या…इच्छयान्यत्कृतं रूपमासीज्ज्ञानादिके त्रिके LakṣmīT. 3. 4; अतर्क्यम्…मनस्येवं महादेवं हृत्पद्मे वापि चिन्तयेत् LiṅgaP. i. 8. 103; अद्भुतवीर्यविष्णुस्तत: प्रयातो गतिमप्रतर्क्याम् S'ivaP. 271A. 13 (ii(5). 43. 40); GaṇeP. ii. 5. 38; अथ प्रभावती तस्य चक्रे … अतर्क्यं रूपमात्मीयं स्वयमन्तर्हिता सती KathāSaSāg. xiv. 2. 121; अद्भुतत्वादवाच्यं तद-तर्क्याज्ञेयमेव च AnuVyā. 7A. 3 (*on* i. 1. 10); अतर्क्यं बाधकागोचरभूतम् S'ruta-Pra. ii. 224. 25 (*on* ii. 1. 12); आगमैरैश्वरीं शक्तिमतर्क्यामुपगच्छताम् NyāySi. 236. 26; स्वप्नसृष्टावतर्क्या मायैव कारणम् GoviBh. 195. 14 (*on* iii. 2. 3)

अतर्क्यतपस् (atarkya–tapas) *adj.* with incomprehensible asceticism अतर्क्यतपसं वन्दे त्वामित्यवितथं वदन् । माधव: KathāSaSāg. v. 1. 163.

अतर्क्यत्व (atarkya–tva) *n.* the state of being one surpassing thought ब्रह्मणोऽपि … अतर्क्यत्वेनानपेक्षाम्नायैकगोचरत्वात् Bhām. 334. 21 (*on* ii. 1. 4); अतर्क्यत्वात्कुतस्तस्मिंस्तर्क: साधको बोधको भवेत् TattvPrakā. 18B. 12 (*on* i. 1. 15)

अतर्क्यपाक (atarkya–pāka) *adj.* of unthinkable consequence नूनं विदग्धजनकृत्यमतर्क्यपाकम् BhikṣāKā. 2. 19.

अतर्क्यप्रभव (atarkya–prabhava) *adj.* [*f.* –ā] of unthinkable origin तैरप्यतर्क्यप्रभवो हिमर्तुश्छन्दस्यवद्वारि हिमं चकार DvyāśraKā. 16. 94; अतर्क्यप्रभवां तस्मादुत्पत्तिं प्रतिपेदिरे SkandP. ii(1). 35. 57.

अतर्क्यप्रभाव (atarkya–prabhāva) *adj.* of incomprehensible majesty तस्यातर्क्यप्रभावस्य को नु वेदाशयं प्रभो: SkandP. vii(1). 24. 99.

अतर्क्यप्रमिति (atarkya–pramiti) *f.* unimaginable valid cognition अचिन्त्यज्ञानगोचरा: अतर्क्यप्रमितिसिद्धा: S'rutaPra. iA. 238. 13 (*on* i. 1. 1)

अतर्क्यमहिमन् (atarkya–mahiman) *m.* unimaginable power जय जय …शम्भो…अतर्क्यमहिमाधार S'ivaP. 582B. 7 (vii. 31. 4)

अतर्क्यमाण (a–tarkyamāṇa) *adj.* not being thought of स: …अतर्क्य-माणस्तुमुलं राज्ञैवालक्ष्यतापतन् RājTa.(Ka.) 8. 2320.

अतर्क्ययोग (atarkya–yoga) *m.* unforeseeable contact मा जातु राहु-परिभूतिरतर्क्ययोगात् BhikṣāKā. 2. 24.

अतर्क्यरूप (atarkya–rūpa) *adj.* of incomprehensible form अतर्क्यरूपो भगवाननन्त: BṛDharmaP. i. 45. 37.

अतर्क्यविद्या (atarkya–vidyā) *f.* mysterious lore or spell राज्ञो राढा-पते: सुत: । अतर्क्यविद्यामाहात्म्याद्दुरतिक्रमविक्रम: KathāSaSāg. xii. 7. 256.

अतर्क्यवैभव (atarkya–vaibhava) *adj.* of incomprehensible grandeur अतर्क्यवैभवम् । प्रभावम्…कथमम्ब वर्णये BrahmāṇḍP. iii. 13. 27.

अतर्क्यशक्ति (atarkya–śakti) *adj.* of incomprehensible power सत्य: स्वयंज्योतिरतर्क्यशक्तिस्त्वम् SkandP. ii(9). 31. 14.

अतर्क्यसहस्रशक्ति (atarkya–sahasraśakti) *adj.* of a thousand unimaginable powers वितथाभिसन्धिरात्मेश्वरोऽतर्क्यसहस्रशक्ति: BhāgP. iii. 33. 3.

अतर्क्यसामर्थ्य (atarkya–sāmarthya) *adj.* of inconceivable power यानि भुवनेष्वतर्क्यसामर्थ्यान्यायुधानि तानि रामे ब्रह्मर्षिभ्य: परिणमन्ति MahāviC. 2. 4(7)

अतर्क्यसिद्धिविभव (atarkyasiddhi–vibhava) *adj.* of inconceivable display of powers अतर्क्यसिद्धिविभवं भास्वन्मणिमयद्रुमम् । … पश्यन्ती तच्च सा रेमे KathāSaSāg. xvii. 4. 82.

अतर्क्यहेतुगहना (atarkyahetu–gahanā) *adj.* (*f.*) mysterious due to unimaginable source or cause का नामेयमतर्क्यहेतुगहना दैवी सतां यातना S'āntiS'. 1. 7 = SaduktiKa. 314. 27.

अतर्क्यैश्वर्य (atarkyaiśvarya) *adj.* of inconceivable sovereignty अतर्क्यैश्वर्ये त्वय्यनवसरदु:स्थ: … कुतर्कोऽयं कांश्चिन्मुखरयति मोहाय जगत: Mahimna. 5.

अतर्ज्यमाणगति (atarjyamāṇa–gati) *adj.* whose march is not checked प्रधानदन्ती … अध्वन्यतर्ज्यमाण(? न)गतिरेव … अतिमहत्कान्तारं प्रविष्ट: TilaMañ. 184. 8.

अतर्दक (a–tardaka) *adj.* not doing an injury अतर्दकास्त्वद्य … तुष्यन्तु सन्त: DhātuKā. 1. 9 (comm. अतर्दका अहिंसका: । …तर्द हिंसायाम्)

अतर्दन (a–tardana) *n.* not injuring नखार्दनमतर्दनं दृढमपीडनं पीडनम् । करोति रतिसङ्गरे मकरकेतन: कामिनाम् SuvṛttaTi. ii. 43. 27; SūktiMu. 78. 7.

अतर्पक (a–tarparka) *adj.* not gratifying अविश्वास्यमतर्पकम् । विज्ञाय क्षयिणं स्वर्गम् Saunda. 11. 55; पश्यन् भोगानतर्पकान् MahāP. 21. 88.

अतर्पण (a–tarpaṇa) *adj.* not fatty गुरु चातर्पणं चेष्टं स्थूलानां कर्शनं प्रति CaraS. i. 21. 20 (1941 Ed.); AṣṭāSaṁ. i. 127. 19 (1. 24); AṣṭāHṛ. i. 14. 36; उपक्रमद्वयं प्रोक्तं तर्पणं वाप्यतर्पणम् AgniP. 280. 20.

अतर्पयत् (a–tarpayat) *adj.* not offering libations of water अतर्पयंश्च यत्स्नाति विष्णुनैवेद्यवर्जित: । …स कृतघ्न इति स्मृत: BrahmVaiP. 2. 51. 45.

अतर्पयित्वा (a–tarpayítvā) *ger.* without offering libations of water अतर्पयित्वा तान् पूर्वं स्नानवस्त्रं न पीडयेत् VṛGautaSm. 562. 5(8)

अतर्पित (a–tarpita) *adj.* **i** not having a libation with it अतर्पितो मन्त्रो न कदाचित् फलप्रद: JayāS. 15. 166; **ii** to whom water-libations are not offered हविर्गुणा न वक्तव्या: पितरो यावदतर्पिता: VasiSm. 11. 30; BṛYama-Sm. 3. 28; अतर्पितेषु पितृषु वस्त्रं निष्पीडयेच्च य: । निराशा: पितरस्तस्य भवन्ति सुरमानुषै: VedavyāSm. 3. 24.

अतर्षुल (a–tarṣula) *adj.* [DEBRU. p. 488] devoid of desire ज्ञाने-न्द्रियाणीन्द्रियार्थान्नोपसर्पन्त्यतर्षुलम् MahāBhā. xii. 206. 21; ज्ञानेन्द्रियाणीन्द्रियार्था नोपसर्पन्त्यतर्षुलम् SāṁkhyaPraBh. 25. 32 (1. 55)

अतल (a–tala) *adj.* **i** bottomless, deep क्रीडन्ति यत्र सुखिनो भुवि राज-हंसा अम्भोनिधानमतलं प्रसर: ससर्ज EI. xix. 299. 20; **ii** belonging to the

atala region अतलं वितलं चैव … तत्र स्युस्त्रिषु सत्त्वेऽमी KalpaK. 361. 3.

अतल (a-tala) *n.* **1** one of the seven nether worlds अतलपाताल° … °ब्रह्माण्डं च विसर्जयेत् ĀruU. 1; दशसाहस्रमेकैकं पातालं मुनिसत्तम । अतलं वितलं चैव VisnuP. ii. 5. 2; प्रथममतलं चैव सुतलं च ततः परम् VāyuP. i. 50. 11; BrahmāṇḍP. i. 20. 12; YogaBh. 152. 17 (*on* 3. 26); ऊरुद्वयं वितलं चातलं च BhāgP. ii. 1. 27; अतलं वितलं चैव नितलं च गभस्तिमत् । महाख्यं सुतलं चाग्र्यं पातालं चापि सप्तमम् AgniP. 120. 2; BrahmVaiP. i. 7. 13; तारकावदतलवाटक-प्रतिबद्धविमानत्वादपरिमाणत्वसंभवः Sphuṭā. iii. 93. 24; तलसुतलपातालातल-वितलरसातलादिवासिभ्यः … नमः BhaviP. 215A. 16 (i. 43. 44); 564A. 11 (iii(4). 11. 32); अतलादि समारभ्य सत्यलोकावधिक्रमात् ।…तत्तल्लोकैश्वर्यमवाप्नुयात् S'ivaP. i. 17. 54 (19A. 14); अतलादिमहालोकाः कट्यधोभागतां गताः DevīBhāP. vii. 33. 34; viii. 19. 1; ततश्चक्रे द्विधा ब्रह्माण्डं भूरादि ह्यतलादि च BrDharmaP. i. 36. 113; अतलादिषु विज्ञेयाः क्रमात्तामसयोनयः BrBrahmaS. ii. 3. 38; तत्र त्वतलादिप्रत्ययाभिव्यङ्ग्यस्य … सामान्यस्योद्भवात् SyādvāMañ. 7(51); अतलादि-सत्यान्तचतुर्दशलोकरूपविराड्देहे अग्न्यादिदेवान् सम्पाद्य S'aṅkaVi.(Ā.) 14. 8; 56. 20; 203. 6; तस्मा अधस्तात् पूर्वोक्ता अतलादयः सप्त लोकाः VedāntRaMañ. 1. 3 (35. 10); (एवम्) अतलवितलसुतलतलातलरसातलमहातलपातालाख्यस्य अधो-लोकसप्तकस्य … उत्पत्तिः VedāntPari. 296. 5; भूमेरधोऽतलवितलरसातलतलातल-महातलसुतलपातालमेदात्सप्त लोकाः YatīndraDī. 48. 18; अतलाख्यो लोक एव उदरं यस्या विराड्रूपायाः LalitāSaBh. 172. 18 (*on* 209); TrikāS'e. i. 8. 1; S'abda-Ra.(Vā.) 585; KalpaK. 361. 3; **2** a particular type of song अतलं तरलं चैवमुल्लोलमलगं तथा BhāvPra.(S'ā.) 193. 10(7); तत्संसृष्टवदाभाति गीते तदतलं विदुः BhāvPra.(S'ā) 193. 15(7); *m.* **1** name of S'aṅkara; S'eṣaNā. 1590; KośaKaTa. 331; **2** name of the *tāla* tree तार्क्ष्यप्रसवोऽप्यतलः पुनः । तालो ध्वजद्रुमः पत्री KalpaK. 270. 192.

अतलत्व (atala-tva) *n.* bottomlessness, unfathomability (रसाब्धिः) अतलत्वादपारत्वादाप्तोऽसौ दुर्विगाहताम् UjjvaNīMa. 607. 1.

अतलत्रत्सरुयुता (atalatratsaru-yutā) *adj.* (*f.*) with a handle provided for protection to (the part of hand) other than the palm असि-धेनुः समाख्याता हस्तोन्नत्यप्रमाणतः । अतलत्रत्सरुयुता श्यामा कोटित्रयाश्रिता NītiPra. 5. 15.

अतलदेवी (atala-devī) *f.* name of a goddess अतलदेवी श्रीचन्द्रा देवी-त्यन्तास्ततस्त्विमे AgniP. 144. 6.

अतलस्पर्श (a-talasparśa) *adj.* bottom of which cannot be reached, unfathomable अगाधमतलस्पर्शे AmaK. 497; अगाधमतलस्पर्शम-गाधं विवरं विदुः AnekāSa. 356; DharK. 1284; अतलस्पर्शमगाधं गंभीरं स्याद्ग-भीरमस्थागम् AbhidhāRaMā. 3. 27; अगाधमतलस्पर्शम् … गमीरकम् Vaija. 155. 19; अगाधमतलस्पर्शे MediK. 85. 27; AnekāK. 426; ViśvaLoK. 181. 29; S'abdaRaSaK. 183. 1; गमीरमतलस्पर्शम् KalpaK. 346. 25; अगाधे इति । अतल-स्पर्शे इत्यर्थः BālamBha. i. 599. 32 (*on* 1. 257)

अतलस्पर्शता (atalasparśa-tā) *f.* the state of being unfathomable, unfathomability अतलस्पर्शतास्पर्शस्पष्टपन्नगविष्टपे ParamāKā. 46. 55.

अतलस्पर्शत्व (atalasparśa-tva) *n.* unfathomability यस्मै यशोघाय सरित्पतिः …गम्भीरत्वमतलस्पर्शत्वं स्पर्शयामास YaśasCam. i. 218. 24 (comm.); i. 220. 20.

अतलस्पर्शन (a-talasparśana) *n.* not touching or reaching the bottom अगाधः … अतलस्पर्शने क्लीबमुक्तं बुधगणैरपि NānārthSaṁ. 6. 56.

अतलस्पर्शवारि (atalasparśa-vāri) *adj.* of unfathomable water अथा-गाधमतलस्पर्शवारिणि NānārthāSaṁ. ii. 54. 90.

अतलस्पृश् (a-talaspṛś) *adj.* bottom of which cannot be reached, unfathomable अस्थाधास्थागमस्ताधमगाधं चातलस्पृशि AbhidhāCin. 1070; अगाधमतलस्पृक् चास्थागमस्ताधमेव च ParaNā. 786.

अतलिन (atalina) *adj.* thick or big (असौ) अतलिनैः … तालमहीरुहैः अभिगुप्तम्…अभिनवनगरमाससाद ĀnandRa. 3. 25(8)

अतलोदरी (atalodarī) *f.* whose belly consists of the nether world Atala छन्दःसारा शास्त्रसारा मन्त्रसारातलोदरी LalitāSa. 209 (comm. अकार-प्रश्लेषेणातलाख्यो लोक एवोदरं यस्या विराड्रूपायाः)

अतलोपरि (atalopari) *adv.* above the world Atala अतलोपरि तोयञ्च तोयोपरि वसुन्धरा PañcaRā.(Nā.) ii. 2. 48.

अतल्प (a-talpa) *adj.* where there is no couch or bed द्विजस्थपतिका-दिभिरतर्पितमतल्पम् । विशत्यपि गृहम् MayaMa. 28. 84.

अतल्पलोप (a-talpalopa) *adv.* (in cpd. only) absence of the distruc-tion of mansions अशसा(भूयसा)तल्पलोपात्तमनोहरतरत्विषम् HarVi. 32. 7 (comm. अशसा (?) बाहुल्येन तल्पानां महावेश्मनां लोपो विनाशस्तदभावोऽतल्प-लोपम्)

अतल्लक्षण (a-tallakṣaṇa) *adj.* not having the authority of that (i. e. Vedic injunction) चोदनागम्य एवाग्निहोत्रादि धर्मो नातल्लक्षणश्चैत्यवन्दनादि S'āstrDī. 15. 17 (*on* i. 1 2)

अतल्लक्षणत्व (atallakṣaṇa-tva) *n.* the state of not possessing the characteristic features of that (i. e. inference) लक्षणैक्याभ्युपगमेन तु शाब्दा-नुमानयोरैक्याभ्युपगमे वेदस्यातल्लक्षणत्वेनाप्रामाण्यप्रसङ्गः TātpaṬ.(U.) 360. 12 (*on* 5(6). 46); (i. e. purpose) तस्यापि अतल्लक्षणत्वे सति अप्रयोजनत्वात् Pratyabhi-Vi. i. 32. 5 (*on* i. 1. 1); (i. e. memory) गृहीतग्राहित्वात् स्मरणमेव पदजनितं विज्ञानमिति चेदसत् अतल्लक्षणत्वात् NyāyRaMā. 87. 8; (of Pratyakṣa and Āgama) लिपिस्तावन्न प्रमाणं पृथक् । … न च प्रत्यक्षागमयोरन्तर्भवति अतल्लक्षणत्वात् NyāySu.(Ja.) 238B. 1 (*on* ii. 1. 2)

अतल्लक्षणत्वतस् (atallakṣaṇatva-tas) *adv.* due to the absence of the characteristic feature of that (i. e. inference) वेदज्ञानाप्रमाणत्वं स्यादत-ल्लक्षणत्वतः S'lokaVā. 5(6). 46 (418. 5)

अतल्लिङ्ग (a-talliṅga) *adj.* not having the power to convey that (i. e. a given feature) अन्येषामतल्लिङ्गानामानर्थक्यापत्तिः MīmāKau. i. 288. 1 (*on* i. 4. 27)

अतल्लिङ्गत्व (atalliṅga-tva) *n.* the state of not being the indicatory mark of that (i. e. the wind) नाप्यनुमानोपनीते वायौ त्वगिन्द्रियोपनीतः शीता-रोपः शीतद्रव्याभेदारोपो वा, मनसा तल्लिङ्गस्पर्शादिचतुष्कस्याग्रहणात् शीतस्पर्शस्यात-ल्लिङ्गत्वात् TattvaCin. i. 740. 2; (i. e. cognition of similarity to *gavaya* present in the cow) नापि अनुमानेन गवयनिष्ठगोसादृश्यस्य अतल्लिङ्गत्वात् VedāntPari. 178. 1.

अतव (atava) *m.* name of a person अतव कितव शिव खदिर CāndraVṛ. *on* ii. 4. 31 cf. **आतव.**

अतवीयस् (á-tavīyas) *adj.* (*comp.*) not stronger, weaker तं त्वां गृणामि तवसमतवीयान् TaiS. II. ii. 12. 5.

अतव्यस् (á-tavyas) *adj.* (*comp.*) [Debru. p. 454; 458] not stronger, weaker महि महेतवसे दीध्ये नृनिन्द्रायेत्था तवसे अतव्यान् ṚV. v. 33. 1; तं त्वां गृणामि तवसमतव्यान् ṚV. vii. 100. 5; Nir. 5. 9 (98. 2)

अतःशब्द (ataś-śabda) *m.* the word *atas* 'hence' अतःशब्दो वृत्त-स्यापदेशको हेत्वर्थः S'ābaBh. 8. 4 (*on* i. 1. 1); अतःशब्दगृहीतं वा तत्राध्ययन-माश्रितम् S'lokaVār. 1. 113 (38. 1); अतःशब्देन वेदाध्ययनस्य धर्मजिज्ञासां प्रति हेतुत्वमुक्तम् TātpaṬ.(U.) 24. 19 (*on* 1. 110); अतःशब्दः हेत्वर्थः BrahmSūBh. (S'aṅ.) 7. 1 (*on* i. 1. 1); सौत्रेण चातःशब्देन पूर्ववृत्तस्येह हेतुत्वमुच्यते S'āstrDī. 184. 3 (*on* iii. 1. 1); VedāntSā.(Rā.) 2. 3 (*on* i. 1. 1) BrahmSūBh.(Ma.) 2A. 4 (*on* i. 1. 1); CaturCin. iii(1). 1144. 12; अतःशब्देन कृत्स्नस्य वेदस्य विवक्षितार्थत्वं हेतूक्रियते NyāyMāVi. 15. 26 (*on* i. 1. 1); अतःशब्दस्तथार्थे TattvaPrakā. 140A. 5 (*on* iii. 1. 6); अतःशब्देन दुःखान्तस्य प्रतिपादनम् SarvaDaSaṁ. 6. 44; अतःशब्दः उक्तविधहेत्वादिसंगत्यभिधानार्थः MīmāKau. iii. 134. 6 (*on* iii. 1. 1); अतःशब्दो निरर्थकः S'ivārkaMaDī. i. 79. 21 (*on* i. 1. 1); अतःशब्दो हि वेदाध्यय-नस्य दृष्टार्थत्वं ब्रूते ArthSaṁ. 3. 5.

अतःशब्दपरामर्श (ataśśabda-parāmarśa) *m.* reference to (i. e. meaning of) the word *atas* अतःशब्दपरामर्शयोग्यार्थश्चेदथशब्दोऽभ्युपगम्यते S'rutaPra. iA. 12. 3 (*on* i. 1. 1)

अतःशब्दपरामृष्टत्व (ataśśabdaparāmṛṣṭa-tva) *n.* the state of being referred to (i. e. meant) by the word *atas* श्रुतिमात्रस्यातःशब्दपरामृष्ट-त्वेऽप्यर्थसामर्थ्याच्छ्रुतिव्यक्तिविशेषसिद्धिः S'rutaPra. iB. 311. 28 (*on* i. 2. 16)

अतःशब्दवृत्ति (ataśśabda-vṛtti) *f.* significance of the word *atas* (अथशब्दे) सर्वथैवानुपस्थितेऽतःशब्दवृत्त्यसंभवेन SiddhāSi. i. 14. 3.

अतःशब्दवैयर्थ्य (ataśśabda-vaiyarthya) *n.* futility or purposeless-ness of the word *atas* अथशब्देनैव परस्य विवक्षितार्थसिद्धौ अतःशब्दवैयर्थ्यम् SiddhāSi. i. 14. 15.

अतःशब्दव्याख्यान (ataśśabda-vyākhyāna) *n.* interpretation or ex-planation of the word *atas* अथातःशब्दव्याख्यानं युक्तम् S'rutaPra. iA. 10. 20 (*on* i. 1. 1); NyāySu.(Ja.) 18B. 11 (*on* i. 1. 1); *adj.* interpreting or ex-plaining the word *atas* अतःशब्दव्याख्यानभाष्ये…विशेषणं तु…क्तम् S'ivārka-MaDī. i. 86. 9 (*on* i. 1. 1)

अतःशब्दशिरस्क (ataśśabdaśiras-ka) *adj.* having the word *atas* as its head (i. e. in front) अथमथशब्दः … अतःशब्दशिरस्कः SrutaPra. iA. 12. 13 (*on* i. 1. 1)

अतःशब्दशिरस्कत्व (ataśśabdaśiraska-tva) *n.* the state of having as its head (i. e. preceding) the word *atas* अत्रायमथशब्दः आनन्तर्ये वर्तते

अतःशब्दशिरस्कत्वात् VedāntSā.(Rā.) 2.3 (*on* i. 1.1); अथशब्दस्य…अतःशब्दशिरस्कत्वम् S'rutaPra. iA. 12.17 (*on* i. 1.1)

अतःशब्दसामर्थ्य (ataśśabda-sāmarthya) *n.* force of the word *atas* अथातःशब्दसामर्थ्येन संबन्धाधिकार्यसंभवशङ्कानिराससूचनं लभ्यते S'ivārkaMaDī. i. 164.26 (*on* i. 1.4)

अतःशब्दसूचित (ataśśabda-sūcita) *adj.* suggested by the word *atas* अतःशब्दसूचितस्य नित्यानित्यविवेकादिसंभवस्य … उपपादितत्वात् S'ivarka-MaDī. i. 21.27 (*on* i. 1.1)

अतःशब्दस्वारस्य (ataśśabda-svārasya) *n.* essence (i. e. force) of the word *atas* नान्योऽतोऽस्ति द्रष्टा इत्यत्रातःशब्दस्वारस्यवशात् द्रष्टृंतरं निषिध्यते S'rutaPra. iB. 320.29 (*on* i. 2.19); SiddhāSi. i. 10.24.

अतःशब्दान्वय (ataśśabdānvaya) *m.* construction or connection with the word *atas* अधिकाराद्यर्थान्तरपरत्वमतःशब्दान्वयोऽपि निवारयति S'rutaPra. iA. 11.18 (*on* i. 1.1)

अतःशब्दाप्रयोग (ataśśabdāprayoga) *m.* non-employment of the word *atas* अथ योगानुशासनम् … इत्यादिष्वतःशब्दाप्रयोगः S'rutaPra. iA. 13.9 (*on* i. 1.1)

अतःशब्दारूढ (ataśśabdārūḍha) *adj.* borne out by the word *atas* (उक्तार्थम्) अतःशब्दारूढं कुर्वन्नुपसंहरति NyāySu.(Ja.) 75B.7 (*on* i. 1.1)

अतःशब्दार्थ (ataśśabdārtha) *m.* meaning of the word *atas* अतःशब्दार्थे चशब्दः निपातानामनेकार्थत्वात् NyāySu.(So.) 54.13 (*on* i. 2.9); अथशब्दस्यानन्तर्यस्वारस्यं हि नातःशब्दार्थनिर्णयसापेक्षम् S'rutaPra. iA. 12.23 (*on* i. 1.1); अतःशब्दार्थमाह S'rutaPra. ii. 550.20 (*on* iii. 4.25) = MayūMāli. 269.20 (*on* iii. 4.10)

अतःशब्दार्थता (ataśśabdārtha-tā) *f.* the state of being the meaning of the word *atas* अतःशब्दार्थतया हेतुत्वेन व्याख्यातवतां वृत्तिकाराणामिव नास्माकं पुनरुक्तिदोषः NyāySu.(Ja.) 90A.6 (*on* i. 1.1)

अतःशब्दार्थवत्त्व (ataśśabdārthavat-tva) *n.* meaningfulness of the word *atas* तादर्थ्येनातःशब्दार्थवत्त्वं स्यात् SiddhāSi. i. 14.25.

अतःशब्दावगन्तव्य (ataśśabdāvagantavya) *adj.* to be understood from the word *atas* कर्मविचारस्य हेतुभावोऽतश्शब्दावगन्तव्यः S'rutaPra. iA. 13.10 (*on* i. 1.1)

अतःशब्दावच्छिन्न (ataśśabdāvacchinna) *adj.* delimited by the word *atas* एता इति सर्वनाम्नोऽतश्शब्दावच्छिन्नजातकर्मादिविषयत्वं द्रष्टव्यम् Bāla-Krī. i. 32.23 (*on* 1.13)

अतःशब्दोक्त (ataśśabdokta) *adj.* expressed by the word *atas* अतःशब्दोक्तवेदाध्ययनानन्तर्यहेतुत्वयोस्तत्रानन्वयः MīmāKau. i. 1.14 (*on* i. 3.1)

अतःशब्दोपादान (ataśśabdopādāna) *n.* mention or employment of the word *atas* अथशब्देन साधनचतुष्टयस्य विचारहेतुत्वे परिगृहीते तस्यानिर्वाहाशङ्कायां तन्निराकरणेन हेतुत्वनिर्वाहाय अतःशब्दोपादानात् VivaPraSaṁ. 219.16.

अतष्ट (a-taṣṭa) *adj.* not levelled, not chiselled मूलत उपरमतष्टं भवति BhārS'S. vii. 2.9; ĀpaS'S. vii. 3.1; अष्टाश्रि तक्ष्णोति…अतष्टमुपरम् HirS'S. iv. 1.2; अतष्टद्विप्रादेशोपरं यूपं तक्षयति VaikhāS'S. 10.2; KāṭhGS. iv. 12.5; गवां मध्ये[ऽ]तष्टो यूपः MānGS. ii. 5.2; (दण्डाः) सत्वचः अतष्टाः ManuBh. i. 99.18 (*on* 2.47)

अतष्टमूल (ataṣṭa-mūla) *adj.* not chiselled at the bottom अष्टाश्रि गोपुच्छं करोति…अतष्टमूलम् MānS'S. 50.16; VārāS'S. I. vi. 1.15.

अतस् (á-tas) *adv.* [fr. the pronominal base *a*–, MAYR. 1.27; AltGr. III. p. 443; 512 / Indian Grammarians take it as a substitute for *etad* because of *itaḥ* and absence of the use of *tas* with *etad*, P. v. 3.5; Kātan. ii. 6.27; JaineVyā. iv. 1.72; CāndraVyā. iv. 3.8. P. in ii. 4.33 teaches that *ataḥ* without accent is used as anaphoric (*anvādeśa*) for *etad* (and also for *idam*) and KāśiVṛ. illustrates it with the example एतस्माच्छात्राच्छन्दोऽधीष्व, अथो अतो व्याकरणमप्यधीष्व; *ataḥ* combines with other adverbs and particles to give greater precision to its meaning cf. अत इतः, अत ऊर्ध्वम्, अत एव, अतः परम्, अतः प्रभृति, अथातः, अतोऽन्यत्र etc.] (functioning as an Abl. with its usual meanings both as a pronoun and pronominal adjective) **A i** than, as compared to (with *comp.* and *superl.* form of the *adj.*) अतश्चिदिन्द्रः सदसो वरीयान् ṚV. iii. 36.6; अतो ज्यायाँश्च पूरुषः ṚV. x. 90.3; अतो वा भूयो अश्विना। गृणन्तः सुम्नमीमहे ṚV. viii. 5.27; नेद्भूयश्चनातो भूयो विन्देत् S'atBr. XIV. iv. 2.30; अतोऽतो वा उत्तराणि श्रेयाँसि भवन्ति TaiBr. I. iv. 10.5; I. iii. 6.1; भूयो वा अतः सोमो राजार्हति MānS'S. 62.20; अतो दुःखतरं किं नु केशव प्रतिभाति मे MahāBhā. xi. 16.58; Rāmā. ii. 17.23; अतस्त्वितरज्ज्यायो लिङ्गाच्च BrahmSū. iii. 4.39; किं स्यादतः प्रियतमं गुरुणाभिधेयम् KundaMā. 6.44; शरीरं जीवो वा यदधिकमतो वा प्रियतरम् UttaRāC. 4.13; नातः परतरोऽन्योऽस्ति राज्यभेदकरो गदः PañcaT. 1.76 (88.11); अतो हास्यतरं लोके किंचिदन्यन्न विद्यते Subhāṣi. 371; अतः परतर उत्कृष्टो धर्मो नृपाणां नास्ति VīraMi. 359.23 (*on* 1.323); **A ii** (greater or lesser) than (without a *comp.* or *superl.* form) नातो विशिष्टं पश्यामि बान्धवं विमृशन्नहम् Rāmā. ii. 109.25; अतो विशिष्टं न हि दुःखमस्ति Saund. 6.42; सुरत्वमिन्द्रत्वमतोऽधिकं वा MārkP. 96.30; देवो वा सविता कुलस्य किमतो भूत्यै प्रशंसापदम् MahāvīC. 4.30; स्तोकं महद् वा धनं तत् प्राप्नोति मरुस्थलेऽपि नितरां मेरौ च नातोऽधिकम् S'atTrayī. 56; अतो न मत्तोऽपि बली DvyāśraKā. 18.100; नातोऽधिको मुमुक्षूणामपेक्ष्यो योगदर्शने YogaSā. 68.2; अतः प्रधानविधेयम् NityāṢoḍa. 4.68; **A iii** from (with verbs meaning to protect, to save etc.) ह्स्काराद्विद्युतस्पर्यतो जाता अवन्तु नः ṚV. i. 23.12; अतः पाहि स्तवमान स्तुवन्तमग्ने ṚV. i. 147.5; **A iv** from (with words meaning to avoid, to fly away from, to free from etc.) यस्यावधीत्पितरम् … शक्रो भ्रातरं नात ईषते ṚV. v. 34.4; योऽस्मान् द्वेष्टि यं च वयं द्विष्मस्तमतो मा मौक् TaiS. I. i. 9.1; VājaS. 1.25; दुर्बुद्धे विनिवर्तस्व वैरिपक्षस्तवादतः ViṣṇuP. i. 17.35; फले च हेतौ च जनो विषक्तवानिति प्रचिन्त्याहमतो विमोक्षणे। जनस्य संवादमिमं प्रक्लृप्तवान् UpadeSā. 162.5; **A v** (originating, coming) from, (born) of अतो ह्येष जातः AitĀ. I. iii. 4.2; गुरुगोत्रादतः कौत्सास्ते भवन्ति स्म गौतमाः Saund. 1.22; शब्द इति चेन्नातःप्रभवात् प्रत्यक्षानुमानाभ्याम् BrahmSū. i. 3.28; कथं तज्ज्योतिषां ज्योतिरित्यत इदमुत्थितम् 'न तत्र सूर्यो भाति' इति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 183.3 (*on* i. 3.22); त्रिधाहंकृतमेतस्मात् मनोऽभूत् सात्त्विकादतः SamarāSū. 4.8; अतः प्रभवात्। अस्मादिन्द्रादिशब्दादेव S'rīBh. 316.1 (*on* i. 3.27); संकल्पादेवेत्येतदतःशब्देन परामृश्यते S'rīBh. 767.7 (*on* iv. 4.12); यस्य दर्शनस्यार्थे पूर्वमुपासनोक्तातो दर्शनात् TattvPrakā. 186B.7 (*on* iii. 4.1); व्यष्टौ ताभ्यः कदाचित्तदुपजनिरतो व्यत्ययस्तत्समष्टौ TattvMu. 1.13; अतो वैदिकादेव इन्द्रादिशब्दात् इन्द्राद्यर्थसृष्टेः BrahmSūBh.(S'rī.) i. 462.5 (*on* i. 3.27); **A vi** (different) from, (other) than अतश्चिदा न उप वस्यसा हृदा युवान आ ववृध्वम् ṚV. viii. 20.18; अथो योऽतोऽन्यथाग्निहोत्रं जुहोति श्यामशबलौ हास्याग्निहोत्रं विखिदतः KauṣīBr. 2.9 (8.11); अतो यान्यन्यानि छन्दांसि श्यावं तेषां ततः पुनः DevaBr. 2.3; S'āṅkhāĀ. 2.11 (8.10); अतोऽन्ये भावविकाराः Nir. 1.3 (29.12); वैकृतं यदतोऽन्यथा MānS'S. 222.8; भूमेरतोऽन्योऽस्ति हि न प्रदेशः BuddhaC. 13.63; अतो विपरीतमणु VaiśeSū. vii. 1.10; न ह्यतोऽन्यदप्रत्ययकारणमस्तीति गोनर्दीयः KāmSū. 236.15 (4.1); 233.23 (4.1); किमपरमतो निर्व्यूढं यत्करार्पणसाहसम् MālaMā. 9.63; परमतः सेतुसंज्ञं चतुष्कम् S'atS'lo. 19; तस्मादस्ति प्राणादधि भूम्न उपदेश इति अतः प्राणादन्यः परमात्मा भूमा भवितुमर्हति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 157.11 (*on* i. 3.8); अतोऽन्यत्र सम्यग्ज्ञानत्वानुपपत्तेः संसाराविमोक्षः BrahmSūBh. (S'aṅ.) 304.19 (*on* ii. 1.11); वैराग्यमस्ति किमतः परमर्थनीयम् S'atTrayī. 187; अन्यदतो हि वितानम् JayaChand. 5.5; अतो नामप्रपञ्चो वेदात्मको भिन्न एव AṇuBh. 89.19 (*on* i. 3.28); **B i** from that (place) अतः परिज्मन्ना गहि ṚV. i. 6.9; त्रीणि पदा वि चक्रमे …। अतो धर्माणि धारयन् ṚV. i. 22.18; अतश्चक्षाथे अदितिं दितिं च ṚV. v. 62.8; viii. 10.1; ix. 86.15; x. 41.3; x. 149.2; अत इन्वत कवराणि भूरि AV. v. 2.6; उत्क्रामातः पुरुष AV. viii. 1.4; ix. 5.6; अतस्त्वं देव वनस्पते शतवल्शो विरोह VājaS. 5.43; लोमतः संभरति। अतो ह्यस्य मेध्यम् TaiĀ. v. 2.12 (597.8); तद् यज्ञमुखादेवैतन्नाष्ट्रा रक्षांस्यतोऽपहन्ति S'atBr. I. i. 2.3; उदतस्तिष्ठ KauśiSū. 3.5; **B ii** then, from that (time), henceforth [rare in ṚV] अतो न आ नॄनतिथीनतः पत्नीर्दशस्यत ṚV. v. 50.3; नृभिर्येतः कृणुते निर्णिजं गा अतो मतीर्जनयत स्वधाभिः ṚV. ix. 95.1; अत उ त्वा पितुभृतो जनित्रीरन्नावृधं प्रति चरन्त्यन्नैः ṚV. x. 1.4; अतोऽधि ते कृणवद्भागधेयं यदानुन्मदितोऽसति AV. vi. 111.1; अतो वै ब्रह्म च क्षत्रं चोदतिष्ठताम् AV. xv. 10.3; xv. 10.5; आतो वाग्यमनम् ĀśvaS'S. I. i. 5.35; नैनानन्यो अतः पश्येत् LāṭyāS'S. iii. 3.23; ब्रह्मचर्यं च आषोडशाद् वर्षात्। अतो गोदानं दारकर्म च ArthS'ā. i. 35.4 (1.5); संक्षेपमिममुक्त्वास्य विस्तरोऽतः प्रवक्ष्यते KāmSū. 9.9 (1.1); 92.2 (2.1); किं कर्तव्यमतः प्रियम् MudrāRā. 7.18; अत ऊर्ध्वेषु कालेषु PāraS. 9.7; अतः शरीरपातात् ऊर्ध्वम् GītāBh.(S'aṅ.) 12.8; अतः अस्माद्देहविनाशात्परमुत्तरकाले GītāBh.(S'aṅ.) 2.12; इतीदमाकर्ण्य स पावनं जयेरतोऽत्रपार्थस्य विरित्सया रिपोः। उदीर्णमुच्चैःफलदो हलायुधस्तथासदृक्षः पुनरब्रवीद्वचः RāghPāṇ.(Dha.) 11.31; अतः षण्मासाभ्यन्तरे तव पुत्रान् नीतिशास्त्राभिज्ञानहं करोमि Hitopa. 0.29 (1); यज्ञादिक्रियाणामत ऊर्ध्वं लोपो भविष्यति Pañcā. 55.16; तस्य भेदमतः शृणु YuktiKa. 46.12; 227.1; **B iii** therefore, for this reason, hence अतो वयमन्तमेभिर्युजानाः स्वक्षत्रेभिस्तन्वः शुम्भमानाः। महोभिरेताँ उप युज्महे ṚV. i. 165.5; एवेदतो अश्विना चेतयेथाम् ṚV. viii.

9.10; तत्स्वरेवैतदुतोऽभि विपश्यति S'atBr. I. i. 2.21; तस्माद् द्वयो रेत: सिक्तं सदेकतामेवाप्येति योषामेवाभि । अत आजाना हि योषा AitĀ. I. iv. 2.22; अतो न विषयो हेतुर्बन्धाय न विमुक्तये Saund. 13.53; अतश्च हस्त इत्युक्ता मया श्रद्धा विशेषत: Saund. 12.36; अतश्च प्रकृतं बुद्ध्वा देशकालान्तराणि च । तन्त्रकर्तुरभिप्रायानुपायांश्चार्थमादिशेत् CaraS. i. 26.35; अर्थे समवैषम्यमतो द्रव्यकर्मणाम् MīmāSū. iv. 1.21; अतस्त्वशङ्कनीयेयं भूमि: Avimā. 1.6 (2); अत: समीपे परिणेतुरिष्यते…प्रमदा S'āk. 5.18; अतो मध्यस्थ: पूज्यो भवितुमर्हति Mālavikā. 1.6 (20); त्वया मेऽवहृतं मन:। वृणोम्यहमतो मृत्युम् MārkP. 66.18; अतो न मन्युं कर्तुमर्हसि VeṇīSaṁ. 1.186; दधिरे रसाञ्जनमपूर्वमत: प्रियवेश्मवर्त्म सुदृशो ददृशु: S'iśuVa. 9.21; प्रायेणार्यभटेन व्यवहार: प्रतिदिनं यतोऽशक्य:। उद्वाहजातकादिषु तत्समफललघुतरोक्तिरत: KhaṇḍKhā. 1.2; MaBhāsk. 1.30; माङ्गलिकं तत्स्थानमतो दर्शय MālaMā. 6.82; पयोधिमिव वाडवो दहति मामतस्त्रायताम् MahāvīC. 5.26 (129.12); न चाग्निशुद्धिमल्पका: प्रतियन्तीत्यतो दारुणमनुष्ठितम् UttaRāC. 4.10 (8); अतो न पुरुषव्यापारतन्त्रा ब्रह्मविद्या BrahmSūBh.(S'aṅ.) 22.19 (*on* i. 1.4); तेऽपि…प्रतिषेद्धव्या:।…अत: प्रधानमल्लनिबर्हणन्यायेनातिदिशति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 274.17 (*on* i. 4.28); एवमनेकशक्तिप्रवृत्तियुक्तं ब्रह्म । अत एकत्वं नानात्वं चोभयमपि सत्यमेव BrahmSūBh.(S'aṅ.) 309.11 (*on* ii. 1.14); अतो वृत्तसंशयच्छेदश्छन्दोविचिते: विधेय: इति KāvyālaṅSū. i. 3.6; अत: परुषं रिपु: प्रतिजगर्जं तर्जयन् RāghPāṇ.(Dha.) 17.15; अत: शूद्रस्य नायं संस्कार: द्विजातिग्रहणाच्च ManuBh. i. 93.16 (*on* 2.35); ब्रह्म स्वयंज्योतिरतो विभाति BhāgP. xi. 28.22; अत: स्त्रीकृते मया मित्रवध: कर्तव्य: PañcT. 4.0 (381.4); अत:शब्द: वृत्तस्य हेतुभावे S'rīBh. 1.12 (i. 1.1); अतो नीति: प्रयत्नेन श्रवणीया नृपोत्तमै: YuktiK. 2.11; एकत्वोभयगोचरा मतिरतो द्वित्वं ततो जायते Lakṣaṇā. 10.12; प्रकाशकादिकं रूपं स्फटिकादिसलक्षणम्। अतस्तु ज्ञानरूपत्वम् LakṣmīT. 2.27; वनमिदमपूर्वसत्त्वाधिष्ठितम्। अतोऽस्माकं त्याज्यम् Hitopa. 2.71(6); हे साधो त्वमतो गुणेषु विपुलेष्वास्थां वृथा मा कृथा: S'atTrayī. 29; तस्या: किं विरहेऽपि जीवितमतो वाचालतां नाश्रये PuruṣPa. 194.22; तद्गुणनिर्णयशास्त्रं प्रमाणमतो नाटकलक्षणम् … वक्ष्याम: NāṭaLaRaK. 6; तव दाक्षिण्यमपि नास्ति । अतस्ते किमाशीर्वचसा BhojPra. 10.8; अत ईश्वरादेव फलं भवति AṇuBh. 204.15 (*on* iii. 2.38); अत: सद्गुरुवाहितदीक्षा सर्वकर्माणि साधयेत् TantrSā.(K.) 5.31; त्वं सेतुमन्थकृदत: किमसौ बिभेति Kuval. 20(28); अतो नृपसम: पुत्रो भविता ते न संशय: RatnaCū. 57; लिङादिज्ञानं हि शब्दभावनाभाव्यार्थभावनां निर्वर्तयति कुठार इव छेदनम्। अतो लिङादिज्ञानस्य करणत्वेनान्वय: MīmāNyāPra. 194.24; अत: … रामवेषो राजा जनकसमीपं प्रवेशयितव्य: JānaPa. 1.17 (7.21); अनेकजीववादेऽतो नावच्छेदनय: शुभ: VedāntSiSūMañ. 4.16; [Kośas give the meanings पञ्चम्यर्थ, हेतु, कारण AnekāSaṁ. 7.49; ViśvaPra. 187.21; ViśvaLoK. 409.18; Vaija. 285.16; अपदेश AnekāSaṁ. 7.49; ViśvaPra. 187.21; ViśvaLoK. 409.18; निर्देश AnekāSaṁ. 7.49; ViśvaPra. 187.21; ViśvaLoK. 409.18; निन्दा Vaija. 285.16; चित्र Vaija. 285.16]

अतस (at-asá) *m. n.* [Alt. Gr. I. 10 (átasa?); DEBRU. p. 236; MAYR. / derived fr. *at-* + *-asa*(*c*) Uṇā. 3.117; the word is enumerated in the *gaurādigaṇa*, GaṇPā. 81.56; JaineVyā. 153.26 (*on* iii. 1.23); CāndrVṛ. *on* ii. 3.37] *n.* **A** bush, thicket आ स्वमद्म युवमानो अजरस्तृष्वविष्यन्नतसेषु तिष्ठति ṚV. i. 58.2; i. 58.4; अग्निश्चिद्धि ष्मातसे शुशुक्वानापो न द्वीपं दधति प्रयांसि ṚV. i. 169.3; यथा चिद्वृद्धमतसमग्ने संजूर्वसि क्षमि ṚV. viii. 60.7; सोमो विश्वान्यतसा वनानि नार्वागिन्द्रं प्रतिमानानि देभु: ṚV. x. 89.5 = TaiS. II. ii. 12.3 = TaiĀ. x. 1.9 (774.13) = Nir. 5.12 (99.15); **B i** dry wood अग्नि: शोचिष्माँ अतसान्युष्णन् कृष्णव्यथिरस्वदयन्न भूम ṚV. ii. 4.7; iii. 7.3; यो नो अरातिं समिधान चक्रे नीचा तं धक्ष्यतसं न शुष्कम् ṚV. iv. 4.4 = TaiS. I. ii. 14.2 = VājaS. 13.12 = VājaS.(K.) xiv. 1.12 = MaiS. ii. 7.15 = KāṭhS. 16.15; ṚV. iv. 7.10; **B ii** dry grass अतसे शुष्कतृणे शुशुक्वान् दीप्तवान् अग्निरिव MīmāKau. iii(1). 99.8 (*on* i. 2.51); **C** forest अतस: पुमान्। वनस्पतिप्रभेदे स्यादतसी तु स्त्रियामियम्। उमासंज्ञे धान्यभेदे वने तु स्याद् नपुंसकम् NānārthāSaṁ. ii. 57.121; [*m.* **1** a kind of tree अतस: पुमान्। वनस्पतिभेदे NānārthāSaṁ. ii. 57.121; **2** a garment made of the fibre of flax अतस: … क्षौमं प्रहरणं वायुश्च DhātuVṛ. 1.38 (122.14); **3** missile, weapon अतस: … क्षौमं प्रहरणं वायुश्च DhātuVṛ. 1.38 (122.14); **4** wind, air अतसो वात: comm. *on* Uṇā. 3.117; DhātuVṛ. 1.38 (122.14); **5** soul स्वात्मा क्षेत्रज्ञ: पुरुषोऽतस: KośaKaTa. 1.33]

अतसर्थ (atas-artha) *m.* meaning of the suffix *atas* तातसर्थे त्येन JaineVyā. i. 4.39.

अतसाय्य (atasáyya) *adj.* [*f.* -ā] [DEBRU. p. 286, 405] attainable, to be sought after तव स्वधाव इयमा समर्य ऊतिर्वाजेष्वतसाय्या भूत् ṚV. i. 63.6; सद्यो यो नृभ्यो अतसाय्यो भूत्पस्पृधानेभ्य: सूर्यस्य सातौ ṚV. ii. 19.4.

अतसि (atasi) *f. Linum usitatissimum*, common flax, linseed स्फिगतसिजटिलालूम्नाहरिद्राबलाकामुखजलहरितालीकङ्गुगोधाविधानाम् KosaKaTa. 2.2361.

अतसिका (atasi-kā) *f. Linum usitatissimum*, common flax, linseed हृदि विभोरभवस्य कुर्यात्। … ऊरू … अतसिकाकुसुमावभासौ BhāgP. iii. 28.24; KośaKaTa. 2.7084.

अतसिज (atasi-ja) *adj.* (garment) made of the fibre of flax शाणजेऽतसिजे चापि क्षौमं क्लीब उदीरितम् S'abdaRaSaK. 227.11.

अतसिपिच्छा (atasi-picchā) *f.* scum or gum of linseed अन्त:पूरयेन्मुहु:। घृतेन कल्कीकृतया शाल्मल्यतसिपिच्छया AṣṭāHṛ. ii. 2.25.

अतसिसंभव (atasi-sambhava) *adj.* produced from linseed सर्षपस्य च तैलेन मधुकातसिसंभवै:। …नरकान्…। तीर्त्वा …राजा विष्णुलोकमगात् VāmaP. 95.62.

¹अतसी (atasí) *f.* [DEBRU. p. 237 (*atasī́* not *atasí*); 383, 405/ the word *atasa* is enumerated in the *gaurādigaṇa*, GaṇPā. 81.56; derived from *atasa* + *f.* suffix (*ṅ*)*ī*(*ṣ*), P. iv. 1.41; JaineVyā. 153.26 (*on* iii. 1.23); CāndraVṛ. *on* ii. 3.37; but PW and MW take the base as *atasí m.*] prayer [but PW beggar (one who wanders about), MW a wandering mendicant] कन्नव्यो अतसीनां तुरो गृणीत मर्त्य: ṚV. viii. 3.13 = AV. xx. 50.1.

²अतसी (atasī) *f.* [TURN. 198 / listed as *f.*, see Liṅgānu.(He.) 31.14; Liṅgānu.(Para.) (33). 3460] **1** *Linum usitatissimum* (also refers to flower or seed), common flax, linseed अतसीपुष्पसंकाश: पीतवासा जनार्दन: …व्यभ्राजत MahāBhā. v. 92.52; iii. 186.86; xii. 47.60; xii. 51.8; उष्णातसी स्वादुरसानिलघ्नी पित्तोल्बणा स्यात् कटुका विपाके SuśruS. i. 46.49; सुरदारुरास्नामाषातसीतैलफलानि कुष्ठम् … वातामयिनां प्रदेह: CaraS. i. 3.16 (1922 Ed.); i. 13.10; ii. 5.7 (1922 Ed.); षट्कं तैलमतसीनाम् ArthS'ā. i. 236.3 (2.15); i. 286.2 (2.24); तिला बहुविधाश्चोप्या अतसी शणमेव च BṛParāSm. 5.138; न देया: पितृकार्येषु … मधुकातसी MatsyaP. 15.38; MārkP. 15.8; VāyuP. i. 38.69; अतसीं शतपुष्पां च कुठारच्छिन्नमेव च। ऋषिवी(?बी)जं च विन्यस्य मध्यकुम्भे तु सप्तमे PāraS. 14.411; अतसीबिल्वैश्च युत: कल्कोऽयं वज्रलेपाख्य: BṛSaṁ. 57.3; 41.5; अतसी स्यादुमा क्षुमा AmaK. 1746; AnekāSa. 638; क्वचित्सगोधूमयवातसीतिला: (व्यराजत) VarāṅgaC. 21.41; भृष्टै: पयसि निर्वातैरतसीतिलसर्षपै:। क्षीरपिष्टै: प्रलिम्पेद्वा वातवैसर्पपीडितम् KāśyaS. 327A.3; 128B.23; पुराणपिण्याककृष्णाशिग्रुत्वगतसीसिकता मूत्रपिष्टा: सुखोष्णा: प्रलेपे दद्यात् AṣṭāSaṁ. ii. 108.11 (4.19); i. 187.19 (1.38); AṣṭāHṛ. v. 4.55; तिलातसीसर्षपतैलभावितं स्वदेहमेहातुरमाशु वामयेत् KalyāKā. 11.31; 9.38; ManuBh. ii. 210.8 (*on* 8.326); चणकोमातसी क्षौमी रुद्रपत्नी सुवर्चला ParyāRaMā. 476; AbhidhāRaMā. 2.427; शणबीजातसीयवान् … तक्रेणाम्लेन पेषयेत् (गण्डानि … प्रलेपात्तेन शाम्यन्ति) SiddhYo. 41.4; 44.17; JayaMa. 289.22; (*on* 5.5); न देया: पितृकार्येषु पयश्चाजाविकं तथा। कोद्रवो दारवरटा कपित्थ(?त्थं) मधुकातसी PadmP. v. 9.66; BrahmP. 217.62; BhaviP. 410B.19 (ii(3). 20.113); अतसीकरञ्जतैलप्रविगाढो वज्रलेप: स्यात् SamarāSū. 31.131; सुवर्चलामसृण्यौ च क्षुमा चोमाप्यतस्यपि Vaija. 126.45; 272.12; चण्डिकातसी TrikāS'e. ii. 9.4; iii. 3.293; कुलत्थमाषगोधूमैरतसीतिलसर्षपै: (संस्वेदयेन्नरम्) S'āṅgaS. iii. 2.24; iii. 5.48; iii. 11.99; Mitā. 64.6 (*on* 1.187); अतसी पिच्छला देवी मदगन्धा मदोत्कटा। उमा क्षुमा हैमवती सुनीला नीलपुष्पिका RājNi. 231.24; 426.11; DhanvNi. 231.19; AṣṭāNi. 22.6; अतसीभि: … सर्ववातहर: स्वेद: पुटाख्यो गात्रसंभव: AśvaVai. 18.3; 54.3; शणे भङ्गा मातुलानी स्यादुमा तु क्षुमातसी NighS'e. 2282; AnekāSaṁ. 2.309; 2.311; AbhidhāCin. 1179; ViśvaPra. 112.33; 112.34; अतसी सुरसाद्वयम् (…संगृह्य पल्लवानेषामम्ल(म्लि)काम्लेन मिश्रयेत् Mānaso. iii. 13.1551; शमी सक्तुफला शिम्बा चोमा दुर्गातसी स्मृता DharK. 1730; NānārthSaṁ. 16.22; NānārthāSaṁ. ii. 57.121; HārLa. 192.10; 'अयसी'ति अतसी SthānṬ. 406B.9; क्षौ(क्षु)मातसी, शाण: प्रसिद्ध: Aparā. 1055.18 (*on* 3.243); SmṛtiCan. i. 79.17; v. 374.7; उमातसी हैमवती हरिद्राकीर्तिकान्तिषु MediK. 115.2; CaturCin. iii(1). 548.17; ManvaVi. 133.13 (*on* 2.41); अतसीचम्पकवर्णौ तुलसीकीर्तिसुरभीकृतस्वाङ्गौ। यदुनाथौ नाथौ न: कृतम् अपरैश्चित्तदेवनरदेवै: EI. iv. 150.13; AnekāTi. 2.32; MadaPāNi. 65.46; चिक्कणस्त्वतसीकङ्गुप्रियङ्गूमाक्षुमा: समा: S'abdaRa.(Vā.) 2842; 3753; EI. x. 80.1; अतसीशीतशिवाकृष्णकन्दाहरितालमन:शिलासुवर्णपुष्पीमहाकन्दासर्जरसै: … पुराणघृतेन संयोज्य धूपयेत् Hastyāyur. 65.17 (1.9); 76.26 (1.10); 98.4 (1.14); 109.20 (1.15); अतस्येरण्डयोर्बीजान्याढकीशणयोरपि। मन्यास्तम्भे तु संगृह्य पञ्चमूलं च पेषयेत् Hastyāyur. 219.26 (2.22); 231.26 (2.30); 333.10 (2.70 (?69)); उमा क्षमातसी नीलपुष्पिका च कलायिका AbhidhāMañ. 136.5; 247.12;

251. 7; BhāvPraNi. 143. 68; ṢaḍrasaNi. 23. 11; ParaNā. 1058; तत्रातसीपुष्पसमानवर्णे निपी(त)र्णे(?) सति मक्षिकाः स्युः S'ilpaRa. i. 14. 29; अतसी प्रसिद्धा तस्या अपि शाकत्वेन तैलप्रकृतित्वेन वा निषेधः VīraMi.(S'rāddha.) 40. 12; (Saṁskāra.) 415. 13; VīraMi. 84. 14 (*on* 1. 29); 258. 16 (*on* 1. 186); उमा क्षुमातसी चण्डी KośaKaTa. 1. 6525; अतसी पिच्छला देवी ··· उमा क्षुमा हैमवती KalpaK. 140. 70; BhojanKu. 17. 14; S'abdaRaSaK. 227. 8; राम ··· कच्छातिरूढातसीगुच्छाङ्गप्रभ मर्दितुं मम समागच्छान्तरं दृश्यतः Rāmāṣṭa. 16; शणविकारः शाणः, क्षुमा अतसी तद्विकारः क्षौमम् BālamBha. i. 151. 24 (*on* 1. 29); i. 153. 4 (*on* 1. 29); KavīndraKa. 3. 6(20); [*atasī* is also identified with *bhāṅga*, *Cannabis sativa* अतसी तन्मयं भाङ्गिकम् SthāṇT. 338B. 5]; **2** blue or dark-brown (colour) उपप्रवेशकाः ··· रक्तपीतातसीहेमाः ··· वर्णानुरूपसद्गन्धमाल्यालेपनभूषणाः PāraS. 11. 183; **3** thicket, copse(?) [APTE]

अतसीकाष्ठ (atasī-kāṣṭha) *n.* wood of *Linum usitatissimum* अतसीकाष्ठजस्नेहसंयुक्तं तु विमर्दयेत् S'ilpaRa. ii. 19. 18.

अतसीकुसुम (atasī-kusuma) *n.* flower of *Linum usitatissimum* अतसीकुसुमश्यामकौशेयस्रग्विलेपनौ (गणौ) PāraS. 11. 171; रक्ताशोकस्य कुसुममतसीकुसुमं तथा ··· दातव्यम् ViṣṇuDhaP. ii. 91. 11; अतसीकुसुमानि च। किंशुकस्य च पुष्पाणि शस्तं पीतं गुणं भवेत् BhaviP. 349A. 6 (ii(2). 2. 36); गवलं माहिषं शृङ्गम् अतसीकुसुमं धान्यविशेषपुष्पं एतेषामिव प्रकाशो दीप्तिर्येषां ते तथा AupaSūT. 92. 10; अतसीकुसुमं विहसन्महसा ··· हरिः StavMā. 255. 11.

अतसीकुसुमच्छाय (atasīkusuma-cchāya) *adj.* having the complexion like the (colour of the) flower of *Linum usitatissimum* मरीचः ··· ददर्श दूरादायान्तं कार्यदूतं नियोगिनम् ··· अतसीकुसुमच्छायम् NarmaMā. 1. 48.

अतसीकुसुमदामन् (atasīkusuma-dāman) *n.* garland of the flowers of *Linum usitatissimum* अस्यातसीकुसुमदामरुचः कृपाणपट्टेन निर्मलकरालकरेण बाहुः। सङ्ग्रामभूमिषु भयङ्करताम् ··· आपत् HarVi. 39. 12.

अतसीकुसुमप्रकाश (atasīkusuma-prakāśa) *adj.* having the lustre as of the flower of *Linum usitatissimum* अत्यन्तबालमतसीकुसुमप्रकाशं दिग्वाससम् ··· कृष्णं नमामि KṛṣṇaKa. 2. 19.

अतसीकुसुमप्रभ (atasīkusuma-prabha) *adj.* having the lustre like that of the flower of *Linum usitatissimum* इति दत्त्वा वरं तेषामतसीकुसुमप्रभः ··· अन्तर्दधे हरिः BṛNāraP. 4. 77; अतसीकुसुमप्रभं मुखे तदनु त्वक्कचमेचकद्युति। ···प्रसृतं संप्रति सर्वतस्तमः AlaṅkāRa. 93. (12)

अतसीकुसुमवर्ण (atasīkusuma-varṇa) *m.* colour of the flower of *Linum usitatissimum* वाणातसीकुसुमवर्णनिभश्च शस्तः ··· सूर्यात्मजः BṛSaṁ. 10. 21.

अतसीकुसुमश्याम (atasīkusuma-śyāma) *adj.* dark like the flower of *Linum usitatissimum* अतसीकुसुमश्यामौ ··· गणौ ··· प्रत्यग्भागे तथा न्यसेत् PauṣkS. 4. 175; कार्यः ··· विष्णुः ··· अतसीकुसुमश्यामः BṛSaṁ. 58. 32; PāraS. 11. 54; 11. 150; 11. 171; नमामि परमात्मानं रामम्···। अतसीकुसुमश्यामम् SkandP. ii(8). 1. 29; ii(8). 7. 29; विष्णुमावाहयिष्यामि ···। अतसीकुसुमश्यामम् ViṣṇuDhaP. iii. 104. 35; (मुनिश्रेष्ठाः कृष्णम् ··· संस्तुवन्ति) जय जयातसीकुसुमश्यामदेह BrahmP. 65. 49; अतसीकुसुमश्यामः शुशुभे नवमाधवः DaśāvaC. 8. 231; देवाः ··· देवं वीक्षितुं समुपाव्रजन्। ··· अतसीकुसुमश्यामम् ParamāKā. 167. 6.

अतसीकुसुमसंकाश (atasīkusuma-saṅkāśa) *adj.* resembling (in colour) the flower of *Linum usitatissimum* अतसीकुसुमसंकाशत्वाद भेदोपचाराद्रुमा वा LalitāSaBh. 135. 3 (*on* 177)

अतसीकुसुमसाम्य (atasīkusuma-sāmya) *n.* likeness or resemblance with the flower of *Linum usitatissimum* व्योम्नोऽतसीकुसुमसाम्यमपह्नुवाना। ··· दोलातलं भगवती तदलंकरोतु S'rīKaC. 7. 52.

अतसीकुसुमाभ (atasīkusumābha) *adj.* having colour like that of the flower of *Linum usitatissimum* अतसीकुसुमाभं च मूत्रं यो बहु मुञ्चति Hastyāyur. 290. 27 (2. 58); अतसीकुसुमाव(?भ)तनुम् ··· भुवनैकगुरुम्। ··· प्रयजेत् PañcaRā.(Nā.) iii. 12. 11.

अतसीकुसुमाभास (atasīkusumābhāsa) *adj.* having the lustre of the flower of *Linum usitatissimum* अतसीकुसुमाभासं शयानं पीतवाससम्। ··· क्षणमात्रं तु तं दृष्ट्वा पुनस्तत्र न दृष्टवान् NaraP. 26. 42; सदनाग्रे ययौ तावद्धरिः कमललोचनः। अतसीकुसुमाभासः DevīBhāP. iii. 3. 28.

अतसीकुसुमावभास (atasīkusumāvabhāsa) *adj.* having the lustre of the flower of *Linum usitatissimum* चेतो मदीयमतसीकुसुमावभासं स्मेराननं स्मरति गोपवधूकिशोरम् KṛṣṇaKa. 2. 24.

अतसीकुसुमोपम (atasīkusumopama) *adj.* resembling (in colour) the flower of *Linum usitatissimum* अतसीकुसुमोपमं मुखे तदनु त्वक्कुचचूचुकद्युति। अथ बालतमालमांसलं प्रसृतं संप्रति सर्वतस्तमः NavaSāC. 12. 41.

अतसीकुसुमोपमेय (atasīkusumopameya) *adj.* to be compared with the flower of *Linum usitatissimum* अतसीकुसुमोपमेयकान्तिः ··· वनमाली वितनोतु मङ्गलानि HariVi. 5. 97.

अतसीकृत (atasī-kṛta) *adj.* made from (the bark of) the plant *Linum usitatissimum* अथ भवेत्क्षौमं दुकूलेऽस्त्रियामङ्के स्यादतसीकृते च वसने KośaKaTa. 2. 7003.

अतसीगण (atasī-gaṇa) *m.* bundle of flax or the plant *Linum usitatissimum* पिचव्यानां चातसीगणपट्टमूलकानां पुष्कलान् संभारान् ··· लोकेनादाय व्रजता ··· व्याप्तदिगन्तरम् ··· वनग्रामकं ददर्श HarṣaC. 305. 13.

अतसीगुच्छ (atasī-guccha) *m.* bunch or cluster of (the blossoms of) *Linum usitatissimum* लक्ष्मीविद्युल्लसितमतसीगुच्छसच्छायकायम् ··· त्रिदशपरिषत्कालमेवं ददर्श RāmāCam. 1. 13; कति सन्ति गृहे बालाः···। येनायमतसीगुच्छच्छविः प्रक्षोभितस्त्वया (कृष्णः) GopāKeCan. 51. 9.

अतसीचूर्ण (atasī-cūrṇa) *n.* powder of (the seeds of) *Linum usitatissimum* अतसीचूर्णभागं च संभृतं स्थापयेत् त्र्यहम् Hastyāyur. 678. 23 (4. 23)

अतसीज (atasī-ja) *adj.* **i** produced from (the fibres of the bark of) *Linum usitatissimum* क्षौमं वल्कलजांशुके शणजेऽतसीजे MediK. 115. 9; **ii** produced from (the seeds of) *Linum usitatissimum* अतसीजं महाकालीनिम्बजं तिलजं तथा ··· तैलमादाय RasRaSa. 10. 74.

अतसीतैल (atasī-taila) *n.* oil of (the seeds of) *Linum usitatissimum* अतसीतैलसंयुक्ताः दीपा दत्ताः शिवालये SkandP. i(1). 13. 44; मधुरं त्वतसीतैलं पिच्छिलं चानिलापहम्। मदगन्धि कषायं च कफकासापहारकम् RājNi. 234. 6 = BhojanKu. 152. 4; कुलत्थमतसीतैलम् ··· वर्जयेत् Rasā. 18. 124; सः (तैलशब्दः) स्नेहमात्रवाचकः अतसीतैलमेरण्डतैलमित्यादि CaturCin. iii(2). 717. 10; अतसीतैलमाग्नेयं स्निग्धोष्णं कफपित्तनुत् MadaPāNi. 57. 38.

अतसीत्वच् (atasī-tvac) *f.* bark of *Linum usitatissimum* क्षौमं अतसीत्वक्संभवतन्तुनिर्मितम् SmṛtiCan. v. 267. 8; क्षौमाणामतसीत्वग्जनितानाम् ManvaVi. 669. 2 (*on* 5. 120)

अतसीधूमचूर्ण (atasīdhūma-cūrṇa) *n.* powder of wheat and seeds of *Linum usitatissimum* अतसीधूमचूर्णैर्द्विमिस्तूदकसिद्धाम् ··· यवागूं मांसरससुसंस्कृतां पाययेत् Hastyāyur. 96. 23 (1. 13)

अतसीनील (atasī-nīla) *adj.* dark like (the flower of) *Linum usitatissimum* अङ्गाट्टङ्किकया कलङ्कमतसीनीलं लुनीहि स्वयम् ··· कुरङ्गकेतनम् AnyoMuLa. 68.

अतसीपट (atasī-paṭa) *m.* cloth made of (the fibres of the bark of) *Linum usitatissimum* दुकूलमतसीपटे S'abdaRa.(Su.) 3. 219.

अतसीपत्त्रक (atasī-pattraka) *n.* leaf of *Linum usitatissimum* अतसीपत्रकं निम्बं न्यग्रोधकलिकान्वितम्। अतीसारे प्रशंसन्ति पिण्डोऽयं वाजिनः शुभः AśvaCi. 13. 35; त्रिफलाम्भसा तु संमर्थ सप्ताष्टदशरात्रकम्। यवगोधूममाषांश्चाप्यतसीपत्रकं तथा। यथा समांशं संयोज्य चूर्णितम् S'ilpaRa. ii. 19. 10.

अतसीपिष्ट (atasī-piṣṭa) *n.* fine powder of (seeds of) *Linum usitatissimum* (तोयम्) कतकफलनिघृष्टं वातसीपिष्टयुक्तम्। ··· परिकलितमनेकैः शोधितं गालितं तत् KalyāKā. 5. 12.

अतसीपुष्प (atasī-puṣpa) *n.* flower of *Linum usitatissimum* ग्रीष्मेऽतसीपुष्पनिभस्तीक्ष्णांशुर्दावदीपिताः। दिशो ज्वलन्ति AṣṭāSaṁ. i. 16. 8 (1. 4)

अतसीपुष्पक (atasīpuṣpa-ka) *n.* flower of *Linum usitatissimum* पूजयेद्यदि। ··· अतसीपुष्पकैर्देवं विष्णुवल्लभतामियात् S'ivaP. ii(1). 14. 30 (56B. 8)

अतसीपुष्पवर्ण (atasīpuṣpa-varṇa) *adj.* having the colour of the flower of *Linum usitatissimum* अतसीपुष्पवर्णानि ताम्राणि वा विसर्पीणि पिडकावन्ति च दद्रुकुष्ठानि SuśruS. ii. 5. 8; कोविदारपद्मपाटलीकलायक्षौमातसीपुष्पवर्णाः ··· ध्मायमाना न स्फुटन्ति ··· रूप्यधातवः ArthS'ā. i. 201. 2 (2. 12); (वृषभः) अतसीपुष्पवर्णश्च तथा धन्वतरः स्मृतः MatsyaP. 207. 26; अतसीपुष्पवर्णस्तु पीतवासा जनार्दनः SkandP. v(3). 103. 52; *m.* colour of the flower of *Linum usitatissimum* प्राणिनां च कपालेषु क्रिमयः सन्ति पञ्च वै। ··· अतसीपुष्पवर्णेन कृष्णपुच्छा न संशयः PadmP. ii. 53. 95.

अतसीपुष्पवर्णाभ (atasīpuṣpavarṇābha) *adj.* [*f.* -ā] resembling in colour the flower of *Linum usitatissimum* अतसीपुष्पवर्णाभः श्रीवत्सकृतलक्षणः। साक्षाल्लक्ष्म्या इवावासः स तदा प्रतिभाति मे MahāBhā. iii. 186. 86; प्रवक्ष्यामि ···। अतसीपुष्पवर्णाभाम् ··· महिषासुरमर्दिनीम् MatsyaP. 260. 57.

अतसीपुष्पश्याम (atasīpuṣpa-śyāma) *adj.* dark like the flower of *Linum usitatissimum* रूपेणानेन चरति पाकलः ···। वैष्णवोऽप्यतसीपुष्पश्यामः Hastyāyur. 703. 21 (4. 35)

अतसीपुष्पसंकाश (atasīpuṣpa-saṅkāśa) *adj.* [*f.* -ā] resembling

(in colour) the flower of *Linum usitatissimum* अतसीपुष्पवर्णाभः (v. l. अतसीपुष्पसंकाशः) श्रीवत्सकृतलक्षणः। … स तदा प्रतिभाति मे MahāBhā. iii. 186. 86; अतसीपुष्पसंकाशः पीतवासा जनार्दनः। व्यभ्राजत सभामध्ये हेम्नीवोपहितो मणिः MahāBhā. v. 92. 52; xii. 47. 60; xii. 51. 8; अतसीपुष्पसंकाशमिदं मूर्तिगणं स्मृतम् PauṣkS. 36. 168; अतसीपुष्पसंकाशम् …। संस्थापयामि देवेशम् …जनार्दनम् MatsyaP. 266. 35; अतसीपुष्पसंकाशवासोमाल्यानुलेपनम्। वीरघ्नं वीरहाख्यं च ध्यायेत् PāraS. 11. 146; अतसीपुष्पसंकाशां तत्र देवीं सलक्षणाम्।… पूजयेत् MṛgendraT. App. 2 (256. 16); अतसीपुष्पसंकाशं यत्तावन्नेत्रमण्डलम् PrakaPañ. 56. 7; संचिन्तयेत् … अतसीपुष्पसंकाशवसनम् (संकर्षणम्) LakṣmīT. 10. 32; जनार्दनः। प्रादुर्बभूव … अतसीपुष्पसंकाशः SkandP. i(1). 18. 23; ii(1). 9. 78; iv. 19. 119; अतसीपुष्पसंकाशं पीताम्बरधरं शुभम्। सदण्डं महिषारूढं (यमम्) लिखेत्पत्रे तु दक्षिणे ViṣṇuDhaP. ii. 104. 44; अतसीपुष्पसंकाशम् …। दिव्याम्बरधरं दृष्ट्वा मृकण्डुर्विस्मितोऽभवत् BṛNāraP. 4. 80; 15. 68; 36. 40; विश्वकर्मा …। तत्स्थानात्कारयामास प्रतिमाः … द्वितीयं पुण्डरीकाक्षम् …। अतसीपुष्पसंकाशम् … हरिम् BrahmP. 50. 51; 178. 123; अतसीपुष्पसंकाशम् …याम्यां तु स्थापयेद्बुधम् BhaviP. 382A. 2 (ii(2). 20 (? 19). 71); अतसीपुष्पसंकाशो विष्णुः पीताम्बरो हरिः PadmP. iv. 94. 50; देवः…अतसीपुष्पसंकाशः…आगतोऽयम्…विष्णुः SaurP. 57. 53; (इन्द्रनीलस्य…अष्टविधा छविः) अतसीपुष्पसंकाशा Mānaso. ii. 4. 502; iii. 1. 753; iii. 8. 1053; iv. 2. 245; अतसीपुष्पसंकाशं खं वीक्ष्य जलदागमे। ये वियोगेऽपि जीवन्ति न तेषां विद्यते भयम् S'ārṅgaPa. 512 = Subhāṣi. 1718.

अतसीपुष्पसच्छाया (atasīpuṣpa-sacchāyā) *adj.* (*f.*) having the lustre of the flower of *Linum usitatissimum* वक्ष्ये कात्यायनीं देवीम्…अतसीपुष्पसच्छायाम् Mānaso. iii. 1. 766.

अतसीपुष्पसंनिभ (atasīpuṣpa-sannibha) *adj.* resembling (in colour) the flower of *Linum usitatissimum* शोभतेऽभ्यधिकं शौरिरतसीपुष्पसंनिभः MahāBhā. vii. 213*(4); होमं कुर्यात्तदर्धेन अतसीपुष्पसंनिभैः। तिलैः JayāS. 31. 35; जलजैश्च…नानावर्णैः…तपनीयसवर्णैश्च अतसीपुष्पसंनिभैः (युक्त प्रदेशम्) MatsyaP. 118. 41; अकस्मात्सलिले तस्मिन्नतसीपुष्पसंनिभम्।…प्रपश्याम्यहमीशानम् SkandP. v(3). 19. 22; अनयोर्मध्यतस्त्वे(? स्त्वे)कम् … सर्वाभरणसंपन्नमतसीपुष्पसंनिभम्…पश्यामि LiṅgaP. ii 5. 98; अतः परं वर्णवर्णान् व्याहरामि यथातथम्। चम्पका अतसीपुष्पसंनिभं विद्रुमं तथा DevīBhāP. xii. 2. 5; सकारं गुल्फयोर्न्यसेदतसीपुष्पसंनिभम् BṛParāSm. 4. 80; BālamBha. i. 111. 18 (on 1. 24–25); राजावर्तः स एव स्यादतसीपुष्पसंनिभः Mānaso. iii. 1. 161; iii. 14. 1612.

अतसीपुष्पाच्छगुच्छ (atasīpuṣpācchaguccha) *m.* beautiful bunch of the flowers of *Linum usitatissimum* हस्तन्यस्तविमुग्धवेणुमतसीपुष्पाच्छगुच्छच्छविं तूर्णं दर्शय (कृष्णम्) GopāKeCan. 108. 33.

अतसीप्रभव (atasī-prabhava) *adj.* made of (the fibres of the bark of) *Linum usitatissimum* क्षौममतसीप्रभवम् Aparā. 507. 28 (on 1. 241)

अतसीफल (atasī-phala) *n.* seed (*lit.* fruit) of *Linum usitatissimum* or common flax, linseed तण्डुलानतसीफलम्। मार्षास्तिलांश्च किण्वं च सर्वमेकत्र चूर्णयेत् CaraS. vi. 8. 176 (1941 Ed.); मसूरिकाः। … लोहजालसमाः काश्चिदतसीफलसंनिभाः RugVi. 54. 26; YuktiKa. 149. 1.

अतसीबीज (atasī-bīja) *n.* seed of *Linum usitatissimum* or common flax, linseed तिलैरण्डातसीबीजसर्षपैः परिलिप्य च। श्लेष्मगुल्ममयःपात्रैः सुखोष्णैः स्वेदयेद्भिषक् CaraS. vi. 5. 141 (1941 Ed.); vi. 25. 51 (1941 Ed.); SmṛtiCan. v. 266. 17; (स्नेहैः दीपं दद्यात्) स्नेहाः एरण्डकुसुम्भातसीबीजोद्भवाः, न वसादयः VīraMi. (S'rāddha.) 161. 26.

अतसीमय (atasī-maya) *adj.* made of (the fibre of) flax, flaxen क्षौममतसीमयं गोण्यादि BālaKrī. ii. 17. 9 (on 3. 36); क्षौममतसीमयं वस्त्रम् Aparā. 261. 18 (on 1. 187) = 831. 7 (on 3. 37); कौशेयमतसीमयम् Aparā. 784. 22 (on 2. 180) = 846. 14 (on 2. 275)

अतसीलता (atasī-latā) *f.* the plant *Linum usitatissimum*, common flax plant घृतगन्धा निम्बुवल्ली तिलकन्दातसीलता। … दिव्यौषध्यो महाबलाः RasPraSu. 9. 8.

अतसीवज्र (atasī-vajra) *m.* name of a kind of greyish sword or scimitar अतसीफलसंकाशमङ्गं भूमिः सितासिता। अतसीवज्रमाहुस्तं (खड्गम्) तत्क्षते शिरसो रुजा YuktiKa. 149. 2.

अतसीवर्णसंनिभ (atasīvarṇa-sannibha) *adj.* resembling the (bluish) colour of the (flowers of the) common flax (said of a species of snakes) नानाविचित्रराजीभिरतसीवर्णसंनिभाः। बाणपुष्पसवर्णाभा वैश्यास्ते वै भुजंगमाः BhaviP. 75B. 29 (i. 36. 40)

अतसीवल्कलमय (atasīvalkala-maya) *adj.* made of the fibre of flax, flaxen क्षौममतसीवल्कलमयं वस्त्रम् Aparā. 296. 3 (on 1. 204)

अतसीवसन (atasī-vasana) *n.* linen cloth क्षौममट्टे दुकूले स्यादतसीवसनेऽपि च Vis'vaPra. 110. 6.

अतसीवस्त्र (atasī-vastra) *n.* linen cloth क्षौमं स्यादतसीवस्त्रे Vis'vaLoK. 248. 42.

अतसीवृक्षवल्कल (atasīvṛkṣa-valkala) *n.* fibre of the flax plant क्षौमं अतसीवृक्षवल्कलनिर्मितम् DīpKa. 23. 12 (on 1. 187)

अतसीसरस् (atasī-saras) *n.* name of a holy lake in Kashmir (कश्मीरायाम् … नरः) उद्वर्तनसरः पुण्यं पुण्यं च अतसीसरः। … दृष्ट्वा स्वर्लोकमाप्नुयात् NilaP. 1261.

अतसीसूत्र (atasī-sūtra) *n.* flax-yarn or fibre क्षौममतसीसूत्रनिर्मितम् SmṛtiCan. i. 75. 9 = ii. 477. 18 = DīpKa. 80. 5 (on 3. 36); क्षौममतसीसूत्रकृतं दुकूलम् BālamBha. i. 372. 5 (on 1. 119); VīraMi. 817. 20 (on 3. 36)

अतसीसून (atasī-sūna) *n* (blue) flower of *Linum usitatissimum* or flax तस्यातसीसूनसमानभासो (हरेः) भ्राम्यन्मयूखावलिमण्डलेन। चक्रेण रेजे यमुनाजलौघः स्फुरन्महावर्त इवैकबाहुः S'is'uVa. 3. 17; प्रवर्तमानः सुरनायकाङ्के जिनोऽतसीसूनसमानभानुः। विकस्वरे चम्पकपुष्पकोशे प्रशस्यरोलम्बयुवेव रेजे NemiC. 6. 4.

अतसुच् (atasuc) (Gr.) the secondary suffix *atás* दक्षिणोत्तराभ्यामतसुच् P. v. 3. 28; दक्षिणोत्तराभ्यामतसुजिति सूत्रेण चास्तात्यपवादकः अतसुच्प्रत्ययो विहितः LaCandr. 599. 33; GuruCandr. iii. 63. 3.

अतस्कर (a-taskará) *adj.* free from robbers or bandits तं पन्थानं जयेमानमित्रमतस्करम् AV. xii. 1. 47; *m.* not a thief अतस्करस्तस्करसंगतो यथा तद् वो निहन्मि प्रथमं ततोऽप्ययमुम् KumāSaṁ. 15. 42; वणिगतस्करः …जगति दुर्लभः HarṣaC. 249. 11; अद्वैतात्मसत्याभिसंधस्य अतस्करस्येव तप्तपरशुग्रहणे बन्धदाहाभावः … मोक्षश्च ChāndoUBh. 8. 9 (on 0. 0. 0); विषमो हि सङ्गदोषस्तस्करयोगोऽप्यतस्करस्येव ParamāSā. 53; BālamBha. ii. 284. 26 (on 2. 170)

अतस्करकरग्राह्य (a-taskarakaragrāhya) *adj.* not liable to be stolen by the hands of a thief or robber अतस्करकरग्राह्यमराजाज्ञावशंवदम्। अदायादविभागार्हं धनमार्जयत स्थिरम् SūktiRa. 163. 125.

अतस्तब्ध (a-tastabdha) *adj.* (recitation) not frequently interrupted or broken, without falterings ततोऽसौ व्याहरेद् विप्रान् वाचकः श्रद्धयान्वितः। अलम्बितमतस्तब्धम् …। अलंसक्ताक्षरपदं रसभावसमन्वितम् BhaviP. 312B. 8 (i. 216. 62)

अतस्तित (atastita) *adj.* [w. r. for *adhaḥsthita*?] situated low, lower भूषयेद् द्वारशाखाभ्यामूर्ध्वौदुम्बरकं द्विज। व्यालसिंहगजाश्वाद्यैरुदुम्बरमतस्तितम् (? अधःस्थितम्) PauṣkS. 4. 52.

अतस्त्या (atas-tyā) *adj.* (*f.*) [P. iv. 2. 104] emanating therefrom अतस्त्यान्धकास मानसमा नः ĪśvaS'. 93 (comm. हे अन्धकास अन्धकदैत्यमस्यति यस्तत्संबोधनम्। …[नः] अस्माकं मानसमा मानसस्य चेतसः मा शोभा…अतस्त्या अत आगता)

अतस्त्व (atas-tva) *n.* infiniteness, endlessness, boundlessness किमस्ति गगने … अतस्त्वम् KavīndraKa. 3. 1(12) (comm. गगने अतस्त्वम् अनन्तत्वम् अस्ति। 'तसु उपक्षये' भावे क्विप् नञ्बहुव्रीहौ भावे त्वप्रत्ययः)

अतस्थान (á-tasthāna) *adj.* not suiting, not fitting that place तद्तुथा न कुर्यादतस्थानो वा एषः S'atBr. XII. v. 1. 1 = XII. v. 1. 2 = XII. v. 1. 3 = XII. v. 2. 2.

अताच्छीलिक (a-tācchīlika) *adj.* (Gr.) (a suffix) not denoting a particular disposition or habit or custom (of the agent of the action) तदेवं ताच्छीलिकानामताच्छीलिकैरेवासरूपविधिर्नास्तीति ज्ञापितम् PariVṛ.(Sī.) 88. 19.

अताच्छील्य (a-tācchīlya) *n.* **A** (Gr.) absence of the state of (an agent's) having a particular disposition or custom or habit साधुकारिण्यताच्छील्येऽपि णिनिर्भवति Nyās. i. 623. 3 (on P. iii. 2. 78); PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. iii. 2. 135; **B** habitual non-observance of that (religious impiety) धर्मशीले महीपाले यान्ति तच्छीलतां प्रजाः। अताच्छील्यमतच्छीले MahāP. 41. 97.

अताच्छील्यार्थ (a-tācchīlyārtha) *adj.* (Gr.) (a rule) intended for (enjoining the suffix in a sense) other than (an agent's) having a particular disposition or custom or habit अताच्छील्यार्थ आरम्भः। जात्यर्थो वा KāśiVṛ. on P. iii. 2. 79 = Nyās. i. 623. 11 (on iii. 2. 79); Nyās. i. 622. 25 (on iii. 2. 78); i. 651. 19 (on iii. 2. 135); अताच्छील्यार्थमिदम् Pradī. iii. 174A. 30 (on iii. 2. 78) = iii. 206B. 16 (on iii. 2. 135); 'सुप्यजातौ…' इति सिद्धेऽताच्छील्यार्थमिदं वचनम् PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* iii. 2. 51; *on* iii. 2. 78; 'साधुकारिणि'। अताच्छील्यार्थं जात्यर्थं वासरूपनिवृत्त्यर्थं च Prasā. ii. 541. 8; ii. 541. 9; SiddhāKau. 499A. 4.

अताच्छील्यार्थम् (a-tācchīlyārtham) *adv.* intended for (enjoining

the suffix in a sense) other than (an agent's) having a particular disposition or custom or habit तृन्विधावृत्विक्षु चानुपसर्गस्य । अताच्छील्यार्थं वक्तव्यम् Prasā. ii. 585. 9.

अताटङ्क (a–tāṭaṅka) *adj.* having no ear-ornament एककर्णस्थताटङ्काद-ताटङ्कं वरं मुखम् SūktiMu. 88. 11.

अताडन (a–tāḍana) *n.* **i** absence of striking अमुं निदानं विदुरायतीनां नेह प्रभावाच्छिदुरा यतीनाम् । अताडनैः कार्मुकमाविलेषु … माविलेषु Kapphiṇā. 6. 42; **ii** not beating or inflicting corporeal punishment तथा हि शिष्यशिष्टिरवधेनेति । अस्यार्थः । शिष्यस्य शिक्षावधेनाताडनेन Subodhi. 21. 9 (*on* 2. 32); BālamBha. ii. 48. 27 (*on* 2. 32)

अताडनीय (a–tāḍanīya) *adj.* who should not be beaten or inflicted with corporeal punishment (अबन्धनं यश्च बध्नाति बन्ध्यं यश्च प्रमुञ्चति । अप्राप्तव्यवहारं च) चकारैरताडनीयताडनकर्तुर्बद्धोन्मोचयितुश्च संग्रहः ViraMi. 704. 17 (*on* 2. 243)

अताडयत् (a–tāḍayat) *adj.* **i** not beating or causing any injury (as a punishment) (राजा विनिर्णयं कुर्यादक्षिण्वन् न्यासधार(? रि)णम् ManuSm. 8. 196) अक्षिण्वन् अताडयन् SmṛtiCan. iv. 423. 17; **ii** not stroking (water with the hands) उदकं हस्तादिनानभिघ्नन्नताडयन्नुपस्पृशेत् स्नायात् BālamBha. i. 342(? 322). 27 (*on* 1. 100)

अताडित (a–tāḍita) *adj.* [*f.* –ā] **i** not beaten, not struck देवदुन्दुभयश्चैव नेदुः स्वयमुदीरिताः (v. l. अताडिताः) MahāBhā. iii. 195. 14; ततः प्रभृति कुसुमधवलाभिर्वनलताभिरताडितापि वेदनामधत्त HarṣaC. 47. 8; 184. 12; अताडिते तूर्यनादस्ताडिते नादवर्जिते VasiS. 45. 100; **ii** not played upon अङ्कगतापि न वीणा कलमधुरमताडिता क्वणति Subhāṣi. 2852.

अताण्डव (a–tāṇḍava) *n.* absence of the *tāṇḍava* (violent type of dance) अताण्डवचलच्चण्डवीचिदोर्दण्डमण्डलैः BṛKathāMañ. v. 1. 80.

अतातनय (a–tātatanaya) *adj.* not the son of (our) father येनायम् … माम् … अतातनयमिव … अतिदुष्करे कर्मणि समादिष्टवान् HarṣaC. 249. 4.

अताति (a–tāti) *f.* free from dependence on others, independence ततोऽतातिततोतौते ततता ते ततोततः AlaṅkāCin. 38. 7 (comm. तातिः परिग्रहः परायत्तत्वम् … न तातिः अतातिः)

अतात्त्विक (a–tāttvika) *adj.* [*f.* –ī] not true, unreal तथा चायं क्रियाकरणेतिकर्तव्यताफलप्रपञ्चम् अतात्त्विकं विनिश्चिन्वन् कथमधिकृतो नाम Bhām. 43. 24 (*on* i. 1. 1); 165. 18 (*on* i. 2. 6); NayaVi. 259. 2 (*on* i. 1. 24); ममेति चेतनोपरागो दर्पणस्येव मुखोपरागो भेदाग्रहादतात्त्विकः NyāyKuA. i. 52. 4; PramāMā. 16. 17; संसारमालासु चलाचलासु न ज्ञायते तत्त्वमतात्त्विकीषु YogVā. i. 27. 26; अभिदा श्रुतिगाप्यतात्त्विकी चेत् पुरुषार्थश्रवणं न तद्गतौ स्यात् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 15. 59; SiddhāTaVi. 51. 45; न हि तत्त्वप्रधानशास्त्रस्यातात्त्विकगुणप्रतिपादनपरत्वं युक्तम् S'rutaPra. ii. 463. 14 (*on* iii. 3. 5); ii. 573. 15 (*on* iv. 1. 2); SarvaDaKau. 107. 10; अतात्त्विकं हि तात्त्विकात्यन्ताभावप्रतियोगीत्युक्तम् Nyāyāmṛ. 409B. 8; 240B. 8; SiddhāMu. 26. 29 (*on* 49); ब्रह्मभिन्नं प्रपञ्चनिषेधादिकं अतात्त्विकमित्यतात्त्विकत्वेन बोधयन्त्याः श्रुतेरप्रामाण्यासंभवात् AdvaiSi. 110. 1; 99. 1; 334. 18; S'ivārkaMaDī. ii. 244. 11 (*on* iii. 2. 11); GuruCandr. i. 153. 19; i. 158. 22.

अतात्त्विकगन्धानुमिति (atāttvikagandhānumiti) *f.* inference of unreal smell गन्धप्रागभावावच्छिन्ने घटे तात्त्विकव्याप्त्यादिमतापि पृथिवीत्वेनातात्त्विकगन्धानुमितिदर्शनात् AdvaiSi. 365. 17.

अतात्त्विकघटादिस्वरूप (atāttvikaghaṭādi–svarūpa) *n.* nature of the unreal jar etc. मिथ्यात्वानुमितेः घटादिनिषेधस्य बोधकत्वेऽपि तस्य तात्त्विकत्वेन अतात्त्विकघटादिस्वरूपज्ञानस्य उपजीव्यस्याविरोधात् GuruCandr. i. 295. 11.

अतात्त्विकत्व (atāttvika–tva) *n.* the state of being not true or unreal न तावत् ज्ञानं पक्षविषयं प्राश्निकाधिकरणं चेति बौद्धराद्धान्ते संभवति ज्ञानस्यानाधारत्वात् । विषयिविषयभावस्यातात्त्विकत्वात् TātpaṬ.(Vā.) 321. 10 (*on* i. 2. 1); आत्मभेदस्यातात्त्विकत्वेन … भेदनिर्देशो न संगच्छते GītāBhā.(Rā.) 61. 2 (*on* 2. 12); TattvPradī.(Ci.) 75. 3; गुणानामतात्त्विकत्वान्नासंगतिरिति चेत् – अत एव ह्यसंगतिः S'rutaPra. ii. 463. 13 (*on* iii. 3. 5); ii. 434. 21 (*on* iii. 2. 11); TarkSaṁ.(Ā.) 7. 5; 136. 20; SarvaDaKau. 124. 9; न ह्येकस्मिन्नेवाकारे तात्त्विकातात्त्विकत्वयोः प्राप्तिरस्ति Nyāyāmṛ. 624A. 6; 107B. 8; AṇuBh. 71. 16 (*on* i. 2. 30); 84. 8 (*on* i. 3. 19); LaCandr. 463. 22.

अतात्त्विकत्वकण्ठोक्ति (atāttvikatva–kaṇṭhokti) *f.* explicit mention of the nature of being unreal or untrue ऐक्यस्यातात्त्विकत्वकण्ठोक्तिर्दर्शिता S'rutaPra. iB. 81. 25 (*on* i. 1. 1)

अतात्त्विकत्वद्योतक (atāttvikatva–dyotaka) *adj.* indicating the state of not being true यत्र यदा द्वैतमिव भवति । स्वनिष्ठभेद इव भवति । इवशब्दः स्वनिष्ठभेदस्यातात्त्विकत्वद्योतकः S'rutaPra. iA. 207. 13 (*on* i. 1. 1)

अतात्त्विकत्वपक्ष (atāttvikatva–pakṣa) *m.* view (that something is) of the nature of unreal मिथ्यात्वघटकाभावस्य तात्त्विकत्वपक्ष इवातात्त्विकत्वपक्षेऽपि अनवच्छिन्नत्वस्वीकारात् GuruCandr. i. 71. 5.

अतात्त्विकत्वसंभव (atāttvikatva–sambhava) *m.* possibility of being unreal अभावत्वस्यातिरिक्तत्वेऽप्यनुयोगिताविशेषरूपस्य तस्य प्रतियोगिताया इवातात्त्विकत्वसंभवात् GuruCandr. i. 190. 24.

अतात्त्विकत्वस्वीकार (atāttvikatva–svīkāra) *m.* acceptance of the nature of being unreal अविरोधाय विधिसमुच्चयस्यैवातात्त्विकत्वस्वीकारश्च AdvaiSi. 621. 24.

अतात्त्विकत्वाङ्गीकार (atāttvikatvāṅgīkāra) *m.* acceptance or admission of the nature of being unreal निषेधसमुच्चयस्यातात्त्विकत्वाङ्गीकारात् न व्याहतिः AdvaiSi. 621. 19.

अतात्त्विकत्वानिर्वाह (atāttvikatvānirvāha) *m.* absence of the maintenance of the nature of being unreal तद्विषयकाज्ञानपरिणामत्वव्यतिरेकेण विकारे अतात्त्विकत्वानिर्वाहात् AdvaiSi. 758. 17.

अतात्त्विकत्वापत्ति (atāttvikatvāpatti) *f.* contingency of being unreal योग्यतादिमिथ्यात्वबोधने च श्रुत्यर्थस्यातात्त्विकत्वापत्तिः AdvaiSi. 507. 4.

अतात्त्विकत्वावश्यकत्व (atāttvikatvāvaśyakatva) *n.* necessity of the nature of being unreal क्षेमसाधारणजन्यत्वस्य प्रतिबिम्बाभावनिष्ठस्य प्रतिबिम्बघटितत्वेन अतात्त्विकत्वावश्यकत्वात् GuruCandr. i. 291. 18.

अतात्त्विकत्वोपपत्ति (atāttvikatvopapatti) *f.* possibility of the nature of being unreal वेदादापाततः प्रतीतानामपि वेदतात्पर्यविषयत्वाभावादतात्त्विकत्वोपपत्तेः AdvaiSi. 693. 5.

अतात्त्विकनिषेध (atāttvika–niṣedha) *m.* untrue or unreal negation न चातात्त्विकनिषेधबोधकत्वे श्रुतेरप्रामाण्यापत्तिः ब्रह्मभिन्नम् … अतात्त्विकमित्यतात्त्विकत्वेन बोधयन्त्याः श्रुतेरप्रामाण्यासंभवात् AdvaiSi. 110. 1.

अतात्त्विकप्रपञ्च (atāttvika–prapañca) *m.* unreal world अतात्त्विकप्रपञ्चे यदि तात्त्विकत्वमप्यध्यक्षेण न गृह्यते कथं तर्हि तस्यातत्त्वावेदकत्वम् … इति वाच्यम् AdvaiSi. 352. 12.

अतात्त्विकप्रमाण (atāttvika–pramāṇa) *n.* unreal means of valid knowledge अतात्त्विकप्रमाणभावेभ्योऽपि तत्त्वज्ञानोत्पत्तिदर्शनात् Bhām. 5. 14 (*on* i. 1. 1); ननु किमिदं प्रमाणदृष्टत्वम् । तात्त्विकप्रमाणदृष्टत्वम् अतात्त्विकप्रमाणदृष्टत्वं वा Vādā. 64. 6.

अतात्त्विकप्रामाण्य (atāttvika–prāmāṇya) *n.* unreal validity, validity of unreal nature श्रुतिप्रत्यक्षयोः तात्त्विकप्रामाण्यविरोधे श्रुतेरतात्त्विकप्रामाण्यस्यासम्भवात् प्रत्यक्षस्यैव तदित्युक्तत्वात् GuruCandr. i. 336. 11; ii. 217. 18.

अतात्त्विकभिदावलम्ब (atāttvikabhidāvalamba) *adj.* depending upon unreal difference स्पु(? स्फु)टमभिदैव जीवपरयोर्बलात् कठविमुश्रुतिव्रजमिता तदनुसरत्प्रमाणमितरत्त्वतात्त्विकभिदावलम्बमखिलम् NayaMañ. IV. i. 2. 4.

अतात्त्विकभेद (atāttvika–bheda) *m.* unreal difference न ह्यतात्त्विकभेदः प्रतिज्ञातः ब्रह्मजिज्ञासेत्युपक्रमविरोधात् S'rutaPra. iB. 297. 15 (*on* i. 2. 6); S'ivārkaMaDī. i. 539. 9 (*on* i. 4. 16); तथा च समाभ्यधिकराहित्यादपकृष्टानां सत्त्वलाभेनातात्त्विकभेदप्रत्ययेऽपि न क्षतिः LaCandr. 839. 36.

अतात्त्विकभोग (atāttvika–bhoga) *m.* unreal enjoyment सिद्धान्तेऽप्यतात्त्विकभोगाभ्युपगमाद् अवास्तवस्य न निषेध इत्यर्थः VedāntKa. 255. 21 (*on* ii. 2. 6)

अतात्त्विकमानत्व (atāttvikamāna–tva) *n.* the state of being an unreal authority तथा च विरोधिप्रत्यक्षे मानत्वानिर्णयात् न श्रुतेरतात्त्विकमानत्वम् LaCandr. 823. 40

अतात्त्विकरूपारोपण (atāttvikarūpāropaṇa) *n.* superimposition of an unreal form अचिद्ब्रह्मणोस्तु ' सर्वं खल्विदं ब्रह्म ' इत्यादावतात्त्विकरूपारोपणेन सामानाधिकरण्यम् S'rutaPra. iB. 53. 17 (*on* i. 1. 1)

अतात्त्विकविकार (atāttvika–vikāra) *m.* unreal or illusory change त्वद्रीत्या ब्रह्मण एव…अतात्त्विकविकारेण शुक्त्यादिवत् विवर्ताधिष्ठानत्वरूपोपादानत्वोपपत्तेः Nyāyāmṛ. 333A. 7; 502A. 13; ब्रह्मण एवातात्त्विकविकारसंभवात् AdvaiSi. 758. 16.

अतात्त्विकविधिसमुच्चय (atāttvikavidhi–samuccaya) *m.* combination of unreal affirmations अतात्त्विकविधिसमुच्चयापत्तिस्त्विष्टैव AdvaiSi. 622. 2.

अतात्त्विकविश्व (atāttvika–viśva) *n.* unreal universe इदमनौष्ण्यमतात्त्विकविश्वान्तर्गतेन जलाद्यनौष्ण्येन तुल्यस्वभावं चेत् Nyāyāmṛ. 120B. 8.

अतात्त्विकविषयकत्व (atāttvikaviṣayaka–tva) *n.* the state of having unreal content दृगादिसंसर्गस्य निर्वक्तुमशक्यत्वादित्यादियुक्तिसचिवानुमानादिना विश्वसत्यत्वश्रुतेरतात्त्विकविषयकत्वसिद्धिः GuruCandr. i. 459. 16; LaCandr. 722. 9.

अतात्त्विकविषयत्व (atāttvikaviṣaya-tva) *n.* the state of being an unreal content यदि चाविरोधाय द्वैतवाक्यस्य लक्षणादिनाद्वैतपरत्वं वातात्त्विकविषयत्वेन व्यवस्था वा Nyāyāmṛ. 267A. 6.

अतात्त्विकव्युत्पत्ति (atāttvika-vyutpatti) *f.* unreal word-sense-relationship अतात्त्विकव्युत्पत्तेर्बीजं बहुधा पदमार्थं वाक्यं सर्वाणि पदानि आख्यातं वा इत्यादि NayaVi. 259. 4 (*on* i. 1. 24)

अतात्त्विकसत्ता (atāttvika-sattā) *f.* unreal existence तद्वदेवातात्त्विकसत्तादिविशिष्टार्थत्वापातात् Nyāyāmṛ. 469A. 8.

अतात्त्विकसत्त्व (atāttvika-sattva) *n.* unreal existence लक्षणाया घटादाविवातात्त्विकसत्त्वसंबन्धेनाप्युपपत्तेः Nyāyāmṛ. 468A. 7.

अतात्त्विकसंबन्ध (atāttvika-sambandha) *m.* unreal relation अतात्त्विकसंबन्धेनैव लक्षणोपपत्तेः AdvaiSi. 674. 8.

अतात्त्विकहेतु (atāttvika-hetu) *m.* unreal reason or argument अतात्त्विकहेतुसद्भावेन तात्त्विकधर्माभावस्य बोधनेन व्याघाताभावात् AdvaiSi. 623. 1.

अतात्त्विकाकार (atāttvikākāra) *m.* unreal form तस्मादतात्त्विकाकारसमुल्लेखपुरःसराः । न यथावस्तु जायन्ते कदाचिदपि कल्पनाः NyāyaMañ. i. 87. 15.

अतात्त्विकाज्ञान (atāttvikājñāna) *n.* nescience which is not real चैतन्यप्रकाशविरुद्धतत्समसत्ताकाज्ञानान्तरस्याभावेनातात्त्विकाज्ञानविरोधस्यैव वाच्यत्वात् Nyāyāmṛ. 338B. 8.

अतात्त्विकाद्वैत (atāttvikādvaita) *n.* unreal non-duality अतात्त्विकाद्वैतमद्वैतवाक्यस्य तात्त्विकद्वैतं द्वैतवाक्यस्यार्थोऽस्तु GuruCandr. ii. 262. 10.

अतात्त्विकान्यथाभाव (atāttvikānyathābhāva) *m.* unreal change अविद्यामन्तरेणातात्त्विकान्यथाभावलक्षणस्य विवर्तस्यैवासंभवात् AdvaiSi. 573. 8; परिणामादिति सूत्राक्षराच्च ··· अतात्त्विकान्यथाभावात्मा विवर्तः परिहृतः GoviBh. 81. 12 (*on* i. 4. 26)

अतात्त्विकावयवित्व (atāttvikāvayavi-tva) *n.* the state of being an unreal object with parts न तत्त्वतस्तदप्यस्तीति चेन्न, अतात्त्विकावयवित्वस्यास्माकमसिद्धेः Vādā. 83. 4.

अतात्त्विकास्वप्रकाशवृत्ति (atāttvikāsvaprakāśa-vṛtti) *adj.* present in what is neither real nor self-luminous तथा तात्त्विकस्वप्रकाशसत्तातादात्म्यं प्रपञ्चे कल्पितं तात्त्विकस्वप्रकाशत्वविरोधीति अतात्त्विकास्वप्रकाशवृत्त्युच्यते GuruCandr. i. 208. 8.

अतात्त्विकेच्छा (atāttvikecchā) *f.* unreal desire तात्त्विकेऽपि ज्ञानस्वरूपे यदि तत् (सविषयकत्वं) न तात्त्विकं तर्हि अतात्त्विकेच्छादौ तत्तथा नतरामित्यर्थः GuruCandr. i. 152. 18.

अतात्त्विकोपास्यत्व (atāttvikopāsya-tva) *n.* unreal nature of being the object of meditation उपास्यत्वे अतात्त्विकोपास्यत्वे LaCandr. 732. 32.

अतात्पर्य (a-tātparya) *n.* **A** absence of import or intention अतात्पर्यस्यापि दर्शनाज्जपमन्त्रेषु BrahmSi. 77. 2; एवं च सत्युक्तरूपे ब्रह्मणि शब्दस्यातात्पर्यात् प्रमाणान्तरेण यादृगस्य रूपं व्यवस्थाप्यते न तच्छब्देन विरुध्यते Bhām. 76. 23 (*on* i. 1. 4); न च स्रुक्स्रुवत्वह्वयादावतात्पर्यं श्रुतेर्भवेत् AnuVyā. 3B. 1 (*on* i. 1. 1); उपाख्यानानामसत्यत्वेऽपि तत्रार्थवादानामतात्पर्यात् NyāySu. (So.) 57. 24 (*on* i. 2. 10); न च तत्रातात्पर्यान्नातत्त्वावेदकता Nyāyāmṛ. 251B. 9; न च देवतानिरासो जैमिनेरतात्पर्यादन्वारुह्यवादत्वाद्वा तदभ्युपगमेन न विरोध इति युक्तम् SiddhāSi. 44. 1; पदान्तरसापेक्षत्वेऽपि तत्रातात्पर्यान्न गौरवम् MīmāKau. 163. 9 (i. 4. 2); कर्मणः प्राधान्येन तत्स्वरूपज्ञापने विधेरतात्पर्यात् MayūMāli. 135. 39 (ii. 2. 5); **B** absence of appropriateness or fitness अक्षराणामतात्पर्याद्युक्तितश्चाप्यसंभवात् । प्रतिपत्तुं वयं तादृक्शक्नुमो नाञ्जसा परम् BṛĀraU-BhVā. i. 4. 951 (comm. श्रुत्यक्षराणां समस्तव्यस्तात्मके वस्तुनि आनुकूल्याभावात्); **C** absence of attachment तदन्यधीरतात्पर्यं पटुत्वविरहो धियः S'rutaPra. i (B). 20. 18 (i. 1. 1) (comm. पथि गच्छतः तृणादावादरश्च नास्ति)

अतात्पर्यकत्व (atātparyaka-tva) *n.* the state of being devoid of any intention or import वैदिकवाक्यानामतात्पर्यकत्वे तस्मात् वाक्यार्थबुद्ध्यनुदयप्रसङ्गात् अनादितात्पर्यवान् भवः सिद्ध्यति MaṇiKa. 72. 9.

अतात्पर्यज्ञ (a-tātparyajña) *adj.* not knowing the real or intended import तेऽप्यतात्पर्यज्ञास्तात्पर्यवाचोयुक्तेर्देवानां प्रियाः KāvPra. 226. 1; Kāvyānu.(He.) 33. 7.

अतात्पर्यप्रसङ्ग (atātparya-prasaṅga) *m.* contingency of not being its import मुखतोऽप्रतिपादने अतात्पर्यप्रसङ्गः VivaPraSam. 10. 3.

अतात्पर्यभूत (a-tātparyabhūta) *adj.* being not its purport गुणीभूतव्यङ्ग्येऽतात्पर्यभूतोऽप्यर्थः स्वशब्दानभिधेयः प्रतीतिपथमवतरन् कस्य व्यापारस्य विषयतामवलम्बताम् KāvPra. 245. 3; अतात्पर्यभूतोऽप्यर्थः स्वशब्देनाभिधेयः (v. l. तात्पर्यभूतो°) Kāvyānu.(He.) 34. 26.

अतात्पर्यवद्वाक्य (atātparyavad-vākya) *n.* text that does not have the main purport or primary intention ज्ञानस्तुतिपराणि वाक्यानि नात्ममेदं प्रमातुं शक्नुवन्ति । तात्पर्यवद्वाक्यविरोधेनातात्पर्यवद्वाक्यानां गुणवादत्वोपपत्तेः AdvaiSi. 542. 14.

अतात्पर्यविद् (a-tātparyavid) *adj.* who does not understand the intention or import इत्यनर्थाय शब्दैकपरोऽतात्पर्यविज्जडः KathāSaSāg. x. 6. 212.

अतात्पर्यविषय (a-tātparyaviṣaya) *m.* not the object of intention अतात्पर्यविषयस्य च प्रतीतस्य त्यक्तत्वात् Nyāyāmṛ. 439A. 9; उपस्थितिरूपत्वेऽपि लक्षणायास्तात्पर्यविषयानुकूलोपस्थितिरेव सा नोक्तोपस्थितिरूपा । अतात्पर्यविषयतादृगुपस्थितौ गतत्वात् AdvaiSi. 691. 31; तात्पर्यविषयार्थबोधादतात्पर्यविषयार्थविषयापि शाब्दधीरिष्यते RasGaṅ. 141. 1; GuruCandr. ii. 288. 21; अतात्पर्यविषयमत्वर्थलक्षणा तु न तत्र बाधिका LaCandr. 377. 39.

अतात्पर्यविषयत्व (atātparyaviṣaya-tva) *n.* the state of not being the intention तेषामतात्पर्यविषयत्वेऽपि तैरेव गुणीभूतैः काव्यव्यवहारः SāhiDa. 247. 4 (comm. तात्पर्यविषयत्वेनाप्रधानेऽपि)

अतात्पर्यविषयीभूत (a-tātparyaviṣayibhūta) *adj.* which has not become the object of the intention (of the speaker) अतात्पर्यविषयीभूतार्थबोधो जायमानो व्यञ्जनव्यापारसाध्यः RasGaṅ. 140. 2.

अतात्पर्यहेतु (atātparya-hetu) *m.* cause of the absence of intention यदि च सत्त्वश्रुतिः प्रत्यक्षप्राप्तार्थत्वान्न स्वार्थपरा तर्हि मिथ्यात्वश्रुतिरपि तद्विरुद्धार्थत्वात्तथा स्यात् मानान्तरप्राप्तिवत् तद्विरोधस्याप्यतात्पर्यहेतुत्वात् Nyāyāmṛ. 166A. 6.

अतात्पर्यापत्ति (atātparyāpatti) *f.* contingency of the absence of intention न तत्र श्रुतेस्तात्पर्यमित्यादिकुसृष्टयस्तु दर्शपौर्णमासादिष्वप्यतात्पर्यापत्त्यादिभिर्निरसनीयाः GoviBh. 160. 9 (*on* ii. 3. 34)

अतात्पर्यापात (atātparyāpāta) *m.* contingency or chance of the absence of intention न च कर्तृत्वस्य क्लेशसंबन्धान्न श्रुतिस्तत्परा दर्शपूर्णमासादावप्यतात्पर्यापातात् Nyāyāmṛ. 393B. 8.

अतात्पर्यार्थ (a-tātparyārtha) *m.* not the intended meaning अतात्पर्यार्थविषयापि शाब्दबुद्धिस्तस्मादेव RasGaṅ. 137. 10; अवाच्यार्थोऽतात्पर्यार्थः RasGaṅ. 138. 5; 140. 8; 141. 12.

अतात्पर्योपपत्ति (atātparyopapatti) *f.* reasonableness of the absence of intention पार्थिवद्रव्यमात्रे बन्धनसंभवेन खादिरत्वादावतात्पर्योपपत्तेः (यूपपदस्य) NyāySu.(Ja.) 73B. 6 (*on* i. 1. 1)

अतात्त्विकत्व (atāttvika-tva) *n.* unreal nature वाक्यार्थप्रतीतिसमय एव पदार्थसमन्वयपर्यालोचनया आ(अ)वर्तमानस्य हेतोरतात्त्विकत्वावगतेरार्थः संभावनात्मक इवार्थ इत्यर्थः AlaṅkāRa. 32 (83)

अताद्धीन्य (a-tādadhīnya) *n.* absence of dependence on Him एवं जगतः तदधीनत्वतत्कार्यत्वादिप्रतिपादनमुखेन अताद्धीन्यातत्कार्यत्वादिव्युदसनात् ब्रह्मैककारणत्वं स्थिरीकृतम् S'rutaPra. ii. 204. 21 (*on* i. 4. 29)

अताद्र्थ्य (a-tādarthya) *n.* **i** absence of the state of having that as its sense एषा स्यात्पुरुषाख्यानाद्दुर्वशीचरितादिवत् । प्रतिपत्तिरताद्र्थ्येऽप्यस्य प्रकृतितस्तव TattvSam. 2357; **ii** the state of not being a cause of that (dust) (*lit.* the state of not being intended for it) एवं पिपीलिकापङ्क्तेः रेणुचक्रान्वये सति । गजाश्वोपजनापायेऽप्यताद्र्थ्यमशङ्कितः S'lokaVār. 7. 164 (892. 2) (NyāyRa. गजाश्वोपजनापायवेलायां तद्वशादेवोपजनापायौ भजमानेन रेणुचक्रेण सत्यपि यादृच्छिके पिपीलिकापङ्क्त्यन्वये ताद्र्थ्यं रेणुचक्रकारणत्वं तस्या नास्ति); **iii** the state of not being meant for it (i. e. the Veda) शास्त्राङ्गमपि नैवैतदताद्र्थ्यात्कथादिवत् TantrVā. 221. 18 (*on* i. 3. 18); **iv** the state of not being for that purpose यश्च ताद्र्थ्याताद्र्थ्यकृतो विशेषो नासौ तन्त्रमिति वक्ष्यति TantrVā. 1084. 3 (*on* iii. 6. 10); समुदाय एषां गुणभूतः । न च गुण आकृष्यमाणो गुणिनमाकर्षति । अताद्र्थ्यात् ṬupṬ. 171. 12 (*on* viii. 1. 20)

अतादवस्थ्य (a-tādavasthya) *n.* absence of being in that (same) condition समानविषयत्वेऽपि स्मृत्यनुभवयोरनुभवो यथार्थो न स्मृतिः···अनुभवकाले तस्यार्थस्य तावद(? ताद)वस्थ्यात् स्मृतिकाले त्वतादवस्थ्यात् NyāyVārPari. 162. 6; NyāySu.(Ja.) 251A. 4 (*on* ii. 1. 2); न खलु प्रत्युपदेशं वस्तु भिद्यते । तस्य सर्वत्र तादवस्थ्यात् । अतादवस्थ्ये वा तदेव न भवेत् Bhām. 668. 20 (*on* iii. 3. 58); न हि नित्योऽर्थक्रियां क्रमेण प्रवर्तयितुमुत्सहते अतादवस्थ्यस्यानित्यतालक्षणत्वात् SyādvāMañ. 26 (23); *adj.* free from that state अस्पष्टवैकृतविविक्तविकारचक्रहेतोर्नियम्य न कदाचिदतादवस्थ्यम् । कृच्छ्रेण नाभिहृदयाम्बुजकोटरस्थं पश्यन्त्यविप्लुतसमाधिदृशो यमार्याः HarVi. 47. 71.

अतादात्म्य (a-tādātmya) *n.* absence of being of the same nature, absence of identity अथाव्यवस्थात्मनि न व्यवस्थिता एवमतादात्म्यादव्यवस्था न भवतीति संशयाभाव इति NyāySūBh. 75. 3 (*on* ii. 1. 4); अतादात्म्यान्न हि घटं

जनयन्तीह तन्तवः BṛĀraUBhVā. iii. 2. 88; शब्दयोः सामानाधिकरण्यं तादात्म्यमिति चेत् अयुक्तमिदं गौर्वाहीक इत्यादावतादात्म्येऽपि सामानाधिकरण्यदर्शनात् PrakaPañ. 72. 7; अतादात्म्येनाग्रहणं व्यतिरेकेणाग्रहणं पृथक्शब्दोऽपि अतादात्म्यं ब्रूते TātpaṬ. (Vā.) 232. 9–10 (*on* i. 1. 15); परमार्थतो धर्मिणोरतादात्म्यं विवेकः Bhām. 8. 17 (*on* i. 1. 1); अर्थाः प्रमाणस्य व्यापकाः । न च प्रमाणमर्थानां व्यापकं अहेतुत्वादतादात्म्याच्च KāśiVṛ. i. 126. 11 (*on* 2. 117)

अतादात्म्यरूप (atādātmya–rūpa) *n.* form or nature of non-identity or difference यदैतस्मिन्नानन्दमयेऽल्पमप्यन्तरमतादात्म्यरूपं पश्यति तदा संसारभयान्न निवर्तते BrahmSūBh.(S'aṅ.) 58. 1 (*on* i. 1. 19)

अतादात्म्यविषयत्व (atādātmyaviṣaya–tva) *n.* the nature of having a sphere other than identity अन्योन्यप्रतियोगिकः अभावः अन्योन्याभावः इति प्रत्यूढं अन्योन्यशब्दस्य अतादात्म्यविषयत्वे प्रागुक्तदोषानतिक्रमणात् TarkSaṁ. (Ā.) 131. 3.

अतादात्म्यस्वभाव (atādātmya–svabhāva) *adj.* the nature of which (*viz.* the *skandha*) is not of the nature of that (i. e. parts) स्कन्धो मात्रानुरोधेन व्यवहारेऽवधार्यते ।··· अतादात्म्यस्वभावे वा ह्यानर्थक्यादलं परैः NyāyVi. 2. 284 (Vādirājasūri मात्रानुरोधेन मात्राणां तद्भागानामनुरोधः ··· अतादात्म्यं अमात्ररुपत्वं सर्वथा तद्व्यतिरेकात् स्वभावो यस्य तस्मिन् वा स्कन्धे)

अतादात्म्यानुपपत्ति (atādātmyānupapatti) *f.* impossibility of (the word's) being not identical with or different from that (portion of the word) (शब्दस्य) एकदेशाभिव्यक्तिरिति चेत् न ··· तादात्म्यातादात्म्यानुपपत्तेः NyāyVār. 289. 14 (*on* ii. 2. 14)

अतादृगर्थ (atādṛg–artha) *adj.* having a meaning unlike that (intended) अतादृगर्थमेव सद्रुचः स्मर्यत इत्यर्थः। अत्र स्मरण आकारो वर्तते Prasā. i. 80. 24.

अतादृगुपायाश्रयण (atādṛgupāyāśrayaṇa) *n.* resorting to the means unlike them धीरोदात्तधीरललितधीरोद्धतधीरप्रशान्तानां पूर्णोपायप्रवृत्तत्वेन नायकानामतादृगुपायाश्रयेण प्रतिनायकानां च चरितम् ··· अधर्मादिभ्यश्च निवृत्तिं निर्विशङ्कं विधत्ते AbhinBhā. i. 7. 2 (*on* 1. 4)

अतादृग्विभक्ति (atādṛg–vibhakti) *f.* incongruent grammatical case-suffix दृष्टं च प्रयाजशेषेण हवींष्यभिधारयतीत्यत्र प्रयाजशेषप्रातिपदिकस्वारस्याय प्रयाजशेषं हविःषु प्रक्षिपतीति विभक्त्यस्वारस्यम् ।··· युक्तोऽतादृग्विभक्तेर्हि बाधः प्रा(? प्र)याजशेषवत् Nyāyāmṛ. 596B. 5.

अतादृश् (a–tādṛś) *adj.* **i** not similar (in sequence) न च स्वरूपभेदस्तादृशस्तावतां वर्णानां वर्णान्तरेभ्यो (तेभ्यो) वातावद्भ्यस्तावद्भ्यो वातादृग्भ्योऽन्त्यविज्ञानोपरोहिणामर्थप्रत्ययात् प्राक् न प्रथते TattvBi. 50. 2; **ii** not of that (kind), not like that अतादृशि गुणीभूतव्यङ्ग्यं व्यङ्ग्ये तु मध्यमम् । अतादृशि वाच्यादनतिशायिनि KāvyPra. 21. 1; 'अतादृशि गुणीभूतव्यङ्ग्यम्' इत्यादिकाव्यप्रकाशलक्षणे चित्रान्यत्वं टीकाकारैर्दत्तम्, तन्न RasGaṅ. 20. 4.

अतादृश (a–tādṛśa) [*f.* –ī] *adj.* **i** not like that (person or thing) धूमादेरग्न्यादिसामग्रीजन्यतया प्रत्यक्षानुपलम्भाभ्यां निश्चितरूपत्वेऽपि तादृशस्यातादृशादपि भावः समाशङ्क्यते HetuBiṬ. 154. 14; तद्विलक्षणं अतादृशम् HetuBiṬ. 154. 28; (रूढिरूपेण प्रत्ययः स्यात्) तमभ्युपेत्य पक्षश्चेदभ्युपेतं विरुध्यते । विशेष्यस्याप्रसिद्धिश्च तवास्माकमतादृशे S'lokaVār. 5 (2). 46 (228. 4); अतादृशे तु पक्षीकृतेऽस्माकमत्राप्रसिद्धविशेष्यत्वम् NyāyRa. 228. 14 (*on* 5 (2). 46); SarvaVeSāSaṁ. 761; NavSāC. 13. 63; सूत्रमपि ··· प्रीत्याविभक्तत्वं पुरुषार्थहेतुत्वं दर्शयन्नतादृशस्य नास्ति पुरुषार्थतेति दर्शयति TantrRa. 28. 18; दर्शनस्पर्शनग्राह्यस्य योग्यानुपलम्भबाधितत्वात् अतादृशस्य तेजोमात्रस्य (=सौरस्य तेजसः) निवृत्तेरशक्यत्वादनिष्टत्वाच्च Kiraṇā. 101. 5; KāvyPra. 738. 6; चिन्त्यमानस्य पुंसस्तु नारीरूपं पुनः पुनः । अदृष्टं तत्समाश्रित्य पुंसमुन्मादयाम्यहम् ।··· तादृशोऽतादृशो रङ्गवस्तुरूपं समाश्रये PadmP. ii. 57. 33; आकाश इत्येवावगम्यते न त्वत्रेदं नास्तीति । इयमपि च वस्तुतो मूर्ताभावगोचरैव प्रतीतिः ··· नञ्वर्जिताभिलापसंबन्धाददतादृशीव प्रकाशते NyāSu.(Ja.) 396A. 4 (*on* ii. 2. 7); भगवदुक्तस्वसंगमावधिकस्य भक्तस्य संगमसमयनिर्धारो भवति । अतादृशस्य तस्य स न AṇuBh. 249. 17 (*on* iii. 3. 42); येषामग्निहोत्रादिकारकं प्रारब्धमस्ति तैरेव तन्नाशाय भोगवत्तदपि क्रियते न त्वतादृशैः AṇuBh. 313. 11 (*on* iv. 1. 16); 325. 10 (*on* iv. 2. 13); प्राणिनां पुनरपि सुखजनकविषयगोचरस्वप्ने वाञ्छा, अतादृशे च स्वप्ने प्रद्वेषः SiddhāLeSaṁ. 313. 7; पुष्पवन्तपदमुभयप्रकारकज्ञाने शक्तमित्याकारकशक्तिग्रहस्य तादृशज्ञानत्वमेव कार्यतावच्छेदकमिति तादृशव्युत्पत्तिमता नैकैकबोधापत्तिरतादृशस्य च भवत्येव तादृशो बोधः S'aktiVā. 91. 25; अतीतभवनिष्पादितसकलब्रह्मविचारस्य प्रतिबन्धक्षये सहजसिद्धज्ञानस्य वामदेवादेरिव विचारानपेक्षत्वेऽप्यक्षतेः। अतादृशस्य ज्ञानार्थतयैव ब्रह्मविचारापेक्षणात् SiddhāSi. i. 6. 12; सिद्धे मानान्तरेण विरुद्धे वा सिद्धान्तिनोऽपि तदनङ्गीकारात् । अतादृशे च बोधकतामात्रस्य परेणापि स्वीकारात् SiddhāSi. i. 42. 10; व्यसनाग्रस्तो द्रविणार्हो धुर्यः पुत्रोऽतादृशो वा पुत्रः ···सर्वस्वग्राही VīraMi. 473. 7 (*on* 2. 51); **ii** untoward, improper नवसाहसाङ्क न तवासुरादहं कलयामि संप्रति किमप्यतादृशम् NavSāC. 10. 27; *n.* improper action कमलिनी सरसा सरसामियं विकसितानवमं नवमण्डनम् । किमिति नाधिगता धिगतादृशं मधुकरेण बताणवता कृतम् Kāvyālaṅ.(Ru.) 3. 58.

अतादृशत्याग (atādṛśa–tyāga) *m.* offering which is not like that (i. e. intended for a particular deity) एवं च देवोद्देश्यकत्वादेरपि न वाच्यान्तर्भावः । अतादृशत्यागतात्पर्येण स्वाहादिप्रयोगस्य देशनादेशितत्वविरहेणैवानतिप्रसङ्गात् VyutpaVā. 174. 23.

अतादृशत्व (atādṛśa–tva) *n.* the state of being not like that चैत्रेण पच्यते तण्डुल इत्यादिवाक्यघटकतयादीनां तादृशसमभिव्यवहारादिशून्यतया तद्विषयिताया अतादृशत्वम् VyutpaVā. 111. 1; न च सामान्यधर्मस्य प्रागभावप्रतियोगितानवच्छेदकत्वेन वेदत्वस्यातथात्वादसिद्धिरिति वाच्यम् । वेदत्वस्यातादृशत्वेऽपि इदानीन्तनवेदत्वानां तदवच्छेदकतया नासिद्धिः BhāṭṭCin. i. 140. 2 (*on* i. 1. 27–32); कुलतन्त्राप्रामाण्यवचनं गौरीकान्तलक्ष्मणादेरतादृशत्वं ध्वनयति SetuBa. 25. 8.

अतादृशबहुव्रीहि (atādṛśa–bahuvrīhi) *m.* a Bahuvrīhi compound that is *not such* (a Bahuvrīhi in which the meaning of the constituent members is not taken into consideration) लोहितेत्यादौ च बहुव्रीहेर्मतुप्समानार्थत्वात् सर्वादीत्यादौ च तद्गुणसंविज्ञानस्यातादृशबहुव्रीह्यपेक्षया मुख्यत्वान्नोपलक्षणत्वम् GuruCandr. ii. 17. 21.

अतादृशभ्रातृ (atādṛśa–bhrātṛ) *m.* brother who is not of that type (i. e. one who has shared ancestral property with one's brothers) यत्तु ··· अपुत्रस्य ··· इत्यादि, तत्पितृधनानुपघातेनार्जितविभक्तधनेषु भ्रातृषु द्रष्टव्यम् । अतादृशभ्रातृभावे च पितरौ ज्येष्ठा वा पत्नी Aparā. 744. 17 (*on* 2. 136)

अतादृशमातृकुल (atādṛśa–mātṛkula) *n.* maternal family which is not of that type (i. e. well-known) कन्याग्रहणे नियमं सूचयन् कुलपरीक्षामाह । ··· एकत्र योजनेऽतादृशमातृकुलस्यापि संग्रहापत्तिः BālamBha. i. 197. 26 (*on* 1. 54)

अतादृशरणोद्यमा (atādṛśa–raṇodyamā) *adj.* (*f.*) with unusual preparation for battle (ललिताम्) ताम्···अतादृशरणोद्यमाम् । ··· विषंगः सुदुराशयः । पृष्ठवंशे रथेन्द्रस्य घट्टयामास सैनिकैः BrahmāṇḍP. iii. 25. 57.

अतादृशाज्ञान (atādṛśājñāna) *n.* nescience which is not of that nature (i. e. which causes knowledge or expression of the form 'it does not exist') अभानापादकस्य परोक्षेण निवृत्त्यननुभवात् अतादृशाज्ञानं प्रत्येव तथा स्वीकारात् GuruCandr. i. 102. 20.

अतादृशोक्तनिश्चय (a–tādṛśoktaniścaya) *m.* the said definite (valid) knowledge which is not similar to the definite knowledge (*viz.* knowledge the validity of which is not already known or which is a deliberately assumed knowledge) गृहीताप्रामाण्यके आहार्ये वोक्तनिश्चये सत्युक्ताज्ञानसत्त्वादतादृशोक्तनिश्चये सति चोक्ताज्ञानासत्त्वादुक्तभ्रमोत्पादानुत्पादौ GuruCandr. iii. 6. 17.

अताद्भाविक (a–tādbhāvika) *adj.* of the nature of non-identity भेदनिबन्धनेति चेत् को नाम भेदः। प्रादेशिक अताद्भाविको वा । न तावत् प्रादेशिकः ··· अताद्भाविकश्चेत् उपपन्न एव यद्द्रव्यं तन्न गुण इति वचनात् TattvPradī.(A.) 133. 3 (*on* 2. 6)

अताद्रूप्य (a–tādrūpya) *n.* absence of the very nature or form of that न वाताद्रूप्यातिदेशात् Vār. 26 *on* vi. 1. 85; रूपाश्रया वा एते विधयोऽताद्रूप्यान्न भविष्यन्ति MahāBh. iii. 65. 6 (*on* vi. 1. 85); स्यान्मतिर्दन्तिदाह्यादेर्यथासिज्वलनादयः। अताद्रूप्येऽपि कुर्वन्ति छेददाहाद्यदस्तथा TattvSaṁ. 2007; घटोऽयमिति संवित्तेर्घटो मेयः प्रतीयते । न व्यावृत्तिः पटादीनामताद्रूप्यात्तथा पटे BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 979; सतोऽन्यत्वमताद्रूप्यान्न त्वसद्भेदसत्तया IṣṭaSi. 166. 5; तत्र सवैरताद्रूप्यं प्राङ्नियोगात्प्रतीयते S'lokaVār. 4. 225 (200. 6); निर्वेदादिरताद्रूप्यादस्थायी स्वदते कथम् । वैरस्यायैव तत्पोषः DaśRū. 4. 36; BhāvPra. (S'ā.) 144. 9(6); (विषयनिघ्ना धर्मा विषयिधर्माः) एते स्वात्मनि ताद्रूप्येण वर्तन्ते उताताद्रूप्येण TārkiRa. 293. 12; *adj.* devoid of or not related to the very form or nature of that खट्वाभिरित्यादौ पूर्वं प्रत्यन्तवत्त्वेऽपि तदेकदेशता लभ्यते न तु तद्रूपतेति तत्कृत ऐत्प्रसङ्ग इति । एतदेव न्यासकृतोक्तमताद्रूप्योऽयमतिदेश इति PariVṛ.(Sī.) 116. 16.

अताद्रूप्यप्रतिपत्ति (a–tādrūpyapratipatti) *f.* apprehension of the absence of identity (of the word with the meaning) समयस्यानित्यत्वात् प्राक् समयात् सवैरताद्रूप्यप्रतिपत्तिस्ताद्रूप्यप्रतिपत्तेर्बाधिका (भविष्यति) TātpaṬ.(U.) 174. 21 (*on* 4. 225)

अताद्रूप्यस्वभावतस् (atādrūpyasvabhāva–tas) *adv.* due to the nature of non-identity भावसाधारणत्वेऽपि निर्वेदाद्यैर्न शक्यते । स्थायित्वमात्मनो नेतुमताद्रूप्यस्वभावतः BhāvPra.(S'ā.) 26. 13(1)

अताद्रूप्यातिदेश (a–tādrūpyātideśa) *m.* absence of extended application of identity अताद्रूप्यातिदेशात् । नेह ताद्रूप्यमतिदिश्यते Nyās. ii. 254. 3.

(*on* vi. 1. 85)

अताद्रूप्यापादकत्व (a-tādrūpyāpādakatva) *n.* lack of capacity (of the standard of comparison) to identify itself with (the object of comparison) उपरञ्जकमित्यनेन समासोक्तिपरिणामव्यावृत्तिः । तयोर्हि नोपरञ्जकत्वं विषये-ष्वता(?°पु ता°)द्रूप्यापादकत्वलक्षणम् CitraMī. 44. 20.

अताद्रूप्योपसंहृति (atādrūpyopasaṁhṛti) *f.* conclusion or co-ordination of non-identity तथास्त्विति यदि ब्रूयादताद्रूप्योपसंहृतेः BālaKrī. i. 15. 25 (*on* 1. 7)

अतानक (atānaka) *adj.* [nt.] [w. r. for आतानक] who leads, leader अन्ये आकर्षकम् अतानकं(? आतानकं) पुमांसं लोकास्तत्र शपन्ति YaśasCam. ii. 156. 14 (comm.)

अतानतानता (atānatāna-tā) *f.* the state of being a musical elaboration of a note without the use of the words of the song (कामिजनाः) मधु प्रपीय चाभवन्नतानतानतानताः Nalo. 2. 56 (comm. अक्षरशून्यं यत् तानम् गानमूर्च्छनाविशेषः तस्य भावः)

अतानव (a-tānava) *n.* absence of dimness तनुत्वात्तेजसोऽप्येतदस्ये-वान्यत्राप्यतानवम् PramāVār. 3. 412; क्लेशानामतानवे हि बलवद्विरोधिग्रस्ता सत्त्व-पुरुषान्यताख्यातिरहेतुमेव नोत्सहते TattvVai. 58. 22 (*on* 2. 2); *adj.* not light (i. e. heavy) प्रारब्धोऽप्यमतानवैरभिनवैर्वारिप्लवैर्विप्लवः AnyoMuLa. 98.

अतान्त (a-tānta) *adj.* not exhausted, unwearied अतान्तदोर्जितौ । तौ युध्यमानौ तेनालमयुधाताम् HarVi. 43. 324; तनोत्यतान्तः प्रकृतिष्वसौ तथा समासु सीमानमुपायसंपदाम् Kapphiṇā. 2. 39; 6. 2; अशेत ⋯ रणप्रदेशेऽतान्तः (भीष्मः) YudhiVi. 7. 30; प्रशान्तोऽहमनन्तोऽहमतान्तोऽहं चिरन्तनः ViveCū. 491.

अतान्तव (a-tāntava) *adj.* not made of (cotton) yarn or threads तदुदस्येदतान्तवे LāṭyāŚS. ii. 8. 24 (comm. यन्न तन्तुभ्यो निर्वृत्तं तदतान्तवम्); अतान्तवान्येकघनानि यत्र सूक्ष्माणि वासांसि फलन्ति वृक्षाः Saund. 10. 22; अवा-किरन् । अतान्तवैः काञ्चनभक्तिराजितैस्तमुत्तरीयैरपरे विभूषणैः JātaMā. 204. 20 (30. 26)

अतान्त्रिक (a-tāntrika) *adj.* non-expert, having no knowledge of the science or technique 'त्रिपताका तर्जनी वक्रतया शुकतुण्डः' इत्यतान्त्रि-कैर्लिखितमुपेक्ष्यमेव AbhinBhā. i. 97. 24 (*on* 4. 63); चेद्विष्णुधर्मोत्तरमेव मूलम् ⋯ तत्तु । अतान्त्रिकैर्नाशितमेव पूर्वम् SiddhāTaVi. 7. 2.

अताप (a-tāpa) *adj.* devoid of heat अवतीर्णश्च तस्मिंस्तापमतापम् ⋯ अमंस्त (समरकेतुः) TilaMañ. 212. 15.

अतापक (a-tāpaka) *adj.* i not causing affliction तस्यात्मभावेन दृष्टे पुण्यपापे निर्वीर्ये अतापके जन्मान्तरारम्भके न भवतः TaiUBh.(Śaṅ.) 281. 9 (*on* 2. 9); ii causing slight affliction शिथिलीभावमात्रन्तु मनो गच्छत्यतापकैः (विषयैः) BhaktiRa. 1. 7 (comm. अतापकैः ईषत्तापकैः)

अतापकर (a-tāpakara) *adj.* not causing heat or pain दधतं वपुः सुखमतापकरम् । निरकासयद्रविमपेतवसुं वियदालयादपरदिग्गणिका ŚiśuVa. 9. 10 = SāhiDa. 429. 4 = Subhāṣi. 1923.

अतापभृत् (a-tāpabhṛt) *adj.* not bearing or possessing heat कथम-तापभृतस्तव संगमादितरथा हृदयं मम दह्यते NaiṣaC. 4. 78.

अतापलब्धा (atāpa-labdhā) *adj.* (*f.*) achieved or obtained without exertion (i. e. with ease) अतापलब्धाग्रिमतानुलोमता Kāvyāda. 3. 49 = Sarakaṇṭhā 212. 4(2)

अतापव्यापार (a-tāpavyāpāra) *adj.* whose function or job is not to (i. e. obstruct) glow or shine अतापव्यापारः स्फुरितपरितापौघमकरः करश्रेणीसान्द्रं कवलयति राहुर्दिनकरम् HammiMaMa. 1. 27.

अतापस (á-tāpasa) *m.* non-ascetic अत्र ⋯ भवति ⋯ तापसोऽतापसः ŚatBr. XIV. vii. 1. 22.

अतापिन् (a-tāpin) *adj.* i free from affliction शास्त्रसत्सङ्गधीरेण चिन्तातप्तमतापिना । छिन्धि त्वमायसेनायो मनसैव मनो मुने YogVā. iii. 111. 5; ŚārṅgaP. 4224; ii not hot or burning, YogVā. iii. 111. 5.

अताभास्थ (a-tābhāstha) *adj.* not being in *tā* (i. e. genitive form) and *bhā* (i. e. instrumental form) अताभास्थस्याशीराशास्थास्थितोत्सुकोतिरागे JaineVyā. iv. 3. 205.

अतामसाशय (atāmasāśaya) *adj.* with unprejudiced mind or with no malice तमसावतामसाशयः प्रत्युवाच AvantiKa. 60. 3.

अताम्बूल (a-tāmbūla) *adj.* having no (chewing of) betel अताम्बूल-स्यापि सुचिरप्रक्षालितस्य⋯स्वभावपाटलस्याधरस्याधरपल्लवस्य प्रभया HarṣaC. 238. 4; अताम्बूलमुखं ह्युपानत्करनिकेतनमिव करोति महोद्वेगं चित्तस्य YaśasCam. ii. 65. 1.

अताम्यत् (a-tāmyat) *adj.* i not getting exhausted अताम्यतस्ते समता न वामता Kāvyāda. 3. 49 (comm. अक्लिष्टकर्मणः); अताम्यतोऽस्य सेवार्थं ददौ कर्णोऽप्रमाद्यते । ⋯ दधिस्थलीम् DvyāśrKā. 9. 77 (comm. अताम्यतस्तपःकरणेना-खिद्यमानस्य); धनुर्धराणामासीदताम्यत्करकौशलानाम् ⋯ रणम् BhārCam. 2. 109 (comm. अविच्छिद्यमानं करयोः कौशलम्); ii not being distressed or afflicted अताम्यतस्ते समता न वामता SaraKaṇṭhā. 212. 5(2) (comm. संसारखेदेना-बाध्यमानस्य)

अताम्र (a-tāmra) *adj.* not red नयनयुगमताम्रं वक्ति कोपव्यपायम् MahāP. 23. 193.

अतार (a-tāra) *n.* i name of one of the eight opposits of achievements or attainments (*siddhiviparyaya*) अथ सिद्धिविपर्यया असिद्धयोऽष्टौ चाभिधीयन्ते । नानात्वं भूतमात्रस्यैकत्वमाविर्भूतमतारमुच्यते TattvSa. (13)133. 3; यथातारमसुतारमतारतारमित्यादि SāṁkhyaKāBh. 29. 11 (*on* 51); MāṭhVṛ. 69. 10 (*on* 51); ii which cannot be crossed अतारं यस्य तरणं नास्ति JñātāDhaṬ. 192A. 7; iii having no rescue अतारो विलयं याति घनमाला यथा तथा VasiS. 43. 97.

अतारक (a-tāraka) *adj.* who does not know swimming तुम्बैः कक्षाविनिक्षिप्तैः ⋯ । तरत्यतारकोऽप्यम्भस्तरीतुं किं नु वेत्ति सः TriṣaŚaPuC. ii. 6. 309.

अतारका (a-tārakā) *adj.* (*f.*) bereft of Tāraka (demon) अतारकां महीं चाद्य करिष्ये SkandP. i(1). 29. 40; ŚivaP. ii(4). 8. 26 (202. 16)

अतारकामय (a-tārakāmaya) *adj.* devoid of the disease in the form of Tāraka (demon) कथमदेवासुरमतारकामयं वा रणमुपेत(म ? स्यै)तादृशः प्रहार-विमर्दसंभवः AvantiKa. 145. 19.

अतारज (a-tāraja) *adj.* not having a high note (a variety of Jhombaḍa composition) तारजोऽतारजश्चेति झोम्बडो द्विविधो मतः SaṁgīRa. ii. 260. 9 (4. 158); अतारजस्तारहीनः SaṁgīRa. ii. 260. 12 (4. 160)

अतारतम्य (a-tāratamya) *n.* non-discrimination, absence of gradation amongst individuals मुक्तावतारतम्यं किं तत्र भेदभोगादेरेवासत्त्वात् Nyāyāmṛ. 640B. 6.

अतारतार (a-tāratāra) *n.* opposite state of one of the achievements (*siddhi*) called Tāratāra (highly exalted bliss) असच्छास्त्रोपहतबुद्धित्वाद्रा पञ्चविंशतितत्त्वज्ञानसिद्धिर्न भवति तदातारतारं तदज्ञानम् TattvSa. (13)133. 7; यथातारमसुतारमतारतारमित्यादि द्रष्टव्यम् SāṁkhyaKāBh. 29. 11 (*on* 51)

अतारतारता (a-tāratāratā) *adj.* (*f.*) having a little or less brightness of stars सभा सभा रात्रिरतारतारता SaraKaṇṭhā. 202. 5.

अतारमधुर (atāra-madhura) *adj.* sweet due to not being high-pitched अत्र च दूरान्तरोत्थनादतारमधुरः कस्यायमाक्रन्दमुखरो ध्वनिः UdaySuKa. 75. 18.

अतारमध्यमा (atāra-madhyamā) *adj.* (*f.*) having no Madhyama note in the higher octave भवेद्भाषा रगन्तिका । धन्यासांशग्रहा भूरिधैवतैः स्फुरितैर्युता । अतारमध्यमा SaṁgīRa. ii. 95. 4 (2(2). 111)

अतारा (a-tārā) *adj.* (*f.*) having no higher octave (i. e. Tāra) त्रावणी भाषा⋯एषा भाषाङ्गमन्येषां धग्रहांशा निपोज्झिता । अतारा SaṁgīRa. ii. 127. 5 (2(2). 187)

अतार्किकवचन (atārkika-vacana) *n.* statement of one who does not know logic (i. e. non-logician) तर्हि पिता पितृव्यवहारायावश्यं पुत्रमपेक्षत इति पुत्रोऽपि पिता प्रसज्यत इति कृतमतार्किकवचनविचारणया DharmoPra. 86. 19.

अतार्किकीय (a-tārkikīya) *adj.* not befitting a logician, illogical अयमस्याशयः सत्यमुक्तम् अतार्किकीयं तु तत् DharmoPra. 63. 16.

अतार्थ (a-tārtha) *m.* (Gr.) absence of the sense of *taddhita* suffix गोरतार्थे MugdhaBo. 6. 47 (59. 5)

अतार्य (a-tārya) *adj.* difficult to be crossed, impassable भवाब्धिम् ⋯ अतार्यं ग्रन्थिकात्मभिः MahāP. 21. 153.

अतार्यसत्त्व (atārya-sattva) *adj.* with animals not to be conquered or defeated यद्वान्धवः कुरुबलाब्धिमनन्तपारमेको रथेन ततरेऽहमती(? ता)र्य-सत्त्वम् BhāgP. i. 15. 14.

अताल (a-tāla) *adj.* not having a rhythmic arrangement of beats, not having anytimemeasure एतानि तु बहिर्गीतान्याहुः वाद्यविदो जनाः । सतालानि ह्यतालानि NāṭyaŚā. 29. 82; अतालं च सतालं च वर्धमानं द्विधा स्मृतम् NāṭyaŚā. 31. 76; 32. 29; (उद्ग्राहमेलापकौ) तालुभावपि । अतालौ SaṁgīRa. ii. 255. 4 (4. 146); प्रणवाद्यमतालं च गमकैरखिलैर्युतम् (गद्यं तदिष्यते) SaṁgīRa. ii. 272. 4 (4. 195); आलापः प्रागतालः स्यात् SaṁgīRa. ii. 306. 2 (4. 256)

अतालव्य (a-tālavya) *adj.* (a verse) having no palatal sound स्फुर-त्कुण्डलरत्नौघतडित्किरणकर्बुरः । मेघमीलोऽथ संग्रामे प्रावृट्कालवदाबभौ । अतालव्यः । HarVi. 43. 168.

अतालशब्द (atāla-śabda) *m.* (a unit or sequence of) words not set to any time-measure युतम् । …अतालशब्दानां स्वरैरन्तेऽन्तरान्तरा SaṁgīRa. ii. 272. 5 (4. 196)

अतालीदल (a-tālīdala) *adj.* having no palm leaf (used as ear-ornament) कर्णैरतालीदलैः … । वक्षोजैरनुपात्तमौक्तिकसरैः शंसन्ति ते पौरुषम् … प्रत्यार्थिवामभ्रुवः Ekāva. 4. 1(2) (130. 5)

अतावक (a-tāvaka) *adj.* not belonging to you (Jina or Mahāvīra); अतोऽन्यथा वाचकवाच्यक्लृप्तावतावकानां प्रतिभाप्रमादः MahāVīSt.(H.) 1. 14 = SyādvāMañ. 14; 14(12)

अतावकगुण (a-tāvakaguṇa) *adj.* not having your qualities अतावकगुणं सर्वं त्वं सर्वगुणभाजनः YaśasCam. ii. 396. 21.

अतावत् (a-tāvat) *adj.* not equal to them in number तावतां वर्णानां वर्णान्तरेभ्यो(तेभ्यो) वा अतावभ्यः TattvBi. 56. 2.

अतासा (a-tāsā) *adj.* (*f.*) free from destruction, indestructible सातावात तवातासा रक्षतस्त्वस्त्वतक्षर Kāvyālaṅ.(Ru.) 5. 20 (comm. अक्षया) = KāvyPra. 533. 2 (comm. अतासा न विद्यते तासा उपक्षयो यस्याः सा अतासा अनुपक्षया च (तसु उपक्षये इति धातोः रूपम्))

[1]**अति** (áti) *ind.* [Brugmann. II. 2. 844; Mayr. I. P. 57 / included in the *prādigaṇa* GaṇPā. 154. 16; called *upasarga* P. i. 4. 59; CāndraVṛ. *on* i. 1. 109; MugdhaBo.(*gi*) 1. 8 (2. 13); called *karmapravacanīya* P. i. 4. 95; VākyaPa. 2. 202; JaineVyā. (*agati*) i. 4. 8 (66. 14); SaraKaṇṭhā.(Gr.) i. 1. 171; PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. v. 4. 46; forms cpds. P. ii. 2. 18; Vār. 5; 10 (MahāBh. i. 416. 15–20); CāndraVyā. iv. 4. 54; S'ākaṭāVyā. ii. 1. 127; SiddhaHe. iii. 1. 45; MugdhaBo. 6. 88 (64. 9); SaraKaṇṭhā. (Gr.) iii. 2. 147; included in *kāṣṭhādigaṇa* GaṇPā. 49. 16; governs Acc. rarely Gen. Abl.; अति as preverb treated as separate entries] **A i** over (a period of time), during (a period of time) **ii** beyond (a particular period of time), further on **B i** beyond (a region) **B ii** above (a region) **C i** to pass over, to flow over **ii** going beyond, overcoming **iii** beyond the power of, not subject to **iv** excessive, beyond measure, immoderate (with nouns) **v** surpassing, superior to, better than **vi** in addition, more **vii** violating, against **D** excessively, greatly, exceedingly (with adjectives and verbs); **A i** over (a period af time), during (a period of time) भात्वक्षसो अत्यक्तुर्न सिन्धवोऽग्ने रेजन्ते अससन्तो अजराः ṚV. i. 143. 3; सुमारुतं न पूर्वीरति क्षपः ṚV. x. 77. 2; **A ii** beyond (a specific period of time), further on कृपयतो नूनमत्यथ ṚV. viii. 46. 16; संवत्सरामिन्द्रं यजेत संवत्सर ऽ हि व्रतं नाति TaiS. II. v. 4. 4; द्विपथं नातिकालं वा CaraS. i. 10. 16; **B i** beyond (a region) अति स प्र शृण्वे ṚV. x. 11. 7; **B ii** above (a region) पक्षी हं भूत्वाति दिवः समेति AV. iv. 34. 4; यदिमाल्लोँकानति चतुर्थमस्ति वा न वा S'atBr. I. ii. 1. 12; अतीव हि मनुष्यलोकः S'atBr. XIV. vi. 1. 10; स एष पुरुषः समुद्रः सर्वं लोकमति AitĀ. II. iii. 3. 1; अतिब्रह्मविदां लोकान् … क्षमिणः प्राप्नुवन्ति ताम् MahāBhā. iii. 30. 28; **C i** to pass over, to flow across युवायवोऽति रोमाण्यव्यया सोमासो अत्यव्यया ṚV. i. 135. 6; **C ii** going beyond, overcoming हुवेमेन्द्रमग्निं स्वस्तयेऽति द्विषः ṚV. x. 126. 5; परा हीन्द्र धावसि वृषाकपेरति व्यथिः ṚV. x. 86. 2; आ याहि पूर्वीरति चर्षणीः ṚV. iii. 43. 2; क्षत्राणां क्षत्रपतिरेध्यति दिद्यून् पाहि VājaS. 10. 17; पुरा यदीमति व्यथिरिन्द्रस्य धृषितं सहः AitĀ. V. ii. 1. 2; न सूक्तं भवतात्युग्रमति रामम् Bhaṭṭi. 8. 90; **C iii** beyond the power of, not subject to न हि नमस्कारमति देवाः KauṣīBr. 13. 1 (57. 23); 3. 8 (13. 17); S'āṅkhāĀ. 1. 5 (3. 12); **C iv** excessive, beyond measure, immoderate (with nouns) अतिभाराध्वमैथुनात् CaraS. i. 17. 92; उच्चैर्भाष्यातिभाष्येभ्यः CaraS. i. 17. 16; क्षवथूश्चातितन्द्रा च बुद्धेर्मोहोऽतिनिद्रता CaraS. i. 5. 27 (1922 Ed.); पुनर्जरसमाश्रितो भवति सर्वनष्टक्रियो विचित्रमतिजीवितं परिणतेर्न लज्जायते SubhāRaSaṁ. 260; खड्गश्चेत्तव नन्दकाद् भगवता गर्वोऽति संत्यज्यताम् AlaṅkāMañ. 98. 3; अतिदानाद्बलिर्बद्धः CāṇakyaNī. 3. 12; अतिमद्यं हि पिवतो बुद्धिलोपो भवेत् किल S'ukraNī. 1. 114; **C v** surpassing, superior to, better than यो देवो मर्त्याँ अति AV. xx. 127. 7; अथ ह वा अग्र ऋक् च गाथा च सदृश्यावेवासतुर् तान्यान्यामति । ते आजिमैताम् JaimiBr. 3. 41; यदाहात्यायुपात्रमित्यति ह्येतदन्यानि पात्राणि यद् द्रोणकलशो देवपात्रं द्रोणकलशः PañcBr. vi. 5. 7; न चतुरो वृणीते न पञ्चाति प्रवृणीते वा MānS'S. 240. 12; अत्यन्यान् पृथिवीपालान् पृथिव्यामधिराज्यभाक् MahāBhā. i. 103. 1; अति युद्धानि सर्वाणि युद्धमेतत्ततोऽधिकम् MahāBhā. viii. 11. 27; अत्यन्यानेष देशो हि धनरत्नादिभिर्युतः MahāBhā. i. 57. 9; यः कपीनति बभ्राज Rāma. vi. 19. 29; अतीन्द्रियं पुनर्मनः सत्त्वसंज्ञकम् CaraS. i. 8. 4; अति चन्द्रं च सूर्यं च शिखिनं च स्वयंप्रभा MatsyaP. 161. 46; स रूपेणाति भिषजौ देवानां पार्थिवात्मजः । आसीत् MārkP. 123. 14; अरतिमति हि मम वपुषि विदधतीं तिरयसि यदि नवजलद शशिकलाम् Chandaścū. 2. 243(2); 3. 32(3); **C vi** in addition, more शतं दासाँ अति स्रजः ṚV. viii. 56. 3; **C vii** violating, against न देवानामति व्रतं शतात्मा चन जीवति ṚV. x. 33. 9; कदस्याति व्रतं चकृमा ṚV. x. 12. 5; **D** excessively, greatly, exceedingly (with adjectives etc.) अति यो मन्द्रो यजथाय ṚV. ii. 28. 1; मघैर्मघोनो अति शूर दाशसि AV. xviii. 1. 38; नातृप्तान् नाति च व्यग्रान् नानुदात्तपरिच्छदान् । सुग्रीवानुचरान् Rāmā. iv. 32. 24; अथ सूक्ष्ममति द्वयाशिवं लघु तासां हृदयं न पश्यसि Saund. 8. 47; तत्र मनसो मनोबुद्धेश्च त एव समानातिहीनमिथ्यायोगाः प्रकृतिविकृतिहेतवो भवन्ति CaraS i. 8. 16; मात्रैषा मन्दविभ्रंशा न चातिबलहारिणी CaraS. i. 13. 37; पिडका नातिमहती CaraS. i. 17. 87; अति नाम मुग्धः शिशुजनः UttaRāC. 6. 36(1); अति बलवति शत्रौ तुल्यशौर्योदये वा Kapphiṇā. 4. 25; जाते पुण्यनिवर्तनेऽतिमहतामर्थोऽप्यनर्थायते S'atTrayī. 613; नाति स्थूलं कृशं नाति … खलीनं कारयेद्बुधः AśvaVai. 7. 45; उत्थातुं राजसायाः प्रतिक्षणम् । न शक्तिरासीज्जठरे गर्भभाराद्गुरावति ParamāKā. 176. 7; (with verbs) अति भूतानि तं शब्दं मेनिरेऽति च विव्यथुः MahāBhā. viii. 32. 30; आ(:?)क्षत्रियबटो अति नाम प्रगल्भसे MahāvīC. 2. 48(2) (63. 9); 3. 24(1) (76. 7); कुमार अति हि नाम शोभसे रथस्थ एव UttaRāC. 5. 28(1); स तु प्रकारः …इह नाति प्रतन्यते VakroJī. 87. 10; यन्नापैत्यति च शोभते SaraKaṇṭhā. 701. 13; अति हि नाम प्रमोदामहे MadaKeC. 73(2); *adj.* more, surpassing, superior अतीनि ह कर्माणि सन्ति S'atBr. VI. vi. 1. 1; अति धर्माद्बलं मन्ये बलाद्धर्मः प्रवर्तते MahāBhā. xii. 132. 5; विद्यमानोऽपि च दाता यदि न दद्यात् ततोऽत्या(? स्या)मवस्थायां तदीयमलङ्कारमुत्सृज्य स्वयमेव वरं वरयेत् BālaKrī. i. 69. 24 (*on* 1. 64); *n.* (*m.*) excess, excessiveness अतित्यागादनौचित्यम् अतिः कुत्रापि नेष्यते PārśvC. 1. 103; अतिः सर्वत्र गर्हितः SūktiRa. 163. 52; अति सर्वत्र वर्जयेत् VetāPañ.(S'i.) 22. 16; नैकान्तव्यसनं युक्तं ह्यति सर्वत्र गर्हितम् RājTa.(S'rī.) 3. 522; MādhavāĀ. 26. [Kośas give the meaning based on grammar and include *ati* both as an उपसर्ग and as a member of a cpd.; लङ्घन AmaK. 2818; AnekāSa. 782; AnekāSaṁ. 7. 20; ViśvaPra. 187. 24; AnekāK. 9. 80; MediK. 196. 20; NānārthaMa. 713; AgniP. 360. 3; DharK. 2896; AnekāTi. 2. 19; ViśvaLoK. 408. 17; अतिक्रम Vaija. 285. 15; KośaKaTa. 2. 3162; प्रशंसा, स्तुति AmaK. 2818; AnekāSa. 782; AnekāSaṁ. 7. 20; ViśvaPra. 187. 24; DharK. 3896; Vaija. 285. 15; ViśvaLoK. 408. 17; पूजन, पूजा AmaK. 2859; S'eṣaNā. 227; 1742; AgniP. 360 21; KalpaK. 458. 8; प्रकर्ष AmaK. 2818; AnekāSa. 782; AnekāSaṁ. 7. 20; ViśvaPra. 187. 24; AnekāK. 980; MediK. 196. 20; ViśvaLoK. 408. 17; NānārthaMa. 713; DharK. 2896; KośaKaTa. 2. 3161; आधिक्य AnekāTi. 2. 19; KalpaK. 458. 5; Vaija. 285. 15; VidaMuMa. 2. 45; भृश AnekāSaṁ. 7. 20; नितान्त ViśvaLoK. 408. 17; MediK. 196. 20; ViśvaPra. 187. 24; असंप्रति AnekāSaṁ. 7. 20; ViśvaPra. 187. 24; MediK. 196. 20; ViśvaLoK. 408. 17 KośaKaTa. 2. 3162; अपचिति KośaKaTa. 2. 3161; क्षेप AnekāSaṁ. 7. 20; ViśvaPra. 187. 24; ViśvaLoK. 408. 17; जव AnekāTi. 2. 19; ParaNā. 2617; स्तुति AnekāTi. 2. 19; ParaNā. 2617]

[2]**अति** (ati) *f.* (? अर्ति) pain, trouble अतिरार्तिर्व्यथा पीडा KalpaK. 367. 4.

[3]**अति** (ati) (Gr.) the root *ant–* अति अदि बन्धने DhātuPā. 1. 62; SetuBa. 190. 22.

अतिऋजु (ati-ṛju) *adj.* very straight or innocent (glance), शून्येनानुव्रजन्ती प्रियमतिऋजुना लोचनेनापरेण KaṁVa. 4. 42; (body) अयि मुग्धे (कुब्जे) एवं हि कृते प्रसन्नो भगवानेवालिङ्ग्य त्वामतिऋजुं करिष्यति KaṁVa. 5. 35(16)

अतिऋजुमति (atirju-mati) *adj.* possessed of a very straightforward mind (simple-minded) तैरस्याप्यतिऋजुमतेर्महीपतिपुत्रस्य बुद्धिर्वेदवादविरोधमार्गानुसारिण्यक्रियत ViṣṇuP. iv. 20. 22.

अतिक् (a-tik) (Gr.) absence of the *kṛt* suffix *tik* (= *ti*) वनतनाद्यनिमां जम्लोपो ङस्यप्यतिक्यणौ MugdhaBo. 9. 7 (104. 2); 26. 74 (158. 2)

अतिककुद (ati-kakuda) *adj.* having a big hump (गावः न शुभदाः) अतिककुदाः कृशदेहाः BṛSaṁ. 61. 4 = S'ārṅgaPa. 2829.

अतिकटु (ati-kaṭu) *adj.* **i** very acrid, very pungent अतिकटुरपि महारसः (खलः) VāsaDa. 70. 5; अतिकटुः अतितीक्ष्णः इत्येवम् (आहारः) GītāBh. (S'aṅ.) 475. 7 (*on* 17. 9); निषेव्य कटुभोजनान्यतिकटूष्णरूक्षाण्यपि KalyāKā. 8. 21; **ii** excessively harmful or cruel अहो ग्रहाणामतिकटु कटाक्षनिरीक्षणम् VāsaDa. 258. 4; 70. 5; कः शक्नोति समाहर्तुमियतः कपियूथपान् । तवात्रातिकटोः पाकात् RāmC. 28. 37; *m.* very pungent (dish or food) न तिक्तेनातिकटुना … । न कषायैः स्पृहा यस्य प्राप्नुयात्सिद्धिमुत्तमाम् VarāP. 115. 37.

अतिकटुक (atikaṭu-ka) *n.* a group of *neem* and other bitter herbs

etc. अतिकटुककलायाढकीनां रसैर्वा । ... श्लेष्मोद्रेकः प्रशान्ति व्रजति KalyāKā 10.3; *adj.* extremely hot ग्रीष्मो रूक्षोऽतिकटुकः BhāvPra.(Bhā.) 5.331.

अतिकटुगन्ध (atikaṭu-gandha) *adj.* having very pungent smell अतिकटुगन्धं काकवाह्वं द्विहस्तम् ...स्यादयुग्मं तु षण्डम् ĪśānŚiPa. i. 3. 21.

अतिकटुत्व (atikaṭu-tva) *n.* excessive bitterness औषधस्य ...अतिकटुत्वात् ...दुर्योगातियोगावुत्पद्येते KāśyaS. 156A. 36; चेतोहारी तेन पृथगतिकटुत्वच्चाभिधत्ते (मातुलुङ्गरसः) HārīS i. 17. 13.

अतिकटुप्रवाह (atikaṭu-pravāha) *adj.* having very pungent or bitter flow तेन खलु बलमदः ... रूपमदः इत्यनेकमुखानतिकटुप्रवाहान् मदा(न्) मुञ्चता ... कदर्थिता इव गन्धकरिणः AvantiKa. 149. 19.

अतिकठिन (ati-kaṭhina) *adj.* [*f.* -ā] **i** very strong, very stiff, very hard or harsh अतिमृद्वतिकठिनं च शरीरेष्व(?रम) प्रशस्तमुच्यते KāśyaS. 48B. 7; अतिकठिनपीवरस्कन्धोरुबाहुभिः ...राजपुत्रैः सह रममाणः Kād. 7. 9; 11. 5; अतिमृदुलौ मम चरणावतिकठिनं ते मनो भवानीश । इति विचिकित्सां संत्यज्य ŚivāL. 95; अतिकठिनकचकण्टकोड्डुमरमुण्डमण्डलम् ... अष्टवङ्कनामपदं ... लेलिकापसदम् YaśasCam. ii. 42. 7; अतिकठिनं नृप ...पशुपतेः पाशुपतम् (धनुः) BrahmVaiP. iv. 64. 9; (राज्ञा) वर्त्म मेनेऽतिकठिनं बहु SkandP. iv. 88. 57; विवर्धितानतिकठिनानत्रखानिव प्रियानपि ...समच्छिनत् RāghPāṇ.(Dha.) 2. 25; शापं श्रुत्वातिकठिनं संतप्तौ तौ बभूवतुः GaṇeP. ii. 34. 24; उर्वीपतिः ... अतिकठिनखर्वपर्वाभिरङ्गुलीवेणुदण्डिकाभिः परिगृहीतैः ... वेतालमद्राक्षीत् TilaMañ. 47. 21; 304. 18; (भूमिं परीक्षेत) न मृद्वीं नातिकठिनाम् Mānaso. iv. 3. 663; द्रवेऽतिकठिना नाडी कोमला कठिनाशने NāḍīVi. 66; 104; काष्ठादतिकठिनेयं जाता सृष्टिः GopāKeCan. 56. 6; 119. 1; यदातिकठिनो राजन् कृच्छ्रसाध्यश्च जायते Hastyāyur. 319. 20 (2. 66); अतिकठिनकाचघटीम् ... आरोप्य RaseCin. 2. 5 (8. 16); दध्रेऽङ्गानि यथा यथातिकठिनान्येषा नवोढा रते । शङ्केऽधत्त तथा तथातिकठिनं चेतोऽपि चित्तप्रियः HammīMaKā. 7. 116; अतिकठिनाज्ञानपाषाणसमुद्‍टङ्कनायेव गृहीतटङ्कम् (साक्षाच्चकार दाक्षायणीरमणम्) NīlaVi. 95. 16; 12. 13; यमस्योद्दण्डदण्डमतिकठिनं कुण्ठितं विधाय Manmatho. 3. 27(2) (638. 18); **ii** tenacious, tough, sturdy अहो ममातिकठिनं जीवितं वज्रनिर्मितम् RāmāMañ. 470. 2; शाण्ड्यादिवातिकठिनं पीनं प्रथमयौवनम् । तं ब्रह्मचारिणं दृष्ट्वा SamaMā. 4. 45; गाढं प्रेम नवं वयोऽतिकठिनाः प्राणाः KāvyPra. 686. 6 = AlaṅkāSa. 162. 4 = SūktiMu. 40. 17 = ŚārṅgaPa. 3753 = Subhāṣi. 1156; **iii** very cruel, hard-hearted RāghPāṇ.(Dha.) 2. 25; राक्षसो वातिकठिनस्ततः पापरतोऽपि वा MārkP. 8. 51; यत्राद्यमेवातिकठिनाः ... दुर्मन्त्रिणोऽभजन् राज्ञि ... स्वतन्त्रताम् RājTa.(Śrī.) 1(3). 60; अतिकठिना सद्मश्वश्रूका (विवाहकर्मणि सदा त्याज्यावला पण्डितैः) AnaṅgaRa. 8. 4.

अतिकठिनकुचा (atikaṭhina-kucā) *adj.* (*f.*) with very stiff breasts अतिकठिनकुचाम् ... कान्तां तां शङ्खिनीमित्यतिविमलधियः संस्तुवन्ति ŚṛṅgāDī. 2. 14.

अतिकठिनगर्भ (atikaṭhina-garbha) *adj.* very heavy (fully developed) embryo प्रियायां स्वैरायामतिकठिनगर्भालसतया किराते चाकर्णाकृतधनुषि धावत्यनुपदम् ... मृगः पश्चादालोकयति SubhāRaK. 35. 22 = SaduktiKa. 257. 22.

अतिकठिनतण्डुल (atikaṭhina-taṇḍula) *m.* very hard rice लोहवालः अतिकठिनतण्डुलः BhojanKu. 6. 25.

अतिकठिनतर (atikaṭhina-tara) *adj.* harder, extremely hard कृतात्ममरणे ... उच्चादतिकठिनतरभूमिपतनेन ...सद्यःशौचम् HārLa. 113. 11; निष्पिष्यैकेन वज्रादतिकठिनतरं मुष्टिनायःकवाटम् KaṁVa. 6. 9.

अतिकठिनता (atikaṭhina-tā) *f.* **i** the state of being very hard वर्णानां तादृशत्वादतिकठिनतया गौरवस्यापि भूम्ना धात्रीभागैः प्रभूतैः स्फुटमिह घटिता धातवो हाटकाद्याः TattvMu. 1. 59; **ii** hard-heartedness, cruelty अतिकठिनतादुर्वादं ते निशम्य मया व्रजे दमयितुममुं किं तु क्षिप्तं दुरर्धमघद्विषि UjjvaNīMa. 191. 10.

अतिकठिनमनस् (atikaṭhina-manas) *adj.* whose mind is extremely hard प्रेयांसं गोपयित्वा क्वचिदपि भवनद्वारदेशे ब्रवीषि त्वं मामन्यालयं प्रत्यतिकठिनमनास्ते तु कान्तः प्रयातः ŚṛṅgāMañ.(A.) 22. 11.

अतिकठिनहृदय (atikaṭhina-hṛdaya) *adj.* whose heart is very hard आर्य नियतं सैवेयमनार्यस्यास्य जनस्यातिकठिनहृदयस्य ... भगिनी HarṣaC. 326. 17.

अतिकठोर (ati-kaṭhora) *adj.* **1** very hard, too strong यत्कर्मातिकठोरघोरगहनं भूत्यै यदत्यादरः Mugdhopa. 3; अहो बाल्योरप्येतयोः ... अतिकठोरतराण्यङ्गानि KaṁVa. 6. 22 (1); आबद्धातिकठोरै रश्मिभरैः ... मसृरैव चूर्णितापि सिता PadyaVe. 776; **2** very severe or sharp तत् (वानरयूथम्) अतिकठोरवातसंस्पर्शवेपमानकलेवरम् ... न कथञ्चिच्छान्तिमगमत् PañcT. (Kosegarten's Ed.) 93. 1; भगवन् अतिकठोरकिरणस्तपति तपनः KaṁVa. 4. 49(6); **3** full-grown अतिकठोरनालिकेरकेतकीकरीरकेसरपरिगतप्रान्तैः ...विराजिता लतामण्डपैः Kād. 19. 9.

अतिकठोरता (atikaṭhora-tā) *f.* **1** extreme hardness अतिकठोरतया परिघः ... । न हि ययावुपमाविषयं प्रभोः NemiC. 8 4.

अतिकठोरत्व (atikaṭhora-tva) *n.* excessive harshness अत्रातिकठोरत्वादसौकुमार्यं सुप्रतीतमेव SaraKaṇṭhā. 30. 12.

अतिकण्ट (atikaṇṭa) *m.* *Tribulus lanuginosus* and *Alhagi Maurorum* [pw.]

अतिकण्टक (atikaṇṭa-ka) *m.* *Tribulus lanuginosus* and *Alhagi Maurorum*, MadaPāNi. 6. 101; KośaKaTa. 1. 4013; ApūNā. 11B. 1; *adj.* **1** which surpassed thorns पुष्पचन्दनतल्पं च तद्बभूवातिकण्टकम् BrahmVaiP. ii. 16. 7 = DevīBhāP. ix. 18. 7; **2** having many thorn-like projections प्रपोटकं विजानीयात् ... ग्रन्थिभिश्चातिकण्टकैः AśvaVai. 39. 21.

अतिकण्टकतरु (atikaṇṭaka-taru) *m.* tree with many thorns खगनगतोऽतिकण्टकतरूनधिरोहति चेद्व्रयाकुलः KalyāKā. 20. 32.

अतिकण्डु (ati-kaṇḍu) *adj.* having excessive itching or irritation मृद्गाति नेत्रमतिकण्डुमथाक्षिकूटम् ... तेन (= कुकूणकेन) रोगेण शिशुः स नित्यम् SuśruS. vi. 19. 9; शीतोऽविवर्णोऽल्परुजोऽतिकण्डुः ... कफप्रकोपाद्विवृत्तः (ग्रन्थिः) स्रवेत् RugVi. 38. 14.

अतिकण्डुक (atikaṇḍu-ka) *adj.* one having excessive itch or irritation (of skin) तैलचोरोऽतिकण्डुकः (भवति) HārīS. ii. 1. 25.

अतिकण्डू (ati-kaṇḍū) *adj.* with excessive itching राज्योऽतिकण्डूर्तिरुजः ... भवन्ति गात्रेषु विचर्चिकायाम् SuśruS. ii. 5. 13; *f.* excessive itching स्तब्धं शैत्यम् ... अतिकण्डूम् ...श्लेष्मव्याधिस्वरूपाणि ...अधिगम्य KalyāKā. 10. 2; अतिकण्डूं कृमिं पाकं स्फोटकानि च नाशयेत् RasRaSa. 20. 171.

अतिकण्डूयन (ati-kaṇḍūyana) *n.* act of excessive scratching अति. कण्डूयनात्प्रतितोदनाच्च प्रतिनुन्नः (गजस्य नेत्ररोगः) प्रादुर्भवति Hastyāyur. 142. 30 (1. 18)

अतिकतर (ati-katara) *adj.* which has surpassed which one of the two अतिक्रान्तमिदं ब्राह्मणकुलं कतरत् अतिकतरं ब्राह्मणकुलमिति MahāBh. i. 87. 18 (*on* i. 1. 27); कतरमतिक्रान्तं ब्राह्मणकुलम् अतिकतरमिति PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. (i. 1. 27); SiddhāKau. 52B. 3; LaŚabdeŚe. i. 285. 17.

अतिकत्थ् (ati-katth-) I. Ā. to boast extravagantly नारिं जित्वातिकत्थन्ते न च जल्पन्ति दुर्वचः MahāBhā. vii. 1069* (1)

अतिकत्थन (ati-katthana) *adj.* boasting extravagantly कर्णपूरश्च कौटिल्यात्कर्णलग्नोऽतिकत्थनः SamaMā. 5. 46.

अतिकथ (ati-katha) *adj.* **i** indulging in nonsensical discourse [pw.]; **ii** exaggerated, incredible [MW.] [PW.]; **iii** lost, wicked [APTE]; **iv** transgressing tradition or law [PW.] [MW.]

अतिकथन (ati-kathana) *n.* boasting प्रलापी चातिकथनात् SuśruS. iii. 2. 25.

अतिकथा (ati-kathā) *f.* **i** nonsensical discourse, **ii** exaggerated tale; **iii** transgression of tradition or law [PW; MW; APTE]

अतिकदन (ati-kadana) *n.* great trouble or destruction चक्राणां विदधाति सोऽतिकदनम् YātrāPra. 6. 63.

अतिकदर्थन (ati-kadarthana) *n.* excessive torment or torture सुभटप्रकाण्डघनकाण्डवर्षणातिकदर्थनेन भृशविक्लवाशयाः । यवनाः HammīMaKā. 10. 50.

अतिकदर्थना (ati-kadarthanā) *f.* excessive humiliation वहत्यतिकदर्थनां वत वराककः पामरः Subhāṣi. 905.

अतिकदर्य (ati-kadarya) *adj.* extremely miserly or niggardly निर्मितोऽतिकदर्योऽयं विधिना निधिपालकः AṣṭāSaṁ. ii. 54. 16 (4. 9) = AṣṭāHṛ. iv. 7. 92.

अतिकदर्यता (atikadarya-tā) *f.* excessive miserliness, great avarice अतिकदर्यतां च न प्रकटीकरोति जलदः PṛthviVi. 9. 18.

अतिकनिष्ठमात्रा (atikaniṣṭha-mātrā) *f.* very small quantity स्वयं घृततैलयोरतिकनिष्ठमात्रान्वितात् । स (अनुवासनबस्तिः) च प्रतिनिवर्तते KalyāKā. 8. 60.

अतिकनीयस् (ati-kanīyas) *adj.* very small, excessively small (विस्वरत्वं भृशं व्रजेत्) अतिकनीयसि मण्डपे पाठ्यमुच्चरितं स्वरं सदनिस्सरणधर्मत्वात् AbhinBhā. i. 53. 7 (*on* 2. 19); विस्ताराङ्गुलसंयुक्तं कुर्यादतिकनीयसाम् । चतुःषष्टिगृहद्वारमुदयेनार्धविस्तृतम् SamarāSū. 28. 5

अतिकन्द (ati-kanda) *m.* a kind of plant, KalpaK. 179. 415.

अतिकन्दक (atikanda-ka) *m.* a kind of plant, RājNi. 350. 10.

अतिकन्दुकक्रीडा (ati-kandukakrīḍā) *f.* excessive indulgence in

playing with a ball इयमतिकन्दुकक्रीडया मध्यमायासयति PādaTā. 13. 19.

अतिकपट (ati-kapaṭa) *n.* extreme deceitfulness तेनान्तर्मदमेदुरोऽतिकपटाद्विश्वं तृणं मन्यते CaitaCa. 19. 17(1)

अतिकपाल (ati-kapāla) *adj.* possessed of large skull-bones (?) (नीललोहितः) मीढुषोऽतिकपालांश्च … असृजद्रुद्रानेतान् सुरोत्तमान् LiṅgaP. i. 70. 309.

अतिकपिला (ati-kapilā) *adj.* (*f.*) very brown, excessively tawny (भार्यां विन्देत) नातिकपिलाम् ViṣṇuSm. 24. 15.

अतिकपिश (ati-kapiśa) *adj.* very brown निर्ऋतिपतिः … खड्गपाशो भुसुण्ढीम् । दधदतिकपिशोऽव्यात् ĪśānS'iPa. i. 3. 47.

अतिकफ (ati-kapha) *adj.* with excessive phlegm ऽतिकफो विवर्णः प्राप्तो दशां सोऽप्यथ सप्तमीं वै MātaLī. 5. 17.

अतिकफोल्बण (atikapholbaṇa) *adj.* severe or strong due to excessive phlegm सक्षारमूत्रपरिपिष्टसुखोष्णकल्कैरालेपयेदतिकफोल्बणवातरक्ते KalyāKā. 9. 38.

अतिकम्प् (ati-kamp-) I. Ā. to shake or tremble exceessively यत्रातिकम्पते शाखा … तथा । चिनुयात् तुलसीपत्राणि BṛDharmaP. i. 8. 49.

अतिकम्प (ati-kampa) *adj.* extremely tremulous अतिकम्पमूर्मिकुटिलभ्रु … अभूत् …जाह्नवीजलम् NavaSāC. 15. 30; *n.* great tremonr or trembling नैवाप्युज्जयिनी कदापि जयिनी चम्पातिकम्पान्विता PrabaCin. 13. 16.

अतिकम्पन (ati-kampana) *m.* name of a chief of S'iva's troops कम्पनश्चातिकम्पनः । …इत्याद्या गणपाः … । प्रययुः S'ivaP. ii(v). 9. 36 (231A. 2)

अतिकम्पमान (ati-kampamāna) *adj.* trembling very much अतिकम्पमानावयवः (अहम्) … कदा मरणमुपयामि BṛNāraP. 378. 12(30); मुनिः … दयाभिवेशादतिकम्पमानः DevīBhāP. iii. 11. 26.

अतिकम्पयत् (ati-kampayat) *adj.* shaking excessively गतेन भूमिमभि(v. l. ति)कम्पयन् MahāBhā. iv. 10. 2.

अतिकम्पित (ati-kampita) *adj.* **1** who trembled very much धर्मराजः …ननाम दण्डवद्भूमौ मम तातातिकम्पितः BṛNāraP. 21. 69; **2** which has heen caused to tremble or shake extremely उत्सवः स महाञ्जातः … नृत्यलो(? ल्लो)कक्रमन्यासादतिकम्पितभूतलः PadmP.(Ra.) 36. 93.

अतिकम्बलम् (ati-kambalam) *n.* no opportune time for a blanket असम्प्रत्यर्थे नायमस्य कम्बलस्य भोगकालः अतिकम्बलम् BhāṣāVṛ. *on* ii. 1. 6.

अतिकर (ati-kara) *adj.* one who overdoes or transgresses (one's limits) राजद्वेषी चातिकरस्त्वात्मसंभावितस्तथा … एतांस्तु भेदयेच्छत्रौ AgniP. 240. 55.

अतिकरकृष्ट (ati-karakṛṣṭa) *adj.* **1** drawn excessively with the hand वसनाञ्चलोऽतिकरकृष्टः । निजनायकमतिकृपणं कथयति कुग्राम इव ĀryāSaS'a. 371; **2** tormented excessively by taxes, ĀryāSaS'a. 371.

अतिकरग्रहण (ati-karagrahaṇa) *n.* levying excessive taxes अतितृष्णया चातिकरग्रहणेन ManvaVi. 821. 21 (*on* 7. 139)

अतिकरभोरु (ati-karabhoru) *adj.* surpassing (a woman) whose thighs rssemble the trunk of an elephant अतिकरभोरुः KātanVṛ. *on* ii. 4. 52.

अतिकराल (ati-karāla) *adj.* [*f.* -ā] very fierce or dreadful वृषलराजपणिः … असिमतिकरालनिशितमुपाददे BhāgP. v. 9. 16; राजा तस्य ललाटेऽतिकरालाकारं कर्परप्रहारं दृष्ट्वा चिन्तयामास Pañcā. 240. 15; हृदयमतिकराला वेपयन्ती हि रात्रिः GopāKeCan. 100. 26; एषः …साक्षादकृत … अतिकरालकाकोल° °पश्यतोहरम् … त्रिपुरवैरिणम् YātrāPra. iii. 63(7); अतिकरालः काल एष कुरुते शरवर्षम् PadyaVe. 637.

अतिकरालकन्धर (atikarāla-kandhara) *adj.* having a very fierce neck केसरैरतिकरालकन्धरो मार्गमस्य रुरुधेऽथ केसरी NavaSāC. 8. 40.

अतिकरालत्व (atikarāla-tva) *n.* the state of being very fierce or terrible द्वितीयस्य प्रलयानलादतिकरालत्वेन AṇuBh. 244. 17 (*on* iii. 3. 36)

अतिकरालदेह (atikarāla-deha) *adj.* having a very fierce or formidable body अतिकरालदेहः । प्राप्तस्तदन्ते स च मृग्यमाणो निषादराजः DevīBhāP. iii. 11. 29.

अतिकरालवक्त्र (atikarāla-vaktra) *adj.* having a very fierce face क्वचिदतिकरालवक्त्रम्…नृसिंहवपुस्तत्पठ्यते GoviBh. 223. 4 (*on* iii. 3. 5)

अतिकरालवदन (atikarāla-vadana) *adj.* [*f.* -ā] having a very fearful face असावतिभीषणाकृतिरतिकरालवदनो राक्षसोऽभूत् ViṣṇuP. iv. 4. 43; ततः सा बहिरायाता … अतिकरालवदना (शक्तिः) GaṇeP. ii. 68. 14; *n.* very fearful face अतिकरालवदनवित्रासित° … °वृषभासनादिकं नृकेसरिरूपम् AṇuBh. 207. 12 (*on* iii. 3. 1)

अतिकरुण (ati-karuṇa) *adj.* **A i** very pathetic एतदेकादशं प्रोक्तं पर्वातिकरुणम् MahāBhā. i. 2. 194 = xi. 27 colophon; धिक् त्वां दैवातिकरुणम्… । येन…नीतो राजा श्वपाकताम् MārkP. 8. 200; नारीणां रुदितम् … अतिकरुणमाकर्णितवानस्मि HarṣaC. 321. 22; 326. 12; अतिकरुणदर्शनां मगधराजमहिषीं ददृशुः AvantiKa. 120. 4; 118. 15; कष्टं कथमहं विप्रः शरेण निधनं गतः । इति श्रुत्वातिकरुणं मुनिसूनोरहं वचः RāmāMañ. 76. 19; लोलाक्ष्या गुरुसंनिधौ … संलापास्त्रपया न चातिकरुणाः कर्तुं न वा पारिताः Subhāṣi. 1055; JānaPa. 7. 42(1); S'ṛṅgāSar. 117(8); **A ii** containing excessive pathetic sentiment नातिकरुणशृङ्गारो व्यायोगः कथ्यते NāṭaLaRaK. 2797; **B** very compassionate or kind भजताम्…य आत्मदोऽतिकरुणः BhāgP. vi. 16. 34; GopāKeCan. 89. 26; वहति न सा रुजमतिकरुणेन GītGo. vii. 16. 7 (S'aṅkaramiśra अतिकरुणेति कृष्णस्य विशेषणम्); (पुरुषोत्तमः) अतिकरुणः स्वस्वरूपानन्दमनुभावयंस्तं प्रधानीकरोति AṇuBh. 359. 23 (*on* iv. 4. 21)

अतिकरुणम् (ati-karuṇam) *adv.* very pathetically अतिकरुणं वर्तते KundaMā. 1. 2(7); TāpaVa. 2. 7(1); खङ्गिधेनुकानाम् … अतिकरुणमारसन्तीनामाक्रन्दितेन … प्रचलितमिव तदरण्यमभवत् Kād. 28. 18; MālaMā. 6. 124; TilaMañ. 47. 12; अतिकरुणं रुदतीमवेक्ष्य सीताम् RāmāCam. 3. 5; 6. 17(1); सा …अतिकरुणम्…रोदितुमारेभे UdaySuKa. 116. 26; PrasaRā. 5. 48; किं पादेषु निपत्य वातिकरुणं नोत्कण्ठया क्रन्दितं गेहादुच्चलिते…प्रिये Subhāṣi. 1408.

अतिकरुणा (ati-karuṇā) *f.* great compassion or pity (धृतराष्ट्रः … वचनमब्रवीत्) यच्छ्रुत्वा सुहृदां चातिकरुणा समजायत MahāBhā. ix. 13*(1); Kād. 37. 20; अतिकरुणाविष्टो लोकाध्यक्षः … । दर्शयामास तान् रूपम् GaṇeP. i. 12. 32; महेशानि कृतातिकरुणा त्वया । आविर्भूता मम पुरः S'ivaP. ii(3). 6. 44 (130A. 15)

अतिकरुणात्मन् (atikaruṇātman) *adj.* whose mind is full of great compassion, very compassionate अनुगृहीतोऽहं त्वयातिकरुणात्मना BhāgP. ix. 5. 17; SātvaT. 6. 221; त्वयातिकरुणात्मना । वैशाखमासमाहात्म्यं कीर्तितम् PadmP. iv. 99. 15.

अतिकरुणावती (atikaruṇā-vatī) *adj.* (*f.*) very compassionate स्वभावतो भवेन्माता पुत्रेऽतिकरुणावती DevīBhāP. xi. 18. 48.

अतिकरुणास्पद (atikaruṇāspada) *n.* abode of great compassion जय … शंभो … अतिकरुणास्पद S'ivaP. viiB. 31. 6 (582B. 8)

अतिकर्कश (ati-karkaśa) *adj.* [*f.* -ā] **A** (animate beings) very uncouth, very unkind लुब्धोऽर्थवान् साधुजनावमानी वणिक् स्ववृत्तावतिकर्कशः Cārud. 3. 7; (द्यूते) अतिकर्कशपुरुषप्रतिसंसर्गादनन्यधर्षणीयता DaśKuC. 135. 23; (जामदग्न्यः) कार्ये कार्ये भवत्यतिकर्कशः MahāvīC. 2. 11; RāmC. 21. 104; अयि जानकि जानतापि दुःस्थां त्वदवस्थाममुनातिकर्कशेन । न मया परिमोचितासि Rāgh. 15. 29; अतिकर्कशात्मनि दयादूरे … श्रीकृष्ण किं मे त्वयि Mukundā. 167; **B** (things) rough, hard अतिकर्कशदेहाय तस्मै कूर्मात्मने नमः MahāBhā. xii. App. 6(12); Kapphiṇā. 11. 4; चर्मखण्डः … भाले यस्यातिकर्कशः । भाली स कुरुते नागो भर्तुः कुलधनक्षयम् YuktiKa. 205. 2; RāmāMañ. 101. 9; पद्द्वितयम् । अयमक्षमिष्ट वृषभादिशिलास्वतिकर्कशासु निजमर्पयितुम् Acyutarā. 5. 25; न स्तब्धं नातिकर्कशम् । … खलीनं कारयेत् AśvaVai. 7. 45; अग्रेऽतिकर्कशम्…यद्भवेत् । तन्नेत्रं वेदनां घोरां हस्तिनामुपपादयेत् Hastyāyur. 610. 16 (4. 5); **C i** (abstract notions) violent द्वावप्यजस्रमतिकर्कशसंप्रहारौ RāmC. 36. 34; DevīBhāP. v. 13. 43; अलमतिकर्कशप्रक्रियातर्कानुसरणेन PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. iii. 1. 30; iii. 1. 3; **C ii** unbearable करैः समाश्लिष्यति नातिकर्कशैः । इति प्रजां लालयते सः Kapphiṇā. 2. 43; अतिकर्कशाक्षरवहां वंशीं निरयास्यतः GopāKeCan. 108. 26; संपर्कोऽप्यतिकर्कशः … वेश्यानां विषयेषु Mugdhopa. 27; अतिकर्कशैर्वाक्यैः … । वधूम् … ताडयामास MalliC. 7. 84; **C iii** rigorous, strict स्वस्य योग्यमतिकर्कशमेवाचरणमाचरणीयम् TattvPradī.(A.) 313. 7 (*on* 3. 30); 314. 4 (*on* 3. 30)

अतिकर्कशत्व (atikarkaśa-tva) *n.* great roughness or toughness अतिकर्कशत्वादायसमिव निर्मितम्…शबरसेनापतिमपश्यम् Kād. 29. 21.

अतिकर्कशम् (ati-karkaśam) *adv.* very severely दिवापराद्धं तुहिनेतरत्विषा मृगीदृशां यत्तपतातिकर्कशम् Surath. 5. 19; तेजस्विनि क्षमोपेते नातिकर्कशमाचरेत् SūktiRa. 156. 28.

अतिकर्णज्वरावह (atikarṇajvarāvaha) *adj.* causing great distress to the ears आपतन्त्याः श्रीदेव्या यात्रानिःसाणनिःस्वनाः । अश्रूयन्त च दैत्येन्द्रैरतिकर्णज्वरावहाः BrahmāṇḍP. iii. 21. 101.

अतिकर्तव्य (ati-kartavya) *adj.* to be entertained too much अमित्रो नातिकर्तव्यो नातिदेयः कदाचन MahāBhā. v. 474*(1); ViṭaVṛ. 25.

अतिकर्त्री (ati-kartrī) *adj.* (*f.*) making greatly, KātanVṛ. *on* ii. 4. 50.

अतिकर्दम (ati-kardama) *m.* deep mud तस्याश्रमे … चक्रे पर्जन्यो

नातिकर्दमम् MārkP. 99. 3.

अतिकर्पूरभक्षण (ati-karpūrabhakṣaṇa) *n.* excessive consumption of camphor दन्तपातः कथं न स्यादतिकर्पूरभक्षणात् PārśvC. 1. 102.

अतिकर्मकृत् (atikarma-kṛt) *adj.* doing excessive activity (कान्तः) अतिमृदुरतिकर्मकृच्च सौर्ये Bṛhajjā. 24. 12; अतिकर्मकृदतितीक्ष्णो रविमेऽप्यथवांशके भवति भर्ता Sārā. 45. 24.

अतिकर्मतस् (atikarma-tas) *adv.* owing to excessive exertion गजानाम् ··· अतिकर्मतः ··· प्रादुर्भवन्ति नयनरोगाः Hastyāyur. 138. 26 (1. 18)

अतिकर्मन् (ati-karman) *n.* excessive exertion कृच्छ्रोपायं तत्त्वतः कर्म (v. l. तत्त्वतिकर्म) दुःखम् MahāBhā. v. 26. 4; अतिकर्मविपाकधर्मसूत्रबद्धः ··· परलोकं यामि S'aṅkaVi.(Ā.) 237. 3; अतिकर्मसेवनाच्च प्रकुप्यति पवनः Hastyāyur. 120. 24 (1. 17); एष व्याधिः ··· उष्णे चातिकर्मप्रयोगात् ··· स्नेहावसिक्तस्य धर्मावस्थापनमतिकर्मप्रयोगशारदस्य Hastyāyur. 144. 22 (1. 18); 683. 14 (4. 26); *m.* name of a deity विश्वे चाग्निमुखा देवाः संख्याताः ··· तेषां नामानि ··· अतिकर्मा प्रतीतश्च MahāBhā. xiii. 91. 36.

अतिकर्शन (ati-karśana) *n.* excessive weakness or leanness तत्रातिकर्शनात् ··· । लब्धाश्रयो वायुरुत्प्लुतो रौक्ष्यात् कठिनीभूतः ··· गुल्मसंज्ञां लभते AṣṭāSaṁ. ii. 288. 18 (3. 11); कटुकः ··· कुरुतेऽतिनिषेवितः ··· बलशुक्रगलोपशोषकम्पभ्रमतापग्लपनातिकर्शनानि AṣṭāSaṁ. i. 98. 7 (1. 18); स्नायुच्छेदात् ··· सौहित्यादतिकर्शनात् । व्रणः ··· नैव साध्योऽपि रोहति AṣṭāHṛ. vi. 25. 21.

अतिकर्शित (ati-karśita) *adj.* [*f.* –ā] **A** very much impoverished नोपकुर्यादमित्रं वा गच्छेयदतिकर्शितम् । तद्धीनमवृद्धं च स्थापयेन्मित्रमर्थवित् ArthS'ā. ii. 365. 7 (7. 18); **B** deeply afflicted दुर्योधनो राजा भीष्ममासाद्य मारिष । दुःखेन महताविष्टो विललापातिकर्शितः MahāBhā. vi. 84. 35; **C** extremely weakened, extremely emaciated तपश्चकार सा पूर्वं निराहारातिकर्शिता BrahmVai.P. ii. 7. 101; तपसा तेऽद्य तुष्टोऽसि त्वां दृष्ट्वा चातिकर्शितम् DevīBhāP. vi. 4. 4; स्त्रीशोकभयभाराध्वकर्मभिर्योऽतिकर्शितः CaraS. vi. 21. 89 (1941 Ed.); अस्या हरेण विरहादतिकर्शिताया हस्तच्युतं वलयमेतदलब्धदेशम् BhikṣāKā. 21. 4 फा(भा)लेक्षणान्तिकचरं सखि पश्य शम्भोश्चूडाशशाङ्कमतिम(क)र्शितगात्रमेनम् BhikṣāKā. 7. 18.

अतिकर्षण (ati-karṣaṇa) *n.* **A** reducing the size or breadth (of roads) अतिकर्षणे चैषां (पथां) दण्डचतुर्था दण्डाः । कर्षणे पूर्वोक्ताः ArthS'ā. ii. 57. 10 (3. 10) (comm. उक्तानां पथामेकदेशापहरणेन प्रमाणतो न्यूनीकरणम्); **B** excessive weakness कृमिशोषज्वरार्शोविकारातिकर्षणाद्वा व्यापन्नाग्नेस्त्रयो दोषाः ··· अतीसारम् ··· जनयन्ति CaraS. vi. 19. 8 (1941 Ed.); i. 18. 5 (1922 Ed.); धातूनां संक्षयाच्चिन्ताशोकरोगातिकर्षणात् । ··· देहे स्रोतांसि रिक्तानि पूरयित्वानिलो बली । करोति विविधान् व्याधीन् RugVi. 22. 2; 61. 1.

अतिकर्षत् (ati-karṣat) *adj.* extremely tearing out कृमिभिः हृदयमतिकर्षद्भिश्छर्दिषोऽतिप्रवृत्तिः स्यात् AṣṭāSaṁ. i. 138. 3 (1. 27)

अतिकर्षित (ati-karṣita) *adj.* **A** deeply afflicted ततो दुर्योधनो राजा भीष्ममासाद्य मारिष । ··· विललापातिकर्शितः (v. l. अतिकर्षितः) MahāBhā. vi. 84. 35; **B** brought down, calmed down धिक् ते ब्राह्मण्यमक्षान्त्या कृतं ते निखिलं तपः । अमर्षणैर्धर्षितोऽसि तपसा नातिकर्षितः MārkP. 63. 19; **C** emaciated, weakened कर्मरोगोपवासातिकर्षि(v. l. र्शि)तस्य ··· शोफाः प्रादुर्भवन्ति CaraS. i. 18. 5 (1922 Ed.); **D** finely polished अतिकर्ष(? र्षि)तलिङ्गं यद् भूदेव्यं च शम्भु(? म्भु)रुच्यते MānaSā. 52. 114.

अतिकल् (ati-kal-) x. P. to drive forth, to bestow (cows etc.) अश्वदशा माध्यंदिने व्यादिश्योभयी दक्षिणाकालेऽतिकालयति MānS'S. 199. 6; यज्ञे यज्ञे यथाकालं दक्षिणाः सोऽत्यकालयत् MahāBhā. vii. App. 8. 392; MahāBhā. xii. 29. 29.

अतिकल (ati-kala) *adj.* resounding very much, harsh वन्दिवृन्दस्य ··· अतिकलकाकलीकलितकाहलरणम् ··· आलोकशब्दमालोकयन्(?) ··· द्विरदकन्यकामारुरोह AvantiKa. 64. 4; कृतमविकल(v. l. अतिकल)कण्ठैस्ताण्डवं नीलकण्ठैः MahāVīC. 5. 42; अतिकलमरालकोलाहलैः ··· विक्रुष्यमाणं मनो नावधानसखं भवितुमीश्वरम् UdaySuKa. 54. 4(3)

अतिकलङ्क (ati-kalaṅka) *m.* great stain, greatly disgracing spot कुलस्यातिकलङ्कोऽयं दीक्षां संधां च योऽत्र भोः । आदाय समितेर्भग्ना वलन्ति सुखलम्पटाः PārśvC. 6. 1312.

अतिकलह (ati-kalaha) *m.* excessive or prolonged quarrel अलमतिकलहेन SarvaDaSaṁ. 12. 215.

अतिकलहायमान (ati-kalahāyamāna) *adj.* quarreling very much अतिकलहायमानेन त्वया मया सह विग्रहः किमारब्धः AmṛUda. iv. 14. 1.

अतिकलावत् (atikalā-va(n)t) *adj.* **1** who has fully mastered the arts सुरस्त्रीणां दृशो भग्नकलावतिकलावति । निपेतुस्तत्र तिग्मांशुविभासिनिविभासिनि HarVi. 43. 180; **2** who has excelled the learned, HarVi. 43. 180; **3** who has excelled the moon, HarVi. 43. 180; **4** highly learned, HarVi. 43. 180.

अतिकलित (ati-kalita) *adj.* which has covered or encompassed उत्पाट्योत्पाट्य शैलान् अतिकलितनभोमण्डलान् ··· ते समानिन्युः MahāN. 6. 86.

अतिकलिलनायिनी (atikalila-nāyinī) *adj.* (*f.*) which removes great sin अतिकलिलनायिन्यामा नाकमा च रसातलात् (वाराणस्याम्) ··· संवर्ण्यते मणिकर्णिका YātrāPra. 9. 29.

अतिकल्पना (ati-kalpanā) *f.* unwarranted assumption, an assumption which is farfetched संसर्गिणोऽपि ह्याधारा यं न भिन्दन्ति रूपतः । अपोद्धैर्बहिरङ्गैः स भिद्येतेऽत्यतिकल्पना TattvSaṁ. 929; S'lokaVār. 5(13). 52 (579. 10).

अतिकल्य (ati-kalya) *n.* daybreak, early morning अतिकल्यशब्दश्चाह्मुखे वर्तते ManuBh. i. 379. 3 (*on* 4. 140)

अतिकल्यम् (ati-kalyam) *adv.* early in the morning नातिकल्यं नातिसायं नातिमध्यंदिने स्थिते । नाज्ञातेन समं गच्छेत् ManuSm. 4. 140; अतिकल्यमुदयसमये ManvaVi. 525. 5 (*on* 4. 130); BhaviP. 396A. 32 (iv. 205. 81)

अतिकल्याण (ati-kalyāṇa) *n.* high fortune, extreme benefit प्रासङ्गिकमेवेदमापतितमतिकल्याणम् । पश्यामः प्रयत्नप्रार्थितदर्शनं जनम् HarṣaC. 312. 13; *adj.* highly auspicious नूनमेष न विप्रलम्भोऽतिकल्याणः DaśKuC. 76. 6; भगवान् स्वयमेव स्वप्राप्त्युपायेष्वतिकल्याणेषु कर्मस्वेव रुचिं जनयति BrahmSūBh.(Rā.) 538. 3 (*on* ii. 3. 41); अतिकल्याणान् भोगान् भुञ्जानः GītāBh.(Rā.) 355. 1 (*on* 6. 41)

अतिकल्याणी (áti-kalyāṇī) *adj.* (*f.*) [AitGr. II. 1. 310] too good too beneficial (i. e. not good) स ह ··· प्रवव्राजेदु स्त्रियौ कल्याणीं चातिकल्याणीं, च S'atBr. XI. vi. 1. 7; अथ यातिकल्याणी साश्रद्धा S'atBr. XI. vi. 1. 12.

अतिकश (ati-kaśa) *adj.* beyond the whip, unmanageable अतिकशोऽश्वः KāśiVṛ. *on* P. vi. 2. 191; Prasā. ii. 784. 7.

अतिकशापात (ati-kaśāpāta) *m.* many lashings व्यथितातिकशापातैः ··· आकृष्य पाशान् ··· आत्मानममोचयत् (धेनुः) BrahmāṇḍP. ii. 29. 18.

अतिकश्मल (ati-kaśmala) *adj.* extremely dirty, greatly impure शल्यराशिर्मांसलिप्तो मलपूर्णोऽतिकश्मलः । कथं भवेदयं वेत्ता ViveCū. 160; अत्रान्तरे कापि ··· प्रविश्य देव्या वामभागे ··· अवनितलपतितमज्ञातकेशावसनमतिकश्म(श्म)ले ··· बाष्पपूरे प्लवमानमवलोक्य (माम्) VasaTi. 26. 12.

अतिकषाय (ati-kaṣāya) *adj.* **A** very astringent अतिलवणमतिकषायम् ··· औषधम् KāśyaS. 157A. 23; **B** excessive passion परुषवाक्यसमन्वितमीश्वरः समभिवीक्ष्य च पत्रगताक्षरम् । अतिकषायविषाश्रितलोचनः प्रतिजगर्ज VarāṅgaC. 20. 17.

अतिकषायत्व (atikaṣāya-tva) *n.* excess of astringency औषधस्य ··· अतिकषायत्वात् ··· दुर्योगातियोगावुत्पद्येते KāśyaS. 156A. 36.

अतिकष्ट (ati-kaṣṭa) *adj.* [*f.* –ā] **i** very distressing, very miserable, most injurious अथ स महाकपिः ··· अतिकष्टेन कर्मणा समुपजातसंवेगकारुण्यः ··· पुरुषमवेक्ष्य ··· उवाच JātaMā. 159. 18 (24. 24); अतिकष्टास्वप्यवस्थासु जीवितनिरपेक्षा न भवन्ति खलु जगति सर्वप्राणिनां प्रवृत्तयः Kād. 35. 9; शरीरेऽतिकष्टे ··· न कश्चिद्विरज्यलहो देवि चित्रम् DevīBhuSt. 6; प्लवगराज मम प्रियया विना किमतिकष्टमिव ज्वलितं जगत् RāmC. 7. 26; कष्टं जरावं मरणं वियोगः । जन्मातिकष्टं मनुजस्य नित्यम् KalyāKā. 3. 13; इदं चारिष्टमतिकष्टमप्रतिविधेयम् TilaMañ. 41. 16; 342. 7; अतिकष्टामवस्थां तां नारदोऽलोकयत्पुरः GaṇeP. i. 89. 43; अतिकष्टासु लोकलोलदशास्वयम् ··· आलुठामि बलादहम् YogVā. v. 9. 5; तन्मित्रमतिकष्टाद् यद् व्यसनात्किल रक्षति BṛKathāS'loSaṁ. 10. 211; अस्यां पुरि पुरारिष्टमतिकष्टमजायत PāṇḍaC. 7. 425; उन्मदादिदशां चातिकष्टां नात्र प्रदर्शयेत् SaṁgīRa. iv. 410. 5 (7. 1398); प्राप्ते राज्ये प्रवासो बहिरथ समरोऽप्यग्रजेनातिकष्टः RājTa. (S'rī.) 1(7). 265; 2. 86; इति मार्गद्वयभ्रष्टानामतिकष्टं जायस्व म्रियस्वेति तृतीयं स्थानम् AṇuBh. 331. 10 (*on* iv. 3. 1); **ii** very austere, most difficult to perform, most troublesome अत्रैव खलु फलितमतिकष्टं तपः DaśKuC. 128. 14; सोऽतिकष्टं तपः कृत्वा महाभावनयान्वितः । अभूद्दतुविमानेशः PadmP.(Ra.) 91. 18; अपश्यच्चातिकष्टानि तप्यमानां तपांस्युमाम् KāvyālaṅSāSaṁ. 2. 4 (6*); प्रायश्चित्तमेष तपस्वी तप्तकृच्छ्रमतिकष्टं कथं चरिष्यति NyāyMañ. ii. 66. 1; भवतेदमतिकष्टं व्रतमाश्रितम् PraboCan. 3. 8 (52. 9); **iii** evil, wrong, sinful, productive of misery द्यूतं पानं कुत्सितवेश्या परदारं हिंसादत्तं मांसमकार्येष्वतिकष्टम् । एते दोषाः सप्त नृणामतिपापाः BṛKathāK. 45. 12; अथ ब्राह्मणभावेन नृपं याचे प्रतिग्रहम् । तदप्यहो चातिकष्टं हेतुना तेन मे मतम् । अयं प्रतिग्रहो घोरः मध्वास्वादो विषोपमः SkandP. i(2). 4. 10; परधनमपहर्तुं पापकर्माणि कर्तुं मतिरियमतिकष्टेऽप्युच्चकैरुद्गणाति RasSa. 82; **iv** consisting of great hardship or difficulties एवं पथातिकष्टेन प्राप्ताः प्रेतपुरं नराः BrahmP. 215. 44; **v** very bad, troublesome

तत्राप्येकोऽतिकष्टः स्यात्स्तब्धवादी(ट)समुद्भवः (अश्वः) Mānaso. iv. 4.674; *n.* **i** extremely difficult task न चैतदपि मन्तव्यम् (v.l. अतिकष्टं त्वया न मन्तव्यम्) PañcT. 2.56 (1-2) (242.7-8); **ii** great difficulty or trouble अतिकष्टेन किमर्थमागतोऽसि SiṁhāDvā. 154.9 (9); पुष्कलस्तद्रथं दिव्यं भ्रामकाक्षेण शोभिना। नभसि भ्रामयामास ···। भ्रान्त्वा मुहूर्तमात्रं तु तद्रथो ह्यसंयुतः। क्षितिं लेभेऽतिकष्टेन संभृतो रणमण्डले PadmP. iv. 27.12; **iii** painful event, grief विनीतभद्रः (निःश्वस्य सास्रम्)···अतिकष्टं दृष्टवानसि TāpaVa. 2.0 (2); भ्रातः पान्थ···समुल्लङ्घ्य···गन्तुम्···प्रेयसीं ते न युक्तम्। वृत्तं ग्रामेऽतिकष्टं यदिह गृहपतेः प्रोषितस्य प्रियाया मुक्ताक्रन्दांस्त्वमेतान्सलिलवितरणे निर्गतान् पश्य बन्धून् Subhāṣi. 1787; अम्बातिकष्टं प्राप्ता कथय किमुक्तवती GopāKeCan. 63.8.

अतिकष्टचरित्र (atikaṣṭa-caritra) *n.* very miserable life दीनो नरो भवति···अतिकष्टचरित्रयुक्तः JātaPā. 18.145.

अतिकष्टतर (atikaṣṭa-tara) *adj.* very troublesome or painful अनिलः ···तत्रैव कुष्ठमतिकष्टतरं करोति KalyāKā. 11.59.

अतिकष्टतस् (atikaṣṭa-tas) *adv.* with great difficulty गृहे रिक्तैव सा गच्छेदुह्यमानातिकष्टतः। मनाग्मुञ्चति दुर्गधम् PrabhāC. 165.32.

अतिकष्टत्व (atikaṣṭa-tva) *n.* the state of being very painful वनवासदुःखस्यातिकष्टत्वात् VyaktiVi. 48.13; Kāvyānu.(He.) 213.12.

अतिकष्टदशा (atikaṣṭa-daśā) *f.* very miserable or distressed state अतिकष्टदशां प्राप्तोऽपि स्वधर्माचारं न परित्यज SiṁhāDvā. 62.6 (11)

अतिकष्टदृश्य (atikaṣṭa-dṛśya) *adj.* which can be seen with great difficulty तानवप्रकर्षादतिकष्टदृश्यमुदरदेशमाविष्कर्तुमुपसंगृहीतप्रचुरदीपयेव तपनीयपट्टिकया गाढावनद्धशुकहरितपट्टांशुकनिवसनः (पथिकदारकः) TilaMañ. 164.13.

अतिकष्टफल (atikaṣṭa-phala) *adj.* producing dire or evil results शनैश्चराङ्गरुहाः। अतिकष्टफला दृश्याः सर्वत्रैते कनकसंज्ञाः (केतवः) BṛSaṁ. 11.18.

अतिकष्टम् (ati-kaṣṭam) *adv.* very miserably, with great pain or difficulty अतिकष्टं प्राणिति AṣṭāSaṁ. i. 217.2 (2.4); तिष्ठल्लेऽतिविमिले···गृद्धो रसेषु रसनेन्द्रियतोऽतिकष्टं निष्कारणं मरणमेति षडीक्षणोऽत्र SubhāRaSaṁ. 84; मत्पाणिपल्लवमपोह्य गतातिकष्टम् GopāKeCan. 130.25.

अतिकष्टमुक्त (atikaṣṭa-mukta) *adj.* abandoned or left with great difficulty अतिकष्टमुक्तसंस्तरेषु कर्मकरेषु ··· अल्पपदातिपरिवृतो बाह्यास्थानमण्डपमगच्छम् TilaMañ. 123.22.

अतिकष्टसाध्य (atikaṣṭa-sādhya) *adj.* [*f.* -ā] **i** who can be pacified or appeased (only) with great difficulty अतिकष्टसाध्याः सुकोपवत्यः··· भवन्ति दुष्टाः किल सिन्धुजाताः ··· नार्यः AnaṅgaRa. 5.13; **ii** liable to be performed with great difficulty मनूक्तमतिकष्टसाध्यं ब्राह्मणस्वामिकगोवधे योज्यम् (प्रायश्चित्तम्) VīraMi. 990.11 (*on* 3.363)

अतिकष्टित (ati-kaṣṭita) *adj.* extremely distressed निजिघांसुं मृगीं कंचिन्मृगो दृष्ट्वातिकष्टितः HammiMaKā. 4.61.

अतिकाङ्क्ष् (ati-kāṅkṣ-) I. P. to desire too much, to be intensely desirous of तस्मात्स शीघ्रं जरयत्याहारं चातिकाङ्क्षति CaraS. i. 21.6.

अतिकाङ्क्षणीयत्व (atikāṅkṣaṇīya-tva) *n.* the state of being what is keenly desired or sought for अर्थितातिशयात् - अतिकाङ्क्षणीयत्वेन Bhāsk. i. 162.13 (*on* i. 4.2); i. 188.13 (*on* i. 4.8)

अतिकाङ्क्षिणी (ati-kāṅkṣiṇī) *adj.* (*f.*) extremely desirous, who has too much desire (योषित्) मौग्ध्यवैदग्ध्यसंयुक्ता सानुरागातिकाङ्क्षिणी।··· साप्सरोंऽशकसंभवा Mānaso. iii. 20.1780.

अतिकाङ्क्षित (ati-kāṅkṣita) *adj.* very much desired or sought for अतिकाङ्क्षितं वस्तु हि पुनः पुनः कथ्यत एवेति भावः Bhāsk. ii. 83.5 (*on* ii. 3.2)

अतिकाठिन्य (ati-kāṭhinya) *n.* **i** extreme harshness (of sounds) यत्रातिकोमलच्छायं नातिकाठिन्यमुद्वहत्। आभिजात्यं मनोहारि तदत्र प्रौढिनिर्मितम् VakroJī. 68.15; **ii** extreme hardness स्तनोत्सेधे चूर्णीभाववर्णनेन तयोरतिकाठिन्यस्य ··· अभिव्यञ्जनात् CitraMi. 2.5; **iii** extreme denseness (of darkness) अन्धकारेऽतिकाठिन्यं विश्वलोपसमर्थता (काव्ये वर्णनीयम्) AlaṅkāŚe. xvi. 0 (79)

अतिकातर (ati-kātara) *adj.* [*f.* -ā] **i** over suspicious यस्त्वां प्रियो नाभ्यचरत्कदाचित्तमन्यथा यास्यतिकातरासि Saund. 6.21; **ii** much perplexed, very confused प्रतियर्यौ कपिरप्यतिकातरः RāmC. App. i. 37.42; **iii** very anxious अतिकातरोऽसि वत्स नन्वेहि तावत्पश्यामः MālaMā. 3.247; **iv** very timid, much disheartened हा हा नाथ गतः कासि त्यक्त्वा मामतिकातराम् PadmP. (Ra.) 77.21; वत्से किमेवमतिकातरासि MahāvīC. 6.6 (5); धर्मः ··· प्रोवाच कमलानाथम् ··· अनाथस्त्वतिकातरः KalkiP. iii. 6.17; प्रतिपदमतिकातराः क्षितीशाः परिकलयन्ति भयं समन्ततोऽपि VikraDeC. 6.34; अयि दारुक अतिकातरोऽसि RukmiHa. 4.8 (9); एक एव वराकोऽभूच्चक्रवाकोऽतिकातरः KathāKau. 2.31; 10.27; उक्तं तया अतिकातरया ŚṛṅgāTi.(Rā.) 12 (5); **v** extremely agitated मनोऽतिकातरं यस्य सुखदुःखसमुद्भवे। स शोकसागरे मग्नः DevīBhāP. iii. 29.48; *n.* great fear सद्यो हरेरनुचरावुरु बिभ्यतस्तत्पादग्रहावपततामतिकातरेण BhāgP. iii. 15.35 (Śrīdhara अतिकातर्येण भयेन)

अतिकातरता (atikātara-tā) *f.* great anxiety यद्यं वाणरावणयोः कर्णान्तिके विश्रान्तः सीतास्वयंवरवृत्तान्तः। अथ वा अलमतिकातरतया PrasaRā. 1.25 (13); 5.48 (8)

अतिकान्त (ati-kānta) *adj.* [*f.* -ā] **i** most affectionate, extremely beloved, most desirable (मदालसा) सह तेनातिकान्तेन रेमे रम्यासु भूमिषु MārkP. 25.6; अतिकान्तः स हरिरलमभीष्टप्रापणे मे कृषीष्ट StavMā. 252.3; स्तवीति यस्त्वां जिनराज लक्ष्म्याकरोऽतिकान्त प्रतिभाति सारम्। पुमान् सः NemiC. 12.36; **ii** most agreeable, very pleasant आदित्यस्य हि तद्रूपं मार्तण्डस्य हि तेजसा। गोत्रेषु प्रतिरुद्धं वै नातिकान्तमिवाभवत् VāyuP. ii. 22.34; BrahmP. 6.4; आदित्यस्येह तद्रूपं महता स्वेन तेजसा। गात्रेष्वप्रतिरूपेषु नातिकान्तमिवाभवत् BhaviP. 134B.1 (i. 79.21); **iii** very charming, most beautiful प्रभामण्डलमादाय ततो भूयातिकान्तया। ··· ददर्शायोध्याम् ··· अविशत् PadmP. (Ra.) 30.144; (नदी) एषा यातानेकविलासाकुलिताम्बुरुहोयाधीशं वीचिवरभ्रूरतिकान्ता PadmP.(Ra.) 42.71; 107.58; अथापश्यत् ··· देवदेवम् ··· स्वकान्त्यातिकान्तम् MahāP. 23.93; अतिकान्तमुत्पलम् ··· शोभते SkandP. v(1). 32.77; अथ तामङ्कगतां व्यलोकयत् ··· अतिकान्तायतहारमण्डलाम् NavaSāC. 12.14; सोमकान्तं ते दृष्ट्वा नेमुः ··· युक्तम् ··· कान्तयाप्यतिकान्तया GaṇeP. ii. 153.5; सुन्दरसेनः···अपश्यत्···कन्याम्···अतिकान्तेन···वदनेन विराजिताम् BṛKathāMañ. ix. 2.1360; अतिकान्तः ··· विभुरसौ विदितस्त्वयैव HariVi. 2.19; **iv** who has conquered women (i. e. who has conquered carnal pleasures) स्तवीति यस्त्वां जिनराज लक्ष्म्याकरोऽतिकान्त प्रतिभाति सारम्। पुमान् सः NemiC. 12.36 (comm. अतिक्रान्ता जिता कान्ता वनिता येन सः)

अतिकान्तकान्ताजन (atikānta-kāntājana) *m.* most beautiful women folk स्फुरितमिवातिकान्तकान्ताजनघनतरकेशपाशसंहतौ ··· तमः VāsaDa. 179.4.

अतिकान्ततर (atikānta-tara) *adj.* **i** most refulgent, very bright त्वष्ट्रा यत्तक्षितः सूर्यः ··· भ्रमिमारोप्य यत्नेन सोऽतिकान्ततरोऽभवत् SkandP. iv. 17.115; **ii** very charming or handsome एवं सा सुषुवे सुतौ। अतिकान्ततरौ GaṇeP. ii. 1.29.

अतिकान्तरूप (atikānta-rūpa) *adj.* possessed of great beauty भवति चात्र। ··· शरीरम् ··· अधृष्यमन्यैरतिकान्तरूपम् CaraS. vi. 1(2).5 (1922 Ed.); *n.* great beauty or charm ततोऽसौ ··· अतिकान्तरूपायतनं यौवनमासादितः YaśasCam. ii. 341.2.

अतिकान्तार (ati-kāntāra) *n.* thick or dense forest (?) (शौचम् ··· आतुरस्यार्धमध्वनि) अध्वनि अतिकान्तारे VīraMi. 37.22 (*on* 1.17)

अतिकान्ति (ati-kānti) *f.* **1** very bright lustre (स्यमन्तकमणौ) मुक्तमात्रे च तस्मिन्नतिकान्त्या तदखिलमास्थानमुद्योतितम् ViṣṇuP. iv. 13.147; **2** excessive charm as a *Śakti* (divine power) धृतिः श्रीरतिकान्त्याद्या मूलेन स्थापितोऽच्युतः AgniP. 33.39; 33.44; *adj.* very bright or lustrous शोभितेन सुवर्णेन सुचिरेणातिकान्तिना। शृङ्खला विविधाः कार्याः Mānaso. iii. 8.1097.

अतिकान्तिकृत् (atikānti-kṛt) *adj.* producing great charm आकल्पकल्पाकल्पापि विच्छित्तिरतिकान्तिकृत् RasāSu. 53.16 (1.202)

अतिकान्तिगुण (atikānti-guṇa) *m.* **i** quality of excessive charm अतिकान्तिगुणाभिराममूर्तिः ··· अङ्के वनिता च वल्लकी च NavaSāC. 5.17; **ii** very bright string (of a musical instrument), NavaSāC. 5.17.

अतिकान्तिमनोहर (atikānti-manohara) *adj.* attractive due to great lustre or shine (मौक्तिकम्) कपोताण्डप्रमाणं तत् अतिकान्तिमनोहरम् YuktiKa. 109.11.

अतिकान्तियुक्त (atikānti-yukta) *adj.* possessed of dazzling brilliance मग्नं तदेव रुधिराम्बुनिधावकस्मात्प्रादुर्बभूव रविरप्यतिकान्तियुक्तः DevīBhāP. iii. 15.14.

अतिकाम (ati-kāma) *adj.* [*f.* -ā] excessively passionate अभिकामां (v.l. अतिकामाम्) स्त्रियं यस्तु गम्यां रहसि याचितः। नोपैति स च धर्मेषु भ्रूणहेत्युच्यते बुधैः MahāBhā. i. 78.33; Rāmā. i. 76.18; CaraS. iv. 8.6 (1922 Ed.); HarṣaC. 332.4; Vāgbhaṭā. 5.14; अतिकामः ··· सेवेत प्रमदां युक्त्या BhāvPra.(Bhā.) 5.299; AlaṅkāŚe. 20.12; *m.* excessive passion समागतोऽसौ परिमन्दमन्दं कामोऽतिकामाकुलचित्तवृत्तिः NaraP. 63.26; ŚukraNī. 4(5).270.

अतिकामकारण (atikāma-kāraṇa) *n.* cause of excessive passion स्थानं विविक्तं यमिनां विमुक्तये कामातुराणामतिकामकारणम् ŚatTrayī. 250.

अतिकामदुह् (ati-kāmaduh) *adj.* liberally fulfilling desires, excessively granting wishes तावत् शास्त्रप्रदीपानां प्रकाशो भुवि रोचते। भक्तिभानुपुराणाख्या यावत् लोकेऽतिकामधुक् KalkiP. iii. 19. 37.

अतिकामना (ati-kāmanā) *f.* excessive desire or passion अतिकामनाविष्टो हि काम्योपायप्राप्तिसमय एव तृप्तो दृश्यते Bhāsk. i. 46. 12 (*on* i. 1. 1)

अतिकाममनोरथम् (ati-kāmamanoratham) *adv.* surpassing desire and wish पृथिव्यामतिकाममनोरथं सिद्धं वासिद्धं सुन्दरं सुभगं तेषामेव नमो नमः SāmaraU. 252. 8.

अतिकामल (ati-kāmala) *m.* severe jaundice उदपात्रम् … अतिकामलरोगघ्नमायुष्यं च तथा मणिः ViṣṇuDhaP. ii. 109. 52.

अतिकामवत् (atikāma-va(n)t) *adj.* excessively passionate सा … न त्यज्यते विटजनैरतिकामवद्भिः RasSa. 121.

अतिकामविग्रह (atikāma-vigraha) *adj.* having a very beautiful body भविष्यति स्फुरितकरालकेसरो हरिः क्षणादयमतिकामविग्रहः RāmC. 15. 45.

अतिकामातुर (atikāmātura) *adj.* [*f.* -ā] afflicted with strong passion स (ब्रह्मा) बभूव तया सार्धमतिकामातुरो विभुः MatsyaP. 3. 43; अतिकामातुरां दृष्ट्वा…बलिनन्दनः पप्रच्छ BrahmVaiP. iv. 23. 101; iv. 39. 15.

अतिकामार्त (atikāmārta) *adj.* [*f.* -ā] sorely afflicted by strong love, smitten by strong passion सिंही किं त्व(? न्व)तिकामार्ता जम्बुकं कुरुते पतिम् DevīBhāP. v. 25. 6; PadmP. iv. 72. 17; प्रमत्तोऽतिकामार्तः ManvaVi. 476. 14 (*on* 4. 40)

अतिकामिता (atikāmi-tā) *f.* excessive voluptuousness तस्यैषातिकामितयावमन्यते PādaTā. 19. 20.

अतिकामिन् (atikām-in) *adj.* [*f.* -ī] over-addicted to desires, over-passionate दुःखापहारं कुरु मे दुःखार्तस्यातिकामिनः MārkP. 37. 28; SkandP. iii(3). 2. 125; BṛNāraP. 14. 155; KalāVi. 9. 10; योषित् … गीतज्ञा चातिकामिनी … गन्धर्वांशकसम्भवा Mānaso. iii. 20. 1775; S'ivaP. iv. 7. 8 (357A. 5); KalkiP. iii. 1. 14.

अतिकामुक (ati-kāmuka) *adj.* [*f.* -ī, ā] excessively passionate तथा अतिकामुकश्चैव तथैव रसविक्रयी … श्राद्धे वर्ज्याः BṛNāraP. 26. 19; नापश्यत्तां तथाभूतामपूर्वामतिकामुकीम् ĀdiP. 18. 53; परे पुंसि निमग्नं ते यतश्चेतोऽतिकामुके GaṇeP. i. 31. 14; i. 36. 33; AdhyāRā. iv. 5. 8; HammīMaKā. 15. 18; *m.* dog [APTE]

अतिकाम्यत्व (atikāmya-tva) *n.* being very much desirable कन्या रूपलक्षणशीलवती प्रायेण तादृश्या एवातिकाम्यत्वात् SmṛtiCan. v. 135. 3.

अतिकाय (atikāya) *adj.* **i** having a huge body अतिकायाः…एते भृगुपुत्राः AVPari. 52(5). 2; अतिकायश्च पुत्रस्ते बालोऽपि बलवानयम् MahāBhā. i. 68. 78; iii. 146. 71; Rāmā. vi. 52. 1; VāyuP. i. 10. 47; वह्निस्वभावः पुरुषोऽतिकायः Sārā. 37. 15; MahāP. 28. 78; ततोऽतिकायस्तनुवा स्पृशन्दिवम् (पुरुषो जातः) BhāgP. iv. 5. 3; x. 12. 31; वास्तवीशनामा ह्यसुरोऽतिकायः … शेते स भूम्याम् ĪśānS'iPa. i. 11. 6; VasiS. 36. 16; RāghPāṇ.(Ka.) 10. 25; अथादृश्यमहिमतिकायमायान्तम् Tantrākhyā. 48. 23; **ii** having a large member अतिकायगृहीतायास्तरुण्याः फलिनी भवेत् S'usruS. vi. 38. 18; *m.* **1** huge body ततस्तमतिकायेन…धूम्राक्षमवधीद्धीमान् हनूमान् MahāBhā. iii. 270. 14; RāghPāṇ.(Ka.) 10. 39; **2 A** name of Indra (व्यन्तरेषु) अतिकायमहाकायौ महोरगपुरन्दरौ TriṣaS'aPuC. i. 2. 468; ii. 2. 404; ii. 3. 522; MalliC. 4. 135; **2 Bi** name of a Rākṣasa (son of Rāvaṇa) धूम्राक्षश्चातिकायश्च दुर्मुखश्च…राक्षसाः…अब्रुवन्रावणं सर्वे Rāmā. vi. 9. 3; vi. 701*(9); vii. 1. 23; Bhaṭṭi. 15. 74; MahāP. 28. 78; केयमिन्द्रजितः श्लाघा सखे शाखामृगं प्रति। इत्यवादीन्महाकायमतिकायः समुल्लसन् RāmC. 21. 27; 27. 30; 34. 68; चक्रेऽतिकायं निष्कायं तृतीयेऽह्नि च लक्ष्मणः BālRā. 9. 11; ViṣṇuDhaP. i. 69. 8; SkandP. iii(1). 44. 35; PadmP. v. 35. 67; AdhyāRā. vi. 5. 79; कुमारा नरान्तकदेवान्तकातिकायत्रिशिरसः …प्राविशन्नमी समीकभुवम् RāmāCam 6. 59(3); 6. 61(4); अथातिकायो मेधावी पुनः प्रोवाच रावणम् RāmāMañ. 312. 19; 361. 3; RāghPāṇ.(Ka.) 10. 25; 10. 39; S'aṅkaDigVi.(Mā.) 4. 56; न … निकुम्भकुम्भौ च तथातिकायः स्थातुं समर्था युधि राघवस्य MahāN. 6. 37; **2 Bii** name of a demon in Mahiṣāsura's army अतिकायो महाकायः … एते…दैत्येन्द्रा आदित्यान् युधि दुद्रुवुः VarāP. 94. 8; PadmP. v. 30. 85.

अतिकायक (atikāya-ka) *m.* name of a Rākṣasa (son of Rāvaṇa) देवान्तको नरान्तश्च त्रिशिराश्चातिकायकः। रामेण लक्ष्मणेनैते … राक्षसा भुवि पातिताः AgniP. 10. 17.

अतिकायप्रभृति (atikāya-prabhṛti) *adj.* Atikāya and others अतिकायप्रभृतयस्तथेत्यूचुर्मदोत्कटाः RāmāMañ. 360. 20.

अतिकायप्रमुख (atikāya-pramukha) *adj.* of whom Atikāya was the chief श्रुत्वातिकायप्रमुखान्निहतान्रावणः सुतान् RāmāMañ. 364. 25; अतिकायप्रमुखश्च कुमारवर्गः सर्वत्र संक्रमेषु संनद्धः परिभ्रमतु AdbhuDa. 5. 22(1)

अतिकायभुज (atikāya-bhuja) *m.* hand of Atikāya अतिकायभुजोत्सृष्टान्सायकान्…चिक्षेप लक्ष्मणः क्षिप्रं वज्राश्निनिशितैः शरैः RāmāMañ. 363. 26.

अतिकायमरण (atikāya-maraṇa) *n.* death of Atikāya ततोऽतिकायमरणं यात्रा वै रावणस्य च BṛDharmaP. i. 22. 42.

अतिकायमुख (atikāya-mukha) *adj.* of which Atikāya was the chief युद्धे बलं नष्टमतिकायमुखं महत् AdhyāRā. vi. 6. 1.

अतिकायमुख्य (atikāya-mukhya) *adj.* with Atikāya as the chief समाययुस्ते लङ्कापुरस्थास्त्वतिकायमुख्याः PadmP. iv. 100. 133.

अतिकायवध (atikāya-vadha) *m.* killing of Atikāya महापार्श्ववधश्चात्र अतिकायवधस्तथा Rāmā. i. App. 1(228); पञ्चम्याः सप्तमी यावदतिकायवधस्तथा PadmP. iv. 36. 57; RāmāMañ. 364. 24.

अतिकायविभ्रम (atikāya-vibhrama) *m.* **1** fear or confusion (created by the demon) Atikāya आपन्नानतिकायविभ्रममुषः संसारिशाखामृगाम् पुष्णन्ति…कटाक्षाङ्कुराः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 4. 56; **2** delusion (of considering) the gross body (as the self) S'aṅkaDigVi.(Mā.) 4 56.

अतिकायशिरस् (atikāya-śiras) *n.* head of Atikāya दलितमनेन तद्दिवि समुत्पतितं जगतामतनुत राहुभीतिमधिकामतिकायशिरः RāmāCam. 6. 62.

अतिकायशिलीमुख (atikāya-śilīmukha) *m.* arrow of Atikāya ते नामचिह्नाः प्रत्यङ्गमतिकायशिलीमुखाः। उदखन्यन्त सौमित्रौ RāmC. 35. 19.

अतिकायोत्तमाङ्गी (atikāyottamāṅgī) *adj.* (*f.*) with a huge body and head स ददर्शाविदूरस्था राक्षसीः … अतिकायोत्तमाङ्गीं च Rāmā. v. 15. 6.

अतिकारक (ati-kāraka) *adj.* **A** good artisan यदा पूर्वपदप्रकृतिस्वरस्तदा शोभनः कारकः इति अतिकारकशब्दस्यार्थः Pradī. v. 209A. 24 (*on* vi. 2. 191); अकृत्पदे इति किम्? अतिकारकः KāśiVṛ. *on* vi. 2. 191; PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. vi. 2. 191; Prasā. ii. 784. 8; SiddhāKau. 655B. 16; **B i** [accent P. vi. 2. 191; KāśiVṛ. अन्तोदात्तो भवति] surpassing the artisan अकृत्पदे इति ह्युच्यमाने…इह च न स्यात् अतिकारकः MahāBh. iii. 139. 6 (*on* vi. 2. 191); अतिकारक इति। कारकमतिक्रान्त इति समासः Pradī v. 209A. 21 (*on* P. vi. 2. 191); **B ii** gone away from the artisan इह च यथा स्यात्। …अतिक्रान्तः कारकादतिकारकः KāśiVṛ. *on* vi. 2. 191.

अतिकारकहेतु (ati-kārakahetu) *adj.* which transcends the means which produces (knowledge) अतिकारकहेतुश्च यथात्मायं सुषुप्तगः BṛĀraUBh-Vā. iv. 3. 1908.

अतिकारणम् (ati-kāraṇam) *adv.* for an important reason अहमार्य गमिष्यामि त्रिकूटमतिकारणम् PadmP.(Ra.) 50. 49.

अतिकारीषगन्ध्य (ati-kārīṣagandhya) *adj.* who has surpassed the female descendant of Karīṣagandhi (*lit.* who smells like dung) अतिक्रान्तः कारीषगन्ध्यामतिकारीषगन्ध्यः MahāBh. iii. 20. 20 (*on* vi. 1. 13)

अतिकारीषगन्ध्यपति (atikārīṣagandhya-pati) *m.* lord of one who has surpassed a female descendant of Karīṣagandhi (i. e. who smells like dung) अतिकारीषगन्ध्यपतिरित्यत्रापि प्राप्नोति MahāBh. iii. 20. 20 (*on* vi. 1. 13); अतिकारीषगन्ध्यपतिरित्यत्र संप्रसारणं भवति PariVṛ.(Sī.) 53. 18.

अतिकारीषगन्ध्यपुत्र (atikārīṣagandhya-putra) *m.* son of a man who has surpassed a female descendant of Karīṣagandhi (who smells like dung) अतिकारीषगन्ध्यः तस्य पुत्रोऽतिकारीषगन्ध्यपुत्रः MahāBh. iii. 20. 20 (*on* vi. 1. 13); अतिकारीषगन्ध्यपुत्र इत्यत्र सम्प्रसारणाभावार्थमनुपसर्जनस्त्रीप्रत्ययविषयस्तदादिनियमप्रतिषेधः Pradī. ii. 55A. 32 (*on* i. 2. 48); PariVṛ.(Sī.) 53. 18; SiddhāKau. 215B. 15.

अतिकारीषगन्ध्यापति (atikārīṣagandhyā-pati) *m.* husband of a woman who has surpassed a female descendant of Karīṣagandhi (who smells like dung) उपसर्जने तु ष्यङि न भवति।… अतिकारीषगन्ध्यापतिः KāśiVṛ. *on* vi. 1. 13.

अतिकारीषगन्ध्यापुत्र (atikārīṣagandhyā-putra) *m.* son of a woman who has surpassed the female descendant of Karīṣagandhi (who smells like dung) अतिक्रान्ता कारीषगन्ध्यामतिकारीषगन्ध्या। तस्य(? स्याः) पुत्रः अतिकारीषगन्ध्यापुत्रः KāśiVṛ. *on* vi. 1. 13.

अतिकारीषगन्ध्याबन्धु (atikārīṣagandhyā-bandhu) *m.* relative (of a woman) who has surpassed the female descendent of Karīṣagandhi (who smells like dung) अतिकारीषगन्ध्याबन्धुरित्यत्र च न भवति (संप्रसारणम्) KāśiVṛ. *on* vi. 1. 14.

अतिकारुक (ati-kāruka) *adj.* who has surpassed an artisan इह च न स्यात्। अतिक्रान्तः कारुकमतिकारुकः SiddhāKau. 655B. 18.

अतिकारुणिक (ati-kāruṇika) *adj.* extremely compassionate शरणं

भवन्तमतिकारुणिकं भव भक्तिगम्यमधिगम्य जना: Kirātā. 18.22; कश्यप: ··· अतिकारुणिक: GaṇeP. ii. 5.2; यथा नयनानां पटलावरणमतिकारुणिकेनापि भिषजा पक्वभावं प्रतीक्ष्यैव अपास्यते S'ivārkaMaDī. i. 92.31 (*on* i. 1.1)

अतिकारुणिकता (atikāruṇika-tā) *f.* compassionateness of high order पय:पातोच्छ्रसितस्य महीतलस्य गर्भिणीजठरसमत्वादतिकारुणिकतयाङ्गुष्ठमात्रीमपि धरित्रीं न कर्षयति YaśasCam. i. 407.5.

अतिकारुण्य (ati-kāruṇya) *n.* great compassion तच्छ्रुत्वा सोऽतिकारुण्यान्न चकार नृशंसताम् BṛKathāMañ. 5.241; दृष्ट्वाहमतिकारुण्यान्नादेनाहूय वारणम् । वञ्चयित्वा श्रमाभ्यासाद्विह्वलां माममोचयम् BṛKathāMañ. 7.79; अतिकारुण्यमिषतस्तवायं पृथिवीपते । कश्चिन्मतिविपर्यासप्रकारो हृदि रोहति RājTa. (Ka.) 3.42.

अतिकार्कश्य (ati-kārkaśya) *n.* extreme harshness तेजस्विनि क्षमासारे नातिकार्कश्यमाचरेत् S'ārṅgaPa. 288; S'ārṅgaPa. 1399 = Subhāṣi. 2655.

अतिकार्पण्यता (atikārpaṇya-tā) *f.* the state of being very piteous किञ्चिन्मात्रमुदकं देहीत्यतिकार्पण्यतया याचमान: BṛNāraP. p. 379 l. 3.

अतिकार्यकर (ati-kāryakara) *adj.* very active or busy [nt.]

अतिकार्यासक्ति (ati-kāryāsakti) *f.* excessive attachment to work धारयेन्नातिमार्दवम् । नातिवादं नातिकार्यासक्तिम् S'ukraNī. 3.218.

अतिकार्श्य (ati-kārśya) *n.* excessive leanness or emaciation इत्यातिकार्श्यमाधत्ते नृणामुपचयं परम् CaraS. i. 21.33; कुरुतस्तु ते । अतिस्थौल्यातिकार्श्यादीन् AṣṭāHṛ. i. 14.19; अतिकार्श्येन नायासवर्षशीतोष्णक्षुत्तृष: ··· सहतेऽल्पबलस्वत: AṣṭāSaṁ. i. 126.21 (1.24); KalyāKā. 11.102; KāśyaS. 156A.33; ममातिकार्श्यश्रमयोर्भगवन् शृणु कारणम् YogVā. v. 47.22; Kuval. 42 (1)

[1]**अतिकाल** (ati-kāla) *adj.* lasting for long a time विद्यादेकपथं रोगं नातिपूर्णचतुष्पदम् । द्विपथं नातिकालं वा कृच्छ्रसाध्यं द्विदोषजम् CaraS. i. 10.16; तत्रापि नायकपरिजनाधिष्ठिताया नातिकालमवस्थानम् KāmSū. 241.6 (4.1); नातिकालमवस्थानमिति नातिचिरकालमवस्थानं श्वशुरकोपभयात् JayaMa. 241.9 (*on* 4.1)

[2]**अतिकाल** (ati-kāla) *adj.* [*f.* -ī] very dark तत्र कले रतिकाले विबमुर्वनिता घनावलेरतिकाले···नलिन्य इव YudhiVi. 2.82; अतिचिरमजति रजनिरतिकाली StavMā. 276.16; अवितरणितनूजातीरवानीरपालीपरिसरमतिकाली भाति तालीवनाली KaṁVa. 3.14.

[1]**अतिकाल** (ati-kāla) *m.* delay, excessive time, more than the (proper) time अतिकालातियाने च शुभमिच्छन् विवर्जयेत् BṛParāSm. 6.272; अतिकालो भवति व्रजाम: पल्लिकायाम् KaumuMi. 7.5 (19); अतिकालोऽयमिति सम्भ्रान्ता SthānṬ. 258A.9; भट्टाचार्य अतिकालो बभूव CaitaCa. 186.1 (8); अतिकाले किमायासीरित्युक्त्वा दारुणेक्षण: ।··· जघान तम् PariPar. 2.555; सिद्धो रात्रावतिकाले एति PrabaK. 25.19.

[2]**अतिकाल** (ati-kāla) *m.* name of a Tantric teacher दिव्यसिद्धमानवेशमहाकालक्रमेण च । अतिकालकरालाख्यवीरनाथक्रमेण च S'aktiSaṁT. i. 6.10.

अतिकालतस् (atikāla-tas) *adv.* after a long time संदंशेनाङ्गेन (ङ्गस्य) च पीडितमतिकालतो हरति (करम्) KandaCū. v. 3.21.

अतिकालम् (ati-kālam) *adv.* for a long time यावन्नर: कामयतेऽतिकाल्यं (v. l. अतिकालम्) तावन्नरोऽयं लभते प्रशंसाम् MahāBhā. v. 32.13; (वायु:) कुपितस्तु···गर्भान् ···अतिकालं धारयति CaraS. i. 12.8; रेमे च सा तेन सममतिकालमिला MatsyaP. 11.66 = PadmP. v. 8.105; (अबलाजीवितम्) कुसुममिव तन्नातिकालं क्षमेत HaṁsDū.(Vā.) 4; यदतिकालं भगवद्विरहदवदहनेन न दग्धा: स्म: CaitaCa. 228.18 (9)

अतिकालस्थायिन् (atikālasthāy-in) *adj.* lasting for a long time आनन्त्यमतिकालस्थायि ManvaVi. 441.23 (*on* 3.275)

अतिकालिका (ati-kālikā) *adj.* (*f.*) very dark आलिकयातकचैरतिकालिकयालिकया कथिता । दयितं समया समयादपरा Nalo. 2.28.

अतिकालिमन् (ati-kāliman) *adj.* very dark या बिभर्ति कलवल्लकीगुणस्वानमानमतिकालिमालया S'iśuVa. 4.57 = SaraKaṇṭhā. 218.18.

अतिकाल्य (ati-kālya) *adj.* [*f.* -ā] **1** fertile (cow) सहस्रतमीमतिकाल्यां रुक्मो होतुरितिप्रभृति यथाम्नातमपाकरोति MānS'S. 190.9; **2** that which is most appropriate at a particular time यावन्नर: कामयतेऽतिकाल्यं तावन्नरोऽयं लभते प्रशंसाम् MahāBhā. v. 32.13.

अतिकास (ati-kāsa) *m.* excessive or severe cough मेद:क्षये···श्वासातिकासारुचितामिमान्द्यम् HārīS. iii. 9.21; KalyāKā. 9.58.

अतिकिन्नर (ati-kinnara) *adj.* surpassing the Kinnaras आजग्मुर्गायना: केऽपि सौस्वर्यादतिकिन्नरा: TriṣaS'aPuC. iv. 1.868.

अतिकिन्नराधिप (ati-kinnarādhipa) *adj.* beyond the reach of (i.e. unattainable by) the lord of the Kinnaras वीररुद्रप्रभो:···लगति यत्र दृष्टिर्जने । अतीन्द्रमतिकिन्नराधिपमशेषलोकोन्नतं न किं किमधितिष्ठति त्रिभुवने स सर्वाधिक: PratāYaBhū. 421.11.

अतिकिरिट (áti-kiriṭa) *adj.* having very tiny teeth अथैतानरूपेभ्य आलभते । ··· अतिकिरिटमतिदन्तुरम् TaiBr. iii. 4.19 (Bhaṭṭa Bhāskara अत्यल्पदन्त:)

अतिकीटक (ati-kīṭaka) *adj.* having too many worms विद्विष्टपतितोन्मत्तबहुवैरातिकीटकै: । ··· बुधो मैत्रीं न कुर्वीत ViṣṇuP. iii. 12.6 (Calcutta Ed. 1882)

अतिकीर्ण (ati-kīrṇa) *m.* one of the five kinds of *āviddha dhātu* (musical note produced by a particular stroke) क्षेप: प्लुतोऽतिपातोऽतिकर्णम(र्णोऽ)नुबन्धसंज्ञितश्चैव । आविद्धधातुर्विज्ञेयो धातुर्वै पञ्चविध एव NāṭyaSā. 29.61; SaṁgīRa. iii. 252.11 (6.132); चतुर्वारं लघौ तत: । लघुर्यत्रातिकीर्णोऽसौ SaṁgīRa. iii. 258.6 (6.152) (comm. चतुर्वारं लघुगुरू उच्चार्यन्ते लघुरतिकीर्ण:)

अतिकु (ati-ku) *f.* highest limit or state (*lit.* ground) प्रांसं च सौष्ठवमिहात्मवतां विधूतमायातिकुं दमकरम् HarVi. 5.136 (comm. अतिकुं परां भूमिम् आपन्नम्)

अतिकुग्राह (ati-kugrāha) *adj.* having extremely wrong views उज्ज्ग्राहातिकुग्राहव्यूहसंहरणाग्रह: PrabhāC. 134.6.

अतिकुङ्कुमकेसर (ati-kuṅkumakesara) *adj.* surpassing the filament of safflower (in hue) अतिकुङ्कुमकेसरै: । केसरैश्च भ्राजमान: पञ्चाननयुवापि च TriṣaS'aPuC. ii. 2.24; केसरी केसरभरेणातिकुङ्कुमकेसर: TriṣaS'aPuC. iii. 1.117.

अतिकुञ्चित (ati-kuñcita) *adj.* [*f.* -ā] **i** excessively curled up शीतवेपिततनु:···स्वपिति चातिकुञ्चित: (शिशु:) KalyāKā. 18.100; **ii** bent very much बिल्वादीनां तु ग्रहणे ता एवाङ्गुल्योऽग्रपर्वण्यतिकुञ्चिताश्च भवन्ति AbhinBhā. ii. 46.11 (*on* 9.81)

अतिकुटिल (ati-kuṭila) *adj.* [*f.* -ā] **1A** very curly अतिकुटिलाश्चातिघनाश्च मूर्धजा वित्तहीनानाम् BṛSaṁ. 68.82; BhaviP. 60B.24 (i. 27.28); **1B** excessively bent or curved अतिकुटिलकनकपत्रलताप्रतानभङ्गेन ··· अश्वालंकारेणालंकृतम्···इन्द्रायुधमद्राक्षीत् Kād. 79.9; अतिकुटिल: ···। अङ्कुश: (पयोधे: समुपैति) SamudraMa. 1.64; आजानतोऽतिकुटिले ··· आरोपयन्ति हि गुणं धनुषि (शूरा:) S'aṅkaDigVi.(Mā.) 7.109; **2 A** very crooked or devious (in action) अतिकुटिलकष्टचेष्टासहस्रदारुणे राज्यतन्त्रे···कुमार तथा प्रयतेथा यथा नोपहस्यसे जनै: Kād. 109.8; ततो नखविलेखनम् । तस्मादपि दशनच्छेद्यमतिकुटिलम् JayaMa. 132.23 (*on* 2.5); KalāVi. 1.39; भयादिवातिकुटिलं दैवमप्यनुवर्तते RāmāMañ. 281.18; मन्त्रगतय: स्वैरन्तरङ्गैरपि ज्ञायन्ते न विधेरिवातिकुटिला: KarṇaSu. 1.15; **2B** very vile and mean अतिकुटिल:···मर्मकर्त्तनविचक्षणवक्त्र: ।··· (एष:) समुपैति SamudraMa. 1.64; आजानतोऽतिकुटिलेऽपि जने महान्तस्त्वारोपयन्ति हि गुणम् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 7.109; उचितं यद् विपत्तौ सताम् अतिकुटिलगते: स्यान्महानुत्सव: MṛtaSaṁ. 225.4 (8.8); **3** extremely contorted or squinting or looking sideways (eyes) (तस्य चेचक्षुषी ··· अतिजिह्मे अतिकुटिले AdbhuSāg. 536.20; अतिकुटिलैरपश्यन्नुद्वाष्पैर्यदुपतिमपाङ्गैर्युद्धभटा: RasāSu. 159.17 (2.134)

अतिकुटिलमति (atikuṭila-mati) *adj.* of a very vile or deceitful nature, crooked-minded वयमपकृतवन्तो यज्जनस्थानभाजामतिकुटिलमतीनां भूयसां राक्षसानाम् UnmaRā.(Vi.) 12.

अतिकुटुम्बक (atikuṭumba-ka) *adj.* very much engrossed in the household, taking great care of the family पुंस्युपाधिस्तथाभ्यागारिक: सोऽतिकुटुम्बक: KośaKaTa. 1.5542.

अतिकुटुम्बभार (ati-kuṭumbabhāra) *m.* excessive burden of the family अतिकुटुम्बभारेण खिन्ना जाता KathāK. 62.28.

अतिकुट्टित (ati-kuṭṭita) *adj.* pounded excessively, pulvurised चूर्णितं चातिकुट्टिते S'abdaRaSaK. 142.11.

अतिकुणप (ati-kuṇapa) *adj.* exceeding a carcass (in foul smell) यत्···अतिकुणपम्···तद्वर्ज्यं रक्तपित्तम् SuśruS. vi. 45.10 = RugVi. 9.12.

अतिकुण्डलिन् (ati-kuṇḍalin) *adj.* (wind) whirling round excessively वातमेवंविधमनारोग्यकरं विद्यात् तद्यथा ··· अतिकुण्डलिनम् CaraS. iii. 3.7(1) (1941 Ed.)

अतिकुतुक (ati-kutuka) *n.* great eagerness गोपानतिकुतुकादुपगम्य मानयित्वा । ···पशुपवधू: सरसं त्वमन्वयासी: Nārāy. x. 84.4.

अतिकुतुकिन् (ati-kutukin) *adj.* very playful, showing great interest अतिकुतुकी हरिर्ज्वलनरक्षितां जानकीं समर्प्य (ययौ) KalkiP. iii. 3.48; अतिकुतुकिनावेवं देवौ ··· कलयत इव क्रीडां नीलाचलेन्द्रमुनीश्वरौ CaitaCa. 200.20(8)

अतिकुतूहल (ati-kutūhala) *n.* great curiosity आलोक्य बालातिकुतूहलेन। ...आदत्त जैत्राभरणम् RaghuVa. 16. 83; देव कृतमतिकुतूहलेन वृत्तोऽयमवसरः UdaySuKa. 45. 3; उपक्रोशामथाभ्यर्च्य राज्ञा त्वतिकुतूहलात्। सदस्युद्घाटिता तत्र मञ्जूषा KathāSaSāg. i. 4. 80; *adj.* very curious नारदोऽनुपदं तस्या विशन्नतिकुतूहलः PadmP.(Ra.) 28. 8.

अतिकुतूहलस्थान (atikutūhala-sthāna) *n.* topic of great interest अस्मद्विजयमहोत्सवं दर्शयति सीतायै त्रिजटेत्यतिकुतूहलस्थानमेतदस्माकम् AdbhuDa. 7. 29(8)

अतिकुत्सन (ati-kutsana) *n.* extreme contempt मन्यस्यानावादिभ्योऽतिकुत्सने SiddhaHe. ii. 2. 64.

अतिकुत्सनीय (ati-kutsanīya) *adj.* most despisable or contemptible कुर्मो वयं तनुभृतामतिकुत्सनीयम् Jīvān. 89. 6.

अतिकुत्सित (ati-kutsita) *adj.* [*f.* -ā] **1 A** very low (*lit.* greatly despised) निषादो मुद्गरं सूते ...। मृतपं चापि चण्डालः श्वपाकमतिकुत्सितम् MahāBhā. xiii. 48. 21; **1 B** extremely ugly (स कामीच्छति कामिनीम्) बिभ्रतीं बाह्यसौन्दर्यमध्याङ्गमतिकुत्सितम् BrahmVaiP. ii. 16. 59; कोऽयं नाथ मुनिश्रेष्ठः सर्वावयववक्रिमः। ...अतिकुत्सितः BrahmVaiP. iv. 30. 14; SkandP. iii(1). 5. 163; **1 C** greatly despised आशीसुराशीसितरि कद्वरस्त्वतिकुत्सितः AbhidhāCin. 350; KalpaK. 219. 49; स शुभो वाजिनां गन्धो विपरीतोऽतिकुत्सितः AśvaVai. 3. 176; **2** very low or mean, abusive प्रजापतिस्त्वयमतिकुत्सितं वचः ... समवदत् BṛDharmaP. i. 38. 59; **3** extremely unfavourable षष्ठी यानेऽतिकुत्सिता (तिथिः) Mānaso. ii. 13. 762.

अतिकुत्सितरस (atikutsita-rasa) *adj.* having abhorrent taste अतिशुक्तं द्रव्यान्तरसंसर्गेण कालवशाद्वातिकुत्सितरसम् VīraMi.(Śrāddha.) 57. 1.

अतिकुत्सितविग्रह (atikutsita-vigraha) *adj.* in which the dissolution of the compound-words is very difficult भवेन्मध्यमसन्दर्भं नातिकुत्सितविग्रहम् (वृत्तम्) AgniP. 336. 11.

अतिकुन्थदाखु (atikunthad-ākhu) *adj.* (Gaṇeśa) whose mouse was suffering (or panting) immensely तत्र त्रिनेत्रादिसुराः स्वपत्रैः सर्वे समीयुर्जवनैर्मनोवत्। पश्चाद्गणेशोऽप्यतिकुन्थदाखुस्तदान्तरिक्षे नगरभ्रमोऽभूत् HariVi. 2. 30.

अतिकुप् (ati-kup-) IV. P. to be excessively angry न चातिकुप्येत् Bārhas. 1. 21; (*caus.*) to irritate excessively हारिद्रकः ... विरुद्धः पित्तं चातिकोपयति CaraS. i. 26. 86 (1922 Ed.)

अतिकुपित (ati-kupita) *adj.* greatly enraged, very angry अतिकुपितेन चाणक्यबटुना ... बन्धनागारे निक्षिप्तः (सः) MudrāRā. 2. 20(7); BṛNāraP. 18. 107; मरुभूतिः ... अतिकुपितोऽब्रवीत् KathāSaSāg. vii. 6. 33; EI. i. 26. 8; अतिकुपितान् ... तानाप ततः (राजसंघान्) YudhiVi. 1. 92; अतिकुपिता अपि सुजना योगेन मृदूभवन्ति ŚārṅgaPa. 238 = Subhāṣi. 249; ĀnandRa. 7. 39(2)

अतिकुपितकृतान्त (atikupita-kṛtānta) *m.* excessively wrathful god of death न तत्...। अतिकुपितकृतान्तः पावकः पन्नगेन्द्रो यदिह विषयशत्रुर्दुःखमुग्रं करोति SubhāRaSaṁ. 2.

अतिकुपितमनस्क (atikupitamanas-ka) *adj.* extremely enraged in mind अतिकुपितमनस्के कोपनिष्पत्तिहेतुं विदधति सति शत्रौ विक्रियां चित्ररूपाम् SubhāRaSaṁ. (R. Schmidt Ed., 1908) 697.

अतिकुब्ज (ati-kubja) *adj.* extremely dwarfish (कुलम्) अतिह्रस्वमतिकुब्जा यस्मिन् SmṛtiCan. i. 204. 7.

अतिकुमारि (ati-kumāri) *adj.* violating a maiden प्रागेव मुसंज्ञा वृत्ता तदन्तान्मुकार्यं भवति। इह अतिकुमारये देवदत्ताय JaineVyā. 34. 25 (*on* i. 2. 92)

अतिकुरूपा (ati-kurūpā) *adj.* (*f.*) extremely ugly अतिकुरूपा ज्येष्ठापि सती न कनिष्ठाया विवाहविघ्नहेतुर्भवितुमर्हति CaturCin. iii(2). 814. 2.

अतिकुल्व (áti-kulva) *adj.* [Debru. p. 870] excessively bald आलभते ...अतिकुल्वं चातिलोमशं च VājaS. 30. 22.

अतिकुशल (ati-kuśala) *adj.* [*f.* -ā] very skilful, very clever पुरुषास्त्रयोऽतिकुशलाः GaṇiSāSaṁ. 5. 256; अतिकुशलेन धन्विना विमुक्त इषुः Aparā. 709. 17 (*on* 2. 108); एतच्च व्यवधानमतिकुशलेषु सुशीलेषु ... ब्राह्मणेषु विज्ञेयम् CaturCin. iii(1). 1410. 3; बौद्धैः...अतिकुशलैरवलोकितौ च तैस्तौ PrabhāC. 67. 3; अतिकुशलेन तक्ष्णा रथं निर्मापयति PūrvottaVāNaMā. 291. 3; तन्मध्ये परमा कलातिकुशला ... सेयं श्रीपरमेश्वरी विजयते ṢaṭCakraNi. 12.

अतिकुशलत्व (atikuśala-tva) *n.* the state of being very dexterous अध्वर्योरतिकुशलत्वे MayūMāli. 423. 15 (*on* v. 2. 4)

अतिकुशील (ati-kuśīla) *adj.* very immoral कविभिरतिकुशीलैः ...प्रगुणजनमृगौघो बध्यते मन्दभाग्यः PadmP.(Ra.) 19. 140.

अतिकुष्ठ (ati-kuṣṭha) *n.* intense or severe leprosy एतद् द्राक्षाभिधानं घृतम् ... पित्ताम्लेऽतिकुष्ठे...हितमपि मनुजानां भाषितम् HārīS. iii. 10. 54.

अतिकुष्ठजुष्ट (atikuṣṭha-juṣṭa) *adj.* afflicted by severe leprosy खदिरसारकषायमेकम्। ... पीत्वाभिषिक्ततनुरप्यतिकुष्ठजुष्टः। ... सुखी भवति KalyāKā. 11. 126.

अतिकूजित (ati-kūjita) *n.* excessive howling पतिता कुरुते शूलपीडितेवातिकूजितम् (कुट्टिनी) PārśvC. 7. 176.

अतिकूर्द् (ati-kūrd-) I.-, to jump about [MW]

अतिकूलम् (ati-kūlam) *adv.* around the bank कूलादीनामाद्युदात्तत्वावकाशः ... अतिकूलम् PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. vi. 2. 121.

अतिकृ (ati-kṛ-) VIII. U. **i** to transgress कद्स्याति व्रतं चकृमा ṚV. x. 12. 5; यद्वै यज्ञस्य क्रूरम् ... यदतिकरोति ... तदेव तैः प्रीणाति (समिष्टयजुर्भिः) TaiS. vi. 6. 2. 1; **ii** to surpass सलिलैः शतं शतमखश्रियमेष स्वविभूत्युदन्वतिकरोत्युदबिन्दुम् PañcaRā.(Nā.) v. 4. 2; **iii** to produce in abundance बलमतिकुरुते ... इक्षुदण्डः BhojanKu. 157. 11.

अतिकृच्छ्र (ati-kṛcchra) *m.* (rarely *n.*) **1** a type of severe penance involving fasting for a specific period, an expiation-rite एतेनैवातिकृच्छ्रो व्याख्यातः SāmaViBr. i 2. 8; कृच्छ्रातिकृच्छ्रौ चान्द्रायणमिति सर्वप्रायश्चित्तम् GautDS. iii. 1.20; iii. 8. 18; यावत्सकृदाददीत तावदश्नीयात्पूर्ववत् सोऽतिकृच्छ्रः BaudhDS. ii. 1. 66; ii. 1. 7; ii. 2. 51; अगम्यानां गमने कृच्छ्रातिकृच्छ्रौ चान्द्रायणमिति प्रायश्चित्तिः BaudhDS. ii. 2. 65; तत्र ब्रह्मचेदेऽष्टादश व्रतानि चरिष्यन् ... अतिकृच्छ्रम् AVPari. 49(4). 12; (नमस्ते देवदेव) यमनियममहानियमकृच्छ्रातिकृच्छ्र° ... °नियमधर MahāBhā. xii. 325. 4 (136); एकैकं ग्रासमश्नीयात् त्र्यहाणि त्रीणि पूर्ववत्। त्र्यहं चोपवसेदन्त्यमतिकृच्छ्रं चरन्द्विजः ManuSm. 11. 213; 11. 208; AtriS. 113; ब्राह्मणश्चेदप्रेक्षापूर्वं ब्राह्मणदारानभिगच्छेदनिवृत्तधर्मकर्मणः कृच्छ्रो निवृत्तधर्मकर्मणोऽतिकृच्छ्रः VasiSm. 21. 17; 24. 3; AṅgiSm. 159; अयमेवातिकृच्छ्रः स्यात् पाणिपूरान्नभोजनः YājñaSm. 3. 319; 3. 264; BṛParāSm. 9. 18; ParāSm. 11. 55; VṛHārīSm. 9. 404; DevaSm. 79; विवाहयेदेकगोत्रां समानप्रवरां खग। कृत्वा तस्यां समुत्सर्गमतिकृच्छ्रो विशोधनम् BhaviP. 270A. 11 (i. 182. 35); बिल्वैरामलकैर्वापि पद्माक्षैरथवा शुभैः। मासेन लोकेऽतिकृच्छ्रः कथ्यते बुधिसत्तमैः ŚaṅkhaSm. 18. 7; सोऽतिकृच्छ्रेऽपि कृते न बन्धमायाति PrabaK. 13. 29; अथ श्राद्धभोजने प्रायश्चित्तम्। ...द्विमासादावतिकृच्छ्रः NirṇaSi. 332. 26; BālamBha. i. 55. 15 (*on* 1. 14); **2** *n.* urinary affliction तत्ताम्बूलम्...। क्षुत्तृष्णोन्मादातिकृच्छ्राभिभूतः। ...संत्यजेत् KalyāKā. 6. 16; *adj.* very difficult (to cure) एकदेशसकलाङ्गवातम्। बस्तिरेव शमयेदतिकृच्छ्रम् KalyāKā. 12. 10; अलसकोऽप्यतिकृच्छ्र इतीरितः KalyāKā. 17. 35.

अतिकृच्छ्र (ati-kṛcchra) *n.* great difficulty, great hardship [Inst.] with great difficulty अतिकृच्छ्रेण कुर्वन्ति यत्नं ब्रह्मविदोऽपि च AnuVyā. 55B. 9 (3. 4); मदादूर्जितगर्जितैः। अग्राह्यं नातिकृच्छ्रेण संनाहं हस्तिनस्तदा PāṇḍaC. 9. 28; यातोऽतिकृच्छ्रेण नयत्यहानि (राजा) YogYā. 5. 21; स्यमन्तकरत्नम् ... अतिकृच्छ्रेण ... अधारयम् VisṇuP. iv. 13. 141; अतिकृच्छ्रेण लभ्यन्ते ... मित्राणि च धनानि च RāmāMañ. 196. 17; [Abl.] with great difficulty क्षुद्रसान् विचिन्वन् ... तत्रातिकृच्छ्रात्प्रतिलब्धमानो बलाद्विलुम्पन्त्यथ तं ततोऽन्ये BhāgP. v. 13. 10.

अतिकृच्छ्रक (atikṛcchra-ka) *m. n.* an expiatory rite cf. **अतिकृच्छ्र** (वधनिमित्ते) शस्त्रे चैवातिकृच्छ्रकम् ParāSm. 9. 24; भागिनेयीं समारुह्य कुर्यात् कृच्छ्रातिकृच्छ्रकौ SaurP. 52. 19 = KūrmaP. 679. 1; प्राजापत्यं पाणिपात्रपूर्णान्नेनातिकृच्छ्रकम् Vaija. 94. 139.

अतिकृच्छ्रचरण (atikṛcchra-caraṇa) *n.* practising Atikṛcchra उभयेच्छातः प्रवृत्तस्यातिकृच्छ्रचरणं तावदेव (त्रैमासिकं प्रायश्चित्तम्) Mitā. 444. 26 (*on* 3. 260)

अतिकृच्छ्रतस् (atikṛcchra-tas) *adv.* with great difficulty त्वत्सामीप्यकृताश्वासा जीवेतास्म्यतिकृच्छ्रतः PadmP.(Ra.) 16. 91; भ्रातरं च परिष्वज्य प्राहिणोत्सोऽतिकृच्छ्रतः PadmP.(Ra.) 32. 134; यमाज्ञया दूताः ...। आगतास्तां समानेतुं बबन्धुरतिकृच्छ्रतः PadmP. iii. 7. 26.

अतिकृच्छ्रत्व (atikṛcchra-tva) *n.* extremely difficult position रामस्य यत्कठोरहृदयत्वाभिधानं तत् पुनरुक्तमेव अनुवादपक्षस्यातिकृच्छ्रत्वात् VyaktiVi. 118. 13.

अतिकृच्छ्रप्रत्यापनीय (atikṛcchra-pratyāpanīya) *adj.* to be recognised with great difficulty कष्टमतिकृच्छ्रप्रत्यापनीयः संवृत्तोऽस्मि AdbhuDa. 3. 18 (6)

अतिकृच्छ्रप्रत्याम्नाय (atikṛcchra-pratyāmnāya) *m.* substitute for the Atikṛcchra penance गोद्वयदानस्यातिकृच्छ्रप्रत्याम्नायप्रकरणं(? णे) दर्शितत्वात् BālamBha. iii. 198. 6 (*on* 3. 327)

अतिकृच्छ्रमात्र (atikṛcchra-mātra) *adj.* only a penance called Atikṛcchra वर्णाश्रमं सावयवं स्वरूपमाद्यन्तयुक्तं ह्यतिकृच्छ्रमात्रम्। पुत्रादिदेहेष्वभिमानशून्यं भूत्वा वसेत् MaitreU. 1(4). 14.

अतिकृच्छ्रसंज्ञ (atikṛcchra-sañjña) *adj.* named Atikṛcchra अयमेव

…पाणिपूरणपरिमाणान्नभोजनविशिष्टोपवासत्रयवानतिकृच्छ्रसंज्ञो भवति Aparā. 1238. 7 (*on* 3. 319); एष्वेव प्राजापत्यार्थेषु भोजनकालेषु पाणिपूरान्नभोजिनः कर्तुरयमेवातिकृच्छ्रसंज्ञः प्रत्येतव्यः BālaKrī. ii. 177. 5 (*on* 3. 315)

अतिकृच्छ्रसाध्यता (atikṛcchra-sādhyatā) *adj.* (*f.*) persuaded with great difficulty शुष्कप्रतिग्रहे तां निरतामतिकृच्छ्रसाध्यतां विद्यात् KandaCū. v. 3. 6.

अतिकृच्छ्रान्तर (atikṛcchrāntara) *n.* another Atikṛcchra penance गौतमस्तु कृच्छ्रातिकृच्छ्रस्य लक्षणान्तरमतिकृच्छ्रान्तरमाह Aparā. 1238. 16 (*on* 3. 320)

अतिकृच्छ्रिन् (atikṛcchr-in) *adj.* practising Atikṛcchra penance नवाहमतिकृच्छ्री स्यात् पाणिपूरान्नभोजनः ParāSm. 11. 54; चान्द्रायणविधानैश्च कृच्छ्रिणश्चातिकृच्छ्रिणः SkandP. v(3). 10. 47.

अतिकृत (ati-kṛta) *adj.* [*f.* -ā] done excessively, done immoderately सर्वत्रातिकृतं भद्रे व्यसनायोपकल्पते Rāmā. v. 22. 16; विनयावनतापि स्त्री भर्तुर्या दुर्भगा भवेत् । अमुत्रोमाग्निभर्तॄणामवज्ञातिकृता तया GobhiSm. 2. 164; तमो हृदि …। लङ्घनेऽतिकृते भवेत् CaraS. i. 22. 37; i. 16. 11; extraordinary [pw]; *m.* improper or unjust act इदं त्वतिकृतं मन्ये द्रौपदी यत्र पण्यते MahāBhā. ii. 61. 4.

अतिकृतप्रमाणा (atikṛta-pramāṇā) *adj.* (*f.*) of abnormal size कटिश्च तस्यातिकृतप्रमाणा MahāBhā. iii. 112. 4.

अतिकृतश्रम (ati-kṛtaśrama) *adj.* who has done a good deal of effort or practice, very skilful नान्यमस्यानुपश्यामि प्रतियोद्धारमाहवे । ऋते वृकोदरात्पार्थात्स च नातिकृतश्रमः MahāBhā. ix. 32. 6; दुष्करं भवता कर्म रणेऽद्य सुमहत्कृतम् । कौरवेन्द्रं रणे हत्वा गदयातिकृतश्रमम् MahāBhā. ix. 60. 7.

अतिकृतार्थ (ati-kṛtārtha) *adj.* greatly dexterous नास्ति त्वतिक्रिया तस्य (v. l. नास्ति त्वतिकृतार्थानाम् pw; Nīla. reads अनिकृतार्थे) रणेऽरीणां प्रतिक्रिया MahāBhā. iii. 84. 14.

अतिकृति (ati-kṛti) *adj.* who has neglected his work, whose action is transgressed अतिकृतये ब्राह्मणाय Nyās. i. 266. 13 (*on* P. i. 4. 6); JaineVyā. 35. 1 (*on* i. 2. 96); *f.* **1** name of a metre consisting of 100 syllables in all (with 25 in each foot) (एकाक्षरात्समारभ्य यावत्षड्विंशतिं गताः । एकैकाक्षरसंवृद्धया पादाः स्युश्छन्दसां विदुः) •संकृत्यभि(ति)कृती स्याताम् Mānaso. iv. 2. 221; ChandoMa. 2. 361; KalpaK. 78. 91; **2** excess अनिकृत(v. l. अतिकृति Grill) निपुणं ते चेष्टितम् VeṇīSaṁ. 5. 191.

अतिकृतिन् (ati-kṛtin) *adj.* very successful अगमदतिकृती राघवः स्वीयलोकम् MahāN. 9. 148.

अतिकृत्ता (ati-kṛttā) *adj.* (*f.*) excessively cut off धनुर्ज्या सहसातिकृष्टा(v. l. त्ता) सुघोषमाच्छिद्यत पाण्डवस्य MahāBhā. viii. 65. 32.

अतिकृपण (ati-kṛpaṇa) *adj.* [*f.* -ā] **i** very miserable or pitiable शक्तिश्चङ्क्रमणे न हन्त जरया…इति चिन्ताकुलो ग्लायत्यर्थपरायणोऽतिकृपणः … गृही VijñāS'. 94; Kād. 35. 18; दहन्ती मामतिकृपणैरक्षरैश्च हृदयमभिहितवती HarṣaC. 325. 9; 299. 5; क्वचिदतिकृपणान्यवनीपृष्ठवेष्टनानि … हर्षविषा[द]व्यतिकरादुभयानुरूपमिवाहवाङ्गणतलमभवत् AvantiKa. 114. 4; SubhaDha. 1. 17 (20); सा … आर्तातिकृपणा पितुः शोकसमाकुला DevīBhāP. iii. 15. 44; BṛKathāMañ. 5. 134; अनयोरतिकृपणयोरुपरि निपतन्ती लज्जते मद्बाहुसृष्टा बाणवृष्टिः AdbhuDa. 5. 28 (1); **ii** very miserly or stingy (महालक्ष्मीरुवाच … येषां गेहं न गच्छामि शृणुध्वम्) चिन्ताग्रस्तो भयग्रस्तः…अतिकृपणः BrahmVaiP. iii. 23. 23; शिवचित्तोऽर्जयेद्वित्तं न चातिकृपणो भवेत् SkandP. i(2). 41. 138; प्रतिदिवसक्षीणदशस्तवैष वसनाञ्चलः …। निजनायकमतिकृपणं कथयति ĀryāSaS'a. 371; S'ukraNī. 2. 153.

अतिकृपणम् (ati-kṛpaṇam) *adv.* very pitiably इति चातिकृपणं व्याहरन्तीमहमुत्थाप्योद्विग्नतरः शनैरभिहितवान् HarṣaC. 326. 3.

अतिकृपा (ati-kṛpā) *f.* great compassion भवान् साधुर्महाभागः … अतिकृपानिधिः BrahmVaiP. i. 1. 13; तमुवाच प्रसन्नासौ कृपयातिकृपामयी BrahmVaiP. ii. 63. 12; स विप्रोऽतिकृपान्वितः । उवाच SkandP. v(2). 62. 34; अतिकृपार्द्रकटाक्षनिरीक्षणैर्जगदिदं जगदम्ब सुखीकुरु DevīCatuSt. 1; भवतु निराकुलमतिकृपया तव हरिपरिजननिकुरुम्बम् StavMā. 281. 13; ParamāKā. 170. 40.

अतिकृपाशालिन् (atikṛpāśāl-in) *adj.* possessed of great compassion देव्या अनुगृहीतानां तेषामतिकृपाशाली स्वभावोऽयमापद्यते SāmaraU. 243. 20.

अतिकृश (áti-kṛśa) *adj.* [*f.* -ā] **i** very emaciated, very lean (animate beings, their bodeis or limbs) अ॒ष्टौ वि॒रू॑पा॒न॒(? ना)॑ल॑भते … अति॑स्थूलं॒ चाति॑कृशं च VājaS. 30. 22; (K.) xxxiv. 4. 4; TaiBr. III. iv. 19. 1; (ददर्श … राक्षसस्य चरान्) नातिस्थूलान्नातिकृशान् Rāmā. v. 3. 31; दृष्टो मुनिः कश्चित्तपसातिकृशाकृतिः MārkP. 63. 15; जरा । विकारानुशयः क्रोधः कुर्वन्त्यतिकृशं नरम् CaraS. i. 21. 12; अतिकृशः … स्थूलपर्वा नरो मतः CaraS. i. 21. 15; i. 21. 3; जटिलोऽतिकृशः … दुर्वासाः BrahmVaiP. iv. 25. 36; iv. 90. 24; अतिकृशदीर्घैश्चिबुकैर्निर्द्रव्याः BṛSaṁ. 68. 51; शोकहुतभुजि हुतमांसैरतिकृशैरवयवैरावेद्यमानदुःखभारम्…भ्रातरमपश्यम् HarṣaC. 243. 3; VāsaDa. 160. 3; अतिकृशम् … शरीरेष्व(? रम)प्रशस्तमुच्यते KāśyaS. 48B. 6; अतिकृशां गर्भिणीम् … न गच्छेत् Aṣṭā-Saṁ. i. 59. 21 (1. 9); i. 120. 11 (1. 23); i. 127. 3 (1. 24); i. 145. 19 (1. 28); हीनाधिकातिकृशकृष्णविरूक्षिताङ्गः … दूतः … यमदूतकल्पः KalyāKā. 1. 33; 2. 24; 8. 36; 8. 43; अतिकृशामपि दीधितिशालिनीमलम् … परिमार्गितुम् । नृपसुताम् RāmC. 7. 49; तन्वङ्गी … नातिस्थूला नातिकृशा ManuBh. i. 212. 2 (*on* 3. 10); ii. 24. 28 (*on* 7. 78); अतिकृशप्रांशुविकरालकर्कशकायम्…वेतालमद्राक्षीत् TilaMañ. 46. 14; BhaviP. 22B. 13 (i. 5. 76); जगाम…मुनिम्…तपसातिकृशम् DevīBhāP. v. 32. 27; BṛDharmaP. i. 45. 80; AśvaVai. 19. 20; स्मर हंसि मामतिकृशाम् SubhāRaK. 22. 2 = SaduktiKa. 136. 1; नातिप्रांशुं नातिकृशम् (तमवैक्षत) RājTa.(Ka.) 8. 3208; DaivaVa. 10. 8; मध्यं चातिकृशं तस्याः TriṣaS'aPuC. iv. 2. 145; अतिस्थूलाप्यतिकृशा …। कुब्जा च … नाट्यवर्जिताः AbhinDa. 26; अकृशोऽतिकृशाङ्गकान् । यदा वीक्षिष्यसे तान् PāṇḍaC. 8. 110; HammīMaMa. 5. 40 (? 41); अतिगौरेषु … अतिकृशेषु … न विद्यतेऽपत्यम् SūktiMu. 109. 104; Nalābhyu. 7. 85; RājTa.(Prā.) 362; MadaKeC. 54; **ii** very thin गदादण्डम् … नातिकृशम् … कुर्यात् PauṣkS. 29. 130; (दन्तैः) अतिकृशैः … दुःखिता BhaviP. 22B. 13 (i. 5. 76); अतिकृशाम् … तरुच्छायां समालम्बते SūktiMu. 60. 19; (यवो मध्यः ManuSm. 8. 134) मध्यो नातिस्थूलो नातिकृशः DaṇḍaVi. 23. 19; **iii** feebly burning कृतेऽपि यत्नेऽतिकृशः कृशानुः (अनिष्टः) YogVā. 8. 9; ĪśānS'iPa. ii. 17. 12; अतिकृशाग्नियुते (तापे) द्रवति RasPraSu. 3. 16; 3. 39; **iv** very ineffective मुहुः संपूर्णाङ्गी मुहुरतिकृशा…नीतिर्नयविदः MudrāRā. 5. 3; **v** very weak or feeble नातिस्थूलो नातिकृशः … चेहालकः (ध्वनिः) SaṁgīRa. ii. 164. 8 (3. 71)

अतिकृशता (atikṛśa-tā) *f.* **i** the state of being very emaciated अतिकृशतया निम्नतरगण्डगर्तमाननमादधानम् … जाबालिमपश्यम् Kād. 42. 9; कण्ठस्य शोषः…अतिकृशतातिविषूचिका च । यस्यैतानि च लिङ्गानि गुल्मिनं तं विदुः HārīS. iii. 3. 86; iii. 9. 20; अतिकृशतया कायस्य … पर्शुकानामन्तरालद्रोणीषु निद्रायमाणशिशुसरीसृपम्…उरःप्रदेशं दर्शयन्तम्…वेतालमद्राक्षीत् TilaMañ. 47. 5; HammīMaMa. 5. 39 (? 40); मध्येऽतिकृशतास्पृशम् । तपस्विकन्यकामेकाम् … व्यलोकयम् SamarāSaṁ. 5. 168; **ii** great feebleness (of voice) (ध्वनिः) अतिस्थूलतातिकृशताभ्यां हीनः…चेहालको ज्ञातव्यः Siṁhabhūpāla *on* SaṁgīRa. 3. 71.

अतिकृशत्व (atikṛśa-tva) *adj.* the state of being very emaciated अतिकृशत्वादशक्नुवद्भिरिवोद्वोढुमत्रयवैरनूढहारकेयूरकटकादिभूषणव्रातम् … गन्धर्वकमपश्यम् TilaMañ. 404. 2.

अतिकृशोदरी (atikṛśodarī) *adj.* (*f.*) whose belly is very slender दधती …। स्तनद्वयं चातिकृशोदरी समं निरन्तरम् BhāgP. viii. 8. 17; परात्मरतिधीरसावतिकृशोदरी RasiRañ. 101; *f.* name of a cowherdess रामा निष्ठा चातिकृशोदरी (इत्याद्या यूथमुख्याश्च यूथे) ĀdiP. 11. 14.

अतिकृष् (ati-kṛṣ-) I. P. to drag over or beyond फालमतिकर्षति KauśiSū. 20. 5.

अतिकृष्ट (ati-kṛṣṭa) *adj.* [*f.* -ā] extremely stretched धनुर्ज्या सहसातिकृष्टा सुघोषमाच्छिद्यत पाण्डवस्य MahāBhā. viii. 65. 32; अथातिकृष्टस्तेन … संधित्सुर[व]निपतिः AvantiKa. 201. 1; S'ārṅgaPa. 3732.

अतिकृष्ण (áti-kṛṣṇa) *adj.* [*f.* -ā] [AltGr. II. 1. 70; 237] **i** very dark, very black अ॒ष्टौ वि॒रू॑पा॒न॒(? ना)॑ल॑भते … अति॑शुक्लं चाति॑कृष्णं च VājaS. 30. 22; (K.) xxxiv. 4. 4; TaiBr. III. iv. 19. 1; LāṭyāS'S. i. 1. 7; DrāhyāS'S. i. 1. 7; आनीय कृष्णामतिकृष्णकेशीम् MahāBhā. ii. 60. 24; (कन्याम्) अतिकृष्णवर्णां च वर्णोत्कृष्टां च वर्जयेत् MahāBhā. xiii. 107. 124; ii. 58. 32; (ददर्श … राक्षसस्य चरान्) नातिगौरान्नातिकृष्णान्नातिकुब्जान् Rāmā. v. 158*; भार्यामुद्वहेत् … नातिकृष्णां न पिङ्गलाम् ViṣṇuP. iii. 10. 16; CaraS. i. 21. 3; अगम्यास्त्वेवैताः … अतिश्वेतातिकृष्णा दुर्गन्धा KāmSū. 1. 5 (69. 13); RatiRaha. 13. 8; PauṣkS. 17. 33; अतिकृष्णतारकाणामक्ष्णामुत्पाटनं भवति BṛSaṁ. 68. 66; अतिकृष्णतनुं शूरम् … सौरगृहे भूमिजः कुरुते Sārā. 25. 61; लग्नाधिपतेश्चन्द्रो मरणपदस्थोऽतिकृष्णतां यातः । … मारयति Sārā. 10. 104; (किरातवनिता) अतिकृष्णा विरूपाक्षी SkandP. vii. (3). 16. 4; BṛNāraP. 24. 9; PadmP.(Ra.) 97. 28; अतिकृष्णम्…शरीरेष्व(? रम)प्रशस्तम् KāśyaS. 48B. 6; Aṣṭā-Saṁ. i. 173. 18 (1. 35); नीलातिकृष्णम् … मनुजमाशु निहन्ति वान्तम् KalyāKā. 9. 17; 3. 67; 9. 34; PañcaRā.(Ha.) i. 3. 8; विप्रम्…वर्जयेत् । अतिकृष्णम् PadmP. ii. 39. 70; ii. 15. 7; यमपतिमतिकृष्णम् … काकवाहम् । स्मरतु ĪśānS'iPa. i. 3. 34; i. 47. 61; ii. 18. 41; (राहुः) अतिकृष्णं व्याधिकरम् VasiS. 9. 29; साम…अतिकृष्णरूपात्मकमाम्नातम् VedāntKa. 116. 9 (*on* i. 1. 21); अतिकृष्णेष्वतिगौरेषु…न विद्यतेऽपत्यम्

SūktiMu. 109. 104; AnaṅgaRa. 4. 15; KandaCū. i. 5. 24; अतिकृष्णतारनदीशर्करया समम् । नदीवालुकामायोज्य … चूर्णयेत् S'ilpaRa. ii. 19. 28; TantrRā. 6. 67; **ii** very blue [MW]; *m.* name of an attendant given by Vindhya to Kārttikeya प्रादात् … विन्ध्यस्त्वतिकृष्णं च पार्षदम् VāmaP. 57. 67.

अतिकृष्णा (ati-kṛṣṇā) *f.* name of a river (नदीः पिबन्ति बहुलाः) … अतिकृष्णां च MahāBhā. vi. 10. 23.

अतिकृष्णाङ्ग (atikṛṣṇāṅga) *adj.* [*f.* -ā] having a very dark body (अयम्) अतिकृष्णाङ्गः SkandP. iv. 8. 56; मुक्तकेशातिकृष्णाङ्गा … । एतेषां दर्शने जाते न गन्तव्यम् Mānaso. ii. 13. 816.

अतिकेलि (ati-keli) *m.* too much play इत्यलमतिकेलिना NyāyMañ. i. 73. 1.

अतिकेलिलम्पटता (atikelilampaṭa-tā) *f.* extreme lust for dalliance or amorous sport अतिकेलिलम्पटतया दिनमेकमपि गेहपतिः ĀryāSaS'. 401.

अतिकेश (ati-keśa) *adj.* [*f.* -ā or -ī] [DEBRU. p. 377] **1** having too much of bodily hair भार्यामुद्वहेत् … । नातिकेशाम् ViṣṇuP. iii. 10. 16; अतिकेशाम् … नोद्वहेद्बुधः BṛNāraP. 24. 5; **2** going beyond the hair अतिकेशी माला MahāBh. ii. 223. 23 (*on* iv. 1. 54); अतिक्रान्ता केशान्मालेत्यतिकेशी, अतिकेशा CāndraVṛ. *on* ii. 3. 61; KāśiVṛ. *on* iv. 1. 54; JaineVyā. 157. 29 (*on* iii. 1. 47); PrakriKau. i. 365. 1; SiddhāKau. 126A. 10.

अतिकेशर (ati-keśara) *m.* the plant *Trapa bispinoza*, RājNi. in S'abdaKaDru. [PW]

अतिकेसर (ati-kesara) *m.* the plant *Trapa bispinoza* वृत्तपुष्पोऽतिकेसरः RājNi. 200. 15; बृहत्पुष्पोऽतिकेसरः AbhidhāMañ. 233. 2; BhāvPra. (Bhā.) vi. 5. 36; BhāvPraNi. 84. 36; कण्टकाढ्योऽतिकेसरः KalpaK. 278. 264; ṢadrasaNi. 40. 5.

अतिकेसरा (ati-kesarā) *f.* the plant *Trapa bispinoza* बृहत्पुष्पातिकेसरा DhanvNi. 200. 10; S'abdaRa.(Vā.) 1134; शतपुष्पातिकेसरा AbhidhāMañ. 232. 4.

अतिकैकेय्यात्मज (ati-kaikeyyātmaja) *adj.* who surpasses the son of Kaikeyī (i. e. Bharata) दाक्षिभार्गवमुखा अतिकैकेय्यात्मजे पशुवधं जहुरसिन् DvyāśraKā. 20. 29.

अतिकोठक (ati-koṭhaka) *m.* disease caused by the morbid affection of wind मेहार्शश्चातिकोठकः HāriS. iii. 20. 35.

अतिकोप (ati-kopa) *m.* **1** excessive anger अतिकाये(v. l. कोपे)-न… । धूम्राक्षमवधीत् … हनूमान् MahāBhā. iii. 270. 14; तेन चैवातिकोपेन स यज्ञः संधितस्तदा MahāBhā. vii. 173. 51; स्त्रीबालभृत्यगोविप्रेष्वतिकोपं विवर्जयेत् ParāSm. 9. 61; भगवांश्चिन्तयामास । अतिकोपो वैनतेयस्य PañcT. 1. 127(52) (138. 1); ज्यायोभिः सह दोषो ज्यायाञ्जनयत्यसाध्यमतिकोपम् Kāvyālaṅ.(Ru.) 14. 25; प्रजज्वालातिकोपेन ब्रह्मणः पञ्चमं शिरः KūrmaP. 665. 10 (2. 31); तदातिकोपाद्नुपुङ्खवस्य । पपात पृष्ठे भगवान् VāmaP. 78. 84; सुचिरोत्थितमतिकोपादासनकमले निविष्टदृष्टिं च (ज्ञात्वा तम्) KalāVi. 1. 78; क्षमातिकोपेन … प्रयाति लोभेन च सर्वमेव DaśāvaC. 6. 18; दास्यति दास्यतिकोपादास्यति सति कर्कराञ्शापम् Vāgbhaṭa. 4. 42; अतिकोपं चातिहर्षम् … । वर्जयेत् Rasā. 18. 119; ब्रह्मातिकोपेन । प्रदेशिन्योद्वर्त्य भालं शेषं समुप(? द)पाटयत् Dhūrtā. 64; अतिकोपताम्राक्षः पुष्कलः … । वायव्यास्त्रं समाधत्त PadmP. iv. 24. 47; अतिकोपाद्द्विजो वैश्यमाक्षिपन्पुनरब्रवीत् BrahmP. 170. 42; अतिमानोऽतिकोपश्च … । (इत्येतैः स्त्रीनराः पापैरुपपातकिनः स्मृताः) S'ivaP. v. 6. 1 (412A. 2); RaseCin. 3. 87; Bharat. 20B. 9; मृगपतिरतिकोपात्संकुचत्युत्पतिष्णुः Subhāṣi. 2935; AnaṅgaRa. 9. 13; श्रुत्वातिकोपेन हनूमतो वचः AdhyāRā. v. 4. 29; ययातिकोपेन यो प्रणतोऽवधीरितः प्रियतमः सा कोपात्कलहान्तरिता NāṭaLaRaK. 2550; **2** excessive vitiation (or morbid affection) समानस्यातिकोपेन भोजनं नाभिनन्दति Hastyāyur. 216. 16 (2. 20); *adj.* very angry, excessively wrathful जग्मतुस्तेन कामार्थावतिकोपं नृपं प्रति MatsyaP. 24. 18; स्वल्पदोषेऽतिकोपाः । … सर्वदा भूमिपालाः DaśāvaC. 7. 203; Subhāṣi. 32. 37.

अतिकोपगा (atikopa-gā) *adj.* (*f.*) full of or given to excessive anger मयदैत्यात्मजा तीव्रमेवमुक्तातिकोपगा । परमं क्षोभमायाता PadmP.(Ra.) 53. 119.

अतिकोपतस् (atikopa-tas) *adv.* due to excessive anger सा तं शशाप स्वगुरोः शापं लेभेऽतिकोपतः BrahmVaiP. iv. 47. 10; ततो ब्रह्मास्त्रममुचत् श्रुतशर्मातिकोपतः KathāSaSāg. viii. 7. 66.

अतिकोपन (ati-kopana) *adj.* [*f.* -ā] hot-tempered, excessively angry शृङ्गी नाम … दुष्प्रसादो महाव्रतः (v. l. °दोऽतिकोपनः) MahāBhā. i. 36. 21; i. 46. 2; vi. 58. 14; स्वप्नशीलातिकोपना … नागसत्त्वा NāṭyaS'ā. 22. 110; बभूवाङ्गिरसः शिष्यो भूतिर्नामातिकोपनः MārkP. 99. 2; ताडयिष्यामि लगुडैर्गृहिणीमतिकोपनः PañcT. 5. 2(31) (401. 2); अतिकोपने पुरतो भव Kād. 85. 4; मृदुकोष्ठोऽतिकोपनः । … राजसस्य गुणाः प्रोक्ताः SarvaSiSaṁ. 11. 18; महादेव्यब्रवीत्कंसं समाहूयातिकोपना SkandP. iii(1). 27. 59; दैत्यः समायातोऽतिकोपनः BṛNāraP. 9. 20; (तपः) घोरो मुनिश्चचारोऽयं दण्डिनामतिकोपनः RamāMañ. 211. 25; BṛKathāMañ. 16. 556; माता तु मे … दुराराध्यातिकोपना KathāSaSāg. xii. 7. 156; अतिकोपनः । हन्ति यस्सिहवत्नागम् Mānaso. iv. 3. 653; अकस्मादतिकोपनः … मासानष्टैव जीवति YogS'ā. 5. 141; गिरिजां विष्णुः प्राहातिकोपनः PadmP. iv. 110. 266; अतिकोपनो वेदान्धीयन्कश्चिद्स्खलत्स्वरे S'aṅkaDigVi.(Mā.) 3. 10; हन्तुं नृपतिमाकाशादुत्पपातातिकोपनः DeviBhāP. 22B. 8 (*on* i. 5. 73); कान्ते त्यक्तस्त्वया यदतिकोपनया न मन्युः Subhāṣi. 1169; भीमसेनोऽतिकोपनः । … तानवाक्षिपत् BallāC. 105. 15; त्वमेव तावत्प्रसादयातिकोपनम् MadaKeC. 54(2); given as the meaning of *Caṇḍa* in Kośas चण्डोऽतिकोपने AnekāTi. 2. 108; ViśvaLoK. 91. 9; ViśvaPra. 43. 9; MediK. 43. 12; *m.* name of a snake (नागाः) श्रोतुमिच्छामि तानहम् । … अतिकोपनः NīlaP. 911.

अतिकोपनत्व (atikopana-tva) *n.* the state of being excessively angry न खल्वतिकोपनत्वादिना समारोपिताग्नित्वो माणवकः दाहपाकाद्यर्थक्रियां कर्तुमीश्वरः SyādvaMañ. 15 (109)

अतिकोपनहृदय (atikopana-hṛdaya) *adj.* of very hot temperament स्वभावादेवातिकोपनहृदयैः … गौडैराकुलितसकलसैन्निकम् (बलम्) YaśasCam. i. 466. 4.

अतिकोपवत् (atikopa-va(n)t) *adj.* given to excessive anger, of very hot temperament सुराप्यपि वरो राजा न स्त्रैणो नातिकोपवान् S'ukraNī. 4(1). 63.

अतिकोपवश (atikopa-vaśa) *m.* [Abl. Inst.] overcome with excessive anger अतिकोपवशात् … सिंहनादं मुमोच PañcT. 1. 63(37) (81. 3); आहतः सुभटदृष्टिभिरुल्काबान्धवीभिरतिकोपवशेन VasaViKā. 5. 49.

अतिकोपसमन्वित (atikopa-samanvita) *adj.* possessed of excessive anger [PW]

अतिकोपानल (atikopānala) *m.* fire in the form of excessive anger यः पुनरतिकोपानलसंतापवशेन दूरमाकृष्टः KuṭṭMa. 717.

अतिकोपाभिभूत (atikopābhibhūta) *adj.* overpowered by excessive anger तेनोक्तम् …अतिकोपाभिभूतेन SkandP. vi. 104. 59.

अतिकोपारुणेक्षण (atikopāruṇekṣaṇa) *adj.* whose eyes are red with excessive anger सः (अहिः) अतिकोपारुणेक्षणः । भोगेनावेष्टयत् साधुम् PārśvC. 2. 1051.

अतिकोपित (ati-kopita) *adj.* **1** excessively enraged प्रत्युवाच च विश्वेशस्तावुभावतिकोपितौ MārkP. 9. 22; 124. 11; **2** excessively disturbed कषायरूक्षैस्त्वतिकोपितोऽनिलस्स्वपानदेशे पिडकां करोति RugVi. 46. 2.

अतिकोपिन् (atikop-in) *adj.* [*f.* -ī] extremely enraged or angry सत्यभामातिकोपिनी ViṣṇuP. v. 30. 45 = BrahmP. 203. 38; तद्बलं सर्वं क्षयं नीतं महात्मना । तेन केशरिणा देव्या वाहनेनातिकोपिना MārkP. 86. 15.

अतिकोमल (ati-komala) *adj.* [*f.* -ā] **i** extremely delicate or tender, extremely charming (living beings) प्रिया प्राणान् धारयत्यतिकोमला PadmP.(Ra.) 54. 17; SubhaDha. 2. 14(5); शैलाधिराजतनयाप्यतिकोमलासि S'āraTi. 24. 94; भ्राजमानं श्रिया देव्या युवानमतिकोमलम् KūrmaP. 278. 3 (1. 26); 129. 5 (1. 12); 422. 6 (1. 49); BhaviP. 458B. 14 (iii(2). 29. 63); युवानमतिकोमलं किमधिरोहसि प्रेयसि S'ṛṅgāSar. 108; **ii** extremely delicate or soft (limbs etc.) आलोकजलवर्षिणा सिञ्चन्तीवातिकोमले सुजलते … मालती समदृश्यत HarṣaC. 52. 3; SubhaDha. 2. 14; न चेत्कथं तस्य तलेऽतिकोमले सुलेखमालक्ष्यत मीनलाञ्छनम् MadhuVi. 3. 7; अलङ्कारैरुपेतमतिकोमलम् । बाहुलतिकाद्वयम् S'ārṅgaPa. 3331 = Subhāṣi. 1530; NīlaVi. 96. 9; पक्षौ मे जातौ नूतनावतिकोमलौ AdhyāRā. iv. 8. 53; **iii** extremely tender or soft or beautiful (concrete objects) तृणानि यस्यां चतुरङ्गुलानि मृदूनि … अतिकोमलानि VarāṅgaC. 7. 7; नवा नूतना अतिकोमलेत्यर्थः LalitāTriBh. 353. 18 (*on* 58); RamāMañ. 509. 9; S'ārṅgaPa. 1061; अतिकोमलकुम्भैः … क्रीडन् (त्वम्) Stav-Mā. 192. 13; ĀryāS'. 42; अम्भोजेष्वतिकोमलेषु विहरन्नन्तर्जले…भृङ्गः AnyāS'. (Nī.) 77; S'ivLi. 18. 45; BhojanKu. 13. 3; शिरीषं चातिकोमलम् AlaṅkāMañ. 60. 10; 220. 17; **iv** extremely soft or delicate or gentle, agreeable, extremely mellow (abstract ideas) अतिकोमलमेकतः … वहति स्फुटमेकमेव ते वचनम् S'iśuVa. 16. 18; पलायमानं पुरुषम्…अतिकोमलया गत्या कथं श्रीरनुयास्यति Kapphiṇā. 18. 69; BṛKathāS'loSaṁ. 28. 60; SaṁgīRa. ii. 174. 5 (3. 113); यत्र शृङ्गारकरुणावतिकोमलेन संदर्भेण वर्ण्येते PratāYaBhū. 58. 16.

अतिकोमलगात्रत्व (atikomalagātra-tva) *n.* the state of being possessed of an extremely tender body अतिकोमलगात्रत्वाद्ग्रासमात्रं भविष्यसि

GaṇeP. ii. 67. 5.

अतिकोमलचरण (atikomala-caraṇa) *m. n.* extremely delicate foot अतिकोमलचरणकमल° ··· °दवीयसीं पदवीमतीत्य ··· परमाश्चावती वसुमती Ānand-Ra. 1. 8 (22)

अतिकोमलतर (atikomala-tara) *adj.* very much tender or beautiful यस्यातिकोमलतरावतिमांसलौ···पाणिपादौ KalyāKā. 1. 41.

अतिकोमलदेहतस् (atikomaladeha-tas) *adv.* on account of a very delicate body स्खलित्वा पतिताः केचिदतिकोमलदेहतः GaṇeP. ii. 87. 39.

अतिकोमलमृणाललता (atikomala-mṛṇālalatā) *f.* extremely delicate lotus-creeper बालेऽतिकोमलमृणाललताङ्गलीले दम्भोलिनिष्ठुरकठोरकुठारदंष्ट्रः SkandP. iv. 11. 91.

अतिकोमलवर्त्मन् (atikomala-vartman) *n.* very easy way or manner अतिकोमलवर्त्मना । मया···अलंकाराः प्रदर्शिताः AlaṅkāS'e. 13. 0 (100)

अतिकोमलसंदर्भा (atikomala-sandarbhā) *adj.* (*f.*) possessing an extremely delicate construction or style नातिकोमलसंदर्भा वैदर्भी मुक्तविग्रहा AgniP. 339. 3.

अतिकोमलाङ्गी (atikomalāṅgī) *adj.* (*f.*) having an extremely soft or delicate body अतिकोमलाङ्गीं मायामयीं तत्त्वमयीं नमामि S'ilpaRa. ii. 24. 23.

अतिकोमलाङ्गुलि (atikomalāṅguli) *f.* extremely delicate finger अतिकोमलाङ्गुलिदलाघातशोधितमृदङ्गनादभङ्गिभिः ··· अप्सरोभिः NilaVi. 10. 7.

अतिकोमलान्यहस्त (atikomalānyahasta) *adj.* with a very delicate other hand गिरिधारणकर्कशैकपाणिं कुसुमादप्यतिकोमलान्यहस्तम् (विचिन्त्य) YātrāPra. 7. 127.

अतिकोविद (ati-kovida) *adj.* [*f.* -ā] extremely skilful or expert पार्थो वैराटिमब्रवीत् ।··· संग्रामे नातिकोविदम् MahāBhā. iv. 38. 1; अतिकोविदा श्रुनोतु नो मनोमलं कलिन्दनन्दिनी YamunāA. 1. 6; VarāP. 155. 42; PañcT. 2. 29 (33) (227. 5); मद्विलद्वारं स विदार्यातिकोविदः BṛKathāMañ. 16. 420.

अतिकौटिल्य (ati-kauṭilya) *n.* excessive crookedness श्रुतिशर्मणः । वार्यमाणोऽतिकौटिल्याद्विप्रिये त्वं समुद्यत: BṛKathāMañ. vi. 1. 139.

अतिकौतुक (ati-kautuka) *n.* extreme curiosity or admiration, great wonder अतीव मे कौतुकं वर्तते (v. l. अतिकौतुकं वर्तते NSP. Ed.) UttaRāC. 4. 20 (3); BrahmāṇḍP. ii. 35. 25; नयेः सहैव मां तर्हि येन मेऽस्त्यतिकौतुकम् PārśvC. 1. 234; 1. 252; तानवलोकयितुमतिकौतुकेन दमयन्ती ··· क्षिप्रमाजगाम NalaCam. 4. 5 (22); VasaViKā. 13. 30; नृपः । वन्दित्वा पर्वतस्याग्रमारुरोहातिकौतुकात् BṛKathāK. 56. 371; UdaySuKa. 68. 26; वत्सराजः सहामात्यस्तदालोक्यातिकौतुकात् । कलिङ्गसेनां सानन्दमेते सर्वविदां धुरि BṛKathāMañ. vii. 1. 565; GaṇeP. ii. 153. 29; SaṃgīRa. iv. 20. 2 (7. 595); एरण्डबीजं कारञ्जीफलं सूतेऽतिकौतुकम् S'ārṅgaPa. 2301.

अतिकौतुकतस् (atikautuka-tas) *adv.* through excessive curiosity तत्र···अतिकौतुकतस्तस्मैत्य···पुत्रोऽजनीति चतुरक्षररत्नदाने ।···अदिशत् किल जनाय ··· रत्नानि ··· भूमिपालः ĀnandRa. 3. 11.

अतिकौतुकशालिन् (atikautuka-śālin) *adj.* excessively eager कामाक्षि ··· त्वदपाङ्गदोलाम् । आरुह्य मन्दमतिकौतुकशालि चक्षुरानन्दमेति MūkaPañ. 1. 25.

अतिकौतुकिन् (ati-kautukin) *adj.* [*f.* -ī] extremely eager or curious दीर्घं प्रजाभिरतिकौतुकिनीभिः ··· अकीर्तिपटहे मम ताड्यमाने ।···लज्जिष्यते ··· वसिष्ठः AnarghaRā. 2. 60; संघजनोऽतिकौतुकी गिरेः ··· सानुषु । लिलेख VasaViKā. 13. 28.

अतिकौतूहल (ati-kautūhala) *n.* extreme curiosity इदं कौतूहलं मम (v. l. अतिकौतूहलं हि मे) MahāBhā. xiii. 3. 16; सैषाथाश्रममागता वत मतङ्गस्यातिकौतूहलात् MātaLī. 1. 15.

अतिकौतूहलान्वित (atikautūhalānvita) *adj.* filled with great curiosity परिष्वजन्तमन्योन्यमतिकौतूहलान्वितम् MārkP. 23. 3.

अतिकौमुदगन्ध्य (ati-kaumudagandhya) *adj.* who has surpassed Kaumudagandhyā [P. iv. 1. 78] अतिक्रान्तः कौमुदगन्ध्यामतिकौमुदगन्ध्यः Prasā. i. 657. 18.

अतिकौमुदगन्ध्यपुत्र (atikaumudagandhya-putra) *m.* son of one who has surpassed Kaumudagandhyā तस्य पुत्रोऽतिकौमुदगन्ध्यपुत्रः Prasā. i. 657. 19.

अतिकौमुदगन्ध्याबन्धु (atikaumudagandhyā-bandhu) *adj.* whose relative is a woman who has surpassed Kaumudagandhyā अत्रापि पूर्ववदेव । अतिकौमुदगन्ध्याबन्धुरित्यत्र न स्यात् Prasā. i. 658. 16.

अतिकौशल (ati-kauśala) *n.* extreme cleverness or skilfulness इयम् ···त्वयातिकौशलाद्यथादृष्टमालिखिता भवितुमर्हतीति DaśKuC. 116. 5; ते विश्वकर्मणो मूर्त्यन्तराणीवातिकौशलात् । तमालिखन्यथावस्थमादर्शप्रतिबिम्बवत् PariPar. 1. 134.

अतिक्तक (atiktaka) *m. n.* creeper *Gaertnera racemosa* अथातिक्तके लता । माधवीलता S'abdaRa.(Su.) 4. 174.

अतिक्रन्द् (ati-krand-) I. P. to weep very much मुहुर्मुहुश्चैस्यतिक्रन्दत्यन्तं परिदेवसे PāṇḍaC. 13. 811.

अतिक्रम् (ati-kram-) I. U., IV. Ā. [P. iii. 1. 70; vii. 3. 76] **1** to go or stride beyond, to pass through, to cross **2** to get beyond, to escape from, to avoid, to get rid of, to be free from **3** to pass by, to overlook, to disregard, to neglect, to act contrary to **4** to excel, to surpass **5** to overcome, to overpower, to subdue **6** to violate (a vow, contract, ordinance), to transgress (the limit, proper decorum) **7** to pass beyond, to walk past, to slip out, (caus.) to make go or pass beyond **8** to go beyond, to transcend **9 A** to go beyond (the prescribed or appropriate time), to pass or spend (time), (caus.) to let pass, to let slip **B** to pass on, roll on, to elapse, to slip by (time) **10 Ai** to go beyond i. e. to exceed (in number or kind) **ii** to exceed (in size) **B** to exceed, not to be contained in or covered by, to be outside the scope of **11** to go away from (i. e. to lose) **12** to deny **13** to get beyond (i. e. to miss) **14** to go astray, to lose the path **15** to go beyond (the reach) **1** to go or stride beyond, to pass through, to cross अत्यं पवित्रमक्रमीत् ··· इन्दुर्देवेषु पत्यते ṚV. ix. 45. 4; अत्यक्रमीदर्जुनं वारमव्ययम् ṚV. ix. 69. 4; अति विश्वाः परिष्ठाः स्तेनइव व्रजमक्रमुः ṚV. x. 97. 10 = VājaS. 12. 84; तद्यथा स्वमरण्यमभयेनातिक्रामेत्तादृगेतत् ṢaḍviBr. iii. 1. 17; न स्रवन्तीमतिक्रामेदनुपस्पृशन् GobhiGS. iii. 2. 22; सोऽचिरेणैव कालेन अत्यक्रामन्नराधिप ।··· शैलांश्च विविधद्रुमान् MahāBhā. i. 96. 42; अतिक्रामेन्न (v. l. नातिक्रामेत) पक्षी यान् कुत एवेतरे मृगाः MahāBhā. i. 111. 9; iii. 38. 29; न कथंचन गन्तव्यं कुरूणामुत्तरेण वः । अन्येषामपि भूतानां नातिक्रामति वै गतिः Rāmā. iv. 42. 57; पूज्यदेवद्विजज्योतिश्छायां नातिक्रमेद्बुधः ViṣṇuP. iii. 12. 14; वाहिनी हरेस्तदातिचक्राम गिरीन्गुरूनपि S'iśuVa. 12. 56; महाजवो हीन्द्रायुधो निमेषमात्रेणातिदूरमतिक्रामति Kād. 120. 18; तेन प्रतरेतातिक्रामेद् विद्वान् स्रोतांसि संसारसरितः S'vetāU-Bh. 136. 2 (*on* 2. 8); सर्वदुर्गाणि ··· तरिष्यसि अतिक्रमिष्यसि GītāBh.(S'aṅ.) 544. 4 (*on* 18. 58); RāmC. 6. 88; PadmP. ii. 66. 93; पदान्येतानि मासातिक्रामत् कोऽपीति बुद्धितः । धर्मचक्रं रत्नमयं तत्र बाहुबलिर्व्यधात् TriṣaS'aPuC. i. 3. 380; ii. 6. 537; SmṛtiCan. ii. 527. 13; कौरवी दूरमध्वानमतिचक्राम सा चमूः PāṇḍaC. 4. 57; समुद्रं लङ्घेम किल समुद्रमिव अतिक्रमामः SyādvāMañ. 31 (20); PrabaK. 33. 6; हस्तिनातिक्रामति अतिहस्तयति PrakriKau. ii. 384. 10; Subhāṣi. 2554 = SūktiSu. 85; VīraMi.(Āhnika.) 167. 12; क्राम्यति स्यात्क्रामति च ··· अनुपूर्वेऽनोः क्रमिः स्यादतेर्भवति लङ्घने KośaKaTa. 2. 1423; **2** to get beyond, to escape from, to avoid, to get rid of, to be free from कदर्यम्णो महस्पथाति क्रामेम दूढ्यः ṚV. i. 105. 6; अतिक्रामामि दुरितं यदेनः TaiBr. III. 12. 5; नातिक्रमेत् (v. l. अतिक्रामेत्) सत्पुरुषेण संगतम् MahāBhā. v. 10. 23; न कश्चिज्जात्वतिक्रामेज्जरामृत्यू ह मानवः MahāBhā. xii. 28. 15; xii. 307. 1; यौ ··· वरौ दशरथोऽददात् । तौ स्मारय महाभागे सोऽर्थो मा त्वामतिक्रमेत् Rāmā. ii. 9. 21; वर्णाः समीहितकार्यं प्रत्यनन्तरतां नातिक्रमन्तीति लौकिकवचनमपि समञ्जसं - शब्दादर्थं प्रतिपद्यामहे - इति SphoṭSi. 63. 1; अतद्व्यावृत्तिनिषेधश्च तत्त्वमेवाभिधीयते । नातिक्रामति तद्वस्तु तत्त्वं भेदं च वस्तुनः TattvSaṃ. 342; त्रिकर्मकृत् इज्याध्ययनदानानां कर्ता तरति अतिक्रामति जन्ममृत्यू KāṭhUBh. 112. 7 (*on* 1. 7); अतिक्रामति शोकम् ··· आत्मवित् ChāndoUBh. 419. 9 (*on* vii. 1. 3); (destroy completely तरति शोकम् ··· अतिक्रामति अत्यन्तं नाशयतीति यावत् GuruCandr. ii. 313. 15); BṛĀraUBh. 81. 9 (*on* i. 4. 2); वेदोक्तकर्मानुष्ठानफलं अतिवर्तते अतिक्रामति अपाकरिष्यति GītāBh.(S'aṅ.) 209. 3 (*on* 6. 44); 220. 10 (*on* 7. 14); ते मायाम् एताम् ··· तरन्ति अतिक्रामन्ति । ते संसारबन्धनात् मुच्यन्ते इत्यर्थः GītāBh. (S'aṅ.) 221. 1 (*on* 7. 14); 398. 17 (*on* 13. 25); अतिक्रामति तान्यात्मा जाग्रत्स्थानाश्रयाण्यतः BṛĀraUBhVā. iv. 3. 459; स हि वस्तुतो नियतिप्राणतां नातिक्रामति ParāTri. 20. 5; शुभं वाप्यशुभं वापि दैवं कोऽतिक्रमेत्पुनः DevīBhāP. i. 5. 43; परिच्छेदशब्दश्चानुभूतिपर्यायोऽनुभूतिदूषणं नातिक्रामति KhaṇḍanKhā. 427. 5; 1306. 12; ज्ञानेन दुष्कृतं तरत्यतिक्रामति VedāntKa. 524. 18 (*on* iv. 1. 14); **3** to pass by, to overlook, to disregard, to neglect, to act contrary to अति क्रमिष्टं जुरतं पुणेरसुम् ṚV. i. 182. 3; नातिक्रमिष्यति द्रोणं जातु जीवन् धनंजयः (v. l. अतिक्रमिष्यते) MahāBhā. vii. 69. 9; नातिक्रमिष्यते पार्थो धनुष्पाणिर्व्यवस्थितः MahāBhā. viii. App. I. 43 (33); ix. App. I. 1 (28); कुलर्त्विन(? ज)मधीयानं संनिकृष्टं तथा गुरुम् । नातिक्रामेत्सदा दित्सेच्च इच्छेदात्मनो हितम् GobhiSm. 2. 64; प्रथितयशसाम् ··· प्रबन्धानतिक्रम्य ··· कालिदासस्य क्रियायां कथं परिषदो बहुमानः Mālavikā. 1. 1 (8); 4. 5 (10); भोः सुहृत्कुमुदान्यनवबोधयन् दिवाचन्द्रलीलयातिक्रामसि PadmPrā. 6. 19; प्रह्वानतीव कचि-

दुद्धतिश्रित: ··· वाहिनी हरेस्तदातिचक्राम गिरीन् गुरूनपि S'iśuVa. 12.56; अतिक्रमिष्याम इदं सूत्रम् NyāyMañ. ii. 166.17; अनिन्दितेनामन्त्रितो नातिक्रामेत् ManuBh. i. 288.12 (*on* 3.180); प्रजाकार्ये पुन: कश्चित्कालमतिक्रामेत् ManuBh. ii. 68.16 (*on* 7.223); गुरुकुलमतिचक्रमु: कुशिष्या हितमिव संयति संयतं गजेन्द्रा: RāghPāṇ.(Dha.) 5.67; नातिक्रुद्धोऽपि मान्यमतिक्रामेदवमन्येत वा NītiVā. 25.80; नातिक्रामेद्यदि मुने शिवलिङ्गार्चनं शुभम् PadmP. iv. 105.73; BhaviP. 17A.17 (i. 4.120); 273B.22 (i. 184.35); देवता इव देवता: । परं मयि प्रसीदन्ति नातिक्रामन्ति मे मन: PāṇḍaC. 6.161; नातिक्रामति सुमुखी चरणनिपतनं क्षणं यून: KandaCū. iii. 2.16; नातिक्रामेदपि लघुं कचित्सत्कार्यबोधकम् S'ukraNī. 3.119; **4** to excel, to surpass आमुहि श्रेयांसमति समं क्राम AV. ii. 11.1; सर्व एव समावद्ध्नुवन्ति । नान्योऽन्यमतिक्रामति KāṭhS. 6.4; योऽसावत्यक्रमीद्युद्धे युध्यन्दुर्योधनं तदा MahāBhā. i. 1938*(1); ओजसा तेजसा ··· अतिचक्राम पितरं मनु: MahāBhā. iii. 185.3; किमुच्यते मनुष्याणां मरुतामपि शेमुषीमतिक्रामसि UdaySuKa. 38.19; 131.28; यावदेते महारुद्रा: ··· न मामतिक्रमिष्यन्ति BṛDharmaP. i. 35.32; नातिक्रामति हंसतूलशयनं किं पल्लवैरास्तर: JānaPa. 5.11; **5** to overcome, to overpower, to subdue योऽस्मान्द्वेष्टि यं च वयं द्विष्मो विष्णो: क्रमेणात्येनान् क्रामामि TaiS. III. v. 3.1; अति तं क्रामति य एवैनं पूर्वोऽतिक्रान्तो भ्रातृव्य: KāṭhS. 7.9; काममेनां यष्ट्या वा पाणिना वोपहत्यातिक्रामेत् S'atBr. XIV. ix. 4.7; एतया वै देवा असुरानत्यक्रामन् PañcBr. ii. 7.2; महादेव: ···तेजसा व्याक्रमद्रोषाच्चेतस्तस्य विमोहयन् (v. l. अत्यक्रमत्) MahāBhā. iii. 40.49; विमथ्यातिक्रमेरंश्च विषह्यापि परस्परम् MahāBhā. xii. 68.12; अतिक्रामति दुर्धर्षो वरदानेन मोहित: Rāmā. i. 14.9; अथवा किमिव कर्णीपुत्रस्यातिक्रमिष्यति PadmPrā. 3.4; अयं भगवान् ··· इन्द्रियाणि ··· अतिक्रामति विनाशयति TātpaVṛ. 265.13 (*on* 2.106); अतिक्रामन्ति सहसा तं ग्रन्थिं दुरतिक्रमम् TriṣaS'aPuC. i. 3.592; तुङ्गप्राकारा सा नगरी केनापि नातिक्राम्यते KathāK. 132.6; **6** to violate (a vow, contract, ordinance), to transgress (the limit, proper decorum) ताभिरेव न: स संगच्छातै यो न एतदतिक्रामात् AitBr. 4.7 (103); नैव देवा अतिक्रामन्ति । ··· मनुष्या एवैकेऽतिक्रामन्ति S'atBr. II. iv. 2.6; यां सन्धां समधत्त ··· तां सर्पा मात्यक्रामिष्ट MantraBr. ii. 1.7; नातिचक्राम भीष्मस्य स हि वाक्यमरिंदम: MahāBhā. ii. 39.15; v. 28.14; ix. 3.48; तत: समुद्र: स्वां वेलामतिक्रामति भारत MahāBhā. iii. 186.74; रामकेशवौ । नातिचक्रमतु: (v. l. नातिचक्रामतु:) कालम् MahāBhā. i. 2.222; तवैव वचनं वयम् । नातिक्रमामहे (v. l. नातिक्रामामहे, नातिक्रम्यामहे, नातिचक्रामहे) सर्वे वेलां प्राप्येव सागर: Rāmā. ii. 61.24; य: शपथमतिक्रामेत् ArthS'ā. ii. 350.5 (7.17); योऽस्मच्छासनमतिक्रामेत् तदनुरूपं दण्डमर्हति EI. xv. 252.14; xv. 255.25; viii. 240.33; iii. 146.16; इममाम्नायमतिक्रामेत् S'ābaBh. 5.11 (*on* i. 1.1); BrahmāṇḍP. ii. 58.33; नायं गुरुजनमतिक्रामति Nāgā. 2.10 (43); सर्वप्रमाणयोग्यतामतिक्रामति BrahmSi. 91.13; अहो वात्सल्याददतिक्रामति प्रसङ्ग: MālaMā. 6.220; MahāvīC. 1.55(1) (v. l.); MāṇḍūUBh. 338.5 (*on* ii. 2.7); समस्तप्रयोगकालाश्च पूर्वाह्णमध्यन्दिनादयोऽतिक्रम्येरन् TantrVā. 119.23 (*on* i. 3.6); 1088.19 (*on* iii. 6.16); प्रसिद्धिबाधाच्चोदितस्य कर्तव्यताप्रसिद्धिरितरस्याकर्तव्यत्वं तदुभयमतिक्रम्येत TantrVā. 867.2 (*on* iii. 3.14); NītiSā. 12.32; अधीयान: पादोपसंग्रहणविधिमतिक्रमेत ManuBh. i. 113.3 (*on* 2.71); गुर्वादिपूजनं नातिक्रामेत् ManuBh. i. 512.28 (*on* 6.47); ii. 7.23 (*on* 7.18); PañcPā. 49.19 (*on* i. 1.1); RāghPāṇ.(Dha.) 7.33; NītiVā. 5.59; स यदि ··· अवश्यकरणीयान्यतिक्रमेत् NyāyKa. 283.16; JayaMa. 29.22 (*on* 1.3); त्वया कृतां च मर्यादां नातिक्रंस्यति कश्चन SkandP. ii(9). 18.14; TattvVai. 17.8 (*on* 1.11); NayaVi. 129.8 (*on* i. 1.5); RājMār. 60.7; Kiraṇā. 31.12; KathāSaSāg. vii. 5.98; viii 6.61; नियमान् ··· अतिक्रामन्ति ··· ते वै निरयगामिन: PadmP. ii. 96.19; BrahmP. 53.10; 212.10; त्वयाहं स्वेच्छया लब्धो न ममाज्ञामतिक्रम BṛDharmaP. i. 36.33; SaṅkarKāBh. 6.1 (*on* i. 1.12); (युग्मिन:) वार्धिवेलाजलानीव मर्यादां नातिचक्रमु: TriṣaS'aPuC. i. 2.163; i. 2.980; ये पुनर्धर्म्यं विभागमतिक्रामन्ति ते दण्ड्या: SmṛtiCan. iv. 610.5; अतिक्रामेत् तच्छासनं लङ्घयेत् ManvaVi. 1155.26 (*on* 9.78); येनाङ्गेनातिक्रामेत्तस्य च्छेद इत्यर्थ: Aparā. 823.8 (*on* 2.234); 1006.11 (*on* 3.152); मिथो भाषणेन नातिक्रामति न लङ्घयति निर्ग्रन्थाचारम् SthānṬ. 217A.5; 139A.13; Hastyāyur. 693.10 (4.31); Rasā. 15.176; किमिति भयव्याकुलो विमलक्षत्रकुलाचारमतिक्रामसि RukmiHa. 4.3(2); त्वं तु ··· राजमित्राभियोगेऽपि नातिक्रामसि मां पतिम् S'āliC. 3.38; SyādvāMañ. 5(13); SūktiRa. 40.11; समयक्रियां यश्चातिक्रामेत् DīpaKa. 63.17 (*on* 2.187); **7** to pass beyond, to walk past, to slip out, (causal) to make go or pass beyond तासां परिगृहीतानामश्वतर्यत्यक्रामत् PañcBr. vi. 1.4; व्यवाये त्वनग्निना प्रागिष्टेर्गामन्तरेणातिक्रामयेत् ĀśvaS'S. I. iii. 10.13; ĀpaS'S. iii. 2.1; iv. 2.10; अध्वर्युर्यजमानश्च दक्षिणेनोत्तरेण वा राजानमतिक्रामत: ĀpaS'S. x. 29.3; MānS'S. 22.3; 69.4; KātyS'S. ii. 1.21; iii. 1.16; मार्गे पद्मिनी: समतिक्रमन् (v. l. सोऽतिचक्रमे) MahāBhā. iii. 150.23; अत्यक्रामद्धार्तराष्ट्रं सा कन्या वरवर्णिनी MahāBhā. xii. 4.11; पितु: स नित्यसंतुष्टो नातिचक्राम चाश्रमात् Rāmā. i. 9.8; जाग्रतामारक्षिणां मध्येन माणवानतिक्रामयेयु: ArthS'ā. ii. 139.8 (4.5); अतिक्रामति पर्वतं नदी JaineVyā. 138.11 (*on* ii. 4.6); अयं तावद् वृक्षवाटिकापक्षद्वारेणातिक्रामति PadmPrā. 23.9; DhūrtaviSaṁ. 8.16; समुन्मीलय लोचनयुगलमतिक्रामत्ययम् Kād. 85.13; देव अतिक्रम्यन्ते किलैता दण्डकासीमान: MahāvīC. 7.18(3) (199.8); भजन्ति विपदस्तूर्णमतिक्रामन्ति संपद: Bhaṭṭi. 18.4; 17.82; अन्येन हि अन्यस्य प्राप्ति: अतिक्रमणं वा क्रियेत न तु तेनैव तस्य । न हि घटेन मृत्प्राप्यते अतिक्रम्यते वा ChāndoUBh. 491.6 (*on* viii. 4.1); **8** to go beyond, to transcend यस्तान्पुरुषान्व्युदुह्य ···अत्यक्रामीत्तं त्वौपनिषदं पुरुषं पृच्छामि S'atBr. XIV. vi. 9.28; अतिचक्राम लोकान्स राज्ञां राजीवलोचन: MahāBhā. iii. 43.38; v. 32.32; येन योगविशेषेण सर्वलोकानतिक्रमेत् VāyuP. i. 13.1; एष काल: ··· लोकसंरक्षणार्थाय अतिक्रामति सर्वश: VāyuP. i. 32.28; स य: कश्चित् तान् पुरुषान् शारीरप्रभृतीन् ··· अत्यक्रामत् अतिक्रान्तवान् BṛĀraUBh. 480.10 (*on* iii. 9.26); इमं लोकं जागरितव्यवहारलक्षणम् ··· अतिक्रामति अतीत्य क्रामति BṛĀraUBh. 531.11 (*on* iv. 3.7); अतिक्रामेदिम लोकं नोभयत्रापि युज्यते BṛĀraUBhVā. i. 5.245; iii. 9.115; अन्येऽपि व्याचक्षते स चातिक्रामति पञ्चभूतानि न पाञ्चभौतिकं तस्य शरीरं भवति ManuBh. ii. 478.14 (*on* 12.90); यत्र यत: पार्थोऽर्जुन: परलोकं द्रष्टुमत्यक्रामत् इमं लोकं सशरीर एव त्यक्तवान् Nīlakaṇṭha *on* MahāBhā. v. 32.22; किं ब्रह्मातिक्रम्य भोगान् भुङ्क्ते उत तत्समीप एवेति संदेह: ··· अतिक्रामतीति पूर्व: पक्ष: TattvPrakā. 218B.5 (*on* iv. 4.1); **9 A** to go beyond (the prescribed or appropriate time), to pass or spend (time), (caus.) to let pass, to let slip (time) कालेन कालं नातिक्रमेदग्निहोत्रस्य MānS'S. 174.2; वर्षारात्रमनुप्राप्तमतिक्रामय राघव Rāmā. iv. 26.22; अवाप्तार्थ: कालं नातिक्रामयेत् ArthS'ā. i. 75.6 (1.15); अज्ञानाद्वा प्रमादाद्वा यो मृताहमतिक्रमेत् LaghvāśvaSm. 24.28; न कार्यकाले मतिमानतिक्रामेत् NītiSā. 12.53; दक्ष: देशकालौ नातिक्रामति ManuBh. ii. 21.25 (*on* 7.64); यस्तु ··· स्मारयेत् पूर्वाह्णकालं नातिक्रामयेति ··· तस्य न दोष: ManuBh. ii. 192.6 (*on* 8.272); निद्रामुद्रितलोचनो हरिरपि ग्रीष्मेषु माध्यन्दिनीम् ··· वेलामतिक्रामति YaśasCam. i. 70.8; राजा पूर्णमनोरथो दिनान्यतिक्रामयति KathāK. 24.21; 153.28; तत्कथाद्यैर्दिनशेषमतिक्रमेत् SkandP. ii(9). 29.33; प्राप्तावधय: स्वसंस्कारविपाकं तथाजातीयकमतिवाहयन्ति अतिक्रामन्ति पुनरपि संसारे विशन्ति TattvVai. 23.26 (*on* 1.19); GaṇeP. i. 41.29; UdaySuKa. 116.27; KathāSaSāg. v. 2.86; RājTa. (Ka.) 2.142; TriṣaS'aPuC. ii. 6.325; पञ्चेषुसायकसहा: सह वल्लभाभि: सर्वर्तुचक्रमतिचक्रमुरेवमेते PāṇḍaC. 1.590; SmṛtiCan. iv. 370.17; KumāCaSaṁ. 33.26; KathāK. 80.21; कार्यकालं यो नातिक्रामति VīraMi.(Rājanīti.) 188.19; कथमप्यतिचक्राम हिमं हैमवती तदा Gaṅgāva. 4.17; **9 B** to pass on, roll on, to elapse, to slip by (time) तथा तु तेषां वसताम् ···अतिचक्राम सुमहान् काल: MahāBhā. i. 145.7; कालो वोऽतिक्रमिष्यति MahāBhā. v. 88.75; निशास्तिस्रोऽतिचक्रमु: Rāmā. vi. 14.1; अत्यक्रामच्छुभ: काल: शैशिरो भोगद: सदा Rāmā. vii. 42.26; अतिक्रामति स्नानवेला Abhiṣe. 2.18(3) = Avimā. 1.11(9); MadhyaVyā. 1.22(9); इयं विहारवेला ते ह्यतिक्रामति सांप्रतम् MatsyaP. 11.59; PañcTa. 3.77 (348.2); PadmaPrā. 15.23; मलयवत्या: कदाचिन्मध्यन्दिनसवनवेलाविधिरतिक्रामेत् Nāgā. 2.16(42); भवतामप्यतिक्रामति देवतार्चनविधिवेला Kād. 47.4; क्रमेण ··· शैशवमतिचक्राम चन्द्रापीडस्य Kād. 74.20; HarṣaC. 245.9; Bhaṭṭi. 15.17; PāraS. 9.55; माङ्गलिकलग्नमतिक्रामति AnargharRā. 7.146(1); कौशिक नाद्यापि किञ्चिदतिक्रामति AnargharRā. 3.57(4); व्याहारै: समयस्तदेकमनसां पुंसामतिक्रामति MukuMā. 32; यथा यथा वयोऽतिक्रामति ManuBh. i. 502.28 (*on* 6.19); NalaCam. 4.9(35); BhāgP. i. 13.16; इयं विहारवेला ते अतिक्रामति सांप्रतम् PadmP. v. 8.98; BhaviP. 751B.7 (iv. 102.35); AdhyāRā. vii. 2.10; Loc. 126.14 (*on* 3.1); UdaySuKa. 117.26; अन्यथा ··· रक्षाकालोऽतिक्रमेत् HārLa. 109.16; निशा महता कृच्छ्रेणातिचक्राम Pañcā. 31.24; 32.1; PāṇḍaC. 2.124; तदतिक्रामति भगवतो वीतरागस्य सपर्याक्षण: MohaRāPa. 1.35(1); PrabhāC. 181.27; KaṁVa. 4.32(6); NīlaVi. 107.5; नन्वतिक्रामत्यवसरो धैर्यं प्रकाशयितुम् AdbhuDa. 2.18(7); 10.4(3); JānaPa. 1.60(1); RasSa. 23(1); 108 (1); **10 A i** to go beyond i. e. to exceed (in number or kind) धान्ये सदे लवे वाह्ये (वृद्धि:) नातिक्रामति पञ्चताम् ManuSm. 8.151; त्रित्ववरणे न पञ्च त्रियन्ते नाप्यतिक्रम्यन्ते ṬupṬ. 101.21 (*on* vi. 1.43); तत्र वृद्धि: । सा द्विगुणत्वं नातिक्रामति ManuBh. ii. 142.17 (*on* 8.151); नातिक्रामेत् परां संख्याम् SamarāSū. 26.70; एवमियं श्रौती चार्थी चेति द्विविधापि पूर्णा···न षट्प्रकारमतिक्रामति Ekāva. 8.2(29) (199.2); न द्वैविध्यमतिक्रामति Ekāva. 8.7(4) (221.4); 6.2(35) (161.12); सर्वथापि सहस्रे द्वे नातिक्रामति संग्रह: NyāyMāVi. 4.14 (*on* 0.0.0);

10 Aii to exceed (in size) यस्य प्रदेशिनी दीर्घा अङ्गुष्ठं या अतिक्रमेत् BhaviP. 55A. 1 (i. 24. 25); **10 B** to exceed, not to be contained in or covered by, be outside the scope of प्रतिभासभेदोऽपि हि इतरेतराभावरूपतया विरुद्धधर्माध्यासतां नातिक्रामति HetuBiṬ. 47. 9; पूर्वानुसारेण चेयं प्रतीतिरन्यापोहविषयतां आत्मनो नातिक्रामति PramāVāBh. 13. 3; नानात्मकमपि द्रव्यमग्नीषोमौ महाबलौ ··· नातिक्रामति जातुचित् AṣṭāHr. i. 9. 18 (comm. अवश्यं हि द्रव्यं किञ्चिदाग्नेयं किञ्चित्सौम्यम्); लौकिकानि हि वचनानि वैदिकानि च विधिनिषेधबोधकानि नानाफलान्यपि भवन्ति न शब्दतामतिक्रामन्ति NyāyMañ. i. 128. 28; यज्जातीयानुबद्धं हि यद्रूपं (तत्) तज्जातीयान्तरमपि नातिक्रामति औष्ण्यमिवाग्निजातीयम् । अतो यदि ज्ञानजात्यानुबद्धं परतःप्रामाण्यं तत् कथं शाब्दमप्यतिक्रामेत् Kāśi. i. 79. 19, 21 (on 2. 33); यथावगतग्राहिण्यो हि स्मृतयः कथं मात्रयापि पूर्वानुभूतं अतिक्रामन्ति Kāśi. ii. 104. 13 (on 5. 29); दण्डशब्दस्तु शारीरनिग्रहविषयो न हि प्रकरणमतिक्रामति ManuBh. ii. 206. 17 (on 8. 318); अर्थः क्रियाविशेषणत्वं नातिक्रामति SaraKaṇṭhā. 517. 15; अन्योन्यनामालंकारो न दीपकतामतिक्रामति Kāvyānu.(He.) 307. 11; शब्दस्तु स्वसाध्यं परोक्षज्ञानं नातिक्रामतीति यावत् S'rutaPra. iB. 151. 15 (on i. 1. 4); **11** to go away from (i. e. to lose) स हि स्वाम्यादतिक्रामेद् ऋतूनां प्रतिरोधनात् ManuSm. 9. 93 (अपक्रमणं निवृत्तिः ManuBh. ii. 269. 10); स पिता स्वाम्याच्छुल्कहेतोरतिक्रामेदपगच्छेत् ManvaVi. 1162. 19 (on 9. 93); यः कुपुरुषसंसर्गेणाभिजात्यं नातिक्रमते स सत्प्रभुरेवास्ति PuruṣPa. 82. 25; **12** to deny जातिस्मराणां संवादादपि संस्कारसंस्थितेः । अन्यथा कल्पयन् लोकमतिक्रामति केवलम् NyāyVi. 2. 249 (comm. चार्वाको जीवनिकायं भूतचतुष्टयं वा अतिक्रामति अपह्नुते केवलं नापरं करोति); **13** to get beyond (i. e. to miss) ससम्भ्रमात्रिषेदुषी निजासनमतिचक्राम PrabaCin. 48. 15; **14** to go astray, to lose the path तदज्ञानाच्च युग्यं तुरगाद्यतिवर्तते अतिक्रामति तत्र···स्वामी द्विशतं···दण्ड्यः DaṇḍaVi. 225. 11; **15** to go beyond (the reach) मारीचो मायया चक्षुर्मार्गमत्यक्रमीत् JānaPa. 3. 89.

अतिक्रम (atikrama) *m.* **1A** dereliction or transgression of duty, lapse, fault **B** over-stepping of limits or decorum, going too far, wrong or improper behaviour **2A** neglect, affront, insult, disregard **B** overstepping, passing over, setting aside, violation **3** misuse **4** excess **5A** wrong step, going astray **B** deviation, difference **6A** overcoming, conquering, surpassing or transcending **B** going across, traversing **7** interchange, confusion, mixing up **8A** passing or lapse (of time, reason etc.) **B** missing or passing over (the proper time) **9** lack of (proper) sequence **10** over extension **11** posterior absence **12** determined onset or attack **1A** dereliction or transgression of duty, lapse, fault तत्र सायमतिक्रमे रात्र्युपवासः प्रातरतिक्रमे अहरुपवासः BaudhDS. ii. 4. 16; यथा प्रथमेऽतिक्रम ऋतुरेवं संवत्सरः ĀpaDS. i (1). 1. 30; i(1). 2. 9; सर्वेषां कुरुवृद्धानां महानयमतिक्रमः । प्रसह्य मन्दमैश्वर्ये न नियच्छत यन्नृपम् MahāBhā. v. 126. 33; ix. 62. 47; आत्मनोऽतिक्रमं पश्य MahāBhā. xi. 12. 9; स्वधर्मः···तस्यातिक्रमे लोकः संकरादुच्छिद्येत ArthS'ā. i. 31. 1 (1. 3); ii. 350. 3 (7. 17); दीक्षाकालस्य···अतिक्रमे नियतानामनुत्कर्षः MīmāSū. vi. 5. 38; कामतो रेतसः सेकं व्रतस्थस्य द्विजन्मनः । अतिक्रमं व्रतस्याहुर्धर्मज्ञा ब्रह्मवादिनः ManuSm. 11. 120; ViṣṇuSm. 28. 48; स्वधर्ममनुरुन्धन्ते नातिक्रममरातिभिः । पलायन्ते कृतध्वंसा नाहवान्मानशालिनः Kirātā. 11. 78; कोऽतिक्रमोऽनुवर्तन्त्याः स्वभावमिह योषितः BhāgP. vi. 18. 40; प्रातरतिक्रमे दिनं जपोपवासौ ManuBh. i. 188. 1 (on 2. 220); i. 232. 21 (on 3. 50); क्षेत्रस्वामिनः स्वक्षेत्रेऽत्ययोऽतिक्रमोऽपराधो यदि भवेत् ManuBh. ii. 184. 22 (on 8. 243); प्रमादोऽबुद्धिपूर्वकोऽतिक्रमः NyāyKa. 280. 17; अतिक्रमं परिहरन् संजातं चाप्यतर्कयन् LakṣmīT. 27. 45; BrahmP. 165. 35; एवं चातिक्रमो नाम क्लेशाय महतामपि KathāSaSāg. x. 9. 129; एकादशीव्रतस्य कथञ्चिदतिक्रमे यत्कार्यं तद्ब्रह्मपुराण एवोक्तम् Aparā. 202. 15 (on 1. 154); DaṇḍaVi. 266. 19; अभवज्जनकाङ्क्षिपञ्चसेवानियमातिक्रमभीतिरन्तरायः YātrāPra. 2. 85; Hastyāyur. 12. 16 (1. 1); नित्यक्रमस्य प्रमादादिनातिक्रमे मूलशतजपः प्रायश्चित्तम् NityoNi. 63. 8; **1 B** over stepping of limits or decorum, going too far, wrong or improper behaviour इदं त्वतिक्रमं (v. l. इमं त्वतिक्रमं) मन्ये द्रौपदी यत्र पण्यते MahāBhā. ii. 61. 4; iii. 30. 24; viii. 49. 114; महात्मनश्चान्योऽसि सोऽसि नमोऽस्तु ते सर्वथा मर्षणीयोऽयमारोहणातिक्रमोऽस्माकम् Kād. 81. 6; कथमतिवात्सल्यादतिक्रमोऽपि MahāvīCa. 1. 55. (1) (30. 1); रात्रिं विवासयति । विपूर्वो वसिरतिक्रमे KātanVṛ. on iii. 2. 10; एवं तीक्ष्णशृङ्गां गां हस्तिनं वा दृष्ट्वा दूरमनपक्रामतो हन्यमानस्य युक्तोऽतिक्रमः ManuBh. i. 463. 24 (on 5. 88); आधेर्मोक्षणकाले द्विगुणीभूतं धनम् । तस्यातिक्रमस्तस्मिन्नपि कालेऽमोक्षणम् ManuBh. ii. 135. 21 (on 8. 145); चर्याशुद्धिमतो रेजुः अतिक्रमविवर्जिताम् MahāP. 34. 135; अतिक्रममिमं श्रुत्वा कोपात्कविरथाब्रवीत् BrahmP. 152. 21; पारणायोग्या लभ्यते द्वादशी तदा तस्यां नातिक्रमो युक्तः BhaviP. 360B. 15 (ii (2). 8. 75); रागवशतो यद्येवमतिक्रमः क्रियते तदा हास्यस्य कारणं भवति SamyaKau. 41. 17; क्रोधेनातिक्रमः संफेटः NāṭaLaRaK. 3130; BhāvPra.(S'ā.) 280. 1; BallāC. 68. 11; **2A** neglect, affront, insult, disregard कुलान्यकुलतां यान्ति ब्राह्मणातिक्रमेण च BaudhDS. i. 5. 82 = ManuSm. 3. 63 = SūktiRa. 5. 6; अनुनयस्त्रिविधोऽर्थकृतावतिक्रमे पुरुषादिव्यसने चेति ArthS'ā. i. 173. 1 (2. 10); दिशत्यपायं हि सतामतिक्रमः Kirātā. 14. 9; एवं गुरुजनातिक्रमादधर्मो महान् Kād. 160. 6; भगवति पंचवटि । गुरुजनोपरोधात् क्षणं क्षम्यतामतिक्रमो रामस्य UttaRāC. 2. 28 (7); एतौ तौ पार्षदौ मह्यं जयो विजय एव च । कदर्थीकृत्य मां यद्वो बह्वक्रातामतिक्रमम् BhāgP. iii. 16. 2; सतामतिक्रमादेव पुण्यानाम् ··· क्षयः स्यात् SkandP. ii(9). 23. 47; न त्वकरणादतिथेरतिक्रमः ManuBh. i. 254. 13 (on 3. 102); i. 433. 7 (on 5. 27); आवयोर्नाप्रसन्नत्वं न युष्माकमतिक्रमः । किं तु कालगलत्सर्वभावालोकनविस्मयः DarpDa. 4. 59; ननु द्विविधस्यापि सन्निकृष्टस्यातिक्रमो निषेद्धुं न शक्यते CaturCin. iii(1). 454. 7; युवयोरतिक्रमं न करवाणि NyāyMāVi. 212. 26 (on iii. 8. 15); Subodhi. 95. 2 (on 2. 232); Prasā. i. 309. 16; **2B** overstepping, passing over, setting aside, violation तस्यातिक्रमे (कालनियमस्य) शुल्कं स्त्रीधनमर्धं चाधिवेदनिकं दद्यात् ArthS'ā. ii. 17. 1 (3. 2); प्राप्तेर्वा पूर्वस्य वचनातिक्रमः स्यात् MīmāSū. xi. 1. 43; S'ābaBh. 2123. 13 (on xi. 1. 43); न तस्यातिक्रमाद्दोषः BṛhaspaSm. 26. 161; न चास्यातिक्रमे हेतुरस्ति TantrVā. 833. 4 (on iii. 3. 12); 939. 11 (on iii. 4. 13); अस्य प्रतिषेधस्यातिक्रमे दोषमाह ManuBh. i. 133. 13 (on 2. 111); i. 229. 2 (on 3. 45); एवं तावन्मात्रस्यातिक्रमो न पुनर्विधिसहस्रस्य ManuBh. i. 530. 3 (on 6. 89); न प्रयोजनमन्तरेणेदानीन्तननानामस्मदादीनां मुख्यार्थशब्दस्यातिक्रमोऽवाचकपदप्रयोगेण लभ्यते TātpaṬ. (Vā.) 321. 20 (on i. 2. 1); प्रत्ययान्तरवैकल्येनाहत्य व्यभिचारस्य अदर्शनेऽपि सर्वत्र निषेद्धुमशक्यत्वात् । न चैतावता प्रामाणिकलोकयात्रातिक्रमः TarkBhā.(Mo.) 23. 12; द्विपदिका द्विशतिकेति पुंस्त्वनपुंसकत्वयोरतिक्रमः PariVṛ.(Sī.) 110. 6; येऽर्थाः क्लेशेन देहस्य धर्मस्यातिक्रमेण च Subhāṣi. 2670; तत्रासमानार्षगोत्रजेत्यादिनिषेधानामदृष्टार्थानामतिक्रमे भार्यात्वमेव नोत्पद्यते । ··· सञ्चारिरोगदोषेत्यादिदृष्टार्थानां निषेधानां त्वतिक्रमे भार्यात्वमुत्पद्यत एव VīraMi. 113. 12–15 (on 1. 54); कर्तरीति व्याकरणस्यार्थनियामकस्यातिक्रमेण स्वेच्छामात्रेण लक्षणायामसाधुतापत्तेः VaiyāBhū. 12. 26 (on 2); **3** misuse न्यायागतस्य द्रव्यस्य बोद्धव्यौ द्वावतिक्रमौ । अपात्रे प्रतिपत्तिश्च पात्रे चाप्रतिपादनम् MahāBhā. v. 33. 54; SūktiRa. 163. 27; **4** excess शेषदोषे यतो रक्ते न व्याधिरतिवर्तते । सावशेषे ततः स्थेयं न तु कुर्यादतिक्रमम् SuśruS. i. 14. 43; एकद्वारे हि शस्त्रक्षाराग्नीनामतिक्रमो न भवति SuśruS. iv. 6. 11; अतिक्रमे चातिः । अतिक्रम आधिक्यम् । अतिस्तुतमेव भवता JaineVyā. 66. 14 (on i. 4. 8); SiddhaHe. iii. 1. 45; MugdhaBo. 1. 8 (2. 13); द्विजभोज्ये तु सम्प्राप्ते प्रातिवेश्यमभोजनम् । हिरण्यमाषकं दण्डः पापे नास्ति ह्यतिक्रमः ViṣṇuDhaP. ii. 72. 23; अतः स्राव्यं सावशेषं रक्तं नातिक्रमो हितः SārṅgaS. iii. 12. 38; दशरूपेण भिन्नानां रूपकानामतिक्रमात् BhavPra.(S'ā.) 9. 255. (7); अतिशयातिक्रमयोश्च । सूत्रः । अतिज्ञः PrakriKau. i. 522. 6; **5A** wrong step, going astray अपीदानीं स्वामिनो बुद्ध्यतिक्रमो न स्यात् PratiYau. 2. 3 (14); **5B** deviation, difference कथामार्गे न चाल्पोऽप्यतिक्रमः Dhvanyā. 335. 6 (on 3. 10–14); यथा मूलं तथैवैतन्न मनागप्यतिक्रमः KathāSaSāg. i. 1. 10; **6A** overcoming, conquering, surpassing or trancending दौःशील्यमलस्यान्ययानमनसिकारमलस्य चातिक्रमाद्विमलेत्युच्यते MaYānaSū. 182. 1; ज्योतिष्टोमेन संप्राप्तिर्भोगायैव तु तत्कृतः । सुतेनातिक्रमोऽप्राप्तेः प्राप्तो निर्विषयस्ततः BṛAraUBhVā. i. 5. 237; उपसंक्रमणं चैव द्वितीयोद्देशितं प्रति । अतिक्रमं वदन्तं तमुपशब्दो निवारयेत् AnuVyā. 9B. 2 (on. 1. 1); अतः प्रारब्धकर्मणोऽप्यतिक्रमेण शीघ्रमोक्षार्थिनो ज्ञानोत्पत्त्यनन्तरमसंप्रज्ञातयोगोऽपेक्ष्यत इति YogSā. 6. 13 (1); **6B** going across, traversing यस्मिंश्च राजनि ··· शशिनो ज्योतिषातिक्रमः···पृथिव्यामासीत् Kād. 56. 1; उत्तमोऽपरतो दुःखमुत्तमोऽभ्युदयोऽन्यतः । आसीदतिक्रमं तस्मिन्नासीदिति रवाविव RāghPāṇ.(Dha.) 18. 79; cf. **दुरतिक्रम**; **7** interchange, confusion, mixing up (नायिका) कुलजाभ्यन्तरा बाह्या वेश्या नातिक्रमोऽनयोः DaśRū. 3. 42; BhāvPra.(S'ā.) 242. 3 (8); **8A** passing or lapse (of time, reason etc.) अनेकसंवत्सरातिक्रमेऽपि प्रतिक्षणपरिभावनास्पष्टनिर्भासः प्रत्यग्र इव न मे दारुणो दुःखसंवेगः प्रशाम्यति UttaRāC. 4. 2; (कालस्य पर्ययः) अतिपात इत्यर्थ इति । अतिक्रम इत्यर्थः Nyās. i. 694. 22 (on iii. 3. 38); मधोरतिक्रमे कामं जलार्द्रा चन्द्रचन्दनैः PāṇḍaC. 1. 580; देहीहि सुन्दरि फलं किमतिक्रमेण S'ṛṅgāSar. 33; **8B** missing or passing over (the proper time) ते वयं कार्यनैराश्यात्कालस्यातिक्रमेण च ।··· प्राणांस्त्यक्तुं व्यवसिताः Rāmā. v. 33. 54; अतिक्रमं(? मो) मृतादस्य दोषः स्यात्सूतकं विना LaghvāśvaSm. 24. 29; मुहूर्तस्याप्यतिक्रमे PāraS. 9. 53; अयं पुनस्तेन कुतो न जानाम्यतिक्रमः कालकृतो न दृष्टः RāmC. 3. 42; अतिक्रमोऽद्य संजातो भोजनस्य वदाशु मे BṛKathāK. 19. 43; cf. **वेलातिक्रम, कालातिक्रम** etc. **9** lack of (proper) sequence वीराणां युद्धकेलिव्यतिकरमरणे कः क्रमोऽतिक्रमो वा TripuḌi. 3. 21; [Inst.] out of sequence भवन्ति धातवः क्षीणाः

क्रमस्यातिक्रमेण वा Hastyāyur. 295. 8 (2. 60); **10** over-extension वेणुदल-विभागजे खदलविभागेऽतिक्रमात् NayaVi. 130. 9 (*on* I. i. 3. 5); **11** posterior absence, passing away (of a thing) अत्ययः अभूतत्वमिति । अस्यैव पर्यायोऽतिक्रमः । अतिक्रमः इत्युत्पत्त्यभावः प्रध्वंसाभाव इत्यर्थः Nyās. i. 341. 20 (*on* ii. 1. 6); **12** determined onset or attack [w. r. for अभिक्रम] [PW, MW, APTE]; [Kośas give अतिक्रम as the meaning of following words: अति Vaija. 285. 15; KośaKaTa. 2. 3162; अतिपात AbhidhāCin. 1504; KośaKaTa. i. 5675; अत्यय AmaK. 2635; AgniP. 361. 32; AbhidhāRaMā. 5. 40; Vaija. 239. 1; AnekāSaṁ. 3. 468; MediK. 125. 67; S'abdaRaSaK. 241. 13; अत्याधान Vaija. 193. 16; KalpaK. 237. 23; अत्यायान S'abdaRa.(Vā.) 3716; अत्यारूढ AnekāK. 207; अवनाय S'abdaRa.(Vā.) 3448; उपात्यय Vaija. 92. 114; क्रमण S'abdaRaSaK. 110. 4; नञ् MediK. 195. 16; VisvaLoK. 408. 16; पर्यय AmaK. 2316; प्रत्यय VisvaPra. 120. 70; KośaKaTa. 2. 7404; प्रमाद AbhidhāRaMā. 4. 69; यापित S'abdaRaSaK. 150. 13]

अतिक्रमकरण (atikrama-karaṇa) *n.* overstepping the limits, misbehaviour तथा कर्म कुर्वाणेऽप्यश्राद्धावतिक्रमकरणे दण्डः SmṛtiCan. iv. 326. 12.

अतिक्रमकारण (atikrama-kāraṇa) *n.* reason for rejecting or setting aside यावज्जीवचोदनतायां तु किंचिदतिक्रमकारणमस्ति TantrVā. 631. 4 (*on* ii. 4. 2); अस्ति त्वतिक्रमकारणं कालोपसंहारः S'āstrDī. 393. 18 (*on* iv. 3. 18)

अतिक्रमकारणाभाव (atikramakāraṇābhāva) *m.* absence of reason for rejection or setting aside तत्र यदि दूरेऽप्यदृष्टकल्पनातो न मुच्यामहे ततोऽतिक्रमकारणाभावादुच्चारणादेव कल्पनीयम् TantrVā. 57. 18 (*on* i. 2. 40); 611. 17 (*on* ii. 3. 19); अतिक्रमकारणाभावात्तादर्थ्यमेवावघातादेर्युक्तम् S'āstrDī. 189. 2 (*on* iii. 1. 4); 393. 18 (*on* iv. 3. 18); अतिक्रमकारणाभावेन तत्साधनत्वमेव लक्ष्यते MīmāKau. ii. 146. 16 (*on* iii. 1. 10)

अतिक्रमकारिन् (atikramakār-in) *adj.* **A** who has failed in his duty, who has committed a transgression तस्माद्योऽतिक्रमकारी स ततो नरकफलं भुङ्क्त एव ManuBh. ii. 382. 12 (*on* 11. 45); मर्यादा देशजातिकुलशास्त्रराजलोकस्थितिः, तस्याः भेदकोऽतिक्रमकारी DaṇḍaVi. 261. 10; **B** behaving improperly हा हन्त दैवतमिति(?मति)क्रमकारि वामः संरक्षितो वलयवान्मलिनालकायाः BhikṣāKā. 10. 16.

अतिक्रमकृत (atikrama-kṛta) *adj.* done by transgression तत्क्षन्तव्यमिदं सर्वमतिक्रमकृतं पितः ViṣṇuP. v. 21. 5 = BrahmP. 194. 5.

अतिक्रमगिर् (atikrama-gir) *f.* statement of conquering or going beyond पितृलोकाद्यसम्प्राप्तेस्तत्रातिक्रमगीर्वृथा BṛĀraUBhVā. i. 5. 242.

अतिक्रमज (atikrama-ja) *adj.* resulting from transgression निस्तीर्यते न केनापि तदतिक्रमजं त्वघम् BrahmP. 123. 126.

अतिक्रमण (ati-krámaṇa) *n.* **Ai** act of passing over, stepping over, crossing अथातोऽतिक्रमणस्य ।··· दक्षिणेनातिक्रामति S'atBr. XI. iv. 2. 3; अतिक्रमणं च सर्वासाम् (गवाम्) KātyS'S. xxii. 5. 20; सीमातिक्रमणे ··· दण्डा अधमोत्तममध्यमाः YājñaSm. 2. 115; तस्य अतिक्रमणमात्रे वृत्तिर्न संभवति PadMañ. *on* KāsiVṛ. *on* P. v. 4. 46; परमाणोस्तत्प्रदेशमात्रातिक्रमणपरिमाणेन तेन समो यः···°समयः TattvPradī.(A.) 196. 1 (*on* 2. 47); SiddhāKau. 139B. 15; सीमायाः अतिक्रमणे तद्बहिः कर्षणादौ···दण्डाः कार्याः VīraMi. 636. 6 (*on* 2. 155); **Aii** act of overcoming, subduing, transcending आदित्यस्य मृत्योरतिक्रमणायैव संक्रमणं कल्पयति ChāndoUBh. 101. 14 (*on* ii. 10. 1); स्वाभाविकपाप्मासङ्गविषयत्वादतिक्रमणस्य BṛĀraUBh. 34. 12 (*on* i. 3. 1); दुःखेन अत्ययः अतिक्रमणं यस्याः सा दुरत्यया GītāBh.(S'aṅ.) 220. 16 (*on* 7. 14); प्रास्तिरत्र तरणशब्देन अभिप्रेता नातिक्रमणम् ChāndoUBh. 491. 2 (*on* viii. 4. 1); अतिक्रमणार्थलङ्घेस्तु प्रयोगे दुर्लभं परस्मैपदम् SyādvāMañ. 31 (30); **Aiii** act of bypassing, neglect, disregard न शक्यमस्यातिक्रमणादात्मानं वञ्चयितुम् PādaTā. 28. 16; संस्थितं च मृतं च न लङ्घयेत् । लङ्घनमतिक्रमणम् ManuBh. i. 490. 20 (*on* 5. 149); **B** allowing time to pass, delay कर्तव्यस्यावसरप्राप्तिः समयस्तस्यातिक्रमणं यापना KāsiVṛ. *on* P. v. 4. 60; कालातिक्रमणं वृत्तेर्यो न कुर्वीत भूपतिः PañcT.(Kos.) 1. 170 (31. 15); अतिक्रमणात्समयस्य···वानरपतयः प्रायोपवेशनमति चक्रुः ĀścaCū. vi. 19 (2); यावद्रात्रेर्विवासोऽतिक्रमणं तावत्कथाः कथयति Pradī. iii. 67A. 29 (*on* iii. 1. 26); **C** transgression तेनातिक्रमणेन दुःखयसि नः MahāviC. 3. 43; अनेनातिक्रमणेन ··· कुत्सितं मरणं प्राप्स्यसि MahāviC. 6. 4 (294. 14); सर्वथा कृतवैश्वदेवातिक्रमणव्रता अपि न प्रवर्तन्ते ManuBh. i. 421. 25 (*on* 5. 7); राजाज्ञया वादिनोर्यस्य आसेधोऽवरोधस्तस्य ताभ्यामतिक्रमणम् DaṇḍaVi. 263. 16; **D** ravishment of a woman slave दण्डप्रेषणमतिक्रमणं च स्त्रीणां मूल्यनाशकरम् ArthS'ā. ii. 81. 5 (3. 13); **E** doing excessively, doing beyond limit निष्पन्नेऽपि वस्तुनि क्रियाप्रवृत्तिः अतिक्रमणम् KāsiVṛ. *on* P. i. 4. 95; अतिक्रमणमुचितादधिकानुष्ठानम् LaS'abdeS'e. i. 474. 8; *adj.* ravishing other's wife उद्यतासिविषाग्नि च···भार्यातिक्रमणं चैव विद्यात्सप्ताततायिनः ViṣṇuSm. 5. 192.

अतिक्रमणदोषतस् (atikramaṇadoṣa-tas) *adv.* due to the fault of disregard मुनीनाम् ··· अतिक्रमणदोषतः । इन्द्रस्यासीत् ··· सद्बुद्धिविलयः SkandP. ii(9). 8. 11.

अतिक्रमणा (ati-kramaṇā) *f.* act of crossing the age (संकीर्त्यते) पञ्चाशच्छरदामतिक्रमणया प्रौढा MādhavaĀ. 10.

अतिक्रमणीय (ati-kramaṇīya) *adj.* [*f.* -ā] **i** to be rejected त्रिवृदादिषु लोकप्रसिद्धिरतिक्रमणीया TantrVā. 154. 10 (*on* i. 3. 8); **ii** to be transgressed, disobeyed राज्ञोऽनुज्ञा नातिक्रमणीया ManuBh. ii. 4. 16 (*on* 7. 13); एषा स्थितिर्नातिक्रमणीया ManuBh. ii. 167. 23 (*on* 8. 199); धर्मो यः पित्रा कृतोऽतोऽसौ नातिक्रमणीयः Aparā. 720. 21 (*on* 2. 116); (मनैः) तैरयं देशधर्मो नातिक्रमणीयः HārLa. 127. 7; स्नातकधर्माः सर्वथा नातिक्रमणीयाः ManvaVi. 586. 27 (*on* 5. 4); प्रभोराज्ञा नातिक्रमणीया PuruṣPa. 228. 1; धर्मो नातिक्रमणीयः ManvaMu. 880. 28 (*on* 8. 15); **iii** to be crossed, to be stepped over मुशलोलूखलादीनि ··· नैवातिक्रमणीयानि BrahmP. 124. 24; नातिक्रमणीया वेशवीथिका S'ṛṅgāSar. 50 (1)

अतिक्रमणीयता (atikramaṇīya-tā) *f.* the state of being something to be passed over or gone beyond अन्नमयादीनामिवानंदमयस्यातिक्रमणीयतयोक्तस्याब्रह्मत्वात् NyāySu.(Ja.) 141B. 5 (*on* i. 1. 6)

अतिक्रमणीयत्व (atikramaṇīya-tva) *n.* the state of being something to be passed over or gone beyond पश्यन्त्याख्यं ज्ञानशक्तेरेव पर्यन्तधाम नादाख्यरूपमतिक्रमणीयत्वेनैव स्थितम् ParāTri. 129. 7.

अतिक्रमत् (ati-kramat) *adj.* **i** passing over, crossing तत्रानागतविधात्रा ··· मत्स्यबन्धानामतिक्रमतां वचनं श्रुतम् PañcT. 1. 127 (131. 8 v. l.); तं प्रदेशं मन्दगत्यातिक्रमतः परमाणोः TattvPradī.(A.) 195. 9 (*on* 2. 47); अद्य मया बहूनां मत्स्यबन्धानां सरःसमीपेनातिक्रमतां व्याहारः श्रुतः Pañcā. 37. 6; 86. 20; **ii** passing by (neglecting or avoiding) अतिक्रमन् हि स्नेहमाध्यस्थ्यं दर्शयेयम् PādaTā. 15. 12.

अतिक्रमदर्शन (atikrama-darśana) *n.* observation of transgression or violation (of a rule) (इन्द्रियान्तरस्य इन्द्रियान्तरविषये) प्रवृत्तौ वाव्यवस्थया सर्वत्रैव प्रवर्तेत । अतिक्रमदर्शनात् Kāśi. i. 267. 13 (*on* 4. 160)

अतिक्रमदोष (atikrama-doṣa) *m.* **Ai** fault of violation त्वत्प्रतिकूलाः कथं न बिभ्यति त्वच्छासनातिक्रमदोषात् GītāBh.(S'aṅ.) 101. 3 (*on* 3. 32); **Aii** fault of overlooking or disregarding अथान्यत्र योगिनोऽतिक्रमदोषमाह CaturCin. iii(1). 414. 8; **B** sin due to violation or disobeying नियुक्तस्य यथान्यायम् इत्यतिक्रमदोषं वक्ष्यति ManvaMu. 199. 11 (*on* 5. 27)

अतिक्रमनिमित्त (atikrama-nimitta) *adj.* caused by transgression or violation अल्पयोऽतिक्रमनिमित्तो दण्डः Aparā. 834. 15 (*on* 2. 262)

अतिक्रमनिषेध (atikrama-niṣedha) *m.* prohibition of transgression or violation अतिक्रमनिषेधसम्बन्धिनिषेधानुकल्पविधीनामविरोधेन वक्तव्यो विषयविभागः CaturCin. iii(1). 454. 16.

अतिक्रमपर (atikrama-para) *adj.* indicative of overlooking or neglecting (the rule of priority) (भविष्यपुराणवचनम्) यस्त्वासन्नमतिक्रम्य ··· तत् किञ्चिद्दानेनातिक्रमपरम् DīpKa. 25. 7 (*on* 1. 201)

अतिक्रमप्रक्रम (atikrama-prakrama) *adj.* (the sun) who begins traversing (the world) योऽन्यमर्यमणमप्यतिक्रमप्रक्रमं न सहते प्रतापिनम् RāghPān.(Dha.) 10. 35 (Devarabhaṭṭa जगतामतिक्रमं प्रक्रममाणमित्यर्थः)

अतिक्रमप्रयोजक (atikrama-prayojaka) *adj.* causing bypassing or neglect अत्यन्तसन्निधिरप्यतिक्रमप्रयोजको न भवति CaturCin. iii(1). 457. 5.

अतिक्रमफल (atikrama-phala) *n.* effect of transgression अथेदानीमतिक्रमफलं दर्शयति ManuBh. i. 403. 3 (*on* 4. 218); ii. 40. 16 (*on* 7. 134)

अतिक्रमबलाबला (atikrama-balābalā) *adj.* (*f.*) (appropriate to) the strength or weakness of the transgression जपेन्मालामखण्डिताम् । भिन्नां वाप्यथवाभिन्नामतिक्रमबलाबलाम् MālinīT. 23. 17.

अतिक्रममाण (ati-kramamāṇa) *adj.* (*f.* -ā) **i** wandering, crossing over सरश्चेदमस्य दक्षिणादत्ताभिः गोभिरतिक्रममाणाभिः कृतम् MahāBhā. iii. 191. 18; **ii** transcending अतिक्रममाणा दुर्गतिगमनानि सर्वाणि Nir. 6. 12 (117. 1); **iii** transgressing आज्ञामतिक्रममाणस्य शरीरनिग्रहः समावर्तयति S'ārṅgaPa. 2162.

अतिक्रमयोगवृद्ध (atikramayoga-vṛddha) *adj.* which has grown due to overcoming its (natural) limit क्रोधोऽथ ताम् ··· अतिक्रमयोगवृद्धः ।— शनकैरविक्षत् HarVi. 34. 1.

अतिक्रमयोगवृद्ध (atikramayoga-vṛddha) *m.* old man who is beyond

walking (i. e. unable to walk) क्रोधोऽथ ताम् … अतिक्रमयोगवृद्धः।… शनकैरविक्षत् HarVi. 34. 1 (comm. सामर्थ्याभावादतिक्रान्तः गमनसंबन्धो यस्य तादृशो वृद्धः स्थविरः)

अतिक्रमवाद् (atikrama-vāda) *m.* insulting or improper talk अतिवादानतिक्रमवादाननिष्टभाषणानि तितिक्षेत ManvaVi. 723. 5 (*on* 6. 47); अतिक्रमवादान् परोक्तान्सहेत ManvaMu. 236. 25 (*on* 6. 47)

अतिक्रमसंबन्ध (atikrama-sambandha) *m.* connection with (due to) transgression कन्यागमनप्रतिषेधातिक्रमसम्बन्धेन पुरुषार्थतयापि निन्द्यते विवाहोऽयम् ManuBh. i. 223. 21 (*on* 3. 34)

अतिक्रमस्नेहपरिष्वक्ता (atikramasneha-pariṣvaktā) *adj.* (*f.*) full of excessive affection अतिक्रमस्नेहपरिष्वक्तां सौमित्रिमातरमपि क्रमादभिवादयन् (दाशरथिः) RāmāCam. 6. 106 (7) (comm. निर्मर्यादप्रेमपरिपूर्णाम्)

अतिक्रमादिरहिता (atikramādi-rahitā) *adj.* (*f.*) devoid of transgression, etc. अतिक्रमादिरहिता निरत्यया LalitāSaBh. 66. 12 (*on* 101)

अतिक्रमानुरूप (atikramānurūpa) *adj.* suitable to the transgression or violation अतिक्रमानुरूपं कृच्छ्रमादिशति VaikhāGS. 2. 8.

अतिक्रमाप्राप्ति (atikramāprāpti) *f.* non-occurence of violation समस्तु संनिहितातिक्रमे कारणाभावादिति न्यायादतिक्रमाप्राप्तेः CaturCin. iii(1). 454. 9.

अतिक्रमाभाव (atikramābhāva) *m.* absence in the form of passing over अतिक्रमाभावे अतिगतानि तृणानि निस्तृणम् CāndraVṛ. *on* ii. 2. 2

अतिक्रमायोग (atikramāyoga) *m.* impropriety of transgression नित्यस्यास्य विधेरतिक्रमायोगात् DaṇḍVi. 40. 3.

अतिक्रमार्थ (atikramārtha) *adj.* having the meaning of passing over उपसंक्रमणवाचिपदमतिक्रमार्थं व्याकुर्वन्तम् NyāySu. (Ja.) 140B. 6 (*on* i. 1. 6)

अतिक्रमार्थत्व (atikramārtha-tva) *n.* the state of having the meaning of passing over न चाप्यतिक्रमार्थत्वं जय्य इत्यस्य युक्तिमत् BṛĀraUBhVā. i. 4. 1741; उपसंक्रमणशब्दस्यातिक्रमार्थत्वात् NyāySu. (Ja.) 140B. 5 (*on* i. 1. 6)

अतिक्रमासंभव (atikramāsambhava) *m.* impossibility of crossing over तरतिः अतिक्रमासंभवात् प्राप्नोत्यर्थे एव वर्तते BrahmSūBh. (S'aṅ.) 608. 7 (*on* iii. 2. 32)

अतिक्रमितव्य (ati-kramitavya) *adj.* **i** to be set aside, to be given up यद्येवं ततः सर्वदैव तिङभिहितया संख्यया कर्ता नातिक्रमितव्यः TantrVā. 972. 18 (*on* iii. 4. 13); **ii** to be transgressed, to be violated, to be disregarded न चाम्नायो नामातिक्रमितव्यः S'ābaBh. 5. 11 (*on* i. 1. 1); न दर्शनमतिक्रमितव्यम् S'ābaBh. 1751. 11 (*on* ix. 3. 14); एवं वणिङ्मठब्राह्मणादिकार्ये ईदृशे कृतसंवित्तेन नातिक्रमितव्यम् ManuBh. ii. 175. 3 (*on* 8. 219); तद्यथाकथंचिदपि प्राप्तौ सत्यां नातिक्रमितव्यम् TantrVā. 919. 10 (*on* iii. 4. 9(5)); अर्थवशेन ह्यत्र पाठक्रमोऽतिक्रमितव्यः Kāśi. i. 49. 20 (*on* 1. 99); निमित्तानन्तरं नैमित्तिकमुपसंप्राप्तं विना कारणेन नातिक्रमितव्यम् S'āstrDī. 392. 6 (*on* iv. 3. 17); बहुभिरुक्तं नातिक्रमितव्यम् NītiVā. 11. 14; **iii** to be traversed, to be covered कियद्द्वाद्यापि वर्त्मातिक्रमितव्यम् NalaCam. 5. 28(2)

अतिक्रमितुकाम (atikramitu-kāma) *adj.* wishing to violate or transgress कृतसन्धिरतिक्रमितुकामः … लाभमप्राप्तमधिकं वा याचेत ArthS'ā. ii. 287. 1 (7. 8)

अतिक्रमितुम् (ati-kramitum) *inf.* **i** to bypass, to disobey भ्रातरं धार्मिकं ज्येष्ठं नातिक्रमितुमर्हति (v. l. °सि) MahāBhā. ii. 61. 8; **ii** to disregard, to neglect न चातिक्रमितुं शक्यं वचनं सत्यवादिनः Rāmā. i. 57. 3; सर्वं सचिवमण्डलम्। पूजितं पुरुषव्याघ्र नातिक्रमितुमर्हसि Rāmā. ii. 97. 13; न ह्यतिक्रमितुं शक्तस्तव वाक्यं महीपतिः Rāmā. ii. 9. 19; शास्त्रितं परिमाणं हि कोऽतिक्रमितुमर्हति TantrVā. 119. 14 (*on* i. 3. 6); 895. 13 (*on* iii. 3. 29); मम विज्ञापनामेनां नातिक्रमितुमर्हसि PāṇḍaC. 1. 66; **iii** to overcome न चातिक्रमितुं शक्यं दैवं सुग्रीव मानुषैः Rāmā. vi. 39. 28; नातिक्रमितुमीशोऽस्मि मायां ते SkandP. ii(2). 27. 23; तत्त्वज्ञानेन तावत् स्वसंस्कारः प्रारब्धकर्म च नातिक्रमितुं शक्यते YogSā. 6. 3(1); दैवं हि कोऽतिक्रमितुं समर्थः DevīBhāP. v. 15. 31; न ह्यलमतिनिपुणोऽपि पुरुषो नियतिलिखितां वेलामतिक्रमितुम् DaśKuC. 57. 3; दैवं पुरुषकारेण …। योऽतिक्रमितुमिच्छेत स लोके नावसीदति S'ārṅgaPa. 459; न भगवती भवितव्यता अतिक्रमितुं पार्यते TāpaVa. 4. 9(3); **iv** to pass by, to go ahead न शक्यमनभिभाष्यातिक्रमितुम् PadmPrā. 16. 22 = 20. 17; वाक्पुष्पकाणां कर्णपूरमकृत्वातिक्रमितुं वञ्चितमिवात्मानं मन्ये PadmPrā. 5. 13; **v** to cross, to go beyond गिरीनुल्लङ्घयितुमुर्वीमतिक्रमितुम् … उत्सहमानः (राजा अवतस्थे) UdaySuKa. 74. 25; 124. 4.

अतिक्रमितृ (ati-kramitṛ) *adj.* one who surpasses अतित्वं भवतीत्यादौ अतिक्रमितुः प्राधान्यान्न मध्यम इति LaS'abdeS'e. ii. 428. 15.

अतिक्रमिन् (atikram-in) *adj.* who transgresses or violates यस्तु …। आसेधयेदनासेधैः स दण्ड्यो न त्वतिक्रमी BṛhaspaSm. 26. 167; KātySm. 106 = S'ukraNī. 4(5). 96; धर्मातिक्रमिणां धर्म्यं कुर्महे दण्डधारणम् Rāmā. (Gorresio Ed.) iv. 17. 14; आज्ञातिक्रमिणः शाहेः कृत्वा कमलुकाभिधाम् RājTa. (Ka.) 5. 233.

अतिक्रमिष्यत् (ati-kramiṣyát) *adj.* intending to pass by, having to pass by स धुरमभिमृशति धूरसि … यं वयं धूर्वाम इत्यग्निर्वा एष धुर्यस्तमतिक्रमिष्यन्भवति S'atBr. (K.) II. i. 2. 10; II. iv. 2. 8.

अतिक्रमे (atikram-e) *inf.* (Dat.) [according to P. iii. 4. 14 pot. par. of *atikram*–] (fit) to be set aside, to be neglected न स (आदित्यः) देवा अतिक्रमे ṚV. i. 105. 16.

अतिक्रमोक्ति (atikramokti) *f.* expression of transgression अतिक्रमोक्तिः कृतिरर्थलाभः … युक्तयस्त्वन्यपक्षे AnuVyā. 73A. 5 (*on* 4. 4)

अतिक्रम्य (atikram-ya) *ger.* **A i** having gone beyond or stepped over, having crossed (distance etc.) **A ii** having transgressed (limits etc.), having violated (rules etc.) **A iii** having approached or gone to **A iv** having finished or completed **A v** having bypassed or disregarded (living beings etc.) **A vi** having set aside, having given up, having superseded (claim etc.), apart from **A vii** having surpassed or excelled (in qualities etc.) **A viii** having overcome (difficulties, bad luck etc.) **A ix** having passed (time, days etc.) **A x** going forward **B** (being situated) on the other side of or beyond; **A i** having gone beyond or stepped over, having crossed (distance etc.) सकृदतिक्रम्याश्रावयति AitBr. 4. 9 (110); अतिक्रम्य वेदेभ्यः सर्वपरमध्यात्मफलं प्राप्नोतीत्यर्थः GopBr. i. 1. 30; अतिक्रम्याश्राव्याह S'atBr. XIV. ii. 2. 15; KātyS'S. iii. 2. 16; अपरेणोत्तरवेदिं दक्षिणातिक्रम्योपविशति ĀpaS'S. xiv. 8. 7; तं समुद्रमतिक्रम्य कद्रूर्विनतया सह। न्यपतत्तुरगाभ्याशे MahāBhā. i. 20. 1; स च पम्पामतिक्रम्य लङ्कामभिमुखः पुरीम्। जगाम…राक्षसेश्वरः Rāmā. iii. 52. 5; पुराणि सः …उपवनानि च। अतिक्रम्य मुहूर्तेन कैलासं गिरिमागमत् Rāmā. vii. 14. 3; तस्याः प्रविष्टा नतनाभिरन्ध्रं रराज तन्वी नवलोमराजिः। नीवीमतिक्रम्य KumāSaṁ. 1. 38; प्रालेयाद्रेरुपतटमतिक्रम्य तांस्तान् विशेषान्…तेनोदीचीं दिशमनुसरेः MeghDū. 57; अतिक्रम्याथ वेगेन योजनानि सहस्रशः MārkP. 21. 9; पुष्पदन्तोऽपि…अतिक्रम्य नवद्वारं जगामाभ्यन्तरं पुरम् BrahmVaiP. ii. 17. 17; नदी … भोगप्रस्थमतिक्रम्य गङ्गया सह संगता NīlaP. 320; नैरृत्यां दिशि द्वित्रेषुपातप्रमितां भुवमतिक्रम्य … शौचं कुर्यात् PāñcRāRa. 98. 4; वाप्यादिकमतिक्रम्य श्मशानं प्राप्य कुञ्जरः BṛKathāK. 56. 259; योजनानि द्वादशातिक्रम्य पत्री क्षणेन सः।…अपतत् TriṣaS'aPuC. i. 4. 110; अतिक्रम्याथ मथुरामक्रूरः प्रथितो रथी। अवाप … पर्यन्तग्राममेखलाम् DaśāvaC. 8. 141; किं ब्रह्मातिक्रम्य भोगान् भुङ्क्ते उत तत्समीप एवेति सन्देहः TattvPrakā. 218B. 4 (*on* iv. 4. 1); व्रजन्नतिक्रम्य तुषारभूधरं जगाम कैलासगिरिं जनेश्वरः Gaṅgāva. 3. 64; त्यागादयो यस्य गुणाः प्रसिद्धास्संख्यामतिक्रम्य सदा प्रवृत्ताः EI. xii. 312. 53; **A ii** having transgressed (limits etc.), having violated (rules etc.); बह्वीः सन्धा अतिक्रम्य दिवि प्रह्लादीयामनृ(? नत्)णमहमन्तरिक्षे S'āṅkhāĀ. 5. 1 (19. 2); वेदवादानतिक्रम्य शास्त्राण्यारण्यकानि च। विपाट्य कदलीस्कन्धं सारं ददृशिरे न ते MahāBhā. xii. 19. 17; (शब्दः) यौगपद्यमतिक्रम्य पर्याये व्यवतिष्ठते VākyaP. 2. 252; यदियमतिक्रम्य स्वकुलधर्मम् … गुणेभ्य एव स्वं यौवनं विचिक्रिषते DaśKuC. 53. 20(2); कामपालो जनकाग्रजन्मनोः शासनमतिक्रम्य भुवं बभ्राम DaśKuC. 2. 20; स किल क्षत्रियधर्ममतिक्रम्य … परानुग्रहं कृतवान् TantrVā. 116. 20 (*on* i. 3. 4); अथ स्वामिशासनमतिक्रम्यात्रैवासे तदा सर्वस्वापहारः YaśasCam. ii. 339. 3; तस्मिन्नवधिमतिक्रम्य चिरायति RāmāCam. 2. 84(2); मनूक्तमतिक्रम्यान्यदीयं वचनम् आत्मनो ज्ञानाय न भवति SmṛtiCan. i. 17. 1; पौर्वापर्यमतिक्रम्य क्रियते यत्र वर्णनम्। अत्यन्तातिशयोक्तिः सा AlaṅkāMañ. 58. 9; अद्यैषा नदी वेलामतिक्रम्य वर्तते SiṁhāDvā. 69. 0(28); **A iii** having approached or gone to अपरेणाग्निपुच्छमतिक्रम्यप्राङ्मुख उत्तरम्…यस्त उत्तरः पक्ष इति AitĀ. V. i. 2. 5; पश्चिमेनोत्तरवेदिमुदङ्ङतिक्रम्याक्रमणयजुर्जपेत् LāṭyāS'S. v. 9. 2; उदङ्ङतिक्रम्य…उत्तरामीषामारभ्य जपति MānS'S. 12. 24; तं व्यतीतमतिक्रम्य राजा…पर्यदेवयत् MahāBhā. i. 110. 1; सूतपुत्रः … घटोत्कचमतिक्रम्य बिभेद दशभिः शरैः MahāBhā. vii. 150. 41; (सः) ऊर्मिमन्तमतिक्रम्य सागरम् … तमुवाच महार्णवम् Rāmā. iv. 11. 9; अतिक्रम्य द्रुमाग्राणि भासन्ते यूथिकालताः PadmP. v. 15. 35; **A iv** having finished or completed अवगृह्याण्यतिक्रम्य … एतानि परिगृह्णीयात् ṚPrāti. 10. 6; सप्तमन्त्रानतिक्रम्य यथेष्टां वाचमुत्सृजेत् NāraS'i. ii. 8. 8; नवश्राद्धमतिक्रम्य मृताहनि तु मासिकम्। …अतिक्रम्य समाप्येत्यर्थः Aparā. 523. 1 (*on* 1. 250); अत्र केचित्पारणाहे सूतकादिप्राप्तौ तदतिक्रम्य पारणां कुर्यादित्याहुः तन्मन्दम् NirṇaSi. 140. 22; **A v** having bypassed or disregarded (living beings, persons etc.) सिंहं केसरिणं क्रुद्धमतिक्रम्याभिनर्दसि MahāBhā. viii. 27. 39; त्वामतिक्रम्य मधुना राजकुम्भीनसी हृता Rāmā. vii. 25. 19; यादवेन्द्रमतिक्रम्य मया वां सङ्गमः

कृत: PāṇḍaC. 1. 536; स खलु नो राजा यो मन्त्रिणोऽतिक्रम्य वर्तेत NītiVā. 10. 58; कथमनीशितु: घटस्य कर्तृत्वं तादृशं कुलालमतिक्रम्य BhāvanāVi. 38. 3; सोऽपत्यलोभस्ततो हेतोर्या भर्तारमतिक्रम्य वर्तते…सा…निन्दाम्…प्राप्नोति ManuBh. i. 494. 4 (*on* 5. 159); तदयुक्तमुपाध्यायंमतिक्रम्य गन्तुम् VasaTi. 22. 7; **A vi** having set aside, having given up, having superseded (claim etc.), apart from ज्येष्ठं यदुमतिक्रम्य राज्यं पूरो: प्रदास्यसि MahāBhā. i. 80. 13; भीष्मद्रोणावतिक्रम्य…युधिष्ठिर: । नान्यतो भयमादत्त MahāBhā. vii. 106. 4; viii. 22. 28; अतिक्रम्य च सौमित्रिं कुम्भकर्णो महाबल: । राममेवाभिदुद्राव Rāmā. vi. 55. 77 (comm. सन्त्यज्य); आर्यपुत्रावतिक्रम्य कस्मात्पृच्छसि मारुतिम् Rāmā. vi. 61. 19; कुम्भकर्णं रावणं च … । अतिक्रम्य … किं प्रशंसथ रावणिम् Rāmā. vii. 1. 30; कथं ज्येष्ठमतिक्रम्य कनीयान् राज्यमर्हति MatsyaP. 34. 18; भाससौमिल्लकविपुत्रादीनां प्रबन्धानतिक्रम्य वर्तमानकवे: कालिदासस्य क्रियायां कथं परिषदो बहुमान: Mālavikā. 1. 1(8); मोक्षचिन्तामतिक्रम्य योऽन्यच्चिन्तापरिश्रम: । … स पशु: BhaviP. 322B. 31 (2(1). 5. 40); कस्मात्पुन: पुत्रं दुहितरं वातिक्रम्य वन्ध्यादौहित्रोदाहरणं कृतम् TantrVā. 72. 3 (*on* i. 3. 1); क्रममतिक्रम्य … औपनिषदस्य पुरुषस्य … निर्देश: कृत: BṛĀraUBh. 480. 2 (*on* iii. 9. 26); भाष्यकार: सूत्रितमपि नैमित्तिकमतिक्रम्य तुल्यन्यायं काम्यमुदाजहार S'āstrDī. 299. 8 (*on* iii. 6. 3); न हि घटव्यवहारो घटमतिक्रम्य भवति NyāySu.(Ja.) 51B. 3 (*on* i. 1. 1); दाराग्निपरिग्रहयोग्यं ज्येष्ठमतिक्रम्य कनिष्ठस्य परिग्रह: परिवेदनम् Aparā. 1050. 21 (*on* 3. 234); वक्तव्यार्थमतिक्रम्य यदन्यत्रापि वर्तते । तत् … ससंशयम् SāhiSā. 2. 58; त्वयालस्यमतिक्रम्य राजकार्यं विधीयताम् VīraBhā. 7. 42; **A vii** having surpassed or excelled (in qualities etc.) तथैव पाञ्चजन्योऽपि … । सर्वशब्दानतिक्रम्य पूरयामास रोदसी MahāBhā. vii. 79. 13; अतीन्द्र: …। अतिक्रम्य च य: शक्रं स्थितो भोगादिसम्पदा PadmP.(Ra.) 6. 3; चन्द्रारविन्दयो: कान्तिमतिक्रम्य मुखं तव । आत्मनैवाभवत्तुल्यम् Kāvyāda. 2. 37; मालतीकुसुमदामकक्ष्यामप्यतिक्रम्यान्योन्यसदृशसौकुमार्यैरवयवै: AvantiKa. 23. 2; गुणै: सर्वानतिक्रम्य स्थित्वोपरि श्रिया ज्वलन् । … विद्वांस्तपति विद्विष: BṛĀraUBhVā. v. 16. 24; चतुर्वर्गफलास्वादमप्यतिक्रम्य तद्विदाम् । काव्यामृतरसेनान्तश्चमत्कारो वितन्यते VakroJī. 5. 12; या स्वामिम(? न)मतिक्रम्य दिगन्तमपि गच्छति S'āliC. 3. 37; पर: …स्वगुणैस्तदतिक्रम्य धारयतीत्यर्थ: TattvPrakā. 109B. 4 (*on* ii. 3. 8); तान्देवनेनातिक्रम्य वर्तते कृष्ण: Prasā. i. 403. 5; अमरावतीमतिक्रम्य शोभते पुरमिदम् PārvPa. 5. 24(7); **A viii** having overcome (difficulties, bad luck etc.) देवेशमाराध्य तदनुग्रहात् । अन्तरायमतिक्रम्य सिद्धिं व्रजति वैष्णव: ParaS. 12. 62; अपमृत्यूनतिक्रम्य शतवर्षाणि जीवति ParaS. 16. 23; अशनायापिपासे तीर्त्वा अतिक्रम्य…मोदते…स्वर्गलोके KāṭhUBh. 109. 6 (*on* 1. 12); को हि नाम भगवतीं भवितव्यतामतिक्रम्य यथासमीहितेन साधयति पथा AvantiKa. 10. 3; प्राङ्मया यदुपक्रान्तं कार्यं गुरु दिवौकसाम् । अन्तरायानतिक्रम्य तद्धि सिद्ध्यति सांप्रतम् PārvPa. 5. 10; **A ix** having passed (time, days etc.) अहं कियतोऽपि वासरानतिक्रम्य …विचरन् …आगत: … नगरीम् UdaySuKa. 85. 13(5); अगादतिक्रम्य दिनानि जानकी परं न राम: कठिनो विदीर्यते RāmC. 4. 28; अतिक्रम्य परित्यागदिनाद् द्वादशहायनीम् … भविता पतिसङ्गम: PāṇḍaC. 6. 562; पश्चात् कियत्कालमतिक्रम्य तृषित: … पानीयं याचितवान् PrabaCin. 8. 10; नागरिकलोकोऽपि भव्यविनोदैर्दिनमतिक्रम्य शर्वर्यां स्वमन्दिरे स्थितवान् SamyaKau. 5. 16; मासद्वयमतिक्रम्य … आययौ स पुन: खान: RājTa.(S'rī.) 4. 528; अद्य पाययित्वा द्व्यहमतिक्रम्य पुन: पाययतीत्यर्थ: SiddhāKau. 584B. 25 (*on* P. iii. 4. 57); **A x** going forward (कतिचित् पदान्यतिक्रम्य) कथमद्यापि विकम्पसे Mukundā. 36(1); **B** (being situated) on the other side of or beyond [P. iii. 4. 20] यवद्वीपमतिक्रम्य शिशिरो नाम पर्वत: Rāmā. iv. 39. 29; चतुर्योजनसहस्रमतिक्रम्य देवलोकाच्चन्द्रलोको भवति VarāP. 84. 6(6) (363. 9); अतिक्रम्य पर्वतं नदी । … भवते: सर्वत्र संभवादेककर्तृकता पूर्वकालता च दु:खप्रतिपत्तिगम्येति वचनम् KātanVṛ. *on* iv. 6. 4; अतिक्रम्य पर्वतं नदी । अवरपर्वतयोगविशिष्टा परा नदी प्रतीयते JaineVyā. 138. 10 (*on* ii. 4. 6); तत् (पुरम्) अतिक्रम्य च नदी शीतोदा नाम पावनी KathāSaSāg. iii. 4. 234; क्षयन्तमस्य रजस: पराक इति रज:शब्देन त्रिगुणात्मिका प्रकृतिरुच्यते … । इमां त्रिगुणात्मिकां प्रकृतिमतिक्रम्य स्थिते स्थाने क्षयन्तम् वसन्तमित्यर्थ: VedāSaṁ. 161. 11; अतिक्रम्य पर्वतं स्थिता नदी SiddhāKau. 579A. 1.

अतिक्रम्य (ati-kramya) *adj.* **i** to be transgressed धृष्टद्युम्न निबोधेदं यत्त्वा वक्ष्यामि मारिष । नातिक्रम्यं भवेत्तच्च वचनं मम भाषितम् MahāBhā. vi. 46. 32; **ii** to be crossed ततो नदान्नदीश्चैव पल्वलानि वनानि च । अतिक्रम्यानतिक्रम्य ससारैव वनेचरम् SkandP. v(2). 73. 11; कोट्ट: सास्वादनो नामातिक्रम्यो य: षडावलि: MalliC. 3. 93.

अतिक्रम्यमाण (atikramya-māṇa) *adj.* **i** being stepped over or beyond आनर्थक्यभयात्तु (दर्शपूर्णमासयो:) स्वरूपेऽतिक्रम्यमाणे किमेवमतिक्रमोऽस्तु स दर्शपूर्णमासार्थमुत यद् दर्शपूर्णमासोपकारीति TantrVā. 1129. 6 (*on* iii. 7. 4); **ii** being transgressed or violated यथान्ये शास्त्रविहितार्था अतिक्रम्यमाणा: प्रायश्चित्तहेतवो भवन्ति तथानुगमनम् ManuBh. i. 229. 4 (*on* 3. 45)

अतिक्रम्यवर्तिन् (atikramya-vartin) *adj.* a wrong doer अतिक्रम्यवर्तिषु निग्रहं कर्तु: सर्पादिव दृष्टप्रत्यवाय: सर्वोऽपि बिभेति जन: NītiVā. 29. 89; शक्तस्यापराधिषु क्षमा न ह्यात्मतिरस्कार: अतिक्रम्यवर्तिषु NītiVā. 28. 25 (Ed. GOPAL NARAYAN & Co.)

अतिक्रशीयस् (ati-kraśīyas) *adj.* (*Comp.*) **i** extremely slender आकर्षतेवोर्ध्वमतिक्रशीयानत्युन्नतत्वात् कुचमण्डलेन । ननाम मध्योऽतिगुरुत्वभाजा नितान्तमाक्रान्त इवाङ्गनानाम् S'iśuVa. 3. 15; **ii** very weak, S'iśuVa. 3. 15 (comm. अत्र मध्यकुचमण्डलयोर्विशेषणसाम्यादरिविजिगीषुराजप्रतीते: समासोक्ति:)

अतिक्रान्त (áti-krānta) *adj.* [*f.* –ā] **1 Ai** has crossed, traversed or gone beyond (animate, inanimate or abstract subject) **ii** gone away or departed or left (animate subject) **iii** which has vanished or disappeared (abstract subject) **iv** which has overtaken, gone past (inanimate subject) **v** rushing forward, marching out, penetrating **vi** gone or passed beyond the range (of sight, hearing etc.) **vii** past, former, what has happened or transpired (as in time, event, incident etc.) **viii** belonging to the past, departed, dead **ix** which has come to an end or ceased or stopped **x** which has elapsed or passed off (time) **xi** advanced (in age) **xii** placed beyond, lying outside, lying beyond (with Abl.) **Bi** excelling, surpassing (animate object) **ii** overcoming, transcending **iii** extending beyond or exceeding (a particular period, time or space or limit) **C i** who has bypassed or neglected, transgressed or violated (with Acc.) **ii** who has deviated from (with Abl.) **D** which has covered (an animal) **E** redundant (because of loss of association) **F** (a foot) which is in the *atikrānta* pose **2 A** crossed over, reached, traversed **B** excelled, overcome **C** transgressed, violated **D** disregarded, neglected (not being invited) **E** evaded, delayed, omitted, postponed, not performed at proper time **F i** previous, earlier, mentioned before (text, meaning etc.) **F ii** completed, finished (topic of discussion, injunction, chapter or verse of a text etc.) **G** got over, overcome
1 Ai has crossed, traversed or gone beyond (animate, inanimate or abstract subject) बालभावमतिक्रान्तान् यौवनस्थांश्च तानहम् । …श्रुत्वा हृष्ट आसम् MahāBhā. ix. 2. 7; अतिक्रान्तोऽसि कौन्तेय कालशैलं च पर्वतम् MahāBhā. iii. 675*(2); ध्वजमूलमतिक्रान्तानां चाकृतशुल्कानां शुल्कादष्टगुणो दण्ड: ArthS'ā. i. 272. 4 (2. 21); दैत्यानामेषा लक्ष्मी: शिरोगता । सप्त स्थानान्यतिक्रान्ता MārkP. 18. 47; सुदूरमतिक्रान्त: स पापकृत् Kād. 35. 2; EI. iv. 210. 2; xxi. 75. 5; अहो वेगादतिक्रान्तं विमानं पदवीं पराम् PadmP.(Ra.) 82. 9; अतिजवेन दूरमतिक्रान्त: स चपल: कथं दृश्यते UttaRāC. 4. 26(9); यथा व्याकरणं तीर्णं इति प्राप्त: उच्यते, न अतिक्रान्त:, तद्वत् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 608. 8 (*on* iii. 2. 32); YaśasCam. i. 139. 2; NavaSāC. 2. 43; स परमाणुस्तमाकाशप्रदेशं यदा व्यतिपतितोऽतिक्रान्तो भवति TātpaVṛ. 196. 19 (*on* 2. 47); कालिन्दीमप्यतिक्रान्ता: (वत्सा:) PrasaRā. 5. 32(3); MalliC. 1. 130; 1. 352; तुर्यावस्थामतिक्रान्ते पुरुषे … इयमपि सर्वावस्थाविवर्जिता LalitāSaBh. 79. 10 (*on* 114); **1 Aii** gone away or departed or left (animate subject) (अथोपरमम्) अमुञ्जाने ब्राह्मणे गोषु च । अतिक्रान्तेष्वधीयीरन् S'āṅkhāGS. iv. 7. 51; KauṣīGS. iii. 9. 46; न हि तस्मान्मन: कश्चिच्चक्षुषी वा नरोत्तमात् । नर: शक्नोत्यपाकष्टुमतिक्रान्तेऽपि राघवे Rāmā. ii. 15. 10; प्रमत्तं प्रच्छन्नं नायकमतिक्रान्तं च वीक्षते KāmSū. 214. 9 (3. 3); मामनवेक्ष्यैवातिक्रान्ता Ubhayābhi. 5. 5; 14. 5; एवमुक्त्वा तावतिक्रान्तौ Tantrākhyā. 105. 5; PañcT. 3. 57(16) (315. 7); Tantrākhyā. 89. 13; यस्त्वतिक्रान्तं व्याहृत्य पूजयति नासौ सम्यक्पूजक: TantrVā. 639. 24 (*on* ii. 4. 8); VāmaP. 53. 28; कथमतिक्रान्तं किरातै: KirātaVyā. 44(1); प्रच्छन्नं वा भ्रमन्तं वातिक्रान्तं पश्यति प्रियम् SāhiDa. 139. 3; **1 Aiii** which has vanished or disappeared (abstract subject) न च केवलं हिताहारोपयोगादेव सर्वं व्याधिभयमतिक्रान्तं भवति CaraS. i. 28. 7 (1941 Ed.); **1 Aiv** which has overtaken, gone past (inanimate subject) अपरौ चाप्यतिक्रान्तौ कर्णौ संस्पृश्य मे शरौ MahāBhā. iv. 48. 6; यत्र त्वाम् … अतिक्रान्तास्त्रयो रथा: MahāBhā. vii. 105. 8; **1 Av** rushing forward, marching out, penetrating पतगश्रेष्ठ: … । अतिक्रान्तोऽमृतस्यार्थे सर्वतोऽग्निमपश्यत MahāBhā. i. 28. 22; पक्षकक्षोरस्यै: समं वर्तमानो दण्ड: । …स एव पक्षाभ्यां प्रतिक्रान्तो दृढक:, स एवातिक्रान्त: पक्षाभ्यामसह्य: ArthS'ā. iii. 138. 2 (10. 6); असह्य: … अतिक्रान्तश्च पक्षाभ्याम् NītiSā. 20. 45; 20. 46; **1 Avi** gone or passed beyond the range (of sight, hearing etc.) सोऽतिक्रान्त: श्रवणविषयम् MeghDū. 100; कथं लोचनपथमतिक्रान्त: सरामलक्ष्मणो भगवान् AnargharRā. 1. 59(1); आलोकपथमतिक्रान्ते … रघुनन्दने RāmāCam. 2. 46(2); कथं नयनपथमतिक्रान्तैव कान्ता PrasaRā. 2. 29(3);

4.48(2); कथमतिक्रान्त एव बाणगोचरमिभराज: JānaPa. 3.19(6); 2.30(5); **1 A vii** past, former, lost, what has happened or transpired (as in time, event, incident etc.) अथ कश्चिच्छस्त्रे वानुवचने वा प्रमत्त उपहन्यात् …उपहतमबुद्धमतिक्रान्तं मन्यमान: …उपहतमनुपहतं कृत्वानन्तर्यात् प्रयोग: स्याद् वृत्तान्तादिति मीमांसन्ते KauṣīBr. 26.3 (121.4); अतिक्रान्तं हि यत्कार्यं पश्चाच्चिन्तयतीति च। तच्चास्य न भवेत् कार्यं च्चिन्तया च विनश्यति MahāBhā. viii. 22.24; SūktiRa. 163.109; MahāBhā. x. 1.29; xii. 137.27; अतिक्रान्तमतिक्रान्तमनवाप्य मनोरथम्। …पिता मे विनशिष्यति Rāmā. ii. 45.17; HariVaṁ. 38.14; नष्टं मृतमतिक्रान्तं नानुशोचन्ति पण्डिता: BhelaS. 107.19 (5.8); सुखदु:खमतिक्रान्तम्…। च्चिरविस्मृतं स्मरति य: स्मृतिमानिति वेदितव्योऽसौ NāṭyaS'ā. 7.82; नास्त्येव नूनमायातमतिक्रान्तस्य वस्तुन: BrahmāṇḍP. ii. 30.32; कारणं यदतिक्रान्तं मृतमिष्टं च बान्धवम्। … न शोचन्ति विचक्षणा: PadmP.(Ra.) 30.72; GītāBh.(S'aṅ.) 113.14 (*on* 4.5); अन्यत्र भूताच्च अतिक्रान्तात् कालात् भव्याच्च भविष्यतश्च KāṭhUBh. 130.16 (*on* 2.14); कार्यम् … नातिक्रान्तं प्राप्यते यौवनं वा RāghPāṇ.(Dha.) 11.3; प्रवरो न त्वतिक्रान्तो याज्याकालेऽपनीयते TantrVā. 1060.1 (*on* iii. 5.46); अतिक्रान्तस्यार्थस्य स्मर्त्री स्मृति: KāvyMī. 10.21; अहमतिक्रान्ते भवे…अभवं नूनं खेचरी रूपशालिनी BṛKathāK. 127.191; PadmP. v. 38.258; यत्किंचिदनुत्पन्नमतिक्रान्तं तत् सर्वं योगी जानाति RājMār. 48.16; Loc. 154.19 (*on* 3.16); S'rīBh. 285.17 (*on* i. 3.7); ĀryāSaS'a. 124; कोऽन्य: कालमतिक्रान्तं नेतुं प्रत्यक्षतां क्षम:। कविप्रजापतींस्त्यक्त्वा रम्यनिर्माणशालिन: RājTa.(Ka.) 1.4; 4.406; अतिक्रान्तमतिक्रान्तमनागतमनागतम्। वर्तमानसुखभ्रान्तिर्न वा भोगिदरिद्रयो: SūktiRa. 200.21; Subhāṣi. 3274; S'atDū. 113.18; अतिक्रान्तस्यैष्यतो वा पर्वणस्तदानीमदूष्यत्वात् NyāyPari. 213.12; उत्थाय … तस्मिन्नेव शयने समासीन: … अतिक्रान्तमनन्तं कालं निरर्थकमवलोक्य निर्वेदं परं गच्छेत् PāñcRāRa. 89.13; Kāśi. ii. 185.22 (*on* 5(3).235); YuktiSneha. 65.29 (*on* i. 1.5); Bhāsk. i. 286.5 (*on* i. 5.19); **1 A viii** belonging to the past, departed, dead मत्समो हि गदायुद्धे पृथिव्यां नास्ति कश्चन। नासीत् कश्चिदतिक्रान्तो भविता न च कश्चन MahāBhā. v. 54.31; धरमाणानामपि प्रतिमा: स्थाप्यन्ते। देवकुलिक:- न खलु, अतिक्रान्तानामेव Prati. 3.7(24); Tantrākhyā. 125.7 = PañcT. 4.1(41) (375.8); AvantiKa. 185.3; पूर्वे अतिक्रान्ता: पारिक्षिता अश्वमेधयाजिनोऽभवन् BṛĀraUBh. 399.9 (*on* iii. 3.2); KāṭhUBh. 105.12 (*on* 1.6); ChāndoUBh. 360.18 (*on* vi. 4.5); गीतसूक्तिरतिक्रान्ते स्तोता देशान्तरस्थिते। प्रत्यक्षे तु कवौ लोक: सावज्ञ: सुमहत्यपि KāvyMī. 51.13; PāṇḍaC. 1.20; यदा पौत्रोऽप्यतिक्रान्तो मृतस्तदा 'पुत्रपौत्रै ऋणं देयम्' Subodhi. 39.28 (*on* 2.90); **1 A ix** which has come to an end, ceased, stopped आर्तवं या न पश्यन्ति पश्यन्ति विफलं च या:। अतिप्रभूतमत्यल्पमतिक्रान्तमनागतम् KāśyaS. 186A.23; नास्ति वैरमतिक्रान्तं सान्त्वितोऽस्मीति नाश्वसेत्। विश्वासाद्धन्यते लोक: SūktiRa. 108.2; **1 A x** which has elapsed or passed off (time) (संध्यायाम्) अतिक्रान्तायां महाव्याहृती: सावित्रीं स्वस्त्ययनानि च जपित्वा … उदिते प्राध्ययनम् S'āṅkhāGS. ii. 9.2 = KauṣīGS. ii. 6.3; अतिक्रान्ते सावित्र्या: काल ऋतुं त्रैविद्यकं ब्रह्मचर्यं चरेत् ĀpaDS. i(1). 1.23; बह्वस्तिष्यपुनर्वसवोऽतिक्रान्ता: MahāBh. i. 231.17 (*on* i. 2.63); अतिक्रान्ते दशाहे तु त्रिरात्रमशुचिर्भवेत् ManuSm. 5.76; अलमलं संभ्रमेण। अतिक्रान्त: खल्वेष काल: Prati. 7.3(23); S'atTrayī. 201; न मम…अतिक्रान्ता स्वामिन्नाहारवेला Tantrākhyā. 21.13; नरैर्मोक्षो ह्यतिक्रान्तैरवाप्यते। वर्षायुतायुतै: MārkP. 12.9; BrahmāṇḍP. ii. 8.34; निर्वृत्ते प्रयोगेऽतिक्रान्ते वाजपेयकाले याग: प्रयुज्यते S'ābaBh. 1268.24 (*on* iv. 3.41); अतिक्रान्तो मध्याह्न: KuṇḍaMā. 3.15(7); येयं पौर्णमास्यतिक्रान्ता एतस्यां देवानपूपुजाम: JaineVyā. 131.20 (*on* ii. 3.111); CāndraVṛ. *on* i. 3.106; Prasā. ii. 452.6; SiddhāKau. 473A.4; अतिक्रान्तेषु च बहुषु वासरेषु कदाचित् (हर्ष:) … इमामार्यां शुश्राव HarṣaC. 254.4; 162.7; BrāhmSphuSi. 16.32; PadmP.(Ra.) 3.77; सखे वरं त एवातिक्रान्ता मुहूर्ता: MālaMā. 9.226; मध्यन्दिनमतिक्रान्तमिति दिनमप्यतिक्रान्तमेव AnarghaRā. 2.31 (1); अहोरात्रे त्वतिक्रान्ते … आसीन्मे महोत्सव: BṛKathāS'loSaṁ. 27.60; स्वाध्यायवेलेयमतिक्रान्ता प्रमादत: BṛKathāK. 17.11; NalaCam. 4.13 (1); 5.9 (3); अतिक्रान्ते च षष्ठीजागरे समागते च दशमेऽह्नि … हरिवाहन इति शिशोर्नाम चक्रे TilaMañ. 78.1; 34.23; 79.19; कालमतिक्रान्तं सुखासक्तो न वेत्ति य:। अक्षया: संक्षयमुखे हुतास्तेन विभूतय: RāmaMañ. 130.15; बहुभिर्वर्षसहस्रैरतिक्रान्तै: … दण्डकारण्यं राम:…पुन: प्रविष्ट: AuciViCa. 27 (8); PadmP. ii. 53.36; GaṇeP. i. 17.18; संवेशयेद्गजं रात्रावतिक्रान्तेऽष्टनालिके Hastyāyur. 653.16 (4.15); MudriKu. 4.19 (3); HārLa. 13.5; प्रधानकालश्चातिक्रान्त: SmṛtiCaṇ. iii. 104.10; EI. viii. 115.73; S'āliC. 2.62; षण्मास्यामतिक्रान्तायां रजस्वती तेन क्षारेति दूषिता PrabaK. 85.27; PuruṣPa. 192.7; Subodhi. 15.16 (*on* 2.24); LaṭaMe. 2.30 (5); VetāPañ.(S'i.) 9.35; BhojPra. 19.27; HaṁsDū.(Rū.) 94; नन्वतिक्रान्त एव तत्समानयनस्यावसर: AdbhuDa. 5.14 (2); MadaKeC. 22 (6); गौणकालेऽप्यतिक्रान्ते प्रायश्चित्तमुक्तं धर्मसूत्रे BālamBha. i. 165.29 (*on* 1.38); iii. 162.31 (*on* 3.265); **1 A xi** advanced (in age) अनपत्य: …। अतिक्रान्तेन वयसा सन्तापमुपजग्मिवाम् (अश्वपति:) MahāBhā. iii. 277.7; **1 A xii** (with Abl.) placed beyond, lying outside, lying beyond प्रतिमण्डलस्य मध्यं घनभूमध्यादतिक्रान्तम् ĀryaBh. 3.18 (63); क्षरं पञ्चात्मकं विद्धि तदन्तरक्षरं स्मृतम्। उभाभ्यां यदतिक्रान्तं शुद्धं विद्धि सनातनम् GaṇeP. ii. 144.4; **1 B i** excelling, surpassing (with animate objects) अति तं क्रमति य एवैनं पूर्वोऽतिक्रान्तो भ्रातृव्य: KāṭhS. 7.9; 21.4; यदि मन्येत यजमान: पूर्वो मातिक्रान्तो भ्रातृव्य इति प्रतिप्रस्थानेन पूर्वो गृहीत्वा पूर्वो हुत्वा पूर्व: सादयेत् ĀpaS'S. xii. 21.18; xvi. 23.7; मागधोऽथाप्यतिक्रान्तो द्विरदेन प्रमाथिना। भगदत्तादनवर: MahāBhā. viii. 13.3; अतिक्रान्तमिदं ब्राह्मणकुलं कतरत् अतिकतरं ब्राह्मणकुलम् MahāBh. i. 87.18 (*on* Vār. 5 *on* i. 1.27); त्यागशक्त्यतिक्रान्त: … चतुर्वेदवित् मातृदत्त: AvantiKa. 14.4; कथमसि कार्कश्येन कर्णसुतमप्यतिक्रान्त: DaśKuC. 65.7; 68.20; अतिक्रान्त: सर्वमतिसर्व: PrakriKau. i. 140.4; i. 254.1; i. 523.1; चमूं सेनामतिक्रान्तोऽतिचमू: Prasā. i. 171.18; i. 551.9; अतिक्रान्तो भवकन्तमतिभवकान् SiddhāKau. 52A.7; धीवानमतिक्रान्ता अतिधीवरी LaS'abdeS'e. i. 382.1; i. 324.6; ii. 230.5; **1 B ii** overcoming, transcending सोऽयमग्नि: परेण मृत्युमतिक्रान्तो दीप्यते S'atBr. XIV. iv. 1.13; XIV. iv. 1.16; (त्वम्) पञ्च भूतान्यतिक्रान्त: MahāBhā. xiii. 2.86; रोगम् …। विद्याद् द्विदोषजं तद्वत् प्रत्याख्येयं त्रिदोषजम्। क्रियापथमतिक्रान्तं सर्वमार्गानुसारिणम् CaraS. i. 10.19 (1941 Ed.); बलवान् मृत्युरेतामपि रक्षामतिक्रान्त: Prati. 3.7 (8); अतिक्रान्तैस्तमो महत्। आत्मभि: … आस्थितम् … महच्चक्रं सुदर्शनम् AhirbuS. 9.31; तां शक्तिं समवायाख्याम् …। भेदाभेदमतिक्रान्ताम् … अनुगृह्णाति संबन्ध: VākyaP. iii. 3.10; मानसं सन्तापं जीवन्नेवातिक्रान्तो भवति MuṇḍaUBh. 360.1 (*on* iii. 2.9); ChāndoUBh. 101.15 (*on* ii. 10.1); GītāBh.(S'aṅ.) 423.2 (*on* 14.2); लौकिकीं कारणत्वादिभुवमतिक्रान्तै: AbhinBhā. i. 284.7 (*on* 6.31); i. 52.18 (*on* 2.19); ये हि मायामतिक्रान्ता: …। लभन्ते … निर्वाणं ते KūrmaP. 460.6 (2.2); वाक्पथमतिक्रान्ता: स्वदन्ते गुणा: EI. vi. 206.12; i. 357.32; अतीन्द्रियस्वभावपरमात्मनो विपरीतानि…इन्द्रियाण्यतिक्रान्तस्य…परोक्षं किमपि नास्ति TātpaVṛ. 32.14 (*on* 1.22); अतिवधो रम्यतर: प्रकार: क्रूरान्तरारिषु स्वसमानो मुनिमण्डलस्य। ऊकारान्तपक्षे अतिक्रान्ता वधूर्येन मुनिमण्डलेन तदतिवधु, तस्यातिवधो: KāvyKaVṛ. 82.19 (3.4); SiṁhāDvā. 207.3 (17); अतिश्वी सेवेति। शुनोऽपि सेवामतिक्रान्ता Prasā. i. 556.21; अतिवर्णं वर्णमतिक्रान्तम् अतिगौरातिकृष्णादि VīraMi. (Saṁskāra.) 589.4; भिन्नम् अत्यन्तभिन्नम् अतिक्रान्तोऽतिभिन्न: भेदाभेदवान् LaCandr. 678.33; त्रिष्वतीतनु यन्नावमतिक्रान्तं भवेदिह KośaKaTa. 1.2354; **1 B iii** extending beyond or exceeding (a particular period or limit) अतिक्रान्तं यतश्छन्दमतिच्छन्दमिदं तत: BṛĀraUBhVā. iv. 3.1297; संवत्सरे भवा सांवत्सरी तामतिक्रान्ता अतिसांवत्सरी ManuBh. ii. 145.10 (*on* 8.153); i. 214.1 (*on* 3.12); ii. 145.11 (*on* 8.153); अतिक्रान्तो मात्रां परिमाणमतिमात्र: Bhām. 192.7 (*on* i. 2.29); Kāvyālaṅ.(Ru.) 11.17; PrakaVi. 214.26; अतिक्रान्तो रात्रिमतिरात्र: MugdhaBo.(com.) 6.51 (59.18); न तु वर्षादतिक्रान्तम् (प्रवेशकेन वक्तव्यम्) NāṭaLaRaK. 300; **1 C i** who has bypassed, neglected, transgressed or violated (with Acc.) एष राजा भृगूद्वह। अतिक्रान्तश्च मर्यादाम् MahāBhā. i. 78.29 = MatsyaP. 32.30; दूतसमुदाचारमतिक्रान्त: केशवो बध्यताम् DūtVā. 38 (3); नापत्यस्नेहात् कर्तव्यमतिक्रान्तोऽसि TāpaVa. 1.10 (1); भार्या पतिमतिक्रान्ता चावसीदत्यसंशयम् BṛDharmaP. i. 49.58; i. 36.33; (प्रसिद्धिहतम्) मञ्जीरादिषु रणितप्रायम् … मेघादिषु गर्जितप्रमुखम् इति प्रसिद्धिमतिक्रान्तम् KāvyPra. 365.1; अतिक्रान्तस्य ते धर्मं कामवृत्तस्य वानर। … दण्डोऽयं प्रतिपादित: MahāN. 4.76; पतिमतिक्रान्ता अतिपत्नी LaS'abdeS'e. i. 393.17; धर्मसेतुमतिक्रान्ताल्लोकधर्मार्थकारणात्। असिना धर्मगर्भेण शिक्षयस्व प्रजापते NītiPra. 3.32; **1 C ii** who has deviated from (with Abl.) त्वं च धर्मादतिक्रान्त: Rāmā. iv. 18.23; त्वां तु सत्यादतिक्रान्तं हनिष्यामि सबान्धवम् Rāmā. iv. 29.49; **1 D** which has covered (an animal) अर्चायां किम्? गामतिक्रान्तोऽतिगव: MugdhaBo. 6.88 (64.11); **1 E** redundant (because of loss of association) किं प्रस्थितदेवतातिक्रान्तोऽपीन्द्र उपलक्षयितव्य: उत्तराश्च मित्रावरुणाद्या: … उत इन्द्रमित्रावरुणादय एव केवला: TantrVā. 803.1 (*on* iii. 2.30); **1 F** (a foot) which is in the *atikrānta* pose तत: पञ्चपदीं गच्छेदतिक्रान्तै: पदैरथ NāṭyaS'ā. 5.95; अतिक्रान्तं च वामकम् NāṭyaS'ā. 11.17; वामोऽतिक्रान्त एव च NāṭyaS'ā. 11.21; शकटास्यस्थितै: पादैरतिक्रान्तैस्तथैव च। कार्या पाशुपतानां गतिरुद्धतगामिनी NāṭyaS'ā. 12.86; प्रासादारोहणं कार्यमतिक्रान्तै: पदैरथ NāṭyaS'ā. 12.97; 11.10; 12.78; **2 A** crossed, passed over, reached, traversed कथमतिक्रान्तमागस्त्याश्रमपदम् MahāvīC. 7.13 (3); कियतां पुनरह्नां परिवर्तेन रघुराष्ट्रमतिक्रान्तं वत्सै: PrasaRā. 5.31 (1); 5.32 (1); पटीपातादतिक्रान्तं क्रोशानां हि शतं हयै: MalliC. 6.505; कथमतिक्रान्त एव प्रियमित्रेण प्रमदवन-

पर्यन्तः Mukundā. 65 (2); **2B** excelled, surpassed नातिक्रान्तमिदं लोके पुरुषैणेह केनचित्। तव सभ्रातृभार्यस्य वासः प्राकृतवद् वने Rāmā. ii. 46. 9; अयोध्यायां कुलपतिः ··· । अतिक्रान्तो बहुसुतैः PadmP.(Ra.) 123. 87; अतिक्रान्ता सभा यस्य (चन्द्राङ्गदस्य) सुधर्ममतिमानुषीम् GaneP. i. 53. 4; अतिक्रान्तेष्वसंख्येषु ततो राजस्वजायत। प्रशान्तः शान्तनुर्नाम तेजोधाम प्रजापतिः PāndaC. 1. 20; **2C** transgressed, violated पिता पुत्रस्य भोक्ता च पितुः पुत्रस्तथैव च। अतिक्रान्तानि भोज्यानि भविष्यन्ति युगक्षये MahāBhā. iii. 188. 25; xiii. 52. 12; नातिक्रान्तं मुनिश्रेष्ठ यत् कर्तव्यं कृतं मया Rāmā. i. 50. 11; यदि किंचिदतिक्रान्तम्···। प्रेष्यस्य क्षमितव्यं मे Rāmā. iv. 35. 11; धर्षितेनापि नातिक्रान्तः समुदाचारः PañcRā. 2. 11 (2); भाष्यकृतश्च उपन्यासः प्रमाणवानपि विना कारणेनातिक्रान्तः TantrVā. 424. 16 (*on* ii. 1. 46); 926. 17 (*on* iii. 4. 12); 'सर्वत एवात्मानं गोपायेद्' इति नैष विधिरतिक्रान्तो भवति ManuBh. i. 134. 27 (*on* 2. 113); i. 223. 20 (*on* 3. 34); ii. 203. 7 (*on* 8. 309); अतिक्रान्ताऽन्यर्हणीयसभाजनानि किल श्रेयसां परिपन्थीनि भवन्ति CandaKau. 2. 14 (4); 5. 18 (14); ब्रह्मचर्यमतिक्रान्तम् DaśāvaC. 10. 24; Aparā. 1115. 18 (*on* 3. 268); **2D** disregarded, neglected (by not being invited) (ब्राह्मणातिक्रमो नास्ति विप्रे वेदविवर्जिते) वेदविवर्जिते वेदाध्ययनरहिते विप्रेऽतिक्रान्ते अनुपात्ते सति तस्य तदतिक्रमकृतप्रकृतप्रयोजनहानिप्रत्यवायादिरूपो न कश्चिद् दोषो जायते CaturCin. iii (1). 453. 22; **2E** evaded, delayed, omitted, postponed, not performed in proper time वैश्वदेवे त्वतिक्रान्ते अहोरात्रमभोजनम् GobhiSm. 3. 120; सर्वमात्ययिकं कार्यं शृणुयान्नातिपातयेत्। कृच्छ्रसाध्यमतिक्रान्तमसाध्यं वा विजायते ArthŚā. i. 96. 7 (1. 19); SūktiRa. 156. 18; यद्यप्यतिक्रान्ताः काला अतिक्रान्तानां परिसंख्याय प्रधानमात्राणि कर्तव्यानि Śāba-Bh. 1472. 26 (*on* vi. 5. 40); प्रधानेन सहातिक्रान्तानां संकल्पोऽथवा जातकर्मादिकर्मेण(? णा)मनुक्रमेण संकल्प इति विचारणीयम् BālamBha. i. 43. 15 (*on* 1. 12); **2F i** previous, earlier, mentioned before, gone before, preceding (text, meaning etc.) एतावद्धि अतिक्रान्तेन विधिप्रतिषेधार्थेन मन्त्रब्राह्मणेनावगन्तव्यम् KāṭhUBh. 113. 17 (*on* 1. 20); BrahmSūBh.(Śaṅ.) 561. 1 (*on* iii. 2. 1); तत्र षट्संख्यया वक्ष्यमाणानि पञ्चतन्मात्राणि अतिक्रान्तश्चाहंकारः प्रतिनिर्दिश्यते ManuBh. i. 15. 21 (*on* 1. 16); अतिक्रान्तस्य सर्वस्य ग्रन्थार्थस्य पिण्डार्थकथनमविस्मरणार्थम् ManuBh. i. 82. 3 (*on* 2. 25); संक्षेपेणातिक्रान्तस्वाध्यायद्वयस्यार्थं कथयत्यनुसरणाय ManuBh. i. 327. 3 (*on* 4. 1); i. 132. 13 (*on* 2. 108); ii. 61. 16 (*on* 7. 205); JayaMa. 178. 15 (*on* 2. 10); **2F ii** completed, finished, over अतिक्रान्तस्तृतीयविषयः ŚābaBh. 1298. 16 (*on* iv. 1. 21) = NyāyRa-Mā. 146. 8; अतिक्रान्तं प्रासङ्गिकम्। अभिवादनविधिरिदानीं प्रक्रम्यते ManuBh. i. 135. 26 (*on* 2. 117); सप्ताष्टश्लोका अध्येतृवेदित्रोः प्रशंसार्था अतिक्रान्ताः ManuBh. i. 155. 19 (*on* 2. 158); i. 123. 6 (*on* 2. 87); i. 234. 20 (*on* 3. 57); i. 271. 3 (*on* 3. 137); i. 293. 21 (*on* 3. 191); इत्थमतिक्रान्तेनाध्यायद्वयेनोपेये···ब्रह्मणि श्रीवासुदेवे निर्णीते···साधनान्यभिधीयन्ते VedāntKau. 254. 15 (*on* iii. 1. 1); विवाहप्रकरणमतिक्रान्तम् ManvaMu. 100. 1 (*on* 3. 67); (physical act, rite, etc.) स्नपनेऽस्मिन्नतिक्रान्ते मूलमन्त्रायुतं जपेत् PāraS. 19. 133; अतः (हिंसायाः) प्रयत्नेऽतिक्रान्ते मूलमन्त्रायुतं जपेत् PāraS. 19. 133; अतः (हिंसायाः) प्रयत्नेऽतिक्रान्ते भवत्ययं संकल्पप्रतिषेध इति ManuBh. i. 384. 22 (*on* 4. 162); अतिक्रान्ते कर्मणि तत एव फलसिद्धेः Kāśi. i. 162. 6 (*on* 2. 197) = YuktiSneha. 25. 29 (*on* i. 1. 2); अतिक्रान्ते विवाहे तु सुराः सर्वे दिवं ययुः BrahmP. 87. 32; नातिक्रान्तमथापि विचार्यतामेतत् AdbhuDa. 2. 8 (5); **2G** got over, overcome अतिक्रान्तानि विघ्नानि मयूरेशेन GaneP. ii. 101. 6.

अतिक्रान्त (ati-krānta) *n.* **1** the past (time, event, incident etc.) अतिक्रान्तमतिक्रान्तं न निवर्तति कर्हिचित् MahāBhā. i. 2064*(2); भारतस्यास्य वर्षस्य···अनागतमतिक्रान्तं वर्तमानं च संजय। आचक्ष्व मे विस्तरेण MahāBhā. vi. 11. 2; मन्त्रिणो यस्य कुलजाः··· अतिक्रान्तमशोचन्तः स राज्यफलमश्नुते MahāBhā. xii. 116. 16; ii. 138*(1); viii. App. 1. 5(12); अनागते न पतसि अतिक्रान्ते च काक न। यदि संप्रति पतसि सर्वो लोकः पतत्ययम् MahāBh. ii. 124. 3 (*on* (Vār. 5 *on*) iii. 2. 123); अनागतमतिक्रान्तं वर्तमानमिति त्रयम् (कालविभागः) MahāBh. ii. 124. 6 (*on* (Vār. 5 *on*) iii. 2. 123]; अनागतं प्रार्थयतामतिक्रान्तं च शोचताम्। वर्तमानैरतुष्टानां निर्वाणं नोपपद्यते BhagAjju. 40(11); देव, अतिक्रान्ते धैर्यमवलम्ब्यताम् UttaRāC. 3. 33(2); PadmP. i. 7. 2; **2** transgression, wrong deed यदि सर्वमवुद्धीनामतिक्रान्तममेधसाम्। अतिक्रमो मद्विधस्य (=युधिष्ठिरस्य) कथंस्वित् स्यादनिन्दिते MahāBhā. iii. 30. 24; क्रोधान्मोहाच्च साहसात्। तातस्य यदतिक्रान्तं प्रत्याहरतु तद् भवान् Rāmā. ii. 98. 52; पितुर्हि समतिक्रान्तं (v. l. यदतिक्रान्तम्) पुत्रो यः साधु मन्यते। तदपत्यं मतं लोके विपरीतमतोऽन्यथा Rāmā. ii. 98. 53; SūktiRa. 74. 15; **3** name of one of the six varieties of Karṣaṇa (prolonging of sound) अनागतमतिक्रान्तं विच्छिन्नं विषमाहतम्। तन्वन्तमस्थितान्तं च वर्जयेत् कर्षणं बुधः NāraŚi. i. 6. 19; **4 i** name of a kind of step or pose of the feet in dancing (one of the 108 Karaṇas) अतिक्रान्तक्रमं कृत्वा पुरस्तात् संप्रसारयेत्। प्रयोगवशगौ हस्तावतिक्रान्ते प्रकीर्तितौ NāṭyaŚā. 4. 127; अधिकृतं नाम धूमाकुलनेत्राङ्गसङ्कोचनविधूननातिक्रान्तापक्रान्तादिभिः (समुत्पद्यते) NāṭyaŚā. 7. 95; 4. 46; ViṣṇuDhaP. iii. 20. 49; SaṃgiRa. iv. 192. 18 (7. 558); यत्र चारीमतिक्रान्तां प्रयोगानुगतौ करौ। कुर्वीत तदतिक्रान्तमुद्धतस्य परिक्रमे। हस्तौ गरुडपक्षाख्यौ भट्टतण्डुरिहाब्रवीत् NṛttaRa. 4. 114; अतिक्रान्तं विधायाङ्घ्रिं पुरो यत्र प्रसारयेत्। करौ प्रयोगयोग्यौ च तदतिक्रान्तमुच्यते Nṛtyā. 1270; **4 ii** name of an 'aerial' *maṇḍala* (in dance) आद्यं पादं च जनितं कृत्वोद्वाहितमाचरेत्। ···अतिक्रान्तं पुनर्वामं दण्डपादं च दक्षिणम्। विज्ञेयमेतद् व्यायामे त्वतिक्रान्तं तु मण्डलम् NāṭyaŚā. 11. 11; ViṣṇuDhaP. iii. 20. 24; SaṃgiRa. iv. 348. 4 (7. 1144); iv. 354. 1 (7. 1177); अतिक्रान्तं तमेवाङ्घ्रिं (= वामम्) दण्डपादं तु दक्षिणम्। यस्मिन्निदमतिक्रान्तं व्यायामे परिकीर्तितम् NṛttaRa. 3. 169; Nṛtyā. 1521; अतिक्रान्तायुतो वामो (अङ्घ्रिः) दण्डपादायुतः परः। अतिक्रान्तं तदा ज्ञेयं मण्डलं शंकरप्रियम् NṛtyaK. ii. 4. 35.

अतिक्रान्तकन्यातुला (atikrānta-kanyātulā) *adj.* (*f.*) **1** who has surpassed (in lustre or beauty) a comparison with (other virgins) वृश्चिकराशिरविस्थितिमिवातिक्रान्तकन्यातुलाम् ··· कन्यकाम् ··· अपश्यत् VāsaDa. 62. 4; **2** which has traversed Virgo and Libra, VāsaDa. 62. 4.

अतिक्रान्तकम्पा (atikrānta-kampā) *adj.* (*f.*) who has got over (her) tremor सा च तापसी निलीनकौणपभयादतिक्रान्तकम्पा ··· रोदितुमारब्धवती UdaySuKa. 89. 25.

अतिक्रान्तकलहालाप (atikrāntakalahālāpa) *m.* conversation about bygone frays अतिक्रान्तसुभटकलहालापेषु (v. l. अतिक्रान्तकलहालापेषु) स्नेहवृष्टिमिव तुष्टिमिष्टे कृपाणे पातयन्तम् ··· हर्षमद्राक्षीत् HarṣaC. 113. 2.

अतिक्रान्तकान्तद्युति (atikrānta-kāntadyuti) *f.* charming lustre which is gone away (faded) ततोऽपश्यदतिक्रान्तकान्तद्युतिसमुद्भवम्। वदनं धरणीन्द्रस्य प्रभातशशिपाण्डुरम् PadmP.(Ra.) 115. 35.

अतिक्रान्तकाल (atikrānta-kāla) *adj.* [*f.* –ā] **i** whose (proper) time has passed or elapsed यद्यतिक्रान्तकालस्यापि क्रिया श्राद्धप्रयुक्तत्वात्सर्वैरविशेषात्कर्तव्यम् BālaKrī. i. 151. 10 (*on* 1. 225); नापि यजमानेऽतिक्रान्तकालस्य करणात्सगुणं वरणम् TantrVā. 1060. 5 (*on* iii. 5. 46); सावित्री नातिवर्तते नातिक्रान्तकाला भवति ManvaVi. 131. 9 (*on* 2. 38); ManuBh. i. 95. 10 (*on* 2. 38); इत्थं पत्रारूढमृणमतिक्रान्तकालमपि पितृणां संबन्धि दाप्यते Mitā. 193. 10 (*on* 2. 90); हेत्वाभासादिकम्···अतिक्रान्तकालमप्युद्भाव्यम् NyāyPari. 213. 3; अतिक्रान्तकालमित्युक्तेः प्रपौत्रादीनामपि पत्रारूढे ऋणे देयमित्याशङ्का भवति Subodhi. 39. 29 (*on* 2. 90); उपनयनं नातिक्रान्तकालं भवति ManvaMu. 41. 9 (*on* 2. 38); अतिक्रान्तकालाद्वियमाननिमित्तस्य बलवत्त्वात् NirṇaSi. 382. 13; **ii** who has passed his (alloted) time (i. e. dead) पितातिक्रान्तकालो मे नाथो दीक्षासमुत्सुकः PadmP. (Ra.) 31. 177; *m.* past time भूतपूर्वशब्दोऽतिक्रान्तकालवचनः KāśiVṛ. *on* P. v. 3. 53; तस्मादन्यतरोक्तावतिक्रान्तकालो न प्रतीयते Nyās. ii. 121. 11 (*on* v. 3. 53); ii. 121. 8 (*on* v. 3. 53); तस्मादतिक्रान्तकालविशेषितपूर्ववर्तिस्तम्भादिपदार्थविषयमिन्द्रियादिसन्निकर्षोत्पन्नमेवेदं प्रत्यभिज्ञाज्ञानम् NyāyMañ. ii. 33. 11; इयमुद्धारयोगस्मृतिरतिक्रान्तकालविषया ManuBh. ii. 273. 23 (*on* 9. 112)

अतिक्रान्तकालिक (atikrānta-kālika) *adj.* belonging to a past age or time पूर्वयजमानोऽतिक्रान्तकालिकः BṛĀraUBh. 50. 11 (*on* i. 3. 8)

अतिक्रान्तकालीन (atikrānta-kālīna) *adj.* belonging to a past age or time ह स वै किल ··· पूर्वे अतिक्रान्तकालीना विद्वांसः आत्मज्ञाः BṛĀraUBh. 648. 4 (*on* iv. 4. 22); पूर्वेऽतिक्रान्तकालीना विद्वांसो ज्ञाततत्त्वकाः BṛĀraUBhVā. iv. 4. 1097.

अतिक्रान्तक्रम (atikrānta-krama) *adj.* put in reverse order अन्यैरपि सामान्यशब्दैः श्लेषः साध्यते – अतिक्रान्तक्रमभारतीस्थितिः पक्षे तीरभास्थितिः Kāvya-KaVṛ. 51. 4 (3. 1); 51. 7 (3. 1)

अतिक्रान्तक्रम (atikrānta-krama) *m.* (name of) a particular kind of movement of the feet (*cārī*) अतिक्रान्तक्रमं कृत्वा पुरस्तात्संप्रसारयेत् NāṭyaŚā. 4. 127; 4. 144; 9. 279; 10. 43; 10. 45.

अतिक्रान्तगुणा (atikrānta-guṇā) *adj.* (*f.*) incalculable, unlimited (संख्यामतिगुणाम्) अतिक्रान्तगुणामपि(? प)रिमितामिति यावत् CaturCin. ii(2). 923. 10.

अतिक्रान्तगुरु (atikrānta-guru) *adj.* who has disobeyed his elders नातिक्रान्तगुरूणां हि क्रिया कोप(? कापि) फलेग्रहिः PāṇḍaC. 5. 45.

अतिक्रान्तग्राहिन् (atikrāntagrāh-in) *adj.* cognitive of the past नन्वतिक्रान्तग्राहि च प्रत्यभिज्ञाविज्ञानम् NyāyMañ. ii. 32. 25.

अतिक्रान्तघटना (atikrānta-ghaṭanā) *f.* composition based on past event (name of a particular kind of rhetorical composition called *śayyā*) अतिक्रान्तघटना यथा – तस्य चक्रुश्चमत्कारं व्यतीतसमया अपि। सितार्द्रमुकुलोद्भेदाः

कदम्बवनराजयः । इयमतिक्रान्तस्यापि कदम्बवनराजीनामार्द्रमुकुलोद्भेदस्य विरहिमनश्चमत्कारकारिणो रामस्य स्मृतिद्वारेण घटनादतिक्रान्तघटना SaraKaṇṭhā. 184. 15.

अतिक्रान्तचत्वारिंशद्वर्ष (atikrānta-catvārimśadvarṣa) *adj.* who has passed forty years (of age) न ग्राहयेत् । द्विरदपतिमतिक्रान्तचत्वारिंशद्वर्षम् Hastyāyur. 201. 13 (2. 13)

अतिक्रान्तचारी (atikrānta-cārī) *f.* a variety of aerial (*ākāśikī*) Cārī (graceful movement of a single foot in dance) अथ भ्रमरी – अतिक्रान्तचार्युक्तं कुञ्चितं पादमुत्क्षिप्य AbhinBhā. ii. 106. 7 (*on* 10. 45); ii. 105. 10 (*on* 10. 43); cf. SāmgīRa. 7. 942–44.

अतिक्रान्तचिकित्स (atikrānta-cikitsa) *adj.* which is beyond treatment सखे अतिक्रान्तचिकित्सः परोक्षो मदनातङ्कः KaumuMa. 5. 23 (5)

अतिक्रान्तचेतोवृत्ति (atikrānta-cetovṛtti) *adj.* which has surpassed the functioning (speed) of the mind (तुरगपुङ्गवः) अपर्याप्तामतिक्रान्तचेतोवृत्तेः स्वरंहसः । विस्तारयन्निव महीं चटुलैः खुरघट्टनैः MadhuVi. 4. 22.

अतिक्रान्तजन्मन् (atikrānta-janman) *n.* past birth स च प्रजापतिः अतिक्रान्तजन्मनि…अदहत् BṛĀraUBh. 80. 9 (*on* i. 4. 1)

अतिक्रान्तजन्मावस्थ (atikrāntajanmāvastha) *adj.* being in the state of the past birth एकत्वदर्शनानर्थक्यप्रसङ्गः । यथा प्रजापतेरतिक्रान्तजन्मावस्थस्यैकत्वदर्शनं विद्यमानमप्यविद्याबन्धकारणं नापनिन्ये BṛĀraUBh. 82. 19 (*on* i. 4. 2)

अतिक्रान्तजातकर्मन् (atikrānta-jātakarman) *n.* birth rite which is missed or delayed इति अतिक्रान्तजातकर्मादिकर्मणां प्रयोगः BālamBha. i. 43. 14 (*on* 1. 11–12)

अतिक्रान्तता (atikrānta-tā) *f.* dislocation अतिक्षिप्ते द्वयोः सन्ध्यस्थ्नोरतिक्रान्तता वेदना च SuśruS. ii. 15. 7 (comm. अतिक्रान्तता दूरगमनम्)

अतिक्रान्तत्व (atikrānta-tva) *n.* **i** the state of being past or over संस्कारक्रमस्यातिक्रान्तत्वात् TantrVā. 1030. 21 (*on* iii. 4. 49); न तु प्रदर्शितं प्राप्यते क्षणिकत्वेनातिक्रान्तत्वात् NyāyMañ. i. 22. 16; i. 64. 12; ii. 165. 23; भूतस्यातिक्रान्तत्वात् … अनागतमेव संसारदुःखं हातव्यम् RājMār. 28. 25; यागव्रतेषु तु न विधातव्यं ऋतुकालस्यातिक्रान्तत्वात् SaṅkarKāBh. 30. 25 (*on* i. 3. 21); नियमावधेरवभृथकालस्य श्रुत्युक्तस्यातिक्रान्तत्वात् NyāyMāVi. 345. 21 (*on* vi. 5. 11); **ii** the state of having gone beyond तस्याश्च … तुर्यावस्थामतिक्रान्तत्वात्तुर्यातीतेत्येव यौगिको व्यवहारः LalitāSaBh. 79. 9 (*on* 114)

अतिक्रान्तदंश (atikrānta-daṁśa) *m.* bite which has passed (a period of time) यस्तु मां (? मा) समतिक्रान्तदंशो नोत्क्रमते प्रभो Hastyāyur. 193. 7 (2. 11)

अतिक्रान्तदमनक (atikrānta-damanaka) *adj.* **A** which is later than (the time of) the *damanaka* flowers यस्मै च … अतिक्रान्तदमनकाय वसन्तायेव … तरुण्यः स्पृहयाञ्चक्रुः VāsaDa. 39. 2 (comm. दमनकः पुष्पविशेषः); **B** by whom brave men are overcome, VāsaDa. 39. 2 (comm. अतिक्रान्ताः अभिभूताः दमनकाः वीरा येन तस्मै)

अतिक्रान्तदशाह (atikrānta-daśāha) *adj.* in which case ten days have passed अतिक्रान्तदशाहं सपिण्डमरणं श्रुत्वा सचेलस्नानमात्रेण…स्पृश्यो भवति HārLa. 33. 7; 40. 2.

अतिक्रान्तदिगन्तर (atikrānta-digantara) *adj.* which has covered the space between the quarters परिभाव्य नितान्तमैरवं तदतिक्रान्तदिगन्तरं बलम् ।… मुमुदे कुन्तलपार्थिवः VikraDeC. 15. 42.

अतिक्रान्तदिन (atikrānta-dina) *n.* past day अद्यापि यदि वाहारमतिक्रान्तदिनेष्विव । न गृह्णामि TriṣaŚaPuC. i. 3. 241.

अतिक्रान्तदिनवृत्त (atikrāntadina-vṛtta) *adj.* which happened in past days 'वेत्ति कश्चिदतिक्रान्तदिनवृत्तं कुमारवृत्तान्तम्' इति परिग्रहलोकमप्राक्षीत् TilaMañ. 415. 17.

अतिक्रान्तदिवस (atikrānta-divasa) *m.* past day अतिक्रान्तदिवसे गोपगृहे सुप्तः सन्नपश्यम् Hitopa. 2. 99 (24); अतिक्रान्तदिवसगतदशत्वादिसंख्यावच्चासतोर्भूतभविष्यतोरविद्यमानत्वेऽपि धर्मिणः प्रकाशनधर्मो जायते ŚāstrDī. 57. 11 (*on* i. 1. 5)

अतिक्रान्तनियम (atikrānta-niyama) *adj.* which has transgressed the rule अर्थेन्द्रियसंयोगादिः … आत्माश्रये धीकार्येऽतिक्रान्तनियमः NayaVi. 130. 6 (*on* i. 1. 5)

अतिक्रान्तनिषेध (atikrānta-niṣedha) *adj.* who has violated or transgressed prohibition अतिक्रान्तनिषेधस्य लिप्सया ब्राह्मणस्य चोपदेष्टृत्वसंभवात् ManuBh. i. 361. 16 (*on* 4. 80); अतिक्रान्तनिषेधं पुरुषमाश्रित्य … उक्तम् Bhām. 224. 17 (*on* i. 3. 19); अतिक्रान्तनिषेधैर्वा कैश्चिदुक्ताद्वाक्याच्छूद्रादेर्ज्ञानमुत्पद्यत एव ŚrīBh. 329. 16 (*on* i. 3. 39); तथाप्यतिक्रान्तनिषेधः पूर्वपतिकृताणांपाकरणाधिकारी भवत्येव Mitā. 168. 11 (*on* 2. 51); 437. 10 (*on* 3. 257); 437. 24 (*on* 3. 257); अथवातिक्रान्तनिषेधेन यत्र ब्रह्मवधः क्रियते तत्रैतत् Aparā. 682. 5 (*on* 2. 83); अतिक्रान्तनिषेधानां ब्राह्मणक्षत्रियवैश्यशूद्राणां पालयितृत्वम् … प्रवृत्तम् ŚivārkaMaDī. i. 479. 28 (*on* i. 3. 34); यद्यप्येतयानं निषिद्धं तथाप्यतिक्रान्तनिषेधस्यापद्गतस्य वा सद्द्यानाभ्यनुज्ञानार्थं तयानाभ्यनुज्ञानम् VīraMi.(Saṁskāra.) 491. 8; 736. 21; (Vyavahāra.) 268. 12; अतिक्रान्तनिषेधेभ्यः त्रैभाषिकेभ्यो म्लेच्छानां वैदिकशब्दग्रहणसंभवात् MīmāKau. i. 82. 7 (*on* i. 3. 10); अतिक्रान्तनिषेधानामेव याजकत्वं बोध्यम् MayūMāli. 459. 5 (*on* vi. 1. 13); अन्ये तु अतिक्रान्तनिषेधेन पुराणे श्राव्यमात्रेण (? माणे) श्रावयितैव प्रत्यवैति न श्रोतेत्याहुः BālamBha. i. 381. 17 (*on* 1. 121)

अतिक्रान्तनिषेधता (atikrāntaniṣedha-tā) *f.* the state of being one who has violated the prohibitory rule भिन्नमुल्लङ्घितं शास्त्रनिषिद्धं कर्म येन स तथा तस्य भावस्तथा अतिक्रान्तनिषेधता VedāntKa. 31. 5 (*on* 1. 1)

अतिक्रान्तनिषेधत्व (atikrāntaniṣedha-tva) *n.* the state of being one who has transgressed the prohibitory rule प्रायश्चित्तीयते पुत्रदारादिदानेऽतिक्रान्तनिषेधत्वात् SmṛtiCan. iv. 443. 14.

अतिक्रान्तनिषेधाधिकार (atikrānta-niṣedhādhikāra) *adj.* who has violated the authority of a prohibitory injunction योऽत्यन्तप्रवृद्धद्वेषो न हिंस्याद्भूतानीत्यतिक्रान्तनिषेधाधिकारः ManuBh. i. 62. 7 (*on* 2. 6)

अतिक्रान्तपद (atikrānta-pada) *n.* long or wide step अतिक्रान्तपदैरङ्गधूननैर्भञ्जनग्रहैः । बाष्पजृम्भणनिश्वासैरभिनेयोऽग्निसंभवः BhāvPra.(Śā.) 21. 3(1)

अतिक्रान्तपाक (atikrānta-pāka) *adj.* beyond cooking, characterised by overcooking मृदुपाकाश्च ये भक्ष्याः स्थूलाश्च कठिनाश्च ये । गुरवस्ते त्वतिक्रान्तपाकाः पुष्टिबलप्रदाः BhojanKu. 49. 21.

अतिक्रान्तपार्थिव (atikrānta-pārthiva) *m.* past king न खलु चन्द्रगुप्तदोषा अतिक्रान्तपार्थिवगुणानधुना स्मारयन्ति प्रकृतीः MudrāRā. 1. 20(80); सुतविभक्तभूभागान्न केवलमतिक्रान्तपार्थिवान्गिरीनपि बहुमन्यत (राजा) TilaMañ. 21. 16.

अतिक्रान्तपूर्व (atikrānta-pūrva) *adj.* disobeyed before or earlier ब्राह्मणवचनमिति । न मया अतिक्रान्तपूर्वम् KarṇaBhā. 23(7); न मया गुरुवचनमतिक्रान्तपूर्वम् Prati. 3. 4(8)

अतिक्रान्तप्रतिषेध (atikrānta-pratiṣedha) *adj.* who has violated the prohibitory injunction श्येनादिफलं तु हिंसायतिक्रान्तप्रतिषेधेनावाप्यते Kāśi. i. 176. 23 (*on* 2. 221)

अतिक्रान्तप्रत्यक्षविषय (atikrānta-pratyakṣaviṣaya) *adj.* which is beyond the scope of perception न चातिक्रान्तप्रत्यक्षविषय एवंलक्षणकेऽर्थे शब्दमन्तरेण परिच्छेदोऽवकल्पते ŚābaBh. 844. 18 (*on* iii. 3. 14)

अतिक्रान्तप्रत्यवमर्शक (atikrānta-pratyavamarśaka) *adj.* which refers to what is gone (i. e. stated) before इतिशब्दोऽतिक्रान्तप्रत्यवमर्शकः Prasā. i. 272. 8.

अतिक्रान्तप्रत्यवमर्शिन् (atikrānta-pratyavamarśin) *adj.* which refers to what is gone (i. e. stated) before अत्र इतिशब्दोऽतिक्रान्तप्रत्यवमर्शी Nyās. ii. 205. 11 (*on* vi. 1. 6); ii. 253. 19 (*on* vi. 1. 85)

अतिक्रान्तप्रधान (atikrānta-pradhāna) *adj.* having 'surpassed' as the principal sense अतिक्रान्तप्रधानस्यात्र (? श्चात्र) सत्त्वधर्मपरिग्रहात् उच्चैः शब्दः पठ्यते PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 1. 37; *on* P. i. 4. 105; अतिशब्दस्तु अतिक्रान्तप्रधानो नानाशक्तिर्भिर्युज्यते Prasā. i. 524. 13.

अतिक्रान्तप्रभावा (atikrānta-prabhāvā) *adj.* (*f.*) glory of which is over अतिक्रान्तप्रभावेयं कालदौरात्म्यपीडिता । निष्किञ्चनाथ संजाता पृथिवी गतगौरवा RājTa.(Ka.) 2. 35.

अतिक्रान्तप्रसवा (atikrānta-prasavā) *adj.* (*f.*) who is beyond giving birth to a child (i. e. who has abortion at every pregnancy) अतिप्रसवा अतिक्रान्तप्रसवा प्रतिगर्भं गर्भस्राववतीति यावत् (स्त्री) SmṛtiCan. iv. 574. 6.

अतिक्रान्तबन्धु (atikrānta-bandhu) *adj.* who has deserted the relatives किं वातिक्रान्तबन्धूनां स्वेच्छाचारहतात्मनाम् । इमास्ता विपदः स्त्रीणां कुमारीणां कथैव का KathāSaSāg. vi. 8. 7.

अतिक्रान्तबहुवयस् (atikrānta-bahuvayas) *adj.* who has passed many years of age (i. e. who has become very old) एकामतिक्रान्तबहुवयसमङ्गनामुपगम्य सविनयमपृच्छम् TilaMañ. 266. 3.

अतिक्रान्तबालभाव (atikrānta-bālabhāva) *adj.* who has passed the stage of childhood, who has grown beyond childhood समावृत्तो गुरुकुलात्प्रत्यागतो यावद्वातीतशैशवः अतिक्रान्तबालभावः ManuBh. ii. 84. 13 (*on* 8. 27)

अतिक्रान्तबाल्य (atikrānta-bālya) *adj.* whose childhood is over चारपुरुषैरतिक्रान्तबाल्यैः ··· हिरण्यानि तत्त्वेन तत्र निक्षेपयित्वा तैरेव ··· सः निक्षेपधारी प्राड्विवाकेन चारपुरुषनिक्षिप्तसुवर्णं याच्यः ManvaMu. 322. 22 (*on* 8. 182)

अतिक्रान्तभय (atikrānta-bhaya) *adj.* who has overcome fear अतिक्रान्तभये तत्र जातहासेऽखिले जने । आययौ श्रुतवृत्तान्ता तत्र रूपणिकाथ सा KathāSaSāg. ii. 4. 186.

अतिक्रान्तभव (atikrānta-bhava) *m.* previous birth नातिक्रान्तभवे त्वासीद्ब्रह्मविद्या प्रजापतेः BrĀraUBhVā. i. 4. 89; इतो भवात्तृतीयस्मिन्नतिक्रान्तभवे प्रभोः । पिताऽभवद् वज्रसेनः TriṣaS'aPuC. i. 3. 322.

अतिक्रान्तभावनीय (atikrānta-bhāvanīya) *m.* fourth (and the highest) of the four kinds of Yogins in the *saṁprajñātasamādhi* (who has exceeded all objects of contemplation) चत्वारः खल्वमी योगिनः प्रथमकल्पिको मधुभूमिकः प्रज्ञाज्योतिरतिक्रान्तभावनीयश्चेति ··· चतुर्थो यस्त्वतिक्रान्तभावनीयः YogBh. 174. 6 (*on* 3. 51); संप्रत्यतिक्रान्तभावनीयस्य ध्यायिनश्चतुर्थस्य चित्तावस्थामाह TattvVai. 6. 4 (*on* 1. 2); चत्वारो योगिनो भवन्ति तत्र ··· अतिक्रान्तभावनीयश्चतुर्थः RājMār. 62. 9; संप्रज्ञातयोगिनश्चतुर्भूमिका भवन्ति । तद्यथा प्रथमकल्पिको मधुभूमिकः प्रज्ञाज्योतिरतिक्रान्तभावनीयश्चेति YogSā. 16. 5(1)

अतिक्रान्तमद्य (atikrānta-madya) *n.* liquor which is overfermented मन्दकातिक्रान्तमद्यपानात् ··· प्रकुपितो वायुरपानः CaraS. vi. 14. 9 (1941 Ed.)

अतिक्रान्तमनस्कार (atikrānta-manaskāra) *m.* one who has transcended mental activity अतिक्रान्तमनस्कारो भ्रूमध्ये चित्तधारणात् AbhidhK. 6. 11 (Sphuṭā जितमनस्कारत्वादतिक्रान्तत्वादित्यर्थः)

अतिक्रान्तमर्याद (atikrānta-maryāda) *adj.* [*f.* –ā] **i** who has violated or transgressed the limits of proper conduct (in general) ताननतिक्रान्तमर्यादान्नान्यो संहर्तुमर्हति MahāBhā. viii. 24. 55; xii. 28. 9; तमतिक्रान्तमर्यादमाददानमसांप्रतम् । ऊचुर्महर्षयः सर्वे मरीचिप्रमुखास्तदा HariVaṁ. 5. 8= VāyuP. ii. 1. 113; BrahmP. 4. 35; तमतिक्रान्तमर्यादमवदानसुसंव्रतम् । ऊचुर्महर्षयः सर्वे BrahmāṇḍP. i. 36. 133; एवमतिक्रान्तमर्यादे त्वयि निमित्तमात्रेण पाण्डवक्रोधेन भवितव्यम् VeṇīSaṁ. 1. 256; तमतिक्रान्तमर्यादं प्रजापीडनतत्परम् । ऊचुर्महर्षयः क्रुद्धाः SkandP. vii(1). 336. 79; **ii** (a woman) who has violated the limit (of good behaviour or chastity) अतिक्रान्तमर्यादाया बहुपुरुषसंपर्क उच्यते S'ivārkaMaDī. i. 491. 23 (*on* i. 3. 31)

अतिक्रान्तमहाध्वन् (atikrānta-mahādhvan) *adj.* who has traversed a long way अतिक्रामन्ति सहसा तं ग्रन्थिं दुरतिक्रमम् । अतिक्रान्तमहाध्वानो घट्टभूमिमिवाध्वगाः TriṣaS'aPuC. i. 3. 592.

अतिक्रान्तमानुष (atikrānta-mānuṣa) *adj.* which has surpassed human (power) न केवलमतिक्रान्तमानुषेण प्रभावेण आकारेणापि शक्यत एव निश्चेतुम् (राम इति) KundaMā. 3. 14(1)

अतिक्रान्तयाग (atikrānta-yāga) *adj.* by whom sacrifices have already been performed यदि यागस्य विनाशित्वादन्येन तत्सम्बन्धिना फलं साध्यमानं यागेन साधितं भवति ततो लाघवादतिक्रान्तयागेनात्मनैव वरं साधयितव्यम् । यद्वा कर्मविनाशोऽयं फलं नः साधयिष्यति TantrVā. 362. 15 (*on* ii. 1. 5); न चातिक्रान्तयागेभ्यः पुरुषेभ्यः फलोद्गतिः TantrVā. 368. 18 (*on* ii. 1. 5)

अतिक्रान्तयामिनीवृत्तान्त (atikrāntayāminī-vṛttānta) *m.* incident of the previous night पत्युरतिक्रान्तयामिनीवृत्तान्तमाकर्णयन्तीम् ···मदिरावतीमद्राक्षीत् (नृपतिः) TilaMañ. 72. 6.

अतिक्रान्तयुग (atikrānta-yuga) *adj.* crossing over from one aeon to another मन्वन्तराणां संताने संतानाश्च श्रुतौ स्मृताः । अतिक्रान्तयुगाश्चैव ब्रह्मक्षत्रस्य संभवाः MatsyaP. 273. 63.

अतिक्रान्तयोगक्षेमा (atikrānta-yogakṣemā) *adj.* (*f.*) beyond security or welfare (i. e. having no security) अतिक्रान्तयोगक्षेमा रात्रिः PratiYau. 3. 1(95)

अतिक्रान्तयोगिन् (atikrāntayog-in) *adj.* (the constellation) the conjunction of which (with the moon) is over (नक्षत्राणि) षड् अनागतयोगीनि स्थितयोगीनि द्वादश । नवातिक्रान्तयोगीनि तथा योगः प्रदृश्यते AVPari. i(5). 7.

अतिक्रान्तयौवना (atikrānta-yauvanā) *adj.* (*f.*) (a woman) who is past her youth अतिक्रान्तयौवना वर्षाणां पञ्चपञ्चाशतः पञ्चाशतो वा आर्तवाभावादेव SthānṬ. 313B. 4.

अतिक्रान्तरस (atikrānta-rasa) *adj.* over-ripe, overmatured संपद्विरुद्धं तद्विद्यादसंजातरसं तु यत् । अतिक्रान्तरसं वापि विपन्नरसमेव वा CaraS. i. 26. 101 (1941 Ed.)

अतिक्रान्तर्तुलिङ्ग (atikrāntartu-liṅga) *n.* characteristic of (peculiar to) the previous season अतिक्रान्तर्तुलिङ्गं यत्कुसुमाद्यनुवर्तते । लिङ्गानुवृत्तिं तामाहुः सा ज्ञेया काव्यलोकतः । वर्षासु ग्रीष्मलिङ्गाब्जविकासानुवृत्तिः KāvyMī. 109. 6.

अतिक्रान्तवचन (atikrānta-vacana) *adj.* expressive of the past event भूतशब्दोऽयमतिक्रान्तवचनः Nyās i. 625. 4 (*on* iii. 2. 84)

अतिक्रान्तवत् (atikrānta-va(n)t) *adj.* **Ai** who has erred (who has gone beyond propriety) कालियः — भगवन् अज्ञानादतिक्रान्तवान् सान्तःपुरः शरणागतोऽस्मि BālC. 4. 11(1); **Aii** who has transcended or overcome स यः कश्चित्···अतिक्रान्तवानुपाधिधर्मं हृदयाद्यात्मत्वम् BrĀraUBh. 480. 11 (*on* iii. 9. 26); **Aiii** who has transgressed or violated न सत्यमतिक्रान्तवानसि Bhām. 272. 1 (*on* i. 3. 3); **B** who has crossed over अहम् ··· धावन् भूयसीं भूमिमतिक्रान्तवान् UdaySuKa. 30. 20.

अतिक्रान्तवयस् (atikrānta-vayas) *adj.* advanced in age अतिक्रान्तवया राजा मा स्मैनं व्यवरोरुधः Rāmā. ii. 1263*(1)

अतिक्रान्तवयस्त्व (atikrāntavayas-tva) *n.* advancement in age, agedness तत्र व्यावर्तनकारणानि ··· अतिक्रान्तवयस्त्वम् KāmSū. 258. 8 (5. 1); JayaMa. 258. 22 (*on* 5. 1)

अतिक्रान्तवर्ण (atikrānta-varṇa) *m.* sound already pronounced तां च बुद्धिम् ··· अतिक्रान्तवर्णग्रहणरूपां सदसद्वर्णगोचरां केचिद्विचित्रामिच्छन्ति Tātpa-Ṭ.(U.) 468. 15 (*on* 5(10). 111)

अतिक्रान्तवस्तु (atikrānta-vastu) *f.* past thing or event कृतमतिक्रान्तवस्तुचिन्तया TilaMañ. 338. 3.

अतिक्रान्तवाचिन् (atikrāntavāc-in) *adj.* expressing what is past (i. e. past event) भूतपूर्वशब्दोऽतिक्रान्तवाची Prasā. i. 916. 21.

अतिक्रान्तवार्ता (atikrānta-vārtā) *f.* news of what is past or over अतिक्रान्तवार्ताप्रकाशनपुरःसरं पितुरादेशमभिलिखितमीक्षितवान् TilaMañ. 321. 19.

अतिक्रान्तविग्रह (atikrānta-vigraha) *m.* past battle or fight अतिक्रान्तविग्रहाश्रिताः कथा न कथयितव्याः PratiYau. 2. 13(19)

अतिक्रान्तविधिनिषेध (atikrānta-vidhiniṣedha) *adj.* who is beyond (i. e. who does not observe) injunction or prohibition सत्यासत्यतां व्यवहारे जानन्नपि यो नराधमोऽतिक्रान्तविधिनिषेधः ···सत्यवचनं न ददाति Aparā. 677. 6 (*on* 2. 77)

अतिक्रान्तविवाह (atikrānta-vivāha) *m.* marriage already accomplished यत्त्वस्याः स्यादितिवत् लक्षणायास्तुल्यत्वेऽपि अतिक्रान्तविवाहसंबन्धेनेदानीं सा इति जघन्यायास्तस्या अनौचित्यात् BālamBha. ii. 264. 10 (*on* 2. 145)

अतिक्रान्तविषय (atikrānta-viṣaya) *adj.* relating to (the ritual or rite) which is over (i. e. already performed) अत एव च अतिक्रान्तविषयमेतत्कार्यैकत्वाभिधानम् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 729. 13 (*on* iv. 1. 16)

अतिक्रान्तवेतन (atikrānta-vetana) *adj.* (payment of) whose wages is delayed न कुप्यवेतनी कश्चिन्न चातिक्रान्तवेतनी (v. l. °वेतनः) MahāBhā. iii. 16. 22.

अतिक्रान्तवेतनिन् (atikrānta-vetanin) *adj.* payment of whose wages is delayed न कुप्यवेतनी कश्चिन्न चातिक्रान्तवेतनी MahāBhā. iii. 16. 22.

अतिक्रान्तवेल (atikrānta-vela) *adj.* who has crossed the (usual) time शिशुमारोऽपि वलीवदनप्रीत्यातिक्रान्तवेलो गृहमागतः Tantrākhyā. 124. 21.

अतिक्रान्तवेला (atikrānta-velā) *f.* time beyond limit, late hour तेनोक्तं किमतिक्रान्तवेलायां त्वं समागता SamarāSaṁ. 4. 279.

अतिक्रान्तवैभव (atikrānta-vaibhava) *n.* past glory or prowess प्रयत्नरुद्धोऽपि···अतिक्रान्तवैभवस्मरणयोनिमन्युः ···ईक्षणयुगमपूर्यत विस्तारिणा बाष्पनीरेण TilaMañ. 258. 18.

अतिक्रान्तव्रत (atikrānta-vrata) *n.* religious vow not done in time इति प्रायश्चित्ताम्नानादतिक्रान्तव्रतानुष्ठानं नास्तीति गम्यते NirṇaSi. 19. 20.

अतिक्रान्तशब्दार्था (atikrānta-śabdārthā) *adj.* (*f.*) violating the meaning of the words एवमतिक्रान्तशब्दार्था त्वन्मतिर्भाति AṇuBh. 31. 3 (*on* i. 1. 11)

अतिक्रान्तशासना (atikrānta-śāsanā) *adj.* (*f.*) who has transgressed the law अतिक्रान्तशासनाश्च प्रजाः सर्वाः क्षितीः संकिरेयुः DaśKuC. 130. 8.

अतिक्रान्तशास्त्र (atikrānta-śāstra) *adj.* who has transgressed (the rules of) scriptures लुब्धस्य सति धने व्ययमकुर्वाणस्योच्छास्त्रवर्तिनो अतिक्रान्तशास्त्रस्य च राज्ञो धनं न प्रतिगृह्णीयात् Aparā. 184. 8 (*on* 1. 140)

अतिक्रान्तशास्त्रमर्याद (atikrānta-śāstramaryāda) *adj.* who has transgressed the limits (rules) of the scriptures उच्छास्त्रवर्तिनः अतिक्रान्तशास्त्रमर्यादस्य (राज्ञः धनं न प्रतिगृह्णीयात्) VīraMi. 224. 27 (*on* 1. 140)

अतिक्रान्तशुद्धकाल (atikrānta-śuddhakāla) *adj.* (rite) whose

proper time is over तान्यालस्यादिनातिक्रान्तशुद्धकालप्रारम्भविषयाणि NirṇaSi. 38. 21.

अतिक्रान्तश्राद्ध (atikrānta-śrāddha) *n.* S'rāddha ceremony for which the proper time is over पूर्वमासे मृतितिथिमुल्लङ्घ्योत्तरमासे मृतितिथौ अतिक्रान्तश्राद्धं प्राप्तकालं च श्राद्धं चेति द्वयं तत्र कार्यम् VīraMi.(Samaya.) 214. 18.

अतिक्रान्तषोडशवर्ष (atikrānta-ṣoḍaśavarṣa) *adj.* beyond the age of sixteen, who is more than sixteen years of age इदं चातिक्रान्तषोडशवर्षस्य सप्तदशे वर्षे उपनयनं द्रष्टव्यम् VīraMi. (Saṁskāra.) 350. 4.

अतिक्रान्तसंवत्सर (atikrānta-saṁvatsara) *m.* previous year अतः समयादतिक्रान्तसंवत्सरे त्रिकालदर्शी मुनिर्महायशो नाम ··· काञ्च्यामुपाययौ TilaMañ. 272. 9; *adj.* [*f.* -ā] which is for a period beyond a year अर्वागपि संवत्सराद्या (वृद्धिः) दीयते साप्यतिक्रान्तसंवत्सरैव ManuBh. ii. 145. 17 (*on* 8. 153)

अतिक्रान्तसंस्कार (atikrānta-saṁskāra) *m.* sacrament which is not performed or is neglected पुनःसंस्कारमतिक्रान्तसंस्कारमित्यर्थः VīraMi. (Saṁskāra) 177. 22.

अतिक्रान्तसप्तति (atikrānta-saptati) *adj.* who has crossed seventy years of life न शुद्धिरूनदशमे न चातिक्रान्तसप्ततौ AṣṭāSaṁ. i. 157. 25 (1. 29)

अतिक्रान्तसमुद्रक्षोभ (atikrānta-samudrakṣobha) *m.* past agitation of the sea देशकालनियमश्च। ··· क्वचिदभिन्नदेशतया च। यथा दिवानिशाकरास्तगमनातिक्रान्तसमुद्रक्षोभयोरिति NyāyPari. 101. 3.

अतिक्रान्तसमुद्रवृद्धि (atikrānta-samudravṛddhi) *f.* past high-tide of the sea चन्द्रनभोमध्यस्थितेरतिक्रान्तसमुद्रवृद्धेश्च एककालताभावात् YuktiSneha. 65. 28 (*on* i. 1. 5)

अतिक्रान्तसंभव (atikrānta-sambhava) *adj.* whose birth was earlier (by a specific period) ते षष्ट्यातिक्रान्तसंभवम्। ··· ददृशुः स्थविरं नरम् KumāCaSaṁ. 12. 27.

अतिक्रान्तसर्गादि (atikrānta-sargādi) *adj.* past or earlier creations etc. यथास्य सर्गस्यादौ प्रकर्षगत्या सिद्धस्तथातिक्रान्तसर्गादिष्वपि प्रत्येतव्यः YogBh. 32. 9 (*on* 1. 26)

अतिक्रान्तसुख (atikrānta-sukha) *adj.* (times) in which happiness is a thing of the past अतिक्रान्तसुखाः कालाः MahāBhā. i. 119. 6.

अतिक्रान्तस्थित (atikrānta-sthita) *adj.* being in the *atikrāntacārī* pose गच्छेत्सललितैः पादैरतिक्रान्तस्थितैः सदा NāṭyaS'ā. 12. 43.

अतिक्रान्तस्वकाल (atikrānta-svakāla) *adj.* which is past its proper time अस्माद्वचनान्नित्यं स्नानं कथंचिदतिक्रान्तस्वकालं महानिशावर्जं रात्रावपि कर्तव्यम् CaturCin. iii(2). 108. 14.

अतिक्रान्ता (ati-krāntā) *f.* name of one of the 16 varieties of aerial (*ākāśa-*) *cāris* or steps in a dance (wherein one bent leg is raised up, brought forward and then placed on the ground); आकाशिकीनां चारीणां संप्रवक्ष्यामि लक्षणम्। कुञ्चितं पादमुत्क्षिप्य पुरतः संप्रसारयेत्। उत्क्षिप्य पातयेच्चैनमतिक्रान्ता तु सा स्मृता NāṭyaS'ā. 10. 30 (comm. गन्तव्यातिक्रमादतिक्रान्ता); 10. 11; गुल्फक्षेत्रेऽन्यपादस्योद्वृत्याङ्घ्रिं कुञ्चितं पुरः। किंचित् प्रसार्य चोत्क्षिप्य यथाप्रकृति लोकवत्। चतुस्तालान्तरेण ततोऽग्रेण निपातयेत्। यत्र चारीमतिक्रान्तां निःशङ्कस्तामकीर्तयत् SaṁgīRa. iv. 290. 7 (7. 944); अग्निजे (आवेगे) धूतिरङ्गानां धूमाकुलितनेत्रता। चार्यातिक्रान्तया चापक्रान्तया चरणं भवेत् SaṁgīRa. iv. 862. 15 (7. 1623); NṛtyaRa. 3. 40; अङ्घ्रेरेकस्य गुल्फे चेदन्यमुद्धृत्य कुञ्चितम्। प्रसार्य पुरतः किंचिदथोत्क्षिप्य निपातयेत्। अग्रे लोकानुसारेण चतुस्तालान्तरादितः। अतिक्रान्ता तदा चारी Nṛtyā. 1017; NṛtyaK. ii. 2. 42.

अतिक्रान्तातिक्रान्त (atikrāntātikrānta) *adj.* surpassing those who have surpassed प्रतिष्ठिता वयं देवमनुष्येषु अतिक्रान्तातिक्रान्ताः Divyāva. 29. 6.

अतिक्रान्ताध्यायद्वय (atikrāntādhyāya-dvaya) *n.* previous two Adhyāyas (chapters) अतिक्रान्ताध्यायद्वयेन परं ब्रह्म वेदान्ताः प्रतिपादयन्ति S'rīBh. 564. 5 (*on* iii. 1. 1)

अतिक्रान्तानतिक्रान्तविशेष (atikrāntānatikrānta-viśeṣa) *m.* difference between (a sacrifice) which is over and (a sacrifice) which is not yet over अतिक्रान्तानतिक्रान्तविशेषस्तु नास्ति TantrVā. 368. 19 (*on* iii. 1. 5)

अतिक्रान्तानुकार्य (atikrāntānukārya) *m.* (dramatic) role of a person of the earlier age नातिक्रान्तानुकार्यस्य रसभावनया कविः। करोति काव्यम् BhāvPra. (S'ā.) 6. 153(7)

अतिक्रान्ताभिगमन (atikrāntābhigamana) *n.* movement with the *Atikrāntacārī* style अतिक्रान्ताभिगमने पादमेतत् प्रयोजयेत् ViṣṇuDhaP. iii. 24. 63.

अतिक्रान्ताभिधेयम् (atikrāntābhidheyam) *adj.* beyond expression, inexpressible अत्यर्थमतिक्रान्ताभिधेयं प्रियत्वं वाचामगोचरमित्यर्थः S'rutaPra. iA. 61. 3 (i. 1. 1)

अतिक्रान्तार्थ (atikrāntārtha) *m.* meaning 'surpassing or excelling' अस्य चातिक्रान्तार्थं प्रत्युपसर्जनत्वेऽपि राजकुमारीत्येतदर्थं प्रत्यनुपसर्जनत्वमेव LaS'abdeS'e. i. 530. 16.

अतिक्रान्तायुक्तकशत (atikrāntāyuktaka-śata) *n.* hundred past officials (भूपालः स्कन्धावारम्) अतिक्रान्तायुक्तकशतानि च शंसद्भिः ·· कटकं जगाम HarṣaC. 286. 7.

अतिक्रान्तानेकजन्मकृत (atikrāntānekajanma-kṛta) *adj.* done in several past births यानि चातिक्रान्तानेकजन्मकृतानि तेषां च फलमदत्वा नाशो न युक्तः GītāBh.(S'aṅ.) 395. 16 (*on* 13. 23); 552. 5 (*on* 18. 66)

अतिक्रान्तार्थविधान (atikrāntārtha-vidhāna) *n.* injunction of an object which is past न च विधेयान्तरोपादाने सत्यतिक्रान्तार्थविधानमवकल्पते TantrVā. 549. 18 (*on* ii. 2. 26)

अतिक्रान्तार्थवृत्ति (atikrāntārtha-vṛtti) *adj.* signifying the meaning 'surpassing or excelling' वृत्तिविषयेऽतिशब्दोऽतिक्रान्तार्थवृत्तिः PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. vi. 2. 191.

अतिक्रान्तालोचन (atikrāntālocana) *n.* consideration of what has gone before or passed न त्वेतदतिक्रान्तालोचनेन···अभिहितम् TantrVā. 628. 6 (*on* ii. 3. 29)

अतिक्रान्तावधि (atikrāntāvadhi) *adj.* who has transgressed the (prescribed) time-limit अथैत्यतिक्रान्तावधेः स्वामिनः समागमनानन्तर्यमुच्यते SmṛtiCan. iii. 313. 3.

अतिक्रान्तावधिक (atikrāntāvadhi-ka) *adj.* who has transgressed the (prescribed) time-limit तदतिक्रान्तावधिकस्य स्वामिनो नाशनिश्चयविषये द्रष्टव्यम् SmṛtiCan. iii. 313. 6.

अतिक्रान्तावस्थ (atikrāntāvastha) *adj.* who has passed the stage (of intoxication) अतिक्रान्तावस्थो गजपतिरिदम् ··· जगत्सर्वं हन्तुं समभिलषति क्रोधकलुषः MātaLī. 9. 17.

अतिक्रान्तावेक्षण (atikrāntāvekṣaṇa) *n.* consideration of what has gone before (in a book) (i. e. reference to a previous point) पुरस्तादेवं विहितमित्यतिक्रान्तावेक्षणम् ArthS'ā. iii. 246. 1 (15. 1); यत्पूर्वमुक्तं तदतिक्रान्तावेक्षणम् SuśruS. vi. 65. 31; अथ तन्त्रयुक्तयो भवन्ति ··· अतिक्रान्तावेक्षणम् ViṣṇuDhaP. iii. 6. 0.

अतिक्रान्ताशौच (atikrāntāśauca) *n.* (period of) impurity that has passed अतिक्रान्ताशौचेऽप्ययमेवार्थः स्मृत्यन्तरे दर्शितः Mitā. 334. 34 (*on* 3. 17); एवमुक्तमतिक्रान्ताशौचं मातापितृव्यतिरिक्तसपिण्डविषयम् SmṛtiCan. vi. 54. 13; NirṇaSi. 377. 26; BālamBha. iii. 27. 4 (*on* 3. 14); iii. 59. 7 (*on* 3. 18)

अतिक्रान्ति (ati-krānti) *f.* 1 stepping over, going from one step to another प्रजापतिष्षष्ठादहः सप्तममहरभ्यत्यक्रामत्। अतिक्रान्तिः एवैषा JaimiBr. 3. 174; 3. 204; 2A overcoming ननु मृत्योरतिक्रान्तेरुद्गीथज्ञानकर्मणोः। फलस्य संभवात् BṛĀraUBhVā. i. 3. 8; 2B surpassing समानवीर्यान्वयपौरुषेषु यः करोत्यतिक्रान्तिमसौ तिरस्क्रिया Kirātā. 14. 23; S'abdaRa.(Vā.) 4533; 3 transgression, neglect, omission अतिक्रान्तिरतस्तेषां लोकद्वयविरोधिनी MahāP. 6. 152; S'abdaRaSaK. 151. 12.

अतिक्रान्तुम् (atikrān-tum) *inf.* 1 to overcome नाशकत्तानतिक्रान्तुं मृत्युर्ब्रह्मविदो यथा MahāBhā. viii. 33. 9; 2 to transgress, to disobey तामाज्ञां क्षणमप्यहं नातिक्रान्तुमिहेच्छामि MārkP. 23. 90; न हि शक्नोम्यतिक्रान्तुं सत्यमाबाल्यसेवितम् KathāSaSāg. xii. 17. 38; 3 to cross, to overstep नातिक्रान्तुमलं ब्रह्मंस्तदद्यापि महोदधिः ViṣṇuP. v. 38. 10.

अतिक्रान्तोत्पत्ति (atikrāntotpatti) *f.* reappearance (of a past thing) or rebirth भूतप्रादुर्भावः अतिक्रान्तोत्पत्तिः SiddhāKau. 417A. 9.

अतिक्रान्तोपनयनकाल (atikrāntopanayanakāla) *adj.* whose (prescribed) time for thread-ceremony has elapsed अतिक्रान्तोपनयनकालानां यद्भवति तदाह Aparā. 68. 5 (*on* 1. 38); प्रागुपनयनादिति वदता अतिक्रान्तोपनयनकालस्यापि यावदुपनयनमेते धर्मा भवन्तीत्युक्तं भवति VīraMi.(Saṁskāra.) 328. 11.

अतिक्रान्तोपवर्णन (atikrāntopavarṇana) *n.* description or statement of what has already taken place, narrating the past किमिदानीमतिक्रान्तोपवर्णनेन PañcT. 2. 53 (241. 1); किमि(? म)तिक्रान्तोपवर्णनेन AnarghRā. 4. 12 (1)

अतिक्रान्तोपवर्णित (atikrāntopavarṇita) *n.* description or statement of the past किमिदानीमि(? म)तिक्रान्तोपवर्णितेन AnarghRā. 4. 12 (1)

अतिक्रान्तोपवासा (atikrāntopavāsā) *adj.* (*f.*) wherein the prescribed fasting has been missed, passed without fasting (with reference

to Ekādaśī) विष्णुता केनापि हेतुनातिक्रान्तोपवासा (एकादशी) Aparā. 202.18 (*on* 1.154)

अतिक्रान्तोपालम्भ (atikrāntopālambha) *m.* cursing the past किमतिक्रान्तोपालम्भेन Hitopa. 1.126 (1)

अतिक्राम (ati-krāma) *m.* name of a group of formulas (TaiS. III. v. 3) अथातिक्रामातीमोक्षैश्चरत्यग्निना देवेन BaudhŚS. i. 242.2; अथातोऽतिक्रामाणामेव···संवत्सरमेतैः क्रमैः क्रमेत BaudhŚS. ii. 187.15.

अतिक्रामक (ati-krāmaka) *adj.* exceeding, transgressing [MW]

अतिक्रामण (ati-krāmaṇa) *n.* past case, earlier fact (प्रकृतस्य) साधनं प्रदेशोऽतिक्रामणेन सति(? सोऽति)देशः ViṣṇuDhaP. iii. 6.0.

अतिक्रामत् (ati-krā́mat) *adj.* [*f.* -ntī] **A i** going across, crossing, stepping over, traversing अ॒ति॒क्राम॑न्तो दु॒रि॒ता प॒दानि॑ AV. xii. 2.28; अ॒ति॒क्राम॒न्तो॒ऽव॒रा॒न्परे॑भिः AV. xii. 2.29; अपरेणाहवनीयं दक्षिणातिक्रामन् ··· ब्रह्माणमीक्षते ĀpaŚS. xv. 10.11; मत्स्यवन्धैरेतत्सरःसमीपेन अतिक्रामद्भिरभिहितम् Tantrākhyā. 19.2 = PañcT. 1.61 (67.6); चित्रग्रीवः···नभस्यतिक्रामन् Tantrākhyā. 54.13; अपसरापसरेति क्रोशतः प्राजकस्य पथो नातिक्रामन्यदि हिंस्यान्न दोषः ManuBh. ii. 198.16 (*on* 8.292); एवमसौ ··· अटवीश्चातिक्रामन् NalaCam. 5.32; PadmP. iv. 44.42; KathāSaSāg. xii. 35.41; अतिक्रामत्स्वरे तत्र त्वायुःसंहननादिकम् TriṣaŚaPuC. i. 2.128; मदीक्षणार्पितदृशः कृच्छादतिक्रामतः किं व्रीडाहतया मया भुजलतापाशो न कण्ठेऽर्पितः ŚārṅgaPa. 3437; **A ii** skipping, jumping over स्थानान्यतिक्रामतः···(चन्द्रार्धचूडामणेः) जयन्ति···केलयः KarpūC. 2; **B i** elapsing, passing (of time) अतिक्रामति कालेऽस्मिन्सर्वभूतक्षयावहे MahāBhā. xii. 169.1; HarṣaC. 64.4; AnargharRā. 4.50; NalaCam. 3.23; 4.9; क्रमादतिक्रामति च यौवने TilaMañ. 20.13; RājTa.(Ka.) 3.82; BhojPra. 10.2; **B ii** letting (fixed) time lapse दोहकालमतिक्रामतस्तत्फलहानं दण्डः ArthŚā. i. 317.1 (2.29); **B iii** crossing over, going beyond (a specific period) वयसा पञ्चपञ्चाशतं वर्षाण्यतिक्रामन्तम् ··· भैरवाचार्यं ददर्श HarṣaC. 155.3; क्रमेण शैशवमतिक्रामतोऽस्य NalaCam. 4.14 (1); वर्षाकालमतिक्रामन् ···नवरात्राणि प्रारेभे PrabaCin. 17.1; **C** ignoring, setting aside, transgressing, violating, not abiding by, failing को हि संबन्धकम्···ईप्सितम् । अतिक्रामन्न तप्येत MahāBhā. i. 94.70; अतिक्रामन्केशवस्य तथ्यं वचनमर्थवत् MahāBhā. v. 123.7; चक्रवृद्धिं समारूढो देशकालव्यवस्थितः । अतिक्रामन्देशकालौ न तत्फलमवाप्नुयात् ManuSm. 8.156; शास्त्रोपदेशमतिक्रामतः BrahmSi. 43.23; तीर्थमतिक्रामन् वञ्चितः स्याम् PādaTā. 12.12; PadmPrā. 12.15; BṛĀraUBh.(Śaṅ.) 267.19; अतिक्रामन्निदं वाक्यं प्रायश्चित्तं च सोऽर्हति BṛKathāK. 59.69; स्वधर्ममतिक्रामतां सर्वेषां पार्थिवो गुरुः NītiVā. 7.22 (comm. निषेधयिता); TātpaṬ. 529.12 (*on* iii. 1.56); वाक्यार्थं प्रतिपद्यमानोऽपि···विधिमतिक्रामन्दृश्यते NītiMā. 58.8; प्रतिषेधशास्त्रमतिक्रामन्त्याश्रयमनुगमनोपदेशः Mitā. 28.24 (*on* 1.86); एते च साक्षिधर्ममतिक्रामन्तः प्रथमसाहसं दण्डनीयाः Aparā. 763.19 (*on* 2.153); KāmVa. 6.37; राजाह्वानमतिक्रामतो दण्डः बृहस्पतिनोक्तः ViraMi.(Vyavahāra.) 40.25; **D** encroaching, covering (for sexual intercourse) aggressively जातसस्मयस्तामेवाजामतिक्रामन् YaśasCam. ii. 219.2.

अतिक्रामम् (ati-krāmam) *adv.* stepping forward ज्योतिष्मत्याज्यभागौ यजति ··· अग्रेणाघारसंभेदमतिक्रामम् VārāŚS. I. iii. 4.28; उदङ्ङतिक्रामं सोमाय पितृमतेऽनु स्वधेत्यनुवाचयति VārāŚS. I. vii. 4.39.

अतिक्रामयत् (ati-krāmayat) *adj.* causing to pass, letting cross over or transcend (खेलनैः) पञ्चातिक्रामयन्वर्षाण्ययमेकाहलीलया PāṇḍaC. 1.127; सत्त्वभावान् अतिनेनीयमानः संसारं भृशमतिक्रामयन् NyāySu.(Ja.) 585B.10 (*on* iii. 4.5)

अतिक्रामयितव्य (ati-krāmayitavya) *adj.* which is to be necessarily transgressed or violated अयमपि नारदीयः प्रतिषेधोऽतिक्रामयितव्यः BālaKri. i. 228.12 (*on* 2.74)

अतिक्रामयित्वा (atikrāmayi-tvā) *ger.* having deceived or disregarded बलेन येन वै सीताम् ··· । मामतिक्रामयित्वा त्वं हृतवांस्तद्धिदर्शय Rāmā. vi. 31.55.

अतिक्रामित (ati-krāmita) *adj.* [*f.* -ā] caused to pass or lapse तत्किमिति कालोऽतिक्रामितः इत्यादिभिरालापैः JayaMa. 50.13 (*on* 1.4); पारणलङ्घिता अतिक्रामिता द्वादशी धर्महरणं करोति CaturCin. iii (2). 283.8.

अतिक्रामिन् (atikrām-in) *adj.* rapist, ravisher धात्वर्थालोचनात् अपहारीत्यतिक्रामिणमित्यभिगामिनमित्यमीषामपि तत्परत्वात् DaṇḍaVi. 237.9.

अतिक्रिमिगतोदर (atikrimigatodara) *adj.* having severe infection of worms in the stomach अतिक्रिमिगतोदरान् ··· सितत्रिकटुचूर्णकैः ··· मृदुविरेचनैर्योजयेत् KalyāKā. 8.44.

अतिक्रिय (ati-kriya) *adj.* having severe action or effect अत्यर्थमतिदृष्टमतिक्रियम् । एवं द्विविधमाख्यातम् Hastyāyur. 504.29 (3.21)

अतिक्रिया (ati-kriyā) *f.* **A** extra effort नास्ति त्वतिक्रिया तस्य रणेऽरीणां प्रतिक्रिया MahāBhā. iii. 84.14; **B** unjustifiable excess in action, overdoing मूलान्तरं निरस्तं च सामान्येनैव यत्पुरा । तदनुप्राप्यते पश्चाद्विरोधेनेत्यतिक्रिया TantrVā. 84.18 (*on* i. 3.3); (NyāySu. उचितां क्रियामतिक्रम्य क्रिया); **C** excessive or over treatment बालक्षाणौ प्रशाधयेत् । कालातीतः क्रियाभिर्वातिक्रियाभिरतोऽपि वा Hastyāyur. 209.20 (2.16)

अतिक्रियात्मक (atikriyātma-ka) *adj.* having over-active nature तत्राभिमानी भगवान्वायुश्चातिक्रियात्मकः VāyuP. i. 2.40.

अतिक्री (ati-krī) *f.* variety of the Sadyaskrī (a kind of Soma sacrifice) अतिक्रिया यक्ष्यमाणस्तिलेषु दीक्षते BaudhŚS. ii. 371.1.

अतिक्रीडन (ati-krīḍana) *n.* excessive sport or play भजत्यरि(v. l. ति)क्रीडनमर्भकैः समम्···चित्रकः PadmP.(Ra.) 42.44.

अतिक्रीडा (ati-krīḍā) *f.* overplaying, excessive sport अतिक्रीडां सर्वदा परिवर्जय SkandP. iii(3). 11.27.

अतिक्रुद्ध (ati-kruddha) *adj.* [*f.* -ā] excessively angry इति श्रुत्वा पुलोमाया भृगुः परममन्युमान् । शशापाग्निमभि(v. l. ति)क्रुद्धः सर्वभक्षो भविष्यसि MahāBhā. i. 6.13; ii. 39.18; iii. 12.42; viii. 39.14; HariVaṁ. 22.30; अतिक्रुद्धापि तु न द्वारदेशाद्भूयो गच्छेत् KāmSū. 186.7 (2.10) (comm. न भूयो न बहिः); NītiVā. 25.80; YaśasCam. ii. 327.22; BrahmP. 12.33; PadmP. v. 49.94; रूपाण्यभिद्रवति वा योऽतिक्रुद्धो मतङ्गजः Hastyāyur. 341.26 (2.71); YudhiVi. 8.36; Bhāsk. i. 258.5 (*on* i. 5.14); TantrRā. 6.67; पशुपतिरतिक्रुद्धो दृश्यते Manmatho. 4.23 (648.2); *m. mantra* having twenty-eight or thirty-one syllables अष्टाविंशत्यक्षरो वा एकत्रिंशदथापि वा । अतिक्रुद्धः स कथितो निन्दितः सर्वकर्मसु ŚāraTi. 2.101; 2.69.

अतिक्रुध् (ati-krudh-) IV. P. to be extremely angry नातिक्रुध्यति ··· गजः श्लैष्मिकः MātaLī. 11.40.

अतिक्रुध् (ati-krudh) *adj.* excessively angry व्यतर्कयज्ज्वरमिव रौद्रमुद्धतम् । ··· अतिक्रुधं निश्चयम् ··· जनः ŚiśuVa. 17.7; *f.* excessive anger, great anger विधुरीकृतमप्यतिक्रुधाग्रे मम राधावदनं मनो धिनोति VidaMā. 7.50; तं दृष्ट्वातिक्रुधा क्षिप्तः कुठारो हि मया ततः BrahmāṇḍP. ii. 44.27; KathāSaSāg. i. 1.56; ŚāliC. i. 136.

अतिक्रुश् (ati-kruś-) I. P. to cry or call out loudly सा गृहीतातिचुक्रोश रावणेन यशस्विनी । ··· रामं दूरगतं वने Rāmā. iii. 47.20.

अतिक्रुष्ट (áti-kruṣṭa) *n.* excessive lamentation (deified) अति॑क्रुष्टाय मा॒ग॒धम् VājaS. 30.5; TaiBr. III. iv. 1.1 (Bhāskara अतिक्षिप्ताय); (आलभेत) पुंश्चलमतिक्रुष्टाय YaśasCam. ii. 358.2.

अतिक्रूर (ati-krūra) *adj.* [*f.* -ā] **A** very cruel शापमेनं तु शुश्राव स्वयमेव पितामहः । अतिक्रूरं समुद्दिष्टं कद्र्वा दैवादतीव हि MahāBhā. i. 18.9; PāraS. 19.576; BrahmāṇḍP. iii. 23.65; PadmP.(Ra.) 26.19; ChāndoUBh. 451.16 (*on* vii. 15.3); BṛĀraUBh. 340.19 (*on* ii. 5.16); क्षुधितमतिक्रूरं च न भुक्तिसमये संनिधापयेत् NītiVā. 25.40; TantrRā. 29.70; व्यर्थतां जग्मुः ··· यथातिक्रूरचित्तानामार्ये क्रूरशतान्यपि SkandP. i(2). 21.144; ii(1). 14.39; vi. 100.50; BrahmVaiP. iv. 85.162; BhaviP. 733B.10 (iv. 89.36); अतिक्रूरेऽप्यहिः स्मृतः DharK. 2780; हिंसा अतिक्रूरा SmṛtiCan. iv. 573.1; अतिक्रूरार्थसहितं परुषं परिकीर्त्यते PratāYaBhū. 316.6; CaitaCa. 32.10 (2); AnyāŚ.(Nī.) 64; **B** very hard न त्वक्नवमनमन्यत्रातिक्रूरकोष्ठात् (विरेचयेत्) AṣṭāSaṁ. i. 141.10 (1.27); *m. mantra* having 30 or 33 syllables त्रिंशदक्षरको मन्त्रस्त्रयस्त्रिंशदथापि वा । अतिक्रूरः स कथितो निन्दितः सर्वकर्मसु ŚāraTi. 2.102.

अतिक्रूरत्व (atikrūra-tva) *n.* excessive cruelty निर्घृणत्वमतिक्रूरत्वम् ··· प्रसज्येत BrahmSūBh.(Śaṅ.) 342.2 (*on* ii. 1.34)

अतिक्रूरमनस् (atikrūra-manas) *adj.* very cruel-minded अतिक्रूरमनाः पापा एवमादीनुपद्रवान् । चक्रे सा तस्य निर्वेदरहिता सततं परान् PadmP.(Ra.) 104.114; PāṇḍaC. 9.206.

अतिक्रूरवध (atikrūra-vadha) *m.* extremely cruel murder उग्रता भवेत् । तत्रानुभावोऽतिक्रूरवधबन्धनताडनैः BhāvPra.(Śā.) 23.17(1)

अतिक्रोध (ati-krodha) *m.* excessive anger, great anger चकर्ष दोर्भ्यामुत्पाट्य भीमो मल्लममित्रहा । विनदन्तमभिक्रोशन् (v. l. अतिक्रोधात्) शार्दूल इव वारणम् MahāBhā. iv. 12.21; KāmSū. 352.15 (6.6); ParāSm. 4.1; BṛParāSm. 8.50; सर्वे दानवपुंगवाः । वाचमूचुरतिक्रोधाज्ज्वलन्तो ललितां प्रति BrahmāṇḍP. iii. 27.18; PadmP.(Ra.) 41.74; RugVi. 63.1; SkandP. iii(3). 11.26; अतिक्रोधादुपाध्यायो विरुद्धमकरोन्मयि KathāSaSāg. iii. 6.129; NāraS. 31.14; TriṣaŚaPuC. iv. 7.280; असिः ··· अतिक्रोधाद्विवेश द्विषः Sadukti-

Ka. 206. 9; *adj.* extremely angry अतिक्रोधा योधाः ··· उदग्रं जयमापेदिरे ĀnandRa. 7. 39(40) (7)

अतिक्रोधताम्राक्ष (atikrodha-tāmrākṣa) *adj.* red-eyed with extreme anger कालनेमिर्महासुरः । ततोऽतिक्रोधताम्राक्षः शक्तिमुद्यम्य वेगवान् । स्वशक्त्या ताडयामास वसुम् HariVaṁ. 37. 518*(8)

अतिक्रोधदुर्धर (atikrodha-durdhara) *adj.* irresistible due to excessive anger उर्वीरुहमतिक्रोधदुर्धरो निशाचरः क्षिपति UdaySuKa. 80. 2.

अतिक्रोधन (ati-krodhana) *adj.* full of excessive anger न चाप्यतिक्रोधनस्तु परिहासः NāṭyaŚā. 22. 276; NītiVā. 10. 137; MātaLī. 1. 29.

अतिक्रोधवश (atikrodha-vaśa) *m.* control or influence of excessive anger जगामातिक्रोधवशं त्रिपुरारिर्महायशाः PadmP. v. 5. 2.

अतिक्रोधान्धा (atikrodhāndhā) (*f.*) blind due to excessive anger अतिक्रोधान्धापि स्मरभरसमासुग्नहृदया पयोधेः पुत्रीयं पितृजनितदर्पेव वलते CaitaCa. 262. 22 (10)

अतिक्रोधान्वित (atikrodhānvita) *adj.* full of excessive anger भक्तहेतोरहं देवि ··· अतिक्रोधान्वितः शूलं गृहीत्वान्वजयं पुरा ŚivaP. ii(2). 23. 43 (97B. 13)

अतिक्रोधिन् (ati-krodhin) *adj.* extremely angry त्वम् ··· रसं जानासि मतिमानतिक्रोधी भविष्यसि PadmP. iv. 106. 94.

अतिक्रोशत् (ati-krośat) *adj.* **A** shouting, roaring भीमः ··· विनदन्तमभिक्रोशन् (v. l. अतिक्रोशन्) शार्दूल इव वारणम् MahāBhā. iv. 12. 21; **B** lamenting greatly, weeping exceedingly देवाः ··· रुरुदुर्विह्वलाश्चातिक्रोशन्तः ŚivaP. ii(3). 19. 18 (143B. 16)

अतिक्रौर्य (ati-kraurya) *n.* excessive cruelty अतिक्रौर्यमतिक्षान्तिरत्यन्ताभीतिपातनम् । ··· सदोषता: BhaviP. 28B. 1 (i. 8. 24); नातिक्रौर्यं नातिशाठ्यं धारयेन्नातिमार्दवम् ŚukraNī. 3. 218.

अतिक्लान्त (ati-klānta) *adj.* [*f.* -ā] excessively tired वारणः ···अतिमात्रम्···अस्नेहमतिक्लान्तो भोज्यते हन्यते Hastyāyur. 64. 20 (1. 9); प्राप्ता तानवमुर्वशी रतिरतिक्लान्ता हता रोहिणी RājeKaPū. 23 = Subhāṣi. 2616.

अतिक्लिन्न (ati-klinna) *adj.* very much softened, sticky अतिक्लिन्नं ग्लानिकरं युक्तियुक्तं हि भोजनम् BhāvPra.(Bhā.) 5. 140 = BhojanKu. 216. 19.

अतिक्लिश् (ati-kliś-) IX. P. **A** to torment excessively भक्तं मां मातिक्लिश्नः Bhaṭṭi. 6. 17; IV. Ā. **B** to give trouble, to be inconvenient कुमारयतीत्यस्य सिद्धये बहुलवचनं नातिक्लिश्यते PariVṛ.(Sī.) 60. 3.

अतिक्लिश्य (ati-kliśya) *ger.* becoming greatly troubled or distressed (कस्यचित्) समस्तेष्वैतिक्लेषु परीक्षोपक्षेपादतिक्लिश्य निःशेषदुराशाविनाशाविनाशनांशुमन्मरीचिक्लिरेण तत्त्वेषु रुचिः संजायते YaśasCam. ii. 322. 18.

अतिक्लिष्ट (ati-kliṣṭa) *adj.* [*f.* -ā] **1** greatly afflicted, extremely distressed, pressed hard नातिक्लिष्टपयोधरः ··· प्रथमोपगूहनविधिः पुष्णातु वो मङ्गलम् SubhaDha. 1. 1; निराहारमतिक्लिष्टं दृष्ट्वा वैश्यं कृपामयी रुरोद BrahmVaiP. ii. 63. 9; iv. 56. 32; **2** far-fetched, difficult to establish, to be acquired or desired with great difficulty, complicated, laborious (idea, argument, indication etc.) न द्रव्याश्रयवचनः शब्दो भवेदाकृतिवादिन इत्याह । तदतिक्लिष्टम् ··· इत्युपेक्षितव्यम् TantrVā. 257. 23 (*on* i. 3. 26); वाक्येषु पुनरतिचिरतरतिरोहिताक्षरपरम्परानुसन्धानमतिक्लिष्टमदृष्टपूर्वमिति NyāyMañ. i. 356. 16; भोग्यत्वेन हि आयतनत्वमतिक्लिष्टम् Bhām. 197. 2 (*on* i. 3. 4); अतिक्लिष्टलाक्षणिकस्तुत्यर्थत्वाङ्गीकारकारणं विधिनैकवाक्यत्वादित्यनेनोक्तम् NyāySu. (So.) 51. 28 (*on* i. 2. 7); ज्ञानस्वरूप इत्यर्थस्त्वतिक्लिष्टः ŚrutaPra. iB. 292. 20 (*on* i. 2. 2); तण्डुलशब्दस्य दार्शिकहविः सामान्यलक्षकत्वकल्पनया तद्विभागप्रतियोगिनीनां शब्दानुपात्तानां देवतानां कथंचिद्बुद्धिस्थिरीकरणेन चातिक्लिष्टं कल्पनीयम् VidhiRa. 41(204. 11); अत्र शेषभाजां लोप इत्यध्याहारः । अयमतिक्लिष्टः ŚivārkaMaDī. i. 7. 4 (*on* i. 1. 0); i. 12. 8 (*on* i. 1. 0); यदुक्तं साध्यसादृश्यमूला गौण्यतिक्लिष्टा PūrvottaVāNaMā. 10. 4; 8. 17; 9. 2; अतिक्लिष्टलक्षणाश्रयणायोगात्तत्राव्याप्तिर्वज्रलेपायते CitraMī. 47. 7; यत्तु कैयटेनोक्तं तत्त्वतिक्लिष्टम् LaŚabdeŚe. ii. 475. 2.

अतिक्लीब (ati-klība) *adj.* **A** extremely impotent अतिभीरुमतिक्लीबम्··· न भजन्ति नृपं श्रियः MahāBhā. iii. 239. 4; **B** extremely negligible सात्यके अतिक्लीबमभिहितं भवता SubhaDha. 4. 16(4)

अतिक्लीबम् (ati-klībam) *adv.* with excessive delay, drawlingly नातिद्रुतं न विलम्बितं नातिक्लीबं नात्युच्चैर्नातिनीचैः स्वरैरध्ययनमभ्यस्येत् CaraS. i. 8. 24 (comm. अतिविलम्बितोच्चारणम्)

अतिक्लेद (ati-kleda) *m.* excessive moistening अतिक्लेदोऽग्निनाशनः AṣṭāSaṁ. i. 22. 21 (1. 6)

अतिक्लेश (ati-kleśa) *m.* **A** great affliction, great trouble or worry, extreme distress अतिक्लेशेन येऽर्थाः स्युः ··· मा स्म तेषु मनः कृथाः MahāBhā. v. 39. 61; योषित् ··· तद्धिता शुभमाप्नोति तत्सालोक्यम् ··· नातिक्लेशेन ViṣṇuP. vi. 2. 29; अतिक्लेशेन ये ह्यर्था धर्मस्यातिक्रमेण तु । ··· ते अर्था मा भवन्तु मे CāṇaNīDa. 16. 11; भवतस्तु···अतिक्लेशः स्यादित्यसमानम् TantrVā. 48. 4 (*on* i. 2. 29); पतिं विनातिक्लेशेन कालो याति सुधावले ĀdiP. 18. 44; अतिक्लेशेन लब्धोऽसि तान्क्लेशान्वेत्ति चेश्वरः GaṇeP. ii. 21. 40; ii. 91. 33; अतिक्लेशविवर्जितम् । पञ्चाक्षरेण जप्तं च तोयमन्नं विदुः सुखम् ŚivaP. i. 18. 154 (24B. 14); उच्चं कृत्वा चारितोऽतिक्लेशेन सम्पादितः स्वरः AbhinBhā. i. 52. 21 (*on* 2. 19); किञ्च ···अतिक्लेशेन समारब्धा वा वृत्तिः ··· शोभते NyāyRa. 3. 14 (*on* 0. 8); भावयन्ति क्वचित्तत्र नातिक्लेशो भविष्यति NyāyKu. 10. 7; **B** great or excessive pain अतिक्लेशान्सहामीह नाहं बुध्याम्यबुद्धिमान् MahāBhā. xii. 171. 41; (*fig.*) निपीय ··· जलम् ··· विषण्णोऽतिक्लेशात् ··· वमति जलभारं जलधरः SaduktiKa. 175. 2; **C** great distortion, far-fetchedness, great strain लक्षणात्तद्विदुक्त्वा नातिक्लेशो भविष्यति ŚlokaVār. 7. 216 (905. 8); वृत्तिं कल्पयतोऽतिक्लेशः इत्युपसंहरति NyāyRa. 832. 20 (*on* 6. 401); प्ररोचनाकल्पनमप्यतिक्लेशेन निर्वोढव्यम् NyāySu. (So.) 76. 24 (*on* i. 2. 22); *adj.* very painful or severe विरम्यतामतिक्लेशात्तपसोऽस्मान्मदाज्ञया MatsyaP. 157. 8.

अतिक्लेशकर (atikleśa-kara) *adj.* [*f.* -ī] causing excessive pain, causing great distress, exceedingly troublesome अतिक्लेशकरं तपस्तथाप्याचारहीनस्य न फलतीति श्रुतिः ManuBh. i. 48. 11 (*on* 1. 110); i. 365. 1 (*on* 4. 92); अतिक्लेशकरी परेषाम् । माद्यन्ति ते सम्पदमुग्रभावाः ··· लब्ध्वा Vidvanmo. 7. 10.

अतिक्लेशतस् (atikleśa-tas) *adv.* taking a lot of trouble इति मां व्यास उक्तवान् । आगतश्च ततश्चात्र वाहीकेभ्योऽतिक्लेशतः SkandP. i(2). 46. 135.

अतिक्लेशयुक्तत्व (atikleśayukta-tva) *n.* the state of having excessive trouble तस्मादागमनादावतिक्लेशयुक्तत्वेन स्वर्गफलेऽपि विरक्तेन भवितव्यम् TattvPrakā. 141B. 5 (*on* iii. 1. 9)

अतिक्लेशरूप (atikleśa-rūpa) *adj.* having the form of excessive trouble महाव्यापारोऽतिक्लेशरूपः क्रीडार्थः NyāyRa. 653. 21 (*on* 5(15). 56)

अतिक्लेशवश (atikleśa-vaśa) *m.* [Abl.] due to or because of extreme trouble नीलाम्बुदश्यामोऽतिक्लेशवशाद् हृदयादपगच्छतु AṇuBh. 325. 14 (*on* iv. 2. 13)

अतिक्लेशसह (atikleśa-saha) *adj.* who tolerates excessive pain or trouble नातिक्लेशसहो विप्र सोऽभवत्कोपनो भृशम् MārkP. 99. 7; नातिवृद्धविकारिणाम् । नातिक्लेशसहानां च शमनं हितमुच्यते KāśyaS. 238A. 37.

अतिक्लेशसाध्य (atikleśa-sādhya) *adj.* which can be accomplished with great effort, achievable with great strain अध्ययनं तावत् ··· अतिक्लेशसाध्यम् ŚivārkaMaDī. i. 27. 11 (*on* i. 1. 1); PūrvottaVāNaMā. 304. 14.

अतिक्लेशसाध्यत्व (atikleśasādhya-tva) *n.* the state of being accomplished with great effort उत्तरवेद्यपेक्षया तस्यानेकदृष्टाङ्गकपालयुक्तस्यातिक्लेशसाध्यत्वात् ŚivārkaMaDī. ii. 366. 12 (*on* iii. 3. 45)

अतिक्लेशानुषङ्ग (atikleśānuṣaṅga) *m.* connection with excessive trouble अतः स्वर्गफलस्यातिक्लेशानुषङ्गाभावात् न तत्र वैराग्यमापादनीयम् TattvPrakā. 141B. 1 (*on* iii. 1. 9)

अतिक्लेशाभाव (atikleśābhāva) *m.* absence of excessive effort or strain संबन्धग्रहणसंभवेनातिक्लेशाभावात् YuktiSneha. 156. 31 (*on* i. 1. 7)

अतिक्वाण (ati-kvāṇa) *m.* loud sound (especially of a musical instrument or lute) एतेष्विति किम् ? अतिक्वाणः JaineVyā. 125. 22 (*on* ii. 3. 68); अतिक्वाणो वर्तते KāśiVṛ. *on* iii. 3. 65; Prasā. ii. 657. 19.

अतिक्वाथ (ati-kvātha) *m.* excessive boiling अतिक्वाथादूर्ध्वं तरलयति च क्षीरजलधिं विना कल्पापायं प्रसरतितरां कोऽयमनलः SamudraMa. 2. 13.

अतिक्षण् (ati-kṣaṇ-) VIII. P. to injure or to hurt severely रक्तस्रावं न कुर्वीत न चातिक्षणुयात्तलम् Hastyāyur. 112. 9 (1. 15)

अतिक्षम् (ati-kṣam-) I. P. to forgive fully विश्वा क्षामद् देवोऽति दुरितान्यग्निः AV. vii. 63(65). 1.

अतिक्षमा (ati-kṣamā) *f.* extreme forbearance आनन्दरङ्गस्य···प्रशासतः क्षमामतिक्षमामतिप्रभावतः । यशो जनाः समन्ततः समं ततः श्रिया जगुः ĀnandRa. 8. 35.

अतिक्षमिता (atikṣami-tā) *f.* the state of having excessive forbearance नातिसहिष्णुता च नखक्षतादीनां प्रयुज्यमानानां नातिक्षमिता JayaMa. 82. 13 (*on* 2. 1)

अतिक्षय (ati-kṣaya) *m.* **i** great destruction भवितातिक्षयो घोरो नूनं स्वायंभुवेऽन्तरे VarāP. 24. 17; अवृष्टेरन्यदा तत्राभूद्दुर्भिक्षमतिक्षयम् । सचराचरजीवानां कुर्वद्दुर्वीतलेऽधिकम् PrabhāC. 7. 2; **ii** complete loss (of a lunar day) तस्मादतिक्षये तिथीनां यस्मिन्नेवाहोरात्रे चन्द्रस्यादर्शनं पूर्णोदयो वा भवति तदादृश्य-

माने चन्द्रमस्यमावास्योपवासः Aparā. 218. 3 (*on* 1. 154)

अतिक्षयादि (atikṣayādi) *adj.* complete loss (of a lunar day) etc. चतुर्थी द्वादशीमध्ये यदतिक्षयादि न तथैदमनुष्ठेयम् BālamBha. iii. 191. 9 (*on* 3. 325)

अतिक्षयिष्णु (ati-kṣayiṣṇu) *adj.* greatly thinning, very slender तथा हृतं तस्य तथा पृथुत्वं यथाभवन्मध्यमतिक्षयिष्णु JānaHa. 1. 30.

अतिक्षर् (ati-kṣar-) I. P. **i** to pass through, to overflow, to flow across सोमा॑सो दध्या॑शिरः। पुवित्र॒मत्य॑क्षरन् ṚV. ix. 63. 15; छन्दसां वै यो रसोऽत्यक्षरत् सोऽतिच्छन्दसमभ्यत्यक्षरत् AitBr. 16. 3 (440); तदत्यक्षरत्। तत्क्षीरमभवत् JaimiBr. 2. 228; 3. 18; तेषां॒ यो र॒सोऽत्यक्ष॑रत्। तानि॑ शु॒क्रिय॒जूं॑ष्यभवन् TaiĀ. v. 10. 1 (636. 14); (caus.) to allow to flow over पाद्यामपः … नातिक्षारयति BhārS'S. i. 26. 3; **ii** to go beyond, to surpass, to overtake अ॒युसानावरं॒ पृथ्व॑ति॒ क्षरन्ति॒ याम॑भिः ṚV. v. 66. 5; सर्वाणि भूतानि…न चैनमतिक्षरन्ति AitĀ. II. ii. 2. 20.

अतिक्षरितृ (ati-kṣaritṛ) *adj.* slipping down too much प्रक्षरं स्त्री तुरङ्गादेः सन्नाहे प्रखराह्वये। त्रिषु त्वतिक्षरितरि NānārthāSam. ii. 143. 1093.

अतिक्षान्ति (ati-kṣānti) *f.* extreme forbearance अतिक्रौर्यमतिक्षान्तिः …तास्ताः सदोषताः BhaviP. 28B. 1 (i. 8. 24)

अतिक्षाम (ati-kṣāma) *adj.* **i** very weak आदिराजः … ददर्श मुनिमासीनम् … नातिक्षामं भगवतः स्निग्धापाङ्गावलोकनात् BhāgP. iii. 21. 46; **ii** very thin राजन्तीमुदरेणातिक्षामेण … देवीम् … ददर्श श्रीप्रभप्रभुः TriṣaS'aPuC. i. 1. 502.

अतिक्षामतस् (atikṣāma-tas) *adv.* due to excessive weakness मनुजः …खादंस्ताम्यति चोर्ध्वदृष्टिरथवा मूर्च्छेत्यतिक्षामतः KalyāKā. 22. 83.

अतिक्षामता (atikṣāma-tā) *f.* extreme reduction अग्निसंयोगाः … तेजोधातुं प्रभावतो वर्धयन्ति यस्य प्रभावादपां संघातः क्षामक्षामो जायते यावदतिक्षामतां गतोऽन्ते न पुनः सन्तानं सन्तनोति AbhidhKoBh. 194. 10 (*on* 4. 3)

अतिक्षारत्व (atikṣāra-tva) *n.* excessiee causticity औषधस्य … अतिक्षारत्वात् … दुर्योगातियोगादुत्पद्यते KāśyaS. 156A. 36.

अतिक्षारद्रव्य (atikṣāra-dravya) *n.* excessively alkaline substance क्षारस्यापि विनष्टवीर्यसमये … अतिक्षारद्रव्यगणैश्च तद्दहनतः शक्तिः समाप्याययेत् KalyāKā. 21. 10.

अतिक्षारसेवन (atikṣāra-sevana) *n.* consuming extremely caustic (substance) °शोकातिक्षारसेवनातिसार° °प्रभृतिभिर्विशेषैर्बन्धनान्मुच्यते गर्भः SuśruS. ii. 8. 3.

अतिक्षिप् (ati-kṣip-) VI. P. [अति इत्येवंपूर्वात्क्षिपो मम् … अतिक्षिपति JaineVyā. 32. 22 (*on* i. 2. 77); CāndraVṛ. *on* i. 4. 132; KāśiVṛ. *on* P. i. 3. 80; KātanVṛ. *on* iii. 2. 47; MugdhaBo. 134. 19 (22. 1); कर्तृगेऽपि फले परस्मैपदम् …अभिक्षिपति एवं प्रति अति PrakriKau. ii. 392. 7; KośaKaTa. 2. 1470] to extend beyond, to throw excessively.

अतिक्षिपत् (ati-kṣipat) *adj.* excessively setting in motion प्राक्षितेन्द्रं पराकुर्वन्ननुकुर्वन्स पूर्वजान्। सानुजोऽतिक्षिपन्सेनाम् DvyāśraKā. 7. 67.

अतिक्षिप्त (ati-kṣipta) *adj.* **i** greatly extended अतिक्षिप्तान्यतिक्षिप्तान् …उपन्यासान्कृत्वा वेश्मानुसारिणः MahāBhā. xii. 101. 25; नास्येन्द्रियमनेकाग्रं नातिक्षिप्तमनोरथः। … ईदृक्सांख्यो विमुच्यते MahāBhā. xii. 228. 36; **ii** being away (from homeland) बलव्यसनानि … अतिक्षिप्तमुपनिविष्टम्…अन्धमिति ArthS'ā. iii. 35. 4 (8. 5); iii. 37. 3 (8. 5); NītiS'ā. 14. 69; 14. 81; आच्छेदतिक्षिप्तमधोगतं चोपरि वर्तयेत् SuśruS. iv. 3. 18; *n.* upwards dislocation (of a bone) अतिक्षिप्ते द्वयोः सन्ध्यस्थ्नोरतिक्रान्तता वेदना च SuśruS. ii. 15. 7; ii. 15. 5; तत्र सन्धिमुक्तं (भग्नं) षड्विधम् – उत्पिष्टम्…अतिक्षिप्तम् AṣṭāSam. ii. 300. 23 (6. 32); SiddhYo. 46. 2; *m.* instruction (to an elephant) in which (the prick of the elephant goad) is extended ahead सृणिः प्रसार्यतेऽग्रे यदातिक्षिप्तः स कथ्यते Mānaso. iv. 3. 589.

अतिक्षिप्तसन्धि (atikṣipta-sandhi) *adj.* with protruding joints अथ द्वापरे…शरीरमुत्पद्यते … अतिक्षिप्तसन्धि KāśyaS. 65B. 37.

अतिक्षिप्र (áti-kṣipra) *adj.* [*f.* -ā] very swift भवत्येवातिक्षिप्रा देवतेत्याहुः TaiS. II. i. 1. 1; लवणांकुशौ। अतिक्षिप्रपरावर्तौ तावुदारस्थाविव। आरेभाते परिक्रीडां परसैन्यमहाह्रदे PadmP.(Ra.) 101. 47.

अतिक्षिप्र (ati-kṣipra) *adv.* (in cpd.) very rapidly अतिक्षिप्रचिरोत्पन्नं कृशद्रव्यमपाहितम्। अप्रतिष्ठितसंस्थानं गृहं नमति पञ्चधा SamarāSū. 48. 108.

अतिक्षिप्रत्व (atiksipra-tva) *n.* the state of being very swift क्षेपिष्ठत्वेति। अतिक्षिप्रत्वेत्यर्थः LaCandr. 511. 19.

अतिक्षीण (ati-kṣīṇa) *adj.* [*f.* -ā] very weak, very much reduced अतिक्षीणबलमांसशोणितम् … अचिकित्स्यं विद्यात् CaraS. vi. 19. 9 (1941 Ed.); काले भगवतस्तस्य अतिक्षीणः पिता तदा।…श्वशुरं पर्यपृच्छत VarāP. 162. 21; नाडी … अतिक्षीणा च शीता च जीवितं हन्त्यसंशयम् S'āṅgaS. i. 3. 5; सोऽयं संप्रति शीतदीधितिरतिक्षीणाङ्गकान्तिः श्रियम् … समीहते MohaRāPa. 5. 23; यस्मिन्नहनि चन्द्रमाः सोमः न दृश्येत आगमादिना अतिक्षीण इत्युपलभ्यतेताममावास्यामुपवसेत् VīraMi.(Saṁskāra.) 882. 18.

अतिक्षीणतर (atikṣīṇa-tara) *adj.* very lean (गजः) अतिक्षीणतरः …। दीनाख्यः कुरुते दीनं भूभुजम् YuktiKa. 202. 14.

अतिक्षीबता (atikṣība-tā) *f.* excessive intoxication क्षणदाचरः प्रतिक्षणमतिक्षीबतया प्रतिपक्षबलमिव स्वबलमपि भक्षयन्…आजगाम RāmāCam. 6. 57(4)

अतिक्षीबत्व (atikṣība-tva) *n.* excessive intoxication अतिक्षीबत्वसंक्षोभक्षुत(?त्)क्षामक्षमामयैः।…समीपस्थापदः सभाः BhaviP. 84A. 29 (i. 43. 23)

अतिक्षुण्ण (ati-kṣuṇṇa) *adj.* thoroughly discussed or investigated अर्थश्चायमतिक्षुण्ण ऋजुविमलादिषु PrakaPañ. 487. 9; साधुत्वम् … प्रमितवृत्त्यार्थप्रत्यायकत्वं वेति कौस्तुभ एवातिक्षुण्णम् BhaṭṭDī. i. 52. 4 (*on* i. 3. 8)

अतिक्षुत्परीत (atikṣut-parīta) *adj.* overcome with excessive hunger मृगान्हत्वा श्रान्तोऽतिक्षुत्परीतो विकुक्षिरेकं शशमभक्षयत् ViṣṇuP. iv. 2. 16.

अतिक्षुद्र (ati-kṣudra) *adj.* [*f.* -ā] **A i** extremely mean इदं तु यदतिक्षुद्रं वार्ष्णेयार्थे कृतं त्वया। … नैतत्त्वय्युपपद्यते MahāBhā. vii. 118. 13; शोकम् …अतिक्षुद्रम् … परित्यज्य युद्धायोपतिष्ठ GītāBh.(Rā.) 46. 2 (*on* 2. 13); अतिक्षुद्रं रौद्रं शिरसि करदानेन निधनं जगन्नाथाद् वव्रे Nārāy. x. 89. 4; **A ii** very small अतिक्षुद्रं द्विचक्रं च नवीनजलदप्रभम्। दधिवामनाभिधम् (गृहम्) BrahmVaiP. ii. 21. 63; तस्यामतिक्षुद्रसभासरस्यामक्रूरदंष्ट्रावलिना मुखेन। जग्राह वीरः स विविच्य शुद्धां वाणीं मृणालीमिव राजहंसः RāmC. 23. 58; मुख्याः मुखजाः विप्रुषो द्रप्सबिन्दवोऽतिक्षुद्राः बाह्यद्रव्येषु पतिता अपि नोच्छिष्टतां जनयन्ति ManvaVi. 681. 27 (*on* 5. 141); **A iii** of a very short duration शरज्ज्योत्स्नी रासे विधिरजनिरूपापि निमिषादतिक्षुद्रा तासां यदजनि न तद्विस्मयपदम् UjjvaNīMa. 467. 5; **B** very insignificant, of no worth or value का नाम सन्ध्यावन्दनस्यातिक्षुद्रस्यावश्यानसंभावना PrakaVi. 950. 15; यत्तु कैश्चिज्जल्पितम् … तदतिक्षुद्रम् S'rutaPra. ii. 197. 4 (*on* i. 4. 8); किं गतमेतैरतिक्षुद्रैः … वयम् … अपहरिष्यामः सुधाम् NīlaVi. 119. 14; **C** very low, extremely wicked ऊर्जे न भक्षयेत् क्षौद्रमतिक्षुद्रगतिप्रदम् SkandP. iv. 6. 99; रक्षोजातिस्त्वतिक्षुद्रा हन्तुं शक्या नोर्जस्वलैरपि PāṇḍaC. 9. 212.

अतिक्षुद्रधन्धना (atikṣudra-dhandhanā) *f.* extremely unimportant discussion घटश्चेत्यत्राप्यापत्तेरित्यास्तामतिक्षुद्रधन्धनयेति VaiyāBhū. 216. 16 (*on* 47)

अतिक्षुध् (ati-kṣudh) *f.* excessive hunger यच्चातिक्षुद्वशानुगः भुङ्क्ते … तच्च क्रमविरुद्धं स्यात् CaraS. i. 26. 99; मरीचिः … अत्यन्तवृष्ट्यनावृष्टी अजीर्णातिक्षुधाविव। प्रभावेनागदेनेव जगतोऽप्यपसारयन् TriṣaS'aPuC. i. 6. 57; अतिस्थौल्यादतिक्षुत्तृट्प्रस्वेदश्वासनिद्राताः (भवेयुः) AṣṭāSam. i. 125. 13 (1. 24)

अतिक्षुधार्त (atikṣudhārta) *adj.* [*f.* -ā] overcome with excessive hunger, extremely hungry निदाघतैक्ष्ण्यादिह दुष्टसत्त्वाः क्षोभं गवां कुर्युरतिक्षुधार्ताः Yādavā. 5. 13; अतिक्षुधार्ता सततं काकसत्त्वेति सोच्यते AnaṅgaRa. 4. 17.

अतिक्षुधित (ati-kṣudhita) *adj.* very hungry अतिक्षुधितस्य चिरकालाद् भक्तं समागतम् KathāK. 44. 5; *n.* excessive hunger अतिक्षुधिते नाभ्यासः क्रियते बुधैः S'ivS. 3. 44.

अतिक्षुभित (ati-kṣubhita) *adj.* very much agitated, very much enraged अक्षिपदतिक्षुभितः स जवाच्चतुर्दश निशाटभटान् Rāgh. 8. 62.

अतिक्षुल्लसर्ग (atikṣulla-sarga) *adj.* created as very small अतिक्षुल्लसर्गश्चायं मार्गो यथा न देवोऽपि ग्रहीतुं शक्नोति महिलानां हृदयम् YaśasCam. ii. 63. 1.

अतिक्षेपीयस्ता (atikṣepīyas-tā) *f.* the state of being excessively speedy अतिक्षेपीयस्तया तु युगपत्ता दृष्टविरुद्धा न कल्प्यते (रश्मीनाम्) NayaVi. 72. 4 (*on* i. 1. 4)

अतिक्षेम (ati-kṣema) *n.* great safety, great happiness तस्मिन् यातुरतिक्षेमं गमनागमनं सदा VasiS. 37. 214; यदि क्षेमं निजं वाञ्छसि (v. l. अतिक्षेमं निजं वाञ्छति) BhāmiVi. 4. 6.

अतिक्षोद (ati-kṣoda) *m.* excessive scrutiny, too much investigation अलमतिक्षोदेन NyāyMañ. i. 289. 19; PadMañ. *on* KaśiVṛ. *on* P. ii. 3. 65.

अतिक्षोभन (ati-kṣobhana) *n.* heavy stirring धूमप्रायः प्रतिमुहुरतिक्षोभनोद्भ्रान्ततेजाः कारीषाग्निः…घोषवह्निः…भाति निर्विश्यमानः SubhāRaK. 12. 10.

अतिक्षोभम् (ati-kṣobham) *adv.* very harshly भगवानपि सर्वात्मा नातिक्षोभं प्रवायति Rāmā. v. 11. 63.

अतिक्षोभित (ati-kṣobhita) *adj.* very much agitated अतिक्षोभितश्चाब्धिरुद्वेलो जायते BrahmP. 209. 8.

अतिखञ्जत् (ati-khañjat) *adj.* excessively limping तेनातिखञ्जतोऽश्वस्य

स्तब्धं पर्व च जायते AśvaVai. 59.2.

अतिखट्व (ati-khaṭva) *adj.* [*f.* -ā] gone beyond the bedstead अतिखट्वः अतिमाल इत्यत्रान्तर्यतो विवृतस्य विवृतः प्राप्नोति MahāBhā. i. 15.13 (*on* i. 1.0); अतिक्रान्तः खट्वामतिखट्वः JaineVyā. 61.7 (*on* i. 3.81); अतिखट्वाय JaineVyā. 375.6 (*on* v. 2.108); अतिखट्वे निषेहि JaineVyā. 375.15 (*on* v. 2.110); CāndraVṛ. *on* ii. 2.24; KāśiVṛ. *on* P. i. 1.48; अतिक्रान्तः खट्वामतिखट्वः KāśiVṛ. *on* P. ii. 2.18; vi. 1.68; vi. 2.2; अतिखट्वेन ब्राह्मणकुलेन KāśiVṛ. *on* P. vii. 3.105; अतिखट्वायेत्यत्र ··· याडागमो न भवति KāśiVṛ. *on* P. vii. 3.113.

अतिखट्विका (atikhaṭvi-kā) *adj.* (*f.*) (little one) gone beyond bedstead अतिक्रान्ता खट्वाम् अतिखट्विका JaineVyā. 367.31 (*on* v. 2.53); CāndraVṛ. *on* vi. 1.73; अल्पा अतिखट्वा अतिखट्विका KāśiVṛ. *on* P. vii. 3.48.

अतिखण्डयमान (ati-khaṇḍyamāna) *adj.* being severely bitten अतिखण्डयमानमधरं धत्ते न केशग्रहे AmaS. 106.

अतिखन् (ati-khan-) I. P. to dig more (than the prescribed measure) नैता मात्रा अतिखनति ĀpaŚS. ii. 2.8; HirŚS. i. 6.95.

अतिखर (ati-khara) *adj.* **i** very harsh (sound or wind) इमे रुधिरधाराभिर्वर्षन्तोऽतिखरस्वनाः Rāmā. iii. 23.4 (v. l. of D 5-7); भुवनमतिखरखुरघोषतुलितमेघनिस्वनं रुद्धगात्रं मुक्तवल्गकं नाम AvantiKa. 67.13; क्वचिदतिखररवसंभृतकक्षम् (दयिते वनं पश्य) PadmP.(Ra.) 42.48; मरुतोऽतिखरा ग्रीष्मे Kāvyālaṅ.(Ru.) 7.25; NānārthāSaṁ. ii. 143.1094; ViśvaLoK. 307.183; **ii** very sharp (arrow) खरस्यातिखरैः शरैर्दशरथात्मजः । दारितः RāmāMañ. 126.23; अतिखर क्षुरु(?र)प्र° ··· °अश्ववारम् ··· कुम्भकसैन्यं भङ्गमगमत् SthānṬ. 402B. 6; **iii** very hot (rays of the sun) अतिखररविरश्मीपांशुसंपूर्णभूमिः HārīS. i. 4.5; मध्याह्नेऽतिखरे निदाघसमये तापो घनो वर्तते SārṅgaPa. 3861; कनककलशश्रेणी ··· अतिखरकराघातैः ··· शिथिलीकृता SūktiMu. 107.4; **iv** very hard (stone, tree) लघुर्विरूपोऽतिखरः···करोति गोमेदमणिर्विनाशम् YuktiKa. 106.14; किराती कीर्णान्यालोक्य रत्नान्यतिखरखदिराङ्गारशङ्कां करोति SūktiSu. 174; *m. n.* a medicinal plant अतिखरः औषध(?धि)विशेषः Liṅgānu.(He.) 126.4.16; Liṅgānu.(Sā.) 123.8; Liṅgānu.(Para.) (154).3743; अतिखरम् । अर्थस्तु लोकादवसेयः GaṇRa. 2.75 (117); KalpaK. 480.175; KośaKaTa. 2.2798.

अतिखरत्व (atikhara-tva) *n.* excessive roughness अतिखरत्वमङ्गानामतिश्लक्ष्णता वा KāśyaS. 115B. 20.

अतिखर्व (ati-kharva) *adj.* [*f.* -ā] **i** very short (in height) कोऽयं नाथ ···। अतिखर्वजनाकारः ··· अतिकुत्सितः BrahmVaiP. iv. 30.14; iv. 47.87; नात्युच्चं नातिखर्वम् ··· कुमारगुप्तम् ··· ददृशतुः HarṣaC. 196.8; अनतिदीर्घा नातिखर्वा (चित्रिणी) RatiRaha. 1.14; अतिखर्वो(?र्वा)णीति विन्ध्यपर्वताग्रेषु गर्वात् परिभवं बबन्ध AvantiKa. 159.6; नातिखर्वं नातिविस्तीर्णम् ··· देवतागृहमकारयत TilaMañ. 33.21; PañcSā. 1.32; RatiMañ. 5; **ii** very short (in duration) हेमन्तकाले अतिखर्वे तदहस्तत्र किंचिदूने चतुर्दशघटिकामात्रे आवर्तनम् CaturCin. iii(2). 329.1.

अतिखर्वता (atikharva-tā) *f.* excessive dwarness (i. e. humiliaty) त्वां विधाय युधि क्रोधाद्ग्रान्धारेयं बबन्ध यः । सोऽप्यस्मिन् विनयाद्धत्ते···अतिखर्वताम् PāṇḍaC. 13.644.

अतिखल (ati-khala) *adj.* very wicked युवां दुष्टावतिखलावपराधकरौ मम SivaP. ii(5). 24.16 (249A. 4)

अतिखलत्व (atikhala-tva) *n.* great wickedness क्लिष्टधियां दोषं वक्ष्यत्यतिखलत्वम् SubhāRaK. 38.48.

अतिखाता (áti-khātā) *adj.* (*f.*) dug deeper than (the measure) (वेदिः) पितृदेवत्यातिखाता TaiS. II. vi. 4.2; TaiBr. III. ii. 9.10; VaikhāŚS. 5.1.

अतिखादिन् (atikhād-in) *adj.* habitually eating too much, gluttonous प्रद्विषन्ति परिख्यातं राजानमतिखादिनम् MahāBhā. xii. 88.17.

अतिखिन्न (ati-khinna) *adj.* [*f.* -ā] **i** very much worried or fatigued विहंगमः ।··· प्राणांस्त्यजति दुस्त्यजान् । अयमस्य (v. l. अतिखिन्नः) शरीरेऽस्मिन् प्राणः ··· विद्यते Rāmā. iii. 64.3; तं दृष्ट्वा पतितं भूमौ जीवन्तमिव वृत्रहा । चिन्तामापातिखिन्नाङ्गः DevīBhāP. vi. 2.9; PāṇḍaC. 17.186; **ii** very much dejected or disappointed (सुमन्त्रः) अतिखिन्नं नृपं दृष्ट्वा कैकेयीं समपृच्छत AdhyāRā. ii. 3.43; PariPar. 2.680; अतिखिन्नां मातरमानन्दय GopāKeCan. 113.10; 63.20; PrabhāC. 4.9; 9.20; प्रणीतेक्षणेयं मुहुस्ते पदव्याम् ···। अलब्धं ततस्त्वाममे(?वे)त्यतिखिन्ना StavMā. 253.5; ViraMi. 499.28 (*on* 2.68-72); (मुनीनाम्) अनवाप्य शक्रमतिखिन्नवर्त्मणां न वियुज्यते करतलं कपोलतः Manmatho. 4.2 (641.10)

अतिखिन्नवत् (atikhinna-va(n)t) *adj.* one who is greatly disheartened श्रावकव्रतम् । ग्राहितोऽहं परं लोकैर्हास्यमानोऽतिखिन्नवान् PārśvC. 6.129.

अतिखेत्त्री (ati-khettrī) *adj.* (*f.*) worrying oneself very much पाता न मां त्वम् ··· अखेदिता यद्यधुनातिखेत्त्रीम् DvyāśraKā. 10.50.

अतिखेद (ati-kheda) *m.* great exhaustion तपस्यतः···प्रववृते महास्वेदोऽतिखेदतः SkandP. iv(2). 59.108; कायं नीहारहारावलिमिलितमरुत्ताण्डवेनातिखेदः ।··· प्रासेयम् ··· जरा मे GopāKeCan. 55.2; सुरतजमतिखेदम्···हन्यादमृतफलम् BhojanKu. 56.8.

अतिखेदना (ati-khedanā) *adj.* (*f.*) causing great pain संश्लक्ष्णगुणातिखेदना···कच्छपिका KalyāKā. 11.16.

अतिखेदयितव्य (ati-khedayitavya) *adj.* to be teased too much नातिखेदयितव्योऽहं प्रियः प्रमदया ···। मानश्च विरलः कार्यः SṛṅgāTi.(Ru.) 2.77.

अतिखेदवत् (atikheda-va(n)t) *adj.* possessed of great dejection मुदमजहादतिखेदवानुलूकः ।···विधौ विधुरत्वमभ्युपेते HarVi. 28.75.

अतिखेदिता (ati-kheditā) *adj.* (*f.*) greatly worried ततोऽस्रसरितश्छेदे विप्रलापेऽतिखेदिता ।··· केकयैवमभाषत PadmP.(Ra.) 32.127.

अतिखेदिन् (ati-khedin) *adj.* greatly worried दुःखार्णवनिमग्नानां यातायातेऽतिखेदिनाम् ।··· काश्येका मुक्तिसाधनम् SkandP. iv(2). 85.55.

अतिखेया (ati-kheyā) *adj.* (*f.*) to be dug deeper than (the prescribed measure) वेदिः···नातिखेया KāṭhS. 25.4; KapiKaS. 39.1.

अतिखेल (ati-khela) *adj.* extremely sportive खेऽतिखेलम्···प्रादुरास विषमे समं तमः RāmC. 2.62.

अतिखेलन (ati-khelana) *n.* excessive playing सदा प्रीत्या मुदा चातिखेलनं चक्रतुः सुतौ SivaP. ii(4). 19.5 (216B. 6)

अतिख्या (ati-khyā-) II. P. **A i** to overlook, to neglect मा नो अति ख्य आ गहि ṚV. i. 4.3 = AV. xx. 57.3 = AV. xx. 68.3; विश्वे अर्यो विपश्चितोऽति ख्यः ṚV. viii. 65.9; मा नो गव्येभिरश्व्यैः सहस्रेभिरति ख्यतम् ṚV. viii. 73.15; **A ii** to pass over, to abandon मा नो मर्ताय रिपवे ··· पुरो रुद्रावति ख्यतम् ṚV. viii. 22.14; **B** to survey वशा समुद्रमत्यख्यद्रुद्रा ज्योतींषि बिभ्रती AV. x. 10.15; AV.(P.) xvi. 108.5.

अतिख्यात (ati-khyāta) *adj.* very famous बलमभि(v. l. ति)ख्यातं विज्ञाय दृढधन्विनाम् (राजा) MahāBhā. i. App. 80 (53); षड्विंशकमिति ख्यातं (v. l. तद्विशेषमतिख्यातं) यत्परात्परम् MahāBhā. xiii. 14.181; i. 119.24; अतिख्याते ··· वर्णे जन्म भवादृशाम् । आचारश्चान्यथा दुष्टस्त्यक्तव्यः GaṇeP. i. 76.33.

अतिख्यातकुल (atikhyāta-kula) *adj.* whose lineage is very famous पुरुषैः···अभि(v. l. ति)ख्यातकुलैर्वीरैः MahāBhā. iii. 16.10; *n.* famous lineage अयोध्यायामतिख्यातकुलोत्पन्नः ··· परीक्षिन्नामा SkandP. v(2). 84.2.

अतिख्याति (ati-khyāti) *f.* great renown or fame अतिख्यातिमतिधैर्यं च साधय SkandP. iii(3). 11.28; रूपेणातिख्यातिमासेदुषी स्वा । उद्वाहार्थं दीयतां भूप कन्या NemiNir. 11.48.

अतिग (ati-ga) *adj.* [*f.* -ā] [DEBRU. p. 78] **A** going beyond, overreaching (space, time, number etc.) °वयोतिगान् ।···मन्त्रकालेऽपसारयेत् ManuSm. 7.149; तुङ्गं वेश्म ··· संख्यातिगाः संपदः SatTrayī. 252; बाणैः···। आयुर्देहातिगैः पीतं रुधिरं तु पतत्रिभिः RaghuVa. 12.48; संकोचेनैव दोष्णां मुहुरभिनयतः सर्वलोकातिगानाम् MudrāRā. 1.2; **B i** overcoming, conquering, subduing शोकातिगो मोदते स्वर्गलोके KāṭhU. 1.12 = 1.18; MaitreU. 1(4).9; न वनं गन्तुकामस्य त्यजतश्च वसुंधराम् । सर्वलोकातिगस्येव लक्ष्यते चित्तविक्रिया Rāmā. ii. 16.59; (गङ्गा) मानिनी मान्या मनोरथपथातिगा SkandP. iv(1). 29.134; क्रिमौषधपथातिगैरुपहतो महाव्याधिभिः MudrāRā. 6.15 (29); (महीपतिः) परोपतापपैशुन्यमात्सर्येर्ष्यानृतातिगः NītiSā. 4.17 = AgniP. 238.10; ऊर्मिषट्कातिगं रूपं तदस्याहुर्मनीषिणः NyāyMañ. ii. 77.27 = SyādvāMañ. 8 (116); YaśasCam. i. 134.2; ii. 391.15; विरजस्तमसः स्युर्द्वयातिगाः AmaK. 1441 = ŚabdaRa.(Vā.) 2397; KośaKaTa. 1.5709; **B ii** surpassing, outdoing अयमेकोऽत्यगात् (v. l. °तिगः) सर्ववेगेन वाहान् MahāBhā. i. 88.17; कीर्तिमांस्तस्य पुत्रोऽभूत् सोऽपि पश्चा(v. l. सवितृश्चा)तिगोऽभवत् MahāBhā. xii. 59.96; नमः । सुवर्चसेऽथ वीराय शूराय ह्यतिगाय च VāyuP. i. 24.211 (?111); वपुःप्रकर्षेण जनातिगेन Kirātā. 3.2; सर्वभुवनातिग लोके नोपमानमसि नाप्युपमेयः Kirātā. 18.34; SiśuVa. 13.17; शक्तिमैविष्यति जनातिगा PadmP.(Ra.) 7.219; रम्यमेतदरम्यं वा कः परिच्छेत्तुमर्हति । किं तु द्वयातिगं चित्तमद्य नौ पश्यतोरभूत् AnarghaRā. 2.42; त्रैलोक्यातिगमेव वीरधवलक्षोणीपतेः पौरुषम् HammiMaMa. 2.16; **B iii** transgressing, violating शास्त्रातिगः स्मृतो मूर्खः BaudhDS. i. 5.66; आर्यशास्त्रातिगे क्रूरे MahāBhā. iii. 31.40; **B iv** beyond the range of यत्रत्यावनिपालयागविधिषु प्रत्यक्षमक्षातिगो देवः स्वं हविराबिभर्ति EI. xv. 59.19.

अतिगङ्ग (ati–gaṅga) *adj.* who has crossed the river Gaṅgā (गोस्त्रियोरुपसर्जनस्य) अतिगङ्गः PrakriKau. i. 525. 1 (comm. गङ्गामतिक्रान्तः)

अतिगच्छत् (ati–gacchat) *adj.* passing, elapsing (of time) तेषां माता···। अनागच्छत्सु पुत्रेषु भैक्ष्यकालेऽतिगच्छति MahāBhā. i. 181. 37; कालेऽतिगच्छति । देव्यां सत्त्वसमावेशवार्ता प्रावर्तयत् BṛKathāS'loSaṁ. 5. 83.

अतिगञ्ज (ati–gañja) *m.* one of the Yogas (a period of time during which the joint motion in longitude of the sun and the moon is increased by 13° 20' degrees) (योगाः) अतिगण्डः सुकर्मा च···तत्रातिगञ्जो गञ्जोऽपि KalpaK. 406. 10.

अतिगणशस् (atigaṇa–śas) *adv.* in large numbers or groups गणयन्तोऽतिगणशः ··· गणकाः गणिताशयाः (समागताः) ParamāKā. 27. 72.

अतिगण्ड (ati–gaṇḍa) *m.* **1** one of the Yogas (a period of time during which the joint motion in longitude of the sun and the moon is increased by 13° 20' degrees) गण्डातिगण्डशूलं च ··· वर्जयेत् BṛhaspaSm. 258. 184; VasiS. 15. 1; 15. 5; वर्जं(र्ज्ये)···व्यतीपातातिगण्डयोः MatsyaP. 253. 7; Mānaso. iii 1. 10; घटिकाः ··· विवर्जयेत् । षट् षड् गण्डेऽति(? ति)गण्डे च AgniP. 127. 1; BrahmVaiP. iv. 96. 78; YaśasCam. i. 318. 15 (comm.); विष्कम्भशूलगण्डाश्चाप्यतिगण्डोऽथ वज्रकम् ĪśānS'iPa. ii. 26. 23; ii. 26. 24; DharK. 592; MediK. 45. 38; विष्कम्भगण्डशूलाश्चातिगण्डो वज्रवैधृती MalliC. 2. 645; वधरुचिर्जातोऽतिगण्डे JātaPā. 9. 97; वज्रेऽतिगण्डे वा ।··· असाध्या ज्वरिणः HāriS. ii. 6. 6; षट्कं गंडातिगंडयोः ।···नाड्यस्तु गर्हिताः NāraS. 7. 4; **2** name of a son of Viṣṭi and Viśvarūpa गण्डो नामाभवत्पुत्रो ह्यतिगण्डस्तथैव च BrahmP. 165. 29; **3** large cheek or temple [Apte]; *adj.* having large cheeks or temples अतिगण्डोयोगभेदे बृहद्गण्डे तु वाच्यवत् MediK. 45. 38.

अतिगत (ati–gata) *adj.* [*f.* –ā] **i** passed, elapsed (of time) दशाहेऽतिगते ··· (नृपात्मजः) श्राद्धकर्माण्यकारयत् Rāmā. ii. 71. 1; मूर्धजेषु च जग्राह समयेऽतिगते तु सा HariVaṁ. 154*; कतिपयेष्वद्रौ मासेष्वतिगतेषु सः ··· आराधयामास पुण्डरीककरम् YogVā. v. 49. 20; दशाहोऽतिगतस्तीव्रमेतयोर्युध्यमानयोः PadmP.(Ra.) 75. 5; अस्माकमतिगताश्चत्वारोऽपि ते वर्षकल्पा वार्षिकमासाः TilaMañ. 223. 21; वत्सरशताष्टकेऽतिगते ।··· समजनि वलभ्याः । भङ्गः PrabhāC. 44. 1; आद्ये यामे परमतिगते मन्दमुन्मील्य नेत्रे MayūSaṁ. 2. 60; **ii** gone, gone away from, crossed, absent from सप्तमराशौ यदि चोदग्दक्षिणेन नातिगतः । चन्द्रः ···छायामौर्वीं तदा विशति BṛSaṁ. 5. 10; अतिगतः छन्दः (कामः) यस्माद्रूपात् तत् अतिच्छन्दं रूपम् BṛĀraUBh. 568. 19 (*on* iv. 3. 21); **iii** gone or travelled beyond प्रतिवेशगृहातिगतायाः षट्पणः ।··· परगृहातिगतायाश्चतुर्विंशतिपणः ArthS'ā. ii. 25. 3; ii. 25. 5 (3. 4); **iv** preceding, gone before कर्मप्रधानेऽतिगते च काण्डे वाक्यत्वमाख्यातपदप्रयुक्तम् SaṁkṣeS'ā. 1. 488 (i. 353. 13); अभिव्यक्तिर्यद्यतिगता(? अनागता)वस्थात्यागेन वर्तमानावस्थालाभ इत्युच्यते SāṁkhyaPraBh. 130. 1 (*on* 5. 60); **v** surpassed विलोक्य कलनातिगतं गुणौघम् EI. x. 21. 10; **vi** gone beyond, beyond the reach अतिगतार्कमयूखपथावधिर्यदि तमोघनभूमिषु मोदते RāmC. 7. 59; शंभो···अतिगतकलुषप्रपञ्च S'ivaP. vii(2). 31. 2 (582B. 6); अतिगतसखीहस्तोन्मानक्रमं दिवसक्रमैः ··· कुचद्वयम् SubhāRaK. 15. 45.

अतिगतजन (atigata–jana) *adj.* deserted by people, having no human beings, desolate (यं तस्करः) अतिगतजने अत्यन्तविगतजने देशे विसृजेत् ChāndoUBh. 399. 10 (*on* vi. 14. 1)

अतिगति (ati–gati) *f.* very deep entry (नेत्राणि बस्तींश्च) अप्राप्त्यतिगतिक्षोभकर्षणक्षणनस्रवाः ।··· तेषां दोषाः CaraS. viii. 5. 5 (1941 Ed.) (comm. अतिगतिः दूरप्रवेशः); ज्ञात्वा शोणितभेदमप्यतिगतिं संस्थापयेदौषधैः KalyāKā. 21. 48; *adj.* involving excessive discharge अर्शोभेदाः षडतिगतयो विंशतिश्च प्रमेहाः Jīvān. 87. 3.

अतिगत्वर (ati–gatvara) *adj.* very swift वाहनैरतिगत्वरैः···प्रापुर्वैद्याधरा गणाः PadmP.(Ra.) 81. 103.

अतिगद्गद (ati–gadgada) *adj.* **i** (of persons) of faltering (speech), with throat choked up (शिवः) पुलकितसर्वाङ्गः साश्रुनेत्रोऽतिगद्गदः BrahmVaiP. i. 3. 24; **ii** (of throat, speech etc.) choked up, faltering or indistinct (due to emotions) न शशाक प्रभाषितुम् । अतिगद्गदकण्ठत्वात् GaṇeP. ii. 137. 44; (सा) सुरेरुपाश्रयं प्रायादतिगद्गदशब्दभूः PrabhāC. 175. 10; (वृत्रः) प्रोवाच ··· प्रेम्णातिगद्गदगिरा DevīBhāP. vi. 4. 6; दुःसाध्या सुरतेऽतिगद्गदरवा ··· हस्तिनी AnaṅgaRa. 1. 13.

अतिगद्गदम् (atigadgad–am) *adv.* with a choked up throat किम् ··· भाषसे चातिगद्गदम् PāṇḍaC. 10. 134.

अतिगन्तुम् (ati–gantum) *inf.* to run away अजिघांसत् अतिगन्तुमैच्छत् पलायितुं प्रारभतेत्यर्थः AitUBh. 262. 11 (*on* 3. 3)

अतिगन्तृ (ati–gantṛ) *adj.* surpassing, overtaking अयमेकोऽत्यगात् (v. l. अतिगन्ता) सर्ववेगेन वाहान् MahāBhā. i. 88. 17.

अतिगन्ध (ati–gandha) *adj.* having very strong smell, exuding overpowering smell निर्गन्धमतिगन्धं वा तत्पुष्पं हृच्छिरोरुजम् । कुर्यात् AṣṭāSaṁ. i. 50. 18 (1. 8); *m.* **i** sulphur [*n.* PW] गन्धकः···पूतिगन्धोऽतिगन्धश्च RājNi. 117. 13; **ii** kind of fragrant grass भूतृणम् ··· बधिरश्चातिगन्धश्च DhanvNi. 360. 15; **iii** kind of Jasmine मुद्गरः···वृत्तपुष्पोऽतिगन्धश्च गन्धराजः DhanvNi. 369. 20; अतिगन्धो गन्धराजो जनेष्टः KalpaK. 277. 254; **iv** the tree *Michelia campaka* स्थिरपुष्पस्तु चम्पकः । अतिगन्धः KalpaK. 276. 244; **v** the tree *Terminalia catappa* क्रोष्टुफलोऽतिगन्धस्तापसद्रुमः KalpaK. 284. 318.

अतिगन्धक (atigandha–ka) *m.* kind of fragrant grass भूतृणः···गुच्छलस्त्वतिगन्धकः KalpaK. 289. 358.

अतिगन्धद्रव्य (atigandha–dravya) *n.* very fragrant substance अम्बरम् । नाकेऽतिगन्धद्रव्ये च TrikāS'e. iii. 3. 327; जनातिगन्धद्रव्येषु स्याज्जनी जननी जनिः S'abdaRa.(Su.) 4. 232.

अतिगन्धवह (ati–gandhavaha) *adj.* surpassing the wind, more swift than wind अधिरुह्य वाहमतिगन्धवहम् Acyutarā. 5. 44.

अतिगन्धविलेपन (atigandha–vilepana) *n.* very fragrant ointment वेदवीणामृदङ्गैश्च नातिगन्धविलेपनैः । तथा मे जायते प्रीतिर्यथा श्रुत्वा ···। इतिहासपुराणानि वाच्यमानानि वाचकैः BhaviP. 171B. 9 (i. 116. 127)

अतिगन्धाढ्य (atigandhāḍhya) *adj.* very fragrant पङ्कजं चातिगन्धाढ्यमपश्यद्वनीपतिः DevīBhāP. vi. 21. 23.

अतिगन्धादि (atigandhādi) *adj.* giving a very bad smell etc. दुष्टो व्रणोऽतिगन्धादिः शुद्धलिङ्गविपर्ययः RugVi. 42. 8.

अतिगन्धालु (atigandhālu) *f.* name of the plant *putradātrī* पुत्रदात्री ··· वृत्तपत्रातिगन्धालुः RājNi. 333. 17.

अतिगन्धिका (ati–gandhikā) *f.* name of a plant हपुषा विपुषा विश्रा विश्रगन्धातिगन्धिका DhanvNi. 70. 20.

अतिगन्धिन् (ati–gandhin) *adj.* giving out a very bad smell, stinking मूत्रम् ··· अतिगन्धि सवेदनम् ··· अप्रशस्तम् KāśyaS. 47B. 30.

अतिगभीर (ati–gabhīra) *adj.* [*f.* –ā] **i** very deep (as of water) अतिगम्भीर(v. l. अतिगभीर)मवगूरणं शोकसागरस्य UttaRāC. 3. 33 (1) [NS Ed.]; चतुरश्रातिगभीरा वापी कार्या मनोरमा सुदृढा SamarāSū. 31. 157; पुनरतिगभीरे पयसि पाथोनिधेरमज्जम् UdaySuKa. 10. 19; विमलतरमतिगभीरं सुपवित्रं सत्त्ववत्सुरसम् । हंसावासं स्थानं मानसमिह शोभते नितराम् RasGaṅ. 245. 19; **ii** very profound, very acute (in temperament) कल्लोलिनीपतिरिवातिगभीरवृत्तिः (सुतः स च भविष्यति तावकीनः) NemiNir. 3. 42; कथाः । नाबुद्धातिगभीराणां शक्या रसयितुं गुणाः RājTa.(Ka.) 8. 1550; नृपतिरतिगभीरां चित्तवृत्तिं निगुह्य अरमत स वयस्यैः Nalābhyu. 1. 59; अतिगभीरोऽयं दुर्निवारानुरागतारल्यः संप्रवृत्तः CaitaCa. 101. 16 (4); न तावदतिगभीरैर्भवद्भिरेवमभिलपितुं युज्यतेCaitaCa. 142. 10 (6);ध्वनिनातिगभीरेण काव्यतत्त्वनिवेशिना । आनन्दवर्धनः कस्य नासीदानन्दवर्धनः SūktiMu. 4. 78; विमलतरमतिगभीरं सुपवित्रम् ··· स्थानं मानसमिह शोभते नितराम् RasGaṅ. 245. 19; **iii** very sonorous, SūktiMu. 4. 78; स नासरः ··· निर्भिन्दन्निव निर्मोकमतिगभीरभेरीभाङ्कृतिभिः ĀnandRa. 7. 13 (13)

अतिगभीरता (atigabhīra–tā) *f.* **i** great depth (अम्भोनिधिं स निरवर्णयत्) उत्तानमप्यतिगभीरतयानुयातम् HarVi. 30. 55; सर्वबिन्दूनां नाभावेव प्रवेशकथनेन नाभेरतिगभीरतायाश्चाभिव्यञ्जनात् CitraMi. 2. 7; **ii** great profundity (of character) कलशोद्भवः अगस्त्यः स च गम्भीरतरसमुद्रपानादतिगभीरतया विवक्षितः CaturCin. iii(2). 520. 21.

अतिगभीरत्व (atigabhīra–tva) *n.* nature of being very profound ग्रन्थान् नानाविधांश्चक्रुः प्रख्यातास्ते महीतले । तेषामतिगभीरत्वात् RasāSu. 8. 10 (1. 52)

अतिगम् (ati–gam–) I. P. **1A** to go beyond the limit तिरः पवित्रमतिनीताः । आपो धारय मातिगुः TaiBr. III. vii. 4. 14; तद्द्रव्यमत्यगाद्विश्वं गोभिः सूर्य इवातपन् BhāgP. ii. 6. 21; **1B** to leave, to abandon मा शिरोऽस्य पदा मर्दीर्मा धर्मस्तेऽत्यगान्महान् MahāBhā. ix. 58. 15; **1C** to transgress, violate सूर्याचन्द्रमसावीशौ मर्यादां नातिगच्छतः BṛĀraUBhVā. iii. 8. 134; **1D** to pass (तस्य) गृहीतब्रह्मचर्यस्य दिवसाः कतिचिदतिजग्मुः TilaMañ. 35. 13; 202. 8; S'aṅkaDigVi.(Mā.) 9. 65; (गच्छति:) अतेर्यापन ईरितः KośaKaTa. 2.1395; **2A** to go past अत्यन्यानगाम् TaiS. I. iii. 5. 1; VājaS. 5. 42; तांश्च सर्वान् ··· पुरन्दरः । अवहस्यात्यगाच्छीघ्रम् MahāBhā. i. 27. 10; देवाः ··· अभि(v. l. अति) गच्छन्ति तीर्थं पुण्यं ब्राह्मणसेवितम् MahāBhā. ix. 36. 5; ज्ञात्वा पपात सन्तप्तो मूर्च्छामतिजगाम ह DevīBhāP. vii. 26. 25; **2B** to cross क्रमशोऽतिजगाम नर्मदां स दुरन्ताम् RāghPāṇ.(Dha.) 4. 42; ततश्च कोशलाधीशो मार्गेऽखण्डप्रयाणकैः । नद्यैः काव्यैरिव कविः शास्त्रवर्त्मातिगच्छति MalliC. 6. 91; **2C** to transcend ते शुक्रं नृबीजम्

… अतिवर्तन्ति अतिगच्छन्ति धीराः बुद्धिमन्तः न पुनर्योनिं प्रसर्पन्ति MuṇḍUBh. 353. 11 (*on* iii. 2. 1); सोऽमृतस्याभयस्येशो मर्त्यमन्नं यदत्यगात् BhāgP. ii. 6. 17; **2D** to surpass, to excel or prove superior to वसिष्ठः…सन्निणो रोमहर्षणम् । विधानतो यथाशास्त्रं प्रज्ञयातिजगाम ह BrahmāṇḍP. i. 1. 18; **2E** to overcome, to subdue अत्ययाम अतिगच्छामः असुरानभिभूय देवभावं शास्त्रप्रकाशितं प्रतिपद्यामहे BṛĀraUBh. 36. 13 (*on* i. 3. 1); 45. 20 (*on* i. 3. 2); राज्ञः शत्रोः मायामत्यगादतिक्रान्तवान् VīraMi.(Rājanīti.) 106. 25; **2F** to deviate from, to go against (मयः) न च कैरपि सूचितोऽभवन्नियतिं नातिजगाम केवलम् RāmC. 13. 27.

अतिगम् (ati-gam) *adv.* excessively अतिगं भीरगुहा … हृदयहरा श्रेयोऽर्थिनां शरणं न स्त्री श्रीर्वा NalaCam. 4. 16 (74) (comm. अतिगमतिशयेन बिभेतीति भीर्भीरुः स्त्रीत्वभावत्वात्)

अतिगमन (ati-gamana) *n.* **1** excessive sexual intercourse ईर्ष्याद्धि कुप्यते वेश्या प्रसङ्गाच्च विरज्यते । स्तब्धातिगमनाच्चापि दानादपि विलुप्यते VitVr. 24; **2** excessive development नाना अत्ययः अतिगमनं येषां व्याधीनाम् … ते नानात्ययाः व्याधयः ChāndoUBh. 234. 18 (*on* iv. 10. 3); **3** entrance 'अतिगमनानि' प्रवेशमार्गान् 'निर्गमनानि' निस्तरणमार्गान् 'द्वाराणि' प्रतोलयः अपरद्वाराणि JñātāDhaṬ. 81A. 6; **4** excessive walking रक्तपित्तकफाः … कुपिता यदा । स दुर्बलस्ततो नागः … तथातिगमनादपि Hastyāyur. 225. 25 (2. 28)

अतिगम्भीर (ati-gambhīra) *adj.* [*f.* –ā] **1A** very deep स तं पप्रच्छ च नृपः किमेतदिति विस्मितः । अतिगम्भीरमवनेर्दर्शितान्तर्गतोदरम् MārkP. 116. 14; यमुनां चातिगम्भीराम् … वसुदेवो वहन्विष्णुं जानुमात्रवहां ययौ ViṣṇuP. v. 3. 18; BrahmP. 182. 22; पातालगुहाभिरिवातिगम्भीराभिरायुधशालाभिरुपेतम् … राजकुलं विवेश Kād. 87. 6; तेषु च निसर्गधीरस्याप्येवंविधायामवस्थायामतिगम्भीराभोगशोकक्षोभसंवेगात् पदे पदे महान्ति प्रमादस्थानानि शङ्कनीयानि UttaRāC. 3. 1 (5); अतिगम्भीरमविशन्मैथिली मोहसागरम् RāmC. 31. 71; योऽणुव्रतादिसंयुक्तः … । सागरो वातिगम्भीरः…कथं चानीयते सोऽत्र BṛKathāK. 60. 83; तच्छ्रुत्वा कृताभ्युपगमोऽहम् … अतिगम्भीरमवनिधरगह्वरमगच्छम् TilaMañ. 398. 20; मायामुनिः … प्रसभमतिगम्भीरगलगुहाकुहरोज्जिहानघोरघोषाभिघातघनघूर्णितापघनम् … अवमीत् YaśasCam. ii. 295. 10; एवं 'भाष्याब्धिः क्वातिगम्भीरः' इत्यादौ द्रष्टव्यम् Alaṅkāsa. 202. 15; तयोः … मनोवदतिगम्भीरा नाभिश्च प्रत्यभासत TriṣaŚaPuC. ii. 3. 65; सा हि नौरतिगम्भीरं विविक्षोर्नाट्यसागरम् RasāSu. 298. 21 (3. 291); अतिगम्भीरेऽपारे ज्ञानचिदानन्दसागरे … जीवतरङ्गावलिः स्फुरति PraboSu. 161; **1B** very serene or grave (appearance) दिष्ट्यातिगम्भीरकल्याणाकृतिरयं वयस्यो वत्सस्य UttaRāC. 6. 8 (6); MālaMā. 5. 27; अहो अतिगम्भीरभीषणाः सम्प्रति वर्तन्ते श्मशानशाखिनः CaṇḍaKau. 4. 16 (1); **1C** sounding deeply or sonorously रेणुकाम् … समाभाष्यातिगम्भीरा वाग्बाचाशरीरिणी BrahmāṇḍP. ii. 30. 42; (कन्दर्पकेतुः) क्वचिदतिगम्भीरमुरजरवाहूतसानन्दनर्तितनीलकण्ठम् … वासवदत्ताभवनं ददर्श VāsaDa. 221. 3; एवमाद्या महारावाः भटानाम् … निश्चेरुरतिगम्भीरा वदनेभ्यः समन्ततः PadmP.(Ra.) 102. 165; UttaRāC. 3. 33 (1); अतिगम्भीरः सौजन्योद्गारः MahāvīC. 4. 24 (1); कृतान्तरूपयेवातिगम्भीरया भारत्या सारयन्निव समवसरणदुन्दुभिध्वनेरिति कर्तुं स्तुतिं प्रस्तुतवान् (समरकेतुः) TilaMañ. 218. 7; यद्विवेचितमतिगम्भीरप्रौढवाचा भगवता वृत्तिकारेण लक्षणान्यसंख्यानीति AbhinBhā. ii. 348. 21 (*on* 16A. 5); नृत्यहेतुर्मयूराणां निष्कृताम्बुदगर्जितः । तूर्यनादोऽतिगम्भीरो दिगन्तान् व्यानशे तदा NemiC. 7. 16; **2A** profound, unfathomable, very great दुर्दर्शमतिगम्भीरमजं साम्यं विशारदम् । बुद्ध्वा पदम् GauḍKā. 4. 100; अतिगम्भीरमेतत्किमपि भविष्यति UttaRāC. 4. 26 (12); अतिगम्भीरः सुरसः स्वीकारः MahāvīC. 5. 60 (13); अहो अतिगम्भीरा दुरवगाह्या विचित्रा चेयं माया KāṭhUBh. 144. 6 (*on* 3. 12); BrahmSūBh.(Śaṅ.) 339. 8 (*on* ii. 1. 31); 303. 19 (*on* ii. 1. 11); किं तवानया चिन्तयातिगम्भीरया BrahmSūBh.(Bhā.) 82. 14 (*on* i. 4. 21); तावावाम् … मग्नौवः स्मातिगम्भीरं शब्दब्रह्ममहोदधिम् LakṣmīT. 50. 13; अतिगम्भीरजगत्कारणविषयत्वं तर्कस्य नास्ति Bhām. 347. 3 (*on* ii. 1. 13); अतिगम्भीरभुजसारकासारकैरवारामः खलु रामः PrasaRā. 3. 39 (4); (बुद्धेः गुणाः) अगाधमतिगम्भीरमुदारं कृपणं तथा TantrRā. 36. 31; **2B** of great import, having deep sense कथाम् … प्रस्तुते … प्रसन्नामतिगम्भीराम् MahāP. 1. 109; भाष्यम् …। प्रतिपदमतिगम्भीरं न शक्यते मादृशैर्बोद्धुम् ŚivārkaMaDī. i. 1. 19 (*on* i. 1. 1); अतिगम्भीरा हि वेदान्ताः स्वल्पमतीनामशक्यार्थनिश्चयाः ŚivārkaMaDī. ii. 3. 7 (*on* ii. 1. 1); **2C** having a profound nature or personality अतिगम्भीरं महद्राजकुलम् HarṣaC. 90. 8; अतिगम्भीरे भूपे कूप इव जनस्य निरवतारस्य । दधति समीहितसिद्धिं गुणवन्तः पार्थिवा घटकाः HarṣaC. 70. 1 = VyaktiVi. 91. 13; अग्रगण्योऽतिगम्भीरः पात्रापात्रविशेषवित् ।… इत्यादिलक्षणोपेतः श्रीगुरुः कथितः प्रिये KulārT. 13. 43; महासत्त्वोऽतिगम्भीरः क्षमावानविकत्थनः । … धीरोदात्तः DaśRū. 2. 4 = BhāvPra.(Śā.) 308. 13 (10); 92. 14 (4); SāhiSā. 4. 47; धीरोदात्तोऽतिगम्भीरो न्यायी सत्त्वी क्षमी स्थिरः NāṭyaDa. 29. 18 (8); PratāYaBhū. 21. 1; दयावानतिगम्भीरो विनीतः सत्त्वसारवान् … धीरोदात्त उदाहृतः RasāSu. 13. 20 (1. 73); SāhiDa. 97. 17; कौशिकोपदिष्टसकलास्त्रग्रामो रामोऽयमतिगम्भीरमहासत्त्वः JānaPa. 4. 60 (2)

अतिगम्भीरजल (atigambhīra-jala) *adj.* having deep waters स्तिमितप्रवाहोऽतिगम्भीरजलो नद्येकदेशः ह्रदः CaturCin. iii(1). 868. 3.

अतिगम्भीरजलद (atigambhīra-jalada) *m.* very dense cloud यस्याहुरतिगम्भीरजलदप्रतिमं गलम् । स वः करोतु निःशङ्कमुदयं प्रति मङ्गलम् KīcaVa. 1. 3; SaraKaṇṭhā. 207. 2.

अतिगम्भीरता (atigambhīra-tā) *f.* profundity, patience of a very high order चित्तेऽतिगम्भीरता … त्वय्यस्ति भो राघव CāṇaNīDa. 12. 15; अतिगम्भीरता – गाम्भीर्यमविकारः स्यात् सत्यपि क्षोभकारणे RasāSu. 14. 5 (1. 73)

अतिगम्भीरदर्शन (atigambhīra-darśana) *adj.* having a very obscure appearance पुरा सर्वमभूदिदम् । … तमःसंवृतमस्पर्शमतिगम्भीरदर्शनम् MahāBhā. xii. 160. 12.

अतिगम्भीरदोष (atigambhīra-doṣa) *m.* serious fault ततः सुतसुताद् दृप्ताद् व्यक्तं न श्रियमाप्स्यसि । तथा चेतोऽतिगम्भीरदोषशङ्कि तवाधुना KīcaVa. 3. 15.

अतिगम्भीरप्रकृति (atigambhīra-prakṛti) *adj.* possessing a very profound nature or disposition देवतागुरुसाक्ष्येण स्वीकृता स्वीयनायिका । क्षमावत्यतिगम्भीरप्रकृतिः सच्चरित्रभृत् Vāgbhaṭā. 5. 13.

अतिगम्भीरप्रतीति (atigambhīra-pratīti) *f.* knowledge as 'very deep' अन्यथा जानुमात्रेऽप्युदकेऽतिगम्भीरप्रतीतिर्न स्यात् SiddhāBi. 23. 1.

अतिगम्भीरम् (ati-gambhīram) *adv.* very loudly सेनापतिस्तु…अतिगम्भीरमारसन्तीनां समरढक्कानां ध्वनितेन पातयन्निव सबन्धनान्यरातिहृदयानि … शिबिरान्निरगच्छत् TilaMañ. 86. 9.

अतिगम्भीरवयस् (atigambhīra-vayas) *adj.* having an unfathomable age अतिगम्भीरवयसः कालस्य मन्वन्तरपरिवृत्तं कियल्लोकत्रयमिदम् BhāgP. v. 24. 24.

अतिगम्भीरा (ati-gambhīrā) *f.* name of a nymph पुनराह शचीपतिः । गम्भीरां चातिगम्भीरामुभे ये गर्विते तदा BrahmP. 147. 11.

अतिगम्य (ati-gamya) *ger.* **i** having skipped or passed over परैरवर्स्यत्यतिगम्य कानिचित् ṚkPrāti. 11. 1; **ii** having gone beyond (the reach of) अवसर इह तौ सपक्षताया भृशमतिगम्य दृशोः पथं व्यतीतौ PrabhāC. 70. 4.

अतिगरिमभय (atigarima-bhaya) *n.* fear of excessive heaviness or laboriousness इत्थं त्वर्थाविरोधेऽप्यतिगरिमभयान्नेष्यते शब्दशक्तिः TattvMu. 5. 91.

अतिगरीयस् (ati-garīyas) *adj.* (*Comp.*) [*f.* –ī] [AltGr. II. 1. 233] very great, more important, very prominent, very large वेदेभ्योऽपि षडङ्गेभ्यो गायत्र्यतिगरीयसी BṛParāSm. 4. 16; त्वयामुना सुकृतेन क्रीतोऽयं दासजन इत्यसारमतिगरीयसा क्रीणासीति स ते प्रज्ञाधिक्षेपः DaśKuC. 50. 13; स चाहरहरागत्यादरेणातिगरीयसार्चयन्…कदाचित्काङ्क्षितार्थसाधनाय शनैरयाचिष्ट DaśKuC. 124. 14; नियुज्यमानेन पुरः कर्मण्यतिगरीयसि ।… भर्त्रा कार्मुकमानमत् ŚiśuVa. 19. 91; तव दैत्यस्य धिषणातिगरीयसी PadmP.(Ra.) 8. 45; सर्वेषां व्यसनानां स्वामिव्यसनं भवत्यतिगरीयः TāpaVa. 4. 5; विष्णुदत्तकः …। कुटुम्बपोषणं चक्रे क्लेशेनातिगरीयसा BṛKathāK. 3. 6; 46. 139; सैषा … कौरवादीनामतिगरीयसी लक्ष्मीः SubhaDha. 4. 10 (2); कुमारिलमताम्भोधौ गभीरेऽतिगरीयसि । युक्तिरत्नं दिदृक्षूणामिदं सिद्धाञ्जनं परम् MānaMe. 308. 1.

अतिगरुत्मत्स्पर्धा (atigarutmat-spardhā) *f.* competition for excelling Garuḍa प्रययुरतिगरुत्मत्स्पर्धयैराकवाहाः(? वैवाशु वाहाः) VīraBhā. 11. 15.

अतिगर्ग (ati-garga) *adj.* who has surpassed the descendants of Garga यत्र वृत्त्यैकत्वं गम्यते यत्रा बहुत्वं तत्रापि भवति । गर्गानतिक्रान्तः अतिगर्गः JaineVyā. 84. 28 (*on* i. 4. 135); PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. (ii. 4. 62)

अतिगर्ज् (ati-garj-) I. P. to speak loudly or provokingly or in a threatening voice [MW]

अतिगर्जित (ati-garjita) *n.* **i** loud roaring ननु न स्थिरमेतद्धि श्रूयतेऽस्यातिगर्जितम् PadmP.(Ra.) 103. 34; निशम्य च । स्वगर्जितप्रतिरवं मत्वा तत्रातिगर्जितम् KathāSaSāg. x. 4. 104; AdhyāRā. v. 3. 93; **ii** loud thundering (सा वाणी) उद्वेजितापि जलदैः क्षोभिताप्यतिगर्जितैः YogVā. iii. 72. 22.

अतिगर्जिन् (atigarj-in) *adj.* roaring excessively [perhaps w. r. for अभिगर्जिन्] निशम्य च । स्वगर्जितप्रतिरवं मत्वा तत्रातिगर्जिनम् KathāSaSāg. x. 4. 105 (BROCKHAUS' Ed.)

अतिगर्ध (ati-gardha) *m.* excessive greed, overcovetousness अतिगर्धेन ये ह्यर्था वञ्चयित्वा परं च ये । अपहृत्य परेषां वा वाञ्छन्ते नैव ते स्थिराः KathāSaSāg. xiii. 1. 116.

अतिगर्भ (ati-garbha) *m.* deep interior (of the body) दुर्जयानपि जयत्यतिगर्भादर्शसां सकलरोगसमूहान् KalyāKā. 12. 122.

अतिगर्भपीडिताङ्गी (ati-garbhapīḍitāṅgī) *adj.* (*f.*) having excessive pain in the limbs due to the foetus सितपिकलोचनचरणं चर्वणपूर्वं च कर्णपूरणत: । अतिगर्भपीडिताङ्गी वनितौ(? ता) सुखप्रसूतिमातनुते RatiRaha. 15. 72.

अतिगर्भस्रावसंस्थापन (atigarbhasrāva-saṁsthāpana) *adj.* preserving the foetus from severe aboration (क्षीरम्) श्रमहरमतिगर्भस्रावसंस्थापनं च KalyāKā. 5. 23.

अतिगर्व (ati-garva) *m.* excessive pride or conceit अतिगर्वेण रावण: ···बद्ध: CāṇaNīDa. 3. 12; BhaviP. 117B. 13 (i. 66. 31); विव्वोकस्त्वतिगर्वेण वस्तुनीष्टेऽप्यनादर: SāhiDa. 133. 2; VetāPañ.(S'i.) 22. 15; सुग्रीवादिकपीश्वरै: प्रणयिभिर्नीतोऽतिगर्वं पुन: । ···किमहो ब्रूमो बलं मारुते: AlaṅkāMañ. 193. 16.

अतिगर्वित (ati-garvita) *adj.* [*f.* –ā] extremely proud or conceited, extremely haughty or arrogant दक्षस्य दुहिता या तु सुरभीत्यतिगर्विता MahāBhā. i. 93. 8; सुरुचि: प्राह भूपालप्रत्यक्षमतिगर्विता ViṣṇuP. i. 11. 14; MārkP. 88. 24; इत्युक्त्वा भण्डदैत्येन्द्रं कुबिलाक्षोऽतिगर्वित: BrahmāṇḍP. iii. 22. 30; LalitāSa. 155; BhāgP. iv. 8. 10; वैश्रवण: ···। सुमालिनोऽन्तिकं दूतं प्रजिघायातिगर्वित: PadmP.(Ra.) 8. 163; AbhidhāRaMā. 2. 228; VāstuVi. 4. 47; शेषस्त्वशेषजगतां पतिरास्तेऽतिगर्वित: LiṅgaP. i. 49. 64; BrahmP. 71. 4; 132. 4; DevīBhāP. viii. 23. 23; PadmP. vi. 3. 34; हिरण्यकशिपुर्देव मद्वरेणातिगर्वित: । बाधते सकलान्देवान्मुनीन्निर्धूतकल्मषान् SaurP. 28. 22; VasiS. 43. 6; अरे दासि न जानासि स्वात्मानमतिगर्विता PāṇḍaC. 2. 328; Subhāṣi. 2405; अतिगर्वित: ··· प्रतिनायक: SāhiSā. 4. 64.

अतिगर्ह् (ati-garh-) I. Ā. to censure or accuse severely लज्जां च तथापि नागमिष्यस्तेन त्व(? त्वा)मतिगर्हते दशास्य: Rāvaṇā. 12. 58.

अतिगर्हित (ati-garhita) *adj.* [*f.* –ā] highly condemned, extremely censured, utterly despised शुभग्रहाणां वारा: स्यु: पूजिता ब्रह्मणो मतम् । सोमवार: सिते पक्षे कृष्णे पक्षेऽतिगर्हित: BṛhaspaSm. 249. 120; अहो मे ··· ब्रह्मस्वहरणे वाञ्छा तद्धत्या चातिगर्हिता BrahmāṇḍP. ii. 30. 20; तदप्यतिगर्हितं धर्मविरुद्धं च Tantrākhyā. 125. 9; PañcT. 4. 1 (376. 1); Hitopa. 2. 34; संसारे मूर्खपुत्रत्वं मरणादतिगर्हितम् DevīBhāP. iii. 10. 44; GaṇeP. i. 2. 31; क्रकचो नाम योगोऽयं मङ्गलेष्वतिगर्हित: NāraS. 10. 5; ManvaVi. 607. 22 (*on* 5. 31); तुल्येऽपि हि मनुष्यत्वे भृत्यत्वे चातिगर्हिते । तत्रापि यो न प्रथम: सोऽपि वाञ्छति जीवितुम् SūktiRa. 103. 1; धिषणेन तथा प्रोक्तं चार्वाकमतिगर्हितम् SāṁkhyaPraBh. 4. 20 (*on* 0. 0); S'ivLī. 3. 5.

अतिगर्ह्य (ati-garhya) *adj.* greatly condemnable क्व च कामशास्त्रमतिगर्ह्यमिदम् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 9. 87.

अतिगर्ह्यत्व (atigarhya-tva) *n.* the state of being highly censurable or condemnable मिथ्याचारातिगर्ह्यत्वात्सौकर्यादक्रियाश्रित: AbhidhK. 4. 33.

अतिगव (ati-gava) *adj.* [*f.* –ī] out-doing a bull or a cow (गोरहृदुपि) गोशब्दाट्टो भवति अहृदुब्विषये । ··· अतिगवी JaineVyā. 280. 11 (*on* iv. 2. 94); अर्चायां किम् । गामतिक्रान्तोऽतिगव: MugdhaBo. 6. 88 (64. 11); पूजनात्किम् । गामतिक्रान्तोऽतिगव: PrakriKau. i. 652. 9 = SiddhāKau. 211B. 4; [(a bull) covering the cow, MW; very foolish, quite stupid, Vācas.; Apte; inexpressible, indescribable, Vācas; Apte]

अतिगव्य (atigav-ya) *adj.* suitable for or product of an excellent cow अतिगव्यमिति तदन्तविधिरिष्ट: KātanVṛ. *on* ii. 6. 11; अत एवासमासग्रहणात् पूर्वत्र तदन्तविधि: । तेन गव्यमतिगव्यम् BhāṣāVṛ. v. 1. 20.

अतिगहन (ati-gahana) *adj.* [*f.* –ā] **i** very deep, impassable आशा नाम नदी ··· अतिगहना ··· तस्या: पारगता विशुद्धमनसो नन्दन्तु योगीश्वरा: S'atTrayī. 173; SūktiRa. 200. 33; S'ārṅgaPa. 4103; कृत्वा चुम्बनमम्बरेऽतिगहने विद्योत्य विद्युल्लता: (घनै:) Subhāṣi. 841; **ii** extremely profound, very difficult to understand, very abstruse, very much inexplicable भगवति च भावातिगहनादतिगहनश्च बुद्धानां भावो दुराज्ञेयस्तस्मान्नास्माभिस्तदज्ञानात्त्रसितव्यमिति MaYānaSū. 6. 27 (1. 15); HetuBiṬ. 43. 4; S'atS'lo. 65; सर्वथातिगहनो बलीयानेष संसारमोह: TilaMañ. 244. 23; PadmP. iv. 87. 13; तदास्ताम् । अवान्तरमेतत् अतिगहनं च PratyabhiVi. i. 46. 4 (i. 1. 1); YogVā. iv. 39. 8; Bhāsk. i. 399. 8 (*on* i. 8. 1); कोऽतिगहन: ··· भव: VidaMuMa. 3. 7; RaseCin. 8. 30; अतिवाहितमतिगहनं विनापवादेन यौवनं येन । दोषनिधाने जन्मनि किं न प्राप्तं फलं तेन Subhāṣi. 3373; अन्ये हि ग्रन्था महान्तोऽतिगहनास्तै: सहसा शब्दा न प्रकाश्यन्ते Prasā. i. 11. 9; i. 37. 8; NīlaVi. 40. 5; **iii** quite hidden बीजानां गर्भितानां फलमतिगहनं गूढमुद्भेदयंश्च MudrāRā. 4. 3; **iv** very dense or thick, extremely impenetrable श्रुत्वा राजा स्वराज्यं निजगुरुमवजित्यारिभि: संगृहीतं मात्रा सार्धं प्रयातं वनमतिगहनं स्वर्गतं तं च तस्मिन् BrahmāṇḍP. ii. 48. 4; CaṇḍiS'. 39; अहम् ··· अतिगहनम् ··· तमालविटपिनो मूलदेशमविशम् Kād. 34. 18; ĪśvaSi.(Yā.) 78. 20; **v** extremely difficult or complicated, very intricate राज्यं हि नाम···अतिगहनम् Kād. 297. 11; तदेतदतिगहनं धीमतामपि । किं पुनर्मन्दबुद्धीनाम् Tantrākhyā. 1. 18; PañcT. 0. 4 (4. 12) तदित्थमेव द्वादशविधं प्रमेयमतिगहनसंसारमारवस्थलप्रभवतीव्रसंतापनिर्वापणमहाह्रदतामुपयातीति NyāyMañ. ii. 3. 2; MohaRāPa. 2. 7(11); राजसेवातिगहना बुद्धिमद्भिर्विना न सा । कर्तुं शक्या S'ukraNī. 3. 280; **vi** very fierce ततो निगहने (? अतिगहने Jñānapīṭha Ed.) युद्धे प्रवृत्ते खरदूषण: PadmP.(Ra.) 16. 66; **vii** very deep or profound, intense एवं विज्ञाय तापत्रयमतिगहनं मोहमूलं परस्मिन् SaṁkṣeS'ā. 3. 56 (ii. 181. 3); Mitā. 379. 2 (*on* 3. 104); अतिगहने फणिपटले स्पन्दितुमपि क: क्षमो मनुज: SetuBa. 1. 12; *m.* one of the gods guarding the door अमरेशो विरूपाक्ष: सुधर्मिष्ठो नियामक: । सर्वसत्त्वाश्रयश्चातिगहनस्तदनन्तरम् PāraS. 11. 207.

अतिगहनगहन (atigahana-gahana) *adj.* extremely complicated or difficult तदेतत्कुशाग्रधिषणै: क्षोदनीयमतिगहनगहनमिति नेह प्रतन्यते AlaṅkāSa. 13. 1.

अतिगहनता (atigahana-tā) *f.* the nature of being very profound कानिचिदतिगहनताज्ञापनाय वाङ्मनसागोचरत्वाद्याकारेण NyāySu.(Ja.) 124B. 7 (*on* i. 1. 6); वेदार्थस्यातिगहनतोक्ते: AdvaiSi. 515. 3.

अतिगहनत्व (atigahana-tva) *n.* **i** the state of being extremely dense or impenetrable कुन्तादीनामतिगहनत्वं प्रयोजनम् SāhiDa. 43. 4(2); भव: संसार एवारण्यमतिगहनत्वात् LalitāSaBh. 58. 4(*on* 92); **ii** the state of being very difficult to understand, very profound वक्ष्यमाणस्यार्थस्यातिगहनत्वात् S'āṣtraDī. 131. 12 (*on* i. 1. 5); कौलधर्माणामतिगहनत्वेन SetuBa. 181. 31; 182. 1.

अतिगहनद्रुम (atigahana-druma) *adj.* in which trees are very dense स: ··· बभ्राम मृगयासक्तो वनेऽतिगहनद्रुमे SkandP. ii(8). 7. 116.

अतिगहननिकुञ्ज (atigahana-nikuñja) *m.* extremely thick bower अयमतिगहननिकुञ्जो दूरे पुरतो वयं बाला: GopāKeCan. 75. 35.

अतिगहनसंबन्ध (atigahana-sambandha) *m.* relation which is very difficult to comprehend ननु कथमतिदेशमात्रेणातिगहनसंबन्धादिज्ञानं भवेत् Bhāsk. ii. 35. 13 (*on* ii. 2. 1)

अतिगहनार्था (atigahanārthā) *adj.* (*f.*) having a meaning very difficult to grasp विश्वरूपाचार्यस्य विकटा अतिगहनार्था या उक्तयो व्याख्यानानि BālamBha. i. 2. 14 (*on* 1. 1)

अतिगह्वर (ati-gahvara) *adj.* [*f.* –ī] very much deep or profound or unapproachable तज्जटामण्डले शुभ्रे विलिल्ये सातिगह्वरे BrahmāṇḍP. ii. 56. 42; जगाहेऽन्यांश्च दैत्यानामावासानतिगह्वरान् S'kandP. i(3B). 11. 14; अहो सुदुस्तरा विष्णोर्मायेयमतिगह्वरी BhaviP. 835A. 3 (*on* iv. 153. 55)

अतिगह्वरत्व (atigahvara-tva) *n.* extreme profundity अतिगह्वरत्वं··· ब्रह्मणो वक्ष्यति BṛĀraUBh. 216. 18 (*on* ii. 1. 1)

अतिगा (ati-gā-) III. P. to pass through, to pass beyond, to miss अतिं ··· गव्या जिगात्यण्व्या RV. ix. 14. 6; अत्यन्यानगां नान्यानुपागाम् TaiS. I. iii. 5. 1; III. ii. 5. 3–4; मा न: कालोऽत्यगादयम् MahāBhā. i. 33. 7; Rāmā. i. 1308*(2); मा त्वा धर्मोऽत्यगान्महान् MahāBhā. iii. 205. 8.

अतिगाढ (ati-gāḍha) *adj.* [*f.* –ā] **i** very deep or thick स्निग्धातिगाढातिपटुप्रयोगै: ··· श्लेष्मप्रकोपं समुपैति KalyāKā. 3. 59; **ii** very tight अतिगाढमौर्वीकृतस्थितिरराजत भोगिराज: HarVi. 50. 29; चक्रेऽतिगाढकरपिष्टकरालहारतारावलीविलुलितातनुचूर्णपूर्णम् । वज्रव्रणौघम् ··· विदर्भ: HarVi. 34. 21; 34. 28; कृतप्रयत्नापि दृढमतिगाढपाशग्रन्थिपीडितगलत्वादपारयन्ती वक्तुम् TilaMañ. 309. 3; **iii** very sound कश्चित्सुरतखिन्नाङ्ग: ··· कृत्वा प्राणसमां निद्रामतिगाढां निषेवते PadmP.(Ra.) 32. 3; **iv** very intense अतिगाढदिनोष्णजन्मभि: परित: स्वेदलवैरिवाङ्कितम् NavaSāC. 12. 47; सौहार्देनातिगाढेन शान्तासीद्विमला मति: BhāgP. i. 15. 28; BṛDharmaP. i. 9. 12; न चातिगाढं च न चातिमन्दं संदीपनं दृष्टमिदं रसानाम् NāṭaLaRaK. 1969.

अतिगाढगुण (atigāḍha-guṇa) *adj.* [*f.* ā] having deep-rooted virtues अतिगाढगुणस्यास्य नाब्जवद्भङ्गुरा गुणा: KāvyaPra. 649. 5; अतिगाढगुणायाश्च नाब्जवद्भङ्गुरा गुणा: SāhiDa. 559. 9(10)

अतिगाढचिन्ता (atigāḍha-cintā) *f.* very keen anxiety रात्रिं च दुर्लभरसोत्सुकतातिगाढचिन्तामहोत्सवमयीमिव तां ततस्ते । निन्यु: KathāSaSāg. vi. 5. 96.

अतिगाढतर (atigāḍha-tara) *adv.* very heavily वर्षास्वतिगाढतरस्रवदुदकधारासंव्याप्तदिगन्तरासु LalitāTriBh. 321. 5 (*on* 39)

अतिगाढतरता (atigāḍhatara-tā) *f.* the state of being very much tight किं प्रतिविधास्यसि ··· प्रतिदिनमतिगाढतरतामापाद्यमानेन काञ्चीकलापेन दूयमानस्य ··· मध्यभागस्य Kād. 69. 21.

अतिगाढत्व (atigāḍha-tva) *n.* **i** excessive thickness सिराणामवहन-कारणानि मूर्च्छा भयम् … अतिगाढत्वम् …चेति AṣṭāSaṁ. i. 178. 23 (*on* 1. 36); **ii** exceeding tightness उत्साहोच्छ्वसदङ्गत्वादतिगाढत्वमागतम्। सौवर्णं वर्म TriṣaS'aPuC. i. 4. 381.

अतिगाढप्रहार (atigāḍha-prahāra) *m.* very severe stroke अतिगाढ-प्रहारार्तः कृतान्तो मूर्च्छितोऽभवत् SkandP. i(2). 17. 27.

अतिगाढबन्ध (atigāḍha-bandha) *m.* very tight bond योक्त्रीकृतैः फणिगणैरतिगाढबन्धतीव्रार्तिसीत्कृतिसमीरनिभेन शीतान्। स्कन्धानिलानिव निपीय HarVi. 39. 33.

अतिगाढम् (ati-gāḍham) *adv.* **i** excessively, greatly हास्यवस्तुषु चाप्यस्य …नातिगाढं प्रहृष्येत MahāBhā. iv. 4. 29; अनारूढप्रौढ्यश्च नातिगाढमुद्वेजयन्ति घर्मोर्मयः TilaMañ. 209. 7; नागकुमारेण … इत्यतिगाढं निर्भर्त्स्य स दारकः … व्यापादितः ViviTīKa. 33. 23; **ii** very tightly, very closely ते तु … मदीयेनैव शृङ्खलेन तमतिगाढं बद्ध्वा हर्षकिलकिलारवमकुर्वन् DaśKuC. 107. 12; तदुरःसूत्र-मतिगाढम् … अवलम्बमानस्य TattvVai. 189. 22 (4. 10); अङ्गैरहं समुपगुह्य ततोऽतिगाढं नोन्मीलयामि नयने न च तां त्यजामि CaurPañ. 6; PadyaVe. 17.

अतिगाढराग (atigāḍha-rāga) *adj.* of very deep colour क्षीबोऽतिगाढ-रागं पीत्वा मधु वीतरागः किम् KalāVi. 6. 19.

अतिगाढरुज् (atigāḍha-ruj) *adj.* having very deep wounds शङ्के शिलीमुखगणाः क्वणितच्छलेन शौर्यातिरेकमतिगाढरुजो निनिन्दुः HarVi. 16. 29.

अतिगामुक (ati-gāmuka) *adj.* passing beyond, surpassing ते … वर्षा-नशीतिमतिगामुकम् … सर्वपलितं ददृशुर्नरम् KumāDeC.(So.) 12. 30; कामितपूरणे सुरतरोरुपमामतिगामुकौ। तव विभो भजते … क्रमौ CaturJiSt. 5.

अतिगाम्भीर्य (ati-gāmbhīrya) *n.* **i** great profundity, majestic nature of high order ससत्त्वतातिगाम्भीर्यं तत्तस्य भूषणमभूद् दूषणं यन्महो-दधेः DaśāvaC. 5. 8; **ii** great depth; DaśāvaC. 5. 8.

अतिगार्ग (ati-gārga) *adj.* surpassing the son of Gārgī सोऽतिगार्गा-स्तान् … धृत्वा निववृते ततः DvyāśraKā. 15. 1.

अतिगार्गक (atigārga-ka) *adj.* surpassing a group of descendants of the sage Garga श्रितो मानुषकैश्वासि … वार्धकैश्चातिगार्गकैः DvyāśraKā. 15. 49.

अतिगार्ग्य (ati-gārgya) *m.* [AltGr. II. 1. 258] excellent Gārgya इह च प्रसज्येत – शोभनो गार्ग्यः अतिगार्ग्य इति MahāBh. v. 209A. 19 (*on* P. vi. 2. 191); KāśiVṛ. (*on* P. vi. 2. 191); Prasā. ii. 784. 9; SiddhāKau. 655B. 17.

अतिगार्द्ध्य (ati-gārddhya) *n.* excessive greediness पीत्वा जलानां निधिनातिगार्द्ध्यात् … क्षिप्ता इवेन्दोः … रुचः S'iśuVa. 3. 73; यदि परं त एव स्थूलकवलैराकुलतरमतिगार्द्ध्याद्भक्षयन्तः प्रेतप्राया इति मुधैव श्राद्धादिविधानम् SyādvāMañ. 11(204)

अतिगाल्य (ati-gālya) *ger.* having strained उग्राम्बुदातिविषयष्टिकषायम् …अतिगाल्य…पिबेत् KalyāKā. 9. 100.

अतिगाह् (áti-gāh-) 1. A. [AltGr. 1. 184] to pass over, to wade through, to go across अति॑ गाहेमहि॒ द्विषः॑ ṚV. ii. 7. 3; MantrBr. i. 2. 5; ए॒षः … प॒वित्र॒मति॑ गाहते ṚV. ix. 67. 20; ix. 86. 26; यां वा अतिहार्यामसंवीतोऽतिगाहते मृदा वै स लिप्यते JaimiBr. 1. 275; देवीराप इत्यपोऽतिगाहते ĀpaS'S. x. 19. 9; छागपृष्ठानि चारुह्य … अतिगाहते(? न्ते) चाध्वानम् BṛKathāS'loSaṁ. 18. 455.

अतिगिलित (ati-gilita) *adj.* completely swallowed महारुद्रः सद्यः … दितिजेनातिगिलितः S'ivP. ii(5). 46. 23 (276. 11)

अतिगीत (ati-gīta) *n.* extraordinary singing गीतज्ञा अतिगीतेन तोष-यन्ति नराधिपान् SkandP. iv. 1. 22; *adj.* very much praised तच्च कृत्वाति-गीतार्थकारिताराधनादृतः PrabhāC. 109. 24.

अतिगुच्छक (ati-gucchaka) *adj.* very plump शङ्खदेशौ यस्य भग्नौ स्कन्धदेशोऽतिगुच्छकः (गजस्य) YuktiKa. 203. 11.

अतिगुण (ati-guṇa) *adj.* [*f.* –ā] **i** having extraordinary or excellent qualities, very virtuous भवन्तः … मनुजपतिसुतां यथा लभध्वं तदधिगुणं (v. l. अतिगुणं) पुरुषार्थमारभध्वम् Rāmā. iv. 40. 47; सर्व एवात्मपुत्रमति-गुणमभिलषति ViṣṇuP. iv. 7. 21; अहमूढां(? ढा) कुलीनेन द्विजेनातिगुणेन च SkandP. v(2). 78. 20; **ii** having many or abundant good qualities or merits जैवे नैकगुणाल्परत्यतिगुणा विज्ञानयुक्ता सती Bṛhajjā. 24. 5; **iii** greater in number, very large संख्यामतिगुणां चापि तेषु लोकेषु मोदते MahāBhā. xiii. 110. 32; इदं प्लवगसैन्यं मे सहसैव समागतम्। अतोऽप्यतिगुणं भूरि क्रमेण समुपैष्यति RāmāMañ. 203. 16; **iv** devoid of merits or good qualities [APTE]; *m.* **i** distinguished or excellent quality तेषामतिगुणैः सर्वैः श्रीमाँल्लोकहिते रतः Rāmā. i. 523*; [वि]मुनातिगुणानुरा[गा]त्सल्लक्षणक्षितिभुजा च परीक्ष्य [सम्यक्?] EI. i. 201. 21; **ii** name of S'iva (as possessing surpassing qualities or transcending all qualities) (शूलिने नमः) ईज्याय याजकाय च … तत्त्वायातिगुणाय च LiṅgaP. i. 21. 30.

अतिगुणता (atiguṇa-tā) *f.* the state of having extraordinary qualities [PW]

अतिगुणयत् (ati-guṇayat) *adj.* increasing greatly अङ्गैः स्वैर्दुर्निमित्ता-न्ययमतिगुणयन्कुम्भकर्णोऽभ्युपैति AdbhuDa. 8. 38.

अतिगुणवत् (atiguṇa-va(n)t) *adj.* possessed of extremely virtuous qualities [a person] तदयमत्रानीयतामलमतिगुणवत्परान्वेषणेनेति ViṣṇuP. iv. 13. 129; धिङ् माम् … अतिगुणवति राजन्यन्यथा … अवचिन्तयन्तम् HarṣaC. 126. 16; 180. 14; यत्तु वृद्धहारीतेनोक्तम् … तद्ब्राह्मणस्यातिगुणवत्क्षत्रियादिविषयम् Aparā. 1107. 3 (*on* 3. 267); (things) नैवेद्यं चातिगुणवद्दद्यात्पुरुषतुष्टिदम् BhāgP. viii. 16. 52 (Vaṁśīdhara मधुरादिगुणयुक्तम्); अतिनिर्गुणवदतिगुणवदपेक्षया विकल्पः ManvaVi. 892. 3 (*on* 8. 33)

अतिगुणशालिन् (atiguṇaśāl-in) *adj.* (gem) possessing excellent qualities अत्यन्तरमणीयानां दुर्लभानां च कामतः। भवेन्मूल्यं न मानेन तथातिगुण-शालिनाम् S'ukraNī. 4(2). 82.

अतिगुणान्वित (atiguṇānvita) *adj.* possessed of excellent qualities or many virtues प्रसादाद्भवतोः पुत्रो भवत्वतिगुणान्वितः MārkP. 111. 11; अयं हि वंशः … अतिगुणान्वितैः … भूपालैरलंकृतः ViṣṇuP. iv. 6. 4.

अतिगुपिलता (atigupila-tā) *f.* the state of being very much concealed (from others' view), (in) great secrecy एकाकिन्याप्यनुसृतः काम-देवायतनमार्ग(? :) कृतोऽतिगुपिलतया दिवापि संत्रासकारिणि … निशायामिह महीयसि महीपतिक्रीडावने प्रवेशः TilaMañ. 315. 9.

अतिगुप्त (ati-gupta) *adj.* [*f.* –ā] **i** well-guarded तत्समीपे समे दीप्ते कर्तव्यं रसमण्डपम्। अतिगुप्तं सुविस्तीर्णं कपाटार्गलशोभितम् RasRaSa. 6. 16; दण्डः … अतिगुप्तायां सातिशयी द्रष्टव्यः DaṇḍaVi. 169. 8; **ii** kept as a close secret अतिगुप्ता परा विद्या सृष्टिस्थितिविधायिनी KulaCūT. 7. 1 [F. N.]; कथेय मतिगुप्ता च पुराणेषु पुरंदर BrahmVaiP. ii. 59. 62; दृष्ट्वा प्रकृष्टमहिमानमनन्तभक्त्या तं गुप्तराममतिगुप्तपदं च किंचित्। प्राप्नोति यत्तदिह किं ननु देवरा[जो] EI. xxv. 19. 53; त्रिकोणं तस्यान्तःस्फुरति च … तदन्तः शून्यं तत् सकलसुरगणैः सेवितं चातिगुप्तम् ṢaṭcakraNi. 41; **iii** much concealed (from one's view) गङ्गा-तरङ्गेषु कलिन्दजायाः कल्लोलमालामिलितेषु दृष्टिः। विवेश वेश्माग्र(ग)तस्य तस्य सरस्वतीं द्रष्टुमिवातिगुप्ताम् VīraBhā. 12. 37.

अतिगुप्ततर (atigupta-tara) *adj.* extremely well concealed or hidden आवां विनायके विघ्नान् कर्तुं यातः पुरीं तु ताम्। अतिगुप्ततरौ तत्र स्थितौ बालप्रती-क्षकौ GaṇeP. ii. 56. 7.

अतिगुप्तता (atigupta-tā) *f.* the state of being very well protected or concealed मनसश्चञ्चलताया अर्थस्यातिगुप्ततायाश्च। को वेद कः कदाचित् कुर्या-देतत् KandaCū. ii. 9. 36; एवमतिगुप्ततयावस्थितोऽपि मृतशरीरस्थो मज्जाधातुः पिपीलिकाभिरस्थ्नामन्तराक्रम्य भुज्यत एव SetuBa. 107. 1.

अतिगुप्तरहस्यका (atiguptarahasya-kā) *adj.* (*f.*) possessing very well guarded secret तिस्रस्त्रिपीठनिलयाः मदिरामत्ता…अतिगुप्तरहस्यकाः (देव्यः) BrahmāṇḍP. iii. 19. 51.

अतिगुप्तवाद (atigupta-vāda) *m.* very secret debate मन्त्रोऽतिगुप्तवादे स्याद्भेददेवविशेषयोः DharK. 2060.

अतिगुप्तेङ्गिताकार (atiguptegitākāra) *adj.* who has well concealed the form and signs of his intentions अतिगुप्तेङ्गिताकारैरास्यतेऽत्रैव वेश्मनि PāṇḍaC. 7. 168.

अतिगुर् (ati-gur-) VI. P. **i** to roar above (all) मृ॒गो नाश्नो अति॒ यज्जु॑गु॒र्यात् ṚV. i. 173. 2; **ii** to assert, to promise अतेर्गुरिः प्रतिज्ञायाम् KośaKaTa. 2. 1862.

अतिगुरु (ati-guru) *m.* [*f.* –vī] very respectable person (such as father, mother, teacher) त्रयः पुरुषस्यातिगुरवो भवन्ति। पिता माता आचार्यश्च ViṣṇuSm. 31. 1; सः … असंख्ये संख्ये कृतरतिरतिगुरुरासीत् HarVi. 46. 51; पात्रैरागमवारिधेरतिगुरोः पूर्णैः स्वधीगाहितात्। उद्धृत्यार्थसुधारसान् Gurvā. 284; *adj.* **i** too big or unwieldy अतिगुरुस्तथा कल्पः स्यात् BāudhS'S. iii. 290. 2; पुत्रैः पौत्रैश्च कर्मण्यतिगुरुणि कृते तात साक्षी त्वमेव VeṇīSaṁ. 5. 266; **ii** extremely severe, of great intensity (of anger, misery etc.) अतिगुर्वां(? वीं) लज्जामुवाह Kād. 197. 5; कीटक्षतिं स्रुतिभिरस्रमिवोद्वमन्तः (v. l. शुचमिवाति गुरुं वहन्तः) … वृक्षाः MudrāRā. 6. 13; NaiṣaC. 6. 22; खरश्वायम् … कटु रटन्। … विपदमतिगुर्वीं दिशति नः KaumuMi. 8. 3; कोपोऽस्यातिगुरुर्न चातिनिपुणाः सख्योऽपि संबोधने S'ārṅgaPa. 3578; **iii** very heavy, of great weight अतिगुरुवैरिवारणापकर्षणाविकृतमहिमोरुसीरेण सीरिणा ViṣṇuP. iv. 13. 85; राज्यवर्धनहर्षौ … अतिगुरुभिः पदन्यासैरनेकनरपतिसंचरणचलां निश्चलीकुर्वाणमिवोर्वीं

(कुमारगुप्तं) ददृशतुः HarṣaC. 196.8; पिंषञ्छैलेन्द्रकल्पं महिषमतिगुरुः … अङ्घ्रिपद्मः CaṇḍiS'. 93; बलिर्बबन्धे जलधिर्ममन्थे…येनैष भारोऽतिगुरुर्न तस्य Bhaṭṭi. 2.39; ये खड्गाः … अतिगुरवः YuktiKa. 171.9; RasāSu. 304.4 (3.341); KathāSaSāg. xii. 34.179; समरकेतुः … अतिगुरुखड्गभारखेदितेनेव स्पन्दमानेन तत्क्षणं दक्षिणेन भुजदण्डेन व्यञ्जितारब्धकार्यसिद्धिः … वैश्रवणवल्लभां दिशं प्रत्युदचलत् TilaMañ. 198.15; अतिगुरुचरणक्रमैर्वितन्वन्नवनमितोन्नमितस्थलामिवोर्वीम्। अयमुपसर्पति मामगाधिराजः PārvPa. 5.26; अतिगुरुजघनस्थलावगाहाज्जलमतिवेलमजायताङ्गनानाम् Nalābhyu. 6.56; **iv** very heavy for digestion (of foodstuffs) समासतः सर्वमतिगुरूष्णतीक्ष्णरूक्षमन्नपानम् AṣṭāSaṁ. i. 206.13 (2.2); अतिगुरवो राजमाषा न भक्ष्या इति VakroJī. 102.9; इक्षुरसः परितप्तः स्निग्धः स्यात्कफविनाशनोऽतिगुरुः BhojanKu. 158.2; **v** very deep प्रत्युप्तदीप्ततरनूतनपद्मरागमासीदिवातिगुरु दंसनमग्निकस्य HarVi. 40.24; **vi** of great importance, very important भद्र यदि न रहस्यं नातिगुरु तच्छ्रोतुमिच्छामि MudrāRā. 6.15 (15); यद्गुह्यं मिथ उपदिश्यते तद्यथाकथंचिद्भवतीत्यवधारितं ग्रहणं नातिगुरु ManuBh. ii. 114.25 (*on* 8.97); नूनमनिच्छतोऽपि च्छद्मान्यसत्ये कर्मण्यवतारयन्त्यतिगुरूणि मित्रकार्याणि SubhaDha. 2.4 (2); राज्यं नार्जेति राजानं राजैव तु तदर्जति। तृणवद्गणयन्त्येतत्केचित्तदतिगुर्वपि ParamāKā. 35.31; **vii** very noble, very respectable तस्मादप्यतिगुरवः प्रलयेऽप्यचला महात्मानः BhāmiVi. 1.92; **viii** ending in a long vowel पद्म राम … इत्यादिशब्दानामादौ अतिगुरुशब्दोऽन्तगुरुशब्दश्च प्रयोज्यः KāvyKaVṛ. 51.12 (3.1); *adv.* exceedingly, with great haste or quickness द्वारं व्यस्तार्गलं वः परमपदपुरो दर्शयाम्येत यूयं श्रोतृजन्तूनिवैवं गदितुमतिगुरु भ्राम्यतीतस्ततो यः। पर्षद्युत्कर्षवत्यां प्रवचनकरणानेहसि श्रीजिनस्य स्ताद्धस्तो वः प्रशस्तः प्रणिपतनकृतावादृतानां स वृद्ध्यै JinaS'. 2.7.

अतिगुरुक (atiguru-ka) *adj.* very great, unbearable ममातिगुरुकं कौतुकं विद्यते KathāK. 32.7; अतिगुरुकमिदानीं विमाननादुःखं हृदयस्य Tāpa-Va. 4.15 (3)

अतिगुरुकीर्ति (atiguru-kīrti) *adj.* (*f.*) having great fame अतिगुरुकीर्ति राधिकामर्चयामि StavMā. 71.29.

अतिगुरुतर (atiguru-tara) *adj.* very great (heinous) अद्यावद्यवृन्दविद्रावकभवत्पावनपादपांसूनां महसा सहसाद्यान्यघान्यतिगुरुतराणि Manmatho. 2.15 (432.11)

अतिगुरुता (atiguru-tā) *f.* extreme heaviness सच्छिद्रतातिगुरुता तनुता सुखमेद्यता। कवचानां विनिर्दिष्टः समासाद्दोषसंग्रहः YuktiKa. 140.15.

अतिगुरुत्व (atiguru-tva) *n.* **i** extreme heaviness or weight कुचमण्डलेन। ननाम मध्योऽतिगुरुत्वभाजा नितान्तमाक्रान्त इवाङ्गनानाम् S'is'uVa. 3.15; सुप्तत्वक्कृष्णरुधिरातिगुरुत्वकण्डूः…कुष्ठे…भवन्ति KalyāKā. 11.60; बलवता पुरुषेणाक्रम्यमाणेऽतिगुरुत्वप्रत्ययात् NyāySiA. 257.1; **ii** very severe nature (in performance) प्रायश्चित्तस्यातिगुरुत्वात् Mitā. 421.33 (*on* 3.243); प्रायश्चित्तस्यातिगुरुत्वेन महापातकोचितत्वात् BālaKrī. ii. 97.11 (*on* 3.237 (?243)); BālamBha. iii. 136.9 (*on* 3.243); **iii** very cumbersome nature तत्रापि प्रतिक्षिणोत्पत्त्यादिकल्पनस्यातिगुरुत्वात् NyāySiA. 200.24.

अतिगुरुद्रव्य (atiguru-dravya) *n.* substance which is very heavy or hard to digest यत् … अतिगुरुद्रव्यमत्यम्लयुक्तम् … तद्वातघ्नमुक्तम् KalyāKā. 10.19.

अतिगुरुपरिणाहता (atigurupariṇāha-tā) *f.* the state of being of very great dimensions, the state of having a large size अतिगुरुपरिणाहतया पतनभयात्कीलिताभ्यामिव चूचुकच्छलेन गिरिसारेण … पयोधराभ्यामुद्भासमानाम् … कन्यकाम् … अपश्यत्स्वप्ने VāsaDa. 56.4.

अतिगुरुपातक (atiguru-pātaka) *n.* very great sin, heinous crime अतिगुरुपातकं गुरुदारेषु दुष्टेन भावेन प्रेक्षणमपि ManuBh. i. 186.10 (*on* 2.214)

अतिगुरुपुरुष (atiguru-puruṣa) *m.* very strong person इतरस्यानुदिनमतिगुरुपुरुषभेद्यमानस्य…बलहानिरभूत् ViṣṇuP. iv. 13.51.

अतिगुरुप्रतर्क (atiguru-pratarka) *m.* very serious thoughts सति स तस्यातिगुरुप्रतर्के चेतस्यथ प्राह मुनिं नरेन्द्रः JānaHa. 7.19.

अतिगुरुभार (atiguru-bhāra) *m.* very heavy burden अतिगुरुभारहरणात्…प्रकुप्यति पवनः Hastyāyur. 58.7 (1.9); 62.22 (1.9); 69.13 (1.9); स्वस्तिवाचनिकमर्थिमण्डलं तत्तथैव भरतेन तर्पितम्। यद्यथातिगुरुभारखेदितं रिक्थकं तृणमिवात्यजत् पथि Rāgh. 20.84.

अतिगुरुवेदन (atiguru-vedana) *adj.* having extremely acute pain (नयनम्) भवति च शिशिरजलनिषेवणादतिगुरुवेदनम् Hastyāyur. 141.22 (1.18)

अतिगुरुवैरिन् (atiguru-vairin) *m.* very strong or powerful enemy न हि कश्चिद्भगवता…अतिगुरुवैरिवारणापकर्षणाविकृतमहिमोरुसीरेण सीरिणा च सह … योद्धुं समर्थः ViṣṇuP. iv. 13.85.

अतिगुरुहार (atiguru-hāra) *m.* very heavy necklace अयमतिगुरुहारभारजातां श्रमजडताम् … व्यनक्ति NavaSāC. 3.31.

अतिगुर्वक्षर (atigurv-akṣara) *n.* very heavy syllable नातिदीर्घं नातिह्रस्वं नातिगुर्वक्षरान्वितम्।… नाम कुर्यात् ViṣṇuP. iii. 10.11; अस्पष्टमर्थहीनं च अतिगुर्वक्षरान्वितम्। नादद्यान्नाम BṛNāraP. 23.8.

अतिगुल्म (ati-gulma) *m.* **A** chronic enlargement of the spleen or any glandular enlargement in the abdomen शूलातिगुल्मगुदभङ्गुरकास्तथा स्युः।… गुदरुजः HārīS. iii. 11.11; **B** name of a son of Sāraṇa (one of the sons of Vasudeva) अथ रामाणां गिरिको गिरिरेव च। शुल्कगुल्मोऽतिगुल्मश्च BrahmāṇḍP. ii. 71.167.

अतिगुहा (ati-guhā) *f.* the plant *Hemionites cordifolia* अतिगुहाम् … शिरसा धारयेत् SuśruS. i. 19.29; v. 8.51; गुहामतिगुहां श्वेताम् … पिष्ट्वा CaraS. vi. 23.213 (1941 Ed.); लक्ष्मीं गुहामतिगुहाम् (धूपयेत्) AṣṭāSaṁ. i. 186.16 (1.38); गुहा चातिगुहापि च। एतैः प्रकथिता पेया श्वासकासज्वरार्तिनुत् Mānaso. i. 19.162; DhanvNi. 23.11; ParyāRaMā. 34; NighS'e. 2160; MadaPāNi. 4.64; AbhidhāMañ. 260.9; ApūNā. 42B.3; 53A.1; KośaKaTa. 1.3730.

अतिगुहासंग्राहिन् (atiguhā-saṅgrāhin) *adj.* **i** having a collection of many caves पुरोहितः … गिरि(? गिरिरि)वातिगुहासंग्राही…रक्षाविधा(? धि) यथावदन्वतिष्ठत् AvantiKa. 137.4; **ii** collecting the medicinal plant *Hemionites cordifolia*, AvantiKa. 137.4.

अतिगुह्य (ati-guhya) *adj.* extremely secret, very well concealed परमिदमतिगुह्यं दर्शितं ते मयाद्य ViveCū. 577; जयाध्यानं प्रवक्ष्यामि चातिगुह्यम् KālīViT. 18.11; (महानसम्) न चातिगुह्यं प्रकटम् BhaviP. 34A.26 (i. 13.8); अतिगु(? गु)ह्यमिदं पृष्टम् DevīBhāP. xi. 24.2; (वक्ष्ये मनुम्) अतिगुह्यम् PañcaRā.(Nā.) iii. 3.3; अतिगुह्यं परं तत्त्वं शृणु MahNirvāT. 3.5; *m.* name of S'iva नमोऽतिगुह्याय … शिवाय SaurP. 29.40; *n.* the sound *cha* or *da* छं लं सुतलं चातिगुह्यं चाचिन्त्यसंज्ञकम् … प्रोच्य KulārT. 4.39; शवर्गं च तपश्चातिगुह्यं च हाकिनीमपि … प्रोच्य ललाटे विन्यसेत् KulārT. 4.49.

अतिगुह्यक (atiguhya-ka) *adj.* very secret गोपित्तेन शतं वारान् सौराष्ट्रीं भावयेत्ततः। धमित्वा पातयेत् सत्त्वं क्रामणं चातिगुह्यकम् Rasā. 7.80 = RasRaSa. 3.65.

अतिगुह्यतम (atiguhya-tama) *adj.* extremely secret अतिगुह्यतमं ह्येतत् गोपनीयं प्रयत्नतः PadmP. iv. 82.81; एतत्तेऽभिहितं देवि श्रीरामहृदयं मया। अतिगुह्यतमम् AdhyāRā. i. 1.53; कवचम् … अतिगुह्यतमम् … स्नेहाद्वदाम्यहम् PañcaRā.(Nā.) i. 5.11.

अतिगुह्यतर (atiguhya-tara) *adj.* [*f.* -ā] which is much more secret श्रीकृष्णेन पुरा दत्तम् … अतिगुह्यतरं तत्त्वम् BrahmVaiP. iii. 31.10; विद्या महिषमर्दिनी। अतिगुह्यतरानित्या (°तरा नित्या) KulaCūT. 7.4; वदामि ते। अतिगुह्यतरं तत्त्वम् PañcaRā.(Nā.) iv. 5.3.

अतिगुह्योपदंशिन् (atiguhyopadaṁśin) *adj.* having the mark of a bite on this private part सर्पादिविषनाशाय टङ्कणस्य रजोऽम्भसा। पानाभ्यञ्जननस्यायैरतिगुह्योपदंशिना RasRaSa. 25.115.

अतिगूढ (ati-gūḍha) *adj.* **i** very secretive असितजलदकान्तिः पापगन्धोऽतिगूढः…स भवति धनहीनः…विचरति पवनोत्था यस्य कान्तिः शरीरे HorāSā. 16.28; **ii** very difficult, recondite श्रीमन्निम्बार्कस्तद्व्याख्यानम्…वेदान्तपारिजातसौरभाख्यमतिगूढं कृतवान् VedāntKau. 2.7 (*on* i. 1.1); **iii** very well concealed or hidden अतिगूढहृदयगजप्ररूढपरमार्थरत्नसंचयतः। अहमेवेति महेश्वरभावे का दुर्गतिः कस्य ParamāSā. 59; अतिगूढं च पुंश्चिह्नम् TriṣaS'aPuC. i. 2.699; अत्राप्रयासेन शिक्षादानलक्षणं वस्तु व्यङ्ग्यम्…गूढं चमत्करोति नातिगूढम् Kāvyānu.(He.) 128.10; तेनातिगूढस्फुटव्यङ्ग्ययोर्निरासः RasGaṅ. 12.1; VīraMi. (Vyavahāra.) 122.3; **iv** highly esoteric, very profound आर्याशतेन तदिदं संक्षिप्तं शास्त्रसारमतिगूढम्। अभिनवगुप्तेन मया ParamāSā. 105.

अतिगूढतनु (atigūḍha-tanu) *adj.* with a very well concealed body अतिगूढतनुर्वनेऽथवा परिहासं वितनोषि मां (दमयन्तीम्) प्रति Nalābhyu. 7.54.

अतिगूढत्व (atigūḍha-tva) *n.* the state of being well hidden or profound को वेद तदाशयस्यातिगूढत्वात् VedāntRaMañ. 3.8 (119.4)

अतिगूढपद् (ati-gūḍhapad) *adj.* surpassing the snake (in crookedness or cruelty) द्विपात्सु दुष्टेऽनुपपादुकेऽस्मिन् वृत्तानि बिभ्रत्यतिगूढपान्दि DvyāśraKā. 2.70 (comm. गूढपादं सर्पमपि रौद्रत्वेन कौटिल्येन चातिक्रान्तानि)

अतिगूढभावा (atigūḍha-bhāvā) *adj.* (*f.*) having very well concealed feelings तेनातिगूढभावापि सा सखीभिरलक्ष्यत NavaSāC. 6.51.

अतिगूढम् (atigūḍham) *adv.* very secretly, in a well concealed

manner निपुणे निःश्वसिष्येवमतिगूढं यथा यथा NavaSāC. 6. 65; अतिगूढं वद्र्धाते तयोर्गर्भौ सुखप्रदौ TriṣaS'aPuC. ii. 2. 122.

अतिगूढवत् (atigūḍha-vat) *adv.* very stealthily, in a highly concealed manner स रुरोध तमध्वानमग्रे गत्वातिगूढवत् SkandP. iv. 12. 27.

अतिगूढशरीर (atigūḍha-śarīra) *adj.* with completely hidden body यदि जानाम्यधितीरम् । त्वामतिगूढशरीरम् । दूरे सूरसुतायाम् । सायं कथमुपयायाम् StavMā. 271. 4.

अतिगूढातिसुख (atigūḍhātisukha) *n.* great joy that is lying deep (in the heart) or is very well concealed तदातिगूढातिसुखेन पूर्णः प्रोल्लासिवक्त्रः सुधयेव चन्द्रः VīraBhā. 12. 7.

अतिगूढार्थ (atigūḍhārtha) *m.* well concealed meaning नातिगूढार्थसंपत्तिः श्रव्यशब्दमनोरमा । वीरे रौद्रेऽद्भुते शान्ते वृत्तिरेषा मता यथा S'ṛṅgāMañ. (Ru.) 3. 64.

अतिगूढैकगह्वर (atigūḍhaikagahvara) *n.* a cave which is very well concealed or hidden सुकूटपर्वते यस्मादतिगूढैकगह्वरे । रोपितौ …नभश्चरैः । सहकारौ PārśvC. 7. 89.

अतिगृद्ध (ati-gṛddha) *adj.* extremely greedy अतिगृद्धाः कृतस्नेहा दीर्घकालं सहोषिताः । कृतमित्राः कृतबला धार्तराष्ट्राः परंतप MahāBhā. v. 71. 6.

अतिगृद्धि (ati-gṛddhi) *f.* excessive greed गुहेयमतिगृध्ये(? द्ध्ये)व गिलित्वा जनतामिमाम् । …उज्जगाल MahāP. 32. 36.

अतिगृद्धिमत् (atigṛddhi-mat) *adj.* with great greed विषयानीहते दुःखी तत्प्राप्तावतिगृद्धिमान् MahāP. 11. 209.

अतिगृध्नुता (atigṛdhnu-tā) *f.* excessive greediness अतिगृध्नुता । … लिङ्गान्यार्ते स्मृतानि वै MahāP. 21. 40.

अतिगृहोत्तम (ati-gṛhottama) *n.* very excellent house देवतागृहकर्ता च यतीनामाश्रमस्य च । क्रीडत्यतिगृहोत्तमैः (v. l. त्तमे) PadmP. ii. 68. 11.

अतिगृह्य (atigṛh-ya) *ger.* having taken above all तद्दतिग्राह्यैरतिगृह्यावारुन्धत TaiBr. I. iii. 3. 1.

अतिगै (ati-gai) I. P. to shout (*lit.* sing) aloud व्यायामोल्कालकरणादधोमौलौ जगन्निधौ । तत्कालेऽतिजगुर्लोकाः 'स्वर्गोपरि मही बभौ ' PadyaVe. 847.

अतिगो (ati-go) *m. f.* excellent cow or bull सु अति किम् इत्येतेभ्यः परस्य सान्तो न भवति । …अतिगौः JaineVyā. 276. 23 (*on* iv. 2. 66); CāndraVṛ. *on* iv. 4. 54; KāśiVṛ. *on* v. 4. 69 (Nyās. अतिशयितः गौः अतिगौः)

अतिगोचर (ati-gocara) *adj.* beyond the reach जलकणोऽपि मरोरतिगोचरः Subhāṣi. 939.

अतिगोचरवर्तिनी (atigocaravart-inī) *adj.* (*f.*) lying beyond the reach (of thought or desire) भगवद्वाच्ञा चास्मन्मनोरथानामप्यतिगोचरवर्तिनी ViṣṇuP. iv. 2. 83.

अतिगोपिता (ati-gopitā) *adj.* (*f.*) very well concealed, kept most secret अथ वक्ष्ये परां विद्यां त्रिपुरामतिगोपिताम् S'āraTi. 12. 2.

अतिगोप्य (ati-gopya) *adj.* [*f.* -ā]; highly confidential, fit to be kept very secret स्तवनं चातिगोप्यं च BrahmVaiP. 3. 38; अतिगोप्यं त्वया दृष्टम् PadmP. iv. 73. 7; ध्यानमस्य प्रवक्ष्यामि अतिगोप्यं परात्परम् KāliViT. 16. 5; या कृष्णेनातिगोप्याशु भजद्भ्योऽपि न दीयते BhaktiRaSi. i. 3. 18.

अतिगोप्यतर (atigopya-tara) *adj.* fit to be kept very secret, extremely confidential अतिगोप्यतरं दिव्यमनाख्येयं प्रचक्षते VāyuP. ii. 42. 19.

अतिगोप्यत्व (atigopya-tva) *n.* the state of being a great secret ज्ञानस्यातिगोप्यत्वमहिम्नः समर्थनात् TattvPrakā. 196B. 10 (*on* iii. 4. 49); गूढं तमुद्घाटयन्त्यतिगोप्यत्वमस्मिन्नर्थे … ज्ञापयन्ती (श्रुतिः) AṇuBh. 344. 21 (*on* iv. 3. 17)

अतिगोमती (ati-gomatī) *adj.* (*f.*) who surpasses one possessed of many cows (or bulls) अतिगोमतीत्यत्रापि भवति PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. iv. 1. 6.

अतिगोष्ठी (ati-goṣṭhī) *f.* excessive talk अतिगोष्ठी निरङ्कुशत्वम् … पत्युरीर्ष्यालुता चेति स्त्रीणां विनाशकारणानि KāmSū. 304. 3 (5. 6) (JayaMa. स्त्रीभिः सह गोष्ठी); VetāPañ.(S'i.) 16. 1; अतिगोष्ठ्यङ्कुशविगमौ …स्त्रीणां विनाशकारणमुपदिष्टं कामशास्त्रेषु KandaCū. v. 6. 42.

अतिगौण (ati-gauṇa) *adj.* (common qualities) which are very few यत्रातिगौणैर्जघन्यैर्द्वित्रादिसामान्यैः प्रतिकृतिः सादृश्यं बोध्यते Kāśi. iii. 156. 24 (*on* 5(6). 53)

अतिगौणलक्षणत्व (atigauṇalakṣaṇa-tva) *n.* the state of being a very secondary definition अन्वयप्रदर्शनसमये च तदेकदेशे तथैव योजनेऽतिगौणलक्षणत्वादिन्द्रियार्थसंनिकर्षजत्वादिवदगौणलक्षणत्वाभावादनुमानमप्रमाणम् NyāyMañ. i. 108. 17.

अतिगौर (ati-gaura) *adj.* [*f.* -ī] **1** excessively white, very fair in complexion शरीरमधिकृत्याष्टौ पुरुषा निन्दिता भवन्ति तद्यथा अतिदीर्घश्चातिह्रस्वश्चातिलोमा चालोमा चातिकृष्णश्चातिगौरश्च CaraS. i. 21. 3 (1922 Ed.); राज्ञश्चक्रवर्तिनः स्त्री भवति … नातिगौरी नातिश्यामा GiMS. iii(1). 36. 16; KāśyaS. 48B. 6; S'ivKePāSt. 12; तन्त्रेऽस्मिन्वर्जिता ये च प्रतिष्ठां तैर्न कारयेत् । … जडोऽतिगौरः PañcaRā.(Ha.) i. 3. 7; अपश्यत्…स विनायकम् । …अतिगौरं कोमलाङ्गम् GaṇeP. ii. 53. 16; BhaviP. 200B. 28 (i. 135. 62); अतिवर्णमतिकृष्णमतिगौरं वा (कुलं विवाहे वर्ज्यम्) Aparā. 85. 16 (*on* I. 54); अतिगौरी । … नले सा (भैमी) वासार्थितामभृत NaiṣC. 12. 110 (comm. अतितरां गौरी गौरवर्णा); **2** who has excelled 'Pārvatī' NaiṣC. 12. 110 (comm. गौरीं पार्वतीमतिक्रान्ता)

अतिगौरत्व (atigaura-tva) *n.* excessive whiteness, very fair complexion कृष्णोऽतिगौरत्वमुपैति यश्च । तथा मृतिं याति नरः HāriS. ii. 5. 3.

अतिगौरभ (atigaura-bha) *adj.* having extremely fair complexion अतिगौरभपङ्गुपीपु रतम् (वन्देमहि … त्वाम्) StavMā. 49. 11.

अतिगौरव (ati-gaurava) *adj.* [*f.* -ā] **1** extremely reverential or respectful भवन्ति साम्येऽपि निविष्टचेतसां वपुर्विशेषेष्वतिगौरवाः क्रियाः KumāSaṁ. 5. 31 (comm. अतिशयितं गौरवं यासु ताः); **2** of great volume or intensity ततः कोलाहलमभूदतिगौरवमुल्बणम् । ब्रह्मणाचरितं दृष्ट्वा देवानाम् LiṅgaP. ii. 1. 41; *n.* **A** excessive cumbrousness or laboriousness or prolixity (in expression or argument etc.) तस्य पृथक् पृथक् चोदनेऽतिगौरवं स्यात् PramāVāSvopVṛ. 44. 3; संभवन्त्यां तु गतौ नातिगौरवं युक्तमिति TantrVā. 22. 18 (*on* i. 2. 7); 328. 13 (*on* i. 4. 22 ? 21); 559. 7 (*on* ii. 2. 27); इत्यादिवाक्यजातानि न लिख्यन्तेऽतिगौरवात् ĀgaPrā. 49. 17; तज्जातीयानेकावान्तरसंस्कारकल्पनेऽतिगौरवम् TattvVai. 141. 19 (*on* 3. 17); S'āstrDī. 636. 11 (*on* ix. 4. 5); S'atDū. 60. 3; Nyāyāmṛ. 175B. 8; MīmāKau. iii. 180. 25 (*on* ii. 2. 7); LaS'abdeS'e. i. 12. 9; BālamBha. i. 227. 29 (*on* 1. 81); **B** excessive heaviness, very heavy burden or weight स्तननितम्बकृतादतिगौरवादलसमाकुलमीश्वरसंभ्रमात् । इति गतं दधतीभिः AṣṭāSaṁ. ii. 53. 20 (4. 9); कफप्रसेकश्वयथुतन्द्रालस्यातिगौरवैः । पाण्डुरोगी (उपलक्षितः) RugVi. 8. 6; धार्यमाणोऽप्यनाधारस्तैरद्रिरतिगौरवात् । ययाववस्तलम् SkandP. ii(9). 11. 24; **C** extreme greatness एकदाहं तदुत्सङ्गे वर्तमानो महामुने । अचिन्तयं दर्शयामि निजाङ्गस्यातिगौरवम् ĀdiP. 21. 55; वचनमस्तकेऽतिगौरवं चोभयमते तुल्यम् VīraMi. (Vyavahāra). 163. 3; **D** great reverence बहुमानोऽतिगौरवम् JayaMa. 124. 7 (*on* 2. 4)

अतिगौरवता (atigaurava-tā) *f.* excessive heaviness or weight पीनांसो वपुषोऽतिगौरवतया मन्दाङ्घ्रिविन्यासकृत् … नन्दो निराक्रामत GopāKeCan. 111. 29.

अतिगौरवनिमित्त (atigaurava-nimitta) *adj.* caused by excessive cumbrousness विधित्वादिद्वारप्ररोचनाकल्पनायामतिगौरवनिमित्ताद्वाक्यभेदात् TantrVā. 23. 1 (*on* i. 2. 7)

अतिगौरवात्मन् (atigauravātman) *adj.* having excessive heaviness or greatness for one's nature गरीयसामप्यतिगौरवात्मन् । …भगवन्प्रसीद ViṣṇuP. v. 1. 56; BrahmP. 181. 22.

अतिगौरवानुसारिणी (atigauravānusāriṇī) *adj.* (*f.*) corresponding to the excessively heavy nature (of punishment) तेषां लाघवगौरवातिगौरवानुसारिण्यो लघुगुरुगुरुतरदण्डसंवादिन्यो निष्ठुरादयः संज्ञाः DaṇḍaVi. 196. 16.

अतिगौरवापत्ति (atigauravāpatti) *f.* contingency of excessive cumbrousness (of argument) तत्तत्प्रागभावध्वंसानां च कल्पने अतिगौरवापत्त्या BhāṭṭDī. i. 10. 9 (*on* i. 1. 5)

अतिग्म (a-tigma) *adj.* not sharp, mild कोमलातिग्मयोर्मृदु AnekāSa. 663.

अतिग्मगु (atigma-gu) *m.* the moon (*lit.* having mild rays) भानोः शीतमतिग्मगोरहित(? म)ता शृङ्गात्पयोऽधेनुतः …भवेज्जातुचित् SubhāRaSaṁ. 442.

अतिग्मता (atigma-tā) *f.* mildness मनागतिग्मतां प्राप्ते खे प्रयाति विवस्वति । ताभ्यां तुरंगमोऽदर्शि SkandP. iv. 50. 40.

अतिग्मदीधिति (atigma-dīdhiti) *m.* the moon (whose rays are not scorching) क्षीरविप्लुवक्त्रोद्गमैरिव प्लाविर्तेऽशुभिरतिग्मदीधितिः । व्योम्नि मज्जनभयेन शङ्कितः संचरन्निव गतेन लक्षितः RāghPāṇ.(Dha.) 17. 51.

अतिग्मधामन् (atigma-dhāman) *m.* the moon (having mild lustre) अतिग्मधामानमपि प्रयान्तं तम् …। एष्यद्वियोगानि समाकुलानि द्रष्टुं न चक्राह्वयुगानि शेकुः Rāvaṇā. 5. 11.

अतिग्मभास् (atigma-bhās) *m.* the moon (having mild lustre) प्रसारिता दूरमतिग्मभासा कराः S'rīKaC. 6. 35.

अतिग्मरश्मि (atigma-raśmi) *m.* the moon (whose rays are not

scorching) कल्लोलिताप्युदयतो यदतिग्मरश्मेः ··· तद्भासि दुग्धजलधेरधिदेवता त्वम् SrīKaC. 11. 34; 11. 64.

अतिग्रथित (ati-grathita) *adj.* too much clotted अतिसान्द्रातिग्रथितो दोषेण सह मूर्च्छितः । मदप्रवेगो भवति (कषायः) BhelaS. 263. 6 (8. 7)

अतिग्रन्थविस्तर (ati-granthavistara) *m.* excessive length of the book (दोषाः) इह तु अतिग्रन्थविस्तरभयान्न लिखिताः Nyās. i. 514. 26 (*on* iii. 1. 26); ManuBh. i. 387. 10 (*on* 4. 172)

अतिग्रन्थि (ati-granthi) *m.* excessive swelling कफात्···भवेदतिग्रन्थिरिहालजी गदः KalyāKā. 15. 172.

अतिग्रह् (ati-grah-) ix. u. **1** to draw over and above तदप्ततानतिग्राह्यान्दुद्गृह्णस्तानत्यगृह्णत S'atBr. IV. v. 4. 2; JaimiBr. 2. 40; NidāSū. 96. 4 (6. 1); **2** to take, to adopt परिमलालयः ··· नियमं चातिजग्राह ··· एकपत्नीव्रतं नित्यं चरिष्यामि SkandP. iv. 76. 80; **3** to take excessively (गजः) वाचनं वातिगृह्णाति निर्वाणं यत्र नीयते Hastyāyur. 233. 18 (2. 31); **4** (pass.) to surpass, to excel, to know as superior to वृत्ततोऽतिगृह्यते । वृत्तेनातिगृह्यते । अन्यानतिक्रम्य गृह्यते, अतिशयेन वा गृह्यत इत्यर्थः CāndraVr. *on* iv. 3. 3; Prasā. i. 947. 10; SiddhāKau. 324A. 11; DvyāśraKā. 18. 98.

अतिग्रह (ati-grahá) *m.* **1** going beyond, surpassing उक्थस्यातिग्रहो रात्रिः KauṣīBr. 30. 11 (146. 19); अतिग्रहाव्ययथनक्षेपेष्वकर्तरि तृतीयायाः P. v. 4. 46; CāndraVyā. iv. 3. 3; JaineVyā. iv. 2. 51; KāśiVr. *on* P. v. 4. 46; S'ākaṭāVyā. iii. 4. 8; SiddhaHe. vii. 2. 85; **2** object of the sense organ कति ग्रहाः कत्यतिग्रहाः S'atBr. XIV. vi. 2. 1; ग्रहातिग्रहसंज्ञकस्य ··· बन्धनस्य प्रवृत्तिः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 805. 4 (*on* iv. 2. 6); NaiṣkaSi. 30. 10; BrĀraUBhVā. iii. 2. 12; iv. 4. 268; गन्धादयोऽष्टावतिग्रहाः Bhām. 283. 4 (*on* i. 4. 1); 508. 5 (*on* ii. 4. 5); 729. 22 (*on* iv. 2. 6); तत्र हि ग्रहातिग्रहरूपेणेन्द्रियार्थस्वभावः BrahmSūBh.(Rā.) 735. 7 (*on* iv. 2. 12); S'rutaPra. ii. 99. 29 (*on* i. 4. 1); **3** evil spirit येऽन्येऽतिग्रहाद्याश्च···विघ्नेशमन्त्रो हन्येतान JayāS. 32. 34; BrĀraUBhVā. i. 4. 1822; **4** subsidiary star बलिनः (राहोः) परमोपासनया ग्रहातिग्रहमार्गादिवृत्तलभ्यमानत्वात् तदुपासनमावश्यकम् S'aṅkaVi. (Ā.) 211. 11; **5** contents of (a vessel called Graha) ग्रहातिग्रहरूपेण ग्रहः पात्रविशेषः तत्स्थद्रव्यमतिग्रहः S'rutaPra. ii. 602. 12 (*on* iv. 2. 12); *adj.* **1** beyond control अनु(v. l. ति)ग्रहः खलु हरेरैरावणो वारणः S'atTrayī. 49; **2** gone beyond the house-holder's stage तस्य कर्तुर्नियोगेन संसारो येन वर्धितः । संसारस्य कुतो वृद्धिः सर्वे स्युर्यदतिग्रहाः MatsyaP. 154. 154; **3** superior to a planet श्रीभाकमिश्रः ··· अतिग्रहोऽप्येवमग्रहः EI. ii. 176. 4.

अतिग्रहत्व (atigraha-tva) *n.* the state of being a superior controller इन्द्रियाणां च ग्रहत्वं विषयाणामतिग्रहत्वम् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 228. 3 (*on* i. 4. 1); PrakaVi. 321. 22; 674. 17; VedāntKa. 331. 15 (*on* ii. 4. 5); गन्धरसनामरूपशब्दकामकर्मस्पर्शाख्यानां विषयाणामतिग्रहत्वं च श्रुतम् S'rutaPra. ii. 99. 29 (*on* i. 4. 1)

अतिग्राम्यतर (ati-grāmyatara) *adj.* very much vulgar एतदप्यतिग्राम्यतरम् VakroJī. 8. 6.

अतिग्राम्या (ati-grāmyā) *adj.* (*f.*) very much vulgar, very much low (in taste) यदि त्वं तरुणि रमणमन्दिरं व्रजसि तत्किं त्वदीयं (परिसरणम्) रणरणकमकारणं मम करोतीत्यतिग्राम्येयमुक्तिः VakroJī. 8. 3.

अतिग्राह (ati-grāha) *m.* **1** superior to the grasper (i. e. object of the sense-organ) प्राणो वै ग्रहः सोऽपानेनातिग्राहेण गृहीतोऽपानेन हि गन्धाञ्जिघ्रति BrĀraU. iii. 2. 2; नाम्ना वक्तव्येन विषयेण अतिग्राहेण BrĀraUBh. 377. 2 (*on* iii. 2. 3); **2** right knowledge, correct apprehension [Apte]; **3** act of overtaking [Apte]; **4** one who seizes or takes to a very great extent [Apte]

अतिग्राह्य (ati-grāhya) *m.* name of the three extra libations for Agni, Indra and Sūrya which are included in the Agniṣṭoma, also the name of the cups in which they are taken अतिग्राह्याश्च मे (कल्पन्ताम्) TaiS. IV. vii. 7. 2; VI. vi. 8. 1; अतिग्राह्याः परःसामसु TaiBr. I. ii. 2. 4; I. ii. 5. 3; I. iii. 3. 1; S'atBr. IV. v. 4. 2; वैश्वकर्मणोऽतिग्राह्यः S'āṅkhāĀ. 2. 17 (9. 21); आहरत्यध्वर्युः ··· अतिग्राह्यांश्चमसान् AitĀ. V. iii. 2. 20; उक्थपात्रं चमसांश्चान्तरातिग्राह्यान्भक्षयन्ति निष्केवल्ये ĀśvaS'S. II. i. 3. 22; S'āṅkhaS'S. x. 2. 6; BaudhS'S. ii. 165. 17; त्रीनग्निष्टोमेऽतिग्राह्यान् गृह्णाति आग्नेयमैन्द्रं सौर्यमिति ĀpaS'S. xii. 15. 9; xiii. 8. 7; xviii. 2. 1; xxi. 13. 20; xxi. 21. 3; xxii. 7. 8; MānS'S. 166. 10; 197. 3; LāṭyāS'S. iii. 6. 2; अश्यतिग्राह्यस्य विकृतावुपदेशादप्रवृत्तिः स्यात् MīmāSū. x. 8. 23; SaṅkarKā. xv. 3. 1; अतिग्राह्या नाम ग्रहाः प्रकृतौ श्रुताः S'āstrDī. 782. 20 (*on* x. 8. 11); SaṅkarKāBh. 152. 10 (*on* iii. 3. 2); NyāyMāVi. 609. 27 (*on* x. 8. 11); अतिग्राह्या नाम केचन ग्रहाः VidhiRa. 2(6. 17); 2(7. 14)

अतिग्राह्यग्रहण (atigrāhya-grahaṇa) *n.* filling up of Atigrāhya cup तत्रातिग्राह्यग्रहणं त्र्यहे पूर्वे KātyS'S. xii. 3. 2.

अतिग्राह्यत्व (atigrāhya-tvá) *n.* the state of being an Atigrāhya cup ततो यदत्यशिंष्यत तदतिग्राह्या अभवन् तदतिग्राह्याणामतिग्राह्यत्वम् TaiS. VI. vi. 8. 1; TaiBr. I. iii. 3. 1.

अतिग्राह्यनिषेध (atigrāhya-niṣedha) *m.* prohibition of the Atigrāhya cup अतिग्राह्यनिषेध उक्तन्यायेन प्रकृतगाम्येव BhāṭṭCan. 88. 4 (*on* xv. 3. 3)

अतिग्राह्यपरिसंख्यार्थ (atigrāhya-parisaṅkhyārtha) *adj.* intended for excluding the Atigrāhya cup विकृत्यन्तरेऽश्यतिग्राह्यपरिसंख्यार्थमेवेदम् BhāṭṭDī. iv. 117. 16 (*on* x. 8. 11)

अतिग्राह्यपात्र (atigrāhya-pātra) *n.* cup used for Atigrāhya libation स्थाल्यावन्तरेण त्रीण्युदञ्च्यतिग्राह्यपात्राणि ĀpaS'S. xii. 1. 15; xviii. 1. 13; अतिग्राह्यायतने चत्वार्यतिग्राह्यपात्राणि प्रतिदिशं निहितानि भवन्ति ĀpaS'S. xxi. 21. 14; त्रीण्यतिग्राह्यपात्राणि प्रयुनक्ति BhārS'S. xiii. 2. 1; MānS'S. 160. 7; 170. 1.

अतिग्राह्यप्राप्ति (atigrāhya-prāpti) *f.* contingency of the Atigrāhya (Soma) cup गवामयनादिरूपसत्रेऽपि प्रत्यहमतिग्राह्यप्राप्तौ BhāṭṭDī. iv. 119. 1 (*on* x. 8. 11)

अतिग्राह्यभक्ष (atigrāhya-bhakṣa) *m.* eating from the Atigrāhya cup तेषां यथैव प्रवरानुपूर्व्यमेवं धर्मोच्छिष्टेऽतिग्राह्यभक्षेषु षोडशिनि BaudhS'S. ii. 246. 14.

अतिग्राह्यविधि (atigrāhya-vidhi) *m.* injunction regarding (the cup named) Atigrāhya द्वितीये वैकृतेष्वग्निविधिष्वतिग्राह्यविधिषु चाप्यासिः स्यात् VidhiRa. 2(6. 8); 2(10. 16); 2(14. 17–18); अतिग्राह्यविधेः प्रकरणशेषत्वप्रतिपादनात् SaṅkarKāBh. 153. 4 (*on* iii. 3. 3)

अतिग्राह्यसंज्ञक (atigrāhyasañjña-ka) *adj.* called Atigrāhya अतिग्राह्यसंज्ञका ग्रहा यज्ञस्योपष्टम्भकत्वादनुष्ठेया इत्यर्थः NyāyMāVi. 610. 4 (*on* x. 8. 11); BhāṭṭDī. (read °संज्ञक) iv. 117. 9 (*on* x. 8. 11)

अतिग्राह्यायतन (atigrāhyāyatana) *n.* the place for keeping Atigrāhya cups अतिग्राह्यायतने चत्वार्यतिग्राह्यपात्राणि प्रतिदिशं निहितानि भवन्ति ĀpaS'S. xxi. 21. 14.

अतिग्लान (atiglāna) *m.* pl. [v. l. अभि°] name of a family [PW]

अतिग्लानिकर (atiglāni-kara) *adj.* causing great exhaustion अन्नसंसर्गेण हि तन्नातिग्लानिकरं भवति AṣṭāSaṁ. i. 122. 19 (1. 23)

अतिघ (ati-gha) *m.* **1** a weapon, bludgeon, (very destructive) [MW]; **2** wrath [MW]

अतिघण्टा (ati-ghaṇṭā) *f.* name of one of the eight *śaktis* or deities चण्डव्यूहं शृणुष्व मे । ···अतिघण्टा ··· प्रथमावरणे प्रोक्ता LiṅgaP. ii. 27. 140; अतिघण्टा···चण्डा···प्रथमावरणम् VīraMi.(Rājanīti.) 386. 24.

अतिघन (ati-ghana) *adj.* [*f.* -ā] **A i** excessively thick, very compact अतिघनाश्च मूर्धजा वित्तहीनानाम् BrSaṁ. 68. 82; वर्षासु···अतिघनेन घनसंघातेनावनते···नभसि दुर्बलं शरीरं भवति AṣṭāSaṁ. i. 121. 19 (1. 23); i. 191. 15 (1. 39); i. 27. 14 (1. 6); अतिघनं कैशिकं भूयादुदारं त्रिपुरविजयिनः श्रेयसे नः S'ivPāKeSt. 32; ध्वान्तेनातिघनेन यस्तु वचसा ज्ञातः स्वरेणामुकः AnarghaRā. 2. 52; निर्भिद्य क्ष्मारुहाणामतिघनमुदरम् RasGaṅ. 170. 4; **A ii** thickened, solidified पिबेद्रसं नातिघनम् AṣṭāHr. i. 3. 30; स्तन्यक्षीरम् ··· कृत्वा गेहम् ··· अतिघनम् ··· तस्यैवान्तः ··· पिबेत् KalyāKā. 6. 58; 11. 15; 12. 28; तत्समपरिमाणां सितां चातिघनं घृतं च सममेकत्र मेलयित्वा BhojanKu. 50. 5; **B** extremely intense दृष्टोऽहं तैरतिघनया कृपा प्रभावितैः UdaySuKa. 37. 13; एतत् ··· जघनमतिघनादेनसो ··· पातु पीताम्बरस्य ViṣṇuPādāSt. 21; वितरातिघनामनङ्गलेखे शशकृत्वो गतशङ्कमङ्कपालीम् MadaKeC. 57; अमुष्मिन्या कापि द्युतिरतिघना भाति RasGaṅ. 386. 1; **C** firm, compact, massive अतिघनं जघनम् DaśKuC. 2. 9; जघनमतिघनं बालशीतांशुमौलेः S'ivaKePāSt. 20; *m.* name of an attendant of Skanda स्युर्गणेश्वराः ··· काञ्चनातिघनावपि । पश्चिमे ĪśānS'iPa. ii. 53. 84.

अतिघनकुङ्कुमरागा (atighanakuṅkuma-rāgā) *adj.* (*f.*) having the redness of very thick saffron (paste) अतिघनकुङ्कुमरागा पुरः पताकेव दृश्यते संध्या Kāvyālaṅ.(Ru.) 8. 37.

अतिघनघृणा (atighana-ghṛṇā) *f.* very intense compassion निर्विघ्नाविघ्ननिघ्नानतिघनघृणया ··· घटयति ··· यस्याङ्घ्रियुग्मं विघटयतु घनं सोऽघसंघातमर्हन् JinaS'. 1. 5.

अतिघनजघन (atighana-jaghana) *n.* very campact or firm hip अतिघनजघनाभोगभारखिन्नो[रुदण्ड°] … जङ्घाद्वितयेन राजमाना AvantiKa. 23. 13; नित्योद्यिन्नातिघनजघनप्राग्भारधरणे । … मदनललिता याति प्रियगृहम् ChandaśCū. ii. 275. 3.

अतिघनतरपत्त्रच्छन्न (atighanatarapattra-cchanna) *adj.* covered with excessively dense foliage अस्ति … न्यग्रोधवृक्षः (v. l. तस्य समीपे…अतिघनतरपत्त्रच्छन्नः…न्यग्रोधपादपः) तिष्ठति PañcT. 3. 1 (272. 33); [Kosegarten's Ed. p. 148. l. 5]

अतिघनतरहास्य (atighanatara-hāsya) *n.* excessively loud laughter अतिघनतरहास्यैः … रमयति हि … हस्तिनीमादियामे S'ṛṅgāDi. 2. 36; 2. 38.

अतिघनता (atighana-tā) *f.* excessive thickness or denseness अतिघनतया मारुतेनापि दुःखलभ्यप्रवेशम् …एलालतामन्दिरमविक्षत् TilaMañ. 353. 14; दद्यात्प्रलेपं निपुणः शुष्कं कुड्ये(ड्यं) विमृश्य तु । … न चातिघनतां यातं न चातितनुतां गतम् VisṇuDhaP. iii. 40. 6.

अतिघनत्व (atighana-tva) *n.* excessive density औषधस्य … अतिघनत्वात्…दुर्योगातियोगाद्युपद्यते KāśyaS. 156A. 35.

अतिघनद्रुम (atighana-druma) *adj.* with very dense trees मनोभूः… भजति स…वनस्य तस्यातिघनद्रुमस्य छायातमीं तारकितां प्रसूनैः KīrtiKau. 6. 44.

अतिघनानकध्वनि (ati-ghanānakadhvani) *adj.* excelling the sound of a cloud and a drum नितम्बिनीभिः करकैरवाहतं नदत्नवाम्भोऽतिघनानकध्वनि- … अनीनृतन्मेघसखम् VasaViKā. 7. 54.

अतिघनान्धतमस (atighanāndhatamasa) *n.* very deep and pitchy darkness अतिघनान्धतमसगर्भे … कान्तिकलिकामपश्यम् UdaySuKa. 60. 19.

अतिघनावृति (atighanāvṛti) *f.* very strong fencing चतुर्दिक्षु खले कुर्यात् प्राच्य(? ज्या)मतिघनावृतिम् BṛParāSm. 5. 168.

अतिघनीभू (atighanī-bhū-) I. P. to become excessively solid or thick नातिश्यायते नातिघनीभवति Sphutā. ii. 55. 20 (*on* 2. 33)

अतिघर्घरम् (ati-ghargharam) *adv.* with excessive *gharghara* (harsh) sound शक्रोऽपि प्राह मा मूढ रोदीस्त्वं चातिघर्घरम् VāmaP. 71. 36.

अतिघर्घरा (ati-ghargharā) *adj.* (*f.*) very noisy (hence unacceptable) इयं तावदतिघर्घरा कल्पना NyāyMañ. i. 197. 7.

अतिघर्म (ati-gharma) *adj.* very hot, much heated सप्ताहादतिघर्मे पात्रे ताम्रेऽथवापि मृत्कृते ĪśānS'iPa. i. 50. 36; *m.* excessive heat, warmth अतिस्वेदातिघर्मेण चिन्ताशोषभयादिना…जायते मारुतक्षयः HārīS. iii. 9. 8.

अतिघर्मकर्मन् (atigharma-karman) *n.* work under the excessive heat (of the sun) ऋतुप्रकोपादतिघर्मकर्मणः (v. l. अतिघर्मकर्मणः) ।… भवन्ति… मसूरिका: KalyāKā. 18. 29.

अतिघर्मता (atigharma-tā) *f.* the state of having excessive heat अतिघर्मतया वापि तीक्ष्णोष्णकटुसेवनात् HārīS. iii. 10. 1.

अतिघर्षण (ati-gharṣaṇa) *n.* excessive rubbing or friction नमन्नरेन्द्रमुकुटश्रेणीनामतिघर्षणात् किणीकृतौ विराजेते चरणौ तस्य भूभुजः BrahmāṇḍP. ii. 50. 18; शाणेन वह्निं वमति ध्रुवं वाप्यतिघर्षणात् … स वै खड्गः YuktiKa. 156. 20.

अतिघस (ati-ghasa) *m.* name of an attendant of Skanda घसं चातिघसं चैव … प्रददौ कार्तिकेयाय वरुणः MahāBhā. ix. 44. 41; घसं चातिघसं वीरौ वरुणश्च ददौ प्रभुः SkandP. i(2). 30. 54; घसं चातिघसं वायुः प्रादादनुचरावुभौ VāmaP. 57. 69.

अतिघस्मर (ati-ghasmara) *adj.* extremely voracious or gluttonous निद्रालावतिघस्मरे…प्रत्याशा…यत् कुम्भकर्णे स्थिता BālRā. 8. 14; अतिघस्मराः … ये राजार्हास्ते हयाः स्मृताः S'ārṅgaP. 1618.

अतिघात (ati-ghāta) *m.* striking heavily, heavy stroke हृष्यति चातिघातैः … आभीरजा RatiRaha. 5. 10.

अतिघातम् (ati-ghātam) *adv.* striking very hard सर्वेषामतिघातमवद्यति MānSS. 130. 5.

अतिघूर्णता (atighūrṇa-tā) *f.* excessive shaking तृष्णा दाहोऽतिघूर्णता … मसूरिकाभिभूतस्य … लक्षणानि च दृश्यन्ते RugVi. 54. 27; BhāvPra.(Bhā.) 8 (59). 27.

अतिघूर्णमान (ati-ghūrṇamāna) *adj.* excessively rolling about अये रत्नापीड, कथमर्धोन्मीलितलोचन एव संचरन्नतिघूर्णमानानामङ्गानामनीश्वर इवावलक्ष्यसे KamVa. 4. 7 (4-5)

अतिघृष्ट (ati-ghṛṣṭa) *adj.* excessively rubbed क्षतो वाऽप्यतिघृष्टो वा पच्यते च ततस्तलः Hastyāyur. 226. 1 (2. 28)

अतिघोर (ati-ghora) *adj.* [*f.*–ā] **1** very dreadful, very fierce, very frightening चन्द्रे च यत्र विकृतं च भवेदशान्तं मासात् समुद्भवति तत्र भयो(? वधो)-ऽतिघोरः AVPari. lxx(c). 32. 23; ततोऽभवन्महद्युद्धं त्वदीयानां परैः सह । … शूराणामनिवर्तिनाम् (v. l. अतिघोरमभीतवत्) MahāBhā. vii. 39. 19; अद्य सप्तदशाहानि वर्तमानस्य भारत । संग्रामस्यातिघोरस्य वध्यतां चाभितो युधि MahāBhā. ix. 3. 27; द्विजः …। वनं किल दुर्गमनुप्राप्तः …। सिंहव्याघ्रगजाकारैरतिघोरैर्महाशनैः । समन्तात्संपरिक्षिप्तम् MahāBhā. xi. 5. 4; उद्यन्तीष्वतिघोरासु हादिनीष्वशनीषु च ।… प्रादुश्चक्रे कालनेमिः AhirbuS. 1. 50; अभूत्…। अशस्त्रमतिघोरं तत्तयोर्युद्धं सुदारुणम् VisṇuP. v. 20. 68; BrahmP. 193. 54; अन्धकारे … क्षणमवर्ततातिघोरः संप्रहारः AvantiKa. 102 5; कृतान्तमिवापरं पापकर्माणमतिघोरं व्याधमपश्यत् PañcT. 2. 1 (8) (182. 22); संसारकूपमतिघोरमगाधमूलं संप्राप्य दुःखशतसर्पसमाकुलस्य ।… लक्ष्मीनृसिंह मम देहि करावलम्बम् LakṣmīNṛSt. 5; भेषजम् … रोगान्निहन्त्याशु तदातिघोरान् हीनाधिकं तद्विफलादिदोषम् KalyāKā. 3. 35; शब्देन चातिघोरेण देहात्प्राणा विनिर्ययुः SkandP. v(1). 6. 70; भानुर्गृहेष्वाराध्यते जनैः । नारीभिश्चातिघोरेऽस्मिन्पतिताभिर्भवार्णवे BhaviP. 170B. 7 (i. 116. 105); मनः … पुरुषमतिघोरे … संसारहुतभुजि जुहोति Bhām. 52. 22 (*on* i. 1. 1); गजरथतुरगाणां संप्रभूवातियुद्धं सुरनरमुनिसङ्घैर्वीक्षितं चातिघोरम् DevīBhāP. iii. 15. 6; अतिघोरं च त्वां दृष्ट्वा … व्याकुलेन्द्रियश्च भवामि GītāBh.(Rā.) 549. 13 (*on* 11. 24); पार्थः … अतिघोरैर्मार्गणैः … वञ्चितोऽपि चापमुत्सृज्य रथोपरि उपाविशत् GītāBh.(Rā.) 43. 1 (*on* 1. 26–47); इहातिघोरे संसारे जनो वैषयिकैः सुखैः ।… पतति गौरिव TrisaS'aPuC. ii. 1. 133; अथ गच्छति श्रीरामे …। निमित्तान्यतिघोराणि ददर्श नृपसत्तमः AdhyāRā. i. 7. 1; विषज्वाला…ततोऽतिघोरा…निमग्ना क्षीरसागरे RasRaSa. 29. 7; तेषामतिघोरा निरयसरणिः … पुराणादिषु प्रपञ्चिता NyāySiA. 215. 29; दिशागजो दृप्त इवातिघोरः Yādavā. 2. 43; राज्ञो रणं नैव भविष्यतीति प्रश्ने कृते यच्छुभा भवन्ति । चेष्टाः समस्ताः सरमासुतस्य भवेत्तदानीं समरोऽतिघोरः S'ārṅgaPa. 2391; **2** very intense, very violent, very severe सुरापानाद्व्रतं प्रापयित्वा संज्ञानाशं चैव तथातिघोरं दृष्ट्वा कचम् … जगाद MahāBhā. i. 71. 52; किं भीम नैनं त्वमिहाशृणोषि विस्फारितं गाण्डिवस्यातिघोरम् MahāBhā. viii. 286*(2); अद्य सप्तदशाहानि वर्तमानस्य भारत । विनाशस्यातिघोरस्य वध्यतां चाभितो युधि MahāBhā. ix. 3. 27; यदा विशाखासु महेन्द्रमन्त्री सुतश्च भानोर्दहनर्क्षयातः । तदा प्रजानामनयोऽतिघोरः BṛSaṁ. 10. 19; भूभृतोऽस्याः समुद्भवे…अतिघोरा च भ्रान्तिरासीत् AvantiKa. 45. 14; यः सन्निपातप्रभवोऽतिघोरः (उन्मादः) सर्वैः समस्तैः स च हेतुभिः स्यात् RugVi. 20. 13; तवातिघोराभासो रश्मयः … जगत्समग्रमापूर्य प्रतपन्ति GītāBh.(Rā.) 551. 8–9 (*on* 11. 30); यावत्समायाता योगेश्वर्यः समन्ततः कृत्वा कलकलारावमतिघोरम् MāliniT. 10. 29; वदसि यदि किंचिदपि दन्तरुचिकौमुदी हरति दरतिमिरमतिघोरम् GītGo. x. 19. 1; निर्घोषेणातिघोरेण जगद्बाधिर्यदायिनः … मिमिलुः स्यन्दना मिथः TrisaS'aPuC. iv. 4. 166; विप्राणामतिघोरधारकठिनप्रोतकुठाराघाताद्… मेरुः परं कम्पते PadyāTa. 55; वेत्राहतिमतिघोरां विभज्य ये भुञ्जते जना नियतम् … तेपूपेश्चैव S'ivLī. 21. 96; अयं मतंगजः…क्रमपि अतिघोरमारवमुद्गिरंस्त्रिचतुराणि पदानि पश्चादपसृत्य…°धरणितलं निपतति RasSa. 115 (5); वज्रं … जिह्वया चातिघोरया कालरात्रिनिकाशम् NītiPra. 5. 3.

अतिघोर (ati-ghora) *n.* terrible or violent (act or event)) अतिघोरं दृष्ट्वा मैश्रधान्यं पुरोडाशं अन्याशायां वा निदधाति KauśiSū. 46. 10; शोकोपरुद्धनयनेन यदा तु शस्त्रं सक्तं तदास्य विहितं रिपुणातिघोरम् VeṇiSaṁ. 3. 157; नन्दनरेन्द्रद्रविणैर्दुष्कृतमिव किमपि विहितमतिघोरम् SūktiMu. 9. 16; S'ārṅgaPa. 381; घनैर्वद्धव्यूहैः किमिदमतिघोरं व्यवसितम् SubhāRaK. 10. 48; *m.* name of S'iva (शिवाय नमः) अतिघोराय LiṅgaP. i. 18. 4.

अतिघोरदुःख (atighora-duḥkha) *n.* very severe pain अतिघोरदुःखयोगकरणान्नैर्घृण्यम् … चावर्जनीयम् S'rīBh. 463. 3–4 (*on* ii. 1. 34)

अतिघोरप्रदर्शन (atighora-pradarśana) *adj.* looking very terrible or fierce कबन्धमिव संस्थानादतिघोरप्रदर्शनम् Rāmā. iii. 1261*(1)

अतिघोररूप (atighora-rūpa) *adj.* of a very dreadful nature विमुच्यतेऽसौ विषमज्वरेण वातामयैश्चाप्यतिघोररूपैः HārīS. iii. 2. 207; *n.* extremely formidable appearance भवता … अतिघोररूपमिदमाविष्कृतम् GītāBh.(Rā.) 551. 16 (*on* 11. 31)

अतिघोरवत् (atighora-va(n)t) *adj.* possessed of a terrible nature रक्षांसि … अतुल्यरूपाण्यतिघोरवन्ति विघ्नं सदा तपसश्चिन्तयन्ति MahāBhā. iii. 113. 1.

अतिघोरा (ati-ghorā) *f.* **1** name of one of the S'aktis belonging to the first *āvaraṇa* of Caṇḍavyūha चण्डव्यूहं शृणुष्व मे अतिघण्टा चातिघोरा … प्रथमावरणे प्रोक्ताः LiṅgaP. ii. 27. 140; ii. 27. 168; अतिघण्टा अतिघोरा कराला चण्डाप्रथमावरणम् VīraMi.(Rājanīti.) 386. 24; 388. 6; **2** name of a group of hells (*naraka*) अतिघोरा महाघोरा घोररूपा च पञ्चमी । … इति ते नामतः प्रोक्ता घोरा नरककोटयः S'ivaP. 415A. 11 (v. 8. 18); AgniP. 370. 15.

अतिघोराक्ष (atighorākṣa) *adj.* of very dreadful eyes ततस्तमतिघोराक्षमवेक्ष्यातिभयातुराः गोपाः…चुक्रुशुः VisṇuP. v. 14. 7; BrahmP. 189. 51.

अतिघोरारवा (atighorāravā) *adj.* (*f.*) making a very violent noise

धनाश्मपरुषे देशेऽतिघोरारवाः ··· दृश्यन्ते कुलनिम्नगाः RājTa.(Ka.) 4. 308.

अतिघोरिका (ati-ghorikā) *f.* one of the 16 S'aktis belonging to the second *āvaraṇa* of Dākṣavyūha दाक्षव्यूहं शृणुष्व ··· अतिघोरिका द्वितीयावरणे षोडशैव प्रकीर्तिताः LiṅgaP. ii. 27. 139; VīraMi.(Rājanīti.) 386. 24.

अतिघोष (ati-ghoṣa) *m.* very loud proclamation अतिघोषेऽपि मूर्खस्य विस्मरत्येव धारितम् Bharat. 17B. 6; शृङ्गीभेदे महाघोषा पुंसि हट्टे(?ट्टा)तिघोषयोः ViśvaLoK. 384. 38; महाघोषा तु कर्कट्यां शृङ्ग्यां हट्टातिघोषयोः S'abdaRaSaK. 334. 11.

अतिघोषण (ati-ghoṣaṇa) *n.* very loud proclamation महाघोषोऽतिघोषणे ViśvaPra. 173. 32; महाघोषा तु कर्कटशृङ्ग्यां पुंस्यतिघोषणे MediK. 184. 56.

अतिघोषा (ati-ghoṣā) *f.* name of a goddess in the second enclosure of Jayābhiṣeka अतिघोषा सुघोषिणी विद्युता (शकुनाद्वितीयावरणम्) VīraMi. (Rājanīti.) 389. 4–5.

अतिघ्नी (ati-ghnī) *f.* summit or highest state (*lit.* destroying (misery) completely) कुमारः ··· अतिघ्नीमानन्दस्य गत्वा शयीत S'atBr. XIV. v. 1. 22; अतिघ्नीमानन्दस्य गत्वा BṛĀraU. ii. 1. 19; अतिशयेन दुःखं हन्तीत्यतिघ्नी आनन्दस्य अवस्था सुखावस्था BṛĀraUBh. 245. 7 (*on* ii. 1. 19); आनन्दस्य परां काष्ठामतिघ्नीमेत्य निर्वृतः BṛĀraUBhVā. ii. 1. 347; अतिघ्नीमतिशयेन दुःखहन्त्रीं दशाम् S'ivārkaMaDi. ii. 240. 20 (*on* iii. 2. 9)

अतिघ्न्य (atighnya) *adj* [DEBRU. p. 791] overpowering (?) स क्षियति विश्वस्येशानो वृषा भूम्यामतिघ्न्यः AV. xi. 7. 16.

¹अतिङ् (a-tiṅ) *adj.* A other than the personal suffix *tiṅ* कृदतिङ् P. iii. 1. 93; ह्रस्वस्यातिङि पिति तुक् CāndraVyā. v. 1. 69; v. 3. 61; v. 4. 78; v. 4. 127; vi. 2. 12; ध्यायतिङ् कृत् S'ākaṭāVyā. i. 1. 43; अतिङ् किम्? रुरुदिव LaS'abdeS'e. i. 321. 15; B other than a word ending in a *tiṅ* suffix (other than a verbal form) तिङतिङः P. viii. 1. 28.

²अतिङ् (a-tiṅ) *adj.* (word) not ending in a personal suffix *tiṅ* उपपदमतिङ् P. ii. 2. 19; (KāśiVṛ. उपपदमतिङन्तम्) उपपदं समस्यते अतिङ् च समासो भवति PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. ii. 2. 19; अतिङिति बहुव्रीहिणा तिङन्ताघटितः समासः LaS'abdeS'e. ii. 61. 4; उपपदमतिङ् SaraKaṇṭhā.(Gr.) iii. 2. 157.

अतिङन्त (a-tiṅanta) *adj.* not ending in a personal suffix (*tiṅ*) उपपदमतिङन्तं समर्थेन शब्दान्तरेण सह समस्यते नित्यम् KāśiVṛ. *on* ii. 2. 19; PrakriKau. i. 560. 8; अतिङन्तात्पदात्परं तिङन्तं पदं सर्वमनुदात्तम् Prasā. ii. 785. 23; i. 515. 13; तेन तत्रातिङन्तस्यैव धातुस्वरूपस्यैव (ग्रहणम्) MīmāKau. iii(2). 29. 9 (*on* ii. 1. 5); अतिङन्तात्पदात्परं तिङन्तं निहन्यते SiddhāKau. 657B. 4; 183A. 3; अत्राप्यतिङन्तः समास इति व्याख्यातम् LaS'abdeS'e. ii. 66. 9; कथं वा तिङ्ङतिङ इति सूत्रे अतिङन्तात् (? तिङन्तात्) परस्य पर्युदासः VaiyāBhū. 65. 1 (*on* 16)

अतिङ्भाविन् (a-tiṅbhāvin) *adj.* which will not have later a *tiṅ* suffix (substituted in its place) अतिङ्भाविनस्तु कर्तरि कृदिति वचनात् कर्तर्येव साधुत्वं प्राप्नोतीति वचनम् Pradī. iii. 273B. 24 (*on* iii. 4. 69); लकारा द्विविधाः तिङ्भाविनोऽतिङ्भाविनश्च Prasā. ii. 6. 7; अतिङ्भाविलकारविध्यंशस्य कर्त्रर्थकत्वपरत्वस्यैव स्वीकार्यत्वात् MayūMāli. 268. 4 (*on* iii. 4. 9)

अतिङ्रूप (a-tiṅrūpa) *adj.* not being of the form of a verbal suffix (*tiṅ*) शतृशानच्प्रभृतीनामतिङ्रूपाणाम् ··· एकवचनादिसंज्ञाविरहेण MayūMāli. 268. 3 (*on* iii. 4. 9)

अतिङ्विषयत्व (atiṅviṣaya-tva) *n.* the state of not having *tiṅ* in its scope तिङ्ग्रहणं पूर्वसूत्रस्यातिङ्विषयत्वलाभार्थम् LaS'abdeS'e. ii. 1113. 6.

अतिचकित (ati-cakita) *adj.* very much afraid of ईशोऽध्यापको नः परमतिचकितैर्वर्णनित्यत्वमुक्तम् TattvMu. 5. 26; नन्दोपनन्दादयस्तद्ग्रन्थितुटिशङ्कयातिचकिता गोवर्धनोद्धारणे ĀnaMandā. 35; न खलु ···। अतिचकितजनव्रजे व्रजेऽस्मिन्नुपधिरेष तुरंगमप्रचारः KaṁVa. 2. 20; तपोधनाः कतिचिदतिचकिताः प्रायुञ्जत परमाशिषः NīlaVi. 75. 1.

अतिचकितमति (aticakita-mati) *adj.* very much frightened in mind अतिचकितमतिः पुरैव पश्यन् ··· भरतः RāmāCam. 2. 62.

अतिचक्षुष्य (ati-cakṣuṣya) *adj.* [*f.* –ā] A most wholesome for the eyes आर्घ्यं मध्वतिचक्षुष्यं कफपित्तहरं परम् SuśruS. i. 45. 138; BhojanKu. 166. 16; B very attractive to the eyes तामदृष्ट्वातिचक्षुष्यां प्रियां मानसहारिणीम्। अतिवाहयितुं नाहं प्रभवामि दिनत्रयम् PadmP.(Ra.) 15. 125.

अतिचङ्क्रमण (ati-caṅkramaṇa) *n.* excessive walking अतिस्थानमतिचङ्क्रमणम् ··· भावानेतानमनसाप्यसेवमानः CaraS. i. 15. 16 ((1922 Ed.); (वर्जयेत्) अत्यासनमतिस्थानमतिचङ्क्रमणानि च BhelaS. 12. 15 (1. 8); 119. 27 (6. 1); अतिचंक्रमणेनापि हन्याद्गर्भमुपस्थितम् KāśyaS. 85B. 41; 162A. 25.

अतिचङ्क्रमणोद्भव (aticaṅkramaṇodbhava) *adj.* produced by excessive walking शर्कराश्मरिखल्वाद्या अतिचङ्क्रमणोद्भवाः KāśyaS. 162B. 32.

अतिचञ्चल (ati-cañcala) *adj.* [*f.* –ā] A very unsteady, constantly moving, extremely agile or nimble मन्त्रः ··· । अतिचञ्चलदीप्ताग्निः AhirbuS. 18. 45; विटपिनः···भ्रमरदृष्टिभिरतिचञ्चलाभिः प्ररूपा(?प)यन्ति AvantiKa. 141. 13; तत्र डिण्डुकसादृश्यात् सर्पपोतोऽतिचञ्चलः। गृहीतोऽसौ महादेव्या पाणिना BṛKathāK. 102 (8). 12; अनङ्गलीलालुलितानलकानतिचञ्चलान्। कः कर्ता स्थानविन्यस्तसुभगान् MalliC. 1. 170; 8. 509; रसेन्द्रो दोषनिर्मुक्तः श्यावो रूक्षोऽतिचञ्चलः RasRaSa. 1. 70; आसाम् ···मेघोन्मेषं प्रकुर्वाते लोचने चातिचञ्चले RauhiC. 331; (अतिचञ्चलं य)दतिदूरवर्ति···(लक्ष्यम्)न···सुभिदं बभूव न तदस्य धन्विनः PṛthvīVi. 9. 62; विपिनेऽतिचञ्चलानामपि च मृगाणां (श्रियम्) कथं हरति RasGaṅ. 145. 6; 535. 2; यत्र ··· निपेतुरतिचञ्चलाश्चतुरकामिनीदृष्टयः PadyaVe. 805; रराज ध्वनिते मेघे विद्युन्मालातिचञ्चला RājTa.(Prā.) 805; अतिचञ्चला विद्युत् न बबन्ध स्थैर्यं गगनतले ĀnandRa. 5. 51 (17); B very unsteady, fickle, wavering (in character or behaviour) यदा यशोदा तौ बालौ ···। शशाक नो वारयितुं क्रीडन्तावतिचञ्चलौ ViṣṇuP. v. 6. 13; संपदश्चातिचञ्चलाः BrahmāṇḍP. ii. 53. 48; तेन संभाव्यमानोऽसौ शालो नष्टोऽतिचञ्चलः PadmP.(Ra.) 52. 22; महागृद्धिसमेतोऽयं क्रूरचित्तोऽतिचञ्चलः BṛKathāK. 147. 4; 116. 60; कामिनी कातिचञ्चला SkandP. vii(4). 3. 9; सा तु पूर्वानुरागाद्वै मय्या प्रेम्णातिचञ्चला DevīBhāP. iii. 18. 2; वेदयेव बलवद्भोग्या राजश्रीरतिचञ्चला KathāSaSāg. iv. 1. 56; नियम्यते येन मनोऽतिचञ्चलम् SubhāRaSaṁ. 890; अतिचञ्चलम् ··· चेतः। ···अप्रमादात्···भिन्द्यात् YogS'ā. 12. 41; पटुतां प्रथयन्नतिचञ्चल हे विश मा कलहे (कृष्ण) StavMā. 238 4; अतिपरुषपवनविलुलितदीपशिखेवातिचञ्चला लक्ष्मीः SiṁhāDvā. 142. 4; *m.* sound *jh* दीर्घबाहू रसो रूपं नादाख्यश्चातिचञ्चलः Tantrābhi. (7). 49. 14.

अतिचञ्चलचेष्टित (aticañcala-ceṣṭita) *adj.* of extremely agile movement यदि शक्नोषि गच्छ त्वमतिचञ्चलचेष्टितः ViṣṇuP. v. 6. 15; BrahmP. 184. 36.

अतिचञ्चलता (aticañcala-tā) *f.* extreme tremor (यो वेगः (विषजः) पञ्चमोऽसौ नयति विवशताम्) तनोर्विवशतामतिचञ्चलताम् BālamBha. ii. 119. 10 (*on* 2. 110)

अतिचञ्चलमति (aticañcala-mati) *adj.* very fickle-minded कृपणोऽतिचञ्चलमतिः···ऋणी···सुमतिभिः कार्यो वरो नेदृशः AnaṅgaRa. 8. 8.

अतिचञ्चलमानस (aticañcala-mānasa) *adj.* whose mind is very unsteady तावत्यन्तं सुदुर्वृत्तावतिचञ्चलमानसौ SkandP. iv. 65. 31.

अतिचञ्चललोचन (aticañcala-locana) *adj.* whose eyes are very tremulous (सः ··· अद्राक्षीद्राक्षसम्) अतिचञ्चललोचनम् SkandP. iv. 54. 21.

अतिचञ्चलस्वभाव (aticañcala-svabhāva) *adj.* extremely unsteady in nature बको जले मीनमतिचञ्चलस्वभावमपि मत्स्यग्रहणार्थमेकतानान्तःकरणश्चिन्तयति ManvaMu. 266. 11 (*on* 7. 106)

अतिचञ्चलात्मिका (aticañcalātmikā) *adj.* (*f.*) very unsteady or unstable in nature धिगीदृशीं श्रियमतिचञ्चलात्मिकाम् PadmP.(Ra.) 76. 43.

अतिचञ्चलाशय (aticañcalāśaya) *adj.* whose intention is very fickle अकरोदतिचञ्चलाशयो बत दोलेव गतागतं नलः Nalābhyu. 7. 46.

अतिचञ्चलेक्षण (aticañcalekṣaṇa) *adj.* whose eyes are very tremulous धावमानमतिचञ्चलेक्षणम्।··· नमत गोपबालकम् PañcaRā.(Nā.) v. 1. 60.

अतिचटुल (ati-caṭula) *adj.* very pleasing राधा ··· कंसाराते रतिरसमहो चक्रेऽतिचटुलम् ChandoMa. 2. 250.

अतिचटुलवीचि (aticaṭula-vīci) *f.* very tremulous wave वञ्च्यतामयमतिचटुलवीचिवेगाकृष्टैर्भ्रमद्भिः ··· अभ्रैः ··· आवर्तैः TilaMañ. 145. 21.

अतिचटुलशाखा (aticaṭula-śākhā) *f.* greatly shaking branch समीरप्रेङ्खोलदतिचटुलशाखाभुजतया वयस्याया येन स्तनवसनमास्फालितमभूत् VidaMā. 3. 45.

अतिचण्ड (ati-caṇḍa) *adj.* [*f.* –ā] I very terrific, very powerful or violent सौवर्णदण्डं दधतातिचण्डम्। स नन्दिनाधिष्ठितमध्यतिष्ठत्सौधाङ्गणद्वारमनङ्गशत्रोः KumāSaṁ. 12. 5; (उत्पातः) वातोऽतिचण्डः BṛSaṁ. 32. 24; YogYā. 3. 14; वायुना वातिचण्डेन विप्रलापादिहेतुना। येनेदं विपरीतत्वं वराकः समुपागतः PadmP.(Ra.) 66. 76; खगपतिरतिचण्डभीमवेगो मम कुलमाशु विनाशयति NīlaP. 65; असन्निमन्त्रणं कृत्वा भवद्भ्यातिचण्डया। उपानद्भक्षणं दत्तम् BṛKathāK. 68. 51; महामहिषनिष्पेषकेलिः पारमगाद्वयोः। राज्ञस्त्वातिचण्डस्य चण्डिकाचरणस्य च NavaSāC. 2. 25; तेषां ग्रामांश्च ···। भोक्ष्यन्ति न च संदेहो अतिचण्डा महाबलाः।··· तुरुष्काः PadmP. ii. 78. 40; अस्य ··· मृगाधिपादप्यतिचण्डमोजः VasaVikā. 3. 25; अतिचण्डपश्चिमसमीरहृतैरभितोऽपि तिग्ममहसः किरणैः। अनुषञ्जिता इव वनावलयो दवसंगता ददृशिरे S'ivLī. 17. 67; II (person) of a very powerful sexual urge (नखराः) प्रलम्बभूरिशिखरा अति-

चण्डयोः स्युः RatiRaha. 8. 2.

अतिचण्डतुण्ड (aticaṇḍa-tuṇḍa) *n.* very fierce beak मम (जटायोः) पुनरतिचण्डतुण्डलीढस्त्रुटननुपैष्यति ते (रावणस्य) स चन्द्रहासः Rāgh. 9. 79.

अतिचण्डत्व (aticaṇḍa-tva) *n.* **i** excessive cruelty अतिचण्डत्वमालम्ब्य निदाघस्य इवार्यमा । त्वं दुःसहकराक्रान्तां पृथिवीं जातु मा कृथाः TriṣaS'aPuC. ii. 1. 221; **ii** excessive or unbearable heat, TriṣaS'aPuC. ii. 1. 221.

अतिचण्डवेग (aticaṇḍa-vega) *adj.* [*f.* -ā] **i** possessed of very violent speed or velocity (शक्तिः) विभिद्य वक्षःस्थलमीश्वरस्य ममज्ज भूमावतिचण्डवेगा VarāṅgaC. 18. 62; स एष लोकानतिचण्डवेगो विकर्षसि त्वं (रुद्रः) खलु कालनाथः BhāgP. iv. 24. 65; **ii** possessing a very powerful sexual urge प्रियोपभोगा अतिचण्डवेगाः । मनोरमाः पुष्पपुरप्रसूताः AnaṅgaRa. 5. 15.

अतिचण्डा (ati-caṇḍā) *f.* name of one of the eight Nāyikā deities अष्टनायिकादेवीः…परिपूजयेत् ।… अतिचण्डाम् … चण्डवतीं तथा BrahmVaiP. ii. 64. 82.

अतिचण्डिका (ati-caṇḍikā) *f.* name of one of the nine forms of goddess Durgā रुद्रचण्डादयो नव । रुद्रचण्डा … अतिचण्डिका AgniP. 50. 11; 185. 5.

अतिचतुर् (ati-catur) *adj.* **i** beyond four (i. e. the fifth) (चुलुक्य) धुर्योऽस्यनड्वानिव मेऽतिचत्वा हरेर्भुजस्त्वं तव के सखायः DvyāśraKā. 2. 3; **ii** superior to or surpassing four (men) अ(?)प्रधानादेव अतिचतुराम् KātanVr. on ii. 1. 74.

अतिचतुर (ati-catura) *adj.* [*f.* -ā] **i** very clever, exceedingly skilful स्फटिकान्सोऽतिचतुरश्चतुरो व्यकरोद् वृषान् TriṣaS'aPuC. ii. 2. 488; तदातिचतुरा ललिता तयोः…गान्धर्वेण विधिना विवाहं नाटयति GopāKeCan. 130. 29; 136. 16; न दीनं नार्थवन्तं च न चातिचतुरं जडम् । दूतम् … संदिशेत् BhāvPra. (S'ā.) 94. 9 (4); (पट्टराज्ञी) अतिचतुरा MādhavāĀ. 3; 23; अतिचतुराभिर्वेष्टितालीघटाभिः प्रियसखि पुरतस्ते दुस्तरा बाहुदासि UjjvaNīMa. 150. 13; अतिचतुरसानन्दवन्दिमागधजनवृन्द° … °ध्वनिभिः मुखरीकृतम् … तिरुवेङ्कटक्षितिपतिः … आत्मानं धन्यतमं मन्यते स ĀnandaRa. 3. 11 (6); **ii** very quick नायं राजा महाप्रश्नं वेत्त्यस्मिन् दातुमुत्तरम् । तेन तूष्णीं व्रजत्येष हृष्टोऽतिचतुरैः पदैः KathāSaSāg. xii. 31. 62; **iii** quickly pronounced (i. e. short syllable) मध्यषट्केऽतिचतुरे मन्दाक्रान्ता विराजते SuvṛTi. 2. 34.

अतिचतुरश्र (ati-caturaśra) *adj.* very fitting, quite proper तदिदं भेदेनैव भेदप्रसाधनं नातिचतुरश्रम् BrahmSi. 50. 20; अपारतन्त्र्यं परिमितप्रकारत्वं चेति नातिचतुरश्रम् VakroJī. 86. 2; 135. 2; सर्व एवाभावः सर्वत्र कारणमिति वचनमतिचतुरश्रम् NyāyKu. 165 5.

अतिचतुरसखी (aticatura-sakhī) *f.* very clever female friend अतिचतुरसखीवचःक्रमेण…प्रियमभिरमयांचकार Nalābhyu. 6. 20.

अतिचतुर्मुख (ati-caturmukha) *adj.* surpassing the four-faced god, having more than four faces(?) ते इष्टकाकारकरालमतिचतुर्मुखम् । चतुर्विधैस्तु रूपं ध्यानम् AVPari. 36 (1). 3.

अतिचन्द्र (ati-candra) *m.* proper name of a *daitya* [pw]

अतिचन्द्रामृत (ati-candrāmṛta) *adj.* surpassing the nectar of the moon अतिचन्द्रामृतः कोऽपि परिरम्भो मृगीदृशाम् BṛKathāMañ. xviii. 1. 124.

अतिचन्द्रार्क (ati-candrārka) *adj.* surpassing the sun and the moon (in lustre) अतिचन्द्रार्कभास्वरैः ।… बभासे भवनह्रदैः HariVaṁ. 93. 34.

अतिचपल (ati-capala) *adj.* [*f.* -ā] **i** very unsteady, very agile, constantly moving अतिचपलानामिन्द्रियाश्वानामन्तःसंयमनरज्जुभिरिव … कण्ठनाडीभिर्निरन्तरसंबद्धकन्धरम् …जाबालिमपश्यम् Kād. 42. 12; अतिचपलकपिकम्पितकक्कोलच्युतपल्लवफलशबलैः … विराजिता लतामण्डपैः Kād. 19. 7; शाखामृगमतिचपलम् … विचिन्तयतः ।… फलबीजं पुरुषस्य जातु न गलति RatiRaha. 5. 4; अतिचपलकपिकुलान्दोलिततरुशिखर° NalaCam. 6. 42 (8); अयमतिचपलो निसर्गरक्तां स्थलनलिनीमवधीर्य देव यातः (पतगः) NavaSāC. 3. 35; यथा चाति(च)पलानां (हस्तिनाम्) यत्र विधिरनुष्ठीयते Hastyāyur. 619. 5 (4. 7); क्षुद्रस्य क्षतिकारिणोऽतिचपलस्याह्लादविच्छेदिनः । येयं निम्बफलेषु काक भवतः … प्रीतिः S'ārṅgaPa. 884; *adv.* (in Cpd.) very quickly अतिचपलफालविस्फारिभिः स्फुलिङ्गैः फुल्लन् … निर्जगाम … राक्षसः UdaySuKa. 81. 10; **ii** very fickle, very fickle-minded, very much inconstant (in behaviour) शक्त्या पाणितलेऽङ्किनोऽतिचपलस्तोये च भीरुः क्रिये Bṛhajjā. 17. 1; राज्यलक्ष्मीः … पवनगतिरिवातिचपला Pañcā. 227. 3; निर्लज्जाः … अतिचपलाः … साध्याः सुखेनाङ्गनाः AnaṅgaRa. 8. 17; सुभगपरिचयं जहाति चेत्त्वमतिचपला मम चित्तचेतनेयम् AmṛUda. 4. 79; अतिचपला … सा चित्रिणीति स्मृता S'ṛṅgāDī. 2. 10; कष्टमतिचपलायास्तावदस्याः कृते शिवदासहितोपदेशं अवधीरितवानहम् MadaKeC. 92 (1); एषोऽतिचपलो बालो दैत्यान् हन्ति बहूनपि GaṇeP. ii. 85. 16; खला इवातिचपलाः … यौवनवासराः SamaMā. 1. 47; एकदा दधिमथनं कुर्वत्यतिचपलेन पुत्रेण प्रक्षोभिताह (यशोदा) GopāKeCan. 141. 7; अत्यासन्नोऽतिचपलः को न दह्येत वह्निना BṛKathāS'loSaṁ. 4. 5; क्षामक्षामामिमां स्वां तनुमतिचपल प्रेक्षसे किं स्वयं नः Subhāṣi. 1412; **iii** very inconstant, changing quickly धिगतिचपलं मानुषसुखम् PadmP. (Ra.) 12. 375; क्षरमतिचपलं नो मनः S'atS'lo. 92; अतिचपलो हीन्द्रियसंघातः ManuBh. i. 186. 22 (*on* 2. 215); अतिचपलचञ्चलमनोवाक्कायव्यापाररहितत्वेन स्वस्वरूपे निश्चलं स्थिरम् TātpaVṛ. 257. 17 (*on* 2. 100); तनुसरसि शुष्केऽतिचपलः…मनोमीनो लीनो भवतु मम पीनो ननु शिवे PadyaVe. 813; **iv** having very quick movements, moving very fast, greatly or constantly shaking अतिचपलवीचिप्रचयतया ताण्डवोद्दण्डदोर्दण्डखण्डपरशुविडम्बनापण्डितम् … जलनिधिमपश्यत् VāsaDa. 266. 6; अतिचपलाः सरसतरङ्गाः AvantiKa. 27. 7; अतिचपले दीर्घे दृगम्भोरुहे … इदं दिग्याञ्जनं दीयताम् TripuMāPūSt. (S'aṅ.) 44; नारदो विश्ववन्दितः । कस्मादेषोऽतिचपलो वायुवद्भ्रमते जगत् SkandP. i (2). 54. 20; अतिचपलम् … जघनतटम् … निरीक्षमाणो न तृप्यामि ĀryāSaS'a. 64; पवनाहतलवलीदलपटलैरतिचपलैः । … सुरभिर्भृङ्गमिह गायति…मुदितः ChandaśCū. 2. 316 (4); अतिचपलोऽयं (वायुः) Pañcā. 215. 13; अतिचपलाः अनियतचेष्टाः…कल्लोलाः VedāntKa. 384. 7 (*on* iii. 2. 32)

अतिचपलचित्ता (aticapala-cittā) *adj.* (*f.*) very fickle-minded अतिचपलचित्तात्र स्पन्दने केयमारोपिता ViṣṇuP. iv. 12. 26.

अतिचपलजलकपि (aticapala-jalakapi) *m.* quick-moving or very agile water-monkey अतिचपलजलकपिकुल° … °शिशिरतरम् … पुलिनजलम् VāsaDa. 277. 5.

अतिचपलता (aticapala-tā) *f.* extreme fickleness दैवान्मालिन्ययोगेऽप्यतिचपलतया योऽवदातानुयातः JinaS'. 3. 18.

अतिचपलत्व (aticapala-tva) *n.* extreme unsteadiness, extreme fickleness अलमतिचपलत्वात् स्वप्नमायोपमत्वात् परिणतिविरसत्वात् संगमेन प्रियायाः S'atTrayī. 839 = SubhāRaK. 17. 13; अलमतिचपलत्वात् … सङ्गमेनाङ्गनायाः KāvyPra. 319. 2 = S'ārṅgaPa. 566.

अतिचपलभाव (aticapala-bhāva) *adj.* extremely unsteady in nature कथमतिचपलभावानाम् … नानाविधलिङ्गवेदना विकाराः सम्भवन्ति Hastyāyur. 618. 25 (4. 6)

अतिचपलमाल (aticapala-māla) *adj.* having a very unsteady garland सुन्दरि माधवमव कलयालम् । मित्रकरलोलया रत्नमयदोलया चलितवपुरतिचपलमालम् StavMā. 262. 30.

अतिचपलराजलक्ष्मी (aticapala-rājalakṣmī) *f.* very unsteady royal glory (sovereignty) (मातङ्गकुमारी) अतिचपलराजलक्ष्मीबन्धनिगडकटकशङ्कामुपजनयतेन्द्रनीलकेयूरयुगलेन … वेष्टितबाहुशिखरम् … राजानमद्राक्षीत् Kād. 9. 12.

अतिचपला (ati-capalā) *f.* a kind of metre भवति हि खलु गतिरतिचपला (अतिजगती) NāṭyaS'ā. 32. 220; अतिचपला न चतुर्गुः(? र्गाः) AbhinBhā. iv. 336. 27 (*on* 28. 218)

अतिचमत्कार (ati-camatkāra) *m.* abundant charm एकवृत्तादरः प्रायः पूर्वेषामपि दृश्यते । तत्रैवातिचमत्कारात् SuvṛTi. 3. 28.

अतिचमत्कारिन् (aticamatkār-in) *adj.* highly relishable, tasty विचित्रसंस्कारमतिचमत्कारिबहुप्रकारवेसव(? वा)रसारम् …अन्नं निष्पादयेत् CaturCin. iii(1). 1163. 8.

अतिचमत्कृत (ati-camatkṛta) *adj.* extremely pleased or charmed कविराजं नृपः प्राह तद्वाचातिचमत्कृतः PrabhāC. 189. 24.

अतिचमू (ati-camū) *adj.* victorious over an army चमूमतिक्रान्तोऽतिचमूः Prasā. i. 171. 18; हे अतिचमु SiddhāKau. 66A. 7.

अतिचय (ati-cayá) *m.* piling up in excess मा ते अग्नेऽचयेन मातिचयेनायुरावृक्षि TaiBr. III. x. 3. 1.

अतिचर् (ati-car-) I. U. [DhātuPā. 1. 591 P. with the *upasarga ati*; संपृच … अतिचरापचरामुषाभ्याहनश्च P. iii. 2. 142] **Ai** to transgress, to offend सह वै देवाश्च मनुष्याश्चादनपचन आसंस्ते मनुष्या देवानत्यचरन् KāṭhS. 8. 7; तमपि देवकरम् … परम् । अतिचरन्ति अपराधपरा जनाः PadmP. iii. 25. 10; तत्र विराधदनुकबन्धप्रभृतयः केऽप्यभिचरन्तीति (v. l. अतिचरन्ति) श्रुतम् MahāvīC. 2. 9 (9); **Aii** to counteract क्रियासु वः कास्वपि धर्मबाह्याः कश्चिन्मुने नातिचरन्ति केचित् Rāgh. 2. 15; **Bi** to violate, to be unfaithful to यद्यात्रश्नमास्कन्देत्पत्न्येनमतिचरिष्यतीति विद्यात् ĀpaS'S. ix. 20. 3; नातिचरेद्भर्तारम् GautDS. ii. 9. 2; यथा चाहं नातिचरे कथंचित् पतीन् MahāBhā. iii. 252. 20; पतिं या नातिचरति … सा भर्तृलोकानाप्नोति BṛhaspaSm. 193. 8; VṛHāriSm. 11. 198; नातिचरेद्भर्तारं दृष्टादृष्टफललोभेन ManuBh. i. 494. 15 (*on* 5. 162); ii. 271. 20 (*on* 9. 102); त्वं भर्तृशासनमतिचरसि BhāgP. v. 10. 7; न प्रेषयेन्नातिचरेद्दण्ड्या(न्) अपि न दण्डयेत् ।… एष हि ब्रह्मबन्धूनां बन्धः BṛDha-

rmaP. ii. 2. 54; (रामे राज्यं प्रशासति) नार्यो नात्यचरन्भर्तृन् BrahmP. 213. 149; SmṛtiCan. iv. 582. 1; (चरि:) अतेरुलङ्घनानीत्योः KośaKaTa. 2. 841; **Bii** to wander beyond (the time limit for alms) नित्यं नातिचरँल्लाभे (v. l. अतिचरेत्) MahāBhā. i. 110. 13; **C** to cross तं हेमास्तिस्रो दिशोऽतिचेरुः JaimiBr. 2. 62; अन्ये भगणांश्चापि दीपिता अतिचेरुः BhāgP. iii. 17. 14.

अतिचर (ati-cara) *adj.* transcending विदितवेदितव्यस्य…मनोगोचरातिचरैः…तपःप्रारम्भैः…साधुपरमेष्ठिनोऽष्टतयीमिष्टिं करोमि YaśasCam. ii. 376. 6.

अतिचरण (ati-caraṇa) *n.* **1** excessive sexual intercourse बहुशश्चातिचरणादन्या बीजं न विन्दति SuśruS. vi. 38. 16; अतिचरणादिषु सर्वास्वनिलजास्वयमेव क्रमः AṣṭāSaṁ. ii. 325. 14 (6. 39); **2** inconstancy (of the probans) इन्द्रियादिष्वतिचरणमसिद्ध्यादि च स्याद् विकल्पे TattvMu. 3. 37; अतिचरणं तद्बहिष्कारपक्षे TattvMu. 3. 49; हेतुर्धात्वर्थता चेदतिचरणम् TattvMu. 5. 67 (comm. अनैकान्तिकत्वम्)

अतिचरणा (aticaraṇā) *f.* disease of vulva caused by excessive intercourse पवनोऽतिव्यवायेन शोफसुप्तिरुजः स्त्रियाः । करोति कुपितो योनौ सा चातिचरणा मता CaraS. vi. 30. 17 (1941 Ed.); सैवातिचरणा शोफसंयुक्तातिव्यवायतः AṣṭāHṛ. vi. 33. 31; योनिरोगाः … स्यान्नन्दा चातिचरणा योनिरोगा इतीरिताः S'ārṅgaS. i. 7. 179; *adj.* (*f.*) indulging in sex excessively मैथुनेऽचरणा पूर्वं पुरुषादतिरिच्यते । बहुशश्चातिचरणा तयोर्बीजं न विन्दति RugVi. 62. 9; BhāvPra.(Bhā.) viii. 69. 12.

अतिचरत् (ati-carat) *adj.* [*f.* ati-cárantī] **i** disregarding अ॑ति वै॑ ता॑: प्रजा॑पतिमचरंस्ता॑ अतिच॑रन्तीर्वै॑रुणेनाग्राहयत् MaiS. i. 10. 10; KāthS. 13. 12; 36. 5; **ii** going too far अल्पमल्पं यथाभोज्यं पूर्वलाभेन जातुचित् । नित्यं नातिचरल्लाँभे MahāBhā. i. 110. 13; **iii** using in excess (कुष्ठनिदानम्) स्नेहांश्चातिचरतः युगपत् त्रयो दोषाः प्रकोपमापद्यन्ते CaraS. ii. 5. 7.

अतिचरा (aticarā) *f.* name of a plant *Hibiscus mutabilis* अव्यथातिचरा पद्मा चारटी पद्मचारिणी AmaK. 940; रम्या पद्मवती चातिचरा स्थूलरुहा स्मृता RājNi. 152. 7; पद्मचारिण्यतिचरा पद्मा पद्मवतीति च DhanvNi. 152. 2; अव्यथातिचरा पद्मा Vaija. 130. 89; पद्मचारिण्यतिचरा MadaPāNi. 28. 77; S'abdaRa.(Vā.) 1245; पद्मचारिण्यतिचरा व्यथा पद्मा … च शारदी BhāvPraNi. 82. 15; KośaKaTa. 1. 2449; अतिचरा पद्मतरौ S'abdaRaSaK. 285. 8; सुपुष्करा चातिचरा KalpaK. 312. 562.

अतिचरित (ati-carita) *adj.* [*f.* -ā] **1** transgressed धर्मं विचरतः (v. l. धर्मोऽतिचरितः) पीडा सापि द्वाभ्यां नियच्छति MahāBhā. i. App. 81. 141; **2** overstayed (लग्नस्थे धनपे) अतिचरिते बहुदिवसं हरणं नो कार्यसिद्धिरीषदपि TājiNi. iii(1) (5). 107 (359); *n.* act of going astray, breaking of the rule of conduct, misbehaviour न यदतिचरितं जनेषु केनाप्यपरिमितं ननु भाग्यमेतस्याः S'ivLī. 7. 62; कथं तेष्वतिचरितं वीरमानिना राघवबटुना JānaPa. 4. 37 (8)

अतिचरितवै (áti-caritavái) *inf.* to ignore, to show indifference त॑स्मात् पिता॑ ना॑तिचरितवा॑ इति MaiS. i. 10. 10.

अतिचर्चा (ati-carcā) *f.* unnecessary or excessive discussion अलमतिचर्चया SyādvāMañ. 11 (167)

अतिचर्मन् (ati-carman) *n.* thick leather सद्यो व्रणे यथोक्ताभिः क्रियाभिः समुपाचरेत् । कुर्यात्संवरणं चास्य मृदितेनातिचर्मणा Hastyāyur. 209. 16 (2. 16)

अतिचर्वणा (ati-carvaṇā) *f.* excessive relish (सात्त्विकाः) ते च … विभावेन रत्यादिगतेनैवातिचर्वणागोचरेणाहृता अनुभावैश्च गम्यमाना भावा भवन्ति Kāvyānu.(He.) 119. 2.

अतिचर्वितचर्वण (aticarvita-carvaṇa) *n.* chewing of what is already chewed (i. e. repetition) अलमतिशुष्क (v. l. °चर्वित) चर्वणेन LaṭaMe. 2. 17 (10)

अतिचल (ati-cala) *adj.* [*f.* -ā] **i** moving very fast, very unsteady, very quick तत्र वातमेवंविधमनारोग्यकरं विद्यात् … अतिचलमतिपरुषम् CaraS. iii. 3. 7; समीरणं चातिचलं विलोकयन् RāmC. 5. 39; मध्याह्नपवनदोलितानामतिचला … वेल्लतीव शाखिनां छाया UdaySuKa. 45. 28; NaiṣC. 14. 28; **ii** very fickle, very inconstant वश्यता परमा तेन जायतेऽतिचलात्मनाम् । इन्द्रियाणाम् ViṣṇuP. vi. 7. 44; ĀdiP. 26. 27.

अतिचलत् (ati-calat) *adj.* excessively moving अतिचलज्जलदोत्थमुपप्लवम् … परिषस्वजे ।… शरत् Kapphiṇā. 8. 47.

अतिचलता (aticala-tā) *f.* excessive fickleness तडिदतिचलतां ते किं दृगन्तादपाठीत् UjjvaNīMa. 80. 2.

अतिचलाचला (ati-calācalā) *adj.* (*f.*) excessively fickle तदलं राज्यभोगेन लक्ष्मीरतिचलाचला MahāP. 4. 150.

अतिचाण्डाल (ati-cāṇḍāla) *m.* lower than a cāṇḍāla आरूढपतितोत्पन्नो ब्राह्मणो वृषलेन च । उभौ तावतिचाण्डालौ सगोत्रायां तु जायते LaS'ātāSm. 59.

अतिचातुर (ati-cātura) *adj.* very skilled छित्त्वा शीर्षम्… कबन्धाद्द्वाजिनो हरेः । कबन्धे योजयामास विश्वकर्मातिचातुरः SkandP. iii(2). 15. 10.

अतिचातुर्य (ati-cāturya) *n.* great skill अद्राक्षु… ते … अतिचातुर्यपर्यवस्थापितानुश्रवतात्पर्य°…°जनालंकृतसप्तमकक्ष्यम्…स्वायंभुवं भवनम् NīlaVi. 40. 11.

अतिचापल (ati-cāpala) *n.* great unsteadiness or great fickleness योषितां चातिचापलम् TattvSaṁ. 3579; YogVā. iii. 26. 37; अलमतिचापलेन वाचाम् NyāyMa. 254. 3; KāvyPra. 289. 2; अतिचापलं वितन्वन् …। मुखरयसि स्वयमेताम् … शङ्कुरिव घण्टाम् ĀryāSaS'a. 6.

अतिचापलशालिन् (aticāpalaśāl-in) *adj.* possessed of great fickleness or unsteadiness अतिचापलशालिचित्तसंदाननैकसदनं क्षणमप्यमुक्ता । या सर्वदैव भवता तदुदन्तचिन्ता तान्ति तनोति तव KāvyPra. 289. 2.

अतिचापल्य (ati-cāpalya) *n.* excessive quickness अत्रान्तरे स मत्कुणोऽतिचापल्यात् खट्वान्तं प्रविष्टः PañcT. 62. 12 (Kosegarten's Ed.)

अतिचार (ati-cāra) *m.* **A** (moral) transgression, unfaithfulness, violation (of vows) अतिचारं पृष्टां पत्नीम् … मार्जयति VaitāS'S. 4. 8; मनसा भर्तुरतिचारे त्रिरात्रं यावकम् … क्षीरोदनं वा भुञ्जानाधः शयीत VasiDS. 21. 6; अगस्त्यस्याभि(v. l. ति)चारेण युष्माकं वै वपा हुता MahāBhā. i. 109. 15; VāyuP. i. 59. 64; राजद्विष्टातिचाराभ्याम्…अस्वाम्यं जायते स्त्रियाः ArthS'ā. ii. 23. 5 (3. 3); ii. 177. 1 (4. 13); ii. 182. 4 (4. 13); GobhiSm. 3. 4; शङ्का च काङ्क्षा मतिवि(? विं)प्लुता च परस्य दृष्टेरपि च प्रशंसा । भूयः सदानायतनस्य सेवा पञ्चातिचाराः खलु दर्शनस्य VarāṅgaC. 31. 70; अतिचारोऽतिक्रमः धर्मार्थकामेष्वसहभावः ManuBh. ii. 271. 27 (*on* 9. 102); BṛKathāK. 17. 12; YaśasCam. ii. 417. 13; अतिचारा जिनैः पञ्च गदिताः … तीव्रमन्मथाभिनिवेशनम् ।… अतिचारा मताः पञ्च चतुर्थव्रतसंभवाः । हिरण्यस्वर्णयोर्वास्तुक्षेत्रयोर्धनधान्ययोः । कुप्यस्य दासदास्योश्च प्रमाणेऽतिक्रमाद्द्विधा(? भिधाः) SubhāRaSaṁ. 848–51; BṛKathāMañ. ix. 1. 258; अतिचारास्ततो हेयाः …। क्रोधाद्बन्धश्छविच्छेदोऽधिकभाराधिरोपणम् । प्रहारोऽन्नादिरोधश्च आहिंसायां प्रकीर्तिताः। धनधान्यस्य कुप्यस्य गवादेः क्षेत्रवास्तुनः । हिरण्यहेम्नश्च संख्यातिक्रमः YogS'ā. 3. 94; ज्ञानाद्यतिचारशुद्ध्यर्थं यदालोचनादि ज्ञानादीनां वा योऽतिचारस्तत् ज्ञानप्रायश्चित्तादि तत्राकालाविनयाध्ययनादयोऽष्टावतिचारा ज्ञानस्य SthānṬ. 163A. 2; (शोधिता) सकृदतिचारालोचनेन … सकलातिचारकचवरविरहेण SthānṬ. 277A. 1; 323B. 14; अतिचारविशुद्धिः … भिक्षाचर्याद्यतिचारजातं तदालोचनार्हम् … तपोविशेषेणैवातिचारपारगमनम् AupaSūṬ. 78. 11; JñātāDhaṬ. 73B. 5; न रागवन्नो भजसेऽतिचारं नालम्बसे वक्रगतिं कदाचित् ।… तथापि पृथ्वीतनयोऽसि रूढः GotaSt. 10; स्खलत्येषा … अतिचारैः समेष्वपि Gurvā. 373; 4. 14; 'ऋत्विगाचार्यौ नातिचरितव्यौ' इति वचन(? ने)नातिचारनिषेधात् BhaṭṭDī. iv. 186. 23 (*on* xi. 3. 12); MayūMāli. 826. 6 (*on* xi. 3. 12); **B** excessiveness, superiority अतिचाराद्भृशं भीता भर्तुः सा (गान्धारी) MahāBhā. i. 1112*; तस्यातिचारप्ररूढप्रणयसहकारमञ्जरी सुमञ्जरी नामाग्रमहादेवी YaśasCam. ii. 360. 21; **C** overtaking (of planets), crossing अतिचारे त्रिपक्षं स्याद्वक्रे मासचतुष्टयम् । व्रतोद्वाहौ न कुर्वीत गुरोर्वक्रातिचारयोः AgniP. 121. 6; अतिचारगतो मन्दः पुनर्वक्राध्वसंस्थितः SkandP. iv. 56. 23 (comm. राशिमुल्लङ्घ्य गतः); (शुक्रस्य) अतिचारोऽष्टवासरान् BhaviP. 321B. 18 (ii (1). 4. 40); GotaSt. 10; दशदिवसपञ्चदिनात्त्रिपक्षमतिचारवक्रयोर्दद्युः । भौमाद्याः VasiS. 18. 14; TājiNi. iii. 5. 20 (334); सितः…ज्ञः…एषां गुणागुणैः…उदितास्तमितवक्रातिचार(? र)रूपैः VīraMi. (Samaya.) 265. 19; 12. 15; 96. 33; NirṇaSi. 223. 2; **D** overlapping or inconstancy मैवं बाधातिचारस्ववचनहतिभिः स्वोक्तदृष्टान्तदौस्थ्यात् TattvMu. 4. 95; 4. 24; गर्भदासादौ तथानियमनयोग्येऽतिचारात् SiddhāSi. ii. 101. 3; **E** name of one of the four forms of Kṣetrapāla (क्षेत्रपालाः) अतिचारश्च राजा च कपाल्याख्यो महामनाः । ते श्यामाः ĪśānS'iPa. i. 32. 61; cf. **अतीचार.**

अतिचारय् (ati-cāray) [*caus.*] to mix and administer अस्य …गन्धोदकावसेकेन वा रसमतिचारयेत् पुष्पचूर्णोपहारेण वा ArthS'ā. iii. 173. 8 (12. 5)

अतिचारिता (aticāri-tā) *f.* **i** (moral) transgression बृहतां पतिर्न भजसेऽतिचारिताम् PṛthvīVi. 9. 4; **ii** overtaking of planets, PṛthvīVi. 9. 4.

अतिचारिन् (aticār-in) *adj.* [*f.* -iṇī] [DEBRU. p. 344; P. iii. 2. 142; JaineVyā. ii. 2. 123; CāndraVyā. i. 2. 96; SaraKaṇṭhā.(Gr.) i. 4. 207; SiddhaHe. v. 2. 62] **i** transgressing moral laws स्त्री यातिचारिणी गुप्ता पिण्डं तु लभेत GautDS. iii. 4. 35; इतिवादिनस्ते दधिरेऽतिचार्यव्यभिचारिसंचार्यपचारिणोऽस्त्रम् DvyāśraKā. 12. 35; **ii** surpassing, excelling कुण्डले त्वतिचारिणी । ईदृशी … सुरत्ने भवतः कुतः PadmP.(Ra.) 26. 140; YaśasCam. i. 71. 12.

अतिचारु (ati-cāru) *adj.* [*f.* -ī] very charming, very beautiful, very attractive ते चित्रकूटस्य नितम्बरेखानिचारुषु । क्रीडन्तः PadmP.(Ra.) 33. 34; कुङ्कुमेनातिचारुणा । लिम्पति स गुरोः पादौ स्वयमेव क्षितीश्वरः BṛKathāK. 22. 31; अतिचारुचन्द्रनैः … अलंकृताम् … विन्ध्याटवीम् NalaCam. 6. 11 (23); स्मरामि तस्यातिचारुचन्द्रोद्गते: … अनङ्गोत्सवदिनप्रदोषस्य TilaMañ. 338. 14; 73. 16; विचारेणातिचारुणा । देवमालोकयेत् YogVā. v. 24. 44; वारस्त्रीभिर्वीज्यमानं चामरैरतिचारुभिः (ददर्श बाहुबलिनं सः) TriṣaS'aPuC. i. 5. 74; i. 4. 429; भिक्षा माधुकरी वरम् । अतिचार्वीऽप्यनाचारदूताहूता न तु श्रियः PāṇḍaC. 8. 217; VasaViKā. 3. 25; सत्यप्रतिज्ञत्वमतिचारु च सौगते PrabhāC. 124. 25; CaitaCa. 182. 14 (8); अतिचारुचन्द्ररोचिः … सुरभिः कदानुयास्यति RasiRañ. 107; BhojanKu. 65. 21; निधाय पाणौ खनित्रमतिचारु चितार्थम् Hāsyārṇa. 1. 34 (Cappeller's Ed.)

अतिचारुता (aticāru-tā) *f.* great charm बृहस्पतिमिन्दुं च कुमारस्यातिचारुतया साभिलाषौ दृष्ट्वा ViṣṇuP. iv. 6. 24; TilaMañ. 285. 2.

अतिचार्वङ्गी (aticārv-aṅgi) *adj.* (*f.*) whose limbs are very charming विलासिन्योऽतिचार्वङ्ग्यो ननृतुर्लास्यमुत्तमम् MārkP. 129. 9; 85. 45; (माधवी) स्त्रीरत्नमतिचार्वङ्गी रत्नभूषणभूषिता BrahmVaiP. ii. 15. 3 = DevīBhāP. ix. 17. 3; अतिचार्वङ्ग्यपि मे…दुनोति गात्रं विरहे प्रियासौ Pañcā. 47. 6.

अतिचाषि (ati-cāṣi) *adj.* (*f.*) surpassing (the lustre of) the *cāṣa* bird भूपः … प्रभां बिभ्रद्भिरतिचाषि वा दीप्रान्कुम्भानुदासयत् DvyāśraKā. 15. 74.

अतिचिक्क (ati-cikka) *adj.* having excessively flat nose अतिचिक्कतेप्यचिकिना द्युवासिनो निबिडं ममाजिमवलोक्य भाविनः DvyāśraKā. 18. 36.

अतिचिक्कण (ati-cikkaṇa) *adj.* [*f.* -ā] **i** very smooth, very sticky अत्र मृच्छब्देनातिचिक्कणाया भाण्डादिनिर्माणयोग्यायाः कुम्भकारसंस्कृताया मृदः पिण्डोऽभिधीयते comm. *on* KātyS'S xxvi. 1. 4; **ii** very sticky, very stingy तीक्ष्णम् … व्यसनिनम् … अतिव्ययशीलमन्यदेशायातमतिचिक्कणं चामात्यं न कुर्वीत NītiVā. 18. 13; *n.* extreme unctuousness शरीरसुस्निग्धतयातिचिक्कणम् … प्रमेहरूपाणि KalyāKā. 11. 7; *adv.* (ati-cikkaṇam) very smoothly or finely हिङ्गुलम्…प्रत्येकं पलिकं भागं चूर्णयेदतिचिक्कणम् RaseCin. 9. 318 (254. 23)

अतिचिक्कणचित्त (aticikkaṇa-citta) *adj.* whose mind is very covetous भद्रमित्रः … तं न्यासार्पणेऽतिचिक्कणचित्तं निश्चित्य YaśasCam. ii. 347. 3.

अतिचिक्रमिषत् (ati-cikramiṣat) *adj.* wishing to cross over cf. **अनतिचिक्रमिषत्** NidāSū. 178. 1 (10. 4)

अतिचिगचिगापित (ati-cigacigāpita) *adj.* extremely clumsy तेनोक्तम् —अतिचिगचिगापितम् (इदं पद्यम्) PurāPraSaṁ. 104. 4.

अतिचित् (ati-cit-) I. P. to distinguish, to prefer, to mark out ब्रह्मणा वा चितयेमा जनाँ अति ṚV. ii. 2. 10; iv. 36. 9.

अतिचित (ati-cita) *adj.* very much accumulated सबालपाषाणतृणावरोधात् सदान्त्र एवातिचितं मलं यत् । महोदरम् … करोति KalyāKā. 11. 134.

अतिचित्र (ati-citra) *adj.* [*f.* -ā] **i** very strange, extremely peculiar, very incongruous अर्थोष्मणा विरहितः पुरुषः स एव चान्यः क्षणेन भवतीत्यतिचित्रमेतत् PañcT. 2. 35 (233. 4) = Pañcā. 144. 24; अन्यस्य स्वरूपसंवेदनमन्यस्य ग्राह्यतेत्यतिचित्रमेतत् NyāyKa. 123. 5; क्षीणे विधौ हरिविलग्नकरोऽतिचित्रं गृह्णाति तं द्युमणिमभ्रपिशाच एकः Subhāṣi. 569; अधिरोपयतीन्दुवंशरत्ने…शरासने ज्याम् । अतिचित्रममित्रपार्थिवानामवरूढाजनि सेयमंसकूटात् Acyutarā. 2. 48; **ii** very surprising, extremely marvellous, most wonderful तत्राप्यन्यजन्मोपात्तसंस्कारानुबन्धेन वा पुरुषप्रयत्नेन वा संस्कारातिशयः उपजायत इति नातिचित्रम् Kād. 13. 13; एकविषयोपसंहाराचित्तस्यातिचित्रमैकाग्र्यम् DaśKuC. 135. 22; अतिचित्रमिदं महीपतिर्यदकृष्णामवनीं करिष्यति S'iśuVa. 16. 79; नाममात्रकथा नातिचित्रं हि तपसः फलम् BṛKathāS'loSaṁ. 18. 524; अहोऽतिचित्रं नृपतेश्चरित्रं परं पवित्रं तव किं वदामि DevīBhāP. iii. 22. 24; उपविश पुत्र ममाङ्के नियमेन महीयसातिचित्रेण । अर्होऽसि गुणगणोद्गतगौरवसंवादिनानेन KalāVi. 1. 80; कथाभिरतिचित्राभिर्मोहयन्सभ्यमण्डलम् RājTa.(Ka.) 6. 32; सखे नातिचित्रमेतत् Dūtāṅg. 49(1); एकस्यैवातिचित्रस्य वस्तुनः करणेन हि । तत्सामान्यान्यवस्तूनां करणं स भवेत्त्रिधा । विशेषः AlaṅkāKau.(Ka.) 338. 9; भोः स्वामिन्नेदमतिचित्रम् CaitaCa. 179. 2(8); विश्वत्रय्यां विश्रुतं वस्तुजातं संघीकृत्य प्रायशः सर्वशक्त्या । नेत्रा वाण्या नैपुणान्निर्मनुष्यं शिल्पं साक्षात्कल्पितं वातिचित्रम् Raghunā. 10. 53; **iii** variegated, variously decorated, manifold, various, of different types स्वयमहमतिचित्रैर्नृत्तवादित्रगीतैर्भगवति भवदीयं मानसं रञ्जयामि DevīCatūSt. 58; गृहम् … विधातव्यम् । प्राग्ग्रीवैरतिचित्रैः शालैर्जालैर्विभूषितं विविधैः SamarāSū. 31. 125; 66. 31; अतिचित्रैः सुमनोभिः सुमनोभिर्योगिनामिवोपचितम् KaṁVa. 4. 47; आपीडैरतिचित्रैर्भूषणदानैरदोष(? षै)श्च…धात्रेयिकाम् … ग्राहयेत् KandaCū. add. 23 after iii. 3. 7; *adv.* (ati-citram) in a very wonderful manner, marvellously अतिचित्रं पर्यक्रीडत राजकन्या DaśKuC. 105. 6.

अतिचित्रकृत् (aticitra-kṛt) *adj.* causing great wonder (i. e. deliverance) एतानि यानि प्रोक्तानि काशीप्राप्तिकराणि च । प्राप्य काशीं भवेन्मुक्तो जन्तुर्नान्यत्र कुत्रचित् । अत एव हि तत्क्षेत्रं पवित्रमतिचित्रकृत् SkandP. iv. 25. 43 (comm. अतिचित्रं कैवल्यम्)

अतिचित्रतर (ati-citratara) *m.* one of the six varieties of Mārgatāla in which the *kalā* has the duration of two *mātrās* of the *druta* type अतिचित्रतरो मार्ग(? र्गः) कलाश्च द्रुतसंज्ञिकः (? काः) SaṁgīMa. ii. 3. 59.

अतिचित्रता (aticitra-tā) *f.* **i** the state of being very marvellous or wonderful (incongruity) अन्येनान्यस्य कल्पनासंभवादतिचित्रता S'ivDṛ. 4. 45; **ii** being odd or strange एवं मूढस्य मूढत्वं स्वार्थान्धस्यातिचित्रता KathāSaSāg. x. 5. 247.

अतिचित्रतेजस् (aticitra-tejas) *adj.* possessing a very strange or marvellous splendour तत्र कंचिदतिचित्रतेजसं सादिनम् … । पश्यति स … नृपः S'ivLī. 21. 44.

अतिचित्रधृक् (aticitra-dhṛk) *adj.* having many pictures (वास्तुः) नाचित्रो नातिचित्रधृक् YuktiKa. 45. 5.

अतिचित्रपद (aticitra-pada) *adj.* possessing very wonderful words तत्रातिचित्रपदमत्रभवान् … सुधीन्द्रान् । … अग्राहयत्कृतम् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 10. 114.

अतिचित्रयोधिन् (aticitrayodh-in) *adj.* fighting very marvellously अतिचित्रयोधी … । सुदर्शनः सात्यकिमापतन्तं न्यवारयद्राजवरः प्रसह्य MahāBhā. vii. 94. 6.

अतिचित्ररूप (aticitra-rūpa) *adj.* having variegated colours सिंहासनं तत्र सभान्तराले … नानाविधाभिर्द्युतिभिर्मणीनाम् नानाविधानामतिचित्ररूपम् । … भाति Vidvanmo. 8. 75.

अतिचित्रशब्दशय्या (aticitra-śabdaśayyā) *f.* very wonderful style अनयोरतिचित्रशब्दशय्यां दधतोः … । पटुवादमृधेऽन्तरं तटस्थाः न किंचनान्वविन्दन् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 15. 91.

अतिचित्रशील (aticitra-śīla) *adj.* whose conduct is very peculiar कृतान्तविजयिन्नतिचित्रशीलं त्वां मन्महे न सुलभं च न दुर्लभं च YātrāPra. 6. 109.

अतिचित्राकृति (aticitrākṛti) *adj.* of various kinds शृण्वानस्याद्वितीयं निरवधिसहजानन्दसंवित्स्वरूपं मन्वानस्यातिचित्राकृतिप्रतिधिषणाशक्तिरूपोपपत्त्या । विश्वं कृष्णाद्वितीयं भयचकितधिया ध्यायतश्चान्तकाले ज्योतिर्ज्योतिःस्वरूपे भगवति विशति ब्रह्मरन्ध्रं विभिद्य KaṁVa. 6. 45.

अतिचित्राङ्ग (aticitrāṅga) *adj.* having a very much variegated body, having an amazing form सोऽथ हेममृगो भूत्वा सीतादृष्टिपथं गतः । मायावी चातिचित्राङ्गः DevīBhāP. iii. 28. 28.

अतिचित्राभिधान (aticitrābhidhāna) *n.* very peculiar statement दुर्विवेकत्वाच्चातिचित्राभिधानमिति SaṅkarKāBh. 198. 1 (*on* iv. 2. 33)

अतिचित्रार्थ (aticitrārtha) *adj.* having very wonderful meanings अनेकार्थविशेषैर्यत्सूक्तैः सौष्ठवसंयुतैः । उपेतमतिचित्रार्थैरुदात्तं तच्च कीर्त्यते Nāṭya-S'ā. 16. 111.

अतिचित्रित (ati-citrita) *adj.* **i** very marvellous, very wonderful, very strange इमं चन्द्रगतिः श्रुत्वा वृत्तान्तमतिचित्रितम् । लोकधर्मतरुं वध्यं विदित्वा भवबन्धनम् PadmP.(Ra.) 30. 55; **ii** very much variegated, greatly decorated पद्मोवाच । ब्रूहि तन्मम किं कुत्र जातः कीर … तव । पतत्रं कुङ्कुमेन… अतिचित्रितम् । करोमि KalkiP. ii. 1. 18.

अतिचित्रीय (ati-citrīya-) [Denom.] to be the object of great wonder सद्यः संगतानां च सैनिकानां तदत्यचित्रीयताकारान्तरग्रहणम् DaśKuC. 127. 7; त्रिभुवनमुकुटमयानां पार्थिवानामुत्पत्तौ नातिचित्रीयते … उपकरणानां सामग्री AvantiKa. 165. 13.

अतिचिन्त (ati-cinta) *adj.* full of anxiety, very anxious अतीव चिन्ता यस्मिंस्तत् अतिचिन्तम् JñātāDhaṬ. 36B. 7.

अतिचिन्तन (ati-cintana) *n.* excessive anxiety ग्लानिः किं नातिचिन्तनात् DaśRū. 4. 57.

अतिचिन्ता (ati-cintā) *f.* great worry or anxiety अश्रुजलनिपतनस्थानगाश्चातिचिन्ताम् (पिटका जनयन्ति) BṛSaṁ. 52. 2; वसुदेवोऽपि दुःखार्तो विललापातिचिन्तया PadmP. iii. 13. 36; शुष्कवादं जलक्रीडामतिचिन्तां च वर्जयेत् Rasā. 18. 119 = RaseCin. 3. 87 (37. 6); तच्छोष्यते दिनकृतेत्यतिचिन्तयेव शोकानतं कलमशालि वनं विपाण्डु Subhāṣi. 1822.

अतिचिन्ताकर (aticintā-kara) *adj.* causing much anxiety शौर्यं जनन्यादीनामतिचिन्ताकरम् AlaṅkāMañ. 188. 7.

अतिचिन्ताकुल (aticintākula) *adj.* troubled with excessive anxiety अतिचिन्ताकुलो राजा च्छायायामप्यविश्वसन् । … श्रद्दधे न स्वजीवितम् RājTa.

(S'rī.) 1(7). 182.

अतिचिन्तामणि (ati-cintāmaṇi) *adj.* surpassing a wish-yielding jewel बिम्बं श्रीपार्श्वनाथस्य ···। प्रातिष्ठिपत् शुभे लग्ने मन्त्री श्रीहेमसूरिभिः। अतिचिन्तामणिं प्राणिवाञ्छितातीतवस्तुदम् PrabhāC. 206. 3.

अतिचिन्तिया (ati-cintiyā) *f.* great anxiety हव्यासस्त्वतिचिन्तिया। स्याच्चिन्ता चिन्तया TrikāS'e. i. 7. 6 (comm. हव्यासः अतिचिन्तिया चिन्ता चिन्तया इति चत्वारि चिन्तायाः)

अतिचिन्वत् (ati-cinvat) *adj.* searching thoroughly (हैहयेषु) अतिचिन्वत्सु विप्राणां भवनान्निःसृतं बहु (धनम्) DevīBhāP. vi. 16. 23.

अतिचिपिटमुखी (aticipiṭa-mukhī) *adj.* (*f.*) having a very flat mouth काचघटीं नातिचिपिटमुखीं नात्युच्चमुखीं मसीभाजनप्रायाम् ··· विधाय करीषैरुपरि पुटो देयः RaseCin. 2. 6.

अतिचिपिटलौहपात्री (aticipiṭa-lauhapātrī) *f.* very shallow iron container सविडं सग्रासमीशज्ञं(? जं) पात्रे। अतिचिपिटलौहपात्र्या पिधाय संलिप्य वह्निना योज्यम् RaseCin. 3. 23.

अतिचिर (ati-cira) *adj.* **A** much older रोमकसिद्धान्तोऽयं नातिचिरे पौलिशेऽप्येवम् PañcSi. 1. 10; **B** of a very long duration अतिचिरं कालमहो खलु वयम् ··· नानाविधानि तपांसि वृथा चकृम NīlaVi. 41. 10.

अतिचिर (ati-cira) *n.* a very long period (of time); **अतिचिरस्य** (ati-cirasya) [Gen.] for a very long time मनो मन्दस्पन्दं बहिरतिचिरस्यापि विमृशन् न जाने कस्यैषा परिणतिरुदारस्य तपसः S'atTrayī. 308; **अतिचिरात्** (ati-cirāt) [Abl.] **A** after a very long time शरदि हंसगणस्य ···। समवगाढुमधौतविनिर्मलं नवसरोऽवसरोऽतिचिरादभूत् HarVi. 3. 74; TilaMañ. 243. 16; तस्यावलेपस्तिमितादरस्य पुरः पुरस्कारविवर्जिताभ्याम्। उद्योगमात्रेव रिपोस्तदुग्रं नूनं बभूवेऽतिचिराच्चराभ्याम् RāmC. 27. 2; तदपि नातिचिरादेव स्फुटीभावमुपैष्यति KamVa. 2. 14(1); लब्धोमाया इयमतिचिरादर्चितायाः प्रसादात् MayūSam. 2. 36; उत्ताम्यतोरतिचिरादपि मन्मथाग्नेरावयोर्घटनमत्र कथं चिदासीत् Mukundā. 23; **B** very late सा लीनगर्भा करिणी प्रसूतेऽतिचिरादपि Hastyāyur. 414. 27 (3. 8); द्वितीयरात्रावतिचिराद् द्वारमागतः स कटकं खटखटापयति PrabaK. 25. 24; **C** at last, finally [nt, MW]; **अतिचिराय** (ati-cirāya) [Dat.] for a very long time धात्री-तैस्तैः परचित्ताकर्षणमन्त्रैर्वचनैः ··· अतिचिरायाचरितोपचारा ··· पुण्यकान्तामुद्दिश्य श्लोकमुदाहार्षीत् YaśasCam. ii. 362. 8; तेजस्ततोऽकरोदस्रस्य। नातिचिरायास्तोकं शोषितमुदरस्थमुत्तरायास्तोकम् YudhiVi. 8. 88; **अतिचिरेण** (ati-cireṇa) [Inst.] **A** for too long a time नातिचिरेण विशेषात् BrahmSū. iii. 1. 23; आशु नत्वतिचिरेण ManvaVi. 1424. 13 (*on* 11. 160); तत्र इह ··· योनिमापद्यन्त इति विशेषान्नातिचिरेण BrahmSūBh.(Ma.) 129A. 6 (*on* iii. 1. 25); तद्रूपता च नातिचिरेण AṇuBh. 180. 15 (*on* iii. 1. 23); **B** with much delay, very late अतिचिरेणागमनस्यैव निषेधात् Tattv-Prakā. 146A. 9 (*on* iii. 1. 25); द्वितीयरात्रावतिचिराद् (v. l. अतिचिरेण) द्वारमागतः स कटकं खटखटापयति PrabaK. 25. 24.

अतिचिरकाल (aticira-kāla) *adj.* lasting for a very long period of time गव्यं क्षीरं सुखोष्णं हितमतिचिरकालातिसारज्वरोन्माद° ··· °कासश्लिहासु KalyāKā. 9. 101; कः खलु महाप्रयासमतिचिरकालं तावद् द्वादशवार्षिकं व्रतचरणमाद्रियेत ManuBh. i. 199. 22 (*on* 3. 1); कण्डूतेर्यः प्रतीकारः प्रतिक्रिया दीर्घकाल इत्यतिचिरकालः JayaMa. 80. 7 (*on* 2. 1); *m.* [in Cpd.] a long period of time अतिचिरकाललग्नमतिक्रान्तकुनृपतिसहस्रसंपर्ककलङ्कमिव क्षालयन्ती यस्य विमले कृपाणधाराजले चिरमुवास राजलक्ष्मीः Kād. 5. 21; केवलमतिचिरकालोपचिता बलवती मे प्रेमप्रवृत्तिरस्याम् Kād. 101. 23; देव्यपि तिलकमञ्जरी जातविस्मया निरीक्ष्य तम् ··· अतिचिरकालदृष्टमिष्टापत्यमिव हारमीरितानन्दाश्रुवर्षा ··· हृदि समारोपितवती TilaMañ. 405. 4; अतिचिरकालप्रार्थितमनियतकथनीयमात्मसंवेद्यम्। सुरतसुखमन्वभूत(? व)म् VasaTi. 31. 1.

अतिचिरकालजीविता (aticirakālajīvi-tā) *f.* life for a very long period; longevity कालविद्भिर्विनिर्णीता यस्यातिचिरजीविता। स चेज्जीवति संछिन्नशिरास्तद्दैवमुत्तमम् YogVā. ii. 8. 18.

अतिचिरकालम् (ati-cirakālam) *adv.* for a very long period of time निर्वर्ण्य चातिचिरकालमालपितुकामस्तदभिमुखोऽभवम् TilaMañ. 248. 11; 225. 13; 268. 23; (पितृगृहे) नातिचिरकालमवस्थानं श्वशुरकोपभयात् JayaMa. 241. 10 (*on* 4. 1); अतिचिरकालमेवंविधविविधकष्टभावनायां प्रकृतिविपर्ययादुन्मादः Nāṭa-LaRaK. 2484.

अतिचिरतरतिरोहित (aticiratara-tirohita) *adj.* which has disappeared long ago पदेषु पूर्ववर्णेषु नातिदूरमतिक्रान्तेषु बुद्ध्योपसंहर्तुं शक्येषु घटमानमन्त्यवर्णवेलायामनुसंधानं वाक्येषु पुनरतिचिरतरतिरोहिताक्षरपरम्परानुसन्धानमतिक्लिष्टमदृष्टपूर्वमिति NyāyMañ. i. 356. 15.

अतिचिरदर्शन (aticira-darśana) *n.* sight (of someone or something) after a very long gap (of time) महीपतिः ··· अतिचिरदर्शनादपरिचितमिव ··· पश्चाद् व्रजता पुरुषेणानुगम्यमानं विजयवेगमपश्यत् TilaMañ. 80. 23.

अतिचिरदर्शनोत्कण्ठित (aticira-darśanotkaṇṭhita) *adj.* eager to see (someone) since a very long time पश्यतु त्वां जनः। व्रजन्तु सफलतामतिचिरदर्शनोत्कण्ठितानि लोकलोचनानि Kād. 77. 17.

अतिचिरदुःखिता (aticira-duḥkhitā) *adj.* (*f.*) unhappy since a very long time राज्यस्थं त्वां हि बुद्ध्वा सा कथं तेनासि विस्मृता। इति क्रुद्धा शापेऽज्ञातु पुत्रातिचिरदुःखिता KathāSaSāg. ix. 6. 138.

अतिचिरनिबद्ध (aticira-nibaddha) *adj.* kept under control or restricted for a very long period of time सत्यमिदमकुशलं यदतिचिरनिबद्धघोटकब्रह्मचारिणस्तव कामिनीरत्नं करतललग्नम् Mukundā. 125(9)

अतिचिरप्रणयिन् (aticira-praṇayin) *adj.* who has been affetionate for a very long period of time क्षितितलोपसर्पिणा च शिरसा प्रदर्शितादरः कृत्वा प्रणाममतिचिरप्रणयीव स्पष्टवर्णोच्चारया गिरा सप्रगल्भमुवाच (कैवर्तनायकः) TilaMañ. 130. 19.

अतिचिरप्रवृद्ध (aticira-pravṛddha) *adj.* intensified over a very long period of time अतिचिरप्रवृद्धामर्षोद्दीपितस्य भीमस्य वचनाद् विज्ञापय राजानम् VeṇīSaṁ. 1. 101.

अतिचिरप्रार्थिता (aticira-prārthitā) *adj.* (*f.*) sought after for a very long time वक्त्रे मन्दानिलपरिमलं पादयोः पल्लवाभाम् ···न्यस्य यस्यां वधूनाम् लेभे मैत्रीं मधुरतिचिरप्रार्थितां मन्मथेन HaṁsDū.(Vā.) 73.

अतिचिरप्रोषित (aticira-proṣita) *adj.* who has lived away for a very long period of time नगरयोषितः ··· अवनिपतिं सवलवाहनमतिचिरप्रोषितपरावृत्तं गोपुरेण निविशमानमवलोकयन्ति TātpaṬ.(Vā.) 115. 5 (*on* i. 1. 3)

अतिचिरब्रह्मचर्यचरण (aticira-brahmacaryacaraṇa) *n.* practice of celibacy over a long period of time आवामतिचिरब्रह्मचर्यचरणसमुपजातायतनखलोमादिमन्तौ Bhām. 217. 8 (*on* i. 3. 19)

अतिचिरम् (ati-ciram) *adv.* for a very long period of time अतिचिरमेवं दुग्ध्वा सान्नाय्यं तिष्ठेदिति शाण्डिल्यायनः LāṭyāS'S. x. 16. 11; KāśyaS. 318A. 13; तिष्ठेन्नातिचिरं तत्र नैव किंचिदुदीरयेत् ViṣṇuP. iii. 11. 15; MārkP. 26. 6; सर्वः प्रहृष्टो जनः। कश्चिन्नातिचिरं विलम्बयति मां कार्यात्ययाशङ्कया Dhūrta-ViSaṁ. 6. 21; नातिचिरं गतायां च तस्यामनन्तरमेवेमां भूमिमनुप्राप्तो महाभागः Kād. 178. 6; 7. 12; 102. 2; अतिचिरमुपरि विश्राम्यद्भिरिव वलनविकटं पतद्भिः खुरैः खण्डितमुवि···वाजिनि महति समारूढम् (युवानमद्राक्षीत्) HarṣaC. 36. 9; 165. 4; 264. 17; 330. 12; मत्तनृत्तमिव समीकवीथ्यामाचरन्तौ वैरमयाविवातिचिरमयुध्येताम् (तौ) AvantiKa. 108. 7; PadmP.(Ra.) 41. 97; MahāviC. 6. 61 (185. 8); मा पुनरतिचिरमेवं प्रविधास्यसि कन्दुकक्रीडाम् KuṭṭaMa. 362; AnarghaRā. 2. 39(2); विक्रंसोऽर्यस्य दृष्ट्वा चरणमतिचिरं सप्तयो नैव पूष्णो जग्मुः क्षोभादिवोच्चैर्नभसि स मधुजिद्धन्तु वः कल्मषाणि EI. i. 156. 1; PrakaPañ. 101. 2; अस्याः। स्थितमतिचिरम्···मां दिदृक्षोः स्मरामि ViddhaS'ā. 3. 3 = SubhāRaK. 17. 59; NalaCam. 4. 9(43); (नरपतिः) आराध्य भगवन्तमतिचिरमादिदेवमागत्य निजसदनम्···निषसाद TilaMañ. 45. 15; 34. 23; 100. 1; 107. 17; 161. 21; 341. 12; °स्वर्गपुत्रादिवैषयिकसुखमनेकदुःखसंभिन्नं न चातिचिरमनुवर्तते ĀgaPrā. 46. 5; तैस्तैर्विलासैः मदनमदविनोदमुद्यानमतिचिरमनुभूय (मध्याह्नसमयानतिवाहयामास) YaśasCam. i. 527. 7; ii. 345. 20; ii. 418. 2; देवकी कंसेन रुद्धातिचिरं शुचार्पिता BhāgP. i. 8. 23; KalkiP. iii. 12. 28; विधाय च विचित्रमतिचिरं युद्धम् ··· धरायामचेतनः पपात हरिकुलपतिः RāmāCam. 6. 56(3); KaumuMi. 4. 1(4); S'ivārkaMaDī. i. 360. 22 (*on* i. 2. 16); आकाशादिष्वमीषां वसतिरतिचिरं (जीवानाम्) Naya-Mañ. III. i. 5. 9; KathāK. 124. 26; Rāgh. 2. 62; 3. 67; अतिचिरं पतिगृहकारानिरुद्धतया कदाप्यविज्ञातबहिरङ्गणाः कुलाङ्गनाः S'ṛṅgāSar. 140(1); अतिचिरमजनि रजनिरतिकाली। सङ्गमविन्दत न हि वनमाली StavMā. 276. 16.

अतिचिरविपन्न (aticira-vipanna) *adj.* dead very long ago विलोक्य ···अतिचिरविपन्नपन्नगस्याश्चिशेषे शिरसि विद्योतमानं दिव्यरत्नम् UdaySuKa. 60. 30.

अतिचिरविप्रयुक्त (aticira-viprayukta) *adj.* separated for a very long time तत्र महति समरोत्सवे वत्समतिचिरविप्रयुक्ता देवपादा इति ··· नियुज्य ··· उपलब्धवानस्मि देवपादान् AdbhuDa. 4. 6(1)

अतिचिरस्थायिन् (aticirasthāy-in) *adj.* lasting for a very long period of time अतिचिरस्थायी वैरानुबन्धः स्थावराणामपि VasaTi. 6. 6.

अतिचिरायमाण (aticirāya-māṇa) *adj.* becoming (apparently) too long (in time), passing very slowly युगमिव निगमय्य कतिचिदतिचिरायमाणानि वासराणि यावदेवं प्रलपितुं प्रवृत्तोऽस्मि S'ṛṅgāSar. 116(4)

अतिचिरायुस् (ati-cirāyus) *adj.* possessing a very long life अतिचिरायुषं तपोराशिं ददर्श AvantiKa. 144. 11.

अतिचिरावस्थान (ati-cirāvasthāna) *n.* staying for a very long time

अतिचिरावस्थाननिर्वेदप्रसुप्ताघोरणाभिः ··· करिणीभिराकीर्णं शुकनासगृहद्वारमासाद्य तुरङ्गादवततार Kād. 95. 3.

अतिचिरेप्सितार्थ (aticirepsitārtha) *m.* object desired for a very long time तं त्वां वयं नाथ···अतिचिरेप्सितार्थम्। दृष्ट्वा गता निर्वृतिमद्य सर्वे BhāgP. viii. 6. 13.

अतिचिरोपरोध (ati-ciroparodha) *m.* obstruction for a very long time अतिचिरोपरोधसंवर्धितप्रतिघानलव्यतिकरविशेषभीषणज्वालाकलापदुरापमपि परिवृत्य जातवेदसम् NīlaVi. 21. 16.

अतिचिरोद्धृत (ati-ciroddhṛta) *adj.* picked up long ago नातिचिरोद्धृतानां च धातुविषां धातकीकुसुमानां गौणीरगुणिताः ··· लोकेनादाय व्रजता ··· व्याप्तदिगन्तरम् ··· वनग्रामकं ददर्श HarṣaC. 305. 12.

अतिचिरोपभोग (ati-ciropabhoga) *m.* enjoyment for an excessively long time अतिचिरोपभोगपरिश्रान्तिगरिमविश्रान्ततनुलतां विभावरीं दधानः Yātrā-Pra. 4. 147(4)

अतिचिरोपरुद्ध (ati-ciroparuddha) *adj.* obstructed for an excessively long time कतिचिदतिचिरोपरुद्धकण्डूलदोर्मण्डलतया ··· पर्यवसाययितुमिव भूधरानङ्गुलिस्फोटेन NīlaVi. 15. 18.

अतिचिरोषिता (ati-ciroṣitā) *adj.* (*f.*) staying for an excessively long time ततस्तां प्राह चार्वङ्गीं पिता नातिचिरोषिताम् MārkP. 77. 17.

अतिचूर्ण (ati-cūrṇa) *n.* **1** fine powder पिबेत्तथा नागबलातिपूर्वबलातिचूर्णं पयसा प्रभाते KalyāKā. 6. 51; **2** very short word (i. e. uncompounded) नातिचूर्णपदैर्युक्ता···समत्वात् समता मता NāṭyaSā. 19. 100.

अतिचूर्णित (ati-cūrṇita) *adj.* very much crushed (i. e. destroyed) बिभीषणः। पादेनाधर्षयद्विप्रं स विप्रोऽप्यतिचूर्णितः PadmP. iv. 100. 145.

अतिचृत् (ati-cṛt-) VI. P. to stick on, to fasten अर्हजातस्य यन्नाम तेन त्वाति चृतामसि AV. v. 28. 12.

अतिचेष्ट् (ati-ceṣṭ-) I. A. to make excessive effort वृत्त्यर्थं नातिचेष्टेत Hitopa. 1. 139.

अतिचेष्टित (ati-ceṣṭita) *n.* extra-ordinary deed or action विचित्रमतिचेष्टितं श्रयति संसृतौ जन्मवान् SubhāRaSaṁ. 224; यानपानातिचेष्टितैः। ··· प्लीहा च्युतः स्थानाद्विवर्धते AṣṭāSaṁ. i. 291. 17 (3. 12); यज्ञैर्दानैस्तपोभिर्वा संग्रामे चातिचेष्टितैः MārkP. 19. 29; *adj.* possessing extra-ordinary deeds श्रोतुमिच्छामि चरितं श्रूयते सोऽतिचेष्टितः MārkP. 130. 2; अलघावतिचेष्टिताः ··· मुनिलोकाः समुपासते स सन्ध्याम् Rāvaṇā. 5. 21.

अतिचोदित (ati-codita) *adj.* greatly impelled स तथेति ब्रुवन्नेव देवैरप्यतिचोदितः BrahmP. 11. 17.

अतिचोर (ati-cora) *m.* super-thief न चातिचोरा न च दुष्टदुर्मृगाः KalyāKā. 2. 36.

अतिचौर (ati-caura) *m.* super-thief शिष्यः।··· चौरस्याप्यतिचौरश्चरति सदा वञ्चकस्य गुरोः Deśopa. 8. 27.

अतिचौर्य (ati-caurya) *n.* big or excessive theft तेषाममूनि च फलानि वै। ··· अतिचौर्यमतिक्रोधः NāraS. 31. 14; [Abl.] very secretly शिशुम् ··· अनयन्नगराद्वहिर्निशायामतिचौर्यात् Raghunā. 8. 29.

अतिच्छत्र (ati-cchatra) *m.* **1** mushroom, a kind of vegetable छत्रातिच्छत्रक्षीराकैः···। दत्तेन मासं प्रीयन्ते पितरः ViṣṇuDhaP. i. 141. 41; **2** *Barleria longifolia* छत्रातिच्छत्रवीरणाः (एवमादीनि विज्ञेयो मधुरो गणः) MatsyaP. 217. 47; छत्रातिच्छत्रपालङ्क्यौ मालातृणकभूस्तृणे AmaK. 982; **3** a species of water plant जलतृणविशेषः [S'abdaKaDru.]

अतिच्छत्रक (ati-cchatraka) *m.* *Petrospermum suberifolium*, tree with an umbrella shape छत्रवृक्षः छातारियाविष इति ख्यातः S'abdaKaDru.; **2** *Andropogon schoenauthns, Pfychotic ajowan*, a kind of sweet grass पालङ्ग्यो गोमयप्रेङ्खं छत्रातिच्छत्रकावपि भूतृणं च वियन्मूलम् KośaKaTa. 1. 4337; अतिच्छत्रको भूतीके ApūNā. 11B. 1.

अतिच्छत्रका (ati-cchatrakā) *f.* name of the plant *Barleria longifolia* सहचरी शतपुष्पा सितच्छत्रातिच्छत्रका S'abdaRa.(Su.) 4. 220; छत्रातिच्छत्रके विद्याद्रक्षोघ्ने कन्दसम्भवे KalpaK. 316. 594.

अतिच्छत्रा (ati-cchatrā) *f.* **1** *Anise* (*Aisum* or *Anethum sowa*) अतिच्छत्रां पलङ्कषाम् CaraS. vi. 9. 46 (1941 Ed.); काचन महौषधी सोमसमवीर्या ··· छत्रातिच्छत्राकरेणुः SuśruS. iv. 30. 5; शतपुष्पा सितच्छत्रातिच्छत्रा मधुरा मिसिः AgniP. 362. 66; **2** the plant *Baleria longifolia* छत्रातिच्छत्रा श्रावणी महाश्रावणी CaraS. iii. 8. 139; छत्रा अतिच्छत्रा मेदा महामेदा CaraS. vi. 14. 6; वचां छत्रामतिच्छत्राम् AṣṭāSaṁ. i. 186. 17 (1. 38); **3** sesamum seed छत्रामतिच्छत्रां सकर्कटीम् ··· एतत्सर्वं समाहृत्य प्रदेहं तस्य कारयेत् Hastyāyur. 256. 21 (2. 47)

अतिच्छन्द (ati-cchanda) *adj.* **1** who has surpassed or overcome desires अतिक्रान्तं यतश्छन्दमतिच्छन्दमिदं ततः BṛĀraUBhVā. iv. 3. 1297; अतिच्छन्दमिच्छावर्जितम् S'ivārkaMaDī. ii. 240. 20 (*on* iii. 2. 9); **2** violation of Vedic principles अतिच्छेदा(v. l. च्छन्दा)तिवादाभ्यां स्मयोऽयं समुपागतः MahāBhā. xiii. 121. 9; *m.* name of a metre ऋषिर्यमोऽस्यातिच्छन्दो विष्णुरेवास्य दैवतम् ĪśānS'iPa. i. 35. 132; तदधिकोनाक्षराणां त्वतिच्छन्दः कृतिच्छन्दः पदादिनैव व्यवहारः BhāṭṭCan. 107. 14 (*on* xvi. 2. 2)

अतिच्छन्दस् (áti-cchandas) *f.* **1A** name of a type of Vedic metre which is longer than the normal metres (i. e. having more than twelve syllables in a foot) रेवत्सामातिच्छन्दा उ छन्दोऽजातशत्रुः स्योना नो अस्तु TaiS. IV. iv. 12. 4; वर्ष्म वा एषा छन्दसां यदतिच्छन्दाः TaiS. V. ii. 1. 5; V. iii. 8. 3; VI. i. 9. 4; अतिच्छन्दा वै सर्वाणि च्छन्दांसि TaiS. VI. i. 9. 4 = TaiBr. I. vii. 9. 6; अतिच्छन्दा इन्द्रियं बृहदृषभो गौर्वयो दधुः VājaS. 21. 22; धेनवोऽतिच्छन्दसे VājaS. 24. 13; अतिच्छन्दसं छन्द इन्द्रियं बृहत् ··· दधत् VājaS. 28. 34; अतिच्छन्दाश्छन्दः AitBr. 22. 7 (584); मरुतश्च त्वाङ्गिरसश्च देवा अतिच्छन्दसा ··· आरोहन्तु AitBr. 38. 1 (930); अथो रुद्रो वै ज्येष्ठश्च देवानामतिच्छन्दाश्छन्दसाम् KauṣiBr. 25. 13 (118. 20); तद्वा अतिच्छन्दःसु भवति ṢaḍviBr. iii. 1. 16; एषा वै सर्वाणि छन्दांसि यदतिच्छन्दाः S'atBr. V. iv. 3. 22 = XIV. iii. 1. 11; अतिच्छन्दा वै छदिश्छन्दः सा हि सर्वाणि छन्दांसि S'atBr. VIII. ii. 4. 5; साध्याश्चाप्याश्चातिच्छन्दसं समभरन्। तां ते प्राविशन् JaimiBr. 1. 283; अथ गायत्री एकपदाम् ··· विराजमतिच्छन्दसम् ··· इत्येतानि मृगच्छन्दसानि प्राजायत JaimiBr. 3. 324; प्राजापत्या अतिच्छन्दसः DevaBr. 2. 9; अतिच्छन्दाश्छदेर्यं DevaBr. 3. 19; अतिच्छन्दाश्छन्दसः ĀpaS'S. xiv. 4. 16; MānS'S. 90. 7; शिशिरोऽतिच्छन्दास्त्रयस्त्रिंशस्तोमो रैवतं साम Nir. 7. 11 (138. 3); द्वावतिच्छन्दसां वर्गा उत्तरौ चतुरुत्तरौ ṚPrāti. 16. 53; प्राजापत्या त्वतिच्छन्दाः ṚPrāti. 17. 7; अनुष्टुभमतिच्छन्दःस्ववदध्यात् KarmaNi. 9A. 11; **1B** verse in *aticchandas* metre अभि त्यं देवꣳसवितारमित्यतिच्छन्दसर्चा मिमीते TaiS. VI. i. 9. 4; अतिच्छन्दसः शंसति AitBr. 16. 3 (440); अतिच्छन्दसाहवनीयमुपतिष्ठन्ते PañcBr. iv. 9. 1; v. 2. 10; तां ते संपदं मोहयन्ति येऽतिच्छन्दोभिर्यजन्ति KauṣiBr. 23. 4 (105. 11); अभि त्यं देवम् ··· इत्यतिच्छन्दसा वैश्वदेवं प्रतिपद्यते KauṣiBr. 23. 8 (106. 22); ता उ एव द्वानवतिरतिच्छन्दसः JaimiBr. 2. 48; अतिच्छन्दाः प्रथमा (ऋक्) S'āṅkhāĀ. 2. 5 (6. 27); षट् सप्तेत्यतिच्छन्दसाम् S'āṅkhāS'S. vii. 27. 13; अथैनमतिच्छन्दसर्चा मिमीते BaudhS'S. i. 171. 9; ĀpaS'S. x. 24. 8; xxi. 9. 15; **2** name of an altar brick placed with recitation of a *mantra* in *aticchandas* metre अतिच्छन्दसमुपदधाति TaiS. V. iii. 8. 3; उष्णिहः पुरस्तादुपदधाति···अतिच्छन्दसमुत्तरतः BaudhS'S. ii. 43. 13; अतिच्छन्दसं मध्ये ĀpaS'S. xvii. 4. 10; पुरीषवत्याः पूर्वामतिच्छन्दसम् KātyS'S. xvii. 12. 16; *n.* name of a type of Vedic metre which is longer than the normal metres द्यौर्वै देवता ··· अतिच्छन्दश्छन्दः GopaBr. ii. 6. 11; त्रयोदशादीन्यतिच्छन्दांसि चाहुः MahāBhā. iii. 134. 20; इदानीमतिजगती···अतिधृतिश्चेति सप्त अतिच्छन्दांसि एकैकपादाक्षरवृद्ध्या क्रमेणोद्गीयन्ते MṛtaSaṁ. 194. 7 (*on* 7. 1); मन्त्रोऽयं वज्रगान्धारी···अतिच्छन्दस्तथा विष्णुर्दुर्गा चास्याधिदैवतम् ĪśānS'iPa. i. 43. 73 (309. 2); *adj.* **1** beyond the normal metres अतिच्छन्दा वै प्रजापतिः KauṣiBr. 23. 4 (104. 22); तेन तेऽतिच्छन्दसो भवन्ति KauṣiBr. 23. 4 (105. 8); ĀśvaS'S. I. iv. 12. 1; **2** beyond or free from worldly desires, exceeding thought or will तद्वा अस्यैतत्। अतिच्छन्दोऽपहतपाप्माभयम् रूपम् S'atBr. XIV. vii. 1. 22; BṛĀraU. iv. 3. 21; अतिच्छन्दा अतिच्छन्दमित्यर्थः रूपपरत्वात्। छन्दः कामः अतिगतः छन्दः यस्माद्रूपात् तदतिच्छन्दं रूपम् BṛĀraUBh. 568. 18 (*on* iv. 3. 21); **3** beyond enclosure or cover (of veins) नाड्याच्छादनाभावोऽतिच्छन्दः AṇuBh. 98. 23 (*on* i. 3. 42); **4** violating Vedic traditions or injunctions [APTE]

अतिच्छन्दस्त्व (aticchandas-tva) *n.* the real significance of the name Aticchandas (longer than the usual metres) छन्दसां वै यो रसोऽत्यक्षरत्सोऽतिच्छन्दसमभ्यत्यक्षरत्तदतिच्छन्दसोऽतिच्छन्दस्त्वम् AitBr. 16. 3 (440)

अतिच्छन्दादिलक्षण (aticchandādi-lakṣaṇa) *adj.* having the characteristic of transcending desires and so on यत एवमिदं वस्तु अतिच्छन्दादिलक्षणम् BṛĀraUBhVā. iv. 3. 1355.

अतिच्छन्दोक्तिबाध (aticchandokti-bādha) *m.* contradiction of the statement of *aticchanda* अतिच्छन्दोक्तिबाधः स्याद्वस्तुतन्त्रत्वहेतुतः BṛĀraUBhVā. iv. 4. 451.

अतिच्छन्ना (aticchannā) *f.* a kind of plant यवगोधूमचूर्णानि ··· अतिच्छन्नामित्येतानि समाहरेत् Hastyāyur. 606. 22 (4. 5)

अतिच्छातत्वगावृत (aticchātatvag-āvṛta) *adj.* covered over with very thin skin धिगस्त्वन्ताशुचि देहम् ··· अतिच्छातत्वगावृतम् PadmP. (Ra.) 39. 118.

अतिच्छान्दस (aticchāndasa) *adj.* expert in *aticchandas* metres i. e. metres beyond (i. e. longer than) the *jagatī* metre श्यामान्यतिच्छन्दांसि रोचनाभा: क्रतय इत्येवमधीयतेऽतिच्छान्दसा: MṛtaSaṁ. 38. 12 (*on* 3. 66)

अतिच्छिद्र (ati-cchidra) *adj.* having big holes अतिच्छिद्रेऽधिके रूपादवतीर्णप्रवाहणात् AṣṭāSaṁ. ii. 66. 4 (4. 10)

अतिच्छिद्रदशना (aticchidra-daśanā) *adj.* (*f.*) whose teeth are far apart न चातिच्छिद्रदशनाम् (कन्यामुद्वहेत्) ViṣṇuP. iii. 10. 22.

अतिच्छिद्रयुत (aticchidra-yuta) *adj.* having a very large hole प्रवृत्त्यतिच्छिद्रयुते द्रवं द्रुतम् KalyāKā. 22. 97.

अतिच्छिन्न (ati-cchinna) *adj.* extremely impoverished, completely broken, greatly injured जीवितं ह्यप्यतिच्छिन्न: संत्यजत्येकदा नर: MahāBhā. xii. 97. 14.

अतिच्छिन्ना (aticchinnā) *f.* a kind of Guḍūcī (*Coeculus cordifolius*) पिण्डामृता त्वतिच्छिन्ना शच्याभा कन्दरोहिणी KośaKaTa. 1. 3713.

अतिच्छेका (ati-cchekā) *adj.* (*f.*) very skilful भर्तुर्विपदमाच्छेत्तुमतिच्छेका: कुलस्त्रिय: PāṇḍaC. 7. 464.

अतिच्छेद (ati-ccheda) *m.* incongruity अतिच्छेदातिवादाभ्यां स्मयोऽयं समुपागत: MahāBhā. xiii. 121. 9.

अतिच्छेद्य (ati-cchedya) *adj.* to be greatly injured or harmed नामित्रो विनिकर्तव्यो नातिच्छेद्य: कथंचन MahāBhā. xii. 97. 14.

अतिछत्र (ati-chatra) *m.* kind of grass, kind of plant (kṣuraka) Vaija. 64. 234; ParyāMu. 1045; mushroom, kind of water-plant, S'abdaRa. (Su.) 4. 266; [PW, MW]

अतिछत्रक (atichatra-ka) *m.* kind of plant, ParyāMu. 16. 10; ParyāRaMā. 401 (v. l.); AbhidhāMañ. 190. 3.

अतिछत्रा (atichatrā) *f.* Anise (*Anisum* or *Anethum sowa*) or the plant *Barleria Longifolia* ApūNā. 42B. 2.

अतिजगति (ati-jagati) *adj.* thirteen अतिजगतिभिरर्धार्कानस्तमेति…सौर: PañcSi. 18. 81 (comm. अतिजगतिभिस्त्रयोदशदिनै:)

अतिजगती (ati-jagatī) *f.* **1 A** name of a class of Vedic metres consisting of four lines, each containing thirteen syllables (thus constituting the *aticchandas* class of metres (*lit.* beyond Jagatī) यदेषा चतुर्थेऽहन्यतिजगती क्रियतेऽनपभ्रंशाय PañcBr. xii. 10. 3 = xxi. 9. 14; प्रथमातिजगत्यासां सा द्विपञ्चाशदक्षरा ṚPrāti. 16. 53; अतिजगती नाम द्विपञ्चाशदक्षरं छन्द: Jānāśra. 4. 59 (1); 1. 2(5); द्वापञ्चाशदक्षरम्, अतिजगती (छन्द:) MṛtaSaṁ. 41. 7 (*on* 4. 7); सर्गबन्धो महाकाव्यम् … शक्वर्यातिजगत्यातिशक्वर्या त्रिष्टुभा तथा AgniP. 336. 26; त्रिष्टुभं जगती चैव तथातिजगती मता । इत्येतानि च छन्दांसि DevīBhāP. xii. 1. 17; तृ(? त्रि)ष्टुप् च जगती तद्वत्ततोऽतिजगती मता ।…एतासां छन्दसां संख्या ĪśānS'iPa. i. 1. 85; भवेदतिजगत्यां तु सा ध्रुवा परिवर्तनी NāṭyaS'ā. 5. 92; 14. 49; अतिजगती त्रयोदशाक्षरा AbhinBhā. i. 234. 18 (*on* 5. 88); VṛttaRa. 1. 19; तथातिजगती शक्वर्यन्या स्यादतिशक्वरी Mānaso. iv. 2. 219; Liṅgānu. (Ha.) 12. 11; Chandonu. 2. 4; 2. 194; जगत्यतिजगत्योस्तत् संख्या वापि तद्भवेत् BhāvPra.(S'ā.) 273. 15(9); ChandoMa. 2. 158; KalpaK. 78. 90; KośaKaTa. 1. 1405; **1 B** verse in *atijagatī* metre अतिजगतीषु स्तुवन्त्यह्न उत्क्रान्त्यै PañcBr. xii. 10. 21; त्रैशोकं नाम साम अतिजगत्यामुत्पन्नम् S'ābaBh. 1712. 12 (*on* ix. 2. 21); त्रैशोकस्य सप्तकृत्वोऽभ्यास: । तस्मिन्नभ्यस्यमाने सप्तातिजगत्यो भवन्ति TupṬ. 209. 6 (*on* ix. 2. 24); S'āstrDī. 605. 3 (*on* ix. 2. 5); NyāyMāVi. 439. 19 (*on* ix. 2. 5); BhāṭṭDī. iii. 103. 14 (*on* ix. 2. 5); **1 C** (term) denoting the number *thirteen* तृ(त्रि)ष्टुप् च जगती तद्वत्ततोऽतिजगती मता ।… एतासां छन्दसां संख्या क्वचिदत्र विधीयते ĪśānS'iPa. i. 1. 85; **2** *adj.* (*f.*) excelling the world (by its merit or beauty) भावस्थै: … सुभाषितैस्त्वम् … हरसि मनांसि कामुकानां सुव्यक्तं ह्यतिजगती प्रहर्षिणी च NāṭyaS'ā. 15. 84.

अतिजगतीकर (atijagatī-kara) *adj.* measuring thirteen cubits रामेषुमुनिनन्दैश्च रुद्रातिजगतीकरा: । अतिशक्वरिकात्यष्टिकरै: ĪśānS'iPa. ii. 50. 9.

अतिजगतीच्छन्दोवृत्त (atijagatīcchandovṛtta) *n.* *atijagatī* metre अतिजगतीछन्दोवृत्तानि शतमष्टौ सहस्राणि द्व्यधिका नवति: पुन: (8192) [Bharatakośa]

अतिजगतीतुङ्गशूल (atijagatītuṅga-śūla) *n.* spike of thirteen cubits' height नन्दरुद्रातिजगतीतुङ्गशूलान्यनुक्रमात् ĪśānS'iPa. ii. 45. 35.

अतिजगतीबहुत्व (atijagatībahu-tva) *n.* manifoldness of *atijagatī* verses अतिजगतीबहुत्वं दर्शयति S'ābaBh. 1713. 12 (*on* ix. 2. 24); अतिजगतीबहुत्वादनुवादस्वरूपस्य वर्तमाननिर्देशस्योपपत्ते: S'āstrDī. 605. 8 (*on* ix. 2. 5); 605. 6 (*on* ix. 2. 5); श्रूयमाणमतिजगतीबहुत्वमन्यथा नोपपद्येत NyāyMāVi. 439. 22 (*on* ix. 2. 5); त्रैशोकातिजगतीबहुत्वयोर्विधाने वाक्यभेद: BhāṭṭDī. iii. 103. 21 (*on* ix. 2. 5); गौणस्यातिजगतीबहुत्वस्य ग्रहणेऽपीह न गौणम् MayūMāli. 606. 4 (*on* ix. 2. 6)

अतिजगतीसंख्य (atijagatī-saṅkhya) *adj.* numbering thirteen रुद्रातिजगतीसंख्यैर्हस्तै: स्याद् द्वितलं पुन: ĪśānS'iPa. ii. 30. 50.

अतिजगतीहस्त (atijagatī-hasta) *m.* thirteen cubits नन्दरुद्रातिजगतीहस्तैर्द्वारा भवन्ति हि ĪśānS'iPa. ii. 35. 48.

अतिजगत्यंश (atijagaty-aṁśa) *m.* thirteen *aṅgulas* स्तनाधोऽतिजगत्यंशैर्नन्दांशै: स्यात्प्रतिस्तनम् ĪśānS'iPa. ii. 42. 12.

अतिजगत्यन्त (atijagaty-anta) *adj.* ending in the Atijagatī metre बार्हतो बृहतीमुख: । जगत्यतिजगत्यन्त: ṚPrāti. 18. 8.

अतिजगत्यपेक्षा (atijagaty-apekṣā) *f.* [Inst.] as compared to the Atijagatī metre बृहत्योरतिजगत्यपेक्षया न्यूनत्वेन विलेशस्यासंभवादिति ध्येयम् MayūMāli. 605. 8 (*on* ix. 2. 5)

अतिजघन (ati-jaghana) *adj.* [*f.* -ā] **1** (woman) with large hips न त्वया सदृशी लोके कामिनी विद्यते क्वचित् । मध्यक्षामातिजघना MatsyaP. 20. 30; PadmP. v. 10. 75; **2** middle part of which is excessively big or great तिरुवेङ्कटनृपवरिष्ठ: … अतिजघनै: तरनिकरै: अभिगतबहुधनसंतोषितहृणपरिवृढगाढपरप्रेमास्पदीभूत: … सुखेन कञ्चन समयमनैषीत् ĀnandRa. 3. 24(10)

अतिजघन्य (ati-jaghanya) *adj.* lowest, vilest तस्मान्यदतिजघन्यमपि हृदयमवतरेदित्यलमसम्बद्धगोष्ठ्या NyāyMañ. ii. 198. 21.

अतिजघन्यत्व (atijaghanya-tva) *n.* the state of being most insignificant अर्धजरतीन्यायस्यातिजघन्यत्वादित्युपरम्यते SiddhāTa. 12. 4; VaiyāSiMañ. 146. 11; मूत्रपुरीषोत्सर्गकालादौ कर्णोपवीतधारणादि न काम्यं फलाश्रवणात् विश्वजिन्न्यायस्यातिजघन्यत्वात् VīraMi. 36. 10 (*on* 1. 17)

अतिजङ्घाल (ati-jaṅghāla) *adj.* very swift अतिजङ्घालमुत्तालफालग्रस्तनभस्तलम् । तैरश्वीयमनल्पीय: प्रेक्षांचक्रे समन्तत: PāṇḍaC. 9. 228.

अतिजटाधर (atijaṭā-dhara) *adj.* bearing a huge matted hair (*on* the head) कृश: कृष्णतनुर्व्यास: पिङ्गलोऽतिजटाधर: CaturCin. ii(1). 121. 12.

अतिजठरा (ati-jaṭharā) *adj.* (*f.*) [v. l. for **अतिजरठा**, S'iśuVa. 4. 29]; **1** very hard [nt]; **2** very old [nt]

अतिजड (ati-jaḍa) *adj.* **1 A** exceedingly or extremely foolish or stupid, extremely dull अवनीभृतां त्वमपहाय गणमतिजड: समुन्नतम् । नीचिनियतमिह यच्चपलो निरत: स्फुटं भवसि निम्नगासुत: S'iśuVa. 15. 21; ViṣṇuDhaP. ii. 131. 14; दुर्गन्धिरप्यतिजडोऽपि गृहीतवाक्य: । पूर्वानुभावजयिनो भवति प्रभावाद् यस्य स्तुमस्तमतिसंस्तवमप्रतर्क्यम् RājTa.(Ka.) 8. 2356; अमोघवाचनो वज्रो बभूवातिजडेष्वपि PariPar. 12. 188; 2. 680; SiddhāTaVi. 396. 20; तिरश्चोऽपि तन्मध्येऽतिजडस्य पशोरपि Bhāsk. ii. 131. 18 (*on* ii. 3. 14); **1 B** extremely sluggish श्रुत्वा शत्रुं दुहित्रा निहतमतिजडोऽप्यागतोऽह्नाय हर्षात् … हिमाद्रि: CaṇḍiS'. 58; Acyutarā. 10. 3; **2** most insentient अतिजडोऽपि चन्द्रोद्यानप्रभृतिस्त्वविश्रान्तोऽपि (v. l. स्वविश्रान्तोऽपि) वर्ण्यमानोऽवश्यं चित्तवृत्तिविभावतां त्यक्त्वा काव्येऽनाख्येय एव स्यात् Loc. 78. 13 (*on* 2. 6); **3** extremely cool, S'iśuVa. 15. 21; **4** very heavy to digest ह्रदकुल्याजलनिर्झरतडागवापीजलेषु ये मत्स्या: । तेऽतिजडा नादेया यथोत्तरं लघुतरास्तु नादेया: BhojanKu. 175. 6.

अतिजडता (atijaḍa-tā) *f.* extreme dullness त्रिरभिधानमेवमप्यप्रतिपद्यमानस्यातिजडतया न वादेऽधिकार इत्यभिसंधिमत इति TātpaṬ.(Vā.) 720. 1 (*on* v. 2. 16)

अतिजडत्व (atijaḍa-tva) *n.* absolute stupidity अतिजडत्वेन पुरुषो हि बाह्यवस्त्वपि स्वात्मत्वेनाभिमन्यते Bhāsk. ii. 235. 10 (*on* iii. 1. 8)

अतिजडनेत्रमरीचि (atijaḍa-netramarīci) *adj.* rays of whose eyes have become extremely dull ज्वलदवनिभिरातपावलेपैरतिजडनेत्रमरीचिरंशुभर्तु: । … उदकमयानभिमन्यसे मरीचीन् SubhaDha. 1. 10.

अतिजडमानस (atijaḍa-mānasa) *adj.* of a very dull mind अनेको मृत्युमायाति नरोऽतिजडमानस: PadmP.(Ra.) 32. 144.

अतिजत्रूर्ध्वगत (atijatrūrdhvagata) *adj.* (disease) existing in the region well above the collar bone धूम: … अतिनिद्राकथनातिजत्रूर्ध्वगतवातकफव्याधिप्रशमाय प्रयुज्यते AṣṭāSaṁ. i. 158. 12 (1. 30)

अतिजन (ati-janá) *adj.* **1** (a region or place) which lies beyond human inhabitation, what is devoid of men यदिमं लोकं पुनर्नोपावरोहेदतिजनं वा गच्छेद्वा मायेत MaiS. iv. 4. 9 = iv. 4. 10; PañcBr. xviii. 10. 10; तं ततोऽतिजने विसृजेत् ChāndoU. vi. 14. 1; सदसत्कमैचक्रके । भ्रमति स्थिरक्लक्षात्मसंस्थानोऽतिजनेऽपि सन् PārśvC. 4. 139; Ekāva. 3. 1(73) (95. 1)

अतिजन्यवयस्या (atijanya-vayasyā) *adj.* (*f.*) surpassing the friends (of the bridegroom) escorting the bride अतिजन्यवयस्यास्ये चक्रे हाला मृगीदृशाम् DvyāśraKā. 17. 115 (comm. अतिजन्यवयस्या जनीं वधूं वहन्ति जन्या

जामातुः स्निग्धा वयस्याः सख्यो द्वन्द्वे ता अतिक्रान्ता तत्तुल्येत्यर्थः । जामातृवयस्याः स्वसख्योऽपि हि वधूमुखेषु कस्तूरीलेखां कुर्वन्ति)

अतिजप (ati-japa) *m.* additional murmuring of a spell कृच्छ्रेऽतिजपे च संख्यां वैशम्पायन आह (शतमष्टशतं वापि सहस्रमपि वा परम्) Aparā. 1246. 13 (*on* 3. 325)

अतिजप्या (ati-japyā) *adj.* (*f.*) fit to be recited as additional ऋचस्तत्र तत्रातिजप्या बुधेन । ... ताः PañcaRā.(Nā.) iii. 7. 21.

अतिजर (ati-jara) *adj.* [P. vii. 2. 101] **i** surpassing old age (i. e. very old) गोनर्दीय आह । इष्टमेवैतत्संगृहीतं भवति । अतिजरम् अतिजरैरिति भवितव्यं सत्यामेतस्यां परिभाषायां सन्निपातलक्षणो विधिरनिमित्तं तद्विघातस्येति MahāBh. iii. 309. 11; प्रथमैकवचने तृतीयाबहुवचने च अतिजरं ब्राह्मणकुलं तिष्ठति अतिजरैरिति च भवितव्यमिति गोनर्दीयमतम् KāśiVr. *on* P. vii. 2. 101; अतिजरं तिष्ठति JaineVyā. 357. 24 (*on* v. 1. 160); KātanVr. (*on* ii. 2. 7); LaŚabdeŚe. i. 225. 24; **ii** overcoming old age (i. e. ever young) महात्मभिः । भात्यदोऽतिजरैः सिद्धैरत्रेति जगदुर्जनाः DvyāśraKā. 1. 131 (comm. महात्मभिरतिजरैर्योगप्रभावेण जरामतिक्रान्तैः)

अतिजरठ (ati-jaraṭha) *adj.* [*f.* -ā] **1** very hard अयमतिजरठाः प्रकामगुर्वीरलघुविलम्बिपयोधरोपरुद्धाः । सततमसुमतामगम्यरूपाः परिणतदिक्करिकास्तटीर्बिभर्ति SiśuVa. 4. 29 = Kuval. 65(26); छित्वा ... अतिजरठं कण्ठं कुठाराञ्चलैः । ... बाहोः सहस्रम् ... अखण्डयत् (अर्जुनस्य) MahāN. 2. 5; **2** very old, SiśuVa. 4. 29 = Kuval. 65(26)

अतिजरठकिसलय (atijaraṭha-kisalaya) *n.* fully grown leaf अनवरतवेत्रलताग्रहणप्रसङ्गातिजरठकिसलयानुकारिकरतलकरेण ... ... परिजनेनानुगम्यमानः Kād. 17. 2.

अतिजरण्ड (ati-jaraṇḍa) *adj.* very old अतिजरण्डशिखण्डमण्डलीगतिस्खलितकलुषप्रसरम्...तोयमादाय पीत्वा YaśasCam. ii. 178. 8.

अतिजरत् (ati-jarat) *adj.* [*f.* -ī] **A** very old, very ancient इच्छामि किमपि पुण्यम् ...। उद्द्योतकरगवीनामतिजरतीनां समुद्धरणात् TātpaṬ.(Vā.) 1. 10 (*on* i. 1. 0); 726. 4 (*on* v. 2. 24); ज्यायान् ज्येष्ठे चातिशये प्रशस्येऽतिजरत्यपि NānārthSaṁ. 40. 10; **B** surpassing the old (person) (i. e. highly experienced) स क्ष्मां पयोधिपरिखां धरणीं वराहः खातां जयादतिजरन्मखयज्वसुत्वा दोष्णोन्नतेन धृतवान् DvyāśraKā. 11. 118.

अतिजरद्गव (atijarad-gava) *m.* very old ox वृद्धोक्ष उक्षोऽतिजरद्गवोऽथ KośaKaTa. 1. 6732.

अतिजरस् (ati-jaras) *adj.* surpassing old age इहोभयं प्राप्नोति । अतिजरांसि ब्राह्मणकुलानि MahāBh. iii. 309. 5; अतिजरसैः जरामतिक्रान्तैरिति विगृह्य समासे कृते ... जरसादेशः KāśiVr. *on* P. vii. 1. 9; *on* P. vii. 2. 101; अतिजरांसि ब्राह्मणकुलानीत्यत्रोभयप्रसङ्गे विप्रतिषेधेन परो जरसादेशो भवति Nyās. ii. 761. 1 (*on* vii. 2. 101); अन्ये त्वनित्यत्वादस्याः परिभाषायाः ... अतिजरसैरिति भवितव्यमित्याहुः Nyās. i. 525. 5 (*on* iii. 1. 33); भिसोऽत ऐस् ... एसिति सिद्धे ऐस्ग्रहणं किम् ? अतिजरसैः JaineVyā. 338. 7 (*on* v. 1. 8); नुमः परत्वादसङ् । अतिजरांसि तपांसीति JaineVyā. 357. 22 (*on* v. 1. 160); नागवल्लीदले पक्वे रसो रङ्गश्च चर्विते । यादृशस्तादृशो धर्मः पुंसोऽतिजरसो व्रते PārśvC. 3. 1083; अरे मूर्ख कुशिष्य, कुतोऽतिजरसं स्वगुरुं पिट्टयसि Bharaṭ. 14B. 2.

अतिजरस (ati-jarasa) *adj.* who has gone beyond old age, very old ङसिरात् ... दीर्घोच्चारणादतिजरसात् KātanVr. *on* ii. 1. 21; *on* ii. 1. 18; 'कथमतिजरसस्य भिक्षुस्य कन्था वर्षशतं गता' इति DurghVr. vii. 1. 12; मुक्तये चातिजरसैर्योगिभिः प्रणिधीयते DvyāśraKā. 1. 130.

अतिजरातुर (atijarātura) *adj.* [*f.* -ā] distressed or feeble due to excessive old age धर्ममर्थं च कामं वा मोक्षं वातिजरातुरः । अशक्तः साधितुं तस्माद्युवा धर्मं समाचरेत् SivaP. v. 23. 65 (433B. 4); कमललोचनः ... ददर्श पथि कुब्जां तां वृद्धामतिजरातुराम् BrahmVaiP. iv. 72. 15; SkandP. iv. 30. 30.

अतिजर्जर (ati-jarjara) *adj.* **i** very weary, extremely fatigued मेने कृतार्थमात्मानं स ध्यानात् ... तेन सोऽप्यतिजर्जरः PrabhāC. 198. 15; **ii** very heavy निःश्वासैरतिजर्जरैर्बुषकणाजालं खले विक्षिपन्वृक्षा गोष्ठटीषु...गोवृन्दमास्कन्दति SaduktiKa. 279. 32.

अतिजर्झरा (ati-jarjharā) *adj.* (*f.*) extremely weak हीनस्वरा चातिरूक्षा वृद्धा त्याज्यातिजर्झरा ।... चण्डाली सा च वर्दिता ĪśānŚiPa. ii. 36. 75.

अतिजला (ati-jalā) *adj.* (*f.*) full of water सा गङ्गा सा चतुर्भगा सा चाप्यतिजला शुभा Rāmā. iv. 44. 64 (GORR.)

अतिजलाकीर्ण (atijalākīrṇa) *adj.* filled with abundant water गभीरेऽतिजलाकीर्णे भग्नपोते विषादने ।... सर्वतो मुच्यते स्तुत्वा शंकरस्य प्रसादतः BrahmVaiP. iv. 38. 77.

अतिजल्पक (ati-jalpaka) *adj.* very talkative पाठशीलोऽतिजल्पकः ... रौद्रब्राह्मणपीडितः HāriS. iii. 2. 225.

अतिजल्पन (ati-jalpana) *adj.* very talkative जपेदुदकशीलः स्यात्पेशलो नातिजल्पनः MahāBhā. xii. 132. 13.

अतिजव (ati-java) *m.* high speed, great velocity पश्चाद्व्रजन्तोऽतिजवान्नक्षत्रैः सततं ग्रहाः । जीयमानास्तु लम्बन्ते SūryaSi. 1. 25; अतिजवेन दूरमतिक्रान्तः स चपलः कथं दृश्यते UttaRāC. 4. 26 (9); (अहम्) अतिजवेन निजमण्डलेभ्यः प्रधावितैरनीकपतिभिः सामन्तैश्च भयसंभ्रान्तैरनवरतमनुसृतगतिर्गत्वा TilaMañ. 133. 6; 132. 13; 85. 8; ततः प्रहृष्टोऽतिजवादशोकवनिकां पुनः । गत्वा दृष्ट्वा च वैदेहीं (मारुतिः)...आरुरोह गिरेः शृङ्गम् RāmāMañ. 279. 23; सोऽश्वः ... जगाम क्वाप्यतिजवादलक्ष्यो लोकलोचनैः KathāSaSāg. iii. 4. 92; व्याधानां शरगोचरादतिजवेनोत्प्लुत्य धावन्मृगः ... कूपान्तः पतितः Pañcā. 141. 21; SaduktiKa. 257. 19; SārṅgaPa. 940; अनुलोमप्रतिलोमशब्दा यथा – अतिजव जवन KāvyKaVr. 100. 1 (3. 5); अन्या...तयोः परीक्ष्यातिजवं स देयो जेतुः पुरस्तादिति जानतीव Acyutarā. 12. 6; गतमतिजवाद्भ्रान्तं भ्रान्तं समुत्क्षिपिता च भूः Subhāṣi. 944; प्रसरोऽतिजवश्चैव ParaNā. 1958.

अतिजव (ati-java) *adj.* [*f.* -ā] swift, running very fast पवन इवातिजवो जलागमम् ।... कथयति पूर्वनिदर्शनोदयः HarṣaC. 180. 10; अतिजवं पादुकाद्वितयमधिरुह्य निर्गतास्मि UdaySuKa. 109. 24; 126. 26; क्रमेण दवीयसि संजायमानेऽप्यतिजवे जवनेऽधिरूढस्तदानुपदिकः सचिवः PrabaCin. 111. 12; AmaK. 1613; ParaNā. 1955; Vaija. 116. 150; NāmaMāli. 505; AbhidhāCin. 494; तावदतिजवा नौकाः श्वान इव वराहमस्मत्पोतं पर्यरुत्सत DaśKuC. 107. 3.

अतिजवता (ati-javatā) *f.* great speed गजवधूरतिजव(न)तया गत्यन्तरमारूढवती MudrāRā. 2. 15 (45)

अतिजवत्रुटनभय (atijava-truṭanabhaya) *n.* fear of being cut into pieces on account of great speed अतिजवत्रुटनभयादनिर्मितान्याणीवोदराणि वृत्तानि धारयद्भिः...तुरङ्गैरारचितां मन्दुरां विलोकयन् HarṣaC. 100. 6.

अतिजवन (ati-javana) *adj.* of high speed अतिजवन इत्यर्थः Cāndra-Vr. *on* iv. 4. 81; DaśKuC. ii. 107. 11 (Calcutta 1868 Ed.); अतिजवनपवनविधुतजलधिजलपटलविनटननिपातितमणिगणपरिगतपरिसरम् ... पुलिनजलमाससाद (कन्दर्पकेतुः) VāsaDa. 279. 3-4.

अतिजवनता (atijavana-tā) *f.* cf. **अतिजवता**. MudrāRā. 2. 15 (92)

अतिजवम् (ati-javam) *adv.* very speedily अतिजवमिह काले सिन्धवः संप्रवृत्ताः PadmP. (Ra.) 42. 101; पुरस्तादाधावत्यतिजवमुदस्ताग्रचरणः ... हरिणः UnmaRā.(Vi.) 16. 1.

अतिजवापीत (atijavāpīta) *adj.* (absorbed) drunk with high speed अतिजवापीतमनिलमिव नासिकाविवरेणोद्वमन्तं ... इन्द्रायुधमद्राक्षीत् Kād. 79. 2.

अतिजविन् (ati-javin) *adj.* having great speed, very swift रविं सः स्पन्दनेनातिजविना प्रणनाम SkandP. iv. 9. 32; गुरुताभूत्त्वद्गन्तस्य राघे वरमतिजविनां मे येन जिग्ये मनोऽपि UjjvaNīMa. 80. 5; सार्धं तेन प्रतीचीं दिशमतिजविना स्यन्दनेनाभियातः ... त्वं प्राददर्शः ... पदं ते Nārāy. x. 48. 7.

अतिजागत (ati-jāgata) *adj.* having the metre Atijagatī, connected with Atijagatī स जागतो वा सर्वं वा इदं जागतं वातिजागतं वा AitBr. 30. 4 (773)

अतिजागर (ati-jāgara) *m.* **1** keeping awake for a long time अतिस्वप्नातिजागरम् ।... नित्यं योगी विवर्जयेत् AmṛNāU. 28; अतिनिद्रातिजागरम् ... विवर्जयेत् Rasā. 18. 118; आचामाम्लतपःकष्टान्निशायामतिजागरात् । अल्पायासाल्पभोजेऽङ्गे रक्तदोषः PrabhāC. 165. 6; **2** black curlew नीलक्रौञ्चस्तु नीलाङ्गो दीर्घग्रीवोऽतिजागरः RājNi. = DhanvNi. 298. 6; KalpaK. 329. 109.

अतिजागरण (ati-jāgaraṇa) *n.* keeping awake for a long time (सेवेत ... वशी) नातिजागरणं निद्राम् SiddhYo. 81. 87; श्वश्रूस्तुषे अतिनिर्विण्णे अतिजागरणात् PrabaK. 25. 20.

अतिजाग्रत् (ati-jāgrat) *adj.* keeping awake for a long time योगी... नातिजाग्रत्सिद्धिमेति GaņeP. ii. 142. 12.

अतिजाज्वल्यमान (ati-jājvalyamāna) *adj.* exceedingly shining ततः-प्रभृत्यक्रूरः प्रकटेनैव तेनातिजाज्वल्यमानेनात्मकण्ठावसक्तेन (मणिना) आदित्य इवांशुमाली चचार ViṣṇuP. iv. 13. 161.

अतिजाड्य (ati-jāḍya) *n.* **1** extreme heaviness स्निग्धोऽतिजाड्यं (बस्तिः करोति) AṣṭāSaṁ. i. 150. 20 (1. 28); **2** excessive insensibility शून्यं सर्वदा तन्मयमेव किन्तु स्तोकं जाड्येन व्याप्तं देहमपि अतिजाड्येन स्पृष्टं तादृशमेवेति Bhāsk. i. 240. 12 (*on* i. 5. 10)

अतिजाड्यकृत् (atijāḍya-kṛt) *adj.* causing excessive heaviness स्निग्धोऽतिजाड्यकृत् (बस्तिः) SuśruS. iv. 36. 22.

अतिजात (ati-jāta) *adj.* **i** becoming superior to (one's father or his wealth) पितुः सम्पदमतिक्रम्य जातः ... संवृत्तोऽतिक्रम्य वा तां यातः प्राप्तो

विशिष्टतरसंपदं समुद्धतर इत्यर्थः इत्यतिजात: SthānT. 185A. 5; अतिजातोऽस्तु दूरेण सुजातोऽपि कथं सुत: S'āliC. 5. 64; **ii** formed in excess आध्मातं शोणितमेहनमतिजातं कृच्छ्रमूत्रिणं चैतेन योगेन चिकित्सयेत् Hastyāyur. 61. 17 (1. 9)

अतिजि (ati-ji-) I. P. to conquer completely, to win over विराड्यं सुप्रजा अत्यजैषीत् AV. xiv. 2. 74; गन्धर्वलोकतां ह त्वाव नातिजयति, गन्धर्वलोकताम् इवैव जयति JaimiBr. 1. 155.

अतिजिगांस (ati-jigāṁsa-) I. P. [desid.] to wish to go beyond तदेनत्सृष्टं पराङत्यजिगांसत् AitĀ. ii. 4. 3.

अतिजिघ्रत् (ati-jighrat) *adj.* inhaling excessively तीक्ष्णोपयोगादतिजिघ्रतो वा …अन्य: क्षवथुर्निरेति SuśruS. vi. 22. 12; सुतीक्ष्णचूर्णान्यतिजिघ्रतोऽपि वा …प्रजायमान: क्षवथुर्विनश्यति KalyāKā. 15. 35.

अतिजित (ati-jita) *adj.* defeated fully, conquered entirely अयम् … राक्षस: …लोकं ह्यतिजितं कृत्वा ह्यावां हन्तुमिहेच्छति Rāmā. iii. 1271*(2)

अतिजितकाशिता (atijitakāśi-tā) *f.* elation due to absolute victory चाणक्योऽप्यतिजितकाशितयासहमानश्चन्द्रगुप्तम् MudrāRā. 2. 22 (52)

अतिजितकाशित्व (atijitakāśi-tva) *n.* the state of elation due to a great conquerer स्थैर्यं धैर्यवत् । …अतिजितकाशित्वम् । सदा मानशौर्याभ्यामवस्थानम् NāṭaLaRaK. 1410-11.

अतिजितकाशिन् (ati-jitakāśin) *adj.* elated with great success चाणक्यमतिजितकाशिनमसहमना: (? मान:) स साचिव्यादवरोपयेत् MudrāRā. 4. 7 (16)

अतिजितेन्द्रिय (ati-jitendriya) *adj.* who has completely conquered the senses ध्यानस्वाध्याययुक्तात्मा निर्ममोऽतिजितेन्द्रिय: PadmP.(Ra.) 106. 115.

अतिजित्वर (ati-jitvara) *adj.* victorious par excellence आगते सभिकतां सितद्युतौ द्यूतकारिभिरिवातिजित्वरै: । अक्षनिर्जितवतंसवारिजश्रीरगृह्यत नितम्बिनीमुखै: Surath. 6. 66.

अतिजिह्म (ati-jihma) *adj.* [*f.* -ā] **i** very much bent low, very much squint (eye) अतिजिह्मां व्रीडया नववधूमिव लोक: (रजनीमपश्यत्) Kirātā. 9. 24; तस्य चेचक्षुषी … अत्युदिपिण्डिते … अतिजिह्मे (स परासुरिति विन्द्यात्(? विद्यात्)) AdbhuSāg. 536. 15 (comm. अतिजिह्मे अतिकुटिले); **ii** very crooked, extremely tortuous अतिजिह्मा: । दिवौकसां मूलवधे प्रवृत्ता दैत्या: सुधां जहु: DaśāvaC. 2. 27.

अतिजीर्ण (ati-jīrṇa) *adj.* [*f.* -ā] **1** much worn out, extremely old अचलां विन्यसेद्देहे अतिजीर्णां परित्यजेत् AgniP. 67. 1; संसारवृक्षमतिजीर्णम् … तं चाधिरूढपतितं भगवन् हि रक्ष PadmP. ii. 21. 23; अतिजीर्णशीर्णकर्पटमिवावरीतुं न शक्यते NalaCam. 4. 20(3); अतिजीर्णे गोस्थाने…नाभ्यसेद्योगविद्योगम् GaṇeP. ii. 142. 8; (चापम्) अतिजीर्णमपक्वं च…न कर्तव्यं बाह्याभ्यन्तरहस्तकम् S'ārṅgaPa. 1751; अतिजीर्णं तु कर्कशम् S'ārṅgaPa. 1753; अतिजीर्णे लिङ्गं स्याच्चेत्तदा तज्जले निक्षिप्य तत्रान्यलिङ्गं स्थापयेत् VīraMi. (Lakṣaṇa.) 629. 6; (समित्) निर्वीर्या अतिजीर्णा VīraMi.(Paribhāṣā.) 103. 25; वसुन्धरे । त्वमतिजीर्णा अकार्यकुशला च तन्नियोजय स्वपुत्रीं यज्ञसामग्रीकरणाय Hāsyārṇa. 2. 16(1); **2** much cooked, very insipid अतिजीर्णमसात्म्यं च नाद्यादन्नं न चाविलम् YaśasCam. i. 511. 6 (but comm. भूमिनिष्कासितम्); अतिजीर्णमसाम्यं(? सात्म्यं) च नाद्यादन्नं न चाविलम् BhojanKu. 223. 6.

अतिजीर्णता (atijīrṇa-tā) *f.* the state of being very old सोऽतिजीर्णतयाहारमन्वेष्टुमक्षम: Hitopa. 4. 65 (2)

अतिजीर्णवस्त्रा (atijīrṇa-vastrā) *adj.* (*f.*) wearing quite worn out clothes तप:कृशां जलभरातिजीर्णवस्त्रां विमुञ्चाशु मम स्वसारम् KālikāKa. 16.

अतिजीव् (ati-jīv-) I. P. **i** to outlive, to survive तां वै स आयुषार्तिमत्यजीवत् PañcBr. vi. 5. 1 (comm. तामार्तिम् … अतिक्रम्य चिरकालं जीवितवान्); **ii** to excel, to surpass in the mode of living गुरूनमात्यांश्च नातिजीवेत् ĀpaDS. ii(10). 25. 10 (comm. गुरव: पित्रादय: । अमात्या मन्त्रिण: । तान्नातिजीवेत् भक्ष्यभोजनाच्छादनादिषु नातिशयीत); यस्य सीता भवेद्भार्या … अतिजीवेत्स सर्वेषु लोकेष्वपि पुरन्दरात् Rāmā. iii. 32. 16; तन्मुखं…पिबन्नत्यजीवदमरालकेश्वरौ RaghuVa. 19. 15; **iii** to live neglecting (others) नातिजीवेत् अतिक्रम्य न जीवेत् । गुरूणाममात्यानां च जीविकां कृत्वैव स्वजीविकां कुर्यादित्यर्थ: VīraMi. (Rājanīti.) 140. 18; वनस्थमपि राज्यस्थ: पाण्डवं कोऽतिजीवति MahāBhā. v. 137. 13; **iv** to live beyond नातिजीवति वै कश्चित्कलौ वर्षाणि विंशति: ViṣṇuP. vi. 1. 42.

अतिजीव (ati-jīvá) *adj.* outliving, surviving, living long अर्मग्निर्भवामृतोऽतिजीव: AV. viii. 2. 26; *m.* [with *lā-*] to take life in the hand श्रावं श्रावं सिंहनादान् भटानां भीताश्चक्रु: सारसीं यामिमेन्द्रा: । तामाकर्ण्य त्रासवन्तोऽतिजीवं लात्वा क्वापि क्वापि नेशुस्तुरङ्गा: HammīMaKā. 10. 45.

अतिजीवन (ati-jivana) *n.* surviving, outliving [APTE]

अतिजीवन्मृतकं (ati-jīvanmṛtaka) *adj.* more dead than alive [pw]

अतिजीविन् (atijīv-in) *adj.* living long भौम: सोमजसहितो जनयति दशमे नरम् …अतिजीविनम् Sārā. 33. 19; दीर्घायु: शाल्मलौ काके मार्कण्डेयेऽतिजीविनि ViśvaPra. 178. 58.

अतिजीव्या (ati-jīvyā) *adj.* (*f.*) to be outlived, to be survived ये मृत्यव एकशतं या नाष्ट्रा अतिजीव्या: । मुञ्चन्तु तस्मात् त्वा देवा: AV(P.) xvi. 5. 8.

अतिजुगुप्सित (ati-jugupsita) *adj.* very much despised ईश्वरो जीववद्देहकारागृहेऽतिजुगुप्सितेऽवतिष्ठते S'ivārkaMaDi. ii. 244. 36 (*on* iii. 2. 11); बीभत्साचारैरस्यात्कुष्ठाख्योऽतिजुगुप्सित: SamaMā. 5. 53.

अतिजुगुप्सितत्व (atijugupsita-tva) *n.* the state of being much abhorred हास्यरसस्य बीभत्सरसाधिवासितस्य लशुनलिप्तस्येव कुसुमशेखरस्यातिजुगुप्सितत्वादनीप्सितस्य परमानौचित्येन चमत्कारस्तिरोहित: AuciViCa. 16(43)

अतिजृम्भ् (ati-jṛmbh-) I. Ā. to increase considerably, to manifest strongly रागस्तु सुभ्रुवि तथाप्यतिजृम्भते मे MadaKeC. 23; सुमुख लक्ष्मण पुत्रि विदेहजे सुचरितं भवतोरतिजृम्भते Rāgh. 6. 32.

अतिजृम्भा (ati-jṛmbhā) *f.* excessive yawning वातजा रोगा: … मूकत्वमतिजृम्भा स्यात् RugVi. App. 411. 29 = S'ārṅgaS. i. 7. 111.

अतिजॄ (ati-jṝ-) X. P. to wear out अतिजरयति कुं कुञ्जर: पादतोदात् MātaLī. 1. 31.

अतिज्ञ (ati-jña) *adj.* one who knows much more, wiser अतिशयातिक्रमयोश्च । सूक्त: अतिज्ञ: PrakriKau. i. 522. 6; यच्छिरोमणिकृता निजतन्त्रे ब्रह्मणो दिनमुखं ग्रहसृष्टे: । वक्त्रमुक्तमिदमार्षविरोधात् तत्तु तुच्छतरमूह्यमतिज्ञै: SiddhāTaVi. 6. 24; 41. 15

अतिज्ञानवहा (atijñāna-vahā) *adj.* (*f.*) conveying more knowledge नातिज्ञानवहा यस्मिन्नाड्य: …। शब्दादिलोभि यत्तस्मै तुभ्यं यक्षात्मने नम: ViṣṇuP. iii. 17. 19.

अतिज्योतिस् (ati-jyotis) *n.* super-light चत्वार्यु ह वै देवानामाविष्टमानाव(? म)तिज्योतींष्यग्नि: पृथिव्याम् JaimiBr. 2. 333.

अतिज्वलत् (ati-jvalat) *adj.* burning excessively अत्युग्रोऽतिवीर: … अतिज्वलन् … स्वे महिम्नि सदा समास्ते NṛsiṁhaTāU. 7.

अतिज्वलन (ati-jvalana) *adj.* excessively radiant, extremely shining सरणोऽसि तस्मिञ्ज्वनैर्हर्यैरित्यभिधाय सोऽतिज्वलनोऽभ्युदस्थात् DvyāśraKā. 12. 24.

अतिज्वलन्ती (ati-jvalantī) *adj.* (*f.*) blazing forth ज्वलन्तीमिव (v. l. अतिज्वलन्तीम्) कौन्तेये विवर्णकरणीं मम MahāBhā. ii. 45. 15.

अतिज्वलित (ati-jvalita) *adj.* extremely bright तत्रस्थां ददृशुर्देवीम् … वह्निशुद्धांशुकेनातिज्वलितेन समुज्ज्वलाम् BrahmVaiP. iv. 6. 114.

अतिज्वालाकर (atijvālā-kara) *adj.* causing excessive flames अतिज्वालाकरं भीकरं निक्षिप्तं गरलं गले न गिलितम् S'ivaL. 33. 31.

अतिडीन (ati-ḍīna) *n.* extra-ordinary flight प्रजगादोत्तरं काक: … अतिडीनम्…कर्तास्मि MahāBhā. viii. 26. 25.

अतितक्ष्य (atitakṣ-ya) *ger.* having severely chiselled (reducing greatly) सारेण बाणैरतितक्ष्य तीक्ष्णैर्लून: स्वभावोऽपि कियान्किमस्य NaiṣC. 3. 110.

अतितत (ati-tata) *adj.* [*f.* -ā] stretched far, considerably spread out धीदोर्बले अतितते उचितानुवृत्ती आतन्वती विजयसम्पदमेत्य भात: KāvyPra. 332. 2; त्वमिन संसृतिवल्लरिकामिमामतितताम्…उदपीपट: MahāP. 23. 125.

अतिततकुथ (atitata-kutha) *m. n.* thickly woven painted cloth (for elephants) आस्तीर्यन्तामतिततकुथै: कुञ्जरा: षष्टिवर्षा: Manmatho. 3. 2 (630. 2)

अतितताततितुद् (atitatātitud) *adj.* **i** severely harassing those who are very arrogant तं ततोऽतितताततितुद् … आरारि: S'iśuVa. 19. 3 (comm. अतिततानत्युद्धतान् अतितुदति अतिव्यथयतीति); **ii** punishing those that are growing (large) and advancing अतिततान् चतुरङ्गबलेन प्राप्तविस्तारान् आतिन: सततगमनशीलान् तुदतीति क्विप् SaraKaṇṭhā. 266. 4.

अतितान्तर (atitatāntara) *adj.* with extreme inward expansion तत्पदालम्बनं चेत: स्फारमाभासमागतम् । नास्तमेति न चोदेति खमिवातितान्तरम् YogVā. ii. 14. 31.

अतितत्पर (ati-tatpara) *adj.* extremely devoted to, very eager for that (नृप:) दृष्ट्वा … गजान् दुष्टान् … देवीसूक्तेन जुहुयादयुतं वातितत्पर: YuktiKa. 206. 4 [अतितत्पर is also given as one of the meanings of अभियुक्त ViśvaPra. 72. 196; ViśvaLoK. 152. 196]

अतितथाभूत (ati-tathābhūta) *adj.* becoming extremely similar यत्रातितथाभूते संभाव्येत क्रियाद्यसम्भाव्यम् । … विज्ञेया सेयमुत्प्रेक्षा Kāvyālaṅ. (Ru.) 9. 11.

अतितद् (ati-tad) *adj.* [AltGr. III. p. 439] what has surpassed that

अतिक्रान्तोऽयं ब्राह्मणस्तम् अतितद् ब्राह्मण इति MahāBh. i. 87.21 (*on* i. 1.27); यद्येवमतितद् अतितदौ अतितद इत्यत्वं प्राप्नोति MahāBh. i. 88.6 (*on* i. 1.27); उपसर्जने तु तच्छब्दार्थेऽतितदिति भवति Pradī. i. 578B.4 (*on* i. 1.72); अतिक्रान्तस्तमतितद् अतितदौ अतितदः PadMañ. *on* KāśiVr. *on* P. i. 1.27; अतिकतरं कुलम् । अतितत् SiddhāKau. 52B.3 *Pron.* that good one यद्येवमतिसः अत्वं न प्राप्नोति MahāBh. i. 88.16 (*on* i. 1.27); शोभनः सः इति प्रादिसमासः Pradī. i. 328B.16 (*on* i. 1.27); सः अतिसः MahāBh. i. 188.4 (*on* i. 1.72); अतिसः। परमसः JaineVyā. 357.32 (*on* v. 1.161)

अतितन् (ati-tan-) viii. u. to increase to a great extent गौः … श्रीमुखमतितनुतात्सा जितोत्सेकमूर्तेः JinaS'. 4.14.

अतितनीयस् (ati-tanīyas) *adj.* (comp.) [*f.* -ī] very thin, extremely slender घट्यसि चटुलक्रमावलग्ने किमतितनीयसि तान्ततां श्लथत्वात् । इदमिव सुतनोर्जगौ गलन्ती मणिरशना पटुपादयोः पतित्वा Kapphiṇā. 10.9; (त्वया) अतितनीयस्यपि नितरां तनिमानम् … उपनीता तनुः Kād. 173.15.

अतितनीयस्ता (atitanīyas-tā) *f.* the state of being very small, excessive thinness सकलनिपीतनिशातिमिरमतितनीयस्तया वोढुमसमर्थेष्विव कज्जलव्याजादुद्वमत्स्विव (प्रदीपेषु) VāsaDa. 46.1.

अतितनु (ati-tanu) *adj.* very small, extremely thin, lean, inferior अहं ह्यतितनुश्चैव वानरश्च विशेषतः Rāmā. v. 21.17; (न शुभदा गावः) गुल्फैरतितनुभिः (युक्ताः) BrSaṁ. 61.4; S'ārṅgaPa. 2829; अतितनुरतिघनोऽतिपिच्छिलः (दश क्षारदोषाः) AṣṭāSaṁ. i. 191.15 (1.39); अतितनुर्जलूकसदृशः … पूज्यो न चायं गजः MātaLī. 3.1; धान्यांशेऽतितनौ कणः KośaKaTa. 2.4809.

अतितनुतनु (atitanu-tanu) *adj.* of very slender body स्वस्थः शैले पद्यास्तेऽसौ रुरुः … अतितनुतनु SaraKaṇṭhā. 209.17 (comm. अतिकृशा तनुर्यस्याः इति संबोधनह्रस्वः)

अतितनुता (atitanu-tā) *f.* extreme thinness दद्यात् प्रलेपं निपुणः शुष्के कुड्ये(? डर्ये) विमृश्य तु । …न चातितनुतां गतम् ViṣṇuDhaP. iii. 40.6.

अतितनुत्व (atitanu-tva) *n.* extreme thinness यदा पुनरतितनुत्वान्नियोजनस्याप्ययोग्या खदिरलता भवति S'āstrDī. 480.4 (*on* vi. 3.20); BālamBha. ii. 241.6 (*on* 2.135)

अतितनूभूत (atitanū-bhūta) *adj.* being much reduced or very thin अस्मिन्नुत्पलबन्धुरित्यतितनूभूतेऽपि भूतेशितुः प्रीतिं चिन्तय NīlaVi. 113.3.

अतितन्त्रमुचुकुन्द (atitantra-mucukunda) *adj.* having innumerable *mucukunda* trees नवकुसुमनिचयमवचिचीषुरयमवतरति स…अतितन्त्रमुचुकुन्दम्… उद्यानम् YātrāPra. 4.13(20)

अतितन्त्री (ati-tantrī) *adj.* who has disposed of or gone without a lute अतितन्त्रीः अतिश्रीः MahāBh. i. 224.1 (*on* i. 2.48); अतितन्त्र्यै ब्राह्मणाय MahāBh. i. 314.5 (*on* i. 4.3); स्वरितत्वं किम् । अतितन्त्रीः KāśiVr. *on* P. i. 2.48; समासः अतितन्त्र्यै ब्राह्मणाय PadMañ. *on* KāśiVr. *on* P. i. 4.3; स्त्रीप्रत्ययान्तत्वाभावात् अतितन्त्रीः PrakriKau. i. 525.2.

अतितन्त्रीबन्धु (atitantrī-bandhu) *adj.* (one) having a close relative who has disposed of a lute अतितन्त्रीबन्धुः इत्यत्रापि 'नदी बन्धुनि' इति स्वरः सिद्धः PadMañ. *on* KāśiVr. *on* P. i. 4.3.

अतितन्द्रा (ati-tandrā) *f.* excessive lassitude क्षवथुश्चातितन्द्रा च … । धूमपानात् प्रशाम्यन्ति CaraS. i. 5.27 (1922 Ed.)

अतितन्द्राण (ati-tandrāṇa) *n.* excessive laziness or lassitude यन्त्रुवां (यन्त्रोपपन्नानाम्) न जरातङ्का … । न निद्रा नातितन्द्राणम् MahāP. 9.74.

अतितन्वङ्गी (atitanv-aṅgī) *adj.* (*f.*) having extremely slender body अतितन्वङ्गी मुमूर्षुरपि बालिका । देहत्यागाय सा चक्रे बुद्धिम् MārkP. 125.51; सुकुमारातितन्वङ्गी सद्यःप्रकटयौवना । …असौ बाला DevīBhāP. v. 31.23.

अतितप् (ati-tap-) 1. P. to heat excessively रोहितोऽस्यतपद्दिवम् AV. xiii. 2.40; मार्ति तपो अग्ने AV. xviii. 2.36; अविषह्यांशुरादित्यो यावन्नातितपत्यसौ Rāmā. iii. 110*(1); अये … अतितपत्यादित्यः DūtaVā. 52(1); (caus.) to heat excessively तेनातितापयामास त्रींल्लोकान् सचराचरान् MārkP. 106.5; BrahmP. 6.6.

अतितपत् (ati-tapa(n)t) *adj.* i excessively burning or scorching पश्य कस्यापि न द्वेष्यस्तपनोऽतितपन्नपि PāṇḍaC. 2.218; ii performing severe or intense penance पुनस्ततोऽतितपतामाविरासीत्तथा प्रभुः ĀdiP. 9.49.

अतितपन (ati-tapana) *n.* extreme heat or glow तापः स्यात्पचते(? ने) तथातितपने KośaKaTa. 2.6793.

अतितपस् (ati-tapas) *n.* severe penance, great austerity तस्यातितपसः शक्रो बिभेति सततं विभो MahāBhā. ix. 50.6; तवानेनातितपसा… । प्रसन्नोऽस्मि SkandP. iv. 15.52; मातर्मयातितपसा परितोषिता त्वं प्राग्जन्मनि प्रसुमनादिभिरर्चितासि DevīBhāP. iv. 24.48; *adj.* performing severe penance, DevīBhāP. iv. 24.48; अतितपसम् … पप्रच्छ रोमपादः पालकाप्यम् Hastyāyur. 618.24(4.7)

अतितपस्विता (atitapsvi-tā) *f.* the state of being a great ascetic चन्द्रापीडस्तु … तस्याः (महाश्वेतायाः) … अतितपस्वितया … उपारूढगौरवोऽभूत् Kād. 173.5.

अतितपस्विन् (ati-tapasvin) *adj.* [*f.* -ī] performing severe penance दुर्वाससं विदित्वा च भर्तुस्तेऽतितपस्विनः । … कदाचिद्धि शपेत्स माम् MahāBhā. i. 44.7; सन्ति चैषामतिशठास्तथान्येऽतितपस्विनः MahāBhā. xiii. 33.10; xiii. 85.47; अतितपस्विनम्…भैरवाचार्यं ददर्श HarṣaC. 157.2; अल्पोदरी मलच्छन्ना जाता सातितपस्विनी PadmP.(Ra.) 21.127; BrKathāK. 135.25; तत्साध्वसाद्विमुक्तानि तपांस्यतितपस्विभिः SkandP. iv. 71.6; अतितपस्वी कश्चिच्छन्नेन भवद्द्वारोद्घाटयितव्यः Manmatho. 1.9(421.23)

अतितपस्विनी (atitapasvinī) *f.* name of the medicinal plant *Spilacrantus hirtus* (मुण्डी) स्यादव्यथातितपस्विनी BhāvPraNi. 69.216 = BhāvPra.(Bhā.) 6(4).215.

अतितप्त (ati-tapta) *adj.* i extremely heated तथातितप्तं सवितुर्गभस्तिभिर्मुखं तदीयं कमलश्रियं दधौ KumāSaṁ. 5.21; शक्रस्य च मुखादग्निः प्रबलो निर्गतो बहिः । अतितप्ते यथा तैले जलपाताद्यथा भवेत् GaṇeP. ii. 3.22; अतितप्तेन चान्नेन ज्वलन्तीमिव तां मुनिः । मत्वा हस्तग्रहायोग्यां कुन्त्या (?:) पृष्ठे दृशं ददौ KathāSaSāg. iii. 2.40; निक्षेप्योऽयोमयः शङ्कुर्ज्वलन्नास्ये दशाङ्गुलः । ज्वलन्नतितप्तः ManvaVi. 1038.27 (*on* 8.271); भुजयोरतितप्तशङ्खचक्राकृतिलोहाहतसंभृतव्रणाङ्काः …पाञ्चरात्राः … प्रभग्नाः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 15.74; अतितप्तमयोऽपि मार्दवं भजते SāhiDa. 605.9; भृशार्थातिशये त्वतिः । (भृशार्थो) अतितप्तम् Prasā. i. 37.8; ii excessively afflicted अयमात्मा संसारदशायामाध्यात्मिकादिदुःखैरतितप्तः … मोक्षसाधनमन्वतिष्ठत् NītiMā. 74.7.

अतितप्तता (atitapta-tā) *f.* i the state of being very hot प्रस्रावोष्णत्ववैवर्ण्ये ललाटस्यातितप्तता । …ज्वरे स्युः पूर्ववेदनाः KāśyaS. 33B.39; [अतितप्ततां च] जडतां च परस्पृशुर्न विशस्सनातनमधूसवा इव PṛthvīVi. 9.84; ii excessive harassment, PṛthvīVi. 9.84.

अतितप्ततैल (atitapta-taila) *n.* extremely hot oil (भजति) सचन्दनस्य हिमतामतितप्ततैलम् PārśvC. (Praśasti.) 26; अतितप्ततैलादौ कदाचिदुद्भूतरूपावयवप्रवेशाद् वह्न्यारम्भः TattvCin. i. 727.6; न चातितप्ततैलादौ कथमदृश्यदहनोत्पत्तिरिति वाच्यम् SiddhāMu. 16.5 (*on* 37); अतितप्ततैलोद्भूतवह्निज्वालावच्च किञ्चित्तेजोऽनुभूयते PūrvottaVāNaMā. 82.3.

अतितप्तदेहिन् (atitapta-dehin) *adj.* with a scorched body जलप्रवेशाद‌तितप्तदेहिनः … । … भवन्ति नेत्रे विविधाः स्वदोषजाः KalyāKā. 15.125.

अतितप्ताज्य (atitaptājya) *n.* very hot clarified butter (i. e. ghee) अतितप्ताज्यहोमेन स्वयं ज्वलति पावकः ĪśānS'iPa. i. 51.64.

अतितमस् (ati-tamas) *n.* dense, thick or intense darkness नीहारे च समुत्पन्ने तटेऽतितमसा युते । कामिनी तं मुनिं प्राह मृदुपूर्वमिदं वचः DevīBhāP. ii. 2.24.

अतितमाम् (ati-tamām) *ind.* i to a very large extent, most excessively मुग्धे दुष्करमेतदित्यतितमामुद्दामहासं बलादाश्लिष्य AmaS'. 46; समस्तसंध्यङ्गस्वरूपं तत्पाठपृष्ठे प्रदर्श्यमानमतितमां ग्रन्थगौरवमावहति Loc. 150.9 (*on* 3.14); विबुधाः प्रथयन्ति तामतितमां संवादमेदस्विनीम् SyādvāMañ. 32(72); ममाशु हरतु श्रमानतितमां तमालद्रुमः BhāmiVi. 4.4; अतितमां तन्वी तनुस्ताम्यति RasGaṅ. 90.20; 280.2; 562.17; ii excessive अस्ति हम्मीरराजस्य … । तदप्यतितमां पक्षपातस्त्वयि महाभुजे ParamāKā. 34.14; 39.40; 47.74; 52.17.

अतितमोमयी (atitamo-mayī) *adj.* (*f.*) i of a very dark complexion गिरिजाप्यसितापाङ्गी नीलोत्पलदलच्छविः । विभावर्यां च संयुक्ता बभूवातितमोमयी MatsyaP. 154.588; ii excessively consisting of the Tamas quality देव वैषा त्वया माया दर्शितातितमोमयी YogVā. v. 48.44.

अतितर (ati-tara) *adj.* of greater value, of greater importance पितृयज्ञेति निर्दिष्टो धर्मोऽयं ब्रह्मणा स्वयम् । ततोऽप्यतितरो धर्मः क्रतुरेकः प्रतिष्ठितः VarāP. 187.71.

अतितरङ्गिता (atitaraṅgi-tā) *f.* the state of being extremely wavy or ruffled गच्छतो निस्तरङ्गस्य जलस्यातितरङ्गिताम् । आरम्भे दृष्टिमापात्य तदौन्मुख्यं हि गम्यते S'ivDr. 1.13.

अतितरण (ati-taraṇa) *n.* i surmounting, passing through पप्रच्छ करुणात्मजम् । दुर्गातितरणं वीरो रामः ViṣṇuDhaP. ii. 122.5; ii crossing over, transcending मृत्युः आदित्यः … । तस्यातितरणायेदं सामोपासनमुपदिश्यते ChāndoUBh. 101.3 (*on* ii. 10.0)

अतितरम् (atitaram) *adv.* excessively, extremely क्षत्रं नाम विक्रान्तमतितरं निष्प्रयोजनं तिलं हि मानुष्यमानशून्यः पुरुषः AvantiKa. 74.6; धनगृह-

मतितुङ्गं दुर्निरीक्ष्यं त्रिशङ्कोरतितरमुरुतुङ्गं दक्षिणागारमिष्टम् MayaMa. 27.124.

अतितरल (ati–tarala) *adj.* [*f.* –ā] extremely fickle, greatly unsteady, तत्र का गणनेतरासु तपस्विनीष्वतितरलासु तरुणीषु HarṣaC. 59.2; न हि कुलशैलनिवहवाहिनो वायवः संनह्यन्त्यतितरले तूलराशौ HarṣaC. 253.17; 332.3; स्फटिकभित्तिभागेषु सकलमिव दिवसमतितरलं भ्रमन्ति(?ति) प्रतिबिम्बपतङ्गमण्डलम् AvantiKa. 6.17; VāsaDa. 277.3; नलिनीदलगतजलमतितरलं तद्वज्जीवितमतिशयचपलम् MohMu. 4; तव दीनं रिपुनिवहमतितरलकातरमुपेक्ष्य··· भवन्तम्···अभिसरति वीर जयलक्ष्मीः ChandaśCū. 2.272(3); तारुण्यं चातितरलं बाल्यं जडतया हृतम् YogVā. i. 26.9.

अतितरलमति (atitarala–mati) *adj.* extremely fickle-minded अतितरलमतिः पुरोहितोऽभून्नृपविदितो हरिभद्रनामवित्तः PrabhāC. 62.17.

अतितरस् (ati–taras) *n.* great force or might [Inst.] with great might or high speed उन्मूल्यालानभूमीरुहमतितरसोत्खण्डितान्दूवितानान्याकर्षन्नेष पादैर्मदजलकलुषः क्षिप्तनक्षत्रमालः। ··· धावति ··· करीन्द्रः KaṁVa. 6.11 = PadyaVe. 120.

अतितरसुरभि (atitara–surabhi) *adj.* [Debru. p. 608] extremely fragrant नीत्वोच्चैर्विक्षिपन्तः ··· परागान् ··· अतितरसुरभीन् भूरिशो दिङ्मुखेषु। ··· वान्ति वाताः AmaS'. 119.

अतितरसुलभ (atitara–sulabha) *adj.* very easily attainable अन्तरात्मा···याति निद्राम्। विश्रामाय स्वरूपे त्वतितरसुलभं तेन चातीन्द्रियं हि सुखम् S'atS'lo. 67.

अतितरस्नेह (atitara–sneha) *m.* profound affection तौ दम्पती अतिसुभगावतितरस्नेहसंपन्नौ SāmaraU. 289.4.

अतितरस्विन् (ati–tarasvin) *adj.* very quick तेषां विनर्दतां शब्दः संयुगेऽतितरस्विनाम्। शुश्रुवे Rāmā. vi. 43.14; अयमुल्लङ्घयते वप्रः ··· प्रस्मराम्भसा। रभसादश्ववारेणाश्व इवातितरस्विना TriṣaS'aPuC. ii. 6.353.

अतितराम् (ati–tarām) *ind.* [P. v. 4.11] **A** better than, greater than (Abl.) स यथा च ह पुर आसातितरां ह तत आस JaimiBr. 2.157; अतितरां ह वै स इतरस्मादग्नेस्तपति S'atBr. I. iv. 3.1; **B** superior to, greater than (Acc.) तस्माद्वा इन्द्रोऽतितरामिवान्यान् देवान् JaimiBr. 4.21; तस्माद्वा एते देवा अतितरामिवान्यान् देवान् KenU. 4.2 (S'aṅ. अन्यान् देवानतितरामतिशेरत इव एते देवाः); **Ci** excessively, greatly, very much [with verbs] तथागतं सोऽतितरां बभासे सधातुनिष्यन्द इवाद्रिराजः RaghuVa. 16.70; उत्कण्ठयत्यतितरां पवनः प्रभाते ṚtuSaṁ. 3.15; आधिव्याधिशतैर्वयस्यतितरामारोग्यमुन्मूल्यते S'atTrayī. 198; द्वेषानुबन्धमतितरां चकार ViṣṇuP. iv. 14.51; MārkP. 68.11; ततापातितरां शिवः BrahmāṇḍP. iii. 30.83; मामतितरां तरलीकरोति KundaMā. 5.15; दानं ददावतितराम् S'iśuVa. 5.48; इयमेव वदनकान्ती रतिकान्ताकूतमतितरां कुरुते KuṭṭaMa. 46; EI. vii. 156.2; BṛĀraUBhVā. v. 1.54; ये स्तुतिभिरतितरां प्रवर्तन्ते ManuBh. ii. 201.12 (*on* 8.302); SubhaDha. 5.13 (2); TilaMañ. 99.9; प्रणमत तं जिनव्रजम् ···। यमतितरां सुरेन्द्रवरयोषित् ··· ननाम CaturJiStu. 78; BhāgP. v. 4.1; इयं प्रतिज्ञातितरां सततं बाधते हि माम् SkandP. iii(1). 16.37; GaṇeP. ii. 120.51; YogVā. iii. 70.74; AbhinBhā. ii. 339.11 (*on* 16.102); KaumuMi. 3.2 (3); सुखनाशाद्धि बिभेत्यतितरां जनः AnuVyā. 70B. 3 (*on* 4.2); EI. iii. 75.1; स्फारैर्भीषय गर्जितैरतितराम् SūktiMu. 21.5 = S'ārṅgaPa. 786; RasāSu. 5.11 (1.31); S'aṅkaDigVi.(Mā.) 5.112; HammīMaKā. 7.35; श्वसिस्य(?ष्य)तितराम् Subhāṣi. 1439; देवः ··· अतितरां नः कृपयतु StavMā. 7.2; ṢaṭCakraNi. 43; पतत्यतितरां भानुः समुद्रे मुहुः SūktiSu.115 = PadyaVe. 70; MayūMāli. 414.6 (*on* v. 1.9); Rāgh. 6.24; **Cii** excessively [with *adj.*] भरतो न्यपतत् क्षितौ। रुदन्नतितरामार्तः Rāmā. ii, App. I. 30 (8); काले दाता ह्यवमानितोऽपि न क्रोधमतितरामेति NāṭyaS'ā. 23.58; विभावसुः···। बभूव तेनातितरां सुदुःसहः RaghuVa. 3.37; अभूत्कृतार्थोऽतितरां महेन्द्रः KumāSaṁ. 12.24; नृत्तादस्याः स्थितमतितरां कान्तम् Mālavikā. 2.6; Nalābhyu. 6.35; चकारातितरां क्रुद्धः प्रतिज्ञाम् BrahmāṇḍP. ii. 34.31; HarṣaC. 65.11; S'iśuVa. 10.90; किं वापेक्ष्यमिहापि मय्यतितरां मिथ्याविचारादिकम् Praudhā. 11; भागीरथ्यास्तटमतितरां रम्यमासाद्य PadmP.(Ra.) 11.382; BṛĀraUBhVā. ii. 1.61; PañcPā. 64.8 (*on* i. 1.1); आयुधदण्डहस्तः ··· दूतो भवेदतितरां यमदूतकल्पः KalyāKā. 1.33; भवतां प्रमाणत्वेनातितरामिष्टा श्रुतिः IṣṭaSi. 160.17; Stotrā. 13.2; शब्दालंकारोऽप्यतितरां रमणीयः VakroJi. 11.8; SkandP. iv. 89.133; विष्णुरप्यतितरां विवशोऽथ शेते DevīBhāP. i. 7.38; PadmP. i. 62.26; एकादशी शुभा (कार्त्तिकी)। हरेरतितरां प्रेष्ठा BṛDharmaP. i. 15.27; GaṇeP. i. 59.9; YogVā. ii. 12.14; MālinīT. 14.38; ते भक्ता अतितरां मे प्रियाः GītāBh.(Rā.) 567.12 (*on* 12.20); व्यसनैरसावतितरां मलिनैः ··· तुरगैरिव PṛthvīVi. 3.23; HammīMaMa. 4.18; VasaViKā. 10.54; पूर्यमाणो हि गर्तोऽयं भवत्यतितरां महान् SamarāSaṁ. 5.520; KaṁVa. 5.25; प्रत्यभिज्ञया ··· आत्मस्थैर्यसिद्धिरतितरामप्रत्यूहा S'ivārkaMaDī. ii. 90.31 (*on* ii. 2.24); RasGāṅ. 273.1; BhāmiVi. 2.54; MūkaPañ. 2.3; SiṁhāDvā. 16.5; ParamāKā. 6.43; VaiyāBhū. 2.3 (*on* 1); [with *adv.*] हंसैरुज्झितपङ्कजैरतितरां सोद्वेगमुद्वीक्षितः ··· मेघः Mṛcch. 5.23; **D** excessive, much, very much [with nouns] येन श्यामं वपुरतितरां कान्तिमापत्स्यते ते MeghDū. 15; आययावतितरामिव वध्वाः सान्द्रतामधरपल्लवरागः Kirātā. 9.62; अस्मिन् भ्रमज्ञाने तेषामतितरां भ्रमः NyāyMañ. i. 163.25; अद्य त्वतितरां ब्रह्मन्मम भाग्यविपर्ययात् YogVā. i. 8.10; अतितरां सहजोदितेन प्रेम्णा परस्परमनोहरणाभिरामौ EI. ii. 334.8; सुखे स्वर्गादौ चेद्रतिरतितराम् BhartṛNi. 5.23; तन्मूलभूतभ्रान्त्यादेश्च कल्पनेऽतितरां गौरवापत्तेः MīmāKau. i.87.11 (*on* i. 3.12); प्रियेक्षणचकोरयोरतितरां सुधापारणा। ··· ते स्मितश्रीरियम् S'ṛṅgāMañ.(A.) 43.10; तालोच्चैस्तिरयंस्तरन्नतितरां तारुण्यलीलां वहन्। ··· मन्दं मण्डयति स्म मण्डलमथो देवो मृडानीपतिः ParamāKā. 7.43 (?45); [with tmesis) अपां पृषन्ति।···आतन्वन्त्यति हि तरामनभ्रवृष्टिम् Rāgh. 12.9.

अतितरार्ति (atitarārti) *f.* excessive distress or pain तस्या यदस्म्य(?स्य)तितरार्तिगतो विशेषः BhikṣāKā. 23.15.

अतितरुण (ati–taruṇa) *adj.* very young, recent दोषः प्रत्येति कोपाच्च विद्धो(v. l. वृद्धो)ऽतितरुणश्च यः SuśruS. vi. 17.81 (comm. लिङ्गनाशमप्राप्तः)

अतितरुणाय (ati–taruṇāya–) [denom.] to behave like a very young person, to become rejuvenated मैथुनाद्बलहानिः स्यान्निद्रातितरुणायते PadmP. i. 61.32.

अतितर्क (ati–tarka) *m.* over-reasoning इत्यलमतितर्करसावसेकेन NyāyMa. 30.7.

अतितर्जित (ati–tarjita) *adj.* very much threatened तैः ··· लज्जाभिरतितर्जितैः। सारसर्वाभिसारेण प्रहर्तुमुपचक्रमे PāṇḍaC. 13.984.

अतितर्पण (ati–tarpaṇa) *n.* **A** over-satisfaction अतितर्पणादरुचिमानिवाचरत्यचलेषु नोष्मसमये भयं शिखी PṛthviVi. 9.17; **B** over-eating, over-nourishment अतितर्पणम्। अतिभोजनादि BālamBha. iii. 104.32 (*on* 3.79); गर्भिणी ···। व्यवायं च न सेवेत न कुर्यादतितर्पणम् BhāvPra.(Bhā.) 3.332.

अतितर्पित (ati–tarpita) *adj.* **i** over-satiated भगवद्गुणग्रामयशोऽतितर्पितश्रुतिप्रतिस्पर्धितया विलोचने। विषीदतः स Vidvanmo. 8.126; **ii** over-filled (with oil) अथ साश्रु गुरु स्निग्धं नेत्रं स्यादतितर्पितम् S'ārṅgaS. iii. 13.51.

अतितर्ष (ati–tarṣa) *m.* excessive desire (सः) सकरुणमतितर्षेण ··· अनुशोचन् ··· होवाच BhāgP. v. 8.15.

अतितर्षित (ati–tarṣita) *adj.* excessively thirsty तज्जलं पीतमात्रं तु त्वरया चातितर्षितः SkandP. v(3). 103.153.

अतितव (ati–tava) cf. **अतियुष्मद्**, KāśiVṛ. *on* P. vii. 2.92 and *on* P. vii. 2.96.

अतितस् (ati–tas) *adv.* after or from the word *ati* द्वितीयं द्वितीयमतितः Chandonu. 4.7 (comm. अत्र द्वितीयं द्वितीयं शब्दरूपमतिशब्दात् परतः प्रयोक्तव्यम्); जगतीशक्वर्यष्टिधृतीनां पृथक् परा परातितः JayaChand. 4.4.

अतितस्करव्यवहार (atitaskara–vyavahāra) *m.* general usage of the term *thief* प्रकाशस्त(?त)स्कराणां नातितस्करव्यवहारो यथा लोकेऽन्येषामटवीचराणाम् ManuBh. ii. 312.5 (*on* 9.256)

अतिताडन (ati–tāḍana) *n.* excessive beating अतिताडनैश्चौरे विपन्नेऽथ कृपाकुलः। त्यक्त्वा तमप्यधीकारं विषण्णो जाह्नवीमगात् RājTa.(Ka.) 7.602; यथासंभवमतिताडनं क्रोशनं चात्र प्रतिषिध्यते ManuBh. i. 155.27 (*on* 2.159)

अतिताडनशीला (atitāḍana–śīlā) *adj.* (*f.*) used or habituated to excessive beating हिंस्रा नाकुलशङ्क्या स्यादेवातिताडनशीला ManuBh. ii. 266.8 (*on* 9.80)

अतिताडित (ati–tāḍita) *adj.* struck or beaten excessively नृपेण दण्डितोऽत्यर्थं शत्रुणा ह्यतिताडितः SkandP. ii(9). 25.12; धन्योऽसि कन्दुक···यत् कामिनीकरतलैरतिताडितोऽपि।··· वक्षोजमाश्लिषसि PadyaVe. 532.

अतितान (ati–tāna) *n.* name of a musical composition गन्धर्वाभ्यामतितानं नाम···गान्धर्वमगीयत ViṣṇuP. iv. 1.68.

अतितानव (ati–tānava) *n.* excessive slimness अङ्गानामतितानवं कुत इदम् ··· इति प्राणेश्वरे पृच्छति AmaS'. 50.

अतिताप (ati–tāpa) *m.* **A** excessive heat (भूतेः) तस्याश्रमे ···। नातितापं रविश्चक्रे MārkP. 99.9; त्वमेव शरणम् ···। शीतातितापहिमवृष्टिनिपीडितानाम् KalyāKā. 1.5; रसविशेषमात्रापेक्षे हि तदतितापेन सान्द्रीभूतेऽपि पयसि पयस्त्वप्रतीतेः S'āstrDī. 357.1 (*on* iv. 1.9); **B** excessive pain or affliction अन्तर्निमग्नचरपुष्पशरोऽतितापात्किं चकार तरुणो न यदीक्षणाग्निः AlaṅkāSa. 90.3; सखि चन्द्रमसं वाडवानलादतितापकरं मन्ये DaśKuC. 29.13; किमेभिश्चिन्तनैर्व्यर्थैरतितापकरैर्मम SkandP. iv. 7.124; **C** excessive inflammation सितया भक्षयेत्कर्षमतितापप्रशान्तये RasRaSa. 20.153; तेभ्यः क्षीरं प्रदापयेत्। शमयत्यजि(ति)-

-तापं च Hastyāyur. 674. 16 (4. 23)

अतितापव्यतिकर (atitāpa-vyatikara) *m.* occasion of excessive heat नभः शून्यं भूम्ना प्रसभमतितापव्यतिकरे कुलायान्ते विश्राम्यति (श्र)गिति-वृन्दे छदभृताम् MahāviC. 5. 73 (285. 19)

अतितापार्जन (atitāpārjana) *n.* **i** acquiring excessive grief अहो नापत्रपाकं ते जातरूपमिदं मुखम् । नातितापार्जनेऽपि स्यादितो दुर्वर्णनिर्गमः NaiṣC. 20. 141; **ii** acquiring intense heat, NaiṣC. 20. 141.

अतितापित (ati-tāpita) *adj.* excessively troubled तस्मान्न शीते नात्युष्णे न खिन्ने नातितापिते । पीत्वा यवागूं तृप्तस्य स्रावयेच्छोणितं बुधः S'ārṅgaS. iii. 12. 29; बाह्यत्वादतितापितौ । क्षुत्क्षामौ पेततुर्दुःखैः सचिवौ जम्बुकौ हरेः BṛKathāMañ. 16. 281.

अतितापिन् (ati-tāpin) *adj.* excessively inflammatory जन्तुः···। अत्यम्लकटुतीक्ष्णोष्णलवणैर्मातृभोजनैः । अतितापिभिरत्यर्थं बाध्यमानः (आस्ते) BrahmP. 233. 11.

अतितामस (ati-tāmasa) *adj.* [*f.* -ī] greatly affected by the quality of *tamas* (ignorance), an extremely malevolent person एतेषु शून्यवादिनोऽतितामसा: NyāySu.(Ja.) 629A. 2 (*on* 4. 2); आश्रित्य प्रतिभामाह जिनस्तत्रातितामसीम् AnuVyā. 63A. 1 (*on* 4. 2); अतितामसोऽजगन्धिः काकरवो ह्रस्वकूर्चकः पापः । भीरुः कुधीः पिशाचो रासभलिङ्गस्तु विज्ञेयः S'ārṅgaPa. 3120.

अतिताम्बूलचर्वण (ati-tāmbūlacarvaṇa) *n.* excessive chewing of betel leaf शोषः पित्तानिलास्रं स्यादतिताम्बूलचर्वणात् BhāvPra.(Bhā.) 5. 195.

अतिताम्र (ati-tāmra) *adj.* [*f.* -ā] extremely red (áti-tāmrá) अति॑ता॒म्राणि॒ वासां॑सि । कृ॒ष्टिर्व॑ज्रि॒श॑तघ्नि॒ च । विश्वे॑ देवा विप्र॑हर॒न्ति TaiĀ. i. 5. 1 (29. 4); वक्त्रेण ···। दीप्ताक्षेणातिताम्रेण लिहन्तं सृक्किणी मुहुः MahāBhā. iii. 175. 14; भरतर्षभ: । नेत्राभ्यामतिताम्राभ्यां कैतव्यं समुदैक्षत MahāBhā. v. 160. 1; करोऽतिताम्रो रामाणाम् Kāvyāda. 3. 21; अतिताम्रद्युति कालदन्तिना । रविवारिरुहं निरस्यते NavaSāC. 12. 25; आलुलोके ··· गौतमम् ··· जटाभिरतिताम्राभिः SkandP. i(3A.) 5. 3.

अतिताम्रता (atitāmra-tā) *f.* the state of being deep red बाह्यं तु लिङ्गमस्याहुः ··· नेत्रयोश्चातिताम्रताम् MahāP. 21. 53.

अतिताम्रनख (atitāmra-nakha) *adj.* possessing very red nails अनुकृतपक्षिणम् ··· अतिताम्रनखम् (वन्देमहि ··· त्वाम्) StavMā. 48. 29.

अतिताम्राक्ष (atitāmrākṣa) *adj.* possessing exessively red eyes पश्यामीवातिताम्राक्षमापतन्तं वृकोदरम् MahāBhā. v. 50. 43; हलायुधः ।··· उवाच चातिताम्राक्षो भ्रुकुटीकुटिलाननः ViṣṇuP. v. 35. 22; हिरण्याक्षो महाबलः । सरोषश्चातिताम्राक्षो ह्यसुरानादिदेश ह PadmP. v. 65. 1.

[1]**अतितार** (ati-tāra) *adj.* **A** excessively high or loud सहसैवोच्चरन्तमतितारम् ··· अश्ववृन्दस्य श्रवणपरुषह्रेषाध्वनिमश्रौषीत् । TilaMañ. 208. 3; तत्र तत्रातितारेऽत्र···तरेत्तातारतीरेतातते त्रातरि ते रतिः Yādavā. 6. 83; विरलाश्चातितारत्वाद्दंशा पञ्चाङ्गुलादधः SaṃgīRa. iii. 323. 1 (6. 440); **B** shining, very radiant अद्राक्षीत्···प्रभावर्षिणमतितारं हारम् Kād. 202. 7.

[2]**अतितार** (ati-tāra) *adj.* surpassing the stars रत्नाक्षसूत्रवलयं परिवर्तयन्ती नक्षत्रमण्डलमिव क्षणदातितारम् । ···एषा शिवात्र शिबिरे कृतसंनिधिर्वः HarVi. 39. 42.

अतितारक (ati-tāraka) *adj.* surpassing the stars अत्यर्कमत्यग्नि तत्ते तेजो व्योम्न्यतितारकम् SkandP. iv. 16. 120.

अतितारतान (atitāra-tāna) *m.* tone of high pitch अतितारतानवर्तिनीनां वर्णा(? वीणा)तन्त्रीणामिव झंकारमेकतानं नारीणां रुदितम्···आकर्णितवानसि HarṣaC. 321. 21.

अतितारम् (ati-tāram) *adv.* exceedingly loud पुष्पादिना हन्ति तथातितारं संकासयेत् (अनुरक्ता स्त्री) AnaṅgaRa. 8. 22.

अतितारस्वना (atitāra-svanā) *adj.* (*f.*) crying aloud (*lit.* with a very loud voice) तयातितारस्वनया गतं मा (comm. उच्चैराक्रोशमानया) RāmKṛViKā. 21.

अतितारस्वर (atitāra-svara) *m.* exceedingly high voice एवमविश्रान्तमतितारस्वरेण उद्दण्डयतो दण्डपासिकस्य ··· प्रतीहारः सविनयमुक्तवान् NalaCam. 7. 0(1)

अतितारिणी (ati-tāriṇī) *adj.* (*f.*) ferrying over, carrying across स (पुत्रः) इरावत्यतितारिणी AitBr. 33. 1 (836)

अतितार्या (ati-tāryà) *adj.* (*f.*) to be overcome ये मृ॒त्यव॒ एक॑शतं॒ या ना॒ष्ट्रा अ॑ति॒तार्याः॑ । मु॒ञ्चन्तु॒ तस्मा॒त्त्वां दे॒वाः अ॒ग्नेर्वै॑श्वान॒राद॑धि AV. viii. 2. 27.

अतितालिन् (atitālin) *m.* name of a soldier in Skanda's army येऽन्ये स्कन्दस्य सैनिकाः ··· वैताली चातिताली च MahāBhā. ix. 44. 62.

अतितिक्त (ati-tikta) *adj.* of a very bitter faste लवणकटुकषायातितिक्तोष्णतोयैः ···कफशमनमवाप्नोति मर्त्यः KalyāKā. 10. 4; *n.* fragrant grass कत्तृणमतितिक्ताह्वः AbhidhāMañ. 66. 11.

अतितिक्तक (atitikta-ka) *adj.* of a very bitter taste यदा प्रमेही विशदातितिक्तकं सरूक्षसक्षारकटुष्णमूत्रकम् । कदाचिदल्पं विसृजेत् KalyāKā. 11. 56.

अतितिक्षमाण (á-titikṣamāṇa) *adj.* unable to endure, not bearing सो॑ऽतितिक्षमाणः पु॒रुष॑मे॒वाभ्ये॑या॒य S'atBr. II. iii- 3. 1; श्रीभूतिराचनयं दण्डद्वयं क्रमेणातितिक्षमाणः YaśasCam. ii. 348. 26.

अतितिक्षा (a-titikṣā) *f.* impatience, non-endurance अतिवादोऽतितिक्षा च ··· तामसं वृत्तमिष्यते MahāBhā. xiv. 36. 20; ViṣṇuP. iii. 17. 23; MahāP. 34. 120.

अतितिक्षु (a-titikṣu) *adj.* not forbearing, impatient तितिक्षुरतितिक्षोर्विशिष्टः MahāBhā. i. 82. 6; MatsyaP. 36. 6; AvantiKa. 73. 10; अथातितिक्षोरिव राजराजमन्यं तदाशां प्रति यस्य यातुः । द्विधापि भीत्युज्झितवित्तपाशैर्भूपैः प्रतीपैर्विभयैर्बभूवे EI. ii. 188. 37; NīlaVi. 20. 19.

अतितिग्म (ati-tigma) *adj.* very sharp or fierce भीष्मम् ··· तपन्तं मम सैन्यसंघान् । शरौघजालैरतितिग्मतेजैः कालं यथा मृत्युकृतं क्षणेन MahāBhā. vi. 81. 20; BhāgP. v. 2. 8; AvantiKa. 93. 7; S'ilpaRa. i. 11. 6.

अतितिर्वस् (áti-titirvás) *adj.* crossing over, overcoming होत्रा॑भिर॒ग्निं मनु॑षः॒ समि॑न्धते तिति॒र्वांसो॒ अति॒ स्रिधः॑ ṚV. i. 36. 7.

अतितितीर्षत् (ati-titīrṣat) *adj.* seeking to cross over or to overcome यः स्वानुभावमखिलश्रुतिसारमेकमध्यात्मदीपमतितितीर्षतां तमोऽन्धम् । संसारिणां करुणयाह ··· तं व्याससूनुमुपयामि BhāgP. i. 2. 3.

अतितितीर्षु (ati-titīrṣu) *adj.* desirous of crossing over कथमन्योऽन्यसंत्यागो मुमुक्षोरतितितीर्षोः BhāgP. xi. 13. 17.

अतितिन्दूत्पथ (atitindūtpatha) *m.* palmyra tree अतितिन्दूत्पथः कृष्णातिन्दुकोऽसिततिन्दुकः AbhidhāMañ. 116. 5.

अतितिरस्कार (ati-tiraskāra) *m.* extreme contempt or neglect वरं चातितिरस्कारो बालानां नातिलालना BṛKathāS'loSaṁ. 20. 89.

अतितिरस्कृता (ati-tiraskṛtā) *adj.* (*f.*) extremely despised भर्त्रा चातितिरस्कृताम्···सम्यगाश्वास्य तेनैतामनुकूलयेत् BhaviP. 35A. 9 (i. 13. 27)

अतितिर्यग्दृष्टि (ati-tiryagdṛṣṭi) *adv.* keeping the eye straight कनीनकादपाङ्गं यावदञ्जनं नयेदनल्पम् ··· अति(? अ)तिर्यग्दृष्ट्यकम्पितम् AṣṭāSaṁ. i. 165. 3 (1. 32)

अतितिलपीडनि (ati-tilapīḍani) *adj.* surpassing the sesamum grinder; above or beyond sesamum-crusher 'त्यग्रहणे यस्मात्स तदादेः' इतीयं परिभाषा स्त्रीत्यग्रहणान्नेष्यते । तेन—अतितिलपीडनिः JaineVyā. 4. 16 (*on* i. 1. 8)

अतितिष्ठिघिषत् (ati-tiṣṭighiṣat) *adj.* desirous of overpowering, desiring to attack ता॑ अतितिष्ठिघिषन्नतिष्ठिघं ना॑शक्नोत् MaiS. i. 6. 3.

अतितिष्ठत् (ati-tíṣṭhat) *adj.* going beyond, overcoming मू॒लं वा अ॑ति॒ति॒ष्ठद्र॑क्षांस्यनूत्पिपते TaiBr. III. ii. 9. 10.

अतितिसृ (ati-tisṛ) *adj.* (*f.*) surpassing three, going beyond three उपसमस्तार्थमेके जसो ग्रहणमिच्छन्ति । अतितिस्रौ । अतितिस्रः MahāBh. iii. 104. 22 (*on* vi. 1. 166); iii. 222. 5 (*on* vi. 4. 130)

अतितीक्ष्ण (ati-tīkṣṇa) *adj.* [*f.* -ā] **i** very harsh प्रब्रूयाच्चातितीक्ष्णेन कण्ठेन मृदुनादिना MāṇḍūS'i. 4. 5; वाचः ··· अतितीक्ष्णा मया क्षान्ताः MahāBhā. iii. 296. 3; v. 21. 4; **ii** very strong अतितीक्ष्णोग्राभिष्यन्दिनां गन्धानामतिमात्रं घ्राणमतियोगः CaraS. i. 11. 37; BrahmāṇḍP. iii. 28. 100; नातितीक्ष्णमृदुस्वच्छघनं व्यापन्नमेव वा (मद्यं पेयम्) AṣṭāSaṁ. i. 27. 14 (1. 6); i. 123. 12 (1. 23); i. 163. 13 (1. 32); क्षारस्य ··· दशैव दोषाः ··· अत्युष्णोऽतिशीतोऽतितीक्ष्णः AṣṭāSaṁ. i. 191. 15 (1. 39); AṣṭāHṛ. i. 3. 26; न विकारशतानि नातितीक्ष्णा मदिरा दर्शयति स Kapphiṇā. 13. 33; RugVi. 26. 6; GītāBh.(S'aṅ.) 475. 9 (*on* 17. 9); GītāBh.(Rā.) 617. 25 (*on* 17. 9); BṛKathāK. 123. 11; NītiVā. 30. 11; SiddhYo. 75. 15; GaṇeP. ii. 95. 54; ii. 115. 35; AśvaVai. 6. 11; RājTa.(Jo.) 821; (मूत्रम्) औष्ट्रमतितीक्ष्णं कृमिकोष्ठविशोधनार्थं दद्यात् Hastyāyur. 687. 3 (4. 27); **iii** very severe, very cruel अतितीक्ष्णः ··· सर्वे ब्रह्महणैः समाः MahāBhā. v. 35. 40; viii. App. 1. 8(11); xiii. 72. 37; तस्याः ···सौम्यप्रकारमतितीक्ष्णमवेक्ष्य वक्त्रम् Avimā. 2. 7; BṛSaṁ. 68. 110; दुर्वासिसातितीक्ष्णेन ··· अन्यैर्महर्षिभिः ··· प्रत्यवेक्ष्यसे SkandP. i(3B). 3. 12; ii(2). 30. 12; ii(8). 7. 127; Hastyāyur. 612. 2 (4. 5); सिंहासनमशिश्रियत् । अतितीक्ष्णो नवो राजा RājTa.(S'rī.) 2. 6; S'ukraNī. 4(7). 123; **iv** very sharp (means) नृपस्त्वां हन्तुमुद्यतः । अद्य श्वो वातितीक्ष्णैश्च किंचिन्नावापि बुध्यसे Manaso. ii. 18. 990; अतितीक्ष्णेन शस्त्रेण छिन्नमांसं च कर्तयेत् AśvaVai. 39. 25; *m.* red Moringa pterygosperma अती(? ति)तीक्ष्णो रक्तशिग्रौ ApūNā. 20B. 4.

अतितीक्ष्णक (atitīkṣṇa-ka) *m.* name of a plant श्वेतोऽतितीक्ष्णकः KośaKaTa. 1. 3375.

अतितीक्ष्णकर (atitīkṣṇa-kara) *adj.* doing very cruel (acts) (भवेज्जातः) भौमे…पञ्चमेऽतितीक्ष्णकरः HorāSā. 21. 19.

अतितीक्ष्णकाग्र (ati-tīkṣṇakāgra) *n.* very sharp point, extremely sharp awn शूकोऽपि धान्याद्यतितीक्ष्णकाग्रे KośaKaTa. 2. 3337.

अतितीक्ष्णकील (atitīkṣṇa-kīla) *m.* very sharp nail or spike सुभगस्तारकोत्तमः । विद्धोऽतितीक्ष्णकीलेन शूलाप्रोत इवाजनि MalliC. 7. 251.

अतितीक्ष्णकोटि (atitīkṣṇa-koṭi) *adj.* having very sharp point, very sharp-tipped अतितीक्ष्णकोटिभिष्टङ्किकाभिस्तक्ष्यमाणाभ्यः शिखरमणिशिलाभ्यः समन्ततः समुच्छलितानि…स्थूलशकलानि TilaMañ. 156. 8.

अतितीक्ष्णचञ्चु (atitīkṣṇa-cañcu) *f.* very sharp beak शुककुलम् …अतितीक्ष्णचञ्चुचरणैरुपद्रुतां मां करिष्यति प्रसभम् S'ṛṅgāMañ.(A.) 10. 9.

अतितीक्ष्णतरा (atitīkṣṇa-tarā) *adj.* (*f.*) extremely sharp अतितीक्ष्णतरे जिह्वे मुखे कुर्यात्तु लोचने S'ilpaRa. ii. 16. 52.

अतितीक्ष्णता (atitīkṣṇa-tā) *f.* excessive sharpness अतितीक्ष्णता अतिमृदुता … अतिस्निग्धता … द्रव्यदोषाः SuśruS. iv. 35. 32; HarṣaC. 160. 9; KalyāKā. 2. 12; शस्त्राणां चातितीक्ष्णताम् … अनुगच्छन्ति योषितः SūktiRa. 54. 3; RājTa.(S'rī.) 2. 114.

अतितीक्ष्णधार (atitīkṣṇa-dhāra) *adj.* having a very sharp edge अतितीक्ष्णधारोऽपि … मन्दमपि पूर्वच्छेदतः परेण प्रसर्तुं न शशाक निस्त्रिंशः TilaMañ. 53. 14.

अतितीक्ष्णधी (atitīkṣṇa-dhī) *adj.* having an extremely sharp intellect अतितीक्ष्णधीः …तस्या जारोऽप्यासीज्जयाकरः RājTa.(Ka.) 7. 125.

अतितीक्ष्णप्रज्ञ (atitīkṣṇa-prajña) *adj.* having a very sharp intellect ततोऽतितीक्ष्णप्रज्ञेन नोनकाख्येन मन्त्रिणा । अभ्यूह्य शिक्षितकलो विलक्षोऽगाद्यथागतम् RājTa.(Ka.) 7. 530.

अतितीक्ष्णमहादंष्ट्र (atitīkṣṇa-mahādaṁṣṭra) *adj.* having very sharp and large teeth स (शरभाख्यो हरः) मृगार्धशरीरेण … अतितीक्ष्णमहादंष्ट्रः LiṅgaP. i. 96. 67.

अतितीक्ष्णवेग (atitīkṣṇa-vega) *adj.* having very sharp (i. e. high) speed ततः समेतावतितीक्ष्णवेगौ महाबलौ तौ रणनिर्विशङ्कौ । कपिश्च रक्षोऽधिपतेश्च पुत्रः Rāmā. v. 46. 24.

अतितीक्ष्णा (ati-tīkṣṇā) *f.* red mustard आसुरी राजिका राजी कृष्णका रक्तसर्षपः । तीक्ष्णगन्धा चातितीक्ष्णा DhanvNi. 146. 9; ApūNā. 20B. 4.

अतितीक्ष्णांशु (atitīkṣṇāṁśu) *adj.* (the sun) whose rays are very hot or scorching तीक्ष्णांशुरतितीक्ष्णांशुर्ग्रीष्मे संक्षिपतीव यत् AṣṭāHṛ. i. 3. 26.

अतितीक्ष्णाग्निसाध्य (atītīkṣṇāgni-sādhya) *adj.* curable by highly strong fire अतितीक्ष्णाग्निसाध्यांस्तु शिलाभिः साधयेद्भिषक् Hastyāyur. 112. 1 (1. 15)

अतितीक्ष्णाग्र (atitīkṣṇāgra) *adj.* which has a very piercing or sharp tip तच्छूलमतितीक्ष्णाग्रं सुभीमं लोमहर्षणम् MahāBhā. xiii. 14. 135; अलावीदतितीक्ष्णाग्राण्यविकारं कुशानि सा SkandP. i(3B). 18. 54.

अतितीक्ष्णाङ्ग (ati-tīkṣṇāṅga) *adj.* having very sharp limbs (in outlines) अनुरूपप्रमाणेन नातितीक्ष्णाङ्गमेव च । …गण्डपरावृत्तं स्थानम् ViṣṇuDhaP. iii. 39. 22.

अतितीक्ष्णानन (atitīkṣṇānana) *adj.* [*f.* –ā] possessing an extremely sharp beak or mouth यन्त्रम् काकमुखं तदेव यदपि ध्वाङ्क्षातितीक्ष्णाननम् Jīvān. 282. 5; या शीघ्रं पिबतीह शीघ्रगमना दीर्घातितीक्ष्णानना । सा स्याच्छङ्कुमुखी KalyāKā. 21. 41.

अतितीक्ष्णाभिधेयसूचि (atitīkṣṇābhidheya-sūci) *adj.* consisting of needles in the form of very sharp ideas पशुजनहृदयकुशेशये न अस्मदीयैर्वचनशतैरपि अतितीक्ष्णाभिधेयसूचिभिरपि संभेदोऽथ विकासोऽथ वितरीतुं शक्यः ParāTri. 137. 1.

अतितीक्ष्णास्त्र (atitīkṣṇāstra) *n.* very sharp missile पापिनो जनान् । निहन्त्याद्यातितीक्ष्णास्त्रैः BrahmāṇḍP. iii. 39. 26.

अतितीर्थ (atitīrtha) *n.* name of a *tīrtha* (a holy place) [PW]

अतितीव्र (ati-tīvra) *adj.* [*f.* –ā] **A** very intense, very poignant अतितीव्राणि दुःखानि …। तवाहं संजयाश्रौषं पुत्राणां मम संक्षयम् MahāBhā. viii. 20. 1; भयेऽतितीव्रे विषयेषु सज्जसे BuddhaC. 4. 97; आविर्बभूव शक्तीनामतितीव्रस्तृषाज्वरः BrahmāṇḍP. iii. 28. 47; यातनास्वतितीव्रासु वाहीके संस्थिते तदा ।… पतितं तद्धि गृध्रास्यात् SkandP. iv. 28. 80; करचरणपार्श्वपृष्ठप्रभृतिष्वनिलस्य कोपमतितीव्रम् (कुरुते) AṣṭāSaṁ. i. 98. 8 (1. 18); व्याधीनामतितीव्राणां शमनं पादपांशुना PadmP.(Ra.) 14. 124; तस्मिन् असत्यार्थेऽतितीव्रे जिह्वाच्छेदः DaṇḍaVi. 202. 23; इत्थमुत्थितमतार्कितमतितीव्रम्…प्रसोढुम् ĀnandRa. 3. 20 (1); **B** very austere, very fierce, very harsh अतितीव्रोऽयमारम्भस्त्वयारब्धः MahāBhā. iii. 280. 5; अतितीव्रमभूद्युद्धं नरराक्षसयोर्मृधे MahāBhā. vii. 142. 38; अतितीव्रमभूद्युद्धं तयोः पुरुषसिंहयोः MahāBhā. vii. 131. 110; अतितीव्रं तपो मया कृतम् ManuBh. i. 409. 23 (*on* 4. 236); अतितीव्रेण तपसा स्वशरीरमशोषयत् VarāP. 6. 7; अहो ममातितीव्राणि तेजांसि च तपांसि च । व्यर्थीभूतानि RāmāMañ. 347. 3; **C** very severe, very strict जटिलः कर्कशः पिङ्गो ह्यतितीव्रो महाप्रभुः PadmP. ii. 12. 74; मोक्षितोऽहं त्वया शापात् । प्रदत्तादतितीव्रेण ब्रह्ममित्रेण MārkP. 63. 36; अतितीव्रं स्तवैः … कुर्याद्दशम् S'ārṅgaPa. 1594; नातितीव्रो न वा मन्दः सर्वस्यैव महीपतिः RājTa.(Jo.) 541; **D** very fierce, very hot, very strong योगी … अतितीव्रेण नाग्निनाप्येष दह्यते MāliniT. 15. 31; कः शमयेत् । अतितीव्रदुःसहभवोष्णकरप्रचुरातपप्रभवतापमिमम् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 9. 34; **E** very terrible, very formidable बिभ्रतस्तव यद्रूपमतितीव्रं नतास्मि तत् BrahmP. 32. 14; **F** very pungent, acid [MW, APTE]

अतितीव्रतपस् (atitīvra-tapas) *adj.* who practises very severe penance अतितीव्रतपा नित्यं तत्त्वार्थगतमानसः PadmP.(Ra.) 13. 63; अतितीव्रतपोबलानरीञ्जयमाशंसति पाकशासनः RāmC. 13. 7; *n.* very severe penance अतितीव्रतपस्तप्त्वा सूर्योऽलभत तां द्युतिम् BrahmāṇḍP. iii. 35. 43; तपनः…अतितीव्रतपसा जज्वाल नितरां मुने SkandP. iv. 49. 29.

अतितीव्रतर (atitīvra-tara) *adj.* excessively severe वह्निरतितीव्रतरावेगावेशेन सर्वाङ्गे प्रकम्पनेनावधूतः Kāvyānu.(He.) 139. 5.

अतितीव्रता (atitīvra-tā) *f.* great severity अतितीव्रतान्वितं छाययैव सुरराजमण्डलम् । यश्चकार परिहीनमोजसा HarVi. 14. 19.

अतितीव्रताप (atitīvra-tāpa) *m.* excessive distress अतत न बहिरेव तापशान्ति व्यधित मनोऽप्यतितीव्रतापवन्ध्यम् Kapphiṇā. 10. 5.

अतितीव्रत्व (atitīvra-tva) *n.* great severity भगवद्विरहभावेनातितीव्रत्वेन सर्वोपमर्दिना AṇuBh. 32. 4 (*on* i. 1. 11); भगवदाविर्भावे सत्यपि पूर्वभावस्यातितीव्रत्वेन AṇuBh. 33. 8 (*on* i. 1. 11)

अतितीव्रनियम (atitīvra-niyama) *m.* very austere observance तस्यातितीव्रनियमाद्रुस्तेऽगस्त्ये KalāVi. 1. 75.

अतितीव्रप्रकृति (atitīvra-prakṛti) *f.* very fierce nature अतितीव्रप्रकृतिकोपनो नरपतिः … त्वामस्मांश्च … हनिष्यति KaṁVa. 5. 35 (3)

अतितीव्रप्ररोचित (atitīvra-prarocita) *adj.* excessively allured अधिकारिणः प्रतिपत्तिमात्राददतितीव्रप्ररोचितात् प्रथमप्रवृत्तादनन्तरम् … प्रतिपत्तिस्तथैव AbhinBhā. i. 278. 22 (*on* 6. 32)

अतितीव्रबल (atitīvra-bala) *adj.* having excessive power or strength योगः सः …। प्रयोज्यः कफसंसृष्टे नातितीव्रबलेऽनिले KāśyaS. 277B. 30.

अतितीव्रम् (ati-tīvram) *adv.* **A** very intensely संहारकालसविशेषरुचोऽतितीव्रमुष्णत्विषो दिनमिव HarVi. 8. 49; **B** excessively, very bitterly अनुदिनमतितीव्रं रोदिषीति त्वमुच्चैः Subhāṣi. 1117; **C** very quickly अतितीव्रमतिकौतुकतः समेत्य … अदिशत् … रत्नानि (भूमिपालः) ĀnandRa. 3. 11.

अतितीव्रमदा (atitīvra-madā) *adj.* (*f.*) causing severe intoxication नातितीव्रमदा लघ्वी पथ्या वैभीतकी सुरा AṣṭāSaṁ. i. 27. 19 (1. 6) = AṣṭāHṛ. i. 5. 69.

अतितीव्ररुज् (atitīvra-ruj) *adj.* causing very severe pain मन्दस्रावोऽतितीव्ररुक् ।… व्रणो मारुतसंभवः CaraS. vi. 25. 11 (1941 Ed.)

अतितीव्ररुजा (atitīvra-rūjā) *f.* excessively severe pain अतितीव्ररुजारागदाहश्वयथुपीडितम् । पाकात्ययेन तच्छुक्रं वर्जयेत्तीव्रवेदनम् AṣṭāSaṁ. ii. 227. 4 (6. 13); AṣṭāHṛ. v. 10. 29.

अतितीव्रविवृत्त (atitīvra-vivṛtta) *adj.* turned or rolled with excessive intensity ज्वलयामास च कोपवह्निना सः । अतितीव्रविवृत्तभीष्मनेत्रश्रुतिशृङ्गाग्रविभिन्नमेघजालः SkandP. i(3). 10. 107.

अतितीव्रविष (atitīvra-viṣa) *n.* very strong poison तत्र चातितीव्रविषदाहवेदनोपशमाय शनकैर्निधाय ताम् TilaMañ. 380. 12; *adj.* greatly poisonous क्वातितीव्रविषाः सर्पाः क्वासौ चन्दनभूरुहः Candrā. 5. 80.

अतितीव्रवेग (atitīvra-vega) *adj.* moving extremely fast बाणैः सुमुक्तैरतितीव्रवेगैर्यैराहतो मृत्युरपि व्यथेत् MahāBhā. viii. 12. 53; स मुमोच बाणानतितीव्रवेगान् DevīBhāP. iv. 9. 28.

अतितीव्रवेदन (atitīvra-vedana) *adj.* causing excessively severe pain नरकेष्वतितीव्रवेदनेषु … जीवाः ।… परिपत्यानुभवन्ति घोरदुःखम् VarāṅgaC. 24. 65.

अतितीव्रवेदना (atitīvra-vedanā) *f.* very severe pain (नरकान् प्राप्य) घोरानतितीव्रवेदनापादकत्वेनातिभयंकरान् Mitā. 400. 20 (*on* 3. 206)

अतितीव्रशक्तिपात (atitīvraśakti-pāta) *m.* advent (i. e. favour) of very strong energy (of S'iva) परमार्थमार्गमेनं झटिति यदा गुरुमुखात् समभ्येति। अतितीव्रशक्तिपातात् तदैव निर्विघ्नमेव शिवः ParamāSā. 96; भक्तानाम् – अतितीव्रशक्तिपाताघ्रातहृदयत्वेन समावेशरूपभजनशालिनाम् Bhāsk. ii. 280. 12 (*on* iv. 1. 1)

अतितीव्रसुरता (atitīvra-suratā) *adj.* (*f.*) performing intercourse with extreme intensity अतितीव्रसुरता···सा हस्तिनीति श्रुता S'ṛṅgāDī. 2. 6.

अतितीव्रस्वभावा (atitīvra-svabhāvā) *adj.* (*f.*) having an excessively strong nature अतितीव्रस्वभावाश्च आज्ञाशक्तय एवैताः BrahmāṇḍP. iii. 19. 29.

अतितीव्रा (ati-tīvrā) *f.* Dūrvā grass गण्डाली स्याद्गण्डदूर्वातितीव्रा RājNi. 164. 2.

अतितुङ्ग (ati-tuṅga) *adj.* [*f.* -ā] **1A** very tall, very high अतितुङ्गो हीरशालः BrahmāṇḍP. iii. 33. 14; (नारकाः) उल्लङ्घयन्तेऽतितुङ्गेषु पादपेष्वन्धकारिषु PadmP.(Ra.) 26. 89; 25. 14; 33. 53; अतितुङ्गः···। भगवति कलितोऽयं वाहनार्थं मया ते ··· तुरङ्गः DevīCatuSta. 47; LalitāStaRa. 93; उत्कन्धरानेव रणाङ्गणेषु यस्यातितुङ्गस्य हठात् प्रहर्तुः। न नम्रभावादपरो नृपाणामासीत् कृपाणप्रतिषेधमार्गः VikraDeC. 3. 69; तदवेक्षितुं गगनमध्यतलं रविरध्यरोहदतितुङ्गमिव S'ivLī. 17. 80; योधाः ··· समधिरुह्य तुरङ्गान् ··· अतितुङ्गान् ĀnandRa. 7. 39 (8); **1B** very prominent अतितुङ्गघोरघोणम् ··· शबरसेनापतिमपश्यम् Kād. 30. 2; नौमि मतङ्गाननमतितुङ्गामलकरजवरहेलम् PadyāTa. 5; PadyaVe. 7; **2** very great, very noble विभूतिमतितुङ्गांश्च वाध(? बान्ध)वांश्च सुमानसान्। परित्यज्य मयि प्रीत्या विदेशमपि संगता PadmP.(Ra.) 30. 102; प्रस्थितस्य मया साकमेवं धृत्यातितुङ्गया। प्राप्ता जनपरीवादवार्ता PadmP.(Ra.) 98. 68.

अतितुङ्गता (atituṅga-tā) *f.* excessive tallness अपश्यंस्ते वनषण्डम् ···। अतितुङ्गतया व्योम आवृण्वानं नरोत्तम VāmaP. 89. 12.

अतितुङ्गद्रुम (atituṅga-druma) *m.* very tall tree सा···। अटवीमतिभीषणामगादतितुङ्गद्रुमलम्बिताम्बराम् Nalābhyu. 7. 67.

अतितुङ्गपद (atituṅga-pada) *n.* very high position (i. e. heaven) (श्रयामि सेतुम्) अतितुङ्गपदलिप्सुतनुभृदधिरोहिणीम् ··· दुर्ललितयातुधानसमाजधूमकेतुरामसेतुम् YātrāPra. 5. 45 (2)

अतितुङ्गभाग (atituṅga-bhāga) *m.* very high position of a planet नित्याङ्गनाहरिमयामनुसारनीरसंख्या दिवाकरमुखादतितुङ्गभागाः JātaPā. 1. 29.

अतितुङ्गवत् (atituṅga-va(n)t) *adj.* very high सेनावेशनहर्म्यं तु यमभागेऽतितुङ्गवत् MayaMa. 29. 32.

अतितुङ्गशिखर (atituṅga-śikhara) *n.* very high peak अस्यातितुङ्गशिखरोन्नमितम् ··· नितम्बतटमम्बरमालम्बे HarVi. 5. 81; स राजा ··· अतितुङ्गशिखरतोरणप्राकारं शक्रावतारं नाम सिद्धायतनमगमत् TilaMañ. 35. 16.

अतितुङ्गशृङ्ग (atituṅga-śṛṅga) *n.* **1** very high peak अतितुङ्गशृङ्गोच्छ्रायप्रांशुपृथुशिलाशालपरिगतम् ··· कामदेवायतनमायातवती TilaMañ. 303. 19; **2** very long horn(s) अतितुङ्गशृङ्गभासुरम् ··· महोक्षाधिराजमद्राक्षीत् YātrāPra. 1. 53 (3)

अतितुङ्गसुरनिकेतन (atituṅga-suraniketana) *n.* very lofty abode of the gods अतितुङ्गसुरनिकेतनशिखरसमुत्क्षिप्तपवनचलिताभिः। मञ्जरितमिव विराजति यत्र नभो वैजयन्तीभिः KuṭṭaMa. 6.

अतितुच्छ (ati-tuccha) *adj.* **A** extremely insignificant, absolutely empty (argument) तव त्ववस्तुरूपाणामपोहानां सर्वप्रकारशून्यानां भिन्नत्वव्यपदेशोऽतितुच्छ एव S'arka. 39. 11; अतितुच्छश्चायमिन्द्रियचैतन्यपक्षः NyāyMañ. ii. 14. 5; शब्दैकप्रमाणकत्वपक्षोऽतितुच्छ एव Kāśi. ii. 176. 20 (*on* 5 (3). 213); अतितुच्छश्चायं सर्वज्ञवादः NyāyRa. 85. 14 (*on* 2. 131); तस्मान्न निषेध्यत्वमिति। तदिदमतितुच्छं न निराकरणमपि प्रयोजयति NyāyRaMā. 112. 18; Nyāyāmṛ. 68A. 6; 289A. 9; UpaParā. 14. 17; यदस्य संसृष्टिनस्तु संसृष्टी इत्यादिवचनस्य भवताभिहितं तत्त्वतितुच्छम् VīraMi.(Vyavahāra) 513. 2; **B** very inferior इन्द्रत्वं च···चिरजीवित्वमेव वा। जलबुद्बुदवद्बुद्ध्या चातितुच्छं न गण्यते BrahmVaiP. i. 14. 54; ज्ञानमात्रमिदमतितुच्छमिति तत्सृष्टौ (? अ)लौकिक्य एव विप्रतिपत्तयः Loc. 200. 26 (*on* 3. 33); दृश्यते हि म्लेच्छप्रायैरतितुच्छैर्नास्तिकैरास्तिकमार्गे परिभूते ··· स्वच्छधियाम् ··· संरम्भेण प्रवृत्तिः TarkSaṁ.(Ā.) 102. 13; **C** very small उदरेणातितुच्छेन···योषिद्भवति भोगाढ्या SkandP. iv. 37. 50.

अतितुच्छक (atituccha-ka) *adj.* very trifling त्रैलोक्यमिदमैश्वर्यं कियदेवातितुच्छकम् DevīBhāP. viii. 19. 25.

अतितुच्छता (atituccha-tā) *f.* **A** the state of being extremely insignificant or empty तस्य कथमतितुच्छता कारणाभावेन तथाविधज्ञानाभावात् TātpaṬ.(U.) 73. 18 (*on* 2. 112); किं परप्रत्ययाश्रयणेनेत्युपालभमानोऽतितुच्छतया नायं पक्षो निराकरणं प्रयोजयति इति दर्शयति Kāśi. i. 119. 13 (*on* 2. 112); **B** the state of being of a very low cadre न किञ्चिद्व्यसनमतिरिच्यते अतितुच्छताजातिचारानर्हत्वं भवतीत्यर्थः ManvaVi. 1260. 8 (*on* 9. 296); **C** extreme meagreness भ्रातुरेकत्वे भगिनीनां च सप्ताष्टत्वे भ्रातृभागस्यैकनिष्ठत्वे तच्चतुर्थभागस्य स्वल्पत्वेन तत्राप्यंशकल्पनायामतितुच्छता स्यात्तदंशस्य S'ubodhi. 54. 22 (*on* 2. 124)

अतितुच्छत्व (atituccha-tva) *n.* **A i** extreme insignificance or emptiness (of an argument) नापि ··· सोऽनेन निषिध्यते, अतितुच्छत्वेनानिराकार्यत्वात् TātpaṬ.(U.) 73. 18 (*on* 2. 112); NyāyMañ. ii. 198. 14; सोऽतितुच्छत्वादेव न निराकार्यः NyāyRaMā. 80. 9 (*on* 2. 112); चार्वाकसमयस्यातिविरोधित्वेऽप्यतितुच्छत्वेन प्रथमं निषेध्यतायोगात् TattvPrakā. 94A. 9 (*on* ii. 2. 1); असदुत्तरमेव पूर्वपक्षस्यातितुच्छत्वज्ञापनाय उक्तमिति समाहितम् MīmāKau. ii. 118. 21 (*on* ii. 4. 11); i. 230. 5 (*on* i. 4. 9); अत्र च पूर्वपक्षस्यातितुच्छत्वात्सुहृद्भूत्वोपदेशः BhāṭṭDī. ii. 246. 6 (*on* vi. 2. 8); लोकायतिकादिमतानि त्वतितुच्छत्वात् ··· नोट्टङ्कितानि GoviBh. 133. 9 (*on* ii. 2. 32); **A ii** excessive inferiority चन्द्रस्य जलेनोपमानतया सम्भावितस्य वराकतोक्त्यातितुच्छत्वान्मुखेन सह दूरापास्तं साम्यम् AlaṅkāRa. 22(41); **B** nothingness, state of a non-entity अस्तु तर्ह्यनित्यमेवोपलब्ध्यर्थक्रियारहितत्वेन गगनारविन्दवदतितुच्छत्वादित्यत आह TattvVai. 129. 16 (*on* 3. 13)

अतितुच्छप्राय (atituccha-prāya) *adj.* almost nothing, absolutely insignificant or subordinate अवयवैरिति। अतितुच्छप्रायैरित्यर्थः Loc. 218. 24 (*on* 3. 41) = Kāvyānu.(He.) 310. 12 (comm.)

अतितुद् (ati-tud) *adj.* excessively pricking जजौजोजाजिजिज्जाजी तं ततोऽतितताततुत् S'iśuVa. 19. 3.

अतितुन्दिल (ati-tundila) *adj.* having an excessively protuberant belly अतितुन्दिलस्य···घोणासृजा···अस्य···स्वर्वासिनो हासिताः BālRā. 10. 21.

अतितुभ्यम् (ati-tubhyam) cf. **अतियुष्मद्** KāśiVṛ. *on* P. vii. 2. 93; vii. 2. 95; KātanVṛ. *on* ii. 3. 12; Pradī. vi. 163. 7 (*on* vii. 2. 98); PrakriKau. i. 254. 5.

अतितुमुला (ati-tumulā) *adj.* (*f.*) very tumultuous, excessively noisy आक्रन्दः ··· चक्रेऽतितुमुला दिशः PāṇḍaC. 7. 513.

अतितुम्बरु (ati-tumbaru) *adj.* surpassing Tumbasu तस्मिन्नतितुम्बरौ मधुरतरं गायति सति श्रुतं तत्स्वरूपं महादेव्या TīrthaKa. 62. 6 = PrabaK. 70. 3.

अतितुम्बुरु (ati-tumburu) *adj.* who has surpassed Tumburu (in musical achievements) सः ··· प्रेयान्बभूव लोकस्य गान्धर्वेणातितुम्बुरुः PariPar. 9. 38;

अतितुरङ्गम् (ati-turaṅgam) *adv.* surpassing a horse (in speed) त्वरितमतितुरङ्गं संभ्रमादीयिवांसं नरपतिः ···भल्लमादाय दोर्भ्याम् Rāvaṇā. 3. 52.

अतितुष् (ati-tuṣ-) IV. P. to be very much pleased लोकातीत इवात्यर्थमध्यारोप्य विवक्षितः। योऽर्थस्तेनातितुष्यन्ति विदग्धा नेतरे जनाः Kāvyāda. 1. 89.

अतितुष्ट (ati-tuṣṭa) *adj.* [*f.* -ā] very much pleased, very much delighted मृडान्यापि तथेत्युक्ता राज्ञी भक्त्यातितुष्टया SkandP. iv. 83. 23; तदातितुष्टा सुरसत्तमा सा अट्टाट्टहासं मुमुचे त्रिनेत्रा VāmaP. 18. 18; 62. 48; ज्ञानिनां गुरुः। ज्ञानं कथितुमारेभे ह्यतितुष्टः सनातनः BrahmVaiP. ii. 36. 63; GaṇeP. i. 92. 5; BrahmP. 114. 16; द्रम्मं स चार्जयित्वातितुष्टः श्रीवृषभप्रभुम् ··· पूजयामास भक्तितः PrabhāC. 204. 12; PrabaCin. 50. 12; इति मुनिरतितुष्टोऽध्युष्य सर्वज्ञपीठम्···बदरीं स प्राप S'aṅkaDigVi(Mā.) 16. 93.

अतितुष्टात्मन् (atituṣṭātman) *adj.* whose mind is greatly pleased शक्रेण···°प्रशमनं दृष्ट्वातितुष्टात्मना निःशङ्कं निदधे शचीकुचतटे चेतश्चिरेण ध्रुवम् EI. ii. 441. 10.

अतितुष्टि (ati-tuṣṭi) *f.* great satisfaction, great pleasure ज्योत्स्नाभिसारविधये बिसकङ्कणानि मुक्तागुणा मलयजं च तवातितुष्टयै S'rīKaC. 11. 33.

अतितुष्टिद (atituṣṭi-da) *adj.* causing great satisfaction, giving great pleasure पवित्रकं कृतं विष्णोरन्तस्थस्यातितुष्टिदम् PauṣkS. 30. 226; PāraS. 12. 28.

अतितुष्ट्यर्थ (atituṣṭy-artha) *adj.* intended for great satisfaction इमानि त्वतितुष्ट्यर्थानि खड्गामिषं महाशल्कम् BālaKrī. i. 169. 7 (*on* 1. 256–257)

अतितूर्ण (ati-tūrṇa) *adj.* very swift अतितूर्णमतिविलम्बितमुल्बणनादं च नादहीनं च। ··· परुषं च (पाठं) निन्दन्ति KāvyMī. 33. 11; तावत्सोऽपि नृपकुमारः ···शीर्णतरुरिवातितूर्णवातापनीतजीर्णपर्णनिवहः सहसैव विच्छायतामगच्छत् TilaMañ. 290. 6.

अतितूर्णम् (ati-tūrṇam) *adv.* very speedily, very quickly, in great haste बाहू प्रसार्याभिमुखोऽतितूर्णं स धर्मराजस्य समीपमद्र(? द्रि)राट् MahāBhā. ix. 94*. (1); नातितूर्णम् (अध्वानं प्रपद्येत) ViṣṇuSm. 63. 11; क्रोधादधावदपभीरतितूर्णमन्यनागाभियुक्त इव युक्तमहो महेभः S'iśuVa. 5. 32; नातितूर्णं न सन्ततम्

(व्रजेत्) AṣṭāSaṁ. i. 9. 19(1. 3); VarāṅgaC. 12. 58; अतितूर्णं न चेत्प्राप्तो मयि जीवति विह्वले RājTa.(S'rī.) i. 3. 89; Raghunā. 8. 13; NīlaVi. 80. 20; MahāN. 9. 23.

अतितृट्परीत (atitṛṭ-parīta) *adj.* overcome by excessive thirst, ViṣṇuP. iv. 2. 14[nt.] cf. **अतिक्षुत्परीत.**

अतितृण्ण (áti-tṛṇṇa) *adj.* excessively injured or pierced यन्मे छिद्रं चक्षुषो हृदयस्य मनसो वातितृण्णं बृहस्पतिर्मे तद् दधातु VājaS. 36. 2

अतितृद् (ati-tṛd-) VII. P. to pierce through तिस्रो दिवो अत्यतृणत् तिस्र इमाः पृथिवीरुत AV. xix. 32. 4.

अतितृप् (ati-tṛp-) VI. P. to thoroughly or fully satisfy, to satiate यं त्वा (द्रोणकलशं) सोमेनातीतृपाम VājaS. 7. 29.

अतितृप् (ati-tṛp-) IV. P. to be satiated [MW]

अतितृप्त (ati-tṛpta) *adj.* [*f.* -ā] fully satiated, fully satisfied नातितृप्ता (v. l. नातितृप्त्या) स्वयं भुक्त्वा … परिचरेत् पतिम् VedavyāSm. 2. 31; 3. 75; नातितृप्तः क्षुधार्तो न…योगं युञ्जीत योगवित् SkandP. iv. 41. 68; पुनः स पप्रच्छ न चातितृप्तो विदुरः BhāgP. iii. 14. 1; एष वै भक्षयित्वा तां जानकीं शुभदर्शनाम्। शेते विविक्तेऽतितृप्तः AdhyāRā. iii. 8. 25; अतिसुहितोऽतितृप्त इत्यर्थः SmṛtiCan, ii. 614. 12; अर्थिनामतितृप्तानां श्रीशंकरपुरे नृपः। अपेक्ष्य विदधे छायां न फलानि महीरुहाम् RājTa.(S'rī.) i. 5. 18; ManvaMu. 156. 6 (*on* 4. 62); Bhāsk. i. 411. 21 (*on* i. 8. 6)

अतितृप्तता (atitṛpta-tā) *f.* full satisfaction तदिदं विशदं वचोमृतं परिपीयाभ्युदितं द्विजाधिपान्। अतितृप्ततया विनिर्ममे स तदुद्गारमिव स्मितं सितम् NaiṣC. 2. 49; तृप्तातृप्तातितृप्तलिङ्गानि तु क्रमात् स्वास्थ्यवातपित्तकफविकारैरादिशेत् AṣṭāSaṁ. i. 166. 16 (1. 33)

अतितृप्ताक्ष (atitṛptākṣa) *adj.* having very swollen [?] eyes उन्मादी चातितृप्ताक्षो रतेषु विकलेन्द्रियः HārīS. iii. 2. 233.

अतितृप्ति (ati-tṛpti) *f.* satiety, great satisfaction भृत्यैः परिवृतो भुक्त्वा नातितृप्त्याथ संविशेत् YājñaSm. 1. 114; स्तैमित्यं गुरुताङ्गस्य निद्रातन्द्रातितृप्तयः KāśyaS. 44B. 1; BālaKrī. i. 99. 10 (*on* 1. 114); नातितृप्ता स्वयं भुक्त्वा (v. l. नातितृप्त्या) VedavyāSm. 2. 31; तेष्वेव कालेषु जलादीनि यावता नातितृप्तिर्भवति ManuBh. ii. 438. 8 (*on* 11. 213); फलानीमानि गृह्णीध्वम्…एभिः … अतितृप्तिर्भविष्यति SkandP. iii(2). 37. 20; iv. 80. 30; ManvaMu. 156. 3 (*on* 4. 62); अतितृप्त्यादिजनिते त्वालस्ये श्रमाद्विविक्तविषयत्वं बोध्यम् RasGaṅ. 115. 4; 114. 10.

अतितृप्तिकारण (atitṛpti-kāraṇa) *n.* cause of great satisfaction दर्शनं स्तवनं पूजा…ममातितृप्तिकारणम् SkandP. i(2). 41. 182.

अतितृप्तिकृत् (atitṛpti-kṛt) *adj.* causing great satisfaction पवित्रमतितृप्तिकृत् किमिह (पयः) VidaMuMa. 3. 42.

अतितृप्तिरूपा (atitṛpti-rūpā) *adj.* (*f.*) of the nature of great satisfaction अर्थक्रियाम् अतितृप्तिरूपाम् Bhāsk. i. 58. 22 (*on* i. 1. 2)

अतितृप्तिशून्य (atitṛpti-śūnya) *adj.* not feeling satiety भृत्यैः पुत्रादिभिः परिवृतः सहितो भुक्त्वा नातितृप्तः अतितृप्तिशून्यः संविशेत् शयीत VīraMi. 204. 28 (*on* 1. 114)

अतितृप्तिहेतु (atitṛpti-hetu) *m.* [Abl.] for the sake of great satisfaction (पितरः) ये देवपूर्वाण्यतितृप्तिहेतोरश्नन्ति कव्यानि शुभाहुतानि MārkP. 96. 38.

अतितृष् (ati-tṛṣ) *f.* excessive thirst इह चातितृषा क्षुधा च तप्ताः फलहेतोर्गणनाथवृक्षमेतत्। अधिरुह्य फलत्वमेव याताः KathāSaSāg. xii. 34. 390; AṣṭāSaṁ. i. 23. 22 (1. 6) (v. l. अधितृष्)

अतितृषा (ati-tṛṣā) *f.* excessive thirst गुर्वन्नमेवातितृषां करोति SuśruS. vi. 48. 15; KalyāKā. 9. 2.

अतितृषाक्रान्त (atitṛṣākrānta) *adj.* overcome by excessive thirst मध्याह्नेऽतितृषाक्रान्तौ हयौ पञ्चत्वमापतुः KathāSaSāg. vii. 8. 98.

अतितृषित (ati-tṛṣita) *adj.* eagerly longing for इयमतितृषितम् … मम वरतनुराचकर्ष चित्तम् VidaMā. 6. 15.

अतितृष्ण (ati-tṛṣṇa) *adj.* **1** extremely greedy or desirous अहं तु नाभिघृष्णोमि (v. l. नातितृष्णोऽस्मि) यत्कृतं न मया पुरा MahāBhā. i. 88. 11; **2** exceedingly thirsty तीक्ष्णज्वरोऽतितृष्णश्च रक्तमूत्रं च मूत्र्यते HārīS. iii. 2. 227; स नन्दिनीस्तन्यमनिन्दितात्मा … पपौ वसिष्ठेन कृताभ्यनुज्ञः। शुभ्रं यशो मूर्तमिवातितृष्णः RaghuVa. 2. 69.

अतितृष्णा (ati-tṛṣṇā) *f.* **1** excessive greed or desire नोच्छिन्द्यादात्मनो मूलं परेषां चातितृष्णया ManuSm. 7. 139 (अतितृष्णया चातिकरग्रहणेन ManvaVi.); अतितृष्णा न कर्तव्या तृष्णां नैव परित्यजेत् PañcT. 2. 28 (220. 3); अतितृष्णा न कर्तव्या वित्तशाठ्यं विवर्जयेत् PadmP. vi. 44. 49; Pañcā. 138. 6; एषातितृष्णा कृष्णाहिर्भूभुजां हृद्बिलेशया KaṁVa. 6. 2; अपि चैकभागमधिजग्मुषी विभोरतितृष्णयेव परभागमाश्रिता YātrāPra. 3. 106; हा जन्तवो ब्रह्मपदान्तमन्तर्न शान्तिमायान्त्यतितृष्णयैव Vidvanmo. 7. 45; **2** great desire or longing देहि मे हरिभक्तिञ्च … अतितृष्णा गुणाख्याने नित्यमस्तु ममेश्वर PañcaRā.(Nā.) i. 8. 27; **3** excessive thirst स पण्डितः … अरण्यानीमवगाहमानोऽतितृष्णातरलितः … जलं याचितवान् PrabaCin. 4. 6; [अतितृष्णा is given as the meaning of आशा, आशा दिगतितृष्णयोः Vaija. 220. 3]

अतितृष्णाकुलित (atitṛṣṇākulita) *adj.* troubled or overpowered with great greed 'अलोलुपान्' अतितृष्णाकुलितहृदयेभ्योऽन्यान् (ब्राह्मणान्) CaturCin. iii(1). 1137. 8.

अतितृष्णाभिभूत (atitṛṣṇābhibhūta) *adj.* overpowered with excessive greed अतितृष्णाभिभूतस्य शिखा भवति मस्तके Pañcā. 138. 7.

अतितृष्यत् (ati-tṛṣyat) *adj.* **1** who is very thirsty देहमायम्य वेगेन घोषयत्यतितृष्यतः। महाहिक्केति सा ज्ञेया SuśruS. vi. 50. 14; कम्पयन्ती शिरो ग्रीवामाध्मातस्यातितृष्यतः … यमला वेगिनी हिध्मा परिणामवती च सा AṣṭāHṛ. iii. 4. 24; आघ्राय क्षणमतितृष्यतापि शेषात् … नाचेमे हिममपि वारि वारणेन Kirātā. 7. 34; मरुषु पथिकस्येव मनोविभ्रमहेतुषु कथास्वतितृष्यतः (मारिदत्तस्य) कतिचित्संवत्सरा व्यतिचक्रमुः YaśasCam. i. 43. 1; **2** who is hankering after, YaśasCam. i. 43. 1.

अतितृह् (ati-tṛh-) VII. P. to crush completely, to destroy thoroughly किं ब्रवीति प्रतिबलबलं वीरो विलोकयन्। अतितृणहानि KavīndraKa. ii. 10. 8.

अतितॄ (ati-tṝ-) I. P. III. P. **1 A** to cross, to go to the other side of (waters, ocean), to go to the end of (the world); (caus) to enable one to cross त्वया वयम्…अपोऽति शूर तरामसि ṚV. vii. 32. 27; viii. 19. 14 आकाशेऽपि विचरन्ति अम्बुनाथमप्यतितरन्ति … नियतमुपायपृष्ठोद्यमा मनुष्याः AvantiKa. 39. 1; संसारसागरं विद्या कथंचिदतितारयति BrahmSūBh.(Bhā.) 217. 9 (*on* iii. 4. 49); त्वमपि ह्यध्वनोऽस्य संन्यस्तदण्डः … ज्ञानासिमादाय तराति पारम् BhāgP. v. 13. 20; बालिशः श्वलाङ्गुलेनातितितर्ति सिन्धुम् BhāgP. vi. 9. 22; (वसुदेवः) अतिततार दिनाधिपतेः सुतामनघयोगमना इव संसृतिम् Yādavā. 3. 41; **1 B** to get over (hateful persons, narrowness, difficulties, illusion) येन विश्वा अति द्विषो अतारिम ṚV. viii. 13. 21; अति द्वेषांसि तरेम ṚV. iii. 27. 3; अया धिया तुतुर्यामात्यंहः ṚV. v. 45. 11; दिवाकरोऽति द्युम्नैस्तमांसि विश्वातारीद्दुरितानि शुक्रः AV. xiii. 2. 34;ययाऽति विश्वा दुरिता तरेम TaiS. I. ii. 3. 2; त्वां भक्त्या ये हृषीकेश दुर्गाण्यतितरन्ति ते MahāBhā. vii. 124. 15; xiii. 32. 27; Hitopa. 4. 89; ते दुस्तरामतितरन्ति च देवमायाम् BhāgP. ii. 7. 42; ii. 7. 46; विद्याम्…वितरिष्ये। यया चासौ भयं चातितरिष्यति BhāgP. iii. 24. 40; VāmaP. 94. 52; स धर्मनावमारुह्य दुर्गाण्यतितरिष्यति PadmP. v. 19. 356; **2** to excel विश्वेत्स धीभिः सुभगो जनाँ अति द्युम्नैरुद्न इव तारिषत् ṚV. viii. 19. 14; **3** to overcome (death) तेनौदनेनाति तराणि मृत्युम् AV. iv. 35. 1; येनातरन् भूतकृतोऽति मृत्युम् AV. iv. 35. 2; उभयोर्लोकयोर्ऋद्ध्वा। अति मृत्युं तराम्यहम् TaiBr. I. ii. 1. 15; स्तोभेनैव मृत्योरास्यं अपिधायैतं मृत्युमतितरति JaimiBr. 1. 332; JaimiUBr. iii. 35. 8; तेन विद्यामुत्पाद्य मृत्युं काममतिरति AitUBh, 249. 4 (*on* 1. 0); GītāBh. (S'aṅ.) 13. 25; तव नामानि शाम्भवि। प्रजपन्नेति मायान्तमति मृत्युं तराम्यहम् TripuVePāSt. 171. 35; **4** to get away from, to escape शृङ्गाभ्यां रक्षो नुदते मूलेन यातुधान्यः। मध्येन यक्ष्मं बाधते नैनं पाप्माति तरति AV. xix. 36. 2; **5** to transcend तान् (अग्निं, वायुं, आदित्यं) एवैतेनातितरति JaimiBr. 2. 318; **6** to overpower, to subdue तेन पवित्रेण शुद्धेन (चरणेन) पूता अति पाप्मानमरातिं तरेम TaiĀ. x. 1. 11 (776. 6)

अतितेजन (ati-tejana) *adj.* very sharp गाढविद्धानरीन् कृत्वा मार्गणैः सोऽतितेजनैः MahāBhā. vii. 96. 33.

अतितेजना (ati-tejanā) *adj.* (*f.*) very spirited देव्याः प्रतीहारी जयाख्या अतितेजना। वाक्यमुवाच VarāP. 95. 23.

अतितेजनी (ati-tejanī) *f.* **i** name of the plant Tejavalā अतितेजनी तेजवला ApūNā. 30B. 3; **ii** name of the plant Triparṇī [PW]

अतितेजस् (ati-tejas) *adj.* **i** very spirited, very vigorous अमर्षः शौर्यं च शीघ्रत्वमिति तेजसः (v. l. अतितेजसः) गुणाः MahāBhā. iii. 30. 20; महोत्साहा भविष्यन्ति पाण्डवा ह्यतितेजसः MahāBhā. iv. 28. 7; अग्निश्च सिंहश्च कुलपुत्रश्च…सर्वे ते ह्यतितेजसः MahāBhā. v. 37. 55; तव पित्रातितेजसा। पुनर्न शङ्किता नेतुं गङ्गां प्रार्थयतानघ Rāmā. i. 43. 11; ख्यातो महोद्यमबलार्थयुतोऽतितेजाः Bṛhajjā. 21. 4; नातिशीतम् … चकार भीत्या वै तस्य कोपनस्यातितेजसः MārkP. 99. 4; संज्ञा…भार्या भगवतो मार्तण्डस्यातितेजसः BrahmāṇḍP. ii. 59. 34; अग्न्यादयोऽतितेजसोऽपि क्लेशेनैव ब्रह्म विदितवन्तः KenUBh. 50. 15 (*on* 3. 1); पतत्रिराजमारूढः सुपर्णमतितेजसम् KūrmaP. 264. 9 (1. 25); स्तुतो महादेवो भार्गवेणातितेजसा S'ivaP. ii(5). 50. 34 (282A. 3); पावकायातितेजसे … नमः LiṅgaP. i. 41. 31; **ii** very bright or powerful (रामः) वरयामास परशुं

चातितेजसम् MahāBhā. xii. 105*(2); एकं चक्रं द्वादशारं रथस्यास्यातितेजसः SkandP. ii(9). 27. 89; ब्रह्मा ददाति संतुष्टो विमानमतितेजसम् BhaviP. 40B. 6 (i. 16. 53); *n.* **i** great lustre or power युवाभ्याम् … तेजसा धार्यते जगत् (v. l. जगद्व्याप्यातितेजसा) MahāBhā. iii. 41. 2; तवातितेजसाविष्टमिदं रूपं न शोभते HariVaṁ. 8. 31; BrahmāṇḍP. ii. 59. 66; BhaviP. 134A. 21 (i. 79. 47); BrahmP. 32. 77; न सेहे देवकीं द्रष्टुं कश्चिदप्यतितेजसा। जाज्वल्यमानाम् ViṣṇuP. v. 2. 5; BhavāBhu. 1; अतितेजःसमुत्थाय … कृष्णाय ते नमः BrahmVaiP. iv. 42. 28; नमः। अतितेजःस्वरूपाय PadmP. ii. 18. 54; को गृह्णाति फणमणिं ज्वलन्तमतितेजसा भुजङ्गस्य Pañcā. 84. 1; **ii** lightning अतितेजसा दग्धे सिद्धिर्नास्ति SuśruS. i. 12. 39 [*f.* PW]; *m.* **i** name of one of the twelve Ādityas अंशुर्भगश्चातितेजा आदित्या द्वादश स्मृताः ViṣṇuP. i. 15. 131; S'ivaP. v. 32. 8 (442B. 8); BrahmP. 3. 58; **ii** name of one of the Saptarṣis of the eleventh Age (सप्तऋषीन् निबोधत) पौलहो ह्यतितेजाश्च … एकादशेऽन्तरे BrahmāṇḍP. iii. 1. 80; *f.* fourteenth night of Karmamāsa, IndSt. 10. 296 [PW] cf. **अतितेजा.**

अतितेजस्क (atitejas-ka) *adj.* very refulgent, greatly shining तस्य मध्येऽतितेजस्कमुच्चप्राकारतोरणम् (स्थानम्) KūrmaP. 423. 2 (1. 49)

अतितेजस्ता (atitejas-tā) *f.* great refulgance अतितेजस्तया द्वितीय इव परब्रह्मणः … मुनिरवातरत् NalaCam. 3. 6(40)

अतितेजस्विन् (ati-tejasvin) *adj.* **i** very vigorous, very powerful, very spirited योधयत्यतितेजस्वी मधुवन्मधुसूदन MahāBhā. ii. App. 21. 1023; गरुडः …। कामवीर्योऽतितेजस्वी HariVaṁ. 91. 36; पुरूरवाः … अतियज्वातितेजस्वी ViṣṇuP. iv. 6. 35; न स्पृशत्येवातितेजस्विनं शोकः HarṣaC. 261. 8; मुनिपुत्रोऽतितेजस्वी … तपस्यति BrahmāṇḍP. ii. 24. 51; BhāgP. i. 18. 32; व्रणदातातितेजस्वी विष्णुतुल्यो बभूव BrahmVaiP. i. 9. 34; (सत्यव्रतः) विपाप्मा चातितेजस्वी संभूतः DevīBhāP. vii. 12. 13; हनूमान् … वायुपुत्रोऽतितेजस्वी AdhyāRā. iv. 6. 13; अतितेजस्व्यपि राजा पानासक्तो न साधयत्यर्थान् S'ārṅgaPa. 1388; Subhāṣi. 2869; को भवान्? अतितेजस्वी दृश्यसे SiṁhāDvā. 167. 3(7); 207. 3 (19); ĀnandRa. 2. 49(14); **ii** very brilliant, very lustrous, of very fair complexion नान्यदप्यतितेजस्वि न क्रुद्धस्य गुरोर्मुखम् (निरीक्षेत) AṣṭāSaṁ. i. 12. 17 (1. 3); विद्युन्माली … सुरेष्वतितेजस्वी PariPar. 1. 217; स्निग्धदेशेऽतितेजस्वी रूपयुक्तः प्रजायते BṛParāSm. 10. 218.

अतितेजःसंयोग (atitejas-saṁyoga) *m.* close contact with excessive heat अतितेजःसंयोगात् भस्मभावापत्तेश्च LalitāTriBh. 350. 19 (*on* 57)

अतितेजा (ati-tejā) *f.* the fourteenth night of Karmamāsa चतुर्दशी अतितेजा comm. on Sūryaprajñapti 148A. 4.

अतितेजिनी (atitejinī) *f.* name of a plant शीता तिक्तातितेजिनी MadaPāNi. 12. 185.

अतितेजोमय (ati-tejomaya) *adj.* full of excessive lustre श्रेणिसमुद्धारमतितेजोमयमुत्तरा शतं मन्दिराणि एकावल्या सन्ति SāmaraU. 266. 23.

अतितेजोविमान (atitejo-vimāna) *n.* very lustrous aerial car सोऽतितेजोविमानेन सूर्यलोके महीयते SkandP. iv. 27. 97.

अतितैक्ष्ण्य (ati-taikṣṇya) *n.* **i** the nature of being very aggravated (पाचकांशानाम्) मान्द्यातितैक्ष्ण्यतः। वृद्धिः क्षयश्च धातूनां जायते AṣṭāSaṁ. i. 103. 13 (1. 19); **ii** the nature of being very hot or pungent अतितैक्ष्ण्यादिना दुरुपयोगाः … आहारा राजसस्येष्टाः GītāBh.(Rā.) 617. 26 (*on* 17. 9)

अतितैजस (ati-taijasa) *adj.* excelling the luminaries, very refulgent तवातितैजसं रूपं न कश्चित्सोढुमुत्सहेत् BrahmP. 33. 25.

अतितैल (ati-taila) *n.* too much of oil (i. e. too oily food) अतिवे-(v. l. तै)लं यदाश्नामि तदा (वह्निः) समुपशाम्यति PadmP. vi. 53. 17.

अतितैलपान (atitaila-pāna) *n.* taking too much of oil अतितैलपानं वातप्रकोपप्रशमाय दृष्टम् ViṣṇuDhaP. ii. 56. 128.

अतितैसृकम् (atitaisṛkam) *adv.* not the proper time for using quilt अतितैसृकम्। तैसृकमाच्छादनम् KāśiVṛ. *on* P. ii. 1. 6; न तैसृकस्य वर्तमानः कालः उपभोगस्येत्यर्थेऽतितैसृकम् Nyās. ii. 22. 23 (*on* ii. 1. 6); KātanVṛ. *on* P. ii. 5. 14; अव्ययानां यथा—अतितैसृकम् S'ṛṅgāPra. 60. 23.

अतितोत्त्रसेत्र (ati-totrasetra) *adj.* disregarding the goad and the reins अतितोत्रसेत्रा लघुयोक्त्रनद्धिस्त्रविमेढ्का: पत्रद्वयाः प्रणेशुः DvyāśraKā. 12. 47.

अतितोदना (ati-todanā) *adj.* (*f.*) very painful सकच्छपापृष्ठनिभातितोदना। … निगद्यते कच्छपिका KalyāKā. 11. 15.

अतितोय (ati-toya) *adj.* having too much water गच्छेन्नरेन्द्रो विजयाय …देशम्। न चातितोयं न च तोयहीनम् NītiSā. 16. 41; *n.* excessive water न चात्र निश्शैलतरावनिर्भवेत्। न चातितोयं न च निर्जलान्वितम् KalyāKā. 2. 36; *m.* lightning अतितोयोऽपि मेघाग्नौ ParyāRaMā. 1478.

अतितोष (ati-toṣa) *adj.* giving great satisfaction द्विजगुरु[ज]नतातीति)तोषस्य तोषशर्मणो विप्रस्य EI. xv. 307. 18; *m.* extreme joy (साधुना) मतिः सदातितोषेण कर्तव्याराधनाध्वजे BṛKathāK. 1. 23; तस्यातितोषमायाति सगणो भास्करः स्वयम् NīlaP. 453; अतितोषपुष्टजठरः कूष्माण्डकोऽव्याज्जगत् SaduktiKa. 25. 30.

अतितोषिणी (ati-toṣiṇī) *adj.* (*f.*) causing great pleasure (सेयम्) केशवस्यातितोषिणी PadmP. iv. 72. 83.

अतितोषित (ati-toṣita) *adj.* very much pleased तदनु स रङ्गमहीन्द्रो बुद्धावतितोषितान्तरङ्गमहीन्द्रः। हूणपम् … उपगम्यात्रवीत् ĀnandRa. 5. 34.

अतितोषिन् (ati-toṣin) *adj.* who has been much pleased यथैतेषां मया पूर्वं वरो दत्तोऽतितोषिणाम् BṛKathāK. 11. 129.

अतित्यक्षु (a-tityakṣu) *adj.* not desirous of giving up केन स्विद्ब्राह्मणो जीवेज्जघन्ये काल आगते। अतित्यक्षुः पुत्रपौत्रान् MahāBhā. xii. 139. 7.

अतित्यद् (ati-tyad) *adj.* surpassing that त्यदतिक्रान्तः [pw. Schol.] अतित्यद्। अतित्यदौ। अतित्यदः KāśiVṛ. *on* vii. 2. 102; PrakriKau. i. 243. 9; SiddhāKau. 90A. 7.

अतित्याग (ati-tyāga) *m.* **i** excessive liberality, absolute sacrifice, gifting away too much तरुदाहोऽतिशीतेन दुर्भिक्षमतिवर्षणात्। अतित्यागादनौचित्यमतिः कुत्रापि नेष्यते PārśvC. 1. 103; 1. 466; KathāK. 117. 23; **ii** dismissal (of a person) absolutely or getting rid (of a person) frequently अतित्यागः (अतुष्टराजलक्षणम्) ArthS'ā. ii. 214. 3 (5. 5) (comm. विसृष्टप्रत्यागतस्य कार्यापदेशेन पुनः पुनः विसर्जनम्)

अतित्यागदूषण (atityāga-dūṣaṇa) *n.* fault of extreme liberality अथ विज्ञपयामास तस्यातित्यागदूषणम्।… सज्जनः…महीभुजे PārśvC. 1. 82.

अतित्यागिन् (ati-tyāgin) *adj.* extremely liberal or bountiful अतित्यागी च योगी च…कथं कालवशं गतः (भीमः) MahāBhā. i. App. 86 (30)

अतित्रपा (ati-trapā) *f.* great shame स्वं कलत्रमपि द्रष्टुं तत्रातित्रपयाक्षमः…तप्यते स दिवानिशम् RājTa.(Ka.) 8. 832.

अतित्रपाकर (atitrapā-kara) *adj.* causing great shame or bashfulness भद्राः। स्मरणकारणं वः प्रकाश्यमानमतित्रपाकरं तत्किमाचक्षीमहि MohaRāPa. 5. 57 (1); देशे गुरुजनासन्ने विवृतेऽतित्रपाकरे। न रमेत ना BhāvPra.(Bhā.) 5. 295.

अतित्रपान्विता (atitrapānvitā) *adj.* (*f.*) having great bashfulness प्रमोदे कारणं बाला नोवाचातित्रपान्विता DevīBhāP. iii. 17. 52.

अतित्रय (ati-traya) *adj.* more than or exceeding three (i. e. four) अतित्रयाणां वर्णानाम् … प्रमुरेषः DvyāśraKā. 1. 183.

अतित्रस्त (ati-trasta) *adj.* much frightened उदस्यन्तः…विन्ध्यशिखरान्।… अतित्रस्ताश्चपलमपसर्पन्ति कपयः AnargharRā. 6. 32; अतित्रस्तो हि भगवानाजगाम सुरेश्वरः BrahmVaiP. iii. 6. 11.

अतित्रस्तमुखाम्बुज (atitrasta-mukhāmbuja) *adj.* with much frightened lotus-like face एतदुक्त्वा स्थितो विष्णुरतित्रस्तमुखाम्बुजः S'ivaP. ii(2). 35. 53 (112B. 10)

अतित्रस्नु (ati-trasnu) *adj.* overtimid [MW]

अतित्रास (ati-trāsa) *m.* extreme fear अतित्रासलोलायतलोचनयुगलं त्राहि त्राहि माम् … इत्याकुलविलापविधुरं स राजकन्यारत्नमद्राक्षीत् ViṣṇuP. iv. 12. 17; अतित्रासेन रोषेण गृहीताश्च चमूवराः। संग्राममधिकं तेनुः BrahmāṇḍP. iii. 23. 91.

अतित्रि (ati-tri) *adj.* more than or exceeding three (i. e. four) अतित्रीणामुदन्वताम्। प्रमुरेषः DvyāśraKā. 1. 183.

अतित्रुटदुत्सुक (atitruṭad-utsuka) *adj.* with bursting eagerness असह आशु विदूरयितुं परो युवतिनीविमतित्रुटदुत्सुकः HammīMaKā. 7. 81.

अतित्वक्प्रसादन (ati-tvakprasādana) *adj.* extremely pleasant to or soothing for the skin कषायः…रूक्षोऽतित्वक्प्रसादनः AṣṭāHṛ. i. 10. 21.

अतित्वम् (ati-tvam) cf. **अतियुष्मद्.**

अतित्वर् (ati-tvar-) I. Ā. to hasten over much [MW] (caus.) उपजपितारो वा नातित्वरयन्ति…इति शनैर्यायात् ArthS'ā. iii. 109. 3 (10. 2)

अतित्वर (ati-tvara) *adj.* hastening very much, with great haste सह नवार्ककरैरिव यूथपैः कपिरसावपरेद्युरतित्वरः।… नृपतपस्विवरस्य पुरोऽभवत् RāmC. 7. 1.

अतित्वरत् (ati-tvara(n)t) *adj.* hurrying much, with great haste अतित्वरन्तो विविशुः परं ते Rāmā. ii. 1592*(1); देवाः…। त्वष्टारमभ्यूचुरतित्वरन्तः कुरुष्व चास्त्राणि BrahmP. 110. 51; यदौदरं ज्योतिरतित्वरन्महत् … तवैव तद्रूपम् BhaviP. 182A. 18 (i. 123. 45)

अतित्वरम् (ati-tvaram) *adv.* very hurriedly प्रजिघाय च सर्वासु दिक्षु

चक्षुरतित्वरम् PadmP.(Ra.) 53. 19.

अतित्वरा (ati-tvarā) *f.* great haste, extreme quickness [mostly Inst.] ततः परमतित्वरया विशेषवत्समुच्चयेन (प्रयुञ्जीत) रागसंधुक्षणार्थम् KāmSū. 105. 13 (2. 3) (comm. तदनुरूपमतित्वरया विशेषवद्विकल्पवर्गानुष्ठानात्समुच्चयेन चेदं वेत्यत्रापि विंशनिप्रयोगाः); 151. 12 (2. 7); आकर्ण्य … मुनिदारकेभ्यः । एकाकिनीमशरणां रुदतीमरण्ये गर्भातुरां स्त्रियमतित्वरयागतोऽस्मि KundaMā. 1. 26; अतित्वरागमनद्रुततरपदोद्धूयमानधूलिराजिव्याजेन राजवार्ताश्रवणकुतूहलिन्या मेदिन्येवानुगम्यमानं कुरङ्गमनामानमायान्तमद्राक्षीत् HarṣaC. 212. 2; 212. 4; अतित्वरयाविचारेणैव देवलोकसुखप्रदा LalitāTriBh. 307. 11 (*on* 31); यत्तु तदनुक्त्वैवातित्वरया शास्त्रलक्षणमभिधीयते तन्न युक्तम् NyāyRa. 406. 14 (*on* 5(5). 2); यावन्न निपतति शरीरम् … तावदतित्वरया विचारे प्रवर्तितव्यम् PrakaVi. 27. 21; संहर भववैरिणं त्वतित्वरया ĀryāS'. 4; अतित्वरायां सार्धप्रहरत्रयावधि जपेत् BālamBha. i. 127. 3 (*on* 1. 24)

अतित्वरान्वित (atitvarānvita) *adj.* with great haste or hurry प्रयात्येष दुरात्मातित्वरान्वितः ViṣṇuP. v. 9. 21 = BrahmP. 187. 20; प्रयत्नस्तु तदप्राप्तौ व्यापारोऽतित्वरान्वितः DaśRū. 1. 20; PratāYaBhū. 105. 10; SāhiDa. 298. 9; त्वष्टा चातित्वरान्वितः । वाजिशीर्षं चकर्ताशु DevīBhāP. i. 5. 108.

अतित्वरापरीत (atitvarā-parīta) *adj.* with great haste अतित्वरापरीतौ तौ पराभूत्युद्भवासहौ । अपि नासहतां यानम् PadmP.(Ra.) 101. 29.

अतित्वरायुत (atitvarā-yuta) *adj.* with great haste प्रयत्नस्तु फलावाप्तेर्व्यापारोऽतित्वरायुतः Mānaso. iv. 2. 132.

अतित्वरावश (atitvarā-vaśa) *m.* [Abl.] due to great haste अनर्पयित्वा कुचयोरतित्वरावशाद्वहन्ती नवहारवल्लरीम् । व्यभाद्दरीतुं विभुमेकिका Raghunā. 11. 10.

अतित्वरित (ati-tvarita) *adj.* with great hurry, very quick गत्वा ततोऽतित्वरितः स्वां पुरीं रघुनन्दनः । अध्यावसत् MahāBhā. iii. 736*(2); अतित्वरितसखीजनोपनीतमासनमध्यास्य देवेन प्रहितानि तान्याभरणोपायनान्युपानैषम् NalaCam. 7. 22 (10); इदम् … अतित्वरितचेटीसमारोप्यमाणदीपिकाचक्रवालनिह्नुतसायंतनसमयसन्तमसबन्धम् … उत्सवायतनम् S'ṛṅgāBhū. 81. 7; अतिप्लवम् । अतित्वरितेन मार्गेण BālamBha. iii. 159. 31 (*on* 3. 264); *n.* great haste प्रत्यक्षादिषु वक्तव्यं शब्दमात्रस्य लक्षणम् । तदतित्वरितेनेह किं शास्त्रादभिधीयते S'lokaVār. 5(5). 1 (406. 2); यत्पुनरतित्वरितेनैव सामान्यलक्षणावसरे विशेषो लक्ष्यते तदसाम्प्रतम् Kāśi. iii. 102. 15 (*on* 5(5). 1)

अतित्वरितगति (atitvarita-gati) *f.* very swift walking or movement सा…अतित्वरितगतिजनितं वातमन्तरेव जरयन्ती…न्यद्रासीत् YaśasCam. ii. 51. 1.

अतित्वरितगमन (atitvarita-gamana) *adj.* moving or walking very quickly or hurriedly सः…अतित्वरितगमनः…तामेव दिशमगच्छत् Kād. 34. 21.

अतित्वरितपद (atitvarita-pada) *n.* very quick or hurried step अतित्वरितपदप्रवृत्तैरवनिपतिभिः … केयूरकोटिताडितानाम् … मणिस्तम्भानां रणितेन सर्वतः क्षुभितमिव तदास्थानभवनमभवत् Kād. 14. 20.

अतित्वरितम् (ati-tvaritam) *adv.* very quickly, very hurriedly अतित्वरितमुभाभ्यामपि भवद्भ्याम् … द्वे अप्याद्ये सेनाङ्गे देवस्य विज्ञापनीये YaśasCam. i. 290. 2; ii. 41. 5; शतमन्युः … निस्सरन्नपि बहिस्ततोऽप्यतित्वरितम् … आबध्य कक्ष्याम् NīlaVi. 17. 18.

अतित्वरितवत् (atitvarita-va(n)t) *adj.* who had hurried much तथैव च तेन प्रतिपन्नम् (v. l. तथा करोमीत्युक्त्वा स चातित्वरितवान्) PañcT. 1. 86 (97. 11)

अतित्वरितविक्रान्ति (atitvarita-vikrānti) *adj.* (*f.*) having very quick movement अथ श्रीललितादेव्याः श्रीपाशायुधसंभवा । अतित्वरितविक्रान्तिरश्वारूढाचलत्पुरः BrahmāṇḍP. iii. 16. 14.

अतित्वरितोक्त (atitvaritokta) *adj.* uttered or said in great haste तदितरपरिचोदनानवतारप्रसङ्गादतित्वरितोक्तम् TantrVā. 1127. 23 (*on* iii. 7. 2)

अतिथि (áti-thi) *m.* [MAYR. 1. 27; 3. 626; DEBRU. p. 722; Uṇā. 4. 2; KāśiVṛ. *on* vi. 2. 44; / अतिथिरभ्यतितो गृहान् भवति । अभ्येति तिथिषु परकुलानीति वा । परगृहाणीति वा Nir. 4. 5 (76. 17); अनित्यं हि स्थितो यस्मात्तस्मादतिथिरुच्यते ManuSm. 3. 105 = ViṣṇuSm. 67. 34 = VasiSm. 8. 7 = SkandP. iii(2). 6. 22; VasiDS. 4. 5; ParāSm. 1. 42; अतिथेरतिथिः प्रोक्तः BrahmāṇḍP. ii. 15. 17; न विद्यते तिथिर्यस्य सोऽप्यतिथिः PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. iv. 4. 104; अनित्या हि तिथिर्यस्मात्तस्मादतिथिरुच्यते BallāC. 63. 15; संयममविनाशयन्नततीत्यतिथिः TattvāRāVār. vii. 21. 11; पञ्चेन्द्रियप्रवृत्ताख्यास्तिथयः पञ्च कीर्तिताः । संसारे(ऽ)श्रेयहेतुत्वात्ताभिर्मुक्तोऽतिथिर्भवेत् YaśasCam. ii. 412. 10] **A** guest, casual visitor स्योनशीरतिथिर्न प्रीणानः ṚV. i. 73. 1; अतो न आ नॄनतिथीनतः पत्नीर्दशस्यत ṚV. v. 50. 3; एते वै प्रियाश्चाप्रियाश्चर्त्विजः स्वर्गं लोकं गमयन्ति यदतिथयः AV. ix. 6. 23; यद्वा अतिथिपतिरतिथीन्परिविष्य गृहानुपोदैत्यवभृथमेव तदुपावैति AV. ix. 6. 53; हिरण्यस्रगयं मणिः श्रद्धां यज्ञं महो दधत् । गृहे वसतु नोऽतिथिः AV. x. 6. 4; अतिथेरातिथ्यमसि TaiS. I. ii. 10. 1 = KāṭhS. 2. 8 = VājaS. 5. 1; अनस्वी च रथी चातिथीनामपचिततमौ TaiS. V. ii. 2. 3; अतिथिभ्यश्च दानम् S'āṅkhāS'S. ii. 3. 25; अतिथींश्च लभेमहि GautPiMe. ii. 5. 12; ऋषिः पुराणोऽतिथिराजगाम MahāBhā. iii. 26. 4; अथागच्छद् द्विजः कश्चिदतिथिः MahāBhā. xiv. 93. 11; अहमतिथिः । कोऽत्र भोः Prati. 5. 7(2); अतिथिरयमस्माकमुपाध्यायो दशकण्ठस्य AnarghaRā. 3. 51(8); भर्तृदारिके नवपुरुषोऽतिथिरागतः TāpaVa. 3. 13(54); को नाम नातिथिरिहाश्रमकन्यकानां वाचा रमेत Kapphiṇā. 6. 24; अतिथिमतिविशिष्टमादरादमरवधूरभि तं जगाम सा RāmC. 12. 97; स्वामिन् किं न तवातिथेः समुचितं सख्यानयानुष्ठितम् NalaCam. 7. 37; एकदा गाधिमगमत् कश्चित्तत्र प्रियोऽतिथिः YogVā. v. 47. 27; अतिथिर्मे मुनिः कश्चित्सह शिष्यैरुपागतः ĀdiP. 23. 41; स प्राणाहुतितोयार्थी ददर्शातिथिमागतम् DarpDa. 6. 41; अथ गोविन्ददत्तस्य गृहानतिथिराययौ KathāSaSāg i. 7. 44; तवागताः स्मोऽतिथयः PariPar. 1. 147; अवतारः सरस्वत्यास्त्वं यत्रातिथिरागतः PāṇḍaC. 3. 252; कृतकृत्याः प्रतीक्षन्ते मृत्युं प्रियमिवातिथिम् HāsyaCū. 145. 17; पुण्यमद्यास्माकं येन त्वमतिथिः संपन्नोऽसि PrabaK. 92. 26; भवन्त एव … चामृतं पिबन्तु चातिथीनिमान् सुरान् विधाय दानवाः NīlaVi. 121. 19; (definitions and varieties of guests) एष वा अतिथिर्यच्छ्रोत्रियः AV. ix. 6. 37; तद्यस्यैवं विद्वान्व्रात्यो राज्ञोऽतिथिर्गृहानागच्छेत् AV. xv. 10. 1; अतिथिदेवो भव TaiĀ. vii 11. 3 (732. 14); प्रविशत्यतिथिर्ब्राह्मणो गृहान् KāṭhU. 2. 7; वैश्वदेवं हुत्वा अतिथिं आकाङ्क्षेत् BhārGS. 3. 14 (83. 3); KauṣīGS. iii. 10. 11; BaudhGS. ii. 9. 1; असमानग्रामोऽतिथिरैकरात्रिकोऽधिवृक्षसूर्योपस्थायी GautDS. i. 5. 36; संप्राप्तो वैश्वदेवान्ते सोऽतिथिः स्वर्गसंक्रमः ParāSm. 1. 40; दूराध्वोपगतं श्रान्तं वैश्वदेव उपस्थितम् । अतिथिं तं विजानीयान्नातिथिः पूर्वमागतः ParāSm. 1. 41; S'aṅkhaSm. 6. 3; ViṣṇuSm. 67. 34; अध्वनीनोऽतिथिर्ज्ञेयः YājñaSm. 1. 111; अतिथिः स्यादयाचकः VāyuP. ii. 17. 17; अज्ञातकुलनामानमन्यदेशादुपागतम् । क्षुधार्तं पांसुकीर्णाङ्घ्रिमतिथिं तं विदुर्बुधाः Mānaso. i. 15. 114; BhaviP. 273A. 4 (i. 184. 8); PadmP. ii. 36. 19; वालखिल्यो यतिश्चैव विज्ञेयो ह्यतिथिः सदा BrahmāṇḍP. ii. 15. 16; एकरात्रिको ग्रामान्तरादागतोऽसंबन्धी अतिथिः VīraMi. (Āhnika.) 156. 21; (duties towards the guests) अशितावत्यतिथावश्नीयाद्यज्ञस्य सात्मत्वाय AV. ix. 6. 38; इष्टं च वा एष पूर्तं च गृहाणामश्नाति यः पूर्वोऽतिथेरश्नाति AV. ix. 6. 31; नादत्वा गुरुभ्यो नातिथिभ्यो नोपाश्रितेभ्यः (भक्षयेत्) CaraS. i. 8. 20; AṣṭāSaṁ. i. 65. 4 (1. 10); अतिथिं ब्रह्मरूपं च कथं हन्यामनागसम् MahāBhā. iii. 154. 33; अतिथेः प्रतिकूलं ते न कर्तव्यं कथंचन MahāBhā. xiii. 2. 41; ब्राह्मणश्चातिथिश्चैष अनुक्तो हि शपेत माम् Rāmā. iii. 45. 2; मातुलातिथिसंश्रितैः … विवादं न समाचरेत् ManuSm. 4. 179; अतिथिर्यस्य भग्नाशो गृहात्प्रतिनिवर्तते ViṣṇuSm. 67. 33; अनाशितमतिथिं गृहे न वासयेत् ViṣṇuSm. 67. 30; कथमतिथिं मां परिभवसि S'āk. 4. 0(25); एतत्तु मां दहति यद्गृहमस्मदीयं क्षीणार्थमित्यतिथयः परिवर्जयन्ति Mṛcch. 1. 12; अतिथिर्यस्य नाश्नाति न तच्छ्राद्धं प्रशस्यते KūrmaP. 608. 18 (2. 22); असत्कृत्यातिथिं नाथो न मे भोक्ष्यति कर्हिचित् SkandP. iv. 96. 131; गृहस्थैश्च न निन्द्यास्तु सदा ह्यतिथयः LiṅgaP. i. 29. 43; अयं सायतनं प्राप्तमतिथिं क्षुधयार्दितम् । वाण्यापि नाकरोत् तस्य पूजनम् PadmP. iv. 39. 61; अतिथिर्विमुखो यस्य याति पूजां विना गृहात् । स तस्य … पुण्यं हृत्वा पलायते RāmāMañ. 116. 16; यत्र श्रोत्रियानतिथीनासनपाद्यादिभिरपि गृहिणो नोपतिष्ठन्ति PraboCan. 2. 6 (22. 6); भवन्तश्चेदृशा धर्मज्ञा यन्मामतिथिं हन्तुमुद्यताः Hitopa. 1. 43(5); अतिथिम् … मा वधीः RājTa. (Jo.) 1126; मम राज्ये अतिथिभिरकृतभोजनैर्न यथा स्थीयते तथा कर्तव्यम् VīraMi. 667. 20 (*on* 2. 186); (duties towards guests and others associated with him) भोजयेत् पूर्वमतिथिकुमारव्याधितगर्भिणीस्ववासिनीस्थविरान् GautDS. i. 5. 23; अग्रे भोजयेदतिथीन् BaudhDS. ii. 7. 19; गृहस्थस्य … देवपित्रतिथिभृत्येषु त्यागः शेषभोजनं च ArthS'ā. i. 29. 10 (1. 3); धर्मागतं प्राप्य धनं यजेत दद्यात्सदैवातिथीन् भोजयेच्च MahāBhā. i. 86. 3; स्मयन्नेव तु तान् वीरान् द्रोणः प्रत्यग्रहीत्स्वयम् । अतिथीनागतान् यद्वत् सलिलेनासनेन च MahāBhā. vii. 85. 22; वासयन्त्यतिथीन्नित्यं नित्यं ये चानसूयकाः । … दुर्गाण्यतितरन्ति ते MahāBhā. xii. 111. 4; अतिथीनन्नपानेन पितॄंश्च स्वधया तथा MahāBhā. xii. 99. 8; येन येन च तुष्येत नित्यमेव त्वयातिथिः । अप्यात्मनः प्रदानेन न ते कार्या विचारणा MahāBhā. xiii. 2. 42; अतिथिं प्रतिपूज्य च । …स तेषां भोजनं ददौ Rāmā. iii. 11. 24; अस्माकमतिथिश्चैव पूज्यश्च प्लवतां वरः Rāmā. v. 1. 86; स ददर्शातिथिं श्लाघ्यं देवर्षिम् HariVaṁ. 46. 4; संपादयत्यर्थद्वयमारोग्यमिन्द्रियविजयं चेति ।… अतिथीनां पूजकः CaraS. i. 8. 18; i. 11. 33; अतिथये प्रदद्यादासनोदके ViṣṇuSm. 67. 45; 59. 29; प्रत्युज्जगामातिथिमातिथेयः RaghuVa. 5. 2; अतिथीनाश्रमोन्मुखान् । पुनानं पवनोद्धूतैर्धूमैः RaghuVa. 1. 53; अतिथिः परिचरितव्यः S'ābaBh. 1657. 6 (*on* ix. 1. 10); सन्तु मेऽतिथयः श्लाघ्याः MārkP. 19. 17; MatsyaP. 16. 50; निवापेन पितॄनर्चन् यज्ञैर्देवांस्तथातिथीन् । अन्नैः ViṣṇuP. iii. 9. 9; बोभुज्यतेऽतिथिसुहृत्स्वजनैः सहान्नम् BṛSaṁ. 19. 18; अतिथीनामथार्चनम् PauṣkS. 41. 60; विसर्जयेदनु-

व्रज्य सुतृप्तश्रोत्रियातिथीन् VedavyāSm. 3. 46; दीयतामतिथये शरीरमिदम् HarṣaC. 339. 9; देव क्षुन्मानतिथिरुपस्थित: VeṇīSaṁ. 6. 200; ऋषिरयमतिथिश्चेद् विष्टर: पाद्यमर्घ्यं तदनु च मधुपर्क: कल्प्यतां श्रोत्रियाय MahāvīC. 2. 44; देवातिथीनां पूजा च…धर्मोऽयं वनवासिन: NītiSā. 2. 28; यथातिथये प्रद्रुताय दद्यात्तादृगेतत् ManuBh. i. 71. 20 (*on* 2. 10); तानि पर्वाणि येष्वतिथिपरिजनयो: प्रकामं संतर्पणम् NītiVā. 27. 48; स्वकर्मणा धनं लब्ध्वा पितृदेवातिथीनपि । सम्यक् संप्रीणयेद् भक्त्या VāmaP. 14. 12; अतिथि: प्रार्थयामि त्वां देहं यागाय पावनम् AgniP. 114. 6; अतिथे: सेवनं दानम्…ब्रह्मचारी समाचरेत् BṛDharmaP. ii. 5. 1; पूजाऽप्यतिथिदेवानाम् धर्मोऽयं गृहिणां कृत: SamarāSū. 7. 19; बालादीनतिथिभृत्यांश्च संभोज्य …शेषभोजनं कर्तव्यम् Mitā. 36. 12 (*on* 1. 105); पिता त्वां च नियुङ्क्ते स शुश्रूषायै ममातिथे: KathāSaSāg. i. 1. 40; अतिथिस्तद्वद्देवास्य गृहस्थस्य प्रभु: स्मृत: S'aṅkhaSm. 5. 7; प्रवर्तयत…अतिथीनां सपर्यार्थम्…पशुविशसनानि KaumuMi. 1. 16 (20); अभीष्टो ह्यतिथि: कामं गृहसर्वस्वमर्हति PāṇḍaC. 5. 403; अतिथिपूजनमतिथिभ्योऽन्नदानं स मनुष्ययज्ञ इत्यर्थ: SmṛtiCan. ii. 566. 17; दानं चतुर्विधाहारपात्राच्छादनसद्मनाम् । अतिथिभ्योऽतिथिसंविभागव्रतमुदीरितम् TriṣaS'aPuC. i. 3. 639; i. 1. 191; MalliC. 7. 820; SamarāSaṁ. 1. 294; वेदविहिता तु हिंसा प्रत्युत धर्महेतु: देवतातिथिपितॄणां प्रीतिसंपादकत्वात् SyādvāMañ. 11 (6); अतिथिर्दातुरत्यन्तोपकारक: Aparā. 438. 2 (*on* 2. 219–221); यद्यप्यन्नं नास्ति तदा प्रीतिवचनेनापि तावदतिथि: पूज्य: Hitopa. 1. 44 (1); पात्रं मे पयसा पूर्णमतिथि: कोऽपि पीतवान् PrabhāC. 6. 14; संपूजितो वोऽतिथिरुद्धरेत्कुलम् S'aṅkaDigVi. (Mā.) 14. 104; देवतातिथिविप्राणामदत्त्वा योऽन्नमश्नुते । … वायस: संप्रजायते S'ārṅgaPa. 724; सेवेत देवभूदेववृद्धवैद्यनृपातिथीन् BhāvPra. (Bhā.) 5. 250; अतिथिसोदरान् । हित्वा गृही न भुञ्जीयात् प्राणै: कण्ठगतैरपि MahNirvāT. 8. 33; प्रिये राधिके गृहागतायातिथये निवेदय पल्लवास्तरणम् GopāKeCan. 127. 35; यथातिथि: प्रीयते तथा कर्तव्यतया विहितम् S'ivārkaMaDī. i. 36. 12 (*on* i. 1. 1); अतिथिकुमारादीनां तु भोजने पौर्वापर्यमनियतम् VīraMi. (Āhnika.) 455. 22; (Agni as guest) श्रेष्ठं यविष्ठमतिथिम् … । अग्निमीळे व्युष्टिषु ṚV. i. 44. 4; प्रेष्ठं वो अतिथिं गृणीषेऽग्निम् ṚV. i. 186. 3; विश्पतिं यह्वमतिथिं नर: सदा …। प्र शंसन्ति ṚV. iii. 3. 8; कविप्रशस्तो अतिथि: शिवो न: ṚV. v. 1. 8; अधा विश्वीव्योऽसि प्रियो नो अतिथि: ṚV. vi. 2. 7; द्युतानो दैव्यो अतिथि: शुशोच ṚV. vii. 8. 4; समिधाग्निं दुवस्यत घृतैर्बोधयतातिथिम् ṚV. viii. 44. 1; स दर्शतश्रीरतिथिर्गृहेगृहे ṚV. x. 91. 2; तेषामासन्नानामतिथिरात्मं जुहोति AV. ix. 6. 21; घृतैर्बोधयतातिथिम् TaiS. IV. ii. 3. 1; VājaS. 3. 1; दीदाय दैव्यो अतिथि: शिवो न: TaiS. II. v. 12. 4; VājaS. 12. 34; एष ह वा अस्य प्रियोऽतिथिर्यदग्निरग्ने: AitBr. 3. 5 (71); (as guest among men) दधुष्ट्वा भृगवो मानुषेष्वा …। होतारमग्ने अतिथिं वरेण्यम् ṚV. i. 58. 6; विश्वेषामतिथिर्मानुषाणाम् ṚV. iv. 1. 20; कविं सम्राजमतिथिं जनानाम् ṚV. vi. 7. 1; अतिथिं मानुषाणाम् ṚV. viii. 23. 25; त्व१ग्निमतिथिं जनानाम् ṚV. x. 1. 5; एको विभूरतिथिर्जनानाम् AV. vii. 21. 1; (guest of the clans) विशामग्निमतिथिं सुप्रयसम् ṚV. ii. 4. 1; विशामतिथिर्विभावसु: ṚV. iii. 2. 2; प्रियो विशामतिथिर्मानुषीणाम् ṚV. v. 1. 9; v. 3. 5; v. 18. 1; viii. 74. 1; अग्निरकामयत विशोविशोऽतिथि: स्याम् PañcBr. xiv. 11. 37; AitĀ. I. i. 1. 4; वैश्वानर: अग्निरेव साक्षात् प्रविशति अतिथिस्सन् ब्राह्मण: KāṭhUBh. 106. 5 (*on* 1. 7); अतिथि: सर्वभूतानामग्नि: सोमो गवामृतम् MahāBhā. iii. 1382*(5); (*fig.* used to emphasize a casual or accidental visit and hence to indicate *death* or *birth in heaven*, an *accidental* occurrence etc.) अद्यैवातिथय: सर्वे भविष्यन्ति यमस्य ते MahāBhā. V. App. 1. 7 (14); कैलासस्य त्रिदशवनितादर्पणस्यातिथि: स्या: MeghDū. 58; स्वकृत्यभारसंन्यासी यावदित्थं विषीदसि । तावदन्तकदंष्ट्राणामरातिरतिथिर्न ते RāmC. 1. 46; अहो विक्रमैकरसिकेषु महासाहसिकेषु भवत्सु मध्ये किं कोऽपि मे प्रार्थनातिथिमनोरथसारथिरस्ति YaśasCam. ii. 302. 23; (पतग:) अयमतिथिर्वनपल्लवस्य जात: NavaSāC. 3. 38; °शिर: सरोजातिथिभृङ्गभङ्गिभि: S'rīKaC. 3. 9; 3. 16; 3. 56; वच: प्रियतमश्रुतेरतिथिरेव RasMañ. 3; स दृशोरतिथिर्न नोऽभूत् CaitanCa. 120. 10 (5); तान् सोऽतिथीन् कारितवान् यमस्य VīraBhā. 2. 61; आसन्नक्ष्णो: क्षणमतिथयो यस्य ते ते न देशा: BhramaDū. 17; एतदेव मम पुण्यमगण्यं यत् कृशोदरि दृशोरतिथिस्त्वम् PadyaVe. 275; तेषामासीदक्ष्णामतिथि: ĀnandRa. 1. 14; [Kośas give synonyms of अतिथि as आगन्तु or आगन्तुक, MediK. 77. 14; S'abdaRaSaK. 169. 17; प्राघूर्णक प्रावुण or प्रावुणक AbhidhāCin. 499; ViśvaPra. 76. 16; ViśvaLoK. 164. 16; तिथिहीन NānārthāSaṁ. ii. 59. 150] **B** [included in *śubhrādigaṇa*, GaṇPā. 230. 28; GaṇRa. 3. 220 (263)] a king of the solar race (son of Kuśa, grandson of Rāma) अतिथिस्तु कुशाज्जज्ञे HariVaṁ. 10. 75; अतिथिं नाम काकुत्स्थात् पुत्रं प्राप कुमुद्वती RaghuVa. 17. 1; KāvyPra. 778. 3; CitraMī. 33. 22; कुशस्यातिथि: … पुत्रोऽभूत् ViṣṇuP. iv. 4. 105; MatsyaP. 12. 52; कुशस्य पुत्रो धर्मात्मा ह्यतिथि: सुप्रियातिथि: VāyuP. ii. 26. 199; BrahmāṇḍP. ii. 63. 201; नप्तेव मैथिलीभर्तुरतिथिर्नाम पार्थिव: NavaSāC. 11. 35; KūrmaP. 235. 18 (1. 21); AgniP. 272. 36; LiṅgaP. i. 66. 38; BrahmP. 8. 88; BhaviP. 415A. 24 (ii(1). 2. 8); PadmP. v. 8. 156; SaurP. 30. 70; S'ivaP. v. 39. 19 (452A. 2); KalkiP. iii. 4. 1; कुशपुत्र, कुशनन्दन, कुशतनय, नृपभेद TrikāS'e. 3. 194; AnekāSaṁ. 3. 307; ViśvaPra. 76. 16; NānārthāSaṁ. ii. 59. 150; MediK. 77. 14; ViśvaLoK. 164. 16; KośaKaTa. 2. 5803; S'abdaRaSaK. 169. 17; **C** name of S'iva असंसृष्टोऽतिथि: … एवं नाम्नां सहस्रेण तुष्टाव हि हरं हरि: S'ivaP. iv. 35. 78 (392B. 9); LiṅgaP. i. 98. 104; SaurP. 41. 89; **D** one of the Ādya gods अन्तरीक्षो वसुहयो ह्यतिथिश्च प्रियव्रत: । … आद्या ह्येते प्रकीर्तिता: VāyuP. ii. 1. 59; **E** name of a deity guarding the gates सुमुख: कालदण्डश्चातिथिर्मुदितस्तथा । … द्वारपा: स्मृता: ĪśānS'iPa. ii. 59. 95; **F** name of a King अयोध्यायां पुरा कश्चिदतिथिर्नाम वै नृप: SkandP. ii(4). 32. 54; **G** name of a Ṛṣi, VīraMi. (Saṁskāra.) 624. 6; S'abdaRa. (Vā.) 411; **H** anger, wrath क्रुध्, AnekāSaṁ. 3. 307; कोप ViśvaPra. 76. 16; ViśvaLoK. 164. 16; KośaKaTa. 2. 5803; **I** bitumen शिलाजतु DhanvNi. 128. 2; [Vedic name of an attendant of Soma, GOLD.]

अतिथि (a-tithi) *f.* **i** day which is not a lunar day, inauspicious lunar day न रजस्वलां नातुराम् … न सन्ध्ययोर्नातिथिषु … नारहसि व्यवायं गच्छेत् CaraS. i. 8. 22; **ii** name of a queen हस्तिनागपुरे … अभूदायोधनो नाम नृपति: ।… अतिथिर्नामा(? म) चास्य महादेवी YaśasCam. ii. 350. 23.

अतिथिकालोपस्थित (atithikālopasthita) *adj.* arriving at a time (specified) for a guest पाषण्डिन: … एतानतिथिकालोपस्थितान् वाङ्मात्रेणापि न पूजयेत् ManvaMu. 150. 6 (*on* 4. 30)

अतिथिकुशल (a-tithikuśala) *adj.* **1** who is not well-versed in (the interpretation of) the lunar days अभ्यस्ततिथिभिरप्यतिथिकुशलै: … ब्राह्मणैरध्यासितम् (कुण्डिनं नाम नगरम्) NalaCam. 2. 27 (7); **2** who receives guests and takes up the sacred grass, NalaCam. 2. 27 (7); (cf. comm. अतिथीन् … कुशांश्च लान्ति स्वीकुर्वन्ति)

अतिथिक्रिया (atithi-kriyā) *f.* reception of a guest, hospitality मुनय: … रामलक्ष्मणयो: पश्चादकुर्वन्नतिथिक्रियाम् Rāmā. i. 22. 18; i. 28. 16; तां देवतापित्र्यतिथिक्रियार्थामन्वग्ययौ RaghuVa. 2. 16; कृतमेव त्वया सर्वं सर्वामेवातिथिक्रियाम् MārkP. 70. 14; वानप्रस्थाश्रमं धर्मं प्रवक्ष्याम: … शय्या ब्रह्मचर्यं पितृदेवातिथिक्रिया: VāmaP. 14. 112; रचयितुं ह्युचितामतिथिक्रियां पथिकमाह्वयतीव … फलिताम्रवणावली NemiC. 8. 18.

अतिथिगवी (atithi-gavī) *f.* cow to be offered to the guest (i. e. Soma) अथ हैके सप्तगुना यजन्ते सोमक्रयण्यतिथिगव्यनूबन्ध्याश्चतस्रो मध्यत: BaudhS'S. iii. 232. 7.

अतिथिगौरवऋद्धि (atithi-gauravarddhi) *f.* abundance of hospitality to a guest आजिषु वीरा: … गौरवाद्दपुरपास्य भजन्ते मत्कृतामतिथिगौरवऋद्धिम् NaiṣC. 5. 15.

अतिथिग्रहण (atithi-grahaṇa) *n.* obtainment of a guest ततो गोदोहमात्रं वै कालं तिष्ठेद्गृहाङ्गणे । अतिथिग्रहणार्थाय ViṣṇuP. iii. 11. 58.

अतिथिग्व (atithi-gvá) *m.* [DEBRU. p. 545] **1** name of a king (father of Divodāsa) आविथारन्धयोऽतिथिग्वाय शम्बरम् (Sāy. अतिथिभिर्गन्तव्याय दिवोदासाय) ṚV. i. 51. 6; i. 112. 14; अतिथिग्वाय शम्बरं गिरेरुग्रो अवाभरत् ṚV. i. 130. 7; दिवोदासमतिथिग्वं यदावम् ṚV. iv. 26. 3; दिवोदासादतिथिग्वस्य राध: शाम्बरं वसु प्रत्यग्रभीष्म ṚV. vi. 47. 22 (Sāy. स (प्रस्तोक:) एव दिवोदासोऽश्वथोऽतिथिग्व इति चाख्यायते); **2** name of a sage य आयुं कुत्समतिथिग्वमर्दयो वावृधानो दिवेदिवे ṚV. viii. 53. 2 (Sāy. एतत्संज्ञमृषिम्); **3** name of a king associated with Indra मघवन् … नि तुर्वशम् … शिशीह्यतिथिग्वाय शंस्यं करिष्यन् ṚV. vii. 19. 8; त्वं करञ्जमुत पर्णयं वधीस्तेजिष्ठयातिथिग्वस्य वर्तनी ṚV. i. 53. 8; त्वमस्मै कुत्समतिथिग्वमायुं महे राज्ञे यूने अरन्धनाय: ṚV. i. 53. 10; प्र तत्ते अद्या करणं कृतं भूत्कुत्सं यदायुमतिथिग्वमस्मै ṚV. vi. 18. 13; कुत्सस्यायोरतिथिग्वस्य वीरान्न्यवृणक् ṚV. ii. 14. 7; अहं गुङ्गुभ्यो अतिथिग्वम् … धारयम् ṚV. x. 48. 8 (Sāy. अतिथिगो: पुत्रम्)

अतिथिजन (atithi-jana) *m.* guests अस्मदीयमिह धर्मोपदेशप्रदानमेव प्रथममातिथेयमतिथिजनेषु NalaCam. 6. 28 (8); स्वाधीनसुलभम् … अतिथिजनप्रतिपूजनसमर्थरूपं शरीरधनम् JātMā. 29. 18 (6. 16); 34. 24 (7. 4); विप्र: प्रियव्रतो नाम …। आसीत्कार्श्यां शुभाचार: सदातिथिजनप्रिय: SkandP. iv. 47. 4; अतिथिजनशेषमश्नति सज्जनजिह्वे कृतार्थासि SubhāRaK. 37. 40; अतिथिजनसपर्यापर्युत्सुकसौमित्रिसमाहृतकन्दमूलफलकल्पितैकदेशम् … रामाश्रमं भरत: … अभजत RāmaCam. 2. 76 (11); अतिथिजनार्चनै: … ते नैकं दिनमिव वन्ध्यतामनैषु: RāghPāṇ. (Ka.) 5. 2.

अतिथिज्ञ (atithi-jña) *adj.* who knows the (duties towards) the guests (विप्र:) अस्तेनश्चातिथिज्ञश्च स राजन्केतनक्षम: MahāBhā. xiii. 24. 27.

अतिथिता (atithi-tā) *f.* the status of a guest ते वध्यमानाः पार्थेन ··· शक्रस्यातिथितां गताः MahāBhā. vii. 18.36; viii. 43.77; अप्रत्ययस्य वातिथितया समुपस्थितत्वादर्थः JayaMa. 357.22 (*on* 6.6); धनमित्रनरेन्द्रस्य स्नेहादतिथितां गतः।···बलिः TriṣaS'aPuC. iv. 3.75; मुनिरेषः···अर्थिनोऽप्यतिथितामनुमेने NaiṣC. 5.4 (comm. आतिथ्यम्); निजानुजेनातिथितामुपेतः प्राचीपतेर्वाहनवारणेन । सिन्दूरसान्द्रे किमकारि मूर्ध्नि तेनारुणश्रीरयमुज्जिहीते NaiṣC. 22.44; अनगारेष्वतिथितामागतेष्वन्नतृष्णया PariPar. 12.317; (fig.) दृशोरतिथितां नीत्वा विष्णुर्वाराणसीं ततः। पुण्डरीकाक्ष इत्याख्यां सफलीकृतवान्मुदा SkandP. iv. 58.16; इयं न यस्यातिथितां गता दृशोः NavaSāC. 7.5; परान्परःशतान्प्रेतपतेरतिथितां नयन् । परमारान्वयं चक्रे क्षेत्रसिंहोऽत्र सार्थकम् HammīMaKā. 13.204; कालस्यातिथितां गतोऽपि कुरुते कां कां नवाश्चर्यताम् ParamāKā. 19.137.

अतिथित्व (atithi-tva) *n.* the status of a guest अतिथित्वेन वर्णानां देयं शक्त्यानुपूर्वशः YājñaSm. 1.107; सकलयज्ञातिथित्वेन वैश्यान्नं तेन संस्कृतम् ĀpaSm. 8.16; विद्वान्विद्वांसमविद्वांसं च क्षुधितं चागतं चातिथित्वेन परिचरति PārāSū. 97.11; क्षत्रियो यदि वा गच्छेदतिथित्वेन वेश्मनि Bṛ-ParāSm. 4.210 (206); त्रिभ्यश्चाधिकस्य विप्रस्याभिगतस्यातिथित्वं कल्प्यम् Aparā. 146.11 (*on* 1.104); त्वम्···मद्भाग्येन गतोऽतिथित्वम् SaduktiKa. 33.25; अतिथित्वेनागतोऽनर्चितो वसन्नन्यत्रापि ManvaVi. 339.27 (*on* 3.100); कः पुनरतिथित्वेऽधिक्रियत इत्यत आह – अतिथिन्वेऽपि BālaKrī. i. 96.22 (*on* 1.106); वैडालव्रतिकायातिथित्वेन सत्कृतार्थदानादि निषिद्धम् ManvaMu. 179.29 (*on* 4.192); अतिथित्वात्स नः पूज्यो वरश्चान्यो न तादृशः KathāSaSāg. xii. 23.84; अतिथित्वेनोपस्थितानां ब्राह्मणादीनां वर्णानुपूर्व्ये यथाशक्त्यन्नं देयमित्यर्थः VīraMi. 200.1 (*on* 1.107); एवं च प्रियस्य यदतिथित्वमुक्तं शातातपेन BālamBha. i. 357.3 (*on* 1.107); PrabaK. 119.10; (fig.) अतिथित्वमवाप नेत्रयोर्बुधलोकः शिवशर्मणस्त्वथ SkandP. iv. 15.20; छिन्नेऽपि जगाम पक्ष्मयुग्मे पक्षीन्द्रस्त्रिदिवस्य योऽतिथित्वम् RāmC. 14.18; आयाति···कथंकारम्··· बिम्बं मज्जनस्यातिथित्वम् S'rīKaC. 14.60; अन्तकस्य स तत्कालमतिथित्वं गमिष्यति PariPar. 9.9; अतिथित्वमनायि सा दृशोः सदसत्संशयगोचरोदरी NaiṣC. 2.40; तव भवनस्यातिथित्वं विधास्ये KamVa. 5.38.

अतिथित्वनिराकरण (atithitva-nirākaraṇa) *n.* denial of the status of a guest सख्यादीनामतिथित्वनिराकरणात् VīraMi.(Āhnika.) 439.7.

अतिथित्वमात्र (atithitva-mātra) *n.* mere status of a guest श्रोत्रियत्वमात्रेणातिथित्वमात्रेण वा विशिष्टस्य माननमनेन फलाय विधीयत इत्यनुसन्धेयम् Aparā. 156.3 (*on* 1.111)

अतिथित्वसंभव (atithitva-sambhava) *m.* possibility of (possessing) the status of a guest भैक्ष्यभोजित्वात्तेषां नातिथित्वसंभवः ManuBh. i. 343.2 (*on* 4.31)

अतिथित्वाभाव (atithitvābhāva) *m.* absence of the guest-status मित्रादीनामतिथित्वाभावो मनुनोक्तः BālamBha. i. 358.20 (*on* 1.108); एकग्रामनिवासिनोऽतिथित्वाभावेऽपि वैश्वदेवार्थमुद्धृत्यावश्यं भिक्षा प्रदातव्या VīraMi.(Āhnika.) 436.21.

अतिथित्वाभिधान (atithitvābhidhāna) *n.* statement of assigning the status of a guest (to some one) शातातपवाक्ये···प्रियस्यातिथित्वाभिधानात् VīraMi.(Āhnika.) 439.5.

अतिथिदर्शन (atithi-darśana) *n.* sight of a guest तदहो ददतोऽन्नं महात्मनः। शिष्टं मात्सर्यहीनस्य वर्धत्यतिथिदर्शनात् MahāBhā. iii. 246.9; कोऽयमतिथिदर्शनेन प्रतिभयः प्रथितः स्वेदकम्पोपप्लवः KaumuMi. 1.18 (6)

अतिथिदान (atithi-dāna) *n.* offering to a guest एवकारोऽतिथिदानादपि पूर्वकरणाद् विचिकित्सानिवृत्त्यर्थः BālaKrī. i. 95.1 (*on* 1.102)

अतिथिदारिद्र्य (atithi-dāridrya) *n.* poverty of a guest प्रदीप्तेऽतिथिदारिद्र्यदावाग्नौ क्षिपतोऽपि ते। दानवारिणि ··· स्नेहनाशो न दृश्यते AlaṅkāMañ. 128.10.

अतिथिदेव (athithi-deva) *adj.* having a guest for a deity अतिथिदेवो भव TaiU.1.11 = TaiĀ. vii. xi. 2 (S'aṅ. देवतावदुपास्या एते इत्यर्थः)

अतिथिदेवत्य (atithi-devatya) *adj.* pertaining to treatment of a guest as a deity अस्ति ह्याचारो बहुलं लोके। देवदेवत्यमतिथिदेवत्यं पितृदेवत्यम् Nir. 7.4 (134.12); अत्र हि देवताशब्दः स्मर्यते। अग्निदेवत्यं सूक्तम्। अग्निदेवत्यं हविरिति। तथा अतिथिदेवत्यम्, पितृदेवत्यमिति S'ābaBh. 1927.21 (*on* x. 4.23)

अतिथिदैवत (atithi-daivata) *adj.* having a guest as a deity मुनिः ··· नित्यं चातिथिदैवतः SkandP. iv. 94.2.

अतिथिदैवत्य (atithi-daivatya) *adj.* having a guest as a deity गृहस्थोऽतिथिदैवत्यस्तस्मात्तं पूजयेत्सदा ViṣṇuDhaP. ii. 92.57.

अतिथिद्विष् (atithi-dviṣ) *adj.* hating a guest, MediK. 18.9; AnekāSaṁ. 4.28; ViśvaPra. 19.216; S'abdaRaSaK. 40.17; AnekāTi. 4.149.

अतिथिद्वेष (atithi-dveṣa) *m.* hatred of a guest, inhospitality [MW]

अतिथिधर्म (atithi-dharma) *m.* **1 A** duty towards a guest भो भद्र ··· तद्गृह्यतामतिथिधर्मः Pañcā. 26.17; **1 B** duty of a guest अतिथिधर्ममाह – गोदोहनकालमिति VīraMi.(Āhnika.) 442.10; **2** [Inst.] in the role of a guest यदि त्वतिथिधर्मेण क्षत्रियो गृहमाव्रजेत् ManuSm. 3.111; ViṣṇuSm. 67.36; आश्रमान्तरस्थानां भैक्षचर्या विहिता न त्वतिथिधर्मेण भोजनम् ManuBh. i. 258.2 (*on* 3.109); आगतमप्यतिथिं न विद्यात् नातिथिधर्मेणार्चयेत् ManvaVi. 341.21 (*on* 3.103); भवं(? व)त्योऽतिथिधर्मेण प्राप्ताः स्वर्गात्सुमध्यमाः DevīBhāP. iv. 6.32; VīraMi.(Āhnika.) 449.2.

अतिथिधर्मशालिन् (atithidharmaśāl-in) *adj.* possessed of the status of a guest वैश्यशूद्रावपि ··· ग्रामान्तरादागतत्वादतिथिधर्मशालिनौ ManvaMu. 108.5 (*on* 3.112)

अतिथिधर्मिन् (atithi-dharmin) *adj.* having the nature of a guest वैश्यशूद्रावपि प्राप्तौ कुटुम्बेऽतिथिधर्मिणौ। भोजयेत् ViṣṇuSm. 67.37; ManuSm. 3.112; सकाशं तव संप्राप्तौ दूरादतिथिधर्मिणौ BhaviP. 612B.20 (iv. 3.25); वैश्यशूद्रावपि प्राप्तौ कुटुम्बेऽतिथिधर्मिणौ ··· भोजयेत्सह भृत्यैस्तौ BallāC. 63.16.

अतिथिधर्मोपदेश (atithidharmopadeśa) *m.* instruction relating to the duties towards a guest अतिथिमवजानन्तं यजमानमतिथिधर्मोपदेशेन तत्स्वीकारमकारयतां ब्राह्मणानामयं प्रत्यवायः CaturCin. iii(1). 440.9.

अतिथिन् (ati-thín) *adj.* [DEBRU. p. 330, 722] wanderer, itinerant [w. r. for वैतिथिन् MahāBhā. xii. 29.22]

अतिथिनी (atithín-ī) *adj.* (*f.*) bringing guests साध्वर्या अतिथिनीरिषिराः ···। बृहस्पतिः ··· गा ऊपे ṚV. x. 68.3 (Sāy. सततं गच्छन्तीः) = AV. xx. 16.3.

अतिथिनिमित्तक (atithinimitta-ka) *adj.* meant for a guest अतिथिनिमित्तके आतिथ्यं यदुपात्तं तदतिथिना भक्ष्यमित्यर्थः VīraMi.(Āhnika.) 530.17.

अतिथिनिरीक्षण (atithi-nirīkṣaṇa) *n.* looking out for a guest भिक्षादानानन्तरमप्यतिथिनिरीक्षणाय गृहाङ्कणे कंचित्कालं तिष्ठेदित्यर्थः SmṛtiCan. ii. 588.8; VīraMi.(Āhnika.) 433.21.

अतिथिपञ्चम (atithi-pañcama) *adj.* with the guest as the fifth देवान् पितृन्मनुष्यांश्च भिक्षूनतिथिपञ्चमान् MahāBhā. v. 33.63.

अतिथिपति (átithi-pati) *m.* [AltGr. II. 1.264] a host यजमानब्राह्मणं वा एतदतिथिपतिः कुरुते AV. ix. 6.18; ix. 6.3; यद्वा अतिथिपतिरतिथीन्प्रतिविष्य गृहानुपोदैति AV. ix. 6.53; अतिथिपतिर्वा अतिथीनामीष्टे MaiS. iv. 8.1.

अतिथिपथ (atithi-patha) *m.* guest's path (i. e. arrival) गृहपतिर्मम ! प्रतीक्षेतातिथिपथम् SkandP. iv. 96.132.

अतिथिपद (atithi-pada) *n.* **i** position of a guest तेन चाहमतिथिपदादातिथेयेनापश्चितोपचिताकाल्पखेदः(?)··· तमब्रवम् AvantiKa. 193.16; **ii** the word 'guest' अनित्यं स्थित इत्यस्मिन्नर्थेऽतिथिपदं निपात्यते ManvaVi. 341.1 (*on* 3.102)

अतिथिपरिग्रह (atithi-parigraha) *m.* reception of a guest यः प्राजापत्यामिष्टिं निरूप्य ··· प्रव्रजितो न तस्य होमो न तस्यातिथिपरिग्रहः NyāyKa. 278.1.

अतिथिपरिवेषण (atithi-pariveṣaṇa) *n.* serving food to a guest धर्मकार्ये च भिक्षादानातिथिपरिवेषणहोमीयद्रव्योपकल्पनादि प्रात्यहिकम् ManvaMu. 378.30 (*on* 9.86)

अतिथिपूजक (atithi-pūjaka) *adj.* [*f.*-ikā] honouring a guest देवतातिथिपूजकाः। दीर्घायुषो नराः सर्वे Rāmā. i. 6.16; देवतातिथिपूजकः।···ब्राह्मणो नावसीदति ParāSm. 1.38; अतिथिपूजकाः। ये च वेदार्थवक्तारस्ते वै भागवतोत्तमाः SkandP. ii(1). 21.56; परीक्षितनृपोऽभवत्। देवतातिथिपूजकः BhaviP. 558A.13 (iii(4). 9.3); ये वै ह्यतिथिपूजकाः।··· विज्ञेया वैष्णवा नराः PadmP. iii. 1.27; यज्वा विनीतो ह्रीमांश्च देवतातिथिपूजकः GaṇeP. ii. 27.5; देवतातिथिपूजिका। नाम्ना इन्दुमती ख्याता GaṇeP. i. 53.7; निःस्पृहोऽतिथिपूजकः।··· सैव सत्राधिपः स्मृतः S'ukraNi. 2.169.

अतिथिपूजन (atithi-pūjana) *n.* honour shown to a guest अहं बाला नियुक्तातिथिपूजने MahāBhā. i. 113.32; सत्यार्जवं चातिथिपूजनं च ···। निषेवितव्यानि सुखानि लोके MahāBhā. xii. 61.14; यज्ञः ··· अतिथिपूजनम्। ··· एतद्ब्राह्मणलक्षणम् MahāBhā. xii. 191*(1); श्रुतपूर्वो मया धर्मो महानतिथिपूजने MahāBhā. xii. 142.39; xiii. 2.68; सत्यं च ···। द्विजातिदेवातिथिपूजनं च पन्थानमाहुस्त्रिदिवस्य सन्तः Rāmā. ii. 101.30; पञ्च क्लृप्ता महायज्ञाः···नृयज्ञोऽतिथिपूजनम् ManuSm. 3.70; धन्यं यशस्यमायुष्यं स्वर्ग्यं वातिथिपूजनम् ManuSm. 3.106; न चाप्नोति गृही लोकान् यथा त्वतिथिपूजनात् ViṣṇuSm. 67.44; 67.28; ParāSm. 1.39; अस्नानभोजिनो नाग्निदेवतातिथिपूजनम्। करिष्यन्ति ViṣṇuP. vi. 1.27; सायं प्रातश्च भोक्तव्यं कृत्वा चातिथिपूजनम् MārkP. 34.49; चतुर्विधो वराहारः

संयतेभ्यः प्रदीयते । श्रद्धादिगुणसम्पत्त्या तस्यादतिथिपूजनम् VarāṅgaC. 15.124; धर्मान्वः पुरतो वक्ष्ये ··· पञ्चयज्ञाद्यतिथिपूजनम् LaghvāśvaSm. 1.2; GobhiSm. 2.27; तुष्टाः स्युः सर्वदेवताः ··· यथा ह्यतिथिपूजनात् VṛGautaSm. 534.15 (6); होतव्यमग्निहोत्रं च कुर्याच्चातिथिपूजनम् TaiUBhāVā. 32.18(1); NyāyKa. 277.11; वेदाभ्यासोऽन्वहं शक्त्या श्राद्धं चातिथिपूजनम् । गृहस्थस्य परो धर्मः KūrmaP. 26.9 (1.2); ViṣṇuDhaP. ii. 95.11; BrahmVaiP. i. 29.7; SkandP. iv. 96.134; (सुधर्मा) भगवद्भजने सक्ता तथा चातिथिपूजने GaṇeP. i. 1.35; अकारि यत्रातिथिपूजनं धनं मनोरमश्च स्वयमालयोऽकृतः(?त) Rāvaṇā. 8.66; हिंसादिदोषयुक्तोऽपि मुच्यतेऽतिथिपूजनात् KṛṣiPa. 8; SmṛtiCan. iv. 717.16; मठाग्रहारसदननिर्माणातिथिपूजनैः । नृपोपचारैः साफल्यमनैषीत्सर्वसंपदः (मन्त्री) RājTa.(S'ri.) 3.37; भूतयज्ञादि अतिथिपूजनपर्यन्तं क्रमेण कर्तव्यम् VīraMi.(Āhnika.) 391.20; 441.14; AbhidhāCin. 822; *adj.* honouring a guest गृहाश्रमः···रम्यः सर्वत्रातिथिपूजनः BhaviP. 740B.15 (iv. 94.38)

अतिथिपूजना (atithi-pūjanā) *f.* honour shown to a guest अहो देहप्रदानेन दर्शितातिथिपूजना MahāBhā. xii. 143.8.

अतिथिपूजा (atithi-pūjā) *f.* honour shown to a guest पाद्यमासनमेवाथ दीपमन्नं प्रतिश्रयम् । दद्यादतिथिपूजार्थम् MahāBhā. xiii. 7.12; देवतातिथिपूजायां प्रसक्ता गृहमेधिनः MahāBhā. xiii. 32.19; धर्मद्वारेष्वनवधीयेत ··· अतिथिपूजायां दाने CaraS. i. 11.33 (1922 Ed.); (स्वधर्मः) वानप्रस्थस्य ··· देवतापित्रतिथिपूजा ArthS'ā. i. 30.4 (1.3); अतिथिपूजायां यतेत ViṣṇuP. iii. 11.70; सा तापसकन्यका ···मम···अतिथिपूजामकरोत् TilaMañ. 256.21; गोदेवातिथिपूजासु निरालस्यो भवानघ SkandP. iii(3). 11.23; PadmP. v. 27.43; LiṅgaP. i. 29.44; गत्वा च राजधानीं स्वां प्रेषयामास सोऽन्वहम् । तस्या अतिथिपूजार्थं पक्वान्नानि धनानि च KathāSaSāg. x. 10.153; सत्प्रतिग्रहादिन्यायेनोपार्जितधनः अतिथिपूजातत्परः (गृहस्थोऽपि मुच्यते) Mitā. 400.5 (*on* 3.205); अतश्चातिथिपूजाया अकरणे निन्दा ब्राह्मणातिथिपूजनाकरणविषयैव Aparā. 152.11 (*on* 9.107); अतिथिपूजाद्यर्थमेव च – अह्नो मासस्य षण्णां वा तथा संवत्सरस्य वा । अर्थस्य निचयं कुर्यात् BālaKrī. ii. 22.21 (*on* 3.47); देवतातिथिपूजासु गृहस्थो निरतो भवेत् MahNirvāT. 8.24; अतिथिपूजाप्रसङ्गेन राजादीनामपि गृहागतानां पूजाविशेषमाह ManvaMu. 109.23 (*on* 3.119); (वर्णनीयाः) आश्रमेऽतिथिपूजैणविश्वासो हिंस्रशान्तता AlaṅkāS'e. 16.0 (73); रात्रावपि ह्यतिथिपूजा स्मर्यते BālamBha. i. 104.3 (*on* 1.24)

अतिथिपूजादिक (atithipūjādi-ka) *adj.* honouring a guest etc. गृहस्थस्यातिथिपूजादिकमपि···अपेक्ष्यम् VīraMi. 903.28 (*on* 3.205)

अतिथिपूजानियम (atithipūjā-niyama) *m.* obligation regarding honouring a guest यदि भार्यया सह प्रवसेदग्नयश्च गृह एव भवेयुस्तदा नातिथिपूजानियमः ManuBh. i. 251.23 (*on* 3.93)

अतिथिपूजानिवृत्ति (atithipūjā-nivṛtti) *f.* abstention from honouring a guest यथोक्तलक्षणातिथ्यभावेऽतिथिपूजानिवृत्तिः ManuBh. i. 134.23 (*on* 2.113)

अतिथिपूजापर (atithipūjā-para) *adj.* **i** devoted to honouring guests अतिथिपूजापरः···गृहस्थः···मुच्यते VīraMi. 904.5 (*on* 3.205); **ii** referring to the honouring of a guest विप्रनिषेधकानि तानि ··· अतिथिपूजापराणि BālamBha. i. 494.18 (*on* 1.221)

अतिथिपूजापरायण (atithipūjā-parāyaṇa) *adj.* devoted to honouring guests स्नानसंध्याग्निहोत्रस्वाध्यायवैश्वदेवातिथिपूजापरायणः SaṅkaVi.(Ā.) 69.9.

अतिथिपूजाफल (atithipūjā-phala) *n.* result of honouring guests स्वर्गग्रहणमतिथिपूजाफलोपलक्षणार्थम् ManuBh. i. 216.20 (*on* 3.18)

अतिथिपूजाविधि (atithipūjā-vidhi) *m.* procedure of honouring guests अशक्तस्य तृणादिदानेनाप्यतिथिपूजाविधिः स्यात् ManuBh. i. 250.23 (*on* 3.91)

अतिथिपूजाव्यतिक्रम (atithipūjā-vyatikrama) *m.* omission of (the duty of) honouring a guest अत्यन्तदरिद्रस्याप्यतिथिपूजाव्यतिक्रमो न युक्तः ManuBh. i. 249.27 (*on* 3.90)

अतिथिप्रग्रह (atithi-pragraha) *m.* welcome to a guest अतिथिप्रग्रहरतः ··· नरः ··· स्वर्गतिं प्रतिपद्यते BrahmP. 225.27.

अतिथिप्रतिपूजन (atithi-pratipūjana) *n.* honouring a guest निश्चिता खलु मे बुद्धिरतिथिप्रतिपूजने MahāBhā. xii. 142.40.

अतिथिप्रत्याख्यान (atithi-pratyākhyāna) *n.* rejection of a guest अतिथिप्रत्याख्याने च दोष उक्त आपस्तम्बेन VīraMi.(Āhnika.) 435.22.

अतिथिप्रत्युत्थान (atithi-pratyutthāna) *n.* standing up in honour of a guest (आचारहीनः) गुर्वतिथिप्रत्युत्थानाद्याचारवर्जितः ManvaMu. 120.8 (*on* 3.165)

अतिथिप्रधान (atithi-pradhāna) *adj.* having a guest as the principal object आतिथ्यमतिथिप्रीत्यर्थं सदतिथिप्रधानम् S'ivārkaMaDī. i. 36.6 (*on* i. 1.1); PūrvottaVāNaMā. 250.6.

अतिथिप्रभृति (atithi-prabhṛti) *adj.* guest etc. विघसो यज्ञशेषः अतिथिप्रभृतिभिः भुक्तशेषश्च SmṛtiCan. v. 155.3; शेषान् निमन्त्रितव्यतिरिक्तानतिथिप्रभृतीन् SmṛtiCan. v. 279.20; v. 194.5.

अतिथिप्रयुक्त (atithi-prayukta) *adj.* caused by the guest सर्वं तदतिथिप्रयुक्तम् S'ābaBh. 1649.23 (*on* ix. 1.6); 1657.5 (*on* ix. 1.10)

अतिथिप्रसङ्ग (atithi-prasaṅga) *m.* [Inst.] in the context of (honouring) a guest अतिथिप्रसङ्गेन गृहागतानां स्नातकादीनामर्घ्यत्वमाह VīraMi. 201.20 (*on* 1.110)

अतिथिप्राग्भोजन (atithiprāg-bhojana) *n.* eating before a guest न हि ··· अतिथिप्राग्भोजनं सकलब्रह्मविद्याङ्गम् PūrvottaVāNaMā. 307.13; 308.11; 309.8.

अतिथिप्राणक (atithiprāṇa-ka) *adj.* with guest as his very life नृपः अतिथिप्राणको नित्यम् BṛNāraP. 13.10.

अतिथिप्राणाग्निहोत्र (atithi-prāṇāgnihotra) *n.* Prāṇāgnihotra (to be done) by the guest अतिथिप्राणाग्निहोत्रात् पूर्वं स्वीयप्राणाग्निहोत्रं कुर्यात् VedāntKa. 453.16 (*on* iii. 3.40)

अतिथिप्राप्ति (atithi-prāpti) *f.* obtainment of a guest क्व चेद्गतिथिप्राप्तिरह्नो पुण्योदयोऽद्य मे KathāSaSāg. xii. 5.129.

अतिथिप्रार्थनमनोरथ (atithiprārthana-manoratha) *adj.* [*f.* –ā] **1** desirous of the requests of guests यत्र ··· स्वर्गवसतय इवातिथिप्रार्थनमनोरथाः ··· सन्ति ग्रामाः YaśasCam. i. 14.1; **2** not having lunar days and having desires (fulfilled) without being asked for, (comm. अविद्यमानास्तिथयः प्रार्थितमनोरथाश्च यासाम्)

अतिथिप्राशस्त्य (atithi-prāśastya) *n.* praise of a guest गोविन्दस्य जयन्ति सायमतिथिप्राशस्त्यगर्भा गिरः GītGo. vi. 12.4.

अतिथिप्रिय (atithi-priya) *adj.* [*f.* –ā] to whom a guest is dear, hospitable अतिथिप्रियः । यो ददाति सतां नित्यं स मां पृच्छतु पाण्डवः MahāBhā. xii. 55.9; (ये) सततं चातिथिप्रियाः ··· तान्नमस्यामि MahāBhā. xiii. 32.12; दाता यज्वा च धीरश्च श्रुतवानतिथिप्रियः HariVaṃ. i. 24.8; न्यायागतधनस्तत्त्वज्ञाननिष्ठोऽतिथिप्रियः YājñaSm. 3.205 (अतिथयः प्रियाः यस्य सोऽतिथिप्रियः Aparā. 1029.8); Kiraṇā. 12.17; वरुणायास्तटे विप्रः ··· सदातिथिप्रियो रात्रावागतानां समाश्रयः MārkP. 61.6; अतिथिप्रियः । तस्याः पुत्रः स्मृतोऽक्रूरः VāyuP. ii. 34.109 = BrahmāṇḍP. ii. 71.110 = LiṅgaP. i. 69.24; सत्यवादी च नित्यं चैवातिथिप्रियः AhirbuS. 15.48; अतिथिः प्रियस्य (?अतिथिप्रियस्य) ··· जितेन्द्रियस्य दत्ता हि गौस्तारयते परत्र VṛGautaSm. 574.1 (9); देवदत्त इति द्विजः ।··· व्रतनिष्ठोऽतिथिप्रियः VarāP. 146.5; अनुरक्ता त्वयि सदा द्विजदेवातिथिप्रिया GaṇeP. i. 7.13; सुगन्धा नाम यस्यासीत् पत्नी ··· द्विजदेवातिथिप्रिया GaṇeP. i. 58.14; विदर्घे स विशाम्पत्युरातिथ्यमतिथिप्रियः NavaSāC. 11.38; सोऽतिथिप्रियः ··· गृहस्थोऽपि विमुच्यते NyāyMañ. ii. 85.31; अतिथिप्रियाय दान्ताय धेनुं दद्याद्गुणाधिके BhaviP. 831B.2 (iv. 151.23); अतिथिप्रियाणां गृहेऽपि मोक्षः पुरुषोत्तमानाम् PadmP. v. 19.318 = SūktiRa. 25.11; Subhāṣi. 3017; तिथिरतिथिप्रिय दशमी SaraKaṇṭhā. 262.9; द्रुपः । द्रोणाचार्याय विदधावातिथ्यमतिथिप्रियः PāṇḍaC. 3.257; अतिथिप्रियो विरचिताभरणः श्रवणातिथिं तिथिमसावकरोत् Rāṣṭrau. 17.37; तद्भार्यापि तथैवेत्थं तमुवाचातिथिप्रिया KathāSaSāg. i. 7.50.

अतिथिप्रिय (atithi-priya) *m.* **1** one of the thousand names of Viṣṇu. अतिथिप्रियः (इति विष्णुसहस्रनामानि) SkandP. v(1). 63.135; **2** name of one of the hosts of Skanda in the North-Western region अतिस्थिरश्रोच्छ्रितश्च चतुर्थस्त्वतिथिप्रियः ĪśānS'iPa. ii. 53.85.

अतिथिप्रीणन (atithi-prīṇana) *n.* (room for) entertaining guests प्रकरोतु वा द्वयमिदं याम्येऽतिथिप्रीणनम् S'ilpaRa. ii. 31.67 = MānaSā. App. 450B.21.

अतिथिप्रीति (atithi-prīti) *f.* **i** love for a guest (सा) अपूर्वमतिथिप्रीत्या स्वागतेनान्वरञ्जयत् KathāSaSāg. iv. 2.86; **ii** satisfaction of a guest अतिथिप्रीतिस्तु मधुपर्कसंस्कारादिसमास्वादजा प्रत्यक्षोपलक्ष्यैव SyādvāMañ. 11 (11)

अतिथिप्रीतिपर्यन्तता (atithiprītiparyanta-tā) *f.* the state of continuing till the satisfaction of a guest इत्यतिथिप्रीतिपर्यन्ततया आतिथ्यविधिवत् SiddhāSi. i. 45.21.

अतिथिप्रीतिविधान (atithiprīti-vidhāna) *n.* act of pleasing the guests आतिथ्यमतिथिप्रीतिविधानम् S'ivārkaMaDī. i. 36.12 (*on* i. 1.1) = PūrvottaVāNaMā. 250.15.

अतिथिप्रीत्यन्त (atithiprīty-anta) *adj.* ending with the satisfaction

of a guest अतिथिप्रीत्यन्तमनुष्ठितं कर्मैव फलदम् SiddhāSi. i. 45. 5.

अतिथिप्रीत्यर्थ (atithiprīty-artha) *adj.* meant for the satisfaction of a guest अतिथिप्रीत्यर्था धर्मा: VedāntKa. 181. 24 (*on* i. 3. 26); अतिथिप्रीत्यर्थे कर्मण्यातिथ्ये कथमश्रद्धा परिहरणीया SiddhāSi. i. 45. 3; आतिथ्यमतिथिप्रीत्यर्थं सद् अतिथिप्रधानम् S'ivārkaMaDī. i. 36. 6 (*on* i. 1. 1) = PūrvottaVāNaMā. 250. 6.

अतिथिप्रीत्यर्थम् (atithiprīty-artham) *adv.* in order to please a guest देवतातिथिप्रीत्यर्थम्…। न हिंस्या: प्राणिन: VarāngaC. 15. 112.

अतिथिप्रेक्षण (atithi-prekṣaṇa) *n.* looking for or waiting for a guest प्रणयिता यत्र (अवन्तिषु) अतिथिप्रेक्षणे (वर्तते) YaśasCam. i. 203. 5.

अतिथिबहुत्व (atithi-bahutva) *n.* abundance of guests यत्तु वायुपुराणे … न सेवनपरोऽतिथि: इति तदतिथिबहुत्वे द्रष्टव्यम् SmṛtiCan. ii. 589. 15.

अतिथिबाहुल्याभाव (atithibāhulyābhāva) *m.* absence of abundance of guests तत्काले अतिथिबाहुल्याभावादेकातिथित्वम् ManvaVi. 343. 1 (*on* 3. 105)

अतिथिभक्त (atithi-bhakta) *adj.* devoted to a guest मम पुत्र: … देवतातिथिभक्त: GaṇeP. i. 59. 4.

अतिथिभक्ति (atithi-bhakti) *f.* devotion to a guest सातिथिभक्त्या च पाद्यं तस्मै ददौ BrahmVaiP. ii. 14. 12.

अतिथिभाग (atithi-bhāga) *m.* share of a guest उपेत्यातिथिभागं तां वीरोऽयाचत यक्षिणीम् KathāSaSāg. xii. 6. 246.

अतिथिभाजन (atithi-bhājana) *adj.* fit for a guest भवतो: किं वयमत्र कुशलप्रश्नस्य भाजनम्, न पुनरतिथिभाजनस्य समुचितस्य कण्ठग्रहस्य KundaMā. 5. 11 (5)

अतिथिभाव (atithi-bhāva) *m.* the status of a guest ब्राह्मणादीनां वर्णानामतिथिभावे सति ब्राह्मणादिक्रमेण ते भोजयितव्या: Aparā. 152. 2 (*on* 1. 107); 'संप्रीत्या गृहमागतान्' न त्वतिथिभावेन तस्य प्रतिषेधात् ManvaMu. 108. 20 (*on* 3. 113)

अतिथिभिक्षुप्रभृति (atithibhikṣu-prabhṛti) *adj.* guest, mendicant and so on नॄन् अतिथिभिक्षुप्रभृतीनर्चयेत् ManuBh. i. 242. 23 (*on* 3. 71)

अतिथिभोजन (atithi-bhojana) *n.* feeding a guest युक्तस्त्वं तथातिथिभोजने । न … शस्त्रसमुद्योगे MahāBhā. vii. 114. 72; सायं प्रातश्च भोक्तव्यं कृत्वा ह्यतिथिभोजनम् SkandP. i(2). 41. 161; अतिथिभोजनस्य प्राथम्यं निन्दित्वा स्वामिभोजनम् … प्रापयन्ती … आदरं करोति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 682. 14 (*on* iii. 3. 40) = BrahmSūBh.(Bhā.) 191. 23 (*on* iii. 3. 40) = Bhām. 648. 18 (*on* iii. 3. 40); स्वामिभोजनस्य ह्यतिथिभोजनादुत्तर: काल: VedāntKa. 453. 6 (*on* iii. 3. 40); अतिथिभोजनमेतेभ्य: प्राक् बोद्धव्यम् DīpKa. 14. 26 (*on* 1. 105); अतिथिभोजनेन भक्तक्षये प्राणाग्निहोत्रलोपमाशङ्क्य S'rutaPra. ii. 512. 1 (*on* iii 3. 40); अतिथिभोजनस्य बलिकर्मानन्तर्यं श्राद्धाकरणे बोद्धव्यम् VīraMi.(Āhnika.) 392. 3; BālamBha. i. 346. 16 (*on* 1. 103)

अतिथिभोजननियम (atithibhojana-niyama) *m.* rule of feeding a guest यद्यपि प्रातराशेऽप्यतिथिभोजननियम: सायं तु तद्व्यतिक्रमे प्रायश्चित्ताधिक्यम् ManuBh. i. 250. 17 (*on* 3. 90)

अतिथिभोजनादि (atithibhojanādi) *adj.* feeding of guests etc. श्राद्धेऽतिथिभोजनादौ च कादाचित्क उपयोग: ManuBh. ii. 348. 17 (*on* 10. 63); आतिथेयमतिथिभोजनादि ManvaMu. 90. 1 (*on* 3. 18); एवं च नित्यश्राद्धात्पूर्वं भिक्षुकोपस्थितौ तस्मै भिक्षादानं ततो नित्यश्राद्धादि, ततोऽतिथिभोजनादीति क्रम: VīraMi. (Āhnika.) 431. 2.

अतिथिमत् (atithi-ma(n)t) *adj.* [*f.* –tī] containing the word *atithi* सैषाग्नेय्यतिथिमती न सौम्यातिथिमत्यस्ति AitBr. 3. 6 (76); आज्यभागौ … अतिथिमन्तौ हैके कुर्वन्ति KauṣīBr. 8. 2 (35. 9); संयाज्ये अतिथिमत्यौ रथवत्यौ त्रिष्टुभावाग्नेय्यौ KauṣīBr. 8. 2 (35. 17); धाय्ये अतिथिमन्तौ ĀśvaS'S. I. iv. 5. 3.

अतिथिरहित (atithi-rahita) *adj.* without a guest अतिथिरहिते श्राद्धे ये भुञ्जन्ति…काकयोनिं व्रजन्ति ते LaS'ātāSm. 101.

अतिथिरूप (atithi-rūpa) *adj.* [*f.* –ā] having the form of a guest ब्राह्मणमतिथिरूपम् … भिक्षादानेन चार्हयेत् ManvaMu. 134. 13 (*on* 3. 243); संहारादि कार्यं जनयन् चिद्देवता…आत्मीया…अतिथिरूपा PratyabhiHṛ. 197. 6 (20) (Adyar Ed.); *n.* role of a guest कृपयातिथिरूपेण भवद्भिस्तीर्थका: कृता: BhāgP. i. 19. 32; चरन्त्यतिथिरूपेण पितर: BhaviP. 280B. 12 (i. 188. 18); यदा तु क्षत्रियादिरतिथिरूपेणागच्छति तदा मनूक्तम् SmṛtiCan. ii. 594. 18.

अतिथिरूपभूत (atithirūpa-bhūta) *n.* living being in the capacity of a guest अतिथिरूपभूतानि प्रत्युपजीव्यमग्निहोत्रं श्रुतम् VedāntKa. 453. 10 (*on* iii. 3. 40)

अतिथिरूपभृत् (atithirūpa-bhṛt) *adj.* having the form of a guest चित्रगुप्तो गृहानागादेकदातिथिरूपभृत् KathāSaSāg. xii. 5. 325.

अतिथिलक्षण (atithi-lakṣaṇa) *n.* characteristic features of a guest अतिथिलक्षणं वक्ष्यति ManuBh. i. 247. 16 (*on* 3. 84); CaturCin. iii(1). 350. 3; अप्रसिद्धत्वादतिथिलक्षणमाह ManvaMu. 106. 20 (*on* 3. 102)

अतिथिलक्षणरहित (atithilakṣaṇa-rahita) *adj.* not having the characteristic features of a guest अतिथिलक्षणरहितमेवालीकातिथिभावमाविस्कृ-(?ष्कृ)त्य भोजनयाचनेन … श्राद्धे विघ्नकर्तारं प्रत्याह हारीत: CaturCin. iii(1). 441. 6.

अतिथिलक्षणलक्षित (atithilakṣaṇa-lakṣita) *adj.* marked by (possessing) the characteristic features of a guest आतिथ्यरहिते अतिथिलक्षणलक्षितविप्रागमनेऽपि तत्पूजारहिते SmṛtiCan. v. 279. 14; CaturCin. iii(1). 440. 11.

अतिथिलक्षणहीन (atithilakṣaṇa-hīna) *adj.* lacking the characteristic features of a guest यस्त्वतिथिलक्षणहीनो भोजनयाचनादिना श्राद्धविघ्नं करोति SmṛtiCan. v. 280. 2.

अतिथिलाभ (atithi-lābha) *m.* availability of a guest अतिथींश्चेद-लिप्स्यत भृशमन्नमदास्यत् । अत्रान्नदानं फलं तद्धेतुभूतोऽतिथिलाभ: JaineVyā. 132. 12 (*on* ii. 3. 115)

अतिथिलोकत्रा (atithiloka-trā) *adv.* to the guests स: … अतिथिलोकत्राकृतवाजिनीक: … वेत्रपुरमध्यवसत् (वेङ्कटेन्द्र:) ĀnandRa. 2. 40 (13)

अतिथिलोप (atithi-lopa) *m.* loss of a guest वनराजिके वसन्तकुसुमाग्रयणं कुर्वन्त्या भवत्या न खल्वतिथिलोप: कृत: PadmPrā. 16. 10.

अतिथिवचन (atithi-vacana) *n.* mention of *atithi* (guest) (बालस्ववासिनीवृद्धगर्भिण्यातुरकन्यका: । संभोज्यातिथिभृत्यांश्च दम्पत्यो: शेषभोजनम्) अतिथिवचनं दृष्टान्तार्थम् । चशब्दोऽभ्यागतार्थ: BālaKrī. i. 96. 5 (*on* 1. 104)

अतिथिवत् (atithi-vat) *adv.* **1** like the sage Atithi अथातिथीनां व्यार्षेय: । आत्रेयार्चनानसातिथ्येति । अतिथिवदर्चनानसवदत्रिवदिति ĀpaS'S. xxiv. 8. 13; **2** like a guest दासा:…अतिथिवच्छूद्रं भोजयेयु: HirS'S. xxvii. 1. 73; ĀpaDS. ii(2). 4. 20; वधूज्ञातिभिरतिथिवदर्चित: BaudhGS. i. 1. 24; विवाहे गौ: । गृहेषु गौ: । तया वरमतिथिवदर्हयेत् ĀpaGS. i. 3. 8; देवता वा प्रयोजयेदतिथिवद् भोजनस्य तदर्थत्वात् MīmāSū. ix. 1. 6; यागो नाम देवतापूजा । पूजा च पूजनीयं प्रति गुणभूता । तदेतदतिथिवद् द्रष्टव्यम् S'ābaBh. 1649. 22 (*on* ix. 1. 6); गृहस्था य उपासीरन् वाचं धेनुं चतुस्तनीम् । स्वर्गौकसां पितॄणां च पूज्यास्तेऽतिथिवद्दिवि BṛParāSm. 6. 82; स्तुतेरपि हि पूज्यत्वाद् ज्ञायते यजिवाच्यता । न वातिथिवदेतस्या: पूज्यतेति च वक्ष्यते TantrVā. 484. 10 (*on* ii. 2. 10); गृहेष्वतिथिवत्तिष्ठेत् SātvaT. 8. 26; (अहम्) अमुना चातिथिवदुपचरित: क्षणं विश्रान्त: DaśKuC. 41. 6; AṇuBh. 181. 3 (*on* iii. 1. 24); PraboSu. 79; अतिथिवत् भिक्षुकयोर्यतिब्रह्मचारिणोरपि पूज्यतामाह VīraMi.(Āhnika.) 446. 24; 453. 14; BālamBha. i. 357. 11 (*on* 1. 108)

अतिथिवत्सल (atithi-vatsala) *adj.* fond of or hospitable to the guests पति: … प्रियदत्ताया धार्मिकोऽतिथिवत्सल: KathāSaSāg. ix. 2. 241.

अतिथिवर्ग (atithi-varga) *m.* group of guests कुलपतिसमादेशादतिथिवर्गमुपचरन्ती…कंचित्कालमनयम् TilaMañ. 331. 2.

अतिथिवर्जित (atithi-varjita) *adj.* deficient in a guest यस्याग्निहोत्रम् … अतिथिवर्जितं च ।… आसप्तमांस्तस्य लोकान् हिनस्ति MuṇḍaU. i. 2. 3; अतिथिवर्जितं च अतिथिपूजनं च अहन्यहन्यक्रियमाणं यस्य MuṇḍaUBh. 315. 13 (*on* i. 2. 3); एतत्त्वतिथिभोजनमतिथिलक्षणलक्षित आगते सति द्रष्टव्यं न पुनरतिथिवर्जितश्राद्धकरणे CaturCin. iii(1). 440. 11.

अतिथिवल्लभ (atithi-vallabha) *adj.* dear to guests महानन्दो द्विज: … सदैवातिथिवल्लभ: SkandP. iv. 98. 41; इष्टसंपादिनीं विद्यां ससारातिथिवल्लभ: (तापस:) KathāSaSāg. xii. 25. 35.

अतिथिवाञ्छा (atithi-vāñchā) *f.* desire for (i. e. expectation of) a guest चतुर्विधेभ्यो भूतेभ्यो बलिं पश्चाद्विनिक्षिपेत् । द्वारि गोदोहमात्रं तु तिष्ठेदतिथिवाञ्छया VṛHārīSm. 8. 226.

अतिथिविद्विष् (atithi-vidviṣ) *adj.* hating guests मृष्टेरुको वदान्येऽपि मृष्टाशिन्यतिथिद्विषि (v. l. मिशिन्यतिथिविद्विषि) S'abdaRaSaK. 40. 17.

अतिथिविशेष (atithi-viśeṣa) *m.* distinguished guest अये को नु खल्वयम् … अतिथिविशेषस्तपोवनं न: सनाथयति SubhaDha. 1. 4 (8); (महोक्षं वा महाजं वा श्रोत्रियायोपकल्पयेत्) एतच्चातिथिविशेषापेक्षया व्यस्तसमस्तत्वेन योज्यम् BālaKrī. i. 97. 17 (*on* 1. 108)

अतिथिविषय (atithi-viṣaya) *adj.* **1** possessing men who are averse to request for worldly pleasures यदतिथिविषयेऽस्मिन् विष्टरे सृष्टिरेषा सुरभितरुमणीनामर्थितार्थप्रदानाम् । इदमणकमिहैकं मे कृशाङ्गत्वहेतु: YaśasCam. i. 421. 1; **2** concerned with guests इष्टापूर्तेष्वतिथिविषये … य: प्रवीणां नागादेवीमलभत VikraDeC. 18. 80; अतिथिविषयस्तु महोक्षं वा महाजं वा श्रोत्रियाय … प्रकल्पयेदित्यादि: (हिंसाविधि:) SyādvāMañ. 11 (15); नष्टशौचे व्रतभ्रष्टे …। दीयमानं रुदत्यन्नम् … इति च मनूक्तं नातिथिविषयम् BālamBha. i. 357. 9 (*on*

1. 107)

अतिथिवेदम् (atithi-vedam) *adv.* all the guests whom he can find अशेषविशिष्टे कर्मणि वाचि दृशिविदोर्ध्वोर्णम् भवति । साधुदर्शी प्रणमति … अतिथिवेदं भोजयति । यं यं विन्दति विन्ते वा तं सर्वं भोजयतीत्यर्थः JaineVyā. 139. 19 (*on* ii. 4. 15) cf. P. iii. 4. 29.

अतिथिवेला (atithi-velā) *f.* time for (the arrival of) a guest यं किलातिथिवेलायामागतं विभवोचितम् । यो नार्चयति दुर्बुद्धिस्तस्य धर्मो न विद्यते PadmP.(Ra.) 35. 112; अन्यदातिथिवेलायां गगनाङ्गणचारिणौ … मुनी सुगुप्तिगुप्ताख्यावायान्तौ संमुखं भुवा … । सीतयेक्षितौ PadmP.(Ra.) 41. 13.

अतिथिव्यतिरिक्त (atithi-vyatirikta) *adj.* other than a guest तदपि… अतिथिव्यतिरिक्तश्राद्धोत्तरकालभोजनीयब्राह्मणविषयं वा द्रष्टव्यम् CaturCin. iii(1). 441. 4.

अतिथिव्रत (atithi-vrata) *adj.* observing the vow of hospitality मुद्गलः… अतिथिव्रती (v. l. अतिथिव्रतः)…। सत्रमिष्टीकृतं नाम समुपास्ते MahāBhā. iii. 246. 4; xiii. 105. 19; सत्त्वम् … अतिथिव्रतम् … आर्षं विद्यात् CaraS. iv. 4. 39 (1922 Ed.); *n.* function of a guest आश्रमं मम संप्राप्तः … पुरंदरः । अतिथिव्रतमास्थाय MahāBhā. xii. 258. 44.

अतिथिव्रतता (atithivrata-tā) *f.* the state of observing the vow of hospitality अतिथिव्रतता धर्मो धर्मस्त्रेताग्निधारणम् MahāBhā. xiii. 128. 40.

अतिथिव्रतिन् (atithi-vratin) *adj.* observing the vow of hospitality अतिथिव्रती क्रियावांश्च (मुद्गलः) MahāBhā. iii. 246. 4.

अतिथिशुश्रूषा (atithi-śuśrūṣā) *f.* care of a guest, serving a guest अग्नयोऽतिथिशुश्रूषा यज्ञो दानं सुरार्चनम् । गृहस्थस्य समासेन धर्मोऽयं मुनिपुंगवाः KūrmaP. 25. 11 (1. 2); श्राद्धमतिथिशुश्रूषां (कुर्यात्) SātvaT. 5. 10.

अतिथिशेषभोजन (atithiśeṣa-bhojana) *n.* taking food that remains after serving a guest वन्यहुतातिथिशेषभोजनानि वानप्रस्थस्य PadārthaSaṁ. 273. 9; अतिथिशेषभोजनं च धर्मसाधनम् NyāyKa. 277. 25.

अतिथिशेषभोजिन् (atithiśeṣabhoj-in) *adj.* habitually taking food that remains after serving a guest भृत्यातिथिशेषभोजी काले दारानुपेयात् SāmViBr. i. 3. 7.

अतिथिशेषान्न (atithiśeṣānna) *n.* food that remains after serving a guest भुञ्जानोऽतिथिशेषान्नमिहायुर्धनभाग् भवेत् SkandP. iv. 38. 33.

अतिथिश्रेष्ठ (atithi-śreṣṭha) *adj.* best of the guests, excellent or distinguished guest त्वमतिथिश्रेष्ठः पूजनीयः प्रयत्नतः Rāmā. i. 51. 4.

अतिथिसंयुक्त (atithi-saṁyukta) *adj.* accompanied by a guest भुञ्जीतातिथिसंयुक्तः सर्वं पितृनिषेवितम् MatsyaP. 17. 62.

अतिथिसंविभाग (atithi-saṁvibhāga) *m.* sharing (one's food) with guests, hospitality (one of the seven S'ikṣāvratas in Jainism) अतिथिसंविभागो नाम न्यायागतानां कल्पनीयानामन्नपानादीनां द्रव्याणां देशकालश्रद्धासत्कारक्रमोपेतं परयात्मानुग्रहबुद्ध्या संयतेभ्यो दानम् TattvāBh. *on* 7. 16; अतिथये संविभागः अतिथिसंविभागः । अश्वघासादिवद् वृत्तिः TattvāRāVār. vii. 21. 12; अतिथिसंविभागश्चतुर्विधो भिक्षोपकरणौषधप्रतिश्रयभेदात् TattvāRāVār. vii. 21. 28; तत्किं मुक्तं यत्र नास्त्यतिथिसंविभागः NītiVā. 27. 13; त्यागोऽतिथिसंविभागः शुद्धान्नोदकदानतः MalliC. 3. 228; अतिथिसंविभागाख्यं शिक्षाव्रतचतुष्टयी PārśvC. 6. 752; द्वादशं व्रतं त्वतिथिसंविभागाख्यम् PrabaK. 37. 1.

अतिथिसंविभागव्रत (atithisaṁvibhāga-vrata) *n.* vow to share (one's food) with guests (one of the seven S'ikṣāvratas in Jainism) °अतिथिसंविभागव्रतसंपन्नश्च TattvārthāSū. 7. 16; दानम् …। अतिथिभ्योऽतिथिसंविभागव्रतमुदीरितम् KumāCaSaṁ. 75. 33 = TriṣaS'aPuC. i. 3. 639.

अतिथिसंज्ञकत्व (atithisaṁjñaka-tva) *n.* the state of possessing the designation of a guest व्रती ब्रह्मचारी, यतिः परिव्राजकः, अनयोरेव विधिधर्मैकयोरतिथिसंज्ञकत्वम् CaturCin. iii(1). 428. 13.

अतिथिसत्कारपर (atithisatkāra-para) *adj.* intent on or devoted to honouring a guest अतिथिसत्कारपरेण…अधिष्ठितं कुसुमपुरं नाम नगरम् VāsaDa. 112. 1.

अतिथिसत्कारोचित (atithisatkārocita) *adj.* worthy of or fit for hospitality अतिथिसत्कारोचितमुपढौक्य प्रसादनाय प्रणाममकरोत् NalaCam. 3. 17 (13)

अतिथिसत्क्रिया (atithi-satkriyā) *f.* act of honouring or worshipping guests बलिकर्मस्वधाहोमस्वाध्यायातिथिसत्क्रियाः । … महामखाः YājñaSm. 1. 102; भौतो नृयज्ञोऽतिथिसत्क्रिया SkandP. iv. 38. 25 (v. l.); अतिथिसत्क्रिया मनुष्ययज्ञः Mitā. 35. 13 (*on* 1. 102); अमात्यः…कृत्वा चातिथिसत्क्रियाम् DevīBhāP. i. 17. 55; सा भर्तुश्चकारातिथिसत्क्रियाम् DarpDa. 2. 18; अतिथिसत्क्रिया ब्राह्मणायान्नदानम् ViraMi. 197. 10 (*on* 1. 102)

अतिथिसत्रशाला (atithi-satraśālā) *f.* residential hall for guests अतिथिसत्रशालासु … सूपकारकलकलः समुल्लास NalaCam. 7. 10 (42)

अतिथिसंतृप्ति (atithi-santṛpti) *f.* satisfaction of a guest नृयज्ञोऽतिथिसंतृप्तिः KośaKaTa. 1. 5569.

अतिथिसत्कार (atithi-satkāra) *m.* **A** [pl.] acts of hospitality, various means of receiving a guest तैस्तैरतिथिसत्कारैराजवेऽस्या दृढं मनः MahāBhā. xiii. 2. 64; (तम्) सर्वैरतिथिसत्कारैः पूजयामास मैथिली Rāmā. iii. 44. 31; विश्रामय तावदतिथिसत्कारैः GopāKeCan. 139. 6; अतिथिसत्कारैर्मुनिना सोऽभ्यनन्द्यत KathāSaSāg. v. 2. 16; **B** [sg.] reception of a guest, honour shown to a guest प्रतिगृह्यतामतिथिसत्कारः SvapnVā. i. 12. 10; यथा चातिथिसत्कारं जानीयात् तथा प्रयतितव्यम् PratiYau. 2. 0 (6); वाचानुवृत्तिः खल्वतिथिसत्कारः Prati. 5. 8 (3); दुहितरमतिथिसत्कारायादिश्य सोमतीर्थं गतः S'āk. 1. 12 (3); (सः) याजनाध्यापनातिथिसत्कारादिभ्यः (तिरस्कार्यः) ManuBh. 1. 72. 17 (*on* 2. 11); स्वधाकारातिथिसत्कारयोर्महायज्ञत्वेन … विहितत्वात् BālaKrī. 95. 10 (*on* 1. 103); अतिथिसत्कारः किमत्र क्रियताम् BṛKathāS'loSaṁ. 10. 134; तस्यातिथिसत्कारः कर्तव्यः KathāSaSāg. v. 2. 16; मूषकस्यातिथिसत्कारं चकार PañcT. 2. 25 (41) (210. 10); (सः) अतिथिसत्कारादेरपि बाह्यः कार्यः ManvaMu. 55. 24 (*on* 2. 103); अतिथिसत्काराद्गृहः शाम्यति RājTa.(Prā.) 419; माधवीलतिका तवातिथिसत्कारायोपस्थिता GopāKeCan. 73. 12.

अतिथिसपर्या (atithi-saparyā) *f.* worship or hospitable treatment of a guest, hospitality कथमतिथिसपर्या शिक्षिताः शाखिनोऽपि Nāgā. 1. 11; सत्क्रियामतिथिसपर्याम् BālaKrī. 1. 108 (97. 16); सद्भिः क्रियमाणातिथिसपर्या मनसि भवति AlaṅkāMañ. 18 (33)

अतिथिसभाजनोचिता (atithisabhājanocitā) *adj.* (*f.*) proper or fit for honouring a guest समाहृतायां सामग्र्यामतिथिसभाजनोचितायाम् । आगच्छत् … ब्रह्मर्षिः S'ivLi. 6. 3.

अतिथिसमर्चन (atithi-samarcana) *n.* worshipping or honouring of a guest, hospitality अतिथिसमर्चनैः … धर्मः स्यात् SkandP. iv. 3. 93; अतिथिसमर्चनम् । विशन्त्यन्यानि दत्वा … यमालये । न SkandP. iv. 7. 31.

अतिथिसमाचार (atithi-samācāra) *m.* customary behaviour towards a guest अतिथिसमाचारमवलम्बिष्ये S'āk. 1. 23 (5)

अतिथिसमानधर्म (atithi-samānadharma) *m.* status equal to that of a guest क्षत्रियादीनाम् … अतिथिसमानधर्मेण ब्राह्मणभोजनानन्तरं भोजनीयत्वम् CaturCin. iii(1). 440. 15.

अतिथिसमुदाचार (atithi-samudācāra) *m.* customary behaviour of a guest अहमप्यतिथिसमुदाचारमनुष्ठास्यामि Prati. 5. 7 (2)

अतिथिसंपत्ति (atithi-sampatti) *f.* abundance of guests श्रीस्तस्यातिथिसम्पत्त्यै … अभूत् RājTa.(Jo.) 739.

अतिथिसंमता (atithi-sammatā) *adj.* (*f.*) acceptable to a guest नाचरन्ति च सायं ये पूजामतिथिसंमताम् SkandP. iii(1). 52. 176.

अतिथिसात् (atithi-sāt) *adv.* at the disposal of or entrusted to a guest श्रीभरानतिथिसात्करवाणि स्वोपभोगपरता न हितेति NaiṣC. 5. 23.

अतिथिसाधु (atithi-sādhu) *adj.* proper or good for a guest, hospitable (आतिथेयी) पूजायाम् ।… अतिथिसाधौ AnekāK. 663.

अतिथिसार्थ (atithi-sārtha) *m.* caravan (i. e. a collection) of guests सकलातिथिसार्थसन्तर्पणकलकलः AvantiKa. 11. 10.

अतिथिसेवा (atithi-sevā) *f.* service to a guest, hospitality श्रद्धा चातिथिसेवा च …। इति नानाविधाः प्रोक्ता अहिंसा BṛDharmaP. i. 2. 11; अन्येनाप्यतिथिसेवा कार्या RasGaṅ. 464. 10.

अतिथिस्नापन (atithi-snāpana) *n.* bathing a guest, offering a bath to a guest अतिथिस्नापनात्पुण्यं दशगोदानजं भवेत् ViṣṇuDhaP. iii. 289. 19.

अतिथिस्वधर्म (atithi-svadharma) *m.* one's duty towards a guest (सा) विवेश…पर्णकुटीम् … संचिन्त्य तेषामतिथिस्वधर्मम् MahāBhā. iii. 250. 9.

अतिथीकर्तुम् (atithī-kartum) *inf.* in order to make (something) a guest of (i. e. a receipient) वचांसि कर्णयोरतिथीकर्तुमर्हति भवान् Jīvān. 94. 2.

अतिथीकृ (atithī-kṛ-) VIII. P. to make (one) a guest of (i. e. receipient) नृपं खगः । दयासमुद्रे स तदाशयेऽतिथीचकार कारुण्यरसापगा गिरः NaiṣC. 1. 134.

अतिथीकृत (atithī-kṛta) *adj.* **1** [*f.* ā] (fig.) made a guest (of sight) (i. e. actualised) येन श्रवःसरणिसंचरणोचितानि दानानि तान्यपि दृशोरतिथीकृतानि CaturCin. i. 891. 7; (of death) के नाम नात्र कान्ताभिः कृतान्तस्यातिथीकृताः RājTa.(Ka.) 7. 425; **2** who has been treated as a guest (i. e. stranger) शोचाम्यतिथीकृतां त्वाम् Nalābhyu. 8. 34; **3** which has been made to receive a guest किमर्थमतिथीकृतमिदं मम मन्दिरम् Manmatho. 2. 17 (1)

(433. 1)

अतिथीकृतमहायोध (atithīkṛta-mahāyodha) *adj.* making great warriors as guests of प्रावतिष्ट दिवोऽतिथीकृतमहायोधं महायोधनम् RāghPāṇ. (Ka.) 9. 14.

अतिथीकृत्य (atithīkṛt-ya) *ger.* having treated as a guest नेत्रयोर्-तिथीकृत्य ज्ञानवापीं कलावती। कदम्बकुसुमाकारां बभार क्षणतस्तनुम् SkandP. iv. 34. 39.

अतिथीन्दु (atithīndu) *m.* moon in the form of a guest (तपस्विनी निरगात्) अतिथीन्दुविलोकनोत्थया शमसिन्धोरिव वेलया दृशा। परितः परिषिञ्चती दिशः RāmC. 12. 87.

अतिथीभविष्यत् (atithī-bhaviṣyat) *adj.* who will become a guest (i. e. approach) धिग् धिग् रे पौरुषं जन्मान्तर अतिथीभविष्यति मृत्यौ किमिव परिहृतं धारातीर्थमिदम् HammīMaMa. 3. 11 (34)

अतिथीभू (atithī-bhū-) I. P. to become a guest (of the ears) (i. e. to be listened to) आस्तां सुधा …। श्रीदेवसूरिसुगुरोर्यदि सूक्तयस्ताः पाकोत्तराः श्रवणयोरतिथीभवन्ति MudriKu. 1. 19 = PurāPraSaṁ. 27. 15.

अतिथीभूत (atithī-bhūta) *adj.* becoming a guest तत्रैतज्जघनोदरस्तन-मुखश्रीभिः क्रमेणातिथीभूतं हन्त निमन्त्र्यते मुहुरिति व्यग्रं किमागच्छति (चेतः) UdaySuKa. 119. 9; समाश्वास्यातिथीभूतं यदा तस्मै प्रवक्ष्यसि। स्ववृत्तान्तं तदैत-स्मान्मोक्षं प्राप्स्यसि शापतः KathāSaSāg. xii. 7. 311; अविदूरे विनीतायाः स्कन्धा-वारं न्यवेशयत्। तस्याः सहोदरमिवातिथीभूतं महीपतिः TriṣaŚaPuC. i. 4. 608.

अतिथीभूय (atithībhū-ya) *ger.* having become a guest दवदन्तीं नलोऽवादीत् देवि यामः क्व संप्रति। भैमी बभाषे मे तातोऽतिथीभूय पवित्र्यताम् MalliC. 6. 143; (रामः) ततः सदारसोदर्यः प्रतस्थे दक्षिणां दिशम्। आश्रमेषु मुनी-न्द्राणामतिथीभूय भूयसाम् Ragh. 7. 11.

अतिथीय (atithīya-) [*denom.*] to behave like a guest कृष्णेन विक्र-मद्व्यत्राम्भोजमोजायितं तथा। चाणूरेण यथा वेगात् कृतान्तस्यातिथीयताम् PāṇḍaC. 2. 411.

अतिथीयित (atithīy-ita) *adj.* acted as a guest चाणूरेण यथा वेगात् कृतान्तस्यातिथीयितम् PāṇḍaC. 2. 411 (Bhavnagar Ed.)

अतिथीश (atithīśa) *m.* A name of a particular form of Śiva अति-थीशः स्थाणुको हरः (स्युरेते वरमूर्तयः) BrahmāṇḍP. iii. 44. 49; मुखादिकेशवादि-स्थानेषु ऐं ह्रीं श्रीं अं श्रीकण्ठेशपूर्णोदरीभ्यां नमः…अतिथीशगोमुखीभ्यां नमः…इति स्वराणाम् VīraMi. (Bhakti.) 113. 12; B vocalic ṛ class ऋः क्रोधोऽतिथीशः Tantrābhi. ii. 8. 1; v. 35. 19; v. 41. 17; vii. 47. 19; viii. 54. 8.

अतिथेय (atith-eya) *n.* service to a guest अतिथेयं स्वयं यत्र यत्र पात्र-निरीक्षणम्। गुणाः श्रद्धादयो यत्र दानं तत्सात्त्विकं विदुः YaśasCam. ii. 408. 13.

अतिथ्य (atithya) *m.* a guest अतिथ्योऽतिथिरातिथ्य आवृपरौ गन्तुगन्तुकौ ŚabdaRa. (Su.) 3. 110.

अतिथ्यभ्यागतादिपूजा (atithyabhyāgatādi-pūjā) *f.* honouring of guests, invitees etc. शिष्टशुश्रूषा अतिथ्यभ्यागतादिपूजा VīraMi. (Saṁskāra.) 874. 18.

अतिथ्यर्चन (atithy-arcana) *n.* reception (*lit.* worship) of a guest अनया च निन्दया अतिथ्यर्चनस्य नित्यतावगम्यते ManvaMu. 106. 13 (*on* 3. 100)

अतिथ्यर्चा (atithy-arcā) *f.* honouring a guest, hospitality पाठनं ब्रह्मयज्ञः स्यात् तर्पणं च पितृक्रतुः। होमो दैवो बलिर्भौतोऽतिथ्यर्चा नृक्रतुः क्रमात् SkandP. iv. 38. 25.

अतिथ्यर्थ (atithy-artha) *adj.* meant for a guest भोजनाचाप्यति-थ्यर्थादपूर्वं दातृसंश्रितम् TantrVā. 236. 5 (*on* i. 3. 25); अराधि सिद्धमेवान्नमति-थ्यर्थं न संशयः TaiUBhVā. 203. 11 (3)

अतिथ्यर्थ (atithy-artha) *n.* [Loc.] for the sake of a guest न देवार्थे न विप्रार्थे नातिथ्यर्थे पचेत् क्वचित् SkandP. iv. 3. 715; स्यादातिथ्यमतिथ्यर्थे NānārthāSaṁ. ii. 64. 20; MediK. 126. 73; आतिथ्यश्चातिथ्यर्थे ŚabdaRaSaK. 252. 4.

अतिथ्यर्थम् (atithyartham) *adv.* for the sake of a guest (गीर्वाणाः समहर्षयः … संतर्प्य) मत्तैर्विद्यार्थिनामन्नैरतिथ्यर्थं महाधनैः SkandP. iv. 3. 15; (रेवा) क्रमेणाप्यत पार्थिवेन) … फलैरतिथ्यर्थमुपाचरन्तः … यस्यां मुनीन्द्रास्तट-पादपाश्च Rāvaṇā. 4. 24; (चतुर्थीति वर्तते) अर्थशब्दे उत्तरपदे चतुर्थ्यन्तं पूर्वपदं प्रकृतिस्वरं भवति। अतिथ्यर्थम् KāśiVṛ. *on* vi. 2. 44; आतिथ्यं यदतिथ्यर्थम् Anekā-Saṁ. 247; त्रिष्वातिथ्यमतिथ्यर्थम् Vaija. 88. 67; अन्नासंभवे तृणविश्रामभूमिपाद-प्रक्षालनाद्यर्थजलप्रियवचनान्यपि धार्मिकगृहेषु अतिथ्यर्थं न कदाचिदुच्छिद्यन्ते अवश्य-देयानीति विधीयते ManvaMu. 106. 18 (*on* 3. 101)

अतिथ्यस् (atithy-as) II. P. to become a guest (i. e. to be in the range of (the eyes) तत्रान्विष्यन् बहुललवलीं स्निग्धराजीववीथीं भृङ्ग भ्रातर्विरहि-वनितालोचनस्यातिथीस्याः BhramDū. 52.

अतिथ्यर्थिन् (atithyarth-in) *adj.* seeking for a guest इतरश्चातिथ्यर्थी, यदि तेन दृष्टोऽभविष्यत् उताभोक्ष्यत JaineVyā. 132. 21 (*on* ii. 3. 116)

अतिथ्या (atithyā) *f.* an *iṣṭi* (minor sacrifice) called *atithyā* (i. e. meant for a guest) अतिथ्यया चरन्ति। अतिथ्यया चरित्वा प्रवर्ग्योपसद्भ्यां चरन्ति JaimiŚS. 3.

अतिथ्यागम (atithy-āgama) *m.* arrival of a guest स्थानस्थितानां सूर्यास्ते प्राच्यां कुर्यादुमा ध्वनिम्। नृपप्रसादं कुरुते शान्तेऽतिथ्यागमाय च ŚārṅgaPa. 2501.

अतिथ्यागमन (atithy-āgamana) *n.* arrival of a guest पाकसमाप्तात्व-तिथ्यागमने पुनः पाकेऽपि न वैश्वदेवान्तरम् VīraMi. (Āhnika.) 398. 10.

अतिथ्याभिसंरम्भ (atithyābhisaṁrambha) *m.* flurry towards the reception or welcome of a guest मातेऽतिथ्याभिसंरम्भो भविष्यति तपोधन। लिङ्गस्यास्य प्रभावोऽयं यदहं निष्प्रभीकृतः SkandP. v(2). 30. 49.

अतिथ्युपवेशन (atithy-upaveśana) *n.* seating the guest अतिथ्युप-वेशनपृथिव्यादिस्तुतिदेवतास्तुतिप्राणायामाः सव्येनैव CaturCin. iii(1). 1120. 2.

अतिथ्युपादान (atithy-upādāna) *n.* mention or use of the word *atithi* अनयोः क्रमानियमसूचनायावश्यकत्वसूचनाय च पुनरतिथ्युपादानम् Bālam-Bha. i. 355. 2 (*on* 1. 105)

अतिथ्युल्लेख (atithy-ullekha) *m.* reference to a guest पुनरग्रे … अतिथ्युल्लेखो मूले कृतः BālamBha. i. 354. 15 (*on* 1. 105)

अतिदंसित (ati-daṁsita) *adj.* very marvellous, very bright सहदेवस्य खड्गोऽयं भास्वाद्दोऽतिदंसितः MahāBhā. iv. 720. *25.

अतिदक्ष (ati-dakṣa) *adj.* [*f.* -ā] very skilful or efficient सः… यमतुल्यदेहः क्रूराकृतिर्हननकर्मणि चातिदक्षः DeviBhāP. iii. 11. 23; तुङ्गविद्या … पट्टमण्डलवस्त्रेषु अतिदक्षा मनोहरा ĀdiP. 11. 52.

अतिदक्षतर (atidakṣa-tara) *adj.* excessively skilful सरवमैविचक्षणम-खिलविलक्षणतनुलक्षणमतिदक्षतरम् (वन्देमहि) StavMā. 48. 15.

अतिदक्षिण (ati-dakṣiṇa) *adj.* [*f.* -ā] A very courteous, exceedingly polite आर्यस्य साधोः करुणात्मकस्य मन्नित्यभीरोरतिदक्षिणस्य Saund. 6. 14; अकरोच्च चेतस्यतिदक्षिणः खलु देवो हर्षः HarṣaC. 126. 11; (अहम्) ततः सखीजनेनातिदक्षिणेन दृढतरीकृतस्नेहनिगलस्तया संनताङ्ग्या संगत्यारंसि DaśKuC. 122. 18; NavaSāC. 1. 75; स त्रिः प्रदक्षिणीचक्रे भक्तिदक्षोऽतिदक्षिणः TriṣaŚa-PuC. ii. 6. 586; अतिदक्षिणा ह्यसौ प्रायेणापरस्यापि मान्यजनस्य न करोति वाक्य-मन्यथा TilaMañ. 32. 14; B giving many gifts अक्रूरः सुषुवे तस्मात्सदा-यज्ञोऽतिदक्षिणः MatsyaP. 45. 27; C very clever अतिदक्षिणः कुमारः स मेऽशक्यः प्रत्यानेतुम् AvantiKa. 245. 10; D southernmost आकम्पितानां मरुतेव यस्य दोष्णाजिभूमावतिदक्षिणेन NavaSāC. 1. 75; E simple or easily accessible अनुकृतपक्षिणमतिदक्षिणम् (वन्देमहि त्वाम्) StavMā. 48. 27.

अतिदक्षिणाशय (atidakṣiṇāśaya) *adj.* who is very generous at heart फणावतीगणैः स्तुतस्तदातिदक्षिणाशयः फणीश्वरे कृताभयः (जय प्रभो कृपा-निधे) StavMā. 189. 7.

अतिदग्ध (ati-dagdha) *adj.* [*f.* -ā] i overburnt, excessively cauterized, badly burnt (up to the flesh) अतिदग्धे दाहपाक° … मूर्च्छाः स्युर्मरणं वा SuśruS. i. 11. 26; तत्र प्लुष्टं दुर्दग्धं सम्यग्दग्धमतिदग्धं चेति चतुर्विधमग्निदग्धम् SuśruS. i. 12. 16; अतिदग्धे तु गुदावदरणम् SuśruS. iv. 6. 6; अतिदग्धं मांसगं स्याद्वातपित्तकफाश्रितम् HārīS. iii. 88. 3; ऊषादाहराग … पित्तप्रकोपैरतिदग्धम् AṣṭāSaṁ. i. 192. 10 (1. 39); प्रमाददग्धं पुनश्चतुर्विधं भवति तुच्छं दुर्दग्धं सम्यग्दग्धमतिदग्धं च AṣṭāSaṁ. i. 194. 3 (1. 40); अतिदग्धस्य विज्ञानमतः शृणु महीपते Hastyāyur. 113. 16 (1. 15); सम्यगामातिदग्धानाम-पलिङ्गान्यतः परम् Hastyāyur. 331. 8 (2. 70); प्लुष्टोतिदग्धो दुर्दग्धः सम्य-ग्दग्धः प्रकीर्तितः ŚārṅgaS. i. 7. 79; परिदग्धमतिदग्धम् SmṛtiCan. v. 221. 21; अतिदग्धे विशीर्णानि मांसान्युद्धृत्य शीतलाम्। क्रियां कुर्यात् BhāvPra. (Bhā.) 8 (47). 104; ii overbaked यत्र मध्यपूर्वार्धमात्रमतिदग्धमितरत्स्वदनीयपकम् MayūMāli. 484. 29 (*on* vi. 4. 5)

अतिदग्धतनूरुह (atidagdha-tanūruha) *adj.* whose hair on the body are very much burnt संसारदावदहनाकरभीकरोरुज्वालावलीभिरतिदग्धतनूरुहस्य। …लक्ष्मीनृसिंह मम देहि करावलम्बम् LakṣmīNṛSt. 3.

अतिदघ् (ati-dagh-) v. P. to reach beyond, to bypasts मा परि वर्क्तमुत मातिं धक्तम् ṚV. 1. 183. 4; शिक्षा स्तोतृभ्यो मातिं धग्भगो नः ṚV. ii. 11 21; ii. 15. 10.

अतिदण्ड (ati-daṇḍa) *adj.* punishing severely नातिदण्डो न निर्दण्डश्चा-रचक्षुरजिह्मगः ViṣṇuDhaP. ii. 3. 4; *m.* severe punishment अतिदण्डाच्च गुणि-भिस्त्यज्यते पातकी भवेत् ŚukraNī. 4(1). 52.

अतिदण्डग्रह (atidaṇḍa-graha) *m.* levying heavy fine नातिदण्डग्रहप्रीतिर्दक्षिणाशाविभोरिव PadmP.(Ra.) 2. 62.

अतिदण्डिन् (ati-daṇḍin) *adj.* who gives severe punishment संकर्षकोऽतिदण्डी तद्ग्रामं त्यक्त्वान्यतो वसेत् S'ukraNī. 3. 319.

अतिदत्त (ati-datta) *m.* name of a prince राजाधिदेवस्य सुता जज्ञिरे वीर्यवत्तराः । दत्तातिदत्तौ बलिनौ HariVaṁ. 28. 2.

अतिदधि (ati-dadhi) *adj.* going beyond the curds तदन्तस्याप्यनङ्। अतिदध्ना SiddhāKau. vii. 1. 75 (77. 10) (Tattāvabodhinī दधि अतिक्रान्ते-नेत्यर्थः); तेन 'अतिदध्ना ब्राह्मणेन' इत्यादि सिद्धम् LaS'abdeS'e. 290. 18; *n.* too much curds संसेवनान्मधुरपिच्छलजागरेण स्वप्नैर्दिवातिदधिगौल्यहिमाशनेन संजायते जनुः कफस्य HāriS. iii. 12. 3.

अतिदधिप्रभोजिन् (atidadhi-prabhojin) *adj.* who eats meals with too much curds व्यधयेद्विमर्दयन् । छिद्रां करेणातिदधिप्रभोजिनम् KalyāKā. 11. 166.

अतिदन्तवद्विभु (atidantavad-vibhu) *adj.* in which the commanders have mounted elephants तर्ति क्षितिस्थामनुजो जघान च द्रवत्तुरङ्गामतिदन्तवद्विभुम् JānaHa. 5. 28.

अतिदन्तुर (áti-dantura) *adj.* having very prominent or projecting teeth अथैतानरूपेभ्य आलभते । ... अतिकिरिटमतिदन्तुरम् TaiBr. III. iv. 19. 1; अद्राक्षीद्राक्षसं घोरम् ... अतिदन्तुरम् SkandP. iv. 54. 13.

अतिदन्तुरता (atidantura-tā) *f.* the state of being extremely uneven भगवत आविर्भावात् पूर्वमाशैशवमयं जन्तुरतिदन्तुरतया द्विजगुर्वादिषु मन्तुमत्तया मत्तया मनोवृत्त्यागच्छत् CaitaCa. 22. 11 (1)

अतिदम् (ati-dam-) IV. P. to become well-tamed चला मनोजवा मेघपथेऽतिवर्तिनः । प्रसह्य नीता गुरुभिर्महापथं नरोऽतिदाम्यन्त्यपि यत्र वाजिनः Rāgh-Pāṇ.(Dha.) 1. 16.

अतिदम्भ (ati-dambha) *m.* excessive hypocrisy or deceit ते (अनर्थादयः) बुद्धिदौर्बल्यात् ... अतिदम्भात् ... दैवयोगाच्च स्युः KāmSū. 352. 14 (6. 6); KandaCū. vi. 6. 3.

अतिदयमानमानस (atidayamāna-mānasa) *adj.* possessing a very sympathetic or compassionate mind दाशरथिरतिदयमानमानसः ... इदमवादीत् RāmāCam. 6. 17 (3)

अतिदयापर (atidayā-para) *adj.* very compassionate साधवोऽतिदयापराः DeviBhāP. iii. 24. 32.

अतिदयायुक्त (atidayā-yukta) *adj.* possessing great compassion तान्दृष्ट्वातिदयायुक्तस्तेषां दुःखेन दुःखितः । अनन्तश्चिन्तयामास BhāvPra.(Bhā.) 1. 60.

अतिदयालु (ati-dayālu) *adj.* very compassionate अहिंसा...या । तथैव पितरः सर्वे तृप्यन्त्यतिदयालवः SkandP. ii(9). 22. 46.

अतिदयाशीतल (atidayā-śītala) *adj.* cooling (i. e. gentle) due to excessive compassion मोदान्निपतदतिदयाशीतलं चूतबाणे दक्षारेरीक्षणानां त्रयमपहरतादाशु तापत्रयं नः S'ivaKePāSt. 30.

अतिदयित (ati-dayita) *adj.* extremely dear or beloved अवनिपतिस्तु दूरादेव दृष्ट्वातिदयितं तनयम् ... शयनादुदगात् HarṣaC. 219. 17; नागाः...सर्वेऽतिदयिता राजन्वासुकेः सुमहात्मनः NīlaP. 949; 355.

अतिदयितलास्य (atidayita-lāsya) *adj.* to whom dancing is very dear अतिदयितलास्यस्य च शैलूषमध्यमध्यास्य मूर्धानमसिलतया मृणालमिवालुनाद्ग्निमित्रात्मजस्य सुमित्रस्य मित्रदेवः HarṣaC. 269. 1.

अतिदरिद्र (ati-daridra) *adj.* extremely poor शुक्लस्यातिदरिद्रस्य हृतं दारिद्र्यमादरात् GaṇeP. ii. 53. 45; RājaTa.(Ka.) 7. 1344; तत्र च भरटको नाम भरटकोऽतिदरिद्रो वसति Bharaṭ. 9B. 9; BhojaPra. 34. 22; कोऽभीष्टोऽतिदरिद्रस्य सेव्यन्ते के च भिक्षुभिः VidaMuMa. 2. 67; महानिधिरतिदरिद्रैरकस्माल्लब्धो दर्शनमात्रेण महानन्दकरः S'ivārkaMaDī. i. 14. 21 (*on* i. 1. 1)

अतिदर्प (ati-darpa) *m.* **1** excessive pride or conceit ततः कोसलेश्वरोऽप्यतिदर्पात् परिभवमसहमानो हास्तिकप्रायमशेषमात्मसैन्यं सज्जीकृतवान् Ratnā. 4. 4 (23); AvantiKa. 63. 10; वयस्यस्यातिदर्पोऽयं भक्तस्य RāmāMaṅ. 203. 13; RāghPāṇ.(Ka.) 5. 38; MudriKu. 1. 12; **2** name of a (black) snake अस्ति कस्मिंश्चिद्वल्मीके महाकायः कृष्णसर्पोऽतिदर्पो नाम Pañcā. 196. 2; *adj.* (*f.*) excessively proud or conceited (भार्या) कौशलसारातिदर्पा च KandaCū. v. 1. 49.

अतिदर्पित (ati-darpita) *adj.* excessively arrogant or conceited एवमस्त्विति तेनोक्ते विकटाक्षोऽतिदर्पितः...अजय्योऽभूत् AbhirbuS. 33. 41.

अतिदर्पितबल (atidarpita-bala) *adj.* whose army is extremely proud or arrogant हृष्टो गर्जति चातिदर्पितबलो दुर्योधनो वा शिखी Mṛcch. 5. 6.

अतिदर्पिन् (ati-darpin) *adj.* extremely proud वन्दीकृताः ... सुरर्षीणां पत्न्यस्तेनातिदर्पिणा SkandP. iv. 71. 13.

अतिदर्शन (ati-darśana) *n.* **i** constant vision तमसश्चातिदर्शनम् CaraS. i. 24. 15 = vi. 3. 81 (1941 Ed.) **ii** frequent sight नो चेत्प्रधक्ष्यते कामो भूयो भूयोऽतिदर्शनात् VāmaP. 63. 48.

अतिदर्शिन् (atidarś-in) *adj.* very far-sighted नयनेनाशुदर्शिना (v. l. अतिदर्शिना) Rāmā. iii. 65. 17.

अतिदवीयस् (ati-davīyas) *adj.* [*f.* -ī] very distant, far off अतिदवीयोनभस्तलभ्रमणखिन्नदिनकरतुरगवान्तफेनस्तबका इव ... तारका व्यराजन्त Vāsa-Da. 182. 1; अद्वैतस्य च नातिदवीयानेष पन्था इत्यलमलीकविकत्थनेन NyāyMañ. i. 202. 11; ii. 13. 6; तथा श्रोत्रज्ञता अतिदवीयसि देशेऽभिव्यज्यमानतया श्रोत्रपथमनासेदुषामपि शब्दानां ज्ञातृता Mitā. 399. 21 (*on* 3. 202); PāṇḍaC. 17. 57; शब्दशक्तिश्च नातिदवीयसीति NyāyPari. 322. 10; RasSa. 131 (8)

अतिदवीयस्ता (atidavīyas-tā) *f.* **i** the state of being very distant or far off अहम् ... अतिदवीयस्तया रसातल इव प्रविष्टाम् ... अभिपर्यन्तामवनिमीक्षमाणः TilaMañ. 242. 16; न चातिदवीयस्तया तदर्थस्य हेयतया तदपि पुरुषस्यापेक्षितं तस्योपेक्षणीयविषयत्वात् TātpaṬ.(Vā.) 21. 17 (*on* i. 1. 1); **ii** the state of being of very great height अतिदवीयस्तया प्रपातस्याल्पशेषजीवितोऽयमामीलितलोचनो मुहुर्मुहुर्मुखेन पतति मुहुर्मुहुरत्युल्बणं श्वसिति मुहुर्मुहुश्चञ्चुपुटं विवृणोति Kād. 38. 1.

अतिदवीयस्त्व (atidavīyas-tva) *n.* extreme remoteness सिद्धमपि वा वेदे कर्तृस्मरणमन्यथासिद्धं वेदकरणकालस्यातिदवीयस्त्वात् NyāyMañ. i. 217. 18.

अतिदशरथ (ati-daśaratha) *adj.* surpassing (king) Daśaratha अतिदिलीपमतिदशरथमङ्गीकृतं कर्म रामभद्रेण BālRā. 3. 70 (9)

अतिदह् (ati-dah-) I. P. (Ā.) to burn excessively, to scorch अग्निस्तें तनुवं माऽतिं धाक् TaiS. I. i. 8. 1; न मय्यग्निं चेष्युसेऽति मा धक्ष्यति TaiS. V. v. 2. 3; V. v. 2. 4; अग्निर्मातिधक्ष्यतीत्यबिभेत् (पृथिवी) KāṭhS. 8. 2; स (अग्निः) इमाः सर्वा नदीरतिददाह S'atBr. I. iv. 1. 14; VII. i. 1. 9; मासानतिदंहीः । मासानतिहाय दाः Nir. 1. 7 (33. 7); एष चापि रणे (v. l. चाति रणे) भीष्मो दहते वै महाचमूम् MahāBhā. vi. 108. 41 [pw]

अतिदहन (ati-dahana) *m.* name of an attendant of Kārttikeya परिघं वटकं भीमं हाहातिदहनौ तथा । प्रददावंशुमान् पञ्च प्रमथान् षण्मुखाय हि VāmaP. 57. 70.

अतिदहनात्मक (atidahanātma-ka) *adj.* having intense burning power पुत्रिकाब्रवीत् । तात अतिदहनात्मकोऽयम् । नाहमेनमभिलषामि Pañcā. 215. 3.

अतिदह्यमान (ati-dahyámāna) *adj.* [*f.* -ā] being excessively burnt तं पृथिव्यब्रवीन्न मय्यग्निं चेष्युसेऽति मा धक्ष्यति सा त्वातिदह्यमाना वि धविष्ये TaiS. V. v. 2. 3; विरिच्यमानोऽप्यतिरिच्यमानो (v. l. अतिदह्यमानो) विद्वान्कविः सुकृतं मे दधाति MahāBhā. v. 36. 9.

अतिदा (ati-dā-) III. P. **i** to give excessively, to surpass others as a donor अधु प्लायोगिरति दासदन्यानासङ्गः ṚV. viii. 1. 33; कल्पद्रुमान्परिहसन्त इवेह सन्तः संकल्पितैरतिददत्यकदर्थितं यत् Subhāṣi. 274; **ii** to offer (rice-balls as *piṇḍa*) bypassing (the living one) न जीवन्तमतिदद्यात् MānS'S. 9. 13; कुतः न जीवन्तमतिददातीति श्रुतेरिति । अतिददाति अतिक्रम्य ददाति Vīra-Mi.(Saṁskāra.) 920. 8.

अतिदाक्षिणात्य (ati-dākṣiṇātya) *adj.* surpassing the southern king ग्रैवेयकी प्राक्षित दीप्रकौक्षेयकः स गर्वादतिदाक्षिणात्यः DvyāśraKā. 16. 10 (comm. दक्षिणस्यां दिशि भवं रावणमतिक्रान्तः)

अतिदाक्षिण्य (ati-dākṣiṇya) *n.* excessive politeness राजन्, अलमतिदाक्षिण्येन KundaMā. 5. 11 (12)

अतिदाक्षिण्यतस् (atidākṣiṇya-tas) *adv.* out of excessive politeness अतिदाक्षिण्यतोऽथ सः ।... सहानेन गतो वनम् PārśvC. 1. 315.

अतिदाक्षिण्ययुक्त (atidākṣiṇya-yukta) *adj.* who is endowed with extreme politeness अतिदाक्षिण्ययुक्तानाम् ... दूरतो यान्ति सम्पदः BhojaPra. 3. 9.

अतिदातृ (ati-dātṛ) *adj.* excessively generous, exceedingly liberal अत्यार्यमतिदातारम् ... श्रीर्भयान्नोपसर्पति MahāBhā. v. 39. 50; SūktiRa. 167. 2; Subhāṣi. 2646; नैवान्यमतिदातारं शक्नोमि च निरीक्षितुम् VarāP. 165. 8.

अतिदातृता (atidātṛ-tā) *f.* great generosity अतिदातृतामतिकदर्यतां च न प्रकटीकरोति जलदस्तपात्यये PṛthvīVi. 9. 18.

अतिदात्र (ati-dātra) *adj.* surpassing a sickle, more curved than a sickle अतिदात्रदंष्ट्रैरतिपोत्रवक्त्रैः पिशिताशनैः...नृपश्चुकोप DvyāśraKā. 12. 48.

अतिदान (ati-dāna) *n.* **i** superior gift, excellent gift (surpassing all

other gifts) त्रीण्याहुरतिदानानि गाव: पृथ्वी सरस्वती SamhiUBr. = VasiSm. 29. 20 = AgniP. 63. 19 = BṛNāraP. 13. 143 = BhaviP. 831A. 24 (iv. 151. 18) = Aparā. 1151. 16 (*on* 3. 288) = SūktiRa. 18. 1; सर्वेषामेव दानानां (v. l. अतिदानानां) तिलदानं परं स्मृतम् MahāBhā. xiii. 65. 13; यस्मिन् जयश्रीर्नियता द्विपेन्द्रे देय: स नामेत्यतिदानशौर्यम् JātaMā. 54. 4 (9. 14); सत्यार्जवक्षान्त्यतिदानशूरास्ते संभवन्त्युत्तमभोगभूमौ VarāṅgaC. 7. 25; भूमिदानं महादानमतिदानं प्रकीर्तितम् ··· अपवर्गफलप्रदम् BṛNāraP. 11. 134; 13. 142; NaraP. 30. 42; अथ भूमिदानाख्यमतिदानमारभ्यते CaturCin. i. 494. 21; i. 397. 3; **ii** giving excessively, giving immoderately, excessive charity नातिसामं नातिदानं न च स्त्रीषु दण्ड: (कर्तव्य:) Bārhas. 1. 52; अतिदानाद्बलिर्बद्ध: CāṇaNiDa. 3. 12 = S'ārṅgaPa. 1445 = MādhavāĀ. 26 = VedāPañ.(S'i.) 22. 16; अतिदानेन धर्मोऽर्थं बाधते JayaMa. 27. 4 (*on* 1. 2); गोपानामतिदानैश्च ··· घृताम्बुभि: । सिक्ता नरास्तथा नार्य: ĀdiP. 15. 12; राजन्नस्यातिदानस्य न पश्याम्युचितं फलम् DarpaDa. 6. 35; तत: श्रुत्वातिदानं तत्सौवर्णपुरुषोद्भवम् । नरसिंहनृप: ··· अगात् KathāSaSāg. vii. 4. 141; बलिरेक एव···येनातिदानविततद्रविणावशेषशुद्धि: कृता स्वतनुबन्धसमर्पणेन DaśāvaC. 5. 219; दानं दरिद्रभरणं च । अतिदानम् (चाटुप्रवाहोऽयम्) SaduktiKa. 186. 20; परस्तादतिदानानां विधिर्विधुतपातक: CaturCin. i. 4. 16; कुमारोऽतिदानान्निषिद्ध: KathāK. 118. 1; अतिदानाद्धत: कर्ण: SūktiRa. 163. 52; अतिदानात्सुखासङ्गाद्धनवृद्धिर्न जायते PuruṣaPa. 183. 2; अतिदानेन दारिद्र्यम् S'ukraNi. 3. 220; 5. 37; **iii** overdose (of salt to an elephant) अतिदानेऽपि राजेन्द्र रक्तपित्तं प्रकुप्यति Hastyāyur. 675. 28 (4. 23); 676. 9 (4. 23)

अतिदानतस् (atidāna–tas) *adv.* due to excessive disposal अन्नस्य पात्रपतितस्याल्पस्याप्यतिदानत: । अक्षयेणाक्षीणमहानसर्द्धयश्च तेऽभवन् TriṣaS'aPuC. i. 1. 871.

अतिदानभाज् (atidāna–bhāj) *adj.* possessing the (quality of) great liberality अर्थिभ्रंशबहूभवत्फलभरव्याजेन कुब्जायित: सत्यस्मिन्नतिदानभाजि कथमप्यास्तां स कल्पद्रुम: NaiṣC. 12. 67 = SaduktiKa. 199. 5; Subhāṣi. 2517.

अतिदानरस (atidāna–rasa) *m.* delight in great liberality अतिदानरसादसावयष्ट क्रतुना विश्वजिता जिताखिलारि: RāmC. 8. 44.

अतिदानशील (atidāna–śila) *adj.* given to great liberality पुरूरवास्त्वतिदानशील: ViṣṇuP. iv. 6. 35.

अतिदान्त (ati–dānta) *m.* **1** name of a prince विव्याध मार्गणै: । अनिर्दान्त(v. l. अतिदान्त)स्तथाष्टाभिर्बृहद्दुर्गश्च पञ्चभि: HariVaṁ. 87. 55; **2** name of a son of Bhadika तस्य पुत्रा बभूवुर्हि ··· सुदान्तश्चातिदान्तश्च BrahmP. 16. 6.

अतिदान्ता (ati–dāntā) *adj.* (*f.*) having complete control over the senses कान्तातिदान्ता शान्ता च सुशीला सर्वमङ्गला DevīBhāP. ix. 1. 23.

अतिदारिद्र्य (ati–dāridrya) *n.* excessive poverty शको नाम भविष्यश्च योऽतिदारिद्र्यहारक: SkandP. i(2). 40. 254; यौ गिरिजाशप्तौ ··· ततस्तावतिदारिद्र्यान्मातामहगृहे स्थितौ BṛKathāMañ. 12. 21.

अतिदारुण (ati–dāruṇa) *adj.* [*f.* –ā] **i** very fierce, very terrible, very cruel (men, demons, gods etc.) शृङ्गी ··· तिग्मवीर्योऽतिकोपन: (v. l. कोपोऽतिदारुण:) MahāBhā. i. 46. 2; हता: सव्यसाचिना ··· दानवा अतिदारुणा: HariVaṁ. 3. 75; जनार्दन: । मैत्रेयाखिलभूतानि भक्षयत्यतिदारुण: ViṣṇuP. i. 2. 63; v. 20. 61; त्वच: । पृथक्कुर्वन्ति वै याम्या: शरीरादतिदारुणा: MārkP. 14. 66; 118. 48; जनिष्यति हि पुत्रस्ते क्रूरकर्मातिदारुण: VāyuP. ii. 29. 74; कथमतिदारुणं तमहं विषमिवाप्रियकारिणं कामं सकामं कुर्याम् Kād. 180. 18; अतिदारुणो जनसंमर्दो वर्तते MālaMā. 10. 4; 9. 130; बालान्वयस्यानतिदारुण: ।··· पशुमारममारयत् BhāgP. iv. 13. 41; दूयते सततं तेन परमात्मातिदारुण: BrahmVaiP. i. 13. 32; स्वकार्यनिपुणै: स्वामिन् गीर्वाणैरतिदारुणै: । त्याजितोऽहम् SkandP. iv. 39. 21; अतिदारुणदीर्घदेहाभिर्महायोगिनीभिरापूर्यमाणपरिसरम् YaśasCam. i. 47. 1; महावीर्या दानवास्त्वतिदारुणा: BrahmP. 3. 85; 10. 40; निहतास्तत्र राक्षसाश्चातिदारुणा: PadmP. iv. 34. 43; कुम्भकर्णस्तु दुष्टात्मा···विचचारातिदारुण: AdhyāRā. vii. 1. 61; विप्राणां कुक्षिं भित्त्वातिदारुण: । वातापी निर्ययौ RāmāMañ. 115. 18; आदौ तावद् व्यापारस्था:···परविभवहरणनिरता भवन्त्यतिदारुणा: Subhāṣi. 2405; नभस्वन् ··· जगत्यामतिदारुणोऽसि YātrāPra. 4. 93; **ii** very fierce, very ferocious (animals) (पापा:) भक्ष्यन्ते ह्यतिदारुणै: श्वभि: शृगालै: PadmP. iv. 97. 11; **iii** very intense, very painful, very terrible (emotions, feelings) कृतकृत्योऽद्य सुग्रीवो वैरेऽस्मिन्नतिदारुणे Rāmā. iv. 23. 15; नरकेष्वतिदारुणम् । प्राप्नुवन्ति नरा दु:खम् ViṣṇuP. v. 23. 45; BrahmP. 196. 43; उत्पाद्य कामं क्रोधं च लोभं वाप्यतिदारुणम् DevīBhāP. iv. 5. 19; वैषयिकं सुखम् । आपातमात्रमधुरं परिणामेऽतिदारुणम् PariPar. 3. 267; 12. 298; वधबन्धपरिक्लेशं प्राप्नुवन्त्यतिदारुणम् Hastyāyur. 685. 26 (4. 26); **iv** very terrible, very disastrous (time) कालस्त्वयं मृत्युमयोऽतिदारुण: MahāBhā. viii. 29. 22; कालो ज्ञेयोऽतिदारुण: SūrySi. 11. 16; कालो भूत्वातिदारुण: BrahmP. 56. 42; कल्पान्त इव तत्रासील्लोकानामतिदारुण: GaṇeP. ii. 57. 22; मध्याह्नसमयो जज्ञे पान्थानामतिदारुण: PārśvC. 6. 1045; स्पर्शमोक्षौ भा(? भ)वेतां तन्मध्यकालोऽतिदारुण: SiddhāTaVi. 363. 4; **v** very dreadful, very fearful, very terrible (events etc.) युद्धमभूद्घोरं दशाहान्यतिदारुणम् MahāBhā. i. 2. 155; सप्ताहं भूमिकम्पनम् ।··· सधूमं ह्यतिदारुणम् MahāBhā. iii. 193. 22; निस्वन: । शस्त्राणां वानराणां च संबभूवातिदारुण: Rāmā. vi. 34. 13; तत्र खल्वतिदारुणं व्यसनं संवृत्तम् SvapnaVā. 1. 12 (21); पश्यध्वमतिदारुणान् महोत्पातान् ViṣṇuP. v. 37. 30; श्रुत्वा तं शापमतिदारुणम् MārkP. 16. 31; वज्रमयं वर्षं प्रावर्तदतिदारुणम् MatsyaP. 150. 202; वक्ष्यन्ते···कुष्ठादीनतिदारुणान् AṣṭāHṛ. i. 14. 20; तै: समारब्धं मायाकर्मातिदारुणम् PadmP.(Ra.) 7. 307; गुदरोगा भवन्त्यस्य पापरूपातिदारुणा: HārīS. ii. 1. 17; AṣṭāSaṁ. i. 162. 6 (1. 31); आकस्मिके वा संपन्ने विनिपातेऽतिदारुणे MahāvīC. App. B. 6. 12 (298. 3); अतिदारुणो हृदयमर्मोद्घात: UttaRāC. 6. 32 (1); अतिदारुणो दशाविपाक: संप्रति वयस्यस्य MālaMā. 9. 110; गतेऽतिभूमिं विरहेऽतिदारुणे RāmC. 5. 60; BṛKathāK. 150. 4; शमं नय···रोगान् प्रमेहांश्चातिदारुणान् AgniP. 31. 21; रोगग्रामो नृणां देहे सम्भवत्यतिदारुण: ViṣṇuDhaP. ii. 62. 15; तत्रातिदारुणं विघ्नं मुने समुपजायत BrahmP. 96. 14; (हयग्रीव:) तपश्चक्रेऽतिदारुणम् DevīBhāP. i. 5. 88; प्रविष्टा तामसी शक्तिस्तस्या देहेऽतिदारुणा DevīBhāP. i. 5. 79; तेन पापेन संजातं वेणुत्वमतिदारुणम् PadmP. iv. 73. 40; मया ··· स्वप्नो दृष्टोऽतिदारुण: RāmāMañ. 80. 12; दुर्ग्रहेषु विरुद्धेषु दशापाकेऽतिदारुणे DarpDa. 6. 22; विषयास्ते ··· परिणामेऽतिदारुणा: PariPar. 12. 298; जयापीडस्त्वसंमूढो व्यसनेऽप्यतिदारुणे RājTa.(Ka.) 4. 523; रम्यमापातमात्रे यत् परिणामेऽतिदारुणम् (मैथुनम्) YogS'ā. 2. 77; संसारे निसर्गेणातिदारुणे TriṣaS'aPuC. i. 1. 58; तदातिदारुणं युद्धं शीघ्रं भवति AdbhuSāg. 294. 16; PārśvC. 1. 712; गुरुगीर्भङ्गाद् व्रतभङ्गोऽतिदारुण: SamarāSaṁ. 4. 314; जायते महतामप्यतिदारुणा दशा Nalābhyu. 7. 37; अथवा किमेनमासुरीमतिदारुणां प्रकृतिमाश्रितमुपालभे KaṁVa. 3.2 (1); (भगीरथ:) तपश्चरिष्यन्नतिदारुणम् Gaṅgāva. 3. 54; पाणितले ··· अतिदारुणेन तेजसा च समालक्ष्यत तरलमिव साध्वसेन तद्गरलम् NīlaVi. 101. 8; **vi** very severe, very painful, extremely fierce (objects) अतिदारुणाम् ··· गदाम् ··· भीमो व्यवासृजत् MahāBhā. viii. 59. 24; यच्चातिदारुणम् ।··· तदक्षि तर्पणादेव लभेतोर्जाम् SuśruS. vi. 18. 17; पैनाकमस्त्रं कङ्कालं कापालमतिदारुणम् AhirbuS. 30. 26; कुम्भीपाकसुपाकौ च क्रकचश्चातिदारुण: S'ivaP. v. 8. 29 (415B. 4); प्रवृत्ता: संग्रामे नद्य: सद्योऽतिदारुणा: KalkiP. iii. 8. 33; रुद्रनारायणमयौ कोपाग्नी त्वतिदारुणौ Hastyāyur. 55. 18 (1. 8); (सूनु:) उष्णकिरणकिरणैरतिदारुणै: । सन्तापं चानुभवति TriṣaS'aPuC. i. 3. 501; अतिदारुणा न रजनीषु हैमनीष्वपि वातुमुद्यमभृतस्समीरणा: PṛthvīVi. 9. 20; जनेभ्य: ··· कर्णविषं तस्मिन्नश्रौषमतिदारुणम् PāṇḍaC. 7. 509; *n.* very dreadful event कष्टमिदमतिदारुणमापतितम् PañcT. 1. 171 (4) (178. 2) (*v. l.*)

अतिदारुणकर्मन् (atidāruṇa–karman) *adj.* performing excessively cruel acts अतिदारुणकर्माणश्चला दुर्ग्रहचेतस: । नारका: परिदुद्रुवु: PadmP.(Ra.) 123. 22; मुधा च तवैवमतिदारुणकर्मणो धर्म इति प्रसिद्धि: YaśasCam. ii. 64. 6.

अतिदारुणज्वर (atidāruṇa–jvara) *m.* excessively terrible fever वटिकां विबन्धयेत् । भक्षणाज्जयति···पाण्डुरोगमतिदारुणज्वरान् HārīS. iii. 8. 32.

अतिदारुणतर (atidāruṇa–tara) *adj.* much more intensively cruel इदमन्यदतिदारुणतरमुपस्थितम् KirātāVyā. 31.

अतिदारुणता (atidāruṇa–tā) *f.* excessive severity (of heat) अहो अतिदारुणता शरदातपस्य PriyDa. i. 4. 26.

अतिदारुणदशा (atidāruṇa–daśā) *f.* excessively dreadful state उदारचेतसामतिदारुणदशापाके···न···अन्त:करणमुत्सहते मदीयम् TilaMañ. 42. 17.

अतिदारुणम् (ati–dāruṇam) *adv.* very violently स रुरोदातिदारुणम् ViṣṇuP. i. 21. 38.

अतिदारुणशङ्का (atidāruṇa–śaṅkā) *f.* very dreadful suspicion अनयातिदारुणशङ्कामारोपितं चेत: ĀryāSaS'a. 467.

अतिदारुणाङ्ग (atidāruṇāṅga) *adj.* having a very dreadful body कर्मण्युपेतेऽभ्युदयं पुराणे सम्प्रेरके सत्यतिदारुणाङ्गे PadmP.(Ra.) 74. 115.

अतिदारुणावेग (atidāruṇāvega) *adj.* of very severe intensity हरिवाहन:···अतिदारुणावेगेनोद्वेगेन कथंचनाप्यशक्नुवन् गृहेऽवस्थातुम् TilaMañ. 181. 7.

अतिदार्ढ्य (ati–dārḍhya) *n.* excessive strength or firmness अतिदार्ढ्यं तस्य (पतत्रिण:) दृष्ट्वा ··· जघान GaṇeP. 98. 36 (2); देवादीनां च मिथ्याज्ञानाप्राप्तिरतिदार्ढ्येनाभिभवायोगात् TattvPrakā. 198A. 4 (*on* iii. 4. 36)

अतिदार्ढ्यार्थम् (atidārḍhyārtham) *adv.* in order to strengthen firmly उपसंहृतेऽतिदार्ढ्यार्थं प्रमाणान्तरमाह Upask. 217. 4 (*on* iv. 2. 11)

अतिदाश् (ati–dāś) I. P. to favour with too many gifts मघैर्मघोनो अति शूर दाशसि ṚV. viii. 24. 2.

अतिदास्यत् (ati–dāsyat) *adj.* going to favour with a superior gift

भगवान् ··· कृत्वा पुरन्दरश्रियं बलयेऽतिदास्यन् SātvaT. 2. 67.

अतिदाह (ati-dāhá) *m.* **A** excessive burning or inflammation इयं वा अग्नेरतिदाहादबिभेत् TaiS. V. ii. 5. 2; अस्य वरो ममैवातिदाहः AvantiKa. 177. 6; ज्वरातिदाहात्प्रचुराम्बुपानात् ··· प्रवृद्धं महोदरम् KalyāKā. 11. 133; बभूवातिदाहयुक्तो मर्तुकामोऽतितेजसा BrahmVaiP. iv. 22. 33; जातः प्रागतिदाहवेदनमहारम्भः स तस्या ज्वरः KaviKaṇṭhā. v. 1. 51; अतिदाहः ··· पैत्तिकज्वरलक्षणम् ĪśānŚiPa. i. 45. 30; दीपस्यापि स्फुरति नितरां शान्तिकालेऽतिदाहः RājTa.(Jo.) 1122; **B** burning more than necessary अतिदाहे ··· प्रायश्चित्तं विनिर्दिशेत् ParāSm. 9. 28.

अतिदिग्ध (ati-digdha) *adj.* excessively poisoned (arrow) न शर्म लेभे हृदये सिंह इवातिदिग्धविद्धः BuddhaC. 5. 1.

अतिदिलीप (ati-dilīpa) *adj.* surpassing (king) Dilīpa अतिदिलीपम् ··· अङ्गीकृतं कर्म रामभद्रेण BālRā. 3. 70 (79. 9)

अतिदिव् (ati-div) IV. P. to risk in gambling तद्वित्तं मातिदेवीर्मा जैषीः शकुने परम् MahāBhā. ii. 53. 9.

अतिदिव् (ati-div) *adj.* surpassing the sky or heaven अतिदिवम् KātanVr. *on* ii. 2. 27.

अतिदिवाविहार (ati-divāvihāra) *m.* excessive sexual intercourse by day-time किमयमतिदिवाविहारेण सुहृज्जन उत्कण्ठते PādaTā. 15. 24.

अतिदिव्यमाल्य (atidivya-mālya) *adj.* possessing a highly divine garland अतिदिव्यमाल्यगन्धः ··· भवति नरः स देवजुष्टः RugVi. 20. 18.

अतिदिश् (ati-diś-) VI. P. **A** to transfer, make over यामस्मै दक्षिणामानयेयुर्न ता इत्सद्योऽन्यस्माऽअतिदिशेद्यन्मेदं यश आगंस्तत्सद्योऽन्यस्माऽअतिदिशानि ŚatBr. XIV. i. 1. 32; **B i** to transfer features or extend rules to other things एवमित्युपस्थानादिजपान्तमतिदिश्यते ĀśvaŚS. I. v. 3. 23; अत्र पूर्वाधिकरणन्यायोऽतिदिश्यते ŚābaBh. 758. 15 (*on* iii. 2. 10); 1206. 14 (*on* iv. 1. 17); सामान्यस्यातिदेशोऽयं विशेषोऽत्रातिदिश्यते VākyaP. 2. 80; अनया दिशैत्येनेन क्षपणकन्यायोऽतिदिश्यते TātpaṬ.(U.) 79. 26 (*on* 2. 143); तदेव च कृतनिर्वचनं नामाक्षिपुरुषस्याप्यतिदिशति BrahmSūBh. (Śaṅ.) 65. 15 (*on* i. 1. 20); 274. 17 (*on* i. 4. 28); 287. 6 (*on* ii. 1. 3); 287. 9 (*on* ii. 1. 3); 305. 12 (*on* ii. 1. 12); 504. 11 (*on* ii. 4. 8); तस्यैतस्य चाक्षुषस्य पुरुषस्य तदेव रूपमतिदिश्यते ChāndoUBh. 52. 4 (*on* i. 7. 5); न हि शास्त्राण्यतिदिश्यन्ते ṬupṬ. 53. 7 (*on* v. 1. 13); वसिष्ठो दारवाणां तक्षणमुक्त्वा प्रकृत्यातिदिशति BālaKrī. i. 127. 6 (*on* 1. 181); अक्षिपुरुषस्यापि तदेव नामातिदिश्यते BrahmSūBh.(Bhā.) 29. 22 (*on* i. 1. 20); तेनाविपरीततया शब्दोऽतिदिश्यते NyāyMañ. ii. 178. 9; एतदेवेति – गोघातकप्रायश्चित्तं सर्वेषूपपातकेष्वतिदिशति ManuBh. ii. 406. 9 (*on* 11. 116); i. 183. 5 (*on* 2. 205); i. 312. 11 (*on* 3. 238); ii. 359. 6 (*on* 10. 98); ii. 427. 5 (*on* 11. 180); ह्रस्वाक्षरस्य पादान्ते वर्तमानस्य गुरुसंज्ञातिदिश्यते MṛtaSaṁ. 5. 6 (*on* 1. 10); यथासंख्यमनुदेशः सामान्यमतिदिश्यते AgniP. 346. 21; एतदेव ··· द्विचन्द्रादिविषयेष्वतिदिशति Kāśi. ii. 76. 6 (*on* 5(3). 213; तस्मान्मा भूच्छास्त्रस्य क्रमस्य चानर्थक्यमित्यनुक्तमतिदिश्यते JayaMa. 104. 15 (*on* 2. 2); उक्तयुक्तिं हृदि निधायातिदिशति NyāyVārPari. 118. 4; इमां दीर्घत्वोत्पत्तिमतिदिशति Kiraṇā. 216. 15; 309. 17; वनन्यायमेव पङ्क्तावतिदिशति NyāyRa. 637. 17 (*on* 5(14). 93); 746. 15 (*on* 6. 61); तथा प्राणा इति प्रमाणमप्यतिदिश्यते ŚrīBh. 547. 13 (*on* ii. 4. 1); यत्र साध्यधर्मोऽन्यत्रातिदिश्यते स दृष्टान्तः TārkiRa. 268. 14; अन्याश्च मातरस्तद्वदिति तत्क्षणादेव शुद्धा इत्यतिदिश्यते न तु स्नानमप्यतिदिश्यते HārLa. 20. 7; तत्र मुक्तप्रभेदं योग्येष्वतिदिशति TattvSaṁkhyā. 43. 3; अनेन च वचनेन शावाशौचवत्तत्कर्माणि जननेऽप्यतिदिश्यन्ते Aparā. 896. 30 (*on* 3. 19); 1063. 11 (*on* 3. 251); आकालमभोजनं कर्तव्यमित्येके आचार्या अतिदिशन्ति SmṛtiCan. vi. 102. 3; किमग्निहोत्रशब्दो नित्याग्निहोत्रधर्मानिहातिदिशेत् VedāntKa. 8. 15 (*on* i. 1. 1); 87. 5 (*on* i. 1. 4); अभावस्य प्रमाणान्तरविषयत्वेऽप्युक्तदूषणमतिदिशति ŚrutaPra. iB. 9. 11 (*on* i. 1. 1); नान्दीमुखे ··· वृद्धिश्राद्धधर्मा अतिदिश्यन्ते CaturCin. iii(1). 144. 5; एतामेव सन्निधिव्यवधिव्यवस्थामनारभ्याधीताङ्गवाक्येष्वतिदिशति NyāySu.(So.) 24. 17 (*on* i. 2. 7); 40. 8 (*on* i. 2. 7); वाजिने ··· पयोविध्यन्तोऽतिदिश्यते NyāyMāVi. 7. 17 (*on* i. 1. 1); महावाक्यार्थानुपपत्तिमभिधायावान्तरवाक्येऽपि तामतिदिशति NyāySu(Ja.) 104B. 2 (*on* i. 1. 2); 273B. 12 (*on* ii. 1. 2); 438B. 10 (*on* ii. 3. 14); उक्तन्यायमन्यत्राप्यतिदिशति Subodhi. 7. 19 (*on* 2. 10); इदानीं ब्रह्मण्येवान्वेतीति वदन्नाकाशन्यायमतिदिशति VedāntKau. 38. 13 (*on* i. 1. 24); द्वितीयादि(? षु) प्रथमोक्तमेवातिदिश्यते AṇuBh. 36. 2 (*on* i. 1. 14); 43. 7 (*on* i. 1. 22); 158. 5 (*on* ii. 4. 1); 253. 7 (*on* iii. 3. 46); अपादानादपि धर्मोत्पत्तिमतिदिशति Upask. 264. 4 (*on* vi. 1. 12); अनेन तु स्नेहादिवृत्तिरप्यतिदिश्यत इत्यपुनरुक्तिः ManvaMu. 62. 11 (*on* 2. 133); तैरेव न्यायैस्तात्पर्यावधारणमित्यतिदेशः ŚivārkaMaDī. i. 60. 29 (*on* i. 1. 1); गोदानफलमन्यत्राप्यतिदिशति VīraMi. 280. 21 (*on* 1. 209); 305. 3 (*on* 1. 243); 634. 20 (*on* 2. 154); तदिदं होमद्वयं विकृतावतिदिश्यते न वा BhāṭṭDī. iii. 132. 21 (*on* ix. 2. 17); विकृतौ च कथंभावाकाङ्क्षायामुपकारसंपादनमतिदिश्यत इत्युक्तम् MīmāNyāPra. 217. 35; 219. 14–15; [(दिशिः) अतेरन्यधर्मप्राप्तौ] KośaKaTa. 2. 920; तत्र सामान्यं पूर्वपक्षं मन्त्रनामधेययोरप्यतिदिशति MayūMāli. 6. 22–23 (*on* i. 2. 1); ज्ञानादिगुणेष्वप्येतदतिदिशति Bhāsk. i. 100. 7 (*on* i. 2. 6); i. 137. 14 (*on* i. 3. 6); ii. 35. 12 (*on* ii. 2. 1); **B ii** to apply by transfer स्थानिकार्यमादेशेऽतिदिश्यते MahāBh. i. 133. 5 (*on* i. 1. 56); i. 227. 9–10 (*on* i. 2. 51) न ह्यर्था अतिदिश्यन्ते । लौकिकत्वात्तेषाम् Nyās. i. 343. 21 (*on* ii. 1. 10); परस्मैपदं चातिदिश्यते KātanVr. iii. 2. 23; विधिग्रहणाद्विशेषोऽप्यतिदिश्यते PariVr.(Sī.) 65. 1; 71. 18; 173. 21; क्रुशे रूपमतिदिश्यते Prasā. i. 168. 15; i. 809. 11; ते तथैव विकारेऽतिदिश्यन्ते SiddhāKau. 268B. 11; 322A. 2; तच्चोदात्तऋकारविशिष्टमतिदिश्यते LaŚabdeŚe. i. 261. 5; ii. 80. 9; ii. 411. 2; **B iii** to convey, denote, imply स्पर्शनम् इति संज्ञात्वेन कर्मातिदिशति JayaMa. 97. 24 (*on* 2. 2); **B iv** to order, to direct न्यक्कृतैश्वर्यपर्याप्त्यस्तमर्यादचेतसाम् । विनयाय तथाप्येषां दिक्षु दण्डोऽतिदिश्यताम् YaśasCam. i. 392. 4; **B v** to teach or instruct well दिव्यालयस्य निर्माणप्रकारो विश्वकर्मणे । देवादेशाद्विरिञ्चेन स्फुटमेवात्यदिश्यत JayāS. 1. 126 (Add. verses); **B vi** to apply by transfer (i. e. to substitute) अत्र स्त्रीशब्दस्य पुंशब्दोऽतिदिश्यते Prasā. i. 528. 19.

अतिदिश् (ati-diś) *f.* transference (by analogy) अनयैवातिदिशा मध्यमस्य पणत्रयम् ··· दातव्यम् ManvaMu. 269. 28 (*on* 7. 126)

अतिदिशत् (ati-diśat) *adj.* using the rule of transference (to other cases) तथा स्वयम् 'एतेन क्रमाक्रमादयोऽपी'ति अतिदिशन् वक्ष्यति HetuBiṬ. 147. 28; 70. 8; 118. 2; एतमेव न्यायं निमित्तनैमित्तिकभावेऽतिदिशंस्तस्यापि द्विप्रकारतां दर्शयति Loc. 42. 24 (*on* 1. 13); दोषवशादिति दृष्टान्ते शिक्षितमर्थद्वयं दार्ष्टान्तिकेऽतिदिशन् शङ्काद्वयं चार्थान्निराकरोति ŚrutaPra. iA. 80. 11 (*on* i. 1. 1); iA. 215. 24 (*on* i. 1. 1); मुख्यावभृथशब्दो यस्तत्सादृश्यविवक्षया । धर्मानतिदिशन्कर्मे विधत्ते धर्मसंयुतम् NyāyMāVi. 383. 17 (*on* vii. 3. 4); तत्र दारककर्मतुल्यतामतिदिशन्नाह Upask. 228. 4 (*on* v. 1. 12); 107. 5 (ii. 2. 3); 202. 8 (*on* iv. 1. 9); गोवधप्रायश्चित्तमतिदिशन्नेव प्रायश्चित्तान्तरमुपपातकान्तरेष्वाह VīraMi. 998. 20 (*on* 3. 265); देशक्रमेऽप्येनं न्यायमतिदिशंस्तदभिधायकं द्वितीयं श्लोकं व्याचष्टे Bhāsk. ii. 22. 17 (*on* ii. 1. 7); अग्रेऽपि अतिदिशन्नाह । एवं च हीनमिति BālamBha. ii. 122. 27 (*on* 2. 113)

अतिदिश्य (atidiś-ya) *ger.* **i** having pointed out इत्यर्चितः स भगवानतिदिश्यात्मनः पदम् । बालस्य पश्यतो धाम स्वमगाद्गरुडध्वजः BhāgP. iv. 9. 26; **ii** having used the rule of transference ब्रह्मवधिनः प्रायश्चित्तमुपदिश्य तत्संसर्गिणि तदतिदिश्य तदपवादकं प्रथमं सूत्रम् DaṇḍaVi. 245. 14; 55. 7; श्रीक्रमः प्रकृतिमेतः। अतिदिश्य तमन्यत्र विशेषस्तु निरूप्यते NityoNi. 2. 4; एवं तद्धर्मानतिदिश्य प्रकृष्टसाधारणधर्ममाह BālamBha. iii. 189. 14 (*on* 3. 324)

अतिदिश्यमान (ati-diśyamāna) *adj.* being prescribed by the rule of transference सामान्ये ह्यतिदिश्यमाने विशेषो नातिदिष्टो भवति MahāBh. i. 134. 17 (*on* i. 1. 56); निकायित्वात् पूर्वाग्निशुद्धधर्मेष्वत्रातिदिश्यमानेषु TantrVā. 560. 17 (*on* ii. 2. 27); ते इमे वस्तुधर्मा अवस्तुन्यतिदिश्यमाना असूत्रपटकारित्वं सूचयन्ति Śarka. 74. 10; वत्करणमतिदिश्यमानविरुद्धस्वाश्रयस्यापि लाभार्थम् LaŚabdeŚe. i. 337. 6.

अतिदिश्यमानकार्य (atidiśyamāna-kārya) *n.* (grammatical) operation being prescribed by the rule of transference अतिदिश्यमानकार्याणामुपदेशदेश एव देश इत्यभियुक्ताः LaŚabdeŚe. i. 74. 9; i. 250. 5; ii. 703. 1.

अतिदिश्यमानत्व (atidiśyamāna-tva) *n.* the state of being prescribed by the rule of transference पूर्वगुरुणैव समोत्तमगुरुस्वीकारायातिदिश्यमानत्वाद्युक्तमेतत् TattvPrakā. 178B. 12 (*on* iii. 3. 47)

अतिदिश्यमानधर्म (atidiśyamāna-dharma) *m.* quality obtained by the extension of a rule अतिदिश्यमानधर्मविरुद्धस्वाश्रयकार्याभावात् LaŚabdeŚe. i. 76. 9; i. 77. 22; i. 117. 6.

अतिदिश्यमानपदार्थ (atidiśyamāna-padārtha) *m.* thing obtained by the rule of transference अतिदिश्यमानपदार्थविषये द्वयोरप्यतिदेशयोः सामान्यविषयत्वम् BhāṭṭDī. iii. 224. 1 (*on* x. 2. 14)

अतिदिश्यमानरूप (atidiśyamāna-rūpa) *n.* form obtained by the rule of transference तथाप्यतिदिश्यमानरूपविरुद्धस्य स्वाश्रयस्यातिदेशविषयेऽप्रवृत्तेर्न दोषः LaŚabdeŚe. ii. 92. 10.

अतिदिष्ट (ati-diṣṭa) *adj.* **i** enjoined or known by the rule of transference, applied by analogy अतिदिष्टानां स्तोमपृष्ठसंस्थान्यत्वादनन्यभावः ĀśvaŚS. II. iii. 1. 12; सामान्ये ह्यतिदिश्यमाने विशेषो नातिदिष्टो भवति MahāBh. i. 134. 17 (*on* i. 1. 56); किमर्थं तर्हि परैस्तत्राभेदप्रतिपादनपूर्वकं वाक्ये तदतिदिष्टम् TātpaṬ.(U.) 373. 17 (*on* 5 (6). 111); पुण्यस्याप्यश्लेषविनाशयोरघन्यायोऽतिदिष्टः

BrahmSūBh.(S'an.) 792. 1 (*on* iv. 1. 16); अत्र भिक्षुणापोहपक्षे जातिपक्षतुल्यत्वमतिदिष्टम् S'arka. 74. 7; ते चातिदिष्टा अर्थवादाः फलं समर्पयन्ति PrakaPañ. 6. 9; भाष्यकारेण नियमोऽप्यतिदिष्ट इति मन्वानश्चोदयति TātpaṬ.(Vā.) 328. 6 (*on* i. 2. 2); इति पूर्वपक्षोऽतिदिष्टः Kāśi. i. 25. 22 (*on* 1. 55); कामावस्थाः स्त्रीषूपदिष्टाः पुरुषेष्वतिदिष्टाः AbhinBhā. iii. 204. 15 (*on* 22. 197); यदा तु विकृतावतिदिष्टा धर्म्यास्तदा कथमत्रैते प्रयोक्तव्याः NyāyRaMā. 173. 7; न ह्यतिदिष्टानामर्थवशेन क्रमान्तरं विकृतिषु संभवति TantrRa. 233. 15; श्रोत्रसंस्कारदूषणं शब्दसंस्कारेऽतिदिष्टम् NyāyRa. 752. 9 (*on* 6. 83); सिद्धेऽतिदेशेऽधुनातिदिष्टानां पदार्थानाम् ··· ऊहश्चिन्त्यते S'āstrDī. 572. 10 (*on* ix. 1. 1); विशेषातिदिष्टः प्रकृतं न बाधते SaraKaṇṭhā.(Gr.) i. 2. 71; बृहस्पत्यादिनाप्यनुपदिष्टधर्मकेष्वेवान्वाहितादिष्वतिदिष्टम् SmṛtiCan. iv. 425. 19; ब्रह्महव्रतमतिदिष्टमपि द्वादशाब्दिकमेव सुरापः कुर्यात् Aparā. 1072. 14 (*on* 3. 254); दोषपरिकल्पितमित्यनेन दोषवशादित्यादिनोक्तमतिदिष्टम् S'rutaPra. iA. 80. 19 (*on* i. 1. 1); तदीयद्रव्येषु क्षीरादिषु अतिदिष्टेषु तेषां मध्ये ··· नैवोपवासबाधकत्वम् CaturCin. iii(2). 165. 19; आभिचारिकेष्टौ प्रथम आग्नावैष्णवे तृतीयस्याग्नीषोमीयस्य विध्यन्तोऽतिदिष्टः NyāyMāVi. 7. 21 (*on* i. 1. 1); प्रकृत्युपदिष्टमन्त्रसामसंस्कारकर्मणां विकृतावतिदिष्टानां प्रकृतिविकृत्योर्द्रव्यदेवताभेदे सति···ऊहो दर्शितः VivaPraSaṁ. 139. 3; टित्कितोरागमयोराद्यन्तावयवत्वमतिदिष्टम् PariVṛ.(Sī.) 10. 22; नीवारेषु च व्रीहिरूपद्वाराभावेनातिदिष्टोऽपि बाध्येत Nyāyāmṛ. 617B. 6; नीवारेषु च व्रीहित्वाभावेनातिदिष्टोऽपि बाध्येत AdvaiSi. 864. 10; अतिदिष्टानां मन्त्रसामसंस्काराणाम् ···अन्यथाभावरूप ऊहो नवमे चिन्तितः S'ivārkaMaDī. i. 75. 6 (*on* i. 1. 1); i. 358. 9 (*on* i. 2. 14); ii. 393. 98 (*on* iii. 4. 21); ii. 407. 21 (*on* iii. 4. 42); न तौ पशौ करोतीतिवदतिदिष्टस्य सापिण्ड्यस्य निषेधेन वर्जनासंभवात् VīraMi.(Saṁskāra.) 692. 25; अधुना अतिदिष्टानां पदार्थानाम् ···बाधो निरूप्यते BhāṭṭDī. iii. 185. 5 (*on* x. 1. 1); परशक्तिज्ञानजन्यबोधरूपोपकारस्य प्रकृतौ क्लृप्तस्य सौर्यापूर्वसाधनसूर्यदेवतोद्देशेनातिदिष्टस्याग्निपदेनासंभवात् LaCandr. 702. 43; तथा सत्यतिदिष्टचमसबाधप्रसङ्गात् MayūMāli. 558. 4 (*on* viii. 1. 14); अतिदिष्टे तद्वान्चिशब्दप्रवृत्तिरत्र पक्षे इति बोध्यम् LaS'abdeS'e. ii. 92. 7; ‖ indicated पन्था अयं तेऽद्य मया निसृष्टः (v. l. अतिदिष्टः) MahāBhā. iii. 133. 2.

अतिदिष्टगुरुभाव (atidiṣṭa-gurubhāva) *adj.* to whom parenthood is applied by the rule of transference (analogically) अतिदिष्टगुरुभावानां मातुलपितृव्यादीनां या भार्यास्तद्गमन इदं प्रायश्चित्तम् ManuBh. ii. 403. 1 (*on* 11. 105)

अतिदिष्टत्व (atidiṣṭa-tva) *n.* the state or nature of being obtained by the rule of transference तदुत्फुल्लकविजृम्भितकाभ्यां तु वृषमेव वडवापि ताभ्यामेवाश्वमित्यर्थोक्तम् । पूर्वमतिदिष्टत्वात् JayaMa. 137. 23 (*on* 2. 6); यदप्युच्यते उपदिष्टस्याप्युपकारस्यान्यदीयस्यान्यत्रातिदेशादतिदिष्टत्वमप्यस्ति तेनापदेशातिदेशयोरेकत्रैव युगपत्सम्भवात् NyāyRaMā. 177. 6; यत्तु 'मातुः सपत्नीं भगिनीम्' इत्यादिना गुरुतल्पव्रतमतिदिष्टत्वात् पादोनमुक्तं तदसवर्णगुरुतल्पगमनविषयम् Aparā. 1084. 18 (*on* 3. 260); 1105. 16 (*on* 3. 266)

अतिदिष्टधर्म (atidiṣṭa-dharma) *m.* procedure or duty etc. obtained by the rule of transference सुयज्ञोऽप्युपदिष्टधर्माभ्यां सहातिदिष्टधर्मानाह SmṛtiCan. v. 319. 5; याचितकेऽप्यतिदिष्टधर्मवर्गान्तर्गतत्वेन प्राप्तमप्यवश्यानुष्ठेयं न भवतीत्याह बृहस्पतिः SmṛtiCan. iv. 429. 6.

अतिदिष्टपदार्थ (atidiṣṭa-padārtha) *m.* object (rite, *mantra* etc.) known or obtained by the rule of transference अतिदिष्टपदार्थस्य रूपान्तरमूहनम् NyāyMāVi. 479. 4 (*on* x. 0. 0); मन्त्रसामसंस्कारेष्वतिदिष्टपदार्थेषु यत्रास्त्यूहः यत्र च नास्ति तदुभयमत्र विचार्यम् NyāyMāVi. 418. 5 (*on* ix. 0. 0); यथातिदिष्टपदार्थैः प्रथमं पूरितेऽपि वैकृतकथंभावे पश्चाद्विकृत्याम्नातपदार्थस्यापि तत्रानुप्रवेशः कल्प्यते तद्वत् MayūMāli. 302. 18 (*on* iii. 6. 6)

अतिदिष्टपदार्थधर्मत्व (atidiṣṭapadārthadharma-tva) *n.* the state of being related to the object known by the rule of transference ऊहस्यातिदिष्टपदार्थधर्मत्वेनातिदेशप्रत्यासन्नत्वात् तदुत्तरं निरूपणे कृत एवावसरः BhāṭṭDī. iii. 187. 19 (*on* x. 1. 1)

अतिदिष्टपदार्थप्रयोग (atidiṣṭapadārtha-prayoga) *m.* use of a thing known by the rule of transference ततोऽतिदिष्टपदार्थप्रयोगविकारात्मकोहसिद्ध्यर्थं नवमः MayūMāli. 522. 11 (*on* vii. 1. 1)

अतिदिष्टपदार्थबाध (atidiṣṭapadārtha-bādha) *m.* negation of a thing obtained by the rule of transference ततोऽतिदिष्टपदार्थबाधसिद्ध्यर्थं दशमः MayūMāli. 522. 12 (*on* vii. 1. 1)

अतिदिष्टपदार्थविषय (atidiṣṭapadārtha-viṣaya) *adj.* related to an object or attribute known by the rule of transference यदि यज्यर्थाः स्युः तदा सर्वे सर्वत्रोपदिश्यन्ते न त्वतिदेशः क्वाप्यस्ति । ततोऽतिदिष्टपदार्थविषय ऊहो नारभ्यते NyāyMāVi. 418. 18 (*on* ix. 1. 1)

अतिदिष्टपदार्थविषयता (atidiṣṭapadārthaviṣaya-tā) *f.* the state of being related to the thing obtained by the rule of transference अतिदिष्टपदार्थविषयतया तत्सापेक्ष ऊहः···चिन्त्यते MayūMāli. 572. 2 (*on* ix. 1. 1)

अतिदिष्टपदार्थेयत्ता (atidiṣṭapadārtheyattā) *f.* fixed measure of things obtained by the rule of transference उपदिष्टातिदिष्टपदार्थेयत्तावधारणाधीनं च प्रयोगेयत्तावधारणम् S'āstrDī. 793. 11 (*on* xi. 1. 1)

अतिदिष्टपाक्षिकव्रीहि (atidiṣṭa-pākṣikavrīhi) *m.* paddy optionally obtained by the rule of transference चोदकप्राप्तो व्रीहियवविकल्पो न बाध्यः। कुतः। प्रत्यक्षस्य व्रीहिवाक्यस्यातिदिष्टपाक्षिकव्रीह्यनुवादेन शुक्लगुणविधानार्थत्वे सति बाधमन्तरेणोपपन्नत्वात् NyāyMāVi. 598. 17 (*on* x. 7. 19)

अतिदिष्टप्रणयन (atidiṣṭa-praṇayana) *n* carrying (of waters) obtained by the rule of transference प्रणयनमात्रमाश्रित्य फलाय विधीयमानं गोदोहनं विकृतावतिदिष्टप्रणयनसद्भावात्तदाश्रितमुपदेशत एव प्रवर्तते MayūMāli. 558. 2 (*on* viii. 1. 14)

अतिदिष्टप्रयाज (atidiṣṭa-prayāja) *m.* fore-offering (*prayāja*) obtained by the rule of transference पश्चादतिदिष्टप्रयाजाद्याकरणेऽपि क्रतुवैगुण्यानापत्तिः BhāṭṭDī. iv. 134. 9 (*on* xi. 1. 2)

अतिदिष्टप्रातिपदिकत्व (atidiṣṭaprātipadika-tva) *n.* the nature of a *prātipadika* (base) obtained by the rule of transference प्रातिपदिकग्रहणे तु मुख्यप्रातिपदिकग्रहणार्थत्वादतिदिष्टप्रातिपदिकत्वस्य ह्रस्वस्याभावः PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 2. 47.

अतिदिष्टप्रायश्चित्त (atidiṣṭa-prāyaścitta) *adj.* for whom atonement is obtained by the rule of transference तेनातिदिष्टप्रायश्चित्तोऽपतितत्वाद् द्विजातिकर्मभिर(? स्व)धिक्रियत एव Aparā. 1063. 18 (*on* 3. 251)

अतिदिष्टफल (atidiṣṭa-phala) *n.* fruit or result obtained by the rule of transference किमनुबन्धादिभिरतिदिष्टफलान्वयाच्च विद्याविधिः कल्प्यः, उत नेति S'rutaPra. ii. 518. 25 (*on* iii. 3. 44)

अतिदिष्टबहुव्रीहि (atidiṣṭa-bahuvrihi) *m.* possessive compound obtained by the rule of transference (i. e. secondary *bahuvrīhi*) अतिदिष्टबहुव्रीहौ सर्वनामत्वनिषेधो न PrakriKau. i. 960. 5; 'न बहुव्रीहौ' इत्यत्र पुनर्बहुव्रीहिग्रहणं मुख्यबहुव्रीहिलाभार्थम्। तेनातिदिष्टबहुव्रीहौ सर्वनामतास्त्येवेति प्राञ्चः SiddhāKau. 328A. 12.

अतिदिष्टबाध (atidiṣṭa-bādha) *m.* negation or cancellation of what is obtained by the rule of transference न च तत्रापि चोदकाद् द्वादशपरिमाणप्राप्तेः कथमेकनिवेश इति वाच्यम् । उपदिष्टेनातिदिष्टबाधात् MayūMāli. 498. 2 (*on* vi. 5. 8)

अतिदिष्टब्रह्मचर्य (atidiṣṭa-brahmacarya) *adj.* in which observance of celibacy is obtained by the rule of transference व्रतान्तरेषु कृच्छ्रचान्द्रायणादिष्वतिदिष्टब्रह्मचर्येषु स्कन्दने सत्येतदेव यागमात्रम् Mitā. 475. 22 (*on* 3. 280)

अतिदिष्टभत्व (atidiṣṭabha-tva) the state of being *bha* (middle base) obtained by the rule of transference अत एवेष्ठवद्भावेनातिदिष्टभत्वस्य वर्णाश्रयत्वमित्यादिव्यवहारः LaS'abdeS'e. i. 74. 14.

अतिदिष्टलिङ्ग (atidsṭa-liṅga) *n.* gender obtained by the rule of transference लुबन्तार्थेऽतिदिष्टलिङ्गस्य तद्विशेषणे विशेषणानामिति प्राप्तस्य निषेधेऽपि वस्तुतो विशेषस्य पुंस्त्वात्तदक्षतेः LaS'abdeS'e. ii. 253. 20.

अतिदिष्टविध्यन्त (atidiṣṭa-vidhyanta) *m.* auxiliary that is obtained by the rule of transference न चैवमतिदिष्टविध्यन्तग्रहणं क्वापि न स्यादिति वाच्यम् । आकाङ्क्षाबलाल्लिङ्गविशेषाच्च तदुपपत्तेः MayūMāli. 567. 16 (*on* viii. 3. 5)

अतिदिष्टविषय (atidiṣṭa-viṣaya) *adj.* having for its sphere that which is obtained by the rule of transference पूर्वन्यायेनात्राद्योपादाननियम इति सिद्धान्तसौकर्यायातिदिष्टविषयः पूर्वन्यायः। अयं तु विचार उपदिष्टविषय इति विषयभेदं दर्शयति MayūMāli. 720. 3 (*on* x. 5. 5)

अतिदिष्टव्रीहि (atidiṣṭa-vrīhi) *m.* rice obtained by the rule of transference तथा सत्यतिदिष्टव्रीहियवयोर्यत्कार्यं तदेवोपदिश्यमानशुक्लव्रीहीणां कार्यम् NyāyMāVi. 598. 20 (*on* x. 7. 19)

अतिदिष्टसाधारण्य (atidiṣṭa-sādhāraṇya) *n.* commonness in relation to that which is obtained by the rule of transference आहवनीयवाक्यगतजुहोतेरपि···ये विकृतिष्वामनहोमादय उपदिष्टा न त्वतिदिष्टास्तत्साधारण्यमेवाङ्गीकृतम्। तन्मात्रसाधारण्ये ह्यतिदिष्टसाधारण्य इव न विरम्य व्यापारप्रसक्तिरस्ति VidhiRa. 35 (187. 14)

अतिदिष्टसामन् (atidiṣṭa-sāman) *n.* *sāman* obtained by the rule of transference सा चेह विवृद्धिरुपदिष्टातिदिष्टसामभिरेव सिध्यति S'āstrDī. 704. 15 (*on* x. 4. 11); BhāṭṭDī. iii. 284. 19 (*on* x. 4. 11)

अतिदिष्टाजद्रव्य (atidiṣṭājadravya) *n.* object 'goat' obtained by

the rule of transference अतो द्रव्यपर्यन्तत्वावश्यंभावे श्वेतगुणकद्रव्यमात्रस्यैवोपदेशतोऽवगमादतिदिष्टाजद्रव्यनियमबाध इति पूर्वपक्षे MayūMāli. 676.7 (*on* x. 2.30)

अतिदिष्टाजबाध (atidiṣṭāja-bādha) *m.* negation or cancellation of the goat obtained by the rule of transference चोदकानुग्रहे वस्तुतो गोगतधानादिलक्षणगुणस्य श्रुतस्यासंपादनेन गुणोपदेशबलादेवातिदिष्टाजबाध: MayūMāli. 676.3 (*on* x. 2.29)

अतिदिष्टाश्रयण (atidiṣṭāśrayaṇa) *n.* resorting (to the parts) obtained by the rule of transference अत: फलान्तरेण तेषां विधित्वनिर्वाहादतिदिष्टाश्रयणेन गुणकामा न प्रवर्तन्त इति परिभाषानाश्रयणीया VidhiRa. 37 (192.15)

अतिदीक्षित (ati-dīkṣita) *adj.* who has taken a great vow तेन मार्गेण यातोऽसौ विपश्चिद्दृक्षचक्रवत् । अविद्याया: परीक्षार्थमामोक्षमतिदीक्षित: YogVā. vi(2). 129.26.

अतिदीन (ati-dīna) *adj.* [*f.* -ā] very miserable, very weak, very dejected, very much in distress, very poor गात्रेऽपि तोदविरतिर्मैलिनातिदीना वातार्तिपीडितनरस्य महामते स्यात् HārīS. iii. 7.4; स्खलितगतिरकस्मात् त्रस्तकर्णोऽतिदीन: ··· (गज:) भयकृत् BṛSaṁ. 94.12; VeṇīSaṁ. 5.48; यत्पीडातोऽतिदीना विदधति चलनं लोचनानां रमण्य: । तन्मन्यन्ते ··· सद्विलासं मनुष्या: SubhāRaSaṁ. 127; BrahmVaiP. iv. 43.6; DevīBhāP. iv. 12.49; अतिवृद्धे चातिदीने···अतिक्रुद्धेऽप्यसंतुष्टे षट्सु कन्या न दीयते PadmP. v. 49.98; AdhyāRā. iii. 7.66; पतच्छिर: स्थितमतिदीनं तेन ते दशामिमां किमिति मृगीव सेवसे KīcaVa. 5.15; एवं व्रतस्थितो भक्त्या सप्तक्षेत्र्यां धनं वपन् । दयया चातिदीनेषु महाश्रावक उच्यते YogŚā. 3.119; KumāPraPra. 76.25; देवातिदीनया मयायं भर्तृभिक्षायै धारितस्त्वत्पुरोऽञ्चल: PāṇḍaC. 9.10; अनुदिनमनुशैलं तामनालोक्य सीतां प्रतिदिनमतिदीनं वीक्ष्य रामं विरामम् SaduktiKa. 36.5; MahāN. 5.64; अरातिराश्यंशगतोऽतिदीन: (ग्रह:) JātaPā. 2.18; MātaLī. 9.11; KaṁVa. 6.5(4); तदुदन्तपरे मुखे सखीनामतिदीनामियमादधाति दृष्टिम् RasGaṅ. 105.15; BhāmiVi. 2.25; कण्ठीरवो य: परगन्धनागै: । अत्याहितादक्षिपथेऽतिदीनैरहो तृणान्यादयते दयालु: Raghunā. 3.40; Gaṅgāva 5.25; अतिदीनमर्हति न गाढबन्धनान्यवलम्ब्यमित्यहरदंशुकाञ्चलम् Acyutarā. 9.68.

अतिदीनकृतारावा (atidīna-kṛtārāvā) *adj.* (*f.*) uttering very pitiable sounds अतिदीनकृतारावां धूसरां वनरेणुना PadmP.(Ra.) 43.96.

अतिदीनगिर् (atidīna-gir) *adj.* with feeble speech अवोचत् प्रेक्षकानन्यान् निर्वेदादतिदीनगी: PrabhāC. 106.27.

अतिदीनचित्त (atidīna-citta) *adj.* with extremely distressed mind विकलेऽतिदीनचित्ते विषयाशामात्रधारिणि नितान्तम् ĀryāSaŚa. 21.

अतिदीनता (atidīna-tā) *f.* absolute humbleness अतिदीनतया सर्वे सुनुतिं कुरुतादरात् ŚivaP. ii(3). 24.39 (150A.16)

अतिदीनधी (atidīna-dhī) *adj.* with very humble mind इत्युक्त्वा नभगस्सोऽतिदीनधीस्तु कृताञ्जलि: । तुष्टाव तं महेशानम् ŚivaP. iii. 29.45 (330B.7)

अतिदीनम् (ati-dīnam) *adv.* very miserably, very dejectedly इति चिन्तयतस्तस्य बहुशस्तत्र नारद । अतिदीनं तरोर्मूले भानुरस्ताचलं गत: ŚivaP. ii(1). 18.8 (62B.6)

अतिदीनमनस् (atidīna-manas) *adj.* with very dejected mind अतिदीनमना: शनैरवादीदजहद्द्वद्दिकं स पद्मपाद: ŚaṅkaDigVi.(Mā.) 14.154.

अतिदीनमानसा (atidīna-mānasā) *adj.* (*f.*) with very dejected mind अथ तां करुणप्रलापिनीमुपयन्तीमतिदीनमानसाम् । ··· निजगाराजगर: क्षुधातुर: Nalābhyu. 7.58.

अतिदीनरयत्व (atidīnaraya-tva) *n.* the state of having a very poor speed अतिदीनरयत्वाच्च रोदस्योरन्यतरस्मिन्नपि विषये विहर्तुमसमर्थ: YaśasCam. ii. 180.3.

अतिदीनवक्त्रा (atidīna-vaktrā) *adj.* (*f.*) having an extremely dejected face एवं ब्रुवाणामतिदीनवक्त्राम्···परमेष्ठिपुत्र: ···तां (दितिम्) स सान्त्वयन्नाह BrahmP. 124.7.

अतिदीनवत् (atidīna-vat) *adv.* like an extremely humble person बभूव संपुटाञ्जलि: । पुलकाङ्कितसर्वाङ्ग: साश्रुनेत्रोऽतिदीनवत् BrahmVaiP. iv. 20.26.

अतिदीनवदना (atidīna-vadanā) *adj.* (*f.*) having a very pitiable or miserable face आलिङ्ग्य भरतं साध्वी राममाता यशस्विनी । कृशातिदीनवदना AdhyāRā. ii. 7.83.

अतिदीनवाच् (atidīna-vāc) *f.* very pitiable words तामातुराम् ··· इति ब्रुवाणामतिदीनवाचम् । हत्वासिना···रात्रिचरश्चचार RāmC. (App. 2) 39.8.

अतिदीनात्मन् (atidīnātman) *adj.* whose mind is greatly distressed विश्वामित्र: ··· अतिदीनात्मा निन्दन्क्षात्रबलं महत् DevīBhāP. iii. 17.23; कंस: ··· चिन्ताविष्टोऽतिदीनात्मा चिन्तयित्वैव तं पुन: DevīBhāP. iv. 23.53; विललापातिदीनात्मा पुत्रशोकेन रावण: AdhyāRā. vi. 9.59.

अतिदीनानन (atidīnānana) *adj.* whose face is very miserable तं (प्रेतम्) वृद्धतापस: । अतिदीनाननं कस्त्वमिति धैर्येण पृष्टवान् SkandP. iv. 54.22.

अतिदीनाश (atidīnāśa) *adj.* whose hopes have become very much frustrated (दक्ष उवाच) मया दुरुक्तविशिखै: प्रविद्ध: परमेश्वर: । अमरानतिदीनाशान् मदनुग्रहकारक: ŚivaP. ii(2). 42.40 (122B.2)

अतिदीनेश (atidīneśa) *adj.* who is lord of the very poor or distressed त्राहि माम् ··· दीनबन्धोऽतिदीनेश करुणासागर प्रभो BrahmVaiP. iv. 25.94.

अतिदीप् (ati-dīp-) IV. A. to shine exceedingly हनूमानंशुमानिव ··· । अत्यदीपि RāmC. 16.107; (मौक्तिकम्) सहजं चातिदीप्यते YuktiKa. 116.16; DvyāśraKā. 8.1.

अतिदीपन (ati-dīpana) *adj.* extremely stimulating (the digestive fire) अन्नव्यञ्जनसूपकम् । ··· अतिदीपनं पाचनं हितम् RasRaSa. 5.214; नृपपलाण्डुलक्षणम् ··· अतिदीपन: दाहकृत् BhojanKu. 61.18; *n.* extreme stimulation (of the digestive (fire)) एरण्डतैलम्···कुरुतेऽतिदीपनम् BhojanKu. 152.8; *m.* the plant *Nauclea cadamba* अतिदीपन: ··· कदम्बपर्यायक: AbhidhāMañ. 89.1.

अतिदीपित (ati-dīpita) *adj.* greatly set ablaze तस्य क्रोधात् समुद्भूतज्वालामालातिदीपितम् । ···त्रैलोक्यम् ViṣṇuP. i. 7.11; PadmP.(Ra.) 8.476.

अतिदीप्त (ati-dīpta) *adj.* [*f.* -ā] **i** very briiliant or very severe यशश्च तेजश्च तवापि दीप्तम् (v. l. तथातिदीप्तम्) MahāBhā. iii. 26.16; स तै: परिवृत: ··· । विबभावतिदीप्तौजा: MahāBhā. iii. 80.3; चक्रराजरथं तुङ्गम् । अपश्यन्नतिदीप्ताभि: शक्तिभि: परिवारितम् BrahmāṇḍP. iii. 25.54; उन्मार्गप्रवणवितर्कज्वरेणातिदीप्तेन बाध्यमानस्तत्प्रतिपक्षान् भावयेत् YogBh. 107.6 (*on* 2.33); (अदिति:) अतिदीप्ताङ्गीं दितिं दृष्ट्वा तु दु:खिता DevīBhāP. iv. 3.27; तस्यातिदीप्तसंविज्ज्वलने···भवति होम: ParamāSā. 76; स्वरूपेण पराबीजमतिदीप्तमनुसरेत MālinīT. 12.18; **ii** greatly stimulated बलक्षय: स्यात् । तथातिदीप्ताग्नेरग्निबलेन AṣṭāSaṁ. i. 137.18 (1.27); *m.* name of god Śiva उन्मादो मदनाकार: (v. l. उन्मादनोऽतिदीप्तश्च) MahāBhā. xiii. 17.68.

अतिदीप्ततर (atidīpta-tara) *adj.* **i** much more brilliant (नारद:) ददर्श तम् । अतिदीप्ततरं बालम् GaṇeP. i. 85.41; **ii** very greatly stimulated (स्नेहबस्त्या) अतिदीप्ततराग्निना । इन्द्रियाणां प्रसाद: Hastyāyur. 613.25 (4.5)

अतिदीप्ति (ati-dīpti) *f.* **i** extreme brilliance दुर्निरीक्ष्योऽतिदीप्त्या ··· विवस्वान् BṛSaṁ. 28.3; अतिदीप्त्या ··· सुतो धरित्र्या: ···पीडां कुरुते YogYā. 3.16; **ii** excessive stimulation तेषाम् (अग्न्यंशानाम्) सादातिदीप्तिभ्यां धातुवृद्धिक्षयोद्भव: AṣṭāHṛ. i. 11.34; **iii** white-blossomed *Vitex negundo* [PW]

अतिदीप्तिन् (atidīpt-in) *adj.* very lustrous अतिदीप्तिन: ··· असृजद्रुद्रान् LiṅgaP. i. 70.311.

अतिदीप्तिमत् (ati-dīptima(n)t) *adj.* very brilliant दिवश्च्युतैर्भूरतिदीप्तिमद्भिर्नक्तं ग्रहैर्द्यौरमलेव दीप्तै: MahāBhā. viii. 68.20; आजगाम महायोगी विमानस्थोऽतिदीप्तिमान् VarāP. 7.4; अग्निपात्रमादाय ··· अतिदीप्तिमत् PāraS. 7.49; ते संस्थाप्य चास्त्राण्यतिदीप्तिमन्ति । ··· ययु: BrahmP. 110.33.

अतिदीप्य (atidīpya) *m.* the plant *Plumbago rosea* कालो व्याल: कालमूलोऽतिदीप्य: RājNi. 86.20.

अतिदीप्यक (atidīpya-ka) *m.* the plant *Plumbago rosea* चित्रक: ··· अतिदीप्यक: KalpaK. 172.351.

अतिदीप्यमान (ati-dīpyamāna) *adj.* being greatly stimulated अतिदीप्यमानमदनव्यथया शूर्पणखया ··· अभ्यभाषि (राम:) Rāgh. 8.16.

अतिदीप्र (ati-dīpra) *adj.* very refulgent तपोग्निनातिदीप्रेण दग्ध्वा कर्ममहामलम् PariPar. 6.91.

अतिदीर्घ (áti-dīrgha) *adj.* [*f.* -ā] **1A** very tall अष्टौ विरूपानालभतेऽतिदीर्घं चातिह्रस्वं च VājaS. 30.22; (K.) 34.4; TaiBr. III. iv. 19.1; नातिदीर्घं नातिह्रस्वम् ··· कचित् कुर्यात् पुरोहितम् AVPari. 3(2).3; (कन्या) नातिह्रस्वा (v. l. नातिदीर्घा) न महती MahāBhā. i. 61.96; ii. 58.32; (ददर्श ··· राक्षसस्य चरान्) नातिदीर्घान्नातिह्रस्वकान् Rāmā. v. 3.31; CaraS. i. 21.3; गर्भजातस्य वक्ष्यामि क्षेत्राधिपस्वरूपकम् । नातिदीर्घ: कृश: AgniP. 133.1; अतिदीर्घा ··· चलन्मांसचया ··· विवर्ज्या ViṣṇuDhaP. ii. 9.14; HārīS. i. 5.9; अतिदीर्घमतिह्रस्वम् ··· शरीरेष्व(रम)प्रशस्तम् KāśyaS. 48B.6; CāndraVṛ. *on* iii. 2.82; अतिदीर्घा (कन्यका वर्जनीया) RatiRaha. 11.5; 1.14; चित्ररेखा प्रकीर्तिता । ···गौराङ्गी नातिदीर्घा PadmP. iv. 77.25; अतिदीर्घा यस्मिन्कुले तदत्युच्चम् SmṛtiCan. i. 204.6; अतिदीर्घा खर्वा वा (सा ज्ञेया कर्मणा कृत्या) ŚārṅgaP. 3106; 3119; खर्वातिदीर्घा (विवाहकर्मणि सदा त्याज्याबला) AnaṅgaRa.

8.4; 4.4; **1 B** very long (स्रुवः) नातिदीर्घो नातिह्रस्वः … स्यात् AVPari. 27(2).2; अतिदीर्घे चेत्तिर्यङ्ङ्यान्यापच्छिद्य KātyS'uS. 3.3; (धनंजयः) पृष्ठतो द्रौणिमभ्ययात् । नातिदीर्घमिवाध्वानम् MahāBhā. vii. 114.92; अतिदीर्घमतिह्रस्वम् … इति शस्त्रयन्त्रदोषाः SuśruS. i. 7.19; KāśyaS. 163A.32; वृत्तानुपूर्वे च न चातिदीर्घे जङ्घे … तदीये KumāSaṁ. 1.35 = Subhāṣi. 1567; नातिदीर्घं नातिह्रस्वम् … तन्नाम कुर्यात् ViṣṇuP. iii. 10.11; KāmSū. 3.4 (120.14); नातिदीर्घां वहन्तो ग्रीवाम् (शशाः स्युः) RatiRaha. 3.31; PauṣkS. 16.35; अतिदीर्घेण लोचनयुगलेन परितो महामण्डलमिव … आलिखन्तम् … भैरवाचार्यं ददर्श HarṣaC. 155.8; गृहमेवेदमस्त्यतिदीर्घम् DaśKuC. 88.9; मात्रा त्वं परिवर्जितः … यान्त्यातिदीर्घां भुवम् TāpaVa. 2.11 = VakroJi. 151.15; (ते) नातिदीर्घैः प्रयान(? ण)कैः । … ताम्रलिप्तीमनेषत BṛKathāS'loSaṁ. 18.419; अतिदीर्घेऽपि वारिधि(? धे)रध्वनि … न चस्खाल TilaMañ. 147.2; कामिनीनेत्रकटाक्षैरिवातिदीर्घविशदच्छविभिः YaśasCam. i. 401.1; अतिदीर्घैः … भूषणांशुभिः NavaSāC. 4.48; शास्त्रकाव्येऽतिदीर्घाणां वृत्तानां न प्रयोजनम् SuvṛTi. 3.8; अवान्तरवाच्ये समस्तद्विपदा नातिदीर्घा वृत्तिः AbhinBhā. ii. 336.19 (*on* 16.100); नातिदीर्घं समं पृष्ठम् … शुभम् AśvaVai. 3.25; नातिदीर्घा नातिह्रस्वा … । यष्टिः प्रशस्यते … मत्स्यकर्षणे Mānaso. iv. 14.1418; नातिदीर्घसमासा च वैदर्भी रीतिः PratāYaBhū. 64.2; तस्यातिदीर्घा जटाः PrabaK. 40.26; नातिस्वल्पा नातिदीर्घाः सर्गाः (इह) SāhiDa. 372.14; विलसति सदा चक्रचापेऽतिदीर्घे PavaDū.(Vā.) 72; मध्यं दारु नातिह्रस्वं नातिदीर्घमित्यर्थः SiddhāKau. 255A.2; नातिदीर्घो न चाल्पः … रक्तमत्स्यः BhojanKu. 174.1; **2** very long (temporally) अतिदीर्घे जीविते को रमेत KāṭhU. 1.28; (नलः) कुण्डिने कालं नातिदीर्घमिवावसत् MahāBhā. iii. 76.19; (भ्रातुः) अतिदीर्घस्य कालस्य परितुष्टोऽस्मि कीर्तनात् Rāmā. iv. 1169*(1); नातिदीर्घेण कालेन ते गता रत्नपर्वतम् HariVaṁ. 42.2; (संगीतम्) गमकेनातिदीर्घेण … सृष्टम् BrahmVaiP. iv. 34.10; कालमतिदीर्घं रुरोद HarṣaC. 330.20; एक एवायमतिदीर्घः … प्रतिभासः NyāyMañ. i. 316.15; अतिदीर्घस्तपःक्षयः (मन्त्रः) KulārT. 15.55; जीवितं चातिदीर्घम् SaraKaṇṭhā. 344.19; रजनि हे दीर्घातिदीर्घा भव SubhāRaK. 22.40; BṛBrahmS. i. 2.41; *n.* name of a metre च्लृतावतिदीर्घं ढजैः । चतुर्मात्रनवकं त्रिमात्रश्च Chandonu. 7.55.

अतिदीर्घक (atidīrgha-ka) *adj.* very long (कुक्कुटः) कृष्णपक्ष्मातिदीर्घकः (सर्पजातिः प्रकीर्तितः) Mānaso. iv. 7.1009; *n.* name of a metre चत्वारिंशन्मात्रायामेकोनायां निष्णातोऽकार्षीदतिदीर्घकम् Chandaḥśekhara. 221.

अतिदीर्घकाल (atidīrgha-kāla) *m.* very long period of time जन्मान्तरानुभूतमतिदीर्घकालव्यवहितं स्मर्तुमशक्यम् NyāyRa. 90.15 (*on* 2.149); अतिदीर्घकालप्रोषितस्य सद्भावाज्ञानतः कृते विभागे SmṛtiCan. iv. 712.16; v. 258.2.

अतिदीर्घकालम् (atidīrgha-kālam) *adv.* for a very long period of time (चैत्यगृहम्) यथा गमिष्यत्यतिदीर्घकालं तथा कुरुष्व VarāṅgaC. 23.88; दश वा नव वा मासानतिदीर्घकालमन्तः शयित्वा ChāndoUBh. 291.4 (*on* v. 9.1); (तया) निजस्तनमण्डन(? ल)स्य कृत्वातिदीर्घकालं मण्डनम् TilaMañ. 43.13; 410.23.

अतिदीर्घकेशी (atidīrgha-keśī) *adj.* (*f.*) with very long hair स ताम् … आनीय कृष्णामतिकृष्ण(v. l. दीर्घ)केशीम् … चकर्ष MahāBhā. ii. 60.24.

अतिदीर्घखड्ग (atidīrgha-khaḍga) *n.* very long sword हींकार एव कोशस्तस्य असिलता अतिदीर्घखड्गमित्यर्थः LalitāTriBh. 348.16 (*on* 56)

अतिदीर्घग्रीव (atidīrgha-grīva) *adj.* having a very long neck धिक्करभमतिदीर्घग्रीवं प्रलम्बचपलौष्ठम् TattvCin. iii. 61.4; MaṇiKa. 64.11.

अतिदीर्घजिह्वा (atidīrgha-jihvā) *adj.* (*f.*) with a very long tongue (गावः) श्यामातिदीर्घजिह्वा गुल्फैरतितनुभिरतिमहद्भिर्वा … नेष्टाः S'ārṅgaPa. 2829.

अतिदीर्घजिह्वी (atidīrgha-jihvī) *adj.* (*f.*) whose tongue is very long कृश्यकण्ठोत्कण्ठी हलचिबुकातिदीर्घजिह्वी … प्रेत्य आविरासन् DvyāśraKā. 4.61.

अतिदीर्घजीवित (atidīrgha-jīvita) *n.* very long life निपीय पीयूषम् … अक्षयकायतां गताः । … सुराः सदैव निन्दन्त्यतिदीर्घजीवितम् DaśāvaC. 3.6.

अतिदीर्घजीविदोष (atidīrghajīvi-doṣa) *m.* the fault of one having a very long life अतिदीर्घजीविदोषाद् व्यासेन यशोऽपहारितं हन्त Āryā-SaS'a. 33*.

अतिदीर्घतमश्मश्रु (atidīrghatama-śmaśru) *adj.* having a very long beard (दैत्योऽथ ब्राह्मणो भूत्वा) अतिदीर्घतमश्मश्रुराजगाम नृपान्तिकम् GaṇeP. ii. 18.6.

अतिदीर्घता (atidīrgha-tā) *f.* great length अतः परमध्यायानुसन्तानेऽतिदीर्घता स्यादित्यपर्यवसित एव प्रतिज्ञानार्थेऽध्यायमुपसंहरति ManvaVi. 1116.12 (*on* 8.420); नेत्रे … अतिदीर्घतया कस्य न कर्णोपान्तमागते Subhāṣi. 1494.

अतिदीर्घत्व (atidīrgha-tva) *n.* **i** great length स्विष्टकृदनुयाज्यायास्त्वतिदीर्घत्वान्मध्येऽवाननं नित्यमेव प्रसक्तम् BhāṭṭCan. 120.7 (*on* xvi. 3.15); ग्रीष्मकालेऽह्नामतिदीर्घत्वात्तत्र पादाधिकषोडशघटिकात्मके काले आवर्तनं भवति SmṛtiCan. ii. 41.7; **ii** great height तां त्यजन्ति कुमारिकां पुरुषा अतिदीर्घत्वयुक्ताम् SkandP. vi. 135.8.

अतिदीर्घदूर्वा (atidīrgha-dūrvā) *f.* very long *dūrvā* (grass) काशेषु राजदूर्वासु अतिदीर्घदूर्वासु पिण्डनिर्वपणं कार्यं कुशाभावे विचक्षणैः SmṛtiCan. ii. 366.17; कुशाभावे काशा अतिदीर्घदूर्वा वा BālamBha. i. 527.26 (*on* 1.242)

अतिदीर्घनयना (atidīrgha-nayanā) *adj.* (*f.*) having very long eyes दीर्घातिदीर्घनयना वरसुन्दरी या … किल शङ्खिनी सा RatiMañ. 6.

अतिदीर्घप्रयोग (atidīrgha-prayoga) *adj.* having a very lengthened utterance (of a part of a Rāga) अतिदीर्घप्रयोगाः स्युः स्थाया ये ते ध्वनेर्मताः SaṁgīRa. ii. 176.19 (3.131)

अतिदीर्घबाहु (atidīrgha-bāhu) *adj.* possessing very long arms चिक्षेप चक्राण्यतिदीर्घबाहुः स कालरात्रेरिव कङ्कणानि NavaSāC. 17.61.

अतिदीर्घम् (ati-dīrgham) *adv.* for a very long (time) स्थित्वा च क्षणं समाश्वस्ता निःश्वस्य चातिदीर्घम् … गदितमनया TilaMañ. 29.10.

अतिदीर्घवक्रग्रीव (atidīrghavakra-grīva) *adj.* possessing a very long and crooked neck धिक् करभम् … अतिदीर्घवक्रग्रीवम् … अपसदं पशूनाम् TātpaṬ.(Vā.) 198.17 (*on* i. 1.6)

अतिदीर्घविषाण (atidīrgha-viṣāṇa) *adj.* having very long horns असौ महिषो जातः … । अतिदीर्घविषाणश्च अञ्जनाद्रिरिवापरः SkandP. vi. 119.14.

अतिदीर्घसंख्या (atidīrgha-saṅkhyā) *f.* very large number तथा ह्ययं स्वधर्मातिशेन परित्यक्तस्वगतिकत्वेनाच्छादिततद्रूपोऽप्यतिदीर्घसंख्याविशेषानाचष्टे ManuBh. i. 493.24 (*on* 5.157)

अतिदीर्घसमास (atidīrgha-samāsa) *m.* very long compound अतिदीर्घसमासयुता बहुलैर्वर्णैर्युता महाप्राणैः । कठिना सा गौडीयेत्युक्ता RasāSu. 68.12 (1.239) *adj.* [*f.* -ā] having long compounds, PratāYaBhū. 64.2.

अतिदीर्घसुभाषण (atidīrgha-subhāṣaṇa) *n.* pleasant talk for a long time समणितैरतिदीर्घसुभाषणैः … वनितया रमयन्ति विलासिनः S'ṛṅgāDī. 3.1.

अतिदीर्घसूत्र (ati-dīrghasūtra) *adj.* very slow, given to delay विरक्तभृत्यान्यतिदीर्घसूत्राण्यल्पानि मित्राण्यतिदूरगानि । … कियच्चिरं तस्य नृपस्य राज्यम् VarāṅgaC. 2.30.

अतिदीर्घसूत्रिन् (ati-dīrghasūtrin) *adj.* over-dilatory, too slow न चातिदीर्घसूत्री स्यात् CaraS. i. 8.27.

अतिदीर्घस्थान (atidīrgha-sthāna) *n.* very long place तेन ग्रीवात्रिकपृष्ठपार्श्वोरुमूलबाहुषु नातिदीर्घस्थानविशेषा द्व्यङ्गुला त्र्यङ्गुला वा प्रत्यग्रशिखरनिष्पाद्या (लेखा) JayaMa. 120.16 (*on* 2.4)

अतिदीर्घाङ्गुली (atidīrghāṅgulī) *f.* very long finger मध्यस्य तानवभृतो घटते तवातिदीर्घाङ्गुलीतुलनमस्तु नितम्बभित्तेः HarVi. 27.88.

अतिदीर्घाय (ati-dīrghāya-) I. A. [denom.] to become very long अस्माकं तु कुटुम्बशम्बलकथासन्तापचिन्ताज्वरज्वालाजागरजागरूकमनसां सैवातिदीर्घायते S'atTrayī. 540.

अतिदीर्घायुर्योग (atidīrghāyur-yoga) *m.* conjunction (of planets) indicating a very long life अतिदीर्घायुर्योगे जातो मुनिवज्जितेन्द्रियो भूत्वा … करोति मन्त्रजपान् HorāSā. 6.58.

अतिदीर्घायुस् (atidīrghāyus) *adj.* having a very long life प्रायेणातिदीर्घायुषः … द्विरदगणाः AvantiKa. 84.7.

अतिदीर्घास्त्र (atidīrghāstra) *adj.* having a missile of long range नैष शक्योऽतिदीर्घास्त्रस्ते च सर्वे महारथाः । ऋजुयुद्धेन विक्रान्ता हन्तुं युष्माभिराहवे MahāBhā. ix. 60.57.

अतिदीर्घोज्ज्वल (atidīrghojjvala) *adj.* (remaining) bright for a long time अक्षीणो निचितो गुरुश्च गुटिकाकारोऽतिदीर्घोज्ज्वलः बद्धाभिधानो रसः RasRaSa. 11.84.

अतिदीर्णव्रण (atidīrṇa-vraṇa) *n.* very gaping wound अतिदीर्णव्रणानां तु विधिरन्यः प्रवक्ष्यते Hastyāyur. 374.14 (3.3)

अतिदीवन् (áti-dīvan) *adj.* [DEBRU. p. 177] superior gambler उत प्रहामतिदीवा जयति AV. vii. 50.6.

अतिदीव्या (ati-dīvyā) *grd.* [PaPā. *atidīvya*] overplaying, bidding higher अतिदीव्यां जयाति कृतं यच्छ्वघ्नी विचिनोति काले ṚV. x. 42.9.

अतिदु (ati-du-) V. P. to torment much जैवातृकी यतोऽह्नः स्याद्दूरीभूता दृशोर्मम । अहो जैवातृकी ज्योत्स्ना ततोऽह्नोऽतिदुनोति माम् SkandP. iv. 66.43.

अतिदुःख (ati-duḥkha) *n.* **A** extreme pain, great calamity, great hardship, great difficulty अथ यदास्य मानुषाणामतिधृतिमतिदुःखं वा पर्वताः स्फुटन्ति ṢaḍviBr. v(vi.) 12.2; अतिदुःखमिदं मूढ न जातु ब्राह्मणः सहेत्

MahāBhā. xii. 3.25; आस्ते गर्भेऽतिदुःखेन निजकर्मनिबन्धनः VisṇuP. vi. 5.13; तत्रोषितोऽतिदुःखेन गर्भे … देही ज्ञानवांश्चिन्तयेदिदम् ĀdiP. 7.45; जीवः … जायमानोऽतिदुःखेन AdhyāRā. iv. 8.39; (पन्थाः) अतिदुःसञ्चरः यत्रातिदुःखेन संचरते VakroJi. 58.1; **B** great misery, extreme sorrow, excessive distress (धर्मराजम्) नैनं जीवन्नापि जानाम्यजीवन्बीभत्सुं वा तन्ममाद्यातिदुःखम् MahāBhā. viii. 54.12; अतिदुःखात्तु वक्ष्यामि तन्निबोध जनाधिप MahāBhā. xii. 16.3; (नृपतिः) तदातिदुःखेन विदूयमानः शोकेन मोहेन युतो बभूव BrahmāṇḍP. ii. 40.46; परिग्रहोऽतिदुःखाय MārkP. 95.9; तत्रैव पापाधिकतोऽतिदुःखम् … उदाहरन्ति VarāṅgaC. 3.54; दारिद्र्यदुःखानां तेषां वर्षशतं गतम्। बलिष्ठारब्धकर्माणस्तेऽतिदुःखेऽपि नो मृताः SkandP. ii(9). 10.7; काशीराजः … अतिदुःखेन संतप्तः GaṇeP. ii. 15.27; (वासना) सा प्रवृद्धातिदुःखाय YogVā. iv. 27.31; मार्जारं मूषकोऽब्रवीत्। बद्धे त्वय्यतिदुःखं मे KathāSaSāg. vi. 7.121; बालत्वे चातिदुःखं मललुलिततनुस्त्रीपयःपानमिश्रम्। तारुण्ये चातिदुःखं भवति विरहजम् S'atTrayī. 529, 595; (निद्रायाः) अतिदुःखातिसौख्ये हि तस्याः प्रथमकारणम् TrisaS'aPuC. i. 1.107; यस्य नरस्य हि जन्मनि धिष्ण्ये क्रूरैर्निपीडिते खचरैः। अतिदुःखामयशोकन् … भवति VasiS. 22.4; न केवलमनिष्टादिकारिणां गतागतमात्रमतिदुःखं चान्यदस्ति TattvPrakā. 143A.3 (*on* iii. 1.14); भोजयतेऽतिदुःखम् … दरिद्रता PuruṣaPa. 52.16; (पारदभक्षकः) अतिकोपम् … नीं(? चा)तिदुःखम् … वर्जयेत् RaseCin. 3.87 (37.5); अतिदुःखं गतोऽस्मि SimhāDvā. 167.5 (9); परिणामेऽतिदुःखेन … किं न स्यात्सेवितेनामुना फलम् RājTa.(Jo.) 832; VetāPañ.(S'i.) 58.21; अतिदुःखं मोक्षे स्यात् इत्यनिष्टप्रसङ्गः Nyāyāmr. 277B.5 (*on* 1.30); सत्त्वात्सुखं स्याद्रजसोऽतिदुःखम् Vidvanmo. 6.13; क्वथः स्यादतिदुःखेऽपि निष्पाकेऽपि द्रवस्य च MediK. 76.4; S'abdaRaSaK. 168.10.

अतिदुःख (ati-duḥkha) *adj.* **i** extremely painful कर्णयोरतिदुःखानि भाषितानि PadmP.(Ra.) 35.147; नरकाण्यतिदुःखानि पच्यन्ते येषु पापिनः Īs'ānS'iPa. ii. 17.18; **ii** causing great sorrow, causing great misery विषयेष्वतिदुःखेषु सुखमानी मनागपि। नाहो विरज्यति जनः TrisaS'aPuC. i. 1.258; **iii** full of excessive misery सत्योऽयम् 'अतिदुःखो निर्दुःखः' इति लोकप्रवादः AnargharRā. 6.22 (1); अतिदुःखं च वैराग्यम् GaṇeP. ii. 142.22.

अतिदुःखकर (atiduḥkha-kara) *adj.* causing great misery, unhappiness or pain ते … उन्मार्गगामिनश्चातिदुःखकरान् … असादयन् AvantiKa. 136.9; आदित्यचन्द्रहरिशंकरवासवाद्यैः शक्ता न जेतुमतिदुःखकराणि यानि।… इन्द्रियाणि SubhāRaSam. 93; धनुर्धर निबोधेदमतिदुःखकरं वचः GaṇeP. ii. 120.2; तद्धृदयम् … तेभ्यो (असुरेभ्यः)ऽतिदुःखकरेभ्योऽप्यकम्पनीयव्यवसायम् Kāvyānu.(He.) 56.18.

अतिदुःखकृत् (atiduḥkha-kṛt) *adj.* causing great misery साध्यसिद्धेऽतिसंक्लेशात् साध्यसाध्योऽतिदुःखकृत् TantrRā. 1.50.

अतिदुःखतस् (atiduḥkha-tas) *adv.* **1** due to extreme misery or sorrow देहकर्तृत्वमीशस्य ज्ञात्वा …। निष्पाद्य बहुमानं च तदन्यत्रातिदुःखतः।… यतेतोपासनाय AnuVyā. 46B.8 (*on* 3.3); **2** with great pain or trouble शक्रेण वर्षकोटीश्च धूमः पीतोऽतिदुःखतः AnuVyā. 55B.8 (*on* 3.4)

अतिदुःखतालाभ (atiduḥkhatā-lābha) *m.* obtaining the state of being above grief or pain अथान्यपदेनात्मान्यत्वेन मनस एव बोधात्तस्य दुःखित्वं प्रतिपाद्यतामात्मनोऽतिदुःखतालाभाय GuruCandr. ii. 305.28.

अतिदुःखद (atiduḥkhada) *adj.* [*f.* -ā] **i** causing great pain (संनिपातः) ज्वर अतिदुःखदो वाजिनां वा द्विपानाम् HāriS. iii. 2.19; अकस्माद्भवत्तस्य (सोमकान्तस्य) गलत्कुष्ठोऽतिदुःखदः GaṇeP. i. 2.1; **ii** causing extreme affliction, grief, misery श्रुत्वा तावदियं जाता ममावस्थातिदुःखदा PadmP.(Ra.) 15.109; अहो दरिद्रतादुःखं तत्राप्याशातिदुःखदा BṛNāraP. 11.149; 11.152; (विद्या) अन्यथा फलहीना स्यान्निर्वीर्याप्यतिदुःखदा S'ivS. 3.11; मित्राणामतिदुःखदम्। स्त्रीभावं मनसा ध्यात्वा मामेवानुगताः KalkiP. i. 6.39; मोहयैनं रिपुं वृत्रं देवानामतिदुःखदम् DevīBhāP. vi. 5.57; गर्भवासोऽतिदुःखदः PadmP. i. 61.85; राम…यासि चित्ततामतिदुःखदाम् YogVā. v. 14.54; तथा च विरहः पूज्यैरुपतस्थेऽतिदुःखदः PrabhāC. 91.3.

अतिदुःखदर्शन (atiduḥkha-dars'ana) *adj.* sight of which causes extreme agony (माल्यवत्पर्वतस्य गुहागृहम्) तदिममतिदुःखदर्शनं नोपसर्पामि UnmaRā.(Vi.) 61 (1)

अतिदुःखपीडित (atiduḥkha-pīḍita) *adj.* suffering from excessive pain ग्राहवक्त्रपतिताङ्घ्रिमुद्धतं वारणेन्द्रमतिदुःखपीडितम्। वीक्ष्य … त्वं गरुत्मति कृतारुहक्रियः PadmP. iv. 21.23.

अतिदुःखपूर्णा (atiduḥkha-pūrṇā) *adj.* (*f.*) full of great hardship मायावशेन मनुजो जननिन्दनीयां तिर्यग्गतिं व्रजति तामतिदुःखपूर्णाम् SubhāRaSam. 54.

अतिदुःखप्रबन्ध (atiduḥkha-prabandha) *m.* series of extreme miseries or troubles संसारान्मोक्षः श्रेयान्यत्रायमियानतिदुःखप्रबन्धोऽवलुप्यते NyāyMañ. ii. 80.10.

अतिदुःखभोक्तृ (atiduḥkha-bhoktṛ) *adj.* experiencing great sorrow (रामलक्ष्मणौ) राजपुत्रावुभौ किल। वनेऽतिदुःखभोक्तारौ जातौ पूर्वकृतेन DevīBhāP. iii. 29.24.

अतिदुःखविषम (atiduḥkha-viṣama) *adj.* terrible due to excessive misery नोपात्तम् … तत्त्वं त्वया मुक्तये रे जीवात्र ततोऽतिदुःखविषमे संसारचक्रे भ्रमः VairāS'.(Pa.) 47.

अतिदुःखसंवेग (atiduḥkha-saṁvega) *m.* intensity of excessive pain सीतादेवी प्राप्तप्रसववेदनमात्मानमतिदुःखसंवेगाद् गङ्गाप्रवाहे निक्षिप्तवती UttaRāC. 3.2 (5)

अतिदुःखसमन्वित (atiduḥkha-samanvita) *adj.* extremely distressed शशाप च महातेजाः…अतिदुःखसमन्वितः MahāBhā. xii. 6.10.

अतिदुःखसार (atiduḥkha-sāra) *adj.* having severe pain as its essence अहोऽतिदुःखसारस्य शरीरस्यास्य भङ्गिनः। कृते कुकर्मप्रारम्भो मतेः BṛKathāMañ. 9 (2). 1108.

अतिदुःखहेतु (atiduḥkha-hetu) *m.* cause of great misery विस्तारमेष्यत्यतिदुःखहेतुः परिग्रहो वै ममताभिधानः VisṇuP. iv. 2.122; मा भूद्विशेषगमनं त्वतिदुःखहेतुः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 14.20.

अतिदुःखहेतुत्व (atiduḥkhahetu-tva) *n.* the state of being the cause of extreme pain यस्त्वङ्गुलीकरच्छेदादिको वधः सोऽतिदुःखहेतुत्वादशुद्धवधः ManvaVi. 1252.20 (*on* 9.279)

अतिदुःखान्विता (atiduḥkhānvitā) *adj.* (*f.*) filled with great sorrow स्वसा नागपतेस्तु सा। अतिदुःखान्विता वाचं तमुवाच MahāBhā. i. 43.9.

अतिदुःखाभिहत (atiduḥkhābhihata) *adj.* afflicted by great sorrow किमुतातिदुःखाभिहतहृदयोऽस्मद्विधो जनः Kād. 180.15.

अतिदुःखार्त (atiduḥkhārta) *adj.* [*f.* -ā] **i** afflicted with excessive grief, very much distressed with sorrow गोपीजनः …। निशश्वासातिदुःखार्तः VisṇuP. v. 18.13; अतिदुःखार्तो रामः … प्रणामं दण्डवच्चक्रे SkandP. iii(2). 32.8; एतद्दृष्ट्वातिदुःखार्ता देवा इन्द्रादयस्तथा। विचारं परमं चक्रुः BṛNāraP. 8.80; 7.58; मानुष्यमाश्रितं दृष्ट्वा पिता मे … विललापातिदुःखार्तः LiṅgaP. i. 43.4; तेनाहमतिदुःखार्तस्तपस्तप्तुमिहागतः LiṅgaP. ii. 3.17; दृष्ट्वा गोपीजनः … निःश्वस्यातिदुःखार्तः BrahmP. 192.13; उपेक्षसेऽतिदुःखार्तं यदि मां शरणं गतम् DevīBhāP. i. 7.13; मृते पुत्रेऽतिदुःखार्ता जाता सत्यवती तदा DevīBhāP. i. 20.54; iii. 12.86; iv. 20.43; तदा शप्तोऽतिदुःखार्तो जग्राहाङ्घ्र्यश्रुशुश्रुक्षणिः PadmP. iv. 14.41; रुदन्ती सा गिरेः सुता। विललापातिदुःखार्ता S'ivaP. ii(3). 22.34 (147A.11); ततो रामोऽतिदुःखार्तो मार्गमाणोऽथ जानकीम् AdhyāRā. v. 3.8; iv. 5.61; **ii** distressed by severe pain शूले … प्रोतमचौरम् … माण्डव्यमतिदुःखार्तमन्धकारे … चालयामास कौशिकः MārkP. 16.27; ततः स दशमे मासि … निःसारितोऽतिदुःखार्तो योनिमार्गेण संकटात् ĀdiP. 7.49.

अतिदुःखित (ati-duḥkhita) *adj.* [*f.* -ā] greatly grieved, worried or distressed, very miserable एवं हि मत्स्ये न्यवसन्त पाण्डवाः … अतिदुःखिताः MahāBhā. iv. 11.13; एषान्या … निपतत्यतिदुःखिता MahāBhā. xi. 18.15; xi. 25.2; बहुशो यस्य मानस्तु सापत्न्यादतिदुःखितः। … पदा संतर्जयामास संज्ञाम् … यमः VāyuP. ii. 22.53; स विललापातिदुःखितः MārkP. 8.25; 14.11; 22.24; सः … ब्रह्मदण्डहतान्सर्वान्पितॄन्छ्रुत्वातिदुःखितः BrahmāṇḍP. ii. 56.35; ii. 59.51; सर्पेऽतिदुःखितानां मालायां जन्म सुखिनां च LaJāta. xi. 0.2; अम्ब तात न पश्यतं पापां परलोकप्रस्थितां मामेवमतिदुःखिताम् HarṣaC. 230.8; क्व भूमिगोचराः क्षुद्राः सर्वथैवातिदुःखिताः PadmP.(Ra.) 28.145; 43.99; 97.136; राजर्षे … नार्हसि दुःखयितुमतिदुःखितां देवीम् UttaRāC. 4.13(6); नानाविधामयभयादतिदुःखितानाम् … नः … का वा क्रिया KalyāKā. 1.6; दृष्ट्वातिदुःखितान्। लोकः … न बिभेति KulārT. 1.29; चक्रे मनसि वप्रा च प्रतिज्ञामतिदुःखिता BṛKathāK. 33.11; राजा … कृत्वा वक्षसि कान्तां तां रुदतीमतिदुःखिताम् BrahmVaiP. ii. 17.79; निदाघतापितो बाढुः … पादचार्यतिदुःखितः BṛNāraP. 7.43; 10.34; 38.81; एतच्छ्रुत्वा … साप्यभूदतिदुःखिता BrahmP. 92.36; 105.3; 150.13; (अधरे) विवर्णे (सति) चातिदुःखिते BhaviP. 22B.7 (i. 5.73); 176B.5 (i. 119.20); 456B.33 (iii(2). 29.6); शापाद्भीतो देवदत्तस्तमुवाचातिदुःखितः DevīBhāP. iii. 10.28; तस्य सखायोऽप्यतिदुःखिताः। वसन्तादय आगत्य SaurP. 40.11; पिता मे कुशली किं वा मां किमाहातिदुःखितः AdhyāRā. ii. 9.12; iii. 8.15; iii. 8.20; iv. 8.10; vi. 5.71; vi. 10.44; अतिदुःखितः। इन्द्रदत्तो रहः प्राह मां व्याडिम् BṛKathāMañ. i. 2.120; v. 1.201; ix. 2.1180; ततो राजा विश्वामित्रोऽतिदुःखितः। …प्रययौ तपसे पुनः RāmāMañ. 31.15; 72.15; 419.14; दृष्टाः सधनाश्चातिदुःखिताः DarpDa. 2.57; भीमभरः … ततो निराशो हा मित्रेत्याक्रन्दन्नतिदुःखितः KathāSaSāg. xii. 7.129; तस्यां विपन्नापत्यायां प्रसवान्ते-

ऽतिदुःखिता RājTa.(Ka.) 5.247; नामापि तस्या नागश्रीर्नाकार्षीदतिदुःखिता TriṣaS'aPuC. i. 1.541; वर्षीयसीमेकां सोऽद्राक्षीदतिदुःखिताम् PāṇḍaC. 12.26; तद्वृत्तं श्वेतवीनाथपुत्री ज्ञात्वातिदुःखिता MalliC. 7.875; न प्राप्ता भवतो वार्ता तेनाहमतिदुःखित: UttaKuC. 480; शक्रनन्दन: ··· धर्मसुतम् ··· अतिदुःखितमरमयत् YudhiVi. 7.124; स रुरोदातिदुःखित: VetāPañ. 64.31; 19.18; न सा बुद्धिमतां बुद्धिर्दुःखमेवातिदुःखितम् KathāKau. 2.82; प्रोक्तस्तैरतिदुःखितैरिति पुनस्तान् प्रोक्तवान् पद्मभू: MātaLī. 1.13.

अतिदुःखिततनु (atiduḥkhita-tanu) *adj.* whose body is excessively distressed (स राजा) ततोऽतिदुःखिततनु: शरणं पुनरागत: ··· भृगुम् GaṇeP. i. 8.36.

अतिदुःखितमनस् (atiduḥkhita-manas) *adj.* with a mind greatly distressed तेनातिदुःखितमना बहिरात्तदृष्टि: CaitaCa. 52.20(2)

अतिदुःखिता (atiduḥkhi-tā) *f.* the state of being very unhappy or excessively afflicted यौगन्धरायणादीनां न चैषामतिदुःखिता । दृश्यते । KathāSaSāg. iii. 2.54; अतिदुःखितया स वर्तितां यदि सत्यं पतिदेवतास्म्यहम् Nalābhyu. 7.53.

अतिदुःखिन् (ati-duḥkhin) *adj.* [*f.* -ī] excessively grieved or afflicted, very miserable or sad निवेदितो दुर्विधिनातिदुःखिना नृपाय केनापि नरेण निश्चित: PadmP.(Ra.) 21.16; अतिदुःखिन: । मित्रस्य दर्शनादेव सर्वं दुःखं विनश्यति BṛNāraP. 9.80; अप्राप्तदुःखा भवती ह्यसदर्थेऽतिदुःखिनी BṛDharmaP. i. 45.17; क्रुशोऽतिदुःखी मूढोऽहम् YogVā. iv. 11.26; एष कितवोऽतिदुःखी KalāVi. 5.30; तदानीमतिदुःखी युवराजसौख्यमीयात् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 15.64; कालं कियन्तमप्येषा व्यतिक्राम्यातिदुःखिनी Dhūrtā. 276; ततो द्वावप्यतिदुःखिनौ KathāK. 75.22.

अतिदुग्ध (ati-dugdha) *adj.* milked (i. e. drained or taxed) too much राष्ट्रमप्यतिदुग्धं हि न कर्म कुरुते महत् MahāBhā. xii. 88.11.

अतिदुरत्यय (ati-duratyaya) *adj.* [*f.* -ā] very difficult to overcome or to destroy दूरे तिष्ठस्व कान्ताद्य लज्जा मेऽतिदुरत्यया DevīBhāP. iv. 23.19; हरत्यतिदुरत्ययं भवभयं गुरूक्ति: S'aṅkaDigVi.(Mā.) 4.86.

अतिदुरन्त (ati-duranta) *adj.* [*f.* -ā] having evil or miserable consequence अतिदुरन्तसंवादं दुःखमुपनतम् UdaySuKa. 69.35; रजनीवातिदुरन्ता (माया) PraboSu. 104; अनन्तरम् ··· अतिदुरन्तभवखेदसन्तानभीषित: YātrāPra. 7.153(1)

अतिदुरवगम (ati-duravagama) *adj.* very difficult to know अविप्रलम्भादि चातिदुरवगमम् TattvPrakā. 55A.2 (*on* i. 3.28)

अतिदुरवगाढ (ati-duravagāha) *adj.* very difficult to enter into स:··· अतिदुरवगाहमितरैरत्नगाह्य हृगबलसागरम् ĀnandaRa. 7.13(2); भो भो देव अद्वैत त्वमतिदुरवगाहगभीरोऽसि CaitaCa. 100.8(4)

अतिदुरवाप (ati-duravāpa) *adj.* very difficult to obtain अतिदुरवापम् । मदुरसि कुचकलशं विनिवेशय GītGo. xii. 23.4.

अतिदुराचार (ati-durācāra) *adj.* of very evil conduct, very wicked स्वयम् ··· चातिदुराचार: ··· पापिनामपि पापराट् SkandP. i(2). 46.109.

अतिदुरात्मन् (ati-durātman) *adj.* very wicked त्वं मे ··· अतिदुरात्मन: । प्रसादं कर्तुमर्हसि SkandP. vi. 51.61; वणिजोऽतिदुरात्मानोऽविनीता: BallāC. 107.5.

अतिदुराधर्षा (ati-durādharṣā) *adj.* (*f.*) extremely invincible वृद्धाप्यतिदुराधर्षा सा गता कुत्रचित्तदा BrahmP. 167.22.

अतिदुराप (ati-durāpa) *adj.* very difficult to obtain तस्य च राज्ञ: ··· अतिदुरापेणेतरप्रमदाभि: ··· शीलेनालंकृता ···मदिरावती नाम देव्यभवत् TilaMañ. 22.1; अतिदुरवापं (v. l. अतिदुरापं) मदुरसि कुचकलशं विनिवेशय GītGo. xii. 23.4; गोविन्दोऽतिदुराप: ChandoMa. 2.191; तत्र प्रवेशस्त्वतिदुरापोऽतिशयितानुग्रहैतरासाध्यत्वात् AṇuBh. 323.9 (*on* iv. 2.9)

अतिदुरापत्व (atidurāpa-tva) *n.* the state of being very difficult to obtain उदीर्य ··· तीर्थकृद्धर्मबोधैरतिदुरापत्वम् TilaMañ. 412.2.

अतिदुरारोह (ati-durāroha) *adj.* extremely difficult to ascend or climb राज्यं हि नाम ··· उत्तुङ्गवंशप्रतिष्ठितत्वैवातिदुरारोहम् Kād. 297.11; गिरिदुर्गं सर्वत: पृष्ठमतिदुरारोहम् NītiRa. 6; गिरिदुर्गं पर्वतपृष्ठमतिदुरारोहम्···आश्रित्य पुरं विरचयेत् ManvaMu. 260.5 (*on* 7.10); पुरो रेवापारे गिरिरतिदुरारोहशिखर: Subhāṣi. 661 = NītiRa. 5.

अतिदुरासद (ati-durāsada) *adj.* very difficult to approach (i. e. to overcome) तपसोऽतिदुरासद: । कार्तवीर्यो हतो युद्धे सपुत्रबलवाहन: BrahmāṇḍP. ii. 44.14; किं ब्रूमोऽस्मिन् महाराज संकटेऽतिदुरासदे DevīBhāP. vii. 3.32; तदीक्षणपातमात्रेण ··· अतिदुरासदमदनानलदह्यमानमानस: ··· निजं निवेशं प्राविशम् S'ṛṅgāSar. 126 (1-2)

अतिदुरित (ati-durita) *n.* great sin अतिदुरितमनागतं विचार्य PrabhāC. 66.26.

अतिदुरुद्वह (ati-durudvaha) *adj.* very difficult to rule or manage राज्यं हि नाम ··· अतिदुरुद्वहम् Kād. 297.8.

अतिदुरूह (ati-durūha) *adj.* very difficult to guess or understand अतिदुरूहग्रन्थान्तरेभ्य: सिद्धान्तज्ञाने जायमानस्य क्लेशरूपसन्तापस्य च शामकत्वेन च कौमुदीसादृश्यम् LaS'abdeS'e. i. 3.2.

अतिदुर्ग (ati-durga) *adj.* [*f.* -ā] **A** very hard to reach, very difficult of access बभूव ··· गजैरगम्या वसुधातिदुर्गा MahāBhā. viii. 68.22; जीव: ···गच्छति···दुःसहं यमपुरं च दुर्निरीक्षं दुरासदम् । ···अतिदुर्गं च VṛGautaSm. 522.4; दुरापमतिदुर्गं च पापिष्ठानां सदाहितम् । ···नीयन्ते तं महापथम् BrahmP. 214.53-54; तस्यातिदुर्गेऽपि पथि प्रयाणान्युद्यानलीलासदृशान्यभूवन् KīrtiKau. 9.13; सुलभायातिदुर्गाय नमश्चित्राय शंभवे Subhāṣi. 22; **B** excessively difficult to pass through गृहीतशस्त्रस्तमेव मार्गमतिदुर्गमनुसरन् ··· (समरकेतु:) TilaMañ. 199.14; एवं बभूवुर्दैत्यानामतिदुर्गाणि सुव्रता: पुराणि त्रीणि LiṅgaP. i. 71.23.

अतिदुर्गत (ati-durgata) *adj.* very poor, destitute सखा मे यज्ञदत्ताख्यश्चिरं भूत्वातिदुर्गत: KathāSaSāg. vi. 2.162; अपथ्यभोगेषु यथातुराणां स्पृहा यथार्थेष्वतिदुर्गतानाम् Subhāṣi. 2393.

अतिदुर्गन्ध (ati-durgandha) *adj.* very foul-smelling अहृद्यमतिदुर्गन्धमजीर्णे चाति वा बहु । यस्यानुलोमिकं पीतमूर्ध्वं याति कफावृतम् KāśyaS. 276A.1; नि:श्वासो वातिदुर्गन्धो नरो गन्धान् न वेत्ति च RugVi. 58.22; ततो द्विजापसद कदाचित्त्वयेदमतिदुर्गन्धगोर्वरोद्रवितमध्याशयं शालाजिरत्रयमशितव्यम् YaśasCam. ii. 348.23.

अतिदुर्गन्धता (atidurgandha-tā) *f.* the state of having an extremely bad odour अतिदुर्गन्धता चास्य केन वा वद कर्मणा GaṇeP. i. 5.30.

अतिदुर्गन्धवत् (atidurgandha-va(n)t) *adj.* possessing extremely bad smell अथ तस्याभवद्देहो मूको बधिर एव च । अतिदुर्गन्धवत्पूयस्राववान्कुब्ज एव च GaṇeP. i. 19.41.

अतिदुर्गन्धिन् (ati-durgandh-in) *adj.* emitting very foul odour ममांगमतिदुर्गंधि शापाच्च नृपतेरभूत् SkandP. ii(8). 7.40.

अतिदुर्गन्धिसंयुक्त (atidurgandhi-saṁyukta) *adj.* possessed of things of very foul smell विण्मूत्रैरेव पूर्णं च क्रोशमानं च कुं(?कु)त्सितम् । अतिदुर्गन्धिसंयुक्तं व्याप्तं पापिभिरेव च BrahmVaiP. ii. 33.9.

अतिदुर्गप्रतिस्तब्ध (atidurga-pratistabdha) *adj.* protected or supported by excessive fortifications अतिदुर्गप्रतिस्तब्धं वा सामन्ताटविकतत्कुलीनावरुद्धानामन्यतमेनावग्राहयेत् ArthS'ā. iii. 62.9 (9.3)

अतिदुर्गम (ati-durgama) *adj.* [*f.* -ā] [DEBRU. p. 86] **i** extremely difficult of access, very difficult to reach or traverse शैलोऽतिदुर्गमश्चायं दूरञ्चाहमिहागत: MārkP. 61.28; [जनै: ··· अतिदुर्गमम् । उपेयुषो मोक्षपथं मनस्विनस्त्वमग्रभूमि: S'iśuVa. 1.32; आलयं कल्पयाम्यत्र भूचरैरतिदुर्गमम् PadmP.(Ra.) 6.517; असहाय एव पुरुषोऽतिदुर्गमम् । अपवर्गमार्गमुपगच्छतीश यद्भवति प्रसेदुषि HarVi. 6.142; निष्ठुरतरविस्रपूतिमिश्रितरोमचयातिदुर्गमम् KalyāKā. 2.58; अस्मिन् वनान्तरे ··· मनसोऽप्यतिदुर्गमे BṛKathāK. 56.366; नमो भर्गाय देवाय देवानामतिदुर्गम SkandP. 1(1). 17.187; ब्रूहि मे गमनोपायं पुरे तस्यातिदुर्गमे DevīBhāgP. vi. 22.46; इमा: क्व विन्ध्यस्य भुवोऽतिदुर्गमा: NavaSāC. 4.54; 10.54; तावच्च राजदत्ता सा स्थाने तत्रातिदुर्गमे ।··· स्थिता KathāSaSāg. vii. 2.70; xii. 35.13; त्रिकूटाद्रि: ··· पञ्चाशतं योजनानि विस्तीर्णोऽस्त्यतिदुर्गम: TriṣaS'aPuC. ii. 5.33; पुर्यां प्राकारमतिदुर्गमम् । नानायन्त्रयुतं राजन् कारयित्वा परिव्रज PārśvC. 6.983; घुर्जरभूभृत्कटके ··· अतिदुर्गमे येन । भगदत्तकीर्तिभाजा दुष्टगज: स्वेच्छया नीत: SūktiMu. 0.11; धरणी सकलावगाहिता धनलुब्धेन मयातिदुर्गमा VairāS'.(Ja.) 6; **ii** very difficult to know, inscrutable संबन्धश्च विशेषाणामानन्त्याद‍तिदुर्गम: NyāyMañ. i. 139.9; स्त्रिया: सखे वशं मा गा: स्त्रीचित्तं ह्यतिदुर्गमम् KathāSaSāg. vii. 3.149; **iii** very difficult to be attacked अद्यप्रभृति मे नाम दुर्गेति ख्यातिमेष्यति । दुर्गदैत्यस्य समरे पातनादतिदुर्गमात् SkandP. iv. 72.71; **iv** extremely difficult to climb अहो अस्माभि: ··· अतिदुर्गमा: ··· पर्वता आरूढा: SiṁhāDvā. 153.0 (11); अतिदुर्गमं तं पर्वतमारुह्य योगिनम् ··· दृष्ट्वा नमश्चकार SiṁhāDvā. 154.9 (6); **v** very difficult to cross अतिदुर्गमाम् ··· नदीं प्रवर्तयामास MahāBhā. vii. App. I. 15 (59)

अतिदुर्गम्य (ati-durgamya) *adj.* very difficult of access ददर्श नगरं नृप: ··· दुर्लङ्घ्यमतिदुर्गम्यं रिपूणामपि पुत्रक PañcaRā.(Nā.) i. 4.55.

अतिदुर्गा (ati-durgā) *f.* **i** name of one of the five aspects of goddess Durgā अतिदुर्गामयोमुष्टिगदाहस्तां विचिन्तयेत् S'āraTi. 21.108; **ii** one of the eight-fold powers of Durgā सुलोचना सुभद्रा चातिदुर्गा दुर्गविक्रमा TantraSa.

9. 146.

अतिदुर्गामनु (atidurgā-manu) *m. mantra* of Atidurgā अतिदुर्गामनुं प्रादुर्दिनाख्यं मन्त्रवित्तमाः S'āraTi. 22. 1.

अतिदुर्गाख्या (atidurgākhyā) *adj.* (*f.*) named Atidurgā (the third *ṛk* in the Durgāsūkta) ऋक् तृतीयातिदुर्गाख्या छन्दस्तस्या विराड् भवेत् ĪśānS'i-Pa. i. 24. 3.

अतिदुर्ग्रह (ati-durgraha) *adj.* very difficult to grasp तस्मिन्मथितमात्रे तु शिरस्तस्यातिदुर्ग्रहम् । नारिकेलफलाकारं चतुर्वक्त्रोऽन्वपश्यत VarāP. 53. 15; *m.* great obstinacy or stubbornness सा रूपयौवनोत्सेका नैच्छत्कंचित्पतिं यदा । तदातिदुर्ग्रहक्रुद्धौ पितरौ शपतः स्म ताम् KathāSaSāg. ix. 2. 171.

अतिदुर्घट (ati-durghaṭa) *adj.* [*f.* -ā] **A** very difficult to reconcile, incongruous, incomprehensible अन्यत् प्रकाशते चान्यद्राह्यमित्यतिदुर्घटम् VibhraVi. 39; यद्यात्मा विषयस्तस्याश्चतुरस्रं तदाखिलम् । क्षणिकज्ञानपक्षे तु सर्वमेवातिदुर्घटम् TattvSaṁ. 230; अथ ज्ञानमिति पक्षस्तदा सर्वमतिदुर्घटम् TattvSaṁPañ. 97. 6 (*on* 237); सामानाधिकरण्यादिरेवमस्मिन्न बाधितः । परपक्षे तु सर्वेषां तद्व्यवस्थातिदुर्घटा TattvSaṁ. 1104; परामर्शोऽतिदुर्घटः NyāyMañ. i. 65. 2; ii. 15. 12; असतः कारकैः सत्त्वं जन्मनेत्यतिदुर्घटम् SaṁviSi. 84. 23; यत्किल मायापदे अतिदुर्घटं प्रतिभाति PratyabhiVi. i. 271. 4 (*on* i. 5. 16); इदं कुमारकाणामतिदुर्घटं वचः Nārāy. x. 42. 7; **B** very hard to put together, to accomplish, extremely difficult वर्तमाने वासुदेवे देवदेवे जनार्दने । पुत्रस्य सूतिकागेहाद्धरणं चातिदुर्घटम् DevīBhāP. iv. 1. 23; v. 19. 35; इदं त्वतिदुर्घटम् CaitaCa. 158. 5 (7); **C** very difficult to occur, rare यथा सौरेऽपि यातोऽसौ योगोऽयमतिदुर्घटः BhaviP. 355B. 10 (ii(2). 6. 20)

अतिदुर्घटकारित्वलक्षण (atidurghaṭakāritva-lakṣaṇa) *adj.* which is of the nature of what brings about the impossible स चायं द्वितीयः कार्यकारणभावः ··· अतिदुर्घटकारित्वलक्षणैश्वर्यविजृम्भाभावितात्भुतभावः PratyabhiVi. i. 26. 5 (*on* i. 1. 1); i. 40. 5 (*on* i. 1. 1); ii. 204. 6 (*on* ii. 4. 20)

अतिदुर्घटत्वाशङ्का (atidurghaṭatvāśaṅkā) *f.* suspicion of being very difficult to bring together इयता च उपाये अतिदुर्घटत्वाशङ्का पराकृता PratyabhiVi. i. 35. 9 (*on* i. 1. 1)

अतिदुर्जन (ati-durjana) *adj.* [*f.* -ā] very wicked सा···। जिनशासनमेकान्तात्न श्रद्धत्तेऽतिदुर्जना PadmP.(Ra.) 106. 25; सुजनस्यापि तस्यासीत्परिवारोऽतिदुर्जनः KathāSaSāg. ix. 5. 13; x. 6. 56; *m.* very wicked person अतिदुर्जन इति वक्तव्यम् UttaRāC. 1. 5 (1); अत्यशने विदूरस्थे अत्याढ्ये चातिदुर्जने । कुलहीने च मूर्खे च षट्सु कन्या न दीयते PadmP. v. 49. 97.

अतिदुर्जय (ati-durjaya) *adj.* **i** extremely invincible, very difficult to conquer पू(त्रू)[? शत्रू]णामतिदुर्जयः ··· भीमाख्यो गुणराशिरभून्(? द्भू)पः EI. xxv. 168. 1; तस्मादुर्गं करिष्यामि यदूनामतिदुर्जयम् BrahmP. 196. 11; राजा विद्याप्रभावेण स दुष्टात्मातिदुर्जयः KathāSaSāg. xiv. 3. 70; **ii** very difficult to overcome or cure पिप्पलीमधुसमन्विताभया रक्तपित्तमतिदुर्जयं जयेत् HāriS. iii. 10. 32.

अतिदुर्जर (ati-durjara) *adj.* **i** very difficult to destroy असौ पुराकृतात्पापादप्राप्यार्थं मनोगतम् । प्रत्युतानर्थमाप्नोति महान्तमतिदुर्जरम् PadmP. (Ra.) 105. 251; **ii** very difficult to digest प्रियालमज्जा ··· हृद्योऽतिदुर्जरः स्निग्धो विष्टम्भी चामवर्धनः BhāvPra.(Bhā.) 6(7). 85.

अतिदुर्जात (ati-durjāta) *adj.* very ignobly born सः ··· लोकानप्यतिदुर्जातो देशेऽस्मिन्न्यग्रहीत्तराम् RājTa.(Jo.) 868.

अतिदुर्ज्ञान (ati-durjñāna) *adj.* very difficult to know इदं तु खल्वतिदुर्ज्ञानं यद्विरोधेऽप्यविरोध इति AbhidhKoBh. 55. 19 (*on* 2. 25); नैवेदमतिदुर्ज्ञानं किं मुधे(? धै)वाकुलौ युवाम् BṛKathāS'loSaṁ. 18. 374.

अतिदुर्ज्ञानता (atidurjñāna-tā) *f.* the state of being very difficult to know भूमानमतिदुर्ज्ञानतया परमसूक्ष्मं व्युत्पादयामास Bhām. 201. 19 (*on* i. 3. 8)

अतिदुर्ज्ञेय (ati-durjñeya) *adj.* very difficult to grasp श्रीः ··· चला दीपशिखेवातिदुर्ज्ञेयगतिगोचरा YogVā. i. 13. 18.

अतिदुर्ज्ञेयत्व (atidurjñeya-tva) *n.* the state of being very difficult to grasp वेदान्तवाक्यार्थस्यातिदुर्ज्ञेयत्वात् VedāntKau. 385. 8 (*on* iv. 1. 1)

अतिदुर्णयकारिन् (atidurṇayakār-in) *adj.* which does much injustice (i. e. calamity) कुसुममप्यतिदुर्णयकारि ते किमु वितीर्य धनुर्विधिरग्रहीत् NaiṣC. 4. 91.

अतिदुर्दम (ati-durdama) *adj.* very difficult to resist तथैव प्रथयन् सैन्यसंमर्दमतिदुर्दमः । किरीटिनमनु क्रोधात्ततोऽधावत्स सिन्धुरः PāṇḍaC. 13. 336.

अतिदुर्दर्शन (ati-durdarśana) *adj.* of extremely ominous appearance युधिष्ठिरस्तु कौन्तेयो बभूवास्वस्थचेतनः । अनिष्टदर्शना(v. l. अतिदुर्दर्शना)न्घोरानुत्पातान्परिचिन्तयन् MahāBhā. iii. 176. 40.

अतिदुर्दशा (ati-durdaśā) *f.* extremely unfortunate condition अहोऽतिदुर्दशा नृणां दुर्दैवघटिता द्विजाः PadmP. i. 61. 24.

अतिदुर्दान्ता (ati-durdāntā) *adj.* (*f.*) extremely difficult to control यदा स्त्रियोऽतिदुर्दान्ताः कर्कशाः कलहे रताः । गर्हिष्यन्ति च भर्तारं तदैव प्रबलः कलिः MahNirvāT. 4. 51.

अतिदुर्दिन (ati-durdina) *n.* extremely rainy day दिव्यं क्षौमं शृतं चाम्भो भोजनं त्वतिदुर्दिने AṣṭāHṛ. i. 3. 46.

अतिदुर्दृश् (ati-durdṛś) *adj.* **i** extremely incomprehensible, very difficult to see प्रतिस्रोतोपमं मार्गं गम्भीरमतिदुर्दृशम् । न द्रक्ष्यन्ते रागरक्तास्तमस्कन्धेन चावृताः Sphuṭā. 13. 20 (*on* 2. 9); **ii** highly imperceptible (due to extreme light or lustre) सा ददर्श महाकूटं ···। भूमौ च संस्थितं भास्वज्ज्वालाभिरतिदुर्दृशम् BrahmP. 32. 19.

अतिदुर्धर (ati-durdhara) *adj.* [*f.* -ā] **i** extremely unbearable गृहाणेदं महाबाहो ··· अतिदुर्धरम् । अस्त्रं ब्रह्मशिरो नाम MahāBhā. i. 123. 74; विजृम्भत्यथ चैषीके परमास्त्रेऽतिदुर्धरे । जज्वलुर्देवसैन्यानि MatsyaP. 153. 98; **ii** very difficult to tolerate or endure (feelings, pain, old age etc.) अतिदुर्धरो बान्धवस्नेहः सर्वप्रमाथी HarṣaC. 220. 12; तस्माच्छीघ्रं प्रयाहि त्वं ज्वरां भूपातिदुर्धराम् BrahmP. 146. 14; मन्त्ररूपामिमां गाथां पठन् यस्य शिरः स्पृशेत् । शाम्येत वेदना तस्याशु मूर्ध्नोऽतिदुर्धरा PrabhāC. 30. 9; गन्धको द्रावितः ··· नाशयेत् ··· ग्रहणीमतिदुर्धराम् RasRaSa. 3. 31; **iii** very difficult to hold (i. e. to protect) राज्यं हि नाम ··· अतिदुर्धरम् Kād. 297. 12; **iv** very difficult to control or restrain or subjugate (sense-organs) येनेन्द्रियाणि विजितान्यतिदुर्धराणि SubhāRaSaṁ. 102.

अतिदुर्धरगति (atidurdhara-gati) *adj.* (the impact of) whose movement is difficult to bear त्वद्यात्रासमयेऽतिदुर्धरगतेः सैन्यस्य संमर्दतो द्राक्पिष्टेऽपि शिरोगणे गुणयुगं जज्ञे फणाभृत्पतेः Subhāṣi. 2512.

अतिदुर्धरता (atidurdhara-tā) *f.* the state of being extremely unbearable दितिजगणस्य भीतिमतिदुर्धरतां दधौ क्रियाः स वितरितुं गतोऽदयमनेकपराजयोर्जिताः HarVi. 46. 65.

अतिदुर्धरहिध्मा (atidurdhara-hidhmā) *f.* extremely unbearable hiccup पुष्पाञ्जनम् ···। अतिदुर्धरहिध्माघ्नं विषज्वरगदापहम् RasRaSa. 3. 103.

अतिदुर्धर्ष (ati-durdharṣa) *adj.* extremely invincible (सत्यव्रतः) वसिष्ठेन शप्तः ··· दुर्वेषश्चातिदुर्धर्षः सर्वलोकभयङ्करः DevīBhāP. vii. 12. 11; [very haughty, MW]

अतिदुर्निरीक्ष (ati-durnirīkṣa) *adj.* perceptible with very great difficulty दुर्गाः परेषामतिदुर्निरीक्षा वशंवदा एव वसन्ति सर्वे Raghunā. 3. 11.

अतिदुर्निवार (ati-durnivāra) *adj.* **i** very difficult to remove माने मुहुर्नतिभिरप्यतिदुर्निवारे वाचंयमव्रतमहं तरसाग्रहीषम् UjjvaNīMa. 543. 9; **ii** very difficult to control पयःप्रपूरः स्थिर एव तावत् करोति यावन्न हि सेतुभङ्गम् । भग्ने तु सेतावतिदुर्निवारः समस्तमाप्लावयितुं समर्थः CaitaCa. 101. 20(4)

अतिदुर्न्यस्त (ati-durnyasta) *adj.* very badly placed अतिदुर्न्यस्तो बतायं परप्रत्ययहार्यपेलवमतिरमीमांसको धर्मप्रियः श्रद्दधानो जनः JātaMā. 69. 5; [vacilatling in one's convictions nt.]

अतिदुर्बद्ध (ati-durbaddha) *adj.* very badly related, extremely irrelevant त्वं यच्चात्थ पठन्नास्ते तान्नलिप्यामसाविति । इदमप्यतिदुर्बद्धं सव्याजमिव वाचकम् BṛKathāS'loSaṁ. 22. 55.

अतिदुर्बल (ati-durbala) *adj.* [*f.* -ā] **i** extremely weak नातिदूरे न चासन्न अत्याढ्ये चातिदुर्बले । वृत्तिहीने च मूर्खे च षट्सु कन्या न दीयते BṛParā-Sm. 6. 27; वस्त्रनयनातिभारपीडया गर्दभोऽवसन्नः (v. l. सोऽपि धासाभावादतिदुर्बलः) PañcT. 3. 33 (286. 6); अपि च मयूरकुमारं गौरी कृष्णमतिदुर्बलं स्थूला । स्वमिव प्रच्छायाग्रकमुरसि विलग्नं वहत्येषा PādaTā. 39. 19; ईशं निर्गुणमव्ययप्रकृतिकं संसेव्य भृङ्गी चिराद्यज्जीवत्यतिदुर्बलेन वपुषा मन्ये स एवोत्सवः SaduktiKa. 228. 11; फलतूलधरा वामे सौम्ये शस्त्रासिधारिणी । खड्गस्था बभ्रुवर्णा स्यात् पिशिताशातिदुर्बला CaturCin. ii(1). 100. 6; उपवासेन ··· तमतिदुर्बलं दृष्ट्वा तन्नगरवासिनः ··· प्रोचुः PurusPa. 36. 10; **ii** completely powerless (in authority) बाध्यं तमो मितेः कृत्स्नं तज्जं चाप्यतिदुर्बलम् BṛĀraUBhVā. i. 4. 845; इवार्थः पदवेलायां गृह्यमाणोऽतिदुर्बलः TantrVā. 298. 7 (*on* i. 4. 5); कथमिव संनिधानमात्रात् श्रुत्याद्यपेक्षादतिदुर्बलात्कथंचित्प्राणविषयत्वेन शक्यं व्याख्यातुम् Bhām. 201. 13 (*on* i. 3. 8); विषयाश्चातिदुर्बलाः BhaviP. 175B. 28 (i. 119. 4); पौरोडाशिकमित्यादिसमाख्यास्त्वतिदुर्बलाः MīmāNyāPra. 229. 22.

अतिदुर्बलता (atidurbala-tā) *f.* **i** great weakness सोऽपि घासाभावादतिदुर्बलतां गतः (v. l.) PañcT. 3. 33 (286. 5); **ii** the state of being

exceedingly short विना हेमन्तमगमन्नतिदुर्बलतां निशाः KathāSaSāg. xii. 28. 16.

अतिदुर्बला (atidurbalā) *f.* kind of a tree, AbhidhāMañ. 178. 11.

अतिदुर्बलाङ्गी (atidurbalāṅgī) *adj.* (*f.*) having an extremely weak body कदाचिदुद्यानगतामपश्यत्…पुष्पस्य भङ्गेऽप्यतिदुर्बलाङ्गीम् MatsyaP. 23. 29; PadmP. v. 12. 33.

अतिदुर्बोध (ati-durbodha) *adj.* very difficult to understand, very obscure तदेतन्नातिदुर्बोधम् SaraKaṇṭhā. 247. 6; इदमपि नातिदुर्बोधमिति न व्याख्यातम् SaraKaṇṭhā. 331. 15; 397. 25.

अतिदुर्बोधता (atidurbodha-tā) *f.* extreme difficulty in understanding इत्यन्तस्य श्लोकखण्डस्यातिदुर्बोधतया पुनः संक्षेपेणार्थकथनं प्रतिजानीते Bhāsk. i. 367. 6 (*on* i. 7. 6)

अतिदुर्भग (ati-durbhaga) *adj.* [*f.* -ā] **i** very unfortunate, very unlucky अतिदुर्भगो विकलः। भवति नरो धनरहितः शशिकुजगुरुशुक्रवितनवैः Sārā. 18. 15; कुटुम्बपालनालापस्तव जातोऽतिदुर्भगः BṛKathāS'loSaṁ. 18. 639; दुर्भगा या तु नारी स्यात्पुरुषश्चातिदुर्भगः VarāP. 22. 53; अहोऽतिदुर्भगा लोकाः प्रत्यक्षे केशवे द्विजे। प्रतिमादिषु सेवन्ते PadmP. i. 61. 51; **ii** very ugly, inauspicious (भगः) रोमशो विवृतास्यश्च दृश्यनासोऽतिदुर्भगः SkandP. iv. 37. 39; **iii** (woman) of bad character (सौमिनी) एकं जघान गोवत्सं क्रोशन्तमतिदुर्भगा S'ivaP. iv. 9. 14 (*on* 358B. 12)

अतिदुर्भण (ati-durbhaṇa) *adj.* very difficult to state यः स्वर्गस्य साध्यतां कल्पयति स न नरकपातस्य इत्येतदतिदुर्भणम् TātpaṬ.(U.) 190. 2 (*on* 5. 15); ज्योतिष्टोमादितुल्यत्वं स्मृतीनामतिदुर्भणम् BālaKri. i. 14. 16 (*on* 1. 7)

अतिदुर्भरसंभावना (atidurbhara-sambhāvanā) *f.* extremely great honour अ(ल ? व)निपालमतिदुर्भरसंभावनानिपीडितकरमालिङ्ग्य … महर्षिः … रि-(? वि)धिमहितमन्वतिष्ठत् AvantiKa. 145. 11.

अतिदुर्भरसंरम्भ (atidurbhara-saṁrambha) *m.* extremely unbearable excitement अनुपलक्षितफलश्च लघूक्रियतामयमतिदुर्भरसंरम्भातिभारः SubhaDha. 4. 16 (2)

अतिदुर्भाग्य (ati-durbhāgya) *adj.* very unfortunate, very unlucky ते मन्दास्तेऽतिदुर्भाग्या रोगैस्ते समभिद्रुताः। येषां चित्ते न विश्वासो भवेदम्बार्चनादिषु DevīBhāP. iii. 18. 29; iii. 19. 3.

अतिदुर्भिक्ष (ati-durbhikṣa) *n.* extreme scarcity of food, acute famine (छत्रं) विकृतं यदि दृश्येत … अनावृष्टिभयं घोरं दुर्भिक्षमिति निर्दिशेत् (v. l. अतिदुर्भिक्षमादिशेत्) MahāBhā. ii. App. 28(68); तत्राभूदतिदुर्भिक्षं तथाप्यसासु भक्तिमान्। लोको भक्तादिकं दातुमुपाक्रंस्त PariPar. 11. 41.

अतिदुर्भिद (ati-durbhida) *adj.* very difficult to break अश्मसारमयं नूनं हृदयं मम दुर्हृदः (v. l. मेऽतिदुर्भिदम्) MahāBhā. iii. App. 31(20)

अतिदुर्मति (ati-durmati) *adj.* very ill-minded, extremely wicked महिलार्थे त्वहं विप्र … । हतवान् वाडवकुलं बुद्धिहीनोऽतिदुर्मतिः PadmP. iv. 8. 8; प्रतिक्षणं जनन्येति शिक्ष्यमाणोऽतिदुर्मतिः S'ivaP. ii(1). 17. 34 (61A. 9); तेजोहीनोऽतिदुर्मतिः । … देशान्तरं याति KulārT. 11. 93; अवश्यं दण्ड्य एव स्यात् स पापिष्ठोऽतिदुर्मतिः PāraS. 11. 371.

अतिदुर्मद (ati-durmada) *adj.* excessively arrogant दैत्यानाज्ञापयामास समरे चातिदुर्मदान् S'ivaP. ii(5). 16. 34 (238B. 7); विशङ्कनीयो यवनोऽतिदुर्मदः AlaṅkāMañ. 116. 16.

अतिदुर्मनस् (ati-durmanas) *adj.* very sad, extremely melancholy श्रुत्वा तृणावर्तवधं कंसोऽभूदतिदुर्मनाः ĀdiP. 21. 1; ततोऽशोककरीं राजा व्रणितां तां स तरस्विनीम्। किमिदं निर्भया ब्रूहीत्यपृच्छदतिदुर्मनाः KathāSaSāg. xii. 4. 227; परिस्रुतकरश्च भवति मुहुर्मुहुरतिदुर्मना द्विरदः Hastyāyur. 620. 13 (4. 7); स्वच्छन्देन … विक्रीडितम्। स्मारं स्मारं … पुण्ड्रेक्षुकाण्डादिकं नो काङ्क्षत्यतिदुर्मना बहुविधैर्दुःखैरुपेतः करी MātaLī. 11. 2.

अतिदुर्मनस्क (atidurmanas-ka) *adj.* having a very dejected mind अतिदुर्मनस्कं च दृष्ट्वा पप्रच्छ तं प्रिया KathāSaSāg. vii. 1. 28.

अतिदुर्मनाय (ati-durmanāya-) [*denom.*] to be extremely sad वत्से कैकेयि। किमेवमतिदुर्मनायसे MahāViC. 7. 33(6) (209. 1)

अतिदुर्मनायमान (ati-durmanāyamāna) *adj.* exceedingly dejected एवमतिदुर्मनायमानः पीडयति मां वत्सो माधवः MālaMā. 4. 84.

अतिदुर्मुखी (ati-durmukhī) *adj.* (*f.*) having a very ugly face अंशो नाम प्रजापतिः। मृत्योस्तु दुहिता तेन परिणीताऽतिदुर्मुखी PadmP. v. 8. 3.

अतिदुर्मेधस् (ati-durmedhas) *adj.* having a very wicked mind, of extremely evil intention, dull-witted उवाच विनतां कद्रूस्तव पुत्रोऽतिदुष्कृतम्। कृतवानतिदुर्मेधाः BrahmP. 159. 29; जडो मूकोऽतिदुर्मेधाः…। सोऽपि संजायते वाग्मी वाचस्पतिरिवापरः NityāṢoḍa. 144. 14 (*on* 4. 26); निद्रासक्तातिदुर्मेधा हीनाङ्गी व्याधिपीडिता KulārT. 7. 50.

अतिदुर्लङ्घता (atidurlaṅgha-tā) *f.* the state of being difficult to cross येनातिदुर्लङ्घतया प्रसिद्धः। … लोष्टैर्बद्धो न किं वारिधिः Rāgh. 17. 6.

अतिदुर्लडित (ati-durlaḍita) *adj.* very much pampered, greatly spoilt अतिदुर्लडितः (v. l. अतिदुर्ललितः) पित्रोरभिलषति मध्यमधिशयितुम् SubhāRaK. 5. 19.

अतिदुर्लभ (ati-durlabha) *adj.* [*f.* -ā] extremely difficult to get, very difficult to obtain तमुवाच ततः शक्रः … मतङ्ग परमं स्थानं प्रार्थयन्नतिदुर्लभम्। मा कृथाः साहसं पुत्र MahāBhā. xiii. 29. 2; तमाराध्य हरिं याति मुक्तिमप्यतिदुर्लभाम् ViṣṇuP. i. 11. 46; i. 12. 8; अन्ते श्रीललितादेव्याः सायुज्यमतिदुर्लभम् LalitāSa. 294; मुक्ता भोगास्त्वया सार्धं ये मर्त्यैरतिदुर्लभाः MārkP. 109. 20; भावानामनुमानेन प्रसिद्धिरतिदुर्लभा VākyaPa. 1. 32; विदुषीव दर्शनममुष्य युवतिरतिदुर्लभं पुनः S'is'uVa. 15. 94; अतिदुर्लभानामपि वराणां दातारो भवन्ति Kād. 62. 6; कथम् अतिसुलभः अतिदुर्लभः। पश्चादतिना समासः Kātan-Vṛ. *on* iv. 1. 25; (मेदसंसिद्धिः) सा चैकात्म्येऽतिदुर्लभा BṛĀraUBhVā. i. 4. 416; iv. 4. 1021; रसिकासुखसंभोगो निर्जने चातिदुर्लभः BrahmVaiP. iv. 30. 75; iii. 38. 79; युक्तं नाम प्रमाणस्य तदेव त्वतिदुर्लभम् NyāyMañ. i. 51. 16; i. 194. 3; वाक्यार्थबोधमतिदुर्लभमेव मन्ये SaṁkṣeS'ā. 1. 95 (i. 87. 11); इत्ययं मारिषाङ्कः स्यात्पृथिव्यां नातिदुर्लभः YuktiKa. 152. 13; निश्चयौ गलितौ यस्य ज्ञस्यासावतिदुर्लभः (मोक्षः) YogVā. iv. 57. 33; रामप्रसादाच्छबरी मोक्षं प्रापातिदुर्लभम् AdhyāRā. iii. 10. 41; जाते तत्राथ दुर्भिक्षे भिक्षाभक्तेऽतिदुर्लभे। सा रात्रौ … ययौ SamaMā. 2. 60; अमृतवृष्टिमें समायातातिदुर्लभा BṛNāraP. 11. 107; तस्यापि सप्तमी शुक्ला गङ्गायामतिदुर्लभा PadmP. iv. 85. 41; योगिनां याज्ञिकानां च तत्स्थानमतिदुर्लभम् ĀdiP. 9. 6; निःशङ्कं वरयाशु त्वं सर्वं दास्येऽतिदुर्लभम् GaṇeP. ii. 38. 54; लब्ध्वा तदर्धाध्यारोहं भर्तुः प्रेम्णातिदुर्लभम् RājTa.(Ka.) 8. 82; मातरं मूर्च्छितां पश्यन्मत्वै(? त्वे)वाम्भोऽतिदुर्लभम्। निजाभ्यामेव नेत्राभ्यामानिन्येऽम्बु युधिष्ठिरः PāṇḍaC. 7. 334; तयोर्द्वयोः प्रीतिकरः प्रदिष्टो बन्धो नराणामतिदुर्लभोऽयम् PañcSā. 5. 7; अथ भूतलिपिं वक्ष्ये सुगोप्यामतिदुर्लभाम् S'āraTi. 7. 1; सर्वान्कामानवाप्नोति मुक्तिमप्यतिदुर्लभाम् ĪśānS'iPa. i. 27. 11; कुब्जाकारातिदुर्लभा। योषिद्वृद्धापि KathāKau. 11. 41; कथं तर्हि अतिसुलभम् अतिदुर्लभमिति। यदा स्वती कर्मप्रवचनीयौ तदा भविष्यति SiddhāKau. 577B. 21; घोरेऽस्मिन्कलिकालके … मानुष्यं ह्यतिदुर्लभम् ParamāKā. 20. 141.

अतिदुर्लभतरत्व (atidurlabhatara-tva) *n.* nature of being extremely harder to obtain इदं च पुनर्यौवनमपुनरागमनेनातिदुर्लभतरत्वादत्युत्कृष्टम् RasGaṅ. 474. 8.

अतिदुर्लभत्व (atidurlabha-tva) *n.* nature of being extremely hard to obtain सायुज्यस्यातिदुर्लभत्वविशेषत्वं कैवल्यद्योतकम् LalitāSaBh. 224. 14(294)

अतिदुर्लभसूर्यभास् (atidurlabha-sūryabhās) *adj.* where the sunlight is excessively difficult to obtain अतिदुर्लभसूर्यभासि यस्मिन्…फणिनोऽरुणकान्तिभिश्शिरस्थैर्मणिभिर्बालमिवातपं वहन्ति NavaSāC. 5. 8.

अतिदुर्लम्भ (ati-durlambha) *adj.* excessively hard to obtion सुदुर्भ्यां केवलाभ्यां परस्य लभेर्नुम् न भवति। सुलभः दुर्लभः। केवलादिति किम्। अतिसुलम्भः अतिदुर्लम्भः CāndraVṛ. *on* v. 4. 22; केवलाभ्यामेवेष्यते तेन। अतिसुलम्भः अतिदुर्लम्भः KātanVṛ. *on* iv. 1. 25; अभक्तिभाजां त्वमिहातिदुर्लम्भतोऽतिदुर्लम्भ ऋतं ब्रवीमि DvyāśraKā. 10. 79; क्व कुरङ्गारिसंचारघोरकान्तारभूरियम्। पुण्यैरप्यतिदुर्लम्भः क्व चैष मुनिकुञ्जरः PāṇḍaC. 9. 367; न किंचिदतिदुर्लम्भं सत्त्वनिर्णिक्तचेतसाम् PāṇḍaC. 18. 144; केवलाभ्यां किम्। सुप्रलम्भः अतिदुर्लम्भः SiddhāKau. 577B. 21.

अतिदुर्लम्भतस् (atidurlambha-tas) *adv.* due to excessive difficulty in attainment अभक्तिभाजां त्वमिहातिदुर्लम्भतोऽतिदुर्लम्भ ऋतं ब्रवीमि DvyāśraKā. 10. 79.

अतिदुर्लम्भसंभव (atidurlambha-sambhava) *adj.* extremely difficult to beget पुत्रास्तु सत्सु युष्मासु नातिदुर्लम्भसम्भवाः PāṇḍaC. 13. 1020.

अतिदुर्ललित (ati-durlalita) *adj.* very much pampered, greatly spoilt कृष्णे रोषोक्तयस्तासां वामः … अतिदुर्ललितः UjjvaNīMa. 547. 13.

अतिदुर्ललितता (atidurlalita-tā) *f.* the state of being very much pampered or greatly spoilt अतिदुर्ललिततया जनन्याः क्रोडे स्वपिति LaṭaMe. 2. 5(5)

अतिदुर्वचस् (ati-durvacas) *n.* very bad statement क्लिष्टकल्पनयैवात्र साध्यमित्यतिदुर्वचः AnuVyā. 39A. 9 (*on* 3. 2)

अतिदुर्वर्णता (atidurvarṇa-tā) *f.* excessively bad complexion or impurity कालात्सक्रिमिरेव रोहति चिरारूढोऽतिदुर्वर्णता स्यादत्यन्तविदग्धलक्षणमिदं वक्ष्ये चिकित्सामपि KalyāKā. 21. 26.

अतिदुर्वल (ati-durvala) *adj.* very weak, feeble, emaciated कासमानो हयो दीर्घं भिन्नरोमातिदुर्वलः AśvaVai. 34. 7; cf. **अतिदुर्बल**.

अतिदुर्वह (ati-durvaha) *adj.* **i** very difficult to carry इदानीं पुनरुत्क्रान्तवायुरतिदुर्वहो देहबन्धः AnargharRā. 6. 80(1); **ii** very hard to bear अतिदुर्वहश्चायं संसारदुःखभारः NyāyMañ. ii. 78. 20; अथातिदुर्वहजराविकलस्य को नु प्रत्येतु BhāvVi. 106; उद्वोढव्यः पञ्चमहाव्रतभारोऽतिदुर्वहः TriṣaŚaPuC. iii. 3. 98.

अतिदुर्वहत्व (atidurvaha-tva) *n.* the state of being excessively hard to bear अतिदुर्वहत्वाच्छोकभारस्य न शक्नोमि प्राणान् धारयितुम् VeṇīSaṁ. 3. 218.

अतिदुर्वार (ati-durvāra) *adj.* extremely irresistible उत्तरेणातिदुर्वारं शरासारं वितन्वता । तिरश्चक्रे क्षणं शल्यस्तोयदेनेव भानुमान् PāṇḍaC. 13. 74.

अतिदुर्विदग्ध (ati-durvidagdha) *adj.* extremely ill-mannered, very arrogant अतिदुर्विदग्धेन केनापीदं वाक्यं प्रक्षिप्तमित्याशङ्कामहे BrahmSūBh. (Bhā.) 208. 28 (*on* iii. 4. 26)

अतिदुर्विध (ati-durvidha) *adj.* in a very poor condition, very miserable लोको दुर्लभदर्शन सर्वोऽनेनातिदुर्विधः । यच्छता वाञ्छितं द्रव्यं जनितः पार्थिवोपमः PadmP.(Ra.) 35. 69.

अतिदुर्विधवत् (atidurvidha-vat) *adv.* like one in a very poor condition आत्मा … अतिदुर्विधवद्देहगेहे कर्मरतः सदा YogVā. v. 35. 9.

अतिदुर्विनीत (ati-durvinīta) *adj.* excessively ill-behaved, wicked अयमेवातिदुर्विनीतो योऽसमये त्वामिहाजुहाव GopāKeCan. 50. 3.

अतिदुर्विषह (ati-durviṣaha) *adj.* extremely unbearable ब्रह्मतेजसातिदुर्विषहेण दन्दह्यमानेन वपुषा सहसोच्चचाट सैव देवी BhāgP. v. 9. 17; अस्मिन् क्षणे यदि शरं क्षिपसीह तिष्ठन्हन्यास्तदैकमतिदुर्विषहागसं तम् JānaPa. 6. 38.

अतिदुर्विषह्य (ati-durviṣahya) *adj.* very difficult to bear, extremely unbearable सोढासि वज्रविशिखानतिदुर्विषह्यान्दुःखं ममात्र सुभगे द्विगुणत्वमेति Vṛṣabhānujā 2. 13.

अतिदुर्विहित (ati-durvihita) *adj.* very badly done, wrongly enjoined अतिदुर्विहितं यत्तु कः समर्थयितुं क्षमः । अत्यन्तपूतिबीजस्य कर्षकः किं करिष्यति PramāVāBh. 397. 21.

अतिदुर्वृत्त (ati-durvṛtta) *adj.* extremely ill-behaved किं करोम्यतिदुर्वृत्तं मनो मग्नमिदं त्वयि RāmāMañ. 147. 2; इति यन्मनुवचनं तदतिदुर्वृत्तवर्णविषयम् Mitā. 283. 11; नराः । भविष्यन्त्यतिदुर्वृत्ताः सर्वथा पापकारिणः MahNirvāT. 1. 66; हिरण्याक्षोऽतिदुर्वृत्तः AdhyāRā. vi. 10. 48.

अतिदुर्वृत्ति (ati-durvṛtti) *adj.* of extremely bad behaviour श्रूयतां चातिदुर्वृत्तेः कलेर्वृत्तम् ParamāKā. 47. 72.

अतिदुश्चर (ati-duścara) *adj.* extremely difficult to practise (áti duścára) धर्मान्नातिदुश्चरम् TaiĀ. x. 62. 1 (882. 1); विश्वामित्रो महाभाग तपः कृत्वातिदुश्चरम् । … मोहितश्च … वने मेनकया DevīBhāP. i. 14. 66; ततोऽतिदुश्चरं चक्रे तपो विस्मयकारकम् PadmP. iv. 72. 36; अदितिः … तपस्तेपेऽतिदुश्चरम् BṛNāraP. 10. 35.

अतिदुःशका (ati-duśśakā) *adj.* (*f.*) quite unable, incapable चेदियं प्रेयसा हातुं क्षणमप्यतिदुश्शका । परमप्रेमवश्यत्वान्माधवीति तदोच्यते UjjvaNīMa. 141. 1.

अतिदुःशील (ati-duśśīla) *adj.* extremely ill-behaved or ill-disposed सः … पूर्वमप्यतिदुश्शीलो न दैन्यं कर्तुमर्हति MahāBhā. x. 2. 27; वदन्तमतिदुःशीलं कस्त्वमित्याह पार्थिवः MārkP. 8. 85.

अतिदुःश्रव (ati-duśśrava) *adj.* extremely painful to hear, quite unpleasant to hear येनातिदुःश्रवमसाधु कृतं तु कर्णे VeṇīSaṁ. 5. 171; अतिदुःश्रवः … परिदेवितध्वनिः PārthPa. 20(15); अमरकुलैः श्रूयमाणोऽतिदुःश्रवः । … विदधे बाहुबलिना सिंहनादः TriṣaŚaPuC. i. 5. 601; जीवयशास्तेषां वचः श्रुत्वातिदुःश्रवम् । …अखिद्यत PāṇḍaC. 12. 56.

अतिदुष् (ati-duṣ-) IV. P. to be extremely faulty, defective सर्गबन्धो महाकाव्यमारब्धं संस्कृतेन यत् । तादात्म्यमजहत्तत्र तत्समं नातिदुष्यति AgniP. 336. 25.

अतिदुष्कर (ati-duṣkara) *adj.* [*f.* -ā] very difficult to perform, practise, or achieve (áti duṣkára) दानान्नातिदुष्करम् TaiĀ. x. 62. 1 (881. 3); उपकारः सखीभर्त्रा कृतोऽयमतिदुष्करः MārkP. 72. 27; स्त्रीपतिर्भविता भूयस्तात्तैतदतिदुष्करम् MārkP. 126. 31; स्ववंशप्रभवैर्दैत्यैः कृतो द्वेषोऽतिदुष्करः ViṣṇuP. i. 16. 13; येनायं माम् … अतिदुष्करे कर्मणि समादिष्टवान् HarṣaC. 249. 6; यथेदमतिदुष्करमत्यन्तसत्वाभिधानं तथात्यन्तासत्वाभिधानमपि PramāVāSvopVṛ. 117. 28; नेदमतिदुष्करमाचार्यशस्त्रप्रभावाणाम् VeṇīSaṁ. 2. 64; कथमेतदतिदुष्करमिव मन्ये MahāvīC. 6. 37 (1); इदमतिदुष्करं प्रतिसंविधानमापतितमस्य रघुशिशोः MahāvīC. 6. 47 (4); द्वैपायनस्यापि…मातृसंबन्धभ्रातृजायापुत्रजननम् … नातिदुष्करम् TantrVā. 134. 20 (*on* i. 3. 7); यागादिकमपि … अतिदुष्करम् ŚivārkaMaDī. ii. 225. 23 (*on* iii. 2. 1); चेतः संकल्पमम्बरम् । न करोति न चाप्नोति दुर्गमप्यतिदुष्करम् YogVā. iv. 45. 8; एतच्चातिदुष्करं देव्याः यद् दुःख ? … पञ्चाग्नीं समासादयति ? TāpaVa. 4. 9(8); यत एषोऽपि संयमोऽतिदुष्करः ManuBh. i. 444. 6 (*on* 5. 53); सखे । अतिदुष्करमुपन्यस्तम् SubhaDha. 3. 6 (12); ते प्रणयी जनः । नियोजितश्चातिदुष्करे देवताराधनकर्मणि TilaMañ. 31. 14; आहितो हेलयैवातिदुष्करो मे कन्यारत्नलाभः TilaMañ. 290. 15; क्लेशेन वर्णमाला स्मर्येतापि, तदभ्यधिकपदवति तु वाक्ये सातिदुष्करा TattvBi. 89. 2; स्त्रीणां स्वत्वामिविच्छेदो मरणादतिदुष्करः BrahmVaiP. iv. 46. 2; दृष्टं च यदल्पबलवीर्यबुद्धीनामशक्यमतिदुष्करं वा Bhām. 373. 4 (*on* ii. 1. 33); इतश्च किमतिदुष्करं भविष्यति PratyabhiVi. ii. 141. 4 (*on* ii. 3. 17); पुण्यतीर्थे कृत येन तपः काप्यतिदुष्करम् Hitopa. 0. 15; अतिसाहसमतिदुष्करमत्याश्चर्यं च दानमर्थानाम् KalāVi. 2. 46; ŚārṅgaPa. 429; यस्मादसौ क्रियमाणो भवेदेव नातिदुष्करः Mitā. 369. 15 (*on* 3. 65); तपस्तप्त्वातिदुष्करम् । मृत्युकाले गतिर्या स्यात्तां गतिं याति मानवः BṛParāSm. 12. 182; तद्धृदयं येभ्यस्तेभ्योऽतिदुष्करेभ्योऽप्यकम(? म्प)नीयव्यवसायम् Loc. 111. 21 (*on* 2. 28); कृत्वातिदुष्करं कर्म … राममेवाजगाम शरः RāmāMañ. 178. 22; अवहेलया यदकरोत्स किमप्यतिदुष्करं किमपि येन विधेः PṛthvīVi. 3. 28; शिवबीजैपानमतिदुष्करं पुरा विरचय्य … वमनं व्यधीयत हिरण्यरेतसा PṛthvīVi. 9. 79; इत्थं प्रभोर्विजयसिंहमुनीश्वरस्य वृत्तं पवित्रमतिदुष्करमल्पसत्त्वैः PrabhāC. 46. 6; अत्र चित्रपटाजीवे नमस्कारोऽतिदुष्करः PrabhāC. 199. 27; 105. 31; अतिदुष्करं परपुरप्रवेशमिव योगिनामीशः MohaRāPa. 5. 44; चारित्रं चातिदुष्करम् SamarāSaṁ. 1. 298; श्रामण्यमतिदुष्करम् SamarāSaṁ. 3. 181; अतिदुष्करमन्यदप्युदग्रं कृतवन्तो मनुजात् कथं बिभीमः Rāgh. 15. 43.

अतिदुष्कर (ati-duṣkara) *n.* very difficult task कष्टमतिदुष्करं करोति Nāgā. 4. 4(13); अपि पाशुपतास्त्रेण विद्धश्चैन्न ममार यः । निष्फलेषुविनुन्नाङ्गो नह्युपतील्यतिदुष्करम् BṛĀraUBhVā. i. 4. 833; नृपः प्राह कुमारातिदुष्करं भवता कृतम् SamarāSaṁ. 9. 316.

अतिदुष्करकारिता (atiduṣkarakāri-tā) *f.* performance of a very difficult task तत् … मुनेरतिदुष्करकारितया कमपि प्रभावप्रकर्षमवद्योतयति VyaktiVi. 46. 9; Kāvyānu.(He.) 211. 22.

अतिदुष्करकारिन् (atiduṣkarakār-in) *adj.* [*f.* -iṇī] doing a very cruel act त्वयापविद्धा सा दूरमतिदुष्करकारिणा JātaMā. 160. 2 (20. 27); **ii** doing a very difficult thing अतिदुष्करकारिणीश्चैनामवगच्छामि PādaTā. 31. 14.

अतिदुष्करकार्य (atiduṣkara-kārya) *n.* extremely difficult task अतिदुष्करकार्याणां भवत्येव विचक्षणा MalliC. 7. 309.

अतिदुष्करत्व (atiduṣkara-tva) *n.* the state of being very difficult to perform तितिक्षायाश्चातिदुष्करत्वेन राजधर्मेषु विशिष्योपादानम् VīraMi. (Rājanīti.) 135. 23.

अतिदुष्करदुष्कर (atiduṣkara-duṣkara) *adj.* which is most difficult among difficult ones वत्स माभिग्रहं कार्षीरतिदुष्करदुष्करम् PariPar. 8. 143.

अतिदुष्करवस्तु (atiduṣkara-vastu) *n.* very difficult thing to do अतिदुष्करवस्तुसंपादनाप्रतीघातरूपा परमेश्वरस्य मायाशक्तिः PratyabhiVi. ii. 234. 4 (*on* iii. 1. 8)

अतिदुष्कृत (ati-duṣkṛta) *n.* great sin तव पुत्रोऽतिदुष्कृतम् । कृतवान् BrahmP. 159. 29.

अतिदुष्कृतकर्मन् (atiduṣkṛta-karman) *adj.* committing a great sin अतिदुष्कृतकर्माहं कथं भोक्ष्ये कथं स्वपे PadmP. iv. 110. 459.

अतिदुष्कृतवत् (atiduṣkṛta-va(n)t) *adj.* who has committed a very heinous sin or crime काश्यामतिदुष्कृतवानपि । यायात् … विष्णोः परमं पदम् SkandP. iv. 30. 16.

अतिदुष्कृतिन् (ati-duṣkṛtin) *adj.* given to wicked deeds वणिक्पुत्रः पापोऽयमतिदुष्कृती KathāSaSāg. vi. 2. 29; पीडयतीमं देशं बको नराशोऽतिदुष्कृती YudhiVi. 1. 55.

अतिदुष्ट (ati-duṣṭa) *adj.* [*f.* -ā] **1** extremely wicked, very cruel, very bad अतिदुष्टस्य तन्मात्रं त्यजेच्छित्वात्मशुद्धये BṛhaspaSm. 363. 75; VāmaP. 86. 6; मित्ररूपेण वर्तेत ह्यतिदुष्टः सदैव सः PadmP. ii. 12. 2; RājTa.(Ka.) 4. 121; या पुनरतिदुष्टा स्त्री SmṛtiCan. iv. 659. 1; PañcSā. 2. 13; AnaṅgaRa. 4. 15; Nārāy. vii. 24. 8; अतिदुष्टाङ्कुशमिता दीर्घादुष्टा ŚukraNī. 4(7). 99; **2** extremely deranged or upset दोषेभ्य एवातिदुष्टेभ्यः … वदन्त्यामस्य संभवम् AṣṭāHṛ. i. 13. 26 = AṣṭāSaṁ. i. 114. 2 (1. 21); श्लेष्मोपरुद्धगमनः । पवनोऽतिदुष्टः RasRaSa. 13. 45; *m.* *Asteracantha longifolia* [PW]

अतिदुष्टगजसंयमन (atiduṣṭagaja-saṁyamana) *n.* controlling an extremely wicked elephant आविश्य तासु पुरुषः स्थितवानयं हि मत्तातिदुष्टगजसंयमनाय नित्यम् MātaLi. 12. 18.

अतिदुष्टचित्त (atiduṣṭa-citta) *adj.* of a very wicked mind बालोऽति-

दुष्टचित्तोऽयं नानेनार्थोऽस्ति जीवता VisṇuP. i. 19. 60.

अतिदुष्टचेष्ट (atiduṣṭa-ceṣṭa) *adj.* acting very wickedly तस्यातिदुष्टचेष्टस्य लक्ष्मीः …। अभूदुद्वेगजननी RājTa.(Ka.) 4. 121.

अतिदुष्टत्व (atiduṣṭa-tva) *n.* A extreme defectiveness विकल्पस्य चातिदुष्टत्वात् समुच्चय एव SaṅkarKāBh. 150. 2 (*on* iii. 2. 68); B extreme wickedness इत्यतिदुष्टत्वादष्टगुणं दण्डं दाप्यः Aparā. 681. 6 (*on* 2. 82)

अतिदुष्टधी (atiduṣṭa-dhī) *adj.* of a very wicked thought भवतानुगृहीतोऽसि मुने पापोऽतिदुष्टधीः SkandP. ii(7). 18. 1.

अतिदुष्टमनस् (atiduṣṭa-manas) *adj.* of a very wicked mind अतिदुष्टमनाः सा तु पत्नी धूम्राक्षरक्षसः GaṇeP. ii. 14. 36.

अतिदुष्टमृग (atiduṣṭa-mṛga) *m.* very cruel beast चमरीगणोऽयमतिदुष्टमृगोपगतः PadmP.(Ra.) 42. 59.

अतिदुष्टसंहारिन् (atiduṣṭa-saṁhārin) *adj.* destroyer of very wicked persons अतिदुष्टसंहारिणः … रामलक्ष्मणभरतशत्रुघ्नाः … दिवमारूढाः VisṇuP. iv. 4. 102.

अतिदुष्टात्मन् (atiduṣṭātman) *adj.* of a very wicked nature यक्षे तुष्टेऽतिदुष्टात्मा चिन्तयामास चेतसि PariPar. 3. 35.

अतिदुष्टासृक्स्राविन् (atiduṣṭāsṛksrāv-in) *adj.* discharging extremely impure blood पूतिः पूयातिदुष्टासृक्स्राव्युत्सङ्गी चिरस्थितिः RugVi. 42. 7.

अतिदुष्पूर (ati-duṣpūra) *adj.* very difficult to fill धिगिदमतिदुष्पूरमुदरम् SubhāRaK. 42. 4.

अतिदुष्प्रवृत्ति (ati-duṣpravṛtti) *f.* very bad tendency अमी भविष्यन्त्यतिदुष्प्रवृत्तिनिवृत्तिशि(क्षा) गुरवः शरा मे RāmC. (App.) (2). 39. 33.

अतिदुष्प्राप (ati-duṣprāpa) *adj.* [*f.* –ā] very difficult to obtain, extremely inaccessible प्राप्ता क्षणेनैव (v. l. अतिदुष्प्रापा) मनःपवनगामिनी MahāBhā. iii. App. I. 6 (66); ब्रह्मैव सातिदुष्प्रापा…परा शक्तिः DevīBhāP. iii. 18. 36; YogVā. v. 24. 19; दुर्लभस्त्वतिदुष्प्रापे यवाषे तु पुमानयम् Nānārtha-Saṁ. ii. 130. 946.

अतिदुःषमा (atiduṣṣamā) *f.* (Jain.) name of one of the six divisions of time in the stage called *avasarpiṇī* (declining age) तन्नामान्यनुकीर्त्यन्ते … षष्ठ्यतिदुःषमा । भेदा इमेऽवसर्पिण्याः MahāP. 3. 18; SamarāSaṁ. 9. 482.

अतिदुस्तर (ati-dustara) *adj.* [*f.* –ā] i very difficult to cross (space) सागरश्चापि दुस्तरः (v. l. श्चातिदुस्तरः) MahāBhā. iii. 267. 24; HarṣaC. 197. 4; अन्ये संसारकान्तारं निनिन्दुरतिदुस्तरम् PadmP.(Ra.) 78. 39; SkandP. i(2). 50. 69; तीर्णो रणाम्बुधिरभूदतिदुस्तरोऽपि Jīvān. 419. 4; ii very difficult to pass or overcome (abstract things) ध्रुवे प्रत्युक्तामसुरैस्तां मायामतिदुस्तराम् BhāgP. iv. 10. 29; ParaS. 26. 81; व्यामोहजालमतिदुस्तरमेव TattvPradī.(A.) 295. 3 (*on* 3. 19); BrahmP. 139. 10; KathāSaSāg. xiii. 1. 21; अम्बुजपलाशलोचने कश्मलो भवति तेऽतिदुस्तरः GopāKeCan. 97. 5; PārśvC. 6. 429; तस्योपद्रवेऽस्माकमनुतापोऽतिदुस्तरः PrabhāC. 77. 21; MahNirvāT. 3. 121; iii very difficult to cure बालबिल्वम् …। हन्ति … ग्रहणीमतिदुस्तराम् SiddhYo. 4. 11; 41. 22; अतिदुस्तरा । लूतामयकृता व्यापदुदपद्यत मण्डले RājTa.(Ka.) 4. 524; iv very difficult to understand अतिदुस्तराणि सुतरामालोड्य शास्त्राण्यसौ SarvaDaSaṁ. 1. 9; v very difficult to escape स्ववध्याप्यतिदुस्तरा VāmaP. 17. 49.

अतिदुस्त्यज (ati-dustyaja) *adj.* extremely difficult to abandon, very difficult to discard पुरातनैरतिदुस्त्यजैर्भृत्यैरिव मलिनैः कर्मभिः HarṣaC. 297. 8; PadmP.(Ra.) 119. 35; अतिदुस्त्यजमेतस्मिँल्लोके विषयसेवनम् BṛBrahmaS. iii. 4. 39.

अतिदुःसंचर (ati-dussañcara) *adj.* very difficult to tread सोऽतिदुःसंचरो येन विदग्धकवयो गताः VakroJī. 57. 17.

अतिदुःसंपाद (ati-dussampāda) *adj.* very difficult to establish यस्य शब्दार्थसंबन्धानामनित्यत्वं तस्य तदाश्रयव्यवहारनित्यत्वं किमाधारं भविष्यतीत्यतिदुःसंपादम् TantrVā. 170. 22 (*on* i. 3. 10)

अतिदुःसह (ati-dussaha) *adj.* [*f.* –ā] very hard to bear or endure, most unbearable मुमोचाविषहं प्रभुः । भृग्वङ्गिरोमन्युभवं क्रोधाग्निमतिदुःसहम् MahāBhā. vii. 24. 86; आदत्त पार्थोऽञ्जलिकं निषङ्गात् … समानक्रव्यादमिवातिदुःसहम् MahāBhā. viii. 67. 18; वाक्यशल्यमतिदुःसहम् MahāBhā. ix. 340*(1); एनं विवेश पवनो लघु । शीतोऽतिरूक्षः … अतिदुःसहः VisṇuP. i. 19. 22; दुःखम् …। कामेर्ष्याक्रोधसम्बन्धं यौवने चातिदुःसहम् MārkP. 11. 29; AṣṭāHṛ. iii. 13. 12; शीतोष्णमतिदुःसहम् VarāṅgaC. 5. 95; संसारदुःखमतिदुःसहमश्नुवीत SaṁkṣeS'ā. 3. 6 (ii. 151. 24); अतिदुःसहं वचनम् TilaMañ. 29. 8; दुःखानि यानि नरकेष्वतिदुःसहानि…। सर्वाणि तानि मनुजस्य भवन्ति लोभात् SubhāRaSaṁ. 80; 150; 253; नैषातिदुःसहा क्षुन्माम् … बाधते BhāgP. x. 1. 13; गुटिका शमयत्याशु शूलं चैवातिदुःसहम् SiddhYo. 26. 12; दारिद्र्यम् … अतिदुःसहम् SamarāSū. 48. 39; सतीतेजोऽतिदुःसहम् BṛKathāMañ. 7. 238; 11. 25; 16. 512; RāmāMañ. 165. 4; वियोगः प्रियया चोपनतोऽतिदुस्सहो मे AlaṅkāSa. 160. 1; महाभये घोरे प्राणिनामतिदुःसहे RājTa.(Ka.) 2. 26; 7. 1182; अभूत् … तेजोभिरतिदुःसहैः । जगतोऽपि स मूर्धन्यः TriṣaS'aPuC. ii. 2. 8; (समुद्रदत्तः) स्तब्धाङ्गः कीलित इव स्मरास्त्रैरतिदुःसहैः TriṣaS'aPuC. iv. 4. 80; राक्षसाः क्रूरकर्माणः …। रामस्तान् योधयत्वित्थं युक्तिरेवातिदुःसहा YogVā. i. 8. 17; ऊर्जितं वो ध्रुवं राज्यादिदानीमतिदुःसहम् PāṇḍaC. 10. 430; आचार्यीयः शरोत्करः । … अभूदतिदुःसहः PāṇḍaC. 13. 497; (द्रोणः) लम्भितो वचनैस्तैस्तैर्दाक्षिण्यमतिदुःसहम् PāṇḍaC. 13. 501; वीराणां हि शिरश्छेदान्नासाच्छेदोऽतिदुःसहः Surath. 9. 66; शूराणां सिंहनादोऽतिदुःसहः RauhiC. 193; UttaKuC. 70; क्रोधाग्निमतिदुःसहम् PratāYaBhū. 307. 4; गलनेत्रामयाद् दुष्टविस्फोटो ह्यतिदुःसहः RājTa.(Prā.) 356; HammīMaKā. 5. 4; क्रमेलकस्य … अतिदुःसहा भैरवयातनाभूत् TristhaSe. 115. 13; KaṁVa. 6. 22 (2); युद्धान्यप्यतिदुस्सहानि … अभूवन् ParamāKā. 12. 83; Rāgh. 18. 45; दादाराघवपादैर्वो विश्लेषो नोऽतिदुःसहः AlaṅkāMañ. 118. 14; तव प्रतापः…दिवा भानुरिवातिदुःसहः AlaṅkāMañ. 234. 3; वनिताजनानामितरवनिताप्रशंसनमतिदुःसहमेव RasSa. 97 (3); 144 (3)

अतिदुःसहकर (atidussaha-kara) *m.* extremely unbearable (i. e. very heavy) taxes रविवत्र चातिदुःसहकरतापितभूः कदाचिदसि KāvyPra. 651. 4; 2 extremely unbearable rays (of the sun), KāvyPra. 651. 4.

अतिदुःसहतर (atidussaha-tara) *adj.* most unbearable अतर्कितमवेक्ष्य … सख्युर्व्यसनम् अतिदुःसहतरम् ĀnandRa. 7. 28 (2)

अतिदुःसहता (atidussaha-tā) *f.* the state of being very hard to bear, unbearableness विरहिणामतिदुःसहतां गताः…क्षपाः NemiNir. 6. 45.

अतिदुःसहत्व (atidussaha-tva) *n.* the state of being very hard to bear, unbearableness तत्र शीतलोदकस्नानस्यातिदुःसहत्वात् … भगवन्तमिदमुवाच S'aṅkaVi.(Ā.) 235. 3; तेषां विरहिदशा प्रियसंगमदशा चेति …। पूर्वस्यास्त्वस्यास्त्वतिदुःसहत्वेन सर्वेषां भावानामुपमर्देन तिरोधानेनोपदेशो न भवति AṇuBh. 324. 1 (*on* iv. 2. 10); Kuval. 88 (1); जाज्वल्यमानाग्निमध्यस्थितस्येव संसारावस्थितेरतिदुःसहत्वात् प्रपत्त्युत्तरक्षणमोक्षकाम आर्तः YatīndraDī. 77. 17.

अतिदुःसहदर्शन (atidussaha-darśana) *adj.* sight of which is extremely unbearable तदलमतिदुःसहदर्शनैः पदार्थैः SubhaDha. 3. 7 (1)

अतिदुःसाधन (ati-dussādhana) *adj.* very difficult to attain or manage राज्यं हि नाम…महासाधनप्रसाध्यतयैवातिदुःसाधनम् Kād. 297. 10.

अतिदुःसाध्य (ati-dussādhya) *adj.* [*f.* –ā] very difficult to perform कार्यं ममातिदुःसाध्यम् DevīBhāP. iv. 5. 50; आत्महत्यातिदुःसाध्या कथं त्वं कर्तुमुद्यतः DevīBhāP. v. 2. 25.

अतिदुःस्थ (ati-dussthа) *adj.* i very badly placed, most miserable पुत्रान् पिता किमपराधशतैः समेतान् संत्यज्य लोभरहितः कुरुतेऽतिदुःस्थान् DevīBhāP. v. 7. 29; ii most unlikely, inappropriate अतिदुःस्थोऽप्रबोधोऽत्र ह्यात्मैवास्य प्रबुद्धता NaiṣkaSi. 170. 3.

अतिदुःस्थता (atidusstha-tā) *f.* i extremely miserable condition, extreme poverty अतिदुःस्थतया चैष दुर्निरीक्ष्यो नृणामभूत् PārśvC. 5. 4; ii extreme inappropriateness or vulnerable position (of a theory or view) अत इमौ पूर्वपक्षराद्धान्तौ अतिदुस्स्थतया सूत्रकाराभिमताविति वक्तुमयुक्तम् S'rutaPra. iB. 219. 14 (*on* i. 1. 13)

अतिदुःस्थत्व (atidūsstha-tva) *n.* the state of being in a miserable or vulnerable position (of a theory or view), extreme inappropriateness तत्पक्षोऽतिदुःस्थत्वात् नानूद्य दूषितः S'rutaPra. iB. 234. 17 (*on* i. 1. 19)

अतिदुःस्थित (ati-dussthita) *adj.* i seated with great difficulty आरब्धे दयितामुखप्रतिसमे निर्मातुम् … पर्यङ्कपङ्केरुहः संकोचादतिदुःस्थितस्य न विधेस्तच्छिल्पमुन्मीलितम् AnarghaRā. 7. 80 = SubhāRaK. 16. 59 ii badly placed अन्ये भ्रमन्ति भगवन्नात्मन्येवातिदुःस्थिताः । अन्ये भ्रमन्ति भगवन्नात्मन्येवातिसुस्थिताः Stotrā. 10. 12.

अतिदुःस्थितवपुस् (atidussthita-vapus) *adj.* having a body which is very difficult to define or explain सा चातिदुःस्थितवपुर्दृशमद्वितीयामालिङ्गति स्म SaṁkṣeS'ā. 1. 317 (i. 237. 4) (comm. अतिदुःस्थितवपुः दुर्निरूपस्वरूपा)

अतिदून (ati-dūna) *adj.* very much distressed or agitated अतिदूनाङ्गयष्टिका । पश्यन्ती नागयूनः सा (रत्नावली) किंचिदुच्छ्वसिताभवत् SkandP. iv. 67. 97; ततोऽतिदूनमानसम् … उपकोसलमुपेत्य त्रयोऽग्नयः … अस्मै … ब्रह्मविद्यामूचिरे Bhām. 176. 1 (*on* i. 2. 15)

अतिदूर (ati-dūra) *adj.* [*f.* –ā] very distant or remote, far removed (place, object, person etc.) तस्मादतिदूरमत्यल्पमिति यजमानस्य हवमियादेव GopBr. ii. 6. 14; नातिदूरे न चासन्ने अत्याढ्ये चातिदुर्बले। वृत्तिहीने च मूर्खे च

षट्सु कन्या न दीयते BṛParāSm. 6.27; अत्यासन्ने चातिदूरे…कन्यादानं न शस्यते SkandP. i(1). 23.7; प्रात: स्तुवे परशिवाम् … निगमवाङ्मनसातिदूराम् LalitāPañ. 4; धूर्तानामतिदूरा … वार्ताली भवतु वाञ्छितार्थाय LalitāStaRa. 68; यत् पुनरिदं मीमांसकैरुक्तं नित्या वेदा: प्रमाणं चेति तदतिदूरमपभ्रष्टं चेति भाव: Kāśi. i. 77.17 (*on* 2.28); केचिदतिदूरमतिसूक्ष्मं च पश्यन्ति NyāyRa. 80.16 (*on* 2.114); अत्रान्तरेऽतिदूरासु भ्रान्त्वाखेटकभूमिषु । वत्सराजश्चिरादागात् KathāSaSāg. iii. 2.47; वाचामतिदूरमाद्यम् … सन्त: । आत्मानमानन्दरसैकसिन्धुं पश्यन्ति ते PañcaRā.(Nā.) v. 11.24; NīlaVi. 96.15; SetuBa. 105.4; cf. **नातिदूर.**

अतिदूर (ati–dūra) *n.* [P. ii. 3.35] great distance, long way दूरतरं विप्रकर्षिता–अतिदूराद् दूरतरं प्रापिता प्रत्याशा Bhask. i. 60.21 (*on* i. 1.3); **अतिदूरात्** (ati–dūrāt) [Abl.] **i** due to a great distance, due to being far away अतिदूरात् सामीप्यादिन्द्रियघातान्मनोऽनवस्थानात् । … तदनुपलब्धि: SāṁkhyaKā. 7; इह सतामप्यर्थानामतिदूरादनुपलब्धिर्दृष्टा SāṁkhyaKāBh. 5.26 (*on* 7); MāṭhVṛ. 14.21 (*on* 7); **ii** from a great distance, from afar तवातिदूरादूरुद्वयीं स्पृशति चन्द्रमस: प्रकाश: S'rīKaC. 11.49; प्रवाहम् । वीक्षिष्यन्ते क्षणमनिमिषो(? षा) व्योमभाजोऽतिदूरादेकं मुक्तागुणमिव भुव: स्थूलमध्येन्द्रनीलम् NemiDū. 50; अतिदूराद्गिरिशिखरवर्तितवादौ …यथावद्ग्रहणं नास्तीत्यर्थ: SarvaDaSaṁ. 5.43; अहम् … त्वत्समीपेऽतिदूरादायात: SūktiSu.5; **iii** at a long distance, far away तदातिदूरादपि तस्य गच्छत: । एके समूहुर्बलरेणुसंहतिं शिरोभिराज्ञामपरे महीभृत: S'iśuVa. 12.45; संपदोऽकिंपचानै: निष्ठीव्यन्तेऽतिदूरात् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 12.88; **अतिदूरे** (ati–dūre) [Loc.] at a very long distance अ(v.l. आ)भाषणं च दूरस्थे शिरसा संप्रयोजयेत् । नातिदूरे च कण्ठेन ह्युरसा चैव पार्श्वत: NāṭyaS'a. 17.107; नातिदूरे भूमौ वृत्तास्तरणं समस्तकम् KāmSū. 45.9 (1.4); यावदनुयात्रिकानतिदूरे तपोवनस्य निवेशयामि S'āk. 1.32(19); तस्य च नातिदूरे नदी Tantrākhyā. 51.3 = PañcT. 1.164(15) (172.4); अथासौ तान् (मत्स्यान्) नातिदूरे शिलातले निक्षिप्य PañcT. 1.61(26) (69.4); 2.26(13) (212.3); 2.77(40) (253.1); शिरसि भयमतिदूरे तत्प्रतीकार: MudrāRā. 1.20(119); स भद्रमित्युक्त्वा प्रणम्य नातिदूरे समुपाविशत् HarṣaC. 85.6; यतो नातिदूर एव किलावाच्यां (v.l. °बाध्यं)…दीप्यति कौम्भसंभवं ज्योति: MahāviC. 7.13(1) (196.13); राजा — नातिदूर एव कैरपि समेधितो भगवान् पावक: TāpaVa. 6.5(27); नातिदूरे समुपविष्ट: … तुष्टाव (पार्थिव:) TilaMañ. 34.20; लोकत्रयैकतिलकस्य स नातिदूरे … न्यषीदत् NavaSāC. 18.31; मेरु: स्थितोऽतिदूरे मनुष्यभूमिं चिरात्परित्यज्य KalāVi. 8.20; शुश्राव मातृगुप्तम् …नातिदूरे कृतस्थितिम् RājTa.(Ka.) 3.287; ततस्तौ संजीवकं नातिदूरे व्यवस्थाप्य Hitopa. 2.78(1); देवदेव सरित्तीरे नातिदूरेऽस्ति काननम् PāṇḍaC. 1.77; स तु नातिदूरे वर्तते GopāKeCan. 75.25; 109.1; अतिदूरे च तौ (दानवौ) दृष्ट्वा वासुदेवश्चतुर्भुज: । दध्यौ च मनसा तत्र कारणं मरणे तयो: DevīBhāP. i. 9.31; किं कर्तव्यं गतवति हरौ मां तु हित्वातिदूरे PadyaVe. 345; ज्वलतामतिदूरेऽपि सरसा अपि नीरसा: । स्त्रियो हि नरकाग्नीनामिन्धनं चारु दारुणम् YogVā. i. 21.12; कुपितं च महीपालं कुञ्जरं च मदालसम् । अतिदूरे परित्याज्यम् VasaTi. 20.10; **अतिदूरेण** (ati–dūreṇa) [Inst.] at or from a great distanee सोऽतिदूरेण विच्छिन्न: कथमस्मान् दहेदिति BṛKathāS'loSaṁ. 20.397; अनाकुलं गणी प्रोचे हेमसूरिस्तवाङ्गणे । आयासीदतिदूरेण पादचारेण कष्टभू: PrabhāC. 208.13.

अतिदूरक (atidūra–ka) *n.* long distance or way युध्येते मेषकौ किञ्चिपद(? दप)सृत्यातिदूरकम् Mānaso. iv. 9.1255.

अतिदूरग (atidūra–ga) *adj.* [*f.* –ā] **1** reaching a long distance सुकुमारमेकमणु मर्मभिदामतिदूरगम् … । अस्त्रमपरं कतमत् … यूयमिव चित्तभुव: Kirātā. 6.40; (स्वरोचि:) चकर्ष धनुरालोक्य वराहमतिदूरगम् MārkP. 66.12; **2** found at a great distance, away from अल्पानि मित्राण्यतिदूरगानि(? णि) । …कियच्चिरं तस्य नृपस्य राज्यम् VarāṅgaC. 2.3.; जन्ममूलानां मलानामतिदूरगम् । … पार्श्वम् … प्रणम्य PadmP.(Ra.) 1.9; (पश्य) गुहा: … रत्नदीपिता: । परस्परसमाकीर्णा दीधितीरतिदूरगा: PadmP.(Ra.) 112.37.

अतिदूरगत (atidūra–gata) *adj.* **1** reaching very far तस्मादतिशयज्ञानैरतिदूरगतैरपि । किञ्चिदेवाधिकं ज्ञातुं शक्यते न त्वतीन्द्रियम् TattvSaṁ. 3169; **2** being at an immence distance अथ ब्रह्मदिनोपत्तिमाह । यदतिदूरगतो द्रुहिण: क्षिते: सततमाप्रलयं रविमीक्षते । भवति तावदयं शयितश्च तद्युगसहस्रयुगं द्युनिशं विधे: Golā. 214.12 (25.15); अतिदूरगत: शिष्यो यदेच्छा स्यात् तदा व्रजेत् KulārT. 12.119.

अतिदूरगमन (atidūra–gamana) *n.* going a long way, going further अत्यवनतशिरसोऽतिदूरगमनान्मूर्च्छा … ज्वरान् (कुर्यात्) AṣṭāSaṁ. i. 156.15 (1.29); तावतैव निश्चयोत्पादात् नातिदूरगमनम् Kāśi. i. 91.22 (*on* 2.52)

अतिदूरङ्गम (ati–dūraṅgama) *adj.* reaching a very long distance अतिदूरङ्गमा नयनरश्मयस्तिग्मकरकिरणाभिघातपरावृत्ता: … आरोपयन्ति Kiraṇā. 266.4.

अतिदूरतर (atidūra–tara) *adj.* (comp.) very far away जीवनार्थं कुलं त्यक्त्वा योऽतिदूरतरं व्रजेत् । … किं तस्य जीवितेन PuruṣPa. 14.21.

अतिदूरतरीभूत (atidūratarī–bhūta) *adj.* who is very far away अतिदूरतरीभूता: स्वदेशस्य स्वबान्धवा: । के नाम मम YogVā. v. 47.12.

अतिदूरतस् (atidūra–tas) *adv.* **i** due to a great distance, due to being far away एकस्तु पुरुषाकारो दृश्यते चातिदूरत: । स्थाणुर्न पुरुषोऽयम् PadmP.(Ra.) 33.59; महत्त्वे सर्ववस्तूनामणुत्वं ह्यतिदूरत: । पश्यति AparoAnu. 20; **ii** at a long distance, far away आगच्छतं ममाभ्याशमलं स्थित्वातिदूरत: BṛKathāS'loSaṁ. 14.58; नगरस्य बहिश्चोदक्पूर्वे वाप्यतिदूरत: । चामुण्डालयं [च] कुर्यात् MānSā. 9.204; अथ वृन्दावनतोऽतिदूरतो वनं गतस्त्वं खलु गोपगोकुलै: Nārāy. x. 61.1; **iii** from a great distance, from afar अतिदूरत एव दृश्यतेऽयं त्वमिवाभ्युन्नतिमानितो नगेन्द्र: NavaSāC. 5.55; बलीवर्दं तिरोधाय परिभ्रम्यातिदूरत: Mānass. iv. 15.1608; **iv** after a long time नाथ निर्गमनस्यायं काल: कालोऽतिदूरत: SkandP. iv. 76.52.

अतिदूरता (atidūra–tā) *f.* the state of being far away उत्पतन् वियति पतत्त्री अतिदूरतया सन्नपि प्रत्यक्षेण नोपलभ्यते SāṁkhyaTaKau. 213.5 (*on* 7); क्षीण: क्षीण: समीपत्वं पूर्ण: पूर्णोऽतिदूरताम् । उपैति मित्राच्चन्द्रो युक्तं तन्मलिनात्मन: S'ārṅgaPa. 757; Subhāṣi. 546 = PadyāTa. 186.

अतिदूरत्व (atidūra–tva) *n.* the state of being far away (अव्यक्तता) प्रथमं ह्यतिदूरत्वं कृत्वा सोक्ता AbhinBhā. i. 53.16 (*on* 2.20) वियति गच्छत: पतत्त्रिणो ग्रहणे अतिदूरत्वमेव प्रतिकूलम् SāṁkhyaTaPra. 155.7.

अतिदूरत्वादि (atidūratvādi) *adj.* the state of being far away etc. नन्वतिदूरत्वादिषु मध्ये प्रकृत्याद्युपलम्भे किं प्रतिबन्धकम् SāṁkhyaPraBh. 52.34 (1.109); विद्यमानोऽप्यर्थ इन्द्रियाणां कालभेदेन विषयोऽप्यविषय: भवति अतिदूरत्वादिदोषात् SaṁkhyaPraBh. 52.25 (1.108); अदृश्यत्वं न तुच्छत्वातिदूरत्वादिना किं तु सुसूक्ष्मत्वात् S'rutaPra. 76.27 (*on* i. 1.1)

अतिदूरदर्शितादर (atidūra–darśitādara) *adj.* who has shown respect from a great distance नृपति: …अतिदूरदर्शितादरै: प्रधानदौवारिकै: प्रविश्य …शुद्धान्तमगच्छत् TilaMañ. 71.5–6.

अतिदूरदर्शिन् (atidūradarś–in) *adj.* far sighted, capable of seeing very far (मन्त्री) अतिदूरदर्शी चिरं परीक्ष्यैतदवोचदर्थम् VarāṅgaC. 12.16.

अतिदूरनिपात (atidūra–nipāta) *m.* falling down from a great height जलधौ निपेतुरतिदूरनिपातदलज्जलचरजीवजोवनदगन्धमहौषधय: (गिरय:) RāmāCam. 6.27.

अतिदूरनिरस्त (atidūra–nirasta) *adj.* completely refuted (thrown very far off) प्रतीयमानत्वाद्वैचित्र्यमनयोर्घुष्यमाणमतिदूरनिरस्तम् KhaṇḍanKhā. 362.24.

अतिदूरपथ (atidūra–patha) *m.* very long way प्राध्वं तु बन्धने प्रह्वेऽप्यतिदूरपथे तथा ViśvaLoK. 362.15.

अतिदूरपात (atidūra–pāta) *m.* fall from a great distance (height) मां तु…अतिदूरपातादायासितशरीरम्…पिपासा परवशमकरोत् Kād. 34.23.

अतिदूरपार (atidūra–pāra) *adj.* the other side of which is very far away, which is very difficult to cross संसार इवातिदूरपारेऽस्मिन्महाकान्तारे … सरो दृष्टम् TilaMañ. 226.1.

अतिदूरप्रवृद्ध (atidūra–pravṛddha) *adj.* **i** grown very high अतिदूरप्रवृद्धस्य पुण्यतरो: कुसुममञ्जरीभिरिव Kād. 42.1; **ii** increased excessively अतिदूरप्रवृद्धेन मधुना जगति को वा न विक्रियते VāsaDa. 136.1; अतिदूरप्रवृद्धस्य शृंगारजलधि:(? धे:) समदसारसक्रोञ्चकलविलायया काञ्चिलतया TilaMañ. 246.17.

अतिदूरप्रसारिताक्ष (atidūra–prasāritākṣa) *adj.* **1** having the Akṣa trees spread over a long distance असंस्कृततरुणैरिवातिदूरप्रसारिताक्षै: … उपवनपादपैरुपशोभितम् VāsaDa. 120.5; **2** with eyes wide open (i. e. staring), VāsaDa. 120.5.

अतिदूरप्रसृता (atidūra–prasṛtā) *adj.* (*f.*) reaching very far अतिदूरप्रसृतया प्रज्ञया सम्यग्ज्ञातहेयोपादेयविभाग: … राजा मेघवाहन: TilaMañ. 13.6.

अतिदूरभाज् (atidūra–bhāj) *adj.* living at a remote place आकेतितादप्यतिदूरभाज: क्षेत्रेश्वरा: सत्वरमभ्युपेयु: RāmC. 38.81.

अतिदूरभ्रमण (atidūra–bhramaṇa) *n.* wandering a very long distance स: (राम:) … अतिदूरभ्रमणावसन्नो निनाय बाणामिषतामथैनम् (मारीचम्) Rāgh. 9.65.

अतिदूरम् (atidūram) *adv.* **i** at a great distance, far away (in space) अतिदूरमेवेदं हल्ग्रहणमनुसृतम् MahāBh. iii. 281.7 (*on* vii. 2.3); तावका राजन्नातिदूरमवस्थिता: MahāBhā. x. 1.17; (अहम्) गिरिनदीरोधसा ··· विहतवानतिदूरम् HarṣaC. 321.20; मत्सुता … वेलापथेन चातिदूरं परिभ्रम्य … वने

पृथुकमेकं प्रसूतवती AvantiKa. 191. 18; त्वयातिदूरं गमिता तपस्विनी RāmC. 4. 30; (मे) प्रेम्णातिदूरं प्रसारिताभ्यां भुजाभ्यामाकृष्याङ्क(ङ्क)मारोपयत् (क्षितिपतिः) TilaMañ. 101. 10; तदयमद्यापि यावदतिदूरं न याति TilaMañ. 243. 7; अतिदूरं कुरङ्गेण निन्ये राम इवापरः NavaSāC. 2. 41; (कपिः) नरेन्द्रमतिदूरमाचकर्ष UdaySuKa. 127. 26; अतिदूरं समुत्प्लुत्य निपतद्भिः स शीकरैः VikraDeC. 4. 65; न सदनं मम चातिदूरम् GopāKeCan. 116. 31; गतोऽयमतिदूरम् ··· म्लेच्छाधिपतिः HammīMaMa. 4. 15 (1); अतिदूरं गतौ यावत् ··· वल्गां मुमुचतुः PārśvC. 3. 508; अतिदूरमारूढः प्रौढप्रतापस्तपनः KamVa. 4. 32 (2); अतिदूरमेका दासी धान्यानि कुट्टयति VetāPañ.(Jam.) 74. 1; तदलमतिदूरं गत्वा VīraMi.(Vyavahāra.) 20. 33; नभः। अतिदूरमपास्तमावभौ Rāgh. 3. 46; **ii** very much, excessively, greatly भक्त्यातिदूरमवनावनवन्नमौलेः Nāgā. 5. 12 (*v. l.*); अतिदूरं संकोचः क्रियेत TantrVā. 1129. 8 (*on* iii. 7. 4); अतिदूरमतिक्रान्तो मात्रां लोकेऽतिमात्र इत्यर्थः Kāvyālaṅ.(Ru.) 11. 17 (comm. अतिदूरमत्यर्थम्); वृद्धालापैः प्रहृष्टा भवति गतवया गौरवेणातिदूरम् RatiRaha. 4. 4; अतिदूरं कुपिता देवी MohaRāPa. 2. 51 (8); इत्थं मानद नातिदूरमुभयोरप्यावयोरन्तरम् S'ārṅgaPa. 204.

अतिदूररोपण (atidūra-ropaṇa) *n.* planting at a great distance वातभीतिरतिदूररोपणात् S'ārṅgaPa. 2147.

अतिदूरलक्षणादोष (atidūralakṣaṇā-doṣa) *m.* fault of farfetched implication विकारावर्तीत्यादिसूत्रद्वयवैयर्थ्यातिदूरलक्षणादोषः S'rutaPra. ii. 654. 24 (*on* iv. 4. 22)

अतिदूरलक्ष्य (atidūra-lakṣya) *n.* target at a very great distance आदानसंधानदृढातिदूरलक्ष्येषु दत्ताद्भुतलक्षशिक्षः Daśāvac. 6. 9.

अतिदूरलुठित (atidūra-luṭhita) *adj.* rolled down for a very long distance (उर्वीपतिः) अतिदूरलुठितमपि रक्तासवकपालम् ··· आददानम् (वेतालमद्राक्षीत्) TilaMañ. 47. 11.

अतिदूरवत् (atidūra-vat) *adv.* as in the case of a great distance अतिदूरवदतिसामीप्यस्याप्यदर्शनहेतुत्वात् NyāyMa. 77. 11.

अतिदूरवर्तिन् (atidūravart-in) *adj.* [*f.* -ī] **A** far exceeding or excelling (सः) मनोरथानामप्यतिदूरवर्ती ··· सत्कारः S'āk. 7. 1 (1); **B** being very far away अतिदूरवर्ती ··· विमानहंसकुलपालः ··· उच्चैरगायत् HarṣaC. 28. 6; नातिदूरवर्ती वन्दी ··· आर्यायुगलमगायत् HarṣaC. 132. 2; (अहम्) नातिदूरवर्तिनः ··· तमालविटपिनो मूलदेशमविशम् Kād. 34. 14; सरसो नातिदूरवर्तिनि तपोवने जाबालिः ··· प्रतिवसति स Kād. 36. 8; अतिदूरवर्तीन्यपि योग्यानि ··· आहरति NyāyMañ. i. 303. 7; इतरथासम्बन्धमतिदूरवर्ति च ग्राह्यम् Kāśi. ii. 171. 14 (*on* v. 3. 200); श्रोत्रम् ··· पुंसामतिदूरवर्तिनामपि शब्दं बोधयेत् NyāyRa. 748. 17 (6); अतिदूरवर्तिनोऽस्य···स्वसंनिधिमध्यस्यन्तो देशमेदं मन्यन्ते S'āstrDī. 139. 1 (*on* i. 1. 6); नातिदूरवर्तिनि ··· क्षेत्रखलके ··· कुटीरम् UdaySuKa. 32. 2; अतिदूरवर्ति यत् ··· न सुभिदं [ब]भूव न तदस्य धन्विनः PṛthvīVi. 9. 62; अतिदूरवर्तिचन्द्रनक्षत्रध्रुवादिप्रासिर्झटिति न सिध्येत् VivaPraSam. 87. 23; यस्तु पित्रोरतिदूरवर्ती सः ··· तीर्थयात्रादि कुर्यादेव VīraMi.(Tīrtha.) 20. 10; सुदृष्टिः ··· नातिदूरवर्तिन्यां चासन्द्यां निषसाद HarṣaC. 131. 5; नदीपूरस्तु ··· अतिदूरवर्तिनीं वृत्तां वृष्टिम् (अनुमापयति) NyāyRaMā. 57. 18.

अतिदूरवर्त्मन् (atidūra-vartman) *n.* very long way प्राध्वम्···चातिदूरवर्त्मनि बन्धने ViśvaPra. 163. 20; MediK. 172. 19.

अतिदूरविकृष्ट (atidūra-vikṛṣṭa) *adj.* drawn to a very long distance अतिदूरविकृष्टनागकन्याचकितोदञ्चितदीर्घनेत्रमालः NavaSāC. 5. 36.

अतिदूरविप्रकृष्ट (atidūra-viprakṛṣṭa) *adj.* taken to a very long distance मिथोग्रहणाचानतिदूरविप्रकृष्टसु वधे दोष एव ManuBh. ii. 182. 7 (*on* 8. 236)

अतिदूरविसृष्ट (atidūra-visṛṣṭa) *adj.* abandoned far awayअद्राक्षुः (ते) ··· अतिदूरविसृष्टदृष्टानुश्रविकविषयामिषरिंसागन्धपरमहंसावतंसितषष्ठकक्ष्यम् NīlaVi. 40. 9 (2)

अतिदूरविस्तृत (atidūra-vistṛta) *adj.* spread very far and wide अतिदूरविस्तृतप्रतानप्रवालोपसंच्छन्नपादपः (सः) AṣṭāSam. i. 99. 23 (1. 18)

अतिदूरवृत्ति (atidūra-vṛtti) *adj.* situated at a long distance अतिदूरवृत्तिरपि येन दृश्यसे HarVi. 6. 186.

अतिदूरवृत्तिमत् (atidūravṛtti-ma(n)t) *adj.* found at a great distance, being very far away श्वसितैरवि(v. l. ति)दूरवृत्तिमद्भिः परिवारैरिव तत्यजे त्रसद्भिः Yādavā. 15. 106.

अतिदूरव्यवधान (atidūra-vyavadhāna) *n.* very long intervention अनङ्गवाक्य(? क्या)नां त्वतिदूरव्यवधानम् NyāySu.(So.) 24. 21 (*on* i. 2. 7)

अतिदूरव्यवस्थित (atidūra-vyavasthita) *adj.* that remains very far away शङ्कादिदृष्टिदोषाणामतिदूरव्यवस्थितः PadmP.(Ra.) 20. 151.

अतिदूरव्यवहितधी (atidūravyavahita-dhī) *f.* knowledge of (a thing) very far removed न चातिदूरव्यवहितधीः NayaVi. 72. 1 (*on* i. 1. 4)

अतिदूरस्थ (atidūra-stha) *adj.* situated at a very long distance स्निग्धपत्रा यथा वृक्षा यथा क्षान्ता मृगद्विजाः। आश्रमो नातिदूरस्थो महर्षेर्भावितात्मनः Rāmā. iii. 10. 76; अज्ञानाचातिदूरस्थं ज्ञानात्संभाव्यते हृदि JayāS. 4. 91; तदेनं नातिदूरस्थं कदम्बमुरुशाखिनम्। अधिरुह्य पतिष्यामि ViṣṇuP. v. 7. 10 = BrahmP. 185. 10; अत्यासन्नातिदूरस्थं विप्रियं विकृतादि च। यदक्ष्णा वीक्ष्यते रूपं मिथ्यायोगः स दारुणः AṣṭāHr. i. 12. 36; तदितो नातिदूरस्थं वसुदत्तपुरं व्रज KathāSaSāg. vi. 3. 134; xii. 34. 150; वैवस्वतपुरम् ··· भाति नराणाम् ··· पापानामतिदूरस्थम् BhaviP. 285A. 14 (i. 192. 10); अतिदूरस्थे तु पात्रे पक्षद्वयेऽपि त्यक्तमन्नमग्नौ क्षिपेत् SmṛtiCan. v. 415. 21; अतिदूरस्थ(? स्थ)स्मारकत्वोक्तेरतिसाहसत्वात् SetuBa. 105. 4.

अतिदूरस्थतीर्थ (atidūrastha-tīrtha) *n.* sacred place situated at a very long distance (मुनीश्वरः) अतिदूरस्थतीर्थानि ··· हित्वा ··· शृणोति च कथाम् SkandP. ii(7). 14. 10.

अतिदूरस्थत्व (atidūrastha-tva) *n.* the state of being very remote न च वेदाधिकरणे 'वेदांश्चैके संनिकर्षम्' इति सूत्रगतवेदपदादतिप्रसङ्गपरिहारः वेदाधिकरणस्यातिदूरस्थत्वात् VivaPraSam. 163. 23.

अतिदूरस्थित (atidūra-sthita) *adj.* staying at a very long distance अतिदूरस्थितः शिष्यो यदेच्छा स्यात्तदा व्रजेत् BrahmāṇḍP. iii. 43. 66; अतिदूरस्थितो वापि द्रष्टव्यः कुलदेशिकः KulārT. 9. 96.

अतिदूरहारित (atidūra-hārita) *adj.* dragged or carried to a very remote place अतिदूरहारितानां प्राणहारिभिः क्षुत्पिपासाभिवर्धनैः ··· अन्यैश्चाभ्युपायैरश्मकेन्द्रप्रयुक्तास्तीक्ष्णरसदादयः···अनन्तवर्मकटकं जर्जरमकुर्वन् DaśKuC. 137. 10.

अतिदूरागमन (atidūrāgamana) *n.* coming from a very long distance अथ तेनानीयमानमतिदूरागमनगुरुजडजङ्घाकाण्डम् ··· प्रविशन्तमद्राक्षीत् HarṣaC. 85. 1.

अतिदूरान्तर (atidūrāntara) *n.* very long gap or distance इत्यनुप्रासमिच्छन्ति नातिदूरान्तरश्रुतिम् Kāvyāda. 1. 58; तमतिदूरान्तरगतमपि दुरात्मानमेषा सीरकोटिरनासाद्य न निवर्तते SubhaDha. 4. 14 (2); आवृत्तिर्या तु वर्णानां नातिदूरान्तराश्रिता SaraKaṇṭhā. 228. 16.

अतिदूरान्तरित (atidūrāntarita) *adj.* far removed (from each other) अतिदूरान्तरितयोर्युगपद् दृष्टेरेकीभूयापि हेतुता NayaVi. 72. 3 (*on* i. 1. 4)

अतिदूरापयात (atidūrāpayāta) *adj.* gone away a very long distance नातिदूरापयातं तु कृतबुद्धिं पलायने। दुर्योधनः स्वकं सैन्यमब्रवीत् MahāBhā. ix. 18. 55.

अतिदूराभिप्राय (atidūrābhiprāya) *m.* farfetched intention परं नाप्नुवन्ति, सगुणेऽपि न निरवग्रहैश्वर्यमिति···चेत्–अतिदूराभिप्रायकल्पनमेव दोषः S'rutaPra. ii. 654. 3 (*on* iv. 4. 22)

अतिदूरावनत (atidūrāvanata) *adj.* bent very much low अतिदूरावनतेन ··· शिरसा कृतप्रणामम् ··· तं पिता ··· आलिलिङ्ग Kād. 92. 20.

अतिदूरोक्त (atidūrokta) *adj.* stated at a very remote place or context अतिदूरोक्तग्रहणे कथं न भीतिः TattvPrakā. 51B. 1 (*on* i. 3. 23)

अतिदूरोत्सारित (atidūrotsārita) *adj.* completely set aside यत् ··· सन्मात्रविषयं प्रत्यक्षमिति साधितं तदतिदूरोत्सारितम् PrakaPañ. 100. 4.

अतिदूरोन्नता (atidūronnatā) *adj.* (*f.*) rising to a very great height अतिदूरोन्नताभिर्जीर्णतया शिराभिरिव परिगतो व्रततिभिः ··· शाल्मलीवृक्षः Kād. 23. 17.

अतिदूरोर्वी (atidūrorvī) *f.* very distant place चक्रिणो नातिदूरोर्व्यां तस्थुर्भद्रासनेषु ते TriṣaS'aPuC. i. 4. 680.

अतिदूरोल्लसित (atidūrollasita) *adj.* raised very high अतिदूरोल्लसितेन भ्रुकुटिविलिलेखात्रयेण ··· अनुमीयमानहृदयप्रदीप्तमन्युरभिमन्युरिव ··· राजसमूहस्य ··· अविशन्मध्यम् (नृपकुमारः) TilaMañ. 88. 22.

अतिदूरोल्लासित (atidūrollāsita) *adj.* raised very high वारंवारमतिदूरोल्लासितेन ··· करदण्डेन TilaMañ. 185. 6.

अतिदूर्वा (ati-dūrvā) *f.* name of a kind of grass (*dūrvā*), KalpaK. 288. 354.

अतिदूषण (ati-dūṣaṇa) *n.* great fault बिल्वपत्रस्य ··· तथा होमे छिन्नेभिन्नेऽतिदूषणम् BhaviP. 343B. 4 (ii(1). 18. 18)

अतिदूषित (ati-dūṣita) *adj.* [*f.* -ā] **i** much disturbed व्याधयः संप्रवर्धन्ते कायाग्नावतिदूषिते BhelaS. 3. 24 (1. 5); **ii** much damaged क्ष्माभङ्गैर्जलपूर्वैस्तु दोषैर्या चातिदूषिता(प्रतिमा)। उद्धृत्य योजनान्यत्र स्थाने तु शुभलक्षणे। सम्यक् संस्थापनाद् भूयःसंस्थापनमुदाहृतम् PauṣkS. 43. 26; विद्युत्प्रपातपूर्वैश्च दोषैर्या चातिदूषिता (मूर्तिः) PāraS. 19. 490; 15. 48; **iii** much spoilt or defiled अनुलोमव्यवाये गर्भे द्विगुणं यदि सा अतिदूषिता न प्रतिलोमगा भवति तदैव

Mitā. 463. 4 (*on* 3. 265)

अतिदृढ (ati-dṛḍha) *adj.* [*f.* -ā] **A i** deep set न चाप्यलब्धं लिप्सेत मूले नातिदृढे सति MahāBhā. xii. 95. 2; SūktiRa. 156. 7; अतिदृढस्य चाभिभवायोगात् TattvPrakā. 193B. 6 (*on* iii. 4. 36); लुनीमः संस्कारानपि हृदि तदीयानतिदृढान् CaitaCa. 36. 5(2); **A ii** very rigid, inviolable इति नियमः प्रतिबन्धाभावमपेक्ष्यैव न त्वतिदृढः TattvPrakā. 164B. 6 (*on* iii. 3. 4); **B i** very hard, unbreakable रज्जुमादाय … । त्रिवृत्कृतैस्तु कार्पाससूत्रैरतिदृढैः कृताम् PāraS. 16. 441; अतिदृढेन … ग्रैवेयेणोपपन्नम् … हेमकूटमारुरोह (हस्तिनम्) AvantiKa. 99. 3; S'ivaP. ii(4). 13. 27; संस्थाप्योपरि पीठस्य कुम्भिकामतिदृढाम् SamarāSū. 31. 178; विशति दुर्जनतन्तुरन्तश्छिद्रं सुतीक्ष्णवदनोऽतिदृढः UdaySuKa. 2. 8; Kiraṇā. 188. 4; वपुरतिदृढम् … तव … बडिश SuvṛTi. 2. 29; Rasā. 15. 166; **B ii** impenetrable संनाहेऽतिदृढे गृहे च गदितो न स्त्री निवातः KośaKaTa. 2. 5504; **B iii** enduring वसुन्धरे सत्यमतिदृढासि UttaRāC. 4. 4(1); (शरीरम्) यदतिदृढमलौकिकदुःखसहिष्णु ManuBh. ii. 459. 27 (*on* 12. 16); **B iv** mighty, powerful तान् दृष्ट्वातिदृढान् धृष्टान् प्राप्तान् परिवृढाज्ञया Bhaṭṭi. 9. 18; BālaKrī. i. 238. 11 (*on* 2. 112); UdaySuKa. 2. 8; **B v** very strong, irrefutable अस्ति च सर्वलोकप्रसिद्धमतिदृढमव्यवहिता सूची भिनत्ति न व्यवहितेति NyāyKa. 158. 16; [given as synonym of साधिष्ठ in ViśvaPra. 42. 12; MediK. 41. 17; of वृत्त in NānārthaMa. 641]

अतिदृढतर (atidṛḍha-tara) *adj.* much stronger or firmer परोक्षं हि ज्ञानमतिदृढतराज्ञानतमोग्रन्थिगुण्ठनान्निमीलितस्य (आत्मनः)…अर्हति TattvPradī. (A.) 73. 3 (*on* 1. 55)

अतिदृढत्व (atidṛḍha-tva) *n.* characteristic of being very strong or irrefutable व्याप्तिग्राहकस्य प्रमाणस्यातिदृढत्वात् NyāyKa. 158. 19.

अतिदृढपीडन (atidṛḍha-pīḍana) *adj.* in which there is very hard pressing (of the limbs) असिन्नभून्ममातिदृढपीडनैरपि न तृप्तिरालिङ्गनैः MālaMā. 9. 237.

अतिदृढप्रहारिन् (atidṛḍha-prahārin) *adj.* striking very hard परीक्ष्यकारी न विकत्थनश्च दृढप्रतिज्ञोतिदृढप्रहारी YogYā. 2. 11.

अतिदृढम् (ati-dṛḍham) *adv.* very strongly or deeply अतिदृढमनुरक्तया वितीर्णम्…उरसि निहितबन्धुजीवम् NavSāC. 3. 59.

अतिदृढव्रत (atidṛḍha-vrata) *adj.* whose vow is very firm न यो मांसं खादत्यतिदृढव्रतः । तस्य वक्ष्यामि यत्पुण्यम् PadmP.(Ra.) 26. 97.

अतिदृढावलम्बित (atidṛḍhāvalambita) *adj.* held very firmly (i. e. with devotion) (विधिः) अतिदृढावलम्बितगुरुचरणैः (महाभागैः) … भगवन्तम् इत्थमस्तावीत् NīlaVi. 54. 14.

अतिदृढीकरण (ati-dṛḍhīkaraṇa) *n.* excessive strengthening, making very firm वैराग्यस्यातिदृढीकरणमानुषंगिकं प्रयोजनान्तरम् S'ivārkaMaDī. ii. 225. 11 (*on* iii. 2. 1)

अतिदृढीकृत (ati-dṛḍhīkṛta) *adj.* well strengthened, very firmly established वैराग्येऽतिदृढीकृते सति यतः प्राज्ञो यतिर्मन्यते SaṁkṣeS'ā. 3. 57 (ii. 181. 19)

अतिदृप् (ati-dṛp-) IV. P. to become very proud एवं विजिग्ये तां सेनां प्रहस्तोऽतिददर्प च Bhaṭṭi. 14. 106.

अतिदृप्त (ati-dṛpta) *adj.* **1** highly conceited, very haughty or proud of oneself (राजा) अतिदृप्तमपि शत्रुबलं निहन्ति YogYā. 4. 7; BṛĀraUBhVā. ii. 1. 29; अतिदृप्तोऽसि चेत्पुत्र तत्त्रिनेत्रस्य लङ्घनम् । एकस्य रक्षेः KathāSaSāg. iii. 6. 65; ParamāKā. 95. 96; पञ्चवर्षमतिदृप्तम् … नमत गोपबालकम् PañcaRā.(Nā.) v. 1. 60; **2** (name of) a type of defective *mantra* अतिदृप्तोऽङ्गहीनश्च (दुष्टो मन्त्रः) S'āraTi. 2. 69.

अतिदृप्यत् (ati-dṛpyat) *adj.* being extremely haughty or arrogant क्वाप्यतिदृप्यदुल्बणगणग्रामे ननामेव भूस्तद्भूयः करपार्ष्णिघट्टनशताविर्भावगोष्ठीभरैः S'rīKaC. 18. 55.

अतिदृप्यद्दोर्दण्ड (atidṛpyad-dordaṇḍa) *m.* mighty (*lit.* extremely haughty) massive arm उत्खातस्त्रिभुवनकण्टकोऽतिदृप्यद्दोर्दण्डाञ्चितमहिमाप्ययं निकारः MahāvīC. 7. 8.

अतिदृश् (ati-dṛś-) I. P. **A** to see beyond रात्र्यांश्चिदन्धो अति देव पश्यसि ṚV. i. 94. 7; सूर्यं आपोऽति पश्यति AV. xiii. 1. 45; xviii. 2. 32; **B** to see what does not exist व्याधितो मृत्युमृच्छति । अतिपश्यतीति संबन्धः AdbhuS'āg. 524. 25.

अतिदृश् (ati-dṛś) *adj.* wise or learned (*lit.* far-sighted) पण्डिते… प्रदर्श्यतिदृगित्यपि ParyāS'aRa. 2. 204.

अतिदृश्य (ati-dṛśya) *adj.* [*f.* -ā] **1** very transparent सूर्यवर्चस स्थेत्यतिदृश्याः BaudhS'S. ii. 97. 10; **2** extremely worth-seeing उपवनम्… । कुसुमितमतिदृश्यम् S'ṛṅgāMañ.(A.) 38. 28.

अतिदेव (ati-deva) *adj.* surpassing the gods अतिदेवैरमानुष्यैः कर्मभिः सोऽनुमीयते HariVaṁ. 65. 25; अतिदेवाः देवेभ्योऽप्यतिशयिताः VīraMi. (Āhnika.) 442. 23; *m.* supreme or highest god (an epithet of Brahmā) देवदेवोऽतिदेवश्च…एवं स्तुतस्तु रामेण ब्रह्मा PadmP. v. 35. 179.

अतिदेवदानव (ati-devadānava) *adj.* surpassing (both) the gods and the demons अथ भोजपतिर्जगत्पतेरवतारं भुवि नारदान्मुनेः । श्रुतवानतिदेवदानवम् Yādavā. 9. 1.

अतिदेवपद (atideva-pada) *n.* status of the supreme deity धारयत्योजसातिदेवपदं माता पृथिवी AVPari. i. 40. 2.

अतिदेवमानुष (ati-devamānuṣa) *adj.* surpassing gods and human beings अपेतभारामतिदेवमानुषैर्विहारभेदैरवनीं विधास्यसि Yādavā. 14. 34.

अतिदेवासुर (ati-devāsura) *adj.* surpassing (the act of) the gods and the demons अतिदेवासुरं कर्म कृतमेतत्त्वया रणे MahāBhā. iii. 170. 66.

अतिदेविन् (atidev-in) *adj.* who gambles in an extraordinary way शकुनिः … राजातिदेवी कृतहस्तो मताक्षः MahāBhā. ii. 52. 13.

अतिदेश (ati-deśa) *m.* [defined अतिदेशो नाम ये परत्र विहिता धर्मास्तमतीत्यान्यत्र तेषां देशः S'ābaBh. 1534. 13 (*on* vii. 1. 12); तद्वदिदं कर्तव्यमित्यतिदेशः NyāyRaMā. 169. 5; अन्यत्रैव प्रणीतायाः कृत्स्नाया धर्मसंततेः । अन्यत्र कार्यतः प्राप्तिरतिदेशोऽभिधीयते NyāyMāVi. 374. 8 (*on* vii. 1. 1); अन्यधर्मत्वेनावगतानां तत्संबन्धादरेणान्यत्र प्रदेशे प्रापणं येन व्यापारेण भवति सोऽतिदेशः । अतीत्य देश(:)- अतिदेशः MayūMāli. 526. 25 (*on* vii. 1. 1); अतिदिश्यतेऽनेनेत्यतिदेशः Nyās. ii. 253. 20 (*on* vi. 1. 85); अतिदिश्यते इत्यतिदेशः PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. vi. 1. 85; अतिदेशः एकत्र श्रुतस्यान्यत्र संबन्धः यथा स्तोकं पचति मृदु पचतीत्यादौ स्तोकमृद्वादौ क्रियाविशेषणानां कर्मत्वमित्याद्यनुशासनेन कर्मत्वातिदेशः NyāyK. 6; (varieties or types) अतिदेशोऽनेकप्रकारः (1) निमित्तातिदेशः (2) व्यपदेशातिदेशः (3) शास्त्रातिदेशः (4) रूपातिदेशः (5) कार्यातिदेशः Nyās. i. 101. 12 (*on* i. 1. 56); अतिदेशोऽयम् । स च निमित्तरूपव्यपदेशशास्त्रकार्यभेदात् पञ्चधा भिद्यते KātanVṛ. *on* ii. 2. 60 (p. 490); त्रिविधश्चातिदेशः (1) प्रत्यक्षवचनात् (2) नामधेयात् (3) चोदनालिङ्गानुमितिवचनाच्चेति S'āstrDī. 527. 2 (*on* vii. 1. 1) अतिदेशः षोढा निमित्तव्यपदेशतादात्म्यशास्त्रकार्यरूपातिदेशभेदात् S'abdakaustubha. i. 209. 9 (*on* P. i. 1. 56)]; **1** (Mīmāṁsā) transference (of features, acts etc. to other performances from the one where they are originally enjoined) सिद्धैरहोभिरह्नामतिदेशः ĀśvaS'S. II. iii. 1. 2; विधेः प्रकरणान्तरेऽतिदेशात्सर्वकर्म स्यात् MīmāSū. x. 1. 1; सामान्यस्यातिदेशोऽयम् VākyaP. 2. 80; नैष दोषः संभवतोऽतिदेशात् NyāyVār. 163. 1 (*on* i. 2. 43); एवमेवाप्रमाणकमित्यतिदेशः TātpaṬ.(U.) 254. 21 (*on* 5(4). 56); तत्सर्वं बुद्धवाक्यानामतिदेशेन गम्यते TantrVā. 168. 23 (*on* i. 3. 10); 865. 11 (*on* iii. 3. 14); 921. 15 (*on* iii. 4. 11); न पृथग्विद्यते स्त्रीणां त्रिवर्गविधिसाधनम् । भावतो ह्यतिदेशाद्वा इति शास्त्रविधिः परः VedavyāSm. 2. 19; इयमप्यधिका शङ्कातिदेशेन निवर्त्यते BrahmSūBh.(S'aṅ.) 288. 1 (*on* ii. 1. 3); 367. 12 (*on* ii. 2. 11); 435. 11 (*on* ii. 3. 8); 650. 18 (*on* iii. 3. 22); 792. 1 (*on* iv. 1. 16); IṣṭaSi. 3. 22; (ऐक्यं) यथा बुद्धौ पूर्वयोरेवमात्मनीत्यतिदेशेन बुद्धिसाधर्म्यविधानान्नानात्वप्रसक्तौ तदपवादार्थमाह NaiṣkaSi. 117. 3; यद्यप्युत्तरेषां चैतदविरोधीत्यतिदेशेन ब्रह्मचारिधर्मोऽपि पुरुषमात्रविषयः स्यात् फलं तु न स्यात् ManuBh. i. 102. 8 (*on* 2. 52); i. 183. 20 (*on* 2. 206); i. 466. 6 (*on* 5. 90); अतिदेशाच्छ्रौत एवार्थोऽतिदिश्यते न गम्यमानः NyāyMañ. ii. 152. 4; तदीयकरणे च यमतिदेशमाचक्षते PrakaPañ. 485. 5; 498. 6; ननु च असादृश्याशङ्कायां सादृश्यप्रतिपादनमतिदेशः BrahmSūBh.(Bhā.) 88. 21 (*on* ii. 1. 3); एवमित्यतिदेशो यथा पापस्य तथेतरस्य पुण्यस्येति भोगार्थत्वाद्विरोधोऽविशिष्टः BrahmSūBh. (Bhā.) 224. 15 (*on* iv. 1. 14); तस्यैतावता दशनच्छेद्यस्य तुल्यत्वादित्यतिदेशः JayaMa. 116. 25 (*on* 2. 4); 121. 24 (*on* 2. 4); अत एव निर्वापमन्त्रेऽतिदेशाद् विकृतिं गते प्राकृतदेवताया अभावात् तत्पदनिवृत्तौ तस्य स्थाने सूर्यायेति पदमूह्यते Kāśi. iii. 184. 20 (*on* 5(7). 78); अतिदेशेन चेदं दर्शयति AbhinBhā. ii. 166. 13 (*on* 12. 183); ii. 431. 7 (*on* 18. 48); i. 189. 17 (*on* 4. 285); अतिदेशेन स्मृत्याचाराभ्यां श्रुत्यर्थादिभिश्च यथायथं तेन द्वारेण समर्पितम् … अङ्गजातं…शुष्कत्वादिवत् स्वीक्रियते NyāyRaMā. 211. 23; 172. 19; 'तेषामेकैक एव तावान् यावानसौ पूर्वः' इत्यतिदेशेनेष्टकाचिताग्नेः स्वशेषिभूतक्रतुद्वारेण यत्फलम् VedāntDī. 192. 24 (*on* iii. 3. 44); स्वतो ह्यप्राप्तावतिदेशेन प्राप्त्यपेक्षा S'rīBh. 631. 16 (*on* iii. 3. 22); 723. 7 (*on* iv. 1. 14); अतिदेशस्योपदेशेन बाधोपपत्तेरित्याशयः NyāySu.(So.) 888. 11 (*on* ii. 3. 1); रवदित्यतिदेशात्सप्तभिर्यैः प्रचितः ChandaśCū. 2. 389(1); एतदेवेत्यनेन दशरात्रत्रिरात्रयोरतिदेशः HārLa. 83. 14; 86. 13; प्राणादिहेतुतादृष्टेरतिदेशो हि तादृशः AnuVyā. 10B. 2 (*on* i. 1. 23); उपदिष्टोपनिधिधर्माणामतिदेशोऽयं युक्तः SmṛtiCan. iv. 425. 18; 'ब्रह्मोपास्व … यथा ते त्वामवन्तु' इति पौष्यायणश्रुतावतिदेशाच्च BrahmSūBh. (Ma.) 57B. 11 (*on* iii. 3. 47); PrakaVi. 381. 21; अस्यातिदेशस्य जन्मादिसूत्रेण

आक्षेपसङ्गतिं दर्शयन् अध्यायसंगतिमाह VedāntKa. 228.2 (*on* i. 4.28); 7.3 (*on* i. 1.1); अथेदानीं सर्वेषां वेदान्तानां ब्रह्मणि समन्वयमतिदेशेन भगवान् सूत्रकारो दर्शयति VedāntKau. 146.6 (*on* i. 4.28); 342.6 (*on* iii. 3.45); विधानमेतद्धेतूनां सर्वासामपि पठ्यते इति सामान्येनातिदेशात् CaturCin. i. 401.1; अथोक्तलक्षणस्य पक्षेऽतिदेशे कर्तुमुचितेऽपि S'rutaPra. iA. 80.6 (*on* i. 1.1); 'परीत्य लोकान् परीत्य भूतानि' इत्यादिश्रुतिनिर्दिष्टविरक्तपुरुषवत्। सर्ववासनात्यागेन परशिवपरमात्मप्राप्तिरतिदेशादुपदिष्टत्वाच्च S'rikarBh. 390.1 (*on* iii. 3.45); अधिकारोऽतिदेशश्च सामान्येन विशेषतः।... उदिता: क्रमात् NyāyMāVi. 5.4 (*on* 1. 1.0); तद्वत्कुर्यादित्यतिदेशः VivaPraSam. 138.19; 135.8; तत्र कतिपयाङ्गानामतिदेशेन प्राप्तत्वात् ArthSam. 53.10; 56.2; तादृशो ह्यतिदेशो यदाशङ्काया आधिक्ये सति परिहारस्य समानत्वम् NyāySu.(Ja.) 149B.13 (*on* i. 1.9); एवमभ्यधिकाशङ्कया पूर्वपक्षितेऽतिदेशेन सिद्धान्तयन् सूत्रमवतार्य व्याचष्टे TattvPrakā. 109A.8 (*on* ii. 3.8); शब्दलिङ्गस्य द्रव्यस्य द्रव्यत्वनित्यत्वेऽतिदेशेन साधयन्नाह Upask. 102.6 (*on* ii. 1.28); येषु पुनः स्तेनत्वमृषिभिरतिदिष्टं तेषां दण्ड एव उपदेशादतिदेशस्य तदेकार्थत्वात् DaṇḍaVi. 81.12; दशमे बाधनिरूपणम्। सामान्यतोऽतिदेशेन प्राप्तो धर्मो विशेषेण बाध्यते SarvaDaKau. 104.3; 'वैश्वानरो न ऊत्या' इत्यादिमन्त्रैर्देवताया महाभूताग्नेर्वा वाक्यार्थतेति कस्यचिद्बुद्धिः स्यात् तदप्यतिदेशेन परिहरति AṇuBh. 70.6 (*on* i. 2.27); 160.11 (*on* ii. 4.8); अथवा अतिदेशोऽयं तद्वत्त्वमसीत्यर्थः Nyāyāmr. 595A.8; करणोत्पत्त्यपूर्वैः परमापूर्वे जनयितव्ये सामग्रीमेलनरूपस्य सर्वाङ्गनिष्पाद्यस्याखण्डस्योपकारस्य प्रथममतिदेशः TantrRaha. 53.7; प्रकृतौ सन्तश्चाश्यतिग्राह्या सर्वासु विकृतिष्वतिदेशेनैव प्राप्नुवन्ति VidhiRa. 7.14 (2); गृहमेधीयेष्टौ दर्शपूर्णमासतोऽतिदेशात् संभवत्प्राप्तिकयोः आज्यभागयोः पुनर्विधानं क्रियते PūrvottaVāNaMā. 21.14; तथा गृहमेधीयस्य दर्शपूर्णमासप्रकृतिकत्वात् अतिदेशादेवाज्यभागौ नित्यं प्राप्नुत इति न तत्र विधिः SiddhāLeSam. 6.12; 359.1; अत्रातिशयोक्तौ रूपकविशेषणं रूपके प्रदर्शितानां विधानामिहापि संभवोऽस्तीत्यतिदेशेन प्रदर्शनार्थम् Kuval. 36 (10); अतश्च तत्र शावाशौचस्य दशाहादेरतिदेशः सपिण्डेषु क्रियते VīraMi.(S'uddhi.) 18.30; (Saṁskāra.) 944.14; एतद्विध्यभावे आक्षेपणातिदेशेन वावहननस्य षोडशिग्रहणस्य च पक्षप्राप्तत्वात् BhāṭṭDī. i. 12.17 (*on* i. 1.6); ii. 30.3 (*on* iii. 6.7); प्रबलेनोपदेशेन धर्माणां प्रकृत्यङ्गत्वावगमेऽपि विकृत्याकाङ्क्षानुच्छेदाद् दुर्बलस्यापि अतिदेशस्य न बाधनम् MīmāKau. i. 13.12 (*on* i. 3.3); iii(1). 26.16 (*on* i. 2.7); तथा च तत्र यथा भाष्यरीत्या भूयोऽनुग्रहानुरोधेन उत्तमन्त्ररूपमुख्यधर्मांशे अतिदेशस्य बाधः GuruCandr. i. 279.13; नाप्यतिदेशेन तत्प्राप्तिः यागीयानां धर्माणां तावन्नातिदेशो यागत्वेन होमत्वेन वैलक्षण्यात् MīmāNyāPra. 225.1; न च कुशकार्यस्येव कुशानामपि अतिदेशेनैकेन प्राप्तिः। पदार्थविशिष्टस्यैवोपकारकस्यातिदेशात् LaCandr. 369.22; न च प्राप्ति विना सः। न चातिदेशं विना प्राप्तिः NirṇaSi. 265.11; वैदिकं च विधिमन्त्रार्थवादभेदेन उपदेशातिदेशभेदेन च बहुविधं इत्यादि तु परिमितकथया न बोधयितुं शक्यते इति उपरम्यते MānaMe. 108.1; अत्रातिदेशेनाज्यभागतदितराङ्गयोर्गृहमेधीये मन्त्रे च मन्त्रलिङ्गेनाश्वगर्दभरशनादानसंबन्धयोर्नियतप्राप्ततया तद्विधेरितरनिवृत्तिफलकत्वात् BhāṭṭCin. i. 71.18 (*on* i. 1.4); i. 137.9 (*on* i. 1.24); दशमाद्याधिकरणन्यायेनोपकारमुखेनैव पदार्थानामतिदेशो न स्वरूपेण MayūMāli. 11.11 (*on* i. 2.2); यन्नाम तन्नामेति नाम्नोऽतिदेशात् नामप्रवृत्तिनिमित्तत्वेन सर्वपापोदयोऽपि तत्र प्राप्नुयादिति चेन्न S'ivārkaMaDī. i. 356.13 (*on* i. 2.13); i. 249.32 (*on* i. 1.21); एतेन समातिदेशयोः पादोनकल्पनम् ब्रह्महत्यायामेव महापातकमध्ये तस्यागुरुतरत्वादिपाठाच्च BālamBha. iii. 157(?149).21 (*on* 3.256); **2** (feature or act) conveyed by the rule of transference 'अभिशप्तपतितभ्रूणघ्नान् स्त्रीरभिचारिणीर्नातिदिशेत्' । अतिदेशः सपिण्डनम् Aparā. 533.6 (*on* 1.253); अतिदेशः पितृभिः सह संसर्जनम् CaturCin. iii(1). 1640.1; **3** (Gr.) transference (of the application of a grammatical rule) to other similar cases अथवा नेदं संज्ञाकरणं तद्वदतिदेशोऽयम्। बहुगणवतुडतयः संख्यावद्भवन्ति MahāBh. i. 81.17 (*on* i. 1.23); तद्वदतिदेशस्तर्ह्ययम्।... स तर्हि वतिनिर्देशः कर्तव्यो न ह्यन्तरेण वतिमतिदेशो गम्यते MahāBh. i. 191.18 (*on* i. 2.1); i. 469.9 (*on* ii. 3.69); संख्याविहितस्य प्रत्ययस्यातिदेशो न प्रकल्पते MahāBh. ii. 343.15 (*on* v. 1.19); किमर्थं बहोर्नञ्वदतिदेशः क्रियते MahāBh. iii. 137.15 (*on* vi. 2.175); असहायस्याचन्तोपदिष्टानि कार्याणि न सिध्यन्तीत्ययमतिदेश आरभ्यते KāśiVṛ. *on* P. i. 1.21; *on* P. i. 1.56; *on* P. i. 2.1; *on* P. iii. 4.85; व्यञ्जनान्तस्य यत्सुभोः। व्यञ्जनान्तस्य लिङ्गस्य युक्तार्थस्य लुप्तासु विभक्तिषु सुभोर्यदुक्तं तद्भवति।...अतिदेशोऽयम् KātanVṛ. *on* ii. 5.4; न चाभावे व्यक्तिवचनयोः शक्यतेऽतिदेशः कर्तुम् Nyās. i. 192.25 (*on* i. 2.51); i. 556.7 (*on* iii. 1.87); कालात्कार्ये च भववदत्यतिदिदेशात् कथाकालाट्ठञ् इति ठञ् GaṇRa. 3.165 (200); वचनादतिदेश आश्रीयते PadMañ. *on* P. KāśiVṛ. *on* P. viii. 2.1; अथवा पर्युदासे अधातुरिति नेदं शास्त्रीयं कार्यम्। अतः तत्कर्तव्यतायां न प्रकृतिवदित्यतिदेशः PariVṛ.(Si.) 38.3; 173.18; 'सेडपिच्च' इति ज्ञापकात् अनुबन्धकार्याणामत्विधित्वेऽप्यतिदेशः स्यादेव Prasā. i. 43.11; i. 269.13; ii. 49.21; सकर्मकाभावादत्रातिदेशो न प्रवर्तते इति चेत् तदेव तु भवन्मते दुर्वचम् VaiyāBhū. 28.15 (*on* 5); 136.15 (*on* 30); तेनाशास्त्रीयस्याप्येकाच्त्वादेरतिदेशात् LaS'abdeS'e. i. 51.8; i. 40.2; i. 33.8; केचित्तु आर्धधातुकाधिकारोक्तस्यैवातिदेशमाहुः SiddhāKau. 395A.9; **4** one of the thirty-two *tantrayuktis* proving or establishing (a thing) with what is already said उक्तेन साधनमतिदेशः 'दत्तस्याप्रदानमृणादानेन व्याख्यातम्' इति ArthS'ā. iii. 243.6 (15.1); प्रकृतस्यानागतस्य साधनमतिदेशः SuśruS. vi. 65.17 (F. N. हाराणचन्द्रस्तु 'इतरत्र विहितस्य विधेरितरत्र प्रयोगायोपदेशोऽतिदेशः। यथा एष एव विधिः कार्यः शिशिरे समुदाहृतः' इति पठति अयमेव साधुः पाठः); AṣṭāSaṁ. ii. 418.1 (6.50); CaraS. viii. 12.42 (1941 Ed.); ViṣṇuDhaP. iii. 6.1 (310A.4); **5** a particular mode of statement (agreeing with someone else's statement as if it were one's own) संदेशश्चातिदेशश्च निर्देशः स्यात्तथापरः NāṭyaS'ā. 22.53; यत्त्वयोक्तं मयोक्तं तत्सोऽतिदेश इति स्मृतः NāṭyaS'ā. 22.57; तत्त्वदेशोऽतिदेशोऽयम् AgniP. 338.53; (वागारम्भा इमे) अतिदेशस्तदुक्तं यत्तन्मदुक्तमितीरितम् BhāvPra.(S'ā.) 11.7(1); 10.22(1); अथातिदेशः सोऽतिदेशो मदुक्तानि तदुक्तानीति यद्वचः। 'तनयां तव याचते हरिर्जगदात्मा पुरुषोत्तमः स्वयम्। गिरिगह्वरशब्दसंनिभां गिरमस्माकमवेहि वारिधे' RasāSu. 63.3; RasāSu. 63.4 (1.224) = UjjvaNiMa. 326.2; **6** command, order आकर्ण्य वाक्यं मकरध्वजस्तु उवाच देवेन्द्रमथैनमेवम्। तवातिदेशादहमागतो वै PadmP. ii. 55.15; (ऋषीणां यदृषित्वं हि तद्वक्ष्यामीह लक्षणैः) (अतस्त्वृषीणां वक्ष्यामि ह्यार्षस्य तु समुद्भवम्) अतिचारे तु देवानामतिदेशे तयोर्यथा। अबुद्धिपूर्वकं तद्वै चेतनार्थं प्रवर्तते VāyuP. i. 59.64; [Maṅkha gives *atideśa* as the meaning of *tathā*, AnekāK. 989]

अतिदेशक (atideśa-ka) *adj.* causing the transference (of a feature) or extension of a rule तत्र यौगिकं नातिदेशकम् कथं येनैव योगेन द्वादशाहे प्रायणीयशब्दस्तेनैव गवामयनेऽपि TupṬ. 156.8 (*on* vii. 1.5); विधिवाक्यगतं च नामधेयमतिदेशकम् BrahmSūBh.(Bhā.) 192.5 (*on* iii. 3.41); विधायकमपि द्विविधम् उपदेशकमतिदेशकं च S'āstrDī. 72.6 (*on* i. 1.5); सौर्यंचरावतिदेशकानि निर्वापः तद्धितेन देवतानिर्देशः एकदेवतत्वम् औषधद्रव्यकत्वम् इत्यादीनि स्पष्टाग्नेयलिङ्गानि NyāyMāVi. 7.15; 387.26 (*on* vii. 3.10); तद्वाक्यम् ... लोहितोष्णीषत्वादीनामतिदेशकम् S'ivārkaMaDī. i. 372.16 (*on* i. 2.19); अर्थवादगतं नाम न द्रव्यस्यातिदेशकम् NayaMañ. III. iii. 26.52; *m.* one of the twelve types of verbal representation, agreement संदेशश्चातिदेशकः ... एवं द्वादशधा प्रोक्ता वागारम्भा विचक्षणैः RasāSu. 60.13 (1.220)

अतिदेशकत्व (atideśaka-tva) *n.* the state of causing the transference (of features) or extension of a rule अन्यधिकरणकत्वस्य तु मासाग्निहोत्रेऽपि यदाहवनीये जुहोतीत्यनेनैव प्राप्तेः प्रायणीयपदवदतिदेशकत्वानुपपत्तिप्रसङ्गादुपेक्षितम् MīmāKau. i. 210.3 (*on* i. 4.4); यद्वादृष्टसंस्कारवाचकेन यूपशब्देन तज्जनकक्रियाणामाक्षेपाभिप्रायातिदेशकत्वोक्तिः MayūMāli. 542.5 (*on* vii. 3.11); 569.2 (*on* viii. 4.1)

अतिदेशकप्रमाण (atideśaka-pramāṇa) *n.* authority for the use of the rule of transference (of details) ननु तत्राप्यतिदेशतः तत्प्राप्तिरिति चेत् न ... अतिदेशकप्रमाणाभावाच्च। प्रकृतिविकृतिभावो ह्यतिदेशमूलम्। नात्र तत्क्लृप्तिः TantrRaha. 44.26.

अतिदेशकल्पकत्व (atideśakalpaka-tva) *n.* the state of being the cause of assumption of the rule of transference न च तथाप्युपदिष्टोपहोमैरेव विकृतेः निराकाङ्क्षत्वादतिदेशकल्पकत्वाभावेन नारिष्ठाप्राप्तिः BhāṭṭDī. iii. 270.13 (*on* x. 4.1); iv. 83.15 (*on* x. 7.9)

अतिदेशकल्पन (atideśa-kalpana) *n.* assumption of the rule of transference (of details) विकृतौ च ... सन्निहितैरुपहोमैरेव निराकाङ्क्षत्वोपपत्तेर्नातिदेशकल्पनापत्तिः BhāṭṭDī. i. 251.9 (*on* iii. 3.4); प्रकृतेः पूर्णतां परिकल्प्य पवमानेष्टिष्वतिदेशकल्पनात् BhāṭṭDī. ii. 25.14 (*on* iii. 6.6); क्लृप्तोपकाराङ्गग्रहणार्थं पूर्वमतिदेशकल्पनावश्यंभावात् BhāṭṭDī. ii. 55.13 (*on* iii. 7.20); तावतैव ... अतिदेशकल्पनप्रतिबन्धात् MīmāKau. ii. 58.16 (*on* ii. 3.19); विधिवाक्ये एव लक्षणाभिया विनियोगभङ्गातिदेशकल्पनादिदोषभिया च ... देवताविशिष्टं ग्रहणमेव यागोद्देशेन विधीयते MīmāKau. ii. 62.19 (*on* ii. 3.20); नातिदेशकल्पनापादको विशेषविध्यङ्गीकारो युक्तः MīmāKau. i. 246.6 (*on* i. 4.13); अनेन हि वाक्येन फलसंबन्धे बोधिते पश्चात् कथंभावाकाङ्क्षायामतिदेशकल्पनात् MīmāNyāPra. 226.23.

अतिदेशकल्पनवत् (atideśakalpana-vat) *adv.* like the assumption of the rule of transference अङ्गानां प्रकृत्यर्थत्वेन निराकाङ्क्षाणामपि विकृत्याकाङ्क्षयैवातिदेशकल्पनवदिन्द्राद्याकाङ्क्षयैव लिङ्गस्य श्रुतिकल्पकत्वोपपत्तिः BhāṭṭDī. i. 255.18 (*on* iii. 3.7)

अतिदेशकल्पना (atideśa-kalpanā) *f.* assumption of the rule of transference उपहोमन्यायेन यूपादिग्रहणेऽपि नातिदेशकल्पनाप्रतिबन्धः BhāṭṭDī. iii. 4.2 (*on* viii. 1.3)

अतिदेशकल्पनोत्तरम् (atideśakalpanottaram) *adv.* subsequent to

the assumption of the rule of transference इह तु अतिदेशकल्पनोत्तरम् … कौत्सादिविधानात् BhāṭṭDī. iii. 284. 5 (*on* x. 4. 10)

अतिदेशकल्प्य (atideśa-kalpya) *adj.* liable to be assumed through the rule of transference तथा चातिदेशकल्प्यैर्मन्त्रैस्तुल्यबलत्वान्न बाध्यबाधकता NyāyMāVi. 518. 15 (*on* x. 3. 4); वेदः … अखिलः … अतिदेशकल्प्यश्च VīraMi. (Paribhāṣā.) 8. 24.

अतिदेशकारण (atideśa-kāraṇa) *n.* cause of the rule of transference तस्याप्यतिदेशकारणं सारूप्यं नास्ति TantrVā. 1119. 4 (*on* iii. 6. 43)

अतिदेशकार्य (atideśa-kārya) *n.* (grammatical) operation due to the rule of transference or extension of application ननु यदतिदेशकार्येण अविरुद्धं स्वाश्रयं कार्यं तन्मा निवृतत् Pradī. vii. 120. 20 (*on* viii. 2. 46)

अतिदेशकाल (atideśa-kāla) *m.* time of (hearing of) the statement of analogy (i. e. the *gayal* is like the cow) अयं गवयपदवाच्यो गोसदृशत्वात् अतिदेशकालावगतपिण्डवदिति TattvCin. iii. 81. 3.

अतिदेशकृत (atideśa-kṛta) *adj.* caused by the rule of transference यस्तु मन्त्रेषु तत्प्रक्षेपः सोऽतिदेशकृतो भविष्यति TantrVā. 419. 19 (*on* ii. 1. 34)

अतिदेशक्रम (atideśa-krama) *m.* order of transference or extension of application अतिदेशक्रमात्स्वाङ्गसमर्पकतयोच्यते BhāvPra.(S'ā.) 222. 1(8)

अतिदेशग (atideśa-ga) *adj.* got by the rule of transference (मीमांसा) अङ्गैर्विचित्रैरनियोजयन्ती प्राप्तोपदेशैरतिदेशगैश्च PraboCan. 6. 18 (109. 16)

अतिदेशगति (atideśa-gati) *f.* attainment of the result of the extension of application निर्ज्ञाते भेदे तत्कार्यप्राप्तये तद्रूपारोपणमिति अतिदेशगतिः Pradī. ii. 3A. 8 (*on* i. 2. 1) (comm. अतिदेशफललाभः)

अतिदेशचिन्ता (atideśa-cintā) *f.* inquiry about transference or extension of application एवं चातिदेशचिन्तारूपत्वाभावादध्याये प्रसङ्गात्सङ्गतिर्द्रष्टव्या MayūMāli. 558. 14 (*on* viii. 1. 14)

अतिदेशज्ञापन (atideśa-jñāpana) *n.* indication of the rule of transference शून्यवादिनिरासेनैव मायावादोऽपि निरस्तो वेदितव्य इत्यतिदेशज्ञापनाय मायी चेत्युक्तम् NyāySu.(Ja.) 409B. 1 (*on* ii. 2. 8)

अतिदेशतस् (atideśa-tas) *adv.* due to the rule of transference तेषामतिदेशतोऽपि लब्धेः PrakaPañ. 5. 13; भेदव्यपदेशश्च … अतिदेशतः Bhām. 569. 12 (*on* iii. 2. 31); तथा हि किमपि स्फुटीकृतमिह स्फुटेऽप्यर्थतः सकष्टमतिदेशतो विविधवाचनातोऽपि यत् JñātāDhaṬ. 254A. 1; जुहुयात्पितृयज्ञवत् इत्यतिदेशतः प्राप्तौ होममन्त्रौ मदालसया दर्शितौ SmṛtiCan. v. 319. 8; v. 330. 16; अतिदेशतः अप्राप्ते मीमांस्यमाने दोषोऽपि NyāySu.(So.) 38. 32 (*on* i. 2. 7); प्रकृतिवदित्यतिदेशात एव प्रकृतिभूतदर्शपूर्णमासतः प्रणयनमात्रस्य प्राप्त्या तद्विध्यानर्थक्यापत्तेः BālamBha. ii. 198. 9 (*on* 2. 135); तस्य तेष्वतिदेशतः प्राप्तिसंभवात् S'ivārkaMaDī. i. 58. 31 (*on* i. 1. 1); i. 143. 27 (*on* i. 1. 1); i. 304. 17 (*on* i. 2. 1); प्रकृतावङ्गस्याग्नेर्वि(? कृति)ष्वतिदेशतः प्राप्तिसंभवात् तास्वग्निविधयो न तत्प्राप्त्यर्थाः VidhiRa. 32 (175. 6); यद्यपि चाग्निष्टोमस्तोत्रभावनोत्तरकालाद्यतिदेशतः संभवत्प्राप्तिकम् MīmāKau. iii(2). 279. 10 (*on* ii. 2. 26); उद्देश्योक्थ्यादिसंबन्धेनातिदेशतश्चयनादिप्राप्तेः BhāṭṭCin. i. 72. 1 (*on* i. 1. 4); नाद्यः। इष्टयङ्गार्थतया आहवनीयातिदेशेऽतिदेशतः साक्षात्संबन्धालाभप्रसङ्गात् MayūMāli. 203. 21 (*on* iii. 1. 12); ननु तत्राप्यतिदेशतस्तत्प्राप्तिः TantrRaha. 44. 21; अतिदेशतः प्रत्ययज्ञानसत्त्वेन व्यभिचारात् LaS'abdeS'e. i. 87. 3.

अतिदेशत्रैविध्य (atideśa-traividhya) *n.* threefoldness of the rule of transference ततश्च प्रकृतस्याप्यतिदेशस्य चोदनालिङ्गनिमित्तकातिदेश एवान्तर्भावान्नातिदेशत्रैविध्यविरोधः MayūMāli. 313. 15 (*on* iii. 6. 16)

अतिदेशत्व (atideśa-tva) *n.* the state of being the rule of transference अतिदेशत्वाभावे न काचित्क्षतिः BhāṭṭDī. ii. 349. 19 (*on* vii. 2. 1); व्यापारस्यातिदेशत्वे तद्वतः शास्त्रस्य करणव्युत्पत्त्या शास्त्रेऽतिदेशत्वव्यवहारः MayūMāli. 526. 25 (*on* vii. 1. 1); अनेनास्यातिदेशत्वं बोधयति LaS'abdeS'e. i. 410. 1.

अतिदेशत्वव्यवहार (atideśatva-vyavahāra) *m.* usage as *atideśa* (transference or extension of application) अत्र च … अतिदेशत्वव्यवहारो भाक्तः BhāṭṭDī. ii. 361. 17 (*on* vii. 3. 9); व्यापारस्यातिदेशत्वे तद्वतः शास्त्रस्य करणव्युत्पत्त्या शास्त्रेऽतिदेशत्वव्यवहारः MayūMāli. 526. 25 (*on* vii. 1. 1)

अतिदेशद्वार (atideśa-dvāra) *n.* [Inst.] by means of the rule of transference or extended application अथ त्र्यश्रस्यातिदेशद्वारेण लक्षणं कर्तुमुपक्रममाह AbhinBhā. i. 70. 11 (*on* 2. 104); पूर्वोक्तमेवातिदेशद्वारेण सारयितुमाह Kāvyānu.(He.) 382. 10.

अतिदेशधी (atideśa-dhī) *f.* knowledge of the rule of transference कार्ये ज्ञातेऽधिकारः स्यादुपदेशेऽतिदेशधीः TantrVā. 337. 3 (*on* ii. 1. 1)

अतिदेशन (ati-deśana) *n.* the act of transference (of details) (आदिशास्त्रम्) भूषितम् … तन्त्रावापातिदेशनैः AhirbuS. 11. 29; ततोऽवान्तरकार्याणां नाङ्गानामतिदेशनम् NyāyRaMā. 181. 21; समुच्चयो वा विषये सर्वत्वं बह्वपेक्षया। न तु द्वयोरतः षण्णां पृष्ठानामतिदेशनम् NyāyMāVi. 382. 15 (*on* vii. 3. 3)

अतिदेशनिमित्त (atideśa-nimitta) *n.* cause of transference अतिदेशनिमित्तस्य च चोदनालिङ्गस्य जुह्वोत्यर्थस्य दर्शनात् TantrVā. 553. 16 (*on* ii. 2. 26)

अतिदेशनियामक (atideśa-niyāmaka) *adj.* criterion for the application of the rule of transference प्रकृतिसंबन्धित्वमेव ह्यतिदेशनियामकं नाङ्गत्वमपि प्रमाणाभावात् MayūMāli. 556. 17 (*on* viii. 1. 13)

अतिदेशनिरूपक (atideśa-nirūpaka) *adj.* conditioner of the rule of transference अत्र च प्रकृतिशब्दो नातिदेशनिरूपकपरः BhāṭṭDī. iii. 186. 11 (*on* x. 1. 1)

अतिदेशनिरूपण (atideśa-nirūpaṇa) *n.* exposition of the rule of transference अतिदेशनिरूपणोपोद्घातत्वेनेदं निरूप्यते BhāṭṭDī. ii. 338. 5 (*on* vii. 1. 1); नवमान्तैरेवोपदेशातिदेशनिरूपणसमाप्तेः MayūMāli. 793. 4 (*on* xi. 1. 1) 793. 5 (*on* xi. 1. 1)

अतिदेशनिर्मुक्ता (atideśa-nirmuktā) *adj.* (*f.*) free from (the scope of) the rule of transference or extension of application तस्मादतिदेशनिर्मुक्तायां प्रकृतावेव निवेशः TantrVā. 1072. 22 (*on* iii. 6. 4)

अतिदेशनिवृत्ति (atideśa-nivṛtti) *f.* cessation of (the operation of) the rule of transference आज्यभागातिदेशे व्यापृतस्य चोदकस्य को नामातिदेशनिवृत्तिरूपविरुद्धधर्मप्रसङ्गः NyāyMāVi. 590. 27 (*on* x. 7. 9); प्राधान्ये सति तदपचारे प्रधानविस्मरणादिप्रायश्चित्तप्राप्तिर्विकृतिषु चातिदेशनिवृत्तिः VidhiRa. 9 (72. 18); न हि तेन पशावतिदेशनिवृत्तिस्सिध्यति BhāṭṭDī. iv. 101. 16 (*on* x. 8. 2)

अतिदेशन्याय (atideśa-nyāya) *m.* principle of the rule of transference पुनरतिदेशन्यायोपन्यासादसंबद्धत्वम् TantrVā. 553. 11 (*on* ii. 2. 26)

अतिदेशपक्ष (atideśa-pakṣa) *m.* the view (upholding) the rule of transference एतेनातिदेशपक्षः प्रत्युक्तः TantrVā. 1119. 3 (*on* iii. 6. 43); अतिदेशपक्षे तस्य…पदार्थविशेषितोपकारविषयकत्वकल्पनात् GuruCandr. i. 300. 13.

अतिदेशपरता (atideśapara-tā) *f.* dependence on the rule of transference तावन्मात्रे इष्टापत्तेरतिदेशपरतया लभ्यं तात्पर्यमाह BālamBha. ii. 77. 29 (*on* 2. 62)

अतिदेशपरंपरा (atideśa-paramparā) *f.* a series of rules of transference या त्वतिदेशपरंपरा तत्र तत्रोदाहृता तत्र सर्वत्र प्रबलं लिङ्गमुपन्यस्तम् NyāyMāVi. 412. 17 (*on* viii. 3. 6)

अतिदेशपरिलोपकत्व (atideśaparilopaka-tva) *n.* the state of cancelling the rule of transference आज्यभागविध्यभावेनातिदेशपरिलोपकत्वानुपपत्तेः BhāṭṭDī. iv. 89. 9 (*on* viii. 7. 13); iv. 117. 17 (*on* x. 8. 11)

अतिदेशपर्युदास (atideśa-paryudāsa) *m.* exclusion of the rule of transference अतिदेशपर्युदासेन … प्रायणीयादिविधीनां दीक्षोत्तरकालभाविनां शेषो भवत्ययं पर्युदासः S'āstrDī. 779. 8 (*on* x. 8. 7); अतिदेशपर्युदासार्थमाज्यभागश्रवणम् MayūMāli. 761. 10 (*on* x. 7. 9)

अतिदेशप्रकार (atideśa-prakāra) *m.* mode of transference (of details) इत्थं प्रयोक्तव्यमित्यतिदेशप्रकार एव चिन्त्यते ṬupṬ. 152. 12 (*on* vii. 1. 1); अतिदेशप्रकारोऽयमथान्तरे शब्दविनिवेशो नाम VyaktiVi. 24. 6.

अतिदेशप्रतिपत्ति (atideśa-pratipatti) *f.* understanding the extension of application क्वचित्…सामानाधिकरण्येन निर्देशः क्रियते … तत्र सामर्थ्यादतिदेशप्रतिपत्तिः Pradī. v. 285B. 20 (*on* vi. 4. 22)

अतिदेशप्रतिबन्ध (atideśa-pratibandha) *m.* restraint on the rule of transference अवदानांशेऽतिदेशप्रतिबन्धात्…वपासंस्कारकस्यैवावदानस्य हृदयाद्युद्देशेन विधिः BhāṭṭDī. iv. 94. 10 (*on* x. 7. 18)

अतिदेशप्रतिबन्धकत्व (atideśapratibandhaka-tva) *n.* nature of being a restraint on the rule of transference तत्र तद्विषयेऽतिदेशप्रतिबन्धकत्वायोगात् BhāṭṭDī. iv. 50. 12 (*on* x. 6. 4); iii. 182. 15 (*on* ix. 4. 12); गृहमेधीयाङ्गत्वप्रतीतेः अतिदेशप्रतिबन्धकत्वोपपत्तावपि MīmāKau. ii. 58. 19 (*on* ii. 3. 19)

अतिदेशप्रतीति (atideśa-pratīti) *f.* knowledge of the transference (of details) एवं स्थिते प्रणयनविधिः प्रतीयते न सौमिकवदित्यतिदेशप्रतीतिः Subodhi. 68. 20 (*on* 2. 135); सौमिकवदित्यतिदेशप्रतीत्या तत्रत्यसकलधर्मप्राप्तौ उत्तरवेदेरपि प्राप्तत्वात् BālamBha. ii. 198. 13 (*on* 2. 135)

अतिदेशप्रत्यासन्नत्व (atideśapratyāsanna-tva) *n.* proximity of the rule of transference ऊहस्यातिदेशप्रत्यासन्नत्वात्तदुत्तरं निरूपणे कृत एवावसर इति ऊहेनापि सङ्गतिः BhāṭṭDī. iii. 187. 20 (*on* x. 1. 1)

अतिदेशप्रमाण (atideśa-pramāṇa) *n.* authority of the rule of transference अतिदेशप्रमाणैः प्रथमं प्राकृत उपकारे…पदार्थानां वैकृतभावनाशेषत्वमपि… प्रधानविधित एव भवति TantrRaha. 52. 26; (अत्र) वचननामधेयचोदनालिङ्गानामतिदेशप्रमाणानाम्…ग्रहणम् S'ivārkaMaDī. i. 37. 30 (*on* i. 1. 1); BhāṭṭCin.

i. 11. 27 (*on* i. 1. 3); मन्त्रप्राप्तिः। नाप्यतिदेशप्रमाणेनोहितस्य MīmāKau. ii. 279. 6 (*on* iii. 2. 27); अतिदेशप्रमाणावगताङ्गभावानामेव ऋचाम् BhāṭṭDī. iii. 283. 22 (*on* x. 4. 10); कार्यापत्तिरप्यतिदेशप्रमाणप्रकारभेद एव MayūMāli. 311. 16 (*on* iii. 6. 13)

अतिदेशप्रमाणक (atideśapramāṇa-ka) *adj.* having the rule of transference for its authority अतिदेशप्रमाणकस्येहाविचार्यत्वात् BhāṭṭDī. i. 181. 15 (*on* iii. 1. 1); उपदेशातिदेशप्रमाणकान्याङ्गप्राप्तिवदाचमनादीनामपि स्मृत्याचारप्रमाणकानां प्राप्तेः MīmāKau. i. 30. 25 (*on* i. 3. 5)

अतिदेशप्रयोजन (atideśa-prayojana) *n.* purpose of transference (of details) अतिदेशप्रयोजनमाह PrakaVi. 680. 11; अतिदेशप्रयोजनाभावान्नातिदेशः BhāṭṭDī. iv. 222. 4 (*on* xii. 1. 2)

अतिदेशप्रवृत्ति (atideśa-pravṛtti) *f.* operation of the rule of transference प्राकृतमेव प्रणयनमत्रातिदेशप्रवृत्तेः पूर्वं विधीयते GuruCandr. i. 451. 23; LaCandr. 425. 24; स्तुत्यपेक्षावेलायामेवातिदेशप्रवृत्तेः BhāṭṭDī. ii. 344. 11 (*on* vii. 1. 3); लाघवादतिदेशप्रवृत्तेः BhāṭṭDī. iii. 264. 5 (*on* x. 3. 17)

अतिदेशप्रसङ्ग (atideśa-prasaṅga) *m.* occasion for transference (of details) अतिदेशप्रसङ्गे तन्निराकरणेन मूलप्रकृतित्वसाधनायाधिकरणमावश्यकम् MayūMāli. 552. 13 (*on* viii. 1. 3)

अतिदेशप्रापकत्व (atideśaprāpaka-tva) *n.* nature of what leads to transference (of details) न ··· कार्यापत्तेश्चातिदेशप्रापकत्वात् तत्रातिदेशः संभवतीति युक्तम् MayūMāli. 305. 23 (*on* iii. 6. 7)

अतिदेशप्रापित (atideśa-prāpita) *adj.* [*f.* -ā] obtained by the rule of transference स्वाश्रयमपीत्यपिशब्दादतिदेशप्रापितमादेशे पराश्रितमपि Nyās. i. 103. 9 (*on* i. 1. 56); अतिदेशप्रापितस्य पुरोडाशस्य बाधनम् NyāyMāVi. 384. 14 (*on* vii. 3. 5); अतिदेशप्रापितनारिष्ठकार्यस्य ··· अनुद्देश्यत्वात् BhāṭṭDī. iii. 270. 1 (*on* x. 4. 1); स्थानिवदतिदेशप्रापिताया (सर्वनामसंज्ञायाः) निरवकाशत्वात् LaŚabdeŚe. i. 215. 4.

अतिदेशप्राप्त (atideśa-prāpta) *adj.* [*f.* -ā] obtained by the rule of transference, made available by transference (of details) अतिदेशप्राप्तो व्रीहिसाधनक एवावहन्तिः कर्तव्यः TantrVā. 384. 12 (*on* ii. 1. 8); अतिदेशप्राप्तभक्षानुवादात् विशिष्टविधानासंभवेन TantrVā. 1067. 20 (*on* iii. 5. 53); अतिदेशप्राप्तसवनीयापूर्वम्···न···गृह्णाति TantrVā. 1114. 15 (*on* iii. 6. 42); अग्निष्टोमस्तोत्रमेवातिदेशप्राप्तम् ··· पशुकामस्य विधीयताम् ŚāstrDī. 157. 5 (*on* ii. 2. 12); अन्त्यत्र्यहेऽतिदेशप्राप्त उपवासोऽप्रतिपक्षः Mitā. 518. 25 (*on* 3. 319); कृष्णलेष्वतिदेशप्राप्तेषु अवघातप्रोक्षणादिषु द्वारलोपात् SmṛtiCan. vi. 80. 12; अतिदेशप्राप्तेष्वग्नीषोमीयादिपशुषु सहत्वगुणविधानार्थं वचनं श्रूयते VedāntKa. 33. 12 (*on* i. 1. 1); अतिदेशप्राप्तं स्थानिवद्भावप्राप्तं च ङित्त्वं निषिध्यते PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 2. 4; अतिदेशप्राप्तस्य होतृवरणस्य ··· निषेधः NyāySu.(So.) 8. 11 (*on* i. 2. 2); BhāṭṭDī. iv. 95. 8 (*on* x. 8. 1); AdvaiSi. 702. 16; अतिदेशप्राप्तस्यावघातस्य ··· बाधदर्शनात् AdvaiSi. 868. 13; एवमतिदेशप्राप्तयोरपि विधानमनैमित्तिकत्वार्थम् VidhiRa. 2 (12. 10); इत्यतिदेशप्राप्तस्य चतुर्मुष्टिपरिमाणस्य व्रीहिसाध्यस्य Śivārka-MaDī. i. 76. 24 (*on* i. 1. 1); अतिदेशप्राप्तानाम् ··· होमानां प्रतिषेधः PūrvottaVāNaMā. 324. 10; अतिदेशप्राप्तस्य षडशीतिपदयुक्ताध्रिगोरेव ··· तदनुवादत्वमुपपद्यते GuruCandr. i. 462. 19; अतिदेशप्राप्ता यूपोत्पत्तिरेवाश्रयत्वेनान्वेति MīmāKau. iii(1). 43. 16 (*on* i. 2. 19); सत्यमतिदेशप्राप्तेषु नाहवनीयाद्युपदेशः BhāṭṭDī. ii. 55. 17 (*on* iii. 7. 20); अतिदेशप्राप्तं यत् ··· (तत्) पञ्चदश्याः करणत्वविधानपरम् SetuBa. 301. 4; त्वदुक्तरीत्यातिदेशप्राप्तगुणनिषेधबाधापत्तेः LaŚabdeŚe. ii. 493. 10; अतिदेशप्राप्तनिर्वापे क्रमाप्रतीतेरनियमेन निर्वापः BālamBha. ii. 212. 8 (*on* 2. 135)

अतिदेशप्राप्तत्व (atideśaprāpta-tva) *n.* the state of being obtained by the rule of transference अतिदेशप्राप्तत्वादुपदेशो विहन्यते TantrVā. 1072. 10 (*on* iii. 6. 3); न दीक्षायाः स्वरूपेण तत्तत्संस्कारकत्वेन वा विधिः, अतिदेशप्राप्तत्वात BhāṭṭDī. ii. 155. 17 (*on* v. 1. 1)

अतिदेशप्राप्ति (atideśa-prāpti) *f.* **i** operation of the rule of transference अनारभ्यवादादतिदेशप्राप्तेः प्राथम्यम् TantrVā. 1075. 13 (*on* iii. 6. 8); 1128. 6 (*on* iii. 7. 3); अतो नातिदेशप्राप्त्यङ्गीकरणेन गुणविधिः संभवति ŚāstrDī. 681. 19 (*on* x. 3. 1); तत्र बृहदुत्तरयो रथंतरोत्तरयोर्वातिदेशप्राप्त्यविशेषेण स्वेच्छया गेयम्। इत्याद्यः पक्षः NyāyMāVi. 547. 10 (*on* x. 4. 25); न ह्ययमतिदेशप्राप्त्युत्तरकालं शाब्दो नियमः BhāṭṭDī. iv. 118. 14 (*on* x. 8. 11); iv. 118. 19 (*on* x. 8. 11); **ii** availability by transference (of details) प्रायश्चित्तस्याप्यतिदेशप्राप्तावपवदति Subodhi. 39. 5 (*on* 2. 83)

अतिदेशबल (atideśa-bala) *n.* strength of the rule of transference or analogical application अतिदेशबलप्राप्तनाटकाङ्गोपजीवनात्। अन्यानि रूपकाणि स्युर्वि(च्छ ? का)रा नाटकं प्रति RasāSu. 264. 13 (3. 130)

अतिदेशबाध (atideśa-bādha) *m.* annulment of the rule of transference नन्वनारभ्याधीतसाप्तदश्यस्य सौर्यादिगामित्वे सौर्यादिष्वतिदेशात्पाञ्चदश्यं न प्राप्नुयात् उपदेशेनातिदेशबाधात् इति चेत् VidhiRa. 39 (197. 19); येनोपदेशेन अतिदेशबाधश्शङ्क्येत BhāṭṭDī. iv. 253. 18 (*on* xii. 2. 11); सद्यस्कालत्वस्य वाचनिकत्वादतिदेशबाधः BhāṭṭCan. 84. 23 (*on* xv. 2. 27); तत्रोपदेशेनैवातिदेशबाधः BhāṭṭCan. 119. 6 (xvi. 3. 12); किं च नियमार्थत्वे एकत्रैवातिदेशबाधो ज्ञापकत्वं तु अनेकत्रेति नियम एव युक्तः LaŚabdeŚe. ii. 584. 9.

अतिदेशबाधकत्व (atideśabādhaka-tva) *n.* the state of annuling the rule of transference अतश्च ··· कल्प्योपदेशस्याप्यतिदेशबाधकत्वं वाच्यम् BhāṭṭDī. ii. 60. 22 (*on* iii. 7. 24); तद्वदिहापि अतिदेशाधीनप्राप्तिकाहवनीयप्राप्त्युपजीवकत्वेन अतिदेशबाधकत्वानुपपत्तेः MīmāKau. ii. 71. 18 (*on* ii. 3. 22)

अतिदेशबोधन (atideśa-bodhana) *n.* teaching of the rule of transference पर्युदासेन ··· शास्त्रीयवदतिदेशबोधनात् LaŚabdeŚe. i. 77. 7.

अतिदेशभाज् (atideśa-bhāj) *adj.* whose purpose is an extended application आतिदेशिकानामिति। अतिदेशः प्रयोजनं येषां तानि आतिदेशिकानि। अतिदेशभाञ्जि उच्यन्ते Pradī. vi. 120. 19 (*on* viii. 2. 46)

अतिदेशभेद (atideśa-bheda) *m.* difference of extended application पूर्वकर्मोपस्थापकप्रमाणस्यातिदेशभेदस्य स्वपदोपात्ताभेदबाध्यत्वेऽपि ··· न हि तत्रातिदेशः प्रकारान्तरेण बाध्यते MīmāKau. ii. 95. 7 (*on* ii. 3. 26); यागभेदे तु प्रतियागमतिदेशभेदात् MīmāKau. iii(2). 239. 12 (*on* ii. 2. 20); न च प्रत्यङ्गमतिदेशभेदे प्रमाणाभावात् BhāṭṭDī. iv. 81. 6 (*on* x. 7. 9)

अतिदेशमात्र (atideśa-mātra) *adj.* transferring rule in general अतिदेशमात्रस्य सिद्धत्वमुक्तम् MayūMāli. 572. 5 (*on* ix. 1. 1); चोदकशब्दस्य चोदनालिङ्गकातिदेशे मुख्यस्यापि प्रकृते अतिदेशमात्रमर्थः LaCandr. 359. 21; वतिर् अतिदेशमात्रे चरितार्थ इति न सर्वसादृश्यं लभ्यते इति वार्तिककारो मन्यते Pradī. iv. 167A. 35 (*on* iv. 2. 34)

अतिदेशमात्रपरत्व (atideśamātrapara-tva) *n.* reference only to the rule of transference अतोऽस्य वाक्यस्यातिदेशमात्रपरत्वे श्रुतार्थविषयो विधिः CaturCin. iii(1). 82. 16.

अतिदेशमूल (atideśa-mūla) *n.* basis of the rule of transference प्रकृतिविकृतिभावो ह्यतिदेशमूलम्। नात्र तत्क्लृप्तिः TantrRaha. 44. 26.

अतिदेशमूलाङ्गत्व (atideśamūlāṅga-tva) *n.* the state of being a subsidiary part which is the basis of the rule of transference तथा च फलार्थस्याग्नेः प्रकृतिरूपेषु विकृतिरूपेषु च क्रतुष्वङ्गत्वमेव नास्तीत्यतिदेशमूलाङ्गत्वाभावेनातिदेशमुन्मेषादतिदेशतो विकृतिष्वग्निप्राप्तिसंभव एव सिद्धः VidhiRa. 32 (175. 16)

अतिदेशयोग्यकार्य (atideśayogya-kārya) *n.* operation befitting the rule of transference अन्यस्यामः प्रत्ययस्यातिदेशयोग्यकार्याभावात् LaŚabdeŚe. ii. 780. 1.

अतिदेशयोग्यता (atideśa-yogyatā) *f.* fitness for the rule of transference तस्य विकृतिसंबन्धयोग्यत्वादतिदेशयोग्यतास्तीति भावः MayūMāli. 647. 22 (*on* x. 1. 1)

अतिदेशयोजन (atideśa-yojana) *n.* application of the rule of transference एवमतिदेशयोजनम् Bhāsk. ii. 189. 11 (*on* ii. 4. 14)

अतिदेशरीति (atideśa-rīti) *f.* method of the rule of transference दर्शनादिक्रियाणामपि अन्यूनाधिकत्वं अतिदेशरीत्या कथयति Bhāsk. i. 404. 9 (*on* i. 8. 2)

अतिदेशरूप (atideśa-rūpa) *adj.* having the form of the rule of transference अतिदेशरूपमिदं सूत्रम् VedāntKau. 151. 7 (*on* ii. 1. 3)

अतिदेशरूपानुमान (atideśarūpānumāna) *n.* inference in the form of the rule of transference वैकृतमन्त्रलिङ्गादिकल्प्यश्रुतेरप्यतिदेशरूपानुमानापेक्षया बलवत्त्वात् LaCandr. 369. 36.

अतिदेशलक्षण (atideśa-lakṣaṇa) *n.* definition of the rule of transference एवं तावत् सप्तमेनाध्यायेन सामान्यतोऽतिदेशलक्षणमुक्तम् ŚābaBh. 1585. 4 (*on* viii. 1. 1); BhāṭṭDī. ii. 349. 13 (*on* vii. 2. 1)

अतिदेशलब्ध (atideśa-labdha) *adj.* obtained by the rule of transference अतिदेशलब्धानामुपसदां वाक्याद्यागसंबन्धे सति TantrRa. 208. 8; अतिदेशलब्धमाह प्राचीति BālamBha. i. 516. 27 (*on* 1. 236–237)

अतिदेशलोप (atideśa-lopa) *m.* loss or dropping of the rule of transference विकृतेर्निराकाङ्क्षत्वापादनेनातिदेशलोपः BhāṭṭDī. iii. 270. 19 (*on* x. 4. 1)

अतिदेशवचन (atideśa-vacana) *n.* statement of the rule of transference (by analogy) इह पुनरतिदेशवचनसमये गोसादृश्यमात्रोपदेशे सत्यपि संज्ञिनि न निवर्तते एवोपप्लवः NyāyMañ. i. 131. 5; अतिदेशवचनेन प्रायश्चित्तं

प्राप्तम् । S'rutaPra. ii. 559. 29 (*on* iii. 4. 43); अतिदेशवचनस्य भावनामेदेनोपपत्तावपि …अग्निहोत्रादिनाम्नाम् … गौणत्वोक्तेः नोपपत्तिः PūrvottaVāNaMā. 28. 14; अतिदेशवचनैरिति शेषः MayūMāli. 609. 16 (*on* ix. 2. 9); अतिदेशवचनाभावेऽपि युक्तिरेव नियामिकेत्याह BālamBha. ii. 172. 30.

अतिदेशवचनन्याय (atideśavacana-nyāya) *m.* maxim about the statement of transference न चातिदेशवचनन्यायलभ्यत्वादेवाम्नायते TantrVā. 419. 19 (*on* ii. 1. 34)

अतिदेशवत्पर (atideśavat-para) *adj.* signifying the object of the rule of transference अत्र च प्रकृतिशब्दो नातिदेशनिरूपकपरः विकृतिशब्दो वा नातिदेशवत्परः BhāṭṭDī. iii. 186. 12 (*on* x. 1. 1)

अतिदेशवर्णन (atideśa-varṇana) *n* description of the rule of transference यथोपदेशं त्वतिदेशवर्णनम् S'āstrDī. 144. 7 (*on* ii. 2. 7)

अतिदेशवाक्य (atideśa-vākya) *n.* **i** statement of the rule of transference (conveying similarity or analogy) इतरत्रापि अतिदेशवाक्यादेव गवयगतत्वेन गोसादृश्यस्यावगतत्वात् स्मृतित्वमित्यर्थः TātpaṬ.(U.) 375. 21 (*on* 5(6). 6); संज्ञासंज्ञिसम्बन्धप्रतीतिफलं प्रसिद्धेतरयोः सारूप्यप्रतिपादकमतिदेशवाक्यमेवोपमानम् NyāyMañ. i. 128. 20; येन किलातिदेशवाक्यं श्रुतं यादृशो गौस्तादृशो गवय इति तस्य सादृश्यानुरञ्जितं गवयज्ञानम् Kāśi. iii. 138. 20 (*on* 5(6). 6); यथा गौस्तथा गवय इति आप्तवचनमेवातिदेशवाक्यमेवोपमानं प्रमाणमित्यर्थः Kiraṇā. 321. 20; अव्युत्पन्नेनागृहीतसंगतिना पदेनोपेतं यद्वाक्यम् अतिदेशवाक्यमिति यावत् TārkiRa. 85. 4; सारस्वतौ भवत इति अतिदेशवाक्ये एकशेषत्वेन क्रमाप्रतीतेऽर्थतो याज्यानुवाक्यायुगलपाठक्रमेण यागयोरनुष्ठानक्रमोऽङ्गीकृतः Subodhi. 73. 2–3 (*on* 2. 135–136); तां रोहिणीं विजानीहि … तारकान्यासः शकटाकारमाश्रितः । पूर्वोदाहरणे उपमामूलभूतमतिदेशवाक्यं दर्शितम् Kuval. 171(105); अतिदेशवाक्यं तु चापाकारे भ्रुवौ यस्य … तं विजानीहि माधवमित्येवंरूपमूह्यम् AlaṅkāMañ. 225. 3; एवं सादृश्यवैधर्म्यातिरिक्तधर्मदर्शनजन्माप्युपमितिर्विद्यते ।… धिक् करभकमतिदीर्घग्रीवम् … इत्युदीच्यवक्तृकमतिदेशवाक्यं श्रुत्वा दक्षिणापथिकैः 'अतिदीर्घग्रीवोऽयं पशुः' इति दृष्ट्वा …'अयं पशुः करभकपदवाच्यः' इत्युपमीयते MaṇiKa. 66. 1.

अतिदेशवाक्यकल्पन (atideśavākya-kalpana) *n.* assumption of the statement of the rule of transference भेदे प्रमाणाभावात्तु 'द्वादशाहवत्' इत्येवातिदेशवाक्यकल्पनेऽव्ययस्यैव युक्तेत्येवं प्राप्ते BhāṭṭDī. iii. 23. 4 (*on* viii. 2. 5)

अतिदेशवाक्यजन्य (atideśavākya-janya) *adj.* caused by the statement of the rule of transference तच्च ज्ञानं सौर्यादावतिदेशवाक्यजन्यं प्रमारूपम् BhāṭṭDī. iii. 186. 16 (*on* x. 1. 1)

अतिदेशवाक्यप्रयोग (atideśavākya-prayoga) *m.* employment of the statement of the rule of transference अतिदेशवाक्यप्रयोगानुपपत्तेः NyāyKuA. ii. 198. 10–11; Kiraṇā. 322. 12–13.

अतिदेशवाक्यप्रवृत्ति (atideśavākya-pravṛtti) *f.* operation of the statement of the rule of transference निवृत्तिश्च कस्यचित् क्वचिदतिदेशवाक्यप्रवृत्तिकाले प्रकृतावविज्ञातत्वेन तद्ग्राह्यत्वासंभवात् S'ivārkaMaDī. i. 76. 10 (*on* i. 1. 1)

अतिदेशवाक्यरूप (atideśavākya-rūpa) *adj.* of the form of a statement of the rule of transference दर्शपूर्णमासवत्कुर्यादित्यतिदेशवाक्यरूपेण चोदकेन … प्रत्यभिज्ञापनस्याकरणीयत्वात् PūrvottaVāNaMā. 22. 2.

अतिदेशवाक्यवेला (atideśavākya-velā) *f.* time of utterance of the statement of the rule of transference यथा नैयायिकानामतिदेशवाक्यवेलायां सोपप्लवा संज्ञासंज्ञिसंबन्धबुद्धिः NyāyMañ. i. 134. 9.

अतिदेशवाक्यश्रवण (atideśavākya-śravaṇa) *n.* hearing of the statement of the rule of transference अतिदेशवाक्यश्रवणसमये गवयत्वं प्रवृत्तिनिमित्तं न ज्ञातम् Upask. 404. 7 (*on* ix. 2. 5); 404. 5 (*on* ix. 2. 5); सोऽतिदेशवाक्यश्रवणानन्तरं वनं गतोऽतिदेशार्थं स्मरति SarvaDaKau. 65. 3.

अतिदेशवाक्यार्थ (atideśavākyārtha) *m.* meaning of the statement of the rule of transference गोसादृश्येनोपलक्षितस्य गवयशब्दः संज्ञेत्यतिदेशवाक्यार्थः NyāyRa. 436. 21 (*on* 5(6). 13); अत्रातिदेशवाक्यार्थस्त्रिविधः परिगृह्यते। साधर्म्यं धर्ममात्रं च वैधर्म्यं चेति भेदतः TārkiRa. 87. 1; प्रागुक्तातिदेशवाक्यार्थं स्मृत्वासौ गवयपदवाच्य इति प्रतिपद्यते TarkKau. 16. 9–10; NyāySu.(Ja.) 476A. 3 (*on* 3. 21); न ह्यतिदेशवाक्यार्थज्ञानसादृश्यज्ञानयोः प्रामाण्ये निश्चिते उपमितिराभासीभवति NyāyVārPari. 119. 1; बुद्धिविषये तदादिपदं शक्तमित्यतिदेशवाक्यार्थज्ञानसहकृतेन मनसा … शक्तिग्रहः VaiyāBhū. 222. 20 (*on* 9. 50); यत्तु श्रुतातिदेशवाक्यस्य गवयादौ अतिदेशवाक्यार्थप्रत्यभिज्ञानमुपमानं तच्च व्युत्पत्तिफलमिति तदप्यनुपपन्नम् NyāyPari. 491. 10; यद्यतिदेशवाक्यार्थविज्ञानादधिकार्थानवगमस्तर्हि गवये स्मृतिरूपमेवैतज्ज्ञानं स्यात् YuktiSneha. 74. 19 (*on* i. 1. 5)

अतिदेशवाक्यार्थस्मरण (atideśavākyārtha-smaraṇa) *n.* recollection of the meaning the statement of the rule of transference अतिदेशवाक्यार्थस्मरण व्यापारः TarkKau. 16. 11; गोसदृशो गवयपदवाच्य इत्यतिदेशवाक्यार्थस्मरणं यज्जायते तदेव व्यापारः S'iddhāMu. 45. 23 (*on* 80); अतिदेशवाक्यार्थस्मरणमवान्तरव्यापारः BhāṭṭCin. 46. 3 (*on* i. 1. 4); = TarkSaṁ.(Ā.) 49. 14; अतिदेशवाक्यार्थस्मरणसहकृतगोसादृश्यविशिष्टपिण्डज्ञानम् YatīndraDī. 22. 9; TarkBhā.(Ke.) 47. 3; अतिदेशवाक्यार्थस्मरणसहकृतेन्द्रियजन्यत्वाच्च सविकल्पकप्रत्यक्षमेव तत् YuktiSneha. 74. 9 (*on* i. 1. 1)

अतिदेशवाक्यावगत (atideśavākyāvagata) *adj.* understood through the statement of the rule of transference गोसदृशदर्शने सत्यतिदेशवाक्यावगतगवयशब्दस्मरणोत्तरकालम् 'अयं स गवयः' इति ज्ञानमुत्पद्यमानं कथमक्षजं स्यात् TātpaṬ.(U.) 377. 20 (*on* 5(7). 15); अतिदेशवाक्यावगतं यदत्र गृह्यते तत्तावन्न प्रमेयम् NyāyRa. 435. 16 (*on* 5(6). 6); अयमसौ गवयो गोसदृशत्वादतिदेशवाक्यावगतपिण्डवदिति न विपर्ययात् NyāyKuA. ii. 201. 2.

अतिदेशवाक्योपपत्ति (atideśavākyopapatti) *f.* reasonableness of the statement of the rule of transference तावन्मात्रं प्रत्येवाङ्गत्वमिति बोधनेनाप्यतिदेशवाक्योपपत्तेश्च LalitāSaBh. 227. 33–34 (*on* 296)

अतिदेशविचार (atideśa-vicāra) *m.* consideration of the rule of transference तत्र प्रथमम् … व्यवस्था धर्माणां प्रतिपाद्यते । तस्यां हि सत्यामतिदेशविचारः कर्तव्यः NyāyRaMā. 169. 8; अमुना अतिदेशविचारः प्रस्तोष्यते S'āstrDī. 522. 16 (*on* vii. 1. 1); ततः परमध्यायचतुष्टयेनातिदेशविचारः S'ivārkaMaDī. i. 74. 29–30 (*on* i. 1. 1)

अतिदेशविचारण (atideśa-vicāraṇa) *n.* consideration of the rule of transference प्रकृतार्थं ततः कार्यमतिविदेशविचारणम् NyāyMāVi. 375. 10 (*on* vii. 1. 1)

अतिदेशविचाराभाव (atideśavicārābhāva) *m.* absence of consideration of the rule of transference अतिदेशविचाराभावेन अध्यायसंगत्यभावापत्तेः BhāṭṭDī. iii. 11. 3 (*on* viii. 1. 6)

अतिदेशविज्ञात (atideśa-vijñāta) *adj.* known by means of the rule of transference अतिदेशविज्ञातस्थानवारवन्तीयवशेन रेवतीरपि तद्विषयाः कल्पयति TantrVā. 561. 18 (*on* ii. 2. 27); तथातिदेशविज्ञातं क्रत्वङ्गविकृतिष्वपि TantrVā. 1077. 22 (*on* iii. 6. 9)

अतिदेशविधायक (atideśa-vidhāyaka) *adj.* enjoining transference (of details) 'यद्योन्याम्' इति वाक्यं नातिदेशविधायकम् BhāṭṭDī. iii. 100. 21 (*on* ix. 2. 3)

अतिदेशविधि (atideśa-vidhi) *m.* injunction of transference (of details) दीक्षणीयादीनामपि प्रकृतिविकृतिसाधारण्यापत्तेः अतिदेशविधेः तदीयस्यानुपपन्नत्वात् MīmāKau. ii. 69. 23 (*on* ii. 3. 22); अग्निमन्थनादिवाक्यानाम् … अतिदेशविधिस्तुत्यर्थत्वात् BhāṭṭDī. ii. 345. 10 (*on* vii. 1. 3)

अतिदेशविधित्व (atideśavidhi-tva) *n.* the state of being an injunction of transference अत्रातथात्वेन तदसंभवात् अतिदेशविधित्वसंभवात् BālamBha. ii. 232. 22 (*on* 2. 135–136)

अतिदेशविशेष (atideśa-viśeṣa) *m.* particular kind of transference अतिदेशविशेषाः स्युरष्टमाध्यायपादगाः NyāyMāVi. 7. 13 (*on* i. 1. 1); तथाप्यतिदेशविशेषसिध्यर्थं वस्तुतत्त्वं निरूपितमित्युपसंहरति TantrRa. 77. 2 (*on* iv. 1. 23); विशेषस्त्वष्टमे अतिदेशविशेषसिध्यर्थं निरूपयिष्यते BhāṭṭDī. ii. 95. 15 (*on* iv. 1. 9)

अतिदेशविषय (atideśa-viṣaya) *m.* scope or object of *atideśa* (rule of transference) प्रवृत्तिकाण्डमुख्यक्रमास्त्वतिदेशविषया अपि प्रधानभूताः पदार्थाः ṬupṬ. 47. 15 (*on* v. 1. 1); एवमुपदेशविषये अतिदेशविषये च पृथङ्निरूपणीयेषु निरूपितेषु…एकादशे तन्त्रं निरूपितम् S'ivārkaMaDī. i. 77. 17–18 (*on* i. 1. 1); स्वाश्रयस्यातिदेशविषयेऽप्रवृत्तेर्न दोषः LaS'abdeS'e. ii. 92. 10–11; इह त्वतिदेशविषयसिध्यर्थं गीतिविषयत्वमेव न्यायेन दृढीक्रियते S'āstrDī. 531. 1 (*on* vii. 2. 1)

अतिदेशविषयत्व (atideśaviṣaya-tva) *n.* **i** the state of having *atideśa* for the subject-matter तथा उत्तरः षट्कः अतिदेशविषयत्वात् … पूर्वषट्कमपेक्षते TantrVā. 377. 9 (*on* ii. 1. 1); **ii** the state of the object of transference कुशादिपदार्थस्य आकाङ्क्षाभावेऽतिदेशविषयत्वस्यैवाकल्पनात् BhāṭṭDī. iv. 91. 14 (*on* x. 7. 15); iv. 222. 9 (*on* xii. 1. 2); इदमप्यतिदेशविषयत्वात्ततः किञ्चिन्न्यूनमित्याह – तस्या इति BālamBha. i. 206. 6 (*on* 1. 71)

अतिदेशवैयर्थ्य (atideśa-vaiyarthya) *n.* uselessness of the rule of transference अतिदेशवैयर्थ्यमाशङ्क्यम् VedāntKa. 422. 17 (*on* iii. 3. 15); साधारण्ये ह्यतिदेशवैयर्थ्यमित्युपोद्घातता BhāṭṭDī. ii. 338. 7 (*on* vii. 1. 1); कर्मकर्तुः कर्मवत्कर्मणा तुल्यक्रियः इत्यतिदेशवैयर्थ्यापातात् VyutpaVā. 194. 22; एककर्तृकेषूपदेशादेवैकस्य लाभेऽतिदेशवैयर्थ्यात् MayūMāli. 557. 2 (*on* viii. 1. 13); यत्पुंसः परेत्यतिदेशवैयर्थ्यमाभाति BālamBha. iii. 40. 20.

अतिदेशवैयर्थ्यापत्ति (atideśavaiyarthyāpatti) *f.* contingency of the uselessness of the rule of transference सति गुणोपसंहारेऽतिदेशवैयर्थ्यापत्तेः

VedāntKau. 314.2 (*on* iii. 3.22)

अतिदेशव्यतिरिक्त (atideśa-vyatirikta) *adj.* other than the rule of transference उपदेशातिदेशव्यतिरिक्तस्य शास्त्रप्रवृत्तिप्रकारस्याभावेन MayūMāli. 311.11 (*on* iii. 6.13)

अतिदेशव्यतिरेक (atideśa-vyatireka) *m.* exclusion of the rule of transference अतिदेशव्यतिरेकेण चात्र प्रमाणान्तराभावात् MīmāKau. ii. 57.5 (*on* ii. 3.19)

अतिदेशव्यावर्तनीया (atideśa-vyāvartanīyā) *adj.* (*f.*) to be excluded by the rule of transference अतिदेशव्यावर्तनीयामधिकाशङ्कां दर्शयति S'ivārkaMaDī. ii. 441.9 (*on* iv. 1.14)

अतिदेशशङ्का (atideśa-śaṅkā) *f.* doubt regarding (the occurrence of) transference न तु बहुव्रीहाविति इहातिदेशशङ्केव नास्ति SiddhāKau. 328A. 14.

अतिदेशशास्त्र (atideśa-śāstra) *n.* authoritative statement of the rule of transference एवं च सत्यतिदेशशास्त्रमनर्थकं स्यात् S'ābaBh. 1543.12 (*on* vii. 2.6); प्रधानं तु कार्यातिदेशः । तदर्थत्वादतिदेशशास्त्राणाम् Nyās. i. 556.17 (*on* iii. 1.87); तद्व्यतिरिक्ताङ्गविषयमतिदेशशास्त्रमुपसंह्रियते S'āstrDī. 648.10 (*on* x. 1.1); अतिङिति प्रतिषेधः स्वाश्रयामेव तिङः कृत्संज्ञां बाधितुमुत्सहते न त्वतिदेशशास्त्रेण प्रसक्ताम् Pradī. iii. 134B.3 (*on* iii. 1.93); नन्वतिदेशशास्त्रस्य नियामकत्वसंभवेन लाघवाख्यन्यायस्य नियामकता युक्ता MīmāKau. iii(2). 239.1 (*on* ii. 2.20); अतिदेशशास्त्रस्य च वैयर्थ्यापत्तेः BhāṭṭDī. iii. 96.9 (*on* ix. 2.1); चोदकस्य अतिदेशशास्त्रस्य LaCandr. 722.13; MayūMāli. 648.12 (*on* x. 1.1)

अतिदेशश्रुति (atideśa-śruti) *f.* Vedic text enjoining transference अतिदेशश्रुतिः ··· गुणोपसंहारभावं दर्शयति VedāntKau. 313.23 (*on* iii. 3.2)

अतिदेशसत्ता (atideśa-sattā) *f.* existence of transference सप्तमेनातिदेशसत्ता व्याख्याता ṬupṬ. 231.2 (*on* x. 1.1)

अतिदेशसद्भाव (atideśa-sadbhāva) *m.* existence of transference सप्तमेऽतिदेशसद्भाव उक्तः ṬupṬ. 176.12 (*on* ix. 1.1)

अतिदेशसंनिधापित (atideśa-sannidhāpita) *adj.* presented through the rule of transference प्राकृतावदानस्य ··· अतिदेशसंनिधापितस्य ··· विधानात् MīmāKau. iii(2). 217.5 (*on* ii. 2.18)

अतिदेशसंपादन (atideśa-sampādana) *n.* acquisition of transference तत्प्रयोजनं तु ··· अतिदेशसंपादनद्वारा तदाश्रितगुणकामानामप्राप्तिः MīmāKau. ii. 196.11 (*on* iii. 1.20)

अतिदेशसंभव (atideśa-sambhava) *m.* possible occurrence of transference न ह्यत्र ··· प्रयाजादिदर्शनं किञ्चिल्लिङ्गमस्तीति नातिदेशसम्भवः TantrRa. 48.9 (*on* iv. 1.10); तेषामतिदेशसम्भवात् ··· अव्याप्त्याक्षेपो भवेदेव VidhiRa. 32 (177.2); प्रयाजवदतिदेशसम्भवः BhāṭṭDī. iii. 133.1 (*on* ix. 2.17)

अतिदेशसहकृत (atideśa-sahakṛta) *adj.* accompanied by the rule of transference अतिदेशसहकृतेन च प्रधानवाक्येन MīmāKau. iii(2). 83.4.

अतिदेशसामर्थ्य (atideśa-sāmarthya) *n.* power or force of the rule of transference अतिदेशसामर्थ्याच्च सान्यत्र नियता ṬupṬ. 206.8 (*on* ix. 2.1); इ(?ई)कारशास्त्रमतिदेशसामर्थ्यादतिदेक्ष्यते Pradī. vi. 86.23 (*on* vii. 1.96); अतिदेशसामर्थ्यं लिङ्गमपि बाधकमाह PrakaVi. 844.22; मातात्र जननीव्यतिरिक्ता पितृपत्नी गुरुतल्पग उच्यत इत्यतिदेशसामर्थ्यात् DaṇḍaVi. 178.19.

अतिदेशसिद्ध (atideśa-siddha) *adj.* proved or established by the rule of transference अतिदेशसिद्धप्रायश्चित्तेन नरकानुभवलाघवे सत्यपि S'rutaPra. ii. 560.8 (*on* iii. 4.43)

अतिदेशसिद्धि (atideśa-siddhi) *f.* determination of transference सोमवदित्यवगतेरतिदेशसिद्धिः TantrVā. 1105.21 (*on* iii. 6.36); तस्यां च सत्यामतिदेशसिद्धिः NyāyRaMā. 135.18; सप्तम एव ऋगन्तरे अतिदेशसिद्ध्यर्थमवश्यवाच्यत्वात् MīmāKau. iii. 114.3 (*on* ii. 1.37); MayūMāli. 572.2 (*on* ix. 1.1)

अतिदेशसूत्र (atideśa-sūtra) *n.* aphorism enjoining transference अतिदेशसूत्रमिदम् SaṁkarKāBh. 211.3 (*on* iv. 3.21); तन्निवृत्त्यर्थमतिदेशसूत्रम् BrahmSūBh.(Bhā.) 131.23 (*on* ii. 3.8)

अतिदेशसूत्रत्व (atideśasūtra-tva) *n.* state of being an aphorism which enjoins transference अतिदेशसूत्रत्वात्सर्वे पूर्वसूत्रार्था योजितव्याः TantrVā. 774.7 (*on* iii. 2.10)

अतिदेशस्मरण (atideśa-smaraṇa) *n.* Smṛti-teaching of transference मातामहानामप्येवम् इत्यतिदेशस्मरणात् SmṛtiCan. v. 309.16 = CaturCin. iii(1). 1296.22.

अतिदेशस्वभाव (atideśa-svabhāva) *m.* nature of the rule of transference अतिदेशस्वभावेनातिदिश्यमानधर्मविरुद्धस्वाश्रयकार्याभावात् LaS'abdeS'e. i. 76.8; अतिदेशस्वभावसिद्धत्वात् LaS'abdeS'e. 177.7.

अतिदेशहेतुकत्व (atideśahetuka-tva) *n.* the state of possessing transference as a reason अतिदेशहेतुकत्वाविशेषादूहापेक्षया बाधस्यैव प्रथमनिरूपणं किं न स्यात् MayūMāli. 645.16.

अतिदेशहेतुत्व (atideśahetu-tva) *n.* state of being the cause of transference चोदनालिङ्गस्यापि ··· अतिदेशहेतुत्वम् MayūMāli. 552.17 (*on* viii. 1.3); 646.8 (*on* x. 1.1)

अतिदेशाकल्पकत्व (atideśākalpaka-tva) *n.* nature of not causing transference अनुवषट्कारयागस्य···कृत्स्नविधानत्वेन अतिदेशाकल्पकत्वात् BhāṭṭDī. i. 236.12 (*on* iii. 2.16)

अतिदेशाकल्पन (atideśākalpana) *n.* non-assumption of transference आज्यभागाभ्यामेव गृहमेधीयाकाङ्क्षानिवृत्तेः अतिदेशाकल्पनात् MīmāKau. iii(1). 80.10 (*on* i. 2.44); ii. 136.10 (*on* iii. 1.2); अतिदेशाकल्पनेनोत्तराङ्गानामर्थादेव निवृत्तौ त्रैदोष्यानापत्तेः BhāṭṭDī. i. 155.10 (*on* ii. 3.8)

अतिदेशाकाङ्क्षा (atideśākāṅkṣā) *f.* expectancy of the rule of transference यत्कार्यमादेशः स्वतो न प्रतिपद्यते तत्र स्यादतिदेशाकाङ्क्षा Pradī. 1.450A (*on* i. 1.56)

अतिदेशागत (atideśāgata) *adj.* obtained through the rule of transference अतिदेशागतार्थवादोक्तपितृतृप्तिद्वारकं सार्वकाम्यं भाव्यं कल्प्यम् NayaVi. 10.8 (*on* i. 1.1); अतिदेशागतपूर्वदिनकर्तव्यदेवतावाहनस्य ··· अनुष्ठानमुक्तम् TattvCin. i. 43.2.

अतिदेशाङ्गीकार (atideśāṅgīkāra) *m.* acceptance of transference पदार्थपृथग्भावेन शास्त्राणामप्यतिदेशाङ्गीकारात् MayūMāli. 11.16 (*on* i. 2.2)

अतिदेशात्मक (atideśātma-ka) *adj.* [*f.* -tmikā] of the nature of transference प्राप्तिः ··· सातिदेशात्मिकेति विवेकः TantrVā. 1123.21 (*on* iii. 6.43); द्विविधं हि शब्दजातमुपदेशात्मकमतिदेशात्मकं च NyāyRaMā. 169.4.

अतिदेशादि (atideśādi) *adj.* rule of transference etc. इतरेषां तु मतं यथा तन्त्रप्रसङ्गबाधातिदेशादि मीमांसाप्रसिद्धं वाक्यविशेषव्यवच्छेदलक्षणं तथा काव्यविशेषव्यवच्छेदकं भूषणादिलक्षणजातम् AbhinBhā. ii. 297.5 (*on* 16.1–3); अतिदेशादयश्च 'तदेव रूपं यदमुष्य रूपम्' इत्यादिषु S'atDū. 55.7; इत्यादिष्वप्यतिदेशादिसापेक्षत्वमनुसंधेयम् S'atDū. 76.19.

अतिदेशाधिकरण (atideśādhikaraṇa) *n.* section dealing with the rule of transference अतिदेशाधिकरणत्वात् पूर्वाधिकरणवत् संशयनिर्णयौ PrakaVi. 135.18; 391.23; एतेन मातरिश्वेति सूत्रमतिदेशाधिकरणमित्युक्तम् S'rutaPra. ii. 345.2 (*on* ii. 3.9); एवमधिकाशङ्कानिराकरणार्थमिदमतिदेशाधिकरणम् S'ivārkaMaDī. i. 270.7 (*on* i. 1.23–24); अतिदेशाधिकरणस्यास्य ··· पूर्वोत्तरपक्षौ दर्शयति S'ivārkaMaDī. ii. 6.10 (*on* ii. 1.3); ii. 128.10 (*on* ii. 3.8); ii. 451.29 (*on* iv. 2.3)

अतिदेशाधीन (atideśādhīna) *adj.* depending on the rule of transference तद्वदिहापि अतिदेशाधीनप्राप्तिकाहवनीयप्राप्त्युपजीवकत्वेन अतिदेशबाधकत्वानुपपत्तेः MīmāKau. ii. 71.19 (*on* ii. 3.22); अतिदेशाधीनो ह्यूहः MayūMāli. 576.27 (*on* ix. 1.2)

अतिदेशाधीनत्व (atideśādhīna-tva) *n.* dependence on the rule of transference अतिदेशाधीनत्वमेव दर्शयितुं सप्तमाद्यसिद्धमपूर्वप्रयुक्तत्वं धर्माणामनेन सूत्रेण स्मारयति S'āstrDī. 572.11 (*on* ix. 1.1); कृत्स्नस्याप्यूहस्य अतिदेशाधीनत्वमस्ति MayūMāli. 572.16 (*on* ix. 1.1); 572.33 (*on* ix. 1.1)

अतिदेशानङ्गीकार (atideśānaṅgīkāra) *m.* non-acceptance of transference अनुपकारकस्य अतिदेशानङ्गीकारात् MayūMāli. 558.30 (*on* viii. 1.14)

अतिदेशानन्तरम् (atideśānantaram) *adv.* after transference न तु पदार्थानामतिदेशानन्तरमुपकारकल्पना SiddhāLeSaṁ. 359.8.

अतिदेशानपेक्षण (atideśānapekṣaṇa) *n.* unnecessariness of the rule of transference ज्योतिरादीनाम् ··· अभेदे स्वत एव धर्माणां प्राप्त्या अतिदेशानपेक्षणम् PūrvottaVāNaMā. 26.2; अभेदेऽतिदेशानपेक्षणात् S'ivārkaMaDī. i. 249.32 (*on* i. 1.21)

अतिदेशानपेक्षत्व (atideśānapekṣa-tva) *n.* the state of not requiring the rule of transference अतिदेशानपेक्षत्वादारामायतनेऽपि च वक्ष्यमाणं वचनं निष्प्रयोजनम् Subodhi. 80.22 (2.153); तेष्वतिदेशानपेक्षत्वेनारामेति वक्ष्यमाणवचनं निष्फलम् BālamBha. ii. 278.4 (*on* 2.154)

अतिदेशानर्ह (atideśānarha) *adj.* unfit for the rule of transference तन्मते प्राकृतक्रमस्यानङ्गतयातिदेशानर्हस्यापि विकृतौ स्वीकारात् MayūMāli. 204.15 (*on* iii. 1.12)

अतिदेशानर्हत्व (atideśānarha-tva) *n.* the state of not being fit for the rule of transference न च धान्यशब्दवल्लक्षको मृगशब्द ऊहे प्रयोक्तव्यः इति वाच्यम् । लक्षणावृत्तेः प्रकृतावार्थिकत्वेनातिदेशानर्हत्वात् NyāyMāVi. 429.17

(*on* ix. 1. 13)

अतिदेशानवकल्पन (atideśānavakalpana) *n.* absence of the possibility of the rule of transference अन्यथा दीक्षणीयादिष्वतिदेशानवकल्पनात् NyāyRaMā. 134. 19.

अतिदेशानापत्ति (atideśānāpatti) *f.* absence of the possibility of the rule of transference तद्विकृतौ ··· सोमोत्तरत्वस्यातिदेशानापत्तेः BhāṭṭDī. ii. 210. 13 (*on* v. 4. 4); सौर्यसवनीयादौ तेषामतिदेशानापत्तिः BhāṭṭDī. iii. 134. 8 (*on* ix. 2. 17); न चैवं विकृतिषु परमापूर्वाभावादतिदेशानापत्तिः MīmāKau. iii(2). 62. 13 (*on* ii. 1. 6)

अतिदेशानुपपत्ति (atideśānupapatti) *f.* unreasonableness of the rule of transference अतिदेशानुपपत्तिरयुक्तत्वात् NyāyVār. 172. 20 (*on* i. 2. 46); एतेनातिदेशानुपपत्तिः पराणुन्ना VedāntKa. 486. 11 (*on* iii. 4. 18); तथा च पुनरुक्तिरतिदेशानुपपत्तिश्च स्यात् NyāySu.(Ja.) 292A. 13 (*on* ii. 1. 4); नच आज्यादौ अवघाताद्यसंभवात् अतिदेशानुपपत्तिः MīmāKau. i. 229. 19 (*on* i. 4. 9); तस्मान्नातिदेशानुपपत्तिः MayūMāli. 301. 22 (*on* iii. 6. 4)

अतिदेशानुरोध (atideśānurodha) *m.* [Inst.] in accordance with the rule of transference अतिदेशानुरोधेनोपदेशसङ्कोचस्यान्याय्यत्वात् CaturCin. iii(1). 1114. 5.

अतिदेशानुसार (atideśānusāra) *m.* [Abl.] following the rule of transference सूतकमप्येवमेवातिदेशानुसाराद् योज्यम् BālaKrī. ii. 14. 4 (*on* 3. 30)

अतिदेशानुसारिणी (atideśānusāriṇī) *adj.* [*f.*] following the rule of transference अतः शावाशौचवदत्राप्यतिदेशानुसारिण्येव व्यवस्थाकल्पनेत्यनवद्यम् BālaKrī. ii. 14. 8 (*on* 3. 30)

अतिदेशान्तर (atideśāntara) *n.* another rule of transference तस्माददतिदेशान्तराश्रयणस्यायुक्तत्वात् Nyās. i. 101. 24–25 (*on* i. 1. 56); स्वात्मनि क्रियाविरोधात् अतिदेशान्तराभावाच्च Pradī. 352B. 35–36 (*on* ii. 1. 2); तदतिदेशान्तरेष्वव्यापकत्वादुपेक्षितम् BhāṭṭDī. ii. 338. 4 (*on* vii. 1. 1); तथात्वेऽस्यातिदेशस्य चोदनालिङ्गनिमित्तकत्वाभावेनातिदेशान्तरत्वापत्त्या MayūMāli. 313. 10 (*on* iii. 6. 16); अतिदेशान्तरं तत एवाह । तथेति BālamBha. ii. 155. 22 (*on* 2. 123); तत्फलं त्वतिदेशान्तराणाम् ··· त्रिपाद्यां प्रवृत्तिबोधनम् LaS'abdeS'e. i. 232. 5.

अतिदेशान्तर्गति (atideśāntargati) *f.* inclusion in the rule of transference अतोऽतिदेशान्तर्गतिरेव वक्तव्या TantrVā. 1105. 13 (*on* iii. 6. 36)

अतिदेशापवाद (atideśāpavāda) *m.* exception to the rule of transference अतिदेशापवादविचारात्मकतया पादान्तरत्वमानन्तर्यं च MayūMāli. 569. 1 (*on* viii. 4. 1)

अतिदेशापेक्षण (atideśāpekṣaṇa) *n.* requirement of the rule of transference पर्णतादौ तु जुहूप्राप्त्यर्थमतिदेशापेक्षणात् MīmāKau. i. 175. 13 (*on* i. 4. 3)

अतिदेशापेक्षा (atideśāpekṣā) *f.* expectancy of the rule of transference अत एव नात्र पशुरूपद्वारसंबन्धार्थमप्यतिदेशापेक्षा MīmāKau. i. 175. 15 (*on* i. 4. 3); अतिदेशापेक्षा PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 1. 56; [Inst.] in comparison with the rule of transference येनातिदेशापेक्षया दौर्बल्यं शङ्क्येत MīmāKau. iii. 83. 14 (*on* ii. 1. 12)

अतिदेशाप्रतिबन्धकत्व (atideśāpratibandhaka-tva) *n.* the state of being no impediment to the rule of transference न च क्तप्रत्ययबलेन प्रमाणान्तरप्रमितत्वागमादतिदेशाप्रतिबन्धकत्वम् BhāṭṭDī. i. 155. 12 (*on* ii. 3. 8)

अतिदेशाप्रवृत्ति (atideśāpravṛtti) *f.* non-operation of the rule of transference अतिदेशाप्रवृत्तावपि क्षत्यभावात् GuruCandr. i. 282. 6; कुतो वातिदेशाप्रवृत्तिः स्वकर्मविरहेण कर्मणा तुल्यक्रियत्वाभावादिति चेन्न VaiyāBhū. 28. 17 (*on* 5)

अतिदेशाप्रवृत्तितस् (atideśāpravṛtti-tas) *adv.* due to non-operation of the rule of transference पत्नीमिति द्विपत्न्यादावूहं नो वोह्यतेऽर्थतः । नोपदेशस्य सामान्यादतिदेशाप्रवृत्तितः NyāyMāVi. 458. 17 (*on* ix. 3. 6)

अतिदेशाप्रसङ्ग (atideśāprasaṅga) *m.* absence of an occasion for the rule of transference संनिपातिवर्गपौष्कल्येन निराकाङ्क्षतया अतिदेशाप्रसङ्गेन MayūMāli. 552. 11 (*on* viii. 1. 3)

अतिदेशाभाव (atideśābhāva) *m.* absence of the rule of transference न तद्बलेनातिदेशाभावः शक्यते कल्पयितुम् S'āstrDī. 783. 10 (*on* x. 8. 11); आज्यभागयोश्चातिदेशाभावस्यामेदप्रयुक्तत्वेऽपि MīmāKau. ii. 95. 17 (*on* ii. 3. 26); तस्यानङ्गत्वेनातिदेशाभावात् MīmāKau. ii. 110. 10 (*on* ii. 4. 6); ii. 298. 1 (*on* iii. 110. 10 (*on* ii. 4. 6); ii. 298. 1 (*on* iii. 2. 37); यागश्चायमतिदेशाभावेऽपि ··· प्राकृत एव BhāṭṭDī. iii. 300. 3 (*on* x. 4. 18); लिङ्गाद्यनुमितस्य वेदस्य ब्राह्मणत्वाभावेनातिदेशाभावप्रसङ्गात् MayūMāli. 114. 11 (*on* ii. 1. 9); परमते प्रक्षेपस्य प्रधानावयवत्वाङ्गीकारेण प्रधानस्यातिदेशाभावेन ··· तदर्थतया आहवनीयस्यातिदेशस्य दूरापेतत्वात् MayūMāli. 203. 21 (iii. 1. 12); विकृतिष्वतिदेशाभावप्रसङ्गात् MayūMāli. 555. 16 (*on* viii. 1. 9); 782. 17 (*on* x. 8 11); 782. 18 (*on* v. 8. 11)

अतिदेशाभिधान (atideśābhidhāna) *n.* statement of the rule of transference इत्यादिना सेतिकर्तव्यताकं चान्द्रायणमभिधायैवमेव सोमायनमित्यतिदेशाभिधानम् Mitā. 521. 18 (*on* 3. 324)

अतिदेशाभ्यनुज्ञा (atideśābhyanujñā) *f.* acceptance of the rule of transference न चातिदेशाभ्यनुज्ञामन्तरेण स्रुवप्राप्तिः TantrVār. 1073. 10 (*on* iii. 6. 5)

अतिदेशायत्तत्व (atideśāyatta-tva) *n.* the state of being dependent on the rule of transference विकृतौ जुहूप्राप्तेरतिदेशायत्तत्वात् BhāṭṭDī. ii. 20. 14 (*on* iii. 6. 1)

अतिदेशायात (atideśāyāta) *adj.* arising out of the rule of transference अतिदेशायातमतिप्रसङ्गं वारयत्यार्याद्वयेन Kāvyānu.(He.) 382. 15.

अतिदेशायोग (atideśāyoga) *m.* inapplicability of the rule of transference उपवीतकार्यस्य तस्मिन्नतिदेशायोगाच्च VedāntKa. 486. 4 (*on* iii. 4. 21); अग्निसमिन्धनप्रकाशकानामृचां प्राधान्येनातिदेशायोगः MīmāKau. ii. 202. 1 (*on* iii. 1. 21); प्रकृते च संनिधिलक्षणप्रमाणसद्भावेनातिदेशायोगान्न विकृतित्वमिति वाच्यम् MayūMāli. 305. 21–22 (*on* iii. 6. 7)

अतिदेशार्थ (atideśārtha) *adj.* i having transference or analogy for its purpose इतीत्युक्तपरामर्शो ह्यतिदेशार्थ उच्यते BrĀraUBhVā. iii. 1. 45; गृहस्थादौ प्रयुज्यमानो (ब्रह्मचारिशब्दो) वेदग्रहणार्थधर्मलक्षणयातिदेशार्थो भवति ManuBh. i. 375. 8 (*on* 4. 128); न्यायस्य सङ्कल्पादिष्वतिदेशार्थमिदं सूत्रम् S'ivārkaMaDī. ii. 161. 34 (*on* ii. 3. 51); ii having the rule of transference for its meaning किमतिदेशार्थेन वद्वचनेन Pradī. v. 132A. (*on* vi. 1. 129)

अतिदेशार्थ (atideśārtha) *m.* i purpose of the rule of transference कोऽतिदेशार्थो यथाद्यपदे त्रिपदपरिग्रहेणैकपदे द्विपदपरित्यागः कृतस्तथाद्यानन्तरयोरपि द्रष्टव्यम् NyāyVār. 94. 21 (*on* i. 1. 23); यथा संयोगविनाशकत्वात्काले विभागः सिद्धस्तथा दिशीत्यतिदेशार्थः NyāyKa. 68. 10; बालकस्य यद्यपि करचरणादिचालनं प्रयत्नपूर्वकमेव तथापि हिताहितप्राप्तिफलकं न भवति न वा पुण्यपापहेतुरित्यतिदेशार्थः Upask. 227. 10 (*on* v. 1. 11) यथा तस्यान्त आदिर्वा तदन्ततस्तद्ग्रहणेन गृह्यते तद्वदेकादेशोऽपि तद्ग्रहणेन गृह्यत इत्यतिदेशार्थः Prasā. i. 373. 12; ii meaning of the rule of transference सोऽतिदेशवाक्यश्रवणान्तरं वनं गतोऽतिदेशार्थं स्मरति SarvaDaKau. 65. 3.

अतिदेशार्थम् (atideśārtham) *adv.* for the purpose of transference इदं चाप्यतिदेशार्थं लक्षणम् CaraS. v. 2. 15 (comm. अनुक्तज्ञानार्थम्); सत्यपि शब्दभेदेऽतिदेशार्थं वत्करणम् LaS'abdeS'e. ii. 273. 19.

अतिदेशार्ह (atideśārha) *adj.* fit for transference अतो न तस्य (अग्नीषोमीयपशोः) विध्यन्तोऽतिदेशार्हः NyāyMāVi. 397. 6 (*on* viii. 1. 6)

अतिदेशार्हत्व (atideśārha-tva) *n.* the state of being fit for transference शब्दस्यैवाङ्गत्वेनातिदेशार्हत्वात् NyāyMāVi. 401. 23 (*on* viii. 1. 15)

अतिदेशालभ्यत्व (atideśālabhya-tva) *n.* the state of not being obtainable from the rule of transference साम्त्वस्याशास्त्रीयत्वेनातिदेशालभ्यत्वादिति भाष्यविरुद्धकल्पना व्यर्था LaS'abdeS'e. i. 331. 2.

अतिदेशावगत (atideśāvagata) *adj.* known from the rule of transference अस्तु वातिदेशावगतसाक्षात्संबन्धबलादेव साध्यत्वम् S'āstrDī. 205. 1 (*on* iii. 1. 12); अतिदेशावगताङ्गभावनिर्वाहाय दृष्टप्रयोजनालाभेऽदृष्टार्थमप्यनुष्ठेयम् MayūMāli. 646. 16 (*on* x. 1. 1)

अतिदेशावधृत (atideśāvadhṛta) *adj.* ascertained from the rule of transference अतिदेशावधृते निर्वापे MīmāKau. iii. 224. 9 (*on* ii. 2. 18)

अतिदेशावस्था (atideśāvasthā) *f.* the state of transference यद्यपि प्रकृतावुपकारः शास्त्रपदार्थपूर्वक एव तथापि विकृतावतिदेशावस्थायां सर्वेषां शास्त्रपदार्थकार्याणां क्लृप्तत्वाविशेषेऽपि NyāyRaMā. 175. 7.

अतिदेशाविरोधिनी (atideśāvirodhinī) *adj.* (*f.*) not obstructing the rule of transference प्रातरादिश्रुतिस्त्वहर्द्वयेऽपि प्रातःकालसंभवादतिदेशाविरोधिनी न तद्बाधं कर्तुमुत्सहते S'āstrDī. 415. 11 (*on* v. 1. 11)

अतिदेशाविशेष (atideśāviśeṣa) *m.* absence of difference in the rule of transference अतिदेशाविशेषेऽपि ··· विधिप्रतीतितारतम्यादधिकरणद्वयस्य पौर्वापर्यं बोध्यम् MayūMāli. 264. 25 (*on* iii. 4. 7)

अतिदेशासम्भव (atideśāsambhava) *m.* impossibility of transference अर्थस्य चापौरुषेयत्वादतिदेशासम्भवात्तदतिदेशद्वारेणानेककार्यादिश एवायं सम्पद्यते Pradī. vi. 71. 17 (*on* vii. 1. 74); मतवैषम्येऽतिदेशासम्भवात् NyāySu.(Ja.) 409B. 5 (*on* ii. 2. 8)

अतिदेशैक्य (atideśaikya) *n.* identity of the rule of transference अतिदेशैक्येऽपि च प्रकृतिवद्भावस्याप्यतिदेशान्न पदार्थानामुपकारमनादृत्यातिदेशः

BhāṭṭDī. iii. 189. 7 (*on* x. 1. 1)

अतिदेशोच्छेद (atideśoccheda) *m.* extinction of the rule of transference न वातिदेशोच्छेदः ··· अतिदेशेन आग्नेयस्थानापन्ने सौर्ये धर्मातिदेशोपपत्तेः BhāṭṭDī. iii. 40. 14 (*on* ix. 1. 1); LaCandr. 681. 33.

अतिदेशोत्तरकालम् (atideśottarakālam) *adv.* at a time subsequent to (the consideration of) transference अतिदिष्टपदार्थानाम् ··· ऊहश्चिन्त्यते । तस्य चातिदिष्टविषयत्वादतिदेशोत्तरकालमारम्भः SāstrDī. 572. 11 (*on* ix. 1. 1)

अतिदेशोत्तरकालकत्व (atideśottarakālaka-tva) *n.* the state of being at a time subsequent to the rule of transference मुख्यक्रमस्य ··· औपदेशिकत्वात् सत्यप्यतिदेशोत्तरकालकत्वे ··· मुख्यक्रमस्य बलवत्त्वम् BhāṭṭDī. ii. 166. 9 (*on* v. 1. 10)

अतिदेशोपजीवकत्व (atideśopajīvaka-tva) *n.* the state of being dependent upon transference उक्तश्रुतेः ··· अतिदेशसापेक्षप्रसक्तिकत्वेनातिदेशोपजीवकत्वम् LaCandr. 724. 18.

अतिदेशोपजीविता (atideśopajīvi-tā) *f.* the state of being dependent upon the rule of transference प्रयाजोद्देशेनैकादशत्वसंख्यामात्रविधानेनातिदेशोपजीवितया तद्बाधकत्वानुपपत्तेः BhāṭṭDī. iii. 236. 12 (*on* x. 3. 1)

अतिदेशोपजीवित्व (atideśopajīvi-tva) *n* the state of being dependant upon the rule of transference न चाज्यभागयोः ··· अतिदेशोपजीवित्वेन तत्प्रतिबन्धकत्वानुपपत्तिः इति वाच्यम् MīmāKau. ii. 58. 20 (*on* ii. 3. 19); तस्य (चयनस्य) आहवनीयसंस्कारकत्वेन तत्प्राप्त्यर्थमतिदेशोपजीवित्वेन तत्परिलोपकत्वानुपपत्तेः BhāṭṭDī. iv 84. 17 (*on* x. 7. 9); iii. 187. 17 (*on* x. 1. 1)

अतिदेशोपपत्ति (atideśopapatti) *f.* propriety of the rule of transference कवतीषु रथन्तरं गायतीत्याद्यतिदेशोपपत्तेश्च गीतिरेव सामेति सप्तमे स्वयमेव सूत्रकारो वक्ष्यति SāstrDī. 114. 13 (*on* ii. 1. 11); उभयथातिदेशोपपत्तेः संशये यदा कुर्यात्तदैवमिति प्राप्त उच्यते Bālakri. i. 153. 15 (*on* 1. 225); नाम्नः स्थानविशेषविशिष्टवाचित्वशङ्कया रूपस्यैच्छिकस्य प्रतिस्थानं भेदशङ्कया चातिदेशोपपत्तेः SivārkaMaDī. i. 250. 5 (*on* i. 1. 21); प्रकारलोपात्पूर्वं लुप्तेऽप्यकारे प्रत्ययत्वस्योक्तरीत्या बुद्ध्या परिकल्पनादियङादीनां तत्र संभवेनातिदेशोपपत्तेः PāṇiTaVāNaMā. 64. 19; प्रकृतेः पूर्णत्वमङ्गीकृत्य विकृतावतिदेशोपपत्तौ BhāṭṭDī. ii. 21. 1 (*on* iii. 6. 1); अतिदेशेनाग्नेयादिस्थानापन्ने सौर्यादावतिदेशोपपत्तेः LaCandr. 681. 34.

अतिदेशोपपत्त्यर्थम् (atideśopapattyartham) *adv.* for the propriety of transference अतोऽतिदेशोपपत्त्यर्थं रथन्तरादिशब्दानाम् ··· गीतिमात्रवाचकत्वमित्यर्थः MayūMāli. 114. 23 (*on* ii. 1. 11)

अतिदेशोपलब्धि (atideśopalabdhi) *f.* obtainment of transference केनापि सामान्येनातिदेशोपलब्धेः VedāntSā.(Rā.) 326. 7 (*on* iii. 3. 49); VedāntDī. 195. 1 (*on* iii. 3. 49); BrahmSūBh.(Śrī.) ii. 369. 4 (*on* iii. 3. 49)

अतिदेशोपस्थिति (atideśopasthiti) *f.* knowledge of transference उक्तप्रयोजनकल्पनस्य ··· अतिदेशोपस्थित्यधीनत्वात् BhāṭṭDī. iv. 118. 21 (*on* x. 8. 11); MīmāKau. ii. 71. 13 (*on* ii. 3. 22)

अतिदेशोपोद्घात (atideśopodghāta) *m.* introduction of transference इह अतिदेशोपोद्घातेनैव···यज्ज्यपूर्वप्रयुक्तत्वं विचारितम् Kāśi. ii. 31. 10 (*on* 5(2). 4)

अतिदेशौपयिकत्व (atideśaupayika-tva) *n.* the state of being useful for transference अतिदेशौपयिकत्वाद्विभागेन प्रयोजनमस्ति SāstrDī. 115. 1 (*on* ii. 1. 11)

अतिदेश्य (ati-deśya) *adj.* to be transferred or carried over सः (समुदायः) इह परिच्छेद्याभावान्नातिदेश्यः ṬupṬ. 171. 7 (*on* viii. 1. 20); अतिदेश्यमिहानुक्तमङ्कसन्ध्यादिकल्पनम् BhāvPra.(Śā.) 261. 17 (9); अनेकद्रव्यसमवायश्चातिदेश्यः Upask. 202. 12 (*on* iv. 1. 9)

अतिदेश्यता (atideśya-tā) *f.* the state of being fit for transference तथा धर्मा अपीष्यन्ते तेषामप्यतिदेश्यता PrakaPañ. 493. 16.

अतिदेश्यतावच्छेदक (atideśyatāvaccheda-ka) *adj.* delimitor of the state of being fit for transference उपकारकत्वस्याप्यतिदेश्यतावच्छेदककोटिप्रवेशे गौरवापत्तेः BhāṭṭDī. iii. 189. 4 (*on* x. 1. 1)

अतिदेश्यत्व (atideśya-tva) *n.* the state of being fit for transference रथंतरशब्देन गानमात्राभिधायिना गानस्यैवातिदेश्यत्वम् NyāyMāVi. 7. 9 (*on* i. 1. 10)

अतिदेश्यस्वरूप (atideśya-svarūpa) *n.* nature of what is to be transferred or carried over अतिदेश्यस्वरूपं निश्चेतुं रथंतरशब्दस्यार्थश्चिन्त्यते NyāyMāVi. 380. 7 (*on* vii. 2. 1)

अतिदेष्टव्य (ati-deṣṭavya) *adj.* to be transferred or carried over, assimilable नियमार्थे एते पदे नातिदेष्टव्ये NyāyVār. 162. 21 (*on* i. 2. 43); VīraMi.(Vyavahāra.) 221. 14; LalitāSaBh. 186. 20 (*on* 221)

अतिदेष्टुम् (ati-deṣṭum) *inf.* to transfer, to carry over कामचारश्च प्रयोक्तुः प्राग्वृत्तेऽर्थे लिङ्गसंख्ये ते अतिदेष्टुम् MahāBh. i. 227. 8 (*on* i. 2. 51); न चानपेक्षितमुपदेष्टुमतिदेष्टुं वा शक्यते TantrVā. 1089. 14 (*on* iii. 6. 17); TattvPrakā. 120B. 5 (*on* ii. 3. 32); न्यायं प्राणकार्यत्वेऽतिदेष्टुमिदं सूत्रम् SivārkaMaDī. ii. 172. 14 (*on* ii. 4. 7)

अतिदेह (ati-deha) *adj.* [*f.* -ā] having a fat body ह्रस्वेषु चातिदेहेभ्यो मांसेष्वप्येवमादिशेत् AṣṭāSaṁ. i. 24. 8 (1. 6); (स्त्री) अतिदेहा ··· यक्षसत्त्वा प्रदिष्टा PañcSā. 1. 31.

अतिदेहपीडाकर (atidehapīḍā-kara) *adj.* causing great pain to the body चङ्क्रमणं नातिदेहपीडाकरं भवेत् BhavPra.(Bhā.) 5. 236.

अतिदैन्य (ati-dainya) *n.* great misery, very pitiable condition दुःखामिनस्तनुभृतामतिदैन्यभाजम् ··· अनुजीवितां धिक् HarVi. 33. 30; दृष्ट्वातिदैन्यं जनकात्मजायास्तत्रैव रामः ··· चक्रे निजपर्णशालाम् MahāN. 3. 50.

अतिदैर्घ्य (ati-dairghya) *n.* great length सौम्येषोरतिदैर्घ्यात्स्यादिनासन्नवशान्न हि SiddhāTaVi. 272. 14.

अतिदैर्घ्यभृत् (atidairghya-bhṛt) *adj.* possessing great length, very long अतिदैर्घ्यभृतेव सुभ्रुवः सद्रूपे भावनयानुवल्लभम् HarVi. 24. 14.

अतिदैव (ati-daiva) *adj.* surpassing the (acts of) gods अतिदैवं तु तत्तस्य कर्म दृष्ट्वा MahāBhā. i. 343*(1); HariVaṁ. 61. 60.

अतिदोग्ध्री (ati-dogdhrī) *adj.* (*f.*) yielding abundant milk अतिदोग्ध्रीः ··· धेनूः ··· दद्यात् VīraMi. 1010. 28 (*on* 3. 267)

अतिदोष (ati-doṣa) *adj.* **i** full of defects संसारस्यातिदोषस्य दुर्विज्ञेया गतिः MatsyaP. 154. 148; NyāySu.(Ja.) 185A. 9 (*on* i. 4. 2); **ii** excessive derangement (of the humours) सात्म्यं ह्याशु बलं धत्ते नातिदोषं च बह्वपि AṣṭāSaṁ. i. 42. 22 (1. 7); *m.* great sin अनृतस्यातिदोषैश्च भृशमुत्त्रसयेच्छनैः SukraNī. 4 (5). 200.

अतिदोषकर (atidoṣa-kara) *adj.* producing disturbance (of the humours) (भूस्फोटाः) नातिदोषकरास्ते स्युः BhojanKu. 107. 24.

अतिदोषकृत् (atidoṣa-kṛt) *adj.* causing excessive harm, extremely harmful देहपाताद्दृते नान्यस्तत्पातस्त्वतिदोषकृत् PauṣkS. 38. 21; यदा दीप्तः स्वगुरुतः स निर्घातोऽतिदोषकृत् NāraS. 48. 1.

अतिदोषद (atidoṣa-da) *adj.* extremely harmful, giving extreme trouble महागणितमार्गस्थो व्यतीपातोऽतिदोषदः BṛhaspaSm. 292. 451.

अतिदोषम् (atidoṣam) *adv.* late at night (अधीयीत) नातिदोषम् ĀpaŚS. xv. 21. 7 (comm. अतिदोषं रात्रौ)

अतिदोषल (ati-doṣala) *adj.* [*f.*-ā] very harmful (नद्यः) दक्षिणाभिमुखाः नातिदोषलाः साधारणत्वात् SuśruS. i. 45. 21; भूकन्दस्त्वतिदोषलः AṣṭāHṛ. i. 6. 112.

अतिदोषवत् (atidoṣa-va(n)t) *adj.* faulty due to exaggeration, having the fault of exaggeration अव्यक्तमन्यार्थं चातिदोषवत् ··· नोत्तरं शस्यते बुधैः KātySm. 173; अतिदोषवत् अत्युक्त्या दोषवत् SmṛtiCan. iii. 100. 18.

अतिदोषवृत्ति (atidoṣa-vṛtti) *adj.* possessing great faults मनोरमस्याप्यतिदोषवृत्तेरन्तर्विघाताय समुत्थितस्य विषद्रुमस्येव जनस्य सङ्गादासाद्यते संप्रति मूर्च्छनैव YogVā. i. 27. 30.

अतिदोषशील (atidoṣa-śīla) *adj.* given to great faults निबद्धवैरानतिदोषशीलान् ··· जहाति लक्ष्मीः VarāṅgaC. 29. 38.

अतिदोषहेतुत्व (atidoṣahetu-tva) *n.* the state of being the cause of great sin तत्कालमांसभक्षणस्यैवातिदोषहेतुत्वात् ManvaVi. 609. 25 (*on* 5. 35)

अतिदोषोपचय (ati-doṣopacaya) *m.* excessive accumulation of faulty humours गर्भेऽतिदोषोपचयादपथ्यैर्दैवतोऽपि वा (मृते) AṣṭāHṛ. ii. 2. 22.

अतिदोह (ati-doha) *m.* excessive milking अतिवाहातिदोहाभ्यां नासिकामेदनेन वा (मृते) AtriS. 221; ĀpaSm. 1. 23; LaSaṅkhaSm. 53.

अतिदौरात्म्य (ati-daurātmya) *n.* extremely evil nature कर्मणामतिदौरात्म्याज्जैनं त्यक्त्वेव(? त्यक्तेव) शासनम् PadmP.(Ra.) 62. 23.

अतिदौर्बल्य (ati-daurbalya) *n.* **A** extreme weakness (of the body) संतापश्चातिदौर्बल्यमरुचिः शिरसश्च रुक् CaraS. i. 24. 13; **B** extreme weakness (of argument, etc.) मध्यमे चातिदौर्जन्यात् (v. l. चातिदौर्बल्यात् Madras Ed.) परिसंख्यैव युज्यते SlokaVār. 1. 47 (15. 2); भावार्थमात्रकार्यत्वपक्षस्य चातिदौर्बल्याद्विधिरेवानुष्ठेयः NyāyMañ. i. 300. 22.

अतिदौर्भाग्य (ati-daurbhāgya) *n.* extreme bad luck सौभाग्यमतिदौर्भाग्यं दुःखं शोकश्च पश्चिमे NāraS. 31. 16.

अतिदौष्ट्य (ati-dauṣṭya) *n.* extreme wickedness आद्यः पक्षः प्रतिभूलाभेऽपि यो न ददाति तद्विषयः तस्यातिदौष्ट्यात् SmṛtiCan. iv. 385. 13.

अतिदौष्ट्याभाव (atidauṣṭyābhāva) *m.* absence of extreme wickedness अलब्धप्रतिभूविषयो द्वितीयः पक्षः तस्यातिदौष्ट्याभावात् SmṛtiCan. iv. 385. 14.

अतिद्यु (ati-dyu) *adj.* surpassing heaven ततोऽश्वयीदतिद्यु वेधा निजधाम चित्रगुः VāsuVi. 1. 22.

अतिद्युति (ati-dyuti) *f.* extraordinary splendour or lustre विशालशाखां विस्तीर्णामतिद्युतिसमन्विताम् MahāBhā. iii. 145. 18; xii. 305. 11; *adj.* very lustrous समुदियाय ततो हरिवक्षसः ··· परमचक्रमथैन्द्रमतिद्युति AhirbuS. 33. 97; युवनाश्वः सुतस्तस्य त्रिषु लोकेष्वतिद्युतिः VāyuP. ii. 26. 65; LiṅgaP. i. 64. 55; BrahmP. 36. 89; [ViśvaLoK. 251. 61 gives अतिद्युति as the meaning of सुषमा]

अतिद्युम्न (ati-dyumna) *n.* great prosperity अतिद्युम्न एव ब्राह्मणं ब्रूयात् । नातिद्युम्ने चन ब्राह्मणं ब्रूयान्नमो अस्तु ब्राह्मणेभ्य इति ह स्माह शूरवीरो माण्डूकेयः AitĀ III. i. 3. 15-16; S'āṅkhāĀ. 7. 9 (28. 7)

अतिद्योति (ati-dyoti) *m.* superior lustre इति पठन्नेव सद्योऽतिद्योति-(? तिः)प्रकृतसुन्दराङ्गः समजनि CaitaCa. 161. 7 (7)

अतिद्रव (ati-drava) *adj.* excessively liquid, with excess of liquid सक्तवः सर्पिषाभ्यक्ताः शीतवारिपरिप्लुताः । नातिद्रवा नातिसान्द्रा मन्थ इत्युपदिश्यते SuśruS. i. 46. 385; अतिद्रवैरतिस्निग्धैरहृद्यैर्लवणैरति । ··· भोजनैः SuśruS. vi. 49. 3 = RugVi. 15. 2; (अन्नम्) अतिद्रवं पीनसमेहकासस्यंदान्करोत्यग्निबलं च हन्ति AṣṭāSaṁ. i. 69. 7 (1. 10); कर्दमस्यावस्थोच्यते नातिद्रवो नातिशुष्कः Kāśi-Vṛ. *on* P. iv. 4. 87; Prasā. i. 834. 11; KalyāKā. 21. 10; *m.* excessive liquid मज्जत्यामा गुरुत्वाद्विट् पक्वा तूत्प्लवते जले । विनातिद्रवसंघातशैत्यश्लेष्मप्रदूषणात् SiddhYo. 3. 14.

अतिद्रवण (ati-dravaṇa) *n.* running helter-skelter अमर्षसंरम्भविनम्रभावाः सन्तर्जनातिद्रवणौष्ण्यचोषाः ।··· पित्तकृतस्य लिङ्गम् RugVi. 20. 10.

अतिद्रवत् (ati-drávat) *m.* name of the tenth divison of a *muhūrta* इ॒दानीं॑ त॒दानी॑मे॒तर्हि॒ क्षि॒प्रम॑जि॒रम् । आ॒शुर्नि॑मे॒षः फ॒णो द्र॒वन्न॑ति॒द्रव॑न् TaiBr. III. x. 1. 4.

अतिद्रवत् (ati-dravat) *adj.* running towards, attacking एते हि विद्रुणबद्धकक्षा गजा इवान्योन्यमभि(v. l. ति)द्रवन्तः Mṛcch. 5. 21.

अतिद्रवता (atidrava-tā) *f.* excessive liquidity आमता हीनता ··· अतिद्रवता इत्येकादश द्रव्यदोषाः SuśruS. iv. 35. 32.

अतिद्रवत्व (atidrava-tva) *n.* excessive liquidness औषधस्य ··· अतिद्रवत्वात् ··· दुर्योगातियोगाद्युपद्यते KāśyaS. 156A. 35.

अतिद्रवपान (ati-dravapāna) *n.* excessive drinking of liquids अतिद्रवपानं च वर्जयेत् AṣṭāSaṁ. i. 157. 5 (1. 29)

अतिद्रवाशन (ati-dravāśana) *n.* consuming liquids in excess अतिद्रवाशनाज्जन्तोरुत्क्लेशो बहुमूत्रता KāśyaS. 258A. 38.

अतिद्रवीभू (atidravī-bhū-) I. P. to become excessively liquid नातिविलीयते नातिद्रवीभवति Sphuṭā. 55. 21 (2. 33)

अतिद्रवीभूत (atidravī-bhūta) *adj.* excessively liquified न वासौ केवलद्रवत्वहेतुकः काचकाञ्चनादिभिरतिद्रवीभूतैरपि वालुकाद्यसंग्रहात् Kiraṇā. 69. 17.

अतिद्राघीयसी (ati-drāghīyasī) *adj.* (*comp.*) (*f.*) too long तत्क्षोदेन न नः प्रयोजनमतिद्राघीयसी सा हि भूः NyāyMañ. i. 300. 1.

अतिद्रु (ati-dru-) I. P. to overtake, to run by or beyond, to run past अति॑ द्रव सारमे॒यौ श्वानौ॑ च॒तुर॒क्षौ श॒बलौ॑ R̥V. x. 14. 10; AV. xviii. 2. 11; TaiĀ. vi. 3. 1 (663. 2); सा॒ग्निष्टो॒ममति॑ द्रव AV. x. 9. 8; x. 9. 9; ते तदत्यद्रवन् JaiBr. ii. 110(9) अतिदुद्राव तां ज्वालां ब्रह्मा चाहं च सत्वरः VāyuP. i. 55. 19.

अतिद्रुत (ati-drutá) *adj.* **i** which has flown quickly वा॒योः पू॒तः प॒वित्रे॑ण प्र॒त्यङ् सोमो॒ अति॑द्रुतः AV. vi. 51. 1 = TaiS. I. viii. 21. 1 = VājaS. 16. 3; TaiPrāti. 11. 17; **ii** very quick or fast नातिद्रुतं न च विलम्बितम् ··· उत्थानमिष्टम् (केतोः) BṛSaṁ. 43. 61.

अतिद्रुतम् (atidruta-m) *adv.* **i** very speedily, too quickly अतिद्रुतं हि भुञ्जानस्योत्स्नेहनमवसदनं भोजनस्याप्रतिष्ठानम् CaraS. iii. 1. 43; नातिद्रुतं न विलम्बितम् ··· अध्ययनमभ्यसेत् CaraS. i. 8. 24; चरमाङ्गधरं दृष्ट्वा स भवन्तमतिद्रुतम् । सुरेन्द्रकोपभीत्या च तिरोधानमुपागतः PadmP.(Ra.) 23. 224; आत्मानं मोचयित्वाहमिहागममतिद्रुतम् TriṣaS'aPuC. i. 2. 93; जनैरतिद्रुतं द्रवद्भिः ···।समुत्सार्यमाणपुरोवर्तिजनम्···वीक्ष्यमाणः (भूपालः) कटकं जगाम HarṣaC. 285. 5; अतिद्रुतं तु भुञ्जानस्य···भवेदुत्स्नेहनमवसादनम् AṣṭāSaṁ. i. 65. 23 (1. 10); अतिद्रुतमश्नतः ···निरुच्यते छर्दिरिति दोषः RugVi. 15. 3; अतिद्रुतं तस्य यियासतो दिवं नवारणस्वामिनि भक्तिरुद्ययौ S'rīKaC. 3. 68; अतिद्रुतमनुद्रुतस्तमथ मुक्तनारीजनं रुरोजिथ Nārāy. x. 70. 4; **ii** suddenly चुकोपातिद्रुतं रुद्रो महारौद्रपराक्रमः S'ivaP. ii(2). 32. 19 (109A. 2)

अतिद्रुतलय (atidruta-laya) *m.* very fast tempo (in music) यदा विलम्बितलयं प्रयुङ्क्ते मुख्यवैणिकः । तथैवातिद्रुतलयं करचातुर्ययोगतः । वैपञ्चिकाद्याः कुर्युश्चेदोषमाचक्षते तदा SaṁgīRa. 6. 122.

अतिद्रुतवाहिनी (atidruta-vāhinī) *adj.* (*f.*) flowing very quickly बुभुक्षा मृत्योरतिद्रुतवाहिनी चानित्यतानदी HarṣaC. 338. 4-5.

अतिद्रुतश्रुति (atidruta-śruti) *adj.* the hearing of which is very quick पूर्ववर्णविद्युद्भूतसंविन्नातिद्रुतश्रुतिः । सोऽपेक्ष्य तत्स्मृतिं पश्चात्कुरुते स्मृतिमात्मनि TattvSaṁ. 2701.

अतिद्रुताशिताहार (atidrutāśitāhāra) *m.* food which is eaten very fast अतिद्रुताशिताहारो गुणान्दोषान्न विन्दति BhāvPra (Bhā.) 5. 141; BhojanKu. 216. 20.

अतिद्रुताशिन् (atidrutāś-in) *adj.* eating food very fast नातिद्रुताशी तत्सर्वमनूनं प्रतिपद्यते KāśyaS. 257B. 30.

अतिद्रुतोच्चारण (atidrutoccāraṇa) *n.* very quick utterance यद्वाक्यं··· अतिद्रुतोच्चारणादिना निमित्तेन परिषत्प्रतिवादिभ्यां न ज्ञायते NyāySū. 25. 7.

अतिद्रुतोच्चिचारयिषा (atidrutoccicārayiṣā) *f.* desire to utter very quickly अतिद्रुतोच्चिचारयिषयानुपलभ्यमानवर्णविभागाच्च शब्दादर्थप्रत्ययाभावात् NyāyMañ. i. 348. 15.

अतिद्रुत्य (atidrut-ya) *ger.* after hastening ahead उत्तिष्ठ ब्रह्मणस्पत इति तदुपोत्तिष्ठन्तावग्नौ पयसी प्रदाय पूर्वावतिद्रुत्य शफोपयमानाददाते ĀpaS'S. xv. 9. 10.

अतिद्रुहा (atidruhā) *f.* name of a medicinal shrub अतिद्रुहा मांसरोहिण्याम् ApūNā. 54A.

अतिद्वय (ati-dvaya) *adj.* surpassing the two द्वयमतिक्रान्तः, नास्ति द्वयं यस्य वा [APTE] cf. **अतिद्वयी**.

अतिद्वयाशिव (atidvayāśiva) *adj.* which has surpassed the pairs (like heat and cold) and evil अथ सूक्ष्ममतिद्वयाशिवं लघु तासां हृदयं न पश्यसि Saund. 8. 47.

अतिद्वयी (ati-dvayī) *adj.* (*f.*) surpassing two (other stories) धिया निबद्धेयमतिद्वयी कथा Kād. 5. 4.

अतिद्वि (ati-dvi) *adj.* who has excelled two द्वावतिक्रान्तोऽतिद्विः Prasā. i. 161. 16 द्विर्नाम कश्चित् । द्विः द्वी । द्वावतिक्रान्तोऽतिद्विः हरिवत् Siddhā-Kau. 61A. 13.

अतिद्वितीय (ati-dvitīya) *adj.* beyond the second (child) अपतिरपत्यलिप्सुर्देवरात् ··· नातिद्वितीयम् (*but* comm. प्रथममपत्यमतीत्य द्वितीयं न जनयेदिति) GautDS. ii. 9. 8.

अतिद्विषत् (ati-dviṣat) *adj.* hating excessively स च भ्राता न मे विद्यां यातुमैच्छदतिद्विषन् KathāSaSāg. xiv. 1. 67.

अतिद्विष्टचित्त (atidviṣṭa-citta) *adj.* whose mind is full of extreme hatred एवं विदित्वा बुधाः पापवन्धादतिद्विष्टचित्ता रमध्वं सुधर्मे PadmP.(Ra.) 78. 62.

अतिद्वेष (ati-dveṣa) *m.* extreme hatred यो न त्वत्सदृशं पापे द्रष्टुमाकारमिच्छति । शब्दं वा श्रवणे कर्तुमतिद्वेषपरायणः PadmP.(Ra.) 17. 7.

अतिद्वेषान्धा (atidveṣāndhā) *adj.* (*f.*) blinded with excessive hatred अविचार्य तु पर्यन्तमतिद्वेषान्धया धिया । सहसा हि कृतं पापं कथं मा भूद्विपत्तये KathāSaSāg. vii. 8. 114.

अतिद्वेषिन् (ati-dveṣin) *adj.* exceedingly hostile उद्वेजयति लोकं चाप्यतिद्वेषी महीपतिः MahāBhā. xii. 59. 43; तृतीयेऽपि तृतीयग्रहणम् । एतच्चाप्यतिद्वेषिणामधिकृद्ःखसूत्रनायैव TattvPrakā. 145A. 11 (*on* iii. 1. 22)

अतिद्व्यह (ati-dvyaha) *adj.* which is two days old, तथैवाच्छादने रत्नकम्बले क्रमयोऽलगन् । अलक्तकपटे दग्धेऽतिद्व्यहस्येव जन्तवः TriṣaS'aPuC. i. 1. 770.

अतिधन (ati-dhana) *adj.* very rich, wealthy नाहमभ्यस्तविद्योऽस्मि न चैवातिधनोऽस्म्यहम् S'ivaP. 62B. 3 (ii(1). 18. 3)

अतिधनता (atidhana-tā) *f.* possession of excessive wealth द्रष्टा मूढः सभायां वणिगतिधनतामल्पकालेन यातः DaśāvaC. 10. 24; धनोष्मणा पाकः किं नो भवति, राजा चेज्जानीयाद्दण्डमात्रं ग्रहीष्यतीत्यतिधनतया निर्भयता ManvaVi. 1232. 21 (*on* 4. 231)

अतिधनत्व (atidhana-tva) *n.* possession of excessive wealth सदातिधनत्वेऽपि लुब्धः ManvaVi. 549. 23 (*on* 4. 195)

अतिधनद (ati-dhanada) *adj.* excelling Kubera वर्धमानकनामाभूत्तत्रातिधनदो वणिक् । प्रस्थितो द्वीपयात्रायाम् BṛKathāMañ. xvi. 1. 257.

अतिधनयुक्त (atidhana-yukta) *adj.* very rich बीजान्यतिधनयुक्ताः फलमूलैर्यै च वर्तन्ते BṛSaṁ. 177. 6 (15. 17)

अतिधनलुब्धात्मन् (ati-dhanalubdhātman) *adj.* very greedy for wealth द्विजगुरुपरिभवकारी यो नरपतिरतिधनलुब्धात्मा । ध्रुवमिह निपतति पापोऽसौ फलमिव पवनहतं वृन्तात् MṛtaSaṁ. *on* 6. 25.

अतिधनाढ्य (ati-dhanāḍhya) *adj.* very much wealthy राजराज-

-सदृशोऽतिधनाढ्यः … । तैलमेतदुपयुज्य मनुष्यो नाशयेदखिलवातविकारान् KalyāKā. 12.22.

अतिधनाय (ati-dhanāya-) (*denom.*) to wish for excessive wealth विषयैर्विप्रलब्धोऽयम् अतिधनायति । …जन्तुः MahāP. 11.205.

अतिधनिन् (ati-dhanin) *adj.* very rich इमे च नातिधनिनो धनार्थश्च महान्मम MahāBhā. iii. 97.10; AgniP. 27.60.

अतिधनुर्भृत् (ati-dhanurbhṛt) *adj.* surpassing (other) archers, distinguished archer तेन वो दर्शनीयेन वीरेणातिधनुर्भृता । माद्रीपुत्रेण कौरव्य पाण्डवा अभ्ययुञ्जत MahāBhā. v. 49.27.

अतिधनुष्मत् (ati-dhanuṣma(n)t) *adj.* distinguished archer अतिधनुर्भृ(v. l. ष्म)ता । माद्रीपुत्रेण … पाण्डवा अभ्ययुञ्जत MahāBhā. v. 49.27.

अतिधन्य (ati-dhanya) *adj.* [*f.* -ā] very blessed, very fortunate अतिधन्योऽहम् … प्राप्तः साधुसमागमम् PadmP.(Ra.) 33.113; KuṭṭaMa. 666; अतिधन्येन केनापि … । वरेण सह तारुण्यं निर्विशन्ती गृहे वस KāvyālaṅSāSaṁ. 6.6*; NāgaSa. 13.10; देवि त्वमतिधन्यासि सुन्दरि KālīViT. 22.33; PadmP. iv. 64.109; Rāvaṇā. 13.63; सोऽतिधन्यः … विनिहितकुचकुम्भा पृष्ठतो यन्मृगाक्षी SubhāRaK. 17.31; सैव भवेदतिधन्या यां परिचुम्ब्य प्रगल्भते मधुपः GopāKeCan. 74.10; SaṅkaDigVi.(Mā.) 8.49; BhaktiRaSi. i. 3.4.

अतिधन्व (atidhanva) *m.* name of a Sāmaveda teacher तद् हातिधन्वश्शौनकः प्रसुप्त आस JaimiBr. 1.190.

अतिधन्वन् (atidhanvan) *m.* name of a Sāmaveda teacher उदरशाण्डिल्योऽतिधन्वनश्च शौनकान्मशकाच्च गार्ग्यात् VaṁśBr. 2.8; (उद्गीथम्) तं हैतमतिधन्वा शौनक उवाच ChāndoU. i. 9.3; *adj.* **i** who surpasses bows (i. e. other weapons) अतिधन्वनः । धनुरित्यायुधमात्रस्य उपलक्षणम् । तदतिक्रान्तं येन तन्नामकात् comm. on VaṁśBr. 2.8; **ii** which surpasses a desert [Apte]

अतिधर्म (ati-dharma) *m.* great merit जम्बूर्येन प्ररोपिता । … सः … अतिधर्मेण युज्यते SārṅgaPa. 2102; [Inst.] with great piety अनापद्यतिधर्मेण याज्यतः …। गृह्णन् प्रतिग्रहं विप्रो न धर्मात् परिहीयते CaturCin. i. 54.20.

अतिधर्मज्ञ (ati-dharmajña) *adj.* fully knowing the religion अतिधर्मज्ञः … ददौ दानं स साधुषु PadmP.(Ra.) 32.185.

अतिधर्मपर (ati-dharmapara) *adj.* greaty given to righteousness अतिधर्मपरः स नेक्षते किमिमं धर्मपथव्यतिक्रमम् JātaMā. 117.10 (20.6)

अतिधर्मपरायणा (ati-dharmaparāyaṇā) *adj.* (*f.*) greatly devoted to righteousness पत्नी च शैब्या तस्याभूदतिधर्मपरायणा ViṣṇuP. iii. 18.53.

अतिधर्मरत (ati-dharmarata) *adj.* greatly devoted to righteousness ते शूद्रजातयो जाता नातिधर्मरताश्च ये SamarāSū. 7.16.

अतिधर्मात्मन् (ati-dharmātman) *adj.* greately righteous प्रह्लादोऽप्यतिधर्मात्मा … विष्णुतत्परः DevīBhāP. iv. 7.20; iii. 15.55; मम पुत्रोऽतिधर्मात्मा वदान्यो यज्ञकारकः GaṇeP. i. 59.3.

अतिधर्मिन् (ati-dharmin) *adj.* greatly righteous उपदिष्टो हि मे धर्मः कपोतेनातिधर्मिणा MahāBhā. xii. 143.5.

अतिधर्मिष्ठ (ati-dharmiṣṭha) *adj.* very righteous नातिधर्मिष्ठान् … अपश्यं सप्त वै द्विजान् HariVaṁ. 16.3; सर्वसामन्तकनृपानथ । वशे चक्रेऽतिधर्मिष्ठान् … नृपः DevīBhāP. iii. 25.37.

अतिधवल (ati-dhavala) *adj.* [*f.* -ā] extremely white अतिधवलजलचरच्छेदशुचिना दुकूलपट्टपल्लवेन कृतशिरोवेष्टनः Kād. 16.14; 38.20; विश्रब्धप्रसुप्तामतिधवलोत्तरच्छदनिमग्नप्रायैकपार्श्वतया … शरदम्भोधरोत्सङ्गशायिनीमिव सौदामिनीं राजकन्यामपश्यम् DaśKuC. 62.15; SivaKePāSt. 7; मध्ये च तस्यातिधवलवृत्तातपत्रस्य मूले लक्ष्मीरिव चन्द्रमसो मण्डलाद्गलिता … युवतिः UdaySuKa. 66.17; 62.27; ĪśānSiPa. i. 19.13; अतिधवलासु सिकतासु प्रवहति नदीजले नीलद्रव्यसंनिधानाभावात् PūrvottaVāNaMā. 340.6; SivārkaMaDī. ii. 66.15 (*on* ii. 2.10); SiddhāLeSaṁ. 204.3.

अतिधवलता (atidhavala-tā) *f.* the state of being extremely white परिधाय…कलधौते इवातिधवलतया विभाव्यमाने दुकूलवाससी TilaMañ. 34.13.

अतिधामन् (ati-dhāman) *adj.* very refulgent (अयोध्या) आयोजनाद्वा भूयो वा सातिधामा व्यकाशत Rāmā. i. 248*(43); स्वगिरा योऽत्येति देवगुरुमतिधामा ĀnandRa. 3.65.

अतिधार (ati-dhāra) *adj.* which surpasses showers अतिधारानिपूनस्य वर्षतः शुचिनामुना । शङ्के द्वेषो भवेन्नो चेत् कथमस्यायमन्तकृत् HammīMaKā. 13.209.

अतिधार्मिक (ati-dhārmika) *adj.* very righteous, religious-minded अपि तु त्वा मृदुम् … अतिधार्मिकम् । … न लोको बहु मन्यते MahāBhā. xii. 76.19; i. 854*; xiii. 12.3; भ्राता मम … अतिधार्मिकः (कुशध्वजः) Rāmā. i. 69.2; तस्य …। पुत्रः…अतिधार्मिकः (वीर्यसहः) Rāmā. vii. 65.10; vii. 100.18; सर्वे वैशालिका नृपाः ।… अतिधार्मिकाः ViṣṇuP. iv. 1.61; तेषाम् …। अनुरागवतां तत्र महीपालेऽतिधार्मिके MārkP. 109.48; VāyuP. ii. 37.125; मनुः … अतिधार्मिकः BrahmVaiP. v. 41.104; पालयामास राज्यम् … धर्मगुप्तोऽतिधार्मिकः SkandP. iii(1). 32.60; iii(1). 16.33; iii(1). 36.186; iii(1). 47.44; v(3). 209.58; प्राप्तः कश्चिद्विप्रोऽतिधार्मिकः BṛNāraP. 9.120; ManuBh. ii. 134.5 (*on* 8.142); KulārT. 13.50; BrahmP. 78.3; द्विजोऽतिधार्मिकः …। ध्यानायोपवने तस्थौ PadmP. iv. 102.144; BṛDharmaP. 48.54; RauhiC. 28.

अतिधार्मिकत्व (atidhārmika-tva) *n.* the state of being very righteous दम्भोऽभिमानोऽप्यतिधार्मिकत्वम् (कुर्वन्त्यवश्यं सिद्धिविघ्नम्) NītiSā. 15.26 (BI. Ed., VP. Ed.)

अतिधार्ष्ट्य (ati-dhārṣṭya) *n.* great impudence नैष मम क्षेत्रे भवत्यान्यस्य सुतो धार्यः समुत्सृजैनमलमतिधार्ष्ट्येन ViṣṇuP. iv. 6.21; कृष्णस्याग्रेऽतिधार्ष्ट्येन तद्भक्तेष्ववहेलया । स्वाभीष्टदेवतोऽन्यत्र परमोत्कर्षवीक्षया । मर्यादातिक्रमाद्यैश्च प्रीतोपरसता मता BhaktiRaSi. iv. 9.5.

[1]अतिधाव् (áti-dhāv-) I. P. **Ai** to overcome एष देवो विपा कृतोऽति ह्वरांसि धावति । पवमानः ṚV. ix. 3.2; **Aii** to overrun अति धावतातिसरा इन्द्रस्य वचसा हत AV. v. 8.4; AV.(P.) vii. 18.4; **B** to run speedily अतिधावति । पतति … मत्तः पानेन BhelaS. 216.24 (6.30)

[2]अतिधाव् (ati-dhāv-) I. P. to clean excessively वर्णी … नातिधावेच्च वासांसि SkandP. ii(9). 21.7; [caus.] to clean excessively (वर्णी) दन्तान्नैवातिधावयेत् SkandP. ii(9). 21.6.

अतिधिषण (ati-dhiṣaṇa) *adj.* possessed of great intellect विशारदोऽतिधिषणे … निगद्यते SabdaRaSaK. 179.7.

अतिधी (ati-dhī) *f.* name of a woman सुयोधननृपस्तत्र सामन्तः …। तस्यातिधीः प्रिया BṛKathāK. 76.160.

अतिधीमत् (ati-dhīma(n)t) *adj.* very intelligent (नरः…पीतोद्भवायाः प्रकृतेः सकाशात्) शिल्पप्रवीणः कुशलोऽतिधीमान् … स्यात् KalyāKā. 3.22.

अतिधीर (ati-dhīra) *adj.* [*f.* -ā] very firm, steady, resolute, brave अहोऽतिधीरं बलवच्च ते मनश्चलेषु कामेषु च सारदर्शिनः BuddhaC. 4.97; रिपुसमरविमर्दं मानवीर्यप्रदीप्तं सुतशतमतिधीरं वीरमुत्पाद्य ŪruBha. 1.39; व्यनक्त्यन्तस्तापं तदयमतिधीरोऽपि विषमम् MālaMā. 3.92; MahāvīC. 5.11 (298.2); सम्यक्प्रयोगनिपुणः कुशलोऽतिधीरः (वैद्यो भवेत्) KalyāKā. 1.29; तस्या ह्यतिधीराया अतिपरिचयेन गौरवाभिमानौ कृच्छ्रयन्स्फुटयति JayaMa. 272.19 (*on* 5.3); अतिधीरा प्रसन्नाङ्गी गौरी प्रहसितानना PadmP. ii. 12.79; RāmāMañ. 82.6; कोऽपि सप्ताब्ददेशीयोऽप्यतिधीरोऽद्भुताकृतिः (द्विजार्भकः) KathāSaSāg. xii. 27.96; RājTa.(Ka.) 7.448; क्रोधेन वृकोदरोऽतिधीरो धरतः । द्रौणिम् … समाद्रवत् YudhiVi. 8.85; CaitaCa. 214.14 (9); दृष्ट्वा त्वामतिधीरश्चित्तोन्मादं सदा तनुते KandaCū. v. 4.12.

अतिधीरकनीनक (atidhīra-kanīnaka) *adj.* in which the pupils are very steady स च तानसुरान्सर्वानतिधीरकनीनकैः । संभावयन्समालोकैः कियन्तं चित्क्षणं स्थितः BrahmāṇḍP. iii. 21.30.

अतिधीरगिर् (atidhīra-gir) *adj.* of bold speech इत्युक्त्वा विरराामासौ द्विजव्यूहोऽतिधीरगीः PrabhāC. 188.3.

अतिधीरता (atidhīra-tā) *f.* great courage or fortitude (राज्यवर्धनहर्षौ) अतिधीरतया हृदयनिहितां स्वामिभक्तिमिव निश्चलां दृष्टिं धारयन्तम् … ददृशतुः HarṣaC. 198.4; शौर्यं सुदाक्ष्यं व्यसनेष्वदैन्यमुत्साहसम्पत्स्वतिधीरता च NītiSā. 16.33; BṛKathāSloSaṁ. 17.92; दशमुखः … प्लवगसेनाधिपतीनतिधीरतया सावधारणमवेक्षमाणः RāmāCam. 6.29 (6)

अतिधीरत्व (atidhīra-tva) *n.* great fortitude सौदामिनीसमच्छायामतिधीरत्वयोगिनीम् ।… आयान्तीमन्तिकं किंचिद्वैदेहीम् PadmP.(Ra.) 79.43.

अतिधीरधी (atidhīra-dhī) *adj.* of a very steady or firm mind जनयन्ति च विस्मयमतिधीरधियामप्यदृष्टपूर्वा दृश्यमाना जगति स्रष्टुः सृष्टयतिशयाः HarṣaC. 40.4; एवमुक्तो जगादासौ सितं कृत्वातिधीरधीः PadmP.(Ra.) 24.101; नृपागारात्पुरस्कृत्य प्रेयसीमतिधीरधीः । नलोऽचलत् PāṇḍaC. 6.350; अतिधीरधीरपि । दुःसहव्यथतया रघूत्तमः प्रावृषं कथमपि व्यजीगमत् Rāgh. 11.26.

अतिधीरप्रकृति (atidhīra-prakṛti) *adj.* whose nature is serene or composed अतिधीरप्रकृतेरपि चन्द्रापीडस्य परपर्श विस्मयो हृदयम् Kād. 80.5.

अतिधीरप्रवृत्ति (atidhīra-pravṛtti) *adj.* whose behaviour is serene or composed अथ रथाङ्गपाणिः …गान्दिनीनन्दनेन समाहूतः …शताङ्गमतिधीरवृत्तिरधिरुह्य … गोकुलात् … प्रतिष्ठमानः ĀnandRa. 1.30 (5)

अतिधीराक्षरोच्चार (ati-dhīrākṣaroccāra) *n.* very deep or sonorous articulation of sounds अतिधीराक्षरोच्चारबधिरीकृतपुष्करैः MalliC. 7.287.

अतिधीवरी (ati-dhīvarī) *adj.* [Debru. p. 901, MahāBh. iii. 208.4]

who has surpassed the clever one इदं तर्हि । अतिधीवरी अतिपीवरी MahāBh. ii. 205. 18–19 (*on* Vār. 2 on P. iv. 1. 14); धीवानमतिक्रान्ता अतिधीवरी JaineVyā. 150. 28 (*on* iii. 1. 4); 151. 13 (*on* iii. 1. 7); CāndraVr̥. *on* ii. 3 15; एतदेव ज्ञापकं भवत्यस्मिन्प्रकरणे तदन्तविधिरिति तेनातिधीवरी अतिपीवरी अतिभवती इति भवति KāśiVr̥. *on* iv. 1. 4; Nyās. i. 809. 25 (*on* iv. 1. 4); अतिधीवरीति धीवानमतिक्रान्तेति तत्पुरुषः Pradī. iv. 43A. 25 (*on* iv. 1. 14); PadMañ. *on* KāśiVr̥. *on* P. iv. 1. 4; SiddhāKau. 112A. 1; LaS'abdeS'e. i. 382. 1.

अतिधीवृत्ति (ati-dhīvr̥tti) *adj.* which is beyond the scope of intellect तेजोऽभावस्तम इति मतं खण्डयन्तीव तेषामासीदक्षणामतिथिरतिधीवृत्तिरप्यात्मभाजाम् ĀnandRa. 1. 14 (comm. 'अप्राप्य मनसा सह' इति श्रुतेः बुद्धिव्यापाराविषयः)

अतिधूपन (ati-dhūpana) *n.* excessive fumigation शुष्कोष्ठकण्ठहृदयताल्वामेतेषामतिधूपनाच्छोषितवलानां पयसोपसेचनं पुनः पुनः प्रसादनमाहुराचार्याः Hastyāyur. 634. 3 (4. 13)

अतिधूपायदर्क (ati-dhūpāyadarka) *adj.* surpassing the blazing sun सोऽतिधूपायदर्कं तं पनायत्रुचितं व्यधात् DvyāśraKā. 7. 75 (comm. प्रतापातिशयेन संतापयन्तं सूर्यमतिक्रान्तम्)

अतिधूम (ati-dhūma) *m.* name of S'iva अतिधूम्रो (v. l. अतिधूमो) हुतो हविः MahāBhā. xiii. 17. 79; *adj.* giving out much smoke कृतेऽपि यत्नेऽतिकृशः कृशानुः…वामीकृतावर्तशिखोऽतिधूमः YogYā. 8. 9.

अतिधूमक (atidhūma-ka) *m.* too much haziness (before the eyes) (तृष्णायां) पित्तान्मूर्च्छास्यतिक्तता । रक्तेक्षणत्वं प्रततं शोषो दाहोऽतिधूमकः Aṣṭā-Hr̥. iii. 5. 51.

अतिधूमपान (ati-dhūmapāna) *n.* inhaling too much smoke नागानामतिधूमपानोल्लेखाजर्जरीभूतशरीराणां प्रलेपमिवोष्णेनाभिष्यन्दी भवति श्लेष्मा Hastyāyur. 620. 10 (4. 7)

अतिधूमोद्गतायन (atidhūmodgatāyana) *m.* name of S'iva अतिज्वालो महाज्वालो अतिधूम्रो हुतो हविः (v. l. अतिधूमोद्गतायनः) MahāBhā. xiii. 17. 79.

अतिधूम्र (ati-dhūmra) *m.* name of S'iva (अष्टोत्तरसहस्रं तु नाम्नां शर्वस्य मे शृणु) अतिधूम्रो हुतो हविः MahāBhā. xiii. 17. 79; *adj.* excessively smoky मृगगतिरतिधूम्रो वायुबिम्बे स पायात् … वायवीयः … वो यकारः ĪśānS'iPa. i. 3. 54.

अतिधूम्रवर्ण (ati-dhūmravarṇa) *adj.* excessively smoke-coloured बिम्बे तु वायोरतिधूम्रवर्णे यङ्कारमुद्भाव्य तु चण्डवायुम् । ध्यायेत् … आत्मदेहम् ĪśānS'iPa. i. 10. 29; ii. 4. 29.

अतिधूर्त (ati-dhūrta) *adj.* [*f.* -ā] extremely cunning, very deceitful नियतमतिधूर्तेन चाणक्यबटुना जनितमयशः प्रमार्ष्टुमेषा लोकप्रसिद्धिरुपचिता MudrāRā. 2. 15 (27); अर्थो नाम जनानां जीवितमखिलक्रियाकलापस्य । तमपि हरन्त्यतिधूर्ताः श्लक्ष्णगला गायना लोके KalāVi. 7. 1; S'ārṅgaPa. 4046; वक्रक्रियां वासुकिरादधानः । आकर्णयोग्यं हृदयग्रहेण चक्रे गिरिं मुग्धमिवातिधूर्तः DaśāvaC. 2. 14; नायं त्वमित्यसौ । त्याज्यते ग्राह्यते चान्यदहो श्रुत्यातिधूर्तया NaiṣC. 17. 54; कम्बूः परद्रव्यहरेऽतिधूर्ते KośaKaTa. 2. 6895.

अतिधूर्तधी (atidhūrta-dhī) *adj.* whose mind is very cunning or deceitful अथैषां हन्त धूर्तानामतिधूर्तधिया जयः RatnaCūKa. 195; अतिधूर्तधियां स्थानं विचिन्त्य गणिकागृहम् RatnaCūKa. 196.

अतिधूसर (ati-dhūsara) *adj.* very grey कादम्बास्तु कलहंसाः पक्षैः स्युरतिधूसरैः AbhidhāCin. 1327.

अतिधृति (ati-dhr̥ti) *f.* **1** extreme fortitude or endurance अथ यदास्य मानुषाणामतिधृतिमतिदुःखं वा पर्वताः स्फुटन्ति निपतन्त्याकाशाद् भूमिः कम्पते महाद्रुमा उन्मूलन्ति … तान्येतानि सर्वाणि सूर्यदेवत्यान्यद्भुतानि प्रायश्चित्तानि भवन्ति ṢaḍviBr. v(vi). 12. 2; **2** name of a metre with 76 syllables (19 in each quarter) धृतिः पूर्वा द्विसप्ततिः षट्सप्ततिस्त्वतिधृतिः R̥Prāti. 16. 55; धृतिरष्टादशाक्षरा । एकोनविंशातिधृतिः NāṭyaS'ā. 14. 50; अतिधृत्यां सहस्राणि चतुर्विंशतिरेव च । तथा शतसहस्राणि पञ्चवृत्तशतद्वयम् । अष्टाशीतिश्च वृत्तानि वृत्तज्ञैः कथितानि तु NāṭyaS'ā. 14. 66; Jānāśra. 1. 2(6); 4. 90; Liṅgānu.(Ha.) 12. 12; MrtaSaṁ. 41. 4 (*on* 4. 7); VrttaRa. 1. 20; DevīBhāP. xii. 1. 17; ĪśānS'iPa. i. 1. 86; Mānaso. iv. 2. 220; अतिधृत्यां म्सौ स्सौ तौ गः Chandonu. 2. 321; अस्य मन्त्रस्यातिधृतिः स्वर्णगर्भ ऋषिस्ततः VasiS. 18. 149; करुणे शक्वरी ज्ञेया तथैवातिधृतिर्भवेत् BhāvPra.(S'ā.) 273. 17(9); ChandoMañ. 2. 313(2); अतिधृतिः क्लीबे त्वातिधृतं मतम् KośaKaTa. 1. 1408; cf. KalpaK. 78. 90 **3** nineteen वियच्चन्द्रातिधृतयः (= 1910) SūryaSi. 2. 18; BrāhmSphuSi. 2. 8; 16. 31; स्त्रोधिष्ण्यतो वेददिगादिविश्वानृपातिधृत्याकृतितत्त्वतुल्ये । पुंभे सति प्रीतिरतीव … वधूवरस्य VasiS. 32. 179; उत्सेधेऽत्रैकविंशत्यतिधृतितिथिविश्वाङ्कभक्ते TantrSa. 2. 27; 2. 126; **4** great joy जिनवपुः … अमरा निदद्दृशुरतिधृतिविमुकुलनयनाः MahāP. 23. 167.

अतिधृतिसंख्य (atidhr̥ti-saṅkhya) *adj.* nineteen in number अष्टयस्त्वष्टिधृत्यतिधृतिसंख्या वा दर्भाः ĪśānS'iPa. ii. 9. 11(1)

अतिधृतिस्वार्ण (atidhr̥ti-svārṇa) *m.* nineteenth syllable बीजं चातिधृतिस्वार्णो लकुली बिन्दुमान्स्मृतः ĪśānS'iPa. i. 35. 6.

अतिधृतोद्यमा (atidhr̥todyamā) *adj.* (*f.*) who maintained zeal for quite a long time अथ ताम्…संध्याम्…तपसेऽतिधृतोद्यमाम् । प्रोवाच … वसिष्ठः S'ivaP. ii(2). 5. 59 (73A. 12)

अतिधृत्यंश (atidhr̥ty-aṁśa) *adj.* having nineteen divisions or parts अतिधृत्यंशपीठोच्चे भागो भूगतमंशकौ ĪśānS'iPa. ii. 39. 42; स्तम्भार्धादिसमुच्छ्रये प्रकृतिभक्ते प्रस्तरे वातिधृत्यंशे TantrSa. 2. 53 (comm. एकोनविंशतिधा च वा कृते)

अतिधृत्यंशित (atidhr̥ty-aṁśita) *adj.* divided into nineteen parts पञ्चांशैर्वाथ कर्तव्यमतिधृत्यंशिते तथा S'ilpaRa. i. 17. 20; ii. 27. 35.

अतिधृष्ट (att-dhr̥ṣṭa) *adj.* [*f.* -ā] very daring, bold or impudent तां राजपुत्रः प्रसमीक्ष्य शूरश्चुक्षोभ शार्दूल इवातिधृष्टः VarāṅgaC. 14. 26; इयमतिधृष्टा किं प्रलपति GopāKeCan. 78. 16; 89. 13; एकमिदं सूत्रमन्यथा योजयन्नतिधृष्ट इत्यलं विस्तरेण AṇuBh. 124. 17 (*on* ii. 1. 14); [अतिधृष्ट is given as one of the meanings of पीठमर्द, पीठमर्दोऽतिधृष्टे स्यान्नाट्योक्तौ नायकप्रिये Viśva-Pra. 81. 45; MediK. 82. 50; ViśvaLoK. 175. 48; S'abdaRaSaK. 178. 16]

अतिधृष्टता (atidhr̥ṣṭa-tā) *f.* extreme boldness तं चैवं पिङ्गलकमधृतिपरीतं दृष्ट्वातिधृष्टतया शनैः शनैरुपसृत्य दमनकोऽब्रवीत् Pañcā. 124. 5.

अतिधृष्टत्व (atidhr̥ṣṭa-tva) *n.* extreme boldness or courageousness धृष्टत्वादतिधृष्णुत्वात् (v. l. अतिधृष्टत्वात्) … धृष्टद्युम्नः कुमारोऽयं द्रुपदस्य भवत्विति MahāBhā. i. 155. 49.

अतिधृष्णुत्व (atidhr̥ṣṇu-tva) *n.* extreme boldness or courageousness धृष्टत्वादतिधृष्णुत्वात् … धृष्टद्युम्नः कुमारोऽयं द्रुपदस्य भवत्विति MahāBhā. i. 155. 49.

अतिधेनु (ati-dhenu) *adj.* who has excellent cows; who has many cows; who has surpassed a cow अतिधेनवे ब्राह्मणाय MahāBh. i. 314. 19 (*on* i. 4. 3); अतिधेन्वै ब्राह्मण्यै MahāBh. i. 314. 19(*on* i. 4. 3)

अतिधैर्य (ati-dhairya) *n.* serious demeanour, excessive courage, fortitude न चाप्युन्मत्तवद्धसेत् । न चातिधैर्येण चरेद् गुरुतां हि व्रजेत्तथा MahāBhā. iv. 4. 30; कदाचिदतिधैर्याद्विहभावैव प्रवृत्तिं दर्शयति JayaMa. 275. 10 (*on* 5. 3); अत्युत्साहमतिख्यातिमतिधैर्यं च साधय SkandP. iii(3). 11. 28; दाशकन्या । उवाच तं सात्त्विकभावयुक्ता कृत्वातिधैर्यं नृपतिं सुगन्धा DevīBhāP. ii. 5. 23; नातिधैर्यं प्रदातव्यं नातिभीतिश्च रोगिणे KaliVid. 24.

अतिधैर्यतस् (atidhairya-tas) *adv.* with great fortitude त्वं तु हस्तं समावेश्य कीलरन्ध्रेऽतिधैर्यतः । स्थितवती AdhyāRā. ii. 2. 68.

अतिधैर्यभार (atidhairya-bhāra) *m.* burden of great firmness लतानामणूदरीणामतिधैर्यभारम् । बालानिले मुष्णति पल्लवेषु बभूव चित्तेषु च रागबन्धः YātrāPra. 3. 11.

अतिधैर्याङ्कुश (atidhairyāṅkuśa) *m.* goad of exceeding courage तयातिधैर्याङ्कुशवारितेर्ष्यया द्विजातिकन्यां परिणायितः पतिः BrKathāS'loSaṁ. 22. 310.

अतिधौता (ati-dhautā) *adj.* (*f.*) well tempered, well polished अधुनीत भटः कश्चिदतिधौतां कृपाणिकाम् BrahmāṇḍP. iii. 22. 7.

अतिध्मा (ati-dhmā-) I. P. to blow (a conchshell) too often or frequently धमेद्धमेवातिधमेदतिध्मातं न शोभते PariPar. 2. 717.

अतिध्मात (ati-dhmāta) *n.* blowing (a conchshell) too often ध्मातेनोपार्जितं यत्तदतिध्मातेन हारितम् PariPar. 2. 717.

अतिध्यान (ati-dhyāna) *n.* excessive brooding (as a symptom of paralysis of the thighs) प्राग्रूपं तस्य (ऊरुस्तम्भस्य) निद्रातिध्यानं स्तिमितता ज्वरः RugVi. 24. 6.

अतिध्यायत् (ati-dhyāyat) *adj.* thinking about intensely, meditating deeply (प्रमदारत्नम्) अनारतमतिध्यायन्नशने शयने न च । न प्रासादे न चोद्याने धृतिं भामण्डलोऽगमत् PadmP.(Ra.) 28. 47; ततोऽभिध्यायतस्तस्य [अतिध्यायतः PW] जज्ञिरे मानसाः प्रजाः ViṣṇuP. i. 7. 1.

अतिध्रुव (ati-dhruva) *adj.* most enduring or firm सर्वतः परमात्मानमक्षयं परमं पदम् । अनादिनिधनं देवं महाज्योतिरतिध्रुवम् MahāBhā. vi. App. I. 3(7); संसारार्णवमज्जमानमनुजैः पोतः स्थिरोऽतिध्रुवः कार्यः VarāP. 17. 19.

अतिध्वंस् (ati-dhvaṁs-) I. P. to envelope in dust श्यावीरतिध्वसन् पथश्चक्षुषा चन संनशे R̥V. viii. 55. 5.

अतिनतत्व (atinata-tva) *n.* (Astron.) excessive declination (of a planet) य उद्गमे याम्यनता मृगाद्या: स्वस्वापमेनापि निरक्षदेशे । याम्याक्षतस्तेऽतिनतत्वमाप्ता उद्यन्ति कालेन ततोऽल्पकेन Golā. 215. 2 (25. 17)

अतिनत्य (atinát-ya) *ger.* holding away अतिनुत्येव पात्राण्युवधूनोति S'atBr. I. i. 4. 4.

अतिनदीष्ण (ati-nadīṣṇa) *adj.* very deft or skilful (with Loc.) विदर्भो नाम जनपद: । तस्मिन् ··· अतिनदीष्ण: कलासु ··· पुण्यश्लोक: पुण्यवर्मा नामासीत् (राजा) DaśKuC. 129. 16.

अतिननामिन् (ati-nanāmin) *adj.* *w. r.* for **अतिनमामिन्** [pw] [Viśva **अतिनमामि**]

अतिनन्द् (ati-nand-) i. p. to be extremely glad or happy, to rejoice very much गृहेषु ते कोमलरूपहासमिथ:कथासङ्कुलिता: कमन्य: । वृत्तेषु कृत्येषु भवन्निरीक्षासमागता: प्रत्यहमत्यनन्दन् Nāray. x. 41. 7; आलोक्यातिननन्द भूपतिरसौ नारायणक्ष्माभृतम् ĀnandRa. 2. 44.

अतिनन्दन (ati-nandana) *adj.* **1** surpassing Nandana (Indra's garden) अभ्रान्तमतिशय्येह (पर्वते) विराजिततमागमे । निशामयालीनघनं सालौघमतिनन्दनम् Yādavā. 6. 77 (comm. नन्दनातिशायिनम्); **2** extremely pleasant or satisfying, Yādavā. 6. 77 (comm. अत्यर्थतोषणम्)

अतिनप्तृ (ati-naptṛ) *adj.* surpassing the grandson (of the sun, i. e. king Ikṣvāku) अतिनप्तारमुष्णगो: । अमुं भूपप्रशास्तारं लब्ध्वा मुमुदिरे प्रजा: Dvyāśrakā. 1. 186 (comm. सूर्यस्य पुत्रो मनुस्तस्य पुत्र इक्ष्वाकु: सूर्यस्य पौत्र:)

अतिनभोरत्न (ati-nabhoratna) *adj.* surpassing the sky-jewel (i. e. the sun) नृप: । तेजसातिनभोरत्नं मणिरत्नं न्यवेशयत् TriṣaS'aPuC. i. 4. 432.

अतिनम् (ati-nam-) i. p. to bend down too much or stoop low तस्मात् प्रणमेन न चातिनमेत् PañcT. 3. 4 (277. 13); (*caus.*) to cause (time) to pass, to spend (time) निशामप्यतिनामये: Saund. 14. 20; (स:) तमहोरात्रमतिनामयामास JātaMā. 36. 4 (*on* 7. 7); cf. **अतिनत्य.**

अतिनमत् (ati-namat) *adj.* bending or stooping very low पुंसां छाया ··· । क्षयमेति चातिनमताम् PañcT. 3. 4 (277. 10)

अतिनमन (ati-namana) *n.* excessive bending or stooping ज्यायान्न नमेदसमेऽसमोपनमनमहो महत् कष्टम् । गर्हितमेतत् पुंसामतिनमनं साहसधनानाम् Tantrākhyā. 91. 25 = PañcT. 3. 3 (277. 13)

अतिनमामिन् (ati-namāmin) *adj.* standing beyond *namāmi* 'I bow down' स एतत्सर्वं निरूह्य प्रत्यूह्य ··· अतिमृत्युमृत्युरतिनमाम्यत्यहं भूत्वा स्वे महिम्नि सदा समासते NṛsiṁhoUTāU. 7.

अतिनम्र (ati-namra) *adj.* [*f.* -ā] **i** extremely humble, submissive or subdued अयत्नेनैवातिनम्रे साधौ धनुषीव गुण: परां कटि(? कोटि)मारोहति विश्रम्भ: HarṣaC. 40. 3; येनोज्झिता युधि दयामृदुनातिनम्रा याथार्थ्यमापुरमरा: प्रथितस्य नाम्न: HarVi. 33. 14; BṛKathāK. 102(10). 27 (p. 255); रदततिमतिनम्रा वन्दते कुन्दराजी UjjvaNīMa. 598. 10; **ii** bent very low ददर्श पथि कुब्जाम् ··· अतिनम्राम् BrahmVaiP. iv. 72. 16; अनङ्गबाणाकुलितस्य शंभो: शिरो भवानीचरणेऽतिनम्रम् PadyaVe. 821.

अतिनम्रकंधर (atinamra-kandhara) *adj.* whose neck is bent very low, bowing low तं (विष्णुम्) तुष्टुवु: ··· योगिन: । सनन्दनाद्या ह्यतिनम्रकन्धरा: ViṣṇuP. i. 4. 30.

अतिनम्रता (atinamra-tā) *f.* **i** excessive modesty or condescension तातातिनम्रतैव ते कथयति गुणानां गौरवम् HarṣaC. 158. 15; **ii** the state of being too much bent, excessive bending (of the body) नादित्यमभिमुखो न जघनेनेति ··· प्रसक्तस्य जघनसांमुख्यस्य निषेधोऽयम् । यद्वातिनम्रतया स्वस्यैव जघनसांमुख्यं निषिध्यते BālamBha. i. 395. 19 (*on* 1. 134)

अतिनम्रपूर्वकाय (atinamra-pūrvakāya) *adj.* (an animal) having the fore-part of the body bent very low वाहेन्द्र: ··· । आनम्रीभवदतिनम्रपूर्वकाय: Acyutarā. 11. 55.

अतिनम्रप्रकृति (atinamra-prakṛti) *adj.* of a very modest or humble nature अतिनम्रप्रकृतिभि: कृती कुर्वन् वार्ता: ··· मयूरप्रभृतिभि: । ··· प्रणालाद्रेमौलिं धरणिमणिरारुह्य शुशुभे ParamāKā. 79. 47.

अतिनम्रम् (ati-namram) *adv.* very modestly or humbly इदमभिदधेऽतिनम्रं सुन्दरसेन: शुभावसरे KuṭṭaMa. 370.

अतिनम्रवदना (atinamra-vadanā) *adj.* (*f.*) whose face is bent very low, looking down भीतातिनम्रवदना त्वश्रुपूर्णमुखी तदा । कष्टमापतितं पापमित्युक्त्वा निपपात च PadmP. iv. 108. 49.

अतिनम्रशिरोधरा (atinamra-śirodharā) *adj.* (*f.*) whose neck is bent very low, bending very low सा मुदावती पस्पर्श मुषलश्रेष्ठमतिनम्रशिरोधरा MārkP. 116. 51.

अतिनम्रानन (atinamrānana) *adj.* whose face is bent very low, looking down very much इति रामस्य वचनं वीतक्रोधो निशम्य स: । ··· अतिनम्राननोऽवदत् RāmāMañ. 203. 8.

अतिनयत् (ati-nayat) *adj.* neglecting, missing सप्तमीं (रात्रीम्) नातिनयेत् सप्तमीमतिनयन्न ब्रह्मचारी भवति GopBr. i. 2. 6.

अतिनयन (ati-nayana) *adj.* (*mantra*) recited while leading (a cow as sacrificial fee) beyond or across एतत्ते राध इति दक्षिणातिनयन: (मन्त्र:) ĀpaS'S. xiii. 6. 9; *n.* secret conveying (of troops and spies) वणिक्पथेन हि दण्डगूढपुरुषातिनयनम् ··· क्रियते ArthS'ā. ii. 334. 2 (7. 14) [nt.'s reference to KauśiSū. 43. 3 is *w. r.* for **°निनयन°**]

अतिनयपरता (atinayapara-tā) *f.* attachment or devotion to good polity नृवर ··· अतिनयपरता ··· त्वयि जयति ChandaśCū. 2. 245(3)

अतिनरकाङ्क्षिणी (ati-narakāṅkṣiṇī) *adj.* (*f.*) hankering too much after men (for sexual pleasure) सा स्यादचरणा कण्डूा तयातिनरकाङ्क्षिणी CaraS. vi. 30. 18 (1941 Ed.)

अतिनर्दत् (ati-nardat) *adj.* bellowing or roaring loudly वृषभाश्चातिनर्दन्तस्सतोया जलदा इव ViṣṇuP. v. 10. 46.

अतिनर्म (ati-narma) *n.* excessive mirth or pleasantry cf. **अतिनर्मन्**, अतिनर्माज्जायते संप्रहारो यतो विनाश: समुपैति पुंसाम् MahāBhā. ii. 56. 5.

अतिनर्मता (atinarma-tā) *f.* excessive mirth or pleasantry प्रायशो हि कुलस्त्रीणां शीलविध्वंसहेतव: । दुष्टयोगो रहो नित्यं स्वातन्त्र्यमतिनर्मता BhaviP. 31A. 16 (i. 10. 15)

अतिनर्मन् (ati-narman) *n.* excessive mirth or pleasantry देवरै: पतिमित्रैश्च परिहासक्रियोचितै: । विविक्तदेशावस्थानं वर्जयेदि(? द)तिनर्म च BhaviP. 31A. 14 (i. 10. 14)

अतिनवीन (ati-navīna) *adj.* very modern (school of thought) अतिनवीनास्तु यादृशस्येत्यादौ अविगीतत्वं तत्कृतौ विशेषणमाहु: TattvCin. iv(2). 141. 4.

अतिनश्वर (ati-naśvara) *adj.* extremely perishable or transitory जलबुद्बुदवत् सर्वं संसारमतिनश्वरम् BrahmVaiP. i. 25. 32; ii. 17. 82; एवंभूतं शरीरम् ··· । जन्मादिभि: षड्विकारैरध्यस्तमतिनश्वरम् ĪśānS'iPa. ii. 65. 14.

अतिनष्ट (ati-naṣṭa) *adj.* completely destroyed पापिष्ठैरतिनष्टेऽस्मिन् त्रिदशादिप्रतिष्ठिते । बिम्बादौ वैष्णवे चिह्ने PāraS. 19. 488; हतेषु तेषु दैत्येषु ··· महाहवे । अतिनष्टेषु पापेषु गोविन्देन महात्मना PadmP. ii. 5. 38.

अतिनाकसुख (atināka-sukha) *n.* happiness surpassing heaven (heavenly bliss) अतिनाकसुखभरतरङ्गितो गिरम्···साध्वीमिमामभाषत YātrāPra. 9. 27(2)

अतिनाद (ati-nāda) *adj.* making a very loud sound अतिनादस्य नादेन तेन तस्य दुरात्मन: Rāmā. vi. 91. 16.

अतिनादिन् (atinād-in) *adj.* making a very loud sound ततो गजकुलप्रख्यास्तडित्वन्तोऽतिनादिन: । उत्तिष्ठन्ति (घना:) ViṣṇuP. vi. 3. 31; SkandP. ii(9). 25. 36.

अतिनादृत (ati-nādṛta) *adj.* not very much interested सङ्गीतान्त:पुरासक्तो युद्धादिष्वतिनादृत: BhāvPra.(S'ā.) 92. 22(4)

अतिनामन् (ati-nāman) *m.* name of a Ṛṣi in the 6th (*cākṣuṣa*) *manvantara* अतिनामा सहिष्णुश्च सप्त एते महर्षय: HariVaṁ. 7. 27; ViṣṇuP. iii. 1. 28 = MārkP. 76. 54; अतिनामा च पौलस्त्य: ··· इत्येते सप्त वै चाक्षुषेऽन्तरे BrahmāṇḍP. i. 36. 78.

अतिनामित (ati-nāmita) *adj.* spent or passed (time) एभिर्न पठितम् ···संगणिकाभिरतै: कौसीद्येनातिनामितम् GilMs. iii(1). 72. 18.

अतिनाम्य (atinām-ya) *ger.* having spent (time) पूर्वं यामं त्रियामाया: प्रयोगेणातिनाम्य तु Saund. 14. 32.

अतिनाश (ati-nāśa) *m.* complete eradication (i. e. cure) सुवैद्य उपलभ्य रुजोऽतिनाशं शीघ्रं करोति HāriS. i. 1. 26; मांसीमुराचोरकनागपुष्पै: सनागदानैरतिनाशकारि ViṣṇuDhaP. ii. 107. 17.

अतिनाष्ट्र (ati-nāṣṭrá) *adj.* beyond destruction, beyond danger तुर्हि वा अतिनाष्ट्रो भवितास्मीति S'atBr. I. viii. 1. 3.

अतिनासा (ati-nāsā) *adj.* (*f.*) having a very big nose स ददर्श विदूरस्था राक्षसी: ···अनासा अतिनासाश्च तिर्यङ्नासा विनासिका: Rāmā. v. 15. 12.

अतिनास्तिक (ati-nāstika) *m.* extreme atheist तुङ्गं वपु: ··· अतिनास्तिक इव स्फुटसाधनश्री: । विस्तारिचक्रमिव राशिमयं बिभर्ति HarVi. 31. 33.

अतिनास्तिक्य (ati-nāstikya) *n.* extreme atheism वैषम्यं वातिनास्तिक्यम्···प्रत्येतव्यं तमस्त्वेतैर्लक्षणै: सर्वथा बुधै: DevīBhāP. iii. 8. 10.

अतिनिकट (ati-nikaṭa) *adj.* very near अतिनिकटमविक्रियं मुरारेः परमपदं प्रणयादभिष्टवीमि SaṁkṣeS'ā. 1. 1 (i. 1. 3); अतिनिकटविटङ्कोपविष्टशुकशावसन्दिह्यमानहरितारुणमणिभिः YaśasCam. i. 20. 1.

अतिनिकटता (atinikaṭa-tā) *f.* close proximity, extreme nearness क्षुद्याः पृष्ठेऽङ्घ्रुपतैरतिनिकटतया दत्तदाहातिरेकैः (सूर्यस्य अश्वाः) SūryaS'. 45; त्रिदशगजघटानाम् ... दिनकरकरतापोपप्लवादाकुलानाम् । अतिनिकटतयोच्चैः पुस्फुटुः कर्णशङ्खाः HarVi. 41. 43.

अतिनिकटपठित (atinikaṭa-paṭhita) *adj.* uttered very near इतरदतिनिकटपठितमपि पराणुद्य दवीयसापि तेनैव सम्बन्धमनुभवति NyāyMañ. ii. 167. 15.

अतिनिकुरुम्बतर (atinikurumba-tara) *n.* very large multitude सभामण्डपादतिनिकुरुम्बतरेण निस्सरत्सु लोकेषु (बभूव महानास्थानसंक्षोभः) UdaySuKa. 39. 19.

अतिनिकृष्ट (ati-nikṛṣṭa) *adj.* [*f.* -ā] of a very inferior quality, of a very low class नात्युत्कृष्टः नातिनिकृष्ट इत्यतोऽयं मध्यदेशः ManuBh. i. 79. 15 (*on* 2. 21); ii. 379. 3 (*on* 11. 37); कृतपापकचेष्टः कामवशः पुरुषोऽतिनिकृष्टः SubhāRaSaṁ. 585; यो हि चुम्बति मुखं गणिकाया नास्ति तस्य सदृशोऽतिनिकृष्टः S'ubhāRaSaṁ. 612; (या) मद्यमांसनिरतातिनिकृष्टा ... तां भजन्ति गणिकां न विशिष्टाः SubhāRaSaṁ. 604; अतिनिकृष्टानां तिर्यगादीनामपि सिद्धिम् ... ददाति LalitāTriBh. 314. 1 (*on* 35); ततोऽप्यतिनिकृष्टस्तत्सादृश्यादृद्धपक्षो निराक्रियते VedāntKau. 191. 7 (*on* ii. 2. 18)

अतिनिकृष्टाशय (atinikṛṣṭāśaya) *adj.* having a very mean thought आदिष्टश्च तेनायमतिनिकृष्टाशयेन DaśKuC. 120. 17.

अतिनिक्षेप (ati-nikṣepa) *m.* big deposit or pledge प्रणिधिः पुमान् । अतिनिक्षेपचरयोः NānārthaMa. 920.

अतिनिगूढ (ati-nigūḍha) *adj.* very well concealed अतिनिगूढदृढपर्वा-(? र्वं)भिः ... अङ्गुलीभिरुपेतेन ... चरणाब्जयुगेन ... बालिकामपश्यम् TilaMañ. 246. 6.

अतिनिगूढम् (ati-nigūḍham) *adv.* very secretly यदयमपडक्षीणं किमपि विज्ञपयति संदेशहरो दुर्मुखस्तदचिरादतिनिगूढमादधीथाः KaumuMi. 6. 14(13)

अतिनिग्रह (ati-nigraha) *adj.* surpassing (other) controls असतामतिसाङ्कर्यंजातीनामतिनिग्रहं करिष्यसि ... निग्रहम् ParamāKā. 74. 84.

अतिनिघृष्टा (ati-nighṛṣṭā) *adj.* (*f.*) roughly used, very much harassed सार्थसंग्रहपरातिनिघृष्टा ... तां श्रयन्ति गणिकां किमु शिष्टाः SubhāRaSaṁ. 605.

अतिनिचित (ati-nicita) *adj.* **i** excessively accumulated or grown मलेऽतिनिचिते पुनश्चातिव्यवायतः ... कुपितो वायुः AṣṭāHr. iii. 7. 10; पुराकृतादतिनिचितात्समुत्कटाञ्जनः परां रतिमनुयाति कर्मणः PadmP.(Ra.) 51. 51; दोषेऽथवातिनिचिते तन्द्रास्तैमित्यकारिणि AṣṭāSaṁ. ii. 3. 22 (4. 1); **ii** thickly packed तथातिनिचितं तेने किरीटी शरदुर्दिनम् PāṇḍaC. 13. 432.

अतिनिचृत् (ati-nicṛt) *f.* name of a variety of Gāyatrī metre (a twenty-syllabic metre which has a pāda of six syllables between two of seven syllables) षट्कः सप्तकयोर्मध्ये स्तोतॄणां विवाचीति । यस्याः सातिनिचृन्नाम गायत्री द्विर्दशाक्षरा ṚPrāti. 16. 14; अजोऽस्यर्षिरतिनिचृच्छन्दः गौरी च देवता ĪśānS'iPa. i. 23. 67.

अतिनिज (ati-nija) *adj.* very close or intimate (friend etc.) कार्यशेषस्य चाखिलाम् । धुरं क्रियां चातिनिजे रघुनाथाभिधे द्विजे । निधाय (शिवः प्रणालाद्रिमुपागमत्) ParamāKā. 79. 41.

अतिनिद् (ati-nid-) I. P. to overcome तदाहुरति वा एता वर्त्रं नेदन्त्यति वाचं मनो वावैता नातिनेदन्तीति TaiS. I. vi. 8. 1 (comm. अतिनेदन्ति अतिक्रामन्ति)

अतिनिदर्शन (ati-nidarśana) *n.* complete explanation यथोक्तमृषिभिस्तात सांख्यस्यातिनिदर्शनम् BrahmP. 243. 3.

अतिनिदर्शिता (ati-nidarśitā) *adj.* (*f.*) fully explained केनैषातिनिदर्शिता (व्रतचर्या) PadmP. v. 17. 61.

अतिनिदेशकर (ati-nideśakara) *adj.* carrying out orders fully अन्ते त्वमप्यतिनिदेशकरोऽभ्युपैषि ब्रह्मन् (विष्णोः परं पदम्) BṛBrahmaS. iii. 5. 42.

अतिनिद्र (ati-nidra) *adj.* **1** given to excessive sleep एवमप्यतिनिद्रस्तु यदा नैव प्रबुध्यत (कुम्भकर्णः) Rāmā. vi. 48. 42; अतिनिद्रायानिद्राय (v. l. अतिनिद्रानिद्रयोश्च) भेषजम् ...। ... तत्सर्वमत्रिजः । ... व्याजहार CaraS. i. 21. 61 (1941 Ed.); बोधनं चातिनिद्राणाम् (मद्यम्) CaraS. vi. 24. 63 (1941 Ed.); तमोऽधिको वञ्चयिता परेषां मूर्खोऽलसः क्रोधपरोऽतिनिद्रः (भवति) BṛSaṁ. 69. 9; नष्टनिद्रातिनिद्रेभ्यो हितं पित्तास्रदूषणम् (मद्यम्) AṣṭāSaṁ. i. 27. 11 (i. 6) = AṣṭāHr. i. 5. 64 = BhojanKu. 169. 7; सुधांशुकल्पे मृदुनि स्वतल्पे प्रियेऽतिनिद्रेऽनुकल्यय कोऽपि । आलिङ्ग्य चैकामपरां निगूह्य मनोजसंजीवनमाततान PadyaVe. 329; **2** without sleep, sleepless [Apte]; *m.* name of a serpent अतिनिद्रोऽतिवह्नमुक् (एते ... नागेशाः कीर्तिता मया) NīlaP. 902.

अतिनिद्रता (atinidra-tā) *f.* the state of being excessively sleepy निद्रानाशोऽतिनिद्रता ।... बहुदोषस्य लिङ्गानि CaraS. i. 16. 14 (1941 Ed.); बुद्धेर्मोहोऽतिनिद्रता । धूमपानात् प्रशाम्यन्ति CaraS. i. 5. 31 (1941 Ed.); अग्निसादोऽतिनिद्रता ।... विद्याद् दुर्वान्तलक्षणम् KāśyaS. 150A. 24; गुरुगात्रत्वं चालस्यमालस्यादतिनिद्रता AṣṭāSaṁ. i. 58. 24 (1. 9); श्लेष्माग्निसदनप्रसेकालस्यगौरवम् । श्वैत्यशैत्यश्लथाङ्गत्वं श्वासकासातिनिद्रताः (करोति) AṣṭāHr. i. 11. 8; श्लेष्मणः ...। बन्धोपलेपस्तैमित्यशोफापक्त्यतिनिद्रताः (कर्माणि) AṣṭāHr. i. 12. 53; गौरवं शीतमुत्क्लेदो रोमहर्षोऽतिनिद्रता (कफजे ज्वरे) RugVi. 2. 13; कफस्य विंशतिः प्रोक्ता रोगास्तन्द्रातिनिद्रता S'ārṅgaS. i. 7. 122.

अतिनिद्रम् (ati-nidram) *adv.* in the manner of untimely sleep नायं निद्राकालोऽतिनिद्रम् PrakriKau. i. 476. 1; निद्रा सम्प्रति न युज्यत इत्यतिनिद्रम् SiddhāKau. 162A. 2; निद्रा संप्रति नाहैवमतिनिद्रं प्रकीर्तितम् (अव्ययम्) KośaKaTa. 2. 3099; सम्प्रति न युज्यत इति । वृत्तौ युजिक्रियान्तर्भावेनैकार्थीभावः । अतिनिद्रमासीदित्यादौ तथाव्यवहारविषयेऽतिनिद्रशब्दस्य लक्षणेति बोध्यम् LaS'abdeS'e. i. 533. 8.

अतिनिद्रा (ati-nidrā) *f.* excessive sleep अत्याहारमतिक्रोधमतिनिद्रामतिश्रमम् ... सर्वदा परिवर्जय SkandP. iii(3). 11. 26; अतिनिद्रा तु जन्तूनां श्लेष्मण्युच्छ्रायमागते BhelaS. 204. 5 (6 25); अतिनिद्रातिसेवे च विद्यार्थी ह्यष्ट वर्जयेत् CāṇaNiDa. 11. 10; धूमो हि शिरोऽक्षिकर्णशूल°...°अतिनिद्रा°...°प्रशमाय प्रयुज्यते AṣṭāSaṁ. i. 158. 12 (1. 30); योजयेदतिनिद्रायां तीक्ष्णं प्रच्छर्दनाञ्जनम् AṣṭāHr. i. 7. 62; °मथातिनिद्राः ।... कफप्रमेहेषु भवन्त्युपद्रवाः KalyāKā. 11. 22; KāśyaS. 100B. 10; निद्रानाशेनातिनिद्रा दिवापि योगैश्चैतैर्मृत्तिकाभक्षणेन (पाण्डुर्जायते) HārīS. iii. 8. 4; दशमूलीरसः पेयः ... अतिनिद्रायाम् SiddhYo. 1. 139; वाक्चेष्टितं मन्दमरोचकश्च नारीविविक्तप्रियतातिनिद्रा ।... कफात्मके स्यात् (उन्मादे) RugVi. 20. 12; S'ārṅgaS. ii. 2. 39; नीलोत्पलं शिग्रुबीजं नागकेशरकं तथा । एतत्कल्कैः कृता वर्तिरतिनिद्रां निवारयेत् S'ārṅgaS. iii. 13. 82; त्वम् ...धत्से सुखी क्षीब इवातिनिद्राम् DaśāvaC. 7. 106; अतिनिद्रातिजागरम् । ... विवर्जयेत् Rasā. 18. 118; (मलबद्धे) अतिनिद्रां प्रजागरम् । ... विवर्जयेत् RaseCin. 3. 86; KalpaK. 58. 346.

अतिनिद्रान्ध (atinidrāndha) *adj.* blind (i. e. not attentive) because of excessive sleep शयानमतिनिद्रालुं (v. l. अतिनिद्रान्धम्) कुम्भकर्णमबोधयत् MahāBhā. iii. 270. 20.

अतिनिद्रालु (ati-nidrālu) *adj.* given to excessive sleep शयानमतिनिद्रालुं कुम्भकर्णमबोधयत् MahāBhā. iii. 270. 20.

अतिनिद्रालुता (atinidrālu-tā) *f.* the state of being given to excessive sleep दिवातिनिद्रालुतया श्रमालसम् । नरं प्रमेहो हि भविष्यति KalyāKā. 11. 6.

अतिनिद्रित (ati-nidrita) *adj.* fast asleep, given to excessive sleep निद्रामाप रमापतिः । श्रान्तत्वाद्दैवयोगाच्च जातस्तत्रातिनिद्रितः DevīBhāP. i. 5. 8; नातिभुञ्जन् सदा योगी नाभुञ्जन् नातिनिद्रितः । नातिजाग्रत् सिद्धिमेति GaṇeP. ii. 142. 12.

अतिनिधन (ati-nidhana) *n.* great number of deaths भौमाष्टमेशावेकत्र तदातिनिधनं नृणाम् (युद्धे) TājiNi. 3 (1. 6). 54 (382)

अतिनिन्द् (ati-nind-) I. P. to blame excessively नारदः ...। पश्चात्तापमवाप्यातिनिनिन्द स्वम् S'ivaP. ii(1). 4. 21 (41A. 2); आरोहमङ्गलविधौ मनसः प्रसादं प्रासादसङ्गमतिनिन्दति नाम पङ्गुः Ḍamaru. 14; उद्वेजते जनः क्रौर्यात् कार्पण्यादतिनिन्दति S'ukraNi. 3. 219.

अतिनिन्दत् (ati-nindat) *adj.* blaming excessively मन्थ्यादयोऽपि ते स्वामिपुत्रव्यापत्तिसाक्षिणम् । आत्मानमतिनिन्दन्तो रुरुदुः करुणस्वरम् TriṣaS'aPuC. ii. 6. 174; तमित्थमतिनिन्दतः ... नृपशोस्तव SubhaDha. 4. 18.

अतिनिन्दनीय (ati-nindanīya) *adj.* greatly condemnable स्थूलः कृशश्चाप्यतिनिन्दनीयौ (देहौ) KalyāKā. 3. 40.

अतिनिन्दा (ati-nindā) *f.* excessive condemnation or censure दूरेण ह्यतिनिन्दायाः दुःखहेतुरतिस्तुतिः BṛKathāS'loSaṁ. 23. 74.

अतिनिन्दित (ati-nindita) *adj.* [*f.* -ā] **A** greatly censured, greatly condemned न करोमि स्तुतिं स्वस्य सा हि लोकेऽतिनिन्दिता:(? ता) PadmP.(Ra.) 12. 102; भूमिगोचरदूतत्वं यत्प्राप्तोऽस्यतिनिन्दितम् PadmP.(Ra.) 53. 236; कल्पोऽतिनिन्दितस्तस्मिन् विशेषानादरः सताम् AgniP. 336. 29; अलम् -- कामोद्भूतैः सुखैः... सतामतिनिन्दितैः SubhāRaSaṁ. 270; नराः ... चिपिटैर्विकृतैर्भग्नैरङ्गुष्ठैरतिनिन्दिताः BhaviP. 54B. 28 (i. 24. 23); तामसस्त्वं कथं जातः कृतं कर्मातिनिन्दितम् । अवध्या स्त्री त्वया विष्णो हता कस्मान्निरागसा DevīBhāP. iv. 12. 4; किमेवमतिनिन्दितम-

कस्माद्व्याहरसि TripuDi. 2.6 (1); अत ऊर्ध्वं प्रवक्ष्यामि रोमजानतिनिन्दितान् (हयान्) AśvaVai. 3.39; रूक्षाश्चरणास्त्वतिनिन्दिताः PārśvC. 7.598; आहारबुद्ध्या तु भक्षणमतिनिन्दितम् (मांसस्य) ManvaVi. 609.13 (*on* 5.34); गणिकादानमतिनिन्दितम् Prasā. ii. 454.14; अतिनिन्दिताम् । पैशुन्यहिंसाविषयमोहाहंकारदर्पताम् ।··· साध्वी विवर्जयेत् SukraNī. 4 (4). 20; **B** very inauspicious सर्वाणि कृष्णान्यतिनिन्दितानि गोहस्तिवाजिद्विजदेववर्ज्यम् BrahmVaiP. iv. 77.37; तिथयः पक्षरन्ध्राख्या दुष्टास्ता अतिनिन्दिताः NāraS. 4.20; एका चतुर्थी संत्याज्या कृष्णपक्षे च मध्यमा । आपञ्चम्यास्तु तिथयः पराः स्युरतिनिन्दिताः NāraS. 24.10; स्त्रीधिष्ण्याद्यानवके स्त्रीदूरमतिनिन्दितम् NāraS. 29.125; अवमा तिथीः । तिथिर्वारत्रयेऽप्येका त्रिद्युस्पृक् द्वेऽतिनिन्दिते VasiS. 12.38; अभिमासोऽतिनिन्दितः SmrtiCan. v. 104.19; कुक्षावावर्तास्त्वतिनिन्दिताः SārṅgaPa. 1665; सुश्वेतफालतिलको विद्धो वर्णान्तरेण च । स वाजी दलभञ्जी तु यस्य सैवातिनिन्दितः SukraNī. 4 (7). 117 [*sandhi*]; मङ्गलेष्वतिनिन्दितः (पातकालः) SiddhāTaVi. 363.6.

अतिनिन्दितत्व (atinindita-tva) *n.* the state of being excessively blamed or censured अत्र च कानिचिन्मरणान्यतिनिन्दितत्वेनाशौचाभावकारणानि ManvaVi. 653.10 (*on* 5.95); अत्र संक्रान्तिष्विल्यनेनैवायनादीनामपि लाभे पुनस्तदभिधानं तत्कालकृतस्य पिण्डदानस्यातिनिन्दितत्वद्योतनार्थम् CaturCin. iii(1). 334.22.

अतिनिन्द्य (ati-nindya) *adj.* **A** very much reproachable अश्वैः खरैः··· प्राप्तः सदा भवति दूतगणोऽतिनिन्द्यः KalyāKā. 1.34; यतु स जिनपतिर्वोऽतिनिन्द्यामविद्याम् JinaS. 1.12; इहातिनिन्द्यः सर्वत्र नाधिकारी स्वकर्मसु BrahmVaiP. iv. 30.87; अतिनिन्द्यो हि पापस्य कारकादुपदेशकः PārśvC. 1.167; वैपरीत्यमतिनिन्द्यमनिष्टम् ··· कथयन्ति Subhāṣi. 2123; **B** very inauspicious सौम्योऽपि पापाधिकवर्गयोगान्नेष्टोऽतिनिन्द्यः खलु पापखेटः TājiNī. i. 1.47 (69)

अतिनिन्द्यजीवित (atinindya-jīvita) *adj.* of very condemnable means of livelihood विकटः करटस्तु···अतिनिन्द्यजीविते च···पितृकर्मभोक्तरि स्यात् KośaKaTa. 2.4501.

अतिनिपीडयत् (ati-nipīḍayat) *adj.* pressing hard, giving excessive pain पित्तश्लेष्मक्षये वायुर्मर्माण्यतिनिपीडयन् । प्रणाशयति संज्ञाम् CaraS. i. 17.61 (1941 Ed.)

अतिनिपीडिताङ्गी (atinipīḍitāṅgī) *adj.* (*f.*) whose body is excessively tormented निशाकरेणातिनिपीडिताङ्गी दिवाकरं क्वापि परं निनिन्द BhāvS. 63.

अतिनिपुण (ati-nipuṇa) *adj.* [*f.* -ā] **A** very skilful or expert कृपणरक्षातिनिपुणस्त्वदन्यः कः ··· शरण्यः SivāL. 13; मातङ्गबन्धुर्मुनिस्त्वायुर्वेदपरायणोऽतिनिपुणः MātaLī. 1.14; सर्वेषामस्तु काव्ये मतिरतिनिपुणा AlaṅkāSe. 1(0). 38; श्रीमद्दुर्गपुरातनेऽतिनिपुणः श्रीपद्मनाभात्मजः RasPraSu. 13.16; एताश्च विकृतयोऽतिनिपुणेनान्यथासिद्धयोऽवतारिता भङ्गस्यानुमापिका: VīraMi. 423.1 (*on* 2.16); अत एवातिनिपुणैः शास्त्रैः शस्त्रावेव विश्रान्तिः कृता Bhāsk. i. 229.16 (*on* i. 5.7); अतिनिपुणोऽयमैन्द्रजालिकः RasSa. 204 (1); **B** very clever or shrewd न ह्यलमतिनिपुणोऽपि पुरुषो नियतिलिखितां लेखामतिक्रमितुम् DaśKuC. 57.3; न चातिनिपुणाः सख्योऽस्य संबोधने SṛṅgāTi.(Ru.) 2.12; पितृष्वसा इत्थमामन्त्र्यते । केनाप्यतिनिपुणेन Loc. 119.26 (*on* 2.34 (?32)); कृपणसमृद्धीनामपि भोक्तारः सन्ति केचिदतिनिपुणाः SārṅgaPa. 383 = Subhāṣi. 484; न चातिनिपुणाः सख्योऽपि संबोधने SārṅgaPa. 3578; SūktiMu. 58.3; एकोऽतिनिपुणो दृष्टो राज्ञा निकटवर्तिनाम् KathāKau. 6.6; खलोऽतिनिपुणो राजन्ननेकगुणवान् कृती AlaṅkāMañ. 111.2; **C** very subtle or noble शोभनस्तेऽतिनिपुणः प्राणिधर्मो विज्ञातः Tantrakhyā. 109.22; क्वाहं सुमन्दमतिरप्रतिमप्रभावः क्वायं तवातिनिपुणो मयि सुप्रसादः DevīBhāP. i. 12.45.

अतिनिपुणतर (atinipuṇa-tara) *adj.* exceedingly sharp ईदृशेष्वतिनिपुणतरदृष्टयोऽन्तःपुरदास्यः Kād. 197.17.

अतिनिपुणतस् (atinipuṇa-tas) *adv.* very carefully, very skilfully तस्मिंश्च लब्धे (पङ्क्तिपावने)···अन्ये नातिनिपुणतः परीक्षिताः त्रिपुरुषं यावत् ManuBh. i. 285.9 (*on* 3.173)

अतिनिपुणता (atinipuṇa-tā) *f.* great skill, sharpness or cleverness मेघस्यास्मिन्नतिनिपुणता MeghDū. *19.

अतिनिपुणदृश् (atinipuṇa-dṛś) *adj.* possessed of great insight विवरणकाराश्च नातिनिपुणदृशः NyāyMañ. i. 385.24.

अतिनिपुणदृष्टि (atinipuṇa-dṛṣṭi) *adj.* very sharp-sighted, very intelligent तेन त्वीदृशेष्वतिनिपुणदृष्टिना गोपितोऽपि गाढमवगाढस्त्वदीयालापस्य तात्पर्यार्थः TilaMañ. 59.8.

अतिनिपुणबुद्धि (atinipuṇa-buddhi) *f.* very sharp intellect अतिनिपुणबुद्धिग्राह्यो महानहङ्कारः MahāviC. 2.38(6)

अतिनिपुणम् (ati-nipuṇam) *adv.* **A** very carefully, very cleverly, in minute detail अतिनिपुणमपि चिन्तयन्न पश्यामि खलु स्खलितम् Kād. 61.1; एतत् परमात्मनिरूपणे अतिनिपुणमुपपादयिष्यामः ĀtmaSi. 36.13; युवाभ्याम···तिनिपुणं विमृश्य यथोचितम् ··· अनुष्ठातव्यम् AdbhuDa. 2.21 (7); आधोरणेनातिनिपुणमुल्लुत्य पादाङ्गुष्ठे ग्रासेन प्रहृतोऽयं मतङ्गजः RasSa. 115(4); **B** completely, satisfactorily स्वाधीनेति न चुम्बितातिनिपुणम् Subhāṣi. 1370.

अतिनिपुणसेवा (atinipuṇa-sevā) *f.* service of a very clever person हीनानार्यातिनिपुणसेवां विग्रहमुत्तमैः (त्यजेत्) AṣṭāSaṁ. i. 13.5 (1.3); AṣṭāHṛ. i. 2.41.

अतिनिपुणमति (atinipuṇa-mati) *adj.* of exceedingly sharp intellect अतिनिपुणमतयः ··· सुसचिवाश्च ··· चरन्तु समन्तात् समन्तपञ्चकम् VeṇīSaṁ. 6.14; प्रत्युतास्तिक्यमुपहन्ति यो नातिनिपुणमतिः ManuBh. ii. 14.4 (*on* 7.43)

अतिनिपुणिमन् (ati-nipuṇiman) *m.* great skill, experience उपकरणानामतिनिपुणिमानमुपपादयन्नवतरुणिमा वपुः ··· असेवत YātrāPra. 2.59(4)

अतिनिबन्धय् (atini-bandhay-) (*caus.*) to bind or restrain excessively किं नाम षोडशसहस्रशतार्धकाश्च तं स्त्रीकृतं शुकमिवातिनिबन्धयन्ति DevīBhāP. v. 1.32.

अतिनिबिड (ati-nibiḍa) *adj.* [*f.* -ā] **i** very thick, dense, compact तमसा चातिनिबिडं नल्वमात्रं सुसंकटम् MatsyaP. 119.4; निजरजोनिकरमतिनिबिडनीलरोममण्डलनिचितम् ··· हृदयदेशे दधानम् ··· भैरवाचार्यं ददर्श HarṣaC. 156.4; अतिनिबिडेन प्रज्ञालोहनिगडेन निरवग्रहो विचरति TilaMañ. 112.5; अत एव चिता एकघनम् अतिनिबिडम् PratyabhiVi. i. 398.4 (*on* i. 8.1); मालिन्याम् ··· आद्यमक्षरपञ्चकम् ··· अतिनिबिड KāvyKaVṛ. 17.31 (1.3); अतिनिबिडा ऋक्षव्याघ्रनिषेविता । ··· वर्जनीयाटवी नृपैः Mānaso. iv. 15.1434; **ii** very firm, very strong व्यक्तविवेकयाप्यतिनिबिडया ··· प्रज्ञया सम्यग्ज्ञानहेयोपादेयविभागः ··· राजा मेघवाहनो नाम TilaMañ. 13.5.

अतिनिबिडता (atinibiḍa-tā) *f.* **1** great intensity (of the fight) अतिनिबिडतया तवात्र किम् DvyāśraKā. 18.37; **2** looking down upon, turning up one's nose, DvyāśraKā. 18.37 (comm. अरुच्यात्यन्तं नक्रमोटनेन)

अतिनिबिडत्व (atinibiḍa-tva) *n.* the state of being very thick, compact without spaces or interstices अथ तत्र सूक्ष्मरन्ध्रसंभवान्नातिनिबिडत्वम् SyādvāMañ. 14(145)

अतिनिबिडनिबद्ध (atinibiḍa-nibaddha) *adj.* tied very firmly अतिनिबिडनिबद्धैः कल्पवृक्षेषु सेनाद्विरदपतिभिरापे न त्रिपद्या विलासः HarVi. 41.14.

अतिनिबिडप्रदेश (atinibiḍa-pradeśa) *m.* place that has no intermediate space यच्चास्य पौद्गलिकत्वनिषेधाय स्पर्शशून्याश्रयत्वात् अतिनिबिडप्रदेशे ··· इति पञ्च हेतवो योगैरुपन्यस्तास्ते हेत्वाभासाः SyādvāMañ. 14(136)

अतिनिबिडम् (ati-nibiḍam) *adv.* very firmly or tightly अतिनिबिडमापीडितशिरोधरा ··· अहम् TilaMañ. 307.2; श्रीमोहमहाराजः ··· कलिकन्दलमतिनिबिडमालिङ्ग्य समादिशति MohaRāPa. 4.2(7)

अतिनिबिडविग्रह (atinibiḍa-vigraha) *m.* excessively close fight अतिनिबिडविग्रहनिपीडितो द्रविडदेशाधिपतिः TilaMañ. 325.21.

अतिनिबिडसन्धि (atinibiḍa-sandhi) *adj.* excessively tight joint अतिनिबिडसन्धिसंनिवेशे शिलान्तरालप्रदेशे गीतिमिमामशृणोत् NalaCam. 6.33(6)

अतिनिबिडसूत्रबन्ध (atinibiḍa-sūtrabandha) *m.* very tight or firm band of the thread अतिनिबिडसूत्रबन्धनिर्मितान्तरालकृतलेखव्यवच्छेदया लेखमालिकया परिकलितमूर्धानं प्रविशन्तमद्राक्षीत् HarṣaC. 85.

अतिनिबिरीसता (atinibirīsa-tā) *f.* despleasure, disrespect किं न्वतिनिबिरीसतयान्यदुर्जनानाम् DvyāśraKā. 18.37 (comm. नक्रमोटनेन)

अतिनिभृत (ati-nibhṛta) *adj.* very well-concealed सः ··· अतिनिभृतपदः ··· उपसृत्य माम् ··· अप्राक्षीत् Kād. 148.16; पृष्ठतोऽतिनिभृतं महीभृतामातपः कटकमाशु नोज्झति RamC. 2.20; मत्स्यभक्ष्यातिनिभृतैः कङ्कादिभिरुपासिताम् । ययौ KīcaVa. 3.1; उपेत्य यथाकालमतिनिभृतैः प्रतिबोधितो वैतालिकैः ··· नृपतिनन्दनः ĀnandRa. 8. 0(1); कार्यं चातिनिभृतं करभकहस्तेन संदेष्टव्यमिति MudrāRā. 2.22(59)

अतिनिभृतम् (ati-nibhṛtam) *adv.* very secretly, very quietly ध्वान्ते यान्त्या यदतिनिभृतं बाल्यात्मप्रकाशत्रासात् पाणिः पथि फणिफणारत्नरोधी व्यधायि SārṅgaPa. 3494; अतिनिभृतं चर्वितं ताम्बूलीयं रसयति जनः ···कदायम् StavMā. 109.23 (comm. गुप्तं यथा स्यात् तथा); अतिनिभृतमपि शब्दोच्चारे निकटतरवर्तिपरश्रवणमपि स्यादिति सशब्दतापत्तिरेव ParāTri. 72.2.

अतिनिभृतसमस्ताङ्ग (atinibhṛta-samastāṅga) *adj.* whose entire body is steady अतिनिभृतसमस्ताङ्गतया महामहीधर इव YaśasCam. i. 486.3.

अतिनिमेषिणी (ati-nimeṣiṇī) *adj.* (*f*) blinking excessively चला नातिनिमेषिणी । ··· मत्स्यसत्त्वा जलप्रिया NāṭyaŚā. 22.127.

अतिनिम्न (ati-nimna) *adj.* extremely low, deeply depressed तदूर्ध्वे कमलं कुर्यान्नातिनिम्नं च नोन्नतम् JayāS. 20.86; सीत्कारोत्पतितस्तनी स्तनतटोत्क्षे-

पातिनिम्नोदरी DhūrtaViSaṁ. 12.13; निम्नातिनिम्नरिपुहृतिरिपुगृहदशासु । … स्वभृत्यभृत्यो भवेत्पुरुष: Sārā. 40.69; समा स्वभावान्नातिनिम्नोन्नतेत्यर्थ: AbhinBhā. i. 55.11 (*on* 2.25); अतिनिम्नमध्यसंक्रमदारुनिभ: … तव हार: (हृदयं चालयति) ĀryāSaS'a. 135; उद्धृतशब्देनातिनिम्नदेशनिमग्नोद्धरणमप्यभिदधता S'rutaPra. iA. 8.21 (*on* i. 1.0); जलम् … अतिनिम्नमाभिरन्ध्रैश्चुलुकितम् Nalābhyu. 6.56; महीदुर्गम् । तच्च द्विविधम् । अतिनिम्नोन्नतभूमिरूपमेकम् VīraMi.(Rājanīti.) 200.14; BālamBha. i. 619.7 (*on* 1.321)

अतिनिम्नता (atinimna-tā) *f.* the state of being very deep or low सुदृशोऽदृश्यत गण्डमण्डली । गमिताश्रुजलप्लवैरिव कृशिमाकीर्णतयातिनिम्नताम् HarVi. 24.22; SaduktiKa. 133.4; तत्र नातिनिम्नतया खन्य: कार्य: SmṛtiCan. iv. 556.2.

अतिनियता (ati-niyatā) *adj.* (*f.*) too much regulated or controlled वन्यासु तरणिसरणिजेवेन गम्यं नयत्यनियतापि । न सहजकुटिलेषु पुनर्नदीप्रवाहेष्वतिनियतापि CaitaCan. 62.5(3)

अतिनियम (ati-niyama) *m.* very strict rule or restriction अपर्वास्वनिषिद्धासु रात्रिष्वप्यनृतौ व्रजेत् । रात्रौ च नातिनियमो न वै ह्यनियमो भवेत् MahāBhā. xiii. 203*(4)

अतिनिरन्तरा (ati-nirantarā) *adj.* (*f.*) very close or intimate पूर्वकर्मानुभावेन तयोरतिनिरन्तरा । त्रिविष्टपेऽभवत्प्रीति: परमर्द्धिसमेतयो: PadmP.(Ra.) 85.148.

अतिनिरपाया (ati-nirapāyā) *adj.* (*f.*) entirely free from danger तन्मित्रेऽस्मिन्नन्तरायकारिणि कार्यासिद्धिनौ नातिनिरपाया MahāviC. App. A. 5.59 (282.2)

अतिनिरपेक्षा (ati-nirapekṣā) *adj.* (*f.*) most detached, totally disinterested एवं विदिततत्त्वा सा बुद्ध्यातिनिरपेक्षया । बालकं विपिने त्यक्त्वा तापसी वीतमत्सरा PadmP.(Ra.) 11.149.

अतिनिरर्गल (ati-nirargala) *adj.* absolutely unhindered उपाय(?) श्चिन्त्यतां नयमार्गोऽतिनिरर्गलागम: Kapphiṇā. 5.43.

अतिनिरवग्रह (ati-niravagraha) *adj.* completely free from restraint अतिनिरवग्रहात्मन: कृतिन: … विभोस्तव कर्तृतां समगिरन्त सूरय: HarVi. 6.74.

अतिनिरस्तनीर (atinirasta-nīra) *adj.* absolutely devoid of water, completely dried up मार्गं समीक्ष्यातिनिरस्तनीरम् ṚtuSaṁ. 4.9 [F. N.]

अतिनिराकुल (ati-nirākula) *adj.* absolutely unperturbed कुटुम्बभरणं तत्र चकारातिनिराकुल: DevīBhāP. iii. 27.32.

अतिनिरामय (ati-nirāmaya) *adj.* absolutely free from any disease अव्यक्तप्रभवो ब्रह्मा शाश्वतो नित्य अव्यय: (v. l. शाश्वतोऽतिनिरामय:) Rāmā. i. 69.17.

अतिनिरालम्ब (ati-nirālamba) *adj.* having no support whatsoever अतिनिरालम्बस्तपस्विन्या: प्रवास: KundaMā. 3.3(2)

अतिनिराश (ati-nirāśa) *adj.* utterly hopeless or frustrated मित्रमुज्झितवतातिनिराशम् … । ईदृशेन नभसा महतान्त:शून्यता प्रकटितातिशयेन Subhāṣi. 1896.

अतिनिरूढ (ati-nirūḍha) *adj.* excessively grown, very deep-rooted अतिनिरूढनिबिडवासनानुबद्धा अविद्या न शक्या निरोद्धुम् Bhām. 24.24 (*on* i. 1.1); 25.7 (*on* i. 1.1); अतिनिरूढनिबिडवासनानुबद्धमज्ञानम् NyāySu.(Ā.) 316A.2 (*on* ii. 2.1); **ii** subjected to excessive (unlubricated) enema यान्येव प्राज्ञयोक्तानि लिङ्गान्यतिविरेचिते । तान्येवातिनिरूढेऽपि विज्ञेयानि विपश्चिता SuśruS. iv. 38.10.

अतिनिरूपण (ati-nirūpaṇa) *n.* elaborate argument or explanation स चायमस्मत्पक्ष एवायुष्मताप्यतिनिरूपणेन समर्थित: स्यात् NyāyMa. 205.10.

अतिनिरूपित (ati-nirūpita) *adj.* very well indicated यस्यामात्मन: सक्तोऽतिनिरूपित: JayaMa. 299.16 (*on* 5.6)

अतिनिरूहित (ati-nirūhita) *adj.* subjected to excessive treatment of (unlubricated) enema लिङ्गं यदेवातिविरेचितस्य । भवेत्तदेवातिनिरूहितस्य CaraS. viii. 1.43.

अतिनिरोधज (atinirodha-ja) *adj.* arising out of total obstruction गोविन्द … गोचक्षुषां चातिनिरोधजेन पापेन मे नाशय आन्ध्यमेतत् CaturCin. i. 735.2.

अतिनिर्गुण (ati-nirguṇa) *adj.* **A** absolutely devoid of good qualities or merits दशाहं निर्गुणे प्रोक्तमाशौचं वातिनिर्गुणे KūrmaP. 617.15 (2.23); एतच्च … कृतविवाहोऽसाविति भ्रान्त्या कृते परिवेदनेऽतिनिर्गुणे वा ज्येष्ठे द्रष्टव्यम् Aparā. 1115.27 (*on* 3.268); ManvaVi. 892.3 (*on* 8.33); **B** absolutely devoid of attributes लीलात्मा गुणवानेष विचारादतिनिर्गुण: SkandP. iv. 88.11; मायाभरैर्विरहितोऽप्यतिनिर्गुणोऽयम् (गिरिजाधिनाथ:) ParamāKā. 120.51.

अतिनिर्घृण (ati-nirghṛṇa) *adj.* [*f.* -ā] extremely merciless or cruel ततोऽपरे महावीर्या: दारुणास्त्वतिनिर्घृणा: ViṣṇuP. i. 21.10; हत्वा हत्वा तृतीयं तु भक्षयत्यतिनिर्घृणा (जातहारिणी) MārkP. 76.19; चन्द्रगुप्तोऽतिनिर्घृण: BrahmāṇḍP. ii. 29.8; पुत्र … किमर्थमेवं मामतिनिर्घृणामनुगृह्णासि DaśKuC. 87.20; येऽतिनिर्घृणा: । खादका मधुमांसस्य … प्रविशन्ति रसातलम् MahāP. 10.26; VāmaP. 6.39; 79.48; BrahmP. 164.25.

अतिनिर्घृणहृदया (atinirghṛṇa-hṛdayā) *adj.* (*f.*) extremely cruel hearted किमनेनातिनिर्घृणहृदयाया: … श्रुतेन Kād. 136.2.

अतिनिर्जन (ati-nirjana) *adj.* extremely deserted or desolate पुष्पोद्यानेऽतिनिर्जने (स रेमे रमया सह) BrahmVaiP. ii. 16.144; iv. 46.13; तेन तासामहं हस्ताद् भ्रष्टो देशेऽतिनिर्जने KathāSaSāg. xiv. 4.44; SaduktiKa. 40.18.

अतिनिर्जर (ati-nirjara) *adj.* surpassing gods (जह्नुप्रभृतय:) व्यालानपि वशीचक्रु: कुञ्जरांस्तेऽतिनिर्जरा: TriṣaS'aPuC. ii. 5.39.

अतिनिर्जरकुञ्जर (ati-nirjarakuñjara) *adj.* surpassing the elephant of gods (Airāvata) मदोद्धुरै: कुञ्जरैरप्यतिनिर्जरकुञ्जरै: ।… द्यां क्ष्मां च छादयन् TriṣaS'aPuC. iv. 1.591.

अतिनिर्जलता (atinirjala-tā) *f.* extreme scarcity of water मरुदुर्गं यत्रातिनिर्जलतया तद्देशवासिभिरेव कथंचिज्जलं लभ्येत ManvaVi. 790.3 (*on* 7.70)

अतिनिर्णय (ati-nirṇaya) *adj.* extremely firm, of firm conviction केवलं क्षीणमनन आस्तेऽद्वैतेऽतिनिर्भय: (v. l. अतिनिर्णय:) SarvaVeSāSaṁ. 965 (Mysore Ed. 940); *m.* conclusive decision प्रवृत्ते पञ्चरात्रे हि साधनस्यातिनिर्णय: AnuVyā. 63A.9 (*on* 3.4)

अतिनिर्दय (ati-nirdaya) *adj.* exceedingly merciless or cruel परत्र लोको न तथातिनिर्दय: प्रवर्तते MaYānaSū. 20.3 (5.3); यून: स्थविरान् … हत्वा हत्वा प्रचिक्षेप सरय्वामतिनिर्दय: BrahmāṇḍP. ii. 51.65; रजकोऽतिनिर्दयोऽतिभारेण मां दमयति PañcT. 4.17 (387.33); Pañcākhyā. 237.5; अतिनिर्दय: …। एनामीदृशीं त्यक्त्वा गतोऽन्यस्या निकेतनम् S'ṛṅgāMañ.(A.) 22.15.

अतिनिर्दयम् (ati-nirdayam) *adv.* in an extremely cruel or merciless manner प्रकामकामैर्युवभि: सनिर्दयं (v. l. सुरतेऽतिनिर्दयम्) निशासु दीर्घास्वभिरामिताश्चिरम् ṚtuSaṁ. 5.7; गदापाणिभि: पुरुषैरतिनिर्दयं ताड्यमाना: (तर्कविद्या:) PraboCan. 6.23 (113.5)

अतिनिर्दयहृदयम् (atinirdaya-hṛdayam) *adj.* in a manner (exhibiting) extremely merciless heart अवरोधविलासिनीभिश्च … अतिनिर्दयहृदयं प्राणप्रयाणपर्यन्तजर्जरितकाय: YaśasCam. ii. 190.5.

अतिनिर्दलत्व (atinirdala-tva) *n.* the state of having no alternative सदसत्त्वेन गृह्णातीति न विकल्पितमतिनिर्दलत्वात् (भ्रान्तज्ञानम्) NyāyVārPari. 413.4.

अतिनिर्दिश् (atinir-diś-) VI. P. to extend an argument एतेन प्रधानमतनिराकरणन्यायेनानेन अतिनिर्दिश्यते BrahmSūBh.(Bhā.) 92.16 (*on* ii. 1.12)

अतिनिर्दोषत्व (atinirdoṣa-tva) *n.* the state of being exceedingly flawless or perfect अयमेव वेदान्तवादोऽतिनिर्दोषत्वादादरणीय: VivaPraSaṁ. 102.6.

अतिनिर्धन (ati-nirdhana) *adj.* [*f.* -ā] extremely poor or penniless दीर्घाङ्गुलीभि: कुलटा कृशाभिरतिनिर्धना SkandP. iv. 37.16; निहतोऽसौ मुनि: … प्रशान्तोऽप्यतिनिर्धन: DevīBhāP. vii. 6.15.

अतिनिर्धनत्व (atinirdhana-tva) *n.* excessive poverty, absolute pennilessness अतिनिर्धनत्वात्तं पुरं परित्यज्य … ग्रामे परिवसति KathāK. 1.10.

अतिनिर्धूतदोष (atinirdhūta-doṣa) *adj.* who is completely freed from all defects (of the humours) अतिनिर्धूतदोषस्य संनिरुद्धमार्गप्रचारस्य (गजस्य) कर्णशूलो भवत्यतिमात्रम् Hastyāyur. 620.3 (4.7)

अतिनिर्बन्ध् (ati-nirbandh-) IX. P. to insist too much (on) ननु कर्मविषये किं कश्चित्संशयोऽप्यस्ति येन पूर्वै: पूर्वतरं कृतमित्यतिनिर्बध्नासि Gūḍhārthadīpikā on BhagGī. 4.16.

अतिनिर्बन्ध (ati-nirbandha) *m.* **Ai** too much of insistence, great emphasis तत्रातिनिर्बन्धो न लाभ: MahāBh. iii. 321.9 (*on* vii. 3.14); (सीता) अतिनिर्बन्धं चकार परिपृच्छती PadmP. iv. 59.15; अलमतिनिर्बन्धेनात्रभवत: JātaMā. 25.16 (5.22); नैवातिनिर्बन्धान्निवर्तन्ते स्म ते यदा BṛKathāS'loSaṁ. 15.112; अतिनिर्बन्धेन पुन: पुनरावर्तनव्यसनितया न विहिता अप्रयत्नविरचितेत्यर्थ: VakroJī. 84.2; अलममुना प्रतिपन्नार्थविघातिना वादेनातिनिर्बन्धेन PrakaPañ. 304.10; अतिनिर्बन्धो यदि ते वच्मि तच्छृणु KathāSaSāg. viii. 6.101; अतिनिर्बन्धे तु क्षणिकनैरात्म्यादिप्रतिपादकानां तर्काभ्यास: ĀtmaTaVi. 909.20; CaṇḍaKau. 3.17 (3); NyāyRaMā. 63.4; अतिनिर्बन्धेन विभागजत्वेन

शब्दस्य नित्यत्वं वक्तव्यम् TātpṬ.(Vā.) 676. 3 (*on* v. 1. 5); PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. iii. 1. 32; राज्ञोऽतिनिर्बन्धादाचार्यैः ···साधवः ··· विहर्तुमादिदिशिरे ततोऽन्ध्रद्रमिलादिषु PariPar. 11. 99; 12. 279; अतिनिर्बन्धेन पुनः पृष्टः स्पष्टमाचष्ट TīrthaKa. 61. 23; PurāPraSaṁ. 84. 23; जाग्रत्प्रपञ्चस्य स्वप्नखपुष्पादितुल्यत्वमतिनिर्बन्धेन प्रत्याचष्टे SāṁkhyaPraBh. 40. 26 (*on* 1. 79); Kāśi. iii. 93. 16 (*on* 5(4). 167); **Aii** too much of obstinacy आगच्छ हे राजन्नलमतिनिर्बन्धेन ViṣṇuP. iv. 20. 28; **Aiii** too much of pressure अलं वृद्धेष्वतिनिर्बन्धेन NyāyKa. 144. 23; अलमनुकम्पनीयेष्वतिनिर्बन्धः Kiraṇā. 175. 8; **B** great elaboration अस्माभिश्चान्यत्र वितन्यत इतीहनातिनिर्बन्धः कृतः AbhinBhā. i. 336. 12 (*on* 6. 83); **C** great restraint ध्यानं तत्रातिनिर्बन्धो मनसः PañcDa. 7. 119.

अतिनिर्बन्धकारिन् (ati-nirbandhakārin) *adj.* insisting too much (श्रुतिः) परिपप्रच्छ शाकल्यम् ··· अतिनिर्बन्धकारिणम् BṛĀraUBhVā. iii. 9. 101.

अतिनिर्बन्धतस् (atinirbandha-tas) *adv.* with extreme persistence or pressure अतिनिर्बन्धतो वापि निषेध्योऽयं प्रमादवान् BṛĀraUBhVā. iii. 9. 60; अतिनिर्बन्धतश्चैवं पृच्छन्तं तमुवाच सा KathāSaSāg. v. 3. 163; PrabhāC. 123. 17.

अतिनिर्बन्धयितुम् (ati-nirbandhayitum) *inf.* to insist upon excessively अतः परं न ममा(? माम)तिनिर्बन्धयितुमर्हसि CaṇḍaKau. 3. 22 (7)

अतिनिर्बन्धविहिता (atinirbandha-vihitā) *adj.* (*f.*) arranged with excessive effort नातिनिर्बन्धविहिता नाप्यपेशलभूषिता VakroJī. 83. 20.

अतिनिर्बन्धसेवा (atinirbandha-sevā) *f.* very insistent usage or application गुणद्वयम्। तवैतद्दोषतां यातमतिनिर्बन्धसेवया DaśāvaC. 5. 144.

अतिनिर्बन्धिनी (ati-nirbandhinī) *adj.* (*f.*) extremely insisting upon (merriment) (भगिनीः) अतिनिर्बन्धिनीस्ताश्च मुनिः क्रुद्धः शशाप सः KathāSaSāg. v. 3. 58.

अतिनिर्बल (ati-nirbala) *adj.* very weak इति पक्षद्वयमतिनिर्बलम् NyāyVārPari. 87. 6.

अतिनिर्बाध (ati-nirbādha) *adj.* entirely free from trouble, undisturbed विविधैरतिनिर्विद्धैः (v. l. अतिनिर्बाधैः) (गोपुरैः) ··· शुशुभे योधरक्षितम् (तत्पुरोत्तमम्) MahāBhā. i. 199. 32.

अतिनिर्बीज (ati-nirbīja) *adj.* entirely baseless तदप्यतिनिर्बीजमित्याह TātpaṬ.(Vā.) 326. 25 (*on* i. 2. 1)

अतिनिर्भय (ati-nirbhaya) *adj.* extremely fearless आससाद रणे मृत्युः शक्तिहस्तोऽतिनिर्भयः PadmP. v. 68. 15; S'ivaP. iii. 30. 40 (332A. 3); रामः ··· सुखमास्तेऽतिनिर्भयः AdhyāRā. iii. 6. 14; iii. 6. 28; (रौहिणेयः) प्रासादशृङ्गमारुह्य बभाषेऽथातिनिर्भयः RauhiC. 178; एवं क्रीडति लोकोऽयं पुण्यग्रामेऽतिनिर्भयः AlaṅkāMañ. 196. 13.

अतिनिर्भर (ati-nirbhara) *adj.* very well-developed विभावैरतिनिर्भरैः ··· पुष्टम् (महाकाव्यम्) AgniP. 336. 31; भाव्यभावकभावजृम्भितातिनिर्भर° ··· विलीननिखिलस्वपरविभागतया प्रवृत्ताद्वैतं नमस्कारं कृत्वा TattvPradi.(A.) 6. 1 (*on* 1. 4)

अतिनिर्भरम् (ati-nirbharam) *adv.* **i** very closely or ardently दुर्योधनमतिनिर्भरमालिलिङ्ग लक्ष्मीः AvantiKa. 47. 9; SūktiMu. 78. 17; **ii** very thoroughly (पिधाय) च श्रवणयुगलमतिनिर्भरं प्रमीलावलम्बिलोचनायामो विश्रान्तुलोमः सुष्वाप YaśasCam. ii. 284. 7; **iii** very confidently गृहं नियोगिकान्तायाः प्रविशत्यतिनिर्भरम्। एषा श्रमणिका NarmaMā. 2. 29.

अतिनिर्मथन (ati-nirmathana) *n.* **i** excessive churning अतिनिर्मथनादेव कालकूटस्ततः परः MahāBhā. i. 274*(3); अतिनिर्मथनाज्जातं क्षीराब्धेश्च हलाहलम् SkandP. i(1). 9. 97; **ii** excessive rubbing अतिनिर्मथनादग्निश्चन्दनादपि जायते BṛĀraUBhVā. iii. 9. 63 = SūktiRa. 156. 28; Subhāṣi. 2655.

अतिनिर्मन्थन (ati-nirmanthana) *n.* excessive rubbing अतिनिर्मन्थनादग्निश्चन्दनादपि जायते S'ārṅgaPa. 288.

अतिनिर्मल (ati-nirmala) *adj.* [*f.* -ā] **Ai** (concrete objects) very clean तया संपूजितस्तत्र शयने चातिनिर्मले MahāBhā. xiii. 192*; (मन्त्रविद्) विस्तीर्य पुरतः शाटिकामतिनिर्मलाम् AhirbuS. 28. 31; SkandP. iv. 33. 170; परमेश्वरः ··· जटाश्रितं वारि गृहीत्वा चातिनिर्मलम् LiṅgaP. i. 43. 32; ĪśānS'iPa. i. 21. 142; स किंचिदासाद्य सरोऽतिनिर्मलम् S'ivLī. 16. 38; NīlaVi. 54. 7; **Aii** very pure, extremely clear पुण्यवन्तो महासत्त्वा पुरुषास्तेऽतिनिर्मलाः PadmP.(Ra.) 17. 54; SkandP. iv. 22. 9; त्रपु। जायते कलधौतं तु रजतं वातिनिर्मलम् LakṣmīT. 46. 35; PadmP. iv. 66. 139; वक्त्राणि यस्मिन्मुनिपादपानामाभान्ति पुष्पाण्यतिनिर्मलानि S'ivLī. 2. 29; NīlaVi. 95. 21; **Aiii** extremely bright or lustrous सुभाषितम् ··· धत्ते हृदयेन सज्जनो हरिर्मैहारत्नमिवातिनिर्मलम् Kād. 2. 12 = SūktiRa. 1. 10; UdaySuKa. 67. 5; समादभ्यधिकं यावत् काञ्चनं चातिनिर्मलम् CaturCin. i. 183. 12; **Bi** (abstract things) extremely brilliant अतिनिर्मलाम्। वाग्देवीम् ··· स्फुटयन्निव MahāP. 2. 86; का कथा अतिनिर्मलायाः प्रतिभायाः देशकालकृतस्पर्शे Bhāsk. i. 353. 4 (*on* i. 7. 1); **Bii** extremely spotless चन्द्रकलेवातिनिर्मला सा मे Kāvyālaṅ.(Ru.) 8. 26; Vāgbhaṭā. 4. 59; अतिनिर्मला। इयं न्यायसुधा NyāySu.(Ja.) 657A. 1 (?*on* iv. 4); CaturCin. i. 183. 12; **Biii** very pure ब्रह्म···। क्षयत्पुण्योपरमे क्षीणक्लेशोऽतिनिर्मलः ViṣṇuP. i. 22. 54; (पर्यायाः) संवेद्यन्ते ततः स्पष्टं नैरात्म्यं चातिनिर्मलम् TattvSaṁ. 324; MahāP. 1. 53; किमियं करुणा शरीरिणी मुदितेयं यदि वातिनिर्मला RāmC. 12. 93; 33. 89; SaṁkṣeS'ā. 3. 128 (ii. 225. 24); मनोऽतिनिर्मलं तस्य स सम्यक्फलभाग्भवेत् DevīBhāP. iv. 4. 43; AdhyāRā. i. 1. 35; वक्ष्यामि तस्य चरितं चन्द्रादप्यतिनिर्मलम् TrisaS'aPuC. iv. 2. 2; S'aṁgīRa. iv. 136. 5 (7. 383); CaturCin. i. 164. 6; उन्नतपयोधरयुग्मसेवाम्। चक्रुर्मनांसि यमिनामतिनिर्मलानि BhikṣāKā. 2. 15; S'ārṅgaPa. 3343.

अतिनिर्मलचित्ता (atinirmala-cittā) *adj.* (*f.*) very pure in mind अहमतिनिर्मलचित्ता StavMā. 271. 1.

अतिनिर्मलत्व (atinirmala-tva) *n.* **i** extreme cleanliness, the state of being extremely clean दिनमभजत सर्वतोऽग्निशौचं वसनमिव क्रमशोऽतिनिर्मलत्वम् HarVi. 28. 83; **ii** extreme lustre or brilliance अतिनिर्मलत्वात् ··· दर्पणं तं परिभवति LalitāSaBh. 33. 5 (*on* 60); **iii** extreme purity अतिनिर्मलत्वेन आभासमेदसहिष्णुत्वात् Bhāsk. ii. 201. 7 (*on* ii. 4. 19); तस्मिन् काले अतिनिर्मलत्वेन ··· जडान् प्रति तद्रूप एव भाति Bhāsk. ii. 236. 22 (*on* iii. 1. 9)

अतिनिर्मांस (ati-nirmāṁsa) *adj.* highly emaciated (चरणैः) करालैरतिनिर्मांसैः···दारिद्र्यम्···प्राप्नुवन्ति (योषितः) BhaviP. 20B. 27 (i. 5. 13)

अतिनिर्मांसता (atinirmāṁsa-tā) *f.* excessive emaciation अतिनिर्मांसतया समुत्कीर्णमिव वदनमुद्वहन्तम् ··· इन्द्रायुधमद्राक्षीत् Kād. 79. 4.

अतिनिर्मिता (ati-nirmitā) *adj.* (*f.*) very well-fashioned पिङ्गला कन्यका देवि कान्यकुब्जे बभूव ह। ···सौन्दर्येणातिनिर्मिता SkandP. v(2). 81. 36.

अतिनिर्या (ati-niryā-) II. P. to go all the way through [DBHS]

अतिनिर्लज्ज (ati-nirlajja) *adj.* [*f.* -ā] extremely shameless कामुकं चातिनिर्लज्जम् (शिष्यं विवर्जयेत्) KulārT. 13. 17; धिक् त्वां राधेऽतिनिर्लज्जां तवैव जीवनं वृथा BrahmVaiP. iv. 94. 13.

अतिनिर्लिप्त (ati-nirlipta) *adj.* completely unsullied ध्याये तम्···परमात्मानमीश्वरम्। निरीहमतिनिर्लिप्तम् PañcaRā.(Nā.) i. 1. 4.

अतिनिर्वचनीय (ati-nirvacanīya) *adj.* very inexpressible शिवलोकोऽद्भुतः ···। अतिनिर्वचनीयश्च S'ivaP. v. 19. 42 (428B. 2)

अतिनिर्वसुत्व (atinirvasu-tva) *n.* excessive poverty अतिनिर्वसुत्वाज्जहद्वपुः। सोऽहं हारितसर्वस्वः शोचन् RājTa.(Ka.) 6. 49.

अतिनिर्वहणैषिता (atinirvahaṇaiṣi-tā) *f.* desire to carry (a thing) to the extreme काले च ग्रहणत्यागौ नातिनिर्वहणैषिता Dhvanyā. 2. 18.

अतिनिर्वहणैषिन् (atinirvahaṇaiṣin) *adj.* desirous of carrying (a thing) to the extreme अकठोराक्षरादानं नातिनिर्वहणैषिणः SaraKaṇṭhā. 238. 15.

अतिनिर्वात (ati-nirvāta) *adj.* (place) absolutely free from wind, quiet (place) मध्यरात्रेऽतिनिर्वाते जपेद्युतमादरात् LiṅgaP. i. 85. 225.

अतिनिर्वाह (ati-nirvāha) *m.* extreme completion तत्परत्वे काले ग्रहत्यागयोर्नातिनिर्वाहे निर्वाहेऽप्यङ्गत्वे रसोपकारिणः Kāvyānu.(He.) 20. 10.

अतिनिर्विण्ण (ati-nirviṇṇa) *adj.* [*f.* -ā] greatly dejected, very much depressed अतिनिर्विण्णां दीनामनुगृहाण माम् MahāP. 6. 133; दारिद्र्येणातिनिर्विण्णः SkandP. vii(1). 225. 7; इदानीमतिनिर्विण्णा देहस्यास्य विसर्जनम्। कर्तुमिच्छामि PadmP. iv. 72. 33; RāmāMañ. 215. 11; श्वश्रूस्नुषे अतिनिर्विण्णे अतिजागरणात् PrabaK. 25. 20.

अतिनिर्विण्णचेतस् (atinirviṇṇa-cetas) *adj.* of greatly depressed mind एकदा तु मया राजन्नतिनिर्विण्णचेतसा MārkP. 20. 47.

अतिनिर्विण्णता (atinirviṇṇa-tā) *f.* great depression अप्रह्वे तव चेतसि प्रणयिनि प्राप्तेऽतिनिर्विण्णताम् S'ārṅgaPa. 3553.

अतिनिर्विण्णमनस् (atinirviṇṇa-manas) *adj.* with an extremely depressed mind ततोऽतिनिर्विण्णमना गतोऽहं कोकामुखम् BrahmP. 228. 84.

अतिनिर्विद्ध (ati-nirviddha) *adj.* completely free from breaches (पुरश्रेष्ठम्) गुप्तमभ्रचयप्रख्यैर्गोपुरैर्मन्दरोपमैः। विविधैरतिनिर्विद्धैः MahāBhā. i. 199. 32 (Nīla अच्छिद्रैः अभेद्यैर्वा)

अतिनिर्वृत (ati-nirvṛta) *adj.* [*f.* -ā] very happy तस्य च पुत्रपौत्रदौहित्राः ··· सदाहर्निशमतिनिर्वृता रेमिरे ViṣṇuP. iv. 2. 71; अहो बतायं अतिनिर्वृत्तः- (? तः) प्रत्ययतपस्वी यस्यासत्यपि निरूपणमायतते Bhām. 12. 5 (*on* i. 1. 1); प्रेमातिभरनिर्भिन्नपुलकाङ्गोऽतिनिर्वृतः BhāgP. i. 6. 18; प्रजाः सः ··· अवर्धयत्··· अतिनिर्वृताः SkandP. v(2). 74. 21; PadmP. iv. 16. 53.

अतिनिर्वृति (ati-nirvṛti) *f.* great satisfaction तद्दर्शनाम्बुनाङ्गानि प्राप-

याम्यतिनिर्वृतिम् PadmP.(Ra.) 81.84; पुष्पेषुरात्मशरतूलिकया लिलेख तेनैतदित्थमतिनिर्वृतिहेतुचित्रम् UdaySuKa. 58.8; युष्माभिर्नातिनिर्वृत्या तदा दृष्टं रसातलम् KathāSaSāg. xvii. 6.49.

अतिनिर्वृत्तदेहाङ्ग (atinirvṛtta-dehāṅga) *adj.* whose limbs of body are excessively developed नातिनिर्वृत्तदेहाङ्गो यस्या गर्भो विनश्यति KāśyaS. 192B. 9.

अतिनिर्वेद (ati-nirveda) *m.* excessive dejection तस्य चापुत्रस्यातिनिर्वेदात् ⋯ निवसतो दयालुभिर्मुनिभिः ⋯ इष्टिः कृता ViṣṇuP. iv. 2.49; ततोऽहमतिनिर्वेदादात्मव्यापादनोद्यता । निवारिता MārkP. 64.12; TāpaVa. 1.4(8)

अतिनिर्हन् (ati-nirhan-) II. P. to lower down considerably स्वरितं नातिनिर्हण्यात् ṚPrāti. 3.18.

अतिनिर्हारिन् (ati-nirhārin) *adj.* widely diffusive तस्य आमोदेन अतिनिर्हारिणा परिमलेन YaśasCam. i. 101.18 (comm.); आमोदः सोऽतिनिर्हारी AgniP. 360.52.

अतिनिवर्तितुम् (atinivart-itum) *inf.* to set aside, to avert अवश्यभावी वै योऽर्थो न स शक्यो निवर्तितुम् (v. l. न शक्योऽतिनिवर्तितुम्) MahāBhā. vi. 117.24.

अतिनिवात (ati-nivāta) *adj.* absolutely free or sheltered from the wind अतिनिवातसौधमध्यसमध्यासिन इव स्थण्डिलशायिनः (सुदत्तस्य) YaśasCam. i. 62.4.

अतिनिवृत्ति (ati-nivṛtti) *f.* absolute abstinence नाप्यतिनिवृत्तिः जडीभावमात्रेऽप्युपनिपातिदुःखानिवृत्तेः ĀtmaTaVi. 496.10.

अतिनिवेद्य (ati-nivedya) *ger.* having offered ताम्बूलमप्यतिनिवेद्य PañcaRā.(Nā.) iii. 9.4.

अतिनिवेशित (ati-niveśita) *adj.* well-placed or employed दूयामि भरतश्रेष्ठ दृष्ट्वा ते भ्रातरं प्रियम् । गोषु गोवृषसंकाशं मत्स्येनाभिनिवेशितम् (v. l. °नातिनिवेशितम्) MahāBhā. iv. 18.26.

अतिनिशात (ati-niśāta) *adj.* very sharp (कश्चिद्दयितामपश्यत्) स्मरद्विपस्याम्बुजिनीमिवातिनिशातनाराचविषाणभग्नाम् HarVi. 25.61.

अतिनिशित (ati-niśita) *adj.* very sharp सापि ⋯ भ्रमन्ती कथमपि विन्ध्यवनमिदम् ⋯ अतिनिशितशरकुशपरुषम् ⋯ अविशत् HarṣaC. 320.20; 169.7; अतिनिशितशरशतजर्जरितजयकुञ्जरम् ⋯ कुम्भकर्णैन्यं भङ्गमगमत् SthānṬ. 402B. 6; गुणवद्विपरीतं न चातिनिशितं शस्त्रमवचारयेत् Hastyāyur. 520.19 (3.30); अतिनिशितनखरायुधविर्तीर्यमाणनानाविधममैवेद(? ध)म् YātrāPra. 4.138(9); VasaTi. 33.5.

अतिनिशिताशय (atiniśitāśaya) *adj.* of a very powerful intention यदयमतिनिशिताशयस्तारकहतकः ⋯ भोगसामग्रीं हृतवान् Manmatho. 1.25 (426.13)

अतिनिश्चल (ati-niścala) *adj.* **i** absolutely motionless अतिनिश्चलानि मुखान्युद्वहमानैः ⋯ कृष्णसारैः श्रूयमाणः ⋯गीतझात्कारः कर्णमूलमविशत् TilaMañ. 227.7; GaṇeP. i. 37.7; **ii** absolutely unwavering क्लिष्टं स्थिरसानन्दं सुलीनमतिनिश्चलं परानन्दम् (चेतः) YogŚā. 12.4.

अतिनिश्चलकण्ठ (atiniścala-kaṇṭha) *adj.* causing excessive rigidity to the neck (सर्षपविषम्) पीतनेत्रमलमूत्रकरं तद्रसनाभमतिनिश्चलकण्ठम् KalyāKā. 19.40.

अतिनिश्चलनिश्चया (atiniścala-niścayā) *adj.* (*f.*) with a very firm resolve तस्मान्न शक्यते वाक्यशतैरपि निवर्तयितुमतिनिश्चलनिश्चयैषा TilaMañ. 295.4.

अतिनिश्चित (ati-niścita) *adj.* very definite यत्सहासं मुखं कोऽपि स्त्रीणां मे नातिनिश्चितम् । मरणे व्यवसायस्य स कोपस्खलितः क्रमः BṛKathāMañ. 7.452.

अतिनिःशङ्क (ati-niśśaṅka) *adj.* absolutely fearless ततोऽसौ खड्गमालम्ब्य दक्षिणो दक्षिणे करे । केसरीवातिनिःशङ्कः प्रविवेश स गोपुरम् PadmP.(Ra.) 28.85.

अतिनिःशब्द (ati-niśśabda) *adj.* absolutely quiet, very silent (हर्षः) तत्र चातिनिःशब्दे गृहावग्रहणीग्राहिबहुवेत्रिणि ⋯ धवलगृहे स्थितम् ⋯ पितरमद्राक्षीत् HarṣaC. 216.4.

अतिनिःशोषिताङ्गी (atiniśśoṣitāṅgī) *adj.* (*f.*) with very emaciated limbs or body तन्वी युष्मद्विरहतपनेनातिनिःशोषिताङ्गी PadyaVe. 396.

अतिनिःश्वस् (ati-niśśvas-) II. P. to breathe or sigh violently [MW]

अतिनिःश्वस्य (ati-niśśvasya) *ger.* having sighed heavily or violently शुकः । सुदीर्घमभि (v. l. ति) निःश्वस्य ⋯ उवाच MahāBhā. xiii. 5.19; ततः सुमन्त्रमैक्ष्वाकः पीडितोऽत्र प्रतिज्ञया । सबाष्पमतिनिःश्वस्य जगादेदं पुनः पुनः Rāmā. ii. 32.1.

अतिनिषिद्ध (ati-niṣiddha) *adj.* very much withdrawn आलि निन्दसि किं वृथा स्वपदयोरालक्तकं नेक्षसे सर्वत्रातिनिषिद्धमेव हृदयं किं भाषसे निष्ठुरम् BhāvS. 38.

अतिनिषेध (ati-niṣedha) *m.* **i** absolute denial (हिंसा) हितस्यातिनिषेधश्च मर्मोद्घाटनमेव च ⋯ दशविधा च सा AgniP. 371.6; **ii** absolute prohibition अविशेषेण सर्वभूतानां हिंसा निषिद्धा पुनर्वचनमाचार्यादीनां मातापित्रादीनामतिनिषेधार्थम् DaṇḍaVi. 10.16.

अतिनिषेधार्थम् (atiniṣedhārtham) *adv.* for the purpose of absolute prohibition सर्वभूतानां हिंसा निषिद्धा पुनर्वचनमाचार्यादीनां मातापित्रादीनामतिनिषेधार्थम् DaṇḍaVi. 10.16.

अतिनिषेव् (ati-niṣev-) I. Ā. to enjoy very much स यदा वाततो(लो) जन्तुः⋯अतिहसति स्त्रियो वातिनिषेवते BhelaS. 54.9 (2.3)

अतिनिषेवण (ati-niṣevaṇa) *n.* excessive enjoyment शुक्रम् ⋯। क्षयं गच्छति ⋯ स्त्रीणां चातिनिषेवणात् CaraS. vi. 2 (4).43 (1922 Ed.) = SiddhYo. 70.46.

अतिनिषेवा (ati-niṣevā) *f.* excessive engrossment विशुद्धं कार्यकरणं सत्त्वस्यातिनिषेवया । परिपक्वकषायो हि ⋯ दोषानप्रपश्यति BrahmāṇḍP. iii. 3.63.

अतिनिषेवित (ati-niṣevita) *adj.* [*f.* -ā] very much enjoyed उत्थानाद्यासनं स्थानं शय्या चातिनिषेविता । प्राग्वयान्मारुतादङ्गरुजस्तस्माद्विवर्जयेत् SuśruS. i. 19.13; **ii** drunk in excess (कटुरसः) कुरुतेऽतिनिषेवितः स तृष्णामदमूर्च्छादवमोहदेहसादान् AṣṭāSaṁ. i. 98.6 (1.18)

अतिनिष्कम्प (ati-niṣkampa) *adj.* extremely motionless, absolutely unagitated एवमतिनिष्कम्पस्तम्भितान्तःकरणस्यापि मम⋯अयमावेगः UttaRāC. 3.36 (3)

अतिनिष्करुण (ati-niṣkaruṇa) *adj.* [*f.* -ā] extremely cruel, very hard-hearted इयम् ⋯ अतिनिष्करुणस्य शुद्धशीला मम दीर्घं विरहव्रतं बिभर्ति Śāk. 7.21 = SaraKaṇṭhā. 656.17; अकरिष्यदसौ पापमतिनिष्करुणैव सा । नाभविष्यमहं तत्र यदि तत्परिपन्थिनी MālaMā. 9.354.

अतिनिष्कर्ष (ati-niṣkarṣa) *m.* ultimate purport, final conclusion वाक्यस्फोटोऽतिनिष्कर्षे तिष्ठतीति मतस्थितिः VaiyāBhū. 59 (236.2)

अतिनिष्कला (ati-niṣkalā) *adj.* (*f.*) completely free from limiting activity शिवा सर्वगतानन्ता गुणातीतातिनिष्कला KūrmaP. 101.16 (1.12)

अतिनिष्कस् (ati-niṣkas-) I. P. [caus.] to expel or ban completely (सः) दर्पोच्छ्रितान्मानमदावलेपान् दूरं स्वदेशादतिनिश्चकास VarāṅgaC. 22.6.

अतिनिष्क्रम्य (ati-niṣkramya) *ger.* having come out पातालादतिनिष्क्रम्य महीं पर्यचरज्जवी VāmaP. 65.135.

अतिनिष्क्रान्त (ati-niṣkrānta) *adj.* past, completely over (मासे) चतुर्थे समभिक्रान्ते (v. l. ह्यतिनिष्क्रान्ते) प्रथमे दिवसे गते । वराहसंस्थितं भूतं मत्समीपमुपागमत् MahāBhā. iii. 163.17.

अतिनिष्टन् (ati-niṣṭan-) IV. P. to force one's way through मघवानो वयं च मिहं न सूरो अति निष्टतन्युः ṚV. i. 141.13 (Sāy. निष्पूर्वः स्तनतिः)

अतिनिष्टप् (ati-niṣṭap-) I. P. to burn very much अपशब्येव तु वा ईश्वरा पशून्निर्दहः किलासत्त्वान्नुभयमति हि निष्टपतः PañcBr. ii. 17.3.

अतिनिष्ठाभर (atiniṣṭhā-bhara) *m.* burden of great devotion समाराधयिषुर्लोकस्वामशोकः सयोन्नते । अकुण्ठोत्कण्ठया तिष्ठत्यतिनिष्ठाभरान्वितः ParamāKā. 26.61.

अतिनिष्ठाभू (atiniṣṭhā-bhū) *f.* place of extreme devotion श्वेताम्बरोऽतिनिष्ठाभूर्दृष्टोऽयं निःपरिग्रहः PrabhāC. 47.29.

अतिनिष्ठित (ati-niṣṭhita) *adj.* extremely well-versed चन्द्रसेनाभिधस्तत्र राजा⋯धनुर्वेदेऽतिनिष्ठितः DevīBhāP. v. 17.5.

अतिनिष्ठुर (ati-niṣṭhura) *adj.* [*f.* -ā] **1A** very cruel, harsh, merciless, hard-hearted (persons) निर्लज्जो भृशमतिनिष्ठुरोऽतिशूरः । शौचद्विड् भवति रक्षसा गृहीतः SuśruS. vi. 60.14 = RugVi. 20.24; अधर्मशाठ्याभिरता स्थिरक्रोधातिनिष्ठुरा ।⋯ आसुरं शीलमाश्रिता NāṭyaŚā. 22.104; धिङ् माम् ⋯ अतिनिष्ठुरम् Kād. 35.13; (पुत्रः) मृते तु तस्मिन्पितरि मातर्येवातिनिष्ठुरः ।⋯ जायते नात्र संशयः PadmP. ii. 12.9; ii. 105.19; गृहीतमिति तं प्राह विश्वामित्रोऽतिनिष्ठुरः DevīBhāP. vii. 19.27; चिरकालं स्थितोऽस्यत्र मां विहायातिनिष्ठुर GaṇeP. ii. 21.39; पराधीनोऽतिनिष्ठुरः ⋯ ज्ञातव्यो मृदुसाधकः ŚivS. 5.20; अतिष्ठत्स नृपो मल्लशिलापृष्ठेऽतिनिष्ठुरः RājTa.(Śrī.) 4.579; **1B** very severe, sharp, inflicting injury mercilessly (weapons and implements) (क्रकचाग्रधारा) दारयन्ती हृदयमतिनिष्ठुरा पतति AvantiKa. 57.7; समं दोर्दण्डशौण्डीर्यसौष्ठवैरतिनिष्ठुराः । कर्णस्य मार्गणान् मार्गे चिच्छिदुस्तस्य सायकाः PāṇḍaC. 13.463; **2** very harsh, abusive (words, speech) कथं प्रिये त्वया प्रोक्तं वचनं त्वतिनिष्ठुरम् DevīBhāP. vii. 26.56; हतेति लोकविदितं त्रस्तेति स्त्रीजनोचितम् ।

शुष्यतीति प्रलापो यः संस्थास्मीत्यतिनिष्ठुरम् RāmāMañ. 263.23; **3** very harsh (sound) अतिनिष्ठुरेण खुरपुटानां रवेण ··· बधिरीकृतसकलभुवनविवरम् ··· अश्वसैन्यमपश्यत् Kād. 81.14; ज्याघोषः शुश्रुवे तस्य दिविस्पृगतिनिष्ठुरः BrahmāṇḍP. ii. 57.44; **4** very rigid, stiff (limbs of the body) सवेदनौ रूक्षतरातिनिष्ठुरौ । यदैवमोष्ठौ भवतस्तु वातजौ KalyāKā. 15.46; **5A** very hard, strong, compact, solid (limbs of the body) अतिनिष्ठुरप्रकोष्ठनिहितैकै(? क)ह्याटककटकम् ··· नाविकयुवानमद्राक्षम् TilaMañ. 125.16; 139.8; अतिनिष्ठुरेण मुष्टिना गाढमभिघ्नन्तं हनूमन्तम् RāmāCam. 6.49 (2); **5B** very harsh, compact, solid (coral) विद्रुमं नाम तद्रत्नम् ··· हिमाद्रौ यत्तु संजातं तद्रक्तमतिनिष्ठुरम् YuktiKa. 105.11; *n.* extreme cruelty, mercilessness, unkindness दारिद्र्यादसहिष्णुतामलिनताकार्पण्यकालाज्ञतापारुष्यादतिनिष्ठुरात्प्रणयिनः भूषानिषेधादपि । मिथ्यादोषविशङ्कनादतिशयोद्योगाद्वियोगात्तथा कार्कश्याद्रुषो व्रजन्ति नियतं वैराग्यमुच्चैः स्त्रियः RatiRaha. 4.23 (comm. अतिनिष्ठुरत्वात्)

अतिनिष्ठुरता (atiniṣṭhura-tā) *f.* extreme cruelty हृदयं तव ।··· अतिनिष्ठुरतां प्राप्तं कृतघ्नस्येव मानसम् GaṇeP. i. 8.3.

अतिनिष्ठुरप्रहार (atiniṣṭhura-prahāra) *m.* very hard blow इतरस्य ··· अतिनिष्ठुरप्रहारपीडिताखिलावयवस्य ··· बलहानिरभूत् ViṣṇuP. iv. 13.51.

अतिनिष्ठुरम् (ati-niṣṭhuram) *adv.* **i** very forcibly, very strongly तस्याश्रमे मातरिश्वा न ववावतिनिष्ठुरम् MārkP. 99.3; **ii** very harshly, in a very cruel manner निरवशेषमतिनिष्ठुरमुपालब्धाः स्मः UttaRāC. 4.10 (4); आः कष्टमनपराधिनमपि परिजनमतिनिष्ठुरं निर्भर्त्सयन्ती वृद्धवर्षकी समापतति VasaTi. 10.16.

अतिनिष्ठुररुष् (atiniṣṭhura-ruṣ) *adj.* very severely angry तस्यातिनिष्ठुररुषो विकटाट्टहासभासावभासितसभाभवनं बभासे HarVi. 34.13.

अतिनिष्ठुरवचन (atiniṣṭhura-vacana) *n.* very harsh words माम् ··· अतिनिष्ठुरवचनैर्निर्भर्त्स्य PañcT. 3.57 (34) (317.8)

अतिनिष्ठुरवाच् (atiniṣṭhura-vāc) *f.* very harsh speech तत्रोदतिष्ठदतिनिष्ठुरवाग्जनानाम् RājTa.(Śri.) 3.505.

अतिनिष्ठुरविध्वंसिन् (atiniṣṭhura-vidhvaṁsin) *adj.* very cruelly destructive अतिनिष्ठुरविध्वंसिसिंहनादभयंकरे ।··· प्रवृत्ते घोरसंग्रामे BrahmāṇḍP. iii. 23.26.

अतिनिष्णात (ati-niṣṇāta) *adj.* very skilful, very clever अतिनिष्णातश्च मदनतन्त्रे मामभ्युपेत्य धनमित्रो रहस्यकथयत् DaśKuC. 53.10; तरीतुमतिनिष्णातस्तीरे त्यक्त्वा गदां मुदा । स जगाहे तडागम् PāṇḍaC. 8.440.

अतिनिष्णातमति (atiniṣṇāta-mati) *adj.* whose intellect is very keen or well-trained कोऽप्येष महापुरुषः ··· खड्गविद्यायामतिनिष्णातमतिः RasSa. 207.(1–2)

अतिनिष्पन्दता (atiniṣpanda-tā) *f.* the state of being absolutely motionless मकरन्दलोभलग्नैरतिनिष्पन्दतया प्रसुप्तैरिव ··· मधुकरैः सारीकृताभिः पारिजातकुसुमस्रग्भिरभ्यर्चिताम् ··· प्रतिमामपश्यत् (समरकेतुः) TilaMañ. 217.13.

अतिनिष्पीड् (ati-niṣpīḍ-) x. P. to press hard (in pronouncing) नातिनिष्पीडयेद्वर्णान्न चाव्यक्तानुदाहरेत् MāṇḍuŚi. 12.9.

अतिनिष्प्रकम्प (ati-niṣprakampa) *adj.* absolutely unwavering (in mind) शुद्धात्मानमेष मोहमुत्साय यथास्थितमेवातिनिःप्र(? निष्प्र)कम्पः संप्रतिपद्येत TattvPradi.(A.) 268.3 (*on* 2.108)

अतिनिष्प्रभ (ati-niṣprabha) *adj.* very spiritless, very sullen (गजः) अतिनिष्प्रभः···दीनाख्यः कुरुते दीनं भूभुजं नात्र संशयः YuktiKa. 202.14.

अतिनिष्प्रभवपुस् (atiniṣprabha-vapus) *adj.* with a body which has lost its brightness स्थूलोऽतिनिष्प्रभवपुर्मरणं विपश्येत् ।···मनुष्यः HāriS. ii. 5.5.

अतिनिष्फला (ati-niṣphalā) *adj.* (*f.*) absolutely fruitless, vain, futile जीवितं चेष्यते दीर्घं वाञ्छा तस्यातिनिः(? ष्फ)फला PadmP.(Ra.) 59.30.

अतिनिस्तरङ्ग (ati-nistaraṅga) *adj.* extremely unshakable (i.e. irrefutable) तदतिनिस्तरङ्गमेतत् NyāyKuA. i. 125.1.

अतिनिस्तुष (ati-nistuṣa) *n.* complete freedom from chaff (i.e. fault) विनयात्तनयानां च स्नुषायाश्चातिनिस्तुषात् । ससार राज्यसौख्यानां नैव कुन्ती कदाचन PāṇḍaC. 8.36.

अतिनिस्त्रपा (ati-nistrapā) *adj.* (*f.*) absolutely shameless मदनाकुलितातिनिस्त्रपा···। सुरताय परालये व्रजेत् कवयस्तामभिसारिकां जगुः AnaṅgaRa. 10.54.

अतिनिस्पन्दता (atinispanda-tā) *f.* the state of being absolutely motionless अतिनिस्पन्दतया ··· इन्द्रियैः शून्यीकृतशरीरम् ··· तमहमद्राक्षम् Kād. 153.5.

अतिनिस्रुतरक्त (atinisruta-rakta) *adj.* who has excessive loss of blood अतिनिस्रुतरक्तो वा क्षौद्रयुक्तं पिबेदसृक् SuśruS. vi. 45.28; अतिनि(?:)स्रुतरक्तो वा क्षौद्रेण रुधिरं पिबेत् AṣṭāSaṁ. ii. 17.12 (4.3)

अतिनिस्वत्वता (atinisvatva-tā) *f.* extreme poverty नीचशत्रुगते जीवे···। निर्मितं सदनं शश्वदतिनिस्वत्वतां(? °निःस्व°) गतम् VasiS. 39.31.

अतिनिःसहवपुस् (atinissaha-vapus) *adj.* whose body is very unbearable भीमोऽतिनिःसहवपुस्तदुत्सङ्गात्पपात च PāṇḍaC. 3.68.

अतिनिःसार (ati-nissāra) *adj.* utterly devoid of any substance, absolutely worthless सम्पदश्चातिचञ्चलाः । संसारश्चातिनिःसारस्तत्कथं विश्वसेद्बुधः BrahmāṇḍP. ii. 53.48.

अतिनिःसृत (ati-nissṛta) *adj.* excessively coming down, coming too low यस्य ··· वृषणावतिनिःसृतौ ··· सर्वे ते कालचोदिताः AṣṭāHṛ. ii. 5.13; यस्य··· अतिनिःसृतौ वा वृषणौ ··· स मुमूर्षुः AṣṭāSaṁ. i. 244.1 (2.9)

अतिनिःसृतरक्त (atinissṛta-rakta) *adj.* whose loss of blood is excessive अतिनिःसृतरक्तस्तु भिन्नकोष्ठः पिबेदसृक् AṣṭāSaṁ. ii. 299.13 (6.31)

अतिनिःस्पृह (ati-nisspṛha) *adj.* entirely free from desire, very unselfish सकाशेऽभयसेनस्य निर्ग्रन्थस्य महात्मनः । राजानन्तरथेनामा (? °थो नाम) प्रवव्राजातिनिःस्पृहः PadmP.(Ra.) 22.167.

अतिनिःस्रुत् (ati-nissrut) *f.* excessive purging क्षीणधातुबलार्तस्य बहुदोषोऽतिनिःस्रुतः । आमोऽपि स्तम्भनीयः स्यात् पाचनान्मरणं व्रजेत् SiddhYo. 3.18 (comm. अतिस्रुत्या)

अतिनिःस्रुतरक्त (atinissruta-rakta) *adj.* whose blood has come out profusely, with excessive haemorrhage अतिनिःस्रुतरक्तो वा भिन्नकोष्ठः पिबेदसृक् SuśruS. iv. 2.54.

अतिनिःस्व (ati-nissva) *adj.* very poor प्रालेयरश्मौ यदि लग्नसंस्थे वलक्षपक्षेऽपि भवेत्स रोगी । व्रती च सौम्यग्रहवर्गगेऽपि खलोऽतिनिःस्वः श्रुतिकर्महीनः VasiS. 29.45; यश्चातिनिःस्वः पुरुषः ··· । पुष्पार्चनविधानेन स कुर्याद्वत्सरत्रयम् BhaviP. 728B.20 (iv. 85.15)

अतिनिःस्वता (atinissva-tā) *f.* utter penury, extreme poverty ह्रस्वयातिनिःस्वता दीर्घया कुलक्षयः (योषितः ग्रीवया) BṛSaṁ. 70.18.

अतिनिह्नुत (ati-nihnuta) *adj.* quite concealed किन्तु प्रसादनभयादतिनिह्नुतेन कोपेन कोऽपि निहितोऽद्य रसावतारः SubhāRaK. 21.55.

अतिनिह्नुत्य (ati-nihnutya) *ger.* denying obstinately [MW]

अतिनी (ati-nī-) I. P. **A** to lead beyond, to conduct across अति नः सश्चतो नय ṚV. i. 42.7; नयसीद्वति द्विषः ṚV. vi. 45.6; यमादित्यासो नयथा सुनीतिभिरति विश्वानि दुरिता स्वस्तये ṚV. x. 63.13; सजोषसो यमर्यमा मित्रो नयन्ति वरुणो अति द्विषः ṚV. x. 126.1; x. 126.2; x. 133.6; अत्येनं नेषद्दुरितानि विश्वा दीर्घायुत्वाय शतशारदाय AV. vi. 110.2; याभिरिन्द्रमनयन्नत्यरातीः TaiS. I. viii. 11.1 = VājaS. 10.1; इन्द्रो नेषदति दुरितानि विश्वा TaiS. V. viii. 2.3; MantrBr. ii. 1.9; तम् ··· दण्डवधमतिनयन्ति ŚatBr. V. iv. 4.7; **B** to pass (time) सप्तमीं नातिनयेत् GopBr. i. 2.6; (बिलम्) तृतीयवेलामतिनयति ĀpaŚS. xv. 3.5; कालं वातिनयेत् पुनर्ब्रह्मौदनम् ··· आदध्यात् MānŚS. 97.5; संभोगहृदमग्नौ तौ द्वियामीमतिनिन्यतुः PariPar. 2.504; 2.679; गोपाः ··· कालं कठोरातपमत्यनैषुः Yādavā. 5.7; सुहृद्भिः संलपन्नतिनिनाय स कालम् Gaṅgāva. 2.1; **C** to take across न स्वर्गं लोकमतिनयेत् ChāndoU. i. 8.5; **D** to carry, to convey तथा दक्षिणा अतिनयेत् यथास्याहानि स्वकालानि स्युः ĀpaŚS. xviii. 8.8; नृपात्मजस्ततो बलाद्वनमतिनीयते स्म तत् BuddhaC. 3.65; संसिद्धमेवास्य रात्रियागे वनयागे वनक्रीडायां वा प्रवृत्तायां तीक्ष्णा विशस्याभिसक्तमतिनयेयुः ArthŚā. ii. 200.5 (5.2); गन्धप्रतिच्छन्नं वास्य तीक्ष्णं धूममतिनयेत् ArthŚā. iii. 173.9 (12.5); iii. 173.11 (12.5)

अतिनीच (ati-nīca) *adj.* [*f.* -ā] **i** very much low (in height) वसोर्धाराम् ···कारयेत्सप्त वा पञ्च नातिनीचां च नोच्छ्रिताम् MānŚS. 252.3; शुचौ देशे प्रतिष्ठाप्य स्थिरमासनमात्मनः । नात्युच्छ्रितं नातिनीचं चैलाजिनकुशोत्तरम् BhagGī. 6.11; पीठिका भागतः कार्या नातिनीचा न चोच्छ्रिता MatsyaP. 258.25; कारयेत् पञ्चधारां वा नातिनीचां न चोच्छ्रिताम् GobhiSm. 1.15; एवमेकरूपायामप्यनुभूतौ ··· अत्युच्चातिनीचादिभ्रमान् जनयतीति IṣṭaSi. 36.5; आसीनः प्राङ्मुखो रम्ये आसने ··· नातिनीचे न चोच्छ्रिते BrahmP. 234.15; नात्युच्चे नातिनीचे च शुचौ देशेऽर्कमुत्तमम् ··· पूजयित्वा BhaviP. 304B.32 (i. 210.68); 312A.13 (i. 216.38); अतिनीचमपीह नोच्छ्रितं वा ··· आसनं स्यात् ĪśānŚiPa. i. 5.62; नात्युच्चो नातिनीचो वा वास्तुः YuktiKa. 45.6; अतिनीचमत्युच्छ्रितं च यत्तद्भिन्नासनोपविष्टः (प्राणायाममनुक्रमेत्) VīraMi. 901.21 (*on* 3.200); नात्युच्छ्रितं नातिनीचं कुड्योत्सेधं यथारुचि NāraS. 31.56; VasiS. 39.188; **ii** of very low character युवानं रतिशूरं चाप्यतिनीचं न हि त्यजेत् BrahmVaiP. iv. 114.73; युवतिं प्रेम्णातिनीचं स्तवैः ··· सकलं शीलेन कुर्याद्वशम् ŚatTrayī. 653; **iii** belonging to a very low class पृथिव्यां योऽतिनीचोऽपि सीतागुणकथारतः । विनीतस्य गृहे तस्य रत्नवृष्टिर्निपात्यताम् PadmP.(Ra.) 104.31; अतिनीचेषु केषां

वा केषां कृमिषु विट्सु च । जन्म BrahmVaiP. iv. 74. 11; वाच्ये नीचातिनीचे तु हण्डे हञ्जे इति क्रमात् । भर्त्रा वाच्याः स्वस्वनाम्ना भृत्याः RasāSu. 302 (*on* 3. 321); **iv** very deep नात्युच्चशिखरो मेरुर्नातिनीचं रसातलम् । व्यवसायद्वितीयानाम् Tantrākhyā. 74. 26 = PañcT. 2. 65 (244. 1) = SūktiRa. 99. 5; **v** very low (tone) नात्युच्चैर्नातिनीचैः स्वरैरध्ययनमभ्यसेत् CaraS. i. 8. 24; नात्युच्चैर्नातिनीचैश्च स्वरैः पठेत् SuśruS. i. 3. 54(16); *n.* variety of a very low type of sexual union तत्र प्रशस्यं सुरतं समम् ··· विद्यात् । नीचेऽधमेऽत्युच्चमथातिनीचमत्यन्तनिन्द्यं कविभिः प्रदिष्टम् AnangaRa. 3. 5; *m.* very low place (the tenth part of *Tulā* is the lowest position of *ravi* (Sun) अतिनीचे रविश्चैको न तेषां फलसंभवः Sārā. 38. 17.

अतिनीचक (atinīca-ka) *adj.* [*f.* -ā] very much low (in height) भोज्यासनं प्रतिष्ठाप्य नात्युच्चं नातिनीचकम् PāraS. 18. 338; प्रतिमा वै मदीयास्ति नात्युच्चा नातिनीचका VarāP. 150. 6; *n.* variety of a very low type of sexual union अत्युच्चकं नाप्यतिनीचकं वा निन्द्यं रतज्ञैः सुरतं प्रदिष्टम् PañcSā. 2. 5; हस्तिनीशशयोश्चाथ रतं स्यादतिनीचकम् AnangaRa. 3. 4.

अतिनीचकर्मन् (atinīca-karman) *adj.* doing base acts, having a very low occupation मिथुने षष्ठगतेऽतिनीचकर्मा Bṛhajjā. 18. 15.

अतिनीचकुलोद्भवा (atinīcakulodbhavā) *adj.* (*f.*) born in a very low class family अतिनीचकुलोद्भवां कन्यां परिणयेत् PariPar. 2. 647.

अतिनीचग (atinīca-ga) *adj.* occupying an excessively low position लग्नेश्वरे शीतकरे ··· वाप्यतिनीचगे वा । दूरगतो मृतः स्यात् TājiNī. 3(6). 31(376)

अतिनीचदशा (atinīca-daśā) *f.* very low position (of planets) अतिनीचदशा भानोः कृषिसुतमित्रार्थदारनाशकरी HorāSā. 9. 12.

अतिनीचदृष्टि (atinīca-dṛṣṭi) *f.* very vile look केनापि दूरादतिनीचदृष्ट्या दृष्टेन नित्यं सहवासिमध्ये । आरोहतेभम् ··· आत्मोन्नतिं तत्र चिराय नीतः Rāvaṇā. 16. 10.

अतिनीचपाद (atinīca-pāda) *adj.* having very short legs नात्युच्छ्रितं नाप्यतिनीचपादं सपादपीठं शयनं प्रशस्तम् SiddhYo. 76. 1.

अतिनीचभाग (atinīca-bhāga) *m.* extremely low point नीचर्क्षे त्वतिनीचभागसहिते जातो दिवानायके राजश्रेष्ठकुलाग्रजोऽपि विगतश्रीपुत्रदाराशनः JātaPā. 6. 2.

अतिनीचम् (ati-nīcam) *adv.* very low (इतः) शान्तो दृष्ट्वा वैद्यं प्रहस्य प्रवदति निपुणं नातिनीचं न चोच्चम् HāriS. ii. 8. 15.

अतिनीचरक्षस् (atinīca-rakṣas) *n.* very wicked demon अतिनीचरक्षःपिशाचमदिरागण्डूषदूषितमन्दाकिनीतीरतरुषण्डगूढचरदेवर्षिमण्डलम् ··· आलोकयन्तः NīlaVi. 36. 13.

अतिनीचरत (atinīca-rata) *n.* extremely low (form of) sexual intercourse करभी वृषभं यदि । लभते सुरते चाहुरतिनीचरतं तदा S'ārṅgaPa. 3128.

अतिनीचवत् (atinīca-vat) *ind.* like a very low person नेष्येऽयोध्यां रमानाथं दासः सेवेऽतिनीचवत् AdhyāRā. ii. 8. 51.

अतिनीत (ati-nīta) *adj.* **A** inserted beyond the limit (in the anus) अप्राप्तमतिनीतं च विन्यस्तमतिपीडितम् KāśyaS. 163B. 12; **B** excessively ridden वारणं मेदुरिणम् ··· अतिनीतं च हस्तिनीं गर्भिणीं षड्वर्षपूर्णांश्च विकारान्न स्वेदयेयुः Hastyāyur. 134. 21 (1. 18)

अतिनीतवती (ati-nītavatī) *adj.* (*f.*) one who has crossed over, escaped सा तव पुरातनपुण्यविभवेन विपदमिमामतीतवती (v. l. अतिनीतवती) नितम्बिनी Mukundā. 44(14)

अतिनीतिपर (ati-nītipara) *adj.* strongly adhering to right conduct स पुनराजन्मदारिद्र्योपद्रुतोऽप्यतिनीतिपरः सन् ··· रोहणाचलं प्रति प्रतस्थे PrabaCin. 1. 16.

अतिनीय (atinī-ya) *ger.* **A** having passed over (the time of) अतिनीय सायमशनं व्रतं व्रतयति MānS'S. 61. 1; **B** having taken further अन्तपालः ··· बलैकदेशमतिनीय विश्वस्तं घातयेत् ArthS'ā. iii . 176. 3 (12. 5); गहनमेकायनं वातिनीय घातयेयुः ArthS'ā. iii. 189. 5 (13. 2); **C** having passed over, having spent समरचिन्तयैवातिनीय रजनीम् AvantiKa. 72. 4; विशाम्पतिश्च निशां तामशान्तनिन्द्र एवातिनीय ··· हेमकूटमारुरोह AvantiKa. 98. 4; 198. 9.

अतिनीर (ati-nīra) *n.* too much of water अतिनीरं पयो गुडम् । ··· त्यजेत् S'ārṅgaS. ii. 5. 14 (comm. अत्यम्बुपानम्); BhāvPra.(Bhā.) 6(2). 226.

अतिनीरस (ati-nīrasa) *adj.* completely lacking in taste फलानि कश्चिदश्नाति नीरसान्यतिनीरसः PariPar. 1. 149.

अतिनील (ati-nīla) *adj.* [*f.* -ā] very dark, dark blue द्यां निरुन्धदतिनीलघनाभं ध्वान्तम् Kirātā. 9. 20; आनुनासिक्योऽतिनीलः YājñaS'i. 86; अस्माद्विभोर्बहिरुपेत्य महोऽतिनीलम् CaitaCa. 52. 18 (2); अभिषिञ्च कलिन्दकन्यके मामतिनीलच्छविनैव वारिणा ते YātrāPra. 7. 46(13); यन्मौलौ ··· व्योम धत्तेऽतिनीलम् SūktiSu. 53; PadyaVe. 86; पीतमथातिनीलम् ···पित्तातिसारस्य च लक्षणानि HārīS. iii. 3. 43; ततिरियमतिनीला RāmāCam. 1. 46; अतिनीलां शिलामधिरुह्य JānaPa. 3. 82(1)

अतिनीलता (atinīla-tā) *f.* the state of being dark blue नीलोत्पलानि दधते कटाक्षैरतिनीलताम् Kuval. 145(3)

अतिनीलभुजङ्ग (atinīla-bhujaṅga) *m.* dark blue snake हरः ··· अतिनीलभुजङ्गकृतकुण्डलः VāmaP. 53. 6.

अतिनीला (ati-nīlā) *f.* name of a Buddhist goddess [PW]

अतिनु (ati-nu-) vi. p. (*caus.*) to move, to remove तस्याग्निमाहवनीयादित्थं वेत्थं वातिनावयेत् TaiS. VI. iii. 4. 4.

अतिनु (ati-nu) *adj.* **A** which has crossed a ship, who has disembarked from a ship नौ अतिनु MahāBh. i. 205. 13 (*on* i. 2. 28); KāśiVṛ. *on* P. i. 1. 48; अतिनु कुलम् KātanVṛ. *on* ii. 4. 52; Nyās. i. 92. 22 (*on* i. 1. 48); अतिनु काष्ठम् Liṅgānu.(Vā.) 20. 3; अतीतनौकेऽतिनु त्रिषु Amak. 494; **B** an excellent ship अतिर्यत्र अतिन्वत्र MahāBh. i. 308. 10 (*on* i. 4. 2); **C** which has gone above a boat, AmaK. 494; KalpaK. 351. 69; अतिनु जलम् JaineVyā. 4. 9 (*on* i. 1. 7); तोयं नदीनामतिनु व्यतीतम् Rāvaṇā. 1. 33.

अतिनुत (ati-nuta) *adj.* excessively praised मुनिव्रातैः प्रातः शुचिवचनजातैरतिनुतम् ··· ते बिम्बम् LaksmiL. 16.

अतिनुत्त (áti-nutta) *adj.* excessiveiy pushed or driven away गवां यक्ष्मः पुरुषाणां वीरुद्भिरतिनुत्तो नाव्या एतु स्रोत्याः AV. viii. 7. 15.

अतिनुन्न (ati-nunna) *adj.* pricked or wounded all over (*lit.* extremely pushed) किमनेनातिनुन्नेन वाग्भिः काष्ठसधर्मणा MahāBhā. ix. 60. 21.

अतिनूत्न (ati-nūtna) *adj.* brand new अतिनूत्नमातनुत धाम विभो सः S'ivLī. 17. 5.

अतिनूय (ati-nūya-) (*denom.*) to behave like (a family) which has crossed a boat अमुख्यमपि नपुंसकं पुंवदिति । तेनातिनूयते (? अतिनाव्यते) KātanVṛ. *on* iii. 6. 61 (comm. नावमतिक्रान्तं कुलमिति । अतिनु । तद्विवाचरतीत्यायौ कृते नपुंसकस्य पुंवद्भावो न भवतीति । यदीह पुंवद्भावः स्यात्तदा नपुंसकह्रस्वनिवृत्तौ अतिनाव्यते इति स्यात्)

अतिनृचत् (ati-nṛcat) *f.* name of a Vedic metre belonging to the Gāyatrī class यस्याः सातिनृचन्नाम गायत्री द्विर्दशाक्षरा ṚPrāti. 16. 14.

अतिनृशंस (ati-nṛśaṁsa) *adj.* [*f.* -ā] extremely cruel, terrible अतिनृशंसया । कालरात्र्या मयाच्छिद्य हृतः कमललोचनः Rāmā. vi. 23. 15; त्वं पापबुद्धेऽतिनृशंसकर्मन् MahāBhā. v. 146. 29; असौ ··· अतिनृशंसः···तातमपगतासुमकरोत् Kād. 34. 2; सैवेयम् ··· अतिनृशंसस्य···भगिनी HarsaC. 326. 17; कथम् ··· तथातिनृशंसमाचरेः AvantiKa. 188. 7; अतिनृशंसाः शस्त्राग्निरसप्रणिधयोऽनुष्ठेयाः DaśKuC. 132. 10; इदमतिनृशंसमापतितम् PañcT. 1. 171 (178. 2 v. l.); अतिनृशंस तिष्ठ तिष्ठ SubhaDha. 1. 10 (16); अतिनृशंसः सोमसिद्धान्तः समरायाह्वयते AmṛUda. 2. 25 (3); अयमतिनृशंसः···त्रिलोकीमाक्रमितुमाकांक्षति Manmatho. 1. 14 (423. 3)

अतिनृसिंह (ati-nṛsiṁha) *adj.* surpassing the god in the man-lion form स यदा प्रबुध्यते···अतिनृसिंहः···भूत्वा स्वे महिम्नि सदा समासते NṛsiṁhTāU. 7.

अतिनेतृ (ati-netṛ) *adj.* superior leader क्षत्रिय उ वा अरण्यस्यातिनेता JaimiBr. 2. 423.

अतिनेद् (ati-ned-) i. u. **i** to flow out, to foam over यज्ञो वै देवानामत्यनेदत् MaiS. iii. 10. 4; छन्दसां वै षष्ठेनाह्नाप्तानां रसोऽत्यनेदत् AitBr. 30. 6 (779); (आहुतयः) या हुता अतिनेदन्ति मनुष्यलोकमेव ताभिर्जयति S'atBr. XIV. vi. 1. 10; (गायत्र्याः) रसो वा एतस्याह्नोऽत्यनेदत् JaimiBr. 3. 305; छन्दसामु ह रसः ··· अत्यनेदत् GopBr. ii. 6. 11; **ii** to make loud noise (आहुतयः) अतिनेदन्ते अतीव शब्दं कुर्वन्ति BṛĀraUBh. 366. 10 (*on* iii. 1. 8)

अतिनेदीयस् (ati-nedīyas) *adj.* (*comp.*) which is very near असौ कन्यका सम्भ्रान्तेव ततोऽतिनेदीयसः कुसुमवाटिकोदरादाजगाम UdaySuKa. 69. 31; अतिनेदीय एवास्ति मिथ्यात्वाख्यं महासरः PāṇḍaC. 17. 61.

अतिनेनीयमान (ati-nenīyámāna) *adj.* leading frequently, bringing forward frequently शृण्वे वीर उग्रमुग्रं दमायन्नन्यमन्यमतिनेनीयमानः ṚV. vi. 47. 16; अतिनेनीयमानः संसारं भृशमतिक्रामयन् NyāySu.(Ja.) 585B. 10 (*on* iii. 4. 5)

अतिनैकट्य (ati-naikaṭya) *n.* the state of being very close, extreme proximity तद्देहविशेष उप समीपे आ समन्तात् श्रितः अतिनैकट्येन तदात्मवृत्त्या प्रतिपन्नः AbhinBhā. iii. 123. 16 (*on* 21. 90)

अतिनैपुण (ati-naipuṇa) *n.* the state of being very clever, great skill अन्यथेदं वचः केचिद् व्याचख्युरतिनैपुणात् BṛĀraUBhVā. v. 1. 28; यदि तेऽस्ति धनुर्गुणक्रियागणिते गाणितिकातिनैपुणम् Līlā. 216.

अतिनैर्मल्य (ati-nairmalya) *n.* extreme purity क्षौमस्य क्षालनं द्विस्त्रिर्वातिनैर्मल्यकारणम् TriṣaS'aPuC. i. 6. 438.

अतिनैशित्य (ati-naiśitya) *n.* the state of being very sharp, extreme sharpness युक्तिशाणेन ज्ञानासेरतिनैशित्यसिद्धयर्थम् NyāySu.(Ja.) 316B. 2 (*on* ii. 2. 1)

अतिनैष्ठुर्य (ati-naiṣṭhurya) *n.* **1** the state of being very hard-hearted, extreme cruelty लक्ष्मीः ··· कौस्तुभमणेरतिनैष्ठुर्यमित्येतानि ··· विरहविनोदचिह्नानि गृहीत्वैवोद्गता Kād. 104. 10; अहो बतातिनैष्ठुर्यं गतस्य कठिनं विधेः । तस्यामपि क्षये यस्य प्रसह्य प्रसृता मतिः (सीतायाम्) RāmāMañ. 160. 1; **2** extreme hardness, Kād. 104. 10.

अतिन्यस् (ati-nyas-) IV. (I.) P. to put down firmly (ब्रह्मा) उद्धृत्योर्वीमथ न्यस्ता सापत्यान्तामतिन्यसत् BrahmāṇḍP. i. 7. 8.

अतिन्याय (ati-nyāya) *adj.* what transgresses the limit of reason यद्यनुमानबाधितत्वादनुमानं नास्ति अतिन्यायोऽनुमानेन च बाध्यते NyāyVār. 348. 18 (*on* iii. 1. 1)

अतिन्यून (ati-nyūna) *adj* of very low (price), very much inferior वस्त्रम् ··· यद्येनोपभुक्तं तत्तस्यैव न विभाज्यम् । एतच्च नातिन्यूनाधिकमूल्यविषयम् ManvaMu. 405. 10 (*on* 9. 219); फलान्तरोपचयात्तत्रणेस्फुटमुक्त्युपचिता नीचं यावदतिन्यून एवाग्रिमस्फुटः पूर्वस्फुटात् SiddhāTaVi. 132. 3.

अतिन्यूनत्व (atinyūna-tva) *n.* the state of being very small or inferior or insignificant आधाराधेययोरन्यतरस्यातिविस्तृतत्वसिद्धिफलकमितरस्यातिन्यूनत्वकल्पनमधिकम् RasGaṅ. 610. 4; विधुदनन्तरं सूर्याभानकथनस्य योग्यत्वेऽपि प्रथमं सूर्याभानकथनं तस्य तत्समीपे विधुदादेरपि अतिन्यूनत्वसूचनपरम् Bhāsk. i. 350. 8 (*on* i. 7. 1)

अतिप् (a-tip) *adj.* other than *tip* (verbal and nominal inflections) निवतिपोरेकादेशोऽतिपोऽन्तवत् स्यात् MahāBh. i. 221. 15 (*on* i. 2. 45); सजूरहरतोऽतिप्यकस्स्रंसुध्वंसो रिः S'ākaṭāVyā. i. 2. 72.

अतिप (ati-pa) *adj.* who drinks excessively पयोरसान् शीलति नातिपोऽम्भसाम् PrabaCin. 122. 14 = PurāPraSaṁ. 96. 25.

अतिपक्व (ati-pakva) *adj.* **1** over-cooked, over-boiled अतिपक्वमपक्वं च (एवं दुष्टं हविर्बुद्धा प्रक्षिपेज्जलमध्यतः) PāraS. 18. 243; वर्जनीयं हविभक्ष्यम् ··· अतिपक्वम् ParaS. 5. 59; तण्डुला नातिपक्वाश्चरवः ManuBh. ii. 121. 9 (*on* 8. 105); (प्रसारणीतैलम्) नातिपक्वम् ··· पूतं निधापयेत् SiddhYo. 22. 169; (पुरोडाशः) विदग्धोऽतिपक्वः MayūMāli. 264. 16 (*on* iii. 4. 7); **2** excessively suppurated यः शोथमाममतिपक्वमुपेक्षतेऽज्ञः RugVi. 45. 1; **3** over-ripe अतिपक्वकपित्थेन लिप्तपात्रे सुयामितम् । दुग्धमस्तुविहीनं स्याचन्द्रबिम्बोपमं दधि S'ārṅgaPa. 3011.

अतिपक्षपात (ati-pakṣapāta) *m.* excessive partiality अतिपक्षपात इव खलु ते धीरं प्रति JātaMā. 39. 1 (7. 28)

अतिपङ्क (ati-paṅka) *adj.* going across mud, overcoming mud एवमपि नावमतिपङ्कं कर्णधार इव यन्तेव गजं स्वबुद्धया वशीकृत्य NāraPaU. 6. 1.

अतिपङ्किल (ati-paṅkila) *adj.* very muddy सजम्बालोऽतिपङ्किलः KalpaK. 5. 14.

अतिपचन्ती (ati-pacantī) *adj.* (*f.*) over-cooking, cooking more than necessary अतिपचन्ती KātanVṛ. *on* ii. 4. 50.

अतिपचा (atipacā) *f.* name of a plant द्वितीयातिविषा रक्ता ···। पाचनी दीपनी चातिपचा (प्रति)विषा स्मृता AbhidhāMañ. 103. 6.

अतिपचेलिम (ati-pacelima) *adj.* completely mature, perfectly ripe चित्तेनातिपचेलिमेन सहिता सा तत्त्वमस्यादिवाक् त्वत्साक्षात्कृतिमादधाति YātrāPra. 6. 170; NīlaVi. 96. 1.

अतिपञ्चगुण (ati-pañcaguṇa) *adj.* more than fivefold कुसीदं पशूपजलोमक्षेत्रशदवाह्येषु नातिपञ्चगुणम् GautDS. ii. 3. 33.

अतिपञ्चन् (ati-pañcan) *adj.* beyond five (i. e. six) गुणानामतिपञ्चानां भूश्चतुर्णां छन्दसामसौ (राजा) DvyāśraKā. 1. 182.

अतिपञ्चपातकिन् (ati-pañcapātakin) *adj.* surpassing one who has committed five sins अतिपञ्चपातकी।···स प्रेतो जायते नरः VarāP. 174. 48.

अतिपञ्चा (ati-pañcā) *f.* a girl who is past five [MW]

अतिपञ्चार (ati-pañcāra) *adj.* having more than five spokes त्रिनाभिमतिपञ्चारं षण्णेमिद्व्या(? द्वय)यनात्मकम् । संवत्सरमयं कृत्स्नं कालचक्रं प्रतिष्ठितम् AgniP. 120. 23.

अतिपटिमन् (ati-paṭiman) *m.* excessive sharpness or cleverness मन्नन्तात् डीप्न स्यात्।··· तदन्तेऽपि । अतिपटिमा BhāṣāVṛ. iv. 1. 11.

अतिपटीक्षेप (ati-paṭīkṣepa) *m.* removing (non-removal) of the theatrical curtain ततः प्रविशत्यपटीक्षेपेण (v. l. अतिपटीक्षेपेण) रथारूढो राजा सूतश्च Vikramo. 1. 3 (6) (BOLLENSEN's Ed.)

S. D. 129

अतिपटीयस् (ati-paṭīyas) *adj.* (*comp.*) [*f.* -ī] **A** extremely sharp very intense प्रकृत्यैवातिपटीयस्या प्रज्ञया यथावद्विज्ञाता व्याधिस्वरूपाणां रसायनो नाम वैद्यकुमारकः सास्रस्तूष्णीमधोमुखोऽभूत् HarṣaC. 222. 1; अतिपटीयान् संस्कारो निखिलवर्णविषयामेकामेव स्मृतिमुपजनयति NyāySu.(Ja.) 88A. 4 (*on* i. 1. 1); **B** extremely clever, very skilful प्रेक्षमाणा रहश्चित्रपटीमतिपटीयसीम् SkandP. iv. 34. 46; सुतचित्तस्य चित्रस्य पटीवातिपटीयसी । भद्रा सद्गुणरङ्गाढ्या S'āliC. 3. 81; ĀnandRa. 4. 0 (10)

अतिपटु (ati-paṭu) *adj.* **A** very clever सोऽतिपटुर्विटग्रामणीः ··· निपुणमुपक्रान्तवान् DaśKuC. 100. 20; Kapphiṇā. 11. 12; SūktiMu. 36. 34; **B** very intense or sharp एवं मन्दे रूपे चक्षुर्यथतिपटु भवेत्पटुचक्षुर्विज्ञानमुत्पद्यते Sphuṭā. i. 101. 20 (*on* 1. 45); RāmC. 31. 0 (2)

अतिपटुप्रयोग (atipaṭu-prayoga) *m.* excessive use of salty substance कट्वम्लतीक्ष्णातिपटुप्रयोगात् ··· पित्तप्रकोपो भवतीह जन्तोः KalyāKā. 3. 57; 3. 59.

अतिपठ् (ati-paṭh-) I. P. to proclaim or announce repeatedly नारायणाङ्कप्रख्यस्त्वं सांपरायेऽतिपठ्यसे MahāBhā. iii. 919*(3)

अतिपठनार्थिता (atipaṭhanārthi-tā) *f.* excessive desire for learning तौ ··· अतिपठनार्थितया मठं तमासौ PrabhāC. 65. 32.

अतिपण्डित (ati-paṇḍita) *adj.* [*f.* -ā] **i** very wise (ironically) सखे अतिपण्डित इव, किमेतत् Avimā. 5. 1 (8); तत्रातिपण्डितेनापि भवतैतदेव वाच्यम् S'arka. 10. 15; भवानेवातिपण्डितः BṛKathāS'loSaṁ. 15. 4; अतिपण्डितेति मय्येव धिक्कृतिः···सखीनाम् SaraKaṇṭhā. 717. 8 = SubhāRaK. 21. 1 = S'ārṅgaPa. 3547; **ii** very learned, very clever अवगन्तुं हि मां तत्र न कश्चिदतिपण्डितः MatsyaP. 154. 224; PadmP.(Ra.) 38. 71; ब्रह्म तेऽहं ब्रवाणीति प्रकृत्य ···। अब्रह्मप्रकृतं ब्रूयात्कथं राजातिपण्डितः BṛĀraUBhVā. ii. 1. 449; iv. 3. 1893; PadyaVe. 39.

अतिपत् (ati-pat-) I. P. **A i** to fly beyond or on अति सूर्यं पुरः शकुना इव पप्तिम ṚV. ix. 107. 20; PañcBr. xii. 9. 4; JaimiBr. 3. 72; अथ ह हं सा निशायामतिपेतुः ChāndoU. iv. 1. 2; हवींष्यासन्नानि कृष्णशकुनिरुपर्युपर्यतिपतेत् ··· आहुतिं जुहुयात् ĀpaS'S. ix. 11. 24; xiv. 31. 1; MahāBhā. iii. 18. 82 (v. l.); AupaSūṬ. 54. 3; **A ii** to cross over, to traverse विशिखान्तराण्यतिपपात सपदि जवनैः स वाजिभिः S'iśuVa. 15. 70; पुरवीथयोऽथ हरिणातिपेतिरे S'iśuVa. 13. 49; AvantiKa. 41. 10; **A iii** to excel रसास्तरतमाभ्यां तां संख्यामतिपतन्ति हि CaraS. i. 26. 23 (1941 Ed.); **A iv** to transgress, to escape अतिसृष्टसुखः सुखोचिते भवतीमेष नमामि दूरतः । गजगामिनि गम्यतामितो नियतिं नातिपतन्ति जन्तवः RāmC. 12. 80; TattvBi. 124. 9; TattvVai. 126. 20 (*on* 3. 13); Bhām. 49. 9 (*on* i. 1. 1); 353. 19 (*on* ii. 1. 14); (आगमवचनानि) तानि प्रमाणमर्यादामतिपतन्ति ĀgaPrā. 19. 12; VyaktiVi. 105. 24; न हि परोक्षजननस्वभावतया सिद्धा सामग्री विशेषाभावे कचित्स्वभावमतिपतेत् NyāyPari. 87. 3; शिंशपासामग्री । सा वृक्षमतिपत्य भवन्ती स्वकारणमेवातिपतेत् NyāyKuA. i. 62. 1; i. 185. 2; ii(2). 49. 4; Kiraṇā. 103. 7; SarvaDaSaṁ. 2. 18; **B i** to lapse सुधासध्रीचीनामतिपतति वाचामवसरः AnarghaRā. 1. 33; यत्र वा तदानीमदीयमानमतिपतति JayaMa. 343. 25 (*on* 6. 5); EI. ii. 419. 44; ManuBh. ii. 106. 4 (*on* 8. 69) अतिपतति यात्रामुहूर्तवेला KaṁVa. 4. 17(1); 1. 9(1); **B ii** to fall abundantly काञ्चनमय्यां पृथिव्यां पुनर्वारिधारा अतिपतन्ति AbhidhKoBh. 159. 16 (*on* 3. 50); [caus.] **1** to violate एष व्रतमतिपातयति GopBr. ii. 1. 14; **2 A** to cause to pass through (चर्मणि) तते विद्धा नातिपातयन्ति ĀpaS'S. xxi. 19. 15; **2 B** to injure, kill, destroy विषं हि ··· मुहूर्तमप्युपेक्षितमातुरमतिपातयति SuśruS. v. 4. 36; उदावर्तो ह्युपेक्षितः ··· गर्भिणीं गर्भमथवातिपातयेत् CaraS. iv. 8. 29 (1941 Ed.); अग्निक्षारशस्त्रकर्माण्यल्पसत्त्वमातुरमल्पबलं वातिपातयेयुः AṣṭāSaṁ. i. 120. 8 (1. 23); i. 216. 17 (2. 4); **3** to make ineffectual or effectless, to cause to suffer संदेशनमेवं संशोधनमतिपातयति SuśruS. दक्षाः सर्वेऽपि व्युत्थानशीलतया द्वन्द्वोपरिपातमपरिगणय्य स्वामिनः कार्यं कालेनातिपातयन्ति (सेवकाः) ManuBh. ii. 21. 13 (*on* 7. 62); **4 A** to delay, postpone, to cause to lapse, to neglect सर्वमात्ययिकं कार्यं शृणुयान्नातिपातयेत् ArthS'ā. i. 96. 6 (1. 19); ii. 294. 7 (7. 9); गमनत्वरया कालं नातिपातयावः ĀścaCū. 7. 0(5); SūktiRa. 156. 18; **4 B** to cause to elapse न कार्यकालमतिपातयेत् CaraS. i. 8. 27; SābaBh. 627. 7 (*on* iii. 4. 3); 1196. 10 (*on* iv. 1. 2); **5** to disregard, disrespect, pass over ये सत्यमेव हि गुरूनतिपातयन्ति तेषां कथं नु हृदयं न भिनत्ति लज्जा MudrāRā. 3. 34; निमन्त्र्य ब्राह्मणमतिपातयतेऽतिक्रामति तं न भोजयत इति यावत् Aparā. 457. 8 (*on* 1. 225); **6** to shift, to cast upon (responsibility etc.) यदि नरपशोरस्येदं भोदिशिरस्यतिपात्यते PādaTā. 47. 4; [to cause to fly by, to drag away MW, APTE]

अतिपतत् (ati-patat) *adj.* **i** falling into तेनातिपतता तत्र क्षोभितस्स महाह्रदः ViṣṇuP. v. 7. 12; **ii** traversing विहाय भयमतिपतत्सु रात्रिदिवमध्वनोऽध्वनीनेषु AvantiKa. 32. 2; EI. vi. 96. 36; Yādavā. 22. 214; **iii** surpass-

ing, excelling कुमारइंमडिनृसिंहेन्द्रः समुत्पादितः । यः ··· आत्मगुरुमपि ··· गुणैरतिपतन्नन्वर्थनामायते EI. vii. 82. 41.

अतिपतन (ati-patana) *n.* **i** passing beyond, transgressing भागानन्त्येऽप्यणूनामतिपतनमतो ह्याहुरन्योऽन्यमेके TattvMu. 5. 62; **ii** flying past or beyond [MW, APTE]; **iii** missing [MW, APTE] **iv** exceeding, going beyond due bounds [APTE]

अतिपताक (ati-patāka) *adj.* with the banner (flying) high रथेनातिपताकेन सूतपुत्रो व्यदृश्यत MahāBhā. viii. 7. 9; ix. 13. 20; SkandP. ii(4). 19. 20; S'ivaP. ii(5). 21. 29 (245B. 1)

अतिपताका (ati-patākā) *f.* flag surmounting a flag एकां पताकामतिक्रम्य या पताका सा अतिपताका AupaSūṬ. 9. 3; = JñātāDhaṬ. 3B. 12; पताकाभिः तदितराभिरतिपताकाभिश्च पताकोपरिवर्तिनीभिर्मण्डिता AupaSūṬ. 117. 1.

अतिपताकिन् (ati-patākin) *adj.* having a banner flying high above व्यचरत्तत्र गोविन्दो रथेनातिपताकिना MahāBhā. ix. 23. 51.

अतिपति (ati-pati) *adj.* **i** superior to the husband or master स्वस्यादिति विकृतनिर्देशः किम् ? यणादेशाभावे मा भूत् । ···अतिपतेरागच्छति । अतिपतेः स्वम् JaineVyā. 297. 29 (*on* iv. 3. 99); **ii** going beyond (the wish of) the husband, disobedient to the husband अतिपतयो या न जातु पूर्वं ता राज्ञां पत्न्योऽतिपत्न्य आसन् DvyāśraKā. 4. 66.

अतिपतित (ati-patita) *adj.* **A** gone beyond (the range of) स एतैरुपद्रुतः सर्वकर्मणां विषयमतिपतितो विवर्जनीयो भवतीति ग्रन्थिविसर्पः CaraS. vi. 21. 39 (1941 Ed.); अत्र पुनरतिपतितमानान्तरकर्मभावे भगवति सिषाधयिषिते ĀgaPrā. 17. 12; SphoṭSi. 106. 1; Bhām. 339. 4 (*on* ii. 1. 6); TattvVai. 52. 20 (*on* 1. 49); शब्दग्राहकेन्द्रियमतिपतितः ··· चातीन्द्रियः TātpaṬ.(Vā.) 417. 5 (*on* ii. 1. 52); वेदास्त्वतिपतितसकलेतरप्रमाणसंभावनाभूमिम् ··· पुरुषोत्तमं प्रतिपाद BrahmSūBh.(Rā.) 613. 8 (*on* iii. 2. 40); **B** fallen too much (due to Soma) यज्ञौही या यया शक्रः सोमातिपतितो भृशम् । निरोजस्तमसाविष्टस्तस्माद्दुर्गात् समुद्धृतः CaraS. vi. 24. 4 (1941 Ed.); **C** gone over, crossed देवि देवकरणीयनिमित्तं यन्मयातिपतितस्तव कायः । तज्जगत्त्रयमहीयसि मातर्मर्षणीयमणुकस्य ममागः RāmC. 16. 78; **D** utterly gone, destroyed अर्थेषु चातिपतितेषु पुनर्भवाय पौराणिकैः श्रुतिपथैरनुमानयेत्तम् SiddhYo. 14. 4; **E** fallen deeply (in trouble) त्वं सर्वविश्वजननी परिपालयास्मान्पुत्रानिवातिपतितान् रिपुसङ्कटेऽस्मिन् DevīBhāP. vi. 5. 05; **F** missed, lapsed सायंकालीने प्रातःकालीने वा होमे पुरुषापराधादतिपतिते कालान्तरे प्रतिहोमः क्रियते NyāyMāVi. 346. 9 (*on* vi. 5. 12)

अतिपतितकाल (atipatita-kāla) *adj.* for which the proper time has lapsed न ह्यतिपतितकालमप्राप्तकालं वा भेषजमुपयुज्यमानं यौगिकं भवति CaraS. iii. 8. 128 (1941 Ed.)

अतिपतितलोकमर्याद (atipatita-lokamaryāda) *adj.* who has stepped beyond (i. e. violated) the established custom अतिपतितलोकमर्यादानां तेषां तत्त्वानुपपत्तेः TātpaṬ.(Vā.) 163. 5 (*on* i. 1. 5)

अतिपतितुम् (ati-patitum) *inf.* **A** to overcome, to escape न शक्यतेऽतिपतितुं विचित्रा नियतेर्गतिः RāmC. 31. 64; स्वीकृतेयं व्यवस्था नैनामीषद्वितण्डाप्यलमतिपतितुम् TattvMu. 4. 63; तस्मान्नास्मत्समीक्षामतिपतितुममी शक्नुयुः TattvMu. 5. 23; **B** to fly over, to cross एकपाशनिबद्धा इव बहवो विहङ्गमा विरुद्धादिक्रियाभिमुखाः समर्था अपि न हस्तमात्रमपि देशमतिपतितुमुत्सहन्ते Bhām. 663. 13 (*on* iii. 3. 54); VedāntKa. 469. 26 (*on* iii. 3. 54)

अतिपतिव्रता (ati-pativratā) *adj.* (*f.*) extremely devoted to her husband अरुन्धतीव सीतेव बभूवातिपतिव्रता MahāBhā. i. App. 100. 50; सा च तेनैवमुक्तातिपतिव्रता···गर्भमुत्ससर्ज ViṣṇuP. iv. 6. 22; VāyuP. ii. 27. 15; DevīBhāP. vi. 8. 5.

अतिपत्ति (ati-patti) *f.* **A** non-occurrence (of a realizable action) लिङ्निमित्ते लृङ् क्रियातिपत्तौ P. iii. 3. 139; लिङ्यतिपत्तौ लृङ् CāndraVyā. i. 3. 107; अतिपत्तिः अनभिनिर्वृत्तिः LaS'abdeS'e. ii. 468. 3; व्यतिरेके तु साक्षात्परम्परया वोपमितिक्रियाया अतिपत्तेर्न व्यभिचारः AlaṅkāKau.(Vi.) 23. 1; **B** loss देशकालातिपत्तौ वा सन्धाय मध्यमेन मित्रस्य साचिव्यं कुर्यात् ArthS'ā. ii. 360. 6 (7. 18); नष्टापहृतमासाद्य हर्तारं ग्राहयेन्नरम् । देशकालातिपत्तौ च गृहीत्वा स्वयमर्पयेत् YājñaSm. 2. 169; BālamBha. ii. 284. 6 (*on* 2. 169); **C** passing over, missing, dropping यदि सर्वस्मिन् काले होमः तदा कस्यातिपत्तिः स्यात् S'ābaBh. 1404. 2 (*on* vi. 2. 26); तृचेषु वायव्यादिषु ऋचः पदस्य [वा]तिपत्तौ प्राणाद्यङ्गव्यापदमुक्त्वा 'यं कामयेत···ऋजुकृर्सिं शंसेत्' इत्याह SaṅkarKāBh. 204. 4 (*on* iv. 3. 7); MīmāKau. ii. 108. 13 (*on* ii. 4. 3); BhāṭṭDi. ii. 300. 8 (*on* vi. 5. 14); MayūMāli. 501. 7 (*on* vi. 5. 14); मम जातकर्मनामकरणनिष्क्रमणोपवेशान्नप्राशनसंस्काराणां प्रमादादतिपत्तौ प्रत्येकं पादकृच्छ्रम् ··· अहमाचरिष्ये BālamBha. i. 43. 24 (*on* l. 11); *adj.* surpassing a foot soldier [APTE]

अतिपत्तिश्रुति (atipatti-śruti) *f.* Vedic statement about the lapse of proper time (for a rite) नियतात्वतिपत्तिश्रुतेः KātyS'S. xxv. 4. 22 (Deva. अतिपतनमतिपत्तिः कालातिक्रमः)

अतिपत्तोस् (áti-pattos) *inf.* to miss, to go beyond ईश्वरौ हि पराङतिपत्तोः MaiS. ii. 4. 5; त ईश्वराः पराञ्चोऽतिपत्तोरिति तद् यज्ञायज्ञीयेनोपरिष्टात् स्तुवन्ति JaimiBr. 1. 173.

अतिपत्त्र (ati-pattra) *m.* name of a bulbous plant हस्तिकन्दः ··· । बृहत्पत्रोऽतिपत्त्रश्च RājNi. 350. 10.

अतिपत्त्रक (atipattra-ka) *m.* **1** name of teak tree, *Techna grandiz* शाकः क्रकचपत्रः स्यात्खरपत्रोऽतिपत्रकः RājNi. 204. 22; **2** *Trophis aspera* शाखोटः ··· स्थिरसारोऽतिपत्त्रकः KalpaK. 272. 212.

अतिपत्त्रमान (ati-pattramāna) *adj.* larger than the measure of a chariot आदधीत ··· तत्पार्श्वेऽप्यतिपत्त्रमानमपरं चाभ्यन्तरं केतनम् S'ilpaRa. ii. 31. 54.

अतिपत्त्रा (ati-pattrā) *f.* *Sida cordifolia* अतिपत्रा महापत्रा सूक्ष्मपत्रा बला स्मृता AśvaVai. 12. 17.

अतिपत्त्री (ati-pattrī) *f.* name of the shrub *kārī* (*Solonum xanthocarpum*) कारी कार्यापि गिरिजाप्यतिपत्त्रपरा पुनः KalpaK. 286. 331.

अतिपत्नी (ati-patnī) *adj.* who goes beyond (i. e. disobeys) her husband अतिपतयो या न जातु पूर्वं ता राज्ञां पत्न्योऽतिपत्न्य आसन् DvyāśraKā. 4. 66; तेन पतिमतिक्रान्ता अतिपत्नी इत्यपि LaS'abdeS'e. i. 393. 18.

अतिपत्य (atipat-ya) *ger.* **A** having flown, after flying or jumping over, having crossed सोऽतिपत्य मुहूर्तेन श्रीमान् रावणमन्दिरम् Rāmā. vi. 31. 63; सोऽतिपत्य नगरीं सुपर्वणाम् । पुष्पधन्वन इवोपकारिकां प्रेक्षतोपवनसम्पदं पुरः Yādavā. 17. 9; **B** having gone beyond (the limit or range) कदाचित् कश्चित्स्वसमयसीमानमप्यतिपत्यैवं कल्पयेत् TattvSaṁPañ. 230. 26 (*on* 689-690); NyāySu.(Ja.) 438A. 3 (*on* ii. 3. 14); **C** having left out or set aside (i. e. without), having neglected ननु कारणमतिपत्य यदि कार्यं भवेत् कार्यमेव न स्यात् Kiraṇā. 55. 9; न च करुणामतिपत्य लीलारसः कश्चित् NyāyKu. 120. 18; अतिपत्य मुकुन्दमन्तिकस्थं पथिकानर्चितुमुन्मना भवेयः । अवधीरितकौस्तुभः स नूनं कुरुविन्देषु कुतूहलं विधत्ते Yādavā. 15. 57; नृपात्मजशतान्यतिपत्य भेजे यं राजपुत्र इति नाम EI. xviii. 134. 18.

अतिपथा (ati-pathā) *adj.* (*f.*) which is beyond the road विपथा नगरी अतिपथेत्यादौ च नेदम् LaS'abdeS'e. ii. 84. 7.

अतिपथिन् (ati-pathin) *m.* good road, laudable road अतिपन्थाः ··· सत्पथश्चाचितेऽध्वनि AmaK. 588; Vaija. 39. 49; S'abdaRa.(Su.) 4. 32; कृतसमासान्तनिर्देशान्नेह ··· । अतिपन्थाः SiddhāKau. 189A. 4.

अतिपथ्य (ati-pathya) *adj.* very wholesome or salutary नातिपथ्यः शिखी पथ्यः श्रोत्रस्वरवयोदृशाम् AṣṭāHr. i. 6. 57 = BhojanKu. 202. 16.

अतिपद् (ati-pad-) IV. Ā. (P.) **1 A** to elapse, to pass (the proper time) यदि सायमग्निहोत्रस्य कालोऽतिपद्येत ··· जुहुयात् KāṭhS. 6. 8; ĀpaS'S. ix. 7. 3; सायमग्निहोत्रस्य चेत्कालोऽतिपद्येत MānS'S. 99. 6; **1 B** to be missed यदैव ह्यैहिकी चेष्टा नातिपद्यते तदैव जपेत् ManuBh. i. 381. 4 (*on* 4. 147); षोडशिनस्तु रात्रौ समाप्ते प्रातर्होमः प्रथममतिपद्यते NyāyMāVi. 347. 13 (*on* vi. 5. 14); **2** to jump over, to go beyond, to transgress न सूक्तेन निविदमतिपद्येत AitBr. 11. 11 (314); नेत् पराञ्चोऽतिपद्यामहा इति JaimiBr. 2. 86; यद्व्रतमतिपेदे चित्त्या मनसा हृदा KauśiSū. 42. 17; न ते शब्दतामतिपत्स्यन्ति SphoṭSi. 21. 1; [caus.] **A** to miss, to allow to lapse (proper time) यः ··· अमावास्यां वा पौर्णमासीं वातिपादयेत् TaiS. II. ii. 2. 1; II. ii. 5. 4; **B** to transgress or violate यद्वै पुत्रोऽतिपादयति पिता वै तस्य शमयिता JaimiBr. 1. 144; 2. 188; योऽतिपादयात् तं हनासा इति JaimiBr. 3. 262; **C** to neglect, to ignore, to omit ये यज्ञीयस्य कर्मणोऽतिपादयन्ति JaimiBr. 1. 164; 2. 401; यद्वौ देवा अतिपादयानि TaiBr. III. vii. 11. 2 (comm. अकरणम् अन्यथाकरणं चातिपत्तिः); यो दर्शपूर्णमासयाजी ··· पौर्णमासीमतिपादयेत् BaudhS'S. ii. 121. 4; **D** to lose तत् कृष्णाजिनं नातिपादयेत् JaimiBr. 2. 68.

अतिपदा (ati-padā) *adj.* (*f.*) having an extra verse-quarter or *pāda* पङ्क्तिरतिपदा पञ्चपदा हि सा JaimiBr. 3. 315; अतिपदा शक्वरी MahāBh. iii. 139. 6 (*on* vi. 2. 191); KāśiVr. *on* vi. 2. 191; अतिपदा गायत्री SiddhāKau. 655B. 15; [अतिपद having no feet, APTE]

अतिपद्म (ati-padma) *adj.* having abundant red marks (*on* the face or body) दृष्ट्वा हि तान्मत्तगजेन्द्ररूपान् पद्माभिपद्मानिव (v. l. पद्मातिपद्मानिव) वारणेन्द्रान् MahāBhā. i. 178. 9.

अतिपद्मिन् (ati-padmin) *adj.* much spotted (बृहद्रथः) सहस्रं सहस्राणां

गजानामतिपद्विनाम् । …दक्षिणामत्यकालयत् MahāBhā. xii. 42*(1)

अतिपद्यमान (ati-padyamāna) *adj.* being transgressed अतिपातनं नामातिपद्यमानस्य भवति TantrVā. 634.20 (*on* ii. 4. 3)

अतिपन्न (ati-panna) *adj.* 1 missed, omitted, not observed, transgressed अत्रो ह स्माह शालीकिरतिपन्नः खल्वेष भवति BaudhS'S. iii. 2. 3; i. 84. 13; मन्त्रकर्मादीनामतिपन्न° … °निकृतानामनाम्नातेषु जुहुयात् BaudhGS. iv. 5. 2; अथ यस्योभे पर्वणी अतिपन्ने स्याताम् BaudhPiMe. i. 1. 10 = ĀgniveGS. iii. 5. 1 (140. 10); अतिपन्ना अपि कर्तव्या एव S'ābaBh. 1472. 23 (*on* vi. 5. 40); सान्तपनीया तावत् स्वकाले मध्यन्दिनमतिपन्नैव S'āstrDī. 419. 2 (*on* v. 1. 17); गौणेऽपि कालेऽतिपन्नं कर्म कुर्यात् SmṛtiCan. ii. 427. 12; अतिपन्नानां होमानां प्रतिहोमा युगपद्द्रव्यः प्राप्ताः NyāyMāVi. 347. 8 (*on* vi. 5. 14); अतिपन्नस्य प्रतिकृत्य होमः प्रतिहोमः MayūMāli. 500. 12 (*on* vi. 5. 12); 2 dead दिशः … मृगपक्षिघोषैः क्रन्दन्ति भर्तारमिवाभि(v. l. ति)पन्नम् Bhaṭṭi. 12. 69.

अतिपन्नत्व (atipanna-tva) *n.* the state of being transgressed न च कालस्यातिपन्नत्वं धर्मः TantrVā. 634. 21 (*on* ii. 4. 3)

अतिपन्नप्रायश्चित्त (atipanna-prāyaścitta) *n.* expiation for the rite which has been missed यस्योभे पर्वणी अतिपन्ने स्यातामतिपन्नप्रायश्चित्तं कुर्वीत BaudhPiMe. i. 1. 10 = ĀgniveGS. iii. 5. 1 (140. 10)

अतिपन्नहोम (atipanna-homa) *m.* the lapsed *homa*-offering स्वकालक्रियमाणहोमात्पूर्वमेवातिपन्नहोमानां कर्तव्यत्वात् BhāṭṭDī. ii. 300. 12 (*on* vi. 5. 14); न चातिपन्नहोमस्य कालाभावात्…न युक्तमनुष्ठानमिति वाच्यम् MayūMāli. 500. 12 (*on* vi. 5. 12)

अतिपयःपूर (atipayaḥ-pūra) *m.* excessive flood of water कमलिनीम् …तत्रापश्यत् पुनरतिपयःपूरदूरावगाढाम् SubhaDha. 2. 10.

अतिपयोयुक्ता (atipayo-yuktā) *adj.* (*f.*) giving much milk सूता यातिपयोयुक्ता सा गौः सामान्यतः स्मृता BṛParāSm. 10. 305.

अतिपर (ati-para) *adj.* 1 following the word *ati* 'excessive' (= अतिदुःखम्) यथावतिपरं दुःखं पारणापेतमानसा PadmP.(Ra.) 17. 170; 2 one who has overcome his enemies [MW, APTE]; *m.* great enemy [MW; APTE]

अतिपरता (atipara-tā) *f.* the state of being excessively given to (something) यावज्जागर्ति चित्ते … चिन्ता तदतिपरतया भ्राम्यमाणस्य नित्यम् VijñāS'. 75.

अतिपरम (ati-parama) *adj.* [*f.* –ā] i very severe सोमः … तपस्तेपेऽतिपरमम् SkandP. iii(3). 7. 19; ii much more esteemed ममातिपरमा कान्ता त्वत्तो नास्तीह काचन ĀdiP. 14. 27.

अतिपरमगुण (atiparama-guṇa) *m.* very excellent virtue मनुष्याः…। अतिपरमगुणानुपाश्रयन्ते रविरुचयः सहसा पदार्थलाभान् PadmP.(Ra.) 36. 104.

अतिपरमवदान्या (atiparama-vadānyā) *adj.* (*f.*) extremely liberal इयमतिपरमवदान्या मन्त्रं तेऽहं प्रयच्छामि GopāKeCan. 80. 7.

अतिपरमार्थदृष्टि (atiparamārtha-dṛṣṭi) *f.* point of view of the ultimate truth तथाप्यतिपरमार्थदृष्ट्याश्रयेण … एतत्कथनमपि नायुक्तम् Bhāsk. ii. 31. 11 (*on* ii. 2. 1)

अतिपरमार्थविचार (atiparamārtha-vicāra) *m.* investigation of the ultimate truth अतिपरमार्थविचारे त्वेतदपि वक्तुं युक्ततां नावगाहते Bhāsk. i. 229. 9 (*on* i. 5. 7)

अतिपरमैश्वर्य (atiparamaiśvarya) *adj.* possessed of supereme sovereignty or prosperity जय जय … शंभो … जयातिपरमैश्वर्य S'ivaP. vii. 31. 6 (582B. 8)

अतिपरवत् (ati-parava(n)t) *adj.* extremely overcome अतिपरवानसि कुतूहलेन HarṣaC. 102. 8.

अतिपराक्रम (ati-parākrama) *m.* great valour ततः षडाननो दृष्ट्वा तयोरतिपराक्रमम् । … तौ हत्वा निजसेनामगाज्जवात् GaṇeP. ii. 113. 46; *adj.* very brave, extremely heroic कृपभोजौ तदा निद्रां भेजातेऽतिपया(? रा)क्रमौ SkandP. iii(1). 31. 39; पुरा दैत्यगणा देवि प्रादुर्भूताः … हिरण्यकशिपोर्वक्षःस्थलादतिपराक्रमाः SkandP. v(2). 12. 2; शत्रून् स क्षिपत्यतिपराक्रमः ParamāKā. 126. 8.

अतिपराजित (ati-parājita) *adj.* completely defeated महेश्वर । रक्षास्मान्भयभीतांस्तु वृत्रेणातिपराजितान् DevīBhāP. vi. 4. 51.

अतिपराभूत (ati-parābhūta) *adj.* completely overcome एवं नाम ज्वरादतिपराभूतस्य जन्तोरियं तृष्णा … संभावति BhartṛNi. 4. 18.

अतिपरामर्शकुशलता (atiparāmarśakuśala-tā) *f.* extreme cleverness in investigation or enquiry बौद्धस्यातिपरामर्शकुशलतां देश्यातितुच्छतामवलम्ब्य…ग्रन्थं लिखति NyāyVārPari. 587. 17.

अतिपरिकर (ati-parikara) *adj.* having a large number of attendants अहं…नातिपरिकरोऽसिद्धितीयो रंहसा परेणोदचलम् DaśKuC. 57. 9.

अतिपरिक्लिष्ट (ati-parikliṣṭa) *adj.* too much afflicted or harassed अपि चातिपरिक्लिष्टं चिराद् दारैः समागतम् । … वक्तुं नेच्छामि वानरम् Rāmā. iv. 27. 41.

अतिपरिक्षत (ati-parikṣata) *adj.* very much wounded or injured (न च हन्यात् स्थलारूढम्) नार्तं नातिपरिक्षतम् ManuSm. 7. 93; अतिपरिक्षतमन्येन सह युध्वा ManvaVi. 802. 11 (*on* 7. 93); (न वा हन्यात्) नार्तं नातिपरिक्षतम् SūktiRa. 149. 20.

अतिपरिगृहीतमौना (ati-parigṛhītamaunā) *adj.* (*f.*) who is fully observing (the vow of) silence अतिपरिगृहीतमौना … निर्ग्रन्थग्रन्थरचनेव Subhāṣi. 1384.

अतिपरिचय (ati-paricaya) *m.* excessive familiarity or intimacy बहुमानकृतान्यतिपरिचयात् (परिच्छिन्द्यात्) KāmSū. 260. 3 (5. 1); सातिपरिचयात्कृच्छ्रसाध्या मर्मज्ञया दूत्या तां साधयेत् KāmSū. 272. 14 (5. 3); तस्या ह्यतिधीराया अतिपरिचयेन गौरवाभिमानौ कृच्छ्रयन्स्फुटयति JayaMa. 272. 19 (*on* 5. 3); सहपांसुक्रीडितोऽमात्योऽतिपरिचयात् स्वयमेव राजायते NītiVā. 18. 35; अतिपरिचयः कस्यावज्ञां न जनयति NītiVā. 32. 43; तदातिपरिचयादग्निसंगतं जलमिव विकृतिभावं गच्छति TātpaVṛ. 360. 9 (*on* 3. 68); अतिपरिचयादवज्ञा भवति विशिष्टेऽपि वस्तुनि प्रायः SūktiRa. 124. 13; अतिपरिचयादवज्ञा संततगमनादनादरो भवति S'ārṅgaPa. 1502; Subhāṣi. 2894; नीचस्यातिपरिचयो ह्यन्यगेहे सदा गतिः । जातौ सङ्घे प्रातिकूल्यं मानह्रान्यै दरिद्रता S'ukraNī. 3. 258; अभिमानादात्मनि वा तस्मिन्वा सातिपरिचयात्कृच्छात् । साध्या नर्मविदेनां दूत्वा परिसाधयेन्निपुणः KandaCū. v. 3. 8; अतिपरिचयेऽपि राज्ञो बिभेमि सहसोपगन्तुमभ्यर्णम् । येनाग्नेरिव तेजः स्फुरदस्मान्निवर्तयति Jīvān. 43. 5; अतिपरिचयादन्यदा राजकीयदास्या समं संबन्धोऽभवत् KathāK. 9. 7; अतिपरिचयसत्प्रतिभा … इयं वाणी KalāVi. 1. 13; RasāSu. 153. 8 (2. 116)

अतिपरिचयतस् (atiparicaya-tas) *adv.* due to too much of intimacy अतिपरिचयतो गरिमा लघिमा वैदग्ध्यभोगयोः ख्याता … निवर्त्याः स्युः RatiRaha. 13. 23.

अतिपरिचयन (ati-paricayana) *n.* excessive intimacy मकरीनिर्मितौ प्रस्तुतायां निर्मितसूनां स्ववक्षस्यतिपरिचयनात्स्वत्प्रशस्तीरुपांशु RasāSu. 201. 20 (2. 263)

अतिपरिचयवत् (atiparicaya-va(n)t) *adj.* extremely familiar यो यस्मिन्नतिपरिचयवान् तस्याश्रमान्तरप्राप्त्यादिना नामान्तरे प्राप्तेऽपि … तं प्रति तत्पूर्वनाम्नैव व्यवहरन्ति NyāySu.(Ja.) 649B. 6 (*on* iv. 2. 7)

अतिपरिचित (ati-paricita) *adj.* well acquainted, greatly familiar इति तत्स्पष्टक्रान्तिरेवेत्युपपन्नं सर्वं गोलेऽतिपरिचितानाम् SiddhāTaVi.(S'eṣavā.) 47. 18; तदेवमयं वासनाविचारोऽत्र गोलक्षेत्रेऽतिपरिचितैनैव ज्ञातुं शक्यते नान्येन SiddhāTaVi. 310. 23.

अतिपरिणतवयस् (atipariṇata-vayas) *adj.* greatly advanced in age, very old द्वारकावासिजनस्य कृष्णावलोकनात्तत्क्षणमेवातिपरिणतवयसोऽपि नवयौवनमिवाभवत् ViṣṇuP. iv. 13. 59; ततः … अतिपरिणतवयाश्च फलशकलानि … मद्यमदात् Kād. 25. 9; समीपवर्ती भर्तुरतिपरिणतवया वीर्यमित्रो नाम मन्त्री शनैर्व्याजहार TilaMañ. 271. 4.

अतिपरितोष (ati-paritoṣa) *m.* excessive joy ततोऽतिपरितोषात्स स्वयं हस्तेऽवलम्ब्य तम् । कपटज्ञानिनं राजा देवागारं प्रविष्टवान् KathāSaSāg. xviii. 2. 173.

अतिपरित्यक्तुम् (ati-parityaktum) *inf.* to forsake absolutely अतिपरित्यक्तुं न च त्वां मम मानसम् । मत्प्रीतिवागुरां छित्त्वा कथं वा त्वं गमिष्यसि PadmP.(Ra.) 6. 58.

अतिपरित्रास (ati-paritrāsa) *m.* great fear उपलभ्यैव च किमेतदित्यतिपरित्रासविह्वला मुक्तकण्ठमाचक्रन्द राजकन्या DaśKuC. 34. 17.

अतिपरिप्लव (ati-pariplava) *m.* excessive mixture रजस्तमोभ्यामतिपरिप्लवादपुण्योपहतचेताः BālaKrī. ii. 70. 6 (*on* 3. 188)

अतिपरिप्लुत (ati-paripluta) *adj.* [*f.* –ā] extremely overcome पतिव्रतास्त्यजुः प्राणाँल्लज्जयातिपरिप्लुताः । आरुह्य गोपुरं काश्चिद्देहत्यागं प्रचक्रिरे GaṇeP. ii. 57. 24; इत्युक्त्वा नृपतिः श्रेष्ठो न धीरो दारविक्रये । निपपात महीपृष्ठे मूर्च्छयातिपरिप्लुतः DevīBhāP. vii. 20. 39.

अतिपरिभोग (ati-paribhoga) *m.* excessive enjoyment नातिपरिभोगसुलभा च तनुः प्रौढतानुविद्धा च दृष्टिः न चैषा प्रोषितभर्तृका DaśKuC. 116. 2.

अतिपरिमित (ati-parimita) *adj.* very limited पदबन्धनिवेशे तु सर्वथा शोकोदय एवातिपरिमितकालप्रत्यापत्तिलाभेऽपि Dhvanyā. 367. 9 (*on* 3. 20); अतिकोमलमतिपरिमितवर्णं लघुतरमुदाहरति शठः । परमार्थतः स हृदयं दहति पुनः

कालकूटघटित इव KuttaMa. 697; KāvyPra. 324. 1.

अतिपरिवृढ (ati-parivṛḍha) *adj.* very superior, greatly respected अतिपरिवृढसेव्यपादपद्मो व्यधित स पूर्वपणेन वादमुद्राम् PrabhāC. 71. 32.

अतिपरिशुद्ध (ati-pariśuddha) *adj.* greatly purified दाहच्छेदनिकाषैरतिपरिशुद्धस्य ते वृथा गरिमा । यदसि तुलामधिरूढं काञ्चन गुञ्जाफलैः सार्धम् SubhāRaK. 33. 99.

अतिपरिश्रान्त (ati-pariśrānta) *adj.* extremely exhausted वासु अतिपरिश्रान्तजघनाप्यायनकरस्य ··· गन्धतैलस्यात्माङ्गस्पर्शप्रदानेन किमनुग्रहः क्रियते Ubhayābhi. 12. 7.

अतिपरिसंयुत (ati-parisaṁyuta) *adj.* greatly bound सुदामानं च तौ दृष्ट्वा प्रसन्नवदनेक्षणौ । क्रोडे चक्रतुरत्यन्तं प्रेम्णाऽतिपरिसंयुतौ DevīBhāP. ix. 23. 22.

अतिपरिस्पन्द (ati-parispanda) *m.* excessive activity दर्शितं च किंचिद् विधिविवरणे इत्यलमनेनातिपरिस्पन्देनेति Kāśi. iii. 103. 23 (*on* 5(5). 6)

अतिपरिस्फुट (ati-parisphuṭa) *adj.* [*f.* –ā] very clear, vivid, very bright अन्यदेतेषामपि पुरा पुरुषाणामिवातिपरिस्फुटाभिधाना वागासीत् Kād. 13. 13; यदयमतिपरिस्फुटाक्षरां गिरमुदीरयति Kād. 13. 4; अतिपरिस्फुटालोकसंभवे तस्मिन्नेव क्षणेऽपैतीति चेन्न PramāVāBh. 234. 9; इति वदत्येव मयि सहसैव तस्याः···अतिपरिस्फुटस्फुरितनासापुटः प्रयत्नरुद्धोऽपि विषवेगवद्व्यापदङ्गमतिक्रान्तवैभवस्मरणयोनिमन्युः ··· ईक्षणयुगमपूर्यत विसारिणा बाष्पनीरेण TilaMañ. 258. 17; अत्रान्तरे नितान्तभीषणः ··· अतिपरिस्फुटैः प्रतिशब्दकैः शब्दमयमिवादधानस्त्रिभुवनम्···हासध्वनिरुदलसत् TilaMañ. 46. 6; भोग्यात्स्फुटाज्ज्यातिपरिस्फुटात्र GrahaGa. 41. 30 (8. 15); वाक्यमेव इह दोषतां नावहेदतिपरिस्फुटः NayaMañ. III. iii. 7. 13.

अतिपरिस्फुटत्व (atiparisphuṭa-tva) *n.* the state of being extremely clear न चात्र संकरालंकारो भवितुमर्हति पृथगतिपरिस्फुटत्वेनावभासनात् VakroJī. 59. 18.

अतिपरिस्फुटम् (ati-parisphuṭam) *adv.* very vividly प्रत्यक्षं कल्पनापोढं वेद्यतेऽतिपरिस्फुटम् । अन्यत्रासक्तमनसाप्यक्षैर्नीलादिवेदनात् TattvSaṁ. 1243.

अतिपरिहास (ati-parihāsa) *m.* extreme ridicule न चातिपरिहासः स्यात्सखीभिस्तेन वा क्वचित् BhāvPra.(S'ā.) 140. 16 (6)

अतिपरी (ati-parī–) II. P. to go round too often यदि प्रमत्ता अतिपरियन्ति ··· स्रुवाहुतीर्जुहुयात् BaudhS'S. i. 290. 18; यदि घर्ममतिपरीयुः ··· इत्येताभ्यामेनं प्रतिपरीयुः BhārS'S. xi. 17. 12 = ĀpaS'S. xv. 17. 9.

अतिपरीक्षणीयत्व (atiparīkṣaṇīya–tva) *n.* the state of one to be investigated rigorously प्रतिग्रहीतुं शीलमस्याः । अतिपरीक्षणीयत्वात् JayaMa. 272. 8 (*on* 5. 3)

अतिपरीक्षित (ati-parīkṣita) *adj.* who is thoroughly well-versed (in warfare) आयुधव्यसनं प्राप्तं नार्तं नातिपरीक्षितम् (न हन्यात्) NītiPra. 7. 48.

अतिपरीत (ati-parīta) *adj.* overwhelmed, excessively filled with समासाद्योभये सेने परस्परजयैषिणाम् । रोषेणातिपरीतानाम् MatsyaP. 149. 4.

अतिपरुष (ati-paruṣa) *adj.* [*f.* –ā] **i** very gusty or strong पवनम् ··· अतिपरुषम् ··· चेन्नानुनिशम्येत् CaraS. i. 12. 10; iii. 3. 7 (1941 Ed.); अतिपरुषपवनविलुलितदीपशिखेव चपला लक्ष्मीः SiṁhāDvā. 54. 7; **ii** very harsh or rough वाचि भूपातिपरुषा (भार्या) MārkP. 69. 31; गिरिमतीव लघुं पुरुषोत्तमोऽतिपरुषोऽजगणत् RāghPāṇ.(Dha.) 12. 35; YaśasCam. ii. 72. 3; NītiVā. 32. 6; (श्रूयते) अप्यतिपरुषमसत्यं पूज्यं वाक्यं समृद्धस्य S'ārṅgaPa. 335; **iii** very sharp or pointed अतिपरुषैर्विशिखैः केतनं विदलितम् ··· आततान यातुधानपतिः RāmāCam. 6. 79 (1); UdaySuKa. 26. 5; **iv** very severe प्रणयिषु किमेवमतिपरुषां कुरुषे रुषम् MohaRāPa. 2. 48 (21); BhāgP. v. 14. 11; **v** very hard छेदने चातिपरुषं हन्नालमिति कथ्यते RasRaSa. 5. 79.

अतिपरुषपाद् (atiparuṣa-pād) *m.* very hard foot देवारिं पातु युष्मानतिपरुषपदा निघ्नती भद्रकाली CaṇḍīS'. 76.

अतिपरुषम् (ati-paruṣam) *adv.* very heavily निश्वसती सा मुहुरतिपरुषं ध्यानलये तव निवसति तन्वी ChandoMa. 2. 359.

अतिपरुषरुष् (atiparuṣa-ruṣ) *f.* very severe anger अतिपरुषरुषं विनापि दोषैः पिशुनशुनां रुषतां प्रयाति कालः Subhāṣi. 435.

अतिपरुषरोमन् (atiparuṣa-roman) *adj.* having very rough hair वराहमांसप्राया ··· अतिपरुषरोमाणम् (पुत्रं जनयति) CaraS. iv. 8. 21 (1941 Ed.); AṣṭāSaṁ. i. 206. 24 (2. 2)

अतिपरुषशरीर (atiparuṣa-śarīra) *adj.* whose body is very rough सः (अतिपरुषशरीरम्) ··· पक्षिबन्धव्याधम् ··· अपश्यत् PañcT. 2. 1 (7) (182. 4)

अतिपरोक्ष (ati-parokṣa) *adj.* **1** far out of sight, extremely invisible न चायमतिपरोक्षः केवलागमिकत्वमात्रेण श्रद्धेय आत्मलक्षणोऽर्थः BālaKrī. ii. 62. 24 (*on* 3. 161–164); **2** not hidden, visible [APTE]

अतिपरोक्षत्व (atiparokṣa–tva) *n.* extreme imperceptibility साध्यस्यातिपरोक्षत्वमिति NyāyMañ. i. 121. 15.

अतिपरोक्षवृत्ति (atiparokṣa–vṛtti) *adj.* having a signification that is highly indirect अतिपरोक्षवृत्तिना शब्देन गकारस्थाने घकारं कृत्वा Durga *on* Nir. 1. 1 (7. 14); 1. 1 (7. 17)

अतिपर्जन्य (ati–parjanya) *adj.* excelling a rain-cloud गर्जितेनातिपर्जन्यो गजः सुरगजोपमः TriṣaS'aPuC. ii. 2. 22.

अतिपर्यनुयोगा (ati–paryanuyogā) *adj.* (*f.*) beyond question, unquestionable अतिपर्यनुयोगया नियत्या हरिणैवैष भवाब्धिवन्निवर्त्यः Yādavā. 15. 80 (comm. कथमित्थमासीदिति प्रश्नमतिक्रान्तया)

अतिपर्याकुलीकृत्य (ati–paryākulīkṛtya) *ger.* having agitated or confounded very much अतिपर्याकुलीकृत्य त्रिलोकीं दानवो मुहुः SkandP. iv. 82. 77.

अतिपर्वणी (ati–parvaṇī) *adj.* (*f.*) who has gone beyond the joints अतिक्रान्ता पर्वाणि अतिपर्वणी JaineVyā. 151. 30 (*on* iii. 1. 10); अतिपर्वणी यष्टिः CāndraVṛ. *on* ii. 3. 12.

अतिपर्वा (ati–parvā) *adj.* (*f.*) where great rejoicing is held सः ··· वनान्तसीमास्वतिपर्वासु ··· जगाम DvyāśraKā. 4. 41 (comm. अतिशयितोत्सवा)

अतिपल्लव (ati–pallava) *m. n.* too much elaboration अलमतिपल्लवेन AlaṅkāKau.(Vi.) 34. 10.

अतिपल्लवित (ati–pallavita) *n.* too much elaboration अलमतिपल्लवितेन VaiyāBhū. 98. 5 (*on* 23); S'aktiVā. 111. 13; PadyāTa. 226.

अतिपवन (ati–pavana) *m.* excessive wind (i. e. one of the three humours in the body) अतिपवनकफात्मा ··· असुरेज्यः JātaPā. 2. 58.

अतिपवनवश (atipavana–vaśa) *m.* [Abl.] due to a great wind अतिपवनवशादापतन्ती लतावत् ··· कासि कस्यासि बाले GopāKeCan. 99. 27.

अतिपवमान (ati–pavamāna) *adj.* forcefully passing through (the filter) (átipávamāna) प्र सोमो अति धारया पवमानो असिष्यदत् ṚV. ix. 30. 4; उदित आदित्येऽन्तर्यामं गृह्णात्यतिपवमानस्य राज्ञः BaudhS'S. i. 208. 17.

अतिपवित (ati–pavitá) *adj.* through whom (Soma) has passed (without digestion) व्यृद्धस्यातिपवितस्यैतया पुनीयात् KāthS. 12. 9; अतिपवितस्यैतया पुनीयात् TaiBr. I. viii. 5. 5; (Bhaṭṭabhāskara अतिपवितस्येति सोमातिपवितस्य सोमवामिनो वा···ज्येष्ठे अकृतसोमे कनीयान् सोमेन यजमानः सोमातिपवित इति केचित्)

अतिपवित्र (ati–pavitra) *adj.* [*f.* –ā] **A** very sacred पवित्रातिपवित्रस्याघमर्षणस्य कल्पं व्याख्यास्यामः BaudhDS. iii. 5. 1; किं त्वेतेषु चतुर्षु मध्ये द्वाभ्याम् ··· इदमतिपवित्रमपि सूत्रं विपर्यासयितव्यम् YaśasCam. ii. 353. 21; यं प्राप्यातिपवित्राणि पञ्चगव्यं हवींषि च PadmP. ii. 66. 69; S'ivaP. v. 23. 4 (432A. 5); युक्तमस्माकमतिपवित्रमेतद्द्वित्रिदिवसनिवासाय स्थानम् PraboCan. 2. 5 (21. 14); YogS'ā. 12. 22; SiṁhāDvā. 20. 2(36); 49. 0(21); TristhaSe. 342. 12; देवेभ्योऽतिपवित्रोऽहमृषिभ्योऽपि शिवाव्ययात् VāyuP. ii. 44. 17; सर्वपवित्रेभ्यस्तीर्थादिभ्यो मे शरीरमतिपवित्रमस्त्विति गयासुरेण वरे याचिते TristhaSe. 333. 25; **B** very pure गोपीपुष्करिणी ··· यस्यामुत्पन्ना मृत्तिका अतिपवित्रा SāmaraU. 243. 3; त्वत्तः परोऽतिपवित्रचरित्रः ··· राजा···नास्ति SiṁhāDvā. 225. 0(3); अतिपवित्रं विद्वत्कुटुम्बं द्वारि तिष्ठति BhojPra. 35. 3.

अतिपवित्रक (atipavitra–ka) *adj.* very sacred काकविष्ठासमुत्पन्नाः पञ्चैतेऽतिपवित्रकाः S'ārṅgaPa. 517.

अतिपवित्रता (atipavitra–tā) *f.* great sanctity धृतिं लेभे परिष्वज्य स श्लाघ्यां पावनेस्तनुम् । वैदेहीदर्शनेनैव यातामतिपवित्रताम् RāmāMañ. 286. 4; TristhaSe. 333. 27.

अतिपवित्रत्व (atipavitra–tva) *n.* great sanctity यत्त्विदं घोषस्यातिपवित्रत्वशीतलत्वसेव्यत्वादिकं प्रयोजनमशब्दान्तरवाच्यं प्रमाणान्तराप्रतिपन्नम् Loc. 17. 19 (*on* 1. 4)

अतिपवित्रेष्टि (atipavitreṣṭi) *f.* name of one of the optional *iṣṭis* अतिपवित्रेष्टिं व्याख्यास्यामः Bhāradvājapariśeṣasūtra 202 (BhārS'S. Ed. p. 268)

अतिपश्चात् (ati–paścāt) *adv.* very late अतिपश्चादसौ वीरो धार्तराष्ट्रेण सत्कृतः MahāBhā. ix. 6. 32; अतिपश्चादिदं मातर्यवोचदिति नः श्रुतम् MahāBhā. xii. 1. 27.

अतिपश्य (ati–paśyá) *adj.* seeing beyond अतिपश्यं पुरस्ताद्द्रुद्रम् ··· । मोपाराम AV. xi. 2. 17.

अतिपश्यत् (ati–paśyat) *adj.* seeing beyond येनातिपश्यन् बृहस्पतिस् स वै पञ्चौदनोऽभवत् AV. (P.) viii. 19. 1.

[1]**अतिपा** (ati–pā–) II. P. to protect above all अति दिवस्पाहि TaiS. I. viii. 14. 2; KāthS. 15. 7; अति दिवस्पाहीत्याह । अत्यन्यान् पाहीति वावैतदाह TaiBr. I. vii. 8. 5; ĀpaS'S. xviii. 16. 10; **ii** to protect efficiently गजता च

यूथमविरतदानवरा सातिपाति सारा वनदा HarVi. 5.137 = KāvyPra. 758.3 = AlaṅkāSa. 199.9.

²**अतिपा** (ati-pā-) III. P. to drink absolutely कथं स्विदेवाति पिपातु गृध्रः Suparṇādhyāya 24.2; 25.5.

अतिपांशुल (ati-pāṁśula) *adj.* extremely dusty निवाततरुसंस्थाने रमणीयेऽतिपांशुले। रमन्ते (गजाः) Hastyāyur. 200.1 (2.13)

अतिपाक (ati-pāka) *m.* excessive suppuration अतिच्छेदादतिपाकस्तम्भस्फुरणाश्रुतिमिरसंरम्भविस्वरत्वानि AṣṭāSaṁ. ii. 229.19 (6.14)

अतिपाकतस् (atipāka-tas) *adv.* on account of excessive maturity विधायते तथोपास्तिर्मुक्तिकालेऽतिपाकतः PañcDa. 9.123.

अतिपाटल (ati-pāṭala) *adj.* extremely red, tawny or brown आञ्जनेयमतिपाटलाननम् … भावयामि पवमाननन्दनम् Rāmā. i. 33*(1); भ्रुकुटीकुटिले चक्रे दष्टोष्ठमतिपाटलम्। विशुक्रः BrahmāṇḍP. iii. 27.87; अतिपाटलविग्रहप्रभेत्यर्थः LalitāTriBh. 314.7 (*on* 36); अतिपाटलाधरमवाञ्चितं ह्रिया … मुखं स्मरामि ते NavaSāC. 10.56; छत्रमूर्तिरतिपाटलशाटीपल्लवेन रुरुचे यतिराजः SaṅkaDigVi.(Mā.) 5.108; आलोकैरतिपाटलैरचरमां विस्तारयद्भिर्दिशम् Mukundā. 32; [with Abl.] much more red (अथ राजनायिका) उद्यत्सहस्रमहसा(? सां) सहस्रतोऽप्यतिपाटलं निजवपुः प्रभाञ्जरम् BrahmāṇḍP. iii. 18.2.

अतिपाण्डर (ati-pāṇḍara) *adj.* [*f.* -ā] very white अम्भोऽतिपाण्डरं वासो यस्याश्चन्द्राभिमानिनः BṛĀraUBhVā. ii. 1.55; मण्डलाद् द्विगुणं सूत्रं नवतन्तुविनिर्मितम्। करणीत्युच्यते तद्वत् घटिका चातिपाण्डरा ĪśānŚiPa. ii. 16.30.

अतिपाण्डित्य (ati-pāṇḍitya) *n.* great wisdom एतदेवातिपाण्डित्यं यत्स्वल्पाद्भूरिरक्षणम् BhojPra. 3.17; (ironically) तनयेनातिपाण्डित्यात्पिता धूमेन मारितः Tantrākhyā. 46.5; PañcT. 1.158 (154.2); Pañcā. 109.8; अतिपाण्डित्येन ते दग्धो वंशः Tantrākhyā. 49.17; PañcT. 1.159 (168.3); योऽसौ कुतार्किकमानी…सोऽपि यदेवमतिपाण्डित्याद् विकल्पयति कर्मफलमस्ति न वेति तदा BālaKrī. ii. 59.19 (*on* 3.152)

अतिपाण्डु (ati-pāṇḍu) *adj.* extremely white or pale सीदति चातुरोऽत्र। … उपद्रुतः क्षीणबलोऽतिपाण्डुः SuśruS. ii. 7.16 = RugVi. 35.17; SuśruS. vi. 24.8 = RugVi. 58.18; नखरजनिकृतामातपेनातिपाण्डुः पार्वत्याः पातु युष्मान् … स पादः CaṇḍīS. 10; तत्रातिपाण्डुमतिशीतकराननाङ्किनिश्वासमाशु विनिहन्ति सरक्तनेत्रम् KalyāKā. 9.18; स्निग्धातिपाण्डुः स भवति KalyāKā. 3.67.

अतिपाण्डुकम्बला (atī-pāṇḍukambalā) *f.* name of a rock on the mountain Meru (*lit.* the rock superior to the gem *pāṇḍukambala*) पुरुहूतः …ययौ शिलाम्। अतिपाण्डुकम्बलाख्यां चूलादक्षिणतः स्थिताम् TriṣaŚaPuC. ii. 2.351; i. 2.429; ii. 2.4831; iii. 2.70; iii. 5.33; iii. 6.35; iii. 7.35; तद्वत्स्थितातिपाण्डुकम्बलाभिधानशिलासिंहासने पूर्वाभिमुखो निषण्णः JñātāDhaṬ. 128A.6; MalliC. 4.127; PārśvC. 5.89.

अतिपाण्डुकम्बलावत् (atipāṇḍukambalā-vat) *adv.* as (on the rock called) *atipāṇḍukambalā* सौधर्मकल्पाधिपतिः क्लृप्त्वा काञ्चनवेदिकाम्। अतिपाण्डुकम्बलावत्तत्र सिंहासनं न्यधात् TriṣaŚaPuC. i. 2.905.

अतिपाण्डुदेह (atipāṇḍu-deha) *adj.* having a very pale body रक्तास्यो हरितमलोऽतिपाण्डुदेहः …। रेवत्या व्यथिततनुश्च कर्णनासं मृद्नाति … कुमारः SuśruS. vi. 27.11.

अतिपाण्डुमुख (atipāṇḍu-mukha) *n.* **i** very pale face नभश्चरशशी स्फुटलक्ष्यमाणशङ्काकलङ्कमतिपाण्डुमुखं बभार PṛthvīVi. 4.47; **ii** very pale orb (of the moon), PṛthvīVi. 4.47.

अतिपाण्डुर (ati-pāṇḍura) *adj.* [*f.* -ā] very pale यस्मिन् क्षेत्रोद्देशे जातं सस्यं विनाशमुपयाति। स्निग्धमतिपाण्डुरं वा महाशिरा नरयुगे तत्र BṛSaṁ. 54.61 = ŚārṅgaPa. 2209; शशिशुभ्रा ययौ रात्रिः शोकेनैवातिपाण्डुरा RāmāMañ. 62.10.

अतिपाण्डुरतनु (atipāṇḍura-tanu) *adj.* having a very white stream (*lit.* body) कृष्णाङ्गी यमुनातिपाण्डुरतनुर्गङ्गा HammīMaMa. 2.35.

अतिपात (ati-pāta) *m.* **A** falling beyond **B i** assault, injury, killing **B ii** detraction, opposite use **C** neglect, omission **D** falling, befalling **E i** passing, lapse (of time) **E ii** passing away (of life), death **E iii** loss **F** falling through, failure **G** absence, negation **H** one type of *āviddhadhātu* **I** a disease of an elephant **A** falling beyond (as opposed to *avapāta*) तस्य (= आदित्यस्य) पराचोऽतिपातादबिभयुः (देवाः) AitBr. 18.4 (488); **B i** assault, injury, killing प्राणातिपातनिरतो निरनुक्रोशतां गतः। … दुर्गतिं वर्तयिष्यति Rāmā. i. 58.22; कर्म प्राणातिपातादि दशधा यच्च निन्दितम्। मिथ्यायोगः समस्तोऽसौ AṣṭāHṛ. i. 12.42; व्रतानि स्थूलप्राणातिपातविरमणादीनि SthānṬ. 236B.8; **B ii** detraction, opposite use गुणाभिधानैर्विविधैर्विपरीतार्थयोजितैः। गुणातिपातो मधुरैर्निष्ठुरार्थैः NāṭyaŚā. 16.19 (p. 355); गुणातिपातो व्यस्तगुणाख्यानमुदाहृतम् BhāvPra. (Śā.) 223.14(8); SāhiDa. 334.21; **C** neglect, omission न चेदन्यकार्यातिपातः प्रविश्यात्र गृह्यतामतिथिसत्कारः Śāk. 1.11(7); **D** falling, befalling प्राज्ञस्यापि बहुश्रुतस्यापि…दुःखातिपातेन … मानसं कलुषीक्रियते सर्वस्य Kād. 280.17; नभसि नवघनैर्नवजलधारातिपातवाचालितचञ्चुभिरन्तराले चातकैः Kād. 302.17; श्यामालिलिङ्ग …। अन्तर्निमग्नचरपुष्पशरोऽतिपातात् किं किं चकार तरुणो न यदीक्षणाग्निः ŚrīKaC. 5.23; **E i** passing away, lapse (of time) अनुपात्यय इति किम्? कालस्य पर्ययः। अतिपात इत्यर्थः KāśiVṛ. *on* P. iii. 3.38; Prasā. ii. 653.8; SiddhāKau. 570B.10; अहो कालातिपातः MālaMā. 2.215; स जगाद यदैक्षत क्षपाग्रे क्षितिपस्तद् भविता चिरादमोघम्। यदुषस्यवलोकितं तु देव्या कलितस्तस्य न कालतोऽतिपातः PṛthvīVi. 7.22; **E ii** passing away, death प्राणानाम् … अतिपातः प्राणिनः सकाशाद् विभ्रंशः SthānṬ. 290B.8; वामनपुराणे–'स्नायात् … न … निशासु। ग्रहोपरागं स्वजनातिपातं मुक्त्वा' अतिपातो मरणम् VīraMi.(Āhnika.) 167.5; **E iii** loss प्राणात्यये सर्वधनापहारे (v. l. तिपाते) पञ्चानृतान्याहुरपातकानि MahāBhā. i. 77.16; SūktiRa. 10.9; **F** falling through, failure (of a litigation) अन्ये तु 'शरीरस्यापि चात्यये' इत्यन्यथा व्याख्यानयन्ति। कार्यशरीरस्यातिपाते यः कश्चित् साक्षी यत् कार्यमनुष्ठीयमानमतिपतत्युत्तरकालमशक्यानुष्ठानं तत्र साक्षिणां जातिलिङ्गवयःसादृश्यसंबन्धाभावादिनियमो नास्ति ManuBh. ii. 106.3 (*on* 8.69); **G** absence, negation साधनस्य न्यायः प्रवृत्तिप्रकारः। स च 'नानुपलब्ध' इत्यादिभाष्येण दर्शितः। तस्यातिपातोऽभाव एव NyāyVārPari. 314.9; **H** (Music) one of the five types of *āviddha-dhātu* (consisting of a sequence of alternating light and heavy strokes) क्षेपः प्लुतोऽतिपातोऽतिकीर्णम(? र्णोऽ)नुबन्धसंज्ञितश्चैव। आविद्धो विज्ञेयो धातुर्वै पञ्चविध एव NāṭyaŚā. 29.61; अतिपातो लगाभ्यां द्विः SaṁgīRa. iii. 253.3 (6.152); iii. 252.11 (6.132); **I** name of a disease of an elephant (caused by *vāta* and *pitta*) पिटिकाक्षश्च शूलश्च मृत्तिकाथ कफक्षयः। अतिपात इति प्रोक्ता वातपित्तसमुद्भवाः Hastyāyur. 51.2 (1.7); 36.7 (1.4); [ill-usage, opposition, contrariety, MW, APTE]; Kośas give अतिक्रम, उपात्यय, पर्यय, पर्याय as synonyms of अतिपात AmaK. 1426; 2316; Vaija. 92.114; AbhidhāCin. 15.4; KośaKaTa. 1.5675; KalpaK. 71.28; 243.76; ŚabdeRaSaK. 158.4.

अतिपातक (ati-pātaka) *adj.* **A** very sinful कृत्वापि पातकं (v. l. कृत्वातिपातकम्) कर्म यो दद्यादन्नमर्थिने। ब्राह्मणाय विशेषेण न स पापेन युज्यते MahāBhā. xiii. 62.16; **B** who has conquered sins or crimes, very pious [VĀCAS]; *n.* various types of incests, heinous sin मातृगमनं दुहितृगमनं स्नुषागमनमित्यतिपातकानि ViṣṇuSm. 34.1; 33.3; कृष्णाष्टमीं समारभ्य यावत् कृष्णचतुर्दशी। स कालः … महापापैरसंस्पृष्टः प्रख्यातैरतिपातकैः LakṣmīT. 42.5; ब्राह्मणानां चतुर्लक्षं भोजयित्वा शुचिर्भवेत्। …सोऽप्यतिपातकात् BrahmVaiP. iv. 85.59; PadmP. iv. 63.51; महापातकमतिपातकमनुपातकमुपपातकं प्रकीर्णकमिति पञ्चविधं पापजातमुक्तम् Mitā. 497.24 (*on* 3.290); 509.10 (*on* 3.304); 510.12 (*on* 3.305); (राधानामसहस्रकम्। यः पठेत् पाठयेद् वापि) ब्रह्महत्यासुरापानस्तेयादेरतिपातकात्। सद्यो मुच्येत PañcRā.(Nā.) v. 6.4; औरसादिपुत्रत्रयभार्यागमनं त्वतिपातकम् ManvaVi. 1428.26 (*on* 11.170); महापातकादतिपातकं गुरु बोद्धव्यम् DīpKa. 93.15 (*on* 3.207–8); 99.17 (*on* 3.259); अतिपातकादिषु (प्रायश्चित्तस्य) पादपादह्रासः कल्पनीयः VīraMi. 1074.3 (*on* 3.301–11); 926.9 (*on* 3.228–33); 932.4 (*on* 3.234–42); BālamBha. iii. 156.2 (*on* 3.260); iii. 210.29 (*on* 3.327)

अतिपातकादिदोष (atipātakādi-doṣa) *m.* guilt of committing grave sin or incest यो याज्यः ऋत्विजं कर्मानुष्ठानसमर्थमतिपातकादिदोषरहितमृत्विग् वा याज्यमदुष्टं त्यजति तयोः शतं शतं दण्डः कार्यः ManvaMu. 358.16 (*on* 8.388)

अतिपातकादिसंसर्गिन् (atipātakādi-saṁsargin) *adj.* associated or (socially) mixing with those guilty of a grave sin or incest एवमतिपातकादिसंसर्गिणोऽपि तदीयमेव प्रायश्चित्तं वेदितव्यम् Mitā. 509.16 (*on* 3.304)

अतिपातकाभिशंसिन् (atipātakābhiśaṁsin) *adj.* falsely accusing another of a (committing) great sin or incest अतिपातकाभिशंसिन एतदेव व्रतं पादोनम् Mitā. 479.21 (*on* 3.285)

अतिपातकिन् (ati-pātakin) *adj.* guilty of a grave sin or incest (*atipātaka*) अतिपातकिनस्त्वेते प्रविशेयुर्हुताशनम् ViṣṇuSm. 34.2; एतेष्वकृतप्रायश्चित्ता अतिपातकिनः पर्यायेण कल्पं पच्यन्ते ViṣṇuSm. 43.23; 44.2; 45.2; ग्राम्यो मूर्खोऽतिपातकी। … गतप्रज्ञो विनष्टधीः। सोऽपि संजायते वाग्मी NityāṢoḍa. 4.25; TantrRā. 15.93; स्त्रीघ्नश्चतुर्णां वर्णानां वेदे सोऽप्यतिपातकी BrahmVaiP. iv. 85.59; iv. 26.24; सुरापी स्तेयी च ब्रह्महा चातिपातकी SkandP. ii(1).

14.21; न केवलं महापातकिसंयोगी तत्समः किं त्वतिपातकी(? कि)पातक्युपपातक्यादीनां मध्ये यो येन सह संसर्गं करोति सोऽपि तत्समः Mitā. 447.5 (*on* 3.261); GaṇeP. i. 62.46; अगम्यागामिनो ये च सुरविप्रस्वहारिणः।··· अतिपातकिनश्चैते PañcaRā.(Nā.) i. 10.78; कुलधर्मं समाश्रित्य पुनस्त्यक्तकुलक्रियाः। अतिपातकिनः स्मृताः MahNirvāT. 11.30; 12.81; 14.18; (ये च पापकृतां लोकाः ··· ये च स्त्रीबालघातिनाम्) चकारैरतिपातकिविषदातृगर्भहन्तृणां समुच्चयः VīraMi. 504.20 (*on* 2.73–74)

अतिपातक्रम (atipāta-krama) *m.* order of the omission (of a rite) अतिपातक्रमस्य बुद्धिस्थस्य त्यागे कारणाभावात् प्रतिहोमेऽपि स एव क्रमः NyāyMāVi. 347.11 (*on* vi. 5.14); अतिपत्तिसमाधानार्था होमा एकस्मिन्नपि काले अतिपातक्रमेणैवोपतिष्ठन्ते, न युगपत् MayūMāli. 501.7 (*on* vi. 5.14)

अतिपाततस् (atipāta-tas) *adv.* from the (temporary) loss (of wealth or benefit) सोऽपि ह्यर्थागमो भविता। मित्रं तु सकृद् वाक्ये प्रतिहते कलुषितं स्यादिति वात्स्यायनः। तत्राप्यतिपाततो विशेषः KāmSū. 346.1 (6.5); अतिपातत इति। यदा तदानीमुपेक्षितोऽर्थो(ऽति)पतति च दास्यत्येवेति विशेषः JayaMa. 346.2 (*on* 6.5); अतिपाततो विशेषं तत्र च वात्स्यायनो मुनिः प्राह KandaCū. vi. 5.16.

अतिपातन (ati-pātana) *n.* **i** lapse, omission (of a rite) (according to some 'non-commencement' and according to others 'non-completion' of a rite) यदि स्थालीपाकस्यातिपातनं भवति 'अग्नये पथिकृते', 'अग्नये वैश्वानराय' वा जुहुयात् ĀgniveGS. ii. 7.2 (108.5); नावयवानामतिपातनं निमित्तं स्यात् (प्रायश्चित्तस्य) TantrVā. 634.18 (*on* ii. 4.3); NyāySu.(So.) 975.25 (*on* ii. 4.3); 'यद्यारम्भविषयमतिपातनं पौर्णमास्यमावास्याशब्दयोः प्रधानयजिनामत्वात् प्रधानारम्भविषयमतिपातनं 'ततो घटत' एव TantrRa. 19.19; 20.4; 20.7; BhāṭṭDī. ii. 85.16 (*on* iv. 1.2); **ii** delaying, allowing (time) to lapse अनयो हि महानेष यत् कालस्यातिपातनम् PadmP.(Ra.) 6.493; **iii** neglect, transgression, violation (of customary rule) (केतनं कारयित्वा तु योऽतिपातयते द्विजः) केतनं निमन्त्रणम्। अतिपातनमतिक्रमः। निमन्त्रिताय भोजनाप्रदानमिति यावत् Aparā. 1188.24 (*on* 3.292); **iv** bringing to an end, depriving प्राणा उच्छ्वासादयस्तेषामतिपातनं प्राणवता सह वियोजनं प्राणातिपातो हिंसेत्यर्थः SthānṬ. 26A.10.

अतिपातनग्रन्थ (atipātana-grantha) *m.* Vedic text dealing with (propitiatory rites for) the lapse or omission (of a rite) 'अनन्तरेण' अतिपातनग्रन्थेन नायं ग्रन्थः संबध्यते TantrRa. 22.19.

अतिपातनत्व (atipātana-tva) *n.* the state of omission अतिपातनस्यानारम्भरूपत्वे प्रमाणाभावात् यागाकरणस्यासमापनस्यैवातिपातनत्वाङ्गीकारेण तद्दर्शनोपपत्तिः BhāṭṭDī. ii. 85.16 (*on* iv. 1.2)

अतिपातनदर्शन (atipātana-darśana) *n.* perception of lapse or omission (of a rite) अननुष्ठाने त्वतिपातने संभवत्यङ्गानुष्ठानेऽपि प्रधानाननुष्ठानमिति संभवत्येव पूर्वपक्षेऽप्यतिपातनदर्शनम् TantrRa. 20.7.

अतिपातम् (ati-pātam) *ger.* having gone or passed beyond क्वचनातिपातमटवीमटवीं सधुनीं धुनीमभिनिवेशमगात्। स लतागृहान् ··· तरसा ··· अगात् RāghPāṇ.(Dha.) 12.8.

अतिपातिकार्यान्तर (atipāti-kāryāntara) *n.* another urgent task, (work not brooking delay) कुतश्चिदतिपातिकार्यान्तरव्यासङ्गादपाटवाद्वा यदि स्वयं न पश्येत् तदा विद्वान्ब्राह्मणो नियोज्यः ManuBh. ii. 78.15 (*on* 8.9)

अतिपातित (atipātita) *n.* **i** complete fracture of a bone (one of the twelve kinds of fractures) अस्थि निःशेषतश्छिन्नमतिपातितम् SuśruS. ii. 15.10; i. 18.30; काण्डभग्नमत ऊर्ध्वं वक्ष्यामः। कर्कटकम् ··· अतिपातितम् ··· स्फुटितमिति द्वादशविधम् SuśruS. ii. 15.8; ii. 15.11; काण्डेषु भग्नं ह्यतिपातितं च मज्जागतं च स्फुटितं च वक्रम् RugVi. 44.5; **ii** fracture in which a part of the fractured bone enters into another bone (i. e. complicated fracture) अस्थ्यवयवोऽस्थिमध्यमनुप्रवेश्यतिपातितम् AṣṭāSaṁ. ii. 301.17 (6.32); ii. 301.8 (6.32), *adj.* allowed to lapse अतिपातितकालसाधना स्वशरीरेन्द्रियवर्गतापनी। जनवन्न भवन्तमक्षमा नयसिद्धेरपनेतुमर्हति Kirātā.2.42; स निर्जघानायुधमन्तरा शरैः क्रियाफलं काल इवातिपातितः Kirātā. 14.51.

अतिपातितगात्र (atipātita-gātra) *adj.* which has very much decayed the body योगराजमवलिह्य समस्तम् ···। हन्ति कुष्ठमतिपातितगात्रम् AṣṭāSaṁ. ii. 113.1 (4.21)

अतिपातित्व (atipāti-tva) *n.* the state of being likely to be lost, the state of not brooking delay द्रव्यसाम्ये मित्रवाक्यादतिपातित्वादायतितो गम्यगुणतः प्रीतितश्च विशेषः KāmSū. 343.17 (6.5)

अतिपातिन् (atipāt-in) *adj.* **i** fast-developing, intensifying quickly (disease) [running a rapid course, acute, MW] अतिपातिषु रोगेषु नेच्छेद्विधिमिमं भिषक्। प्रदीप्तागारवच्छीघ्रं तत्र कुर्यात्प्रतिक्रियाम् SuśruS. i. 5.40; **ii** very urgent, not brooking delay (task etc.) भवति अतिपाति कार्यमिदम् Abhiṣe. 3.1 (4); आर्य अतिपाति कार्यमिदम् PañcRā. 2.2 (3); अतिपातिषु कार्येषु राज्ञां तत्कार्यकारिणाम् BṛhaspaSm. 284.389; अतिपात्यपि नो कार्यं मन्यन्ते नार्भका अपि। आलोकयन्ते PadmP.(Ra.) 120.26; कार्यान्तरेऽतिपातिनि त्वरावत्त्वान्नास्त्येव प्रमाणान्तरस्य साक्ष्यादेरवसरः ManuBh. ii. 75.12 (*on* 8.3); **iii** (due amount or money) which is likely to be lost तत्र कार्यसंदर्शनेन मित्रमनुनीय ··· ततोऽतिपातिनमर्थं प्रतिगृह्णीयात् KāmSū. 346.6 (6.5); **iv** excelling or surpassing (in speed), ovetaking श्रियः समग्रैः स गुणैरुदारधीः क्रमाचतस्रश्चतुरर्णवोपमाः। ततार विद्याः पवनातिपातिभिर्दिशो हरिद्भिर्हरितामिवेश्वरः RaghuVa. 3.30; **v** exuberant, bursting forth गन्धसलिलावसिक्तभूमिभागेषु ··· मारुतग्राहिषु गृहमध्येषु यो निरुध्यते प्रियया तेनातिपाति यौवनमनुभूतं भवति DhūrtaViSaṁ. 28.23; **vi** falling beyond (human prowess), not within the range of (human power) अतोऽमुष्मिन्नौपयिकममर्त्योपस्थितेऽतिपातिन्यर्थजाते विचिन्त्यताम् AvantiKa. 38.23; **vii** falling quickly ततश्च तैः ··· भ्रियन्तेऽनेकधारयातिपातिनः खड्गाः खड्गिनश्च NalaCam. 1.47 (20); **viii** causing violation or transgression अहंकारवशः प्राणी करोति च शुभाशुभम्। विमूढो मोहजालेन तत्कृतेनातिपातिना DeviBhāP. v. 1.35; **ix** the proper time (for the performance) of which has lapsed कृत्वाचिन्ताक्रमो नो चेत्प्रतिहोमेऽतिपातिनः। क्रमोऽस्त्वग्निष्टोमकादौ सायं षोडशिनीतरः NyāyMāVi. 347.5 (*on* vi. 5.14); [neglecting, MW]

अतिपातिवृत्तान्त (atipāti-vṛttānta) *m.* very urgent or important news अतिपातिवृत्तान्तनिवेदनत्वरयावस्थान्तरं नावेक्षितम् Abhiṣe. 5.10 (7)

अतिपातुक (ati-pātuka) *adj.* surpassing अपि मधुकरी ··· विराजति धूमलच्छविरिव रवेलक्ष्मीलक्ष्मीं करैरतिपातुकैः NaiṣC. 19.5.

अतिपात्य (atipāt-ya) *ger.* having allowed to slip, having let go (time) प्राप्तं तु कालं त्वभिपद्य (v. l. अतिपात्य) पश्चात्किं मामिदानीमतिवेलमात्थ MahāBhā. iii. 35.16; *adj.* to be neglected or delayed धर्मकार्यमनतिपात्यं देवस्य S'āk. 5.3 (1) (Kale's Ed.)

अतिपात्र (ati-pātra) *n.* most deserving one पूजनीयो रविर्नित्यम् ··· सर्वेषामेव पात्राणामतिपात्रं दिवाकरः BhaviP. 258B. 12 (i. 174.20)

अतिपात्रता (atipātra-tā) *f.* the state of being the most deserving one साक्षाच्छूद्रान्नस्य वर्जने हि का नामातिपात्रता CaturCin. iii(1). 349.15.

अतिपाद (ati-pādá) *m.* overstepping, striding beyond तस्य पराचीनातिपादाद्बिभयुः PañcBr. iv. 5.11 (comm. अत्यूर्ध्वगमनात्); पराचोऽतिपादाद्बिभयुः TaiBr. I. ii. 4.2; [transgression, pw]

अतिपादन (ati-pādana) *n.* **i** non-commencement यद्यारम्भविषयमतिपादनं ततो न घटते ṬupṬ. 2.22 (*on* iv. 1.2); इदं चातिपादनमनुपक्रम इत्याश्रित्योक्तम् MayūMāli. 349.21 (*on* iv. 1.2); **ii** non-performance (of an obligatory rite) यागाकरणादतिपादनं यत्तदितरत्रापि घटत एव ṬupṬ. 2.24 (*on* iv. 1.2); अननुष्ठानमतिपादनमित्याश्रियमाणेऽङ्गानुष्ठानेऽपि···°दोषाभावात् MayūMāli. 349.21 (*on* iv. 1.2)

अतिपादनाभाव (atipādanābhāva) *m.* absence of non-commencement अङ्गारम्भेणैव प्रधानस्यारब्धत्वादतिपादनाभावः ṬupṬ. 2.23 (iv. 1.2)

अतिपादनिचृत् (atipāda-nicṛt) *f.* name of a Vedic metre with three *pādas* of six, eight and seven syllables respectively, Ind. St. 8.239; cf. **अतिपादनिवृत्**.

अतिपादनिवृत् (atipāda-nivṛt) *f.* name of a Vedic metre with three *pādas* of six, eight and seven syllables respectively षट्कसप्तकयोर्मध्येऽष्टावतिपादनिवृत्(? निचृत्) ChandaḥSū. 3.11.

अतिपाद्य (ati-pā́dya) *ger.* having neglected or omitted वैश्वानरं द्वादशकपालं निर्वपेदमावास्यां वा पौर्णमासीं वातिपाद्य TaiS. II. ii. 5.4.

अतिपान (ati-pāna) *n.* **i** excessive drinking (of liquor) ग्लानिर्नाम ··· मनस्तापातिशयमद(v. l. तिपा)नमद्यसेवन° ··· आदिभिर्विभावैः समुत्पद्यते NāṭyaS'ā. 7.47(4); अतिपानभोजनस्वप्नव्यायामसेवनैश्च ··· जातहारिणी सज्जते KāśyaS. 189B. 28; नर्मदाजलावगाहनक्रीडातिपानमदाकुलेनायत्नेनैव तेन···रावणः ···(बद्धा) स्थापितः ViṣṇuP. iv. 11.19; जागरेणातिपानेन शिरोऽर्ति व्यपदिश्य च KathāSaSāg. ii. 5.152; अतिपानतपोजराकलाभ्यासादिभ्यो बलापचयः Kāvyānu.(He.) 111.11; अतिपानम् ··· विवर्जयेत् Rasā. 18.118; RaseCin. 3.86 (37.1); अतिपानात्कुलीनानां सिद्धिहानिः प्रजायते MahNirvāT. 6.195; 11.115; **ii** excessive kissing क्षीणयावकरसोऽप्यतिपानैः कान्तदन्तपदसंभृतशोभः (अधरपल्लवरागः) Kirātā. 9.62; [a drinking bout, nt.]

अतिपानज (atipāna-ja) *adj.* arising from excessive drinking (of water) क्रममिवानुभवन्नतिपानजं गिरितटे निषसाद पयोधरः Subhāṣi. 1751.

अतिपानतस् (atipāna-tas) *adv.* due to excessive drinking (सरः) यमेन रक्तं विनिर्गीर्य देहिनामजीर्णमुद्गीर्णमिवातिपानतः RāghPāṇ.(Dha.) 6.42.

अतिपानप्रयोग (atipāna-prayoga) *m.* excessive medical treatment consisting of drinking (of oil) अतिपानप्रयोगेण मृत्योर्गोचरमृच्छति AśvaVai. 52.15.

अतिपानरत (atipāna-rata) *adj.* delighting in excessive drinking (of liquor) अत्याशनरता मर्त्या अतिपानरता नराः LiṅgaP. ii. 6.66.

अतिपानहत (atipāna-hata) *adj.* afflicted with excessive drinking अतिपानहतं विजह्यात् SuśruS. vi. 47.22.

अतिपानादिदोष (atipānādi-doṣa) *m.* vices like excessive drinking (of liquor) etc. अतिपानादिदोषेण रोगिणो बहवः क्षितौ MahNirvāT. 1.61.

अतिपाप (ati-pāpa) *adj.* [*f.* -ā] very sinful, involving much sin सा कुलटातिपापा BṛSaṁ. 70.16; षष्ठे काले त्वमाहारः ···अतिपापस्य निर्घृणस्य द्विजद्रुहः VāmaP. 86.44; अतिपापे यथा साधुवचसा सिद्धिमाप्नुयात् GaṇeP. i 75.37; एते दोषाः सप्त च नृणामतिपापाः BṛKathāK. 45.12; 57.173; हत्वा हत्वातिपापेन गोविन्देन प्रभक्षितः BṛKathāK. 121.4; अहो बतातिपापस्य दृढता कियती मम RāmāMañ. 96.3; तदानेनातिपापेन प्रापितास्मीदृशीं दशाम् MalliC. 1.73; अतिपापमहं मन्ये सुभगे वचनं तव NaraP. 13.24; कथमेवं अतिपापे द्यूतकर्मणि बुद्धिं करोषि SiṁhāDvā. 196.7(2); अतिपापोऽपि गतपापो भवति Bālam-Bha. iii. 219.29 (*on* 3.327); *n.* great sin, gravest sin महापापातिपापैर्विप्रकाशैर्विमुच्यते LakṣmīT. 42.10; (पापानि) महापापोपपापातिपापान्येव स्मृतानि PañcaRā.(Nā.) i. 10 75; अतिपापं महापापं सप्तधा पातकं स्मृतम् SkandP. ii(4) 29.24; एवं च नातिपापं स्याद्धवेद्दीर्वा च जीविका KathāSaSāg. vi. 6.141.

अतिपापकर (atipāpa-kara) *adj.* causing grave sin विषमद्गुमद्यमांसनिकराद्यतिपापकरम् KalyāKā. 19.25.

अतिपापकृत् (atipāpa-kṛt) *adj.* committing grave sin प्रविष्टः कोऽस्य हृदये दुर्बुद्धेरतिपापकृत् ViṣṇuP. i. 17.25; न ह्ययं मम पुत्रः स्याच्छत्रुरेवातिपापकृत् SkandP. iii(1). 22.71; v(2). 53.11.

अतिपापभाज् (atipāpa-bhāj) *adj.* great sinner, participating in grave sin व्यर्थं मनुजोऽतिपापभाग्भवति PraboSu. 58.

अतिपापयुक्त (atipāpa-yukta) *adj.* possessed of grave sin, very sinful अतिपापयुक्तोऽपि सिद्धिमेति TantrRā. 4.2.

अतिपापरत (ati-pāparata) *adj.* very much delighting in (committing) sin अतिपापरतो जन्तुस्ततस्तस्मात्प्रमुच्यते GaṇeP. ii. 140.44.

अतिपापवत् (atipāpa-va(n)t) *adj.* extremely vicious, very sinful कीटादियोनौ यः स्थितो जीवोऽतिपापवान् SaurP. 38.49.

अतिपापहेतुत्व (atipāpahetu-tva) *n.* the state of being the cause of very grave sin प्राणिवधस्यातिपापहेतुत्वं प्रतीयते ManvaVi. 600.1 (*on* 5.22)

अतिपापिन् (ati-pāpin) *adj.* [*f.* -ī] very sinful का गतिर्भवते तेषां नराणामतिपापिनाम् PauṣkS. 36.93; आत्मन्यल्पपुण्यानां सर्वत्रैवातिपापिनां (भयम्) MārkP. 58.61; तेन सूपकारेण वेगतः। छित्त्वास्य पश्चिमं पादं छेलकस्यातिपापिना BṛKathāK. 73.96; एतेऽतिपापिनो ज्ञेया नित्यं लोभसमन्विताः SkandP. i(2). 5.107; VāmaP. 58.92; षड़ात्रमतिपापिनः (व्रतं कुर्यात्) ViṣṇuDhaP. ii. 123.24; अतिपापिनि धूर्ते च ··· निष्कृतिर्विद्यते विप्र PadmP. iv. 94.60; Adhyā-Rā. i. 1.56; न त्यजेत् पितरौ पुत्रः ··· न त्यजेत् स्वामिनं भार्या विना तानतिपापिनः MahNirvāT. 11.27; StavMā. 287.26; सहालापस्तु संसर्गः सहास्या चातिपापिनी। पाषण्डिभिर्दुराचारैस्तस्मात्तान् परिवर्जयेत् ViṣṇuP. iii. 18.100.

अतिपापिष्ठ (ati-pāpiṣṭha) *adj.* (super.) most sinful तस्मान्मया न कर्तव्यो विश्वासः ···। मन्त्रिवर्गेऽतिपापिष्ठे शत्रुपक्षसमाश्रिते DevīBhāP. v. 32.18.

अतिपापीयस् (ati-pāpīyas) *adj.* (comp.) more sinful ज्ञातयश्च हि भूयिष्ठाः ···। तेषां वधोऽतिपापीयान् किं नु युद्धेऽस्ति शोभनम् MahāBhā. v. 70.45.

अतिपाप्मन् (ati-pāpman) *m.* grave sin महापापातिपाप्मानौ विहाय प्रथितौ कृतौ LakṣmīT. 42.9 (comm. प्रथितौ विहायेति। अप्रकाशकृतौ इत्यर्थः)

अतिपामर (ati-pāmara) *adj.* very naive, very wretched यमतिपामरा गोपालाः ··· अन्यानि च सर्वाणि भूतानि व्योम्नि सञ्चरन्तं पश्यन्ति ŚivārkaMaDī. i. 257.14–15 (i. 1.22); तथातिपामरेणापि प्रोच्यते पुरुषोत्तमः। विज्ञात एव राजेन्द्र प्रतीत्यानुभवेन च BrBrahmaS. iv. 8.53; छायामृगः शशक इत्यतिपामरोक्तिस्तेषां कथंचिदपि तत्र (चन्द्रमध्ये)हि न प्रसक्तिः Kuval. 27(5) (comm. अतिपामराणां मूर्खतमानाम्)

अतिपायिता (ati-pāyitā) *adj.* (*f.*) made to drink heavily तदभ्यागमहृष्टा सा मद्यं तेनातिपायिता KathāSaSāg. vii. 5.207.

अतिपार (ati-pāra) *adj.* whose (other) shore is distant, very wide or extensive व्यवसायद्वितीयानां नात्यपारो (v. l. नातिपारो) महोदधिः PañcT. 2.65 (244.12); *n.* other end, distant end हरिं तदिहाकथनश्रुतिभ्यां लब्धस्मृतिर्यात्यतिपारमध्वनः BhāgP. v. 12.16.

अतिपारण (ati-pāraṇa) *n.* crossing over, bringing across तद् यदत्र शार्करं भवति समुद्रस्यैवातिपारणाय JaimiBr. 3.194; 3.273.

अतिपारम्पर्याश्रयण (atipāramparyāśrayaṇa) *n.* resorting to a long series पारम्पर्येणापि प्रथम एव वर्णः प्रयत्नानन्तरीयकः, न द्वितीयादयः अतिपारम्पर्याश्रयणे त्वतिप्रसङ्गः TātpaṬ.(Vā.) 293.5–6 (*on* i. 1.35)

अतिपारय (ati-pārayá) *adj.* [AltGr. II. 1.180] who helps to cross over मवा॑ सु॒पा॒रो अ॑तिपार॒यो नो॑ भवा॒ सुनी॑तिरु॒त वा॒मनी॑तिः RV. vi. 47.7.

अतिपारयितुम् (ati-pārayitum) *inf.* to cross over, to convey across शिशुमारो वै समुद्रमतिपारयितुमर्हति JaimiBr. 3.194; 3.269; 3.273.

अतिपारार्थ्य (ati-pārārthya) *n.* the state of being meant absolutely for something else किमाश्रिमारुतादूर्ध्वमनुयाजैश्चरेदिति। अङ्गं कालोऽथवाङ्गं स्यादतिपारार्थ्यमन्यथा NyāyMāVi. 250.19 (iv. 3.15)

अतिपारावारीणनाग (ati-pārāvārīṇanāga) *adj.* surpassing the elephant (Airāvaṇa) born from the ocean आस्तो नृपोऽस्मिन्मदतोऽतिपारावारीणनागः सहसा व्यरुद्ध DvyāśraKā. 16.7 (पारावारेऽब्धौ भवं जातं वा नागमैरावणमतिक्रान्तः)

अतिपारिप्लवत्व (atipāriplava-tva) *n.* the state of being greatly agitated, great speed अतिपारिप्लवत्वेनोत्प्लवमाना मुहुर्मुहुः। तत्र सस्नुस्तुरङ्गाश्च तरङ्गभ्रमदायिनः TriṣaŚaPuC. i. 4.61.

अतिपारुष्य (ati-pāruṣya) *n.* too much harshness रोपैश्चैवातिपारुष्यैः शरीरमिव संहतैः MatsyaP. 131.3.

अतिपार्श्वचरा (atipārśva-carā) *adj.* (*f.*) staying very close by (his) side वत्स हिमालयं गच्छ विलोकय च पर्वतराजपुत्रीं परिचरत्यतिपार्श्वचरा गिरिशं न वेति Manmatho. 423.18.

अतिपार्श्वरुज् (ati-pārśvaruj) *f.* excessive pain in the sides मुखशोषोऽतिपार्श्वरुक् CaraS. vi. 3.101 (1941 Ed.)

अतिपार्श्वशयनशायिन् (ati-pārśvaśayanaśāyin) *adj.* accustomed to sleep too long on one side अतिपार्श्वशयनशायिनः ··· मन्दाग्नेर्विषमाशिनो वातः प्रकुपितः ··· स्रोतांसि प्रतिश्याययति KāśyaS. 130A. 38.

अतिपाल् (ati-pāl-) x. P. to wait शालग्रामाभिधाने भगवतः क्षेत्रे कंचित्कालमतिपालयामि PraboCa. 5.3 (83.7)

अतिपालित (ati-pālita) *adj.* very well protected गरुडेनातिपालितौ। दिव्यक्रीडासु निरतौ रामकृष्णौ स्मरन् जपेत् PañcaRā.(Nā.) v. 1.67.

अतिपावन (ati-pāvana) *n.* filtering through (of Soma) सिद्धमातिपावनात् MānŚS. 135.17 [*ā*+*ati*]; *adj.* [*f.* -ī] highly purifying or having great purifying quality, holy, sacred शिला स्थिता पृथिव्यां सा देवरूपातिपावनी VāyuP. ii. 46.2; समन्तपञ्चकं तीर्थं कुरुक्षेत्रेऽतिपावनम् BrahmāṇḍP. ii. 47.14; ii. 56.21; अतिपावनाः। यूयमापो विजानीत मनोवृत्तिं शुभां मम Bhaṭṭi. 20.30 (comm. अत्यन्तं पावयन्ति शोधयन्तीत्यतिपावनाः। अथवात्यन्तं पावनं शोधकं शौचकत्वधर्मो यासु ता इति बहुव्रीहिः); MṛtyuMāPūSt. 6; निरूपणेऽपि भगवन्निर्माल्यमतिपावनम्। समस्तवैदिकाचार्यवचनैरवसीयते ĀgaPra. 83.8; चतुर्विधे धर्मिजने जिनाश्रिते निरस्तमिथ्यात्वमलेऽतिपावने SubhāRaSaṁ. 164; 166; अस्याखण्डलकोदण्डकान्ति चर्मातिपावनम्। गजपृष्ठे निधास्यामि महासमरपर्वसु NavaSāC. 2.50; 18.53; अतिपावनतपोधनव्रतम् ··· भरतमवलोकयन् Rāmā-Cam. 6.102 (4); ĀdiP. 12.4; DevīBhāP. vii. 19.3; श्रुतेऽस्मिन्वाक्ये यस्माज्जीवन्मुक्तत्वमक्षयम्। उदेति स्वयमेवात इदमेवातिपावनम् YogVā. iii. 8.10; एतावताथ कालेन सा बभूवातिपावनी। सूची YogVā. iii. 74.21; स्वकर्मभिः। तयातिपावनश्चक्रे वितस्तासिन्धुसंगमः RājTa.(Ka.) 6.305; नन्दीश्वरादिचैत्यानां स्पर्धयेवातिपावनम्। तच्चैत्यम् ··· तेन वर्धकिरत्नेन व्यधीयत यथाविधि TriṣaŚaPuC. i. 6.628; यामिन्यास्तुर्ये यामेऽतिपावने TriṣaŚaPuC. ii. 2.21; शिवां नभःसरितमिवातिपावनीमुपासितुं तव महिषीं समादिशत् NemiNir. 2.27; सह्यस्य चोत्तरो यस्त(? स्तु) यत्र गोदावरी नदी। पृथिव्यामपि कृत्स्नायां स प्रदेशोऽतिपावनः CaturCin. i. 83.8; अतिपावनीमवनिजामुपेयिवानमरैः स्तुतः सः (राघवः) Raghunā. 4.64; 4.35; ŚivLī. 3.70.

अतिपावनाकृति (atipāvanākṛti) *adj.* whose body is greatly sanctifying तदनूपविश्य धरणीश्वराग्रणीरधिभद्रपीठमतिपावनाकृतिः Raghunā. 4.34.

अतिपावित (ati-pāvita) *adj.* rendered very pure अद्य नः सद्म सकलं युष्माभिरतिपावितम्। वयं च पाविता भूयः SkandP. i(2). 58.11.

अतिपाव्य (atipāv-ya) *ger.* having filtered through यः प्रातःसवनिके सोमस्तं होतृचमसेऽवनीयातिपाव्य···पवित्रं पार्श्वतो निदधाति MānŚS. 76.1; 84.7.

अतिपाव्यमान (ati-pāvyamāna) *adj.* (meant for the wine) which is being strained across (the wool) अतिपाव्यमाने द्रोणे वालं वितत्य सुरामतिपावयति VārāS'S. III. i. 1. 15.

अतिपिङ्ग (ati-piṅga) *adj.* deep red अतिपिङ्गेक्षणद्वितयदारुणं वदनमुज्जृम्भयन्तम् (राक्षसं राजा ददर्श) UdaySuKa. 76. 5.

अतिपिङ्गल (ati-piṅgala) *adj.* very tawny, deep reddish brown वामनः स्वप्रशंसायां परद्वेष्टातिपिङ्गलः (भवति) HārīS. ii. 1. 43; उत्तरङ्गदङ्गरागसङ्गमातिपिङ्गलः…त्वां स पातु फुल्लचारुचिल्लिरद्य बल्लवः MukuMu. 10.

अतिपिच्छल (ati-picchala) *adj.* excessively slimy अष्टौ रेतोदोषाः … पूति अतिपिच्छलमन्यधातूपहितमवसादि चेति CaraS. i. 19. 5 (1922 Ed.)

अतिपिच्छला (ati-picchalā) *f.* the plant *Aloe perfoliata* कुमारी मण्डला माता गृहकन्यातिपिच्छला MadaPāNi. 19. 325.

अतिपिच्छिल (ati-picchila) *adj.* **A** excessively slimy दश क्षारस्य गुणाः। दशैव च दोषाः। तद्यथा। … अतिपिच्छिलो विसर्पी … चेति AṣṭāSaṁ. i. 191. 15 (1. 39); वान्तम् …। मांसोदकाभं त्वतिपिच्छिलाच्छं श्लेष्मानुजातं विविधं रसेन। … करोति (ऊर्ध्वगतमम्लपित्तम्) RugVi. 51. 4; 25. 3; **B** extremely slippery or muddy अतिथीनां पदाम्भोभिरिमं प्रत्यतिपिच्छिले। अङ्गणे गृहिणां तत्र खलेनानेन चस्खले NaiṣC. 17. 167; *m.* a type of (sweet) potato [pw]

अतिपिच्छिला (ati-picchilā) *f.* *Aloe perfoliata* [PW]

अतिपिञ्जर (ati-piñjara) *adj.* very tawny श्वेतोऽवसन्नवर्त्मातिस्थूलवर्त्मातिपिञ्जरः।… इति प्रदुष्टा द्वादश व्रणाः CaraS. vi. 25. 24 (1941 Ed.)

अतिपिञ्जरसच्छाय (atipiñjara-sacchāya) *adj.* possessing a deep-yellow lustre काम्बोजकुम्भसम्भूतं धात्रीफलनिभं गुरु। अतिपिञ्जरसच्छायं मौक्तिकं मन्ददीधिति YuktiKa. 107. 16.

अतिपिडक (ati-piḍaka) *adj.* having many pustules नीलः श्यावोऽतिपिडको रक्तः कृष्णोऽतिपूतिकः। … इति प्रदुष्टा द्वादश व्रणाः CaraS. vi. 25. 24 (1941 Ed.)

अतिपितामह (áti-pitāmaha) *adj.* surpassing one's own paternal grandfather तं वा एतमाहुः। अतिपिता बताभूरतिपितामहो बताभूः S'atBr. XIV. ix. 4. 29 = BṛĀraU. vi. 4. 28.

अतिपितृ (áti-pitṛ) *adj.* surpassing one's own father तं वा एतमाहुः। अतिपिता बताभूः S'atBr. XIV. ix. 4. 29 = BṛĀraU. vi. 4. 28.

अतिपितृपक्षपातिन् (ati-pitṛpakṣapātin) *adj.* very much partial towards one's father अतिपितृपक्षपाती खल्वार्यः सर्वदा तातश्लाघायां मामभिधत्ते HarṣaC. 240. 8.

अतिपित्त (ati-pitta) *adj.* containing excess of bile नीलातिकृष्णमतिपित्तमतिप्रदग्धम् …। मनुजमाशु निहन्ति वान्तम् KalyāKā. 9. 17; 2. 55.

अतिपित्तकर (atipitta-kara) *adj.* causing excess of bile मध्यमं कफवातघ्नं नातिपित्तकरं सरम् AṣṭāHṛ. i. 6. 168.

अतिपित्तकृत् (atipitta-kṛt) *adj.* (*f.*) causing excess of bile रूक्षातिपित्तकृद् गुर्वी वातला गौरवाकुची BhojanKu. 82. 4.

अतिपित्तनुद् (atipitta-nud) *adj.* clearing away (disorders of) excessive bile इदमाप्यायकमिदमतिपित्तनुदिदमेव कांतिबलजननम् RaseCin. 8. 38 (94. 22)

अतिपित्तप्रद (atipitta-prada) *adj.* giving (rise to) excess of bile बालं राजफलं कफास्रपवनश्वासातिपित्तप्रदम् BhojanKu. 103. 24.

अतिपित्तल (atipitta-la) *adj.* causing excess of bile पलाण्डुस्तद्गुणन्यूनः श्लेष्मलो नातिपित्तलः AṣṭāHṛ. i. 6. 110.

अतिपिपासित (ati-pipāsita) *adj.* very thirsty श्रमे भेदेषु तृष्णासु मूर्च्छास्वतिपिपासिते।… सलिलं तप्तशीतलम्। निर्दिशेत् KāśyaS. 358B. 8. BṛNāraP. 9. 7; मद्बाणाः सुभटप्राणानास्वाद्यातिपिपासिताः। कुरूनत्तुं क्षमिष्यन्ति पीत्वा वः शोणितासवम् PāṇḍaC. 13. 308.

अतिपिपासिन् (ati-pipāsin) *adj.* extremely thirsty यः … विकारः … उपद्रवानुत्पादयति … अतिपिपासिनम् … अतिकृशम् … वा (संपादयति) Hastyā. 395. 2 (3. 6)

अतिपिपासु (ati-pipāsu) *adj.* very thirsty मुस्तोदीच्यशृतं तोयं देयं चातिपिपासवे SiddhYo. 3. 2.

अतिपिबत् (ati-pibat) *adj.* drinking excessively अत्यश्नतोऽतिपिबतः…। दोषा घोराः प्रकुप्यन्ति BhelaS. 39. 19 (1. 25)

अतिपिशुन (ati-piśuna) *adj.* indulging in too much back-biting पवनात्मकोऽतिपिशुनः … भास्करिः Sārā. 4. 27; [very ill-natured, malicious or wicked, Kād. 197. 14 (? 17) recorded as a v. l. in nt.]

अतिपिहित (ati-pihita) *adj.* well-concealed कुत्राप्यक्रान्तिगामी क्वचिदतिपिहितः … च्चित्रव्याघ्रोऽयमत्तुं (°मात्तुं S. C. BANERJEE) प्रमदवनमृगीतर्णकांस्तूर्णमेति SaduktiKa. 280. 18.

अतिपीड् (ati-pīḍ-) X. P. to trouble excessively, to harass much स्थौल्यकार्श्ये वरं कार्श्यम् …। यद्युभौ व्याधिरागच्छेत् स्थूलमेवातिपीडयेत् CaraS. i. 21. 17 (1941 Ed.); Kirātā. 15. 6; मा मा मामतिपीडय मुञ्च क्षणमदय नो समर्थास्मि। इति … अभिधातव्यस्त्वया कामी KuṭṭaMa. 158; पुनः करणे वृद्धिसहितमूलीभूते लघीयसी वृद्धिः कर्तव्या। यावत्या वृद्धया नातिपीडयते। या प्रागासीत्ततो न्यूनेत्यर्थः ManuBh. ii. 147. 27 (*on* 8. 155)

अतिपीडन (ati-pīḍana) *n.* **A** excessive oppression असंविहितराष्ट्रस्य देशकालावजानतः। (राज्ञः) अप्राप्यं च भवेत्सान्त्वं भेदो वाप्यतिपीडनात् MahāBhā. xii. 128. 4; अनावृष्टिरतीवोग्रा जायते शतवार्षिकी। ततो यान्त्यल्पसाराणि तानि सत्त्वान्यनेकशः। क्षयं यान्ति मुनिश्रेष्ठाः पार्थिवान्यतिपीडनात् BrahmP. 231. 15; प्रायशः सुकुमाराणाम् …। रोगाध्वप्रमदामद्यव्यायामैश्चातिपीडनात्। अव्यवाये तथा स्थूले वातरक्तं प्रकुप्यति SuśruS. ii. 1. 40; अधिकमसितोत्पलादपि धरणीधरपुत्रि तावकं नयनम्। कर्णाश्रयेण कान्तिमदाद्यं यत्तदतिपीडनेन परम् YātrāPra. 3. 113; **B** excessive pain, great affliction स शरैरिव दुर्जनैर्यतो गुणमुक्तैस्तनुतेऽतिपीडनम् HammīMaKā. 10. 3; अतिपीडनम् अतिबाधनम् Nyās. ii. 164. 8 (*on* v. 4. 61); S'ākaṭāVyā. iii. 4. 50; अतिव्यथनमतिपीडनम् Prasā. i. 954. 12; **C** excessive pressing, excessive crushing गण्डगजमदगण्डाभ्यर्दनावस्नेहेन कर्मणा वातिपीडनात् … मदप्रकृतिमवबुध्य AvantiKa. 84. 17; HarVi. 37. 65; अतिपीडनं हि मांसस्थानेऽत्यन्तसुखकारि स्यात् JayaMa. 102. 9 (*on* 2. 2); 76. 1 (*on* 2. 1); 101. 10 (*on* 2. 2); जन्तुजग्धातिपीडनान्मलसंकरात्। किंचित्कालं विधृत्या च विकृतिं याति यान्त्रिकः (इक्षुरसः) BhojaKu. 157. 21 [S'abdaRaSaK. 27. 2 gives अतिपीडन as a meaning of व्यलीक]

अतिपीडनतस् (atipīḍana-tas) *adv.* owing to excessive pressing परस्परालिङ्गितयोस्तयोः स्वेदच्छलादिव। अतिपीडनतः स्नेहः सस्यन्दे चिरसंभृतः KathāSaSāg. iii. 4. 370.

अतिपीडम् (ati-pīḍam) *adv.* very painfully, in a manner that causes much pain पुष्पसञ्चयमृदुनि (पु)ष्पभाजन एव मे नातिपीडं निगरुडवो न्यपतत् AvantiKa. 193. 2.

अतिपीडयत् (ati-pīḍayat) *adj.* pressing very hard नातिपीडयल्लाँगलं प्रवीरवत् … तदुद्वपति VasiSm. 2. 39; विधातुरतिपीडयतो हस्तपाशजनितायासेनेव … क्षीणतरतामुपगतेन मध्यभागेन VāsaDa. 55. 4.

अतिपीडा (ati-pīḍā) *f.* **i** great trouble, excessive torture or affliction (आयम्य शनैरसून्) शनैर्यथा नातिपीडा भवति ManuBh. i. 301. 15 (*on* 3. 207); कायिकाप्यतिपीडारहिता SmṛtiCan. iv. 369. 1; PāṇḍaC. 9. 204; ग्रीष्मसंज्वरकृतामतिपीडामब्जिनीपतिरिवासहमानः। … विश्रवःसुतदिशं विजगाहे YātrāPra. 6. 4; Hastyāyur. 612. 18 (4. 5); **ii** close scrutiny अतिपीडया सत्प्रतिपक्षत्वम् NyāyKuA. ii. 39. 13; Kiraṇā. 189. 9; TārkiRa. 239. 3; अतिपीडायां द्वावेव हेत्वाभासौ NyāyPari. 278. 12 (comm. अतिघर्षण इत्यर्थः); S'atDū. 104. 21; अत्रातिपीडायामनवस्थापि द्रष्टव्या TattvPrakā. 100B. 7 (*on* ii. 2. 18)

अतिपीडाकर (ati-pīḍākara) *adj.* very troublesome, causing great pain सुष्ठु दुःखेन तपश्चर्यंते अतिपीडाकरम् ManuBh. i. 26. 6 (*on* 1. 34); व्यसनमाघातम्। घोरमतिपीडाकरम् DīpKa. 52. 29 (*on* 2. 113); एतद्वादिनोऽतिपीडाकरमहापातकादिविवादविषयम् DaṇḍaVi. 338. 3; 342. 1; मर्माणि अल्पाभिघातेऽप्यतिपीडाकराणि स्थानानि बस्त्यादीनि VīraMi. 861. 1 (*on* 3. 102)

अतिपीडाकृत् (ati-pīḍākṛt) *adj.* very troublesome, causing great pain किमज्ञानम् …। यत्परस्यातिपीडाकृदसद्दोषाधिरोपणम् PārśvC. 8. 148.

अतिपीडावती (atipīḍā-vatī) *adj.* (*f.*) consisting of great trouble (वृद्धिः) प्रतिषिध्यते कायिकाप्यतिपीडावती SmṛtiCan. iv. 369. 8.

अतिपीडित (ati-pīḍita) *adj.* [*f.*-ā] **i** very much pressed कृष्णस्तु तत्स्तनं गाढं कराभ्यामतिपीडितम्। गृहीत्वा प्राणसहितं पपौ ViṣṇuP. v. 5. 9; BrahmP. 184. 9; बस्तिः कण्ठं प्रधावेदतिपीडितः AṣṭāSaṁ. i. 150. 19 (1. 20); **ii** pressed down with weight (द्वारम्) अतिपीडितमन्तर्विनतं भवेदभावाय BṛSaṁ. 53. 81; **iii** greatly afflicted, rubbed hard नाशक्नुवं स्थापयितुम्…स्ववाहिनीम्। शरक्षताङ्गश्च भृशं व्यपयातोऽभि(v. l. ति)पीडितः MahāBhā. iii. 236. 12; xii. 90. 23; तारकादतिपीडितम् (जगत्) MatsyaP. 61. 38; BrahmāṇḍP. ii. 34. 12; द्यौस्तत्सटोत्क्षिप्तविमानसंकुला…क्ष्मा च पदातिपीडिता BhāgP. vii. 8. 33; i. 13. 33; जगन्नाथ … मां रक्ष राक्षसेनातिपीडितम् SkandP. iii(1). 3. 91; एभिः शिरोभिरतिपीडितपादपीठः … दशास्यः RāghPāṇ.(Dha.) 11. 38; SiddhYo. 75. 25; श्रयिष्यन्ति च देवास्त्वां दानवैरतिपीडिताः DevīBhāP. iii. 13. 40; अतिपीडितोऽहम् … तृष्णाक्षुधाभ्याम् BrahmP. 117. 10; तैलचौर्येण भवति नरः कण्ड्वातिपीडितः PadmP. iv. 48. 53; तव भारेण नृत्येन मम देहोऽतिपीडितः GaṇeP. ii. 88. 38; आर्तोऽप्यतिपीडितोऽपि अपवदेत् ManvaVi. 572. 10 (*on* 4. 235); (स्नेहः दीयते) कर्मणा चातिपीडिते Hastyāyur. 674. 4 (4. 19)

अतिपीडितता (atipīḍita-tā) *f.* the state of being greatly pressed अतिपीडितता ··· भूयो भूयोऽवपीडनम् ··· पीडनदोषाः SuśruS. iv. 35. 32.

अतिपीडितम् (ati-pīḍitam) *adv.* very pressingly ऊर्ध्वग्रीवस्योर्ध्वतो हस्तं कृत्वावसेचयेदशिथिलमनतिबद्धमतिपीडितम् Hastyāyur. 633. 8 (4. 13)

अतिपीडिनी (ati-pīḍinī) *adj.* (*f.*) extremely painful or troublesome तस्याजायत मध्याह्ने शिरोरुगतिपीडिनी VarāP. 122. 34.

अतिपीड्यमान (ati-pīḍyamāna) *adj.* being greatly afflicted स दुर्मनाः अतिपीड्यमानहृदयो भोक्तुं नेच्छति Hastyāyur. 94. 1 (1. 13)

[1]**अतिपीत** (ati-pīta) *adj.* [*f.* -ā] **i** partaken excessively अति-बी(पी)तं च तद्विधि (वृद्धि) तत्रा (तन्यात्) BhelaS. 32. 14 (1. 19); सकलनृपतिमौलिमालास्वतिपीतं पद्मरागरत्नातपमिव वमन्तौ (चरणौ) HarṣaC. 114. 4; रसोऽतिपीतः कुरुते ज्वरम् KāśyaS. 213A. 19; हीनमिथ्यातिपीतेन यो व्याधिरुपजायते AṣṭāSaṁ. ii. 48. 13 (4. 9) = AṣṭāHṛ. iv. 7. 2; अकाले चातिपीतश्च धूमः कुर्यादुपद्रवान् S'ārṅgaS. iii. 9. 7; अतिपीतां तमोराजीम् ··· । वमतीव ··· प्रदीपः SubhāRaK. 26. 2; SaduktiKa. 165. 5; **ii** who has partaken excessively अतिपीतं तथा भुक्तं व्यायामं नैव कारयेत् NāṭyaS'ā. 10. 102; नातिपीताम् । विश्रमकरत्वात् JayaMa. 178. 9 (*on* 2. 10); S'ukraNī. 4 (7). 116.

[2]**अतिपीत** (ati-pīta) *adj.* [*f.* -ā] deep yellow पित्तं नीलातिपीतं हरिततमम् KalyāKā. 3. 67; अतिपीताभः पित्तपाण्डुामयी नरः RugVi. 8. 5; 52. 20; अतिपीत सुवर्णाभ ··· नागराजेन्द्र BhaviP. 396A. 26 (ii(3). 2. 61); अतिपीतम् ··· स्मरतु ··· स्तम्भनं स्वर्णचूडम् ĪśānS'iPa. i. 3. 23; अतिपीता प्रशस्ता तु ज्ञेया दारुनिशा BhāvPra.(Bhā.) 6 (1). 118; लसतातिपीतदाम्ना शुशुभे ग्रन्थिः प्रियानीव्याः PadyaVe. 201; *m.* name of a root अत्ति(? ति)पीतः श्वेतवल्ल्या मूले ApūNā. 23B. 4.

अतिपीन (ati-pīna) *adj.* [*f.* -ā] very fat अतिपीनाङ्गः क्षाममध्यो वृकोदरः ViṣṇuDhaP. iii. 85. 67; अतिपीना द्विरदमदविगन्धिः (हस्तिनी) Rati-Raha. 1. 18; विघ्नेशम् ··· विरचयेत् ··· अतिपीनाङ्गकम् TantrSa. 2. 115 = S'ilpa-Ra. ii. 14. 29.

अतिपीनस (ati-pīnasa) *n.* excessive catarrh अल्पङ्गसादनविपाकविहीनतातिकासातिपीनस° ··· °कण्ठकण्डूः । श्लेष्मज्वरे ··· लक्षणानि KalyāKā. 9. 58.

अतिपीयूषगण्डूष (ati-pīyūṣagaṇḍūṣa) *adj.* which surpasses draughts of ambrosia अतिपीयूषगण्डूषैर्वचोभिः प्रतिभाष्य ताम् । विससर्ज महीनाथः TriṣaS'aPuC. ii. 4. 134.

अतिपीयूषोद्गारा (ati-pīyūṣodgārā) *adj.* (*f.*) which surpasses the emissions of ambrosia अजितस्वामी ···। सगरं व्याजहारातिपीयूषोद्गारया गिरा TriṣaS'aPuC. ii. 3. 156.

अतिपीवन् (ati-pīvan) *adj.* [*f.* -varī] [DEBRU. p. 895] **i** very fat or big नातिपीवा न संहननाङ्गो जरसा चोपद्रुतो भवान् BhāgP. v. 10. 6; (नागाधिराजः) अतिपीव्ना देहेन ··· उर्वीं बिभर्ति AnargharaRā. 6. 73; यथा यथातिपीवानो बभूवुस्तिमिरोर्मयः PāṇḍaC. 10. 158; **ii** surpassing a fat person इदं तर्हि अतिधीवरी अतिपीवरी MahāBh. ii. 205. 19 (iv. 1. 14); PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. iv. 1. 4.

अतिपीवर (ati-pīvara) *adj.* [*f.* -ā] very plump, very thick (देवी) खड्गं व्यापारयामास कण्ठे तस्यातिपीवरे SkandP. vi. 121. 54; वटस्य बीजमल्पं तत्कार्यमतिपीवरम् PramāVāBh. 42. 6; RāmāMañ. 492. 21; तनुतरपाणिपद्मम् ··· कथमतिपीवराङ्गुलीयं तन्वङ्ग्याः सपदि विभूषयेन्मदीयम् GopāKeCan. 140. 10; पतिरिव ···। आलिङ्गत्यतिपीवरां स्तनतटीम् MūkaPañ. 2. 52.

अतिपीवरवक्षोज (atipīvara-vakṣoja) *m.* very plump breasts (पारिजाततरोर्मूले कान्ता काचिददृश्यत) अतिपीवरवक्षोजभारभङ्गुरमध्यभूः BrahmāṇḍP. iii. 10. 62; iii. 37. 73.

अतिपीवरस्कन्ध (atipīvara-skandha) *adj.* **1** possessing very stout shouldes (person) (तस्याः पतिः) सालपादप इवातिपीवरस्कन्धः AvantiKa. 7. 19; **2** having a very big trunk or stem (tree), AvantiKa. 7. 19.

अतिपुंसी (ati-puṁsī) *adj.* (*f.*) surpassing a man (उगिद् वर्णः) पुमांसमतिक्रान्ता अतिपुंसी JaineVyā. 151. 5 (*on* iii. 1. 6)

अतिपुंस्त्व (atipuṁs-tva) *adj.* of excessive virility इयं वृद्धस्य कस्यचिद्वणिजो नातिपुंस्त्वस्य···गृहिणी DaśKuC. 116. 4.

अतिपुण्य (ati-puṇya) *n.* great merit अतिपुण्यम् ··· अतिथैर्यं च साधय SkandP. iii(3). 11. 28; अतिपुण्यान्मानवोऽपि याति स्वर्गम् GaṇeP. 54. 9 (1); अतिपुण्येन दृष्टं ते विराड्रूपं सुरेश्वर GaṇeP. ii. 61. 39; ii. 79. 10; ii. 152. 44; ये तु धनलाभेच्छां विनैव ··· (श्राद्धादिकं) कुर्वन्ति तेषामतिपुण्यम् BālamBha. ii. 243. 1 (*on* 2. 133–36); *adj.* [*f.* -ā] very meritorious, extremely virtuous, highly sacred, प्रज्ञाप्रासादमारुह्य ··· प्रेक्षन्तो लोकवृत्तानि ··· अतिपुण्यानि पापानि MahāBhā. iii. 198. 93; धन्योऽहमतिपुण्योऽहं कोऽन्योऽस्ति सदृशो मया MārkP. 23. 89; सत्रं हि तेऽतिपुण्यं च सहस्रपरिवत्सरान् BrahmāṇḍP. i. 2. 5; एवं दिशाप्रवाहेण ह्यतिपुण्या सरस्वती VāmaP. 42. 9; अनुचितमिदं भक्त्या विश्रासेनागतस्याद्य । समुपेक्षणं ममैषा प्रकृतिर्नैवातिपुण्या नाम GopāKeCan. 90. 22.

अतिपुण्यकृत् (atipuṇya-kṛt) *adj.* doing highly meritorious deeds अतिपुण्यकृतां प्राप्यॉल्लोकान् प्राप्य ··· शुचीनां श्रीमतां···कुले योगोपक्रमे भ्रष्टो योगमाहात्म्याज्जायते GītāBh.(Rā.) 354. 7 (*on* 6. 41)

अतिपुण्यचय (atipuṇya-caya) *m.* stock of excessive merit उपनतमतिपुण्यचयैः संपूर्णं रक्षितं च यत्नेन ।··· भवति निधानं हि मित्रं च KalāVi. 2. 42.

अतिपुण्यतम (atipuṇya-tama) *adj.* most holy कोऽतिपुण्यतमः श्रेष्ठः प्रदेशः पापदारकः SkandP. v(1). 40. 9; (संकष्टचतुर्थीमहिमा) अतिपुण्यतमश्चायं स्मरणादपि सिद्धिदः GaṇeP. i. 73. 30.

अतिपुण्यतर (atipuṇya-tara) *adj.* extremely sacred or holy सः ··· अतिपुण्यतरपुरुषोत्तमक्षेत्रे ··· स्वर्लोकसोपानपरम्परासु सुखेनैव पदक्षेपणम् ··· स्वयं चकार ParamāKā. 154. 49 (20)

अतिपुण्यतस् (atipuṇya-tas) *adv.* on account of great merit तथा सप्तापि मन्त्राणां सिद्धान्यस्यातिपुण्यतः BṛKathāK. 97. 78.

अतिपुण्यता (atipuṇya-tā) *f.* excessive sanctity स्वामिसङ्गात्तदम्भोऽगात् पुण्यमप्यतिपुण्यताम् TriṣaS'aPuC. ii. 2. 440.

अतिपुण्यतोय (atipuṇya-toya) *adj.* having very sacred water गिरिवरगहनेऽतिपुण्यतोये यतमनसो निवसन्ति विन्ध्यपृष्ठे MārkP. 3. 85.

अतिपुण्यद (atipuṇya-da) *adj.* [*f.* -ā] giving great merit, extremely holy कश्चिद् विशेषनियमः पालनीयः प्रयत्नतः । यावदेकादशी शुक्ला कार्तिकस्यातिपुण्यदा JayāS. 21. 114 = PāraS. 12. 494; रूपोला परमं स्थानं पवित्रमतिपुण्यदम् SkandP. iii(2). 39. 220; तस्माद्बिल्वतलाद्यातं गाङ्गं वार्यतिपुण्यदम् BrahmP. 115. 14; रामं दृष्ट्वा कृतार्थः स्यामहं यज्ञेऽतिपुण्यदे PadmP. iv. 28. 75; जले पतन्ति यास्तत्र शिवास्तास्त्वतिपुण्यदाः S'ivaP. ii(5). 41. 62 (268B. 3)

अतिपुण्यभाज् (atipuṇya-bhāj) *adj.* sharing great merit अहो वयमतिपुण्यभाजः यदिमाममानुषीमस्याकृतिम् ··· पश्यामः Kād. 82. 20.

अतिपुण्यभू (atipuṇya-bhū) *f.* excessively holy land यतः कमलापतिः वसति नित्यमसावतिपुण्यभूरिति च चेतसि काममम्यत ĀnandRa. 2. 49.

अतिपुण्यवत् (atipuṇya-va(n)t) *adj.* highly meritorious अतिपुण्यवतो लोके साधुशब्दः प्रयुज्यते GaṇeP. i. 78. 19; तयोरेकः ··· चक्रवर्त्यत्र भविता देव एवातिपुण्यवान् KathāSaSāg. viii. 1. 13; कथय ··· यश्चातिपुण्यवानपि प्रागनुभूय सौख्यानि पश्चाद् दुःखं प्राप्तः TilaMañ. 346. 18.

अतिपुण्यसंभार (atipuṇya-saṁbhāra) *m.* stock of great merit विना यज्ञैर्विना दानैर्विना व्रतजपादिभिः । विनातिपुण्यसंभारैः कः काशीं प्राप्तुमीहते SkandP. iv. 42. 53.

अतिपुण्यात्मन् (ati-puṇyātman) *adj.* highly pious-minded तस्यासीदतिपुण्यात्मा वृषभानुः परोदयः ĀdiP. 12. 5.

अतिपुण्याश्रमपद (ati-puṇyāśramapada) *n.* extremely holy hermitage (रामः) तत्राक्षयवटं दिव्यं ददर्श ··· अतिपुण्याश्रमपदं परम् BrahmVaiP. iii. 33. 31.

अतिपुण्यैकरसिक (ati-puṇyaikarasika) *adj.* solely interested in (acquiring) good deal of merit सुराणां पातासौ स पुनरतिपुण्यैकरसिकः ··· तृणमिव सुरेशं विजयते Subhāṣi. 2631.

अतिपुण्यैकहृदय (ati-puṇyaikahṛdaya) *adj.* with a heart set in great piety only सुराणां पातासौ स पुनरतिपुण्यैकहृदयः ··· तृणमिव सुरेशं विजयते VāsaDa. 123. 1 = SubhāRaK. 46. 10.

अतिपुत्रवत्सला (ati-putravatsalā) *adj.* (*f.*) very much fond of a son वसुदेवः — अयि अतिपुत्रवत्सले (देवकि) BālC. 1. 10 (12)

अतिपुत्रा (ati-putrā) *adj.* (*f.*) who is not able to deliver a male child (safely) आकाङ्क्षेताष्ट वर्षाणि भर्तातिप्रसवां स्त्रियम् ·· अतिप्रसवाऽतिपुत्रा ViraMi.(Saṁskāra.) 873. 25.

अतिपुपुवान (ati-pupuvāná) *adj.* one who has purged (himself) through (Soma) सोमेनातिपुपुवानं याजयेत् MaiS. ii. 4. 1.

अतिपुर् (ati-pur) *f.* excellent city अतिपूः शोभनपुरम् KośaKaTa. 1. 2625.

अतिपुर (ati-pura) *n.* name of Viṣṇu's abode स्वर्गतोऽपि स राजर्षिः क्षीणे वैवस्वतेऽन्तरे । प्रविश्यातिपुरं विष्णोश्चन्द्रमण्डलमध्यगम् ViṣṇuDhaP. i. 156. 38.

अतिपुरम् (ati-puram) *adv.* on the outskirts of the city विलम्बितगतिर्मैनागतिपुरं जनैर्गीयते AlaṅkāRa. 29. 61.

अतिपुरन्दर (ati-purandara) *adj.* surpassing Indra त्रिपृष्ठोऽभाषिष्ट स्थामतोऽतिपुरन्दरः TriṣaS'aPuC. iv. 1. 389.

अतिपुरा (ati-purā) *adv.* much earlier, long ago भवद्गुणग्रामयशः ···

विलोचने । विषीदतः सातिपुराधुना पुनः सुधाम्बुधावातनुतोऽवगाहनम् Vidvanmo. 8. 126.

अतिपुराण (ati-purāṇa) *adj.* very old (सुरामैरेये) कदाचित् प्रच्युतमद्यभावे। यदा अतिपुराणे भवतः Sphuṭā. iv. 45. 24 (*on* 4. 34); पुनर्मुहूर्तमात्रमतिपुराणकपिलपनलीलातुल्यतामनुशीय क्षणादुपशान्तवयसि समस्तसंध्यारागतेजसि Yaśas-Cam. ii. 8. 5; ii. 43. 3; घृतस्यातिपुराणस्य तस्य पानञ्च शस्यते AśvaVai. 62. 2.

अतिपुरीषबन्धन (ati-purīṣabandhana) *n.* excessive constipation प्रक(? क)म्पशूलातिपुरीषबन्धनम् KalyāKā. 11. 24.

अतिपुरुष (ati-puruṣa) *m.* **i** superior person or man अथैष एव पुरुषो योऽयं चक्षुषि । य आदित्ये सोऽतिपुरुषः JaimiUBr. i. 27. 2; (तिकुप्रादयः) तिसंज्ञाः कुशब्दः प्रादयश्च समर्थेन नित्यं षसो भवति ।··· स्वती पूजार्थकम् ।··· अतिपुरुषः JaineVyā. 61. 2 (*on* i. 3. 81); कुगतिप्रादयः समर्थेन शब्दान्तरेण सह नित्यं समस्यन्ते, तत्पुरुषश्च समासो भवति । कुः पापार्थे । कुपुरुषः ।···स्वती पूजायाम् । सुपुरुषः । अतिपुरुषः KāśiVr. *on* P. ii. 2. 18; **ii** name of a former Buddha [DBHS]

अतिपुरुषात्मक (atipuruṣātma-ka) *adj.* of the nature of a superman कोटिपाठेन भवति तथातिपुरुषात्मकः BrBrahmaS. i. 12. 113.

अतिपुष्कल (ati-puṣkala) *adj.* abundant, very much एवमस्त्विति संभाष्य नृपोऽन्नमतिपुष्कलम् । अखेदयद्वरं तस्मै चारुव्यंजनपानकम् PadmP.(Ra.) 33. 197.

अतिपुष्ट (ati-puṣṭa) *adj.* [*f.* -ā] **i** well nourished, very much robust or strong अतिपुष्टा गावो गोष्ठया आसेदुष्यः···भवन्ति SāmaraU. 276. 2; शरीरेणातिपुष्टेन किमनेन प्रयोजनम् BrKathāMañ. 16. 351; **ii** well-equipped (with), very rich (in) सुन्दरकः ··· वसुना नातिपुष्टोऽभवत् DaśKuC. 46. 14.

अतिपुष्टता (atipuṣṭa-tā) *f.* the state of being well-fed तस्याश्चास्याः प्रायश्चित्तेष्वनधिकारः अशक्ततयातिपुष्टतया वा तस्या अपि वस्त्रादिदानं कर्तव्यमिति श्लोकार्थः ManuBh. ii. 430. 20 (*on* 11. 187)

अतिपुष्टपुष्करिणि (atipuṣṭa-puṣkariṇi) *adj.* having well-fed lotus-ponds आधिदैविकं स्थानं वृन्दावनं अतिपुष्टपुष्करिणि SāmaraU. 246. 7.

अतिपुष्टाङ्ग (ati-puṣṭāṅga) *adj.* whose body is well nourished बलिपुष्टैः ··· बलिभिश्चातिपुष्टाङ्गैरवलाश्चक्षुभिर्हृताः SkandP. iv. 68. 53.

अतिपुष्टाङ्गयुक्त (atipuṣṭāṅga-yukta) *adj.* **1** endowed with strong equipments जातमात्रं न यः शत्रुं व्याधिं वा प्रशमं नयेत् । अतिपुष्टाङ्गयुक्तोऽपि स पश्चात्तेन हन्यते BhojPra. 3. 19; **2** endowed with a strong body, BhojPra. 3. 19.

अतिपुष्टि (ati-puṣṭi) *f.* excessive growth or increase पदातिमातङ्गतुरङ्गमाणां पुरा कृशानाममुना नृपेण । निदाघसंतप्तसरोवराणां धाराधरेणापि कृतातिपुष्टिः Rāṣṭrau. 10. 32.

अतिपुष्टितस् (atipuṣṭi-tas) *adv.* due to excess दौर्गन्ध्यं गद्गदत्वं च भवेन्मेदोऽतिपुष्टितः AṣṭāSaṁ. i. 125. 14 (1. 24)

अतिपुष्टिदा (atipuṣṭi-dā) *adj.* (*f.*) providing excessive nourishment नारिकेरोद्भवा क्षीरी स्निग्धा शीतातिपुष्टिदा BhojanKu. 30. 9.

अतिपुष्पक (ati-puṣpaka) *adj.* superior to the Puṣpaka (chariot), surpassing the Puṣpaka आतिथ्यम् ··· आनशे ··· भूपतिः । आनन्दादतिपुष्पकं रथमधिष्ठाय प्रियायौतके प्राप्तं तैरवरागतैरविदितप्रासादतो निर्गमः NaiṣC. 19. 66.

अतिपू (ati-pū-) I. Ā. **A** to purify तं त्वां सहस्रचक्षसमथो सहस्रभर्णसम् । अति वारमपाविषुः RV. ix. 60. 2; स सहस्रतमे संवत्सरे । सर्वोऽत्यपवत SatBr. X. iv. 4. 3; **B i** to flow through (said of the woollen filter), to purify पवस्व देववीरति पवित्रं सोम रंह्या । इन्द्रमिन्दो वृषा विश RV. ix. 2. 1; ix. 36. 2; स्वादुः पवाते अति वारमव्यम् RV. ix. 97. 4; ix. 106. 13; **B ii** to pass through (without digestion) तस्मादनु सवनं पुरोडाशानां प्राश्नीयादात्मन्नेवारमणं कुरुते नैन ᳲ सोमोऽति पवते TaiS. VI. v. 11. 4; MaiS. ii. 4. 1; KāṭhS. 12. 10; छिद्र इव वा एष यं सोमोऽतिपवते PañcBr. xviii. 5. 4; यᳲ सोमोऽतिपवते । पितॄणां याज्यानुवाक्याभिरुपं तिष्ठते TaiBr. I. viii. 6. 6; यत्र वै सोम इन्द्रमत्यपवत स यत्ततः शार्दूलः समभवत् SatBr. V. iii. 5. 3 = V. iv. 1. 11; V. v. 4. 13; V. v. 4. 18; V. v. 4. 33; अप वा एतस्मात् । तेज इन्द्रियं वीर्यं क्रामति यᳲ सोमोऽतिपवतऽऊर्ध्वं वावाञ्चं वा SatBr. XII. vii. 2. 1; BaudhSS. ii. 190. 7; **C** to depart विड् वा एतमतिपवते यो राजावरुध्यते PañcBr. xviii. 5. 6 (Sāy. अत्यन्तं परित्यजति); xviii. 5. 8; प्रजाकामो यजेत प्रजा वा एतमतिपवते योऽलं प्रजायाः सन् प्रजां न विन्दते PañcBr. xviii. 5. 9; xviii. 5. 10; xviii. 5. 11; (*caus.*) to purify or cleanse न प्राणानतिपावयेत् MānSS. 59. 10; द्रोणे वालं वितत्य प्रतिप्रस्थाता पुनाति ते परिस्रुतमिति सुरामतिपावयति MānSS. 128. 22; VārāSS. III. i. 1. 15; III. ii. 7. 11; तं गृहीत्वा राजानमतिपावयति यावन्तं माध्यंदिनाय सवनायाप्तं मन्यते HirSS. ix. 1. 14; ix. 3. 32.

अतिपूजनीयवपुस् (atipūjanīya-vapus) *adj.* whose body is highly admirable भूमौ नोपविशन्ति ये खलु रजःसंपर्कतर्कादिव । तेषामप्यतिपूजनीयवपुषां नूनं पिकानाम् ··· परपुष्टता SaduktiKa. 274. 26.

अतिपूजा (ati-pūjā) *f.* excessive worship or honour अतिपूजां तथा लाभं गौरवं निन्दनं तथा । इच्छन् यतिर्याति पापमिन्द्रियाणां सुखस्पृहाम् BrDharmaP. ii. 7. 26.

अतिपूजित (ati-pūjita) *adj.* **i** strongly recommended or prescribed (*lit.* highly honoured) लावकः···तथा विपाके मधुरः संनिपातेऽतिपूजितः HāriS. i. 21. 2; सक्तवः शर्करासर्पिर्युक्ता ग्रीष्मेऽतिपूजिताः BhojanKu. 23. 17; 127. 24; **ii** highly honoured or adored or auspicious येनेन्द्रियाणि विजितानि ···। श्लाघ्यं च जीवितमनर्थविमुक्तमुक्तं पुंसो विविक्तमतिपूजिततत्त्ववृत्तैः SubhāRaSaṁ. 102; (आवर्तः) रोमजश्चातिपूजितः AśvaVai. 3. 38; अविलम्बि सुवृत्तं च उदरञ्चातिपूजितम् AśvaVai. 3. 25.

अतिपूजिततारा (atipūjita-tārā) *adj.* (*f.*) **1** having an excellent pupil (of the eye) अतिपूजिततारेयं दृष्टिः ··· कं न मोहयति ĀryāSaSa. 21 (comm. अतिपूजिता श्रेष्ठेति यावत् । तारा नेत्रकनीनिका); **2** where the goddess Tārā is highly worshipped, ĀryāSaSa. 21 (comm. अत्यन्तपूजिता ताराख्या देवता यत्र)

अतिपूजितलाभ (atipūjita-lābha) *m* acquisition of excessive honour अतिपूजितलाभांस्तु जुगुप्सं चै(? सेचै)व सर्वतः । अतिपूजितलाभैस्तु यतिर्मुक्तोऽपि बध्यते BrahmP. 222. 52.

अतिपूज्य (ati-pūjya) *adj.* highly adorable, highly honourable वास्त्वीशनामा ··· देवैः पुरा दत्तवरोऽतिपूज्यः । शेते स्म भूम्याम् ĪśānSiPa. i. 11. 6; देवेभ्योऽप्यतिपूज्यस्तु स्वगुरुर्ब्रह्मचारिणा ··· स यज्ञपुरुषः BhaviP. 157B. 20 (i. 103. 51); VīraMi.(Vyavahāra.) 116. 1.

अतिपूत (ati-pūta) *adj.* [*f.* -ā] **i** purged (person) स सोमातिपूतो मङ्क्षुरिव चचार SatBr. V. v. 4. 11; स हैतयापि सोमातिपूतं भिषज्येत् SatBr. V. v. 4. 13; V. v. 4. 33; अग्निचित्सोमयाजिसोमातिपूतसोमवामिनाम् KātySS. xix. 1. 2; xv. 10. 21; xxii. 9. 15; **ii** extremely purified or pure (ओदनस्य ··· सर्पिर्मिश्रस्य जुहोति) तद्ब्राह्मणैरतिपूतमनन्तमक्षय्यं मे अस्तु स्वधा नमः पितृभ्यः स्वाहा BhārGS. 2. 17 (49. 10); ĀgniGS. iii. 2. 6 (128. 19); वृत्तमतिपूतमिदमुक्तटसुभावाः । श्रोतवचसो विषयतामुपनयन्ते PadmP.(Ra.) 39. 236; (गङ्गा) ततः स्वभावतः पूताप्यतिपूता भविष्यति BrahmVaiP. ii. 6. 87; **iii** very holy अतिपूतैः प्रियसखी हृता ते दृग्भङ्गीषुभिः UjjvaNīMa. 178. 7.

अतिपूतात्मन् (atipūtātman) *adj.* **i** having a very pure or holy soul श्रद्धधानोऽतिपूतात्मा ··· शूद्रः कर्माणि मे यः ··· सममाचरेत् VarāP. 115. 32; **ii** of most sacred form अस्ति ··· हिमवान् ··· पर्वतः ।··· तपःस्थानोऽतिपूतात्मा SivaP. ii(3). 1. 19 (124A. 15)

अतिपूति (ati-pūti) *adj.* smelling very badly, extremely putrid अतिपूतिपर्युषितविसालसान्द्रोत्तरारम्भम् YaśasCam. i. 404. 5; पत्रिकाशासनानि च । वेष्टयित्वोपरि स्पष्टं पुरीषेणातिपूतिना BrKathāK. 9. 24.

अतिपूतिक (atipūti-ka) *adj.* extremely putrified (व्रणः) रक्तः कृष्णोऽतिपूतिकः CaraS. vi. 25. 24.

अतिपूतिगन्धवत् (atipūtigandha-va(n)t) *adj.* excessively foul-smelling श्लेष्मा विविधवर्णश्च सान्द्रोऽतिपूतिगन्धवान् AśvaVai. 64. 12.

अतिपूतिपूय (atipūti-pūya) *m. n.* very foul-smelling pus अहम् ··· अतिपूतिपूयपिहितनासिकसविधसंचरत्परिवाराम् ···(अमृतमतिं) विदित्वा YaśasCam. ii. 223. 2.

अतिपूतिशरीर (atipūti-śarīra) *adj.* whose body is extremely putrid छिन्नायाः स्वरसं वापि सेवमानः ··· अतिपूतिशरीरोऽपि दिव्यमूर्तिर्भवेन्नरः SiddhYo. 51. 52.

अतिपूर (ati-pūra) *m.* overwhelming or heavy flood विलुलितमतिपूरैर्बाष्पमानन्दशोकप्रभवमवसृजन्ती···। स्नपयति हृदयेशं···ते···दृष्टिः UttaRāC. 3. 24; ततोऽतिपूरागमखण्डतीरा रेवा क्रमेणाप्यत पार्थिवेन Rāvaṇā. 4. 18; भूयोऽविशन्नदीम् । अन्तराले गतस्तावदतिपूरेण पातितः PārśvC. 2. 803.

अतिपूरण (ati-pūraṇa) *n.* excessive filling (स्रोतसाम्) अतिपूरणात् (उदराण्युपजायन्ते) CaraS. vi. 13. 14; प्रतिचयोऽतिपूरणम् AṣṭāSaṁ. i. 108. 13 (1. 20)

अतिपूरित (ati-pūrita) *adj.* over-filled, overflowing हरः ··· कपाले दृष्टिमावेश्य त्रिनेत्रैश्च जनार्दनम् । अङ्गुल्या घटयन् प्राह कपालं चातिपूरितम् SkandP. v(1). 3. 21; यद्यपि चातिपूरितमित्युच्यते तथापि यजमानप्रवेशेन यथा तन्न बहिरुच्छलति तथा पूरणीयम् CaturCin. i. 219. 13.

अतिपूरुष (áti-pūruṣa) *m.* [AltGr. II. 1. 248] overlord, hero अश्वमेध्यमालभत क्रिवीणामतिपूरुषः पाञ्चालः परिवक्रायाम् SatBr. XIII. v. 4. 7;

adj. superhuman, extraordinary स चकार कर्माण्यतिपूरुषाणि । यानीश्वर: कीर्तय तानि मह्यम् BhāgP. iii. 5. 16.

अतिपूर्ण (ati-pūrṇa) *adj.* **i** completely full or filled विद्यादेकपथं रोगं नातिपूर्णचतुष्पदम् CaraS. i. 10. 16; अनेककोट्यब्दविखण्डितं तत्तस्यातिपूर्णं निचितं समन्तात् VarāṅgaC. 27. 20; विषाणे ते परिच्छिद्य संहरिष्यामि तद्बलम् । यद्बलेनातिपूर्णस्त्वं जातोऽसि बलदर्पित: DevīBhāP. v. 3. 21; नन्दोऽतिपूर्ण: सम्पत्त्या··· चक्रे महोत्सवम् ĀdiP. 15. 58; गम्भीरेणातिपूर्णेन तेजसा रञ्जितप्रभम्···मुनिमालोक्य YogVā. i. 6. 20; अतिपूर्णं स्फुटत्येव सत्यं लोकवचो यत: MalliC. 7. 87; महोदधिं नद्य इवातिपूर्णं तं संपद: सत्पुरुषं व्रजन्ति SūktiRa. 163. 148; सर्वजीवोत्तमेऽतिपूर्णे वायौ प्रविष्टौ···तौ TattvPrakā. 32B. 10 (*on* i. 2. 11); **ii** very wealthy, very rich कदर्यस्यातिपूर्णस्य पिटकस्येव पीडनम् Deśopa. 2. 5; सिद्धा शुष्कातिपूर्णा जयति भगवती कुट्टनी SamaMā. 6. 30; **iii** overfull with pus (boil etc.) Deśopa. 2. 5.

अतिपूर्णता (atipūrṇa-tā) *f.* heaviness शिरसोऽतिपूर्णता ··· उपद्रवा: ··· प्रतिश्यायपुर:सरा: स्मृता: RugVi. 58. 15.

अतिपूर्णाशय (atipūrṇāśaya) *adj.* with mind completely filled with satisfaction श्रुत्वाख्यानमिदं व्यास: षडर्णविधिमप्यथ । पुनरूचे विधातारं नातिपूर्णाशयो यथा GaṇeP. i. 19. 1.

अतिपूर्व (ati-pūrva) *adj.* [*f.* –ā] preceded by *ati* तिष्ठतेरतिपूर्वस्यायं शब्द: ManuBh. i. 251. 9 (*on* 3. 92); शक्करी सातिपूर्वा स्यात् VṛttaRa. 1. 19; युष्मदस्मदोरतिपूर्वयोर्गौणतायां सत्याम् Prasā. i. 254. 21.

अतिपूर्वक (atipūrva-ka) *adj.* preceded by *ati* अतिपूर्वकं सुरतं वदन्ति तत् S'ṛṅgāDī. 3. 35; सर्वदोषहरं पथ्यं मिलितं त्वतिपूर्वकम् (तक्रम्) BhojanKu. 146. 20.

अतिपूर्वकथक (atipūrva-kathaka) *adj.* narrating very old incidents स्थूलप्रावरणोऽतिपूर्वकथक: ··· वृद्धो गृहे ग्लायति S'āntiS'. 2. 29.

अतिपूर्वकाल (atipūrva-kāla) *m.* very ancient times सत्रेषु पुराणेष्वतिपूर्वकालेषु मृगपक्षिमांसेन पुरोडाशा बभूवु: ManvaVi. 600. 23 (*on* 5. 23)

अतिपूर्वबला (atipūrva-balā) *f.* *balā* preceded by *ati* (=atibalā) *Sida rhombifolio* पिबेत्तथा नागबलातिपूर्वबलातिचूर्णं पयसा प्रभाते KalyāKā. 6. 51.

अतिपूर्वरहस्या (atipūrva-rahasyā) *f.* *rahasyā* preceded by *ati*, (=ati-rahasyā) name of an Āvaraṇa śakti (spiritual power) अतिपूर्वरहस्यास्तु मध्यस्था: स्थूलविग्रहा: TantrRā. 5. 13.

अतिपूर्विका (atipūrvi-kā) *adj.* (*f.*) preceded by *ati* तदाष्टिरतिपूर्विका यतिरपि स्वभावाद्यथा NāṭyaS'ā. 15. 115 (=aty-aṣṭi)

अतिपॄ (ati-pṛ-) III. P. **i** to carry over, to take across, to rescue, to protect against स न: सिन्धुमिव नावयाति पर्षा स्वस्तये ṚV. i. 97. 8 = AV. iv. 33. 8; स न: पर्षदति दुर्गाणि विश्वा ṚV. i. 99. 1 = AV. vii. 63. 1; पिपर्तु नो अदिती राजपुत्राति द्वेषांसि ṚV. ii. 27. 7; अहमात्यपीपर: AV. xvii. 1. 25; तन्न: पर्षदति द्विष: TaiBr. III. vii. 8. 1; (*caus.*) द्विषो नो विश्वतोमुखाति नावेव पारय ṚV. i. 97. 7 = AV. iv. 33. 7; अग्ने त्वं पारया नव्यो अस्मान्स्वस्तिभिरति दुर्गाणि ṚV. i. 189. 2; TaiS. I. i. 14. 4; रध्रं पारयथात्यंह: ṚV. ii. 34. 15; एतानि हीन्द्रं रात्रेस्तमसो मृत्योर्बिभ्यतमत्यपारयन् AitBr. 16. 5 (447); यथा नावातिपारयेदेवमेवैभ्य एतदग्निर्हैव्यं नवमादह्नो दशममहर् अभ्यत्यपारयत् JaimiBr. 3. 269 (10); अहर्नो अत्यपीपरत् रात्रिर्नो अतिपारयत् MantrBr. ii. 5. 13; **ii** to fulfil, to carry out completely य: स्वां प्रतिज्ञां नातिपिपर्त्यसभ्य: BhāgP. iii. 18. 12.

अतिपृच्छत् (ati-pṛcchat) *adj.* inquiring too much नक्षत्रमतिपृच्छन्तं बालमर्थोऽतिवर्तते । अर्थो ह्यर्थस्य नक्षत्रं किं करिष्यन्ति तारका: ArthS'ā. iii. 71. 3 (9. 4); SūktiRa. 156. 23.

अतिपृथु (ati-pṛthu) *adj.* **i** very broad or thick नो संगते नातिपृथू न लम्बे शस्ते भ्रुवौ बालशशाङ्कवक्रे BṛSaṁ. 70. 8; **ii** which surpasses king Pṛthu (i. e. the story of his life) मुनिगीतमतिपृथु ··· हर्षचरितादभिन्नं प्रतिभाति हि मे पुराणमिदम् HarṣaC. 132. 4; **iii** very large प्रसन्नतां प्रापुरतिपृथुदृशां सहसा हृदयानि चाच्छमणिभाजनानि च NavaSāC. 15. 63.

अतिपृथुल (ati-pṛthula) *adj.* very broad आबद्धाहीन्द्रकाञ्चीगुणमतिपृथुलम् ··· तद्वो नि:श्रेयसे स्याज्जघनमतिघनं बालशीतांशुमौले: S'ivaKePāSt. 20; अतिपृथुलेन वक्ष:स्थलेन ग्रस्तसागरागस्त्यजठरस्य ख्यातिदु:खोनवक्षीणकुक्षिमंसलम् ···नाविकयुवानमद्राक्षम् TilaMañ. 125. 15; दृष्टवती च तस्यैकदेशे दृढतरग्रन्थिसंयतमतिपृथुलताडीपत्रसंचारितसुरेखाक्षरं लेखमेकम् (अहम्) TilaMañ. 338. 9; वेत्रपुटभेदनाधीशतिरुवेङ्कटनृपतिनन्दन: ··· अतिपृथुलभुजशिखरनिवेशितसङ्घटितरङ्गुलिकनलिकै: ··· हूणयोधै: ··· प्रविश्य हूणराजभवनम् ĀnandRa. 8. 0 (37)

अतिपृथुलकुचा (atipṛthula-kucā) *adj.* (*f.*) **i** having very large breasts ननु वनराजी राजति मन्त्रिन्नतिपृथुलकुचा मृदुलवलीका । दिव्यस्त्रीणामपि ततिरस्मिन्नतिपृथुलकुचा मृदुलवलीका VasaViKā. 12. 26; **ii** (atipṛthu-lakucā) having very big Lakuca trees, VasaViKā. 12. 26.

अतिपेलव (ati-pelava) *adj.* [*f.* –ā] **i** extremely feeble or soft अहो धिगस्तु भोगाङ्गम् ··· । विलीयते शरन्मेघविलायमतिपेलवम् MahāP. 8. 67; तस्मादयत्नत: स्थानमात्मनीत्यतिपेलवम् TaiUBhāVā. 8. 8(1); तस्मादिदमतिपेलवं दर्शनम् । तस्मादस्ति जाति: S'astrDī. 104. 9 (*on* 1. 1. 5); **ii** very delicate अतिपेलवमतिपरिमितवर्णं लघुतरमुदाहरति शठ: KāvyPra. 324. 1; पल्लवतुल्योऽतिपेलव: पाणि: SāhiDa. 508. 1; अङ्गान्यप्यतिपेलवा वहति या क्लेशेन तस्यामपि न्यस्त: शोकभर: Subhāṣi. 1092.

अतिपेशल (ati-peśala) *adj.* [*f.* –ā] **i** very pleasant (to hear), very sweet अगृह्णाच्चाकारत: प्रभृत्यग्रामतया तैस्तैरतिपेशलैरालापै: सावित्रीसरस्वत्योर्मनसी HarṣaC. 58. 8; वपुरि(?) हंसरवानतिपेशलान् स्वरवतोऽपि निशम्य शिखण्डिन: । स्मयम् ··· अत्यजन् VasaViKā. 6. 31; **ii** very attractive (to look at), very beautiful सर्वस्याप्रार्थितेऽपि प्रभवत्येवातिपेशलश्चक्षुष्यो जन: HarṣaC. 55. 11; न चिरादलङ्कृतिविशेषविहितरुचयोऽतिपेशला: । ··· कविपुङ्गवोक्तय इवाङ्गना बभु: NavaSāC. 15. 37; अतिपेशलैर्गमगणैस्तरङ्गिते यत्र सर्वदा क्षणदृष्टनष्टतनुभि: कुदृष्टिभिर्बुद्बुदायितम् ChandaśCū. 2. 320. 4 (comm. सदृशपाठसमूहै:); मम हि रागमिवातिकोमलावरुणयोस्तलयोरतिपेलशम् । चरणयोर्निहितौ करपल्लवौ मनसि चित्रममुत्र निषिञ्चत: SubhaDha. 2. 14; **iii** very pleasant (in taste), very delicious वद भद्र कुत: प्राप्तं मांसमेतत्त्वयेदृशम् । अनास्वादितपूर्वोऽयं रसो यस्यातिपेशल: PadmP.(Ra.) 22. 140; वटकाश्चातिपेशला: TriṣaS'aPuC. iii. 1. 44; **iv** very clever, very well-behaved, very shrewd परिहासस्मेरमुखीभिश्च नारीभि: कौतुकगृहे यद्यत्कार्यते जामाता तत्तत्सर्वमतिपेशलश्चकार HarṣaC. 207. 11; अतथ्यान्यपि तथ्यानि दर्शयन्त्यतिपेशला: PadmP. v. 18. 330; **v** (ironically) very good (i. e. not valid) पित्रादय एव यथोक्तक्रमेणाधिकारिण इत्याहु: । तदतिपेशलम् VīraMi. (Vyavahāra.) 519. 11.

अतिपेशलतर (atipeśala-tara) *adj.* very beautiful यस्यातिपेशलतरावधिकौ च कर्णौ ··· तस्याधिकं धनमतीव च दीर्घमायु: KalyāKā. 1. 42.

अतिपेशलता (atipeśala-tā) *f.* extreme delicacy सुकुमारतातिपेशलता परपुरुषदर्शनासहिष्णुतेति यावत् SāṁkhyaTaKau. 471. 8 (*on* 61)

अतिपोत्रवक्त्र (ati-potravaktra) *adj.* with mouth (uglier) than that of a hog or a plough अतिदात्रदंष्ट्रैरतिपोत्रवक्त्रै: पिशिताशनै: स्तोत्रबलैर्बलेषु ···नष्टेषु नृपश्चुकोप DvyāśraKā. 12. 48.

अतिपोषकता (atipoṣaka-tā) *f.* the state of being extremely nourishing इतरेषां (व्यभिचारिणाम्) मदादीनां नातिपोषकता भवेत् BhaktiRaSi. iii. 2. 38.

अतिपौरुष (ati-paurauṣa) *adj.* [*f.* –ī] **1** of great valour, superhuman यस्तु राजन् कृपो नाम···रुद्राणां तं गणाद्विद्धि संभूतमतिपौरुषम् MahāBhā. i. 61. 71; हत्वा ··· राक्षसांश्चातिपौरुषान् । प्रादा: पाञ्चालकन्यायै पद्मानि सुबहून्यपि MahāBhā. iv. 27*(3); शान्तं कुरु परिक्लेशं कृष्णाया: ··· हत्वा शत्रुं रणेऽश्लाघ्यं गर्जन्तमतिपौरुषम् MahāBhā. viii. 774*(2); उमोवाच मम प्राणा गमिष्यन्ति विना तं सर्वसुन्दरम् । अतिक्लेशेन संलब्धमतिपौरुषमीश्वरम् GaṇeP. ii. 91. 33; अहो बत प्रभावोऽयं राघवस्यातिपौरुष: । केन दृष्टं कदा नाम महाब्धौ सेतुबन्धनम् RāmāMañ. 310. 1; **2** with (each side measuring) more than one *puruṣa* (i. e. 120 *aṅgulas*) in length वेदिमष्टादशोत्सेधां हिरण्यस्यातिपौरुषीम् । रामस्य जामदग्न्यस्य प्रतिजग्राह काश्यप: MahāBhā. ii. App. 1. 21(471); *n.* great valour दुद्रुवुस्ते भयग्रस्ता दृष्ट्वा तस्यातिपौरुषम् KūrmaP. 244. 1 (1. 22)

अतिप्रकट (ati-prakaṭa) *adj.* [*f.* –ā] **i** very vivid तत्रापि दृश्यमाना नातिविवृता प्रकटा । पण्यसधर्मत्वादिति । अतिप्रकटस्यादुर्लभत्वादित्यर्थ: JayaMa. 307. 1 (*on* 6. 1); **ii** extremely manifest ईदृशरहस्यरूपापि पृथ्वीवदतिप्रकटेत्याह । मही LalitāSaBh. 150. 9 (*on* 190)

अतिप्रकटपाटव (atiprakaṭa-pāṭava) *adj.* whose skill is very obvious अवनीसाधनविधावतिप्रकटपाटवौ । मिथो धीविक्रमौ तस्य व्यभूष्येतां भुजाविव TriṣaS'aPuC. iv. 1. 163.

अतिप्रकटम् (ati-prakaṭam) *adv.* quite openly भट्टभयेन न खेलति भट्टसुत: किन्त्वतिप्रकटम् KuṭṭaMa. 80.

अतिप्रकटवीर्य (atiprakaṭa-vīrya) *adj.* whose valour is quite manifest अतिप्रकटवीर्यस्य लक्ष्मीनिलयवक्षस: । भवतां तस्य न ज्ञातं किं वा बलमनुत्तमम् PadmP.(Ra.) 56. 24.

अतिप्रकटित (ati-prakaṭita) *adj.* very vivid विनिवार्यमाणापि ··· अतिप्रकटितकरुणामयम् ··· पादयोर्निपत्य मामेवमभ्यर्थितवती YaśasCam. ii. 131. 1.

अतिप्रकर्षधी (atiprakarṣa-dhī) *f.* conviction of great supremacy एषु च यत्र यत्र येषामतिप्रकर्षधी: ते तं तमेवैवं वदन्ति यथाश्रुति इन्द्रं मित्रम् ··· इत्यादि ManvaVi. 1541. 4 (*on* 12. 123)

अतिप्रकाश् (ati-prakāś-) I. Ā. to shine brightly राजसत्काररहिता विद्या नातिप्रकाशते । प्रियोपभोगशून्येव नारी सर्वाङ्गसुन्दरी SūktiRa. 163. 59; (*pass.*) to be illumined संवित्सखीजयत्येका कापि शुद्धा सरस्वती । यया स्वतःप्रबुद्धानां प्रकाशोऽतिप्रकाश्यते Mānaso.i. 1. 2.

अतिप्रकाश (ati-prakāśa) *adj.* **i** very much shining, radiant or bright ततो हरीशः सहसा जगाम तं रावणं योद्धुमतिप्रकाशम् Rāmā. vi. 967*(2); विज्ञानकोशोऽयमतिप्रकाशः प्रकृष्टसांनिध्यवशात्परात्मनः । अतो भवत्येष उपाधिरस्य ViveCū. 190; हस्ते गलेऽथ धृतमेतदतिप्रकाशम् …मणिमावहन्ति YuktiKa. 133. 12; भूम्यर्कयोश्छिद्रमतिप्रकाशं शशाङ्कमर्कं त्वथ शीतरश्मिम् । तदार्धमासेन च त ंप्रयान्ति AdbhuSāg. 521. 16; लोकः कुञ्जमतिप्रकाशमकरोत्सानुं सतोयोद्गमम् RājTa.(Prā.) 723; **ii** very clear, manifest अतिप्रकाशोऽयमर्थो यथा निवृत्तस्वीकरणा जानकीति AnarghaRā. 4. 10(21); शाखाभिरष्टादशसंख्यकाभिरध्यायरूपाभिरतिप्रकाशः। …संकीर्तितो जातकपारिजातः JātaPā. 18. 174; यत् किञ्चिदत्र अनिरुक्तमतिप्रकाशं शास्त्रस्य लक्षणमिह स्वयमेव बुद्ध्या । विज्ञाय YuktiKa. 176. 5; **iii** very famous, well known नूनमार्ये सर्वस्वत्यागादतिप्रकाशादाशङ्कनीयचर्मरत्नलाभा तदनुयोगायाङ्गराजेन समाहूयसे DaśKuC. 55. 22.

अतिप्रकाशता (atiprakāśa-tā) *f.* **i** high renown उदन्वतः कुक्षिमिव प्रविश्य यां न भूभृतः प्रापुरतिप्रकाशताम् Kapphiṇā. 2. 9; **ii** great splendour, Kapphiṇā. 2. 9.

अतिप्रकाशत्व (atiprakāśa-tva) *n.* **i** the state of being very clear अत्र रोमाञ्चमुखसाचीकरणपर्यस्तविलोचनत्वादिविकारैश्चित्तव्यापारस्यातिप्रकाशत्वेन हेला RasāSu. 50. 2 (1. 194); **ii** the state of being excessively luminous ब्रह्मज्ञानेनातिप्रकाशत्वादातपत्वं विदुषः AṇuBh. 59. 11 (*on* i. 2. 11)

अतिप्रकाशम् (ati-prakāśam) *adv.* very openly शुकनासः … नातिप्रकाशमाबभाषे Kād. 67. 7.

अतिप्रकाशमान (ati-prakāśamāna) *adj.* very vivid कुसुम्भरागः स ज्ञेयो यश्चित्ते सज्जति क्षणात् । अतिप्रकाशमानोऽपि क्षणादेव विनश्यति RasāSu. 153. 21 (2. 118)

अतिप्रकुपित (ati-prakupita) *adj.* **A** extremely angry, extremely agitated (अहम्) तस्कर इति तैरभिहन्यमानोऽपि नातिप्रकुपितः क्रीडन्निव … अपतम् DaśKuC. 57. 11; **B** extremely disturbed or morbific अतिप्रकुपितं रक्तं तीक्ष्णैरन्नैर्विदाहिभिः । व्रणं विसापः कुरुते Mānaso. i. 19. 269.

अतिप्रकृष्ट (ati-prakṛṣṭa) *adj.* [*f.* -ā] **i** very long (road etc.) यदा पुरुषो दुर्बलो हि सन् … अतिप्रकृष्टं वाध्वानं द्रुतमभिपतति CaraS. ii. 6. 4 (1922 Ed.); **ii** extremely intense अतिप्रकृष्टाप्यरुणप्रभायां विलीयते साधु यथा तमिस्रा ViveCū. 320; **iii** being far away अतिप्रकृष्टादृष्टचरेन्धननिवहसंबन्धिना हुतवहविशेषेण महानसादौ धूमस्य वा किं संबन्धो दृष्टः ĪśvaSi.(Yā.) 78. 20; **iv** very excellent लोकार्थमष्टावपि मूर्तयोऽमूरतिप्रकृष्टा तु य एष मूर्तिः PṛthvīVi. 6. 73.

अतिप्रकृष्टदोषत्व (atiprakṛṣṭadoṣa-tva) *n.* the state of having a very great defect दुर्जनवचसां हालाहलेनातिप्रकृष्टदोषत्वादुपमानभावमप्यसहमानेन साम्यनिबन्धनं प्रतीपम् CitraMī. 11. 16.

अतिप्रकृष्टम् (ati-prakṛṣṭam) *adv.* very excessively शोणितादीन्धातूनतिप्रकृष्टं दूषयन्तः CaraS. vi. 19. 9 (1941 Ed.)

अतिप्रकृष्टशक्ति (atiprakṛṣṭa-śakti) *f.* very superior efficacy यैरष्टविधं तैरपि चैवमतिप्रकृष्टशक्तियुक्तानामशेषौषधगुणसारभूतानामष्टानामेव गुर्वादीनां वीर्यसंज्ञा AṣṭāSām. i. 93. 15 (1. 17)

अतिप्रकृष्टशील (atiprakṛṣṭa-śīla) *adj.* having a very excellent character कुमुदेष्वधिकं भान्ति पतिताश्चन्द्ररश्मयः । अतिप्रकृष्टशीलेषु कुलेष्विव समृद्धयः SūktiMu. 72. 22 = S'ārṅgaPa. 3643 = Subhāṣi. 1958.

अतिप्रकृष्टान्धकारा (atiprakṛṣṭāndhakārā) *f.* name of a hell (otherwise called Mahātamaḥprabhā) ये सदा प्राणिघातैः … यान्ति योगम् … तके मृत्युमाप्य प्रपद्यन्त्यधस्तान्महीरत्नप्रभाशर्करावालुकापङ्कधूमप्रभाध्वान्तभातिप्रकृष्टान्धकाराभिधास्ताश्च नित्यं महाध्वान्तयुक्ताः PadmP.(Ra.) 78. 62(25)

अतिप्रकोपित (ati-prakopita) *adj.* **i** very much aggravated प्रकोपणैः पित्तमतिप्रकोपितं करोति रक्तां पिडकां गुदाश्रिताम् RugVi. 46. 3; **ii** very much provoked अलमतिप्रकोपितैः श्रोत्रियद्विजन्मभिः NyāyKa. 181. 23.

अतिप्रगल्भ् (ati-pragalbh-) I. Ā. to be too bold, to vaunt or boast very much, to be insolent जनार्दन । विशृङ्खलः खल इव प्रह्वेष्वतिप्रगल्भसे RāmāMañ. 415. 13; कथमतिप्रगल्भसे PrasaRā. 1. 39(4); 4. 29(7); नीचेयमतिप्रगल्भते NaiṣC. 12. 51; सरमासूनुरतिप्रगल्भते PadyāTa. 199.

अतिप्रगल्भ (ati-pragalbha) *adj.* [*f.* -ā] **i** very bold, ready-witted extremely wise or mature, very confident (सः) अतिप्रगल्भैः कालविद्भिः … राजपुत्रैः सह रममाणः प्रथमे वयसि सुखमतिचिरमुवास Kād. 7. 6; अतिलघुपतनैरतिप्रगल्भैः … प्लवगभटैरयमावृतो विभाति RāmC. 6. 17; (कुष्ठम्) सन्मण्डलं किटिभमाहुरतिप्रगल्भाः KalyāKā. 11. 68; पाञ्चरात्राः … मुनिशिष्यवरैरतिप्रगल्भैः … प्रभग्नाः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 15. 75; अतिप्रगल्भैरथ पारसीकैः …कर्ना(? र्णा)टरक्षाकरणे नितान्तं विचारवान्वेङ्कटदेवरायः Raghunā. 7. 43; एषा … सखीजनैः सार्धमतिप्रगल्भा … विभाति PadyaVe. 312; **ii** extremely arrogant किंतु राक्षसीवातिप्रगल्भा वृद्धा च LaṭaMe. 1. 16(8); **iii** very violent, tumultuous हरिकुञ्जराय । आवेदयन्तीव गजालिराभादालीयसंग्राममतिप्रगल्भम् Raghunā. 9. 63; **iv** very noble भवतः … अतिप्रगल्भम् । आकर्ण्य वाक्यममराः … शङ्के भवन्ति सविशेषरणाभिलाषाः HarVi. 11. 17.

अतिप्रगल्भभावा (atipragalbha-bhāvā) *adj.* (*f.*) very bold in nature or thought मुनिर्त्र्यर्थधेनुः । विनिर्ममे…स्त्रीभिः…अतिप्रगल्भभावाभिः …। …परितः परीतम् … नगरम् BrahmāṇḍP. ii. 27. 9.

अतिप्रगल्भम् (ati-pragalbham) *adv.* very courageously, very boldly सभाम् … समेत्य … वंशानुपूर्वीं वसुधासुधांशोरशंसतां वाग्भिरतिप्रगल्भम् Raghunā. 6. 1; भूमीरमणः … अगात्पटागारमतिप्रगल्भम् Raghunā. 9. 30.

अतिप्रगल्भललना (atipragalbha-lalanā) *f.* very bold or very clever woman अतिप्रगल्भललनाकटाक्षचपलाः श्रियः PadmP. iv. 95. 28.

अतिप्रगल्भवचस् (atipragalbha-vacas) *adj.* whose speech is excessively bold or effective राज्ञः परमसंमतामतिप्रगल्भवचसं वसंतसेनाभिधानां विलासिनीमवदम् TilaMañ. 279. 19.

अतिप्रगाढ (ati-pragāḍha) *adj.* very deep व्याकुर्वती रागमतिप्रगाढम् । …सन्ध्या वियद्भूरुहमारुरोह RāmC. 3. 68.

अतिप्रगाढपुट (atipragāḍha-puṭa) *adj.* having a very thick layer अहो महानुभाव गृहाण … अमुं कवचप्रायमतिप्रगाढपुटं वल्कलपटम् UdaySuKa. 112. 3.

अतिप्रगाढम् (ati-pragāḍham) *adv.* excessively, very intensely अतिप्रगाढमुदकपानात् … शरीरस्य श्लेष्मा … प्रकोपमापद्यते CaraS. ii. 3. 14 (1922 Ed.); पुरुषः … उत्सादनपदाघातने वातिप्रगाढमासेवते CaraS. ii. 6. 4 (1922 Ed.)

अतिप्रगुण (ati-praguṇa) *adj.* very much increased वायुर्न चातिप्रगुणो यस्य प्राणश्च हीयते Hastyāyur. 548. 24 (4. 1)

अतिप्रगे (ati-prage) *adv.* at early dawn, very early in the morning नातिप्रगे नातिसायम् (भुञ्जीत) ManuSm. 4. 62; ViṣṇuSm. 68. 48; नातिप्रगेऽतिसायं वा न नभोमध्यगे रवौ (व्रजेत्) AṣṭāSaṁ. i. 9. 19(1. 3); नातिसायं नातिप्रगे (हितमन्नमश्नीयात्) AṣṭāSaṁ. i. 65. 9 (1. 10); अतिप्रगे प्राह्णे प्रथमोदित एव सूर्ये न भुञ्जीत ManuBh. i. 353. 29 (*on* 4. 62); नातिप्रगे नातिप्रातः सङ्गवे (भुञ्जीत) ManvaVi. 486. 8 (*on* 4. 62); अतिप्रगे अचिरोदितसूर्ये VīraMi. (Āhnika.) 476. 2.

अतिप्रचण्ड (ati-pracaṇḍa) *adj.* [*f.* -ā] **i** very strong, very fierce, very furious, very formidable, very violent अतिप्रचण्डाद्द्विद्वेषात्पाण्डवानाम् … कृष्णामानिन्यिरे सभाम् MahāBhā. viii. 1. 6; तद्राक्षसानीकमतिप्रचण्डमालोक्य रामः उवाच Rāmā. vi. 47. 11; vi. 53. 48; (स जहार) यथानिलो मेघमतिप्रचण्डः Rāmā. vi. 55. 50; वातोद्धतश्चरति वह्निरतिप्रचण्डः BṛSaṁ. 19. 7; भार्याः … वायुनातिप्रचण्डेन लता इव प्रकम्पिताः VarāṅgaC. 15. 35; तद्योगिनीचक्रमतिप्रचण्डम् … चण्डीं पुरस्कृत्य SkandP. i(1). 25. 22; दृष्ट्वा तमायान्तमतिप्रचण्डमव्याकुलं षण्मुखमप्रमेयम् । दैत्यो बभाषे S'ivaP. ii(4). 9. 13 (203A. 14); **ii** very severe सः … अतिप्रचण्डनिजतपोऽनलज्वालाकलापपरिप्लोषमलिनितैः … रुद्राक्षमणिभिरभिवेष्टितम् … तापसमद्राक्षीत् NīlVi. 12. 3.

अतिप्रचर्च्यमान (ati-pracarcyamāna) *adj.* being highly debated or discussed तदेतदतिप्रचर्च्यमानमतिगहनं संपद्यत इत्यास्तां तावत् HetuBiṬ. 43. 4.

अतिप्रचिन्त्या (ati-pracintyā) *adj.* (*f.*) beyond consideration or highly dubious तथैकतो जातिरतिप्रचिन्त्या BhaviP. 81B. 34 (i. 41. 46)

अतिप्रचुर (ati-pracura) *adj.* **i** too much, excessive, abundant अतिप्रचुरसलिलपानादिभिः … पित्तं प्रकोपमुगच्छति Hastyāyur. 385. 1 (3. 5); प्रवेशकस्य पाठ्यं यत्तन्नातिप्रचुरं भवेत् BhāvPra.(S'ā.) 217. 5(7); नानाविधानसंयुक्तो नातिप्रचुरपद्यवान् । … अङ्क इति कीर्तितः SāhiDa. 275. 8; अतिप्रचुरं भूरि प्रभूतं बहुलं बहु ParyāRaMā. 532; **ii** very frequent, very common क्वचित्तु बाधकावसानस्तृतीयज्ञानोदयोऽपि नातिप्रचुरः Kāśi. i. 95. 15 (*on* 2. 60)

अतिप्रचुरकृतान्न (atipracura-kṛtānna) *n.* very abundant cooked food यत्तु कृतान्नं च कृतान्नेन परिवृत्य विभज्यत इत्याद्युक्तं बृहस्पतिना तदतिप्रचुरकृतान्नादेरपि तन्मात्रधनैर्विभागः कार्यः ManvaVi. 1227. 29 (*on* 9. 219)

अतिप्रचुरतरमूल्य (atipracuratara-mūlya) *adj.* whose cost is very high, very expensive अतिप्रचुरतरमूल्यं सक्त्वादि ManvaMu. 405. 12 (*on* 9. 219)

अतिप्रचुरोदकता (atipracurodaka-tā) *f.* great abundance of water अब्दुर्गमतिप्रचुरोदकतया दुर्गम् ManvaVi. 790. 4 (*on* 7. 70)

अतिप्रच्छ् (ati-pracch-) VI. P to question too much यद्वै ब्रह्मचारिन्प्राणमत्यप्रक्ष्यः । मूर्धा ते व्यपतिष्यत् TaiBr. III. x. 9. 5; अतिपृच्छसि गार्गि मातिप्राक्षीः S'atBr. XIV. vi. 6. 1; स होवाचानतिप्रश्न्यां वै मा देवतामत्यप्राक्षीः JaimiBr. 2. 77; 3. 101; मैव नोऽति प्राक्षीरिति JaimiUBr. i. 59. 13; मातिप्राक्षीः स्वं प्रश्नं न्यायप्रकारमतीत्य आगमेन प्रष्टव्यां देवताम् अनुमानेन मा प्राक्षीरित्यर्थः BrĀraUBh. 425. 9-10 (*on* iii. 6. 1); इति पृष्टोऽब्रवीद्गार्गि मातिप्राक्षीः कथंचन BrĀraUBhVā. iii. 6. 21; KośaKaTa. 2. 2222.

अतिप्रच्छन्न (ati-pracchanna) *adj.* very much concealed or disguised तत्समस्त्वहम् । निवसाम्यतिप्रच्छन्नो मरुतादतिभीतवत् SkandP. i(2). 13. 55.

अतिप्रच्यु (ati-pracyu-) I. Ā. to go beyond, pass by, exceed, slip from द्वादश देयाः ··· यदि द्वादशातिप्रच्यवेत चतुर्विंशति दद्यात् KāṭhS. 8. 8; तदिन्द्रं यशो आच्छैत् । तदेनं नाति प्राच्यवत । ··· नैनं यशोऽतिप्रच्यवते TaiBr. II. iii. 2. 5; सव्येनानुनिष्क्रामति । अत्रैव सप्तमं पदं विक्रमते । नाग्निमतिप्रच्यवते ĀgniveGS. 1. 6 (38. 21); (*caus*) to cause to slip इमां लोकान्प्रत्येत्य नातिप्रच्यवेत ··· तदादित्यमिमाँल्लोकानतिप्रच्यावयति S'atBr. VIII. viii. 2. 5.

अतिप्रजनन (ati-prajanana) *n.* excessive procreation अतिप्रजननाद्वापि तथाप्रजननेन वा ··· रक्तमाध्मापयेत्ततः BhelaS. 56. 1 (2. 3)

अतिप्रजविन् (ati-prajavin) *adj.* extremely swift, very rapid in movement क्षिप्रपातिनो दीर्घाध्वगानतिप्रजविनश्चोष्ट्रपालान्प्राहिणोत् HarṣaC. 223. 5.

अतिप्रजागर (ati-prajāgara) *m.* extreme wakefulness, excessive sleeplessness तालुकण्ठौष्ठशोषे च रोदितेऽतिप्रजागरे । ··· मद्यमाहुर्यथाऽमृतम् KāśyaS. 136B. 1; रूक्षशीताल्पलघ्वन्नव्यवायातिप्रजागरैः । ··· अनिलो बली करोति विविधान् व्याधीन् RugVi. 22. 1.

अतिप्रज्ञ (ati-prajña) *adj.* extremely wise नातिप्रज्ञोऽसि विप्रर्षे योऽस्मानं त्वक्तुमिच्छसि MahāBhā. v. 110. 20.

अतिप्रज्ञा (ati-prajñā) *f.* excessive wisdom अतिद्युतिरतिप्रज्ञा ··· प्रकृतेविक्रियापत्तिः षण्मासान्मृत्युलक्षणम् MahāBhā. xii. 305. 11; अतिप्रज्ञापि दोषाय मे जाता PrabaK. 55. 7.

अतिप्रज्ञाबल (ati-prajñābala) *n.* extra-ordinary power of wisdom अतिप्रज्ञाबलात्सोऽभूदभूमिः परवादिनाम् PrabhāC. 47. 19.

अतिप्रज्वल् (ati-prajval-) I. P. to blaze exceedingly क्रोधेनाभिप्रजज्वाल (v. l. °नातिप्रजज्वाल) दिधक्षन्निव पावकः MahāBhā. vi. 90. 6.

अतिप्रणत (ati-praṇata) *adj.* very humble, modest अच्युतोऽप्यतिप्रणतात्तस्मादग्राह्यमपि तन्मणिरत्नम् ···जग्राह ViṣṇuP. iv. 13. 57; प्रह्वोऽतिप्रणतस्तस्मै प्राञ्जलिर्वाक्यमब्रवीत् BrahmāṇḍP. ii. 73. 1; [अतिप्रणतः is given as a meaning of प्राध्व: AnekāK. 861]

अतिप्रणम्यमान (ati-praṇamyamāna) *adj.* being bowed very much कथमप्युत्क्षिपति स्म पादयुग्मम् । ··· सुत्रेव भाविवध्वा प्रतिविन्यासमतिप्रणम्यमानम् PṛthviVi. 7. 38.

अतिप्रणय (ati-praṇaya) *m.* **i** intense love, affection, kindness or confidence न चातिप्रणयः कार्यः कर्तव्योऽप्रणयश्च ते Rāmā. iv. 22. 23; न च ताभिः (स्त्रीभिः) संव्यवहारमतिप्रणयं वा कुर्यात् KāśyaS. 60B. 1; महानुभावामेनामामन्त्रये वत्स इत्यतिप्रणयः HarṣaC. 324. 18; अतिप्रणयाच्च यद्विकृतवचने मास्मिन् क्रोधश्चिरं क्रियतां त्वया VeṇiSaṁ. 5. 353; भक्त्यातिप्रणयस्यापि चञ्चलत्वान्मनो यदि । ··· कुरु मद्रूपिणीं तनुम् BhaviP. 111A. 16 (i. 62. 23); किं त्वतिप्रणयादेतन्मयोक्तमसमञ्जसम् KathāSaSāg. iii. 3. 51; विहर त्वमतिप्रणयं स्वजने प्रणयम(? म्न)यि ··· कलये:···करुणाम् StavMā. 239. 6; **ii** carrying forward ततश्चैवातिप्रणयः GobhiGS. iv. 4. 6; ततः दक्षिणाग्नेः सकाशात् अतिप्रणयः अतिप्रणयनम् VīraMi. (Saṁskāra.) 907. 23.

अतिप्रणयकोपा (atipraṇaya-kopā) *adj.* (*f.*) angry due to excessive love (किमु) अग्रतः पलायमानं तमतिप्रणयकोपा···अनुसरन्ती कुत्र चिरंजगाम UdaySuKa. 106. 12.

अतिप्रणयन (ati-praṇayana) *adj.* to be carried forward अथेध्मयोरतिप्रणयनादादायाध्वर्युः स्वमिध्ममपक्रम्यैव तिष्ठति BaudhS'S. iii. 228. 8; पात्नीशालोऽग्निः केषाञ्चिद्गार्हपत्यादतिप्रणयनो भवति LāṭyāS'S. ii. 2. 22 (comm.); *n.* excessive use हरितकातिप्रणयनया(? यना)त् ··· मारुतेन प्रकोपमापद्यते CaraS. ii. 3. 10 (1941 Ed.)

अतिप्रणयपीडित (atipraṇaya-pīḍita) *adj.* overwhelmed with excessive affection मित्रं वा बन्धुं वा नैवातिप्रणयपीडितं कुर्यात् PañcT. 4. 11 (379. 12) = Subhāṣi. 2893.

अतिप्रणयभर (atipraṇaya-bhara) *m.* abundance of extreme affection पथिषु च ··· अतिप्रणयभरहृदयः कार्पण्यात्स्कन्धेनोद्वहति BhāgP. v. 8. 13.

अतिप्रणयसंयुता (atipraṇaya-saṁyutā) *adj.* (*f.*) endowed with intense love मामुवाच तथारूपामतिप्रणयसंयुता ĀdiP. 13. 45.

अतिप्रणयिन् (ati-praṇayin) *adj.* extremely affectionate नृपतिरनुययौ वने विहङ्गं नृपतिम् अभिप्रणयी (v. l. अतिप्रणयी) रमाङ्गदोऽपि NavaSāC. 3. 43.

अतिप्रणश् (ati-praṇaś-) IV. P. to be entirely deprived of, to lose नेदिमांल्लोकानतिप्रणश्यानीत्यूर्ध्वमेवाग्निमुद्गृह्णाति S'atBr. VI. vii. 2. 16; स्वर्गं लोकमतिप्रणश्येत् S'atBr. VI. vii. 4. 11.

अतिप्रणी (ati-praṇī-) I. P. to bring or carry forward इध्ममेवातिप्रणयेयुरिति शालीकः BaudhS'S. iii. 75. 16; वैश्वकर्मणान्तानामुत्तरवेद्यामतिप्रणयेद्यथा वरुणप्रघासेषु MānS'S. 47. 9; तत्र द्वावग्नी अतिप्रणयन्ति LāṭyāS'S. v. 4. 12; x. 11. 11 = DrāhyS'S. xiii. 4. 6; तत एवातिप्रणयेत् DrāhyGS. iii. 5. 35.

अतिप्रणीत (ati-praṇīta) *adj.* **A** brought forward or led beyond अतिप्रणीते वा जुहुयात् ĀpaS'S. i. 10. 19; ĀśvaS'S. I. ii. 7. 15; अर्वागतिप्रणीतात् (अग्नेः) स्फ्येन लेखामुल्लिखेत् ĀśvaS'S. I. ii. 6. 9; होताग्रेणातिप्रणीतं परिक्रम्योपविशति MānS'S. 48. 5; अतिप्रणीते तूष्णीं दण्डमन्ववदधाति MānS'S. 133. 11; नातिप्रणीतेषु प्रणीता स्यात् अन्यत्र वचनात् MānS'S. 57. 8; अतिप्रणीतस्यार्धं व्रजति GobhiGS. iii. 7. 11; अतिप्रणीतादनतिप्रणीतस्यार्धं गत्वा DrāhyGS. iii. 2. 6; अतिप्रणीतेऽग्नावप्सु वा तान् क्षिपेद्य LaghvāśvāSm. 23. 84; अतिप्रणीतस्य रक्षोहननार्थत्वमेव विज्ञायते SaṁkarKāBh. 21. 8 (*on* i. 2. 24); व्यतिषङ्गपक्षे अतिप्रणीतेऽयं होमोऽन्यथा मुख्ये NirṇaSi. 312. 18; **B** highly expanded अतिप्रणीतो विस्तारितो रश्मिस्तेजः BhārArthaPra. *on* MahāBhā. v. 75. 14.

अतिप्रणीतचर्या (atipraṇīta-caryā) *f.* performance of (Agnipraṇayana or arrangement of fires) which is brought forward अतिप्रणीतचर्यायां च वैगुण्यं दर्शपूर्णमासयोः ĀśvaS'S. II. vi. 4. 14.

अतिप्रणीतबुद्धि (atipraṇīta-buddhi) *adj.* who has carried too far his intellect नातिप्रणीतरश्मिः (v. l. नातिप्रणीतबुद्धिः) स्यात्तथा भवति पर्यये MahāBhā. v. 75. 14.

अतिप्रणीतरश्मि (atipraṇīta-raśmi) *adj.* who has over-stretched his means (*lit.* string or rope) नातिप्रणीतरश्मिः स्यात्तथा भवति पर्यये MahāBhā. v. 75. 14 (BhārArthaPra. अतिप्रणीतो विस्तारितो रश्मिस्तेजो यस्य, विग्रहमात्रेच्छुरिति यावत्)

अतिप्रणीतसङ्कल्प (atipraṇīta-saṅkalpa) *adj.* having an intensely formed desire तस्य चातिप्रणीतसङ्कल्पस्य मैथुनमापद्यमानस्य न शुक्रं प्रवर्ततेऽतिमात्रोपक्षीणरेतस्त्वात् CaraS. ii. 6. 8 (1941 Ed.)

अतिप्रणीतसमीप (atipraṇīta-samīpa) *adj.* [Loc.] near (the fire) that is brought forward साग्निरतिप्रणीतसमीपे NirṇaSi. 320. 28; अतिप्रणीतसमीपे तत्रैवास्तीर्णबर्हिषीत्यर्थः BālamBha. i. 527. 11 (*on* 1. 242)

अतिप्रणीताग्नि (atipraṇītāgni) *m.* fire that has been brought forward अतिप्रणीताग्नेरौपासनाग्नेर्वोपस्थानम् SaṅkarKā. xiii. 2. 15; अतिप्रणीताग्नौ विहितस्याहवनीयानधिकरणत्वेऽपि प्राधान्यदर्शनात् NyāySu. (So.) 780. 19 (*on* ii. 2. 16)

अतिप्रणीय (ati-praṇīya) *ger.* having brought forward, having led beyond अप्रयित्वातिप्रणीय जुहुयात् ĀśvaS'S. I. ii. 7. 19; दक्षिणाग्नेरग्निमतिप्रणीय पित्र्या ĀśvaS'S. I. ii. 19. 1; श्रावण्यां पौर्णमास्यां गृह्यादग्निमतिप्रणीय प्रतिदिशमुपलिम्पेदधिके प्रक्रमे DrāhyGS. iii. 2. 1.

अतिप्रणुद्य (ati-praṇudya) *ger.* having pressed, having pleaded strongly इत्यसकृदतिप्रणुद्य ··· स एव तपस्वी तस्करत्वेनार्थपतिरग्राह्यत DaśKuC. 56. 12.

अतिप्रतन् (ati-pratan-) VIII. U. to elaborate excessively, to discuss in detail संज्ञाभिरेव विस्पष्टा ततो नातिप्रतन्यते MahāP. 3. 40; स तु शोभान्तराभावादिह नातिप्रतन्यते VakroJī. 86. 14; तत्स्वरूपमतोऽस्माभिरिह नातिप्रतन्यते VyaktiVi. 32. 19.

अतिप्रतप् (ati-pratap-) I. Ā. to give forth excessive heat, to burn excessively रजः···अतिप्रतेपे दहनाहतैरिव S'ivLī. 16. 36.

अतिप्रतप्त (ati-pratapta) *adj.* excessively hot, burning intensely अतिप्रतप्ताः प्रतिपन्थिदुर्गप्राकारपाषाणचयाः करालाः Rāṣṭrau. 20. 74.

अतिप्रतान्तकाल (atipratānta-kāla) *adj.* remaining for a very long time अतिप्रतान्तकालमनुदीरितमवशेषितमौषधं वमनीयम् KāśyaS. 157A. 22.

अतिप्रताप (ati-pratāpa) *m.* excessive heat [nt.], *adj.* possessing great valour यः ··· गौडेश्वरप्रतिशरीरमतिप्रतापः केदाररायमवगच्छति दारतुल्यम् DaṇḍaVi. 1. 16.

अतिप्रतापिनी (ati-pratāpinī) *adj.* (*f.*) possessing great valour रणे विजित्य तान् सर्वान् सिंहिकातिप्रतापिनी ··· ननाम PadmP. (Ra.) 22. 116.

अतिप्रताम्यत् (ati-pratāmyat) *adj.* with great distress, with great difficulty योऽतिप्रताम्यन् श्वसिति प्रसक्तं भिन्नस्वरः ···। ज्ञेयः स रोगः श्वसनात् स्वरघ्नः SuśruS. ii. 16. 61.

अतिप्रतिपन्न (ati-pratipanna) *adj.* knowing thoroughly, seeking refuge or asylum मामतिप्रतिपन्नं च अन्तस्थो वेत्ति यद्यपि । कृतार्थमतिभक्तत्वात् अमुं मन्ये तदा गुरुम् PauṣkS. 30. 199.

अतिप्रतिपादन (ati-pratipādana) *n.* complete offering पादक्रमेणातिप्रतिपादनमर्घ्यदानम् CaturCin. ii(1). 631. 2.

अतिप्रतिलोम (ati-pratiloma) *adj.* completely opposed, quite contrary अश्रौषमिन्द्रादरिणीर्गिरस्ते सतीव्रतातिप्रतिलोमतीव्रा: NaiṣC. 6. 95.

अतिप्रतिलोमतस् (atipratiloma-tas) *adv.* due to very adverse or disagreeable attitude नात्यन्तमानुलोम्येन न चातिप्रतिलोमत: । सिद्धिं गच्छन्ति कन्यासु RatiRaha. 11. 19.

अतिप्रतिहत (ati-pratihata) *adj.* exceedingly opposed or obstructed अतिप्रतिहतपरस्परगतिमतिकुण्डलिनम् (वातं विद्यात्) CaraS. iii. 3. 7.

अतिप्रतिहन् (ati-pratihan-) II. P. (pass.) to be destroyed, to be lost इमेऽपि कर्मक्षयकारकव्रता विचिन्वतेऽतिप्रतिहन्यते रुचि: SubhāRaSaṁ. 177.

अतिप्रतीक्ष्यता (atipratīkṣya-tā) *f.* the state of being respected or regarded highly कृतार्थोऽसि नमस्तुभ्यं प्राप्तायातिप्रतीक्ष्यताम् PadmP.(Ra.) 38. 23.

अतिप्रतीत (ati-pratīta) *adj.* [*f.* -ā] **A** excessively pleased or glad मनसाभिप्रतीतेन (v. l. अतिप्रतीतेन) कन्यामिदमुवाच ह MahāBhā. v. 117. 20; **B** excessively pleasing or cheerful एषा नातिप्रतीता मे पुण्योद्याना यशस्विनी । अयोध्या दृश्यते दूरात् Rāmā. ii. 65. 15.

अतिप्रत्यक्षरूप (atipratyakṣa-rūpa) *adj.* possessing a form which is beyond perception अतिप्रत्यक्षरूपाय ध्यानसाध्याय योगिनाम् । …नम: BrahmVaiP. iv. 21. 211.

अतिप्रत्यक्षा (ati-pratyakṣā) *adj.* (*f.*) beyond perception सा दुर्गा …कृपारूपातिप्रत्यक्षा योषितामिष्टदेवता BrahmVaiP. ii. 44. 6.

अतिप्रत्यय (ati-pratyaya) *m.* (Gr.) the suffix *ati* महि वृद्धौ । मंहते । महान् । वर्तमाने पृषद्बृहन्महदिति (Uṇā. 2. 22) अतिप्रत्यय: DhātuPra. 1. 635 (47. 12); अतिप्रत्ययान्ता इति शेष: LaS'abdeS'e. i. 344. 8.

अतिप्रत्यायित (ati-pratyāyita) *adj.* greatly trusted, very confidant (हृद्य: स्वाप्तैरधिष्ठित: कोष:) स्वाप्तैरतिप्रत्यायितैरधिष्ठितो रक्षित: RājNiRa. 31. 7.

अतिप्रत्यासङ्ग (ati-pratyāsaṅga) *m.* extreme proximity, excessive nearness पुराकल्पे दूरोत्पतनखुरलीकेलिजनितादतिप्रत्यासङ्गात्परितपति गात्राणि तपने MahāvīC. 5. 5.

अतिप्रत्यासत्तितृष्णा (atipratyāsatti-tṛṣṇā) *f.* desire for extreme nearness यत्तावदिदमतिप्रत्यासत्तितृष्णयैकत्वं प्रमाणफलयो: । तदनन्तरमेव निराकरिष्याम: Kāśi. i. 236. 9 (*on* 4. 73)

अतिप्रत्यासन्न (ati-pratyāsanna) *adj.* [*f.* -ā] very close, very proximate सत्यपि सम्बन्धत्वे यो नातिप्रत्यासन्न: स गृह्यते ManuBh. ii. 106. 17 (*on* 8. 70); न पुनर्यजि: साध्यरूप: …कर्मतामतिप्रत्यासन्नामनारुह्य दूरवर्तिनीं करणतामधिरोढुमर्हति NyāyMañ. i. 310. 20.

अतिप्रत्यूषस् (ati-pratyūṣas) *n.* very early day-break नातिप्रत्यूषसि (अध्वानं प्रपद्येत) ViṣṇuSm. 63. 6.

अतिप्रथ् (ati-prath-) I. Ā. to spread abroad exceedingly, to become very well known [DBHS]

अतिप्रथन (ati-prathana) *n.* spreading out very much एतावदेव नानाप्रथने चातिप्रथने च BaudhS'S. iii. 325. 7.

अतिप्रथित (ati-prathita) *adj.* [*f.* -ā] very well-known, widely known गीतवाद्यं लोके चेष्टास्वतिप्रथितम् AbhinBhā. i. 38. 9 (*on* 1. 107); अनुममार न मार कथं नु सा रतिरतिप्रथितापि पतिव्रता NaiṣC. 4. 79.

अतिप्रदग्ध (ati-pradagdha) *adj.* very much burnt नीलातिकृष्णमतिपित्तमतिप्रदग्धम् … मनुजमाशु निहन्ति वान्तम् KalyāKā. 9. 17.

अतिप्रदा (ati-pradā-) I. P. to give over (something else) तद् विष्णवेऽति प्रायच्छत् TaiS. II. iv. 12. 7; TaiBr. I. i. 3. 9 (comm. हिरण्यमतीत्य अन्यत्किञ्चिद्ददाति); एकैकमाधायाधाय रजतं द्वेष्यायातिप्रयच्छति BhārS'S. v. 5. 13 cf. **यम्**.

अतिप्रदान (ati-pradāna) *n.* excessive gift सुहृन्मनस्तापकरीमवस्थामिमामुपेतस्त्वमतिप्रदानै: JātaMā. 24. 9 (5. 8); अतिप्रदाननिर्बन्ध: … छिनत्त्यन्यार्थिवैकल्याद्धर्मवृक्षं क्रियाफलम् DaśāvaC. 5. 149.

अतिप्रदानार्थ (atipradānārtha) *adj.* which is intended for being given as a gift सौवर्णा उपासनार्था राजता अतिप्रदानार्था: BaudhS'S. iii. 198. 14.

अतिप्रदाय (ati-pradāya) *ger.* having completely handed over राजानं हरेत्युक्त: पूर्वेणाग्निमेकस्मा अतिप्रदाय तान् प्रसव्यं परीत्य … अनुगच्छेत् LāṭyāS'S. v. 9. 5.

अतिप्रदीप्त (ati-pradīpta) *adj.* **i** highly stimulated or aggravated तदिदमद्य भृशसंभृतं मे चिरार्जितं रोषमतिप्रदीप्तम् MahāBhā. viii. App. I. 34; अतिप्रदीप्तैर्भुजगैर्भोक्तुमन्नं न शक्यते VāyuP. ii. 15. 90 = BrahmāṇḍP. ii. 13. 91; **ii** very sharp or brilliant न ह्येताभ्यामतिप्रदीप्तप्रज्ञामेधाभ्यामस्मदादे: सहाध्ययनयोगोऽस्ति UttaRāC. 2. 3 (17)

अतिप्रधान (ati-pradhāna) *adj.* very prominent, of a very high order कैलासकम्पोऽपि समेत्य लङ्कां विधाय सन्मानमतिप्रधानम् । महाप्रभां चन्द्रनखातनूजां ददौ समीरप्रभवाय कन्याम् PadmP.(Ra.) 19. 102.

अतिप्रधावन (ati-pradhāvana) *n.* the act of driving too much, over-working मृत्युस्थानानि चैतानि गवामतिप्रधावनम् BṛParāSm. 8. 134.

अतिप्रधावितदोष (atipradhāvita-doṣa) *adj.* in which defects are excessively accumulated अधोभागिकेऽपि च सावशेषौषधमतिप्रधावितदोषमतिबलम् … एवं वामयेत् SuśruS. iv. 34. 6.

अतिप्रनष्टसेतु (atipranaṣṭa-setu) *adj.* the landmark on which is completely lost अतिप्रनष्टसेतूनि … रजतस्वर्णरत्नादिधनान्याहृत्य सर्वत: TriṣaS'aPuC. i. 3. 20.

अतिप्रनृत्यत् (ati-pranṛtyat) *adj.* engaged in excessive dancing तूर्णं चातिप्रनृत्यत: । … विक्षते वक्षसि व्याधिर्बलवान् समुदीर्यते CaraS. vi. 11. 7 (1941 Ed.)

अतिप्रपञ्च (ati-prapañca) *m.* too much elaboration, excessive expo-*ition* अलमतिप्रपञ्चेन Bṛha. 189. 4 (*on* i. 1. 5); AvantiKa. 216. 9; प्राधान्याच्चायमुपनिषदामतिप्रपञ्च: BālaKrī. ii. 68. 19 (*on* 190–191); अत: क्वाचित्कमेवेदमाशौचसंकोचविधानं न पुन: सर्वसंव्यवहारादिगोचरमित्यलमतिप्रपञ्चेन Mitā. 351. 18 (*on* 3. 28); हेतुफलविषयव्यापारावान्तरभेदादीनतिप्रपञ्चेनोक्त्वा NyāyPari. 336. 7; अलमतिप्रपञ्चेन SarvaDaSaṁ. 5. 241; 7. 151; 12. 212; नातिप्रपञ्चधृतभूषणचारुवेषौ … स युवां ददर्श Nāray. x. 72. 9.

अतिप्रपञ्चित (ati-prapañcita) *adj.* excessively expanded, very large दत्त्वा काञ्चनरत्नदानमतुलं धर्मैकरागान् तथा येनैश्वर्यमतिप्रपञ्चितमहो पुण्यद्विजा: प्रापिता: EI. xiv. 302. 41.

अतिप्रपञ्चिन् (ati-prapañcin) *adj.* indulging in too much elaboration (of arguments) एवं सति स्वयूथ्या न: केचिन्नातिप्रपञ्चिन: S'lokaVār. 5(5). 44 (417. 9)

अतिप्रपञ्चेतिवृत्त (atiprapañcetivṛtta) *adj.* having very elaborate narration (अयं गर्भाङ्क ईरित:) नातिप्रपञ्चेतिवृत्तस्वाधाराङ्कान्तशोभित: RasāSu. 284. 21 (3. 209)

अतिप्रपञ्चयमाना (ati-prapañcyamānā) *adj.* (*f.*) being greatly elaborated अत एवातिप्रपञ्चयमानेयमतिप्रसङ्गाय भविष्यतीति संक्षिप्यैव व्याख्याता Parimala an Mahārthamāñjarī. 1 (9. 13)

अतिप्रपीडित (ati-prapīḍita) *adj.* very much pressed अतिप्रपीडित: कोष्ठे तिष्ठत्यायाति वा गलम् AṣṭāSaṁ. ii. 165. 7 (5. 7); अतिप्रपीडितो बस्ति: प्रक्रम्यामाशयं तत: । वातेरितो नासिकाभ्यां मुखतो वा प्रवर्तते SiddhYo. 6. 22.

अतिप्रपीडयमान (ati-prapīḍyamāna) *adj.* being very much troubled or harassed वातपित्तश्लेष्माणोऽभ्यवहारेणातिमात्रेणातिप्रपीड्यमाना: सर्वे युगपत् … प्रकोपमापद्यन्ते CaraS. iii. 2. 7 (1941 Ed.)

अतिप्रबन्ध (ati-prabandha) *m.* **1** complete continuity अतिप्रबन्धप्रहितास्त्रवृष्टिभिस्तम् … शशाक निर्वापयितुं न वासव: RaghuVa. 3. 58; अतिप्रबन्धादिषुजालवृष्टे: … आसीत्तमिस्रा जयदा रिपूणाम् NīlaVi. 20. 16; अतिप्रबन्धाचरिताध्वराणां मनीषिणां मन्त्रविधोपहूतम् । वज्राङ्कितं वासवमेक्ष्य भीत्या नगा: स्थितिं नैव भजन्ति यस्याम् Raghunā. 1. 71; **2** name of a particular mode of binding an elephant सोऽतिप्रबन्धो विज्ञेयो बन्धो यो दुष्प्रमादत: Hastyāyur. 429. 7 (3. 8)

अतिप्रबन्धतस् (atiprabandha-tas) *adv.* due to excessive continuity or flow तापितासु नयनाग्निहेतिभिस्तज्जटासु पतितास्तदूर्मय: । अम्भसां पुनरतिप्रबन्धत: क्लेदमात्रमदिशन् कथंचन Gaṅgāva. 5. 62.

अतिप्रबल (ati-prabala) *adj.* [*f.* -ā] **i** very strong, very powerful तस्य तैरभवद् युद्धमतिप्रबलदण्डिन: MārkP. 81. 5; SkandP. i(1). 17. 217; अतिप्रबल: संस्कार: स्पर्शवद्द्रव्यसंयोगेनापि … न विनश्यति NyāyKa. 300. 6; तस्य तैरभवद् युद्धमतिप्रबलदारुणै:…क्षेपणै: परिघायुधै: BhaviP. 453A. 25 (iii(2). 26. 3); तथा सत्यप्यायु:कर्मादौ अतिप्रबलाशुभकर्मवशात् … प्राणवियोग:; DīpKa. 89. 27 (*on* 3. 165); **ii** of great intensity अतिप्रबलपिपासावसन्नानि गन्तुमल्पमपि मे नालमङ्गकानि Kād. 36. 5; अतिप्रबलया … प्रसववेदनया जननी मे लोकान्तरमगात् Kād. 25. 5; ततोऽस्यातिप्रबलमोहज्वरपरीतसर्वगात्रस्य … परिषेकं कुर्यात् AṣṭāSaṁ. ii. 170. 4 (6. 1); नयनरश्मय: … प्रतिमुखै: सूर्यरश्मिभिरतिप्रबलवेगैराहता:…रूपज्ञानम् …जनयन्ति NyāyKa. 179. 10; **iii** extremely violent अतिप्रबलो वह्निर्दहत्यार्द्रानपि द्रुमान् AtriSm. 3. 2; मार्गे वृष्टिरतिप्रबला समभूत् Siṁha-

Dvā. 69. 3(13); स्नावान्विताः स्फोटगणाः सुतीव्राः सन्धिष्वतिप्रबलमांसगतोरुकुष्ठे KalyāKā. 11. 73; **iv** with great amount of, in great quantity शोकादतिप्रबलशोणितमिश्रमुष्णम् … मलमुत्सृजन्तम् … कुक्ष्यामयः क्षपयति KalyāKā. 9. 88.

अतिप्रबलता (atiprabala–tā) *f.* the state of being very powerful यत्रातिप्रबलतया विवक्ष्यते पूर्वमेव जन्यस्य । प्रादुर्भावः … तद्भवेत् पूर्वम् Kāvyālaṅ. (Ru.) 9. 3; यत्रातिप्रबलतया गुणः …अर्थान्तरं पिदध्यात् …तत्पिहितम् Kāvyālaṅ. (Ru.) 9. 50; अनिलोद्धतैः … अतिप्रबलतयाकालनीहारवृष्टिमिव दर्शयद्भिः कुसुमधूलिपटलैर्धवलीकृतविग्रहः (समरकेतुः) … कल्पतरुखण्डमपश्यत् TilaMañ. 213. 13.

अतिप्रबुद्ध (ati–prabuddha) *adj.* very wise, very learned को वा करिष्यत्यपरः प्रबन्धमतिप्रबुद्धोऽप्यपशब्दशून्यम् Surath. 1. 63.

अतिप्रभ (ati–prabha) *adj.* [*f.* –ā] having great splendour स गत्वाचष्ट तेभ्यश्च सारस्वतमतिप्रभम् । स्वाध्यायममरप्रख्यं कुर्वाणं विजने जने MahāBhā. ix. 50. 42; अतिप्रभाभिः … स्त्रीभिः … परितः परीतम् । … नगरम् BrahmāṇḍP. ii. 27. 4; अपश्यद्धृदये दीपं दीर्घाकारमतिप्रभम् PadmP. iv. 101. 220; दृष्ट्वा च तमतिप्रभम् । सहस्राक्षो मुमोचाशु तस्मै वज्रम् BṛKathāMañ. iii. 1. 360; सतीमतिप्रभां प्रणमन्तो हरयः स्वयंप्रभाम् । … ययुरम्बुवेष्टितम् Rāgh. 11. 77.

अतिप्रभाढ्य (atiprabhāḍhya) *adj.* endowed with great splendour अतिप्रभाढ्योऽयम् TilaMañ. 218. 21.

अतिप्रभात (ati–prabhāta) *n.* early morning भस्मपूर्णो दिगम्बराः । अतिप्रभातसमये चित्रः पश्यामि सस्मितः BrahmVaiP. iv. 63. 19; एवं चानेनोक्ता …अतिप्रभातचन्द्रनिष्प्रभं वदनमुद्वहन्ती PādaTā. 3. 19.

अतिप्रभाव (ati–prabhāva) *adj.* **i** of great efficacy ततः प्रभृत्येतदतिप्रभावं तीर्थं महासिद्धिदम् BrahmP. 143. 17; **ii** very valiant, mighty अन्यो न जेष्यति भवन्तमतिप्रभावाद्रत्नेश्वरात् पुनरुदेष्यति चक्रवर्ती KathāSaSāg. v. 3. 282; *m.* great valour, KathāSaSāg. v. 3. 282.

अतिप्रभावत् (atiprabhā–va(n)t) *adj.* very lustrous, very bright तत्रातिप्रभावतां दृश्यानामतिमात्रं दर्शनमतियोगः CaraS. i. 11 37; एष किल … क्षीरोदेन … अतिप्रभावन्ति … मुक्ताफलान्यादाय स्वयं ग्रथितः TilaMañ. 43. 6.

अतिप्रभावती (atiprabhāvatī) *f.* name of a *surāṅganā* [nt.]

अतिप्रभावयुक्ता (atiprabhāva–yuktā) *adj.* (*f.*) endowed with great efficacy मोक्षदं मुनयः स्नानं गङ्गायां स्वर्गदं विदुः । अतिप्रभावयुक्तासि त्रैलोक्यस्यापि पावनी NīlaP. 312.

अतिप्रभु (ati–prabhu) *m.* superior or perfect master भूतभव्यभविष्याद्यैर्विभज्य जरयन् प्रजाः । अतिप्रभुरिति स्वैरं वर्तते … कालः S'ivaP. vii(1). 7. 4 (510A. 3)

अतिप्रभुता (atiprabhu–tā) *f.* great authoritativeness भ्रुकुटिरारचिता गतमग्रतो हृतमथाननमुक्तमसाधु वा । इयमतिप्रभुता क्रियते बलादकुपितोऽपि हि यत्कुपितो जनः SaraKaṇṭhā. 499. 6.

अतिप्रभूत (ati–prabhūta) *adj.* [*f.* –ā] **i** quite ample, profuse, very much, in excess आर्तवम् … पश्यन्ति … याः । अतिप्रभूतम् KāśyaS. 186A. 23; अन्नैरतिप्रभूतैश्च … इष्ट्वा PāraS. 16. 367; अतिप्रभूतेध्माहरणाच्च यस्येध्मवाह इति पिता द्वितीयं नाम चकार Kād. 21. 4; नातिप्रभूतप्रवृत्तगतागताप्रहतभुवम् … वनग्रामकं ददर्श HarṣaC. 304. 9; अतिप्रभूतैः । अतिवितत्तगुणैर्गणैरिवोग्रः प्लवगभटैरयमावृतो विभाति RāmC. 6. 17; (मणयः) केचिदाश्रितरोहणाद्रयः समन्तादात्मानमतिप्रभूतया मृदा प्रच्छाद्य तिरोबभूवुः UdaySuKa. 132. 4; हिरण्यादेरतिप्रभूतस्यापि … रक्षायाः सुकरत्वात् DaṇḍaVi. 275. 4; **ii** numerous, too many दक्षस्य प्रजापतेरतिप्रभूतानां कन्यकानां मध्ये द्वे सुते Kād. 136. 13; *n.* what is quite abundant शुचिर्भैक्षं कारुहस्तः …। अतिप्रभूतं बालं च वृद्धातुरविचेष्टितम् MārkP. 35. 14.

अतिप्रभूतकोश (atiprabhūta–kośa) *m.* very ample treasure सोऽपि तव प्रसादादतिप्रभूतकोशस्यश्च सहसैव तन्महदैश्वर्यमवाप्य MudrāRā. 3. 24 (26)

अतिप्रभूततरा (atiprabhūta–tarā) *adj.* (*f.*) more numerous एवम् अनेन प्रकारेण अवान्तरभेदगणनेऽतिप्रभूततरा गणना KāvyPra. 215. 4.

अतिप्रभूतता (atiprabhūta–tā) *f.* great abundance दशुरद्रिविघट्टनेषु ये (करिणः) पतितैर्मूर्धनि निर्झरैरिव । कलयन्तमतिप्रभूततां क्षतधाराजलदुर्दिनं मदम् VikraDeC. 15. 27.

अतिप्रमत्त (ati–pramatta) *adj.* [*f.* –ā] greately infatuated पितुः … अस्यातिप्रमत्तस्य राघवात्क्षयमिच्छसि RāmāMañ. 299. 18; (शूर्पणखा) अतिमत्तेति (v. l. अतिप्रमत्तेति) वक्तव्यम् PrasaRā. 5. 33 (10) (N. S. Ed. 1892)

अतिप्रमद (ati–pramada) *adj.* having great joy, feeling elated विरराज ततः सोऽतिप्रमदः …गिरिः S'ivaP. ii(3). 6. 4 (129A. 16); *m.* great joy, elation प्रियताविषयं हि वस्तु यत्क्षणनष्टं पुनरेति दृष्टताम् । तदतिप्रमदाय योषितां विरहानन्तरजेव संगतिः RasSa. 38.

अतिप्रमनस् (ati–pramanas) *adj.* very delighted पाञ्चालाश्च सवार्ष्णेयाः पाण्डवाश्च विशां पते । रामे द्वारवतीं याते नातिप्रमनसोऽभवन् MahāBhā. ix. 59. 27; नृपोऽपि नातिप्रमनाः प्रभाते तां मन्यमानः कुलदेवताज्ञाम् । यथायथं मातृगृहाणि गन्तुं कथंचिदन्तःपुरमादिदेश Surath. 2. 9.

अतिप्रमर्दित (ati–pramardita) *adj.* completely pounded, thoroughly powdered शिलागन्धकसिन्धूत्थरसैश्चातिप्रमर्दितैः । रीतिपत्राणि लेप्यानि RasPraSu. 4. 110.

अतिप्रमा (ati–pramā) *adj.* (*f.*) beyond measure, very vast कोऽलं व्योमाङ्गुलैर्मातुं मलः को मितयेऽम्बुधेः । अतिप्रमाश्चमूस्तस्य कोऽवधारयितुं क्षमः Kapphiṇā. 16. 76.

अतिप्रमाण (ati–pramāṇa) *adj.* [*f.* –ā] **i** very huge, gigantic, of unusual size स पथि गच्छन्नपश्यदृषभमतिप्रमाणं तमधिरूढं च पुरुषमतिप्रमाणमेव MahāBhā. i. 3. 101; गिरिं य इच्छेत तलेन भेत्तुं शिलोच्चयं श्वेतमतिप्रमाणम् तस्यैव पाणिः सनखो विशीर्येन्न चापि किंचित्स गिरेस्तु कुर्यात् MahāBhā. v. 47. 66; (तां दृष्ट्वा) अतिप्रमाणामायान्तीं रामो लक्ष्मणमब्रवीत् Rāmā. i. 678*; iv. 46. 13; अतिप्रमाणा बलिनः … महाद्रयः Rāmā. v. 54. 23; ह्रस्वान्यतिप्रमाणानि स्थावराणि चराणि च । … आहुर्वेदविदो विप्रा यं यज्ञं शाश्वतं विभुम् HariVaṁ. 31. 8; BrahmP. 213. 17; PadmP. v. 16. 45; अतिप्रमाणशरीराः प्राणहरकर्माणो हस्तिनः ArthS'ā. i. 118. 4 (2. 2); सर्वस्य धातारमचिन्त्यरूपमणोरणीयांसमतिप्रमाणम् ViṣṇuP. iv. 2. 126; तस्या ह्यतिप्रमाणानि स्वादूनि च मृदूनि च । फलानि VāyuP. i. 35. 28; अतिप्रमाणाभिश्च … सिंहीभिरिव कौलेयककुटुम्बिनीभिरनुगम्यमानम् (शबरसेनापतिमपश्यम्) Kād. 31. 2; अतिप्रमाणपादानुमीयमानतृषितकात्यायनीसिंहावतारमार्गं दक्षिणं तीरमासाद्य तुरगादवततार Kād. 125. 9; महान्तमतिप्रमाणमप्रमेयमस्य प्रजापतेर्महिमानम् … आहुर्ब्रह्मविदः ChāndoUBh. 217. 6 (*on* iv. 3. 7); रूपं महदतिप्रमाणं ते तव बहुवक्त्रनेत्रम् GītāBh.(S'aṅ.) 314. 1 (*on* 11. 23); क्षपाचरी । अतिप्रमाणमपरं कुम्भकर्णमजीजनत् RāmāMañ. 417. 23; अतिप्रमाणं तत्रैकं वराहं घोरमैक्षत KathāSaSāg. ii. 3. 44; xvii. 5. 76; अतिप्रमाणं मरकतरत्नं समुल्लसति SamudraMa. 1. 66 (9); तेजःसारैरलङ्कारैः…अतिप्रमाणैः…अलंकृतः (सः) S'āliC. 6. 41; अतिप्रमाणलिङ्गेन नातस्तासां सुखं भवेत् AnaṅgaRa. 3. 8; **ii** exceeding the limits, ample, abundant दानेनातिप्रमाणेन यस्य … भ्रमति स्वेच्छया यशः RāmāMañ. 447. 25; **iii** of great authority यानि प्रणीतानि धर्मशास्त्राणि वै पुरा । तान्येवातिप्रमाणानि न हन्तव्यानि हेतुभिः CaturCin. ii(1). 19. 6; तथा च योगियाज्ञवल्क्यः … सांख्यं योगः पाञ्चरात्रं वेदाः पाशुपतं तथा । अतिप्रमाणान्येतानि हेतुभिर्न विरोधयेत् VīraMi.(Paribhāṣā.) 21. 2; **iv** beyond the (prescribed) measurements वेश्मस्य वर्धयेद् गेहमर्धपञ्चमभूमिकम् । अतिप्रमाणे तत्रास्य धनबन्धुपरिक्षयः SamarāSū. 39. 22; *n.* **i** huge size अश्वश्चातिप्रमाणयुक्तः (दृष्टः) MahāBhā. i. 3. 170; **ii** large quantity श्लेष्मनिमित्तानां प्रमेहाणामाश्वभिनिर्वृत्तिकराः । तद्यथा … °सुगन्धकानां नवानामतिवेलमतिप्रमाणेनोपयोगः CaraS. ii. 4. 6 (1922 Ed.)

अतिप्रमाणम् (ati–pramāṇam) *adv.* excessively कथमतिचपलभावानाम् अतिप्रमाणमनपेक्षहरणीय° … °प्लवनीयेषु हस्तियुद्धविमर्दापगमा(ता)नां च … विकाराः संभवन्ति Hastyāyur. 618. 26 (4. 7)

अतिप्रमाणवत् (atipramāṇa–va(n)t) *adj.* huge in dimension तदाननं विवृतमतिप्रमाणवत् समभ्ययुर्गगनमिवार्दिताः खगाः MahāBhā. i. 24. 13.

अतिप्रमाणविषय (ati–pramāṇaviṣaya) *adj.* beyond the sphere of the means of knowledge अतिप्रमाणविषयं ब्रह्म सर्वत्र विश्रुतम् BṛĀraUBhVā. iii. 9. 172.

अतिप्रमाणवृद्ध (atipramāṇa–vṛddha) *adj.* grown to excessive size (प्लीहा) अतिप्रमाणवृद्धस्तु न सिध्यति कथंचन BhelaS. 210. 15 (6. 27)

अतिप्रमाथशील (atipramātha–śīla) *adj.* having extremely destructive nature, extremely malevolent दुर्बलाग्निं सलिलकाममतिप्रमाथशीलमस्निग्धं विद्यात् Hastyāyur. 586. 21 (4. 4)

अतिप्रमाथित्व (atipramāthi–tva) *n.* the state of being extremely destructive सत्त्वेष्वतिप्रमाथित्वं व्यालकर्म BhelaS. 128. 6 (6. 4)

अतिप्रमाथिन् (ati–pramāthin) *adj.* [*f.* –ī] **A** extremely tormenting समुत्थितं महद्भयम् । अतिप्रमाथि दारुणम् MahāBhā. xii. 309. 33; अतिप्रमाथि च तदा तपो महत्सुदारुणम् SkandP. v(3). 28. 93; शोकेनातिप्रमाथिना । धृतिवल्लीकुठारेण न स्पृशन्ति मनीषिणः RāmāMañ. 85. 23; पटोलयवधान्याकमधुकम् …। हन्ति पित्तज्वरं दाहं तृष्णां चातिप्रमाथिनीम् BhāvPra.(Bhā.) 8.(1). 346; **B** extremely malevolent स एष सर्वशस्त्राणामवध्यः पाण्डुनन्दन । त्रिदेहोऽतिप्रमाथी च हरदत्तश्च दानवः HariVaṁ. 8158 (Cal. Ed.); ते नानाविधरूपाश्च प्रमथातिप्रमाथिनः MatsyaP. 140. 3.

अतिप्रमाद (ati–pramāda) *adj.* extremely erroneous or careless संक्लिष्टकर्माणमतिप्रवादम् (v. l. अतिप्रमादम्) MahāBhā. v. 37. 33.

अतिप्रमाद (ati–pramāda) *m.* great mistake, extreme inattention

अतिप्रमादात् [Abl.] on account of extreme inattention, by great mistake षड्भिः प्रकारैः सतां भावानामनुपलब्धिर्भवति ··· अतिप्रमादात् MahāBh. ii. 197. 10 (*on* iv. 1. 3); अतो व्यासस्तु – अतिप्रमादाद्राजेन्द्र गजयोर्मध्यगं बलम्। चालयेन्न च पुण्यार्थी CaturDī. 5. 8.

अतिप्रमादभाज् (atipramāda-bhāj) *adj.* committing many mistakes विशालया रसनया प्रमदातिप्रमादभाक् SkandP. iv. 37. 103.

अतिप्रमादिन् (ati-pramādin) *adj.* extremely erroneous, highly imprudent सङ्क्लिष्टकर्माणमतिप्रवादम् (v. l. अतिप्रमादिनम्) MahāBhā. v. 37. 33; नाल्पकालोषितायैतद्देयं नातिप्रमादिने MṛgendraT. iii. 1. 64; प्रत्यक्षगोचरं देवं लोकं चातिप्रमादिनम् । दृष्ट्वा श्रुतिः ··· अनुक्रोशति BṛĀraUBhVā. iv. 3. 952; अतिप्रमादिनम् ।··· न भजन्ति नृपं प्रजाः S'ukraNī. 1. 140.

अतिप्रमुग्ध (ati-pramugdha) *adj.* extremely dull or silly हीनाधिकं चारुकथाप्रबन्धख्यातं यदस्माभिरतिप्रमुग्धैः । मात्सर्यहीनाः कवयः ··· तच्छोधयन्तु BṛKathāK.(Praśasti) 9.

अतिप्रमुदित (ati-pramudita) *adj.* extremely delighted श्रीपत्तनं प्राप्तस्य ··· श्रीहेमचन्द्रमुनीन्द्रमिलनादतिप्रमुदितस्य PrabaCin. 84. 28.

अतिप्रमोद (ati-pramoda) *m.* great delight नाभिस्तु ··· अतिप्रमोदभरविह्वलः ··· निर्वृतिमुपगतः BhāgP. v. 4. 4; राज्ञश्चातिप्रमोदोऽभूत्पुत्रजन्मसमुद्भवः DeviBhāP. vii. 14. 54; सहजस्य शास्त्रार्थत्वेन ज्ञानेऽतिप्रमोदो दार्ढ्यं च AṇuBh. 245. 4 (*on* iii. 3. 36); **अतिप्रमोदात्** [Abl.] on account of (i. e. with) great delight जिनम् ··· अतिप्रमोदात् ··· अर्चयामास MahāP. 23. 114.

अतिप्रमोदतस् (atipramoda-tas) *adv.* with great delight ध्वजाश्च भ्रेजिरे तत्र भूदेव्यातिप्रमोदतः। उत्तम्भिता इव भुजाः TriṣaS'aPuC. i. 3. 430.

अतिप्रमोदिता (ati-pramoditā) *adj.* (*f.*) extremely happy सन्ति देशा अनेकशः। ···प्रजाश्चातिप्रमोदिताः PadmP. ii. 85. 48.

अतिप्रयच्छत् (ati-prayácchat) *adj.* handing over something instead अ॒ति॒प्र॒यच्छ॒न्दुरि॑तिं तरेयम् TaiBr. I. ii. 1. 5.

अतिप्रयत (ati-prayata) *adj.* [*f.* -ā] striving very much, trying one's best प्रकुपितमतिप्रयतः CaraS. i. 12. 10; शक्रं पुत्रो निहन्ता ते यदि गर्भं शरच्छतम्। समाहितातिप्रयता शौचिनी धारयिष्यसि ViṣṇuP. i. 21. 33.

अतिप्रयत्न (ati-prayatna) *m.* great effort लक्ष्मीः ··· अतिप्रयत्नविधृतापि ··· परिस्खलति Kād. 104. 23; इमां तु सर्वसन्देशसङ्ग्रहकारिकां कारिकामतिप्रयत्नेन भगवान्भवन्तमनुस्मारयति AnargharRā. 1. 16(5); महतातिप्रयत्नेन ह्युदर्केऽपि प्रवक्ष्यते BṛĀraUBhVā. i. 4. 203; JīvanVi. 114. 10; तयोर्नातिप्रयत्नो वेदार्थव्याख्याने ManuBh. i. 241. 14 (*on* 3. 68); ii. 405. 17 (*on* 11. 115); CaturCin. iii(1). 409. 10; VīraMi. 277. 16 (*on* 1. 203); (आसीद्रणाङ्गणम्) अतिप्रयत्नापहृतम्रियमाणनरामिषम् YogVā. iii. 39. 27; सन्तोष्यातिप्रयत्नेन योगोऽयं गृह्यते बुधैः S'ivS. 5. 52; निष्पेषः ··· अतिप्रयत्नेन साध्यः AbhinBhā. ii. 59. 14 (*on* 9. 140); तस्मादतिप्रयत्नेन शान्तिकर्म समाचरेत् VasiS. 45. 116; अतिप्रयत्नसाध्येऽर्थे SaṁgīRa. iv. 55. 7; (7. 201); सबलैरबलाजनः। त्रातव्योऽतिप्रयत्नेन MalliC. 1. 48.

अतिप्रयत्नतस् (atiprayatna-tas) *adv.* with great effort चरैश्चारयेत् साक्षात्प्रकाशं चातिप्रयत्नतः ManuBh. ii. 201. 13 (*on* 8. 302); ii. 483. 27 (*on* 12. 103); एवं श्रुतिरियं कैश्चिद्व्याख्यातातिप्रयत्नतः BṛĀraUBhVā. ii. 1. 255; एवं सति स्वयूथ्या नः केचिन्नातिप्रपञ्चिनः (v. l. नातिप्रयत्नतः) S'lokaVār. 5(5). 44 (417. 9); एवमनुमानेभ्यो वेदानुमानमिति किमतिप्रयत्नतो भेदप्रतिपादनेनेति Kāśi. iii. 119. 23 (*on* 5. (5). 44) वाराहे तां समुद्धृत्य लुप्तां मग्नां रसातलात्। विष्णोर्वराहरूपस्य द्वारा चातिप्रयत्नतः BrahmVaiP. i. 5. 14.

अतिप्रयत्नवत् (atiprayatna-va(n)t) *adj.* which requires great effort यत्त्वनतिकाठिन्यादतिप्रयत्नवत्खण्डनानपेक्षं चर्वयित्वैव निगीर्यते तद्भोज्यम् CaturCin. iii(1). 601. 9.

अतिप्रयत्नसाध्यत्व (atiprayatnasādhya-tva) *n.* the state of being achieved with great effort निदिध्यासनस्यातिप्रयत्नसाध्यत्वानुभवात् Nyāyāmṛ. 625A. 10; अतिप्रयत्नसाध्यत्वस्यानुभवसिद्धत्वात् AdvaiSi. 873. 19.

अतिप्रयास (ati-prayāsa) *m.* great strain or effort तस्माच्च दिङ्मात्रमतिप्रयासात्संसूचितं लोकहिताय तस्याः BrahmP. 174. 30; तदेवमेतदनेकातिप्रयासपरम्परा° ··· °वर्ध्यमानम् AvantiKa. 41. 5; बहिरङ्गलाभाय नातिप्रयासः कर्तव्यः JīvanVi. 97. 18; क्वचन ··· अतिप्रयासरहिते धनव्ययरहिते कुत्रापि वस्तुनीत्यर्थः Bhāsk. ii. 79. 18 (*on* ii. 3. 2); नारी ··· रतान्ते ··· शक्नोति नो किमपि सोढुमतिप्रयासम् AnaṅgaRa. 3. 11.

अतिप्रयुक्त (ati-prayukta) *adj.* **A** very frequently used अतिप्रयुक्तं देशभाषापदम् KāvyālaṅSū. v. 1. 13; v. 1. 14; **B** too much employed (for work) नागानां स्थानमुपपन्नानामतिकर्मणि चातिप्रयुक्तानाम् Hastyāyur. 683. 14 (4. 26)

अतिप्रयुक्ति (ati-práyukti) *f.* superior performance द्वे द्वे॑ पुरोऽनुवा॒क्ये॑ कु॒र्या॑द॒ति॒प्र॒यु॑क्त्यै TaiS. II. ii. 9. 2; BaudhS'S. ii. 128. 9.

अतिप्रयुज् (ati-prayuj-) VII. Ā. to go beyond the performance (of the unfinished rite) अथ या दक्षिणा ददति ताभिरतिप्रयुञ्जते JaimiBr. 1. 348; [to separate from (with Inst.), MW]

अतिप्रयोक्तव्य (ati-prayoktavya) *adj.* which is to be administered excessively तस्य नातिप्रयोक्तव्यो रसो यत्नाद्भिषग्वरैः RasRaSa. 18. 94.

अतिप्रयोग (ati-prayoga) *m.* **i** excessive employment or use (for work) अध्वनोऽतिप्रयोगाद् वा गमनाच्छोणितस्य वा। ··· भवन्ति धातवः क्षीणाः Hastyāyur. 295. 4 (2. 60); 308. 2 (2. 61); **ii** respectable usage पूज्यप्रयोगो ह्यतिप्रयोगः। पूज्यता चाविवेकपूर्वकत्वाभावः NyāySu.(Ja.) 145B. 7 (*on* i. 1. 6)

अतिप्रयोगतस् (atiprayoga-tas) *adv.* because of or from frequent usage (बहुलातिप्रयोगतो हेतोः शब्दजातं हरौ रूढम्) अज्ञातमुख्येष्वमुख्येष्वपि बहुलप्रयोगोऽस्तीत्यतोऽतिप्रयोगत इत्युक्तम् NyāySu.(Ja.) 145B. 7 (*on* i. 1. 6)

अतिप्रयोजन (ati-prayojana) *n.* additional purpose गङ्गातटे घोष इति शब्दो मुख्यार्थभागपि । पावनत्वं लक्षयति धर्मस्यातिप्रयोजनात् BhāvPra.(S'ā.) 163. 11(6)

अतिप्रयोजनत्व (atiprayojana-tva) *n.* the state of being additionally purposeful बहुदोषाभ्युपगमात् वरमेकस्यैव 'अनेन' इति इदंशब्दस्य 'अयमहमागच्छानि' इत्यादाविव न अतिप्रयोजनत्वाभ्युपगमः PūrvottaVāNaMā. 220. 9.

अतिप्रयोज्य (ati-prayojya) *adj.* liable to be excessively used or employed (in literary composition) द्वीपान्तराणां ये देशाः पर्वताः सरितस्तथा। नातिप्रयोज्याः कविभिरिति गाढं न चिन्तिताः KāvyMī. 94. 22.

अतिप्ररिक्त (ati-prarikta) *adj.* excessively purged (of sin) स (ऋषिः) हातिप्ररिक्तो न शशाकोत्थातुम् JaimiBr. 2. 83.

अतिप्ररूढ (ati-prarūḍha) *adj.* very much grown, deep-rooted, firmly established (कृष्णस्य) तच्च रूपम् ··· अतिप्ररूढवैरानुभावात् ··· नान्यत्रोपययावस्य (चेदिराजस्य) चेतसः ViṣṇuP. iv. 15. 13; तथा चतुर्मासकदर्थनावशादतिप्ररूढं तव तानवं तनौ RāmC. 5. 61.

अतिप्ररोध (ati-prarodha) *m.* prolonged confinement तत्रातिप्ररोधदौर्बल्याद् दुःस्थानशयनात् कटुकषायरूक्षभोजनादतिकर्मसेवनाच्च प्रकुप्यति पवनः (हस्तिनः) Hastyāyur. 120. 24 (1. 17)

अतिप्रलपित (ati-pralapita) *n.* excessive talk सूत्रधारः — अलमतिप्रलपितेन LaṭaMe. 1. 6(3)

अतिप्रलम्ब (ati-pralamba) *adj.* very long or pendulous ईषदावक्रघोणमतिप्रलम्बैककर्णपाशम् ··· मस्करिणमद्राक्षीत् HarṣaC. 153. 2; अतिप्रलम्बश्रवणदेशदोलायमानस्फारसुवर्णकर्णिकाकिरणकोटिकमनीयमुखमण्डलतया कपोलस्थलीपरिकल्पितप्रफुल्लकर्णिकारकाननमिव ··· इदम् ··· द्रामिलं बलम् YaśasCam. i. 463. 5.

अतिप्रलाप (ati-pralāpa) *m.* **i** excessive talking or delirious speech कुपितस्तु (वायुः)···भयशोकमोहदैन्यातिप्रलापाञ्जनयति CaraS. i. 12. 8; i. 20. 11 (1941 Ed.); **ii** too much irrelevant talk (परिवादोऽतिवादश्च) अतिवादः निरर्थकोऽतिप्रलापः SanatBh. 253. 8 (*on* 2. 22); **iii** excessive lamentation अयि किमिति मर्मच्छेददारुणैरतिप्रलापैः ··· दहसि माम् UttaRāC. 3. 40(6); **iv** excessively long talk [nt.] [cf. **अतिप्रलपित**]; *adj.* affected by delirious speech उष्णं सकोथबहुमांसमतिप्रलापम् ··· मनुजमाशु निहन्ति वान्तम् KalyāKā. 9. 17.

अतिप्रलोभितकर्ण (atipralobhita-karṇa) *adj.* whose ears have been very much lured or enticed (with sweet words) अतिमनोहरवनितादिजनालापेष्वतितरामतिप्रलोभितकर्णम् ··· आत्मानमहो राजन् भिन्नहृदयं द्रष्टुमर्हसि BhāgP. iv. 29. 54.

अतिप्रवण (ati-pravaṇa) *adj.* greatly inclined or sloping प्रागुदक्प्रवणं यथा चात्वालसारिणीरापः स्युर्नातिप्रवणम् BaudhS'S. iii. 233. 1.

अतिप्रवणमति (atipravaṇa-mati) *adj.* whose mind is greatly devoted स (पूरुः) चातिप्रवणमतिः सबहुमानं पितरं प्रणम्य ··· जरां जग्राह ViṣṇuP. iv. 10. 16.

अतिप्रवदना (ati-pravadanā) *adj.* (*f.*) speaking very eloquently इयं यूनां चेतःप्रहरणधरा सम्यगधरा प(? व)राका(? की)रा[के]न्दुप्रतिमवदनातिप्रवदना SūktiMu. 89. 49.

अतिप्रवयस् (ati-pravayas) *adj.* very old or aged अतिप्रवयसां शुक्रं प्रायशः क्षीयते नृणाम् CaraS. vi. 30. 177 (1941 Ed.)

अतिप्रवरण (ati-pravaraṇa) *n.* excess in the choice of *Pravaras* न हि चतुर्णां प्रवरोऽस्ति न पञ्चानामतिप्रवरणम् ĀśvaS'S. II. vi. 13. 5.

अतिप्रवर्तन (ati-pravartana) *n.* excessive flow or discharge त्वक्स्थे ···कुष्ठे···रोमहर्षश्च स्वेदस्यातिप्रवर्तनम् RugVi. 49. 26.

अतिप्रवर्तमान (ati-pravartamāna) *adj.* flowing profusely मलं सदा । अतिप्रवर्तमानं च साधयेदतिसारवत् SuśruS. vi. 39.123; AṣṭāSaṁ. ii. 9.1 (4.2)

अतिप्रवर्तिता (ati-pravartitā) *adj.* (*f.*) greatly caused or produced अत्र ते दर्शनात् प्रीतिर्मनसातिप्रवर्तिता ĀdiP. 9.67.

अतिप्रवर्तिन् (ati-pravartin) *adj.* indulging in too much धर्मं विचरत: पीडा सापि द्वाभ्यां नियच्छति । अर्थ: स्यादर्थलुब्धस्य कामस्य(? श्चा)तिप्रवर्तिन: MahāBhā. i. App. I. 81 (142) [cf. MahāBhā. ix. 59.17 अतिप्रसङ्गिन:]

अतिप्रवर्धित (ati-pravardhita) *adj.* **A** caused to grow large, over-sized (कर्णमले) सौकुमार्याच्चिरोत्सृष्टे सहसातिप्रवर्धिते । कर्णशोथो भवेत् पाल्यां सरुज: परिपोटवान् RugVi. 57.16; **B** maintained for a long time क्ष्माभुजां क्षिप्यते लक्ष्मीर्धूर्तैर्मधुरवादिभि: । अतिप्रवर्धितैर्भृत्यैर्वल्लभैश्च निरङ्कुशै: PāṇḍaC. 15.41.

अतिप्रवस् (ati-pravas-) I. P. to stay away from home beyond (a particular period) न द्वादशीमतिप्रवसति BaudhS'S. i. 83.17; नवमीं चेदतिप्रवसेन्मित्रो जनान् यातयति प्रजानन्निति … आहुतिं जुहुयात् ĀpaS'S. vi. 26.7 (comm.)

अतिप्रवसत् (ati-pravasat) *adj.* going on a journey for a long period सैषा संवत्सरमतिप्रवसत: ĀśvaS'S. I. ii. 12.10.

अतिप्रवह् (ati-pravah-) I. P. to flow beyond, to extend beyond एत उ ह वै छन्द:प्रवाहा अवरं छन्द: परं छन्दोऽतिप्रवहन्ति KauṣīBr. 11.5 (51.2); एतौ वै छन्द:प्रवाहाववरं छन्द: परं छन्दोऽतिप्रवहत: GopBr. ii. 3.11.

अतिप्रवाच् (ati-pravāc) *adj.* extremely garrulous or talkative निष्ठुरमतिप्रवाचं शमितारातिं च दाम्भिकं चापि । जनयत्युत्तमचेष्टं बुधदृष्टो भास्करि: शशिने Sārā. 29.46.

अतिप्रवात (ati-pravāta) *m.* very strong wind पुरोवातातपावश्यायातिप्रवाताञ् जह्यात् CaraS. i. 8.19; क्रोधशोकहिमातपावश्यायातिप्रवातान्…मनसाप्यसेवमान: सर्वमहो गमयस्व CaraS. i. 15.15 (1941 Ed.) [cf. AṣṭāSaṁ. i. 190.10 (1.39)]

अतिप्रवाद (ati-pravāda) *adj.* extremely bragging or boastful संक्लिष्टकर्माणमतिप्रवादं नित्यानृतं चादृढभक्तिकं च । विकृष्टरागं बहुमानिनं चाप्येतान्न सेवेत नराधमान् षट् MahāBhā. v. 37.33.

अतिप्रवायत् (ati-pravāya(n)t) *adj.* blowing violently (wind) पर्वतोत्तम: । कम्पित: सहसा तेन वायुनाभिप्रवायता (v. l. अतिप्रवायता) MahāBhā. xii. 315.54.

अतिप्रवाह (ati-pravāha) *m.* excessive flow (of ichor) राजवाह्यो गज: –स्रवत्यष्टासु सर्वदा । … अतिप्रवाहवापाभ्यां निर्मांसश्चास्थिभूषण: Mānaso. iv. 3.500.

अतिप्रविद्ध (ati-praviddha) *adj.* greatly pierced, greatly hurt प्लवमानै: कपिवरैरप्रमत्तै: प्रवेगितै: । सत्त्वान्यतिप्रविद्धानि त्रासितानि हतानि च Rāmā. iv. 78*(6)

अतिप्रविलम्बित (ati-pravilambita) *adj.* bent very low तत्र हीनातिमात्रातिशीतोष्णसहसाप्रदानादतिप्रविलम्बितशिरस उच्छिङ्घतो विचलतोऽभ्यवहरतो वा प्रतिषिद्धप्रदानाच्च व्यापदो भवन्ति (नस्यात्) SuśruS. iv. 40.48.

अतिप्रविलीनदोष (atipravilīna-doṣa) *adj.* in which the (three) humours are completely merged together or mixed up ग्रीष्मे पुन: … शरीरम् … अतिस्विन्नमतिशिथिलमतिप्रविलीनदोषं भवति AṣṭāSaṁ. i. 122.7 (1.23)

अतिप्रविष्ट (ati-praviṣṭa) *adj.* [*f.* –ā] **i** deeply penetrating (intellect) कर्मोदये बुद्धिमतिप्रविष्टाम् । प्रज्ञां च देवीं सुभगे विमृश्य पृच्छामि त्वां कासि चारुरूपे MahāBhā. iii. 184.16; **ii** deeply sunk (in the sockets) (the eye) तस्य चेच्चक्षुषी प्रकृतिहीने … अतिप्रविष्टे…तदा परासुरिति विद्यात् CaraS. v. 3.6 (1941 Ed.); vi. 19.7; (यस्य) नयने चातिप्रविष्टे निर्गते विस्तृते संक्षिप्ते संक्षिप्तभ्रूणी (स गतायु:) AṣṭāSaṁ. i. 243.15 (2.9)

अतिप्रविसृत (ati-pravisṛta) *adj.* fully spread (all over the body) तस्मान्नातिप्रविसृते विषे कुर्याच्चिकित्सितम् Hastyāyur. 169.6 (2.8)

अतिप्रवीण (ati-pravīṇa) *adj.* [*f.* –ā] very skilful नटस्यातिप्रवीणस्य कर्मैत्वान्नाट्यमुच्यते RasāSu. 209.3 (3.1); भवत्योरुभयोर्मध्ये या नृत्ये गीते चातिप्रवीणा सा … तत्तपोवनं गच्छतु SiṁhāDvā. 15.0(4)

अतिप्रवृ (ati-pravṛ-) IX. Ā. to choose more (than the prescribed number) न चतुरो वृणीते न पञ्चातिप्रवृणीते ĀpaS'S. ii. 16.8.

अतिप्रवृत् (ati-pravṛt-) I. Ā. **i** to be intensely intent upon or occupied with (loc.) स तयानुगतो नित्यमभीष्टेऽतिप्रवर्तते BṛKathāMañ. vii. 1.354; **ii** to issue violently (as blood from a wound) [MW]; **iii** to have an intense effect (as venom) [MW] cf. **अतिप्रवृत्त, अतिप्रवृत्ति.**

अतिप्रवृत्त (ati-pravṛtta) *adj.* [*f.* –ā] **i** gone out of the way or bounds, behaving wickedly चीरे गृहीते तु तया (सीतया) … । निवार्य सीतां कैकेयीं वसिष्ठो वाक्यमब्रवीत् । अतिप्रवृत्ते दुर्मेधे कैकेयि कुलपांसनि । … न प्रमाणेऽवतिष्ठसे Rāmā. ii. App. 1.15(15) (comm. मर्यादातिक्रमेण प्रवृत्ते); पानमत्ता च सा हर्तुं जपतो मेऽक्षमालिकाम् । प्रावर्तत… । अतिप्रवृत्ता च मया क्रुद्धेन जघनस्थले । अङ्किता सा त्रिशूलेन KathāSaSāg. xii. 8.176; **ii** gone too far, excessively active त्यज बुद्धिमिमामतिप्रवृत्ताम् BuddhaC. 5.36; **iii** discharging or flowing profusely (blood, urine etc.) अथातिप्रवृत्ते (रक्ते) रोध्र° … °गोधूमचूर्णै: शनै: शनैर्व्रणमुखमवचूर्ण्याङ्गुल्यग्रेणावपीडयेत् SuśruS. i. 14.36; अतिप्रवृत्ते रक्ते तु रक्तमेवानुपाययेत् BhelaS. 251.23 (8.4); KāśyaS. 292B.12 (9.85); (शकृन्मूत्रम्) तमतिप्रवृत्तमाशु पूर्वोक्तैरेव निर्वापणै: पुन:पुनर्निर्वापयेत् AṣṭāSaṁ. i. 192.14 (1.39); ii. 15.10 (4.3); वमनेऽतिप्रवृत्ते च हृद्यं कार्यं विरेचनम् SiddhYo. 73.24; 9.32; S'ārṅgaS. iii. 12.31; **iv** excessively excited (humour of the body) पवनोऽतिप्रवृत्तो हि स्वे स्थाने लभतेऽधिकम् । बलं तस्य सपित्तस्य जयार्थे बस्तिरुत्तम: CaraS. vi. 19.97 (1941 Ed.); **v** occurring or taking place to a large extent, excessively manifested कलत्रपुत्रक्षयप्राणनाशे तस्मिन् पुरे युद्धमतिप्रवृत्ते । महासुरा: … कोपवृता: प्रतीयु: MatsyaP. 138.30; प्रसादकोपैर्भवति क्षमापतेरतिप्रवृत्तैरधरोत्तरं जगत् S'ivLī. 5.22; **vi** set out too fast यदा तु वारणोऽत्यर्थं द्रुतमध्वनि युज्यते त्वरयातिप्रवृत्तस्य न मूत्रमतिवर्तते Hastyāyur. 258.24 (2.48); **vii** issued violently (a sound of belching etc.) उद्गार: । अतिप्रवृत्तो ध्वनिशब्द: Prasā. ii. 652.20.

अतिप्रवृत्तरक्त (atipravṛtta-rakta) *adj.* (a disease) in which blood flows out profusely अर्शांसि … उपाचरेत् । … अतिप्रवृत्तरक्तानि रक्तपित्तातिसारवत् AṣṭāSaṁ. ii. 61.19 (4.10)

अतिप्रवृत्तसंभाषण (atipravṛtta-sambhāṣaṇa) *adj.* used to conversing very much अतिप्रवृत्तसंभाषणयोस्तु न सिद्धमेव JayaMa. 98.18 (*on* 2.2)

अतिप्रवृत्ति (ati-pravṛtti) *f.* **1** excessive discharge or flow (of blood, urine etc.) आर्तवमङ्गमर्दमतिप्रवृत्तिं दौर्गन्ध्यं च SuśruS. i. 15.16; लालास्वेदयोरतिप्रवृत्ति: SuśruS. v. 4.39; i. 12.10; iv. 31.54; अतिप्रवृत्ति: सङ्गो वा सिराणां ग्रन्थयोऽपि वा । विमार्गगमनं चापि स्रोतसां दुष्टिलक्षणम् CaraS. iii. 5.24 (1941 Ed.); AṣṭāSaṁ. i. 232.16 = AṣṭāHṛ. ii. 3.45 (2.6); (मलस्य) अतिप्रवृत्तौ जीर्णेऽस्मिन् (औषधे) स्तम्भनीयैरुपक्रमेत् KāśyaS. 276A.43 (9.7); (मूत्रपुरीषयो:) विबन्धोऽतिप्रवृत्तिर्वा … । अजीर्णलिङ्गं सामान्यं AṣṭāHṛ. i. 8.30; SiddhYo. 6.16; (अशीतिर्वातजा रोगा:) अतिप्रवृत्ति: शुक्रस्य कार्श्यं नाशश्च रेतस: S'ārṅgaS. i. 7.113; **2** excessive activity (of the organs) कर्म वाङ्मन:शरीरप्रवृत्ति: । तत्र वाङ्मन:शरीरातिप्रवृत्तिरतियोग: CaraS. i. 11.39; तत्र कायादिकर्मणोऽतिप्रवृत्तिरतियोग: AṣṭāSaṁ. i. 116.20 (1.22); (न चातिप्रातिलोम्यत: सिद्धिं गच्छति कन्यासु) प्रातिलोम्येनातिप्रवृत्तौ तु तदानीमेव विरक्तत्वात् कथं तद्विषया सिद्धि: JayaMa. 206.16 (*on* 3.2); **3** excessive inclination to act (beyond the normal limit) न (विचारस्य) ह्यस्यातिप्रवृत्ति: फलम् । गगनास्वादने नातृप्ते: ĀtmaTaVi. 496.8.

अतिप्रवृत्तिज (atipravṛtti-ja) *adj.* produced by excessive discharge (of urine) निदानलक्षणैरूर्ध्वं वक्ष्यन्तेऽतिप्रवृत्तिजा: (मूत्ररोगा:) AṣṭāSaṁ. i. 283.17 (3.9)

अतिप्रवृत्तितस् (atipravṛtti-tas) *adv.* due to excessive discharge अर्शस: स्रवन्ति सहसा रक्तं तस्य चातिप्रवृत्तित: RugVi. 5.26 (comm. अतिप्रवृत्तित: अतिक्षयात्)

अतिप्रवृद्ध (ati-pravṛddha) *adj.* [*f.* –ā] **i** greatly increased, greatly extended, very well grown, very well developed आयुषोऽतिप्रवृद्धस्य भार्यार्थेऽर्धं ह्रसत्विति MahāBhā. i. 9.16; तमुवाच खगश्रेष्ठं तत्र रोहिणपादप: । अतिप्रवृद्ध: MahāBhā. i. 25.31; अतिप्रवृद्धे युद्धे (सति) MahāBhā. ix. 22.18; अतिप्रवृद्धानिलबर्हिणाम् । … द्रुतं रवा: सम्प्रति संप्रनष्टा: Rāmā. iv. App. i. 16.62; क्षीणस्य या छर्दिरतिप्रवृद्धा … तां प्रवदन्त्यसाध्याम् CaraS. vi. 20.19 (1941 Ed.); तस्मादतिप्रवृद्धेषु शीर्षरोगेषु बुद्धिमान् (दहेत्) BhelaS. 198.12 (6.23); आगन्तुरन्वेति निजं विकारं निजस्तथागन्तुमतिप्रवृद्धम् AṣṭāSaṁ. i. 119.4 (1.22); अनीकरुधिरधाराभिरतिप्रवृद्धवीरपाणगोष्ठीमहोत्सवा: समन्तादभिद्रवन्ति यातुधाना: प्लवङ्गमयूथपतीन् AnargharRā. 6.38(3); नखानि रोमाणि च … अतिप्रवृद्धानि तु नापितेन कारयेत् ManuBh. i. 356.1 (*on* 4.69); i. 492.16 (*on* 5.155); इमं ममाम्भोनिधिलङ्घनार्थमतिप्रवृद्धं न शरीरभारम् RāmC. 17.41; किमात्मनो न पश्यसि चर्मितरुत्वचमिवातिप्रवृद्धविश्र:(? स्र:) YaśasCam. ii. 348.19; अतिप्रवृद्धा श्री: कं नाम न दर्पयति NītiVā. (Bombay Ed.) 123.12; यदा चानयोरतिप्रवृद्धो रागस्तदा तद्वशाददृष्टश्रुता अपि प्रयोगा भवन्ति JayaMa. 155.4 (*on* 2.7); 155.12 (*on* 2.7); गव्यं घृतं सैन्धवसंप्रयुक्तम् … निहन्ति

कौरण्डमतिप्रवृद्धम् SiddhYo. 40. 18; ध्यायतो विषयान्पुंसः पुनरपि सङ्गोऽतिप्रवृद्धो जायते GītāBh.(Rā.) 147. 1 (*on* 2. 62); अतिप्रवृद्धे श्वयथौ प्रच्छन्नं तस्य कारयेत् Hastyāyur. 318. 21 (2. 66); 429. 12 (3. 8); स्त्रीणामप्यात्महननस्य प्रतिषिद्धत्वात् अतिप्रवृद्धस्वर्गाभिलाषायाः प्रतिषेधशास्त्रमतिक्रामन्त्या अयमनुगमनोपदेशः श्येनवत् Mitā. 28. 24 (*on* 1. 86); मन्वादयो मुनिवराः खलु धर्मशास्त्रे धर्मादि संकुचितमाहुरतिप्रवृद्धम् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 14. 12; यः … अवारयद्वृष्टिमतिप्रवृद्धाम् S'ivLī. 22. 69; **ii** possessing extremely overbearing behaviour, extremely haughty सर्वथातिप्रवृद्धोऽसौ रावणो राक्षसाधिपः Rāmā. v. 57. 4; iii. 89*(1); क्षत्रस्यातिप्रवृद्धस्य ब्राह्मणान्प्रति सर्वशः। ब्रह्मैव संनियन्तृ स्यात् ManuSm. 9. 320; मण्डलं वा प्रोत्साहयेत् … अतिप्रवृद्धोऽयं मध्यमः ArthS'ā ii. 359. 7 (7. 18)

अतिप्रवृद्धतर (atipravṛddha-tara) *adj.* extremely grown, extremely intense तथैव 'श्येनेन हिंस्याद्भूतानि' इत्यधिकारस्यातिप्रवृद्धतरद्वेषान्धतया सत्यामपि प्रवृत्तौ न धर्मत्वम् ManuBh. i. 492. 15 (*on* 5. 155)

अतिप्रवृद्धभाव (atipravṛddha-bhāva) *adj.* whose good mental state has greatly increased अतिप्रवृद्धभावोऽसौ … आयुःक्षये … त्रिदशोऽजनि MalliC 7. 837.

अतिप्रवृद्धरोष (atipravṛddha-roṣa) *adj.* whose wrath is greatly increased स्ववृत्तिमननुष्ठाय (v. l. अतिप्रवृद्धरोषस्य) धर्ममुत्सृज्य तत्त्वतः (शिष्यस्य न क्षन्तव्यम्) MahāBhā. i. 746*(1)

अतिप्रवृद्धवृद्धता (atipravṛddha-vṛddhatā) *f.* extreme old age, the state of being very old अतिप्रवृद्धवृद्धतासुधाधवलितशिरःश्मश्रुजटाजालत्विषम् … जमदग्निमवलोक्य YaśasCam. ii. 286. 9.

अतिप्रवृद्धव्याधि (atipravṛddha-vyādhi) *m.* disease which is excessively grown अतिप्रवृद्धव्याधेरन्यव्याध्युक्तानामपि यथासन्नं व्यधः AṣṭāSaṁ. i. 177. 8 (1. 36)

अतिप्रवृद्धाग्निशिखा (atipravṛddhāgniśikhā) *f.* very much grown flame of fire अतिप्रवृद्धाग्निशिखामिवोल्काम्। समीक्ष्य राजा … विरागतां तत्क्षणतो जगाम VarāṅgaC. 28. 25.

अतिप्रवृद्धोत्साह (atipravṛddhotsāha) *adj.* whose eagerness or enthusiasm has greatly increased अतिप्रवृद्धोत्साहाः … समरोत्कवाहाः HammīMaKā. 11. 78.

अतिप्रवृध् (ati-pravṛdh-) I. Ā. **i** to grow excessively, to overgrow एकः कृष्टीः …। पूर्वीरति प्र वावृधे विश्वा जातान्योजसा Ṛ.V. viii. 62. 2; त्यक्तव्यायामचिन्तानां संशोधनमकुर्वताम्।… मेदश्च मांसं चातिप्रवर्धते CaraS. i. 17. 79; **ii** to extend (to the next day) अपि वोपवसथ एवातिप्रवर्धेतेति BaudhS'S. iii. 5. 8.

अतिप्रवेदन (ati-pravedana) *adj.* causing extreme pain (श्वयथुः) स दाहरागबहुळो(? लो) वर्धतेऽतिप्रवेदनः BhelaS. 185. 19 (6. 19)

अतिप्रवेपन (ati-pravepana) *n.* excessive movement नातिप्रवेपनं वायोर्मया गोपायिते वने Bhaṭṭi. 9. 107.

अतिप्रवेश (ati-praveśa) *m.* entering frequently, repeatedly meeting अतिप्रवेशात्खरमार्गणोऽसौ निरस्यमानो विफलत्वमेति SevyaSev. 46; स्वेच्छयातिप्रवेशो यो न धर्मः सेवकस्य सः KathāSaSāg. x. 4. 35 = PañcT. 1. 18 (22. 7) (v. l.)

अतिप्रव्रजित (ati-pravrajita) *adj.* superior to an ascetic (पक्षिणः) अतिप्रव्रजिताः परस्परगोष्ठीयुक्ता आसतेऽतितराम् SāmaraU. 262. 19.

अतिप्रशंसत् (ati-praśaṁsat) *adj.* praising excessively गायन्तोऽतिप्रशंसन्तः …। अदित्या आश्रमपदं कुसुमैः समवाकिरन् BhāgP. viii. 18. 10.

अतिप्रशंसार्थ (ati-praśaṁsārtha) *adj.* meant for excessive praise पृथङ्निर्देशस्त्वतिप्रशंसार्थः VīraMi. 101. 25 (*on* 1. 44)

अतिप्रशंसित (ati-praśaṁsita) *adj.* greatly praised ततोऽश्विनीकुमाराभ्यां निजरूपमाविर्भूय वाग्भटोऽतिप्रशंसितः PurāPraSaṁ. 96. 28.

अतिप्रशंसिन् (ati-praśaṁsin) *adj.* praising excessively इत्युक्ता तेन सा देवी पतिनातिप्रशंसिना DevīBhāP. vi. 9. 7.

अतिप्रशस्त (ati-praśasta) *adj.* [*f.* -ā] **i** extremely good, excellent कृतं त्वया … कार्यं पुण्यं महत्सद्भिरनुप्रशस्तम् (v. l. अतिप्रशस्तम्) MahāBhā. v. 27. 12; नातिप्रशस्तपार्ष्णिनखदन्तोत्सङ्गोदरशिखरोष्ठीक्य(?)श्रवणाः … महावंशाः … समाहृताः AvantiKa. 81. 8; नरपतेः … अतिप्रशस्तललितललाटलेखाक्षरम् … अर्पय मे कपालकर्परम् TilaMañ. 51. 10; नीलीरसं दुग्धरसं जलं वा ये रञ्जयन्ति द्विशतं प्रमाणम्। ते ते यथापूर्वमतिप्रशस्ताः YuktiKa. 91. 23; स्वाभिधेयस्यातिप्रशस्तप्रतिपादनपरत्वेन वा अर्थवत्त्वं वक्तव्यम् CaturCin. iii(2). 574. 4; पुष्पादिकासीसमतिप्रशस्तम् RasRaSa. 3. 53; ब्राह्मणे पूजा अतिप्रशस्ता VīraMi.(Pūjā.) 9. 4; रक्तचन्दनबीजादिभिरतिप्रशस्ता माला बोद्धव्या TantrSā.(K.) 20. 21; पक्षसम्मानापेक्षया अतिप्रशस्तमपि वेदिसम्मानं यूपैक्यापेक्षया अप्रशस्तमेवेत्येवं स्तुतिः MīmāKau. ii. 127. 21 (*on* ii. 4. 26); वीर्यप्रदं क्षीरमतिप्रशस्तम् BhojanKu. 128. 5; कालशाकोऽतिप्रशस्तः BālamBha. i. 524. 8 (*on* 1. 240); i. 160. 6 (*on* 1. 29); **ii** very auspicious स्वप्ने पयःपानमतिप्रशस्तम् HāriS. ii. 2. 12; राजा बलाधिकृतं बलाहकनामानमाहूय … अतिप्रशस्तेऽहनि प्राहिणोत् Kād. 77. 7; प्रस्थानकालोऽयमतिप्रशस्तः RāmC. 3. 3; तत्र चातिप्रशस्तेऽहनि यथायोग्यमर्चितसमस्तपूज्यवर्गः (पार्थिवः) TilaMañ. 34. 4; तेष्वपि मखा(? °घा)नक्षत्रयुक्ता त्रयोदशी अतिप्रशस्तेत्यर्थः SmṛtiCan. v. 86. 9; आमरणमपि गयायां वासोऽतिप्रशस्तः TristhaSe. 343. 23; (वैशाखशुक्लचतुर्दशी) इयमेव योगविशेषेणातिप्रशस्ता NirṇaSi. 75. 18; 102. 4; 105. 5.

अतिप्रशस्ततर (atipraśasta-tara) *adj.* extremely auspicious रामकृष्णयोरतिप्रशस्ततरो यात्रामुहूर्त उपस्थेव समुपस्थितः KaṁVa. 4. 6 (5)

अतिप्रशस्ततरत्व (atipraśastatara-tva) *n.* the state of being extremely auspicious संभवति चातिप्रशस्ताग्नेयसाहित्यैन्द्राग्नस्यातिप्रशस्ततरत्वम् MīmāKau. ii. 98. 9 (*on* ii. 3. 29)

अतिप्रशस्तनृत्त (atipraśasta-nṛtta) *n.* very excellent dancing अवन्तिदेवस्यात्मनाटकीयाम् … चन्द्रपालितादिभिरतिप्रशस्तनृत्तकौशलामाहूयानन्तवर्मा नृत्तमद्राक्षीत् DaśKuC. 138. 12.

अतिप्रशस्य (ati-praśasya) *ger.* praising very much स तमतिप्रशस्याशंसत् DaśKuC. 116. 6.

अतिप्रशान्त (ati-praśānta) *adj.* extremely calm अतिप्रशान्तगम्भीराकारारोपितबहुमानश्च सादरम् … ववन्दे HarṣaC. 318. 8; बहूनि कल्पसहस्राणि तत्रातिप्रशान्तो विपाको भवति Sphuṭā. ii. 22. 20 (*on* 2. 14)

अतिप्रशान्ताकारा (atipraśāntākārā) *adj.* (*f.*) whose form is extremely serene अतिप्रशान्ताकाराभिः … जरत्प्रव्रजिताभिर्विनोद्यमानाम् … मातरं ननाम Kād. 93. 12.

अतिप्रशान्ताकृति (atipraśāntākṛti) *f.* extremely noble appearance (भगवन्तमैक्षन्नारायणं सः) अतिप्रशान्ताकृतिदर्शनीयम् SkandP. ii(9). 17. 13.

अतिप्रशृध् (ati-praśṛdh-) I. P. (*caus.*) to strengthen greatly स्तोता यत्ते विचर्षणिरतिप्रशर्धयद्गिरः Ṛ.V. viii. 13. 6.

अतिप्रश्न (ati-praśna) *m.* unjustifiable question, unreasonable question, a question which is difficult to answer अतिप्रश्नान् पृच्छसि PraśnaU. 3. 2; प्राण एव तावद्दुर्विज्ञेयत्वाद्विषमप्रश्नार्हः, तस्यापि जन्मादि त्वं पृच्छसि अतः अतिप्रश्नान् पृच्छसि PraśnaUBh. 261. 5 (*on* 3. 2); अतिप्रश्नोऽयमुद्गीर्णः AVPari. 69 (1). 3; वर्तते यस्तमुल्लङ्घ्य सोऽतिप्रश्नोऽनुमोच्यते BṛĀraUBhVā. iii. 6. 23; विषमोऽयमतिप्रश्नो भवता समुदाहृतः YogVā. iii. 10. 5.

अतिप्रश्न्या (ati-praśnyā) *adj.* (*f.*) (a deity) that should not be reasoned about (*lit.* beyond the scope of legitimate question) स होवाचातिप्रश्न्यां वै मा देवतामत्यप्राक्षीः JaimiBr. 2. 77; देवतायाः स्वप्रश्न आगमविषयः। तं प्रश्नविषयमतिक्रान्तो गार्ग्याः प्रश्नः आनुमानिकत्वात्। स यस्या देवतायाः प्रश्नः सा अतिप्रश्न्या BṛĀraUBh. 425. 15 (*on* iii. 6. 1); या तमर्हति पूर्वोक्ता सातिप्रश्न्येह देवता BṛĀraUBhVā. iii. 6. 24.

अतिप्रश्रय (ati-praśraya) *m.* excessive modesty, excessive civility एषैवातिप्रश्रयादतिविश्रब्धनवोढा RasMañ. 8 (1–2); इयमेवाविश्रब्धनवोढातिप्रश्रयादतिविश्रब्धनवोढा PadyaVe. 305.

अतिप्रश्रु (ati-praśru-) V. Ā. (*pass.*) to become well-known यस्ते अग्ने सुमतिं मर्तो अक्षत्सहसः सूनो अति स प्र शृण्वे Ṛ.V. x. 11. 7.

अतिप्रसक्त (ati-prasakta) *adj.* [*f.* -ā] **Ai** over-pervasive, over-extended, over-applied एवं च कृत्वा तपराः क्रियन्ते। आकृतिग्रहणेनातिप्रसक्तमिति MahāBh. i. 18. 25 (*on* S'ivSū.(Gr.) 1); तेनातिप्रसक्तमिति कृत्वा नियमोऽयं विज्ञायेत MahāBh. ii. 145. 11 (*on* iii. 3. 19); iii. 131. 16 (*on* vi. 2. 80); नन्वनैकान्तिकः स्व(? स)व्यभिचारः इत्येवमादिसूत्रानारम्भः नातिप्रसक्तस्य नियमार्थत्वात् NyāyVār. 123. 7 (*on* i. 1. 34); न त्वतिप्रसक्तं पक्षलक्षणं व्यवच्छिन्नम् HetuBiṬ. 213. 3; पूर्वेणातिप्रसक्तः स्थानिवद्भाव एतेषु विधिषु प्रतिषिध्यते KāśiVṛ. *on* P. i. 1. 58; पूर्वेणातिप्रसक्ता नदीसंज्ञा प्रतिषिध्यते KāśiVṛ. *on* P. i. 4. 4; एवकारेण यद्व्यवच्छिन्नं तद्दर्शयति। अतिप्रसक्तस्यापवादमाह अशब्दसंज्ञेत्यादि Nyās. i. 128. 7 (*on* i. 1. 68); सर्वेभ्यो वा कारणविशेषादित्यस्यातिप्रसक्तस्यापवादः क्रियते TantrVā. 1035. 2 (*on* iii. 5. 1); यैस्तु द्रव्यं न चिकीर्ष्यत इति दृष्टोपकाराभावः प्राधान्यलक्षणमुक्तं तच्च संमार्जनादिष्वतिप्रसक्तं तेषामपि प्राधान्यप्रसङ्गात् S'āstrDī. 108. 6 (*on* ii. 1. 4); अथ पश्चात्करणमनुकरणम्। तल्लोकेऽप्यनुकरणात्मतातिप्रसक्ता Kāvyānu.(He.) 72. 16; 10. 1; 382. 18; विशेष्यमात्रं परिशिष्टं तच्च केवलमतिप्रसक्तम् KhaṇḍanKhā. 952. 4; अतिप्रसक्तयोः क्षेत्रटीकयोर्व्यावृत्तिमात्रेण चरितार्थत्वम् NyāySu.(Ja.) 208B. 6 (*on* i. 4. 6); ईश्वरेच्छा नातिप्रसक्ता इति चेन्न तदिच्छामन्तरेणापि गङ्गादिपदात्तीराद्युपस्थितेः Upask. 403. 7 (*on* ix. 2. 4); Prasā. i. 47. 3; ब्रह्मण्यतिप्रसक्तस्य चित्त्वस्याधिकरणतावच्छेदकत्वात् Nyāyāmṛ.

344B. 6 (*on* 1. 51); अभावाधिकरणयोर्विशिष्टबुद्धावतिप्रसक्तश्चेदमवच्छेदकं तथा पीतं सुवर्णम् S'ivārkaMaDī. ii. 73. 24 (*on* ii. 2. 12); ननूक्तं ज्ञानार्थयोरापरोक्ष्यं हृदयादिगोचरशाब्दवृत्तिशाब्दविषययोरतिप्रसक्तम् SiddhāLeSaṁ. 404. 3; विषयितामात्रेण तु सर्पोऽतिप्रसक्तः GuruCandr. ii. 28. 2; i. 225. 10; (जातकर्मसंस्कारः) स च यद्यपि मुखदर्शनस्नाननान्दीश्राद्धादावतिप्रसक्तः VīraMi.(Saṁskāra.) 187. 14; सा च (युक्तिः) वणिगादिष्वतिप्रसक्तेत्यनवाचयमात्रम् VīraMi. (Vyavahāra.) 25. 27; शक्त्यार्थप्रतिपादकत्वं गाव्यादिष्वतिप्रसक्तम् MīmāKau. i. 110. 7 (*on* i. 3. 24); i. 169. 4 (*on* i. 4. 2); अत एवार्थलक्षणमपि आरोपितार्थाश्रयत्वरूपं लतापुष्पेऽतिप्रसक्तम् MīmāKau. i. 274. 16 (*on* i. 4. 23); iii(2). 252. 16 (*on* ii. 2. 21); भाष्यकारोक्तमपि बाधलक्षणमतिप्रसक्तमपि नातीवासङ्गतम् BhāṭṭDī. iii. 187. 6 (*on* x. 1. 1); iii. 195. 17 (*on* x. 1. 3); न च गोत्वमतिप्रसक्तम् S'aktiVā. 78. 9; ग्रन्थान्तरगतानि लक्षणान्यतिप्रसक्तान्येव RasGaṅ. 613. 14; 37. 17; धात्वर्थानुकूलव्यापाराश्रयत्वं च कारकमात्रेऽतिप्रसक्तम् VaiyāBhū. 38. 19 (*on* 7); 22. 11 (*on* 2); 86. 7 (*on* 22); प्रसिद्धनानार्थविषयकबोधजनकत्वमेव नानार्थत्वमिति नातिप्रसक्तं नानार्थत्वम् VaiyāSiMañ. 118. 24; यद्यपि अहरहरिति सामान्यविधेरतिप्रसक्तं तथाप्युपनयनोत्तरमस्य प्रायो बहुधूक्त्या तदनन्तरमेव BālamBha. i. 101. 11 (*on* 1. 24); **A ii** used beyond (the normal limit) बहुतरसमवाये एक एव रसः स्थायी । अन्ये तदुपकारगता व्यभिचारिणो भवन्ति । तत्र च आक्षिप्य सव्याजमतिप्रसक्तं रसं रसज्ञः पुनराददीत NāṭaLaRaK. 1967; **B i** very much attached, extremely addicted to (विचित्रवीर्यः) दारेष्वतिप्रसक्तश्च यक्ष्माणं समपद्यत MahāBhā. v. 145. 23; व्याधिर्बलवान् समुदीर्यते स्त्रीषु चातिप्रसक्तस्य vii. 11. 8 (1941 Ed.); RugVi. 10. 25; (प्रमदाः) अतिप्रसक्तैः पुरुषैर्यतस्ताः क्रीडन्ति Pañcā. 30. 23; **B ii** very much absorbed in श्रीमदेऽतिप्रसक्तानां नूनं नरकयातनाः ĀdiP. 29. 20; आपादमाचूडमतिप्रसक्तैरापीयमाना यमिनां मनोभिः । गोपीजनज्ञातरसावताद्गो गोपालभूपालकुमारमूर्तिः KṛṣṇaKa. 3. 51; **B iii** very insistent, very persistent (कृष्णसंकर्षणौ) अतिप्रसक्तौ तौ दृष्ट्वा सर्वव्रजविचारिणौ HariVaṁ. 51. 12; आः जामदग्न्य किमेवमतिप्रसक्तः संन्यस्तशस्त्रानस्मानपि बलाद् धनुर्ग्राहयसि AnargharRā. 4. 41(2); क्षीणस्य या छर्दिरतिप्रसक्ता ··· तां प्रवदेदसाध्याम् RugVi. 15. 14; 16. 10; अतिप्रसक्तं च स्त्रीषु स्वातन्त्र्यं करपत्रमिव पत्युर्नाविदार्य हृदयं विरमति YaśasCam. ii. 86. 5; सहसातिप्रसक्तस्यातिमात्रयोगादध्वनो मार्गमूर्च्छा भवति Hastyāyur. 96. 8 (1. 13); 100. 23 (1. 14)

अतिप्रसक्तता (atiprasakta-tā) *f.* the state of being over-applied, over-applicability रासभं विना न घटोत्पत्तिरिति न प्रयोगः । अतिप्रसक्ततया रासभाभावस्य VyutpaVā. 150. 1; न च गोत्वस्य वृषभादिसाधारणस्यातिप्रसक्ततया शक्तौ नावच्छेदकतासंभव इति वाच्यम् S'aktiVā. 78. 3.

अतिप्रसक्तत्व (atiprasakta-tva) *n.* the state of being over-applied, over-applicability यदि कुर्यादसत्कालानियतं नियतं परः । तत्स्यादतिप्रसक्तत्वमन्यथा चानियन्तृता KhaṇḍanKhā. 1094. 2 (*on* 4. 29); क्षित्यादेरपि जन्यप्रयत्नजन्यत्वाद् विवादसन्देहयोश्चातिप्रसक्तत्वेन पक्षतानवच्छेदकत्वात् Upask. 94. 15 (*on* ii. 1. 19) संकेतस्यापि इच्छामात्रत्वेनातिप्रसक्तत्वात् Upask. 403. 6 (*on* ix. 2. 4); मरणफलकत्वमात्रस्य···अतिप्रसक्तत्वेऽपि विशिष्टस्य अनतिप्रसक्तत्वात् PūrvottaVāNaMā. 34. 13; यत्किञ्चिदुपादानगोचरत्वस्य ध्वंसकारणज्ञानादिष्वतिप्रसक्तत्वेन तत्तदुपादानगोचरत्वस्याननुगमेन च तत्रापि तत्प्रवेशासम्भवात् S'ivārkaMaDī. i. 140. 4 (*on* i. 1. 3); i. 152. 29 (*on* i. 1. 3); ii. 73. 21 (*on* ii. 2. 12); अवस्थात्वस्यातिप्रसक्तत्वेन ज्ञानप्रयुक्तविरहप्रतियोगितानवच्छेदकत्वात् GuruCandr. i. 97. 6; अवच्छेदकाभेदे प्रकारभेदेन प्रकारत्वस्याभेदपक्षे तस्यातिप्रसक्तत्वात् LaCandr. 342. 21; न चेच्छात्वादीनामतिप्रसक्तत्वेन प्रवर्तकमात्रनिष्ठत्वाभावान्न तेषां प्रवृत्तिहेतुत्वकल्पनाशङ्का शक्तेरपि लिङादिष्वतिप्रसक्तत्वस्य तुल्यत्वात् MīmāKau. iii(1). 23. 6 (*on* i. 2. 7); ii. 148. 4 (*on* iii. 1. 10); न च योगस्य फलोद्देशनकारित्वस्यातिप्रसक्तत्वात् अपूर्वे कर्मणि रूढिकल्पने सोमादिपदानामपि तदापत्तिः BhāṭṭDī. i. 61. 18 (*on* i. 4. 2); iii. 68. 4 (*on* ix. 1. 11); (गोत्वस्य) तस्यातिप्रसक्तत्वेऽपि शक्यत्वोपगमे क्षतिविरहात् S'aktiVā. 78. 12; गौश्चलति ··· इत्यादावतिप्रसक्तत्वेनाप्रयोजकत्वात् RasGaṅ. 9. 5; वाचकतायाः शक्ततावच्छेदकत्वे आत्माश्रयात्। बोधकतारूपत्वे शक्तिभ्रमेण द्विवचनादीनामपि एकत्वबोधकतया अतिप्रसक्तत्वात् VyutpaVā. 94. 4; अत्र श्रीमण्यादिशब्दानां श्रीकण्ठार्धशरीरिणी मणिपूराब्जनिलयेत्यादावतिप्रसक्तत्वेऽपि गणनासान्निध्येनैव भ्रमो निरस्तव्यः LalitāSaBh. 197. 5 (*on* 233); राज्ञः सुतस्य धनमित्यादौ अतिप्रसक्तत्वैन राजपुरुषः धान्येन धनी ··· इत्यादावप्रसक्तेश्चास्यातन्त्रत्वात् VaiyāBhū. 14. 13 (*on* 2); 30. 1 (*on* 5); 188. 12 (*on* 36); गर्भधारणस्य पोषणस्य चातिप्रसक्तत्वेनाकिञ्चित्करत्वात् BālamBha. ii. 213. 27 (*on* 2. 135–136); i. 2. 13 (*on* 1. 1)

अतिप्रसक्तधर्म (atiprasakta-dharma) *m.* over-pervasive quality or feature वस्तुतस्तु कपालं प्रति स्वोष्मजन्यपाकत्वेनेव पिण्डसंयवनत्वेनैवोद्देश्यता अतिप्रसक्तधर्मेण तदङ्गीकारे प्रमाणाभावात् BhāṭṭDī. ii. 114. 14 (*on* iv. 2. 5); अतिप्रसक्तधर्मप्रकारेण भासमाने चावच्छेदकत्वपर्याप्तिभानानुपगमात् S'aktiVā. 89. 11; आधेयताया अतिप्रसक्तधर्मावच्छेद्यत्वे VyutpaVā. 148. 9.

अतिप्रसक्तभाव (atiprasakta-bhāva) *m.* extreme or intense addiction यदा वा पुरुषोऽतिहर्षादतिप्रसक्तभावः स्त्रीष्वतिप्रसङ्गमारभते तस्य···रेतः क्षयमेति CaraS. ii. 6. 8 (1941 Ed.)

अतिप्रसक्तलक्षणा (atiprasakta-lakṣaṇā) *f.* secondary significance which is over-extended पूर्वत्रातिप्रसक्तलक्षणायां प्रमाणाभावेन व्रीहिमात्रजन्यव्यापारकसाधनत्वलक्षणा युक्ता MīmāKau. ii. 153. 14 (*on* iii. 1. 11); ii. 155. 1 (*on* iii. 1. 11)

अतिप्रसक्तानुप्रसक्ति (atiprasaktānuprasakti) *f.* adherence to that which is far-fetched or over-stretched अलमतिप्रसक्तानुप्रसक्त्या द्राघीयसी चर्चेयम् प्रकृतान्तरायकारिणीति न प्रतन्यते NyāyMañ. i. 344. 1.

अतिप्रसक्ति (ati-prasakti) *f.* **1** excessive attachment or addiction अतिप्रसक्तिं चैतेषां (इन्द्रियाणाम्) मनसा संनिवर्तयेत् ManuSm. 4. 16; क्वासौ मम दयितः किं बहिः करोत्यतिप्रसक्त्या PañcT. 4. 1 (373. 5); अतिप्रसक्तिं नियन्तुमशक्यां प्रवृत्तिम् ManvaVi. 461. 9 (*on* 4. 16); एष्वष्टादशव्यसनेषु अतिप्रसक्तिरेव निषिद्धा RājNiRa. 7. 6; न प्रसज्येत नातिप्रसक्तिमत्यन्तसेवनात्मिकां कुर्यात् ManvaMu. 147. 9 (*on* 4. 16); 256. 27 (*on* 7. 53); **2** over-extension, over-pervasion, application beyond limit न कर्मणान्यधर्मत्वादतिप्रसक्तेश्च Sāṁkhya-PraSū. 1. 16; अतिप्रसक्तिरन्यधर्मत्वे SāṁkhyaPraSū. 1. 53; सामान्यश्रुतौ नियमः येन वाक्येन समानश्रुत्यानेकार्थो गम्यते तत्रातिप्रसक्तावतिप्रसङ्गनिराकरणार्थमवधारणम् NyāyVār. 113. 16 (*on* i. 1. 33); एवं चातिप्रसक्तावाह पर्वाण्यमावास्यादीनि (संविशेत्) BālaKrī. i. 81. 2 (*on* 1. 78); घटाभावः किं कुर्वन् घटं विरुन्ध्यात् अकिञ्चित्करस्य विरोधित्वेऽतिप्रसक्तिः NyāyMañ. i. 52. 2; ननु लक्षणपरत्वे सूत्रस्य अतिप्रसक्तिरुक्ता Kāśi. ii. 20. 20 (*on* 5(1). 20); (इन्द्रियैः) तैश्चासन्निहितमवर्तमानं वा न प्राप्यत इति नातिप्रसक्तिः Kāśi. ii. 121. 21 (*on* 5(3). 64); एवं सति अतिप्रसक्तिरपि चार्वाकनन्दिनी नोपालम्भाय NyāyKuA. i. 172. 1; न च ब्रूमो यत्र सारूप्यं तत्र विभ्रम इति येनातिप्रसक्तिश्चोद्येत TātpaṬ.(Vā.) 84. 1 (*on* i. 1. 2); 164. 16 (*on* i. 1. 5); सत्त्वेऽपि समानाधिकरणाविशेषणनियमान्नियमः Kiraṇā. 330. 22; व्यवहाराङ्गम्यत्वं हि वाचकत्वं नास्मदिच्छाधीनम् अतो यथादर्शनं तदभ्युपगमान्न काचिदतिप्रसक्तिः NyāyRa. 527. 22 (*on* 5(11). 69); भगिन्यादिगमनेऽपि तदविरोधदर्शनादतिप्रसक्तेः Aparā. 83. 4 (*on* 1. 53); ब्रह्मविचारं प्रति ··· तर्कस्यातिप्रसक्तेः ··· वेद एव प्रमाणीकर्तव्ये S'rutaPra. i(A). 72. 25 (*on* i. 1. 1); अन्यस्मिन्नन्यधर्मान् घटयतु वियदाद्यत्र नातिप्रसक्तिः TattvMu. 1. 49; 4. 17; अतिप्रसक्तेर्न तु केवलस्य विशेषणत्वस्य तदभ्युपेयम् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 8. 95; कारणमिति···तेन···गोत्वादौ नातिप्रसक्तिः Upask. 27. 14 (*on* i. 1. 8); सत्तया साम्यस्य चातिप्रसक्तेः Nyāyāmṛ. 58A. 6; 175B. 6; न हि विहितनिषिद्धकर्मणापि पुरुषस्य बन्धः···अतिप्रसक्तेश्च SāṁkhyaPraBh. 12. 11 (*on* 1. 16); बन्धतत्कारणयोर्भिन्नधर्मत्वेऽतिप्रसक्तिर्मुक्तस्यापि बन्धापत्तिः SāṁkhyaPraBh. 23. 33 (*on* 1. 53); गृह्यन्ते तेऽपि लक्ष्या यदि तदपि विधौ सर्वथातिप्रसक्तिः VidhiRa. 23. (123. 1–2); तदर्थमाधुनिकसंकेतितपर्यायप्रसिद्धपदग्रहणं तादृशस्यापि गुणे सांकेतिकेषु डित्थादिपदेषु अतिप्रसक्तिमाशङ्क्य प्रसिद्धार्थत्यागेनेति विशेषितम् MīmāKau. i. 270. 13 (*on* i. 4. 23); नूनं मुखं चन्द्रः इत्याद्युत्प्रेक्षायां तथाप्यतिप्रसक्तेः RasGaṅ. 304. 10; 274. 12; *adj.* (?) who is greatly attached अतिप्रसक्तेः स्त्रीषु स्वातन्त्र्यं करपत्रमिव पत्युर्नाविदार्य हृदयं विश्राम्यति NītiVā. 24. 40.

अतिप्रसक्तितस् (atiprasakti-tas) *adv.* on account of over-extension or over-application नापि चतुर्थः ··· रासभेऽतिप्रसक्तितः TattvPradī.(Ci.) 322. 15; मध्यमोऽतिप्रसक्तितः(न) TarkSāṁ.(Ā.) 11. 4.

अतिप्रसक्तिनिवारण (atiprasakti-nivāraṇa) *n.* prevention of excessive attachment नाङ्गुलिच्छेदमाप्नोति । किंत्वतिप्रसक्तिनिवारणाय द्विशतं दण्डं दाप्यः ManvaMu. 355. 4 (*on* 8. 368); BālamBha. ii. 337. 19 (*on* 2. 288)

अतिप्रसक्तिनिवृत्ति (atiprasakti-nivṛtti) *f.* abstaining from excessive indulgence or addiction अतिप्रसक्तिनिवृत्त्युपायमाह ··· विषयाणाम् ··· 'श्रेयोविरोधित्वादिभावनया मनसा सम्यङ् निवर्तयेत् ManvaMu. 147. 10 (*on* 4. 16)

अतिप्रसक्तिनुद् (atiprasakti-nud) *adj.* preventing from going beyond the desired limit तत्सदृक्प्रत्यभिज्ञानं यत्ते संस्कारबोधकम् । सहकारि तदेवास्तामक्षस्यातिप्रसक्तिनुत् KhaṇḍanKhā. 309. 17.

अतिप्रसक्तिवत् (atiprasakti-va(n)t) *adj.* too frequently used or over-administered दुःसंप्रयुक्तैरौषधैरतिप्रसक्तिवन्तै(द्भि)र्वा व्याधिरप्रतिक्रियया ··· भवत्युपधाव्यापत् Hastyāyur. 118. 24 (1. 16)

अतिप्रसक्तिवारण (atiprasakti-vāraṇa) *n.* avoidance of excessive indulgence अनुग्रहेऽप्यतिप्रसक्तिवारणार्थमाह 'न च तृप्येत्' Aparā. 956. 23 (*on* 3. 57)

अतिप्रसक्तृ (ati-prasaktṛ) *adj.* very much attached, greatly loving गेहे तेऽसौ विरहघटिकां नैव सोढुं समर्थो मासं किंवा परकरगतायास्त्वतिप्रसक्ता PavaDū.(Vā.) 92.

अतिप्रसक्त्युदाहरण (atiprasakty-udāharaṇa) *n.* instance of going beyond the limit तदनेन न्यायेनान्यत्राप्यतिप्रसक्त्युदाहरणान्यत्वेन व्यावर्तनं लक्षणवादिनो भग्नस्य शरणमस्त्रं निरसनीयम् KhaṇḍanKhā. 956. 13.

अतिप्रसङ्ख्य (ati-prasaṅkhya) *adj.* beyond counting, innumerable रुषितानि कपालिनां कुलानि … अनुना प्रहितान्यतिप्रसङ्ख्यान्यभियातानि समुद्यतायुधानि S'aṅkaDigVi.(Mā.) 15. 17.

अतिप्रसङ्ग (ati-prasaṅga) *m.* **1 A** excessive attachment **B** excessive indulgence in sexual pleasures, excessive cohabitation **2** excess **3 A** excessive rudeness, impertinence, insult, outrage **B** overstepping of propriety **C** going against an injunction **D** going against an accepted principle **4** unwarrantable statement **5** spreading over a lot of space **6** prolixity, too much elaboration **7 A** (Gr.) undesirable or unjustified application (of a rule or a technical term of grammar) **B** over-extension of a definition **C** over-extension (in general) **8 A** undesirable consequence **B i** non-finality, endless regression, regressus ad infinitum **ii** deviation (from the relationship of cause and effect) **iii** fallacious reasoning involving discrepancy; **1 A** excessive attachment or fondness पुत्रेषु दारेषु…नातिप्रसङ्गः कर्तव्यः Rāmā. vii. 52. 12; नातिप्रसङ्गः प्रमदासु कार्यः … अतिप्रसक्तैः पुरुषैर्यतस्ताः क्रीडन्ति काकैरिव लूनपक्षैः Pañcā. 30. 21; अनङ्गेऽतिप्रसङ्गो हि विरङ्गायैव केवलम् PāṇḍaC. 1. 332; **1 B** excessive indulgence in sexual pleasures, excessive cohabitation अतिप्रसङ्गाद्भवति शोषः शुक्रक्षयावहः SuśruS. iv. 24. 126; स्त्रीणामतिप्रसङ्गेन शोणितं यस्य दृश्यते SuśruS. vi. 58. 51; SiddhYo. 33. 11; BhāvPra.(Bhā.) 8(36). 60; स्त्रीष्वतिप्रसङ्गः शोषकराणाम् CaraS. i. 25. 39 (1922 Ed.); AṣṭāSaṁ. i. 82. 16 (1. 13); स्त्रीष्वतिप्रसङ्गमारभते CaraS. ii. 6. 8 (1941 Ed.); सः …ज्यायसि शाले चण्डघोषनाम्नि स्त्रीष्वतिप्रसङ्गात्प्रागेव क्षयक्षीणायुषि…सिंहघोषनामानं कुमारमभ्यषेचयत् DaśKuC. 84. 8; NalaCam. 5. 31(5); स्त्रीणामतिप्रसङ्गं चात्यध्वानं च विवर्जयेत् Rasā. 18. 118 = RaseCin. 3. 86 (37. 2); **2** excess कार्यो नातिप्रसङ्गोऽत्र नृत्तगीतविधिं प्रति NāṭyaS'ā. 5. 165; निसर्गरम्येऽपि विचेष्टिते … अतिप्रसङ्गो रसभङ्गहेतुः VikraDeC. 10. 87; **अतिप्रसङ्गात्** (ati-prasaṅgāt) [Abl.] excessively, in excess अकालेऽतिप्रसङ्गाच्च न च निद्रा निषेविता । सुखायुषी पराकुर्यात् CaraS. i. 21. 37 (1941 Ed.) = AṣṭāHṛ. i. 7. 54 = AṣṭāSaṁ. i. 58. 10 (1. 9); **अतिप्रसङ्गेन** (ati-prasaṅgena) [Inst.] excessively, in excess (आर्तवम्) तदेवातिप्रसङ्गेन प्रवृत्तमनृतावपि । असृग्दरं विजानीयादतोऽन्यद्रक्तलक्षणम् SuśruS. iii. 2. 18 (comm. अतिप्राचुर्येण दीर्घकालानुबन्धेन वा); अतिप्रसङ्गेनानृतावृतौ वा तदेव (आर्तवम्) AṣṭāSaṁ. i. 195. 21 (2. 1); (मद्यम्) तदेवातिप्रसङ्गेन पीयमानं पुनः पुनः । सर्वव्याधिमुखं प्रोक्तम् KāśyaS. 136B. 15; **3 A** excessive rudeness, impertinence, insult, outrage अतिप्रसङ्गाद्विहितागसो मुहुः प्रकम्पमीयुः सभया इवोर्मयः Kirātā. 8. 33 (comm. स्त्रीसंग्रहणसाहसमपराधः); न शक्नोमि भवतोऽतिप्रसङ्गं कर्तुम् Tantrākhyā. 125. 20 = PañcT. 4. 4(5) (377. 5); मा भूत् पुनर्बत कथंचिदतिप्रसङ्गः MahāvīC. 3. 16 (72. 2); UttaRāC. 5. 31(5); TātpaVṛ. 356. 15 (*on* 3. 65); 356. 18 (*on* 3. 65); **3 B** overstepping of propriety आधारभूताहमिदं व्यतीत्य मा(म्) वर्धते चायमतिप्रसङ्गः । यस्यावकाशार्थमितीव पृथ्वी पृथ्वीव भूतेति च मे वी(वि)तर्कः EI. iv. 341. 27; यदि पुनः केवलख्यातिपूजालाभार्थं वर्तन्ते तदातिप्रसङ्गाद्दोषो भवति TātpaVṛ. 358. 19 (*on* 3. 67); **3 C** going against an injunction अतिप्रसङ्ग इति चेत्प्रसङ्गं तावदीरय । प्रसङ्गो विधिशास्त्रं चेन्न तत्तत्त्वविदं प्रति PañcDa. 9. 99; **3 D** going against an accepted principle एवं षष्ठ्यादीनां कारकत्वादतिरिक्तेनापि सम्बन्धेन निमित्तवत् भावनान्वयाङ्गीकारादतिप्रसङ्गः निराकर्तव्यः MīmāKau. iii(2). 38. 18 (*on* ii. 1. 5); **4** unwarrantable statement न कुम्भलग्नं शुभमाह सत्यो न भागभेदाद्यवना वदन्ति । कस्यांशभेदो न तथास्ति राशेरतिप्रसङ्गस्त्विति विष्णुगुप्तः Bṛhajjā. 21. 3; **5** spreading over a lot of space निस्त्रपाः स्त्रिय इव…प्रबला धूलयो वियदावरणाश्च चक्रुरुच्चैरतिप्रसङ्गम् NalaCam. 5. 31(5) (comm. अधिकदेशव्यापनम्); **6** prolixity, too much elaboration अलमतिप्रसङ्गेन MudrāRā. 1. 2(2); VeṇīSaṁ. 1. 20; इत्यलमतिप्रसङ्गेन BrahmSi. 11. 9; HetuBiṬ. 46. 17; NyāyMañ. i. 369. 9; PrakaPañ. 391. 13; NyāySā. 30. 8; VakroJī. 14. 14; S'āstrDī. 83. 12 (*on* i. 1. 5); TantrRa. 147. 3; NyāyMa. 99. 1; AuciViCa. 39. 29; PramāMī. 15. 2 (*on* i. 1. 17); वत्स, अलमतिप्रसङ्गेन PrasaRā. 2. 35(1); SarvaDaSaṁ. 2. 142; CaitaCa. 1. 8(1); MayūMāli. 428. 38 (*on* vi. 1. 13); **7 A** (Gr.) undesirable or unjustified application (of a rule or a technical term of grammar) सवर्णसंज्ञायां भिन्नदेशेष्वतिप्रसङ्गः प्रयत्नसाम्यात् Vār. 1 *on* P. 1. 1. 9; Vār 2 *on* P. i. 2. 41; अतिप्रसङ्गो गुणवृद्धिप्रतिषेधे क्ङिति Vār. 8 *on* P. i. 3. 10; Vār. 3 *on* P. ii. 3. 12; यदि तर्हि यो यो दिशि वर्तते स स दिक्शब्दो, रमणीयादिष्वतिप्रसङ्गो भवति MahāBh. i. 429. 6 (*on* ii. 2. 28); ii. 9. 7 (*on* P. iii. 1. 3); उपेयुषि निपातनमिडर्थमिति चेदजादाविटोऽतिप्रसङ्गो भवति MahāBh. ii. 116. 20 (*on* P. iii. 2. 109); ii. 146. 4 (*on* P. iii. 3. 19); क्रियाग्रहणं च क्रियावत उपलक्षणं, निष्क्रियनिवृत्तिफलत्वात्तस्य इत्यभिप्रायेण पक्षद्वयेऽप्यतिप्रसङ्गचोदना Pradī. iv. 288B. 31 (*on* v. 1. 115); अनिष्टेऽपि विषये प्रवृत्तिः अतिप्रसङ्गः Nyās. iii. 965. 8 (*on* P. viii. 2. 4); PariVṛ.(Sī.) 26. 1; PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. iii. 1. 114; भूतपूर्वगत्याश्रयणे तु अदती व्नतीत्येवमादिष्वतिप्रसङ्ग इति Prasā. i. 297. 10; i. 561. 22; ii. 483. 21; SiddhāKau. 329B. 13; अग्नेस्तु तदाश्रयत्वाभावान्नातिप्रसङ्ग इति वाच्यम् VaiyāBhū. 28. 12 (*on* 5); अतिप्रसङ्गस्तु लक्ष्यानुसारेण … परिहरणीयः LaS'abdeS'e. i. 77. 13; अन्यथा विक्लित्त्यनुकूलव्यापारादीनामपि हेतुमत्त्वेनातिप्रसङ्गात् LaS'abdeS'e. ii. 615. 10; **7 B** over-extension of a definition यदि प्रत्यक्षपूर्वकमनुमानं संस्कारे निर्णये च प्रसङ्ग इति । … तेन न संस्कारेऽतिप्रसङ्गः NyāyVār. 48. 7 (*on* i. 1. 5); न चैवमतिप्रसङ्गः काव्यशोभाकरत्वस्य गुणसामान्यलक्षणस्यावस्थितत्वात् KāvyālaṅSū. iii. 2. 2; गमकत्वात् पदमिति चेन्न धूमादिष्वतिप्रसङ्गात् TantrVā. 737. 18 (*on* iii. 1. 14); पूर्वोक्तमतिप्रसङ्गं स्मारयति TātpaṬ.(Vā.) 155. 4 (*on* i. 1. 4); न च सत्त्वशब्दत्वयोरतिप्रसङ्गः, सत्तादिसामान्याभावात् PrakaPañ. 230. 3; न धवखदिरादिष्वतिप्रसङ्गः SaraKaṇṭhā. 492. 10; उज्ज्वलवेषात्मके शृङ्गारशब्दः । न चातिप्रसङ्गः । आप्तोपदेशस्य नियामकत्वादिति चिरन्तनाः AbhinBhā. i. 300. 4 (*on* 6. 43); ii. 431. 7 (*on* 18. 48); अतो नेन्द्रियसंप्रयोगजं रजतविज्ञानमिति नातिप्रसङ्गः S'āstrDī. 49. 5 (*on* i. 1. 5); NyāyRa. 841. 12 (*on* 6. 432); वस्तुस्वभाववर्णनमात्रस्यालङ्कारत्वाङ्गीकारेऽतिप्रसङ्गः … स्यात् Ekāva. 8. 72(2) (328. 6); अथ … °वैलक्षण्यं लक्षणमाश्रीयते तन्नातिप्रसङ्गाप्रसङ्गावित्यभिधीयेत NyāyMa. 112. 11; Kāvyānu.(He.) 28. 25; AlaṅkāSa. 104. 4; भ्रान्तैवंबुद्धिगोचरेऽतिप्रसङ्गः KhaṇḍanKhā. 70. 20; TattvPradī.(Ci.) 33. 13; अभ्युपगमेऽपि तदैक्येन संहतावतिप्रसङ्गात् NyāySiA. 187. 21; हेतुं विनापि यस्य कस्यचित्संबन्धिनो लक्षणेऽतिप्रसङ्गः स्यात्, इत्युक्तम् – रूढेः प्रयोजनाद्वापि इति SāhiDa. 39. 2; अनुवादकत्वं हि…न ज्ञातज्ञापकत्वमात्रम् । अतिप्रसङ्गात् Nyāyāmṛ. 157A. 6; स्वारसिकत्वं नाम किम् । ज्ञानस्वभावश्चेत् स्मृतावतिप्रसङ्गः TantrRaha. 7. 9; YuktiSneha. 49. 13 (*on* i. 1. 5); अनीयमानत्वं चात्र विशेषणमन्यथा साम्न्यतिप्रसङ्गात् VīraMi. 13. 20 (*on* 1. 3); उपमेयोपमायां च सादृश्यस्य चमत्कारित्वान्नातिप्रसङ्गः शङ्कनीयः RasGaṅ. 205. 1; 211. 3; अतो न समवायेन लोहितः स्फटिक इति ज्ञानेऽतिप्रसङ्गः BhāṭṭCin. i. 10. 7 (*on* i. 1. 3); i. 95. 25 (*on* i. 1. 4); अतिप्रसङ्गः अतिव्याप्तिः NyāyK. 7; **7 C** over-extension (in general) प्रयोजकता चेद्व्यवस्था कचिदप्रसङ्गो न चेदतिप्रसङ्गः TantrVā. 275. 6 (*on* i. 3. 26); ज्ञानसमवायनिबन्धनमेवात्मनश्चेतयितृत्वं, न च घटादिभिरतिप्रसङ्ग आशङ्कनीयः NyāyMañ. ii. 6. 31; ii. 147. 27; अथासतः सम्बन्धः खरविषाणादिष्वपि सत्ता स्यात् … न च खरविषाणादिष्वतिप्रसङ्गः NyāyKa. 17. 13; NayaVi. 163. 1 (*on* i. 1. 5); अधिकारिभेदापेक्षया च तद्बोधकत्वान्नातिप्रसङ्गाप्रसङ्गौ NyāyMa. 245. 4; SmṛtiCan. iv. 40. 4; तादृग्धर्मात्ययाच्च प्रकरणसमता स्यान्न चातिप्रसङ्गः TattvMu. 3. 22; व्याघातातिप्रसङ्गौ प्रमितिपरिभवे TattvMu. 4. 19 (comm. अतिप्रसङ्गः त्वनिष्टस्थलेऽपि दोषप्रसरः); Upask. 329. 11 (*on* vii. 2. 10); यत्किञ्चिदेकमासं व्याप्य यत्राधीतं तत्राध्ययनाधारतानामवच्छेद्यतावच्छेदकाधारतावृत्त्यन्यतमत्वविशेषादिरूपोक्तधर्मावच्छिन्नानतिप्रसक्तत्वेन तद्वृत्तित्रिंशत्त्वेनावच्छेदात् न्यूनकालाध्ययनस्थले च अतिप्रसक्ततया तादृशस्य मासत्वस्योक्तरूपावच्छिन्नाधारतानवच्छेदकत्वाच्चाप्रसङ्गातिप्रसङ्गयोरनवकाशात् VyutpaVā. 148. 5; S'aktiVā. 10. 7; BhāṭṭDī. iv. 77. 8 (*on* x. 7. 8); तस्याम्…विषयो वाचकः । तस्यां बोधविषयत्वेन विषयो वाच्यः इति नातिप्रसङ्गः VaiyāSiMañ. 19. 19; **8 A** undesirable consequence न ह्येतस्मिन्नसति परेषामवयवानां समस्तानां व्यस्तानां वा तदर्थवाचकत्वमस्ति गम्यमानार्थत्वादिति चेन्न, अतिप्रसङ्गात् PadārthaSaṁ. 251. 8; वक्तर्यात्मनि रागादिदर्शनेनान्यत्र तदनुमानेऽतिप्रसङ्गात् PramāVāSvopVṛ. 6. 16; सत्यपि संबन्धे कथमन्यप्रतिपत्तावन्यत्र प्रवृत्तिः, अतिप्रसङ्गात् HetuBiṬ. 5. 5; 80. 24; तदभावेऽपि चेद्वर्तेत ततोऽश्वव्यक्तावपि वृत्तिप्रसक्तेरतिप्रसङ्गः TantrVā. 275. 2 (*on* i. 3. 26); न च कार्यविषयेण विगानेन कारणमपि ब्रह्म सर्ववेदान्तेष्वविगीतमधिगम्यमानमविवक्षितं भवितुमर्हतीति शक्यते वक्तुम् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 252. 4 (*on* i. 4. 14); 385. 13 (*on* ii. 2. 20); विषयतयावस्थानमर्थस्य संसर्गः, न चातिप्रसङ्ग इति चेत्तत्राह TātpaṬ.(U.) 251. 21 (*on* 8. 45); KāvyālaṅSū. v. 1. 17; भावनाया अन्यत्र ज्ञानहेतुत्वायोगात् अतिप्रसङ्गात् SphoṭSi. 95. 2; 108. 1; न च विकल्पदूषणाभ्यां दूष्यसिद्धिः अतिप्रसङ्गात् IṣṭaSi. 163. 10; 203. 2; °क्लेशपीडितस्य तस्य रोदनमिति न जन्मान्तरानुभूतस्मरणं कल्पयितुं युक्तमतिप्रसङ्गात् NyāyMañ. ii. 41. 19; i. 15. 12; यानि तावत्काम्यानि तेषां स्वविधिवाक्ये श्रुतमेव स्वर्गादिफलम् । तद्व्यतिरेकेण फलान्तरकल्पनायामतिप्रसङ्गः ManuBh. i. 522. 12 (*on* 6. 75); न च संवेद्यज्ञानेनैव तत्सिद्धिः … अतिप्रसङ्गात PañcPā. 29. 14 (*on* i. 1. 0); ननु न तद्भावभावितामात्रेण कार्यकारणभावः, अतिप्रसङ्गात् ĀgaPrā. 34. 10; न चाप्राप्तस्य ग्रहणमस्ति, अतिप्रसङ्गात् NyāyKa. 60. 14; TātpaṬ.(Vā.) 142. 10 (*on* i. 1. 3); TattvBi. 74. 1; Bhām. 14. 23 (*on* i. 1. 0); एतदुक्तं भवति न प्रत्यक्षनिवृत्तिमात्राद् वस्त्वभावो भवति, अतिप्रसङ्गात् Sāṁkhya-

TaKau. 215. 4 (*on* 7); न चोपाधिनिवृत्तावुपहितनिवृत्तिः, अतिप्रसङ्गादिति भावः TattvVai. 7. 27 (*on* 1. 3); 34. 21 (*on* 1. 29); ĀtmaTaVi. 105. 10; NyāyRa. 498. 21 (*on* 5(10). 53); Kiraṇā. 101. 15; षण्डो गौर्मुण्डो गौरिति सामानाधिकरण्यस्य न केनचित् क्वचिद् बाधो दृश्यते। तस्मान्नातिप्रसङ्गः BrahmSūBh.(Rā.) 161. 14 (*on* i. 1. 4); न चैषां प्रत्यक्षे ज्ञाने प्रतिभासोऽस्ति। न चाप्रतिभासमानो विषयो युज्यतेऽतिप्रसङ्गात् TarkBhā.(Mo.) 11. 17; VyaktiVi. 22. 21; 32. 23; AnuVyā. 48B. 4 (*on* 3. 3); TārkiRa. 270. 10; न च संयुक्तसंयोगादिः संनिकर्षस्तत्र कल्पयितुं शक्यतेऽतिप्रसङ्गात् PramāMī. 23. 7 (*on* i. 1. 29); धर्मस्य तस्य धर्मिणा सममसम्बन्धेऽतिप्रसङ्गः KhaṇḍanKhā. 192. 6; पुत्रवतोऽपि पितामहस्य पौत्रैर्ऋणमपाकरणीयमिति अतिप्रसङ्गं निवारयितुमिदमुच्यते Aparā. 653. 10 (*on* 2. 51); SmṛtiCan. iv. 505. 3; NyāyKu. 48. 4; TarkSaṁ.(Ā.) 10. 28; SamarāSaṁ. 3. 208; सकलभावानां परस्परं कार्यकारणभावप्राप्त्यातिप्रसङ्गात् SyādvāMañ. 26 (4); धवल इत्युक्ते धवलत्वसहचरितधर्मान्तरमपि प्रतीयत इति चेन्न। अतिप्रसङ्गात् Ekāva. viii. 2. 127 (206. 10); एवं ह्येवाधिकायामपि दिशि भवतोऽतिप्रसङ्गो निषेध्यः TattvMu. 1. 49; NyāyPari. 2. 5; SarvaDaSaṁ. 3. 12; JīvanVi. 38. 20; NyāySu.(Ja.) 40B. 4 (*on* i. 1. 1); TattvPrakā. 93A. 4 (*on* ii. 1. 38); Vādā. 85. 6; अविश्रम्भणीयवचनानां यथाश्रुतस्वीकारेऽतिप्रसङ्गाच्च PañcRāRa. 26. 11; SāhiDa. 266. 3; Upask. 260. 2 (*on* vi. 1. 5); DaṇḍaVi. 101. 3; AṇuBh. 209. 1 (*on* iii. 3. 2); Nyāyāmṛ. 9A. 6; न चैकैकवर्णग्रहणेऽर्थप्रतीतिः, अतिप्रसङ्गात् TantrRaha. 26. 1; अन्यनिष्ठादृष्टादिभिरन्यत्र सुखदुःखाद्युत्पादेऽतिप्रसङ्गात् YogSā. 71. 9 (4); SāṁkhyaPraBh. 73. 18 (*on* 1. 161); AdvaiSi. 739. 2; BhedaDhi. 74. 2; VidhiRa. 3 (17. 11); ज्ञापकं हि यद्विना स्वस्यानुपपत्तिः, येन च स्वस्योत्पत्तिः तमर्थं ज्ञापयति, अन्यथातिप्रसङ्गात् PāṇiTaVāNaMā. 33. 9; SiddhāLeSaṁ. 190. 1; VīraMi. (Saṁskāra.) 695. 14; VyutpaVā. 70. 4; SiddhāSi. i. 17. 4; MīmāKau. iii(1). 2. 9 (*on* i. 2. 1); LaS'abdeS'e. i. 529. 12; **8 Bi** non-finality, endless regression, regressus ad infinitum चित्तान्तरदृश्ये बुद्धिबुद्धेरतिप्रसङ्गः स्मृतिसङ्करश्च YogSū. 4. 21; अथ चित्तं चेच्चित्तान्तरेण गृह्येत बुद्धिः केन गृह्यते, साप्यन्यया साप्यन्ययेत्यतिप्रसङ्गः YogBh. 204. 7 (*on* 4. 21); ज्ञानस्य स्वाज्ञेयत्वे तदप्यन्येन तदप्यन्येनेति त्वत्पक्षेऽतिप्रसङ्ग इति चेत् PraśnaUBh. 294. 8 (*on* 6. 2); एवं सर्वतर्केऽपि प्रतितर्कः प्रसरतीत्यङ्गीकारेऽतिप्रसङ्गमुक्त्वा विपर्यये पर्यवसानं दर्शयति TattvPrakā. 85A. 4 (*on* ii. 1. 12); **8 Bii** deviation (from the relationship of cause and effect) न हि आकस्मिकी कस्यचिदुत्पत्तिः संभवति, अतिप्रसङ्गात् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 464. 17 (*on* ii. 3. 31); येनारब्धं यन्न तत्र व्यपेते तस्याभावाज्जायतेऽतिप्रसङ्गः HarVi. 18. 53; न खल्वन्यविषयानुभवजन्मा संस्कारः शक्तोऽन्यत्र ज्ञानं जनयितुम्, अतिप्रसङ्गात् TattvVai. 52. 19 (*on* 1. 49); न च निर्निमित्त एवायं व्यावृत्तिव्यवहारोऽतिप्रसङ्गात् ĀtmaTaVi. 45. 5; न हि यदन्तरेणापि यद्भवति तत्तस्य कार्यमतिप्रसङ्गात् TarkBhā.(Mo.) 8. 3; परामर्शश्च निर्निबन्धनो न भवितुमर्हति, अतिप्रसङ्गात् VyaktiVi. 89. 5; SyādvāMañ. 9 (83); अन्यसङ्केतेनान्योपस्थितावतिप्रसङ्गात् Upask. 403. 4 (*on* ix. 2. 4); **8 Biii** fallacious reasoning involving discrepancy नन्वेषामेवोद्भावनं यदि दूषणं क्व तर्हि वैयर्थ्यासामर्थ्यातिप्रसङ्गानामन्तर्भावः इति।… अतिप्रसङ्गः पुनरनैकान्तिकेऽन्तर्भाव्यः। साध्यमर्थमतिक्रम्य विपक्षेऽपि प्रसक्तेः TarkBhā. (Mo.) 27. 16.

अतिप्रसङ्गगन्ध (atiprasaṅga-gandha) *m.* trace of unjustified extension or application यादृशोपाध्यवच्छिन्नदिक्कालसंबन्धः परत्वापरत्वोत्पादको भवताम्, तथाविध एव सोऽस्माकं व्यवहारविषय इति नातिप्रसङ्गगन्धोऽपि NyāySiA. 263. 28.

अतिप्रसङ्गतस् (atiprasaṅga-tas) *adv.* because of unjustified extension or application तद्रूपव्यतिरिक्तश्च नापरात्मोपलक्ष्यते। न चान्याकारधीवेद्या युक्तास्तेऽतिप्रसङ्गतः TattvSaṁ. 565; स्वतोऽर्थाः सन्तु सत्तावत् सत्तया किं सदात्मनाम्। असदात्मसु नैषा स्यात् सर्वथाऽतिप्रसङ्गतः Laghīya. 1. 40; NyāyVi. 2. 200; दृश्यस्याविद्यया द्रष्टुर्न भ्रमोऽतिप्रसङ्गतः IṣṭaSi. 200. 20; न च क्षितिजलप्रायदृष्टहेत्वतिरेकिणः। कस्यापि कल्पनं तेषु युज्यतेऽतिप्रसङ्गतः NyāyMañ. i. 175. 27; ĀgaPrā. 59. 16; एकैकोऽवयवस्तेषां न ब्राह्मण्यं समश्नुते। न चानेकसमूहेऽपि सर्वथातिप्रसङ्गतः BhaviP. 82B. 2 (i. 41. 52); फलस्य प्रीतिरूपत्वं लिङुक्तं चेत्प्रवर्तना। फल एव प्रवर्तेत नान्यत्रातिप्रसङ्गतः NyāySu.(So.) 28. 17 (*on* i. 2. 7); TarkSaṁ.(Ā.) 61. 25.

अतिप्रसङ्गतादवस्थ्य (atiprasaṅga-tādavasthya) *n.* the nature of being in the same state (as before) of unjustified application or extension संस्कारस्यापि केवलस्य तज्जननेऽतिप्रसङ्गतादवस्थ्यात् KhaṇḍanKhā. 306. 19; कालादावतिप्रसङ्गतादवस्थ्यात् त्वदनुमानस्य बाधासिद्धी तदवस्थे PūrvottaVāNaMā. 226. 3; S'ivārkaMaDī. ii. 74. 12 (*on* ii. 2. 12); SiddhāLeSaṁ. 219. 3; VyutpaVā. 136. 16; 169. 26.

अतिप्रसङ्गत्व (atiprasaṅga-tva) *n.* the nature of unjustified application or extension तद्(अपसर्पण)विरहिणः स्थाणोर्विभागस्य प्रत्यक्षत्वात् नैवम् इति चेन्न तन्मात्रस्यातिप्रसङ्गत्वेन (? अतिप्रसक्तत्वेन) तत्र अप्रमाणत्वात् TarkSaṁ. (Ā.) 74. 7.

अतिप्रसङ्गदुष्ट (atiprasaṅga-duṣṭa) *adj.* having the fault of unjustified application or extension अयमेव विदन्वितश्च कर्ता न हि कर्तृत्वमचेतनस्य दृष्टम्। अत एव भुजेर्भवेत्स कर्ता परभोक्तृत्वमतिप्रसङ्गदुष्टम् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 15. 65; आगमप्रामाण्यसाधकानुमानं तु … प्रतिपक्षग्रस्तमतिप्रसङ्गदुष्टं चेत्युपेक्ष्यम् TattvPrakā. 43A. 3 (*on* i. 3. 3)

अतिप्रसङ्गदोष (atiprasaṅga-doṣa) *m.* fault of unjustified application or extension योग्यप्रमाणानुत्पत्तेः कारणत्वपरिग्रहात्। अतिप्रसङ्गदोषोऽपि नावकाशमुपाश्नुते PrakaPañ. 107. 18; 285. 7; असंबद्धाभावग्रहेऽतिप्रसङ्गदोषस्तु विशेषणतयैव निरस्तः TarkBhā.(Ke.) 53. 4; अन्यधर्मेणान्यत्र संयोगेऽतिप्रसङ्गदोषसाम्यमस्त्येव SāṁkhyaPraBh. 24. 20 (*on* 1. 55); इयं च परिभाषा भाष्ये ष्यङः संप्रसारणम् (P. vi. 1. 13) इत्यत्र पठिता। तत्रैव चैषाऽतिप्रसङ्गदोषभयात्प्रत्याख्याता PariVṛ.(Sī.) 178. 10.

अतिप्रसङ्गद्वार (atiprasaṅga-dvāra) *n.* method or means of unjustified application or extension अतिप्रसङ्गद्वारेण गुणस्य व्यपदेशनिमित्ततां व्यभिचारयति TantrVā. 423. 8 (*on* ii. 1. 44)

अतिप्रसङ्गनिराकरण (atiprasaṅga-nirākaraṇa) *n.* removal or avoidance of uninstified application or extension येन वाक्येन समानश्रुत्यानेकार्थो गम्यते तत्रातिप्रसक्तावतिप्रसङ्गनिराकरणार्थमवधारणम् NyāyVār. 113. 16 (*on* i. 1. 33); एवं तावदभाववाचित्वेऽपि नञोऽतिप्रसङ्गनिराकरणेन क्षत्रियादिष्वेव प्रवृत्तिः समर्थिता NyāyRa. 574. 14 (*on* 5(13). 30); S'āstrDī. 472. 5 (*on* vi. 3. 3); 582. 2 (*on* ix. 1. 5); न चातिप्रसङ्गनिराकरणार्थं दृग्दृश्ययोः संबन्धनिर्वचनं प्रकृतम् …इति वाच्यम् AdvaiSi. 472. 6; अथवा लोकेऽतिप्रसङ्गनिराकरणार्थं अभियुक्तप्रयोगस्य सहकारिकारणत्वं कल्प्यते MīmāKau. i. 169. 16 (*on* i. 4. 2); अतिप्रसङ्गनिराकरणं उद्भित्पदवत् सर्वत्र द्रष्टव्यम् MīmāKau. i. 210. 13 (*on* i. 4. 4); i. 216. 16 (*on* i. 4. 5); i. 243. 14 (*on* i. 4. 12); BhāṭṭDī. i. 161. 22 (*on* ii. 3. 11); MāyūMāli. 582. 24 (*on* ix. 1. 5)

अतिप्रसङ्गनिरास (atiprasaṅga-nirāsa) *m.* avoidance or removal of unjustified application or extension अतोऽस्यातिप्रसङ्गनिरासायाह अनुनासिकयणोरिति Nyās. iii. 613. 16 (*on* vii. 1. 1); Pradī. iii. 313A. 33 (*on* ii. 1. 1); v. 364A. 1 (*on* vi. 4. 161); वृत्तिविषय एव च शाब्दबोधविषय इति नियमोऽतिप्रसङ्गनिरासाय कल्प्यते VaiyāBhū. 126. 8 (*on* 26); LaS'abdeS'e. ii. 949. 17.

अतिप्रसङ्गनिवारक (atiprasaṅga-nivāraka) *adj.* remover of unjustified application or extension संस्कारः सहकारिमात्रमिन्द्रियस्यातिप्रसङ्गनिवारकः KhaṇḍanKhā. 290. 2; तथा सत्यतिप्रसङ्ग इति चेन्न तादृशश्रुतेरेवातिप्रसङ्गनिवारकत्वात् Upask. 260. 2 (*on* vi. 1. 5)

अतिप्रसङ्गनिवारण (atiprasaṅga-nivāraṇa) *n.* prevention of unjustified application or extension अत्रापि पक्षे उच्चुकुटिषतीत्यतिप्रसङ्गनिवारणार्थं सिद्धं तु पूर्वस्य कार्यातिदेशादित्यप्याश्रयणीयम् Pradī. ii. 149A. 40 (*on* i. 3. 12); v. 247A. 6 (*on* vi. 3. 59); तदिदं समाख्याविनियोगस्यैवातिप्रसङ्गनिवारणेन शेषीभूतं सूत्रं नाधिकरणान्तरम् S'āstrDī. 330. 1 (*on* iii. 7. 20); शुक्तिरजतज्ञान एव चातिप्रसङ्गनिवारणार्थो व्यत्ययः YuktiSneha. 49. 15 (*on* i. 1. 5); न ह्युद्भिदादिपदेष्वतिप्रसङ्गनिवारणार्थं रूढिकल्पनम् BhāṭṭDī. ii. 53. 23 (*on* iii. 7. 16)

अतिप्रसङ्गनिवृत्ति (atiprasaṅga-nivṛtti) *f.* **i** avoidance of unjustified application or extension तत्र विभावानुभावौ लोकप्रसिद्धौ लोकस्वभावानुगतत्वाच्च तयोर्लक्षणं नोच्यतेऽतिप्रसङ्गनिवृत्त्यर्थम् NāṭyaS'ā. 7. 7(5); नातिप्रसङ्गनिवृत्तिः स्वप्नप्रत्ययनिवृत्तिर्वा फलम् TātpaṬ.(U.) 124. 14 (*on* 4. 15); यत्तु भाष्यकारेणातिप्रसङ्गनिवृत्त्यर्थं प्रकरणादित्युक्तं तत्…अतित्वरितोक्तमित्युपेक्षणीयं तावत् TantrVā. 1127. 22 (*on* iii. 7. 2); दुह्यादिपरिगणनं नटस्य शृणोतीत्यादावतिप्रसङ्गनिवृत्त्यर्थमवश्यं वक्तव्यम् Pradī. ii. 272B. 8 (*on* i. 4. 51); iv. 252A. 4 (*on* v. 1. 16); अथ तत्रातिप्रसङ्गनिवृत्त्यर्थं पङ्कजशब्दवत् कर्मविशेषे रूढिरपि कल्प्यते MīmāKau. i. 159. 11 (*on* i. 4. 2); तत्र प्रज्वालनाय प्रक्षिप्यमाणकाष्ठादावतिप्रसङ्गनिवृत्तये आह हविषश्चेति LaS'abdeS'e. ii. 579. 4; यदि त्वविहिताप्रतिषिद्धविषयाभिप्रायेणातिप्रसङ्गनिवृत्त्यर्थं प्रसजंश्चेन्द्रियार्थेषु इत्युच्येत ततः 'धर्ममर्थं च यथाशक्ति न हापयेत्' इत्यनेन विरोधः स्यात् BālaKrī. ii. 79. 1 (*on* 3. 220); **ii** arresting further or repeated action or indulgence ताच्छील्यप्रतीतौ भेदाभ्यासेऽतिप्रसङ्गनिवृत्त्यर्थो वा वधः DaṇḍaVi. 138. 19.

अतिप्रसङ्गनिषेध (atiprasaṅga-niṣedha) *m.* avoiding undesirable consequences यद्गोत्रादिभिः सह क्षमितव्यव्याख्यानं कृतं तदत्रातिप्रसङ्गनिषेधार्थम्। तत्र नियमो नास्ति TātpaVṛ. 273. 10 (*on* 3. 2); तर्हि स्तोकचारित्राणां किमर्थमागमे वन्दनादिनिषेधः कृतः इति चेत्। अतिप्रसङ्गनिषेधार्थमिति TātpaVṛ. 355. 10 (*on* 3. 63)

अतिप्रसङ्गपरिहरण (atiprasaṅga-pariharaṇa) *n.* obviating unjusti-

fied application or extension जन्मक्रय° … °अधिगमाद्येवानिंदंप्रथमलोकसिद्धं धनार्जनं न पुनश्चौर्यादिकमित्यर्थः । अतिप्रसङ्गपरिहरणमपि सुशकमिति चशब्दार्थः SmṛtiCan. iv. 603. 3.

अतिप्रसङ्गपरिहार (atiprasaṅga-parihāra) *m.* avoiding unjustified application or extension तस्मिंश्चानुवर्तमाने सर्वत्र विकल्पः प्रसज्येतेत्यतिप्रसङ्गपरिहारार्थं सा च व्यवस्थितविभाषेति व्याचक्षते Nyās. ii. 567. 17 (*on* vi. 4. 92); iii. 742. 10 (*on* vii. 2. 68); सर्वसंयोगप्रमाणपक्षेऽपि व्यापारतः समानविषयत्वं योग्यतावशेन चातिप्रसङ्गपरिहार इति न कश्चिद्दोषः NyāyRa. 155. 16 (4. 69); Pradī. iii. 185B. 13 (*on* iii. 2. 109); ii. 464A. 15–16 (*on* ii. 2. 29); NyāyKu. 72. 13; 158. 2; न च वेदाधिकरणे 'वेदांश्चैके संनिकर्षम्' इति सूत्रगतवेदपदादतिप्रसङ्गपरिहारः वेदाधिकरणस्यातिदूरस्थत्वात् VivaPraSaṁ. 163. 22; AdvaiSi. 467. 19; BhāṭṭDī. iii. 44. 22 (*on* ix. 1. 2); SiddhāSi. i. 10. 9; LaS'abdeS'e. ii. 531. 10; VaiyāBhū. 137. 11 (*on* 30)

अतिप्रसङ्गप्रदर्शन (atiprasaṅga-pradarśana) *n.* display of unjustified application or extension अतिप्रसङ्गप्रदर्शनार्थमाह VedāntKa. 189. 26 (*on* i. 3. 40)

अतिप्रसङ्गप्रसङ्ग (atiprasaṅga-prasaṅga) *m.* contingency or occurrence of unjustified application or extension इत्थंभूताद्विकारान्न भवति यदि नातिप्रसङ्गप्रसङ्गात् TattvMu. 4. 8.

अतिप्रसङ्गभङ्ग (atiprasaṅga-bhaṅga) *m.* **i** humiliation in the form of going beyond the limit नियन्त्रिता यद्गुणितिस्तद्गुणोदीरणादियम् । अतिप्रसङ्गभङ्गात्तन्नेयत्तावाप्तितः पुनः RājTa.(Ka.) 4. 54; 4. 307; **ii** avoiding unjustified application or extension तत्सिद्धौ चातिप्रसङ्गभङ्गायावश्यापेक्षितव्यवस्थाभिधानमस्मत्पक्षे VīraMi.(Saṁskāra.) 696. 30; BālamBha. i. 173. 21 (*on* 1. 52); MīmāKau. ii. 80. 23 (*on* ii. 3. 24); किं संबोध्यत्वोच्चारयितृतावच्छेदकावच्छिन्ने शक्तिस्वीकारेण तात्पर्यादेवातिप्रसङ्गभङ्गात् S'aktiVā. 127. 9–10; AdvaiSi. 739. 16; LaS'abdeS'e. ii. 104. 6; VaiyāBhū. 201. 24–25 (*on* 39); **iii** prevention of excess उद्भवदियमेव कीर्तिरस्याः किमिव यशोऽन्यदतिप्रसङ्गभङ्गात् S'ivLī. 7. 78.

अतिप्रसङ्गभय (atiprasaṅga-bhaya) *n.* fear of unjustified extension तद्विरोधः पुनरतिप्रसङ्गभयान्नोक्तः AṣṭāSaṁ. i. 57. 7 (1. 9); अन्यान्यपि ब्रह्मपुराणोक्त(? क्ता)ख्यान° … °प्रभृतीन्यतिप्रसङ्गभयादिहालिखितानि पित्र्याख्यानानि तत्तत्पुराणेषु विलोक्य श्रावणीयानि CaturCin. iii(1). 1093. 22; कथञ्चिदर्थविवक्षायामतिप्रसङ्गभयेनार्थविशेषविवक्षायां भिन्नत्वेनापि शब्दविशेषणत्वे बाधकाभावात् तस्यान्योन्यात्यन्ताभावसाधारणार्थकत्वेनासाधारण्येन तदर्थकत्वाभावाच्च S'aṅkaVi.(Ā.) 260. 12; आरोपितार्थवृत्तिशब्दविषयत्वरूपं त्वर्थलक्षणमारोप्यस्य सिंहत्वादेरपि तत्त्वादतिप्रसङ्गभयेनैवानाशङ्क्यम् MimāKau. i. 274. 18 (*on* i. 4. 23)

अतिप्रसङ्गभी (atiprasaṅga-bhī) *f.* fear of unjustified application or extension अतिप्रसङ्गभिया कल्पान्तरमातिष्ठते TātpaṬ.(Vā.) 174. 15 (*on* i. 1. 5); अथातिप्रसङ्गभिया पञ्चस्वेव निर्बन्धः । तर्हि शरीरात्मनोः कार्यकारणभावोऽस्तु । ब्रह्मगतकारणत्वस्यात्मनि चेतनत्वसाम्येनोपचरितुं शक्यत्वात् VivaPraSaṁ. 27. 20; अथ तु अतिप्रसङ्गभिया परम्परासम्बन्धोऽपि विवक्ष्येत MīmāKau. ii. 149. 24 (*on* iii. 1. 10)

अतिप्रसङ्गभीरु (atiprasaṅga-bhīru) *adj.* afraid of unjustified application or extension नन्वेवं दुःखादिकमपि साधयितुं शक्यमिति चेत् किमतिप्रसङ्गभीरुणा क्षित्यादेर्बुद्धिमत्कारणकत्वानुमानमपि त्यक्ष्यते NyāySu.(Ja.) 310A. 4 (*on* ii. 1. 9)

अतिप्रसङ्गमात्र (atiprasaṅga-mātra) *n.* totality of the unwarranted application or extension (of a rule) अन्यथातिप्रसङ्गमात्रोच्छेदप्रसङ्गात् NyāySu.(Ja.) 31A. 13 (*on* i. 1. 1)

अतिप्रसङ्गमूल (atiprasaṅga-mūla) *n.* root or cause of the unwarranted application or extension (of a rule) सुस्थोऽतिप्रसङ्गमूलभूतः प्रतिबन्धः NyāySu.(Ja.) 31B. 3 (*on* i. 1. 1)

अतिप्रसङ्गरूप (atiprasaṅga-rūpa) *adj.* of the nature of unwarranted application or extension (of a rule) अतिप्रसङ्गरूपस्तर्कोऽभिप्रेतः S'rutaPra. ii. 526. 21 (*on* iii. 3. 54)

अतिप्रसङ्गलक्षण (atiprasaṅga-lakṣaṇa) *adj.* of the nature of unwarranted application or extension (of a rule) अतिप्रसङ्गलक्षणप्रतिकूलतर्कपराहतत्वाच्चाप्रयोजकता PrakaVi. 43. 10; अतिप्रसङ्गलक्षणप्रतिकूलतर्कसद्भावात् … अप्रयोजकत्वम् PrakaVi. 286. 14.

अतिप्रसङ्गवारक (atiprasaṅga-vāraka) *adj.* which wards off the unwarranted application or extension (of a rule) अतिप्रसङ्गवारकमुपक्रमोपसंहारयोरैकरूप्यम् AdvaiSi. 425. 7.

अतिप्रसङ्गवारण (atiprasaṅga-vāraṇa) *n.* warding off or removal of the unwarranted application (of a rule) अनुदात्तग्रहणेनैवातिप्रसङ्गवारणात्प्रश्नः Pradī. vi. 107. 7 (*on* vii. 2. 10); अतिप्रसङ्गवारणार्थम् … वैशिष्ट्यमेव कारणतावच्छेदकं कल्प्यते TattvCin. i. 477. 2; अतिप्रसङ्गवारणार्थम् … कृतिसाध्यत्वमपि विषयतावच्छेदकमस्तु TattvCin. iv(2). 158. 6; अतिप्रसङ्गवारणार्थं साक्षात्त्वविशेषणस्यापेक्षितत्वात् S'ivārkaMaDī. i. 307. 5 (*on* i. 2. 1); दारा रक्ष्यतमा इत्युपसंहारस्यातिप्रसङ्गवारणतयाप्युपपत्तेः DaṇḍaVi. 161. 1; अतिप्रसङ्गवारणायोपस्थितेन व्रीहिगतत्वेनैव विशेषयितुं शक्यम् VidhiRa. 10 (64. 15); अतिप्रसङ्गवारणाय … साक्षात्त्वं निवेशनीयम् PūrvottaVāNaMā. 77. 7; अतिप्रसङ्गवारणाय संबन्धैक्यविवक्षणम् BhāṭṭDī. iii. 39. 2 (*on* ix. 1. 1); नातिप्रसङ्गवारणं वक्तुं शक्यम् GuruCandr. ii. 48. 13; योगोऽतिप्रसङ्गवारणायादरणीयः VīraMi.(Saṁskāra.) 187. 23; अतिप्रसङ्गवारणाय चर्वणाविषयेति चित्तवृत्तिविशेषणम् RasGaṅ. 93. 3; भ्रान्तिरूपेऽतिप्रसङ्गवारणायैकस्य वस्तुन इति RasGaṅ. 358. 13.

अतिप्रसङ्गविरह (atiprasaṅga-viraha) *m.* absence of the unwarranted application (of a rule) द्रव्यत्वादेश्चातथात्वेनातिप्रसङ्गविरहात् S'aktiVā. 78. 2; तथा सत्यतिप्रसङ्गविरहात् VyutpaVā. 44. 14.

अतिप्रसङ्गविषय (atiprasaṅga-viṣaya) *adj.* being an object of the unwarranted application (of a rule) एतदप्यतिप्रसङ्गविषयमिति प्रतिभाति DaṇḍaVi. 142. 8.

अतिप्रसङ्गशङ्का (atiprasaṅga-śaṅkā) *f.* doubt or suspicion of the unwarranted application (of a rule) विजातीयक्रयत्वस्यैव वा विवक्षितत्वेनातिप्रसङ्गशङ्कानुपपत्तेः BhāṭṭDī. i. 191. 19 (*on* iii. 1. 6); स्वक्रियायाः परसमवेतत्वाभावात्तामादाय नातिप्रसङ्गशङ्कापि VaiyāBhū. 102. 7 (*on* 24); न तत्रातिप्रसङ्गशङ्कावकाशः MayūMali. 234. 16 (*on* iii. 3. 2); चमसाध्वर्युष्वतिप्रसङ्गशङ्कानुपपन्ना MayūMāli. 327. 1 (*on* iii. 7. 16)

अतिप्रसङ्गसहकृत (atiprasaṅga-sahakṛta) *adj.* accompanied by the unwarranted application (of a rule) अतिप्रसङ्गसहकृतागमबाधितं सामान्यतोदृष्टानुमानम् PrakaVi. 289. 25; अतिप्रसङ्गसहकृतलिङ्गबाधं दर्शयति PrakaVi. 296. 25.

अतिप्रसङ्गहान (atiprasaṅga-hāna) *n.* avoidance of going beyond the limit अतिप्रसङ्गहानाय तपसः परिवृद्धये । अन्तरायाः स्मृता(:) सद्भिर्व्रतबीजविनिक्रियाः YaśasCam. ii. 334. 17.

अतिप्रसङ्गाङ्गीकार (atiprasaṅgāṅgīkāra) *m.* acceptance of the unwarranted application (of a rule) अतिप्रसङ्गाङ्गीकारे प्रथमोत्तमापदघटितवाक्यद्वयवैयर्थ्यापत्तेः BhāṭṭDī. iii. 67. 1 (*on* ix. 1. 10)

अतिप्रसङ्गानवकाश (atiprasaṅgānavakāśa) *m.* absence of an occasion for the unwarranted application (of a rule) भ्रमत्वनिर्वाहेणातिप्रसङ्गानवकाशात् S'aktiVā. 60. 8; तादृशज्ञानमभ्रान्तस्यासंभवीत्यतिप्रसङ्गानवकाशात् VyutpaVā. 178. 23.

अतिप्रसङ्गानुमान (atiprasaṅgānumāna) *n.* inference of the unwarranted application (of a rule) अतिप्रसङ्गानुमाने च दृष्टान्तस्य साधनवैकल्यम् NyāySu.(Ja.) 395B. 3 (*on* ii. 2. 7)

अतिप्रसङ्गान्तर (atiprasaṅgāntara) *n.* another instance of the unwarranted application (of a rule) अतिप्रसङ्गान्तरमाह VedāntKa. 442. 11 (*on* iii. 3. 31); अथवातिप्रसङ्गान्तराभिधानमेतत् NyāySu.(Ja.) 31A. 7 (*on* i. 1. 1)

अतिप्रसङ्गापत्ति (atiprasaṅgāpatti) *f.* contingency or occurrence of the unwarranted application (of a rule) सप्तदशारत्नित्वं वाजपेयोद्देशेन … विधीयते न यूपोद्देशेन अतिप्रसङ्गापत्तेः BhāṭṭDī. i. 197. 1 (*on* iii. 1. 9); शाकटीयवृषभनियोजने चातिप्रसङ्गापत्तेः BhāṭṭDī. iii. 248. 21 (*on* x. 3. 3)

अतिप्रसङ्गापरिज्ञान (atiprasaṅgāparijñāna) *n.* lack of knowledge of the unwarranted application (of a rule) कारणान्तरमस्तीति वाच्यम् । अतिप्रसङ्गापरिज्ञानात् SiddhāLeSaṁ. 426. 8.

अतिप्रसङ्गापात (atiprasaṅgāpāta) *m.* contingency or occurrence of the unwarranted application (of a rule) संज्ञैकत्वं नाभेदसाधनमतिप्रसङ्गापातात् Bhām. 595. 22 (*on* iii. 3. 8)

अतिप्रसङ्गापादकत्व (atiprasaṅgāpādaka-tva) *n.* causality (i. e. causation) of the unwarranted application (of a rule) तस्य सुतरामतिप्रसङ्गापादकत्वात्तदनुरोधेन गोत्रप्रवरनिर्णयस्याकिंचित्करत्वात् VīraMi. (Saṁskāra.) 658. 12.

अतिप्रसङ्गापादन (atiprasaṅgāpādana) *n.* positing a case of unwarranted application तदिह अतिप्रसङ्गापादनेन न संबध्यते TantrVā. 275. 7 (*on* i. 3. 33); एवं चोदिते सति अतिप्रसङ्गापादनद्वारेण तद्दूषणमाह TātpaṬ.(U.) 113. 15 (*on* 2. 252); तस्मान्नायमतिप्रसङ्गापादनस्य विषयः NyāyMañ. ii. 179. 17; दृष्टमतिप्रसङ्गापादनेन दूषयति TātpaṬ.(Vā.) 37. 12 (*on* i. 1. 1); परमतमनुभाष्यातिप्रसङ्गापादनेन दूषयति TātpaṬ.(Vā.) 343. 1 (*on* i. 2. 7); अतिप्रसङ्गापादनेन

प्रत्यवस्थानं प्रसङ्गसमा जातिः PramāMī. 60. 24 (*on* ii. 1. 29); नातिप्रसङ्गापादनं शक्यम् AdvaiSi. 653. 7.

अतिप्रसङ्गाप्रसङ्ग (atiprasaṅgāprasaṅga) *m.* lack of occasion for the occurrence of the unwarranted application (of a rule) तत्तद्विषयसंबन्धादेव तदुत्पन्नज्ञानानां तत्तद्विषयं प्रति नियमसिद्धौ … अतिप्रसङ्गाप्रसङ्गात् TattvPradī. (Ci.) 38. 3.

अतिप्रसङ्गाभाव (atiprasaṅgābhāva) *m.* absence of the unwarranted application (of a rule) अतिप्रसङ्गाभावात् … अज्ञानस्येष्टे न कश्चिद्दोषः IṣṭaSi. 63. 2; तदाजादावतिप्रसङ्गाभावः Pradī. iii. 185B. 3 (*on* iii. 2. 109); अधिकारानुवृत्तिसामर्थ्यादतिप्रसङ्गाभावं मत्वाह Pradī. v. 334A. 27 (*on* vi. 4. 87); इन्द्रियस्यापि तज्जननेऽतिप्रसङ्गाभावात् KhaṇḍanKhā. 306. 22; आश्रयसाध्यव्यधिकरणासिद्ध्यो न दूषणम् । अतिप्रसङ्गाभावात् PramāL. 2B. 4; तेष्वेवास्य ज्ञानं भवति नेतरेष्वित्यतिप्रसङ्गाभावात् SarvaDaSaṁ. 15. 201; इति व्यवस्थयातिप्रसङ्गाभावात् SāṁkhyaPraBh. 24. 24 (*on* 1. 55); स्वतादात्म्याश्रयस्य इदंत्वविषयत्वादेव … अतिप्रसङ्गाभावात् SiddhāLeSaṁ. 213. 7; ऋच्यतिप्रसङ्गाभावेन रूढत्वकल्पने प्रमाणाभावात् MīmāKau. iii(2). 119. 16 (*on* ii. 1. 46); अतिप्रसङ्गाभावान्न विशिष्टविधिस्वीकारोऽपि BhāṭṭDī. iii. 249. 17 (*on* x. 3. 3)

अतिप्रसङ्गाभिनिवेश (atiprasaṅgābhiniveśa) *m.* adherence to the unwarranted application (of a rule) अटवीशबरेशाश्रममुनिनगरीनृपादिवर्णनास्वतिप्रसङ्गाभिनिवेशः Kāvyānu.(He.) 144. 18.

अतिप्रसङ्गावह (atiprasaṅgāvaha) *adj.* conducive to the unwarranted application (of a rule) तत्त्वतिप्रसङ्गावहं तन्मतमिति नोदाहृतम् AbhinBhā. i. 317. 10 (*on* 6. 61); कारणकारणेऽयं विभावताव्यवहारः, स चातिप्रसङ्गावहः Kāvyānu.(He.) 97. 13; उपाध्योः … एकत्र समावेशो नातिप्रसङ्गावहः NyāySiA. 207. 25; कार्यत्वकल्पनस्यातिप्रसङ्गावहत्वात् S'ivārkaMaDī. ii. 130. 24 (*on* ii. 3. 9); अनिर्गताया ऐन्द्रियकवृत्तेस्तन्नियामकत्वं नातिप्रसङ्गावहम् SiddhāLeSaṁ. 127. 5.

अतिप्रसङ्गित्व (atiprasaṅgi-tva) *n.* the state of what goes beyond the limit विज्ञानमात्रस्यानवच्छिन्नस्यातिप्रसङ्गित्वात् PramāMā. 17. 3; मुक्तवदित्यनुमानं न मानम्, विपक्षे बाधकाभावात् अतिप्रसङ्गित्वाच्च PrakaVi. 459. 19; तत् असत् … कारणभेदमात्रेण च कार्यभेदस्य अतिप्रसङ्गित्वात् TarkSaṁ.(Ā.) 84. 5; बृहत्त्वबृंहणत्वमात्रस्य बृहदादिशब्दवदतिप्रसङ्गित्वात् S'atDū. 50. 8; ग्राहकावान्तरभेदस्यातिप्रसङ्गित्वात् NyāyPari. 62. 4; न चायोग्येष्वनुपलम्भमात्रेण बाधः शङ्क्यः। अतिप्रसङ्गित्वात् NyāyPari. 397. 5; सद्भावमात्रेण व्युत्पादनस्यातिप्रसङ्गित्वात् NyāySu.(Ja.) 260A. 9 (*on* ii. 1. 2); आहार्यसंशयस्य चातिप्रसङ्गे (v. l. अतिप्रसङ्गित्वे)न पक्षत्वाप्रयोजकत्वात् Nyāyāmṛ. 9A. 6.

अतिप्रसङ्गिन् (ati-prasaṅgin) *adj.* [*f.* -ī] **A** excessively addicted to धर्मः सुचरितः सद्भिः सह द्वाभ्यां नियच्छति । अर्थश्चात्यर्थलुब्धस्य कामश्चातिप्रसङ्गिनः MahāBhā. ix. 59. 17; **B** which goes beyond the limit वास्तवी सङ्गतिरतिप्रसङ्गिनी केषांचिदेव पदवाक्यभावं नापादयितुमर्हति TattvBi. 25. 9; अतिप्रसङ्गिनोऽपि सामान्यस्योपन्यासे हेतुत्वारोपणेन तन्निषेधः सामान्यच्छलम् Syādvā-Mañ. 10 (104); PramāMī. 62. 27 (*on* ii. 1. 29); पौर्वापर्यमात्रात्तु तदौपयिकत्वमतिप्रसङ्गि NyāyRa. 841. 16 (*on* 6. 433); निर्हेतुकविनाशस्यातिप्रसङ्गिनः सुगतव्यतिरिक्तैरनङ्गीकारात् VivaPraSaṁ. 233. 20.

अतिप्रसज्यमान (ati-prasajyamāna) *adj.* **i** spreading violently महादोषः खल्वयमतिप्रसज्यमानो मानसः शोकाख्यो विकारः AnarghaRā. 5. 17 (2) (comm. बलात्कारेण प्रवर्तमानः); **ii** covering beyond proper limit तदा सर्वेष्वपि वस्तुषु तदतिप्रसज्यमानमनिवार्यं स्यात् Ekāva. 1. 13 (165) (48. 4)

अतिप्रसञ्ज् (ati-prasañj-) I. P. **A** to go beyond the limit, to intrude कथमयमतिप्रसजति कालकालकौलेयकः KaṁVa. 2. 15 (2); **Bi** (pass.) to be over-applicable, to be over-extensive or over-stretched तस्माद्यत्रैव विशिष्टं भक्षणं श्रूयते तत्रैव भवति, नातिप्रसज्यते S'ābaBh. 999. 10 (*on* iii. 5. 21); यथा… पयसा श्रपणं चोदितं नातिप्रसज्यते TantrVā. 440. 20 (*on* ii. 1. 48); तस्मादनेन यत्सार्वत्रिकत्वमुक्तं तदतिप्रसज्यते ṬupṬ. 156. 4 (*on* vii. 1. 4); अर्थज्ञानस्मृतावर्थस्मृतौ नातिप्रसज्यते NyāyVi. 2. 39; 2. 162; ननु (दोषौ) नातिप्रसज्येते कार्यकारणभावे सति इति विशेषणात् TattvVai. 37. 27 (*on* 1. 32); यथाश्रुते हि सूत्रे इन्द्रियसंप्रयोगजत्वमात्रं प्रत्यक्षलक्षणम् । तच्चाभासेऽप्यविशिष्टमित्यतिप्रसज्यते Kāśi. ii. 20. 25 (*on* 5(1). 20); अतो न तावद्ग्रामानयेत्यादिष्वतिप्रसज्यते Kāśi. iii. 106. 20 (*on* 5(5). 14); स्यादेवं प्रकृतार्थश्चेत् सिध्येन्नायं तया विना । ततोऽनया विमर्शः स्यादन्यथातिप्रसज्यते VyaktiVi. 125. 14; **Bii** (active) to apply beyond limit अलंकारलक्षणं तत्र मातिप्रसाङ्क्षीदित्युपस्कारकत्वेन पुनर्विशेषणीयम् RasGaṅ. 237. 10.

अतिप्रसञ्जक (ati-prasañjaka) *adj.* [*f.* -ikā] stretching beyond proper limit योग्यतापि … अतिप्रसञ्जिकैवेत्युक्तमावर्तते KhaṇḍanKhā. 1068. 17; पिपठिषि ब्राह्मणकुलानीत्यत्रातिप्रसञ्जकम् PāṇiTaVāNaMā. 4. 17; अन्वयितावच्छेदकविषयतावच्छिन्नव्याप्यत्वमतिप्रसञ्जकम् S'aktiVā. 151. 21.

अतिप्रसञ्जकत्व (atiprasañjaka-tva) *n.* the state of causing over-extension (the nature of leading to an undesirable contingency) अनपेक्षितव्यावृत्तेरतिप्रसञ्जकत्वात् Kiraṇā. 160. 4; अनिष्टमात्रस्यातिप्रसञ्जकत्वात् NyāyVār-Pari. 651. 6; बाधाविरहस्यातिप्रसञ्जकत्वात् KhaṇḍanKhā. 442. 15; 648. 7; TattvPradī.(Ci.) 225. 6; कतिपयपरीक्षकव्यवहाराभावस्य चातिप्रसञ्जकत्वात् Nyāy-Pari. 484. 23; विषयनियमराहित्येनातिप्रसञ्जकत्वात् NyāySiA. 192. 10; एवं सिद्धसाधनत्वानैकान्तिकत्वातिप्रसञ्जकत्व° … °आदिदोषदूषितत्वात् S'atDū. 72. 18; किञ्चित्साद्दृश्यस्य प्रागिवातिप्रसञ्जकत्वात् Vādā. 46. 4; केवलव्यतिरेकि तु न प्रमाणमतिप्रसञ्जकत्वादित्याहुः SarvaDaKau. 97. 29; आहार्यसंशयस्यातिप्रसञ्जकत्वाच्च Advai-Si. 15. 2; अध्याहारेणैकवाक्यत्वस्यातिप्रसञ्जकत्वात् VīraMi. 112. 2 (*on* 1. 54); संयोगमात्रस्य निरवयवे नभसि सर्वात्मना सत्त्वेनातिप्रसञ्जकत्वात् JñānBiPra. 24. 5; भाविन एव तस्य (मिथःसंबन्धस्य) जन्मान्तरसाधारण्येनातिप्रसञ्जकत्वात् Bālam-Bha. ii. 141. 7 (*on* 2. 117)

अतिप्रसञ्जन (ati-prasañjana) *n.* causing an over-extension (resulting in an undesirable contingency) एवं नास्ति प्रसङ्गोऽपि कुतोऽस्यातिप्रसञ्जनम् । प्रसङ्गो यस्य तस्यैव शङ्क्येतातिप्रसञ्जनम् PañcDa. 9. 105; यदिहोक्तमतिप्रसञ्जनं भो न भवेत् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 15. 52; प्रवृत्तिस्वभावत्वे सदा प्रवर्तेतेत्यतिप्रसञ्जनं प्रत्युक्तम् NyāySu.(Ja.) 309A. 3 (*on* ii. 1. 9)

अतिप्रसत्ति (ati-prasatti) *f.* [w. r. for *atiprasakti*] SmṛtiCan. i. 181. 13.

अतिप्रसद् (ati-prasad-) I. P. to be very much pleased नातिप्रसीदति तथोपचितोपचारैराराधितः सुरगणैः BhāgP. iii. 9. 12.

अतिप्रसन्न (ati-prasanna) *adj.* [*f.* -ā] **A** extremely pleased देवि नित्यप्रसन्नमपि ते मुखमद्यातिप्रसन्नमिव AviMā. 1. 2 (5); अतिप्रसन्नमार्यापादैः Māla-Mā. 9. 356; अतिप्रसन्नश्च रामः AdhyāRā. vii. 9. 72; **B** extremely pleasing or delightful ललिता चातिप्रसन्नापि च । त्वामेवं स्मरतः स्मरारिदयिते वाक्सर्गतो वल्गति DevīPañ. 3. 13; (तौ) अतिप्रसन्नरम्याकृती द्विजन्मानौ भूत्वा देवीं प्रणेमतुः UdaySuKa. 15. 28; **C** extremely tranquil, clear or pure (mind etc.) अगाधगाम्भीर्यमतिप्रसन्नम् …महः…पुरस्तादिदमाविरास्ते MahāvīC. App. A. 5. 46 (280. 10); सरस्वत्यपि धन्या यास्य तु सततमतिप्रसन्ने…निवसति हंसीव मानसे Kād. 43. 22; चित्तसत्त्वं हि … अतिप्रसन्नं ज्ञानप्रसादमात्रपरिशेषं भवति TattvVai. 20. 27 (*on* 1. 16); तव चातिप्रसन्नेऽस्मिञ्जातं मनसि पावनम् । … वैराग्यमरिमर्दन YogVā. ii. 11. 20; **D** extremely clear or clean (water etc.) सर्वत्रातिप्रसन्नानि सलिलानि तथाभवन् ViṣṇuP. v. 10. 11 = SūktiRa. 187. 5; Kād. 43. 22; अवधीर्य नदीरतिप्रसन्नाः Acyutarā. 2. 13; परिखासलिलादतिप्रसन्नात् फणिलोकः प्रतिबिम्बतां प्रपन्नः Raghunā. 2. 10; **E** extremely lucid (poetry) चेतःप्रसादजननं विबुधोत्तमानामानन्दि सर्वरसयुक्तमतिप्रसन्नम् । काव्यम् Subhāṣi. 161.

अतिप्रसन्नचित्त (atiprasanna-citta) *adj.* whose mind is greatly pleased तदातिप्रसन्नचित्तेन महेन्द्रेण भणितम् SiṁhāDvā. 212. 15 (19)

अतिप्रसन्नता (atiprasanna-tā) *f.* extreme clearness or brightness क्षालिता इव । अतिप्रसन्नतां जग्मुर्गलत्कलिमला दिशः PṛthvīVi. 8. 21.

अतिप्रसन्नधी (atiprasanna-dhī) *adj.* very much pleased in mind सोऽपि लब्धवरः श्रीमाञ्जजापातिप्रसन्नधीः KūrmaP. 226. 16 (1. 20)

अतिप्रसन्नमनस् (atiprasanna-manas) *adj.* whose mind is very much pleased (with) तत्र ये तावद्भगवति प्रागतिप्रसन्नमनसस्तेषामेवंविधगुणातिशयशालिनि 'स्थान एवास्माकं मनः प्रसन्नम्' इति निश्चिन्वतां स्थे[मानमासादयति चित्तम्] DharmoPra. 2. 13.

अतिप्रसन्नवदन (atiprasanna-vadana) *adj.* [*f.* -ā] whose face is extremely delightful or pleasant गत्वा सरोवराभ्याशमाजुहाव सुरेश्वरम् । अतिप्रसन्नवदनः (बृहस्पतिः) BrahmVaiP. iv. 60. 47; (सुरयोषितः) तुष्टुवुस्ताः करपुटं कृत्वा …। अतिप्रसन्नवदनाः (विनायकम्) GaṇeP. ii. 36. 41.

अतिप्रसन्नहृदय (atiprasanna-hṛdaya) *adj.* extremely pleased at heart (गणाधिपः) अतिप्रसन्नहृदयो बभाषे गरुडध्वजम् GaṇeP. i. 18. 9.

अतिप्रसन्नात्मन् (atiprasannātman) *adj.* whose mind is very much pleased विधिवत्तत्र दैत्येन्द्रः स्नानदानादिकं शुभे । चकारातिप्रसन्नात्मा तीर्थे परमपावने DevīBhāP. iv. 8. 48.

अतिप्रसर (ati-prasara) *m.* **1** over-application परस्तु येन कारणेन वाक्यस्यातिप्रसरे बाधिते निर्विरोधं प्रकरणमवगतवानिदानीं तदुपन्यस्यति TantrVā. 1127. 13 (*on* iii. 7. 2); **2** excessive spread लोभस्य मोहस्य मनोभवस्य मदस्य चातिप्रसरो न रुद्धः RāmC. 3. 11; अतिप्रसरेण शिरोऽवलग्नाः प्रबला धूलयः NalaCam. 5. 31 (3); **3** too much elaboration or digression अलमतिप्रसरेण KhaṇḍanKhā. 498. 2.

अतिप्रसरणनिवारण (atiprasaraṇa-nivāraṇa) *n.* prevention of going

too far स्वामिनो वा नियुक्तानां स्त्रीणामिवातिप्रसरणनिवारणात् (नापर: जीवनोपाय:) YaśasCam. i. 373. 4.

अतिप्रसर्सृ (ati-prasarsṛ-) I. Ā. (*intens.*) to outlive, to survive जातेन जातमति स प्र सर्सृते ṚV. ii. 25. 1; स मज्मना जनिम मानुषाणाममर्त्येन नाम्नाति प्र सर्स्रे ṚV. vi. 18. 7.

अतिप्रसवा (ati-prasavā) *adj.* (*f.*) **i** (a woman) who has miscarried many a time and hence is unable to bear children अतिप्रसवा अतिक्रान्तप्रसवा प्रतिगर्भं गर्भस्राववतीति यावत् SmṛtiCan. iv. 574. 6; **ii** (a woman) having no menstruation and hence unable to bear children आकाङ्क्षिताष्टवर्षाणि भर्तातिप्रसवां स्त्रियम् इत्यादि देवलवचनात् । अतिप्रसवां उचितकालेऽप्यजातरजसम् VīraMi. 136. 17 (*on* 1. 73); **iii** (a woman) who is not able to deliver a male child (safely) अतिप्रसवा अतिपुत्रा VīraMi.(Saṁskāra.) 873. 25.

अतिप्रसाद (ati-prasāda) *m.* **i** great clarity or perspicuity अतिप्रसादादसतीव तस्मिन् दृष्टा मया वारिणि पङ्कजाक्षी KundaMā. 5. 2; **ii** great favour or kindness तस्य पुत्रीकरणेन दर्शितातिप्रसाद: AvantiKa. 10. 17; नापि सम्यग्ज्ञानवशानामतिशयेन क्रोधो न चातिप्रसाद: ManuBh. ii. 463. 6 (*on* 12. 26); अतिप्रसाद इत्युक्त्वाब्रवीत्सुरमञ्जरी BṛKathāS'loSaṁ. 3. 65; स्वामिनातिप्रसादेन सदा भृत्या हि वीक्षिता: । स्वच्छन्दमपि जल्पन्ति TriṣaS'aPuC. i. 2. 760; किन्तु देव त्वदीयोऽतिप्रसादो मे तदुच्यते PārśvC. 1. 297; **iii** extreme serenity or calmness चित्तस्यातिप्रसादेन भाति कर्म शुभाशुभम् BhaviP. 217A. 7 (i. 145. 11)

अतिप्रसादपात्र (atiprasāda-pātra) *n.* person worthy of great favour राज्ञोऽतिप्रसादपात्रं स पुरोहितो बभूव Bharaṭ. 10A. 2.

अतिप्रसादसुभग (atiprasāda-subhaga) *adj.* pleasant or charming due to extreme calmness त्वद्वक्त्रेन्दुमतिप्रसादसुभगैस्तेजोभिरुद्भासितम् । येनालोकयता मयानतिचिराच्चक्षु: कृतार्थीकृतम् JinaCatur. 11.

अतिप्रसादस्निग्धा (atiprasāda-snigdhā) *adj.* (*f.*) affectionate due to great favour or kindness अतिप्रसादस्निग्धया दृशा गिरा सन्मान्य वनपालम् … अवनीश्वर: … स्तोकान्तरमगच्छत् UdaySuKa. 47. 20.

अतिप्रसादित (ati-prasādita) *adj.* greatly propitiated or won over अणिमानमतिप्रसादिताद् द्युपतेर्जातुचिदाससाद सा PṛthvīVi. 12. 14.

अतिप्रसादिन् (ati-prasādin) *adj.* enjoying extreme favour द्यूतप्रभोरहमभूवमतिप्रसादी KarpūC. 22.

अतिप्रसादोत्थ (atiprasādottha) *adj.* arising from extreme favour or grace भावोत्थोऽतिप्रसादोत्थ: श्रीहरेरिति स द्विधा (प्रेमा) BhaktiRaSi. i. 4. 3.

अतिप्रसारण (ati-prasāraṇa) *n.* excessive use of *pratisāraṇa* (a medical treatment) अतिप्रसारणादूषाशोषदाहक्लेदशोफादयो भवन्ति AṣṭāSaṁ. i. 161. 17 (1. 31)

अतिप्रसारित (ati-prasārita) *adj.* wide-open स मुनि: … तम् … निपतन्त(मि ? म)तिप्रसारितेन चक्षुषा पुन:पुनरभिनिरूप्य AvantiKa. 145. 4.

अतिप्रसिद्ध (ati-prasiddha) *adj.* very well-known or famous अनुमानादेस्त्वसामर्थ्यमतिप्रसिद्धम् BālaKrī. i. 14. 4 (*on* 1. 7); तत: प्रभृत्येतदतिप्रसिद्धं पैशाचनाशं च महागदं च BrahmP. 150. 21; प्रायशो विदित एव भवतामतिप्रसिद्ध: कायस्थो नाम गण: UdaySuKa. 10. 22; यदयमतिप्रसिद्धो द्यूतरसिक: UdaySuKa. 58. 7; यदतिप्रसिद्धं वासगमनादि Pradī. iii. 188B. 18 (*on* iii. 2. 114); अतिप्रसिद्धचतुर्वर्गसाधकत्वमेव देहरक्षायां निदानं दर्शितम् Kāvyānu.(He.) 98. 17; अतिप्रसिद्धा जिह्वा या तस्या: सूना भवेदध: AśvaVai. 2. 3; तस्या: (मानववासनाया:) नरकहेतुत्वान्मालिन्यमतिप्रसिद्धम् JīvanVi. 59. 18; शश्वदतिप्रसिद्धस्य नित्यमुपासनं व्यर्थमेव TattvPrakā. 200B. 1 (*on* iv. 1. 3); हस्तिनापुरादाग्नेयदिग्भागस्थलं विद्यालयमतिप्रसिद्धम् S'aṅkaVi.(Ā.) 238. 4; अत्र नीलोत्पलनयनयोरतिप्रसिद्धं सादृश्यम् SāhiDa. 464. 12; आदित्यमण्डलमतिप्रसिद्धम् S'ivārkaMaDī. i. 246. 19 (*on* i. 1. 21); भाषापूर्वकृत्यानि राज्ञो वादिनो वा संहिताकृता स्मृत्यन्तरेष्वतिप्रसिद्धान्न(? द्धत्वान्न) लिखितानि VīraMi. 399. 21 (*on* 2. 6); AmaK. 2771; AnekāSaṁ. 3. 716; ViśvaPra. 169. 20; ViśvaLoK. 375. 29; NānārthMa. 1811; DharK. 2611.

अतिप्रसिद्धक (atiprasiddha-ka) *adj.* quite well-known बाह्वोरभ्यन्तरे विद्यात् किणश्चातिप्रसिद्धकम् AśvaVai. 2. 20.

अतिप्रसिद्धता (atiprasiddha-tā) *f.* the state of being very widely known, very frequent तेऽमी चत्वारो(अनुप्रासविशेषा:)ऽप्यतिप्रसिद्धतया ग्राम्या उच्यन्ते SaraKaṇṭhā. 231. 17.

अतिप्रसिद्धत्व (atiprasiddha-tva) *n.* the state of being very well-known न चैतत्कचिदधिकरणान्तरे निरूपितं, न चावक्तव्यमेव गाव्यादिशब्दवाचकत्वबुद्धिवदतिप्रसिद्धत्वात् TantrVā. 115. 7 (*on* i. 3. 4); 'प्रत्यक्षानुमानागमा: प्रमाणानि' अत्र अतिप्रसिद्धत्वात् प्रमाणानां शास्त्रकारणभेदलक्षणेनैव गतत्वात् लक्षणस्य पृथक् लक्षणं न कृतम् RājMār. 4. 22; 'बिभ्रत्सलीलं शशिभासमब्जम् । यदुप्रवीर: प्रगृहीतशार्ङ्ग: सेन्द्रायुधो मेघ इवावभासे' … तत्रेन्दुविद्युतोरतिप्रसिद्धत्वाददोषत्वम् SaraKaṇṭhā. 118. 26; विवक्षितस्य प्राकरणिकत्वादनुपसर्जनीकार्यस्य अशक्यवक्तव्यत्वमतिप्रसिद्धत्वं वा विशेषं वक्तुं निषेधो निषेध इव य: स: वक्ष्यमाणविषय: उक्तविषयश्चेति द्विविध: आक्षेप: KāvyPra. 654. 3; 'भग्नद्वारा: … रिपुवसतयो ब्रुवन्ति' अत्र ब्रुवन्तीति यद्यपि व्यङ्ग्यमस्ति तथापि…कविपरम्पराप्रयुज्यमानतयातिप्रसिद्धत्वाद्वाच्यायमानमित्यगूढम् Ekāva. ii. 13. 20 (80. 4); iv. 1. 6 (131. 1); प्राणशब्दो वायुवृतौ(? त्तौ) ब्रह्मणि वेति संशय: । वायुवृता(? त्ता)वेव शक्त: इति पूर्वपक्ष: । कुत: । तत्रैव प्राणशब्दस्यातिप्रसिद्धत्वात् VedāntRaMañ. 1. 47 (5. 21); 2. 7 (88. 25); हरेर्जगत्स्वामित्वस्य शश्वदतिप्रसिद्धत्वात् TattvPrakā. 200B. 1 (*on* iv. 1. 3); विशिष्य च तेषामनभिधानमतिप्रसिद्धत्वात् (आचमननिमित्तानाम्) VīraMi. 272. 22 (*on* 1. 196); 296. 1 (*on* 1. 229); यदि 'अयमात्मा ब्रह्म' इत्यादिश्रुत्यनुसारेणाहमित्यनुभूयमानो जीव एव ब्रह्मेति मतं तदा अतिप्रसिद्धत्वान्न तस्य विषयत्वम् S'ivārkaMaDī. i. 20. 5 (*on* i. 1. 1)

अतिप्रसिद्धनिक्षेप (atiprasidhha-nikṣepa) *m.* well-established or widely known pledge अतिप्रसिद्धनिक्षेपाच्छलेनापहारमाह उपधाभिरिति ManvaVi. 997. 20 (*on* 8. 193)

अतिप्रसिद्धाक्षरा (atiprasiddhākṣarā) *adj.* (*f.*) having letters that are very legible (i. e. well written) शान्त्यै वोऽस्तु कपालदाम जगतां पत्युर्यदीयां लिपिं क्वापि क्वापि गणा: पठन्ति पदशो नातिप्रसिद्धाक्षराम् SaraKaṇṭhā. 536. 24 = SaduktiKa. 11. 7; SūktiMu. 2. 12.

अतिप्रसिद्धि (ati-prasiddhi) *f.* great renown or familiarity 'मा भवन्तमनल: पवनो वा … स्वस्ति तेऽस्तु लतया सह वृक्ष' अत्र दहत्वित्यादीनामध्याहार्यतया नेयत्वेऽपि अतिप्रसिद्धया प्रतीयमानत्वाद् गुणत्वम् SaraKaṇṭhā. 125. 9; यत्रोपमानादेवैतदुपमेयं प्रतीयते । अतिप्रसिद्धेस्तामाहु: समासोक्तिं मनीषिण: SaraKaṇṭhā. 457. 12.

अतिप्रसिद्धितस् (atiprasiddhi-tas) *adv.* on account of being well-known प्रव्राजिनोऽत्र गृह्यन्ते प्रसिद्धेर्यदि वा परे । त्रिदण्डिन: समाख्यायास्तेष्वेवातिप्रसिद्धित: BṛĀraUBhVā. iv. 4. 1084.

अतिप्रसृज् (ati-prasṛj-) VI. P. [सृज्यति: सृजतिश्च …। अते: प्राच्च तिरोभूतौ KośaKaTa. 2. 1836] to be concealed, to be hidden.

अतिप्रसृत (ati-prasṛta) *adj.* **Ai** gone far off लोभेऽतिप्रसृतान् पुत्रान् निगृह्णीष्व विशां पते MahāBhā. v. 93. 60; तस्मिन्नेव प्रयोगे तथैव सामान्यस्य व्यभिचारेण दूषिते 'जातिमत्त्वे सति' इत्यादिविशेषणमुपाददानो हेत्वन्तरेण निगृहीतो भवति । इदमपि अतिप्रसृतम् PramāMī. 67. 23 (*on* ii. 1. 34); **Aii** widely spread out तैलबिन्दुर्जले क्षिप्तो न चातिप्रसृतो भवेत् RasPraSu. 4. 64; **B** issued violently [MW]

अतिप्रसृमर (ati-prasṛmara) *adj.* widely spreading, extensive ते (गणेश्वरा:)ऽतिप्रसृमरप्रज्ञा: द्वादशाङ्गान्यसूत्रयन् PāṇḍaC. 16. 340.

अतिप्रसेक (ati-praseka) *m.* excessive flow, too much discharge श्लेष्मणोऽतिप्रसेकेन वायु: श्लेष्माणमस्यति । कफप्रसेकं तं विद्वान् स्निग्धोष्णेनैव निर्जयेत् CaraS. vi. 8. 121 (1941 Ed.) = AṣṭāHṛ. iv. 5. 63 = AṣṭāSaṁ. ii. 41. 8 (4. 7); श्लेष्मा प्रसिच्यते । तस्यातिप्रसेकात्सुषिरमार्गप्रचारेष्वेकीभावमुपगच्छते Hastyāyur. 619. 16 (4. 7)

अतिप्रस्ताव (ati-prastāva) *m.* most convenient opportunity [pw] विशेषार्थोहविस्तारो(v. l. विशेषार्थोऽतिप्रस्तावे Calcutta 1869 Ed.)ऽनुक्तसिद्धिरुदीर्यते SāhiDa. 343. 19.

अतिप्रस्तु (ati-prastu-) II. U. (*caus.*) to give occassion to रक्षायुक्तास्मि भद्रं ते (इन्द्रस्य) भर्तु: पुत्रैर्महात्मभि: ।… नातिप्रस्तावये वक्तुं व्यग्रा कर्मणि तस्य च PadmP. ii. 58. 24.

अतिप्रस्था (ati-prasthā-) I. P. to surpass, to rise above प्र नू स मर्त: शवसा जनाँ अति तस्थौ ṚV. i. 64. 13; प्राग्ने तिष्ठ जनाँ अति ṚV. viii. 60. 16.

अतिप्रस्थित (ati-prasthita) *adj.* departing very early, quickly going away तमतिप्रस्थितं भूयो विवस्वन्तं स शक्रजित् । प्रोवाचाग्निसवर्णा(र्णा) त्वं येन लोकान् प्रयास्यति VāyuP. ii. 34. 27 (F. N. प्रोवाचाग्निसवर्णत्वं यदा ह्येष प्रयास्यति इति पाठो वाक्यार्थप्रतिपादक:)

अतिप्रस्फुरित (ati-prasphurita) *adj.* too much quivering (of the lips) नातिप्रस्फुरिताधरानवरतं नि:श्वासमेवोज्झसि PriyDa. 4. 3.

अतिप्रस्रुत (ati-prasruta) *adj.* having excessive discharge (of secretion and wine) यथोक्तोपद्रवाविष्टमतिप्रस्रुतमेव च । पिडकापीडितं गाढ: प्रमेहो हन्ति मानवम् HārīS. ii. 4. 45 = RugVi. 33. 21 (comm. अतिशयं धातुमूत्रस्रावयुक्तम्)

अतिप्रस्वेदन (ati-prasvedana) *n.* excessive perspiration विड्भेदपीतमलमूत्रविलोचनातिप्रस्वेदनप्रचुररक्तमहातिसारा: ।… पित्तज्वरे प्रतिदिनं प्रभवन्ति KalyāKā. 9. 56.

अतिप्रहर्ष (ati-praharṣa) *m.* excessive joy or delight अतिप्रहर्षादथ शोकमूर्च्छिताः कुमारसंदर्शनलोललोचनाः । गृहाद्विनिश्चक्रमुराशया स्त्रियः BuddhaC. 8. 20; लीलाशुकाः कोकिलकूजितानामतिप्रहर्षाद्विहितानुकाराः । गृहादवाञ्छन्त वियोगिनीभिः VikraDeC. 7. 32.

अतिप्रहर्षित (ati-praharṣita) *adj.* very glad, greatly happy मुनयो ह्यर्कचिनाः समित्कुशं पुष्पफलाक्षतादिकम् । कृत्वा च तस्मै मुनयः सुमुक्ताः क्षेत्रोत्तमं जग्मुरतिप्रहर्षिताः SkandP. ii(2). 49. 46; स्वजनन्यन्तिकं प्रागादथ सोऽतिप्रहर्षितः । हनूमान् सर्वमाचख्यौ तस्मै तद्वृत्तमादरात् S'ivaP. iii. 20. 10 (319A. 14)

अतिप्रहा (ati-prahā-) III. Ā. to hand over, to pass on इडां समवदाय प्रतिप्रस्थात्रेऽतिप्रजिहीते S'atBr. II. v. 2. 40.

अतिप्रहार (ati-prahāra) *m.* severe blow, excessive beating स तेनातिप्रहारेण व्यथितो विह्वलन्निव । संचचाल रथे कर्णः MahāBhā. viii. App. I. 12(29); ताभ्यां चातिप्रहाराभ्यामुभौ गरुडकेशवौ । मोहाविष्टौ विचेतस्कौ मृतकल्पाविवासताम् SkandP. i(2). 20. 86.

अतिप्रहारिन् (ati-prahārin) *adj.* severely attacking, giving heavy blows वृषाङ्काश्च गणास्तेऽतिप्रहारिणः । वीरभद्रं पुरस्कृत्य ··· युयुधुः SkandP. i(1). 29. 42.

अतिप्रहीणरश्मि (atiprahīṇa-raśmi) *adj.* whose lustre or brightness is completely lost नातिप्रणीत(v. l. प्रहीण)रश्मिः स्यात्तथा भवति पर्यये । विषादमर्छेद् ग्लानिं वा एतदर्थं ब्रवीमि (कृष्णः) ते MahāBhā. v. 75. 14 (Nil. निष्प्रभः)

अतिप्रहृष्ट (ati-prahṛṣṭa) *adj.* extremely happy, exceedingly joyful एवं ब्रुवाणं पुनराद्रवन्तमास्थाय बलान्तमतिप्रहृष्टम् । ये भीमसेनं ददृशुः MahāBhā. viii. 61. 8; जग्राह पार्थस्तमतिप्रहृष्टः MahāBhā. viii. 1154*(1); GaṇeP. ii. 57. 8; ततः प्रबुद्धः स तु राजनामा काल्ये द्विजः स्वप्नमतिप्रहृष्टः । न्यवेदयत् ĀnandRa. 5. 59.

अतिप्रहृष्टदेशा (atiprahṛṣṭa-deśā) *adj.* (*f.*) having a very pleasant region नातिप्रहृष्टदेशैषा ह्ययोध्या दृश्यते पुरी Rāmā. ii. 1657*(1)

अतिप्रहृष्टवत् (atiprahṛṣṭa-vat) *adv.* as though very glad or extremely happy अपरेद्युरपि श्येनस्तत्र भारशिलातले । कियदन्तरमासाद्योपविष्टोऽतिप्रहृष्टवत् SkandP. iv. 76. 40.

अतिप्रहृष्टहृदया (atiprahṛṣṭa-hṛdayā) *adj.* (*f.*) with the heart full of great joy परमेश्वरी । अतिप्रहृष्टहृदया मुमोद S'ivaP. vi. 9. 48 (481B. 10)

अतिप्रह्व (ati-prahva) *adj.* extremely humble अतिप्रह्वस्य पादार्पणं धूर्तानां स्तुतिभूतिसूतिसदनं दम्भप्रभावादिदम् DaśāvaC. 4. 68; योद्धारः (कौरवपाण्डवयोः) ··· तेऽतिप्रह्वमभाषन्त तं लज्जाजिह्मिताननाः PāṇḍaC. 13. 39.

अतिप्रांशु (ati-prāṁśu) *adj.* i extremely tall यत्र च प्रतिपथमतिप्रांशुहरमन्दिरशिखरशूलाग्रपाटितात् ··· चन्द्रमसो मण्डलाद्गलितैः ··· अमृतरसैरिव पयोभिर्भरितगर्ताः ··· जलाशयविशेषाः UdaySuKa. 21. 26; दृष्टवान् ··· अतिप्रांशुना शिखरेण ··· आयतनम् (अहम्) TilaMañ. 154. 21; भीमाकृतिरपि प्रांशुः सासितूणीरकार्मुकः (कर्णः) PāṇḍaC. 3. 416; ii very long drawn (deep) दन्तस्तम्भनिषण्णनिःसहकरः श्वासैरतिप्रांशुभिर्येनायं विरही तु वारणपतिः ··· स विन्ध्यो भवान् SubhāRaK. 33. 106.

अतिप्रांशुता (atiprāṁśu-tā) *f.* excessive tallness राज्यवर्धनहर्षौ ··· पृष्ठतस्तस्य कनीयांसमतिप्रांशुतया गौरतया च मनःशिलाशैलमिव संचरन्तम् ···माधवगुप्तं ददृशतुः HarṣaC. 198. 1.

अतिप्राकृत (ati-prākṛta) *adj.* very common, very ordinary, extremely dull-witted अतिप्राकृतस्तु 'आत्मा वै जायते पुत्रः' इत्यादिश्रुतेः···पुत्र(? त्रो)हात्मेति वदन्ति VedāntSā.(Sa.) 18. 3; एतैरतिप्राकृतादिवादिभिरुक्तेषु श्रुतियुक्त्यनुभवाभासेषु पूर्वपूर्वोक्तश्रुतियुक्त्यनुभवाभासानामुत्तरोत्तरश्रुतियुक्त्यनुभवाभासैरात्मबाधदर्शनात् VedāntSā.(Sa.) 19. 19.

अतिप्राक्प्रियतम (atiprāk-priyatama) *adj.* dearest (to me) for a long time त्वमद्य दृष्टोऽपि अतिप्राक्प्रियतमोऽसि CaitaCa. 197. 9 (8)

अतिप्रागल्भ्य (ati-prāgalbhya) *n.* extreme audacity or boldness अतिशौण्डीर्यमतिप्रागल्भ्यं दुर्वैदग्ध्यम् ··· न सहते VedāntKa. 551. 13 (*on* iv. 4. 5)

अतिप्रागल्भ्या (ati-prāgalbhyā) *adj.* (*f.*) (a lady) having too much boldness अतिप्रागल्भ्येव तिर्यक्प्रसारितमृजलतासरलसुकुमारारुणाङ्गुलीपरिगृहीतम् ··· ताम्बूलमदात् TilaMañ. 363. 3.

अतिप्राच् (ati-prāc) *adv.* very early in the morning न यायात्···नातिप्राङ् नातिवेलायां न रात्रौ न खरातपे MṛgendraT. iv. 1. 63.

अतिप्राची (ati-prācī) *adj.* (*f.*) who has surpassed the one before क्रियां वर्तमानेभ्य ईप्रत्ययो भवति । ··· अञ्चि । प्राची । अतिप्राची KātanVṛ. *on* ii. 4. 50.

अतिप्राचीन (ati-prācīna) *adj.* very ancient ते भ्रान्ताः कटकादौ साक्षिगोपालादयोऽतिप्राचीना एव ततः CaitaCa. 132. 1(6); अतिप्राचीनैर्मनोरमाकारैरेतत्तन्त्रीयत्वेन लिखितश्लोकाल्लिङ्गात् ··· कतिपयानामप्रक्षिप्तत्वे निश्चिते सति SetuBa. 176. 3.

अतिप्राज्ञ (ati-prājña) *adj.* extremely wise, highly intelligent अपि शूरा अतिप्राज्ञास्ते न सन्ति जगत्त्रये । अविद्यया ये पुरुषा न नाम विवशीकृताः YogVā. iv. 41. 36; (ironical) नूनमतिप्राज्ञोऽसि KhaṇḍanKhā. 100. 9.

अतिप्राज्ञता (atiprājña-tā) *f.* the state of being very wise स्वयमेवातिप्राज्ञतया यो वेदार्थं वेत्ति सोऽत्र 'वेदार्थविद्' अभिप्रेतः CaturCin. iii(1). 398. 3.

अतिप्राज्य (ati-prājya) *adj.* i in great quantity, excessively plentiful प्रगुणिताः ··· पोताः, पुञ्जितं तेष्वतिप्राज्यमशनम् TilaMañ. 130. 22–131. 1; ii very great, highly glorious सुचिरमुपभुक्ता(? न्य)तिप्राज्यानि जीवलोकसुखानि TilaMañ. 348. 1; इतो गत्वा तदेव पित्रा प्रतिपादितमतिप्राज्यवैभवमध्यास्व निजमेव यौवराज्यम् TilaMañ. 98. 6; 402. 12; (त्वम्) अतिप्राज्यसाम्राज्यश्रियं तृणवदवधूय ··· सकलकर्मनिर्मोक्षमुपेयिवांसस्तान् ··· अपवदेः PramāMī. 13. 5–6 (*on* i. 1. 16)

अतिप्राणप्रिय (ati-prāṇapriya) *adj.* [*f.* -ā] very dear like life, dearer than life अस्ति कस्मिंश्चिदधिष्ठाने कोऽपि ब्राह्मणः । तस्य च प्रियातिप्राणप्रिया PañcT. 220. 24 (KOSEGARTEN); सातिप्राणप्रियाष्टाभिः सखीभिः सहिता स्थिता ĀdiP. 13. 47; (त्वम्) अतिप्राणप्रिया विष्णोस्त्वदायत्तः स्वयं हरिः ĀdiP. 13. 97.

अतिप्राणम् (ati-prāṇam) *adv.* exceeding life [PW; MW]

अतिप्रातर् (ati-prātar) *adv.* very early in the morning नातिप्रगे नातिप्रातः सङ्गवे नातिसायम् ··· भुञ्जीत ManvaVi. 486. 8 (*on* 4. 62)

अतिप्रातिलोम्यतस् (atiprātilomya-tas) *adv.* by opposing firmly नात्यन्तमानुलोम्येन न चातिप्रातिलोम्यतः । सिद्धिं गच्छति कन्यासु तस्मान्मध्येन साधयेत् KāmSū. 206. 12 (*on* 3. 2)

अतिप्रादुर्भाव (ati-prādurbhāva) *m.* excessive flow शुक्रं (अतिवृद्धं) शुक्राश्मरीमतिप्रादुर्भावं च (आपादयति) SuśruS. i. 15. 14 (comm. अतिप्रादुर्भावमिति अतिप्रवृत्तिं शुक्रस्येत्यर्थः)

अतिप्राधान्य (ati-prādhānya) *n.* extreme prominence, absolute pre-eminence अन्यथा तस्यातिप्राधान्यासिद्धेः समर्थनीयमेतत् TattvPrakā. 215A. 6 (*on* iv. 3. 6); अतो वायोरेवान्तिमत्वाद् युक्तं तस्यातिप्राधान्यम् TattvPrakā. 215B. 1 (*on* iv. 3. 6); बीजस्यातिप्राधान्याद्बीजशुद्धिरेव ग्राह्या ManvaVi. 1315. 23 (*on* 10. 72); एकस्य श्रुतिरूपस्य प्रमाणस्यातिप्राधान्यसूचनाय धर्ममूलं धर्मे प्राधान्येन प्रमाणम् VīraMi. 20. 12 (*on* 1. 7)

अतिप्राप्ति (ati-prāpti) *f.* too wide an occurrence त्वा ··· इत्यादौ एतल्लक्षणसंभवादतिव्याप्तिम् (v. l. अतिप्राप्तिम्) उत्तरसूत्रैः परिहरति Tribhāṣyaratna *on* TaiPrāti. 3. 1.

अतिप्राप्यत्व (atiprāpya-tva) *n.* the state of being urgently obtainable अर्थित्वे (अन्यथात्वम्) अतिप्राप्यत्वेन Bhāsk. ii. 100. 16 (*on* ii. 3. 5)

अतिप्राबल्यदशा (atiprābalya-daśā) *f.* the state of (its) extreme superiority, very powerful position तस्यैवापूर्वस्यानेनातिप्राबल्यदशायाः कल्पनीयत्वात् VīraMi. (Vyavahāra.) 203. 5.

अतिप्राभव (ati-prābhava) *n.* high excellence, superiority in power सोऽयं सत्यपि न प्रमाद्यति सदाचारादतिप्राभवे Jīvān. 44. 4.

अतिप्रामाणिक (ati-prāmāṇika) *adj.* very authoritative, very reliable एवमादीनि स्मृत्यर्थसारकादीनामतिप्रामाणिकशिष्टपरिगृहीतानां वचनानि ··· विवाहनिषेधबोधकानि सन्ति VīraMi. (Saṁskāra.) 610. 21.

अतिप्रामाणिकत्व (atiprāmāṇika-tva) *n.* the state of being very authoritative परस्याप्यतिप्रामाणिकत्वेनावधारितस्य लेख्यं साक्षिरहितमपि प्रमाणम् VīraMi. 520. 24 (*on* 2. 84)

अतिप्राशस्त्य (ati-prāśastya) *n.* extreme worthiness, excellence of very high order कुतपस्यातिप्राशस्त्यात्प्रयत्नेन कुतपे श्राद्धारम्भं संपादयेत् CaturCin. iii(2). 580. 17; परिखाद्वारेण यदा ··· वृद्धयतिशयेन गङ्गाजलं प्रसरति तदातिप्राशस्त्यमित्यर्थः TristhaSe. 140. 17; तत्रापराश्रेष्ठतमेऽतिप्राशस्त्यं दर्शयति BālamBha. i. 486. 11 (*on* 1. 216)

अतिप्रिय (ati-priya) *adj.* very dear, most beloved ममायमाचार्यसुतो द्रोणस्यातिप्रियः सुतः MahāBhā. vi. 69. 13; (कामी) अतिप्रियस्तु विज्ञेयस्तृतीयः कामवेदिभिः VitVṛ. 52; 53; राज्यलाभाद्विना नान्यत् क्षत्रियाणामतिप्रियम् ViṣṇuP. vi. 7. 1; अतिप्रियोऽपि द्वेष्योऽपि यात्याशु विपरीतताम् AṣṭāSaṁ. i. 54. 21 (1. 8); मुष्णाति प्रसभमसौ धियं न केषामुष्णातिप्रियजनविप्रयोगबाधा RāmC. 34. 70; न ह्यस्यातिप्रियः कश्चिन्नाप्रियः स्वः परोऽपि वा BhāgP. vi. 16. 10; अतिप्रियश्च धातुश्च वशिष्ठस्तेन कीर्तितः BrahmVaiP. i. 22. 12; iv. 23. 71; बालको

-बक इत्येवं प्रतीतोऽतिप्रियः पितुः SkandP. i(2). 7.46; स मां च त्वां च विजानाति चावयोरप्यतिप्रियः KulārT. 3.73; घृतादमृतमुत्पन्नममराणामतिप्रियम् BhaviP. 279A.3 (*on* i. 187.56); 470A.11 (*on* iii. 38.15); व्यासः सर्वपुराणानि ... अध्यापयामास गुरुर्मामतिप्रियमात्मनः PadmP. i. 1.26; कुतो वृन्दावनं चेदं श्रेष्ठं माथुरमण्डले। हरेरतिप्रियं कस्मात् ĀdiP. 9.22; अभूदुदयराजस्य ... अतिप्रियः। यः सहायोऽक्षपटले जयगुप्ताभिधः कृती: RājTa.(Ka.) 6.287; 7.297; अतिप्रियं मे गुञ्जाभरणम् GopāKeCan. 65.10; सर्वैर्गुणैः पूर्णाय विष्णवे नमोऽस्तु सर्वथातिप्रियाय मे BrahmSūBh.(Ma.) 76A.11 (*on* iv. 4.23); अतिप्रियं मधु मदकरं पाययं पाययं प्रियाः समपाययत् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 10.13; तस्य पुरोहितो वसुमित्रः ...सर्वलोकस्यातिप्रियः SiṁhāDvā. 128.0(7); निर्गुणोऽपि गुणिनामतिप्रियैः स्वैर्गुणैर्जगदिदम् ...मोहयन् विजयते HariVi. 1.14; सर्वेश्वरः ... तानतिप्रियान् ... स्वान्तिकमुपानीय कदाचिदपि न जिहासति GoviBh. 326.1 (*on* iv. 4.22); प्रकारेणापरेणैव यद्वक्तव्यर्थमतिप्रियम्। शब्दार्थवृत्तिशून्येन पर्यायोक्तं तदिष्यते SāhiSā. 2.125; *m.* name of Viṣṇu दिवस्पतिरतिप्रियः इति ... विष्णोर्नामसहस्रकम् SātvaT. 6.207 [अतिप्रिय is given as the meaning of न्युङ्ख or न्यूङ्ख in TrikāS'e. (सारार्थ.) iii. 3.50; AnekāSaṁ. 2.22; NānārthāSaṁ. i. 102.697]

अतिप्रियकृत् (atipriya-kṛt) *adj.* doing very agreeable things सोमवारव्रतं चैव ममातिप्रियकृन्नग DevīBhāP. vii. 38.41.

अतिप्रियतमा (ati-priyatamā) *adj.* (*f.*) extremely dear तस्य...भार्या भानुमती सा राज्ञोऽतिप्रियतमा SiṁhāDvā. 29.0(5)

अतिप्रियता (atipriya-tā) *f.* the great affection, ardent love, extreme fondness विद्वद्गुरूणां विनयोपचारैः कश्चिद्बभूवातिप्रियतां प्रयातः VarāṅgaC. 14.93; प्रियातिप्रियतां याति यत्प्रियस्य विशेषतः AṣṭāSaṁ. ii. 52.25 (4.9); शौर्योदार्यनिधेः सूनोरतिप्रियतया तया। राज्यसौख्यलता राजहृद्युद्याने फलाचिता RājTa. (S'rī.) 1(7). 57.

अतिप्रियत्व (atipriya-tva) *n.* the state of being very dear, great affection or love अतिप्रियत्वान्न हि मे कातरं प्रतिपद्यते। चेतो वालिवधं राम क्लेशापहमुपस्थितम् Bhaṭṭi. 6.112; कर्तनादिना केनचिदुपायेन जीवन्त्या जीवितस्यातिप्रियत्वात्तदुपेक्षणस्याशास्त्रत्वात् ManuBh. i. 492.20 (*on* 5.155); विशेषकग्रहणमादरार्थम्। विलासिनीनामतिप्रियत्वात् JayaMa. 34.16 (*on* 1.3); प्रवालानां पुनरुपादानमतिप्रियत्वं ज्ञापयितुम् VīraMi.(Āhnika.) 357.1.

अतिप्रियदर्शन (ati-priyadarśana) *adj.* of very beautiful appearance अश्विनोः सदृशौ रूपे कस्यातिप्रियदर्शनौ (पुत्रौ) Rāmā. i. 1041*(6); गन्धर्वा राक्षसाश्चान्ये ये चातिप्रियदर्शनाः। सर्वे शुम्भभयाद् भीताः DevīBhāP. v. 23.56.

अतिप्रियपूर्वकम् (atipriyapūrva-kam) *adv.* with great affection एतानि रत्नानि समुद्रेणातिप्रियपूर्वकं दत्तानि SiṁhāDvā. 55.11(7)

अतिप्रियवादिन् (ati-priyavādin) *adj.* speaking very sweetly or lovingly प्रेमकोपविनाशाय अतिप्रियवादिना कृतं। पादार्पणं मूर्ध्नि PadmP.(Ra.) 77.40.

अतिप्रियादृत (atipriyādṛta) *adj.* endowed with great love गोप्यश्चातिप्रियादृताः। प्रेत्यागतमिवौत्सुक्यादैक्षन्त BhāgP. x. 11.54.

अतिप्री (ati-prī-) IX. Ā. to delight तपोलक्ष्मीसमासङ्गाद् गुरुरस्यातिपिप्रिये MahāP. 11.50; (*pass.*) to be pleased with सा तु गम्येन नातिप्रीयेत KāmSū. 315.6 (6.2)

अतिप्रीत (ati-prīta) *adj.* extremely pleased, very much in love सोऽतिप्रीतस्तस्यामेव क्षपायां वृक्षवाटिकां गतः DaśKuC. 117.6; 141.12; (स्वजनाः) अनुजग्मुरतिप्रीता रावणं पृथुकीर्तयः PadmP.(Ra.) 10.51; पयः पयोधरासक्तैः पिबद्भिरवितृप्तिभिः। कृच्छ्रलब्धमतिप्रीतैश्चातकैरभिकायितम् MahāP. 3.176; नातिप्रीतोऽभ्यगात्पुरम् (ध्रुवः) BhāgP. iv. 9.27; उग्रसेनः ... अतिप्रीतो गुणैस्तस्याः (सुलोचनायाः) PadmP. ii. 48.7; अभूतां भ्रातरौ विप्रावतिप्रीतौ परस्परम् KathāSaSāg. i. 2.41; सोऽदाद्विक्रमसिंहभूपतिरतिप्रीतो यकाभ्याम् ... श्रेष्ठिपदम् EI. ii. 239.39; वत्स भवत्सहजोज्ज्वलभावभङ्गिभिरतिप्रीतोऽहम् HammīMaMa. 5.58 (? 59) (2); तत्प्रभावादिकं सर्वं कथयामास सागरः। अतिप्रीतो नृपस्तस्य सन्मानं बहुकारयत् PārśvC. 1.427; वल्लभो दयिते...अतिप्रीतेऽतिसौन्दर्ये Nānārtha. Ma. 1163; ततोऽयमतिप्रीतोऽभवत् VetāPañ.(Jam.) 116.23.

अतिप्रीतचेतस् (atiprīta-cetas) *adj.* very much pleased in mind इत्थं लोककर्तां श्लाघां श्रुत्वातिप्रीतचेतसः। पुण्डरीकोपमाः पाण्डोर्द्दृशः पेतुर्युधिष्ठिरे PāṇḍaC. 3.367.

अतिप्रीतमनस् (atiprīta-manas) *adj.* very much pleased in mind उपोह्यमाने द्यूते तु ...। भीष्मो द्रोणः कृपश्चैव ... नातीव प्रीतमनसः (v. l. नैवातिप्रीतमनसः) MahāBhā. ii. 53.18; (तनयं स्वकम्) अतिप्रीतमना गौरी तस्याङ्के संन्यवेश[य]त् GaṇeP. ii. 85.8; एवं श्रुत्वा ... व्यासो ब्रह्ममुखात् कथाम्। अतिप्रीतमनाः प्राह GaṇeP. ii. 149.46.

अतिप्रीति (ati-prīti) *adj.* extremely pleased गृहगुप्तः ... सह जामात्रा दुहितरमतिप्रीतिः प्रत्यनैषीत् DaśKuC. 115.14; *f.* excessive love, great affection नातिप्रीतिमकुर्वत MahāBhā. ii. 472*; मद्भर्ता ... ममैव केवलमतिप्रीत्या समीपपरिवर्ती ViṣṇuP. iv. 2.107; चित्रकेतोरतिप्रीतिर्यथा दारे प्रजावति BhāgP. vi. 14.38; ततो वल्मीकजन्मासौ राजानं समपृच्छत। अनामयमतिप्रीत्या कुशलप्रश्नवार्तया YogVā. i. 1.49; ममानङ्गसेनायामतिप्रीतिः SiṁhāDvā. 6.5 (6); लक्ष्मीः सरस्वती च स्वर्णवदातनिभे अतिप्रीत्यै (पूज्ये) PañcaRā.(Nā.) v. 2.43; उत्पत्तिप्रभृति प्रतिक्षणमतिप्रीत्या मयाराधिता यूयम् KaṁVā. 4.13; स्वान्मातर्यायत्ता ...। तदभावेऽन्यत्र स्वात्रातिप्रीतिस्तयोर्गम्ये KandaCū. vi. 2.3.

अतिप्रीतिकर (atiprīti-kara) *adj.* [*f.* -ā] causing great delight, giving extreme pleasure इति श्रुत्वा स वचनं भगवद्गणभाषितम्। अतिप्रीतिकरं हृद्यं ततस्तौ प्रत्युवाच ह SkandP. iv. 8.9; भवत्कृतमिदं स्तोत्रमतिप्रीतिकरं मम GaṇeP. i. 40.55; हरेरतिप्रीतिकरां हि राधिकां वदन्ति केचित् AlaṅkāMañ. 18.14.

अतिप्रीतिकरत्व (atiprītikara-tva) *n.* the state of causing great delight चित्ररतानि वक्ष्यन्ते। तेष्वभिनिवेशोऽतिप्रीतिकरत्वात् JayaMa. 129.21 (*on* 2.5)

अतिप्रीतिकारिन् (ati-prītikārin) *adj.* causing great delight तव प्रसन्नोऽस्मीशान कर्मणानेन ... ममातिप्रीतिकारिणा SkandP. iv. 33.28.

अतिप्रीतिपर (atiprīti-para) *adj.* very much delighted, overwhelmed by excessive pleasure अजातारेस्ततो जाते क्षितिपानामुपायने। अतिप्रीतिपराः पौरा मङ्गलानि वितेनिरे PāṇḍaC. 14.309.

अतिप्रीतिमत् (atiprīti-ma(n)t) *adj.* possessed of great affection स नातिप्रीतिमांस्तस्यामभूद्यस्या ध्रुवः सुतः ViṣṇuP. i. 11.3; BrahmāṇḍP. ii. 51.49.

अतिप्रीतियुत (atiprīti-yuta) *adj.* [*f.* -ā] endowed with extreme delight द्रौपदी हतपुत्रा च सुभद्रा ...। नातिप्रीतियुते देव्यौ MahāBhā. xv. 28.15; अतिप्रीतियुतः शम्भुः ...। तत्रापश्यत् ... देवीम् S'ivaP. iii. 33.10 (336A.10)

अतिप्रीतिविषय (atiprīti-viṣaya) *m.* object of great love घृतोपरिविद्यमानं मण्डं सारस्तद्वतामतिप्रीतिविषयो यथा तथा मुमुक्षूणामतिसाररूपानन्दप्रदत्वेन निरतिशयप्रीतिविषयः परमात्मा S'vetāUBh. 193.15 (*on* 4.16); (ककाररूपा) ककारोऽप्यतिप्रीतिविषयमूलमन्त्रादिमाक्षरतया अभ्यर्हितत्वाद्वा तद्रूपेत्यर्थः LalitāTriBh. 253.16 (*on* 1)

अतिप्रु (ati-pru-) I. Ā. to swim away, to escape पूर्वे ब्राह्मणा मीमांसन्ते क उ स्विदद्य शिशुमार्यै व्यात्तमतिप्रोष्यत इति JaimiBr. 1.176; अ॒श्व॒त॒रो॑ऽत्य॑प्रवत TaiS. VII. i. 1.2; ता उ॒प॒र्यु॒प॒र्य॒तिपुप्रुविरे S'atBr. I. i. 3.5. cf. **अतिद्रु**.

अतिप्रेक्ष्य (ati-prekṣya) *ger.* having seen or noticed तमायान्तमतिप्रेक्ष्य मुनिवर्यम् ... नृपः BrahmāṇḍP. ii. 49.39.

अतिप्रेङ्खित (ati-preṅkhita) *n.* rapid movement द्वारं स्वस्याङ्गणभुवमतिप्रेङ्खितैस्तोरणानां स्नेहादाश्वासयति मरुतां प्रेरणेनेव शश्वत् InduDū. 104.

अतिप्रेमन् (ati-preman) *m. n.* great devotion or love ततः प्रमार्ज्य वस्त्रेण तमनर्घ्यांशुकानि च। परिधापयेदतिप्रेम्णा राधां चान्यां च शक्तितः SkandP. ii(9). 29.12; अतिस्नेहस्य निस्यन्दादतिप्रेम्णः प्रवृत्तिभिः। छायेवानुचरेत् कान्तं यान्तं तिष्ठन्तमङ्गना NāṭaLaRaK. 2377.

अतिप्रेमपात्र (atiprema-pātra) *n.* object of extreme love राघव त्वमतिप्रेमपात्रमसि मे CaitaCa. 197.19 (8)

अतिप्रेमपात्रीभू (atipremapātrī-bhū-) I. P. to become the object of excessive love स्नानोत्तीर्णां विशदवसना कज्जलेनाञ्जयन्ती नेत्रे दन्तीश्वरगतिरतिप्रेमपात्रीबभूव PadyaVe. 548.

अतिप्रेमप्रिय (atiprema-priya) *adj.* loving great devotion वन्दे वन्दनतुष्टमानसमतिप्रेमप्रियम् ... शिवम् S'ivaP. ii(4). 1.1 (192A.2)

अतिप्रेमबल (atiprema-bala) *n.* power of ardent love अतिप्रेमबलात्सा तं कटिदेशे दधार ह GaṇeP. ii. 21.42.

अतिप्रेमवत् (atiprema-va(n)t) *adj.* having great or ardent love जाने भवन्तं सदा राधिकायामतिप्रेमवन्तम् StavMā. 254.19.

अतिप्रेमसंभार (atiprema-sambhāra) *m.* burden of extraordinary affection or love तेनातिप्रेमसंभारैः प्रेषितासि तवान्तिकम् ĀdiP. 14.50.

अतिप्रेमार्द्र (atipremārdra) *adj.* succulent due to excessive affection or love वचनमपि प्रेमार्द्रं (v. l. वचनमतिप्रेमार्द्रं) स्वैरिण्याः श्रवणमेति पुण्यवताम् KuṭṭaMa. 857.

अतिप्रेमाहित (atipremāhita) *adj.* imagined through ardent love अतिप्रेमाहितात्माहितप्रश्नुभ्यद्रिरिजागृहीतपुनरुद्भूताग्रहस्ताम्बुजम्।...शम्भोः स्थितं पातु वः NīlaVi. 101.10.

अतिप्रेयस् (ati-preyas) *adj.* (*comp.*) [*f.* -ī] extremely dear सा चाहं तारावली नाम ... अभूवमतिप्रेयसी सखीपदे तस्याः UdaySuKa. 97.21; अतिप्रेयसां भक्तानां स्वान्तिविलम्बमसहिष्णुरीश्वरः ... तान्स्वान्तिकं नयति GoviBh. 296.13 (*on* iv. 1.17)

अतिप्रेरणा (ati-preraṇā) *f.* extreme instigation भूभृत् …। अतिप्रेरणया तेषां राज्येऽप्युद्विग्नतामगात् RājTa.(Jo.) 907.

अतिप्रेर्य (ati-prerya) *ger.* having passed over, spending (time) (सा) दिनशेषमतिप्रेर्य …। प्रातः सादरमादत्त चित्रं मण्डनमात्मनः BṛKathāS'loSam. 10. 196.

अतिप्रेष् (ati-preṣ-) IV. P. **i** to pass over or transfer the call अध्वर्यू यजतं गृहपते यजेत्यभिज्ञायोभयत्रातिप्रेष्यति होतरेतद्यजेति ĀpaS'S. xii. 27. 6; होतरेतद्यजेति वातिप्रेष्यति MānS'S. 82. 5; **ii** to give a call for a subsequent action यदतिप्रेष्यति तेनाहरभ्यासजति ĀpaS'S. xiv. 34. 4.

अतिप्रेषण (ati-preṣaṇa) *n.* passing over or transferring a call गृहपतौ प्रेषिते ततोऽन्येनातिप्रेषणायोगात् ĀpaS'S. xii. 27. 7 (comm.)

अतिप्रेषित (ati-preṣita) *adj.* given a transferred call अतिप्रेषित अग्नीध्रः … इन्द्राग्निभ्यां प्रब्रवीमि … इत्यावेदयति MānS'S. 165. 20; अतिप्रेषितेऽग्नीदाह KātyS'S. xii. 6. 25.

अतिप्रेषितृ (ati-preṣitṛ) *adj.* giver of a transferred call किमध्वर्युरेवोभयत्रातिप्रेषिता नेत्याह ĀpaS'S. xii. 27. 6 (comm.)

अतिप्रेष्ठ (ati-preṣṭha) *adj.* (*superl.*) [*f.* -ā] very dear, the most beloved सा बभूव …। मातापित्रोरतिप्रेष्ठा BhaviP. 654B. 14 (iv. 28. 47); अतिप्रेष्ठवयस्याभिः … अभिवेष्टिताम् ।… त्वामसौ याचते StavMā. 73. 9; अतिप्रेष्ठवृन्दावनोऽपि कथमसौ स्वल्पमेव कालं तत्रावतस्थे CaitaCa. 225. 1 (9)

अतिप्रैष (ati-praiṣa) *m.* **i** transferred call अतिप्रैषेण ब्रह्मा वाचं यच्छति BaudhS'S. ii. 248. 2; अहर्गणेष्वेवं सदातिप्रैषेण प्रशास्ता वाचं यमयति LāṭyāS'S. v. 12. 5; एवं प्रशास्तुरभिज्ञायोभयत्रातिप्रैषः कर्तव्यः ĀpaS'S. xii. 27. 6 (comm.); **ii** *mantra* called *atipraiṣa* अतिप्रैषस्य पुरोनुवाक्यामन्वाह KauṣīBr. 30. 11 (147. 6); अननुवषट्कृतेऽतिप्रैषं मैत्रावरुण आह ĀśvaS'S. I. vi. 11. 13.

अतिप्रैषादि (atipraiṣādi) *adv.* beginning with the transferred call सोमे धर्मादि चातिप्रैषादि चासुब्रह्मण्यायाः ĀśvaS'S. I. i. 12. 18 (comm. धर्ममारभ्यातिप्रैषं चारभ्य … वाङ्नियमः)

अतिप्रैषान्त (atipraiṣānta) *m.* end of the transferred call अतिप्रैषान्तं श्रुत्वा वसतीवरीणां परिहरणात् S'āṅkhāS'S. viii. 15. 6 (comm. इह मद एव मघवन्नित्येवमादिकोऽतिप्रैषः)

अतिप्रोक्ष (ati-prokṣa) *m.* name of a *mantra* (TaiS. VII. i. 11. 1) अथैनमतिप्रोक्षेण प्रोक्षति BaudhS'S. ii. 211. 18.

अतिप्रोढ (ati-proḍha) *adj.* carried over तस्यातिर्नास्ति च्छन्दसा छन्दोऽतिप्रोढस्यातियन्नेव यं द्विष्यात्तं मनसा प्रेव विध्येत् KauṣīBr. 11. 5 (51. 2); छन्दसां छन्दोऽतिप्रोढं स्यात् GopBr. ii. 3. 11.

अतिप्रौढ (ati-prauḍha) *adj.* [*f.* -ā] **i** very mature, very suitable or fit, becoming सुसहायमतिप्रौढं शूरम् …मत्वा राजा नियामयेत् BṛParāSm. 12. 58; स्थापनात्तस्य नियतमतिप्रौढोऽपि तत्क्षणात् ।… त्यक्तलज्जः पलायते TantrRā. 9. 80; सरस्वतीमतिप्रौढामनायासेन योजयन् MahāP. 2. 92; अथ गोपाङ्गनाः सर्वाः काममत्ततया मुने । अतिप्रौढाश्च मानिन्यो नेश्वरं मेनिरे पतिम् BrahmVaiP. iv. 29. 1; अर्थलुब्धामतिप्रौढां चित्रालङ्कारहारिणीम् । प्रौढां वाणीमिव कवेः स्वच्छन्दां बन्धकीं नुमः Desopa. 3. 1; इतरस्त्रीचातुर्यं गणयति नेयं रतावतिप्रौढा ।… तरुणी S'ṛṅgāMañ.(A.) 5. 24; **ii** of the nature of activity (i. e. of *rajas*) ततो यमोऽतिनिर्विण्णो ब्रह्मणः सदनं ययौ ।… सत्त्वेन रजसा चैव तमसा च समन्वितम् । शान्तमूढातिप्रौढैश्च विकारैः प्राकृतैरपि ।…वृतम् SkandP. ii(7). 11. 103; **iii** very mature or sophisticated (composition) नातिप्रौढसंदर्भा सात्वती नाम वृत्तिः SaraKaṇṭhā. 162. 12; यत्र रौद्रबीभत्सावतिप्रौढेन संदर्भेण प्रतिपाद्येते तत्रारभटी PratāYaBhū. 59. 1; **iv** greatly advanced अतिप्रौढा रात्रिर्बहलशिखदीपः प्रभवति प्रियः … सुरतमकरोत् SubhāRaK. 19. 15; **v** fully developed, very intense (anger, fire etc.) मध्यमानां भवेच्छोके मुमूर्षा मृतिरेव वा । उत्तमानामतिप्रौढो विवेकेनैव शाम्यति BhāvPra.(Sā.) 63. 10 (3); प्रजानाम् … पीडनेन यः संतापो दुःखं तेन समुद्भूतोऽतिप्रौढः सन्तुपन्नो हुताशनः प्रजाक्रोधरूपः…राज्ञः कुलादीन्यदग्ध्वा…न शाम्यति VīraMi. 368. 20 (*on* 1. 341); संभोगेच्छामतिप्रौढां चेष्टया प्रब्रवीति यत् । तदिह व्याहृतं चेष्टास्पष्टीकरणमञ्जसा SāhiSā. 2. 28; साशङ्कं कवाटविवरदत्तचक्षुरतिप्रौढचन्द्रातपतया … तामेव कान्तामपश्यम् Mukundā. 186 (5)

अतिप्रौढचेष्टा (atiprauḍha-ceṣṭā) *adj.* (*f.*) one of the kinds of heroines (*pragalbhā nāyikā*) whose activities are bold (नायिका) अतिप्रौढचेष्टा यथा UjjvaNīMa. 126. 3.

अतिप्रौढता (atiprauḍha-tā) *f.* extreme dexterity एवं सत्यपि यज्जातिप्रत्ययस्य संवादित्वमुपन्यस्तं तदतिप्रौढतया वैषम्यप्रदर्शनार्थमिति द्रष्टव्यम् S'arka. 96. 7.

अतिप्रौढत्व (atiprauḍha-tva) *n.* nature of bombastic style अतिप्रौढत्वं परुषवर्णविकटबन्धत्वम् PratāYaBhū. 63. 2.

अतिप्रौढप्रताप (atiprauḍha-pratāpa) *adj.* of very mighty prowess बद्धः सिन्धुवसुन्धरापतिरतिप्रौढप्रतापोऽपि यन्नीतः Surath. 15. 22.

अतिप्रौढप्रौढ (atiprauḍha-prauḍha) *adj.* very mighty लीलोत्तानशयोऽपि गोपनिवहैरुद्रीयमानेष्वतिप्रौढप्रौढमुरारिविक्रमकथागीतेषु दत्तश्रवाः ।… हरिः पातु वः SaduktiKa. 38. 16.

अतिप्रौढयौवना (atiprauḍha-yauvanā) *adj.* (*f.*) who is in the mature state of youth सः … अतिप्रौढयौवनां लावण्यवतीं नाम वणिक्पुत्रवधूमवलोकयामास Hitopa. 1. 154 (4)

अतिप्रौढराग (atiprauḍha-rāga) *m.* very intense passion चरणसरोऽशिश्रियत्सरोजं यस्यातिप्रौढरागद्विरद उरुरजः सोऽस्त्वतात्तीर्थपो वः JinaS'. 1. 7.

अतिप्रौढवयस्का (atiprauḍhavayas-kā) *adj.* (*f.*) very mature in age एवं सत्यतिप्रौढवयस्का अपि राजकन्या नवोढाः स्युः S'ṛṅgāMañ.(A.) 4. 27.

अतिप्रौढस्त्री (atiprauḍha-strī) *f.* very mature woman अर्धेन्दुः स्यादतिप्रौढस्त्रीगुह्याङ्गुलियोजने AnekāSaṁ. 3. 317; ViśvaPra. 80. 28; DharK. 1237; MediK. 80. 19; ViśvaLoK. 170. 17; S'abdaRaSaK. 175. 5.

अतिप्रौढि (ati-prauḍhi) *adj.* having excessive greatness अमुष्मादतिप्रौढि प्रातिहार्यं प्रदर्शये PrabhāC. 115. 19; *f.* extreme boastfulness यदि मम पराजयः स्यात्तदा पराजयदण्डाधिकदण्डत्वेन एतान् पणान् ददामीत्यतिप्रौढ्या यत्र प्रतिवादी प्रतिपद्यते DīpaKa. 39. 14 (*on* 2. 18)

अतिप्रौढिमन् (ati-prauḍhiman) *m.* over-boldness, over-self-confidence योऽप्यतिप्रौढिम्ना प्रत्यक्षसिद्धं क्षणभङ्गमाह NyāyKa. 81. 12.

अतिप्रौढोक्ति (atiprauḍhokti) *adj.* (*f.*) of very proud speech (*pragalbhā nāyikā*) अतिप्रौढोक्तिर्यथा पद्यावल्याम् UjjvaNīMa. 125. 6.

अतिप्लवन (ati-plavana) *n.* great flood ततोऽतिप्लवने भूपः स नद्याः प्रेरितस्तटम् । प्रार्थयन्नपि नावाप ह्रियमाणोऽतिवेगिना MārkP. 74. 10 [excessive jumping or leaping PW]

अतिप्लवम् (atiplavam) *adv.* very swiftly (नातिप्लवं गच्छेत् Mitā.) अतिप्लवम् अतित्वरितेन मार्गेण BālamBha. iii. 159. 31 (*on* 3. 263–264)

अतिप्लु (ati-plu-) I. U. **i** to pass beyond तासां परिगृहीतानामश्वतरोऽत्यप्लवत् JaimiBr. 1. 67; **ii** to cross over (in a boat) अथ यद् वोऽवोचं संवत्सरस्य स व्याप्तमतिप्लवध्वम् JaimiBr. 2. 422.

अतिप्लुत (ati-pluta) *adj.* overflowing, pervaded तस्य चेच्चक्षुषी … वैकारिकाणां वर्णानामन्यतमेनातिप्लुते वा स्याताम् … तदा परासुरिति विद्यात् CaraS. v. 3. 6.

अतिप्लुतात्मन् (atiplutātman) *adj.* characterised by a very much prolated vowel (परमात्मा मन्त्रः) पूरकादिविभागेन शब्देनातिप्लुतात्मना । यावच्छब्दावसानस्थो व्यज्यतेऽसावनेकधा JayāS. 13. 180.

अतिफल (ati-phala) *n.* consequence, fruit निष्पादोऽतिफलं व्युष्टिः ParyāRaMā. 47. 1069.

अतिफलद (atiphala-da) *adj.* yielding ample crop कार्त्तिके चातिफलदं जातवीर्यरसं तृणम् Hastyāyur. 627. 19 (4. 10)

अतिफला (ati-phalā) *adj.* (*f.*) exceedingly fruitful अतिफला त्वयि नोऽस्तु भक्तिः HarVi. 47. 167.

अतिफल्गु (ati-phalgu) *adj.* very feeble, very trivial, worthless इत्युच्यते यदि तदप्यतिफल्गु SaṅkṣeS'ā. 199. 24 (3. 88); PrakaVi. 428. 27; नन्विदमनुमानम् … प्रत्यभिज्ञाप्रमाणाप्रतिहतमिति चेत् तदतिफल्गु SarvaDaSaṁ. 12. 152; 16. 872; यत्तु किंचेत्यादिना शङ्खलिखितवचने भ्रात्रभावे पित्रोरधिकारो विकल्प्य खण्डितः तदतिफल्गु VīraMi. (Vyavahāra.) 512. 2.

अतिफल्गुतस् (atiphalgu-tas) *adv.* due to (being) very trivial निषेद्धं वाखिलानर्थांस्तत्फलस्यातिफल्गुतः BṛĀraUBhVā. vi. 2. 7.

अतिफुल्ल (ati-phulla) *adj.* excessively blossomed स्वरधरचतुरद्विरेफदत्तश्रुतिरतिफुल्लरसालरक्तकण्ठी Manmatho. 4. 10 (644. 9)

अतिफेत्कारभीषण (atiphetkāra-bhīṣaṇa) *adj.* dreadful owing to excessive howling सोऽपश्यत् … अतिफेत्कारभीषणं (स्मशानम्) BṛKathāMañ. iii. 1. 209.

अतिफेनिल (ati-phenila) *adj.* very foamy अतिफेनिलम् … फालेन लङ्घयामास…एष सागरम् SaraKaṇṭhā. 13. 10.

अतिबकुल (ati-bakula) *m.* a variety of the tree *mimusops elengi* तोरणतिन्दुलातिबकुलाः … °द्रुमाणां फलान्यत्यन्तं मलसंग्राहाणि KalyāKā. 4. 44.

अतिबद्ध (ati-baddha) *adj.* firmly seized तस्य दन्तोद्दानेऽतिबद्धस्य चतुर्भिर्बिडिशैर्नेत्रं निर्वृत्य … शस्त्रेण च्छित्त्वा दोषापचयमपनयेत् Hastyāyur. 140. 2 (1. 18)

अतिबद्धम् (atibaddh-am) *adv.* very interruptedly अतिसृष्टमतिबद्धम् … वा … उच्छ्वसन्तं दृष्ट्वा CaraS. iii. 5. 9.

अतिबद्धवत् (atibaddha-vat) *adv.* like one who is completely bound सक्तं तु दीर्घतपसा मुक्तमप्यतिबद्धवत् AnnaU. 1. 56.

अतिबद्धस्पृह (atibaddha-spṛha) *adj.* excessively addicted द्यूतेऽतिबद्धस्पृहः ··· सुमतिभिः कार्यो वरो नेदृशः AnaṅgaRa. 8. 8.

अतिबद्धेक्षणा (ati-baddhekṣaṇā) *adj.* (*f.*) with eyes almost closed अतिबद्धेक्षणां निमीलितप्रायलोचनाम् ··· नोद्वहेत् VīraMi. (Lakṣaṇa.) 121. 1.

अतिबधिर (ati-badhira) *adj.* utterly deaf यदातीव जरायुक्तो जडोऽतिबधिरो भवेत् BrahmVaiP. ii. 36. 147.

अतिबन्ध (ati-bandha) *m.* tight tying of a bandage नाबन्धनाय बन्धं च वातिबन्धं च सारिकम् । बद्धाबद्धं न शिथिलं श्वज्ञो जानाति मापतिम्(?) Hastyāyur. 362. 5 (3. 1).

अतिबन्धग्रहहर (atibandhagraha-hara) *adj.* removing the evil spirit or planet and great bondage इत्येतत्कथितम्···अतिबन्धग्रहहरम्···नाम्नां सहस्रम्···चक्रराजस्य सत्पते: AhirbuS.Pari. 118.

अतिबन्धता (atibandha-tā) *f.* constipation किंचित्संस्निग्धता गात्रे रुग्विबाधातिबन्धता HārīS. iii. 1. 25.

अतिबन्धन (ati-bandhana) *n.* tying fast ज्वरस्तुडतिबन्धनात् KāśyaS. 125A. 3; अतिबन्धनात्···प्रकुप्यति पवनः Hastyāyur. 58. 8 (1. 9)

अतिबन्धा (ati-bandhā) *f.* strong bondage ख्यातातपा विनिर्मुक्ताः शुभया चातिबन्धया BrahmāṇḍP. i. 5. 127; i. 6. 49.

अतिबन्धु (ati-bandhu) *m.* best or superior relative द्वारे नृपाणां पितृभूमिभागे संतिष्ठते यः किल सोऽतिबन्धुः VarāṅgaC. 16. 80; तेजस्विनोरतिबन्धोर्मे बन्धुभेदभियासुर BrahmVaiP. iv. 47. 34.

अतिबन्धुर (ati-bandhura) *adj.* **i** very charming शरशब्दातिबन्धुरः ···युद्धेऽभ्यषिच्चद्विजयः MahāBhā. vii. 9. 15; अग्रभूमावुभयतो बद्धाभ्यामतिबन्धुरम् । सिन्धुराभ्याम् ··· (भूमिपालः पित्र्यं प्रासादमासदत् TriṣaS'aPuC. i. 4. 651; तौ ··· स्वस्मिंश्च सचिवे मन्त्रमुद्रां दत्त्वातिबन्धुराम् । गतौ जलान्तः RauhiṇeC. 406; **ii** very dear गौडेशस्य कुमारपालनृपतेः ··· प्राणेभ्योऽप्यतिबन्धुरस्य सचिवः सोऽभूद्गुणिग्रामणीः EI. ii. 351. 19.

अतिबन्धुरपरिवेश (atibandhura-pariveśa) *adj.* having very charming spots प्रकाशयाञ्चक्रुः क्रमेण कामाः ··· अतिबन्धुरपरिवेशानां कार्दरङ्गचर्मणां संभारान् HarṣaC. 291. 19.

अतिबल (ati-bala) *adj.* [*f.* –ā] **i** very mighty, very powerful (persons) तं (गरुडम्) दृष्ट्वातिबलं चैव प्राकम्पन्त समन्ततः MahāBhā. i. 28. 2; i. 114. 10; एष रुद्रम् ··· । सर्वलोकेष्वतिबलः स्वयं द्रक्ष्यति मागधः MahāBhā. ii. 17. 19; संक्रुद्धोऽतिबलः शूरः शस्त्रमादाय ··· जघ्निवान् कार्तवीर्यस्य सुतान् MahāBhā. iii. 117. 7; तत्रैव तेनास्य बभूव युद्धं महाबलेनातिबलस्य विष्णोः MahāBhā. v. 47. 78; vi. 56. 2; viii. 43. 17; एवमेव यदा विद्वान्मन्येतातिबलं रिपुम् । संश्रयेद्वैतसीं वृत्तिम् MahāBhā. xii. 114. 14; गन्धर्वराजोऽतिबलो महात्मा सर्वसंनिभः HariVaṁ. i. 6. 34; दशग्रीवः ··· तामाससादातिबलः Rāmā. iii. 44. 4; महानुभावो हनुमान्ययौ तदा स यत्र रामोऽतिबलश्च लक्ष्मणः Rāmā. iv. 2. 28; vi. 32. 13; एष ह्यतिबलः सैन्ये रथेन पवनौजसा । गमिष्यति Rāmā. vii. 29. 12; किं भीमेनातिबलेन मत्स्यभवने सूदा न संघट्टिताः PañcT. 350. 9 (3. 80); वाजिरथेभमानवाः ··· रामेण तत्रातिबलेन संगरे निहन्यमानास्तु BrahmāṇḍP. ii. 40. 17; गर्भोद्भवोऽतिलुब्धोऽतिबलो महापद्मनामा नन्दः ViṣṇuP. iv. 24. 20; बलदेवनामा ···अतिबलानदलत्सुरारीन् SātvT. 2. 47; सत्त्वमतिबलमतियुति यत्तदशेषमेष इति धृष्टमुच्यताम् S'iśuVa. 15. 21; आसन्नातिबला युद्धे दैत्याधिपतयः पुरा AṣṭāSaṁ. i. 26. 13 (1. 6); यस्योत्तमा गतिः । रोद्धुं नातिबलैः शक्या नाकसद्भिरिव वा (स ··· रुद्रः सीरिणा) PadmP.(Ra.) 84. 5; तथैव दैत्या अपि युध्यमाना उत्साहयुक्तातिबलाश्च SkandP. i(1). 13. 70; तथैव नवदुर्गासु सतीष्वतिबलासु च । ··· वोऽत्रस्थितिः कथम् SkandP. i(2). 1. 81; धृतिरतिबलमेनं पश्यतां नश्यति स RāghPāñ. 9. 16; विध्वस्ता दैत्यमुख्यास्तमहमतिबलं श्रीनृसिंहं प्रपद्ये VedāntKa. 250. 5; वाजीवातिबलो येन यात्यप्रतिहतोऽङ्गना: RasRaSa. 27. 2; अस्यामात्येष्वयमतिबलो वायुसूनुर्हनूमान् UnmaRā.(Vi.) 92; संधिश्चातिबले युद्धं साम्ये यानं तु दुर्बले S'ukraNī. iv. 7. 243; म्लेच्छबलादतिबलाद्भयं तस्मिन् संभावयन् भूरि शिवराजोऽन्वतप्यत ParamāKā. 86. 11; **ii** very strong (animals, birds etc.) तत्राससादातिबलं भुजङ्गम् ··· वृकोदरः MahāBhā. iii. 174. 18; महिषानप्यतिबलान् बलेन विचकर्ष ह MahāBhā. xii. App. 8 (738); ततः सुबलपुत्रस्य नागानतिबलान् पुनः । पोथयामास कौन्तेयः MahāBhā. viii. 35. 29; पूर्णाः— मदान्वितैरतिबलैर्मातङ्गैः पर्वतोपमैः Rāmā. i. 6. 21; सः ···सहैव तेनातिबलेन पक्षिणा । जगाम तां पञ्चवटीम् Rāmā. iii. 13. 36; एते ··· वानरयूथपैरतिबलैरुत्पुच्छकर्णैर्वृताः ··· समरे रक्षोगणाः पातिताः Abhiṣe. 6. 3; भुजगमतिबलं कालियं धर्षयामि BālC. 4. 2; युक्तां वृषैरतिबलैर्हैलपङ्क्तिमेताम् ··· द्विजपुङ्गवेभ्यः । यच्छन्ति ये सुकृतिनः BhaviP. 849B. 20 (iv. 160. 29); **iii** over-flowing संरुद्धशुद्धसलिलातिबलाम् ··· पालीमुपेत्य ··· ये पूजयन्ति वरुणम् BhaviP. 736B. 5 (iv. 91. 12); **iv** very heavy स हि महादेवीम् ··· शिरसि कर्तर्यातिबलया जघान JayaMa. 154. 11 (2. 7); **v** very powerful (abstract things, inanimate objects) लोभेनातिबलेन त्वं तृष्णया च वशीकृतः MahāBhā. ix. 367*(5); xiii. 85*(9); जायतेऽतिबला जृम्भा CaraS. vi. 24. 102; जायेत तृष्णातिबला ततस्तु SuśruS. vi. 48. 5; तथाप्यन्तस्तत्त्वप्रणिहितधियामप्यतिबलस्तदीयोऽनाख्येयः स्फुरति कोऽपि महिमा S'atTrayī. 83; प्राग्रात्रिभागेऽतिबलः शशाङ्कः Sārā. 4. 39; लग्नाच्चतुर्थेऽतिबले शशाङ्के ··· क्षिप्रं क्षयं याति यथा शशाङ्कः YogVā. 4. 57; अतिबलः ···लग्नस्थितः प्रशमयेत् सुरराजमन्त्री । एको बहूनि दुरितानि LaJāta. vi. 0. 1; Vasiṣ. 29. 72; सहसातिबलानि संशोधनौषधानि ··· अल्पसत्त्वमातुरम् ··· अतिपातयेयुः AṣṭāSaṁ. i. 120. 6 (1. 23); पीत्वा मूलं त्रिवृत्तुल्यं तण्डुलीयस्य सर्पिषा । सर्पकीटविषाण्याशु जयत्यतिबलान्यपि ViṣṇuDhaP. ii. 56. 67; **vi** very strong अवकाशोऽज्झिता मेदश्रुतिनातिबला कथम् AnuVyā. 2B. 10 (i. 1. 1); एता एव त्वतिबलाः सिद्धान्तस्यानियामिकाः AnuVyā. 18A. 1 (2. 1); **vii** very acute (diseases etc.) शाम्यत्यनेनातिबलाश्च वाताः CaraS. vi. 1(3). 29; (विद्रध्यः) जायन्ते ता ह्यतिबलाः प्रभूतश्लेष्ममेधसाम् CaraS. i. 17. 103; वाग्देहमनसां चेष्टामाक्षिप्यातिबला मलाः । संन्यस्यन्त्यबलं जन्तुम् CaraS. i. 24. 43; RugVi. 17. 22; यः स्यादतिबलो धातुः सहचारी सदागतिः AṣṭāSaṁ. ii. 7. 7 (4. 2); AnekāSaṁ. 4. 286; ViśvaPra. 161. 154; Medik. 161. 148; **B** promoting strength वीर्योष्णाः पैष्टिका भक्ष्याः कफपित्तप्रकोपणाः । विदाहिनो नातिबला गुरवश्च विशेषतः SuśruS. i. 46. 401; कुलीरोऽतिबलो वृष्यः पाण्डुक्षयविनाशनः HārīS. i. 22. 7.

अतिबल (ati-bala) *m.* **1Ai** name of one of the Rudras controlling Varuṇa रुद्राः ··· बलातिबलपाशाङ्कश्वेतभूतजलान्तकाः ··· कपाः MṛgendraT. i. 13. 129; **1Aii** name of one of the hundred Rudras बलश्चातिबलश्चैव पाशहस्तो महाबलः (शतरुद्रा व्यवस्थिताः) ĪśānS'iPa. ii. 17. 177; **1Aiii** one of the names representing Rudra बलश्चातिबलश्चैव ··· एते योनिसमुद्भवाः MāliniT. 3. 21; **1Aiv** one of the Rudras in the west बलश्चातिबलश्चैव पाशहस्तः ··· दशैते वारुणाः स्मृताः AgniP. 84. 16; **1B** name of an attendant of S'iva अतिबलः ··· एते चान्ये बहवः PadmP. ii. 102. 9; **1Ci** one of the attendants of Skanda बलं चातिबलं चैव ··· प्रददौ कार्त्तिकेयाय वायुः MahāBhā. ix. 44. 40; SkandP. i(2). 30. 53; **1Cii** one of the four guardians of the South-western hosts of Skanda अथ नैरृते कालो बलश्चातिबलोऽलसः (द्वात्रिंशद्गणेश्वराः) ĪśānS'iPa. ii. 53. 83; **1D** one of the second *āvaraṇa* deities of Kāmāvasāyikāvyūha at royal consecration धर्मः अतिबलः सर्पः ··· कामावसायिकाद्वितीयावरणम् VīraMi.(Rājanīti.) 386. 10; LiṅgaP. ii. 27. 128; **1E** name of a Buddhist deity [pw]; **2Ai** name of a king, son of Anaṅga or Anāga अनङ्गपुत्रोऽतिबलो नीतिमानधिगम्य वै । अभिषेदे महीराज्यम् MahāBhā. xii. 59. 98; **2Aii** name of a king, son of Mahābala जज्ञे च सुबलस्तस्मात्ततश्चापि महाबलः । तस्मादतिबलः PadmP.(Ra.) 5. 5; **2Aiii** name of some kings (i) विषये वत्सकावत्यां कौशाम्बीनगरीभवः । बभूवातिबलो राजा BṛKathāK. 126. 1; (ii) तस्य चातिबलो नाम सूनुः समुदपद्यत TriṣaS'aPuC. ii. 6. 128; **2Aiv** name of a king in the lineage of Bhareteśvara श्रीऋषभसंताने भरतेश्वरराज्ये ··· अतिबलः बलभद्रः···त्रिखण्डभोक्तारः KumāCaSaṁ. 105. 5; **2B** name of a warrior महारथाः समाजग्मुः ··· अतिबलः KathāSaSāg. viii. 5. 17; 7. 11; **2C** name of a Ṛṣi निवेदयस्वातिबलस्य दूतं माम् AdbyāRā. vii. 8. 10; **2D** name of a demon बबन्ध बन्धुत्वमपास्य दूरं विभीषणायातिबलः पिपासाम् RāmC. 27. 30; **2E** name of a person ऋषि[र्षं]डितस्तत्पुत्रप्रथितः क्षितावतिबलस्तस्मादभूच्च सुतस्तेन श्रीमधुसूदनाख्यकविता शस्ता EI. xxi. 265. 72; अतिबलः ··· इत्यष्टौ पुरुषान् यावत् TriṣaS'aPuC. i. 6. 251; **3** name of a tree or plant वञ्जुलातिबलाः । एते यदि सुस्निग्धा वल्मीकैः परिवृतास्ततस्तोयम् BṛSaṁ. 54. 50; गजमदशिरीषचन्दनबलातिबलवारिणा स्नानम् YogYā. 9. 18; बलातिबलचित्रं च बदरी चन्दनं समाः ĪśānS'iPa. i. 45. 132; cf. **अतिबला** *n.* **i** great power, great might अतिबलसुखशायी पूर्वमासीर्द्वरीन्द्रः Abhiṣe. 1. 25; एवमाद्यतिबलपराक्रमविक्रमगैरतिदुष्टसंहारिणोऽशेषस्य जगतो निष्पादितस्थितयो रामलक्ष्मणभरतशत्रुघ्नाः ViṣṇuP. iv. 4. 102; क्षात्रं बलं नातिबलं ब्रह्मतेजो महद्बलम् RāmāMañ. 30. 10; या हन्ताम् ··· कंसम् ··· अतिबलेन कृष्णः ··· साकं समाहतारातिबलेन DeviS'. 42; ततोऽतिबलमासाद्य जिघांसुर्हरिपुङ्गवम् । धृतः ··· दशकन्धरः AdhyāRā. vii. 2. 58; वेढणिकां···तां भक्षयेदतिबलं लभते मनुष्यः BhojanKu. 36. 16; [Inst.] with great effort or strength अतिबलेन सिंहः। भाति AlaṅkāMañ. 62. 12 (16); प्राकारोऽतिबलेन प्रपातयितुमारेभे PrabaK. 41. 17; [Abl.] with great effort, forcibly स्मृतिं मेधामतिबलाल्लब्ध्वा स कविवाग्भवेत् PañcRā.(Nā.) iii. 14. 4; कोशक्षयं करिष्यन्ति रिपवोऽतिबलात् क्षणात् DevīBhāP. v. 33. 3; फलानि···ददौ तेभ्योऽतिबलात् स पातयित्वा GaṇeP. 91. 2; स तदा बहिरिह निष्कास्यतेऽतिबलात् PraboSu. 10; **ii** army of great strength, powerful army व्यूढानीकैरनुबलैः(v. 1.

रतिबलै)र्नोपेयाद्बलवत्तरम् MahāBhā. ii. 16. 6; बलान्यतिबलं प्राप्य नबलानि भवन्ति वै MahāBhā. xiii. 84. 15; अथ तैलिपदेवस्यातिबलमायान्तमाकर्ण्य Praba-Cin. 31. 14; क्षितिरतिबलै रुद्धा भिन्नाः परैश्वरसेवकाः RājTa.(S'rī.) 4. 423; **iii** name of a part of Garbhasandhi in a drama containing cheating, over-reaching, out-bidding or circumvention बुधैरतिबलं प्रोक्तं कपटेनातिवञ्चनम् RasāSu. 227. 20 (3. 55); स्पर्धयान्योन्यसामर्थ्यव्यक्तिस्त्वतिबलं भवेत् RasāSu. 276. 2 (3. 170); SāhiSā. 6. 40; अतिसंधानमाचार्या नाटकेऽतिबलं विदुः SāhiSā. 1. 91.

अतिबलकीर्तन (atibala-kīrtana) *m.* name of a Jain Tīrthaṅkara महाबलोऽपरः कान्तस्तथातिबलकीर्तनः । अपराजितसंज्ञश्च PadmP.(Ra.) 20. 19.

अतिबलकृत् (atibala-kṛt) *adj.* promoting excessive vitality तृतीयतित्तिरोऽन्योऽपि … सवातलोऽतिबलकृद्धनः HārīS. i. 21. 5.

अतिबलत्व (atibala-tva) *n.* the state of having great force or power आमयदोषाहारौषधविभ्रमोऽतिबलत्वादुपरतकायाग्निं सहसैवातुरमबलमतिपातयेत् CaraS. iii. 2. 13; एषां विभ्रमोऽतिबलत्वादुपरतानलमसद्बलमातुरं सहसा निपातयेत् AṣṭāSaṁ. i. 72. 4 (1. 11); सुषिरमार्गप्रचारो वायुरतिबलत्वाद्ग्रन्थिमाध्मापयति Hastyāyur. 385. 29 (3. 5); न हि वृश्चिकाद्गोमयाच्च जातौ वृश्चिकौ सदृशौ भवतः, रसस्य दुर्बलत्वाद्वीर्यस्य तु अतिबलत्वादिति Bhāsk. ii. 176. 8 (*on* ii. 4. 11)

अतिबलपराक्रम (ati-balaparākrama) *adj.* very strong and powerful पुत्र । अतिबलपराक्रमो भव MadhyaVyā. i. 49. 9; चाक्षुषाच्चातिबलपराक्रमो विंशोऽभवत् ViṣṇuP. iv. 1. 25; सुभद्रायां चार्भकत्वेऽपि योऽसावतिबलपराक्रमः समस्तारातिजेता सोऽभिमन्युरजायत ViṣṇuP. iv. 20. 51.

अतिबलपुरुष (atibala-puruṣa) *m.* very strong man राजपुत्रः … तल्पगतम् … आयसेन निगडेनातिबलपुरुषैः पीवरभुजदण्डोपरुद्धमबन्धयन्माम् DaśKuC. 106. 14.

अतिबलफलवत् (atibala-phalava(n)t) *adj.* possessing very nutritious fruit अत्र स्निग्धं नलदविदलनप्राप्ताभिख्येऽतिबलफलवति । अक्ष्णां चक्रे नवनलिनवनच्छायां धत्ते विभुरमरभुवि HarVi. 5. 10.

अतिबलभार (atibala-bhāra) *m.* burden of great force ततोऽतिबलभारेण कासारितमहीतलः (हम्मीरः) । व्यधादवन्तीं दन्तीन्द्रमदाक्तप्रान्तकाननाम् HammīMaKā. 9. 19.

अतिबललक्ष्मण (atibala-lakṣmaṇa) *m.* very powerful Lakṣmaṇa अतिबललक्ष्मणस्त्रिदशनाथशत्रुं रणे जघान KalkiP. iii. 3. 44.

अतिबलवत् (ati-balava(n)t) *adj.* [*f.* -ī] of enormous strength, very powerful (living beings) अतिकायश्च पुत्रस्ते बालोऽपि बलवानयम् (v. l. तिबल°) MahāBhā. i. 68. 78; यो व्यालादींश्चातिबलवांस्तत्प्रतीपान्गजानपि ।… अकरोद्वशे MahāBhā. VII. App. 1. 8. 738; मद्रराजोऽतिबलवान्सैनिकानास्तृणोच्छरैः MahāBhā. ix. 12. 33; विष्णो कथं करिष्यामि रावणं राक्षसं प्रति । अहोऽतिबलवद्रक्षो युद्धार्थमभिवर्तते Rāmā. vii. 27. 7; अयं दैत्योऽतिबलवान्व्योमाक्रम्य प्रधावति GaṇeP. ii. 88. 12; स चातिबलवान्दैत्यो ब्रह्मणो वरदर्पितः PadmP. v. 30. 88; योद्धुं समाययुस्त्यक्त्वा पत्या(?त्य)पत्यसुखाश्रयान् । रूपवत्यो युवत्योऽतिबलवत्यः पतिव्रताः KalkiP. iii. 1. 12; मरुदिव दिशि पश्चिमोत्तरायामतिबलवानधिपः समस्त एव PṛthvīVi. 10. 39; पालयति सततमुर्वीमतिबलवानेष नृपसविता BālaKrī. 299. 10 (*on* 2. 310); अधर्मशीलो नृपतिर्यदा तं भीषयेज्जनः । धर्मशीलातिबलवद्रिपोराश्रयतः सदा । यावत्तु धर्मशीलः स्यात्स नृपस्तावदेव हि S'ukraNī. iv. 1. 113; (other objects) अहोऽतिबलवद्दैवं विना तेन महात्मना । यदसामर्थ्ययुक्तेऽपि नीचवर्गे जयप्रदम् ViṣṇuP. v. 38. 31; लग्नाधिपोऽतिबलवानशुभैरदृष्टः केन्द्रस्थितैः शुभखगैरवलोक्यमानः । मृत्युं विधूय विदधाति सुदीर्घमायुः LaJāta. 6. 2; अहो अतिबलवान्संमर्दः CaṇḍKau. iii. 20. 4; तृष्यते चातिबलवद्वातपित्ते समुद्धते । दद्याद्द्राक्षारसं शीतम् AṣṭāSaṁ. ii. 49. 19 (4. 9); अहम् … वपुषि कवलितातिबलवता जाड्येन कण्टकितसर्वाङ्गलेखा … चक्षुरुदमीलयम् TilaMañ. 336. 23.

अतिबलवत्तर (atibalavat-tara) *adj.* greatly stronger पुरा दैत्यगणैरुग्रैर्युद्धेऽतिबलवत्तरैः । इन्द्रो देवगणैः सार्धं स्वराज्याच्च्यावितो नृप SkandP. iv(3). 37. 3.

अतिबलवानर (atibala-vānara) *m.* very powerful monkey ततोऽतिबलवानरैः … जनकजारुषा नाशितान् । निजघ्नुरमरार्दनान् KalkiP. iii. 3. 43.

अतिबलवीर्य (ati-balavīrya) *n.* excessive strength and valour एवमतिबलवीर्यान्नानुगच्छामि । यदि ते शक्तिरस्ति बलात्कारेण मां नय MadhyaVyā. 1. 40 (9)

अतिबलवीर्यपराक्रम (ati-balavīryaparākrama) *m.* name of a future Buddha [DBHS]

अतिबलवैर (atibala-vaira) *n.* enmity with a mighty person राजते मुनिवृक्षोऽयं स्वल्पायुः पुरुषो यथा । परस्त्रीरतसंसक्तो यथातिबलवैरकृत् VīraBhā. 3. 48.

अतिबलसंयुक्त (atibala-saṁyukta) *adj.* endowed with great strength सिंहोऽतिबलसंयुक्तो भूयः शरभतां गतः । मया स्नेहपरीतेन न विसृष्टः कुलान्वयः MahāBhā. xii. 117. 42.

अतिबलसदृश (atibala-sadṛśa) *adj.* befitting a very mighty person अतिबलसदृशैः पराक्रमैस्त्वं मम कुलवंशविवर्धनः प्रभो Rāmā. vii. 29. 38.

अतिबलसिन्धुवाहिनी (atibala-sindhuvāhinī) *f.* river Sindhu in the form of a vast army मर्त्येन्दोरतिबलसिन्धुवाहिनीं स्वामत्याक्षीद्यमपुनर्निवर्तनाय Acyutarā. 11. 27.

अतिबलसुभट (atibala-subhaṭa) *m.* very powerful warrior आनन्दरङ्गः…क्षिप्रमाप्तानतिबलसुभटान् हीरगुप्त्यै दिदेश ĀnandRa. 7. 12.

अतिबलहारिणी (atibala-hāriṇī) *adj.* (*f.*) greatly destroying physical strength मात्रैषा मन्दविभ्रंशा न चातिबलहारिणी । सुखेन च स्नेहयति शोधनार्थे च युज्यते CaraS. i. 13. 37.

अतिबला (ati-balā) *f.* **A** name of the medicinal plant *Sidonia cordifolia* or *rhombifolia* **B** name of a powerful charm (taught by Viśvāmitra to Rāma) **C** name of a daughter of Dakṣa and wife of Kaśyapa **D** one of the 16 *śaktis* belonging to the second *āvaraṇa* **E** name of a divinity belonging to the category of Mātṛkās **F** the plant *Abutilon asiaticum* **A** name of the medicinal plant *Sidonia cordifolia* or *rhombifolia* बला चातिबला तथा AVPari. v. 1. 5; धवाश्वगन्धातिबलाबलासातिगुहागुहाः ।… अगदोऽयं विषापहः SuśruS. v. 8. 51; अश्वगन्धास्थिरारोहिणीबलातिबला इति दशेमानि बल्यानि भवन्ति CaraS. i. 4. 7; बला चातिबला तथा ।… महौषध्यष्टकं ह्येतन्महास्नानेषु योजयेत् MatsyaP. 267. 14; ऋष्यप्रोक्तास्थिराबलातिबलाः AṣṭāSaṁ. i. 87. 6 (1. 15); पुनर्नवातिबलयोः … यूषाः कश्यपनिर्मिताः KāśyaS. 250B. 36; °तिलपिष्टाबलातिबलाशोभाञ्जनकबीजक्षुद्रसर्षपैः … प्रलेपयेत् Hastyāyur. 121. 10 (1. 17); अयं विषघ्नो दातव्यः पिण्डस्तस्मै चिकित्सकैः । … बलामतिबलामपि Hastyāyur. 171. 24 (2. 8); बिम्बीकशेरुकबलातिबलाटरूषजीवन्तिकामधुकचन्दनसारिवाणाम् । … आज्यं पिबेदनिलशोणितपित्तरोगी KalyāKā. 9. 41; ऋष्यप्रोक्ता त्वतिबला पीतपुष्पा महाबला ParyāRaMā. 302; ParyāMu. 7. 43; गुडूच्यतिबला पाठा सहदेवा शतावरी । ऋद्धिः सुवर्चसा वृद्धिः स्नाने प्रोक्ता पृथक् पृथक् AgniP. 95. 38; बला चातिबला भीरुर्मुसली सहदेव्यपि । … चक्ररूपा महौषध्यः AgniP. 125. 44; बलामतिबलां चैव … स्नानं वै बलवर्धनम् ViṣṇuDhaP. ii. 107. 15; नागबलातिबला च । चूर्णमिदं पयसा निशि पेयम् SiddhYo. 70. 14; अतिबला तु स्यात् … बलाभिदि AnekāSaṁ. 4. 286; अथातिबलः प्रबले त्रिषु स्त्री त्वौषधीभिदि Medi. 169. 148; बला अतिबला गन्धनाकुली … ओषधयः ĪśānS'iPa. ii. 19. 62; ततोऽन्यातिबला ऋष्यप्रोक्ता कङ्कतिका च सा BhāvPra.(Bhā.) vi. 4. 143; बलां वचां चातिबलां च शङ्खपुष्पीं च सकृदकसिंहिके …न्यसतु TantrSa. 8. 111; प्रबले स्यादतिबलः स्त्रियामोषधिभिद्यपि S'abdaRaSaK. 311. 10; बलिकातिबला प्रोक्ता RājNi. 65. 24; **B** name of a powerful charm (taught by Viśvāmitra to Rāma) मन्त्रग्रामं गृहाण त्वं बलामतिबलां तथा Rāmā. i. 21. 10; i. 21. 14; शक्ती च द्वे गृहाणेमे बलामतिबलां तथा Rāmā. i. 700*(25); एतद्विद्याद्वये लब्धे भविता नास्ति ते समः । बला चातिबला चैव सर्वज्ञानस्य मातरौ । क्षुत्पिपासे न ते राम भविष्येते नरोत्तम । बलामतिबलां चैव पठतः पथि राघव Rāmā. 1. 21 14–15; तौ बलातिबलयोः प्रभावतो विद्ययोः पथि … मम्लतुर्न मणिकुट्टिमोचितौ RaghuVa. 11. 9; बलेत्यतिबलेति च । … विद्ये ते वितरामि ते RāmāCam. 1. 37; स बलातिबले इति श्रुतं मनुयुग्मम् … मुनिरध्यापिपदध्वसादितौ Rāgh. 3. 8; ददौ बलां चातिबलां विद्ये द्वे देवनिर्मिते । ययोर्ग्रहणमात्रेण क्षुत्क्षामादि न जायते AdhyāRā. i. 4. 25; तपोधनाः … आशशंसिरे च बलातिबलाभ्यामश्रमं दिविचराणाम् NīlaVi. 75. 3; **C** name of a daughter of Dakṣa and wife of Kaśyapa मनुं चाप्यनलामपि (v. l. बलामतिबलामपि) । तास्तु कन्यास्ततः प्रीतः कश्यपः पुनरब्रवीत् Rāmā. iii. 13. 12; **D** one of the 16 *Śaktis* belonging to the second *āvaraṇa* द्वितीयावरणं शृणु । …बला चातिबला भीमा प्राणवृद्धिकरी तथा LiṅgaP. ii. 27. 177; बला अतिबला … शौण्डाद्वितीयावरणम् VīraMi. (Rājanīti.) 387. 20; बला अतिबला … मन्मथायिकाद्वितीयावरणम् VīraMi. (Rājanīti.) 388. 17; **E** name of a divinity belonging to the category of *Mātṛkās* पानार्थमन्धकास्रस्य … अतिबला…एताश्चान्याश्च … सोऽसृजन्मातरः MatsyaP. 179. 12; देवदेवः … ससृजे मातृकास्तदा । … बलामतिबलां रक्ताम् PadmP. v. 43. 84; ससृजे मातरस्तथा ।…बलामतिबलां रक्ताम् ViṣṇuDhaP. i. 226. 10; **F** *Abutilon asiaticum* अयं विषघ्नो दातव्यः पिण्डस्तस्मै चिकित्सकैः । … सठीं चैव बलामतिबलामपि । एतत्संहृत्य संभारम् … रक्तं क्षिप्रमुपार्जयेत् Hastyāyur. 171. 24 (2. 8); ततः पिष्ट्वा द्रवैरेभिर्मर्दयेत् सप्तधा पृथक् । … अतिबलारसैश्च विजयाद्रवैः RaseCin. 9. 107 (161. 26); नारायणी तथा … चातिबला … एतेषां कार्षिकं चूर्णं गृहीत्वा RaseCin. 8. 44 (99. 4); बाला चातिबला चैव … । क्षीरेणोत्तरवारुण्याः पुटनाद्वैश्यमारणम् Rasā. 6. 104.

अतिबलाक्रान्त (atibalākrānta) *adj.* possessed of great strength

घातितस्तु पुरा मातस्त्वया महिषरूपभृत् । दानवोऽतिबलाक्रान्तः DevīBhāP. iv. 19. 25.

अतिबलाख्या (atibalākhyā) *adj.* (*f.*) (magical spell) called Atibalā स रामाय ददौ विद्ये श्रमातङ्कजरापहे । बलामतिबलाख्यां च RāmāMañ. 10. 17.

अतिबलात्कृत (ati-balātkṛta) *adj.* overpowered, forcibly struck स तीक्ष्णविषदिग्धेन शरेणातिबलात्कृतः । उत्सृज्य फलपत्राणि पादपः शोषमागतः MahāBhā. xiii. 5. 5.

अतिबलाधिक (ati-balādhika) *adj.* superior due to a great army दण्डश्च दुर्गदेशस्थे तस्मिन्नतिबलाधिके । …प्रयुक्तः KathāSaSāg. xii. 35. 125.

अतिबलान्वित (atibalānvita) *adj.* [*f.* -ā] endowed with great strength, excessively powerful रुग्भेषजानि न तथातिबलान्वितानि BṛSaṁ. 19. 1; दत्तात्रेयात् परामृद्धिमवाप्यातिबलान्वितः MārkP. 19. 21; कल्पपर्यन्तं रमन्तेऽतिबलान्विताः BṛNāraP. 14. 102; स जघान खरादींश्च दैत्यानतिबलान्वितान् DevīBhāP. iii. 28. 24; आकाशं धारयेद् गङ्गां वायुरत्वतिबलान्वितः BhelaS. 209. 11 (6. 26); त्रिकालदर्शी चादृष्टपालितोऽतिबलान्वितः RājTa.(Prā.) 494.

अतिबलासंज्ञ (atibalā-sañjña) *adj.* (medicinal plant) called Atibalā (*Sidonia cordifolia*) स्त्री तु वीर्यातिबलासंज्ञौषधे NānārthāSaṁ. i. 151. 1268.

अतिबलाह्वय (atibalāhvaya) *adj.* medicinal plant named *Sidonia cordifolia* or *rhombifolia* सहा तु पुष्पस्तम्बेषु त्रिषु स्त्री तरणौ तथा । नीलझिण्ट्यां पीतझिण्टयामित्यप्यतिबलाह्वये बलासंज्ञे च भैषज्यस्तंबयोः Nānārthā-Saṁ. i. 165. 1444.

अतिबलासुर (atibalāsura) *m.* demon endowed with great power अतिबलासुरदोर्द्रुमपालिता मम चमूः YogVā. iv. 25. 44.

अतिबलिन् (ati-balin) *adj.* [*f.* -ī] possessing great strength, extremely powerful गुरुर्वातिबली प्रोक्तश्चौलयोगः शुभावहः BṛhaspaSm. 251. 137; युद्धेऽतिबलिनोऽसुराः BrahmāṇḍP. ii. 24. 47; अतिबलिनमन्नकाले हसन्तं निर्लज्जम्… विद्यात् AṣṭāSaṁ. ii. 206. 24 (6. 7); तं दृष्ट्वा वर्धमानं रिपुमतिबलिनं देवगन्धर्वमुख्याः … प्राद्रवन् VāmaP. 73. 41; पुत्रस्ते … दुर्जयोऽतिबली राजा भविष्यति VarāP. 10. 27; ततोऽतिबलिनौ ज्ञात्वा दधार शिखयोरुभौ GaṇeP. ii. 13. 33; रिपुमतिबलिनं मनो निहत्य प्रशममुपैमि YogVā. v. 9. 65; तत्प्रिये नरसिंहोऽयमजेयोऽतिबली बलैः KathāSaSāg. vii. 4. 132; राज्ञि दिवं गतेऽतिबलिना कर्णेन … भीमः सहायीकृतः PrabaCin. 52. 5; नृपः प्रतापसिंहस्य भ्रातृव्यमतिबलिनं मत्वा कारायां चिक्षेप PurāPraSaṁ. 87. 1; प्रयाणसमये सितोऽतिबली VasiS. 18. 16; चक्रेशकाचकोऽतिबली ययौ । योद्धुम् RājTa.(Prā.) 179; अतिबली च बलिः Nila-Vi. 22. 20; अतिबली दृष्टस्त्वया हैहयः MahāN. 6. 41(5); ततोऽतिबलिनी होरा द्रेष्काणोऽतिबली ततः NāraS. 29. 17.

अतिबलिष्ठ (ati-baliṣṭha) *adj.* (*superl.*) extremely strong, strongest of all अतिबलिष्ठपदान्वयमिष्यते SaṁkṣeS'ā. 3. 290 (ii. 315. 9); हा हतासि… । दैवेनातिबलिष्ठेन DevīBhāP. vi. 29. 48; अतिबलिष्ठा खलु विद्या सर्वकर्माणि निरवशेषाणि दहति GoviBh. 295. 1 (*on* iv. 1. 15)

अतिबलीयस् (ati-balīyas) *adj.* (*comp.*) [*f.* -ī] very muchstronger, extremely powerful, highly intense चिरं च कृतसंग्रामो यमेनातिबलीयसा । गृहीतः PadmP.(Ra.) 8. 451; तदकस्मात् समाविष्टः कोपेनातिबलीयसा । …न कुर्याद्दर्पदूपणम् NītiSā. 15. 19; SūktiRa. 65. 7; एवं वर्षत्रयं नीतं शोकेनातिबलीयसा SkandP. iii(3). 8. 124; कृतबुद्धेर्मनुष्यस्य पापेनातिबलीयसा । न संजाता च तत्प्राप्तिः PauṣkS. 36. 60; स चान्येनाभियुक्तोऽभून्नृपेणातिबलीयसा KathāSaSāg. iii. 1. 11; विधिरतिबलीयान्न पुरुषः Subhāṣi. 3146; अतिबलीयस्त्वास्तस्याः…अवष्टम्भो न स्यात् GoviBh. 295. 6 (*on* iv. 1. 15)

अतिबलेन्द्रिय (atibalendriya) *adj.* having very strong or powerful organs बृहच्छरीरं गिरिसारसारं स्थिरेन्द्रियं चातिबलेन्द्रियं च । अधृष्यमन्यैरतिकान्तरूपम् CaraS. vi. 1(2). 5 (1941 Ed.); नाभिघातैर्न चातङ्कैर्जरया न च मृत्युना । स धृष्यः स्याद्द्रजप्राणः सदा चातिबलेन्द्रियः CaraS. vi. 1(3). 21 (1941 Ed.)

अतिबलोत्कट (atibalotkaṭa) *adj.* fierce with great strength, fierce with extraordinary strength द्रावप्येतौ हि कृतिनौ द्रावप्यतिबलोत्कटौ MahāBhā. viii. 997*(3); चिक्षुराख्यश्च ताम्रश्च द्रावप्यतिबलोत्कटौ । युयुधाते महावीरौ सह देव्या रणाङ्गणे DevīBhāP. v. 14. 43.

अतिबलोदित (atibalodita) *adj.* endowed with great strength धृष्टकेतुश्च चेदीनामृषभोऽतिबलोदितः MahāBhā. vii. 22. 16 = vii. 81. 9 = vii. 101. 25.

अतिबलोद्धत (atibaloddhata) *adj.* violent or haughty due to great strength प्रबाधमानस्य जगन्ति धीमंस्त्वं सोदरस्यातिबलोद्धतस्य । आनन्दनो नाकसदां प्रशान्तिं तूर्णं विषस्यामृतवत्कुरुष्व Bhaṭṭi. 12. 2.

अतिबलोद्योग (atibalodyoga) *m.* effort (i. e. activity) of the great army तेषामतिबलोद्योगं निशम्यासुरयूथपाः । … दुद्रुवुः BhāgP. vii. 7. 4.

अतिबलोन्मत्त (atibalonmatta) *adj.* intoxicated with excessive strength तावप्यतिबलोन्मत्तौ महामायाविमोहितौ । उक्तवन्तौ वरोऽस्मत्तो व्रियतामिति केशवम् (मधुकैटभौ) MārkP. 81. 73; ततस्तेऽतिबलोन्मत्ताः … प्रजानां विदधुः पीडाम् RājTa.(Prā.) 484.

अतिबलौघ (atibalaugha) *m.* very large (*lit.* stream) army अथ सोऽतिबलौघेन महता तेन संवृतः । निर्गम्य नगरात्तस्मात्तान्विजिग्ये नराधिपः MārkP. 122. 19.

अतिबलौजस् (ati-balaujas) *adj.* possessing great strength and vigour तत्र प्रवयसोऽप्यासन्युवानोऽतिबलौजसः BhāgP. x. 45. 19.

अतिबल्य (atibal-ya) *adj.* causing great strength (क्षीरम्) हितकरमतिबल्यम् KalyāKā. 5. 23; (लशुनः) गुरुः स्वादुरसोऽतिबल्यः BhojanKu. 61. 4.

अतिबहल (ati-bahala) *adj.* [*f.* -ā] **i** profuse, excessively dense, very deep or intense अतिबहलपिण्डालक्तकरसरागपल्लवितपादपङ्कजाम् … कात्यायनीम् … ददर्श Kād. 11. 3; अतिबहलेन पिण्डालक्तकेन पल्लवितस्य … चरणयुगलस्य … प्रभाप्रवाहैः … किसलयितानि रक्ताशोकवनानि HarṣaC 50. 4; अनन्तरम् … अतिबहलां ज्योत्स्नां ददर्श HarṣaC. 167. 16; याः स्वस्यैकांशपातादतिबहलगलद्रक्तवक्त्रं प्रणुन्नप्राणं प्राक्रोशयन् … दशास्यम् । पादाङ्गुल्यः S'ivaKePāSt. 25; तच्चथोपवेलं जलधिरतिबहलचपलकल्लोलमालापरस्परास्फालनसमुल्लसत्फेनपुञ्जस्तबकतया विकृतः Bhām. 94. 25 (*on* i. 1. 4); स राजा अतिबहलकेयूरपद्मरागप्रभाभारभरितोदरेण … स्वपुटितस्थूलबाहुशिखरम् … वैमानिकमपश्यत् TilaMañ. 37. 1; 85. 2; 103. 2; अतिबहलकुङ्कुमाङ्ककस्तूरिकापङ्कमपहाय मत्तमातङ्गमदकर्दमेन निजभुजशिखरयोर्विरचयाञ्चकार विचित्रपत्रभङ्गान् NalaCam. 4. 9(57); 3. 6(17); अतिबहलैः पीयूषपूरैरिव … निर्मितं तव वपुर्ध्यायन्ति ये श्रद्धया DevīPañ. 3. 9; **ii** very vast, very expansive समुद्रपर्यन्तत्वेनातिबहलस्य देशस्योन्नतिः …सकलप्राणिभिः श्लाघ्यते Nyay-MāVi. 2. 9 (*on* 0. 0. 0); **iii** very wide-spread or abundant (fragrance) अतिबहलागुरुधूपपरिमलम् … आस्थानमण्डपमयासीत् Kād. 17. 9; AvantiKa. 103. 2; अतिबहलस्निग्धपादपाभिराममारममद्राक्षीत् (समरकेतुः) TilaMañ. 212. 10; **iv** very thick अतिबहलकालेयकर्दमोन्मृष्टस्फटिककुट्टिमतलप्रवेकम् (आस्थानमण्डपमास्थाय) YaśasCam. i. 369. 3; रम्भापत्रनिभा न चातिबहला … स्त्रैणी पीठविधौ (शिला ग्राह्या) TantrSa. 1. 133 (comm. न चातिबहला अतिघनरहिता)

अतिबहलकथित (atibahala-kathita) *adj.* narrated at great length, said in great detail विशालेश्वरेण यत्तत् प्रियतममतिबहलकथितं तत्पुनरमृतवायनोपच्छन्दनमिव लक्षयामि AvantiKa. 58. 18.

अतिबहलगुण (atibahala-guṇa) *adj.* having very many virtues असमानगुणं यस्मिन्नतिबहलगुणेन वस्तुना वस्तु । संसृष्टं तद्गुणतां धत्तेऽन्यस्तद्गुणः स इति Kāvyālaṅ.(Ru.) 9. 24.

अतिबहलतल (atibahala-tala) *n.* vast or extensive bottom उत्पाट्योत्पाट्य शैलानतिबहलतलप्राप्तपातालमूलान् … ते समानिन्युः MahāN. 6. 86.

अतिबहलता (atibahala-tā) *f.* **i** abundance, denseness (of light, rays etc.) स राजा … अन्तरिक्षगतमप्यतिबहलतया चरणतलप्रभायाः स्पृष्टभूतलमिवोपलक्ष्यमाणम् … वैमानिकमपश्यत् TilaMañ. 36. 7; 214. 16; **ii** vastness, expanse (area etc.) साक्षाद्वसन्तस्य विसयावहमतिबहलतया श्यामलतया च … आराममद्राक्षीत् (समरकेतुः) TilaMañ. 210. 20; अतिबहलतां पापामोदः प्रयाति मुहुःसहः DaśāvaC. 10. 32.

अतिबहलताम्बूल (atibahala-tāmbūla) *n.* abundant (chewing of) the betel leaves अतिबहलताम्बूलकृष्णिकान्धकारितेनाधरपुटेन मुखशशिपीतं ससन्ध्यारागं तिमिरमिव वमन्ती … मालती समदृश्यत HarṣaC. 51. 7.

अतिबहलपरिमल (atibahala-parimala) *adj.* having very abundant fragrance (तत्र च दिवसे) चित्रार्चितमतिबहलपरिमलपतत्पुष्पवृष्ट्या NalaCam. 4. 12(3)

अतिबहलपादपच्छाय (atibahala-pādapacchāya) *adj.* having very ample shade of trees तत्र चातिबहलपादपच्छाये …मकरध्वजायतनदीर्घिकातीरपरिसरे निषण्णः … पूर्वाह्णमनयत् TilaMañ. 177. 12.

अतिबहलपिपासा (atibahala-pipāsā) *f.* very intense thirst क्वचिदपि यदि दृष्टं वारिवाहं विहाय … चातकेनापिता(? तो)ऽसावतिबहलपिपासापांशुलः कण्ठनालः SaduktiKa. 272. 8.

अतिबहलबकुल (atibahala-bakula) *m.* very many (or densely grown) Bakula trees अतिबहलबकुलकङ्कोलतिलकतालीतमालवलयालङ्करणभाजि पुष्करिण्यां धौतचरणः UdaySuKa. 14. 14.

अतिबहलमदजल (atibahala-madajala) *n.* very abundant ichor अतिबहलमदजलशबलकरतटकरिवरशतनिपतितमधुकरविरुतरतिकरम् … पुलिनजलमाससाद (कन्दर्पकेतुः) VāsaDa. 279. 1.

अतिबहिर्मुख (ati-bahirmukha) *adj.* quite averse or disinclined [pw]

अतिबहिष्कार (ati-bahiṣkāra) *m.* absolute exclusion यद्वा नातिबहिष्कारो नातीव च परिग्रहः NyāyPari. 25. 9.

अतिबहु (áti-bahu) *adv.* [AltGr. II. 1. 232] very much तस्मान्नातिबहु यष्टव्यम् MaiS. ii. 4. 5; अयमतिबहुदीप्तसंविधानः …।…त्रिदशपतिप्रतिमः प्लवङ्गवीरः RāmC. 6. 5; अतिबहु प्रसक्तानुप्रसक्त्या लिखितमस्माभिः NyāyMañ. ii. 61. 13; DhūrtaViSaṁ. 16. 13; *adj.* **i** very much, abundant अतिबहु तदा भुक्त्वान्नं संस्थितः सुहितो वदेत् BṛSaṁ. 51. 29; Mugdhopa. 62; Tantrākhyā. 40. 22; SmṛtiCan. iv. 604. 11; तदापि नातिबहु किं त्वल्पमेव वृद्धिदानं कर्तव्यम् ManvaVi. 1336. 6 (*on* 10. 117); CaturCin. iii(1). 6. 18; Bhāsk. i. 207. 15 (*on* i. 5. 3); **ii** great many, very many इदं चाप्ययत्वेऽतिबहु क्रियत एकस्मिन्नेकवचनं द्वयोर्द्विवचनं बहुषु बहुवचनमिति MahāBh. i. 95. 24 (*on* i. 1. 38); iii. 365. 18 (*on* viii. 1. 4); अनुजाः पुनरतिबहवः DaśKuC. 67. 19; मृदुभिर्न चातिबहुभिः केशैः सुखभाग् नरेन्द्रो वा BṛSaṁ. 68. 81; BrahmSphuSi. 11. 56; NyāyMañ. i. 118. 4; Sphuṭā. i. 5. 20 (*on* 1. 1); DevīCatuSt. 50; NalaCam. 5. 14 (9); TilaMañ. 409. 10; TattvVai. 137. 24 (*on* 3. 15); VyaktiVi. 82. 1; AnekāK. 933; SaṁgīRa. i. 275. 4 (1(8). 2); MayūMāli. 25. 17 (*on* i. 3. 3); ये बहुतराः … अतिबहवः भेदाः ते आत्मा यस्य तादृशम् Bhāsk. i. 212. 16 (*on* i. 5. 4); ii. 97. 5 (*on* ii. 3. 4); EI. i. 64. 1.

अतिबहुकालत्व (atibahukāla-tva) *n.* the state of being a very long time पत्यंशे एवातिबहुकालत्वाच्छङ्कते । न चेति BālamBha. iii. 141. 31 (*on* 3. 250)

अतिबहुक्रुक्रुटि (atibahu-krukruṭi) *f.* extremely lude (gesture) अहमेनम् … अतिबहुक्रुक्रुटिचेष्टितं बकोटवृत्तमुदन्तजातं पृच्छामि YaśasCam. ii. 347. 19.

अतिबहुगुण (atibahu-guṇa) *adj.* possessing numerous qualities एतच्चातिबहुगुणज्येष्ठातिहीनगुणकनिष्ठविषयम् ManvaVi. 1172. 17 (*on* 9. 114)

अतिबहुग्रहण (atibahu-grahaṇa) *n.* levying very heavy (taxes) करशुल्कादेरग्रहणमात्मनो मूलच्छेदः, अतिबहुग्रहणं परेषाम् ManuBh. ii. 41. 10 (*on* 7. 139)

अतिबहुज्ञ (atibahu-jña) *adj.* knowing very much अतिबहुज्ञोऽपि … तृष्णया बध्यते जन्तुः YogVā. iv. 27. 32.

अतिबहुतर (atibahu-tara) *adj.* a great many, very many अतिबहुतरदोषा…हस्तिनी (नारी) RatiRaha. 3. 30; TattvSaṁkhyāṬ. 51. 11.

अतिबहुता (atibahu-tā) *f.* the state of being very numerous तत्सम्भूतास्त्वतिबहुतया सद्यशोऽपत्यसङ्घास्त्रैधेऽप्यस्मिन् जगति न ममुः स्थानयोगाद्विवृद्धिः Gurvā. 170.

अतिबहुत्व (atibahu-tva) *n.* **i** the state of being very numerous प्रमाणकालभावजानां संप्रयोगाणामेकैकस्य नवविधत्वात्तेषां व्यतिकरे सुरतसंख्या न शक्यते कर्तुम् । अतिबहुत्वात् KāmSū. 88. 17 (2. 1); AvantiKa. 11. 1; AṣṭāSaṁ. i. 138. 3 (1. 27); दोषाणामतिबहुत्वेन कांश्चिदुक्त्वा … उपरन्तव्यम् NyāySu. (Ja.) 227B. 2 (*on* i. 4. 6); **ii** the state of being very great or large उच्चराशौ विलोमे च बलं नान्यैरिहेष्यते । कालस्यातिबहुत्वाच्च तस्मात्स्वोच्चेऽतिवक्रिते Sārā. 5. 14; SmṛtiCan. iv. 625. 2; GoviBh. 257. 3 (*on* iii. 3. 54)

अतिबहुदोष (atibahu-doṣa) *adj.* having a great many faults अतिबहुदोषमत्र प्रदेशे चिरावस्थानम् TilaMañ. 281. 15.

अतिबहुधन (atibahu-dhana) *n.* very abundant wealth स एवातिबहुधनं ददातीति नोपेक्षेत (राजा) ManuBh. ii. 216. 11 (*on* 8. 347); SmṛtiCan. iii. 215. 7.

अतिबहुधा (atibahu-dhā) *adv.* in a great many ways जनः करोत्यतिबहुधानुचेष्टितम् PadmP.(Ra.) 73. 180.

अतिबहुपादक (atibahupāda-ka) *adj.* (an incision) with many wedges न काकपदकं कुर्यान्न चातिबहुपादकम् । तत्र शस्त्रपदं कुर्यात् Hastyāyur. 383. 19 (3. 4)

अतिबहुप्रज (atibahu-praja) *adj.* [*f.* -ā] having many children सम्मदो नामातिबहुप्रजः … मीनाधिपतिरासीत् ViṣṇuP. iv. 2. 70; प्रजाः … अतिबहुप्रजाश्शीतवातातपवर्षसहाश्च भविष्यन्ति ViṣṇuP. iv. 24. 96.

अतिबहुप्रलाप (atibahu-pralāpa) *adj.* very garrulous or talkative मनुष्याः शीतद्विषश्चलधृतिस्मृतिबुद्धिचेष्टासौहार्ददृष्टिगतयोऽतिबहुप्रलापाः BhāvPra. (Bhā.) 4. 61.

अतिबहुबालक (atibahu-bālaka) *adv.* having too many children स दरिद्रश्च मूर्खश्च वृत्त्यभावेन दुःस्थितः । पूर्वदुष्कृतभोगाय जातोऽतिबहुबालकः KathāSaSāg. vi. 4. 93.

अतिबहुभुज् (atibahu-bhuj) *adj.* eating very much, gluttonous (नारी) अतिबहुभुक्…पिशाचसत्त्वा RatiRaha. 4. 17; S'ārṅgaPa. 3119; *m.* name of a serpent नागाः कश्मीरायां कृतालयाः … अतिबहुभुग् … नागः NīlaP. 902.

अतिबहुमत्सर (atibahu-matsara) *adj.* extremely envious or jealous अध्यास्ते हृदयमकृत्रिमप्रियाणां कान्तानामतिबहुमत्सरो ह्यनङ्गः HarVi. 17. 75.

अतिबहुमान्या (atibahu-mānyā) *adj.* (*f.*) extremely respectable यस्तु नार्याः प्रियो भवति तस्य नातिबहुमान्या प्रिया भवति DhūrtaViSaṁ. 16. 1.

अतिबहुरूप (atibahu-rūpa) *adj.* having very many forms अमितोऽतिबहुरूपः … परादिः TattvPrakā. 123B. 9 (*on* ii. 3. 48)

अतिबहुल (ati-bahula) *adj.* **i** abundant, plentiful, very much अतिबहुलतिमिरपटलान्धकारः कुसुमरहितः केशपाशः Kād. 60. 20; चिन्तयित्वा चातिबहुलदुःखतां स्नेहस्य … स्थाणुमाश्रिता Kād. 172. 4; पचेद् घृतेऽतिबहुले सैषा स्याच्छर्करोदरी BhojanKu. 44. 1; पर्यन्तेष्वतिबहुलं स्वल्पं मध्ये तमस्तमोऽन्त्याख्ये । सस्यानामीतिभयम् BṛSaṁ. 5. 52; कथमतिबहुलमीदृशं फलम् BālamBha. ii. 86. 24 (*on* 2. 73–75); (राज्यलक्ष्मीः) मदनफलप्रयुक्तिरिव भुक्तमाहारमतिबहुलहृदयखेदमुद्वमयति YaśasCam. i. 285. 2; नैवातिबहुलात्यल्पमार्तवं शुद्धमादिशेत् RugVi. 61. 6; **ii** good many, great many केशैर्न चातिबहुलैर्मृदुभिः पार्थिवो भवेत् BhaviP. 60B. 22 (*on* i. 27. 27); अतिबहुलप्रयोगाभावस्य तत्र विवक्षितत्वात् NyāySu.(Ja.) 186A. 6 (*on* i. 4. 6); अतिबहुलोऽयं पदार्थधर्मसमूहः NyāySu.(Ja.) 361A. 4 (*on* ii. 2. 6); न हि बलदेवयुधिष्ठिरादीनामतिबहुलतीर्थयात्रायां किंचिदेकं मुख्यमासीदित्यत्र साधकमुपलभामहे VīraMi. (Tīrtha.) 326. 13; अहंमदशाहुधरणीसार्वभौमेन … सन्ततमतिबहुलदानप्रीणिताश्रितालिमता प्रेषितानि…उपायनानि ĀnandRa. 8. 31 (3)

अतिबहुलत्व (atibahula-tva) *n.* great abundance अनयोरुत्प्रेक्षानिमित्तं च तमसोऽतिबहुलत्वम् … अधःसंयोगश्च यथासङ्ख्यम् SāhiDa. 544. 2.

अतिबहुलाकृति (atibahulākṛti) *adj.* having great many forms जना यतन्ते स्वफलपाकेऽतिबहुलाकृतौ YogVā. v. 49. 13.

अतिबहुवक्त्र (atibahu-vaktra) *adj.* speaking too much, very talkative, garrulous हितवक्ता मितवक्ता संस्कृतवक्ता न चातिबहुवक्ता । अर्थाद्विमृश्य वक्ता वक्तायं सर्ववस्तूनाम् Tantrākhyā. 98. 21.

अतिबहुविस्तृत (atibahu-vistṛta) *adj.* very large, very extensive कपयः … झम्पां ददुः शीतजलकुम्भेऽतिबहुविस्तृते RauhiC. 430.

अतिबहुशस् atibahu-śas) *adv.* very often, a good many times यदतिबहुशः पृष्टा किंचिद्ब्रवीति … वधूः Kāvyālaṅ.(Ru.) 7. 33.

अतिबहूदक (atibahūdaka) *n.* very great quantity of water यथा न सर्वोदकहानिस्तथा खन्यः कार्यः । यथा च नातिबहूदकस्थितिस्तथा बन्ध्यः कार्यः SmṛtiCan. iv. 556. 8.

अतिबह्वर्थ (atibahv-artha) *m.* good many meanings (of *prakaraṇas*) स्थानस्यातिबह्वर्थकथनेनाभिप्रायतोऽर्थानुमितिजनकस्य ततोऽपि दौर्बल्यम् TattvPrakā. 52A. 12 (*on* i. 3. 24)

अतिबह्वशन (atibahv-aśana) *n.* too much eating, gluttony ज्ञेया विकारा जन्तूनामतिबह्वशनोद्भवाः KāśyaS. 258A. 28.

अतिबाढ (ati-bāḍha) *adj.* very firm, very strong, very well साधीयानतिबाढः स्यात् DharK. 2726; ViśvaPra. 179. 60; AnekāSaṁ. 3. 753; MediK. 190. 66.

अतिबाढप्ररूढ (atibāḍha-prarūḍha) *adj.* excessively grown अतिबाढप्ररूढदंष्ट्राङ्कुराग्रलग्नघनसंघातनिर्जितवराहवेषविष्णुसमुद्धृतधराशोभाभिः … महायोगिनीभिरापूर्यमाणपरिसरम् … देवतायतनम् YaśasCam. i. 46. 4.

अतिबाध् (ati-bādh-) I. Ā. to trouble or oppress exceedingly, to affect very much राजा - प्रियंवदे कच्चित्सख्यौ वो नातिबाधते शरीरतापः S'āk. 3. 21(5); स तापः …। काशीविरहजन्मात्र यथा मामतिबाधते SkandP. iv. 52. 10; उवाच चार्यपुत्रेह धर्मो मामतिबाधते PariPar. 2. 516; (pass.) नृणां मध्ये स धन्यो वै दुष्कृतैर्नातिबाध्यते PauṣkS. 36. 65.

अतिबाधतस् (atibādha-tas) *adv.* because of being strongly invalidated or absolutely set aside (by better proofs) सिद्धैककालसृष्ट्यादेर्द्वैविध्यस्यातिबाधतः । अर्कवद् ब्रह्मपक्षेऽपि कल्पोऽयमधुनातनः SiddhāTaVi. 8. 21.

अतिबाल (ati-bāla) *adj.* [*f.* ā] A very young, who is in early childhood (कन्यां) नातिबालां वहन्त्यन्ये अनित्यत्वात् प्रजार्थिनः । वहन्ति कर्मिणस्तस्यामन्तःशुद्धिव्यपेक्षया MahāBhā. xiii. 305*; अतिबालां (स्त्रियं) वर्जयेत् CaraS. iv. 8. 6; अतिबालो ह्यसंपूर्णसर्वधातुः स्त्रियं व्रजन् । उपशुष्येत CaraS. vi. 2(4). 41 (1922 Ed.); AṣṭāSaṁ. i. 60. 17 (1. 9); स चास्माभिरतिबाला कन्येत्यपदेशमुक्त्वा सुपूजितो विसर्जितः Avimā. 1. 9(9); इयमतिबाला व्यक्तमार्तस्वरेण निहन्यान्मे मनोरथम् DaśKuC. 62. 20; अतिबालस्य तु शिशोर्धात्री सर्वं समाचरेत् KāśyaS. 135A. 24; स्रावणपाटनदहनसीवनैषणसाहसादीन्यतिबालेषु न कुर्यात् KāśyaS. 124A. 40; ग्लानातिबालस्थविराङ्गनानां मर्यादया पश्यति कार्यजातम् VarāṅgaC. 11. 52; नातिह्रस्वः नातिवृद्धो नातिबालः (ऋत्विग् ब्राह्मणः) ManuBh. ii. 24. 28 (*on* 7. 78); अत एव मदालसापत्यान्यतिबालानि मातुरुपदेशादेव विवेकख्यातिमन्ति मुक्तानि बभूवुः

SāmkhyaTaKau. 431. 1 (*on* 50); अतिबालं च वृद्धं तु वर्जयेत् ... बलीवर्दम् MānaSā. 5. 22; अतिबालः स्तनं पीत्वा ... आनन्दैकस्वभावभाक् PañcDa. 11. 50.

अतिबालक (atibāla-ka) *m.* very small child, very young boy अतिबालकाः। निक्षिप्ता अपि तोयेषु नाम्रियन्त SkandP. iii(1). 22. 59; व्याघ्रसिंहादिभिर्हिंस्रैर्गृहीतो नातिबालकः DevīBhāP. vi. 20. 2; मम हृदयमन्यथा करोतीति मनसा वितर्क्यातिबालकं ग्रहीतुमारभत PadmP. iv. 112. 12(17]; *adj.* childish, puerile [Apte]

अतिबालता (atibāla-tā) *f.* i the state of being very young, extreme youthfulness याति सुचिरमतिबालतया धृतिमेक एव परिवारितो जडैः(लैः) S'iśuVa. 15. 10; ii extreme ignorance or foolishness, S'iśuVa. 15. 10.

अतिबालत्व (atibāla-tva) *n.* the state of being a very small child (boy) न वदाम्यतिबालत्वाद्वाच्यमानो निरन्तरम् ĀdiP. 19. 58.

अतिबाला (ati-bālā) *f.* cow which is two years old वर्षमात्रा तु बाला स्यादतिबाला द्विवार्षिकी [Apte]

अतिबालिशदश (atibāliśa-daśa) *adj.* in a very young age अतिबालिशदशमपि श्लाघनीयशीलैः ... वरीयसामपि ... आचरिताश्चर्यचित्तचमत्कारं (मुनिकुमारकयुगलम्) YaśasCam. i. 137. 5.

अतिबालिश्य (ati-bāliśya) *n.* extreme childishness मयातिबालिश्यादिदमाचरितं विभो MahāP. 41. 32.

अतिबाल्य (ati-bālya) *n.* early childhood अतिबाल्ये दन्तोत्पादवेदनया पीडिता न सम्यक्संपूर्णधातुबला भवन्ति AṣṭāSaṁ. ii. 179. 13 (6. 2); अतिबाल्य एव कृतसंन्यसनः ... असौ तदनेन सम्प्रति जयेयमहम् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 9. 67; संस्कारस्योपनयनादेरतिबाल्यकृतत्वादिना विशेषात् ManvaVi. 1278. 28 (*on* 10. 3)

अतिबाल्यदशा (atibālya-daśā) *f.* the state of early childhood अत्रातिबाल्यदशायां प्रवृत्तस्य स्तनचिन्तनस्य ... तारुण्येऽप्याविर्भावः AlaṅkāRa. 85(17); अतिबाल्यदशाया बालक्रीडनके प्रवर्तयतामेव पित्रादीनां तस्यैवाध्ययनाधिकारे तादृशक्रीडायां ताडनकर्तृत्वदर्शनात् SetuBa. 2. 14.

अतिबाष्पायित (ati-bāṣpāyita) *adj.* profusely tearful तत्किमिति बाष्पायितं (v. l. किमित्यतिबाष्पायितं) भगवता MahāvīC. 2. 44(2)

अतिबाहु (ati-bāhu) *adj.* having long arms वेनम् ... अतिबाहुम् ... ददृशुस्ते महात्मानः PadmP. ii. 27. 40; *m.* i name of a Gandharva अतिबाहुश्च विख्यातौ च हहाहुहू। तुम्बुरुश्चेति चत्वारः स्मृता गन्धर्वसत्तमाः MahāBhā. i. 59. 49; ii name of one of the ten sons of the first (i. e. Svāyambhuva) Manu अग्नीध्रश्चातिबाहुश्च ...। मनोः स्वायम्भुवस्यैते दश पुत्रा महौजसः VāyuP. i. 31. 17; ViṣṇuDhaP. i. 176. 5; iii name of one of the seven sages of the fourteenth (i. e. Bhautya) Manvantara अग्नीध्रः काश्यपश्चैव ...। भार्गवो ह्यतिबाहुश्च ... अन्त्याः सप्तर्षयश्च ते HariVaṁ. App. 1(51); ViṣṇuDhaP. i. 189. 3.

अतिबाहुल्य (ati-bāhulya) *n.* A great abundance, great density तमसामतिबाहुल्याद् घनत्वात् मूर्तसमुचितं सूचिभेद्यत्वमुपचरितम् VakroJī. 101. 13; B excess, profusion भेषजस्यातिबाहुल्यात् SiddhYo. 1. 49; रजसश्चातिबाहुल्यात वासस्ते रक्ततां ययौ Rasā. 7. 61; RasRaSa. 3. 6.

अतिबाह्य (ati-bāhya) *adj.* very external यो हि संभाव्यमानसंसर्गैराधारैरपि न भेत्तुं पार्यते स दूरवर्तिभिरलब्धसम्बन्धैरतिबाह्यैः कथं भिद्येत NyāyMañ. i. 278. 15.

अतिबिभ्यती (ati-bibhyatī) *adj.* (*f.*) much afraid तत्पत्नी रतिलालसम्। पतिं निवारयामास वैधव्यादतिबिभ्यती SkandP. iii(3). 2. 53; S'ivaP. iv. 10. 26 (360A. 4)

अतिबीज (ati-bīja) *m.* the tree *Mimosa arabica* [PW]

अतिबीभत्स (ati-bībhatsa) *adj.* extremely hideous, very disgusting, extremely loathsome (act etc.) बीभत्सुरतिबीभत्सं कर्मेदमकरोत्कथम् MahāBhā. xi. 24. 13; कष्टमतिबीभत्समाचरितं दैवेन VeṇiSaṁ. 4. 358; (appearance etc.) स यं यं देशमभिजगाम ततस्तत एवैनमतिबीभत्सविकृततरदर्शनं मानुष इत्यश्रद्धेयरूपम् ... प्रवासयामासुः JātaMā. 161. 4 (24. 35); दृष्ट्वा तदतिबीभत्सं (अन्नम्) SamaMā. 4. 102; (state) हा प्रिये मालति कष्टमतिबीभत्समापन्नासि MālaMā. 9. 343; धिक् अतिबीभत्समेतत् CaṇḍaKau. 4. 20(1); (person) तं तथाप्यतिबीभत्सं सर्वश्रेष्ठममन्यत MārkP. 16. 18; *m.*~*n.* name of a hell सः ...। अतिबीभत्सनरके पाल्यते यमकिङ्करैः SkandP. ii(1). 12. 28 = iii(1). 30. 40.

अतिबीभत्सकर्मकृत् (atibībhatsakarma-kṛt) *adj.* performer of a very dreadful act बीभत्सुरतिबीभत्सकर्मकृद्भैरिदारणे PāṇḍaC. 11. 281.

अतिबीभत्सकर्मन् (atibībhatsa-karman) *adj.* who has done an extremely hideous act अतिबीभत्सकर्मा नृशंसोऽस्मि संवृत्तः UttaRāC. 1. 44(3)

अतिबीभत्सित (ati-bībhatsita) *adj.* extremely loathsome, very nauseating ते ... तदेवातिबीभत्सितमश्नन्ति BhāgP. v. 26. 23.

अतिबुद्ध (ati-buddha) *m.* extremely wise, very learned मुग्धबुद्धातिबुद्धानां लोके सिद्धा सुखात्मता PañcDa. 11. 53.

अतिबुद्धिमत् (atibuddhi-ma(n)t) *adj.* highly intelligent सोऽतिबुद्धिमतां श्रेष्ठो विष्णुः DevīBhāP. v. 7. 54; पुत्रेभ्यो योऽसौ माख्योऽतिबुद्धिमान् KathāKau. 9. 3.

अतिबुद्धिमनस् (ati-buddhimanas) *adj.* which is beyond intellect and mind शब्दशक्तिः। शक्या ग्रहीतुमतिबुद्धिमनस्यपीति SaṁkṣeS'ā. 1. 358 (i. 264. 24)

अतिबुद्धीन्द्रियात्मन् (ati-buddhīndriyātman) *adj.* whose nature is beyond intellect and sense-perceptions अतिबुद्धीन्द्रियात्मानं तं प्रपद्ये प्रजापतिम् MahāBhā. xii. 47. 21.

अतिबुभुक्ष् (ati-bubhukṣa-) [*desid.*] to wish to eat too much अन्नमन्नाभिलाषेऽपि दत्तं नातिबुभुक्षते AṣṭāSaṁ. ii. 189. 18 (6. 3); AṣṭāHṛ. vi. 3. 39.

अतिबुभुक्षत् (ati-bubhukṣat) *adj.* very hungry पिपासिताय श्रान्ताय भ्रान्तायातिबुभुक्षते। तस्मै सत्कृत्य दातव्यम् VāyuP. ii. 17. 19; BrahmāṇḍP. ii. 15. 19.

अतिबुभुक्षा (ati-bubhukṣā) *f.* great hunger क्रन्दतोऽतिबुभुक्षया। लब्धं कथंचिदन्नादि पुत्रस्य न ददौ पिता TrisaS'aPuC. iii. 1. 28; अतिबुभुक्षया पीडिता ... मर्कटी तं मौक्तिकं कर्णनासिकादिषु विलूरयामास Bharaṭ. 7A. 1; अतिबुभुक्षयात्मपीडा न कार्येत्यर्थः VīraMi. (Āhnika.) 477. 6.

अतिबुभुक्षित (ati-bubhukṣita) *adj.* very hungry सुशीलः ... द्विजं शान्तं पप्रच्छातिबुभुक्षितः DevīBhāP. iii. 27. 35; ग्लानिर्मुखस्यातिबुभुक्षितस्य KāśyaS. 202B. 43; (अहम्) अतिबुभुक्षितः क्षेत्रं शालेयमासाद्य ... अधिप्राप्तो महतीं पामरकरग्रहापदम् UdaySuKa. 37. 23; बालकः पाणिं चिक्षेपातिबुभुक्षितः PariPar. 8. 292; जगामान्वभयं सोऽपि तस्करोऽतिबुभुक्षितः RauhiC. 2446); अतिबुभुक्षितैर्मौक्तिकैः सर्वतो भक्ष्ये विलोक्यमाने एकम् ... धान्यक्षेत्रम् ... दृष्टम् Bharaṭ. 27B. 8.

अतिबुभुक्षुता (atibubhukṣu-tā) *f.* excessive desire to eat, great appetite रसानपि ... षट् सेवमानस्य मे तेष्वेवातिबुभुक्षुता ... जायते Jīvān. 329. 8.

अतिबुभूषत् (ati-bubhūṣat) *adj.* intending to surpass ऐन्द्रमत्यन्याः प्रजा बुभूषन् ĀśvaS'S. II. iv. 3. 12; II. v. 6. 8.

अतिबृंहण (ati-bṛṁhaṇa) *adj.* greatly nourishing श्वभिर्हतं पीतरक्तं नातिबृंहणमुच्यते KāśyaS. 363A. 19; यन्मांसं स्वामिना पक्वं तन्मेद इति कथ्यते। तदतीव गुरु स्निग्धं बलकार्यतिबृंहणम् BhāvPra.(Bhā.) 3. 150; *n.* excessive nourishment अथ खल्वतिबृंहणात् ... वमनविरेचनौषधानां दुर्योगातियोगात्पद्येते KāśyaS. 156A. 33; आस्यास्वप्नसुखाजि(?जी)र्णदिवास्वप्नातिबृंहणैः (श्लेष्मा प्रकुप्यति) AṣṭāHṛ. iii. 1. 18.

अतिबृंहणरोग (atibṛṁhaṇa-roga) *m.* disease of excessive fattiness मदनम् ...। सपाठारग्वधं पीतमतिबृंहणरोगजित् AṣṭāSaṁ. i. 126. 6 (1. 24)

अतिबृंहित (ati-bṛṁhita) *n.* over-nourishment रूपं तैरेव च ज्ञेयमतिबृंहितलङ्घिते AṣṭāHṛ. i. 14. 19; AṣṭāSaṁ. i. 125. 10 (1. 24)

अतिबृह् (ati-bṛh-) vi. p. to push through, to increase तां खे रथस्यात्यबृहत्। सा गोधाभवत् JaimiBr. 1. 221; वृषभः प्रजां वर्षतीति वा। अतिबृहति रेत इति वा Nir. 9. 22 (165. 14)

अतिबृहत् (ati-bṛhat) *adj.* very big, excessively large (गावः) श्यावातिदीर्घजिह्वा गुल्फैरतितनुभिरतिबृहद्भिर्वा BṛSaṁ. 61. 4.

अतिबृहत्तर (ati-bṛhattara) *adj.* very big, excessively large स्वतपोवृक्षो मनोरथफलैरलम्। शिवभक्त्यम्बुना सिक्तः फलितोऽतिबृहत्तरैः SkandP. iv. 52. 29.

अतिबृहत्प्रमाण (atibṛhat-pramāṇa) *adj.* of a very big size सूक्ष्मातिसूक्ष्मातिबृहत्प्रमाणगरीयसामप्यतिगौरवात्मन्। ... भगवन् प्रसीद ViṣṇuP. v. 1. 56.

अतिबृहत्फल (atibṛhat-phala) *m.* *Artecarpus integripholia* पनशः कण्टकिफलः पलसोऽतिबृहत्फलः BhāvPra.(Bhā.) 6(7). 25; BhāvPraNi. 91. 25.

अतिबृहत्स्कन्ध (atibṛhat-skandha) *adj.* of a very huge or large stem or trunk (द्रुमान् वर्जयेत्) बुभ्रतोऽतिबृहत्स्कन्धान् SamarāSū. 16. 14.

अतिबोधिसत्त्व (ati-bodhisattva) *adj.* surpassing a Bodhisattva वन्द्या त्वमेव जगतः स्पृहणीयसिद्धिरेवंविधैर्विलसितैरतिबोधिसत्त्वैः MālaMā. 10. 151.

अतिब्रह्मचर्य (ati-brahmacarya) *n.* excessive celibacy तत्रातिमैथुनादतिब्रह्मचर्याद्वा ... मेढ्रमागम्य प्रकुपिता दोषाः SuśruS. ii. 12. 7; *adj.* one who has violated the student life, one who cohabits with women [Apte]

अतिब्रह्मचारिणी (ati-brahmacāriṇī) *adj.* (a woman) leading an excessively celibate life तथातिब्रह्मचारिणीम् ... नारीमत्यर्थमुपसेवमानस्य ... मेढ्रमागम्य प्रकुपिता दोषाः SuśruS. ii. 12. 7.

अतिब्रह्मन् (ati-brahman) *m.* name of a king [PW]

अतिब्राह्म (ati-brāhma) *n.* name of a mystic formula अस्त्रं सप्ताक्षरं परम् । अतिब्राह्मं समुद्दिष्टमस्य स्वरविलोमजम् AhirbuS. 57. 27.

अतिब्राह्मण (ati-brāhmaṇa) *m.* excellent Brahmin अतिब्राह्मण: अतिवृषल: MahāBh. i. 416. 10 (*on* ii. 2. 18)

अतिब्रुवत् (ati-bruvat) *adj.* **i** arguing beyond the limit सावयवा: परमाणव इत्यतिब्रुवता कार्यविशेष: परमाणुरित्युक्तम् TātpaṬ.(Vā.) 650. 19 (*on* iv. 2. 24); **ii** abusing, insulting एवं शिवेऽतिब्रुवति ब्रह्मण: पञ्चमं शिर: ।··· प्रोवाच BhaviP. 51B. 18 (i. 22. 13); **iii** crying aloud धावन्तोऽतिब्रुवन्तश्च··· गजाश्वरथमर्दिता: । निपेतु: प्रधने वीरा: KalkiP. iii. 8. 30.

अतिब्रू (ati-brū-) II. U. **i** to insult, to abuse, to speak arrogantly, to dispute महारथानधिक्षिपन् (v. l. अतिब्रुवन् MW.) मूढ न लज्जसे कथम् MahāBhā. iii. 252. 2; (वानरा:) परस्परं केचिदतिब्रुवन्ते Rāmā. v. 59. 15; **ii** to speak too much न वृद्धान्न गुरून्न गणान्न नृपान् वाधिक्षिपेत्, न चातिब्रूयात् CaraS. i. 8. 25 (1941 Ed.)

[1]**अतिभक्त** (ati-bhakta) *adj.* divided, shared अतिभक्तं त्वया सार्धं राज्यं यच्चापि मे वसु Rāmā. vii. 11. 33.

[2]**अतिभक्त** (ati-bhakta) *adj.* extremely devoted, staunch devotee येनातिभक्त: संसारादुत्तारयति संकटात् PauṣkS. 31. 154; 36. 22; भृत्येषु चातिभक्तेषु मित्रवर्गे तथा मृते । भद्रे दु:खमपारं मे भविष्यति MārkP. 110. 16; अतिभक्तानां नादेयं विद्यते मम SūrySi. 12. 11; प्रणेमुरतिभक्ताश्च गोपा: BrahmVaiP. ii. 11. 28; अतिभक्तस्य गुह्यस्य कुलज्ञानं प्रकाशते KulārT. 2. 33; दर्शितं तेन ···। मुद्गलस्यातिभक्तस्य ··· आश्रमम् GaṇeP. i. 21. 7; विष्णुना मेऽतिभक्तेन यदिदानीमुदीरितम् S'ivaP. ii(2). 19. 43 (91B. 4); सुकुमारोऽतिभक्तो मे भरत: AdhyāRā. vi. 13. 43; कुलीनोऽस्म्यतिभक्तोऽस्मि PariPar. 7. 92.

अतिभक्तत्व (atibhakta-tva) *n.* great or extreme devotion कृतार्थमतिभक्तत्वादमुं मन्ये तदा गुरुम् PauṣkS. 30. 200.

अतिभक्ति (ati-bhakti) *f.* great or extreme devotion अतिश(v. l. भ)-क्त्या पितॄनर्चन्देवांश्च प्रयत: सदा MahāBhā. i. 70. 30; अतिभक्त्या च मासमेकं शृणोति य: BrahmVaiP. i. 19. 75; (महामुनि:) अतिभक्त्या तु तीर्थस्य प्रवणीकृतमानस: VāmaP. 43. 14; भक्तो न गणयामीदमतिभक्तिश्च नेष्यते MahāP. 1. 167; अतिभक्तिं तु संचिन्त्य नृपस्य जगदीश्वरं BrahmP. 59. 13; आराध्यतेऽतिभक्त्येति त्वया ब्रह्मन् विमर्शितम् PadmP. iv. 71. 100; (भूशुण्ड:) अतिभक्त्या मृत्युलोके सादृश्यं प्रापितो मम GaṇeP. ii. 16. 13; विलोक्य मिश्रं शिवयो: स्वरूपं सर्पाधिराजो मिलितोऽतिभक्त्या RājTa.(Prā.) 2; न द्वेषो नातिभक्ति: प्रियेष्वपि BhaktıRaSi. iii. 1. 19; अतिभक्तिमेव करिणस्त्वमग्रही: YātrāPra. 3. 231; अतिभक्तिमधिगम्य बिभीषणस्य ।···अभ्यषेचयत् MahāN. 6. 73; श्रद्धातिभक्तौ KośaKaTa. 2. 6012; *m.* प्रसादितात्तथा देवैर्गौतमादतिभक्तिना Dhūrtā. 361; *adj.* full of great devotion or attachment (तया) इक्षुलतामेकां प्रार्थितेनातिभक्तिना ।··· समर्प्यत PrabhāC. 147. 8.

अतिभक्तितस् (atibhakti-tas) *adv.* with great devotion, out of excessive faith श्राद्धस्य मन्त्रा: श्रद्धा च उपयोज्यातिभक्तित: MatsyaP. 19. 4; (कान्ताम्) मांसादिभक्ष्यभोज्याद्यैस्तोषयेद् देवि (v. l. अति)भक्तित: KulārT. 10. 43; जिनं नत्वातिभक्तित: BṛKathāK. 93. 7; करोतु पूजामतिभक्तितोऽर्हताम् SubhāRaSaṁ. 143; सोऽपि सततं माम् उपास्तेऽतिभक्तित: DevīBhāP. vi. 22. 56; दृष्ट्वा ननाम भरत: साष्टाङ्गमतिभक्तित: AdhyāRā. ii. 8. 42; आहूय गन्धमाल्याद्यैर्विधिना चातिभक्तित: CaturCin. i(1). 613. 13; अतिभक्तित: । विचक्रे पञ्चधात्मानं द्वितीयस्वर्गवासव: TriṣaS'aPuC. ii. 2. 482; किरणवेगस्तं नमश्चक्रेऽतिभक्तित: PārśvC. 2. 40; एताभ्यां वन्दितो दूरं वीक्षितश्चातिभक्तित: SamarāSaṁ. 8. 313; श्राद्धा: ··· प्रणेमुरतिभक्तित: PrabhāC. 31. 21; श्राद्धं कृत्वातिभक्तित: MahāNirvāT. 10. 92.

अतिभक्तिता (atibhakti-tā) *f.* nature of having great affection or devotion अतिभक्तितया मां त्वं मोक्षेऽपि न जिहासि BṛĀraUBhVā. ii. 4. 67.

अतिभक्तितोषित (atibhakti-toṣita) *adj.* propitiated with great devotion अतिभक्तितोषितहरलब्धवर: (वीरसेन:) NalaCam. 4. 9 (41)

अतिभक्तिप्रकाशन (atibhakti-prakāśana) *n.* name of Bālakṛṣṇa अतिभक्तिप्रकाशन: (इति नामसहस्रं विष्णोर्बालकत्वमुपेयुष:) PañcaRā.(Nā.) iv. 8. 12.

अतिभक्तिप्रभाव (atibhakti-prabhāva) *m.* power of great devotion अतिभक्तिप्रभावाच्च वाञ्छितं संप्रयच्छति PauṣkS. 38. 58.

अतिभक्तिभाज् (atibhakti-bhāj) *adj.* greatly devoted निमेषमात्रमपि यो ह्यतिमुक्तेऽतिभक्तिभाक् ।··· तेन तप्तं महातप: SkandP. iv. 25. 60.

अतिभक्तिमत् (atibhakti-ma(n)t) *adj.* having deep devotion शान्तचित्तोऽतिभक्तिमान् ।··· प्रविशेच्छनै: KulārT. 12. 83; अतिभक्तिमानसावनुपलब्धकुमारकुशलवृत्तान्तो न जाने किं व्यवस्यति TilaMañ. 195. 13; राजा संभृतसंभार: सपत्नीकोऽतिभक्तिमान् GaṇeP. i. 75. 4; वैश्योऽतिभक्तिमान् । जुहावासौ निजं मांसम् DevīBhāP. v. 35. 28.

अतिभक्तिवश (atibhakti-vaśa) *m.* [Abl.] on account of deep devotion उपदेशमेनमतिभक्तिवशादुपशृण्वतां शमवतां सविधे S'ivLī. 17. 43.

अतिभक्षण (ati-bhakṣaṇa) *n.* over-eating लवणातिभक्षणाद्वा ··· शोफा: प्रादुर्भवन्ति CaraS. i. 18. 5 (1922 Ed.); शुण्ठ(? ण्ठ्य)म्भसोऽनुपानं स्यादाम्राणामतिभक्षणे BhāvPra.(Bhā.) 6 (7). 14.

अतिभक्ष्यचारिन् (atibhakṣyacār-in) *adj.* wandering for more food कपालपाणय: पिशाचयक्षराक्षसा: । वदन्ति देहि ··· ममातिभक्ष्यचारिण: MatsyaP. 153. 144.

अतिभग्न (ati-bhagna) *adj.* utterly shattered नातिभग्नं पीडयेत् NitiVā. 30. 66.

अतिभङ्ग (ati-bhaṅga) *m.* total destruction तृष्णास्रोतोवि(v. l. ऽति)-भङ्ग: ··· श्रेयसामेष पन्था: S'atTrayī. 3; *n.* extremely bent pose (of an idol) अतिभङ्गमिहोच्यते । पार्ष्ण्यन्तरं शराङ्गुल्यं तत्पादाङ्गुष्ठयोरग्रके । तद्वयोर्मध्यमे विंशदङ्गुल्यं द्व्यन्तरं भवेत् । तज्जानुद्वयोर्मध्ये द्व्यन्तरं द्वादशाङ्गुलम् । ··· एवमतिभङ्गं स्यात् MānaSā. 67. 59; ĪśānS'iPa. ii. 43. 50; *adj.* having the bent pose समभङ्गोऽतिभङ्गो वा भवेद्वृषभवाहन: ।···वामपादोऽथ कुञ्चित: ĪśānS'iPa. ii. 43. 29.

अतिभङ्गुर (ati-bhaṅgura) *adj.* [*f.* -ā] **i** extremely transcient or perishable (ज्ञात्वा) संपत्तिमतिभङ्गुराम् SkandP. iv. 26. 73; PadmP.(Ra.) 113. 33; (वासना) विद्युद्वदतिभङ्गुरा YogVā. iii. 113. 24; स च विशिष्टादिरस्थिर: क्षण: प्रकृतेरेवातिभङ्गुर: YogS'ā. 74. 13 (4); **ii** extremely tremulous or wavy (सद्रापीमपश्यत्) भ्रूक्षेपानिव कुर्वाणां तरङ्गैरतिभङ्गुरै: PadmP.(Ra.) 8. 94; Mugdhopa. 47.

अतिभजनकृत् (atibhajana-kṛt) *adj.* greatly devoted स्वान्ते योऽन्त:पुरीयत्यतिभजनकृतस्तं कुमारीयति द्राक् । तं भजामि CitraMī. 26. 12.

अतिभजमान (ati-bhajamāna) *adj.* excessively enjoying स्त्रियमतिभजमाने भवत्यवश्यं तृतीया प्रकृति: NitiVā. 16. 5.

अतिभणित (ati-bhaṇita) *adj.* entreated greatly तेनातिभणितोऽप्येवं भीभो(? मो) नामुञ्चदाग्रहम् PārśvC. 2. 213.

अतिभद्र (ati-bhadra) *adj.* very auspicious स: ··· स्वात्मानमेषां ददाति ··· अतिभीषणोऽतिभद्र: NṛsiṁhoTāU. 7; (देव्या) न तया । ख्याति यया जनता ··· अतिभद्रकालीनतया DeviS'. 43; भीमाकारोऽप्यतिभद्र: ··· वीरभद्र: ĪśānS'iPa. ii. 12. 70; *n.* front projection (दिशास्वस्तिकसंस्थानम्) मुखेऽमुखेऽतिभद्रांशं शिरश्चायतमण्डलम् MayaMa. 24. 118; सो(? शा)लाया: पार्श्वत: कुर्यादतिभद्रद्वयम् SamarāSū. ii. 74. 6(57)

अतिभद्रक (atibhadra-ka) *adj.* very docile लम्बै: कूर्चैर्दीनैर्वक्त्रैर्मुनय इव शमदमरता भवन्त्यतिभद्रका: Subhāṣi. 2405.

अतिभद्रता (atibhadra-tā) *f.* great nobility सौजन्यपरतन्त्रा चेयं देवानां प्रियस्यातिभद्रता HarṣaC. 40. 6.

अतिभय (ati-bhaya) *n.* great fear एतदौत्पातिकं ग्रामे यस्मिन्··· । तस्मिन् ··· अतिभयं महत् AVPari. 64(8). 2; 70B(21). 1; 64(2). 4; (ब्रह्मण: पञ्चमं शिर:) अपश्यत्···रौद्रमतिभयात् SkandP. v(1). 2. 68; Kād. 29. 18; S'ivāL. 32; RāmC. 16. 9; KalāVi. 7. 21; GītGo. iii. 7. 3 (comm. अतिशयितभीत्या); द्विजा व्योमाध्वगं तं च दृष्ट्वातिभयतोऽनशन् PrabhāC. 36. 17; RājTa.(S'rī.) 4. 636; CaitaCa. 183. 10(8); व्यलोकि धृष्टो मयाप्यतिभयात् PadyaVe. 407; 434; *adj.* [*f.* -ā] **1** very dreadful (वनम्···संपरिक्षिप्तम्) पिशितादैरतिभयैर्महोग्राकृतिभिस्तथा MahāBhā. xi. 18*(7); वैष्णव्योऽतिभयाश्चान्या: क्रूररूपा भयंकरा: MahāBhā. ix. 272*(1); विमुक्तोऽतिभयात् ··· संसारसंकटात् DevīBhāP. iii. 12. 78; GītGo. iii. 7. 3; **2** full of great fear मामियं चलिता विलोक्य वृतं वधूनिचयेन । सापराधतया मयापि न वारितातिभयेन GītGo. iii. 7. 3 (Rasikapriyā मयेत्यस्य विशेषणम् । अतिक्रान्तं भयमिति वधूनिचयविशेषणं वा)

अतिभयंकर (ati-bhayaṅkara) *adj.* [*f.* -ā, -ī] very fierce, very terrible, very dreadful (living being) अतिभयंकर: । प्रवृद्ध: सहसा पक्षी महाकाय: MahāBhā. i. 20. 5; राक्षसी वा पिशाची वा यक्षी वातिभयंकरी MahāBhā. iii. App. 11(61); द्वारपालौ ददर्शातिभयंकरौ BrahmāṇḍP. ii. 32. 12; ii. 35. 27; iii. 23. 33; iii. 24. 50; (रुद्र:) अर्धनारीनरवपु: ··· अतिभयंकर: KūrmaP. 99. 1 (1. 11); VarāP. 2. 49; सा तैलाभ्यङ्कितं मां च करोत्यतिभयंकरी BrahmVaiP. iv. 63. 18; द्वीपिनोऽतिभयंकरा: PadmP. iv. 59. 6; दुर्निरीक्ष्यस्तदा रामो बभूवातिभयंकर: BṛDharmaP. i. 22. 48; i. 60. 64; आधारशक्तिं स ततोऽप्यतिभयंकराम् । दृष्ट्वा चकम्पे GaṇeP. ii. 52. 51; AdhyāRā. vi. 8. 26; BṛKathāMañ. 5. 116; अतिभयंकरम् राक्षसमेकमपश्यत् SiṁhāDvā. 108. 12(15); 35. 4(6); 154. 9(2); (inanimate object) परशुम् ··· जग्राहातिभयंकरम् Rāmā. vi. 1955*(2); अगा-

धातिभयंकरेषु …कूपेषु जलं सुदुर्लभम् KalyāKā. 2. 23; संसारविषवृक्षः …अतिभयंकरः SaurP. 32. 44; (निमित्तानि) नाशहेतूनि … मेघा अतिभयंकराः AdhyāRā. vi. 5. 28; RāmāCam. 3. 13(16); (action desire etc.) नमो भगवते चण्डप्रतापहनुमते … अतिभयंकरज्वरमाहेश्वरज्वर° … °श्रमिकापस्मारांश्च भेदय LāṅgU. 214. 23; संग्रामो बभूवातिभयंकरः MahāBhā. ii. 24. 25; vi. 53. 11; ix. 50. 34; BrahmāṇḍP. ii. 24. 80; VāmaP. 9. 31; परदाराभिलाषः … अतिभयंकरः PadmP.(Ra.) 46. 123; RāmāCam. 6. 41; RāmāMañ. 117. 18; (नरकान् प्राप्य) घोरानति तीव्रवेदनापादकत्वेनातिभयंकरान् Mitā. 400. 20 (*on* 3. 206); अत्यद्भुतमतिभयंकरं नृत्यम् LalitāSaBh. 72. 12 (*on* 103); राक्षसोऽतिभयंकररूपः SiṁhāDvā. 109. 12 (30); 116. 14(20)

अतिभयंकरम् (ati-bhayaṅkaram) *adv.* very terribly (दानवस्य शिरः) चक्रच्छिन्नम् … ननादातिभयंकरम् MahāBhā. i. 281*.

अतिभयचकित (atibhaya-cakita) *adj.* [*f.* –ā] startled with great fear नीत्वा गीर्वाणबालानतिभयचकितानुच्चकैर्धावमानः … सिन्धुरास्यः PadyaVe. 9; अतिभयचकिताप्यागता केलिकुञ्जे…नताङ्गी PadyaVe. 414.

अतिभयजनक (atibhaya-janaka) *adj.* causing great fear लोकशिक्षार्थं यद्यपि भवतामिदमुचितमेव तथापि नोऽतिभयजनकमेतत् CaitaCa. 183. 10(8)

अतिभयजनन (atibhaya-janana) *adj.* causing great fear अतिभयजननम् … शबरसैन्यमद्राक्षम् Kād. 29. 18.

अतिभयद (atibhaya-da) *adj.* causing great fear or panic सकलामरातिभयदः क्ष्वेलः … कण्ठदेशे भृतः … शंभो S'ivāL. 32; अतिभयदेषु भयार्तम्। सानुसंधिषु पपात … कुञ्जरयूथम् RāmC. 16. 9; KalāVi. 7. 21; शस्त्रममुना … परिकलितमेतदतिभयदम MohaRāPa. 5. 63; राज्यविपर्ययोऽतिभयदः RājTa.(S'rī.) 4. 636; अतिभयदो भीषणास्यः … अघोरः S'ilpaRa. ii. 22. 189.

अतिभयदायक (atibhaya-dāyaka) *adj.* causing great fright भवदीयमिदं रूपं दृष्ट्वातिभयदायकम्। भयोद्विग्ना वयं सर्वे SkandP. ii(1). 38. 30.

अतिभयप्रदा (atibhaya-pradā) *adj.* (*f.*) causing great fear सा वीराशंसनं युद्धभूमिर्यातिभयप्रदा AmaK. 16. 67.

अतिभयभ्रान्त (atibhaya-bhrānta) *adj.* rolling due to great fear न यत्र स्थेमानं दधुरतिभयभ्रान्तनयनाः … करटिनः BhāmiVi. 1. 30.

अतिभययुत (atibhaya-yuta) *adj.* having great fear क्वचिदतिभययुतरुरुहितगगनम् … दयिते वनं पश्य PadmP.(Ra.) 42. 47.

अतिभयविह्वल (atibhaya-vihvala) *adj.* perturbed with great fear कृशोऽतिभयविह्वलः। मन्दिरं स्वं जगामाशु न लेभे दानवः सुखम् DevīBhāP. iv. 23. 14.

अतिभयसमय (atibhaya-samaya) *m.* association with great fear वृक्षेष्वद्यापि बाणासनचकितभिया रामनामादिवर्णे राकारामादिशब्देष्वतिभयसमयान्न क्वचिन्निर्वृतिर्मे DaśāvaC. 7. 124.

अतिभयाकुल (atibhayākula) *adj.* [*f.* –ā] full of great fear ब्रह्माण्डक्रमणं कृत्वा निर्विण्णोऽतिभयाकुलः।… ब्रह्माणं शरणं ययौ BrahmVaiP. iv. 25. 56; कंसश्च चण्डिकावाक्यमाकर्ण्यातिभयाकुलः।…हितं मेने पापो बालादिहिंसनम् ĀdiP. 6. 11; सप्तद्वीपान्विता पृथ्वी चचालातिभयाकुला S'ivaP. ii(2). 35. 17.

अतिभयातुर (atibhayātura) *adj.* [*f.* –ā] troubled with great fear ततस्तमतिघोराक्षमवेक्ष्यातिभयातुराः। गोपा गोपस्त्रियश्चैव कृष्ण कृष्णेति चुक्रुशुः ViṣṇuP. v. 14. 7; BrahmP. 189. 51.

अतिभयानक (ati-bhayānaka) *adj.* [*f.* –ā] extremely terrifying, very dreadful कबन्धा नर्तनं चक्रुः शतशोऽतिभयानकम् PadmP.(Ra.) 62. 55; AvantiKa. 42. 12; पलायनपराः केचित्तां दृष्ट्वातिभयानकाम् GaṇeP. ii. 21. 54; नाहं बिभेम्यजित तेऽतिभयानकास्यजिह्वार्कनेत्रभ्रुकुटीरभसोग्रदंष्ट्रात् BhāgP. vii. 9. 15; मेघा वर्षन्त्यतिभयानकाः SkandP. ii(9). 25. 50; तयोः परस्परं युद्धं बभूवातिभयानकम् DevīBhāP. v. 31. 51; रथकारोऽपि तमतिभयानकं सिंहं दृष्ट्वा … प्रोवाच Pañcā. 81. 6; भैरवोऽतिभयानकः VīraMi. (Lakṣaṇa.) 32. 11.

अतिभयाभिपीडिता (atibhayābhipīḍitā) *adj.* (*f.*) afflicted with great fear इतीव सर्वा रजनीचरस्त्रियः …। विषेदुरार्तातिभयाभिपीडिताः Rāmā. vi. 82. 39.

अतिभयावह (atibhayāvaha) *adj.* [*f.* –ā] bringing great fear, very dreadful भवत्यग्निरधूमो वा तथैवातिभयावहः AVPari. 70B(21). 1; सप्ताहाभ्यन्तरे कम्पे मारुतेऽतिभयावहे AVPari. 64(2). 4; ईदृशी प्रमदा दृष्टा मया चातिभयावहा MatsyaP. 131. 30.

अतिभयोद्विग्न (atibhayodvigna) *adj.* dejected with great fear दृष्ट्वा तां दैत्यनिर्मिताम्। बभूवातिभयोद्विग्नः DevīBhāP. v. 6. 9.

अतिभर (ati-bhara) *m.* great burden, heavy load संभाव्य त्वामतिभरक्षमस्कन्धं स बान्धवः। सहायमध्वरधुरां धर्मराजो विवक्षते S'iśuVa. 2. 103; यो वै ममातिभरमासुरवंशराज्ञामक्षौहिणीशतमपानुददात्ममन्त्रः BhāgP. i. 16. 34; अतिभरेण विस्फुटितशेफालिकाकुसुमैः स्वीकृतास्रवन्मधुरसाकारेण सततवृष्टिः UdaySuKa. 26. 17; गत्वोपभूपमालोक्य कुमारं वेदनातुरम्। विनष्टनासिकं कुष्टरोगस्यातिभरादिव MalliC. 7. 513; रात्रेर्मध्यभरे भरत्यतिभरात् भेरीभरे निर्भरे गर्जति…शास्ताखानसमान आसुरवरश्रेटीचपेटीकृतः ParamāKā. 4. 29; *adj.* heavily burdened, carrying a great load धरस्योद्धर्तासि त्वमिति ननु सर्वत्र जगति प्रतीतस्तत्किं मामतिभरमधः प्रापिपयिषुः S'iśuVa. 5. 69; मालवेश्वरः … त्वच्चरणकमलरेणुनिकरनिचितमतिभरमिव दुःखदुःखेन शिरोऽवहत् AvantiKa. 38. 9.

अतिभरविवश (atibhara-vivaśa) *adj.* helpless due to a heavy burden अतिभरविवशस्य भोगिभर्तुस्तदिव सहायदशां प्रयातुमीषुः PṛthvīVi. 10. 23.

अतिभरसहन (atibhara-sahana) *n.* bearing of a heavy burden अतिभरसहनप्रवृद्धकीर्तिद्विषमिव शेषम् … मत्वा … तत्करभकुलं हयसंघमन्वयासीत PṛthvīVi. 10. 12.

अतिभरसुरभि (atibhara-surabhi) *adj.* extremely fragrant नीत्वोच्चैर्निक्षिपन्तः … परागान् कौन्दानां नन्दितालीनतिभरसुरभीन् भूरिशो दिङ्मुखेषु। … हैमना वान्ति वाताः SūktiMu. 63. 21.

अतिभरस्फुटितोदर (atibhara-sphuṭitodara) *n.* belly split open by the heavy burden जलधिवारि निपीतवतो भृशं वनमुचो रुधिरस्रवलोहिताः। अतिभरस्फुटितोदरनिर्गता विबभुरन्त्रलता इव विद्युतः JānaHa. 11. 61 (Ceylon Ed. 1967) = SūktiMu. 61. 19.

अतिभरान्वित (atibharānvita) *adj.* accompanied with excessive burden रेणूनतिभरान्वितान्। …धमित्वा रवकांश्चरेत् RasRaS. 5. 222.

अतिभरावसन्न (atibharāvasanna) *adj.* sinking with excessive burden कृष्णस्य गर्भजगतोऽतिभरावसन्नम् …। दृष्ट्वाहिमाद्यमुपसेदुरमुष्य पत्न्यः BhāgP. x. 16. 31.

अतिभरित (ati-bharita) *adj.* [*f.* –ā] well filled, well developed अतिभरितोरुभागभारवहनखेदेनेव तनुतरजङ्घाकाण्डम् (युवानमद्राक्षीत्) HarṣaC. 36. 6; स एव विसर्गः स्वसत्तानन्तरीयकतयैव तथैवातिभरितया सत्तया प्रसरन् द्रागित्येव हकलामयः सम्पद्यते ParāTri. 197. 4.

अतिभर्जय् (ati-bharjay-) (*caus.*) cf. **अतिभ्रस्ज्.**

अतिभर्त्सयत् (ati-bhartsayat) *adj.* scolding severely पिता माता निनिन्दाथ मूर्खं तमतिभर्त्सयन् DevīBhāP. iii. 10. 61.

अतिभव (áti-bhava) *n.* loss of worldy existence भ॒वे भ॑वे॒ नाति॑भवे भजस्व॒ माम् TaiĀ. x. 43. 1 (864. 1) (Sāy. जन्मातिलङ्घननिमित्तम्) = MahānāU. 17. 1; *adj.* who has overcome mundane existence भवतु भवे भवे मम भवेऽतिभवेऽभिरतिः YātrāPra. 3. 103.

अतिभवकत् (ati-bhavakat) *adj.* who has excelled you (in a derogatory sense) अतिक्रान्तो भवकन्तमतिभवकानितिवत् SiddhāKau. 52A. 7.

अतिभवती (ati-bhavatī) *adj.* (*f.*) (woman) surpassing you भवती अतिभवती MahāBh. i. 183. 23 (*on* i. 1. 72); KāśiVṛ. *on* P. i. 1. 72; P. *on* iv. 1. 4; JaineVyā. 150. 28 (*on* iii. 1. 4); CāndraVṛ. *on* iii. 3. 15; अतिभवतीति। भवन्तमतिक्रान्ता Pradī. iv. 32B. 8 (*on* iv. 1. 4); PrakriKau. i. 323. 3; Prasā. i. 62. 18; PariVṛ.(Sī.) 109. 13.

अतिभवानीवल्लभ (ati-bhavānīvallabha) *adj.* surpassing (S'iva) the Lord of Bhavānī अतिभवानीवल्लभं रामभद्रचरितम् BālRā. 3. 77(78)

अतिभव्य (ati-bhavya) *adj.* [*f.* –ā] very noble or auspicious or handsome सा गङ्गा कस्य सेव्या न भवति भुवने सज्जनस्यातिभव्या VijñāS'. 68; अतिभव्यां भालस्थलीं बिभ्राणा (युवतिराजगाम) UdaySuKa. 67. 15; KathāSaSāg. ix. 6. 54; यस्येयं गुणसंपदस्ति महती तस्यातिभव्यस्य ते संरब्धत्वमसद्गुमद्गुकलहे नाहं सहे हंस हे S'ārṅgaPa. 813.

अतिभस्त्रका (ati-bhastrakā) *adj.* (*f.*) surpassing the bellows भस्त्रादीनामापः स्थानेऽतः के परत आप्यसुप इत्त्वं वा भवति … अतिभस्त्रिका। अतिभस्त्रका CāndraVṛ. *on* vi. 1. 72.

अतिभस्त्रिका (ati-bhastrikā) *adj.* (*f.*) surpassing the bellows, CāndraVṛ. *on* vi. 1. 72.

अतिभा (ati-bhā-) II. P. **i** to shine brightly य॒था॒ सूर्यो॑ अ॒ति॒भाति॒ य॒था॑स्मि॒न्तेज॒ आहि॑तम् AV. x. 3. 17; सा एषा विद्युत्। … अथ यत्परमतिभाति स पुण्यकृत्यायै रसः JaimiUBr. i. 30. 4; कर्णोऽपि विबभौ (v. l. कर्णस्त्वतिबभौ) MahāBhā. vii. 47. 3; राज्ञो (दशरथस्य) नातिबभौ रूपं ग्रस्तस्यांशुमतो यथा Rāmā. ii. 37. 12; कान्ते कमलनिलया श्रीधरेवातिभासि NāṭyaS'ā. 15. 110; अतिभाति विशालाक्षी … यथा षोडशवार्षिकी PadmP. ii. 19. 55; MahāP. 23. 87; ĀnandRa. 2. 48; **ii** to excel, to outshine (fig.) ज्योतिरिव ह वा एषोऽन्येषु मनुष्येष्वतिभाति यस्सूयते JaimiBr. 2. 197; सर्वान् गुणानेष गुणोऽतिभाति Mahā-

Bhā. v. 35. 46 (MahāBhārDī. अतिक्रम्य प्रकाशते)

अतिभागव्यवस्था (atibhāga-vyavasthā) *f.* settlement of share of property अतिभागव्यवस्थायाम् ··· ग्राह्यो मासस्तु सावन: BhaviP. 355A. 18 (ii(2). 6. 8)

अतिभाग्य (ati-bhāgya) *adj.* very fortunate धन्योऽहमतिभाग्योऽहं पावितोऽहं महात्मभि: DevīBhāP. i. 2. 1; *n.* great fortune य: केनाप्यतिभाग्येन जातश्रद्धोऽस्य सेवने BhaktiRaSi. i. 2. 5.

अतिभाग्यशालिन् (ati-bhāgyaśālin) *adj.* very fortunate बाहुमध्यमतिभाग्यशालिन: कस्य वा पुनरलंकरिष्यति (सा) Nalābhyu. 3. 30.

अतिभाग्यसंपद् (ati-bhāgyasampad) *f.* affluence of good fortune अहो प्रजानामतिभाग्यसंपद् यासां त्वमेवं नरदेव गोप्ता JātaMā. 87. 17 (13. 42)

अतिभाग्याधिकत्व (atibhāgyādhika-tva) *n.* excess of good fortune अतिभाग्याधिकत्वेन लघिष्ठोऽपि गुरुर्भवान् । ··· गृहाण राज्यमेतच्च तव भाग्यै: समर्पितम् PārśvC. 7. 729.

अतिभानु (ati-bhānu) *adj.* excelling the sun सैहं पीठम् ··· त्वां द्युतिमिद्धामतिभानुं तन्वानं तद् भाति विभोस्ते MahāP. 23. 147; *m.* name of one of the sons of Kṛṣṇa and Satyabhāmā अतिभानुस्तथाष्टम: । श्रीभानु: प्रतिभानुश्च सत्यभामात्मजा दश BhāgP. x. 61. 10.

अतिभानुमत् (ati-bhānuma(n)t) *adj.* excelling the sun सुतो जज्ञे ···तेजसा चातिभानुमान् PrabhāC. 28. 28.

अतिभार (ati-bhāra) *m.* **1 A** excessive weight, great load, heavy burden अतिभारोऽभवद्भूमेर्भारती तत्र निर्मिता NāṭyaŚā. 20. 11; शकटस्य चातिभारात् ··· संजीवक: ·· निषसाद Tantrākhyā. 3. 19 = Pañcā. 4. 2; PañcT. 4. 17 (387. 32); उरुजघनस्थलातिभारात् Kirātā. 10. 60; तदतिभारनामितं वा ··· शिर: AvantiKa. 57. 9; (बिभेद) भित्तिमश्मघटितामतिभारात् RāmC. 16. 55; हे नागराज ··· °पर्यङ्कबन्धनविधेस्तव कोऽतिभार: KāvyMī. 88. 20 = VakroJī. 73. 2; अतिभार: ··· पशु(? शू)नामकाले मरणकारणम् NītiVā. 8. 10; नृपातिभारेण नितम्बिनीनां विमानरत्नानि पुरो नमन्ति NavaSāC. 14. 36; BhaviP. 284A. 16 (i. 191. 12); भुवो नामातिभारोऽयम् BrahmP. 210. 23; लोका: कुकर्मण्यतिरागिण: । यदा तदातिभारो मे भवत्येव जगद्गुरो । श्रुत्वेति वाक्यं धरणे: ĀdiP. 14. 148; रजकोऽतिनिर्दयो मामतिभारेण पीडयति Pañcā. 237. 6; DvyāśraKā. 2. 72; स्तनविनिहितमपि हारमुदारम् । सा मनुते कृशतनुरिव (v. l. रति) भारम् GītGo. iv. 9. 1; हिंसया हि शरीरिण: । पोता इवातिभारेण मज्जन्ति नरकार्णवे TriṣaŚaPuC. i. 1. 586; i. 1. 590; आरोपितोऽतिभारो हि गात्रभङ्गाय जायते PariPar. 8. 145; आक्रान्तोद्यानहर्म्यस्थलमणिभवना चौर्नेनामातिभारात् RāghPāṇ. (Ka.) 11. 12; (गजदन्तहस्त:) स्तम्भग्रहेऽतिभारे च श्रीसोढलसुतोदित: SaṃgīRa. iv. 56. 6 (7. 207); SūktiRa. 102. 3; CaitaCan. 211. 16(9); स्वप्नातिभाराध्वगमनात् ··· नयनरोगा गजानाम् Hastyāyur. 138. 26 (1. 18); 246. 5 (2. 39); **1 B** heavy strain, great pressure (intellectual etc.) न बुद्धीन्द्रियाणामतिभारमादध्यात् CaraS. i. 8. 27; नातिभारोऽस्ति नो बुद्धे: BṛĀraUBhVā. iii. 1. 50; **2 A** very heavy task or responsibility नातिभारो हि पार्थस्य केशवेनाभवत्सह MahāBhā. i. 55. 36; iii. 19. 7; न दैवस्यातिभारोऽस्ति MahāBhā. iv. 19. 6 = x. 9. 10; vi. 89. 8; vii. 21. 27; प्रत्युवाच ततो राजन्नभिमन्युमिदं वच: । अतिभारोऽयमायुष्मन्नाहितस्त्वयि पाण्डवै: MahāBhā. vii. 35. 3; vii. 107. 36; भारश्चाप्यतिभारश्च शल्यानां च प्रतिक्रिया । ···सर्वमेतन्मया ज्ञेयम् MahāBhā. viii. 28. 7; xi. 25. 30; नातिभारोऽस्ति दैवस्य सर्वभूतेषु लक्ष्मण Rāmā. iii. 65. 29; न कालस्यातिभारोऽस्ति Rāmā. vi. 38. 19; अतिभारे नियुक्तं वा भङ्क्त्वा परमवस्थितम् । ···कृच्छ्रेण साध्यते मित्रम् ArthŚā. iii. 40. 6 (8. 5); DūtGha. 43; अयम् ··· सरस्वत्या अप्यतिभार: ··· क: खलु ··· शक्नुयादविकलमस्य चरितं वर्णयितुम् HarṣaC. 140. 12; कोऽतिभार: समर्थानाम् TantrāKhyā. 7. 4 = PañcT. 1. 19 (22. 10) = Hitopa. 2. 12 = Pañcā. 7. 22 = SiṃhāDvā. 154. 9; NyāyMañ. i. 376. 26; कोऽतिभारो हरेर्नाम्नि जिह्वया परिकीर्तने AgniP. 200. 17; न ह्येतन्निराकर्तुं सोऽयमतिभार इति पूर्व: पक्ष: AṇuBh. 3. 2 (*on* i. 1. 1); HaṃsSaṃ. 94; अत: परं ममातिभारो लघूभूत: CaitaCan. 116. 1(5); काम: । मधो किमत्र अतिभारमाकलयसि Manmatho. 1. 6 (421. 9); **2 B** excessive strain, heavy load (of meaning) अनेनैव प्रसङ्गोऽनेनैव निवृत्तिरिति अतिभार एकस्यैव वाक्यस्य भवति ŚābaBh. 1527. 11 (*on* vii. 1. 2); विशिष्टविधानस्य नातिभार: TantrVā. 1123. 23 (*on* iii. 6. 45); 604. 22 (*on* ii. 3. 13); 795. 12 (*on* iii. 2. 22); न ह्यस्ति वचनस्य अतिभार: BrahmSūBh.(Śaṅ.) 684. 15 (*on* iii. 3. 4); किं नु खलु ऋग्वेदादीनां ब्रह्मत्वं कुर्वतामतिभारो भवति, न ब्रूम: अतिभार इति NyāyMañ. i. 235. 19; यथाश्रुतमेव तद्व्याख्येयमित्यतिभार: NyāyMañ. ii. 120. 27; Bhām. 220. 13 (*on* i. 3. 19); AbhinBhā. 304. 4 (*on* 6. 45); TantrRa. 202. 8 न हि वचनस्यातिभारोऽस्ति Mitā. 504. 15 (*on* 3. 298); SmṛtiCan. iv. 357. 17; CaturCin. iii(1). 124. 3; NyāyMāVi. 205. 7 (*on* iii. 8. 2); VīraMi. (Samaya.) 16. 11; MayūMāli. 814. 24 (*on* xi. 2. 12); *adj.* [*f.* -ā] of heavy weight, having excessive load तदा धरातिभारा हि कृत्वा गोरूपमद्भुतम् । संप्राप्ता ब्रह्मसदनम् ĀdiP. 14. 143; किं मे ··· देहेन चातिभारेण SkandP. iii(3). 2. 44; शेषाणां (स्तम्भानाम्) चातिभाराणां कुम्भ: स्यात्प्रियदर्शन: ĪśānŚiPa. ii. 31. 52.

अतिभारग (atibhāra-ga) *m.* mule वेसरस्त्वश्वखरज: ··· मिश्रशब्दोऽतिभारग: RājNi. 267. 25; KalpaK. 321. 30.

अतिभारगुरु (atibhāra-guru) *adj.* heavy with a great burden पूर्वं वारिधरप्रसङ्गसमयेनापूरितै: कुक्षिभिर्या गर्भिण्य इवातिभारगुरवो नि:सेव्यतामागता: (नद्य:) SaduktiKa. 179. 5 = SūktiMu. 62. 21 = Subhāṣi. 1825; अद्रि: करप्रकरनिर्गमरन्ध्रमार्गनि:शूषिताभिरतिभारगुरूदरोऽर्क: AmṛUda. 3. 34.

अतिभारगुरुत्व (atibhāraguru-tva) *n.* the state of being heavy due to a great burden or load शकटस्य चातिभारगुरुत्वात् ··· संजीवको युगभङ्गं कृत्वा निषसाद PañcT. 1. 3 (10. 4)

अतिभारता (atibhāra-tā) *f.* the state of having a very heavy task युद्धे समस्तमतिभारतया विपन्नम् PratiYau. 1. 6.

अतिभारधुरंधर (atibhāra-dhurandhara) *adj.* capable of bearing a great burden य एष त्वद्गृहे वोढा ह्यतिभारधुरंधर: SkandP. v(3). 209. 162.

अतिभारप्रसङ्ग (atibhāra-prasaṅga) *m.* contingency of a great weight (i. e. difficulty of significative capacity) ननु जातिविशेषणत्वेन व्यक्तिं च विशेष्यत्वेन वक्ष्यति गोशब्द: । न शक्नोति वक्तुमतिभारप्रसङ्गात् NyāyMañ. i. 293. 1.

अतिभारभङ्गुर (atibhāra-bhaṅgura) *adj.* **i** liable to be broken under a heavy burden लघूकरिष्यन्नतिभारभङ्गुरामम् किल त्वं त्रिदिवादवातर: ŚiśuVa 1. 36; **ii** troubled by a very heavy task इत्थमतिभारभङ्गुरा: सुरासुरा यावदासेदुरन्तिकं दुग्धनिधे: NīlaVi. 75. 19.

अतिभारभूत (atibhāra-bhūta) *adj.* becoming a very heavy burden (i. e. beyond the reach of) धनस्य रत्नस्य च तस्य तस्य कृताकृतस्यैव च काञ्चनस्य । तदा हि नैकान् स निधीनवाप मनोरथस्याप्यतिभारभूतान् BuddhaC. 2. 2.

अतिभारयोग (atibhāra-yoga) *m.* bearing of a very heavy burden (गजदन्त: कर:) एष च वधूवराणामुद्वाहे चातिभारयोगे च । स्तम्भग्रहणे च तथा शैलशिलोत्पाटने चैव NāṭyaŚā. 9. 155.

अतिभारवती (atibhāravatī) *adj.* (*f.*) bearing a very heavy burden याचमानजनमानसवृत्ते: पूरणाय वत जन्म न यस्य । तेन भूमिरतिभारवतीयं न द्रुमैर्न गिरिभिर्न समुद्रै: NaiṣC. 5. 88 = Subhāṣi. 3040.

अतिभारवह (atibhāra-vaha) *adj.* carrying a very heavy burden विख्यातमल्लमोहितमतिभारवहं तथा विकृतगात्रम् । रुधिराङ्कवीक्षिततनुर्जनयति सौरो नरं बुधमे Sārā. 29. 39; अश्वे तु घोडको वाजी ··· अतिभारवहे स्थौरी ParyāŚa. Ra. 2. 297.

अतिभारवहन (atibhāra-vahana) *n.* **i** carrying of a very heavy load इत्थं व्यर्थजलातिभारवहनप्रोद्भूतखेदादिव त्वां मूर्तिं वडवानले जलनिधिर्मन्ये जुहोत्यन्वहम् Subhāṣi. 882; अस्ति कस्यचिद्रजकस्य वस्त्रनयनातिभारपीडया गर्दभोऽवसन्न: (v. l. अस्ति कस्यचिद्रजकस्यातिभारवहनसमर्थ: खर:) PañcT. 3. 31 (286. 5); **ii** putting a very heavy load लोभावेशादधिकभारारोपणमतिभारवहनम् [JainL.]

अतिभारविघटित (atibhāra-vighaṭita) *adj.* separated due to very heavy weight उर्वीपति:···अतिभारविघटिताङ्गुलीसंनिवेशगलितम् ··· रक्तासवकपालम् ··· आददानम् ··· वेतालमद्राक्षीत् TilaMañ. 47. 10.

अतिभारश्रम (atibhāra-śrama) *m.* fatigue due to a very great burden यद्दिव्याभरणोच्चयस्य महिमच्छायाविधाने तथा हर्षात्कम्पयते फणादशशतीमाशीविषग्रामणी: । पर्यस्येत यथा धृतश्रिरमद:प्रत्युप्तरत्नाङ्कुरप्रौढालोकनिरर्थकीकृतमणीवृन्दातिभारश्रम: YātrāPra. 3. 214.

अतिभाराक्रान्त (atibhārākrānta) *adj.* overcome with a very heavy load ततो धनिकेनातिभाराक्रान्तेन महद् हलमुत्पाट्य भूमौ क्षिप्तम् Bharat. 20B. 6.

अतिभारातिसंतप्ता (atibhārātisantaptā) *adj.* (*f*) greatly afflicted with a very heavy burden अतिभारातिसंतप्ता कं त्वाऽहं शरणं गता (मेदिनी) GaṇeP. ii. 6. 3.

अतिभाराधिगम (atibhārādhigama) *m.* acquisition of a very heavy load तथा पथि त्यागमयं वितीर्णवान्यथातिभाराधिगमेन मागधै: । तृणीकृतं रत्ननिकायमुच्चकैश्चिकाय लोकश्चिरमुञ्छमुत्सुक: NaiṣC. 15. 2.

अतिभाराभाव (atibhārābhāva) *m.* absence of a very heavy load (of meaning) वैदिकशब्दस्यातिभाराभावात् TantrVā. 695. 20 (*on* iii. 1. 12); 1118. 6 (*on* iii. 6. 43); वचनस्यातिभाराभावात् ŚāstrDī. 332. 17 (*on* iii. 8. 1); MīmāKau. iii. 258. 1 (*on* ii. 2. 22); MayūMāli. 393. 17 (*on* iv. 3. 18)

अतिभारारोपण (atibhārāropaṇa) *n.* placing an excessive burden or load न्याय्यभारादतिरिक्तभारवाहनमतिभारारोपणम् TattvāRāVār. vii. 25. 4; क्षुधापिपासाशीतोष्णातिभारारोपणादिना । कशाङ्कुशप्रतोदैश्च सहन्ते वेदनाममी TriṣaS'aPuC. i. 1. 575; iii. 4. 124.

अतिभारार्ता (atibhārārtā) *adj.* (*f.*) troubled by a very heavy burden मेदिनी चातिभारार्ता ब्रह्माणं शरणं गता DevīBhāP. vii. 8. 32.

अतिभारिक (atibhār-ika) *adj.* **A** of very great importance यदि न गुह्यं नातिभारिकं वा ततः श्रोतुमिच्छामि MudrāRā. 6. 15 (9); **B** too heavy सर्वं त्वतोयमरुणमशोफं नातिभारिकम् (उदरम्) AṣṭāHṛ. iii. 12. 9.

अतिभारोद्वहन (atibhārodvahana) *n.* carrying of a very heavy load अतिभारोद्वहनात्सलिलतरणात् ··· वातः प्रकोपमापन्नो नयनवहा शिरा निरुणद्धि Hastyāyur. 142. 14 (1. 18)

अतिभाव (ati-bhāva) *m.* great devotion तेन राज्ञा महापूजा जिनानाम् ··· प्रवर्तितातिभावेन BṛKathāK. 115. 3.

अतिभावतस् (atibhāva-tas) *adv.* with great devotion दक्षिणा विविधा दत्त्वा ब्राह्मणेभ्योऽतिभावतः । पाण्डुपुत्राः ···। घोरं दुःखं कथं प्राप्ताः DevīBhāP. iv. 1. 33.

अतिभावनी (ati-bhāvanī) *f.* name of a disease in the trunk of an elephant caused by the saliva of a spider अतो लूताः प्रवक्ष्यन्ते ··· अङ्गुल्यां मेदिनी नाम स्थूलहस्तेऽतिभावनी Hastyāyur. 521. 8 (3. 26)

अतिभावयत् (ati-bhāvayat) *adj.* **i** contemplating deeply (about something) साधोरजनि महेशं किमुपर्यासीत्र तेऽतिभावयतः RasiRañ. 22; शंभुभूपतिः । आबभार सुषमां महत्तरां कालिकोक्तिमतिभावयन् हृदि ParamāKā. 176. 53; **ii** experiencing to a high degree, RasiRañ. 22.

अतिभावस्वरूप (atibhāva-svarūpa) *adj.* having the essential nature which is beyond all entities अतिभावस्वरूपोऽहमहमेव सुखात्मकः TejoBiU. 3. 34.

अतिभाविक (ati-bhāvika) *adj.* possessed of extreme faith, extremely devoted ये नराः कीर्तयिष्यन्ति माहात्म्यमतिभाविकाः SkandP. v(1). 15. 6.

अतिभाष् (ati-bhāṣ-) I. P. (*caus.*) to talk ill of (some one) त्वं कपित्वान्न जानीषे महान्तो विचरन्ति यत् । लोकं पुनानाः सञ्चारैस्तस्मान्नातिभाषयेत् AdhyāRā. iv. 2. 63.

अतिभाषण (ati-bhāṣaṇa) *n.* excessive talk न मे प्रिया यद् बहुमानवर्जिता कृताप्रिया ते परुषाभि(v. l. ति)भाषणैः NāṭyaS'ā. 15. 67 [Ghosh]; अतिस्वप्नमशय्या च तथा चाप्यतिभाषणम् ।··· सर्वमेतदनायुष्यम् BhelaS. 12. 16 (1. 8)

अतिभाषा (ati-bhāṣā) *f.* superhuman language भाषा चतुर्विधा ज्ञेया ··· अतिभाषार्यभाषा च जातिभाषा तथैव च । तत्र योन्यन्तरी चैव भाषा नाट्ये प्रकीर्तिता NāṭyaS'ā. 17. 27; अतिभाषा तु देवानामार्यभाषा तु भूभुजाम् NāṭyaS'ā. 17. 28.

अतिभाषित (ati-bhāṣita) *n.* long or prolix speech प्रवचनं निगमेऽप्यतिभाषिते KośaKaTa. 2. 6584.

अतिभाषिन् (atibhāṣ-in) *adj.* very talkative पृथुनासिकोऽतिभाषी धन्व्यंशे जायते धनाधिपतिः HorāSā. 30. 17; नात्युपविष्टो नाप्यतिभाषी नातिस्थितस्तिष्ठेत् RaseCin. 8. 40 (96. 6)

अतिभाष्य (ati-bhāṣya) *n.* excessive or delirious speech संधारणाजीर्णरजोऽतिभाष्यक्रोधर्तुवैषम्यशिरोऽभितापैः । संस्त्यानदोषे शिरसि प्रवृद्धो वायुः प्रतिश्यायमुदीरयेत्तु CaraS. vi. 26. 104 (1941 Ed.); न चालिप्तमुखोऽतिभाष्यहास्यक्रोधशोकरोदनस्वेदनाश्यातपदिवास्वप्नान् सेवेत AṣṭāSaṁ. i. 161. 19 (1. 31); RugVi. 58. 13; क्षयोपवासाध्वगमातिभाष्यव्यवायवातातपपीडितानाम् । व्यायामिनां वातकफोत्तराणां यन्नारिकेरादुदकं प्रशस्तम् BhojanKu. 188. 4.

अतिभास् (ati-bhās) *adj.* very bright दीप्तं तु दग्धे ज्वलितेऽतिभासि KośaKaTa. 2. 5179.

अतिभासन (ati-bhāsana) *n.* very clear manifestation दूरेऽवभासमानस्य सन्निधानेऽतिभासनम् PramāVāBh. 19. 2.

अतिभासुर (ati-bhāsura) *adj.* [*f.* -ā] very resplendent, very refulgent, very brilliant चित्राश्चाप्यतिभास्वराः (v. l. चैत्याश्चाप्यतिभासुराः) MahāBhā. ii. 3. 15; निस्सृत्य मण्डलान्मित्राद्रश्मिवत्सोऽतिभासुरः PadmP.(Ra.) 17. 146; 19. 136; 85. 132; 118. 44; दीप्यमानेऽतिभासुरे ।···अनन्तभोगशयने शयानं पीतवाससम् PāraS. 6. 194; ददर्श दूरादतिभासुरं शुभम्···रामस्य गेहम् ··· भरतः AdhyāRā. ii. 8. 66; इलाजरंजवीभावमामोक्षमतिभासुरम् । भूयो भूयोऽनुभवति YogVā. iii. 55. 43; v. 42. 24; (सुमुखीं स्वप्नपथेन पार्थिवः ।···व्यलोकयत्) अतिभासुररत्नकुण्डलाम् NavaSāC. 12. 14; तपांसि सः । तेपेतरां तपनवत्तेजोभिरतिभासुरः PariPar. 5. 52; 7. 7; ततोऽर्कोऽप्यतिभासुरः TriṣaS'aPuC. i. 3. 246; i. 5. 701; वज्रं च ··· षट्कोणमतिभासुरम् RasRaSa. 4. 27; जनता ··· अतिभासुरया सुरया व्यहरत् Nalo. 1. 54; प्रसन्नतां सपदि भजन्ति पार्थिवाः । दिनाधिपे दिवसमुखेऽतिभासुरे महीतले Raghunā. 8. 44.

अतिभास्कर (atibhās-kara) *adj.* producing excessive lustre or light निःप्रकाशमिवाकाशे भास्करो नातिभास्करः AVPari. 64(2). 3.

अतिभास्करज (ati-bhāskaraja) *adj.* surpassing the Sun's son (Manu or Karṇa) निशाकरकुलोत्तंसः सोऽतिभास्करजः सदा । प्रभाकरोदये तातं दिवाकरमिवानमत् DvyāśraKā. 11. 60.

अतिभास्करवर्चसा (ati-bhāskaravarcasā) *adj.* (*f.*) surpassing the lustre of the sun यस्मिन् वसति तोये च साऽतिभास्करवर्चसा (जलौका) Hastyāyur. 700. 2 (4. 34)

अतिभास्वत् (ati-bhāsvat) *adj.* extremely bright or brilliant, surpassing the Sun सूक्ष्मातिदूरांतिकस्थातिभास्वद्भिरवाप्रियविकृतादिदर्शनम् ··· मिथ्यायोगः AṣṭāSaṁ. i. 116. 14 (1. 22); शोभते पद्मनाभाख्यः किरीटेनातिभास्वता PadmP. iv. 84. 93; शङ्खचक्रगदापाणेः···मनः शरीरेणातिभास्वता । इदं संचिन्तयामास त्रैलोक्याब्जमहालिना YogVā. v. 38. 6; तेजोऽतिभास्वद्वरतं दधानम् । राजा स शत्रुघ्नमनीलसर्पि प्रास्थापयत् RāghPāṇ.(Ka.) 2. 41; भूपरिक्रमणादन्या भवतामतिभास्वताम् । तमसामिव शत्रूणां निरासे कीदृशी क्रिया Yādava. 22. 16.

अतिभास्वर (ati-bhāsvara) *adj.* extremely radiant or brilliant गङ्गा तं गर्भमतिभास्वरम् । उत्ससर्ज Rāmā. i. 36. 17; दीप्यमानेऽतिभास्वरे ।···अनन्तभोगशयने शयानं पीतवाससम् PāraS. 10. 175; अत्यन्तनिर्मलः सूक्ष्म आत्मायमतिभास्वरः SarvaVeSāSaṁ. 481; (नृपकुमारः) आनन्दाश्रुबिन्दुविसरमतिभास्वरेण रत्नादर्शतेजसा जनितमिति मुहुर्मुहुरुपप्रथत् TilaMañ. 278. 20; 405. 2; अन्येषां चैव देवानां शरीरेभ्योऽतिभास्वरम् । निर्गतम् (तेजः) DevīBhāP. v. 8. 41; सः । ··· संज्वाल्य हुताशमतिभास्वरम् । जुहाव ··· मांसं स्वस्कन्धभित्तितः YogVā. iv. 48. 35.

अतिभास्वरता (atibhāsvara-tā) *f.* the state of being extremely radiant or resplendent अतिभास्वरतया तडिद्दण्डैरिव निर्मितानाम् ··· अङ्गानाम् TilaMañ. 36. 3; 152. 11; 153. 7; 158. 21.

अतिभास्वरत्व (atibhāsvara-tva) *n.* the state of being extremely resplendent or radiant (समरकेतुः) अतिभास्वरत्वादपरिस्फुटविभाव्यमानावयवशोभम् ··· आयतनं ददर्श TilaMañ. 214. 10.

अतिभास्वररोचिस् (atibhāsvara-rocis) *adj.* possessed of very brilliant lustre वर्तन्ते द्वादश कला अतिभास्वररोचिषः BrahmāṇḍP. iii. 35. 86.

अतिभास्वराकृति (atibhāsvarākṛti) *adj.* extremely radiant in form (समरकेतुः) भास्वतेव सेवागतेनातिभास्वराकृतिना प्रभामण्डलेनोद्भासिताम् ··· प्रतिमामपश्यत् TilaMañ. 217. 7.

अतिभिद् (ati-bhid-) VII. U. (*pass.*) to differ very much हिरण्यगर्भपक्षस्तु वेदान्तान्नातिभिद्यते SarvaSiSaṁ. 12. 87; (*caus.*) to cause excessive division अतिभेदयेन्नातिसामं नातिदानं न च स्त्रीषु दण्डो न च मायोपेक्षा कर्तव्या BārhaS. 1. 52.

अतिभिदा (ati-bhidā) *f.* great difference यासाम् ··· नातिभिदा तिरश्चिलः (?) AvantiKa. 125. 11; प्रणमामि चन्द्रसूर्यप्रज्ञप्ती ··· नातिभिदार्थात्मनापि ययोः SiddhāĀSta. 26.

अतिभिन्न (ati-bhinna) *adj.* **i** very different लार्टिडिन्नो नामैते नातिभिन्नाः पिशाचेभ्यः PādaTā. 16. 3; नैयायिकः ··· साधयिष्यति नश्शिवम् । नातिभिन्नं मतं यस्मादावयोर्वेदवादिनोः SarvaSiSaṁ. 5. 37; **ii** not entirely different भिन्नम्–अत्यन्तभिन्नम् अतिक्रान्तो अतिभिन्नः भेदाभेदवान् LaCandr. 678. 33; **iii** crossed over भवेतिभिन्नः कुलपामराणां भवेऽतिभिन्नः कुलपामराणाम् ĪśvaS'. 8.

अतिभिन्नता (atibhinna-tā) *f.* radical difference or complete distinction अतिभिन्नता नारायणेन मुक्तानामपि सम्यक् AnuVyā. 49B. 4 (*on* 3. 3)

अतिभिन्नपुरीष (atibhinna-purīṣa) *n.* excessively loose excrement अतिभिन्नपुरीषश्च अतिस्निग्धस्य लक्षणम् AśvaVai. 19. 9.

अतिभी (ati-bhī) *f.* **i** great fear मध्येछायगृहं बद्धभूमिकस्यातिभीर्यथा । प्रदीपेन PārśvC. 6. 371; राज्ञः ··· भाविनाशादतिभीरनुवर्तते PañcDa. 14. 26; **ii** the flames of the thunderbolt (very terrific) स्फूर्जथुर्वज्रनिर्घोषो वज्रज्वालातिभीः स्मृता AbhidhāRaMā. 1. 57; कुलिशोऽस्यार्चिरतिभीः स्फूर्जथुर्ध्वनिः AbhidhāCin. 181; Liṅgānu.(He.) 60. 2; शम्बार्चिरतिभीरुक्तः स्फूर्जथुर्वज्रनिःस्वनः ParaNā. 225; Liṅgānu.(Para.) 3539; वज्रार्चिरतिभीः स्त्रियाम् KośaKaTa. 1. 421; 2. 2465.

अतिभीत (ati-bhīta) *adj.* [*f.* -ā] very much frightened, greatly afraid of दाम्भिकस्यातिभीतस्य ··· रक्षोऽधमस्य तस्यास्ति कुतः स्वल्पापि शूरता PadmP.(Ra.) 48. 140; सातिभीताब्रवीत्कोऽसि कृपान्तःस्थोऽद्भुतस्वरः VāmaP. 91. 54; अतिभीतस्य तदा मे विस्मयोऽभवत् ĀdiP. 10. 7; किं नासौ मुरजित्सुरा न किममी येनातिभीता प्रिये UdaySuKa. 110. 28; अर्जुनः ··· भीतभीतोऽतिभीतः

भूयस्तं प्रणम्य…आह GītāBh.(Rā.) 553.7 (*on* 11.35); 609.6 (*on* 16.5) क्रोधाद्य-स्यातिभीता दिशि दिशि विहतानन्तसामन्तकान्ताः कान्तारेषु प्रविष्टाः EI. xiv. 301. 33; सा (माया) चातिभीता पुरतो यमेव स्तोतुमक्षमा PañcaRā.(Nā.) ii. 3.13; यद्याङ्गलाग्रकलनात् कुरुराजधानी धानेव धामसहिता चलितातिभीता SātvaT. 2.47; ग्रीष्मग्रासभयातिभीतजनताशौटीर्यदुर्गालयो मार्गः … जयिना प्रोत्तम्भितो मण्डपः EI. vi. 202.22; दूराद्दालोक्य तस्यास्तमाकारमतिभैरवम् । आवाभ्यामतिभीताभ्यां सेयं कृत्येति निश्चितम् PāṇḍaC. 9.321; किं करवाम धामरहिता शीतातिभीता वयम् S'atTrayī. 767.

अतिभीतवत् (atibhīta-vat) *adv.* like one who is very much frightened निवसाम्यतिप्रच्छन्नो मरुत्तादतिभीतवत् SkandP. i(2). 13.55; कद्रवास्तद्वचनं श्रुत्वा विनता ह्यतिभीतवत् । पुत्रमाह … गरुडं विहगाधिपम् BrahmP. 159.31; (सुग्रीवः) दृष्ट्वा लक्ष्मणम् … उत्पपातातिभीतवत् AdhyāRā. iv. 5.51; अतिभीतवद्द्रवति सौरभं ततः Manmatho. 1.2 (419.29)

अतिभीति (ati-bhīti) *f.* excessive fear, great fright प्रायशो भाषणेनातिभीत्या…भवेन्मारुतस्य प्रकोपः HārīS. i. 5.52; (तदनुचराः) अतिभीतिविविसितान्तकरणः(? णाः) श्रेणिकधरणीश्वरायेदं निवेदयामासुः YaśasCam. ii. 305.22; अग्रे धावत्यात्मनाथेऽतिभीत्या … यूथनाथास्तदीयाः … सर्वे प्राद्रवन् Raghunā. 10.40; नातिधैर्यं प्रदातव्यं नातिभीतिश्च रोगिणे KaliVid. 24.

अतिभीतिकर (atibhīti-kara) *adj.* causing great fear मुग्धामनुनयति …नातिभीतिकरैर्वाक्यैः S'ṛṅgāTi.(Ru.) 1.54.

अतिभीतिद (atibhīti-da) *adj.* causing great fear, very frightening सर्पो बभूव सोऽतिभीतिदः BṛKathāK. 78.140.

अतिभीम (ati-bhīma) *adj.* [*f.* -ā] exceedingly terrible or fierce or formidable अग्निः सात्विक्यकर्ता स्यात् … । अर्जुनस्यातिभीमेऽस्मिन् कुरुपाण्डुसमागमे MahāBhā. v. 59.8; vii. 953*(1); viii. 359*(2); अतिभीमा (कृत्या) समागम्य…तं (=प्रह्लादम्) जघानाशु वक्षसि ViṣṇuP. i. 18.34; भुजेऽतिभीमे सशरं शरासनं निधाय वामे JānaHa. 9.29; AvantiKa. 90.9; एष स्त्रैणकपोलकुङ्कुमलिपिस्तेयातिभीरौ (v. l. °भीमे) भुजे विभ्राणः … धनुः AnarghaRā. 4.19; अतिभीमा भैरवाश्चः … शिवस्य पार्षदाः सर्वे BrahmVaiP. ii. 61.44; SkandP. iv. 95.57; सुन्दरं चातिभीमं च रूपं कृत्वा हिमाचले । रक्षांसि भक्षयिष्यामि LakṣmīT. 9.39; पेशलेनातिभीमेन प्रसन्नेनाकुलेन च । …तेजसा रञ्जितप्रभम् (वपुः) YogVā. i. 6.20; निर्गमनं श्रियोऽतिभीमा अरु[ण]दजयमेरुगोपुरस्य … तोरणस्रक् PṛthviVi. 10.38; भीमस्ततो भीम इवातिभीमः । महीमहेलापतितां प्रपेदे VasaViKā. 3.14; वराहा वारिवाहातिभीमाः VīraBhā. 11.44; अस्या दृशि विमलायां तरलतरतारकातिभीमा Hāsyārṇa. 2.25; *m.* **i** name of one of the five *Yajñamus* ('sacrifice-stealer') gods अभीममतिभीमं च भीमं भीमबलाबलम् । एतान् यज्ञमुषः पञ्च देवानभ्यसृजत् तपः MahāBhā. iii. 210.11; (cf. TaiS. III. v. 4.1–2); **ii** lord of the Rākṣasas भीमातिभीमदाक्षिण्यात् ते चान्येऽपि वः कुले । अनुज्ञाताः सुरैः सर्वैः पूर्वमित्येवमागमः PadmP.(Ra.) 6.65.

अतिभीमदन्त (atibhīma-danta) *m.* very fierce tusk रुषा करीन्द्राः । मत्तान्यकुम्भिभ्रमतोऽतिभीमदन्ताभिघातव्यसनं वहन्ति KumāSam. 9.42.

अतिभीमदर्शना (atibhīma-darśanā) *adj.* (*f.*) of an exceedingly terrible or frightful appearance इति (राक्षसीम्) तामतिभीमदर्शनामभिवीक्ष्यो-भयतस्तपोधनम् । धनुषोरवनीभुजः सुतौ सपदि न्यस्तशरावतिष्ठताम् JānaHa. 4.62.

अतिभीमनिर्घात (atibhīma-nirghāta) *m.* extremely fearful or loud thunder-clap दिवोल्का…राजमृत्यवे स्यात् । …अतिभीमनिर्घातो राजमृत्यवे ViṣṇuDhaP. ii. 166.0 (292A. 16)

अतिभीमपराक्रम (atibhīma-parākrama) *adj.* possessing exceedingly formidable power or valour तव भीम बलेनाहमतिभीमपराक्रम । अक्षतः सह पाञ्चाल्या गच्छेयं गन्धमादनम् MahāBhā. iii. 145.2; अतिभीमपराक्रमौ…गणौ-धातृविधातारौ PāraS. 11.29.

अतिभीमवात (atibhīma-vāta) *m.* very strong or violent wind तेनातिभीमवातेन विदूरधरथोऽप्यथ । उह्यमानोऽभवत् YogVā. iii. 49.3.

अतिभीमसेन (ati-bhīmasena) *adj.* surpassing Bhīmasena अतिभीमसेनमनयोः प्राचण्ड्यं प्रेक्ष्य वेपते हृदयम् S'ṛṅgāBhū. 73.

अतिभीय (atibhī-ya) *ger.* becoming extremely frightened यत्रावदत् तामतिभीय भैमी NaiṣC. 6.68.

अतिभीरु (ati-bhīru) *adj.* extremely timid or apprehensive अतिभीरुमतिक्लीबम् … न भजन्ति नृपं श्रियः MahāBhā. iii. 239.4; एष स्त्रैणकपोलकुङ्कुमलिपिस्तेयातिभीरौ भुजे विभ्राणः … धनुः AnarghaRā. 4.19; अतिभीरुभूपालमण्डलमिव वलिभिराक्रान्तमशेषमङ्गम् … आवरीतुं न शक्यते NalaCam. 4.20(2); सुखं चन्दनवनितादिसङ्गजन्म…अतिभीरुणा त्यज्येतापि Bhām. 54.9 (*on* i. 1.1); प्रज्ञया वादिनः सर्वे स्वविकल्पविलासिनः । जयन्ति सुभटप्रख्यान् नरानप्यतिभीरवः YogVā. v. 12.33; सुवर्णरजतानि वा स्वप्ने पश्येद् यदि तदा … अकस्मादतिभीरुर्वा मासानष्टैव जीवति YogS'ā. 5.141; [**अतिभीरु** is given as one of the meanings of **अपोगण्ड**, AnekāSaṁ. 4.71; KośaKaTa. 2.4774]

अतिभीरुक (atibhīru-ka) *adj.* very timid, great coward cf. **अतिभीलुक** अपोगण्डस्तु शिशुके विकलाङ्गेऽतिभीरुके ViśvaPra. 46.39; ViśvaLoK. 96.41; S'abdaRaSaK. 101.1.

अतिभीरुता (atibhīru-tā) *f.* extreme timidity or cowardice किं वा करोतु वराको येनातिभीरुतया … न तु दृष्टान्येव … कुपितानां तेजस्विनां मुखानि HarṣaC. 259.5; सोऽतिभीरुतयात्यन्तं जायते निकृतो नरः PadmP.(Ra.) 54.39; सेयमतिभीरुता सकललोकयात्राविरोधिनी TātpaṬ.(Vā.) 625.23 (*on* iv. 1.54)

अतिभीरुमति (atibhīru-mati) *adj.* very timid or a coward at heart अतिभीरुमतिं दीर्घसूत्रं चातिप्रमादिनम् । व्यसनाद् विषयाक्रान्तं न भजन्ति नृपं प्रजाः S'ukraNī. 1.140.

अतिभीलुक (ati-bhīluka) *adj.* very timid, great coward, cf. **अतिभीरुक** प्रलपत्यतिभीलुकः पितृव्यः Rāgh. 15.62.

अतिभीषण (ati-bhīṣaṇa) *adj.* [*f.* -ā] **i** beyond or above frightfulness or terribleness स एतत् सर्वं निरूह्य प्ररूह्य … अतिभीषणोऽतिभद्रोऽतिमृत्युमृत्युः … भूत्वा स्वे महिम्नि सदा समास्ते NṛsiṁhoTāU. 7; **ii** extremely fierce or terrible or deadly (animates and personified objects) राजा कल्माषपादः … । स एषोऽस्मिन् वनोद्देशे निवसत्यतिभीषणः MahāBhā. i. 168.2. (कल्माषपादम्) तमतिभीषणं राक्षसस्वरूपमवलोक्य ViṣṇuP. iv. 4.60; सिंहव्याघ्राश्च संक्रुद्धा भीमसेनमभिद्रवन् । … विनदन्तोऽतिभीषणाः MahāBhā. iii. 146.46; पपात पूतना भूमौ म्रियमाणातिभीषणा ViṣṇuP. v. 5.10 = BrahmP. 184.10; एवंविधं खशा पुत्रं विजज्ञे सातिभीषणम् VāyuP. ii. 8.76; BrahmāṇḍP. ii. 7.42; आससाद वने घोरं शार्दूलमतिभीषणम् BrahmāṇḍP. ii. 25.52; ततो देवीशरीरात्तु विनिष्क्रान्तातिभीषणा । चण्डिकाशक्तिरत्युग्रा MārkP. 88.22; 87.15; उर्वीपतिः … यमुनाप्रवाहमिव…आवर्तद्वयेनातिभीषणम् … वेतालमद्राक्षीत् TilaMañ. 48.9; अक्षौहिणीः सप्तदशातिभीषणास्ता राम एको भगवानसूदयत् BhāgP. ix. 15.30; माल्यवानतिभीषणः रावणश्च महाबलः SkandP. i(1). 8.30; तं यान्तमनुयाति स्म ब्रह्महत्यातिभीषणा SkandP. iii(1). 24.59; iii(1). 11.63; भवो ब्रह्महत्यासंज्ञामतिभीषणां स्त्रियमुत्पाद्य तां प्रत्युवाच TristhaSe. 194.4; भगवानेक एव जनार्दनः।… राजेन्द्राखिलभूतानि भक्षयत्यतिभीषणः PadmP. v. 2.112; क्षणाच्च भूमिविवराद्भुजगामातिभीषणः । …अजगरो महान् KathāSaSāg. viii. 3.63; धूमावती देवतास्य ज्येष्ठा या चातिभीषणा ĪśānS'iPa. i. 47.58; रङ्कैः … अतिभीषणैः । श्मशानादत्यरिच्यन्त पुरराजपथा अपि TriṣaS'aPuC. iii. 1.33; पुरुषव्याघ्रैरतिभीषणा कुरुनरेश्वरसेनारण्यानी PārthPa. 38(2); सः … भ्रूभङ्गेनातिभीषणः Suratho. 9.8; गुणवानपि वक्रतां गतः पुरुषश्चाप इवातिभीषणः HammīMaKā. 10.3; चेटकास्ते समागत्य मध्यरात्रेऽतिभीषणाः TantrRā. 17.91; (inanimates, abstracts) न बाधते विषं घोरमनेकं चातिभीषणम् JayāS. 29.176; विषं दत्तमस्माभिरतिभीषणम् ViṣṇuP. i. 18.8; पुरा हि त्रेतायां देवासुरयुद्धमतिभीषणमभवत् ViṣṇuP. iv. 2.22; अभवद् रणः । …अतिभीषणः BrahmāṇḍP. iii. 29.57; वज्रं च राजतेजश्च द्वयमेवातिभीषणम् Hitopa. 2.153; चक्रमतिभीषणम् TriṣaS'aPuC. iv. 1.724; सा …अतिभीषणम् … कमपि प्रादुरभावयत कृपाणम् MadhuVi. 8.17; तस्मै चापम् …अतिभीषणम् … । स खलु ददौ YudhiVi. 3.9; लिङ्गाकारा समुद्भूता वह्नेर्ज्वालातिभीषणा MatsyaP. 60.4; वनेऽतिभीषणे कष्टं रणाभिमुखतां गतः PadmP.(Ra.) 49.16; अस्ति रामाटवी … अतिभीषणा YogVā. iii. 98.5; ययौ खरतराटवीम् । तत्रातिभीषणे … यक्षभवनं दिव्यमैक्षत PārśvC. 7.638; सा … अटवीमतिभीषणामगात् Nalābhyu. 7.67; मोक्षं सुदुर्लभं ज्ञात्वा संसारं चातिभीषणम् । …वाराणस्यां वसेन्नरः KūrmaP. 315.18 (1.31); PadmP. i. 33.22; शिवे मतिं प्रकुर्वाणः संसारादतिभीषणात् । मुच्यते SaurP. 64.20; आग्नेयीं वारयामास शंकरः । … संहृतां चातिभीषणाम् SaurP. 36.39; अशक्ताः सर्ववानराः । तर्तुं प्लवोडुपैरेनं समुद्रमतिभीषणम् SkandP. iii(1). 2.51; अकुर्वाणः पतत्याशु यममार्गेऽतिभीषणे BrahmP. 216.2; निरयानतिभीषणान् SaurP. 17.50; श्मशानमतिभीषणम् BṛKathāMañ. ix. 2.474; गिरिं प्रापातिभीषणम् SamarāSaṁ. 6.93; 6.148; त्वद्रूपमतिभीषणम् BṛKathāK. 134.10; बिभ्रता अतिभीषणं रूपम् TilaMañ. 284.1; देवोऽथ कुपितो नानारूपैस्तस्यातिभीषणैः उपसर्गं व्यधात् PārśvaC. 2.997; देहि हत्यां प्रथमतो या जाता ह्यतिभीषणा BrahmP. 123.162; निवर्तस्व संकल्पादतिभीषणात् BṛKathāS'loSaṁ. 1.78; प्रतिज्ञां त्वं शृणु रामातिभीषणाम् YogVā. iii. 4.66; अनावृष्टिरभूत् … अतिभीषणा BrahmP. 93.5; मयः … मायां च विविधामाप देवानामतिभीषणाम् BrahmP. 124.37; दुर्भिक्षमतिभीषणम् PariPar. 12.312; मोहभेदेषु मिथ्यात्वमतिभीषणम् PārśvC. 2.371; परिवेषोऽतिभीषणः । हन्ति लग्नगुणानन्याम् VasiSaṁ. 43.65; हरिद्राग्रन्थिवद् ग्रन्थिः स स्यात् कृष्णोऽतिभीषणः RaseCin. 7.12 (60.18)

अतिभीषणकाय (atibhīṣaṇa-kāya) *adj.* possessing an extremely terrifying or formidable body अतिभीषणकायांस्तांश्छिन्नभिन्नाननेकशः । दृष्ट्वा

… विक्रान्तिं परियातानि मनांसि दानवद्विषाम् GaṇeP. ii. 116. 16.

अतिभीषणदर्शन (atibhīṣaṇa-darśana) *adj.* having an extremely terrible appearance, very fierce-looking जज्ञे कृत्याचतुष्टयम् । विकरालं महावक्त्रमतिभीषणदर्शनम् MārkP. 118. 48.

अतिभीषणनामिका (atibhīṣaṇanāmi-kā) *adj.* (*f.*) bearing a very dreadful (inauspicious, harsh) name नोद्वहेत् कपिलां कन्याम् … न यक्षाहिप्रेष्यनाम्नीं चातिभीषणनामिकाम् BhaviP. 270A. 25 (i. 182. 41)

अतिभीषणम् (ati-bhīṣaṇam) *adv.* quite frightfully, formidably, terrifyingly असुराश्च ततः सर्वे जगर्जुरतिभीषणम् SkandP. i(1). 12. 6.

अतिभीषणविग्रह (atibhīṣaṇa-vigraha) *adj.* having extremely formidable body or form (सः) तेजसाऽद्रेपयत्सूर्यमतिभीषणविग्रहः GaṇeP. ii. 75. 4.

अतिभीषणाकार (ati-bhīṣaṇākāra) *adj.* having an extremely formidable form or appearance बह्वीभिर्दंष्ट्राभिरतिभीषणाकारम् … तवेदमीदृशं रूपं दृष्ट्वातीव व्यथिता भवामः GītāBh.(Rā.) 548. 23 (*on* 11. 23)

अतिभीषणाकृति (atibhīṣaṇākṛti) *adj.* having an extremely formidable form or appearance म्रियमाणश्चासावतिभीषणाकृतिरतिकरालवदनो राक्षसोऽभूत् ViṣṇuP. iv. 4. 43; अतिभीषणाकृतिमदृष्टचरीं परिपश्यति स्म स पदातिचमूम् S'ivLī. 17. 10.

अतिभीषा (ati-bhīṣā) *f.* intense fright, excessive fear यथावीर्यस्त्वया सर्पः कृतोऽयं मद्विभीषया (v. l. अतिभीषया) MahāBhā. i. 11. 4.

अतिभीषिता (ati-bhīṣitā) *adj.* (*f.*) quite frightened सलिलानां निधिनातिभीषिताः शरणं नृपतिं ययुः प्रजाः S'ivLī. 15. 2.

अतिभीष्म (ati-bhīṣma) *adj.* very dreadful, fierce सोऽतिभीष्मो विषोल्काभिर्यावद्दशति केशवम् । असौ तमग्रहीत्तावत् PāṇḍaC. 2. 348.

अतिभुक्त (ati-bhukta) *n.* excessive eating अजीर्णादतिभुक्ताच्च … व्रणा न प्रशमं यान्ति निष्क्रियत्वाच्च देहिनाम् CaraS. vi. 25. 31; *adj.* **1** who has eaten excessively अतिभुक्तं च भवता … तेनासि पतितः क्षितौ MahāBhā. xvii. 2. 25; मितं पच्येत यस्यान्नमतिभुक्तस्य(? स) उच्यते BhelaS. 69. 10 (*on* 3. 3); क्षुत्क्षामां नातिभुक्तां वा … व्यवायं पुरुषो व्रजेत् ViṣṇuP. iii. 11. 116; विप्रगणेऽप्यतिभुक्ते तृप्तिः सम्पद्यते यदि पितॄणाम् VetāPañ.(S'i.) 29. 23; अतिभुक्तोऽतिपीतोऽपि यया सादी न पीड्यते । श्रेष्ठा गतिस्तु सा ज्ञेया सः श्रेष्ठस्तुरगो मतः S'ukraNī. iv. 7. 116; **2** who has enjoyed excessively अतिभुक्तं स्नानपानादिना VīraMi.(Saṁskāra.) 870. 16.

अतिभुक्तक (atibhukta-ka) *adj.* well-fed शान्तो रसविशेषे स्यादतिभुक्तकदान्तयोः ViśvaPra. 59. 34.

अतिभुक्ति (ati-bhukti) *f.* excessive eating अतिभुक्त्याध्वनि … भवेन्मारुतस्य प्रकोपः HārīS. i. 5. 52.

अतिभुक्त्वा (ati-bhuktvā) *ger.* having eaten excessively व्यायाममग्नितापञ्चाप्यतिभुक्त्वा निषेविणाम् । … वातादयः … दूषयन्ति BhāvPra.(Bhā.) viii. 54. 2.

अतिभुग्न (ati-bhugna) *adj.* extremely crooked किमनेनातितुन्नेन (v. l. किमनेनातिभुग्नेन) वाग्भिः काष्ठसधर्मणा MahāBhā. ix. 60. 21.

अतिभुग्नक (atibhugna-ka) *n.* defect in massaging or rubbing the body (by bending wrongly) संवाहनकला द्वेधा तत्रैका कर्मसंश्रया । शय्यौपचारिका चान्या …। दोषास्तस्याः…अमार्गेण प्रघ्रातमतिभुग्नकम् PadmP.(Ra.) 24. 78.

अतिभुञ्जत् (ati-bhuñjat) *adj.* who eats too much नातिभुञ्जन्सदा योगी … सिद्धिमेति GaṇeP. ii. 142. 12.

अतिभुञ्जान (ati-bhuñjāna) *adj.* who is eating excessively अस्तं गतेऽतिभुञ्जाना अहो भानोः सुसेवकाः KumāCaSaṁ. 58. 24.

अतिभू (ati-bhū-) I. P. **1** to excel, to surpass एतेन वा इन्द्रोऽत्यन्या देवता अभवत् PañcBr. xxii. 8. 2; सप्तमेनात्यन्याः प्रजा भवन्त्योजिष्ठा भवन्ति ĀpaS'S. xxiii. 8. 6; xxiii. 13. 8; **2** to originate, to arise, to spring forth शब्दश्च घोरोऽतिबभूव MahāBhā. viii. 1038*(3); एवमुद्घोषणापूर्वं दुन्दुभिध्वनिरत्यभूत् PārśvC. 3. 1003; **3** to overcome, subdue, overpower [APTE]; *adj.* **1** who overcomes or overpowers मङ्गलानि च सर्वाणि कारयामास चाभिभूः (v. l. अतिभूः) MahāBhā. v. 147. 21; आसीत् … प्रथमस्तीर्थनाथानां नातिभूरिह भारते PāṇḍaC. 1. 8; **2** surpassing all (epithet of Viṣṇu) विभुर्भूरभिभूः (v. l. अतिभूः) कृष्णः कृष्णवर्त्मा त्वमेव च MahāBhā. xii. 43. 11 (भूः सत्तारूपः । अतिभूः अशरीरः BhārBhāDi.); **3** excessive, extreme दृष्टां शृणोषि हरिभिस्तरसाद्य सीतां चिन्तामिमामतिभुवं सहसाद्य सीताम् RāmC. 5. 85.

अतिभूत (ati-bhūta) *adj.* **1** excelling, surpassing वंशस्तव चापि कान्तो यस्य राजकुञ्जरस्यातिभूतम् … करकमलतले चक्रम् AvantiKa. 161. 12; **2** overcome, overpowered मन्दारोदयसेवितोऽपि न गिरिभ्रान्त्याऽतिभूतः क्वचिद्व्यक्तग्राहविचेष्टितोऽपि विततो नक्षत्रवीथीबलैः ।… सर्वत्राद्भुतसागरः AdbhuSāg. 2. 3.

अतिभूतप्रादुर्भाव (atibhūta-prādurbhāva) *m.* excessive or intense manifestation तथाहि भवतिरतिभूतप्रादुर्भावे । प्रकर्षगतिश्च । पुनरभिधानात्तेन येन तरतमपूर्वतयैव प्रादुर्भवति न तु क्षणं व्यवतिष्ठते AbhinBhā. i. 343. 10 (*on* 7. 1)

अतिभूतरुच् (atibhūta-ruc) *m.* extreme brilliance वनस्पान्तर्लसत्यत्र … सुरौघः स्नीसखो रत्नैरतिभूतरुचारुणः KāvyKaVṛ. 85. 13 (3. 4)

अतिभूति (ati-bhūti) *m.* **A** name of the son of Vimuci and Anukośā विमुचिस्तस्य भामिनी । अनुकोशातिभूतिश्च तनयः PadmP.(Ra.) 30. 116; अतिभूतिप्रभृतयो हिंसावादस्य शंसकाः -- दुर्गतिं गताः PadmP.(Ra.) 30. 126; **B** name of a Jain sage पराजयेन तेनाथ ह्रिया राज्यं स्वसूनवे । दत्वा गत्वा चातिभूतेः पादान्ते व्रतमाददे TriṣaS'aPuC. iv. 5. 69; **C** name of a Jain temple अतिभूतिर्महाभूतिर्विभूत्यम्बरपूर्वकम् । तिलकान्तं बभूवात्र जिनवेश्म चतुष्टयम् (= अतिभूतितिलक) BṛKathāK. 57. 134; *f.* name of the goddess Ambā अतिभूतिम् … आहुः सकलजननीमेव मुनयः DevīPañ. 5. 17.

अतिभूमन् (ati-bhūman) *adj.* very abundant, excessive, plentiful विदधे … विश्वक्सेनविमानम् … हेम्नातिभूम्ना वृतम् EI. iii. 12. 7; अतिभूमधूमचयधूम्ररुचेः सहसाकृतेर्विगलिता ललिता ।… सुतरामराजत तदीयतनुः Rāgh. 8. 3.

अतिभूमि (ati-bhūmi) *f.* [AitGr. II. 1. 258] **1** highest point, climax, culmination सर्वोत्सवानामतिभूमिमिवाधिशयाना Kād. 158. 19; प्राप्य मन्मथरसादतिभूमिं दुर्वहस्तनभराः सुरतस्य । शश्रमुः S'iśuVa. 10. 80; 9. 78; धैर्येण संस्तम्भयातिस तु स्वभावधीरः सर्वपौरुषातिभूमिः DaśKuC. 35. 17; धैर्येण संस्तम्भयातिभूमिगतविप्रलम्भमात्मानम् UttaRāC. 3. 43 (13); गतेऽतिभूमिं प्रणये … नोपचारान् स्मरातुरः संस्मरति स्म लोकः Bhaṭṭi. 11. 29; गतेऽतिभूमिं विरहेऽतिदारुणे । वने विनोदान्तरवर्जिते गताः कथं नु देवस्य नभस्यवासराः RāmC. 5. 60; मानेऽतिभूमिं गतेऽतिनिर्विण्णः प्रियतमः AmaS'. 5; SūktiMu. 56. 7; Subhāṣi. 1177; रागे यातेऽतिभूमिं … परां निर्वृतिं संतनोमि AmaS'. 100; तदातिभूमिं गतात्कोपात्रायकोऽप्यप्रसन्न इति JayaMa. 186. 22 (*on* 2. 10); अन्योन्यं हृदये तयोः स्पृहयतोर्भावेऽतिभूमिं गते पर्याप्तः कुसुमायुधः स भगवान्पारावताराय नः KarṇaSu. 1. 21; अयम् … विधाताप्यधिवसति यतो विस्मयस्यातिभूमिम् PṛthvīVi. 11. 93; अनुरागद्रवस्यैताः प्रणयस्यातिभूमयः Pañcā. 58. 2; Tantrākhyā. 22. 7; अतिभूमिं गतोऽयमस्यानुरागपरभागः किं करोमि CaitaCa. 188. 18 (8); आकर्ण्य च तां गिरमतिभूमिं मनोरथानाम् NīlaVi. 126. 20; **2** high place, superior status, great eminence अतिभूमिर्भूमिरेवासनम् … इत्यभिधाय क्षितावेवोपाविशत् HarṣaC. 319. 1; संसर्गेणावाप्तमम्भोऽतिभूमिम् … फेनहासं व्यतानीत् HarVi. 18. 39; एकवीरो हि नारीणामतिभूमिं गतः स्मरः KathāSaSāg. vii. 3. 104; अतिभूमिमभूमिमेव वा वचसां वासितवल्लवीस्तनम् । मनसामपरं रसायनं मधुराद्वैतमुपास्महे महः KṛṣṇaKa. 3. 37; किमेवमतिभूमिमारोप्यते निदेशवर्ती परिजनः PārvPa. 1. 17 (1); **3** violation of proper limits, boldness, excess, extreme state, impropriety अतिभूमिमयं गतो न शक्यते निवर्तयितुम् Kād. 156. 18; विपदि न दूषितातिभूमिः S'iśuVa. 8. 20; अत्याहिते हि साधूनां अतिभूमिर्न दूषिता PāṇḍaC. 5. 46; कथं पुनरेतावतीमतिभूमिमवगाहमानोऽपि वत्सो भवता न निवारितः PrasaRā. 3. 48 (148); मन्त्रिपुत्रोऽहमित्यवलेपादतिभूमिं गतोऽस्मि PañcT. 1. 136 (145. 5); संपातेनातिभूमिं प्रतरसि शठ हे मान्याः खलु वयम् … मा मैवं हा प्रसीद प्रिय विसृज पुरा कश्चित्प्रविशति PadmPrā. 14. 10; **4A** extensive land, region रेमे ताभिः समम् … मनोज्ञेष्वतिभूमिषु MārkP. 66. 11; **4B** place above the earth यद्विहाय धरणिं रणमेषा व्योमगेन सह तेन वितेने । तत्सरीसृपरिपुध्वजमातुर्विक्रमोऽपि गतवान् अतिभूमिम् Surath. 11. 33.

अतिभूमिका (atibhūmi-kā) *f.* highest resort (देवी) जगाद प्रणता नाथ प्रसादस्यातिभूमिका PadmP.(Ra.) 73. 43.

अतिभूमिग (atibhūmi-ga) *adj.* [*f.* -ā] going beyond bounds, one that has reached the highest point or climax या … प्रणयेनातिभूमिगा तया … दीक्ष्यता ते (युवपार्थिवाः) धृतिं दधुः MahāP. 34. 127; सोऽपि तं वीक्ष्य तपसा वपुषा चातिभूमिगम् । उवाच रचितातिथ्यो राजा मुनिकुमारकम् KathāSaSāg. vi. 2. 84.

अतिभूमिगत (atibhūmi-gata) *adj.* which has crossed the limits, excessive देव स्वेनैव लोकोत्तरेण धैर्येण संस्तम्भयातिभूमिगतविप्रलम्भमात्मानम् UttaRāC. 3. 43 (13)

अतिभूमिवर्तिन् (atibhūmivart-in) *adj.* going beyond bounds, getting eminence, [nt. S'ak. (Kaśm.) 618. 2]

अतिभूय (atibhū-ya) *ger.* **i** having covered अतिभूय तथा पृथ्वीं मनवोऽप्सु व्यवस्थिताः AhirbuS. 4. 16; **ii** having superceded संकरस्वभावोक्तिमतिभूय औपम्यं प्राधान्येन प्रतीयते SaraKaṇṭhā. 728. 17.

अतिभूयस् (ati-bhūyas) *adj.* [*f.* -ī] **i** very dense (darkness) (सेनान्यः) एकत्वमिव संप्राप्तास्तिमिरेणातिभूयसा BrahmāṇḍP. iii. 25. 45; **ii** very

much, quite abundant, in a great quantity अतिभूयसापि सुकृतेन दुरुपचर एष शक्यते। … न ग्रहीतुम् … नृभिः SisuVa. 15. 4; हरिवाहनम्…राजा…अतिभूयसा विभवेन स्वभवनमानिनाय TilaMañ. 79. 21; अस्माकं मुनिशार्दूल तच्छुश्रूषातिभूयसी SkandP. iii(1). 13. 45; अकारवर्जमावृत्तिः स्वराणामतिभूयसी AgniP. 342. 7; स चागत्य क्षुधार्तोऽपि चिकीर्षुः संचयाय तत्। क्रोडव्याधामिषात् किंचिन्न चखादातिभूयसः KathāSaSāg. x. 5. 103; xii. 6. 326; निजश्रियातिभूयस्या भूरीन् संगृह्य शल्पिनः। तत्पदे रत्नकलशं स्वभ्रातरमकारयत् RājTa.(Ka.) 7. 599; ओजः स्यात्प्रौढिरर्थस्य संक्षेपो वातिभूयसः Candrā. 4. 7; यदा तु वृद्धिरतिभूयसी तदा वृद्धिं गृह्णीयात् ManvaVi. 960. 4 (*on* 8. 144); दत्तेन किं खलु भवत्यतिभूयसा Subhāṣi. 274; अन्योन्ययोगादेवं स्याद्भेदसंख्यातिभूयसी KāvyPra. 215. 3; **iii** very large, quite extensive मुष्टिग्राह्यस्य मध्यस्य माने मन्येऽतिभूयसी PāṇḍaC. 16. 187; अथ स्तम्भैरिवोत्तुङ्गैरम्बरस्यातिभूयसः। तत्पातशङ्किना धात्रा सृष्टैस्तरुभिरावृतम् … रामो दण्डकं वनमाविशत् Rāgh. 7. 19; **iv** very long (time) न हि … अतिभूयसापि कालेन कीर्तनमीदृशं शक्यम् TilaMañ. 156. 7; [Inst.] greatly, in abundance यत्र…शृङ्गारः परिपूर्णत्वात्सूचनीयोऽतिभूयसा … सा वीथी PratāYaBhū. 130. 3; हरिवाहनः … अतिभूयसा विभवविच्छर्दे साकेतनगरान्निरगच्छत् TilaMañ. 181. 13.

अतिभूयस्ता (atibhūyas-tā) *f.* the state of being very numerous अतिभूयस्तया च राजलोकस्य कृच्छ्रलभ्यनिर्गमप्रवेशावस्थानमास्थानमण्डपमगच्छत् (भूमिपतिः) TilaMañ. 71. 3.

अतिभूयस्त्व (atibhūyas-tva) *n.* the state of being excessively abundant त्रयाणामेषां निदानादिविशेषाणां सन्निपाते क्षिप्रं श्लेष्मा प्रकोपमापद्यते प्रागतिभूयस्त्वात् CaraS. ii. 4. 9 (1922 Ed.)

अतिभूयिष्ठा (ati-bhūyiṣṭhā) *adj.* (*f.*) having an abundance of मृदुपदसमाससुभगा युक्तैर्वर्णैर्न चातिभूयिष्ठा … लाटी (रीतिः) SāhiDa. 469. 4.

अतिभूरि (ati-bhūri) *adj.* **i** exceedingly abundant, too much more जिते जगद्व्यसनसमाप्तिरम्बुधौ विराधिते भयमतिभूरि भूभुजि RāmC. 15. 20; देवी …अतिभूरिणा दुःखसंभारेण निर्भराध्मातहृदया … उत्सङ्गदेशे मलयसुन्दर्याः पर्यास्थत् TilaMañ. 416. 1; अनिन्द्यमतिभूरि च सदासीद्दासमस्माकं धनमादीयताम् BṛKathāSloSaṁ. 21. 70; 27. 79; **ii** too many in number पदातिभिः …वत्सस्वामी समायातो मारिदत्तोऽतिभूरिभिः PadmP.(Ra.) 37. 22; 58. 37; रक्षोभिर्वेष्टितं दृष्ट्वा तैस्तमतिभूरिभिः। इमे वानरवर्गीणाः …समुद्ययुः PadmP.(Ra.) 60. 51; **iii** too wide (of the mark), too lengthy, too prolix (reply) अप्रसिद्धं विरुद्धं यदत्यल्पमतिभूरि च। नोत्तरं शस्यते बुधैः KātySm. 173; अतिभूरि स्वल्पेऽर्थे वक्तव्ये महावाक्यमसंग्राह्यार्थम् (उत्तरम्) Aparā. 614. 25 (*on* 2. 7); कात्यायनेनान्येऽप्युत्तराभासा उक्ताः … गृहीतमिति वाच्ये तु कार्यं ते न कृतं मया। पुरा गृहीतं यद्द्रव्यमित्येतदतिभूरि तु VīraMi. (Vyavahāra.) 63. 16; गृहीतमित्येतावन्मात्रेण सत्योत्तरे वक्तव्ये कार्यं तेनेत्यादिकमुत्तरमतिभूरीत्यर्थः SmṛtiCan. iii. 100. 7; **iv** claiming too much अतिभूरि (उत्तरं) यथा शताभियोगे सहस्रं धारयामीति VyavaNi. 58. 6; सुवर्णशताभियोगे पञ्चशतानि धारयामीत्यतिभूरि VīraMi. (Vyavahāra.) 62. 11; **v** occurring very frequently अतिभूरिभिः। निधमैरष्टकलकं स्यान्नैषादीकपालकम् SaṁgīRa. i. 276. 11 (i 8. 9); *n.* large quantity of gold भजतीह (गिरौ) युवा गणयन् हितमतिभूरितानवसुधे वनितां तरसा Yādavā. 6. 42 (comm. अतिभूरिः बहुसुवर्णः तानो विस्तारो यस्याः सा वसुधा यस्य तस्मिन्; भूरि प्राज्यसुवर्णयोः ViśvaPra. 131. 79)

अतिभूरितर (atibhūri-tara) *adj.* extremely great, very heavy (अक्रूरः) तस्याङ्गैव पुनरीक्षितुमुद्यतस्त्वामानन्दभारमतिभूरितरं बभार Nārāy. x. 72. 2.

अतिभूरित्व (atibhūri-tva) *n.* excessive abundance अत एव द्वैगुण्येनातिभूरित्वमाह द्विशतमिति BālamBha. 13. 1 (*on* 2. 7)

अतिभूरिनि (atibhūri-ni) *adj.* having very frequent occurrence of *ni* (musical note) सौराष्ट्री टक्करागेऽतिभूरिनिः SaṁgīRa. ii. 120. 2 (ii. 2. 173)

अतिभूरिपयस् (atibhūri-payas) *adj.* yielding plentiful milk गावोऽतिभूरिपयसो निवृत्तवैराश्च भूपालाः BṛSaṁ. 32. 29.

अतिभूरिभर (atibhūri-bhara) *m.* excessive weight or load पीतमभ्युद्गमन्तमतिभूरिभरादिवाम्भः (पारिजातं ददर्श) HarVi. 31. 45.

अतिभूष् (ati-bhūṣ-) x. Ā. to deck (oneself) more (than somebody) अहं पतीन् नातिशये नात्यश्ने नातिभूषये MahāBhā. iii. 222. 36; to adorn one's self before (another); to adorn richly [MW]

अतिभूषण (ati-bhūṣaṇa) *n.* excellent decoration विभूषणानामतिभूषणेन … सा देवकन्या स्वयमागतैव VarāṅgaC. 2. 12.

अतिभूषित (ati-bhūṣita) *adj.* greatly adorned द्रौणिः … नयनानां सहस्रैश्च विचित्रैरभिभूषितम् (v. l. अतिभूषितम्) (महाकायं भूतमपश्यत्) MahāBhā. x. 6. 6.

अतिभृ (ati-bhṛ-) III. Ā. to raise oneself above, to be exalted त्वं द्यां च पृथिवीं चाति जभ्रिषे … पवमान ṚV. ix. 86. 29; त्वं द्यां च महिव्रत पृथिवीं चाति जभ्रिषे। … पवमान ṚV. ix. 100. 9.

अतिभृत (ati-bhṛta) *adj.* [*f.* -ā] **i** well-filled, filled excessively अमुना धनैः क्षितिभृतातिभृता समतीत्य भाति जगती जगती Kirātā. 5. 20; (तटिनी) क्षीणां पुनः सातिभृता निकामं प्रियापराधस्रवदश्रुपूरैः YaśasCam. i. 536. 6; **ii** plentiful सम्मित्रोपगमेन तैरतिभृतैर्भोगैरयत्नोपगैः EI. ii. 334. 7.

अतिभृशनमत् (atibhṛśa-namat) *adj.* bending down excessively हेमवसने हठादाकृष्टे सत्यतिभृशनमद्व्रातलतिका … त्वं स्मरसि … न कथम् Mukundā. 96.

अतिभृशम् (ati-bhṛśam) *adv.* **i** excessively, exceedingly, extremely प्रिये नातिभृशं हृष्येदप्रिये न च संज्वरेत् MahāBhā. iii. 198. 41 = xii. 94. 11; निर्विचेष्टं जगत्सर्वं बभूवातिभृशं तदा MahāBhā. xii. 202. 23; प्रविश्य वेश्मातिभृशं मुदान्वितम् … न चैव रामोऽत्र जगाम विक्रियाम् Rāmā. ii. 16. 61; रुजायां चातिभृशं स्वेदाश्च मृदवो हिताः SuśruS. vi. 12. 6; ततः स राजातिभृशं विषण्णः समजायत MārkP. 70. 24; गर्भाशये निमग्नं ता (वेदनाः) दहन्त्यतिभृशं तु माम् TaiUBhVā. 81. 22(2); जैत्रप्रयाणोत्थिते क्षोणीरेणुभरे नभस्यतिभृशं भूविभ्रमं बिभ्रति। जाता मर्त्यनदी … वियद्दीर्घिका PratāYaBhū. 66. 4; द्विषामतिभृशं यशः प्रकटपारदो (? यशःप्रकटपारदो) ध्मापनादुदस्फुटत तारकाकपटतो विहायस्तटे SūktiSu. 100; भूतिं चाखिलपूज्यतामतिभृशं भूभृत्सुतामाश्रितः EI. i. 363. 13; viii. 43. 8; नलिनी … विद्रुमक्षुपेन पीडितातिभृशम्। आकिरति बहु परागम् PadyaVe. 648; यन्त्रपुटे पीडितोऽतिभृशम्। आवमति रसमिहेक्षुर्मधुरम् PadyaVe. 775; **ii** very loudly पाण्डुनन्दनः। विनर्दमानोऽतिभृशं सविद्युदिव तोयदः MahāBhā. iii. 146. 40; पटहाश्च शङ्खा उद्वेजयन्तोऽतिभृशं विनेदुः VarāṅgaC. 14. 11; **iii** very frequently भेकस्तथैव … शब्दं करोत्यतिभृशं विपराशिमग्नः RākṣaKā. 15; तद्वथातिभृशं दारुणं भास्मुद्वहतो हा(ह)रतो वा … श्लेष्माभिरय(? स)न्दमुपगच्छति Hastyāyur. 619. 13 (4. 7)

अतिभृशव्यथ (atibhṛśa-vyatha) *adj.* having intense pain ऊरू … परकीयाविव गुरू स्यातामतिभृशव्यथौ RugVi. 24. 4 = BhāvPra.(Bhā.) 7(25). 4.

अतिभृशस्वर (atibhṛśa-svara) *m.* very harsh sound, ViśvaPra. 104 (given as the meaning of प्रखर)

अतिभेद (ati-bheda) *m.* variety that is beyond (the said variety) वाचं कोमलकाव्यबन्धरचनाभेदातिभेदक्रमैः ṢaṭcakraNi. 11 (comm. अतिभेदः तदितरसंस्कृतवाक्यसमुदायः)

अतिभेदक (ati-bhedaka) *adj.* causing the ultimate difference द्रव्येषु नित्येष्ववसानसंस्था नित्या विशेषा अतिभेदका स्युः Vidvanmo. 4. 37.

अतिभेदिन् (ati-bhedin) *adj.* differing very much (from) पञ्चभूतगुणान्वक्ष्ये त्रैगुण्यान्नातिभेदिनः SarvaSiSaṁ. 11. 31.

अतिभेषज (ati-bheṣaja) *adj.* having excessive medicine यस्यानुवासनो (बस्तिः) दत्तः सकृदन्वक्षमात्रजेत्। … सवातोऽतिमात्रो वा गुरुत्वाद्वातिभेषजः SiddhYo. 75. 16.

अतिभैरव (ati-bhairava) *adj.* [*f.* -ā] exceedingly terrible, extremely frightful or fierce ततो ध्वनिः … जनितोऽतिभैरवः MahāBhā. vii. 25. 57; तां नदीं पितृलोकाय वहन्तीमतिभैरवाम्। तेरुर्वाहननौभिस्ते MahāBhā. ix. 8. 33; भेरीशङ्खमृदङ्गांस्ते … अवादयन्पारिषदाः … अतिभैरवाः MahāBhā. x. 7. 37; वर्षन्तस्ते महासारांस्तमग्निमतिभैरवम्। शमयन्ति ViṣṇuP. vi. 3. 37 = BrahmP. 231. 37; ततः स्वरोचिः … चण्डास्त्रमतिभैरवं दृष्ट्वा निवेदय तद्रक्षो ददर्श MārkP. 63. 34; कपिलो मुनिः। तूर्णमेव क्षयं निन्ये क्रोधाग्निमतिभैरवम् BrahmāṇḍP. ii. 54. 3; अतिभैरवः खलु विस्तारी हाहारवः VeṇīSaṁ. 5. 115; हिमरजःप्रसरैरतिभैरवम्। धवलयन् गगनम्…शिशिरः प्रमथोऽभवत् Kapphiṇā. 8. 55; भद्रकाली… अतिभैरवा SkandP. v(2). 82. 34; संसारेऽस्मिञ्जगन्नाथ…अतिभैरवे भ्रमामि BrahmP. 178. 18; उदतिष्ठदथोद्धूतसटाभारोऽतिभैरवः KathāSaSāg. xii. 29. 40; निरुरुधुस्ते …बलैर्नृपमन्दिरं व्यवहितजनाक्रन्दं भेरीरवैरतिभैरवैः RājTa.(Ka.) 1. 366; वर्धमानोऽधरोत्तरम्। विदधे बाहुबलिना सिंहनादोऽतिभैरवः TriṣaSaPuC. i. 2. 602; दूरादालोक्य तस्यास्तमाकारमतिभैरवम्। आवाभ्यामतिभीताभ्यां सेयं कृत्येति निश्चितम् PāṇḍaC. 9. 321; मरुद्रुमे … पल्लवम् … कवलितं करभैरतिभैरवैः SaduktiKa. 266. 16; *m.* name of God Siva अभिषेकाद्भवेच्छुद्धी रण्ड(ण्डाया) अतिभैरव KulaCūT. 3. 16.

अतिभैरवत्व (atibhairava-tva) *n.* **i** the state of being excessively terrible or frightful रिक्तप्रसक्तकलहैरतिभैरवत्वात् सर्वस्थितिक्षयविधातृगुणा त्वमेव SamaMā. 4. 11; **ii** the state of being superior to Bhairava (Siva), SamaMā. 4. 11.

अतिभैरवाराव (atibhairavārāva) *adj.* causing an excessively dread-

ful noise अतिभैरवारावमतिप्रतिहतपरस्परगतिम् CaraS. iii. 3. 7 (1922 Ed.)

अतिभैरवम् (ati-bhairavam) *adv.* in a very dreadful manner, very fiercely चेकितानोऽनुविन्देन युयुधे त्वतिभैरवम् MahāBhā. vii. 13. 43; नदमानोऽतिभैरवम् । कः खल्वेष पुमान् विष्णो VāyuP. i. 24. 55 = LiṅgaP. i. 20. 61; वृकोदरेण ··· अतिभैरवम् ··· सरः समन्तादवलोडितम् VeṇīSaṁ. 6. 109; स···जुघुरे चातिभैरवम् Bhaṭṭi. 14. 82; दंष्ट्राकरालवक्त्राश्च जगर्जुश्चातिभैरवम् PadmP. ii. 18. 9; दुःसहः शूकरो राजन् गर्जते चातिभैरवम् PadmP. ii. 43. 3; अयं रिपुगणं मूर्ध्नि चर्वयत्यतिभैरवम् YuktiKa. 163. 16; हनूमता प्रवेशिता ··· विद्विषां मनःसु भीतिर्नदतातिभैरवम् RāghPāṇ.(Ka.) 8. 11.

अतिभैषज्यकर्षण (atibhaiṣajya-karṣaṇa) *n.* emaciation due to excessive use of medicine अतिस्नेहादतिभैषज्यकर्षणात् ··· । व्रणा न प्रशमं यान्ति CaraS. vi. 25. 33.

अतिभोग (ati-bhoga) *m.* **A** possession beyond the (time) limit पशुभूमिस्त्रीणामनतिभोगः । इति पश्वादीनां त्रयाणामतिभोगो नापेक्षितः । अल्पभोगेनापि स्वत्वं भवति VyavaNi. 132. 14; **B** excessive enjoyment नातिद्वेषो नातिरागो नातिभोगेषु सङ्गतिः···इति सिद्धस्य लक्षणम् TantrRā. 35. 73.

अतिभोगप्रिय (ati-bhogapriya) *adj.* who takes excessive delight in enjoyment अतिभोगप्रियाय नमो नमः SāmaraU. 261. 4.

अतिभोगभार (ati-bhogabhāra) *m.* excessive burden of enjoyment आसीदवन्यामतिभोगभाराद्दिवोऽवतीर्णा नगरीव दिव्या ।··· अयोध्या JānaHa. 1. 1.

अतिभोगिन् (ati-bhogin) *adj.* too much given to enjoyment, too much pleasure-loving यस्मिन् कृषीवला राष्ट्रे···नातिभोगिनः ।···वसेत्तत्र विचक्षणः MārkP. 34. 116.

अतिभोजन (ati-bhojana) *n.* excessive eating, overeating यदास्य··· प्रादुर्भवन्ति व्याधयो वानेकविधाः ··· अतिभोजनम् ··· यमदेवत्यान्यद्भुतानि प्रायश्चित्तानि भवन्ति ṢaḍviBr. v(6). 4. 2; अनारोग्यमनायुष्यमस्वर्ग्यं चातिभोजनम् ManuSm. 2. 57; नाभोजनेन कायाग्निर्दीप्यते नातिभोजनात् CaraS. vi. 15. 21 = AṣṭāSaṁ. ii. 76. 11 (4. 12); वातातपरजोधूमावश्यायातिसेवनातिभोजन°···°मक्षिकाद्याबाधाः परिहरेत् SuśruS. i. 19. 20; वाक्पाणिपादचापल्यं वर्जयेच्चातिभोजनम् YājñaSm. 1. 112; पक्षेकं चातिभोजनम् । वर्जयेत् HārīS. iii. 2. 163; न चातिभोजनं नित्यं शस्यते सर्वगुल्मिनाम् KāśyaS. 114A. 12; अनिन्धैरामन्ध्यमाणोऽपि चातिभोजनं वर्जयेत् BālaKrī. i. 98. 15 (*on* 1. 111); मुखातिमात्रैर्यमिहातिभोजनं प्रमेहरूपाणि भवन्ति पूर्वतः KalyāKā. 11. 7; 11. 6; अतिभोजनात् ।··· हन्त्यग्निं कुपितः कफः RugVi. 4. 13; अनारोग्यमनायुष्यम् ··· अतिभोजनम् SkandP. iv. 36. 19; KūrmaP. 527. 5 (2. 12); BhaviP. 116A. 11 (i. 65. 24); PadmP. i. 51. 65; व्रती ··· अतिभोजनम् ।··· परिवर्जयेत् SaurP. 17. 16; नगरोत्सवयात्रासु विवाहेष (? ष्व)तिभोजनात् । जनता याति ··· मान्द्यम् NarmaMā. 2. 75; अतिभोजनं तृप्तौ सत्यामपि भोजनम् SmṛtiCan. v. 357. 20 = CaturCin. iii(1). 1025. 11; द्वादश मूर्च्छाः संभवन्ति । तद्यथा···अतिभोजनात् Hastyāyur. 93. 1 (1. 13); अतिभोजनादुष्णोपयोगेभ्यः पित्तं प्रकुपितम् Hastyāyur. 122. 20 (1. 17); 140. 17 (1. 18); 168. 18 (2. 7); रोगाः स्युर्विषमातिभोजनविरुद्धाजीर्णभुक्तादिभिः MātaLī. 1. 13; वारद्वयेऽप्यतिभोजनं न कुर्यात् ManvaMu. 45. 13 (*on* 2. 56); अतिभोजनम् 'जठरं ··· अवशेषयेत्' इत्यादिविहितभोजनादधिकं भोजनम् वर्जयेत् VīraMi. 203. 12 (*on* 1. 112); निषिद्धानि ··· अतिभोजनं च NityoNi. 133. 12.

अतिभोजनतस् (atibhojana-tas) *adv.* on account of too much eating अतिभोजनतो विप्र···रोगा हि सर्वे जायन्ते AgniP. 279. 31; ViṣṇuDhaP. ii. 56. 12.

अतिभोजनसमुत्था (atibhojana-samutthā) *adj.* (*f.*) arising from excessive eating एतैर्लिङ्गैरतिभोजनसमुत्थां मूर्च्छां विद्यात् Hastyāyur. 93. 6 (1. 13)

अतिभोजनादि (atibhojanādi) *adj.* too much eating etc. अतितर्पणम् । अतिभोजनादि BālamBha. iii. 104. 32 (*on* 3. 79)

अतिभ्रमण (ati-bhramaṇa) *n.* excessive wandering अतिभ्रमणखिन्नास्ते तप्ताश्च सूर्यरश्मिभिः GaṇeP. ii. 20. 48.

अतिभ्रष्ट (ati-bhraṣṭa) *adj.* extremely depraved योऽतिभ्रष्टः ···। यः संपूज्याभिरामं पठति ··· पदमिह लभते···स पूज्यम् AdhyāRā. i. 1. 56.

अतिभ्रस्ज् (ati-bhrasj-) vi. P. (*caus.*) to fry excessively समितायामर्धमितं घृतं क्षिप्त्वातिभर्जयेत् BhojanKu. 48. 10.

अतिभ्रान्तभ्रु (atibhrānta-bhru) *adj.* (*n.*) with excessively moving eye-brows संदष्टाधरमुक्तसीत्कृतमतिभ्रान्तभ्रु नृत्यत्करं वेश्यानां धृतिधाम पुष्पधनुषः प्राप्नोति धन्यो रतम् SṛṅgāTi.(Ru.) 1. 127.

अतिभ्रान्ति (ati-bhrānti) *f.* extreme confusion अतिभ्रान्तिं च नात्राहं मानये तव मानसे PrabhāC. 125. 23.

अतिभ्रुकुटी (ati-bhrukuṭī) *f.* knitting of the eye-brows दष्टौष्ठतातिभ्रुकुटीभुजास्फालनताडनाः ।··· अनुभावा इहोदिताः BhaktiRaSi. iv. 5. 11.

अतिभ्रू (ati-bhrū) *adj.* having extra-ordinary eye-brows भ्रुवै अतिभ्रुवै ब्राह्मण्यै ।··· भ्रुवे अतिभ्रुवे ब्राह्मणाय MahāBh. i. 314. 21 (*on* i. 4. 3); अतिभ्रुवां ब्राह्मणानाम् Nyās. i. 266. 1 (*on* i. 4. 5); स्त्र्याख्याविल्येव···अतिभ्रुवे देवदत्ताय JaineVyā. 35. 2 (*on* i. 2. 96)

अतिमघ (ati-magha) *adj.* which has passed through the asterism Maghā सः···क्षितिपतिः स्तुत्वेति देवम्···। उत्को ग्रीष्मवसन्तयोरतिमघाश्लेषे विधौ···निजपुरम् ··· ययौ DvyāśraKā. 5. 142.

अतिमङ्गल (ati-maṅgala) *adj.* [*f.* -ā] **i** very auspicious सः ··· पदानि । ददर्श रामस्य शुभोऽतिमङ्गलानि AdhyāRā. ii. 9. 2; तुङ्गरत्नविभूषणेन गलेन चाप्यतिमङ्गलाम् (प्रकृतिं वदन्ति) ĪśānŚiPa. i. 15. 61; **ii** extremely satisfactory विवक्ष्यते तदस्माभिः···। अध्याये हि तृतीयेऽतः सर्वमप्यतिमङ्गलम् PañcDa. 12. 88; भगवान्नारायणो जिज्ञास्य इत्यशेषमतिमङ्गलम् TattvPrakā. 224A. 12 (*on* iv. 4. 23); पुराणवचनानामर्थम् ··· तैत्तिरीयारण्यकमन्त्रतात्पर्यविषयत्वप्रदर्शनेन स्थिरीकरोतीत्यशेषमतिमङ्गलम् ŚivārkaMaDi. ii. 506. 24 (*on* iv. 4. 22); *n.* extreme happiness, extremely happy or auspicious state गन्धर्वराज वृणुषे को वा तृप्तोऽतिमङ्गले BrahmVaiP. i. 12. 21.

अतिमङ्गलप्रिय (atimaṅgala-priya) *adj.* fond of extreme auspiciousness इमं गवां प्रभवविधानमुत्तमं पठन् सदा शुचिरतिमङ्गलप्रियः MahāBhā. xiii. 76. 32.

अतिमङ्गल्य (ati-maṅgalya) *adj.* very auspicious अतिमङ्गल्यः···अतिशयमङ्गलजनके त्रि [ŚabdaKaDru.]; *m.* the Bilva tree (*Aeagle* or *Cratoeva marmelos*) पूतिवातोऽथ मङ्गल्यो (v. l. अतिमङ्गल्यो) मालूरश्च महाफलः ParyāRaMā. 27.

अतिमज्जवपुस् (atimajja-vapus) *adj.* whose body is rich in marrow मध्यान्ते सुखिनोऽतिमज्जवपुषः सक्षारमेदोधिकाः ··· नवाङ्गुलमितं लिङ्गं वृषा बिभ्रति RatiRaha. 3. 34.

अतिमञ्च (ati-mañca) *m.* seat higher than a *mañca* (a raised platform) मञ्चा मालकाः प्रेक्षणद्रष्टृजनोपवेशननिमित्तम् अतिमंचाः तेषामप्युपरि ये AupSūṬ. 116. 13; JñātāDhaṬ. 40A. 2.

अतिमञ्जु (ati-mañju) *adj.* very pleasing, very beautiful मदमन्थरगीतशेषम् । आधित्सुभिस्तदनु संधिमिवातिमञ्जुनिःश्वासमारुतहृतैरलिभिः शिशिञ्जे HarVi. 26. 90; ते (देवाः) ··· स्ववक्त्रमादर्शतलेऽथ दर्शं दर्शं बभञ्जुर्न तथातिमञ्जु NaiṣC. 10. 20; इयमतिमञ्जुलतना चिरविरहेण न खेदनीया GopāKeCan. 131. 31.

अतिमञ्जुल (ati-mañjula) *adj.* very sweet, very pleasing भामिनि ननु बहुपराद्धं भवत्या चित्तजन्मनो यद् ··· कदर्थितवती ··· परभृतरुतमतिमञ्जुलैः प्रलापैः DaśKuC. 74. 3; इयमतिमञ्जुलहृदया संकुचितपाणिनाभिमृष्टा । मधुराधरविनिवेशे पूली मूलं हि सौख्यस्य GopāKeCan. 70. 31; 63. 22; (त्वया अभिनीयमानमवलोकयामः) रम्यं नाट्यप्रबन्धमतिमञ्जुलसंविधानम् PrasaRā. 1. 7.

अतिमञ्जुलम् (ati-mañjulam) *adv.* in a very pleasing manner आकारिता स्फुटोत्तरमतिमञ्जुलमाशु दर्शयेदबला KandaCū. v. 3. 29.

अतिमञ्जुला (ati-mañjulā) *f.* *Rosa glandulifera* शतपत्री – महाकुमारी गन्धाढ्या लाक्षापुष्पातिमञ्जुला BhāvPra.(Bhā.) 6(5). 21; BhāvPraNi. 83. 22.

अतिमणि (ati-maṇi) *m.* excellent gem यदिदं भासते किंचित्तत्तस्यैव निरामयम् । कचनं काचकस्येव कान्तस्यातिमणेरिव YogVā. iii. 21. 68 (comm. अतिशयितो मणिरतिमणिः)

अतिमण्डन (ati-maṇḍana) *n.* very good ornament (गजासुर उवाच) सदैव निर्मला चास्तु सदैवास्त्वतिमण्डनम् (कृत्तिः) SkandP. iv. 68. 22; सदैव निर्मला चास्तु सदैवास्त्वतिमण्डनाम्(? नम्) (कृत्तिः) ŚivaP. ii(5). 57. 60 (292A. 8)

अतिमण्डल (ati-maṇḍala) *adj.* having a bigger orb तत्र त्वेकं महापद्मं मध्ये पद्मवनस्य च । कोटिपत्रप्रकलितं तरुणादित्यवर्चसम् । नित्यं व्याकोशमधुरं चरत्वादतिमण्डलम् VarāP. 79. 6.

अतिमत (ati-mata) *adj.* very much appreciated तरुणान् ··· स्तनितभीतपुरंध्रिनिगूहनस्थिमितोऽतिमतोऽभिदधौ घनः HarVi. 3. 54; वितीर्यात्तरामहतिमतिमते हि ते शस्यमानस्य वासम् ··· भारती तीर्थकृत् CaturJiStu. 95 (comm. अतिमते अतिशयेन अभिप्रेते)

अतिमति (ati-mati) *f.* **i** haughtiness, arrogance नि षू नमातिमतिं कयस्य चित् ṚV. i. 129. 5; **ii** (prob.) great design or thought तत्र कयाचिदतिमत्यात्यन्तमुक्तैव वृद्धिर्निश्चेतव्या ManuBh. ii. 135. 10 (*on* 8. 144); *adj.* having excellent wisdom, very wise ब्राह्मण: को भवेद्राजन् वेद्यं किं च युधिष्ठिर । ब्रवीह्यतिमतिं त्वां हि वाक्यैरनुमिमीमहे MahāBhā. iii. 177. 15.

अतिमतिमत् (atimati-ma(n)t) *adj.* possessing great wisdom, very wise, very intelligent स संदिदेशाभिमतं (v. l. संदिदेशातिमतिमान्) नीलम् Rāmā. iv. 28. 28; गजाध्यक्षोऽतिमतिमाञ्शरण्यः सुजितेन्द्रियः Hastyāyur. 43. 23 (1. 5)

अतिमतिमुनि (atimati-muni) *m.* very wise sage आयुर्वेदाब्धिमध्याद‌तिमतिमुनयो योगरत्नानि यत्नाल्लब्ध्वा स्वे स्वे निबन्धे दधुरखिलजनव्याधिविध्वंसनाय BhāvPra.(Bhā.) 2. 1.

अतिमत्त (ati-matta) *adj.* [*f.* -ā] **i** greatly in rut दृष्ट्वा हि तान्मत्तगजेन्द्ररूपान् पञ्चाभिपद्मान् (v. l. पञ्चातिमत्तान्) इव वारणेन्द्रान् MahāBhā. i. 178. 9; अतिमत्तमातङ्गमनोहरगण्डमण्डले VāsaDa. 179. 2; न जीयते तेन स तापसेन गोमायुनेव द्विरदोऽतिमत्तः RāmC. App. ii. 38. 7; वज्राङ्कुशि ··· विधत्स्व प्रयत्नम् ··· तनुमदवने ··· असि(? ति)मत्ते । अध्यारूढे ··· द्विपेन्द्रे CaturJiStu. 32; शक्यो वशीकर्तुमिभोऽतिमत्तः सिंहः फणीन्द्रः कुपितो नरेन्द्रः SubhāRaSaṁ. 206; (कोलाहलः) बृंहतामतिमत्तानां कुञ्जराणाम् YogVā. iii. 43. 11; आघ्राय गन्धं द्विरदोऽतिमत्तो मदं त्यजेत् केसरिणो यथोग्रम् S'ārṅgaPa. 1891; गजाधिराजौ ··· रदारदि चातिमत्तौ कृत्वा क्षणादगमताम् ··· नाशम् RājTa.(Jo.) 1174; KośaKaTa. 2. 5410; **ii** highly intoxicated (by passion) इमां ··· अतिमत्तां महोदरीम् । राक्षसीं पुरुषव्याघ्र विरूपयितुमर्हसि Rāmā. iii. 17. 20; अतिमत्ताङ्गनापाङ्गभङ्गतुल्याः ··· भोगास्तापोपचयकारिणः PadmP.(Ra.) 29. 75; ततोऽतिमत्ता कुलटा सदा कामातुरा ··· जगाम शरणं मुनेः BrahmVaiP. iv. 23. 141; प्राणिनः ··· बभूवुश्चातिमत्ताश्च क्रीडासक्ताः परस्परम् DevīBhāP. iv. 6. 4; (शूर्पणखा) अतिमत्तेति वक्तव्यम् PrasaRā. 5. 33(10); **iii** very arrogant, haughty ऐश्वर्यमदुष्टात्मन्नतिमत्तोऽसि वासव PadmP. v. 4. 15; तां शिबिकां वहन्त्यः नार्योऽतिमत्ता बलवत्तराश्च (अभवन्) KalkiP. ii. 2. 15; अतिमत्तासुरसमितिध्वंसाय ··· अनेन प्रभोर्मनो घटितम् YudhiVi. 3. 111; सः (विराटः) प्रजहार ··· अक्षेण धर्मजमतिमत्तायां निजबुद्धा YudhiVi. 6. 56; **iv** greatly agitated ये च मध्यस्थास्तेषाम् ··· तद् वयमियन्तं कालं प्रमाद्यन्त एवोदास्महे स्म इति निर्विद्यमानानां चित्तमतिमत्तं प्रतिष्ठते DharmoPra. 2. 16.

अतिमत्तवत् (atimatta-vat) *adv.* like a very haughty person (सः) खड्गं विधुन्वन्नुत्थाय प्रचचालातिमत्तवत् BrahmāṇḍP. iii. 27. 17.

अतिमत्य (atimat-ya) *ger.* having disregarded स एष आहुतिमतिमत्योत्क्रान्तः JaimiUBr. i. 34. 3.

अतिमत्सर (ati-matsara) *m.* great jealousy महासुरस्य द्विषतोऽतिमत्सरादिवान्तमासूचयितुं भयंकरः KumāSaṁ. 15. 17; दन्भ(:) स्तम्भोऽतिमत्सरः। ···अविमुक्ते स्थिता विघ्नाः MatsyaP. 184. 40; सहाया यत्रातिमत्सरभृताः ··· तत्राचिरात् समुदयन्ति न के ह्यनर्थाः RājTa.(S'rī.) 4. 380; अतिमत्सरोऽत्यन्तासूया VīraMi.(Tīrtha.) 152. 4.

अतिमत्सरतस् (atimatsara-tas) *adv.* because of great jealousy अभ्युत्तताम···अस्तमयाय शत्रोः। ···अतिमत्सरतः ··· अतिमायः HarVi. 34. 29.

अतिमत्सरा (ati-matsarā) *adj.* (*f.*) very jealous न वातिमत्सराभिश्च भाव्यं कौटिल्यबुद्धिभिः PadmP. v. 23. 108.

अतिमथन (ati-mathana) *n.* excessive scrutiny लक्षितानां (गुणानां) चतुर्णामतिमथने ज्ञानशक्तिविततिरूपत्वं व्यक्तम् NyāyPari. 504. 18; कश्चिद्धर्मोऽपि धर्मी स्फुटमतिमथने स्वान्यनिर्वाहकत्वम् TattvMu. 1. 9; 1. 62.

अतिमथित (ati-mathita) *n.* hole औदुम्बरस्य वीणादण्डस्य दशातिमथितानि । एकैकस्मिन्नतिमथिते दशदश मौञ्जास्तन्तून् प्रवयति ĀpaS'S. xxi. 17. 8-9; *adj.* very harmful अतिमथिते कर्तव्ये भवति खलानां अतीव निपुणा धीः। तिमिरे हि कौशिकानां रूपं प्रतिपद्यते दृष्टिः SūktiRa. 32. 55.

अतिमथितुम् (ati-mathitum) *inf.* to churn thoroughly अतिमथितुमारब्धे लोभाद्रै क्षीरसागरम् । उत्पन्नं कालकूटं तु SkandP. v(2). 14. 6.

अतिमथ्य (atimath-ya) *ger.* **i** having shattered completely सिन्धुराजमतिमथ्य हेलया खड्गमन्दरभृता युधि येन । उत्तमेन पुरुषेषु वि (? पुरुषेष्विव) लेभे श्रीर्यसो(शो) भुवनपावनशङ्खः EI. xiv. 301. 35; **ii** having churned thoroughly, EI. xiv. 301. 35.

अतिमद् (ati-mad-) IV. P. to be infatuated हा, तिलमात्रभवद्दर्शनेनानेनानेना जातोऽजातोदरहितो हितो भवन्नातिममाद CaitaCa. 39. 4(2)

अतिमद (ati-mada) *adj.* having profuse ichor ते गजा गिरिसंकाशाः क्षरन्तोऽतिमदा मदम्। ·· विमदीकृताः MahāBhā. vii. 25. 6; नन्दः। न धृतिमुपययौ न शर्म लेभे द्विरद इवातिमदो मदान्धचेताः Saund. 9. 50; *m.* **i** deep intoxication उद्धतैरिव परस्परसङ्गादीरितान्युभयतः कुचकुम्भैः। योषितामतिमदेन जुघूर्णुर्विभ्रमातिशयपुंषि वपूंषि S'iśuVa. 10. 32; या पर्युत्सुकचित्तातिमदेन मदनेन च । आत्मनाभिसरेत् कान्तं सा भवेदभिसारिका StavMā. 275. 7; **ii** excessive pride or arrogance प्रादुर्भूते हिरण्यद्विरदमतिमदध्वान्ततन्त्रं निहन्तुम्···मम भुवनगुरावस्तु भक्तिर्नृसिंहे VarivaRaha. 1; कृतमतिमददोषपोषणेन ··· प्रशममुपेहि जहीहि रामदारान् Rāgh. 14. 44; न तृप्तिं जानन्ति ध्रुवमतिमदाक्षिप्तमतयः Rāvaṇā. 23. 52; [Abl.] due to great pride प्रमादादज्ञानाद्दुरितपरिपाकादतिमदाद् विनश्यत्तावेशाद्यदपकृतमेतेन शिशुना KaṁVa. 6. 6.

अतिमदन (ati-madana) *adj.* superior to Cupid, surpassing the god of love अभिमतपददर्शनैरयत्नैरतिमदनं स्वममंस्त कम्पराजः MadhuVi. 6. 68.

अतिमदनोपनिषद् (ati-madanopaniṣad) *adj.* surpassing the secret of love or Kāmaśāstra कलमधुरगिरां कलाप्रसङ्गात् अतिमदनोपनिषत्परं रहस्यम्··· श्रुतिषु चकार Yādavā. 24. 40.

अतिमदप्रद (atimada-prada) *adj.* causing great intoxication पीडितोऽनिलः ऊर्ध्वं प्रपद्यते कोष्ठान्मद्यैर्वाऽतिमदप्रदैः CaraS. vi. 17. 38.

अतिमदभाज् (ati-madabhāj) *adj.* possessed of abundant ichor देवः सोऽयमिभाननोऽतिमदभागव्याजमव्यात्स वः Ḍamaru. 19.

अतिमदवश (atimada-vaśa) *m.* influence of great passion अत्र विभाति व्योमगवृन्दम् ··· क्वचिदतिमदवशपरिचितकलहम् PadmP.(Ra.) 42. 69.

अतिमदाकुलिता (atimadākulitā) *adj.* (*f.*) excited with deep passion इह नीचरते घटयत्यधनं जघनं प्रमदातिमदाकुलिता RatiRaha. 10. 12.

अतिमदान्वित (atimadānvita) *adj.* full of great pride, extremely arrogant स वार्यमाणो बाणौघैर्दानवोऽतिमदान्वितः। राजपुत्राय चिक्षेप दण्डम् MārkP. 127. 18.

अतिमदावलेप (atimadāvalepa) *m.* pride due to excessive arrogance बाह्यात्मनामशकुनैर्विदितोऽप्यपायः सेनाचरैर्न ददृशेऽतिमदावलेपात् RāmC. App. ii. 37. 41.

अतिमद्भक्त (ati-madbhakta) *adj.* extremely devoted to me सर्वत्र समता मम । विशेषतोऽतिमद्भक्तः कलत्रात्पर एव च BrahmVaiP. iv. 57. 31.

अतिमद्य (ati-madya) *n.* too much of liquor विच्छिन्नमद्यः सहसा योऽतिमद्यं निषेवते । तस्य पानात्ययोद्दिष्टा विकाराः संभवन्ति हि SuśruS. vi. 47. 49; अतिमद्यं हि पिबतो बुद्धिलोपो भवेत्किल S'ukraNī. 1. 114 (114); कट्वम्लतीक्ष्णोष्णविदाहिरूक्षक्रोधातिमद्यार्कहुताशसेवा । आमाभिघातः RugVi. 28. 9.

अतिमद्यपान (ati-madyapāna) *n.* excessive drinking of wine अतिमद्यपानात् ··· नेत्रे विकाराञ्जनयन्ति दोषाः RugVi. 59. 2.

अतिमधुर (ati-madhura) *adj.* **i** very sweet (taste etc.) श्लेष्मशूलिनाम् । न घनातिमधुराणि शयनं च विधेयकम् HārīS. iii. 7. 45; प्रकाशयाञ्चक्रुः क्रमेण कार्माः। ··· अतिमधुरमधुरसामोदनिर्हारिणीश्चोल्लककलशीः HarṣaC. 292. 9-10; अतिमधुरमनलशमनं भुक्तमसात्म्यं न पुष्टये वपुषः AṣṭāSaṁ. i. 69. 8 (1. 10); अतिमधुररवं कराभिघातैः ··· रघुप्रधानः सलिलमवादयदन्वितं सुगीत्या PadmP.(Ra.) 42. 82; राजसः ··· भुङ्क्तेऽतिमधुरं चार्द्रं भक्ष्यम् SarvaSiSaṁ. 11. 21; ननु गतिरियं तदीया वाणी सैवेयमतिमधुरा Kāvyālaṅ.(Ru.) 11. 23; (राजा) अध्वनीनमिदं चारुश्लोकयुगलमतिमधुरगीततरङ्गरङ्गिताक्षरं गायन्तमद्राक्षीत् NalaCam. 6. 11(53); क्षीरकदम्बकसूरिः ···नारदाभिधानाय च निखिलभुवनव्यवहारतन्त्रमागमसूत्रमतिमधुरस्वरापदेशमुपदिशन् YāśasCam. ii. 353. 14; गायन्तीः कलवीणयातिमधुरं हुंकारमातन्वतीः ··· सरस्वत्यादिकाः पूजयन् । मातङ्गीम् ··· भजे TripuMāPūSt.(S'aṅ.) 17; तेषां विशीर्यमाणानामतिमधुरसुरभिसुगन्धिबहुलारुणरसोदेनारुणोदा नाम नदी···इलावृतमुपप्लावयति BhāgP. v. 16. 17; भगवत्यपि बाणौघान्मुमोच ··· कृत्वातिमधुरं नादं देवकार्यार्थसिद्धये DevīBhāP. v. 13. 16; एवम् अतिमधुरं गोक्षीरं ··· दर्शयितव्यम् S'āstrDī. 154. 14 (*on* i. 1. 7); किमतिमधुरमम्लं भोजनान्ते प्रदेयम् VidaMuMa. 2. 41; गायन्तस्तेऽतिमधुररागवैविध्यबन्धुरं । हृषीकेशस्य हृदयं जह्रुः TriṣaS'aPuC. iv. 1. 869; धातोऽतिमधुरध्वानस्तर्जन्योन्मृष्टमुच्यते SaṁgīRa. iii. 259. 19 (8. 159); अयि तरुदेवते, इदमतिमधुरं ते पायसान्नम् GopāKeCan. 100. 18; इदमतिमधुरं गवां मुरारे दधि नलिनीदलभाजनं विधेहि GopāKeGan. 89. 2; इदमतिमधुरं निशम्य वाक्यम् YogVā. i. 6. 55; अतिमधुररसानां सेवया पत्रभङ्गैः ··· भवति मुदितचेताः कामचारेण नागः MātaLī. 9. 1; वाक्पीयूषं च सानुग्रहमतिमधुरं पायितं श्रोत्रपेयम् CaitaCan. 212. 16(9); उदाहरणे कोकिलस्य कोकिलत्वविधानमनुपयुक्तं सदतिमधुरपञ्चमध्वनिशालितया सकलजनहृद्यत्वं गर्भीकरोति Kuval. 166(3); अतिमधुरकण्ठकूजितविलासवत्या सरोजदृशा प्रेम्णा···क्रीतः प्रेयान् S'ṛṅgāMañ.(Bho.) 5. 20; हिंगूजीरकसहितं विमलामलकं कपित्थमतिमधुरं ··· मृत्युञ्जय तेऽर्पयामि MṛtyuMāPūSt. 30; माषाः पिच्छिलशीतलातिमधुरा वृष्यास्तथा बृंहणा KalyāKa. 4. 23; **ii** very agreeable (essence) मूलेऽतिमधुरेष्वपि विषयोपभोगसुखेषु काशस्तम्बेष्विव तृणबुद्धिं ··· अजीगणत् (राजा) TilaMañ. 21. 13; तत्र लिप्तो भवेन्निम्बकल्कोऽतिमधुरः स्थिरः। तस्य धारणमात्रेण विषवेगः प्रशाम्यति YuktiKa. 105. 12; तव राजोऽतिमधुरः पित्तश्रमतृषापहः BhojanKu. 164. 23; मध्येऽतिमधुरास्तथा। इक्षवस्ते BhojanKu. 157. 4; पुण्ड्रोऽतिमधुरः कफकृतपित्तनाशनः BhojanKu. 156. 11.

अतिमधुरतर (atimadhura-tara) *adj.* very much sweet उत्सङ्गे तव गङ्गे पायं पायं पयोऽतिमधुरतरम् । कदाहं चिराय शयिताहे RasGaṅ. 507. 4.

अतिमधुरत्व (atimadhura-tva) *n.* extreme sweetness औषधस्य ··· अतिमधुरत्वात्···दुर्योगातियोगावुत्पद्येते KāśyaS. 156A. 35.

अतिमधुरनिषेव (atimadhura-niṣeva) *m.* consuming too much sweet (food) अतिमधुरनिषेवात्सन्ततं वह्निसादः YaśasCam. i. 518. 7.

अतिमधुरानन (atimadhurānana) *n.* mouth with an excessive

sweet taste निद्राप्लुतारुचिरतीव शिरोगुरुत्वं मन्दोष्णतातिमधुराननरोमहर्षाः Kalyā-Kā. 9. 57.

अतिमधुरास्वाद (atimadhurāsvāda) *adj.* having a very sweet taste न तथा सुखयन्त्येताः पीयूषरसवीचयः । यथातिमधुरास्वादः संतोषो दोषनाशनः (comm. अतिमधुर: आनन्दप्रचुर: आस्वादोऽनुभवः यस्य) YogVā. ii. 15. 5.

अतिमधुव्रता (ati-madhuvratā) *adj.* (*f.*) surpassing the honey-bee अभवत् तस्य पादाब्जोपासनेऽतिमधुव्रता । कलत्रं सुव्रता नाम लोकोत्तरसतीव्रता (comm. मधुव्रतं भ्रमरमतिक्रान्ता) TriṣaS'aPuC. iv. 5. 27.

अतिमधुसंकाश (ati-madhusaṅkāśa) *adj.* resembling very much the (tawny red colour of) honey अतःपरममीषां (गजानाम्) हि वक्ष्यन्ते दन्तजातयः । स्निग्धौ सरुधिरौ दन्तौ ··· मधुसंकाशवर्णौ च नैव रूक्षौ न चेतरौ । न चातिमधुसंकाशौ Hastyāyur. 628. 27 (4. 10)

अतिमध्यंदिन (ati-madhyandina) *n.* exact mid-day or noon नातिकल्यं नातिसायं नातिमध्यंदिने स्थिते । नाज्ञातेन समं गच्छेन्नैको न वृषलैः सह ManuSm. 4. 140.

अतिमध्यमवृष्टि (atimadhyama-vṛṣṭi) *f.* showers of absolutely medium degree अनिलहतं सस्यचयं त्वतिमध्यमवृष्टिसंपन्नम् । शशितनये सस्यपतौ VasiS. 11. 28.

अतिमन् (ati-man-) IV. VIII. Ā. **i** to disdain, to despise, to disregard, to disrespect, to look down upon, to offend न हि त्वा पूषन्नतिमन्य आघृणे R̥V. i. 138. 4; किं नो भ्रातरगस्त्य सखा सन्नति मन्यसे R̥V. i. 170. 3; अति वा यो मरुतो मन्यते नो ब्रह्म R̥V. vi. 52. 2 (but Sāy. अति मन्यते अतीव स्वस्याधिक्यं मन्यते अस्मत्तोऽपि स्वयमधिक इति बुध्यते); जनंजनं जन्यो नाति मन्यते R̥V. x. 91. 2 (but Sāy. नातिमन्यते न विसृज्य गच्छतीत्यर्थः); तद् बृहत् पूर्वं ससृजानं रथंतरमत्यमन्यत AitBr. 19. 6 (524); ता एनमत्यमन्यन्त TaiBr. I. vi. 4. 1; एतदेवाहं नातिमन्य इति JaimiUBr. 1. 6. 5; तदिदं मनो वाचमत्यमन्यत क्षत्रं ब्रह्म JaimiUBr. 3. 3. 16; गायत्री छन्दांस्यत्यमन्यत TaiĀ. v. 2. 3 (594. 1); BaudhS'S. iii. 50. 15; BhārGS. 2. 27; (राधेयः) दुर्योधनमुपाश्रित्य पाण्डवानत्यमन्यत MahāBhā. i. 122. 47; मद्विधं योऽतिमन्येत धर्मनित्यं जितेन्द्रियम् Rāmā. iii. 41. 43; तस्याज्ञया समस्तार्थानहंकारोऽतिमन्यते LiṅgaP. ii. 10. 14; यः ···पुत्रदारानतिमन्यते ···तस्योद्विग्नं मण्डलमभावायोपतिष्ठते AnargharRā. 4. 14 (39) (comm. अपहरति); **ii** to consider (oneself) superior (to something), to consider with esteem, to be proud of य आर्दुतिमत्यमन्यन्त देवाः AV. x. 8. 35; स हात्येव पितरं मेने JaimiBr. 1. 42; 1. 207; भृगुर्ह वै वारुणिः । वरुणं पितरं विद्ययातिमेने S'atBr. XI. vi. 1. 1; V. i. 1. 1; यद्ध किञ्चाशुतेऽत्येनं मन्यते (एनमन्यते ?) AitĀ. II. iii. 3. 1; II. iii. 3. 3; अहं कर्तेति विदुर मावमंस्थाः (v. l. मातिमंस्थाः) MahāBhā. ii. 57. 7; मधुच्छन्दा उवाच – यत्रानुकूल्यं दम्पत्योस्त्रिवर्गस्तत्र वर्धते । न चेदं दूषणं राजन् भूषणं चातिमन्यताम् BrahmP. 138. 13; **iii** to think high of विक्रमातिक्रमे बुद्धौ भृशार्थातिशये त्वतिः । अतिरथः । अतिक्रामति । अतिगहनम् । अतितप्तम् । अतिमनुते ज्ञानम् Prasā. i. 37. 8.

अतिमनःकान्त (ati-manaḥkānta) *adj.* extremely fascinating or attractive to the mind अन्यदातिमनःकान्ते मलये विषयान्तके । मलयाख्यगिरिं यातो भूपतिः BṛKathāK. 56. 2.

अतिमनस् (ati-manas) *n.* great attention, great care प्रेषितव्यस्त्वया पुत्रो मन्दिरे मम मानिनि । पालयिष्याम्यहं तत्र तवातिमनसा किल DevīBhāP. iv. 23. 17; *adj.* beyond the mind (i. e. with complete control of the mind) स्वातव्यमित्यतिमना भुवि संस्थितोऽसि YogVā. ii. 10. 44.

अतिमनस्विन् (ati-manasvin) *adj.* [*f.* -ī] **i** very proud मा तावत् । अतिमनस्विनि, किं न गङ्गा सागरमभियाति । अलमलं व्रीडया PadmPrā. 21. 21; सोऽयं भविष्यदाक्षेपः प्रागेवातिमनस्विनी । कदाचिदपराधोऽस्य भावीत्येवमरुन्ध यत् Kāvyāda. 2. 126; **ii** who is very spirited तद्वयं पितामहोक्तप्रकारेणैव तारकप्रहन्तारमतिमनस्विनं सेनान्यमासादयेम Manmatho. 1. 15 (423. 13)

अतिमनुज (ati-manuja) *adj.* **i** inhuman, subhuman रक्तेक्षणः···दशनपीडितदन्तवासाः । त्रासं गतोऽतिमनुजो जननिन्द्यवेषः । क्रोधेन कम्पिततनुर्भुवि राक्षसो वा SubhāRaSaṁ. 40; **ii** super-human ममानुजमतिमनुजबलमबालमबलावियुक्तं युक्तमाश्रयितुं तव RāmāCam. 3. 15 (1)

अतिमनुष्य (ati-manuṣya) *adj.* super-human, beyond human power कार्येष्वतिमनुष्येषु साहायकविधायिभिः । योगिनीपुरनाथस्य तैरभूषि निजं कुलम् RājTa. (Jo.) 508.

अतिमनुष्यकर्मन् (atimanuṣya-karman) *n.* super-human action, action beyond human power गाण्डीवधन्वा ऋषभः कुरूणामजिह्मगैः कर्णमियाय जिष्णुः । शरास्त्रवृष्ट्या निहतो महात्मा प्राडुश्चकारातिमनुष्यकर्म MahāBhā. iv. App. 44 (50); *adj.* possessed of super-human power तदस्य कर्मातिमनुष्यकर्मणः समीक्ष्य हृष्टाः कुरवोऽभ्यपूजयन् MahāBhā. viii. 62. 54.

अतिमनुष्यबुद्धि (atimanuṣya-buddhi) *adj.* possessing super-human intellect तत्प्रेक्ष्य कर्मातिमनुष्यबुद्धेर्जिष्णोः सहभ्रातुरचिन्त्यकर्मा । दामोदरः ··· हलायुधं वाक्यमिदं बभाषे MahāBhā. i. 180. 17.

अतिमनोगति (ati-manogati) *adj.* surpassing the speed of the mind, faster than the mind सः (अग्निः) ··· पृथिवीं चान्तरिक्षं च विचीयातिमनोगतिः । निमेषान्तरमात्रेण बृहस्पतिमुपागमत् MahāBhā. v. 15. 28; द्वीपाम्भोधीन् ··· अलङ्घिष्ट ··· तद्विमानवरं दिव्यं वेगेनातिमनोगति TriṣaS'aPuC. ii. 2. 325.

अतिमनोज्ञ (ati-manojña) *adj.* [*f.* -ā] **i** very pleasant, very attractive (sound) स तान्यतिमनोज्ञानि विहङ्गाभिरुतानि वै । शृण्वन् ··· अगच्छत गौतमः MahāBhā. xii. 163. 10; भुवनजैत्रमन्त्रं रतिपतेरथौते । पिकगिरा मधुश्रीरतिमनोज्ञयासौ ChandaśCū. 2. 70 (3); **ii** very beautiful, very charming अत्रातिमनोज्ञमुपवनम् ViṣṇuP. iv. 2. 104; सोऽथ ··· पर्यटन् । ददर्शातिमनोज्ञानि सानूनि हिमभूभृतः MārkP. 61. 20; सरांस्यतिमनोज्ञानि MahāP. 22. 177; कम्रः अतिमनोज्ञः ··· विग्रहः मूर्तिः यस्याः सा LalitāTriBh. 259. 14 (*on* 4); वस्त्राण्यतिमनोज्ञानि प्रभूतानि Mānaso. ii. 19. 1020; आदायातिमनोज्ञमद्भुतरसं किञ्चित्फलं पाणिना तन्मध्यं च विलोक्य BhāvS'. 59; **iii** very agreeable सततमतिमनोज्ञः क्रौञ्चमालापरीतः प्रदिशतु हिमयुक्तः कालएष: (?) सुखं वः (v. l. ⁰युक्तस्त्वेष कालः सुखं वः) R̥tuSaṁ. 4. 18; जलाशयेषु ··· तस्मिंश्चातिमनोज्ञे काले हस्तिनः ··· विविधसुखमनुभवन्ति Hastyāyur. 198. 13 (2. 13)

अतिमनोज्ञतनु (atimanojña-tanu) *adj.* having a very attractive or beautiful body कन्दर्पतोऽप्यतिमनोज्ञतनू तनूजौ HariVi. 4. 26.

अतिमनोज्ञता (atimanojña-tā) *f.* the state of being very handsome स च (बालकः) संस्कृत्योपनीतो नृपतेरतिमनोज्ञतया प्रीतेन पृष्टोऽसौ राज्ञा MohaRāPa. 3. 58 (37)

अतिमनोभीष्ट (ati-manobhīṣṭa) *adj.* very much desired or wished for किन्तु स्त्रीव्यसनेनातिमनोभीष्टेन सर्वदा । चिराय मिलितेनैव भूयोऽप्यालिङ्गितो नृपः PāṇḍaC. 1. 362.

अतिमनोरथ (ati-manoratha) *m.* extravagant wish, desire beyond limit अवहास्योऽतिमनोरथोऽक्रमश्च BuddhaC. 5. 36; अस्माकमेष सोऽतिमनोरथः । प्रद्योतस्य मनस्वितवास्वामी दुःखेषु वर्तते PratiYau. 1. 10; कौसल्यामातः ! अलमतिमनोरथैन Prati. 5. 11 (2); महेन्द्रकल्पेन सह त्वया संभाषणोत्सवः । इति दर्शितसौहार्दे कस्य नातिमनोरथः JātaMā. 140. 11 (22. 84); कदा पश्यामि तां कान्तां मोचयित्वातिसंकटात् । इति मे हृदयं चाद्य करोत्यतिमनोरथम् DevīBhāP. vi. 22. 45; *adj.* beyond the reach of desire यथावदतिमनोरथैर्वस्तुभिर्महता संमानडम्बरेण पूजितो राज्ञा (कविः) UdaySuKa. 157. 11.

अतिमनोरम (ati-manorama) *adj.* [*f.* -ā] **i** very attractive, extremely charming, very beautiful अथैव सद्यः पत्नी ते भवत्वतिमनोरमा MārkP. 97. 19; 114. 29; 127. 10; जङ्घे विरोमे सुसमे पादावतिमनोरमौ (यस्याः) ViṣṇuSm. 1. 26; सुगन्धा नाम यस्यासीत्पत्नी धर्मपरायणा । ··· अतिमनोरमा GaṇeP. i. 58. 13; मध्यायामवती ग्राह्या यौवनातिमनोरमा MayaMa. 33. 5; मध्याह्ने रत्नशैलेन्द्रशिखरेऽतिमनोरमे (कृष्णं ध्यायीत) ĪśānS'iPa. i. 34. 41; शशीवातिमनोरमः TriṣaS'aPuC. iii. 6. 21; तिलोत्तमामिवोद्दिश्य रसामतिमनोरमाम् । सुन्दोपसुन्दभङ्ग्या ते स्वयं नंक्ष्यन्ति शत्रवः PṛthvīVi. 11. 5; फलाग्रकषणोद्भवो यदयमत्र कस्तूरिकाविशेषक्रमिषात्स्फुरत्यतिमनोरमः कालिमा Subhāṣi. 1489; **ii** very pleasant (to the mind) हन्त ते कथयिष्यामि कथामेतां मनोरमाम् (v. l. कथामतिमनोरमाम्) MahāBhā. i. 160. 4; स्वाधीनपतिका प्राप्य कामानतिमनोरमान् । क्रमादापन्नसत्त्वासौ जज्ञे पुण्यजनेश्वरी PāṇḍaC. 7. 382; कोपः श्लोकसमूहस्तु स्यादन्योन्यानपेक्षकः । व्रज्याक्रमेण रचितः स एवातिमनोरमः SāhiDa. 375. 15; नानाकवितामृतनीरपूरकल्लोलभङ्ग्यातिमनोरमायाम् । श्रीपद्यवेण्यां प्रथमस्तरङ्गः PadyaVe. 52; **iii** very soft, very fine सूतगन्धकयोः पिष्टिः कार्या चातिमनोरमा RasPraSu. 4. 38; **iv** sonorous, well-sounding आद्यं तद्दिननाथार्णं गृहीत्वातिमनोरमम् । चकार निजशिष्यस्य नाम ParamāKā. 141. 87.

अतिमनोरमाङ्गी (atimanoramāṅgī) *adj.* (*f.*) having a very beautiful body अतिमनोरमाङ्गी स्यादान्ध्रकर्णाटभवा पुरन्ध्री AnaṅgaRa. 5. 5.

अतिमनोहर (ati-manohara) *adj.* [*f.* -ā, -ī] extremely charming, very attractive, very pleasant, extremely gratifying, very lovely पीतनीलाम्बरधरौ तौ दृष्ट्वातिमनोहरौ । स तर्कयामास तदा सुवं देवावुपागतौ ViṣṇuP. v. 19. 19; रूपिण्यश्च श्रिया युक्ताः सर्वाः कमललोचनाः । लीलाविलाससंयुक्तैर्भावैरतिमनोहरैः । गणैस्ताः सह मोदन्तै VāyuP. ii. 39. 259; स्वपुरतिमनोहरं हरं दधतमुदीक्ष्य ननाम पाण्डवः Kirātā. 18. 15; तत्र च ··· अतिमनोहरं शयनीयमभजत AvantiKa. 136. 19; माल्यैरतिमनोहरैः । ··· चक्रे शान्तिजिनेन्द्रस्य शान्तचेता दशाननः । पूजाम् PadmP. (Ra.) 69. 4; 81. 25; रूपेण ता द्युतिमतातिमनोहरेण । राज्ञो मनस्यधिगता वनितास्तदासन् VarāṅgaC. 1. 60; प्रासादवेशेषु वराङ्गनानां क्रीडासु रेमेऽतिमनोहरासु VarāṅgaC. 22. 18; भवनमार्गे इवातिमनोहरः । अभूत निष्कुटजां श्रियमुच्चकैः स

समय: HarVi. 3. 75; निजवरभवनं सुरगृहमुर्वीतलमतिमनोहरं शयनम् KuṭṭaMa. 232; सानयोर्दुहिता जाता विषाख्यातिमनोहरी BṛKathāK. 72. 31; अतिमनोहरस्य ··· पारिजातकतरो: ··· शाखाततिभि: समन्तत: स्थगितम् (रम्भागृहमपश्यत्) TilaMañ. 228. 18; 289. 1; ब्राह्मणो मार्गे ···। ददर्श चन्द्रभागां तां नदीमतिमनोहराम् PañcaRā.(Nā.) i. 3. 4; रुच्यमतिमनोहरम्। आत्मनोऽङ्गं स्तनबाहुमूलादि (प्रकाशयति) JayaMa. 215. 5 (*on* 3. 3); एतस्मिन्नन्तरे तत्र कश्चिद्ब्राह्मणबालक:। आजगाम सुराणां च सभामतिमनोहर: BrahmVaiP. i. 14. 3; कथं च लक्ष्मीरधिका रूपं चातिमनोहरम् BhaviP. 117A. 32 (i. 66. 25); तन्मध्ये तस्य देवस्य पर्यङ्कोऽतिमनोहर: GaṇeP. ii 53. 2; स्वस्तिके वर्धमाने च भागिक्यो भित्तय: स्मृता:। स्वस्तिकोऽयं तलच्छन्द: कथितोऽतिमनोहर: SamarāSū. 61. 55; स्वयं करिष्येऽहमथो निवासाय पृथो: पुरीम्। विचित्रनगरग्रामखेटामतिमनोहराम् SamarāSū. 2. 11; स्वच्छांशुकेन जनितमतिमनोहरं नेपथ्यमादधानाम् ··· योषितं ददर्श UdaySuKa. 9. 15; 131. 23; रूपेणातिमनोहरेण महता ···। रोहन्मोहमहातरुर्मदमय: संजायते य: सदा DarpDa. 1. 37; त्रांबीजोत्थं हिरण्याद्रिं ध्यायेदतिमनोहरम् ĪśānS'iPa. i. 26. 11; अन्यच्च वस्त्रनेपथ्यप्रभृत्यतिमनोहरम्। ··· निधेहि TriṣaS'aPuC. i. 2. 621; या शैशवात्प्रभिमनोरम (v. l. शैशवादतिमनोहर) रामचन्द्रहस्ताङ्गुलिप्रणयिनी ··· मणिमुद्रिका PrasaRā. 6. 40; सान्यं प्रयाति पुरुषं न कदापि कामं दासीभवेदतिमनोहरदिव्यमूर्ति: PañcSā. 3. 55; तदतिमनोहरं सिंहासनं महेन्द्रस्याज्ञया गृहीत्वा विक्रमार्को निजां पुरीमगमत् SiṁhāDvā. 16. 6(5); 48. 0 (11); 54. 8(2); 85. 3(21); 148. 0(31); 195. 0(10); 201. 0(7); सोऽप्यनर्घै: पदार्थैर्न तथा तुष्टो महीपते:। सालंकारैर्यथा भूप काव्यस्यातिमनोहरै: RājTa.(S'rī.) 1(6). 12; शाहावदीनराज्ये या संपन्नातिमनोहरा। लक्ष्मीपुरे राजधानी RājTa.(S'rī.) 2. 140; द्विजपुत्रमतिमनोहरमवलोक्य VetāPañ.(Jam.) 36. 9; तस्या मुखस्यातिमनोहरस्य कर्तुं न शक्त: सदृशं प्रियाया:। अद्यापि शीतद्युतिरात्मबिम्बं निर्माय निर्माय पुनर्भिनत्ति Subhāṣi. 1517; त्वत्प्रतापानर्घहेमसंपुटेऽतिमनोहरे। ब्रह्माण्डशालिग्रामोऽसौ धराधीश विराजते SūktiSu. 109; ततो नारायणस्यापि लोकस्तन्निकटे स्थित:। एकैकस्यान्तरं कोटियोजनानामुदीरितम्। तावानेव च विस्तारस्तेषामतिमनोहर: BṛBrahmS. ii. 7. 141; **ii** very sweet, very pleasant, very pleasing to hear श्रुत्वैतद्वचनं तासां स्त्रीणामतिमनोहरम्। गमनाय मतिं चक्रे Rāmā.(GORRESIO.) i. 9. 53; आलोलवलयक्वाणवर्धिष्णुगुणनिस्वनम्। ···घनश्यामा चकारातिमनोहरम् BrahmāṇḍP. iii. 17. 47; सर्वज्ञस्यै(? स्ये)व ते वाणी श्रूयतेऽतिमनोहरा BrahmāṇḍP. ii. 24. 3; इन्द्रायुध: ···अतिमनोहरम्···हेषारवमकरोत् Kād. 81. 11; अतिमनोहरवनितादिजनालापेष्वतितरामतिप्रलोभितकर्णम् ··· आत्मानम् ··· द्रष्टुमर्हसीति BhāgP. iv. 29. 54; तासां गीतैश्चातिमनोहरै:। ··· हृतं तस्य न मानसम् PadmP.(Ra.) 48. 2; 97. 186; श्रोतुमिच्छामहे पुण्यां कथां चातिमनोहराम् BrahmP. 34. 54; तत्तद्वाद्यकदम्बकस्य विधिना पूजाविधामानयेत्। ··· अतिमनोहरान् बहुविधीन् संपाद्य ··· गुर्वाज्ञामवलम्ब्य ··· शृङ्गारमेवारभेत् AbhinDa. 31; **iii** very sweet-smelling, very pleasant to smell निमेरपि तच्छरीरमतिमनोहरगन्धतैलादिभिरुपसंस्क्रियमाणं नैव क्लेदादिकं दोषमवाप ViṣṇuP. iv. 5. 13; **iv** very tasty, very attractive सुजातं दधि संयोज्य वस्त्रे बद्ध्वा सुपीडितम्। नानापुष्पफलारम्भं कुर्यादतिमनोहरम् BhojanKu. 141. 6; [given as meaning for **अन्त**, अन्त: प्रान्तेऽन्तिके नाशे स्वरूपेऽतिमनोहरे ViśvaPra. 59. 31.]

अतिमनोहरगन्ध (atimanohara-gandha) *m.* very pleasant smell स्यात्परिमलोऽतिमर्दातिमनोहरगन्धयोश्चापि MediK. 169. 156.

अतिमनोहरता (atimanohara-tā) *f.* the characteristic of being very beautiful अतिमनोहरतया सुरलोकवासिनामप्युत्पादितनिवासस्पृहं देवतागृहमकारयत् TilaMañ. 34. 1.

अतिमनोहरत्व (atimanohara-tva) *n.* great charm तन्वन् ··· योऽतिमनोहरत्वम्। साम्यं विभातसमयस्य बिभर्ति बालसंध्याहितातनुरुचि: स्फुटपुष्करश्री: HarVi. 31. 21.

अतिमनोहररूप (atimanohara-rūpa) *adj.* of a very attractive or handsome appearance तत्रान्तरे कश्चिद्राजकुमार इवातिमनोहररूप: ··· तत्रागत: SiṁhāDvā. 195. 0 (12)

अतिमनोहराकृति (atimanoharākṛti) *adj.* possessing a very attractive or charming form धिग्विधातारमसदृशसंयोगकारिणमतिमनोहराकृतिरपि क्रूरजातितया येनेयम् ··· रमणीयाप्युद्वेजयति Kād. 12. 3.

अतिमनोहारिन् (ati-manohārin) *adj.* **i** very beautiful or attractive to the mind राजभवनमविशम्। अतिमनोहारि(? री)णि यत्र सुपुष्करमालानि क्रीडावापीपयांसि NalaCam. 7. 18(19); **ii** very pleasant (to hear) कर्णायुष्यं क्वचन कमलाकान्तपादाब्जभाजां शृण्वन् गीतामृतमतिमनोहारि विद्याधरीणाम् MayūSaṁ. 1. 61.

अतिमन्थ् (ati-manth-) I. Ā. to pain severely (pass.) आटोप्यतेऽस्योदरं च शिरश्चास्यातिमन्थ्यते BhelaS. 57. 4 (2. 4)

अतिमन्थन (ati-manthana) *n.* excessive churning श्रान्ता: स्म सुभृशं ब्रह्मन्नोद्भवत्यमृतं च तत्। ··· चिरारब्धमिदं चापि सागरस्यापि मन्थनम् (v. l. सागरस्यातिमन्थनम्) MahāBhā. i. 16. 29.

अतिमन्थर (ati-manthara) *adj.* very slow यस्यातिमन्थरगतेर्वलिवञ्चनार्थमागच्छतस्तनुरदृश्यत सश्रमाम्भा:। ···दैत्यै: HarVi. 10. 27; अथातिमन्थरच्छत्रगतिसूचितविलासमन्दपदविन्यासा ··· विद्याधरचक्रवर्तिनश्चक्रसेनस्य महिषी पत्रलेखाभिधाना पादचारेण तत्रैवागच्छत् TilaMañ. 340. 19.

अतिमन्थरवचना (atimanthara-vacanā) *adj.* (*f.*) very slow in speech दुष्टेऽम्ब कस्मान्मम तातं नाख्यासि। अद्यैव ते व्यलीकलज्जावत्यास्तथा शास्तिमहं करोमि यथा च नैवमद्याप्यतिमन्थरवचना भविष्यसीति ViṣṇuP. iv. 6. 30.

अतिमन्थरम् (ati-mantharam) *adv.* very slowly, at a very slow pace क्रमेण पुष्यद्गर्भा च संचचारातिमन्थरम्। ··· धारिणी PariPar. 2. 63; सा स्थलाम्भोरुहाणीव विकचानि पदे पदे। पादाभ्यां रोपयामास विचरन्त्यतिमन्थरम् TriṣaS'aPuC. iii. 6. 25.

अतिमन्द (ati-manda) *adj.* [*f.* -ā] **1 A** very slow (in movement) very gentle or mild तिक्त: कषायो मधुरातिमन्द: ··· शुभश्च याम्यां प्रभव: समीर: HārīS. i. 5. 27; वात: कटू रूक्षतरश्चलात्मा ···। स्निग्ध: कफ: स्वादुरसोऽतिमन्द: KalyāKā. 3. 48; मारुतोऽतिमन्द: ···। व्यजनसुखमदान्महेन्द्रदायादाय YudhiVi. 4. 87; अतिमन्दचन्दनमहीरुहवातम् ···। अपि तापसानुपवनं मदनार्तान् ··· अक्रार्षीत् HariVi. 3. 34; **1 B** very languid वपुरतिमन्दमाप्य रविरास्थित पात्रमयोवणिगिव मण्डलेऽथ समघट्टयदंशुधनम् Kapphiṇā. 11. 3; **2 A** very slack or feeble मार्गे प्रयातुर्मणिलाभवन्मे लभेत मोक्षो यदि तर्हि धन्य:। इत्याशया मूढधियां मतिर्या सैषातिमन्दाभिमता मुमुक्षा SarvaVeSāSaṁ. 232; न चातिगाढं च न चातिमन्दं संदीपनं दृष्टमिदं रसानाम् NāṭaLaRaK. 1969; **2 B** very faint (in appearance), Kapphiṇā. 11. 3; **3 A** very foolish (view), extremely weak or unconvincing (argument etc.) अन्ये त्वाहु:। आकाङ्क्षासन्निधियोग्यतावन्त: पदार्था वाक्यार्थीभवन्ति, न पुनर्वाक्यार्थमेव बोधयन्तीति। तदिदमतिमन्दम् PrakaPañ. 394. 17; अन्ये तु यद्यस्मादधिकं विधीयते स तस्य शेष इत्याहु: तदतिमन्दम् S'āstrDī. 185. 7 (*on* iii. 1. 2); 299. 8 (*on* iii. 6. 3); यत्तावद् 'धार्मिग्राहकप्रमाणापवा(? बा)धितविषयं साधनम्' इति तदतिमन्दम् NyāyMa. 129. 3; VedāntKa. 436. 18 (*on* iii. 3. 16); यद्यपि कस्यचित्सा (दृश्यत्वशङ्का) स्यात् अतिमन्दतया न परिहर्तव्या S'rutaPra. ii. 603. 5 (*on* iv. 2. 13); ii. 400. 8 (*on* ii. 4. 16); तदा नीतिनिबन्धनात्मकस्य सूत्रस्य व्युत्पाद्यमतिमन्दं स्यात् S'atDū. 244. 18; 183. 19; YuktiSneha. 49. 27; VīraMi. (Vyavahāra.) 66. 28; एवं च पूर्वपक्षोऽतिमन्द इति ध्येयम् MayūMāli. 835. 6 (*on* xi. 4. 6); 625. 2 (*on* ix. 3. 6); **3 B** extremely dull-witted or stupid (person) जात्यादिमहत्त्वमनपेक्ष्यातिमन्दैरप्यमायया संश्लेषभावत्वम् सुशीलत्वम् VedāntRaMañ. 1. 4 (44. 23)

अतिमन्दकम् (atimanda-kam) *adv.* very slowly चालयेन्नाधरश्चौष्ठं न द्रुतं नातिमन्दकम् BṛDharmaP. ii. 2. 24.

अतिमन्दगमन (atimanda-gamana) *adj.* very slow in gait अतिमन्दगमन: ··· गज: श्लैष्मिक: MātaLī. 11. 40.

अतिमन्दचेष्टता (atimandaceṣṭa-tā) *f.* the state of being very slow in movements अस्थिक्षये स्यादतिमन्दचेष्टता मन्दवीर्यं इति मेदस: क्षये HārīS. iii. 9. 22.

अतिमन्दचेष्टा (atimanda-ceṣṭā) *f.* very slow movement भ्रम: क्लम: स्यादतिमन्दचेष्ट:(? ष्टा) शोफो निशाजागरणं च तन्द्रा। ··· शुक्रक्षये चाङ्गविचेष्टितानि HārīS. iii. 9. 24.

अतिमन्दता (atimanda-tā) *f.* **A** the state of being very weak मधुरवचनैर्वारं वारं गतोऽप्यतिमन्दताम्। ··· कुवलयदृश: कोप: कान्ते पुनर्नवतां गत: S'ṛṅgāTi.(Ru.) 2. 61; **B** extreme foolishness or weakness (of argument) अतिमन्दतया चेमौ पक्षौ न साक्षादुपन्यस्य निरस्तौ PrakaPañ. 419. 13.

अतिमन्दत्व (atimanda-tva) *n.* the characteristic of being extremely foolish or weak (in argument) पूर्वपक्षस्यातिमन्दत्वात् S'āstrDī. 30. 1 (*on* i. 3. 4); 285. 14 (*on* iii. 5. 6); BhāṭṭDī. iv. 125. 2 (*on* x. 8. 15); MayūMā. (*on* ii. 3. 6)

अतिमन्दधी (atimanda-dhī) *adj.* very dull (or naive) in intellect वाचेह दीनया याचे साक्रन्दमतिमन्दधी:। किरतं करुणस्वान्तौ करुणोर्मिच्छटामपि StavMā. 89. 26.

अतिमन्दभाग्य (atimanda-bhāgya) *adj.* [*f.* -ā] very unfortunate अतिमन्दभाग्याया जहासाथ नृपस्तत: MārkP. 109. 16; काम्यहोमविधिं वक्ष्ये ···। येनातिमन्दभाग्योऽपि श्रीमान् भोक्ता सुखी भवेत् TantrRā. 21. 13.

अतिमन्दम् (ati-mandam) *adv.* **A** very slowly, at a very slow pace नाविच्छिन्नपदं नातिमन्दं नात्युच्चनीचकै: (पठेत्) AṣṭāSaṁ. i. 5. 7 (1. 2); **B** very softly, in very low tones उद्घोषैस्तारतारै: परभृतयुवतेर्दत्ततालातिमन्दं

मन्दं गर्जद्गभीरध्वनिघनमुरजा ... भृङ्गी संगीतभङ्गीमनुसरति रसात्पुनरेणौ रमन्ती Manmatho. 1. 11 (422. 8)

अतिमन्दमन्दम् (ati-mandamandam) *adv.* very slowly (in speed) विदग्धयूनां पतद्भिरेभिः स्खलद्गतिरिवायतैः कटाक्षैः। इयं सुजघनातिमन्दमन्दं सखे वितनुते पदप्रपञ्चम् ChandaśCū. 3. 60 (21)

अतिमन्दरस (atimanda-rasa) *adj.* having very little flavour, extremely insipid 'विरसं' स्वभावतोऽतिमन्दरसम् (अन्नम्) CaturCin. iii(1). 608. 5.

अतिमन्दवर्षत् (atimanda-varṣat) *adj.* raining very lightly or scantily अतिमन्दवर्षदम्बुदशीकरशिशिरार्द्रसान्द्रवसनायाः । आकस्मिकागतायाः कण्ठग्रहणं फलं जनुषः SundaS. 73.

अतिमन्दवह्नि (atimanda-vahni) *adj.* whose digestive fire is extremely weak or feeble तक्रमेव वातिमन्दवह्निः सप्ताहमर्धमासं मासमपि वा ... शीलयेत् AṣṭāSaṁ. ii. 59. 6 (*on* 4. 10)

अतिमन्दशक्तित्व (atimandaśakti-tva) *n.* the characteristic of having very little force तस्मादतिमन्दशक्तित्वादस्य वचनस्य न प्रतिपद्भागत्रयविधानमुखेन चतुर्थांशव्युदासकत्वम् CaturCin. iii(2). 343. 14.

अतिमन्दाक्षमन्थरा (atimandākṣa-mantharā) *adj.* (*f.*) languid due to extreme bashfulness असूर्यम्पश्या हि कुलवधूरतिमन्दाक्षमन्थरा प्रमादाद्विगलितसिचयाञ्चला चेदालोक्यते परपुरुषेण SāṁkhyaTaKau. 471. 9 (*on* 61)

अतिमन्दाग्नि (atimandāgni) *adj.* having a very weak digestive fire वातार्तस्यदतिमिरदारुणप्रतिबोधिनः स्नेह्या न त्वतिमन्दाग्नितीक्ष्णाग्निस्थूलदुर्बलाः AṣṭāSaṁ. i. 128. 10 (1. 25)

अतिमन्दात्मन् (atimandātman) *adj.* having a very weak understanding इत्थं श्रीदेवनारायणमतिविवृतं शिल्परत्नाद्यभागम् ।... अतिमन्दात्मबोधप्रदम् ... संपूर्णं जातम् SilpaRa. i. 46. 148.

अतिमन्दान्तःसंज्ञता (atimandāntassañjña-tā) *f.* the state of having a very weak consciousness यद्यपि चोद्भिदोऽपि वृक्षादयः शरीरभेदतयात्रैव व्याख्यातुमुचिताः तथाप्यतिमन्दान्तःसंज्ञतया लौकिकापेक्षया सुखदुःखभोक्त्रधिष्ठानत्वममीषामविवक्षन् प्रायेण जङ्गमोपकारकतया तदधीनतया च विषयतां विवक्षन् तेष्वेवान्तर्भाव्य व्याख्यास्यन्ते Kiraṇā. 57. 9.

अतिमन्द्रध्वनित्व (atimandradhvani-tva) *n.* the nature of producing a very low tone अतिमन्द्रध्वनित्वेन नेष्यतेऽसौ (वंशः) विचक्षणैः SaṁgīRa. iii. 322. 6 (6. 439); अतिमन्द्रध्वनित्वाच्च न ते (वंशाः) तत्त्वविदां मताः SaṁgīRa. iii. 344. 13 (6. 559)

अतिमन्मथ (ati-manmatha) *adj.* surpassing the god of love निरूपयन्ती सा रूपं कुमारस्यातिमन्मथम् । दध्यौ विशेषसंस्थानम् SamarāSaṁ. 8. 116.

अतिमन्मथाकृति (ati-manmathākṛti) *adj.* surpassing the appearance of the god of love यदैव हंसाः प्रतिपद्य दूततां भवन्तमाख्यन्नतिमन्मथाकृतिम् Nalābhyū. 4. 52.

अतिमन्यमाना (ati-manyámānā) *adj.* (*f.*) looking down upon, neglecting, disregarding तां (प्रजाः) अतिमन्यमाना वरुणेनाग्राहयत् MaiS. ii. 5. 6.

अतिमन्यु (ati-manyu) *adj.* very furious, exceedingly angry ते म्लेच्छैः प्रेषिता नागा नरानश्वान् रथानपि । हस्तैराक्षिप्य ममृदुः पद्भिश्चाप्यतिमन्यवः MahāBhā. viii. 17. 9; viii. 1042*(5); xii. 100. 11; माण्डव्येन महाभागे शप्तो भर्ता ममेश्वरः । सूर्योदये विनाशं त्वं प्राप्स्यसीत्यतिमन्युना MārkP. 16. 74; *m.* 1 excessive anger न लेभे स तु निद्रां वै दह्यमानोऽतिमन्युना । वीक्षांचक्रे महाबाहुः MahāBhā. x. 1. 33; महारथानाम् ... । आमूललूनैरतिमन्युनेव मातङ्गहस्तैर्व्रियते न पन्थाः Kirātā. 16. 14; 2 name of Śiva नमो देवातिदेवाय धन्विने चातिमन्यवे MahāBhā. viii. 24. 45; 3 one of the ten sons of Naḍvalā and Manu मनोरजायन्त दश नड्वलायाम् ...। अतिमन्युः सुयशा दश (पुत्राः) SivaP. v. 30. 15 (440B. 4)

अतिमन्युप्रसक्त (atimanyu-prasakta) *adj.* possessing great anger संबुबोधयिषुर्मित्रं सद्रश्मिव सारथिः । अतिमन्युप्रसक्तो हि MahāBhā. xii. 83. 19.

अतिमन्युमत् (atimanyu-ma(n)t) *adj.* possessing extreme anger, very angry इति ब्रुवाणं मद्रेशं कर्णः प्राहातिमन्युमान् MahāBhā. viii. 31. 56; iii. 122. 13 (v. l.); भार्गवश्चातिगर्वितः । जग्राह विधिवत्सोममश्विभ्यामतिमन्युमान् DevīBhāP. vii. 7. 9.

अतिमम (ati-mama) cf. **अत्यस्मद्** KāśiVṛ. *on* P. vii. 2. 96; Kātan-Vṛ. *on* ii. 3. 13; BhāṣāVṛ. vii. 1. 27.

अतिममत्व (atimama-tva) *n.* extreme egotism अत्यन्तं स्वबलं रक्षेत् स्वराजबलमुत्तमम् । एतेनातिममत्वं दर्शितम् CaturDī. 4. 5.

अतिमरन्दमुग्ध (atimaranda-mugdha) *adj.* greatly maddened by honey उद्भासितेऽन्धतमसव्रज एति नाशं सूने प्रयान्त्युभयतोऽतिमरन्दमुग्धाः ।... मधुकराः PadyaVe. 829.

अतिमर्त्य (ati-martya) *adj.* superhuman हेलालोला वर्त्म गत्वातिमर्त्यं धामारोहन् मानभाजः सुखेन SiśuVa. 18. 14; कृतवान् किल वीर्याणि सह रामेण केशवः । अतिमर्त्यानि भगवान् गूढः कपटमानुषः BhāgP. i. 1. 20.

अतिमर्त्यचरित्र (atimartya-caritra) *adj.* possessing superhuman behaviour, doing superhuman deeds एवमेनमतिमर्त्यचरित्रम् (शंकरम्) ...। केरलक्षितिपतिर्हि दिदृक्षुः प्राहिणोत् सचिवम् SaṅkaDigVi.(Mā.) 5. 10.

अतिमर्त्यबल (atimartya-bala) *adj.* having superhuman strength अतिमर्त्यबला विराटशल्यद्रुपदाद्या बहवो हि सन्ति वृद्धाः Yādavā. 15. 50.

अतिमर्द (ati-marda) *m.* excessive pressing स्यात् परिमलोऽतिमर्दातिमनोहरगन्धयोश्चापि MediK. 169. 156.

अतिमर्मन् (ati-marman) *n.* most vulnerable point (on the ground plan of a building conceived as a Vāstupuruṣa) रोगाद्वायुं पितृतो हुताशनं शोषसूत्रमपि वितथात् । मुख्याद् भृशं जयन्ताच्च भृङ्गमदितेश्च सुग्रीवम् । तत्संपाता नव ये तान्यतिमर्माणि संप्रदिष्टानि BṛSaṁ. 53. 64.

अतिमर्याद (ati-maryāda) *adj.* exceeding the proper limit, excessive अतिमात्रातिमर्यादनितान्तोत्कर्षनिर्भराः AbhidhāCin. 1506; ParaNā. 1606.

अतिमर्यादम् (ati-maryādam) *adv.* beyond limits, excessively अत्यर्थमतिमर्यादमतिवेलं च कथ्यते AbhidhāRaMā. 4. 34; Vaija. 211. 131.

अतिमर्शम् (ati-marśam) *ger.* (intermingling of lines of stanzas to form complex units) by means of choosing them from different units अतिमर्शमेव विहरेत्तथा वै प्रगाथाः कल्पन्ते AitBr. 30. 2 (769) (Sāy. अतिमर्शं अतिमृश्य अतिमृश्य); GopBr. ii. 6. 8.

अतिमल (ati-mala) *m.* excessive dirt रौक्ष्यादतिमलात् स्वेदात् चिन्तया शोचनादपि ।... यूका भवन्ति HāriS. iii. 5. 3.

अतिमलक्षय (ati-malakṣaya) *m.* excessive discharge of faeces शोकोऽभिघातोऽतिमलक्षयश्च निरन्नता चानिलगुल्महेतुः CaraS. vi. 5. 9 (1941 Ed.)= RugVi. 28. 6.

अतिमलावलिप्त (atimalāvalipta) *adj.* excessively smeared with faeces वर्चोगृहे कृमिरिवातिमलावलिप्ते शुद्धिः कथं भवति तस्य जलप्लुतस्य Subhā-RaSaṁ. 747.

अतिमलिन (ati-malina) *adj.* **A i** very dirty, very filthy मूर्खः स्थूलनखद्विजोऽतिमलिनः ... भास्करिः Sārā. 4. 27; अतिमलिनपटच्चराच्छादितान् ... ध्वजानिव ... लेखहारकान् ... आलोक्य Kād. 331. 22; नीरागोऽधरपल्लवोऽतिमलिना वेणी SṛṅgāTi.(Ru.) 2. 89; नरयानस्थिता ययौ । (एकावली) स्कन्धावारेऽतिमलिना DevīBhāP. vi. 23. 56; एवंविधोऽतिमलिनो देहो यत्सत्तया चलति PraboSu. 1. 27; **A ii** excessively defiled, very wicked अतिमलिने कर्तव्ये भवति खलानामतीव निपुणा धीः VāsaDa. 6. 1 = SārṅgaPa. 350; Subhāṣi. 328; तथा तत्तत्पापैरतिमलिनमन्तर्मम यदि ĀnandL. 12; असमञ्जसमतिमलिनं मोहाद् व्यक्ति समागतं कर्म KalāVi. 2. 70; नित्यमेवातिमलिना ... तृष्णा गह्वरवल्लरी YogVā. i. 17. 20; वासना द्विविधा प्रोक्ता शुद्धातिमलिना तथा ।... मलिना जन्मकारणम् SārṅgaPa. 4197; **B** extremely dark or black कज्जलमिवातिमलिनं केवलमयशः संचितम् HarṣaC. 257. 1; नित्यमेवातिमलिना कटुकोन्माददायिनी ।... गह्वरवल्लरी YogVā. i. 17. 20; अतिमलिनैः ... तालमहीरुहैः अभिगुप्तम् (अभिनवनगरमाससाद) ĀnandRa. 3. 25 (8); अतिमलिनैः घनैः निर्मेलोऽपि चन्द्रमाः ...न रराज ĀnandR. 5. 51 (13)

अतिमलिनख्याति (atimalina-khyāti) *adj.* whose fame is very much tarnished ओजस्ये रुद्रदेवे विभवति ... वैरिव्राता भजन्ते वनमतिमलिनख्यातयो देहविद्धाः PratāYaBhū. 349. 1.

अतिमलिनच्छाय (atimalina-cchāya) *adj.* having a very dark colour रूक्षश्याममुरस्य चातिमलिनच्छायस्य धृष्टस्य च ... येयं निम्बफलेषु काक भवतः ... प्रीतिः SārṅgaPa. 884.

अतिमलिनता (atimalina-tā) *f.* excessive blackness यात्रायां यस्य खेलत्तुरगखरखुरोत्खातधूलीभरेण प्रापुर्वर्षाभ्रलक्ष्मीमतिमलिनतया शारदास्तोयवाहाः SaduktiKa. 211. 20.

अतिमलिनाय (ati-malināya-) [*denom.*] to become extremely sullied or dejected अयं यदि महात्मना वितरणाय धत्ते धियम् ... तदातिमलिनायते स किल कल्पभूमीरुहः VīraMi.(Saṁskāra.) 121. 22.

अतिमलीमस (ati-malīmasa) *adj.* [*f.* -ā] **i** very impure अतिमलीमसानाम् ... लोहजातीनाम् ... मलशोधनाय देवो हुताशन एव मे शरणम् AvantiKa. 122. 14; **ii** extremely defiled or wicked ननु कर्मभिरेवाहं हसितातिमलीमसैः PadmP.(Ra.) 16. 156; त्यजेन्मृगव्यव्यसनं हिंसयातिमलीमसम् CāruCaS. 28; मलिनेन कर्मणातिमलीमसांस्तर्जयितान्नकः स्वकान् DvyāśraKā.

18. 72; एषामालक्ष्य गतिमतिमलीमसाम् … महर्षयः … अमरान् भूयोऽपि लज्जयांचक्रिरे NīlaVi. 41. 9.

अतिमसृण (ati-masṛṇa) *adj.* [*f.* -ā] **i** very soft, very smooth लम्बिताभिरतिमसृणघनसटाभिरुद्भासितेन बन्धुरा स्कन्धेन (अवेक्ष्यतामियं तुरगी) UdaySuKa. 124. 10; 'अतसी' उमासंज्ञिका तैलप्रकृतिभूतानामतिमसृणानां चिपिटाकृतीनां बीजानामुत्पादिका ओषधिः CaturCin. iii(1). 548. 18; **ii** very affectionate अतिमसृणा चान्द्रान्मयूखादपि…मयि कृपादृष्टिस्तवास्तां हरे ĀnaMandā. 13.

अतिमसृणत्व (atimasṛṇa-tva) *n.* the state of being very smooth (in an alliteration called *śrutyanuprāsa*, caused by the use of sounds having the same place of articulation in close succession) अत्र दन्त्यवर्णप्रायतयातिमसृणत्वे शिलातलेष्विति दन्त्यवर्णाभ्यामेव वर्णस्तोमो दत्तः SaraKaṇṭhā. 231. 15.

अतिमसृणित (ati-masṛṇita) *adj.* rendered extremely smooth अतिमसृणितपृष्ठः स्फीतपट्टाम्बरौघैः प्रबलकरटिसंघोऽवेदि घण्टारवेण VīraBhā. 11. 16.

अतिमसृणीकृत (atimasṛṇī-kṛta) *adj.* [*f.* -ā] rendered very smooth (खल्वः) चतुरङ्गुलनिम्नश्च मध्येऽतिमसृणीकृतः RasRaSa. 9. 86; RasPraSu. 1. 27; (मूषा) मृन्मया सापि शुष्का च मध्येऽतिमसृणीकृता RasPraSu. 1. 110.

अतिमसृणोपल (atimasṛṇopala) *m.* very smooth stone खल्वोऽतिमसृणोपलः RasRaSa. 9. 86.

अतिमहत् (ati-mahat) *adj.* [*f.* -tī] [MahāBh. i. 183. 24 (*on* P. i. 1. 72); MahāBh. ii. 201. 15; Vār. 2 *on* P. iv. 1. 4; ii. 202. 1 (*on* P. iv. 1. 6); KāśiVṛ. *on* P. iv. 1. 4; (अतिमहती) महान्तमतिक्रान्तेति प्रादिसमासः Pradī. iv. 32B. 8 (*on* P. iv. 1. 4); PadMañ. (*on* P. iv. 1. 6); JaineVyā. 150. 28 (*on* iii. 1. 4); 151. 2 (*on* iii. 1. 6)] **1** very big, large, huge, great, heavy (size) **2 A** strong, powerful, mighty **B** important, valuable, noble **C i** great, violent (events) **ii** intense, excessive, sharp (feeling, emotion) **D** loud (sound) **3 i** vast, extensive (space) **ii** wide **iii** tall **iv** thick **v** broad **4** numerous, abundant, ample, copious, maximum **5** of long duration (time) **1** very big, large, huge, great, heavy (size) तदा सातिमहद्रूपं कृत्वा … । आकाशादपतद्राम शिवे शिवसिरस्युत Rāmā. i. 42. 4; चकर्ष देहं कंसस्य रङ्गमध्ये महाबलः (कृष्णः) । गौरवेणातिमहता परिघा तेन कृष्यता । कृता कंसस्य देहेन ViṣṇuP. v. 20. 89; अतिमहदुपरोधवैशसमुपरि पौराणां परिवर्तमानमसहमाने … सर्वार्थसिद्धौ MudrāRā. 2. 14(2); पश्यतु देवः पुरुषस्य हि सेवां प्रति … अभिमुखीक्रियमाणस्य … परमार्गणयोग्यामतिमहतीं वावस्थामापश्यतः किं प्रायश्चित्तम् HarṣaC. 297. 7; देवोऽपि … नगराद्बहिरतिमहतो रोहिणद्रुमस्य … तले द्विरदादवततार DaśKuC. 39. 17; अस्य च साम्प्रतम् । शिरश्छिन्देऽतिमहन्मायायोषिद्वपुः प्रभुः SkandP. ii(9). 13. 28; अल्पेन हि न्यग्रोधबीजेनारब्धो न्यग्रोधतरुर्महान् ततोऽतिमहता वा नारिकेलबीजेनारब्धो नारिकेलतरुरल्पः TātpaṬ.(Vā.) 465. 13 (*on* ii. 2. 41); BrahmP. 193. 75; तस्यातिमहतः … मध्ये सुरालयस्य प्रतिष्ठितम् (अम्बिकाकान्तं नमस्कृत्य) UdaySuKa. 104. 16; सुवर्णपरिकल्पितान्यतिमहान्ति पात्राण्यदात् EI. iii. 14. 21; मध्यो यवो नातिसूक्ष्मो नातिमहान् ManvaVi. 954. 10 (*on* 8. 134); अतिमहति भवोर्मीमालिनीह भ्रमन्तः … । कथमपि पृथुपुण्याः प्राणिनः प्राप्नुवन्ति प्रवहणमिव केचिच्छासनं तावकीनम् S'rīVīraSta. 17; किमचलशिरोऽतिमहदिति वज्रमणीयो न दारयति SūktiRa. 99. 22; अतिमहान् गिरिरेष तु वामके करसरोरुहि तं धरते चिरम् Nārāy. x. 63. 6; स च हिरण्मयमुन्नतमास्थितो रथमराजत राजतकेतनम् । अतिमहानिव जम्बुमहीरुहः स्फटिकशृङ्गममर्त्यमहीधरम् Rāgh. 19. 4; **2 A** strong, powerful, mighty बन्धुवैरिजनायते … जाते पुण्यनिवर्तनेऽतिमहतामर्थोऽप्यनर्थायते S'atTrayī. 613; बलेन वित्तेन पराक्रमेण च महीपतिभ्योऽतिमहान् महीपतिः VarāṅgaC. 21. 64; तेजस्विनोऽतिमहतः क्वचनापि नूनं तीक्ष्णे मृदौ च न विहन्यत एव शक्तिः HarVi. 45. 26; अत्याहारस्तु दैत्योऽतिमहानतिबलान्वितः । अरिष्टः … कृष्णम् … अभ्ययात् HariC.(Pa.) 129; **2 B** important, valuable, noble तत्र पश्यामहे कर्म शल्यस्यातिमहद्रणे MahāBhā. ix. 15. 9; तदलमतिविस्तरेण प्रसङ्गवादार्थनिर्णयोऽतिमहान् BṛSaṁ. 1. 8; अतिमहद्भिः पूर्वाचार्यैः …घटिताया: AvantiKa. 13. 14; वार्तेयमतिमहती DaśKuC. 67. 17; इदमतिमहदेवाश्चर्यमाश्चर्यधाम्नस्तव खलु मुखरागो यत्र भेदं प्रयातः S'iśuVa. 11. 31; आदेशं प्रत्यतिमहानथात इति संभ्रमः BṛĀraUBhVā. ii. 3. 236; यः सावसरोऽपि रसो निरन्तरं नीयते प्रबन्धेषु । अतिमहतीं वृद्धिमसौ तथैव वैरस्यमायाति Kāvyālaṅ.(Ru.) 11. 14; हीनस्य हीनगुणोऽपि सादृश्याद् ग्रहीतव्यः (साक्ष्ये) । …एतच्च नातिमहति कार्ये द्रष्टव्यम् ManuBh. ii. 105. 16 (*on* 8. 68); अतिमहती ह्येषा पूजा । न तां सर्वः क्षत्रियोऽर्हति ManuBh. i. 257. 16 (*on* 3. 109); तातोऽपि आगत्य मातुर्मे भवनम् … अतिमहान्तमुत्सवमकारयत् TilaMañ. 263. 20; किमियमैश्वर्यमदनिश्चेतना वितन्यमानमतिमहान्तमपि त्वया पूजोपचारं पश्यति (श्रीः) TilaMañ. 49. 18; **2 C i** great, violent (events) यत्र धर्मः प्रतिषिध्यते यत्र धर्मी सोऽयमतिमहान् विशेषः NyāyVār. 180. 13 (*on* i. 2. 56); मानसारेण … मगधराजस्य … अतिमहत् … जन्यमजनि AvantiKa. 172. 1; एते प्राणिनः क्षुद्रजन्तवो येषां वधे प्राणायाम उक्तः । तदपेक्षयोपवासोऽतिमहान् ManuBh. ii. 413. 27 (*on* 11. 42); कश्यपाख्यो द्विजः पूर्वमसिस्तीर्थद्वये शुभे । स्नात्वातिमहतः पापाद्विमुक्तो नरकप्रदात् SkandP. iii(1). 41. 2; पुष्करावर्तजलद इव संवर्तकालमारुताहतो वेगमतिमहान्तमतनोत् (गन्धवारणः) TilaMañ. 242. 10; ततः प्रवृत्ते तत्र संग्रामोऽतिमहांस्तयोः KathāSaSāg. viii. 6. 87; इत्थमिमान् वारिधरान् … सलिलम् । स्यन्तरतो वा स्वेच्छं प्रवर्षयेदतिमहच्चित्रम् SamarāSū. 31. 147; अतिमहति सांपराये PraboCan. 5. 3 (83. 17); अतिमहत्येव दुःखहेतौ मनः श्लथीकृत्याश्वसन्ति महान्तः BhartṛNi. 2. 11(1); एते (मीमांसकाः) सांख्यानुगा वेषात् तत्त्वेऽतिमहती भिदा ṢaḍdarSa.(Rā.) 68; कष्टमतिमहति संकटे पतितोऽसि AdbhuDa. 6. 17(6); स्थितोऽसि चिरात्राय हिताय जगतामिह । महामतेऽतिमहते द्विषतामहिताय च ParamāKā. 40. 9; कालस्यापि सत्ताप्रदत्वेनातिमहतीं स्वरूपत्वेन स्थितां सत्ताम् … भजति (शिवः) Bhāsk. i. 299. 23 (*on* i. 6. 1); **2 C ii** intense, excessive, sharp (feeling, quality) अतिमहान् खल्वायासः Prati. 6. 8(11); सोऽयं द्रव्यान्तरानुत्पत्तावतिमहान् व्याघातः NyāyBh. 294. 18 (*on* iv. 2. 14); अहो परवञ्चनायामतिमहन्नैपुणम् KundaMā. 4. 22(2); आस्तां जनपरीवादो दोषोऽप्यतिमहान् मम । परपुंसा हृता सीता यत्पुनर्गृहमागता PadmP.(Ra.) 97. 40; आसन्नसेवा नृपतेः क्रीडा शस्त्राहिपावकैः । कौशलेनातिमहता विनीतैः सा निरुध्यते AṣṭāSaṁ. i. 55. 6 (1. 8); (हरिवाहनः) आपतंश्च प्रकृतिदुर्विलङ्घ्ये दीर्घकालमध्वनि क्लेशमतिमहान्तमासादयिष्यतीति शङ्कितवान् TilaMañ. 196. 17; अनेन ते … हर्षाट्टहासेन जनितमतिमहत्कुतूहलं मे TilaMañ. 49. 7; केन संक्रमिता कृतिना … इयमङ्गहाराणां गतिः । अतिमहत् कुतूहलं मे TilaMañ. 270. 13; प्रायः पथ्यपराङ्मुखा विषयिणो भूपा भवन्त्यात्मना निर्दोषान् सचिवान् भजत्यतिमहान् लोकापवादज्वरः TāpaVa. 1. 5 = AlaṅkāSa. 129. 21; SūktiRa. 82. 30; तव … । तेजस्वितातिमहती तथैव सुकुमारता BhaviP. 117A. 33 (i. 66. 26); उदयसुन्दरी … सदृशं संदेशमुक्त्वा तमतिमहता प्रश्रयेण विससर्ज (दम्भोलिम्) UdaySuKa. 145. 3; अतिमहतः प्रणयाच्च राजपुत्रः ।…चिरं ललाप VikraDeC. 6. 8; अनादृत्यौचित्यं ह्रियमविगणय्यातिमहतीम् …धनलवबुराशातरलिताः ।… धनिनां मुखानि प्रेक्ष्य(? क्ष)न्ते SubhāRaK. 42. 4; राजा … । प्रसादेनातिमहता संभाष्य विससर्ज तम् TriṣaS'aPuC. i. 4. 245; क्ष्मापालाः … श्लाघ्यां दिक्षु विदिक्षु चातिमहतीमासादयन्ति क्षणात् CaturCin. iii(1). 5. 12; महाब्राह्मणाः … महाजनानामादरमतिमहान्तमनुरुन्धानाः समादिशन्ति AdbhuDa. 1. 5(7); **2 D** loud (sound) तस्या नादेन घोरेण कृत्स्नमापूरितं नभः । अमायतातिमहता प्रतिशब्दो महानभूत् MārkP. 82. 32; सुरासुराणां संमर्दस्तस्मिन्नत्यन्तदारुणे । तुमुलोऽतिमहानासीत् सेनयोरुभयोरपि । गर्जतां देवदैत्यानां शङ्खभेरीरवेण च । … तुमुलोऽतिमहानभूत् MatsyaP. 149. 1–3; बभ्राम … अतिमहान् निनादः AvantiKa. 95. 18; **3 i** vast, extensive (space) नातिमहतो दुकूलवितानस्य Kād. 9. 2; (प्रियङ्गुसुन्दरी) अकारयद्दिव्यशक्त्या शिखरभूमावस्य … अतिमहान्तमारामम् TilaMañ. 408. 7; **3 ii** wide एतस्मिन्नतिमहति शब्दस्य प्रयोगविषये ते ते शब्दास्तत्र तत्र नियतविषया दृश्यन्ते MahāBh. i. 9. 24 (*on* P. i. 1. 0); अमी च तथ्या नामातिमहान्तो वेदग्रन्था इत्यत्येव पर्यवसिता इति NyāyMañ. ii. 92. 27; **3 iii** tall संजज्ञे रत्यर्थं पृथिवीतले । द्रुपदस्य कुले कन्या वेदिमध्यादनिन्दिता । नातिह्रस्वा न महती (v. l. नातिमहती) MahāBhā. i. 61. 96; अतिमहती भित्तिश्च मारीगृहे UdaySuKa. 80. 14; **3 iv** thick प्रधानदन्ती … अतिमहत्कान्तारं प्रविष्टः TilaMañ. 184. 9; अरिनृपाः … आरुह्याद्रीन् विशन्तो गहनमतिमहत् कण्टकाक्लिष्टकेशाः PratāYaBhū. 234. 4; **3 v** broad अतिदीर्घजिह्वा गुल्फैरतितनुभिरतिमहद्भिर्वा । … नेष्टाः (गावः) SārṅgaPa. 2829; **4** numerous, abundant, ample, copious, maximum अहं तद्धनमतिमहदकृच्छ्राद्धिगमिष्यामि KāmSū. 65. 14 (1. 5); सद्यः फलमपि महत् (v. l. अतिमहत्) कामुकत्वस्य लब्धा MeghDū. 24; भागनवत्या राहोश्चन्द्रोऽन्तरितोऽतिमहति विक्षेपे PañcSi. 3. 31; अतिमहतः शबरसैन्यस्य Kād. 29. 20; धूमिनी … अवन्तिराजानुग्रहादतिमहत्या भूत्या तस्मिन् देशे न्यवसत् DaśKuC. 109. 10; चौरसेनातिमहती रुरोध शरवर्षिणी KathāSaSāg. ii. 2. 187; अपहरसि सदा मनांसि पुंसामतिमहता गुणसंपरिग्रहेण । न च भवसि तथाप्यनेकचित्तः Subhāṣi. 2491; दण्डग्रहणेनैव तच्छेषस्योपादानात् पुनस्तद्ग्रहणमतिमहति दण्डे दातव्यमिति VīraMi. 469. 7 (*on* 2. 47); **5** of very long duration (time) नातिमहता व्यायामेन CaraS. i. 15. 12; इति तन्मूलमतिमहतीं कथामकरोत् DaśKuC. 82. 21; वैवस्वतेऽतिमहति वारुणे वितते क्रतौ । जुह्वानस्य ब्रह्मणो वै प्रजासर्ग इहोच्यते BrahmP. 3. 107; देव त्वद्भक्तिहीनानां तपांस्यतिमहान्त्यपि । अबोद्धृणामिव ग्रन्थाभ्यासः क्लेशाय केवलम् TriṣaS'aPuC. i. 3. 483; देव अतिमहदरित वक्तव्यमनेन AdbhuDa. 4. 4(36)

अतिमहत्तर (ati-mahattara) *adj.* **i** very great or eminent किमर्थं मां प्रार्थयन्तो भवन्तोऽतिमहत्तराः GaṇeP. ii. 22. 19; **ii** extensive, large सितासितसरित्प्रमुखमहातीर्थराशेरतिमहत्तरमिदं मरकतनामकं सरः पारलौकिकसुखसाधनमिति Mukundā. 170(10); *m.* headman of a village दलाढकः कुञ्जरकर्णकुन्द-

चाम्पेयफेनातिमहत्तरेषु KośaKaTa. 2. 3786.

अतिमहत्ता (atimahat-tā) *f.* excessive largeness दहराकाशस्यातिमहत्तामभिधायोभे अस्मिन्द्यावापृथिवी अन्तरेव समाहिते S'rīBh. 299. 5 (*on* i. 3. 13)

अतिमहत्त्व (atimahat-tva) *n.* **A** extreme extensiveness or largeness अप्रमेयस्येयत्तया परिमातुमशक्यस्यातिमहत्त्वात् ManuBh. i. 6. 10 (*on* 1. 3); दहराकाशस्यातिमहत्त्वसर्वाश्रयत्वाजरत्वसत्यत्वाद्यभिधाय VedāntDī. 49. 4 (*on* i. 3. 13); उत्तरत्र दहराकाशस्य सर्वाधारतयातिमहत्त्वमभिधाय VedāntSā.(Rā.) 92. 2 (*on* i. 3. 13); न हि कामवज्जीवकर्तृकव्यापनक्रियाकर्मत्वं ब्रह्मणि सम्भवति। अतिमहत्त्वात् AṇuBh. 26. 15 (*on* i. 1. 11); 282. 26 (*on* iii. 4. 21); तस्यैश्वर्यमनवच्छिन्नमतिमहत्त्वम् VīraMi.(Bhakti.) 150. 18; परिमितिः कथिता परमाणुताप्रभृति चातिमहत्त्वमिहोदिता Vidvanmo. 4. 25; **B i** great severity or seriousness अतिमहत्त्वात्प्रायश्चित्तस्य समुदायवधे प्रायश्चित्तमेतत् ManuBh. ii. 409. 25 (*on* 11. 130); ii. 413. 14 (*on* 11. 141); दण्डस्यातिमहत्त्वादभ्यासविषयमेतदित्याहुः DaṇḍaVi. 102. 2; **B ii** very large amount बुद्धिपूर्वकविषयमेतत् दण्डदाप्यद्रव्ययोरतिमहत्त्वात् SmṛtiCan. iv. 515. 3.

अतिमहनीय (ati-mahanīya) *adj.* very excellent अहो अतिमहनीय एवायमुदभारः यदविरलजनतावगाहनेनापि न कलुषीभवति RasSa. 33(2)

अतिमहस् (ati-mahas) *adj.* highly lustrous नायं नलः खलु तवातिमहा न लाभो यद्येनमुज्झसि NaiṣC. 13. 34.

अतिमहस्क (atimahas-ka) *adj.* highly lustrous अतिमहस्कमहस्करमण्डलम्। अजनि···उज्ज्वलम् MadhuVi. 5. 43.

अतिमहागच्छ (atimahā-gaccha) *m.* very large congregation पृथक्पृथग्वसत्यां तौ तस्थतुः सपरिच्छदौ। तयोरतिमहागच्छस्ततो नैकत्र सङ्गमः PariPar. 11. 25.

अतिमहागुण (atimahā-guṇa) *adj.* **A** of a very high quality ज्योतिष्मन्तः शुभ्रा गुरवोऽतिमहागुणाश्च पारशवाः BṛSaṁ. 81. 5; **B** leading to a great benefit (curing a disease) चिकित्सितस्यातिमहागुणस्य य एवमाधारतया प्रतीतः। स एव सम्यक्पुरुषाभिधानो निगद्यते KalyāKā. 7. 2.

अतिमहाघोर (atimahā-ghora) *adj.* extremely terrible प्रायादतिमहाघोरं यमक्षयमहोदधिम् MahāBhā. vii. 131. 124.

अतिमहाचिति (atimahā-citi) *f.* great consciousness महाशुद्धचितित्वेन ततोऽप्यतिमहाचितिः AnuVyā. 67B. 7 (*on* 4. 2)

अतिमहादर (atimahādara) *m.* very great respect कुमारोऽयम् ··· सन्मान्योऽतिमहादरात् KumāDeC. 3. 18.

अतिमहादिक (atimahādi-ka) *adj.* beginning with the word *atimahat* अस्त्रमक्षरशस्तत्तु नारसिंहं महादिकम्। तत्र स्वरप्रातिलोम्यादस्त्रं त्वतिमहादिकम् AhirbuS. 56. 44.

अतिमहाद्भुत (atimahādbhuta) *adj.* extremely wonderful वृत्रस्य कर्मातिमहाद्भुतं तत्सुरासुराश्चारणसिद्धसंघाः। अपूजयन् BhāgP. vi. 12. 5.

अतिमहानाह (atimahānāha) *m.* exceedingly high swelling (of the abdomen) (मदनसंजीवनः) हन्यात् ··· रक्तार्शः पित्तगुल्मं सततमतिमहानाहमन्तर्विदाहम् RasRaSa. 27. 92.

अतिमहानुभाव (atimahānubhāva) *adj.* extremely noble or dignified अतिमहानुभावः खलु कुमारो येनैवमविज्ञायमाने क्षणदृष्टेऽपि जने परिचयमनुबध्नाति HarṣaC. 49. 3.

अतिमहान्धकार (atimahāndhakāra) *adj.* full of very intense darkness ममत्वगर्तेऽतिमहान्धकारे विभ्रामयत्येतदतीव विश्वम् MārkP. 91. 29.

अतिमहापाप (atimahā-pāpa) *n.* very great sin बालानां हितकामिनामतिमहापापैः पुरोपार्जितैः ··· न्यायोऽयं मलिनीकृतः कथमपि प्रक्षाल्य नेनीयते NyāyVi. 2. 2.

अतिमहाप्रमाण (atimahā-pramāṇa) *adj.* of a very large size अतिमहाप्रमाणवज्रमणिशिलामयम् ··· महावीरजिनवरस्य ··· बिम्बमद्राक्षम् TilaMañ. 275. 13.

अतिमहाप्रयोजन (atimahā-prayojana) *adj.* having a very great purpose इदं त्वतिमहाप्रयोजनमवहितैः श्रोतव्यमिति ManuBh. ii. 114. 25 (*on* 8. 97)

अतिमहाप्रसङ्ग (atimahā-prasaṅga) *m.* exceedingly violent sexual intercourse संतापगर्भपतनातिमहाप्रसंगात् योन्यां प्रवृत्तम् ···रक्तम् ···स्त्रीणामसृग्दर इति प्रवदन्ति सन्तः KalyāKā. 9. 30.

अतिमहाप्रौढ (atimahā-prauḍha) *adj.* highly mature देवो योगिनीचक्रम्। ददर्शातिमहाप्रौढं गाढकार्यस्य साधनम् SkandP. iv. 44. 59.

अतिमहाबल (atimahā-bala) *adj.* possessed of very great strength सः ··· हनूमान् ···। मुष्टिं संवर्तयामास बलेनातिमहाबलः Rāmā. vi. 64. 15; स सज्जमानोऽतिमहाबलः।··· मांधातृपुत्रो भुवनैकजेता SkandP. i(1). 29. 12; भार्यायां चन्द्रकान्तायाम् ··· उदपादि सः। नाम्ना महाबल इति बलेनातिमहाबलः TriṣaS'aPuC. i. 1. 241; i. 4. 550; गणास्सर्वे ··· शंकरस्य ··· अक्रुध्यन्नतिमहाबलाः S'ivaP. ii(2). 30. 16 (107A. 9)

अतिमहाबलिन् (atimahā-balin) *adj.* extremely powerful or strong ब्रह्मलब्धवरो दैत्यस्तारकोऽतिमहाबली। आक्रान्तं तेन त्रैलोक्यम् GaṇeP. i. 84. 15.

अतिमहाभीम (atimahā-bhīma) *adj.* extremely terrible or dreadful तस्मिन्नतिमहाभीमे सेनयोर्वै पराक्रमे।··· मेदिनी समकम्पत MahāBhā. vi. 111. 3; तस्मिन्नतिमहाभीमे राजन्वीरवरक्षये।···न न्यवर्तन्त कौरव्याः MahāBhā. vi. 113. 11; तस्यां चातिमहाभीमं विषाग्निश्रितवारिकम्। ह्रदं कालियनागस्य ददर्श ViṣṇuP. v. 7. 3; तस्यां चातिमहाभीमम् ··· ह्रदम् ··· ददर्शातिभीषणम् BrahmP. 185. 3.

अतिमहाभुज (atimahā-bhuja) *adj.* having very long arms रूपेणानेन चरति पाकलः ··· दारितास्यो महाहस्तश्चिपिटोऽतिमहाभुजः Hastyāyur. 703. 24 (4. 35)

अतिमहामूल्य (atimahā-mūlya) *adj.* very costly or valuable अथ वाराणसीं गत्वा यज्ञगुप्ताय सा ददौ। रत्नं नातिमहामूल्यम् BṛKathāS'loSaṁ. 22. 235.

अतिमहायाससाध्य (atimahāyāsa-sādhya) *adj.* to be accomplished with great exertion न हि कश्चित् प्रयोजनादिसन्देहेऽतिमहायाससाध्ये प्रवर्तते NyāySu.(Ja.) 11B. 6 (*on* i. 1. 1)

अतिमहायोनि (atimahā-yoni) *f.* vagina of a very large opening विवृतातिमहायोनिः सूचीवक्त्रातिसंवृता SuśruS. vi. 38. 19.

अतिमहारम्भ (atimahārambha) *m.* great undertaking तात किमेवमतिमहारम्भपरिग्रहणेन गरिमाणमारोप्यते बलादतिलघीयानप्यहितः HarṣaC. 253. 13.

अतिमहारौद्रा (atimahā-raudrā) *adj.* (*f.*) extremely terrific तत्तापतप्ता सर्वाशा प्रोद्यदिन्दुसमप्रभा। विभात्यतिमहारौद्रा दर्शनस्पर्शनादिषु MārkP. 12. 5.

अतिमहार्ह (atimahārha) *adj.* exceedingly precious अतिमहार्हपद्मरागालोकलोहितीकृतदिवसं च तरङ्गकं नाम कर्णाभरणम् ··· प्राहिणोत् HarṣaC. 293. 15; राजा तु तां श्रुत्वा संजातविस्मयः सहर्षमासन्नवर्तिनमतिमहार्हहेमासनोपविष्टम् ··· अमात्यम् ··· अब्रवीत् Kād. 12. 22.

अतिमहावकाश (atimahāvakāśa) *adj.* very extensive अतिमहावकाशकुक्षेर्माणिक्यमण्डपस्यैकदेशम् ··· अध्यासितवती (अहम्) TilaMañ. 266. 1.

अतिमहावीर (atimahā-vīra) *m.* very great warrior धावन्ति स्मरभूपतेरतिमहावीराः समीरा अमी PadyaVe. 639.

अतिमहावृद्ध (atimahā-vṛddha) *adj.* very old सती ददर्श पुरतो व्याधिसंघान् ··· वयसातिमहावृद्धान् BrahmVaiP. i. 15. 27.

अतिमहावृष्टि (atimahā-vṛṣṭi) *f.* very heavy shower आसारोऽतिमहावृष्टौ S'abdaRa.(Vā.) 4093.

अतिमहावेग (atimahā-vega) *adj.* of very great speed शरैरतिमहावेगैर्वेगवान् रावणात्मजः। सौमित्रिमिन्द्रजिद्युद्धे विव्याध Rāmā. vi. 75. 16.

अतिमहाशन (atimahāśana) *adj.* eating too much प्रतान्तभोक्तुर्विषमाशिनश्च तोयातिपस्यातिमहाशनस्य। विरोध्यजीर्णाधिविभोजनस्य वह्निः प्रशाम्यत्यपि चान्नकाले KāśyaS. 204B. 42.

अतिमहाशब्द (atimahā-śabda) *m.* extremely great sound ततः पूरयता तेन भज्यमानं बलाद्धनुः। चकारातिमहाशब्दं मथुरा तेन पूरिता BrahmP. 193. 15.

अतिमहासत्त्व (atimahā-sattva) *adj.* exceedingly noble तुष्टाः पौरजनाः ··· ऊचुः ··· अतिमहासत्त्वोऽयमस्मत्स्वामी Pañcā. 54. 17.

अतिमहासागर (atimahā-sāgara) *m.* very great ocean राज्ञः ··· अतिमहासागरमध्यगतस्य सुखनिद्रापरवशात्मनः ··· देवस्य दानवारेरिवातर्कित एव भूयाञ्जगाम कालः TilaMañ. 20. 5.

अतिमहासैन्य (atimahā-sainya) *adj.* having a very large army तेन गत्वोक्तवृत्तान्तः स्वल्पैरेव दिनैश्च सः। तद्युक्तोऽतिमहासैन्यः किरातपतिराययौ KathāSaSāg. xii. 35. 107.

अतिमहितर (ati-mahitara) *adj.* very excellent व्याख्यात्येवं द्विजकुलवरे माधवीयांश्च धर्मान्। विष्णवादीष्टानतिमहितरान्व्याधपृष्टान्समस्तान् (वटो भूमौ पपात) SkandP. ii(7). 20. 94.

अतिमहिता (ati-mahitā) *adj.* (*f.*) greatly honoured जाता श्रीमहितान्वयेऽतिमहिता श्रीसोयराम्बा परा ParamāKā. 8. 54.

अतिमहिमन् (ati-mahiman) *adj.* possessing great prowess अगुरतिमहिमानीतस्ततो रविमहांसि गुरुतमहिमानीतः Nalo. 2. 5; *m.* very great power अखिलमतिमहिम्ना लोकमाक्रान्तवन्तं हरिरिव हरिदश्वः साधु वृत्रं हिनस्ति S'iśuVa. 11. 56.

अतिमहीयस् (ati-mahīyas) *adj.* (*comp.*) very great, very big न पश्यसि पुरः प्रातरेवाद्य गत्वा स्वयमिह नीतस्य कस्याप्यतिमहीयसः क्षत्रियक्षितिपसूनोरागमनमार्गम् TilaMañ. 373. 9; एतदतिमहीयसो मोहस्य विलसितं यस्मादेवमुत्पद्यते

विवेकिनामप्येकहेलयैव परिभ्रंशो मते: UdaySuKa. 31. 19; अशंकितं निगीर्णोऽस्मि मत्स्येनातिमहीयसा KathāSaSāg. xii. 7. 199.

अतिमहोष्मता (atimahoṣma-tā) *f.* very high temperature or excessive heat स्वेदावरोधपरितापशिरोऽङ्गमर्दनिश्वासदेहगुरुतातिमहोष्मता च । यस्मिन्भवन्ति…सोऽयं भवेज्ज्वर: KalyāKā. 9. 51.

अतिमहौजस् (ati-mahaujas) *adj.* possessed of great valour ज्ञानविज्ञानपारज्ञा निषिध्यन्ते कथं नृभि: । दृश्यते चातिमाहात्म्यं तेषामतिमहौजसाम् AnuVyā. 51A. 3 (*on* 3. 3)

अतिमह्यम् (ati-mahyam) *adj.* cf. **अत्यस्मद्** KāśiVṛ. *on* vii. 2. 92; *on* vii. 2. 98; KātanVṛ. *on* ii. 3. 12.

अतिमांस (ati-māṁsa) *n.* excessive flesh अतिकार्श्यादतिमांसमेदो° … दुर्योगातियोगावुत्पद्येते KāśyaS. 156A. 33; *adj.* [*f.* -ā] very fleshy (मालव्य:) दीप्ताक्षं सत्कपोलं समसितदशनं नातिमांसाधरोष्ठम् BṛSaṁ. 69. 10; शिराले शुष्के जङ्घे रोमशे चातिमांसे … दु:खितानाम् BṛSaṁ. 70. 17; राजकेसरिकिशोरकस्येवातिमांसकोमलांसदेश: AvantiKa. 124. 11.

अतिमांसल (ati-māṁsala) *adj.* [*f.* -ā] **i** very fleshy पूर्णाङ्गो नातिमांसल:…एवं गणाधिपश्चण्ड: PāraS. 11. 12; कपोलवर्णान्तयुतोऽतिमांसल: । व्रणस्स रोहत्यतिशुद्धलक्षण: KalyāKā. 11. 55; यस्यातिकोमलतरावतिमांसलौ च … इह पाणिपादौ … तस्याधिकं धनम् KalyāKā. 1. 41; **ii** very pulpy कपित्थबिल्वौ पीयूषकल्पान्यतिमांसलानि फलान्यनस्थीनि सदा दधाते S'ārṅgaP. 2237; **iii** very thick परस्परसंपर्किणातिमांसलेन हसितनीलीरसनीलिम्ना प्रभाप्लवेन निर्विभागानामिव…कदलीगृहाणामन्तरेण स्तोकान्तरमतिक्रम्य TilaMañ. 227. 20; निर्ययु: । बाष्पाम्भसस्तयोर्धाराश्चिरं तत्रातिमांसला: VikraDeC. 4. 93; चक्षुर्लग्नमिवातिमांसलमसीवर्णायते यन्नभ: SubhāRaK. 28. 4; **iv** very intense ज्योतींषि रात्रिरतिमांसलभांस्यसूत HarVi. 19. 57.

अतिमाणव (ati-māṇava) *adj.* surpassing *māṇava* (i. e. wicked descendant of Manu) श्वशुर्यीभूय राजन्यै: स पथि क्षत्रियाग्रणी: । अमानुषो मनुष्येषु कैर्न भेजेऽतिमाणवै: DvyāśraKā. 15. 3.

अतिमातु:ष्वसृ (ati-mātuṣṣvasṛ) *adj.* (*f.*) who surpasses a maternal aunt (in affection) ग्राम्यार्भको रुदन् । अतिमातु:ष्वसृपितु:ष्वस्राश्वासि चमूस्त्रिया DvyāśraKā. 3. 103.

अतिमातृष्वसेयक (ati-mātṛṣvaseyaka) *adj.* surpassing the son of the maternal aunt मार्गेऽभात्तै: … पैतृष्वस्रीयो नु हरे: सोऽतिमातृष्वसेयक: DvyāśraKā. 15 2.

अतिमात्र (ati-mātrá) *adj.* [*f.* -ā] **A i** very large, huge in size (objects) **ii** very tall, very big (animate beings) **B i** excessive, extreme, inordinate, beyond usual limits **ii** very intense, very severe (qualities, emotions) **C** beyond all measure, supreme **D** of an immoderate nature **E** most effective **F** very numerous, innumerable, limitless **G** (Poetics) *m. n.* exaggeration beyond measure (a defect of meaning) **A i** very large, huge in size (objects) य आत्मानमतिमात्रमंस आधाय बिभ्रति । स्त्रीणां श्रोणिप्रतोदिन इन्द्र रक्षांसि नाशय AV. viii. 6. 13; AV. (P.) xvi. 80. 5; अतिमात्रैश्च कार्मुकै: । राक्षसाणां सुघोराणां सहस्राणि चतुर्दश । निर्यातानि Rāmā. iii. 21. 21; धाराभिरतिमात्राभि: प्लावयित्वाखिलं भुवम् ViṣṇuP. vi. 3. 39; ParamāKā. 91. 42; **A ii** very tall, very big (animate beings) सवेदिकश्चैत्य इवातिमात्र: सुपुष्पितो भूमितले निमग्न: (कर्ण:) MahāBhā. viii. 1125*(1); ह्रस्वोऽतिमात्र: पुरुष: कृष्णश्चापि बभूव ह HariVaṁ. 5. 16; SkandP. vii(1). 336 88; BrahmP. 4. 44; 39. 80; वहति सरिति…यस्यां दन्तिनाथोऽतिमात्र: SubhāRaSaṁ. 1. 3 (SCHMIDT Ed.); सर्वव्यापिनमतिमात्रमत्यद्भुतमतिघोरं च त्वां दृष्ट्वा प्रशिथिलसर्वावयवो व्याकुलेन्द्रियश्च भवामि GītāBh.(Rā.) 549. 13 (*on* (11. 24); EI. xxii. 60. 2; **B i** excessive, extreme, inordinate, beyond usual limits दृष्ट्वा तु सैन्धवे भारमतिमात्रं समाहितम् MahāBhā. vii. 46. 5; बलिनातिमात्रेण वा संहित: पर: स्वकर्मोपघातं प्राप्स्यति…इति संधिना वृद्धिमातिष्ठेत् ArthS'ā. ii. 241. 4 (7. 1); कुशीलवा वर्षारात्रिमेकस्था वसेयु:। कामदानमतिमात्रमेकस्यातिवादं च वर्जयेयु: ArthS'ā. ii. 122. 9 (4. 1); स्वचक्रपरचक्रयो: स्वचक्रमतिमात्राभ्यां दण्डकराभ्यां पीडयत्यशक्यं च वारयितुम् ArthS'ā. iii. 26. 7 (8. 4); संशोधनौषधानि … अतिसौम्यान्यतिमात्राणि वा…अल्पसत्त्वमातुरम्…अतिपातयेयु: AṣṭāSaṁ. i. 120. 7 (1. 23); 1. 158. 22 (1. 30); ii. 48. 16 (4. 9); हीनातिमात्रमशनं मरुन्निचयकोपनम् AṣṭāSaṁ. i. 43. 13 (1. 7); न चातिमात्रमेवान्नमामदोषाय केवलम् AṣṭāHṛ. i. 8. 31; (अशनम्) अतिमात्रं पुन: सर्वानाशु दोषान् प्रकोपयेत् AṣṭāHṛ. i. 8. 4; अकाले चातिमात्रैश्च तथासात्म्यैश्च भोजनै: । … निरुच्यते छर्दिरिति RugVi. 15. 2; 28. 6; S'ārṅgaS. iii. 5. 19; ManuBh. i. 104. 23 (*on* 2. 56); अतिमात्रं यदा भुक्तं वमनं कारयेत्तदा RaseCin. 7. 18; Hastyāyur. 220. 14 (2. 23); 294. 21 (2. 60); BhāvPra.(Bhā.) 7(1). 28; विच्छिन्नोऽपि कृतातिमात्रपुलकैराविर्भवत्सीत्कृतैराश्लेषैर्गलंपितक्रमै: सरस: कामं मुहु[:] स्वाद्यते EI. iii. 356. 2; iii. 351. 2; **B ii** very intense, very severe (qualities, emotions) शीतोष्णवर्षलक्षणा: पुनर्हेमन्तग्रीष्मवर्षा: संवत्सर: स काल: । तत्रातिमात्रस्वलक्षण: काल: कालातियोग: CaraS. i. 11. 42; 1. 7. 28; बुद्धात्प्रशंसां लभतेऽतिमात्रामादेयवाक्यो भवति प्रजानाम् MaYānaSū. 27. 4 (7. 8); तस्यातिमात्रामृद्धिं च महिमानं निरीक्ष्य च । दैत्यासुराणामाचार्य: श्लोकमप्युशना जगौ VāyuP. ii. 1. 80; BrahmāṇḍP. i. 36. 93; DaśKuC. 34. 13; AvantiKa. 16. 2; क्षोभमगमदतिमात्रमथो शिशुपालपक्षपृथिवीभृतां गण: S'iśuVa. 15. 47; UttaRāC. 6. 5(8); भयात्तदानीं किल सोऽतिमात्रं तथाणिमानं प्लवग: प्रपेदे RāmC. 22. 34; प्रहर्षादतिमात्रं च व्यायामं कुरुते गजम् (? गज:) Hastyāyur. 220. 14 (2. 23); तत्र हि पुरुषबुद्ध्यातिमात्रे भावे तृप्तिरतिशयवती भवति JayaMa. 296. 15 (*on* 5. 6); TilaMañ. 412. 16; NītiVā. 17. 30; तस्यातिमात्रमालोक्य वेगं पुलकितो गिरि: । … तमवदत् RāmāMañ. 230. 25; NarmaMā. 3. 27; वृत्तकर्परनिभं नभस्तलं नीलिमानमतिमात्रमाययौ VikraDeC. 14. 30; 11. 39; Rāvaṇā. 6. 49; गाम्भीर्येणातिमात्रेण महिम्ना परमेण च । राघवस्य द्वितीयोऽब्धिरम्बुधेश्चापि राघव: RasGaṅ. 269. 10; RasSa. 51; **C** beyond all measures, supreme अतिमात्रस्यापि परमेश्वरस्य प्रादेशमात्रत्वम् अभिव्यक्तिनिमित्तं स्यात् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 138. 9 (*on* i. 2. 29); 185. 7 (*on* i. 3. 25); अतिक्रान्तो मात्रां परिमाणमतिमात्र: Bhām. 192. 7 (*on* i. 2. 29); PrakaVi. 214. 16; **D** of an immoderate nature स भूमिपालो विलपन्ननाथवत् स्त्रिया गृहीतो हृदयेऽतिमात्रया Rāmā. ii. 10. 41 (Tilaka अतिक्रान्तसौन्दर्यपरिच्छेदया । यद्वा अतिक्रान्तमर्यादया); **E** most effective समागतोऽस्मि भद्रं ते यतिराज महामते । अत्रातिमात्रं कंचित्त्वमुपायं परिदर्शय ParamāKā. 149. 14; **F** very numerous, innumerable, limitless अन्येन विदधेऽरीणामतिमात्रा विलासिना । … चमू: S'iśuVa. 19. 50 (comm. अतिमात्रा अपरिमिता); (स:) आरराध नियमैरतिमात्रैर्देवमम्बुजभवं नरदेव: Gaṅgāva. 2. 21; **G** (poetics) *m. n.* exaggeration beyond measure (a defect of meaning) अतिदूरमतिक्रान्तो मात्रां लोकेऽतिमात्र इत्यर्थ: । तव विरहे हरिणाक्ष्या: प्लावयति जगन्ति नयनाम्बु Kāvyālaṅ.(Ru.) 11. 17; 11. 2; खिन्नं चैवातिमात्रं च परुषं नीरसं तथा । …वाक्यार्थजा दोषा: SaraKaṇṭhā. 35. 25; यत्सर्वलोकातीतं तदतिमात्रं प्रकीर्त्यते SaraKaṇṭhā. 40. 11; PratāYaBhū. 315. 12; [Kośas give both *adj.* and *adv.* meanings of **अतिमात्र** together : AmaK. 132; Vaija. 211. 31; AbhidhāCin. 1506; AbhidhāRaMā. 5. 17; S'abdaRa.(Vā.) 263; S'abdaRaSaK. 285. 2; NānārthaMa. 1591]

अतिमात्रक (atimātra-ka) *adj.* excessive कालार्थकर्मणां योगो हीनमिथ्यातिमात्रक: AṣṭāSaṁ. i. 3. 15 (1. 1)

अतिमात्रकर्शित (atimātra-karśita) *adj.* [*f.* -ā] greatly emaciated, excessively weakened मुनिव्रतैस्त्वामतिमात्रकर्शिताम् … । शशाङ्कलेखामिव पश्यतो दिवा सचेतस: कस्य मनो न दूयते KumāSaṁ. 5. 48; वातातपस्पर्शेनातिमात्रकर्शितमपि जलनिधिमिवापरित्यक्तसहजलावण्यम्…समरकेतुम् TilaMañ. 230. 19.

अतिमात्रकर्षण (atimātra-karṣaṇa) *n.* excessive drawing or pulling भज्यमानमतिमात्रकर्षणात्तेन वज्रपरुषस्वनं धनु: RaghuVa. 11. 46.

अतिमात्रकष्टा (atimātra-kaṣṭā) *adj.* (*f.*) extremely miserable देव्यपि श्रीस्तेन तस्यातिमात्रकष्टायामपि दशायामनुज्झितावष्टम्भेन वचसा जनितविस्मया TilaMañ. 56. 2.

अतिमात्रकुचोदरी (atimātra-kucodarī) *adj.* (*f.*) possessing excessively large breasts and belly (स ददर्शाविदूरस्था राक्षसीर्घोरदर्शना:) अतिमात्रशिरोग्रीवा अतिमात्रकुचोदरी: Rāmā. v. 15. 13; v. 20. 33.

अतिमात्रकृतस्तुति (atimātra-kṛtastuti) *adj.* excessively praised यवनैरतिमात्रकृतस्तुति: ।… नृप: … प्रस्थानमकरोत् RājTa.(Jo.) 951.

अतिमात्रकृपण (atimātra-kṛpaṇa) *adj.* greatly dejected, very miserable (पार्थ:) अतिमात्रकृपणो भगवत्पदाम्बुजमुपससार GītāBh.(Rā.) 49. 3 (*on* 2. 6)

अतिमात्रगमन (atimātra-gamana) *n.* excessive intrusion or spreading (पूयस्य) तस्यातिमात्रगमनाद्गतिरिष्यते तु RugVi. 45. 2.

अतिमात्रगम्भीर (atimātra-gambhīra) *adj.* very deep अतिमात्रगम्भीरेऽपि पयसि भास्वरतया करतलस्थितैरिव विभाव्यमानै: … मुक्ताफलै: TilaMañ. 121. 12.

अतिमात्रगहन (atimātra-gahana) *adj.* very deep सोऽतिमात्रगहनेऽपि रंहसा पार्थिव: पतितुमैच्छदम्भसि NavaSāC. 8. 31.

अतिमात्रगुण (atimātra-guṇa) *m.* **i** very many virtues or qualities अतिकान्ति(v. l. अतिमात्र)गुणाभिराममूर्तिर्मधुरेण ध्वनिना मनो हरन्ती । …वनिता च वल्लकी च NavaSāC. 5. 17; **ii** very many strings, NavaSāC. 5. 17; *adj.* possessing very many virtues कथय को भवानवश्यममुना स्वरूपसंरम्भेण न खलु पलाहारपौरुषं रक्षोमात्रमतिमात्रगुणोऽसि राक्षसेषु कश्चित् UdaySuKa. 83. 29.

अतिमात्रगृहीत (atimātra-gṛhīta) *adj.* received in excess (अन्नम्) अतिमात्रगृहीतात्तु अल्पदत्तं भवेच्छुचि MahāBhā. xiii. App. I. 15. 2981.

अतिमात्रघोर (atimātra-ghora) *adj.* far more terrible (than) क्षपाकरक्ष्वेल विभावये त्वां हालाहलादप्यतिमात्रघोरम् YātrāPra. 4. 69.

अतिमात्रचतुर (atimātra-catura) *adj.* extremely clever or skilful किं त्वतिमात्रचतुरोऽपि वञ्चितस्त्वम् TilaMañ. 60. 3.

अतिमात्रतनुत्व (atimātratanu-tva) *n.* extreme emaciation or slimness अतिमात्रतनुत्वं सौदामिन्या ··· सह कान्तायाः पृथगनुगामी समानो धर्मः RasGaṅ. 350. 9.

अतिमात्रतन्वी (atimātra-tanvī) *adj.* (*f.*) extremely emaciated or slim संपश्यतां तामतिमात्रतन्वीम् RasGaṅ. 350. 7 = BhāmiVi. 10. 15.

अतिमात्रतस् (atimātra-tas) *adv.* excessively, to a great degree or measure तच्छ्रुत्वा विस्मितो भूपस्तस्यायुरतिमात्रतः । दुःखितः SkandP. i(2). 8. 22; स पिबेल्लोभात्पानीयमतिमात्रतः Hastyāyur. 81. 3 (1. 12); मांसं वार्षणं चातिमात्रतः BhojanKu. 175. 21.

अतिमात्रता (atimātra-tā) *f.* the state of being beyond proportion, excess आमता ··· अतिमात्रता ··· इति ··· द्रव्यदोषाः SuśruS. iv. 35. 32; आयुर्वेदादतिमात्रता बोद्धव्या ManuBh. i. 104. 24 (*on* 2. 56); उष्णो देहदाहाय कषायोऽनिलकोपनः । निषेव्यमाणः सातत्यादतिमात्रतया रसः YaśasCam. i. 519. 4.

अतिमात्रतीव्र (atimātra-tīvra) *adj.* extremely strong तथाप्यतिमात्रतीव्रजिज्ञासायां मतिमान्द्यादिना श्रवणानधिकारिणो ब्रह्मलोकेऽपि तत्त्वं विज्ञाय मुच्येयेति कामयमानस्य तादर्थ्येन संन्यासाविरोधः SiddhāSi. i. 131. 11.

अतिमात्रतुङ्ग (atimātra-tuṅga) *adj.* extremely high अस्ताद्रिशृङ्गादतिमात्रतुङ्गात् ··· पतयालुमब्धौ । द्रष्टुं नलिन्यः ··· न्यमीलयन्नीरजलोचनानि YātrāPra. 4. 55.

अतिमात्रत्व (atimātra-tva) *n.* the state of being 'beyond measure' (one of the defects of poetry) अत्रातिमात्रत्वेऽपि वर्णनार्थत्वाद्गुणत्वम् SaraKaṇṭhā. 132. 1; cf. **अतिमात्र.**

अतिमात्रदयार्द्र (atimātradayārdra) *adj.* very much compassionate तं सनातनमपागतमक्ष्णोर्दृष्टिमात्रमतिमात्रदयार्द्रः CaitaCa. 226. 14(9)

अतिमात्रदुरुद्वह (atimātra-durudvaha) *adj.* extremely difficult to bear इष्टप्रवासजनितान्यबलाजनेन दुःखानि नूनमतिमात्रदुरुद्वा(? द्वहा)नि S'āk. 4. 3.

अतिमात्रदुर्ग (atimātra-durga) *adj.* extremely difficult to cross निवृत्तेनापि कथमयम् ··· अतिमात्रदुर्गः सागरैकदेशो लङ्घयितव्यः TilaMañ. 149. 21.

अतिमात्रदुर्लभ (atimātra-durlabha) *adj.* absolutely inaccessible परस्परप्रेमरसोत्तरं सुखं दिवौकसामप्यतिमात्रदुर्लभम् MadhuVi. 3. 19.

अतिमात्रदुष्कर (atimātra-duṣkara) *adj.* extremely difficult to accomplish नष्टनिद्रया च तया रूपदर्शनेन विना दुहितुरनुरागोत्पादनम्···अतिमात्रदुष्करमवधारयन्त्या ··· चित्रलेखा समादिष्टा TilaMañ. 170. 3.

अतिमात्रदुष्ट (atimātra-duṣṭa) *adj.* extremely morbific अतिमात्रदुष्टास्तु दोषाः ··· शरीरं दण्डवत्स्तम्भयन्ति AṣṭāSaṁ. i. 70. 15 (1. 11)

अतिमात्रदोषसञ्चय (atimātra-doṣasañcaya) *m.* excessive accumulation of morbific entities सर्वेमेवोदरमतिमात्रदोषसंचयानुबन्धेन स्रोतोमुखविरोधाद् व्याकुलानिलतया यत् प्रजायते AṣṭāSaṁ. ii. 95. 21 (4. 17)

अतिमात्रदोषोपचय (atimātra-doṣopacaya) *m.* excessive accumulation of morbific entities यस्याः पुनरतिमात्रदोषोपचयाद्यथोक्तैर्वा···व्याधिभिः ··· बन्धनान्मोच्यते गर्भः AṣṭāSaṁ. i. 216. 17 (2. 4)

अतिमात्रधैर्य (atimātra-dhairya) *adj.* having tremendous courage स ··· चचाल दुःखाद् धैर्यात्तु तस्थावतिमात्रधैर्यः MahāBhā. viii. 65. 40.

अतिमात्रनामित (atimātra-nāmita) *adj.* bent down excessively गता यदुत्सङ्गतले विशालतां द्रुमाः शिरोभिः फलगौरवेण ताम् । कथं न धात्रीमतिमात्रनामितैः स वन्दमानानभिनन्दति स्म तान् NaiṣC. 1. 98.

अतिमात्रनिशितम् (atimātra-niśitam) *adv.* in an extremely sharpened (i. e. intensified) manner नैराश्यानुशयातिमात्रनिशितं निःश्वस्य यद् दृश्यसे तृष्यद्भिः पथिकैः कियत्तदधिकं स्वादौर्वदाहादतः Subhāṣi. 885.

अतिमात्रनिषेविन् (atimātra-niṣevin) *adj.* indulging in excessively वातातपव्यायामातिमात्रनिषेविणः CaraS. vi. 19. 5 (1941 Ed.)

अतिमात्रपदाश्रय (atimātrapadāśraya) *adj.* (*mantra*) consisting of too many words अथातो महापाशुपतमावर्तयिष्यामि । ··· महाशास्त्रम् ··· अतिमात्रपदाश्रयम् IśānS'iPa. i. 43. 82(4)

अतिमात्रपीडित (atimātra-pīḍita) *adj.* [*f.* -ā] extremely squeezed or pressed युवतिभिरतिमात्रपीडितानां परमुदपादि विरागिताम्बराणाम् Kapphiṇā. 10. 36; विलोचनाभ्यामतिमात्रपीडिते···भीमसुताश्रुती NaiṣC. 15. 38.

अतिमात्रपीत (atimātra-pīta) *adj.* drunk excessively अतिमात्रपीतवसुधारसं क्रमात्परिमन्दतां गतमहःपतेर्महः NemiNir. 9. 10; 10. 8.

अतिमात्रपुत्रवात्सल्य (atimātra-putravātsalya) *n.* excessive affection for the son अतिमात्रपुत्रवात्सल्यात् कौसल्याजानिः सशल्यान्तःकरणोऽभूत् RāmaCam. 1. 33(11)

अतिमात्रपृथु (atimātra-pṛthu) *adj.* extremely large अतिमात्रपृथवः ··· । वर्षन्तः शममानयन् ··· पांसून् गजाम्भोमुचः S'iśuVa. 17. 69.

अतिमात्रपृष्ट (atimātra-pṛṣṭa) *adj.* asked repeatedly शनैरशंसन्नतिमात्रपृष्टास्तदिन्द्रजिद्दारुणकर्म तेऽस्मै RāmC. (App. 2) 39. 10.

अतिमात्रपेशला (atimātra-peśalā) *adj.* (*f.*) very beautiful or sweet अयम् ··· अतिमात्रपेशलां सूक्तिमभिधातुमाद्रियत YātrāPra. 7. 5(3)

अतिमात्रप्रणीत (atimātra-praṇīta) *adj.* inserted excessively अतिमात्रप्रणीतेन नेत्रेण क्षणनाद् वलेः । स्यात् ··· °गुरुवर्चःप्रवर्तनम् AṣṭāSaṁ. ii. 165. 4 (5. 7)

अतिमात्रप्रमाण (atimātra-pramāṇa) *adj.* extremely large in size सम्मदो नामातिबहुप्रजोऽतिमात्रप्रमाणो मीनाधिपतिरासीत् ViṣṇuP. iv. 2. 70.

अतिमात्रप्रलीन (atimātra-pralīna) *adj.* getting stuck excessively अन्नपानम्···अतिमात्रप्रलीनमलसत्त्वान्न बहिर्मुखीभवति CaraS. iii. 2. 12 (1941 Ed.)

अतिमात्रप्रवाहण (atimātra-pravāhaṇa) *n.* excessive discharge संवृतकोष्ठस्य दुश्छर्दस्य चातिमात्रप्रवाहणादन्तःकोष्ठे···विसर्पस्तम्भजाड्यवैचित्यानि मरणं वा AṣṭāSaṁ. i. 137. 23 (1. 27)

अतिमात्रप्रवृत्त (atimātra-pravṛtta) *adj.* inserted or gone beyond measure (i. e. deeply inserted) दुर्बले बस्तिनेत्रे वा दुर्बले वापि सिञ्चति । अतिमात्रप्रवृत्तेषु (? तु)वेदना स्यात् पुरा गुदे Hastyāyur. 609. 28 (4. 5)

अतिमात्रप्रवृद्ध (atimātra-pravṛddha) *adj.* excessively increased or augmented तत्र सौमित्रिरतिमात्रप्रवृद्धमन्युः RāmāCam. 2. 28(1); 4. 25(1); पठति चायमतिमात्रप्रवृद्धमहामोहः पुरुषो दुरक्षराणि AmṛUda. 3. 7(1)

अतिमात्रप्रवेश (atimātra-praveśa) *m.* very deep insertion (बस्तिव्यापद्) अतिमात्रप्रवेशं च हीनमात्रं तथैव च Hastyāyur. 609. 16 (4. 5)

अतिमात्रप्रसङ्ग (atimātra-prasaṅga) *m.* excessive sexual intercourse यदा वा पुरुषोऽतिहर्षादतिप्रसक्तभावः स्त्रीष्वतिप्रसङ्गमारभते तस्यातिमात्रप्रसङ्गाद् रेतः क्षयमेति CaraS. ii. 6. 8 (1941 Ed.)

अतिमात्रप्रसारित (atimātra-prasārita) *adj.* excessively stretched, very widely opened मा नैषीर्लोचने खेदमतिमात्रप्रसारिते PadmP.(Ra.) 38. 54.

अतिमात्रप्रह्वीभाव (atimātra-prahvībhāva) *m.* extreme obedience or devotion मां नमस्कुरु । ··· मय्यन्तरात्मन्यतिमात्रप्रह्वीभावव्यवसायं कुरु GītāBh. (Rā.) 491. 7 (*on* 9. 34); 690. 5 (*on* 18. 65)

अतिमात्रप्रातिकूल्य (atimātra-prātikūlya) *n.* extreme opposition or hostility यश्चातिमात्रप्रातिकूल्ये व्यवस्थितः प्रवर्तते BrahmaSūBh.(Rā.) 538. 3 (*on* ii. 3. 41)

अतिमात्रप्रियंवद (atimātra-priyaṁvada) *adj.* speaking very sweetly तमल्पासन्नमासीनमतिमात्रप्रियंवदम् । ··· क्रुद्धो हरिशिखोऽब्रवीत् BṛKathāS'loSaṁ. 13. 25.

अतिमात्रप्रीति (atimātra-prīti) *f.* excessive love or devotion यस्य मय्यतिमात्रप्रीतिर्वर्तते GītāBh.(Rā.) 690. 9 (*on* 18. 65)

अतिमात्रबल (atimātra-bala) *adj.* possessing great strength or prowess अतिमात्रबलेषु चापलं विदधानः कुमतिर्विनश्यति RasGaṅ. 282. 11; अतिमात्रबलपौरुषः । शक्रस्यापि पदं प्राप्तुं भूयात्को नु मम श्रमः ParamāKā. 92. 58.

अतिमात्रबुद्धि (atimātra-buddhi) *f.* intellect of a very high order मृदुमध्यातिमात्रबुद्धिभेदेन पुंसां विचित्रशक्तित्वात् NyāyVārPari. 702. 3.

अतिमात्रभक्ति (atimātra-bhakti) *f.* extreme devotion or faith स एवायमस्खलितस्वरूपः पुरातनो योगः सख्येनातिमात्रभक्त्या च मामेव प्रपन्नाय ते मया प्रोक्तः GītāBh.(Rā.) 228. 3 (*on* 4. 3)

अतिमात्रभय (atimātra-bhaya) *n.* excessive fear अपश्यत् प्रणिधानेन महीम् ··· । अतिमात्रभयोद्विग्नाम् SkandP. ii(1). 36. 3.

अतिमात्रभासुरत्व (atimātrabhāsura-tva) *n.* excessive brilliance, limitless lustre अतिमात्रभासुरत्वं पुष्यति भानोः परिग्रहादनलः Mālavikā. 1. 13 [Bombay 1976] = SūktiRa. 177. 10.

अतिमात्रभास्वरत्व (atimātrabhāsvara-tva) *n.* excessive brilliance, limitless lustre अतिमात्रभास्वरत्वं पुष्यति भानोः परिग्रहादनलः Mālavikā. 1. 13.

अतिमात्रभेद (atimātra-bheda) *m.* very intense variety, type marked by excessiveness स च (भावः) मृदुमध्यातिमात्रभेदात्त्रिविधः JayaMa. 76. 19 (*on* 2. 1); विकल्पेन मृदुमध्यातिमात्रभेदेन JayaMa. 150. 8 (*on* 2. 7)

अतिमात्रभोक्तृ (atimātra-bhoktṛ) *adj.* who eats too much, gluttonous ते प्रकुपिताः ··· पृथक् पृथगिमान् विकारानभिनिर्वर्तयन्त्यतिमात्रभोक्तुः CaraS. iii. 2. 7 (1941 Ed.)

अतिमात्रभोजिन् (atimātrabhoj-in) *adj.* who eats too much, gluttonous अतिमात्रभोजी देहमाग्निं च विधुरयति NītiVā. 25. 45.

अतिमात्रम् (ati-mātrám) *adv.* **A i** excessively, exceedingly, too much, beyond proper limits or bounds (with verb) अ॒ति॒मा॒त्रम॑वर्धन्त॒ नोदि॑व॒ दिव॑मस्पृशन् AV. v. 19. 1; JaimiBr. 1. 152; किं मामिदानीमतिवेल (v. l. अतिमात्रं त्व)मात्थ MahāBhā. iii. 35. 16; vii. 104. 10; यद्यस्ति बाहुवीर्यं ते तद्दर्शयितुमर्हसि । किं ब्राह्मणबलेन त्वमतिमात्रं प्रवर्तसे MahāBhā. xii. 75. 11; अतिमात्रं शरौघेन पीड्यमानौ नरोत्तमौ Rāmā. vi. 67. 30; नातिमात्रं न चात्यल्पं मेयं मानवशादपि Saund. 14. 6; तत्रापतर्पितस्याध्वगमनादतिमात्रमभ्यवहरतो वा पिष्टान्नहरितकशाकलवणानि … दोषा धातून् प्रदूष्य श्वयथुमापादयन्ति SuśruS. iv. 23. 4; यदा जन्तुः … अतिमात्रमतिवेलं वामं पयः पिबति CaraS. ii. 2. 4 (1941 Ed.); BhelaS. 32. 21 (1.19); स क्रूरपुरीषपिण्ड इवातिमात्रं स्थानात् प्रच्युतो दुःखं संपरिवर्त्यते AbhidhKoBh. 130. 8 (*on* 3. 19); अथवा नातिमात्रमत्र वस्तुनि मया मनः खेदयितव्यम् MudrāRā. 3. 12(1); मन्मथो मामपहसितनिजलावण्यमेनं विलोकयन्तीमसूययेवातिमात्रं मथ्नन् निजनाम सान्वयं करोति DaśKuC. 27. 1; 150. 10; (उर्वीपतिः) हर्षभरेणातिमात्रं पीड्यमान इव तस्थौ AvantiKa. 165. 3; गतो वनं श्वो भवितेति रामः शोकेन देहे जनतातिमात्रम् Bhaṭṭi. 3. 11; अथवा योगिनो योगशास्त्रे परिपठितादन्नपरिमाणादतिमात्रमश्नतो योगो नास्ति GītāBh.(S'aṅ.) 194. 7 (*on* 6. 16); प्रतिकृतानां विद्विषामपि व्यसनमतिमात्रं हृदयमर्माणि च्छिनत्ति AnargharRā. 6. 81(2); भ्रातृमित्रसुतबन्धुविनाशादप्यदस्तुदति मामतिमात्रम् । सोऽनुजो यत् … मानितो नहि मया RāmC. (App. 2.) 40. 42; क्षीणोऽन्नद्विट् क्षौति यश्चातिमात्रम् RugVi. 12. 11; समुद्रतोयं ववृधेऽतिमात्रम् VarāP. 96. 7; यदा तु खलु वारणो व्यायाममुष्णेऽतिमात्रं कारितो भवति Hastyāyur. 62. 22 (1. 9); 118. 4 (1. 16); नैराश्यातिशयातिमात्रमनिशं निःश्वस्य BhallaS'. 49; रामे … विनयवति शिशौ किं प्रकुप्यातिमात्रम् PrasaRā. 4. 18; गृहशुकेनाकर्णितं यद्वचस्तत् प्रातर्गुरुसंनिधौ निगदतस्तस्यातिमात्रं वधूः । … प्रकरोति … वाग्बन्धनम् S'ārṅgaPa. 3743 = Subhāṣi. 2214 = Kuval. 156(5); S'aṅkaDigVi.(Mā.) 5. 78; कस्मादतिमात्रं मद्भार्यां विलोकयसि Bharaṭ. 1B. 6; चेतांसि चपलपक्षैः शिलीमुखैः परिपतद्भिरतिमात्रम् । पथिकानां भिन्नानि Subhāṣi. 1670; हससि तथापि मदादतिमात्रम् StavMā. 269. 18; **A ii** excessive, immoderate, extreme (with noun) अतिनर्मात् (v. l. अतिमात्रं) जायते संप्रहारो यतो विनाशः समुपैति पुंसाम् MahāBhā. ii. 56. 5; तस्य दैवात् प्रसङ्गोऽभूदतिमात्रं स्म देवने MahāBhā. iii. 62. 28; अतिमात्रं प्रहर्षोऽयं किं जनस्य च शंस मे Rāmā. ii. 7. 5; अतिस्थूलस्य तावत् … क्षुदतिमात्रं पिपासातियोगश्चेति भवन्त्यष्टौ दोषाः CaraS. i. 21. 4 (1941 Ed.); i. 11. 37 (1941 Ed.); i. 5. 4; (1922 Ed.); KāśyaS. 228A. 13; अलमलमतिमात्रं साहसेनामुना ते Ratnā. 3. 17; अतिमात्रमलं रुदितेन Kād. 61. 21; किमत्र तद्वर्णनयातिमात्रम् VarāṅgaC. 2. 12; न च शक्नुमः पदे पदे … तदेव पुनः पुनः प्रकुर्वद्भिः शाक्यनर्तकैः सह कलहमतिमात्रं कर्तुम् NyāyMañ. ii. 115. 8; कृतः प्रियेण प्रणयस्य भङ्गः स्वल्पोऽपि कोपं कुरुतेऽतिमात्रम् Rāvaṇā. 6. 49; तदलमतिमात्रं संतापेन MudriKu. 2. 7(14); अतिमात्रं प्रदानमतियोगः Hastyāyur. 115. 6(1. 16); तनुभूनियुद्धे पराजयं प्राप्तमिवातिमात्रम् YātrāPra. 4. 139; **Aiii** extremely, beyond measure (with adjective) तस्मात् प्रमथ्यमानाद्वै जज्ञे पूर्वमभिश्रुतः । ह्रस्वोऽतिमात्रं पुरुषः VāyuP. ii. 1. 121; BrahmāṇḍP. i. 36. 142; (गर्भः) वर्धमानोऽतिमात्रं वै देवा निस्तेजसोऽभवन् BrahmāṇḍP. ii. 7. 279; शोकोत्पन्नो दुश्चिकित्स्योऽतिमात्रम् । रोगो वैद्यैः कष्ट एष प्रदिष्टः RugVi. 3. 10; 60. 2; TilaMañ. 188. 2; खलश्च खड्गश्च न हि स्वभावं जहाति …। यस्यातिमात्रं मलिनात्मकस्य परं द्विधा कुर्वत एव रागः Surath. 1. 54; **A iv** to a great extent, in excess, in addition प्राणान्विसोढुं न सहेऽतिमात्रम् VarāṅgaC. 12. 10; घृतस्यैवं विपक्वस्य जानीयात् कुशलो भिषक् । फेनोऽतिमात्रं तैलस्य शेषं घृतवदादिशेत् SiddhYo. 1. 267; **Bi** extremely, intensely, to a great extent, very much (with verb) तयोर्दुःखितयोर्वाक्यमतिमात्रं निशम्य तत् MahāBhā. i. 147. 1; यथातिमात्रं कौन्तेयः श्रिया परमया युतः MahāBhā. ii. 49. 22; viii. 955*(3); तयार्दितः शुष्यति चातिमात्रम् SuśruS. vi. 48. 10; BhelaS. 25. 5 (1. 14); योगपुरुषाश्चात्र पूर्वमतिमात्रं दद्युः ArthS'ā. ii. 195. 7 (5. 2); भूमिपालस्तु तदाकर्ण्य हृदये नातिमात्रमप्रीयत HarṣaC. 170. 1; स च राजा … ज्येष्ठपुत्रैश्चिरं विगृह्य पुनरसहिष्णुतयातिमात्रं प्रयुध्य बद्धः DaśKuC. 67. 8; महतः कुकुरान्धकद्रुमानतिमात्रं दववद्दहन्नपि S'iśuVa. 16. 79; रेजेऽतिमात्रं वरहर्म्यमालम् (चैत्यगृहम्) VarāṅgaC. 22. 58; महीय्यमाना भवतातिमात्रम् … ह्रिणीयते वीरवती न भूमिः Bhaṭṭi. 2. 38; उपचरिताप्यतिमात्रं पण्यवधूः क्षीणसंपदः पुंसः । पातयति दृशम् … परिधानमात्रेऽपि KuṭṭaMa. 94; परिभूय मर्त्यान् वव्रेऽन्यतो यदभयं स भवानहंयुः। तन्मर्मणि स्पृशति मामतिमात्रमद्य AnargharRā. 4. 9; विवर्धितः । तेनातिमात्रमहं षण्मासजातशिशुः Tantrākhyā. 84. 14; तद्यदि नातिमात्रमवसीदति पितृप्रयोजनम् … तत्प्रतीक्षस्व कतिचिद्दिनानि TilaMañ. 51. 21; BrahmVaiP. ii. 2. 38; कौक्षेयकः क्ष्मातिलकस्य यस्य पीत्वातिमात्रं द्विषतां प्रतापम् VikraDeC. 1. 90; तृषितेऽतिमात्रम् । यवस्य पेयाम् … पिबेत् SiddhYo. 26. 19; SubhāRaK. 4. 22; यस्तु पूर्वं स्वयमेवातिमात्रमानुकूल्ये प्रवृत्तः VedāSaṁ. 125. 12; PṛthviVi. 11. 58; 12. 16; भूत्वा खलप्रकृतिनापि मयातिमात्रम् । मन्त्री समे च विषमे च परीक्षितोऽसौ Surath. 15. 59; SaduktiKa. 255. 13; आबाल्यतः संभृतयातिमात्रं भक्त्यैव ते तोषमुपागतास्मि VasaViKā. 1. 71; अविरलधारानिकरं जलदैर्जलमुत्सृजद्भिरतिमात्रम् Subhāṣi. 1736; अथ ते वरुणस्य शासनादतिमात्रं ववृषुः पयोमुचः S'ivLī. 15. 27; अतिमात्रमत्र च स्वदते मधुरातपस्तपस्यदिवसः AmṛUda. 1. 4 (1); यदतिमात्रममूः प्रशस्यन्ते RasSa. 97 (1); **B ii** excessive, inordinate, extravagant, much (with noun) अन्यथा तु सिरास्नायुच्छेदनम्, अतिमात्रं वेदना SuśruS. i. 5. 15; CaraS. ii. 5. 8 (1922 Ed.); विषप्रदस्य तु … चातिमात्रं वेपथुः ArthS'ā. i. 105. 7 (1. 21); ममत्वबुद्धिर्न तथा यथा स्वेदेहेऽतिमात्रं बत मूढतैषा MārkP. 25. 18; बिभ्रतौ मधुरतामतिमात्रं रागिभिर्युगपदेव पपाते । … मधुरसः … असितोत्पलगन्धः S'iśuVa. 10. 8; (प्रकर्षप्रकाशयोः) तयोश्चन्द्रमस्येकतैवातिमात्रम् SaṁkṣeS'ā. 1. 234 (i. 179. 15); मद्दर्शनाशया समुद्रपर्यन्तां पर्यटन्नटवीमतिमात्रमायासपात्रं भविष्यति TilaMañ. 196. 21; 146. 6; स्वेदो विजृम्भणमतिमात्रं वेपथुः … इति दुष्कृतं कृतः करिष्यतो वा लिङ्गानि NītiVā. 24. 87; वितरति जगतां मनःसु कीदृङ्मुदमतिमात्रमयं महातडागः VidaMuMa. 1. 53; S'rīKaC 1. 25; अतिनिर्धूतदोषस्य (गजस्य) … कर्णशूलो भवत्यतिमात्रम् Hastyāyur. 620. 4 (4. 7); वत्सं स्निह्यति गौः क्षीरमतिमात्रं प्रयच्छति S'ārṅgaPa. 2847; YudhiVi. 7. 62; **B iii** greatly, abundantly, very much (with adjective) दीनोऽतिमात्रं त्वमिहाद्य किं नु MahāBhā. iii. 111. 22; अतिमात्रमयं देशो मनोज्ञः प्रतिभाति मा Rāmā. ii. 87. 18; प्रवृद्धतापो दिवसोऽतिमात्रम् RaghuVa. 16. 45; खिन्नोऽतिमात्रं धरणीपतिः BrahmāṇḍP. ii. 40. 44; किं मामतिमात्रं त्रपापरवशां करोषि Kād. 69. 10; तद्वार्ताश्रवणमात्रेणैव हि ममातिमात्रं मनोऽनुरक्तम् DaśKuC. 71. 7; राजन् अतिमात्रमुत्सुकस्त्वम् … वनमिमां नेतुमिच्छसि TilaMañ. 33. 1; 40. 3.

अतिमात्रमत्त (atimātra-matta) *adj.* excessively excited or intoxicated मधुकप्रसूनमधुपानवशादतिमात्रमत्तमधुकृद्युवतेः। विनिशम्य झङ्कृतम् HammīMaKā. 5. 9.

अतिमात्रमधूपयोगतस् (atimātramadhūpayoga-tas) *adv.* due to excessive use of honey भवदङ्घ्रिसरोरुहोदरे परिलीनो गलितापरैषणः। अतिमात्रमधूपयोगतः परितृप्तो विचरेयमिच्छया Stotrā. 12. 9 (comm. मधुनः आनन्दरसस्य)

अतिमात्रमनोहरा (atimātra-manoharā) *adj.* (*f.*) very attractive इति प्रसाधिका(? ता) साभूदतिमात्रमनोहरा PāṇḍaC. 4. 170.

अतिमात्रमन्यु (atimātra-manyu) *m.* great rage ततोऽतिमात्रमन्युरूक्षाक्षरमाभाषितमार्यिकया MudriKu. 2. 7 (4)

अतिमात्रमसृण (atimātra-masṛṇa) *adj.* excessively tender तेनातिमात्रमसृणं हृदयं मदीयमद्यापि न त्रुटति शाम्यतु ते कुदृष्टिः AnargharRā. 4. 45.

अतिमात्रमहाकाय (atimātra-mahākāya) *adj.* having a very huge body अतिमात्रमहाकाय आक्षिपंस्तरसा गिरीन् ।… जग्रास स समासाद्य वज्रिणम् BhāgP. vi. 12. 28.

अतिमात्रमारित (atimātra-mārita) *adj.* completely or thoroughly calcined स्वर्णतारघनभानुतीक्ष्णकं तेषु चैकमतिमात्रमारितम् । सूतिकासकलरोगनाशनं रोगहारि विहितानुपानतः RasRaSa. 22. 125.

अतिमात्रयत्न (atimātra-yatna) *m.* very great effort वैफल्यशङ्कनवशाज्जनगर्हितोऽभूद्यन्निर्मितौ शतधृतेरतिमात्रयत्नः।… साफल्यमेष्यति वृषाङ्कविलोकनेन BhikṣāKā. 5. 19.

अतिमात्रयोग (atimātra-yoga) *m.* **i** strong or forceful application (नखविलेखनम्) यदननुकारि तदरूपवत्त्रिविधम् । मृदुमध्यातिमात्रयोगात् JayaMa. 117. 7 (*on* 2. 4); **ii** too frequent use सहसातिप्रसक्तस्यातिमात्रयोगादध्वनो मार्गमूर्च्छा भवति Hastyāyur. 96. 8 (1. 13)

अतिमात्ररक्त (atimātra-rakta) *adj.* exceedingly red तत्र चाजायत तदा पुरुषः …। ह्रस्वोऽतिमात्ररक्ताक्षः MahāBhā. xii. 274. 38.

अतिमात्ररूप (atimātra-rūpa) *n.* exceedingly handsome form, form of extreme beauty नृपतिः … शरवणमध्ये जातमात्रमतिमात्ररूपपात्रं कमपि बालमालोक्य PrabaCin. 21. 3.

अतिमात्रलघुदर्शन (atimātra-laghudarśana) *adj.* of extremely charming or delightful appearance पूर्वजन्मधनुषा समागतः सोऽतिमात्रलघुदर्शनोऽभवत् RaghuVa. 11. 80 (comm. अतिमात्रमत्यन्तं लघुदर्शनः प्रियदर्शनः)

अतिमात्रलवण (atimātra-lavaṇa) *n.* too much salt 'अतिलवणम्' अतिमात्रलवणयुक्तम् CaturCin. iii(1). 609. 18.

अतिमात्रलवणोपयोग (atimātralavaṇopayoga) *m.* use of salt in great quantity अतिमात्रलवणोपयोगात् … पित्तं प्रकुपितं मूर्छां जनयति Hastyāyur. 94. 21 (1. 13)

अतिमात्रलोहित (atimātra-lohita) *adj.* exceedingly red स्रस्तांसावतिमात्रलोहिततलौ बाहू घटोत्क्षेपणात् S'āk. 1. 29.

अतिमात्रवर्धिन् (atimātravardh-in) *adj.* growing to a very great extent तपोभिरेषामतिमात्रवर्धिभिः स यज्ञहिंसानिरतोऽपि पावितः Nārāy. iv. 19. 5.

अतिमात्रवारुणीसमागम (atimātra-vāruṇīsamāgama) *m.* **1** too much use of wine अतिमात्रवारुणीसमागमादिव ··· घनघुसृणारुणितसुरसुन्दरीकपोलच्छविनि ··· तमोऽरातिमण्डले YaśasCam. ii. 7. 3 (comm. अतिमात्रमतिशयेन वारुणीसमागमो मद्यपानम्); **2** too long contact with the west, YaśasCam. ii. 7. 3 (comm. पक्षे पश्चिमा दिक् तस्याः समागमादिव)

अतिमात्रविदूयमान (atimātra-vidūyamāna) *adj.* being excessively pained क्रकचः ··· अतिमात्रविदूयमानचेता यतिराजस्य समीपमाप भूयः Śaṅka-DigVi.(Mā.) 15. 23.

अतिमात्रविनिर्विण्ण (atimātra-vinirviṇṇa) *adj.* excessively disgusted अतिमात्रविनिर्वि(ण्णा) जीर्णत्वचि मनस्विनः । देहिनोऽमरतां प्राप्य निवसन्ति सुखं दिवि ParamāKā. 23. 23.

अतिमात्रविरल (atimātra-virala) *adj.* very thin or rare गता चातिमात्रविरलतापसप्रचारवेलातटमवलोक्य च पुरस्तात् ··· अम्बुराशिम् TilaMañ. 332. 3.

अतिमात्रविशद (atimātra-viśada) *adj.* exceedingly white तदनु ··· अतिमात्रविशदगोत्रैकमण्डनम् ··· ताराधिपशेखरमाराधयामास YātrāPra. 1. 102(2)

अतिमात्रविस्मय (atimātra-vismaya) *m.* very great surprise अतिमात्रविस्मयरसार्द्रमानसः ··· सः ··· नृपतिरित्यवोचत NavaSāC. 10. 1.

अतिमात्रविह्वला (atimātra-vihvalā) *adj.* (*f.*) excessively grieved अथ तामतिमात्रविह्वलां सकृपाकाशभवा सरस्वती ।··· अन्वकम्पत YogVā. iii. 16. 50.

अतिमात्रवृद्ध (atimātra-vṛddha) *adj.* very much increased कफाशयस्थं त्वतिमात्रवृद्धं पित्तं हरेत्स्वादुभिरूर्ध्वमेव SiddhYo. 15. 4.

अतिमात्रव्यायाम (atimātra-vyāyāma) *m.* excessive exercise विषमातिमात्रव्यायामसंक्षोभितशरीराणाम् ··· अतोनिमित्तं हि शिथिलीभवन्ति मांसानि CaraS. vi. 1(2). 3.

अतिमात्रशक्ति (atimātra-śakti) *adj.* who has great strength विध्वस्तबाह्यारिचयोऽप्यजित्वान्तरङ्गशत्रूनतिमात्रशक्तीन् HammīMaKā. 8. 39.

अतिमात्रशस् (atimātra-śas) *adv.* too much, beyond measure or limit सौहार्दं सर्वभूतेषु यः करोत्यतिमात्रशः MahāBhā. vii. 167. 40; गुरुस्निग्धाम्ललवणं भजतामतिमात्रशः ··· मांसं चातिप्रवर्धते CaraS. i. 17. 78; सन्तर्पयति यः ··· गौडिकैश्चान्नैः पैष्टिकैश्चातिमात्रशः ।··· रोगास्तस्योपजायन्ते CaraS. i. 23. 4; नेत्रं विरेकातियोगे स्यन्दते चातिमात्रशः SuśruS. vi. 18. 77.

अतिमात्रशिरोग्रीवा (atimātra-śirogrīvā) *adj.* (*f.*) having a very large head and neck स ददर्शाविदूरस्था राक्षसीः ··· अतिमात्रशिरोग्रीवा अतिमात्रकुचोदरीः Rāmā. v. 15. 13; v. 20. 33.

अतिमात्रशीत (atimātra-śīta) *n.* excessive cold शीतकालेऽतिमात्रशीतोपहतत्वाच्छरीरम् ··· °गुरुदोषं भवति AṣṭāSaṁ. i. 121. 16 (1. 23)

अतिमात्रशुभ (atimātra-śubha) *adj.* very much auspicious अतिमात्रशुभावास(? सं) मन्त्रमर्चयितुर्भवेत् ParamāKā. 129. 38.

अतिमात्रसक्त (atimātra-sakta) *adj.* very much attached गुरून् ··· कथंतरां भोगेष्वतिमात्रसक्तांस्तान्हत्वा तैर्भुज्यमानान् ··· भोगान् ··· भुञ्जीय GitāBh.(Rā.) 48. 1 (*on* 2. 5)

अतिमात्रसङ्कटा (atimātra-saṅkaṭā) *adj.* (*f.*) being extremely crowded or dense द्रुहिणाण्डभाण्डमतिमात्रसङ्कटां परिपूर्य कीर्तिषु गतासु दुरस्थताम् PṛthvīVi. 9. 82.

अतिमात्रसङ्क्षोभिन् (atimātra-saṅkṣobhin) *adj.* very much jolting, giving too many jerks अतिमात्रसंक्षोभिना वा यानेन याति CaraS. ii. 3. 6 (1922 Ed.); मातुः प्रपतत्यकाले गर्भः तथातिमात्रसंक्षोभिभिर्यानैर्यानेन अप्रियातिमात्रश्रवणैर्वा CaraS. iv. 8. 21 (1941 Ed.); AṣṭāSaṁ. i. 206. 11 (2. 2)

अतिमात्रसंपन्नक (atimātrasampanna-ka) *adj.* excessively possessed of तमहमितो विलोक्य ··· विभवमदेन निहुतह्रियातिमात्रसंपन्नकम् Bhaṭṭi. 10. 36 (comm. अतिमात्रं भृशं संपन्नमेव संपन्नकं युक्तमित्यर्थः)

अतिमात्रसारिणी (atimātra-sāriṇī) *adj.* (*f.*) moving with great speed ययौ रथानां पुरतो हि सा चमूस्तथैव पश्चादतिमात्रसारिणी MahāBhā. xii. 52. 32.

अतिमात्रसूक्ष्म (atimātra-sūkṣma) *adj.* extremely subtle क्षणमात्रमतिमात्रसूक्ष्मः प्राणितु भवतां दृष्टिमार्गेऽपवर्गः AmṛUda. 1. 11(8)

अतिमात्रस्तनित (atimātra-stanita) *n.* great thunder अतिमात्रस्तनितपटहोत्क्रुष्टादीनां शब्दानामतिमात्रं श्रवणमतियोगः CaraS. i. 11. 37.

अतिमात्रस्वप्न (atimātra-svapna) *m.* excessive sleep अतिमात्रस्वप्नजागर्ये (योगविरोधिन्यौ) GitāBh(Rā.) 335. 8 (*on* 6. 16)

अतिमात्रस्वलक्षण (atimātra-svalakṣaṇa) *adj.* having excessively its own characteristics तत्रातिमात्रस्वलक्षणः कालः कालातियोगः CaraS. i. 11. 42 (comm. अतिमात्रस्वलक्षणोऽतिमात्रशीतादिः); AṣṭāSaṁ. i. 116. 24 (1. 22)

अतिमात्रस्विन्न (atimātra-svinna) *adj.* excessively perspiring अतिमात्रस्विन्नसर्वगात्रः सर्वथा न योत्स्यामीत्युक्त्वा ··· रथोपरि उपाविशत् GitāBh.(Rā.) 44. 1 (*on* 1. 26-47)

अतिमात्रहर्ष (atimātra-harṣa) *adj.* full of excessive joy, exceedingly glad असौ ··· श्रीमता अतिमात्रहर्षेण सत्रा महामात्रजनेन अभिप्रतस्थे ĀnandRa. 6. 53(5); *m.* excessive joy अतिमात्रहर्षानुगतमित्रामात्यनैगमसमुदायः सहूणराजः ··· महान्तमुत्सवमनुबभूव (हीरनृपालः) ĀnandRa. 8. 31(12)

अतिमात्रहृत (atimātra-hṛta) *adj.* completely removed दोषे ह्यतिमात्रहृते वायुर्हन्यादबलमाशु CaraS. vi. 7. 41 (1941 Ed.); SiddhYo. 51. 3.

अतिमात्रहृषित (atimātra-hṛṣita) *adj.* exceedingly glad हीरभूपालः अतिमात्रहृषितसमरजैत्रमहामात्रकृतानुयात्रः ··· अभिप्रतस्थे ĀnandRa. 6. 51(7)

अतिमात्रा (ati-mātrā) *f.* **1** (in Rit.) very large joining brick उपदध्यात् ···पञ्चम्यामेकैकां प्राणभृदाधिषु शेषं छन्दसां विराजश्च यथातिमात्राः षट्सप्ताष्टमेष्वभितो यथासंख्यम् MānŚS. 221. 19; VārāŚS. II. i. 7. 21; **2** excessive quantity or measure मात्रातिमात्राप्यशिता सुखं यस्य विपच्यते । तीक्ष्णाग्निरिति तं विद्यात् RugVi. 6. 4; **अतिमात्रया** (ati-mātrayā) [Instr.] in an excessive measure or quantity, excessively, to a very great extent नोचितानपि सेवेत बुद्धिमानतिमात्रया CaraS. i. 7. 34; लेहयेत् ··· न दुर्दिनपुरोवाते नासात्म्यं नातिमात्रया KāśyaS. 4A. 34; क्लेशलभ्यं धनं येन क्षपितं नातिमात्रया । कुलमानगुणाचारनिधनं तेन रक्षितम् DaśāvaC. 5. 156; RasRaSa. 1. 75; BhojanKu. 30. 14.

अतिमात्राग्निज्वाला (atimātrāgnijvālā) *f.* huge flame of fire अवीचिः । यत्रातिमात्राग्निज्वालालिङ्गितानां सत्त्वानां सुखवीचिरन्तरं नास्ति Sphuṭā. iii. 3. 4 (*on* 3. 1)

अतिमात्रान्न (atimātrānna) *n.* excessive quantity of food षड्विधः । अतीसारः स सुतरां जायते ··· मद्यरूक्षातिमात्रान्नैः AṣṭāSaṁ. i. 279. 13 (3. 8); AṣṭāHṛ. iii. 8. 2.

अतिमात्राभिलाष (atimātrābhilāṣa) *adj.* having excessive desire for स च तद्दुहितरि ··· अतिमात्राभिलाषः DaśKuC. 36. 11; *m.* excessive desire or covetousness लालसा तु···अतिमात्राभिलाषे च NānārthāSaṁ. ii. 184. 1565.

अतिमात्रायतलोचन (atimātrāyata-locana) *adj.* having very large eyes अस्यातिमात्रायतलोचनस्य ··· । आश्चर्यरत्नस्य ··· किमाकरो चौर्तुं वसुन्धरा नु ĀścaCū. 1. 6.

अतिमात्रावसादशील (atimātrāvasāda-śīla) *adj.* given over to excessive despondency, excessively despirited ' विषादी ' अतिमात्रावसादशीलः GitāBh.(Rā.) 678. 13 (*on* 18. 28)

अतिमात्राविला (atimātrāvilā) *adj.* (*f.*) excessively confounded or confused अन्येन विदधेऽरीणामतिमात्राविलासिना । उद्धूर्णेन चमूस्तूर्णमतिमात्राविलासिना SiśuVa. 19. 50.

अतिमात्राशन (atimātrāśana) *n.* over-eating, eating more than one's fill (श्रेष्ठम्) अतिमात्राशनमामप्रदोषहेतूनाम् CaraS. i. 25. 40 (1941 Ed.); AṣṭāSaṁ. i. 82. 9 (1. 13); अतिमात्राशनाच्चैव विरुद्धाजीर्णभोजनात् । षष्ठिग्रहः कुमाराणां जायते देहनाशनः KāśyaS. 145A. 18.

अतिमात्रास्यनेत्रा (atimātrāsyanetrā) *adj.* (*f.*) having very large mouth and eyes (स ददर्श ··· राक्षसीः) अतिमात्रास्यनेत्राश्च दीर्घजिह्वानखास्तथा Rāmā. v. 15. 14; (रावणः ··· संदिदेश) राक्षसीः ··· अतिमात्रास्यनेत्रां च दीर्घजिह्वामजिह्विकाम् Rāmā. v. 20. 33.

अतिमात्रोज्झितभी (atimātrojjhita-bhī) *adj.* who has completely shed all fears अतिमात्रोज्झितभीरनास्तिकः । ··· त्वया कुतः सदृशोऽन्यः Siśu-Va. 16. 7.

अतिमात्रोत्थान (atimātrotthāna) *n.* excessive bulging यानि ··· प्रवाहिकातिमात्रोत्थानवङ्क्षणानाहवन्ति ··· श्लेष्मोल्बणानि अर्शांसीति विद्यात् CaraS. vi. 14. 17.

अतिमात्रोपयोग (atimātropayoga) *m.* excessive use or consumption (of food-stuff) तथैवात्यशनं ज्ञेयमतिमात्रोपयोगतः KāśyaS. 260B. 14; तृणशोषी नाम संभवति रूक्षस्य मन्दाग्नेर्गर्हितयवसोपयोगात्, वाहितानामतिमात्रोपयोगात् Hastyāyur. 160. 27 (2. 4)

अतिमात्रोपसेवित (atimātropasevita) *adj.* excessively consumed or eaten अन्नैरम्लोष्णलवणैरतिमात्रोपसेवितैः । सौम्यधातुक्षयो दृष्टः SiddhYo. 70. 2.

अतिमात्रोष्ण (atimātroṣṇa) *adj.* very hot निर्यद्भिरतिमात्रोष्णैर्मुखनिःश्वासवायुभिः । निवेदयन्तं दुर्वार्तावज्रानलम् ··· तं राजनन्दनः । कुशलम् ··· पप्रच्छ VikraDeC. 4. 39.

अतिमात्रौषध (atimātrauṣadha) *n.* excessive or heavy dose of medicine स्विन्नस्य मृदुकोष्ठस्य … । अतिमात्रौषधं पित्तं(पीतम्) जीव(जीवा)-दानाय कल्पते BhelaS. 249. 12 (8. 4)

अतिमाद्यत् (ati-mādyat) *adj.* very much exhilerating or inspiring मोक्षमार्गः समीके मानात् सांमुख्यभाजामहिमकरमयूखातिमाद्यन्मरीचिः KhadgaS'. 23.

अतिमाधुर्य (ati-mādhurya) *n.* excessive sweetness or pleasantness (of a breeze) शीतोऽतिमाधुर्यगुणः(? ण) प्रयुक्तः … प्राचीप्रवृत्तः पवनो न शस्तः HāriS. i. 5. 25; *adj.* very sweet केवलमतिमाधुर्यं दुग्धैः स्निग्धैश्च शर्करामिलितैः । …मृत्युंजय देव भुङ्क्ष्व परमान्नम् MṛtyuMāPūSt. 27.

[1]**अतिमान** (ati-māná) *m.* (once *n.* in VṛGautaSm.) **1** excessive arrogance or conceit or pride ततोऽसुरा अतिमानेनैव स्वेष्वेवास्येषु जुह्वतश्चेरुस्तेऽतिमानेनैव पराबभूवुः … पराभवस्य हैतन्मुखं यदतिमानः S'atBr. V. i. 1. 1 = XI. i. 8. 1; स ह स्तेनातिमानेन मानुषं वित्तं नेयाय GopBr. i. 2. 10; अतिवादोऽतिमानश्च … मित्रद्रोहश्च तानि षट् । एत एवासयस्तीक्ष्णाः कृन्तन्त्यायूंषि देहिनाम् MahāBhā. v. 37. 9; अत्यायं चातिमानं च दम्भं क्रोधं च वर्जयेत् MahāBhā. xii. 91. 29; अतिमानः श्रियं हन्ति पुरुषस्याल्पमेधसः MahāBhā. xiii. 36. 17 = SūktiRa. 69. 2; MahāBhā. iii. 199. 18; vi. 38. 4 (= BhagGī. 16. 4); xiii. 29. 14; अतिदर्पे हता लङ्का अतिमाने च कौरवाः CāṇaS'. 48; सप्तमानाः । …अतिमानः कतमः । सदृशात् श्रेयानस्मि श्रेयसा सदृशोऽस्मीति वा या चित्तस्योन्नतिः AbhidhSa. 45. 7; AbhidhKoBh. 284. 23 (*on* 5. 10); AbhisaAlaṅĀ. 456. 16; संरूढस्यातिमूढे प्रणयसमुदयस्यातिमानोऽवमानः PadmPrā. 21. 19; धिगमर्षं तथा मद्यमतिमानमभीरुताम् MārkP. 6. 34; 19. 28; BhagAjju. 42(12); शाम्यं च दीर्घवैरत्वमतिमानमनार्जवम् । … शूद्रमाविशेत् VṛGautaSm. 635. 2(22); BṛKathāK. 69. 16; उपपातकम् … अतिमानोऽतिकोपश्च PadmP. ii. 67. 63; S'ivaP. v. 6. 1 (412A. 2); **2** excessive self-respect अतिमानादतिक्रोधात् स्नेहाद्वा यदि वा भयात् । उद्बध्नीयात् स्त्री पुमान् वा गतिरेषा विधीयते ParāSm. 4. 1; BṛParāSm. 8. 50. **3** name of one of the seven sages in the Cākṣuṣa Manvantara उन्नतो भार्गवश्चैव … अतिमानश्च पौलस्त्यः …।मधुरात्रेय इत्येते सप्त वै चाक्षुषेऽन्तरे Vāyu-P. ii. 1. 66; *adj.* whose pride is excessive, very proud श्रीनरसिंहः …अप्रतिहतशासन[:]…अतिमानः EI. x. 6. 9; इत्थं मतिमानाभ्यामभिहितमाकर्ण्य वचनमतिमानाभ्याम् (द्रौपदीभीमसेनाभ्याम्) …धर्मसुतो वचनमाचचक्षे YudhiVi. 4. 36.

[2]**अतिमान** (ati-māna) *m.* excessive measure or quantity (अशनम्) अप्रमाणेन दुर्मेधाः सेवते चातिमानतः BhelaS. 54. 24 (2. 3); *adj.* [*f.* -ā] immeasurable, boundless, transcending or being beyond all measures अतिमानया … कीर्त्याभितः सुरभितः … भूपो बभूव DaśKuC. 1. 11; को वा ज्ञातुं त्वामतिमानं गतमानं मायासक्तो माधव शक्तो मुनिमान्यम् AdhyāRā. vi. 13. 16; श्रुत्वादसीयभणितं हमीरराट् हर्षप्रकर्षमतिमानमुद्वहन् । …प्रोवाच वाचम् HammīMa-Kā. 12. 3.

अतिमानक (atimāna-ka) *adj.* exceeding the proper measure, excessive, अतिमात्रेऽतिमर्यादमतिवेलातिमानकम् Vaija. 211. 131, cf. [2]**अतिमान**.

[1]**अतिमानतस्** (atimāna-tas) *adv.* through great pride or vanity दाक्षिण्यादतिमानतो रसवशात् … तदनुष्ठितं मृगदृशा शक्यं न यद् योषिताम् SaduktiKa. 156. 13.

[2]**अतिमानतस्** (atimāna-tas) *adv.* in an excessive quantity or measure, excessively (अशनम्) अप्रमाणेन दुर्मेधाः सेवते चातिमानतः BhelaS. 54. 24 (2. 3)

अतिमानना (ati-mānanā) *f.* great honour or respect सत्वरमतिमाननया वासविरानीयते स मतिमाननया (उत्तरया) YudhiVi. 6. 30.

अतिमाननीय (ati-mānanīya) *adj.* [*f.* -ā] highly respectable or praiseworthy यो ह्यन्यायेन विपुलमर्थं संगृह्य … पूर्वाश्रमलिङ्गानि परिवर्त्य अतिमाननीयत्वाद्याश्रमस्वीकारेण तद् द्रव्यं रक्षति तस्य तद् व्रतं वैडालसंज्ञं भवति CaturCin. iii(1). 364. 13; अस्ति प्रभावैरतिमाननीया चोलावनी शालिवनीनिचोला Raghunā. 1. 11.

अतिमानप्रवृत्त (atimāna-pravṛtta) *adj.* acting with great pride अतिमानप्रवृत्तस्तु जायते कुत्सिते कुले ViṣṇuDhaP. iii. 253. 34.

अतिमानयत् (ati-mānayat) *adj.* greatly honouring (obeying implicitly) इति भवद्वचनान्यतिमानयन् फणिपतिर्निरगादुरगैः समम् Nāray. x. 56. 6.

अतिमानयुत (atimāna-yuta) *adj.* having excessive pride ये पुरा मनुजा घोरा अतिमानयुता भृशम् । दर्पसमन्विताः … चण्डालाः संभवन्ति ते MahāBhā. xiii. App. (2048); भीष्मः … राज्ञाम् … अयुतं प्रतिजज्ञे हन्तुमनिशमतिमानयुतम् YudhiVi. 6. 151.

अतिमानरुद्धसंधान (atimānaruddha-sandhāna) *adj.* whose union was prevented by excessive pride अप्राप्तकेलिसुखयोरतिमानरुद्धसंधानयोः … यूनोः … भावाः प्रसादपिशुनाः क्षपयन्ति निद्राम् SubhāRaK. 21. 52.

अतिमानवत् (atimāna-va(n)t) *adj.* (pigeon) having a very large size वतः पतः परापारापारेभ्यश्चातिमानवान् KalpaK. 332. 132; *m.* pigeon, dove, [pw]

अतिमानवती (atimāna-vatī) *adj.* (*f.*) highly honoured, greatly respected बन्दीकृतो हरिरसौ ननु निद्रयात्र शक्त्या तवैव भगवत्यतिमानवत्याः DevīBhāP. i. 7. 41.

अतिमानवमाया (atimānava-māyā) *f.* superhuman power विसिसियेतया विश्वमतिमानवमायया HarVi. 43. 192.

अतिमानवविक्रम (atimānava-vikrama) *adj.* having superhuman valour आमनामा नृपः श्रीमानतिमानवविक्रमः PrabhāC. 82. 19 (11)

अतिमानवीय (ati-mānavīya) *adj.* superhuman, divine अवाप्यमशेषभोगानतिमानवीयान् Raghunā. 6. 23.

अतिमानशालिन् (atimānaśāl-in) *adj.* having great self-respect धृतिमानवोचदतिमानशालिनो मतिमानथास्य बहुमानहेतवे ĀnandRa. 8. 26.

अतिमानस (ati-mānasa) *adj.* beyond the mind or mental sphere यत्खण्डत्वं स्वधर्मस्य देहिनामुपजायते । तेनातिमानसस्तापः … जायते BrahmP. 122. 59.

अतिमानातुरता (atimānātura-tā) *f.* eagerness or impatience caused by excessive huff स्वामिनी मनोरमा निकुञ्जे स्वयमेवातिमानातुरतया मनोभावापन्ना भवति SāmaraU. 225. 15.

अतिमानाभिधान (ati-mānābhidhāna) *adj.* beyond the means of knowledge and name आदेशो ब्रह्मणोऽतोऽयं निरादेशस्य भण्यते । अतिमानाभिधानस्य BṛĀraUBhVā. 174 (*on* 2. 3)

अतिमानार्ह (atimānārha) *adj.* worthy of great honour अतिमानार्हौ खल्वेतौ न विलम्बमर्हतः प्रियसमागमस्य KaṁVa. 7. 12 (22)

अतिमानित (ati-mānita) *adj.* [*f.* -ā] highly honoured, very much respected मां परिष्वज । एतावताहं भवता भविष्याम्यतिमानिता MārkP. 66. 20; ततः कलिङ्गराजोऽपि … स्वगृहं यातस्तेन सज्ञातिमानितः VarāP. 137. 81; अवियुक्तः प्रीतमना बन्धुभिश्चातिमानितः … शिवं स्मरेत् BrahmP. 131. 56; येन त्यक्तः पुरा तेन गृहं नीतोऽतिमानितः DevīBhāP. iii. 11. 46; तत्रास्य सहसैवाशु प्रतिभोदेष्यति स्वयम् । अहमसि नृपः श्रीमान्सिन्धुर्नाम्नातिमानितः YogVā. vi(2). 156. 6.

अतिमानिता (atimāni-tā) *f.* excessive pride, arrogance or haughtiness हर्षः शोकोऽतिमानिता ।… दृश्यन्ते लुब्धबुद्धिषु MahāBhā. xii. 152. 19; तेजः क्षमा धृतिः शौचमद्रोहो नातिमानिता । भवन्ति संपदं दैवीमभिजातस्य भारत BhagGī. 16. 3; दया समस्तभूतेषु तितिक्षा नातिमानिता ।… सामान्यवर्णानां कथिता गुणाः ViṣṇuP. iii. 8. 36; अत्यर्थं मानः अतिमानः स यस्य विद्यते सोऽतिमानी, तद्भावः अतिमानिता GītāBh.(S'aṅ.) 453. 16 (*on* 16. 3); प्रमादोन्मादरोषेर्ष्यावञ्चनं चातिमानिताम् ।… साध्वी विवर्जयेत् VedaVyāSm. 2. 34.

अतिमानित्व (atimāni-tva) *n.* excessive pride यौ तौ लोहिताक्षविजयवर्माणौ तावप्यतिमानित्वात् … मलयकेतुमाश्रितौ MudrāRā. 3. 24 (35); अस्थाने गर्वः अतिमानित्वम् GītāBh.(Rā.) 608. 14 (*on* 16. 3)

अतिमानिन् (atimān-ín) *adj.* [*f.* -ī] **1** very haughty or arrogant, puffed up with great pride, having very high opinion of oneself सधमादो द्युम्निनीराप एता इत्यनतिमानिन्यः S'atBr. V. iii. 5. 19; स्यात् … न चातिमानी न च हीनवृत्तो MahāBhā. v. 36. 6 (अतिमानी … सर्वानतीत्याहं मतिमानिति यो मन्यते MahāBhāraDī.); रणे रणेऽतिमानी च विमुखश्चैव दृश्यते MahāBhā. v. 165. 8; त्वां च … अतिमानिनमाहवे । दृष्ट्वा दुर्योधनः … तप्स्यति MahāBhā. vii. 123. 17; viii. 29. 12; अद्येमां भक्षयिष्यामि पश्यतस्तेऽतिमानिनः Rāmā. iii. 24. 17 (GORRESIO's Ed.); अतिमानिनमग्राह्यमात्मसंभावितं नरम् । क्रोधनं व्यसने हन्ति स्वजनोऽपि नराधिपम् Rāmā. iii. 31. 15; vi. 74. 24; मद्यमांसप्रिया नित्यं कोपना चातिमानिनी (असुरशीला अङ्गना) NāṭyaS'ā. 22. 104; 22. 111; बलावलेपदुष्टे त्वं मा दुर्गे गर्वमावह । अन्यासां बलमाश्रित्य युद्ध(?ध्य) से यातिमानिनी MārkP. 90. 2; 125. 12; ततस्तेषु विपन्नेषु दानवेष्वतिमानिषु ।…महिषः…प्रत्युद्ययौ हरिम् MatsyaP. 152. 16; (न प्राप्यते ललितेश्वरी) उद्धतैरुद्धतालापैर्दाम्भिकैरतिमानिभिः BrahmāṇḍP. iii. 38. 79; अपि कीर्त्यर्थमायान्ति नाशं सद्योऽतिमानिनः PañcT. 282. 13 (*on* 3. 22); लोहिताक्षविजयवर्मणोरपि …अतिमानिनोः कीदृशोऽनुग्रहः प्रीतिं जनयिष्यति MudrāRā. 3. 24 (52); कर्ता द्यूतच्छलानां जतुमयशरणोद्दीपनः सोऽतिमानी … क्वास्ते दुर्योधनोऽसौ VeṇiSaṁ. 5. 234; यस्मिन् कृषीवला राष्ट्रे…नातिमानिनः । वसेत्तत्र विचक्षणः BrahmP. 221. 106; अत्यर्थं मानः अतिमानः स यस्य विद्यते सः अतिमानी GītāBh. (S'aṅ.) 453. 16 (*on* 16. 3); सहासनश्चातिमानी वादी दण्डमवाप्नुयात् S'ukraNī. 4(5). 86; 3. 86; **ii** having very high self-respect, very proud महाबाहुः … सुदुर्जयः । अतिमानी च शूरश्च प्रवीरः प्रियदर्शनः MahāBhā. viii. 50. 60;

शिवा ··· लज्जाविष्टा स्थिता तत्र वेपमानातिमानिनी DeviBhāP. i. 12.19; सा बाला विदल्लं चातिमानिनम्। निपुणं सर्वकार्येषु ··· समाहूय तमेकान्ते प्रोवाच DeviBhāP. iii. 15.36; ix. 14.6; सोमकान्तो मे भर्ता । अतिमानी वदान्यश्च शूरो दृढपराक्रमः GaṇeP. 5.36 (1); स जयति नरदेवो मानहन्तातिमानी AlaṅkāMañ. 123.12 (34); *m.* one of the ten sons of 14th Manu अतिमानी प्रवीणश्च ··· सत्यस्त्वेते मनोः सुताः S'ivaP. 446.5 (*on* v. 34.68)

अतिमानुष (ati-mānuṣa) *adj.* [*f.* -ī, -ā] superhuman or divine, (form, act, strength, valour etc.) शृणु राजन् कथाम् ··· अतिमानुषीम् । अगस्त्यस्य MahāBhā. iii. 98.2; तं कुमारमृषिर्दृष्ट्वा कर्म चास्यातिमानुषम् MahāBhā. i. 68.9; iii. 231.17; iii. 254.10; स तत्र विषयैर्युक्तः कल्याणैरतिमानुषैः। मेनेऽभ्यधिकमात्मानम् MahāBhā. v. 8.9; पाण्डुपुत्राः ··· प्रहारे संमर्दे सर्व एवातिमानुषाः MahāBhā. v. 166.22; v. 178.30; तत्र तल्लाघवं दृष्ट्वा बीभत्सोरतिमानुषम् । देवदानवगन्धर्वाः ··· फल्गुनं प्रत्यपूजयन् MahāBhā. vi. 54.5; ततो युधिष्ठिरः प्रेक्ष्य व्यूहं तमतिमानुषम्।··· वाक्यमब्रवीत् MahāBhā. vii. 19.21; vii. 73.36; vii. 88.8; तत्र भारत भीमस्य बलं दृष्ट्वातिमानुषम् । व्यत्रस्यन्त रणे योधाः MahāBhā. viii. 55.28; तेषामभ्यागतानां स राजा राजीवलोचनः। व्यादिदेशान्नपानानि शय्याश्चाप्यतिमानुषाः MahāBhā. xiv. 86.20; ततः प्रवृत्तं मधुरं गान्धर्वमतिमानुषम् Rāmā. vii. 94.11 = AdhyāRā. vii. 7.12; सान्दीपनिरसंभाव्यं तयोः कर्मातिमानुषम्। विचिन्त्य ···मेने प्राप्तौ चन्द्रदिवाकरौ ViṣṇuP. v. 21.22 = BrahmP. 194.22; ये युद्धेऽपि न संप्राप्ताः पञ्चत्वमतिमानुषे MārkP. 2.56; अतिमानुषाणि ताभिः क्षितिषु ददृशिरे पदानि जिष्णोः Kirātā. 10.7; आप्लुतानाप्लुते काये यस्य गन्धोऽतिमानुषः AṣṭāHṛ. ii 5.24; त्वाम् ··· रूपेणातिमानुषेण प्रथमेन वयसोपपन्नां किम् ··· चापलं स्पृष्टं न वेति परीक्षिता DaśKuC. 116.18 (6); 144.22 (8); देवयोरुभयोर्दृष्टं माहात्म्यमतिमानुषम् ĀścaCū. 7.34; अतिमानुषीं धनुषि धिक् च तां क्रियाम् RāmC. 20.32; प्रागेव चिन्तितं कार्यं मयेदमतिमानुषम् MahāP. 7.202; तस्मान्नानुभवज्ञानं संभवत्यतिमानुषम् DeviBhāP. vi. 15.54; अष्टोत्तरसहस्रं यस्तिलैस्त्रिमधुराप्लुतैः । नित्यं प्रजुहुयात्तस्य शक्तिः स्यादतिमानुषी S'āraTi. 11.52; सारस्वती भवेद्देवी तस्य वागतिमानुषी LiṅgaP. i. 85.201; अतिक्रान्ता सभा यस्य सुधर्मामतिमानुषीम् GaṇeP. i. 53.4; स चकार तुरङ्गस्थः संग्रामतिमानुषम् RājTa.(Ka.) 7.905; नृपः प्राह शमस्तादृक् शक्तिश्चाप्यतिमानुषी।··· कस्येदृशं महः PrabhāC. 117.1; आरराध सभाजनैरतिमानुषैर्मधुरेश्वरम् ··· राजशेखरपार्थिवः S'ivLī. 15.88; श्रीशम्भोरतिमानुषा गुणगणा लीनास्तदङ्गेऽप्यहो ParamāKā. 8.55; कोऽयमस्मद्भुवमिमामवतीर्णोऽतिमानुषः RāmC. 9.7; पारे समुद्रस्य···गुणवानीश्वरः साक्षात् कश्चिद् दृष्टोऽतिमानुषः KalkiP. ii. 1.11.

अतिमानुषकर्मन् (atimānuṣa-karman) *adj.* of superhuman or extraordinary deeds तस्मादिच्छाम्यहं श्रोतुमतिमानुषकर्मणाम् । तेषामाजननम्··· कीर्तय MahāBhā. i. 109.4; *1214; शृणु भीमस्य कर्मेदमतिमानुषकर्मणः MahāBhā. iii. 12.2; ix. 11.20.

अतिमानुषचेष्टादि (atimānuṣa-ceṣṭādi) *adj.* superhuman activities etc. पद्मासनस्थ एवासौ भूमिमुत्सृज्य वर्तते । अतिमानुषचेष्टादि तथा सामर्थ्यमुद्भवेत् YogaU[2]. 55.

अतिमानुषचेष्टित (atimānuṣa-ceṣṭita) *adj.* having superhuman exploits or behaviour तमुदारं महासत्त्वमतिमानुषचेष्टितम्।··· ज्ञात्वा विस्मितः पाकशासनः MahāBhā. xiii. 5.8; आसीत्प्रथमकल्पे तु मनुः स्वायंभुवः पुरा । तस्य पुत्रद्वयं जज्ञे अतिमानुषचेष्टितम् VarāP. 2.55; अतिमानुषचेष्टितः स्वयं मधुजित् ··· असुरानभिहन्तुमीहते Yādavā. 9.9.

अतिमानुषतेजस् (atimānuṣa-tejas) *adj.* of superhuman prowess बत मोहस्य माहात्म्यमतिमानुषतेजसम् । सदाशिवार्चने यत्तं यत्तं शिवममोहयत् ParamāKā. 56.1.

अतिमानुषपौरुष (atimānuṣa-pauruṣa) *adj.* possessing superhuman valour नन्दसूनुः कथमयमतिमानुषपौरुषो बाललीलाकलेवरावृतोऽप्यनावृतब्रह्मास्वादसोदरानन्दमेदुरामुदञ्चयति चेतसो वृत्तिम् KaṁVa. 3.30 (1)

अतिमानुषप्राणबल (atimānuṣa-prāṇabala) *adj.* possessing superhuman vitality जगृहे च महति संपराये ··· सिंहवर्मा करिणः करिणमवप्लुत्यातिमानुषप्राणबलेन चण्डवर्मणा DaśKuC. 36.9.

अतिमानुषम् (ati-mānuṣam) *adv.* in a superhuman way तस्मिन् प्रगीते चातिमानुषम् ···। वैलक्ष्याद् गोमुखस्यासीदभिप्रायः पलायितुम् BṛKāthāS'loSaṁ.24.46.

अतिमानुषरूप (atimānuṣa-rūpa) *n.* superhuman beauty यमयोस्त्वतिमानुषरूपमनुरुध्यमाना ··· दुर्योधनमतिनिर्भरमालिलिङ्ग लक्ष्मीः AvantiKa. 47.8.

अतिमानुषरूपसंपद् (atimānuṣa-rūpasampad) *adj.* having abundance of superhuman beauty अतिमानुषरूपसंपदम् ··· कन्यकामिमाम् । चकमे मृगयुः Nalābhyu. 7.63.

अतिमानुषवर्चस् (atimānuṣa-varcas) *adj.* having superhuman splendour मां न पश्यसि किं राजन्नतिमानुषवर्चसम् SkandP. ii(2). 9.66.

अतिमानुषविक्रम (atimānuṣa-vikrama) *adj.* having superhuman valour पश्यामि कर्णम् ··· अतिमानुषविक्रमम् MahāBhā. vii. 148.31; x. 8.23; xii. 29.122; अतिमानुषविक्रमं तमालोच्य भूपतिः Raghunā. 8.83.

अतिमानुषविग्रह (atimānuṣa-vigraha) *adj.* having a superhuman body ते दृष्ट्वा वर्ष्मवन्तं तमतिमानुषविक्रमम् (v. l. अतिमानुषविग्रहम्)। भूतमेव व्यवस्यन्तो न स्म प्रव्याहरन् भयात् MahāBhā. x. 8.23.

अतिमानुषशक्ति (atimānuṣa-śakti) *adj.* possessing superhuman powers अर्वाचीनाः केचिदतिमानुषशक्तयः ĀgaPrā. 2.7.

अतिमानुषसद्गुण (atimānuṣa-sadguṇa) *m.* superhuman good qualities आवासभूतमतिमानुषसद्गुणानां रूपं दृशोरमृतवर्षि बिभर्षि भद्रे RasSa. 48.

अतिमानुषसुख (atimānuṣa-sukha) *n.* divine pleasure मनुष्यातिशायिपुरुषविशेषनिकेतोऽतिमानुषसुखाधिष्ठानो नानोपकरणः स्वर्गः PramāVāSvopVṛ. 114.1.

अतिमानुषानुभाव (atimānuṣānubhāva) *adj.* having superhuman greatness (गर्गमुनिः) अतिमानुषानुभावं न्यगदत् त्वामप्रकाशयन्पित्रे Nārāy. x. 44.6.

अतिमानैकपर (atimānaikapara) *adj.* given to excessive pride तस्यातिमानैकपरस्य पुंसः पश्याम्यवष्टब्धमहं विनाशम् Rāvaṇā. 26.26.

अतिमान्द्य (ati-māndya) *n.* extreme feebleness (शब्दस्य) अन्त्यस्यातिमान्द्याच्छब्दान्तरोत्पत्तिशक्तिविघातः NyāyVār. 289.3 (*on* ii. 2.14); 308.4 (*on* ii. 2.36)

अतिमान्य (ati-mānya) *adj.* [*f.* -ā] highly esteemed, very respectable or adorable हते पाण्डयेऽर्जुनं कृष्णस्त्वरन्नाह वचो हितम्। पश्यातिमान्यं राजानमपयातांश्च पाण्डवान् MahāBhā. viii. 16.4; xiii. 27.89; शास्त्रार्थसाहसयुताः शशिजेऽतिमान्याः Bṛhajjā. 21.9; अवाप्स्यसि···भुवो भर्तुरुचितमतिमान्यं धन्यमसामान्यं कन्यारत्नम् NalaCam. 3.16(4); याः ··· प्रकीर्तिताः। सोमपत्न्योऽतिमान्याः VarāP. 35.2; मिश्रपुरन्दरश्च मत्तातपादानामतिमान्यः CaitaCa. 139.14(6)

अतिमान्यभाव (atimānya-bhāva) *m.* the state of being greatly esteemed आखेटिकाव्यसनिनो नृपतेर्विशेषादायासिता इति गतैरतिमान्यभावम् । अश्वैरवापि यवसावसरश्चिरेण PṛthvīVi. 4.21.

अतिमाय (ati-māya) *adj.* **i** possessing great magical power तामिल्वलेन महता स्वरेण गिरमीरिताम्। श्रुत्वातिमायो बलवान् क्षिप्रं ब्राह्मणकण्टकः MahāBhā. iii. 480*(2); इदमतिमायेन शम्बरेण सह यमस्य मायायुद्धं भवति Manmatho. 3.27 (638.17); **ii** beyond the power of nescience (*māyā*) नित्यमसौ ते (v. l. स त्वतिमायः) दैत्यगणारिः प्रहरतु मखमिव (दाक्षं) रिपुगणम् NāṭyaS'ā. 15.147; सृष्टं त्वया यथा सर्वमाब्रह्मभवनान्तिमम्। गगनं चातिमायेन दुस्तरं तद्वदस्व मे JayāS. 2.26; अमुनातिमाये(न ? ने)मां रक्षताधोक्षजेन AvantiKa. 45.16; अद्भुताकृतिमिमामतिमायस्त्वं बिभर्षि करुणामय मायाम् Kirātā. 18.30 [fully liberated, emancipated from Māyā, PW, MW, Apte]; *m.* names of various demons; (a *daitya*) अभ्युत्तताम···अस्तमयाय शत्रोः। ··· नीलच्छविः कृततमीतिमिरोऽतिमायः HarVi. 34.29; 34.49; (son of Bhaṇḍa) अतिमायो बृहन्माय उपमायश्च ··· इत्येते दुर्मदाः पुत्रा भण्डदैत्यस्य दुर्धियः BrahmāṇḍP. iii. 26.49; (a *rākṣasa* in the army of Rāvaṇa) अतिकायेऽतिमाये च मुह्यतीवारिसंपदा RāmC. 28.74.

अतिमाया (ati-māyā) *f.* name of a sister of Māyā [DBHS]

अतिमायाविता (atimāyāvi-tā) *f.* the state of being very deceitful तेषां राजवल्लभतयातिमायावितया च दुर्निवारत्वात् Mitā. 115.8 (*on* 1.336)

अतिमायावित्व (atimāyāvi-tva) *n.* the state of being very deceitful तेषां (कायस्थानां) राजवल्लभतयातिमायावित्वाच्च दुर्निवारत्वात् Mitā. 104.27 (*on* 1.336) [1926 Ed.]

अतिमायाविनी (ati-māyāvinī) *adj.* (*f.*) great expert in magic कथमुत्तरीयमपि निर्मितमतिमायाविन्या KundaMā. 4.22(1)

अतिमायिक (ati-māyika) *adj.* having great (magic) powers शार्दूलः ··· अतिमायिकः। ··· जग्राह तां वधूम् S'ivaP. iii. 27.16 (327A.4); अहो विचित्रं तव राम चेष्टितम् ··· चलस्यजस्रं चरणादिवर्जितः संपूर्ण आनन्दमयोऽतिमायिकः AdhyāRā. i. 5.44.

अतिमायिन् (ati-māyin) *adj.* **i** possessing great magical powers विशेषयन्तावन्योन्यं मायाभिरतिमायिनौ। युयुधाते (घटोत्कचालंबकौ) MahāBhā. vii. 149.25; शम्बरस्य च मायानां सहस्रमतिमायिनः। यस्मिन्प्रयुक्तं चक्रेण कृष्णस्य वितथीकृतम् ViṣṇuP. i. 15.153; **ii** very deceitful विद्वेषवैरिकलहासुखघातभीतिनिर्भर्त्सनाभिभवनासुविनाशनादीन् । दोषानुपैति निखिलान्मनुजोऽतिमायी बुद्धेति चारुमतयो न भजन्ति मायाम् SubhāRaSaṁ. 60.

अतिमायेश (atimāyeśa) *adj.* who is the lord of the great nescience (*māyā*) शंभुः ··· मायातीतोऽतिमायेशो मायासक्तः स्वमायया । न कालं बुबुधे योगी BrahmVaiP. iv. 46.29.

अतिमार (ati-māra) *m.* name of a king [PW]

अतिमारक (atimāra-ka) *m.* name of a king कुरु, गर्ग, संजय, अतिमारक (इति कुर्वादिः) JaineVyā. 172.3 (*on* iii. 1.139)

अतिमारुत (ati-māruta) *m.* **i** strong wind, hurricane, cyclone देशेऽशुचावात्मनि च विद्युत्स्तनितसंप्लवे । भुक्त्वार्द्रपाणिरम्भोऽन्तरर्धरात्रेऽतिमारुते (अनध्यायः) YājñaSm. 1.149; AgniP. 162.17; अतिमारुते ··· अनध्यायान्विदुर्बुधाः BṛParāSm. 6.365; अतिमारुतेऽहन्यपि तावत्कालं नाधीयीत Mitā. 50.27 (*on* 1.149); अतिमारुतेऽतिशयेन वाति वायौ Aparā. 191.24 (*on* 1.149); VīraMi. 232.7 (*on* 1.149); **ii** excess of the bodily humour called 'wind' माकन्दिकायाश्शकलैस्सुसूक्ष्मैः । श्लक्ष्णैस्सुसम्भारसुसंयुतैश्च । जयेदवश्यं कफजान्विकारान् मान्द्यं कृशानोरतिमारुतं च BhojanKu. 109.20.

अतिमारुति (ati-māruti) *adj.* who excels the son of Marut (i.e. Hanumat) विकृष्य बलवच्चापमा कर्णादतिमारुतिः । तं मुमोच महेष्वासः क्रुद्धः कर्णजिघांसया MahāBhā. viii. 34.38.

अतिमार्ग (ati-mārga) *adj.* extraordinary (act or procedure) लोकाम्नायातिमार्गाभिसंधिशैवात्मकान्ययोः । कर्माणि क्षेत्रिकादीशगणकाङ्क्षान्तिकानि तु MṛgendraT. ii. 8.78 (comm. अतिमार्गाणि कर्माणि योगजन्यानि); सिद्धिमाप्नुयात् अतिमार्गस्य धर्मैश्च Rasā 18.146.

अतिमार्गण (ati-mārgaṇa) *m.* **i** importunate person शल्यं हृदये निक्षिपन्त्यतिमार्गणाः HarṣaC. 196.2; **ii** sharp arrow, HarṣaC. 196.2.

अतिमार्दव (ati-mārdava) *n.* **i** excessive mildness (taste) अतिमार्दवश्वैत्यौष्ण्यतैक्ष्ण्यपैच्छिल्यसर्पिताः । सान्द्रतापक्वता हीनद्रव्यता दोष उच्यते SuśruS. i. 11.17; **ii** excessive softness or gentleness (human qualities) ब्राह्मणे केवले लक्ष्मीर्न वसत्यतिमार्दवात् AhirbuS. 16.20; नातिक्रौर्यं नातिशाठ्यं धारयेन्नातिमार्दवम् S'ukraNī. 3.218; **iii** extremely delicate nature or tenderness (limbs) आभिरूप्यमकाठिन्यमङ्गानामतिमार्दवम् BhāvPra.(S'ā.) 103.16(5)

अतिमाल (ati-māla) *adj.* **i** beyond (i.e. superior to) a garland अतिखट्वः अतिमाल इत्यत्रान्तर्वर्तिनो विवृतस्य विवृतः प्राप्नोति संवृतः स्यादित्येवमर्था प्रत्यापत्तिः MahāBh. i. 15.13 (*on* i. 1.1); याङ्विधानेऽतिखट्वायातिमालायेत्यप्रतिषेधः । ···याट्प्रसक्तस्तत्र भवति । ह्रस्वादेशात् MahāBh. iii. 341.20 (*on* vii. 3.113); क्रान्ताद्यर्थे द्वितीयया । अतिक्रान्तः खट्वाम् अतिखट्वः । अतिमालः CāndraVṛ. *on* ii. 2.24; अतिखट्वः अतिमालः KāśiVṛ. *on* P. i. 1.48; *on* P. ii. 2.18; *on* P. vi. 2.2; मालामतिक्रान्तोऽतिमालः Prasā. i. 524.11; SiddhāKau. 182B.10; 209A.13; **ii** better than a pearl necklace [nt.]

अतिमाहात्म्य (ati-māhātmya) *n.* great majesty, excessive greatness सांख्यवेदान्तयोगाः ··· तवैवातिमाहात्म्यम् ··· गायन्ति भक्त्या SkandP. ii(9). 15.3; दृश्यते चातिमाहात्म्यं तेषामतिमहौजसाम् AnuVyā. 51A.3 (*on* 3.3); न तस्यातिमाहात्म्यम् TattvPrakā. 151A.1 (*on* iii. 2.5)

अतिमाहात्म्यवत् (atimāhātmya-va(n)t) *adj.* possessed of great majesty मुख्यप्राणस्यातिमाहात्म्यवद्विष्णूपपन्नत्वोपपत्तेः TattvPrakā. 130A.5 (*on* ii. 4.10); सुप्तप्रबोधकत्वेनातिमाहात्म्यवतो हरेर्भक्तिर्युक्तेति सिद्धम् TattvPrakā. 152A.6 (*on* iii. 2.8)

अतिमाहिष्मतीपति (ati-māhiṣmatīpati) *adj.* superior to the lord of Māhiṣmatī (i.e. Sahasrārjuna) नामेयचैत्यं सोऽपश्यदतिमाहिष्मतीपतिः DvyāśraKā. 15.91.

¹अतिमित (ati-mita) *adj.* overmeasured, beyond measure, exceeding [MW], excessive [Apte]

²अतिमित (a-timita) *adj.* not moistened [MW], not wet [Apte]

अतिमिततनु (atimita-tanu) *adj.* whose body is beyond measure शिवाच्चिन्मात्राख्यादतिमिततनोरागतमथो Bhāsk. ii. 210.8 (*on* iii. 1.1)

अतिमिताक्षर (atimitākṣara) *adj.* consisting of very few words प्रियतमारहितापि वियोगिनीस्थितिमिताक्षरसत्कथा HarVi. 3.38.

अतिमित्र (ati-mitra) *adj.* surpassing the sun अतिमित्रं तत्र तेजो मित्रावरुणजे मुनौ SkandP. iv. 2.107; *m.* (i) name of a king अतिमित्रोऽनुमित्रश्च पुरुमित्रोऽपराजितः AgniP. 219.30; (ii) name of one of the Maruts of the Praghoṣaṇa-group द्वितीये पवनस्कन्धे गणो नाम प्रघोषणः । ··· अतिमित्रो नामित्रश्च ViṣṇuDhaP. i. 127.25; ii. 22.53; (iii) name of a god अतिमित्रो सुषेणश्च ऋतधामा KalpaK. 371.14; *n.* very friendly constellation तत्कालनैसर्गिकतश्च पञ्चधा पुनः प्रकल्प्यास्त्वतिमित्रशत्रवः JātaPā. 2.45.

अतिमित्रता (atimitra-tā) *f.* great friendship मूषको वायसश्चैव गतावेकारिमित्रताम् (v. l. एवातिमित्रताम्) PañcT. 2.25 (204.6); द्वयोः सुहृत्त्वं त्वतिमित्रता भवेत् JātaPā. 2.46.

अतिमित्रतेजस् (ati-mitratejas) *adj.* surpassing the sun's lustre यत्रातिमित्रतेजोभिः शलाकाभिः समन्ततः । मणिमाणिक्यरत्नानां प्रासादे भित्तयः कृताः SkandP. iv. 66.80.

अतिमित्रवत्सल (ati-mitravatsala) *adj.* greatly affectionate towards a friend हरीश्वरादप्यतिमित्रवत्सलो यथोचितं दण्डधरो यमादपि PṛthvīVi. 2.32.

अतिमिद् (ati-mid-) I. (IV)P. (*caus.*) to cause to thrive or prosper ब्रह्मसाम्नैव तदन्यान्यह्नान्यतिमेदयति PañcBr. v. 2.12.

अतिमिम्मिन (ati-mimmina) *adj.* speaking very indistinctly (or with a nasal twang) (अपत्यम्) तृतीयरात्रौ म्रियतेऽथवा पुनः सगद्गदोऽन्धो बधिरोऽतिमिम्मिनः KalyāKā. 2.47.

अतिमिरचक्षुस् (atimira-cakṣus) *adj.* with eyes without amaurosis अथवा किं विकल्पेन ममातिमिरचक्षुषः । न हि दृष्टेन दृष्टार्थे द्रष्टुर्भवति संशयः BṛKathāS'loSaṁ. 26.6.

अतिमिरा (a-timirā) *adj.* (*f.*) free from darkness (i.e. bright) अतिमिरा हरितः प्रचकाशिरे Yādavā. 3.1.

अतिमिर्मिर (áti-mirmira) *adj.* exceedingly twinkling अश्वैतानरूपेभ्य आलभते ।··· अतिमिर्मिरमतिमेमिषम् TaiBr. III. iv. 19.1.

अतिमिलित (ati-milita) *n.* a kind of buttermilk कालसेयकखाडवकमिलितातिमिलितानि दश भवन्ति (तक्राणि) BhojanKu. 145.18.

अतिमिलिन्दपुञ्ज (ati-milindapuñja) *adj.* having many swarms of bees नीत्वा निकुञ्जेऽतिमिलिन्दपुञ्जे ··· गतः कथं स्यात् सखि मे प्रियोऽसौ Padya-Ve. 423.

अतिमिश्र (ati-miśra) *adj.* of extremely mixed (features) रामाप्रियो भारसहोऽतिमिश्रः HāriS. i. 5.23.

अतिमिष्ट (ati-miṣṭa) *adj.* very dainty, savoury, sweet येऽतिमिष्टं समश्नन्ति नो वाप्यन्नं ददति च PadmP. ii. 67.76.

अतिमीलित (ati-mīlita) *adj.* tightly closed नातिमीलितेन लोचनयुगलेन ··· तमहम् ··· महाभागमद्राक्षम् Kād. 165.16.

अतिमीविता (ati-mīvitā) *adj.* (*f.*) very strong, extremely large अपीवितां नाप्यतिमीवितां श्रितं तनुम् DhātuKā. 1.72 (comm. अतिमीवितामतिस्थूलाम्)

अतिमुकुट (ati-mukuṭa) *adj.* wearing top-most crown वत्सप्रोक्तोऽतिमुकुटः कटकाङ्गदहारवान् BhaviP. 337A.13 (ii(1). 12.14)

अतिमुक्त (áti-mukta) *adj.* **A** absolutely free एतेनो ह्यस्य सर्वे यज्ञक्रतव एतं मृत्युमतिमुक्ताः S'atBr. II. iii. 3.10; **B** beyond liberation अतिमुक्तस्तु निष्कले AnekāSaṁ. 4.97; VisvaPra. 72.196; अतिमुक्तस्तु कलाहीने ParaNā. 2672; AnekāTi. 4.10; ViśvaLoK. 151.191; KośaKaTa. 2.5661; **C** fully released शचीपतिः । हस्तान्तादतिमुक्तेन कुलिशेनाभ्यताडयत् Rāmā. vii. 35.46; अतिमुक्तस्तु पुमांस्तिमिशपादपे ।···अतीव मुक्ते NānārthāSaṁ. iii. 27.19; **D** entirely free from worldly attachments अतिमुक्तस्तु निःसङ्गे MediK. 71.183; DharK. 996; S'abdaRaSaK. 133.15; 158.11; **E** surpassing a necklace of pearls अतिमुक्तमग्रथितकेसरावली सततातिवासमुभगार्पितस्तनम् । ··· तदङ्गपरिवर्तमाप्नुयात् MālaMā. 5.47; *m.* name of a flower-plant *Gaertneria racemosa* or *Banisteria bengalensis* (or its flowers) प्रियङ्ग्वशोकतिलकैरतिमुक्तैश्च शोभिताम् MahāBhā. ii. App. I. 15.18; पुन्नागैः पारिजातैर्बकुलकुवलयैः किंशुकैः सातिमुक्तैः । एतैर्नानाप्रकारैः कुसुमसुरभिभिर्विप्रकीर्णैश्च तैस्तैर्वासन्तैः पुष्पवृन्दैः NāṭyaS'ā. 15.131; BhelaS. 179.9 (6.18); पलाशिनीवेतससूर्यवल्ली श्यामातिमुक्तैः सहिताष्टमूली BṛSaṁ. 55.22; अतिमुक्तः पुण्ड्रकः स्याद् वासन्ती माधवी लता AmaK. 792; आरण्यैररुणैः पुष्पैरतिमुक्तैः सुगन्धिभिः । पूजयेद् धूपदीपाद्यैः S'āraTi. 10.17; अतिमुक्तमयं तद्वत्पाटला विष्णुलोकदा AgniP. 202.3; पावन्तिरतिमुक्तश्च कर्णिकारः कुरण्टकः ··· पूजायै स्यात् AgniP. 247.2; अतिमुक्तः पुण्ड्रकः स्यात् कुमारी तरणिः सहा AgniP. 362.37; मन्दारैः पारिजातैश्च अतिमुक्तैस्तथार्चयेत् VāmaP. 62.13; तगरैर्धवबाणैश्च अतिमुक्तैः सकुब्जकैः ।··· अन्यैश्च विविधैर्वृक्षैः BrahmP. 28.13; (तत्क्षेत्रम्) केतकीकरवीरैश्च अतिमुक्तैश्च किंशुकैः । ···तथान्यैः पुष्पजातिभिः···शोभितम् BrahmP. 41.43; आस्ते···क्षेत्रम्···केतकीवनखण्डैश्च अतिमुक्तैः सकुब्जकैः ··· समलंकृतम् BrahmP. 42.24; 43.52; 44.68; Vaija. 60.188; ParyāMu. 11.15; AnekāSaṁ. 4.97; लता स्यादतिमुक्तेऽपि AnekāSa. 743; NighS'e. 1926; DharK. 996; 1018; सुरप्रमदाजनः ··· विकारानतिमुक्ते सुमनस्यपि व्यधत्त S'rīKaC. 8.29; AnekāK. 44; NānārthāSaṁ. iii. 27.19; MediK. 71.183; 75.235; CaturCin. ii(1). 680.12; ii(2). 647.18; AnekāTi. 4.10; S'abdaRa.(Vā.) 1060; 3901; ParaNā. 2672; BhāvPraNi. 85.40; 85.7; BhāvPra.(Bhā.) 6 (5).40; AbhidhāMañ. 98.10; RājNi. 201.24; ViśvaLoK. 10.53; VīraMi.(Pūjā.) 257.18; KośaKaTa.

1\. 3653; ApūNā. 23B. 4; S'abdaRaSaK. 158. 11; NityoNi. 171. 7; BālamBh. i. 328. 12 (*on* 1. 100)

अतिमुक्तक (atimukta-ka) *adj.* absolutely liberated, completley emancipated अतिदूरप्रवृद्धेन मधुना जगति को वा न विक्रियते यदतिमुक्तको मुनिरपि विचकास VāsaDa. 136. 2 (comm. पक्षे अतिमुक्तकः पुण्ड्को मुनिरगस्त्यो विचकास, मुनिः अगस्त्यवृक्षश्च S'rīraṅgam 1906); *n.* **i** a composition free from metrical rules पद्यं च द्विविधं तत्र सुवृत्र(? त्त)मतिमुक्तकम् ViṣṇuDhaP. iii. 2. 12; **ii** name of a cemetery near Banares [DBHS]; *m.* **1A** a kind of perfume having the fregrance of *atimuktaka* तुल्यैः पत्रतुरुष्कवालतगरैर्गन्धः स्मरोद्दीपनः।…जातीत्वक्सहितोऽतिमुक्तक इति ज्ञेयः स कुस्तुम्बुरुः BṛSaṁ. 77. 7; **1B** name of a vernal plant or flower *Gaertneria racemosa*, sometimes identified with *Dalbergia ougeinensis* or *Banisteria bengalensis* जम्बूभिः पाटलाभिश्च कुब्जकैरतिमुक्तकैः MahāBhā. i. 199. 42; i. *513(1); i. *1246(1); xiii. 14. 30; xiii. 54. 4; xiv. App. 4. 1641; अशोकैः सप्तपर्णैश्च केतकैरतिमुक्तकैः। … प्रमदेवोपशोभिताम् (पम्पाम्) Rāmā. iii. 71. 22; vi. 77*(1); vii. 42. 4; किराततिक्तकातिमुक्तकबिभीतक … प्रभृतीनां तैलानि SuśruS. i. 45. 120; iv. 31. 5; vi. 60. 35; लतां प्रफुल्लामतिमुक्तकस्य चूतस्य पार्श्वे परिरभ्य Saund. 7. 8; अच्छातिमुक्तकाच्छोडनालिकेरमधूकजम् HāriS. 14. 22; अतिमुक्तककुन्दाभ्यां कर्पासं सर्षपान् वदेत् BṛSaṁ. 29. 5; 55. 4; 85. 5; तिनिशे स्यन्दनो नेमी रथद्रुरतिमुक्तकः AmaK. 701; तथातिमुक्तकैरण्डशेफाल्यभिरुजानि च AṣṭāHr. vi. 13. 89; VāsaDa. 136. 2; समालतीजात्यतिमुक्तकानां वीर्याभिरम्याणि वनानि रेजुः VarāṅgaC. 22. 71; PadmP.(Ra.) 42. 19; 68. 16; Kapphiṇā. 1. 32; ParyāRaMā. 652; AbhidhāRaMā. 2. 53; विकचविचकिलातिमुक्तकमल्लिकारामकुसुमस्तबकतारकितलतामण्डपम् YaśasCam. i. 528. 5; 529. 1; भवेत् … शत्रुक्षयः कदम्बेषु अर्थलाभोऽतिमुक्तके BhaviP. 286A. 20 (i. 193. 9); पुष्पाणि चिन्वत्यतिमुक्तकस्य पश्य श्लथं केशकलापमेषा NavaSāC. 14. 52; अस्य तरोरधस्तादतिमुक्तकान्रोपयिष्यामि Tantrākhyā. 122. 3; अधिरोपिते चिकुरशेखरतामतिमुक्तके त्रिदिववामदृशाम् S'rīKaC. 13. 11; Vaija. 48. 46; Hārāva. 179; DhanvNi. 176. 14; 201. 24; AṣṭāNi. 11. 20; AbhidhāCin. 1147; AnekāSaṁ. 3. 18; 5. 21; DharK. 2569; ViśvaPra. 8. 68; 75. 229; 130. 65; 165. 39; AnekāK. 261; NānārthāSaṁ. ii. 169. 1394; ii. 191. 1649; CaturCin. ii(1). 785. 2; वासन्तीलता अतिमुक्तकलताश्च यद्यप्येकार्था नामकोशेऽधीतास्तथापीह भेदो रूढितोऽवसेयः AupaSūṬ. 17. 7; SthānṬ. 334B. 12; S'ārṅgaP. 2122; ApūNā. 11B. 1; ViśvaLoK. 161. 252; 367. 48; KośaKaTa. 2. 5245; 2. 5736; KalpaK. 257. 78; S'abdaRaSaK. 10. 20; 22. 3; 46. 8; 101. 10; 257. 1; **2 i** name of a prince तस्यातिथीः प्रिया चासीत् तत्पुत्रोऽप्यतिमुक्तकः BṛKathāK. 76. 160; **2 ii** name of a deity चन्द्रपूरोऽथ गुल्मश्च शुभः कामोऽतिमुक्तकः AgniP. 144. 10; **2 iii** name of a sage कंसबन्धुर्विविक्तात्मा मुक्तिकामोऽतिमुक्तकः।… शमवान् मुनिराययौ PāṇḍaC. 2. 163; **2 iv** name of a Jain spiritual teacher श्रीशत्रुञ्जयतीर्थस्य माहात्म्यमतिमुक्तकः। केवली यदुवाच प्राक्(ग्)नारदस्य ऋषेः पुरः TīrthaK. 1. 2.

अतिमुक्तकगृह (atimuktaka-gṛha) *n.* bower of *atimuktaka* creepers अत्रातिमुक्तकगृहे मरुदीरणविधुतकुसुमसंछन्ने … कान्तः पल्लवशयने नो तृप्तिमगात् KuṭṭaMa. 668.

अतिमुक्तकनद्ध (atimuktaka-naddha) *adj.* covered (tied) with the creepers *atimuktaka* अतिमुक्तकनद्धेषु तरुखण्डेषु नित्यशः। स्थितिर्मे वारणैः सार्धम् Hastyāyur. 14. 18 (1. 1)

अतिमुक्तकपत्र (atimuktaka-patra) *n.* leaf of the creeper *atimuktaka* अतिमुक्तकपत्राणि … क्षिपेत्। कुम्भेषु पञ्चसु ViṣṇuDhaP. ii. 99. 72.

अतिमुक्तकबालक (atimuktaka-bālaka) *m.* child called Atimuktaka अतिमुक्तकबालकः। दीक्षामादाय जैनेन्द्रीं तस्थौ मुदितमानसः BṛKathāK. 106. 178.

अतिमुक्तकमण्डप (atimuktaka-maṇḍapa) *m.* grove of the creepers *atimuktaka* (मद्रनाथः) उपागतः … तं देशम् … मृद्वीकामण्डपैर्मुख्यैरतिमुक्तकमण्डपैः (शोभितम्) MatsyaP. 118. 26; PadmP.(Ra.) 95. 51; BṛKathāK. 46. 52; व्यधुः। प्रमोदमवरोधानामतिमुक्तकमण्डपाः PāṇḍaC. 4. 90; 5. 75.

अतिमुक्तकमण्डल (atimuktaka-maṇḍala) *n.* grove of creepers *atimuktaka* (तस्यैव पर्वतेन्द्रस्य प्रदेशम् उपागतः) अतिमुक्तकमण्डलैः (शोभितम्) ViṣṇuDhaP. i. 151. 19.

अतिमुक्तकमला (atimukta-kamalā) *f.* name of a maiden विजयसेना च अतिमुक्तकमला च … नाम ग्रामिकदुहिताः LaliVi. 18. 22 (35)

अतिमुक्तकमाला (atimuktaka-mālā) *f.* name of a maiden [PW]

अतिमुक्तकमौक्तिक (atimuktaka-mauktika) *n.* pearl in the form of the (flowers of the) creeper *atimuktaka* अतिमुक्तकमौक्तिकैर्विवन्ने कुचकुम्भेषु वधूजनस्य हारः S'rīKaC. 8. 43 (comm. अतिमौक्तिकानि(? मुक्तकानि) एव वर्णसंनिवेशाभ्यां मौक्तिकानि तैः हारो विवन्ने हारशोभा प्रकटीकृता)

अतिमुक्तकलता (atimuktaka-latā) *f.* creeper *atimuktaka* मया … अतिमुक्तकलतामण्डपे … तल्पमधिशयानो मनसिशय इव … पथिकदारको दृष्टः TilaMañ. 162. 20; 353. 13; KathāSaSāg. xiii. 1. 92.

अतिमुक्तकवल्ली (atimuktaka-valli) *f.* creeper *atimuktaka* अतिमुक्तकवल्लीभिः … द्रुमाः … शोभन्ते PadmP. v. 15. 37.

अतिमुक्तकव्रतति (atimuktaka-vratati) *f.* creeper *atimuktaka* न सुरभावभवन्नतिमुक्तकव्रततयोऽततयोगगुणश्रियः HarVi. 3. 29.

अतिमुक्तकसंभूतपुष्प (atimuktakasambhūta-puṣpa) *n.* flower born of the *atimuktaka* creeper आर्पयत्। अतिमुक्तकसंभूतपुष्पमालां तु मानिनी SamarāSaṁ. 9. 247.

अतिमुक्तकसाधुवत् (atimuktakasādhu-vat) *adv.* like the saint Atimuktaka बालं पुंसामभिज्ञानामतिमुक्तकसाधुवत्। … स्वकम्। पक्षं देवगुरुः प्राह PrabhāC. 179. 26.

अतिमुक्तकसुगन्धि (atimuktaka-sugandhi) *adj.* fragrant like the flower *atimuktaka* उत्पलसप्तपर्णचूतातिमुक्तकसुगन्धि … सेनामतङ्गजगणा मुमुचुर्मदाम्भः HarVi. 44. 12.

अतिमुक्तका (atimuktakā) *f.* the creeper *atimuktakā* (Jasmine) अतिमुक्तका माधव्याम् ApūNā. 11B. 1.

अतिमुक्तकागार (atimuktakāgāra) *n.* bower of *atimuktaka* creepers सः (राजा) … अतिमुक्तागार(v. l. अतिमुक्तकागार)मपश्यत् MahāBhā. iii. 190. 24.

अतिमुक्तकामोद (atimuktakāmoda) *m.* fragrance of the (flower of the) *atimuktaka* creeper अतिमुक्तकामोदमुद्दामयन् … परावर्तत सुरभिमासः Kād. 362. 22.

अतिमुक्तकुसुम (atimukta-kusuma) *n.* flower of the creeper *atimukta* अतिमुक्तकुसुमे य उपलब्धो गन्धः स बन्धूके … कदाचिदुपलभ्यते NyāyMañ. i. 207. 6

अतिमुक्तजव (atimukta-java) *adj.* who have given up speed अध्वानमल्पमतिमुक्तजवैस्तुरंगैरागच्छता पथि रथेन विलम्बितं मे PañcRā. 3. 22.

अतिमुक्तजाल (atimukta-jāla) *n.* net-work of *atimukta* creepers अतिमुक्तजालमयीं पार्श्वे वापीम् … कारयित्वा MahāBhā. iii. 190. 23 (add.)

अतिमुक्तद्रुम (atimukta-druma) *m.* *atimukta* plant सदैन्यमलसं मुक्तोऽतिमुक्तद्रुमः RājeKaPū. 70; Subhāṣi. 2535.

अतिमुक्तपादप (atimukta-pādapa) *m.* *atimukta* plant शान्तोऽतिमुक्तपादपः DharK. 877, 2314.

अतिमुक्तबन्धन (atimukta-bandhana) *adj.* having loose joints तस्य (नरस्य) चेच्चक्षुषी … अतिमुक्तबन्धने … तदा परासुरिति विद्यात् CaraS. v. 3. 6 (1941 Ed.)

अतिमुक्तबीज (atimukta-bīja) *n.* seed of *atimukta* creeper अतिमुक्तबीजमध्यं मधुलीढं हन्त्युदरवृद्धिम् BhāvPra.(Bhā.) 8(38(? 39)). 24.

अतिमुक्तमहामुनि (atimukta-mahāmuni) *m.* great sage called Atimukta इत्थं हसित्वा सोत्कण्ठमतिमुक्तमहामुनिम्। स मृत्युंजयमात्मानं मन्वानो राज्यमादधे PāṇḍaC. 2. 203.

अतिमुक्तमहारावा (atimukta-mahārāvā) *adj.* (*f.*) uttering a very loud cry, roaring very loudly अतिमुक्तमहारावा…। पपात पूतना भूमौ ViṣṇuP. v. 5. 10.

अतिमुक्तलता (atimukta-latā) *f.* *atimukta* creeper परिगृहाण गते सहकारतां त्वमतिमुक्तलताचरितं मयि Mālavikā. 4. 13; MatsyaP. 209. 6; DaśKuC. 102. 3; ViṣṇuDhaP. ii. 37. 6; अतिमुक्तलतानवीनसूनस्मितसंभावित एष मानिनीनाम् Manmatho. 4. 5 (643. 8)

अतिमुक्तसार (atimukta-sāra) *adj.* lacking in essence, without reality न हि अतिमुक्तसारे वस्तुनि स्थूलस्य अवस्थानसंभवः Bhāsk. i. 257. 14 (*on* i. 5. 14)

अतिमुक्तस्रज् (atimukta-sraj) *f.* garland (of flowers) of the *atimukta* creeper उन्नतस्तनतटोत्सङ्गेऽतिमुक्तस्रजं भूषायै प्रमथप्रिया निदधिरे S'rīKaC. 8. 56.

अतिमुक्तहस्त (atimukta-hasta) *adj.* extremely generous, extremely open-handed सर्वस्वदानेष्वतिमुक्तहस्तः। दत्त्वाप्यशोकः … त्वम् DaśāvaC. 5. 198; *m.* branch of the plant *atimukta*, DaśāvaC. 5. 198.

अतिमुक्ता (atimuktā) *f.* creeper *atimuktā* श्यामातिमुक्तातर्कारीकुसुमक्वाथसाधितम् … घृतम् AṣṭāSaṁ. ii. 183. 8 (6. 2); DharK. 933; NānārthāSaṁ. i. 17. 90; i. 110. 787; AbhidhāMañ. 261. 18; S'abdaRaSaK. 167. 2.

अतिमुक्तागार (atimuktāgāra) *n.* bower of the creepers *atimuktā* (राजा) श्रान्तः … अतिमुक्तागारमपश्यत् MahāBhā. iii. 190. 24.

अतिमुक्ति (áti–mukti) *f.* **1** complete release उपनद्धस्य गृह्णात्यतिमुक्त्यै TaiS. VI. vi. 9.2; KauṣīBr. 10.3 (46.13); S'atBr. II. iii. 3.9; XIV. vi. 1.5; BṛĀraUBhVā. iii. 1.27; **2** an offering called *atimukti* अतिमुक्तीर्जुहोति BhārS'S. vii. 5.6; ĀpaS'S. vii. 7.2; xix. 13.2.

अतिमुक्तिक (atimuktika) *m.* the flower *atimuktika* मालती मल्लिका चैव यूथिका चातिमुक्तिकः (पुष्पप्रकाराः) BhaviP. 166B.20 (i. 115.23)

अतिमुक्तिका (ati–muktikā) *f.* name of a woman सेयमतिमुक्तिका मुक्तकण्ठमारटति निकटे नाटकसूत्रधारी HarṣaC. 328.18.

अतिमुक्तिता (atimukti–tā) *f.* the state of final liberation, being finally released साध्यादप्यासुराद्दैवसाध्याप्तिरतिमुक्तिता BṛĀraUBhVā. iii. 1.25.

अतिमुक्तिसाधन (atimukti–sādhana) *n.* means of final release or liberation अतिमुक्तिः अतिमुक्तिसाधनम् BṛĀraUBh. 359.4 (*on* iii. 1.3)

अतिमुख (ati–mukha) *adj.* (blowing) against the face नानापुष्परजोमिश्रः … । दिव्यस्त्रीगीतबहुलो मारुतोऽत्र सुखो (v. l. मारुतोऽतिमुखो) ववौ MahāBhā. xiii. 14.34; **ii** having a big face (or mouth) प्रलम्बकण्ठोऽतिमुखः … दैत्यो वृषभरूपधृक् ViṣṇuP. v. 14.5.

अतिमुखर (ati–mukhara) *adj.* **A i** roaring or crying aloud अतिमुखराः कल्लोलमुखरम् । शोणम् … मम गजपतयः पास्यन्ति MudrāRā. 4.16; गर्वयातिमुखरानुन्नादिनो बर्हिणः … अब्द SaduktiKa. 270.7; काष्ठं दण्डं गृहाणेत्यतिमुखरजनैस्ताडितो लोष्टघातैर्भीतः सर्पः S'ārṅgaPa. 574; Subhāṣi. 2421; **A ii** prattling much मूर्खस्य चाष्टौ गुणा निश्चिन्तो बहुभोजनोऽतिमुखरः Cāṇakya Nīti. Text Tradition vol. iii. 1800; **B** greatly noisy नीरात् … अतिमुखरात् सारसतस्तीरमिता स्रोतति: Nalo. 2.45; **C** very loud स्नानशङ्खानाम् … अतिमुखरो ध्वनिः Kād. 16.12; TilaMañ. 226.19.

अतिमुखरीकृत (ati–mukharīkṛta) *adj.* made to talk at length, made very eloquent क्व धीदरिद्रोऽहं क्व च त्वं गुणपर्वतः । अभिष्टोष्ये तथापि त्वां भक्त्यातिमुखरीकृतः TriṣaS'aPuC. i. 3.478.

अतिमुग्ध (ati–mugdha) *adj.* [*f.* –ā] **A i** extremely perplexed or stupefied आकृष्टधन्वना च मनसिजेन विद्धः स दिग्धफलेन पत्त्रिणातिमुग्धः … कथं कथमप्यपासरत् DaśKuC. 60.5; अतिमुग्धः सुरापानाज्ज्ञानभ्रष्टोऽभवत् PadmP. ii. 24.10; **A ii** extremely enamoured अतिमुग्धो महादैत्यः स तस्याः सुरतेन PadmP. ii. 24.15; व्रजरामा केशववंशरवैरतिमुग्धा । … केलिनिकुञ्जगृहाय जगाम ChandoMa. 3.4; **B** very simple or innocent अगलदश्रु चलति दयिते नतभ्रुवः । … इदमेव युक्तमतिमुग्धचेतसाम् S'iśuVa. 15.89; VarāṅgaC. 14.31; BṛKathāS'loSaṁ. 22.171; किं बिम्बं पद्मबन्धोः … दृष्ट्वा द्वेष्टुर्बलस्य … तर्कयन्तेऽतिमुग्धा वध्वः … अजितलपनं वस्तदेनस्तृणेढु JinaS'. 3.12; SamaMā. 6.34; PraboCan. 2.27 (33.12); तोयेषु तस्याः प्रतिबिम्बितासु व्रजाङ्गनानां नयनावलीषु । स्वबन्धुपङ्क्तिभ्रमतोऽतिमुग्धा गोष्ठीं शफर्यो रचयांबभूवुः ChandoMa. 2.78; KaṁVa. 6.46(4); **C** very charming अतिमुग्धं च हसितम् । … बालायाः SubhāRaK. 15.43; SaduktiKa. 58.22; अतिमुग्धवाचः । … अतिमुग्धमुखीः (सौराष्ट्रतत्तीरसुगोष्ठकन्या आनन्दयन् … सचिवाधिनाथः) VasaViKā. 11.30.

अतिमुग्धक (atimugdha–ka) *adj.* very simple or innocent सुतया बुद्धिशालिन्या पिता प्रोक्तोऽतिमुग्धकः । … आकर्णय … तावत्त्वं मुग्धमानसः BṛKathāK. 55.58.

अतिमुग्धता (atimugdha–tā) *f.* great innocence or simplicity अतिमुग्धतया नरा विबोद्धुं परमार्थान्न हि शक्नुवन्ति बालाः VarāṅgaC. 24.21.

अतिमुग्धम् (ati–mugdham) *adv.* very naively or innocently नखदशननिपाताः केन कारणेन सवेदना अपि प्रीतिमुत्पादयन्ति … अतिमुग्धमभिहितम् DhūrtaViSaṁ. 18.1; KaumuMa. 5.14(5)

अतिमुग्धवत् (atimugdha–vat) *adv.* like an extremely bewildered person सीता … विललापातिमुग्धवत् AdhyāRā. vii. 4.60.

अतिमुच् (ati–muc–) VI. Ā. [*pass.* with Acc.] to be released, to be avoided, to be evaded तासां यन्मेध्यं यज्ञियं सदेवमासीत् तदत्यमुच्यत TaiS. VI. iv. 2.3; अति पाप्मानं भ्रातृव्यं मुच्यते य एवं वेद TaiS. VI. vi. 9.2; अपो वै वृत्रः पर्यशयत्ततो या अत्यमुच्यन्त ता जीवा यज्ञियाः MaiS. iv. 5.1; i. 4.6; तेषां येऽत्यमुच्यन्त ते मनुष्यान् प्राविशन् KāṭhS. 37.14; 13.8; 32.5; सः … हविषाग्निं प्रीत्वाथातिमुच्यते … ते हविषाग्निं प्रीत्वाथातिमुमुचिरे … तथो एवैवं विद्वान् होता … हविषाग्निं प्रीत्वाथातिमुच्यते KauṣīBr. 13.3 (58.15); 2.9 (8.7); अत्यहोरात्रे मुच्येवहि । ततो वै ते अत्यहोरात्रे अमुच्येते । … अति ह वा अहोरात्रे मुच्यते TaiBr. III. i. 6.2; तेन रक्षांस्यतिमोक्ष्यामहे … तेन रक्षांस्यत्यमुच्यन्त S'atBr. III. iv. 3.8; सा यदा मृत्युमत्यमुच्यत सोऽग्निरभवत् S'atBr. XIV. iv. 1.13; BṛĀraU. i. 3.12; केन यजमानोऽहोरात्रयोराप्तिमतिमुच्यते … केन यजमानः पूर्वपक्षापरपक्षयोराप्तिमतिमुच्यते S'atBr. XIV. vi. 1.6; BṛĀraU. iii. 1.3; अन्नाद्यमेवैतद् अहोरात्रयोर्मुखतोऽपिधायैतौ पुनर्मृत्यू अतिमुच्यते यदहोरात्रे JaimiBr. 1.6; वाचः सत्येनातिमुच्यते । तस्मादोमित्येवानुमन्त्रयेत JaimiUBr. iii. 19.1; i. 3.5; i. 30.4.

अतिमुच्य (atimuc–ya) *ger.* having released स सर्वान् पाशान् … मृत्योरतिमुच्य स्वस्त्येवोदमुच्यत AitBr. 12.3 (324); KauṣīBr. 15.5 (68.14); चक्षुषश्चक्षुरतिमुच्य धीराः प्रेत्यास्माल्लोकादमृता भवन्ति JaimiUBr. iv. 18.2 = KenU. 1.2.

अतिमुच्यमान (ati–mucyamāna) *adj.* [*f.* –ā] being fully released अपोऽतिमुच्यमाना अनु यजमानोऽतिमुच्यते KāṭhS. 32.5; स सर्वस्मात् पाप्मनोऽतिमुच्यमान एति JaimiUBr. i. 32.6; BṛĀraUBh. 362.17 (*on* iii. 1.6)

अतिमुद् (ati–mud–) I. Ā. to be greatly pleased राजा … सूनुना चात्यमोदत TriṣaS'aPuC. iv. 1.413.

अतिमुद् (ati–mud) *f.* great joy or delight अतिमुदैवाच्युतं संनतोऽस्मि S'atS'lo. 101; ViṣṇuPādāSt. 25; तपसि … अतिमुदो रविरत्र चेत् TājiNi. ii. 6.58 (292); क्षितिपतितिलकस्याग्रजन्मा तनूजः । लब्ध्वा नानावरौघम् …अतिमुदमधिकामावहन् ParamāKā. 75.93; ज्योतिरुदयत् परं साक्षात्कुर्वन्ननुभवति सीमामतिमुदः Manmatho. 4.17 (645.20); जनयति सुरतेऽतिमुदम् … शक्राशनानन्दः Hāsyārṇa. 2.33 (CAPPELLER's Ed.); *adj.* possessed of great joy or delight कामादतिमुदं हर्षं धर्मपौत्रमसूयत MārkP. 50.28; रमयन्ति विमानसंस्थिताः सुरवध्वोऽतिमुदोऽरिणार्चि(? र्दि)तान् YogYā. 16.14.

अतिमुदा (ati–mudā) *f.* great joy or delight प्रणम्यात्रिपुत्रमलर्कः… वाक्यमुवाचातिमुदान्वितः MārkP. 43.59; (भार्गवः) संध्यां चकारातिमुदान्वितः BrahmāṇḍP. ii. 35.39; निवृत्तः खेचरोऽतिमुदान्वितः SkandP. i(2). 6.29; नगरमतिमुदायुतं समन्तात् PādaTā. 9.2.

अतिमुदावती (atimudā–vatī) *adj.* (*f.*) full of great joy (बहुला) बुभुजे स्वल्पकं भक्ष्यं द्विज नातिमुदावती MārkP. 69.12.

अतिमुदित (ati–mudita) *adj.* [*f.* –ā] over-joyed, very glad ललिता चातिमुदिता बभूवास्य पराक्रमैः BrahmāṇḍP. iii. 27.103; DevīBhāP. vi. 2.43; अतिमुदितो महीपतिः … दिव्ययानमारूढवान् UdaySuKa. 145.7; श्रीजयदेवकवेरिदमुदितम् । रसिकजनं तनुतामतिमुदितम् GītGo. vi. 12.8; नृपप्रियामतिमुदितामुपासितुं प्रचक्रमे सुरपुरसुन्दरीजनः NemiNir. 2.34; S'ārṅgaPa. 549 (comm. 2); BhāvVi. 8; ĀnandRa. 5.8 (32); संपूर्णेन्दुप्रभास्ये सुरभिलचिकुरे मञ्जुवाणि त्वदीयात् सांनिध्यादेव पञ्चस्वतिमुदितमभूदिन्द्रियेषु त्रयं नः RasSa. 159; *n.* great joy or gladness गिरीन्द्रकन्यायाः । मुखमतिमुदितविलासं विलोकयति … ईशः PārvPa. 2.14.

अतिमुदिर (ati–mudira) *adj.* surpassing the cloud क्व तु पुनर्जटानामाटोपश्चिकुरनिकरश्चातिमुदिरः Manmatho. 2.19 (434.6)

अतिमुद्रिता (ati–mudritā) *adj.* (*f.*) tightly sealed or covered धृतपुष्पकरंडकः । वंशस्य नालिकामेकां मदनेनातिमुद्रिताम् । उद्घाटयति तावत्स दष्टस्ताम्बूलिकाहिना UttaKuC. 354.

अतिमुमुचाना (ati–mumucānā́) *adj.* (*f.*) being let loose या अतिमुमुचाना धावन्ति ता जीवा यज्ञियाः MaiS. iv. 5.1.

अतिमुस्तक (ati–mustaka) *m. n.* variety of *Cyperus rotundus* (शिरीषशेलुककुभसिन्दुवारातिमुस्तकम् … पुष्पैरेभिः प्रपकम् … घृतम् । लिह्यात् AṣṭāSaṁ. ii. 17.3 (4.3)

अतिमुहुस् (ati–muhus) *adv.* very frequently सर्वाङ्गेष्वङ्ग रङ्गत्कुतुकमतिमुहुर्धारयन्नीश चित्तं तत्राप्येकत्र युञ्जे वदनसरसिजे सुन्दरे मन्दहासे Nārāy. xi. 95.9 (comm. अतिमुहुः पुनः पुनः)

अतिमुह्यत् (ati–muhyat) *adj.* very much confused अतिमुह्यतस्तव कतरः पन्थाः BālBhā. 2.44 (1)

अतिमूक (ati–mūka) *adj.* absolutely dumb तत्र सारस्वतं तीर्थम् …। यत्र स्नातोऽतिमूकोऽपि भवेद्वाक्यविचक्षणः SkandP. vi. 46.2.

अतिमूढ (ati–mūḍha) *adj.* [*f.* –ā] very foolish, extremely dull or confused, completely insentient संरूढस्यातिमूढे प्रणयसमुदयस्यातिमानोऽवमानः PadmPrā. 21.19; अतिमूढ उदस्यते नयान्नयहीनादपरज्यते जनः Kirātā. 2.49; अतिमूढहतात्मानो निर्लज्जाः क्षुद्रवृत्तयः । ·· स्थितास्ते मृत्युसन्निधौ PadmP.(Ra.) 53.111; तद्वच्चेतोऽतिमूढम् … अवशमुपनिषद्बोधयामास सम्यक् S'atS'lo. 8; यो वा पुरैषोऽहमिति प्रतीतो बुद्ध्या विक्लृप्तस्तमसातिमूढया ViveCū. 303; सहजं च गाढमतिमूढतमं तम इत्यतः पुरमनुव्रजसि SaṁkṣeS'ā. 3.41 (ii. 172.1); सुषुप्तेऽप्यतिमूढस्य सर्वसंसारनिह्नुतिः BṛĀraUBhVā. iii. 5.212; क्व व्रजामि मम धीरतिमूढा RāmC. App. (2). 40.45; किं योगिनीदर्शमिह व्यराध्यस्त्वं वैरिणीवेदमिवातिमूढ DvyāśraKā. 14.7; मन्त्रान् वश्यादिकारिणः । मूढा जपन्तु तेभ्योऽतिमूढाः कृषिमुपासताम् PañcDa. 9.66; अतश्च धनादिस्नेहयुक्ताश्चेदतिमूढा एव Bhāsk. i. 318.7 (*on* i. 6.5)

अतिमूढधी (atimūḍha–dhī) *adj.* possessed of a very dull intellect,

very stupid निर्गतो योनितो देही मायया क्लिष्यते पुनः। पितृभ्यां जडवद् बालः पोष्यमाणोऽतिमूढधीः ĀdiP. 7.50; संनिपातज्वरस्तस्य वक्त्रजिह्वे(? वक्रजिह्वो)ऽतिमूढधीः। प्रलयं शनकैर्देहं त्यजन् याति यमालयम् TantrRā. 31.69.

अतिमूढभाव (atimūḍha-bhāva) *m.* extreme stupidity अज्ञो विनश्यति पुमानतिमूढभावात् SaṁkṣeS'ā. 1.268 (i. 205.2); वरं च दत्तं (दातुं) गतवानहं च स चापि वव्रे वरमेतदेव। निवारितो मामतिमूढभावाद् भवान् यथैवं वृतवान् वरं च BrahmP. 228.45.

अतिमूढमति (atimūḍha-mati) *adj.* of a very perplexed mind दुर्बुद्धे विनिवर्तस्व वैरिपक्षस्तवादतः।... मातिमूढमतिर्भव ViṣṇuP. i. 17.35.

अतिमूढवत् (atimūḍha-vat) *adv.* like a very stupid person यदातीव जरायुक्तो जडोऽतिबधिरो भवेत्। कफश्वासादियुक्तश्च परायत्तोऽतिमूढवत् BrahmVaiP. ii. 36.147.

अतिमूढविषय (atimūḍha-viṣaya) *m.* [Loc.] in case of a very dull person भवेदेवमिदं जगत्। एषातिमूढविषय उक्तिरेव न राजते YogVā. iv. 31.19.

अतिमूत्रता (atimūtra-tā) *f.* excessive urination ज्वरान्ते जायते शोफो मलविट् चातिमूत्रता HārīS. iii. 9.108; (बालकस्य) वर्षे षष्ठे चेष्टातिमूत्रता ĪśānS'iPa. i. 41.80.

अतिमूत्रल (ati-mūtrala) *adj.* causing excessive urine क्षारचौरोऽतिमूत्रलः HārīS. ii. 1.24; त्रपुसं त्वतिमूत्रलम् AṣṭāHṛ. i. 6.87 = AṣṭāSaṁ. i. 37.6 (1.7)

अतिमूत्रवत् (atimūtra-va(n)t) *adj.* urinating excessively (अश्वः) श्वासार्तोऽप्यतिमूत्रवान् (गतायुः स प्रकीर्तितः) AśvaVai. 23.8.

अतिमूर्ख (ati-mūrkha) *adj.* extremely foolish पण्डिते वातिमूर्खे वा... मृत्योः सर्वत्र तुल्यता BṛNāraP. 7.72; तस्य धीजडो नाम शिष्योऽतिमूर्खः Bharaṭ. 7A. 9.

अतिमूर्खक (atimūrkha-ka) *adj.* extremely foolish (ओदनस्य च किं भद्रे यौवनं ब्रूहि सांप्रतम्) ओदनस्योष्णता तद्धि ततस्त्वमतिमूर्खकः BṛKathāK. 14.13.

अतिमूर्खता (atimūrkha-tā) *f.* great stupidity, extreme foolishness सिंहोऽप्यतिमूर्खतया...तदुपरि दूरं गत्वा पपात Pañcā. 237.23; कमपि ब्राह्मणमतिमूर्खतया शब्दार्थावबोधविरहेण शुद्धिवर्जितं भगवद्गीतां पठन्तम् ... विलोक्य भगवांस्तमवादीत् CaitCa. 171.12 (7)

अतिमूर्च्छा (ati-mūrcchā) *f.* excessive fainting or swoon तृष्णा ... अतिमूर्च्छा...विमोहनानि (पित्तज्वरलक्षणानि) KalyāKā. 9.55; ज्वरातिमूर्च्छा ... सपित्तमेहेषु भवन्त्युपद्रवाः KalyāKā. 11.23; 11.175; अश्वीदधि ... कफातिमूर्च्छामयहारि BhojanKu. 137.16.

अतिमूर्च्छाविसंस्थुल (atimūrcchā-visaṁsthula) *adj.* unsteady because of excessive fainting छिन्नद्रुपातमपतत्सोऽतिमूर्च्छाविसंस्थुलः PāṇḍaC. 1.481.

अतिमूर्च्छित (ati-mūrcchita) *adj.* greatly intensified or aggravated (भेषजानि) आनयन्तीव हृदयं दोषांस्तानतिमूर्च्छितान् BhelaS. 248.5 (8.5); (तार्क्ष्यः) संमूर्च्छितोऽपि ह्यतिमूर्च्छितेन क्रोधोष्मणा खादितुमाद्रुतस्त्वाम् Nārāy. x. 71.4.

अतिमूर्ति (ati-mūrti) *m.* **i** name of a one-day Soma-sacrifice अतिमूर्तिना यक्ष्यमाणो मासं सौर्याचान्द्रमसीभ्यामिष्टीभ्यां यजेत ĀśvaS'S. II. iii. 8.1; **ii** name of an attendant of S'iva अतिमूर्तिरनेकाङ्गी क्रूरः क्रूरवपुर्महान् TantrSa. 9.167.

अतिमूर्धनपीडा (atimūrdhana-pīḍā) *f.* excessive headache अतिमूर्धनपीडायाः पीडां प्राप्नोति चार्भकः HārīS. iii. 52.1.

अतिमृगा (ati-mṛgā) *f.* big cucumber विटंकोऽतिमृगेर्वारुर्विशालैन्द्रीन्द्रवारुणी Vaija. 59.172.

अतिमृताय (ati-mṛtāya-) [*denom.*] to become like one completely dead सूर्यीयति सुधारश्मिर्मन्मथोऽतिमृतायते। मृतस्य कान्ताविरहे स्वर्गोऽपि नरकीयति SaraKaṇṭhā. 404.2 (comm. अतिमृतवद् भवति) = S'ṛṅgāPra. 410.23.

अतिमृत्यु (ati-mṛtyu) *adj.* [AltGr. II. 1.311] (leading) beyond death, conquering death अथ खल्वात्मसंमितमतिमृत्यु सप्तविधं सामोपासीत ChāndoU. ii. 10.1; ii. 10.6; महान्तं पुरुषम् ...। ब्रह्मवित्सोऽतिमृत्युं वै प्रयात्येवानिवर्तकम् BṛParāSm. 12.175 (171); अतिमृत्युपदे बहुव्रीह्याश्रयेण भक्तिपरत्वम् VīraMi.(Bhakti.) 21.1; *m.* name of a *sava*-sacrifice यमोदनमित्यतिमृत्युम् KauśiSū. 66.11.

अतिमृत्युमृत्यु (ati-mṛtyumṛtyu) *adj.* who is beyond the death of death (i.e. worst death) स एतत् सर्वं निरूह्य ... अतिमृत्युमृत्युरतिनमाम्यत्यहं भूत्वा स्वे महिम्नि सदा समासते NṛsiṁhoTāU. 7.

अतिमृदु (ati-mṛdu) *adj.* [*f.* –~dvī] **A** very soft (of touch) अतिमृदुनि क्षौमपाण्डुनि स्थानदत्तचीनपट्टोपधानके...शयनपर्यङ्कतले मुहूर्तलब्धविश्रमः AvantiKa. 29.8; तत्रोरुसंधिकक्षावक्षःसु समम्, न पीडितं नातिमृदु (चुम्बनम्) JayaMa. 112.20 (*on* 2.3); वेश्यातिमृदुभिः स्पर्शैः तत्केशोल्लेखनादिभिः। प्रबोधयति BhāvPra.(S'ā.) 101.19 (4); अतिमृदु जलमपि निपतद्भिनत्ति शैलम् Subhāṣi. 2875; अतिमृदु नवनीतात् ... परिलसति हविष्यं कस्य गलच्छलेन PadyaVe. 251; रे रे गोपाः ... स्वैरं चीरोच्चयमतिमृदुम् ... वसीध्वम् KaṁVa. 5.22; **B** extremely delicate or tender तथा ... अतिमृद्वतिकठिनं च शरीरमप्रशस्तमुच्यते KāśyaS. 48B. 7; पुष्पवृक्षानतिमृदून् दन्तेनोन्मूलयत्यसौ DevīBhāP. vii. 18.30; इयमतिमृद्वी लतिका गोपवचोभिर्विकम्पिता प्रायः GopāKeCan. 93.8; रतिनिरता अतिमृद्व्यः ... आन्ध्रोद्भवा मृगाक्ष्यः KandaCū. ii. 5.22; अङ्गानि यस्यातिमृदूनि कृत्वा कराब्जयुग्मं कठिनं व्यतानीत्। धाता Raghunā. 7.20; **C** extremely mild or gentle (wind, fire etc.) नात्युष्णोऽतिमृदुर्न च।... स्वेदः कार्यकरो मतः CaraS. i. 14.6; अतिमृद्वतितीक्ष्णानां गन्धानामुपसेवनम्।... घ्राणेन्द्रियविनाशनम् CaraS. iv. 1.125 (1941 Ed.); (सा) तदन्नमण्डम् ... अतिमृदुना तालवृन्तानिलेन शीतलीकृत्य ... स्नानाय तमचोदयत् DaśKuC. 111.24; स्तम्भं विधत्तेऽतिमृदुर्हिमश्च (बस्तिः) AṣṭāSaṁ. i. 150.19 (1.28); (दश क्षारदोषाः) तद्यथा...अतिमृदुरतितनुरतिघनः AṣṭāSaṁ. i. 191.15 (1.39); अपदच्छिन्नम् ... अतिमृदुपरुषं च (पाठं) निन्दति KāvyMī. 33.12; दर्व्या वा दरवह्निनातिमृदुना पाकं विदित्वा RaseCin. 9.49 (131.17); (हरेः) लीलावतारानुकथातिमृद्वी विश्वस्य सृष्ट्यादिकलापलिक्री CaitaCa. 63.13(3); अतिमृदुना राजभागधेयेन संभृतम्।...अमुं प्रभावलीदेशम् ... इभ्यास्ते ते समाययुः ParamāKā. 70.24; **D** exceedingly kind or gentle (by nature) अतिमृदुरतिकर्मकृच्च सौर्ये Bṛhajjā. 24.12; जननीरहितोऽतिमृदुः ... शशिभे (सौरे) Sārā. 29.7; अनुवृत्त्यातिमृद्व्यापि तस्यापोह्यत वैकृतम् RājTa. (Ka.) 8.3046; अतिमृदुः ...। सैन्धवमनुनयमानः पाण्डुतनूजो मुमोच YudhiVi. 5.56; मर्मज्ञोऽतिमृदुः क्रियासु स भवेद्धीमान् विटाधीश्वरः S'ṛṅgāDī. 1.23; नातिक्रूरो नातिमृदुर्देवसत्त्वो मनोरमः (हयः) S'ukraNī. 4(7).76; **E** very pleasing (praise etc.) वाक्यानि सुन्दरदृशोऽतिमृदूनि तस्याः [CaurPañ. (Ed. Solf) 24, nt] अतिमृदुस्तुतिनतिसेवादानप्रियोक्तिभिः। मायिकैः सेव्यते S'ukraNī. 5.26; **F** very weak चोरा इवातिमृदवो महतां कवीनामर्थान्तराण्यपि हठाद्वितरन्ति शब्दाः BhallaS'. 2 = Subhāṣi. 162.

अतिमृदुक्रमा (atimṛdu-kramā) *adj.* (*f.*) having a progression of very soft (sounds) मध्यमारभटी प्रौढेऽप्यर्थे नातिमृदुक्रमा PratāYaBhū. 61.11.

अतिमृदुगमना (atimṛdu-gamanā) *f.* name of a Buddhist deity (*lit.* having a very delicate gait) [pw]

अतिमृदुतरनासा (atimṛdutara-nāsā) *adj.* (*f.*) having an extremely delicate nose अतिमृदुतरनासा ... कामिनी पद्मिनी स्यात् S'ṛṅgāDī. 2.18.

अतिमृदुता (atimṛdu-tā) *f.* **i** excessive mildness अतिमृदुता अतिस्निग्धता...इत्येकादश द्रव्यदोषाः SuśruS. iv. 35.32; **ii** extreme softness or tenderness मुखेऽतिमृदुता ... यस्यैषा स्थितिरम्बुजस्य वसतिर्युक्तैव तत्र श्रियः SaraKaṇṭhā. 460.20 = S'ārṅgaPa. 1137; **iii** extreme sweetness (of tongue or speech), SaraKaṇṭhā. 460.20 = S'ārṅgaPa. 1137.

अतिमृदुत्व (atimṛdu-tva) *n.* **i** extreme mellowness सन्दर्भस्यातिमृदुत्वमसंयुक्तकोमलवर्णबन्धत्वम् PratāYaBhū. 63.2; **ii** extreme tenderness or softness अत्रातिमृदुत्वेनातिदुःसहत्वेन चाननुरूपयोरङ्गनामदनज्वरयोर्घटना Kuval. 88(1); सत्पुरुषचेतसाम् ... पुष्पेभ्योऽप्यतिमृदुत्वं व्यनक्ति AlaṅkāMañ. 220.17.

अतिमृदुभाग (atimṛdu-bhāga) *m.* very soft or tender part नैवाकाले न चातिमृदुभागे त्वयास्य प्रहर्तव्यम् Tantrākhyā. 26.4; PañcT. 1.86 (28) (96.11)

अतिमृदुमधुरम् (ati-mṛdumadhuram) *adv.* in a very soft and sweet manner अहो मुञ्चत मामिति शनैरतिमृदुमधुरमालपन्ती (उदयसुन्दरी) UdaySuKa. 138.2.

अतिमृदुल (ati-mṛdula) *adj.* [*f.* –ā] extremely soft, fine or delicate अतिमृदुलौ मम चरणौ S'ivāL. 95; (सः) मृगत्त्व(? त्व)चोऽतिमृदुला विवस्त्रेभ्या(? भ्योऽ)तिसर्जति SkandP. iv. 12.22; कर्णद्वन्द्वे च तालीदलमतिमृदुलम् KṛṣṇaKa. 2.93.

अतिमृदुलता (atimṛdula-tā) *f.* excessive tenderness or delicacy ततो मातृवियोगदुःखादतिमृदुलतया शान्तिरुपरता भविष्यति PraboCan. 2.33 (37.6)

अतिमृदुसंदर्भ (atimṛdu-sandarbha) *m.* composition consisting of very soft sounds रौद्रबीभत्सयोः ...। अतिमृदुसन्दर्भस्तु विरुद्धः PratāYaBhū. 61.12.

अतिमृदुस्पर्श (atimṛdu-sparśa) *adj.* very soft to the touch (भूमिः) विमलातिमृदुस्पर्शैस्तृणैश्छन्ना विराजते PadmP.(Ra.) 3.53.

अतिमृदुहृदय (atimṛdu-hṛdaya) *adj.* possessed of a very tender

heart वत्स जानामि त्वां पितृप्रियमतिमृदुहृदयम् HarṣaC. 220. 11.

अतिमृदुहृदयता (atimṛduhṛdaya-tā) *f.* excessive tenderness of heart यत इयं नः स्वामिनी मरणेन च मातुः ··· अतिमृदुहृदयतया ··· निरवलम्बना ··· आर्ग्नं प्रविशति HarṣaC. 325. 17; न चातिमृदुहृदयतया हृद्विलेखः कार्यः Bāla-Krī. i. 197. 16 (*on* 1. 350(? 349))

अतिमृद्वङ्गी (atimṛdv-aṅgī) *adj.* (*f.*) having an extremely delicate body or limbs वत्से त्वमतिमृद्वङ्गी BrahmāṇḍP. iii. 26. 81; क सा बालातिमृद्वङ्गी क च तत्तादृशं तपः SkandP. iv. 59. 66.

अतिमृष्ट (ati-mṛṣṭa) *adj.* 1 very savoury or tasteful भुञ्जन्दत्तं तया सोऽन्नमतिमृष्टमभीप्सितम् ViṣṇuP. iii. 18. 67; इदमतिमृष्टतयामृतमप्यतिशेते Nala-Cam. 7. 13(9); सुपात्रमतिमृष्टस्य पूर्णं दध्योदनस्य वै । प्रदत्तं ब्राह्मणाय VāmaP. 79. 54; 2 well-smeared, polished or rubbed well प्रतिदिनमतिमृष्टं वेश्म कुर्यात् सुशोभम् RatiRaha. 12. 1.

अतिमेचकित (ati-mecakita) *adj.* of an excessively dark blue colour नगे । वटाह्वये कृतवसतिश्च यक्षराट् प्रभातिमेचकितहरिद् विपन्नगे CaturJi-Stu. 76.

अतिमेढ्र (ati-meḍhra) *adj.* having a large penis अतिमेढ्रोग्रकायांश्च··· क्षमाचरान् । ···सृजतं (? सृजन्तं) रुद्रम्···। दृष्ट्वा ब्रह्माब्रवीत् BrahmāṇḍP. i. 9. 74.

अतिमेदुर (ati-medura) *adj.* [*f.* -ā] 1 very fatty क्रुद्धातिमेदुरान्य-कामा ··· न गर्भं धत्ते AṣṭāSaṁ. i. 200. 2(2. 1); 2 extremely thick or dense देवः स एव किमयं महसामधीशः संहर्तुमेति तिमिराण्यतिमेदुराणि RukmiHa. 4. 20; 3 full of, replete with अद्य गोत्रजगणो गृहोदरे नैवमास्यति मुदाति-मेदुरः HariVi. 5. 46.

अतिमेदुरत्व (atimedura-tva) *n.* excessive thickness or denseness अतिमेदुरत्वमासाद्य संपपृचिरे ककुभस्तमोभिः HarVi. 19. 42.

अतिमेदुरीकृत (atimedurī-kṛta) *adj.* rendered very pliable or favourable केलिरसमाधुरीततिभिरतिमेदुरीकृतनिखिलबन्धुपशुपालम् । ··· सुन्दरि माधवमवकलयालम् StavMā. 262. 27 (comm. स्निग्धतां नीताः)

अतिमेद्य (ati-medya) *adj.* very fatty मृतं कृशं चातिमेद्यम्···मांसमुत्सृ-जेत् CaraS. i. 27. 311 (1941 Ed.); अतिमेद्यं त्यजेन्मांसं हतं व्याधिविषोदकैः AṣṭāSaṁ. i. 35. 13 (1. 7)

अतिमेध (ati-medha) *adj.* highly intelligent त्वरितवचनोऽतिमेधो नातिसुतो नार्थवान् रवौ सुतगे HorāSā. 21. 5.

अतिमेधविग्रह (atimedha-vigraha) *adj.* whose form is beyond understanding कविं कवीनामतिमेधविग्रहम् । ज्येष्ठराजं वृषभं केतुमेकम् Varada-PūTāU. 1. 5.

अतिमेधस् (ati-medhas) *adj.* highly intelligent दिवोदासस्य वै तीर्थं तत्र राज्ञोऽतिमेधसः SkandP. iv. 83. 78; पलाशसमिधां हुताद् भवेदतिमेधा(? धाः) ĪśānŚiPa. i. 19. 58.

अतिमेधा (ati-medhā) *f.* high intelligence तर्पयेत्तां जलैः शुद्धैरति-मेधामवाप्नुयात् ŚāraTi. 7. 86; स विन्दतेऽतिमेधाम् ĪśānŚiPa. i. 21. 116.

अतिमेधावित्व (atimedhāvi-tva) *n.* the state of being highly intelligent यो नामातिमेधावित्वादेकवेदगतानि शाखान्तराण्यप्यधीते TantrVā. 642. 17 (*on* ii. 4. 9)

अतिमेधाविन् (ati-medhāvin) *adj.* highly intelligent तस्य पुत्रोऽति-मेधावी कम्बुग्रीवः DevīBhāP. v. 17. 11; vii. 11. 31; अतिवर्णोऽतिमेधावी···पैत्तिक-प्रकृतिर्नरः BhelaS. 72. 23 (3. 4); अङ्कात्मकोपि(ऽति)मेधावी (उत्तमसत्त्वः तुरङ्गमः) Mānaso. iv. 4. 702; (ironical) नूनमतिमेधावी भवान् SiddhāBi. 51. 6.

अतिमेध्य (ati-medhya) *adj.* i promoting the intellect greatly घृतमिदमतिमेध्यं वृष्यमायुष्यहेतुः KalyāKā. 18. 24; ii not at all defiled लघुतममतिमेध्यं पेयमेतद्धि तोयम् KalyāKā. 5. 8.

अतिमेमिष (áti-memiṣa) *adj.* opening the eyes too wide, staring अथैतानरूपेभ्य आलभते । ··· अतिमिमिरमतिमेमिषम् TaiBr. III. iv. 19. 1 (comm. सदा विस्फारिताक्षः स्तब्धदृष्टिः)

अतिमेह (ati-meha) *adj.* passing excessive urine कार्शितस्यातिमेहस्य चेष्टितस्य तथैव च (वायुः कुप्यति) BhelaS. 211. 5 (6. 28); *m.* disease of excessive urination औदुम्बरसमिद्धोमादतिमेहः क्षयं व्रजेत् DevīBhāP. xi. 24. 28.

अतिमैत्र (ati-maitra) *adj.* extremely friendly or favourable (constellation) मैत्रीकरणं मित्रभमतिमैत्रं परममैत्रर्क्षम् VasiS. 20. 7.

अतिमैत्रचेतस् (atimaitra-cetas) *adj.* one whose mind is extremely benevolent अहो हि सत्त्वेष्वतिमैत्रचेतसस्तथागतस्यानुजिघृक्षुता परा Saund. 18. 47.

अतिमैथुन (ati-maithuna) *n.* excessive sexual intercourse अति-मैथुनाद् वा शुक्रं चलितमनिर्गच्छद् विमार्गगमनादनिलोऽभितः संगृह्य मेढ्रवृषणयो-रन्तरे संहरति SuśruS. ii. 3. 12; ii. 12. 7; vi. 1. 26; vi. 41. 24; प्राग्वातादति-मैथुनात् । ··· वातादयः प्रकुप्यन्ति CaraS. i. 17. 8; iii. 3. 38 (1941 Ed.); सूतानां दुष्प्रजातानां योनिभ्रंशेऽतिमैथुने । ··· मद्यमाहुर्यथामृतम् KāśyaS. 136A. 42; अपर्वमरणं च स्याद् विशेषेणातिमैथुनात् AṣṭāSaṁ. i. 60. 16 (1. 9); व्यायामतो वाप्यतिमैथुनाद् वा ··· वातः प्रकोपः(? पं) समुपैति नित्यम् KalyāKā. 3. 54; RugVi. 26. 2; 59. 3; 61. 1; अत्यटनं चानशनमतिमैथुनमेव च । ··· द्राग्जराकरणं महत् ŚukraNi. 3. 302; cf. **अतिमोक्ष.**

अतिमैथुनज (atimaithuna-ja) *adj.* caused by excessive sexual intercourse इत्येभिर्लक्षणैर्विद्यादतिमैथुनजं क्षयम् BhelaS. 53. 8 (2. 2)

अतिमोक्ष (ati-mokṣá) *m.* 1 means of final liberation तद्योऽयं प्राणः स वायुः स उद्गाता सा मुक्तिः सातिमुक्तिरित्यतिमोक्षाः ŚatBr. XIV. vi. 1. 8; तद्यदिदं मनः ··· सातिमुक्तिरित्यतिमोक्षाः BṛĀraU. iii. 1. 6; इत्येवंप्रकारा मृत्योरति-मोक्षाः BṛĀraUBh. 363. 16 (*on* iii. 1. 6); अतिमोक्षाः स्युः सर्वत्र यथोक्तादेव लक्षणात् BṛĀraUBhVā. iii. 1. 46; 2 designation of the *mantras* in TaiS. III. v. 4. 1-2; ये देवा यज्ञहन इति यजमानस्त्रीनतिमोक्षान् जपति Vārā-ŚS. I. i. 4. 29.

अतिमोक्षमाण (ati-mokṣamāṇa) *adj.* escaping एनदभ्यग्रं शंसेद् यथार्ग्नि प्रदाव्यमतिमोक्षमाणः KauṣīBr. 16. 2 (72. 13)

अतिमोक्षातिदेश (atimokṣātideśa) *m.* transference or extension of the designation *atimokṣa* अतिमोक्षातिदेशोक्तेस्तद्विशेषोऽथ भण्यते BṛĀraUBh-Vā. iii. 2. 9.

अतिमोक्षिणी (ati-mokṣíṇī) *adj.* (*f.*) (a form of Prajāpati) which completely frees one (from sin) एषा वै प्रजापतेरतिमोक्षिणी नाम तनूर्यदर्दाभ्यः TaiS. VI. vi. 9. 2; KāṭhS. 30. 7.

अतिमोचारसा (ati-mocārasā) *adj.* (*f.*) surpassing the essence of banana वृषाकपायीवरयोः सपर्या वाचातिमोचारसयेति तन्वन् । मुनिप्रवीरः Śaṅka-DigVi.(Mā.) 12. 20.

अतिमोद (ati-moda) *m.* extreme joy तं देशिकम् ··· दृष्ट्वातिमोदं स जगाम भट्टः ŚaṅkaDigVi.(Mā.) 7. 80; निबिडयति डकारीनामवीकर्णहांकाप्रभृति-भिरतिमोदं तत्र गाडा(?)पठारैः VīraBhā. 11. 31; सः ···गोदामतिमोदाकुलमानसः प्रतस्थे Rāṣṭrau. 7. 14; (cognate object) ततोऽतिमोदं मुदितः स देवः सदा चिदानन्दतनुर्धिनोतु GoviBh. 313. 11 (*on* iv. 4. 0)

अतिमोदमान (ati-modamāna) *adj.* extremely delighted स रघुनाथ-विभुः ··· अस्तूयत द्विजवरैरतिमोदमानैः Raghunā. 8. 12.

अतिमोदा (ati-modā) *adj.* (*f.*) very much pleased पुत्रम् ··· असूत यशोदा । समजनि बल्लवततिरतिमोदा StavMā. 260. 26; *f.* 1 name of the plant *gaṇikārī*, *Jasminum arboreum* (Roxb.) RājNi. 370. 17; 2 very great fragrance [APTE], extraordinary fragrance [MW]

अतिमोदान्वित (atimodānvita) *adj.* extremely delighted भवद्दानं महीमण्डले । सारज्ञा विबुधालयः समधुरं पीत्वातिमोदान्विताः ĀnandRa. 2. 12.

अतिमोह (ati-moha) *m.* 1 excessive fainting प्रलपत्यतिमोहेन जृम्भते च पुनः पुनः PadmP. ii. 35. 19; तृष्णालोः शीततो वेपमानस्य तीक्ष्णं शिरोविरेचन-मनिलशङ्कहनुस्तम्भदिवाकरावर्तातिमोहानुपजनयति KāśyaS. 161A. 17; 2 A extreme delusion, great ignorance तन्मन्यन्तेऽतिमोहादुपहतमनसः सद्विलासं मनुष्याः SubhāRaSaṁ. 127; आसनं शयनं यानपरिधानगृहादिकम् । ···वाञ्छत्यहो-ऽतिमोहेन AgniP. 382. 2; ततोऽतिमोहाद् भुजयैकयैव मुग्धस्तितीर्षामि महासमुद्रम् HammiMaKā. 1. 11; 2 B extreme infatuation, extreme perplexity कंचि-त्कालं च दुःखं ते भविष्यति न च त्वया । तत्रातिमोहः कर्तव्यः KathāSaSāg. iii. 1. 147.

अतिमोहकरी (atimoha-karī) *adj.* (*f.*) producing great delusion अतिमोहकरी माया मम विष्णोश्च सुव्रत ŚarabhU. 21.

अतिमोहकर्त्री (atimoha-kartrī) *adj.* (*f.*) causing great infatuation तस्मिन् प्रविष्टे सलिले मृते च ममातिरासीदतिमोहकर्त्री BrahmP. 228. 83.

अतिमोहकृत् (atimoha-kṛt) *adj.* causing great delusion, highly infatuating दैतेयान् मोहयामास मायामोहोऽतिमोहकृत् ViṣṇuP. iii. 18. 23.

अतिमोहद (atimoha-da) *adj.* very infatuating नार्यः ··· कुर्वन्त्यो गान-नृत्यादिप्रपञ्चानतिमोहदान् DevīBhāP. vi. 1. 53.

अतिमोहन (ati-mohana) *adj.* very enticing रसिकानन्दशिरोमणेः ··· अतिमोहनस्योपासका भक्ताः SāmaraU. 249. 19; 253. 17; स खलु ··· त्वदीयमति-मोहनं न तु कलेवरं दृष्टवान् Nārāy. iii. 9. 3; अतिमोहनविभ्रमा ··· वारुणी निरागात् Nārāy. viii. 28. 9; *n.* gold जाम्बूनदे तु कुलकुगाल्वजाल्वातिमोहनम् Nāma-Māli. 151.

अतिमोहापहारिणी (atimohāpahāriṇī) *adj.* (*f.*) removing great infatuation (i. e. clearing great confusion) अतिमोहापहारिण्यः सूक्तयो हि

महीयसाम् YogVā. v. 4. 5.

अतिमोहित (ati-mohita) *adj.* [*f.* -ā] extremely bewildered, completely deluded, very much perplexed (उवाच वाक्यं तं क्षुद्रं वैदेही) विषाददतिमोहिता MahāBhā. iii. 1270*; (तद्रूपं (=शुक्ररूपम्) आस्थाय दैत्यान् प्रति ययौ गुरुः) असुराः ... प्रणम्य संस्थिताः सर्वे काव्यं मत्वातिमोहिताः DeviBhāP. iv. 12. 55; इयेष नगरं गन्तुं दिग्भ्रमेणातिमोहितः DeviBhāP. vii. 18. 48; एवं पीडासमायुक्तो दुःखे मुह्येऽतिमोहितः PadmP. ii. 15. 17.

अतिमौक्तिक (atimauktika) *n.* the blossom of Atimukta creeper वधूजनस्य कुचकुम्भेष्वतिमौक्तिकान्येव वर्णसंनिवेशाभ्यां मौक्तिकानि comm. *on* SriKaC. 8. 43; *adj.* of (the person called) Atimukta श्रुत्वातिमौक्तिकं वाक्यं सत्यभूतमपि क्षितौ । ... तौ ... चिन्तामेतामुपागतौ BṛKathāK. 106. 220.

अतिमौर्ख्य (ati-maurkhya) *n.* extreme foolishness तस्मा न लाभो भवितातिमौर्ख्यादाक्रन्दितेनेह वृथा हि किं ते BrahmP. 228. 78.

अतिम्लानता (atimlāna-tā) *f.* **i** great dejection श्रुत्वा दूतमुखाद्राजा ... अतिम्लानतया यातः ... विनायकम् GaṇeP. ii. 63. 3; **ii** the state of being totally discoloured (अन्नस्य) विषादिसंसृष्टस्य ... वैवर्ण्यैः सुगन्धोपघातश्च अतिम्लानताग्नौ प्रक्षिप्तस्य वेति ManuBh. ii 67. 7 (*on* 7. 217)

अतिम्लानमुख (atimlāna-mukha) *adj.* [*f.* -ī] having a very dejected face (दूताः) अतिम्लानमुखाः ... मूकतां गताः GaṇeP. ii. 124. 5; सातिम्लानमुखी कुन्तीं धर्मात्मजमथानमत् PāṇḍaC. 9. 2.

अतिम्लानि (ati-mlāni) *f.* great dejection रूपमस्य विनिरूप्य तथातिम्लानिमाप रविवंशवतंसः NaiṣC. 5. 62.

अतिम्लेच्छम् (ati-mlecchaṃ) *adv.* annihilating the Mlecchas (making them an event of the past) दुःसुराष्ट्रं निःसुराष्ट्रमतिम्लेच्छं विधायिषु । तेष्वस्त्रं ब्रुवन्तोऽनुद्विपं जग्मुर्द्विपद्रुहः DvyāśraKā. 5. 40 (comm. भिल्लादीनामतीतत्वं सतामेवातिक्रमम्)

अतियज् (ati-yaj-) I. U. **i** [AltGr. II. 1. 197] to neglect (a deity) while offering a sacrifice यो वै स्वां देवतामतियजते प्र स्वायै देवतायै च्यवते TaiS. II. v. 4. 4; अतियजेत निजां यदि देवतामुभयतश्च्यवते जुषतेऽप्यघम् Yādavā. 6. 4; Kuval. 62(32); अतियजति परस्यायै देवतायै ब्रह्मरुद्रादिरूपायै भगवन्तमतिक्रम्य निरीश्वरं यजति स पापीयान् VedāntRaMañ. 3. 8 (111. 18); **ii** to make an offering beyond (the chanting of a particular metre) यो ह वै विराजमतियजते पुनर्ह सोऽमुष्मिन् लोके यजमान आस्ते । ... क एत आसत इति । ये विराजमत्ययजामहि JaimiBr. 1. 233; ये विराजमतियजन्ते ṢaḍviBr. i. 6. 1.

अतियजन (ati-yajana) *n.* a sacrificial vessel used in the Pravargya rite महावीरोऽतियजने परपुष्टे जराटके S'abdaRaSaK. 291. 12.

अतियज्वन् (ati-yajvan) *adj.* offering many sacrifices पुरूरवास्त्वतिदानशीलोऽतियज्वातितेजस्वी ViṣṇuP. iv. 6. 35.

अतियत् (ati-yat-) I. Ā. to exert more, to strain oneself more (*pass.*) अस्मदुक्ताविरोधीति तेन नेहातियत्यते BṛĀraUBhVā. i. 5. 278.

अतियत् (ati-yát) *adj.* going beyond, passing by, crossing अतियन्नेव यं द्विष्यात् तं मनसा प्रेव विध्येत् KausīBr. 11. 5 (51. 2); तुथो हैतमेषोऽतियन्तमग्निर्धुर्यो न हिनस्ति S'atBr. I. i. 2. 10; देशसंधींश्च सोऽतियन् MahāP. 35. 27.

अतियतात्मन् (atiyatātman) *adj.* who has controlled himself thoroughly नगर्यास्तत्र निर्याति यतावति यतात्मनि ... संजातः संक्षोभः PadmP. (Ra.) 120. 45.

अतियत्न (ati-yatna) *m.* great effort, great care शरीरं पीड्यते येन शुभेन त्वशुभेन वा । अत्यन्तं तत्र (v. l. अतियत्नं न) कुर्वीत अनायासः स उच्यते AtriS. 37; द्विजाः किं वातियत्नेन मार्यन्ते कर्मभिः स्वकैः । रक्ष्यन्ते चाखिला जीवाः MārkP. 2. 61; तस्यातियत्नादतिरिच्यमाने पराक्रमे ... । हन्ता पुरां भूरि पृषत्कवर्षं निरास Kirātā. 17. 32; अकीर्तिः ... अस्य नोत्पद्यते यथा । कुरुध्वमतियत्नेन विभिद्याखिलमेतयोः PadmP.(Ra.) 47. 66; KuṭṭaMa. 59; विजिज्ञासतया यत्र वेदान्तेषु मुमुक्षुभिः । समर्थ्यतेऽतियत्नेन तद्ब्रह्म VākyaVṛ. 34; अतियत्नेन महिमानस्य कीर्तितः BṛĀraUBhVā. i. 3. 345; i. 4. 903; अमीषाम् ...इन्द्रियग्राममतियत्नेनापि संरक्षितुं न तरति पुरश्चारी लोकः YaśasCam. i. 112. 4; TilaMañ. 302. 19; YogVā. iii. 60. 55; AdhyāRā. iii. 7. 7; iv. 7. 55; (अविविक्ता) अतियत्नादनिच्छन्त्या अपि तस्याः स्नेहख्यापनार्थं परिचारिकया कारयेत् JayaMa. 243. 14 (*on* 4. 2); Daśāva-C. 7. 191; यत्कोष्ठादतियत्नेन नासाब्रह्मपुराननैः । बहिः प्रक्षेपणं वायोः स रेचकः YogS'ā. 5. 6; रमणं नातियत्नस्य विक्षेपादेव युज्यते AnuVyā. 11B. 5 (*on* 1. 2); सोमदेवः ... स्फुटतरपरिभाषानामरत्नानि हृत्वा । व्यरचयदतियत्नात्तैरिमां कण्ठमालाम् RasRaSa. 8. 89; 5. 118; स्वमतान्यपि तेन खण्डितान्यतियत्नैरपि साधितानि कैः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 4. 9; (रत्नचूडः) पाल्यमानोऽतियत्नेन पितृमातृमनोरथैः RatnaCūKa. 67; AdvaiSi. 8. 5; 900. 9; चित्रान् रतिसंयोगानतियत्नादर्शयैचैव KandaCū. v. 4. 53; Nāräy. xi. 96. 7; *adj.* exerting very much, striving hard भवतु भवतीह मयि सततमनुरोधिनी । तत्र मम हृदयमतियत्नम् GītGo. x. 19. 3.

अतियत्नज (atiyatna-ja) *adj.* got by strenuous effort भूयांसोऽतोऽसुरा देवाः कनीयांसोऽतियत्नजाः BṛĀraUBhVā. i. 3. 25 (comm. अतियत्नजा इत्यत्यन्तयत्नसाध्यज्ञानकर्मभ्या इत्यर्थः)

अतियत्नतस् (atiyatna-tas) *adv.* with great effort, with great diligence, with great care सदैव कूपेषु जलं सुदुर्लभं हरन्ति यन्त्रैरतियत्नतो जनाः KalyāKā. 2. 23; मधुब्राह्मणविद्यायामिदमेव प्रवक्ष्यते । वस्त्वैकात्म्यप्रसिद्ध्यर्थं प्राधान्येनातियत्नतः BṛĀraUBhVā. i. 4. 1792; यस्तु कामयते लक्ष्मीं मुक्तिदां मुक्तिदामपि । तेन वीरेश्वरं लिङ्गं संसेव्यमतियत्नतः SkandP. iv. 83. 113; iv. 96. 92; आकार्यारामिकं स्वीयं शिक्षयित्वातियत्नतः । रोपणायार्पयद् राजा तदाम्रम् PārśvC. 1. 428; उच्चारूढैर्नरैरात्मा रक्षणीयोऽतियत्नतः दूरारोहपरिभ्रंशविनिपाताः सदुःसहः PārśvC. 2. 596; SamarāSaṁ. 9. 358; (पर्पटीम्) विभाव्य पालिकामध्ये क्षिप्त्वा बदरवह्निना । ईषत्प्रस्वेदनं कृत्वा स्थापयेदतियत्नतः RasRaSa. 14. 89; 20. 137; निधिदेवमहीपानां प्रभावाच्चातियत्नतः । असात्म्यभूमिसंपन्ना अपि सिध्यन्ति पादपाः S'ārṅgaPa. 2123; कन्या...शिक्षणीयातियत्नतः MahNirvāT. 8. 47; अपमानम्... गोपयेदतियत्नतः MahNirvāT. 8. 145; 10. 199.

अतियत्नम् (ati-yatnam) *adv.* very carefully, painstakingly बलीयानयमजास्तनंधयः । तदतियत्नमुपसंध्यानेन बद्धानीयतामुदवसितम् YaśasCam. ii. 132. 2; प्रीतिं कुर्याद्वैष्णवेषु अभक्तेषु विवर्जयेत् । दैवोपलब्धं भुञ्जानो नातियत्नं चरेत्सुखे SātvaT. 8. 25.

अतियत्नवत् (atiyatna-va(n)t) *adj.* making strenuous effort, very careful अतीसारेषु यो नातियत्नवान् ग्रहणीगदः (तस्य) AṣṭāSaṁ. i. 280. 5 (3. 8); AṣṭāHṛ. iii. 8. 15 (comm. अतीसारेषु योऽतियत्नवान्न भवति तस्य ग्रहणीगदो भवेदिति ग्रहण्या निदानम्); अतियत्नवतश्च चित्तविक्षेपो नियतः NyāySu.(Ja.) 166A. 13 (*on* i. 2. 5)

अतियत्नशील (atiyatna-śīla) *adj.* very careful सर्वकर्मसु कथितलक्षणान्नियोज्य कोषागारेऽतियत्नशीलो भवेत् RājNiRa. 53. 18.

अतियत्नाधिगम्यता (atiyatnādhigamya-tā) *f.* the state of being known (only) with great effort (सूक्ष्मतां चान्ववेक्षेत योगेन परमात्मनः ManuSm. 6. 65) सूक्ष्मतामतियत्नाधिगम्यतामवेक्षेत सदा चिन्तयेत् ManvaVi. 731. 20 (*on* 6. 65)

अतियन्त्र् (ati-yantr-) X. P. to put under severe restrictions दंतोद्भवेषु रोगेषु न बालमतियन्त्रयेत् । स्वयमप्युपशाम्यन्ति AṣṭāHṛ. vi. 2. 43 (comm. पथ्यभोजनादिना नातीव नियमयेत्); AṣṭāSaṁ. ii. 182. 2 (6. 2)

अतियन्त्रणा (ati-yantraṇā) *f.* great restraint, rigid formality अभूमिरियमुपचाराणामलमतियन्त्रणया HarṣaC. 158. 8; तदपास्यातियन्त्रणामनुभूयन्तां यथेष्टमिन्द्रियसुखानि DaśKuC. 133. 5.

अतियन्त्रयोग्यतस् (atiyantrayogya-tas) *adv.* due to being exactly fit for the use of mechanisms अथाल्पसत्त्वादतियन्त्रयोग्यतस्तथाल्पबस्तेरपि चाल्पमांसतः। ...अश्मरी सुखाद्(? द्र)हीतुम्...शक्यते KalyāKā. 13. 14.

अतियन्त्रित (ati-yantrita) *adj.* firmly fastened or fixed किं त्वेते पञ्जराः सप्त कीलकैरतियन्त्रिताः । कदाचिदपि नोद्घाट्यास्त्वया BhaviP. 681A. 11 (iv. 54. 18)

अतियम (ati-yama) *m.* name of one of the two attendants of Kārttikeya (given by Varuṇa) घसं चातिघसं (v. l. यमं चातियमं) चैव ... प्रददौ कार्त्तिकेयाय वरुणः सत्यसंगरः MahāBhā. ix. 44. 41.

अतिययिवस् (ati-yayivás-) *adj.* going through, penetrating एष वसूनि पिब्दना परुषा ययिवाँ अति । अव शादेषु गच्छति ṚV. ix. 15. 6.

अतियव (ati-yava) *m.* **i** a variety of barley (यवः कषायो मधुरो हिमश्च) ... एभिर्गुणैर्हीनतरैस्तु किंचिद्विद्याद्यवेभ्योऽतियवानशेषैः SuśruS. i. 46. 43; यवस्तु सितशूकः स्यान्निःशूकोऽतियवः स्मृतः BhāvPra.(Bhā.) 6(9). 27; MadaPāNi. 63. 19; BhāvPraNi. 139. 27; असाद् (यवाद्) अतियवः किंचिद् गुणैर्न्यूनतरः स्मृतः MadaPāNi. 63. 22; यवास्त्वतियवाश्चैव गोधूमाश्च समा रसे BhelaS. 48. 17 (1. 28); वर्षास्वतियवा नित्यं तथा वृषकवासकौ ... एवमादीनि चान्यानि वराणि मधुराणि च BrahmāṇḍP. ii. 14. 14; महायवे प्ररूढोऽल्पे वनाशोऽतियवोऽपि च Vaija. 127. 52; **ii** a kind of rice वर्ज्याश्चातियवा नित्यम् अतियवाः शालिभेदाः CaturCin. iii(1). 550. 10; मसूराः शतपुष्पाश्च ... वर्ज्याश्चातियवा नित्यं यथा वृषयवासकौ ... अतियवाः शालिभेदाः VīraMi. (S'rāddha.) 41. 6.

अतियवस (ati-yavasa) *adj.* too full of fodder स्वच्छिद्रं नातियवसं यथा पश्यन्ति वाजिनः । स्थानं चैव पृथक् प्राप्तं प्रयत्नं रोगिणां न वै AśvaCi. 18. 8.

अतियशस् (ati-yaśas) *adj.* of great fame तेषामतियशा लोके रामः सत्यपराक्रमः Rāmā. i. 76. 13 = i. 514*(42); पूर्वकेण हि ते राजंस्तेनातियशसा तदा । ...नैष प्राप्तो मनोरथः Rāmā. i. 43. 8; vi. 77. 15; तेनातियशसा कर्णे प्रता

शत्रुगणान्मम MahāBhā. vii. 5. 6; vii. 157. 34; सुरोत्तमाः ⋯ तेऽन्योन्यमूचुः ⋯ उपस्थितेऽतियशसश्चाक्षुषस्यान्तरे मनोः HariVaṁ. 3. 47; BrahmP. 3. 54; तन्नप्त्रे चातियशसे जातूकर्णाय चर्षये VāyuP. i. 1. 8; BrahmāṇḍP. ii. 65. 14; BrahmP. 9. 9.

अतियशस् (ati-yaśas) *f.* name of the sixth *tithi* स्कान्दी षष्ठी चातियशा मित्रा सौरी च सप्तमी KośaKaTa. 1. 1006.

अतियशस्विन् (ati-yaśasvin) *adj.* [*f.* –ī] highly famous भोजस्यातियशस्विनः । दाक्षिणात्यपतेः पुत्रो दिक्षु रुक्मीति विश्रुतः MahāBhā. v. 155. 2; कन्या प्रचण्डनाम्नस्तु गोपस्यातियशस्विनी । चित्रगन्धेति विख्याता PadmP. iv. 72. 43.

अतियशा (ati-yaśā) *adj.* (*f.*) [AltGr. II. 1. 96; III. 284] very famous बृहत्सेनामतियशां तां धात्रीं परिचारिकाम् MahāBhā. iii. 238*(1)

अतियशोबल (ati-yaśobala) *m.* name of a prince जातः । कोटिगुणोन्नतनमितः प्रथितोऽतियशोव(ब)लः श्रीमां(मा)न् EI. i. 149. 9.

अतियष्टव्या (ati-yaṣṭavyā) *adj.* (*f.*) (metre) to be extended beyond (the offerings) विराण् नातियष्टव्येत्याहुः JaimiBr. i. 233.

अतिया (ati-yā–) II. P. (Ā.) **i** to get over, to overcome या वो माया अभिद्रुहे यजत्राः ⋯ अश्वीव ताँ अतियेषं रथेन R̥V. ii. 27. 19; आ रथो वर्तते वाम् । मनोजवा अश्विना वातरंहा येनातियाथो दुरितानि विश्वा R̥V. v. 77. 3; ग्राहिं पाप्मानमति ताँ अयाम AV. xii. 3. 18; स्वस्ति दुर्गाँ अति याहि शीभम् AV. xiii. 2. 5; **ii** to go beyond, to cross, to pass by पुरु वरांस्यमिता मिमानापो धन्वान्यति याथो अज्रान् R̥V. vi. 62. 2; अति वायो ससतो याहि शश्वतो यत्र ग्रावा वदति तत्र गच्छतम् R̥V. i. 135. 7; पुष्पितानि वनानि च । पश्यन्नतिययौ शीघ्रं (रामः) Rāmā. ii. 43. 3; ii. 43. 7; ii. 51. 3; उच्चैरसौ राघवमाह्वतेदं धनुः सबाणं कुरु मातियासीः Bhaṭṭi. 2. 51; यद्दूरं निकटतरं हयाः समीयुर्नदीयो यदतिययुः क्षणाद्द्वीयः ⋯ नवप्रियो हि लोकः RāghPāṇ.(Dha.) 14. 15; स्पृष्टः साधय साधयेति लहरीहस्तैरिवान्वक्तया त्रस्यन्त्या पुटशासनादतिययौ देवः स वाराणसीम् Gaṅgāva. 7. 50; **iii** to violate, to transgress विनिश्चितार्थं समयं न देशं क्रियाभ्युपायादिषु योऽतियायात् । स प्राप्नुयात् मन्त्रफलम् Bhaṭṭi. 12. 63; **iv** to pass, to spend (time) पूर्णे पूर्णे त्रिरात्रे तु मासमेकं फलाशनः । ⋯ द्वितीयं मासमत्यगात् (v. l. अत्ययात्) MahāBhā. iii. 39. 21; **v** to traverse, to take (the path) पन्थानममरैर्यातं शूरैश्चैवानिवर्तिभिः । अपि तैः संगतं मार्गं वयमप्यारुहेमहि (v. l. अतियामहे) MahāBhā. ix. 4. 37; **vi** to surpass, to excel क्षणेन तानप्यतियान्ति शूराः प्राणान् सुयुद्धेषु परित्यजन्तः ArthŚā. iii. 115. 8 (10. 3); कस्मादेवं शिबिरौशीनरोऽयमेकोऽत्ययात् सर्ववेगेन वाहान् MatsyaP. 42. 18; सद्रुक्मपीठस्थितं कृत्वेन्द्रादिगणान् गुणैरतिययौ श्रीभीमनाथं मुदा EI. iv. 43. 100; **vii** to transcend गुणत्रयमयं ह्येतद् ब्रह्मन् शक्तित्रयं महत् । योऽतियाति स यात्येव परं नावर्तते पुनः ViṣṇuP. i. 7. 48; मा लोकेश वदैवं यत्नः सुकृतोऽतियाति केशव दैवम् YudhiVi. 6. 81 (comm. दैवमतियाति तल्लङ्घयतीत्यर्थः); **viii** to elapse (of time) आलेख्यविद्याधरयोर्यथा संमुखयोस्तयोः । महान्कालोऽतियाति स्म BṛKathāŚloSaṁ. 5. 220; अमुष्य त्वत्कुमारस्य वर्षाणि द्वादशात्ययुः SkandP. iii(3). 21. 9; क्रीडतोर्जनकजारघुसून्वोरत्ययुः क्षणनिभाः शरदोऽपि Rāgh. 5. 5.

अतियाचक (ati-yācaka) *m.* person asking or begging too much गुणिनां मत्सरः शत्रुर्लुब्धानामतियाचकः DarpDa. 1. 35.

अतियाचित (ati-yācita) *adj.* pressed or asked for too much कुप्येत्को नातियाचितः Hitopa. 2. 157.

अतियाच्ञा (ati-yācñā) *adj.* (*f.*) making excessive demand लभेत पुंश्चली भोगं संगमस्योपलिङ्गनात् । अतियाच्ञा तु जीयेत दौर्मैत्र्याविनयेन च ArthŚā. ii. 85. 2 (3. 13) (comm. अतिमात्रभृतिप्रार्थिनी तु पुंश्चली जीयेत दण्डयेत); *f.* importunity, too frequent begging यदा दरिद्रः परिधानहीनस्त्रपानिलीनः कुरुतेऽतियाच्ञाम् DarpDa. 4. 14.

अतियाज (ati-yājá) *m.* [AltGr. II. 1. 121] **1** superior sacrificer नि ह्वीयतामतियाजस्य यष्टा R̥V. vi. 52. 1 (but Sāy. अतियाजो नाम कश्चिदृषिः); **2** name of a sage अतियाजोऽतियाजत्वं प्राप निन्दत्यृजिश्वनि NītiMañ. 97 (comm. अयं अतियाजः इति नाम्ना ख्यातिं प्राप प्राप्तवान्)

अतियाजत्व (atiyāja-tva) *n.* the state of one who performs sacrifices too often अतियाजोऽतियाजत्वं प्राप निन्दत्यृजिश्वनि NītiMañ. 97 (comm. अतियजतीत्यतियाजः तस्य भावोऽतियाजत्वम्)

अतियात (ati-yāta) *adj.* **i** who has reached the very end or one's destination पुनरन्य आगच्छदश्वार्थी ब्राह्मणः । तमब्रवीत् । अतियातो दास्यामि । त्वरितमेव दीयताम् । इत्यब्रवीद् ब्राह्मणः MahāBhā. iii. App. 21(6) 122 (*but* अतिवेगवान् Nilakaṇṭha); **ii** gone or passed (time) वर्धमानरतेरेवमतियातेषु केषुचित् । दिनेषु BṛKathāŚloSaṁ. 11. 77; **iii** passed by, gone beyond स्फीताञ्जनपदांस्तत्र पुरग्रामव्रजाकरान् । ⋯एक एवातियातोऽहम् BhāgP. i. 6. 14; **iv** ridden too frequently, very much worked out अतियातो गजो राजन्यथा भवति तच्छृणु । अयोगेनानभिज्ञेन यो गजो वाहितो भृशः Hastyāyur. 322. 11 (2. 67); कर्मातिनीतो मातङ्गस्त्वतियातो निरुच्यते Hastyāyur. 323. 6 (2. 67); 324. 2 (2. 67); मांसैः क्षीरैस्तथा स्नेहैः ⋯ । अतियातस्य नागस्य बलं शीघ्रं प्रवर्तते Hastyāyur. 323. 28 (2. 67); 619. 27 (4. 7); **v** excelled, surpassed पितुः संपदमतिलङ्घ्य जातः संवृत्तोऽतिक्रम्य वा तां यातः प्राप्तो विशिष्टतरसंपदं समृद्धतर इत्यर्थः इत्यतिजातोऽतियातो वा SthānṬ. 185A. 5.

अतियातना (ati-yātanā) *f.* extreme torture तत्रातियातनां भुक्त्वा पुनरेव प्रजायते PadmP. i. 61. 90.

अतियातयामवयस् (atiyātayāma-vayas) *adj.* very much advanced in age, very old स्वयमेव ⋯ अतियातयामवयोभिराप्तपुरुषैरधिष्ठितामुत्सुकोत्सुकामागच्छन्तीम् (अम्बादेवीम्) ⋯ अपश्यत् YaśasCam. ii. 82. 3 (comm. अतीव वृद्धवयोभिः)

अतियात्रा (ati-yātrā) *f.* **A** leading beyond, journey beyond (i. e. after death) आर्चिराद्यभिमानिनश्चेतना देवताविशेषा अतियात्रायां नियुक्ता इति गम्यते BrahmSūBh.(Śaṅ.) 827. 11 (*on* iv. 3. 5); **B** passage-fee अपि तु भवन्तोऽष्टादशानुशंसा बुद्धचारिकायाम् । ⋯ नाग्निभयम् ⋯ न चौरभयं न गुल्मतरपण्यातियात्राभयम् Divyāva. 58. 20.

अतियान (ati-yāna) *n.* **i** too long a journey अतिकालातियाने च शुभमिच्छन्विवर्जयेत् BṛParāSm. 6. 272; **ii** entry into a town अतियानं नगरप्रवेशः, तत्र ऋद्धिः तोरणहट्टशोभाजनसम्मर्दादिलक्षणा SthānṬ. 173A. 4; *adj.* covering a long journey दुर्बलाश्चातियानाश्च क्षीणा ये च मतङ्गजाः । तेभ्यः प्रदापयेत् Hastyāyur. 648. 14 (4. 15)

अतियानकथा (atiyāna-kathā) *f.* description of (a king's) entry into the town अतियानं नगरादौ प्रवेशस्तत्कथा अतियानकथा SthānṬ. 211A. 3.

अतियानगृह (atiyāna-gṛha) *n.* house at the entrance of a city अतियानगृहाणि नगरादिप्रवेशे यानि गृहाणि SthānṬ. 88B. 2.

अतियाम (ati-yāma) *adj.* occurring after the (first) watch (period of three hours) स्याद्वत्सरार्धमतियाममथ द्वितीये । ⋯ फलदः ⋯ स्वप्नेषु HāriS. ii. 2. 3.

अतियायिन् (atiyāy-in) *adj.* speeding or rushing headlong ततः ⋯ स भूपतिः । पार्ष्णिसंस्पर्शरोषेण हृतोऽश्वेनातियायिना BṛKathāMañ. ix. 2. 422.

अतियुक्त (ati-yukta) *adj.* **i** possessed of in excess स्वगुणैरतियुक्तेषु विपरीतेषु वा पुनः । ⋯ दोषाः कुप्यन्त्यृतुषु SuśruS. i. 6. 37; गुरुभक्तोऽभियुक्तोऽतियुक्तो धीस्मृतिपाटवैः । ⋯ शिष्योऽध्याप्यः AṣṭāSaṁ. i. 5. 2 (1. 2); **ii** administered in excess or excessively सोऽतियुक्तोऽस्नपवनम् ⋯ जनयेत् AṣṭāHṛ. i. 10. 13; स्नेहाद्यैरतियुक्तैश्च मिथ्यायुक्तैर्विषैर्भयैः । ⋯नृणां भवत्यतीसारः RugVi. 3. 2; सोऽतियुक्तो ज्वरश्वासगलगण्डार्बुदक्रिमीन् ⋯ कुर्यात् BhāvPra.(Bhā.) 6(1). 178; **iii** appointed त्वा(? त्व)मन्तप्राभृ(? त)तिकेऽतियुक्तो भव VarāṅgaC. 14. 35; *m.* name of one of the Maruts धातुरुग्रो ध्वनिर्भीमो ह्यतियुक्तः क्षिपः सहः । ⋯ एते त्वामभिषिञ्चन्तु मरुतः ViṣṇuDhaP. ii. 22. 55.

अतियुक्तता (atiyukta-tā) *f.* the state of being beyond logicality (illogicality) अन्यत्र वर्तमानस्य ततोऽन्यस्थानजन्मनि । तस्मादचलतः स्थानाद्वृत्तिरित्यतियुक्तता SarvaDaSaṁ. 2. 136; [great skill or dexterity, pw]

अतियुक्तावसान (ati-yuktāvasāna) *adj.* whose end is not specified यः कश्चित्करणैर्मन्त्रो न च पादाक्षरैर्मितः । अतियुक्तावसानं च तद्यजुर्वै प्रचक्षते BrahmāṇḍP. i. 33. 37.

अतियुक्तितस् (atiyukti-tas) *adv.* very skilfully or dexterously समभागानि पयसा पाचयेदतियुक्तितः । ⋯तत्क्वाथम् Hastyāyur 328. 1 (2. 68)

अतियुक्तिमत् (atiyukti-ma(n)t) *adj.* very reasonable स्वस्मादचलतः स्थानात् वृत्तिरित्यतियुक्तिमत् । यत्रासौ वर्तते भावस्तेन संबध्यतेऽपि न PramāVāSvopVṛ. 50. 23; विकल्पैरुत्तरैर्वेत्ति तत्त्वमित्यतियुक्तिमत् NyāyVi. 2. 64.

[**अतियुज्** (ati-yuj–) VII. U. to associate with युजिः ⋯ अतेः । अन्वये KośaKaTa. 2. 1620.]

अतियुद्ध (ati-yuddha) *n.* great battle गजरथतुरगाणां संबभूवातियुद्धम् । ⋯अतिघोरम् DevīBhāP. iii. 15. 6; तौ (रामलक्ष्मणौ)⋯गरुडनिपातोन्मुक्ततत्पाशबन्धौ विदधतुरतियुद्धम् MahāN. 9. 53.

अतियुध् (ati-yudh–) IV. Ā. to put up a strong fight तदातियुध्यन्त हयैर्हयास्ते VarāṅgaC. 17. 79.

अतियुधिष्ठिर (ati-yudhiṣṭhira) *adj.* surpassing Yudhiṣṭhira राज्ञातियुधिष्ठिरेण । अज्ञाय्यरण्येतिलवत्तदन्यस्त्वक्सारवच्चान्तरसार एव DvyāśraKā. 6. 12.

अतियुवन् (ati-yuvan) *adj.* **A** very young, very youthful स चाश्विरूपसदृशः (v. l. गन्धर्वरूपोऽतियुवा) MahāBhā. i. 96. 56; कनिष्ठोऽतियुवाल्पयोः AmaK. 2417; AnekāSaṁ. 3. 742; कनीयानतियूनि च ViśvaPra. 179. 59; कनिष्ठोऽतियुवाल्पयोः AnekāK. 188; कनिष्ठोऽतियुवात्यल्पानुजे MediK. 41. 12;

कनीयाननुजाल्पयोः । अतियूनि NānārthaMa. 1915; 494; कनीयाननुजेऽत्यल्पे त्रिषु स्यादतियूनि वा ViśvaLoK. 392. 48; उदर्चिः पावकद्रुत्रोः । अतिय(? यू)न्यनुजे वीरेऽपि AnekāTi. 3. 36; [*f.* –yūnī] **B i** surpassing a youth इह कस्मान्न भवति । निःशुनी अतियूनीति MahāBh. ii. 202. 20 (*on* P. iv. 1. 7); युवानमतिक्रान्तेति प्रादिसमासः Pradī. iv. 36A. 3 (*on* P. iv. 1. 7); अस्य ··· मतिः शुनीपुच्छनिभातियूनी शल्यं मघोनीं भजतो मघोनः DvyāśraKā. 2. 73; युवानमतिक्रान्ता ··· अतियूनी PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. iv. 1. 7; अर्थवत एव शब्दस्य ग्रहणम् ···न निरर्थकस्य अतिशुनी अतियूनीति PariVṛ.(Sī.) 18. 5; **B ii** passing beyond youth, older (वरीयस्) श्रेष्ठेऽतियूनि च AnekāSaṁ. 3. 749; वरीयानतियूनि स्यात् ViśvaPra. 179. 60; वरीयान् ··· वरिष्ठे त्वतियूनि च MediK. 190. 63.

अतियुष्मद् (ati-yuṣmad) *adj.* [Cpd. with personal pronoun as the second member, subordinate to the first member, giving rise to an adjective as against a cpd. like *paramatvam* giving rise to a pronoun, both theoretical constructs of grammarians based on the view that द्विवचने in P. vii. 2. 92 and एकवचने in P. vii. 2. 97 give the meaning of the pronominal stems and not case-suffixes. In the case of the adjectival cpd. the number of the pronominal base may differ from the number of the cpd. as a whole, while the case will belong only to the cpd. and its referent, which is the case with *ati-yuṣmad.* Theoretical forms will be in three numbers of the subordinate referent into three numbers of the principal referent into seven cases, a total of 63 forms, many of which will be identical in endings like other nominal or pronominal declensions. Giving P. vii. 7. 93–97 an overriding power, number distinction in the subordinate referent is obliterated in Nom. sg., Dat. sg., Gen. sg. and Nom. pl. Possibly P. and CāndraVyā. do not have such cpds, while Pat. gives forms for the sg. and dual numbers of the subordinate referent. The SiddhāKau. completes the scheme by adding forms of plural numbers as well. In the older languages all the three bases of personal pronouns in the sg., du. and pl. form first member of cpds and all those bases are considered as independent words with inherent numbers. cf. युवद्देवत्य S'atBr. VIII. ii. 1. 12; युवधिता ṚV. vi. 67. 9; युवानीतस्य ṚV. viii. 26. 12; recorded forms are given in order. I Singular number of the subordinate referent; Nom. sg. अतिक्रान्तस्त्वामतित्वम् MahāBh. iii. 307. 2; KāśiVṛ. *on* P. vii. 2. 97; KātanVṛ. *on* ii. 3. 10; अतिक्रान्तस्त्वां युवाम् युष्मान् वा अतित्वम् JaineVyā. 356. 20 (*on* v. 1. 153); S'ākaṭāVyā. i. 2. 180 [Vārāṇasī. 1971]; SiddhaHe. ii. 1. 12; Acc. sg. अतिक्रान्तं त्वामतित्वाम् MahāBh. iii. 307. 3; S'ākaṭāVyā. i. 2. 180; SiddhaHe. ii. 1. 6; Inst. sg. अतित्वया MahāBh. iii. 307. 4; Dat. sg. अतितुभ्यम् MahāBh. iii. 307. 5; KāśiVṛ. *on* P. vii. 2. 95; KātanVṛ. *on* ii. 3. 12; तदन्तविधिना अतिक्रान्ताय त्वां युवाम् युष्मान् वा अतितुभ्यम् JaineVyā. 356. 22 (*on* v. 1. 154); S'ākaṭāVyā. i. 2. 180; Abl. sg. अतित्वत् MahāBh. iii. 307. 6; KātanVṛ. *on* ii. 3. 10; अतित्वद् S'ākaṭāVyā. i. 2. 179; SiddhaHe. ii. 1. 8; Gen. sg. अतितव MahāBh. iii. 307. 7; KāśiVṛ. *on* P. vii. 2. 96; KātanVṛ. *on* ii. 3. 13; अतिक्रान्तस्य त्वां युवाम् युष्मान् वा अतितव JaineVyā. 356. 24 (*on* v. 1. 155); S'ākaṭāVyā. i. 2. 178; Loc. sg. अतित्वयि MahāBh. iii. 307. 8; KātanVṛ. *on* ii. 3. 17; Nom. du. अतिक्रान्तौ त्वामतित्वाम् MahāBh. iii. 307. 2; KātanVṛ. *on* ii. 3. 7; JaineVyā. 356. 12 (*on* v. 1. 151); अतिक्रान्तौ त्वां तिष्ठतः पश्येति वा अतित्वाम् JaineVyā. 356. 29 (*on* v. 1. 156); Acc. du. अतिक्रान्तौ त्वामतित्वाम् MahāBh. iii. 307. 4; अतिक्रान्तौ त्वां पश्यातित्वाम् Nyās. iii. 757. 11 (*on* P. 7. 2. 97); Inst. du. अतित्वाभ्याम् MahāBh. iii. 307. 5; अतिक्रान्ताभ्याम् त्वाम् अतित्वाभ्याम् KāśiVṛ. *on* vii. 2. 7; JaineVyā. 356. 13 (*on* v. 1. 151); Dat. du. अतित्वाभ्याम् MahāBh. iii. 307. 6; अतिक्रान्ताभ्यां त्वां देहि अतित्वाभ्याम् Nyās. iii. 755. 22 (*on* vii. 2. 92); Abl. du. अतित्वाभ्याम् MahāBh. iii. 307. 7; अतिक्रान्ताभ्यां त्वामागतोऽतित्वाभ्याम् Nyās. iii. 755. 24 (*on* vii. 2. 92); JaineVyā. 356. 14 (*on* v. 1. 151); Gen. du. अतित्वयोः MahāBh. iii. 307. 7; अतिक्रान्तयोस्त्वां स्वमतित्वयोः स्वम् Nyās. iii. 755. 26 (*on* vii. 2. 92); अतित्वयोः स्वम् JaineVyā. 356. 15 (*on* v. 1. 151); Loc. du. अतित्वयोः MahāBh. iii. 307. 8; अतिक्रान्तयोस्त्वां निधेह्यतित्वयोर्निधेहि Nyās. iii. 757. 27 (*on* vii. 2. 92); Nom. pl. अतिक्रान्तास्त्वामतियूयम् MahāBh. iii. 307. 3; KāśiVṛ. *on* P. vii. 2. 93; KātanVṛ. *on* ii. 3. 11; अतिक्रान्तास्त्वां युवां युष्मान् वा अतियूयम् JaineVyā. 356. 17 (*on* v. 1. 152); Acc. pl. अतिक्रान्तांस्त्वामतित्वान् MahāBh. iii. 307. 4; KāśiVṛ. *on* P. vii. 2. 97; KātanVṛ. *on* ii. 3. 6; JaineVyā. 356. 29 (*on* v. 1. 156); Inst. pl. अतित्वाभिः MahāBh. iii. 307. 5; अतिक्रान्तैस्त्वाम् अतित्वाभिः KāśiVṛ. *on* P. vii. 2. 97; Dat. pl. अतित्वभ्यम् MahāBh. iii. 307. 6; KātanVṛ. *on* ii. 3. 15; अतिक्रान्तेभ्यस्त्वां देहि अतित्वभ्यं देहि Nyās. iii. 757. 14 (*on* vii. 2. 97); Abl. pl. अतित्वत् MahāBh. iii. 307. 7; अतिक्रान्तेभ्यस्त्वामागतोऽतित्वदागतः Nyās. iii. 757. 16 (*on* vii. 2. 97); JaineVyā. 356. 30 (*on* v. 1. 156); Gen. pl. अतित्वाकम् MahāBh. iii. 307. 8; अतिक्रान्तानां त्वां स्वम् अतित्वाकं स्वम् Nyās. iii. 757. 17 (*on* vii. 2. 97); अतित्वयाम् KātanVṛ. *on* ii. 3. 16; MugdhaBo. 3. 142 (32. 13); JaineVyā. अतित्वाकम् 356. 30 (*on* v. 1. 156); S'ākaṭāVyā. i. 2. 186; Loc. pl. अतित्वासु MahāBh. iii. 307. 9; अतिक्रान्तेषु त्वां निधेहि अतित्वासु निधेहि Nyās. iii. 757. 19 (*on* vii. 2. 97); KātanVṛ. ii. 3. 18; SiddhaHe. ii. 1. 11; II Dual number of the subordinate referent; Nom. sg. अतिक्रान्तो युवामतित्वम् MahāBh. iii. 306. 19; KāśiVṛ. *on* P. vii. 2. 92; JaineVyā. 356. 20 (*on* v. 1. 153); Acc. sg. अतिक्रान्तं युवामतियुवाम् MahāBh. iii. 306. 20; KāśiVṛ. *on* vi. 2. 92; JaineVyā. 356. 4 (*on* v. 1. 151); S'ākaṭaVyā. i. 2. 180; SiddhHe. ii. 1. 10; Inst. sg. अतियुवया MahāBh. iii. 306. 22; अतिक्रान्तेन युवाम् अतियुवया KāśiVṛ. *on* vii. 2. 92; JaineVyā. 356. 5 (*on* v. 1. 151); SiddhaHe. ii. 1. 7; Dat. sg. अतितुभ्यम् MahāBh. iii. 306. 23; अतिक्रान्ताय युवाम् अतितुभ्यम् KāśiVṛ. *on* vii. 2. 92; JaineVyā. 356. 10 (*on* v. 1. 151); v. 1. 154; v. 1. 156; Abl. sg. अतियुवत् MahāBh. iii. 306. 24; अतिक्रान्तेभ्यो युवाम् अतियुवत् KāśiVṛ. *on* vii. 9. 92; JaineVyā. 356. 6 (*on* v. 1. 151); SiddhaHe. ii. 1. 19; Gen. sg. अतितव MahāBh. iii. 306. 25; अतिक्रान्तस्य युवाम् अतितव KāśiVṛ. *on* vii. 2. 92; JaineVyā. 356. 6 (*on* v. 1. 151); v. 1. 155; Loc. sg. अतियुवयि MahāBh. iii. 306. 26; अतिक्रान्ते युवाम् अतियुवयि KāśiVṛ. *on* vii. 2. 92; Nom. du. अतिक्रान्तौ युवामतियुवाम् MahāBh. iii. 306. 20; JaineVyā. v. 1. 151; Acc. du. अतिक्रान्तौ युवामतियुवाम् MahāBh. iii. 306. 21; Inst. Du. अतियुवाभ्याम् MahāBh. iii. 306. 22; S'ākaṭāVyā. i. 2. 183; Dat. du. अतियुवाभ्याम् MahāBh. iii. 306. 23; Abl. du. अतियुवाभ्याम् MahāBh. iii. 306. 24; Gen. du. अतियुवयोः MahāBh. iii. 306. 25; Loc. du. अतियुवयोः MahāBh. iii. 306. 26; Nom. pl. अतिक्रान्ता युवाम् अतियूयम् MahāBh. iii. 306. 20; KāśiVṛ. *on* vii. 2. 92; JaineVyā. 356. 10 (*on* v. 1. 151); v. 1. 152; S'ākaṭāVyā. i. 2. 180; Acc. pl. अतिक्रान्तान् युवाम् अतियुवान् MahāBh. iii. 306. 21; KāśiVṛ. *on* vii. 2. 92; JaineVyā. v. 1. 151; Inst. pl. अतियुवाभिः MahāBh. iii. 306. 22; अतिक्रान्तैर्युवाम् अतियुवाभिः KāśiVṛ. *on* vii. 2. 92; KātanVṛ. *on* ii. 3. 7; JaineVyā. 356. 5 (*on* v. 1. 151); Dat. pl. अतियुवभ्यम् MahāBh. iii. 306. 23; अतिक्रान्तेभ्यो युवाम् अतियुवभ्यम् KāśiVṛ. *on* vii. 2. 92; अतिक्रान्तेभ्यो युवाम् देहि वा अतियुवभ्याम् (? अतियुवभ्यम्) JaineVyā. 356. 6 (v. 1. 151); S'ākaṭāVyā. i. 2. 185; SiddhaHe. ii. 1. 18; Abl. pl. अतियुवत् MahāBh. iii. 306. 24; अतिक्रान्तेभ्यो युवाम् अतियुवत् KāśiVṛ. *on* vii. 2. 92; KātanVṛ. *on* ii. 3. 14; JaineVyā. 356. 6 (*on* v. 1. 151); Gen. pl. अतियुवाकम् MahāBh. iii. 306. 24; अतिक्रान्तानां युवाम् अतियुवाकम् KāśiVṛ. *on* vii. 2. 92; JaineVyā. 356. 7 (*on* v. 1. 151); KātanVṛ. *on* ii. 3. 16; अतियुवयाम् MugdhaBo. 3. 142; PrakriKau. i. 255. 9; Loc. pl. अतियुवासु MahāBh. iii. 306. 26; अतिक्रान्तेषु युवाम् अतियुवासु KaśiVṛ. *on* vii. 2. 92; JaineVyā. v. 1. 151; SiddhaHe. ii. 1. 10; III plural number of the subordinate referent; Nom. sg. अतित्वम् JaineVyā. 356. 20 (*on* v. 1. 153); अतिक्रान्तो युष्मानित्यतित्वम् Nyās. iii. 757. 4 (*on* vii. 2. 97); Acc. sg. अतियुष्माम् S'ākaṭāVyā. i. 2. 186; Inst. sg. अतियुष्मया SiddhāKau. 93B. 7; Dat. sg. अतितुभ्यम् JaineVyā 356. 22 (*on* v. 1. 154); Abl. sg. अतियुष्मत् SiddhāKau. 93B. 10; S'ākaṭāVyā. i. 2. 179 (अतियुष्मद्); Gen. sg. अतितव JaineVyā. 356. 24 (*on* v. 1. 155); Loc. sg. अतियुष्मयि SiddhāKau. 93B. 12; Nom. du. अतियुष्माम् SiddhāKau. 93B. 6; अतिक्रान्तौ युष्मान् अतियुष्मान् (? अतियुष्माम्) KāśiVṛ. *on* vii. 2. 92; KātanVṛ. *on* ii. 3. 7; अतिक्रान्तौ युष्मान् अतियुष्मान् (? अतियुष्माम्) JaineVyā. 356. 12 (*on* v. 1. 151); Acc. du. युष्मान् अतिक्रान्तौ पश्य अतियुष्माम् Nyās. iii. 755. 20 (*on* vii. 2. 92); Inst. du. अतिक्रान्ताभ्याम् युष्मान् कृतमतियुष्माभ्याम् कृतम् Nyās. iii. 755. 22 (*on* vii. 2. 92); JaineVyā. v. 1. 151; Dat. du. अतिक्रान्ताभ्यां युष्मान् देहि अतियुष्माभ्याम् Nyās. iii. 755. 23 (*on* vii. 2. 92); JaineVyā. 356. 13 (*on* v. 1. 151); Abl. du. अतियुष्माभ्यां बिभेति JaineVyā. 356. 14 (*on* v. 1. 151); अतिक्रान्ताभ्यां युष्मानागतोऽतियुष्माभ्यामागतः Nyās. iii. 755. 25 (*on* vii. 2. 92); Gen. du. अतियुष्मयोः स्वम् JaineVyā. 356. 15 (*on* v. 1. 151); युष्मानतिक्रान्तयोः स्वम् अतियुष्मयोः स्वम् Nyās. iii. 755. 27 (*on* vii. 2. 92); Loc. du. अतियुष्मयोर्निधेहि JaineVyā. 356. 15 (*on* v. 1. 151); अतिक्रान्तयोर्युष्मान् निधेहि अतियुष्मयोर्निधेहि Nyās. iii. 755. 28 (*on* vii. 2. 92); Nom. pl. अतियूयम् KāśiVṛ. *on* vii. 2. 93; JaineVyā. 356. 17 (*on* v. 1. 152); Acc. pl. अतियुष्मान् S'ākaṭāVyā. i. 2. 186; Inst. pl. अतियुष्माभिः SākaṭāVyā. i. 2. 183; Dat. pl. अतियुष्मभ्यम् S'ākaṭāVyā. i. 2. 181;

Abl. pl. अतियुष्मत् SiddhāKau. 93B.10; Gen. pl. अतियुष्माकम् S'ākaṭāVyā. i. 2.181; अतियुष्मयाम् MugdhaBo. 3.142 (32.13); PrakriKau. i. 256.4; Loc. pl. अतियुष्मासु S'ākaṭāVyā. i. 2.183] neglecting you त्वया मयातित्वयि चातिमय्याः किं तत्र यन्निस्पृह आवयोः सः DvyāśraKā. 2.13.

अतियूनी (ati-yūnī) *adj.* (*f.*) cf. **अतियुवन्.**

अतियूयम् (ati-yūyam) *adj.* cf. **अतियुष्मद्.**

अतियोग (ati-yoga) *m.* **A i** excessive contact शब्दानामतिमात्रं श्रवणमतियोगः CaraS. i. 11.37; अतियोगोऽतिसंसर्गः AṣṭāHr. i. 12.36; यस्य च योगोऽतियोगो वा शरीरे युगपन्महाभूतानां दृश्यते AṣṭāSaṁ. i. 244.12 (2.9); **A ii** extensive conjunction (of planets) केन्द्रत्रिकोणेष्वेकेन योगः शुक्रेण सूरिणा। अतियोगो भवेद् द्वाभ्याम् NāraS. 33.35; शुभग्रहे द्वये लग्नसंस्थे वा त्रितयेऽपि वा। योगोऽतियोगसंज्ञोऽयम् VasiS. 37.165; बुधजीवसितानाम् ··· द्वौ चेत्केन्द्रत्रिकोणस्थावतियोगः स कथ्यते Mānaso. ii. 13.775; **A iii** excess of the characteristics अतिमात्रस्वलक्षणः कालः कालातियोगः CaraS. i. 11.42; तन्द्रा निद्रातियोगश्च ··· विकाराः सर्व एवैते विज्ञेयाः शोणिताश्रयाः CaraS. i. 24.15; सर्वातियोगसंधारणम् ··· आरोग्यानुवृत्तौ हेतुमुपलभामहे CaraS. iii. 3.36 (1941 Ed.); वाङ्मनःशरीरातिप्रवृत्तिरतियोगः CaraS. i. 11.39; अथ ग्रीष्मे तु संतप्तैर्धातुभिर्देहिनो भवेत्। अतियोगः BhelaS. 40.13 (1.25); मिथ्यातियोगेन्द्रियार्थकर्मणामभिसेवनात्। ···अपस्मारोऽभिजायते SuśruS. vi. 61.4; AṣṭāHr. i. 12.38; **B** excessive discharge गन्धप्रियङ्गुः शोणितपित्तातियोगप्रशमनानाम् (श्रेष्ठः) CaraS. i. 25.40 (1941 Ed.); **C** excessive use or application अतिशीतोष्णानां स्पृश्यानां स्नानाभ्यङ्गोत्सादनादीनामप्युपसेवनमतियोगः CaraS. i. 11.37; यं वैद्यमानी त्वबुधो विरेचयति मानवम्। सोऽतियोगादयोगाच्च मानवो दुःखमश्नुते CaraS. i. 16.4; यास्त्वेता व्यापदः प्रोक्ताः ··· एता विरेकातियोगदुर्योगायोगजाः स्मृताः SuśruS. iv. 34.22; BhelaS. 265.20 (8.8); रोगशान्तिककारणम्। कर्तव्यमतियोगेन HāriS. i. 3.19; KāśyaS. 156A.42; अतियोगेन सलिलं तृष्यतोऽपि प्रयोजितम् AṣṭāSaṁ. i. 22.15 (1.6); i. 150.21 (1.28); AṣṭāHr. i. 10.16; जलम् ··· मध्ये तु पीतं समतां सुखं च नास्यातियोगोऽभिमतः सकृच्च YaśasCam. i. 519.10; मात्रायाश्चातियोगेन व्यापत्संजायते भृशम् Hastyāyur. 24.11 (1.2); 318.8 (2.66); अतियोगो हि दोषवान् AśvaCi. 9.8; S'ārṅgaS. i. 7.193; स यदा वारणः ··· कर्मभिरतियोगेन पीडितोऽतिमात्रम् Hastyāyur. 64.19 (1.9); 613.11 (4.5); 681.10 (4.24)

अतियोगतस् (atiyoga-tas) *adv.* **i** due to excessive use विरिच्यते तेन साधु नायोगेनातियोगतः BhelaS. 234.15 (7.7); वाहनस्यातियोगतः। ··· अश्वानां रोगसंभवः Mānaso. ii. 6.578; आध्मानं व्याधिवर्धनम्। निष्पुरीषस्य नागस्य निरूहस्यातियोगतः Hastyāyur. 603.6 (4.5); **ii** through great *yogic* power मद्रेश्वरः स ददृशे तपसा ह्यतियोगतः MatsyaP. 118.48.

अतियोगदोष (atiyoga-doṣa) *m.* blemish caused by excessive treatment अधिकमतियोगदोषान् (कुर्यात्) AṣṭāSaṁ. i. 156.11 (1.29)

अतियोगभय (atiyoga-bhaya) *n.* risk of excessive application वमनादीनाम् ··· निवृत्तिरितरेषु (अहःसु) अयोगातियोगभयात् AṣṭāSaṁ. i. 121.14 (1.23); भूयो मात्रां विदध्यात्। न त्वजीर्णौषधस्यातियोगभयात् AṣṭāSaṁ. i. 142.10 (1.27)

अतियोगलक्षण (atiyoga-lakṣaṇa) *n.* symptom of excessive application अतियोगलक्षणानि भवन्ति CaraS. i. 15.13 (1941 Ed.)

अतियोगविपर्यय (atiyoga-viparyaya) *m.* adverse effect due to excessive use वमनं च विरेकाय विरेको वमनाय च। यदा भवति तं प्राहुरतियोगविपर्ययम् KāśyaS. 156B.41.

अतियोगशान्ति (atiyoga-śānti) *f.* alleviation of the (effect of) excessive application मांसानि मुख्यानि च जाङ्गलानि संस्कृत्य यूषाम्रसकापयश्च साज्ये विदध्यादतियोगशान्त्यै KāśyaS. 158B.28.

अतियोगानुबद्ध (atiyogānubaddha) *adj.* closely connected with excessive use or application अतियोगानुबद्धानां सर्पिःपानम् CaraS. i. 16.24.

अतियोगानुबन्धज (atiyogānubandha-ja) *adj.* caused by (the effect of) excessive application सर्पिष्पानं विकारे स्यादतियोगानुबन्धजे KāśyaS. 275B.13.

अतियोगिन् (ati-yogin) *adj.* excessive जीर्णेऽसृक्प्रबले कुर्याद्विरेके चातियोगिनि ··· आस्थापने पयः AṣṭāSaṁ. ii. 19.6 (4.3); अतिभूरि वा प्रयुक्तमौषधम् ···धातूनपि द्रवीकृत्य स्रावयेदतियोगि भवति AṣṭāSaṁ. ii. 148.23 (5.3)

अतियोगोक्त (atiyogokta) *adj.* mentioned in excessive application एकाहं सर्वाणि दद्यतोऽतियोगोक्तो दोषः AṣṭāSaṁ. i. 56.16 (4.10)

अतियोगोद्धत (atiyogoddhata) *adj.* upset by excessive application अतियोगोद्धतं वातं दृष्ट्वा वातहरैर्भिषक्। रसाद्यैः ··· शमं नयेत् CaraS. vi. 17.86 (1941 Ed.); AṣṭāSaṁ. ii. 33.6 (4.6)

अतियोग्य (ati-yogya) *adj.* **i** very suitable ध्यात्वेन्द्रनगरेशस्य बालमित्राय सूनवे। सुन्दरायातियोग्याय पितृभ्यां सा निरूपिता PadmP.(Ra.) 36.17; **ii** very appropriate अतियोग्यानिमान् धर्मान् ··· चकार SkandP. ii(7). 21.60.

अतियोजन (ati-yojana) *n.* excessive storing यथाम्भो ह्यतियोजनात्। विहृत्य सेतुं मृत्कोशात् स्रवति क्षपयन् मृदम् AṣṭāSaṁ. i. 130.11 (1.25)

अतियोज्यमान (ati-yojyamāna) *adj.* being attacked or encountered विघ्नैरनेकैरतियोज्यमाना ये तीरमुज्झन्ति न नर्मदायाः SkandP. v(3). 10.73.

अतियोध्या (ati-yodhyā) *adj.* (*f.*) to be conquered easily न हि तथायोध्यातियोध्याभवत् PrabaCin. 13.17.

अतियौक्तिक (ati-yauktika) *m.* great logician विवेकवानप्यतियौक्तिकोऽपि ··· आत्मानमात्मस्थमिमं न वेद SarvaVeSāSaṁ. 490.

अतिरंहस् (ati-raṁhas) *adj.* very swift एष राजेव दुःषन्तः सारङ्गेणातिरंहसा S'āk. 1.5; पतितोऽस्मि महाभाग श्वसनेनातिरंहसा MārkP. 3.22; मनसोऽप्यतिरंहसा ··· कुरङ्गेण निन्ये NavaSāC. 2.41; आरणाच्युतराजोऽपि ··· तत्रागात् सर्वतोभद्रविमानेनातिरंहसा TriṣaS'aPuC. i. 2.442; PṛthvīVi. 9.59; *n.* [Inst.] with great speed शमितायाम इवातिरंहसा सः Kirātā. 13.27; अश्वै रथैर्भटैर्नागैः पतद्भिरतिरंहसा PadmP.(Ra.) 12.283; राजद्वारमतिरंहसा प्रधावितेषु परिवर्धकेषु TilaMañ. 83.23; गन्तुं प्रवृत्तो मृगयामेकोऽहमतिरंहसा YogVā. iii. 106.7; अथातिरंहसा ··· पत्तीनागच्छतो दूराद्वीक्षांचक्रे क्षितीश्वरः PāṇḍaC. 3.81; शोषयेम समुद्रं जङ्घालतया अतिरंहसा SyādvāMañ. 31(30)

अतिरंहस्विता (atiraṁhasvi-tā) *f* great swiftness दिव्यपथावगाहनविधौ सैवातिरंहस्विता PṛthvīVi. 9.88.

अतिरक्त (ati-rakta) *adj.* **i** deep red वर्णास्ताम्रसितातिरक्तहरितव्यापीतचित्रासिताः ··· सूर्यादिनाथाः Bṛhajjā. 2.5; कुजोऽतिरक्तश्च HorāSā. 2.20; अतिरक्तस्तु पुष्करः PāraS. 11.190; (नरः पित्तोद्भवायाः प्रकृतेः) पीतोऽतिरक्तः शिथिलोष्णकायः KalyāKā. 3.23; इन्द्रगोपोऽतिरक्तश्च BṛĀraUBhVā. ii. 3.162; ललिता देवी कामेश्वरमुखं प्रति। दत्तदृष्टिः समहसदतिरक्तरदावलिः BrahmāṇḍP. iii. 27.67; ध्यायेत् ··· दक्षिणं वक्त्रमतिरक्तं तथोत्तरम् LiṅgaP. ii. 23.9; अत्रातिरक्तेनापि मनसा संयुक्तो न रक्ततामुपगत इत्यतद्गुणः KāvyPra. 747.6; अतिरक्तश्च क्षत्रियः (माणिक्यम्) YuktiKa. 88.16; IśānS'iPa. ii. 59.106; VasiS. 13.17; ततोऽतिरक्तः स (शोफः) भवेद्विदहेत्पेत्तिको यथा Hastyāyur. 320.3 (2.66); **ii** deeply attached अतिरक्तश्च मुक्तवानिमां मधुमत्ताम् DaśKuC. 138.13; यो विशीर्णोऽप्यतिरक्तः अतिरक्तत्वाद्वर्तमानं तमसक्तमभिनन्देत JayaMa. 341.5 (*on* 6.4); KāvyPra. 747.6; *n.* **1** excess of blood तुम्बीबिम्बलताफलप्रभृतयः पित्तेऽतिरक्ते हिताः KalyāKā. 4.41; पित्तातिरक्तार्तिसमीरहारि ··· गोदावरीवारि BhojanKu. 182.18; **2** pearl of reddish tinge मौक्तिकं वि(वि)द्रुमच्छायमतिरक्तं विदुर्बुधाः YuktiKa. 115.21; *m.* cinnabar मणिराजोऽतिरक्तश्च SadrasaNi. 31.5.

अतिरक्तक (atirakta-ka) *n.* deep red colour पीतस्य द्विगुणं रक्तं मिश्रितं त्वतिरक्तकम् S'ilpaRa. i. 46.137; लाक्षारसेन संयुक्तं हिङ्गुदं त्वतिरक्तकम् S'ilpaRa. i. 46.140.

अतिरक्तकृष्ण (atirakta-kṛṣṇa) *adj.* deep reddish black अतिरक्तकृष्णमभिचिन्त्य विभुम् ··· वनदर्भपुञ्जम् ··· विकिरेत् IśānS'iPa. i. 15.122.

अतिरक्ततर (atirakta-tara) *adj.* very deep red अतिरक्ततरैरलक्तकैः ··· रचयामि रक्तताम् DevīCatuSt. 65.

अतिरक्तता (atirakta-tā) *f* **i** extreme redness कामिन्यो हृदये विद्धा दधुः सद्योऽतिरक्तताम् MahāP. 15.188; माणिक्यस्य गुणाः ···अतिरक्तता Mānaso. ii. 4.485; **ii** great attachment or devotion नूतनत्वमतिरक्ततयानुपदं दधत् ···संकथामृतमनेकमसिस्वदतामुभौ S'iśuVa. 13.69; MahāP. 15.188; SaraKaṇṭhā. 474.9; अतिरक्ततया नार्याम् ··· अनुकूलः UjjvaNīMa. 31.5.

अतिरक्तत्व (atirakta-tva) *n.* the state of being very much attached, deep attachment अतिरक्तत्वाद्वर्तमानं तमसक्तमभिनन्देत JayaMa. 341.5 (*on* 6.4); अतिरक्तत्वाच्चितां प्रविश्य मृतः VetāPañ.(S'i.) 55.12; AlaṅkāMañ. 26.13.

अतिरक्तप्रवाह (ati-raktapravāha) *m.* excessive flow of blood शूलारोचकतृष्णार्तश्चातिरक्तप्रवाहवान् ··· ध्रुवं न जीवतेऽर्शसः HārīS. iii. 11.26.

अतिरक्तप्रशान्ति (atirakta-praśānti) *f.* arrest of excessive flow of blood मूलं तु शरपुङ्खायास्तन्दुलाम्बुप्रपेषितम्। पाययेत्कर्षमात्रं तददतिरक्तप्रशान्तये RasRaSa. 25.94.

अतिरक्तभाव (atirakta-bhāva) *m.* **i** extreme redness (due to anger) अतिरक्तभावमुपगम्य ··· अमुष्य ··· दृष्टिरगणितभयासिलतामवलम्बते S'iśuVa. 15.9; **ii** extreme attachment (to war), S'iśuVa. 15.9.

अतिरक्तलोचन (atirakta-locana) *n.* having extremely red eyes अपश्यत्तदधिष्ठानवासिनम् ···अतिरक्तलोचनं जाललगुडपाणिं पक्षिबन्धम् Tantrākhyā. 54.8.

अतिरक्तस्रुतितस् (atiraktasruti-tas) *adv.* due to excessive discharge of blood मर्मव्यधे त्वतिरक्तस्रुतितो वायुवैकृतेन च मरणम् AṣṭāSaṁ. i. 236. 7 (2. 7)

अतिरक्तहृदय (atirakta-hṛdaya) *n.* extremely passionate heart पूर्वत्रातिरक्तहृदय संपर्कान्नायकस्य धवलशब्दवाच्यस्य प्राप्तमपि रक्तत्वं न निष्पन्नम् AlaṅkāSa. 171. 9; SāhiDa. 613. 4.

अतिरक्तहृदया (atirakta-hṛdayā) *adj.* (*f.*) with the heart full of love मगधराजः ··· जग्राह च मनसि मानसारं वल्लभेवातिरक्तहृदय(? या) AvantiKa. 113. 8.

अतिरक्ता (ati-raktā) *f.* A name of one of the tongues of fire जिह्वास्त्रिविधाः ··· बहुरूपातिरिक्ता च सात्त्विक्यो यागकर्मसु S'āraTi. 5. 23; अग्नेः जिह्वाबीजान्यनुक्रमात् । हिरण्या कनका रक्ता कृष्णा तदनु सुप्रभा । अतिरक्ता बहुरूपा AgniP. 81. 46; अतिरक्ता बहुरूपेति सप्त सप्तार्चिषो जिह्वाः AbhidhāRaMā. 1. 68; बहुरूपातिरक्ता च सात्त्विक्यः सप्त कीर्तिताः ĪśānS'iPa. i. 14. 227; बहुरूपातिरक्तेति जिह्वाः सप्त हविर्भुजः KośaKaTa. 1. 471; अतिरक्तायै बहुरूपायै नमः स्वाहा NityoNi. 69. 6; B a woman greatly attached to love-making प्राप्तापि रतिसंभोगं रतेच्छां या न मुञ्चति । अभियोक्त्री भवेद् भूयः सातिरक्ता प्रकीर्तिता VitVṛ. 50.

अतिरक्ताक्ष (atiraktākṣa) *adj.* of deep red eyes गतमात्रोऽतिरक्ताक्षं भिन्नाञ्जनचयप्रभम् । पश्यति वै यमम् MārkP. 10 77; प्राह यक्षोऽतिरक्ताक्षो बृहद्गम्भीरनिस्वनः PadmP.(Ra.) 109. 111.

अतिरक्ताङ्ग (atiraktāṅga) *m.* name of a kind of fish मत्स्ये चिलिचीमश्लिलीच्चिमः ··· क्षीरजालोऽतिरक्ताङ्गः KalpaK. 352. 82.

अतिरक्ताङ्गी (atiraktāṅgī) *adj.* (*f.*) of the form of deep red colour चूर्णीभूतातिरक्ताङ्गी ···खण्डपूर्विका (मनःशिला) RasRaSa. 3. 90.

अतिरक्तास्य (atiraktāsya) *adj.* having deep red mouth तं शशापातिरक्तास्यः शम्भुना निर्जितो भवान् BrahmVaiP. iv. 79. 41.

अतिरक्तितस् (atirakti-tas) *adv.* due to the capacity to give great delight वेगवद्भिः स्वरैर्वर्णचतुष्केऽप्यतिरक्तितः । वेगस्वरा रागगीतिर्वेसरा चोच्यते बुधैः SaṁgīRa. ii. 6. 1 (2. 6) (comm. रक्त्यतिशयवशात्, अतिशयेन रञ्जकत्वात्)

अतिरक्तिशालिनी (atirakti-śālinī) *adj.* (*f.*) i possessing deep red colour अपि तामतिरक्तिशालिनीं (कनकाशोकलताम्) ···। परिहृत्य कपिर्ययौ जवादभिजातः प्रमदामिवासतीम् RāmC. 12. 37; ii full of excessive attachment, RāmC. 12. 37.

अतिरक्ष्य (atirakṣ-ya) *ger.* having protected well कल्पयेत् ···निवेद्यम् ··· अम्भोक्षितं तदरिमुद्रिकयातिरक्ष्य PañcaRā.(Nā.) iii. 8. 13.

अतिरङ्ग (ati-raṅga) *m.* 1 name of a plant रक्तातिरङ्गनारङ्गैर्हिङ्गुभिः सप्रियङ्गुभिः (सुशोभितम्) MatsyaP. 118. 10; तस्यैव पर्वतेन्द्रस्य प्रदेशम् ···उपागतः मेघश्यामम् ··· रक्तातिरङ्गनारिङ्गैः ViṣṇuDhaP. i. 151. 10; 2 greatly nasalised sound यस्माद्द्वयं प्रदृश्यन्ते अतिरङ्गाः प्रकीर्तिताः AmoghS'i. 46.

अतिरङ्गता (atiraṅga-tā) *f.* exeessive brightness of colour फलानामप्यपक्वानां पाकः क्षिप्रं प्रजायते ।···सूक्ष्माणां रूपदलनं तथा चैवातिरङ्गता MatsyaP. 219. 29.

अतिरजस्कन्ध (atirajaskandha) *m.* mass of excessive dust सद्यो वर्षति पर्जन्यो विशुद्धासु च दिक्षु काकण्डवर्णेषु गिरिष्वतिरजस्कन्धेषु ह्रदमग्नेषु AV-Pari. 65(1). 2.

अतिरजस्वलमति (atirajasvala-mati) *adj.* with the mind overwhelmed by the quality of *rajas* दिग्देवता अतिरजस्वलमतिर्न विजानाति BhāgP. v. 14. 9.

अतिरञ्ज् (ati-rañj-) IV. U. to be extremely attached विषयेष्वतिरज्यन्ते न्यायधर्मविबाधया । अपथ्यान्यपि यत्नेन स्पृहयन्ति मुमूर्षवः TriṣaS'aPuC. iii. 4. 161; लक्ष्मीः ··· प्रौढस्त्रीवातिरज्यते PārśvC. 2. 1007; नातिरज्यति कान्तस्य सङ्गमे किन्तु रज्यति RasāSu. 39. 3 (1. 191)

अतिरञ्जक (ati-rañjaka) *adj.* A greatly alleviating तत्र प्रलेपनविधावतिरञ्जकः स्यात् । उच्छिष्टनामकरसः KalyāKā. 24. 53; B very entertaining मल्लाज्यमालनामापि म्लेच्छवाग्गेयकारकः । नारदो वासवस्येव राज्ञोऽभूदतिरञ्जकः RājTa.(S'rī.) 1(4). 33.

अतिरञ्जन (ati-rañjana) *adj.* 1 cherishing great love शालस्य ··· पुरस्य शृङ्गेष्वतिरञ्जनेन । जनेन दृष्टयै निचितेन पूर्वापूर्वाधिरूढासुमतां छलेन RāghPāṇ.(Dha.) 8. 46 (comm. अतिरञ्जनेन अतिशयानुरागवता जनेन); 2 causing extreme redness अक्षी च बन्धुजीवश्च तथा कर्पूरगन्धिनी । माक्षिकं चेति विज्ञेयो रक्तवर्गोऽतिरञ्जनः RasRaSa. 10. 93.

अतिरञ्जयित्री (ati-rañjayitrī) *adj.* (*f.*) very much delighting or causing enjoyment अपोभिरष्टादशभेदशालिरसैरिह त्वामतिरञ्जयित्रीम् । न स्तोतुमीष्टे नलिनासहो(नो)ऽपि वाचं रसैर्वासयिता तदर्थैः YātrāPra. 9. 67.

अतिरञ्जित (ati-rañjita) *adj.* very much delighted क्रिययानिलिना पूर्वं वयमत्र चिरं जिताः । वाचा वालिसुतेनेत्थमिदानीमतिरञ्जिताः RāmC. 28. 62; साक्षादिव सुधासारैर्व्याहारैरतिरञ्जितः S'āliC. 1. 45; अतिरञ्जितेन राज्ञा तस्य बहु दानं ददे Bharaṭ. 10A. 3; पूर्वं मर्दनिकैर्मर्दनं दत्तं यथा नृपोऽतिरञ्जितः PurāPraSaṁ. 17. 22.

अतिरटित (ati-raṭita) *n.* excessive crying अन्ये ते जलदायिनो जलधरास्तृष्णां विनिघ्नन्ति ये भ्रातश्चातक किं वृथातिरटितैः Ind. Spr. 3503.

अतिरण (ati-raṇa) *n.* great fight एष चातिरणे भीष्मो दहते वै महाचमूम् MahāBhā. vi. 108. 41.

अतिरणचण्ड (atiraṇacaṇḍa) *m.* name of a Pallava king अतिरणचण्डः पतिरवनिभुजामतिरणचण्डेश्वरमिदमकरोत् EI. x. 12. 9 = x. 14. 10; x. 12. 13; x. 14. 14; अतिरणचण्डपल्लवेश्वरगृहम् EI. x. 14. 25; x. 14. 26.

अतिरणचण्डेश्वर (atiraṇacaṇḍeśvara) *n.* a S'iva temple built by the Pallava King Atiraṇacaṇḍa भूतानामष्टमूर्तिश्चिरमतिरणच[ण्डेश्वरे] यातु निष्ठाम् EI. x. 12. 15 = x. 14. 16.

अतिरत (ati-rata) *n.* excessive sexual intercourse दैवेनातिरते स्त्रीणां विषमोत्कटकासनात् । जायन्ते व्यापद्रो योनौ RasRaSa. 25. 73; ग्लानिर्विरेकवमनजागरातिरताध्वभिः BhāvPra.(S'ā.) 15. 21(1)

अतिरति (ati-rati) *f.* i excessive devotional sentiment अतिरतेः स्नेहं विना न प्राप्तिः स्यात् SāmaraU. 250. 14; अतिरतिमग्ना गावः क्रीडापरा भवन्ति SāmaraU. 274. 22; 275. 3; ii excessive fondness or liking for तदहिंसाप्रधानेऽस्मिन्वत्सः ··· । दर्शनेऽतिरतिश्चेन्मे तदधर्मो ममात्र कः KathāSaSāg. vi. 1. 25; नतिमतिरतिमस्याङ्घ्रिद्वये संविदध्यात् PadmP. i. 61. 102; धृतफण इव भोगी गारुडीयस्य गानं तदुदितमतिरत्याकर्णयन् सावधानम् CaitaCa. 166. 5(7); *adj.* (*f.*) who surpasses Rati (wife of Kāma) (exceedingly beautiful and charming) चतुःषष्टिसहस्राणि राज्योऽतिरतयोऽभवन् । द्वात्रिंशच्च सहस्राणि राजानस्तस्य सेवकाः PārśvC. 4. 118; रूपेणातिरतिः पुत्री नाम्ना रत्नवती तयोः SamarāSaṁ. 8. 3.

अतिरतिरण (atirati-raṇa) *n.* war of excessive love-making अधिगतमखिलसखीभिरिदं तव वपुरपि रतिरणसज्जम् (v. l. वपुरतिरतिरणसज्जम्) GītGo. xi. 20. 6.

अतिरतिरभस (atirati-rabhasa) *m.* longing for excessive sexual pleasure अतिरतिरभसात् ··· । शयनतलमतिशिश्रियन्वधूभिः सहः ··· युवानः HarVi. 27. 1 (comm. रभसोऽभिलाषः)

अतिरतिलोला (atirati-lolā) *adj.* (*f.*) desirous of excessive sexual pleasure स्वयमतिरतिलोला याति संकेतदेशम् AnaṅgaRa. 10. 55.

अतिरतिसेवा (atirati-sevā) *f.* indulgence in excessive sexual intercourse नृपतिः ··· । मृतोऽतिरतिसेवोत्थक्षयक्षीणकलेवरः PadmP. iv. 97. 1.

अतिरतिस्थिति (atirati-sthiti) *adj.* (*f.*) having a form which surpasses Rati (wife of Kāma) उद्योतं सूरयो दृष्ट्वा स्त्रियं चातिरतिस्थितिम् । प्रवर्तकं मुनिं प्रोचुः PrabhāC. 136. 26.

अतिरत्न (ati-ratna) *adj.* surpassing all the varieties of gems एकैकं क्रियते प्रभावनियमात्कर्मातिरत्नैः परं पुंरत्नैः पुनरप्रमेयमहिमोन्नद्धैर्न किं साध्यते Ind. Spr. 2706.

अतिरथ (ati-ratha) *adj.* 1 superior chariot-fighter राजा ··· तं चाप्यतिरथः श्रीमानाश्रमं प्रत्यपद्यत MahāBhā. i. 64. 19; (धृतराष्ट्रपुत्राः) सर्वे त्वतिरथाः शूराः सर्वे युद्धविशारदाः MahāBhā. i. 108. 15; एकः सर्वकुमाराणां बभूवातिरथोऽर्जुनः MahāBhā. i. 123. 43; रथसंख्याम् ··· अतिरथानां च वेत्तुमिच्छामि कौरव MahāBhā. v. 162. 15; iii. 39. 19; iii. 119. 17; iv. 59. 28; v. 162. 24; vi. 15. 19; vi. 45. 3; vi. 53. 1; vii. 3. 7; viii. 21. 11; स रथेऽतिरथस्तिष्ठन् रथशक्तिं परामृशत् MahāBhā. ix. 9. 37; ix. 60. 59; xi. 2. 10; xi. 21. 2; xiii. 14. 25; इक्ष्वाकूणामतिरथो यज्वा ··· दशरथो राजा ··· जगदपालयत् Rāma. i. 6. 2; इन्द्रजित् ··· धन्वी रथस्थोऽतिरथोऽतिवीर्यः Rāmā. vi. 47. 16; vi. 19. 18; vi. 47. 66; रावणिस्तु दिशः सर्वा रथेनातिरथः पतन् Rāmā. vi. 67. 32; vi. 1293*(8); व्यक्तं निर्जित एव सोऽप्यतिरथः कालेन दुर्योधनः ŪruBha. 1. 58; दत्त्वाभयं सोऽतिरथो वध्यमानं किरीटिना । सिन्धुराजमुपेक्षेत VeṇiSaṁ. 3. 320; भीष्मप्रभृतयः अतिरथाः अजेयाः देवैरपि GītāBh.(S'aṅ.) 320. 10 (*on* 11. 33); वेगात् समीयतुरथातिरथौ तथा तौ HarVi. 50. 20; RāmC. 35. 12; BhāgP. i. 9. 13; विक्रमातिक्रमे बुद्धौ भृशार्थातिशये त्वतिः । अतिरथः Prasā. i. 37. 8; पत्तीनामयमीदृशः पराक्रमः । अर्धरथरथातिरथमहारथानां तु कीदृशोऽपि भविष्यति Manmatho. iii. 15; भृतिश्चातिरथे देया NītiPra. 7. 34 (comm. एकादशसहस्राणि योधयेद्यस्तु धन्विनाम् । स वै महारथः प्रोक्तस्ततश्चातिरथस्स्मृतः); 2 something in addition to a chariot शतमतिरथं दुहितृमते दद्यात् S'ābaBh. 1360. 4 (*on* vi. 1. 10); 1361. 3 (*on* vi. 1. 10) (Ganganath Jha : cart-bullock); *m.* A name of a son of Matināra मतिनारसुताः राजंश्चत्वारः ··· । तंसुर्महानतिरथो द्रुह्युश्च MahāBhā. i. 89. 11;

B name of a Sūta (foster-father of Karṇa) ततः स्रस्तोत्तरपटः … । विवेशाधिरथो (v. l. °तिरथो) रङ्गं यष्टिप्राणो ह्वयन्निव MahāBhā. i. 127.1; सत्यकर्मणस्त्वतिरथः । यो गङ्गां गतो मञ्जूषागतं पृथापविद्धं कर्णं पुत्रमवाप ViṣṇuP. iv. 18.27; C i name of a warrior पार्थः … जघान क्षत्रियश्रेष्ठान् … सुरथोऽतिरथश्चैव सुषेणोऽरिष्ट एव च MahāBhā. iv. 928*(8); C ii name of a king सुराष्ट्रविषये …सद्वृत्योऽतिरथो राजा गोमिनी तत्प्रियाभवत् BṛKathāK. 127.206; C iii name of a prince दत्त्वा स तस्योत्तरमित्यबाधं ददौ सुतायातिरथाय राज्यम् Dharmaśarmābhyudaya 4.76.

अतिरथत्व (atiratha-tva) *n.* the status of a distinguished chariot-fighter सत्यजित् … द्रुपदस्यात्मजो युवा । गतः सोऽतिरथत्वं हि MahāBhā. v. 168.23.

अतिरथयूथ (atiratha-yūtha) *m-n.* a group of distinguished chariot-fighters इन्दुमाली …वीतेऽतिरथयूथस्य पतिर्विद्याधरप्रभुः KathāSaSāg. viii. 5.51; viii. 4.26; viii. 5.5; viii. 5.72.

अतिरथसंख्या (atiratha-saṅkhyā) *f.* number of excellent chariot-fighters श्रुत्वा युधिष्ठिरः । रथातिरथसंख्यां तु राज्ञां मध्ये वचोऽब्रवीत् SkandP. i(2). 66.4.

अतिरथसंमत (atiratha-sammata) *adj.* regarded as a superior chariot-fighter धनुर्वेदविदां श्रेष्ठो लोकेऽतिरथसंमतः (रामः) Rāmā. ii. 1.23.

अतिरथि (ati-rathi) *m.* i a superior chariot-fighter ततो वैरिवरूथिन्यामेतेऽतिरथयस्त्रयः । …प्राणैरपि प्रियं कर्तुं समीहन्तेऽधुना हरेः PāṇḍaC. 14.19; ii name of the foster-father of Karṇa कर्णस्य जनकोऽभ्यागात् तत्रातिरथिसारथिः PāṇḍaC. 3.455; 3.465; 3.479; इतोऽभूत् तत्रवास्तव्यः …। पुमानतिरथिर्नाम सदाचारैकमन्दिरम् PāṇḍaC. 3.222.

अतिरथोदित (atirathodita) *adj.* called *atiratha* (great chariot-fighter) द्रोणेनैव विनीतश्च भ्रातॄणां नकुलः प्रियः । चित्रयोधी समाज्ञातो बभूवातिरथोदितः MahāBhā. i. App. 80.38.

अतिरभस (ati-rabhasa) *adj.* very impetuous विरम विरम कर्ण कत्थनादतिरभसोऽस्यति चाप्ययुक्तवाक् MahāBhā. viii. 26.62; तथातिरभसांस्तांस्तु संयत्तान्रोहिणीसुतः । अहन् परिवमुख्यम्य BhāgP. x. 44.41; v. 17.9; सुरतमतिरभसमनिभृतकररुहदशनपदजर्जरं भवति DhūrtaViSam. 20.12; *m.* too much impetuosity क्षितिं विलोक्य … अजनि तदा पाण्डुसुवामतिरभसः YudhiVi. 6.60 (comm. अतिरभसः अतिशयेन साहसावेगः); **अतिरभसात्** (ati-rabhasāt) [Abl.] i very speedily, very quickly, very hurriedly आसेदिरेऽतिरभसान्न च पुष्पगन्धाः RāmC. 25.24; निर्विघ्नं सिंहसंघैरिदमतिरभसात्क्रान्तमेवान्तरिक्षम् BālRā. 2.59; अतिरभसाद्धावन्त्यः … मिलिताश्च तोरणद्वारेषु कामिन्यः UdaySuKa. 146.8; आश्वस्तो मातरिश्वा मलयविटपिनामाययावात्मनीनो मीनाङ्कस्याङ्कपाली दधदतिरभसादर्णसां ताम्रपर्ण्याः SrīKaC. 6.73; येनैतत्सुखलभ्यमम्बु ददतां युष्माकमुद्वर्जताम् । नो लज्जाप्यभिजायतेऽतिरभसाद् व्योम्न्युद्धतं धावताम् Subhāṣi. 850; देवारिर्योद्धुमस्मानयमतिरभसादासनादुज्जिहीते KaṁVa. 6.40; अर्कसूनुः । सशपथमथ तारया निरुद्धोऽप्यतिरभसादभिजग्मिवान् कपीन्द्रः Rāgh. 10.80; ii hastily, without any deliberations (of pros and cons) अन्यांशुकमतिरभसात्…मयाकृष्टम् KundaMā. 4.19; अतिरभसात् कृतानि कार्याणि कं(? किं)नामानमनर्थं न जनयन्ति NītiVā. 15.7; SatTrayī 45; KathāSaSāg. xii. 13.46; iii very violently, very vehemently तेनातिरभसात्स्थानं भित्त्वा प्रविशता पुरम् । प्रायशः कृत एवाभूत्तदा राज्यविपर्ययः RājTa.(Ka.) 8.779; **अतिरभसेन** (ati-rabhasena) [Inst.] i with great force, very forcibly अतिरभसेन भुजोऽयं वृतिविवरेण प्रवेशितः सदनम् । दयितास्पर्शोल्लसितो नागच्छति वर्त्मना तेन ĀryāSaSa. 63; ii in great haste अथातिरभसेनागाद् राइरुत्सृज्य वासवम् Rāmā. vii. 35.39; अतिरभसेनोग्राहिप्रवरेणोपेत्य भीमसेनोऽग्राहि YudhiVi. 5.39; सः … अतिरभसेन विवेश तां गुहाम् Rāgh. 18.74.

अतिरभसकृत (atirabhasa-kṛta) *adj.* done hastily or rashly अतिरभसकृतालघुप्रतिज्ञामनृतगिरम् … मा कृथा माम् SiśuVa. 7.7; अतिरभसकृतानां कर्मणामाविपत्तेर्भवति हृदयदाही शल्यतुल्यो विपाकः SatTrayī. 45 = SubhāRaK. 49.29 = SārṅgaPa. 1391 = BhojPra. 4.24 = Subhāṣi. 2934 = RauhiC. (Appx. II) 23.

अतिरभसचलत् (atirabhasa-calat) *adj.* moving very quickly तासामतिरभसचलच्चारुलीलालकान्ता भृङ्गायन्ते यदक्ष्णिद्वयसरसिरुहे पातु पीताम्बरो वः KṛṣṇaKa. 2.95.

अतिरभसचलित (atirabhasa-calita) *adj.* moving in great haste अये, कथमयमुग्रसेनः … अतिरभसचलितेनान्तःकरणेनोत्तिष्ठमानोऽपि परिसरोपसन्नसेवागतानेकराजलोकोपदिष्टाभिषिक्ताचारविरोधनिरुद्ध इवास्ते KaṁVa. 7.12(27)

अतिरभसतरात्मन् (atirabhasatarātman) *adj.* whose mind is working with great speed वनचरगणमुख्यान् … पवनहितकुमारः प्रेषयामास दूतानतिरभसतरात्मा AdhyāRā. iv. 4.54.

अतिरभसता (atirabhasa-tā) *f.* extreme quickness or rashness जनमजितमपीच्छता विजेतुं निशितदशार्धशरं धनुर्विमुच्य । अतिरभसतयोद्यता स्मरेण ध्रुवमसियष्टिरिहाङ्गनाभिधाना Subhāṣi. 1462.

अतिरभसदलित (atirabhasa-dalita) *adj.* broken by great force स राजा … अतिरभसदलितदन्तपत्त्रदलदन्तुरितशयनम् … सुरतमाततान Kād. 57.10.

अतिरभसप्रवृत्त (atirabhasa-pravṛtta) *adj.* [*f.* -ā] begun with great haste सुमन्त्र, अतिरभसप्रवृत्तवेगत्वादनालक्षितसमविषमास्तुरङ्गमाः गङ्गाप्रपाते स्यन्दनं विनिपातयन्ति KundaMā. 1.4(1); तस्मादलमतिरभसप्रवृत्ताभिराभिर्बुद्धिकर्मादिनित्यत्वसमर्थनकथाभिः NyāyMañ. i. 206.23.

अतिरभसप्रवेश (atirabhasa-praveśa) *m.* act of entering with great speed or force अपि मुहुरमरौघसीमरुद्धः पवनमुखश्रुतरामणीयकस्य । अयमतिरभसप्रवेशहेतोश्चलयति भित्यचलानिलावृतस्य RāmC. 6.11.

अतिरभसभर (ati-rabhasabhara) *m.* burden (i.e. urge) of extreme quickness or speed अतिरभसभरप्रोल्लसल्लीलया वा … दिलीशः … प्रकृतिमुपगतः ParamāKā. 18.123 (? 124)

अतिरभसभृत् (atirabhasa-bhṛt) *adj.* possessing great speed (तमुपास्महे) आत्मीयादपि चाश्वादतिरभसभृतो जवातिरेकेण । विस्मेरितामिदैत्य(? विस्मापितादितेयं) व्यञ्जितकरुणं कृतागसि खगेऽपि YātrāPra. 8.142.

अतिरभसम् (ati-rabhasam) *adv.* very forcibly तावद्रक्षोविनेत्रा पुनरतिरभसम् … विद्धः शतघ्न्या … न्यपप्तत् (लक्ष्मणः) MahāviC. 6.48 (180.4)

अतिरभसवचन (atirabhasa-vacana) *n.* very hasty or rash statement यत्तु भाष्यकारेण … उक्तम् … तत् … अतिरभसवचनम् TantrVā. 1150.19 (*on* iii. 7.38)

अतिरभसवती (atirabhasa-vatī) *adj.* (*f.*) very unsteady त्रिपुरमथनचापारोपणोत्कण्ठितानामतिरभसवतीव क्ष्माभृतां चित्तवृत्तिः PrasaRā. 1.28.

अतिरभसविमृदित (atirabhasa-vimṛdita) *adj.* pressed quickly अतिरभसविमृदितसुविपुलजघना सुखमुपैहि Ubhayābhi. 12.6.

अतिरभससंचलन (atirabhasa-sañcalana) *n.* very hurried movement अथ चलति महीपतावन्योन्यमतिरभससंचलनचालिताङ्गदपत्रभङ्गम् …उत्तिष्ठतामासीदतिमहान्संभ्रमो महीपतीनाम् Kād. 13.20.

अतिरभससमुद्धूत (atirabhasa-samuddhūta) *adj.* tossed or thrown up very quickly अतिरभससमुद्धूतधातुरागसमुद्भाविताकाण्डसन्ध्यासंसूचितहालाहलोपप्लवम् … आलोकमानः सागरमथनसंरम्भमानन्द गोविन्दः NīlaVi. 87.15.

अतिरभसहासच्छटा (atirabhasa-hāsacchaṭā) *f.* peals of very violent or loud laughter अतिरभसहासच्छटादीधितिधवलिमपरिमिलितम् … मञ्चमारुरोह वासवदत्ता VāsaD. 141.1.

अतिरभसोज्जिहान (atirabhasojjihāna) *adj.* rising up with great speed अतिरभसोज्जिहानेषु दुष्टमेघेषु सस्यरक्षणम् NyāyMañ. i. 226.3.

अतिरभसोत्कर्ष (atirabhasotkarṣa) *m.* excess of great speed, extreme quickness जम्बुकी कण्ठसक्ता … लग्नानङ्गक्रियायामियमतिरभसोत्कर्षमाविष्करोति AuciViCa. 18(17)

अतिरभसोत्थित (atirabhasotthita) *adj.* got up or stood up very quickly वेत्रपुटभेदनाधीशतिरुवेङ्कटनृपतिनन्दनः … अतिरभसोत्थितविनमदुदास्थितजननिवेदितनिजागमनश्रुतिमुदितनृपाभ्युपागतप्रतिश्रयप्रवेशः ĀnandRa. 8.0(50)

अतिरमणीय (ati-ramaṇīya) *adj.* [*f.* -ā] very pleasing, beautiful, lovely, delightful or charming तदिदमेव पुरस्तात्संदृश्यमानलतागुल्मप्रच्छायमतिरमणीयमध्यास्य गतश्रमौ भगवन्तं प्राचेतसमुपसर्पावः KundaMā. 3.11 (14); तया सह चावनिपतिः मानसादिसरस्स्वतिरमणीयेषु रममाणः ViṣṇuP. iv. 6.48; विना चोर्वश्या सुरलोकोऽप्सरसां सिद्धगन्धर्वाणां च नातिरमणीयोऽभवत् ViṣṇuP. iv. 6.50; अतिरमणीयम् … आश्रमपदम् Kād. 40.21; तस्मिन्नतिरमणीये कालेऽवन्तिसुन्दरी मनोभवमर्चयन्ती रेमे DaśKuC. 25.8; अहो नु खल्वतिरमणीयोऽयमस्मद्भागधेयानां परिपाकः SubhaDha. 3.9(11); राजा … गत्वा च … अतिरमणीयं मज्जनभवनमवतारिताभरणः स्नानपीठे निषसाद NalaCam. 3.18(22); 5.56 (44-45); वृक्षौषधिवनस्पतिलताभिरतिरमणीये (उद्याने) … सुन्दरीजनेन सह रमन्ते कामिनः YaśasCam. i. 104.5; मयापि … अतिरमणीयेषु प्रदेशेषु विहृत्य…गन्तव्यम् TilaMañ. 61.4; 156.13; वाक्यान्तराणि … अतिरमणीयान्युपनिबद्धानि कमपि काव्यच्छायातिशयं पुष्णन्ति VakroJi. 12.16; अतिरमणीयमिति भाक्ताद्व्यतिरिक्तमाह Loc. 11.16 (*on* 1.1); नृसिंहगरुडादिरचनाकृतियोगस्तथैव ह्यतिरमणीये नाट्ये भविष्यन्ति(? ति) AbhinBhā. i. 216.20 (*on* 5.21); पुंसोऽथवा युवत्या रूपं कृत्वातिरमणीयम् SamarāSū. 31.102; 31.124; सुगतदर्शनमेव साक्षात्सुखावहमतिरमणीयं पश्यामः PraboCan. 3.9 (52.15); एषा शृङ्गारलता … । वेषादतिरमणीया केषां न करोति चेतसि प्रमदम् RasSa. 165; मया साम्प्रतमालोकनीयानामतिरमणीयानामाकृतीनां परं पारमालोकितमेनामालोकयता Mukundā. 134(2); अथाङ्गपतिः …सुखोपविष्टमाश्रमेऽ-

तिरमणीये … भगवन्तमभिवाद्य पालकाप्यम् … पप्रच्छ रोमपाद: Hastyāyur. 194. 5 (2. 13); यदि मया नीतमतिरमणीयं भोज्यं न रोचते GopāKeCan. 65. 23; 144. 18; अतिरमणीयं सिंहासनमदृश्यत SiṁhāDvā. 23. 3(12); 148. 0(35); सह विद्यमानावूरू यस्या इत्यर्थ इति कैयट: । अतिरमणीयावित्यर्थ इति तदाशय: LaS'abdeS'e. i. 413. 19.

अतिरमणीयगात्रयष्टि (atiramaṇīya-gātrayaṣṭi) *adj.* whose slim or tender body is extremely charming अयमतिरमणीयगात्रयष्टिर्यदि हि भवेन्ननु गोपवंशजन्मा GopāKeCan. 140. 28.

अतिरमणीयतमा (atiramaṇīya-tamā) *adj.* (*f.*) extremely charming above all रमणीयतमाप्येषा त्वयान्त:प्रविश्यातिरमणीयतमा संपादनीया RasSa. 128(1)

अतिरमणीयतस् (atiramaṇīya-tas) *adv.* [Abl.] from that which is very charming खेदमेति कुसुमान्मधुव्रत: स्वादुनोऽतिरमणीयतो न वा HarVi. 5. 98 (comm. वाशब्दोऽवधारणे । नैवेत्यर्थ:)

अतिरमणीयता (atiramaṇīya-tā) *f.* **i** extreme sportfulness सौभरि: मत्स्यस्य … °दौहित्रादिभिस्सहातिरमणीयतामवेक्ष्य ViṣṇuP. iv. 2. 73; **ii** excessive pleasantness or beauty गत्वा हेमकूटमतिरमणीयतानिधानम् Kād. 181. 18; अहो शरत्समयसंभृतशोभानां दिशामतिरमणीयता MudrāRā. 3. 6(5); ये पुनरिहातिरमणीयतया विशेषत: प्रतिपन्नास्तातेन ते … अवगता: TilaMañ. 270. 22; किंशुककुसुमस्यातिरमणीयता Manmatho. 4. 6 (643. 17)

अतिरम्य (ati-ramya) *adj.* [*f* -ā] very beautiful, very charming (objects) सरोभिरतिरम्यैश्च पद्मोत्पलसुगन्धिभि: MahāBhā. i. 199. 45; वीरनगरं नाम वै पुरम् । समृद्धमतिरम्यं च पुलस्त्येन निवेशितम् ViṣṇuP. ii. 15. 6; iv. 2. 101; अहं पश्ये वसुन्धराम् अतिरम्योपवनोद्यानाम् MārkP. 61. 7; तत्र तत्रातिरम्यैश्च शिलाकुहरनिर्गतै: । प्रतापविषमै राजन् ह्रास्यमानं सरिच्छतै: शैलेन्द्रम् … आरुरोह भृगुश्रेष्ठ: BrahmāṇḍP. ii. 22. 41; ii. 32. 8; ii. 32. 17; इत्यमूनि वनान्यासन् अतिरम्याणि पादपै: । यत्र पुष्पमयी वृष्टि: नर्तुपर्यायमैक्षत MahāP. 22. 172; पश्य पश्य प्रिये धामान्यतिरम्याणि मन्दरे PadmP.(Ra.) 112. 35; 33. 39; 97. 82; भर्तृदारिकापि … अदभ्रपटमण्डपम् … गत्वातिरम्यं निवासहर्म्यमगमत् TilaMañ. 413. 9; 215. 4; स्थाने स्थानेऽतिरम्ये च पुष्पोद्याने (स रेमे रामया सह) BrahmVaiP. ii. 16. 144; BrahmP. 21. 11; LiṅgaP. i. 92. 32; GaṇeP. ii. 32. 16; ii. 57. 25; धात्री…पूर्णातिरम्यपुरसंघविचित्रिताङ्गी VasiS. 6. 34; स चातिरम्यो विषयस्तत्र चाखेटभूमय: । शोभना: सन्ति KathāSaSāg. iii. 1. 124; i. 6. 73; मुनिप्रभावादतिरम्यभावान्फलप्रवासप्रसवानजस्रम् । संपादयद्भिस्तरुभि: समन्तादाकल्पितं कल्पतरूपमेयै: Surath. 13. 28; (भूपति: बिभृयात्) माणिक्यान्यतिरम्याणि स्थूलानि विविधानि च Mānaso. iii. 8. 1053; स चातिरम्य: काश्मीरो ग्रीष्मस्त्रिदिवदुर्लभ: RājTa. (Ka.) 2. 138; तयोरन्त: …स्वर्णशैलै: शतेनातिरम्या: कुरव उत्तरा: TriṣaS'aPuC. ii. 3. 596; किंकरम्…आरण्यै: वरुणै: पुष्पैरतिरम्यै: सुगन्धिभि: पूजयेत् TantrSā.(K.) 94. 27; अहो अतिरम्यम् … देवस्य पश्यत वपु: सदृशीकरोति … वैराग्यसारसहकारफलस्य लक्ष्मीम् CaitaCa. 116. 16(5); स्वर्लोकादतिरम्याणि पातालानि भवन्ति हि BṛBrahmaS. ii. 3. 30; अतिसत्वरगत्वरैस्तुरङ्गैरतिरम्यं रथमारुरोह कृष्ण: HariVi. 4. 29; उपगिरि नगरं पान्थ प्रतिनिशमायाति शार्दूल: अन्त:स्थमतिरम्यम् Sṛṅgā-Mañ. 10. 24; 38. 28; PadyaVe. 251; (abstract things) क्षितिरसमतिरम्यमात्मनोऽन्त: कथयति चारुतयैव शालपोत: ViṣṇuP. iii. 7. 25; iv. 10. 21; वास्तोष्पत्यालयजयिनि तत्राभिगम्यातिरम्यान् तांस्तान्भागान् (v. l. भावान्) दृगतिथयत: स्याद्धि कालातिपात: MayūSaṁ. 1. 103; अन्यभवेषु प्रथितसुधर्मा: प्राप्य सुराणां श्रियमतिरम्याम् PadmP.(Ra.) 22. 181; सर्वं ब्रह्मार्पणं स्यादिति निगमगिर: संगिरन्तेऽतिरम्यम् S'atS'lo. 85; संपाठगीतस्वरवर्धनश्च प्रोक्तोऽतिरम्य: प्रथमो मदो हि RugVi. 18. 7; पुत्राश्च दाराश्च धनं च बुद्ध्या प्रकल्प्यते तात रसायनाभम् । सर्वं तु तन्नोपकरोत्यथान्ते यत्रातिरम्या विषमूर्च्छनैव YogVā. i. 27. 13; ततस्तेष्वतिरम्येषु चन्द्ररश्मिषु संपतत् । करोति (प्रवेशम्) YogVā. iv. 60. 11; घर्मेतरांशुमिव वक्रतयापि(v. l. ति)रम्यं नाट्यप्रबन्धम् PrasaRā. 1. 7; शर्वरीष्वतिरम्यासु रमयन्ति वने प्रियां (वनगजा:) Hastyāyur. 199. 9 (2. 13); तस्मात्कदाचित्पदावृत्त्या यथोक्तव्याख्यानमतिरम्यम् LaCandr. 304. 22.

अतिरम्यता (atiramya-tā) *f.* great charm or delight एषा…बहुशोभास्थली लाति मोहनीयातिरम्यताम् RāghPāṇ.(Dha.) 7. 51; का वा सरितोऽतिरस्य(? म्य)ता सा या पापेऽत्र नियोजयिष्यति त्वाम् Rāvaṇā. 12. 61.

अतिरम्यत्व (atiramya-tva) *n.* great beauty विच्छित्तिरतिरम्यत्वं स्वल्पैरपि विभूषणै: PratāYaBhū. 265. 2; कृष्ण: — अहो । अतिरम्यत्वं वर्तते वसनावृतमुखाया: CaitaCan. 80. 4(3)

अतिरय (ati-raya) *m.* great speed or velocity दवयदतिरयेण प्राप्तमुर्वीविभागम् … बलम् … तूर्णमायादयोध्याम् Bhaṭṭi. 2. 55; उच्छलद्भि: पतद्भिर्भूयोभूय: समुद्रैर्मिहिरमतिरयादापिबद्भिर्वमद्भि: । कोटीरस्तोदयानाम् … दर्शयन्व: … पुनीतात्…कूर्मराज: SaduktiKa. 30. 7; जलान्तरेऽमुचत्तं च श्रोतसातिरयात्तत: । प्राग्वाहिते करे दण्डसहिते प्रत्ययं ययौ PrabhāC. 31. 7; *adj.* very fleet or speedy सतामतिरयं तिरयन्भवपावकम् । जयति य: …मे गतिमेष विधास्यति S'aṅka-DigVi.(Mā.) 10. 26; अतिरयतुरङ्गमं मद्रथं तन्निकटं नीत्वा … अहमराते: शिर:कर्तनमकार्षम् DaśKuC. 18. 9; **अतिरयात्** (atirayāt) [abl.] with great speed मुक्ताफलैरतिरयादुदफालि लोलै: Kapphiṇā. 1. 33.

अतिरयतस् (atiraya-tas) *adv.* through great speed एतेन क्रियते … दुर्वातेन वितन्वतातिरयत: सर्वं जगज्जङ्गमम् SamudraMa. 1. 16.

अतिरयविसर्जित (atiraya-visarjita) *adj.* discharged with great speed (मेदिनीपति:) आदाय च … गण्डोपलमतिरयविसर्जितेन संवारिताखिलभुजस्था(स्थे)म्ना तेन झगित्याजघान … पलाशिनम् UdaySuKa. 80. 23.

अतिरव (ati-rava) *adj.* roaring loudly अतिरवोऽद्रिरुग्र: पीत: … अज: TājiNi. 1. (1. 1). 2(2)

अतिरवम् (ati-ravam) *adv.* loudly राजातिरवमाहूय महाभटमुवाच च । क्षेपिष्ठमानय स्पष्टं गजम् BṛKathāK. 127. 138.

अतिरवि (ati-ravi) *adj.* surpassing the sun तस्योर्जितेनातिरवेरवद्यं नैवेक्षतेऽन्त:करणं ममापि RāmC. 3. 42.

अतिरश्चात् (á-tiraścāt) *adj.* not moving aside (?) अत्यूर्ध्वाक्षोऽतिरश्चात् । शिशिर: प्रदृश्यते TaiĀ. i. 6. 1 (23. 19) (comm. शीतपीडितत्वादेव दक्षिणतो वामतो वा तिर्यङ् न पश्यन्ति तदिदमतिरश्चादित्युच्यते)

अतिरस (ati-rasa) *adj.* [*f.* -ā] very tasty or palatable तोयानि चैवातिरसानि मह्यं प्रादात् MahāBhā. iii. 112. 15; वारुणीमतिरसां रसयित्वा Kirātā. 9. 54.

अतिरस (ati-rasa) *m.* **1 A** excessive greed मृत्योस्तुल्यं त्रिलोकीं ग्रसितुमतिरसात् नि:सृता किं नु जिह्वा: CaṇḍiS'. 4; जम्बूनां कुसुमोदरेष्वतिरसादाबद्धपानोत्सवा: SubhāRaK. 8. 6; **1 B** intense love, passion or desire आहूयातिरसेन कर्षकजनानाबद्धकोलाहला: । … धावन्त्यमी पामरा: SubhāRaK. 12. 8; SaduktiKa. 182. 2; कोऽयं काहं रतं किं वा न वेत्त्यतिरसाद्यथा S'ṛṅgāTi.(Ru.) 1. 74; S'ārṅgaPa. 1277; अतिरसात् कुर्वद्भिरालिङ्गनम् SubhāRaK. 41. 43; इत्थं विधायातिरसेन रासक्रीडाम् HariVi. 3. 1; **1 C** excessive interest or fondness स एव वा मन्दीकृतेतरशास्त्ररसो मीमांसायामतिरस: HarṣaC. 130. 9; संग्रामरङ्गभुवि … अतिरसाद्द्विषतोऽपसारान् । सन्नर्तकीव विदधातु …पदं जयश्री: HarVi. 11. 33; तं च न खलु बध्नीयान्निष्कारणमन्यथातिरसात् Kāvyālaṅ.(Ru.) 7. 7; अतिरसाच्छंभुराज: … दृष्ट्वा वक्त्रं सुतस्य ParamāKā. 182. 79; **1 D** great devotional sentiment अतिरसलंपटो रसिकानन्द: सर्वासां सखीनां प्रणिपातं करोति SāmaraU. 225. 17; 288. 2; **2** abundant water वनेषु तृणसंवलिता निकुञ्जा अतिरसपूर्णा जलाशया: SāmaraU. 275. 23; 284. 10; **3** a kind of dish made of rice and jaggery पित्तापहानतिरसान् प्रवदन्ति तज्ज्ञा: BhojanKu. 51. 8; [too strong a basic tone (of a literary work) DaśaRū. 3. 29; Calcutta 1865 = 3. 32 pw.]

अतिरसतस् (atirasa-tas) *adv.* **1 A** due to excess of sentiments न चातिरसतो वस्तु दूरं विच्छिन्नतां नयेत् DaśRū. 3. 32; BhāvPra.(S'ā.) 235. 20(8); SāhiDa. 295. 13; **1 B** due to excessive delight ततोऽतिरसतश्च ता विगतयन्त्रणानर्गला: परस्परमुपादिशन् सुरतकार्यतन्त्राण्यपि KathāSaSāg. viii. 4. 120.

अतिरसता (atirasa-tā) *f.* the state of being excessively tasty स्मितज्योत्स्नाजालं तव वदनचन्द्रस्य पिबतां चकोराणामासीदतिरसतया चञ्चुजडिमा SaundL. 63.

अतिरसत्व (atirasa-tva) *n.* the state of possessing excessive juice (i. e. juiciness) यथाम्रातकादीनि मधुराणि चिरकालमतिरसत्वाच्छुक्तानि भवन्ति ManuBh. i. 423. 16 (*on* 5. 10)

अतिरसनिर्भरम् (atirasa-nirbharam) *adv.* full of intense love रममाण: परस्त्रीभि: सहातिरसनिर्भरम् PārśvC. 1. 733.

अतिरसपरिमुक्त (atirasa-parimukta) *adj.* abandoned due to intense love अतिरसपरिमुक्तकञ्चुलीके परिचयहृद्यतरे कुचे न्यलैषी: Nārāy. x. 84. 5.

अतिरसफल (atirasa-phala) *n.* very juicy fruit अतिरसफलवृक्षप्रायमव्यालसत्त्वं तपस उचितमासीन्नैमिषं तन्मुनीनाम् S'ivaP. vii. 3. 63 (505B. 11); अतिरसफलोपकारिभि: … शाखिभि: … अखण्डिताभोगशोभम् … विलासोद्यानं ददर्श UdaySuKa. 46. 29.

अतिरसभाविता (atirasa-bhāvitā) *adj.* (*f.*) suffused with great devotion नतिरतिरसभावितायमानै: स्फुटमिह धीरसभावितायमानै: YātrāPra. 3. 94.

अतिरसलसत् (atirasa-lasat) *adj.* moving with great interest चेत: …हर्षोत्कर्षादतिरसलसद्भृङ्गभङ्गीमुपैति CaturCin. II. i. 537. 4.

अतिरसलौल्य (ati-rasalaulya) *n.* excessive greed for juice चिरमतिरसलौल्याद्बन्धनं लम्भितानाम् … । षट्पदानाम् S'iśuVa. 11. 60.

अतिरसवत् (atirasa-va(n)t) *adj.* very tasty अतिरसवत्पातुमिच्छाम्यमृतमुत्तमम् GaṇeP. ii. 138. 2.

अतिरसवत्ता (atirasavat-tā) *f.* the state of having extreme sentiment विप्रलम्भेऽप्यतिरसवत्ता KāvyMī. 46. 1.

अतिरसवाहित्व (atirasavāhi-tva) *n.* the state of going beyond the (normal limits of) sentiments बाल्येऽपि नवतारुण्यप्राकट्यं श्रूयते क्वचित् । तत्रातिरसवाहित्वान्न रसज्ञैरुदाहृतम् BhaktiRaSi. ii. 1. 133 (comm. क्रमयोगेनैव रसाः संपद्यन्ते नेतरथेति भावः)

अतिरसा (atirasā) *f.* **i** Rāsnā (*Saccolabium papillosum*) रास्ना युक्तरसा रस्या···सुगन्धमूलातिरसा RājNi. 62. 2; **ii** S'atāvarī (*Asparagus racemosus*) ऐन्द्र्यृर्ष(? ष)भ्यतिरसर्ष्यप्रोक्ता CaraS. i. 4. 7 (1922 Ed.); मण्डूकपर्ण्यतिरसा स्थापयति पुनर्नवा च वयः AṣṭāSaṁ. i. 89. 10 (1. 15); **iii** Mūrvā (*Sanseviera roxburghiana*) मूर्वा चातिरसा स्मृतः(? ता) AṣṭāNi. 7. 16; **iv** Klītanaka (a variety of sweet-root plant) लशुनातिरसा चित्रा CaraS. vi. 10. 35 (1941 Ed.) (comm. अतिरसा जलजं यष्टीमधु); क्लीतनकं क्लीतनीयकं मधुकम् । मधुवल्ली च मधूलो मधुरलता मधुरसातिरसा RājNi. 34. 7.

अतिरसागता (atirasāgatā) *adj.* (*f.*) full of intense love सा लतामालयामाप ताराभातिरसागता SaraKaṇṭhā. 284. 2 (comm. अतिशयितेन रसेन पूर्णा)

अतिरसानुविद्धा (atirasānuviddhā) *adj.* (*f.*) smitten with intense love or passion पेपीयते चातिरसानुविद्धा विमार्गितान्या च प्रियं प्रसन्ना । काचित्प्रियस्यातिचिरात्प्रसन्ना आसीत्प्रलापेषु च संप्रसन्ना MatsyaP. 139. 29.

अतिरसायन (ati-rasāyana) *adj.* superior to elixir or medical preparation मरुत्पित्तहरो वृष्यो विमलोऽतिरसायनः RasRaSa. 2. 97; *n.* superior elixir शूलयकृद्गुदक्षयजरामेहाम वातापहं दीप्तं चातिरसायनम् RasRaSa. 5. 82; दाडिमस्य मयूरस्य क्षिप्त्वा क्षारं पृथक् पृथक् । एवं विंशतिरात्राणि पचेत्तीव्रेण वह्निना । ··· जायतेऽतिरसायनम् RasRaSa. 5. 179; सत्वं(? त्वं) पतत्यतिरसायनजारणार्थं योग्यं भवेत्सकललोहगुणाधिकं च RaseCin. 4. 3 (39. 3)

अतिरसावह (atirasāvaha) *adj.* bringing about excessive enjoyment, very interesting अये अतिरसावहमेवैतत् RasSa. 220. (1)

अतिरसासिक्त (atirasāsikta) *adj.* suffused with intense love चरन्त्येता नार्यो व्रतमतिरसासिक्तमनसः PadyaVe. 359.

अतिरसिक (ati-rasika) *m.* excellent connoisseur मामतिरसिकः ··· कृपयतु वरदः StavMā. 55. 9; *adj.* [*f.* -ā] extremely amorous, very much interested तां चकारातिरसिकां वरां रतिरसोत्सुकाम् BrahmVaiP. iv. 124. 60; पाञ्चालीमिथुनेषु नातिरसिका ··· सन्दिष्टा मदनेन ··· बाला चिरं लीयते SūktiMu. 51. 16; आलिङ्ग्य कण्ठे भृशं स्वां मूर्तिं दयितामिवातिरसिकां त्वद्विद्विषः शेरते S'ārṅga-Pa. 1272 = Subhāṣi. 2548; [very tasty or palatable, nt.]

अतिरसिकता (atirasika-tā) *f.* excessive sentimentality, over-indulgence अतिरसिकतयेदं नान्यथा जातु कुर्यात् Kāvyālaṅ.(Ru.) 12. 47.

अतिरसित (ati-rasita) *adj.* full of juice, highly tasty मृदुरतिरसितो मोहनश्चेक्षुदण्डः BhojanKu. 157. 12.

अतिरसोज्ज्वल (atirasojjvala) *adj.* bright due to excellent sentiments ततः किंचिद्धर्मशास्त्रं विधायातिरसोज्ज्वलम् । ···अभिनायति(?) तत्पुरः PrabhāC. 99. 29.

अतिरसोत्पादन (atirasotpādana) *n.* production of excellent feeling or sentiment पाञ्चालसुता ··· अतिरसोत्पादनचणम् ··· रूपमुदञ्चयन्ती पञ्चापि पतीननुयातवती BhārCam. 6. 20(1)

अतिरस्कार (a-tiraskāra) *m.* **A** non-repulsion, absence of incongruity विरोधिनोऽपि सान्निध्यादतिरस्कारलक्षणम् । पोषणं प्रकृतस्य RasāSu. 201. 1 (2. 259); **B** nonconcealment विष्फुलिङ्गवदतिरस्कारो हि युक्तः NyāySu.(Ja.) 463B. 8 (*on* iii. 2. 1)

अतिरस्कारिन् (a-tiraskārin) *adj.* not setting aside, not preventing कलौ नाम नामसंकीर्तनमेव पुरुषार्थसाधकतातिरस्कारि पुरस्कारि (च) रत्याख्यभावस्य CaitaCa. 6. 5(1)

अतिरस्कार्यदीधिति (atiraskārya-dīdhiti) *adj.* whose brilliance cannot be covered or obstructed चिन्तामणिरिव स्फुरन् । दिशस्यभिमतं सर्वमतिरस्कार्यदीधितिः Yādavā. 1. 52.

अतिरस्कृत (a-tiraskṛta) *adj.* **i** not set aside, not supplanted कुमार, कुमारस्याधिराजशब्देनातिरस्कृते कुमारशब्दे कुतो मे शिरोवेदनायाः सह्यता MudrāRā. 4. 12(9); **ii** not concealed, obvious शाब्दं प्राधान्यं तु कर्मण एव, यथा राजपुरुषस्य । तच्चातिरस्कृतम् S'rutaPra. iA. 24. 26 (*on* i. 1. 1); **iii** not suppressed, not obstructed सजातीयविजातीयैर्भावैर्ये त्वतिरस्कृताः । क्षीराब्धिवन्नयन्त्यन्यान् स्वात्मत्वं स्थायिनो हि ते RasāSu. 145. 11 (2. 104); वेधकैः स्वेतरेषां च भावैः स्वैरतिरस्कृतः । ··· स्थायी रत्यादिरुच्यते BhāvPra.(S'ā.) 143. 20(6); S'ṛṅgāMañ.(A.) 52. 24.

अतिरस्कृतत्व (atiraskṛta-tva) *n.* the state of not being concealed, manifest nature युक्तं तु (जीवस्य) ज्ञानैश्वर्ययोरतिरस्कृतत्वम्, विस्फुलिङ्गस्येव दहनप्रकाशनयोः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 568. 16 (*on* iii. 2. 6)

अतिरस्कृतप्रवाह (atiraskṛta-pravāha) *adj.* whose course is unobstructed मम···तद्विसदृशप्रत्ययान्तरैरतिरस्कृतप्रवाहः प्रियतमास्मृतिप्रत्ययोत्पत्तिसंतानस्तन्मयमिव करोत्यन्तर्वृत्तिसारूप्यतश्चैतन्यम् MālaMā. 5. 58.

अतिरस्कृतबाह्यार्थ (atiraskṛta-bāhyārtha) *adj.* which has not falsified the external object भवति च गुणवत्पुरुषभाषितान्नद्यास्तीरे फलानि सन्तीति वाक्यादतिरस्कृतबाह्यार्थो यथार्थः प्रत्ययः NyāyMañ. i. 145. 10.

अतिरस्कृतवाच्यत्व (atiraskṛtavācya-tva) *n.* non-discarding of the expressed meaning (अनुरागवती संध्या इत्यत्र) अनुरागशब्दस्य चाभिलाषे तदुपरक्तत्वलक्षणया लावण्यशब्दवत् प्रवृत्तिरित्यभिप्रायेणात्यन्ततिरस्कृत(? अतिरस्कृत)-वाच्यत्वमुक्तम् Loc. 206. 12 (*on* 3. 35)

अतिरस्कृतशासन (atiraskṛta-śāsana) *adj.* whose command or order is not disobeyed अक्षयं मोदते काममतिरस्कृतशासनः BhaviP. 245B. 2 (i. 163. 87) = 266B. 32 (i. 180. 50)

अतिरस्कृतसंभाषा (atiraskṛta-saṁbhāṣā) *adj.* (*f.*) not despising conversation अतिरस्कृतसंभाषा दुःस्त्रियो नानुसेवती । ···भवाम्यनलसा सदा MahāBhā. iii. 222. 26 (Nīla. तिरस्कारशून्यवचना)

अतिरस्कृतैश्वर्य (atiraskṛtaiśvarya) *n.* unconcealed or manifest supernatural power मत्स्याद्याः (अवताराः) ··· अतिरस्कृतैश्वर्यादिमन्तः NyāySu. (Ja.) 504A. 8 (*on* iii. 2. 9)

अतिरस्कृतोभयस्वभाव (atiraskṛtobhayasvabhāva) *adj.* which has not set aside the nature of both यथा वा अतिरस्कृतोभयस्वभावो दीपकज्जलसंभेदः ···एवमयमविद्याब्रह्मणोरनपह्नुतोभयस्वभावयोरेवानादिरासत्तिविशेष इति S'atDū. 176. 15.

अतिरस्कृत्य (a-tiraskṛtya) *ger.* without covering न चातिरस्कृत्य महीं भयाशक्त्योस्तु कामतः (मूत्रशकृदुत्सृजेत्) AṣṭāSaṁ. i. 7. 11 (1. 3)

अतिरहःकेलि (atirahaḥ-keli) *m. f.* extremely secret amorous sports अनुभावास्तु ··· तदीयातिरहःकेलिवार्त्ताव्युपरमादयः BhaktiRaSi. iii. 2. 75.

अतिरहस् (ati-rahas) *n.* great solitude or secrecy, [Loc.] in great solitude, most privately or secretely जगदम्ब अतिरहसि मुदा शिवेन सार्धं सुखशयनं कुरु DeviCatuSt. 67; तदतिरहसि वृत्तं प्रेयसीकर्णमूले स्मितमुखमभिजल्पन् भाति कुञ्जविहारी StavMā. 34. 24.

अतिरहस्य (ati-rahasya) *adj.* [*f.* -ā] **i** most secret or confidential परममतिरहस्यं शाङ्करं कामतन्त्रम् NāgaSa. 38. 16; (राजा) तैर्बुद्धिसचिवैः ··· सह सामान्यं यन्नातिरहस्यं तच्चिन्तयेत् सन्धिविग्रहम् ManuBh. ii. 19. 15 (*on* 7. 56); कथय यदि (तत्) नातिरहस्यं श्रवणार्हं वास्मद्विधानाम् TilaMañ. 27. 13; 310. 19; **ii** (in Tantra etc.) most esoteric or mystic 'प्रकाशस्यात्मविश्रान्तिरहंभावो हि कीर्तितः' इति । तदेव गुह्यम् । अतिरहस्यम् ParāTri. 55. 9; वक्ष्ये मनुद्वयमथातिरहस्यमन्यत् संक्षेपतो भुवनमोहननामधेयम् PañcaRā.(Nā.) v. 2. 23; अद्राक्षुः ··· ते···अतिरहस्यवैश्वानरदहरादिविद्यापरिचयानवद्यमहर्षिदर्शितोपासनाप्रपञ्चपञ्चमकक्ष्यम् ··· भवनम् NilaVi. 40. 8; भासुरानन्दनाथो विवृतिमतिरहस्याम् ··· । रचयति LalitāSaBh. 1. 6 (*on* 0); *n.* **i** great secret, confidential matter सा···तस्य द्विजातिदारकस्य दारत्वेनैव कल्पितेति । तदेतदतिरहस्यं युष्मास्वेव गुप्तं तिष्ठतु DaśKuC. 141. 11; **ii** (in Tantra) the highest secret or esoteric doctrine अधिकारसद्भावेऽपि वातिरहस्ये प्रवृत्तिर्मा भूदित्येतदर्थमपि निन्दावाक्यमित्युपपद्यते SetuBa. 24. 29; (पूजयेन्मूलविद्यया । केवलाक्षरभेदेन समस्तव्यस्तयेश्वरि) मूलेऽक्षरशब्देन वाग्भवादिकूटत्रयमुच्यते । समस्तशब्देन पञ्चदशी । तुरीयकूटमेव समस्तपदेनोच्यत इत्यतिरहस्यमिति केचित् SetuBa. 95. 25.

अतिरहस्यचर्चा (atirahasya-carcā) *f.* discussion on the most secret or esoteric doctrine अलं बहुतरया अतिरहस्यचर्चया Bhāsk. i. 229. 22 (*on* i. 5. 7)

अतिरहस्यत्व (atirahasya-tva) *n.* highly secret or esoteric nature पुरा कथितं नारदस्य तत् । तथा चातिरहस्यत्वाल्लोकेऽस्मिन् न प्रकाशितम् JayāS. 1. 42; अतिरहस्यत्वादेवाद्यावधि न कस्यापि कथितम् SetuBa. 179. 10; 233. 12; अयं चार्थोऽतिरहस्यत्वेन वक्तुमयोग्योऽपि ··· श्रीतन्त्रालोकाद्यश्लोके स्वयं ग्रन्थकृता स्थापितः Bhāsk. i. 8. 13 (*on* i. 1. 1); ii. 89. 14 (*on* ii. 3. 2)

अतिरहस्यदेवतात्व (atirahasyadevatā-tva) *n.* the state of being a highly mystic deity उदाहृतयाज्ञवल्क्यप्रतिवचनं तु ··· याज्ञवल्क्येन पूर्वप्रश्नस्यैव निवारणं कृतमित्येतदभिप्रायं चिदम्बरशक्तेरतिरहस्यदेवतात्वाभिप्रायं चोपपद्यते S'ivārka-MaDī. i. 423. 10 (*on* i. 3. 9)

अतिरहस्ययोगिनी (atirahasya-yoginī) *f.* **A** [sg.] one of the epithets of Lalitā ॐ नमस्त्रिपुरसुन्दरि ... रहस्ययोगिनि ... अतिरहस्ययोगिनि ... परापरातिरहस्ययोगिनि BrahmāṇḍP. iii. 43.14(9) (p. 334A.11); **B** [pl] name of a class of female deities (associated with Lalitā and worshipped in the eighth *āvaraṇa*) एता अतिरहस्ययोगिन्यः सर्वसिद्धिप्रदे चक्रे ParaśuKS. 5.13 (165.14); NityoNi. 55.3; 91.11.

अतिरहस्यरूप (atirahasya-rūpa) *adj.* [*f.* -ā] of a highly secret or esoteric nature सोऽयमतिरहस्यरूपोऽर्थः शिष्यानुजिघृक्षया भगवत्प्रेरणया चेह लिखितः SetuBa. 192.29; कामेश्वर्यादयस्तिस्रो देवताः ... परमा उत्कृष्टाश्च ता अतिरहस्यरूपाश्च SetuBa. 332.3.

अतिरहस्यार्था (atirahasyārthā) *adj.* (*f.*) of the form of the most secret meaning (ह्रींकारी केवला गुह्या) गुहां प्रविष्टा गुह्या। अतिरहस्यार्था इति यावत् LalitāSaBh. 132.12 (*on* 176)

अतिरहस्योदय (atirahasyodaya) *adj.* of most secret origin नितान्तं संवृतचित्तस्यापि दुर्वृत्तस्य प्रमादेन प्रमोदमदाभ्यां निद्रोद्रेकेण वातिरहस्योदयमपि हृदये भवत्यवश्यं प्रकटाशयम् YaśasCam. i. 438.2.

अतिराक्षस (ati-rākṣasa) *adj.* surpassing a Rākṣasa, very demonic अतिराक्षसं खलु ते वचनम् MadhyaVyā. 24(4)

अतिराग (ati-rāga) *m.* **1 A** deep affection or attachment मित्राणि चैनमतिरागाद् भजन्ते MahāBhā. iii. 35.20; सा पालयामास तं शिशुम्। बाल्यादेवातिरागेण ViṣṇuP. v. 27.12 = BrahmP. 200.11; नास्फोटयेन्नातिहसेद् गायेच्चापि न गीतकम्। न नृत्येदतिरागेण न च वाद्यानि वादयेत् BhaviP. 116A.6 (i. 65.21); स्वर्गभोगेऽतिरागो वै येषां मनसि वर्तते। ... तैस्तु न त्याज्यं यामुनं जलम् PadmP. i. 29.3; TantrRā. 35.73; **1 B** intense passion or love °वेगान् विधारयेत्। नैर्लज्ज्येर्ष्यातिरागाणामभिध्यायाश्च बुद्धिमान् CaraS. i. 7.27; ते (अनर्थादयः) बुद्धिदौर्बल्यादतिरागात्...दैवयोगाच्च स्युः KāmSū. 352.14 (6.6); KandaCū. vi. 6.3; नोज्झितुम् ... । चूतमालिरलिनामतिरागादक्षमिष्ट S'iśuVa. 6.68; अशङ्कतान्योन्यकृतं व्यलीकम्...जनोऽतिरागात् Bhaṭṭi. 11.25; RāmC. 18.40; VikraDeC. 15.11; अतिरागाद् दशग्रीवो ह्यतिलोभात् सुयोधनः। ... हतः SūktiRa. 163.52; DaṇḍaVi. 193.8; AnaṅgaRa. 10.44; **2** deep red hue, excessive redness स्निग्धः प्रभानुलेपी ... । अन्तःप्रभोऽतिरागा(? गो) मणिरत्नगुणाः समस्तानाम् BṛSaṁ. 82.3; जानेऽतिरागादिदमेव बिम्बम् NaiṣC. 7.39 = Kuval. 37(17)

अतिरागकृत् (atirāga-kṛt) *adj.* arousing intense passion सुरते दशनच्छदो यदा प्रमदायाः परिखण्ड्यते भृशम्। दयितेन तदातिरागकृत् क्रियते सीत्कृतमञ्जसा तया AnaṅgaRa. 10.50.

अतिरागतस् (atirāga-tas) *adv.* due to deep passion or attachment अपमानः पतिविहितो गुरुपरिकरतीव्रता गृहे दौःस्थ्यम्। शीलक्षतये यासां तासामतिरागतोऽन्यनरसक्तिः KuṭṭaMa. 509; भरतः स्थितः स खलु यत्र तदिदमथवातिरागतः। स्थानमसुखमलिनो न्यगदन्नलिनोदरं निशि निबद्धमीलनम् RāghPāṇ.(Dha.) 17.37; AnaṅgaRa. 10.50 (v.l.)

अतिरागभाज् (atirāga-bhāj) *adj.* **1** possessed of deep red colour मित्रस्य लुप्ततमसोऽप्यतिरागभाजः संप्रेक्षणं मम न युक्तम् Yādavā. 19.74 (comm. अतिशोणिमभाजः); **2** extremely passionate, Yādavā. 19.74 (comm. कामातुरस्य)

अतिरागरमणीयत्व (atirāgaramaṇīya-tva) *n.* charm due to excessive love प्रणयकलहान्तरिताया अतिरागरमणीयत्वात् मध्यादिभेदा लिख्यन्ते S'ṛṅgāMañ.(A.) 28.23.

अतिरागवत् (atirāga-va(n)t) *adj.* [*f.* -ī] **i** extremely passionate or attached न्यक्कृति कृतवतोऽतिरागवान्कं चकर्त नृविकर्तनो हरिः HariVi. 5.15; विद्युन्माली तु मातङ्गकन्यायामतिरागवान्। अभूत् PariPar. 2.656; **ii** extremely affectionate (i. e. devoted) कथय कथं कृतेयमतिरागवतीं(? ती) जनता SuvṛTi. 1.31.

अतिरागात्मक (atirāgātma-ka) *adj.* possessed of deep passion नातिरागात्मकः कामी प्रयुञ्जानः प्रसिध्यति KāmSū. 371.8 (7.2)

अतिरागाभिनिवेदन (atirāgābhinivedana) *n.* conveying deep passion तत्रातिरागाभिनिवेदनं च कथाकलानां कथनं द्वयोश्च। ... एतैर्दूतीगुणैर्युक्ता राधामाधवयोः सखी ĀdiP. 13.40.

अतिरागिता (atirāgi-tā) *f.* great attachment अवचनं कथयत्यतिरागितां द्रुतविलम्बितचित्रगतैरियम् ChandaśCū. 2.163(3)

अतिरागिन् (ati-rāgin) *adj.* [*f.* -iṇī] **1 i** extremely passionate प्रबोधयति या सुप्तं निद्रया नाभिभूयते। भूयः सुरतमप्राप्य नैवाप्नेनातिरागिणी VitVṛ. 54; Kād. 31.16; BṛKathāS'loSaṁ. 19.77; अतिरागिणि प्रणयिनीव मधुनि परिचुम्बितानने NavaSāC. 15.54; निजांशुकावृतां प्राचीं चुम्बत्यर्केऽतिरागिणि। लज्जयेव ययौ क्वापि श्यामा मीलिततारका SūktiMu. 82.23; 53.83; S'ārṅgaPa. 3734; **1 ii** deeply attached उद्धरिष्यन्दीनजनान्विषयेष्वतिरागिणः। ...कृतार्थान् करोषि वै ĀdiP. 9.28; लोकाः कुकर्मण्यतिरागिणः ĀdiP. 14.148; त्यक्त्वा गाङ्गं पुरःस्थं तं को न शास्त्यतिरागिणम् YogVā. ii. 18.4; **2** extremely red, SūktiMu. 82.23; S'ārṅgaPa. 3734.

अतिरागौत्कट्य (atirāgautkaṭya) *n.* intensity of excessive attachment अतिरागौत्कट्ये वा नृपतिर्वाच्यः ManvaVi. 1333.22 (*on* 10.113)

अतिराघवरावण (ati-rāghavarāvaṇa) *adj.* which excelled (the duel between) Rāma and Rāvaṇa अतिराघवरावणं तदानीमभवद्द्वैरथम् Yādavā. 15.121 (comm. अतिक्रान्तरामरावणम् ... द्वैरथं युद्धम् अभवत्)

अतिराज् (ati-rāj-) I. U. **1** to drive over, to hasten over सद्यो यः स्पन्द्रो विषितो धर्वीयानृणो न तायुरति धन्वा राट् ṚV. vi. 12.5 (Sāyaṇa सोऽयमग्निः धन्व मरुभूमिमतिक्रम्य राट् राजते। यद्वा। ... अतिशयेनान्तरिक्षम् आक्रम्य राजते); **2 A** to shine excessively or brightly द्रावयित्वा तु तत्सैन्यं धृष्टद्युम्नः ... । अत्यराजत MahāBhā. vii. 146.48; S'atTrayī. 511; BrahmāṇḍP. ii. 65.27; प्रस्वेदबिन्दुनिकरः ... रतस्यान्तेऽत्यराजत PadmP.(Ra.) 16.201; असिन्नद्रावितस्थाने गहने पुण्डरीकिणि। प्रफुल्लानोकहच्छन्ने नातिराजति वासरः RāghPāṇ.(Dha.) 7.32; TriṣaS'aPuC. ii. 2.117; **2 B** (*fig.*) outshine (i. e. to excel) वाणीं मृदुव्याहृतिभिः सुशीलैररुन्धतीमप्यतिराजते सा ĀnandRa. 4.41.

अतिराज (ati-rāja) *m.* **1** name of a son of Abhiṣvat अभिष्वतः ... । अभिराजः (v. l. अतिराजः) (पुत्रः) MahāBhā. i. 89.45; **2** superior king सिद्धम् म[हा]रा[ज]स्य र[ाजा]तिराजस्य देवपुत्रस्य हुवष्कस्य सं. ४० (६०?) हेमन्तमासे ४ दि १० एतस्यां पूर्वायाम् EI. i. 386.1; i. 391.1; xvii. 11.1; *adj.* who has superseded a king पूजार्थस्यातेर्ग्रहणं, तेन अत्यादयः क्रान्ताद्यर्थे इपा इति प्रतिपदविधाने तिप्रतिषेधो न भवति अतिक्रान्तो राजानम् अतिराजः इति JaineVyā. 276.32 (*on* iv. 2.66); CāndraVṛ. *on* iv. 4.54; (राजाहःसखिभ्यष्टच्) एतदन्तात्तत्पुरुषाट्टच् स्यात्। ... अतिराजः PrakriKau. i. 551.2 cf. **अतिराजी.**

अतिराजक (ati-rājaka) *adj.* surpassing a multitude of kings श्रितः ... असि ... राजपुत्रकैरतिराजकः DvyāśraKā. 15.50.

अतिराजकुमारि (ati-rājakumāri) *adj.* (a male) superior to or excelling a princess अतिराजकुमारिः अतिसेनानीकुमारिरिति। अस्त्रीप्रत्ययेनेत्येवं तत् MahāBh. i. 224.5 (*on* i. 2.48); 'स्त्यग्रहणे यस्मात्स तदादेः' इतीयं परिभाषा स्त्रीग्रहणान्नेष्यते। तेन अतितिलपीडनिः। अतिराजकुमारिः JaineVyā. 4.17 (*on* i. 1.8); तेनातिराजकुमारिरित्यत्रापि ह्रस्वत्वं भविष्यतीत्यदोषः Nyās. i. 190.19 (*on* i. 2.48); PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 2.48; अतिराजकुमारिरित्यादौ स्त्रीप्रत्यये तदादिनियमनिषेधात् राजकुमारीत्यस्य स्त्रीप्रत्ययान्तत्वम् LaS'abdeS'e. i. 530.12.

अतिराजन् (ati-rājan) *m.* supreme or great king अधिराजः (v. l. अतिराजा) स राजर्स्वा शंतनुः प्रपितामहः MahāBhā. iii. 159.24; अस्त्यन्यदेतस्य वचने प्रयोजनम् ... सुराजा अतिराजेति MahāBh. i. 371.17 (*on* ii. 1.1); स्वती पूजायामिति वक्तव्यम्। सुराजा अतिराजा MahāBh. i. 416.16 (*on* ii. 2.18); स्वतिग्रहणं कर्तव्यम्। सुराजा अतिराजा MahāBh. ii. 439.2 (*on* v. 4.69); VāyuP. ii. 28.26; सु अति किम् इत्येतेभ्यः परस्य सान्तो न भवति। ... अतिराजा JaineVyā. 276.27 (*on* iv. 2.66); CāndraVṛ. *on* iv. 4.54; यान् शब्दानुपादाय समासान्ता विधीयन्ते, राजाहःसखिभ्यष्टजित्येवमादीन्, यदा ते पूजनात् पूजनवचनात्परे भवन्ति तदा समासान्तो न भवति। सुराजा। अतिराजा KāśiVṛ. *on* P. v. 4.69; Nyās. ii. 166.23 (*on* v. 4.69); श्रीमालस्यातिराजातिसिञ्चन्ताताम्रदृक् शरैः। विपक्षप्रभटान्व्याप्नोदतिवेल इवार्णवः DvyāśraKā. 5.45; 19.100; स्वतिभ्यां परात् सख्यादेर् ओ न पूजायाम्।...अतिशयेन राजा अतिराजा MugdhaBo. 6.88 (64.11); ननु सुराजा अतिराजेत्यादौ अन्तर्वर्तिन्यां विभक्तौ लुप्तायां समुदायस्य संज्ञा PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 2.46; पूजार्थात् परेभ्यः समासान्तप्रत्यया न स्युः ... अतिराजा PrakriKau. i. 652.8; i. 522.5; SiddhāKau. 211B.2.

अतिराजय (ati-rājaya-) [*denom.*] to surpass a king, to speak high of a king (णौ क्वुङः) राजानमत्याख्यत् अत्यरराजत् JaineVyā. 376.11 (*on* v. 2.115); राजानमतिक्रान्तवान् अत्यरराजत् CāndraVṛ. *on* vi. 1.62; यत्र स्थानिवद्भावो नास्ति तदर्थमत्यरराजदिति PariVṛ.(Sī.) 154.4; Prasā. ii. 301.22; अत एव 'अत्यरराजत्' 'पचयति' इत्यादौ न कुत्वं पदत्वाभावात् LaS'abdeS'e. ii. 608.13.

अतिराजिता (ati-rājitā) *adj.* (*f.*) extremely embellished मन्दोदरीमसौ। ... ऊरुभ्यामतिराजिताम् ... मनोज्ञामपि तां दृष्ट्वा PadmP.(Ra.) 8.59.

अतिराजी (ati-rājī) *adj.* (*f.*) (a woman) surpassing or superior to a king (राजाहःसखिभ्यष्टः) स्त्रियाः पूर्वपदार्थप्राधान्येऽतिक्रान्ता राजानम् अतिराजी JaineVyā. 280.7 (*on* iv. 2.93); बहुव्रीहेरिति किम्। अतिक्रान्ता राजानमति-

राजी KāśiVr̥. *on* P. iv. 1. 12; एते अप्रत्ययान्ताः स्त्रियां वर्तन्ते चेत्तदा नदादौ द्रष्टव्याः । ईप्रत्ययान्ता भवन्तीत्यर्थः । यथा राजानमतिक्रान्ता । अतिराजी KātanVr̥. *on* ii. 6. 41(15); (राजाहःसखिभ्यष्टच्) अतिराजः । अतिराजी PrakriKau. i. 551. 3; SiddhāKau. 184B. 8.

अतिराजेन्द्र (ati-rājendra) *m.* supreme king or emperor अतिराजातिराजेन्द्रो दशधातापयद्धि(? द्वि)शः VāyuP. ii. 28. 26.

अतिराज्ञी (ati-rājñī) *adj.* (*f.*) (a woman) surpassing a king अतिक्रान्ता राजानमतिराज्ञी(? जी) CāndraVr̥. *on* ii. 3. 8; परं रूपं पूर्वं स्यात् से सति । राजानमतिक्रान्ता अतिराज्ञी(? जी) MugdhaBo. 6. 50 (59. 14); *f.* name of a village (नित्यं संज्ञाछन्दसोः (ङीप्)) अतिराज्ञी नाम ग्रामः KāśiVr̥. *on* P. iv. 1. 29.

अतिरात्र (ati-rātrá) [AltGr. II. 1. N. 85; *lit.* performed overnight अतिक्रान्तो रात्रिमतिरात्रः JaineVyā. 279. 25 (*on* iv. 2. 89); CāndraVr̥. *on* iv. 4. 75; KāśiVr̥. *on* P. v. 4. 87; MugdhaBo. 6. 51] *m.* (rarely *n.*) **1** name of an Ekāha Soma-sacrifice (continuing overnight) ब्राह्मणासो अतिरात्रे न सोमे सरो पूर्णमभितो वदन्तः R̥V. vii. 103. 7; यावदतिरात्रेणेष्ट्वा … अवरुन्धे तावदेनेनाव रुन्धे AV. ix. 6. 41; xi. 7. 12; (P.) xvi. 114. 3; अतिरात्रं वर्षन् पूर्तिरावृत् स्वाहा TaiS. II. iv. 7. 1; MaiS. ii. 4. 7; KāṭhS. 11. 9; अतिरात्रे पशुकामस्य गृह्णीयात् (षोडशिनम्) TaiS. VI. vi. 11. 4; आ मा अग्निष्टोमो विशतूकथ्यश्चातिरात्रः TaiS. VII. iii. 13. 1; KāṭhS. 5(3). 3; अतिरात्रः परमो यज्ञक्रतूनाम् TaiS. VII. iv. 10. 1; KāṭhS. 33. 2; अभिजयति … स्वाराज्यमतिरात्रेण MaiS. i. 8. 6; MaitriU. 457. 16(6); अतिरात्रात् साकमेधान् यज्ञक्रतुं निर्मायेन्द्रो वृत्रमहन् MaiS. i. 10. 5; KapiKaS. 48 18; सप्तदशच्छदिरतिरात्रे MaiS. iii. 8. 9; KāṭhS. 25. 10; KapiKaS. 40. 3; ĀpaS'S. xi. 10. 13; KātyS'S. ix. 3. 20; संवत्सरमेवान्ततिरात्रोऽग्निष्टोममप्येत्यतिरात्रमपि यन्तमन्वग्निष्टोमोऽप्येति AitBr. 14. 3 (401); न षोडशी नातिरात्रः TaiBr. I. iii. 4. 1; यदुक्थ्येभ्योऽतिरिच्येतातिरात्रः कार्यः PañcBr. ix. 7. 11; एकादश वैश्यस्तोमातिरात्रपौण्डरीकेषु ṢaḍviBr. iv(v). 3. 4; यद्यतिरात्रः स्यात् सारस्वतं चतुर्थमालभेत S'atBr. IV. ii. 5. 14 = IV. vi. 3. 3; ĀśvaS'S. I. v. 3. 3; ĀpaS'S. xii. 18. 13; KātyS'S. ix. 8. 5; JaimiBr. 1. 4; SāmaViBr. i. 4. 3; य एतं मन्त्रराजम् … अधीते … सोऽतिरात्रेण यजते Nr̥SiṁPūTāU. 5. 17; VaradolāU. 147. 5; VāsuU. 406. 24; अतिरात्रांश्च सर्वशः (एकाहान् … आहुः) ĀśvaS'S. II. iv. 1. 15; S'āṅkhāS'S. xiii. 5. 19; अग्निष्टोमः प्रथमयज्ञः । अतिरात्रमेके पूर्वं समामनन्ति ĀpaS'S. x. 2. 4; (स्तोमभागाः) एकान्नत्रिंशतमतिरात्रे ĀpaS'S. xiv. 10. 4; यद्यषोडशिकोऽतिरात्रः MānS'S. 89. 17; BharS'S. x. 2. 13; NidāSū. 135. 15; VaitāS'S. 26. 1; 40. 7; ईजे … । अग्निष्टोमातिरात्राणाम् … सहस्रैः MahāBhā. i. 894*(4) = vii. App. 8 (747); तस्मिंस्तीर्थवरे स्नात्वा । अग्निष्टोमातिरात्राभ्यां फलं प्राप्नोति MahāBhā. iii. 80. 78; फलं यत् … अग्निष्टोमातिरात्रयोः । तत्पुण्यमासाद्य देवलोके महीयते MahāBhā. xiv. App. 4(2913) = VrGautaSm. 617. 2(17); PadmP. i. 24. 8; गोविन्देति च पूजयेत् । अतिरात्रमवाप्नोति MahāBhā. xiii. App. 12(12); अभावादतिरात्रेषु गृह्यते MīmāSū. x. 5. 53; ViṣṇuDhaP. i. 159. 6; अग्निष्टोमातिरात्राभ्याम् … । ईजे Rāmā. vii. 99. 9; ज्योतिष्टोमातिरात्राणां शतं शतगुणीकृतम् । प्राप्नोति … दत्त्वा (पिता कन्याम्) SaṁvaSm. 62; SkandP. v(3). 127. 3; वैरूपमतिरात्रं च पश्चिमादसृजन्मुखात् ViṣṇuP. i. 5. 55; MārkP. 48. 33; VāyuP. i. 9. 46; BrahmāṇḍP. i. 8. 52; BhāgP. iii. 12. 40; KūrmaP. 66. 7 (1. 7); LiṅgaP. i. 70. 245; PadmP. v. 3. 105; S'ivaP. vii(1). 12. 61 (515B. 1); MatsyaP. 58. 53; मधुना त्वतिरात्रस्य फलं च समवाप्नुयात् VāyuP. ii. 17. 11; BrahmāṇḍP. ii. 15. 11; प्रतिमासमश्वमेधो नृपसूयो राजसूयमतिरात्रम् BrSaṁ. add. after 105. 16 (p. 76); यान्यग्ने दीप्यमानानि । वाजपेयातिरात्राणि … मम SkandP. ii(8). 6. 132; i(1). 15. 102; ViṣṇuDhaP. i. 137. 2; VarāP. 217. 16; न हि षोडशिग्रहणाग्रहणयोरतिरात्रो भिद्यते BrahmSūBh.(S'aṅ.) 621. 3 (*on* iii. 3. 2); 249. 11 (*on* i. 4. 13); अग्निष्टोम° … °षोडश्यतिरात्र° … याजिनः … °प्रवरसेनस्य सूनोः सूनोः EI. ix. 270. 2; iii. 260. 1; xxii. 212. 1; xxiii. 85. 2; BhaviP. 247B. 15 (i. 164. 85); SaurP. 14. 16; 64. 41; S'ivaP. v. 12. 15 (420A. 3); पौण्डरीकातिरात्रस्य विचारपटुभिर्वृतम् । … तत्सदः Rāvaṇā. 7. 5; PañcaRā.(Nā.) v. 6. 9; PrakaVi. 27. 16; TattvPradī.(Ci.) 103. 11; S'ivārkaMaDī. ii. 215. 20 (*on* iii. 1. 23); AdvaiSi. 511. 16; LalitāSaBh. 103. 7 (*on* 136); (performed on Prāyaṇīya (commencing) and Udayanīya (concluding) days of a Sattra or a Dvādaśāha) चक्षुषी वा एते यज्ञस्य यदतिरात्रौ TaiS. VII. ii. 9. 1; अतिरात्रावभितः TaiS. VII. ii. 6. 3; VII. iii. 4. 2; ĀpaS'S. xxiii. 10. 2; ज्योतिष्टोमोऽग्निष्टोमः पूर्वमहर्भवति … सर्वस्तोमोऽतिरात्र उत्तरम् TaiS. VII. i. 4. 2; ĀpaS'S. xviii. 22. 13; (गवामयनस्य) अतिरात्रो वा अस्य प्रायणीयोऽवारमुदयनीयः पारम् AitBr. 17. 8 (477); पुरस्तादुदयनीयस्यातिरात्रस्य विमुच्यन्ते सा विमुक्तिः AitBr. 29. 7 (749); 17. 4 (462); 18. 3 (484); (गवामयने) अतिरात्रः कार्यः PañcBr. xvi. 3. 5; x. 4. 1; प्रायणीय एवातिरात्रे युञ्जन्ति S'atBr. IX. iv. 4. 15; XII. i. 4. 1; XII. ii. 4. 1; ṢaḍviBr. iii. 12 (iv. 6). 1; उदयनीयोऽतिरात्रः स्वर्गाय GopBr. i. 4. 22; अयमेवैकाहोऽतिरात्र आदौ प्रायणीयः । एषोऽन्त्य उदयनीयः ĀśvaS'S. II. v. 1. 2; II. iv. 1. 17; II. vi. 3. 2; S'āṅkhāS'S. xiii. 19. 7; प्रायणीयमतिरात्रमुपेत्य ĀpaS'S. xxiii. 12. 7; MānS'S. 211. 8; उभयतोऽतिरात्रं सत्रमुपरिष्टादहीनस्य KātyS'S. xii. 1. 6; xiii. 2. 2; xiii. 4. 3; HirS'S. xvi. 5. 18; xvi. 9. 1; उभयतोऽतिरात्रो भवति NidāSū. 164. 15 (9. 9); LāṭyāS'S. x. 3. 6; VaitāS'S. 31. 15; अन्यतरतोऽतिरात्रत्वात् … कुण्डपायिनामयनस्य MīmāSū. viii. 2. 29; ज्योतिष्टोमायुषी चैव अतिरात्रौ च निर्मितौ Rāmā. i. 13. 35; (performed on the concluding day of Rājasūya) यो राजसूयेन यजते … एतस्य … अग्निष्टोमः पूर्वमहर्भवति । अतिरात्र उत्तरम् TaiBr. I. viii. 10. 1; S'atBr. V. v. 3. 5; उत्तर आपूर्यमाणपक्षे केशवपनीयो बृहत्पृष्ठोऽतिरात्रः ĀśvaS'S. II. iii. 3. 24; S'āṅkhāS'S. xv. 16. 5; केशवपनीयायातिरात्राय दीक्षते BaudhS'S. ii. 117. 1; ĀpaS'S. xviii. 22. 9; MānS'S. 190. 21; VārāS'S. III. iii. 4. 41; KātyS'S. xv. 9. 20; HirS'S. xiii. 7. 29; LāṭyāS'S. ix. 3. 1; (performed on the concluding day of Aśvamedha and as part of other sacrifices) उत्सन्नयज्ञो वै एष यदश्वमेधः … सर्वस्तोमोऽतिरात्र उत्तममहर्भवति TaiS. V. iv. 12. 3; विश्वजित् सर्वपृष्ठोऽतिरात्रो भवति TaiS. VII. ii. 5. 5; विश्वजित्यतिरात्र एवं षष्ठेऽहनि कल्पते यज्ञः AitBr. 30. 5 (777); यदि सत्त्राय दीक्षेरन्नथ साम्युत्तिष्ठेत् … विश्वजितातिरात्रेण यजेत PañcBr. ix. 3. 1; विश्वजितातिरात्रेण पशुकामो यजेत PañcBr. xx. 9. 1; PañcBr. xxi. 4. 12; तेषां प्रजापतिः … अवारुन्धत् … द्वादशाहमतिरात्रे ṢaḍviBr. iv(v). 2. 1; विश्वजिता … सर्वपृष्ठेनातिरात्रेण यजेत S'atBr. X. ii. 5. 16; XIII. v. 4. 5; XIII. iii. 1. 4; XIII. iii. 3. 6; S'āṅkhaS'S. xiii. 13. 1; अश्वमेधस्याग्निष्टोम उक्थ्योऽतिरात्रः ĀpaS'S. xxii. 18. 1; xx. 22. 3; xiv. 23. 3; MānS'S. 196. 13; 105. 4; KātyS'S. xx. 8. 12; xxiv. 6. 15; संतिष्ठतेऽतिरात्रः HirS'S. xiv. 5. 10; xv. 6. 1; VaitāS'S. 37. 6; त्र्यहोऽश्वमेधः संख्यातः … अतिरात्रं तथोत्तरम् Rāmā. i. 13. 34; द्वादशाहोऽहर्गणः प्रायणीयोऽतिरात्रः … उदयनीयोऽतिरात्रः S'ābaBh. 1609. 27 (*on* viii. 2. 24); अश्वमेधं तु पुत्रार्थे आजहार नरोत्तमः । तस्य मध्येऽतिरात्रस्य सदोमध्यात् (पुनर्वसुः) VāyuP. ii. 34. 119; ii. 6. 50; MatsyaP. 44. 65; सौत्येऽहन्यतिरात्रस्य … आश्वमेधिकाः BrahmāṇḍP. ii. 5. 4; ii. 71. 120; LiṅgaP. i. 69. 36; NyāyMāVi. 407. 6 (*on* viii. 2. 5); [concluding Vedic verse chanted on such occasions, MW]; **2** dead of night, mid-night घटोत्कचोऽत्र शामित्रं करिष्यति … अतिरात्रे … वितते यज्ञकर्मणि MahāBhā. v. 139. 43 (BhārBhāDī. निशीथे; BhārArthaPra. बहुरात्र्यतिक्रमणे; LākṣāBha. रात्रियुद्धे); **3** the six intercalary days being the difference between the lunar and solar year अतिरात्रः अधिकदिनं दिनवृद्धिः SthānṬ. 370A. 4; एकस्मिन् संवत्सरे खल्विमे षट् अतिरात्राः प्रज्ञप्ताः … आदित्यमपेक्ष्य … प्रतिवर्षं षट् अतिरात्रा भवन्ति comm. *on* Sūryaprajñapti 219B. 7 (12. 75); **4 A** name of a son of Cākṣuṣa Manu and Naḍvalā (चाक्षुषात्) मनोरजायन्त दश नड्वलायाम् … अग्निष्टुदतिरात्रश्च HariVaṁ. 2. 17; ViṣṇuP. i. 13. 5; VāyuP. ii. 1. 67; ii. 1. 90; MatsyaP. 4. 42; BrahmāṇḍP. i. 36. 79; i. 36. 106; KūrmaP. 150. 13 (1. 14); AgniP. 18. 9; ViṣṇuDhaP. i. 181. 2; BrahmP. 2. 18; S'ivaP. v. 30. 15 (440B. 4); BallāC. 47. 11; **4 B** name of a person सुताहमतिरात्रस्य द्विजस्य MārkP. 70. 4; *adj.* (the day) on which the Atirātra is performed यस्य त्र्यहस्यान्त्यमहरतिरात्रं भवति स त्र्यहोऽतिरात्रान्तः उत्तममहरतिरात्रसंस्थं भवति ĀśvaS'S. II. iii. 2. 13 (comm.)

अतिरात्रकृत (atirātra-kr̥ta) *adj.* performed at mid-night काले तस्मिन्निशा हस्त्वा कष्टश्चात्र तु जागरः । तस्मादभिनयोत्थानं नातिरात्रकृतं भवेत् Hastyāyur. 648. 6 (4. 15)

अतिरात्रचरम (atirātra-carama) *adj.* with the Atirātra sacrifice as the last one तामेतां कापेया विदुः । तामतिरात्रचरमे आलभेत (यस्मादतिरात्रा एव चरमास्तेषां, अहीनेषु) ĀpaS'S. xiv. 7. 20; अत्रातिरात्रचरमशब्दोऽहीनपरः तस्यान्यतरतोऽतिरात्रत्वात् । न तूभयतोऽतिरात्रसत्रपरः SaṅkarKā. xiii. 4. 27; सा च प्रकृतितोऽपकृष्यातिरात्रचरमे निविशते श्रुतिसंयोगात् SaṅkarKāBh. 54. 9 (*on* i. 4. 55); 54. 5 (*on* i. 4. 55)

अतिरात्रत्व (atirātra-tva) *n.* [as second member of cpd.] the state of possessing an *atirātra*-rite (either at the beginning or at the end or both) अन्यतरतोऽतिरात्रत्वात् MīmāSū. viii. 2. 29; SaṅkarKā. xiii. 4. 27; अन्यतरतोऽतिरात्रत्वेन लिङ्गान्नातिरात्रचरम इत्यभिन्न उपदिश्यते SaṁkarKāBh. 54. 17 (*on* i. 4. 56); उभावप्यहीनौ कस्मात्, अन्यतरतोऽतिरात्रत्वात् S'ābaBh. 1611. 23 (*on* viii. 2. 29); अन्यतरतोऽतिरात्रत्वस्याहीनलक्षणकरणात्, अर्थाच्चोभयतोऽतिरात्रत्वस्य सत्त्रलक्षणत्वेन BhāṭṭaDī. iii. 23. 20 (*on* viii. 2. 6); उपर्यतिरात्रत्वं पञ्चद्विरात्रादावहीने द्रष्टम् । इत्यनयोरपि अहीनत्वमेव MayūMāli. 564. 16 (*on* viii. 2. 8)

अतिरात्रत्वप्रयोजक (atirātratva-prayojaka) *adj.* producing the nature of Atirātra अतिरात्रेऽपि प्रत्यहमतिरात्रत्वप्रयोजकं स्तोत्रं वर्धनीयम् NyāyMāVi. 412. 13 (*on* viii. 3. 5)

अतिरात्रपशु (atirātra-paśu) *m.* animal victim in the Atirātra sacrifice अतिरात्रपशवोऽभिनो मध्य ऐन्द्राग्ना: BaudhS'S. ii. 258. 9; अतिरात्रपशूनुपाकृत्य वशां पृश्निं मरुद्भ्य उज्जेषेभ्य: KātyS'S. xiv. 2. 11.

अतिरात्रप्रथमाहार (atirātra-prathamāhāra) *m.* first performance of Atirātra इत्यतिरात्रप्रथमाहारे नित्यमप्रयोगोऽग्निष्टोमे च ··· नित्यं प्रयोग: TantrVā. 901. 6 (*on* iii. 3. 33); अतोऽतिरात्रप्रथमाहारे नियतं प्रतिषेध: अग्निष्टोमे तु ··· विकल्प: TantrVā. 899. 15 (*on* iii. 3. 33); अतिरात्रप्रथमाहारे तु सर्वेषामेवाप्रयोग: प्रतिप्रसवाभावात् S'āstrDī. 257. 2 (*on* iii. 3. 12); अतिरात्रप्रथमाहारे नित्यं प्रतिषेध इति सिद्धान्तवार्तिकोक्तं नित्यमकरणं न युज्येत NyāySu.(So.) 1323. 21 (*on* iii. 3. 33); सर्वथातिरात्रप्रथमाहारे प्रतिप्रसवाभावान्नित्यमेवाप्रयोग: विकृतौ तु···नित्यं करणम् BhāṭṭDī. i. 281. 17 (*on* iii. 3. 12); वस्तुतस्तु नायं प्रतिषेध: तथात्वे ··· अतिरात्रप्रथमाहारेऽपि विकल्पापत्ते: BhāṭṭDī. i. 279. 7 (*on* iii. 3. 12); अतिरात्रप्रथमाहारोत्तरमपि अग्निष्टोमसंस्थां कृत्वैवोद्भिदादय: कार्या: BhāṭṭDī. ii. 202. 13 (*on* v. 3. 13)

अतिरात्रफल (atirātra-phala) *n.* the fruit of Atirātra (पुष्करे नर:) मुञ्चते प्राणान् ··· अतिरात्रफलं मुक्त्वा मम लोके महीयते VarāP. 145. 44; विगाह्य पुष्करं तीर्थमतिरात्रफलं लभेत् NīlaP. 1343; अतिरात्रफलं तस्यान्ते रुद्रत्वमाप्नुयात् SkandP. v(iii). 85. 14.

अतिरात्रब्राह्मण (atirātra-brāhmaṇa) *n.* explanation of Atirātra त्रिवृद्वै स्तोमानामवमस्त्रिवृत्परम इत्यतिरात्रब्राह्मणमेवैतद् भवति BaudhS'S. iii. 303. 5.

अतिरात्रभाव (atirātra-bhāva) *m.* nature or form of Atirātra अन्त्यस्यातिरात्रभाव: S'āṅkhāS'S. xvi. 20. 5 (comm. अन्त्यस्याह्नोऽतिरात्रभावो भवति)

अतिरात्रभिन्न (atirātra-bhinna) *adj.* other than the Atirātra sacrifice अतिरात्रभिन्ने षोडशिनं गृह्णातीति ··· पर्युदासस्य स्वीकारे ··· विकल्पापरिहारात् GuruCandr. ii. 225. 23; गृहीतषोडशिकायामतिरात्रव्यक्तौ ··· गुणाधिक्येऽपि नातिरात्रभिन्नयागत्वम् AṇuBh. 208. 14 (*on* iii. 3. 2)

अतिरात्रभूत (atirātra-bhūta) *adj.* functioning as an Atirātra rite पृष्ठ्य: षडहो महाव्रतमतिरात्रभूतम् MānS'S. 206. 16; अन्यतरतोऽतिरात्रभूतेष्वहीनत्वदर्शनात् MayūMāli. 565. 5 (*on* viii. 2. 6)

अतिरात्रम् (ati-rātrám) *adv.* overnight अतिरात्रं वर्षन् पूर्तिरावृत् TaiS. II. iv. 7. 1.

अतिरात्रमत् (atirātra-ma(n)t) *adj.* containing the Atirātra rite अथाप्येषोऽहीनन्याय: । सर्वेऽतिरात्रमन्त: NidāSū. 148. 12 (8. 11)

अतिरात्रलक्षणकर्मन् (atirātralakṣaṇa-karman) *n.* rite of the nature of Atirātra अतिरात्रलक्षणकर्मैवाधिकृत्य तद्ग्रहणाग्रहणयोर्विधानात् AṇuBh. 208. 15 (*on* iii. 3. 2)

अतिरात्रवत् (atirātra-va(n)t) *adj.* containing the Atirātra sacrifice अतिरात्रवन्तस्त्र्यहा भवन्ति JaimiBr. 2. 317.

अतिरात्रवर्जितातिरात्र (atirātravarjitātirātra) *m.* Atirātra other than Aitrātra सम्बन्ध एव हि न स्यात् अतिरात्रवर्जितातिरात्रे गृह्णाति षोडशिनमिति S'ābaBh. 2063. 4 (*on* x. 8. 6)

अतिरात्रवाक्य (atirātra-vākya) *n.* sentence prescribing the Atirātra sacrifice अतिरात्रवाक्येऽपि यदि तदीयकथंभावपूरणवेलायामेतदुच्येत तत: शेषो भवेत् TantrVā. 900. 4 (*on* iii. 3. 33); अतोऽग्निष्टोमोक्थ्यातिरात्रवाक्यानि तावदग्ने: प्रकृत्याश्रयत्वप्राप्त्यर्थान्येव भवन्ति VidhiRa. 32 (176. 17); अप्राप्तोऽग्निरुक्थ्यातिरात्रवाक्याभ्यां विधीयते VidhiRa. 33 (181. 14)

अतिरात्रविकृतित्व (atirātravikṛti-tva) *n.* the state of being a rite performed on the model of Atirātra अङ्गिरसां द्विरात्रेषु नियमेन षोडशी गृह्यते, तदितरेष्वतिरात्रविकृतित्वेनातिदेशाद्विकल्प्यते NyāyMāVi. 558. 28 (*on* x. 5. 13)

अतिरात्रविषयत्व (atirātraviṣaya-tva) *n.* the state of pertaining to the Atirātra sacrifice ततश्चातिरात्रविषयत्वमेव फलतो भवति TantrVā. 899. 22 (*on* iii. 3. 33)

अतिरात्रव्यक्ति (atirātra-vyakti) *f.* a particular Atirātra sacrifice यथैकस्यामपि गृहीतषोडशिकायामतिरात्रव्यक्तौ ··· नातिरात्रभिन्नयागत्वम् AṇuBh. 208. 13 (*on* iii. 3. 2)

अतिरात्रव्यतिरिक्त (atirātra-vyatirikta) *adj.* other than an Atirātra 'अतिरात्रव्यतिरिक्तेऽतिरात्रे' इत्युक्ते कथं न व्याहन्येत NyāyMāVi. 602. 14 (*on* x. 8. 3); ArthSaṁ. 118. 7.

अतिरात्रसंस्थ (atirātra-saṁstha) *adj.* (sacrifice) which ends with the Atirātra (eulogies Stotras) अतिरात्रसंस्थं करोति NidāSū. 122. 8 (7. 6); तस्माज्ज्योतिष्टोमस्यैवातिरात्रसंस्थस्य प्रथमाहारे प्रतिषेध: TantrVā. 899. 9 (*on* iii. 3. 33); अस्ति हि षोडशिसंस्थे यज्ञेऽतिरात्रसंस्थे चोक्थ्यस्तोत्रम् S'āstrDī. 314. 7 (*on* iii. 6. 16); उक्थ्यसंस्थस्यातिरात्रसंस्थस्य च ज्योतिष्टोमस्याङ्गत्वेनाप्राप्तोऽग्निरुक्थ्यातिरात्रवाक्याभ्यां विधीयते VidhiRa. 33 (181. 13); सर्वेषां द्विरात्राणामतिरात्रसंस्थे द्वितीयेऽहनि षोडशिग्रहणनियमविधि: VidhiRa. 2 (8. 11); ततश्च द्विरात्रादिगतेष्वग्निष्टोमोक्थ्यातिरात्रसंस्थेष्वह:सु ··· अग्नेर्विधानं गुणकामप्राप्त्यर्थमेव भवेत् VidhiRa. 33 (183. 10)

अतिरात्रसंस्थता (atirātrasaṁstha-tā) *f.* the nature of having Atirātra as the last rite तत्तद्द्विरात्रेषु उत्तरस्याह्नोऽतिरात्रसंस्थतां पर्यालोच्य प्रवर्तमानाचोदकगणादेव ब्राह्मणनिमित्तकत्वप्रसक्तिर्वक्तव्या MayūMāli. 728. 27 (*on* x. 5. 13)

अतिरात्रसंस्थत्व (atirātrasaṁstha-tva) *n.* the state of having Atirātra as the last rite द्विरात्राणामुत्तरस्याह्नोऽतिरात्रसंस्थत्वेन प्रकृत्यतिरात्रतश्चोदकादेव तत्प्राप्तिसंभवात् S'ivārkaMaDī. i. 63. 23 (*on* i. 1. 1)

अतिरात्रसंस्था (atirātra-saṁsthā) *f.* **i** sacrifice concluding with the Atirātra (eulogies stotras) [ज्योतिष्टोमस्य चतस्र: संस्था:, अग्निष्टोम उक्थ: षोडश्यतिरात्र इति S'āstrDī. 313. 12 (*on* iii. 6. 16)]; उक्थ्यपरभावोऽपि···अतिरात्रसंस्थायां चेति बोध्यम् BhāṭṭDī. iv. 19. 7 (*on* x. 5. 12); अत्राप्यतिरात्रसंस्थायामतिदेशप्राप्ते बृहत्सामत्वे निमित्ते MīmāKau. iii(1). 293. 7 (*on* ii. 2. 27); iii(1). 293. 5 (*on* ii. 2. 27); द्वादशाहिकवाक्येऽतिरात्रसंस्थामात्रविधानोपपत्ते: MīmāKau. ii. 83. 20–21 (*on* ii. 3. 24); ii. 74. 5 (*on* ii. 3. 22); अतिरात्रसंस्थायां तु तेनैव समाप्ति: MīmāPrKau. ii. 72. 23 (*on* ii. 3. 22); **ii** conclusion with the Atirātra stotras कृतिभूतयोरुक्थ्यातिरात्रसंस्थावतो: क्रत्वो: अग्निष्टोमविकारत्वात्ततश्चोदकात् संभवत्प्राप्तिकस्याग्ने: तयो: पुनर्विधानं गुणकामप्राप्त्यर्थम् VidhiRa. 33 (180. 16)

अतिरात्रसंस्थाक (atirātrasaṁsthā-ka) *adj.* belonging to the Atirātra type 'प्रथमं यजमानोऽतिरात्रेण यजेत' इति वचनादतिरात्रसंस्थाकस्य च BhāṭṭDī. i. 278. 14 (*on* iii. 3. 12); ii. 202. 7 (*on* v. 3. 13); द्वादशाहे च प्रथमोत्तमौ अतिरात्रसंस्थाकौ BhāṭṭDī. iii. 29. 10 (*on* viii. 3. 5); MīmāKau. ii. 74. 4 (*on* ii. 3. 22); iii(1). 86. 15 (*on* i. 2. 44); ii. 83. 13 (*on* ii. 3. 24)

अतिरात्रसंस्थाकत्व (atirātrasaṁsthāka-tva) *n.* the state of belonging to the Atirātra type तस्यैवातिरात्रसंस्थाकत्वेन विधेयनियमविषयतया प्राप्तत्वात् MīmāKau. ii. 176. 21 (*on* iii. 1. 14); उत्तरस्मिन्नहनि अतिरात्रसंस्थाकत्वात्··· प्राप्तस्य षोडशिन: ··· उपसंहारार्थ: BhāṭṭDī. iv. 21. 4 (*on* x. 5. 13); त्रिरात्रमध्यमस्य क्वचिदतिरात्रसंस्थाकत्वाभावेऽपि···न क्षति: BhāṭṭDī. iv. 22. 1 (*on* x. 5. 13)

अतिरात्रसंस्थाविधि (atirātrasaṁsthā-vidhi) *m.* enjoining of a sacrifice of the Atirātra type प्रथमेऽहन्यतिरात्रसंस्थाविधे: पार्थक्येन सत्त्वात् MīmāKau. ii. 83. 22 (*on* ii. 3. 24)

अतिरात्रसंज्ञका (atirātrasañjña-kā) *adj.* (*f.*) Atirātra by name ज्योतिष्टोमस्यैव खल्वग्निष्टोमोक्थ्यषोडश्यतिरात्रसंज्ञकाश्चतस्र: संस्था: VidhiRa. 33 (180. 21)

अतिरात्रसंमित (atirātra-sammita) *adj.* equal to an Atirātra (in merit) पयउपसेचनमन्नमग्निष्टोमसंमितम् ··· मधुनातिरात्रसंमितम् ĀpaDS. ii. 7. 4.

अतिरात्रसवनीयपशु (atirātra-savanīyapaśu) *m.* victim sacrificed at the Atirātra [MW]

अतिरात्रसहस्र (atirātra-sahasra) *n.* a thousand Atirātra sacrifices इष्ट्वा ··· अतिरात्रसहस्रेण MahāBhā. vii. App. 8(569)

अतिरात्रसामन् (atirātra-sāman) *n.* the chant Atirātra अथ नार्मेधमतिरात्रसामातिरात्रसाम नेदन्तरयामेति JaimiBr. 2. 195.

अतिरात्रस्तोत्र (atirātra-stotra) *n.* eulogy called Atirātra द्वादशस्वतिरात्रस्तोत्रेषु पञ्चदशस्तोमकत्वात् अशीत्युत्तरशतम् MīmāKau. ii. 128. 21 (*on* ii. 4. 27); तेषु ··· द्वादशाहिकान्येवोक्थ्यातिरात्रस्तोत्राणि ··· कर्तव्यानि BhāṭṭDī. iii. 29. 17 (*on* viii. 3. 5); iv. 20. 8 (*on* x. 5. 12)

अतिरात्रादि (atirātrādi) *adj.* **A** Atirātra and other (sacrifices) अतिरात्रादयो ह्यमी । यज्ञा: स्वर्गं प्रयच्छन्ति सत्रिणाम् SkandP. i(1). 8. 119; अग्निष्टोमो वाजपेयो ह्यतिरात्रादयो मखा: BṛDharmaP. ii. 12. 16; यथाग्निष्टोमस्य विकृतिष्वतिरात्रादिषु तदीयधर्मप्राप्तिस्तद्वत् JīvanVi. 146. 16; अत एवातिरात्रादिपदानां प्रचुरप्रयोगात् तत्तत्संस्थाकज्योतिष्टोमवाचिनामपि MīmāKau. ii. 70. 21 (*on* ii. 3. 22); बहुवचनं दृष्टार्थत्वेनातिरात्रादिशब्दसंग्रहार्थम् MayūMāli. 726. 5 (*on* x. 5. 12); **B** (poetical session) lasting overnight and others तदसंनिधावतिरात्रादिषु पूर्वोक्तानामन्यतर: KāvyMī. 50. 10.

अतिरात्रादिव्यक्ति (atirātrādi-vyakti) *f.* specific instance of Atirātra and other (sacrifices) यत्रातिरात्रादिव्यक्तौ षोडशिग्रहणादेर्निषेध: GuruCandr. ii. 237. 13; LaCandr. 516. 33.

अतिरात्रादिसंस्थ (atirātrādi-saṁstha) *adj.* which ends with Atirātra and other (stotras) यथा ··· दीक्षणीयादयो धर्मा: ··· ज्योतिष्टोमस्योपदेशतो भवन्ति नानित्यस्यातिरात्रादिसंस्थस्यापि CaturCin. iii(2). 579. 17.

अतिरात्रान्त (atirātrānta) *adj.* having Atirātra as the concluding rite, ending with Atirātra साकमेधस्थाने त्र्यहोऽतिरात्रान्त: (comm. यस्य त्र्यहस्यान्त्यमहरतिरात्रं भवति स त्र्यहोऽतिरात्रान्त:) ĀśvaS'S. II. iii. 2. 13; द्व्यहप्रभृतयो द्वादशरात्रपरार्ध्या अग्निष्टोमादय: अतिरात्रान्ता: (अहीना:) ĀśvaS'S. II. iv. 1. 12.

अतिरात्रान्तता (atirātrānta-tā) *f.* the nature of ending with an Atirātra (sacrifice) यत्रापि क्वचिदतिरात्रान्तता नास्ति तत्राप्यग्निष्टुदन्तता नास्त्येव BālaKrī. ii. 96. 22 (*on* 3. 237 (243))

अतिरात्रान्तत्व (atirātrānta-tva) *n.* the state of ending with an Atirātra (sacrifice) न चाग्निष्टुदन्त: कश्चित्क्रतुरस्ति । सत्राहीनयो: प्रायशोऽतिरात्रान्तत्वात् BālaKrī. ii. 96. 21 (*on* 3. 237 (243))

अतिरात्रान्तर (atirātrāntara) *n.* gap between (two) Atirātras अतिरात्रान्तरमावापस्थानम् KātyS'S. xxiv. 1. 12 (comm. (अतिरात्रयो:) यदन्तरालम्)

अतिरात्रि (ati-rātri) *f.* end of the night (over-night) नातिरात्र्या प्रातरनुवाकमुपाकुर्यात् Atharvaprāyaścitta 6. 6 [JAOS (1913) 140. 1]; स्वयं तु सर्वाणि बलानि राजन् राजाभ्ययाद्द्रोपयन् वै निशायाम् (v. l. राजान्वगादभ्युदितोऽतिरात्रौ) MahāBhā. vii. 138. 11.

अतिरात्रिक (atirātr-ika) *adj.* pertaining to Atirātra अथाप्यतिरात्रिकं व्रतम् NidāSū. 148. 13 (8. 11); 148. 21 (8. 11)

अतिरात्री (atirātrī) *adj.* (*f.*) [*w. r.* for आतिरात्री] belonging to Atirātra अतिरात्रीं प्रथमां मन्य इति धानञ्जय्य: NidāSū. 44. 11 (3. 2); अथापि शश्वद्ब्रह्वृचा अतिरात्रीमेव प्रथमामधीयते NidāSū. 45. 3 (3. 2)

अतिरात्रेन्दु (atirātrendu) *m.* the moon at the end of the night शक्त्यान्यानपि चक्रेऽरीनतिरात्रेन्दुनिष्प्रभान् DvyāśraKā. 19. 134.

अतिरात्रैकत्वतस् (atirātraikatva-tas) *adv.* due to the presence of a single Atirātra rite किं पञ्चदशरात्रस्य कुण्डपाय्ययनस्य च । अहीनत्वं सत्रता वातिरात्रैकत्वतोऽग्रिम: NyāyMāVi. 408. 8 (*on* viii. 2. 6)

अतिराम (ati-rāma) *adj.* [*f.* -ā] **i** excelling Rāma नेत्रद्वयेनाथ तदस्त्रयुग्मम् । पीत्वातिरामम् BrahmāṇḍP. ii. 40. 33; विभाऽतिरामा परमा ··· विभाति Vāgbhaṭā. 4. 26; **ii** very charming Vāgbhaṭa. 4. 26; *m.* name of S'iva (superior to Rāma) अतिरामाय ते ··· नम: LiṅgaP. i. 18. 34.

अतिराववत् (atirāva-va(n)t) *adj.* excessively roaring or rumbling घनान्धकारिताशो वै प्रावृट्कालोऽतिराववान् VāmaP. 1. 15.

अतिरासविभ्रमिन् (atirāsavibhram-in) *adj.* sporting excessively at the *rāsa* (a collective dance performed by Kṛṣṇa and cowherdesses) पुनातु वो हरिरतिरासविभ्रमी ChandoMañ. 2. 162.

अतिरि (ati-ri) *adj.* (*n.*) [AltGr. III. 215] excelling in wealth अतिराभ्याम् अतिराभि: MahāBh. iii. 266. 6 (*on* vii. 1. 73); एचो ह्रस्वादेशे कर्तव्य इगेव ह्रस्वो भवति, नान्य: । रै- अतिरि KāśiVṛ. *on* P. i. 1. 48; अतिरि कुलम् KāśiVṛ. *on* P. i. 2. 47; रायमतिक्रान्ताभ्यां ब्राह्मणकुलाभ्याम् अतिराभ्याम् Nyās. ii. 668. 18 (*on* vii. 1. 73); रैशब्द आत्वं प्राप्नोति । व्यञ्जनादौ स्यादौ । रा: । राभ्याम् । अतिराभ्यां कुलाभ्याम् KātanVṛ. *on* ii. 3. 19.

अतिरिक्त (áti-rikta) *adj.* [*f.* -ā] **1 A i** left over, remaining, additional **ii** more, greater, abundant, in excess, more than expected **iii** excessive, superfluous, surplus, redundant, more than necessary **B i** superior, better, outstanding, excellent **ii** different, distinct, other than, separate **2** empty, vacant **1 Ai** left over, remaining, additional तं वां हुवे अति रिक्तं पिबध्यै ṚV. viii. 58. 3; अतिरिक्तो वै षोडशि(? शी) स्तोत्राणाम् अतिरिक्तोऽश्वतर: पशूनाम् JaimiBr. 1. 67; अथोऽप्येकातिरिक्ता स्यात् S'atBr. XI. i. 2. 5; नेमिररेभ्यो यद्यतिरिक्तम् MānS'S. 231. 16; अतिरिक्तमिवाकुर्वन् स श्रेयान्नेतरो जन: MahāBhā. v. 42. 20; अतिरिक्तान्द्विजातिभ्यो व्यभजन्नितरे जना: MahāBhā. xii. 29. 85; ब्राह्मणेभ्योऽतिरिक्तं च भुञ्जीरन्नितरे जना: MahāBhā. xii. 90. 2; (साक्षिण:) अतिरिक्तं वा ब्रूयुस्तदतिरिक्तं राजा हरेत् ArthS'ā. ii. 70. 1 (3. 11); कृताकृतातिरिक्तानां लक्षणं वक्तुमर्हसि CaraS. i. 22. 8 (1922 Ed.); अनन्ता नातिरिक्ताश्च सर्वे सर्गा विवस्वत: VāyuP. ii. 2. 55; सहस्राण्यतिरिक्ताश्च ततोऽन्या पञ्चविंशति: VāyuP. i. 50. 134 = BrahmāṇḍP. i. 21. 81; परिपूरितहृदयातिरिक्तहर्षमिव Kād. 66. 24; सूक्ष्ममिदं द्रव्यमतिरिच्यते । तस्मादतिरिक्तस्य प्रतिपत्ति: ṬupṬ. 25. 2 (*on* iv. 2. 15); एकत्रातिरिक्ता गुणा इतरत्रोपसंह्रियन्ते BrahmSūBh.(S'aṅ.) 647. 5 (*on* iii. 3. 19); शतादतिरिक्तया एकशततम्या नाड्या निष्क्रामति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 814. 14 (*on* iv. 2. 17); °मखाग्रपीतादतिरिक्तमातपम् RāmC. 4. 9; तर्जन्यादिक्रमादष्टौ अतिरिक्तं तलद्वये AgniP. 25. 36; बीजानि सप्त सप्तानां जिह्वानामनुपूर्वत: । ···अतिरिक्ता मरुज्जिह्वा S'ivaP. vii(2). 27. 24 (577. 9); क्षत्रियस्य गृहं कुर्यादर्धषष्ठतलम् ··· अतिरिक्तं तु तच्छिदे SamarāSū. 39. 23; यस्मिन्निति निर्दिष्टमतिरिक्तमाकाशश्च VedāntDī. 70. 18 (*on* i. 4. 11); अर्थे लभ्येऽतिरिक्तेऽपि TriṣaS'aPuC. ii. 6. 84; तत: पञ्चसूत्रातिरिक्तं सर्वं परिमृज्य पञ्चास्त्रकुण्डं रचयेत् CaturCin. i(1). 132. 21; (आतिरेक्यम्) अतिरिक्तमङ्गाधिक्यम् ManvaVi. 1368. 4 (*on* 11. 50); अतिरिक्ता गुणा रक्ते वह्नेर्मांसे तु पार्थिवा: BhāvPra.(Bhā.) 3. 207; **1 Aii** more, greater, abundant, in excess, more than expected क्रतुं नो ब्रूत यतमोऽतिरिक्त: AV. viii. 9. 17; प्रतिपुरुषमेककपालान्निर्वपत्येकमतिरिक्तम् TaiS. I. viii. 6. 1; एकया गौरतिरिक्त: TaiBr. I. ii. 2. 29; वीक्ष्य रत्नचषकेष्वतिरिक्तां कान्तदन्तपदमण्डनलक्ष्मीम् Kirātā. 9. 59; मरणादतिरिक्तं दु:खमनुभवसि Nāgā. 5. 21 (26); सुतजन्मातिरिक्तेन महोत्सवेन मज्जन्माभिनन्दितवान् Kād. 137. 17; उदरस्य महार्घता भविष्यत्यतिरिक्तेत्युदपादि चिन्तयेव PṛthviVi. 7. 32; **1 Aiii** excessive, superfluous, surplus, redundant, more than necessary अतिरिक्त: षड्रात्र: TaiS. VII. i. 10. 3; अतिरिक्ताच्च प्रजापति: प्राजायत TaiS. VII. iv. 7. 3; यत्र वै यज्ञस्यातिरिक्तं क्रियते MaiS. i. 4. 11; अतिरिक्तस्य दक्षिणा स्यात्सलोमत्वाय षोडशिन: स्तोत्रे देयातिरिक्तो वै षोडशी PañcBr. vi. 1. 5; न होतव्या अतिरिक्ता आहुतय: KauṣīBr. 7. 4 (30. 15); त्रयो वै यज्ञे कामा य: सम्पन्ने यो न्यूने योऽतिरिक्ते KauṣīBr. 11. 6 (51. 8); न तथा कुर्यादतिरिक्तम् KauṣīBr. 14. 5 (64. 15); 26. 3 (126. 6); अतिरिक्तं वै गौरिवीतम् । अतिरिक्तं यत् सवनस्यातिरिच्यते । अतिरिक्तस्य शान्त्यै TaiBr. I. iv. 5. 2; ब्रह्म प्रतिष्ठा मनसो ब्रह्म वाच: । ··· अतिरिक्तं कर्मणो यच्च हीनम् TaiBr. III. vii. 11. 1; अतिरिक्तं ह तदवदानम् S'atBr. I. vii. 2. 7; उद्गातुर्यज्ञ ऊनं वातिरिक्तं वा कुर्वतो मीयते(? मिवते CALAND) यमलोकं ह वास्य तद् गच्छति JaimiBr. 1. 167; वृषा वै बृहद्योषा रथन्तरमतिरिक्तं वै पुंसो न्यूनं स्त्रियै तस्मादूनातिरिक्तौ भवत: AitĀ. I. iv. 2. 9; पुरातनेऽतिरिक्तं यत्त्यक्त्वानुक्तं समोप्य च । ऋक्तन्त्रेण तु गृह्यन्ते SVSaptaLa. 25; तुलामानाभ्यामतिरिक्ताभ्यां क्रीत्वा हीनाभ्यां विक्रीणानस्य त एव द्विगुणा दण्डा: ArthS'ā. ii. 125. 1 (4. 2); स्वेदोऽतिरिक्तो हीनो वा हन्याद्बालं यथा विषम् KāśyaS. 27B. 20; ऊनमतिरिक्तं वा ददाति KāmSū. 328. 17 (*on* 6. 3); अन्यूनातिरिक्तास्ते यस्मात् सर्वे विवस्वत: VāyuP. ii. 38. 39; BrahmāṇḍP. iii. 1. 36; तेनैव तत् कृतं कृत्यं कर्तृणां प्रतिभाति वै । विरिक्तं चातिरिक्तं च BrahmāṇḍP. i. 35. 141; (व्यञ्जनानाम्) हीनातिरिक्तविकृतानां चात्र छायानां दर्शनम् AṣṭāSaṁ. i. 45. 11 (1. 8); स गर्भ: ··· यावता कालेन न्यूनेनातिरिक्तेन वा ··· जायते ChāndoUBh. 290. 15 (*on* v. 9. 1); भगवन्नतिरिक्तं वा हीनं वा यन्मया कृतम् AgniP. 80. 13; ऊनातिरिक्ताद्यत् पाति भुवि भक्तजनं सदा PāraS. 12. 507; (सामान्यानां) साद‍ृश्यमतिरिक्तं भवति Kāśi. iii. 149. 13 (*on* 6. 26); (अग्नि:) अतिरिक्तो बलेनैव वीर्यान्मर्माणि चालयेत् PadmP. ii. 64. 80; ĪśānS'iPa. ii. 22. 67; पूरयित्वेव सर्वाङ्गमतिरिक्ता: शिराततीः AnargharRā. 2. 18; (वाणी) न स्तोकेयं तावकी नातिरिक्ता RāghPāṇ.(Dha.) 11. 23; न्यूनातिरिक्तान् व्याधीञ्जनयन्ति Hastyāyur. 215. 11 (2. 20); अन्यूनातिरिक्तं पृष्टार्थसमर्पकं साक्षिवचनं प्रमाणम् SmṛtiCan. iii. 210. 12; अतिरिक्तस्य च नियतपदार्थवादेऽसम्भवात् GoviBh. 122. 12 (*on* ii. 2. 13); **1 Bi** superior, better, outstanding, excellent तस्मान्न्यासमेषां तपसामतिरिक्तमाहु: TaiĀ. x. 63. 1 (897. 1); जगत: कृत्स्नादतिरिक्तो जनार्दन: MahāBhā. v. 66. 7; (राम:) इक्ष्वाकुभ्यो हि सर्वेभ्योऽप्यतिरिक्त: Rāmā. ii. 2. 19; अतिरिक्तेऽतिरिक्तं च हीने भूम्यासनं भवेत् NāṭyaS'ā. 12. 225; सर्वातिरिक्तसारेण···मेरुरिव स्थित: RaghuVa. 1. 14; किं तु त्वं गौरवेणैषामतिरिक्ता BrahmP. 172. 12; दीप्तिभिरतिरिक्त ··· जय वीर StavMā. 212. 16; माता गौरवेणातिरिक्ता भवति ManvaMu. 64. 21 (*on* 2. 145); **1 Bii** different, distinct, other than, separate यदतिरिक्तामेकादशिनीमालभेरन् TaiBr. I. ii. 5. 4; पदमेकतस्त्रिपदस्तिस्रोऽतिरिक्तेषु MānS'S. 228. 10; धात्वर्थातिरिक्तो व्यापार उपेय: BhāvanāVi. 108. 1; न हि तदेव तस्मात् फलतोऽतिरिक्तं स्यात् GītāBh.(S'aṅ.) 81. 1 (*on* 3. 1); पूजातिरिक्तं पूजान्तरम् SanatBh. 224. 14 (*on* 1. 29); न ह्यस्त्यविद्या मनसोऽतिरिक्ता ViveCū. 171; न च ब्रह्मतत्कार्यातिरिक्तं वस्त्वस्ति IṣṭaSi. 146. 4; सामग्र्याश्चैकत्वात् तदतिरिक्तसाधकान्तरानुपलम्भात् किमपेक्षमस्या अतिशयं ब्रूम: NyāyMañ. i. 12. 10; प्रसिद्धावयवातिरिक्तं विभाति लावण्यमिवाङ्गनासु Dhvanyā. 1. 14 = SūktiRa. 30. 6; यच्च मानसं नाम प्रत्यक्षमुक्तं तद्धारावाहिकविज्ञानान्नातिरिक्तं मन्यामहे PrakaPañ. 142. 14; ब्रह्मचारिणोऽतिरिक्तस्याश्रमिणोऽनाश्रमिण: PārāSū. 18. 29; एतस्य त्रितयस्य योऽतिशय: कोऽप्युत्कर्षस्तस्मादुत्तरमतिरिक्तम् VakroJī. 44. 12; यदेव किञ्चित् शाब्दे सामान्यादतिरिक्तमवगम्यते स वाक्यस्यैव विषय: Kāśi. iii. 123. 7 (*on* 5. 57); गुप्तो योऽप्यतिरिक्तोऽपि सर्वभावेषु संस्थित: YogVā. iii. 5. 16; एतावदेव तत्रासीन्नातिरिक्तम् BṛKathāS'loSaṁ 18. 48; शब्दव्यापारेभ्योऽभिधातात्पर्यलक्षणारूपेभ्योऽतिरिक्तो व्यापारो ध्वनि: Loc. 47. 21 (*on* 1. 16); सत्ताजातिमनुजानतापि स्वरूपमतिरिक्तमुपेयम् NayaVi. 101. 2 (*on* i. 1. 5); हन्त हतं तर्हि पामरप्रत्यक्षमतिरिक्तमर्थमनुमापयताकारेण व्यवस्थापितत्वात् NyāyVārPari. 179. 3; तस्मादतिरिक्ते आत्मनि प्रमाणं वक्तव्यम् Kiraṇā. 6. 21; रसादिभेदाश्च व्यङ्ग्या मुख्यादिभ्योऽतिरिक्ता: Kāvyānu.(He.) 41. 2; न ताभ्यामतिरिक्तं वा पूर्वमस्ति प्रवर्तकम् NyāySu.(So.) 29. 1 (*on* i. 2. 7); साक्षिणोऽतिरिक्तानि विशिष्टज्ञानानि PrakaVi. 541. 24; न अतिरिक्तो भावोऽस्ति TarkSaṁ.(Ā.) 13. 15; न च प्रकृतिपुरुषसंगति: अतिरिक्तास्ति TarkSaṁ.(Ā.) 49. 29; अतिरिक्तमपरत्वादि दुर्वारम् TarkSaṁ.(Ā.) 77. 3; करुणाख्योऽतिरिक्तो रस: RasTa. 126. 6; सप्तेभ्योऽतिरिक्ते

…इत्यादिना निश्चिते सप्तैवेन्द्रियाणीति नैवं मन्तव्यम् VedāntPāSau. 243.15 (*on* ii. 4.6); एभ्योऽतिरिक्तः शब्दस्य गुणी अनुमीयते TarkBhā.(Ke.) 65.7; सा चेन्द्रियसंबद्धविशेषणता अतिरिक्तैव TattvCin. ii(1). 255.1; न ह्यजय्यमिह किञ्चिदस्ति ते … अतिरिक्तमात्मनः Yādavā. 17.91; ततोऽतिरिक्तस्यादृष्टस्य कल्पनायोगात् NyāySiA. 231.19; जीवेश्वररूपतोऽतिरिक्तं उभयोः … स्वरूपं बत नास्त्येव S'aṅkaDigVi.(Mā.) 15.53; प्रमेयस्य भाव एव प्रमेयत्वं न तु ततोऽतिरिक्तम् TattvPrakā. 54B.4 (*on* i. 3.28); ब्रह्म तु सकलचेतनसमुदायात्मकमतिरिक्तं च NyāySu.(Ja.) 504A.2 (*on* iii. 2.9); यदि रत्यादिकं प्रकाशशरीरादतिरिक्तं स्यात् SāhiDa. 94.14; एवं घटाद्यभावस्यापि अभावोऽतिरिक्त एव PadārthaTaNi. 55.1–3; स यद्यतिरिक्तस्तदास्येव Upask. 68.16 (*on* ii. 1.1); नन्वेतदतिरिक्तं चेद् ब्रह्म स्यात् AṇuBh. 29.21 (*on* i. 1.11); तदा किं संकल्पयोगजधर्माभ्यामतिरिक्तं कारणमपेक्षते न वा YogSā. 62.5(3); तस्मान्नास्मत्सिद्धान्तेऽभावोऽतिरिक्तः SāṁkhyaPraBh. 54.13 (*on* 1.113); एवं सादृश्यमप्यतिरिक्तः पदार्थः SiddhāMu. 3.6 (*on* 2); भेदप्रतियोग्यनुयोगिभावोऽपि स्वन्मतेऽतिरिक्तः GuruCandr. i. 33.12; सांसर्गिकविषयतामतिरिक्तामङ्गीकृत्य GuruCandr. i. 235.5; लिङ्गे नातिरिक्ता निषेधस्थले शक्तिः MīmāKau. iii. 25.13 (*on* i. 2.7); अभावाभावस्यातिरिक्तस्य MīmāKau. iii(1). 87.14 (*on* i. 2.44); पदमात्र एवातिरिक्तां शक्तिं समर्थयतः VaiyāBhū. 36 (188.2); तच्चातिरिक्तमनतिरिक्तं वेत्यन्यदेतत् VaiyāBhū. 36 (191.24); न चाभिधातः शक्तिरतिरिक्ता…कदाचिदस्तीत्यत्र प्रमाणमस्ति RasGaṅ. 177.13; कोऽलंकारो व्यङ्ग्य इति चेत्, विच्छित्तिवैलक्षण्योऽतिरिक्तः RasGaṅ. 373.10; परं तु सेश्वरेच्छारूपातिरिक्ता वा BhāṭṭCin. i. 34.15 (*on* i. 1.4); अज्ञानतोऽतिरिक्ता माया SiddhāTa. 47.11; अर्थोऽप्यखण्डरूपो विशिष्टमतिरिक्तमिति हि सिद्धान्तः VarivaRaha. 152; दन्तोष्ठरूपमतिरिक्तं स्थानम् LaS'abdeS'e. i. 30.29; **2** empty, vacant उदरेणातिरिक्तेन चर्मशेषेण शोषिणा। प्रदर्शयदिवाङ्गस्य हृदयस्यातिशून्यताम् YogVā. iv. 10.12; अतिरिक्तं शून्यम् BālamBha. iii. 117.18 (*on* 3.211)

अतिरिक्तकटु (atirikta-kaṭu) *adj.* extremely pungent अत्यम्लं चातिलवणमतिरिक्तकटूनि च। आसुराणीह भोज्यानि BrahmP. 220.183.

अतिरिक्तकरण (atirikta-karaṇa) *n.* **1** distinguishing from, making different from कर्मणः अतिरिक्तकरणं बुद्धेरनुपपन्नम् GītāBh.(S'aṅ.) 80.18 (*on* 3.1); **2** making extra or additional न मुष्टिकानामिव द्रव्याणां द्रव्यान्तरेण अतिरिक्तकरणं संख्यायाः पूरणम् Nyās. ii. 77.7 (*on* v. 2.48); **3** performance of (something) which is additional चकारादतिरिक्तकरणे प्रायश्चित्तोक्तिरपि बाधिका AṇuBh. 266.18 (*on* iii. 3.62)

अतिरिक्तकर्मन् (atirikta-karman) *n.* **i** extra or additional act न्यूनातिरिक्तकर्माणि न फलन्ति कदाचन KulārT. 6.82; **ii** separate action न हि वाङ्मनःश्रेष्ठातोऽतिरिक्तकर्मास्ति AbhinBhā. iii. 87.13 (*on* 20.15)

अतिरिक्तकल्पक (atirikta-kalpaka) *adj.* (giving rise to or) causing assumption of a different or additional entity दिक्कृतत्वमपि तत्तदुपाध्यवच्छिन्नास्तत्तद्देशविशेषा एव अतिरिक्तकल्पकानां परापरप्रत्ययविशेषादीनामन्यथासिद्धेः NyāyPari. 507.12.

अतिरिक्तकल्पन (atirikta-kalpana) *n.* assumption or postulation of something different or additional यावद्भिर्वर्णैश्शब्दतत्त्वमभिव्यक्तं प्रतिनियतार्थप्रत्यायकं तावतामेव वाचकत्वसंभवेऽतिरिक्तकल्पनं गौरवपराहतम् TantrRaha. 26.21; अतिरिक्तकल्पने मानाभावात् GuruCandr. i. 87.14; i. 120.20; अतिरिक्तकल्पने च तच्छक्तत्वस्यापि कल्पनापत्तौ गौरवापत्तेश्च VaiyāBhū. 73.20 (*on* 22)

अतिरिक्तकल्पना (atirikta-kalpanā) *f.* assumption or postulation of something additional or different एकपरत्वस्यापि तथाभूतत्वे विरोधाभावेन भेदाभावादतिरिक्तकल्पनानुपपत्तेः Kiraṇā. 219.20; श्रुतेरतिरिक्तकल्पनायां प्रमाणाभावात् AṇuBh. 184.12 (*on* iii. 2.3); 191.15 (*on* iii. 2.14); न च क्लृप्तेनैवोपपत्तावतिरिक्तकल्पनागौरवमेव बाधकमिति वाच्यम् SāṁkhyaPraBh. 26.36 (*on* 1.56); 27.1 (*on* 1.56); अनन्ताधिकरणात्मकत्वकल्पनापेक्षयातिरिक्तकल्पनाया एव लघीयस्त्वात् SiddhāMu. 7.15 (*on* 12)

अतिरिक्तकारणजन्यत्व (atiriktakāraṇajanya-tva) *n.* the nature of being produced by a different cause तस्माजन्यत्वेऽपि ज्ञानसामग्रीजन्यत्वे सत्यतिरिक्तकारणजन्यत्वलक्षणविशिष्टधर्मवत्त्वाभावात् TattvPradī.(Ci.) 122.11.

अतिरिक्तकाल (atirikta-kāla) *m.* **i** more (than the usual) time हीनातिरिक्तकाले च देशकुलसंक्षयो भवति BṛSaṁ. 46.52; 5.25; **ii** time as an entity different (from action) किं चातिरिक्तकालस्यैव वाच्यत्वे … कथम् … आत्मास्तीत्यादौ लडादिप्रयोगः VaiyāBhū. 73.20 (*on* 22); अथातिरिक्तकालस्य वाच्यत्वे पूर्वमुदाहृतं भाष्यमलग्नकं स्यादिति चेन्न VaiyāBhū. 74.26 (*on* 22)

अतिरिक्तकालकला (atiriktakāla-kalā) *f.* different moment of time दृष्टान्तस्यातिरिक्तकालकलाविषयत्वेनानधिगतार्थविषयतया विषमत्वात् AdvaiSi. 822.23.

अतिरिक्तकालकल्पना (atiriktakāla-kalpanā) *f.* assumption or postulation of time as a distinct category अतिरिक्तकालकल्पनायां गौरवमापतेत TarkSaṁ.(Ā.) 49.28.

अतिरिक्तकेशादिक (atiriktakeśādi-ka) *n.* additional (things such as) hair अतिरिक्तकेशादिकमनुभवानारूढमिति चेन्न VaiyāBhū. 250.26 (*on* 66)

अतिरिक्तकैवल्य (atirikta-kaivalya) *n.* a separate aloneness (the state of being without any adjunct) नापि केवलतदालम्बना अतिरिक्तकैवल्यानभ्युपगमात् TattvCin. i. 693.5.

अतिरिक्तकोष्ठ (atirikta-koṣṭha) *adj.* whose stomach is completely empty पूर्णातिरिक्तकोष्ठम् (हयम्) … न च वाहयेत् AśvaCi. 9.23.

अतिरिक्तगात्र (atirikta-gātra) *adj.* having an extra bodily limb हीनातिरिक्तगात्रो वा तमप्यपनयेत् AtriS. 349 = ManuSm. 3.242.

अतिरिक्तगुणविशेष (atirikta-guṇaviśeṣa) *f.* a different special quality अनेन न ततोऽतिरिक्तगुणविशेषसिद्धिः NyāySiA. 260.7.

अतिरिक्तगुणसिद्धि (atiriktaguṇa-siddhi) *f.* establishment of a different property इति न प्रमायामतिरिक्तगुणसिद्धिः TattvCin. i. 305.1 (comm. प्रमात्वावच्छिन्नकार्यतानिरूपितकारणताकगुणसिद्धिः)

अतिरिक्तगौणवृत्ति (atirikta-gauṇavṛtti) *f.* a separate secondary word-power लक्षितलक्षणयैव तावदुपपत्तेः … नातिरिक्तगौणवृत्तिस्वीकारोपपत्तिः MīmāKau. i. 270.1 (*on* i. 4.23)

अतिरिक्तगौणीवृत्ति (atirikta-gauṇīvṛtti) *f.* a separate secondary word-power नातिरिक्तगौणीवृत्तिस्वीकरणं युक्तम् MīmāKau. i. 277.24 (*on* i. 4.23); i. 273.24 (*on* i. 4.23)

अतिरिक्तग्राह्यकल्पना (atiriktagrāhya-kalpanā) *f.* assumption of a different (external) object of knowledge अतिरिक्तग्राह्यकल्पनायां तु ग्राह्यत्वस्य ग्राहकं विनानुपपत्तेस्तत्कल्पनापीत्यनेकादृष्टकल्पना स्यात् YuktiSneha. 52.34 (*on* i. 1.5)

अतिरिक्तचित्ररूप (atirikta-citrarūpa) *n.* a separate variegated colour अत एवातिरिक्तचित्ररूपस्वीकारः BālamBha. i. 281.20 (*on* 1.91)

अतिरिक्तच्छायादर्शन (atiriktacchāyā-darśana) *n.* appearance of a deeper shade (of colour) द्रवेषु हीनातिरिक्तच्छायादर्शनम् … इति विषयुक्तलिङ्गानि ArthS'ā. i. 104.4 (1.21)

अतिरिक्तजल (atirikta-jala) *n.* remaining water चक्रे सरः पूरितं चाप्यतिरिक्तजलेन तत् SkandP. i(2). 40.84.

अतिरिक्तजीवात्मन् (atirikta-jīvātman) *m.* separate individual self शरीरेन्द्रियप्राणातिरिक्तजीवात्मसद्भावप्रतिपादनपरमिदं वाक्यम् VedāntDī. 74.2 (*on* i. 4.18)

अतिरिक्तजीविन् (atiriktajīv-in) *adj.* having an extra or long life परिमितजीवी हि नृशंसोऽतिरिक्तजीव्यनृशंसः JaimiBr. 1.189.

अतिरिक्तज्ञानजनक (atiriktajñāna-janaka) *adj.* producer of a different knowledge न च चक्षुश्चक्षुर्जन्ययथार्थज्ञानजनकत्वे सत्यतिरिक्तज्ञानजनकं न भवति इन्द्रियत्वात् घ्राणवत् TattvPradī.(Ci.) 67.5.

अतिरिक्तज्ञानजनकत्व (atiriktajñānajanaka-tva) *n.* the state of being a producer of a separate knowledge न च यथोक्तयथार्थज्ञानजनकत्वे सत्यतिरिक्तज्ञानजनकत्वात्यन्ताभावाधिकरणतया साध्यस्य विवक्षितत्वाददोषः TattvPradī.(Ci.) 67.9.

अतिरिक्तज्ञेय (atirikta-jñeya) *n.* a different object of knowledge अनुभवगताभ्यां ज्ञेयफलाभ्यामतिरिक्तज्ञेयफलयोः स्मृतावभावात् VivaPraSaṁ. 38.15.

अतिरिक्ततत्करण (atiriktatat-karaṇa) *n.* performance of an additional thing (i. e. rite) स्वशाखोक्तात् कर्मणोऽतिरिक्ततत्करणे … प्रायश्चित्तश्रवणमपि तन्नियमे हेतुः समुच्चीयते AṇuBh. 209.16 (*on* iii. 3.3)

अतिरिक्ततर्कवादिन् (atiriktatarka-vādin) *adj.* one who maintains that *tarka* is separate (from the other means of knowledge) तर्हि पूर्वेण किं प्रयोजनमिति चेत् किं वातिरिक्ततर्कवादिनः NyāyPari. 327.2

अतिरिक्तता (atirikta-tā) *f.* **i** the state of being overflooding महार्णवस्येव न तस्य तत्कृतो बभूव पूरश्च न चातिरिक्तता JānaHa. 9.65; **ii** elevation, rise, uplift समश्नुवानाः सहसातिरिक्तताम् … भुवः Kirātā. 14.33 (comm. उत्तानताम्); **iii** the state of being more or in excess, excessiveness प्रसिद्धिरिति विज्ञानं न चास्योनातिरिक्तता TantrVā. 765.22 (*on* iii. 2.1); एषा काले न्यूनातिरिक्तता YogVā. v. 53.43; प्रायश्चित्तानि कार्याणि समीपे कमलापतेः। न्यूनातिरिक्तता न स्यात्सफलानि भवन्ति हि BṛNāraP. 14.189; **iv** enhancement, excellence पूर्वोक्तलक्षणं लावण्यं विद्यमानमनेनातिरिक्ततां नीयते VakroJi. 68.2; **v** the state of being different, distinctness भयेषु हर्षेषु च नातिरिक्तताम्। … वदन्ति तां तत्त्वविदो ह्यसङ्गताम् BhagAjju. 23(7); अत एव तस्य क्रियातिरिक्तता S'rīBh. 130.6 (*on* i. 1.1); ननु चैतन्यैक्येऽपि तत्तदुपाधिविशिष्ट-

स्यातिरिक्ततामभ्युपगम्य व्यवस्थोपपादनीया SāṁkhyaPraBh. 67.35 (*on* 1.151); 77.36 (*on* 2.12)

अतिरिक्तत्रिभाग (atirikta-tribhāga) *adj.* remaining third part अतिरिक्तत्रिभागेन सर्वं तु सहमण्डलम् । चतुरस्रेऽक्ष्णया रज्जुर्मध्यतः संनिपातयेत् MānS'S. 215.11.

अतिरिक्तत्व (atirikta-tva) *n.* **i** the state of being in excess, excessiveness वाय्वाकाशातिरिक्तत्वात्तिक्तः CaraS. i. 26.40 (1941 Ed.); पदावधारणोपायान् बहूनिच्छन्ति सूरयः । क्रमन्यूनातिरिक्तत्वस्वरवाक्यस्मृतिश्रुतीः S'lokaVār. 7.183 (896.4); TattvBi. 67.10; शुनः शून इति न्यूनातिरिक्तत्वम् Yukti-Sneha. 156.19 (*on* i. 1.7); ब्रह्मब्राह्मणेत्यादौ न्यूनातिरिक्तत्वात् (पदभेदः) BhāṭṭDī. i. 53.15 (*on* i. 3.9); **ii** superiority, excellence यस्यां द्वयोरेकतरस्यापि न्यूनत्वं निकर्षो न विद्यते नाप्यतिरिक्तत्वमुत्कर्षो वास्तीत्यर्थः VakroJī. 27.9; VyaktiVi. 92.9; ज्ञानादतिरिक्तत्वात् पृथग्भूतः (आत्मा) TattvPradī.(A.) 34.92 (*on* 1.24–25); बहोर्धर्मस्य साम्येऽपि…यदुच्यतेऽतिरिक्तत्वं व्यतिरेकोपमा तु सा AgniP. 343.14; **iii** the state of being different, separateness अतिरिक्तत्वे चौपाधिकविशिष्टादेर्द्रव्यान्तर्भावासंभवात् NyāySu.(Ja.) 375B.7 (*on* ii. 2.6); विशिष्टस्यातिरिक्तत्वे नानात्मतया एव शास्त्रान्तरेऽप्यभ्युपगमापत्तेरित्यर्थः Sāṁkhya-PraBh. 68.1 (*on* 1.151); यथा विशिष्टस्यातिरिक्तत्वात् … विशेष्ये न हेतुः तथा विशेषणेऽपि GuruCandr. i. 126.9; iii. 95.23; वैशद्यस्य…अतिरिक्तत्वे च सविशेषत्वप्रसङ्गात् VedāntTaSā. 34.2; समाहारे त्वतिरिक्तत्वेनैव समूहस्य भानात् LaS'abde-S'e. ii. 127.10.

अतिरिक्तत्वदोष (atiriktatva-doṣa) *m.* the fault of excessiveness एवमसोमयाजिनो ब्राह्मणस्याग्नीषोमीयं पुरोडाशमनुतिष्ठतोऽतिरिक्तत्वदोषोऽस्त्येव BālamBha. i. 248.15 (*on* 1.89)

अतिरिक्तत्वरूपत्व (atiriktatvarūpa-tva) *n.* the state of being of excessive nature अनुनाद्रा(अनूनता)तिरिक्तत्वरूपत्वं च न (प्र)शस्यते BhelaS. 16.4 (1.9)

अतिरिक्तत्वस्वीकरण (atiriktatva-svīkaraṇa) *n.* acceptance of something being different प्रतियोगित्वानुयोगित्वयोरतिरिक्तत्वं स्वीकृत्यापि विषयताया अतिरिक्तत्वस्वीकरणस्यायुक्तत्वात् GuruCandr. i. 239.5.

अतिरिक्तत्वस्वीकार (atiriktatva-svīkāra) *m.* acceptance of something being different अभावत्वस्यातिरिक्तत्वस्वीकारे तदपि मिथ्या LaCandr. 326.21.

अतिरिक्तत्वायोग (atiriktatvāyoga) *m.* impossibility of being excessive न च नानात्मपक्षे सर्वेषां क्रमेण मुक्तावन्ते संसारोच्छेदः, अपरिमितानामन्त्यन्यूनातिरिक्तत्वायोगात् NyāyKu. 88.2.

अतिरिक्तत्वौचित्य (atiriktatvaucitya) *n.* propriety of something being different भेदस्यैवातिरिक्तत्वौचित्यात् भेदत्वस्य तत्स्वरूपत्वासंभवात् LaCandr. 792.29.

अतिरिक्तदक्षिणा (atirikta-dakṣiṇā) *f.* additional (sacrificial) fee यद्वा अतिरिक्तदक्षिणाकल्पाश्रयणाद् द्वादशवार्षिकेण सह विकल्प्यते Mitā. 434.4 (*on* 3.254)

अतिरिक्तदण्ड (atirikta-daṇḍa) *m.* additional fine तुशब्दः सुवर्णमाणिक्यादावतिरिक्तदण्डज्ञापनार्थः BālaKrī. i. 283.14 (*on* 2.247); न्यूने पणे पञ्चाशत्पणो दण्डः पूर्णे पणे शतं पणाः, द्विपणे शतद्वयम्, अतोऽतिरिक्तमूल्येऽतिरिक्तदण्डः कार्यः DīpKa. 69.5 (*on* 2.248)

अतिरिक्तदेह (atirikta-deha) *adj.* having additional (limbs of) the body ऊनातिरिक्तदेहाः … नलयोगे संप्रसूयन्ते Sārā. 21.45; हीनातिरिक्तदेहाश्च श्राद्धे वर्ज्याः प्रयत्नतः SaurP. 19.11.

अतिरिक्तदोषघ्ना (atiriktadoṣa-ghnā) *adj.* (*f.*) who destroys the defect of immoderation रिक्तेऽतिरिक्तदोषघ्ने सिद्धिमुक्तिप्रदे शुभे । …तिष्ठासिन् AgniP. 94.17.

अतिरिक्तदोषानुप्रवेश (atiriktadoṣānupraveśa) *m.* inclusion of additional defects ज्ञानत्वेऽप्यतिरिक्तदोषानुप्रवेशादप्रमा Kiraṇā. 318.4 = NyāyKuA. i. 75.1.

अतिरिक्तद्रव्य (atirikta-dravya) *n.* additional substance स ततोऽतिरिक्तद्रव्याश्रितः NyāyPari. 138.3; इतरबाधकसहकृतेन गुणत्वानुमानेनातिरिक्तद्रव्यसिद्धिः SarvaDaKau. 23.7.

अतिरिक्तद्रव्यत्व (atiriktadravya-tva) *n.* the state of being an additional substance तमसोऽतिरिक्तद्रव्यत्वेऽनन्तावयवादिकल्पना गौरवं च स्यात् SiddhāMu. 4.6 (*on* 2)

अतिरिक्तधर्म (atirikta-dharma) *m.* a different property स्वत एव विषयाघटितं तत्तदाकारत्वं तत्तद्विषयितारूपोऽतिरिक्तधर्मः GuruCandr. ii. 39.12.

अतिरिक्तधर्मकल्पन (atiriktadharma-kalpana) *n.* assumption of a different attribute or property अन्यथा तत्तदभावव्यक्तेरेवोक्तरीत्या स्वरूपतोऽवच्छेदकत्वसंभवेनातिरिक्तधर्मकल्पने मानाभावात् GuruCandr. ii. 31.14.

अतिरिक्तधर्मज्ञान (atirikta-dharmajñāna) *n.* knowledge of an attribute as different from (the *jīva*, its substratum) जीवस्य स्वप्रकाशज्ञानरूपत्वस्यावश्याभ्युपगन्तव्यतया तस्यैव तत्तद्वस्त्ववच्छेदेन तत्तद्विषयज्ञानत्वोपपत्तावतिरिक्तधर्मज्ञानकल्पने प्रमाणाभावात् S'ivārkaMaDī. ii. 144.27 (*on* ii. 3.20)

अतिरिक्तधर्मान्तर (atirikta-dharmāntara) *n.* another different property अत्र षष्ठे शास्त्रदीपिकायां पार्थसारथिः – नातिरिक्तधर्मान्तरकल्पनम् । तथा सति तत्सद्भावस्तस्य च प्रवृत्तिहेतुत्वं लिङादिनिष्ठत्वं तल्लक्ष्यत्वमिति चतुष्टयकल्पनाद्गौरवापत्तेः MīmāKau. iii(1). 22.5 (*on* i. 2.7)

अतिरिक्तनित्यवृत्तित्व (atiriktanityavṛtti-tva) *n.* existence in an eternal thing which is other than (the usual loci) बुद्धित्वं नित्यावृत्त्येवेत्यवगतमतः कथं तत्र नित्यवृत्तित्वावगम इति चेन्न उभयसिद्धनित्यावृत्तित्वावगमेऽप्यतिरिक्तनित्यवृत्तित्वावगतौ विरोधाभावात् TattvCin. ii(2). 49.2.

अतिरिक्तनिमित्तक (atiriktanimitta-ka) *adj.* having a different cause यन्निमित्तान्तरबाधे सति कार्यं तत् ततोऽतिरिक्तनिमित्तकम् SarvaDaKau. 20.8.

अतिरिक्तनिरूपण (atirikta-nirūpaṇa) *n.* explanation of the remaining ones अतिरिक्तनिरूपणस्य च लोकव्यवहारादृष्टाद्युपयोगाभावात् NyāySiA. 246.27.

अतिरिक्तपक्ष (atirikta-pakṣa) *m.* **i** the view that (similarity) is (an) additional (category) तदिदमतिरिक्तपक्षेऽपि तुल्यम् NyāySiA. 266.21; **ii** the view that something is different विषयीकरणं किं स्वरूपम् । उत तदतिरिक्तम् । … अतिरिक्तपक्षे तत्किं सत्यम् उत मिथ्या S'atDū. 197.21.

अतिरिक्तपदप्रयोग (atiriktapada-prayoga) *m.* use of superfluous word(s) न च प्रतीतिमनादृत्यैव लक्षणमस्तीत्येवातिरिक्तपदप्रयोगो युक्तः Vyakti-Vi. 78.23.

अतिरिक्तपदशक्ति (atirikta-padaśakti) *f.* additional significative power of word(s) पृषदाज्यशब्दस्य क्लृप्तावयवयोगेनैवोपपत्तौ द्रव्यान्तरस्य तत्र चातिरिक्तपदशक्तेश्च कल्पनायां प्रमाणाभावात् BhāṭṭDī. iii. 308.6 (*on* x. 4.25)

अतिरिक्तपदार्थ (atirikta-padārtha) *m.* a different or additional category or entity केचित्तु तार्किका अनयैवानुपपत्त्या विषयतामतिरिक्तपदार्थमाहुः SāṁkhyaPraBh. 44.22 (*on* 1.87); तस्मिन्नतिरिक्तपदार्थरूपतया आवयोस्तुल्ये GuruCandr. ii. 23.23; तच्च मीमांसकमते अतिरिक्तपदार्थः LaCandr. 372.22; समवायस्य नानात्वमते च द्वित्वादिसमवाय एव तत्पर्याप्तिर्न तु स्वरूपमतिरिक्तपदार्थो वेत्यन्यदेतत् VyutpaVā. 105.9.

अतिरिक्तपदार्थत्व (atiriktapadārtha-tva) *n.* the nature of being an additional category अत एवोपमानचिन्तामणौ सप्तपदार्थभिन्नतया शक्तिसादृश्यादीनामप्यतिरिक्तपदार्थत्वमाशङ्कितम् SiddhāMu. 3.2 (*on* 2)

अतिरिक्तपदार्थान्तर (atirikta-padārthāntara) *n.* another different or additional category एवं च सर्वथाप्यतिरिक्तपदार्थान्तरकल्पनमयुक्तमिति संक्षेपः VaiyāBhū. 190.18 (*on* 36)

अतिरिक्तपशु (atirikta-paśu) *m.* additional (sacrificial) animal (due to additional days) एतस्मिन्नवरात्रेऽतिरिक्तपशूनालभेरन् ĀśvaS'S. II. vi. 7.10; नवाहान्यतिरिच्यन्ते । तेषु गव्यानतिरिक्तपशूनालभन्ते ĀpaS'S. xxi. 23.3.

अतिरिक्तपूजा (atirikta-pūjā) *f.* excessive worship न्यूनातिरिक्तपूजायाः संपूर्णफलहेतवे । दक्षिणाम् … स्थापयामि GaṇeP. i. 49.60.

अतिरिक्तपृथक्त्व (atirikta-pṛthaktva) *n.* additional separateness अन्योन्याभावेनैव पृथक्त्वव्यवहारोपपत्तौ अतिरिक्तपृथक्त्वानङ्गीकाराच्च S'aṅkaVi.(Ā.) 260.6.

अतिरिक्तप्रकार (atirikta-prakāra) *m* different mode (of expression) पर्यायेण वाच्यादतिरिक्तप्रकारेण व्यङ्ग्येनोपलक्षितमुक्तमभिहितं पर्यायोक्तम् RasGaṅ. 549.10.

अतिरिक्तप्रकारता (atirikta-prakāratā) *f.* adjunctness which is different (from adjunct) अतिरिक्तप्रकारतादिस्वीकारे … लाघवम् GuruCandr. i. 235.11.

अतिरिक्तप्रकारत्व (atirikta-prakāratva) *n.* adjunctness which is different (from adjunct) अतिरिक्तप्रकारत्वविशेष्यत्वयोरेव कल्पने लाघवम् Guru-Candr. i. 236.9.

अतिरिक्तप्रकारान्तर (atirikta-prakārāntara) *n.* another different method दूषितप्रकारातिरिक्तप्रकारान्तरेण प्रधानानुमितौ च प्रधानस्य ज्ञातृत्वशक्तिवियोगात्त एव दोषाः प्रादुःष्युः BrahmSūBh.(Rā.) 475.11 (*on* ii. 2.7)

अतिरिक्तप्रतियोगिता (atirikta-pratiyogitā) *f.* counter-correlativeness which is distinct (from the counter-correlative) अतिरिक्तप्रतियोगितापक्षेऽनुपपत्त्यभावात् AlaṅkāKau.(Vi.) 9.2; अतिरिक्तप्रतियोगिताकल्पने गौरवम्

VyutpaVā. 118. 12.

अतिरिक्तप्रतियोगित्व (atirikta-pratiyogitva) *n.* different counter-correlativeness अतिरिक्तप्रतियोगित्वावश्यकत्वात् GuruCandr. i. 74. 3.

अतिरिक्तप्रदेशान्तर (atirikta-pradeśāntara) *n.* another different part or point (of contact) अनंशस्यापि चेत्संयोगः स्यात् संयुक्तप्रदेशातिरिक्तप्रदेशान्तराभावान्न द्वितीयः संयोगः IṣṭaSi. 2. 2.

अतिरिक्तप्रयोजक (atirikta-prayojaka) *adj.* different causative (factor) नीलत्वघटत्वरूपावच्छेदकद्वयसमावेशोपपन्ननीलघटत्ववत् नातिरिक्तप्रयोजककल्पनायामस्ति किंचिन्मानम् AdvaiSi. 404. 10.

अतिरिक्तप्रागभाव (atirikta-prāgabhāva) *m.* different antecedent or prior negation अतिरिक्तप्रागभावध्वंसयोः असिद्धेः GuruCandr. i. 87. 18.

अतिरिक्तप्रामाण्यापवाद (atiriktaprāmāṇyāpavāda) *m.* annulment of the state of being the means of valid knowledge different (from the Veda) न चैषामिह प्रामाण्याप्रतिपादनमतिरिक्तप्रामाण्यापवादप्रतिपादनार्हत्वादधिकरणस्य TantrVā. 162. 12 (*on* i. 3. 10)

अतिरिक्तफल (atirikta-phala) *n.* different fruit or result होमद्वयं च ···फलवतः कर्मणोऽङ्गमिति नातिरिक्तफलकल्पनापि MīmāKau. i. 199. 26 (*on* i. 4. 4)

अतिरिक्तबल (atirikta-bala) *adj.* possessing more power, more powerful अतिरिक्तबलेन वालिनासौ (सुग्रीवः) ··· । रिपुवत् परिभूय राज्यलोभाद् दृढसौभ्रात्रगुणच्छिदापविद्धः RāmC. 8. 27.

अतिरिक्तभक्ष (atirikta-bhakṣa) *m.* additional or different act of eating अतिरिक्तभक्षमप्राकृतकार्यतां चापेक्ष्य तथा कल्पनस्यैव युक्तत्वात् VaiyāBhū. 167. 10 (*on* 31)

अतिरिक्तभाव (atirikta-bhāva) *m.* **A** excess जीवस्त्वं जीवलोकस्य जीवस्तेऽन्यो न विद्यते । न्यूनातिरिक्तभावेन त्वमायुश्च शरीरिणाम् SaurP. 61. 42; **B** distinction यत्रापि दैवगतितोऽस्त्यतिरिक्तभावो रूपात् प्रतीतिविषयात् (शुक्त्यादौ) SaṁkṣeŚā. 1. 45 (i. 51. 8); (उपमेयोपमालङ्कारलक्षणस्य) तस्यानन्यथास्थितेः अतिरिक्तभावेन नावस्थानात् VakroJī. 201. 7; **C** different positive entity तत्र तत्र प्रसृतस्यालोकस्यान्धकारस्य वा तथात्वोपपत्तावतिरिक्तभावकल्पनानपेक्षणात् ŚivārkaMaDī. ii. 87. 29 (*on* ii. 2. 23)

अतिरिक्तभेद (atirikta-bheda) *m.* **A** other type of division धातुनामभागपदग्रहणात्तद्भागातिरिक्तभेदे न भवति यतिभ्रष्टत्वम् KāvyālaṅSū. ii. 2. 4; **B** extra mutual negation कथमतिरिक्तभेदपक्षेऽन्योन्याश्रयत्वम् NyāySu.(Ja.) 408B. 1 (*on* ii. 2. 8); नापि वैलक्षण्यं भेदः ··· विरुद्धलक्षणवत्त्वस्यातिरिक्तभेदतद्ग्रहाधीनत्वात् BhedaDhi. 80. 1.

अतिरिक्तभेदत्व (atiriktabheda-tva) *n.* the nature of a different mutual negation अतिरिक्तभेदत्वविशिष्टरूपेण घटादेः स्वातिरिक्तत्वेन स्वधर्मत्वात् LaCandr. 792. 30.

अतिरिक्तम् (ati-riktam) *adv.* to a larger extent, excessively कौसल्यातोऽतिरिक्तं च स तु शुश्रूषते हि माम् Rāmā. ii. 8. 10; निद्रालस्यं देहयत्नं केशविन्यासमेव च । आसक्तिमशने वस्त्रे नातिरिक्तं सता(?मा) चरेत् MahNirvāT. 8. 51.

अतिरिक्तमार्ग (atirikta-mārga) *m.* longer route केवलकाम्यानां तु युगपत् प्रसक्तिरेव नास्तीति कथं तन्त्रता । ··· न्यूनातिरिक्तमार्गगमनरूपतया समानकालताभावात् (त्रिस्थलीयात्रायाः) TristhaSe. 2. 15.

अतिरिक्तमूल्य (atirikta-mūlya) *n.* higher price न्यूने पणे पञ्चाशत्पणो दण्डः । पूर्णे पणे शतं पणाः । द्विपणे शतद्वयम् । अतोऽतिरिक्तमूल्येऽतिरिक्तदण्डः कार्यः DīpKa. 69. 5 (*on* 2. 248)

अतिरिक्तमृद् (atirikta-mṛd) *f.* extra (quantity of) earth मृदः पञ्चदशा मेध्या हस्तादीनां विशेषतः । अतिरिक्तमृदं दद्यान्मृदन्ते त्वद्भिरेव च (शौचम्) BrahmāṇḍP. ii. 14. 93.

अतिरिक्तयज्ञ (atirikta-yajña) *m.* additional sacrifice न ह खलु वा एषोऽग्निष्टोमो नोक्थ्यो न षोडशिमान् नातिरात्रः । अतिरिक्तयज्ञो ह वा एषः । अतिरिक्तो वै प्रजापतिः । प्राजापत्य एष यज्ञः । प्रजापतेरेवाप्त्यै JaimiBr. 2. 192.

अतिरिक्तयागान्तर (atirikta-yāgāntara) *n.* another different sacrifice सोमवाक्ये सोमस्य विधेयत्वेऽपि यागस्यापि श्रुतस्य विधेयत्वाङ्गीकारात् तस्यैव च सर्वदेवतासंबन्धोपपादकत्वोपपत्तेः न ग्रहणवाक्ये अतिरिक्तयागान्तरकल्पना MīmāKau. iii. 223. 18 (*on* ii. 2. 18)

अतिरिक्तयुक्ति (atirikta-yukti) *f.* application of an excessive (measure) विंशत्यङ्गुलः शतं नियतः पञ्चारत्निर्नरो दशपदो वा । हीनातिरिक्तयुक्त्या देहे देहे प्रमाणं तु MānŚS. 225. 4.

अतिरिक्तरसादिज्ञान (atirikta-rasādijñāna) *n.* different perception of taste etc. तस्य (मनसः) साधारणकारणस्य चक्षुर्जन्ययथार्थज्ञानजनकत्वे सत्यतिरिक्तरसादिज्ञानजनकत्वात् TattvPradī.(Ci.) 67. 6.

अतिरिक्तरूढि (atirikta-rūḍhi) *f.* additional convention or conventional signification दक्षिणदेशनिवासिप्राच्यसंततौ ··· प्राच्यसंततित्वज्ञाने सत्येव प्राच्यशब्दप्रयोग इति नाश्वकर्णादिशब्दवदतिरिक्तरूढिकल्पनाप्याशङ्कनीया MīmāKau. i. 106. 8 (*on* i. 3. 21); (प्रोक्षणीशब्दस्य) न च क्रूप्तावयवयोगेन प्रकृष्टोक्षणसाधनत्वरूपेणैव प्रवृत्त्युपपत्तौ अतिरिक्तरूढिकल्पनानुपपत्तिः MīmāKau. i. 237. 15 (*on* i. 4. 11); पङ्कजादिशब्दस्य मण्डूकादौ शक्तत्वेऽपि आलस्यादिनैव प्रयोगाभावोपपत्तेः नातिरिक्तरूढिकल्पनापत्तिः MīmāKau. i. 237. 23 (*on* i. 4. 11); BhāṭṭCin. ii. 63. 6 (*on* i. 4. 8)

अतिरिक्तलिङाद्यर्थ (atirikta-liṅādyartha) *m.* meaning of the potential suffix etc. which is different (from the point in question) साक्षादेवं च संबन्धः साध्यसाधनयोर्भवेत् । नातिरिक्तलिङाद्यर्थव्यवधानविडम्बना BṛĀraUBhVā. (Sambandha.) 643.

अतिरिक्तवत् (atirikta-va(n)t) *adj.* distinct from स्तनौ तु कुम्भप्रतिमौ सुदत्याः ··· । पिण्डौ तु पीनौ नवयौवनस्य न्यस्तौ शरीरादतिरिक्तवन्तौ JānaHa. 7. 10.

अतिरिक्तवपुस् (atirikta-vapus) *adj.* having a different form यत्रापि दैवगतितोऽस्त्यतिरिक्तभावो रूपात् प्रतीतिविषयादितरत्र रूपे । तत्राप्यबोधघटनां प्रति नाङ्गभावस्तस्यातिरिक्तवपुषोऽपुनरुक्तरूपात् SaṁkṣeŚā. 1. 45 (i. 51. 11)

अतिरिक्तवर्ण (atirikta-varṇa) *m.* distinct or separate speech-sound न च गकार उत्पन्न इति प्रतीतिरेव बाधिका । तस्याः व्यञ्जकनिष्ठध्वनिनिष्ठोत्पत्त्यादेः परम्परासम्बन्धेन वर्णनिष्ठविषयत्वेनाप्युपपत्तेरतिरिक्तवर्णासाधकत्वात् VaiyāBhū. 255. 22 (*on* 68); ममातिरिक्तवर्णतत्प्रागभावध्वंसकल्पनागौरवापत्तिर्नेति लाघवमतिरिच्यते VaiyāBhū. 255. 24 (68)

अतिरिक्तवर्धित (atirikta-vardhita) *adj.* grown extremely high दृष्टम्···हुताशनैर्वेष्टितमेव केवलम् । प्राकाररूपैरतिरिक्तवर्धितैः ···शिखोज्ज्वलैः । पुरम BrahmVaiP. i. 25. 3.

अतिरिक्तवादिन् (atirikta-vādin) *m.* propounder of an additional (category) अतिरिक्तवादिनां तु प्रागभावादिविकल्पदुःस्थत्वात् NyāySiA. 198. 21.

अतिरिक्तविक्रम (atirikta-vikrama) *adj.* possessing excessive power असुराधिपते गतेषु दास्यं भवदातङ्कभरान्नराधिपेषु । पतिरित्यतिरिक्तविक्रमेण प्रतिपत्तिर्भुवि मुच्यते त्वयैव Surath. 8. 14.

अतिरिक्तविनाश (atirikta-vināśa) *m.* destruction which is different (from the product) अतिरिक्तविनाशे बाधकानुरोधाद्वा ĀtmaTaVi. 238. 16.

अतिरिक्तविनाशानुभव (atiriktavināśānubhava) *m.* perception of a separate destruction मुद्गरपाताद्विनष्टो घट इति प्रतीत्यातिरिक्तविनाशानुभवात् TattvCin. i. 717. 8.

अतिरिक्तविरिक्त (atirikta-virikta) *adj.* purged too much अतिरिक्तविरिक्ते च दुर्विरिक्ते च वारणः(?णे) । लक्षणं वक्ष्यते राजन् Hastyāyur. 681. 1 (4. 24)

अतिरिक्तविशिष्टज्ञान (atirikta-viśiṣṭajñāna) *n.* additional determinate knowledge यत्र धूमत्वव्याप्त्योर्वैशिष्ट्यं प्रथममेव प्रत्यक्षेण युगपत् पक्षधर्मे भासते तत्र लाघवाद्व्याप्यत्वज्ञानत्वमेव कारणतावच्छेदकम् । न चैवमतिरिक्तविशिष्टज्ञानकारणत्वे गौरवं दोषाय TattvCin. ii(1). 501. 2.

अतिरिक्तविशिष्टाभाव (atirikta-viśiṣṭābhāva) *m.* separate negation of the qualified अथ विशिष्टविरोधित्वं विशेषणविशेष्यभावयोरनुगतं तदवच्छेदकमस्ति तयोः सत्त्व एव विशिष्टात्यन्ताभावसत्त्वादिति चेत्तर्हि विशिष्टविरोधित्वेनानुगतेन तयोरेव हि विशिष्टाभावत्वेन दाहव्यवहारादौ जनकत्वमस्तु । क्लृप्तं तदुपजीविनातिरिक्तविशिष्टाभावेन TattvCin. ii(2). 97. 2.

अतिरिक्तविशेष (atirikta-viśeṣa) *m.* additional specific characteristic (यत्रैकाग्रता तत्राविशेषात्) शर्करादिरहिते मनोऽनुकूले शुचौ देश इत्येतदतिरिक्तविशेषाग्रहणात् ··· देशकालयोरेकाग्रतायामविशेषः VedāntDī. 223. 22 (*on* iv. 1. 11)

अतिरिक्तविषय (atirikta-viṣaya) *adj.* [*f.* -ā] **A** concerned with a different (situation) आवाह्य देवतामन्यामर्चयंस्त्वन्यदेवताम् । उभाभ्यां लभते शापम् ··· । तदेतदतिरिक्तविषयम् TantrSā.(K.) 59. 1; **B** having a different object योगसामान्यजा प्रज्ञा श्रवणमननाभ्यामतिरिक्तविषया । विशेषार्थत्वात् YogSūVṛ. 1. 49; *m.* object other than (misery etc.) दुःखात्मकाद्यतिरिक्तविषयादर्शनात् TattvPrakā. 152B. 11 (*on* iii. 2. 10)

अतिरिक्तविषयकता (atiriktaviṣayaka-tā) *f.* the state of having a different object (राजकीयं स्वत्वं राजस्वत्ववान् पुरुषः) असम्मते च तादृशानुमित्योस्तथाविधवाक्यजन्याद्राजकीयः पुरुष इत्येतादृशबोधादतिरिक्तविषयकतया तत्र तादृशसामग्र्याः प्रतिबन्धकत्वकल्पनं नास्ति VyutpaVā. 83. 4.

अतिरिक्तविषयता (atirikta-viṣayatā) *f.* objectness as an extra cate-

gory अतिरिक्तविषयतापक्षे अयं वह्नित्वेनानुभवोऽवह्निवृत्तिवह्नित्वप्रकारकविषयताको न TattvCin. i. 259. 4; मनोवृत्तिमात्रस्यातिरिक्तविषयतास्वीकारेऽपि न क्षतिः GuruCandr. i. 152. 19; i. 159. 2; i. 120. 17; अथ तादृशविशिष्टरूपं अत्यन्तभिन्नं तर्हि भाषान्तरेणातिरिक्तविषयतैव स्वीकृता GuruCandr. i. 232. 2; LaCandr. 346. 23; ज्ञानार्थस्वरूपयोः संबन्धविशेषरूपस्य अतिरिक्तविषयतारूपस्य अभ्युपगमे चानिर्वचनीयत्वम् GuruCandr. i. 234. 23; ii. 53. 15; प्रत्यभिज्ञायाः गत्वगकारभेदविषयिण्या जातिविषयत्वकल्पनेऽपि नातिरिक्तविषयताकल्पनम् BhāṭṭCin. i. 134. 18 (*on* i. 1. 6); ज्ञानातिरिक्तविषयतायां मानाभावात् ··· । अतिरिक्तविषयतापक्षेऽप्येवमेव व्यवहारवैलक्षण्योपपत्तौ त्रैविध्यानौचित्यात् VaiyāBhū. 244. 6 (*on* 65); (स्फुरणार्थयोः) संसर्गश्च न संयोगः । रूपादौ तदयोगात् । समवाये स्फुरणस्य चाक्षुषत्वप्रसङ्गात् ··· । अतिरिक्तविषयताभ्युपगमे तस्या नित्यत्वे सर्वदा विषयभानप्रसङ्गात् ViraMi.(Bhakti.) 19. 29.

अतिरिक्तविषयत्व (atiriktaviṣaya-tva) *n.* the state of having a different object विशिष्टबुद्धेरतिरिक्तविषयत्वात् PrakaVi. 116. 9; नापि योगजन्यम् (प्रत्यक्षं प्रमाणं ब्रह्मणः) । भावनाप्रकर्षपर्यन्तजन्मनस्तस्य विशदावभासत्वेऽपि पूर्वानुभूतविषयस्मृतिमात्रत्वान्न प्रामाण्यमिति कुतः प्रत्यक्षता । तदतिरिक्तविषयत्वे कारणाभावात् BrahmSūBh.(Rā.) 137. 9 (*on* i. 1. 3); अन्यूनानतिरिक्तविषयत्वस्यातिरिक्तविषयत्वेऽपि सत्यमिथ्यार्थत्वयोर्दूषितत्वात् S'atDū. 192. 8.

अतिरिक्तवृत्ति (atirikta-vṛtti) *adj.* existing in additional (cases) इत्थं च कपोतमात्रवृत्तिशतत्वादिपर्याप्तावपि अतिरिक्तवृत्तिकपोतत्वादेरवच्छेदकतानिर्वाहात् VyutpaVā. 193. 21.

अतिरिक्तवेद्याभाव (atiriktavedyābhāva) *m.* absence of the object (of knowledge) as different (from its knowledge) अतिरिक्तवेद्याभावे च ज्ञानस्य सापि प्रतिज्ञा न सिध्यति PrakaVi. 539. 13.

अतिरिक्तवैलक्षण्य (atirikta-vailakṣaṇya) *n.* a different distinguishing characteristic अतिरिक्तवैलक्षण्यसिद्धावपि नास्माकं क्षतिः GuruCandr. ii. 29. 12.

अतिरिक्तव्यापार (atirikta-vyāpāra) *m.* activity different from (its coming into existence) अस्थायित्वादस्य जन्मनोऽतिरिक्तव्यापारासम्भव इति NyāyRa. 151. 17 (4. 55)

अतिरिक्तशक्ति (atirikta-śakti) *f.* **A** power as a different category नन्वेवमतिरिक्तशक्तौ साधकबाधकप्रमाणाभावान्निर्यं संशयः TattvCin. ii(2). 156. 1; न वा तत्त्वेनातिरिक्तशक्तेः सिद्धिः GuruCandr. ii. 39. 16; **B** different or distinct expressive capacity (of a word) शक्तिद्वयकल्पनस्य प्रामाणिकत्वात् अतिरिक्तशक्तिकल्पनागौरवप्रसङ्गाच्च मदनुमानं न प्रतिकूलतर्कपराहतम् PūrvottaVāNaMā. 108. 6; अश्वकर्णादौ तु शक्यसम्बन्धप्रतीत्यभावात् क्लृप्तावयवशक्तिबाधेनाप्यतिरिक्तशक्तिकल्पनमिति वैषम्यम् MimāKau. ii. 254. 3 (*on* iii. 2. 19); i. 187. 7 (*on* i. 4. 3); (निर्मन्थ्यशब्दविषये) प्रोक्षणीशब्दवदेव क्लृप्तावयवशक्त्यैव प्रयोगोपपत्तौ नातिरिक्तशक्तिकल्पनावसरः MimāKau. i. 242. 2 (*on* i. 4. 21); ii. 209. 2 (*on* iii. 1. 22); iii. 35. 19 (*on* ii. 1. 5); iii. 113. 18 (*on* ii. 1. 37); BhāṭṭDi. i. 220. 7 (*on* iii. 2. 6); i. 278. 8 (*on* iii. 3. 12); अन्यथा पङ्कजादिपदेऽपि पद्मत्वेनोपस्थितये अतिरिक्तशक्तिकल्पनं न स्यात् BhāṭṭCin. i. 109. 7 (*on* i. 1. 4); अपि च वृत्तिमात्रे अतिरिक्तशक्तेर्भवत्सिद्धान्तसिद्धत्वात् VaiyāBhū. 145. 20 (*on* 30); 212. 1 (*on* 45)

अतिरिक्तशुक्ल (atirikta-śukla) *adj.* having more semen एवं गच्छन् लक्षण्यं जनयेत् पुमान् स्त्रीतोऽतिरिक्तशुक्लः BālaKri. i. 82. 1 (*on* 1. 79)

अतिरिक्तसंसर्गज्ञान (atirikta-saṁsargajñāna) *n.* different or additional relational cognition भ्रान्तिवादिनापि ··· ग्रहणस्मरणयोरविवेक एष्टव्यः । तथा च तेनैवोभयसिद्धेन प्रवृत्तिसिद्धौ किमतिरिक्तसंसर्गज्ञानेन VivaPraSaṁ. 34. 9.

अतिरिक्तसंस्कार (atirikta-saṁskāra) *m.* **A** different embellishment न च स्तिमितमारुतापनयनव्यतिरिक्तः कश्चन श्रोत्रसंस्कारो विद्यते ··· अतिरिक्तसंस्कारकल्पनायां त्वदृष्टकल्पना NyāyMañ. i. 207. 15; यो यः संस्कारः क्वचित्सन्तान आहितः स तत्रैव फलाधानयोग्यो नान्यत्रेत्याद्यपि निरस्तम् । अतिरिक्तसंस्कारपक्षे हेतोर्व्यधिकरणत्वात् ĀtmaTaVi. 801. 7; **B** different impression घटादीनामनन्तत्वेन तेषु वृत्तिकल्पनापेक्षया तेषु अतिरिक्तसंस्कारस्वीकारे महागौरवात् LaCandr. 396. 35.

अतिरिक्तसंख्यापलाप (atiriktasaṁkhyāpalāpa) *m.* denial of number as different (from the numbered objects) एकादिशब्दैः सङ्ख्योक्तौ, आत्माश्रयत्वात्, द्रव्यस्वरूपोक्तौ, अतिरिक्तसंख्यापलापप्रसङ्गात् TarkSaṁ.(Ā.) 63. 10.

अतिरिक्तसत्ता (atirikta-sattā) *f.* existence as a different category अतिरिक्तसत्तामभ्युपगच्छन्तं प्रत्याह VedāntKa. 11. 14 (*on* i. 1. 1); परेषां सामान्यादावतिरिक्तसत्ताभावे(ऽपि) नासत्त्वम् NyāySu.(Ja.) 368A. 13 (*on* ii. 2. 6)

अतिरिक्तसद्भाव (atirikta-sadbhāva) *m.* [Loc.] in case some are left out समुदायवधे प्रायश्चित्तमेतत् ।··· अतिरिक्तसद्भावे न तन्निमित्तं स्यात् ManuBh. ii. 409. 27 (*on* 11. 130)

अतिरिक्तसमवाय (atirikta-samavāya) *m.* different or additional relation of inherence अतिरिक्तसमवायानभ्युपगमाच्च सिद्धसाधनत्वं च NyāySiA. 192. 12; क्लृप्तमतिरिक्तसमवायकल्पनया S'ivārkaMaDī. ii. 73. 23 (*on* ii. 2. 12); अतिरिक्तसमवायकल्पने गौरवात् GuruCandr. i. 34. 7.

अतिरिक्तसमुदायशक्ति (atirikta-samudāyaśakti) *f.* additional expressive power of the whole group (i. e. word as a whole) वाक्यार्थे ··· क्लृप्तावयवशक्त्यैव विशिष्टार्थबोधोपपत्तौ अतिरिक्तसमुदायशक्तिकल्पने प्रमाणाभावात् MimāKau. i. 238. 9 (*on* i. 4. 11)

अतिरिक्तसम्बन्ध (atirikta-sambandha) *m.* different relation द्रव्यगुणकर्मजातितद्वताम् ··· सम्बन्धः ··· विना बाधकं नोपेक्षितुं युज्यते ··· तस्मादतिरिक्तसम्बन्धे क्षणभङ्गसाधनं बाधकमवशिष्यते NyāyVārPari. 624. 9; अधिकरणाभावयोरतिरिक्तसम्बन्धाभावादिति चेत् TattvCin. ii(2). 101 7; ii(2). 172. 16; नार्थान्तरत्वमुररीकृत्य विकल्पः संभवति इत्यात्मसिद्धावुक्तं तदपि ··· अतिरिक्तसम्बन्धाभावपरम् NyāySiA. 242. 11; (प्रत्ययः) किमयं स्वसम्बन्धनिबन्धनः किं वातिरिक्तसम्बन्धाधीनः NyāySu.(Ja.) 216A. 3 (*on* i. 4. 6); अतिरिक्तसम्बन्धे बाधकाभावात् Upask. 350. 13 (*on* vii. 2. 26); अतिरिक्तसम्बन्धकल्पने मानाभावात् AdvaiSi. 465. 15; 466. 2; तस्यातिरिक्तसम्बन्धादिकल्पने गौरवम् GuruCandr. ii. 393. 13.

अतिरिक्तसंभावना (atirikta-sambhāvanā) *f.* the possibility of a different entity तथा धूमो वह्निव्याप्य इति निश्चयेऽपि धूमत्वं तत्तद्धूमभिन्नवृत्ति न वेति संशयकाले समानविषयकसंशयस्याप्रतिबन्धकतायामतिरिक्तसंभावनाया उत्तेजकत्वात् LaCandr. 339. 42.

अतिरिक्तसहित (atirikta-sahita) *adj.* possessed of something additional प्रमापि सम्यङ्मिथ्याबोधसाधारणादतिरिक्तसहिताज्जायते NyāyPari. 379. 4.

अतिरिक्तसामग्री (atirikta-sāmagrī) *f.* additional means अतिरिक्तसामग्रीजन्यत्वकल्पनायां कल्पनागौरवमेव दोषः SarvaDaKau. 120. 3.

अतिरिक्तसामान्य (atirikta-sāmānya) *n.* additional or different category of generality अतिरिक्तसामान्यमभ्युपगच्छतोऽपि हि तदुपलक्षणं संस्थानमिष्टम् NyāyPari. 500. 10.

अतिरिक्तसोम (atirikta-soma) *adj.* (sacrifice) in which the *soma* is in excess अतिरिक्तसोमो वा एष यदाश्विनम् KauṣīBr. 18. 1 (78. 19); *m.* additional *soma* (cup) किंदेवत्या उ खल्वतिरिक्तसोमा भवन्ति BaudhS'S. iii. 284. 4; iii. 161. 3.

अतिरिक्तस्तोत्र (atirikta-stotra) *n.* additional laud त्रिवृत्सन्धिरग्निवृत्प्रथममतिरिक्तस्तोत्रमथ पञ्चदशमथ सप्तदशमथैकविंशम् PañcBr. xx. 3. 1; किंदेवत्यानि खल्वतिरिक्तस्तोत्राणि भवन्ति BaudhS'S. iii. 316. 6; iii. 178. 18; ii. 360. 4; तथातिरिक्तस्तोत्रेषु BaudhS'S. iii. 370. 3 = LāṭyāS'S. ii. 5. 25; अतिरिक्तस्तोत्राय होतृचमसमनुख्या ᳕ श्चमसानुन्नयति HirS'S. xiii. 2. 28; गायत्रच्छन्दसातिरिक्तस्तोत्रेष्विति गौतमः LāṭyāS'S. iii. 1. 28; ix. 5. 23.

अतिरिक्तस्फोट (atirikta-sphoṭa) *m.* *sphoṭa* different (from articulate sounds) वर्णानामेव वाचकत्वोपपत्तौ नातिरिक्तस्फोटकल्पनावकल्पते SarvaDaSaṁ. 13. 168; तथा चातिरिक्तस्फोटकल्पन एव गौरवम् VaiyāBhū. 257. 9 (*on* 69); 257. 13 (*on* 69)

अतिरिक्तस्वतन्त्रादृष्ट (atiriktasvatantrādṛṣṭa) *n.* different and independent unseen कर्मगतादृष्टस्यावर्जनीयत्वे तस्यादृष्टार्थावबोधलक्षणफलोत्पादनेन चरितार्थतायां च ततोऽतिरिक्तस्वतन्त्रादृष्टं तत्फलं वा कल्पयितुमशक्यम् VivaPraSaṁ. 159. 14.

अतिरिक्तहान (atirikta-hāna) *n.* relinquishment of the other ज्ञानरूपात्महानस्यायत्नसिद्धेः अतिरिक्तहानस्याशक्यत्वात् TattvCin ii(2). 183. 2.

अतिरिक्ता (atiriktā) *f.* name of one of the tongues of Fire, TantrRā. 29. 76. cf. **अतिरक्ता.**

अतिरिक्ताकथन (atiriktākathana) *n.* non-statement about different (locus) अतिरिक्ताकथने वक्ष्कत्वमाशङ्क्य AṇuBh. 113. 24 (*on* i. 4. 19)

अतिरिक्ताकार (atiriktākāra) *m.* different or additional feature भ्रमसहकारादतिरिक्ताकारविषयत्वं निवर्तकत्वे प्रयोजकम् S'rutaPra. iB. 2. 15 (*on* i. 1. 1); S'atDū. 52. 2.

अतिरिक्ताक्ष (atiriktākṣa) *adj.* possessing an extra (third) eye श्वेतवर्णातिरिक्ताक्षम् ··· । अपवत्समिति प्रोक्तम् MānaSā. 7. 87.

अतिरिक्ताक्षरसंख्या (atiriktākṣara-saṅkhyā) *f.* number of additional syllables मृत्युमतिक्रान्तमतिरिक्ताक्षरसंख्यया इत्यतिमृत्यु साम ChāndoUBh. 101. 15 (*on* ii. 10. 1)

अतिरिक्ताक्षेप (atiriktākṣepa) *m.* implication of an additional thing अतिरिक्ताक्षेपे प्रमाणाभावात् NyāySu.(So.) 16. 33 (*on* i. 2. 4)

अतिरिक्ताखण्डधर्म (atiriktākhaṇḍadharma) *m.* a different impartite property असाधारणधर्मेति घटत्वादिरूपः अतिरिक्ताखण्डधर्मो वेति भावः LaCandr. 791. 41.

अतिरिक्ताखण्डरूप (atiriktākhaṇḍa-rūpa) *adj.* having the nature of a different impartite (thing) अतिरिक्ताखण्डरूपस्य वा कारणत्वस्य … ऐक्य-संभवात् GuruCandr i. 170. 12.

अतिरिक्ताग्र (atiriktāgra) *n.* remaining tip or point समीकृत्यातिरिक्ताग्राण्यनखं विनिकृन्तयेत् PāraS. 7. 72.

अतिरिक्ताङ्ग (atiriktāṅga) *adj.* [*f.* –ī] having an extra limb, possessed of a redundant limb हीनाङ्गान्यतिरिक्ताङ्गानि विकृतरूपाणि वा जायन्ते ṢaḍviBr. v(vi). 11. 2; न च हीनातिरिक्ताङ्गं क्वचित् कुर्यात् पुरोहितम् AVPari. iii. 2. 3; MahāBhā. xiii. 107. 59; ManuSm. 4. 141; BṛYamaSm. 3. 34; ViṣṇuSm. 45. 10; वर्जयेदतिरिक्ताङ्गीं कन्याम् BṛParāSm. 6. 28; 6. 198; 7. 6; YājñaSm. 1. 222; 3. 211; VṛGautaSm. 600. 23(14); हीनाङ्गश्चातिरिक्ताङ्गो ह्यवकीर्णी तथैव च KūrmaP. 603. 7 (2. 21); AgniP. 370. 34; ViṣṇuDhaP. i. 143. 11; अतिरिक्ताङ्गो न (आचार्यः) LakṣmīT. 21. 33; S'aṅkhaSm. 14. 2; MayaMa. 5. 15; VāstuVi. 1. 13; CaturCin. iii(1). 469. 1; स्थपतिः … न हीनाङ्गोऽतिरिक्ताङ्गः S'ilpaRa. i. 1. 34; BālamBha. i. 501. 19 (*on* 1. 225)

अतिरिक्ताङ्गता (atiriktāṅga-tā) *f.* the state of having an extra limb मायावित्वं च मूकत्वमतिरिक्ताङ्गता क्रमात् । अवाक्त्वं धान्यहर्तॄणाम् BṛParāSm. 12. 175(25)

अतिरिक्ताङ्गत्व (atiriktāṅga-tva) *n.* the state of having an extra limb शरीरलक्षणैः काणकुब्जकुनखिश्वित्रिश्यावदन्तत्वहीनातिरिक्ताङ्गत्वादिविपरीतैः शरीरधर्मैः उपेतान् … ब्राह्मणानुपमन्त्रयेत् CaturCin. iii(1). 1133. 2; ManvaMu. 459. 19 (*on* 11. 50)

अतिरिक्ताज्ञान (atiriktājñāna) *n.* separate nescience अतिरिक्ताज्ञानस्य परिणामित्वेन कल्पनौचित्यात् GuruCandr. iii. 2. 22.

अतिरिक्तात्मन् (atiriktātman) *m.* separate Soul or Self अतिरिक्तात्मसद्भावे प्रमाणाभावादिह एवात्मा PrakaVi. 907. 13; VedāntKa. 465. 14 (*on* iii. 3. 53); SarvaDaKau. 23. 1; BhedaDhi. 41. 2.

अतिरिक्ताधारता (atiriktādhāra-tā) *f.* additional state of being a substratum अतिरिक्ताधारताकल्पने गौरवम् GuruCandr. i. 29. 21; तदा समवायस्यापि तद्वैलक्षण्येनातिप्रसङ्गवारणादतिरिक्ताधारतायां मानाभावात् VyutpaVā. 187. 8.

अतिरिक्तानभिधान (atiriktānabhidhāna) *n.* non-expression of the additional one किं तस्मादन्योऽन्तर इत्येवंकारमश्रवणादतिरिक्तानभिधानम् PrakaVi. 116. 20.

अतिरिक्तानुसंधान (atiriktānusandhāna) *n.* thought of a different thing तावतैव साधनानुष्ठानतत्फलयोः सिद्धेरतिरिक्तानुसंधाने प्रयोजनाभावात् BrahmSūBh.(Rā.) 667. 15 (*on* iii. 3. 51)

अतिरिक्तापूर्वान्तर (atiriktāpūrvāntara) *n.* another additional 'unseen result' (*apūrva*) नातिरिक्तापूर्वान्तरकल्पनायां प्रमाणमस्ति MīmāKau. iii(2). 60. 11 (*on* ii. 1. 6)

अतिरिक्तापेक्ष (atiriktāpekṣa) *adj.* dependent on something more or additional यद्यस्मिन् सति कार्यं कदाचिद् भवति तत् तस्मादतिरिक्तापेक्षम् Kiraṇā. 152. 18.

अतिरिक्तापेक्षा (atiriktāpekṣā) *f.* need for anything more or additional प्रकृते कार्यारम्भाभिमुख्यमुद्बोधश्चेत्तद्धेतुर्व्यापारोऽनुष्ठानमेव नातिरिक्तापेक्षेति परिहरति MayūMāli. 236. 19 (*on* iii. 3. 4); 237. 15 (*on* iii. 3. 4)

अतिरिक्ताभाव (atiriktābhāva) *m.* negation or non-existence as a different (entity or category) नन्वतिरिक्ताभावपक्षे यथा पटः पटान्तराभाववांश्च … इति न कश्चिद्विरोधः ĀtmaTaVi. 249. 1; किमतिरिक्ताभावकल्पनया TattvPradī.(Ci.) 284. 10; अतिरिक्ताभावे किं मानमिति चेत् TattvCin. i. 696. 13; i. 715. 4; SarvaDaSaṁ. 16. 467; NyāyPari. 493. 14; अतिरिक्ताभावविवक्षायां च सद्वितीयत्वं तेनैवाभावेन तत्प्रतियोगिना च सत्येन(? सत्यत्वेन) दुस्त्यजम् S'atDū. 184. 1; AdvaiSi. 752. 8; अतिरिक्ताभावानभ्युपगमेऽपि क्षतिविरहात् GuruCandr. i. 74. 4.

अतिरिक्ताभेद (atiriktābheda) *m.* identity or non-difference which is separate (from the thing in question) तथा घटादावपि 'सोऽयं घटः' इत्यादिज्ञानस्य स्वरूपसंबन्धविशेषेण घटादिविषयत्वमेव केवलघटशब्दादिजन्यज्ञानव्यावृत्तं तदभेदज्ञानत्वम् । अतिरिक्ताभेदानिरूपणात् SiddhāLeSaṁ. 422. 3.

अतिरिक्तार्थ (atiriktārtha) *adj.* having a different meaning यानि त्वतिरिक्तार्थानि … तानि … अप्रमाणम् TantrVā. 1. 16 (*on* i. 2. 1); NyāySu. (So.) 5. 21 (*on* i. 2. 1)

अतिरिक्तार्थत्व (atiriktārtha-tva) *n.* the state of having something different as meaning अन्यथा मात्रशब्दस्यातिरिक्तार्थत्वप्रसङ्गात् MānaMe. 296. 6.

अतिरिक्तावच्छेदकत्व (atiriktāvacchedaka-tva) *n.* different delimiting characteristic अनतिरिक्तवृत्तित्वरूपावच्छेदकत्वमादायैव शास्त्रे तदवच्छेदकत्वव्यवहारात् अतिरिक्तावच्छेदकत्वाकल्पनात् GuruCandr. i. 138. 15.

अतिरिक्तावयविद्रव्य (atiriktāvayavidravya) *n.* whole substance which is different from (its parts) नवमेऽतिरिक्तावयविद्रव्यस्य साधनात् MayūMāli. 476. 13 (*on* vi. 3. 11)

अतिरिक्तावयविन् (atiriktāvayavin) *m.* whole which is separate (from its parts) एकमिदं द्रव्यमिति बुद्धिरतिरिक्तावयविनमवगाहते MayūMāli. 587. 23 (*on* ix. 1. 7); तत्राप्यतिरिक्तावयव्यसिद्ध्यापत्तिः VaiyāSiMañ. 224. 9.

अतिरिक्तावरण (atiriktāvaraṇa) *n.* different obscuring factor न चान्यथासिद्धिः । इतोऽतिरिक्तावरणस्य मूर्तद्रव्यस्यात्मनि निरवयवे सर्वगते दुःसंपादत्वात् VivaPraSaṁ. 25. 6.

अतिरिक्ताविषयत्व (atiriktāviṣaya-tva) *n.* the state of not having something else as an object अतिरिक्ताविषयत्वे तस्यैवानुपपत्तिः AdvaiSi. 458. 10.

अतिरिक्ताश्रयत्व (atiriktāśraya-tva) *n.* the state of having something else as abode, existence in different substance तत एव हेतोरतिरिक्ताश्रयत्वं सिध्यति NyāyPari. 137. 9.

अतिरिक्तासमवायिसाधन (atiriktāsamavāyisādhana) *n.* establishing a distinct non-inherent cause न च अतिरिक्तासमवायिसाधने मनःसंयोगसिद्ध्या मनःसिद्धिः TarkSaṁ.(Ā.) 53. 15.

अतिरिक्तासिद्धि (atiriktāsiddhi) *f.* non-establishment of its being a different one व्यञ्जकाभिमतादेव व्यवहारसिद्धौ अतिरिक्तासिद्धेश्च TattvCin. iii. 9. 2 (comm. तस्यातिरिक्तपदार्थत्वासिद्धेः)

अतिरिक्तास्फूर्ति (atiriktāsphūrti) *f.* non-manifestation of anything else (than happiness) विरहभावे तु विशेषतः प्रियस्वरूपातिरिक्तास्फूर्त्यान्नप्राणादिरूपः स एवेति ज्ञापनाय तत्तद्रूपत्वमुच्यते AṇuBh. 33. 6 (*on* i. 1. 11)

अतिरिक्तेतिकर्तव्यताकाङ्क्षा (atiriktetikartavyatākāṅkṣā) *f.* expectancy of additional procedure न चाङ्गत्वाभावेऽप्याश्रयस्य सतः प्रसङ्गेनेतिकर्तव्यताकाङ्क्षानिवर्तकत्वोपपत्तेः नातिरिक्तेतिकर्तव्यताकाङ्क्षेति वाच्यम् MīmāKau. iii. 275. 12 (*on* ii. 2. 25)

अतिरिक्तेन्द्रियविषय (atiriktendriya-viṣaya) *adj.* referring to sense-organs which are different (from their physical bases) यथा चक्षुरादिशब्दाः लौकिकानां गोलकादिविषया अपि शास्त्रकाराणामतिरिक्तेन्द्रियविषयाः PrakaVi. 297. 19.

अतिरिक्तेन्द्रियसद्भाव (atiriktendriya-sadbhāva) *m.* existence of the sense-organs different (from their physical bases) आगमप्रामाण्यादतिरिक्तेन्द्रियसद्भावोऽध्यवसेयः PrakaVi. 607. 19.

अतिरिक्तैकत्व (atiriktaikatva) *n.* distinct oneness तज्जातित्वे सति, अगुणत्वसंख्यात्वैकत्वानामन्यतमत्वं तत्, अतिरिक्तैकत्वसमवेतपरापरजात्यनङ्गीकारा(त्) TarkSaṁ.(Ā.) 2. 19.

अतिरिक्तोक्थ (atiriktoktha) *n.* additional litany अथ यत् समूढस्यातिरिक्तोक्थमुपयन्ति तेनातिरिक्तोक्थमाप्नुवन्ति KausīBr. 27. 3 (131. 3); 27. 4 (131. 21); 30. 11 (146. 23); तस्मादेतान्यतिरिक्तोक्थानि कार्याणीति JaimiBr. 2. 112; ता अतिरिक्तोक्थे वारवन्तीयेनावारयंस्तस्मादेषोऽतिरिक्तोक्थवान्भवति GopBr. ii. 5. 9; ऊर्ध्वमाश्विनात् अतिरिक्तोक्थानि ĀśvaS'S. II. iii. 11. 13 (but comm. अतिरिक्तोक्थानीति शस्त्रनाम); इति समूल्हेऽतिरिक्तोक्थम् S'āṅkhāS'S. x. 13. 25; अतिच्छन्दस इति वाजपेयसाम्न्यतिरिक्तोक्थेषु च JaimiS'S. 16.

अतिरिक्तोपादान (atiriktopādāna) *n.* acceptance of something different (as the meaning) न चतुर्थः (अखण्डार्थपरत्वम् विशेष्यमात्रपरत्वम्) । विशेष्यस्वरूपस्यैव मात्रशब्देनोपादाने सिद्धसाधनत्वात्, अतिरिक्तोपादाने विवक्षितासिद्धेः S'atDū. 160. 18.

अतिरिक्तोपादानत्व (atiriktopādāna-tva) *n.* distinct or different nature of material causes अतिरिक्तोपादानत्वाभावेन कर्तृत्वोपादानत्वयोः सामानाधिकरण्योक्त्ययोगात् AdvaiSi. 759. 14.

अतिरिक्तोपाधि (atiriktopādhi) *m.* additional adventitious condition जीवसमूह एवेश्वर इत्यापद्येत । अतिरिक्तोपाधेरभावात् SiddhāTa. 47. 9.

अतिरिक्तौषधादि (atiriktauṣadhādi) *adj.* different medicine etc. रसश्चाद्यं रसमाहुर्यदि वातिरिक्तौषधादि द्रष्टव्यम् ManuBh. ii. 471. 6 (*on* 12. 67)

अतिरिच् (ati-ric-) VII. P. (mostly *pass.*) [with *abhi* in the Kṛṣṇa YV. with *ati* in the MahāBhā. (iii. 131. 26 v. l.), with *vi* in the Rāmā.]

1 to extend beyond, to surpass, to be superior to, (caus.) to cause to be superior 2 to be in excess, to exceed, to remain as surplus, (caus.) to make redundant, to leave behind as excess, to do (something) in excess 3 to be greater in degree (i. e. worse than) 4 to be distinct or different from, to exist as a distinct entity to be other than (in relation or affection), (caus.) to differentiate 5 to evacuate, to be empty 6 (active) to give out, to discharge profusely 7 to increase, to be augmented 8 to go beyond (a certain stage) 9 to be void of (importance), to be lacking in (gravity) 1 to extend beyond, to surpass, to be superior to (caus.) to cause to be superior [with Acc. (ṚV.) and Abl. (Epics), with Gen. twice] स जातो अत्यरिच्यत पश्चाद् भूमिमथो पुरः ṚV. x. 90. 5; यस्य दिवमति मह्ना पृथिव्याः पुरुमायस्य रिरिचे महित्वम् ṚV. vi. 21. 2; न त्वामिन्द्राति रिच्यते ṚV. viii. 92. 14; viii. 92. 22; TaiS. I. iv. 46. 1; VājaS. 31. 5; अति हि सा यज्ञमरिच्यतातिरिक्तस्य दक्षिणा स्यात् PañcBr. vi. 1. 5; xii. 13. 2; तेषामति त्रीण्यरिच्यन्त TaiBr. I. v. 12. 1; I. vi. 5. 5; अथ सदः प्रेक्षते।··· मा त्वा सदस्या अतिरिक्षत S'atBr. IV. iii. 4. 18; अग्निं ह वा अस्मिन् लोके न किञ्चनातिरिच्यते JaimiBr. 3. 251; वाचं वावेदं सर्वं नातिरिच्यते JaimiBr. 3. 109; न मामिन्द्रातिरिच्यत इत्येतेन पिबेत् SāmaViBr. iii. 1. 5; न्यास इति ब्रह्मा ब्रह्मा हि परः परो हि ब्रह्मा तानि वा एतान्यवराणि तपांसि न्यास एवात्यरेचयत् TaiĀ. x. 62. 1 (884. 2); उशीनरो वै यज्वेष्ट्वा वासवादत्यरिच्यत MahāBhā. iii. 130. 17; iii. App. 1(21); v. 63. 8; xii. 50. 29; नीलोऽञ्जिसदृशप्रभः। तेजसा यशसा वीर्यादत्यरिच्यत वानरान् Rāmā. i. 491*(8); vii. 1. 33; उपाध्यायान् दशाचार्य आचार्याणां शतं पिता। सहस्रं तु पितॄन् माता गौरवेणातिरिच्यते ManuSm. 2. 145; VasiSm. 13. 17; VṛGautaSm. 600. 20 (14); सप्ताङ्गस्येह राज्यस्य विष्टब्धस्य त्रिदण्डवत्। अन्योन्यगुणवैशेष्यान्न किंचिदतिरिच्यते ManuSm. 9. 296; 12. 25; ब्रह्मयज्ञादपि ब्रह्मदानमेवातिरिच्यते GobhiSm. 2. 59; तथापराह्णः पूर्वाह्णात् पितॄणामतिरिच्यते MārkP. 31. 36; इत्येता वै महाभागाः कन्या हिमवतः शुभाः। रुद्राणी सा तु प्रवरा स्वगुणैरतिरिच्यते VāyuP. ii. 11. 20; अत्यरिच्यत भूतात्मा भास्करं स्वेन तेजसा VāyuP. ii. 36. 79; BrahmāṇḍP. ii. 73. 79; पुष्यस्नानं समाचरेत्।··· मङ्गलं चापरं नास्ति यदस्मादतिरिच्यते BṛSaṁ. 48. 84; AgniP. 149. 6; KuṭṭaMa. 782; अत्यरेचयदित्युक्तः न्यासः श्रुत्यात एव हि UpadeSā. 132. 20; ĪśopaBh. 8. 11 (on 2); विरोधे कर्मधुर्याणां तेषां नाभातिरिच्यते NītiSā. 5. 49; (रामरावणौ) नानाविधानि शस्त्राणि शस्त्रैर्नानाविधैरपि। इमौ हि प्रतिकुर्वाते न कश्चिदतिरिच्यते AnargháRā. 6. 62; सागरः। चक्रे गोष्पदवद्विलङ्घितवतोऽप्यन्तर्भयं मारुतेः पूर्णत्वादरिच्यते हि महतस्तुच्छस्य दुर्लङ्घ्यता AnargháRā. 7. 84; पौरुषमेवातिरिच्यते सर्वेभ्यः PārāSū. 61. 4; श्वपचोऽपि कुलज्ञानी ब्राह्मणादतिरिच्यते KulārT. 2. 67; MahNirvāT. 4. 42; भूमिमित्रहिरण्यानां मित्रमेवातिरिच्यते BṛKathāS'loSaṁ. 10. 9; अष्टावक्रस्य दुहिता ··· या चरिताकारैः सावित्रीमतिरिच्यते BṛKathāS'loSaṁ. 12. 40; अप्रार्थितानि दुःखानि यथैवायान्ति देहिनाम्। सुखान्यपि तथा मन्ये दैवमत्रातिरिच्यते BṛNāraP. 7. 74; Tantrākhyā. 78. 12; PārśvC. 2. 810; Hitopa. 1. 125; SūktiRa. 35. 13; S'ārṅgaP. 313; BhojPra. 33. 24; Subhāṣi. 2661 (All but the first two read दैन्य for दैव); त्वत्तो विराट् समुत्पन्नः ···। सोऽतिरिच्यत भूतेभ्यस्तेजसा BrahmP. 178. 161; तद्वज्रादतिरिच्य (read च्य) ते लघुतराद् वज्राभिधोऽयं गुरुः EI. vi. 356. 75; युवयोरतिरिच्यते। लेखाधानाम् ··· तपःप्रभावः BhaviP. 166A. 15 (i. 115. 6); देवेदं भारतं वर्षं दिवोऽप्यत्यतिरिच्यते TriṣaS'aPuC. i. 2. 332; गुर्वाज्ञाकरणं सर्वगुणेभ्यो ह्यतिरिच्यते TriṣaS'apuC. ii. 1. 194; ii. 3. 86; ii. 6. 663; कलत्रमित्रयोर्नूनं कलत्रमतिरिच्यते PañcT. 376. 4 (4. 2); स्वभाव एवात्र तथातिरिच्यते Hitopa. 1. 13; अश्वमेधसहस्राणि सत्यं च तुलया धृतम्। अश्वमेधसहस्रस्य सत्यमेवातिरिच्यते Hitopa. 4. 136; शस्त्रे शास्त्रे च केनापि मा स्म पार्थोऽतिरिच्यताम् PāṇḍaC. 3. 324; तथापि नात्यरिच्यन्त पार्थेभ्युभ्यस्तदाशुगाः PāṇḍaC. 10. 386; तमःस्तोमापहः कोऽपि किं सूर्यादतिरिच्यते MalliC. 1. 491; तदेवं भगवत्प्राप्तिः कैवल्यादतिरिच्यते NyāyKu. 197. 5; अखण्डब्रह्मानन्दानुभवः युगपत् सर्ववैषयिकसुखावाप्तेरतिरिच्यते S'ivārkaMaDī. i. 226. 15 (on i. 1. 16); अतिरिच्यते खल्वयमसाधारणेन भुवनधुरंधरेण भूम्ना मन्दरगन्धमादनप्रभृतिभ्यो महामहीधरेभ्यः PārvPa. 1. 11(1); निष्कलङ्कं मुखं चन्द्रादतिरिच्यते CitraMī. 5. 18; Kuval. 20; 2 to be in excess, to exceed, to remain as surplus, (caus.) to make redundant, to leave behind as excess, to do (something) in excess यक्ष्मं पृथिव्यामेकवृद्धेककृतुर्नाति रिच्यते AV. iii. 9. 26; सोऽब्रवीद्यदिमान् लोकानभ्यतिरिच्याते तन्ममासदिति तद्रिमान् लोकानभ्यत्यरिच्यत TaiS. II. iii. 6. 1; यदेकयाघारयेदेकां प्रीणीयात् ··· यत् तिसृभिरति तद्रेचयेत् TaiS. II. v. 11. 4; षडक्षराण्यतिरेचयन्ति TaiS. VI. vi. 11. 5; द्वे चर्चावतिरिच्येते TaiS. VII. iv. 10. 2; अत्येवं सोमोऽरेचि MaiS. iv. 7. 4; KāṭhS. 34. 1; यदिहोनमकर्म यदत्यरीरिचाम। प्रजापतिं तत्पितरमप्येत्विति वाचं विसृजन्ते AitBr. 24. 5 (640); नर्चा सामातिरेचयन्तीति नर्चं साम्ना JaimiBr. 1. 127; यद् व्याहुर् अतिरेचयन्ति तस्मान्न व्युच्यम् PañcBr. iv. 8. 8; यद् वै यज्ञस्यातिरिच्यते भ्रातृव्यस्तेन यजमानस्य प्रत्युचमी भवति TaiS. III. iv. 1. 4; KauṣīBr. 18. 1 (78. 19); TaiBr. I. iv. 5. 1; ṢaḍviBr. iii. 7 (IV. 1). 17; अथ संप्रेष्यति।··· नेतर्होतुश्चमसमनून्नय सोमं मा(? मा)तिरीरिच इति S'atBr. IV. iv. 2. 17; यत्कर्मणात्यरीरिचम् ···अग्निष्टत् ··· स्विष्टम् ··· करोतु S'atBr. XIV. ix. 4. 24; तां सम्भवन्नत्यरिच्यत JaimiUBr. i. 54. 7; GopBr. ii. 6. 6; सोमो यत्रातिरिच्यते तत्र संजायते मनः S'vetāU. 2. 6; त्रिभ्यश्चमसगणेभ्यो राजानमतिरेचयति ĀpaS'S. xiv. 1. 6; xiv. 2. 2; xxi. 23. 3; MānS'S. 19. 13; 103. 18; Nir. 5. 12 (99. 18); आविक्षितस्य वै सत्रे ···। देवान्मनुष्यान्गन्धर्वानत्यरिच्यन्त दक्षिणाः MahāBhā. xii. 29. 20; असात्म्यं गन्धमादाय वातो यत्रातिरिच्यते। तत्र···प्रतिश्यायः प्रवर्तते BhelaS 23. 14 (1. 13); कुटुम्बभरणाद् द्रव्यं यत्किंचिदतिरिच्यते NāraSm. 137. 6; KūrmaP. 635. 4 (2. 26); PadmP. i. 57. 10; अत्यरिच्यत सोऽधश्च तिर्यगूर्ध्वं च वै भुवः ViṣṇuP. i. 12. 58; अपरे तु ब्रुवते नान्तरीयकार्थदर्शनं तद्विदोऽनुमानमिति ··· अत्रार्थग्रहणमतिरिच्यते NyāyVār. 56. 18 (on i. 1. 5); छेदभाज्यापवर्तेन यच्छेदस्यातिरिच्यते MaBhāsk. 1. 49; (आत्मा) अहंप्रत्ययग्राह्यः कार्यकारणव्यतिरिक्तोऽस्ति इत्येतावद्वक्तव्यम् ह्योऽय चेत्यतिरिच्यते Bṛha. 232. 3 (on i. 1. 5); फलवत्प्रधानविधेरङ्गविधयोऽङ्गानि प्रधानेभ्योऽतिरिच्यन्ते TantrVā. 664. 16 (on iii. 1. 1); न तावन्मात्रं शक्यमुपकल्पयितुम्। सूक्ष्ममिदं द्रव्यमतिरिच्यते ṬupṬ. 25. 2 (on iv. 2. 15); 117. 20 (on vi. 3. 12); सर्वशब्देषु चैकैकमपोह्यमतिरिच्यते S'lokaVār. 5(13). 56 (580. 5); आकाशश्च प्रतिष्ठित इत्याकाशोऽतिरिच्यते BrahmSūBh.(Bhā.) 76. 15 (on i. 4. 11); विशिष्यते विशेषं आधिक्यं आपद्यते अतिरिच्यते इत्यर्थः GītāBh.(S'aṅ.) 222. 6 (on 7. 17); समासपाठे ··· बहुव्रीहिमतुबर्थयोरन्यतरोऽतिरिच्यते MuṇḍUBh. 347. 7 (on iii. 1. 4) अक्षरमतिशिष्यते अतिरिच्यते ChāndoUBh. 102. 9 (on ii. 10. 3); जगुः केचिन्नियामकं कर्म यदन्यदतिरिच्यते MṛgendraT. i. 10. 15 आवृत्तित्रयादेशमष्टांशेनातिरिच्यते MṛgendraT. iii. 8. 49; अनुमासशब्दाद् वीप्सावगतिर्भवति मासशब्दोऽतिरिच्यते ManuBh. i. 260. 26 (on 3. 112); Kāvyālaṅ.(Ru.) 9. 28; महतामनुरोधशालिता विषमस्थे हि जनेऽतिरिच्यते RāmC. 13. 37; अत्रोपमेयस्य शङ्खादेरनिर्देशे शशिनो ग्रहणमतिरिच्यते इत्यधिकपदत्वम् KāvyPra. 774. 4; CitraMī. 31. 11; Kāvyānu.(He.) 170. 1; अन्नानि ··· वृषाः। ग्राम्याणां नातिरिच्यन्ते यथा कार्यं तथासकृत् RājTa.(Ka.) 4. 347; यद्येवमतीतदोषमित्येवास्त्वनन्तविज्ञानमित्यतिरिच्यते SyādvāMañ. 1(51); तेन ते सर्वे पञ्चैव भवन्ति अतिरिच्यते परमाकाशः AṇuBh. 108. 11 (on i. 4. 12); समवायपक्षे तत्कल्पनागौरवमतिरिच्यते S'ivārkaMaDī. ii. 72. 31 (on ii. 2. 12); सेश्वरस्य पुनः पुरुषोऽतिरिच्यते SarvaMaSaṁ. 30. 1; 3 to be greater in degree (i. e. worse than) चतुर्वेदोऽपि दुर्वृत्तः स शूद्रादतिरिच्यते MahāBhā. iii. App. 32. 49; संभावितस्य चाकीर्तिर्मरणादतिरिच्यते MahāBhā. vi. 24. 34 (=Gītā. 2. 34); ii. 459*; अधर्षितानां शूराणां समरेष्वनिवर्तिनाम्। धर्षणामर्षणं भीरु मरणादतिरिच्यते Rāmā. iv. 16. 3; तदेवामृतमयी यावल्लोचनगोचरा। चक्षुःपथादपेता तु विषादप्यतिरिच्यते S'atTrayī. 125; Subhāṣi. 1244; श्मशानादत्यरिच्यन्त पुरराजपथाः TriṣaS'aPuC. iii. 1. 33; भक्षयन्माक्षिकम् ··· शौनिकेभ्योऽतिरिच्यते YogS'ā. 3. 37; सपत्नीतोऽपि तज्जातं नितान्तमतिरिच्यते PāṇḍaC. 1. 183; गृहं तु गृहिणीहीनं कान्तारादतिरिच्यते PañcT. 4. 81 (KIELHORN, 6th Ed., 1896 BSS); वदान्यतया संभावितस्य पुरुषस्यार्थिजनमनोरथपूरणाशक्तिर्मरणादप्यतिरिच्यते PuruṣPa. 9. 3; 4 to be distinct or different from, to exist as a distinct entity, to be other than (in relation or affection), (caus.) to differentiate एवं ब्रुवाणो भवान् न कारणमतिरेचयति··· त्वं न ब्रूवेऽकार्यकारणभावाज्ञानात्वे न दृष्टमिति। अनैकान्तिकत्वान्न विवादकारणमतिरिच्यते NyāyVār. 68. 7 (on i. 1. 10); न चापि समुदायिभ्यः समुदायोऽतिरिच्यते Kāvyālaṅ.(Bh.) 6. 10; एहि लङ्केश्वर नातिरिच्यते किल भवान् वत्सलक्ष्मणात् MahāviC. App. A. 5. 65(1) (284. 4); सर्वस्य ह्याश्रयः कश्चिदस्ति देशान्तरादिषु। तेषां भूयस्तया चेदं सादृश्यमतिरिच्यते S'lokaVār. 5(6) 26 (441. 7); बुद्धेरभावो नातिरिच्यते Kāśi. iii. 192. 25 (on 5(8). 1); तत्र यदेवात्मविषयं किंचिदुच्यते, तत् एतस्मात् श्लोकार्थात् न अतिरिच्यते, किंचिच्छब्दतः पुनरुक्तम्, किंचिदर्थतः इति GītāBh.(S'aṅ.) 41. 9 (on 2. 24); कार्यकर्तव्यता कार्येत्येवमेवातिरिच्यते BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 631; (न हि मिथो भेदाभेदहीनानां धर्मधर्मिभावो न्याय्यः) आद्येऽपि पक्षे तत्स्वरूपान्न किंचिदतिरिच्यते IṣṭaSi. 102. 12; न खलु संबन्धसंवेदनसमये समधिगतोऽर्थः पदैरभिधीयमानो देशकालावस्थाविशेषेणाप्यतिरिच्यते TattvBi. 100. 10; न हि शुद्धबुद्धत्वादयः वस्तुतः ततोऽतिरिच्यन्ते, जीव एव तु तत्तदुपाधिरहितः शुद्धबुद्धादिस्वभावो ब्रह्मेति Bhām. 42. 17 (on i. 1. 1); प्रकाशस्वरूपं हि मनागपि नातिरिच्यते PratyabhiVi. i. 257. 1 (on i. 5. 14); TātpaṬ.(Vā.) 122. 13; NyāyKuA. i. 28. 7; ii(1). 230. 6; NavaSāC. 10. 53; Kiraṇā. 27. 8; S'rīBh. 180. 12 (on i. 1. 13); (उपमानम्) तदिदमनुमानान्नातिरिच्यते TārkiRa. 93. 2; Kāvyānu.(He.) 49. 9; 295. 1; अथ पटात् तदुत्पत्तिर्नातिरिच्यते तदा पट इत्युक्ते पुनरुत्पद्यत इति न वाच्यम् SāṁkhyaTaPra. 162. 10; TarkSaṁ.(Ā.) 75. 26; भावेष्वभावस्य नास्तित्वं नातिरिच्यते NyāyKu. 183. 18; नार्थापत्तिरनु-

मानादतिरिच्यते TattvCin. ii(1). 688. 2; इच्छा पुनरभिलाषान्न भिद्यते तत्प्राप्तित्वरालक्षणोत्कण्ठा तु चिन्तनान्नातिरिच्यते RasāSu. 181. 2 (2. 201); जनकतावच्छेदकरूपेण च मिथ्यात्वे रूपान्तरेण सत्त्वमप्यसत्त्वात् नातिरिच्यते AdvaiSi. 446. 1; उपाधिरप्यत्र विचारितो न ततोऽतिरिच्यते Bhāsk. i. 396. 6 (*on* i. 8. 1); **5** to evacuate, to become empty मैथुनेऽचरणा पूर्वं पुरुषादतिरिच्यते SuśruS. vi. 38. 16; RugVi. 62. 9; **6** (active) to discharge profusely यस्तु रक्तं शुद्धं विरेचने शोषदाहमतिरिच्येत् रक्तातिसार इति ज्ञेयः HārīS. iii. 3. 54; **7** to increase, to be augmented, to remain ज्वलदस्त्रानलज्वालापरितापपराहतः। अत्यरिच्यत संभ्रान्तसलिलौघ उदन्वतः BrahmāṇḍP. ii. 57. 61; बुद्धिपौरुषयुक्तेषु दैवायत्तविभूतिषु। नृषु कुत्सितसेवायां दैन्यमेवातिरिच्यते YaśasCam. ii. 406. 20; अत्रालुप्तविसर्गान्तैः पदैः प्रोतैः परस्परम्। …लावण्यमतिरिच्यते। …एवंविधैः पदैर्लावण्यमतिरिच्यते परिपोषं प्राप्नोति VakroJī. 67. 17; लावण्यमङ्गे कुचयोः पीनत्वं मन्दता गतौ। देव्याः प्रतिदिनं गर्भानुभावादत्यरिच्यत TriṣaS'aPuC. iii. 1. 130; प्राणत्राणाय संग्रामात् पलायन्तेऽपि ये नराः। मृत्युरावश्यकस्तेषां कार्पण्यमतिरिच्यते PuruṣPa. 26. 3; **8** to go beyond (a certain stage) सखे नाद्यापि शैशवोक्तेरतिरिच्यसे ViddhaS'ā. 3. 11(6); **9** to be void of (importance), to be lacking in (gravity) अन्योन्यगुणवैशिष्ट्यात् स्वस्वगुणेन सर्वासां वैशिष्ट्यात् न किंचिद्व्यसनमतिरिच्यते अतितुच्छताजातिचारानर्हत्वं भवतीत्यर्थः ManvaVi. 1260. 8 (*on* 9. 296)

अतिरिच्छत्र (atiri-cchatra) *n.* umbrella superior to wealth अतिरिच्छत्रम् अतिनुच्छत्रम् MahāBh. i. 308. 10 (*on* i. 4. 2)

अतिरिच्य (atiric-ya) *ger.* leaving out, excluding एवं स्थिते स्वाश्रयमतिरिच्य धर्माणामन्यत्र भावानुपपत्तिः सुप्रसिद्धा PañcPā. 3. 19 (*on* i. 1. 1); अतोऽन्यतोऽर्थान्निःशेषतो यदतिरिच्य तदर्थवस्तु SaṁkṣeS'ā. 1. 515 (i. 370. 14); 2. 171 (ii. 104. 26); न हि धर्मो धर्मिणमतिरिच्य क्वचन केवलो विलोकितः SyādvāMañ. 6(137); 9(21)

अतिरिच्यमान (ati-ricyamāna) *adj.* [*f.* –ā] **i** being made better or superior विरिच्यमानोऽप्यतिरिच्यमानो विद्यात्कविः सुकृतं मे दधाति MahāBhā. v. 36. 9 (comm. महान् क्रियमाणः); सा (तिथिः) … यज्ञैः समस्तैरतिरिच्यमाना …ख्याता भुवनत्रये च SkandP. ii(7). 24. 106; अत्र समानविलसितानामुभयेषामपि कविविवक्षितविरलत्वलक्षणसाम्यव्यतिरेकि न किंचिदन्यन्मनोहारि जीवितमतिरिच्यमानमुपलभ्यते VakroJī. 200. 23; उर्वीपतिमतिरिच्यमानमुच्चैरस्वच्छीकृतशतमन्युभिस्तपोभिः। शर्वाणी तमवजगाम Surath. 12. 52; **ii** being increased or augmented, exceeding तस्यातियत्नादतिरिच्यमाने पराक्रमे …। … हन्ता पुरां भूरिपृषत्कवर्षं निरास Kirātā. 17. 32; पर्वताकारन्यायेन किञ्चिदतिरिच्यमानाधरभागा दुर्लक्षविशेषत्वात् समोच्छ्रायघनाश्च ते इत्युक्ताः Sphuṭā. iii. 87. 12 (*on* 3. 51); iii. 87. 8 (*on* 3. 47); ततो धर्मिवचनमतिरिच्यमानं विशिष्टं साध्यधर्मिणमेव प्रतिपादयति HetuBiṬ. 12. 20; आपूर्य चित्तान्यतिरिच्यमानैः प्रियानुरागैरिव पूरितानि KīrtiKau. 7. 57; **iii** being made superfluous or redundant एवं च पृषत्पदप्रयोगोऽत्रातिरिच्यमानोऽनुप्रासवृत्तपरिपूरणायैव पर्यवस्यति VyaktiVi. 96. 7; एकेनैव मिथः समुच्चयसिद्धेरतिरिच्यमानाद्द्वितीयादित्यर्थः BālamBh. i. 397. 1 (*on* 1. 135); **iv** being made distinct or different न तु तदतिरिच्यमानात्मा क्रियापदार्थः … अभिधेयः स्यात् BhāvanāVi. 64. 1; तदात्मनोऽतिरिच्यमानं ज्ञानम् … अचेतनम् …न जानाति TattvPradī.(A.) 34. 7 (*on* i. 24)

अतिरिच्यमानत्व (atiricyamāna-tva) *n.* the state of being in excess परिशोधनाभिधानेन कन्यापितृव्ययितादतिरिच्यमानत्वाभावे वरेण न ग्राह्यमिति दर्शितम् VīraMi. 624. 14 (*on* 2. 146)

अतिरिरंसा (ati-riraṁsā) *f.* extreme lasciviousness येनैष मे कर्शितोऽतिरिरंसयात्मा BhāgP. ii. 23. 11; PadmP. iv. 15. 26.

अतिरिष्टा (ati-riṣṭā) *adj.* (*f.*) having acute symptoms (indicating death) अतिरिष्टेव कुतभू(?)व्रणपाकश्च दारुणः। उपद्रवाश्च बहवो भवन्तीति यतस्ततः Hastyāyur. 331. 21 (2. 70(69?))

अतिरीण (ati-rīṇa) *adj.* completely disappeared or vanished कोशे नाशमुपागते गजव(ब)ले क्षीणेऽतिरीणे जने दुर्भिक्षोपहतिं गते EI. xxi. 164. 18.

अतिरुग्ण (ati-rugṇa) *adj.* very sick अतिवृद्धातिरुग्णानां बालिशानां च शस्यते ĪśānS'iPa. ii. 6. 11.

अतिरुच् (ati-ruc) I. Ā. **A i** to shine across दूरे चित् सन्तळिदिवाति रोचसे ṚV. i. 94. 7 = Nir. 3. 11 (65. 15); ṚV. x. 187. 2; यः परस्याः परावतस्तिरो धन्वातिरोचते। स नः पर्षदति द्विषः AV. vi. 34. 3; सर्वमेवेदमतिरोचते यदिदं किं च AitBr. 18. 4 (489); स य एतमेवमुपास्ते रोचिष्णुर्ह भवति … यैः संनिगच्छति सर्वांस्ताननतिरोचते S'atBr. XIV. v. 1. 9 = BṛĀraU. ii. 1. 9; **A ii** to outshine अत्यरोचश्च भूतात्मन् भास्करं स्वेन तेजसा MahāBhā. iii. 13. 25; vii. 22. 63; त्रीनत्यरोच उपलभ्य ततो विभूतिं लोकान् BhāgP. i. 16. 33; **A iii** to shine very much चरणाङ्गुल्याभरणान्यतिरुरुचुः … एणशावाक्ष्याः PadyaVe. 193; **B** to like very much, to be fond of इहैव प्राणसंन्यासो ममापि ह्यतिरोचते Rāmā. v. 53. 8; नातिरोचते ममैष भर्ता DaśKuC. 70. 20; तत्क्षेत्रं मेऽतिरोचते SkandP. iv. 25. 54.

अतिरुच् (ati-rúc) *m.* [DEBRU. p. 16] horse's fetlock अग्निर्मतिरुग्भ्याम् VājaS. 25. 3; *adj.* having surpassing lustre जिनमुखशतदलम् … अतिरुक्वपुः MahāP. 23. 170; [*f.* a very beautiful woman, APTE]

अतिरुचिकरी (atiruci-karī) *adj.* (*f.*) **i** producing great lustre परित्यज्य प्राचीमतिरुचिकरीमात्मदयिताम् … प्रसक्तो वारुण्याम् …रविः PadyaVe. 552; **ii** producing great pleasure, PadyaVe. 552.

अतिरुचिमत् (atiruci-ma(n)t) *adj.* extremely pleasant or charming अतिरुचिमानस्तबकः सरस्तटोऽयम् Nalo. 2. 29.

अतिरुचिर (ati-rucira) *adj.* [*f.* –ā] **i** extremely charming, lovely, splendid तदतिरुचिरभीममाबभौ पुरुषवराश्वरथद्विपाकुलम्। … बलम् MahāBhā. viii. 21. 8; आज्ञाधरो महावीरः … रुद्रलोकेऽतिरुचिरे … वर्तते BrahmāṇḍP. iii. 33. 87; मूर्खत्वं हि सखे ममातिरुचिरं मूर्खस्य चाष्टौ गुणाः S'atTrayī. 659; इयमतिरुचिरा नटी नटन्ती तव हृदये मुदमातनोतु मातः DevīCatuSt. 231. 53; (विष्णोः) दद्यादाद्यानवद्या ततिरतिरुचिरा मङ्गलान्यङ्गुलीनाम् ViṣṇuPādāSt. 15; अतिरुचिरस्य रत्नमणिराशेरपवरणं किमिष्टमुरुदीप्तेः MahāP. 23. 132; दृष्टः शिशुः पुरः … अतिरुचिरः GaṇeP. ii. 132. 16; तस्य तु कमलस्यासौ संविश्य तु मध्यदेशमतिरुचिरम् ĪśānS'iPa. i. 19. 10; मधुकरैः … उपरि पतितुं बद्धपटलैः। चलद्दर्हच्छत्रश्रियमिव दधानोऽतिरुचिराम् … हेरम्बो भवदघविघातं घटयतु SubhāRaK. 5. 23; SaduktiKa. 23. 8; जनयति मनसि … मुदमविरतमिह … मम मधुरतिरुचिरे ChandaśCū. 3. 31(3); दधात्युद्धतत्वं च विन्ध्यस्तावद्धत्ते धराणां पतिरतिरुचिरो दृश्यतेऽसौ न यावत् Surath. 4. 69; **ii** very delicious, having a very good taste आर्द्रत्वे चातिरुचिरं शिलापट्टेन पेषयेत्। कुङ्कुमम् RasPraSu. 12. 2; 6. 54.

अतिरुचिरपुराण (atirucira-purāṇa) *n.* very pleasant or agreeable Purāṇa अतिरुचिरपुराणं ब्रह्मवैवर्तमेतत् BrahmVaiP. i. 1. 2.

अतिरुचिरमणि (atirucira-maṇi) *adj.* having very beautiful precious stones किमिव हि न हृदयमतिरुचिरमणाविह रतिमदविशदनवर तरसा HarVi. 5. 147.

अतिरुचिरयुवति (atirucira-yuvati) *f.* very lovely young woman परिहरसि पथिक … कथमतिरुचिरयुवतिमति हि चपलतया ChandaśCū. 3. 32(3)

अतिरुचिरवेषा (atirucira-veṣā) *adj.* (*f.*) having a very beautiful dress अतिरुचिरवेषाभिरन्तःपुरविलासिनीभिः परिवृतां मदिरावतीमद्राक्षीत् (नृपतिः) TilaMañ. 72. 11.

अतिरुचिरा (ati-rucirā) *f.* name of a metre (Mātrā-vṛtta) called *cūlikā* गुरुकनिधननवकसहितकृतिलघुविरचितशकलभृदतिरुचिरा।… शिखाचूलिके त्वनन्तरजे JayaChand. 4. 31; त्रिगुणनवलघुरवसितिगुरुरिति दलयुगकृततनुरतिरुचिरा VṛttaRa. 2. 42; न्लगावतिरुचिरा। द्वयोरर्धयोर्नगणनवकं गुरुश्च Chandonu. 3. 31; न्लगाश्च। द्वयोरर्धयोर्यथासंख्यं न्लगौ न्लगाश्च यत्र भवन्ति साप्यतिरुचिरा Chandonu. 3. 32.

अतिरुच्य (ati-rucya) *adj.* very tasty or delicious, extremely desirable अतिरुच्यकूर्चिकापानकपायसरसालारसारम् … अन्नं निष्पादयेत् CaturCin. iii(1). 1163. 10; यथातिरुच्ये मधुरेऽपि रुच्युत्पादाय रुच्यान्तरयोजनार्हा S'aṅkaDigVi. (Mā.) 1. 3; (कश्चित्) प्रवर्तते अतिरुच्यान्नोपस्थितौ किंचिदधिकभोजने PūrvorttaVāNaMā. 59. 5.

अतिरुज् (ati-ruj-) VI. P. to cause acute pain सः (वायुः) प्रकुपितः … भिनत्ति पुरीषमुच्छोषयति वा पार्श्वे चातिरुजति CaraS. ii. 6. 6 (1941 Ed.)

अतिरुज् (ati-ruj) *adj.* **i** causing excessive pain, producing acute pain ग्रन्थिर्गले … स्थिरोऽतिरुग् यः…स शस्त्रसाध्यः RugVi. 56. 49; **ii** free from pain कासमानोऽतिरुग् (v. l. ह्यरुग्) वक्षः संपूर्णमिव मन्यते CaraS. vi. 18. 17 (1922 Ed.); *f.* severe pain, acute pain भ्रमः पिपासा दाहश्च गौरवं शिरसोऽतिरुक् CaraS. vi. 3. 91 (1941 Ed.); बस्त्याध्मानं तदासन्नदेशेषु परितोऽतिरुक् RugVi. 32. 3; मूत्रम्… तत्संक्षोभात् क्षते सास्रमायासाच्चातिरुग्भवेत् RugVi. 32. 6; नादोऽतिरुक् कर्णमलस्य शोषः … वातात् RugVi. 57. 14; 23. 5; 23. 10; अङ्गं व्रीहिप्रसूनाभं भूमिर्धूम्रा क्षतेऽतिरुक्। तद् व्रीहिवज्रं जानीयात् YuktiKa. 148. 21; प्रायो नातिरुजं भजन्ति विकसच्चित्तस्य गात्राणि मे MadaKeC. 22; यत्रातिरुग्भवति तत्र सपत्रबन्धः (विधेयः) KalyāKā. 9. 45; अश्मर्याः पूर्वलक्षणम्।

अतिरुजाकर (atirujā-kara) *adj.* causing extreme pain रक्तक्षयाद्वायौ कुपितेऽतिरुजाकरे … स्नेहबस्तिं च कुर्वीत SiddhYo. 45. 8.

अतिरुजान्विता (atirujānvitā) *adj.* (*f.*) having very serious sickness कुमाराश्च स्ववासिन्यो गर्भिण्योऽतिरुजान्विताः। अतिथेरादितोऽप्येते भोज्याः SkandP. iv. 38. 36.

अतिरुद् (ati-rud-) II. P. to cry excessively (बालः) नष्टसंज्ञो वमेत्

फेनं संज्ञावानतिरोदिति RugVi. 68.22.

अतिरुदित (ati-rudita) *n.* excessive weeping (सा) अलमतिरुदितेनेति राजलोकेनाभ्यर्थ्यमानापि ··· कालमतिदीर्घं रुरोद HarṣaC. 330.14.

अतिरुद्र (ati-rudra) *m.* recitation of the S'atarudrīya formula (VājaS. xvi. 1-66) for 1331 times षडङ्गैकादशै रुद्रै रुद्रः समभिधीयते। रुद्रैस्तथैकादशभिर्महारुद्रः प्रकीर्तितः। एकादशभिरेतैस्तु अतिरुद्रश्च कथ्यते S'ātāSm. 2.38; बौधायनसूत्रोक्तमार्गेण रूपरुद्रीरुद्रमहारुद्रातिरुद्रैरभिषेकं शक्त्या कुर्यात् TristhaSe. 207.31.

अतिरुधिरस्राव (ati-rudhirasrāva) *m.* excessive bleeding अथातिरुधिरस्रावे संस्तम्भ्यः शीतवारिणा KāśyaS. 129A.18.

अतिरुष् (ati-ruṣ) *f.* extreme anger, fury विक्षेप तं गाढममृष्यमाणा प्रवेपमानातिरुषा शुभाङ्गी MahāBhā. iv. 304*(2); भेदाद्भ्रुवोः कुटिलयोरतिलोहिताक्ष्या भग्नं शरासनमिवातिरुषा स्मरस्य S'āk. 5.24 = SaraKaṇṭhā. 578.12; ततो जहासातिरुषा भीमं भैरवनादिनी। काली MārkP. 87.18; जितमहं सुकुमारतयानया प्रतिचिकीर्षु शिरीषमितीक्षितम्। अतिरुषेव वियोगवती शुचं सरसहासदलं सदलम्भयत् HarVi. 3.42; 28.98; चञ्चर्ई सद्योऽतिरुषाक्षतं बकस्तुण्डेन हन्तुं पुनरभ्यपद्यत BhāgP. x. 11.50; स दैत्यवर्योऽतिरुषं प्रविष्टः SkandP. i(1). 29.49; विभज्य देवालयमाशु यातः कल्याणवैश्योऽतिरुषा निविष्टः। स्वमन्दिरम् GaṇeP. i. 22.33; दशकन्धरः ··· अमृष्यमाणोऽतिरुषा कपीश्वरं जगाद AdhyāRā. v. 4.26; निश्शङ्कमङ्के मिलितां जनानां छायां निरीक्ष्यातिरुषा प्रतप्तः Rāṣtrau. 16.19; *adj.* who is extremely angry or furious महिषमतिरुषं पौरुषोपघ्ननिघ्नं निर्विघ्नं निघ्नती वः शमयतु दुरितं भूरिभावा भवानी CaṇdiS'. 66; 9; SaraKaṇṭhā. 247.4; SaduktiKa. 20.23; S'ārṅgaPa. 112; अज्ञानावृतचेतसामतिरुषां कोऽर्थस्तिरश्चां गुणैः Pañcā. 131.21; Subhāṣi. 458.

अतिरुष (ati-ruṣa) *m.* extreme anger, fury भ्रातापि तस्यातिरुषेण चोदितः। ··· रामेण नीतो यमसादनं क्षणात् NaraP. 53.51.

अतिरुषान्वित (atiruṣānvita) *adj.* full of excessive wrath, having great anger शक्रो मैत्रेयातिरुषान्वितः। संवर्तकं नाम गणं तोयदानामथाब्रवीत् ViṣṇuP. v. 11.1; कौशिकोऽतिरुषान्वितः। शशाप तान् MārkP. 7.64; पतितान्दानवान्दृष्ट्वा निशुंभोऽतिरुषान्वितः। प्रययौ DevīBhāP. v. 30.33; योद्धुं बलवता द्विषा। चतुरङ्गेन सैन्येन सहितोऽतिरुषान्विति(? तः) BṛKathāK. 33.109; कश्यपोऽतिरुषान्वितः ··· शिष्यान् ··· उवाच GaṇeP. ii. 9.19; नन्दी ··· अतिरुषान्वितः। अब्रवीत् ··· दक्षम् S'ivaP. ii(2). 26.20 (101B.15)

अतिरुषाविष्ट (atiruṣāviṣṭa) *adj.* extremely furious, extremely wrathful तच्छ्रुत्वातिरुषाविष्टोऽभवन्नन्दी शिवप्रियः S'ivaP. ii(2). 26.28 (102A.5)

अतिरुषित (ati-ruṣita) *adj.* extremely enraged भृशमतिरुषितः परं वृषः कुरुपृतनापतिराह मद्रपम् MahāBhā. viii. 26.70.

अतिरुष्ट (ati-ruṣṭa) *adj.* extremely angered, extremely irritated or offended दष्टोऽतिरुष्टः स च दन्तकोट्या जघान शार्दूलम् VarāṅgaC. 12.75; न तत् ··· नरपतिरतिरुष्टः ···। यदिह विषयशत्रुर्दुःखमुग्रं करोति SubhāRaSaṁ. 2; मनोऽतिरुष्टं विशते तमोऽन्धम् BhāgP. iv. 19.34; गुरुर्जगामातिरुष्टः स्वापमाने समत्सरः BrahmVaiP. iv. 59.3; समरेऽतिरुष्टास्ते सात्त्विका भूप तुरङ्गमाः स्युः YuktiKa. 196.4; ततः सौमित्रिरतिरुष्टः प्रविष्टः RāmāCam. 4.34(1); खरश्चायं भूम्नाभिमुखमतिरुष्टः कटु रटन् पुरस्तात्पश्चाद्वा विपदमतिगुर्वीं दिशति नः KaumuMi. 8.3; तदातिरुष्टस्य गृहाश्रमेशितुर्यतीश्वरस्यापि कुतूहलं भृतः ··· प्रश्नोत्तराण्यासुः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 8.15; (मानवाः) नातिरुष्टाः ··· सर्वदानन्दमानसाः MahNirvāT. 1.26; पाण्डवनृपोऽतिरुष्टः S'ivLī. 21.70; मातङ्गैः ··· पापिष्ठः शमनभटैरिवातिरुष्टैः ··· विबोधयांबभूवे Rāgh. 18.50.

अतिरुह् (ati-ruh-) I. P. **1** to grow up यदन्नेनातिरोहति ṚV. x. 90.2; VājaS. 31.2; S'vetāU. 3.15; S'vetāUBh. 166.14 (*on* 3.15); यत एवमन्नेनान्नमदनीयममुक्तवर्गमतिरोहति अतिक्रामति NyāySu.(Ja.) 558B.6 (*on* iii. 3.29); **2** to climb, to ascend तामिति भूत्वा वापीं तत्सलिलं तदनुपट्टगर्भगतम्। छायस्तु गन्धरोभेष्वतिरोहति सर्वतो नियतम् SamarāSū. 31.154; **3** (*caus.*) to set on, to install, to superimpose त्रिविधाङ्गुलमानानां जात्यंशं नातिरोपयेत् S'ilpaRa. ii. 3.53; अङ्गुलीनिर्मिते बिम्बे जात्यंशं नातिरोपयेत् S'ilpaRa. ii. 4.20.

अतिरुहा (ati-ruhā) *f.* a kind of fragrant plant (also called *māṁsarohiṇī*) मांसरोहिण्यतिरुहा वृत्ता DhanvNi. 152.26; MadaPāNi. 19.313; S'abdaRa.(Vā.) 2970; BhāvPra.(Bhā.) 6(4).132.

अतिरूक्ष (ati-rūkṣa) *adj.* [*f.* -ā] **i** extremely dry नातिस्निग्धां नातिरूक्षां वर्तिं प्रणिदध्यात् SuśruS. i. 5.17; ii. 8.3; तत्र वातमेवंविधमनारोग्यकरं विद्यात्। ··· अतिरूक्षमत्यभिष्यन्दिनम् CaraS. iii. 3.7 (1922 Ed.); तत्रातिरूक्षेऽपि धर्मकाले ··· प्रावृट्काल इवोदभूत् नवशष्पम् ViṣṇuP. v. 6.29; BrahmP. 184.50; विवेश पवनो लघु। शीतोऽतिरूक्षः शोषाय तद्देहस्य ViṣṇuP. i. 19.22; (बस्तिः) कर्षयत्यतिरूक्षश्च मारुतं च प्रकोपयेत् KāśyaS. 282A.27; सशोकभयपीडितानतिक्रुशातिरूक्षाकुलान् ··· परिहरेद्विरेकैस्सदा KalyāKā. 8.43; 8.60; (ज्वरः) क्षीणस्य चातिरूक्षस्य गम्भीरो यस्य हन्ति तम् (v. l. हन्ति मानवम्) RugVi. 2.70; कटुतिक्तकषायातिरूक्षसंदुष्टभोजनैः। ···मारुतः कुपितः ···कुरुते गदान् RugVi. 4.5; अतिरूक्षदुर्बलानां शमयेत्तृष्णामिहाशु पयः SiddhYo. 16.15; अतिरूक्षमनाहारं युद्धं कलहमेव च। ··· केवलं वायुकारणम् BrahmVaiP. i. 16.73; हीनस्वरा चातिरूक्षा वृद्धा त्याज्या ĪśānS'iPa. ii. 36.75; (चणकः) शुष्कभृष्टोऽतिरूक्षः स्याद् वातकुष्ठप्रकोपनः BhojanKu. 13.1; **ii** excessively coarse, extremely rough दन्ता वातिरूक्षास्ताम्राः श्यामाः ··· सहसा वा पतन्ति AstāSaṁ. i. 243.21 (2.9); न चातिरूक्षा न च सान्द्रभूमयः (जनाः सुखं तत्र वसन्ति) KalyāKā. 2.35; राजियग्रन्थियुतातिरूक्षशबलस्थूले विषाणे MātaLī. 3.2; **iii** extremely harsh, very cruel अत्यन्तमापूरिता कोपेन भूत्वा पुरो निरस्तदाक्षिण्यमितरामिवातिरूक्षैरक्षरैर्मामवादीत् (तरङ्गलेखा) TilaMañ. 335.14; पुरुषान्मुक्तकेशान्भयंकरान्। अतिरूक्षांश्च पश्यामि BrahmVaiP. iv. 63.16; अतिस्निग्धं जगन्मैत्र्या मनः किं युग्मिकालवत्। निर्ममत्वेन किं चातिरूक्षं प्रान्तारवत् तयोः S'āliC. 6.185; निशाचरेन्द्रः। रोषातिताम्राक्षतयातिरूक्षो बभाण Rāgh. 9.52; 17.41; [very affectionate (अतिक्रान्तो रूक्षम्), APTE; *m.* name of a variety of grain, APTE]

अतिरूक्षता (atirūkṣa-tā) *f.* the state of being extremely dry अतिरूक्षता अतिसान्द्रता ··· इत्येकादश द्रव्यदोषाः SuśruS. iv. 35.32.

अतिरूक्षतापन (atirūkṣa-tāpana) *n.* applying heat through a very dry substance (समाचरेत्) तमप्यभीक्ष्णम् ··· अतिरूक्षतापनैः KalyāKā. 15.148.

अतिरूक्षत्व (atirūkṣa-tva) *n.* **i** the state of being extremely harsh तयोस्ततः प्रभृत्येव निष्कृष्टस्नेहयोः कृतम्। चाक्रिकैरतिरूक्षत्वं तिलपिण्याकयोरिव RājTa.(Ka.) 6.272; **ii** extreme dryness, RājTa.(Ka.) 6.272.

अतिरूक्षाङ्ग (atirūkṣāṅga) *adj.* whose body is extremely rough (ददर्शामङ्गलं राजा) कुम्भकारं तैलकारम् ···। कुचैलमतिरूक्षाङ्गम् BrahmVaiP. iii. 35.28.

अतिरूक्षाशन (atirūkṣāśana) *n.* very dry food शीताम्बुयोषिच्छिशिरावगाहचिन्तातिरूक्षाशनवेगरोधान्। ···विवर्जयेत् पीनसरोगजुष्टः SuśruS. vi. 24.22.

अतिरूढ (ati-rūḍha) *adj.* **1** very much advanced, greatly developed विरोधमतिरूढोऽपि लङ्काधिपतिना समम्। विन्यस्यात्र श्रियं जीवदयार्थं दीक्षितोऽभवत् PadmP.(Ra.) 106.199; RāmC. 6.19; अस्मिन्नपि तमोभूते नातिरूढे महागदे। चन्द्रादित्यौ ··· पश्यति RugVi. 59.39; **2** very conventional व्युत्पन्नमिति गौडीयैर्नातिरूढमपीष्यते Kāvyāda. 1.46; **3** well-established, lasting long त्रिदशानतिरूढदानवग्रहदूरीकृतसंमदानव RāmC. 13.61; [*m.* a variety of beans, PW.]

अतिरूढमान (atirūḍha-māna) *m.* deep-rooted pride अतिरूढमानभरितः पतितो भवतोद्धृतोऽसि भवकूपबिलात् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 9.35.

अतिरूढविश्रम्भ (atirūḍha-viśrambha) *adj.* whose trust is deep-rooted तत्क्षणविमुक्तसंगतौ···चिरपरिचिताविवातिरूढविश्रम्भौ क्षणमवतिष्ठावहि DaśKuC. 74.15.

अतिरूढानुवादतस् (atirūḍhānuvāda-tas) *adv.* due to restatement of what is well-established (on the basis of other means of cognition) एकेन चरितार्थत्वात्तत्राविप्रतिपत्तितः। अलमर्थेन चेत्, नैवमतिरूढानुवादतः NyāyVi. 2.94.

अतिरूप (ati-rūpa) *n.* **A** extraordinary beauty, very splendid or charming colour or shape (सुवर्णकारः) तेन हेम्ना विनिर्मिताः। तरवः ···। अतिरूपेण संपन्ना घटयित्वा विना भृतिम् MatsyaP. 92.25; CāṇaNiDa. 3.12; तस्य भार्यातिरूपेण विजिग्ये विश्ववर्णिनी SkandP. i(2). 7.67; BhaviP. 28A.25 (i. 8.20); पद्मावती ··· श्रीकुमारपालदेवस्यातिरूपादिस्वरूपं श्रुत्वा, ततः कृतनिश्चया पित्रा विसृष्टा ··· राज्ञा परिणीता KumāPraPra. 54.26; अतिरूपाद्धृता सीता MādhavāĀ. 26; [Inst.] marked by excessive beauty किंचित्पातकशुद्ध्यर्थं चण्डालस्य च वेश्मनि। जाताहमतिरूपेण पीडिता विविधैर्गुणैः SkandP. v(2). 78.40; **B** excellent splendour न तपति रुचिमन्नातिरूपं व्यनक्ति ···। प्रातः ··· अर्कप्रकाशः SūryaS'. 28; *m.* epithet of lord S'iva (*lit.* having an extraordinary form) विरूपायातिरूपाय बहुरूपाय शम्भवे। ··· नमो नमः SkandP. ii(4). 14.13; बहुरूपाय शंभवे। विरूपायातिरूपाय रूपातीताय ते नमः S'ivaP. ii(5). 13.24 (235A.1); [Supreme Being, APTE]

अतिरूप (ati-rūpa) *adj.* [*f.* -ā] **1** extremely beautiful, very handsome बभूवेन्द्रोपमं दृष्ट्वा राक्षसी काममोहिता। ··· रामम् ··· प्रियरूपं (v. l. अतिरूपम्) विरूपा सा Rāmā. iii. 16.9; सत्यवाचमतिरूपम्। मान्यं वाग्मिनमिन्दुः करोति गुरुवीक्षितो मिथुने Sārā. 23.20; PadmP. ii. 53.64; ततः कदाचिदौर्शवं तां पित्रा प्रतिपादिताम्। क्षत्रियायातिरूपाय BṛKathāMañ. 11.24; KathāSaSāg. xii. 9.6; अकरोत् ···। अतिरूपेषु दारेषु तस्य कोष्टेश्वरः स्पृहाम् RājTa.(Ka.)

8. 1527; NaiṣC. 15. 3; अतिरूपा हृता सीता अतिगर्वेण रावणः । अतिदानाद्बलिर्बद्धः VetāPañ.(S'i.) 22. 15; PurāPraSaṁ. 124. 17; तामतिरूपां (शालभञ्जिकाम्) विलोकयन् स कन्दर्पबाणैः पीडितः KathāK. 109. 1; **2** having a huge or abnormal form (cyclone) बभूवानाविलं व्योम नीलोत्पलदलप्रभम् । वायुना चातिरूपेण कम्पिताश्चैव दानवाः SkandP. i(2). 21. 101.

अतिरूपता (atirūpa-tā) *f.* great beauty (विनायकसहस्रनामपठनेन) मेधा प्रज्ञा धृतिः कान्तिः सौभाग्यमतिरूपता (भवति) GaṇeP. i. 46. 178.

अतिरूपधारिणी (atirūpa-dhāriṇī) *adj.* (*f.*) possessing great beauty येयमभ्यर्णे आस्ते नौरतिरूपधारिण्यवनिपालनन्दिनी सा त्वदर्थे मयेत्थमभ्यर्थिता TilaMañ. 286. 18.

अतिरूपपात्र (atirūpa-pātra) *n.* receptacle (i. e. possessor) of great beauty अथ खेडामहास्थाने ··· बालकालविधवा अतिरूपपात्रं सुभगाभिधाना···अभूत् PrabaCin. 106. 25.

अतिरूपभर (atirūpa-bhara) *n.* abundance of exquisite beauty स्त्रीणां सहस्रमतिरूपभरस्फुरन्तम्(?)···। योगीश्वरोऽरमयत्···श्रीहैहयः करसहस्रतलेन गृह्णन् PadyaVe. 403.

अतिरूपम् (ati-rūpam) *adv.* in addition, additionally अथ मतं स्वात्मग्राहिणी पूर्वा बुद्धिः स्वात्माव्यतिरिक्तं स्वस्य कारणत्वमतिरूपं गोचरयति NyāyKa. 71. 25.

अतिरूपयुक्ता (atirūpa-yuktā) *adj.* (*f.*) endowed with exquisite beauty तां चैवाग्र्यां श्रियमिव रूपिणीं च (v. l. श्रियमतिरूपयुक्ताम्) । पत्नीमृद्धां दृष्टवान्पार्थिवेन्द्रः MahāBhā. i. 189. 39.

अतिरूपवत् (ati-rūpava(n)t) *adj.* [*f.* -vatī] extremely beautiful, very handsome रक्षांसि चैतानि चरन्ति पुत्र ··· । अतुल्यरूपाण्यतिघोरवन्ति (v. l. अघोररूपाण्यतिरूपवन्ति) MahāBhā. iii. 113. 1; ViṣṇuP. iv. 6. 35; अतिरूपवती तन्वी तामालोक्य महासुराः । ··· कामबाणवशं गताः SkandP. v(1). 44. 16; BhaviP. 62B. 31 (i. 29. 20); पृथ्वीरूपाभिधानोऽभूद्राजा तत्रातिरूपवान् KathāSaSāg. ix. 1. 117; v. 1. 155; xii. 34. 329; द्वादशवार्षिका अतिरूपवती कन्या संजाता VetāPañ.(S'i.) 36. 15.

अतिरूपव्यापिन् (atirūpa-vyāpin) *adj.* pervasive of extraordinary form मनसस्तदीयस्य सत्त्वबहुलत्वात् तत्कृत इन्द्रियविसर्जनलक्षणे(? णो) व्यापारो अतिरूपव्यापी AbhinBhā. i. 54. 16 (*on* 2. 22)

अतिरूपशालिन् (atirūpa-śālin) *adj.* extremely handsome बालोऽयम् ···आलोकि लोकैरतिरूपशाली । ···क्षितौ काम इवावतीर्णः YātrāPra. 2. 62.

अतिरूपसमृद्धि (atirūpa-samṛddhi) *f.* wealth or abundance of great beauty इयमतिरूपसमृद्धिः सकृदपि दृष्टा न कर्षति स्वान्तम् GopāKeCan. 74. 29.

अतिरूपस्विन् (atirūpas-vin) *adj.* [DEBRU. p. 917] possessor of the wealth of exquisite beauty, extremely handsome तत्रैव युवा ब्राह्मणो अतिरूपस्वी मदनतुल्यो मया दृष्टः VetāPañ.(S'i.) 37. 13.

अतिरूपा (ati-rūpā) *f.* **i** name of the daughter of Marīci अथ नाम्नातिरूपेति मरीचिदुहिता शुभा SkandP. vii(1). 11. 72; **ii** name of a tutelary deity mentioned in the *jayābhiṣeka* (i. e. consecration of a king for victory) प्रथमाख्यम् ··· व्यूहम् ··· कामसन्दीपनी देवी अतिरूपा मनोहरा LiṅgaP. ii. 27. 165; (प्रमथा) VīraMi.(Rajanīti.) 388. 3; **iii** name of one of the three flames of fire जिह्वास्तास्त्रिविधा प्रोक्ताः···बहुरूपातिरूपा च सात्त्विका योगकर्मसु BhaviP. 340A. 13 (ii(1). 15. 13)

अतिरूपाढ्या (atirūpāḍhyā) *adj.* (*f.*) extremely beautiful अभिरूपाढ्या (v. l. अतिरूपाढ्या) दिव्या स्त्री MahāBhā. i. 92. 21; द्वे भार्ये चातिरूपाढ्ये तस्य राज्ञो बभूवतुः DevīBhāP. i. 20. 51; KathāSaSāg. x. 7. 21.

अतिरूपाभिमान (atirūpābhimāna) *m.* pride for exquisite beauty यौवनस्था च सा···। न कंचिदैच्छद्भर्तारमतिरूपाभिमानतः KathāSaSāg. ix. 2. 57.

अतिरूपिका (atirūp-ikā) *f.* name of one of the flames of fire सुप्रभा मोदकविधौ बहुरूपातिरूपिकाः (? के) । ···वह्नेर्जिह्वाः प्रकीर्तिताः BhaviP. 340B. 8 (ii(1). 15. 24)

अतिरूपिन् (ati-rūpin) *adj.* [*f.* -ṇī] extremely beautiful, very handsome तस्मिन्नेव (आकाशे) स्त्रियमतिरूपिणीं विद्यामाजगाम KenUBh. 93. 9 (*on* 3. 12); BṛKathāK. 55. 267; 78. 198; तत्र चेन्दुमती नाम दैत्यकन्यातिरूपिणी । सा दृष्टा तेन मुनिना VarāP. 95. 16; कुले वसन्ति दुःशीला दुष्कुलाः शीलनिश्चये । वस्त्रानुलेपनैर्हीना भूषणैश्चातिरूपिणः BhaviP. 717A. 3 (iv. 79. 7); PadmP. iv. 108. 2; v. 30. 111; कदाचिदेषोऽतिबलोऽतिरूपी मद्दर्शनात् स्त्रीत्वमुपैति साक्षात् KalkiP. ii. 2. 23; VetāPañ.(S'i.) 51. 13.

अतिरेक (ati-reka) *m.* [MAYR. I. 27] **1** something left over, something in addition, something more, surplus **2 A** excess, superfluity, something more than required **B** abundance, ample measure **3** difference, distinction, distinctive quality **4** negative comcomitance, concomitant negation **5** excellence, superiority, greatness **1** something left over, something in addition, something more, surplus अवषट्कारातिरेकाच्च KātyS'S. i. 8. 47; तेषां कालातिरेकेण ज्योतिषां च व्यतिक्रमात् । पञ्चमे पञ्चमे वर्षे द्वौ मासावुपजायतः MahāBhā. iv. 47. 3; शूद्रेण च न हातव्यो भर्ता कस्यांचिदापदि । अतिरेकेण भर्तव्यो भर्ता द्रव्यपरिक्षये MahāBhā. xii. 60. 35; सर्वस्य त्रिविभागत्वाद्वेदस्योक्तेन हेतुना । उद्भिदाद्यप्रमाणत्वमतिरेकान्न सिध्यति TantrVā. 281. 8 (*on* i. 4. 1); अस्ति हि लोके द्विर्वचनादतिरेकेणापि यावत्कृत्वोऽभ्यस्ते विवक्षितार्थप्रकाशनं भवति तावत्कृत्वोऽभ्यासः TantrVā. 452. 11 (*on* ii. 2. 2); वैकल्पिके षोडशिन्यगृह्यमाणे द्वयोरतिरेकः TantrVā. 651. 9 (*on* ii. 4. 26); तस्माद्यो विहिते यस्मिन्नधिकोऽन्यो विधीयते । तस्य तं प्रति शेषत्वमतिरेकेण लक्ष्यते TantrVā. 664. 14 (*on* iii. 1. 2); अतिरेकश्चावश्यंभावी । अल्पे हि गृह्यमाणे संयवनस्याकृतत्वात्पुनः प्रणीतासंस्कारः कर्तव्य इति गौरवमापद्येत ṬupṬ. 25. 3 (*on* iv. 2. 15); TattvBi. 67. 7; न कृतिजन्ये सुखे कार्यत्वं नाम कश्चिदतिरेकः प्रत्यक्षमीक्ष्यते NyāyRaMā. 42. 14; अतो ज्ञानस्यातिरेकेण विषयाकाराभावात् सर्वेषां ज्ञानाकारत्वाद् विषयज्ञानतज्ज्ञानविशेषो न सिध्यतीति विपरीतप्रसङ्गापादनम् NyāyRa. 324. 11 (*on* 5(3). 197); न हि मिथ्यारूपसर्पभयनिवृत्ती रज्जुयाथात्म्यज्ञानातिरेकेण सर्पविनाशमपेक्षते S'rīBh. 155. 6 (*on* i. 1. 4); नापरिमितानामन्तन्यूनातिरेकाः संभवन्ति NyāyMa. 333. 1; सातिरेकाण्यष्टौ वर्षाणि जातस्य यस्य सः AupaSūṬ. 193. 14; पार्वणसंवत्सरात् षड्भिरहोभिः सावनस्य संवत्सरस्यातिरेकात् SaṅkarKāBh. 128. 3 (*on* iii. 1. 30); अनुमाने तु विज्ञानं यावत् ज्ञानस्य साधनम् । तावतो नातिरेकेण गुणः कश्चिदपेक्ष्यते NyāyKu. 37. 7; शुनः शून इति न्यूनातिरिक्तत्वं, शुन इति कर्मीभूतः शुनक उच्यते, शून इति च वृद्धिमापन्नः···अतिरेके च पदान्तरत्वमेव YuktiSneha. 156. 20 (*on* i. 1. 7); अथ यः पशुरतिरिच्यते स ऐन्द्राग्नः कार्य इत्येकस्यैव पशोरतिरेकं दर्शयति BhāṭṭDī. iv. 60. 14 (*on* x. 6. 13); **2A** excess, superfluity, something more than required सोमातिरेके स्तुतशस्त्रोपजनः ĀśvaS'S. II. vi. 7. 1; तत्र मध्य एव पदस्य नावस्येत् । अर्थाभिप्रापणा(? अर्थानभिप्रापणा)न्न्यूनीभावोऽर्थाभिप्रापणादतिरेकः NidāSū. 12. 7 (1. 8); जाम्यतिरेकनाम Nir. 4. 20 (85. 4); विहितप्रतिषेधात्पक्षेऽतिरेकः स्यात् MīmāSū. ii. 4. 27; तेन पक्षे द्वयोः स्तोत्रीययोरतिरेकः पक्षे तिसृणाम् S'ābaBh. 643. 15 (*on* ii. 4. 27); विहारे सति अतिरेकः पशूनामापद्यते S'ābaBh. 1579. 17 (*on* vii. 4. 14); 1961. 6 (*on* x. 5. 40); न च न्यूनातिरेकादिप्रसङ्गो लक्षणं प्रति S'lokaVār. 4. 24 (140. 3); अतिरेकाच्च न पञ्चविंशतितत्त्वाभिप्रायम् । अतिरेको हि भवत्यात्माकाशाभ्यां पञ्चविंशतिसंख्यायाः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 246. 11 (*on* i. 4. 11); अथवाधिक्यमतिरेकः तद्धेतुकेऽभिभवे धातुर्वर्तते । गौरवाधिक्येनोपाध्यायानभिभवति ManuBh. i. 151. 14 (*on* 2. 145); ऊर्ध्वमिति । प्रमाणस्याधिक्यं न्यूनातिरेकाभ्यामिति मन्तव्यम् AbhinBhā. i. 52. 17 (*on* 2. 18); किमर्थमुभयं सूत्रितमित्यतिरेकं चोदयित्वा परिहृत्य सम्यक् सूत्रितमिति वक्ष्यति NyāyRa. 13. 20 (*on* 1. 41); अतिरेकाच्च । तन्त्रसिद्धेभ्यस्तत्त्वेभ्योऽत्र तत्त्वातिरेकोऽपि भवति BrahmSūBh.(Rā.) 359. 6 (*on* i. 4. 11); VedāntDī. 70. 17 (*on* i. 4. 11); अतिरेकः संख्याधिक्यम् S'rutaPra. ii. 123. 16 (*on* i. 4. 11); VedāntPāSau. 126. 11 (*on* i. 4. 11); VedāntKau. 128. 4 (*on* i. 4. 11); NyāySu.(Ja.) 194A. 11 (*on* i. 4. 3); तर्हि धर्माणां षड्भ्यः पदार्थेभ्योऽतिरेकः स्यात् । तथा च षडेव पदार्था इति नियमो भज्येत NyāySu.(Ja.) 361A. 9 (*on* ii. 2. 6); गजादिदेहगतस्य च तत्परिमाणस्य पिपीलिकादिदेहेऽतिरेकः स्यात् NyāySu.(Ja.) 413B. 13 (*on* ii. 2. 10); TattvPrakā. 104A. 7 (*on* ii. 2. 34); BrahmSūBh.(S'rī.) i. 528. 3 (*on* i. 4. 11); AṇuBh. 107. 14 (*on* i. 4. 11); यथा कर्मण्यतिरेके प्रायश्चित्तश्रवणं बाधकम् AṇuBh. 210. 11 (*on* iii. 3. 3); 215. 6 (*on* iii. 3. 5); GoviBh. 68. 7 (*on* i. 4. 11); इतरथा तन्मात्रभूतादीनां न्यूनतातिरेको वा श्रूयते भ्रान्तेरनियतरूपत्वात् GoviBh. 82. 2 (*on* i. 4. 26); **2B** abundance, ample measure प्रभूतदोषस्तमसोऽतिरेकात् संमूर्च्छितो नैव विबुध्यते यः SuśruS. vi. 46. 20; तेषां षण्णां रसानां सोमगुणातिरेकान्मधुरो रसः CaraS. i. 26 40 (1941 Ed.); तृष्णातिरेको लालसा KāśiVṛ. *on* P. vii. 1. 51; तृष्णातिरेक इति । तृष्णाया अतिरेकोऽतिशयः प्रकर्षाधिक्यमित्यर्थः Nyās. iii. 653. 6 (*on* vii. 1. 51); अचलक्षोभतुमुलजलधिगर्भमूर्च्छन्मारुतातिरेकस्वीकृतेव(? क)जातवातप्रकृतिः (लक्ष्मीः) AvantiKa. 45. 8; प्लुष्टाः पृष्ठेऽशुपातैरतिनिकटतया दत्तदाहातिरेकैः (सप्तयः सप्तसप्तेः) SūryaS'. 45; क्लेशक्षयव्ययादीनां नातिरेकोऽत्र कश्चन TantrVā. 109. 1 (*on* i. 3. 4); सत्स्वनेकतनयेषु गुणातिरेकान्मूर्धाभिषिक्तनृपसम्मतमाशु राज्यम् EI. iii. 108. 38; i. 54. 9; KāvyālaṅSū. iv. 2. 18; भास्वत्तारतरात्ति(ति)रेकविलसच्चन्द्रार्द्धचि(च्चि)ह्नीकृतम् । ··· वन्दे सुन्दरवैद्यनाथविधृतं वन्द्य(न्द्यं) जटामण्डलम् EI. i. 147. 1; स्वोपवासभीततत्प्रतिविधानप्रवृत्तमृत्युप्रत्ते वरत्रय आस्तिक्यातिरेकात्प्रथमेन वरेण स्वात्मानं प्रति पितुः प्रसादो वृतः S'rīBh. 248. 5 (*on* i. 2. 12); EI. i. 355. 9; अन्येषां सवनलिहां प्रयातः स प्राच्यः क नु निजतेजसोऽतिरेकः S'rīKaC. 17. 44; सीधुगन्धि मुखमिन्दुमुखीनाम् । षट्पदः सपदि पातुमपप्तद्दुर्लभे हि रतिरेत्यतिरेकम् Surath. 6. 94; तन्वी तापातिरेकेण धत्ते यस्माद्विहस्तताम् EI. viii. 107. 34; xi. 53. 2; i. 65. 7;

तुरगसिंहयोः कट्याः सकाशादतिरेकेण अतिशयेन वर्तिता वृत्ता कटी यस्य स तथा AupaSūṬ. 37. 7; 50. 12; 100. 11; 105. 2; एतेषां यद्रूपं ततोऽतिरेकेण आधिक्येन 'रेहन्त' इति शोभमाना JñātāDhaṬ. 21B. 12; प्रियाप्रेम्णातिरेकेण…। अनेशदाशु भीमस्य सर्वोऽपि समरश्रमः PāṇḍaC. 7. 627; अवशिष्टानि नव तत्र पुनरेकादशिनीकरणे अतिरेकः समासो वाप्येत BhāṭṭDī. ii. 370. 16 (*on* vii. 4. 2); आभ्यामभ्युदयातिरेकरुचिरं राज्यं स्वभर्तुः कृतम् EI. viii. 210. 16; xiii. 200. 2; i. 280. 9; ii. 419. 46; vi. 117. 4; इह महसामतिरेकः क्रीडति हृतनम्रतापसामतिरेकः Yātrā-Pra. 1. 95; 2. 48 (4); 3. 79; Manmatho. 1. 25 (12) (426. 23); **2C** increase, overflow, upsurge स्वच्छमानसरसातिरेकपूरिताभ्यामिव गुरुतराभ्यां पयोधराभ्यां भ्राजमाना AvantiKa. 23. 11; रेजे राजीवराजी सा जिनपत्पङ्कजोन्मुखी। आदित्सुरिव तत्कान्तिमतिरेकादधःस्तुताम् MahāP. 25. 277; °नीलकण्ठदृष्टावातिथ्यं निबिडपयोधरप्रपञ्चे। आयाते गिरिदुहितुर्वतातिरेकं तत्कालं किल सलिलाशयोऽधिशिश्ये S'rīKaC. 9. 53 (comm. स सरोवरोऽतिरेकमाधिक्यं शिश्रिये); जयसि सुधानिधिरिह हि भवे त्वं तारापतिरेकः। यस्मिन्नुदयति कोऽपि भवेऽज्झषकेतोरतिरेकः S'rīKaC. 12. 78; एकः फलविकलश्चेन्नः कर्मणामतिरेकः YudhiVi. 6. 84 (comm. अतिरेक उद्रेकः); **3** difference, distinction, distinctive quality अतिरेकश्च कार्यस्येत्यहो न्यायविवेकिता VibhraVi. 24; व्यक्तितश्चातिरेकोऽस्य स्यान्नवेति विचारिते S'lokaVār. 5(12). 75 (565. 4); भेदो भिन्नश्चातिरेकोऽतिरिक्तो भेदोऽभिन्नः संविदः स्वप्रकाशाः। इत्येतस्मिन् विद्यते नार्थभेदः SaṁkṣeS'ā. 1. 215 (i. 167. 24) (comm. जीवब्रह्मणोर्भेदाभेदसंपादकः कश्चिद्धर्मोऽतिरेकः); Kāśi. i. 129. 25 (*on* 2. 128); तथापि सदृशदर्शनजसुभयस्मरणमात्रं विधेयेति चेत्। न। उभयस्मृतेरस्यातिरेकात्। स्थाणुपुरुषावयं तत्सदृशः पाषाणस्तम्भ इति Kiraṇā. 263. 13; 143. 1; अतिरेकस्याप्रयोजकत्वात् अन्यथा परसुखस्यापि पुमर्थत्वप्रसङ्गात् PramāMā. 20. 20; PrakaVi. 3. 13; TarkSaṁ.(Ā.) 2. 12; चेतनत्वादावभ्युपगमः जीवादतिरेके विवादः S'rutaPra. iB. 192. 27 (*on* i. 1. 13); एकोक्तानतिरेकश्चेन्निष्फलं स्यात् पदान्तरम्। अतिरेके कथं नु स्यादखण्डार्थाभिधायिता NyāyKu. 138. 3; S'atDū. 53. 13; 83. 22; अग्निरुष्ण इत्यादिवत् द्रव्यं जलमिति विशेषणतया स्फुरणादतिरिक्तत्वमिति चेत् अस्त्वेवमतिरेकः NyāySiA. 257. 15; 213. 27; 230. 18; अतिरेकव्यतिरेकभेदेन द्विविधो भेदः इति। अत्रातिरेको धर्म्यन्तरेष्वसन् धर्मः NyāySiA. 263. 2; किंच सुखस्य दुःखाभावमात्रत्वे वैशेषिकमोक्षवदपुमर्थता। अतिरेके सद्वितीयत्वम् Nyāyāmṛ. 637B. 11; YuktiSneha. 74. 19 (*on* i. 1. 5); ज्ञानत्वेऽपि तस्य सेतुदर्शनपक्षान्नातिरेकः। शास्त्रविहितत्वाविशेषात् AdvaiSi. 530. 9; Bheda-Dhi. 106. 3; GuruCandr. i. 11. 13; **4** negative (concomitance) or concomitant negation तस्य निर्णयकारणं स्यादन्वयोऽतिरेकश्च S'lokaVār. 5(5). 97 (430. 4); 7. 272 (921. 1); **5** excellence, superiority, greatness व्यस्यातिरेकं कृष्णस्य … वद जन्म महाभाग जन्ममृत्युजरापहम् BrahmVaiP. iv. 7. 1; साक्षादीश्वरदयामूलत्वान्मन्वादिनिबन्धनेभ्योऽस्यातिरेकः NyāyPari. 474. 19; उपकारिणि वीतमत्सरे वा सदयत्वं यदि तत्र कोऽतिरेकः। अहिते…सघृणं यस्य मनः सतां स धुर्यः Subhāṣi. 256; [Lexicons give अतिरेक as the meaning of रेक, शङ्कातिरेकयोः रेकः NānārthaMa. 62; of कट, कटोऽतिरेकशवयोः Nānārtha-Ma. 464; लालस, लालसस्तु निगद्यते तृष्णातिरेकयाञ्चासु तथौत्सुक्येऽपि गद्यते S'abdaRaSaK. 388. 1] cf. **अतीरेक.** **अतिरेकेण** (atirekeṇa) [Instr.] **i** other than, with more, more ऐकात्म्यवस्तुयाथात्म्यप्रकाशनपटीयसः। वचसस्त्वतिरेकेण किं मानं तद्धुरं वहेत् BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 719 (comm. पटुतरं वचस्तत्त्वमादि ततोऽतिरेकेण नान्यत्किंचिदपि मानान्तरं तत्प्रकाशनसमर्थमस्ति); नियमादतिरेकेण यद्यत् कर्म करोति यः। न किंचिदप्यस्य फलं सिध्यति क्रमदोषतः KulārT. 6. 81; **ii** to a very great measure, excessively अत्र शशिनं प्रत्यसूया दमयन्त्याः प्रतीयतेऽतिरेकेणेति Ekāva. 3. 1 (214); (105. 1)

अतिरेककल्पना (atireka-kalpanā) *f.* **i** postulation of the addition अनुबन्धापेक्षया चातिरेककल्पना BālKri. ii. 163. 26 (*on* 3. 278); **ii** assumption of distinction क्लृप्तविद्यासामर्थ्यादेव जीवब्रह्मविभागसिद्धावतिरेककल्पनावकाशाभावात् VivaPraSaṁ. 58. 4.

अतिरेकग्रहण (atireka-grahaṇa) *n.* mention of difference एतावता चोपपत्तौ किमतिरेकग्रहणेन PramāMā. 20. 31.

अतिरेकचीवर (atireka-cīvara) *n.* extra robe निष्ठितचीवरेण भिक्षुणा उद्धृते कठिने दशाहपरमं अतिरेकचीवरमविकल्पितं धारयितव्यं ततः उत्तरि धारयेन्नैसर्गिका पायन्तिका PrātiSū. 15. 1.

अतिरेकचीवरकल्प (atirekacīvara-kalpa) [Instr.] as an extra robe लभ्यं भदन्त सुगतचीवरमतिरेकचीवरकल्पेन धारयितुम् GiMs. iii(2). 91. 11.

अतिरेकचीवराधिष्ठान (atirekacīvarādhiṣṭhāna) [Instr.] with the extra robe serving as a basis or support लभ्यं भदन्त कौशेयं चीवरं त्रिचीवराधिष्ठानेन अतिरेकचीवराधिष्ठानेन धारयितुम् GiMs. iii(2). 91. 12.

अतिरेकतरलतार (atirekatarala-tāra) *adj.* pupils of which were excessively tremulous अतिरेकतरलतारम् … नयनोत्पलद्वन्द्वमभिमुखं दर्शयन्तीम् … बालिकामपश्यम् TilaMañ. 247. 11.

अतिरेकतस् (atireka-tas) *adv.* **A** due to difference or distinction व्यापारः कारकाणां हि दृष्टो जन्मातिरेकतः S'lokaVār. 4. 54 (151. 1); जाग्रत्स्वप्नसुषुप्तेभ्यो यदि नामातिरेकतः। व्यक्तिभ्यो गोत्ववद् दृष्टम् BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 856; i. 4. 362; किं स्वयं तत्प्रमेयत्वमस्य चेदतिरेकतः S'ivDṛ. 4. 114; **B** especially ऋक्षेऽन्त्यसप्तस्वतिरेकतोऽन्ये वदन्ति नौकाघटनादि कर्म YuktiKa. 223. 8; **C** excessively, abundantly अतिरेकतः प्रणयपूरपूरिता हरिणाक्षि चित्तसरसी तवाधुना Acyutarā. 9. 46.

अतिरेकता (atireka-tā) *f.* the nature of being different न सतो व्यतिरेकेण सतोऽन्यो भाव ईक्ष्यते। अप्यभावो न लभते किमु भावोऽतिरेकताम् BṛĀraUBhVā. iii. 8. 21.

अतिरेकत्व (atireka-tva) *n.* the nature of being additional or surplus उपमेयस्य गुणातिरेकत्वं (? रेकित्वं) व्यतिरेकः KāvyālaṅSū. iv. 3. 22 (vṛtti गुणातिरेकत्वं गुणाधिक्यम्); आधारस्य ब्रह्मणो हि तथाकाशस्य चातिरेकत्वात् (? चातिरेकात्) VedāntPāSau. 126. 22 (*on* i. 4. 11)

अतिरेकनामन् (atireka-nāman) *n.* synonym of excess or superfluousness जाम्यतिरेकनाम Nir. 4. 20 (85. 4); *adj.* named *atireka* (i. e. difference) तथा चानन्दादीनां ब्रह्मामेदेऽपि धर्मधर्मिभावव्यवहाराय त्वयाप्यतिरेकनामा कश्चनार्थः स्वीक्रियते LaCandr. 738. 28.

अतिरेकनिर्विवेक (atireka-nirviveka) *adj.* more reckless than युवजनादतिरेकनिर्विवेकस्त्विरा भिर्निषादलोकादधिकनिर्दयद्विजातिभिः TilaMañ. 200. 1.

अतिरेकपक्ष (atireka-pakṣa) *m.* view that admits something as a different entity सादृश्यं चोपाधिः इत्यादि त्वतिरेकपक्षस्वरसमप्यतिरेकपक्षानुपपत्तेः स्वरूपमात्रपरम् NyāySiA. 266. 19; न च द्वैतादेरप्रामाणिकत्वे तद्विरहस्याप्रामाणिकत्वापत्तिः, अतिरेकपक्षे इष्टापत्तेः AdvaiSi. 804. 17.

अतिरेकपरत्व (atirekapara-tva) *n.* the state of conveying difference तस्य सम्बन्धप्रतियोगित्वानुयोगित्वयोः अभावप्रतियोगित्वादेश्च अतिरेकपरत्वात् Guru-Candr. i. 238. 9.

अतिरेकपात्र (atireka-pātra) *n.* additional vessel दशाहपरमं भिक्षुणा अतिरेकपात्रं धारयितव्यम्, तत उत्तरं परिधारयेत् नैसर्गिका पायन्तिका PrātiSū. 18. 16.

अतिरेकभय (atireka-bhaya) *n.* fear of excess विहारे सति अतिरेकः पशूनामापद्यते। अतिरेकभयाच्च द्वयोर्द्वयोः समासः S'ābaBh. 1579. 18 (*on* vii. 4. 14)

अतिरेकभाज् (atireka-bhāj) *adj.* different from प्रत्यग्याथात्म्यविज्ञानजन्मनो नातिरेकभाक् BṛĀraUBhVā. i. 4. 1555.

अतिरेकम् (atirekam) *adv.* excessively, too much तान् रसान् सप्त नारिकेलं (नातिरेकं) समाचरेत्। रसातिसेवनाज्जन्तुः सद्यो मृत्युमवाप्नुयात् BhelaS. 21. 7 (1. 12); दृष्ट्वा च तां तथाविधामतिरेकमन्तःप्रकटितप्रीतिमुत्पन्नद्रढतरसौहृदोऽहं सोद्वेगमवदम् TilaMañ. 257. 22.

अतिरेकरमणीय (atireka-ramaṇīya) *adj.* extremely beautiful चूतशाखिनः शिखरदेशादवततार शुकशकुन्तिरेकोऽतिरेकरमणीयाकृतिः TilaMañ. 194. 23.

अतिरेकरम्य (atireka-ramya) *adj.* extremely pleasing अस्य … तेषु तेष्वतिरेकरम्येषु सागरकूलवलयेषु कुलपर्वताग्रेषु … विचरतः … अचिस्कन्द परमां वृद्धिमानन्दः TilaMañ. 428. 15.

अतिरेकरम्याकृति (atirekaramyākṛti) *adj.* of a very pleasing form एकातिरेकरम्याकृतिः सुरवधूरागत्य मधुराक्षरमभाषत TilaMañ. 400. 8.

अतिरेकलक्षण (atireka-lakṣaṇa) *adj.* **A** characterised by being an addition to एतदेवातिरेकलक्षणं शेषत्वं युक्तम् TantrVā. 664. 16 (*on* iii. 1. 2); **B** characterising excellence or superiority अत्राप्युपमानादुपमेयस्यातिरेकलक्षणं यद्वस्तु वक्तुमिष्टम् VyaktiVi. 65. 25; Kāvyānu.(He.) 184. 8.

अतिरेकवचन (atireka-vacana) *n.* statement of being an addition or excess द्वयोस्तिसृणां चातिरेकवचनं कर्मैकत्वे नोपपद्यते MīmāKau. ii. 117. 9 (*on* ii. 4. 8)

[1]**अतिरेकवत्** (atireka-va(n)t) *adj.* **i** possessing excess (of merit) तस्माद्दानेन तपसा कर्मणा च शुभं फलम्। वर्धयेदशुभं कृत्वा यथा स्यादतिरेकवान् MahāBhā. xii. 36. 37; **ii** being excessive अतिरेकवान् किल गुणोऽपि कलयति कदापि दोषताम् ChandaśCū. 3. 46(3); **iii** possessed of superiority अरिष्टनीले रत्नविशेषौ गुलिका वर्णद्रव्यविशेषो गवलं माहिषशृङ्गम्, एतेभ्योऽतिरेको नीलत्यातिरेकवान् AupaSūṬ. 20. 2.

[2]**अतिरेकवत्** (atireka-vat) *adv.* as in the case of (Abhāva being considered as) a different entity अतिरेकवदनतिरेकेऽपि अविज्ञातकरणतादीन्यनुमानानि च सुलभानीति NyāyPari. 493. 16.

अतिरेकवश (atireka-vaśa) *m.* [Abl.] on account of excess (of confidence or pride) तं पुरा षोढा निर्जितमित्यवज्ञया पश्यन्नतिरेकवशात्तां सरितमुत्तीर्य

स्कन्धावारं निवेशयामास PrabaCin. 22. 29.

अतिरेकवाद (atireka–vāda) *m.* the view that (configuration) is a separate distinctive property अतिरेकवादेऽपि संस्थानस्य संप्रतिपन्नत्वाच्च संस्थानमेव जाति: S'rīBh. 32. 12 (*on* i. 1. 1)

अतिरेकविधिनिषेध (atireka–vidhiniṣedha) *m.* affirmation or negation (of action) as an additional entity तत्र भाष्यादिष्वतिरेकविधिनिषेधादर्शनात् अर्थान्तरविरोधाभावाच्च उदासितव्यम् NyāyPari. 503. 5.

अतिरेकसमाधान (atireka–samādhāna) *n.* answer to (the objection about) the excess (of the number of principles) प्रधानं त्रिधा भित्त्वा अतिरेकसमाधानादभ्युच्चयमात्रत्वमिति चेत् का तर्हि गमनिका VedāntKa. 206. 20 (*on* i. 4. 3)

अतिरेकसिद्धि (atireka–siddhi) *f.* establishment of a different nature व्यापारापरव्यपदेशसहकारिभावाभावौ हि करणाकरणे कार्यभावाभावौ वेति । अतिरेकसिद्धावपि स्वकाल एव स्वाभावप्रतिक्षेपवत् अकरणाभावमाक्षिपेत् करणं न त्वन्यदा ĀtmaTaVi. 120. 15.

अतिरेकापत्ति (atirekāpatti) *f.* contingency of something being additional or different यथाकथंचिदेकताप्रत्ययस्यार्थसाधकत्वे च वनादेरपि प्रत्येकवृक्षादिभ्योऽतिरेकापत्तेः । एकं वनमित्याद्यनुभवसाम्यादिति SāṁkhyaPraBh. 129. 21 (*on* 5. 57)

अतिरेकावकाश (atirekāvakāśa) *m.* scope for difference यद्यप्येवं नातिरेकावकाशः पूर्णे तत्त्वे तत्त्वमर्थोपपत्तेः SaṁkṣeS'ā. 1. 162 (i. 132. 18)

अतिरेकाशङ्का (atirekāśaṅkā) *f.* additional doubt अतिरेकाशङ्कापरिहाराय अत्र तु पुनरुपन्यस्तम् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 172. 17 (*on* i. 3. 18)

अतिरेकिता (atireki–tā) *f.* the state of being different, distinct or additional भावत्वे सति तद्वत्त्वान्नाशित्वमपि सिध्यति । तत्कारणस्य चाधारनाशादेरतिरेकिता TarkSaṁ.(Ā.) 125. 13; अनुष्णाशीतवत्तुच्छा(द्) ब्रह्मणश्चातिरेकिता NyāyPari. 48. 13; यथैतेषां मिथो भेदः परेषां नातिरेकिता । तथालंकारसर्वस्वे सप्रपञ्चमदर्शयम् AlaṅkāS'e. 13. 0 (102)

अतिरेकित्व (atireki–tva) *n.* superiority उपमेयस्य गुणातिरेकित्वं व्यतिरेकः KāvyālaṅSū. iv. 3. 22.

अतिरेकिन् (atirek–in) *adj.* [*f.* –iṇī] **A** different or distinct (from) साधनानामभावस्स्यात्कर्तृकर्मातिरेकिणाम् । साधनानां नियोगो हि कर्तृव्यापार इष्यते BhāvanāVi. 135. 4; षडेते धर्मिणः प्रोक्ता धर्मास्तेभ्योऽतिरेकिणः TattvSaṁ. 574; 1902; प्रागभावादयोऽभावाः सन्तः स्युरतिरेकिणः । व्यपदेशाद्घटेनैषामन्योन्याभाववद् ध्रुवम् BṛĀraUBhVā. i. 2. 114; ब्रह्मैव परमार्थः । तदतिरेकि ··· सर्वं तस्मिन्नेव परिकल्पितं मिथ्याभूतम् BrahmSūBh.(Rā.) 13. 15 (*on* i. 1. 1); सावयवत्वातिरेकि रूपान्तरं नोपलभामहे BrahmSūBh.(Rā.) 140. 1 (i. 1. 3); यदाह भट्टः - पूर्वप्रमितिमात्रे हि जायते स इति स्मृतिः । स एवायमितीयं तु प्रत्यभिज्ञातिरेकिणी TarkBhā.(Mo.) 32. 17; **B** surpassing, excelling अस्त्रैः समानामतिरेकिणीं वा पश्यन्निषूणामपि तस्य शक्तिम् Kirātā. 17. 34 (comm. ततोऽधिकाम्); चारूरू··· तत्कान्तिमतिरेकिणीम् । जनानां दृक्पथे स्वैरं विक्षिपन्त्याविवाभितः MahāP. 16. 79; अन्यैव कान्तिस्सा सृष्टिर्विधातुर्यातिरेकिणी SkandP. iv. 25. 25; पितापि ··· तत्सुखं प्राप पीयूषसेकतोऽप्यतिरेकि यत् PāṇḍaC. 1. 121.

अतिरेकीभवत् (atirekī–bhavat) *adj.* becoming excellent or better ए ो नूतनचूतकोरकघनग्रासातिरेकीभवत्कण्ठध्वानजुषो हरन्ति हृदयं मध्येवनं कोकिलाः SubhāRaK. 8. 20.

अतिरेखा (ati–rekhā) *f.* name of a particular metre (v. l. °लेखा) Ind. St. 8. 391.

अतिरेच (ati–reca) *m.* abundance cf. **अनतिरेच** non-abundance [ut.]

अतिरेचन (ati–recana) *n.* **A** diarrhoea चन्द्रगृहे चन्द्रांशे वातोन्मादातिरेचनाद्वापि (मरणम्) HorāSā. 26. 7; **B** excessive purgation शोषमूर्च्छाभ्रमापन्नं नातिरेचनमाचरेत् HārīS. iii. 10. 21; *adj.* causing excessive purgation रसे रसायनं श्रेष्ठं निःसत्त्वं बहुवैकृतम् । कङ्कुष्ठं तिक्तकटुकं वीर्योष्णं चातिरेचनम् RasRaSa. 3. 113; इष्टिकाचूर्णसंकाशश्चन्द्रिकाढ्योऽतिरेचनः ··· कम्पिल्लकः RasRaSa. 3. 122.

अतिरेचित (ati–recita) *adj.* **1** excessively purged स उभाभ्यां तथाभीक्ष्णं स्रोतोभ्यामतिरेचितः BhelaS. 18. 10 (1. 10); **2** completely removed or dissolved पृथिव्याः पार्थिवो भावः सलिलेनातिरेचितः VarāP. 39. 22.

अतिरेचितव्य (ati–recitavya) *adj.* should be left to remain तस्मादतिरिक्तस्य प्रतिपत्तिर्न त्वतिरेचितव्यमिति शास्त्रमस्ति ṬupṬ. 25. 3 (*on* iv. 2. 15)

अतिरेच्य (ati–recya) *adj.* to be expanded अतः स्वशाखाकल्पसूत्रगृह्योक्तश्राद्धप्रयोगस्तावानेव कर्तव्यो न स्मार्तपदार्थप्रवेशेनातिरेच्यः CaturCin. iii(1). 749. 3.

अतिरेच्यमान (ati–recyamāna) *adj.* being expanded (°श्राद्धप्रयोगः) अतिरेच्यमानो हि प्रयोगविध्यभिमतौ क्रमकालौ हित्वान्यावासादयेत् CaturCin. iii(1). 749. 3.

अतिरेतस् (ati–retas) *adj.* abounding in semen शुक्रेशमर्चयिष्यन्ति शृणु तेषां तु यत्फलम् । अवन्ध्यशुक्रास्ते मर्त्याः पुत्रवन्तोऽतिरेतसः SkandP. iv. 16. 126 = S'ivaP. ii(5). 50. 50.

अतिरेवन्तमूर्ति (atirevanta–mūrti) *adj.* having a form which surpasses that of Revanta अश्वानधिष्ठिताः केचिदतिरेवन्तमूर्तयः । अध्यासीना रथान् केचिदादित्याद्या इव ग्रहाः TriṣaS'aPuC. ii. 5. 75 (F. N. सूर्यपुत्राधिकरूपाः)

अतिरोक (ati–roká) *m.* aperture परिश्रयन्तोऽतिरोकान्कुर्वन्ति MaiS. iii. 6. 1; MānS'S. 58. 10.

अतिरोग (ati–roga) *adj.* suffering from a severe disease पञ्च विद्यां न गृह्णन्ति जडास्स्तब्धाश्च ये नराः । अलसाश्चातिरोगाश्च येषां च विस्मृतं मनः YājñaS'i. 163; *m.* severe disease or consumption महाभयेऽतिरोगे चाप्याशब्दो हन्तृवाचकः । एतान्हन्त्येव या देवी सा दुर्गा परिकीर्तिता BrahmVaiP. ii. 57. 8; राजयक्ष्मा क्षयो यक्ष्मा रोगराजो गदाग्रणीः । ऊष्मा शोषोऽतिरोगश्च रोगाधीशो नृपामयः RājNi. 408. 5; तत्रातिरोगैर्विलयं प्रयान्ति कलिङ्गवङ्गाः VasiS. 6. 76.

अतिरोगपीडिता (atiroga–pīḍitā) *adj.* (*f.*) afflicted by a very severe disease पुत्री मुण्डिका । प्रतिदिनं मृत्तिकां भक्षयति । अतः अतिरोगपीडिता बभूव SamyaKau. 69. 6.

अतिरोगिन् (ati–rogin) *adj.* suffering from an incurable disease especially consumption, consuptive or tubercular (patient) वेश्यातिसक्तपतितशूद्रतुल्यातिरोगिणः । ··· परिविन्दन् न दुष्यति GobhiSm. 1. 72; (तन्त्रेऽस्मिन् वर्जिता ये च प्रतिष्ठां तैर्न कारयेत्) अतिरोगी भिषक् चैव साहसी समयच्युतः PañcaRā.(Ha.) i. 3. 11; अतिरोगी अचिकित्स्यरोगवान् VīraMi.(S'rāddha.) 85. 24; BālamBha. iii. 165. 29 (*on* 3. 265)

अतिरोचनक (ati–rocanaka) *adj.* very much pleasing or charming विशिष्टं वैष्णवं नाम सर्वकर्मसु चोदितम् । हरेः परं पितुर्नाम यो ददात्यपरं सुतम् । अतिरोचनकं दिव्यं तृतीयं श्रुतिचोदितम् VṛHārīSm. 3. 13.

अतिरोचमान (ati–rócamāna) *adj.* **1** shining across or beyond दशान्तरुष्यादतिरोचमानम् ṚV. x. 51. 3; **2** having a fine whorl on the neck अश्वाः प्यधुर्वसुमतीमतिरोचमानास्तूर्णं पयोधय इवोर्मिभिरापतन्तः S'iśuVa. 5. 4 (comm. अतिशयिता रोचमानाः कण्ठावर्ता येषां ते) = SūktiMu. 102. 3.

अतिरोचयत् (ati–rocayat) *adj.* liking very much मनसा चिन्तयन् पापं कर्मणा नाभि(v. l. नाति)रोचयन् । न प्राप्नोति फलं तस्य MahāBhā. v. 91. 7; शिखण्ड्यपि महाराज पुंवद्राजकुले तदा । विजहार मुदा युक्तः स्त्रीत्वं नैवातिरोचयन् MahāBhā. v. 190. 17.

अतिरोचिष्मत् (atirociṣ–ma(n)t) *m.* name of one of the Vasus नन्दोपनन्द° ··· अतिरोचिष्मत्° ··· सुजया अन्ये च शतशो वसवः ··· एवासत SāmaraU. 252. 12.

अतिरोचिस् (ati–rocis) *adj.* excessively shining, possessing great lustre or splendour जातो ह्यङ्गारैरङ्गिरा यतः । तस्मादङ्गिरसे प्रादादात्रेयीमतिरोचिषम् BrahmP. 144. 5.

अतिरोदन (ati–rodana) *n.* excessive crying or weeping क्षीरमुपसेवमानस्य शिशोरचिरं वा कटीधारणाद् बस्तिगुदसंरोधनात् अतिरोदनात् ··· क्षीरमामोद्यते वायुना KāśyaS. 106B. 23; वसागन्धोऽतिरोदनम् । ··· अन्धपूतनया भवेत् RugVi. 68. 26; विलोचनानाम् आपाटलानामतिरोदनेन NavaSāC. 1. 87; परं सुतवियोगेन तेन तस्यातिरोदनात् । अह्नोऽपि रात्रीकरणमन्धत्वमुदपद्यत PariPar. 1. 224; *adj.* crying excessively स्मृतिमानभियोगवान् विनीतो न च बाल्येऽप्यतिरोदनो न लोलः BhāvPra.(Bhā.) 4. 75.

अतिरोध (ati–rodha) *m.* excessive obstruction (of faeces) or constipation) गुदजः (वायुः) संप्रकुप्यति । लवणकटुकषायतिक्तसंसेवनेनामितलघुतरभोज्याच्छीतलेनातिरोधात् HārīS. iii. 11. 6.

अतिरोधतस् (atirodha–tas) *adv.* with complete restraint (of the breath) येन त्यजेत् तेन पीत्वा धारयेदतिरोधतः । रेचयेच्च ततोऽन्येन शनैरेव न वेगतः HaṭhPra. 2. 9.

अतिरोधान (a–tirodhāna) *n.* non-concealment (न तिरोधीयते तस्मात् कुड्यमध्येऽपि तद् ध्रुवम्) व्योमस्वरूपाभिप्रायं चेदमतिरोधानम्, कुड्यप्रदेशे त्वस्त्येव तिरोधानम् NyāyRa. 755. 19 (*on* 6. 97); न च विषयप्रकाशाद् विप्रलब्धो ज्ञानाप्रकाशकं नानुसंदध्यात् । अर्थान्तरप्रकाशेनार्थान्तराप्रकाशस्यातिरोधानात् NyāyKu. 78. 20.

अतिरोधानवचन (atirodhāna–vacana) *n.* statement about non-concealment प्रत्यक्षमेवाकाशम् । ··· तदुपपन्नमतिरोधानवचनम् NyāyRa. 738. 20 (*on* 6. 34–35)

अतिरोधायक (a–tirodhāyaka) *adj.* not concealing or obstructing

तस्याः (प्रकृतेः) संशुद्धमंशं कमपि तमतिरोधायकं सत्त्वरूपं स त्वं धृत्वा दधासि ··· वैकुण्ठ रूपम् Nāráy. i. 1. 5.

अतिरोधायकत्व (atirodhāyaka-tva) *n.* the state of not (being an agent of) concealing उद्गीथस्यादित्यदृष्टिविषयत्वाङ्गीकारे रजतदृष्टिविषयशुक्तिस्वरूपमिवोद्गीथक्रियास्वरूपं तिरोधीयेतेत्याशङ्क्याहार्यदृष्टेरतिरोधायकत्वस्योक्तत्वात् Citra-Mī. 59. 24.

अतिरोधि (a-tirodhi) *adj.* manifest (*lit.* not being concealed) अतिरोधिरसौ ···। तनुते तनुरीश तावकी स्मरणं विस्मरणं च दुःशकम् Yādavā. 9. 62; *m.* non-concealment, non-disappearance परस्परं भूषयतः प्रतीकान् औद्वाहिकं मङ्गलमुद्वहन्त्याः। प्रायः स्वदीप्तेरतिरोधिमिच्छन्त्यावारयन्नाभरणानि तस्याः Yādavā. 12. 70.

अतिरोप्य (ati-ropya) *adj.* a variety of paddy liable to be transplanted repeatedly (व्रीहयः) रोप्यातिरोप्या लघवः शीघ्रपाका गुणोत्तराः SuśruS. i. 46. 12.

अतिरोभाविन् (a-tirobhāvin) *adj.* not disappearing or vanishing विनाशि तिरोभावि शब्दादीनां शब्दस्पर्शरूपरसगन्धतन्मात्राणां स्वकार्यमपेक्ष्य अविनाशिनाम् अतिरोभाविनाम् TattvVai. 132. 29 (*on* 3. 13)

अतिरोभूय (a-tirobhūya) *ger.* without disappearing वल्गन् कोऽप्यतिरोभूयाङ्गं तिरस्कृत्य वर्मणा।··· मध्येकृत्येभमभ्यहन् (दैत्यभटः) DvyāśraKā. 5. 22.

अतिरोमचय (ati-romacaya) *m.* too much amount of hair अतिरोमचयान्वितोत्तरोष्ठी न शुभा भर्तुः BrSaṁ. 70. 20.

अतिरोमचित (ati-romacita) *adj.* excessively covered with hair (all over the body), too much hairy भौमगृहे रविदृष्टो ह्यतिरोमचितं गुरुः कुरुते (नरम्) Sārā. 27. 25.

अतिरोमता (atiroma-tā) *f.* excessive fibrousness (hairiness) (of cloth), excessively fibrous texture सूक्ष्मतन्तूपसदनं तथा चैवातिरोमता। श्याममण्डलता चैव वस्त्राणामविशेषतः।··· एवमादीनि चिह्नानि ViṣṇuDhaP. ii. 28. 30.

अतिरोमन्थ (ati-romantha) *m.* excessive rumination बाणोऽपि ··· अतिरोमन्थमन्थरकुरङ्गकुटुम्बाध्यास्यमानम्रदिष्ठगोष्ठीनपृष्ठास्वरण्यस्थलीषु ··· निवासस्थानमगात् HarṣaC. 124. 14.

अतिरोमश (ati-romaśa) *m.* **1** wild goat वनच्छागोऽतिरोमशः Hārāv. 81; **2** a kind of monkey, [S'abdaKaDru.]

अतिरोमशा (ati-romaśā) *adj.* (*f.*) too much hairy or shaggy (पाञ्चाली) ताम्राक्षी नातिरोमशा MahāBhā. ii. 58. 36.

अतिरोमाकुला (ati-romākulā) *adj.* (*f.*) too much hairy or shaggy अतिरोमाकुला ··· त्याज्या ··· कन्या विवाहे सदा PañcSā. 4. 4.

अतिरोमाङ्ग (ati-romāṅga) *adj.* having profuse hair all over the body तत्रोदपद्यत तदा पुरुषः ··· ऊर्ध्वकेशोऽतिरोमाङ्गः BrahmP. 39. 80.

अतिरोष (ati-roṣa) *m.* extreme or excessive anger अतिहासातिरोषौ च क्रोधस्थानं च वर्जये MahāBhā. iii. 222. 28; तयातिरोषात्सोढासि न त्वद्वने वसन्ती RaghuVa. 14. 63; अतिशिशिरप्रियतातिरोषः।··· इति भाषितलक्षणानि पित्तज्वरे प्रतिदिनं प्रभवन्ति तानि KalyāKā. 9. 55; अतिरोषान्महादेवः···अब्रवीत्। आनीयतां स दुष्टात्मा GaṇeP. ii. 106. 23; यदपसरति मेषः कारणं तत्प्रहर्तुं मृगपतिरतिरोषात् सङ्कुचत्युत्पतिष्यन् SūktiRa. 84. 13; रतिपतिरतिरोषात्तारकापुष्पबाणैस्तुदति युवमनांसि ध्वान्ततदन्तावलाढ्यः KaṁVa. 4. 54; अतिरोषादतिशयितात् ··· भवति यदृच्छावशोऽनर्थः KandaCū. vi. 6. 4; ĀnandRa. 7. 25.

अतिरोषण (ati-roṣaṇa) *adj.* [*f.* -ā] extremely angry, extremely wrathful भृगवो ह्यतिरोषणाः MahāBhā. xiv. 96. 7; सत्यवतीम् ··· ताम् ··· गाधिरप्यतिरोषणायातिवृद्धाय ब्राह्मणाय दातुमनिच्छन् ViṣṇuP. iv. 7. 14; अतिरोषणश्चक्षुष्मानप्यन्ध एव जनः HarṣaC. 19. 8; 12. 5; MahāP. 8. 224; क्षत्रियाः गिरिदुर्गमनुप्राप्ताः ··· रामोऽनुपदमागम्य ताञ्जघानातिरोषणः NīlaP. 1169; माहेश्वरी ···। चकर्त दुर्धरस्याशु मूर्धानमतिरोषणा SkandP. i(3B). 19. 43; UjjvaNīMa. 83. 5.

अतिरोषभीषण (atiroṣa-bhīṣaṇa) *adj.* frightening because of great wrath अथाविशद्विसुरतिरोषभीषणश्रमूम् Raghunā. 8. 91.

अतिरोषभृत् (atiroṣa-bhṛt) *adj.* possessing excessive anger, excessively angry or wrathful स प्रतस्थे महेशस्य बाणहस्तोऽतिरोषभृत् SkandP. v(1). 3. 4.

अतिरोषरौद्र (atiroṣa-raudra) *adj.* fierce with great fury निपात्य भूमावतिरोषरौद्राः क्रमेण चक्रुस्तद(? स्तव)रोत्तरांस्तान् VarāṅgaC. 17. 62.

अतिरोषवश (atiroṣa-vaśa) *m.* [Abl.] on account of excessive anger वाचमवददतिरोषवशादतिनिष्ठुरस्फुटतराक्षरामसौ S'iśuVa. 15. 13.

अतिरोषसमन्वित (atiroṣa-samanvita) *adj.* possessing excessive anger, extremely angry इतन्नतोर्वृषरूपधारिणः ककुदि स्थितोऽतिरोषसमन्वितः ··· असुरान्निजघान (पुरञ्जयः) ViṣṇuP. iv. 2. 31.

अतिरोषसमाविष्ट (atiroṣa-samāviṣṭa) *adj.* overwhelmed with excessive anger, extremely angry दशरथः ··· अतिरोषसमाविष्टो विष्टरश्रवसमाराध्य दण्डयात्रां चकार PadmP. iv. 112. 12 (6)

अतिरोषाकुलित (atiroṣākulita) *adj.* agitated by excessive anger सोऽभ्यगादतिरोषाकुलितो नलान्तिकम् Nalābhyu. 7. 8.

अतिरोषाढ्या (atiroṣāḍhyā) *adj.* (*f.*) full of extreme anger (इन्द्राणी) वज्रहस्तातिरोषाढ्या DevīBhāP. v. 28. 24.

अतिरोषारुण (atiroṣāruṇa) *adj.* red with extreme anger चैत्रस्तारक्षवीम् ··· अतिरोषारुणस्तब्धविशालवृत्तलोचनाम् ··· तनुमास्थाय स्वप्ने प्रतिबुद्धो मानुषीमात्मनस्तनुं पश्यति Bhām. 356. 5 (*on* ii. 1. 14)

अतिरोषिता (ati-roṣitā) *adj.* (*f.*) much irritated or enraged तदातिरोषिता गोपी तत्र व्याक्रोष्टुमुद्यता ĀciP. 23. 47.

अतिरोषिन् (ati-roṣin) *adj.* very angry or wrathful पीतावभासुरवपुः पुरुषोऽतिरोषी पित्ताधिको भवति KalyāKā. 9. 4.

अतिरोह (ati-roha) *m.* an epithet of S'iva आरोहणोऽतिरोहश्च Catur-Cin. i. 210. 9.

अतिरोहत् (ati-róhat) *adj.* climbing over, ascending अति त्री सोम रोचना रोहन्न भ्राजसे दिवम् ṚV. ix. 17. 5.

अतिरोहा (ati-rohā) *f.* a kind of creeper (identified with Vanamālā) वनमाली(? ला) द्वितीया चर्मकसा रोहिणी रुहा पृक्का। अतिरोहा च विकासा मासरुहा स्याद्गन्धविलासा AbhidhāMañ. 243. 4.

अतिरोहिणीशशत्रु (ati-rohiṇīśaśatru) *adj.* who has surpassed Rāhu (*lit.* enemy of the husband of Rohiṇī) रेवत्यामतिरोहिणीशशत्रुः।··· लक्ष आगात् DvyāśraKā. 4. 47 (comm. राहुमतिक्रान्तः)

अतिरोहित (a-tirohita) *adj.* not concealed, not hidden (i. e. clear, manifest) यदयं प्राणोऽध्यात्ममतिरोहितो मदित्येव KauṣiBr. 18. 4 (80. 19); तस्माद्यथातिरोहितमपि तिरोहितमिवाभिव्यज्यत इव प्रयत्नापेक्षम्, तथात्मतत्त्वमप्यतिरोहितं तिरोहितमिव प्रयत्नादभिव्यज्यत इवेति पुष्कलम् BrahmSi. 37. 17; शेषमतिरोहितम् TātpaṬ.(Vā.) 69. 20 (*on* i. 1. 1); 312. 23 (*on* i. 1. 41); TattvVai. 76. 19 (*on* 2. 15); 97. 23 (*on* 2. 25); श्रुत्यनुगमश्चातिरोहितः Bhām. 57. 14 (*on* i. 1. 1); 75. 12 (*on* i. 1. 3); VedāntDī. 50. 5 (*on* i. 3. 13); VedāntSā.(Rā.) 96. 5 (*on* i. 3. 18); अतिरोहितस्य ब्रह्मणोऽज्ञानसाक्षित्ववदज्ञानतिरोधानाभ्यां विनाप्यज्ञानकार्याभिमतप्रपञ्चदर्शनसंभवात् NītiMā. 23. 18; तत्र क्रमसंबन्धस्यातिरोहितस्य प्रत्येयत्वात् AlaṅkāSa. 149. 5; PṛthvīVi. 3. 31; स किं ब्रह्मण्यतिरोहिते कल्पयति उत तिरोहिते S'rutaPra. iA. 80. 22 (*on* i. 1. 1); S'atDū. 140. 25; AṇuBh. 186. 4 (*on* iii. 2. 6); अतिरोहितमन्यत् Aparā. 7. 5 (*on* 1. 5); 101. 21 (*on* 1. 75); सूत्रार्थोऽतिरोहित इति नाभिहितः TattvPrakā. 129B. 8 (*on* ii. 4. 9); कुबेरस्त्वयि तुष्टः ··· लोकसमक्षमतिरोहितः RājTa.(Jo.) 48.

अतिरोहितत्व (atirohita-tva) *n.* the state of not being concealed यथासंकल्पं जगत्सृष्टिश्रवणेन सत्यसंकल्पादिगुणानामतिरोहितत्वावगमात् S'rutaPra. iB. 202. 30 (*on* i. 1. 13)

अतिरोहितदशा (atirohita-daśā) *f.* unconcealed (i. e. manifest) state अतिरोहितदशायां विषयत्वलक्षणस्वभाववैशिष्ट्येन भेदसत्यत्वप्रसङ्गाच्च S'atDū. 145. 15.

अतिरोहितभेद (atirohita-bheda) *adj.* of unconcealed or obvious difference उभये देवमनुष्या इति वर्गद्वयापेक्षमतिरोहितभेदानां वर्गिणामभिधानम् Pradī. iv. 323A. 18 (*on* v. 2. 44); iv. 329B. 37 (*on* v. 2. 48)

अतिरोहितराजवेश (atirohita-rājaveśa) *adj.* who was clad in a royal apparel अतिरोहितराजवेशम् ··· केकयसुता ·· रामं कथं नु मुनिवेशधरं चकार MahāN. 3. 33.

अतिरोहितरूप (atirohita-rūpa) *adj.* of unconcealed (i. e. manifest) form अतिरोहितरूपं यज्जगन्यव्याकृते तथा। तत्साक्षित्वाच्च BrĀraUBhVā. i. 4. 715.

अतिरोहितरूपिन् (atirohita-rūpin) *adj.* whose (original) form is not concealed, possessed of an unconcealed form आरोपविषयस्य स्यादतिरोहितरूपिणः। उपरञ्जकमारोप्यमाणं तद्रूपकं मतम् PratāYaBhū. 371. 4 = Citra-Mī. 44. 15.

अतिरोहितसंवित्क (atirohitasaṁvit-ka) *adj.* possessed of an unconcealed (i. e. clear) knowledge अतिरोहितसंवित्कं सदानस्तमितोदितम्। ··· तत् BrĀraUBhVā. i. 4. 212; ii. 3. 225.

अतिरोहितस्वभाव (atirohita-svabhāva) *adj.* possessed of an unconcealed (i. e. manifest) nature दहरवाक्ये त्वतिरोहितस्वभावापहतपाप्मत्वादिविशिष्ट एव दहराकाशः प्रतीयते BrahmSūBh.(Rā.) 306. 16 (*on* i. 3. 18)

अतिरोहितस्वमाहात्म्य (atirohita-svamāhātmya) *adj.* whose personal greatness is unconcealed मुक्तस्यातिरोहितस्वमाहात्म्यस्यानवधिकातिशयानन्दपरिपूर्णब्रह्मानुभव एव VedāntSā.(Rā.) 410. 3 (*on* iv. 4. 17)

अतिरोहितस्वरूप (atirohita-svarūpa) *n.* unconcealed (i. e. manifest) nature or form अतिरोहितस्वरूपस्यैव लाघवेनाभ्युपगन्तुमुचितत्वात् S'atDū. 106. 16; *adj.* whose nature is unconcealed दहराकाशस्त्वतिरोहितस्वरूपापहतपाप्मत्वादिगुणकः VedāntDī. 52. 6 (*on* i. 3. 18)

अतिरोहिता (ati-rohitā) *adj.* (*f.*) coloured deep red पुरोदिगतिरोहिता परितिरोहितास्तारकाः PārijāHa. 23.

अतिरोहितार्थ (a-tirohitārtha) *adj.* having an unconcealed or clear meaning (i. e. easily understandable) शेषमतिरोहितार्थम् TātpaṬ.(Vā.) 182. 11 (*on* i. 1. 5); 131. 9 (*on* i. 1. 4); शेषं सनिदर्शनमतिरोहितार्थम् Bhām. 57. 14 (*on* i. 1. 1); 28. 11 (*on* i. 1. 1); भाष्यमतिरोहितार्थम् VedāntKa. 172. 17 (*on* i. 3. 28); SiddhāBi. 84. 2; S'ivārkaMaDī. ii. 143. 8 (*on* ii. 3. 19)

अतिरोहितार्थता (atirohitārtha-tā) *f.* the state of having an unconcealed or clear meaning तदतिरोहितार्थतया न व्याख्यातम् Bhām. 93. 15 (*on* i. 1. 4)

अतिरौक्ष्य (ati-raukṣya) *n.* excessive dryness अतिरौक्ष्यात् ... दुर्योगातियोगाद्वुत्पद्येते KāśyaS. 156A. 33; अतिरौक्ष्याच्छेदो वेदना च AṣṭāSaṁ. i. 187. 12 (1. 38); व्यायामादतिरौक्ष्याच्च मारुतो जठराश्रितः । तस्माज्जठरको नाम व्याधिर्भवति हस्तिनः Hastyāyur. 252. 6 (2. 45)

अतिरौद्र (ati-raudra) *adj.* [*f.* -ā, -ī] **i** very fierce वृषभविलग्ने शूरः ...विविधव्ययोऽतिरौद्रः Sārā. 47. 8; निर्विषोऽभून्महोरगः । नीतस्तेनातिरौद्रेण पन्नगेन रसातलम् VāmaP. 7. 29; (भूपः मुनिबालकाभ्यां व्यलोकि) ज्वलन्निवान्तर्ज्वलितेन तेजसा ... आशीविषः सर्प इवातिरौद्रः YaśasCam. i. 148. 5; न तद् ... नरपतिरतिरुष्टः कालकूटोऽतिरौद्रः ... यदिह विषयशत्रुर्दुःखमुग्रं करोति SubhāRaSaṁ. 2; सर्वाङ्गसंनेह(? सन्नाह)निवेशलक्ष्यचक्षुर्द्वयीमात्रतयाऽतिरौद्राः । प्रधावमानाः सुभटा विरेजुर्लोहस्य गोला इव विस्फुरन्तः HammīMaKā. 11. 15; भूतमुत्थितम् ... स्वतेजसाऽतिरौद्रेण द्रष्टुर्दृष्टिविलोपकम् NītiPra. 3. 15; अतिकृष्णातिरौद्राभिः ... स्त्रीभिः सङ्गोपगूहनम् (स्वप्ने ... °दुःखदम्) ĪśānS'iPa. ii. 18. 41; अतिरौद्रा महादंष्ट्रा भ्रुकुटीकुटिलेक्षणा । विवर्तनयना शूरा दीर्घघोणा मदान्विता ... देवी S'ilpaRa. ii. 24. 14; **ii** very dreadful अतिरौद्रमनासाद्यं कालेनापि दुरासदम् ... शूलं जग्राह रावणः Rāmā. vi. 91. 11; निधनमुपगतैर्मही कृताभूद्गिरिशिखरैरिव दुर्गमातिरौद्रा MahāBhā. vii. 131. 134; किमिदमकार्यं भवत्या कृतमतिरौद्रं ते वपुर्लक्ष्यते VisṇuP. iv. 7. 25; दौःशील्येनातिरौद्रेण पत्नी तस्य द्विजन्मनः । तेन सा संपरित्यक्ता तमाह जगतीपतिम् MārkP. 70. 33; रौद्रोऽतिरौद्रः क्षयकृत्प्रदिष्टः (वत्सरः) BṛSaṁ. 8. 49; किं तत्सत्त्वं यस्यातिरौद्रवज्रसदृशप्रहारादहं मुक्तः PañcT. 4. 17 (390. 42); गर्जितेनातिरौद्रेण जर्जरीकृतचेतनाः । प्रोषिता विह्वलीभूता प्रमदाशाहितेक्षणाः PadmP. (Ra.) 22. 63; तेनान्तरक्षार्थमदुष्टबुद्ध्या स्वाकारितः काष्ठमयोऽतिरौद्रः । निर्भर्त्सितः VarāṅgaC. 25. 24; वरं विषं भक्षितमुग्रदोषं वरं प्रविष्टं ज्वलनेऽतिरौद्रे ... न जीवितं तत्त्वविवेकमुक्तम् SubhāRaSaṁ. 203; अतिरौद्रेण रूपेण पृथिवीतले । अवतीर्य हनिष्यामि ... महासुरान् LakṣmīT. 9. 30; रणभुवमतिरौद्रीम् ... करोमि AnargharRā. 4. 50; अतिरौद्रे काले हस्तिनः ... विविधसुखमनुभवन्ति सलिलेषु Hastyāyur. 196. 3 (2. 13)

अतिरौद्रकर्मन् (atiraudra-karman) *adj.* doer of a fierce act स (द्रौणायनिः) केशवं चार्जुनं चातितेजसा विव्याध मर्मस्वतिरौद्रकर्मा MahāBhā. viii. 12. 53.

अतिरौद्रता (atiraudra-tā) *f.* extreme fierceness स्फुरत्क्रोधानलज्वालापरीतस्यातिरौद्रताम् । अवाप विष्णोः स तदा नरसिंहाकृतेरिव BrahmāṇḍP. ii. 57. 56; परपरिवादोऽतिरौद्रताऽतुष्टिः । ... प्रख्यातैषा तु राजसी वृत्तिः TattvSa. (3)124. 11.

अतिरौद्रत्व (atiraudra-tva) *n.* extreme fierceness वेदपुरुषोऽपि रुद्रः ... तत्स्वरूपस्यातिरौद्रत्वात् ... स्तुतिमकरोत् S'aṅkaVi.(Ā.) 38. 4.

अतिरौद्रदृश् (atiraudra-dṛś) *adj.* having very dreadful eyes स पुरुषः ... । संप्रतस्थे महेशस्य बाणहस्तोऽतिरौद्रदृक् PadmP. v. 14. 6.

अतिरौद्रभूति (atiraudra-bhūti) *adj.* **i** having frightful ashes श्मशानाश्रय इवातिरौद्रभूतयः Kād. 107. 15; **ii** whose prosperities are frightening Kād. 107. 15.

अतिरौद्रमनोवृत्ति (atiraudra-manovṛtti) *adj.* having a very cruel disposition of the mind अतिरौद्रमनोवृत्तिरन्यरक्षोविचक्षणम् । तस्या भीष्मत्वमद्वैतं विख्यातं भुवनत्रये PāṇḍaC. 9. 205.

अतिरौद्ररूप (atiraudra-rūpa) *n.* extremely horrible appearance श्रूपायमानास्विवातिरौद्ररूपं बिभ्रतीषु दिक्षु ... हस्तिनः ... विचरन्ति Hastyāyur. 195. 23 (2. 13)

अतिरौद्रसर्ग (atiraudra-sarga) *m.* extremely fierce nature श्रीभूतिः ...हिरण्यरेतसि तनुविसर्गादतिरौद्रसर्गादाहयेऽन्वपाये प्रादुर्भूय YaśasCam. ii. 349. 3.

अतिरौद्रास्त्र (atiraudrāstra) *n.* very dreadful weapon तच्च विपरीतं कुर्वत्यास्तवातिरौद्रास्त्रधारणपालननिष्ठः क्षत्रियाचारः पुत्रो भविष्यति VisṇuP. iv. 7. 28.

अतिरौप्य (ati-raupya) *m.* name of a kind of rice शालयः ...रौप्यातिरौप्या लघवो मूत्रलास्ते गुणोत्तराः । छिन्नरूढा हिमा रूक्षाः पित्तघ्ना लघुपाकिनः MadaPāNi. 63. 15.

अतिरौरव (ati-raurava) *adj.* very formidable तावच्छ्रेणिक निर्वृत्ते तस्मिन्संख्येऽतिरौरवे । स्वभावावस्थितो भूत्वा रावणः क्रोधदीपितः । ... चक्ररत्नमचिन्तयत् PadmP.(Ra.) 75. 42; *m.* name of a hell तस्मात्त्वा लोहशङ्कौ वा कुम्भीपाकेऽतिरौरवे । धर्मराजाज्ञया सर्वे नेष्यामो बहुताडनैः PadmP. iv. 20. 61.

अतिरौरवा (atirauravā) *f.* one of the eight *śaktis* belonging to the first Āvaraṇa सुमत्या व्यूहमुच्यते ... सर्वाशी च महाभक्षा महादंष्ट्रातिरौरवा LiṅgaP. ii. 27. 199; VīraMi. (Rājanīti.) 389. 18.

अतिर्यक् (a-tiryak) *adv.* naturally, straight (*lit.* not sideways) अतिर्यगुपेयात् VāsiDS. 12. 22; अर्चयन्हरकरं स्मितभाजा नागकेसरतरोः प्रसवेन । सोऽयमापयदतिर्यगवाग्दिक्पालपाण्डुरकपालविभूषाम् NaiṣC. 21. 35.

अतिर्यग्विसृत (atiryag-visṛta) *adj.* spread out straight (not in various directions) गम्भीरानुगतं श्लक्ष्णमतिर्यग्विसृतं च यत् । तदविपाट्योद्धरेद् गर्भं त्वचं शुष्कां निधापयेत् CaraS. vii. 7. 11 (1941 Ed.)

अतिर्यञ्च् (a-tiryañc) *adj.* straight (*lit.* not crosswise) सर्वतः समवायो दण्डव्यूहोऽतिर्यग् भवति ManuBh. ii. 55. 17 (*on* 7. 187); *m.* other than animals तिरश्चामतिरश्चां वा चेष्टाभिर्यत्र कार्यमकार्यं वा निश्चीयते तत् पञ्चतन्त्रादिवत् ... निदर्शनम् Kāvyānu.(He.) 406. 16.

अतिल (a-tila) *adj.* having no sesame, not yielding any sesame नञ्सुभ्यामित्यस्यावकाशः । अयवः । अतिलः MahāBh. iii. 133. 19 (*on* vi. 2. 108)

अतिलक (a-tilaka) *adj.* devoid of mark on the forehead नतभ्रुवो मण्डयति स विग्रहे वलिक्रिया चातिलकं तदास्पदम् Kirātā. 8. 52.

अतिलकासङ्ग (a-tilakāsaṅga) *adj.* with no mark put on the forehead कर्णैर्विस्मृतकुण्डलैरतिलकासङ्गैर्ललाटस्थलैराकर्णैः EI. viii. 20. 67.

अतिलक्ष (ati-lakṣa) *adj.* not deviating from the target कृतास्त्रैः क्षिप्रमस्यद्भिर्दूरपातिभिरायसाः । अभिलक्ष्यै(v. l. अतिलक्षै)र्निपात्यन्ते तावच्छाम्यतु वैशसम् MahāBhā. v. 124. 11 (Arjunamiśra अतिलक्षैर्लक्षादचलद्भिः); *m.* ten lacs दश प्रभेदा लक्षम् । दश लक्षा अतिलक्षः AbhidhKoBh. 181. 9 (*on* 3. 93)

अतिलक्षण (ati-lakṣaṇa) *adj.* of excessive character कालस्तु शीतोष्णवर्षभेदात् त्रिधा मतः । स हीनो हीनशीतादिरतियोगोऽतिलक्षणः AṣṭāHṛ. i. 12. 38; *n.* the best character एतत्कृत्यतमं राज्ञो नित्यमेवेति लक्षयेत् (v. l. °वातिलक्षणम्) । यथामानं यथा पुत्रांस्तथैतान्परिपालयेत् MahāBhā. xiii. 33. 4.

अतिलक्षणसंपन्न (ati-lakṣaṇasampanna) *adj.* fully possessed of grammatical accuracy वाक्यम् ... । अतिलक्षणसंपन्नं माधुर्यगुणभूषितम् Rāmā. vi. 3181*(3)

अतिलक्ष्मी (ati-lakṣmī) *adj.* who surpasses in beauty or wealth (i. e. very beautiful or prosperous) कृत्स्त्रिया धातुस्त्रियाश्च ह्रस्वत्वं मा भूदिति । ... अतिलक्ष्मीरिति MahāBh. i. 224. 1 (*on* i. 2. 48); अतिलक्ष्म्यै ब्राह्मणाय MahāBh. i. 314. 6 (*on* i. 4. 3); लक्ष्मीमतिक्रान्ताय अतिलक्ष्म्यै JaineVyā. 34. 24 (*on* i. 2. 92); 4. 18 (*on* i. 1. 8); अतिलक्ष्मीः KāśiVṛ. *on* P. i. 2. 48; PrakriKau. i. 525. 2; MugdhaBo. 18. 2 (3. 57); लक्ष्मीमतिक्रान्तोऽतिलक्ष्मीः Prasā. i. 162. 18; अङ्यन्तत्वान्न सुलोपः अतिलक्ष्मीः SiddhāKau. 62B. 4; [*f.* extraordinary prosperity, MW.]

अतिलक्ष्य (ati-lakṣya) *adj.* not deviating from the target नोरःसु यावद्योधानां महेष्वासैर्महेषवः । ... अभिलक्ष्यै(v. l. अतिलक्ष्यै)र्निपात्यन्ते तावच्छाम्यतु वैशसम् MahāBhā. v. 124. 11.

अतिलग्न (ati-lagna) *adj.* extremely contiguous, closely touching each other आवर्तौ ... अतिलग्नौ तु दुष्फलौ S'ukraNī. 4(7). 103.

अतिलघय (ati-laghaya-) [*denom.*] to lessen very much अतिलघयसि लज्जाम् SubhaDha. 2. 2.

अतिलघिमन् (ati-laghiman) *m.* excessive levity अनेनातिलघिम्नाप्युपर्येव प्लवसे ज्ञानोदन्वतः HarṣaC. 20. 8.

अतिलघीयस् (ati-laghīyas) *adj.* (*comp.*) **i** extremely insignificant or trivial तात किमेवम् ... गरिमाणमारोप्यते बलादतिलघीयानप्यहितः HarṣaC. 253. 14; **ii** very small, very scanty सर्वथा सत्त्वशुद्धाय दानायातिलघीयसे । नमो महाफलायैव DarpDa. 6. 52.

अतिलघु (ati-laghu) *adj.* [*f.* -ghvī] **A** very small (size) ततः … अतिलघुकनकसमुद्गकगतं प्रकटीकृतवान् (मणिम्) VisnuP. iv. 13. 145; शिवेन ददृशे तावन्मदनोऽतिलघुः कृशः GaneP. i. 84. 11; (महोक्षा) यस्य … कर्णौ चातिलघू स्थिरौ । शिव इत्येष कथितः शिवं प्रकुरुते ध्रुवम् YuktiKa. 208. 12; विश्वंभराप्यतिलघुर्नरनाथ तवान्तिके नियतम् KāvyPra. 665. 2; येनातिलघुनोत्तुङ्गो लङ्घितः सत्यपादपः RāmC. 1. 89; **B** very insignificant, very trivial स सद्यः संक्षोभं नयति वनिता इत्यतिलघु त्रिलोकीमप्याशु भ्रमयति SaundL. 19; त्वदुत्सङ्गे गङ्गे पतति यदि कायस्तनुभृतां तदा मातः शान्त(? त) क्रतवपदलाभोऽप्यतिलघुः GaṅgāA. 6; मन्यन्ते स्वर्गमन्यं तृणवदतिलघुं शंकरार्यं त्वदीयाः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 9. 42; 16. 90; विन्द्रष्टके धरणिजेऽतिलघुक्षितीशः JātaPā. 10. 20; **C** very light (weight) ये खड्गाः स्थूलधारा भृशमतिलघवः … ते दिव्याः कुर्वतेऽमी कुलधनविजयश्रीयशोवृद्धिमाशु YuktiKa. 169. 8; **D** very mild, very gentle अतिलघुकरतालजनितसुखे शिशयिषमाणे शिशुजने VāsaDa. 168. 6; **E** very short (time) कालोऽयम् … संख्यानादगुरुर्न चातिलघुरप्याद्यन्तहीनो महान् KalyāKā. 4. 2; **F** very light or easy (for digestion) शशोऽतिलघुरेतेषां गुरुश्चैवाविकस्तथा AśvaVai. 11. 34; हरति च वरपित्तं श्लेष्मला चातिलघ्वी (यवागूः) KalyāKā. 5. 17; **G** very few अतिलघुनापि च वचसा मधुमथन तव प्रणौमि महिमानम् YātrāPra. 8. 48; अल्पाङ्गेष्वतिलघवो ह्यनवेदाः Rāgh. 18. 12; **H** very weak, very feeble यद्भिण्डं प्रचयकृतं प्रभञ्जनेयं किं तिष्ठेदतिलघुचञ्चलस्वभावम् VarāṅgaC. 12. 85; **I** very short (hypotenuse) तदन्यकर्णैत्रिभुजेऽत्र भूस्थे भुजावधेये विषमैककोणात् । तद्भेदवाहौ तु विलम्बकोटौ कर्णः स्वकीयोऽतिलघुर्मतो मे SiddhāTaVi. 79. 17; **J** very little (quantity) तेष्वपि तस्यातिलघुफलत्वद्योतनार्थम् SetuBa. 97. 5.

अतिलघुता (atilaghu-tā) *f.* extreme insignificance नीतं येन यशस्विनातिलघुतामौशीनरीयं यशः MudrāRā. 7. 5.

अतिलघुत्व (atilaghu-tva) *n.* extreme insignificance यत्तु बृहच्छातातपेनोक्तम् … चान्द्रायणं चरेत् इति तदभ्यासविषयम् । निमित्तस्यातिलघुत्वात् Mitā. 490. 18 (*on* 3. 288)

अतिलघुपतन (atilaghu-patana) *adj.* jumping very lightly अतिलघुपतनैरतिप्रगल्भैः … । अतिवितततगुणैर्गणैरिवोग्रः प्लवगभटैरयमावृतो विभाति RāmC. 6. 17.

अतिलघुभूत (atilaghu-bhūta) *adj.* becoming very light अतिलघुभूतनियमविध्यापादकम् … पक्षान्तरमेव किमिति नाश्रीयते MīmāKau. iii(2). 295. 23 (*on* ii. 2. 27)

अतिलघुवाचिन् (atilaghuvāc-in) *adj.* expressing a very small thing अतिलघुवाचि पदं किम् (अणु) VidaMuMa. 3. 53.

अतिलघुवेणुशलाका (atilaghu-veṇuśalākā) *f.* very thin cane stick भार्यापुत्रादयः … अतिलघुवेणुशलाकया ताड्या भवेयुः ManvaMu. 343. 5 (*on* 8. 299)

अतिलघुश्रोणी (atilaghu-śroṇī) *f.* name of a river तथान्यातिलघुश्रोणी विपाप्मा शैवला नदी BrahmP. 27. 31.

अतिलङ्ग (ati-laṅga) *adj.* very much limping अतिलङ्गं त्र्यहादूर्ध्वमस्तब्धमपि वारयेत् AśvaVai. 41. 3.

अतिलङ्घ् (ati-laṅgh-) I. U. X. U. **A** to cross over, to go beyond, to approach न चैनमतिलङ्घयेत् BrahmāṇḍP i. 10. 49; SkandP. v(1). 69. 27; प्राकारमत्यलङ्घयम् DaśKuC. 72. 15; महान्तमध्वानमत्यलङ्घयम् AvantiKa. 174. 9; कर्णीपुत्रस्य …मदनमञ्जरिकां देवसेनाचूतयष्टिमतिलङ्घयते मदनभ्रमरः Padm-Prā. 3. 3; **B** to violate, to transgress, to disobey नातिलङ्घति न क्वापि तदुक्तं कार्यसिद्धिषु BrahmāṇḍP. iii. 19. 91; विधातुर्हि विधानं कोऽतिलङ्घयेत् ĀdiP. 21. 47; राजाज्ञां कोऽतिलङ्घते PariPar. 12. 345; 12. 110; नयत्रयम् । यतत्रयमिव व्याला मिथुनान्यत्यलङ्घयन् TriṣaS'aPuC. i. 2. 895; अथवा तां महाराजकृतां मर्यादामप्यतिलङ्घयिष्ये KirātāVyā. 46(15); समुद्रो वर्णाश्रमविषयः, तमतिलङ्घयन्ति ये ते विपरीतलक्षणया वा सामुद्राः विकर्मस्था इत्यर्थः BālaKrī. i. 216. 19 (*on* 2. 41); स तु तावत्प्रवृद्धोऽपि मर्यादां नात्यलङ्घत Gaṅgāva. 1. 80; **C** to overcome, to surpass कः कालचक्रमतिलङ्घयतीत्यपास्तः शर्वे ययौ स च भवन्तमवन्दतैव Nārāy. ix. 33. 7; **D** to set aside, to neglect प्रमाणमात्मसात्कुर्वन् प्रतीतिमतिलङ्घयेत् NyāyVi. 2. 49.

अतिलङ्घन (ati-laṅghana) *n.* **A i** violation, transgression अप्रामाण्यं च वेदानां शास्त्राणां चातिलङ्घनम् । … तद्वै नाशनमात्मनः MahāBhā. vii. 80. 18; xiii. 37. 11; न च…तस्याप्यतिलङ्घनमाशङ्कनीयम् S'ivārkaMaDī. i. 207. 11 (*on* i. 1. 13); **A ii** showing disrespect or disregard, disobeying न युक्तमत्रार्यजनातिलङ्घनं दिशत्यपायं हि सतामतिक्रमः Kirātā. 14. 9; अतिलङ्घनमभ्युपैतु को वा गुणकर्मैश्रुतशालिनाममीषाम् Yādavā. 15. 50; **A iii** going beyond, crossing over (ज्योतिष्टोमफलम्) भुक्त्वातिलङ्घनं तावद्दिनापि सुतजन्मना BrĀraUBhVā. i. 5. 246; ii. 5. 147; शिरःकपालस्यातिलङ्घनम् … निष्क्रमणमेव S'ivārkaMaDī. ii. 469. 19 (*on* iv. 3. 1); अतिलङ्घनं षोडशाद्यतिक्रमः VīraMi.(Saṁskāra.) 361. 13; सत्यं किं त्वन्वयस्यैव स्वस्थानादतिलङ्घनम् MānaMe. 77. 1; **B** excessive fasting, completely abstaining from food उपद्रवाश्च श्वासाद्याः संभवन्त्यतिलङ्घनात् SuśruS. vi. 39. 106.

अतिलङ्घनीय (ati-laṅghanīya) *adj.* **i** to be overcome, to be neglected शक्तोऽपि देह्यप्रकटीकृतात्मशक्तिः पराभूतिपदं सदैव । कारीषवह्निर्वद वत्स कस्य कस्याशु न स्यादतिलङ्घनीयः HammīMaKā. 8. 76; **ii** to be transgressed नातिलङ्घनीयं युवयोरनुशासनम् JānaPa. 7. 32(6)

अतिलङ्घयत् (ati-laṅghayat) *adj.* [*f.* -ntī] **i** transgressing स हि प्राणभृत्कर्माशयानां वृत्तिनिरोधसमयस्तमतिलङ्घयन्नयमयुक्तकारी स्यात् Bhām. 374. 16 (*on* ii. 1. 34); चारित्रमुद्रामतिलङ्घयन्ती … आन्ध्री पुरन्ध्री RatiRaha. 5. 14; **ii** overcoming मृत्युमप्यतिलङ्घयन् … अर्जुनो भानोस्तनुजन्मानमभिजगाम PārthPa. 46(7); **iii** overtaking युवराजोऽपि तत्क्षणम् । अधावत् पादचारेण पत्तीनप्यतिलङ्घयन् TriṣaS'aPuC. i. 3. 277.

अतिलङ्घयितुम् (ati-laṅghayitum) *inf.* **i** to trangress, to disobey अस्मादृशः प्रभोराज्ञां कोऽतिलङ्घयितुं क्षमः KathāSaSāg. iii. 4. 37; **ii** to escape (नन्दनन्दनः) अतिलङ्घयितुं न शक्नुयान्नगरस्त्रीजननेत्रवागुराम् Yādavā. 9. 112.

अतिलङ्घित (ati-laṅghita) *adj.* [*f.* -ā] **A i** crossed over, traversed दशमुखोऽपि शुकमुखादतिलङ्घितजलधिम् … रामं निशम्य RāmāCam. 6. 29(1); अतिलङ्घिता शबरवारिविहारवनस्थली SaduktiKa. 258. 30; अनेकसहस्रयोजनमपि पन्थानमतिलङ्घितं गणयन्तो गव्यूतिमात्रमिव … विशश्रमुः NīlaVi. 47. 13; **A ii** transgressed, violated न नीतिवर्तैन्यतिलङ्घिता मया Yādavā. 14. 42; **A iii** gone beyond, spent, passed over घोरेषु घर्मदिवसेष्वतिलङ्घितेषु छायाद्रुमान् मृगयते न हि कोऽपि मर्त्यः BhikṣāKā. 1. 11; अथवा यौवनमतिलङ्घितं नु कुवृद्धैः DhūrtaViSaṁ. 5. 21; वचनसीम्ना(? मा)तिलङ्घितकुतूहलम् … कौमारमभजत YātrāPra. 2. 42(3); **A iv** overcome, overpowered दध्रे च माद्दिषेणैष बलेनोच्छूनतां गतः । अमुना यमुनाबन्धुर्मिषजेवातिलङ्घितः Surath. 3. 43; किराट … त्वम् … किमु मनोमहानुरोधेन मोहनौषधेनातिलङ्घितः YaśasCam. ii. 346. 16; **B** abstained from food, kept on fasting, Surath. 3. 43; *n.* excessive fasting लङ्घितं मध्यलङ्घितं स्यादतिलङ्घितमेव च HārīS. iii. 1. 21.

अतिलङ्घितुम् (ati-laṅghitum) *inf.* to overcome, to cross over वालिनं विक्रमाम्भोधिं नातिलङ्घितुमीशते JānaPa. 6. 48.

अतिलङ्घिन् (atilaṅgh-in) *adj.* [*f.* -nī] **i** violating, disobeying गुरुशास्त्रातिलङ्घिनः … ते भवन्ति गतायुषः MahāBhā. xiii. 107. 11 = SūktiRa. 24. 3; नर्तकीरभिनयातिलङ्घिनीः RaghuVa. 19. 14 (comm. अभिनयेषु स्खलन्तीः); **ii** fit to be crossed over क्रमशोऽतिजगाम नर्मदाम् … अवधीरणयातिलङ्घिनीम् … प्रियामिव RāghPāṇ.(Dha.) 4. 42 (comm. अतिलङ्घनयोग्याम्)

अतिलङ्घ्य (atilaṅgh-ya) *ger.* **1 A** having crossed, having gone beyond, having scaled दृश्यन्ते…तटीभूमयः । याः कृच्छ्रादतिलङ्घ्य…लुप्तपदवीनिःशङ्कमेणीकुलम् AnarghRā. 5. 6; पूर्वपूर्वातिरेकेण त्रीन् कोशानतिलङ्घ्य च । … दर्शितः परः TaiUBhāVā. 120. 16(2); तथैव पदवीं दवीयसीमतिलङ्घ्य पुनरयोध्यासविधमासीदम् RāmāCam. 6. 102(1); तत्तेजस्त्वां धक्ष्यति, अतस्तदतिलङ्घ्य मा गच्छ VedāntKau. 107. 11 (*on* i. 3. 34); रविसुतामतिलङ्घ्य रमापतिः सपदि घोषसमीपमुपानयत् Yādavā. 3. 44; अतिलङ्घ्य धनुःशालां रङ्गद्वारमवापतुः Yādavā. 10. 21; अतिलङ्घ्य चिरन्तनीं स्वसीमामपदेष्वर्पितजीवनप्रवृत्तिः । मुहुरुत्पथगामिनी तुलुष्कानधुना ह्यनुकरोति सह्यकन्या MadhuVi. 8. 6; आसन्नमार्गमतिलङ्घ्य नतेन मूर्ध्ना … आरोपिताः -- मयि पङ्कजाक्ष्या …कटाक्षाः S'ārṅgaPa. 3471; नद्येकोभयतटमतिलङ्घयन्नेवोदका प्रवहति SiṁhāDvā. 69. 3(14); अतिलङ्घ्य तुण्डीरमण्डलम् …अहिण्डत पुण्डरीकपुरम् YātrāPra. 5. 9(5); 6. 75(3); अभिकल्पसेतुमतिलङ्घ्य सागरं नगरं रुरोध नगवैरिवैरिणः Raghunā. 4. 62; प्राप्य जानुमतिलङ्घ्य नाभिमप्यम्भसि क्षणमथास्य संमिते … तपस्विनां शुश्रुवे … वचः Gaṅgāva. 5. 18; अतिलङ्घ्य … दुर्गमं गोपुरद्वारम् NīlaVi. 18. 2; 36. 21; (जाह्नवीं) तामतिलङ्घ्य नौकया … । समदृश्यत गौतमाश्रमः (मुनिमिश्रैः) Rāgh. 3. 68; 6. 43; **1 B** having trespassed, having encroached upon अथवा ये शत्रव आटविकादयः प्राक्स्थितां मर्यादामतिलङ्घ्य देशमुत्क्रामन्ति ManuBh. ii. 28. 17 (*on* 7. 87); MadhuVi. 8. 6; **2 A** having set aside, having disregarded, having neglected or passed over कथं च मुख्यमर्थमतिलङ्घ्योपचरितो(? ते)ऽवकाशः BrahmSi. 41. 20; 94. 1; सर्वत्र सति संभवे गुणमतिलङ्घ्य प्रधानेनैव संबध्यते TantrVā. 339. 2 (*on* ii. 1. 1); व्रीह्यादीनाम् … श्रुत्या शेषित्वं प्राप्नुवदप्यतिलङ्घ्य…संबन्धो भविष्यति TantrVā. 850. 15 (*on* iii. 3. 14); तत्र पूर्वा श्रूयन्ततामतिलङ्घ्य यो गच्छेत्तेनागमो बाधितः स्यात् TupT. 279. 9 (*on* x. 7. 41); नैव हि कार्यं स्वकारणमतिलङ्घ्यान्यत्राकारक आस्पदमुपनिबध्नाति NaiṣkaSi. 93. 4; केवलाभि-

धाननिबन्धनं स्वरूपसंबन्धमतिलङ्घ्य साधनीभूतसंख्येयसंबन्धाध्यवसानम् PrakaPañ. 20.4; प्रथमभावीनि पदान्यतिलङ्घ्य, नार्थेषु वाक्यार्थबोधनशक्तिराश्रयितुं युक्ता PrakaPañ. 400.14; यच्चेदं घटाभावमतिलङ्घ्य नास्तीति व्यवहारानुमानमवस्थितं तदपि केन विशेषेणेति न विद्मः Kāśi. iii. 207.26 (*on* 5(8).38); तच्छब्दोऽनन्तरमप्याकाशमतिलङ्घ्य हृत्पुण्डरीकं परामृशति Bhām. 212.13 (*on* i. 3.14); किमपराद्धं मरीचिषु तोयविपर्यासेन सर्वजनीनेन यत् तमतिलङ्घ्य विपर्यासान्तरं कल्प्यते Bhām. 545.19 (*on* iii. 2.3); अन्वयव्यतिरेकादिकमतिलङ्घ्य दृष्टान्तमात्रेण न किञ्चित् साधयितुं शक्यम् S'rutaPra. iB. 28.22 (*on* i. 1.1); क्रियारूपस्य गुणस्य वा ज्ञानस्य स्वाश्रयमतिलङ्घ्यान्यत्र संसर्गायोगात् VivaPraSaṁ. 86.23; करणशक्तिमतिलङ्घ्य ज्ञानस्य विषयानुसारित्वे Nyāyāmṛ. 628A.1; कथं प्रकृत्यर्थो धात्वर्थः प्रत्ययार्थप्रधानमपूर्वमतिलङ्घ्य विप्रकृष्टेन फलेन प्रथमं करणतयान्वेति TantrRaha. 62.1; पशुकाम उक्थ्यं गृह्णीयादित्यादिवाक्येषूक्थ्यादिशब्दवाच्यम् … उक्थ्यादिसंस्थामतिलङ्घ्योक्थ्यादिपदलक्ष्यस्य … क्रतोः पश्चादिफलसंगतिरङ्गीक्रियते चेत् VidhiRa. 38 (194.8); ननु तर्हि गुणविधिरेवास्तु … गुणमात्रविधानमतिलङ्घ्य गुणविशिष्टकर्मान्तरविधिकल्पनायोगात् VidhiRa. 41 (206.15); विकारार्थमयट्प्रायपाठं चातिलङ्घ्य कुतः प्राचुर्यार्थत्वमवसीयते S'ivārkaMaDī. i. 214.5 (*on* i. 1.14); सर्वनाम्नाम् …प्रकरिष्यमाणपरत्वमतिलङ्घ्य प्रकृतपरामर्शित्वं व्युत्पत्तिसिद्धम् S'ivārkaMaDī. i. 275.26 (*on* i. 1.25); i. 302.16 (*on* i. 2.1); ii. 276.24 (*on* iii. 2.40); आख्यातार्थस्य विधेः प्रकृत्यर्थं निर्वापमतिलङ्घ्य … यागे संक्रान्त्यभ्युपगमात् PūrvottaVāNaMā. 128.14; प्रधानमतिलङ्घ्योपसर्जने क्रियान्वयपर्यवसानात् CitrMī. 78.14; **2 B** having transgressed or violated (a rule, a command etc.) लोकान्तरप्रणयिनं श्वशुरं प्रणन्तुमाज्ञप्तकालमतिलङ्घ्य यदि प्रयासि RāmāCam. 3.40; मम जगदखिलं वरोरु नाज्ञामिदमतिलङ्घ्य धृतिं मुहूर्तमेति PraboCan. 1.13 (7.16); ननु व्यवस्थानमतिलङ्घ्यान्यत्रापि वृत्तिर्व्यभिचारः TārkiRa. 218.5; अध्यायानां पादचतुष्टयात्मकत्वनियममतिलङ्घ्य प्रथमाध्यायस्य पादषट्कात्मकत्वेन निबन्धनीयत्वप्रसङ्गात् S'rutaPra. ii. 202.20 (*on* i. 4.29); बिभ्यत्सु श्रुतिमतिलङ्घ्य संप्रदातुं हव्यं तत्तदभिमतं द्विजर्षभेषु । … °भागान् स्वीचक्रुः … देववर्गाः S'ivLī. 6.59; **3 A** having overcome, having got over अतिलङ्घ्यासुरं भावं देवतात्मानमाप्नुमः BṛĀraUBhVā. i. 3.32; iii. 8.138; नियतं नियतिबलमतिलङ्घ्य पौरुषमेव धीरस्य पुरुषार्थान् समर्थयेत् RāmāCam. 2.28(8); मुमुक्षवो जीवाः … भगवत्प्रसादेन … तन्मायामतिलङ्घ्य…मोक्षमिच्छन्ति SarvaMaSaṁ. 39.12; **3 B** having surpassed सर्वान्तरायानतिलङ्घ्य वत्स धर्मान्तरायो गुरुतामुपैति VarāṅgaC. 29.27; अतिलङ्घ्य पुंस्त्वस्त्रैणे मिथो जल्पति तत्र राजा । तद्योगिनीवृन्दमिति व्युद्ध DvyāsraKā. 14.44; जम्बीरश्रियमतिलङ्घ्य लीलयैव … कुचौ ते स्पर्धेते खलु कनकाचलेन सार्धम् RasGaṅ. 626.10 = BhāmiVi. 2.91.

अतिलज्ज् (ati-lajj-) I. Ā. to be very much ashamed नवं कुलकलङ्कं तं हसनीयं जनेऽखिले । महालज्जाकरं पत्युः श्रुत्वा भद्रात्यलज्जत TriṣaS'aPuC. iv. 1.204; कौटिल्यं हृदि पाञ्चजन्य भवतस्तेनातिलज्जामहे SūktiMu. 29.3 = Subhāṣi. 918.

अतिलज्ज (ati-lajja) *adj.* very much ashamed दृष्ट्वा स्थितं प्रियतमं सशङ्कितं सापराधमतिलज्जम् NāṭyaS'ā. 22.275.

अतिलज्जन (ati-lajjana) *adj.* very shameful विट्कुम्भद्वितयं नीत्वा संयोगमतिलज्जनम् । विमूढमानसः शोकः सुखमित्यभिमन्यते PadmP.(Ra.) 83.59.

अतिलज्जना (ati-lajjanā) *f.* feeling of extreme shame महाकृपाचार्यसदोषितात्मनः परस्य दुःखैरुपतप्तचेतसः । परस्य कृत्ये समुपस्थिते पुनः परैः समादापनतोऽतिलज्जना MaYānaSū. 18.26 (4.27)

अतिलज्जा (ati-lajjā) *f.* great shame, extreme bashfulness जीवन्तीत्यतिलज्जेयम् RāmāMañ. 263.25; अतिलज्जया त्वयैव प्रकटः प्रेयानकारि ĀryāSaS'a. 57.

अतिलज्जान्विता (ati-lajjānvitā) *adj.* (*f.*) possessed of extreme bashfulness अतिलज्जान्वितेत्येयं(? वं) यस्तु कन्यामुपेक्षते । सोऽनभिप्रायवेदीति पशुवत् परिभूयते KāmSū. 206.24 (3.2)

अतिलज्जित (ati-lajjita) *adj.* [*f.* -ā] very much ashamed इदं सर्वे गर्गो मुक्तेऽतिलज्जितः BṛKathāK. 24.19; पश्चात्तापं करोत्येष भूयो भूयोऽतिलज्जितः BṛKathāK. 102(10).27; आयातेऽथ महादेवे वीरभद्रोऽतिलज्जितः SkandP. iv. 89.102; SkandP. iii(1). 39.33; इत्युक्ता सा तदा तेन लीलावत्यतिलज्जिता DeviBhāP. iii. 25.20; (सः) प्रतिगृहं प्रायात्…अतिलज्जितः BṛKathāMañ. 16.65; सा … प्रकृतिः … विनाशमायात्यतिलज्जितेव Vidvanmo. 6.25.

अतिलटह (ati-laṭaha) *adj.* extremely pretty, very handsome अन्यपाणिसंतन्यमानमतिलटहडमरुडात्कारकन्दलम् … आदिनटमद्राक्षीत् YātrāPra. 5.10 (11) cf. **लटभ.**

अतिलब्ध (ati-labdha) *adj.* oppressed, maltreated तस्य परिचारकजनं वाग्दण्डपारुष्यातिलब्धं मार्गेत ArthS'ā. ii. 150.10 (4.7)

अतिलभ् (ati-labh-) I. Ā. to obtain in plenty तस्मिन् जाते त्रिलोकीसुखमतिलभते VīraBhā. 7.81.

अतिलमिश्र (a-tilamiśra) *adj.* not mixed with sesame द्वया धानास्तिलमिश्राश्चातिलमिश्राश्च BaudhPiMe. i. 17.2.

अतिलम्पट (ati-lampaṭa) *adj.* extremely passionate, very much addicted to pleasures, libertine कथं दुनोषि मां लोल रतिचौरातिलम्पट BrahmVaiP. iv. 3.59; स्वयंवरविमेदं यः करिष्यत्यतिलम्पटः । स वध्यः … सर्वैः SkandP. vii(2). 17.46; उवास तत्र सुप्रीत्या तपस्वी नातिलम्पटः S'ivaP. ii(3). 35.6 (164B.5); न भविष्याम्यहं ततः । उत्तरोत्तरसौख्यानां पञ्चसेनेऽतिलम्पटः PariPar. 2.692.

अतिलम्ब (ati-lamba) *adj.* very long तद्धार्यमुपवीतं स्यान्नातिलम्बं न चोच्छ्रितम् GobhiSm. 1.3; अत्रातिलम्बात्युच्छ्रितप्रतिषेधान्मध्ये कथंचिदलाभे परिमाणान्तरमविरुद्धमिति ज्ञायते SmṛtiCan. i. 83.10; i. 83.13.

अतिलम्बिता (ati-lambitā) *adj.* (*f.*) too much hanging down तुलावदुद्धृता वल्गा नात्युच्चा नातिलम्बिता AśvaCi. 8.15.

अतिलम्बी (atilambī) *f.* *Anethum sowa* अतिलम्बी सितच्छत्रा (शतपुष्पायाः नामानि) BhāvPra.(Bhā.) 6(2).90; BhāvPraNi. 11.89.

अतिलम्बोष्ठी (ati-lamboṣṭhī) *adj.* (*f.*) having too long (i.e. hanging) a lower lip अतिलम्बोष्ठीम् … कुब्जामृज्वाननामकरोत् PraboSu. 235.

अतिलम्बौष्ठ (ati-lambauṣṭha) *adj.* having a very long or hanging lower lip धिक् करभमतिलम्बौष्ठं दीर्घग्रीवम् Upask. 339.5 (*on* vii. 2.20)

अतिलल् (ati-lal-) X. P. to fondle or caress to an excess न पीडयेदिन्द्रियाणि । न चैतान्यतिलालयेत् AṣṭāHṛ. i. 2.29; SiddhYo. 81.85; S'ukraNi. 3.16; तन्नातिलालयेत् Bārhas. 1.83.

अतिललाटंतप (ati-lalāṭaṁtapa) *adj.* excessively scorching the forehead अतिललाटंतपस्तपनः ViddhaS'ā. 4.3(3)

अतिललित (ati-lalita) *adj.* [*f.* -ā] very graceful, extremely charming मृद्वारक्तं वहन्तः करमतिललितम् … शशाः स्युः RatiRaha. 3.31; अतिललिते … विरचितावासे स्थितम् … सर्वज्ञादिकशक्तिवृन्दमनिशं वन्दे TripuMāPūSt. (S'aṅ.) 94; गानम्…कलमतिललितं कर्णपूरायतां नः S'ivPāKeSt. 38; अतिललितपदविन्यासस्सारसाधुसिन्धुरवधूस्कन्धमधिरूढा … भूपालपुत्रिका … न्यग्रोधच्छायामण्डपमशिश्रयत् NalaCam. 1.55(7); रम्याः किं न विभूतयोऽतिललिताः सच्चामरभ्राजिताः SubhāRaSaṁ. 314; श्रीजयदेवभणितमतिललितम् । सुखयतु रसिकजनं हरिचरितम् GītGo. ix. 18.8; वधूनां नयनम् … अतिललितां बिभरांबभूव शोभाम् Nalābhyu. 6.60; 6.28; यदपि कविता नातिललिता मुदं धास्यन्त्यस्यां तदपि हरिगन्धाढ्यगणाः VidaMā. 1.4; (हंसम्) वरं दूतं मेने तमतिललितम् … ललिता HaṁsDū. (Rū.) 7; पत्युर्मुखेऽतिललिता तव नाममाला S'ṛṅgāMañ.(A.) 15.28; अतिललितेन गतेन (राजानं रञ्जयामास राज्ञी) ParamāKā. 52.9; दैवज्ञशिखामणिः …सुब्रह्मण्यनामा … अतिललितवितलदक्षिणप्रघणसदनान्तरनिवेशितरत्नपर्यङ्कविलसत्कमनीयोपधानकलितसव्यभुजाञ्चितशुचिमृदुलोष्णीषभूषितशीर्षस्…उशनसः स्वपरिपन्थिजननिरसनालोचनप्रस्तावम् … विचारयन् ĀnandRa. 6.4 (36)

अतिललिततर (atilalita-tara) *adj.* extremely playful अतिललिततरं तरङ्गभङ्गैरिदमपि … वारि वाप्याः NalaCam. 4.5.

अतिललितम् (ati-lalitam) *adv.* most gracefully, most sportively त्रस्यत्कुरङ्गीदृशा … कान्तदिदृक्षयातिललितं द्वारे दृगारोपिता SaduktiKa. 93.15.

अतिललितरति (atilalita-rati) *adj.* whose amorous sport is extremely charming ज्ञातव्या पण्डितेन्द्रैरतिललितरतिर्लाटकर्णाटनारी PañcSā. 2.28.

अतिललितविलास (atilalita-vilāsa) *adj.* whose sport is extremely graceful or charming अतिललितविलासम् … नौमि कामम् AnaṅgaRa. 1.1.

अतिललिताङ्गी (atilalitāṅgī) *adj.* (*f.*) whose body (or limb) is extremely charming एतस्यामुदितायामिन्दुकलायामिवातिललिताङ्ग्याम् । अनुभवतु बन्धुलोको मकरालय इव महान्तमानन्दम् S'ṛṅgāBhū. 84; आसंस्तिरुमलनृपतेः कीर्तिश्रीद्विय इवातिललिताङ्ग्यः । पत्न्यः AnandRa. 2.35.

अतिलवण (ati-lavaṇa) *adj.* (*f.* -ā) very salty, mixed with much salt तासाम् (अपाम्) अन्यतरा अतिलवणाः … ता अशान्ता रेतः समुद्रं वृत्वातिष्ठन् GopBr. i. 1.3; (अन्नपानमेषजादिभिः) तथातिलवणक्षारैरम्लैः कटुभिरेव च ।… शोणितं संप्रदुष्यति CaraS. i. 24.5 (1941 Ed.); (भेषजम्) अतिलवणम् … वमनीयमुपकल्पितमस्य विरेचनाय संपद्यते ।… तमौषधविपर्ययमाचक्षतेऽतियोगं च KāśyaS. 157A.23; (भोजनम्) अतिलवणमचक्षुष्यं तीक्ष्णात्यम्लं जरा साक्षात् AṣṭāSaṁ. i. 69.9 (1.10); अत्यम्लं चातिलवणम् …। आसुराणीह भोज्यानि तान्यतो दूरतस्त्यजेत् BrahmP. 220.183; अतिलवणम् अतिमात्रलवणयुक्तम् CaturCin. iii(1). 609.18; अतिलवणमम्लयुक्तं कदशनशाकोत्कटं वर्ज्यम् HaṭhPra. 1.60.

अतिलवणत्व (atilavaṇa-tva) *n.* the state of being too much salty, excessive salinity औषधस्य … अतिलवणत्वात् … वमनविरेचनौषधानां दुर्योगातियोगावुत्पद्येते KāśyaS. 156A.36.

अतिलवणसात्म्य (atilavaṇa-sātmya) *adj.* used to consume too much of salt ये ह्यतिलवणसात्म्याः पुरुषास्तेषामपि खालित्येन्द्रलुप्तपालित्यानि वलयश्चाकाले भवन्ति CaraS. iii. 1. 21 (1922 Ed.)

अतिलसत् (ati-lasat) *adj.* very much shining, bright, beautiful क्रुध्यत्यद्धा ययोः स्वां तनुमतिलसतोर्बिम्बतां लक्षयन्ती ··· शैलकन्या। युष्मांस्तौ ··· अव्यातान्··· कपोलौ S'ivaKePāSt. 8; (गजाननः) गम्भीरनाभिविलसदुदरोऽतिलसत्कटिः GaṇeP. i. 63. 35.

अतिलसद्रुचि (atilasad-ruci) *adj.* having extremely bright lustre सः ··· अतिलसद्रुचि कालवनावृतेर्हरति तत्प्रतिबिम्बमहो क्षणात् RājTa.(Jo.) 1300.

अतिला (a-tilā) *adj.* (*f.*) unmixed with the seeds of *Sesamum indicum* अतिलाभिर्धानाभिस्त्रिः प्रसव्यं परिकिरति BhārPiMe. ii. 5. 3.

अतिलाघव (ati-lāghava) *n.* **1** extreme quickness, dexterity or ease चिच्छेदास्य शरव्रातान्स्वशरैरतिलाघवात् MatsyaP. 150. 120; चित्रीयमाणानतिलाघवेन ··· निचखान दूरं बाणान्स्वजिन्या हृदयेष्वरातिः Kirātā. 17. 31; प्रपन्नास्त्वां जन्तवः ···। जन्मोदधिं लघु तरन्त्यतिलाघवेन KalyāMaSt. 12; (गजः) दत्त्वा प्रहारमतिलाघवतोऽपरः पृष्ठे श्रयत्यसकृदुद्धटे भटे HammīMaKā. 12. 54; मनसोऽतिलाघवात्त्वरया ज्ञानेन्द्रियसम्बन्धात्रानाज्ञानोत्पत्तेः SiddhāMu. 53. 29 (*on* 85); सः ··· शतमन्युदूतः ··· अतिलाघवोदस्तसमस्तविटपिपटलः ··· अखिलामपि वाहिनीमेवं क्षणेन क्षोभयामास ĀnandaRa. 7. 43 (4); **2** extreme lowness, meanness, degradation जगतां पतिरर्थित्वाद्विष्णुर्वामनतां गतः। अधिकः कोऽपरस्तस्माद्यो न यात्यतिलाघवम् PadmP. ii. 66. 137; त्वयात्र सखि राधिकाश्रवसि वीक्ष्य तत्कुण्डलं मनः स्वमुदघाटि यत्तदतिलाघवायैव नः UjjvaNīMa. 246. 2; **3** extreme simplicity or economy of thought कार्यान्वितपरत्वनियमाभावे पदानामतिलाघवायान्वितपरत्वमपि त्यज्यताम् VedāntKa. 81. 21 (*on* i. 1. 4); स्फुटप्रतीयमाननिगा(निर्भागा?)हंप्रत्ययवेद्यचेतनस्य देहात् पृथग्भावमात्रमतिलाघवात् प्रत्येतव्य[म्] NyāyKu. 112. 18; (घटपटादीनामप्यैक्यमस्तु) एकत्वाभ्युपगमे चातिलाघवात् SiddhāBi. 34. 2; न चैवमतिलाघवान्नाम्ना वस्तुप्रतिपत्तिमुद्दिश्योच्चारणमुद्देश इत्येतावदेव लक्षणं स्यादिति वाच्यम् S'ivārkaMaDī. i. 102. 29 (*on* i. 1. 2); अतिलाघवात् व्यक्तावेव शक्तिः MīmāKau. i. 142. 4 (*on* i. 3. 30); iii(1). 22. 11 (*on* i. 2. 7); तथा चातिलाघवात् भावाभावयोर्विरोध एव न स्वीक्रियताम् GuruCandr. i. 86. 16; i. 148. 17; एवं चासंसर्गाविषयकतत्प्रकारकज्ञानस्य प्रवृत्तौ व्यवहारे च हेतुत्वादतिलाघवमित्याहुः BhāṭṭCin. i. 21. 3 (*on* i. 1. 4); अत एव पक्षेत्यादावपि कृतिबोधाय पृथक् शक्तिर्न कल्प्येत्यतिलाघवं स्यात् VaiyāBhū. 41. 17 (*on* 7); **4** extreme lightness (as against heaviness or weight) गुल्मप्लीहानाहशूल° ··· °अतिलाघव° ··· °वातव्याधयः AṣṭāSaṁ. i. 145. 15 (1. 28)

अतिलाङ्गलदेश (atilāṅgala-deśa) *m.* name of a country अतिलाङ्गलदेशे च लक्षः प्रोक्तः सपादकः (ग्रामाणाम्) SkandP. i(2). 39. 138.

अतिलाभ (ati-lābha) *m.* great gain, profit अतिलाभं तु मन्येऽहं यत्तेन रिपुघातिना (भीमेन)। तदैव न हताः सर्वे मम पुत्राः MahāBhā. v. 50. 15; किमतिलाभकाङ्क्षया कुड्(?टु)म्बसर्वस्वेन संगृहीतभाण्डो देशान्तरमभिगच्छन्नन्तरा चोरैरुपासादितो भवान् Ubhayābhi. 10. 11.

अतिलालन (ati-lālana) *n.* too much of fondling or caressing अतिलालनमेकके।··· पितरौ त्वयि चक्रतुः GaṇeP. i. 7. 11; अज्ञानादतिलालनादपि च ते मातर्मया माचता निर्माल्ये परदैवतस्य चलितं यत्किंचिदुच्छृङ्खलम्। तत्क्षन्तव्यम् NīlaVi. 119. 5; गुरुरलमतिवात्सल्यादतिलालनेनेत्यभिधाय NīlaVi. 63. 17.

अतिलालना (ati-lālanā) *f.* excessive fondling वरं चातितिरस्कारो बालानां नातिलालना BṛKathāS'loSaṁ. 20. 89; दक्षस्तु धातुरतिलालनया रजोऽन्धो नात्यादृतस्त्वयि Nārāy. iv. 16. 9.

अतिलालवत् (ati-lālava(n)t) *adj.* having excessive saliva (शृगालादीनाम्) यदानिलः। श्लेष्मप्रदुष्टो मुष्णाति संज्ञां संज्ञावहाश्रितः। तदा प्रस्रस्तलाङ्गूलहनुस्कन्धोऽतिलालवान्।- अन्योन्यमभिधावति SuśruS. v. 7. 44; RugVi. 69. 58.

अतिलालस (ati-lālasa) *adj.* [*f.* -ā] **i** very eagerly longing, very eager, very much devoted to या सा माहेश्वरी शक्तिर्ज्ञानरूपातिलालसा (तस्याः कार्यमिदं जगत्) KūrmaP. 101. 14 (1. 12); 106. 10 (1. 12); सर्वान्तरस्था च चिच्छक्तिरतिलालसा KūrmaP. 108. 18 (1. 12); प्रणेमुरादराद्देव्यो गायन्ति स्मातिलालसाः KūrmaP. 188. 11 (1. 16); (मानसं नाम सरः) तस्य तीरेषु सुभगां चरन्तीमतिलालसाम् (उर्वशीम्) KūrmaP. 250. 18 (1. 23); ऋषयस्तपतां वराः। आजग्मुः परमेशस्य दर्शने त्वतिलालसाः PadmP. iv. 9. 31; (विरहिणी) अङ्गान्यप्यतिलालसा वहति या क्लेशेन SūktiMu. 38. 22; **ii** very greedy शूद्रान्नसेविनो विप्रा जिह्वाला अतिलालसाः SkandP. iv. 68. 37.

अतिलालित (ati-lālita) *adj.* [*f.* -ā] excessively fondled अथवा यौवनमतिलङ्घितं(v. l. लालितं) नु कुवृद्धैः DhūrtaViSaṁ. 5. 21; भवाः परिषदीत्यासन् सुराः पारिषदाह्वयाः। ते पीठमर्दसदृशाः सुरेन्द्रैरुप(v. l. °अति)लालिताः MahāP. 22. 26; बालानां नातिलालना। दृश्यन्ते ह्यवसीदन्तो धीमन्तोऽप्यतिलालिताः BṛKathāS'loSaṁ. 20. 89; केलिमेदुरलोलिताभिरतिलालिताभिरबलालिभिः स्वैरमीश। ननु सूरजापयसि चारु नाम विहृतिं व्यधाः Nārāy. x. 69. 10.

अतिलावण्य (ati-lāvaṇya) *n.* extreme beauty (सा राक्षसी) आगतादितिरूपेण ···। अतिलावण्यनिलया GaṇeP. ii. 21. 18.

अतिलाशय (atilāśaya) *m.* name of a water-bird ठिकः पाशगडो ठिक्को जलसार्यतिलाशयः। जलपक्षी RājNi. 405. 24.

अतिलिङ्ग (ati-liṅga) *adj.* possessed of excessive characteristics (than usual) कालं तु खलु यथर्तुलिङ्गाद्विपरीतलिङ्गमतिलिङ्गं हीनलिङ्गं चाहितं व्यवस्येत् CaraS. iii. 3. 7 (1941 Ed.)

अतिलिप्सा (ati-lipsā) *f.* excessive greed परिग्रहोत्था च ममातिलिप्सा ViṣṇuP. iv. 2. 120.

अतिलिहा (atilihā) *f.* name of a Prakrit metre (of four lines, each containing sixteen *mātrās*) [PW, MW, APTE]

अतिली (ati-lī-) IV. Ā. to cling, to stick to न च धावसि नातिलीयसे GiMs. iii(1). 9. 12 [to become slack (?) DBHS] (गजस्य) समन्तात्परिलीयन्ते कृष्णा यस्य तु मक्षिकाः। शरीरे चातिलीयन्ते न स जीवति तादृशः Hastyāyur. 625. 20 (4. 9)

अतिलीढ (ati-līḍha) *f.* name of an aspirate coming after *ṣ* विवृतं प्रति या ऊष्मा विज्ञेया विकटानना। लीढातिलीढविद्युच्च शषसेषु प्रकीर्तिताः YājñaS'i. 146.

अतिलीन (ati-līna) *adj.* **A** completely absorbed in धन्यास्ते वीतरागाः ··· योगाभ्यासेऽतिलीना गिरिवरगहने यौवनं ये नयन्ति S'atTrayī. 542; **B** excessively coming closer, closely attached हेमन्तमार्जार इवातिलीनः स चेन्न निर्याति निरस्यमानः। तदेष कार्यः ··· परुषोपचारः SamaMā. 5. 79.

अतिलीनदोष (atilīna-doṣa) *adj.* whose disorder has closely stuck to तत्र साध्यमामं दुष्टमलसीभूतमुल्लिखेत्पाययित्वा सलवणमुष्णं वारि। तथा त्वच्छर्दयंतमतिलीनदोषं कृष्णानागदन्तीकल्कयुक्तं पाययेत् AṣṭāSaṁ. i. 70. 24 (1. 11)

अतिलुब्ध (ati-lubdha) *adj.* [*f.* -ā] very greedy, extremely covetous न हि ··· राज्ञा ··· अतिलुब्धेन शक्याः पालयितुं प्रजाः MahāBhā. xii. 76. 14; चपला चातिलुब्धा च परुषा कलहप्रिया NāṭyaS'ā. 22. 105; अतिलुब्धः ··· महापद्मनामा नन्दः ··· भविष्यति ViṣṇuP. iv. 24. 20; वर्धमानो महान्स्नेहः ··· अतिलुब्धेन जम्बुकेन विनाशितः Tantrākhyā. 3. 3 = PañcT. 1. 1 (7. 4); Pañcā. 3. 3; Hitopa. 2. 1; डिङ्गरातबलगुप्तयोरतिलुब्धयोः ··· अनुग्रहः कथं शक्यः MudrāRā. 3. 24 (49); वाताधिकोऽतिलुब्धादिर्जातो भूमिसुतो गृहे AgniP. 133. 3; मयातिलुब्धेन ··· धर्षिता मुनिपत्नी सा GaṇeP. i. 34. 23; अतिलुब्धेन। धूर्तेन वञ्चितोऽहम् KalāVi. 2. 52; संचयेनातिलुब्धो हि निहतो जम्बुकः पुरा BṛKathāMañ. xvi. 1. 412; गृध्रोऽतिलुब्धपक्षिणोः DharK. 1980; अतिलुब्धासि हे पापे PārśvC. 7. 172; और्वा इवातिलुब्धा भवन्ति धनलवणवारिबहुतृष्णाः S'ārṅgaPa. 431; (मानवाः) आसन् ··· नातिलुब्धाः MahNirvāTa. 1. 26.

अतिलुब्धक (atilubdha-ka) *adj.* very greedy, very covetous एवं चातिलुब्धकराजासहाशैलानामन्तरद्रोणीः प्रजास्संश्रयिष्यन्ति ViṣṇuP. iv. 24. 94; क्षिप्तोऽतिलुब्धकश्चौरः केन वा नरघातकः BrahmVaiP. ii. 25. 30; DevīBhāP. ix. 28. 27.

अतिलुब्धत्व (atilubdha-tva) *n.* the nature of being very greedy, excessive greed अतिलुब्धत्वादथो स्त्रीं पुरुषोऽवदत् PārśvC. 6. 637.

अतिलुभ् (ati-lubh-) IV. P. to be excessively tempted by स्त्रीणां मनोऽतिलुलुभे शशिनः करेषु Subhāṣi. 1990.

अतिलुलित (ati-lulita) *adj.* closely attached or adhering [MW]

अतिलेखन (ati-lekhana) *adj.* completely scrapping off (मधु) मेदःस्थौल्यापहं ग्राहि पुराणमतिलेखनम्। दोषत्रयहरं पक्वम् SuśruS. i. 45. 141; शङ्खोदधिमलौ शीतौ कषायावतिलेखनौ AṣṭāSaṁ. i. 76. 1 (1. 12); गुग्गुलुः ··· स नवो बृंहणो वृष्यः पुराणस्त्वतिलेखनः BhāvPra.(Bhā.) 6(3). 42.

अतिलेपन (ati-lepana) *n.* plastering completely, over-application of (ointment etc.) पूर्वोक्तैश्च गुणैश्चास्य प्रच्छितस्यातिलेपनम् Hastyāyur. 320. 15 (2. 66)

अतिलेहितदोष (atilehita-doṣa) *m.* defect due to too much use of an electuary अतिलेहितदोषाः के KāśyaS. 1A. 4.

अतिलोक (ati-loka) *adj.* **i** which has spread beyond this world स्वं यशः कथकचारणसङ्घैरुद्धतं निशमयन्नतिलोकम् AṣṭāSaṁ. ii. 53. 15 (4. 9); **ii** who is above (the injunctions and prohibitions of) this world अतिलोकस्य को दोषः शंभोर्ब्रह्मशिरश्छिदः RāmC. 24. 34; **iii** supernatural, extraordinary अतिलोकैः पदार्थैः स्यात् विस्मयात्मा रसोऽद्भुतः DaśRū. 4. 78 = SāhiSā. 5. 105; तव पदाम्बुजयुग्मम्। ··· प्रस्रवन्मधु किमप्यतिलोकम् Stotrā.

19. 16; मम … अतिलोकं स्वभावं शृणु GītāBh.(Rā.) 481. 1 (*on* 9. 29); वपुर्मनोहारि वचश्च रम्यं पदं च लोकादतिलोकमस्याः PārvPa. 4. 11; **iv** who excels the whole world त्वय्यनादरवतामतिलोके यामिमां वदसि वाचमनूचीम् Yādavā. 21. 26; **v** who conquers all, Yādavā. 21. 26 (comm. लोकोपद्रवकारिन्)

अतिलोकोत्तरत्व (atilokottara–tva) *n.* the state of being highly extraordinary or supernatural एतद्ग्रन्थे क्रियमाणस्यातिलोकोत्तरत्वेन … मयैव पूर्वं कामितम् LaCandr. 8. 18.

अतिलोचनसौन्दर्य (ati–locanasaundarya) *n.* extreme beauty of the eyes (बालाम्) सोऽतिलोचनसौन्दर्यान्नाम्ना चक्रे सुलोचनाम् KathāSaSāg. vi. 2. 73.

अतिलोठनता (atiloṭhana–tā) *f.* complete retreat अतिलोठनताम् … यस्याततायिपृतना युधि नायकस्य संदर्शनादभृत HarVi. 16. 31 (comm. परावृत्तिशीलत्वम्)

अतिलोभ (ati–lobha) *m.* **1** excessive greed or avarice अज्ञानं चातिलोभश्चाप्येकं जानीहि पार्थिव MahāBhā. xii. 153. 9; अतिलोभाद्वरगुणानाम् … न शक्नोमि निश्चयं गन्तुम् PratiYau. 2. 3(15); सूक्ष्मत्वादतिलोभाच्च … कामलक्ष्म तु दुर्ज्ञानं स्त्रीणाम् KāmSū. 323. 3 (6. 2); नातिलोभं च मन्येत [संप्राप्या ?] प्यापदाश्रयम् ParaS. 11. 36; अतिलोभमोहादशास्त्रविद्यः कुरुते चिकित्साम् KalyāKā. 7. 49; तथा क्षुरप्रैरनयैः क्रियाफलं मदातिलोभाविव वाजिनां युगम् RāghPāṇ. (Dha.) 6. 20; वातादिभिः शोकभयातिलोभक्रोधैः … अरोचकाः स्युः RugVi. 14. 1; अतिलोभादिति । लुब्धा हि स्वाभाविकमिव रूपयन्ति प्रवृत्त्या न ज्ञायन्त इति JayaMa. 323. 12 (6. 2); चाञ्चल्यमतिलोभश्च … वर्ज्यः SkandP. ii(9). 22. 58; निष्फलोदयः कृतोऽतिलोभादभिमानविक्रयः DaśāvaC. 3. 15; परिचारकैः … अतिलोभादतिसिद्धम् … भोजितवतः … भवत्युपधाव्यापत् Hastyāyur. 118. 21 (1. 16); अथो जगाद सा दक्षातिलोभो न शुभः प्रिय PārśvC. 6. 639; अतिरागाद्दशग्रीवो ह्यतिलोभात्सुयोधनः (गार्हितः) SūktiRa. 163. 52; अतिलोभात्प्रतिपन्नं तद्वचः सुभटैः CampaS'reKa. 299; अतिलोभेन प्रचुरकरादिग्रहणं परेषां मूलोच्छेदः ManvaMu. 272. 1 (*on* 7. 139); KandaCū. vi. 2. 39; **2** name of the third son of king Dāmodarasvāmin नृपतिः … ।सिंहविष्णुमनोरथातिलोभनाम्नस्तनूजानजीजनत् AvantiKa. 11. 8.

अतिलोभज (atilobha–ja) *adj.* arising from extreme greed अस्या अतिलोभजम् । दर्शितं फलम् PārśvC. 7. 223.

अतिलोभतस् (atilobha–tas) *adv.* through excessive greed स जाने मां प्रेरयेदतिलोभतः KathāSaSāg. vii. 9. 83; मणिकुन्तलेषु ववृतेऽतिलोभतो निजवाससा हलभृतेव गोपिता S'rīKaC. 14. 2; नास्तिक्यादतिलोभतः … उपसर्गः प्रजापतेः VasiS. 45. 2; तिरस्कारोऽतिलोभतः S'ukraNī. 3. 220.

अतिलोभता (atilobha–tā) *f.* excessive greed or greediness मूर्खत्वमतिलोभता । … स्त्रीणां दोषाः S'atTrayī. 368 = CāṇaNīDa. 2. 1; अतिलोभता शूद्रमाविशेत् VṛGautaSm. 635. 3 (22); अतिलोभताम् । वर्जयेत् PārśvC. 8. 181; मात्सर्यमतिलोभता । …गुणिनामपि दोषाय S'ukraNī. 3. 243.

अतिलोभन (ati–lobhana) *adj.* very greedy धिङ् मामतिलोभनं मूढम् S'ṛṅgāMañ.(A.) 51. 16; धनप्राणहरो राजा प्रजायाश्चातिलोभनः S'ukraNī. 4(1). 64.

अतिलोभनीय (ati–lobhanīya) *adj.* very attractive, seductive or alluring, very covetable हंसैरप्यतिलोभनीयगमने हारावलीमुज्ज्वलाम् … स्वीकुरु MantrMāSta. 250. 6; तमतिलोभनीयं दृष्ट्वा महीश्वरः परमं पिप्रिये CaitaCa. 233. 17(10); कुमारिकासंपुटिकाविहारानालोक्य यस्यामतिलोभनीयान् Raghunā. 1. 25.

अतिलोभनीयता (atilobhanīya–tā) *f.* extremely attractive nature स जानानः स्वस्य वपुषोऽतिलोभनीयताम् … मृगाणामाधिपत्यं चकार JātaMā. 167. 14(26)

अतिलोभपरा (atilobha–parā) *adj.* (*f.*) very greedy अतृप्तातिलोभपरा स्त्रं स्वेनैव व्यनाशयत् PariPar. 3. 42.

अतिलोभयत् (ati–lobhayat) *adj.* greatly alluring or attracting इदमिदमिति भूरुहां प्रसूनैर्मुहुरतिलोभयता पुरःपुरोऽन्या । अनुरहसमनायि नायकेन S'iśuVa. 7. 50.

अतिलोभान्ध (atilobhāndha) *adj.* blind (i. e. indiscriminate) due to excessive greed कासां हि नापदां हेतुरतिलोभान्धबुद्धिता KathāSaSāg. v. 1. 198.

अतिलोभान्वित (atilobhānvita) *adj.* extremely greedy (i. e. very much interested) धर्म्यो न लोभान्वितः (v. l. धर्म्येऽतिलोभान्वितः) Mṛcch. 9. 5 (52)

अतिलोभाभिभूत (atilobhābhibhūta) *adj.* overwhelmed with excessive greed अतिलोभाभिभूतात्मा कुट्टिनी रासभी भवेत् PārśvC. 7. 240.

अतिलोभार्त (atilobhārta) *adj.* suffering from excessive greed न ददुस्तेऽतिलोभार्ता नास्ति नास्तीति वादिनः DevīBhāP. vi. 16. 14.

अतिलोभाश्रय (atilobhāśraya) *m.* receptacle or abode of extreme greed देहस्येव गदोदयो गुणगुणस्येवातिलोभाश्रयः HammīMaKā. 10. 28.

अतिलोभिता (atilobhi–tā) *f.* the state of being extremely greedy अनृतं साहसम् … अतिलोभिता । …स्त्रीणां दोषाः MādhavāĀ. 197.

अतिलोभिन् (ati–lobhin) *adj.* extremely avaricious अये विशाखेऽयमतिलोभी दध्नः GopāKeCan. 87. 29.

अतिलोमन् (ati–loman) *m.* name of a demon अतिलोमा विलोमा च … । ब्रह्माणं पर्युपासन्त PadmP. v. 18. 76; *adj.* having too much hair पुरुषा निन्दिताः … अतिलोमा चालोमा CaraS. i. 21. 3; स्मरगृहमतिलोम (शङ्खिन्याः) RatiRaha. 1. 16.

अतिलोमश (ati–lomaśa) *adj.* [*f.* –ā] **i** very hairy, shaggy आलभते …अतिकुल्वं चातिलोमशं च VājaS. 30. 22; आलभते । … अतिश्लक्ष्णमतिलोमशम् TaiBr. III. iv. 19. 1; (सः) अद्राक्षीद्राक्षसं घोरम् … अतिलोमशम् SkandP. iv. 54. 21; तामसः … कृशः कृष्णोऽतिलोमशः SarvaSiSaṁ. 11. 26; योनिः … अतिलोमशा वैधव्यकरी KāśyaS. 47B. 38; अतिलोमशम् … शरीरेष्व(स्य) … प्रशस्तमुच्यते KāśyaS. 48B. 7; बभ्रुरतिलोमशो गिरिभवप्राणिविशेषः DīpKa. 102. 15 (*on* 3. 269); **ii** very woolly विमृशामि वितानं तेऽतिश्लक्ष्णमतिलोमशम् TripuVePāSt. 15.

अतिलोमशा (atilomaśā) *f.* *Convolvulus argenteus* नीलपुष्प्यतिलोमशा ParyāRaMā. 112.

अतिलोमा (ati–lomā) *adj.* (*f.*) very hairy, having much hair (on the body), shaggy नोद्वहेत्कपिलां कन्याम् … नातिलोमाम् ManuSm. 3. 8; उद्वहेत द्विजो भार्याम् … नातिलोमाम् SkandP. iv. 36. 93; NaraP. 58. 41; BhaviP. 270A. 23 (i. 182. 40)

अतिलोमाङ्ग (atilomāṅga) *adj.* having a body full of hair अजायत तदा पुरुषः … अतिलोमाङ्गः MahāBhā. xii. 274. 39.

अतिलोमिका (ati–lomikā) *adj.* (*f.*) having too much hair (on the body) नोद्वहेत्कपिलां कन्याम् … नातिलोमिकाम् LaS'ātāSm. 34.

अतिलोल (ati–lola) *adj.* **i** very fickle, very agitated, unsteady दुर्गन्धो भृशमशुचिस्तथातिलोलः … भ्रमति रुदन् पिशाचजुष्टः SuśruS. vi. 60. 15 (comm. अतिचपलः); RugVi. 20. 25; (Madhukośa सर्वस्मिन्नन्ने पाने च सतृष्णः); BhāgP. x. 87. 33; संप्रापुरतिलोलाश्च रुदन्तः शोकविह्वलाः BrahmVaiP. iv. 19. 143; iv. 23. 81; SkandP. iv. 20. 41; वरमदनमदादतिलोलम् GītGo. ii. 6. 5; अतिलोलमपि चेतः … स्थैर्यमाश्रयति YogS'ā. 12. 30; YudhiVi. 2. 84; **ii** very frail क्व बत हरिणकानां जीवितं चातिलोलं क्व च निशितनिपाता वज्रसाराः शरास्ते S'āk. 1. 10.

अतिलोलता (atilola–tā) *f.* excessive desire ऋजुमतेः किल वक्रगिरा भवान् वरतनोरतनोदतिलोलताम् Nārāy. x. 79. 11 (comm. अतिलोलतां परवशताम्)

अतिलोलुप (ati–lolupa) *adj.* **i** very eager जटीभूतकचाक्षादिपक्ष्माणं त्वतिलोलुपम् (स्नपयेत्) AṣṭāSaṁ. ii. 184. 20 (6. 2); **ii** very lustful देवोऽदेवाञ्जघनतः सृजति स्मातिलोलुपान् BhāgP. iii. 20. 23; SkandP. iii(2). 39. 314; PadmP. iv. 65. 34; vi 170. 56; DevīBhāP. i. 14. 41; vii. 10. 7.

अतिलोलुपत्व (atilolupa–tva) *n.* excessive desire (अनीश्वरज्ञाः) ते चेन्द्रियार्थेष्वतिलोलुपत्वादजातलज्जाः … भ्रमन्ति Vidvanmo. 7. 15.

अतिलोहित (ati–lohita) *adj.* [*f.* –ā, –nī] dark red, very red विद्युदातपायातिलोहिनी MahāBh. i. 449. 25 (*on* ii. 3. 13); राज्यः समन्तादतिलोहिताः …रक्ताभिपन्ने नयने भवन्ति SuśruS. vi. 6. 9; BhelaS. 98. 1 (5. 1); बभ्रुः पलाशान्यतिलोहितानि KumāSaṁ. 3. 29 = VakroJī. 49. 24 = AuciViCa. 16(12) = SuvṛTi. 3. 17(2) = SūktiRa. 184. 5 = Kuval. 35(33) = Subhāṣi. 1673; KāmSū. 126. 7 (2. 5); स मुनिः … अतिलोहितेन चक्षुषा स्वरुधिरोपहारमिवामर्षदेवतायै प्रयच्छन् HarṣaC. 15. 3; 179. 9; S'iśuVa. 17. 13; BṛĀraUBhVā. iv. 3. 1239; नाल्यः समन्तादतिलोहिताः RugVi. 59. 8; SkandP. i(2). 17. 5; JayaMa. 126. 8 (*on* 2. 5); NavaSāC. 12. 27; AbhidhāCin. 1326; VasaViKā. 8. 27; वहन्नतिलोहितं वपुरगादुदयं रजनीकरः HammīMaKā. 7. 19; LalitāSaBh. 29. 34 (*on* 53); *m.* name of a form of the deity Rudra-Vāyu अतिलोहितानां रुद्राणां स्थाने स्वतेजसा भानि TaiĀ. i. 17. 1 (120. 9); cf. **अतिलोहिती**

अतिलोहितगन्ध (atilohita–gandha) *m.* name of a plant, white thorn-apple, *daturalba* अतिलोहितगन्धश्च ध्यामा मदनकस्तथा ParyāMu. 11. 35.

अतिलोहितनेत्र (atilohita–netra) *n.* extremely red eye अतिलोहितनेत्राभ्यामाशीविष इव श्वसन् MahāBhā. v. App. 1. 12 (87)

अतिलोहिता (ati–lohitā) *f.* name of a female form of the deity Vāyu अथ वायोः … कपिला अतिलोहिताः । …वैद्युत इत्येकादश TaiĀ. i. 9. 2 (64. 1)

अतिलोहिताक्षि (atilohitākṣi) *n.* very red eye प्रतिदिशमतिलोहिताक्षिपक्ष्मपातम्…वदति न मौनमुपेयुषी (श्रीराधा) सखीभ्यः GopāKeCan. 92. 22.

अतिलोहिताक्षी (atilohitākṣī) *adj.* (*f.*) with very red eyes, whose eyes are exceedingly red मेदाद्भ्रुवोः कुटिलयोरतिलोहिताक्ष्या भग्नं शरासनम् … स्मरस्य S'āk. 5. 24; SaraKaṇṭhā. 578. 11.

अतिलोहिती (atilohitī) *f.* [DEBRU. p. 392] name of a female form of Vāyu अतिलोहितीनां रुद्राणीनां स्थाने स्वतेजसा भानि TaiĀ. i. 17. 2 (121. 9)

अतिलौकिक (ati-laukika) *adj.* [*f.* -ī] supra-mundane, transcendental संक्लेशे व्यवदाने च स्वयमश्रान्तबुद्धयः । यच्छन्ति लौकिकीं कृत्स्नां संपदं चातिलौकिकीम् MaYānaSū. 163. 4 (19. 16); PramāVār. 3. 473; आगमः पौरुषेयः स्यात्प्रमाणमतिलौकिकम्(? के) NyāyVi. 2. 405.

अतिलौल्य (ati-laulya) *n.* **1** great perturbation चूर्णम् … तृष्णातिलौल्यशमनं करोति HāriS. iii. 6. 22; **2** excessive greediness, extreme greed बकः … अतिलौल्योद्धृतेनाथ कर्कटेन निपातितः BṛKathāMañ. 16. 288; Tantrākhyā. 18. 14; PañcT. 1. 61 (66. 22); 4. 18 (392. 6); Hitopa. 4. 15; Pañcā. 36. 16; अतिलौल्यमतिस्पृहाम् । … वर्जयेत् Rasā. 18. 119; अतिलौल्यात् पुनर्लब्धमप्यर्थं हारयेत् कुधीः PārśvC. 6. 629.

अतिलौल्यतस् (atilaulya-tas) *adv.* owing to extreme greed अतिलौल्यतः कवलयन् मलिनद्युति काननं किमपि दावशिखी KāvyKaVṛ. 138. 17 (4. 5)

अतिलौल्यता (atilaulya-tā) *f.* excessive greed, over-greed अस्यातिलौल्यताध्यानादप्यनर्थः प्रजायते PārśvC. 2. 1016.

अतिलौल्यवत् (ati-laulyava(n)t) *adj.* having much greed, too greedy हास्याद्दृते किमन्यत्स्यादतिलौल्यवतां फलम् KathāSaSāg. iv. 2. 200.

अतिवक्तुम् (ati-vaktum) *inf.* to exaggerate प्रभावं शक्तोऽतिवक्तुं न गुरुः सुराणाम् EI. xxv. 15. 30.

अतिवक्तृ (ati-vaktṛ) *adj.* **i** reviler यो ब्राह्मणः … अतिवक्ता च … नरश्वानं हि तं विदुः MahāBhā. xiii. 37. 13; MatsyaP. 216. 15; ऋषीणामतिवक्तार इति । अधिक्षेप्तारोऽपवदितार इत्यर्थः Sphuṭā. 26. 25 (*on* 3. 15); **ii** talking too much वावदूकोऽतिवक्तरि AmaK. 2095; KośaKaTa. 2. 23; KalpaK. 222. 71.

अतिवक्त्र (ati-vaktra) *adj.* having a big face, big-faced चन्द्रवक्त्रश्च (v. l. अतिवक्त्रश्च) य आसीदसुरोत्तमः MahāBhā. i. 61. 26.

अतिवक्र (ati-vakra) *adj.* [*f.* -ā] **i** very retrograde वक्रातिवक्रा विकला मन्दा मन्दतरा समा (ग्रहाणां गतिः) SūrySi. 2. 12 (53); ऋज्वी हिता प्रजानां अतिवक्रार्थं गतिर्विनाशयति BṛSaṁ. 7. 16; ऋज्व्यतिवक्रा वक्रा विकला च मतेन देवलस्यैताः (बुधस्य गतयः) BṛSaṁ. 7. 15; राशिषु चतुर्षु वक्रं षट्स्वतिवक्रम् BrahmSphuSi. 2. 51; MahāBhāsk. 4. 56; **ii** very crooked, curved कलावान् वचनपरिचयो भ्रूविकारोऽतिवक्रः … सेवामेवं … विदधति सुभगे मुञ्च मानग्रहोऽयम् S'atTrayī. 629; KalyāKā. 19. 126; RāmāMañ. 93. 1; वातेन शूलेन मरुत्प्लवेन सदातिवक्रा हि शिरा वहन्ती (नाडी) NāḍīVi. 100; इहाविशचेन पथातिवक्रः शास्त्रौघनिष्यन्दसुधाप्रवाहः । सोऽस्याः श्रवः पत्रयुगे प्रणालीरेखेव धावत्यतिकर्णकूपम् NaiṣC. 7. 62; SūktiMu. 4. 107; MātaLī. 3. 2; Bharat. 7A. 10; विलासिनीनां मलिनोऽतिवक्रो वेणीकलापः परमाप बन्धम् Rāṣṭrau. 10. 10; NīlaVi. 56. 3; *m.* Mars कलावान् वचनपरिचयो भ्रूविकारोऽतिवक्रः … सेवामेवं ग्रहास्ते विदधति सुभगे मुञ्च मानग्रहोऽयम् S'atTrayī. 629.

अतिवक्रगमन (ativakra-gamana) *n.* moving in the maximum retrograde motion वक्रातिवक्रगमने विज्ञेये तन्निवृत्तिश्च MahāBhāsk. 4. 55.

अतिवक्रगा (ativakra-gā) *adj.* (*f.*) going in a maximum retrograde motion या वक्रा सातिवक्रगा (गतिः) SūrySi. 2. 13.

अतिवक्रचेष्टित (ativakra-ceṣṭita) *adj.* having exceedingly crooked behaviour केरानतिवक्रचेष्टितान् ManvaVi. 1230. 4 (*on* 9. 225)

अतिवक्रता (ativakra-tā) *f.* extreme crookedness मृषावादोऽतिवक्रता …स्त्रीवेदस्याश्रवा इमे TriṣaS'aPuC. iii. 7. 100.

अतिवक्रवचस् (ativakra-vacas) *n.* very cunning speech हीनाहं भवतोऽतिवक्रवचसा दातुं प्रवीणोत्तरम् । का ते सुन्दरि हीनता VakroPañ. 31.

अतिवक्रित (ati-vakrita) *adj.* very retrograde, being in backward motion उच्चराशौ विलोमे च वलं नान्यैरिहेष्यते । कालस्यातिबहुत्वाच्च, तस्मात्स्वोच्चेऽतिवक्रिते Sārā. 5. 14.

अतिवक्ष् (ati-vakṣ-) I. P. cf. **उक्ष्**, to grow beyond, to overgrow त्रीणि रोचना । अतीदं विश्वं भुवनं ववक्षिथ ṚV. i. 102. 8; अति विश्वं ववक्षिथ ṚV. i. 81. 5; अति तृष्टं ववक्षिथाथैव सुमना असि ṚV. iii. 9. 3 [*but* Sāy. ववक्षिथ अतिशयेन वोढुमिच्छसि]

अतिवङ्क् (ati-vaṅk-) I. Ā. to surpass, to cross वनप्रदेशान् … अयमत्यवङ्कत DhātuKā. 1. 13.

अतिवच् (ati-vac-) II. P. to censure, to blame किं मात्यवाक्षीः परुषैर्व्रणं सूच्या इवानघ MahāBhā. v. 74. 14; अथापि काममेतं ते प्रजात्यै करवाण्यलम् । यथा मां नातिवोचन्ति मुहूर्तं प्रतिपालय BhāgP. iii. 14. 21.

अतिवचोविषया (ati-vacoviṣayā) *adj.* (*f.*) indescribable (*lit.* beyond the range of speech) अपि तन्मुखाभिषवसेकमृते श्रियमुद्वहन्नतिवचोविषयाम् । अधरीचकार … मानसंस्थितिं मगो बकुलः HammīMaKā. 5. 24.

अतिवज्रघटिता (ativajra-ghaṭitā) *adj.* (*f.*) constituted of something harder than the thunder-bolt सख्यः संवृणुताश्रु…एतानप्यधुनातिवज्रघटिता नूनं सहिष्ये घनान् S'ṛṅgāTi.(Ru.) 2. 84.

अतिवञ्चक (ati-vañcaka) *adj.* very fraudulent जनैः प्रकथितम्…यथार्थं क्षुल्लकः श्रेष्ठिन् धर्मवाह्योऽतिवञ्चकः BṛKathāK. 70. 88.

अतिवञ्चन (ati-vañcana) *n.* clever cheating, great fraud बुधैरतिबलं प्रोक्तं कपटेनातिवञ्चनम् RasāSu. 227. 20 (3. 55); विज्ञायाक्षरतन्मात्रं जीवितं चातिवञ्चनम् । विहाय सर्वशास्त्राणि परलोकं समाचरेत् BhaviP. 278B. 7 (i. 187. 40)

अतिवञ्चयत् (ati-vañcayat) *adj.* deceiving greatly विशुद्धज्ञानरूपोऽपि त्वं लोकानतिवञ्चयन् । मायया मनुजाकारः सुखदुःखादिवानिव AdhyāRā. vi. 8. 35.

अतिवञ्चित (ati-vañcita) *adj.* [*f.* -ā] greatly deceived or cheated तस्थौ शय्यातले श्रेष्ठी गुणपालोऽतिवञ्चितः BṛKathāK. 72. 84; 59. 74; काव्यस्तु … चुकोपाथ शशाप च दैत्यान् … गुरुणातिवञ्चितान् DevīBhāP. iv. 14. 13; कृतककृतकैर्मायासख्यैस्त्वयास्म्यतिवञ्चिता Subhāṣi. 1628; *n.* great deception अहो पश्यत मूढत्वं लोकानामतिवञ्चितम् PadmP. iv. 35. 33.

अतिवत्सल (ati-vatsala) *adj.* [*f.* -ā] **i** very affectionate, very much attached to offspring देशकालोपसंपन्ना दोग्ध्री शान्तातिवत्सला । … गौर्मम MahāBhā. xiii. 70. 15 [Chitrashālā Ed.]; सा हि रोदिति मे माता कान्ताचाप्यतिवत्सला ViṣṇuP. v. 27. 17; BrahmP. 200. 16; किं नु तत्कारणं येन स्वपत्नी नातिवत्सला । मम चासावतीवेष्टा MārkP. 71. 24; वत्सौ तु वर्धयत्येव गङ्गेयमतिवत्सला SkandP. i(3). 18. 17; NavSāC. 5. 28; शोचामि … किं बन्धूनतिवत्सलान CaṇḍaKau. 4. 2; एकापत्यतया चातिवत्सलः स न तां वणिक् । भर्तृयुक्तां सुतां गेहात्तत्याज KathāSaSāg. xii. 28. 8; iii. 4. 260; अतिवत्सला … । अजनि विनीता गृहिणी … सपत्नीस्तनोऽद्वेदे ĀryāSaS'a. 2; PāṇḍaC. 14. 314; कुर्याद्धात्रीम्…सवत्सामतिवत्सलाम् BhāvPra.(Bhā.) 4. 25; आर्या चेदतिवत्सला मयि मुहुर्गोष्ठेश्वरी किं ततः … । दीव्यत्यत्र न चेद्युमात्रतफलं पिच्छावतंसी पतिः UjjvaNīMa. 51. 9; **ii** very kind नाथ कस्योपरि द्रुतम् । चोदयामि रथं पश्य मृत्युरद्यातिवत्सलः PadmP.(Ra.) 24. 104; अपारे व्यसनाम्भोधौ पतन्तं पाति देहिनम् । … धर्मोऽतिवत्सलः Yogśā. 4. 95; TriṣaS'aPuC. iv. 2. 31.

अतिवत्सलता (ativatsala-tā) *f.* great affection, great love for children भरतमवलोकयन्नतिवत्सलतया … देवो दशकण्ठरिपुरुत्कण्ठत RāmāCam. 6. 102(5); अत्रैकादशधा विभक्तमपि ते रूपं भवानीं च यो द्रष्टुं तुल्यमिवातिवत्सलतया धत्ते दृशो द्वादश S'rīKaC. 16. 36; सुग्रीवः–हन्त लज्जयेव मीलयति मामतिवत्सलतया देवपादानामास्थानप्रवृत्ता मुहुरुत्सुक्तिः AdbhutDa. 3. 19(2)

अतिवत्सलत्व (ativatsala-tva) *n.* great affection अस्त्येव भक्तेष्वतिवत्सलत्वाद्बलाद्गुणारोपणकौतुकत्वम् NavaSāC. 9. 31; ताताग्रजो माममिवत्सलत्वाच्चिरं चिरंजीवतयाजुहाव Vidvanmo. 1. 20.

अतिवद् (ati-vad-) I. P. **A** to speak exaggeratedly or hyperbolically यावद्दाताभिमनस्येत् तन्नातिवदेत् AV. xi. 3. 25; एष तु वा अतिवदति यः सत्येनातिवदति । सोऽहं भगवः सत्येनातिवदानीति ChāndoU. vii. 16. 1; सत्यं वदति सत्यमतिवदतीत्यर्थः S'rutaPra. ii. 16. 25 (*on* i. 3. 7); TattvPrakā. 45B. 3 (*on* i. 3. 8); सत्येन परब्रह्मणोपास्येनोपलक्षितो योऽतिवदतीत्यर्थः Vedānt-Kau. 82. 23 (*on* i. 3. 8); **B** to speak better, to excel or surpass in speech or sound तस्मात्क्षत्रं विशमतिवदति KāṭhS. 21. 10; तस्माद्राष्ट्रं विशमतिवदति TaiS. V. iv. 7. 7; अनुष्टुप्सु षोडशिसाम कुर्वीत यः कामयेत न मान्या वागतिवदेदिति JaimiBr. 1. 205; कुतो हि वाग्वाचमतिवदिष्यति तस्मादेतस्माहो यज्ञायज्ञीयमेवाग्निष्टोमसाम कार्यमिति JaimiBr. 2. 413; तस्माद्दुन्दुभिः सर्वा वाचोऽतिवदति TaiBr. I. iii. 6. 2; वज्रो वै षोडशी वागनुष्टुब् वज्रेणैवास्मै वाचं स्तृणोति नैनं वागतिवदति PañcBr. xii. 13. 16; याज्ञवल्क्येति होवाच यदिदं कुरुपञ्चालानां ब्राह्मणानत्यवादीः BṛĀraU. iii. 9. 19; **C** to speak too much or excessively विद्वानात्मनोऽन्यत्पश्यति नान्यच्छृणोति नान्यद्विजानाति । अतो नातिवदति MuṇḍUBh. 346. 20 (*on* iii. 1. 4); न हि वेदः … अतिवदति च प्रतिपिपादयिषितमर्थम् S'rutaPra. ii. 335. 20 (*on* ii. 2. 42); **D** to speak against, to revile or blame तदु विद्वांसमाहुरति नोऽवादीरिति ṢaḍBr.ii. 3. 10; गुरूनतिवदेन्मत्तः परदारान्प्रधर्षयेत् SūktiRa. 55. 4;[to ask for too much, MW]

अतिवदत् (ati-vadat) *adj.* **i** speaking better, being superior in discussion ते होचुर्जनको वा अयं वैदेहोऽग्निहोत्रेऽनुशिष्टः स नोऽतिवदन्निव

मन्यते JaimiBr. 1.22; **ii** speaking too much उच्च वै पापीयांसं सभायामतिवदन्तं सेधन्ति नि च सेधन्ति JaimiBr. 3.289; अथाजगाम…कपालहस्तो दीर्घास्यो भैरवोऽतिवदन्मुहुः MārkP. 8.83.

अतिवदन (ati-vadana) *n.* exaggerated statement परिचारकमुखा ये नायकेन प्रणिहितास्तैर्व्यस्यातिवदनम् JayaMa. 326.12 (*on* 6.3); भ्रमाभावश्चातिवदनातिरिक्तविषय इति सर्वं सङ्गतम् S'rutaPra. ii. 336.8 (*on* ii. 2.42)

अतिवदनसुभग (ati-vadanasubhaga) *adj.* excellent beautifier of the face लेपोऽतिवदनसुभगोऽप्यङ्गकलङ्कं च नाशयति RatiRaha. 15.96.

अतिवदान्यता (ativadānya-tā) *f.* excessive or great generosity साञ्जलिबन्धं किं ब्रवीषि, अलं तावदतिवदान्यतया Mukundā. 96(5)

अतिवधु (ati-vadhu) *adj.* beyond or without a bride अतिवधु कुलम् JaineVyā. 4.9 (*on* i. 1.7); ऊकारान्तपक्षे अतिक्रान्ता वधूर्येन मुनिमण्डलेन तदतिवधु KāvyKaVr. 82.20 (3.4)

अतिवनुष्य (ati-vanuṣya-) [denom.] to seek to outbid or surpass इन्द्रा॑वरुणा … दी॒र्घप्र॑यज्युमति॒ यो व॑नु॒ष्यति॑ व॒यं जये॑म॒ पृत॑नासु दू॒ढ्यः॑ ṚV. vii. 82.1.

अतिवन्द्य (ati-vandya) *adj.* most respectable यस्यातिवन्द्यवन्द्यस्य व्यापिनः परमात्मनः। एकांशेन जगत्सर्वं कस्तमेवं प्रवक्ष्यति MatsyaP. 245.39; रागीति प्रतिपत्तिभूषिते इति प्राप्तोऽतिवन्द्यं पदम् … प्रमाणपुरुषो वेश्याभिरभ्यर्च्यते Mugdhopa. 31; यावन्नैति परोपभोगहृतामेषा (वृद्धिः) ततस्तां तथा ज्ञात्वा ते हृदयं द्विधा दलति यत्तेनातिवन्द्यो भवान् S'ārṅgaPa. 1028.

अतिवमन (ati-vamana) *n.* excessive vomiting कर्णे स्वनोऽतिवमनं क्रमशूलमोहः श्वासेन गुल्ममिति (ग्रहण्याः) लक्षणमेव विद्धि HārīS. iii. 3.86.

अतिवयम् (ati-vayam) *adj.* cf. **अत्यस्मद्** who surpass me, two or all of us, KāśiVr. *on* P. vii. 2.93; प्रमाणमत्रातिवयं तथातियूयं रथाङ्गाविति कूजतो नु DvyāśraKā. 2.19.

[1]**अतिवयस्** (ati-vayas) *adj.* **i** very aged or old राजा तु … अतिवयसम् … अमात्यम् … अब्रवीत् Kād. 12.22; तस्यातिवयसश्चासीन्नाम्ना गुणवती सुता SkandP. ii(4). 13.6; ता अपि मामतिवयसं तरलदृशः शरलमीक्षन्ते SubhāRaK. 43.5; Subhāṣi. 3395; KandaCū. vii. 2.4; Nārāy. x. 80.4; Surath. 12.26; **ii** decrepit, without vigour तृतीये तु पादेऽतिक्रान्ते गतरसान्यतिवयांसि न्यूनसामर्थ्यानि भवन्ति (छन्दांसि) ManuBh. i. 95.23 (*on* 2.38); *n.* old age कन्या कापि भवानिवातिवयसि प्राप्ता हरेः सेवया। पित्रा ते वृषभानुना GopāKeCan. 67.31.

[2]**अतिवयस्** (ati-vayas) *adj.* sheltering many birds स्वापत्यानिव पवनेन वेपमानान् पार्श्वस्थानतिवयसस्तरून् दधानाम्। तां दृष्ट्वा जलजमुखीं समुद्रजायां जायां स्वामपि विमना मनाक् स दध्यौ Surath. 12.26.

अतिवयस्त्व (ativayas-tva) *n.* old age, decrepitude नार्या व्यावृत्तिकारणं वक्ष्ये। भृशमनुरागः पत्यावपत्यवात्सल्यमतिवयस्त्वं च RatiRaha. 13.18.

अतिवर (ati-vara) *m.* [AltGr. II. 1.258] **1** surplus gift, no gift गौर्वै वरोऽतिवरोऽन्यो धेनुर्वरोऽतिवरोऽन्यः ĀpaS'S. v. 11.4; **2** groom beyond the age of marriage क ते रूपं विशालाक्षि क्वासौ वृद्धो वनेचरः। कथं देया मया पुत्री तस्मै चातिवराय च DevīBhāP. vii. 3.41; *adj.* [*f.* –ā] most excellent, very superior अतिवरा विवराविघुता जहौ सफलिनीरलिनी रसताहृता Kapphiṇā. 8.58; ततोऽग्रे दर्शयेतां तौ कौबेरं लोकमुत्तमम्। … शक्रलोकादतिवरम् GaṇeP. ii. 52.19; Vaija. 56.25.

अतिवरण (ati-varaṇa) *n.* choice of an outsider priest एतेषामेकस्मिन्नतिवरणं वावरणं वा भवतीति BaudhS'S. iii. 196.2.

अतिवरा (ati-varā) *f.* the plant *Hibiscus mutabilis* पद्मावतीत्यतिवरा लक्ष्मी श्रेष्ठा सुपुष्करा AbhidhāMañ. 41.6.

अतिवरीफला (ativarī-phalā) *f.* Arabian date-palm खर्जूरिका। शिलेमानी परालोके मृदुलातिवरीफला MadaPāNi. 39.19.

अतिवरीयस् (ati-varīyas) *adj.* (comp.) [*f.* –ī] more excellent, superior जम्बूनाम्ने प्रदत्ता: सो वरायातिवरीयसे PariPar. 2.91; (राधिका) महाभावस्वरूपेयं गुणैरतिवरीयसी UjjvaNiMa. 73.9.

अतिवरेण्य (ati-vareṇya) *adj.* most excellent मलयाचलवायवः … । रतिवरेऽतिवरेण्यपुरस्सरे प्रतिदिशन्ति दिशं प्रशमाम्बुधेः VasaViKā. 6.65.

अतिवर्चस् (ati-varcas) *m.* name of an attendant of Kārttikeya सुवर्चसं महात्मानं तथैवाप्यतिवर्चसम्। हिमवान् प्रददौ राजन् हुताशनसुताय वै MahāBhā. ix. 44.42; SkandP. i(2). 30.54; सुवर्चसं च वरुणः प्रददौ चातिवर्चसम् VāmaP. 57.68; (ततः स्कन्दगणान् सर्वान् प्राग्वदावाहयेद् गुरुः) सुवर्चाश्चातिवर्चाश्च काञ्चनातिघनावपि। पश्चिमे IśānS'iPa. ii. 53.84.

अतिवर्ण (ati-varṇa) *adj.* having a deep complexion अतिवर्णोऽतिमेधावी स्वप्ने पावकदृक् तथा। … पैत्तिकप्रकृतिर्नरः BhelaS. 72.23 (3.4); कुलतोऽपवादमाह यमः – अत्युच्चमतिह्रस्वं च अतिवर्णं च वर्जयेत् SmṛtiCan. i. 204.1; अतिशयितो वर्णो यस्मिन् तदतिवर्णम् SmṛtiCan. i. 204.8; अतिवर्णमतिकृष्णमतिगौरं वा Aparā. 85.15 (*on* i. 54); VīraMi. (Saṁskāra.) 589.4.

अतिवर्णाश्रमिन् (ati-varṇāśramin) *adj.* who is beyond the scope of *varṇas* (classes) and *āśramas* (stages of life) परतत्त्वं विजानाति सोऽतिवर्णाश्रमी भवेत् NāraPaU. 6.10; अतिवर्णाश्रमी नित्यं शिवोऽहंभावनात् परात्। शिवयोगी च नियतमीशानेनापि धारयेत् S'ivaP. i. 24.37 (31A.8); स्मृतिषु जीवन्मुक्तः स्थितप्रज्ञभगवद्भक्तगुणातीतब्राह्मणातिवर्णाश्रम्यादिनामभिस्तत्र तत्र व्यवह्रियते JīvanVi. 15.14; 31.13; 34.10.

अतिवर्तन (ati-vartana) *n.* **A i** setting aside, avoidance न दैवस्यातिभारोऽस्ति न दैवस्यातिवर्तनम् MahāBhā. iv. 19.6; **A ii** avoidance (of punishment), exemption यानस्य चैव यातुश्च यानस्वामिन एव च। दशातिवर्तनान्याहुः ManuSm. 8.290; वक्ष्यमाणान्यतिवर्तनानि दण्डातिवृत्तेर्दण्डातिभावस्थानानि ManvaVi. 1048.17 (*on* 8.290); दण्डमतिक्रम्य वर्तन्त इत्यतिवर्तनानि अदण्डनिमित्तानि DaṇḍaVi. 224.9; **B** immoderate activity तथातिरोषभाष्याध्वहास्यभारातिवर्तनैः। वायुः कोष्ठगतो धावन् … हिक्कां कुर्यात् CaraS. vi. 17.39 (1941 Ed.); लिङ्गं पित्तावृतेऽपाने रजसश्चातिवर्तनम् CaraS. vi. 28.230 (1941 Ed.)

अतिवर्तमान (ati-vartamāna) *adj.* **A** flowing excessively रक्तेऽतिवर्तमाने दाहे क्लेदेऽवगाहयेचापि। मधुकामृणालपद्मचन्दनकुशकाशनिष्क्वाथे CaraS. vi. 14.215; जयति। रक्तमतिवर्तमानं वातं च पलाण्डुरुपयुक्तः AṣṭāSaṁ. ii. 63.25 (4.10); **B** going over (from one stage to another) सा तण्डुलेषु मुकुलावस्थामतिवर्तमानेषु … स्थाल्यामन्नमण्डमगालयत DaśKuC. 111.18; श्लेष्मा प्रवृद्धः स्थानात् स्थानमतिवर्तमानः। … शुद्धपाकलमभिनिर्वर्तयति Hastyāyur. 57.15 (1.9)

अतिवर्तयितुम् (ati-vartayitum) *inf.* to set aside, to deny भेदेऽपि काश्चिदेव व्यक्तयोऽस्य जननाय समर्थाः न सर्वा इत्यत्र कार्यकारणभावस्य प्रत्यक्षानुपलम्भाभ्यां दृष्टस्यातिवर्तयितुमशक्यत्वात् TarkBhā.(Mo.) 30.12.

अतिवर्तव्य (ati-vartavya) *adj.* not to be offended (by refusal) ऋतावृतौ राजपुत्रि स्त्रिया भर्ता यतव्रते। नातिवर्तव्य इत्येवं धर्मं धर्मविदो विदुः MahāBhā. i. 113.25.

अतिवर्तित (ati-vartita) *adj.* **1** violated, offended, slighted मन्देन मया निर्निमित्तम् … सुहृदश्चातिवर्तिताः DaśKuC. 114.21; धर्मनाशे विनष्टः स्याद् वर्णाचारोऽतिवर्तितः DevīBhāP. i. 18.47; कृतकक्रूतकैर्मायाशाठ्यैस्त्वयाप्यतिवर्तितम्। … भवतु विदितं नेष्टा तेऽहम् SūktiMu. 57.24; S'ārṅgaP. 3560; **B** passed through, changed अतिवर्तितवद्गुवर्णैर्द्वैरिव धवलभावपलिताढ्यैः। कृत्वा विष्णुपदाश्रयमम्बुधरैः स्थीयते यत्र UdaySuKa. 26.28.

अतिवर्तितुम् (ati-vartitum) *inf.* **A** to overcome, to subdue, to get rid of तव पुत्रस्य पौरुषम्। यदेकं सहिताः पार्था न शेकुरतिवर्तितुम् MahāBhā. ix. 18.54; xii. 22.15; मया त्वया च पूर्वैश्च न स (कालः) शक्योऽतिवर्तितुम् MahāBhā. xii. 217.56; v. 193.52; तस्य बाणचयं प्राप्य न शेकुरतिवर्तितुम्। वानरेन्द्राः Rāmā. vi. 63.28; यः प्रभुः सर्वभूतानां सुखदुःखोपपत्तये। तं नातिवर्तितुं दैत्याः पौरुषैरीश्वरः पुमान् BhāgP. viii. 21.20; भवितव्यं हि धात्रापि न शक्यमतिवर्तितुम् KathāSaSāg. vii. 3.236; xii. 34.296; ते युक्त्या मतिमतिवर्तितुं यमस्य। …व्यधिषत नूनयत्नसिद्धिम् S'rīKaC. 17.57; अतो योगिप्रत्यक्षमपि न तत्स्वभावमतिवर्तितुमर्हति NyāyRa. 141.21 (*on* 4.28); अतिवर्तितुमेनमक्षमः स वराकः समरे मुजोष्मणा S'ivLī. 15.76; दैवं पुरुषकारेण कोऽतिवर्तितुमर्हति। विधातृविहितं मार्गं न कश्चिदतिवर्तते Subhāṣi. 3112; न हि शब्दस्पृष्टं केनाप्युपायेन प्रमेयतामतिवर्तितुं शक्यम् Bhāsk. i. 54.18 (*on* i. 1.1); **B** to transgress, to violate, to disregard भ्रातरं धार्मिकं ज्येष्ठं नातिक्रमितुं (v. l. कोऽतिवर्तितुम्) मर्हति MahaBhā. ii. 61.8; सोऽहं न शक्ष्यामि पितुर्नियोगमतिवर्तितुम् Rāmā. ii. 18.35; श्रौतमागममिवातिवर्तितुं कः क्षमेत नयशास्त्रसंग्रहम् HarVi. 14.56; न्यायैकनिष्ठे राजनि … सर्वाः प्रजास्तन्मुद्रां नातिवर्तितुमीशते SyādvāMañ. 5(11); निदेशं तस्य राजानो न शेकुरतिवर्तितुम् Yādavā. 1.18; BṛBrahmS. ii. 1.42; **C** to excel, to surpass मनुष्यसंख्यामतिवर्तितुं वा। निरुत्सुकानामभियोगभाजां समुत्सुकेवाङ्कमुपैति सिद्धिः Kirātā. 3.40 = KāvyaPra. 368.5; VyaktiVi. 49.23; SāhiDa. 409.9; **D** to cross over शतपदी सति पादशते क्षमा भुवि न गोष्पदमप्यतिवर्तितुम् BhallāS'. 72; S'ārṅgaP. 1215; Subhāṣi. 939; **E** to delay, to postpone यस्यां सन्ध्यागतः सोमो मृणालमिव दृश्यते। अपराह्णे क्षयस्तस्यां पिण्डानां करणं ध्रुवम्। इति निर्देशः पिण्डपितृयज्ञं नातिवर्तितुमीहते CaturCin. iii(1). 180.4.

अतिवर्तिन् (ativart-in) *adj.* [*f.* –ī] **A** going over, crossing तेषामक्षौहिणिशतं समवेक्ष्य वनौकसाम्। लङ्कामुपनिविष्टानां सागरं चातिवर्तताम् (v. l. चातिवर्तिनाम् GORR. vi. 16.100) Rāmā. vi. 31.83; मनोजवा मेघपथेऽतिवर्तिनः। —वाजिनः RāghPāṇ.(Dha.) 1.16; **B** transgressing, violating, behaving improperly सतां धर्मातिवर्तिना। त्यक्तधर्माङ्कुशेनाहं निहतो रामहस्तिना Rāmā.

iv. 17.38; ध्रुवमहं विनिहत्य मदोद्धतं परनृपाय ददाम्यतिवर्तिनम् VarāṅgaC. 20.18; न वेद धर्मं किल पद्मयोनिर्न ब्रह्मपुत्रा: …। … ये नो निषेधन्त्यतिवर्तिनं हरम् BhāgP. vi 17.12; राजशासनानुवर्तिनां तदतिवर्तिनां च … न … °सुखदुःखयोर्भोक्तृत्वप्रसङ्ग: S'rīBh. 417.20 (*on* ii. 1.4); **C** neglecting, ignoring अहम् … प्रव्यथितप्रियतमाप्रणामाञ्जलिशपथशतातिवर्ती … असिद्वितीय: … उदचलम् DaśKuC. 57.8; **D** excelling, surpassing, transcending, going beyond (दद्दृशुः पुरुषम्) भुवनातिवर्तिना। … अश्नुवानमिव विश्वमोजसा Kirātā. 12.21; संबन्धो नैव कर्मभिः। भवेत् कालत्रये शम्भोरविद्यामतिवर्तिन: LiṅgaP. ii. 9.39; चला: सहन्ते किमिवातिवर्तिन: RāghPāṇ.(Dha.) 6.14; Yādavā. 17.29; पदार्थेषु लोकसीमातिवर्तिषु SāhiDa. 166.2; संतानका: सप्त तान्। आवृत्तान् गणनातिवर्ति कृतवान् … श्रीसाह्वतिम्मप्रभुः EI. vi. 119.53; vi. 235.37; **E** passing beyond निरीक्ष्य माद्य गच्छ त्वमृतुकालातिवर्तिनीम् Rāmā. vii. 48.19; **F** having the sixth stage of rut सोऽतिवर्तीव गन्धेभो नियमात् प्रविशेद् वनम् MahāP. 15.52; [guilty of a pardonable offence, MW]

अतिवर्तिनी (ativart-inī) *f.* the sixth stage of the rutting elephant पट्टवर्धने आर्द्रकपोलिकायाम् (अवस्थायाम्) … अतिवर्तिन्यां चर्चरीवतंस: … इत्यनीकस्थेन विनिवेदितद्विरदमदावस्था: YaśasCam. i. 495.4; (गज:) एवं निरङ्कुशो यस्यामवस्था सातिवर्तिनी Mānaso. iv. 3.501; iv. 3.628.

अतिवर्तुल (ati-vartula) *adj.* very round ततोऽजाविवराहहरिणगोमहिषान्यतमजम् … नातिवर्तुलं मृदु दृढम् … विवृताननं विवेश्य वस्तिम् AṣṭāSaṁ. i. 147.7 (1.28); *m.* a kind of grain or herb कलायस्त्रिपुटस्तस्य: सतीलश्चातिवर्तुल: ParyāRaMā. 686.

अतिवर्त्य (ativart-ya) *ger.* **i** setting aside, neglecting, ignoring स शोचत्यापदं प्राप्य यथाहमतिवर्त्य तौ MahāBhā. x. 6.19; तदनुसारिणो वयं न तमतिवर्त्य स्वेच्छया धर्मानुभवान् व्यवस्थापयितुमीहामहे TattvVai. 131.27 (*on* 3.13); नियतकारणान्वयव्यतिरेकानुविधायिभावानि हि कार्याणि न स्वकारणमतिवर्त्य कारणान्तराद्भवितुमीशते TattvVai. 200.10 (*on* 4.16); **ii** having gone beyond, having crossed तद्विश्वनाभिं त्वतिवर्त्य विष्णोरणीयसा विरजेनात्मनैक: BhāgP. ii. 2.25; पश्यैष बाल्यमतिवर्त्य विवर्तमान: शृङ्गारसीमनि तरङ्गितमातनोति AlaṅkāSe. 21.2(27); **iii** having overcome तावतिवर्त्य परमार्थे तस्मिन्नसौ स्थिरीभवति GoviBh. 4.12 (*on* i. 1.1)

अतिवर्धत् (ati-vardhat) *adj.* growing excessively अतिवर्धति चाधर्मे … वेदा: प्रत्यानीता हि तेन वै BrahmP. 213.108.

अतिवर्धन (ati-vardhana) *adj.* promoting growth कौमारभृत्यमतिवर्धनमुक्तमेतत् KāśyaS. 92B.21; *n.* great augmentation or increase व्यजनानिलैरतिवर्धनं प्रभञ्जनस्य यदसह्निवै: परिबोधनमार्यस्य Kād. 289.15.

अतिवर्धयत् (ati-vardhayat) *adj.* causing to prosper greatly नतानतिवर्धयन् स: … सुखमगमयत् कालम् RāghPāṇ.(Dha.) 3.43.

अतिवर्धित (ati-vardhita) *adj.* greatly increased कृत:। श्रीमालिर्विरथो रोषात् प्रहारेणातिवर्धितान्(? त्) PadmP.(Ra.) 12.236.

अतिवर्धमान (ati-vardhamāna) *adj.* greatly increasing शमधनाधिपो विनेयैश्चिरविरहादतिवर्धमानहार्दैः … वृत: … जिगमिषुराजनि मण्डनस्य गेहम् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 10.61; कालिन्दीमतिवर्धमानसलिलामुल्लङ्घ्य Vidvanmo. 8.13.

अतिवर्ष (ati-varṣa) *n.* excessive rain अवर्षं चातिवर्षं च व्याधिपावकमूर्च्छनम्। सर्वमेतत्तदा नासीत् MahāBhā. ii. 30.5; सततं त्वन्तःकलहं करोति सौभिक्षमतिवर्षम् VasiS. 9.60; अमानुष्योऽग्निवर्षमतिवर्षम् … इत्यापद: NītiVā. 11.3; अतिशीतं चातिवर्षम् … एषां रूपेण यो देवस्तस्याहं शरणं गत: PadmP. ii. 18.33; पिहितौ तौ दृशो (पुटौ) रुजि। सुसिमूर्छातिवर्षोष्णधूमवाताञ्जनार्तिषु SaṁgīRa. iv. 154.7 (7.444)

अतिवर्षण (ati-varṣaṇa) *n.* excessive or heavy rain अतिवर्षण° … °हवनानि BṛhaspaSm. 254.161; दुर्भिक्षमतिवर्षणात् PārśvC. 1.103; KathāK. 117.22; अवर्षणं चाप्यतिवर्षणं च देवो न जानाति कुतो मनुष्य: VetāPañ.(S'i.) 17.35; BhojPra. 28.3.

अतिवर्षीयस् (ati-varṣīyas) *adj.* (comp.) very old प्रकर्षनामातिवर्षीयान् महाप्रतीहार: सह स्वपरिवारेण भूत्वा पुरस्तादकृतविस्तरस्तामवादीत् TilaMañ. 417.1.

अतिवर्ष्मन् (ati-varṣman) *adj.* having a huge body हरवृष इवातिवर्ष्मा … तुरङ्गरत्नं भद्रवाहनो नाम AvantiKa. 88.5.

अतिवल् (ati-val-) I. P. (*caus.*) to turn over अथैतन्मेक्षणमधोऽध: स्रुचावाग्नीध्रायोत्प्रयच्छन्नाहातिवालयतादेव मानुप्रहार्षीरिति BaudhS'S. i. 168.12.

अतिवलन (ati-valana) *n.* excessive bending or twisting अलमतिवलनेन देहयष्टेः सुतनु तनुस्तव भङ्गमेति मध्य: HarVi. 28.5.

अतिवला (ati-valā) *f.* cf. **अतिबला,** MadaPāNi. 11.179; AśvaVai. 8.12.

अतिवलाकपल्लिका (ativalāka-pallikā) *f.* name of a village कार्त्तिकेयपुरे अतिवलाकपल्लिका विशाखिलपल्लिका अरिस्थाश्रम: EI. xiii. 116.23.

अतिवल्ग् (ati-valg-) I. P. to be very active किंसार एवमतिवल्गसि हंसि पासि YogVā. iii. 79.32 (comm. अतिशयेन व्यवहरसि); (*caus.*) to stroke or shake violently त्रि: स्रुचाग्निमुदञ्चमतिवल्गयति ĀpaS'S. vi. 11.3.

अतिवल्गत् (ati-valgat) *adj.* jumping violently विरथावभिवल्गन्तौ (v. l. अतिवल्गन्तौ) समेयातां महारथौ MahāBhā. vi. 70.26; चाणूरे चातिवल्गति …। प्रविष्टौ सुमहारङ्गं बलदेवजनार्दनौ BrahmP. 193.29.

अतिवल्गन (ati-valgana) *n.* excessive boasting अतिवल्गनं ममैतन्मूढत्वं यद्यपि प्रभो: पुरत: ĀryāS'. 31.

अतिवल्गुवचस् (ativalgu-vacas) *adj.* making very charming sounds तांश्चातिवल्गुवचसो रथाङ्गाह्वयना द्विजा:। अधिरोहन्ति Rāmā. ii. 89.11.

अतिवल्गुवल्गत् (ativalgu-valgat) *adj.* galloping very beautifully अतिवल्गुवल्गद्भि: स्वभावचञ्चलै: प्रधानवाजिभिरुह्यमाननायकम् (खेचरनरेन्द्रवृन्दमद्राक्षम्) TilaMañ. 153.2.

अतिवल्गुसद्गुण (ativalgu-sadguṇa) *m.* very beautiful quality or virtue तरुणि … तव। अतिवल्गुसद्गुणजुषो वपुष: कुशलं किमङ्गजनुषो धनुष: Rāgh. 8.11.

अतिवल्लभ (ati-vallabha) *adj.* [*f.* -ā] **A i** very dear or favourite इदं पवित्रम् … पितृणामतिवल्लभं च। पापहरं च पुंसाम् MatsyaP. 53.74; धन्योऽयं दयिताभीष्टो श्वेताश्चास्यातिवल्लभा: MārkP. 65.11; यमस्येवातिवल्लभानि दण्डग्रहणानि HarṣaC. 121.5; संगीतयोगिनी प्रोक्ता श्रीदेव्या अतिवल्लभा BrahmāṇḍP. iii. 19.62; रत्नवती … तस्यैव बलभद्रस्यातिवल्लभा जाता DaśKuC. 115.15; ततो नाम्ना महोत्साह: सामन्तोऽस्यातिवल्लभ: PadmP.(Ra.) 17.40; गेयानि शृण्वन्नतिवल्लभानि VarāṅgaC. 8.45; इत्थं कवि: पठन्काव्यं वाग्देव्या अतिवल्लभ: KāvyMī. 33.22; यमो यमभटानाह … भूषणैश्चातिवल्लभै:। अर्चयन्ति(ये)न ते ग्राह्या नरा: कृष्णालये गता: AgniP. 38.41; यस्मादिष्टं हि भूतानां स्मशानमतिवल्लभम् SkandP. v(1). 1.32; भगवन्काशिराजस्य सुताहमतिवल्लभा SkandP. v(2). 61.25; प्राप्तोऽयं माधवो मासो माधवस्यातिवल्लभ: PadmP. iv. 85.41; तत्रातीव रहो रम्यं वह्निध्येऽग्नेऽतिवल्लभम् ĀdiP. 10.37; चत्वारोऽमरतुल्यास्ते तेषां रामोऽतिवल्लभ: AdhyāRā. i. 4.10; अथ ब्रूमो वराटास्यम् … नागानां चातिवल्लभम् SamarāSū. ii. 83.13; तस्य चैकैव मद्रासुर्भार्या सा चातिवल्लभा KathāSaSāg. vii. 2.113; द्वितीया चन्द्रवत्येषा त्वयि रक्तातिवल्लभा KathāSaSāg. vii. 8.207; (न) केवलं तस्या भवानतिवल्लभो यावद्भवतोऽपि सा सुतरां रोचते Kāvyānu.(He.) 40.11; अभूच्चातिविनीतत्वादावलिस्तेऽतिवल्लभ: TriṣaS'aPuC. ii. 5.22; अतिवल्लभापि दुहिता प्रहिता जिनदाससार्थवाहेन PrabhāC. 43.8; वृद्धस्य तरुणीवाभूद्यात्रा तस्यातिवल्लभा RājTa.(Jo.) 421; नित्यं सहचारिणी अतिवल्लभापि सा त्वत्प्रसादेन अस्मे अस्माकमेव MīmāKau. iii(1). 99.5; **A ii** much more dear, dearer (with Abl. or Gen.) भव्यजीवा हि तस्यासन् प्राणेभ्योऽप्यतिवल्लभा: PadmP.(Ra.) 23.35; न मे ब्रह्मकुलात्प्राणा: … दाराश्चातिवल्लभा: BhāgP. ix. 9.43; त्वम् … कनिष्ठो भूर्मम भ्राता प्राणेभ्योऽप्यतिवल्लभ: PariPar. 1.431 = PāṇḍaC. 16.48; दुहिताहं तयोर्जाता प्राणेभ्योऽप्यतिवल्लभा PārśvC. 6.1125; सा महिषी राज्ञो राज्ञीनामतिवल्लभा NaraP. 31.23; **B** the plant Pāṭalā अतिवल्लभ: पाटलायाम् ApūNā. 33.3; **C** a kind of jasmine, Kunda कुन्दस्तु मकरन्दस्य सदापुष्पोऽतिवल्लभ: ṢadrasaNi. 31.18.

अतिवल्लभतर (ativallabha-tara) *adj.* much more dear, much dearer मध्येविमानमभिमानिनि पुष्पशय्या कस्यातिवल्लभतरस्य कृते कृतेयम् RāmC. 36.55.

अतिवल्लभता (ativallabha-tā) *f.* great love, great liking अतिवल्लभतया विषादं कुर्वन् यावद्विलपति PañcT. 4.47 (221.5) [KOSEGARTEN's Ed.]

अतिवल्लभत्व (ativallabha-tva) *n.* great love, great liking धीरस्यापि धाष्टर्यमारोपयति हृदयलघिमलङ्घितमतिवल्लभत्वम् HarṣaC. 338.21; इयम् … नियतं कुपितातिवल्लभत्वात्स्वयमुत्प्रेक्ष्य ममापराधम् VeṇīSaṁ. 2.126; राज्ञोऽतिवल्लभत्वेन साथ पृष्टा पुन: पुन: PārśvC. 7.43.

अतिवश्य (ati-vaśya) *adj.* extremely dependent य: स्वायुषोऽवधिमवैति स्वदेहनिष्ठं यस्यान्तको भवति मित्रतयातिवश्य: RājTa.(S'rī.) 2.90.

अतिवश्यता (ativaśya-tā) *f.* the state of being completely subjected to तां समालोक्य सौमित्रि: पुस्तनिष्कम्पलोचन:। अनन्यजस्य धीरोऽपि परिप्राप्तोऽतिवश्यताम् PadmP.(Ra.) 93.17.

अतिवस् (ati-vas-) I. P. (*caus.*) to cause to remain, to detain रूपवतीर्जनपदयोषित: प्रीत्यपदेशेन मासं मासार्धं वातिवासयन्ति KāmSū. 294.23 (5.5)

अतिवसु (ati-vasu) *n.* huge treasure (स्त्री) पुष्पवती …। अतिवसुधनभाक् स्यान्मानिनी सच्चरित्रा। … प्रोष्ठपद्याम् VasiS. 24.27.

अतिवस्तु (ati-vastu) *n.* multitude of precious objects [य]स्य[द्वा]रे-

ऽतिवस्तुप्रततमिव दिवो द्वारम् EI. i. 150. 20.

अतिवह् (ati-vah-) I. U. **1Ai** to carry over, to carry across, to carry beyond स नो॑ वक्षदनिमा॒नः सु॒वह्मेन्द्रो॒ विश्वा॒न्यति॑ दु॒र्गहा॑णि R̥V. vi. 22. 7; अ॒ग्निर्वै॑ प॒योऽति॑वोढा स॒ एना॒नति॑वहति S'atBr. XIII. viii. 4. 6; न वै नोऽयं मृत्युं न पाप्मानमत्यवाक्षीत् JaimiUBr. ii. 1. 5; स वाचं प्रथमामत्यवहत् JaimiUBr. ii. 11. 2; सा वा एषा देवतैतासां देवतानां पाप्मानं मृत्युमपहत्याथैना मृत्युमत्यवहत् BṛĀraU. i. 3. 11; i. 3. 16; BṛĀraUBh. 57. 1 (*on* i. 3. 14); मृत्युमत्यवहत् प्राण: सामान्योक्तेर्विशेषत: BṛĀraUBhVā. i. 3. 230; PrakaVi. 690. 19; विश्वाविश्वान् द्विषोऽज्ञानपापादीन् अतीत्य शक्तो विष्णु: स्वभक्तानतिवहत्येव KarmaNi. 6B. 9; (*caus.*) दुर्गेषु मार्गेषु अतिवाह्यान् अतिवाहयन्ति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 826. 18 (*on* iv. 3. 4); प्रदीप्ते वेश्मन्यन्तर्ब्राह्मणम् … नि:सरणासमर्थं स्वमरणमङ्गीकृत्य प्रविश्यातिवाहयेत् BālaKrī. ii. 102. 17 (*on* 3. 240); श्रान्तं युद्धेषु निर्भिन्नम् …। अतिवाहयते भूपमेक एव तुरङ्गम: SūktiRa. 97. 4; लोकाल्लोकान्तरं लिङ्गदेहं अतिवाहयतीति आतिवाहिकम् SāṁkhyaPraBh. 140. 2 (*on* 5. 103); (*pass.*) अग्निस्वामिकं लोकं प्राप्त: अग्निना अतिवाह्यते BrahmSūBh.(S'aṅ.) 828. 11 (*on* iv. 3. 5; तेनार्चिराद्यधिष्ठातृदेवैरतिवाह्यन्ते इति सिद्धम् AṇuBh. 337. 8 (*on* iv. 3. 6); **1Aii** to lead over, to cover, to traverse पृष्ठ्ये रथमतिवहेयु: LāṭyāS'S. iii. 5. 1 (comm. शीघ्रं वहेयु:); (*caus.*) तमध्वशेषम् … अत्यवाहयन् । सादिन: MahāP. 27. 128; योगी … तं व्याघ्रम् … आरुरोह … सुखं तेन पन्थानमतिवाहयत् RauhiC. 380; **1Aiii** to carry away, to marry यो जपेद् दशशतं दशाक्षरम्। … नरो वाञ्छितामतिवहेत् स कन्यकाम् PañcaRā.(Nā.) v. 2. 8; **1Aiv** to remove, to exhaust (caus.) प्रवृत्तफलं कर्माशयं भोगेनातिवाहयन्तु VedāntKa. 445. 5 (*on* iii. 3. 32); **1Av** to sustain (*pass.*) राजपुत्रै: समं सख्यं कृच्छ्रादप्यतिवाह्यते KathāSaSāg. vi. 2. 111; **1B** to proceed with, to dispose of (*caus.*) धर्मस्थश्चेत् … कार्यमदेशेनातिवाहयति छलेनातिहरति … उत्तममस्मै साहसदण्डं कुर्यात् ArthS'ā. ii. 161. 3 (4. 9); (*pass.*) नयनसलिलैर्यैरेवैको व्रजन्नतिवाह्यते PādaTā. 13. 8; आयुष्मन् किमेवमतिवाह्यतेऽनुरक्तो लोक: KaṁVa. 5. 35 (7); **2** to pass (time), to spend (time) (*caus.*) पुरावृत्तकथाभिश्च शेषाहमतिवाहयेत् VedaVyāSm. 3. 73; नरपतिरतिवाहयांबभूव … त्रियामाम् RaghuVa. 9. 70; प्रियया सह मध्याह्नमतिवाहयति DhūrtaViSaṁ. 28. 21; तन्मयैव सह … कालमतिवाहयस्वेति Tantrākhyā. 79. 21; PañcT. 2. 72 (245. 9); तं दिवसम् … दु:खेनात्यवाहयत् Kād. 118. 16; अन्येद्युरप्यनेनैव क्रमेण नक्तन्दिनमत्यवाहयत् HarṣaC. 32. 8; जानश्रुति: … रात्रिशेषमतिवाहयामास ChāndoUBh.(S'aṅ.) 207. 10 (*on* iv. 1. 5); कालं प्रियया … अत्यवाहयम् BṛKaS'loSaṁ. 18. 93; शर्वरीरत्यवाहयत् MahāP. 34. 188; त्वं पुन: किमाचरन्ती दिवसानतिवाहयसि PraboCan. 4. 4; मध्याह्नसमयमतिवाहयन्तु किंनरमिथुनानि NalaCaṁ. 6. 25 (10); सकललोकलोचनघूर्णनेषु घर्मदिनेषु मदिरासमागमानिव मध्याह्नसमयानतिवाहयामास YaśasCam. i. 538. 6; क भूत्वा … कालमतिवाहयिष्यामि मन्दभाग्या TilaMañ. 21. 2; कथमपि निशीथमतिवाहयांबभूव Bhām. 268. 4 (*on* i. 3. 34); क्ष्मापतिस्तं क्षपाशेषं कृतकृत्योऽत्यवाहयत् RājTa.(Ka.) 3. 190; तत्तूर्यध्वनिघोषेण … तां रात्रिमतिवाहयेत् BhaviP. 695B. 18 (iv. 64. 40); कैर्वा विनोदविभ्रमैरतिवाहयामि दिवसान् UdaySuKa. 40. 23; अतश्च दिवैवैकवारमेव भोजनेनैवैकमहोरात्रमतिवाहयेदिति Mitā. 516. 28 (*on* 3. 318); राजा तया सह …। एकाहमिव वर्षाणां सहस्रं सोऽत्यवाहयत् TriṣaS'aPuC. i. 4. 547; नृप: जाग्रदेव यामिनीं तां कथंचिदत्यवाहयत् BallāC. 31. 2 (4); (*pass.*) कूटपण्यैरसामान्यैस्तारुण्यमतिवाह्यते SamaMā. 4. 67; क्रमात्ताभ्यामदु:खाभ्यामन्योन्यस्नेहवृत्तिभि:। केऽपि कैतववाह्याभिरत्यवाह्यन्त वासरा: VikraDeC. 4. 94; तत्र त्रिषष्टिवर्षाणां सत्रयोदशवासरा अत्यवाह्यत भूपेन तेन पृथ्वीं प्रशासता RājTa.(Ka.) i. 330; **3** to overcome, to go beyond [caus.] स्वसंस्कारविपाकं तथाजातीयकमतिवाहयन्ति (देवादय:) YogBh. 24. 2 (*on* 1. 19); (*pass.*) एषा गुणमयी माया दुर्बोधेन दुरत्यया। नित्यं सत्यावबोधेन सुखेनैवातिवाह्यते YogVā. vi(1). 67. 7.

अतिवह (ati-vaha) *adj.* excessive oozing अद्यार्द्रैसैरतिवहेष्वर्श: – स्वनिलोल्बणशरीर: CaraS. vi. 14. 207 (1941 Ed.) = AṣṭāSaṁ. ii. 63. 22 (4. 10)

अतिवहन (ati-vahana) *n.* carrying across, leading beyond अतिवहनं हि गन्तॄणां गमयितृत्वम् S'rīBh. 749. 10 (*on* iv. 3. 4); आदिष्टा(? ष्टो) विश्वनेत्रा स्वयमतिवहने देवयानाध्वगानाम् TattvMu. 2. 60; मुच्यमानानामतिवहने परमेश्वरेण नियुक्ता देवताविशेषा: S'ivārkaMaDī. ii. 474. 23 (*on* iv. 3. 4)

अतिवहिका (ati-vahikā) *f.* palanquin काम: … यस्य चेतो नृपतिपरिभवात् पुण्यपण्यं प्रवेश्य प्रायासीद्वालयित्वा शुचिमतिवहिकां देवसूरि: स नन्द्यात् PrabhāC. 180. 24.

अतिवह्निकर (ati-vahnikara) *adj.* excessively stimulating the fire of digestion (वारिशोषण:) अतिवह्निकर: श्रीदो बलवर्णाग्निवर्धन:। धन्वन्तरिकृत: सद्यो रस: परमदुर्लभ: RaseCin. 9. 308 (249. 18)

अतिवह्न्यर्क (ati-vahnyarka) *adj.* (splendour) surpassing both the fire and the sun अतिवह्न्यर्कमसौ दधच्च तेजो द्युसदां शल्यमिवोच्चकैर्बभूव SkandP. iv. 43. 113.

अतिवा (ati-vā-) II. P. to blow over न भूमिं॒ वातो॒ अति॑ वाति AV. iv. 5. 2; IV. P. to blow violently, [MW]

अतिवाक्करण (ati-vākkaraṇa) *adj.* talking too much, excessively talkative (अभिधर्षयन्ति) अतिवाक्करणं प्राय: शुक्लैकादश्यां सप्तम्यां च यक्षा: CaraS. vi. 9. 21 (1941 Ed.); AṣṭāSaṁ. ii. 205. 3 (6. 7)

अतिवाक्त्व (ativāk-tva) *n.* too much prattling उन्निद्रतातृड्भ्रमरोमहर्षा जृम्भातिवाक्त्वं च चलात्सपित्तात् AṣṭāSaṁ. i. 262. 10 (3. 2)

अतिवाक्पटुता (ativākpaṭu-tā) *f.* great eloquence नैवातिवाक्पटुतया न च काव्यदर्पात् … विधास्यते तत् (कल्याणकारकम्) KalyāKā. 1. 12.

अतिवाक्य (ati-vākya) *n.* **i** improper (insulting) words अतिवाक्यमथो तितिक्षसे परुषं पापजनैरुदीरितम् GiMs. iii(1). 11. 17; **ii** *adj.* going beyond the testimony or evidence अतिवाक्यक्रियोपेतमतिसत्त्वातिभावकम्।… नाट्यधर्मी तु सा स्मृता NāṭyaS'ā. 13. 73 (comm. इतिहासादिवाक्यमतिक्रम्य या उचितरञ्जकेतिवृत्तकल्पनात्मिका क्रिया)

अतिवाग्युता (ativāg-yutā) *adj.* (*f.*) possessing excessive talk वर्जयेत् … कन्याम् … अतिवाग्युताम् BṛParāSm. 6. 28.

अतिवाङ्मनस् (ati-vāṅmanas) *adj.* completely beyond words and thought (i. e. undescribable and unimaginable) पुण्यमाश्रममद्राक्षीद्धरद्राजस्य कौरव: …। अतिवाङ्मनसोदारं परमानन्दकारणम् SkandP. ii(1) 30. 33; अतिवाङ्मनसं भवन्तमेव प्रतिपन्नास्तु वयं प्रशासितारम् S'ivLī. 3. 77; 15. 60.

अतिवाच् (ati-vāc) *adj.* excessively talkactive अतिवाक् चैव दूषित: (विप्रा:…नाभ्यर्च्या:) BṛParāSm. 7. 13; *f.* excessive prattling स्वप्ननाशोऽतिवाग्जृम्भा वातपित्तज्वराकृति: CaraS. vi. 3. 86 (1941 Ed.)

अतिवाचक (ati-vācaka) *adj.* reciting or reading in excess (पूजार्ह:) शतरुद्रीयजापी च साग्निकश्चातिवाचक: PadmP. iv. 100. 43.

अतिवाचाट (ati-vācāṭa) *adj.* excessively talkative (प्रहसनम्) कामुकैरतिवाचाटै: षण्डदुष्पडि(ण्डि)तादिभि:।… विकृतं स्मृतम् SāhiSā. 6. 56.

अतिवाचाल (ati-vācāla) *adj.* **i** excessively talkative हहह आ: अतिवाचालोऽयं विहङ्ग: ĀścaCū. 4. 9 (1); शश्वद्धर्मातिवाचालो याति वै तद्गृहात् सती (लक्ष्मी:) BrahmVaiP. ii. 38. 46; भूपालमतिवाचालमित्यादिपरिदेवितै:। काममुद्यच्छमानं च जीवितान्ताय कर्मणे (पौरामात्यादय: … प्रसादयामासु:) PāṇḍaC. 5. 273; **ii** sounding loudly (संध्या) कुपितेव निवर्तते जवादतिवाचालविहङ्गनूपुरम् NavaSāC. 12. 37.

अतिवाचालता (ativācāla-tā) *f.* too much verbosity अथ नञा प्रतिषेध: क्रियते, तत्तद्भावभावित्वेन नञ एव तत्सामर्थ्यं, न विधेरिति कृतमतिवाचालतया TātpaṬ.(U.) 187. 16 (*on* 5. 13); कृतमतिवाचालतया चिरमपि निपुणैर्निरूप्यमाणोऽत:। अर्थस्यैव न बुद्धे: सिध्यति नीलादिराकार: NyāyMañ. ii. 114. 7; NyāyMa. 211. 5.

अतिवाचोयुक्ति (ati-vācoyukti) *adj.* beyond appropriate expression (i. e. surpassing description) प्रेषित एष: … द्वारपलाटभर्त्रा हृत्पाश्यतोहर्यधरोऽतिवाचोयुक्ति: … महेभ: DvyāśraKā. 6. 27.

अतिवाच्य (ativāc-ya) *ger.* having caused to recite देवतायां देवतायामतिवाच्याद्भिरभ्युक्ष्योदङ्ङ्युत्खिदेत् BaudhS'S. iii. 83. 3.

अतिवाञ्छित (ati-vāñchita) *adj.* greatly desired (तरणि: कुन्तीम्) भुक्त्वा जगाम देवेशो वरं दत्वातिवाञ्छितम् DevīBhāP. ii. 6. 28; यदि नान्नं मनोयोग्यं तदा दास्येऽतिवाञ्छितम् GaṇeP. ii. 105. 15.

अतिवात् (ati-vāt) *adj.* blowing severely or forcefully (मुनयोऽभितस्थु:) ऊर्ध्वा(? र्ध्वे)दिवार्के प्रदहत्यभीक्ष्णं पार्श्वे च वायौ परुषेऽतिवाति VarāṅgaC. 30. 36; एवं वायुर्घर्मार्तस्य शान्तो भवति शीतार्तस्य घोरो धूलिशर्कराविमिश्रोऽतिवान् मूढ इति SāṁkhyaKāBh. 23. 11 (*on* 38)

अतिवात (ati-vāta) *m.* strong wind, cyclone, storm (अथोपरमम्) अतिवाते S'āṅkhāGS. iv. 7. 28; अतिवाते अभ्रे वर्षति KauṣiGS. iii. 9 24; गीतवादितरुदितातिवातेषु तत्कालम् GobhiGS. iii. 3. 28; तस्मिंश्च समये तत्संभवं कलये कलिनिधनकरं निवेदयितुकामा(प्य ? ह्य)तिवातादयो दोषा दुद्रुवु: AvantiKa. 160. 6; (बुध:) यदार्काद् व्यतिरिच्येत तदातिवाताभ्रप्रायानावृष्ट्यादिभयमाशंसते BhāgP. v. 22. 13 (comm. अतिवातश्च अभ्रप्रायं च तत्समाहारम्); विधुनोत्यतिवातेन दातुरज्ञानत: कृतम्। पापं दातुर्गृहे भानुर्दिवा रात्रौ न संशय: BhaviP. 157A. 25 (i. 103. 41); DevīBhāP. viii. 16. 30; नैर्ऋतेनातिवातेन हा प्रजे क गमिष्यसि RājTa.(S'rī.) 3. 276.

अतिवातग्रह (ativāta-graha) *m.* seizure by excessive (bodily humour) wind शेषे च वातप्रकृतावतिवातग्रहान्विते।… अविश्राम्यमसृग्भवेत् Hastyāyur. 484. 30 (3. 52)

अतिवातन्धय (ati-vātandhaya) *adj.* surpassing the snake घटिंधम-

मुष्टिंधमनासिकंधमनिस्त्रपाः। लुभ्यन्ति पितृराज्येऽतिवातंधयखरिंधयाः DvyāśraKā. 11.81 (comm. वातन्धयान् सर्पान् मृगान् वा अतिक्रान्ताः)

अतिवातल (ati-vātala) *adj.* [*f.* -ā] **i** causing excess of (bodily humour called) wind कलायस्त्वतिवातलः AṣṭāHṛ. i. 6.17; राजमाषः ··· अतिवातलः AṣṭāSaṁ. i. 30.22 (1.7) = BhojanKu. 11.17; पित्तकृन्नातिवातलम्। कफप्रकोपजननं विद्याच्चणकपूरणम् BhojanKu. 49.13; **ii** extremely affected by (bodily humour called) wind निरन्तरं खरं रूक्षं मन्दश्लेष्मातिवातला (नाडी वहति) NāḍīVi. 79.

अतिवातानुलोम्य (ati-vātānulomya) *n.* quite fit or proper disposition of (bodily humour called) wind नातिवातानुलोम्यं च क्लिष्टान्त्रस्येह लक्षणम् Hastyāyur. 352.19 (3.1)

अतिवाताशन (ati-vātāśana) *n.* eating too much food causing disorder of (bodily humour called) wind अतिवात्य(? ता)शनादिभिः ··· भिनत्ति (कण्ठम्) पवनः परम् BhelaS. 198.26 (6.23)

अतिवातिका (ati-vātikā) *adj.* (*f.*) **i** very mad (possessed by Vāta) सा शालिजननीत्वेन संभाव्ये कोविदैः कथम्। याहं शस्येषु गण्यापि भद्रिकेव हि वातिका (v. l. भद्रिकेवातिवातिका) S'āliC. 6.146; **ii** grown in a windy place, S'āliC. 6.146.

अतिवात्पराग (ativāt-parāga) *m.* pollen dust which is blown strongly (i. e. scattered) (ग्रीष्मे) अस्मिन्नदृश्यन्त न वै(? बै)दगार्गलाक्षाङ्कलक्ष्माण्यतिवात्परागैः DvyāśraKā. 16.84 (comm. अतिवान्तो गाढवात्यावानेन अत्यन्तं परिभ्राम्यन्तो ये परागाः)

अतिवात्सल्य (ati-vātsalya) *n.* **i** excessive or great parental affection कथमतिवात्सल्याददतिक्रमोऽपि MahāviC. 1.55(1); तस्मिन्नप्यतिवात्सल्यात्पुत्रास्थां जननी स्थिराम्। बबन्ध DarpaDa. 2.81; बहुपुत्रोऽपि स हि मे पिता पूर्वं वसन्निह। मया विनातिवात्सल्यान्नाहारमकरोत्सदा KathāSaSāg. xii. 19.131; RājTa.(Ka.) 7.1674; TriṣaS'aPuC. i. 1.886; अलमतिवात्सल्याददतिलालनेनेत्यभिधाय, विसृज्य सामाजिकान् NīlaVi. 63.17; **ii** very great kindliness भगवन्नतिवात्सल्यादस्माकं स्निग्धचक्षुषा। ··· भवतोदितम् RāmāMañ. 101.19; सः ··· प्रवार्धितोऽतिवात्सल्यात् तथा तद्गुरुगौरवात् PrabhāC. 29.2; 178.8.

अतिवाद (ati-vā́da) *m.* **A** hypermetrical recitation अथो खल्वाहुर्गायत्री वाव प्रातःसवने नातिवाद इति TaiS. VI. iv. 5.2 (गायत्र्या एव ह्यतिवादास्त्रिष्टुबादयः Bhaṭṭabhāskara; अधिकाक्षरयुक्त्या पाठ्यमानत्वमतिवादः Sāy.); **B** name of a *ṛk* (ṚV. Khila v. 19.1 = AV. xx. 135.4 = S'āṅkhāS'S. xii. 33.4 = ĀśvaS'S. ii. 2.3) अतिवादं शंसत्यतिवादेन वै देवा असुरानत्युद्याथैनानत्यायन् AitBr. 30.7 (789); अथातिवादं शंसति वीमे देवा अक्रंसतेति GopBr. ii. 6.13; VaitāSū. 32.26; **C i** excessive talk, very opprobrious or vituperative talk, reproof, meaningless talk, sophistry यः परेषां नरो नित्यमतिवादांस्तितिक्षति MahāBhā. i. 74.1; i. 82.10; अतिवादान्मदाच्चैव मा धर्ममतिशङ्किथाः MahāBhā. iii. 32.6; iii. 199.18; xii. 269.6; अतिमानातिवादौ तमाविशन्ति द्विजाधमम् MahāBhā. xiii. 29.14; अतिच्छेदातिवादाभ्यां स्मयोऽयं समुपागतः MahāBhā. xiii. 121.9; ManuSm. 6.47; ViṣṇuSm. 96.19; MatsyaP. 28.1; 36.10; पण्डितः। वर्जयेदसतीं वाचमतिवादांस्तथैव च MārkP. 58.71; पारुष्यमतिवादः स्यात् AmaK. 338; अतिवादः निरर्थकोऽतिप्रलापः SanatBh. 253.8 (*on* 2.22); शास्त्रमतिक्रम्य यः कश्चिद्वदति सोऽतिवादः अप्रियाक्रोशः ManuBh. i. 512.24 (*on* 6.47); अतिवादानतिक्रमवादाननिष्टभाषणानि तितिक्षेत क्षमेत ManvaVi. 723.5 (*on* 6.47); विषाणि जङ्गमाद्यानि (v. l. चातिवादाश्च) मृत्योर्द्वाराणि देहिनाम् BhaviP. 617B.21 (iv. 4.87); आसुर्याः (लक्षणम्) शृणु साम्प्रतम्। अतिवादोऽभिमानश्च दर्पोऽज्ञानं सकोपता GaṇeP. ii. 147.4; ततो वादातिवादाश्च बभूवुः कुपितस्तदा। भीमसेनः BallāC. 106.1; (भूपः) स्वान् दुर्गुणान् परित्यज्य ह्यतिवादान् तितिक्षते S'ukraNī. 1.83; इति प्रवृत्तं कलहेऽतिवादमेषा सपत्न्या मम्रृषे न साध्वी SivLī. 22.43; **C ii** exaggerated statement, very boastful or vaunting talk अधर्मस्यातिवादस्य वृद्धातिक्रमणस्य च (द्रक्ष्यसि त्वं फलं तीव्रम्) MahāBhā. v. 160.18; अश्रुतवेदान्तानां कर्मण्यश्रद्धा मा भूदिति देवताधिकरणेऽतिवादाः कृताः VedāSaṁ. 157.10; स्वविवक्षितादधिकार्थान्तराकथनं विवक्षितेऽर्थे प्ररोचनार्थोऽतिवादश्च संभवतः S'rutaPra. ii. 335.19 (*on* ii. 2.42); नातिक्रौर्यं नातिशाठ्यं धारयेन्नातिमार्दवम्। नातिवादं नातिकार्यासक्तिमत्याग्रहं न च S'ukraNī. 3.218; **C iii** excessive praise कुशीलवा वर्षारात्रिमेकस्था वसेयुः। कामदानमतिमात्रमेकस्यातिवादं च वर्जयेयुः ArthS'ā. ii. 122.9 (4.1); परिभवोपघातकुत्सातिवादांश्चेषु न प्रयुञ्जीत ArthS'ā. ii. 347.4 (7.16); स्पृहामोहातिवादेषु लोकः सक्तो न बुध्यते SkandP. i(2). 21.295; *adj.* eloquent साधीयानतिसाधौ स्यादतिवादेऽपि वाच्यवत् ViśvaLoK. 395.62; *cf.* **अतीवादा.**

अतिवादतस् (ativāda-tas) *adv.* through abuse or vituperation (अति सर्वं नाशहेतुः) अपमानोऽतिवादतः S'ukraNī. 3.220.

अतिवादत्व (ativāda-tva) *n.* the state of being a statement going beyond (its own purport), exaggeration द्रव्यप्राधान्योक्तेरतिवादत्वम् अनुष्ठानविरोधात् S'rutaPra. iA. 26.26 (*on* i. 1.1)

अतिवादरूपता (ativādarūpa-tā) *f.* the state of having the nature of talking hyperbolically or exaggeratedly शैवस्तुतिवचनस्यास्य ··· अतिवादरूपतया स्वीयतन्त्राधिकारिशैवस्तुतिमात्रपरत्वं वा (कल्पनीयम्) PāñcRāRa. 28.5.

अतिवादलिङ्ग (ativāda-liṅga) *n.* mark of exaggerated talk इदं च 'तत्रापि' इत्यतिवादलिङ्गात् अपिशब्दात् सूच्यते PāñcRāRa. 41.13.

अतिवादलिङ्गत्व (ativādaliṅga-tva) *n.* the state of being the mark of exaggerated talk अपिशब्दस्यातिवादलिङ्गत्वं 'चण्डालमपि वृत्तस्थं तं देवा ब्राह्मणं विदुः' इत्यादिप्रयोगेषु प्रसिद्धम् PāñcRāRa. 41.14.

अतिवादवचन (ativāda-vacana) *n.* hyperbolic statement यानि च पाद्मपारमेश्वरादिष्वतिवादवचनानि तानि नूनम् इक्षुभक्षणचिकीर्षुभिः प्रक्षिप्तानि PāñcRāRa. 23.18.

अतिवादवादिन् (ativāda-vādin) *adj.* who is used to indulge in excessive disputation न मेऽद्य वक्ष्यस्यतिवादिमानिन् (v. l. मोक्ष्यस्यातिवादवादिन्) MahāBhā. iii. 134.2.

अतिवादसहन (ativāda-sahana) *n.* enduring slanderous talk विरोधिनी सा तद्रक्षां कुर्वीत बलिकर्मणा। तथातिवादसहनाच्छास्त्राचारनिषेवणात् MārkP. 51.31.

अतिवादातिविद्ध (ativādātividdha) *adj.* deeply hurt by slanderous talk अतिवादापविद्धस्तु (v. l. अतिवादातिविद्धस्तु) वक्ष्यामि बलमात्मनः MahāBhā. v. 74.6.

अतिवादापविद्ध (ativādāpaviddha) *adj.* deeply hurt by slanderous talk अतिवादापविद्धस्तु वक्ष्यामि बलमात्मनः MahāBhā. v. 74.6.

अतिवादित (ati-vādita) *n.* mode of playing on *paṇava* (just before playing on *murajas*) अतिवादितमनुवाद्यं समवादितमुच्यते पणववाद्यम्। तत्रातिवादितं स्यान् मुरजानामग्रतो यत्तु NāṭyaS'ā. 34.67.

अतिवादित्व (ativādi-tva) *n.* habit of speaking exaggeratedly (of something) प्राणदर्शिनश्चातिवादित्वम् 'अतिवाद्यसीत्यतिवाद्यस्मीति···' इत्यभ्यनुज्ञाय 'एष तु वा अतिवदति यः सत्येनातिवदति' BrahmSūBh.(S'aṅ.) 153.15 (*on* i. 3.8); 153.17 (*on* i. 3.8); अतिवादित्वं प्राणोपासकस्य व्रतमुक्त्वा BrahmSūBh.(Bhā.) 53.15 (*on* i. 3.8); प्राणभूयस्त्वदर्शिनोऽतिवादित्वेन Bhām. 198.21 (*on* i. 3.8); अतिवादित्वं हि स्वोपास्यपुरुषार्थाधिक्यवादित्वम् VedāntSā.(Rā.) 87.1 (*on* i. 3.7); VedāntDī. 45.5 (*on* i. 3.7); 45.13 (*on* i. 3.7); प्राणातिवादिनोऽङ्गतया सत्यवचनं विधत्ते, उत सत्यशब्दवाच्यपरोपासकस्यातिवादित्वं वदति S'rutaPra. ii. 10.23; (*on* i. 3.7); TattvPrakā. 175A. 5 (*on* iii. 3.38); VedāntKau. 82.18 (*on* i. 3.8); 82.25 (*on* i. 3.8); BrahmSūBh.(Rā.) 282.12 (*on* i. 3.7); AṇuBh. 251.15 (*on* iii. 3.44]; S'ivārkaMaDī. i. 208.11 (*on* i. 1.13); i. 411.33 (*on* i. 3.7); GoviBh. 43.7 (*on* i. 3.8); 43.13 (*on* i. 3.8)

अतिवादित्वनिमित्त (ativāditva-nimitta) *adj.* whose cause is the state of speaking hyperbolically (of something) तस्मादतिवादित्वनिमित्ततत्साक्षात्काराय तदुपायभूतं सत्योपासनं कुर्यादित्यर्थः S'rutaPra. ii. 16.26 (*on* i. 3.7); पूर्वातिवादित्वनिमित्तात् प्राणादस्यातिवादित्वनिमित्तं सत्यमधिकृतयोपदिशति VedāntKau. 82.21 (*on* i. 3.8)

अतिवादित्वरूपत्व (ativāditvarūpa-tva) *n.* the nature of the state of speaking hyperbolically (of one's object of meditation) आशाद्युपासनाफलापेक्षया अधिकफलवदुपासनाविषयत्वस्यैव भूयस्त्वरूपत्वात् तादृशप्राणवादित्वस्य च अतिवादित्वरूपत्वात् LaCandr. 824.22.

अतिवादित्ववर्णन (ativāditva-varṇana) *n.* mention of the state of speaking hyperbolically (of something) तद्दर्शिनोऽतिवादित्ववर्णनस्यासामञ्जस्यप्रसङ्गात् S'ivārkaMaDī. i. 411.32 (*on* i. 3.7)

अतिवादित्वहेतु (ativāditva-hetu) *m.* cause of the state of speaking hyperbolically (of something) ततश्चोपास्यदेवतासाक्षात्कारोऽतिवादित्वहेतुरित्यर्थः VedāntKau. 83.2 (*on* i. 3.8); तुशब्देनातिवादित्वहेतुं प्रकृतां प्राणोपास्तिं व्यावर्त्य GoviBh. 43.8 (*on* i. 3.8)

अतिवादित्वान्तर (ativāditvāntara) *n.* another type of hyperbolic mode of speaking, another (kind of the) state of one speaking hyperbolically (of something) सत्येनेति तृतीयाश्रुत्या करणत्वाभिधायिन्या सत्यज्ञानेनातिवादित्वान्तरमेव विधीयते PrakaVi. 231.26.

अतिवादिन् (ati-vādin) *adj.* [*f.* -ī] **i** speaking exaggeratedly or hyperbolically विजानन् विद्वान् भवते नातिवादी MuṇḍaU. iii. 1.4; एष एवं पश्यन्नेवं मन्वान एवं विजानन्नतिवादी भवति। तं चेद् ब्रूयुरतिवाद्यसीति। अतिवाद्यस्मीति ब्रूयात्। नापह्नुवीत ChāndoU. vii. 15.4; अतिवादी अतीत्य सर्वान्न्यान्

वदितुं शीलमस्येत्यतिवादी MuṇḍUBh. 346.15 (*on* iii. 1.4); तस्मिन्नधोमुखी विहसेत् । तां चातिवादिनीमधिक्षिपेद्विवदेच्च KāmSū. 202.23 (3.2); अतिवादिनीमित्यनुरागातिशयं कथयन्तीमधिक्षिपेत् JayaMa. 203.11 (*on* 3.2); प्राणदर्शिनोऽतिवादिनो व्यवच्छिद्य सत्येनातिवादिनं वदन् कथं प्राणस्य भूमानमभिदधीत Bhām. 200.9 (*on* i. 3.8); NayaMañ. I. iii. 2.4; अतिवादिन्यां तस्यां साक्षेपः स्याद्विवादस्तु KandaCū. iii. 2.25; S'ivārkaMaDī. i. 414.22 (*on* i. 3.7); **ii** loquacious, who speaks complainingly नासूयको न चापीर्षुर्नातिवादी न मत्सरी । भविष्यति जनस्तत्र MahāBhā. iv. 27.13; विप्रस्याजायतात्मजः । दुराचारस्य पापस्य निर्घृणस्यातिवादिनः SkandP. i(2). 13.101; (पुनरूचुश्च गोपिकाः) वयं मिथ्यातिवादिन्यो न हि सोऽयं तवात्मजः ĀdiP. 25.49; किमर्थं शिशवस्त्वां गेहे गेहेऽतिवादिनः BhaviP. 798A.6 (iv. 132.2); **iii** who excels in sophistry अनभिज्ञास्तु शान्तत्वाच्चित्तानामतिवादिनाम् DevīBhāP. vi. 6.29; यत्र वेदविदो नित्यं वेदवादबहिष्कृतान् । वादजल्पवलैर्घ्नन्ति वचोभिरतिवादिनः S'ivaP. vii (1). 3.62 (505B.10)

अतिवादिमानिन् (ativādimān-in) *adj.* who thinks himself an excellent argumentator न मेऽद्य वक्ष्यस्यतिवादिमानिन् ग्लहं प्रपन्नः सरितामिवागमः MahāBhā. iii. 134.2.

अतिवादिस्थानीय (ativādi-sthānīya) *adj.* who attains the status of one excelling in speech अतिवादिस्थानीयोऽग्निहोत्री S'rutaPra. ii. 14.15 (*on* i. 3.7)

अतिवादुक (ati-vāduka) *adj.* who excels in speech अथो खल्वाहुर्गायत्री वाव प्रातःसवने नातिवाद इत्यनतिवादुक एनं भ्रातृव्यो भवति य एवं वेद TaiS. VI. iv. 5.2.

अतिवादेन्धन (ativādendhana) *adj.* having fuel in the form of excessive (i. e. unreasonable) dispute अतिवादेन्धनो जज्ञे कलहाग्निः क्षयावहः ViṣṇuP. v. 37.40.

अतिवाद्यन्तर (ativādy-antara) *n.* another person who excels in speech अतः पूर्वातिवादिनः प्रत्यभिज्ञा नास्तीत्यतिवाद्यन्तरं प्रतिपन्नमित्यर्थः S'rutaPra. ii. 14.7 (*on* i. 3.7); ii. 13.28 (*on* i. 3.7); ii. 14.20 (*on* i. 3.7)

अतिवाद्यन्तरत्व (ativādyantara-tva) *n.* the state of being another person who excels in speech अत्र त्वतिवाद्यन्तरत्वनिमित्तमुपासनान्तरम्…प्रतीयते S'rutaPra. ii. 14.9 (*on* i. 3.7)

अतिवान्त (ati-vānta) *adj.* who has vomited excessively, suffering from excessive vomiting विक्षिप्तवस्त्रगात्रमतिवान्तविरिक्तं मदनयोगहतं विद्यात् ArthS'ā. ii. 150.4 (4.7); अतिवान्तस्य लक्ष्माणि संप्रोक्तानि निबोध मे BhelaS. 243.8 (8.1); KāśyaS. 150A.36; अतिवान्तम् … । उपाचरेत्सिताक्षौद्रमिश्रैर्लेहैश्चिकित्सकः SiddhYo. 73.23; *n.* excessive vomiting पित्तातियोगं च विसंज्ञतां च हृत्कण्ठपीडामपि चातिवान्ते SiddhYo. 73.14; अतिवान्ते भवेत् तृष्णा हिक्कोद्गारौ विसंज्ञिता S'ārṅgaS. iii. 3.23.

अतिवाप (ati-vāpa) *m.* the keeper or superintendent (of a gambling table) cf. **अक्षातिवाप**.

अतिवाम (ati-vāma) *adj.* extremely hostile प्रतिमुखस्खलितकुवलयकोपादिवातिवामानि…भामिनीनामरज्यन्त लोचनानि AvantiKa. 27.8; न काकुवाक्यैरतिवाममङ्गजं द्विषत्सु याचे पवनं तु दक्षिणम् NaiṣC. 9.93;

अतिवामचेष्टिता (ativāma-ceṣṭitā) *adj.* (*f.*) whose (outward) behaviour is very affectionate तां तीक्ष्णचित्तामतिवामचेष्टितां वीक्ष्यान्तरा कोशपरिच्छदासिवत् । वरस्त्रियं तत्प्रभया च धर्षिते निरीक्षमाणे जननी ह्यतिष्ठताम् BhāgP. x. 6.9.

अतिवामन (ati-vāmana) *adj.* [*f.* -ā, -ī] very short, dwarfed किरति मिहिरे विष्वद्रीचः करानतिवामनी स्खलकमठवद्देहच्छाया जनस्य विचेष्टते AnargharRā. 1.54 = SubhāRaK. 31.4; पादाम्बुजाभ्यामतिवामनाभ्यां कृतार्थयन्तं कृपया धरित्रीम् S'āraTi. 13.140; वर्जनीयपात्राणि … अत्युच्चाप्यतिवामना (नर्तकी) AbhinDa. 26.

अतिवामनता (ativāmana-tā) *f.* the state of being very low अतिवामनतया च जघनभागस्य पातालादिव उत्तिष्ठता … गन्धहस्तिना सनाथीकृतैकदेशम् … राजकुलं विवेश Kād. 87.19.

अतिवामनत्व (ativāmana-tva) *n.* the state of being very dwarfish आकृतिविकृतिरतिवामनत्वदन्तुरत्वादिः RasāSu. 155.12 (2.124)

अतिवामिन् (ativām-in) *adj.* causing excessive vomiting (अथ ताम्रम्) अतिवामि कठोरकम् RasRaSa. 5.45.

अतिवामोरु (ati-vāmoru) *adj.* surpassing (a woman) with beautiful thighs ङीबाद्यन्तस्याप्रधानस्य ह्रस्वो भवति । … अतिवामोरुः CāndraVṛ. *on* ii. 2.86.

अतिवामोरू (ati-vāmorū) *adj.* (*f.*) having very beautiful thighs अशिवेनातिवामोरूरजस्रं नेत्रवारिणा । स्तनावपतितौ बाला सहितावभिवर्षती । उवाच वाक्यम् MahāBhā. iii. 265.18; अहमपि अतिवामोरु पीडितः क्षुधया वने DevīBhāP. vii. 13.10.

अतिवायत् (ati-vāyat) *adj.* blowing strongly, (place or time) having excessive wind ब्रह्मविदो ब्रह्म नाधीयन्ते(? ते)ऽतिवायति MahāBhā. xii. 315.56; अतिवायति गृहादिभङ्गकारिणि चातिवाति ManvaVi. 516.19 (*on* 4.122)

अतिवायु (ati-vāyu) *m.* strong wind, storm क्रियात्मकेन रजसा लघु सत्त्वं सर्वत्र नीतं स्यादतिवायुना तूलावयववद्यदि गुरुणा तमसा नियमनं न स्यात् SāṁkhyaTaPra. 165.7; शशांकजः । अतिवायुं स्वल्पवृष्टिं करोति NāraS. 2(1).7; 2(6).9; 35.19.

अतिवायुकुमारक (ati-vāyukumāraka) *adj.* surpassing the Vāyukumāraka gods आददाते विहंगमान् । राज्ञः कुमारौ तौ वेगादतिवायुकुमारकौ TriṣaS'aPuC. ii. 3.9.

अतिवारक (ati-vāraka) *m.* plant *kuraṇḍa* कुरण्डस्त्वतिवारकः KośaKaTa. 1.4239.

अतिवारि (ati-vāri) *n.* abundant water तदा क्षमा भवति समातिवारिणा BṛSaṁ. 28.10.

अतिवारिता (ati-vāritā) *adj.* (*f.*) firmly prohibited विप्रेण मोहिताः पौरयोषितः । गृहेषु न हि तिष्ठन्ति ह्यस्माभिरतिवारिताः PadmP. vi. 202.22.

अतिवारिभय (ativāri-bhaya) *n.* fear of excessive water or floods अतिवारिभयं वियात्सौम्यायां भूरिसंपदः AVPari. 59.7.

अतिवार्त्त (ati-vārtta) *adj.* thoroughly useless यच्च संसृष्टिनस्तु संसृष्टीत्यस्य भ्रात्राधिकारावसरे विशेषविधानमात्रार्थत्वं न पत्न्याद्यपवादकत्वमित्युक्तम् तदतिवार्त्तम् ViraMi. (Vyavahāra.) 511 28.

अतिवार्धक (ati-vārdhaka) *n.* very old age प्रायश्चित्तेषु रोगपीडयातिवार्धकेन वा स्वयमसमर्थः … उपवासजपादिकं कारयेत् ĪśānS'iPa. ii. 20.37(12)

अतिवार्धकदशा (ativārdhaka-daśā) *f.* very old condition अस्तोदयाद्रिगतमर्कशशाङ्कबिम्बमह्नोऽतिवार्द्धकदशामवलम्बितस्य । ताराक्षराणि पठितुं तपनीयशैलनासावसक्तमुपनेत्रमिवाबभासे PadyaVe. 557.

अतिवार्धुषिक (ati-vārdhuṣika) *adj.* excessive usurer, who charges excessive interest वणिक् पण्योपघाती यो यश्चाप्यस्य प्रतीक्षकः । अतिवार्धुषिकश्चैव हन्यन्ते बहुरूपया KāśyaS. 191B.14.

अतिवार्यमाण (ati-vāryamāṇa) *adj.* being firmly prevented तेनातिवार्यमाणोऽपि यद्यसौ न निवर्तते । तदान्यत्र क्वचिद्गत्वा शिवमेवानुचिन्तयेत् MālinīT. 18.72.

अतिवालक (ati-vālaka) cf. **अतिबालक** *m.* an infant; *adj.* infantine [MW]

अतिवाल्य (ati-vālya) *ger.* having passed over or across अथ सकृदतिवाल्य कूर्चे स्रुचं निधाय दक्षिणावृद्गार्हपत्यं प्रतीक्षते BaudhS'S. i. 75.4; प्रस्तरे बर्हिर्यावन्मात्रं स्पन्द्यया विग्रथ्याहवनीयेऽतिवाल्याद्भिरभ्युक्ष्योत्तरतः सादयति BaudhS'S. i. 178.11; BaudhPiMe. iii. 1.16.

अतिवाल्लभ्य (ati-vāllabhya) *n.* the state of being very dear तस्मिंल्लक्ष्मीसरस्वत्योः अतिवाल्लभ्यमाश्रिते MahāP. 11.34.

अतिवास (ati-vāsa) *m.* fast on the day preceding a *śrāddha* [APTE, MW]

अतिवासवा (ati-vāsavā) *adj.* (*f.*) excelling that of Indra तस्य भूलोकचन्द्रस्य समृद्धिरतिवासवा RāghPāṇ.(Ka.) 3.19.

अतिवासुकि (ati-vāsuki) *adj.* who excels Vāsuki उपरि स्थितेन भवता जगती कथमुद्धृतेयमतिवासुकिना VasaViKā. 2.5.

अतिवाह (ati-vāha) *m.* **i** carrying across or beyond or over यस्त्रयाणां मृत्यूनां साम्नातिवाहं वेद स उद्गाता मृत्युमतिवहतीति JaimiUBr. iii. 9.10; विदुषामतिवाहे परमपुरुषेण नियुक्ता अतिवाहिका देवताविशेषा एतेऽर्चिरादयः S'rīBh. 749.8 (*on* iv. 3.4); VedāntDī. 237.18 (*on* iv. 3.4); अतिवाहे भवा अतिवाहिका: BrahmSūBh.(Bhā.) 235.11 (*on* iv. 3.4); VedāntKau. 415.18 (*on* iv. 3.4); **ii** carrying an excessive load or carrying a load excessively अतिदोहातिवाहाभ्याम् AtriS. 221; ĀpaSm. 1.23; अतिवाहे च … प्रायश्चित्तं विनिर्दिशेत् ParāSm. 9.28; अतिवाह्या(? हा) तिदोहाभ्याम् … पादोनं व्रतमाचरेत् LaS'aṅkhaSm. 53; तस्य गर्दभोऽतिवाहाद्दुर्बलो मुमूर्षुरभवत् (v. l.) PañcT. 3.33 (286.12); Hitopa. 3.9(2); योजनं हलशकटादावतिवाहादिना BālamBha. iii. 161.18 (*on* 3.263); [guide, conductor DBHS]

अतिवाहक (ati-vāhaka) *m.* the deity or spirit appointed by God to help in the conveying of the *jīva* or *sūkṣmaśarīra* [APTE]

अतिवाहन (ati-vāhana) *n.* **i** carrying away, removal अत्राननुभूतस्य क्षीरोदधेः कीर्तिप्रवाहदर्शनेनोत्कण्ठाया अतिवाहनम् AlaṅkāRa. 20(21); **ii** ex-

cessive acceleration (of motion) अपानो रूक्षगुर्वन्नवेगाघातातिवाहनैः। …कुपितः कुरुते रोगान् AṣṭāSaṁ. i. 304. 11 (3. 16); **iii** causing to carry excessively श्रमो भवति … वाहानामतिवाहनात् AśvaVai. 22. 1 [excessive toiling, MW]

अतिवाहनीय (ati-vāhanīya) *adj.* to be removed or atoned for परथा कथमतिवाहनीयमिन्द्रेण परःसहस्रैरपि वत्सरैः…इदं दुरितम् NīlaVi. 46. 6 (Vibudhānanda क्षपणीयम्)

अतिवाहयत् (ati-vāhayat) *adj.* removing, emptying (of a reservoir) सङ्कल्पप्रवृत्तमेव हि ते फलदानाय कर्माशयमतिवाहयन्तः … अन्यमन्यं देहं संचरन्तः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 669. 12 (*on* iii. 3. 32); **ii** passing (time) (अहं) भवन्तं चिन्तयान एव कालमतिवाहयन् … आलोकितः DaśKuC. 154. 2; UdaySuKa. 40. 12; इतश्च भरतस्तस्थौ दिवसानतिवाहयन् TriṣaS'aPuC. i. 6. 257; PārśvC. 2. 1058; S'ivārkaMaDī. ii. 230. 8 (*on* iii. 2. 6)

अतिवाहयितुम् (ati-vāhayitum) *inf.* **i** to remove, to wash away, to console कामं न शक्नोति मे हृदयम् … कल्पमहापुरुषस्य विनिपातमश्रुबिन्दुभिरेव केवलैरतिवाहयितुम् HarṣaC. 248. 1; अतिवाहयितुमनङ्गमार्गणोदग्रवेदनादुःखानि UdaySuKa. 116. 7; **ii** to pass (time) तामदृष्ट्वा … प्रियाम् … । अतिवाहयितुं नाहं प्रभवामि दिनत्रयम् PadmP.(Ra.) 15. 125; राजा रजनिशेषमतिवाहयितुम् … हंस° … °तल्पमभजत् NalaCam. 6. 55(1); दुःसहमध्याह्नमतिवाहयितुमुत्पन्नमानसः (राजा विलासोद्यानं ददर्श) UdaySuKa. 46. 10; अतिवाहयितुं कष्टं दिनमासीन्महीपतेः RājTa.(Ka.) 8. 786; अतिवाहयितुं वर्षाश्चक्रे तत्रोटजान् जनः TriṣaS'aPuC. i. 1. 101.

अतिवाहिक (ativāh-ika) *adj.* (subtle body) fit for carrying the Soul तत्क्षणात्सोऽथ गृह्णाति शारीरं चातिवाहिकम् SkandP. i(2). 50. 62; ViṣṇuDhaP. ii. 116. 11; *m.* hellish creature स्युर्नारकास्तु परेतप्रेतयात्यातिवाहिकाः AbhidhāCin. 1358; AbhidhāRaMā. 3. 3; KalpaK. 367. 6.

अतिवाहिकदेह (ativāhika-deha) *m.* the (subtle) body carrying (the individual soul) beyond अतिवाहिकदेहात्तु प्रेतपिण्डैर्विना नरः । न हि मोक्षमवाप्नोति AgniP. 368. 11 = ViṣṇuDhaP. ii. 113. 15.

अतिवाहिकरूपिणी (ativāhika-rūpiṇī) *adj.* (*f.*) of the form of a guide, having a subtle form पूजयित्वा … देवताः पञ्च पूर्वोक्ता अतिवाहिकरूपिणीः S'ivaP. vi. 22. 5 (499B. 12)

अतिवाहिकारूढ (ativāhikārūḍha) *adj.* residing in the transmigrating (body) तेनातिवाहिकारूढं दृक्क्रियाशक्तितेजसा । वपुः पाशात्मकं व्याप्तं सूत्रस्थं भौवनं स्मरेत् MṛgendraT. ii. 7. 79.

अतिवाहित (ati-vāhita) *adj.* [*f.* -ā] **Ai** suffered, endured, put up with गुहाविसारीण्यतिवाहितानि मया कथंचिद्घनगर्जितानि RaghuVa. 13. 28; VakroJī. 51. 11; स दुष्कालोऽतिवाहितः RāmC. 1. 24; व्याघ्रसेन क्व युष्माभिर्मद्वियोगोऽतिवाहितः BṛKathāMañ. ix. 2. 1247; स शापस्तिष्ठता तेन वर्षे वैराटवेश्मनि । स्त्रीवेषेण महाश्चर्यरूपेणाप्यतिवाहितः KathāSaSāg. vi. 7. 91; AlaṅkāRa. 20 (6); Subhāṣi. 3278; 3373; **Aii** passed or spent (time) कथं त्वया शत्रुमध्यगतेन कालोऽतिवाहितः Tantrākhyā. 114. 4; किं वा मयापि न दिनान्यतिवाहितानि MālaMā. 6. 179; अत्यार्ति माधरजनावतिवाहितायां हेमे हिमाहतसरोजनिभं मुखं ते RāmC. 19. 22; प्रायेण पञ्चसप्ततिवर्षेष्वतिवाहितेषु अर्थतृष्णा तनूभवति TātpaṬ.(Vā.) 629. 25 (*on* iv. 1. 60); अतिवाहितश्च पुरः करकलितकार्मुकेण काल एतावान् TilaMañ. 90. 8; 168. 11; SamaMā. 4. 47; SkandP. iv. 60. 97; KathāSaSāg. xiv. 4. 14; एवं च कतिचिन्मासा नीवारेणातिवाहिताः DevīBhāP. vii. 13. 32; PraboCan. 1. 2 (2. 11); पृच्छति स च हे वत्सौ सुखं कालोऽतिवाहितः PariPar. 1. 246; तन्नाटकादिभिस्तेनाहोरात्रमतिवाहितम् Samarā-Saṁ. 1. 83; तया सह समास्तत्र मया बह्वयोऽतिवाहिताः YogVā. iii. 107. 6; ĀnandaRa. 3. 15 (4); **B** removed, drained, emptied, past दुःखमतीतमुपभोगेनातिवाहितं न हेयपक्षे वर्तते YogBh. 79. 4 (*on* 2. 16); पुञ्जीभूय मूले युगपदतिवाहिततरुणतपनातपाः … पादपच्छायाः TilaMañ. 350. 11; अथातिवाहितानागतानामपि द्रव्यपर्यायाणां तादात्विकवत् पृथक्त्वेन ज्ञाने वृत्तिमुद्योतयति Tattv-Pradī.(A.) 49. 8 (*on* 1. 37); कर्माणि व्यपगतानि ज्ञानेनैवातिवाहितानि Bhām. 638. 7 (*on* iii. 3. 32); ननु वर्तमानमुपभुज्यमानं न भोगेनातिवाहितम् TattvVai. 79. 20 (*on* 2. 16); असौ पुनरत्र निर्वर्तितावगाहविधिरतिवादि(? हि)तार्धं(? घ) निदाघसंज्वरः … पश्यति स YātrāPra. 9. 51 (1); **C** traversed, covered, crossed, conducted, driven very much अहर्देवतयातिवाहिता आपूर्यमाणपक्षदेवतां प्रतिपद्यन्ते BṛĀraUBh. 779. 12 (*on* vi. 2. 14); ChāndoUBh. 297. 9 (*on* v. 10. 3); यथाकथंचिच्छ्रोकोऽयम् … मयातिवाहितः RājTa.(Ka.) 2. 34; अवाहिता विनश्यन्ति विनश्यन्त्यतिवाहिताः AśvaCi. 7. 3; अये बंहीयानतिवाहितः पन्थाः KaṁVa. 3. 13(1)

अतिवाहितक्लम (ativāhita-klama) *adj.* who has got rid of his fatigue (i. e. rested) अतिवाहितक्लमश्च कंचित्कालमुत्थाय…पादपफलान्यभ्यवजहार (समरकेतुः) TilaMañ. 199. 9.

अतिवाहितदिवस (ativāhita-divasa) *adj.* [*f.* -ā] who has passed the day अतिवाहितदिवसः … यामिनीमपि … जाग्रदेव निन्ये Kād. 118. 16; अतिवाहितदिवसा … तस्मिँल्लतामण्डपशिलातले … सुष्वाप HarṣaC. 32. 6.

अतिवाहितवत् (ativāhita-va(n)t) *adj.* [*f.* -tī] who has passed (time etc.) सोऽपि … अपराह्णसमयमतिवाहितवान् NalaCam. 3. 21 (26); अथाहम् … शैशवमतिवाहितवती TilaMañ. 264. 4; (असौ) रात्रिमभ्युदञ्चितेन चन्द्रमसा दृषद्गोलकेनेव स्फोटयितुं हृदयमुद्यतां मन्यमाना कालमतिवाहितवती UdaySuKa. 105. 23; एकातपत्रं साम्राज्यं भुञ्जानः स महाभुजः । अतिवाहितवान् कालं पृथ्व्यामिन्द्र इव स्थितः TriṣaS'aPuC. iv. 1. 258; स्वं जन्मातिवाहितवती PrabaCin. 110. 29.

अतिवाहितशैशव (ativāhita-śaiśava) *adj.* who has passed his childhood कुमारः केलिलीलाभिः सोऽतिवाहितशैशवः PāṇḍaC. 5. 107; नृपतेस्तदासीदानन्दहेतुरतिवाहितशैशवोऽयम् AcyutaRā. 2. 53.

अतिवाहितश्रम (ativāhita-śrama) *adj.* who has got rid of fatigue (i. e. rested) (अहम्) अतिवाहितश्रमः स्वस्थचेतास्तथा शिलातलोपविष्टम् … आत्मानमवलोक्य TilaMañ. 243. 23.

अतिवाहितातप (ativāhitātapa) *adj.* who has endured the sun's heat उत्तरन्ति विनिकीर्य पल्वलं गाढपङ्कमतिवाहितातपाः । … वनवराहयूथपाः KumāSaṁ. 8. 35.

अतिवाहिताध्वखेद (ativāhitādhvakheda) *adj.* who has got rid of the fatigue of his journey (i. e. rested) (अहम्) अतिवाहिताध्वखेदो दिव्यदेवतायतनदर्शनप्रीतमनसम् … तारकमवोचम् TilaMañ. 156. 14.

अतिवाहिनी (ati-vāhinī) *f.* name of a particular state of rut (of an elephant) एतां षष्ठीं मदावस्थां जानीयादतिवाहिनीम् Hastyāyur. 693. 19 (4. 31)

अतिवाह्य (ativāh-ya) *ger.* **Ai** having endured or got through successfully, having experienced रतावसानिकं रागमतिवाह्य…पृथक्पृथगाचारभूमिगमनम् KāmSū. 179. 3 (2. 10); रागमतिवाह्य रतिमनुभूय JayaMa. 179. 16 (*on* 2. 10); किं वावसादपदवीमतिवाह्य कष्टां लब्धाविकारविभवेन विवर्जितासि SamaMā. 1. 23; **Aii** having passed (time) वणिक् सन्ध्यामतिवाह्य निशामुखे … अशनमकरोत् Tantrākhyā. 79. 3; HarṣaC. 330. 23; तत्रैव तां निशां दिवसमप्यतिवाह्य कन्दर्पकेतुश्चचाल VāsaDa. 164. 7; दिनान्तमतिवाह्याथ प्रभाते SkandP. iii(2). 36. 173; मुनिस्तु … क्लिष्टालापलीलयातिवाह्य कांश्चित्कालकलाः … मण्डलेश्वरमापृच्छ्य … अम्बरतलमुदपतत् NalaCam. 3. 17 (19); 7. 10 (24); निशामतिवाह्य प्रत्यूष एव पुनः प्रवृत्ता गन्तुम् BālRā. 6. 35 (3); (अहम्) अतिवाह्य च क्षणमेकम् … गृहीत्वा शनैस्तमवाचयम् TilaMañ. 396. 18; JayaMa. 290. 24 (*on* 5. 5); अतिवाह्य क्षपामेव विधियुक्तेन कर्मणा PadmP. v. 24. 172; UdaySuKa. 35. 22; 42. 22; KalāVi. 3. 44; अतिवाह्य निशामेकां प्रतस्थे मुनिपूजितः RāmāMañ. 11. 6; 469. 25; एवमन्योन्यमालोच्य तां रात्रिमतिवाह्य च KathāSaSāg. i. 6. 133; नृत्तगीतादिभिः श्याममतिवाह्योदिते रवौ ĪśānS'iPa. ii. 60. 36; YogVā. i. 28. 20; RājTa. (Ka.) 7. 915; ध्यानेन … आयुर्लीलयैवातिवाह्य सः TriṣaS'aPuC. i. 1. 279; वज्रोऽपि नगरीद्वारे शर्वरीमतिवाह्य च PariPar. 12. 222; PṛthvīVi. 4. 28; Aparā. 1238. 26 (*on* 3. 321); MalliC. 8. 73; CaturCin. i. 355. 6; PrabhāC. 109. 25; NāṭaLaRaK. 2536; PrabaCin. 29. 5; MadhuVi. 4. 48; S'ivārkaMaDī. i. 474. 15 (*on* i. 3. 33); **Bi** having sent off अथ बोधिसत्त्वस्तं शिष्यं सम्यगुपदेशमतिवाह्य चिन्तामापेदे JātaMā. 4. 2 (1. 20); **Bii** having carried out और्ध्वदेहिकीं पितुः क्रियामतिवाह्य AnarghaRā. 5. 2 (22); **C** having crossed or gone beyond अलकामतिवाह्यैव वसतिं वसुसंपदाम् KumāSaṁ. 6. 37; विजयशेखरं नाम करिणमारुह्यान्तःपुरानुगमग्राह्योऽतिवाह्यं(? ह्य) नगरमार्गमुपगतारामसीमसंसर्गः YaśasCam. ii. 317. 18; यदेतेनातिवाह्याहं प्राप्तवाञ्जङ्गलं क्रमात् YogVā. iii. 106. 16; यदि च सर्वलोकमतिवाह्य स्वयंकृतलक्षणैर्व्यवहारः NyāyVārPari. 668. 4 = Kiraṇā. 299. 9; पदवीमतिवाह्य भूयसीं विपिने क(? का)श्चिदपश्यतां सभाम् Nalābhyu. 7. 34; सरयूमतिवाह्य राघवौ ययतुः Rāgh. 3. 4.

अतिवाह्य (ati-vāhya) *adj.* [*f.* -ā] **A** to be passed (time) एवं क्षपातिवाह्या च MatsyaP. 69. 46; क्षपातिवाह्या वै गीतमङ्गलनिःस्वनैः PadmP. v. 23. 54; त्वया मया सह प्रीतिपूर्वं कालोऽतिवाह्यः Pañcā. 164. 4; **B** to be conducted or led through दुर्गेषु मार्गेषु अतिवाह्यान् अतिवाहयन्ति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 826. 17 (*on* iv. 3. 4)

अतिवाह्य (ati-vāhya) *m.* name of one of the seven sages at the time of the fourteenth Manu चतुर्दशे तु पर्याये सत्यस्यैवान्तरे मनोः । … भार्गवोऽप्यतिवाह्यश्च … सप्तर्षयश्च ते S'ivaP. v. 34. 64 (446A. 2) [LaS'aṅkhaSm 53; *w. r.* for **अतिवाह**]

अतिवाह्यमान (ati-vāhyamāna) *adj.* **A** (time) which is being passed देवद्विजप्रसादादिहापि सर्वं शुभं भविष्यतीति प्रकृते योजयता राजलोकेनातिवाह्यमानदिवसम् … राजकुलमव्रजत् TilaMañ. 64. 17; तमालषण्डेषु प्रविश्य तिमिर-

रूपेण रजन्यातिवाह्यमानवासरम् (विलासोद्यानम्) UdaySuKa. 46. 24.

अतिवाह्यमानता (ativāhyamāna-tā) *f.* the state of being carried away अमराः ··· विमानैरतिवाह्यमानतया ··· अगृह्यमाणद्राघिमाणमध्वानम् ··· अतिक्रामन्तः NīlaVi. 36. 17.

अतिविःपीन (ati-viḥpīna) *adj.* more than twice big (जलौका) कृष्णवक्त्रा च या भवेत् । मस्तकश्चातिविः(? द्विः)पीनो विज्ञेया विषमाहिताः (? सविषाहिता) Hastyāyur. 699. 22 (4. 34)

अतिविकच (ati-vikaca) *adj.* very much blooming अस्ति···अतिविकचधवलकुसुमनिकरम् ··· उद्वहद्भिः पादपैरुपशोभिता ··· विन्ध्याटवी Kād. 19. 2; मृगीदृशां रुचिरकचाञ्चितैरपि सितोदयादतिविकचत्वमागतैः ।··· दधे मुखैरसदलकत्वमग्रतः Kapphiṇā. 9. 38; रक्ताशोके सशोकश्चिरमतिविकचे चम्पके कुञ्चिताक्षः पान्थः KāvyMī. 110. 16.

अतिविकट (ati-vikaṭa) *adj.* [*f.* -ā] **A** very difficult निदानदूषितात्मासौ कृत्वातिविकटं तपः PadmP.(Ra.) 106. 169; **B** very large or huge सूक्ष्मातिविकटा रूक्षा चर्मभा चर्मयूकिका HāriS. iii. 5. 4; कैकस्या बन्धुवर्गोऽयमतिविकटः MahāvīC. 6. 35; अतिविकटजटाजूटकोटरपर्यटद्गगनाटनतटिनीतरङ्गाकरकेलिकुतूहलितरा(? वा)लप्रालेयकरम् YaśasCam. ii. 300. 16; अथ समन्तादतिविकटकुक्कुटकुटुम्बारटितकटुरवोदञ्चनविनिद्रितासु ··· विलासवनविहङ्गमश्रेणिषु UdaySuKa. 114. 2; अष्टौ ते गत्वा मर्त्यलोकम् ··· गायनसृष्टिं ससर्जुरतिविकटाम् KalāVi. 7. 21; आवृणुध्वं वपुरतिविकटैः कङ्कटैः KaumuMi. 6. 19; संसारावटकोटरेऽतिविकटे मुग्धो जनः पात्यते MudriKu. 1. 21 = PrabaCin. 67. 9 = PurāPraSaṁ. 27. 20 = 127. 13; **C** very harsh अतिविकटाभिः ··· कर्णाटगौडलाटभाषाभिः SarvaDaSaṁ. 15. 560; [*m.* vicious elephant (अतिशयितो विकटः भीषणः) दुष्टहस्ती इति शब्दमाला S'abdaKaDru.]

अतिविकटपृष्ठ (ativikaṭa-pṛṣṭha) *adj.* having a very deformed back धिक् करभकम् ··· अतिविकटपृष्ठमपसदं पशूनाम् MaṇiKa. 64. 12.

अतिविकटमद (ativikaṭa-mada) *adj.* of great pride वामेऽन्यत्र प्रवीरेष्वतिविषम(v. l. विकट)मदो बोधितः कुम्भकर्णः MahāvīC. 6. 35.

अतिविकटांस (ativikaṭāṁsa) *adj.* having extremely broad shoulders अयमतिविकटांसो भासुरासिर्मभाजौ सफलयतु कृतान्ताकाङ्क्षितं बाहुदण्डः Kapphiṇā. 4. 36.

अतिविकटाकृति (ativikaṭākṛti) *adj.* having a very fierce or dreadful form निशाचरी सा । तूष्णीमप्यतिविकटाकृतिस्तदासीत् YogVā. iii. 79. 36.

अतिविकत्थन (ati-vikatthana) *n.* excessive boasting शौर्यस्यातिविकत्थनम् ··· दूषणम् Mugdhopa. 18; *adj.* extremely boastful धिगतिविकत्थनो राक्षसापशदः AdbhuDa. 7. 31 (1)

अतिविकत्था (ati-vikatthā) *f.* excessive boasting जगाद चेति किं मातरात्मनोऽतिविकत्थया PadmP.(Ra.) 7. 251.

अतिविकसित (ati-vikasita) *adj.* fully blossomed अतिविकसितकुसुममकरन्दपानमुदितमधुकरकुले NyāyMañ. i. 151. 4.

अतिविकार (ati-vikāra) *adj.* above change विश्वात्मंस्त्वमतिविकारभेदहीनः BrahmP. 192. 55.

अतिविकाल (ati-vikāla) *m.* too late a time [DBHS]

अतिविकासिन् (ati-vikāsin) *adj.* spreading widely तत(स्त)म् ··· चक्षुषोरतिविकासिनि प्रभाजले मज्जयन् पृथिवीपतिः प्रणिजगाद AvantiKa. 174. 13.

अतिविकृत (ati-vikṛta) *adj.* [*f.* -ā] **i** extremely distorted or deformed तेऽवस्थामतिविकृतामथाश्ववीरन् VarāṅgaC. 12. 87; उर्वीपतिः ··· अवयवानप्यस्थिसारानतिविकृतरूपदर्शनभयात्पलायितुकामानिव ··· दधानम् ··· वेतालमद्राक्षीत् TilaMañ. 48. 23; गच्छता ददृशे तेन मार्गे विक्रमकेसरी । मन्त्री पुंसातिविकृतेनोह्यमानो नभस्तले KathāSaSāg. xii. 8. 4; खड्गसहातिविकृता नैऋतिस्त्वमुपाभृता BhaviP. 695A. 31 (iv. 64. 32); 707B. 9 (iv. 72. 40); **ii** very much changed or spoilt तेऽपि चिरसंचिताः (दध्यादयः) अतिविकृतगन्धरसाः सन्तो न भक्षणीयाः VīraMi.(Āhnika.) 511. 19; दधि च ··· चिरसंचितमतिविकृतगन्धरसं चेदभक्ष्यम् BālamBha. 433. 22 (*on* 1. 169)

अतिविकृतदर्शन (ativikṛta-darśana) *adj.* of extremely ugly appearance जरच्छबरः ··· अतिविकृतदर्शनः ··· तरुतले मुहूर्तमिव व्यलम्बत Kād. 33. 2.

अतिविकृतास्य (ativikṛtāsya) *n.* extremely fierce or open mouth अव्यात् ··· अतिविकृतास्योल्लसत्तीक्ष्णदंष्ट्रः ··· नारसिंहश्चिरं वः S'ilpaRa. ii. 23. 9.

अतिविक्रम (ati-vikrama) *adj.* exceedingly heroic, valiant or powerful मतिमांश्च मनुष्येन्द्र ईश्वरश्चेति विश्रुतः (°श्चातिविक्रमः) MahāBhā. i. 61. 60; येनाहं त्वत्प्रसादेन भवेयमतिविक्रमः BhaviP. 177A. 26 (i. 120. 17); चक्रिणस्तदतिविक्रमक्रमं चक्रमुत्क्रममपाकरोतु वः AlaṅkāRa. 59. 8; *m.* great strength or valour काम्यता मनसस्तुष्टिर्धैर्यं तेजोऽतिविक्रमः । विधिवत्सेव्यमाने तु मद्ये संनिहिता गुणाः SuśruS. vi. 47. 8; AdhyāRā. i. 6. 12.

अतिविक्रमकर्मन् (ativikrama-karman) *n.* act of great valour दृष्ट्वा विक्रमकर्माणि (v. l. अतिविक्रमकर्माणि) कुर्वाणं च धनंजयम् MahāBhā. iii. 255. 56.

अतिविक्रय (ati-vikraya) *m.* sale (of property) to an outsider मूल्यं दातुमशक्तश्चेत् ··· संनिधिस्थस्तदान्यस्मै गृही शक्तोऽतिविक्रये (comm. संनिधिस्थभिन्नाय विक्रये) MahNirvāT. 12. 110.

अतिविक्रान्त (ati-vikrānta) *adj.* exceedingly valiant or powerful स मे भक्त्यातिविक्रान्तो दर्शनं मे करिष्यति S'ivaP. iv. 30. 30 (385. 7); पादातमतिविक्रान्तम् TrīṣaS'aPuC. ii. 6. 544; ParamāKā. 78. 35.

अतिविक्लव (ati-viklava) *adj.* **i** exceedingly moved (अधिरथः) परिष्वज्य च तस्याथ (कर्णस्य) मूर्धानं स्नेहविक्लवः (v. l. अतिविक्लवः) MahāBhā. i. 127. 4; **ii** greatly distressed वत्स किमेवमतिविक्लवोऽसि PraboCan. 5. 13 (91. 5)

अतिविक्लवचेतस् (ativiklava-cetas) *adj.* whose mind is very much distressed तत्रैव लिङ्गमासन्नम् ··· । तस्य दृष्टिपथं प्राप्तमतिविक्लवचेतसः SkandP. v(2). 53. 21.

अतिविक्लवीभूत (ativiklavī-bhūta) *adj.* greatly confused अतिविक्लवीभूतमात्मानमात्मनैव प्रबोध्य UdaySuKa. 102. 21.

अतिविक्षिप्तता (ativikṣipta-tā) *f.* extreme profuseness or extensiveness अतिविक्षिप्ततया शिष्यबुद्धिसमाधानं न भवेदित्यभिप्रायेण संक्षिपति Loc. 159. 22 (*on* 3. 16)

अतिविख्यात (ati-vikhyāta) *adj.* [*f.* -ā] very famous, well-known or reputed रामायणेऽतिविख्यातः शूरो वानरपुंगवः MahāBhā. iii. 147. 11; यथा शुम्भोऽतिविख्यातः ककुदं दानवेष्वपि VāmaP. 55. 32; DevīBhāP. iii. 11. 44; सिन्धुदेशेऽतिविख्याता पल्लीनामाभवत् पुरी GaṇeP. i. 22. 8; YogVā. v. 47. 23; BālaKrī. 5. 10 (*on* 1. 1)

अतिविख्याततम (ativikhyāta-tama) *adj.* exceedingly well-known ततोऽतिविख्याततमं तीर्थमेतद् द्विजोत्तम VarāP. 7. 29.

अतिविख्यातिभृत् (ativikhyāti-bhṛt) *adj.* having high reputation, greatly renowned विलेखितुं भीमभुवो लिपीषु सख्यातिविख्यातिभृतापि यत्र । अशाकि लीलाकमलं न पाणिरपारि कर्णोत्पलमक्षि नैव NaiṣC. 6. 64.

अतिविगतरजस् (ativigata-rajas) *adj.* absolutely free from dust अतिविगतरजोभिर्वायुभिः संवहद्भिर्दिनमपि च तदासीज्जन्म विष्णोः सुगर्भे PadmP. v. 25. 56.

अतिविगर्हित (ati-vigarhita) *adj.* extremely condemned, censured or blamed अहो किमेतज्जनक कर्म तेऽतिविगर्हितम् BrahmVaiP. iv. 35. 50; स्यात् (सः) प्रासादोऽतिविगर्हितः SamarāSū. 56. 294; दिवैव सुरतेच्छां किं कुरुषेऽतिविगर्हिताम् GaṇeP. i. 30. 15.

अतिविगर्ह्य (ati-vigarhya) *adj.* highly contemptible अहो मयात्मा परितापितो वृथा ··· अतिविगर्ह्यवार्तया BhāgP. xi. 8. 32.

अतिविगाढभाव (ativigāḍha-bhāva) *m.* very deep nature तथातिविगाढभावेन तदभेदस्फूर्तिरपि AṇuBh. 245. 16 (*on* iii. 3. 37); 257. 16 (*on* iii. 3. 50)

अतिविगाह्य (ati-vigāhya) *ger.* having plunged deep into अक्षौहिणीमतिविगाह्य बलान्मुहूर्तम् PratiYau. 4. 4.

अतिविग्रह (ati-vigraha) *m.* severe or great fight सद्दावदीनः । न केनचिज्ज्ञातचरः समेत्य जग्राह दिल्लीमतिविग्रहेण HammīMaKā. 3. 50.

अतिविग्रहरुचि (ati-vigraharuci) *adj.* extremely fond of fight (सुधन्वा) नीतोऽतिविग्रहरुचिर्यशोविग्रहशेषताम् RāmāMañ. 45. 17.

अतिविग्रहिन् (ativigrah-in) *adj.* quarrelling excessively तस्मान्न विद्वानतिविग्रही स्यात् NītiSā. 9. 75.

अतिविघट्टित (ati-vighaṭṭita) *adj.* excessively rubbed रागाश्रुवेदनास्तम्भहर्षाश्चातिविघट्टिते (नेत्रे) । स्नेहस्वेदौ हितौ तत्र SuśruS. vi. 17. 77 (comm. अतिचालिते)

अतिविचक्षण (ati-vicakṣaṇa) *adj.* [*f.* -ā] extremely clever or well-versed रामणीयकमुपरचितमि(? म)तिविचक्षणेन कर्मशिल्पिना AvantiKa. 40. 10; उपाध्यायकुले चेतौ जातावतिविचक्षणौ PadmP.(Ra.) 12. 23; विप्रनन्दनः···शास्त्रे बभूवातिविचक्षणः SkandP. iii(1). 9. 5; मनोरमा धर्मपत्नी सुरूपातिविचक्षणा DevīBhāP. iii. 14. 9; ĀnandRa. 5. 8(1)

अतिविचक्षणता (ativicakṣaṇa-tā) *f.* great cleverness or shrewdness अतिविचक्षणतातिमुग्धतासुखविबोध्यमिदं यदि वा द्वयम् HammīMaKā. 7. 92.

अतिविचारिता (ativicāri-tā) *f.* excessive consideration अन्यथा शास्त्रादावनन्वयप्रसङ्ग इति कृतमतिविचारितया TātpaṬ.(U.) 7. 17 (*on* 1. 11)

अतिविचित्र (ati-vicitra) *adj.* [*f.* -ā] **i** variegated, of many

-colours, painted, coloured (नरपतिः) छन्दोजातिमिव … अतिविचित्रचम्पकमालाम् … विन्ध्याटवीमवगाहमानः NalaCam. 6.11 (14–15); सेनापतिः … शिप्रायाः … कूले … अतिविचित्रवस्त्रशोभापनीतातपमभिषेकमण्डपं विरचय्य Yaśas-Cam. i. 289.5; (हरिवाहनः) अतिविचित्रानेकचित्रशालं जलमण्डपमगच्छत् TilaMañ. 107.14; **ii** manifold, various, diverse येनासिन्नतिविचित्रकविपरम्परावाहिनि संसारे … द्वित्राः … महाकवयो गण्यन्ते Dhvanyā. 93.2 (*on* 1.6); स्तोत्रैरतिविचित्रैश्च चतुर्वक्त्राश्रुतैरहो। स्तुत्वोवास BrahmVaiP. iv. 33.63; तस्य मनस्तु …दशासु बभ्रामातिविचित्रासु YogVā. iv. 9.3; iv. 43.3 = S'ārṅgaPa. 4338; तस्य … श्रोतृप्रतिपत्तृस्फुरणं स्फुटास्फुटत्वेनातिविचित्रम् AbhinBhā. i. 291.12 (*on* 6 33); विषयाश्चात्र भूषणायुधासनपरिवारायतनोद्यानवापिकाक्रीडापर्वतादयोऽतिविचित्रा निम्नाः NyāySiA. 236.5; अथ नृपतिरुदारं श्रीमदानन्दरङ्गम् …बहुभिरतिविचित्रैर्भूषणैर्भूषयित्वा ĀnandaRa. 4.49; **iii** wonderful, charming, lovely अतिविचित्रत्रिभङ्गिभङ्गोत्कीर्णकर्णाटिकारूपरमणीयस्तम्भिकाष्टम्भम् … उच्चकाञ्चनसिंहासनद्वितयमुभौ भेजतुः NalaCam. 7.0(40); सद्य एव प्रावर्तयत सत्रमतिविचित्रम् RāmāCam. 6.68(5); भोः स्वामिन् मदीयमतमतिविचित्रं शृणु S'aṅkaVi.(Ā.) 153.3; अतिविचित्रं महद्गोपुरप्रकारसौधादिकम् … पश्यन्तः … तदादिकर्तारमनुमिमाना दृश्यन्ते S'ivārkaMaDī. i. 138.22 (*on* i. 1.3); अतिविचित्रं खल्वायोधनमस्य वीरस्य AdbhuDa. 4.13(1); क्वचित् … अतिविचित्रचरित्राभिरामं रामस्वरूपं निरूप्यते AnuBh. 207.11 (*on* iii. 3.1)

अतिविचित्रक (ativicitra-ka) *adj.* very wonderful जम्बूद्वीपे जम्बुवृक्षो विस्तीर्णोऽतिविचित्रकः PañcaRā.(Nā.) ii. 2.52.

अतिविचित्रतर (ativicitra-tara) *adj.* **i** very wonderful, very strange स्वामिन्नस्मन्मतमतिविचित्रतरं शृणु S'aṅkaVi.(Ā.) 122.7–8; 170.6; 223.3; एवमतिविचित्रतरं स्थानं दृष्टं मया SimhāDvā. 49.0(19); **ii** various, diverse अद्राक्षुः … ते … अतिविचित्रतरत्रयीशिखरोपपादितोपासनाभेदवासनासनाथमुनियूथदर्शिताश्चर्यतुर्यकक्ष्यम् … भवनम् NīlaVi. 40.7.

अतिविचित्रता (ativicitra-tā) *f.* very strange or wonderful nature अचिन्तयच्च दृष्ट्वैतां सृष्टेरतिविचित्रताम् PadmP.(Ra.) 6.109.

अतिविचित्रत्व (ativicitra-tva) *n.* very wonderful nature, extreme diversity तर्हि प्रारब्धस्यातिविचित्रत्वात् S'aṅkaVi.(Ā.) 67.6.

अतिविचित्ररूप (ativicitra-rūpa) *adj.* [*f.* -ā] of very diverse forms, of a very motley form विस्पष्टभाण्डरुचयोऽतिविचित्ररूपा लक्ष्मीं दधुर्जवनिकामहितास्तुरंगाः HarVi. 40.38 = VyaktiVi. 92.18 (v. l.); सत्यं भवोऽसि शठ हे येनातिविचित्ररूपोऽसि Subhāṣi. 114; **ii** of a different type of play, possessing diverse dramatic forms, HarVi. 40.38 = VyaktiVi. 92.19 (v. l.)

अतिविचेष्टित (ati-viceṣṭita) *adj.* extremely active स गजः … सुव्यक्तदन्तः। स भवे(?) भवत्यतिविचेष्टितः Hastyāyur. 281.21 (2.56)

अतिविच्छ् (ati-vicch-) x. P. to direct or lead along ता अग्रेण सदोऽपरेणाग्नीध्रमुदीचीनं दक्षिणापथेनातिविच्छयन्ति ĀpaS'S. xxi. 8.7; cf. **अतिवित्स्**.

अतिविच्छमाना (ati-vicchámānā) *adj.* (*f.*) being driven away तामुदीचीमतिविच्छमानामभिमन्त्रयते S'atBr.(K.) IV. ii. 4.12.

अतिविच्छर्द (ati-viccharda) *m.* great pomp or display स्नपयित्वातिविच्छर्दादेवं देवप्रसूः प्रभोः।… अमाजैदङ्गं देवाङ्गवाससा TriṣaS'aPuC. i. 2.585.

अतिविच्छिन्न (ati-vicchinna) *adj.* completely unconnected सुखदुःखमोहविषादाः … चन्दनादिभ्योऽतिविच्छिन्नप्रत्ययप्रवेदनीयेभ्यो व्यतिरिक्ता अध्यक्षमीक्ष्यन्ते Bhām. 380.19 (*on* ii. 2.1)

अतिविच्छेद (ati-viccheda) *m.* extreme separation अहो ततोऽतिविच्छेदो मरणादपि दुष्करः BrahmVaiP. i. 13.33.

अतिविजन (ati-vijana) *adj.* very much deserted ग्रामान्ते वसतिर्ममातिविजने SaduktiKa. 77.31; श्रीगौरीपादपद्माचैनमतिविजने यत्कृतं सर्वकालम् Hāsyārṇa. 2.29.

अतिविजय (ati-vijaya) *m.* name of a man अतिविजयादयः। एते … अध्यासत रणाजिरम् PadmP.(Ra.) 58.16.

अतिविजिगीषु (ati-vijigīṣu) *adj.* greatly desirous of conquest नातिविजिगीषवः खलु पूर्वे … अभवन्भूपतयः HarṣaC. 288.5.

अतिविजिगीषुता (ativijigīṣu-tā) *f.* intense desire for conquest तस्य चातिविजिगीषुतया महासत्त्वतया च … सुरतसुखस्योपरि द्वेष इवासीत् Kād. 7.12.

अतिविज्ञ (ati-vijña) *adj.* very learned [nt.]

अतिविज्ञता (ativijña-tā) *f.* great skill सर्वत्र कर्मण्यतिविज्ञता च … एतैर्दूतीगुणैर्युक्ता राधामाधवयोः सखी ĀdiP. 13.42.

अतिविट (ati-viṭa) *m.* a superior or great Viṭa (gallant) अतिविटश्चैष धान्त्रः PādaTā. 45.13.

अतिविटत्व (ativiṭa-tva) *n.* the nature of a great Viṭa (gallant), the characteristic of being excessively voluptuous, the behaviour of a knave अतिविटत्वमभिहितम् DhūrtaViSaṁ. 26.15.

अतिविडम्बना (ati-viḍambanā) *f.* excessive mockery or ridicule तं चाहमतिसत्कारममन्येऽतिविडम्बनाम् BṛKathāS'loSaṁ. 18.541.

अतिविडम्बित (ati-viḍambita) *adj.* mocked at or ridiculed very much त्यक्त्वा परत्र नरकं व्रजेदतिविडम्बितः BrahmVaiP. iv. 33.53; गुणपरिचये चक्षुष्मन्तो(? °न्तस्) त्वयातिविडम्बिताः SaduktiKa. 237.33 (Calcutta 1965)

अतिविण्मूत्र (ati-viṇmūtra) *adj.* discharging excessive excrement and urine अल्पाशितोऽतिविण्मूत्रस्त्वविण्मूत्रो विपर्यये KāśyaS. 36B.2; *n.* discharge of excessive excrement and urine अतिविण्मूत्रदूषिकाशिङ्घाणकमलोद्भवः। इत्येतैः कारणैर्विद्याद् व्याधिजां फक्कतां शिशोः KāśyaS. 140B.4.

अतिवितत (ati-vitata) *adj.* **i** very extensive (in space) मुनेऽतिविततस्यास्य ब्रह्माण्डस्य…। कः कर्ता DevīBhāP. iii. 1.16; अस्ति पुत्रातिविततो देशः YogVā. v. 23.1; अतिविततगगनसरणिप्रसरणपरिमुक्तविश्रमानन्दः।… रविर्जयति KāvyPra. 379.1; अतिविततश्रेयोलतामण्डपः।… श्रेयः पार्श्वजिनस्तनोतु भवताम् PārśvC. 2.1065; काममतिविततरक्तांशुकोद्भासितस्त्रीयतनौ … भगवति वासरपरिवृढे ĀnandRa. 5.0 (5); **ii** very large in number, numerous, innumerable अनन्वयश्चातिविततः न च तेष्वनन्वितं नाम सामान्यमस्ति NyāyMañ. i. 111.9; अतिविततगुणैर्गणैरिवोग्रः प्लवगभटैरयमावृतो विभाति RāmC. 6.17; अतिविततगुणैकधाम्नि तस्मिन् …। कथमपि वसुधाधिपः प्रमोदं झटिति जगाम NavaSāC. 3.51; **iii** very bulky, very extensive अतिविततगहनगम्भीरैस्तैरलसप्रायाः शिष्या न व्युत्पादयितुं शक्यन्ते TārkiRa. 5.3; PāñcRāRa. 172.11; अतिविततगभीरग्रन्थसिन्धाविदानीं प्रभवतु करुणातः शारदा पारदा नः VīraMi.(Paribhāṣā.) 1.14; **iv** very long (in measurement) दाम चैवातिविततमुदरे यस्य वर्तते ĀdiP. 22.28; **v** very long-lasting अतिविततमवर्तताम्बुसत्रम् S'ivLī. 7.78.

अतिविततनु (ativitata-tanu) *adj.* having a very huge body प्रासा विश्वंभरा यैरतिविततनोर्विश्वमूर्तेर्विराजो विष्णोस्तेभ्यो महद्भ्यः सततमपि नमोऽस्त्वङ्घ्रिपङ्केरुहेभ्यः ViṣṇuPādāSt. 14.

अतिविततत्व (ativitata-tva) *n.* the nature of being very extensive अत्रातिविततत्वादयोऽनुपादानेऽपि प्रतिपाद्यमानमर्थं न बाधन्त इत्यपुष्टा न त्वसंगताः KāvyPra. 379.3.

अतिविततप्रपञ्च (ativitata-prapañca) *adj.* having a very great elaboration तदेवमयमप्रस्तुतप्रशंसान्यवहारः कवीनामतिविततप्रपञ्चः परिदृश्यते VakroJī. 190.11.

अतिविततबाधा (ativitata-bādhā) *adj.* (*f.*) very intensely afflicted, greatly distressed अतिविततबाधां राधामप्याराधयत्वायुष्मान् KaṁVa. 4.47(5)

अतिविततरुचि (ativitata-ruci) *f.* lustre spread all-over अतिविततरुचिं वहन्तमन्तस्तरलमणिम् NavaSāC. 3.56.

अतिविततोक्ति (ativitatokti) *f.* very elaborate statement अलमतिविततोक्त्या। त्यज्यतां नित्यवादः NyāyMañ. i. 213.13.

अतिवितथ (ati-vitatha) *adj.* quite useless मम मरणमेव वरमितिवितथकेतना (v.l. अतिवितथकेतना)। किमिति विषहामि विरहानलमचेतना GītGo. vii. 13.3.

अतिवितथवाच् (ativitatha-vāc) *adj.* very geat lier स्तुवन्ति श्रान्तास्याः क्षितिपतिमभूतैरपि गुणैः प्रवाचः कार्पण्याद् यदवितथवाचोऽपि(v.l. अतिवितथवाचोऽपि) पुरुषाः MudrāRā. 3.16.

अतिवितथोद्योग (ativitathodyoga) *adj.* making very futile or vain efforts ततोऽतिवितथोद्योगौ वासुदेवशशिध्वजौ।… युयुधाते KalkiP. iii. 9.12.

अतिवितन्वत् (ati-vitanvat) *adj.* stretching forth widely रत्नौघदीप्तिसंमिश्रफेनस्यातिवितन्वतः।… वारिधेः। रक्षा विधेया यत्नेन राज्ञा Mānaso. ii. 3.366.

अतिवितीर्ण (ati-vitīrṇa) *adj.* carried out excessively तद्भुजादतिवितीर्णसपर्याद् बुद्धमानपि विवेद मुनीन्द्रः।… वदान्यान् NaiṣC. 5.11.

अतिवित्स् (ati-vits-) I. X. P. [MAYR. p. 3.203] to lead beyond, to carry quickly, to drive away अथैतां सोमक्रयणीमग्रेण शालामुदीचीमतिवित्सयन्ति BaudhS'S. i. 169.13; सदसः कालेऽतिवित्सयेदिति बौधायनः BaudhS'S. iii. 89.9; वत्सान्प्रमृज्य मातृभिः संसृज्योदीचीस्तस्य दक्षिणापथेन संचा[यं]माना(णा) अतिवित्सन्ति HirS'S. xvi. 3.40 (comm. त्वरितं नयन्तीत्यर्थः); cf. **अतिविच्छ्**.

अतिवित्सन (ati-vitsana) *n.* [DEBRU. p. 199] leading beyond सोमक्रयण्या अतिवित्सन इति BaudhS'S. iii. 89.9.

अतिविद् (ati-vid-) VI. P. to obtain in abundance अन्नोषित्वा नरपतिः प्रतापमतिविन्दति YuktiKa. 51.18.

अतिविद् (ati-vid) *adj.* very learned, extremely intelligent अकोविदः कोविदवादवादान्वदस्यथो नातिविदां वरिष्ठः BhāgP. v. 11.1; पुत्रश्चेति च संतानं

सप्तेमेऽतिविदो विदुः SkandP. ii(7). 3. 36; विचित्रं तौर्यत्रिक्रमारचयद्भिर्यन्त्रप्रचारैः रतिविदामपि चित्रभ्रममुत्पादयत् … यन्त्रधारागृहकम् S'ṛṅgāMañ. (Bho.) 7. 7.

अतिविदग्ध (ati-vidagdha) *adj.* [*f.* –ā] **A** excessively burnt, overcooked (हस्तिनाम्) द्वादश मूर्च्छाः संभवन्ति । तद्यथा … अतिविदग्धभोजनात् Hastyāyur. 93. 1 (1. 13); **B** very good connoisseur, very clever प्रत्युत महागम्भीरोऽतिविदग्धः…सपदि(?सयदि) लोकेन जड इति…संभावितः Loc. 44. 14 (*on* 1. 13); परिरभ्यते स तरङ्कैतवतोऽतिविदग्धया प्रियतमः परया HammīMaKā. 5. 61; अतिविदग्धस्य…राज्ञोऽवगतिसंभवेन S'ivārkaMaDī. i. 477. 28 (*on* i. 3. 33); तस्माद्राच्यार्थसाधारण्यमेवोचितमतिविदग्धनायिकानिरूपितानां विशेषणवाक्यार्थानाम् RasGaṅ. 18. 5.

अतिविदग्धता (atividagdha-tā) *f.* extreme cleverness or shrewdness अतिविदग्धतया भ्रमिमारचन्न कुलटाजन आट दृशोः पथम् HammīMaKā. 7. 18.

अतिविदारिता (ati-vidāritā) *adj.* (*f.*) excessively ploughed सीरेण तस्यातिविदारितापि स्याद्भूतधात्री वरदानदात्री BṛParāSm. 5. 193.

अतिविदाहिकाल (atividāhi-kāla) *m.* time of excessive heat (i. e. summer) अतिविदाहिकाले भृशं निषेव्य कटुभोजनानि KalyāKā. 8. 21.

अतिविदाहिन् (ati-vidāhin) *adj.* producing excessive burning sensation सुरसः सुमुखो नातिविदाही गरशोफहा AṣṭāHṛ. i. 6. 107; रक्तं प्रकुप्यत्यन्नेन पटुनातिविदाहिना Mānaso. i. 19. 280.

अतिविदित (ati-vidita) *adj.* very well-known अतिविदितचापलकुलप्रसूत वात, न दयितः स्थिरनायकसमागमार्थिन्याः प्रीतिविलसितानाम् YaśasCam. i. 83. 3.

अतिविदीर्ण (ati-vidīrṇa) *adj.* very dishevelled गम्भीरधीरोऽतिविदीर्णरोमा । रामाप्रियो भारसहोऽतिमिश्रः (समप्रकृतिकः) HāriS. i. 5. 23.

अतिविदुषी (ati-viduṣī) *adj.* (*f.*) cf. **अतिविद्वस्.**

अतिविदूयत् (ati-vidūyat) *adj.* greatly suffering तेनाहं प्रेषितः …। त्वद्रूपश्रवणासक्तचित्तेनातिविदूयता DevīBhāP. v. 23. 39; AdhyāRā. ii. 3. 3.

अतिविदूर (ati-vidūra) *adj.* very distant, far away, very broad अतिविदूरजघनोरु । शपथशतेन भुजाभ्यां केवलमालिङ्गितोऽस्मि तया ĀryāSaS'a. 20; अतिविदूरानेकदेशवासिभिः … अन्योन्यं न प्रवर्तते समुद्राहविधिः CaturCin. iii(1). 381. 14; **अतिविदूरात्** (ati-vidūrāt) [Abl.] from a great distance आगतैरपि पथातिविदूरादध्वगैः …। स्पन्दितुं च पटुभिर्न बभूवे Gaṅgāva. 2. 40; *adv.* (in Cpds) at a great distance अतिविदूरगतोऽपि …। हरिभिरेव न चैष न दृश्यते दशमुखः RāmC. 7. 16; शिलातले नातिविदूरवर्तिनि । उपाविशत् सा NavaSāC. 4. 47.

अतिविदूरकर्मन् (atividūra-karman) *adj.* far away from the (ritual) duties इतरशास्त्रप्रवृत्तिर्यतेरस्ति चेच्छ्वालंकारवत् । चर्मकारवदतिविदूरकर्माचारविद्यादूरः NāraPaU. 5. 1.

अतिविदे (ati-vide) *inf.* to obtain well यद्बंहिष्ठं नातिविदे सुदानू TaiBr. II. viii. 6. 7 (for ṚV. अतिविधे) (Bhaṭṭa Bhāskara भवदनुग्रहं विना … नात्यन्तं लभ्यम्)

अतिविद्ध (áti-viddha) *adj.* [*f.* –ā] **i** pierced through, severely wounded, greatly hurt अतिविद्धा विथुरेणा चिदस्त्रा त्रिः सप्त सानु संहिता गिरीणाम् ṚV. viii. 96. 2; विव्याध लक्ष्यं निपपात तच्च छिद्रेण भूमौ सहसातिविद्धम् MahāBhā. i. 179. 16; सोऽतिविद्धस्तदा भीमो राक्षसेन महाबलः । निषसाद रथोपस्थे MahāBhā. vii. 83. 18; viii. 17. 23; तथातिविद्धा महिषी तु कुब्जया समाहता वागिषुभिर्मुहुर्मुहुः Rāmā. ii. 183* (11); तेनातिविद्धौ तौ वीरौ रुक्मपुङ्खैः सुसंहितैः Rāmā. vi. 67. 33; अतिविद्धो महायोगी मूर्च्छितो हतचेतनः BrahmVaiP. iv. 35. 46; **ii** full of great injury प्रगाढं तुमुलं चित्रमतिविद्धं प्रजापतेः (जित्वा) MahāBhā. iv. 56. 10; *n.* deep laceration, incision or stab विद्धं तु अष्टविधम् ।… किंचित्क्षिःसृतेऽतिविद्धम् AṣṭāSaṁ. ii. 297. 2 (3. 31); *m.* very piercing speed तत्राकृष्टशरासनविप्रमुक्तस्येषोश्चतुर्विधो गतिविकारः प्रादुर्भवति । विद्धस्तुण्डितोऽतिविद्धो निर्विद्ध इति Hastyāyur. 370. 17 (3. 2); 374. 9 (3. 3)

अतिविद्धगात्र (atividdha-gātra) *adj.* whose body is pierced through स रामबाणैरतिविद्धगात्रः Rāmā. vi. 91. 30.

अतिविद्धभेषजी (atividdha-bheṣajī) *f.* [DEBRU. p. 404] remedy or cure for a deep wound or stab पिप्पली क्षिप्तभेषज्यु॒ तातिविद्धभेषजी AV. vi. 109. 1.

अतिविद्धाङ्ग (atividdhāṅga) *adj.* whose body is deeply pierced स शरैरतिविद्धाङ्गो रुधिरेण समुक्षितः Rāmā. vi. 75. 17.

अतिविद्य (ati-vidya) *adj.* who has mastered the Vedic lore वेदपारगोऽतिविद्यः ManvaVi. 1360. 4 (*on* 11. 37)

अतिविद्या (ati-vidyā) *f.* **i** superior or excellent learning अतिविद्यामतिश्रद्धाम्…साधय SkandP. iii(3). 11. 28; PadmP. v. 22. 176; अतिविद्यया खिन्नः पुनर्भारतीं प्रत्यक्षीकृत्याभणत् PrabaK. 55. 6; **ii** extra-ordinary lore अती(?ति)विद्यासु कौशलम् … जायते केन … केशव BhaviP. 662A. 26 (iv. 35. 1)

अतिविद्युत् (ati-vidyut) *adj.* **i** surpassing lightning दिवि ज्योतिर्गणज्योतिस्तीव्रं जज्ञेऽतिविद्युति RāghPāṇ. (Dha.) 7. 8 (comm. विद्युतमतिक्रान्ता अतिविद्युत् तस्याम्); *f.* name of the fifth lunar mansion दिनकरभात् … पञ्चमर्क्षमतिविद्युत् VasiS. 21. 1.

अतिविद्युति (ati-vidyuti) *adj.* which has lost its great lustre दिवि ज्योतिर्गणज्योतिस्तीव्रं जज्ञेऽतिविद्युति RāghPāṇ. (Dha.) 7. 8 (comm. विशिष्टां द्युतिमतिक्रान्तम् अतिविद्युति तेजोहीनमित्यर्थः)

अतिविद्रुत (ati-vidruta) *adj.* **A** very swift आसनविशेषवशातिविद्रुतमितद्रवखुरक्षोभितकुम्भिनीभागम् (बलम्) YaśasCaṁ. i. 465. 1; **B** excessively liquified अतिविद्रुते च तस्मिन् वेधोऽसौ दण्डवेधेन RaseCin. 3. 17 (33. 25)

अतिविद्रुम (ati-vidruma) *adj.* superior to a coral अतिविद्रुमशोभाढ्याः कासन्त्यो यूथिकालताः SkandP. v(1). 5. 19.

अतिविद्वस् (ati-vidvas) *adj.* [*f.* –duṣī] very learned अन्यस्त । विदुषी । अतिविदुषी KātanVṛ. *on* ii. 4. 50; अये, श्रुतं मया चैतन्यानन्दशिष्यः परमविरक्तो भगवद्भक्तोऽतिविद्वान् कश्चिद्दामोदरस्वरूपं नाम CaitCa. 180. 4.

अतिविधा (ati-vidhā-) III. Ā to construct beyond अथ य एकशतविधमतिविधत्तेऽस्मात् सर्वस्माद्धविर्धा निष्पद्यते S'atBr. X. ii. 3. 18.

अतिविधानतस् (atividhāna-tas) *adv.* with great elaboration पूजां नानाविधां राजा चकारातिविधानतः DevīBhāP. iii. 25. 35.

अतिविधाय (ati-vidhāya) *ger.* having performed completely प्रणतिमतिविधायानुज्ञया तस्य शश्वत् … शम्भुपूजां विदध्यात् ĪśānS'iPa. ii. 18. 134.

अतिविधीयमान (ati-vidhīyamāna) *adj.* being closely observed अतिविधीयमानागन्तुकम् (आस्थानमण्डपमास्थाय) YaśasCam. i. 372. 4 (comm. अन्विष्यमाणाः, अवलोक्यमानाः)

अतिविधुर (ati-vidhura) *adj.* [*f.* –ā] very much helpless, extremely afflicted, greatly distressed इयन्तं कालमालम्बनमतिविधुरस्यास्य हृदयस्य SubhaDha. iii. 6. (6); किमिति करोषि हृदयमतिविधुरम् GītGo. ix. 18. 7; विधुरतिविधुरस्तु कृष्णसारे(?रः) परगिरिगह्वरवाहिनीवनीषु । अधिविशति समन्वितः समन्तादयमपि सम्प्रति तारकामृगीभिः VasaViKā. 9. 57; विधुरतिविधुरश्रीर्निस्तरङ्गा च गङ्गा HammīMaKā. 3. 78; अस्तमीयुषि निशाकरे सती रागतोऽतिविधुरा कुमुद्वती । षट्पदं गरलमग्रहीन्मुखे PadyaVe. 494.

अतिविधुरा (ati-vidhurā) *f.* name of one of the sixteen S'aktis belonging to the second of Āvaraṇa Manmathāvyūha व्यूहं मन्मथायाः…द्वितीयावरणं शृणु ।… कपिला चातिविधुरा षोडशैताः प्रकीर्तिताः LiṅgP. ii. 27. 178; VīraMi. (Rājanīti.) 388. 18.

अतिविधे (ati-vídhe) *inf.* to pierce through यद्बंहिष्ठं नातिविधे सुदानू अच्छिद्रं शर्म भुवनस्य गोपा । तेन नो मित्रावरुणावविष्टम् ṚV. v. 62. 9; KauṣīBr. 18. 13 (83. 18)

अतिविध्य (atividh-ya) *ger.* having pierced through दशधा वा एतदतिविध्येमान् क्षरति शतधेमान् सहस्रधेमान् JaimiBr. 2. 10; JaimiUBr. i. 10. 4.

अतिविनता (ativinatā) *f.* name of Kṛṣṇa's friend, a Gopī परमतातिविनता…। इत्याद्या यूथमुख्याश्च यूथे लक्षाभिधे चराः ĀdiP. 11. 27.

अतिविनतानन्दन (ati-vinatānandana) *adj.* surpassing (in speed) the son of Vinatā (i. e. Garuḍa) अतिविनतानन्दनेन स्यन्दनेन … वसुमतीमतीत्य RāmāCam. 2. 47 (1)

अतिविनय (ati-vinaya) *m.* extreme modesty; [Inst.] in an extremely modest way, most humbly अयि वत्स कृतं कृतमतिविनयेन UttaRāC. 6. 12 (10); तेनातिविनयेनास्य … न कश्चित्राकुलीकृतः BṛKathāS'loSaṁ. 18. 13; गङ्गा…कुशलं परिपप्रच्छ भीतातिविनयेन च BrahmVaiP. ii. 11. 29 = DevīBhāP. ix. 13. 29.

अतिविनयप्रह्व (ativinaya-prahva) *adj.* bent down with too much modesty दशमुखः … अतिविनयप्रह्वं विवृतजिह्वमुपह्वरे किमप्यभिधाय सौधादवततार RāmāCam. 6. 29 (8)

अतिविनयभार (ativinaya-bhāra) *m.* burden of excessive modesty विधिः … अतिविनयभारभङ्गुरैः … आयुधैः … आसेव्यमानम् …नारायणमसकृत् प्रणिपतन् … इत्थमस्तावीत् NīlaVi. 54. 9.

अतिविनयम् (ativinayam) *adv.* with great modesty, in an excessively modest way पुत्रेण सोऽतिविनयं गदितोऽन्वशाद्वौ विप्रौ S'aṅkaDigVi. (Mā.) 3. 27.

अतिविनयवामनतनु (ativinayavāmana-tanu) *adj.* whose body is like that of Vāmana (i. e. dwarfish) due to extreme modesty अतिविनय-

वामनतनुर्विलङ्घते गेहदेहलीं न वधूः ĀryāSaS'a. 16 (comm. वामनवत्तनुर्यस्याः)

अतिविनयविनेय (ativinaya-vineya) *m.* student possessing extreme discipline सौगताः कृतास्ते ⋯ अतिविनयविनेयहिंसनेनाद्भुतहतचित्तनिवृत्तिसापराधाः PrabhāC. 70. 12.

अतिविनयान्वित (ativinayānvita) *adj.* possessing great modesty कृतकौलार्चनः ⋯ अतिविनयान्वितः ⋯ इदमर्थयेत् MahNirvāT. 10. 185.

अतिविनयिन् (ati-vinayin) *adj.* possessing great modesty अतिविनयी सोमात्मजोऽपि स्मृतः DaivaVa. 13. 12.

अतिविनिन्दित (ati-vinindita) *adj.* very much censured, extremely despised अप्रसिद्धकरणानि नो मया दर्शितान्यतिविनिन्दितानि च AnaṅgaRa. 10. 30.

अतिविनिन्द्य (ati-vinindya) *adj.* extremely censurable or despicable विषयमतिविनिन्द्यं सृष्टिसंहाररूपमपनय तव भक्तिं देहि पादारविन्दे BrahmVaiP. iv. 6. 22.

अतिविनिमय (ati-vinimaya) *m.* excessive (i. e. improper) exchange प्रथममधरे कृत्वाश्लेषं व्रणं विदधे वधूरतिविनिमयः प्रीतेनायं कुतोऽप्यनुशय्यते । स्वयमिति भयात् सत्यंकारं प्रदातुमिवोद्यता RāghPāṇ.(Dha.) 17. 69.

अतिविनिर्लिप्तयोगिन् (ativinirlipta-yogin) *m.* ascetic extremely unattached (i. e. indifferent to worldly objects) हिमालय उवाच । नेच्छाम्यतिविनिर्लिप्तयोगिने त्वां सुतामहम् (दातुम्) S'ivaP. ii(3). 33. 25 (162B. 2)

अतिविनीत (ati-vinīta) *adj.* [*f.* -ā] extremely modest अतिविनीतैः ⋯ उपास्यमानम् ⋯ दिवाकरमित्रमद्राक्षीत् HarṣaC. 316. 13; रामम् ⋯दृष्ट्वा ⋯सीतया शोभितं पार्श्वे वर्तिन्यातिविनीतया PadmP.(Ra.) 33. 70; अतिविनीतानामियं स्थितिः PrabhāC. 11. 11.

अतिविनीतता (ativinīta-tā) *f.* the state of being very modest, great modesty स्वयमेवेयमतिविनीततया ⋯ कुमारमाराधयिष्यति Kād. 101. 22.

अतिविनीतत्व (ativinīta-tva) *n.* the state of being very modest, great modesty अभूच्चातिविनीतत्वादावलिस्तेऽतिवल्लभः TriṣaS'aPuC. ii. 5. 22.

अतिविनीतवृत्ति (ativinīta-vṛtti) *adj.* of very modest behaviour अभ्यस्त एष बहुशोऽतिविनीतवृत्तिः AdbhuDa. 3. 13.

अतिविपक्व (ati-vipakva) *adj.* very ripe, fully ripe अतिविपक्वमुद्राढकी। कलायगतिपातितात्मसुषिरानुधारान्वितान्यमूनि ⋯ उदितलक्ष्मनेत्राण्यलम् KalyāKā. 8. 50.

अतिविपदाम्बुधि (ativipadāmbudhi) *m.* ocean in the form of great calamity अतिविपदाम्बुधिमग्नजनम् ⋯ जय यमुने ⋯ पावय माम् YamunāA. 4.

अतिविपरीत (ati-viparīta) *adj.* very strange, quite opposite (मरौ) संदृश्यतेऽतिविपरीतमिदं हि तत्र कूपोऽस्ति तत्र च जलं यदयत्नलभ्यम् Subhāṣi. 940.

अतिविपरीतक (ativiparīta-ka) *adj.* very strange, quite opposite एष मे व्यवसायश्च दीर्घोऽतिविपरीतकः MatsyaP. 154. 371.

अतिविपर्यय (ati-viparyaya) *m.* great contradiction or absurdity हा तस्याः पितृशापेन दर्शितोऽतिविपर्ययः KathāSaSāg. ix. 2. 355.

अतिविपिन (ati-vipina) *adj.* **1** having too many forests (extremely impenetrable) अमुमतिविपिनं वेद दिग्व्यापिनं पुरुषमिव परं पद्मयोनिः परम् Kirātā. 5. 18; **2** extremely profound (Puruṣa), Kirātā. 5. 18; *n.* very large forest किमतिविपिनमन्तरे नदी वा तव गिरिदुर्गमुतास्ति योषितो वा RāghPāṇ. (Dha.) 15. 29.

अतिविपुल (ati-vipula) *adj.* [*f.* -ā] **A** very large, very extensive, very vast or wide (उदरम्) अतिविपुलमनायुषे KāśyaS. 48A. 8; अतिविपुलविशदोदारम् ⋯ कुसुमाकराराममव्रजम् TilaMañ. 303. 4; अतिविपुलोत्तुङ्गघनसालम् । सर्वं हि दुर्गजालम् MayaMa. 10. 39; यस्योरुस्थलमतिविपुलं स प्रयोक्तेति केचित् JayaMa. 102. 8 (*on* 2. 2); निषादनिशठो धृतचापबाणः । क्रीडन् वनेऽतिविपुले DevīBhāP. iii. 11. 23; वियदतिविपुलः पत्रकोशावकाशः । यस्यैतन्नाभिपद्मं भुवनमिति स वः शर्म देवो ददातु SubhāRaK. 6. 43; भवति युवतीनाम् । रसिकहृदयधनतस्करमतिविपुलोत्तुङ्गकुचयुगलम् RatiRaha. 15. 102; अतिविपुलं कुचयुगलं रहसि करैरामृशन् लक्ष्म्याः । जयति हरिः SūktiMu. 1. 30 = S'ārṅgaP. 76 = PadyaVe. 31; अतिविपुला बाला च वृद्धा सती ⋯ वर्ज्या शिला TantrSa. 1. 132; अतिविपुलप्राकारगोपुरादिकम् ⋯निर्मिमाणम् ⋯स्वप्नदृग्गात्मानमीक्षते S'ivārkaMaDi. ii. 232. 33 (*on* iii. 2. 6); दृष्ट्वातिविपुलं सार्धं तं (बालं) च कूपात् समुद्धृतम् KathāKau. 10. 56; अत्रिं नत्वाथ गत्वा वनमतिविपुलां दण्डकाम् Nārāy. ix. 34. 6; पादाभ्यामतिविपुलो नितम्ब एषः प्रोद्वोढुं कथमपि शक्यते मृगाक्ष्याः Hāsyārṇa. 2. 15; **B** very much abundant, very plentiful स्वाधीनामतिविपुलां यदि संपदमीहसे सुतनु KuṭṭaMa. 59; येऽभूवन् विमुखाः स्वकुक्षिभरणे तेषामकस्मादहो यच्च श्रीरिह दृश्यतेऽतिविपुला तत्कर्मलीलायितम् VairāS'.(Pa.) 34; तिरुवेङ्कटभूपतिः ⋯ अतिविपुलवलजपरंपरोपलक्षितम् ⋯ नारायणपुरं प्रविश्य ĀnandRa. 2. 49 (13); **C** excessively much (abstract things) तपस्तप्त्वातिविपुलं रामः S'ivaP. v. 3. 54 (409B. 1); सत्याधीशे भास्वति ⋯ अतिविपुलं त्वीतिभयम् VasiS. 11. 25; अतिविपुलं क्लेशमर्थहानिश्च ⋯स्यात् VasiS. 44. 2; प्रारंभतोऽतिविपुलम् ⋯ भयदं खलप्रेम Subhāṣi. 423; 60; (राजा) तद्रक्षासावधानः सुखमतिविपुलं रोपयंस्तस्य नित्यम् VīraBhā. 6. 35.

अतिविपुलकपोल (ativipula-kapola) *m.* excessively large temple (of an elephant) (मधुकरमण्डलम्) अतिविपुलकपोलदानपङ्कप्रभवतरोरुहिणीदलानुकारम् VikraDeC. 6. 40.

अतिविपुलकर (ativipula-kara) *adj.* causing abundance, giving in plenty शीतदीधितेस्तनयः । अतिविपुलकरोत्यर्थं घ्नन् देहभृतां सप्तधातुविकलकरः VasiS. 5. 5.

अतिविपुलकलङ्क (ativipula-kalaṅka) *adj.* having a very large stain अतिविपुलकलङ्कं मण्डलं प्राप्य चन्द्रस्तुलयितुमलमस्या नैव वक्त्रारविन्दम् RāghPāṇ.(Ka.) 5. 18.

अतिविपुलकारुण्य (ativipula-kāruṇya) *adj.* of very exuberant compassion सर्वथा नमोऽस्त्वस्मै ⋯ अतिविपुलकारुण्याय JātaMā. 5. 23.

अतिविपुलजघनदेशा (ativipula-jaghanadeśā) *adj.* (*f.*) possessing a very expansive waist-region or hips अतिविपुलजघनदेशा विध्वस्तशरीरशोभा च KuṭṭaMa. 266.

अतिविपुलतर (ativipula-tara) *adj.* much more vast or extensive क्षितिरतिविपुलतरे तव तिष्ठति पृष्ठे GitGo. i. 1. 2; अतिविपुलतरेभ्योऽथ पूर्वागमेभ्यः S'ilpaRa. i. 1. 7.

अतिविपुलता (ativipula-tā) *f.* the state of being excessively large अत्राङ्गानामतिविपुलतया परितोषाभानं व्याहन्यते Kāvyānu.(He.) 326. 16; **ii** the state of being very plentiful अतिविपुलतया शिलीमुखानां तितउरिवाजनि तस्य विग्रहश्च PrabhāC. 68. 1.

अतिविपुलशाख (ativipula-śākha) *adj.* having numerous branches तरुणमिव द्रुममतिविपुलशाखास्तरवोऽभिभूय ⋯ उत्तिष्ठन्ते CaraS. iv. 5. 10

अतिविपुलावकाश (ativipulāvakāśa) *adj.* having vast space अतिविपुलावकाशोदरस्य ⋯ जिनवेश्मनः कोणैकदेशे निषण्णम् ⋯ आत्मानमपश्यम् TilaMañ. 264. 22.

अतिविपुलोत्थ (ativipulottha) *adj.* growing in great abundance अतिविपुलोत्थगहनसालम् ⋯ दुर्गजातम् S'ilpaRa. i. 5. 17.

अतिविपुष्पित (ati-vipuṣpita) *adj.* fully blossomed, completely opened (flower) (मणयः) अन्ये पुनर्नातिविपुष्पितानाम् । तुल्यत्विषः कोकनदोदराणाम् YuktiKa. 87. 20.

अतिविप्रकर्ष (ati-viprakarṣa) *m.* excessive remoteness, great distance (i. e. beyond the range of) सतां भावानामनुपलब्धिर्भवति । ⋯ अतिविप्रकर्षात् MahāBh. ii. 197. 9 (*on* iv. 1. 3); अतिविप्रकर्षात् ⋯ प्रत्यक्षानुपलब्धिः CaraS. i. 11. 8 (1941 Ed.); (तारकाचक्रम्) अतिविप्रकर्षात् रविकिरणप्रतिहतचक्षुर्भिर्न दृश्यते MahāviC. 7. 21 (4) (201. 1); PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. iv. 1. 3; अतिविप्रकर्षेणाक्षसंनिकर्षापकर्षेण परोक्षतापातात् PrakaVi. 9. 3; इति शब्दाप्रयोगोऽतिविप्रकर्षात् S'rutaPra. ii. 102. 25 (*on* i. 4. 1); अर्थक्रियाकारित्वमस्य अर्थतोऽतिविप्रकर्षाभावात् दैवागतमेव MānaMe. 19. 1; **अतिविप्रकर्षेण** (ati-viprakarṣeṇa) [Inst.] extremely, exceedingly दूरेण अतिविप्रकर्षेण अत्यन्तमेव हि अवरं कर्म फलार्थिना क्रियमाणम् GitāBh.(S'aṅ.) 56. 3 (*on* 2. 49)

अतिविप्रकीर्ण (ati-viprakīrṇa) *adj.* very much scattered (i. e. written in different places and at different times) (तन्त्राणि तेनिरे) तेभ्योऽतिविप्रकीर्णेभ्यः प्रायः सारतरोच्चयः । क्रियतेऽष्टाङ्गहृदयम् AṣṭāHṛ. i. 1. 4.

अतिविप्रकृष्ट (ati-viprakṛṣṭa) *adj.* **i** too remote, too distant योगज्ञः ⋯ इषुमस्यन् अतिविप्रकृष्टे महति काये नापराधवान् भवति CaraS. i. 10. 5; अतिश्लिष्टातिविप्रकृष्ट° ⋯ °रूपदर्शनं मिथ्यायोगः CaraS. i. 11. 37; (चन्द्रापीडः) सुवर्णपुरम् ⋯ नातिविप्रकृष्टं पूर्वजलनिधेर्जित्वा जग्राह Kād. 119. 13; अतिविप्रकृष्टविषयसंनिकर्षासंभवादक्षाणाम् NyāyMa. 59. 7; **ii** very different डिण्डिनो हि नामैते नातिविप्रकृष्टा वानरेभ्यः PādaTā. 21. 24; **iii** too much drawn or pulled (पुरुषस्य) दूरममार्गणस्याप्यतिविप्रकृष्टविवृतविसर्जितस्योद्वेगं व्रजतः ⋯ प्रायश्चित्तम् HarṣaC. 297. 16; **iv** greatly inferior, HarṣaC. 297. 16 (comm. प्राकृतैः)

अतिविप्रकृष्टदेश (ativiprakṛṣṭa-deśa) *adj.* belonging to a very distant or remote place बुद्धधर्मेष्वतिविप्रकृष्टदेशकालेषु अर्थेषु चानन्तप्रभेदेषु भवत्येवाक्लिष्टमज्ञानम् AbhidhKoBh. 1. 13 (*on* 1. 1); तेऽपि यद्यतिविप्रकृष्टदेशाधारत्वात् अतिविप्रकृष्टदेशा भवन्ति तेष्वपि तेषामज्ञानम् Sphuṭā. i. 5. 17 (*on* 1. 1)

अतिविप्रकृष्टान्तर (ativiprakṛṣṭāntara) *adj.* having very great distance in between (the houses) अतिविप्रकृष्टान्तरैश्च ⋯अटवीकुटुम्बिनां गृहैरुपेतम्

(वनग्रामम्) HarṣaC. 306. 6.

अतिविप्रधर्ष (ati-vipradharṣa) *m.* very severe insult, excessive harassment or annoyance क्रोधादमर्षादतिविप्रधर्षाद्भ्रातुर्वधो मेऽनुमतः पुरस्तात् Rāmā. iv. App. 1. 14 (21)

अतिविप्रयुक्त (ati-viprayukta) *adj.* having a very long interval or gap गते च काले ह्यतिविप्रयुक्ते दैवे वर्षे संख्यया वै सहस्रे BrahmP. 110. 35.

अतिविप्लुत (ati-vipluta) *adj.* most vicious पुत्रे भुवनराजाख्ये राज्य-लुब्धेऽतिविप्लुते RājTa.(Ka.) 7. 252.

अतिविफल (ati-viphala) *adj.* very much fruitless, completely ineffective मामतिविफलरुषा विकलीकृतमवलोकितुमधुनेदम् । लज्जितमिव नयनं तव विरमति GītGo. xii. 23. 7.

अतिविभक्त (ati-vibhakta) *adj.* quite distinct, completely different (जातिगुणक्रियादीनाम्) तेषामतिविभक्तरूपग्रहणात् NyāyMañ. i. 351. 8.

अतिविभा (ati-vibhā) II. P. to shine exceedingly, to be very bright (सः) अतिविबभौ हुतमुग्यथाज्यसिक्तः MahāBhā. vii. 36. 36.

अतिविभिन्न (ati-vibhinna) *adj.* **i** completely wounded or pierced स शरैरतिविद्धाङ्गो (v. l. °तिविभिन्नाङ्गो) द्विविदः ··· निजवानाशनिप्रभम् Rāmā. vi. 33. 31; **ii** very loose, extremely liquid शीघ्रं सृजत्यतिविभिन्नपुरीषम् KalyāKā. 9. 85.

अतिविभीषण (ati-vibhīṣaṇa) *adj.* [*f.* -ā] extremely terrifying, greatly frightening अतिविभीषणं च शब्दं श्रुत्वा कर्णौ पिधाय GiMS. iii(1). 96. 4; (कृष्णः) हृदं कालियनागस्य ददर्शातिविभीषणम् ViṣṇuP. v. 7. 3 = BrahmP. 185. 3; (अन्ये स्त्रियौ) तत्रैवातिविभीषणे । ऊचतुः PadmP. ii. 93. 31.

अतिविभूति (ati-vibhūti) *m.* name of a king (अभवत्) खनिनेत्रः । ततश्चातिविभूतिः ViṣṇuP. iv. 1. 28.

अतिविभ्रम (ati-vibhrama) *m.* great confusion or lack of understanding स्तुतिवाक्यक्रमश्चैष जनानां मतिविभ्रमः (v. l. जनानामतिविभ्रमः) S'lokaVār. 19. 63 (655. 5); अहं बिभेमि ···। तान्वानरान्सखीनेता वदन्त्येवातिविभ्रमात् ĀdiP. 22. 80.

अतिविभ्रष्टतपस् (ativibhraṣṭa-tapas) *adj.* who has completely fallen from penance or austerities (ऋतध्वजपुत्राः) अतिविभ्रष्टतपसो जग्मू राज्यं च पैतृकम् VāmaP. 72. 33.

अतिविमनस् (ati-vimanas) *adj.* quite dejected or downcast ततोऽतिविमनाः सोमः पुनस्तेपे तपः SkandP. ii(3). 7. 23.

अतिविमन्थ्यमान (ati-vimanthyamāna) *adj.* being excessively churned वेगेन तेनातिविमन्थ्यमानं दिग्वारणेनेव यथेच्छमम्भः Rāvaṇā. 10. 4.

अतिविमर्द (ati-vimarda) *m.* great conflict or fight संप्राप्तोऽतिविमर्दोऽयं देवानां दानवैः सह MatsyaP. 148. 63 = SkandP. 1(2). 16. 36; also *fig.* इत्यलमतिविमर्देन SphoṭaSi. 258. 3.

अतिविमर्दन (ati-vimardana) *n.* excessive rubbing, forceful massage संस्वेदनेनातिविमर्दनेन सौख्यं समागच्छति वातलो नरः HārīS. i. 5. 18.

अतिविमल (ati-vimala) *adj.* [*f.* -ā] **i** pure, bright, transparent, serene, lustrous (without dirt, spot or stain) शरदि ··· अतिविमलाः क्रौञ्चमालाकुला दिशः (भवन्ति) AṣṭāSam̐. i. 17. 15 (1. 4); पश्याधुनातिविमलापि गुहस्य वक्त्रच्छाया गणाधिप मलीमसतां बिभर्ति HarVi. 11. 27; यदतिविमलनीलवेश्मरश्मिभ्रमरितभाः शुचिसौधवस्त्रवल्लिः NaiṣC. 2. 103; माणिक्यं तरणेस्तथातिविमलं मुक्ताफलं शीतगोः S'ārṅgaPa. 1418; अतिविमले ···। सौधे ··· कान्तः प्रियाभिः समम् ··· नयेत दिवसान् S'ṛṅgāMañ. 2. 86; तिष्ठन् जलेऽतिविमले ···। निष्कारणं मरणमेति षडीक्षणोऽत्र SubhāRaSam̐. 84; (ब्रह्मा) ईशम्···अस्तौषीत्···अतिविमलैरानन्दबाष्पैर्वृतः AdhyāRā. i. 2. 7; अतिविमलमलयशीतमम्भः ··· इत्यजनि जनेषु परंपरा शुभानाम् S'ivLī. 7. 86; (पारदः) वासारसे मर्दितो हि शुद्धोऽतिविमलो भवेत् RasPraSu. 5. 81; अतिविमले जाते प्रभाते (जानकी)···कान्तमियाय PadmP. (Ra.) 95. 4; फालतले तवातिविमले ··· करोमि तिलकम् DevīCatuSt. 21; S'iva-KePāSt. 7; अतिविमले पदकमले मनोमीन संततं मज्ज PadyāTa. 286; TilaMañ. 229. 8; हृणबलमतिविमलशिततरनानाप्रहरणम् ··· सरभसमादिष्टम् ··· निशाम्य ĀnandRa. 7. 28 (7); **ii** extremely white भगवान्पितामहः ··· अतिविमलदीर्घैर्मार्विकृतयुगारम्भसूत्रपातमिव दिक्षु पातयन् दशनकिरणैः HarṣaC. 18. 12; **iii** noble, virtuous, meritorious, of good repute (without fault, defect or sin) प्रायश ईदृशी हि महतां गतिरतिविमला RāghPāṇ.(Dha.) 8. 16; मतिरिव चेष्टा चेष्टेव कीर्तिरतिविमला KāvyPra. 580. 4; एतत्स्थानं दृष्ट्वा मनो मेऽतिविमलं भवति Sim̐hāDvā. 49. 0 (22); मित्रामित्रसमानतातिविमला चिन्ताथ शून्यालये ··· योगी सुखं तिष्ठति S'atTrayī. 234; (राजा) अतिविमलैर्गुणोत्कैश्चन्द्रमा इव TriṣaS'aPuC. ii. 1. 25; हंसावल्यातिविमलः शुशुभे कमलाकरः KathāSaSāg. xii. 4. 258; आयुष्यं वीतरोगं कुलमतिविमलम् GaṇeP. i. 46. 214; i. 76. 33; कुलेऽतिविमले हैहयानाम् ···। वीतिहोत्राः स्वयं जाताः BallāC. 55. 6; वधूभिः सममतिविमलो नायकः स्याद्वसन्ते S'ṛṅgāDī. 1. 68; 3. 41; TilaMañ. 229. 8; *n.* name of a holy place अतिविमलं नाम (तीर्थम्) नरनारायणाश्रमम् SkandP. ii(3). 7. 56.

अतिविमलकीर्ति (ativimala-kīrti) *adj.* possessed of very bright fame समुत्पन्नस्तस्मादतिविमलकीर्तिर्द्विजवरः YuktiSneha. 1. 26 (*on* i. 1. 1)

अतिविमलतर (ativimala-tara) *adj.* **A** extremely refined (ब्रह्म) जीवत्वं यात्यकस्मादतिविमलतरे बिम्बितं बुद्धुपाधौ S'atS'lo. 50; **B** very clean पिष्टैर्निम्बस्य पत्रैरतिविमलतरैः ··· अन्तर्गर्भे दधाना ··· पटुतरगुटिका ··· चक्षुष्कोपोपशान्तिम् ··· करोति SiddhYo. 61. 42.

अतिविमलता (ativimala-tā) *f.* extreme transparency or clarity (सरः) अतिविमलतया चक्षुषः प्रीतिमुपजनयति Kād. 124. 13.

अतिविमलत्व (ativimala-tva) *n.* extreme purity सौन्दर्यनिर्जितरतिद्विजराजकान्तिकान्तामिहातिविमलत्वमहागुणेन CaurPañ. 29.

अतिविमलधी (ativimala-dhī) *adj.* of a very clear intelligence सेवन्ते त्वां धनान्धा मतिमलहतये (v. l. अतिविमलधियो) मामपि श्रोतुकामाः S'atTrayī. 166; कान्तां तां शङ्खिनीमित्यतिविमलधियः संस्तुवन्ति S'ṛṅgāDī. 2. 14.

अतिविमलभोग (ativimala-bhoga) *adj.* full of extremely pure enjoyment गमिष्यध्वं लोकानतिविमलभोगानतितराम् PadmP. i. 62. 26.

अतिविमलमति (ativimala-mati) *adj.* (*f.*) whose mind is extremely pure माता श्रीलक्ष्मणस्याप्यतिविमलमतिः प्राप भर्तुः समीपम् AdhyāRā. vii. 7. 84.

अतिविमलवमथु (ativimala-vamathu) *m.* extremely clear water ejected (from an elephant's trunk) अतिविमलवमथुसमुदय° ··· °पथमिभवदनमभजत YātrāPra. 1. 51 (3)

अतिविमलोदक (ativimalodaka) *n.* consisting of extremely clear water राजा ··· अतिविमलोदकं सरोवरं दृष्ट्वा तत्रोदकपानं विधायोपविष्टः Sim̐hāDvā. 153. 0 (7); 160. 4 (5)

अतिविमान (ati-vimāna) *adj.* surpassing the aerial car (of the gods) नलः प्रियामनयदतिविमानं गेहम् Nalo. 2. 47.

अतिविमानित (ati-vimānita) *adj.* [*f.* -ā] who is extremely dishonoured विप्रलब्धोक्तसमयमप्राप्तेऽतिविमानिता DaśRū. 2. 26; तै रावणादिभिः सर्वैः कोपादतिविमानितः (अहम्) RāmāMañ. 303. 24.

अतिविमुग्धता (ativimugdha-tā) *f.* absolute naivety अतिविचक्षणतातिविमुग्धतासुखविबोध्यमिदं यदि वा द्वयम् HammīMaKā. 7. 92.

अतिविमूढधी (ativimūḍha-dhī) *adj.* with an extremely confused mind अपरीक्ष्य च यः शिष्यं प्रशास्त्यतिविमूढधीः । स एव नरकं याति YogVā. iv. 39. 26.

अतिविमूढात्मन् (ativimūḍhātman) *adj.* of an extremely confused nature तत्राप्यतिविमूढात्मा किं भोगानभिधावति AgniP. 200. 14.

अतिविमोह (ati-vimoha) *m.* intense swoon उष्मातिशोषातिविमोहदाहधूमायनारोचकरोषतापाः (प्रभवंति रोगाः) KalyāKā. 3. 65.

अतिविमोहकर (ativimoha-kara) *adj.* causing great confusion बुद्धावतारमधिगम्य कलावलक्षैर्वेषैर्मतैरतिविमोहकरं प्रलोभम् SātvaT. 2. 64.

अतिवियात (ati-viyāta) *adj.* very impudent (*lit.* gone away from the path) पीठमर्दोऽतिवियाते नाट्योक्त्या नायकप्रिये AnekāSam̐. 4. 143 (v. l. अतिधृष्टे स्यात्)

अतिवियोग (ati-viyoga) *m.* complete separation आयुपुत्रः सुधर्मात्मा बाल्यान्मात्रा वियोजितः । अस्यैवातिवियोगेन आयुभार्या प्ररोदिति PadmP. ii. 108. 4.

अतिविरक्त (ati-virakta) *adj.* extremely dejected or disinterested यत्र गतस्तत्रातिविरक्तः सुतरां गन्तुकामः किं दास्यति JayaMa. 336. 13 (*on* 6. 4); मानसेऽतिविरक्तेऽपि मेने तत्प्रश्रयाच्च सः । उदुवाह शुभे लग्ने PrabhāC. 3. 16.

अतिविरक्ति (ati-virakti) *f.* intense dejection यदि न कर्मिणः पितृप्राप्तिस्तदा नातिविरक्तिः स्यात् अतः सा साधनीया TattvPrakā. 147A. 8 (*on* iii. 1. 28); भगो वराङ्गैश्वर्यप्रयत्नातिविरक्तिषु स्यात् KośaKaTa. 2. 4020.

अतिविरञ्च्यवरम् (ati-virañcyavaram) *adv.* surpassing the excellent world of the creator निश्चलया दृशा निपुणमीक्षमाणः पदश्रेणिम् ··· वननिकुञ्जेष्वतिविरञ्च्यवरमुपलब्धपर्यन्तश्च ··· शिथिलीभूतसर्वाङ्गसंधिः सविधवर्तिनस्तरोरेकस्य मूले निरवलम्बमात्मानममुञ्चम् TilaMañ. 254. 7.

अतिविरञ्ज् (ati-virañj-) IV. Ā. to be absolutely disinterested यदि सिद्धदेहप्रवेशाथैव भवेन्न तर्ह्यतिविरज्येतातस्तत्प्रतिषेद्धव्यम् TattvPrakā. 147B. 6 (*on* iii. 1. 29)

अतिविरत (ati-virata) *adj.* very closely attached अतिविरतचिरप्ररूढमिथ्याग्रहसमयैरिव विप्रलब्धचेताः । ··· तमःप्रवेशमाधाम् PrabhāC. 73. 31.

अतिविरलप्रचार (ativirala-pracāra) *adj.* having very little prevalence or usage कथय कुतस्तवेदृशस्यास्य विद्याधरलोकेऽप्यतिविरलप्रचारस्य सकलखेचरचमत्कारकारिणो नाट्यवेदस्याधिगतिः TilaMañ. 270. 10.

अतिविरस (ati-virasa) *adj.* absolutely tasteless or insipid, without delight किं तु श्रुतमस्माभिर्यदुनातिविरसे काव्यकष्टेऽभिनिविष्टोऽसि BālBhā. i. 19 (1); अतिविरसमसारम् ··· तन्त्रमेतद्वदन्ति Kiraṇā. 3. 3 (Vardhamāna रसाः शृंगारादयः ते अतिशयेन विगताः यस्मात् तत्; रसविगममतिक्रान्तम् । रसो मोक्षेच्छा); पुरातनास्तमतिविरसं नीचं बन्धं वदन्ति मनीषिणः S'ṛṅgāDī. 3. 37.

अतिविरसवचस् (ativirasa-vacas) *n.* **A** highly insipid word अतिविरसवचोभिः प्राप्तपङ्काभिषेकाः कुकवय इव भेकाः खेदयन्ति स्म लोकान् HariVi. 3. 61; **B** extremely harsh noise, HariVi. 3. 61.

अतिविरह (ati-viraha) *m.* long separation तत्रातिविरहक्लान्तो भार्यां मदनमञ्जुकाम् । तामपश्यन्स तृषितो वारिधारामिवाध्वगः KathāSaSāg. xiv. 1. 47; कान्त किं नु मकरीव वारिणः सा तवातिविरहं सहिष्यते Rāṣtrau. 14. 55; अतिविरहदवाग्नेः प्राणदानं विधेहि GopāKeCan. 100. 21.

अतिविरहासहता (ativirahāsaha-tā) *f.* unbearableness of long separation अथ रथचरणौ विलोक्य रक्तावतिविरहासहताहताविवास्यैः । अपि तमकृत पद्मसुप्तिकालं श्वसनविकीर्णसरोजसौरभं सा NaiṣC. 21. 144.

अतिविरागा (ati-virāgā) *adj.* (*f.*) completely indifferent सती···संतुष्टा साभवच्चातिविरागा समजायत S'ivaP. ii(2). 23. 1 (96B. 13)

अतिविराजिन् (ati-virājin) *adj.* quite splendid [nt]

अतिविरिक्त (ati-virikta) *adj.* excessively purged कृशं चातिविरिक्तं मण्डादिभिरुपक्रमेत् KāśyaS. 181B. 36; मद्यसंयुक्तास्तर्पणाः ···। देयाश्चातिविरिक्ताय BhelaS. 220. 16 (6. 30); 244. 10 (8. 1); मूर्च्छागुदभ्रंशकफातियोगाः शूलोद्गमश्चातिविरिक्तलिङ्गम् SiddhYo. 74. 19.

अतिविरिक्तशिरस् (ativirikta-śiras) *adj.* whose head is cleansed very much अतिविरिक्तशिरसः शिरोविरोचनैरेवं नस्यकर्म विगर्हितं भवति Hastyāyur 619. 29 (4. 7); 620. 8 (4. 7)

अतिविरिच् (ativi-ric-) x. P. to cleanse excessively मधुतैलसमायुक्तैः शिरांस्यतिविरेचयेत् SuśruS. vi. 26. 42.

अतिविरिच्यमान (ati-viricyamāna) *adj.* being excessively purged कफज्वरारुचि°···°शूलाटोपातिविरिच्यमानगरितविषपीताद्या वमनसाध्या इति KāśyaS. 165B. 9.

अतिविरुद्ध (ati-viruddha) *adj.* extremely opposite or contradictory एतयोर्देहमनसोर्जात्यैवातिविरुद्धयोः ··· कः सुखागमः YogVā. v. 53. 60; कृशं त्वतिविरुद्धैर्बृंहयेत् AṣṭāSaṁ. ii. 85. 18 (4. 14); त्वम् ···अतिविरुद्धमभिधत्से YaśasCam. ii. 346. 20; सैन्यसहितस्य च परमण्डले गमनमतिविरुद्धम् TilaMañ. 321. 8; पंचरात्रनिषेधार्थमेतान्याचक्षते यदि । सूत्राण्यतिविरुद्धं तत् AnuVyā. 33A. 10 (*on* 2. 2); अतो नातिविरुद्धस्तदपहारिणो भेदेन विभागः DaṇḍaVi. 122. 14; ऋतुपतिः शिशिरेण समस्तरोऽप्यतिविरुद्धकरो न हितः स्थितः RājTa.(Jo.) 1316.

अतिविरुद्धत्व (ativiruddha-tva) *n.* the state of being extremely contradictory साधारणमेव प्रमेयं वेदवादस्यातिविरुद्धत्वादपाकर्तुमनुवदति NyāySu. (Ja.) 417A. 7 (*on* ii. 2. 11)

अतिविरुद्धफल (ativiruddha-phala) *adj.* yielding quite an opposite result (शुक्रसुताः) तीव्रफला अतिविरुद्धफलाः AdbhuSā. 157. 15.

अतिविरुध् (ati-virudh-) VII. Ā. (*pass.*) to be very much opposed सालोक्यादिस्तथाप्यत्र भक्त्या नातिविरुध्यते BhaktiRaSi. i. 2. 14.

अतिविरूक्षण (ati-virūkṣaṇa) *n.* excessive attenuation बृंहणं चातिगुल्मेषु भृशं चातिविरूक्षणम् ··· न प्रशस्यते KāśyaS. 113B. 13.

अतिविरूढमति (ativirūḍha-mati) *f.* highly developed mind कावतिविरूढमतिविशेषितालापशालिनौ युवाम् UdaySuKa. 16. 19.

अतिविरूढज (ativirūḍha-ja) *adj.* prepared from very well-grown (grains) अतिविरूढजान्नविरूढवल्लूरकशुष्कशाकैः । वायुः प्रवृद्धो जनयेद्धि शूलम् BhāvPra.(Bhā.) 8(30). 3.

अतिविरूप (ati-virūpa) *adj.* quite deformed, very ugly सोऽतिविरूपदेहः शशानुगामी खलु दुर्भगश्च BṛSaṁ. 69. 39; अतिविरूपम् ··· कुजभवने भृगुदृष्टो जनयति रविजः Sārā. 29. 30; रेफश्चिनोति कुरुतेऽतिविरूपवेषं किं वा हृषीकवशतस्तनुते न मर्त्यः SubhāRaSaṁ. 96.

अतिविरूपफल (ativirūpa-phala) *adj.* producing very ugly results हस्तिनीं च गजलक्षणयुक्ताम् । गर्भिणीं च नृपतिः परदेशं प्रापयेदतिविरूपफलास्ते (गजाः) BṛSaṁ. 67. 10.

अतिविरेक (ati-vireka) *m.* excessive purgation अतिविरेकात्तु केवलं दोषरहितमुदकं रक्तं वा प्रवर्तते AṣṭāSaṁ. i. 142. 20 (1. 27); अतिविरेकात् ··· दृष्टिदौर्बल्यानि AṣṭāSaṁ. i. 165. 14 (1. 32)

अतिविरेचन (ati-virecana) *n.* excessive purgation धात्रीफलं चातिविरेचनार्ते BhojanKu. 210. 2.

अतिविरोध (ati-virodha) *m.* extreme opposition अतिविरोधो न क्षेम इति संचिन्त्य ··· नारायणमाह्वाक्रूरः ViṣṇuP. iv. 13. 140; विशेषस्य सत्त्वेन तत्रातिविरोधदार्ढ्यमेव BālamBha. ii. 252. 27 (*on* 2. 143)

अतिविरोधित्व (ativirodhi-tva) *n.* the state of being very much opposed तेषु सांख्यचार्वाकसमयस्यैवातिविरोधित्वम् TattvPrakā. 94A. 8 (*on* ii. 2. 1)

अतिविरोधिन् (ati-virodhin) *adj.* [*f.* -ī] quite adverse कृतनाशाकृतप्राप्तिरासक्तातिविरोधिनी TattvSaṁ. 479; विराधिताम्बा किं यन्मय्यपि(v. l. °ति) विरोधिनी PrabhāC. 19. 23; अवैदिकानामतिविरोधिनां निराकरणं प्रथमप्राप्तम् TattvPrakā. 100A. 8 (*on* ii. 2. 18)

अतिविलक्ष (ati-vilakṣa) *adj.* [*f.* -ā] greatly embarassed, extremely vexed मया···न रुद्धो निर्गच्छन्नयमतिविलक्षः प्रियतमः SubhāRaK. 21. 22; SaduktiKa. 95. 15; अतिविलक्षा देवी ViddhaSā. 3. 5 (46)

अतिविलक्षण (ati-vilakṣaṇa) *adj.* [*f.* -ā] very strange or wonderful, quite different अतिविलक्षणा ··· यत्र लेखा प्रदृश्यते । तदक्षमुत्तमं विद्यात् DeviBhāP. xi. 7. 14; केचिदर्थेन सदृशाः केचिच्चातिविलक्षणाः YogVā. ii. 3. 20; देही देहादिभ्योऽतिविलक्षणः NyāyKu. 191. 9; सुतनोर्लक्ष्मीरस्मिन्क्षणेऽतिविलक्षणा S'ṛṅgāMañ.(A.) 24. 11.

अतिविलङ्घ् (ati-vilaṅgh-) I. Ā. (*caus.*) to pass by without taking notice of [MW]

अतिविलङ्घन (ati-vilaṅghana) *n.* excessive fasting कुर्यान्नातिविलङ्घनम् CaraS. vi. 5. 112 (1941 Ed.); वर्चोमूत्रग्रहाद्याश्च जायन्तेऽतिविलङ्घनात् AṣṭāSaṁ. i. 126. 20 (1. 24); AṣṭāHṛ. i. 14. 31.

अतिविलङ्घ्य (ati-vilaṅghya) *ger.* having completely disregarded पतिसुतान्वयभ्रातृबान्धवानतिविलङ्घ्य तेऽन्त्यच्युतागताः BhāgP. x. 31. 16.

अतिविलज्जमाना (ati-vilajjamānā) *adj.* (*f.*) being very much ashamed साधर्मभीता हि(v. l. अति)विलज्जमाना MahāBhā. i. 182. 3.

अतिविलम्ब् (ati-vilamb-) I. Ā. to delay too much (pass.) किमिदमतिविलम्ब्यते Nāgā. 5. 32(1)

अतिविलम्ब (ati-vilamba) *m.* great delay समग्रानुष्ठाने ह्यतिविलम्बः स्यात् SāstrDī. 588. 14 (*on* ix. 1. 8); तदलमतिविलम्बेन PraboCan. 4. 13(1) (73. 11); (प्रणष्टवस्तुनः समागमस्य) अतिविलम्बे तु दशमो भागः SmṛtiCan. iii. 313. 4; आकाशादौ किंचिद्विलम्बो व्रीह्यादावतिविलम्बश्च चोदितौ S'rutaPra. ii. 422. 27 (*on* iii. 1. 23); मार्गमार्गणकृतातिविलम्बाद् दीर्घतां समजय(गम)न् दिवसानि YātrāPra. 6. 7; देव्या वचनं त्वतिविलम्बेन न फलोत्पादकं प्रतिभाति GopāKeCan. 103. 17.

अतिविलम्बकारित्व (ativilambakāri-tva) *n.* the state of causing great delay चतुरादयोऽतिविलम्बकारित्वादप्रशस्ताः (वरणे) NyāyMāVi. 309. 26 (*on* vi. 1. 11)

अतिविलम्बन (ati-vilambana) *n.* great delay क्लिष्टतातिविलम्बनात् (मन्त्रजापे) TantrRā. 1. 80.

अतिविलम्बना (ati-vilambanā) *f.* great delay जरावक्तव्यचरणतया पुनरियत्यतिविलम्बना संवृत्ता SubhaDha. 2. 0(20)

अतिविलम्बित (ati-vilambita) *adj.* **i** very slow नातिविलम्बितं मण्डलेषु पदन्यासं कुर्वन् व्रजेत् ViṣṇuSm. 11. 6; अतितूर्णमतिविलम्बितमुल्बणनादम् ··· निन्दन्ति (काव्यपाठम्) KāvyMī. 33. 11; **ii** much delayed वयस्य अतिविलम्बितमिव भवता नगरे Avimā. 2. 8(35); अतिविलम्बितमित्युपसंहारगतमपि भूतभव्येशितृत्वलिङ्गं ततो बलवत् S'ivārkaMaDī. i. 450. 10 (*on* i. 3. 23); भ्रातः किमतिविलम्बितम् GopāKeCan. 110. 21.

अतिविलम्बितम् (ati-vilambitam) *adv.* very tardily or slowly नातिविलम्बितमश्नीयात् CaraS. iii. 1. 44 (1922 Ed.); KāśyaS. 255B. 19.

अतिविलम्बिन् (ati-vilambin) *adj.* very dilatory [MW]

अतिविलम्ब्य (ati-vilambya) *ger.* lingering too long तदलमतिविलम्ब्यालम्ब्यतां मन्युवह्निः Kapphiṇā. 4. 30.

अतिविलसत् (ati-vilasat) *adj.* shining very much लक्ष्मीकान्तस्य कान्ताकृतिरतिविलसन्मुग्धमुक्तावलिश्रीर्दन्ताली ··· रक्षतान्नः ViṣṇuPādāSt. 36; (मातङ्गः) क्षीबाक्षः प्रियदर्शनोऽक्ष(v. l. °ति)विलसद्वृद्धिः ··· जवनो यातस्तृतीयां दशाम् MātaLī. 5. 13.

अतिविलाप (ati-vilāpa) *m.* excessive lamentation अतिविलापगानादिक्रियाजनितगद्गदिकादिदेहविक्रियावशेन वा तदवस्थां चमत्कारात् प्रतिपद्यते ParāTri. (comm.) 10. 4.

अतिविलासवती (ativilāsa-vatī) *adj.* (*f.*) very graceful गतिरति-

विलासवत्यास्ते SāmaraU. 265. 16.

अतिविली (ati-vilī-) IV. Ā. to become very liquid नातिविलीयते AbhidhKoBh. 60. 24 (*on* 2. 33) (Sphuṭā. नातिद्रवीभवति)

अतिविलुड् (ati-vilud-) I. P. (caus.) to disturb, to destroy [MW]

अतिविलोड्य (ati-vilodya) *ger.* having completely disturbed प्रसभमिह विलोक्य (v. l. अतिविलोड्य) को हरेत् पुरुषवरावरजामृतेऽर्जुनात् MahāBhā. viii. 26. 63.

अतिविवर्ण (ati-vivarṇa) *adj.* extremely decoloured अतिविवर्णं छर्दिमूर्च्छातृड़ार्तम् ··· परिहरतु (अतिसारम्) HārīS. iii. 3. 76.

अतिविवर्धन (ati-vivardhana) *n.* good growth, great prosperity ऋद्धिक्षयस्तु पापेन पुण्येनातिविवर्धनम् DevīBhāP. vi. 8. 11.

अतिविवर्धित (ati-vivardhita) *adj.* increased very much ओदनम्··· यूषेणातिविवर्धितम् । मध्याह्ने भोजयेन्नागम् Hastyāyur. 261. 27 (2. 48)

अतिविवश (ati-vivaśa) *adj.* [*f.* -ā] **A** very helpless जीवोऽप्यसौ निजशरीरमवेक्ष्य कान्तं काङ्क्षत्यहोऽतिविवशोऽपि पुनः प्रवेष्टुम् DevīBhāP. iii. 15. 9; **B** completely overwhelmed कृतपरिरम्भणे त्वयि द्रागतिविवशा खलु राधिका निलिल्ये Nārāy. x. 84. 6.

अतिविविक्त (ati-vivikta) *adj.* very lonely, extremely isolated किं नामान्यदतिविविक्तात् कन्यापुरादस्याभिमतसिद्धयेऽनुरूपम् SubhaDha. 2. 7(6); अतिविविक्तेषु तेषु तेषु विपिननगनिकुञ्जनदीपुलिनादिप्रदेशेष्वन्विष्य···आचक्ष्व Bhām. 268. 7 (*on* i. 3. 34)

अतिविविक्तता (ati-viviktatā) *f.* the state of being totally different जीवस्य स्वरूपतः प्रसिद्धत्वेऽपि देहादितोऽतिविविक्ततया न प्रसिद्धिः NyāySu.(Ja.) 97A. 9 (*on* i. 1. 2)

अतिविविक्तत्व (ativivikta-tva) *n.* the state of being totally different प्रमाणान्तरेणातिविविक्तत्वेनावगतत्वात् ··· रूपकादस्य भेदः AlaṅkāRa. 28(4)

[1]**अतिविवित्सा** (ati-vivitsā) *f.* excessive greed क्रोधश्चातिविवित्सा च··· कृन्तन्त्यायूंषि देहिनाम् MahāBhā. v. 37. 9.

[2]**अतिविवित्सा** (ati-vivitsā) *f.* close consideration स्वामिन् ··· मन्मतस्यातिविवित्सावकाशं चिन्तय SaṅkaVi.(Ā.) 274. 6.

अतिविवृत् (ati-vivṛt-) I. Ā. (*caus.*) to exaggerate or prolong स्वरितं नातिनिर्हण्यात् पूर्वौ नातिविवर्तयेत् ṚPrāti. 3. 18 (comm. आयामविश्रम्भाभ्यां नातिदूरं नयेत्)

अतिविवृत (ati-vivṛta) *adj.* [*f.* -ā] **i** wide open अतिविवृतवदनमभिद्रवन्तं वल्गुभं श्वानम् ··· पुनरुवाच JātaMā. 144. 19 (23. 7); मत्तवारणाः ··· अतिविवृतसंवृतोष्ठेन···मुखेनापिबन्त AvantiKa. 104. 8; **ii** too much exposed (नायिका) अभ्यर्थितापि नातिविवृता स्वयं स्यात् KāmSū. 224. 10 (3. 4); 306. 11 (6. 1) (comm. अतिविवृता प्रकटा); KandaCū. iii. 4. 35.

अतिविवृत्य (ati-vivṛtya) *ger.* having widened (अनिलः) मुखानि स्रोतसां रुद्ध्वा तथैवातिविवृत्य च । ···जनयेद् गदान् AṣṭāHṛ. iii. 5. 6.

अतिविवृद्ध (ati-vivṛddha) *adj.* **i** extremely grown, very big अतिवीर्यः ··· नाम्नातिकायोऽतिविवृद्धकायः Rāmā. vi. 47. 16; **ii** very intense विद्धाः शरैस्तेऽतिविवृद्धकोपैः MahāBhā. vi. 81. 16.

अतिविवेकिनी (ati-vivekinī) *adj.* (*f.*) greatly discriminating आवामभ्यागतौ प्रष्टुं त्वामत्रातिविवेकिनीम् BhaviP. 760A. 17 (iv. 107. 38)

अतिविशङ्कट (ati-viśaṅkaṭa) *adj.* very extensive, large or big प्राक्रमेतामेतौ···अवटमतिविशङ्कटमुत्पादयितुम् RāmāCam. 3. 5(3); 6. 82(4); अतिविशङ्कटशङ्करशिरोघटित° ··· °मुखरितनभोविभागम् आलम्ब्य (रूपम्) ··· मारुतः NīlaVi. 22. 10.

अतिविशद (ati-viśada) *adj.* [*f.* -ā] **A** very clear, obvious स्वभावस्था दृष्टिर्न भवति गिरो नातिविशदाः (अस्याः) PriyDa. 4. 10; वृत्रस्तदातिविशदां पुरतो निशम्य वाचम् ··· जगदेककर्तुः DevīBhāP. vi. 4. 5; चरमे तु विज्ञाने तदतिविशदम् (पदम्) TattvVai. 140. 16 (*on* 3. 17); फलसोपायमार्गप्रतिपादकेऽतिविशदे 'एष सम्प्रसाद' इति वाक्यस्याविशदैकदेशप्रतिपादकस्य निष्प्रयोजनत्वात् Bhām. 275. 12 (*on* i. 3. 40); स्वाकारो हि स्वसंवेदनप्रत्यक्षतयातिविशदः Bhām. 433. 13 (*on* ii. 2. 25); मार्गोपदेशस्तेऽचिरभिसंभवन्तीत्यादिरतिविशदः VedāntKa. 191. 17 (*on* i. 3. 40); बहुला चातिविशदा स्पष्टा चैव श्रियो मतिः AnuVyā. 67B. 7 (*on* 4. 2); तत्त्वबोधं क्षयं व्याधिं मन्यन्ते ये महाधियः । तेषां प्रज्ञातिविशदा किं तेषां दुःशकं वद PañcDa. 6. 271; यच्छिष्यतया चैतादृशीमतिविशदां संविदं लब्धवान् TattvPrakā. 224A. 13 (*on* iv. 4. 23); स्वस्यातिविशदानादिसार्वज्ञप्रदम् ··· पुरुषोत्तमं प्रणमति NyāySu.(Ja.) 656A. 8 (*on* 4. 4); **B** very bright or shining अतिविशदचन्द्रातपापि भगवति त्रयोदशीक्षणदे क्षीणपुण्याया मम त्वमपि कालरात्रिः संवृत्ता TilaMañ. 308. 9; वदन्ती सातिविशदैर्दन्तांशुभिरशोभत TriṣaŚaPuC. iii. 4. 32; **C** very pure or meritorious धन्योऽसि त्वं महाबुद्धे ···। यतोऽतिविशदं विष्णोश्चरितं पृष्टवानसि ĀdiP. 12. 3; **D** possessed of very clear consciousness कथमतिविशदो निष्क्रियश्चैष (आत्मा) मुह्येत् TattvMu. 2. 71.

अतिविशदता (ativiśada-tā) *f.* the state of being very clear, extreme brightness अतिविशदतया दिशां मुखेषु स्मितमिव केतकमित्रमुद्वहत्सु (अलभत ··· अभिषेकं विक्रमादित्यदेवः) VikraDeC. 6. 96.

अतिविशदत्व (ativiśada-tva) *n.* the state of being quite clear तन्नातिविशदत्वात् तृतीयं पक्षमाश्रित्याह Prasā. i. 77. 22.

अतिविशदन्याय (ativiśada-nyāya) *m.* quite clear argumentation अतिविशदन्यायरत्नोद्भटश्रि ··· व्युपरतविकृतेः ··· वचनम् JinaŚ. 4. 20.

अतिविशदपदबन्ध (ativiśada-padabandha) *adj.* in which the verbal structure is quite clear नातिविशदपदबन्धम् ··· नवसाहसाङ्कचरितं जगुः स्त्रियः NavaSāC. 15. 60.

अतिविशदप्रतिभ (ativiśada-pratibha) *adj.* possessing clear intelligence अतिविशदप्रतिभैः ··· । अतिविततगुणैर्गणैरिवोग्रः प्लवगभटैरयमावृतो विभाति RāmC. 6. 17.

अतिविशदबुद्धि (ativiśada-buddhi) *adj.* whose intelligence is very clear प्रज्ञाचक्षुः ··· क्षितिज्ञो लोकानामतिविशदबुद्धिर्धृतिपरः ManoDū. 85.

अतिविशदम् (ati-viśadam) *adv.* very clearly, very distinctly एनाम् ··· नातिविशदमचुम्बिषम् DaśKuC. 74. 17; निशम्य प्रभुरतिविशदं चारवक्त्रात् Jīvān. 75. 4.

अतिविशदराग (ativiśada-rāga) *m.* very clear redness अदन्तपीडाभिन्नतया नातिविशदरागोद्भेदो मुखे विद्रुममणिरधरमणिः DaśKuC. 93. 12.

अतिविशदशशधर (ativiśada-śaśadhara) *m.* very bright moon अस्ति किल अतिविशदशशधरविसमरकरनिकरचारुक्षीरधाराधोरणीधौतधरणिमण्डलम् ··· वृन्दावनं नाम KaṁVa. 4. 45 (16)

अतिविशदश्लोकराशि (ativiśada-ślokarāśi) *adj.* of a very bright abundant fame अतिविशदश्लोकराशि ··· दिश्याद् वः शिवमुपशर्मिनामीशितुः शश्वदास्यम् JinaŚ. 3. 8.

अतिविशदसुधापिण्ड (ativiśada-sudhāpiṇḍa) *m. n.* extremely white like a lump of lime अतिविशदसुधापिण्डपाण्डुरं (स प्रासादमद्राक्षीत्) UdaySuKa. 14. 5.

अतिविशदार्थम् (ati-viśadārtham) *adv.* very clearly तदहं वक्ष्येऽतिविशदार्थम् PraboSu. 194.

अतिविशारद (ati-viśārada) *adj.* very clever, highly skilful मन्त्रे मतिमतां श्रेष्ठौ युद्धशास्त्रविशारदौ (v. l. युद्धे त्वतिविशारदौ) MahāBhā. ii. 17. 25; आनीतो नृपतिर्विष्णोर्निदेशेऽतिविशारदैः (देवदूतैः) PadmP. iv. 97. 6; असक्तमभिनन्देत सक्तं परिभवेत्तथा । अन्यदूतानुपाते च यः स्यादतिविशारदः KāmSū. 340. 11 (6. 4) (*but* comm. अतिविशारदोऽत्यर्थमर्थदः)

अतिविशाल (ati-viśāla) *adj.* [*f.* -ā] extremely large, very extensive, extremely huge or spacious दृष्टिस्तेऽतिविशालचारुरुचिरा नैकत्र सन्तिष्ठते Ubhayābhi. 6. 15; अचलगुहामतिविशालाम् AvantiKa. 226. 2; 70. 4; अतिविशालमसृणमांसलाभोगं जघनभागमुद्वहन्तीम् ···बालिकामपश्यम् TilaMañ. 246. 15; 246. 22; 229. 3; (दितिसुतसेना) अविशदतिविशालोत्तालपातालमूलम् DaśāvaC. 3. 21; (भुवनानि)तानि चातिविशालानि तेजिष्ठानि महान्ति च ĪśānŚiPa. ii. 17. 150; विक्रमार्को राजा ··· अतिविशालं तटाकं च दृष्ट्वा ··· मनसि विचारयति SiṁhāDvā. 85. 3 (21); (तिरुवेङ्कटनृपालः) अतिविशालैः सालैः···अनेकैरनोकहनिवहैः निरन्तरीकृतान्तरम् ··· नारायणशिलोच्चयं व्यलोकयत् ĀnandRa. 2. 43 (21); 8. 0 (3)

अतिविशालत्व (ativiśāla-tva) *n.* extreme vastness आधारस्यातिविशालत्वं प्रदर्श्य ··· आधेयानां गुणानामाधिक्यं वर्णितम् Kuval. 95 (1)

अतिविशालनयन (ativiśāla-nayana) *n.* extremely large eye वेत्रपुटभेदनाधीशतिरुवेङ्कटनृपतिनन्दनः ··· सप्रणयमर्यादमतिविशालनयनाञ्चलसमुद्यदभङ्गुरकृपारसवीचीमालाभिराप्लावितः ĀnandRa. 8. 0 (62)

अतिविशालवक्षःस्थल (ativiśāla-vakṣaḥsthala) *n.* very broad chest अतिविशालवक्षःस्थलोपलवेदिकोत्तम्भनशिलास्तम्भाभ्याम् ··· ऊरुदण्डाभ्याम् ··· उपहसन्तमिवैरावतकरायामम् ··· युवानमद्राक्षीत् HarṣaC. 36. 4.

अतिविशालशालवलय (ativiśāla-śālavalaya) *adj.* having an extremely large encircling wall गृहमेवेदमस्ति ··· अतिविशालशालवलयम् DaśKuC. 88. 10.

अतिविशिष्ट (ati-viśiṣṭa) *adj.* very much distinguished, very extraordinary अतिथिमतिविशिष्टमादरादमरवधूरभि तं जगाम सा RāmC. 12. 97.

अतिविशिष्टधी (ativiśiṣṭa-dhī) *adj.* having very extraordinary intellect उदायनः ··· अभूत्तत्र भूपतिः ।··· अतिविशिष्टधीः PrabhāC. 9. 7.

अतिविशिष्टरूपा (ativiśiṣṭa-rūpā) *adj.* (*f.*) having very extraordinary or superior form तस्याजनिष्टातिविशिष्टरूपा राज्ञी च नाम्ना सुरसुन्दरीति

KālikāKa. 3.

अतिविशुद्ध (ati-viśuddha) *adj.* [*f.* -ā] **A** extremely clean, extremely pure तथैवातिविशुद्धेषु स्रोतःस्वाप्यायते शिरः BhelaS. 245.22 (8.2); ये पश्यन्ति ·· मद्भाविनो मत्समयाद् दृष्टया चातिविशुद्धया । तेषां वाच्यमिदं शास्त्रम् JayāS. 33.85; (चिच्छक्त्याम्) अतिविशुद्धायामशुभशतनिदानभूतभ्रमपरिणामासंभवात् ĀtmaSi. 40.3; अतिविशुद्धधर्ममार्गविनिविष्टदृष्टिम् ··· मामपि···अधिक्षिपसि TilaMañ. 382.6; त्वया सम्यक् प्रज्ञयातिविशुद्धया । प्रश्नोऽयमीरितः SamarāSū. 4.2; **B** extremely white चामरद्वयमदृश्यत तस्याः ।···तद्यशोयुगमिवातिविशुद्धम् S'ivLī. 8.4; **C** very distinct, very clearly articulated स्वामिन् शीतश्रमक्षुत्तृड्बाधान् नातिविशुद्धा वर्णसन्ततिर्मुखान्निःसरति GopāKeCan. 56.27.

अतिविशुद्धत्व (ativiśuddha-tva) *n.* the state of being very pure, extreme purity न च यथा श्रेण्यारोहे अनिवृत्तिबादराद्धायाः संख्येयेषु भागेषु गतेषु परतोऽतिविशुद्धत्वात् मतिज्ञानावरणादीनामेकस्थानकरसंबन्धः JñānBiPra. 4.3.

अतिविशुद्धधी (ativiśuddha-dhī) *adj.* having very pure intellect श्रीकण्ठोऽतिविशुद्धधीः । हसन् प्रोवाच SkandP. iv. 62.26.

अतिविशुद्धभाव (ativiśuddha-bhāva) *adj.* having an extremely pure mental condition (साधुगणः) अतिविशुद्धभावः सर्वज्ञबिम्बं प्रणनाम भक्त्या VarāṅgaC. 23.70.

अतिविशुद्धसत्त्व (ativiśuddha-sattva) *adj.* having a very pure mind ध्यायन्ति···मुनयोऽतिविशुद्धसत्त्वाः DevīBhāP. v. 19.27.

अतिविशुद्धस्वभावता (ativiśuddhasvabhāva-tā) *f.* the state of having an extremely pure nature अतिविशुद्धस्वभावतया ··· मनाङ्मुक्तपूर्वावस्थान्तरम् ··· परमात्मानमुपेयुषः ··· सिद्धपरमेष्ठिनः इष्टिम् ···करोमि YaśasCam. ii. 374.26.

अतिविशुष्क (ati-viśuṣka) *adj.* **A** very much dried up दुर्बलातिविशुष्काणाम् ··· न स्वेदमवतारयेत् CaraS. i. 14.19; **B** very much dry ताम्यत्यतिविशुष्कं यत् ··· तदक्षि तर्पणादेव लभेतोर्जाम् SuśruS. vi. 18.17 (comm. अश्रुरहितम्)

अतिविशेष (ati-viśeṣa) *m.* great speciality **अतिविशेषेण** (ativiśeṣeṇa) [Inst.] especially यश्च कर्ममयो योगो यश्च ज्ञानमयः पृथक् । कस्य कोऽतिविशेषेण पुरुषस्य प्रशस्यते ParaS. 10.60.

अतिविशेषतस् (ativiśeṣa-tas) *adv.* without any distinction (with one's own) वस्तु तदीयं पश्येदात्मीयादतिविशेषतो नित्यम् KandaCū. vi. 2.26.

अतिविशेषभूत (ativiśeṣa-bhūta) *adj.* which has become highly special or particular तेषामपि मते सामान्यविशेषरूपः पदार्थः संकेतविषय इत्यतिविशेषभूतो वाक्यार्थान्तर्गतोऽसंकेतितत्वादवाच्य एव KāvyPra. 223.3; Kāvyānu. (He.) 32.25.

अतिविशेषवपुस् (ativiśeṣa-vapus) *adj.* having a very specific or particular form अन्विताभिधानेऽतिविशेषवपुष इव सामान्यरूपाणां पदार्थानामन्वये RasGaṅ. 552.7.

अतिविशेषशब्द (ativiśeṣa-śabda) *m.* very particular or specific word विष्कम्भकाद् भेदमस्य दर्शयन् प्रवेशकशब्दोऽतिविशेषशब्दवाच्यपि भवतीति दर्शयति AbhinBhā. ii. 424.9 (*on* 18.34)

अतिविशोक (ati-viśoka) *m.* complete freedom from grief (न कंचिदुपलक्षये) यस्मिन्निममान्तरं तापं निवेद्य संविभक्तमिव नातिविशोकमनुभविष्यामि S'ṛṅgāTi.(Rā.) 179 (2)

अतिविशोषण (ati-viśoṣaṇa) *n.* process or act of excessive desiccation एतानि कृत्वा विकृतिं याति चातिविशोषणात् KāśyaS. 137B.18.

अतिविशोषित (ati-viśoṣita) *adj.* thoroughly dried up आम्रमामं त्वचाहीनमातपेऽतिविशोषितम् BhāvPra.(Bhā.) 6(7).4.

अतिविश्रब्ध (ati-viśrabdha) *adj.* [*f.* -ā] **i** entirely trusting or confiding in चित्रास्तरणशायिनमतिविश्रब्धप्रसुप्तमङ्गनाजनमलक्षयम् DaśKuC. 92.13; एतदसकृन्न्यायेन संगतायामतिविस्र(?श्र)ब्धायामुक्तम् JayaMa. 159.13 (*on* 2.8); **ii** very confidential तन्निभृतमावामतिविश्रब्धमुग्धवाक्यान्याकर्णयावः Manmatho. 2.21 (2) (435.2)

अतिविश्रब्धनवोढा (ativiśrabdha-navoḍhā) *f.* newly married woman who is very much confident (of her husband) (one variety of *madhyā*) एषैवातिप्रश्रयादतिविश्रब्धनवोढा । अस्याश्चेष्टा । सागसि प्रेयसि धैर्ये वक्रोक्तिरधैर्ये परुषवाक् RasMañ. 8 (1); (a variety of *mugdhā* = विश्रब्धनवोढा of RasMañ. 8) अतिप्रश्रयादतिविश्रब्धनवोढा PadyaVe. 304 (2)

अतिविश्रब्धम् (ati-viśrabdham) *adv.* quite confidently [MW]

अतिविश्रम्भ् (ati-viśrambh-) I. P. (*caus.*) to have excessive confidence or reliance (स्त्रियम्) नातिविश्रम्भयेत् CaraS. i. 8.22 (comm. नातिप्रश्रयवतीं कुर्यात्)

अतिविश्रम्भ (ati-viśrambha) *m.* great confidence or trust पतगश्चिरकाललालनादतिविश्रम्भमवापितो नु सः । ··· विदधे कुतूहलम् NaiṣC. 2.7.

अतिविश्रान्ति (ati-viśrānti) *f.* complete peace (complete desireless state) न किंचिदायाति तदर्थजातं येनातिविश्रान्तिमुपैति चेतः YogVā. i. 27.1.

अतिविश्रुत (ati-viśruta) *adj.* [*f.* -ā] widely known, very well-known मदिराक्षोऽतिविश्रुतः MahāBhā. iv. 32.30 (v. l.); हयग्रीवोऽतिविश्रुतः DevīBhāP. i. 5.86; कान्ता राधिका यातिविश्रुता ĀdiP. 14.19; S'ivLī. 18.41; (सोमकान्तः) स्नात्वा भृगुतीर्थेऽतिविश्रुते GaṇeP. i. 9.22; अस्ति गोदावरी नाम महाराष्ट्रेऽतिविश्रुता Rasā. 12.260.

अतिविश्लिष्टावयव (ativiśliṣṭāvayava) *adj.* possessing very loose grains (चरुः) अतिशिथिलः अतिविश्लिष्टावयवः VīraMi. (Paribhāṣā.) 109.7.

अतिविश्व (ati-viśva) *adj.* [*f.* - ā] surpassing all or the world तस्मै विश्वाय देहि । अतिविश्वाय CāndraVṛ. *on* ii. 1.10; KātanVṛ. *on* ii. 1.25; त्यागेऽतिविश्वस्य विधेर्विधित्सोर्यस्याङ्गुलीः पाणितलं नखांश्च HammīMaKā. 2.54; होलिकामाता । सर्वसारातिविश्वेयं पूर्वमासीत् BhaviP. 799A.8 (iv. 132.32); सृष्टातिविश्वा विधिनैव तावत् तस्यापि नीतोपरि यौवनेन NaiṣC. 7.108; *m.* name of a Muni [PW, MW]

अतिविश्वनयनानन्द (ati-viśvanayanānanda) *adj.* giving joy excessively to the eyes of all राजा ··· सौम्यः सौम्यकरोऽतिविश्वनयनानन्दः Mugdhopa. 60.

अतिविश्वस् (ati-viśvas-) II. (I.)P. to confide or trust too much, to trust excessively विश्वस्ते नातिविश्वसेत् MahāBhā. i. App. I. 81.(125) = v. 38.9; मरुताम् ··· मनो नातिविशश्वास RaghuVa. 12.101; विश्वासयेदविश्वस्तं विश्वस्तं नातिविश्वसेत् NītiSā. 5.89; SūktiRa. 108.15.

अतिविश्वसनीय (ati-viśvasanīya) *adj.* very trustworthy स राजा ··· राज्यम् ··· हृदयस्येवातिविश्वसनीयस्य···अमात्यवर्गस्यायत्तमकरोत् TilaMañ. 16.20.

अतिविश्वस्त (ati-viśvasta) *adj.* [*f.* -ā] highly trustworthy or trusted अभि(v. l. ति)विश्वस्तमथ मां हरिवाहनः । ··· इदं वचनमब्रवीत् MahāBhā. iii. 165.1; (शची) तथेत्युक्त्वातिविश्वस्ता भाविकार्ये कृतोद्यमा DevīBhāP. vi. 9.23; ऋषयः ··· दृष्ट्वा तमतिविश्वस्तं विद्वांसं लोमहर्षणम् VāyuP. i. 1.19; LiṅgaP. i. 1.10.

अतिविश्वस्तचेतस् (ativiśvasta-cetas) *adj.* whose mind is full of confidence (मोहः) येन फेनसधर्माणोऽप्यतिविश्वस्तचेतसः ViṣṇuP. iv. 24.128.

अतिविश्वस्तम् (ati-viśvastam) *adv.* in a very confident manner दृष्ट्वा नु सोमशर्माणम् ··· । शयानमतिविश्वस्तं सहदेवो व्यचिन्तयत् SkandP. v(3). 209.66.

अतिविश्वामित्र (ati-viśvāmitra) *adj.* surpassing Viśvāmitra वैश्वानरो नु प्रभयातिविश्वामित्रः ··· दन्तावलान्प्रेरयति स्म DvyāśraKā. 6.63.

अतिविश्वास (ati-viśvāsa) *m.* excessive confidence or trust अनुबन्धाः ··· अतिविश्वासात् ··· स्युः KāmSū. 352.14 (6.6); AvantiKa. 142.16; त्वयि मे त्वतिविश्वासः कार्यगौरवसाधने ĀdiP. 17.24; सर्वत्र चातिविश्वासदर्शनेन परसंख्यमानेय एष ते भ्राता TilaMañ. 102.23.

अतिविश्वासवत् (ativiśvāsa-va(n)t) *adj.* who has extraordinary confidence गुरौ अतिविश्वासवताम् ··· गुरूपदिष्टप्रकारेण उपासनारम्भः PūrvottaVāNaMā. 275.10.

अतिविश्वासाभाव (ativiśvāsâbhāva) *m.* absence of extreme trust or faith तन्नातिविश्वसेदित्याद्विवाक्यात्तस्यातिविश्वासाभावपरत्वात् RājNiRa. 54.16.

अतिविष् (ati-viṣ) *adj.* characterized by too much of faeces कर्बुरः प्रस्रवन् धातून् निष्पुरीषोऽथवातिविट् (अतिसारः) AṣṭāHṛ. ii. 5.82.

अतिविष (ati-viṣa) *adj.* **i** very poisonous हन्यात्क्रुद्धानतिविषान् MahāBhā. xii. 120.15; (वासुकिः) मुमोचातिविषो विषम् MatsyaP. 133.42; आशीविषस्त्वतिविषोऽयमरिष्टदंष्ट्रः JātaMā. 229.17 (32.31); **ii** [Alt. Gr. ii. 1.311] counteracting poison [PW]; *n.* **i** strong poison योक्त्रसर्पशिरांसि च । वमन्तोऽतिविषं तत्र ददंशुः Rāmā. i. App. 1.8(2); **ii** the plant *Aconitum heterophyllum* बिभीतकं चातिविषं भद्रमुस्तां सपिप्पलीम् BhelaS. 212.9 (6.28); चित्रकेन्द्रयवाः पाठाकटुकातिविषाभयाः SiddhYo. 22.12; कृष्णातिविषतिक्तेन्द्रदारुपाठापयोमुचाम् । क्वाथः ··· सर्वकण्ठगदापहः AgniP. 282.33; शृङ्गवेर ··· अतिविषाणि संक्षुद्य सक्षौद्रान् कवलान् भोजयेत् Hastyāyur. 79.8 (1.11); °मूर्वापटोलातिविषैः समैः ··· पचेत् AśvaVai. 21.2; तद्भस्मातिविषं विषं कृमिहरम् RasRaSa. 20.91; भल्लातकं चातिविषं चतुर्भागं च खाखसम् DhanvNi. 317.4; तेन अतिविषम् उक्त्वा अल्पं देयम् इत्युक्तम् Bharat. 13A.2; cf. **अतिविषा.**

अतिविषण्णधी (ativiṣaṇṇa-dhī) *adj.* having a very dejected mind

मृते भर्तरि सा नारी दुःखितातिविषण्णधीः S'ivaP. iv. 9. 7 (358B. 7)

अतिविषण्णा (ati-viṣaṇṇā) *adj.* (*f.*) extremely dejected शयनेऽतिविषण्णा सा (राधा) रत्नभूषणवर्जिता BrahmVaiP. iv. 88. 24.

अतिविषम (ati-viṣama) *adj.* [*f.* -ā] **1 A** very uneven, very rugged, very rough अतिविषमोऽयं निम्नगावतारः तदप्रमत्तमवतीर्यताम् KundaMā. 3. 6(1); अतिविषमं स्थानं दूरमारूढस्य प्रत्यासन्नतरः पातः PramāVāBh. 593. 12; पदातीनां भूर्नातिविषमा मता NītiSā. 20. 10; आर्यपुत्रस्य रक्षार्थे मयातिविषमेऽध्वनि। विद्या मायावती नाम प्रेषिता BṛKathāMañ. 14. 422; 'तस्य चेन्नक्षुषी ··· अतिविषमे' इति एकं संवृत्तमपरं विस्तृतम् AdbhuSāg. 536. 21; ततस्ते ··· मार्गमतिविषमं दृष्ट्वा राजानं प्रोचुः SiṁhāDvā. 154. 8(8); सख्यूर्ध्वपङ्क्तिगा दन्ता ममातिविषमा यतः। ओष्ठं लगन्ति किं कुर्वे दुर्दशो मेऽधरो व्रणैः AlaṅkāMañ. 207. 5; **1 B** irregular, dissimilar, different, rude, sluggish मन्दाति(ती)क्ष्णा(क्ष्णाऽ)तिविषमा त्रिविधं सा (ग्रहणी) प्रकुप्यति BhelaS. 162. 19 (6. 13); उद्धिद्यतेऽतिविषमा समवर्तिराजधानीभटस्य भृकुटिः प्रतिकारहेतोः HarVi. 37 47 (comm. भृकुटिशब्दः साधुत्वमतिवर्तते इत्याहुः); सेयमेकतः काश्वा कुटिलेऽतिविषमेयमृजूक्तिर्नाम वाक्योवाक्यम् SaraKaṇṭhā. 296. 19; **2** unsuitable, unfair, wrong, terrible एवं हस्तिन्या तावन्त्येव विषमाण्यतिविषमाणि चेति संक्षेपेण शशस्य त्रिचत्वारिंशशतद्वयम् JayaMa. 89. 11 (*on* 2. 1); उपेक्षा किं चेयं तव सुरसमूहेऽतिविषमा DevīBhāP. i. 5. 63; **3 A** hard, difficult (to manage, to perform), troublesome राज्यं हि नाम ·· अतिविषमम् Kād. 297. 12; तन्द्भुजौ मनसिकृत्य मयासावादृतोऽतिविषमो रणभारः RāmC. (App. 2) 40. 32; हीनं संहननं तपोऽतिविषमं कालश्च दुःखावहः सिद्धान्तः कुवितर्ककैश्च विवृतः KumāCaSaṁ. 70. 1; गोपानामयमतिविषमो धर्मो गोपालनरूपः GopāKeCan. 64. 19; खिन्ने शाकटिके भरेऽतिविषमे दूरं गते रोधसि शब्दैनैतदहं ब्रवीमि S'ārṅgaPa. 963; **3 B** (of evil effects) adverse, dangerous, very strong न चातिविषमे वाते ··· चरेत् ViṣṇuDhaP. ii. 89. 8; अहो बतातिविषमं विषं पातुं समीहसे RāmāMañ. 143. 25; येयं वह्नयमुं वटवृक्षमारोहति। सास्माकमतिविषमा। अनेनाश्रयेण कश्चिदिहारुह्य कदाचिद् अस्मान् हन्यादिति Pañcā. 92. 19; संसारावटकोटरेऽतिविषमे मुग्धो जनः पात्यते PrabhāC. 174. 17; **3 C** evil (by nature), wicked विषधरतोऽप्यतिविषमः खल इति न मृषा वदन्ति विद्वांसः VāsaDa. 5. 1 = S'ūktiRa. 603 = S'ārṅgaPa. 349 = Subhāṣi. 227; केयं भ्रूभुजगी तवातिविषमा बंभ्रम्यते यद्भिया क्रान्तः कालियमर्दनोऽपि कुरुते नाद्य प्रवेशं व्रजे UjjvaNiMa. 48. 3; स्त्रीणां चातिविषमचेष्टितत्वात्। तथाहि शस्त्रेण वेणीविनिगूहितेन विदूरथं वै महिषी जघान ManvaMu. 274. 4 (*on* 7. 153); *n.* a difficult or dangerous thing or situation इक्ष्वाकूणां कुलधनमिदं यत्समाराधनीयः कृत्स्नो लोकस्तदतिविषमे किं स वत्सः करोतु UttaRāC. 7. 6; तदतिविषममाशङ्कमानं मां वत्सरामभद्रस्नेहस्त्वरयति AnargbaRā. 5. 6 (6)

अतिविषमतपस् (ativiṣama-tapas) *n.* very difficult or severe penance अतिविषमतपोभिः शंकरं तोषयित्वा SkandP. v(2). 34. 16.

अतिविषमतर (ativiṣama-tara) *adj.* very difficult कुर्वन्कार्याणि ··· अतिविषमतराणि ··· दिङ्नीन्द्रः ParamāKā. 17. 123.

अतिविषमदुर्ग (ativiṣama-durga) *n.* extremely difficult or dangerous fort अतिविषमदुर्गबलगर्वितस्य पर्वतकनाम्नः किरातराजस्य राजधान्याम् ··· अपातयत् TilaMañ. 137. 2.

अतिविषमपत्रभङ्ग (ativiṣama-patrabhaṅga) *m.* **i** decoding a very difficult epistle दृष्टवान् ··· अतिविषमपत्रभङ्गविस्मापितप्रेक्षकजनम् ··· एकं दिव्यायतनम् TilaMañ. 155. 7; **ii** extremely complicated ornamental design, TilaMañ. 155. 7.

अतिविषममद (ativiṣama-mada) *adj.* having over-bearing pride प्रवीरेष्वतिविषममदो बोधितः कुम्भकर्णः MahāvīC. 6. 35 (175. 14)

अतिविषमरिपु (ativiṣama-ripu) *m.* very dangerous enemy (तान्) अतिविषमरिपून्निर्जय SubhāRaSaṁ. 420.

अतिविषमविषय (ativiṣama-viṣaya) *m.* extremely dangerous worldly objects (of sensual pleasures) मनुः ··· अतिविषमविषयविषजलाशयाशाया उपरराम BhāgP. v. 1. 22.

अतिविषमशीला (ativiṣama-śīlā) *adj.* (*f.*) of very cruel nature अतनुशरलीलया स्रगपि हृदि हन्ति मामतिविषमशीलया GītGo. vii. 13. 6.

अतिविषमाग्नि (ativiṣamāgni) *adj.* whose gastric fire is very irregular अर्शोऽतिविषमाग्निश्च कुष्ठश्वयथुपीडितः BhelaS. 243. 19 (8. 1)

अतिविषमाशन (ativiṣamāśana) *n.* extremely irregular or unsuitable food दुष्टाशनातिविषमाशनपानभक्ष्यम् HārīS. iii. 3. 4.

अतिविषयिन् (ati-viṣayin) *adj.* excessively indulging in sensual pleasures ततो मन्त्रिणा चिन्तितम्। यत् सूरयोऽतिविषयिणः PurāPraSaṁ. 76. 19.

अतिविषवीर्य (ati-viṣavīrya) *n.* excessive power of poison अतिविषवीर्यविलोलजिह्वमुच्चाटयिष्यदुरगं विहरन् हृदिन्याम् BhāgP. ii. 7. 28.

अतिविषा (ativiṣā) *f.* the plant *Aconitum hetrophyllum* दद्यात् सातिविषां पेयाम् CaraS. i. 2. 20 (1922 Ed.); अतिविषाम् ··· शिरसा धारयेत् SuśruS. i. 19. 29; शुण्ठी ति(?ह्य)तिविषा मुस्ता क्राथः स्यादामपाचनः BhelaS. 18. 26 (1. 10); अतिविषा बालं नागरं घनपर्पटम् HārīS. iii. 2. 168; कुटजातिविषे घनम्। ···विपचेद्भिषक् KāśyaS. 329B. 35; मुस्तं वचो हरिद्राद्रकमतिविषा इति GilMS. iii(1). 3. 7; (उपागतः देशम्) अतिविषामांसीग्रन्थिकैस्तु सुरागदैः (युक्तम्) MatsyaP. 118. 38; तत्रातिविषा° ··· °कल्कक्षीरसिद्धं सर्पिः AṣṭāSaṁ. i. 48. 1 (1. 8); विशालातिविषा वचा AṣṭāHṛ. i. 10. 30; (सः) नागरातिविषामुस्ताक्राथपानावतर्पितः BṛKathāS'loSaṁ. 22. 118; अतिविषा° ··· °सितसर्षपैः। ··· विलोड्य मथितम् KalyāKā. 8. 52; अतिविषा ··· ज्वरं जीर्णं व्यपोहति SiddhYo. 1. 249; अतिविषा काशच्छर्दिज्वरहरी शिशोः AgniP. 283. 2; अतिविषया पिप्पल्या ··· लवणेन च। ··· प्रतिपानम् AśvaVai. 31. 5; अथवा त्रिकटुक° ··· °अतिविषापिप्पल्या° ··· °सौवर्चलानि क्षोदयित्वा Hastyāyur. 79. 23 (1. 11); वचासातिविषा° ··· °रेणुकैः कषायमुपभुञ्जीत S'ārṅgaS. ii. 2. 35; पथ्या ··· हिङ्गुश्चातिविषा वचा ĪśānS'iPa. i. 45. 174; वचा चातिविषा हिङ्गु चूर्णमेतैः प्रकल्पितम् (देयम्) Mānaso. ii. 6. 591; विषशम्याकातिविषासैन्धवैश्च समांशकैः। ··· चूर्णम् RasPraSu. 4. 49; धात्री चातिविषा मुस्ता RaseCin. 9. 45 (128. 21); विषा त्वतिविषा विश्वा शृङ्गी प्रतिविषारुणा BhāvPra.(Bhā.) 6(2). 214; AmaK. 847; ParyāRaMā. 223; TrikāS'e. iii. 3. 119; ViśvaPra. 34. 28; DharK. 752; DhanvaNi. 8. 24; AbhidhāMañ. 103. 3.

अतिविषाकन्द (ativiṣā-kanda) *m.* bulb of the plant *Aconitum heterophyllum* अतिविषाकन्दाः। ··· शिरोविरेचनोपयोगीनि AṣṭāSaṁ. i. 84. 25 (1. 14)

अतिविषाद (ati-viṣāda) *m.* excessive dejection पृथिव्यां लभ्यते धीर्नात्रातिविषादः कर्तव्यः MṛtaSaṁ. 9. 7 (*on* 1. 15)

अतिविषादता (ativiṣāda-tā) *f.* the state of excessive depression or lassitude ग्लानिश्चातिविषादता ParyāRaMā. 1420.

अतिविषादवत् (ativiṣāda-va(n)t) *adj.* greatly dejected लतावलयगेहेषु भवत्यतिविषादवान् YogVā. i. 10. 14.

अतिविषादिन् (ati-viṣādin) *m.* name of a physician [PW]

अतिविषापहा (ativiṣāpahā) *adj.* (*f.*) destroyer of a very strong poison पिप्पल्यतिविषापहा ViṣṇuDhaP. ii. 52. 67.

अतिविषाभाव (ativiṣābhāva) *m.* absence of the plant *Aconitum heterophyllum* मुस्ता चातिविषाभावे शिवाभावे शिवा मता BhāvPra.(Bhā.) 6(1). 155.

अतिविषायुक्त (ativiṣā-yukta) *adj.* mixed with *Aconitum heterophyllum* कुटजत्वक्कृतः क्वाथो घनीभूतः सुशोभनः। लेहितोऽतिविषायुक्तः SiddhYo. 3. 36.

अतिविषूचिका (ati-viṣūcikā) *f.* excessive diarrhoea कण्ठस्य शोषस्तिमिरं तथा पार्श्वशूलं नाभौ तथातिकृशतातिविषूचिका च (गुल्मलक्षणम्) HārīS. iii. 3. 86.

अतिविषोल्बण (ativiṣolbaṇa) *adj.* powerful with strong poison तक्षकादयः। अदशन्त समस्तेषु गात्रेष्वतिविषोल्बणाः ViṣṇuP. i. 17. 38.

अतिविषौषधि (ativiṣauṣadhi) *f.* name of the medicinal plant *Alis betula* अरुणातिविषौषधौ NānārthSaṁ. 2. 14.

अतिविष्ठित (ati-viṣṭhita) *adj.* very stationary गृह्णन्ति सुबहून्मृगान्। प्रधावितान्वा वित्रस्तान्विस्रब्धानतिविष्ठितान् Rāmā. iv. 18. 34.

अतिविष्णु (ati-viṣṇu) *adj.* surpassing or superior to Viṣṇu सः ··· अतिविष्णुः ··· भूत्वा स्वे महिम्नि सदा समास्ते (?) NṛsiṁhoTāU. 7 (233. 23)

अतिविसंष्ठुल (ati-visaṁṣṭhula) *adj.* very disagreeable, very unsteady अतिविसंष्ठुलेनोपास्यमानोऽपि मनसिजेनाकारमेव लोकलोचनेभ्योऽरक्षन्न कुसुमशरसायकेभ्यो जीवितम् Kād. 248. 19.

अतिविसङ्कट (ati-visaṅkaṭa) *adj.* extremely large उष्णांशुः ··· शोणितक्वाथकषायितकुक्षिरतिविसंकटः कटाह इव ··· अदृश्यत HarṣaC. 341. 9.

अतिविसदृश (ati-visadṛśa) *adj.* extremely unsuitable or unworthy कमनीयदर्शनायास्तवाकृतेरतिविसदृशोऽयं व्यवहारः TilaMañ. 319. 19.

अतिविसर्गतस् (ativisarga-tas) *adv.* due to excessive discharge (विद्यात्) वृद्धिं मलानां सङ्गाच्च क्षयं चातिविसर्गतः AṣṭāHṛ. i. 11. 25.

अतिविसारिणी (ati-visāriṇī) *adj.* (*f.*) very extensive, very wide, far-reaching प्रज्ञयातिविसारिण्या यो धनेन बलेन च। धुरं वहति गोत्रस्य PañcT. 1. 155 (153. 9); Pañcā. 109. 2.

अतिविस्तर (ati-vistara) *adj.* [*f.* -ā] [P. iii. 3. 33] **A** very

extensive, very elaborate, very prolix, very detailed सर्वेषामपराधानां विस्तरादतिविस्तर: (दण्डविधि:) VisṇuSm. 5. 193; (दीक्षा) संक्षिप्ता मध्यमा सा च तृतीया चातिविस्तरा JayāS. 16. 55; पटे बिम्बविधानम्…शृणु नारद । … नातिविस्तरम् JayāS. 20. 3; सर्वात्मको विष्णुरवकाशोऽतिविस्तर: VisṇuP. i. 8. 24; शाखामृगध्वजानां च प्रज्ञप्तिमतिविस्तराम् (शृणुत सज्जना:) PadmP.(Ra.) 1. 55; यदर्थं सर्वशास्त्राणां प्रवृत्तिरतिविस्तरा BṛĀraUBhVā. i. 4. 405; महाकाव्यम् … मन्त्रदूतप्रयाणाजिनियतं नातिविस्तरम् AgniP. 337. 26; स्कान्दं (पुराणम्) चैवातिविस्तरम् SaurP. 9. 10; अयं त्वतिविस्तरो गतार्थ इति … सौगता: … मन्यन्ते S'āstrDī. 64. 7 (*on* i. 1. 5); स्नानानुलेपने चैभिर्वर्जितो नातिविस्तर: (अङ्क:) SāhiDa. 276. 1; °माघमाहात्म्यं चातिविस्तरमत्रानुसंधेयम् TristhaSe. 39. 26; **B** very extensive, greatly spread out त्वदणु प्रियमाश्रयामहे न परस्मादतिविस्तराण्यपि JānaHa. 4. 26; **C** abundant, large संभारं कल्पयामास यज्ञार्थं चातिविस्तरम् DevīBhāP. iii. 13. 32.

अतिविस्तर (ati-vistara) *m.* **A** great prolixity or elaboration व्यामोहजालमतिदुस्तरमेव नूनं निश्चितनस्य वचसामतिविस्तरेऽपि TattvPradī.(Ā.) 295. 4 (*on* 3. 19); (संहिता) अतिविस्तरमुत्सृज्य गुह्येन प्रतिसंस्कृता AhirbuS. 1. 72; BṛKathāS'loSaṁ. 18. 587; **अतिविस्तरेण** with अलम् [Instr.] अलमतिविस्तरेण S'āk. i. 1(1) = Nāga. 1. 2. (2) = LaṭaMe. i. 3(2); BṛSaṁ. 1. 8; BrahmSi. 6. 6; HetuBiṬ. 40. 25; SarvaMaSaṁ. 11. 15; अलमतिप्रसरेण (v. l. °विस्तरेण) KhaṇḍanKhā. 498. 2; इति कृतमतिविस्तरेण NyāyMañ. ii. 151. 26; अङ्गस्याप्रधानस्यातिविस्तरेण वर्णनम् KāvyPra. 441. 1; NyāyKu. 68. 5; इत: परं क्रमप्राप्तं हानोपायव्यूहमतिविस्तरेणाशास्त्रसमाप्ति प्रतिपादयति S'āṁkhyaPraBh. 26. 9 (*on* 1. 56); इत्यास्तामतिविस्तरेण ViraMi. (Saṁskāra.) 338. 12; **अतिविस्तरात्** [Abl.] तद्बुद्धे: पृथगर्थत्वमुक्तमेवातिविस्तरात् BṛĀraUBhVā. (Sambandha.) 275; इत्येवमादि यच्चोक्तं पूर्वमेवातिविस्तरात् BṛĀraUBhVā. ii. 4. 210; **B** large extent, great expanse भुवनस्यातिविस्तरो वर्ण्यते VarāP. 74. 4(12); नास्य (जगत:) वर्षशतेनापि वक्तुं शक्योऽतिविस्तर: BrahmP. 18. 10.

अतिविस्तरकथन (ativistara-kathana) *n.* very detailed narration अत्रातिविस्तरकथनयोग्यार्थस्य संक्षेपोक्ते: संक्षेप: PratāYaBhū. 331. 13.

अतिविस्तरकारिन् (ativistarakār-in) *adj.* causing excessive elaboration इत्यलमतिविस्तरकारिणा मतान्तरोपन्यासनिरासेन SmṛtiCan. iii. 285. 7.

अतिविस्तरतस् (ativistara-tas) *adv.* quite comprehensively or elaborately तत्कथय कथामतिविस्तरत: Ratnā. 4. 4(18); उपवर्णितं तदतिविस्तरत: SaṁkṣeS'ā. ii. 273. 6 (3. 209)

अतिविस्तरत्व (ativistara-tva) *n.* much expanse, great elaboration भाष्यस्य अतिविस्तरत्वात् Kiraṇā. 5. 15 (v. l. in BI. Ed.)

अतिविस्तरभय (ativistara-bhaya) *n.* fear of prolixity or lengthiness प्रत्ययसर्गभेदास्त्वतिविस्तरभयात्सन्तोऽपि न निर्दिश्यन्ते SāṁkhyaTaPra. 175. 5; अस्माभिश्च स्तोकं संबन्धमात्रयोजना कृतातिविस्तरभयात् Bhāsk. i. 258. 11 (*on* i. 5. 14)

अतिविस्तरम् (ativistaram) *adv.* **i** quite lengthily or elaborately, in great detail पुनर्भूतलविन्यासमाचरेन्नातिविस्तरम् BrahmāṇḍP. iii. 44. 16; उक्तं विद्याधरैस्तस्य यथावदतिविस्तरम् PadmP.(Ra.) 30. 154; प्रमाणादिपदार्थास्ते लक्ष्यन्ते नातिविस्तरम् TārkiRa. 3. 2; **ii** very widely (spread) मूर्खोऽभूदिति लोकेषु गता वार्तातिविस्तरम् DevīBhāP. iii. 10. 60.

अतिविस्तार (ati-vīstāra) *m.* [P. iii. 3. 33] extensive range, great expansion अतिविस्तारविस्तीर्णं तद्भवेन्न चिरायुषम् PañcT. (NSP. Ed. 1950) 5. 41 (325. 10) तनुरपि शुचिवस्त्रे कातिविस्तारमेति (कालिमा) VidaMuMa. 3. 26; अलमतिविस्तारेण KhaṇḍanKhā. 80. 6; उद्दीपिताविस्तारं याता चेद्दीप्तिरुच्यते RasāSu. 50. 21 (1. 196)

अतिविस्तारणार्थम् (ativistāraṇārtham) *adv.* for great expansion अतिविस्तारणार्थमुपर्युपरि स्थितहस्तपृष्ठे त्रिकभागं विनिवेशयेत् JayaMa. 186. 25 (*on* 2. 6)

अतिविस्तारभीति (ativistāra-bhīti) *f.* fear of excessive prolixity अतिविस्तारभीत्यात्र न प्रोक्तम् GaṇeP. i. 81. 34.

अतिविस्तारवदना (ativistāra-vadanā) *adj.* (*f.*) having a very broad mouth (काली) अतिविस्तारवदना जिह्वाललनभीषणा MārkP. 87. 7.

अतिविस्तारिणी (ati-vistāriṇī) *adj.* (*f.*) very lengthy इत्यलमतिविस्तारिण्या कथया HetuBiṬ. 103. 1.

अतिविस्तारित (ati-vistārita) *adj.* made very broad, very expansive रज्जव: … करमात्रनिम्नधरणीगर्तेऽतिविस्तारिते MātaLī. 10. 12.

अतिविस्तारिता (ativistāri-tā) *f.* excessive expansion अतिविस्तारितया कम्पयन्तमिव … कान्तारम् … श्रवणपरुषहेषाध्वनिमश्रौषीत् TilaMañ. 208. 10.

अतिविस्तीर्ण (ati-vistīrṇa) *adj.* [*f.* –ā] **A** widely covered तमसा त्वभ्यवस्तीर्णो (v. l. त्वतिविस्तीर्णो) मोह आविशतीव माम् MahāBhā. i. 1. 159; **B i** extremely broad राज्यवर्धनहर्षौ…अतिविस्तीर्णेनोरसा…अवकाशमिव प्रयच्छन्तम्…कुमारगुप्तम्…ददृशतु: HarsaC. 197. 2; जघनं त्वतिविस्तीर्णं भात्यस्या रसनावृतम् VāmaP. 7. 10; **B ii** very extensive or expansive नातिविस्तीर्णम् … देवतागृहमकारयत् TilaMañ. 33. 21; नातिविस्तीर्णा … अटवी … नृपाणां शस्यते नित्यं मृगयाकेलिकर्मणि Mānaso. iv. 15. 1437; अतिविस्तीर्णगम्भीरं गर्तमेकमखानयत् TriṣaS'aPuC. i. 5. 557; ऊर्ध्वशृङ्गोऽतिविस्तीर्णो ब्रह्मलोकस्तदग्रत: PāñcaRā. (Nā.) ii. 2. 57; **B iii** extremely detailed or elaborate आख्यानं चातिविस्तीर्णं स्तुवन्ति मुनय: DevīBhāP. iii. 11. 45; बोधायनेन ह्यतिविस्तीर्णा वृत्ति: कृता S'rutaPra. iA. 9. 17 (*on* i. 1. 1); **B iv** much spread मन्मथोन्मेषेणातिविस्तीर्णा शोभैव कान्तिरुच्यते SāhiDa. 129. 13; अतिविस्तीर्ण is given as the meaning of वरीयस् or वरिष्ठ in AnekāSa. 366; AnekāSaṁ. 3. 749; AnekāK. 187 and DharK. 2727.

अतिविस्तीर्णत्व (ativistīrṇa-tva) *n.* the state of being much extensive (स:) अतिविस्तीर्णत्वादव्यक्ततां गच्छेत् AbhinBhā. i. 53. 15 (*on* 2. 20)

अतिविस्तीर्णमान (ativistīrṇa-māna) *adj.* having very vast measurements अतिविस्तीर्णमानानां प्राकाराणां प्रकल्पयेत् । दिक्षु द्वारचतुष्कम् PauṣkS. 4. 33.

अतिविस्तृ (ati-vistṛ–) v. Ā. (*caus. pass.*) to be elaborated greatly शुद्धचैतन्याभेदध्यानरूपमुख्यभजनम् … सुकरमेवेति नातिविस्तार्यते LalitāTriBh. 254. 18 (*on* 1); cf. **अतिविस्तॄ.**

अतिविस्तृत (ati-vistṛta) *adj.* [*f.* –ā] **i** very large, extremely extensive ददर्श पुरतो वटम् ।… अतिविस्तृतम् BrahmVaiP. iv. 29. 30; ततोऽतिविस्तृतं दीर्घम् (प्रासादं निर्मितवत:) GaṇeP. i. 8. 22; BṛĀraUBhVā. iv. 4. 547; दिक्कालाद्यनवच्छिन्नरूपत्वादतिविस्तृतम् (चिद्रूपम्) YogVā. iii. 10. 33; लोभो गर्तोऽतिविस्तृत: PārśvC. 2. 88; PadyāTa. 79; सैन्यानि पान्थनिवहैरतिविस्तृतानि … संजवनानि ĀnandRa. 4. 7; **ii** very broad यस्यातिविस्तृतमुर(?:)स्तनयो: … दीर्घान्तरम् … अतीव च दीर्घमायु: KalyāKā. 1. 44; (अद्राक्षीद्राक्षसं घोरम्) अतिविस्तृतपादम् SkandP. iv. 54. 20; Mānaso. iv. 7. 1020; **iii** very vast, giving many details विप्र कर्म मन्त्रेश्वरस्य तु । कथितं नातिविस्तृतम् JayāS. 26. 133; एतच्चातिविस्तृतं भाष्ये TātpaṬ.(Vā.) 586. 2 (*on* iii. 2. 73); लिङ्गाख्यं चातिविस्तृतम् (पुराणम्) DevīBhāP. i. 3. 10; ग्रहचिकित्सात्र लिख्यते नातिविस्तृता ĪśānS'iPa. i. 41. 1; *n.* too much elaboration किमनेनातिविस्तृतेनेति NyāyVār. 109. 17 (*on* i. 1. 31)

अतिविस्तृतता (ativistṛta-tā) *f.* too much elaboration क्वचिदतिविस्तृततया बुद्ध्यनारूढस्य संक्षेप: NyāySu.(Ja.) 8B. 2 (*on* i. 1. 1)

अतिविस्तृतत्व (ativistṛta-tva) *n.* the state of being very extensive त्रिकोणमात्रवासनाया अतिविस्तृतत्वेन … वक्ष्यमाणत्वाच्च SetuBa. 188. 29; RasGaṅ. 610. 4.

अतिविस्तृति (ati-vistṛti) *f.* excessive elaboration स्पष्टार्थेष्वतिविस्तृतिं विदधति व्यर्थै: समासादिकै: RājMār. 1. 16; अङ्गस्याप्यतिविस्तृति: … रसे दोषा: स्युरीदृशा: KāvyPra. 434. 2; देवैश्च दुर्गमार्थेषु व्यापृतो नातिविस्तृतिम् । चकार AnuVyā. 4A. 8 (*on* i. 1. 1); अस्य प्रमेयस्य नातिविस्तृतिं चकार NyāySu.(Ja.) 92A. 9 (*on* i. 1. 1); अतिविस्तृतिरङ्गस्य … दोषा रसगता मता: SāhiDa. 421. 1; अतिविस्तृति is given as the meaning of पल्लव in Vaija. 261. 58.

अतिविस्तॄ (ati-vistṝ–) IX. Ā. (*caus. pass.*) to be elaborated greatly, LalitāTriBh. 254. 18, cf. **अतिविस्तृ.**

अतिविस्पष्ट (ati-vispaṣṭa) *adj.* abundantly clear, very apparent अतिविस्पष्ट एवायमन्यापोहोऽवगम्यते TattvSaṁ. 1010; नागानामतिविस्पष्टं (वच:) पुनरुक्तसमन्वितम् VisṇuDhaP. iii. 4. 9.

अतिविस्फुरविग्रहा (ativisphura-vigrahā) *adj.* (*f.*) (literary style) in which the constituent members of a compound are very obvious लाटीया (रीति:) स्फुटसंदर्भा नातिविस्फुर(?ट)विग्रहा AgniP. 338. 4.

अतिविस्मय (ati-vismaya) *adj.* full of great wonder or surprise संप्रविष्ट: पुन: कुक्षिं मार्कण्डेयोऽतिविस्मय: MatsyaP. 167. 26; न विस्मयोऽसौ त्वयि विश्वविस्मये यो माययेदं ससृजेऽतिविस्मयम् BhāgP. iii. 13. 43; तत: कंसोऽतिविस्मय: ।… उवाच ह ĀdiP. 21. 37; स दृष्ट्वा स्थगिताकाशम् … समुवाचातिविस्मय: YogVā. v. 48. 23; *m.* **i** great astonishment, surprise or wonder सर्वे नराश्च नार्यश्च मुमूर्च्छुरतिविस्मयात् PadmP.(Ra.) 4. 7; निराकाराच्च विषयाद् बुद्ध्याकारोऽतिविस्मय: S'lokaVār. 5(3). 51 (283. 1); तस्यातिविस्मयविधायि विचेष्टितं तत् HarVi. 27. 81; सोऽतिविस्मयमियाय RāmC. 40 (App. 2). 82; 11. 22; अवतीर्य च सोऽतिविस्मयविस्फारितविलोचनमवनिपालमवादीत् NalaCam. 5. 50(11); गुरुत्वाल्लोहवत् पृथ्वी द्यौरपीत्यतिविस्मय: BṛĀraUBhVā. iii. 8. 135; NyāyMañ. i.

328. 6; KathāSaSāg. i. 5. 10; xii. 5. 187; विभीषणः ··· विलोक्य कुम्भश्रवणादिदैत्यान् ··· अतिविस्मयेन।··· दशाननं प्राह AdhyāRā. vi. 2. 21; TriṣaS'aPuC. i. 1. 551; PārśvC. 6. 1107; **ii** intense regret (one of the five Aticāras of the Aṇuvrata of a Jain S'rāvaka) अतिविस्मयो धान्यादौ प्रपन्नलाभेन विक्रीते मूलतोऽप्यसंगृहीते वा तत्क्रयाणकेनाधिकेऽर्घे लब्धे लोभावेशादतिविषादः Sāgāradharmāmṛta (comm.) 4. 64.

अतिविस्मयन (ati-vismayana) *n.* great astonishment or wonder अभिनयानतिविस्मयनोचितान् बहुविधं प्रकटीकुरुते स्म सा Raghuṇā. 12. 17.

अतिविस्मयनीय (ati-vismayanīya) *adj.* most astonishing, most wonderful तेऽब्रुवन् – एवं ह्येतत् पश्यामः। एनमतिविस्मयनीयम् LaliVi. xvi. 0. 15; अरविन्दमकरन्दपरागपिङ्गलनयनम् ···अतिविस्मयनीयं कपटबटुवेषमाक्षिप्य तन्मुनिमतमुदवसितमयासीत् YaśasCaṁ. ii. 297. 18; अतिविस्मयनीयकरलाघवं राघवानुजम्··· मूर्च्छासंमीलितमुपराग इव कलाधरमाततान यातुधानपतिः RāmāCam. 6. 79 (2)

अतिविस्मयनीयकर्मन् (ativismayanīya-karman) *adj.* doing most wondrous or marvellous feats अतिविस्मनीयकर्मणो नृपतेर्यस्य विरोधि किं च न S'iśuVa. 16. 66.

अतिविस्मयमयी (ativismaya-mayī) *adj.* (*f.*) most marvellous or wondrous (आर्यस्य) निष्पन्देन मयातिविस्मयमयी सत्यस्थितप्रत्यया संहारे खरदूषणत्रिशिरसामेषैव दृष्टा स्थितिः KaviKaṇṭhā. 5. 1 (60)

अतिविस्मापनी (ati-vismāpanī) *adj.* (*f.*) causing great astonishment or surprise भूमिका भवति नोऽतिविस्मापनी CaitaCa. 166. 17 (7)

अतिविस्मि (ati-vismi-) I. Ā. to be highly astonished or surprised अभिमतमुखं वीक्षांचक्रे नवाङ्गनया तथा ललितकुशलोऽप्यालीलोको यथातिविसिस्मि-(? छि)ये S'ṛṅgāTi.(Ru.) 1. 88; चाणक्यः ···। चन्द्रगुप्तं तथाचेष्टं दृष्ट्वा चातिविसिष्मिये PariPar. 8. 244.

अतिविस्मित (ati-vismita) *adj.* [*f.* -ā] very much astonished or surprised ते ह खलु वावोर्ध्वरेतसोऽतिविस्मिता अभिसमेत्योचुः MaitrīU. 376. 7 (4); विध्वस्तं कर्म तद् दृष्ट्वा हनूमानतिविस्मितः Rāmā. vi. 898*(3); उमापि तं समावेक्ष्य ··· अतिविस्मिता BrahmāṇḍP. iii. 10. 72; विकासिनेत्रयुगलो मालाकारोऽतिविस्मितः ViṣṇuP. v. 19. 18; वायुमेव स गन्धर्वः प्रशशंसातिविस्मितः BṛĀraUBhVā. iii. 3. 165; निरीक्ष्य तद् बलं सर्वं महादेवोऽतिविस्मितः SkandP. i(1). 2. 66; अतिविस्मिता। मौद्गल्यस्य रहो भार्या भर्तारं वाक्यमब्रवीत् BrahmP. 136. 14; इति निश्चयमाज्ञाय तेषां रामोऽतिविस्मितः AdhyāRā. ii. 5. 54; श्रीरामेणोदितं सर्वं श्रुत्वा तारातिविस्मिता AdhyāRā. iv. 3. 36; तद् वचनं श्रुत्वा गताः सर्वेऽतिविस्मिताः AdhyāRā. vii. 7. 19; BṛKathāMañ. v. 1. 230; राजा ···। आखेटके यथादृष्टं तामुवाचातिविस्मिताम् KathāSaSāg. ix. 2. 133; viii. 6. 22; PāṇḍaC. 9. 120; PārśvC. 6. 1030; रूपानुरूपविज्ञानप्रकर्षात् सातिविस्मिता SamarāSaṁ. 8. 117; PrabhāC. 17. 23; सर्परूपदानवस्य वीक्ष्यातिविस्मितेन तस्य कुक्षिमाश्रितेन वत्सपालमण्डलेन नीतखेदम् ··· भवन्तमाश्रयामि StavMā. 180. 19; धान्यः ··· सुतं वीक्ष्यातिविस्मिताः ParamāKā. 181. 76.

अतिविस्मितचित्त (ativismita-citta) *adj.* very much surprised in the mind अतिविस्मितचित्तोऽसौ लज्जाहर्षसमन्वितः।··· तुनाव ब्रह्मचारिणम् GaṇeP. ii. 11. 35.

अतिविस्मितमनस् (ativismita-manas) *adj.* very much surprised in the mind अथ स युवा ··· अतिविस्मितमनसां कथयतां पदातीनां सकाशादुपलभ्य दिव्याकृति तत्कन्यकायुगलम् ··· लतामण्डपोद्देशमाजगाम HarṣaC. 39. 3.

अतिविस्मृत (ati-vismṛta) *adj.* utterly forgotten स द्वाभ्यामतिविस्मृतव्यतिकरो मानो विहस्योज्झितः AmaS'. 42; यत्रातिविस्मृतत्रासाः सन्ति संख्यातिगा मृगाः PāṇḍaC. 1. 78.

अतिविस्मृतिशीलता (ativismṛtiśīla-tā) *f.* excessively forgetful nature अतिविस्मृतिशीलता तवाहो गदितुः सर्वपदार्थसंकरस्य S'aṅkaDigVi.(Mā.) 15. 108.

अतिविस्रंसन (ati-visraṁsana) *n.* excessive purging, strong diarrhoea or dysentery अतिविस्रंसनाद् गुदभ्रंशानिलप्रकोपसंज्ञानाश ··· (परि)-कर्तिकाः KāśyaS. 157A. 9.

अतिविस्रक (ativisra-ka) *adj.* strongly smelling of raw meat पूयाभः पतते श्लेष्मा पूतिगन्धोऽतिविस्रकः HārīS. iii. 4. 18.

अतिविस्रत्व (ativisra-tva) *n.* excessive mustiness [nt]

अतिविस्रब्ध (ati-visrabdha) *adj.* [*f.* -ā] excessively confiding, having great confidence or trust, very intimate अहो बतायं हरिणकुणकः···मय्यतिविस्रब्धः BhāgP. v. 8. 9; या प्रथमसंगता कन्या च तस्या लज्जा ··· न त्वतिविस्रब्धायाः स्वैरिण्याश्च JayaMa. 160. 2 (*on* 2. 8); वियोगो विप्रलम्भः स्यादतिविस्रब्धयोर्द्वयोः SāhiSā. 5. 87; अत्र रसमञ्जरीकारः अतिविस्रब्धनवोढायां मध्यामिदमाह S'ṛṅgāMañ.(A.) 4. 24.

अतिविस्रम्भ (ati-visrambha) *m.* great confidence or trust (मृगपोतकः) भयत्यत्रातिविस्रम्भात् कृशा(? शो)पि हरिणीस्तनम् BrahmāṇḍP. ii. 51. 8; अतिविस्रम्भदत्तक्षणं तमप्राक्षं त्वदुपदिष्टेन नयेन DaśKuC. 144. 20; तदलं ह्यस्यातिविस्रम्भेण Tantrākhyā. 26. 16; अतिविस्रम्भश्च प्रगल्भायामेव S'ṛṅgāMañ. (A.) 4. 25.

अतिविस्रम्भवत् (ativisrambha-va(n)t) *adj.* having over-confidence मूर्खो जीवद्द्विभार्यश्च ह्यतिविस्रम्भवांस्तथा S'ukraNī. 4(2). 37.

अतिविस्रसा (ati-visrasā) *f.* extreme decrepitude or old age नातिविस्रसया भिन्ने देहे ना तप्यते तपः JānaHa. 10. 11.

अतिविहार (ati-vihāra) *m.* excessive ambulation अत्यशनानशने योगविरोधिनी अतिविहाराविहारौ च GītāBh.(Rā.) 335. 7 (*on* 6. 16)

अतिविह्वल् (ati-vihval-) I. P. (*caus.*) to cause much tormentation or worry दुर्धरोऽपि धरणीतलभारो नातिविह्वलयिता खलु वत्सम् Rāgh. 5. 51.

अतिविह्वल (ati-vihvala) *adj.* [*f.* -ā] **A** agitated, worried, frightened, excited or annoyed very much दृष्ट्वा···। अनार्यान्सुखिनश्चैव विह्वलामीव चिन्तया (v. l. चिन्तयाम्यतिविह्वला) MahāBhā. iii. 31. 38; हा हा क्वासाविति जनो गोपीनामतिविह्वलः।··· द्रुतप्रस्खलितं ययौ ViṣṇuP. v. 7. 21; BrahmP. 181. 14; अथ मदम्बा ···तादृशेऽपि व्यसने नातिविह्वला···राज्ञे समादिशत् DaśKuC. 87. 3; BṛKathāK. 46. 140; वर्षतीन्द्रे व्रजः कोपाद् भग्नमानेऽतिविह्वलः। गोत्रलीलातपत्रेण त्रातो भद्रानुगृह्णता BhāgP. iii. 2. 33; x. 1. 57; तमूचुर्भूपतिं गत्वा त्वरितास्तेऽतिविह्वलाः। देवक्याश्च सुतो जातः शीघ्रमेहि महामते DevīBhāP. iv. 23. 37; vii. 19. 38; पश्य पश्य प्रिय त्रस्तां तां मृगेन्द्रादिह स्त्रियम्।··· रक्षैतामतिविह्वलाम् PadmP.(Ra.) 17. 245; इतस्ततो भ्रमन् धावन् वह्निभस्मात्मजस्तदा। न विवेद गतं वस्त्रं भूषणं चातिविह्वलः GaṇeP. i. 21. 1; जगाम शोकं शैलेशो सुतां दृष्ट्वातिविह्वलाम्। रुदन्तीं शम्भुविरहात् S'ivaP. ii(3). 21. 8 (145B. 5); पीत्वा च कृत्रिमं क्षीरं मात्रा दत्तं द्विजोत्तमाः। नैतत्क्षीरमिति प्राह मातरञ्चातिविह्वलः LiṅgaP. i. 107. 10; तर्जिता राक्षसीभिः सा सीता भीतातिविह्वला।··· दुःखेन परिमूर्च्छिता AdhyāRā. v. 2. 56; iii. 7. 66; प्रणम्य शिरसा भूमौ तेजसा चातिविह्वलः। भीतः कृताञ्जलिस्तस्याः प्रोवाच परमेश्वरीम् KūrmaP. 106. 13 (1. 12); यमोऽपि दृष्ट्वा राजानं परं क्षोभमुपागमत्। चित्रस्थो ह्यभवत् सद्यः प्रेतराजोऽतिविह्वलः SkandP. i(1). 32. 24; शालिवाहनोऽपि अतिविह्वलः सन्···शेषनागेन्द्रं पितरं सस्मार SiṁhāDvā. 178. 7 (2); मा बाधिष्ट सुतं कश्चिन्मत्परो वातिविह्वलः। इति कारुणिको राजा न्यवर्तत रणाद्द्रुतम् RājTa.(S'rī.) 1(1). 171; AlaṅkāMañ. 229. 13; शरीरमपि धारयितुमक्षमः, प्रतिक्षणमतिविह्वलः कलामात्रमपि कल्पकोटिवदतिवाहयितुम् VasaTi. 25. 16; **B** very much troubled, exhausted, suffering from (hunger or thirst), afflicted शीतपवनहृद्रुग्णः कण्ठस्वेदोऽतिविह्वलः। ··· स विज्ञेयो ज्वरेश्वरः HārīS. iii. 2. 230; अश्नीतद्रुधिरं तोयमलसचातिविह्वलम्। अशीयत नृमांसादां बलं सुग्रीवबाधितम् Bhaṭṭi. 17. 77; श्राद्धं कृत्वेतरश्राद्धे यस्तु भुङ्क्तेऽतिविह्वलः। पतन्ति पितरस्तस्य LaS'aṁkhaSm. 28; उर्वशी च ···। तत्प्रदेशाद्विनिष्क्रम्य कामार्ता चातिविह्वला। भूमौ सा पतिता SkandP. v(1). 8. 46; क्षणं रटन्ती नृत्यन्ती रुदती चातिविह्वला। निःसहत्वं तदा याति RatiRaha. 3. 11; तच्च (वानरयूथम्) हेमन्तकाले शीतार्तमतिविह्वलतया (v. l. अतिविह्वलम्) खद्योतं दृष्ट्वा···ताप(मनोरथ)सुखं किलानुभवति स्म PañcT. 1. 151(4) (151. 1); Pañcā 108. 7; करवक्रोऽतिविह्वलः। वातेन संप्रदुष्टस्य रूपमेतत्प्रकीर्तितम् Hastyāyur. 181. 15 (2. 10)

अतिविह्वलगात्र (ativihvala-gātra) *adj.* whose limbs are greatly exhausted अतिविह्वलगात्रस्य तस्य रेतः प्रचस्खले GaṇeP. i. 60. 6.

अतिविह्वलगात्रत्व (ativihvalagātra-tva) *n.* state of possessing extreme exhaustion of limbs (अहम्) अतिविह्वलगात्रत्वादशक्तो भूमिधारणे GaṇeP. i. 90. 7.

अतिविह्वलतनु (ativihvala-tanu) *adj.* whose body is totally tired द्वादश्यां त्वरयातिविह्वलतनुं कुर्यात्पुमांश्चित्रिणीम् AnaṅgaRa. 2. 11.

अतिविह्वलता (ativihvala-tā) *f.* the state of undergoing extreme (physical) tormentation (वानरयूथः) कदाचिद्धेमन्तकालेऽसुखासीनोऽतिविह्वलतया Tantrākhyā. 45. 3; PañcT. 1. 151(4) (151. 1)

अतिविह्वलम् (ati-vihvalam) *adv.* in great distress पौराश्च···क्रोशन्ति स्मातिविह्वलम् Bhaṭṭi. 18. 38.

अतिविह्वलयत् (ati-vihvalayat) *adj.* causing to suffer (मदनमुन्मद्रसः) प्रमदानिवहानतिविह्वलयन्।···भवसारसुधामयमेव सुहृत् RasRaSa. 27. 25.

अतिवी (ati-vī-) II. P. to outstrip, to overcome वेत्यग्रुर्जनिवान्वा अति स्पृधः ṚV. v. 44. 7.

अतिवीक्ष्य (ati-vīkṣya) *ger.* having observed, having anticipated exhaustively or for a long time उवास तच्छुभमतिवीक्ष्य राघवस्तदा मुनीनामभयं प्रदाय Rāmā. iii. 153(A)*(3); नवनिधुवनलीलाः कौतुकेनातिवीक्ष्य।···घूर्णते दैपमर्चिः S'iśuVa. 11. 18.

अतिवीणिन् (ati-vīṇin) *adj.* possessing great skill in playing on lute विस्वरं सामगाः कुर्युर्विरक्तमतिवीणिनः NāraSi. i. 6. 20.

अतिवीत (ati-vīta) *adj.* over-clothed नातिवीतो नाङ्कं कृत्वोर्ध्वंज्ञुरनपश्रितोऽधीयीत AitĀ. V. iii. 3. 11.

अतिवीध्र (ati-vīdhra) *adj.* excessively clean or bright छत्रत्रयं तद्वरुचेऽतिवीध्रम् MahāP. 23. 44.

अतिवीप्सा (ati-vīpsā) *f.* excessive repetition अभीत्थंभूतकथनेऽप्यतिवीप्साभिमुख्ययोः VisvaLoK. 414. 48.

अतिवीर (ati-vīra) *adj.* very brave or heroic सः …अतिवीरोऽतिमहान् …स्वे महिम्नि सदा समास्ते NṛsiṁhoTāU. 7; सदायज्ञोऽतिवीरश्च … । अक्रूरः MatsyaP. 45. 27; PadmP.(Ra.) 12. 212; मुहूर्तमेवं युयुधेऽतिवीरः (ऐन्द्रसेनिः) VarāṅgaC. 18. 57; कुमारेण हतस्तोऽतिवीरः SivaP. ii(4). 10. 32 (205A. 7); RāmāMañ. 135. 23; अतिवीरः …वायुपुत्रः …चण्डोड्डीनमङ्गीचकार MahāN. 5. 33.

अतिवीर्य (ati-vīrya) *adj.* [*f.* -ā] **i** very heroic, very powerful, very courageous स इन्द्रजिन्नाम वरप्रधानः । … धन्वी रथस्थोऽतिरथोऽतिवीर्यः Rāmā. vi. 47. 16; ताभ्यस्त्वमात्मना पुत्रमेवंवीर्यं (v. l. अतिवीर्यम्) जनिष्यसि MahāBhā. iii. 126. 23; ViṣṇuP. iv. 24. 144; गणेश्वर पुरीं गत्वा शून्यां वाराणसीं कुरु । मृदुनैवाभ्युपायेन अतिवीर्यः स पार्थिवः (दिवोदासः) HariVaṁ. App. I. 7(90) = VāyuP. ii. 30. 37 = BrahmāṇḍP. ii. 67. 41; अतिवीर्यं महाविनायकप्रवराणामनुत्रादिनां वर (शाक्यपुङ्गव) GiMs. iii(1). 11. 9; शक्रादयः सुरगणा निहतेऽतिवीर्ये तस्मिन् दुरात्मनि सुरारिबले च देव्या । तां तुष्टुवुः MārkP. 84. 1; **ii** very powerful, very potent गिरिवरतटरूपा दुर्निवारातिवीर्या व्रजति नभसि शीघ्रं मेघवृन्दानुयात्रा DātVā. 48; पायासुर्त्रोऽतिवीर्यास्त्रिभुवनजयिनः पञ्चबाणस्य बाणाः SubhāRaK. 14. 2 = Subhāṣi. 1039; *n.* great valour, great might महाबलः । यः शक्रमपि वीर्येण (v. l. अतिवीर्येण) गमयेद् यमसादनम् MahāBhā. iii. 126. 20; PadmP. v. 73. 41; बालत्वं चातिवीर्यं च जन्म चास्मास्वशोभनम् । … शङ्कां कृष्ण प्रयच्छति BrahmP. 189. 8; वीरभद्रोऽतिवीर्येण गजेनैवाहनद् गजम् GaṇeP. ii. 121. 20; *m.* name of a king अतिवीर्यः सुवीर्यश्च…तथान्ये पृथिवीभृतः PadmP.(Ra.) 5. 7; इति मन्त्रयमाणस्य रामस्य मतिरुद्गता । अतिवीर्यग्रहोपाये PadmP.(Ra.) 37. 92; अतिवीर्यस्य तनया श्रीकेशिनमसूत च PadmP.(Ra.) 94. 34.

अतिवीर्यत्व (atvīrya-tva) *n.* the characteristic of possessing excessive valour बालत्वं चातिवीर्यत्वं जन्म चास्मास्वशोभनम् ViṣṇuP. v. 13. 7; दैत्येन्द्रस्यातिवीर्यत्वात् परिश्रान्ततरो यमः SkandP. i(2). 17. 63.

अतिवीर्यदर्प (ati-vīryadarpa) *adj.* possessing excessive valour and conceit शीघ्रं प्रयामि … अवनीम् … दृप्तान् जिघांसुरसुरानतिवीर्यदर्पान् BālC. 2. 21.

अतिवीर्यदिगम्बर (atvīrya-digambara) *m.* the Jaina monk Ativīrya by name अश्वैः प्रववृते द्रष्टुमतिवीर्यदिगम्बरम् PadmP.(Ra.) 38. 12.

अतिवीर्यनरेन्द्र (atvīrya-narendra) *m.* king Ativīrya दूतोऽस्मि … अतिवीर्यनरेन्द्रस्य नयन्यासमनीषिणः PadmP.(Ra.) 37. 32.

अतिवीर्यपराक्रम (ati-vīryaparākrama) *adj.* possessing excessive prowess and heroism स ददृशे … । मधुकैटभौ दुरात्मानावतिवीर्यपराक्रमौ MārkP. 81. 71; एवं मातृगणेनाजावतिवीर्यपराक्रमम् । मर्दितं दानवं सैन्यं पलायनपरं ह्यभूत् DevīBhāP. v. 28. 59; ननन्द देवस्तं दैत्यमतिवीर्यपराक्रमम् GaṇeP. ii. 102. 5.

अतिवीर्यबल (ati-vīryabala) *adj.* possessing excessive valour and strength अतिवीर्यबलं नानुगच्छामि MadhyaVyā. 1. 40(10)

अतिवीर्यबलप्रद (atvīryabala-prada) *adj.* producing much semen and strength मांसम् … अतिवीर्यबलप्रदम् BhojanKu. 170. 11.

अतिवीर्यमुनि (atvīrya-muni) *m.* monk Ativīrya अतिवीर्यमुनिं दृष्ट्वा सुघोरतपसि स्थितम् PadmP.(Ra.) 38. 17.

अतिवीर्यवत् (atvīrya-va(n)t) *adj.* **i** extremely strong or mighty (person) ततः सुह्मान्प्राच्यसुह्मान्समक्षांश्चैव वीर्यवान् (v. l. सपक्षानतिवीर्यवान्) । विजित्य युधि कौन्तेयः MahāBhā. ii. 27. 14; एषः … वासुदेवोऽतिवीर्यवान् । वाहयन्नेति तुरगान् MahāBhā. viii. App. I. 7(5); तव पुत्रोऽतिवीर्यवान् MahāBhā. ix. 204*(1); सोंऽशुमानतिवीर्यवान् । त्वरितं हयमादाय पुनरायान्महायशाः Rāmā. i. 40. 22; मकराक्षातिकायौ च त्रिशिराश्चातिवीर्यवान् Rāmā. vi. 1687*(2); पातु वासवदत्तायो महासेनोऽतिवीर्यवान् PratiYau. 1. 1; पुत्रस्तदस्याप्यतिवीर्यवान् । चिच्छेद MārkP. 21. 83; 85. 75; महिषो नाम पुत्रस्ते भविष्यत्यतिवीर्यवान् SkandP. iii(1). 6. 15; ब्रह्मासृजयतः क्षत्रमात्मनोऽप्यतिवीर्यवत् BṛĀraUBhVā. i. 4. 1603; अदित्यां मघवा पुत्रो यदाभूदतिवीर्यवान् DevīBhāP. iv. 3. 22; अङ्गदो नाम वालिपुत्रोऽतिवीर्यवान् AdhyāRā. vi. 4. 30; तस्य विष्णुः प्रकुप्येत नाशयेदतिवीर्यवान् PadmP. ii. 9. 11; **ii** extremely powerful, of high potency or efficacy (a thing) अमेयमतिवीर्यवत् । आग्नेयमस्त्रम् MahāBhā. iii. 23. 28; अतिवीर्यवतीव भेषजे बहुरल्पीयसि दृश्यते गुणः Kirātā. 2. 4; यदेव विद्यया कुर्यात्तदेव ह्यतिवीर्यवत् AnuVyā. 61B. 8 (*on* 3. 4)

अतिवीर्यविक्रम (ati-vīryavikrama) *adj.* possessing excessive valour and heroism अमात्यपुत्रानतिवीर्यविक्रमान् समादिदेशाशु निशाचरेश्वरः Rāmā. v. 42. 19.

अतिवीर्यवृत्रभिद् (atvīryavṛtra-bhid) *adj.* which sundered the highly powerful Vṛtra (i. e. Vajra) तदद्भुतं परमतिवीर्यवृत्रभित्तिरस्कृतो नमुचिशिरोधरत्वचा BhāgP. viii. 11. 32.

अतिवीर्यवृद्धि (ati-vīryavṛddhi) *f.* great increase of semen तस्य स्यादतिवीर्यवृद्धिः BhojanKu. 140. 17.

अतिवीर्यशालिन् (atvīrya-śālin) *adj.* possessing excessive valour अमितौजसामनन्तकार्यनिर्माणेनातिवीर्यशालिनाम् (तन्मात्राणाम्) ManvaMu. 9. 21 (*on* 1. 16)

अतिवीर्यसत्त्व (ati-vīryasattva) *adj.* having excessive valour and energy सर्वे भवन्तस्त्वतिवीर्यसत्त्वाः MahāBhā. iii. 181. 39.

अतिवीर्यसमुन्नति (atvīrya-samunnati) *f.* exaltation of (king) Ativīrya अतिवीर्यसमुन्नतिम् … शृणुत सज्जनाः PadmP.(Ra.) 1. 83.

अतिवीर्यसुत (atvīrya-suta) *m.* son of (king) Ativīrya अतिवीर्यसुतः प्राप्तो भवेदापातपण्डितः PadmP.(Ra.) 65. 10.

अतिवीर्या (atvīryā) *f.* name of a Buddhist Divinity [PW]

अतिवृ (ati-vṛ-) v. u. (*caus.*) to prevent, to stop लेहस्तु शस्तो मधुनापि मानुजे रक्तावाहमतिवारयत्यपि HāriS. iii. 3. 58; (*pass.*) to be denied or refuted प्रमाणबलतः सिद्धा चेतना नातिवार्यते ṢaḍdarSa.(Rā.) 170.

अतिवृंहित (ati-vṛṁhita) *adj.* cf. **अतिबृंहित** strengthened अपां फेनं समासाद्य विष्णुतेजोऽपवृंहितम् (v. l. अतिवृंहितम्) MahāBhā. v. 16. 16.

अतिवृक्षक (atvṛkṣa-ka) *m.* name of the plant *kuṭaja* ApūNā. 11B. 1.

अतिवृत् (ati-vṛt-) I. A. (P.) **1 A i** to go beyond, to transcend **ii** to escape, to avoid, to omit **B** to surpass, to excel **C i** to transgress, to violate **ii** to disregard, to disobey **D i** to neglect **ii** to elude **E** to subdue, to overcome **2 A i** to go beyond (the proper time), to exceed (the time limit), to outlive, to survive **ii** to pass away, to elapse (time) **B i** to go beyond, to cross, to go ahead **ii** to proceed further, to progress, to pass out **3 A** to be different from, to change **B** to be beyond the scope of, to be outside the reach of, to depart from **4** to outlast, to live beyond **5 A** to behave beyond limits, to misbehave **B** to go beyond facts, to exaggerate. **1 A i** to go beyond, to transcend उपासते पुरुषं ये ह्यकामास्ते शुक्रमेतदतिवर्तन्ति धीराः MuṇḍaU. iii. 2. 1; किमाचारः कथं चैतांस्त्रीन् गुणानतिवर्तते MahāBhā. vi. 36. 21 = BhagGī. 14. 21 (Sañ. केन च प्रकारेण एतान् त्रीन् गुणान् अतिवर्तते अतीत्य वर्तते); मनो बुद्धिश्च भावश्च … । न गुणानतिवर्तन्ते गुणेभ्यः परमा मताः MahāBhā. xii. 239. 13; BrahmP. 236. 52; 236. 75; यथेतरेतरविधर्माणो रूपादयो न द्वैविध्यमतिवर्तन्ते तथा रूपादिवैधर्म्याच्चेतना न द्वैविध्यमतिवर्तेत यदि शरीरगुणः स्यात् NyāyBh. 228. 7 (*on* iii. 2. 55); यदा ह्ययमात्मादि प्रमेयं विपर्ययेणाध्यवसितो भवति । अथ संसारं नातिवर्तत इति NyāyVār. 12. 18 (*on* i. 1. 1); साक्षाच्छब्देन जनितां भावनानुगमेन वा । इतिकर्तव्यतायां तां (प्रतिभाम्) न कश्चिदतिवर्तते VākyaP. 2. 148 (comm. अतिक्रम्य तिष्ठति); तद्ब्रह्म नात्येति नातिवर्तते मृदादिकमिव घटादिकार्यं कश्चन कश्चिदपि विकारः KaṭhUBh. 170. 13 (*on* 6. 1); अतिवर्तन्ति अतिगच्छन्ति धीराः … न पुनर्योनिं प्रसर्पन्ति MuṇḍUBh. 353. 11 (*on* iii. 2. 1); ChāndoUBh. 160. 11 (*on* iii. 12. 2); प्राक् च तथाभूतात्मविज्ञानात् प्रवर्तमानं शास्त्रमविद्याविषयत्वं नातिवर्तते BrahmSūBh. (Sañ.) 4. 13 (*on* i. 1. 1); गुरुणा बोधितः शिष्यः शब्दब्रह्मातिवर्तते SadācāAnu. 20; BṛĀraUBhVā. i. 4. 53; iv. 3. 449; इन्द्रियाणां वशं गत्वा संसारान्नातिवर्तते ParaS. 26. 77; कष्टो हि बान्धवस्नेहं राज्यलोभोऽतिवर्तते KathāSaSāg. vii. 7. 40; GītāBh.(Rā.) 358. 1 (*on* 6. 44); SivaP. vii. 39. 34 (598A. 2); पृथिवीं भूतजातं नातिवर्तते कर्मवश्यात्मनां नियमेन प्रतिष्ठात्वादशक्यातिक्रमणेत्यर्थः SrutaPra. iB. 263. 7 (*on* i. 1. 27); **1 A ii** to escape, to avoid, to omit कालं प्राप्य महाबाहो न कश्चिदतिवर्तते MahāBhā. ix. 63. 9; xi. 2. 5; ते पिबन्तः कषायांश्च … न मृत्युमतिवर्तन्ते MahāBhā. xii. 28. 45; विरोधोद्धारं वानुक्त्वा त्वन्मतेनाभिधीयत इति ब्रुवाणो न व्याघातमतिवर्तसे NyāyVār. 325. 14 (*on* ii. 2. 67); एतां सत्तां पदार्थो हि न कश्चिदतिवर्तते VākyaP. 3(3). 51; सत्तायां हि साध्यायां सर्वस्तद्धेतुर्न त्रयीं दोषजातिमतिवर्तते – असिद्धं व्यभिचारं विरोधं च PramāVāSvopVṛ. 63. 21; 78. 17; TattvSaṁ. 339; कार्यस्य कारणे सद्भावमुक्त्वा (? सद्भावं मुक्त्वा) नियमहेतुरुच्यमानो यः कश्चित् स सर्वः पर्यनुयोगं नातिवर्तते BrahmSūBh.(Bhā.) 101. 13 (*on* ii. 1. 18); NyāyMañ. ii. 64. 15; ii. 194. 27; पित्र्यं कर्म यद्दैत्यदानवरक्षांसि यज्ञविध्वंसकराण्यपि नातिवर्तन्ते ManuBh. i. 291. 28 (*on* 3. 186); PañcPā. 12. 17 (*on* i. 1. 1); ĀtmaSi. 33. 3; सं च विचार्यमाणः पूर्वन्यायं नातिवर्तते ĀtmaTaVi. 198. 6; Bhām. 20. 4 (*on* i. 1. 1); आपातप्रतीतोऽप्यर्थः संशयविपर्ययौ नातिवर्तेते

S'rīBh. 4.21 (*on* i. 1.1); **1 B** to surpass, to excel सः···वेदस्वाध्ययनेन वै। बहूनृषीन्महातेजाः पाण्डवेयोऽत्यवर्तत MahāBhā. iii. 115.29; यन्तारं च हृषीकेशं कोऽतिवर्तेत संयुगे MahāBhā. vii. 53.50 (v. l.); ix. 21.8; तपो यज्ञः श्रुतं शीलम् ··। गुरुदैवतपूजा च नातिवर्तन्ति भूमिदम् MahāBhā. xiii. 61.21; नार्थार्थं नापि कामार्थमथ भूतदयां प्रति। वर्तते यश्चिकित्सायां स सर्वमतिवर्तते CaraS. vi. 1.58 (1941 Ed.); AṣṭāSaṁ. i. 7.4 (1.2); DhūrtaViSaṁ. 20.9; यशोऽधिगन्तुं सुखलिप्सया वा मनुष्यसंख्यामतिवर्तितुं वा Kirātā. 3.40 (comm. अमानुषं कर्म कर्तुं वेत्यर्थः); क्रियमाणमपि यत्नमतिवर्तन्ते गान्धर्वप्रिया वाजिनः KundaMā. 1.3(10); संज्ञान एव ताभ्यां च विशेषेणातिवर्तते BṛĀraUBhVā. iii. 5.202; PadmP. i. 3.8; (व्युत्पन्नाः पुंसः) प्रमाणप्रमेयव्यवहारे तु प्राग्भूम्नमात्रधर्मान् नातिवर्तन्ते Bhām. 27.25 (*on* i. 1.1); RāmāMañ. 298.12; KathāSaSāg. xviii. 2.67; S'aṅkaDigVi.(Mā.) 4.6; वाचो रेखामति हि भवतो वैभवं वर्तते नः HaṁsaSaṁ. 5; RājTa.(Jo.) 382; Nārāy. viii. 26.3; (to exceed) यस्तु तादृशमप्यतिवर्तते पुनराक्षारयति स दण्डभाक् DaṇḍaVi. 216.8; अरुन्धतीमप्यतिवर्तते या व्रतेन पुण्येन महानुभावा Ragh. 20.30; **1 Ci** to transgress, to violate विधातृविहितं मार्गं न कश्चिदतिवर्तते MahāBhā. i. 1.187; (पाण्डवेयाः) समयं नातिवर्तन्ते वेलामिव महोदधिः MahāBhā. iv. 338 (9); मर्यादा स्थापिता ब्रह्मन् यां सूर्यो नातिवर्तते MahāBhā. v. 107.11; vii. 168.6; xii. 59.137; मम त्वं वचनं कुर्वन्नातिवर्तेः सतां गतिम् Rāmā. ii. 103.4; ii. 12.6; vi. 19.19; 'लौकिकं चातिवर्तते' द्वितीयं तृतीयं च वनान्तमुदकान्तं वानुव्रजति MahāBh. i. 340.16 (*on* i. 4.56); उपक्रमेत विस्रम्भयेच्च न तु ब्रह्मचर्यमतिवर्तेत KāmSū. 199.8 (3.2); 29.19 (1.3); (*caus.*) प्रजासर्गे न सोऽस्तीह यश्चाज्ञां मेऽतिवर्तयेत् BrahmāṇḍP. i. 25.49; स्वपक्षरागेण चैके न्यायमतिवर्तन्ते NyāyBh. 310.8 (*on* iv. 2.50); AhirbuS. 50.41; देव कोऽन्यो जीवितुकामो देवस्य शासनमतिवर्तेत MudrāRā. 3.10(11); कोऽतिवर्तते दैवमिति सहेतरैः प्रायात् DaśKuC. 50.1; 141.17; 144.4; स्वार्थिकाः प्रत्ययाः प्रकृतितो लिङ्गवचनान्यतिवर्तन्तेऽपीति KāśiVṛ. *on* P. v. 4.14 (Nyās. व्यभिचरन्त्यपीत्यर्थः); सुष्ठुपि हि देवसंपन्नाः पदार्थस्थितिं नैवातिवर्तन्ते BālaKri. i. 196.11 (*on* 1.346); तमुवाचाङ्गदः क्रुद्धः क्रमः केनातिवर्तते RāmC. 11.80; तदेवं समयस्मरणसापेक्षत्वेऽपि नेन्द्रियार्थसन्निकर्षोत्पन्नतामतिवर्तते सविकल्पकं विज्ञानमिति कथमप्रत्यक्षम् NyāyMañ. i. 89.24; BrahmSūBh.(Bhā.) 58.22 (*on* i. 3.20); JayaMa. 199.11 (*on* 3.2); Bhām. 273.1 (*on* i. 3.39); PadmP. v. 18.391; यस्य वशात् सामर्थ्यात् वस्तु नीलसुखादिकं व्यवतिष्ठते नियतां प्रकाशमर्यादां न अतिवर्तते PratyabhiVi. ii. 68.6 (*on* ii. 3.1); KathāSaSāg. xii. 31.53; GītāBh.(Rā.) 539.8 (*on* 10.42); PāṇḍaC. 1.36; लघुत्वमेव प्राप्नोति यस्य चाज्ञातिवर्तते(? र्त्यते) SūktiRa. 70.1; KośāKaTa. 2.1711; PariVṛ.(Ni.) 33.20; ऋष्यशृङ्गादिभिरपि मदाज्ञा नातिवर्त्यते Manmatho. i. 25(12) (426.23); आसेधकाल आसिद्ध आसेधं योऽतिवर्तते S'ukraNi. 4(5).97; **1 Cii** to disregard, to disobey कथं च सदृशीं भार्यां गान्धारीं धर्मचारिणीम् ··· धृतराष्ट्रोऽत्यवर्तत MahāBhā. i. 107.4; पार्थिवान्। त्वन्मुखानकरोद्राजन् न च त्वामत्यवर्तत MahāBhā. v. 93.56; न त्वाहमतिवर्तिष्ये वेलामिव महोदधिः DhūrtaviSaṁ. 31.6; **1 Di** to neglect ऋतुस्नातां सतीं भार्यामृतुकालानुरोधिनीम्। अतिवर्तेत दुष्टात्मा Rāmā. ii. 1802*(10); त्वां समासाद्य वैदेहि रूपयौवनशालिनीम्। कः पुमानतिवर्तेत Rāmā. v. 18.14; व्रीडायुक्तापि योषिदत्यन्तक्रुद्धापि न पादपतनमतिवर्तते इति सार्वत्रिकम् KāmSū. 200.23 (3.2); सोऽपि शब्दब्रह्म वेदोक्तकर्मानुष्ठानफलमतिवर्तेऽपाकरिष्यति GītāBh.(S'aṅ.) 209.3 (*on* 6.44); नैषा (श्रीः) गुणेषु रमते निर्गुणान्नातिवर्तते SūktiRa. 167.3; **1 Dii** to elude नक्षत्रमतिपृच्छन्तं बालमर्थोऽतिवर्तते। अर्थो ह्यर्थस्य नक्षत्रं किं करिष्यन्ति तारकाः ArthS'ā. iii. 71.3 (9.4); SūktiRa. 156.23; **1 E** to subdue, to overcome ब्राह्मीं मायामासुरीं चैव माया त्वयि स्थिते कथमेवातिवर्तेत् MahāBhā. i. 71.43; अज्ञानं कर्म तृष्णा च ज्ञेयाः संसारहेतवः। स्थितोऽस्मिंस्त्रितये जन्तुस्तत्सत्त्वं नातिवर्तते BuddhaC. 12.23; एवमहङ्कारादिभिर्दोषैर्भ्राम्यमाणो नातिवर्तते प्रवृत्तिं सा च मूलमस्य CaraS. iv. 5.10 (1941 Ed.); अखिलपदार्थपद्धतेर्व्यवहारानातिवर्तेयेय तान् Stotrā. 8.6; RājTa.(Ka.) 4.413; तपस्विन इति ज्ञात्वा स रुद्रान् नातिवर्तते Yādavā. 16.40.; **2 Ai** to go beyond (the proper time), to exceed (the time-limit), to outlive, to survive पुष्पाणि च फलानि च। स्वकालं नातिवर्तन्ते तथा कर्म पुराकृतम् MahāBhā. xii. 174.12 = xiii. 7.23; स्वभावं वा समासाद्य न कश्चिदतिवर्तते (कालम्) Rāmā. iv. 24.6; आ षोडशाद् ब्राह्मणस्य सावित्री नातिवर्तते ManuSm. 2.38 (comm नातिक्रान्तकालं भवति); ViṣṇuSm. 27.26; पिङ्गा वा यं प्रपाययेत्। सपुत्रदारः सधनस्त्रीन् पक्षान् नातिवर्तते ArthS'ā. iii. 236.4 (14.3); काकः कपोतो गृध्रो वा निलीयेतास्य मूर्धनि। क्रव्यादो वा खगः कश्चित् षण्मासान्नातिवर्तते VāyuP. i. 19.6; BrahmāṇḍP. ii. 74.221; शमप्रकोपयोः कालं न चायमतिवर्तते (विषमज्वरः) KāśyaS. 228B.23; AṣṭāHṛ. i. 7.68; न खलु दूरगतोऽप्यतिवर्तते महमसौ S'iśuVa. 6.19; तथा कर्तारः कर्माणि फलं च यच्छासनात् स्वं स्वं कालं नातिवर्तन्ते MuṇḍUBh. 338.8 (*on* ii. 2.7); S'aṅkhSm. 2.7; दोहकालं गवां दोग्धा नातिवर्तेत BhaviP. 33B.8 (i. 12.38); AdhyāRā. iv. 4.52; SūktiRa. 34.6 = Subhāṣi. 3082; कथामवगाह्यैतद्विच्छेदमिच्छन्तोऽनावश्यकापसरणव्याजवचनं विक्षेपः NyāyPari. 207.7; **2 Aii** to pass away, to elapse (time) दिवसश्चातिवर्तते। तत्र जानामि वार्ष्णेय यदि जीवति वा न वा MahāBhā. vii. 85.81; त्वयापि सुप्यतां भद्रे रजनी ह्यतिवर्तते MahāBhā. xiii. 20.48; त्वरते कार्यकालो मे अहश्चाप्यतिवर्तते Rāmā. v. 1.117; न मे दुःखं प्रिया दूरे न मे दुःखं हृतेति च। एतदेवानुशोचामि वयोऽस्या ह्यतिवर्तते Rāmā. vi. 5.5; Subhāṣi. 1193; सन्ध्यामुपासितुं वीर समयो ह्यतिवर्तते Rāmā. vii. 72.19; मदनुरोधात् क्रियतामुपनिबन्धोऽस्मिसाक्षिकश्च। समयो नातिवर्तते MahāviC. 5.59(5) (150.12); एवमुक्तोऽस्मि वै देव कालश्चाप्यतिवर्तते PadmP. v. 16.126; प्रतिदिनं च लोकातीतस्नेहपुरःसरः कालोऽतिवर्तते Tantrākhyā. 60.21; PañcT. 1.54(34); 2.25(13); BṛKathāS'loSaṁ. 21.147; रामस्याभिषेकार्हः पुष्ययोगोऽतिवर्तते RāmāMañ. 62.25; इदानीं नित्यकृत्यानां क्षणो वो मातिवर्तताम् TriṣaS'aPuC. iii. 3.162; Hitopa. i. 74.4; Pañcā. 46.9; **2 Bi** to go beyond, to cross, to go ahead अदत्ता एवैते रथा अतिवर्तन्ते BaudhS'S. ii. 73.11; ii. 96.4; पराजेष्यमाणान् मृत्युरतिवर्तते, जेष्यन्तो मृत्युम् KauśiSū. 15.16; यातुधाना हि बहवः ···। त्वयाभियुक्तान् कौन्तेय नातिवर्तेयुरन्तिकान् MahāBhā. iii. 90.7; एष वातिकषण्डो वै प्रख्यातः सत्यविक्रमः। नाभ्यवर्तत यद्द्वारम् MahāBhā. iii. 130.13; (भरतः) हस्तिपृष्ठकमासाद्य कुटिकामत्यवर्तत Rāmā. ii. 65.11; iii. 40.28; यथा हि शकुनिः सर्वं दिवसमपि परिपतन् स्वां छायां नातिवर्तते CaraS. i. 19.5 (1941 Ed.); स्वस्थानाच्च्युतो यस्तु स्वस्थानमतिवर्तते NārS'i. 1.6.20; यत्रातिवर्तते युग्यं वैगुण्यात् प्राजकस्य तु। तत्र स्वामी भवेद् दण्ड्यः MatsyaP. 227.95; ViṣṇuDhaP. ii. 72.79 (read प्राजकस्य for रजकस्य); DaṇḍaVi. 225.11; भर्त्रा विरहिता स्त्री च ···। देहलीं नातिवर्तेत BhaviP. 34A.15 (i. 13.2); **2 Bii** to proceed further, to progress, to pass out कथं वा मन्यते भीष्मो द्रोणो वा विदुरोऽपि वा। भवान्वात्र क्षमं कार्यं पुरा चार्थोऽतिवर्तते MahāBhā. iii. 9.12; यदा तु वारणोऽत्यर्थं द्रुतमध्वनि युज्यते। त्वरयातिप्रवृत्तस्य न मूत्रमतिवर्तते Hastyāyur. 258.24 (2.48); **3 A** to be different from, to change न धात्वर्थस्तथाविधत्वमतिवर्तते Bhāvanā-Vi. 16.2; असत्ख्यातिरपि न विपरीतख्यातिमतिवर्तते NyāyMañ. i. 164.15; यत्तत्त्वकं स्याद् यद्रस्तु न तत्तदतिवर्तते BṛĀraUBhVā. i. 4.303; नगरस्थं तु गोज्ञानं स्मरणान्नातिवर्तते S'lokaVār. 10.51 (448.10); तदिदमाभाणकं लौकिकानां नातिवर्तते सार्थादपि तस्करा बहव इति NyāySu.(Ja.) 124B.12 (*on* i. 1.6); (यः) कृशोऽकस्माच्च जायते। प्रकृतिश्चातिवर्तेत स सप्ताहं न जीवति Hastyāyur. 626.13 (4.7); **3 B** to be beyond the scope of, to be outside the reach of, to depart from दोषाणां सः (ज्वरः) तु लिङ्गानि कदाचिन्नातिवर्तते SuśruS. vi. 39.62; यस्य एते षड्गुणास्तस्य न साध्यमतिवर्तते CaraS. i. 9.21 (1941 Ed.); ii. 8.34 (1941 Ed.) = AṣṭāSaṁ. i. 6.19 (1.2); पाण्डोः पुरोपरोधवैचित्री वाचामतिवर्तते पन्थानम् Jivān. 144.2; तदा त एव ते भवन्तीति लक्षणं नातिवर्तन्ते AbhidhKoBh. 27.12 (*on* 1.39); विकारजातं विविधं त्रीन् गुणान्नातिवर्तते AṣṭāHṛ. i. 12.33; AgniP. 342.6; निर्निमित्ता न चोत्पत्तिः ··· बोधयन्न च शब्दोऽत्र प्रामाण्यादतिवर्तते S'lokaVār. 20.13 (684.2); गुणशब्दो यौगिको वा संनिहितं विशेषं नातिवर्तते BrahmSūBh.(Bhā.) 205.18 (*on* iii. 4.20); तथा चार्थं विषयं नातिवर्तते NyāySu.(Ja.) 247A.8 (*on* ii. 1.2); यदिदं विज्ञानं न प्रत्यक्षफलतामतिवर्तते NyāyMañ. i. 74.29; देशधर्मः ··· शक्यानुष्ठानतां नातिवर्तते Vakro-Jī. 45.21; न त्रिविधं संबन्धमतिवर्तते AlaṅkāSa. 104.5; अयं च वस्त्वलंकाररसादिरूपतया भवन् त्रैविध्यमतिवर्तते Ekāva. i. 13.198 (53.1); तथापि षट्पक्षीं नातिवर्तते TārkiRa. 315.19; **4** to outlast, to live beyond नैनं (चूर्णम्) प्राप्यातिवर्तन्ते रोगाः SiddhYo. 37.21; **5A** to behave beyond limits, to misbehave सह भोज्यं सहायैः। आत्मा चैषामग्रतो नातिवर्तेद्देववृत्तिर्वर्धते भूमिपालः MahāBhā. iii. 6.21; अपत्यलोभाद्या तु स्त्री भर्तारमतिवर्तते ManuSm. 5.161 = BṛDharmaP. ii. 8.5; **5B** to go beyond the facts, to exaggerate कथमतिवर्तन्ते मन्युसंरब्धानि देवस्य जल्पितानि AdbhuDa. 1.15 (1)

अतिवृत (ati-vṛta) *adj.* **1** chosen by overlooking (someone) नातिवृतो याजयेत् BaudhS'S. iii. 197.6; **2** completely screened कालः सर्वेषु भूतेषु चरत्यविधृतः (v. l. त्यतिवृतः) समः MahāBhā. i. 1.189.

अतिवृत्त (ati-vṛtta) *adj.* [*f.* -ā] **1Ai** gone far beyond the range of **ii** gone far beyond or a long way from **Bi** elapsed, gone, passed **ii** what has already taken place, past **iii** what is completed, over or finished **iv** what has passed away, lost, perished or disappeared **C** which has become mature or stale **2i** who has committed an offence, guilty **ii** who has violated (rule etc.), who has deviated from **iii** surpassed, stolen a march over **3i** very much round or circular **ii** occurring beyond circle **4** stiff, unpliable or unmalleable voice *n.* **1** committing of an offence **ii** act or occurrance in the past. **1Ai** gone far

beyond the range or reach of, escaped तं (मृगम्) स पश्यति … अतिवृत्तमिषोः पातात् Rāmā. iii. 42.5; येनेन्द्रियेण गृह्यते शब्दस्तस्य विषयभावमतिवृत्तोऽर्थो न गृह्यते NyāyBh. 115.11 (*on* ii. 1.53); हा कष्टमतिवृत्त एव धृष्टो दृष्टिविषयम् AvantiKa. 118.11; चलतोऽक्षातिवृत्ताश्चिह्विहायोदेशसङ्गमाः BhāvanāVi. 54.3; **1Aii** gone far beyond or a long way from ज्ञानमूलात्मकं क्लेशमतिवृत्तस्य मोहजम् MahāBhā. iii. 202.15; संख्यामप्यतिवृत्तानां तज्जानां (वातजानाम्) हि प्रधानतः। अशीतिर्नखभेदाद्या रोगाः CaraS. vi. 28.13 (1941 Ed.); लोमराजी … नाभिमतिवृत्ता मध्यत्वाय KāśyaS. 48A.2; त्वम् … नातिवृत्तश्च यौवनात् MārkP. 61.11; **1Bi** elapsed, gone, passed बीजाङ्कुरान् काल इवातिवृत्तः Saund. 16.34; **1Bii** what had already taken place, past न ह्यतिवृत्तस्य ज्ञानस्य ग्राह्यविशेषणतया विषयभावः PañcPā. 7.21 (*on* i. 1.1); नन्विदानीमसदेव अतिवृत्तं ज्ञानमिति किं प्रमाणीभविष्यति Kāśi. i. 86.21 (*on* 2.39); न ह्यजातमतिवृत्तं वागमयदनुमानादि प्रत्यक्षपक्षनिक्षेपं क्षमते ĀgaPrā. 3.9; चरमविज्ञानसमये प्राचां प्रत्ययानामतिवृत्तत्वात् TattvBi. 46.6; अतिवृत्तः स वृत्तान्तः (भैमीस्वयंवरः) NaiṣC. 17.118; न हि लोके पचनलवनादिक्रियायामतिवृत्तायां देवदत्तः पाचको लावको न भवति TattvPradī.(Ci.) 91.2; तस्यातिवृत्तस्य स्मृतिविपरिवर्तित्वेऽपि न अनुमित्यङ्गत्वम् TarkSaṁ.(Ā.) 90.20; दृश्यमाने तु गन्तव्ये वाक्यमतिवृत्तमेव MānaMe. 112.8; Vaij. 273.1; MediK. 100.161; **1Biii** what is completed, over or finished अतिवृत्तमेव हि सामिधेनीनां प्रकरणम् SābaBh. 736.3 (*on* iii. 1.21); नातिवृत्तस्य षडहस्येति SābaBh. 2001.19 (*on* x. 6.30); अतिवृत्ते उपनयने स्वकाले तस्य (केशान्तस्य) विधानात् ManuBh. i. 111.5 (*on* 2.68); **1Biv** passed away, lost, disappeared or perished यदि नाम कलङ्क इन्दुलेखामतिवृत्तो लघयेन्न चापि भावी Bhaṭṭi. 10.39; शशशृङ्गादीनामनुत्पन्नातिवृत्तानां च किमिति … संबन्ध एव न स्यात् PrakaPañ. 99.3; एवं विनष्टस्यापि अजातातिवृत्तयोरनतिभेदात् Kāśi. ii. 87.14 (*on* 5(2).189); अनुभूयातिवृत्तश्चेत्स्नेहो मध्यः प्रकीर्तितः BhāvPra.(Sā.) 80.20(4); **1C** which has become mature or stale पाकेऽनिवृत्ते सुषिरस्तनुत्वग्दोषभक्षितः AṣṭāSaṁ. i. 184.25 (1.38); मद्यं स्थानदोषान्वितमतिवृत्तमजातम् … पीतवतो मद्यमूर्च्छा भवति Hastyāyur. 96.18(1.13); विपन्नं चातिवृत्तं च मद्यं मेदकमेव च। वारणेभ्यो न दातव्यमतिमात्रं च यद् भवेत् Hastyāyur. 665.15 (4.19); **2i** who has committed an offence, guilty नृशंसेनातिवृत्तेन त्वया मे निहतः पिता MahāBhā. x. 33*(1); (खरः) अतिवृत्तो हतः Rāmā. iii. 48.13; शर्मिष्ठा यातिवृत्तास्ति दुहिता वृषपर्वणः। त्रयोऽस्यां जनिताः पुत्रा राज्ञा MatsyaP. 32.28; **2ii** who has deviated from प्रमाणान्यतिवृत्तो हि वेदशास्त्रार्थनिन्दकः MahāBhā. iii. 32.18; यः समाचार उपादेयः … तस्मादतिवृत्तोऽपि (नरः) GītāBh.(Rā.) 483.2 (*on* 9.30); **2iii** surpassed, stolen a march over शर्मिष्ठयातिवृत्तास्मि दुहित्रा वृषपर्वणः। त्रयोऽस्यां जनिताः पुत्राः MahāBhā. i. 78.27; **3i** very much round or circular ध्यायेत्ततस्त्वां देवेशि … अतिवृत्तघनोत्तुङ्गस्निग्धपीनपयोधराम् SivaP. vi. 7.67 (479A.16); **3ii** gone beyond the circle द्वारादिष्वतिवृत्तस्य दिक्सूत्रस्य तु सङ्गमे PauṣkS. 7.62; **4** stiff, non-pliable अप्रशस्ता अपि स्वरास्त्रैवोक्ताः … अतिवृत्तः स्तब्धः ViraMi.(Lakṣaṇa.) 32.11; *n.* **i** committing an offence मयातिवृत्तमेतत्ते यन्मां चोदयसि प्रियम् MahāBhā. i. 92.8; **ii** act or occurrence in the past नन्दनं विविधोद्यानम् … अतिवृत्तमिवाचिन्त्यम् … स ददर्श Rāmā. v. 13.11.

अतिवृत्तकथन (ativṛtta-kathana) *adj.* who tells about a happening in the past अतिवृत्तकथनः … वृद्धो गृहे ग्लायति SaduktiKa. 311.31.

अतिवृत्तकर्मानुसार (ativṛttakarmānusāra) [Instr.] in accordance with the past action अतिवृत्तकर्मानुसारेणेश्वरे फलदातरि श्रुते नापूर्वकल्पनावकाशः PrakaVi. 804.9.

अतिवृत्तत्व (ativṛtta-tva) *n.* the state of being over अनुमितित्सितज्ञानस्यातिवृत्तत्वात् ĀtmaSi. 44.13.

अतिवृत्तधामन् (ativṛtta-dhāman) *adj.* whose glory is beyond (the range of) का ते स्तुतिः स्तुतिपथादतिवृत्तधाम्नः MahāvīC. 4.29.

अतिवृत्तपुरीषता (ativṛttapurīṣa-tā) *f.* the state of (a disease characterised by) the retention of the faeces अतिवृत्तपुरीषताबुभुक्षादौर्बल्यम् CaraS. ii. 3.15 (1941 Ed.) (comm. उदावर्तः)

अतिवृत्तवर्त्मन् (ativṛtta-vartman) *adj.* having passed beyond the sphere of कोऽप्येष वाङ्मनसयोरतिवृत्तवृत्ति-(v.l. अतिवृत्तवर्त्मा)र्भावः हुताशनमयश्च तमोमयश्च AnargharRā. 4.68.

अतिवृत्तवृत्ति (ativṛtta-vṛtti) *adj.* having passed beyond the sphere of कोऽप्येष वाङ्मनसयोरतिवृत्तवृत्तिर्भावो हुताशनमयश्च तमोमयश्च AnargharRā. 4.68.

अतिवृत्तसंकीर्तन (ativṛtta-saṅkīrtana) *n.* statement of the past पूर्वेष्वधिकरणेष्वतिवृत्तसंकीर्तनस्य … प्रतिपत्तिसौकर्यार्थोऽनुवादः SivārkaMaDī. ii. 243.18 (*on* iii. 2.11)

अतिवृत्ति (ati-vṛtti) *f.* **i** excessive action अतियोगोऽतिवृत्तिस्तु वेगोदीरणधारणम् AṣṭāHṛ. i. 12.40; **ii** name of a metre तथातिवृत्तिसंज्ञं च विंशतिस्त्वेकवर्जिता ViṣṇuDhaP. iii. 3.6; **iii** action overcoming (the lover) अतिवृत्ती रतिविरतौ पुंसोऽनुदयस्य लक्षणान्याहुः KandaCū. ii. 8.21; **iv** act of impudence अतिवृत्तिमवेक्ष्य तस्य घोराम् … सभासदस्ते … क्षणमालेख्यसमर्पिता इवासन् Yādavā. 15.75; **v** transgression, violation परिणयविधयः क्लृप्ताः साक्षीकृत्येह ये पुनः शिखिनम्। आचार्याणां वचनादतिवृत्तिं न प्रयान्त्येते KandaCū. iii. 5.13.

अतिवृत्तितस् (ativṛtti-tas) *adv.* due to transformation आसादितविशेषाणामणूनामतिवृत्तितः। एकाकारविवेकेन नैकैकप्रतिपत्तयः NyāyVi. 2.316 (comm. स्वरूपातिक्रमेणान्यत्रापि प्रवृत्तिः)

अतिवृत्य (ativṛt-ya) *ger.* having crossed पश्यैष बाल्यमतिवृत्य विवर्तमानः शृङ्गारसीमनि तरङ्गितमातनोति KāvyPra. 436.2; पञ्चाशदब्दमधुना स्ववयोऽर्धरूपमेकं परार्धमतिवृत्य हि वर्ततेऽसौ Nāray. iii. 8.4.

अतिवृद्ध (ati-vṛddha) *adj.* [*f.* -ā] **i** grown very much, greatly, increased, very plump, very big or vast [*lit.* and *fig.*] अथातो भस्मन एवातिवृद्धस्य मीमांसा। भस्म चेदतिवर्धते स उपकल्प्यते BaudhSS. ii. 16.18; तां दृष्ट्वा राघवः क्रुद्धां विकृतां विकृताननाम्। प्रमाणेनातिवृद्धां च लक्ष्मणं सोऽभ्यभाषत Rāmā. i. 25.9; तद्यावदेवैष न … सेतुं नदीवेग इवातिवृद्धः … यास्यामि तावत् BuddhaC. 13.6; पश्यतु देवः पुरुषस्य हि सेवां प्रति दुर्जनस्येवातिवृद्धया दुर्गत्या वाभिमुखीक्रियमाणस्य … किं प्रायश्चित्तम् HarṣaC. 297.4; 229.13; मधुपूरपरिप्लुतेऽङ्गनानामतिवृद्धोऽप्यवतीर्य चित्तमार्गे। विजहार निरर्गलं प्रकोपः Kapphiṇā. 13.38; अतिवृद्धमपि सुन्दरीपरिवृतकण्ठम् … जलनिधिमपश्यदचिन्तयच्च VāsaDa. 271.2; 47.2; सुकविकथामाधुर्यप्रबन्धसेवातिवृद्धजाड्यानाम्। पिचुमन्दकन्दलीष्विव भवतु रुचिर्मेद्धिगोक्तिषु बुधानाम् YaśasCam. i. 7.5; अतिवृद्धः कामस्तत्रास्ति यन्न करोति NītiVā. 10.114; अतिवृद्धं प्रवाहं तम् … आलोक्य नियमासीनामाहुः सख्यस्तदाम्बिकाम् SkandP. i(3A). 4.22; प्रकामशुभ्रैः पलितैरिव यशोभिः शोभितयातिवृद्धया राजश्रियाधिष्ठिते प्रतिष्ठिते … सिंहासने … चिन्तयितुमारेभे UdaySuKa. 7.20; यान्त्यां कनिष्ठिकामूलाद् रेखायां तर्जनीं प्रति। वृद्धिः स्यादतिवृद्धायाम् PārśvC. 7.615; **ii** very old, advanced in age श्रोतव्यं खलु वृद्धानामिति शास्त्रनिदर्शनम्। न त्वेवाप्यतिवृद्धानां पुनर्बाला हि ते मताः MahāBhā. v. 165.24; vi. 73.3; अतिवृद्धानभार्यांश्च … परिविन्दन्न दुष्यति GobhiSm. 1.73; अथ साक्षिणः। न राजश्रोत्रिय° … °साहसिकातिवृद्ध° … °रागान्धाः ViṣṇuSm. 8.2; जडातिवृद्धबालाश्च विज्ञेयास्तु निरुत्तराः BṛhaspaSm. 27.173; त्वं नातिवृद्धो वयसा … पृथिवीमटसि द्विज MārkP. 61.11; गाधिरप्यतिरोषणायातिवृद्धाय ब्राह्मणाय दातुमनिच्छन् (सत्यवतीम्) … कन्याशुल्कमयाचत ViṣṇuP. iv. 7.14; मद्यपस्यातिवृद्धस्य … वाक्यानि जातु कार्याणि नो बुधैः PadmP.(Ra.) 47.63; गतोऽहं यत्र दम्पती। अतिवृद्धावन्धदृशौ AdbyāRā. ii. 7.37; बालस्य चातिवृद्धस्य … सर्वाङ्गे जायते शोफः HārīS. ii. 4.21; बालातिवृद्धकृशदुर्बलशोषिणां च, कृच्छ्रातिसार इति तं परिवर्जयेत Kalyā Kā. 9.89; ऋत्विजो वृणुयात् … नातिवृद्धो नातिबालः ManuBh. ii. 24.28 (*on* 7.78); त्वयाप्यतिवृद्धया मार्गदर्शको मे निरूपणीयः TilaMañ. 20.21; अतिवृद्धे चातिदीने … षट्सु कन्या न दीयते PadmP. v. 49.98; न वामयेत् … स्थूलक्षतक्षीणकृशातिवृद्धान् SiddhYo. 73.19; अतिवृद्धो महाभीमः … तेन पृष्टः GaṇeP. i. 76.16; अतिवृद्धामतिकृशामतिबालां च रोगिणीम्। हत्वा पूर्वविधानेन चरेदर्धव्रतं द्विजः AgniP. 173.15; शीघ्रमाजगाम मुनीश्वरः … अतिवृद्धो महायोगी BrahmVaiP. iv. 47.134; iv. 40.73; iii. 9.2; निर्बीजा तु पुनर्दीक्षा … अतिबालातिवृद्धातिरुग्णानाम् ĪśānSiPa. ii. 16.11; प्रध्वस्तोऽतिवृद्धः (ऋत्विक्) Aparā. 838.11 (*on* 2.265); युवा नातिबालो नातिवृद्धः … एते श्राद्धसम्पदः DīpKa. 26.20 (*on* 1.219); जीर्णत्वादतिवृद्धानां क्लेशाय चिरजीवितम् DaśāVaC. 5.43; स्थेम पुनस्तेष्वेव येनातिवृद्धोऽपि शेषः … उर्वीं बभार UdaySuKa. 94.3; लोमः पितातिवृद्धः … पुत्रो दम्भस्य हुंकारः KalāVi. 1.64; ये तु … अतिवृद्ध° … °कुहकचोराः तेषां कालप्रतीक्षणेन परिवेदने तु न दोषः SmṛtiCan. v. 174.2; iv. 605.8; दुःखावैवातिवृद्धस्य विलासास्तरुणीकृताः BhojPra. 24.29; वयोऽतिगानतिवृद्धान् … आक्षिपेत् ManvaVi. 525.18 (*on* 4.141); शुक्रादयोऽतिवृद्धाश्च स्त्रियश्च … मन्त्रं भिन्दाति ManvaMu. 273.24 (*on* 7.150); 273.18 (*on* 7.149); वयोऽतिगा अतिवृद्धाः VīraMi.(Rājanīti.) 309.19; पवनसुतवरः … द्विजोऽभूत् … अतिवृद्धः MahāN. 5.72; अतिवृद्धस्य वा … अत्राधिकारो न तु समर्थशरीरादेः TristhaSe. 54.3; युवा वृद्धोऽतिवृद्धो वा …। अभ्यासात्सिद्धिमाप्नोति सर्वयोगेष्वतन्द्रितः HaṭPra. 1.64; तरुण इत्यनेनातिवृद्धः … निषिध्यते ViraMi.(Lakṣaṇa.) 630.9; यदा तूत्पन्नपुत्रोऽतिवृद्धो वा कन्यां न लभते, तदा भवत्येव तस्यापि स्नातकव्रताचरणम् ViraMi. (Saṁskāra.) 748.9; अयोग्या अप्राप्तयौवनातिवृद्धा च BālamBha. i. 224.17 (*on* 1.81); iii. 165.30 (*on* 3.265); उदुम्बरफलं मांसम् …। ह्यस्य चातिवृद्धस्य करोति परमं सुखम् AśvaCi. 13.27; 13.6; **iii** over-accumulated, far advanced or enhanced अत ऊर्ध्वमतिवृद्धानां दोषधातुमलानां लक्षणं वक्ष्यामः SuśruS. i. 15.13; हीनमध्यातिवृद्धानां दोषाणां तु यथाक्रमम्। हीनमध्याधिकैरेवं रसैः कुर्यादुप-

क्रमम् KāśyaS. 263A. 24; विगतामातिसारम् ··· रक्तसहितमतिवृद्धम् । मधुना सह शमयत्यरलु: HārīS. iii. 3. 23; विसूच्यामतिवृद्धायां पाष्ण्योर्दाह: प्रशस्यते AṣṭāHṛ. i. 8. 17; अनिलोऽतिवृद्ध: । ···बुद्धिं स्मृतिं चाप्युपहन्ति शीघ्रम् RugVi. 20. 7; 60. 13; दुष्टे च कोष्ठे कृमिभिर्मनुष्यं न वामयेद्वर्चसि वातिवृद्धे SiddhYo. 73. 20; *m.* **1** name of the elephant supporting the earth in the western quarter तथा च गर्गः-चत्वार: पृथिवीं नागा धारयन्ति चतुर्दिशम् । वर्धमान: सुवृद्धश्चातिवृद्धश्च पृथुश्रवा: । वर्धमानो दिशं पूर्वां सुवृद्धो दक्षिणां दिशम् । पश्चिमामतिवृद्धस्तु सौम्याशां तु पृथुश्रवा: comm. *on* BṛSaṁ. 32. 1 (VSS. 1895); **2** (Tantra) name of a defective *mantra* चतु:शतान्यथारभ्य यावद्वर्णसहस्रकम् । अतिवृद्ध: प्रयोगेषु परित्याज्य: सदा बुधै: S'āraTi. 2. 108; 2. 70; चतु:शतं समारभ्य यावद्वर्णसहस्रकम् । अतिवृद्ध: स मन्त्रस्तु सर्वशास्त्रेषु वर्जित: cited by Apte [Kośas give अतिवृद्ध as the synonym of ज्येष्ठ MediK. 40. 5; AnekāSaṁ. 2. 104; जिन ViśvaPra. 85. 1; ViśvaLoK. 186. 8; DharK. 1364; ज्यायस् Vaija. 228. 7; दशान्त NānārthaMañ. 792; दशमिन् S'abdaRa.(Su.) 3. 4; KośaKaTa. 1. 4986; 2. 4632; ParyāS'aRa. 2. 105; S'abdaRaK. 187. 2]

अतिवृद्धक (ativṛddha-ka) *m.* name of quick-silver medically treated in a particular way षड्गुणे जारिते त्वभ्रे वृद्धश्चैव रसोत्तम: । सप्ताष्टगुणिते चाभ्रसत्त्वे जीर्णेऽतिवृद्धक: RasPraSu. 1. 106.

अतिवृद्धगुदज (ativṛddha-gudaja) *n.* excessively developed piles वार्ताकफलम् ··· योऽस्ति । पिबति च तक्रं नूनं तस्याश्वेवातिवृद्धगुदजानि । यान्ति विनाशम् SiddhYo. 5. 15.

अतिवृद्धता (ativṛddha-tā) *f.* extreme old age अतिवृद्धतया मूत्रोच्चारादिशौचं कर्तुं न शक्नोति···एवंविधेन भृग्वादिभिरात्मघात: कर्तव्य: HārLa. 117. 3.

अतिवृद्धत्व (ativṛddha-tva) *n.* extreme old age त्वं नो दत्तोऽतिवृद्धत्वे नीवीद्रव्यं स्वयंभुवा GopāKeCan 63. 10.

अतिवृद्धराग (ativṛddha-rāga) *adj.* excessive passion नरकपाते फलेऽतिवृद्धरागान्धो न निवर्तते TātpaṬ.(U.) 101. 16 (*on* 2. 213)

अतिवृद्धविकारिन् (ativṛddha-vikārin) *adj.* whose disease is in a very advanced stage नातिवृद्धविकारिणाम् (रोगिणाम्) । ··· शमनं हितमुच्यते KāśyaS. 238A. 36.

अतिवृद्धा (ati-vṛddhā) *f.* a very old cow [Apte]

अतिवृद्धि (ati-vṛddhi) *f.* **i** excessive development or growth, great increase अतिवृद्धिं तथा वास्ताम् (वान्तम्) अस्थिव्यापत्तिजान् विदु: BhelaS. 20. 8(1. 11); अनङ्ग नीतोऽसि मयातिवृद्धिम् वा S'āk. 3. 6; स्नेहजातिरतिवृद्धिमागता JānaHa. 8. 49; तत्सेवातोऽतिवृद्धि: स्यात् BṛĀraUBhVā. (Sambandha.) 345; गतातिवृद्धिं लवलीलतेव ··· परमारलक्ष्मी: NavaSāC. 1. 77; शुभकृद्वत्सरे सर्वसस्यानामतिवृद्धय: NāraS. 3. 52; **ii** great prosperity विद्यापङ्कजिनीविकाशि विदितं राज्ञोऽतिवृद्ध्यै स्फुरद् वृत्तं विश्वविबोधनाय भवतात् PrabhāC. 212. 7; [अतिवृद्धि is given as one of the meanings of the word अभिस्य(ष्य)न्द AnekāSaṁ 4. 137; ViśvaPra. 81. 47; AnekāTi. 4. 18]

अतिवृद्धिकलुष (ativṛddhi-kaluṣa) *adj.* dirty on account of excessive accumulation (of dust) अतिवृद्धिकलुष: ··· पार्थिवो रज:समूह: AvantiKa. 68. 13.

अतिवृद्धितस् (ativṛddhi-tas) *adv.* due to excessive growth इत्यासीदतिवृद्धितो मृगदृशां विक्षिप्तलक्ष्मा मद: S'rīKaC. 14. 58.

अतिवृद्धिद (ativṛddhi-da) *adj.* granting great prosperity रुचकम्··· शूद्राणामतिवृद्धिदम् SamarāSū. 19. 170.

अतिवृद्धिपत्त्र (ativṛddhi-pattra) *n.* a kind of surgical instrument छेद्यं स्यादतिवृद्धिपत्त्रमुदितम् KalyāKā. 21. 53.

अतिवृध् (ati-vṛdh-) I. U. **i** to go or do beyond (the prescribed limit) तस्मात् पादावनेज्यं नातिवर्धते PañcBr. vi. 1. 11; **ii** to outgrow, to grow beyond (limit) स॒ यदा ता॒मतिव॒र्धा अ॒थ कर्षूं खात्वा त॒स्यां मा विभरासि S'atBr. I. viii. 1. 3; भस्म चेदतिवर्धते स उपकल्प्यते BaudhS'S. ii. 16. 18; तस्य कोपोऽत्यवीवृधत् MahāBhā. iv. 54. 16; सूर्यावर्तशिरोरोग: पूर्वाह्णे चातिवर्धते ĪśānS'iPa. i. 45. 144; पादा: शूयन्ति नवमे (मासि) तस्याधश्चातिवर्धते AśvaVai. 9. 10.

अतिवृन्दिष्ठ (ati-vṛndiṣṭha) *adj.* most praise-worthy आसीत्प्रेयान्मेऽतिवृन्दिष्ठ: DvyāśraKā. 20. 54.

अतिवृष् (ati-vṛṣ-) I. P. to rain violently [PW, MW]

अतिवृष (ati-vṛṣa) *adj.* excessively virile बस्तय: ।··· कुर्वन्त्यतिवृषं नरम् CaraS. viii. 12. 68 (1922 Ed.)

अतिवृषता (ativṛṣa-tā) *f.* excessive virility प्राप्तस्तेनातिवृषतां श्रमयेद्वनिशातम् AṣṭāSaṁ. ii. 156. 12 (5. 5)

अतिवृषल (ati-vṛṣala) *m.* S'ūdra par excellence अति । अतिब्राह्मण: अतिवृषल: MahāBh. i. 416. 10 (*on* ii. 2. 18)

अतिवृष्ट (ati-vṛṣṭa) *adj.* excessively showered प्रावृषीवातिवृष्टानि शृङ्गाणीव धराभृताम् MahāBhā. iii. 167. 26; पुण्याहब्रह्मघोषाढ्य: ··· विरजस्कोऽभि-(v. l. ति Bl. 16. 31)वृष्टश्च (स्कन्धावार:) NītiSā. 17. 31.

अतिवृष्टि (ati-vṛṣṭi) *f.* **i** excessive rain or shower अत ऊर्ध्वं प्रवक्ष्यामि ···अतिवृष्टिम् AVPari. LIX. 1. 3; LIX. 1. 14; अधर्मा: संप्रवर्तन्ते ··· अवृष्टिरतिवृष्टिश्च MahāBhā xii. 91. 34; ArthS'ā. ii. 102. 2 (9. 7); गर्भसमयेऽतिवृष्टिर्गर्भाभावाय निर्निमित्तकृता BṛSaṁ. 21. 32; अतिवृष्टिरवृष्टिश्च विषमा वृष्टिरीतय: PadmP.(Ra.) 20. 95; तारणे सस्यसंपत्तिरतिवृष्टिस्तथा जय: AgniP. 139. 6; अतिवृष्ट्यामनावृष्ट्याम् ··· वैष्णवी शान्तिरिष्यते ViṣṇuDhaP. ii. 133. 8; अतिवृष्टि(रनावृष्टि)रेवासुरीवृष्टिरुच्यते PañcT. 1. 59 (20) (63. 1); उल्कापाते महावाते विनावृष्ट्यतिवृष्टिषु S'ivaP. iii. 12. 45 (310A. 11); अकस्मादथ संजाते काष्ठच्छेदेऽतिवृष्टिभि: KathāSaSāg. i. 6. 46; स्वाम्यगाद् यत्र नो तत्र वैरमारीत्यवृष्टय: । दुर्भिक्षमतिवृष्टिर्वा TriṣaS'aPuC. i. 3. 688; वृष्ट्यतिवृष्टिकबन्धप्रभृतीनामद्भुतानि (वक्ष्यति) AdbhuSāg. 3. 14; निवारितास्तेन महीतलेऽखिले निरीतिभावं गमितेऽतिवृष्टय: 1. 11; अतिवृष्टयो ववृधिरे सजलैर्नयनै: परं रिपुकुरङ्गदृशाम् PṛthviVi. 3. 18; भू: पङ्किलातिवृष्टिश्च RājTa.(S'rī.) 3. 69; **ii** excessive shedding (of tears) अश्रूणामतिवृष्टिभिर्द्विगुणयत्यर्कात्मजा UjjvaNiMa. 92. 4.

अतिवृष्टिकर (ativṛṣṭi-kara) *adj.* causing excessive rain अन्त:कोपकरं स्यात् सुभिक्षदं नातिवृष्टिकरम् (मध्यविदरणम्) BṛSaṁ. 5. 89; धनिष्ठाद्यं षण्णक्षत्रमतिवृष्टिकरम् ViṣṇuDhaP. ii 166. 0 (292A. 8)

अतिवृष्टितस् (ativṛṣṭi-tas) *adv.* as compared to excessive rain निराजीवत्वादवृष्टिरतिवृष्टित: (पापीयसी) ArthS'ā. iii. 16. 2 (8. 2)

अतिवृष्टिद (ativṛṣṭi-da) *adj.* producing excessive rain वारुणम् ··· अतिवृष्टिदम् BṛSaṁ. 32. 22.

अतिवृष्टिभीरु (ativṛṣṭi-bhīru) *adj.* apprehensive of excessive rain अतिवृष्टिभीरुरुदधि: पयोमुचामुपयुक्तमेव सलिलं प्रयच्छति PṛthvīVi. 9. 8.

अतिवृष्टिविघटित (ativṛṣṭi-vighaṭita) *adj.* damaged or broken by excessive rain पल्लवकनाम्ना कर्मकृतां वरेण ···विरचितान्यतिवृष्टिविघटितानि कुल्यासु तटानि UdaySuKa. 27. 22.

अतिवृष्टिविशेष (ativṛṣṭi-viśeṣa) *m.* speciality (= special effect) of excessive rain अतिवृष्टिविशेषो बार्हस्पत्ये 'सप्तरात्रं यदा वर्षेत् प्रवृद्ध: पाकशासन: । अनृतौ तस्य देशस्य प्रधानानां वधो ध्रुवम्' AdbhuSāg. 376. 14.

अतिवृष्टिसंभव (ativṛṣṭi-sambhava) *adj.* arising from heavy or excessive rain अचिन्तयन्त्यभिनववर्षविद्युतस्त्वमागता सुतनु (v. l. न मानसे भयमतिवृष्टिसंभवं पराक्रमैस्त्वसि) यथा प्रभावती NāṭyaS'ā. 15. 82.

अतिवृष्टिहत (ativṛṣṭi-hata) *adj.* injured (damaged, killed) by excessive or heavy rain ग्रामघाते शरौघेण वेश्मभङ्गान्निपातने । अतिवृष्टिहतानां च प्रायश्चित्तं न विद्यते ParāSm. 9. 43; (रणाङ्गणम्) अतिवृष्टिहतं देशमिव प्रोज्झितमानवम् YogVā. iii. 38. 45.

अतिवृष्य (ati-vṛṣya) *adj.* [*f.* -ā] strongly aphrodisiac, very stimulating तिलाश्वगन्धाकपिच्छुमूलैर्विदारिकाषष्टिकपिष्टयोग: । आजेन पिष्ट: पयसा घृतेन पक्त्वा भवेच्छष्कुलिकातिवृष्या BṛSaṁ. 76. 9; वार्ताक: ··· मृष्टोऽतिवृष्यस्तथा KalyāKā. 4. 37; 4. 30; 4. 41; 5. 31; वैक्रान्त: ··· आयुष्प्रदश्च बलवर्णकरोऽतिवृष्य: RasRaSa. 2. 57; 2. 146; वृष्यात् परमतिवृष्यं रसायनं चूर्णरत्नमिदम् RaseCin. 8. 48.

अतिवृ (ati-vṝ-) IX. U. **i** to choose overlooking (the legitimate claimant) तस्य चेत् पूर्वपुरुषैर्वृता: स्युस्तानेव नातिवृणीत BaudhS'S. iii. 195. 11; **ii** to choose in excess न पञ्चातिवृणीत इति विज्ञायते ApaS'S. xxiv. 5. 7.

अतिवेग (ati-vega) *adj.* [*f.* -ā] **A** very fast or swift, moving very speedily (both animate and inanimate) तस्य (हनूमत:) लाङ्गूलमाविद्धमतिवेगस्य पृष्ठत: । ददृशे गरुडेनेव ह्रियमाणो महोरग: Rāmā. v. 1. 31; v. 42. 15; भूतज्वरे सेक इवातिवेगा धावन्ति नाड्यो हि यथाब्धिगामा: NāḍīVi. 83; नदीषु नातिवेगासु ··· कुर्यात् पुंसां निमज्जनम् VīraMi.(Vyavahāra.) 205. 2; भूप राघव, (नराणाम्) मनांसि समानि त्वत्तुरङ्गपटलैरतिवेगै: AlaṅkāMañ. 13. 5; **B** suffering from fits or paroxys क्षीणेन्द्रिय: पार्श्वरुजोऽतिवेग: शूलावृतो वा गलके च वद्ध: । निद्राकृतिर्भिन्नरवो मनुष्यो वातेन कासस्य भवेत् प्रकाश: HārīS. iii. 12. 9.

अतिवेग (ati-vega) *m.* **1** great force, impetuosity or speed खरत्वं चातिवेगश्च का(रौ)क्ष्यं चाप्यनिलात्मकम् BhelaS. 15. 23 (1. 9); (राजा) तमतिवेगलाघवानुकृतमारुताङ्गजं प्लवङ्गमनुसरन्त्या: ··· रयातिरेकमाकलय्य तुरङ्गया: ··· अकस्मादात्मानमेकत्र महावने पतितं व्रजन्तमद्राक्षीत् UdaySuKa. 127. 27; यदयमतिवेगवर्धितसंभ्रमविगणितवेषविपर्यास: ··· अभिधावत्यशोकवनिकाभ्यन्तरम् AdbhuDa. 6. 19 (2); KośaKaTa. 2. 7105; **अतिवेगात्** (ati-vegāt) [Abl.]

with great force or speed, very quickly or impetuously or forcefully तैश्चातिवेगात् स तथाविधोऽपि नीत: शमं वह्नि: MahāBhā. viii. 1040*(3); कन्दर्पो योगजुषां भेत्तुं सर्वं समाधिमतिवेगात्। आकृष्य चापमधिकं नो मुञ्चति सायकं चित्रम् BhāvS'. 86; SūryaS'. 22; गणपतिरतिवेगात् प्रस्थितो नाकमार्गम् HarVi. 41. 62; RugVi. 15. 11; आकर्ण्य वा मदीयमाक्रन्दमतिवेगादगणितनिजश्रमो नागच्छेत् TilaMañ. 314. 9; 243. 6; DevīBhāP. i. 5. 64; RāmāCam. 6. 84; रुधिरम् ··· अतिवेगात् प्रवृत्तं तु यद्येवं नैव तिष्ठति। शिरावेधं तदा प्रज्ञो माषकल्केन लेपयेत् As'vaVai. 15. 10; PraboSu. 231; VetāPañ.(Jam.) 62. 23; उदपतदतिवेगादुग्रकर्मा कपीन्द्र: MahāN. 9. 40; NīlaVi. 83. 17; **अतिवेगेन** (ati-vegena) [Inst.] with great force or speed, very quickly, very swiftly or impetuously or forcefully स: ··· अतिवेगोऽतिवेगेन ···। परिघं पातयामास जम्बुमालेर्महोरसि Rāmā. v. 42. 15; ततो हतोऽतिवेगेन प्रहस्तो गदया Rāmā. vii. 32. 47; मया स विद्धो बाणेन ···। अपक्रान्तोऽतिवेगेन MārkP. 21. 49; भ्रामितस्यातिवेगेन नारदांशुमतोऽपि हि। भुजौ ह्रस्वत्वमापन्नौ VāmaP. 5. 14; 9. 11; हृदयस्पन्दनमतिवेगेन AbhinBhā. i. 327. 14 (*on* 6. 70); धावंस्ततोऽतिवेगेन ··· स शस्त्रवर्मणामोच्चि चित्तं धैर्येण नो पुन: RājTa.(Ka.) 3. 406; YogVā. iii. 53. 13; RājTa.(Ka.) 3. 406; GaṇeP. ii. 153. 32; मर्दिता पिष्टि: ···। प्रद्रवत्यतिवेगेन स्वेदिता RasRaSa. 9. 90; भोगोत्कर्षातिवेगेन क्षयं यान्ति क्षितीश्वरा: SūktiRa. 40. 20; यद् धीमतातिवेगेन व्यासेन सहसा बहु। भाषितं शतशस्तेन तत्रैव च रुचिं कुरु Subhāṣi. 2330; **2** one of the epithets of S'iva ईशानाय श्मशानाय अतिवेगाय वेगिने। नमोऽस्तु ··· लिङ्गिने LiṅgaP. i. 18. 5.

अतिवेगकटाक्ष (ativega-kaṭākṣa) *m.* very quick or forceful side-glance स: ··· अतिवेगकटाक्षेण लोलां कामातिपीडिताम्। ··· तामुवाच प्रियां शान्ताम् BrahmVaiP. i. 10. 27.

अतिवेगगति (ativega-gati) *f.* very quick or speedy gait परा नृपालोकनपारवश्यान्न लाक्षया रञ्जयति स पादौ। अलक्तरागादपि रक्तिमानमवापतुस्तावतिवेगगत्या Acyutarā. 12. 34; *adj.* having a very speedy gait, very swift of foot, marching very fast अतिवेगगतौ दीर्घजङ्घालो जाङ्घिकोऽपि च ParyāS'aRa. 2. 336.

अतिवेगतरा (ativega-tarā) *adj.* (*f.*) very fast or quick धारागति: सा विज्ञेया यातिवेगतरा मता S'ukraNī. 4 (7). 145.

अतिवेगतस् (ativega-tas) *adv.* very quickly or speedily, with great force or speed स (नाराच:) तस्य हृदयं भित्त्वा प्रविवेशातिवेगत:। ··· धरणीतलम् MahāBhā. ix. 13. 49; अनिलं रेचयद् योगी न मन्दं नातिवेगत: BṛParāSm. 12. 175 (+43); JayāS. 26. 35; BrahmāṇḍP. iii. 22. 99; आलोक्य सुन्दरम्। निश्चेतनं पतिं नार्यो निपेतुरतिवेगत: PadmP.(Ra.) 77. 11; गता हयेभ्योऽप्यसवोऽतिवेगत: RāghPāṇ.(Dha.) 6. 43; SkandP. ii(1). 22. 29; अहङ्कारो भवेद् यस्य तस्य नाशोऽतिवेगत: BṛNāraP. 7. 38; ĀdiP. 28. 20; एतच्चूर्णीकृतं सर्वम् ··· छर्दिं हन्त्यतिवेगत: S'ārṅgaS. ii. 6. 146; सुनन्दासूनुना दण्डो भ्रम्यमाणोऽतिवेगत:। ··· भ्रमिं व्यधित चक्षुषाम् TriṣaS'aPuC. i. 5. 690; RasRaSa. 3. 41; बिलद्वारे तत: सर्पा: प्रणश्यन्त्यतिवेगत: S'ārṅgaPa. 2941; 2988.

अतिवेगनिपीत (ativega-nipīta) *adj.* drunk in a great hurry or very quickly अतिवेगनिपीतजलधिजलशङ्खमालामिव बलाकाच्छलादुद्वमन्नदृश्यत जलद: VāsaDa. 283. 5.

अतिवेगपतन (ativega-patana) *n.* fall with an excessive speed or force अतिवेगपतनाद् गुरुत्वाच्च कायस्य गत्वा दूरमस्य सरसो मूलपङ्के विलग्नो गाढम् (पट्टवारण:) TilaMañ. 244. 14.

अतिवेगपातिन् (ativegapāt-in) *adj.* flying or falling down with a great speed चिच्छेद बाणैश्च शिलीमुखानसौ तेनैव मुक्तानतिवेगपातिन: DevīBhāP. iii. 15. 5.

अतिवेगप्रधावित (ativega-pradhāvita) *adj.* taking effect very quickly विरेचनम्। न सम्यङ् निर्हरेद् दोषानतिवेगप्रधावितम् SuśruS. iv. 33. 35.

अतिवेगप्रवृत्त (ativega-pravṛtta) *adj.* moving very rapidly जनितं जलपूरेण समं सर्वं नतोन्नतम्। अतिवेगप्रवृत्तेन प्रस्ख(? ख)लस्येव चेतसा PadmP. (Ra.) 22. 55.

अतिवेगप्रसृत (ativega-prasṛta) *adj.* spreading with great speed क्षीरार्णवस्येव तटे प्रसुप्तो मत्तोऽतिवेगप्रसृतोर्मिजालै: (दु:खसहस्रभागी) PadmP. (Ra.) 32. 193.

अतिवेगरथ्य (ativega-rathya) *m.* very speedy horse आरूढो रथमतिवेगरथ्ययुक्तं पूषा ĀnandRa. 6. 40.

अतिवेगवत् (ativega-va(n)t) *adj.* (*f.* -vatī) **A** very fast अतिवेगवन्त: (महाशरौघा:) ··· नन्दन्ति MahāBhā. iii. 252. 17; (अब्धि:) प्लावयंस्तीरजान् ग्रामान् पुरादीनतिवेगवान् ViṣṇuP. v. 36. 8; अतिवेगवत्। तस्या भल्लमहिश्यामं त्वचं चिच्छेद जाठरीम् MārkP. 2. 37; परितोऽकरोद् भ्रमणमस्य ··· लक्ष्मण:। अतिवेगवान् PadmP.(Ra.) 42. 83; अतिवेगवान् (दन्ती) ··· तमभ्यगात् NavaSāC. 8. 54; (स:) अतिवेगवतीं निर्जरतरङ्गिणीमिव ··· निजध्वजिनीम् ··· रोध:प्रदेशे निवेशयामास ĀnandRa. 7. 13 (16); **B** (disease) extremely virulent (रक्तपित्तम्) यत्त्रिदोषमसाध्यं स्यान्मन्दाग्नेरतिवेगवत् RugVi. 9. 10.

अतिवेगविस्मृत (ativega-vismṛta) *adj.* forgotten due to great hurry अन्याभिरतिवेगविस्मृतोत्तरीयवस्त्रतया करतलावृतपयोधराभि: ··· विरचितो माङ्गलिकसत्कार: UdaySuKa. 146. 28.

अतिवेगव्यापृत (ativega-vyāpṛta) *adj.* active with great speed अतिवेगव्यापृतोऽस्य तत्र क्षणे ··· तुल्यकालमलक्ष्यत वामेतर: पाणि: TilaMañ. 90. 21.

अतिवेगसमुत्पात (ativega-samutpāta) *adj.* rushing out with great speed (भटा:) अतिवेगसमुत्पाता: प्रविष्टा: शात्रवं बलम् PadmP.(Ra.) 58. 36.

अतिवेगा (ati-vegā) *f.* name of one of the S'aktis कथयाम्यद्य (व्यूहम्) ···। योगावेगा सुवेगा च अतिवेगा सुवासिनी LiṅgaP. ii. 27. 187; VīraMi.(Rājanīti.) 389. 3.

अतिवेगित (ati-vegita) *adj.* very swift चचारोन्मत्तवद् द्रोणो वृद्धोऽपि तरुणो यथा (v. l. वृद्धश्चैवातिवेगित:) MahāBhā. vii. 7. 9; भौमादय: ···। दैवतैरपकृष्यन्ते सुदूरमतिवेगिता: SūryaSi. 2. 10; दितेस्तनूजा: ··· चापानि कर्षन्त्यतिवेगिताश्च VāmaP. 9. 49; ततोऽतिवेगितं वज्रं दृष्ट्वा बलवतां वर: VāmaP. 10. 6; (चण्डाद्या:) नरकेषु च तान् सर्वान् प्रक्षिपन्त्यतिवेगिता: BṛNāraP. 29. 60; न्यवारयत दैत्योऽपि स्वशरैरतिवेगितै: GaṇeP. ii. 103. 2.

अतिवेगिता (ativegi-tā) *f.* very swift motion (सूर्य:) अतिवेगितया ··· प्रकृष्टां भूमिं कालेनाल्पेन गच्छति ViṣṇuP. ii. 8. 33; SkandP. i(2). 38. 14.

अतिवेगिन् (ativeg-in) *adj.* very swift मरुतो नाम देवास्ते बभूवुरतिवेगिन: ViṣṇuP. i. 21. 40; मनसोऽतिवेगिनम् ··· महारथं धनुर्धर: शक्तिधरोऽध्यरोहयत् KumāSaṁ. 14. 2; सुगन्धिवातेन ··· अतिवेगिना। उद्वीजयामि रुद्रं स्म S'ivaP. ii(2). 9. 10 (77A. 14); (अहम्) अगमं दक्षनिलयं स्यन्दनेनातिवेगिना S'ivaP. ii(2). 17. 41 (88B. 12); जङ्घालस्त्वतिवेगिनि KalpaK. 115. 242.

अतिवेदन (ati-vedana) *n.* severe pain हृत्पृष्ठगात्रशिरसामतिवेदनानि (वातज्वरे भवन्ति) KalyāKā. 9. 53; *adj.* [*f.* -ā] **i** suffering severe pain गर्भे जन्तु: ··· अतिवेदन: (आस्ते) BrahmP. 233. 11; **ii** very painful समेचक्राक्लेदयुतातिवेदना ··· शराविकेति प्रतिपाद्यते बुधै: KalyāKā. 11. 12.

अतिवेदनम् (ati-vedanam) *adv.* very painfully, hurting greatly सभ्रूमध्यं ललाटं च तपतीवातिवेदनम् CaraS. i. 17. 19.

अतिवेदना (ati-vedanā) *f.* **i** severe pain अङ्गानामतिश्लक्ष्णता वा वैवर्ण्यं रौक्ष्यम् ··· अतिवेदना च KāśyaS. 115B. 22; तस्याययौ निद्रा ययौ सा चातिवेदना KathāSaSāg. vi. 3. 167; शोफ: समुपजायते। तेनातिवेदना ··· भवेत् Hastyāyur. 125. 20 (1. 17); **ii** intense passion सखि कुरु तावद्यत्नं पटुतरमतिवेदनाप्रतीकारे KuṭṭaMa. 283.

अतिवेध (ati-vedha) *m.* name of one of the four types of contacts of *daśamī* and *ekādaśī* अतिवेधो द्विघटिक: प्रभासंदर्शनाद्रवे: CaturCin. iii(2). 259. 4 = iii(2). 268. 22; iii(2). 259. 8.

अतिवेधन (ati-vedhana) *n.* piercing deeply लाघवे वेधने तथा (v. l. चातिवेधने) क्षुरनाराचभल्लानाम् ··· तत्त्ववित् (फाल्गुन:) MahāBhā. i. App. I. 80. 11.

अतिवेप् (ati-vep-) I. Ā. to tremble very much यथातिवेपसे ··· तथात्र मन्ये तव पक्षपातवत् ··· अन्त:करणम् NavaSāC. 7. 56.

अतिवेप (ati-vepa) *m.* great shaking निष्पेततु: परमविक्रमितातिवेपस्कन्धप्रवालविटपौ BhāgP. x. 10. 27.

अतिवेपथु (ati-vepathu) *adj.* trembling excessively (प्रम्लोचा) तावद् गलत्स्वेदजला सा बभूवातिवेपथु: ViṣṇuP. i. 15. 44; BrahmP. 178. 98; *m.* great tremor स्पर्शहानिरतिवेपथुरुद्यत्कालकूटविषलक्षणमेतत् KalyāKā. 19. 38.

अतिवेपथुमत् (ativepathu-ma(n)t) *adj.* trembling very much अतिवेपथुमत्सुदृशोऽभिभर्तृ° ··· °वपुरादरातिशयशंसि पुन: प्रतिपत्तिमूढमपि बाढमभूत् S'iśuVa. 9. 77.

अतिवेपमान (ativepa-māna) *adj.* trembling very much सिन्धोरतिवेपमानतरङ्गपाणेरवलम्बदण्ड: (पुष्णातु) YātrāPra. 5. 29.

अतिवेपित (ati-vepita) *adj* [*f.* -ā] trembling excessively (तान्) हन्यमानान्सुरैर्दृष्ट्वा काव्यमातातिवेपिता DevīBhāP. iv. 11. 43; श्रीशिङ्गभूपप्रतिनायकानां स्विद्यन्ति गात्राण्यतिवेपितानि RasāSu. 143. 18 (2. 101)

अतिवेपिन् (ativep-in) *adj.* trembling excessively तेन भीतेन शप्तोऽहं विह्वलेनातिवेपिना DevīBhāP. ii. 11. 35.

अतिवेल (ati-vela) *adj.* **1 i** belated, taking place after its proper time तदेतद् (आधानम्) आर्तस्यातिवेलं वा श्रद्धायुक्तस्य BaudhS'S. i. 54. 1;

अतिवेलं श्रद्धायुक्तोऽतिशयेन श्रद्धावान् VīraMi. (Samaya.) 271. 34; **1 ii** taking place after the expected time, untimely अतिवेले (पर्वणि) कुसुमफलक्षयो भयं सस्यनाशश्च BṛSaṁ. 5. 24; NāraS. 2(8). 8; अजीर्णातिवेलगुरुविदाहिभोजनवर्जनादीनि ManuBh. i. 345. 11 (*on* 4. 35); **1 iii** unbounded, excessive अतिवेलभृशात्यर्थातिमात्रोद्गाढनिर्भरम्…त्रिष्वेषां सत्त्वगामि यत् AmaK. 132; दीनानामतिवेलभाग्यजननीम् … श्रीमातरं भावये BhramaA. 5; गीर्वाणवामभ्रुवां गाहन्ते तनवोऽतिवेलपवनोद्वेल्लल्लतासौहृदम् S'rīKaC. 17. 62; पायादपायरहितम् … अतिवेलदयाविधेयम् (महः) YātrāPra. 6. 108; अजनि हृदि यदीये कोऽपि हर्षोऽतिवेलः ParamāKā. 85. 67; **1 iv** time and again, frequent यस्यातिवेलपरिवर्तविवर्तमानतोयेन्धनानलशिखावलयेन दध्रे HarVi. 4. 4; **2 i** crossing the shore यथार्णवः सर्पति चातिवेलः MatsyaP. 138. 37; विपक्षप्रभटान् व्याप्नोदतिवेल इवार्णवः DvyāśraKā. 5. 45; लोभसागरमुद्वेलमतिवेलं महामतिः। … निवारयेत् YogS'ā. 4. 22; अतिवेलं भृशे वेलामतिक्रान्ते NānārthaSaṁ. iii. 23. 10; जलमतिवेलमजायताङ्गनानाम् Nalābhyu. 6. 56; YātrāPra. 3. 199(5); **2 ii** limitless, unbounded अतिवेलम्… हृदि कलयति विद्वान् ब्रह्म पूर्णं समाधौ VivеCū. 410; *adv.* (in Cpd.) excessively, for a long time कुचकुड्मलैः … प्रापि…अतिवेलवलज्जलदेवताकनककम्दुकायितम् S'rīKaC. 9. 27; [अतिवेलभृशात्यर्थातिमात्रोद्गाढनिर्भरम् … शीघ्राद्यसत्त्वे AmaK. 132; AgniP. 359. 18; अतिमात्रेऽतिमर्यादमतिवेलातिमानकम् Vaija. 211. 131; मुहुरतिवेलार्थमव्ययम् S'abdaRaSaK. 341. 9]

अतिवेलतीव्र (ativela-tīvra) *adj.* excessively severe प्रतिसंह्यितामयमतिवेलतीव्रः कोपवह्निः SubhaDha. 4. 14(6)

अतिवेलम् (ati-velam) *adv.* **1 i** beyond the proper time, for a long time, greatly, excessively, too much अतिवेलं हि योऽर्थार्थी नेतरौ (=धर्मकामौ) अनुतिष्ठति MahāBhā. iii. 34. 25; सुखप्रिये सेवमानोऽतिवेलं योगाभ्यासे यो न करोति कर्म। वित्तक्षये हीनसुखोऽतिवेलं दुःखं शेते कामवेगप्रणुन्नः MahāBhā. v. 27. 8; यश्चाशिष्यं शासति यश्च कुप्यते यश्चातिवेलं भजते द्विषन्तम् MahāBhā. v. 37. 3; क्लिश्यमानोऽतिवेलम् … ज्येष्ठः पाण्डवः MahāBhā. v. 47. 11; मन्ये तानस्पृशच्छीतमतिवेलमनार्तवम् MahāBhā. vii. 1109*(3); भीमसेनः … क्रुद्धोऽतिवेलं प्रजगाद वाक्यम् MahāBhā. viii. 61. 6; कर्णस्ततो भारत संपराये घोरेऽतिवेलम् … जघान पार्थम् MahāBhā. viii. 1030*(6); xii. 27. 27; पापैः पापे क्रियमाणेऽतिवेलं ततो रुद्रो जायते देव एषः MahāBhā. xii. 74. 17; xii. 146. 5; तेऽतिवेलं प्रहृष्यन्ति संतापमुपयान्ति च MahāBhā. xii. 168. 27; xiv. 17. 8; अमर्षः क्रोधः संरम्भश्चास्थाने … संतापश्चातिवेलम् … इति पित्तोन्मादलिङ्गानि CaraS. ii. 7. 7(2) (1941 Ed.); गुणा ज्ञानवेलादयः। अतिवेलं प्रक्षुभ्यन्ते AhirbuS. 52. 40; मूत्रमतिवेलं विधार्य विमुच्यमानं न प्रवर्तते AṣṭāSaṁ. i. 283. 1 (3. 9); यात्रोत्सवसमाजेषु … नातिवेलं च संपतेत् NītiSā. 7. 40; अतिवेलमसृञ्जि वर्षति प्रतिसेनापतिनिर्गमं नभः RāmC. 33. 23; 33. 77; अमी वैखानसा महानुभावस्यास्य समुचितास्वातिथेयीषु सपर्यास्वतिवेलमुदासते SubhaDha. 1. 5(2); द्वंद्वयुद्धं सुतुमुलं अतिवेलं भयावहम्। व्योमो यमेन युयुधे SkandP. i(1). 17. 138; iv. 16. 102; अतिवेलमुत्तरदिगन्तवर्तिना … अपायि … त्वया यशः NavaSāC. 10. 20; ताभिर्वधूभिरतिवेलमवाप्तसौख्यान्। इक्ष्वाकुतनयान् … प्रथमो रसानाम् … सिषेवे RāmaCam. 1. 1160; जगन्ति मदयति मलयानिलोऽतिवेलम् S'rīKaC. 7. 21; 6. 10; NaiṣC. 14. 49; पारीणः काव्यकर्ता हरिहरचरणांभोजभृंगोऽतिवेलम्। … अलिखत् […स्तोत्ररत्नम्] EI. i. 193. 17; सः … शतमन्युदूतः … अतिवेलमदभ्रबंभ्रम्यमाणपाषाणशकलजालककलितास्थुग्रोदग्रविकटनटनः ĀnandRa. 7. 43(4); अत्यर्थमतिमर्यादमतिवेलं च AbhidhāRaMā. 4. 34; 5. 17; S'abdaRa.(Vā.) 262; **1 ii** time and again, frequently गाण्डीवशब्देन तु तत्र योधा भूमौ निपेतुर्बहवोऽतिवेलम् MahāBhā. iv. App. 53. 47; (धान्यविशेषाणाम्) नवानामतिवेलमतिप्रमाणेनोपयोगः CaraS. ii. 4. 6 (1922 Ed.); (comm. अतिवेलमिति पुनः पुनः); CaraS. ii. 2. 4; पानेन खिन्ना दयितातिवेलं कपोलमाजिघ्रसि किं ममेदम् MatsyaP. 139. 37; अतिवेलमेव मामकाण्डे चण्डकर्मैन्पर्यनुयुञ्जानः कथं न लज्जसे YaśasCam. ii. 346. 22; PadmP. vi. 53. 17; (भूपः) ऋत्विग्भ्यो दक्षिणाम् … संददानोऽतिवेलम् … सुरभरविटपिश्रीभरं संबभार ParamāKā. 75. 96; 132. 64; **1 iii** untimely, after the proper time प्रागेव चैवं समयक्रियायाः किं नाब्रवीः पौरुषमाविदानः। प्राप्तं तु कालं त्वभिपद्य पश्चात् किं मामिदानीमतिवेलमात्थ MahāBhā. iii. 35. 16; पिता भूत्वा भक्तो देवतां पुत्रोऽयमिति परिचरति। यथा वा सत्पुत्रेऽतिवेलं भक्ष्यं न प्रयच्छति वा यथा सर्वेभ्यो दुःखेभ्यो रक्षति PārāSū 58. 2; **2 i** on the seashore (असौ) अतिवेलम् … अभिनवनगरमाससाद ĀnandRa. 3. 25 (47); **2 ii** beyond the limit (of decorum) इत्थमतिवेलं प्रलपन्तमेनम् … सा कुन्तीस्नुषा … वचनमिदम् … उदञ्चयांचकार BhārCam. 6. 60 (1) (comm. अतिवेलं निर्मर्यादं यथा तथा)

अतिवेलमन्यु (ativela-manyu) *adj.* possessed of unbounded anger, greatly enraged दितिरतिवेलमन्युः (पुत्रविनाशात्) RāmāCam. 1. 88 (6)

अतिवेलमहामहस् (ativelamahā-mahas) *n.* unbounded and great lustre अतिवेलमहामहोभिर्निर्मासि कौमुदमुदम् … हिमांशो SkandP. iv. 16. 102; S'ivaP. ii(5). 50. 25 (281B. 9)

अतिवेलमहोर्मि (ativela-mahormi) *m. f.* great wave which crosses the (boundary of the) shore नयसे पारम् … अतिवेलमहोर्मिसंकुले कलुषोदन्वति Yādavā. 9. 60.

अतिवेलमोहपटल (ativelamoha-paṭala) *m.* veil or film (cataract) of unbounded ignorance श्रीमद्रेङ्कटनायकः … । बालानामतिवेलमोहपटलावष्टम्भसीदद्दृशां सम्यक्तत्त्वनिरीक्षणाय तनुते सत्तर्कसिद्धाञ्जनम् NyāySiA. 187. 11.

अतिवेलरस (ativela-rasa) *m.* boundless love अतिवेलरसोदयानुभावात् कलयन्ती … निजकामुकाभिसारम् YātrāPra. 7. 45.

अतिवेलवचोझरी (ativela-vacojharī) *f.* boundless stream of speech (यतिः) अतिवेलवचोझरीनिरस्तप्रतिवादी … अयासीत् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 15. 76.

अतिवेलवत् (ativela-vat) *adv.* like (the word) *ativela* प्रकाममतिकामं च निकामं चातिवेलवत् KośaKaTa. 1. 545.

अतिवेलवलत् (ativela-valat) *adj.* excessively moving up and down कुचकुड्मलैः … सुचक्षुषाम्। प्रापि…अतिवेलवलज्जलदेवताकनककन्दुकायितम् S'rīKaC. 9. 27 (comm. वलन्ति ऊर्ध्वाधो गच्छन्ति)

अतिवेलवेपथुभृत् (ativelavepathu-bhṛt) *adj.* possessing excessive tremor प्रस्थापयन्तौ युवा हस्तेनाप्यतिवेलवेपथुभृता न स्प्रष्टुमीशावहे KaṁVa. 4. 14.

अतिवेलश्रद्धा (ativela-śraddhā) *f.* boundless faith अतिवेलश्रद्धामात्रशरणानधिगम्य मूर्खान् NīlaVi. 32. 11.

अतिवेलश्वास (ativela-śvāsa) *m.* excessive inhaling वासुकेरतिवेलश्वासनिःश्वासपरंपरापरिणमदुपचयापचया … भोगयष्टिः NīlaVi. 85. 1; 52. 17.

अतिवेला (ati-velā) *f.* **i** proper time that has elapsed स्वामिन् मध्याह्नकृत्यानामतिवेलाभवत् कुतः TrisaS'aPuC. iii. 3. 164; **ii** late hour (i. e. evening) यायात् … । नातिप्राङ् नातिवेलायाम् MṛgendraT. iv. 1. 63 (comm. अतिवेलायाम् – सायम्)

अतिवेलानन्द (ativelānanda) *m.* boundless joy भाषितं स प्रियायाः। …अथ सान्द्रा (v. l. अतिवेला) नन्दमाध्वीकमत्तः … अन्वाचचक्षे NaiṣC. 3. 145.

अतिवेलापादित्व (ativelāpādi-tva) *n.* the state of taking more time गान्धारोऽतिवेलापादित्वात् परस्परगमनं च संगतिः BṛDeśī. 69. 16.

अतिवैकल्य (ati-vaikalya) *n.* great uneasiness or bewilderment भस्मकात् भ्रमः क्लमोऽतिवैकल्यम् HārīS. iii. 6. 12; अधैर्ये स्वल्पेऽपि निमित्तेऽतिवैक्लव्यम् BālamBha. lii. 130. 30.

अतिवैक्लव्य (ati-vaiklavya) *n.* great distress अम्ब किमतिवैक्लव्येन। … समाश्वसिहि Nāgā. 4. 10(1).

अतिवैचक्षण्य (ati-vaicakṣaṇya) *n.* great proficiency भर्ता रागमञ्जर्याः कलासु कवित्वेषु लोकवार्तासु चातिवैचक्षण्यान्मया समसृज्यत DaśKuC. 59. 8.

अतिवैचित्री (ati-vaicitrī) *f.* extreme diversity अश्रूणां दृगौच्छून्यकारित्वमवदातता। तथा तारातिवैचित्रीवैलक्षण्यविधायिता BhaktiRaSi. ii. 3. 30.

अतिवैणविक्वाण (ati-vaiṇavikvāṇa) *adj.* surpassing the tunes of the lute चारणाः … अतिवैणविक्वाणनिपाठ्युक्ताः … स्तवमादरान्निर्ममिरे भटानाम् DvyāśraKā. 12. 63.

अतिवैतत्य (ati-vaitatya) *n.* great extent स्वस्मिन् सूत्ररूपके दृष्टे सुज्ञानो भवति अतिवैतत्यभयात्तु न प्रदर्शितः AbhinBhā. iii. 172. 25 (*on* 22. 48)

अतिवैतृष्ण्य (ati-vaitṛṣṇya) *n.* extreme detachment (मनःप्रसादसिद्ध्यर्थम्) विषयेष्वतिवैतृष्ण्यम् शौचम् SarvaVeSāSaṁ. 105.

अतिवैदग्ध्य (ati-vaidagdhya) *n.* great wisdom or skill वेश्याकामुकः च सर्वान् कामान् विशेषयत्यतिवैदग्ध्यात् AbhinBhā. iii. 232. 16 (*on* 23. 1); साधु चेदमुच्यते (v. l. अतिवैदग्ध्यं हि दोषाय) PañcT. 1. 157 (153. 16)

अतिवैधर्म्य (ati-vaidharmya) *n.* extreme dissimilarity or incongruity क्वचिद्यदतिवैधर्म्यान्न श्लेषो घटनामियात्। … स एष विषमो मतः KāvyPra. 719. 5.

अतिवैपरीत्य (ati-vaiparītya) *n.* great perversity, exactly opposite nature तरुणस्य शौर्यम् … । तच्चित्रवृत्तेर्विविधस्वभावात् पर्यायशो यात्यतिवैपरीत्यम् DarpDa. 5. 4.

अतिवैभव (ati-vaibhava) *n.* great splendour नौमि भवतीं दर्शयित्वातिवैभवम् PadmP. iv. 71. 45; अतिवैभवयुक्तौ तौ विवाहं चक्रतुस्तयोः GaṇeP. ii. 32. 23.

अतिवैमनस्यभाज् (ativaimanasya-bhāj) *adj.* possessed of great displeasure आबध्य स्रजमभिधाविपर्ययेण…श्यामाया ददतिवैमनस्यभाजः …अन्यः HarVi. 17. 90.

अतिवैयात्य (ati-vaiyātya) *n.* great perversity असावतिवैयात्याचव-

नान् … । अश्रयच्छ्रेयसे स्वाय तेन मे दूयते मनः ParamāKā. 86. 16.

अतिवैर (ati-vaira) *n.* great enmity उपसर्गे तयोदारे क्रियमाणेऽतिवैरतः । …केवलं राज्यं संप्राप्तो रतिवर्धनः PadmP.(Ra.) 108. 38; VarāṅgaC. 5. 56; स्वामिकार्यवशान्मन्त्री पुत्रं पश्यति शत्रुवत् । शत्रुमप्यतिवैरार्हं पुत्रवत् परिरक्षति Rāj-Ta.(S'rī.) 3. 326.

अतिवैरस्य (ati-vairasya) *n.* great disgust or tastelessness यूकामक्षिकादयः । त्यजन्ति वातिवैरस्यात् … सोऽपि वर्षं न जीवति AṣṭāHṛ. ii. 5. 25.

अतिवैराग्य (ati-vairāgya) *n.* great detachment तपसे वनमाययौ । अतिवैराग्यसंयुक्तः GaṇeP. ii. 137. 59; धर्मः … । सुकरः संयमारूढैरतिवैराग्यरंगितैः PrabhāC. 54. 11; TattvPrakā. 141A. 12 (*on* iii. 1. 9)

अतिवैरिन् (ati-vairin) *adj.* extremely inimical चिन्तका येऽतिवैरिणः । (यत्र गच्छन्ति तच्छृणु) VarāP. 195. 12; उन्मेषं यो मम न सहते योऽतिवैरी निशायामिन्दोः SūktiMu. 74. 13.

अतिवैलक्षण्य (ati-vailakṣaṇya) *n.* great dissimilarity आत्मबुद्ध्योश्च अतिवैलक्षण्यम् PratyabhiVi. i. 109. 4 (*on* i. 2. 8); जडत्वेन भिन्नेन्द्रियग्राह्यत्वेन भिन्नाधिकरणत्वेन ततोऽतिवैलक्षण्यात् AbhinBhā. i. 274. 9 (*on* 6. 31) = Kāvyānu. (He.) 71. 8; AṇuBh. i. 227. 12 (*on* iii. 3. 24); उभयोश्चेतनत्वेन छायातपवदतिवैलक्षण्यासंभवात् S'ivārkaMaDī. i. 349. 11 (*on* i. 2. 11)

अतिवैलक्ष्य (ati-vailakṣya) *n.* great perplexity केषांचित्त्वतिवैलक्ष्यात् स्वदेशगमनं प्रति । विररामातिदूरेण मनः PadmP.(Ra.) 24. 94.

अतिवैशद्य (ati-vaiśadya) *n.* extreme lucidity or clarity अतिवैशद्याय निदर्शनान्तरं दर्शयति TattvVai. 150. 23 (*on* 3. 22)

अतिवैशस (ati-vaiśasa) *n.* great cruelty or carnage सिद्धराजोऽपि दृष्ट्वेदमतिवैशसम् । विचिकित्सां दधौ चित्ते PrabhāC. 192. 14.

अतिवैशसा (ati-vaiśasā) *adj.* (*f.*) very harsh or cruel आततायिभिरुत्सृष्टा हिंस्रा वाचोऽतिवैशसाः BhāgP. iii. 19. 21.

अतिवैषम्य (ati-vaiṣamya) *n.* **i** great unevenness (of the ground) विस्तीर्णतातिवैषम्यं रसधान्येध्मसंग्रहः । … दुर्गसंपदः Hitopa. 3. 51; **ii** great dissimilarity संसारफलस्य मोक्षफलस्य चातिवैषम्यात् BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 454. 6 (*on* iv. 2. 7)

अतिवैष्णव (ati-vaiṣṇava) *adj.* greatly devoted to Viṣṇu हिरण्यकशिपोः पुत्राश्चत्वारः … । अनुह्रादश्च ह्रादश्च प्रह्रादश्चातिवैष्णवः । संह्रादश्च चतुर्थः AgniP. 19. 7.

अतिवोढुम् (ati-voḍhum) *inf.* to carry over or beyond अग्निर्वै देवेभ्यो हव्यं नवमादह्नो दशममहर् अभ्यतिवोढुं नाकामयत JaimiBr. 3. 269.

अतिवोढृ (ati-voḍhṛ́) *adj.* one who carries over or across, guide अथोऽअग्निर्वै पथोऽतिवोढा S'atBr. XIII. viii. 4. 6; स उ एव पुनर्मृत्योरतिवोढा JaimiBr. 1. 245; (अर्चिरादयः) किं विदुषां ब्रह्म प्रेप्सतामतिवोढारः BrahmSū-Bh.(Rā.) 748. 14 (*on* iv. 3. 4); किमर्चिरादयो मार्गचिह्नभूताः उत भोगभूमयः उतातिवोढारः S'rutaPra. ii. 618. 24 (*on* iv. 3. 4); अतिवाहे भवा आतिवाहिकाः भगवदाज्ञया भागवतानां विदुषामतिवोढारः VedāntKau. 415. 19 (*on* iv. 3. 4)

अतिव्यक्त (ati-vyakta) *adj.* [*f.* –ā] clearly observable, quite clear or obvious तानि (चुम्बनादीनि) प्रथमरते नातिव्यक्तानि KāmSū. 105. 12 (2. 3); तानि चुम्बनादीनि पञ्च । प्रथमरते इति रतस्यारम्भे । नातिव्यक्तानि नातिस्फुटानि JayaMa. 105. 15 (*on* 2. 3); अप्राकृतेषु पात्रेषु यत्र वीरः स्थितो रसः । भेदैः सूक्ष्मैरभिव्यक्तैः (v. l. °रतिव्यक्तैः) प्रत्याधारं विभज्यते MahāvīC. 1. 3; यत्किल कौकिली मायूरी माराली चेति प्रधानजातित्वं कवीनां तदपि क्वचित् किंचन समन्तादस्ति सम्यगतिव्यक्तमेव UdaySuKa. 149. 4; चाक्षुषे सविकल्पके शब्दस्यापि करणत्वाङ्गीकरणाच्च अतिव्याप्तिः अतिव्यक्ता TarkSaṁ.(Ā.) 88. 11.

अतिव्यक्ततर (ativyakta-tara) *adj.* extremely obvious or clear (प्रख्याः प्रत्यक्षज्ञानानि) स्फुटतरविनिविष्टस्फोटबिम्बमिव प्रत्ययमतिव्यक्ततरमुद्भावयन्ति SphoṭSi. 103. 3.

अतिव्यक्तत्व (ativyakta-tva) *n.* the state of being very clear or obvious अर्थसिद्धस्य अर्थस्य पुनर्वाचकशब्देन उक्तौ पुनरुक्तेः अतिव्यक्तत्वात् Tark-Saṁ.(Ā.) 100. 24.

अतिव्यक्तम् (ati-vyaktam) *adv.* in a very distinct manner, very distinctly (audible) नातिव्यक्तं न चाव्यक्तमेवं वर्णानुदीरयेत् TaiPrāti. 17. 8; ते क्षत्रियाः क्षतैर्गात्रैर्हतभूयिष्ठवाहनाः । शरैः संपीड्यमानाश्च नातिव्यक्तमिवाब्रुवन् MahāBhā. ix. 24. 40; तुदन्नखैस्तु स (धृष्टद्युम्नः) द्रौणिं नातिव्यक्तमुदाहरत् MahāBhā. x. 8. 19; अतिरिक्तोऽधिकोल्बणम् (v. l. अतिव्यक्तं त्वकोल्बणम्) ParyāRaMā. 1058.

अतिव्यक्तव्याप्ति (ativyakta-vyāpti) *f.* clear invariable concomitance अनिरुक्तेरतिव्यक्तव्याप्तेरुक्तेन हेतुना । तद् द्वैविध्यं निराबाधं न संसिध्येन्निराश्रयम् TarkSaṁ.(Ā.) 93. 5.

अतिव्यक्ताक्षरम् (ativyaktākṣaram) *adv.* with very clearly audible sounds एकः पटुर्बटुः सौम्यः प्रज्ञावक्तृत्वशेवधिः । तर्कशास्त्रसदभ्यासोपन्यासं पाठ(? ठि)तस्ततः । अतिव्यक्ताक्षरं तेनादायि पाठो गुरोः पुरः PrabhāC. 158. 6.

अतिव्यक्तान्वयत्व (ativyaktānvaya-tva) *n.* the state of having a very clear syntactic connection श्रुतिसुखत्वम् … अतिव्यक्तान्वयत्वमिति काव्यस्य गुणाः NitiVā. 32. 5.

अतिव्यक्ति (ati-vyakti) *f.* clear cognition, extreme obviousness सौन्दर्यादेरतिव्यक्तेर्नियमोऽपि कुतो भवेत् TarkSaṁ.(Ā.) 58. 4; संज्ञासंज्ञिसंबन्धोल्लेखेन ज्ञानोत्पत्तिनिमित्तं सविकल्पकमित्यपि न । अतिव्याप्तेरतिव्यक्तेर्नेदं लक्षणमिष्यते TarkSaṁ.(Ā.) 87. 29.

अतिव्यग्रत्व (ativyagra-tva) *n.* the state of being extremely engrossed तथा चातिव्यग्रत्वात्ते तिलाः कथमपि दैवाच्छुना विद्गालिताः Tantrākhyā. 65. 8.

अतिव्यग्रा (ati-vyagrā) *adj.* (*f.*) extremely engrossed, extremely excited (पद्मा शुकमाह) गते त्वय्यतिव्यग्राहं शान्तिस्तेऽस्तु रसायनात् । रसायनं दुर्लभं मे सुलभं ते शिवाश्रमे KalkiP. ii. 2. 8.

अतिव्यग्रीभू (ativyagrī-bhū-) I. P. to be excessively attentive, to be extremely occupied with भो भोस्तपोधनाः लब्धश्लाघ्यातिथयोऽपि किमिति नातिव्यग्रीभवन्ति भवन्तः SubhaDha. 1. 5(4)

अतिव्यतिकृति (ati-vyatikṛti) *adj.* over-mixture (of colours) नीलेष्वतिव्यतिकृतिः (v. l. (GOS.)) पालाश इति शस्यते ViṣṇuDhaP. iii. 4o. 18.

अतिव्यतिक्रम (ati-vyatikrama) *m.* excessive delay मार्गमाणो (v. l. °णे) महादोषः कालस्यातिव्यतिक्रमः Rāmā. vi. 2039.*

अतिव्यथ् (ati-vyath-) I. Ā. to be very much unhappy प्रत्यग्दृशां श्रेष्ठो वसिष्ठो नातिविव्यथे RāmāCam. 2. 40.

अतिव्यथ (ati-vyatha) *adj.* cf. **दुरतिव्यथ** KāṭhS. 25. 1; KapiS. 38. 4 [Viśva.]

अतिव्यथन (ati-vyathana) *n.* excessive or severe pain सपत्त्रनिष्पत्त्रादतिव्यथने P. v. 4. 61 = CāndraVyā. iv. 4. 45; अतिव्यथनम् अतिपीडनम् KāśiVṛ. *on* P. v. 4. 61; KātanVṛ. *on* ii. 6. 40; SaraKaṇṭhā.(Gr.) v. 4. 74; SiddhaHe. vii. 2. 138; आभ्यां क्रिञो योगे डाजतिव्यथनेऽर्थे PrakriKau. i. 954. 5.

अतिव्यथा (ati-vyathā) *f.* excessive or severe pain तच्छ्रुत्वा व्यथनं राजा विह्वलोऽतिव्यथाकुलः । संस्तभ्याधिं नृपः प्राह वरुणम् DevīBhāP. vi. 12. 46; मृतौ चिरं भवं भ्रान्तौ सहमानावतिव्यथाम् PālaGoKa. 222; संलापस्त्वधुना सुदुर्घटतमस्तत्रापि नातिव्यथा PuṣpBāVi. 19.

अतिव्यथित (ati-vyathita) *adj.* [*f.* –ā] greatly distressed, very much pained उपह्वरेऽतिव्यथिता तस्याङ्के निषसाद ह (भागीरथी) MahāBhā. vii. App. 8 (492); (मलयवती) ततो निजमन्दिरं प्राप्य मकरकेतुना दृष्टा अतिव्यथिताभवत् VetāPañ. 85. 20; प्रत्यक्षं परोक्षं वा रिपुराजकुलनिर्भर्त्सितेन अतिव्यथितकर्णमूलहृदयः BhāgP. v. 14. 11.

अतिव्यध् (ati-vyadh-) IV. P. to pierce through, to bore holes ऐन्द्राग्नं वर्म बहुलं यदुग्रं विश्वे देवा नातिविध्यन्ति सर्वे AV. viii. 5. 19; तस्यै (वीणायै) मूले दण्डं दशधातिविध्यन्ति S'āṅkhāS'S. xvii. 3. 6.

अतिव्यध (ati-vyadha) *m.* excessive opening (of a vein) दुर्व्यधातिव्यधकुट्टित … दोषात् AṣṭāSaṁ. i. 180. 10 (1. 36)

अतिव्यपहार (ati-vyapahāra) *m.* stealing a great quantity अतिव्यपहारो व्यृद्धः ĀpaDS. i(10). 28. 4.

अतिव्यय (ati-vyaya) *m.* lavish expenditure, extravagance नन्वयमतिव्ययः PadmPrā. 12. 2; अतिव्ययमसद्व्ययं वा कुर्वाणं रहसि बोधयेत् KāmSū. 235. 16 (4. 1); अतिव्ययोऽनपेक्षा च तथार्जनमधर्मतः । …कोषव्यसनमुच्यते Hitopa 2. 84; क्रतौ विवाहे … अतिव्ययो नास्ति Hitopa. 3. 120; ताम्बूलं मदिरा माल्यं सुगन्धं च विलेपनम् । अतिव्ययेन दातव्यं रतिकालोपयोगतः ViṭVṛ. 67; अतिव्ययोऽपात्रव्ययश्चार्थस्य दूषणम् NitiVā. 16. 19; अतिव्ययमुचितव्ययादधिकं (कुर्वाणम्) रहसि बोधयेत् JayaMa. 235. 17 (*on* 4. 1)

अतिव्ययकर्तृ (ativyaya-kartṛ) *adj.* lavishly spending, extravagant (शौण्डिकादयः) अतिव्ययकर्तारमत्याहितकर्माणं च निवेदयेयुः ArthS'ā. i. 351. 5 (2. 36); i. 292. 4 (2. 25); ii. 143. 4 (4. 6)

अतिव्ययकर्मन् (ativyaya-karman) *n.* lavish expenditure, over-expenditure (गणिकायाः) अतिव्ययकर्म च वारयेत् ArthS'ā. i. 302. 7 (2. 27)

अतिव्ययकारिणी (ativyaya-kāriṇī) *adj.* (*f.*) spending too much, extravagant अतिव्ययकारिणी या भार्या भवेत्साधिवेत्तव्या तस्यां सत्यामन्यो विवाहः कार्यः ManvaMu. 378. 1 (*on* 9. 80)

अतिव्ययता (ativyaya-tā) *f.* excessive expenditure अल्पागमातिव्ययता क्षयः ArthS'ā. ii. 318. 6 (7. 12)

अतिव्ययवत् (ativyaya-va(n)t) *adj.* spending lavishly, extravagant अतिव्ययवानपीयता सुखं निर्वहिष्यते PurāPraSaṁ. 17. 4.

अतिव्ययवर्जन (ativyaya-varjana) *n.* avoidance of extravagance, abstaining from lavish expenditure षाड्गुण्यप्रयोगः अप्रमादः अतिव्ययवर्जनम् …एवमादीनि विनयः ManuBh. ii. 13. 9 (*on* 7. 42)

अतिव्ययशील (ativyaya-śila) *adj.* [*f.* -ā] spend-thrift, fond of lavish expenditure तथातिव्ययशीलैश्च परिवादरतैः शठैः । बुधो मैत्रीं न कुर्वीत VisṇuP. iii. 12. 7; MārkP. 34. 88; न चातिव्ययशीला स्यान्न धर्मार्थविरोधिनी VedaVyāSm. 2. 34; अर्थघ्नी अतिव्ययशीला भाण्डोपस्करणं न परिरक्षति ManuBh. ii. 266. 7 (*on* 9. 80); अतिव्ययशीलम् … अमात्यं न कुर्वीत NitiVā. 18. 13; गच्छेन्मैत्रीम् … । न चातिव्ययशीलैश्च पुरुषैः BrahmP. 221. 83; BhaviP. 895B. 28 (iv. 205. 16)

अतिव्ययशीलता (ativyayaśīla-tā) *f.* habitual extravagance, lavish expenditure तत्र दैवं स्वकृतप्रमादः अतिव्ययशीलता ManuBh. ii. 48. 28 (*on* 7. 166)

अतिव्यवधान (ati-vyavadhāna) *n.* long gap, long intervention, great distance अनेन हि नातिव्यवधानोक्तं पद्मावतीगृहे च यद्वासवदत्तास्थापनं तस्य गूढं प्रयोजनं व्याख्यातम् AbhinBhā. ii. 425. 4 (*on* 18. 35); अतिव्यवधानाद-संप्रयुक्तरजताकारस्यापरोक्षगोचरभावानुपपत्तिः NyāyMa. 83. 1; अतिव्यवधानेना-सक्त्यभावात् LaCandr. 423. 40; द्वितीयपदार्थानुष्ठाने त्रिंशतेत्येवमतिव्यवधानं स्यात् MayūMāli. 410. 22 (*on* v. 1. 5)

अतिव्यवहार (ati-vyavahāra) *m.* excessive use or appropriation अतिव्यप(v. l. व)हारो व्यृद्धो भवति ĀpaDS. i(10). 28. 4.

अतिव्यवहित (ati-vyavahita) *adj.* very remote, excessively intervened अतिव्यवहितस्यापरोक्षतानुपपत्तेरनिदन्तयैव बहिरवस्थानप्रतिषेधः NyāyMa. 101. 10; अतिव्यवहिते नेष्टम् । प्रत्ययते KātanVr̥. *on* iii. 6. 99.

अतिव्यवहितप्रयोग (ativyavahita-prayoga) *m.* use of widely separated (words) व्युत्क्रान्तातिव्यवहितप्रयोगान्मोहकारिणी Kāvyāda. 3. 99.

अतिव्ययादिव्यसनिन् (ativyayādi-vyasanin) *adj.* addicted to extravagance and other (vices) नरपतिः … अतिव्ययादिव्यसनी गर्भेश्वरतयाभवत् RājTa.(Ka.) 7. 143.

अतिव्ययिन् (ati-vyayin) *adj.* very extravagant अतिव्ययिनं पुत्रम् … पिता । सन्धिं दूतैरयाचत RājTa.(Ka.) 7. 488; 8. 1947.

अतिव्यवाय (ati-vyavāya) *m.* over-indulgence in sexual intercourse अतिव्यवायव्यायामवेगाघातविदाहिभिः ।… दोषाः कुपिताः SuśruS. ii. 9. 16; अतिव्यवायाद्बस्तिनेत्रासम्यक्प्रणिधानात् … प्रकुपितो वायुः CaraS. vi. 14. 9 (1941 Ed.); चिन्तयातिव्यवायात्सम्भूतिः स्यात् … राजयक्ष्मेति संज्ञितः HārīS. iii. 9. 106; अतिव्यवायमायासम् … त्यजेत् AṣṭāHr̥. ii. 1. 44; अतिव्यवाय°…°गजविग्रहैः … वायुर्गृहीत्वा कासमाचरेत् RugVi. 11. 8; अतिव्यवायाज्जायन्ते रोगाः BhāvPra. 5. 313.

अतिव्यवायतस् (ativyavāya-tas) *adv.* due to excessive sexual intercourse अतिव्यवायतः वायुः … प्रकुपितः AṣṭāHr̥. iii. 7. 10.

अतिव्यवायशील (ativyavāya-śila) *adj.* indulging in excessive sexual intercourse अतिव्यवायशीलः … ध्वजभङ्गमवाप्नोति SiddhYo. 70. 3.

अतिव्यवायिता (ativyavāyitā) *adj.* (*f.*) having excessive sexual intercourse अतिव्यवायितां गर्भिणीम् … न विपरीतव्यवाये योजयेत् AṣṭāSaṁ. i. 60. 1 (*on* 1. 9)

अतिव्यवायिन् (ati-vyavāyin) *adj.* having excessive sexual intercourse अतिव्यवायिनः … क्षीयन्ते धातवः SuśruS. vi. 41. 10; वृद्धस्यातिव्यवायिनः CaraS. vi. 17. 42 (1941 Ed.); न कुर्वीत सिरामोक्षं कृशस्यातिव्यवायिनः S'ārṅgaS. iii. 12. 19.

अतिव्यसन (ati-vyasana) *n.* **A** great misfortune, severe calamity तमतिव्यसनापातम् … अभजन्त क्रमाद् भृत्याः प्रतिपक्षसमाश्रयम् RājTa.(Ka.) 8. 791 (1835 Ed.); **B** excessive attachment, over-fondness शन्तनुरतिव्यसनादेकाकी … विललाप HarṣaC. 137. 1; VāsaDa. 276. 7; नातिव्यसनवर्तित्वं सुखिताक्लिष्टकारिता ।… इति सिद्धस्य लक्षणम् TantrRā. 35. 74.

अतिव्यसनिन् (ati-vyasanin) *adj.* [*f.* -sanī (? -saninī)] very much attached to पौरन्दरे पुष्पवती विमर्षा विनिन्दितातिव्यसनी(? व्यसनिनी) VasiS. 24. 22; ततोऽपि सोऽतिव्यसनी … दारुमयं हंसयुगं व्यधात् KathāSaSāg. vii. 9. 25.

अतिव्यस्त (ati-vyasta) *adj.* widely separated अवर्णे नाप्युपसंहृतमोष्ठहनु नातिव्यस्तम् TaiPrāti. 2. 12.

अतिव्याकुला (ati-vyākulā) *adj.* (*f.*) extremely quivering तडितो भ्राम्यन्त्यतिव्याकुलाः S'ārṅgaPa. 3887 [nt.]

अतिव्याकुलता (ativyākula-tā) *f.* much confusion or perplexity अतिव्याकुलतया प्रक्षिप्तपरादेशबहुवाक्यानाम् … ब्रह्मसंस्थतास्थेया PrakaVi. 956. 10.

अतिव्याख्या (ati-vyākhyā) *f.* very recondite exposition प्रतिपत्ता कष्टां दशामावेशितः प्रज्ञाशालिभिरतिव्याख्यया TātpṬ.(Vā.) 89. 24 (*on* i. 1. 1)

अतिव्याख्येय (ati-vyākhyeya) *adj.* requiring much exposition पञ्चभिः सन्धिभिर्युक्तं नातिव्याख्येयमृद्धिमत् Kāvyālaṅ.(Bh.) 1. 20.

अतिव्याध (ativyādha) *m.* name of an *ekāha* sacrifice अथाग्नेरतिव्याधः समानमभिचरणीयं शिल्पम् BaudhS'S. 405. 15.

अतिव्याधि (ati-vyādhi) *m.* plenty of disease प्रवर्षोष्णशीतमतिव्याधिप्रायमुपक्षीणाहारोपभोगम् … कालं परश्चेष्टिष्यते, विपरीतमहम् इति तस्मिन् विशेषे परिपणितकालं सन्धिमुपेयात् ArthS'ā. ii. 270. 10 (7. 6); वैद्योऽनवद्यः … व्याधेरतिव्याधिरिवायमेति Vidvanmo. 2. 23.

अतिव्याधिन् (ativyādh-ín) *adj.* mightily piercing through, wounding seriously आ राष्ट्रे राजन्यः शूर इषव्योऽतिव्याधी … जायताम् VājaS. 22. 22; द्वौ बाणवन्तौ सपत्नातिव्याधिनौ हस्ते कृत्वा S'atBr. XIV. vi. 8. 2 = BrĀraU. iii. 8. 2; आह वै तत्र राजन्योऽतिव्याधी जायते TaiBr. III. ix. 19. 3; यर्हि वा एतेन पुरेजिरे सर्वमेव वीर्यवदास … अतिव्याधी राजन्यः शूरः JaimiBr. 2. 266 (8); तस्मात्ततो ब्राह्मण ऋषिकल्पो जायतेऽतिव्याधी राजन्यः शूरः JaimiUBr. i. 4. 2; *m.* name of a sacrifice एष वातिव्याधी नाम यज्ञः S'atBr. XIII. iii. 7. 9 = TaiBr. III. ix. 19. 3.

अतिव्याध्य (ati-vyādhyà) *adj.* easily penetrable यत्ते काम शर्म त्रिवरूथमुद्भु ब्रह्म वर्म विततमनतिव्याध्यं कृतम् AV. ix. 2. 16 = AV.(P.) xvi. 77. 1.

अतिव्याध्यर्दित (ativyādhyardita) *adj.* suffering from severe disease अतिव्याध्यर्दिता लोकाः क्षितीशाः कलहोत्सुकाः । प्रमोदाब्दे NāraS. iii. 0. 20.

अतिव्यापक (ati-vyāpaka) *adj.* over-extensive, over-pervasive, too wide तदपि … अतिव्यापकं च व्यभिचार्यादिबोधानामित्यपेक्षणीयम् NyāyMañ. i. 100. 13; i. 385. 3; न वृक्षादीनां शरीरत्वमित्यतिव्यापकं लक्षणम् NyāyMañ. ii. 45. 16; ii. 132. 15; ii. 170. 30; अतिव्यापकमिदं लिङ्गलक्षणम् । प्रकरणसमे कालात्ययापदिष्टे च भावात् NyāyKa. 202. 13; कार्यानाश्रयो गुण इति चातिव्यापकम् । कर्मण्यपि गतत्वात् Kiraṇā. 160. 2; ध्वनिस्वरूपमनाख्येयमित्यतिव्यापकं लक्षणं स्यादिति भावः Loc. 233. 13 (*on* 3. 53 (48)); क्रत्वर्थलक्षणं यत्तु तदतिव्यापकं मतम् TarkRa. 8. 9 (*on* iv. 1. 2); NyāyRaMā. 50. 14; अतिव्यापकमिदं लक्षणमप्रमाणेऽपि स्मृत्यादौ भावात् NyāyRa. 134. 18 (*on* 4. 4); 406. 17 (5); NyāyMa. 356. 8; स्नेहस्तु स्वरूपासिद्धोऽतिव्यापकश्च । जलेऽननुभवात् घृतादौ पार्थिवेऽनुभवाच्च Upask. 70. 5 (*on* ii. 1. 2); SarvaDaKau. 5. 19; अतिव्यापकं चैतल्लक्षणं शब्दमात्रसाधारणत्वात् YuktiSneha. 72. 22 (*on* 1. 1. 5); नन्विदं धर्मलक्षणमात्मतत्त्वसाक्षात्कारेऽतिव्यापकम् VīraMi. 22. 5 (*on* 1. 8)

अतिव्यापकता (ativyāpaka-tā) *f.* the state of being over-pervasive or over-extensive चेष्टा व्यापारः स चातिव्यापकतया अव्यापकतया च न लक्षणम् TātpaṬ.(Vā.) 219. 1 (i. 1. 11); न तु सदेव विशेषणम् अतिव्यापकतया अलक्षणत्वात् NyāyVārPari. 538. 2; 651. 4.

अतिव्यापकतादोष (ativyāpakatā-doṣa) *m.* fault of over-pervasiveness तथापि स एवातिव्यापकतादोषः KhaṇḍanKhā. 632. 9.

अतिव्यापकत्व (ativyāpaka-tva) *n.* the state of being too wide, over-pervasiveness ननु चित्तोद्वेगादात्मन एव पीडोत्पद्यत इति कथमतिव्यापकत्वमित्याशङ्क्य आह TātpaṬ.(U.) 111. 21 (2. 245); तदेतदप्यतिव्यापकत्वादसमाधानमिति S'arka. 72. 6; प्रकृतमतिव्यापकत्वं लक्षणस्योपसंहरति Kāśi. i. 208. 14 (4. 14); TātpaṬ.(Vā.) 22. 2 (i. 1. 1); 375. 19 (i. 2. 25); धात्वर्थमात्रस्य चातिव्यापकत्वात् Kiraṇā. 340. 6; अतो लक्षणस्य नातिव्यापकत्वम् NyāyVārPari. 212. 1; 314. 4; परत्र पूर्वदृष्टावभास इत्यलक्षणमतिव्यापकत्वात् Bhām. 10. 6 (i. 1. 1); 'अव्ययीभावाच्च' इत्येतदतिव्यापकत्वादकृत्वा परिमुखादिभ्य एव ञ्यो विधेयः Pradī. 208A. 30 (P. iv. 3. 59); अतिव्यापकत्वं चात्र प्रसरीसर्ति । सर्वानुमानेषु तत्तत्सपक्षस्योपाधितापातात् PrakaVi. 567. 14; TarkSaṁ.(Ā.) 13. 7 (1. 5); 23. 3 (1. 10); 29. 25 (1. 14); न च कृतजातीयत्वलक्षणं शस्त्रक्रियत्वमुपाधिः । सत्तयातिव्यापकत्वात् NyāyKu. 89. 11.

अतिव्यापन (ati-vyāpana) *n.* undue extension, over-application तत्तु … तन्मूलोक्ते लिङ्गोदाहरणे अतिव्यापनाच्चोपेक्ष्यम् RasGaṅ. 154. 18 (2); 213. 6 (2); 462. 6 (2); 585. 6 (2); अप्राप्तांशस्य पूर्तिः फलमपि यदि तत्राधिकं योजनीयं शेषांशव्यर्थता स्यादखिलफलकताविध्यतिव्यापनं च VidhiRa. 109. 14 (18)

अतिव्यापिन् (ativyāp-in) *adj.* [*f.* -ī] over-extensive, unwarrantedly applicable अतिव्यापिनी शब्दार्थस्य व्यवस्था स्यात् Nyās. i. 153. 17 (*on* i. 2. 10); ननु लक्षणमतिव्यापि NayaVi. 143. 1 (*on* i. 1. 5); धर्माधर्मजनकत्वं जातेरपीति कारणत्वमतिव्यापीति चेन्न Upask. 28. 3 (*on* i. 1. 8)

अतिव्यापृता (ati-vyāpr̥tā) *adj.* (*f.*) fully engrossed रोदित्यङ्कगतां विलोक्य सुचिरं वीणामतिव्यापृता S'r̥ṅgāTi.(Ru.) 2. 22.

अतिव्याप्त (ati-vyāpta) *adj.* over-pervasive, too wide, applied beyond limit लक्षणं नातिव्याप्तम् TattvPrakā. 15A. 13 (*on* i. 1. 11); तच्चात्मन्यनिर्व-

चनीयेऽप्यस्तीत्यतिव्याप्तम् NyāySu.(Ja.) 41B. 2 (*on* i. 1. 1); न हि⋯सत्यत्वादिकं प्रत्येकमतिव्याप्तम् Nyāyāmṛ. 458B. 7; गुणक्रियाशून्यत्वमाद्यक्षणे घटादावतिव्याप्तम् SiddhāMu. 8. 4 (*on* 14); इदं व्यावहारिकलक्षणमतिव्याप्तम् AdvaiSi. 659. 7; तत्रातिव्याप्तं ब्रह्मलक्षणम् S'ivārkaMaDī. i. 234. 23; तच्चातिव्याप्तमग्नेर्विकृतिजुषि विधौ VidhiRa. 18 (109. 8) (*on* i. 1. 17); तदनुवादस्याप्रामाण्यसाधनात् ⋯ अतिव्याप्तम् MānaMe. 6. 5; तत्परकीयासामान्ययोरतिव्याप्तमिति नास्माभिरङ्गीक्रियते S'ṛṅgāMañ.(A.) 3. 20.

अतिव्याप्तत्व (ativyāpta-tva) *n.* over-pervasiveness इन्द्रियाश्रयत्वभोगायतनत्वयोः स्थावरादिषु⋯अतिव्याप्तत्वाच्च शरीरलक्षणत्वानुपपत्तेः NītiMā. 40. 2.

अतिव्याप्ति (ati-vyāpti) *f.* **i** over-applicability, over-pervasion, too wide a coverage (of a rule or definition) [one of the three faults of a definition (*lakṣaṇa*) defined as अतिव्याप्तिर्व्याप्यत्वासिद्धिः। विपक्षाद् व्यावृत्त्यभावात् सोपाधिकत्वाच्च TarkBhā.(Ke.) 93. 10; अलक्ष्ये लक्षणगमनमतिव्याप्तिः TarkKau. 21. 13; अलक्ष्यवृत्तित्वमतिव्याप्तिः। यथा गोः शृङ्गित्वम् TarkSaṁDī. (A.) 4. 8; लक्ष्यतावच्छेदकसमानाधिकरणत्वे सति लक्ष्यतावच्छेदकावच्छिन्नप्रतियोगिताकभेदसमानाधिकरण्यमतिव्याप्तिः Nyāybodhinī. 11. 3]; इदानीमतिव्याप्तिं दर्शयितुमाह TātpaṬ.(U.) 111. 20 (*on* 2. 244); अतिव्याप्तेरथाव्याप्तेर्न चासौ लक्ष्यते तया Dhvanyā. 1. 14; तथा चातिव्याप्तिः संशयविपर्ययबुद्ध्योरपि इन्द्रियसंप्रयोगजत्वेन प्रत्यक्षत्वप्रसङ्गात् NyāyMañ. i. 93. 19; ii. 45. 19; अयं शोध्यशोधकभावो न चानवस्था नातिप्रसङ्गो नातिव्याप्तिः ParāTri. 164. 7; न हि तत्तस्य लक्षणमतिव्याप्तेः TātpaṬ.(Vā.) 113. 17 (*on* i. 1. 3); 157. 1 (*on* i. 1. 5); संबन्धमात्रस्य वा प्रकाशत्वे ज्ञातृज्ञानज्ञेयशरीरेन्द्रियेष्वव्याप्त्यतिव्याप्ती ĀtmaSi. 64. 10; लक्षणमप्येतदतिव्याप्तेरयुक्तम् Kāśi. i. 206. 24 (*on* 4. 10); संनिहितविषयं च प्रत्यभिज्ञानं समीचीनमिति नातिव्याप्तिः Bhām. 10. 12 (*on* i. 1. 1); न हि तेनाप्यत्राव्याप्त्यतिव्याप्ती प्रसञ्जयितुं शक्येते NyāyVārPari. 168. 2; अव्याप्तिरतिसंक्षेपादतिव्याप्तिश्च विस्तरात् AśvaCi. 9. 49; सर्वत्र ध्वनिव्यवहारः स्यादित्यतिव्याप्तिमभ्युपगम्यापि ब्रूमः Loc. 54. 16 (*on* 1. 19); नापि परस्परतोऽतिव्याप्तेः Kiraṇā. 41. 4; 49. 1; न चैवमतिव्याप्तिः निर्वाच्यस्यात्मादेरबाधात् NyāyMa. 125. 1; दृष्टान्तेन दार्ष्टान्तिकं समर्थ्यते तेनास्य लक्षणस्यातिव्याप्तिः Kāvyānu.(He.) 334. 19; न च ⋯ यादृच्छिकसंवादिलिङ्गविभ्रमादिभिरतिव्याप्तिः TārkiRa. 7. 7; 248. 2; अत्र संशयविपर्ययबुद्धिजन्मनोऽपीन्द्रियसंप्रयोगे सति प्रत्यक्षत्वप्रसङ्गादतिव्याप्तिः PramāMī. 23. 22 (*on* i. 1. 29); नन्वेतावतापि न प्रकृतलक्षणखण्डनं भवत्यव्याप्तेरतिव्याप्तेर्वानुद्भावनात् KhaṇḍanKhā. 537. 15; न च केवलं कारणाभावाद्विध्यविवक्षानुचिता किन्त्वतिव्याप्तेरपि NyāySu.(So.) 48. 7 (*on* i. 2. 7); प्रदीपादेः सजातीयप्रकाशाप्रकाश्यस्यास्वयंप्रकाशत्वेन लक्षणस्यातिव्याप्तेः TattvPradī.(Ci.) 4. 6; 80. 1; एतावति लक्षणे स्मृतावतिव्याप्तिः स्यात् PrakaVi. 7. 13; 572. 21; न परिणीतायां परगामिन्यामतिव्याप्तिः RasMañ. 2 (4); मिथ्याज्ञाने⋯दर्शितलक्षणसंभवादतिव्याप्तिः TarkSaṁ.(Ā.) 7. 4; अत एव शास्त्रादावीश्वरे च नातिव्याप्तिः S'rutaPra. iA. 67. 29 (*on* i. 1. 1); नापि पृथगाश्रयाश्रयित्वम्, गुणत्वादावतिव्याप्तेः NyāyKu. 131. 2; वर्णः पदं किं वर्णौ वा वर्णा वा पदमुच्यते। अव्याप्तेरप्यतिव्याप्तेः पदं दुष्यति लक्षणे BhāvPra.(S'ā.) 176. 11 (6); संबन्धेन विना पुनरप्रस्तुतात्प्रस्तुतावगतावतिव्याप्तिः Ekāva. 8. 27 (6) (263. 8); ननु न प्रत्यक्षं तावदिन्द्रियार्थसन्निकर्षोत्पन्नं ज्ञानमव्यभिचारि। आत्मानुमितिस्मृत्योर्ज्ञानमात्रे चातिव्याप्तेः TattvCin. i. 539. 2; ईश्वरपारतन्त्र्यस्येश्वरेऽपि सत्त्वात् ⋯ ब्रह्मण्यतिव्याप्तिस्तदवस्थैवेति VedāntRaMañ. 1. 1 (15. 9); न चात्रातिव्याप्तिरव्याप्तिर्वा ततश्च लक्षणसिद्धिः NyāyPari. 223. 10; 221. 4; न च तन्निमित्तत्वमात्रं लक्षणम्, अतिव्याप्तेः NyāySiA. 193. 12; 209. 14; तस्मात्परतस्त्वेन स्वीकृताप्रामाण्यं विज्ञानसामान्यसामग्रीजन्याश्रितमित्यतिव्याप्तिरापद्येत SarvaDaSaṁ. 12. 237; 'अर्थो धर्म' इत्युक्ते ब्रह्मणि ⋯ घटादौ चातिव्याप्तिः NyāyMāVi. 15. 8 (*on* i. 1. 2); 71. 1 (*on* ii. 1. 7); वर्तमाननिषेधात्स्यादतीतादावतिव्याप्तिः TattvPrakā. 9A. 11 (*on* i. 1. 2); अतिव्याप्त्यसंभवाविवाव्याप्तिरपि हि लक्षणदोषः NyāySu.(Ja.) 246A. 10 (*on* ii. 1. 2); आकाशादौ लक्षणस्यातिव्याप्तेश्च Vādā. 18. 2; ब्रह्मलक्षणस्य प्रधानेऽतिव्याप्तिमाशङ्क्याह BrahmSūBh.(S'rī.) i. 191. 2 (*on* i. 1. 5); तत्किं वस्त्वलंकाररसादिलक्षणस्त्रिरूपो ध्वनिः काव्यस्यात्मा। उत रसादिरूपमात्रो वा। नाद्यः। प्रहेलिकादावतिव्याप्तेः SāhiDa. 18. 1; न तु सांसिद्धिकं द्रवत्वमात्रं तु पृथिव्या अद्भिः सामान्यं तु सांसिद्धिकं द्रवत्वमपीति नातिव्याप्तिः Upask. 77. 8 (*on* ii. 1. 6); SarvaDaKau. 64. 16; S'aṅkaVi.(Ā.) 109. 2; अननुसंधानं तत्प्रयोजकं चेत् स्मृतिप्रमोषप्रत्यभिज्ञयोरतिव्याप्त्यव्याप्ती TantrRaha. 7. 6; नापि बाधकज्ञानविषयत्वं ब्रह्मण्यतिव्याप्तेः Nyāyāmṛ. 15B. 8; ब्रह्मणि घटादौ चातिव्याप्तिः YuktiSneha. 35. 24 (*on* i. 1. 2); न च सप्तमीबहुवचनेऽतिव्याप्तिः Prasā. i. 127. 9; देशान्तरगमनेन च सा शक्तिर्नाश्यत इति नोक्तलक्षणेऽतिव्याप्तिः SāṁkhyaPraBh. 123. 16 (*on* 5. 31); 58. 6 (*on* 1. 124); अतस्तत्र नातिव्याप्तिः YogŚā. 2. 3 (1); सत्त्वासत्त्वरूपधर्मद्वयशून्यत्वेन तत्रातिव्याप्तिः AdvaiSi. 90. 1; अदृष्टद्वारा तद्धेतुशब्देऽतिव्याप्तिराह AlaṅkāS'e. 1. 1 (51); ब्रह्मलक्षणस्यातिव्याप्तिर्निरस्ता S'ivārkaMaDī. i. 206. 10 (*on* i. 1. 13); उपमेयोपमायां चातिव्याप्तिः CitraMī. 6. 18; तादृशशाब्दज्ञानादावतिव्याप्तिः VedāntPari. 52. 2; 68. 7; 101. 4; अन्यथा विकसत्कमलकुड्मलदलकर्मण्यतिव्याप्तेः Tarkāmṛ. 11. 19; ब्राह्मे च समयबन्धाभावान्नातिव्याप्तिः VīraMi. 123. 5 (*on* 1. 60); तज्जातीयत्वनिवेशेऽपि वेदस्थलाक्षणिकेष्वतिव्याप्तेः S'aktiVā. 11. 2; संबन्धित्वमिति चेत् निमित्तेऽतिव्याप्तेः MīmāKau. ii. 135. 12 (*on* iii. 1. 2); यथा चास्य न काप्यव्याप्त्यतिव्याप्ती तथा कौस्तुभे विस्तरः BhāṭṭDī. i. 182. 19 (*on* iii. 1. 2); अनलंकारभूतायामुपमायामतिव्याप्तिः RasGaṅ. 211. 13; 93. 1; 93. 6; तर्ह्यन्यत्रानुरागवत्यामपि पत्यावनुरागिण्यां परकीयायामतिव्याप्तिः S'ṛṅgāMañ.(A.) 3. 6; ज्ञानं प्रमेत्युक्ते शुक्तिकायामिदं रजतमिति ज्ञानेऽतिव्याप्तिः YatīndraDī. 3. 16; न चर्मवर्मादिष्वतिव्याप्तिः SiddhāKau. 667B. 17; LalitāSaBh. 61. 30 (*on* 95); अत्र लक्षणे ⋯ गुरुमुखान्मन्त्रग्रहणे नातिव्याप्तिः SetuBa. 100. 10; उपमाननिवेशाच्च ⋯ हेत्वलंकारे नातिव्याप्तिः AlaṅkāMañ. 22. 10; 167. 12; AlaṅkāKau.(Vi.) 6. 3; **ii** specific or limited pervasion अतिव्याप्तिर्नाम सर्वत्रावस्थितस्योद्गारस्योद्गीथशब्देन विशेषेऽवस्थानम् BrahmSūBh.(Bhā.) 178. 3 (*on* iii. 3. 9)

अतिव्याप्तितादवस्थ्य (ativyāpti-tādavasthya) *n.* *status quo* of over-pervasion नित्यप्रयत्नादौ अतिव्याप्तितादवस्थ्यात् TarkSaṁ.(Ā.) 72. 13.

अतिव्याप्तित्व (ativyāpti-tva) *n.* character of over-pervasion जातौ व्यक्तिलक्षणसत्त्वस्यैव तस्याप्यतिव्याप्तित्वात् S'ivārkaMaDī. i. 226. 11 (*on* i. 1. 16)

अतिव्याप्तिदान (ativyāpti-dāna) *n.* giving room for (the fault of) over-pervasion सामान्यतोऽर्थवत्त्वग्रहणेन किञ्चित्फलं प्रत्ययेष्वतिव्याप्तिदानातिरिक्तम् LaS'abdeS'e. i. 164. 16.

अतिव्याप्तिदुष्टत्व (ativyāptiduṣṭa-tva) *n.* faultiness through over-pervasion अप्राप्तिसमर्थनस्यातिव्याप्तिदुष्टत्वात्तत्परिहाराय ⋯ नियमापूर्वविधिव्यवस्थोपपादनीया VidhiRa. 4 (19. 9)

अतिव्याप्तिदोष (ativyāpti-doṣa) *m.* fault of over-pervasion सूत्रयोजनमसमीचीनमतिव्याप्तिदोषानतिवृत्तेः NyāyMañ. i. 93. 18.

अतिव्याप्तिनिरस्त (ativyāpti-nirasta) *adj.* rejected because of (the fault of) over-pervasion न तु लक्षणपरत्वं सूत्रस्य ⋯ अतिव्याप्तिनिरस्तम् NyāyRa. 214. 7 (*on* 5. 20)

अतिव्याप्तिनिराकरण (ativyāpti-nirākaraṇa) *n.* prevention of (the fault of) over-pervasion जीवे ब्रह्मलक्षणस्यातिव्याप्तिनिराकरणार्थम् S'ivārkaMaDī. i. 226. 9 (*on* i. 1. 16)

अतिव्याप्तिनिरास (ativyāpti-nirāsa) *m.* prevention of (the fault of) over-pervasion अतिव्याप्तिनिरासाय द्वितीयं विग्रहं विवृणोति TātpaṬ.(Vā.) 157. 9 (*on* i. 1. 5); येन ⋯ लक्षणस्यातिव्याप्तिनिरासोऽभिमतस्तदप्राप्तेः VidhiRa. 12 (84. 10); परमेश्वर इत्यतिव्याप्तिनिरासादधिकरणप्रयोजनसिद्धिरविशिष्टा S'ivārkaMaDī. i. 230. 15 (*on* i. 1. 16); i. 246. 20 (*on* i. 1. 20); प्रवृत्तायामुपमेयोपमायामतिव्याप्तिनिरासेऽपि CitraMī. 12. 2; ससंदेहोत्प्रेक्षासमासोक्तिपरिणामभ्रान्तिमत्स्वतिव्याप्तिनिरासः RasGaṅ. 299. 9.

अतिव्याप्तिनिरासार्थम् (ativyāptinirāsārtham) *adv.* for the purpose of rejection of (the fault of) over-pervasion आकाशप्राणाधिकरणद्वयमाकाशप्राणयोरतिव्याप्तिनिरासार्थं न भवति S'ivārkaMaDī. i. 246. 25 (*on* i. 1. 20)

अतिव्याप्तिनिवारण (ativyāpti-nivāraṇa) *n.* prevention of (the fault of) over-pervasion न हि सूत्रकारो वार्त्तिककारस्य वचनेन अतिव्याप्तिनिवारणं मन्यते Pradī. ii. 351B. 10 (*on* ii. 1. 2) = PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. ii. 1. 2.

अतिव्याप्तिनिवारणार्थम् (ativyāptinivāraṇārtham) *adv.* in order to prevent over-pervasion अतिव्याप्तिनिवारणार्थमवश्यं कर्तव्यम् Pradī. ii. 351A. 2 (*on* ii. 1. 2)

अतिव्याप्तिपर (ativyāpti-para) *adj.* referring to over-pervasion तत्रैतस्या अतिव्याप्तिपरभाष्याङ्गतिः (? सङ्गतिः) LaS'abdeS'e. i. 194. 8.

अतिव्याप्तिपराहत (ativyāpti-parāhata) *adj.* overthrown by reason of over-pervasion तदपि दुःस्वप्नादावतिव्याप्तिपराहतम् (लक्षणान्तरम्) PrakaVi. 574. 20.

अतिव्याप्तिपरिजिहीर्षा (ativyāpti-parijihīrṣā) *f.* desire to avoid (the fault of) over-pervasion अतिव्याप्तिपरिजिहीर्षयान्वयव्यतिरेकाभ्याम् ⋯ अनैकान्तिकमित्युच्यते KhaṇḍanKhā. 861. 12.

अतिव्याप्तिपरिहार (ativyāpti-parihāra) *m.* removal of the over-pervasion (of a definition etc.) विशिष्टशब्दो यदावधारणरहिताधिक्यवाच्युपात्तस्तदातिव्याप्तिपरिहाराय आह – नञ्विशिष्ट इति Pradī. ii. 403B. 36 (*on* ii. 1. 59); i. 354A. 15 (*on* i. 1. 38); PramāMī. 24. 11 (*on* i. 1. 29); युक्तिमन्तरेण लक्षणस्यातिव्याप्तिपरिहारासंभवात् PrakaVi. 40. 17; TattvPradī.(Ci.) 9. 10; प्रबलभ्रान्तिज्ञाननिवर्त्यसत्यरजतादिष्वतिव्याप्तिपरिहाराय यथावस्थितशब्दः S'rutaPra. iA. 79. 5 (*on* i. 1. 1); iB. 11. 17 (*on* i. 1. 1); iB. 285. 15 (*on* i. 2. 1); दुःखध्वंसमात्रमेकाधिकरणदुःखध्वंसो वा संसारदशायामप्यस्तीति तत्रातिव्याप्तिपरिहाराय दुःखेत्यादि SarvaDaKau. 29. 1; AdvaiSi. 673. 3; मतिचेष्टयोः पर्यायभेदेनोपमानत्व-

स्योपमेयत्वस्य च सत्त्वेनातिव्याप्तिपरिहारायैकस्मिन्पर्याये यं प्रत्युपमानत्वं तं प्रत्येव पर्यायान्तरे उपमेयत्वं विवक्षणीयम् CitraMī. 36. 16; परिगणनं कर्तव्यम् अव्याप्त्यतिव्याप्तिपरिहाराय SiddhāKau. 192B. 13.

अतिव्याप्तिप्रसङ्ग (ativyāpti–prasaṅga) *m.* contigency of the over-pervasion (of a definition etc.) किमप्राप्तयोः प्राप्तिः संयोगः ··· सर्वथापि नोपपद्यते । अन्योन्यसंश्रयापत्तेरतिव्याप्तिप्रसङ्गतः TattvPradī.(Ci.) 301. 1; तच्च यदा हरेरितरस्य स्यात्तदा प्रागुक्तलक्षणस्यातिव्याप्तिप्रसङ्गादवश्यं निर्णेयमेव TattvPrakā. 31B. 11 (*on* i. 2. 9); तदविवक्षायां हन्त्यादिनियमविधिष्वतिव्याप्तिप्रसङ्गः VidhiRa. 2 (11. 14); 6 (33. 11); वक्ष्यमाणोदाहरणे आरोपपूर्वकापह्नवेऽतिव्याप्तिप्रसङ्गात् CitraMī. 70. 19.

अतिव्याप्तिभङ्ग (ativyāpti–bhaṅga) *m.* removal of the over-pervasion (of a definition or a rule) येनातिव्याप्तिभङ्गः किल नियमविधौ किं तदात्यन्तिकत्वम् VidhiRa. 12 (84. 2)

अतिव्याप्तिमत् (ativyāpti–ma(n)t) *adj.* having the (defect of) over-pervasion (of a definition) यदि च यथाकथंचिदित्याश्रीयेत ततो विशेषणे सत्यप्यतिव्याप्तिमल्लक्षणं स्यात् S'āstrDī. 49. 8 (*on* i. 1. 5)

अतिव्याप्तिवक्त्र (ativyāpti–vaktra) *n.* mouth of the over-pervasion (of a definition) तस्मादादाय लक्ष्मक्षयकृति निहितं स्यादतिव्याप्तिवक्त्रे VidhiRa. 3 (15. 18)

अतिव्याप्तिवारकत्व (ativyāptivāraka–tva) *n.* the state of being preventive of (a definition) from being over-prevasive भावपदस्य ज्ञानप्रागभावे ज्ञानजन्यकार्यप्रागभावे चातिव्याप्तिवारकत्वेन सार्थकत्वात् AdvaiSi. 544. 22.

अतिव्याप्तिवारण (ativyāpti–vāraṇa) *n.* removal or prevention of the (defect of) over-pervasion (of a definition) प्रधानादावतिव्याप्तिवारणाय ··· सर्वज्ञत्वमर्थात्सूत्रयाञ्चकार PrakaVi. 48. 9; यागादिरेव धर्मः । तल्लक्षणं वेदप्रतिपाद्यः प्रयोजनवदर्थो धर्म इति । प्रयोजने अतिव्याप्तिवारणाय प्रयोजनवदिति ArthSaṁ. 6. 4; 6. 5; शब्दजन्ये शब्दजनके च शब्देऽतिव्याप्तिवारणाय स्वयं विजातीय इति SarvaDaKau. 31. 16; यदि एकदेशत्वमात्रमुपधेयाभेदप्रयोजकं तदा पूर्वमहं सुखीत्यादिस्मृतावतिव्याप्तिवारणाय वर्तमानत्वं विषयविशेषणं देयम् VedāntPari. 50. 2; SiddhāMu. 13. 24 (*on* 28); अत्राप्यसति निर्धर्मके ब्रह्मणि चातिव्याप्तिवारणाय सत्त्वेन प्रतीयमानत्वं देयम् AdvaiSi. 202. 1; 664. 9; किं चातिरोहितरूपिण इत्यनेन ससंदेहभ्रान्तिमतोरतिव्याप्तिवारणेऽपि नापह्नवेऽतिव्याप्तिवारणम् CitraMī. 45. 21; वाच्यापेक्षया प्रधानीभूतं व्यङ्ग्यान्तरमादाय गुणीभूतं व्यङ्ग्यमादायातिव्याप्तिवारणायावधारणम् RasGaṅ. 20. 2–3; 262. 5; 340. 10; सोमादिष्वङ्गत्वेन विहितेष्वतिव्याप्तिवारणाय तृतीयान्तम् BhāṭṭCin. i. 6. 14 (*on* i. 1. 2); i. 73. 30 (*on* i. 1. 4); न च ··· अत्र प्रमेयमितिज्ञाने अतिव्याप्तिवारणाय सामान्येति ···वाच्यम् JñānBiPra. 26. 20; 17. 27; न चात्र विशिष्टरूपकेऽतिव्याप्तिवारणाय बिम्बप्रतिबिम्बभावानापन्नोपमानतादात्म्यारोप एव निवेशनीयः AlaṅkāMañ. 23. 22; 167. 10; 241. 16; अनन्वयेऽतिव्याप्तिवारणाय उपमेयतावच्छेदकावच्छिन्नत्वाभाव उक्तः AlaṅkāKau.(Vi.) 6. 1; 18. 2.

अतिव्याप्तिविधुर (ativyāpti–vidhura) *adj.* devoid of (the fault of) over-pervasion (of a definition) न यत्किञ्चित्सादृश्यज्ञानं शब्दशक्तिग्रहणकारणं किंत्वतिव्याप्तिविधुरम् । यथा गोशब्दे सास्नादिमत्त्वमेवमन्यत्रान्यदिति भावः NyāySu.(Ja.) 495A. 13 (*on* iii. 2. 1)

अतिव्याप्तिविरह (ativyāpti–viraha) *m.* absence of (the fault of) over-pervasion (of a definition) संस्कारजनिततत्ता(v. l. तन्नाश°)स्मृतिरेव हेतुर्न तु संस्कारोऽपीत्यतिव्याप्तिविरहात् TarkKau. 6. 20.

अतिव्याप्तिव्यवच्छेद (ativyāpti–vyavaccheda) *m.* elimination of (the defect of) over-pervasion (of a definition) प्रत्यभिज्ञायामतिव्याप्तिव्यवच्छेदायाह परत्रेति PrakaVi. 7. 16.

अतिव्याप्तिव्युदास (ativyāpti–vyudāsa) *m.* exclusion of (the fault of) over-pervasion (of a definition) पर-अतिशयशब्दयोः कर्मधारयशङ्कानिवृत्त्यर्थो गतशब्दः । तेन स्वगतातिशयाधायके शेषिण्यतिव्याप्तिव्युदासः S'rutaPra. iB. 94. 27 (*on* i. 1. 1)

अतिव्याप्तिशङ्का (ativyāpti–śaṅkā) *f.* doubt about the (presence of the defect of) over-pervasion (of a definition) परब्रह्मणः ··· रूपमभिधाय तल्लक्षणस्य नामरूढिवशादन्यत्रातिव्याप्तिशङ्कायामधिकरणमारभ्यते BrahmSūBh.(S'rī.) i. 264. 3 (*on* i. 1. 23–24); CitraMī. 15. 9; 15. 6; 38. 21.

अतिव्याप्तिसंभावना (ativyāpti–sambhāvanā) *f.* possibility of (the defect of) the over-pervasion (of a definition) तदास्त्येव परिसंख्याविधिरिति नातिव्याप्तिसम्भावनापि BhāṭṭCin. i. 73. 33.

अतिव्याप्तिस्थल (ativyāpti–sthala) *n.* case of (the defect of) over-pervasion (of a definition) विषयशुद्ध्यर्थमन्यदपि नियमविधिरूपमतिव्याप्तिस्थलमुदाह्रियते VidhiRa. 13 (92. 3)

अतिव्याप्त्यनिरास (ativyāpty–anirāsa) *m.* non-removal of (the defect of) over-pervasion (of a definition) इति युगपत्प्रवृत्तायां तस्यामतिव्याप्त्यनिरासात् CitraMī. 12. 8 = AlaṅkāKau.(Vi.) 18. 7.

अतिव्याप्त्यभाव (ativyāpty–abhāva) *m.* absence of (the fault of) over-pervasion (of a definition) तथा च स्वनिष्ठसत्त्वं पुरस्कृत्यातिव्याप्त्यभावोऽस्तीत्यर्थः LaCandr. 193. 10.

अतिव्याप्त्यभिधान (ativyāpty–abhidhāna) *n.* statement of (the fault of) over pervasion (of a definition) एवं च मिथ्याज्ञानमध्यास इत्यवभासपदेन व्युत्पाद्य प्रत्यभिज्ञायामतिव्याप्त्यभिधानं शोभतेतरामित्युपहासानवसरः VedāntKa. 12. 6 (*on* i. 1. 1)

अतिव्याप्त्यादिदोष (ativyāptyādi–doṣa) *m.* defect (of the nature of) over-pervasion (of a definition) etc. न धर्मग्राहि प्रत्यक्षं प्रत्यक्षत्वादस्मदादिप्रत्यक्षवदित्येवमन्यत्रैव सूत्रतात्पर्यान्नातिव्याप्त्यादिदोषावसर इहेति NyāyMañ. i. 94. 22; लक्षणं व्यभिचारि स्यादतिव्याप्त्यादिदोषतः BhāvPra.(S'ā.) 176. 15(6); अतिव्याप्त्यादिदोषपरिहारेण लक्षणनिर्णयाय अत्रैवार्थात् सूत्रिते प्रमाणयुक्ती इत्यवगन्तव्यम् VivaPraSaṁ. 248. 13; 'तद्रूपकमभेदो य उपमानोपमेययोः' इत्यादिलक्षणेषु अतिव्याप्त्यादिदोषा यथासंभवमुन्नेयाः CitraMī. 48. 9.

अतिव्याप्त्यादिशून्य (ativyāptyādi–śūnya) *adj.* free from (the defect of) over-pervasion etc. अतिव्याप्त्यादिशून्यविष्णुलक्षणत्वाद्विष्णुरेव श्रुत्युक्तं ब्रह्म TattvPrakā. 9A. 13 (*on* i. 1. 2)

अतिव्याप्त्यापत्ति (ativyāpty–āpatti) *f.* contingency of over-pervasion पारमार्थिकत्वाकारेण निषेधेनातिव्याप्त्यापत्तेश्च Nyāyāmṛ. 37B. 8; तथा सति ··· चैत्रशरीरस्यापि मैत्रं प्रति शरीरत्वप्रसङ्गेन अतिव्याप्त्यापत्तेः PūrvottaVāNaMā. 199. 2; ब्राह्मणस्यापि मन्त्राभावे स्मारकत्वस्य पञ्चमे वक्ष्यमाणत्वेन तत्रातिव्याप्त्यापत्तेः MīmāKau. iii(2). 107. 20 (*on* ii. 1. 33); अन्यथा संमार्गादिषु प्रधानकर्मलक्षणस्यातिव्याप्त्यापत्तेः MayūMāli. 108. 10 (*on* ii. 1. 4); अथ किं भावत्वम् ? विभावानुभावभिन्नत्वे सति रसव्यञ्जकत्वमिति चेत् रसकाव्यवाक्येऽतिव्याप्त्यापत्तेः RasGaṅ. 91. 18; 509. 12; 649. 12.

अतिव्याप्त्यावहत्व (ativyāptyāvaha–tva) *n.* the state of bringing out (the defect of) over-pervasion एवमतिव्याप्त्यावहत्वादनियमेनैकानेकविध्यप्रवृत्त्योरपूर्वविध्यादिलक्षणानुप्रवेशकल्पनमयुक्तमिति भावः VidhiRa. 9 (45. 3)

अतिव्याप्त्युक्ति (ativyāpty–ukti) *f.* statement of over-pervasion (of a definition) उपहिततादात्म्येऽपि शुद्धो न सत्त्वादिधर्मक इत्याशयेनातिव्याप्त्युक्तिः GuruCandr. i. 42. 4.

अतिव्याप्त्युद्भावन (ativyāpty–udbhāvana) *n.* pointing out of the (defect of) over-pervasion एवं चासति अतिव्याप्त्युद्भावनमसङ्गतमेव GuruCandr. i. 85. 24.

अतिव्याप्त्युपन्यास (ativyāpty–upanyāsa) *m.* statement of over-pervasion (of a definition) अक्षद्यूरित्यत्रातिव्याप्त्युपन्यासानन्तरं तत्परिजिहीर्षया 'नाजानन्तर्ये' इति परिभाषाश्रयणानुपपत्तिः PāṇiTaVāNaMā. 26. 24.

अतिव्यामूढभाषित (ativyāmūḍha–bhāṣita) *adj.* utterance of an entirely confused one, a stupid utterance तदेतदतिव्यामूढभाषितम् NyāyMañ i. 198. 28.

अतिव्यामोह (ati–vyāmoha) great delusion, great mental confusion अतिव्यामोहाद्विषयेष्वेव मग्नस्य···अनर्थमूलम् NyāyVāPari. 79. 11.

अतिव्यायत (ati–vyāyata) *adj.* [*f.* –ā] very fat न चातिव्यायतां नारीं योजयेत्पुरुषायिते KāmSū. 165. 5 (2. 8) (comm. अतिस्थूलाम्); ये मन्दरागा गतवयसोऽतिव्यायताः ये च स्त्रीष्वलब्धवृत्तयः JayaMa. 173. 25 (2. 9)

अतिव्यायाम (ati–vyāyāma) *m. n.* over-exertion, too much of gymnastic exercise अतिव्यायाम°···°निद्राच्छेदादिभिः (ग्लानिः)··· समुत्पद्यते NāṭyaS'ā. 7. 48; अतिव्यायामवातातपमैथुनानि ··· वर्ज्यानि KalyāKā. 3. 46; अतिव्यायामात् ··· स म्रियते Hastyāyur. 320. 1 (2. 66); परिवर्ज्यताम् ···अतिव्यायाममर्कातपम् RasRaSa. 15. 63; अतिव्यायाम° ··· °अल्पाशनप्रभृतिभिरुपशोषितो रसधातुः SuśruS. i. 15. 33.

अतिव्यायामकर्शित (ativyāyāma–karśita) *adj.* emaciated or weak due to over-exertion अतिव्यायामकर्शितः ···तैलं पायितः सहसा तैलव्यापदमृच्छति Hastyāyur. 115. 9 (1. 16)

अतिव्यायामकृत (ativyāyāma–kṛta) *adj.* resulting from over-exertion अतिव्यायामकृतज्वरमुद्दिश्य ··· शयनपरायणः कथंचिद्वर्तते PadmPrā. 4. 1.

अतिव्यायामतस् (ativyāyāma–tas) *adv.* due to over-exertion अतिव्यायामतः कासो ज्वरच्छर्दिश्च जायते CaraS. i. 7. 33; AṣṭāHṛ. i. 2. 13; BhāvPra.(Bhā.) 5. 65.

अतिव्यायामसंभव (ativyāyāma–sambhava) *adj.* resulting from over-exertion कासशोषज्वरश्वासा अतिव्यायामसंभवाः SuśruS. iv. 24. 50.

अतिव्यायामानुपसेवन (ativyāyāmānupasevana) *n.* not practising

too much exercise अतिव्यायामानुपसेवनात् …श्लेष्मा संचयमुपगच्छति Hastyāyur. 385.7 (3.5)

अतिव्युत्पन्न (ati-vyutpanna) *adj.* very learned, great scholar [nt.]

अतिव्योमसीमन् (ati-vyomasīman) *n.* surpassing the limit of the sky, sky-scraper वसति गौरीसहचरः। कृत्वा प्रासादमाशामुखमुकुरमतिव्योमसीमानम् EI. ii. 240. 50.

अतिव्रज् (ati-vraj-) I. P. **i** to go beyond, to cross, to cross over प्रतिगृह्योत्तरेण होतारमतिव्रजेत् ĀśvaS'S. I. iii. 1. 18; नग्नो वह्निं नातिव्रजेत् PadmP. i. 55. 56; **ii** to offend, to disobey नातिव्रजेत्परं वाचा BrahmP. 235. 63.

अतिव्रजत् ((ati-vrájat) *adj.* flying over, travelling steadily तिस्रः क्षपस्त्रिरहातिव्रजद्भिर्नासत्या भुज्युमूहथुः पतङ्गैः ṚV. i. 116. 4 = TaiĀ. i. 10. 3 (76. 3); **ii** passing beyond उत्तरेणाग्नीध्रीयमतिव्रजत्सु (अध्वर्युषु) ĀśvaS'S. I. iv. 10. 4.

अतिव्रज्य (ativraj-ya) *ger.* having gone beyond, crossing आहिताग्निराचम्यापरेण वेदिमतिव्रज्य दक्षिणत उपविश्य ĀśvaS'S. I. ii. 3. 11; अपरेण वेदिमतिव्रज्य दक्षिणतः शालामुखीयस्योपविशेत् ĀśvaS'S. I. iv. 10. 6; मैत्रावरुणमग्रतः कृत्वोत्तरेण हविर्धाने अतिव्रज्य … उपविशति होता ĀśvaS'S. I. iv. 11. 3; अतिव्रज्य समिध आदाय … उपतिष्ठते KauśiSū. 24. 13; ततस्त्वतिव्रज्य सुराष्ट्रमृद्धम् … उद्धवं भागवतं ददर्श BhāgP. iii. 1. 24; स एव भक्तियोगाख्य आत्यन्तिक उदाहृतः। येनातिव्रज्य त्रिगुणं मद्भावायोपपद्यते BhāgP. iii. 29. 14.

अतिव्रत (ati-vrata) *adj.* performing many vows अतिथिव्रती (v. l. अतिव्रतः) क्रियावांश्च (मुद्गलः) MahāBhā. iii. 246. 4; अत्यार्यमतिदातारमतिशूरमतिव्रतम्। … श्रोभेयाद्योपतर्पति MahāBhā. v. 39 50; SūktiRa. 167. 2; Subhāṣi. 2646.

अतिव्रतति (ati-vratati) *adj.* (a hill) full of creepers इहासमेऽतिव्रततौ समेति मरुत्तुषारः श्रमरुत्तुषारः Yādavā. 6. 37.

अतिव्रतवत् (ativrata-va(n)t) *adj.* observing vows well अधीत्य स्नात्वा गुरुभिरनुज्ञातेन खट्वारोढव्या। य इदानीमतोऽन्यथा करोति स उच्यते खट्वारूढोऽयं जाल्मः। नातिव्रतवानिति MahāBh. i. 384. 12 (*on* ii. 1. 26)

अतिव्रीड् (ati-vrīḍ-) I. Ā. to be excessively ashamed of, to feel great shame बद्धश्च वारुणैः पाशैर्नातिव्रीडे न च व्यथे BhāgP. viii. 22. 7.

अतिव्रीडाकर (ativrīḍā-kara) *adj.* very shameful प्रार्थनमतिव्रीडाकरम् TilaMañ. 59. 15.

अतिशंस् (ati-śaṁs-) I. P. **i** to recite beyond a given limit यद् बृहतीमतिशंसेत् प्राणानतिपद्येत AitBr. 17. 4 (460); न सहस्रमतिशंसेत् KauṣiBr. 18. 3 (80. 1); कस्मात्स्तोममतिशंसन्ति KauṣiBr. 28. 10 (138. 7); तदाहुः … किं नातिशंसन्ति … स ब्रूयात् … वाचम् एव नातिशंसन्ति JaimiBr. 2. 40; **ii** to continue reciting एकया द्वाभ्यां वा स्तोममतिशंसन्ति S'āṅkhāS'S. xii. 2. 10; अतिशंस्यादुक्थ्ये MānS'S. 88. 20; **iii** to omit in reciting [MW]; (*pass.*) **i** to be recited beyond a given limit न स स्तोमो देवान् गच्छति यो नातिशस्यते KauṣiBr. 28. 10 (138. 9); **ii** to be recommended highly, to excel in quality मयूरकण्ठसच्छायं भाराढ्यमतिशस्यते RasRaSa. 2. 127; सर्वरोगहरो वृष्यो जारणायातिशस्यते RasRaSa. 3. 141; मृत्तिका पाण्डुरस्थूला … मूषार्थमतिशस्यते RasRaSa. 10. 5; **iii** to be praised greatly नीलं मरकतच्छायं तेजाढ्यमतिशस्यते RasPraSu. 5. 70.

अतिशंसत् (ati-śaṁsat) *adj.* praising or speaking highly अद्युनापि धुनातीव करं मम कुचस्पृशम्। करेण कङ्कणक्वाणकैतवान्मेऽतिशंसता TārāS'a. 94.

अतिशंसन (ati-śaṁsana) *n.* continued recitation न त्वेतान्यनोप्यातिशंसनम् ĀśvaS'S. II. i. 12. 3; VaitāS'S. 35. 14.

अतिशंसना (ati-śaṁsanā) *f.* continued recitation अथो स्तोमातिशंसनाया एव AitĀ. i. 4. 1.

अतिशकटि (ati-śakaṭi) *adj.* surpassing carts अतिशकटये ब्राह्मणाय MahāBh. i. 314. 18 (*on* i. 4. 3) = PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 4. 3; अतिशकटयै ब्राह्मण्यै MahāBh. i. 314. 18 (*on* i. 4. 3)

अतिशकल (ati-śakala) *n.* large piece न चातिशकलं चापि न च दन्तः प्रहीयते Hastyāyur. 627. 4 (4. 10)

अतिशक्करी (ati-śakkarī) *f.* [PW] cf. **अतिशक्करी.**

अतिशक्त (ati-śakta) *adj.* **A** very strong or powerful अशक्तश्च नराधिपः (v. l. अतिशक्ते नराधिपे) PañcT. 3. 36 (290. 7); व्यपदेशेऽपि सिद्धिः स्यादतिशक्ते नराधिपे Hitopa. 3. 13; **B** very competent or efficient दूरतोऽप्यतिशक्तः स लीलया केवलं प्रभुः AnuVyā. 11A. 3 (*on* i. 2. 1); विष्णुः … तत्तच्छक्तिप्रबोधनेऽतिशक्तः NyāySu.(Ja.) 156A. 1 (*on* i. 2. 1)

अतिशक्ति (ati-śakti) *adj.* possessing great power, excessively powerful त्रैलोक्यनाथस्य तवातिशक्तेः किमस्ति कार्यं मघवन् मयापि PārvPa. 2. 9; *f.* **i** excessive ability शक्त्या वा दक्षिणां दद्यात्। नातिशक्तिर्विधीयते KauśiSū. 74. 23; अतिशक्त्या पितॄनर्चेन् …। अन्वगृह्णात् प्रजाः सर्वा ययातिः MahāBhā. i. 70. 30; अतिशक्त्या प्रयच्छन्ति सन्तः सद्भिः समागताः MahāBhā. iii. 198. 85; **ii** excessive power (सा) सरीसृपेषु तेभ्योऽपि ह्यतिशक्त्या पतत्रिषु ViṣṇuP. vi. 7. 64; नाहारपानादिषु चातिशक्तिः YuktiKa. 199. 21; प्रचालयत्येष भगोलकोऽपि तथातिशक्त्या स्वपराम्बरस्थान् SiddhāTaVi. 25. 13; *adv.* beyond one's ability आजहुः संक्रमं द्रव्यं यथाशक्त्यतिशक्ति च Rāmā. vi. 298*(10)

अतिशक्तितस् (atiśakti-tas) *adv.* beyond one's power प्राणाचार्यं बुधः … पूजयेदतिशक्तितः CaraS. vi. 1 (4). 40 (1941 Ed.); vi. 1(4). 50 (1941 Ed.)

अतिशक्तिता (atiśakti-tā) *f.* the state of being excessively powerful अतिशक्तितयास्येमं संशयं छेत्तुमर्हसि AhirbuS. 27. 3; AmaK. 1672; KośaKaTa. 1. 1971.

अतिशक्तिभाज् (atiśakti-bhāj) *adj.* possessing excessive valour, AmaK. 420.

अतिशक्तिमत् (atiśakti-ma(n)t) *adj.* endowed with excessive power विरक्तप्रकृतिश्चैव विषयेष्वतिश(? स)क्तिमान् … विंशतिः पुरुषा अमी AgniP. 239. 11.

अतिशक्र (ati-śakra) *adj.* surpassing Indra, superior to Indra अतिशक्रमिदं सत्त्वं तव MahāBhā. iii. 164. 39; स तथा मुनिगुरुप्रकाशितोऽतिशक्रश्चक्रवर्ती AvantiKa. 217. 11; अत्रैतातिशक्रस्य राज्ञो यज्ञः सदोचितः RāmāMañ. 500. 20; मन्त्रीश्वरः श्रीरामेयजिनार्चनं विरचयाञ्चक्रेऽतिशक्रः श्रिया VasaViKā. 12. 50; तस्यातिशक्रस्य … चतुर्दश महारत्नान्यभूवन् PārśvC. 4. 97.

अतिशक्रशोभिन् (atiśakra-śobhin) *adj.* shining in a manner surpassing Indra प्रेक्ष्य दर्पणतलस्थमात्मनो राजवेषमतिशक्रशोभिनम् RaghuVa. 19. 30.

अतिशक्करिका (ati-śakvarikā) *f.* fifteen अतिशक्करिकात्यष्टिकैरैरतिधृतैर्मितैः। … स्नानमण्डपाः ĪśānS'iPa. ii. 50. 9.

अतिशक्करिकामित (atiśakvarikā-mita) *adj.* measuring fifteen रुद्रातिजगतीसङ्ख्यैरतिशक्करिकामितैः। तालैः स्तम्भा भवन्ति ĪśānS'iPa. ii. 50. 13.

अतिशक्करी (ati-śakvarī) *f.* **A** name of a metre of four lines, each containing fifteen syllables षष्टिरेवातिशक्करी ṚPrāti. 16. 54; दशपञ्चातिशक्कर्याः NāṭyaS'ā. 14. 49; छन्दसां नामानि…शक्करी। अतिशक्करी Jānāśra. 1. 2 (6); अतिशक्करी नाम षष्टयक्षरं छन्दः Jānāśra. 4. 73 (1); सर्गबन्धो महाकाव्यम्…नातिविस्तरम्। शक्कर्यातिजगत्यातिशक्कर्या त्रिष्टुभा तथा AgniP. 336. 26; अतिशक्करी च कथिता तथा पञ्चदशाक्षरा ViṣṇuDhaP. iii. 3. 4; शक्कर्यतिशक्करी च धृतिश्चातिधृतिस्तथा DevīBhāP. xii. 1. 17; ĪśānS'iPa. i. 1. 86; शक्कर्यन्या स्यादतिशक्करी।…इति संज्ञाः समाख्याताश्छन्दसां पूर्वसूरिभिः Mānaso. iv. 2. 219; °शक्करी - अतिशक्करी - अष्टि - अत्यष्टि - धृति - अतिधृतयः एकैकवृद्धाः Chandonu. 2. 4; 2. 242; KośaKaTa. 1. 1406; **ii** fifteen (cubits) प्रकृत्या चातिशक्कर्या त्रिभौमं तुङ्गविस्तृतम् ĪśānS'iPa. ii. 30. 11; शक्कर्या वातिशक्कर्या … संमितम् S'ilpaRa. i. 5. 63.

अतिशङ्क् (ati-śaṅk-) I. Ā. **i** to doubt unreasonably, to suspect falsely अनुव्याहारिषीन्मामिति यमि(? म)तिशङ्केत तस्मा अग्नीध्राय आहुतिवज्रं प्रहरेत् LāṭyāS'S. ii. 1. 10; अतिवादान्मदाच्चैव मा धर्ममतिशङ्किथाः (v. l. अतिशङ्कथाः) MahāBhā. iii. 32. 6; पापीयान् हि सः … यो धर्ममतिशङ्कते MahāBhā. iii. 32. 9; iii. 32. 17; अजानन्निव चाकस्मादर्जुनाद्याभिशङ्कसे (v. l. °द्यातिशङ्कसे) MahāBhā. v. 77. 16; v. 94. 43; श्रोतव्यं यदि वृद्धानां मातिशङ्कीर्वचो मम MahāBhā. v. 145. 40; vii. 16. 4; vii. 135. 8; viii. 23. 5; viii. 23. 18; परितुष्टा हि सा देवी वनवासं गते मयि। राजानं नातिशङ्केत मिथ्यावादीति धार्मिकम् Rāmā. ii. 46. 52; यद्वै न पश्यतीत्येवमात्मानमतिशङ्कते BṛĀraUBhVā. iv. 3. 1541; i. 3. 371; **ii** to suspect strongly, to express great doubt शङ्कास्थाने नातिशङ्कते ArthS'ā. ii. 213. 2 (5. 5); क्षेत्रज्ञो नाभि(v. l. ति)शङ्कते ManuSm. 8. 96; क्षेत्रज्ञोऽन्तर्यामी पुरुषो नातिशङ्कते किमयं सत्यं वक्ष्यत्यनृतं वेत्येवं नाशङ्कते ManuBh. ii. 114. 15 (*on* 8. 96); SmṛtiCan. iii. 198. 20; स तु … स्वब्राह्मणत्वमपि … अतिशङ्केत NyāyPari. 480. 5.

अतिशङ्कक (ati-śaṅkaka) *adj.* very suspicious (person) अतिशङ्ककमित्येवं पुरुषं सामवादिनम्। आसाधवोऽवजानन्ति …। अतिशङ्ककम्, अतिशयिता शङ्का यस्मिन् तादृशम् VīraMi.(Rājanīti.) 280. 7.

अतिशङ्कनीया (ati-śaṅkanīyā) *adj.* (*f.*) to be suspected too much or falsely न लक्ष्मणास्मिन्मम राज्यविघ्ने माता यवीयस्यतिशङ्कनीया Rāmā. ii. 19. 22.

अतिशङ्कमान (ati-śaṅkamāna) *adj.* doubting very much अथाप्याचार्यस्मृतीनां वक्ता तमतिशङ्कमानः सर्वत्रैवाशङ्केत NidāSū. 23. 6 (2. 1)

अतिशङ्का (ati-śaṅkā) *f.* strong or false suspicion, excessive doubt तथा राजन्सह संवत्सरोषितः। अतिशङ्का भवेत् स्थाने तव लोकस्य च MahāBhā.

iv. 67.4; सुहृदामतिशङ्का च त्रयो दोषाः क्षयावहाः Rāmā. vi. 74.20; शास्त्रस्यातिशङ्कायां यागादिष्वपि तत् समानम् AvantiKa. 75.15; व्रते विवादम् ··· सत्येऽतिशङ्काम् ··न करोति साधुः DaśāvaC. 7.61 = Subhāṣi. 318; अतिशङ्कायां वेदेऽप्यनाश्वासप्रसङ्गात् S'rutaPra. ii. 327.28 (*on* ii. 2.42); अतिशङ्कां सुहृत्सु च । नीतिसंदंशिना कद्धेः समुद्धरत कण्टकौ Yādavā. 22.26; यश्चैवमतिशङ्कामाद्रियते स तु स्वमातापितृचरितानवधारणेन स्वब्राह्मणत्वमपि यथार्हमतिशङ्केत NyāyPari. 480.3; कूटस्थेऽप्यतिशङ्का स्यादिति चेन्मातिशङ्क्यताम् PañcDa. 8.65; देवल, कुलिशसहाये मद्बाहौ जाग्रति किमेवमतिशङ्का क्रियते PārvāPa. 2.2 (1)

अतिशङ्काकुला (ati-śaṅkākulā) *adj.* (*f.*) extremely stricken with doubt प्रौढश्रीलका न जातपुलका लङ्कातिशङ्काकुला PrabaCin. 13.16

अतिशङ्कावकाश (atiśaṅkāvakāśa) *m.* scope for strong doubt अथ न तदा कातिशङ्कावकाशः TattvMu. 4.42.

अतिशङ्कित (ati-śaṅkita) *adj.* much suspicious of, being in great doubt, being very apprehensive, much afraid प्रत्याचख्यौ च शाल्वोऽपि चारित्रस्याभिशङ्कितः (v. l. अतिशङ्कितः) MahāBhā. v. 175.26; योगवित् । शुश्रूषामेव देवस्य चिन्तयेदतिशङ्कितः ParaS. 10.17; अतिशङ्कितमित्येवं पुरुषं सामवादिनम् । अ(? आ)साधवो विजानन्ति MatsyaP. 222.9; संतापादतिशङ्कितैर्न नगरीमार्गो नरैः सेव्यते Mṛcch. 8.11; तस्य तं निश्चयं ज्ञात्वा तुराषाडतिशङ्कितः DevīBhāP. vii. 14.22.

अतिशङ्कितव्या (ati-śaṅkitavyā) *adj.* (*f.*) to be greatly suspected न लक्ष्मणास्मिन् मम राज्यविघ्ने माता यवीयस्यतिशङ्कनीया (v. l. अतिशङ्कितव्या) Rāmā. ii. 91.22.

अतिशङ्किता (atiśaṅki-tā) *f.* extreme fear सरलहृदये शङ्काग्रस्तस्तनोत्यतिशङ्किताम् RājTa.(Jo.) 849.

अतिशङ्कितुम् (ati-śaṅkitum) *inf.* to doubt seriously विदित्वैतामवस्थां मे नातिशङ्कितुमर्हसि MahaBhā. v. 129.26; पूर्वसिद्धायाश्चोदनाया अर्थो न पश्चिमसिद्धपुरुषवचनवशेनातिशङ्कितुं शक्यते BrahmSūBh.(S'aṅ.) 284.15 (*on* ii. 1.1)

अतिशङ्किन् (ati-śaṅkin) *adj.* **A** extremely suspicious, suspecting strongly तेनातिशङ्की भारत निष्ठुरोऽसि MahāBhā. viii. 49.83; सर्वातिशङ्की नृपतिः MahāBhā.xii. 57.27 = SūktiRa. 40.12; **B** very much afraid ऊचुः सर्वे तदा विप्रा नन्दिनं चातिशङ्किनम् SkandP. i(1). 5.148; द्विजिह्वेन मुनित्यक्तो(? मुनिस्त्यक्तो) निर्विण्णेनातिशङ्किना । मां शपेत मुनि(? निः) क्रुद्धः DevīBhāP. iv. 8.16.

अतिशङ्क्य (ati-śaṅkya) *adj.* fit to be doubted धर्मो यस्यातिशङ्क्यः स्यात् ···वेदाच्छूद्र इवापेयात् स लोकादजरामरात् MahāBhā. iii. 32.7.

अतिशङ्क्य (atiśaṅkya) *ger.* doubting too much अतिशङ्क्य वचो ह्येतद्धर्मलोपो भवेत्तव MāhāBhā. iii. 189.26.

अतिशङ्खा (atiśaṅkhā) *f.* one of the sixteen S'aktis (powers) belonging to the second Āvaraṇa of S'auṇḍavyūha (शौण्डव्यूहे) द्वितीयावरणं शृणु । वज्रा शङ्खातिशङ्खा वा बला चैवाबला तथा LiṅgaP. ii. 27.157.

अतिशठ (ati-śaṭha) *adj.* [*f.* –ā] very deceitful, extremely cunning सन्ति चैषां (ब्राह्मणानाम्) अतिशठास्तथान्येऽतितपस्विनः MahāBhā. xiii. 33.10; अतिशठोऽधिको लुब्धः ··· शशिनि भौमबुधमध्ये Sārā. 13.20; व्याधिक्लिष्टो जनोऽयं किमिदमतिशठे वाह्यते धीरहस्तः PadmPrā. 26.9; (एषा) दत्ते नोत्तरमात्रमप्यतिशठा चाटूक्तिदीनस्य मे UdaySuKa. 48.31; सुहृदतिशठः इयान्सोढुं शक्यः RājTa.(Ka.) 7.616; कश्चित्तदाश्वोऽतिशठः स्वकण्ठमुत्प्लुत्य पर्याणखलीनहस्तम् । चखाद VasaViKā. 11.7; हे पक्षिन् ··· तदतिशठ महापाप मा ब्रूहि मिथ्या S'ārṅgaPa. 8.8.

अतिशतरुद्रीय (ati-śatarudrīya) *adj.* surpassing the offerings in honour of the divinity called S'atarudra तत्रातिशतरुद्रीयापांनप्त्रीयैश्च सोऽयजत् DvyāśraKā. 15.106.

अतिशत्रु (ati-śatru) *m.* great foe (i. e. the planets that are inimical to each other by nature and for the time being as well) द्वयोः सुहृत्त्वं त्वतिमित्रता भवेद् द्विधारयस्ते तु सदातिशत्रवः JātaPā. 2.46.

अतिशद् (ati-śad-) 1 Ā; VI Ā. [P. vii. 3.78 conjugational base शीय] to fall out, to go out of, to escape ये प्रत्यञ्चः शम्यामतिशीयन्ते तन्नैर्ऋतमेककपालम् MaiS. ii. 6.1; KāṭhS. 15.1; MānS'S. 185.4; 185.9; तेषां परिगृहीतानां यथा क्षुद्रा मत्स्या अक्ष्योरक्ष्यतिशीयेरन् एवमेव ये क्षुद्राः पशव आसुस्ते अतिशेरुः JaimiBr. 2.110; एतामेव नातिशीयते ChāndoU. iii. 12.3–4; मन्त्री च चिरमीशो हि राजानं चातिशीयते BṛDharmaP. ii. 3.51.

अतिशनैकैस् (ati-śanakais) *adv.* very slowly संसारध्वान्तधाराहृतिरतिशनकैर्निर्जगामाजगाम ParamāKā. 17.118.

अतिशब्द (ati-śabda) *m.* **1** the word *ati* इह पचतीत्युक्ते कश्चिच्छब्दः श्रूयते पच्शब्दश्चकारान्तोऽतिशब्दश्च प्रत्ययः MahāBh. i. 255.14 (*on* i. 3.1); i. 255.16 (*on* i. 3.1); अतिशब्द उपरिभावे वर्तते Nyās. i. 704.20 (*on* iii. 3.80) = PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. (iii. 3.80); अनेनातिशब्दोऽत्रातिक्रमे वर्तत इति दर्शयति Nyās. ii. 158.17 (*on* v. 4.46); अत्र द्वितीयं द्वितीयं शब्दरूपम् अतिशब्दात् परतः प्रयोक्तव्यम् MṛtaSaṁ. 41.3 (*on* 4.7); आधिक्येन तु दोषायैवेत्यतिशब्देनाह JayaMa. 352.19 (*on* 6.6); अश्रुतस्यातिशब्दस्य स्थानं दद्यात्कथं पुनः AnuVyā. 9B.2 (1.1); NyāySu.(Ja.) 140B.8 (*on* i. 1.6); अतिशब्दो नेदानीमित्यस्यार्थे वर्तते PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. (ii. 1.6); *on* KāśiVṛ. *on* P. (v. 4.46); **2** loud sound (रणः) ना तु शब्दे परे त्वाहुरतिशब्देऽपरे पुनः NānārthāSaṁ. i. 136.1087; *adj.* producing a loud sound यस्यानिलो नासिकया निरेति । ··· अतिशब्दः RugVi. 58.5; वृषः ··· श्वेतोऽतिशब्दः TājiNi. i. 1.3(2)

अतिशब्दक (atiśabda-ka) *adj.* verbose (verbosity one of the eighteen defects of speech) वाग्दोषान् द्विनव शृणु । ··· विरुद्धं यत् त्रिवर्गेण न्यूनं कष्टातिशब्दकम् SkandP. i(2). 45.71.

अतिशब्दद्वयार्थ (atiśabdadvayārtha) *m.* meaning of the word *ati* occurring twice द्विषोऽतीत्यातिशयेनात्मानं प्रत्योहत इत्यतिशब्दद्वयार्थः KarmaNi. 6B.11.

अतिशब्दविषय (ati-śabdaviṣaya) *adj.* beyond the sphere of words, indescribable यस्यातिशब्दविषयं चरणारविन्दमुत्तंसयन्त्यमितभक्ति ··· वराननाः AlaṅkāKau.(Vi.) 413.3.

अतिशब्दश्रवण (atiśabda-śravaṇa) *n.* hearing excessive noise ऋतौ प्रथमदिवसात् प्रभृति ब्रह्मचारिणी ··· °कथनातिशब्दश्रवणावलेखनानिलायासान् परिहरेत् SuśruS. iii. 2.25.

अतिशब्दार्थकौशल (ati-śabdārthakauśala) *n.* extreme skilfulness in explaining the meaning of words गौश्चेन्नास्ति विवादोऽयमर्थस्तु विधिलक्षणः । अगौर्गोशब्दवाच्यश्चेदतिशब्दार्थकौशलम् TattvSaṁ. 987.

अतिशब्दित (ati-śabdita) *adj.* **1** producing excessive sound (पद्मोवाच) तव ··· पुच्छमच्छमणिव्रातघर्घरेणातिशब्दितम् । ··· करोमि KalkiP. ii. 1.19; **2** denoted by the word *ati* मूर्छाशूलकफप्रायो महावेगोऽतिशब्दितः (अतिनिरूढः) SiddhYo. 76.9.

अतिशब्दोपादान (atiśabdopādāna) *n.* use of the word *ati* प्रकर्षनिमित्तमतिशब्दोपादानं विद्यते SaraKaṇṭhā. 578.14.

अतिशमाय (ati-śamāya) [*denom.*] – Ā. to destroy very much यदि सप्ताहमतिशमायेताग्ने दुःशीर्तेतन इति पुरस्ताज्जुहुयात् MānS'S. 98.12.

अतिशम्भुप्रिय (ati-śambhupriya) *adj.* excessively beloved of S'iva शैवपर्वसु ··· योऽधीते भक्तितत्परः । एतदाख्यानम् ···सोऽतिशम्भुप्रियो भवेत् S'ivaP. iii. 17.18 (316A. 15)

अतिशय (ati-śaya) *m.* **1 A** abundance, extreme (limit), plenitude, fullness, great extent **B** excess, more than necessary amount **2 A** eminence, excellence, perfection **B** superiority, excelling over, surpassing **3** efficacy, effectiveness, potency **4** being better or best, gradation **5** peculiarity, difference, distinctness **6** supernatural power or miraculous event associated with a Jain prophet **7 i** one of the 36 bhūṣaṇas of a drama **ii** one of the 36 lakṣaṇas of a drama **iii** one of the 64 alaṅkāras of a drama **8 A** heightened or exaggerated description, poetic hyperbole and a figure of speech based on it **B** a figure of speech based on adhyavasāya. **1 A** abundance, extreme (limit), plenitude, fullness, great extent जवातिशययुक्तेन खररथेन ···स्वयमेवामात्यः प्राप्तः PratiYau. 2.9(4); (भगवान् नारदः) मुक्तागुणातिशयसंभृतमण्डनश्रीः Vikramo. 5.19; निरवधिचमत्कृत्यतिशयो वराहो वा राहुः प्रभवति S'atTrayī. 412; प्रतापातिशयोपनतसमग्रसामन्तमण्डलः EI. ix. 297.11; अश्वातिशयमिन्द्रायुधमद्राक्षीत् Kād. 80.3; विहितनिखिलविद्वज्जनमनःपरितोषातिशयः EI. viii. 192.25; वामोरूरतिशयमाप विभ्रमस्य S'iśuVa. 8.24; सुदृशः··· । वपुरादरातिशयशंसि पुनः प्रतिपत्तिमूढमपि बाढमभूत् S'iśuVa. 9.77; (जामदग्न्यः) अभिजनतपोविद्यावीर्यक्रियातिशयैर्निजैरुपचितशमः MahāvīC. 2.11; 5.46 (294.5); यदृच्छासंवादः किमु किमु गुणानामतिशयः UttaRāC. 5.16; या तु श्रुतिः कपिलस्य ज्ञानातिशयं प्रदर्शयन्ती प्रदर्शिता BrahmSūBh.(S'aṅ.) 285.3 (*on* ii. 1.1); योऽसौ कुत्र चमत्कृतेरतिशयं यात्वम्बिकाकेसरी VakroJī. 18.6; सोऽर्भकः भक्तेरतिशयात् साक्षात्कृतो लम्बोदरेण सः । चक्षुष्माञ् श्रुतिसंपन्नः GaṇeP. i. 20.11; भ्रान्तेरतिशयश्च यः SaraKaṇṭhā. 366.14; ब्रह्मानन्दातिशयेयत्तां वक्तुम् S'rīBh. 208.3 (*on* i. 1.17); प्रज्ञाया अतिशयः PramāMī. 12.1 (*on* i. 1.16); अहो मतेरतिशयो भाषित्वेत्यथ भूषणः । प्राह SamarāSaṁ. 8.54; लक्ष्ये तस्यैवातिशयः फलम् SāhiDa. 55.1; वियोगशोकभयजुगुप्सादीनामतिशयाद् ग्रहावेशादेश्चोत्पन्नो व्याधिविशेषोऽपस्मारः RasGaṅ. 116.8; **1 B** excess, more than necessary amount पार्श्वतः परिकृष्यातिशयतृतीयेन सह मण्डलं परिलिखेत् ĀpaS'uS. i. 3.3; द्वे द्रव्ये पश्यन्नेकत्र विद्यमानमतिशयं गृह्णाति NyāyBh. 266.11 (*on* iv. 1.40); मा शङ्खधमक इव स्वामिन्नतिशयं कृथाः PariPar. 2.693; व्ययस्यातिशयेनाहो कोशो रिक्तत्वमागतः RājTa.(Jo.) 494; **2 A**

-eminence, excellence, perfection (सरणम्) विरोधातिशयप्राप्ति° ... °निमित्तेभ्यः NyāySū. iii. 2.41; यावद्ब्रूयात्प्रकर्षेऽतिशय इति तावदतिशायन इति MahāBh. ii. 413.3 (*on* v. 3.55); (भूमिः) अकण्टकिन्यबहुविषमाप्रत्यासारवतीति पदातीनामतिशयः ArthS'ā. iii. 122.5 (10.4); तस्मिन्विधानातिशये विधातुः ... निपेतुरन्तःकरणैर्नरेन्द्राः RaghuVa. 6.11; तथातिशयो विशेषस्तेन युक्तः Sāṁkhya-KāBh. 2.31 (*on* 2); विदग्धैर्निग्राह्यो न पुनरविदग्धैरतिशयः UttaRāC. 4.21; 6.11; निर्ह्रासातिशयौ दृष्टौ बुद्धीनाम् TattvSaṁ. 1904; ततोऽप्यतिशयः पुंसां सर्वलोकोपकारिता BṛĀraUBhVā. i. 4.1572; यथा भूः सर्वभूतानां शान्तेरतिशयः स्मृतः BhaviP. 282A.11 (i. 189.36); उपमायामतिशयस्येष्टत्वात् KāvyālaṅSū. iv. 2.20; न तु काव्यस्यासौ कश्चिदतिशयः Loc. 32.20 (*on* 1.12); अप्रमादस्यातिशयात् सर्वदुःखक्षयो ध्रुवम् PārśvC. 2.494; कस्यापि कोऽप्यतिशयोऽस्ति स तेन सद्भिः सम्पूज्यते Anyo. 55; प्रजाभ्योऽभयदानस्य चातिशयमाह VīraMi. 359.19 (*on* 1.323); **2 B** superiority, excelling over, surpassing देशस्थोत्तमपूर्णत्वैर्लक्षणातिशयो मुनेः AbhidhK. 3.97; कर्मणोऽपि स्वकक्ष्यायां न स्यादतिशयस्तथा VākyaPa. 3(7).74; यत्राप्यतिशयो दृष्टः स स्वार्थानतिलङ्घनात् । दूरसूक्ष्मादिदृष्टौ स्यान्न रूपे श्रोत्रवृत्तिता S'lokaVār. 2.114 (80.5); पूर्वस्मात्पूर्वस्मात्परस्य परस्यातिशयो विवक्षितः ManuBh. i. 151.9 (*on* 2 145); तत्र कोऽतिशयो येनेदानीं पङ्क्तिपावनत्वमुच्यते ManuBh. i. 285.17 (*on* 3.174); एतद्विवर्धमानं यत्र निष्क्रान्तमतिशयात्स सर्वज्ञः TattvVai. 30.26 (*on* 1.25); दर्शनस्य च परोऽतिशयः सूक्ष्मव्यवहितविप्रकृष्टभूतभविष्यदादिविषयत्वम् Nyāy-Mañ. i. 96.4; तस्माद्यस्य साम्यातिशयैर्विनिर्मुक्तमैश्वर्यं स एवेश्वरः YogBh. 30.5 (*on* 1.24); परिमाणेऽतिशयो विरुध्यते SaṁkṣeS'ā. 2.75 (ii. 46.12); नायमेतावानतिशयः कस्यचित्पुरुषस्य Kāśi. i. 118.25 (*on* 2.111); संस्कारो योनिसाध्यो वा ... । शूद्रेभ्योऽतिशयं धत्ते BhaviP. 80B.32 (i. 41.22); न हनूमतो लङ्घनेऽतिशयं सूचयति SaraKaṇṭhā. 13.13; ततो मुक्तस्य न कश्चिदतिशयः S'āstrDī. 126.15 (*on* i. 1.5); पूर्वप्रथमावन्यतोऽतिशये SiddhaHe. vii. 4.77; अणिमादिगुणावाप्तिर्जपस्यातिशये भवेत् ĪśānS'iPa. i. 27.54; i. 27.54; वचनम् ... परिसंख्या द्वयोः प्राप्तावेकस्यातिशयाय यत् SaṁgiRa. i. 94.2 (1(7).59); ईश्वरे ... जीवादतिशयस्यादर्शनात् TattvPrakā. 90B.5 (*on* ii. 1.28); तत्स्पर्धिनामतिशयस्त्यागे वाच्यः KandaCū. vi. 3.18; जिनधर्मं विहायान्यस्मिन् धर्मेऽतिशयो न दृश्यते SamyaKau. 103.13; **3** efficacy, effectiveness, potency यस्य चाभावात् प्रमातृप्रमेये न प्रमां कुरुतः सोऽतिशयः NyāyVār. 7.20 (*on* i. 1.1); न हि विभूतिख्यापनेन कश्चिदतिशयो लभ्यते NyāyVār. 467.2 (*on* iv. 1.21); न वै सर्वत्रातिशयोत्पादनं सहक्रिया HetuBiṬ. 113.25; कर्तृभेदः करणभेद इवातिशयविवक्षाभेदादुपपद्यते BhāvanāVi. 110.2; अथास्त्यतिशयः कश्चिदभिव्यक्त्यादिलक्षणः TattvSaṁ. 19; सामान्येऽतिशयः कश्चिन्न हि क्षेत्रादिभेदतः। एकरूपतया नित्यं धात्र्यादेस्तु स विद्यते TattvSaṁ. 725; अस्ति नाम कोऽपि गोरतिशयः यः प्रतियोगिदर्शनप्रतिलब्धाभिव्यक्तिर्गवयसदृशीं धियमुपजनयति Tātpa-Ṭ.(U.) 388.19 (*on* 12.4); अज्ञानं कमतिशयं जनयेत् NaiṣkaSi. 104.4; सोऽतिशयः शक्तिरित्युच्यते NayaVi. 133.6 (*on* i. 1.5); अतोऽस्ति कश्चिदतिशयः कारणानाम् Kāśi. iii. 163.9 (*on* 5(7).4); धर्मैयोः केनाप्यतिशयेन नानादेशतया युगपदवभासनम् KāvyPra. 714.6; अर्थगतो वा ज्ञानजन्योऽतिशयः कल्पयति ज्ञानम S'āstrDī. 56.26 (*on* i. 1.5); विवाहाग्नौ कोऽप्यतिशयो गृह्यकर्मानुकूलो जायते Aparā. 121.5 (*on* 1.97); व्रीहीन् प्रोक्षतीत्यत्र कालान्तरकार्यानुकूलोऽतीन्द्रियोऽतिशयः TattvCin. ii(2). 134.6; तदा तथाविधं तस्यातिशयमभिवाञ्छेदेव S'atDū. 65.13; अथ ब्रह्मगताया मायायास्त्वयमतिशयः S'atDū. 177.15; सहकारिजन्योऽतिशयः किमतिशयान्तरमारभते न वा SarvaDaSaṁ. 2.80; **4** being better or best, gradation तरतमयोश्चातिशयेऽदक्षिणप्रत्यासङ्गे VājaPrāti. 5.2; तस्यातिशये तरबुत्पद्यते MahāBh. iii. 136.1 (*on* vi. 2.139; प्रसृततरा गतिर्यन्नित्यमुक्त्वातिशय उच्यते MahāBh. iii. 366.22 (*on* viii. 1.4); तमबर्थश्चातिशयः TātpaṬ.(U.) 34.24 (*on* 2.9); यथोक्तकर्मफलेषु ... कश्चिदतिशयो मोक्षः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 21.4 (*on* i. 1.4); अलब्धातिशयं यस्माद्व्यावृत्तास्तमवादयः NaiṣkaSi. 6.3; पूर्वप्रथमावन्यतोऽतिशये S'ākaṭāVyā. ii. 3.5; द्वयोरेकस्यातिशये तरो बहूनां तमः स्यात् MugdhaBo. 7.48 (71.21); **5** peculiarity, difference, distinctness चोदितो दधि खादेति किमुष्ट्रं नाभिधावति । अथास्त्यतिशयः कश्चिद्येन भेदेन वर्तते PramāVār. 1.184; यदि नामाध्रुवा व्यक्तिर्लभेतातिशयं तदा । जातेस्तु विगुणं रूपं न कदाचिन्निवर्तते TattvSaṁ. 761; क्षीर एव दध्नः कश्चिदतिशयः BrahmSūBh. (S'aṅ.) 320.7 (*on* ii. 1.18); अननुसंधाने च स्वपरसंवेद्ययोः कोऽतिशयः Brahm-Si. 4.10; न ह्यजातानन्वयप्रध्वस्तयोरतिशयः कश्चित् SphoṭSi. 33.12; वस्तुनोऽतिशयः कश्चिदभाववचसोच्यते BṛĀraUBhVā. i. 2.16; कमतिशयं वाक्यं कुर्यात् NaiṣkSi. 139.7; तदिदमसाधारण्यमतिशयः TātpaṬ.(Vā.) 26.4 (*on* i. 1.1); गुणगुणित्वक्रृतोऽतिशयस्तयोः SaṁkṣeS'ā. 1.230 (i. 176.13); अनुभवाधीनं कञ्चिदात्मनोऽतिशयमुपकल्पयति PrakaPañ. 330.10; चिरध्वस्तं फलायालं न कर्मातिशयं विना NyāyKuA. i. 26.3; दर्पणादिकम् ... प्रतिबिम्बभाग एवातिशयमादधाति VivaPraSaṁ. 58.15; योषिद्वपुष्यतिशयो न दृष्टो जीवनिर्मितः PañcDa. 4.24; अत्रापि हि आगमसिद्धान्तस्य केवलमोक्षप्रदत्वलक्षणोऽतिशयः PāñcRāRa. 9.16; नापि तज्जन्यो विषयगतो ज्ञाततापाकट्यापरपर्यायोऽतिशयः TantrRaha. 8.5; विशेषः – पूर्वावस्थाया भेदः, अतिशय इति यावत् Bhāsk. i. 98.17 (*on* i. 2.6); **6** supernatural power or miraculous event associated with a Jain prophet नक्ष्यन्त्यतिशयाः सर्वे त्रिदशागमनादयः PadmP.(Ra.) 92.61; दृष्ट्वातिशयमीदृक्षं बहवो नरकुञ्जराः ... बभूवुः श्रावकास्तदा BṛKathāK. 46.183; गृहेऽस्यातिशयाः पञ्च बभूवुः BṛKathāK. 66.10; दृष्ट्वातिशयमीदृक्षं गुरुदत्तस्य योगिनः । कृत्वा स्वनिन्दनं बाढं प्राप्य केवलिनं द्विजः BṛKathāK. 139.108; महाप्रातिहार्यचतुस्त्रिंशदतिशयविराजितस्य YaśasCam. ii. 374.5; अयमेवातिशयः किं न भवति TātpaVṛ. 29.21 (*on* 1.20); आहारनीहारविधिस्त्वदृश्यश्चत्वार एतेऽतिशयाः सहोत्थाः Abhi-dhāCin. 58; आचार्यैर्दर्शितं तम् ... अतिशयं प्रेक्ष्य PariPar. 12.97; ज्ञानैस्त्रिभिश्चतुर्भिश्चातिशयैः सहजन्मभिः । जगद्विलक्षणोऽसि TriṣaS'aPuC. iii. 1.199; एवं चातिशयैः सम्यक् सामान्यजनदुस्तरैः ।...वीरगणिः सूरिर्विश्वपूज्यस्तदाभवत् PrabhāC. 131.11; तस्य पात्रदानस्यातिशयात्त्वं सातवाहननामा नृपतिरासीः PrabaCin.10.15; °संज्ञाकर्मकषायगुप्त्यातिशया ज्ञेयाः सुधीभिः सदा KumāPraPra. 85.27; ममाज्ञातफलभक्षणे नियमोऽस्ति किमेतैरतिशयैः SamyaKau. 87.19; **7i** one of the 36 *bhūṣaṇas* of a drama गुणानुवादोऽतिशयः सहेतुः NāṭyaS'ā. 16.1; उत्तमार्थाद्विशिष्टो यः स चाप्यतिशयः स्मृतः NāṭyaS'ā. 16.13; **7ii** one of the 36 *lakṣaṇas* of a drama बहून् गुणान् कीर्तयित्वा सामान्यजनसंश्रयान् । विशेषः कीर्त्यते यत्र ज्ञेयः सोऽतिशयः बुधैः NāṭyaS'ā. + 16.20; AbhinBhā. ii. 306.14 (*on* 16.13) = one of the 36 भूषणs, RasāSu. 256.9 (3.115); 248.5 (3.99); (*bhūṣaṇa* called गुणातिशय) SāhiDa. 339.14; **7iii** one of the 64 (?) अलंकारs of a drama विशेषकीर्तनं यत्स्यादर्थे सोऽतिशयः स्मृतः BhāvPra.(S'ā.) 224.3 (8); 223.11 (8); SāhiSā. 3.21; **8A** heightened or exaggerated description, poetic hyperbole and a figure of speech based on it अलंकारान्तराणामप्येकमाहुः परायणम् । वागीशमहितामुक्तिमिमामतिशयाह्वयाम् Kāvyāda. 2.220; SaraKaṇṭhā. 540.4; समाम्नासीत् ... अतिशयं पाराशरः KāvyMī. 1.10; अर्थस्यालंकारा वास्तवमौपम्यमतिशयः श्लेषः Kāvyālaṅ.(Ru.) 7.9; यत्रार्थधर्मनियमः प्रसिद्धिबाधाद् विपर्ययं याति । कश्चित्क्वचिदतिलोकं स स्यादित्यतिशयस्तस्य Kāvyālaṅ. (Ru.) 9.1; लोकसीमानिर्वृत्तस्य वस्तुधर्मस्य कीर्तनम् । भवेदतिशयो नाम संभवासंभवाद् द्विधा AgniP. 343.26; लोकसीमातिक्रमेण विशेषविवक्षा सोऽयं क्रियातिशयो नामातिशय एवान्योन्यातिशय उच्यते SaraKaṇṭhā. 543.218 (also called अतिशयोक्ति); इह हि अतिशयस्य द्वयी गतिः यदयं कविप्रतिभानिर्वर्तितः सामान्यात्मा भवति भेदेऽप्यभेद इत्येवमादिरूपो विशेषात्मा वा Vimarśinī *on* AlaṅkāSa. 67.13; सम्भावनयान्यथा वातिशयोऽतिशयः AlaṅkāRa. 95; **8B** figure of speech based on *adhyavasāya* (where the *upamāna* completely swallows the *upameya* usually called Atiśayokti) विषयिणा विषयस्य निगरणमतिशयः RasGaṅ. 421.2; किं च परस्पराभेदाध्यवसानमात्रमतिशय एव नातिशयोक्तिः RasGaṅ. 487.4; क्वचिद्भेदाध्यवसायरूपोऽतिशयः RasGaṅ. 405.3; [AmaK. 2271; 131; AnakāSa. 672; 801; Vaija. 192.3; AbhidhāCin. 1506; MediK. 35.3; 137.69; अतिशय has been rendered as one of the meanings of अट्ट Vaija. 214.5; Nānārthā-Saṁ. i. 45.25; अत्यर्थ TrikāS'e. iii. 3.91 (comm.); उत्कर्ष TrikāS'e. iii. 3.71 (comm.); ऋद्धि AnekāK. 408; कट TrikāS'e. iii. 3.93 (comm.); काम AṇekāTi. 2.62; किमुत AnekāSaṁ. 7.55; MediK. 197.29; AnekāK. 986; ज्यायस् AnekāTi. 2.122; प्राग्भार NānārthāSaṁ. ii. 25.160; भर AnekāSaṁ. 2.433; AnekāK. 714; NānārthāSaṁ. i. 28.85; S'abdaRaSaK. 257.13; भृश TrikāS'e. iii. 3.121 (comm.); विशेष NānārthāSaṁ. ii. 197.1716; व्यायत Anekā-Saṁ. 3.285; AnekāTi. 3.232]; **अतिशयात्** (atiśayāt) [Abl.] in a high degree आच्छादयामास मृगो मृगाङ्कम् । दूराधिरूढं जनमापदीव प्रकाशमानोऽतिशयादवर्णः RāmC. 3.76; **अतिशयेन** (atiśayena) [Inst.] **A** excessively, greatly, very much, to a great extent or degree (with verbs) (दूती पत्युः) मन्दवेगताम्...अन्यानि च यानि तस्मिन् गुप्तानि अस्या अभ्याशे सति सद्भावेऽतिशयेन भाषेत KāmSū. 276.23 (5.4); एकीकृत्य तु तत्सर्वं पश्चात् सूत्रेण लाञ्छयेत् ... तत्र चातिशयेन च JayāS. 15.24; अतिसत्त्वयुक्त इति पुंभिरयमतिशयेन वर्ण्यते S'iśu-Va. 15.38 + 15; दीप्यते हि इयम् अतिशयेन ब्रह्मविद्या सर्वविद्यानाम् GītāBh. (S'aṅ.) 254.13 (*on* 9.2); अति असृजत अतिशयेन असृजत सृष्टवत् BṛĀraUBh. 144.12 (*on* i. 4.11); 245.7 (*on* ii. 1.19); न चैतदतिशयेन साम्प्रतमुपयुज्यते NyāyVārPari. 10.6; यथा कार्ये ज्योतिषि अतिशयेनोपपद्यते Bhām. 151.15 (*on* i. 1.24); संध्याकाले ... सततमतिशयेन भृशं च नृत्यति AbhinBhā. i. 164.17 (*on* 4.249); जीर्यत्यतिशयेनेति पचाद्यचि यङ्लुकि रूपम् AbhinBhā. i. 29.17 (*on* 1.70); अकृतार्थे तु द्रव्ये प्रक्षेपस्यापि हि दृष्टार्थाभावादतिशयेन अदृष्टार्थता वक्तुं शक्यते TantrRa. 65.16; उक्तमर्थमतिशयेनावधारयति Karma-Ni. 3A.11; अतिशयेन दीप्यते ... प्रमुप्रतापः HammīMaMa. 2. :7 (I)' पुन

पुनरतिशयेन वा मूत्रयति मोमूत्र्यते MugdhaBo. 20.3 (129.7); भृशमतिशयेन अतुदन् अव्यथयन् ManvaVi. i. 489.1 (*on* 4.68); धर्मज्ञम् ··· प्रीतिमत्प्रकृतिकं यत् तन्मित्रमतिशयेन शस्यते ManvaMu. 285.19 (*on* 7.209); PrakriKau. ii. 350.2; अतिमारुतेऽतिशयेन वाति वायौ ViraMi. 232.7 (*on* 1.149); विनायकोपसृष्टः स्वप्ने निद्राद्दशानां(? यां) जलमत्यर्थमतिशयेनावगाहते जले मज्जति ViraMi. 331.11 (*on* 1.272); अतीसारो व्याधिः। अन्तर्भावितण्यर्थोऽत्र सरतिः। रुधिरादिकमतिशयेन सारयतीत्यर्थः SiddhāKau. 568B.9; **Bi** excessively, greately (participles etc. used predicatively) विदितं नाम यद्विदिक्रियया अतिशयेन आप्तं विदिक्रियाकर्मभूतम् KenaUBh. 35.18 (*on* 1.4); असावपि युवा ··· अतिशयेन स्पृहणीयतां गतेन ··· आत्मसमर्पणेन परमरंस्त TilaMañ. 128.17; तत्तु (अनपत्यतादुःखम्) दैवादतिशयेनासह्यतां गतम् TilaMañ. 28.8; यदीययस(श)सा जगत्यतिशयेन सु(शु)क्लीकृते EI. xxv. 56.8; अतत्त्वमसि ··· इत्येकत्वमतिशयेन निराकृतम् SarvaDaSaṁ. 5.187; विरहिततरमतिशयेनागन्तुकैस्तदुत्थैश्च जीवैर्वर्जितम् KumāPraPra. 76.16; तदतिशयेन संपादनीयो मम पानभोजनविधिः Jīvān. 331.1; प्रत्युपकारार्थबुद्ध्यापि मातापित्रोरतिशयेन हितं कार्यम् ManvaVi. 258.4 (*on* 2.227); अतिशयेनाहितं कृतम् KathāK. 151.2; सत्सु सज्जनेषु आ समन्तादतिशयेनोदिता LalitāSaBh. 186.28 (*on* 221); **Bii** (with adjectives) ब्रह्मिष्ठोऽसीति अतिशयेन त्वं ब्रह्मवित् PraśnaUBh. 261.5 (*on* 3.2); उभयेषां मध्ये के योगवित्तमाः के अतिशयेन योगविदः इत्यर्थः GitaBh. (S'aṅ.) 340.10 (*on* 12.1); हिंसा चातिशयेन दुःखावहा ManuBh. i. 441.16 (*on* 5.48); अतिशयेन प्रयोजनवत् TātpaṬ.(Vā.) 16.6 (*on* i. 1.1); यो युवतीनामतिशयेनात्मतत्त्वावगमकानामध्न्यानां नित्यानां धेनूनां धर्मार्थकाममोक्षपोषकाणां वाचां पातिं वायुं प्रति पतिर्भवसि इति वा KarmaNi. 5A.1; अतिशयेन प्रवृत्तिनिमित्तवत्त्वेव शब्दस्य मुख्यत्वात् TattvPrakā. 66B.10 (*on* i. 4.2); अनृत्यतिशयेनानृतवादी ··· तस्यान्नं न भुञ्जीत ManvaMu. 184.12 (*on* 4.214); अतिशयेन स्रग्वी स्रजिष्ठः PrakriKau. i. 924.5; तथा सति अतिशयेन वीर्यवती भूयासम् ManvaMu. 57.27 (*on* 2.114); सर्वकण्टकानां मध्ये अतिशयेन पापतमं सुवर्णकारम् ··· खण्डशश्छेदयेत् ManvaMu. 417.16 (*on* 9.292); **Biii** (with adjectives) भगवानखिलसिद्धगन्धर्वेभ्योऽतिशयेन कमनीयं रूपमकरोत् ViṣṇuP. iv. 2.87; अतिशयेन स्थूलः स्थविष्ठः ViṣṇuSaBh. 48.7 (*on* 19); स मे मम युक्ततमः अतिशयेन युक्तः मतः अभिप्रेतः इति GitāBh.(S'aṅ.) 210.14 (*on* 6.47); परं कृष्णं रूपम् अतिशयेन कृष्णमित्यर्थः ChāndoUBh. 145.15 (*on* iii. 4.3); अयमनयोः अतिशयेन शुक्लः ParāTri. 29.4; आ पादान्तान्मेध्यः पुरुषः। तस्य नाभेरूर्ध्वमतिशयेन मेध्यम् ManuBh. i. 43.16 (*on* 1.92); महागंभीरोऽतिविदग्धः सुष्ठु गर्वहीनोऽतिशयेन क्रीडाचतुरः Loc. 44.14 (*on* 1.13); तेजोराशिः समुत्पन्नः तिष्ठति अनभिभवात् अतिशयेन दीप्यमानः Kiraṇā. 94.20; यस्यां तु मिथ्यादृष्टौ सर्वभूतानि जाग्रति अतिशयेन सुप्रबुद्धरूपाणि Kāvyānu.(He.) 52.21; तद्विधुमृगस्य नभोवनेऽस्मिन् दत्त्वेति निर्मितमिवातिशयेन तुङ्गम् PṛthvīVi. 4.25; अतिशयेन साधकं साधकतमं प्रकृष्टं कारणमित्यर्थः TarkBhā.(Ke.) 28.6; यच्च यदर्थं प्रियं तत्ततोऽप्यतिशयेन प्रियमिति लोके दृष्टम् SarvaDaKau. 127.8; अतिशयेन वृद्धो ज्येष्ठः PrakriKau. i. 921.7; अयमेषामतिशयेन लघुः लघुतमः लघिष्ठ इत्यर्थः PrakriKau. i. 917.6; पटुतमेति।···इयमासामतिशयेन पट्वी 'अतिशायने तमबिष्ठनौ' इति तमप् Prasā. i. 585.15; अतिशयेन यागार्हं हविर्देवताभ्य उपकल्प्य शेषान्नमुपभुञ्जीत ManvaMu. 230.11 (*on* 6.12); पूज्यतमाः यथान्येषां पूज्यास्ततोऽप्यतिशयेन पूज्या इत्यर्थः ViraMi. 349.19 (*on* 1.308); परमतिशयेन विश्रुतं प्रसिद्धिमित्यर्थः LalitāSaBh. 14.19 (*on* 33); एवमतिशयेन साधुरित्यर्थे साधीय इत्यपि LaS'abdeS'e. i. 358.24; अध्यात्मविषयकज्ञानविषये अतिशयेन निपुण इत्यर्थः BālamBha. i. 12.17 (*on* 1.9); किं ब्रवीषि। आर्य स्वत एव रमणीयमिदमम्बिकानिलयनम् इदानीं पुनरतिशयेन RasSa. 63(2); **C** excessive, great, abundant (with nouns) ओंकारः ··· अतिशयेन रसः रसतमः ChāndoUBh. 12.2 (*on* i. 1.3); विस्मयोऽतिशयेनार्थदर्शनाच्चित्तविस्मृतिः AgniP. 338.15; तस्या अतिशयेनाप्रगल्भत्वात् JayaMa. 274.5 (*on* 5.3); तत्र मे परममित्रम् ··· अतिशयेन प्रसादपात्रम् ··· क्रीडासुखमनुभवति TilaMañ. 40.8; सा दुर्दशेवातिशयेन याच्ञा न कस्य मानक्षतिमातनोति DaśāvaC. 5.190; श्रुतिस्मृत्यपरिगृहीतत्वाच्चातिशयेनानपेक्षता BrahmSūBh.(Ma.)29B.10 (*on* ii. 2.17); परमस्थूलतायुतः। ··· द्वितीयपक्षे परमतिशयेन अस्थूलता KāvyKaVṛ. 74.13 (3.3); अतिशयेन राजा अतिराजा MugdhaBo. 6.88 (64.11); सर्वोत्कृष्टत्वोपासनं चान्योपासनेभ्योऽतिशयेन भगवत्प्रसादहेतुः TattvPrakā. 201B.6 (*on* iv. 1.5); अन्यसूत्रेभ्योऽतिशयेन निर्णायकत्वाद् वचनं युक्तम् TattvPrakā. 3B.6 (*on* i. 1.0); वायोरपि परतो गन्तव्यसद्भावान् न तस्यातिशयेन प्राधान्यम् TattvPrakā. 215A.9 (*on* iv. 3.6); ततो ह्यतिशयेन चित्तविक्षेपाद्रमणानुपपत्तिः NyāySu.(Ja.) 166B.5 (*on* i. 2.5); यान्यतिशयेन राजोपभोग्यत्वेन प्रसिद्धानि करितुरगादीनि मणिमुक्तादीनि च DaṇḍaVi. 92.11; तस्माद्गजेन्द्राः परीक्षणीयाः स जीवितं चातिशयेन राज्ञाम् Hastyāyur. 45.5(1.5); कामजे चतुष्कं कष्टतममतिशयेन दुःखहेतुः ManvaVi. 778.20 (*on* 7.50); ततोऽप्यतिशयेनान्तरमन्तरतरम् AṇuBh. 223.6 (*on* iii. 3.8); अतिशयेन वेदधारणात्सर्वस्यास्य जगतो धर्मानुशासनेन ब्राह्मणः प्रभुः ManvaMu. 26.16 (*on* 1.93); उत्कृष्टेभ्योऽप्यतिशयेन श्रेष्ठयम् S'ivārkaMaDī. i. 266.10 (*on* i. 1.23–24); गतिरतिशयेनोपनिषदाम् ··· स चैतन्यः किं मे पुनरपि दृशोर्यास्यति पदम् StavMā. 3.21; पुनः पुनरतिशयेन वा यानं ह्यन्तस्यार्थः SiddhāKau. 478A.5; विद्यावतां पाणिनिप्रभृतीनामतिशयेन विद्यायोगमाख्यातुम् Prasā. i. 484.18.

अतिशय (ati-śaya) *adj.* [*f.* –ā] **i** excessive, exceeding, more तथा स (सामप्रगाथः) स्तोत्रियेण समो वातिशयो वा संपद्यते KauṣīBr. 23.2 (103.16); अतिशयं वै द्विपदां यज्ञायज्ञीयम् PañcBr. v. 1.19 (Sāy. अतिशयितमतिरिक्तम्); विलोक्याद्भुतमेतन्मे विस्मयोऽतिशयोऽभवत् ĀdiP. 13.12; दानम् ··· अतिशयश्रीदम् EI. xix. 160.62; **ii** superior, surpassing लोकातिशयविक्रमतया नरलोकविक्रमः EI. ix. 318.9; सैषा ब्रह्मणः प्रजापतेरतिसृष्टिरात्मनोऽप्यतिशया BṛĀraUBh. 93.15 (*on* i. 4.6); तथापि तस्यामतिशयं दैवं प्रवर्तते। अतिरिक्तः पुरुषकार एव भवति ManuBh. ii. 63.16 (*on* 7.205)

अतिशयकरण (atiśaya-karaṇa) *n.* the act of bringing about excellence प्रथमवर्णश्रवणवेलायां स्फोटोऽभिव्यक्तो भवति न च द्वितीयादिवर्णवैफल्यं तदवगतेरेवातिशयकरणात् NyāyMañ. i. 340.4.

अतिशयकरत्व (atiśayakara-tva) *n.* characteristic of creating a speciality आवृत्तेरतिशयकरत्वे दृष्टे सत्यपरोक्षज्ञानातिशयावृत्तिरिति नानुपपन्नम् VedāntKa. 512.10 (*on* iv. 1.1); नापि योगिप्रत्यक्षं तद्ग्राहकम्, तस्य स्वविषयरूपादिष्वेव अतिशयकरणत्वात् VivaPraSaṁ. 278.18.

अतिशयकर्कश (atiśaya-karkaśa) *adj.* excessively harsh अतिशयकर्कशेन वातातपस्पर्शेनातिमात्रकर्शितमपि ··· समरकेतुमालोकितमात्र एव ··· अभिमुखमगच्छत् (हरिवाहनः) TilaMañ. 230.18.

अतिशयकर्तृरूप (atiśayakartṛ-rūpa) *adj.* having the form of one causing distinction अतिविशिष्टेऽर्थे इति। अतिशयकर्तृरूपेऽर्थे इत्यर्थः LaS'abdeS'e. ii. 366.6.

अतिशयकल्पन (atiśaya-kalpana) *n.* assumption of a speciality कथं तन्निर्वाहार्थमतिशयकल्पनम् TattvCin. ii(2). 136.1.

अतिशयकल्पना (atiśaya-kalpanā) *f.* assumption of superiority अस्तु वा तत्राप्यतिशयकल्पना किं नश्छिन्नम् NyāyMañ. i. 35.2.

अतिशयकारणत्व (atiśayakāraṇa-tva) *n.* the state of being the cause of excellence भीष्मादप्युत्तमानां सर्वकालस्याप्यतिशयकारणत्वान्न कालविशेषेणातिशयः TattvPrakā. 212A.11 (*on* iv. 2.21)

अतिशयकारित्व (atiśayakāri-tva) *n.* the state of creating distinction योगसामर्थ्यस्यापीन्द्रियविषयेष्वेवातिशयकारित्वात् VedāntKa. 62.9 (*on* i. 1.4)

अतिशयकारिन् (atiśayakār-in) *adj.* doer of extrāordinary deeds कवेरतनया[वे]लो[ल्ल]लङ्घनप्रशमनप्रमुखाद्यनेकातिशयकारिणः करिकालस्यान्वये ··· नृपतिरभवत् EI. xi. 345.4.

अतिशयकुटिलगति (atiśayakuṭila-gati) *adj.* very crooked or devious in gait अतिशयकुटिलगतिः। ··· सा परिहार्या क्रौञ्चपदा स्त्री NāṭyaS'ā. 15.148.

अतिशयक्रिया (atiśaya-kriyā) *f.* very effective action अतिशयक्रिया कर्तर्येव समवेता Pradī. iv. 381A.10 (*on* v. 3.55)

अतिशयखेदसम्पद् (atiśayakheda-sampad) *f.* high degree of excessive exhaustion भृशमतिशयखेदसम्पदेव स्तनयुगलैरितरेतरं निषण्णैः S'iśuVa. 7.65.

अतिशयगत (atiśaya-gata) *adj.* **i** charged with (unreal) peculiarities सर्वमतिशयगतं कुरुते स्फुटमिन्द्रजालमिदमेष मायया S'iśuVa. 15.38(+20); **ii** endowed with excellence, S'iśuVa. 15.38 (+20)

अतिशयगन्धाढ्य (atiśayagandhāḍhya) *adj.* rich in abundant smell वनमतिशयगन्धाढ्यं भ्रमति मधूकरी हृष्टा NāṭyaS'ā. 15.30.

अतिशयगहन (atiśaya-gahana) *adj.* very thick, extremely dense कानि स्थानानि दग्धान्यतिशयगहनास्सन्ति वा के प्रदेशाः SūktiMu. 60.14.

अतिशयगुण (atiśaya-guṇa) *adj.* extremely meritorious अतिशयगुणं त्वत्पाण्डित्यं मयाप्यनुवर्तितम् Tantrākhyā. 130.7 = PañcT. 4.19 (394.3)

अतिशयगुणयोग (atiśayaguṇa-yoga) *m.* possession of excellent merits तपोविद्याद्यतिशयगुणयोगेन प्रख्याततमाः ManuBh. i. 209.12 (*on* 3.5)

अतिशयगुणवत् (atiśayaguṇa-va(n)t) *adj.* possessing extraordinary merits अर्थिप्रत्यर्थिभ्यामनुमतोऽतिशयगुणवानेकोऽपि साक्षी स्यात् BālaKrī. i. 227.25 (*on* 2.74)

अतिशयगौर (atiśaya-gaura) *adj.* very pale वपुरतिशयगौरं गर्भमाविष्करोति SaduktiKa. 74.30.

अतिशयग्रह (atiśaya-graha) *m.* cognition of distinction दिक्कालादि-

विशिष्टोऽर्थः स्फुरत्यतिशयग्रहात् NyāyMañ. i. 79. 5.

अतिशयग्रहण (atiśaya-grahaṇa) *n.* perception of preponderance द्रयोर्ग्रहणेऽतिशयग्रहणोपपत्तिः NyāyBh. 266. 10 (*on* iv. 1. 40)

अतिशयग्राहक (atiśaya-grāhaka) *adj.* apprehending excellence सविषयेऽतिशयग्राहकमार्षेयमपि प्रत्यक्षमूलं संभवति PrakaVi. 300. 21; TattvCin. ii(2). 139. 1.

अतिशयग्लपित (atiśaya-glapita) *adj.* reduced extremely, very much emaciated बिभ्राणाः शोषमतिशयग्लपिताः ज्वरिता इव लक्ष्यन्ते ··· महासरितः Subhāṣi. 1814.

अतिशयचपल (atiśaya-capala) *adj.* very momentary जीवितमतिशयचपलम् MohaMu. 4.

अतिशयचमत्क्रिया (atíśaya-camatkriyā) *f.* great pleasure यस्यैव एतद्भोगासङ्गाभ्यासनिवेशितानन्तवृंहकवीर्यवृंहितं हृदयं, तस्यैव सातिशयचमत्क्रिया ParāTri. (comm.) 49. 7.

अतिशयचारु (atiśaya-cāru) *adj.* very beautiful कृतार्थीकृत्य ··· अतिशयचारुरूपाम् ··· तिलकमञ्जरीम् TilaMañ. 425. 19; PrabhāC. 46. 7.

अतिशयचोक्ष (atiśaya-cokṣa) *adj.* very clean, very pure यथातिशयचोक्षाणि सच्छायान्यंशुकान्यहम् । धूपयित्वा परिदधे कौमुदीपर्ववासरे PariPar. 7. 50.

अतिशयच्छेक (atiśaya-ccheka) *adj.* very clever or skilful (नायकः) अतिशयच्छेकपाटहिकताडितपटहनादपटुतरेण दूरादेव खुरपुटध्वनिना प्रकटीकृतौ ··· काचरककाण्डरातनामानौ प्रज्ञाततमावश्ववारावद्राक्षीत् TilaMañ. 85. 9.

अतिशयजनकत्व (atiśayajanaka-tva) *n.* the state of being productive of excellence क्षणिकत्वेऽपि प्रत्यासीदतां सहकारिणामतिशयजनकत्वात् Kiraṇā. 75. 15; VedāntKa. 76. 16 (*on* i. 1. 4)

अतिशयजनन (atiśaya-janana) *n.* production of excellence न हि परस्यातिशयजननार्थं तदुपादानम् MayūMāli. 333. 3 (*on* iii. 8. 2)

अतिशयजन्मन् (atiśaya-janman) *n.* creation of excellence (i. e. in Adṛṣṭa) न चातिशयजन्म । गुणे गुणान्तरानुपपत्तेः NyāySu.(Ja.) 109B. 5 (*on* i. 1. 3)

अतिशयजुष् (atiśaya-juṣ) *adj.* possessing speciality or excellence असद्वाचामतिशयजुषां वस्तुतत्त्वाभिधाने। ··· °यशसां कोऽपि टाङ्कारटङ्कः HarVi. 50. 95(+3); दातार्थानामतिशयजुषामर्थिसार्थार्थनायाः ।··· जीवतादार्कचन्द्रम् ··· तत्त्वविज्ञाननाथः Mitā. 528. (18 3. 33(+4))

अतिशयज्ञान (atiśaya-jñāna) *adj.* possessing superior knowledge प्रणम्यातिशयज्ञानः पृष्टः श्रमणसत्तमः PadmP.(Ra.) 7. 386; *n.* superior knowledge स च महेश्वरेण विनियुक्तो ब्रह्मातिशयज्ञानवैराग्यैश्वर्यसंपन्नः PadārthaSaṁ. 49. 12 = NyāyKa. 53. 3; TattvSaṁ. 3169; 3462.

अतिशयज्ञानिन् (atiśaya-jñānin) *adj.* possessed of supreme knowledge देवताविशेषोऽतिशयज्ञानी पूजोपचारम् ··· जानीते SyādvāMañ. 11(70); PrabaK. 93. 21; KumāDeC.(So.) 14. 11.

अतिशयतस् (atiśaya-tas) *adv.* excessively द्विजजातिनातिशयतः केनापि संसेवितः EI. i. 65. 10.

अतिशयतिरस्कार (atiśaya-tiraskāra) *m.* extreme contempt प्रकृष्यगर्होऽतिशयतिरस्कारः JaineVyā. 68. 31 (*on* i. 4. 27)

अतिशयतीव्रा (atiśaya-tīvrā) *adj.* (*f.*) very acute मया ··· मनसिशय इवातिशयतीव्रामीशाननयनाग्निदाहवेदनां विनोदयितुमायातः ··· पथिकदारको दृष्टः TilaMañ. 162. 22.

अतिशयतृतीय (atiśaya-tṛtīya) *adj.* one-third of the excess distance (between the square and the arc) पार्श्वतः परिकृष्यातिशयतृतीयेन सह मण्डलं परिलिखेत् ĀpaS'uS. i. 3. 3.

अतिशयत्व (atiśaya-tva) *n.* the state of being excessive, excessiveness, extreme limit यस्यातिशयत्वनिबन्धनं तथाविधं तद्विदाह्लादकारि काव्यं करणीयमिति तस्यालंकारः VakroJī. 162. 7; PadmP. ii. 66. 173; TātpaṬ.(Vā.) 25. 9 (*on* i. 1. 1); तारतम्यं क्वचिद्विश्रान्तं अतिशयत्वात् PramāMī. 12. 1 (*on* i. 1. 16); शितिसरोजरुचेत्र सह क्षणादतिशयत्वमगादनुनेतृता HammīMaKā. 7. 44; LaCandr. 791 19.

अतिशयदर्शन (atiśaya-darśana) *n.* experience of excessiveness or extremeness समानसंख्यैश्वरारब्धेऽतिशयदर्शनात् PadārthaSaṁ. 131. 10; TātpaṬ.(U.) 73. 24 (*on* 2. 114); NyāyKa. 137. 2; Kiraṇā. 215. 7; कार्यमहत्त्वादौ अतिशयदर्शनात् TarkSaṁ.(Ā.) 66. 24; धूपोपयोगेन चातिशयदर्शनात् घ्राणसिद्धिः NyāySu.(Ja.) 417A. 1 (*on* ii. 2. 10)

अतिशयदर्शनीयता (atiśayadarśanīya-tā) *f.* the state of being very beautiful or good-looking सौवर्णशब्दः उपलक्षणं भित्त्यादीनां, प्रायस्त्वदर्शनात् तदुपादानं स्वतः मनोज्ञस्य स्तम्भस्यातिशयदर्शनीयतायै LalitāTriBh. 351. 10 (*on* 57)

अतिशयदुःख (atiśaya-duḥkha) *n.* excessive pain संशब्दोऽतिशयदुःखप्रतिपत्त्यर्थः Bālakrī. ii. 74. 3 (*on* 3. 208)

अतिशयदुःप्रेक्षा (atiśaya-duḥprekṣā) *adj.* (*f.*) extremely disagreeable to see लङ्कागम्या निरन्तरम् । कृतातिशयदुःप्रेक्षा सुभीमात्यन्तगह्वरा PadmP. (Ra.) 48. 245.

अतिशयदुर्गन्धिता (atiśayadurgandhi-tā) *f.* the state of having an extremely nauseating smell यदतिशयदुर्गन्धितयाघ्रेयं लशुनपुरीषादि तस्य ··· आघ्राणम् ··· इत्येतत्प्रत्येकं जातिभ्रंशकरं स्मृतम् ManvaMu. 463. 3 (*on* 11. 67)

अतिशयदुर्लभ (atiśaya-durlabha) *adj.* very difficult to get स हि··· नित्यपरमकैवल्यसुखम् । अतिशयदुर्लभमनघं संप्राप्तः PadmP.(Ra.) 123. 144.

अतिशयदुष्ट (atiśaya-duṣṭa) *adj.* very wicked अयमतिशयदुष्टो हन्यताम् (अङ्गदः) MahāN. 7. 77.

अतिशयदेश (atiśaya-deśa) *m.* excellent region असौ (विराधितः)··· रेमे··· अतिशयदेशेषु गीर्वाणागमनेषु (वीराणां विभ्रमं पश्यन्) PadmP.(Ra.) 9. 47.

अतिशयद्योतन (atiśaya-dyotana) *n.* suggestion of eminence, superiority or excellence अतिशयद्योतनार्थं गतिसंबन्धाभावः Pradī. iii. 169A. 31 (*on* iii. 2. 56); प्रत्ययप्रयोगोऽतिशयद्योतनाय VedāntKa. 135. 21 (i. 2. 1); प्रकृत्यर्थस्यातिशयद्योतनाय तरबादयः PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. iii. 1. 22.

अतिशयद्योतनार्थ (atiśaya-dyotanārtha) *adj.* for the sake of conveying excellence तुशब्दः सिद्धान्तापेक्षयातिशयद्योतनार्थः YuktiSneha. 5. 39 (*on* i. 1. 1); गवाश्वगतप्राशस्त्यस्यानन्यनिष्ठत्वख्यापनेनातिशयद्योतनार्थत्वात् MīmāKau. i. 285. 7 (*on* i. 4. 26)

अतिशयधर्मोपन्यास (atiśayadharmopanyāsa) *m.* statement of an extraordinary quality अत्रातिशयधर्मोपन्यासः सातिशयोपमा AlaṅkāS'e. 11. 3(8)

अतिशयधवल (atiśaya-dhavala) *m.* epithet of king Amoghavarṣa (excessively bright) मगधमाळववेङ्गीशैरर्चितोऽतिशयधवलः EI. vi. 103. 8; vii. 205. 6.

अतिशयधावद्धामन् (atiśaya-dhāvaddhāman) *adj.* of glory flowing amply धनुरतिशयधावद्धाम्नि यस्मिन् धुनाने विजयविजयवेला नो विलम्बं व्यधत्त VīraBhā. 11. 3.

अतिशयन (ati-śayana) *n.* **i** eminence, excellence अतिशयनमतिशायनं प्रकर्षः KāśiVṛ. *on* v. 3. 55; **ii** excess, abundance, superfluity [Apte]; *adj.* **i** eminent, abundant [PW, MW, Apte]; **ii** surpassing (in comparison), great [Apte]

अतिशयनम् (ati-śayanam) *adv.* excessively [MW]

अतिशयनमित (atiśaya-namita) *adj.* [*f.* –ā] bent down very much विटपततिः ··· नानाफलैरतिशयनमिता HarVi. 5. 16; अतिशयनमितः स्तनभारैः स्त्रीगणः YudhiVi. 2. 105.

अतिशयनम्र (atiśaya-namra) *adj.* **i** extremely humble or low स्तब्धप्रकृतिर्लोके बहुमानमुपैति नातिशयनम्रः SūktiRa. 29. 25 = Subhāṣi. 2878; **ii** very much sagging SūktiRa. 29. 25 = Subhāṣi. 2878.

अतिशयनामन् (atiśaya-nāman) *adj.* of the nature of exaggeration गुणानुवादनाम्ना लक्षणेन योगात्प्रशंसोपमा अतिशयनाम्नातिशयोक्तिः AbhinBhā. ii. 321. 21 (*on* 16. 40)

अतिशयनाश (atiśaya-nāśa) *m.* destruction of excellence or potency न च अतिशयनाशादजनकतास्तु NayaVi. 134. 6 (*on* i. 1. 5)

अतिशयनिन्दा (atiśaya-nindā) *f.* excessive censure or blame राज्ञः पुनरुपन्यासः ··· अतिशयनिन्दाप्रदर्शनोपोद्घातार्थः BālaKrī. i. 109. 21 (*on* 1. 139)

अतिशयनिभ (atiśaya-nibha) *adj.* of the nature of superiority निरगमम् ··· अतिशयनिभनिष्ठवाक्प्रबन्धान् सुगतमतस्थितकोविदान् जिगीषुः PrabhāC. 70. 26.

अतिशयनियम (atiśaya-niyama) *m.* necessity of distinction विद्यायाः अन्यथात्वाभावान्नास्ति तत्फले कश्चिदतिशयनियमः PrakaVi. 997. 19.

अतिशयनिर्बन्ध (atiśaya-nirbandha) *m.* great emphasis or stress किमेतैर्बीभत्सविशेषणैरतिशयनिर्बन्धानुबद्धैरधिकमुद्भासितम् AuciViCa. 16 (143)

अतिशयनिष्ठा (atiśaya-niṣṭhā) *f.* highest perfection, extreme superiority अतिशयनिष्ठामप्राप्तानामौपचारिकमैश्वर्यमित्यर्थः TattvVai. 30. 12 (*on* 1. 24)

अतिशयिनी (atiśayinī) *f.* name of a metre of four lines, also called *citralekhā* [MW, Apte]

अतिशयपर (atiśaya-para) *adj.* pertaining to excellence or superiority अतिशयपरकर्कशसोत्कर्षसुभटभुजस्तम्भस्यासमुचितेन कुवलयनालतुलाधिरोपणेन वाक्यार्थः सोपहासतयैव निबद्धः परिज्ञायते AuciViCa. 12(21)

अतिशयपरभाग (atiśaya-parabhāga) *m.* extreme excellence अति-

शयपरभागं मेजिरे जिष्णुगोपाः HariVi. 3. 54.

अतिशयपरम (atiśaya-parama) *adj.* extremely excellent अतिशयपरमं विनिहितदुरितं । परमगतिगतं नमत जिनवरम् PadmP.(Ra.) 28. 113; सुगुप्तं तद् यत्नादतिशयपरमामोदसन्तानराशेः परं कन्दं (शून्यम्) SatcakraNi. 42.

अतिशयपरम्परा (atiśaya-paramparā) *f.* series of excellences अतिशयपरम्परोत्पादेन … नास्ति कश्चिद्विरोधः NyāyVārPari. 608. 4; प्रबोधोऽपि सह-कार्यन्तरं वा अतिशयपरम्परापरिपाको वा ĀtmaTaVi. 198. 1.

अतिशयपरिगुप्त (atiśaya-parigupta) *adj.* very much hidden or concealed अथ सुगतपुरं प्रतस्थतुस्तौ…अतिशयपरिगुप्तजैनलिङ्गौ PrabhāC. 65. 30.

अतिशयपरिणाहवत् (atiśayapariṇāha-va(n)t) *adj.* of a very large size अतिशयपरिणाहवान् वितेने बहुतरमर्पितरत्नकिङ्किणीकः । … ध्वनिमधिकं कल-मेखलाकलापः S'iśuVa. 7. 5.

अतिशयपरिताप (atiśaya-paritāpa) *m.* extreme fervour or heat of love स्थिरमुरसि विशालं पद्मिनीपत्रमेतत् … । अतिशयपरितापग्लापिताङ्ग्या यथास्याः स्तनयुगपरिणाहं मण्डलाभ्यां ब्रवीति Ratnā. 2. 13; SaraKanṭhā. 591. 16; Sūkti-Mu. 38. 11.

अतिशयपरिदून (atiśaya-paridūna) *adj.* excessively troubled or dejected अतिशयपरिदूनमेवमम्बा धृतिविधये सुतरामुवाच वाचम् PrabhāC. 74. 15.

अतिशयपरुषा (atiśaya-paruṣā) *adj.* (*f.*) very sharp, very scorching तोयदास्तोयनम्राः । अतिशयपरुषाभिर्ग्रीष्मवह्नेः शिखाभिः समुपजनिततापं ह्लादयन्तीव विन्ध्यम् ṚtuSam. 2. 27.

अतिशयपाण्डित्य (atiśaya-pāṇḍitya) *n.* excessive cleverness धिङ् मूर्खे । अतिशयपाण्डित्येन त्वया दग्धः स्ववंशः Pañcā. 113. 11.

अतिशयपात्र (atiśaya-pātra) *adj.* worthy possessor of excellences ऊर्मयोऽपि हि गण्यन्ते स्वयम्भूरमणोदधेः । तवातिशयपात्रस्य न पुनर्मादृशैर्गुणाः Triṣa-S'aPuC. iii. 3. 191.

अतिशयपीडाकर (atiśayapīḍā-kara) *adj.* producing excessive pain प्रस्थानविघ्नकारी भृतकः … ताडनादिनातिशयपीडाकरेण प्रकारेण दाप्यः ViraMi. 674. 21 (*on* 2. 197)

अतिशयपीता (atiśaya-pītā) *adj.* (*f.*) drunk in great quantity अयमनयातिशयपीतया मदिरया दूरमुन्मनीकृतस्तपस्वी PraboCan. 3. 21 (62. 3)

अतिशयपुण्य (atiśaya-puṇya) *adj.* very meritorious पावनातिशय-पुण्यकर्मणे (सूर्याय) … नमः BhaviP. 180A. 13 (i. 122. 4); *n.* great merit अतिशयपुण्यकारिभिश्च पुराणैर्ब्रह्मविद्भिरन्वयव्यतिरेकाभ्यामपि संभाव्यमानत्वाददोषः BālaKrī. ii. 41. 13 (*on* 3. 103)

अतिशयपुनरुक्त (atiśaya-punarukta) *adj.* very much repeated यतः स तम् … अतिशयपुनरुक्तोक्तस्वागतम्…अग्रतः सपरिग्रहमवलोक्य TilaMañ. 25. 15.

अतिशयपुरुषार्थत्व (atiśayapuruṣārtha-tva) *n.* the state of being a superior human objective स्वात्मनः …अतिशयपुरुषार्थत्वं तावल्लभ्यते S'ivārka-MaDī. i. 547. 28 (*on* i. 4. 19)

अतिशयपूजाविधान (atiśayapūjā-vidhāna) *n.* performance of excellent worship अतिशयपूजाविधानविनिहितचित्तैः ।… प्रणमत नाथं जिनेन्द्रमक्षय-सौख्यम् PadmP.(Ra.) 28. 111.

अतिशयपूत (atiśaya-pūta) *adj.* very much sanctified अतिशयपूतं नमामि भक्त्या परया । मुनिसुव्रतचरणयुगम् PadmP.(Ra.) 17. 282.

अतिशयपेशल (atiśaya-peśala) *adj.* very pleasant अस्य … अर्दयन्निव हृदयमतिशयपेशलो ध्वनिरतर्कितव्यक्तिरेव श्रवणकन्दरे मन्दमन्दमविशत् TilaMañ. 221. 7.

अतिशयपोषक (atiśaya-poṣaka) *adj.* conducive to excellence अभि-धेयान्तरतमस्तस्यातिशयपोषकः (पर्यायः) VakroJi. 91. 21 (comm. तस्याभिधेय-स्यार्थस्यातिशयमुत्कर्षं पुष्णाति यः स तथोक्तः 93. 17)

अतिशयप्रकट (atiśaya-prakaṭa) *adj.* very well-known सिद्धोपाध्याय इत्यतिशयप्रकटो महेन्द्रः PrabhāC. 40. 14.

अतिशयप्रकर्षादि (atiśayaprakarṣādi) *adj.* abundance, pre-eminence and others; excess, excellence and others अतिशयप्रकर्षादिभ्य एव प्रत्ययः स्यात् LaS'abdeS'e. ii. 366. 9.

अतिशयप्रचुरपुण्योदय (atiśayapracurapuṇyodaya) *m.* rise of excessively abundant religious merit (सा) अतिशयप्रचुरपुण्योदयादवाप्तनिरुपम-रूपलावण्यादिगुणकलापा … निराकुला स्थिता TilaMañ. 410. 17.

अतिशयप्रतिपत्त्यर्थम् (atiśaya-pratipattyartham) *adv.* for understanding extremeness 'सन्निकर्षः संहिता' इतीयता सिद्धे परग्रहणम् अतिशय-प्रतिपत्त्यर्थम् PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. viii. 3. 34.

अतिशयप्रतिपादकत्व (atiśayapratipādaka-tva) *n.* the state of denoting excellence तरप्प्रत्ययस्य प्रकृत्युपात्तगुणांश एवातिशयप्रतिपादकत्वस्य … प्रसिद्धत्वात् S'ivārkaMaDī. ii. 358. 23 (*on* iii. 3. 41)

अतिशयप्रतिपादन (atiśaya-pratipādana) *n.* statement of pre-eminence or excellence अतिशयप्रतिपादनपरं चैतत् PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. iii. 4. 29; यत्र पुनरतिशयप्रतिपादनं विनैवान्यमुखेन यथावस्थित एवार्थः प्रतिपाद्यते तत्राप्रस्तुतप्रशंसा AlaṅkāRa. 37(34); अस्य पक्षस्यातिशयप्रतिपादनादीयसुन्-प्रत्ययोऽनुपपन्नः MayūMāli. 129. 26 (*on* ii. 2. 3)

अतिशयप्रतिफलितभेदावग्रहा (atiśayapratiphalitabhedāvagrahā) *adj.* (*f.*) possessing of differences clearly reflected (in) भगवती शुद्धविद्यैव त्रिकोणा मायायामतिशयप्रतिफलितभेदावग्रहा भवति ParāTri. 53. 6.

अतिशयप्रतिभान (atiśaya-pratibhāna) *n.* manifestation of pre-eminence or excellence परदेवताया बहुफलप्रदातृत्वेन … अतिशयप्रतिभानाच्च LalitāTriBh. 334. 8 (*on* 46)

अतिशयप्रत्यय (atiśaya-pratyaya) *m.* suffix indicating a higher grade or excellence न चातिशयप्रत्ययः तत्राङ्गीकृतः PramāVāBh. 560. 9.

अतिशयप्रद (atiśaya-prada) *adj.* bestowing abundantly प्रतिष्ठायां ग्रहा एते लग्नस्यातिशयप्रदाः MalliC. 2. 654.

अतिशयप्रपञ्चितोपचार (atiśayaprapañcitopacāra) *adj.* in which formality is manifested excessively भवतः पुरस्तादतिशयप्रपञ्चितोपचारमुच्चार्य-माणं वचनमकुशलत्वमेवावबोधयति TilaMañ. 349. 11.

अतिशयप्रभाव (atiśaya-prabhāva) *m.* very great prowess न पुंसि वीर्यातिशयप्रभावे शुक्रे तथा तेजसि संप्रदिष्टा KośaKaTa. 2. 7215.

अतिशयप्रवृत्त (atiśaya-pravṛtta) *adj.* very much current लोकेऽति-शयप्रवृत्तसुसंस्कृतं द्रव्यम् … ददौ भूमिपतिः VarāṅgaC. 19. 23.

अतिशयप्रवृद्धमद (atiśayapravṛddha-mada) *adj.* whose rut has increased excessively दृष्ट्वा च तम् … अतिशयप्रवृद्धमदम् TilaMañ. 185. 17.

अतिशयप्रशान्तदर्शन (atiśayapraśānta-darśana) *adj.* whose appearance is excessively calm अतिशयप्रशान्तदर्शनम्…महावीरजिनवरस्य…बिम्ब-मद्राक्षम् TilaMañ. 275. 14.

अतिशयप्रसिद्धि (atiśaya-prasiddhi) *f.* most commonness, being quite well-known अम्बुरुहसत्पुरुषयोः परस्परमुपमानोपमेयभावस्यातिशयप्रसिद्धेः SaraKanṭhā. 460. 23.

अतिशयप्राप्तरामणीयक (atiśaya-prāptarāmaṇīyaka) *adj.* endowed with superb beauty अतिशयप्राप्तरामणीयकम् … कायमानम् (सेवेत) AṣṭāSaṁ. i. 111. 19 (1. 21)

अतिशयप्राप्ति (atiśaya-prāpti) *f.* attainment of excellence चक्षुषापि च दूरस्थसूक्ष्मरूपप्रकाशनम् । क्रियतेऽतिशयप्राप्त्या TattvSaṁ. 3163.

अतिशयप्राप्तिभ्रम (atiśayaprāpti-bhrama) *m.* wrong notion of having attained excellence न हि अतिशयप्राप्तिभ्रमेण ग्रस्ताः सामान्यजना अत्र समाश्वस्ता भवन्ति Bhāsk. i. 411. 18 (*on* i. 8. 6)

अतिशयप्रीति (atiśaya-prīti) *f.* great liking or love वसतोऽतिशय-प्रीत्या… । पल्वलाम्भसि हंसस्य हंसत्वैव विकल्प्यते Subhāṣi. 689.

अतिशयप्रीतिविषयत्व (atiśayaprītiviṣaya-tva) *n.* the state of being the object of highest affection लावण्यम् … अतिशयप्रीतिविषयत्वं शालते LalitāTriBh. 313. 16 (*on* 35)

अतिशयप्रेक्ष्य (atiśaya-prekṣya) *adj.* exceedingly worthy of being looked at आसीदतिशयप्रेक्ष्यः स राज्यश्रीवधूवरः RaghuVa. 17. 25.

अतिशयप्रेमन् (atiśaya-preman) *m. n.* excessive affection आदरेण अतिशयप्रेम्णा … आदृता LalitāTriBh. 267. 18 (*on* 6)

अतिशयफलक (atiśayaphala-ka) *adj.* yielding great merit अति-शयफलकस्थलजलयोस्तीर्थत्वाभिधानेन ViraMi. (Tīrtha.) 54. 15.

अतिशयफला (atiśaya-phalā) *adj.* (*f.*) yielding superior fruit अतिशयफलैषा ब्रह्मविद्या ChāndoUBh. 159. 1 (*on* iii. 12. 1); सा हि (अग्निविद्या) सर्वश्रौतेभ्यः कर्मभ्योऽतिशयफलेष्यते ManuBh. i. 250. 13 (*on* 3. 90)

अतिशयबल (atiśaya-bala) *adj.* having excessive strength अतिशय-बलो वज्रसंहननश्चेति YogBh. 170. 10 (*on* 3. 46); AupaSūT. 147. 5.

अतिशयबलयुक्त (atiśayabala-yukta) *adj.* endowed with great strength (of astrological position) अतिशयबलयुक्तः शीतगुः शुक्लपक्षे … प्रेक्षते लग्ननाथम् Sārā. 20. 27.

अतिशयबुद्धि (atiśaya-buddhi) *f.* thought of excellence or superiority राज्ञः स्वात्मन्यतिशयबुद्धेर्मानसप्रत्यक्षसिद्धत्वात् MayūMāli. 372. 23 (*on* iv. 2. 7)

अतिशयबुद्धिमत् (atiśayabuddhi-ma(n)t) *adj.* endowed with surpassing intellect अथ परिज्ञातसामर्थ्यं पुरुषमवजानाति तदापि नातिशयबुद्धिमतोऽ-वज्ञानस्यायुक्तत्वात् NyāyVār. 109. 14 (*on* i. 1. 31)

अतिशयभक्तितस् (atiśayabhakti-tas) *adv.* on account of great

devotion पूजाहोमनमस्कारजपातिशयभक्तित: । अणिमादिगुणावाप्तिरचिरेणास्य जायते ĪśānS'iPa. i. 27. 87.

अतिशयभाज् (atiśaya-bhāj) *adj.* **i** indicating speciality तस्मान्न विशेषणमतिशयभागित्यनुपात्तसमम् PramāVāSvopVr̥. 83. 17; **ii** recipient to a very great extent काम्यपुत्रादीनां कामभाजं प्रकामभाजमतिशयभाजम् VedāntKa. 364. 24 (*on* iii. 2. 6)

अतिशयभाव (atiśaya-bhāva) *m.* extreme devotion नारायणमनामयम् । प्रीत्यातिशयभावेन क्षणमेकं न मुञ्चति BrBrahmaS. iv. 7. 29.

अतिशयभासुरा (atiśaya-bhāsurā) *adj.* (*f.*) extremely brilliant मतिरतिशयभासुरापि केषांचिदपि परागमवेदिनी समस्ति PrabhāC. 65. 18.

अतिशयभेद (atiśaya-bheda) *m.* a variety of hyperbole सोऽयं महत्त्वातिशयो नामातिशयभेद: SaraKaṇṭhā. 540. 15.

अतिशयम् (atiśayam) *adv.* very much, excessively (महालक्ष्मी:) तामस्याविष्टदेहा सा चुकोपातिशयं तदा DevīBhāP. i. 5. 80; किं लेखावचनं भवेदतिशयं दु:खाय कीदृक्खल: VidaMuMa. 1. 34; संमानिता सातिशयं पितृभ्याम् Nalābhyu. 8. 45.

अतिशयमदन (atiśaya-madana) *m.* excessive (indulgence in) sexual pleasure ग्लानिर्नाम वान्त° … °मनस्तापातिशयमदनमद्यसेवनातिव्यायामनिद्राच्छेदादिभिर्विभावै: समुत्पद्यते NāṭyaS'ā. 7. 48.

अतिशयमनोज्ञा (atiśaya-manojñā) *adj.* (*f.*) extremely beautiful तदतिशयमनोज्ञा चारुलक्ष्मान्विताङ्गा जगति निगदितासौ भूमिसाम्येन सीता PadmP.(Ra.) 26. 166.

अतिशयमनोज्ञाकृति (atiśayamanojñākr̥ti) *adj.* having an extremely beautiful form स्वैरमुत्थाय पार्श्वादतिशयमनोज्ञाकृतिर्युवा कैवर्त एक: प्रणम्य TilaMañ. 279. 12.

अतिशयमहत् (atiśaya-mahat) *adj.* very great, very extensive अतिशयमहति उरुतमे (comm. Sārārtha on TrikāS'e. iii. 3. 108)

अतिशयमांसल (atiśaya-māṁsala) *adj.* extremely dense or thick अतिशयमांसलं तम इवावटतटाटवीषु VāsaDa. 179. 5.

अतिशयमात्र (atiśaya-mātra) *n.* mere excellence, mere special quality अतिशयमात्रे तमपो विधि: ParāTri. 29. 1; नवीनमतिशयमात्रमेव निर्मितिविषयतां नीयते न पुन: स्वरूपम् VakroJī. 142. 9; अतिशयमात्रविवक्षायां तु प्रत्यये कृते Pradī. ii. 412B. 26 (*on* ii. 1. 68); नापि तस्यामेव फलव्यक्तौ अतिशयमात्रम् BhāṭṭDī. iv. 139. 11 (*on* xi. 1. 5); अतिशयमात्रं तु प्रायश: साधारणधर्मांशे बहूनामलङ्काराणामुपस्कारकम् RasGaṅ. 487. 6.

अतिशयमात्रवाचित्व (atiśayamātravāci-tva) *n.* the state of being expressive of mere excellence अतिशयमात्रवाचित्वाभावान्मुनिशब्दस्य S'rutaPra. ii. 565. 17 (*on* iii. 4. 48)

अतिशयमाधुर्य (atiśaya-mādhurya) *n.* extreme sweetness यत्रातिशयमाधुर्यात् प्रत्यनुभवं सुखोत्पत्ति: NyāyKa. 61. 10.

अतिशयमृदु (atiśaya-mr̥du) *adj.* extremely soft पटुतरगुटिका … । तूलै: सौवीरसान्द्रैरतिशयमृदुभिर्वेष्टिता … चक्षुष्कोपोपशान्तिम् …करोति SiddhYo. 61. 42; (अपश्यम्) अतिशयमृदुस्पर्शेन … पट्टांशुकप्रावरणेन चरणावधिप्रच्छादितम् …आत्मानम् TilaMañ. 337. 5.

अतिशययत्न (atiśaya-yatna) *m.* extreme effort ममातिशययत्नेन कथंचिद्दधिमन्थनम् । त्यक्त्वाङ्के मां समाधाय प्रीत्या स्तनमपाययत् (यशोदा) ĀdiP. 28. 5.

अतिशययुक्त (atiśaya-yukta) *adj.* **A** characterised by gradation दृष्टवदानुश्रविक: स ह्यविशुद्धिक्षयातिशययुक्त: SāṁkhyaKā. 2 (Sārabodhinī अतिशय: तारतम्यं न्यूनाधिक्यम्); अतिशययुक्त: तत्रापि स्वामिभृत्यभावश्रवणात् MāṭhVr̥. 7. 20 (*on* 2); 8. 19 (*on* 2); **B** possessed of speciality, superiority or excellence (श्रेयांस:) आत्मापेक्षया वित्तवयोविद्याद्यतिशययुक्ता: ManuBh. i. 184. 1 (*on* 2. 207); i. 240. 26 (*on* 3. 67); सदातिशययुक्तेन विश्वामित्रेण विप्रता । … तपसार्जिता S'ārṅgaPa. 4202; अन्यज्ञानेभ्योऽतिशययुक्तं ज्ञानम् Bhāsk. i. 173. 21 (*on* i. 4. 5)

अतिशययुक्तत्व (atiśayayukta-tva) *n.* **A** the state of being combined with greater excellence वाजपेयादयस्तु स्वाराज्यस्येत्यतिशययुक्तत्वम् SāṁkhyaTaKau. 56. 3 (*on* 2); **B** the nature of being possessed of excellence or superiority ईश्वरदशायाम् अहन्तेदन्तयो: समप्राधान्येऽपि ब्रह्मादिभ्योऽतिशययुक्तत्वात् Bhāsk. i. 254. 22 (*on* i. 5. 13)

अतिशययोग (atiśaya-yoga) *m.* excessive association or contact तत्र को बुद्धेरतिशययोग: NyāyMañ. i. 348. 10; व्यवहितापेक्षया च संनिहितस्यातिशययोगात् PrakaPañ. 228. 14; S'āstrDī. 162. 22 (*on* i. 1. 8)

अतिशययोगिता (atiśayayogi-tā) *f.* union with excellence कथं ह्यतिशययोगिता…काव्ये नोत्कर्षमावहेत् Dhvanyā. 465. 3 (*on* 3. 36)

अतिशययोगित्व (atiśayayogi-tva) *n.* possessing superiority or excellence कर्मकारकमतिशययोगित्वात् करणम् NyāyMañ. i. 13. 4.

अतिशययोगिन् (atiśayayog-in) *adj.* possessing potency विमतमजनकदशातो जनकदशायामतिशययोगि कारकत्वात् TattvPradī.(Ci.) 132. 11.

अतिशयरक्त (atiśaya-rakta) *adj.* **1** extremely red इह विकसदशोकास्तोकपुष्पोपकारैरयमतिशयरक्त: … प्रथयति पृथुमैत्रीं पुष्पचापस्य चैत्र: KaviKaṇṭhā. 5. 1 (109); **2** deeply attached, KaviKaṇṭhā. 5. 1 (109)

अतिशयरचनामय (atiśayaracanā-maya) *adj.* full of excellent preparations अतिशयरचनामयैरन्नै: … द्विजानुपवेश्य CaturCin. iii(1). 34. 18.

अतिशयरज:संबन्ध (atiśayarajas-sambandha) *m.* contact with excessive *rajoguṇa* (a constituent of Prakr̥ti) अतिशयरज:संबन्धात्तु असत्कार्यरत: … स राजस: BālaKrī. ii. 51. 22 (*on* 3. 128. 138)

अतिशयरमणीय (atiśaya-ramaṇīya) *adj.* [*f.* –ā] extremely beautiful प्रेक्षकाणामतिशयरमणीयश्चक्षुषो विषय: (कौमुदीमहोत्सव:) MudrāRā. 3. 10(8); अतिशयरमणा(? णी)यामासिकामादधाना … देवता सावतान्माम् YātrāPra. 1. 87.

अतिशयरमणीयम् (atiśaya-ramaṇīyam) *adv.* very beautifully सा… अतिशयरमणीयं शास्त्रमार्गेण रेमे PadmP.(Ra.) 26. 169.

अतिशयरम्य (atiśaya-ramya) *adj.* extremely charming एकामतिशयरम्यदर्शनाम् … अनुसरन्पदानां पङ्क्तिम् … मकरकेतोरेकमेलालतागृहमद्राक्षम् TilaMañ. 245. 12.

अतिशयरुचि (atiśaya-ruci) *f.* great splendour जिनवपुरतिशयरुचियुतममरा ददृशु: MahāP. 23. 167.

अतिशयरुचिर (atiśaya-rucira) *adj.* [*f.* –ā] exceedingly charming बालम् … अतिशयरुचिरम् … साक्षिरूपं भजेऽहम् BrahmVaiP. iv. 8. 20; GītGo. ix. 18. 3; अतिशयरुचिरां वहन्त्यभिख्यामचकमतेव सभा तदाधिराज्यम् Yādavā. 21. 70.

अतिशयरुजा (atiśaya-rujā) *f.* severe illness भानौ स्त्रीणामतिशयरुजा लग्नभावादिसंस्थे VasiS. 32. 145.

अतिशयरूपणपात्री (atiśayarūpaṇa-pātrī) *f.* receptacle of extreme beauty विद्याधरपतेरतिशयरूपणपात्रीं प्रियपत्नीं पवनवेगाम्…उपलक्ष्य YaśasCam. ii. 312. 3.

अतिशयरूपत्व (atiśayarūpa-tva) *n.* nature of excellence तमबर्थस्य चातिशयरूपत्वात् PrakaPañ. 228. 13; जीवनिष्ठकार्येऽतिशयरूपत्वसंभवात् GuruCandr. iii. 20. 20.

अतिशयरूपा (atiśaya-rūpā) *adj.* (*f.*) of excellent nature, very beautiful श्रियमतिशयरूपां व्योम तोयाशयानां वहति R̥tuSaṁ. 3. 21.

अतिशयरूपाकृति (atiśaya-rūpākr̥ti) *adj.* of excellent beauty and form अवनिपति: … अतिशयरूपाकृतिमनिमेषलोचनो ददर्श Kād. 11. 19.

अतिशयर्द्धि (atiśayarddhi) *f.* extreme supernatural power or excellence अर्हन्त एवातिशयर्द्धियुक्ता: VarāṅgaC. 25. 89; श्रीकुन्थुनाथ: … सनाथोऽतिशयर्द्धिभि: TriṣaS'aPuC. i. 1. 19; श्रीवर्धमान: … अतिशयर्द्धिपात्रं विहर्तुमन्यत्र ततो जगाम PariPar. 1. 474.

अतिशयलक्षण (atiśaya-lakṣaṇa) *adj.* characterised by excellence, of the nature of excellence उपमेयानां यत् तेभ्योऽतिशयलक्षणं वस्तु वक्तुं प्रक्रान्तं तस्यानिर्वाहात् भेद: VyaktiVi. 65. 17; रौतै: शब्दक्रियस्यातिशयलक्षणेनार्थान्तरेण योगो जात: Prasā. i. 668. 18.

अतिशयलघु (atiśaya-laghu) *adj.* extremely small, infinitesimal अतिशयलघव: के (लवा:) VidaMuMa. 3. 3.

अतिशयललितगति (atiśayalalita-gati) *adj.* of extremely charming gait अतिशयललितगति: … दधासि तत् त्वमृषभगजविलसितम् ChandaśCū. 2. 271 (2)

अतिशयवत् (atiśaya-va(n)t) *adj.* [*f.* –vatī] **i** possessing excellence or superiority अतिशयवद्भि: … गणधरैर्दृब्धम् TattvāBh. (*on* 1. 20); धर्मज्ञानवैराग्यैश्वर्याण्यतिशयवन्ति NyāyVār. 468. 11 (*on* iv. 1. 21); परिमलमतिशयवन्तमाघ्रासिषम् DaśKuC. 73. 13; प्रमातु: कुशाग्रीयमतेरतिशयवती प्रज्ञा प्रतिहेतूत्प्रेक्षिणी दृष्टा HetuBiṬ. 217. 13; यद्यत्कृत्तं दशमुखशिरस्तस्य तस्यैव कान्तौ संक्रामन्त्यामतिशयवती शेषवक्त्रेषु लक्ष्मी: AnargheRā. 6. 76; (ironical) अहो तु खल्वतिशयवान् मातृमतो विवेक: BālaKrī. i. 196. 7 (*on* 1. 347); अतिशयवती विद्या मानहेतु: ManuBh. i. 145. 6 (*on* 2. 136); अतिशयवदात्मसमुत्थम्…सुखामृतम् TattvPradī.(A.) 15. 9 (*on* 1. 13); NyāySu.(Ja.) 8A. 6 (*on* i. 1. 1); **ii** possessed of abundance, plentiful दृष्टा…अतिशयवती सस्यसम्पत्ति: ManuBh. i. 437. 22 (*on* 5. 37); प्रयागरूपक्षेत्रातिशयादतिशयवद्भवति (फलम्) TristhaSe. 47. 23; TattvPrakā. 188A. 13 (*on* iii. 4. 10); **iii** posessing efficacy or effecti-

अतिशयो हि धर्मो नासत्यतिशयवति कार्ये भवितुमर्हति Bhām. 362. 7 (*on* ii. 1. 18); अतिशयवत्यस्तथाभूता एव भूयस्यः शायिकाः SaraKaṇṭhā. 513. 5; अतिशयवदर्थकल्पितविश्रान्तिर्व्यक्तिरित्युक्ता BhāvPra.(S'ā.) 155. 23(6); आश्चर्याणामतिशयवतां जन्मभूमिः MayūSaṁ. 1. 23.

अतिशयवत्ता (atiśayavat-tā) *f.* the state of possessing excellence or efficacy भवन्ती वा करणेभ्योऽतिशयवत्ता वा शब्दस्य व्यक्तिः PramāVāSvopVṛ. 93. 1; निरतिशयत्वं काष्ठा । यतः परमतिशयवत्ता नास्ति TattvVai. 31. 4 (*on* 1. 25); NayaVi. 134. 5 (*on* i. 1. 5)

अतिशयवत्त्व (atiśayavat-tva) *n.* the state of possessing excellence or efficacy सुखे त्वतिशयवत्त्वाद्युक्ता तत्साधनातिशयापेक्षा BrahmSi. 2. 6; अतिशयवत्त्वात् प्रागवस्थाया असत्कार्यवादहानिः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 320. 9 (*on* ii. 1. 18); VivaPraSaṁ. 257. 25.

अतिशयवद्द्रव्य (atiśayavad-dravya) *n.* substance possessing excellence or efficacy किं च तदतिशयवद्द्रव्यम् S'ivārkaMaDī. i. 40. 11 (*on* i. 1. 1)

अतिशयवरवर्ण (atiśayavara-varṇa) *m.* very excellent colour अतिशयवरवर्णेनास्पदं प्राप भूभृत् HariVi. 3. 38.

अतिशयवर्जित (atiśaya-varjita) *adj.* without excess, free from excessiveness युवयोरतिरिच्यते ··· क्षयातिशयवर्जितः । तपःप्रभावो दानं वा BhaviP 166A. 16 (i. 115. 6); देवागमननिर्मुक्ते कालेऽतिशयवर्जिते···भविष्यन्ति प्रजा दुष्टाः PadmP.(Ra.) 20. 92.

अतिशयवर्णना (atiśaya-varṇanā) *f.* description of a speciality or efficacy अतिशयवर्णना – व्याख्यानम् ArthS'ā. iii. 244. 10 (15. 1); तन्त्रयुक्तयः ··· तत्रातिशयवर्णनातिव्याख्यानम् ViṣṇuDhaP. iii. 6. 0 (310A. 10)

अतिशयवल्लभता (atiśayavallabha-tā) *f.* great affection युध्यमाना देवभक्त्यातिशयवल्लभतया प्रोत्साहितसाहसा विपद्य ते पञ्च पुत्राः पञ्चापि क्षेत्रपतयो बभूवुः PrabaCin. 123. 1.

अतिशयवाक्य (atiśaya-vākya) *n.* sentence expressive of excellence तथातिशयवाक्येषु ··· । ध्रुवा प्रासादिकी कार्या तज्ज्ञैर्मध्यालयाश्रया NāṭyaS'ā. 32. 324.

अतिशयवाचिन् (atiśayavāc-in) *adj.* expressive of superiority अतिशयवाचितरप्रत्ययप्रयोगेन(? ण) फलातिशयहेतुत्वावधारणात् MīmāKau. i. 31. 21 (*on* i. 3. 6)

अतिशयवार्ता (atiśaya-vārtā) *f.* important news ततः कविराह - तत्रातिशयवार्तास्ति चेत्सत्यं कथय BhojPra. 79. 21.

अतिशयवाल्लभ्य (atiśaya-vāllabhya) *n.* great affection अतिशयवाल्लभ्यप्रख्यातं सुपरीक्षितमात्मं चारव्यापारे नियोजयेत् BālaKrī. i. 189. 8 (*on* 1. 324)

अतिशयविकसत्सौरभ (atiśayavikasat-saurabha) *m.* fragrance spreading widely अङ्गे पञ्चाङ्गरागैरतिशयविकसत्सौरभाकृष्टलोकम् ··· ध्यायामः ··· त्वाम् Nārāy. xii. 100. 7.

अतिशयविनिर्मुक्त (atiśaya-vinirmukta) *adj.* without (anything) excelling (him) तच्च तस्यैश्वर्यं साम्यातिशयविनिर्मुक्तम् । न तावदैश्वर्यान्तरेण तदतिशय्यते YogBh. 29. 4 (*on* 1. 24)

अतिशयविनिर्मुक्ति (atiśaya-vinirmukti) *f.* freedom from being excelled अतिशयविनिर्मुक्तिमाह न तावदिति TattvVai. 29. 29 (*on* 1. 24)

अतिशयविरह (atiśaya-viraha) *m.* absence of distinction तथा च सति यथाकथंचित् पुरस्तादधिगतसंवेदनेभ्यः सकलसंस्कारजन्मनि चरमसमधिगमेऽतिशयविरहादर्थपरिच्छेदः स्यात्, न चैवं दृश्यते SphoṭSi. 70. 1.

अतिशयविरूपवाक्य (atiśayavirūpa-vākya) *adj.* making diverse predictions कुरुते ज्योतिषकुशलम्··· । अतिशयविरूपवाक्यं बुधभे सौम्येक्षितो जीवः Sārā. 27. 40.

अतिशयविवक्षा (atiśaya-vivakṣā) *f.* **i** intention to convey a hyperbole यत्रार्थस्यातिशयविवक्षा तत्रातिशयोक्तिः AlaṅkāRa. 37. 34; **ii** desire to express pre-eminence or speciality स्वातन्त्र्यविवक्षाभेदात् कर्तृभेदः करणभेद इवातिशयविवक्षाभेदादुपपद्यते BhāvanāVi. 110. 2.

अतिशयविशिष्ट (atiśaya-viśiṣṭa) *adj.* endowed with distinction, surpassing अतिशयविशिष्टार्थवृत्तेः स्वार्थे एतौ स्तः SiddhāKau. 312A. 8; उदात्ततरानुदात्ततरौ ··· अतिशयविशिष्टौ बोध्यौ LaS'abdeS'e. ii. 940. 10.

अतिशयविशिष्टत्व (atiśayaviśiṣṭa-tva) *n.* the state of being endowed with speciality सक्तूनां स्वरूपेणातिशयविशिष्टत्वाकारेण वा होमसाध्यत्वाभावादिति भावः MayūMāli. 108. 23 (*on* ii. 1. 4)

अतिशयविशेष (atiśaya-viśeṣa) *m.* special distinction or power, excellence भगवद्गुणश्रवणजनितातिशयविशेषासादितपुण्यस्य तथैवाविघ्नेन जिज्ञासितशास्त्रार्थतत्त्वावगमो भविष्यति DharmoPra. 2. 1; कर्मफलसिद्ध्यप्रतिबन्धः ··· तत्समृद्धिः अतिशयविशेषः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 686. 7 (*on* iii. 3. 42); अस्ति सनामोपादानस्य कोऽप्यतिशयविशेषः यत्तत्रैव कार्यं वर्तते Kāśi. i. 80. 20 (*on* 2. 34); 'योग्यर्थमभिधीयते' इत्यत्रापि योगिनामतिशयविशेषोऽन्तर्णीतः Kāśi. i. 214. 25 (*on* 4. 28); i. 40. 12 (*on* 1. 88); तस्यातिशयविशेषात्प्रकटा मुक्तिर्नास्ति TātpaVṛ. 29. 20 (*on* 1. 20); बहुसंस्कारम् ··· अभिज्ञरसनीयैरतिशयविशेषैर्युक्तम् CaturCin. iii(1). 601. 4; क्षणिकविज्ञानेऽतिशयविशेषः कल्प्यते SiddhāMu. 25. 18 (*on* 49); अतिशयविशेषः संस्कारः VīraMi.(Saṁskāra.) 132. 17; तद्द्रव्याणामपि अतिशयविशेषरूपे ··· अशुचित्वे सति ··· भ्रात्रन्तरेण कृतं कर्म BālamBha. iii. 57. 30 (*on* 3. 17); अतिशयविशेषवादिनापि चेदं वाच्यमेव BālamBha. iii. 57. 27 (*on* 3. 17); iii. 77. 20 (*on* 3. 26)

अतिशयविषाद (atiśaya-viṣāda) *m.* excessive dejection किमतिशयविषादव्याकुलास्तात सर्वे SkandP. v(2). 34. 16.

अतिशयविह्वल (atiśaya-vihvala) *adj.* extremely distressed स्वामिन्, स एव त्वमिति ··· अतिशयविह्वलो बभूव CaitaCa. 171. 21(7)

अतिशयव्यवच्छेदक (atiśaya-vyavacchedaka) *adj.* eliminating or excluding superiority एवैकशब्दौ साम्यातिशयव्यवच्छेदकपरौ VedāntRaMañ. 112. 2 (3. 8)

अतिशयशक्तित्व (atiśayaśakti-tva) *n.* possession of great power तस्य पूर्वेभ्यो गुरुत्वं वैदुष्यात्, नृपस्यापि गुरुत्वमतिशयशक्तित्वात् ManuBh. ii. 72. 28 (*on* 8. 2)

अतिशयशक्तिमत् (atiśayaśakti-ma(n)t) *adj.* endowed with great potency चक्षू रूपग्रहे कार्ये सदातिशयशक्तिमत् TattvSaṁ. 1374; AṣṭāSaṁ. i. 196. 12 (2. 1)

अतिशयशबलित (atiśaya-śabalita) *adj.* tinted with excellence किमिव कारकमतिशयशबलितवपुरिति कं तमबर्थं(? र्थं-)मङ्गलकलशेनाभिषिञ्चामः NyāyMañ. i. 383. 13.

अतिशयशालिन् (atiśaya-śālin) *adj.* endowed with speciality or superiority हेतवः ··· स्वरूपतो वातिशयशालिनः SphoṭSi. 102. 1.

अतिशयशिशिर (atiśaya-śiśira) *adj.* extremely cold आवश्यायातिशयशिशिरैराप्लुतास्तीर्थतोयैः ··· विप्राः ··· वह्निशालां विशन्ति Kapphiṇā. 15. 24.

अतिशयशुच् (atiśaya-śuc) *f.* excessive grief अतिशयशुचि(°च)माप्य यद्वराका असदृशमप्यनुवादिनो भवन्तः PrabhāC. 72. 31.

अतिशयशुभचिन्ता (atiśayaśubha-cintā) *f.* very auspicious thought अतिशयशुभचिन्तासंगनिष्कम्पचेता नरपतिरुपनीताशेषतत्कालभावः PadmP.(Ra.) 2. 255.

अतिशयशून्य (atiśaya-śūnya) *adj.* **i** devoid of a superior समानातिशयशून्यं ब्रह्मास्ति VedāntKau. 287. 8 (*on* iii. 2. 22); **ii** devoid of superiority (of something) तस्य साम्यातिशयशून्यमैश्वर्यं सार्वज्ञ्यं च YogSā. 18. 16(1)

अतिशयश्रद्धा (atiśaya-śraddhā) *f.* excessive faith ये द्विजातयोऽतिशयश्रद्धायुक्ताः सन्तः ··· एनमात्मानं सत्यं परमार्थभूतमुपासते Mitā. 397. 22 (*on* 3. 192)

अतिशयश्रव्य (atiśaya-śravya) *adj.* extremely pleasant to hear आजगाम तं प्रदेशमतिशयश्रव्यो दिव्यमङ्गलगीतनिनदः TilaMañ. 141. 21.

अतिशयश्री (atiśaya-śrī) *f.* very great or surpassing glory विहरंस्त्रिजगन्नाथः सनाथोऽतिशयश्रिया । पुरं चन्द्रपुरं प्राप MalliC. 8. 5; 8. 218; ततो नातिशयश्रिया वर्धमानत्वं दोषाश्रय इति SyādvāMañ. 1(87)

अतिशयश्लक्ष्ण (atiśaya-ślakṣṇa) *adj.* extremely thin or smooth अतिशयश्लक्ष्णसुकुमाररेखारोमराजिमुदरेणोद्वहन्तीम् ··· एकाकिनीमेकां बालिकामपश्यम् TilaMañ. 246. 20.

अतिशयश्लाघ्य (atiśaya-ślāghya) *adj.* extremely praiseworthy अतिशयश्लाघ्यस्वतेजा भवन् । वह्निः ··· हविषा यज्ञेषु संतर्प्यते RājTa.(Jo.) 930.

अतिशयसंयुक्त (atiśaya-saṁyukta) *adj.* endowed with excellence बुद्ध्यातिशयसंयुक्तो देवानां काय उच्यते MatsyaP. 145. 15.

अतिशयसंयुत (atiśaya-saṁyuta) *adj.* **i** possessed of excellence उत्तरोत्तरसंजल्पे कार्येऽतिशयसंयुते । ··· विलम्बिता च दीप्ता च काकुर्मन्द्रा च वै भवेत् NāṭyaS'ā. 17. 123; **ii** endowed with improvement उपायान्तरतो मोक्षः क्षयातिशयसंयुतः SarvaSiSaṁ. 9. 8; **iii** possessed of superiority, superior तत्र त्वां गीतसंपन्नं करिष्यामि महाव्रतम् । तुम्बरोश्च समं चैव तथातिशयसंयुतम् LiṅgaP. ii. 3. 81.

अतिशयसंवृत (atiśaya-saṁvṛta) *adj.* extremely (i. e. fully or completely) enclosed विहारं भार्यया कुर्याद् देशेऽतिशयसंवृते BhāvPra.(Bhā.) 5. 294.

अतिशयसंजातशरीरकृशिमन् (atiśayasañjāta-śarīrakraśiman) *adj.* who has become very weak in body सोऽतीव ··· चिन्ताजलधिमवगाहमानोऽ-

तिशयसञ्जातशरीरकृशिमा … ऋतुपर्णस्य राज्ञोऽनुजीविवृत्तिमास्थायाविदितस्थितोऽभूत् TattvSaṁPañ. 827. 20 (*on* 3172–3173)

अतिशयसमर्थन (atiśaya-samarthana) *n.* justification of superiority यतीनां सर्वाश्रमिभ्योऽतिशयसमर्थनेन…अस्ति शास्त्रादिसंगतिः TattvPrakā. 196A. 6 (*on* iii. 4. 47)

अतिशयसंबन्ध (atiśaya-sambandha) *m.* possession of excellence तस्यातिशयसंबन्धं कीर्त्यमानं मनोहरम् । शृणु श्रेणिक पापस्य नोदनं परमाद्भुतम् PadmP.(Ra.) 78. 62.

अतिशयसंभव (atiśaya-sambhava) *m.* possibility of gradation न तु मुक्तौ कश्चिदतिशयसंभवोऽस्ति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 760. 4 (*on* iii. 4. 52); *adj.* arising from excellence यद्धर्मपदसंयुक्तं तथातिशयसंभवम् । तत्र साध्विति … प्रयोक्तव्यम् NāṭyaS'ā. 27. 9.

अतिशयसहित (atiśaya-sahita) *adj.* possessed of excellence दृष्ट्वा विज्ञानमेषामतिशयसहितं सर्वशास्त्रेषु राजा PadmP.(Ra.) 25. 58.

अतिशयसामीप्य (atiśaya-sāmīpya) *n.* extreme proximity अतिशयसामीप्येन द्रष्टृत्वात् उपद्रष्टा स्यात् GītāBh.(S'aṅ.) 394. 1 (*on* 13. 22)

अतिशयसाम्यशून्य (atiśayasāmya-śūnya) *adj.* having neither superiority nor equality (of something) (i. e. having nothing as equal or superior) रमाकान्तस्यातिशयसाम्यशून्यस्य भगवतः स्वतन्त्र एव प्रसादः VedāntRaMañ. 1.2 (21.22)

अतिशयसाम्यानर्ह (atiśayasāmyānarha) *adj.* not deserving either superiority (with anything) or equality (i. e. comparison) श्रीपुरुषोत्तमस्य रूपम् … अतिशयसाम्यानर्हमहिमैश्वर्यत्वम् VedāntRaMañ. 4. 10 (132. 14); 3. 9 (125. 25)

अतिशयसाम्यानर्हत्व (atiśayasāmyānarha-tva) *n.* the state of not deserving either superiority of or comparison with (anything) तस्य सर्वश्रेष्ठत्वेनातिशयसाम्यानर्हत्वेन च सर्वपूज्यत्वात् VedāntRaMañ. 3. 8 (110. 18)

अतिशयसिद्धि (atiśaya-siddhi) *f.* **i** obtainment of excellence शुकानाम्…श्रुतिमधुरगिरां स्वशिक्षितानामतिशयसिद्धिमदर्शयत्प्रियाभ्यः Yādavā. 24. 31; **ii** establishment of excellence धर्मस्यातिशयसिद्धिरुद्ध(? क्त)सूर्योदयवेधेऽतिशयितस्यापि धर्मस्य प्रतिबन्धादिवशात् फलानवाप्तिः CaturCin. iii(2). 273. 12; आर्थसमाजाधीनेयमतिशयसिद्धिर्वैलक्षण्यं न प्रयोजयति RasGaṅ. 673. 13.

अतिशयसुरभि (atiśaya-surabhi) *adj.* extremely fragrant यत्र च प्रमदानाम्…हासा (? ए)वातिशयसुरभयः पटवासाः निरर्थकाः कर्पूरपांसवः HarṣaC. 149. 8; अतिशयसुरभि … व्यरुचत् … जिनवृषभवपुः MahāP. 23. 169.

अतिशयसूक्ष्म (atiśaya-sūkṣma) *adj.* extremely subtle इदमतिशयसूक्ष्मैर्वृत्तचर्चाविचारैरभिहितमभिगम्यं योगितुल्याशयानाम् SuvṛTi. 2. 46.

अतिशयसूक्ष्मता (atiśayasūkṣma-tā) *f.* extreme minuteness स्थूलात्मनातिशयसूक्ष्मतया च गौरि ब्रह्म स्थितं सकलमेकमपि द्विधा यत् HarVi. 47. 128.

अतिशयस्निग्ध (atiśaya-snigdha) *adj.* **i** extremely glossy इतो नातिदूरे … अतिशयस्निग्धसुकुमारद्रुमं कुसुमाकराभिधानं काननम् TilaMañ 322. 19; **ii** very affectionate or loving सुमुखि विमुखीभावं तावद्विमुञ्च न मुञ्च मां स्वयमतिशयस्निग्धो मुग्धे प्रियोऽयमुपस्थितः GītGo. x. 19. 5.

अतिशयस्पृश् (atiśaya-spṛś) *adj.* touching (i. e. possessing) extraordinary nature अन्यदा सा निशि स्वप्ने पीयूषरुचिमैक्षत … प्रातः सा तत्पुरो गत्वा नत्वा सत्त्वमहालया । अपृच्छन्मुदिताचार्यं स्वप्नस्यातिशयस्पृशः PrabhāC. 171. 12.

अतिशयस्पृहणीय (atiśaya-spṛhaṇīya) *adj.* extremely covetable or attractive सोऽपि अतिशयस्पृहणीयदेहावयवदर्शनानन्दनिःस्यन्दविकसितेन … चक्षुषा …आलोकितवान् TilaMañ. 38. 23.

अतिशयस्मेरमनस् (atiśayasmera-manas) *adj.* having an exceedingly cheerful mind नदन्तं वृषभमीशानदिग्भागे विलोक्यातिशयस्मेरमनाः स्वं निवासमासाद्य PrabaCin. 96. 18.

अतिशयस्वभावसुभग (atiśaya-svabhāvasubhaga) *adj.* very pleasant by nature यद्यप्युन्नतवंशवान्नवसुधाधामाभिरामं वपुः संप्राप्तोऽतिशयस्वभावसुभगच्छायः सतां तापहृत् Subhāṣi. 3075.

अतिशयस्वादु (atiśaya-svādu) *adj.* extremely tasty किं फलमतिशयस्वादुरसमभिलष्य विरसान्यनुदिवसमश्नासि वन्यद्रुमफलानि TilaMañ. 258. 10; 334. 22.

अतिशयहर्षोत्कर्ष (atiśaya-harṣotkarṣa) *m.* extreme ecstasy of joy भो महात्मन् अतिशयहर्षोत्कर्षेण स्वात्मापि विस्मृतो भवता CaitaCa. 66. 14(3).

अतिशयहानि (atiśaya-hāni) *f.* loss of speciality न खलु एवं नित्यानां शब्दानां कस्मिंश्चित्सति अतिशयहानिः उत्पत्तिर्वा PramāVāSvopVṛ. 87. 22.

अतिशयहृदयाभिराम (atiśaya-hṛdayābhirāma) *adj.* extremely gladdening the heart अतिशयहृदयाभिरामशिष्यद्वयविरहोर्मिभरेण तप्तदेहः । निजकृतिमिह संव्यधात् समस्तां विरहपदेन युतां सतां स मुख्यः PrabhāC. 74. 31.

अतिशयहेतु (atiśaya-hetu) *m.* **i** cause of excellence गुणनिर्वृत्त्या काव्यशोभा तस्याश्चातिशयहेतवोऽलङ्काराः KāvyālaṅSū. iv. 1. 1; **ii** cause of a special feature अदृष्टं स्वाश्रयसंयुक्तेऽतिशयहेतुः PrakaVi. 498. 14.

अतिशयहेतुत्व (atiśayahetu-tva) *n.* the state of being the cause of speciality or a special feature बाणादिक्रियाणां चानुद्दिष्टेऽपि वस्तुनि स्वाश्रयसंयुक्तेऽतिशयहेतुत्वदर्शनात् VivaPraSaṁ. 86. 20; दोषाणां स्वाश्रयजन्य एवातिशयहेतुत्वेन Nyāyāmṛ. 425B. 1; दोषाणां स्वाश्रय एवातिशयहेतुत्वेन चक्षुर्गतदोषजन्यो भ्रमः कथमचाक्षुषः स्यात् AdvaiSi. 653. 1.

अतिशयाकृष्ट (atiśayākṛṣṭa) *adj.* stretched too far त्रुट्यत्यतिशयाकृष्टम् … सौहार्दम् RāmāMañ. 196. 21.

अतिशयाख्य (atiśayākhya) *adj.* **i** called excellence अत्र चातिशयाख्यं यत्फलं प्रयोजकत्वान्निमित्तम् AlaṅkāSa. 69. 9; **ii** (figure of speech) called hyperbole वस्तुनो वक्तुमुत्कर्षमसंभाव्यं यदुच्यते । वदन्त्यतिशयाख्यं तमलङ्कारं बुधा यथा Vāgbhaṭā. 4. 101.

अतिशयागूरक (atiśayāgūraka) *adj.* suggestive or indicative of excellence कालिन्दीसंसर्गोद्भावनं पुनः श्यामत्वसाधनेनातिशयागूरकमेव स्यात् RasGaṅ. 673. 12.

अतिशयात्मक (atiśayātma-ka) *adj.* of the nature of speciality ननु न शक्त्युद्बोधनरूप उपकारः किन्तु पदार्थावान्तरकार्यशक्त्युद्बोधनयोरन्तरालवृत्तिः अतिशयात्मक एवोपकारः MayūMāli. 796. 2 (*on* xi. 1. 2)

अतिशयात्मन् (atiśayātman) *m.* **i** Supreme Self संसारस्यातिदोषस्य दुर्विज्ञेया गतिर्यतः । सृष्ट्यां चावश्यभाविन्यां केनाप्यतिशयात्मना । कर्त्रा प्रणीता मर्यादा स्थिता संसारिणामियम् MatsyaP. 154. 148; **ii** special or specific nature सामान्यात्मना गुणभावोऽतिशयात्मना च प्राधान्यम् TattvVai. 78. 10 (*on* 2. 15); *adj.* of the nature of efficiency or potency भावः…अन्यश्चातिशयात्मा जायते NyāyKa. 74. 6; प्राचीनो भावोऽनतिशयात्मा निवृत्तोऽन्यश्चातिशयात्मा कुर्वद्रूपादिपदवेदनीयो जायते SarvaDaSaṁ. 2. 98.

अतिशयादर्शन (atiśayādarśana) *n.* non-perception of efficacy or excellence अतिशयादर्शनं तु संदिग्धत्वात् न पाकनिवर्तकम् TarkSaṁ.(Ā.) 60. 26.

अतिशयाद्यर्थ (atiśayādy-artha) *m.* meaning 'excess' etc. निर्बन्धादिपदेष्वतिशयाद्यर्थे निरः प्रयोगात् LalitāSaBh. 62. 31 (*on* 95)

अतिशयाधान (atiśayādhāna) *n.* **1** production of excellence or potency साहित्यं सहकारित्वादेतयोः कल्प्यते च यत् । तत् स्यादतिशयाधानादेकार्थक्रिययापि वा TattvSaṁ. 95; शक्तावतिशयाधानमपेक्षातः प्रकल्प्यते NyāyVi. 2. 299; इह च क्षणिके वस्तुन्यतिशयाधानायोगादेककार्यकारित्वेन सहकारी गृह्यते NyāyBiṬ. 58. 5 (*on* 1. 9); DharmoPra. 59. 5; ' मोहं तु हरेर्विहङ्गमो हन्तु ' इत्यत्र … हरेरतिशयाधानानपेक्षयैव सम्बन्धमात्राद् विशेषणभावः VyaktiVi. 56. 16; न चानुत्पन्ने अपूर्वे व्रीह्यादिभिरतिशयाधानायोगात्तेष्वव्याप्तिः S'rutaPra. iB. 94. 31 (*on* i. 1. 1); iB. 148. 13 (*on* i. 1. 4); द्रव्यक्रियादिभिरतिशयाधानं संस्कारः CaturCin. iii(1). 1163. 18; संनिपत्योपकारकाण्यवघातादीनि द्रव्यदेवतासंस्कारद्वारेण यागस्वरूपस्यैवातिशयाधानेन तदुत्पत्त्यपूर्वनिष्पत्तौ व्याप्रियन्ते NyāyMāVi. 66. 2 (*on* ii. 1. 2); उपयुक्तसंस्कार उत्पन्नस्योत्पत्त्यपूर्वस्यातिशयाधाने उपयुज्यते MayūMāli. 361. 6 (*on* iv. 1. 14); 371. 22 (*on* iv. 2. 6); **2** putting forth with pre-eminence, eminent presentation गीतस्यातिशयाधानाद् भावकः परिकीर्तितः SaṁgīRa. ii. 154. 17 (3. 22); रागस्यातिशयाधानं प्रयत्नाद् भजनं मतम् SaṁgīRa. ii. 176. 13 (3. 128)

अतिशयाधायक (atiśayādhāyaka) *adj.* producing excellence न ह्यतिशयाधायकानां नियन्तृत्वम् S'rutaPra. ii. 643. 18 (*on* iv. 4. 9); अनाधेयातिशयत्वात् अतिशयाधायकपरिजनाद्यन्वयायोगात् NyāyKu. 87. 15.

अतिशयाधायकत्व (atiśayādhāyaka-tva) *n.* nature of producing excellence कर्मस्वतिशयाधायकत्वेन फलात्मकत्वेन च प्राधान्यमुत्कर्षान्तर्गतम् S'rutaPra. ii. 579. 13 (*on* iv. 1. 6); कर्मणस्तु फलेऽतिशयाधायकत्वेन शेषत्वमिति कुतः TattvPrakā. 187B. 6 (*on* iii. 4. 8); देशकालपात्रदेयश्रद्धाज्ञानगोपनानां क्रियास्वतिशयाधायकत्वात् LalitāSaBh. 204. 12 (*on* 243)

अतिशयाधायिन् (atiśayādhāy-in) *adj.* creating speciality तस्मादतिशयाधायिनः सहकारिणोऽसम्भवात् क्षणिकानां स्वहेतुमात्रप्रतिबद्धमेव जनकत्वम् HetuBiṬ. 113. 21.

अतिशयान (ati-śayāna) *adj.* [*f.* –ā] surpassing, excelling ज्येष्ठामतिशयानेव भर्तारमुपरञ्जयेत् BhaviP. 37A. 2 (i. 14. 20); अदृष्टचरमनङ्गमतिशयानं रूपम् VāsaDa. 161. 5; शून्यत्वेनाकाशमप्यतिशयानो नाविन्दत कर्तव्यम् HarṣaC. 219. 16; 323. 4; स्मरशशाङ्काद्रिराजोदधित्रिदशगुरुधनेशानतिशयानः EI. viii. 190. 7; अस्य किल पित्रा यवनानप्यतिशयानेन क्षुधितोऽयमिति AvantiKa. 13. 5; तेजसातिशयानेन युगन्धरजसाविलम् Kapphiṇā. 18. 32; वस्त्वन्तरमतिशयानो

हि प्रज्ञाप्रकर्षः BālRā. 1. 7 (1); प्रज्ञयातिशयानो न गुरुमवज्ञायेत NītiVā. 11. 20; न तु किञ्चिदतिशयानाः कुतश्चिदपकृष्यन्ते NyāyKuA. i. 111. 3; हिंस्रतया मृत्युमप्यतिशयानम् (राजा राक्षसं ददर्श) UdaySuKa. 76. 22; सुखगोचराच्च प्रेम्णोऽयमतिशयानः ··· दृश्यते PramāMā. 3. 6; कञ्चुकी – (सहर्षम्) चिराय यौवनमतिशयानया चरितार्थया जरयानया सञ्चरे PratāYaBhū. 158. 3; स्वप्रयोगमतिशयान एव प्रयोगः प्रयोजितः SāhiDa. 286. 17.

अतिशयानन्द (atiśayānanda) *m.* supreme bliss अस्याप्तकामत्वादपहतपाप्मा ··· सत्यसंकल्पादिरतिशयानन्दसद्भावः श्रूयन्ते BrahmSūBh.(Bhā.) 65. 17 (*on* i. 3. 30); किं पुनरतिशयानन्दशालिन्येवंविधे NyāySiA. 223. 20; अनवधिकातिशयानन्दस्वरूपम् ··· ब्रह्मावधार्य YatīndraDī. 76. 25.

अतिशयानम्रमौलि (atiśayānamra-mauli) *adj.* who has bent down the head very much अतिशयानम्रमौलिभिर्महायोगिभिः प्रणामावसरप्रकीर्यमाणेषु कुसुमोपहारेषु NīlaVi. 53. 5.

अतिशयानरुच् (atiśayāna-ruc) *adj.* whose lustre has increased (अजितप्रभुः) तपसातिशयानरुक् ··· समाययावुपवनम् TriṣaŚaPuC. ii. 3. 330.

अतिशयानाधान (atiśayānādhāna) *n.* the act of not producing any excellence यागेनात्मन्यतिशयानाधाने BhāṭṭDī. iv. 137. 4 (*on* xi. 1. 3)

अतिशयानाधायिनी (atiśayānādhāyinī) *adj.* (*f.*) not producing any distinction अधिष्ठानेऽतिशयानाधायिन्यो जीवाश्रया अविद्याः VedāntKa. 326. 21 (*on* ii. 3. 43)

अतिशयानुभव (atiśayānubhava) *m.* experience of superiority नन्ववच्छिन्नः साक्ष्यानन्दः सातिशयः सुषुप्तिसाधारणादनतिस्पष्टात् ततो वैषयिकानन्देष्वतिशयानुभवात् SiddhāLeSaṁ. 170. 3.

अतिशयानुमा (atiśayānumā) *f.* inference of special capacity दाहकार्ये सातिशयस्यैवेत्यतिशयानुमा NayaVi. 133. 6 (*on* i. 1. 5)

अतिशयान्तर (atiśayāntara) *n.* different potency, different excellence, different merit अतिशयस्यातिशयान्तरानारम्भे कीदृशी सहायता NyāyKa. 74. 2; फलान्तरार्थं कर्तव्यं तस्मादतिशयान्तरम् ŚāstrDī. 798. 15 (*on* xi. 1. 3); किमतिशयान्तरपरिकल्पनदुर्व्यसनेनेति NyāyMa. 185. 7; किं नामातिशयान्तरम् TriṣaŚaPuC. iii 7. 41; कस्यचित्कारणस्य कार्यकरणाकरणे तस्यैवातिशयान्तराभावप्रयुक्ते दृष्टे NyāyKu. 165. 15; वेदनस्य द्रव्यनिष्ठत्वात् वैशद्येन विनातिशयान्तरासंभवेन ŚrutaPra. ii. 530. 17 (*on* iii 3. 56); सहकारिजन्योऽतिशयः किमतिशयान्तरमारभते न वा SarvaDaSaṁ. 2. 80; जन्येऽतिशयान्तरमुत्पादयति माता Subodhi. 73. 25 (*on* 2. 135)

अतिशयान्ध्य (atiśayāndhya) *n.* extreme blindness अतिशयान्ध्यवपुःक्षतिपाण्डुताः स्मर भवन्ति भवन्तमुपासितुः NaiṣC. 4. 85.

अतिशयान्वित (atiśayānvita) *adj.* [*f.* –ā] A accompanied by excellence अहो प्रश्रयसम्भारो वीर्यं चातिशयान्वितम् PadmP.(Ra.) 8. 46; विशदे रूपलावण्ये तस्याश्चातिशयान्विते TriṣaŚaPuC. iii. 3. 137; अतिशोभनः राजपुरुष इत्यत्रातिशयान्वितस्य शोभनगुणस्य राजान्वितस्य च पुरुषस्य पुनः परस्परान्वयो गम्यते ŚāstrDī. 154. 2 (*on* i. 1. 7); **B**i characterised by hyperbole, possessing excellence सातिशयत्वमुत्प्रेक्षातिशयान्विता इत्यस्याः VakroJī. 143. 11; अतद्गुणक्रियायोगादुत्प्रेक्षातिशयान्विता Kāvyālaṅ.(Bh.) 2. 19 = KāvyālaṅSāSaṁ. 3. 3; करुणे विप्रलम्भे तच्छान्ते चातिशयान्वितम् KāvyPra. 475. 1 = RasGaṅ. 67. 7; त्रिषूत्कृष्टे वस्तुनि तु दुर्वहेऽतिशयान्विते। वीवधे द्विसहस्रे च पलानां भारे AnekāK. 705; **B**ii endowed with supernatural powers सापश्यत् तीर्थकृल्लक्ष्मीं सूनोरतिशयान्विताम् TriṣaŚaPuC. i. 3. 528; iv. 1. 781.

अतिशयापादकत्व (atiśayāpādaka-tva) *n.* nature of producing excess or addition ज्ञानादेव जायमाने पुरुषार्थे कर्मणोऽतिशयापादकत्वेन ज्ञानशेषत्वात् TattvPrakā. 187B. 6 (*on* iii. 4. 8)

अतिशयाभाव (atiśayābhāva) *m.* absence of peculiarity or excellence यत्खलु ··· अभिसंहितं तदकर्म अतिशयाभावात् BhāvanāVi. 138. 2; भाष्ये नञर्थस्यातिशयाभावात् TātpaṬ.(U.) 28. 11 (*on* 1. 124); न हि वासुदेवात्सङ्कर्षणस्योत्पत्तिः ···अतिशयाभावात् BrahmSūBh.(Śaṅ.) 417. 13 (*on* ii. 2. 44); न स्यादतिशयाभावाद् ग्राहकाद्यन्तरादपि BṛĀraUBhVā. iv. 3. 521; प्रवृत्तेऽपि मानेऽर्थेऽतिशयाभावस्येष्टत्वात् IṣṭaSi. 199. 6; एकव्यूहत्वे कार्यकारणयोरतिशयाभावादुत्पत्त्यसंभवः ŚrutaPra. ii. 337. 5 (*on* ii. 2. 42); सौलभ्येऽतिशयाभावप्रसङ्गात् TattvPrakā. 188B. 12 (*on* iii. 4. 13); 196B. 10 (*on* iii. 4. 49)

अतिशयाभिधा (atiśayābhidhā) *f.* expression called exaggeration परिस्फुरति यस्यान्तः सा काप्यतिशयाभिधा VakroJī. 57. 16 = 65. 19.

अतिशयाभिधान (atiśayābhidhāna) *n.* mention of excellence प्रकृतस्यार्थस्य विशेषवर्णनेच्छया भेदस्य व्यत्ययोऽभेदाभिधानं यत्तदतिशयाभिधानादेकातिशयोक्तिः Kāvyānu.(He.) 317. 5.

अतिशयाभिराम (atiśayābhirāma) *adj.* extremely beautiful अतिशयाभिरामं कुसुमाकरारामव्रजम् TilaMañ. 303. 4.

अतिशयारुंतुद (atiśayāruntuda) *adj.* extremely painful श्रोणीसद्मप्रपन्नैः कृमिभिरतिशयारुंतुदैस्तुद्यमानाः ··· रमण्यः SubhāRaSaṁ. 127.

अतिशयारोप (atiśayāropa) *m.* attribution of excellence गुणैरतिशयारोपः पदार्थस्य प्ररोचना BhāvPra.(Śā.) 280. 14 (9)

अतिशयार्थ (atiśayārtha) *m.* **1** meaning of (the word) *atiśaya* सातिशयोऽग्निसंयोगस्तथेति चेत् कोऽतिशयार्थः Kiraṇā. 188. 6; **2** the sense 'excess' (i. e. the degree of quality) भाष्यस्य···अप्यल्पाच्त्वात्सामर्थ्यादतिशयार्थे भविष्यतीत्यर्थः LaŚabdeŚe. ii. 130. 3; *adj.* [*f.* –ā] **i** having excess as its purport अतिशयार्थ ओकारः KarmaNi. 3B. 3; **ii** having special significance as its purport सत्यस्य तादूप्येऽपि भेदेन निर्देशोऽतिशयार्थः ManuBh. i. 388. 9 (*on* 4. 175); वाक्यशेषत्वोक्तिस्तु अतिशयार्थेति न विरोधः MīmāKau. i. 60. 9 (*on* i. 3. 9); सः (पक्षः) च ··· अतिशयार्थ इत्युपेक्षितः MīmāKau. iii(2). 213. 7 (*on* ii 2. 17); iii(2). 277. 13 (*on* ii. 2. 25); iii(2). 112. 5 (*on* ii. 1. 35)

अतिशयार्थकत्व (atiśayārthaka-tva) *n.* the state of having the meaning of excellence or gradation साधकतमस्य करणत्वात् तमपश्चातिशयार्थकत्वात् ··· आलोकाद्यपेक्षमिन्द्रियमेव प्रमाणम् PrakaPañ. 192. 7.

अतिशयार्थत्व (atiśayārtha-tva) *n.* **1** the state of having the purport of excellence इष्टं चातिशयार्थत्वमुपमोत्प्रेक्षयोर्यथा Kāvyālaṅ.(Bh.) 2. 50; **2** the state of being the meaning of (the term) *atiśaya* सहकारिण एवातिशयार्थत्वात् NyāyKu. 164. 12.

अतिशयार्थत्वायोग (atiśayārthatvāyoga) *m.* impossibility of being the meaning of (the term) *atiśaya* स्वरूपमात्रस्यातिशयार्थत्वायोगात् NyāyKu. 164. 12.

अतिशयार्थम् (atiśayārtham) *adv.* **A** for the sake of showing excess or excellence उपमानोपमेययोरतिशयार्थं यः क्रियते संशयः स सन्देहः KāvyālaṅSū. iv. 3. 11; अकृतार्थत्वं च द्रव्यस्यातिशयार्थमुक्तम् TantrRa. 65. 14; प्रागपि शब्दादित्यतिशयार्थमुक्तम् NyāyRa. 198. 15 (*on* 4. 217); अन्नदानं पचमानापेक्षयातिशयार्थं स्नातकव्रतत्वार्थं च पुनरुच्यते ManvMu. 150. 19 (*on* 4. 32); सुधाकणेष्वोषधीसंसर्गो विशेषणतयातिशयार्थमुपात्तः RasGaṅ. 672. 9; अतिशयार्थमत्रार्थकर्मत्वमुक्तम् MīmāKau. iii. 16. 21 (*on* i. 2. 7); रक्तपित्तहरत्वग्रहणमतिशयार्थम् BhojanKu. 164. 6; **B** for the sake of additional power or potency अतिशयार्थमपेक्ष्यमाणैः सहकारिभिरतिशयान्तरमाधेयं बीजे SarvaDaSaṁ. 2. 87; **C** for the sake of exaggeration सन्ध्यावन्दनाकरणस्यापि ··· प्रत्यवायजनकत्वादित्युक्तं तदतिशयार्थम् MīmāKau. iii. 48. 18 (*on* ii. 1. 6); ii. 160. 19 (*on* iii. 1. 12); **D** for the sake of emphasis प्रकृते च दुर्बलत्वे पुनर्दुर्बलग्रहणमतिशयार्थम् HārLa. 133. 18.

अतिशयार्थयुक्त (atiśayārtha-yukta) *adj.* endowed with superior significance यत्त्वतिशयार्थयुक्तं वाक्यं शिल्पं च कर्मरूपं वा। तत्सर्वमद्भुतरसे विभावरूपं हि विज्ञेयम् NāṭyaŚā. 6. 95.

अतिशयार्थिन् (atiśayārthin) *adj.* who seeks superiority सुकविरतिशयार्थी वाक्चमत्कारलोभादभिसरति मनोज्ञे वस्तुशब्दार्थसारे KaviKaṇṭhā. 3. 1.

अतिशयालु (atiśayālu) *adj.* **1** desirous of excelling वैकुण्ठमप्यतिशयालुरनेकचक्रकृत्तारिमण्डलशिराः श्रियमाप योधः HarVi. 44. 38; **2** (atiśayālu) very sleepy नातिशयालुर्भवेद्रात्रौ UpadeŚ. 86.

अतिशयावधारण (atiśayāvadhāraṇa) *n.* ascertainment of superiority अनयोस्तु स्मृत्योः कतमा स्मृतिः ज्यायसीति न शक्यं कर्तुमतिशयावधारणम ManuBh. i. 494. 25 (*on* 5. 164)

अतिशयावहत्व (atiśayāvaha-tva) *n.* the state of what brings about excellence अतः कर्मत्वतिशयावहत्वात् आदित्यादिः प्रधानं कर्म (आदित्यादिप्रधानकर्म) फलस्यादित्यादिप्राप्तिलक्षणत्वात् फलात्मकतया चादित्यादीनां प्राधान्यम् ŚrutaPra. ii. 579. 4 (*on* iv. 1. 6)

अतिशयाविर्भाव (atiśayāvirbhāva) *m.* extreme manifestation अनेकशः कोटिब्रह्माण्डकान्यतिशयाविर्भावमापद्यमानानि सन्तितराम् SāmaraU. 280. 23.

अतिशयाविष्करणार्थम् (atiśayāviṣkaraṇārtham) *adv.* for the purpose of the manifestation of excellence किं तु विशिष्टपुरुषानुष्ठितत्वेनास्योपासनस्यातिशयाविष्करणार्थम् ŚivārkaMaDī. i. 331. 31 (*on* i. 2. 8)

अतिशयासत्त्व (atiśayāsattva) *n.* absence of excellence or distinction सर्वथातिशयासत्त्वाद्व्याहता त्वात्मनीदृशी। कर्तृभोक्तृत्वबन्धादिव्यवस्थानित्यतान्यथा TattvSaṁ. 546.

अतिशयासादन (atiśayāsādana) *a.* gaining excellence or superiority द्रष्टुरेव दर्शनेनातिशयासादनात् Bhāsk. i. 180. 20 (*on* i. 4. 6)

अतिशयासिद्धि (atiśayāsiddhi) *f.* non-establishment or absence of exaltation or elevation स्मृतिशब्देन प्रत्यक्षज्ञानोपचारे अतिशयासिद्धेः ŚatDū. 60. 17; तथा सति सर्ववस्तुसाधारण्येनातिशयासिद्धेः ŚatDū. 185. 15; 186. 30;

अन्यथाज्ञानस्यातिशयासिद्धेः साधनीयमेतत् TattvPrakā. 210B. 9 (*on* iv. 2. 17)

अतिशयास्पदीभूत (atiśayāspadī-bhūta) *adj.* which has become a receptacle of excellence क्षायिकं हि ज्ञानमतिशयास्पदीभूतपरममाहात्म्यम् TattvPradī.(A.) 66. 8 (*on* 1. 51)

अतिशयाह्वया (atiśayāhvayā) *adj.* (*f.*) called hyperbole वागीशमहितामुक्तिमिमामतिशयाह्वयाम् Kāvyāda. 2. 220 = SaraKaṇṭhā. 540. 4.

अतिशयित (atiśayita) *adj.* [*f.* -ā] **1** surpassed, suprseded पुत्रेण नातिशयितो यः प्रज्ञादानविक्रमैः MārkP. 21. 99; राजपुत्रेण शस्त्रास्त्रैस्तत्रातिशयितः पिता MārkP. 113. 28; 116. 7; अमलेन तस्य धृतसच्चरिताश्चरितेन चातिशयिता मुनयः Kirātā. 6. 32; अतिशयितवनान्तरद्युतीनाम् ... तरुवीरुधां समृद्ध्या युवतिजनैर्जगृहे मुनिप्रभावः Kirātā. 10. 8; कृत्स्नमिदानीं पाटलिपुत्रं यस्य वचनलीलामनुभवति स कथं कामिजनवचनविशेषैरतिशयितो भवेत् Ubhayābhi. 15. 16; अतिशयितपूर्वराजचरितः EI. iv. 210. 5 = EI. i. 72. 5 = EI. xxi. 75. 7; सच्चरितातिशयितसकलपूर्वनरपतिः EI. i. 87. 23 = EI. vii. 157. 5 = EI. viii. 192. 29 = EI. viii. 198. 31 = EI. iv. 77. 22 = EI. xxii. 117. 20; अतिशयितसुरासुरप्रभावं शिशुमवलोक्य तथैव तुल्यरूपम् UttaRāCa. 5. 4; AlaṅkāSa. 33. 1; **2** superior, surpassing, excellent, great क्षिपादिभ्यः कर्तरि क्तो भवति। ... अतिशयितो गुरुं भवान् JaineVyā. 144. 30 (*on* ii. 4. 57); यथाप्राप्तं च भावकर्मणोः। अतिशयितो भवता गुरुः JaineVyā. 144. 30 (*on* ii. 4. 57); न चातिशयितेन प्रत्यक्षेण दीक्षाराधनादयो धर्मतया अवबोधिता इत्यपि प्रमाणमस्ति ĀgaPrā. 4. 7; अतिशयितचरित्रः योगिनामप्यगम्यः EI. ii. 217. 3; उद्यानानि चातितराम्...अमरलोकश्रियमतिशयितानि BhāgP. v. 24. 10; उपचारो गुणवृत्तिर्लक्षणा उपचरणमतिशयितो व्यवहार इत्यर्थः Loc. 51. 16 (*on* 1. 17); न ह्यतिशयितमपि श्रोत्रं रूपे प्रवर्तते नेत्रादयो वा शब्दादिषु NyāyRa. 80. 20 (*on* 2. 114); अतिरिक्तोऽतिशयितः Vaija. 212. 137; क्षेत्रज्ञानामेवोपचितपुण्यविशेषाणां शक्तिवैचित्र्यदर्शनेन तेषामेवातिशयितादृष्टसंभावनया च तत्तद्विलक्षणकार्यहेतुत्वसंभवात् BrahmSūBh.(Rā.) 143. 10 (*on* i. 1. 3); 210. 8 (*on* i. 1. 21); यद्वा षोडशिग्रहणानुगृहीतेनातिरात्रेण क्षिप्रं स्वर्गादिसिद्धिरतिशयितस्य वा स्वर्गस्येति कल्पनीयम् Mitā. 422. 25 (*on* 3. 243); तत्संनिकर्षोऽपि तदन्त्यक्षण एवातिशयितः BhāṭṭCan. 69. 2 (*on* xv. 1. 1); सर्वातिशयितम् EI. i. 199. 14; अतिशयितो वर्णो यस्मिन् तदतिवर्णम् SmṛtiCan. i. 204. 7; निःश्रेयसमतिशयितं श्रेयः CaturCin. ii(1). 340. 6; तत्र कृते दानयज्ञतपःश्राद्धादिकर्मणि संक्रान्तिकालनिमित्तकं पुण्यं पारमार्थिकमतिशयितमित्यर्थः CaturCin. iii(1). 232. 20; भूयाना(? न)तिशयितः ManvaVi. 1096. 21 (*on* 8. 381); तत्र यदि संजातमात्रादतिशयितस्य प्रेम्णः फलान्तरं प्रमाणतः सिद्ध्येत् S'atDū. 65. 12; यः सत्यं वदति स तु प्राणातिवादिनोऽपि विशेषेणातिशयितं वस्तु वक्ति TattvPrakā. 175A. 9 (*on* iii. 3. 38); पूर्णाधिकारस्य न ज्ञानमतिशयितम् TattvPrakā. 189A. 3 (*on* iii. 4. 13); (संतोषम्) तमतिशयितमालम्ब्य प्रचुरधनार्जने संयमं कुर्यात् ManvaMu. 146. 15 (*on* 4. 12); एतद्राज्ञामतिशयितं स्वर्गादिश्रेयःस्थानम् ManvaMu. 263. 10 (*on* 7. 88); दोषाकरे द्विजिह्वे रतिमतिशयितां करोषि यदि शम्भो AryāS'. 77; उत्तरोत्तरमतिशयितायाश्चित्तद्रुतेर्जननात् RasGaṅ. 67. 3; अतिशयितः संनिधिर्वर्णानां यः स संहितासंज्ञः स्यात् PrakriKau. i. 39. 2 अतिशयितं कारणं हि करणम् S'ivārkaMaDī. i. 165. 15 (*on* i. 1. 4); पृथिव्यादीनां रसानां रसतमः अतिशयितो रसः परम उत्कृष्टः SivārkaMaDī. ii. 393. 18 (*on* iii. 4. 21); विद्यायां प्रति(? विद्यायामति)शयितस्तथा गुणेषु रूपेषु (च) KandaCū. v. 1. 43; सुषुप्त्यवच्छिन्नसुखं जाग्रदादिसुखापेक्षयातिशयितम् GuruCandr. i. 485. 22; अतिदेवा देवेभ्योऽप्यतिशयिताः VīraMi. (Āhnika.) 442. 23–24; अतिशङ्कम् अतिशयिता शङ्का यस्मिन् तादृशम् VīraMi.(Rājanīti.) 280. 7; यन्माधुर्ये ततोऽतिशयितं करुणे RasGaṅ. 67. 2; फलमतिशयितं तपस्यायाः RasGaṅ. 439. 14; युष्मन्नामैव युष्माकं ब्रूतेऽतिशयितं बलम् Jīvān. 99. 3; साधकतमं करणम्। अतिशयितं साधकं साधकतमम् YatīndraDī. 4. 6; 4. 7; अवध्यादिकमतिशयितमेव JñānBiPra. 6. 14; प्रथमपूर्वपक्षद्वितीयपूर्वपक्षयोर्विद्वद्वाक्यस्य विधायकत्वसिद्धया प्रशस्तयोर्मध्ये द्वितीयपूर्वपक्षोऽतिशयितः MayūMāli. 129. 26 (*on* ii. 2. 3); 846. 2 (*on* xii. 1. 1); वर्णानामतिशयितः संनिधिः संहितासंज्ञः स्यात् SiddhāKau. 8B. 4; अतिशयितः सखा अतिसखा SiddhāKau. 59B. 2; **3** more acquainted with or experienced सर्वे एव निजया जगत्त्रये संविदातिशयिता दृढा अपि। कालतो व्यभिचरन्ति देशतो यत्नतश्च चिरतोऽचिरेण वा YogVā. vi(2). 148. 10 (comm. अतिशयिताश्चिरपरिशीलिताः); *n.* excellence अतिशयितं भवतः JaineVyā. 144. 30 (*on* ii. 4. 57)

अतिशयितकरग्रह (atiśayita-karagraha) *m.* excessive taxation अत्यारमतिशयितकरग्रहेण खादकमिव ManvaVi. 1057. 7 (*on* 8. 308)

अतिशयितकर्मन् (atiśayita-karman) *n.* meritorious act मुक्तिफलस्याप्युपासनस्य स्वसाधनभूतैरतिशयितकर्मभिरुत्पत्तावेवमेव कालानियमः BrahmSūBh.(Rā.) 712. 10 (*on* iii. 4. 51)

अतिशयितकार्यसंपत्ति (atiśayitakāryasampatti) *f.* production of superior result यत्र धर्मसंबन्धिसंबन्धादन्येभ्योऽतिशयं कर्मणि वदति श्रुतिस्तत्र साक्षाद्धर्मिसंबन्धेऽतिशयितकार्यसंपत्तौ कथमसंभावना कर्तुमुचिता AṇuBh. 315. 11 (*on* iv. 1. 18)

अतिशयितगुण (atiśayita-guṇa) *adj.* who possesses excellent qualities or virtues अतिशयितगुणपितृपुत्रादिजीवनज्ञानवत् ... ब्रह्मज्ञानस्य निरतिशयपुरुषार्थत्वात् तस्य शास्त्रप्रमाणकत्वं संभवति VedāntDī. 13. 16 (*on* i. 1. 4); अतिशयितगुणैः प्रियोपभोगात् वसनविभूषणमालिकादिभिस्ताः। मुदमधिकतमां दधुस्तरुण्यः Yādavā. 24. 61.

अतिशयितगुणकत्व (atiśayitaguṇaka-tva) *n.* the state of having superior qualities स्वोपास्यस्य वस्तुतोऽतिशयितगुणकत्वादित्वं ह्यतिवादित्वं भवति S'ivārkaMaDī. i. 411. 30 (*on* i. 3. 7)

अतिशयितगुणवत्ता (atiśayitaguṇavat-tā) *f.* the state of being superior qualities अमुख्यपुत्रोऽप्यतिशयितगुणवत्तायां मुख्यपुत्रवत् भागहरः ManvaVi. 1187. 30 (*on* 9. 141)

अतिशयितचेतनत्व (atiśayitacetana-tva) *n.* the state of being a superior intelligent being तस्य सर्वचेतनसाम्येनातिशयितचेतनत्वमयुक्तं स्यात् TattvPrakā. 109A. 5 (*on* ii. 3. 8)

अतिशयितज्ञान (atiśayita-jñāna) *adj.* possessed of superior knowledge बृहस्पतेः श्रुतिस्मृतिषु सर्वेषामतिशयितज्ञानानां निदर्शनत्वेन संकीर्तनात्...लोकायतेन श्रुत्यर्थव्यवस्थापनप्रसक्तेः BrahmSūBh.(Rā.) 401. 19 (*on* ii. 1. 1); ज्ञानज्ञानइत्यादेरतिशयितज्ञान इत्यादिरित्यर्थः NyāySu.(Ja.) 421A. 3 (*on* ii. 2. 11); *n.* supreme knowledge उत्क्रमणप्रभृति चोत्तरोत्तरमतिशयितज्ञानानन्दशाली जायते NyāySiA. 220. 22.

अतिशयिततपस् (atiśayita-tapas) *n.* austere penance इह हि श्रुतिभ्य एवातिशयिततपःप्रज्ञाध्ययनप्रकर्षवत्परमाखिलपुरुषार्थसाधनसमधिगमः संभवन्नपि ManvaVi. 2. 28 (*on* 1. 1)

अतिशयिततरप्रत्ययता (atiśayitatara-pratyayatā) *f.* the state of knowledge which is still better प्रथमवर्णबुद्धिवेलायामिव व्यक्तं स्फोटतत्त्वमुत्तरोत्तरबुद्धिभिरतिशयिततरप्रत्ययतां नीयते रत्नतत्त्ववदिति NyāyMañ. i. 347. 26.

अतिशयितता (atiśayita-tā) *f.* superlative nature शतगुणितोत्तरक्रमेण ब्रह्मानन्दस्यातिशयिततां वक्तुमुपक्रम्य तस्यैयत्ताया अभावादेव वाङ्मनसयोस्ततो निवृत्तिः BrahmSūBh.(Rā.) 208. 3 (*on* i. 1. 17); अनधीयानोऽपि अतिशयिततया न मज्जतीत्येतदर्थमतपस्वीति ManvaVi. 547. 7 (*on* 4. 190)

अतिशयिततापकृत (atiśayitatāpa-kṛta) *adj.* brought about by intense heat सुरञ्जितत्वम् अतिशयिततापकृतमेव BālamBha. ii. 115. 25 (*on* 2. 104)

अतिशयितत्व (atiśayita-tva) *n.* exceeding nature अत्र जन्मप्रभृतीनां संभवसंभावनस्यातिशयितत्वे ... अतिशयः उपनिबद्धः AlaṅkāRa. 95 (7)

अतिशयितत्ववचन (atiśayitatva-vacana) *n.* statement of superiority उपाध्यायादधिकाचार्यापितुरतिशयितत्ववचनात् स एव मुख्य इति वाच्यम् Mitā. 442. 12 (*on* 3. 259)

अतिशयितदिव्यरूपिन् (atiśayitadivya-rūpin) *adj.* having an extremely divine form किं नामातिशयितदिव्यरूपिणो नकुलस्य दर्शनेनोत्सुका जाता VeṇīSaṁ. 2. 131.

अतिशयितदुःख (atiśayita-duḥkha) *n.* excessive pain or sorrow दण्डपातनम् ... अतिशयितदुःखसाधनं मन्येत (नृपः) ManvaMu. 256. 4 (*on* 7. 51); अहं रोदिम्यतिशयितदुःखाब्धिपतिता ManoDū. 178; अतिशयितदुःखातिरेकां कैकेयीम् ... अभिवादयन् (दाशरथिः) RāmāCam. 6. 106 (7)

अतिशयितदोषता (atiśayitadoṣa-tā) *f.* the state of being excessively faulty मांसविक्रयजीविनस्तदेकवृत्तितया नातिशयितदोषता ManvaVi. 609. 14 (*on* 5. 34)

अतिशयितधर्मवत् (atiśayitadharma-va(n)t) *adj.* possessing superior quality पूर्वोक्तेभ्योऽतिशयितधर्मवान् विभूतिरूप एव AṇuBh. 29. 17 (*on* i. 1. 11)

अतिशयितनन्दनद्रुमवन (atiśayita-nandanadrumavana) *adj.* which has surpassed the celestial garden सुमाली ... सांप्रतमतिशयितनन्दनद्रुमवनेषु विचित्रतरुकाननेषु ... क्रीडासुखमनुभवति TilaMañ. 40. 12.

अतिशयितनलकूबर (atiśayita-nalakūbara) *adj.* which has surpassed Nalakūbara तस्य ... अतिशयितनलकूबरं रूपमासीत् Kād. 144. 9.

अतिशयितनाकपृष्ठ (atiśayita-nākapṛṣṭha) *adj.* which excells the surface of the heaven अतिशयितनाकपृष्ठं पृष्ठं ये नार्बुदस्य पश्यन्ति KuṭṭaMa. 255.

अतिशयितनित्यैश्वर्य (atiśayita-nityaiśvarya) *n.* extreme eternal glory शाश्वतस्य च धर्मस्यातिशयितनित्यैश्वर्यस्य GītāBh.(Rā.) 597. 7 (*on* 14. 27)

अतिशयितपुंस्त्व (atiśayita-puṁstva) *n.* excessive masculinity तत्र

विशेषणं त्वतिशयितपुंस्त्वबोधनाय BālamBha. ii. 233. 3 (*on* 2. 135)

अतिशयितपुरुषार्थ (atiśayita-puruṣārtha) *m.* superior aim of life अतिशयितपुरुषार्थनिष्ठतया योगिनः सर्वस्मादाधिक्यमाह GītāBh.(Rā.) 359. 1 (*on* 6. 46); अतिशयितपुरुषार्थप्रतीतौ स्थितेऽरविन्दे इति S'atDū. 54. 10.

अतिशयितपुरुषार्थत्व (atiśayitapuruṣārtha-tva) *n.* the state of being a superior aim of life अतिशयितपुरुषार्थत्वात् ... मय्येव मन आधत्स्व GītāBh.(Rā.) 563. 16 (*on* 12. 8); जाग्रदादिस्वरूपसुखानुभवापेक्षया अतिशयितपुरुषार्थत्वात् GuruCandr. i. 486. 21.

अतिशयितप्रज्ञ (atiśayita-prajña) *adj.* possessed of superior intellect रत्नतत्त्वपरीक्षकवदहमतिशयितप्रज्ञ इति चेत् S'atDū. 94. 27.

अतिशयितप्रत्यवाय (atiśayita-pratyavāya) *m.* great fault or sin पार्वणादावपि हिंसाया(?अ)तिशयितप्रत्यवायहेतुत्वं दर्शयति ManvaVi. 613. 17 (*on* 5. 41); पतितः उपनयनेऽश्नन्तं गर्हितोऽतिशयितप्रत्यवायजनक इत्यर्थः VīraMi. (Saṁskāra.) 344. 17.

अतिशयितफल (atiśayita-phala) *adj.* having a fruit of higher degree नामाद्युपासनेभ्यो भूमोपासनस्यातिशयितफलत्वम् BrahmSūBh. (Rā.) 673. 3 (*on* iii. 3. 55); अतिशयितफलश्रवणमस्तु S'rutaPra. ii. 528. 16 (*on* iii. 3. 55); उपासना ... अतिशयितफलरूपा S'ivārkaMaDī. ii. 420. 31 (*on* iv. 1. 1)

अतिशयितफलाभाव (atiśayitaphalābhāva) *m.* absence of excellent fruit न हि ... अतिशयितफलाभावः संभवति TattvPrakā. 166B. 2 (*on* iii. 3. 11)

अतिशयितफलार्थम् (atiśayitaphalārtham) *adv.* for a higher fruit or result फलविशेषेऽतिशयितफलार्थम् TattvPrakā. 183A. 1 (*on* iii. 3. 58)

अतिशयितम् (atiśayitam) *adv.* exceedingly अतिशयेन (v. l. अतिशयितं) साधकं साधकतमं प्रकृष्टं कारणमित्यर्थः TarkBhā.(Ke.) 28. 6; 32. 12.

अतिशयितमति (atiśayita-mati) *adj.* having a superior intellect भवति कदाचन कोऽपि तत्र विद्वान् । अतिशयितमतिः PrabhāC. 71. 20.

अतिशयितमहस् (atiśayita-mahas) *n.* supreme glory अतिसहित-[शयित]महोभिः क्षालिताशेषलोकः ... भूधरो रामचन्द्रः VīraBhā. 10. 40.

अतिशयितर (atiśayi-tara) *adj.* more superior स वीक्ष्य । अतिशयितरचित्तरङ्गसङ्गी स्तवनमुवाच PrabhāC. 64. 10.

अतिशयितवज्रकगुण (atiśayita-vajrakaguṇa) *adj.* which has surpassed the qualities of the medicine named Vajraka तैलम् ... महावज्रम् । अतिशयितवज्रकगुणं श्वित्रार्शोग्रंथिमालाघ्नम् AṣṭāSaṁ. ii. 119. 2 (4. 21)

अतिशयितवती (atiśayita-vatī) *adj.* (*f.*) surpassing, superior पुरुषबुद्ध्यातिमात्रे भावे तृप्तिरतिशयितवती भवति JayaMa. 296. 15 (*on* 5. 6)

अतिशयितवस्तुवादित्व (atiśayitavastuvādi-tva) *n.* the state of being the propounder of superior truth अतिशयितवस्तुवादित्वेनातिवादित्वमुक्तम् TattvPrakā. 175A. 5 (*on* iii. 3. 38)

अतिशयितविद्य (atiśayita-vidya) *adj.* having superior knowledge कथं चातिशयितविद्येन भवता ... इत्युक्तीतम् S'atDū. 232. 4.

अतिशयितविश्वकर्मकौशल (atiśayita-viśvakarmakauśala) *adj.* which has surpassed the skilfulness of Viśvakarman दृष्टवान् ... अतिशयितविश्वकर्मकौशलं शिल्पनिर्माणम् (अहम्) TilaMañ. 154. 13.

अतिशयितवीर्यवत् (atiśayitavīrya-va(n)t) *adj.* possessing great strength पुत्रः ... वीरोऽतिशयितवीर्यवान् आ जायताम् VīraMi.(Saṁskāra.) 167. 4.

अतिशयितवेगवश (atiśayitavega-vaśa) *m.* [Abl.] owing to great speed तेजसामतिशयितवेगवशात् पूर्वव्यूहनाशः SiddhāMu. 59. 8 (*on* 105)

अतिशयितशैत्य (atiśayita-śaitya) n. extreme cold आत्मानमतिशयितशैत्यपावनत्वादिद्योतनाय ... परिसराय समर्पयति Ekāva. 2. 6 (7) (64. 7)

अतिशयितश्रद्धा (atiśayita-śraddhā) *f.* extreme devotion or faith पतिरतिशयितश्रद्धया सेवितव्यः SaduktiKa. 76. 22.

अतिशयितश्रमालस (atiśayitaśramālasa) *adj.* languid due to excessive fatigue इहास्यतामतिशयितश्रमालसा वनौकसः क्षणमहमेव केवलः । जयाम्यमुं जलनिधिम् RāmC. 15. 36.

अतिशयितसाधकत्व (atiśayitasādhaka-tva) *n.* the state of being a superior means अतिशयितसाधकत्वरूपस्य साधकतमत्वस्य प्रतिपादनात् S'ivārkaMaDī. i. 117. 25 (*on* i. 1. 2)

अतिशयितसुख (atiśayita-sukha) *n.* superior or excellent happiness अतिशयितसुखमिदमेवेति रमते GītāBh.(Rā.) 338. 4 (*on* 6. 20); 342. 4 (*on* 6. 26); अतिशयितसुखानामपि ब्रह्मसुखैकदेशत्वेन S'rutaPra. ii. 474. 32 (*on* iii. 3. 14)

अतिशयितसुखत्व (atiśayitasukha-tva) *n.* the state of being superior happiness (स्वर्गपदस्य) सुखमात्रे चाप्रयोगात् अतिशयितसुखत्वं वाच्यम् TattvCin. iv(2). 505. 2.

अतिशयितसुरत (atiśayita-surata) *n.* extremely (pleasant) sexual intercourse उच्चचार च ... अतिशयितसुरतप्रगल्भकेरलीकण्ठमणितं रणितम् TilaMañ. 186. 9.

अतिशयितसौगम्य (atiśayita-saugamya) *n.* the state of being very easy to grasp कस्मात् पूर्वोत्तरादिसंगत्या[:] पूर्वस्य पूर्वस्य उत्तरेणोत्तरेण यत्सांगत्यमतिशयितसौगम्यम् उपजीव्योपजीवकभावलक्षणं तस्मात् VakroJī. 236. 14.

अतिशयितसौन्दर्य (atiśayita-saundarya) *n.* extreme or all-surpassing beauty न हि तत्र 'किं लक्ष्मीरूर्वशी वेयं रम्भा वा मेनकाथवा' इत्यत्र लक्ष्मीत्यादिविकल्पेष्वतिशयितसौन्दर्यसाम्यवदेकमेव साम्यमिह मार्तण्डत्वादिविकल्पेषु हेतुः CitraMī. 61. 5; महतो लावण्यस्यातिशयितसौन्दर्यस्य शेवधिर्निधिः LalitāSaBh. 37. 20 (*on* 71)

अतिशयितस्नेह (atiśayita-sneha) *adj.* having excessive viscidity उपष्टम्भकं चातिशयितस्नेहमेव जलम् Upask. 73. 3 (*on* ii. 1. 2); *n.* excessive affection or attachment तथा च दर्शनमात्रेणान्यधर्मानिवृत्तिस्तस्यैव स्वतन्त्रपुरुषार्थत्वेन ज्ञानमतिशयितस्नेहजविगाढभावेन तत्रैव लयः AṇuBh. 308. 13 (*on* iv. 1. 6); तस्यातिशयितस्नेहासङ्गानुषङ्गासंसक्तचेतसः ... कर्मवंशसंभवनिमित्तविधिनिर्मितैकविधिपात्री ... प्रचचार ParamāKā. 154. 49.

अतिशयितस्वर्ग (atiśayita-svarga) *adj.* surpassing heaven, superior to divine path अनन्तरमतिशयितस्वर्गान् मार्गान् ... विलङ्घ्य ... राजभवनमविशम् NalaCam. 7. 18 (8)

अतिशयिताधिग्रस्त (atiśayitādhi-grasta) *adj.* afflicted with excessive mental worry भृशेति । अतिशयिताधिग्रस्तानामित्यर्थः BālamBha. ii. 108. 19 (*on* 2. 98)

अतिशयितानन्द (atiśayitānanda) *m.* excessive joy ऐश्वर्यादभिमानितातिशयितानन्दोऽधिकः(?कं) चाटनं प्रख्याता हि रजोगुणेन सहितस्यैते गुणाश्चेतसः BhāvPra.(Bhā.) 2. 8.

अतिशयितानुग्रह (atiśayitānugraha) *m.* excessive grace or favour तत्र प्रवेशस्त्वतिदुरापोऽतिशयितानुग्रहैतरासाध्यत्वात् AṇuBh. 323. 9 (*on* iv. 2. 9)

अतिशयितापराङ्गना (atiśayitāparāṅganā) *adj.* (*f.*) surpassing (in beauty) all other women तरुरतिशयितापराङ्गनायाः शिरसि मुदेव मुमोच पुष्पवर्षम् S'iśuVa. 7. 30.

अतिशयितापराध (atiśayitāparādha) *m.* severe or great crime (अङ्कम्) हरेदपनयेदतिशयितापराधे प्रत्यादेशाय अन्यस्यापि निषेधाय ManvaVi. 1071. 2 (*on* 8. 334)

अतिशयिताभिव्यक्ति (atiśayitābhivyakti) *adj.* with very much manifestation स्फोटोऽपि प्रथमवर्णव्यक्तौ वर्णान्तरैरतिशयिताभिव्यक्तिर्भविष्यतीति NyāyMañ. i. 348. 7.

अतिशयिताभ्युदय (atiśayitābhyudaya) *m.* highest prosperity, prosperity superior to all अतिशयिताभ्युदयसाधनभूतो व्यापारोऽल्पदुःखोऽपि न हिंसा BrahmSūBh.(Rā.) 581. 8 (*on* iii. 1. 25); अल्पदुःखदोऽपि अतिशयिताभ्युदयसाधको व्यापारो रक्षणम् S'rutaPra. ii. 424. 23 (*on* iii. 1. 25)

अतिशयितालस्य (atiśayitālasya) *n.* excessive laziness नास्तिक्यं सुविषण्णतातिशयितालस्यं च दुष्टा मतिः...प्रख्याता हि तमोगुणेन सहितस्यैते गुणाश्चेतसः BhāvPra.(Bhā.) 2. 9.

अतिशयिताश्रमविशेष (atiśayitāśramaviśeṣa) *m.* a particular religious order of life which is superior to all (other orders) अतिशयिताश्रमविशेषनिष्ठ इति वा S'atDū. 239. 21.

अतिशयितुम् (ati-śayitum) *inf.* to excel, to surpass (राक्षसः) प्रकर्षे मद्बुद्धेरतिशयितुमेष व्यवसितः MudrāRā. 3. 11; न शक्नुमो वयमार्यस्य मतिमतिशयितुम् MudrāRā. 3. 25 (1)

अतिशयितृ (ati-śayitṛ) *adj.* one who supercedes or surpasses (others) पुरुषास्त्वयी प्रायेण सिद्धाः-पत्युरतिशयिता KāmSū. 5. 1 (261. 23); पत्युरतिशयितेति यस्याः भर्तारं विद्यादिभिरतिशेते सः JayaMa. 261. 23 (*on* 5. 1); प्राच्या हि उदीच्येभ्योऽतिशय्यमाना विभजन्ते उदीच्यास्त्वतिशयितारः Prasā. i. 918. 19.

अतिशयितैश्वर्य (atiśayitaiśvarya) *n.* highest or superior power अतिशयितैश्वर्यापेक्षाणाम् ... तत्तदपेक्षितसाधनमिति चोक्तम् GītāBh.(Rā.) 567. 22 (*on* 13. 1)

अतिशयितोपकारित्व (atiśayitopakāri-tva) *n.* the state of being extremely useful, great helpfullness नाम्नि वापीति पुत्रविषयम् । तस्य जन्ममात्रेणातिशयितोपकारित्वात् ManvaVi. 634. 13 (*on* 5. 70)

अतिशयित्व (atiśayi-tva) *n.* the state of having excellence इतरकारकापेक्षया तु धारावाहिकबुद्धिष्वपि प्रमाणस्यातिशयित्वमस्त्येव NyāyVāraPari. 175. 9.

अतिशयिन् (atiśay-in) [*f.* -ī] **1** surpassing, excellent भव पितुरनु-

रूपस्त्वं गुणैर्लोककान्तैरतिशयिनि समाप्ता वंश एवाशिषस्ते Vikramo. 5.21; आद-ध्यादन्धकारे रतिमतिशयिनीमावहन् वीक्षणानां बाल: … अहर्पतेरातपो व: SūryaS'. 25; तच्च तस्यैश्वर्यं साम्यातिशयविनिर्मुक्तम्। न तावदैश्वर्यान्तरेण तदतिशय्यते। यदेवातिशयि तदेव तत्स्यात् YogBh. 30.1 (*on* 1.24); अन्यां धत्ते तथापि श्रियमतिशयिनीमेष शैलोऽद्वितीयाम् EI. ii. 120.10; क्व चन्द्रे सौन्दर्यं तदधररुचि: सातिशयिनी … बालाया: SubhāRaK. 16.6; इदमुत्तममतिशयिनि व्यङ्ग्ये वाच्याद्ध्वनिर्बुधै: कथित: KāvyPra. 19.1; **ii** excessive, abundant एतेषामहमपि काननद्रुमाणां छायां तामतिशयिनीं सुखं श्रयिष्ये Rāmā. ii. 99.18; समदशिखिरुतानि हंसनादै: …। श्रियमतिशयिनीं समेत्य जग्मु: Kirātā. 10.25; आर्द्रत्वादतिशयिनीमुपेयिवद्भि: संसक्तिम् …। अङ्गेभ्य: कथमपि वामलोचनानां विश्लेषो बत नवरक्तकै: प्रपेदे S'iśuVa. 8.67; गुर्वीमीशानभक्तिं श्रियमतिशयिनीं दुर्वहं भारमुर्व्या:…यो बिभर्ति EI. x. 12.12 = x. 14.13; समृद्धिरतिशयिनी संपत्ति: ManuBh. i. 249.6 (*on* 3.88); ऊरू चारू हरेस्तौ मुदमतिशयिनीं मानसे नो विधत्ताम् VisnuPādāSt. 20; दुर्वारे द्वन्द्वयुद्धे भियमतिशयिनीमादधाना परेषामग्रारभ्य प्रवीरा: समरभुवि कुत: कौरवा: संचरन्ति SubhaDha. 4.11; अतिशयातिशयिनोरभेदविवक्षया अतिशयशब्दवाच्यमित्युक्तम् TātpaT.(Vā.) 26.11 (*on* i. 1.1); शङ्के पङ्केरुहाणि श्रियमतिशयिनीं न श्रयन्ति HammīMaMa. 5.6.

अतिशयेक्षण (atiśayekṣaṇa) *n.* observing the excess or superiority कुतश्चिदित्तनाशेऽपि बुद्धेरतिशये क्षणात् (? अतिशयेक्षणात्) YaśasCam. ii. 258.7.

अतिशयेन्द्रियोत्सव (atiśayendriyotsava) *m.* great sensual merriment or pleasure किं दुष्करैर्न: क्रतुभि: …। न यत्र नारायणपादपङ्कजस्मृति: प्रमुष्टातिशयेन्द्रियोत्सवात् BhāgP. v. 19.22 = DevīBhāP. viii. 11.23.

अतिशयेयत्ता (atiśayeyattā) *f.* limit of superiority अस्ति चातिशयेयत्ता परिमाणेष्विव स्फुटम् PrabhāC. 55.30.

अतिशयैकत्व (atiśayaika-tva) *n.* identity of (the relations called) *atiśaya* वस्तु वस्त्वन्तरं भिन्द्याद् योगाद्वा विमागत:। योगे नातिशयैकत्वात्तयोश्चाप्येकरूपत: BrĀraUBhVā. v. 1.86 (cf. comm. अतिशयशब्दितसंबन्धस्य)

अतिशयैश्वर्य (atiśayaiśvarya) *n.* excessive wealth न ह्यतिशयैश्वर्यो-(? र्यं)ऽपि मुक्तारत्नानामवकरप्रायत्वेन पुञ्जीकरणं संभवति Kāvyānu. (He.) 352.23.

अतिशयोक्त (atiśayokta) *n.* **i** exaggerated statement अङ्गत्वनिराकरणं तु भाष्येऽतिशयोक्तमिति नातीवादर्तव्यम् S'āstrDī. 747.20 (*on* x. 6.10); **ii** the figure of speech called Atiśayokti अप्रस्तुतात् प्रस्तुतस्य गतिर्यातिशयं विना। साप्रस्तुतप्रशंसान्या विज्ञेयातिशयोक्तधी: AlaṅkāRa. 37 (37)

अतिशयोक्ति (atiśayokti) *f.* **1A** extreme assertion, exaggeration, hyperbolical statement तत्रातिशयोक्तिमसहमानो भाष्यकार: … निराकरोति TantraVā. 1120.5 (*on* iii. 6.43); यदि पुनर्ध्वनेरतिशयोक्त्यानया काव्यान्तरातिशायि तै: स्वरूपमाख्यायते Dhvanyā. 163.3 (*on* 1.19); 465.1 (*on* 3.36); न तस्माद्धर्मज्ञानाय शास्त्रान्तरापेक्षा कर्तव्येत्यतिशयोक्ति: स्तुति: ManuBh. i. 47.14 (*on* 1.107); पुत्रिकापुत्रविषय एवायमतिशयोक्त्या प्रतीयते ManuBh. ii. 283.15 (*on* 9.136); i. 393.8 (*on* 4.192); ManvaMu. 179.28 (*on* 4.192); अतिशयोक्तिमात्रमिदं न परमार्थ: NyāyRa. 339.20 (*on* 5(3). 245); 945.9 (*on* 7.351); श्रवणसमकालमेव प्रियाया देहत्यागमनमित्यर्थेनातिशयोक्त्यात्मना गमितस्त्वरातिशय: RasGaṅ. 257.15; यदार्यो वदति तत्तथैव। न त्वतिशयोक्तिरिति मन्तव्यम् RasSa. 124 (2); **1B** verbosity [MW, APTE]; **2** name of a figure of speech, hyperbole निमित्ततो वचो यत्तु लोकातिक्रान्तगोचरम्। मन्यन्तेऽतिशयोक्तिं ताम् Kāvyālaṅ.(Bh.) 2.81 = KāvyālaṅSāSaṁ. 2.11; विवक्षा या विशेषस्य लोकसीमातिवर्तिनी। असावतिशयोक्ति: Kāvyāda. 2.214; SaraKaṇṭhā. 539.22; CamatCan. viii. 10.6; संभाव्यधर्मतदुत्कर्षकल्पनातिशयोक्ति: KāvyālaṅSū. iv. 3.10; ससंदेहादिषूपमारूपकातिशयोक्तीनां प्रकाशमानत्वं प्रदर्शितम् Dhvanyā. 258.5 (*on* 2.26) (comm. अतिशयोक्तेश्च प्रायश: सर्वालंकारेषु ध्वन्यमानत्वम्); कार्यकारणयोर्विपरीतरूपाध्यवसायरूपत्वाभावेन भिन्नापि प्रौढोक्त्यातिशयोक्तिरिष्यते AlaṅkāCin. 73.5; सातिशयत्वसाहृदयसमुल्लसितावसरामतिशयोक्तिं प्रस्तौति VakroJī. 195.17; विज्ञेयातिशयोक्ति: सा। निगीर्याध्यवसानं तु प्रकृतस्य परेण यत्। प्रस्तुतस्य यदन्यत्वं यद्यर्थोक्तौ च कल्पनम्। कार्यकारणयोर्यश्च पौर्वापर्यविपर्यय: KāvyPra. 628.4; वदनस्येन्दुबिम्बतया अध्यवसानात् अतिशयोक्ति: KāvyPra. 761.1; प्रोक्ता चातिशयोक्तिस्तु ह्यतुलैरुपमागुणै: VisnuDhaP. iii. 14.10; सहकारमदनयो: … अतिशयोक्तिच्छायया यत्तुल्यकालतोपनिबन्ध: VyaktiVi. 130.18; अर्थस्य प्रतिपाद्यस्य य: संभाव्य: प्रदर्श्यते। उत्कर्षोऽतिशयोक्ति: स्यात् Mānaso. iv. 2.264; अध्यवसितप्राधान्ये त्वतिशयोक्ति:। भेदेऽभेद:। अभेदे भेद:। संबन्धेऽसंबन्ध:। असंबन्धे संबन्ध: AlaṅkāSa. 65.3; कार्यकारणयो: समकालत्वे पौर्वापर्यविपर्यये चातिशयोक्ति: AlaṅkāSa. 128.12; विशेषविवक्षया भेदाभेदयोगायोगव्यत्ययोऽतिशयोक्ति: Kāvyānu. (He.) 317.3; 23.10; अत्यन्तातिशयोक्तिस्तु पौर्वापर्यव्यतिक्रमे Candrā. 5.42 = Kuval. 43; चपलातिशयोक्तिस्तु कार्ये हेतुप्रसक्तिजे Candrā. 5.43 = Kuval. 42; अध्यवसानमतिशयोक्ति: AlaṅkāRa. 37; Kāvyānu.(Vā.) 37.27; अध्यवसितिसिद्धत्वं प्रकृतस्यान्यत्वकल्पनं यद्वा। संबन्धासंबन्धौ तद्व्यत्यासे भवेदतिशयोक्ति: … अतिशयस्योक्तिरिति यौगिकत्वमस्या: Ekāva. 8.13 (236.12); कार्याशुभावगमिका द्विविधातिशयोक्ति: Ekāva. 8.37 (285.2); विषयस्यानुपादानाद्विषय्युपनिबध्यते। यत्र सातिशयोक्ति: स्यात् PratāYaBhū. 396.8 = CitraMī. 102.17; सिद्धत्वेऽध्यवसायस्यातिशयोक्तिर्निगद्यते SāhiDa. 547.12; निगीर्णस्योपमानोपमेयस्य निरूपणम्। यत् स्यादतिशयोक्ति: AlaṅkāKau.(Ka.) 304.11; रूपकातिशयोक्ति:। स्यान्निगीर्याध्यवसानत: Kuval. 36; भेदकातिशयोक्तिस्तु तस्यैवान्यत्ववर्णनम् Kuval. 38; योगेऽप्ययोगोऽसंबन्धातिशयोक्ति: Kuval. 40; 41; अथातिशयोक्ति: विषयिणा विषयस्य निगरणमतिशय:। तस्योक्ति: RasGaṅ. 410.1; 456.8; (स्तनभारदलन्मध्यपट्टबन्धवलित्रया) स्तनयोर्भरेण…दलत इव मध्यस्य दाढर्यार्थं कृत: पट्टबन्ध:…एव वलित्रयं यस्या: सेत्युत्प्रेक्षातिशयोक्ती LalitāSaBh. 36.14 (*on* 66); AlaṅkāMañ. 48.6; 51.7; 52.10; 55.15; 56.8; 56.15; 58.10; अप्रकृतेन निगीर्णे साध्यवसानाश्रयात् प्रकृते। प्रकृतस्यान्यत्वोक्तौ यद्येवं स्यात्तथापत्तौ। स्याज्जन्यजनकपौर्वापर्यत्यागश्च सा त्वतिशयोक्ति: AlaṅkāKau.(Vi.) 277.8; SāhiSā. 2.95; Cf. **अक्रमातिशयोक्ति, अत्यन्तातिशयोक्ति, असंबन्धातिशयोक्ति, चपलातिशयोक्ति, भेदकातिशयोक्ति, रूपकातिशयोक्ति, संबन्धातिशयोक्ति, अतिशय.**

अतिशयोक्तिगर्भ (atiśayokti-garbha) *adj.* containing a hyperbole अतिशयोक्तिगर्भश्चायमुपमानोपमेयभावावसाय: VyaktiVi. 128.15.

अतिशयोक्तिगर्भता (atiśayoktigarbha-tā) *f.* the state of containing a hyperbole यत: प्रथमं तावदतिशयोक्तिगर्भता सर्वालङ्कारेषु शक्यक्रिया Dhvanyā. 465.1 (*on* 3.36)

अतिशयोक्तिगर्भत्व (atiśayoktigarbha-tva) *n.* the state of containing a hyperbole अभेदाध्यवसायादतिशयोक्तिगर्भत्वम् AlaṅkāRa. 53 (26)

अतिशयोक्तिगर्भीकार (atiśayokti-garbhīkāra) *m.* inclusion of hyperbole अत्रातिशयोक्तिगर्भीकारेणानिर्णयान्त: (संशय:) Kāvyānu.(He.) 336.10.

अतिशयोक्तितस् (atiśayokti-tas) *adv.* **1** through hyperbole यत्रान्वय: सहार्थेन प्रोच्यतेऽतिशयोक्तित:। औपम्यकल्पनायोग्या सहोक्ति: AlaṅkāCin. 73.11; PratāYaBhū. 400.3; **2** from the hyperbole प्रायेणामी अलंकारा भिन्ना नातिशयोक्तित: Candrā. 5.123.

अतिशयोक्तित्व (atiśayokti-tva) *n.* the state of being a hyperbole अध्यवसितप्राधान्येनातिशयोक्तित्वापत्तौ निर्विषयत्वप्रसङ्गात् AlaṅkāRa. 37 (23); 32 (125); कार्यकारणपौर्वापर्यविपर्ययश्चेत्येतदन्यतमत्वमतिशयोक्तित्वम् RasGaṅ. 418.5.

अतिशयोक्तिमूल (atiśayokti-mūla) *adj.* [*f.* -ā] (figure of speech) having hyperbole as the basis सहोक्ति:। कार्यकारणपौर्वापर्यविपर्ययरूपातिशयोक्तिमूला AlaṅkāCin. 73.14; PratāYaBhū. 400.9; (अलंकारा:) एते हि … कार्यकारणकालनियमविपर्ययरूपातिशयोक्तिमूला: SāhiDa. 609.3.

अतिशयोक्तिमूलत्व (atiśayoktimūla-tva) *n.* the state of having (the figure of speech) hyperbole as the basis तत्र नियमेनातिशयोक्तिमूलत्वमस्या: (सहोक्त्या:) AlaṅkāSa. 81.8; AlaṅkāRa. 35 (35); दीपकस्य चातिशयोक्तिमूलत्वाभाव: SāhiDa. 609.4.

अतिशयोक्त्यनुप्राणितत्व (atiśayoktyanuprāṇita-tva) *n.* the state of being enlivened by hyperbole क्वचित् शुद्धत्वस्यापि संभवात् सर्वत्रास्या (विभावनाया:) अतिशयोक्त्यनुप्राणितत्वमिति न वाच्यम् AlaṅkāRa. 53 (27); अत्र विभावनाया एव संभावना नास्ति क्व पुनरतिशयोक्त्यनुप्राणितत्वव्यभिचार: RasGaṅ. 580.13.

अतिशयोक्त्यभ्युपगम (atiśayokty-abhyupagama) *m.* acceptance of hyperbole न त्वेवमादावतिशयोक्त्यभ्युपगमेऽप्रस्तुतप्रशंसाया अप्रस्ताव एव स्यात् AlaṅkāRa. 37 (30)

अतिशयोक्त्यालीढ (atiśayokty-ālīḍha) *adj.* covered with (the figure of speech) hyperbole तत्र महेन्द्रनीलमणिरित्यतिशयोक्त्यालीढयोर्विषयविषयिणोरुभयोरपि प्रहर्षणेऽनुगुणत्वम् RasGaṅ. 681.1.

अतिशयोक्त्यालीढत्व (atiśayoktyālīḍha-tva) *n.* the state of being covered with (the figure of speech) hyperbole न च कार्यांशोऽतिशयोक्त्यालीढत्वेन … विशेषणीय इति वाच्यम् RasGaṅ. 585.7.

अतिशयोक्त्युदाहरण (atiśayokty-udāharaṇa) *n.* illustration or example of (the figure of speech) hyperbole कमलमनम्भसि … इति परकीयपद्येऽतिशयोक्त्युदाहरणेऽप्यस्येव विभावना RasGaṅ. 586.11.

अतिशयोज्ज्वल (atiśayojjvala) *adj.* endowed with great splendour अतिशयोज्ज्व(? ज्ज्व)ले … प्रतापिनि प्रतापाद्रौ … स्थिताम् … तुलजाम् …स्वदृशोर्गोचरीकुरु ParamāKā. 41.20.

अतिशयोज्ज्वलगुण (atiśayojjvala-guṇa) *adj.* with an excessively splendid string तदेष: (हार:)… अतिशयोज्ज्वलगुण: प्राप्नोतु सदृशवस्तुसंयोगजां

प्रीतिम् TilaMañ. 43. 21.

अतिशयोत्कण्ठ (atiśayotkaṇṭha) *adj.* with the neck very much lifted or raised विद्युद्दामद्युतिरतिशयोत्कण्ठकण्ठीरवेन्द्रक्रीडागामी ··· श्रीगौराङ्गः स्फुरति CaitaCa. 241. 1 (10)

अतिशयोत्कर्ष (atiśayotkarṣa) *m.* enhancement of excellence गर्भधारणपोषणादिभिरत्यावश्यकत्वेन जन्येऽतिशयोत्कर्षमुत्पादयति माता, पिता तु निषेककृदेव BālamBha. ii. 212. 30 (*on* 2. 135–136)

अतिशयोत्क्षिप्तजघन (atiśayotkṣipta-jaghana) *adj.* with the buttocks very much raised नितम्बिन्या: पृष्ठं नतमतिशयोत्क्षिप्तजघनम् NāgaSa. 31. 2.

अतिशयोत्तुङ्ग (atiśayottuṅga) *adj.* very lofty प्रतापाग्निधूष्टं मुहुररिमहीवल्लभमहीरुहां वृन्दं प्रादुर्भवति शतशाखं समयतः । इदं मूलादुन्मूलितमतिशयोत्तुङ्गमपुनःप्ररोहाविर्भावं विदधति पुनर्दुद्विसरिता HammīMaMa. 1. 29.

अतिशयोत्पत्ति (atiśayotpatti) *f.* production of a potency तत्र नातिशयोत्पत्तिः अनित्यताप्रसङ्गात् PramāVāSvopVṛ. 93. 2; 99. 24.

अतिशयोत्पाद (atiśayotpāda) *m.* production of potency क्षित्यादिसहमुत एव बीजक्षणस्यातिशयोत्पादपरम्पराया अङ्कुरप्रसवसामर्थ्यात् TātpaṬ.(Vā.) 556. 23 (*on* iii. 2. 14)

अतिशयोत्पादकत्व (atiśayotpādaka-tva) *n.* the state of being the producer of excellence अन्यस्यातिशयोत्पादकत्वेन दीपकम् VakroJī. 182. 4.

अतिशयोत्पादन (atiśayotpādana) *n.* production of potency न वै सर्वत्रातिशयोत्पादनं सहक्रिया HetuBi. 58. 22; HetuBiṬ. 113. 25.

अतिशयोत्सव (atiśayotsava) *m.* great ceremony बिम्बं तथार्हतः । आनीतं च विभो राजधानीमतिशयोत्सवैः PrabhāC. 210. 23.

अतिशयोदग्र (atiśayodagra) *adj.* very much pointed स्थाने स्थाने शिथिलयन्ति यात्रोत्साहमतिशयोदग्रास्तटग्रावाणः TilaMañ. 143. 3.

अतिशयोद्योग (atiśayodyoga) *m.* too much exertion अतिशयोद्योगाद्वियोगात्तथा ··· व्रजन्ति नियतं वैराग्यमुच्चैः स्त्रियः RatiRaha. 4. 23.

अतिशयोपपत्ति (atiśayopapatti) *f.* **A** justification of (something) additional जिज्ञासाशब्देन प्रकृत्या ज्ञानं प्रत्ययेन चेच्छोच्यते । तत्र प्रसिद्धे ज्ञानमस्ति इच्छामात्रं तु तत्र नास्ति, अप्रसिद्धे तु ज्ञानमिच्छा चोभयमपि नास्तीति अतिशयोपपत्तिः NyāyRa. 42. 19 (*on* i. 124); **B** justification of excellence or superiority प्राणस्य चक्षुरादीनां चेश्वरवशत्वसाम्येऽपि कर्तृप्रयोज्यत्वाप्रयोज्यत्ववैलक्षण्येनातिशयोपपत्तेर्नोक्तदोषः TattvPrakā. 130B. 11 (*on* ii. 4. 12)

अतिशयोपमा (atiśayopamā) *f.* **i** name of a type of simile (based on exaggeration) त्वय्येव त्वन्मुखं दृष्टं दृश्यते दिवि चन्द्रमाः । इयत्येव भिदा नान्येत्यसावतिशयोपमा Kāvyāda. 2. 22; **ii** name of a type of simile in which the object compared has some additional quality than the standard of comparison यत्रातिशयधर्मोपन्यासः सातिशयोपमा । यथा कल्पद्रुमो न जानाति न ददाति बृहस्पतिः । अयं च जगतीजानिर्जानाति च ददाति च AlaṅkāS'e. 1. 13 (8)

अतिशयोपलब्धि (atiśayopalabdhi) *f.* obtainment of an additional power नैवम्, इन्द्रियस्य स्वविषयानतिलङ्घनेनैवातिशयोपलब्धेः, न विषयान्तरग्रहणरूपेण PramāMi. 36. 8 (*on* i. 2. 4)

अतिशयोपवर्णन (atiśayopavarṇana) *n.* description of additional matter तन्त्रेऽतिशयोपवर्णनं व्याख्यानम् SuśruS. vi. 65. 33.

अतिशयोपेत (atiśayopeta) *adj.* endowed with special power स दृष्ट्वातिशयोपेतौ मुनी कर्मानुभावतः । बहूनात्मभवान् स्मृत्वा तत्तदैवमचिन्तयत् PadmP.(Ra.) 41. 33.

अतिशय्य (ati-śayya) *ger.* **1A** having surpassed or excelled मुकुलितमतिशय्य बन्धुजीवम् ··· सुरेन्द्रगोपा विकचपलाशचयश्रियं समीयुः Kirātā. 10. 27; अयम् ··· त्वरतेऽतिशय्य भवतोऽप्यधुना निधनाय तस्य जगदेकरिपोः RāmC. 26. 30; स्वप्नसुन्दरीसौन्दर्यमुद्रां निद्राप्यतिशय्य शय्यागृहे कृतसंवेशम् ··· अवरोधवधूजनम् ··· निरीक्ष्य RāmāCam. 5. 14 (1); BṛKathāK. 58. 26; साधु वत्स साधु सर्वानपि निर्वाणशालिनः जीवानतिशय्य वर्तसे BhartṛNi. 5. 29 (1); प्राचोऽवतारानतिशय्य भूम्ना सा रुक्मिणी तेन वृता चकासे Yādavā. 13. 22; EI. ii. 412. 9; **1B** having crossed or gone beyond अभ्रान्तमतिशय्येह विराजिततमागमे Yādavā. 6. 77; **2** having recourse to यजूंषि सोद्रेकवलद्वपूंषि । पृष्ठे प्रतिष्ठामतिशय्य तस्य रक्षाभरक्षान्तिसखत्वमूहुः S'rīKaC. 20. 36.

अतिशय्यमान (atiśayya-māna) *adj.* which is being excelled (by something else) किमन्तात्पुनरुत्पत्त्या भवितव्यम् । द्वितीयान्तादतिशय्यमानात् । शुक्लमतिशेते शुक्लतरः MahāBh. ii. 414. 15 (*on* P. v. 3. 55); वस्त्राणीति । अतिशयानानि वस्त्राण्यतिशय्यमानानि वस्त्राण्यपेक्ष्यन्त इत्यर्थः Pradī. ii. 412A. 32 (*on* P. ii. 1. 68); प्राच्या हि उदीच्येभ्योऽतिशय्यमाना विभज्यन्ते, उदीच्यास्त्वतिशयितारः Prasā. i. 918. 17.

अतिशरण्य (ati-śaraṇya) *adj.* greatly worthy of being a resort or shelter (ऋषयः) अतिशरण्यं हिमवन्तममराधिपतिगुप्तं जग्मुः CaraS. vi. 1 (4). 3.

अतिशरव्ययत् (ati-śaravyayat) *adj.* making (someone) very much the target of arrows अतिशरव्ययता मदनेन तां निखिलपुष्पमयस्वशरव्ययात् । स्फुटमकारि फलान्यपि मुञ्चता तदुरसि स्तनतालयुगार्पणम् NaiṣC. 4. 42 (comm. तां भैमीमतिशरव्यता अतिवेध्यं कुर्वता)

अतिशरीरवत् (atiśarīra-va(n)t) *adj.* having a gigantic form or body समुत्पन्नस्तदारुहः ··· प्रचण्डोऽतिशरीरवान् ViṣṇuP. i. 7. 13 = PadmP. v. 3. 165; ब्रह्मणोऽभून्महाक्रोधस्तत्रोत्पन्नः ··· पुरुषोऽतिशरीरवान् MārkP. 50. 10; प्रादुरासीत् प्रभोरङ्के कुमारो नीललोहितः ··· प्रचण्डोऽतिशरीरवान् NaraP. 5. 5.

अतिशरीरिन् (ati-śarīrin) *adj.* having a huge body तत्रापि भक्षिताः सर्वे सर्पेणातिशरीरिणा PadmP. iv. 103. 27.

अतिशर्करिका (ati-śarkkarikā) *f.* name of a metre containing sixty syllables (fifteen per foot) अतिशर्करिकाष्टिभ्यामेकसंकीर्णकैः परः AgniP. 337. 28; cf. अतिशक्करिका and अतिशक्करी.

अतिशर्करी (ati-śarkkarī) *f.* name of a metre containing sixty syllables (fifteen per foot) *w. r.* for अतिशक्करी MṛtaSaṁ. 41. 6 (*on* 4. 7); ChāndoMañ. 2. 213 (1)

अतिशर्मवत् (atiśarma-va(n)t) *adj.* very much full of bliss शिवशर्मातिशर्मवान् । प्रोवाच SkandP. iv. 9. 34.

अतिशर्वर (ati-śarvara) *n.* [Loc.] at the dead of night अङ्गान्यज्ग्रभं सर्वा रात्रीणामतिशर्वरे AV. iv. 5. 4; पौर्णमासी प्रथमा यज्ञियासीदह्नां रात्रीणामतिशर्वरेषु AV. vii. 80. 85.

अतिशर्वरी (ati-śarvarī) *adj.* which has crossed the night प्राची तमसामवावरी भास्करश्रीवर्यतिशर्वरी DvyāśraKā. 4. 37 (comm. अतिशर्वरी रात्रिमतिक्रान्ता)

अतिशशियशस् (ati-śaśiyaśas) *adj.* which has surpassed the glory of the moon अतिशशियशाः कोऽपि जलदः VakroJī. 114. 11.

अतिशस् (ati-śas) *f.* excessive praise मा वो देवा अतिशसा मा परिशसा विक्षि ṚV.(Khila.) v. 5. 7.

अतिशस्त (ati-śasta) *adj.* **i** exceeding in recitation निविदा ह्येव स्तोत्रमतिशस्तं भवति AitBr. 11. 11 (314); **ii** very auspicious पश्चात्कुमारी दधि चातिशस्तम् YogYā. 14. 23; **iii** exceedingly praiseworthy, most excellent तदा ज्ञानवाप्यां श्राद्धमतिशस्तम् TristhaSe. 235. 17–18; AmaK. 2417; Vaij. 228. 7; ViśvaLoK. 388. 22.

अतिशस्तत्व (atiśasta-tva) *n.* the state of being extremely praiseworthy कानिचिन्मरणान्यतिनिन्दितत्वेनाशौचाभावकारणानि कानिचिदतिशस्तत्वेनेति विवेचनीयम् ManvaVi. 653. 10 (5. 95)

अतिशस्त्र (ati-śastra) *n.* sharp weapon (तन्तुकः) छिद्यते नातिशस्त्रेण दह्यते दहनेन च Hastyāyur. 697. 25 (4. 32); *adj.* surpassing weapons रणः प्रववृते तत्र भीमः प्लवगरक्षसाम् ··· अतिशस्त्रनखन्यासः RaghuVa. 12. 73.

अतिशस्त्रकोप (ati-śastrakopa) *m.* excessive clash of arms (i. e. war) क्षितिपाः । स्वबलक्षोभैः संक्षयमायान्त्यतिशस्त्रकोपश्च BṛSaṁ. 5. 26.

अतिशस्त्रकोपकर (atiśastrakopa-kara) *adj.* causing excessive clash of arms सेनापतेर्भयकरो द्विमण्डलो नातिशस्त्रकोपकरः (परिवेषः) BṛSaṁ. 34. 10.

अतिशस्य (ati-śasya) *adj.* [*f.* -ā] to be passed over or neglected in recitation तदाहुः सूर्यो नातिशस्यो बृहती नातिशस्या AitBr. 17. 4 (460)

अतिशस्य (ati-śasya) *ger.* having recited beyond measure स्तोममतिशस्यैन्द्र्या यजेत् ĀśvaS'S. I. vi. 7. 2.

अतिशाक्वर (atiśākvara) *adj.* [Debru. p. 113] composed in the metre *atiśakvarī* सुयुम तृचमतिशाक्वरम् SarvaAnu. 1. 137 (comm. तस्येदमण्युत्तरपदवृद्धिश्छान्दसी); 2. 22; BṛSarvaAnu. 6. 68; 7. 20.

अतिशाख (ati-śākha) *adj.* having excessive branches न ग्राह्याः ··· ये तरवः ··· एकशाखातिशाखाश्च BhaviP. 194A. 27 (i. 131. 9)

अतिशाङ्करी (ati-śāṅkarī) *f.* name of a form of Satī (daughter of Dakṣa) सिंहिका कृतशौचे तु कार्तिके त्वतिशाङ्करी DevīBhāP. vii. 30. 75.

अतिशाठ्य (ati-śāṭhya) *n.* excessive deceitfulness नातिक्रौर्यं नातिशाठ्यं धारयेन्नातिमार्दवम् S'ukraNī. 3. 218.

[1]**अतिशात** (ati-śāta) *adj.* [for सात] extremely pleasant, giving excessive happiness जयति जयदेवकविभारतीभूषितं मानिनीजनजनितशातम् (v. l. पद्मावतीरमणजयदेवकविभारतीभणितमतिशातम्) GītGo. x. 19. 8.

[2]**अतिशात** (ati-śāta) *adj.* very sharp अतिशातसूक्ष्ममतिवासिमुखः शिखराणि संश्लिसमान्यकरोत् । ··· सुरशिल्पिसुतः RāmC. 26. 62.

अतिशातभ (ati-śātabha) *adj.* who surpasses (in valour) a person born in the asterism S'atabhiṣaj आसीत् ।···अतिशातभः सः DvyāśraKā. 16. 3.

अतिशाद्वल (ati-śādvala) *m.* very grassy patch of land, a place abounding in green grass न विद्यते यत्र वनौकसां दवो निदाघवह्न्यर्कभवोऽतिशाद्वले BhāgP. x. 18.5; सिञ्चन्पश्चापि विषयान्सिषेवे सोऽतिशाद्वलान् PāṇḍC. 1. 327.

अतिशान्त (ati-śānta) *adj.* [*f.* -ā] extremely calm or quiet साधोरिवातिशान्तस्य चर्या सा तस्य भाषिता PadmP.(Ra.) 66. 69; कान्ता दान्तातिशान्ता च ··· शक्तिर्द्वितीया कथिता BrahmVaiP. ii. 1.23; तस्य श्रीपतिः।···अतिशान्तस्य स बभूवाक्षिगोचरः BhaviP. 452A. 10 (iii(2). 25. 4); वक्षःस्थले वससि देवि सदैव तस्य पर्यङ्कवत्सुचरिते विपुलेऽतिशान्ते DevīBhāP. i. 12. 48; जनकः ··· तथ्यवक्तातिशान्तश्च DevīBhāP. i. 16. 48; दिव्यैराभरणैर्युक्ता क्षमा प्राप्ता द्विजोत्तम। अतिशान्ता सुप्रतिष्ठा PadmP. ii. 12. 80; रसिकातिशान्ता ··· गन्धर्वसत्त्वा वनिता प्रदिष्टा AnaṅgaRa. 4. 12.

अतिशान्तदोष (atiśānta-doṣa) *adj.* whose disorders have absolutely disappeared सुवान्तमतिशान्तदोषमुपशान्तरोगोद्धतिम्। नरम् ··· समाप्यायन् जयेदामयान् KalyāKā. 8. 34.

अतिशान्तात्मन् (atiśāntātman) *adj.* having a very calm and quiet nature अतिशान्तात्मा जमदग्नेः ···। वसत्यस्मिन् सुतो यस्य रामः BrahmāṇḍP. ii. 45. 5; तत्राभूदतिधर्मात्मा ब्राह्मणः ··· इन्दुनामातिशान्तात्मा कश्यपस्य कुलोद्भवः YogVā. iii. 86. 3.

अतिशान्तिजड (atiśānti-jaḍa) *adj.* cool or cold with excessive calmness तदतिशान्तिजडं जगतां प्रभोः प्लवगराड्वचनामृतम् ···।··· पुलकितः श्रवणाञ्जलिना पपौ RāmC. 7. 37.

अतिशाब्दिक (ati-śābdika) *adj.* what is beyond the sphere of words ध्यानिकं सर्वमेवैतद्यदेतदतिशाब्दिकम् ViṣṇuDhaP. ii. 131. 49.

अतिशाय (ati-śāya) *m.* excellence, pre-eminence, abundance अतिशायस्त्वतिशये S'abdaRa.(Vā.) 3399; *adj.* surpassing, excelling अशेषमहिषपरिषदतिशायशरीरसंनिवेशः ··· (स कासरः) एकानसीमनुप्राप्य YaśasCam. ii. 225. 3.

अतिशायक (atiśāya-ka) *adj.* bigger or exceeding (in radius) (सूत्रेण) भ्रामयेत्पूर्णचन्द्रौ द्वौ भावयोरुभयोरपि। तस्यातिशायकौ यस्य पूर्णा यैः परिधावतः PauṣkS. 8. 95.

अतिशायकान्त (atiśāyakānta) *adj.* ending in the suffix indicating superiority or excellence यदा च प्रकर्षवतां पुनः प्रकर्षो विवक्ष्यते तदा अतिशायकान्तादपरः प्रत्ययो भवत्येव KāśiVṛ. *on* v. 3. 55.

अतिशायन (atiśāyana) *n.* **A** pre-eminence, excellence, superiority; gradation अतिशायने तमबिष्ठनौ P. v. 3. 55; भूमनिन्दाप्रशंसासु नित्ययोगेऽतिशायने।··· भवन्ति मतुबादयः MahāBh. ii. 393. 15 (*on* v. 2. 94) = CāndraVyā. iv. 2. 98 = KātanVṛ. *on* ii. 6. 15 = SaraKaṇṭhā. 705. 13; MahāBh. ii. 413. 2 (*on* v. 3. 55); पर्यायात्परमतिशायनस्य वा यत्। ब्रह्मर्षौ तदिह···ज्वलति महत्त्वमप्रमेयम् MahāvīC. 4. 15; यथा लोके···भूम्न्यतिशायने वा मतुप्प्रवृत्तिः TantrVā. 47. 15 (*on* i. 2. 29); तमेष्ठावतिशायने JaineVyā. iv. 1. 114; 259. 26 (*on* iv. 1. 114); अर्थवदिति। अतिशायने मतुप् TātpaṬ.(Vā.) 16. 5 (*on* i. 1. 1); NyāyVārPari. 130. 9; 738. 1; वृद्धिकर्मा हि बृहतिरतिशायने वर्तते। तच्चेदमतिशायनमनवच्छिन्नम् ··· अभ्यनुजानाति Bhām. 61. 4 (*on* i. 1. 1); अतिशयः अतिशायनम् इति भावे ल्युट् Pradī. iv. 380B. 28 (*on* v. 3. 55); अतिशायनं समानप्रतियोग्यपेक्षं वैस्पष्ट्यं तु तन्निरपेक्षमिति स्पष्ट एव विषयविभागः Pradī. iv. 389B. 39 (*on* v. 3. 66); iv. 383B. 26 (*on* v. 3. 57); सत्यप्यन्यस्मिन् प्रकृष्टबले देवदत्तस्यापि बलसद्भावात् कथं गौणतेत्याशङ्क्य भूम्नि अतिशायने वेत्युक्तम् NyāySu.(So.) 90. 19 (*on* i. 2. 29); बृहतिधातुरतिशायने वर्तताम् VedāntKa. 45. 6 (*on* i. 1. 1); मत्सरिणः अतिशायने मत्वर्थीयविधानात् सातिशयासहनताशालिनः SyādvāMañ. 30 (6); अतिशायनं प्रकर्ष इत्येवान्ये PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. v. 3. 55; प्राशस्त्यं प्रतियोगिनिरपेक्षम् अतिशायनं तु तत्सापेक्षम् LaS'abdeS'e. ii. 374. 1; KośaKaTa. ii. 17; ii. 446; ii. 694; **B** excessive growth or increase षडेकस्यातिशायने AṣṭāHṛ. i. 12. 74 = AṣṭāSaṁ. i. 109. 8 (1. 20); *adj.* **i** surpassing, superior न यस्य लोकेऽस्त्यतिशायनः प्रियः BhāgP. iv. 4. 11; स वीरस्तत्र तद् दृष्ट्वा आत्मैश्वर्यातिशायनम्। तन्नाद्रियत BhāgP. ix. 15. 25; अतिशेतेऽनेनेति अतिशायनो गुणोऽभिधीयते Pradī. iv. 380A. 21 (*on* v. 3. 55); **ii** causing (one) to surpass or excel अथवातिशाययतीत्यतिशायनम् MahāBh. ii. 415. 11 (*on* v. 3. 55); अथ ण्यन्तात्कर्तरि ल्युड् अतिशाययतीत्यतिशायनः PadMañ. *on* KaśiVṛ. *on* P. v. 3. 55.

अतिशायनप्रत्यय (atiśāyana-pratyaya) *m.* suffix indicating excellence or pre-eminence अतिशायनप्रत्ययान्तवदभिमतलिङ्गवचनयोगाद्दोषाभावः Pradī. iv. 387A. 25 (*on* v. 3. 66)

अतिशायनयुक्त (atiśāyana-yukta) *adj.* endowed with excellence or pre-eminence उदरिणी कन्येति। अतिशायनयुक्तस्यैव सत्ता कथ्यते न हि कस्यचिदुदरं नास्ति MahāBh. ii. 394. 1 (*on* v. 2. 94)

अतिशायनविशिष्ट (atiśāyana-viśiṣṭa) *adj.* characterised by pre-eminence or excellence अतिशायनविशिष्टेऽर्थे ··· प्रत्ययौ भवतः KāśiVṛ. *on* v. 3. 55.

अतिशायनार्थकत्व (atiśāyanārthaka-tva) *n.* the state of having pre-eminence or excellence for its meaning प्रत्ययस्यातिशायनार्थकत्वात् AṇuBh. 273. 26 (*on* iii. 4. 12)

अतिशायनिक (atiśāyani-ka) *adj.* denoting excellence or superiority बौद्धप्रतियोग्यपेक्षायामप्यतिशायनिक इत्यणीयान् ··· इतीयसुन्प्रत्ययः S'ivārkaMaDī. i. 182. 26 (*on* i. 1. 4)

अतिशायनिकप्रकरण (atiśāyanika-prakaraṇa) *n.* section (of grammar) dealing with suffixes indicating excellence or superiority अतिशायनिकप्रकरण एव तादी घः पितौ घः Pradī. i. 301A. 10 (*on* i. 1. 22)

अतिशायनिकप्रत्यय (atiśāyanika-pratyaya) *m.* suffix indicative of excellence or superiority तथा चातिशायनिकप्रत्ययसामर्थ्यादाकाशादिष्ववस्थानमतिचिरम् S'ivārkaMaDī. ii. 216. 31 (*on* iii. 1. 23)

अतिशाययत् (ati-śāyayat) *adj.* causing to excel सहकारिप्रत्यया भावानतिशाययन्तो दृश्यन्ते NyāyVārPari. 512. 12.

अतिशाययितुम् (ati-śāyayitum) *inf.* to surpass, to excel न भवन्तम् ··· अतिशाययितुं शक्तो बृहस्पतिरपि ब्रुवन् Rāmā. vi. 11. 42.

अतिशायिक (ati-śāyika) *m.* suffix expressive of excellence or superiority न चातिशायिका(? काः) स्वार्थातिरिक्तं किमपि ब्रुवते। अपि तु प्रकृत्युपात्तमेव प्रकर्षादिकं गमयन्ति SaraKaṇṭhā. 706. 7; 706. 5; अतिशायिकोऽपि दृश्यते। पूर्वतरं पुष्यन्ति। प्रथमतरं पच्यन्ते Prasā. i. 962. 15.

अतिशायित (ati-śāyita) *adj.* **A** excelled, surpassed तेनातिशायिताः सर्वे केवलं न महीक्षितः (मरुत्तेन) MārkP. 130. 10; **B** excelling, surpassing अतिशायिता निजनिजेशमतान्यधिरोपितुं सुरगृहाणि मिथः। इह घण्टिकाक्कणितराज्यपदैर्ध्वजहस्तकैश्च विवदन्ति किल VasaViKā. 2. 3; न शोचत्यतिशायितपुरुषाणां भावात् ManvaVi. 1497. 28 (*on* 12. 36)

अतिशायितम (atiśāyi-tama) *adj.* most excellent रैवतः ··· श्रीनेमिकल्याणकत्रयभावादतिशायितमप्रभावश्च PrabaK. 97. 7.

अतिशायिता (atiśāyi-tā) *f.* superiority complex मदाभिमानमात्सर्यलोभमोहातिशायिताम्।··· त्यजति (पदार्थविभागज्ञः) AkṣU. 14.

अतिशायित्व (atiśāyi-tva) *n.* superiority or excellence साहित्यलक्षणस्यैव कविव्यापारस्य वस्तुतः सर्वत्रातिशायित्वम् VakroJī. 28. 16; अन्धकूपपतिता वराटिका तदुद्धरणक्लेशस्य तल्लाभसुखादतिशायित्वात् त्यज्यते S'rutaPra. iA. 71. 24 (*on* i. 1. 1); भगवतः प्रभावस्यातिशायित्वात्तु समाधानम् SāhiDa. 592. 3.

अतिशायिन् (atiśāy-in) *adj.* [*f.* -inī] **A** excellent, of the highest nature or quality, excessive अनन्यकर्मे दैवं हि जागर्ति स्वपतामपि (v. l. भवत्येवातिशायिनाम्) MahāBhā. vii. 127. 22; यदेवातिशायि स्यात्तदेव तत्स्यात् (ऐश्वर्यम्) YogBh. 30. 1 (*on* 1. 24); मम सम्पत्तिरतिशायिनी S'ukSa. 3. 4; क्षतरुजातिशायिना ··· भूपतिः प्रतिपत्तिशून्यः शिश्ये AvantiKa. 126. 17; सरसि मज्जनेन श्रियमाप्तवतोऽतिशायिनीम् S'iśuVa. 8. 71; अहो भवनानामतिशायि सौन्दर्यम् VāsaDa. 233. 7; LalitāTriBh. 344. 6 (*on* 53); सर्वमतिशायि रावणस्य AnarghaRā. 6. 79(1); अतिशायि हि सौकुमार्यम् HarVi. 8. 35; वाच एव विशिष्टानामनन्यसमवृत्तयः। स्वस्यातिशायिनं हेतुमाहुः YaśasCam. i. 6. 4; स्यादन्यदेशकालादौ द्विजानामतिशायिनाम्। शापानुग्रहसामर्थ्यम् BhaviP. 80B. 24 (i. 41. 18); अतिशायिनी मनःपीडा SaraKaṇṭhā. 187. 5; लक्ष्मीश्छाया च शोभायां सुषमा सातिशायिनी AbhidhāCin. 1512; सर्वं वत्स तवातिशायि VyaktiVi. 49. 18; Kāvyānu.(He.) 95. 16; सासादयामास संवेगमतिशायिनम् TriṣaS'aPuC. i. 1. 592; i. 1. 863; i. 3. 382; यस्या रूपमतिशायि MalliC. 3. 32; शिक्षावल्लिः फलस्फीतिमाततानातिशायिनीम् PāṇḍaC. 3. 272; पाण्डुरिम्णातिशायिना PariPar. 2. 64; 12. 285; अतिशायिन्यपि रसावतारे धिग् नटस्य कथानायकवृत्तान्तानभिज्ञताम् PrabaCin. 31. 11; तदतिशयमतिशायिनं निशम्य TirthaKa. 58. 20; 22. 24; अतनुत ··· अतिशायिनीम् ··· विभुः समृद्धिम् Yādavā. 24. 11; तत्र तत्रोचिते प्रीतिरात्मन्येवातिशायिनी PañcDa. 12. 50; क्षीरोद इवाविर्भूतानेकातिशायिरत्नसंपत् EI. vii. 104. 8; मधुरतरातिशायिस्ववचनचातुरी EI. ii. 62. 7; ii. 63. 6; अतिशायिनी···जातेयं मम निर्वृतिः YogVā. v. 35. 79; ViśvaLoK. 12. 66; किरति नरपतिः ··· नयनमुदमतिशायिनीम् RasSa. 106; **B** surpassing, superior to, excelling अतिशायिनोऽपि हरितां स्खलन्ति ते रथवाजिनः ĀścaCū. 3. 18; अतिशायि महेन्द्रयोषितां वपुषा किं न तवावरोधनम् ĀścaCū. 5. 21; देवानामतिशायिनः कर्मणा वानरवीरान् ĀścaCū. 6. 13(20); शर्वाणि मानं त्वद्भक्ता यान्ति सर्वातिशायिनम् EI. i. 105. 14; अशेषविश्वंभरेश्वरातिशायिजन्मोत्सवदिवस YaśasCam. i. 319. 3; i. 484. 1; मनसिजातिशायिशरीरपरिकर YaśasCam. ii. 20. 3; एष त्रिदशाचार्यः ··· विश्वातिशायिधीः SamarāSū. 1. 20; वपुर्गरिमशक्तिश्च वज्रादप्यतिशायिनी TriṣaS'a-

PuC. i. 1. 855; यत्रातिशायी व्यङ्ग्योऽर्थो वाच्यात् काव्यं ध्वनिर्भवेत् BhāvPra.(S'ā.) 173. 21(6); बिभ्रत् सुमेरोरतिशायिनीं श्रियम् Gurvā. 51; अस्याः कुक्षौ पुत्ररत्नद्वयमतिशायि विद्यते PurāPraSaṁ. 54. 1; सहस्रलिङ्गसरोवरादप्यतिशायिनी नव्या वापी PrabaCin. 54. 4; तस्याः कुलयोषितोऽप्यतिशायिनीं प्राज्यमर्यादाम् PrabaCin. 77. 3; KumāPraPra. 37. 27; KośaKaTa. 1. 1450.

अतिशायिनी (atiśāyinī) *f.* name of a metre अतिशायिनी सौ ज्भौ ज्गौ ग् दिक्स्वराः ChandaḥSū. 8. 13; Chandonu. 2. 289.

अतिशायिरूप (atiśāyi-rūpa) *adj.* possessing an excellent form तस्यातिशायिरूपस्य PārśvC. 5. 142.

अतिशालिनी (atiśālinī) *adj.* (*f.*) excellently possessed of सौवर्णशृङ्गाभ्यामतिशालिनीम् । पयस्विनीम् MatsyaP. 59. 11.

अतिशालीनता (atiśālīna-tā) *f.* too much modesty, extreme modesty अलमतिशालीनतया KundaMā. 5. 11(13)

अतिशाश्वत (ati-śāśvata) *adj.* quite eternal अशाश्वतमिदं सर्वं विगणय्यातिशाश्वतम् । वर्तितव्यं मनुष्येण ParamāKā. 28. 95.

अतिशासन (ati-śāsana) *n.* severe punishment शोधयत्यन्तकस्तेषां दुष्कृतिं नातिशासनैः PauṣkS. 36. 94.

अतिशास्त्र (ati-śāstra) *n.* excellent science बभूव तज्जोऽखिलमान्यभट्टाचार्योऽतिशास्त्रे निपुणः SiddhāTaVi. 407. 23.

अतिशास्त्रज्ञगत (ati-śāstrajñagata) *adj.* going against the rules of the knowers of the sciences तस्मिञ्छिवाघोरतरे…युद्धे बभौ प्राणपणोपविद्धं द्वन्द्वेऽतिशास्त्रज्ञगतं दुरोदरम् VāmaP. 9. 44.

अतिशिक्षित (ati-śikṣita) *adj.* [*f.* –ā] **i** well-trained पक्षयोरुभयोः स्थाप्ये करिण्यावतिशिक्षिते ।…नियम्योऽसौ मतङ्गजः Mānaso. ii. 3. 289; **ii** well-expounded, well-instructed संसाररागेण बलीयसा चिरं निपीडितैस्तत्प्रशमेऽतिशिक्षितम् । … निपीयतां भक्तिरसायनं बुधाः BhaktiRa. 1. 2.

अतिशिक्षितवैकृत (atiśikṣita-vaikṛta) *adj.* where hatred has been taught excessively अतिशीलितपारुष्यमतिशिक्षितवैकृतम् । … रावणस्थानमालोक्य RāmC. 21. 13.

अतिशिख (ati-śikha) *m.* name of a chief (of serpents) शिखातिशिखौ नेष्टापोतारौ…एते वै सर्पाणां राजानश्च राजपुत्राश्च खाण्डवे प्रस्थे सत्रमासत पुरुषरूपेण विषकामाः BaudhS'S. ii. 298. 2.

अतिशिञ्जान (ati-śiñjāna) *adj.* sounding greatly, tinkling very much हरिणधरकरपुटावसिच्यमानामृतलवापनीयमानखेदश्च राजपेशलातिशिञ्जानवलयमञ्जुलमञ्जीरकाञ्चीगुणानि गर्जदङ्गजानि व…रतानि रात्रिश(?शः) ततान AvantiKa. 34. 1.

अतिशित (ati-śita) *adj.* **i** very sharp, extremely sharp लोहस्यातिशितस्य जातिरचलात्कुण्ठाश्ममालामयात् RājTa.(Ka.) 4. 41; पञ्चशरः शरैरतिशितैर्भिन्दन् मनो निर्भरम् SāhiDa. 430. 10; अश्मर्यां नासिकायां वडिशमतिशितं तप्ततैलं च शूले Hāsyārṇa. 1. 28; **ii** very much hurting or cutting (speech etc.) तस्य नातिशितं कोपे… । धत्ते तीक्ष्णैकधारस्य तरवारेस्तुलां वचः RājTa.(Ka.) 8. 1564.

अतिशिथिल (ati-śithila) *adj.* **i** very lax, not at all properly observed श्रौतस्मार्तेऽतिशिथिले … संकरं दुर्बलात्मानः प्रतिपत्स्यन्ति MatsyaP. 273. 46; **ii** excessively loose ग्रीष्मे … अतिस्विन्नमतिशिथिलमतिप्रविलीनदोषं भवति (शरीरम्) AṣṭāSaṁ. i. 122. 6 (1. 23); मालाप्यतिशिथिलवृत्तिरजनि StavMā. 284. 22; **iii** (cooked rice) with very loose or separate grains न चातिशिथिलो पाच्यो न चरुश्चारसस्तथा GobhiSm. 2. 73; (स्वशाखोक्तचरुः) अतिशिथिलः अतिविश्लिष्टावयवः VīraMi. (Paribhāṣā.) 109. 7.

[**अतिशिरीष** (ati-śirīṣa) *n.* [Sanskritization of सिरीस (also given as शीर्ष) cf. शीर्षप्रहेलिका or शीर्षप्रकम्पित] name of a very large number ततः शिरीषं त्वतिसंयुतं च प्रहेलिका चापि च चर्चिका च VarāṅgaC. 27. 13]

अतिशिशयिषमाण (ati-śiśayiṣamāṇa) *adj.* desirous of surpassing (सरस्वती) अमृतरसमप्यतिशिशयिषमाणेन च स्वादिम्ना शिशिरेण शोणवारिणा शरीरस्थितिमकरोत् HarṣaC. 32. 5.

अतिशिशिर (ati-śiśira) *adj.* **i** very calm, extremely serene (heart, mind etc.) कुमुदमयमिव हृदयमभवदतिशिशिरम् HarṣaC. 293. 11; भवत इवातिस्वच्छं कस्याभ्यन्तरमगाधमतिशिशिरम् VidaMuMa. 2. 20; **ii** extremely cold, very cool (हर्षः) अतिशिशिरमलयजरसलवलुलितवपुषमिन्दुधवलोपधानधारिणीं वेत्रपट्टिकामधिशयानः साशङ्क एव तस्थौ HarṣaC. 211. 16; क्षणमतिशिशिरघनसाररसनिम्नगाकूलपुलिने … व्यतिष्ठत VāsaDa. 159. 3; त्वमाचामोपेन्द्र त्रिदशसरिदम्भोऽतिशिशिरम् BhagaMāPū. 3; इङ्गुदीफलसमुद्भवमज्जा पेषितातिशिशिरेण जलेन RasRaSa. 25. 5; कण्ठे कृतातिशिशिराम्बुजमालिकेव RasGaṅ. 240. 13.

अतिशिशिरता (atiśiśira-tā) *f.* the state of being excessively cool अतिशिशिरतया च जलकलशैरपि निबिडकर्पटावगुण्ठितकर्णैरुत्पन्नशिरोवेदनैरिवाधिष्ठितम् … जलमण्डपमगच्छत् TilaMañ. 106. 17; अतिशिशिरतया मरुत्सु सक्त्या कुलसरितामिव वारि धारयत्सु । नभसि विकिरतीव गाङ्गमम्भः VikraDeC. 6. 95.

अतिशिशिरपरिकर (atiśiśira-parikara) *adj.* having very cool surroundings मुहूर्तमतिशिशिरपरिकरेऽत्र महासरसि … मनुष्यरूपेण विश्रमितुं सममेव मानसी वृत्तिः UdaySuKa. 143. 28.

अतिशिशिरप्रियता (atiśiśira-priyatā) *f.* fondness for extremely cool things नासास्यपाकरुधिरान्वितपित्तमिश्रनिष्ठीवनातिशिशिरप्रियतातिरोषः … लक्षणानि पित्तज्वरे प्रतिदिनं प्रभवन्ति KalyāKā. 9. 55.

अतिशिशिरभर (ati-śiśirabhara) *m.* excessive cold यत्रातिशिशिरभरात् कान्ते कोककुटुम्बिनी न कुरुते प्राप्तेऽपि चाटुक्रियाम् YaśasCam. i. 58. 4.

अतिशिशिरस्पर्श (atiśiśira-sparśa) *adj.* having an extremely cold touch दूरस्थोऽपि पयोधरोऽतिशिशिरस्पर्शो करोत्यातपम् RājTa.(Ka.) 4. 365.

अतिशिशिराकृति (atiśiśirākṛti) *adj.*. having an extremely cool form तस्यामतिशिशिराकृतिः शिवमनिशं कुरुतान्मे शिशिरर्तुः LalitāStaRa. 27.

अतिशिशु (ati-śiśu) *m.* **i.** very small child शोकाकुलं त्वां पश्यामि … वयसातिशिशुं शान्तम् BrahmVaiP. iii. 30. 2; iv. 24. 73; करादस्य भ्रष्टे ननु शिखरिणी दृश्यतिशिशोः विलीनाः स्मः ChandoMañ. 2. 265; **ii** best child शिशूनां वरं श्रेष्ठं अतिशिशुमित्यर्थः VīraMi. (Rājanīti.) 287. 4.

अतिशिशुवत् (atiśiśu-vat) *adv.* like a very small child वर्तेय त्यक्तमानः सुखमतिशिशुवत् Nārāy. xi. 93. 7.

अतिशिष् (ati-śiṣ–) VII. P. (IV. Ā.) **i** to remain, (*pass*) to be left over सः … सोमममपिबत् तस्य यदत्यशिष्यत तत् त्वष्टाहवनीयमुपप्रावर्तयत् TaiS. II. iv. 12. 1; अक्षरमतिशिष्यते ChāndoU. ii. 10. 3; किं ततोऽतिशिष्यते ChāndoU. viii. 1. 4; (अक्षाः) अथ येऽतिशिष्यन्ते तान्कनीयांसमुपसमूहन्ति BaudhS'S. i. 48. 7; अपि चैतस्मिंश्चतुरस्रं समस्य तस्य करण्यापच्छिद्य यदतिशिष्यते तदितरत्रोपदध्यात् BaudhS'uS. 1. 53; देहः प्रध्वंसते चायं किं ततोऽस्यातिशिष्यते AnuVyā. 17B. 1 (*on* 1. 4); यदैनं देहं जरावाप्नोति प्रध्वंसते वायं देहस्तदास्य देहस्यान्तर्गतः परमात्मा दह्यमानदेहान्तर्गतगगनवत्किमतिशिष्यते NyāySu.(Ja.) 225A. 12 (*on* i. 4. 6); **ii** to leave vacant तस्य न पुरस्ताद्देवयजनमात्रमतिशिष्याद्यावान्छम्याप्रासः ṢaḍviBr. ii. 10. 12; **iii** to leave, to let remain चतुरङ्गुलमनुदिशमादीपनायातिशिनष्टि BaudhS'S. i. 269. 8.

अतिशिष्ट (áti-śiṣṭa) *adj.* [*f.* –ā] **i** remaining, residual, left over अतिशिष्टाय स्वाहा TaiS. VII. iii. 20. 1; अथ यत्समिधमनुमन्त्रयत इध्मस्य वा एषैकातिशिष्टा भवति तस्मादेनामनुस्तौति KauṣīBr. 3. 7 (13. 2); षोडशानां कलानामेका कला अतिशिष्टा स्यात् ChāndoU. vi. 7. 3; अथ निरुप्तानभिमृशतीदं देवानामितीश्मु नः सहेति येऽतिशिष्टा भवन्ति BaudhS'S. i. 8. 7; अतिशिष्टानि पात्राण्यन्तरेण सक्थिनी निर्वपेयुः BaudhPiMe. i. 9. 2; तांश्च स खादित्वा अतिशेषान् अतिशिष्टान् जायायै कारुण्यादाजहार ChāndoUBh. 66. 11 (*on* i. 10. 4); गुरोः कर्म यत्कर्तव्यं तत्कृत्वा कर्मशून्यो योऽतिशिष्टः कालः तेन … इत्यर्थः ChāndoUBh. 552. 7 (*on* viii. 15. 1); **ii** extremely wise, extremely cultured, extremely eminent बौद्धादयो विशिष्टाः (v. l. अतिशिष्टाः) ते न भवन्ति द्विजाः पुनः SarvaSiSaṁ. 5. 2; चैत्रस्तावदयमतिशिष्टः S'ivārkaMaDī. i. 180. 18 (*on* i. 1. 4); येषामिष्टापूर्तादिकारिणामतिशिष्टानां निशामरणं दृश्यते S'ivārkaMaDī. ii. 466. 11 (*on* iv. 2. 18)

अतिशिष्टपद (atiśiṣṭa-pada) *n.* excellent word तत्प्रकरणं प्रथितम् … शिष्टैर्गृहीतमतिशिष्टपदानुविद्धम् … यत् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 12. 85.

अतिशी (ati-śī–) II. Ā. [अतिशेते, *pass.* अतिशय्यते P. vii. 4. 22, *caus.* अतिशाययति] **Ai** to remain surplus यन्मूलमतिशेते स्फ्येन तच्छिनत्ति ĀpaS'S. ii. 3. 3-4 = HirS'S. i. 6. 97; **Aii** to escape, to slip out, to leave behind वैमानिकानत्यशेत चरल्लोकान्यथानिलः BhāgP. iii. 23. 41; **Aiii** to go beyond, to cross over तदर्थवचनव्यापारशून्यस्य तत्समारोपेणाभिधानं न स्ववचनमि(म)तिशेते PramāVāSvopVṛ. 115. 11; एतामेव नातिशीयत इति वाक्येनैतां पृथिवीं कर्मभूमिं सर्वभूतम् … नातिशेते इत्यर्थकेनोक्तं सर्वभूतानतिवर्तनीयत्वम् S'ivārkaMaDī. i. 281. 7 (*on* i. 1. 27); कुत्रापि प्रतिहतिमेति नान्तरिक्षं शब्दस्तद्गुणपदवीं न चातिशेते S'rīKaC. 17. 23; कालोऽतिशेते LaS'abdeS'e. ii. 366. 4; **A iv** to transgress प्रतियोगिविशेषिताभावभानं तु विशिष्टवैशिष्ट्यबोधमर्यादां नातिशेते GuruCandr. i. 84. 4; VyutpaVā. 35. 5; **Av** to excel, to surpass, to be superior to पुरुषो ह वाव विराजमतिशये JaimiBr. 2. 323; नैताम् (श्वश्रूम्) अतिशये जातु वस्त्रभूषणभोजनैः MahāBhā. iii. 222. 39; अतिशेते हि वै वाचं कर्मेति प्रथितं भुवि MahāBhā. iv. 55. 7; viii. 40. 123; पूर्वान्महाभाग तयातिशेषे RaghuVa. 5. 14; समानाश्च स्त्रियः कौशलेन … मानेन तथोपचारैरतिशयीत KāmSū. 238. 13 (4. 1); तस्य…प्रकर्षिणामपि राजगुणानां विभूतिमतिशिश्ये देवसंपद्गुणशोभा JātaMā. 14. 19; कुसुमपुरराजमार्गो हि निष्पङ्कतया हर्म्यतलान्यप्यतिशेते DhūrtaViSaṁ. 14. 1;

एकमितर अतिशेते । योऽतिशेते स ईश्वरः नेतरः NyāyVār. 468. 2 (*on* iv. 1. 28); PramāVāSvopVṛ. 91. 20; (श्रीधर्मसेनः) दण्डेन दण्डधरमप्यतिशिश्य एव Varāṅgac. 1. 50; 7. 8; 23. 78; अतिशेते ह्यलंकारमन्यं व्यञ्जनचारुता Kāvyālaṅ. (Bh.) 6. 28; (यस्याः गुणाः) नीवारफलमूलाशानृषीनप्यतिशेरते Bhaṭṭi. 7. 46; नापि कौस्तुभमणिः ... शेषमतिशेते Kād. 203. 22; सर्वानेव सर्वत्र सर्वगुणैरत्यर्थमत्यशेत राजवाहनः AvantiKa. 205. 6; नैतलघ्वपि भूयस्या वचो वाचातिशय्यते S'iśuVa. 2. 23; 14. 32; (रामः) स्वान्येव पूर्वाणि परैश्चरित्रैर्योऽत्यद्भुतैरप्रतिमोऽतिशेते MahāvīC. 5. 48; स्वजातीरनतिक्रामन्नतिशेते परान्परान् TattvSaṁ. 3161; शक्तिगुणादिमहाभाग्यैः अन्यान् देवान् अतितरामतिशेरत इव एते देवाः KenUBh. 56. 15 (*on* 4. 2); इयम् ... वीतरागतया सिद्धानतिशेते जिनानपि BṛKathāS'loSaṁ. 24. 9; 18. 547; संस्काराः परस्परमतिशेरते SphoṭSi. 56. 2; सोऽत्यशेत गिरिं मेरुम् MahāP. 3. 91; अत्यशेताङ्गदं दैत्यस्त्वचा करणयोग्यया RāmC. 11. 112; त्वद्दृष्टिहृष्टया दृष्टया मातिशायि श्रुतिर्मम Kapphiṇā. 16. 24; अहो बलमविद्याया अतिशेते न कश्चन TaiUBhāVā. 136. 1 (2); 149. 20 (2); न ... धारावाहिकविज्ञानानि परस्परस्यातिशेरते PrakaPañ. 126. 5; यस्मात्पूर्वे परे भूपा न गुणैरतिशिश्यिरे YaśasCam. i. 219. 7; यः सोमराजीं नियमेन खादेत् ... स सोमराजीं वपुषातिशेते SiddhYo. 69. 22; न तावदैश्वर्यान्तरेण तदतिशय्यते YogBh. 29. 4 (*on* 1. 24); न कयाप्यतिशय्यतेऽतिशीघ्रं यदियं कन्दुककेलिषु भ्रमन्ती NavaSāC. 5. 23; 9. 28; गुणाः...अतिशय्यन्त इति रसप्रधानः SaraKaṇṭhā. 722. 10; अतिशय्यते गुरुः Pradī. iii. 275B. 23 (*on* iii. 4. 69); विश्वसादत्यशेतासौ DvyāśraKā. 1. 136; 17. 123; 19. 62; यं क्लृप्तवन्तमपि वाहवृषोऽतिशेते S'rīKaC. 5. 33; स पुनर्बोधिसत्त्वानाम् ... चर्यामुदात्तचरितैरत्यशेत महाशयः RājTa.(Ka.) 3. 4; 3. 223; भक्तिमन्तोऽप्रमादेनायुक्तेभ्योऽतिशेरते TriṣaS'aPuC. iv. 1. 798; मत्प्रीतिमाधित्ससि कां त्वदीक्षामुदं मदक्ष्णोरपि यातिशेताम् NaiṣC. 3. 58; प्रयोगातिशयः (आमुखाङ्गम्)...स खल्वतिशेते NāṭaLaRaK. 1212; Yādavā. 18. 16; नासावुत्पादकता अनुमितिकरणतायाः अतिशेते RasGaṅ. 633. 5; केनाप्यानतिशेरते दिविचराः श्रुत्या गृहीता हि ते S'ivotkaMañ. 11; KośaKaTa. 2. 1855; धिषणया शौर्येण च दैत्यगुरुं वृषपर्वाणं चातिशेषे Jivān. 144. 4; निर्द्वन्द्वादपि मोक्षादतिशेते कामिनीकुचद्वन्द्वम् PadyāTa. 148; शतमखनगरीमप्यतिशेते ... काञ्चीपुरी VasaTi. 6. 21; एकैकदिक्पतीन् देवानिन्द्रादीनत्यशेत यः EI. xiv. 72. 19; कन्दर्पमाहिततनुं वपुषातिशेते EI. xix. 259. 12; **B** to sleep longer than or to precede in lying down or sleeping अहं पतीन्नातिशये नात्यश्ने नातिभूषये MahāBhā. iii. 222. 36; **C** to act as an incubus, to annoy [MW]; (*caus.*) **i** to excel, to surpass सौख्येन किंनरगणानतिशाययन्ति Varāṅgac. 1. 27; धाम्नातिशाययति धाम सहस्रधाम्नः MudrāRā. 3. 17; **ii** to cause to surpass, to elevate तान् गुणान् गुणी अतिशाययति अतिशयेन अवस्थापयति Pradī. iv. 381B. 15 (*on* v. 3. 55); **iii** to cause to possess potency, to heighten the power न ब्रूमस्ते किंचिदतिशाययन्ति । अपि तु न सर्वे घटक्षणाः सर्वस्येन्द्रियविज्ञानहेतवः PramāVāSvopVṛ. 87. 7; यद्यपि च पूर्वोपहितात्मनः संस्कारस्य स्थेम्ना तत्संनिधिरुत्तरमतिशाययेत् SphoṭSi. 103. 1; न ह्यप्रत्यासीदन्तः सहकारिप्रत्ययाः समासहस्रेणापि भावानतिशाययन्ति Kiraṇā. 75. 16; प्रकृतगतमुत्कर्षमतिशाययेत् RasGaṅ. 64. 1.

अतिशीघ्र (ati-śīghra) *adj.* [*f.* -ā] extremely fast, very quick तत्रातिशीघ्रा शीघ्राख्या (ग्रहाणां गतिः) SūrySi. 2. 13; दिश गतिमतिशीघ्रां त्वं मृगि SūktiMu. 97. 74; अतिशीघ्रे तथा गुम्फे भित्यन्तःपूरणाकृतौ । कोऽभिमानः PrabhāC. 190. 12 (अतिशीघ्र is given as the meaning of त्वर in Nānārthā-Saṁ. i. 166. 1455)

अतिशीघ्रकारिन् (atiśīghrakār-in) *adj.* acting very speedily अतिपरुषमतिशीघ्रकारिणम् ... चेत्रानुनिशम्येत् CaraS. i. 12. 10 (1941 Ed.)

अतिशीघ्रग (atiśīghra-ga) *adj.* going very swiftly समर्थो गतिमन्वेतुं पवनो गरुडोऽपि वा (v. l. वायुरप्यतिशीघ्रगः) Rāmā. vi. 25. 4.

अतिशीघ्रगति (atiśīghra-gati) *adj.* extremely swift in movement अतिशीघ्रगतिर्भगवान् भास्करः ManuBh. i. 128. 4 (*on* 2. 101)

अतिशीघ्रता (atiśīghra-tā) *f.* excessive quickness, extreme rapidity अतिशीघ्रतया हताः ... असुराः LalitāTriBh. 307. 8 (*on* 31); अतिशीघ्रतया चैव क्रमो न लक्ष्यते TātpaṬ.(Vā.) 83. 22 (*on* i. 1. 2); 477. 21 (*on* ii. 2. 65); 538. 25 (*on* iii. 2. 8)

अतिशीघ्रप्रचारिता (atiśīghrapracāri-tā) *f.* very swift movement मण्डलभ्रमणेषु कन्दुकस्यातिशीघ्रप्रचारितया विशन्तीव ... पुष्पमयं पञ्जरम्...पर्यक्रीडत राजकन्या DaśKuC. 104. 16.

अतिशीघ्रप्रवृत्तित्व (atiśīghrapravṛtti-tva) *n.* the nature of that whose function (of conveying meaning) is very fast, extreme quickness in functioning अतिशीघ्रप्रवृत्तित्वात् प्रबलतराकाशपदश्रुत्या अपेक्षिते विशेषे लब्धे S'ruta-Pra. iB. 251. 15 (*on* i. 1. 23)

अतिशीघ्रम् (ati-śīghram) *adv.* very fast, with great speed, very quickly तद्यथा वातेनातिशीघ्रं वाता बहुविभग्नं प्रभग्नं शेत एवमेतया SaṁhiUBr. 1. 16; अतिशीघ्रं ततो गत्वा वानरास्ते महाबलाः Rāmā. vi. 3153*(3); अहो येन निमित्तेन चातिशीघ्रमिहागतः BrahmVaiP. iv. 87. 34; युगपदिवातिशीघ्रमनेकेन्द्रियाधिष्ठानदर्शनात् ĀtmaSi. 61. 21; तयोश्छिद्रान्तरप्रेप्सुरतिशीघ्रममन्यत BrahmP. 187. 10; शुभखचरौ ... बहुविधलाभं विजयं कुरुतस्त्वतिशीघ्रमादिशेत्प्रष्टुः VasiS. 37. 16; अक्रूरोऽथ स्यन्दनस्थोऽतिशीघ्रं रम्याकारं कंसवेश्माविवेश HariVi. 5. 27.

अतिशीघ्रयान (atiśīghra-yāna) *n.* very fast movement, very quick going शिरोऽभिघातादतिशीघ्रयानात् नेत्रे ... विकारं जनयन्ति दोषाः BhāvPra. (Bhā.) 8. (62 ? 63) 8.

अतिशीघ्रास्त्र (atiśīghrāstra) *adj.* (expert in) discharging missiles very speedily नैष शक्योऽतिशीघ्रास्त्रः ... ऋजुयुद्धेन ... हन्तुं युष्माभिराहवे MahāBhā. ix. 60. 57.

अतिशीघ्रोर्मिमालिनी (atiśīghrormimāl-inī) *adj.* (*f.*) having very fast-rolling rows of waves ततस्त्रिपथगां रम्यामतिशीघ्रोर्मिमालिनीम् Rāmā. ii. 2308*.

अतिशीत (ati-śīta) *adj.* very cool, extremely cold मलयाचन्दनं जातमतिशीतं वदन्ति वै MahāBhā. i. 647*(3); ix. 260*(1); नैवातिशीतो नात्युष्णः कालो भवति भारत MahāBhā. xii. 101. 10; तत्र वातमेवं विषमनारोग्यकरं विद्यात् । ... अतिशीतमत्युष्णमतिरूक्षम् CaraS. iii. 3. 7 (1922 Ed.); नातिशीते न चात्युष्णे पेयं स्नेहविरेचनम् BhelaS. 40. 10 (1. 25); न चातिशीतं भुञ्जीत नात्युष्णं भोजने हितम् HāriS. i. 23. 40; BṛhaspaSm. 367. 12; अत्युष्णमतिशीतं च ... दुष्टं हविः PāraS. 18. 284; तथान्यस्तु तमो नाम सोऽतिशीतः स्वभावतः MārkP. 12. 10; 39. 47; नातिशीतं गुरु स्निग्धं मांसमाजमदोषलम् AṣṭāHṛ. i. 6. 62; i. 6. 167; अतिशीतं स्तम्भाश्रुवर्षनिस्तोदान् (करोति) AṣṭāSaṁ. i. 163. 14 (1. 32); i. 191. 14 (1. 39); अमृतैरमृतैरिवातिशीतैर्भगवत्याचमनं विधीयताम् DevīCatuSt. 9; 34; गोधूमानां चूर्णम्...अतिशीतम्...भक्षयित्वाङ्गनानां षष्ठि(?ष्टि) गच्छेत् KalyāKā. 6. 35; 9. 7; 9. 18; भवातिशीतः प्लवगे प्रियोक्तौ तपन्तु मामेव शिखास्त्वदीयाः RāmC. 22. 43; अतिशीतोऽग्निरित्यत्र दृष्टान्तानां शतैरपि । प्रमान्तरविरुद्धत्वान्नेन्द्रेणाप्यधिगम्यते BṛĀraUBhVā. ii. 1. 496; अत्युष्णश्चातिशीतश्च वायुस्तत्र ववौ पुनः LiṅgaP. i. 20 36; GaṇeP. ii. 142. 7; अतिशीतश्चापि प्रभञ्जनः । वाति Hastyāyur. 645. 11 (4. 15); SūktiRa. 141. 6; हरिनीलशिलातलेऽतिशीते निवसन्वीक्ष्य निशाकरं नृपालः Raghunā. 12. 32; छागमांसं गुरु स्निग्धं नातिशीतं रुचिप्रदम् BhojanKu. 171. 7; द्वयमिदमतिशीतं दृश्यते दुर्निवारम् VasaTi. 21. 7; अतिशीतं मम हृदयं विषमशरद्रोहिजीवनोपायैः MūkaPañ. 4. 51.

अतिशीत (ati-śīta) *n.* severe cold, bitter cold शिरःस्नातेऽतिशीते च रवावनुदितेऽपि च SuśruS. vi. 18. 71; चक्रे ... नातिशीतं च शीतांशुः परिपूर्णोऽपि रश्मिभिः MārkP. 99. 4; 99. 9; माघे ... अतिशीतं सघनस्य च भानोरस्तोदयौ धन्यौ BṛSaṁ. 21. 20; नातिशीतं न चात्युष्णं तीव्रमारुतवर्जितम् PadmP.(Ra.) 3. 59; न चातिशीतं न च निष्ठुरोष्णता KalyāKā. 2. 35; अतिशीतं चातिवर्षमातपस्तापदायकः । एवं रूपेण यो देवस्तस्याहं शरणं गतः PadmP. ii. 18. 33; तथा बन्धाच्च विविधादतिशीतेन वा तथा ।... उदरे मारुतः शोफं जनयेत् Hastyāyur. 317. 8 (2. 66); 616. 13 (4. 5); अतिशीतातपोष्णानि वर्जयीत रसायनी ĪśānS'iPa. i. 52. 155; अतिशीताच्छमात्तथा ... वायुः प्रकोपं यात्येभिः S'ārṅgaS. i. 2. 31; तरुदाहोऽतिशीतेन ... अतिः कुत्रापि नेष्यते PārśvC. 1. 103; KathāK. 117. 22.

अतिशीतता (atiśīta-tā) *f.* the state of being extremely cool, severe coldness अतिशीततात्युष्णतातितीक्ष्णता (इत्येकादश द्रव्यदोषाः) SuśruS. iv. 35. 32; उरस्यूष्मा भवेदस्य जठरे चातिशीतता । यथा प्रेतस्तथैव सः AṣṭāHṛ. ii. 5. 28; कण्डूपदेहावतिशीतता च ... कफाभिपन्ने नयने भवन्ति RugVi.59. 7.

अतिशीतत्व (atiśīta-tva) *n.* excessive coldness औषधस्य ... अतिशीतत्वात् ... दुर्योगातियोगावुत्पद्येते KāśyaS. 156A. 35.

अतिशीतपात (atiśīta-pāta) *adj.* causing severe cold, having extremely cold fall, whose fall is very cold अन्येषु जन्तुषु सुधासहजत्वमिन्दो व्यक्तीकरोषि किरणैरतिशीतपातैः BhikṣāKā. 33. 4.

अतिशीतम् (ati-śītam) *adv.* past the cold, after the winter शीतानामतिक्रमः । अतिशीतम् KātanVṛ. ii. 5. 14; PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. ii. 1. 6; अतिशीतं हिमात्यये KośaKaTa. 2. 3098.

अतिशीतल (ati-śītala) *adj.* [*f.* -ā] very cool or chill श्लेष्मला पिच्छिला योनिः कण्डूयुक्तातिशीतला SuśruS. vi. 38. 17; HāriS. iii. 1. 8; AvantiKa. 143. 14; शशधरस्वेद इव गलत्यतिशीतलेऽवश्यायपयसि ... देवी यशोमती ... उदतिष्ठत् HarṣaC. 178. 11; 330. 4; PrasaRā. 6. 4 (1); KalyāKā. 3. 56; Kapphiṇā. 8. 25; ParaS. 5. 59; RugVi. 62. 10; गन्धवाहो मन्दोऽतिशीतलः BrahmVaiP. iv. 32. 67; SkandP. i(3B). 22. 39; Hastyāyur. 612. 2 (4. 5); अतिशीतलं सलिलमापूर्णकण्ठम् ... असि पीतवती UdaySuKa. 136. 17; BṛKathāMañ. xiii. 1. 215; Mugdhopa. 7; RājTa.(Ka.) 6. 19; अतिशीतलमप्यम्भः किं

भिनत्ति न भूभृतः Hitopa. 3.43; RasRaSa. 21.44; BhiksāKā. 36.7; सैवातिशीतला ··· स्थूलशाकिनी BhojanKu. 67.5; ParamāKā. 157.29.

अतिशीतलगात्र (atiśītala-gātra) *adj.* having a very cold body अतिशीतलगात्रः स (कमठासुरः) पार्वणश्चन्द्रमा इव GaṇeP. ii. 87.38.

अतिशीतलत्व (atiśītala-tva) *n.* extreme coolness क्ष्वेडाग्नितापनिबिडोरगसंगमेऽपि तुङ्गस्य चन्दनतरोरपि(? रति)शीतलत्वम् RājTa.(Ka.) 8.3034.

अतिशीतलित (ati-śītalita) *adj.* very much cooled कदा पुनस्तत्र लप्स्ये सुखमंगसंगजम्। अतिशीतलितानि येन मेऽद्भुतगात्राणि भवन्ति तत्क्षणात् SkandP. iv. 44.17.

अतिशीति (ati-śīti) *f.* distinction अथाभावोऽपि वस्तवेव नास्तीतिमितिजन्मतः। द्वयोर्भावैकरूपत्वात्कातिशीतिमितेस्तयोः BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 928; i. 4.295; iv. 4 895.

अतिशीभर (ati-śībhara) *adj.* very beautiful समात्रजन · वृषाः ··· क्षीवतयातिशीभराः DhātuKā. 1.49.

अतिशीर्ण (ati-śīrṇa) *adj.* very much faded पाणिः कम्पमवाप काञ्चिरपतत् [ध्वस्ता त्रपा] नूपुरैराक्रन्दाचिकुरैर्द्धे विधुरता यत्रातिशीर्णोऽधरः SūktiMu. 78.14.

अतिशील् (ati-śīl-) x. P. to use excessively or frequently स्नेहबस्तिं निरूहं वा नैकमेवातिशीलयेत् AṣṭāSaṁ. i. 152.6 (1.28)

अतिशील (ati-śīla) *n.* very good conduct or disposition प्रथममतिशीलयोगादाख्यानार्थविशेषयेदेनाम् RatiRaha. 13.77; ('उपसंपन्ने मैत्रीप्रातिवेश्यत्वादिना संवद्धे शीलयुक्ते वा') मैत्रातिशीलं स्वाचारादिगुणः BālamBha. iii. 75.21 (*on* 3.24)

अतिशीलशीतल (ati-śīlaśītala) *adj.* extremely cold by nature गोत्रस्खलितप्रश्नेऽप्युत्तरममतिशीलशीतलं दत्त्वा।···स्ववपुषि निहितं तया·चक्षुः ĀryāSaŚa. 206.

अतिशीलशीतलता (atiśīlaśītala-tā) *f.* extreme coolness or calmness of nature अतिशीलशीतलतया लोकेषु सखी मृदुप्रतापा नः ĀryāSaŚa. 42.

अतिशीलितपारुष्य (atiśīlita-pāruṣya) *adj.* (a place) wherein harshness or cruelty has been excessively practised अतिशीलितपारुष्यमतिशिक्षितवैकृतम्।··· रावणास्थानमालोक्य हनुमानपि। - साध्वसाय ददौ मनः RāmC. 21.13.

अतिशुक्त (ati-śukta) *adj.* very much fermented स्मृत्यन्तरे तु वर्ज्यमुक्तम् ··· अतिशुक्तोग्रलवणं विरसं भावदूषितम्। ··· हव्यकव्येषु वर्जयेत् SmṛtiCan. v. 220.21; अतिशुक्तं अत्यर्थं स्वाभाविकरसत्यागेन कालवशात् कुत्सितरसान्तरापन्नम् SmṛtiCan. v. 221.2; अतिशुक्तं यत् स्वयमनम्लं द्रव्यान्तरेण संसृष्टं वा कालवशादुत्पन्नातिकुत्सितरसम् CaturCin. iii(1). 608.3; VīraMi.(Śrāddha.) 57.1.

अतिशुक्तता (atiśukta-tā) *f.* the state of being excessively fermented गुडमधुकाञ्जिकमस्त्वादिद्रवद्रव्यं धान्यादुष्मणि त्र्यहं सप्ताहादिकालं वा अवस्थाप्यातिशुक्ततां नीतं चुक्रमुच्यते VīraMi.(Śrāddha.) 47.30; CaturCin. iii(1). 563.14 (अतिशुक्तां (sic) नीतम्)

अतिशुक्र (áti-śukra) *adj.* very bright [PW reading for **अतिशुक्ल** in VājaS. 30.22]; *m.* name of a kind of (sweet-tasting) plant शुक्रातिशुक्रकाश्मर्यश्छत्रातिच्छत्रवीरणाः। इक्षुरिक्षुविकाराश्च ··· एवमादीनि चान्यानि विज्ञेयो मधुरो गणः MatsyaP. 217.47; ViṣṇuDhaP. ii. 26.47.

अतिशुक्रला (ati-śukralā) *adj.* (*f.*) producing profuse semen गरीयो गुडदध्युक्तं रसाला चातिशुक्रला AṣṭāSaṁ. i. 42.6 (1.7) = BhojanKu. 201.12; अश्वगन्धानिलश्लेष्मश्वित्रशोथक्षयापहा।··· कषायोष्णातिशुक्रला BhāvPra.(Bhā.) 6 (4). 189.

अतिशुक्ल (áti-śukla) *adj.* [*f.* -ā] very white or bright विरूपाना लम्बतेऽतिदीर्घं चातिह्रस्वम् ··· अतिशुक्लं चातिकृष्णम् VājaS. 30.22; TaiBr. III. iv. 19.1; शिशिरगुणसमेता संततो(? °तम्) यातिशुक्ला ··· जलगुणबहुतेयं (? °बहुलेयम्)भूः KalyāKā. 5.4; 10.22; तं प्राह शंभुर्द्विज पश्य मह्यं भस्म प्रवृत्तं करतोऽतिशुक्लम् VāmaP. 62.50; नियमस्तु समायातस्तव पार्श्वे द्विजोत्तमः। अतिशुक्लो महादीप्तः PadmP. ii. 12.76; NyāyRa. 836.13 (*on* 6.413); महापद्मस्त्वतिशुक्लो दशबिन्दुकमस्तकः AbhidhāCin. 1309; *n.* the white Mādhavī flower ब्रह्मपुराणे '···कुब्जकं तगरं चैव मृगमारं च केतकीम्। यूथिकामतिशुक्लं च श्राद्धयोग्यानि ··· नियोजयेत्' VīraMi.(Śrāddha.) 159.27; अतिशुक्लं माधवीलतापुष्पम् VīraMi.(Śrāddha.) 160.2.

अतिशुक्लक (atiśukla-ka) *adj.* very white or bright स्वस्तिकाङ्कितमौलिश्च महापद्मोऽतिशुक्लकः KośaKaTa. 1.7178.

अतिशुक्लता (atiśukla-tā) *f.* excessive whiteness or paleness रूपं भविष्यतस्तस्य (राजयक्ष्मणः) पाण्योरवेक्षा पादास्यशोफोऽक्ष्णोरतिशुक्लता AṣṭāHṛ. iii. 5.9.

[1]**अतिशुच्** (ati-śuc-) I. P. to lament too much, to feel extremely sorry सपुराणान् पञ्च वेदान्···। ज्ञात्वाप्यनात्मवित्त्वेन नारदोऽतिशुशोच ह PañcaDa. 11.18.

[2]**अतिशुच्** (ati-śuc-) *f.* excessive grief or pain दयिततममगं विधूय तेजोदिनकर मा परिभूर्निशाकरं मे। इति विरचितकुड्मलाञ्जलिश्रीस्तमतिशुचेव कुमुद्वती ययाचे HarVi. 28.58; वन्यास्तत्र ··· ग्रामावतीर्णा गजा बद्धाः ··· अतिशुग्भीमोहबन्धादिभिः। उद्विग्नाश्च ··· प्राणान् धारयितुं चिरं नरवशं प्राप्ताः स्वयूथादथ MātaLī. 11.1.

अतिशुचि (ati-śuci) *adj.* **i** very bright अतिशुचिभिः ··· दशनमयूखैर्धवलितपुरोभागम् ··· जाबालिमपश्यम् Kād. 42.6; NemiC. 8.5; **ii** very pure or holy or virtuous (हर्षः) द्वारपालैः प्रणम्यमानः ··· अतिशुचिशैवसंपाद्यमानविरूपाक्षक्षीरकलशसहस्रस्नपनम् ··· राजकुलं विवेश HarṣaC. 215.5; वाचो वः ··· अतिशुचयः JinaS. 4.14; गौर्दैया ··· ब्राह्मणायातिशुचये SkandP. ii(8). 6.188; अथ विगलिता ··· अतिशुचिनि भूः कार्कोटाहेः कुले व्यधित स्थितिम् RājTa.(Ka.) 3.530; चन्द्रे ··· अर्केण मुथशिलेऽतिशुचि तीक्ष्णम् (भोजनम्) TājiNi. 3(1)(6). 135 (405); Subhāṣi. 849; परमसौम्यगुणः ··· अतिशुचि भागवतानमानशे NemiC. 8.5.

अतिशुचिता (atiśuci-tā) *f.* extreme purity or honesty अतिशुचितया न वित्तं गृह्णाति ··· निःस्पृहनियोगी KalāVi. 9.40.

अतिशुचिविधान (atiśuci-vidhāna) *n.* very pure manner or method सिन्नवर्षाभूमूलं पुष्यर्क्षगृहीतमतिशुचिविधानात्। तण्डुलजलेन पिबतः सप्तदिनं सर्पभीर्नास्ति ŚārṅgaP. 2944.

अतिशुद्ध (ati-śuddha) *adj.* [*f.* -ā] **Ai** very pure, holy or noble चिन्मात्रस्यातिशुद्धस्य विकल्पकल्पना कुतः YogVā. v. 27.17; यः कुलीनो जनाचारैरतिशुद्धः प्रतापवान्।··· स स्वामी युज्यते भुवि Hitopa. 1.159; मथुरादिदेशेऽतिशुद्धे गोलके चक्षुरिन्द्रियमिव स्थापयित्वा लीलां करोति AnuBh. 356.12 (*on* iv. 4.17); भोगः सद्वासना चातिशुद्धानां तपसां फलम् RājTa.(Jo.) 886; 1161; आर्याणामतिशुद्धानां प्रायः स्वेच्छारतिर्भवेत् BhaktiRaSi. ii. 5.12; Bhāsk. 280.18 (*on* i. 5.18); **Aii** very chaste and trusted तत्र स्थविरस्त्रीमतिशुद्धां देवीं परिपश्येत् (राजा) ManuBh. ii. 44.17 (*on* 7.153); **Bi** very pure or unalloyed or unadulterated (metal etc.) काञ्चनस्यातिशुद्धस्य धेनुं वत्सं च कारयेत् MatsyaP. 279.3; अतिशुद्धम् ··· अनङ्गमोदिता ··· दध्रे हारम् NavaSāC. 6.109; अतिशुद्धमतिस्थूलं मृतं हीरं त्रयोदश (ग्राह्यम्) RasaCin. 9.308 (284.29); 3.56 (30.13); पर्पटा वर्पटा रम्याः ··· युक्तेन लवणेनातिशुद्धतैलेन पूरिताः SkandP. ii(5). 9.16; **Bii** very clean or clear मत्तहस्तिस्निग्धोऽयं न्यग्रोधः पर्यन्तास्तु नातिशुद्धाः शुद्धोऽयं नक्तमालपरिधिः AvantiKa. 70.12; तच्च चिद्रूपस्यातिशुद्धस्फटिकदर्पणन्यायेन स्फुटमेव Bhāsk. ii. 160.20 (*on* ii. 4.5); **Biii** very much cleaned गोधूमकान् रेणुयवान् यवान् वा क्षुण्णांस्तुषापहरणानतिशुद्धशुष्कान् प्रपिबेत् KalyāKā. 11.103; **C** (in Medi.) excessively purifed or purged हीनातिशुद्धे शिरसि कफवातघ्नमाचरेत् (नस्यम्) ŚārṅgaS. iii. 8.61; **D** very much correct शब्दब्रह्मैकदेहाया लक्षणं कमलोद्भव। प्रमाणमतिशुद्धं च सप्रमेयं निबोधतु PauṣkS. 34.15.

अतिशुद्धकीर्ति (atiśuddha-kīrti) *adj.* of a very pure fame तमनेकशीलगुणशतसहस्रधरमतिशुद्धकीर्तिमुदारम्। ··· प्रणमत रामम् PadmP.(Ra.) 123.151.

अतिशुद्धकुल (atiśuddha-kula) *n.* very noble family सुमाली···। अतिशुद्धकुले जातो गुणवान् वेदपारगः BṛNāraP. 34.56.

अतिशुद्धचित्त (atiśuddha-citta) *adj.* having a very pure mind, very pure-minded तद्ब्रह्म च 'नेह नानास्ति' इत्यादिनिषेधवाक्यमनने सति शमदमादिसम्पन्नस्यातिशुद्धचित्तस्यैव VaiyāSiMañ. 54.17.

अतिशुद्धत्व (atiśuddha-tva) *n.* the state of being highly pure or genuine तस्य मध्ये मुक्तामयी अतिशुद्धत्वेन मौक्तिकस्वरूपा स्थितिः Bhāsk. i. 9.5 (*on* i. 1.1)

अतिशुद्धबुद्धि (atiśuddha-buddhi) *adj.* possessing very clear understanding अतीव सूक्ष्मं परमात्मतत्त्वम् ···। समाधिनात्यन्तसुसूक्ष्मवृत्त्या ज्ञातव्यमार्यैरतिशुद्धबुद्धिभिः ViveCū. 362.

अतिशुद्धभाव (atiśuddha-bhāva) *m.* extremely pure state तव बुद्धिः ··· अतिशुद्धभावं आपत्स्यते GītāBh.(Śaṅ.) 58.6 (*on* 2.52)

अतिशुद्धमति (atiśuddha-mati) *adj.* possessing a very pure mind इष्टसमागममेतं शृणोति यः पठति चातिशुद्धमतिः। लभते संपदम् PadmP.(Ra.) 82.65.

अतिशुद्धलक्षण (atiśuddha-lakṣaṇa) *adj.* of a very clean nature व्रणस्य रोहत्यतिशुद्धलक्षणः KalyāKā. 11.55.

अतिशुद्धलग्न (atiśuddha-lagna) *n.* very pure or auspicious conjunction (of the sun with a zodiacal sign) अतिशुद्धलग्नहोरांशकावयवोक्तकृत-

पुत्रजन्मलाभगुणाढ्यसः परिणाममुपगतापि शैब्या स्वल्पैरेवाहोभिर्गर्भमवाप VisṇuP. iv. 12. 33.

अतिशुद्धसंविद्दातृ (atiśuddhasaṁvid-dātṛ) *adj.* granting very pure knowledge or sense of discrimination नमः ··· पुरुषोत्तमाय । भक्तानुकंपादतिशुद्धसंविद्दात्रेऽनुपाधिप्रियसद्गुणात्मने AnuVyā. 73B. 8 (*on* 4. 4)

अतिशुद्धस्फटिकदर्पणन्याय (atiśuddhasphaṭikadarpaṇa-nyāya) *m.* the maxim of a very clear crystal mirror (being not visible due to the possession of extreme transparency) तच्च चिद्रूपस्यातिशुद्धस्फटिकदर्पणन्यायेन स्फुटमेव Bhāsk. ii. 160. 20 (*on* ii. 4. 5)

अतिशुद्धस्वभाव (atiśuddha-svabhāva) *adj.* of a very pure nature अतिशुद्धस्वभावमपि कृष्णचरितम् ··· राजानमद्राक्षीत् Kād. 10. 3–4.

अतिशुद्धात्मन् (atiśuddhātman) *adj.* of a very pure nature विभीषणोऽतिशुद्धात्मा धर्मज्ञः परिकीर्तितः LiṅgaP. i. 63. 66.

अतिशुद्धि (ati-śuddhi) *f.* extreme purity महाव्रतारोपणं च भूयश्चक्रेऽतिशुद्धये TriṣaS'aPuC. i. 6. 438.

अतिशुनी (ati-śunī) *f.* superior bitch, bitch surpassing dogs न निरर्थकस्य । अतिशुनी अतियूनीति PariVṛ.(Sī.) 18. 5; 18. 15; 18. 17.

अतिशुभ् (ati-śubh-) I. Ā. (rarely VI. P.) to appear to advantage, to shine intensely, to be brilliant or beautiful तदातिशोभते सीता पद्महस्ततलस्थिता PadmP.(Ra.) 32. 55; प्रासाः पतन्तोऽत्यशुभन् विमुक्ता विन्ध्यस्य वंशा इव वातधूताः RāghPāṇ.(Dha.) 5. 64; विलुप्ताक्षरमश्लीषं(? लं) वचो मत्तस्य तादृशी । या सा भवति मत्तोक्तिः छायोक्ताप्यतिशोभते AgniP. 342. 25; उर्वशीरहितं स्थानं मदीयं नातिशोभते DevīBhāP. i. 13. 16; ततोऽतिशुशुभे बालः GaṇeP. ii. 14. 34; यन्नापैति नचातिशोभते तन्नीलीरागम् SaraKaṇṭhā. 701. 3; न चातिशोभते तन्नापैति प्रेम मनोगतम् । तन्नीलीरागमाख्यातं यथा श्रीरामसीतयोः SāhiDa. 174. 11; अभिषिक्तोऽतिशुशुभे शम्भुः ParamāKā. 44. 31; (ironical) शुक्तेरभिन्नं रूप्यं तत्ततो भिन्नमिति स्थितौ । अभेदधीर्मृषा भेदधीस्तद्बाधेऽतिशोभते IṣṭaSi. 317. 2 (comm. भेदाभेदयोरुभयोरपि प्रामाणिकत्वान्न शोभत इत्यर्थः); [to please, (*caus.*) to make brilliant, adorn MW]

अतिशुभ (ati-śubha) *adj.* [*f.* -ā] **i** very auspicious शकुनानि नातिशुभानि । शान्तयः क्रियन्ताम् DaśKuC. 132. 18–19; त्रिभिः शुभैः शुभं वेश्म द्वाभ्यामेकेन चाशुभम् । करणैश्चतुराद्यैस्तु शुभैरतिशुभं भवेत् SamarāSū. 26. 51; पुत्रो नृपस्यातिशुभैर्लक्षणैः सूचितोदयः KathāSaSāg. viii. 1. 19; **ii** very beautiful ततः कृच्छ्रादतिशुभा सव्रीडा श्रीमती तदा । सगद्गदमुवाचेदम् MahāBhā. i. App. 45(15); हयेषु वृषभेष्वपि ··· यस्य ··· शृङ्गे चातिशुभे दृढे । ··· ··· शिव इत्येष कथितः YuktiKa. 208. 13.

[**अतिशुभतर** (ati-śubhatara) *adj.* much more auspicious निस्स्नेहं दीर्घपत्रं शुभतरमति चेत् राजयोग्यं प्रशस्तं कर्पूरम् BhojanKu. 120. 8]

अतिशुभद (atiśubha-da) *adj.* [*f.* -ā] granting or bestowing very auspicious results शिशिरकरः ··· । सितपक्षस्याद्यदिने शुभदस्तत्पक्षमतिशुभदः VasiS. 20. 3; प्रत्यूहप्रतिघातिकातिशुभदा ···सर्वदा शम्भुस्नेहपरम्परैव नितरां वर्वर्ति सर्वोपरि ParamāKā. 7. 44; 18. 125; 21. 144.

अतिशुभध्वनि (atiśubha-dhvani) *m.* very auspicious sound डो वन्दिवर्गेऽतिशुभध्वनौ च KośaKaTa. 2. 4675.

अतिशुभप्रद (atiśubha-prada) *adj.* granting or bestowing very auspicious results योगा वारर्क्षसंभवाः । हूणवंगखशेभ्योऽन्यदेशेष्वतिशुभप्रदाः NāraS. 10. 21.

अतिशुभस्वप्न (atiśubha-svapna) *m.* very auspicious dream तस्य ··· अनेकैर्देवतोपयाचितशतैरतिशुभस्वप्नसूचितावतारम् ··· तिलकमञ्जरीनामधेयं कन्यारत्नमुत्पन्नम् TilaMañ. 168. 4–5.

अतिशुभ्र (ati-śubhra) *adj.* [*f.* -ā] **i** extremely radiant or bright भूषणान्यतिशुभ्राणि गन्धाढ्यं चानुलेपनम् VisṇuP. ii. 5. 11; नात्युल्बणं नातिशुभ्रम् ··· किमिदं दीप्यते देव VāyuP. i. 54. 45; S'ivaP. v. 15. 32 (423B. 7); **ii** extremely white भवनान्यतिशुभ्राणि सर्वाणि विविधानि च PadmP.(Ra.) 83. 17; SamarāSū. 17. 183; आनीतेनातिशुभ्रेण कौशेयेनामरद्रुमात् MṛtyMāPuSt. 10; अतिशुभ्राप्यतिकृष्णा या च भवेद्दुर्भगाथ सखी । ··· गम्या नैताः KandaCū. i. 5. 24; **iii** very clear, spotless अम्बरमभूदतिशुभ्रम् UdaySuKa. 73. 27; जघनेनातिशुभ्रेण त्रिवलीभङ्गदर्शिना PadmP. v. 17. 316.

अतिशुष्क (ati-śuṣka) *adj.* [*f.* -ā] **i** very dry or dried up समिधः स्मृताः । नात्यार्द्रा नातिशुष्का वा नैव चोषरसंभवाः AVPari. xxvi. 4. 4; अनत्यार्द्राणि नातिशुष्काणि काष्ठानि ··· आहर DaśKuC. 111. 11; दावानलो दहति काष्ठमिवातिशुष्कम् KalyāKā. 9. 82; हे मालावति ते क्रोडे कोऽतिशुष्कः शवोऽनघे BrahmVaiP. i. 14. 10; नातिशुष्केण चार्द्रेण न चास्त्रशस्त्रघातनैः । ··· न मे मृत्युर्भवेदिति SkandP. v(1). 66. 8; काञ्चनमोक्षकाः । सर्वाङ्गं खण्डशश्छिन्नं नातिशुष्कं शिलातले (क्षिपेत्) RaseCin. 3. 40 (25. 9); Rasā. 9. 11; इदमिन्धनं धनमिवाहृतं चिरादतिशुष्कम् S'ivLī. 18. 44; शुष्कं (दन्तकाष्ठं च) नातिशुष्कं स्वस्थानशुष्कभिन्नं च VīraMi. (Āhnika.) 127. 11; कर्दमस्य समावस्थोच्यते । नातिद्रवो नातिशुष्क इति Prasā. i. 834. 11; **ii** very emaciated or withered दुरात्मानः प्रेतभूता यमक्षये । स्वकर्माण्यनुशोचन्तो यातनास्थानमागताः । दीर्घायुषोऽतिशुष्काश्च BrahmāṇḍP. i. 28. 81; **iii** (things) containing no fat or oil अतिस्निग्धातिशुष्काणां गुरूणां चातिसेवनात् । ··· न सम्यक् परिपच्यते KāśyaS. 260A. 22.

अतिशुष्कचर्वण (atiśuṣka-carvaṇa) *n.* chewing a very dry substance (i. e. unintersting discussion) अलमतिशुष्कचर्वणेन । मदनमञ्जरीस्वस्त्ययनार्थं वयमागताः LaṭaMe. 2. 17(10)

अतिशुष्कशरीरा (atiśuṣka-śarīrā) *adj.* (*f.*) of a very wrinkled (*lit.* dried up) body अतिशुष्कशरीरा सा दन्तुरा विकटानना GaṇeP. i. 62. 20.

अतिशुष्काशन (atiśuṣkāśana) *n.* very dry food अतिशुष्काशनं चापि विष्टभ्य परिपच्यते KāśyaS. 258B. 3.

अतिशूक (ati-śūka) *m.* variety of barley बहुप्रियोऽतिशूकश्च तोक(क्य)श्च हरितो यवः ParyāMu. 18. 25.

अतिशूकज (atiśūka-ja) *m.* a kind of wheat or corn [PW]

अतिशूद्रक (ati-śūdraka) *m.* name of a warrior नागेन्द्रे(? न्द्रै)र्दिग्गिभैश्च षोडशनृपैराद्ये(? द्यै)र्द्धितां(? धृतां) क्ष्माधुरां वीरैरप्यति(शू)द्रकप्रभृतिभिश्चाजेर्द्धुरं दुःसहां बिभ्रत् ··· श्रीमान्भूपमहेन्द्रः EI. vi. 356. 72.

अतिशून्य (ati-śūnya) *adj.* **1** absolutely isolated अद्वितीयमतिशून्यं यद् ब्रह्म SiddhāBi. 73. 5; **2** (one) which is absolutely empty अतिशून्ये विमर्दश्च भेरीशब्दस्तथा भवेत् HaṭhPra. 4. 73 (comm. अतिशून्ये कण्ठावकाशे); *n.* an intense vacuum or emptiness, a stage in the spiritual experience of a Yogin [PW]

अतिशून्यत्व (atiśūnya-tva) *n.* the state of being absolute void संसारस्यातिशून्यत्वाच्छून्यबिन्दव इव वितताः ··· तारका व्यराजन्त VāsaDa. 182. 4.

अतिशून्यात्मकत्व (atiśūnyātmaka-tva) *n.* the state of what is of the form of absolute void निरस्तातिशून्यात्मकत्वादिति । निरस्तमतिशून्यात्मकत्वं यस्मात्तथा SiddhāBi. 72. 5.

अतिशूर (ati-śūra) *adj.* excessively brave, very powerful अतिशूरमतिव्रतम् । ··· श्रीर्भयान्नोपसर्पति MahāBhā. v. 39. 50; Subhāṣi. 2646; अत्याढ्यांश्चातिशूरांश्च ··· एतान्सहायाल्लिँप्सेथाः सर्वास्वापत्सु भारत MahāBhā. xii. 84. 3; निर्लज्जो भृशमतिनिष्ठुरोऽतिशूरः (भवति रक्षसा गृहीतः) SuśruS. vi. 60. 14; RugVi. 20. 24; वज्रेऽन्त्यपूर्वसुखिनः सुभगोऽतिशूरो वीर्यान्वितोऽप्यथ यवे सुखितो वयोऽन्तः Bṛhajjā. 12. 14; रजोऽधिकः काव्यकलाक्रतुस्त्रीसंसक्तचित्तः पुरुषोऽतिशूरः BṛSaṁ 69.8; राज्ञा विश्वसितव्यं नो ··· । अतिशूरे स्त्रोत्कटे च स्वात्मपातं प्रपश्यता GaṇeP. ii. 18. 20; अतिशूरः ··· एवंलक्षणसंपूर्णः सेव्यः (नृपोत्तमः) VasiS'. 33. 29; य एवमतिशूरेण बोधेन न वियुज्यते । प्रवृत्त्या ··· अस्य किम् PañcaDa. 7. 283 (comm. अविद्यातत्कार्यघातकेन); हेमप्रभो राजातिशूरोऽपि पादचारी किं करोति विद्याधरस्य KathāK. 36. 14.

अतिशूल (ati-śūla) *adj.* causing acute pain (शुण्ठीबदरचूर्णम्) कृच्छ्रप्रवृत्तमतिशूलमसृग्विमिश्रं हन्यात्सुशीघ्रमतिसारमुदीर्णवेगम् AṣṭāSaṁ. ii. 68. 4 (4. 11); *n.* acute pain (वत्सकादीनाम्) क्वाथपानमतिशूलरक्तपूयनाशनं ज्वरयुतेऽतिसारके HāriS. iii. 3. 53.

अतिशूलवेधनविधि (atiśūla-vedhanavidhi) *m.* procedure of piercing by means of a very sharp instrument यस्मिन् राज्ञि महीं प्रशासति ··· रत्नानामतिशूलवेधनविधिर्नो वा प्रजानां क्वचित् PadyaVe. 107.

अतिशृङ्ग (ati-śṛṅga) *m.* name of an attendant of Skanda उच्छ्रितं चातिशृङ्गं च ··· प्रददावग्निपुत्राय विन्ध्यः MahāBhā. ix. 44. 45; उच्छ्रितं चातिशृङ्गं च महापाषाणयोधिनौ । स्वाहेयाय ददौ प्रीतः स विन्ध्यः SkandP. i(2). 30. 56; *adj.* having excessively large horns (बलीवर्दम्) अधो(धः)शृङ्गमतिशृङ्ग(ङ्गं) विपरीतं तु (वि)वर्जयेत् MānaSā. 5. 21.

अतिशृङ्गारत्व (atiśṛṅgāra-tva) *n.* the state of being extremely erotic तत्र स्त्रीजघनस्यातिशृङ्गारत्वात्सैव शोभते JayaMa. 102. 15 (*on* 2. 2)

अतिशृङ्गारनिपुण (ati-śṛṅgāranipuṇa) *adj.* extremely proficient in eroticism पुंश्चलीनाम् ··· । योऽतिशृङ्गारनिपुणः स च प्राणाधिकः प्रियः BrahmVaiP. iv. 23. 85.

अतिशृत (áti-śṛta) *adj.* over-cooked or over-boiled पशूनां वा एतत्पयो यद्व्रीहियवौ तस्मादेतज्जुहृति नातिशृतं कार्यं रेतः शोषयेत् MaiS. i. 8. 2; अतिशृतं पयः पेयं यवागूश्चापि पाययेत् BhelaS. 252. 5 (8. 4); (पयः) भवेद्गरीयोऽतिशृतं धारोष्णममृतोपमम् AṣṭāHṛ. i. 5. 29 = AṣṭāSaṁ. i. 24. 5 (1. 6) = BhojanKu. 128. 2; पयः ··· अर्धावशिष्टं पानं स्यात् त्रिभागं लेह्यकं भवेत् ··· तदेवातिशृतं सर्वं

गुरु बृंहणमुच्यते BhojanKu. 130. 7.

अतिशेति (ati-śeti) *f.* the root *ati-śi-* अतिशेते: प्रकर्षापरपर्याय इतरस्य न्यूनीकरणरूपोऽभिमतोऽर्थ: LaśabdeS'e. ii. 365. 14.

अतिशेष (ati-śeṣa) *m.* remainder, remnant स ह खादित्वातिशेषाञ्जायाया आजहार ChāndoU. i. 10. 5; [Inst.] completely अतिशेषेण – नि:शेषमित्यर्थ: । अध्ययनवत: कर्माणि विदधीत S'rutaPra. ii. 539. 16 (*on* iii. 4. 6); *adj.* remaining गुरो: शुश्रूषालक्षणं कर्म कृत्वा अतिशेषेण परिशिष्टेन कालेन यथाविधानं वेदमधीत्य ··· ब्रह्मलोकमभिसंपद्यते PrakaVi. 932. 18.

अतिशैघ्र्य (ati-śaighrya) *n.* extreme rapidity अयौगपद्येऽप्यतिशैघ्र्याद्यौगपद्यावगतिरिति चेत् S'āstrDī. 124. 16 (*on* i. 1. 5); तन्त्राप्यतिशैघ्र्यादन्तरालाग्रहणात्तथा प्रतीति: YatīndraDī. 13. 8.

अतिशैत्य (ati-śaitya) *n.* extreme cold or coolness छर्दिस्तथा कासबलासमोह आलस्यतन्द्राजडतातिशैत्यम् (कफशूललक्षणम्) HāriS. iii. 7. 19; बस्ति: ··· अतिशीतोऽतिशैत्येन स्कन्नो वातबलावृत: । भृशं स्तम्भयते गात्रम् KāśyaS. 282A. 4; अंबु ··· न पिबेत् ··· दन्तग्राह्यतिशैत्यत: AṣṭāHr. i. 5. 7; AṣṭāSaṁ. i. 23. 14 (1. 6); अतिशैत्यातितैक्ष्ण्यादिना दुरुपयोगा: ··· एवंविधा आहारा राजसश्रेष्ठा: GītāBh.(Rā.) 617. 26 (*on* 17. 9); (*fig.*) प्रत्युदाहरणम् ···सद्य: सकलसखीनां नयनान्यतिशैत्यमायान्ति S'ṛṅgāMañ.(A.) 49. 27.

अतिशैत्यतस् (atiśaitya-tas) *adv.* because of extreme cold or coolness दन्तग्राह्यतिशैत्यत: । अनार्तवं च ··· (तज्जलं) वर्जयेत् AṣṭāSaṁ. i. 22. 3 (1. 6); AṣṭāHr. i. 5. 7; अतिशैत्यत: ··· स्थाने मैत्र्यम् ··· क्षीरस्य नीरस्य च SubhāRaK. 33. 46.

अतिशैत्यदुरासदा (atiśaitya-durāsadā) *adj.* (*f.*) difficult to approach on account of excessive or extreme cold परमयमवगाहतेऽम्बिकाया: पितुरतिशैत्यदुरासदां हिमानीम् RāmC. 6. 38.

अतिशैथिल्य (ati-śaithilya) *n.* extremely relaxed condition तत्र यन्त्रस्यातिपीडनादतिशैथिल्याच्च स्पर्शसुखस्याभावात् JayaMa. 76. 1 (*on* 2. 1)

अतिशैवद्रौणायनम् (ati-śaivadrauṇāyanam) *adv.* surpassing the son of S'iva (i. e. Kārttikeya) and the son of Droṇa (i. e. Aśvatthāman) (in valour) राजंस्तरसातिशैवद्रौणायनं सापिदधेऽस्त्रवर्षै: DvyāśraKā. 14. 61.

अतिशैशव (ati-śaiśava) *n.* very early state of childhood (or very small intensity) आनीयते परिणतोऽपि महीरुहाणां छायाभिरतिशैशवमातपोऽयम् SubhaDha. 2. 4; शिशुरेष किलातिशैशवे यदशेषागममपारगोऽभवत् S'aṅkaDigVi. (Mā.) 5. 41.

अतिशो (ati-śo-) (IV.) III. P.(Ā.) to sharpen oneself very much यो मर्त्य: शिशीते अत्यक्तुभिर्मा न: स रिपुरीशत ṚV. i. 36. 16.

अतिशोक (ati-śoka) *m.* excessive grief किं शोचसि महाराज नास्ति शोके (v. l. नातिशोके) सहायता MahāBhā. xi. 1. 6; अतिशोकदु:खसन्ना करुणतरं विललाप राममाता Rāmā. ii. 1299*(1); क्रोधातिशोकानशनादिभयोपवासै: संजायते च मनुजस्य महागदोऽयम् HāriS. iii. 9. 105; नागदत्तातिशोकेन कौशाम्बीनगरीमिता BṛKathāK. 56. 124; अतिशोकेन शोकोऽन्य: प्राप्यते मूढजन्तुभि: GaṇeP. ii. 21. 12; परस्यानिष्टकथनमतिशोकं च वर्जयेत् BhaviP. 116A. 10 (i. 65. 23); (सम्यक्त्वलक्षणानि) नातिशोको नातिहर्षो नातिस्नेहो न मत्सर: TantrRā. 35. 73; (तम्) ततोऽतिशोकसंतप्तम्···श्रेष्ठो मनीषिणामूचे वसिष्ठ: RāmāMañ. 85. 19; राजा कामं ममेवातिशोकोपहतस्यायमार्तनाद: BhartṛNi. 3. 3 (6)

अतिशोककातरा (atiśoka-kātarā) *adj.* (*f.*) overwhelmed with extreme grief प्रजा: ··· विचिक्युरुर्व्यामतिशोककातरा: BhāgP. iv. 13. 48.

अतिशोकपरायणा (atiśoka-parāyaṇā) *adj.* (*f.*) excessively distressed (यदियं रौति) कीर्तयन्ती गुणान् भूय: साधूनामभिसम्मतान् । पुरुषान्तरसम्बधानतिशोकपरायणा PadmP.(Ra.) 44. 94.

अतिशोकाग्नि (atiśokāgni) *m.* fire of extreme grief अतिशोकाग्निना दग्ध: पिता ते स्वर्गतश्च्युत: । शपेत्त्वाम् Rāmā. ii. App. I. 23. 105.

अतिशोकार्त (atiśokārta) *adj.* [*f.* –ā] tormented with extreme grief अतिशोकार्त: संनि:श्वस्य सपश्चात्तापमिदमब्रवीत् PañcT. 1. 171(3) (178. 1); ययौ तारातिशोकार्ता यत्र भर्तृकलेवरम् AdhyāRā. iv. 3. 6.

अतिशोचन (ati-śocana) *n.* excessive grief नृपाणामतिशोचने । अष्टास्रमब्जकुण्डं च BhaviP. 338A. 22 (ii(1). 13. 20)

अतिशोच्य (atiśoc-ya) *adj.* [*f.* –ā] greatly lamentable or pitiable यदि देयो वरो मह्यं स्वभावाद् दृषदात्मने । याचकायातिशोच्याय ···। ततोऽविमुक्तक्षेत्रस्य साम्यं ह्यभिलषाम्यहम् SkandP. iv. 39. 58; iv. 51. 37; यज्ञवाटम् ···। अतिशोच्यां दशां नीतं वीरभद्रस्ततो जगौ SkandP. iv. 89. 55.

अतिशोण (ati-śoṇa) *adj.* deep red हृदयेऽनाहतं नाम चतुर्थं पङ्कजं महत् ।··· अतिशोणम् S'ivaS. 5. 114; ता: सुदृश: (दूत्य:) ··· श्यामलशुक्लातिशोणमधुपिङ्गरुच: ··· ध्येया: ĪśānS'iPa. i. 19. 38.

अतिशोणका (atiśoṇa-kā) *f.* variety of jasmine हरिणी पीतिका चाथ वारमोटातिशोणका KośaKaTa. 1. 3652.

अतिशोणित (ati-śoṇita) *n.* profuse blood नरस्याश्वस्य नागस्य समसज्जत(v. l. समान्तादति)शोणितम् । उपाशाम्यद्रजो भौमं भीरूणां कश्मलमाविशत् MahāBhā. vii. 31. 25; *adj.* very red समस्तलिङ्गाविह संनिपातजावसृक्प्रभूतौ स्रवतोऽतिशोणितौ (ओष्ठौ भवत:) KalyāKā. 15. 47.

अतिशोधिनी (ati-śodhinī) *f.* name of a shrub बहुगन्धातिशोधिन्यौ वर्षाकाल्यथ जारिणी KalpaK. 154. 192 (v. l.)

अतिशोफ (ati-śopha) *m.* excessive swelling अत: प्रयत्नादतिशोफभेदतां विचार्य सम्यक् विदधीत भेषजम् KalyāKā. 13. 59; 15. 48.

अतिशोफद (atiśopha-da) *adj.* causing excessive swelling दण्डाभिमथनाद्घ्नो गुरुणश्चातिशोफदात् । अनुद्धृतस्नेहमपि तक्रं शोफहरं लघु AṣṭāSaṁ. i. 42. 7 (1. 7); BhojanKu. 201. 13.

अतिशोफापह (atiśophāpaha) *adj.* destroying excessive swelling दाहघ्नो मधुरोऽस्रपीतशमनस्तृष्णातिशोफापह: ···पिण्डाख्यखर्जूरक: BhojanKu. 92. 6.

अतिशोफावह (atiśophāvaha) *adj.* causing great swelling पक्षघात: स्फुटं, स एव कफकारणाद्गुरुतरातिशोफावह: KalyāKā. 8. 14.

अतिशोभ (ati-śobha) *adj.* extremely beautiful चण्ड: ··· उच्चै: प्रहीणं श्रयति पुनरिभ: पैत्तिको नातिशोभ: MātaLī. 11. 39.

अतिशोभन (ati-śobhana) *adj.* [*f.* –ā] **i** extremely charming, very agreeable (मुदावती) सुनन्दमुखलस्पर्शं यच्चकार पुन: पुन: 1 योषित्करतलस्पर्शप्रभावज्ञातिशोभना MārkP. 116. 63; 32. 10; 85. 56; सन्ति यौवनिन: श्लाघ्यास्तत्पत्न्यो नातिशोभना: MārkP. 65. 9; स्वर्गेऽतिशोभनं दृष्ट्वा कौशल्याम् BhaviP. 166A. 6 (i. 115. 2); पद्मकिञ्जल्कसंकाशैरंशुकैरतिशोभना: (स्त्रिय:) LiṅgaP. i. 80. 41; दिव्याम्बरधरो रेजे स कुमारोऽतिशोभन: KathāKau. 10. 84; **ii** very beautiful, very pleasing चन्दनागरुकर्पूरप्रमुखा अतिशोभना: । मलं भवन्ति यत्स्पर्शात्तच्छरीरं कथं सुखम् SkandP. iii(1). 45. 29; iv. 97. 70; ii(9). 5. 20; iii(1). 50. 72; उक्तस्त्वया मुनिदेहि ममेदमतिशोभनम् BṛKathāK. 59. 88; 73. 261; धत्ते कमलमच्युत: । ध्यातुश्चित्तद्विरेफाणां लोभनायातिशोभनम् PadmP.iv. 80. 15; ii. 102. 60; दीपान् डमरुकाकारान् त्रिकोणानतिशोभनान् ··· कुर्यात् KulārT. 7. 34; देवीं प्रागुक्तमार्गेण गन्धाद्यैरतिशोभनै: । हुत्वा पलाशकुसुमैर्वाकूश्रियं महतीं लभेत् S'āraTi. 9. 62; तावकीनो रथ: कान्तो मामकीनोऽतिशोभन: Rāvaṇā. 15. 4; हे हे शालिनि मद्गेहे यत्किंचिदतिशोभनम् । भक्ष्योपसाधनं मृष्टं तेनास्यान्नं प्रसाधय ViṣṇuP. ii. 15. 14; **iii** very delightful (place) नगरी···सुसीमेत्यपरा ख्याता क्षेमेत्यन्यातिशोभना PadmP.(Ra.) 20. 11; 15. 38; मुनि:···स्वयं जगाम भवनं राघवस्यातिशोभनम् AdhyāRā. ii. 2. 16; ii. 9. 1; क्षीराब्धौ श्वेतद्वीपोऽतिशोभन: ĪśānS'iPa. ii. 17. 85; ii. 21. 117 (2); ii. 39. 36; अंशांश्चीनुच्छ्रित: सिंहकर्णे: ··· स च कार्योऽतिशोभन: SamarāSū. ii. 58. 26 (57); 69. 213; वामभागे स्वसद्मन: । समण्डलं चतुर्दिक्षु सौपानैरतिशोभनम् NāraS. 29. 97; पार्श्वजिनेन्द्रस्य प्रतिमामतिशोभनाम् ··· कलाधार: करोति स्म BṛKathāK. 20. 3; 64. 82; **iv** very magnificent (abstract) नेत्रस्यैतत्समाख्यातं विधानमतिशोभनम् JayāS. 28. 127; मेघपृष्ठे बलाकानां रराज विमला तति: । दुर्वृत्ते वृत्तचेष्टेव कुलीनस्यातिशोभना ViṣṇuP. v. 6. 41; विद्याधराश्च बिभ्राणा विभूतिमतिशोभनाम् PadmP.(Ra.) 81. 24; BhaviP. 175B. 18 (i. 118. 51); अभिमुखपतितं प्रशान्तदिक्स्थं शुभमतिशोभनमूर्ध्वसंस्थितं यत् । अशुभकरमतोऽन्यथा प्रदिष्टम् YogYā. 2. 22; आवयोर्देवदेवेश विवादमतिशोभनम् । इहागतो भवान्यस्माद्विवादशमनाय नौ LiṅgaP. i. 19. 9; न हि स्मृतिप्रसिद्धार्थपरित्यागोऽतिशोभन: निर्दोषज्ञानजन्यत्वात् ĀgaPrā. 56. 4; (इत्थं) सर्वस्य नास्तित्वं मेद इत्यतिशोभनम् NyāyKu. 182. 16; लक्षणानां तदेतेषां यत्किंचिदतिशोभनम् । तदस्मिन्दृश्यते देव PārśvC. 7. 629; सिंह: – अतिशोभनमभिहितम् Tantrākhyā. 32. 16; PañcT. 1. 115 (21) (112. 7) [सत्तमश्चातिशोभने AmaK. 2141; सत्तमस्तु श्रेष्ठे चाप्यतिशोभने NānārthāSaṁ. ii. 46. 39; AnekāSa. 458; KośaKaTa. 2. 393; DharK. 2726]

अतिशोभनता (atiśobhana-tā) *f.* great auspiciousness झषचापकुलीरस्थो जीवोऽप्यशुभगोचर: । अतिशोभनतां दद्याद्विवाहोपनयादिषु BṛhaspaSm. 258. 186.

अतिशोभनविग्रहा (atiśobhana-vigrahā) *adj.* (*f.*) whose body is very beautiful लक्ष्मीरिव त्वमतिशोभनविग्रहासि Nalābhyu. 7. 88.

अतिशोभनाङ्गी (ati-śobhanāṅgī) *adj.* (*f.*) of most beautiful body, extremely handsome सुवर्णशृङ्गीमतिशोभनाङ्गीं पयस्विनीं गां प्रददाति यो हि । शृणोति चैतत्स्वहमात्मवान्नर: समं तयो: पुण्यफलं द्विजाग्र्य MārkP. 110. 43.

अतिशोभमान (ati-śobhamāna) *adj.* very shining अतिशोभमानमभितोऽवनीश्वरैरभिषेकमङ्गलमवाप शाश्वतम् Raghunā. 4. 67.

अतिशोभा (ati-śobhā) *f.* extreme beauty प्रकटितविग्रहसंस्थितिरतिशोभाघटितसन्धिबन्धा च KuṭṭaMa. 265.

अतिशोभाकर (atiśobhā-kara) *adj.* making very beautiful, extremely beautifying, ॐकारश्च मुखे राजन्नतिशोभाकरोऽभवत् MahāBhā. viii. 24. 82.

अतिशोभाढ्य (atiśobhāḍhya) *adj.* abounding in great splendour विमानमतिशोभाढ्यम् ···। समाप्नोति नरः BhaviP. 114A. 5 (i. 64. 23); (भूपतिः ··· बिभृयात्) मसृणं चातिशोभाढ्यमिन्द्रनीलम् Mānaso. iii. 8. 1055.

अतिशोभावत् (atiśobhā-va(n)t) *adj.* possessed of excessive beauty or lustre अरिमतिशोभावन्तम् ··· वीक्ष्य ··· विहतौ ··· अस्य व्यधत्त मतिमर्जुनः YudhiVi. 8. 33.

अतिशोभित (ati-śobhita) *adj.* [*f.* -ā] **i** much adorned, excessively beautified प्रवालमुक्तामणिहेमजालैः ··· पर्यन्तलम्बैरतिशोभितानि (विमानमुख्यानि) VarāṅgaC. 9. 18; महाराजो ददर्श सर उत्तमम् । ··· कह्लारैरतिशोभितम् PadmP. ii. 77. 17; **ii** extremely beautiful or charming भूरियं चरणाज्जाता गोत्रोद्भवातिशोभिता VāmaP. 93. 8(13); सा च दृष्टा मया देव ··· । अनाहारकृशेनापि शरीरेणातिशोभिता KathāSaSāg. vii. 4. 115.

अतिशोभिन् (atiśobh-in) *adj.* extremely beautiful or shining अतिशोभिनिर्धूतपावकशिखाकपिशत्विषोऽहम् । छायां शिलादतनयस्य विवर्तयामि HarVi. 37. 42; शयनीयमग्र्यम् । अध्यास्य रत्ननिकरैरतिशोभि भद्रं निद्रामसेवत नरेन्द्रः BrahmāṇḍP. ii. 27. 45; ददर्श ··· गोपुरं च सुरत्नेन तोरणेनातिशोभिनम् PadmP. (Ra.) 28. 82; (नरः) पिधाय कुम्भं वस्त्रेण शोधितेनातिशोभिना BṛNāraP. 17. 28; द्वारेणोभयतः स्वर्णकुम्भाभ्यामतिशोभिना । ··· भूमिपालः पित्र्यं प्रासादमासदत् TriṣaS'aPuC. i. 4. 652.

अतिशोष (ati-śoṣa) *m.* excessive dryness, excessive drying up of mouth रसक्षयेऽतिशोषश्च मन्दाग्नित्वं च वेपथुः HārīS. iii. 9. 18; अयम् ···रसादतिशोषः HarṣaC. 336. 2; उष्मातिशोषातिविमोह° ··· तापाः ··· पित्तप्रकोपे प्रभवन्ति रोगाः KalyāKā. 3. 65.

अतिशोषित (ati-śoṣita) *adj.* excessively dried एताभिर्देवताभिश्च तस्य रक्तेऽतिशोषिते । क्षयं गतासुरी माया VarāP. 27. 39; किमर्थं तप्यते मातः शरीरमतिशोषितम् BṛNāraP. 10. 40; मेदो यस्याग्निना पक्वं वायुना चातिशोषितम् । तदस्थिसंज्ञां लभते BhāvPra.(Bhā.) 3. 152.

अतिशोषिन् (atiśoṣ-in) *adj.* drying up exceedingly मैथुनं परिशोषि (v. l. चातिशोषि) ··· निदाघे परिवर्जयेत् SuśruS. vi. 64. 40.

अतिशौच (ati-śauca) *n.* excessive purity [pw]

अतिशौण्ड (ati-śauṇḍa) *adj.* very much skilled सततनतजनध्वान्तखण्डातिशौण्डे चाण्डीशे ते श्रिये स्तान् ··· कुण्डले S'ivaKePāSt. 6.

अतिशौण्डीर (ati-śauṇḍīra) *n.* too much pride, over-confidence तदेतदतिशौण्डीरमौडुलोमेर्न मृष्यते । बादरायण आचार्यः Bhām. 756. 13 (*on* iv. 4. 7); *adj.* very brave सोऽतिशौण्डीरः ··· रुद्धः सर्वैर्व्यावृत्य खेचरैः PāṇḍaC. 9. 61.

अतिशौण्डीर्य (ati-śauṇḍīrya) *n.* excessive valour (परिच्छिन्द्यात्) परिभववृत्तान्यतिशौण्डीर्यात् KāmSū. 260. 3 (5. 1); (परिच्छिन्द्यात्) इत्यात्मगतानि नायिकापरिभववृत्तान्यतिशौण्डीर्यादिति परिभवप्रक्षालनात् JayaMa. 260. 12 (*on* 5. 1)

अतिशौर्य (ati-śaurya) *adj.* having excessive power, extremely powerful ॐ नमो भगवते खड्गरावणायातिशौर्याय ĪśānS'iPa. i. 41. 20 (1)

अतिशौर्यपर (atiśaurya-para) *adj.* possessing great valour, very brave पुत्रा व(ब)भूवुरतिसौ(शौ)र्यपराश्च तस्य EI. xxiii. 4. 5.

अतिशौर्योष्मन् (ati-śauryoṣman) *m.* excessive heat of valour सेनापतिः ··· अतिशौर्योष्मणेव परिपाकमागतः ··· सिंहनादनामा···विज्ञापितवान् HarṣaC. 257. 8-9.

अतिशौवसंकोच (atiśauva-saṅkoca) *adj.* surpassing a dog in case of contraction of body (due to modesty) स चार्मकोशस्थगितास्यबाह्योऽतिशौवसंकोच इहानहंयुः ।··· आह्व निनाय DvyāśraKā. 20. 73.

अतिश्च्युतित (ati-ścyutita) *adj.* fallen out, dropped यत्परो योनिमतिश्च्युतितमभूत् तत् ··· यज्ञायज्ञीयमाददत JaimiBr. 3. 353.

अतिश्मशान (ati-śmaśāna) *n.* great cemetery श्मशानेऽतिश्मशाने च ··· विदग्धाया विदग्धेन संगमो निर्जने सुखः BrahmVaiP. iv. 59. 30.

अतिश्याम (ati-śyāma) *adj.* [*f.* -ā] very dark राज्ञश्चक्रवर्तिनः स्त्री भवति ··· नातिगौरी नातिश्यामा GiMs. iii(1). 36. 17; अथैक्षांचक्रिरे ··· शुभमाल्यम् । परिवीतमतिश्याममहानोकहमालया PadmP.(Ra.) 32. 64; कुर्वन्नञ्जनपुञ्जगञ्जनमतिश्यामाङ्गकान्तिश्रिया ··· मां हन्त संतर्पय StavMā. 138. 14.

अतिश्रद्धा (ati-śraddhā) *f.* **i** great faith अतिश्रद्धाम्···साधय SkandP. iii(3). 11. 28; वसन्ते सेवनं कार्यं त्वया तत्रातिश्रद्धया DevīBhāP. iii. 30. 57; शून्यमायतनं देव्या इति प्रतिनिशमतिश्रद्धया ··· वनदेवताभिः ···दीयते स···प्रदीपः UdaySuKa. 151. 19; **ii** excessive (more than required) faith अगतित्वमतिश्रद्धा ज्ञानाभासेन तृप्तता । त्रयः शिष्यगुणा ह्येते मूर्खाचार्यस्य भाग्यजाः KaliVid. 9.

अतिश्रद्धागर्भा (atiśraddhā-garbhā) *adj.* (*f.*) full of great faith लौकिकश्चेश्वरः अतिश्रद्धागर्भाभिर्भक्तिभिराराधितः ··· फलं प्रयच्छति Bhām. 577. 19 (*on* iii. 2. 41)

अतिश्रद्धादत्त (atiśraddhā-datta) *adj.* given with great faith युध्यमानस्यातिश्रद्धादत्तविशिष्टोपपात्रयुक्तान्नतोयादिना श्रीकृष्णस्य बलप्राणपुष्टिरभूत् ViṣṇuP. iv. 13. 50.

अतिश्रद्धावत् (atiśraddhā-va(n)t) *adj.* having extreme faith (पिप्पलः) अतिश्रद्धावाननसूयकः PadmP. ii. 61. 18.

अतिश्रम (ati-śrama) *m.* **i** great exertion, exccessive labour अनेकदेशदर्शित्वेनातिश्रमसमन्वितः । त्वम् ··· पृथिवीमटसि द्विज MārkP. 61. 11; नित्या दधुरतिश्रमम् BrahmāṇḍP. iii 25. 75; निष्कासिता रेजुरतिश्रमेण JānaHa. 3. 12; प्राणपीडाकरमतिश्रमवेगागमनादि नाचरेत् ManuBh. i. 351. 18 (*on* 4. 54); **ii** great exhaustion, excessive fatigue अयं पाण्डुर्जायते ··· अव्यायामान्मैथुनातिश्रमेण HārīS. iii. 8. 4; स्रस्तलोचनमतिश्रमबिन्दुव्याप्तगात्रम् ··· वर्जयेत् KalyāKā. 12. 32; अतिश्रमपिपासोपशान्तौ पेयायाः परं कारणमस्ति NitiVā. 25. 33; अतिश्रमस्वेदकणिकाङ्कितकुन्तलीस्तनमण्डलाभोगविडम्बितस्तल्पीकृतैः पुटकिनीपलाशैर्निरन्तरमाच्छादिते द्वितीय इव सरसि ··· न्यषीदत् TilaMañ. 207. 10–11; अह्नाप्लुतं निशि शयानमतिश्रमेण BhāgP. ii. 7. 31; मरीचिः ··· कुशपुष्पाद्यरण्याच्च आनीयातिश्रमान्वितः AgniP. 114. 12; अतिश्रमम् ··· परिवर्जय SkandP. iii(3). 11. 26; अतिश्रमाकुलां व्यग्रां धावन्तीं तामितस्ततः । दृष्ट्वा मेऽजायत कृपा ĀdiP. 28. 22; अनुत्थापयन्त्येव ··· तम् ··· अतिश्रमेण निद्रागतं वनौकसमेकाकिनी समुच्चलिताहमिह UdaySuKa. 135. 19; अतिश्रमात् स्वयं भूत्वा भर्तुः कण्ठावलम्बिनी । पतिप्रणयभङ्गस्य प्रायश्चित्तं चकार सा PāṇḍaC. 8. 13.

अतिश्रमकर (atiśrama-kara) *adj.* causing excessive fatigue or exhaustion प्राणस्याबाधा येन तत् प्राणपीडाकरमतिश्रमकरमित्यर्थः BālamBha. i. 397. 31 (*on* 1. 137)

अतिश्रमजन्यकर्मन् (atiśramajanya-karman) *n.* act which can be accomplished with great exertion श्रमेणातिश्रमजन्यकर्मणा ManvaVi. 1221. 19 (*on* 9. 208)

अतिश्रमापनयन (atiśramāpanayana) *n.* alleviation or removal of excessive exhaustion नातिश्रमापनयनाय यथा श्रमाय राज्यं स्वहस्तधृतदण्डमिवातपत्रम् S'āk. 5. 5; = SūktiRa. 156. 104.

अतिश्रमार्त (ati-śramārta) *adj.* afflicted with great exhaustion नन्विमामेतावतीं भूमिमतिश्रमार्तोऽपि व्रजामि UdaySuKa. 30. 26.

अतिश्रव्य (ati-śravya) *adj.* very melodious चण्डीं स्तोतुं प्रचक्रमे । बाणः काव्यैरतिश्रव्यैः PrabhāC. 115. 26.

अतिश्रव्यता (atiśravya-tā) *f.* great melodiousness अतिश्रव्यतया सुधारसेनेव श्रवणविवरमध्यापयन्तम् ··· हाहारवमशृणोत् (नृपतिः) TilaMañ. 54. 2.

अतिश्रव्यनिदर्शन (atiśravya-nidarśana) *n.* example or illustration of very melodious (poetry) तत्र श्रीहेमचन्द्रोऽपि ··· उवाच काव्यमव्यग्रमतिश्रव्यनिदर्शनम् PrabhāC. 185. 11.

अतिश्रान्त (ati-śrānta) *adj.* extremely exhausted अतिश्रान्तो ददर्शाथ मुनेः कस्यचिदाश्रमम् GaṇeP. i. 27. 29; मुनिसुता:···अतिश्रान्ता द्रुमतले···प्राक्षपंस्तदा GaṇeP. ii. 108. 16; नीरम् ··· अतिश्रान्ताः समाश्रयत हे जनाः VidaMuMa. 4. 59; त्वां चिन्तेन सदा वहन्नयमतिश्रान्तो भृशं तापितः S'ārṅgPa. 3550; अतिश्रान्तं बलं ज्ञात्वा मन्त्रिणोऽरिमहीभुजः MalliC. 7. 636; रात्रावतिश्रान्तो राजपुत्रो यावन्निद्रां याति SiṁhāDvā. 35. 5(2); भो ब्राह्मण किमर्थमतिश्रान्त इव दृश्यसे SiṁhāDvā. 167. 5(1)

अतिश्रान्तगति (atiśrānta-gati) *f.* gait of a very much tired or exhausted person कुञ्चितः स्यादतिश्रान्तगतौ तुङ्गस्य च ग्रहे SaṁgīRa. iv. 93. 2 (7. 317) (comm. अतिश्रान्तस्य बहुमार्गगमनश्रान्तस्य गतौ)

अतिश्रान्तदेह (atiśrānta-deha) *adj.* whose body is greatly exhausted मधुपिङ्गलः ··· अतिश्रान्तदेहः ··· सगरागारद्वारमन्दिरे मनाग्व्यलम्बत YaśasCam. ii. 352. 11.

अतिश्रान्तिजुष् (atiśrānti-juṣ) *adj* very much tired or exhausted अतिश्रान्तिजुषां पथि । को नाम यामिकः PāṇḍaC. 7. 573.

अतिश्रि (ati-śri) *adj.* **i** surpassing in wealth, very prosperous श्रियमतिक्रान्तमतिश्रि (कुलम्) JaineVyā. 4. 9 (*on* i. 1. 7); **ii** surpassing the goddess of wealth in beauty वदनेन राजसितरामतिश्रिणा EI. i. 105. 9.

अतिश्री (ati-śrī) *f.* excessive beauty ध्वजान् ··· भ्राजमानानतिश्रिया (आचक्ष्व) MahāBhā. vii. 80. 1; रुचिराण्यपि पुष्पाणि पादपानामतिश्रिया Rāmā. iv. 1. *32; त्वमपीच्छन्नतिश्रियम् PariPar. 3. 43; *adj.* surpassing in wealth,

very prosperous श्रियै अतिश्रियै ब्राह्मण्यै···श्रिये अतिश्रिये ब्राह्मणाय MahāBh. i. 314. 20 (*on* i. 4. 3); अतिलक्ष्मीः अतिश्रीः JaineVyā. 4. 18 (i. 1. 8) = KāśiVr. *on* i. 2. 48; अतिश्रिये ब्राह्मणाय Nyās. i. 266. 13 (*on* i. 4. 6); अतिश्रीः। इत्यादौ ह्रस्वो न PrakriKau. i. 525. 2; अतिश्रियं ब्राह्मणानामिति Prasā. i. 190. 11; वैमानिकसुखावासं तेऽतिश्रियमशिश्रियन् PrabhāC. 52. 26(7)

अतिश्रु (ati-śru-) v. Ā. to excel in renown एष एतानि चकारेन्द्रो विश्वा योऽति शृण्वे ṚV. viii. 2. 34.

अतिश्रुत (ati-śruta) *adj.* very renowned तदीयतनयो वंशीधरोऽतिश्रुतः GopāKeCan. 140. 25.

अतिश्रुतिकटु (ati-śrutikaṭu) *adj.* extremely bitter (i. e. harsh) to the ears अतिश्रुतिकटुत्वेन ··· सभ्यैर्नैषापि मानिता (समस्या) PrabhāC. 149. 23.

अतिश्रुतिसुखम् (ati-śrutisukham) *adv.* very pleasantly, very melodiously गायत्यतिश्रुतिसुखं विधिरेव यत्र भृङ्गः SūktiMu. 32. 10; S'ārṅgaPa. 1144; Subhāṣi. 930.

अतिश्रेयस् (ati-śreyas) *adj.* i very prosperous, very distinguished अतिश्रेयांस्त्वं भूयाः Ratnā. iv. 13. 11; ii very auspicious अतिश्रेयस्यहनि ··· अजनयत्तनयम् TilaMañ. 75. 22; *n.* great luck दष्टा यन्न भुजङ्गमेन तदतिश्रेयः किमेतैः क्षतैः SaduktiKa. 77. 28.

अतिश्रेयसि (ati-śreyasi) *adj.* (man) superior to the most excellent woman बहुव्रीहेः किम्। अतिश्रेयसिः PrakriKau. i. 525. 4 = Prasā. i. 525. 23; SiddhāKau. 201A. 11.

अतिश्रेयस्करी (ati-śreyaskarī) *adj.* (*f.*) conducive to great happiness or prosperity (द्वादशी) बुधश्रवणसंयुक्ता सातिश्रेयस्करी स्मृता VāmaP. 79. 66.

अतिश्रेष्ठ (ati-śreṣṭha) *adj.* [*f.* -ā] very distinguished, best of all मत्सान्निध्यात्त्वदीनां त्वमतिश्रेष्ठा भविष्यसि VarāP. 144. 56; अतिश्रेष्ठस्य शुद्धाध्वनोऽप्युपरि स्थितं परमाकाशरूपं परमपदम् S'ivārkaMaDī. i. 124. 33 (*on* i. 1. 2); नयकारानतिश्रेष्ठानभिवाद्यैवमब्रवीत् (नृपः) Hastyāyur. 4. 3 (1. 1); [Superior to the best, PW]

अतिश्रेष्ठतर (atiśreṣṭha-tara) *adj.* better than the very best अतिश्रेष्ठतरं लिङ्गं श्रेयोरूपं त्रिलोचनम् SkandP. iv. 75. 25.

अतिश्रेष्ठत्व (atiśreṣṭha-tva) *n.* great superiority, pre-eminence ईश्वरयोगस्य सांख्ययोगापेक्षयातिश्रेष्ठत्वप्रतिपादनार्थम् YogSūVr. 1. 29; अतिश्रेष्ठत्वात् ऊर्ध्वदेशरूपेणेत्यर्थः Bhāsk. ii. 275. 14 (*on* iii. 2. 20)

अतिश्लक्ष्ण (áti-ślakṣṇa) *adj.* [*f.* -ā] i very fine or tender अथैतानरूपेभ्य आलभते। ··· अतिश्लक्ष्णमतिलोमशम् TaiBr. III. iv. 19. 1; विमृशामि वितानं तेऽतिश्लक्ष्णमतिलोमशम् TripuVePāSt. 15; ii very smooth रत्नचूर्णैरतिश्लक्ष्णैः पञ्चवर्णसमन्वितैः PadmP.(Ra.) 6. 167; (घण्टाम्) सुस्वरां तामतिश्लक्ष्णां पञ्चगव्येन धावयेत् CaturCin. i(1). 728. 14; iii very thin or fine दद्यात्त्रस्यं तुरङ्गस्य ··· नाड्यातिश्लक्ष्णया वैद्यः AśvaVai. 17. 3.

अतिश्लक्ष्णता (atiślakṣṇa-tā) *f.* excessive smoothness अस्वेदनमतिस्वेदनं पारुष्यमतिश्लक्ष्णता CaraS. ii. 5. 8 (1922 Ed.); KāśyaS. 115B. 20; यस्यामतिश्लक्ष्णतया गृहेषु विधातुमालेख्यमशक्नुवन्तः S'iśuVa. 3. 46.

अतिश्लक्ष्णमणि (atiślakṣṇa-maṇi) *m.* very smooth or polished jewel अतिश्लक्ष्णमणिकुट्टिम° ··· °दत्तहस्तम् (ससंभ्रममुपसृत्य) S'ṛṅgāTi.(Rā.) 106(5)

अतिश्लथ (ati-ślatha) *adj.* very loose or lax न च विकेशिकामौषधम् ··· अतिश्लथगाढम् ··· दद्यात् AṣṭāSaṁ. i. 187. 11 (1. 38)

अतिश्लथत्व (atiślatha-tva) *n.* excessive looseness or laxity अतिश्लथत्वादपरिशुद्धिः AṣṭāSaṁ. i. 187. 12 (*on* 1. 38)

अतिश्लथावलम्बिन् (atiślathāvalambin) *adj.* hanging down very loosely अतिश्लथावलम्बिपयोधरेयम् ··· जरां प्राप शरच्छलेन SūktiMu. 62. 4.

अतिश्लाघ्य (ati-ślāghya) *adj.* very praiseworthy तदतिश्लाघ्यमेव स्यात् MahāBhā. ix. 206*. 7; श्रीमल्लक्ष्मणसेनभूपतिरतिश्लाघ्यः AdbhuSāg. 4. 13.

अतिश्लाघ्यास्पदत्व (atiślāghyāspada-tva) *n.* the state of being the object of great praise सर्वेनायकातिशयत्वाद्धीरोदात्तस्य तद्विषयत्वाद्धि प्रबन्धानामतिश्लाघ्यास्पदत्वम् PratāYaBhū. 41. 7.

अतिश्लिष् (ati-śliṣ-) to fasten or tie over [MW]

अतिश्लिष्ट (ati-śliṣṭa) *adj.* [*f.* -ā] closely connected, very close, closely sticking (महाशङ्खम्) अतिश्लिष्टोदरोरस्कम् ··· प्राध्मापयदरिंदमः (अर्जुनः) MahāBhā. iv. 774*(4); अतिश्लिष्टातिप्रकृष्टरौद्रभैरवाद्भुतद्विष्टबीभत्सनविकृतवित्रासनादिरूपदर्शनं मिथ्यायोगः CaraS. i. 11. 37; नातिश्लिष्टः संधिरस्य मृणालवलयस्य S'āk. 3. 34(3); अङ्गुलीभिश्लिभागतः संस्तुताभिः कालिकाभिरिवातिश्लिष्टाभिः AvantiKa. 104. 11; DaśKuC. 62. 7; JaineVyā. 263. 7 (*on* iv. 1. 137); DharmoPra. 5. 28; ĪśānS'iPa. i. 38. 1.

अतिश्लेष (ati-śleṣa) *m.* close union प्रथमांशजां दिगै(? शै)वातिश्लेषो दिग्भेदो युतिर्द्वितीयः ViṣṇuDhaP. ii. 174 (299A. 8)

अतिश्लेष्मन् (ati-śleṣman) *m.* excessive phlegm अतिश्लेष्मव्याप्तकण्ठः ··· कदा मरणमुपयामि BṛNāraP. 30. 5 (378. 13); BhojanKu. 166. 19.

अतिश्लोक (ati-śloka) *m.* excessive praise अक्रूर इत्थं स्तुतिमीश्वरस्य श्लोकैरतिश्लोककरैरकार्षीत् HariVi. 4. 74.

अतिश्व (ati-śva) *adj.* [*f.* -ī] [Debru. p. 393] surpassing a dog अतेः पराच्छुनष्टच् भवति। अतिक्रान्तः श्वानम् अतिश्वो वराहः। अतिजवन इत्यर्थः। अतिश्वः सेवकः। सुष्ठु स्वामिभक्त इत्यर्थः। अतिश्वी सेवा। अतिनीचेत्यर्थः Cāndra-Vyā. iv. 4. 81; JaineVyā. 280. 31 (*on* iv. 2. 98); KāśiVr. *on* v. 4. 96; Nyās. ii 176. 15 (*on* v. 4. 96); KātanVr. *on* ii. 6. 41; अतीतः श्वानमतिश्वो वराहः S'ṛṅgāPra. 14. 10; DvyāśraKā. 19. 127; MugdhaBo. 6. 50 (59. 14); PrakriKau. i. 556. 9; SiddhāKau. 185B. 14; 185B. 15; *m.* name ef a tribe or man अतिश्व इत्यन्यः GaṇRa. 4. 279 (324)

अतिश्वन् (ati-śvan) *m.* name of a tribe or man अतिश्वन् GaṇPā. 132. 17; खिलास्त्यतिश्वानः (पक्षादेः फण्) GaṇRa. 4. 279 (324); cf. **अतिस्वन्**

अतिश्वा (atiśvā) *f.* service [Apte]

अतिश्वास (ati-śvāsa) *m.* excessive breathing शमं नयाशु गोविन्द ··· अन्तःश्वासमतिश्वासम् AgniP. 31. 20; KalyāKā. 9. 53; AśvaCi. 13. 26.

अतिश्वी (atiśvī) *f.* service सेवा श्ववृत्तिर्दुर्वृत्तिरतिश्वी च निगद्यते KośaKaTa. 1. 5877.

अतिश्वेत (ati-śveta) *adj.* [*f.* -ā] very fair अगम्यास्त्वेवैताः (कन्याः) ··· अतिश्वेतातिकृष्णा KāmSū. 69. 13 (1. 5); JayaMa. 69. 21 (*on* 1. 5); नमो रैवन्ताय ··· नमोऽतिश्वेताय AśvaVai. 7. 41; PadmP. ii. 15. 8; AupaSūT. 30. 10; SetuBa. 133. 1.

अतिश्वेतत्व (atiśveta-tva) *n.* extreme paleness सुप्तत्वकण्डूगुरुगात्रतातिश्वेतत्वशीतत्वमहत्त्वनिद्राः ··· श्लेष्मप्रकोपोपगतामयास्ते KalyāKā. 3. 66.

अतिषक्त (áti-ṣakta) *adj.* [*f.* -ā] closely connected with, closely attached उखा कुम्भी वेद्यां मा व्यथिष्ठा यज्ञायुधैराज्येनातिषक्ता AV. xii. 3. 23; अतिषक्ताभिर्यजति। तस्माद्ग्रीवा अतिषक्ताः KāṭhS. 25. 1 = KapiKaS. 38. 4; इन्द्रो दधीचो अस्थभिर्वृत्राण्यप्रतिष्कुतः। ववक्षुरश्वो अस्तृत इत्यथर्वशिरो दशातिषक्ताः ĀpaS'S. xvii. 8. 2; HirS'S. xii. 1. 19; VaikhāS'S. 19. 5; SaṅkarKāBh. 75. 3 (*on* ii. 1. 73); अतिषक्तः पुरुषः SaṅkarKāBh. 75. 4 (*on* ii. 1. 73)

अतिषङ्ग (ati-ṣaṅga) *m.* i name of a Sāman cf. **इन्द्रस्यातीषङ्ग** ĀrṣeBr. vi(1). 4. 4 [PW]; 2 close connection अभि(v. l. अति)षङ्गादहं भीतः MahāBhā. iv. 67. 7; SaṅkarKāBh. 75. 3 (*on* ii. 1. 73)

अतिषण्ड (ati-ṣaṇḍa) *m.* name of a *Nāga* तथा नागौ चक्रमन्दातिषण्डौ। ··· स्वयं राजा वरुणश्चापि राजन्। प्रत्युद्गम्य स्वागतेनाभ्यनन्दन् MahāBhā. xvi. 5. 15.

अतिषित (áti-ṣita) *adj.* tied or fastened पृथिव्यामतिषितं यदूधः पयो गोष्वदधा ओषधीषु ṚV. x. 73. 9.

अतिषिषेणयिष (ati-ṣiṣeṇayiṣa-) -. P. [desid.] to wish to assail with an army गेः परेषां स्वासेनय° ··· स्वञ्ज इत्येतेषां सकारस्य षत्वं भवति। अतिषिषेणयिषति JaineVyā. 406. 31 (*on* v. 4. 46)

अतिषोडश (ati-ṣoḍaśa) *adj.* who has passed the 16th year, more than 16 years old द्वादशे वैश्यं, नातिषोडशमुपनयीत JaimiGS. 1. 12 (10. 5)

अतिष्कद् (ati-ṣkád) *f.* jump, leap, crossing अतिष्कदो भियसा तन्न आवत् ṚV. x. 108. 2 [Viśva. अतिष्कदस्]

अतिष्कदे (áti-ṣkade) *inf.* for jumping or leaping across नास्माकमस्ति तत्तर आदित्यासो अतिष्कदे ṚV. viii. 67. 19.

अतिष्कद्वरी (atiṣkád-varī) *adj.* (*f.*) having an abortion इद्वत्सरायातिष्कद्वरीम् VājaS. 30. 15 (Mahī. अतिस्कन्दति स्रवति इत्यतिस्कद्वरी) cf. **अतिस्कद्वरी**.

अतिष्कन्द् (ati-ṣkand-) I. P. to leap or jump over ते स्पन्द्रासो नोक्षणोऽति ष्कन्दन्ति शर्वरीः ṚV. v. 52. 3.

अतिष्टिघम् (ati-ṣṭígham) *inf.* [AltGr. 1. 151] to overstep or overwhelm प्रजापतिः···असुर्यो वा एतां यदोषधयस्ता अतितिष्टिघिषन्नतिष्टिघं नाशक्नोत् MaiS. i. 6. 3.

अतिष्टु (ati-ṣṭu-) II. P. to chant in excess (with a larger number of Stomas or syllables than the prescribed ones) यत् संप्रति स्तुवन्ति तत् स्तुतं यदतिष्टुवन्ति तत् सुष्टुतम् PañcBr. ix. 3. 7; यद्यर्वाक् स्तुयुर्यावतीभिर्न स्तुयुस्तावतीभिर्वातिष्टुयुर्भूयोऽक्षराभिर्वा PañcBr. ix. 3. 8 = Kṣudra. i. 7 (176. 20); यद्यतिष्टुयुः स्वारमग्निष्टोमसाम कार्यम् PañcBr. ix. 3. 11; ix. 3. 9; JaimiBr. 1. 356; यद्यतिष्टुयुरुत्तरे स्तोत्रे तावतीर्वा न स्तुवीरन्···अत्येतद् रेचयन्ति

यदतिष्टुवन्ति JaimiBr. 1. 356; यथा वै निष्कं मणिं स्रजं प्रतिमुच्य तत् पुनरुन्मुञ्चेत् तादृक् तद् योऽग्निष्टोमेऽतिष्टौतीति JaimiBr. 2. 190.

अतिष्टुत्य (ati-ṣṭutya) *adj.* liable to be over-chanted (with a larger number of Stomas or syllables) तदाहुर्नातिष्टुत्यम् JaimiBr. 2. 190.

अतिष्ठ (ati-ṣṭha) *m.* one of the thousand epithets of Viṣṇu or Kṛṣṇa अतिष्ठ उमापतिः। ···इत्येतत् कथितं देवि सहस्रं नाम चोत्तमम्। आदिदेवस्य वै विष्णोर्बालकत्वमुपेयुषः PañcaRā.(Nā.) iv. 8. 119.

अतिष्ठत् (á-tiṣṭhat) *adj.* [*f.* -ntī] **i** not remaining or standing still (i. e. moving) अतिष्ठन्तीनामनिवेशनानां काष्ठानां मध्ये निहितं शरीरम्। वृत्रस्य RV. i. 32. 10; स सूर्यः पर्युरू वरांस्येन्द्रो ववृत्याद् रथ्येव चक्रा। अतिष्ठन्तमपस्यं न सर्गम् RV. x. 89. 2; जडैव चिन्मयीवासावन्यस्पन्दोपजीविनी। निमेषमप्यतिष्ठन्ती स्थैर्याशङ्कां प्रयच्छति YogVā. iii. 113. 18; **ii** not persisting in, not continuing in वार्ताधर्मे ह्यवर्तन्त्यो (v. l. अतिष्ठन्त्यः) विनश्येयुरिमाः प्रजाः MahāBhā. iii. 149. 33; अतिष्ठन्तमिवात्मानं मत्वा स्वखुरधूलिभिः। बभ्रमुर्वाजिनो यस्य संकटास्वपि वीथिषु PṛthvīVi. 5. 49; वक्तव्येऽर्थे ह्यतिष्ठन्तमुत्क्रामन्तं च तद्वचः। आसेधयेद् विवादार्थी ···। प्रत्यर्थिनं तु SukraNi. 4(5). 93; **iii** not remaining, not being retained असुक्ते रिक्तकोष्ठस्य प्रयुक्तमनुवासनम्।··· तेन वायोर्जयो न स्याद् वातधामन्यतिष्ठता AṣṭāSaṁ. i. 146. 15 (1. 28); i. 149. 16 (1. 28); SiddhYo. 75. 16; **iv** not stopping, oozing or flowing out (as blood) (क्षुतरक्तस्य) अतिष्ठति तु रक्ते सिरामुखं संधातुं पूर्वोक्तैश्चूर्णैरवचूर्ण्याङ्गुल्यग्रेण पीडयेत् AṣṭāSaṁ. i. 179. 17 (1. 36); AṣṭāHr. i. 27. 48.

अतिष्ठमान (á-tiṣṭhamāna) *adj.* [*f.* -ā] not standing still, not waiting तेऽन्योन्यस्मै जैष्ठ्यायातिष्ठमानाः···व्यक्रामन् TaiS. II. ii. 11. 5; ऋक्सामे वै देवेभ्यो यज्ञायातिष्ठमाने TaiS. VI. i. 3. 1; वाग्वै देवेभ्योऽपाक्रामद् यज्ञायातिष्ठमाना TaiS. VI. i. 4. 1.

अतिष्ठा (ati-ṣṭhā-) I P. **i** to overcome, to excel, to surpass यो जनान् महिषाँ इवातितस्थौ पवीरवान्। उतापवीरवान् युधा RV. x. 60. 3; अग्नेर्वै जिह्वा ब्रह्मणस्पतिस्सर्वमेषातितिष्ठति KāṭhS. 13. 4; कथं न्वहमिदं सर्वमतितिष्ठेयमर्वागेव मदिदं सर्वं स्यादिति ··· स इदं सर्वमेवात्यतिष्ठत् SatBr. IV. v. 3. 2; एवं वा एष इदं सर्वमतितिष्ठति SatBr. V. iv. 2. 5; त्रयस्त्रिंशं शतं राजाश्वान् बद्धाय मेध्यान् सौद्युम्निरत्यष्ठादन्यानमायान् मायवत्तर इति SatBr. XIII. v. 4. 12; IV. v. 3. 3; X. vi. 1. 9; XIII. vi. 1. 1 = XIII. vii. 1. 14; स य एवमेनमुपास्तेऽतीव सर्वा भूतानि तिष्ठति ĀrṣeU. 6. 5; महीं विजयते सर्वां शत्रूंश्चापि पराजयेत् (v. l. चाप्यतितिष्ठति) MahāBhā. i. 56. 19; आवाहयेत् तमेकान्ती यो ज्यायानतितिष्ठति। अमृतत्वस्य चेशानो भगवान् पुरुषोत्तमः BṛBrahmaS. i. 12. 98; **ii** to remain beyond, to stand beyond स भूमिं विश्वतो वृत्वात्यतिष्ठद् दशाङ्गुलम् RV. x. 90. 1 = AV. xix. 6. 1; VājaS. 31. 1; TaiĀ. iii. 12. 1; SvetāU. 3. 14; स भूमिं विश्वतो वृत्वा ··· अत्यतिष्ठदतीत्यैव स्थितो भूयो दशाङ्गुलम् AhirbuS. 59. 20; ViṣṇuP. i. 12. 56; PañcDa. 2. 57; **iii** to mount (on a chariot) अश्वान् समुत्थाप्य तु सारथिः। तस्थौ सात्यकिमासाद्य संयुतस्तं (v. l. सोऽत्यतिष्ठद्) रथं पुनः MahāBhā. vii. 25. 37. cf. **अतितिष्ठत्**

अतिष्ठा (ati-ṣṭhā́) *f.* **1** pre-eminence, superiority अयं सर्वेषां राज्ञां श्रैष्ठ्यमतिष्ठां परमतां गच्छेत AitBr. 39. 1 (935); एतदतिष्ठैवातिष्ठेव ह वै भवति SatBr. IV. v. 4. 2; अतिष्ठो वा इन्द्रः SatBr. V. iii. 3. 6; **2** permanency, long existence or standing फलेच्छां दर्शयति ··· श्रैष्ठ्याद्याधिपत्यान्तान् गुणान् प्राप्नुयात्। श्रैष्ठ्यं जातिश्रेष्ठताम् अतिष्ठां चिरकालवासित्वम् VīraMi.(Rājanīti.) 93. 2; *adj.* superior in standing, foremost, standing over or beyond, pre eminent, surpassing एष वा अतिष्ठा वैश्वानर एतां हि वै स्वमतिष्ठां वैश्वानरं वेद SatBr. X. vi. 1. 9; अतिष्ठा वा एषा छन्दसां यदतिच्छन्दा अतिष्ठा अश्वमेधो यज्ञानाम् SatBr. XIII. v. 1. 9; अतिष्ठाः सर्वेषां भूतानां मूर्धा राजेति SatBr. XIV. v. 1. 2 (= BṛĀraU. ii. 1. 2); बृहत्(? न्) पाण्डरवासा अतिष्ठाः सर्वेषां भूतानां मूर्धेति वै SāṅkhāĀ. 6. 3 (22. 27) = KauṣiBrU. 4. 2; BṛĀraUBhVā. ii. 1. 51; Vedānt-Ka. 148. 6 (*on* i. 2. 24)

अतिष्ठाकाम (atiṣṭhā-kāma) *adj.* desirous of pre-eminence or superiority पुरुषमेधस्त्रयोविंशतिदीक्षोऽतिष्ठाकामस्य KātySS. xxi. 1. 1.

अतिष्ठागुण (atiṣṭhā-guṇa) *m.* quality of being superior (दिवः) वाजसनेयकगतोऽतिष्ठागुणश्छान्दोग्ये द्रष्टव्यः PrakaVi. 216. 22.

अतिष्ठात्व (atiṣṭhā-tva) *n.* the state of being superior यद्यपि वाजसनेयके द्यौरतिष्ठात्वगुणा समाम्नायते BrahmSūBh.(Sāṅ.) 140. 3 (*on* i. 2. 31); अतीत्य स्थितत्वं हि दिवोऽतिष्ठात्वम्। तच्च सर्वोत्कृष्टत्वम् SrutaPra. iB. 342. 28 (*on* i. 2. 26); iB. 342. 24 (*on* i. 2. 26)

अतिष्ठाय (atiṣṭhā́-ya) *ger.* having surpassed or stood beyond अतिष्ठाय वर्चसाध्यन्यान्त्सूर्य इवा भाहि प्रदिशश्चतस्रः AV. xix. 33. 5; AV.(P.) xii. 5. 5.

अतिष्ठाय (atiṣṭhā-ya) *adj.* pre-eminent, superior ब्राह्मणस्पत्यमतिष्ठायमालभेत यः कामयेतातिष्ठायस्स्यामिति KāṭhS. 13. 4.

अतिष्ठावत् (atiṣṭhā́-va(n)t) *adj.* [DEBRU. p. 905] having superiority, superior, pre-eminent हस्ती मृगाणां सुषदामतिष्ठावान् बभूव हि AV. iii. 22. 6.

अतिष्ठावन् (atiṣṭhā́-van) *adj.* [DEBRU. p. 898] superior in standing, pre-eminent, surpassing (governs Acc.) अतिष्ठावा बार्हस्पत्यः AV.(P.) ii. 69. 5; तेषाम् ··· त्रयोऽकायमन्तातिष्ठावानः स्यामेति SatBr. IV. v. 4. 1; यथायं पर्वतोऽतिष्ठावा यथर्षभः पशूनतिष्ठावैवं वा एष इदं सर्वमतितिष्ठति SatBr. V. iv. 2. 5; IV. v. 4. 2.

अतिष्यपूरुष (atiṣya-pūruṣa) *m.* person recognized supreme in the non-*tiṣya* aeons or the three *yugas* other than the Kaliyuga भवन्तमद्राक्ष्मतिष्यपूरुषम् SaṅkaDigVi.(Mā.) 16. 52.

अतिष्वङ्ग (ati-ṣvaṅga) *m.* intense affection रुचिर्भास्यनुरागे स्यादतिष्वङ्गेऽपि कुत्रचित् NānārthSaṁ. 74. 8.

अतिस (atisa) *n.* leaky boat तरण्यां नौस्तरिस्तारिः सदुर्दः सह इत्यपि। अर्धनावं तु नावोऽर्धेऽप्यतिसं प्रचलं तथा ParyāSaRa. 3. 43.

अतिसंयम (ati-saṁyama) *m.* extreme (i. e. complete) restraint त्वं तु शुष्कक्रियातन्त्रः केवलं मन्त्रसाधकः। सिद्धिः सत्त्ववतामेव संकोचो ह्यतिसंयमः BṛKathāMañ. 14. 47.

अतिसंयमिन् (ati-saṁyamin) *adj.* absolutely self-restrained मुनिः कोऽप्यतिसंयमी ··· एत्य तेषां पुरस्तस्थौ PāṇḍaC. 9. 363.

अतिसंयुक्त (ati-saṁyukta) *adj.* administered in excess पानान्नैरतिसंयुक्तैः सहसा पीडितोऽनिलः। हिक्कयत्यूर्ध्वगो भूत्वा तां विद्यादन्नजां भिषक् Rug-Vi. 12. 6.

अतिसंयोग (ati-saṁyoga) *m.* excessive union or intercourse रत्यर्थमतिसंयोगादन्योन्यगुणसंश्रयात्। ऋतौ निर्वर्तते रूपम् BrahmP. 242. 4.

अतिसंयोज्य (ati-saṁyojya) *ger.* having mixed with in excess फाणितेनातिसंयोज्य के(क)वलांस्तु प्रदापयेत् Hastyāyur. 251. 18 (2. 44)

अतिसंरब्ध (ati-saṁrabdha) *adj.* **i** excited or agitated very much सः ··· प्रविवेशातिसंरब्धस्तस्यैव महात्मनः MahāBhā. iii. 77. 3; विजेतुमभि(v. l. ति)संरब्ध एक एवातिसाहसात्। बृहन्नडासहायश्च निर्यातः पृथिवींजयः MahāBhā. iv. 63. 7; v. 197. 16; गर्जन्तमतिसंरब्धं सुरलोकमथारिहा। उवाच माधवो वाक्यम् YogVā. v. 33. 1; **ii** extremely inflamed, exasperated, enraged or furious ततः शल्यः प्रहस्येदं कर्णं पुनरुवाच ह। रथस्थमतिसंरब्धं युधिष्ठिरवधे धृतम् MahāBhā. viii. App. I. 18 (108); त्वां च दृष्ट्वातिसंरब्धं कर्णं च भरतर्षभ। असौ दुर्योधनः क्रुद्धो नोत्तरं प्रतिपद्यते MahāBhā. viii. 574*(1); युयुधातेऽतिसंरब्धौ महाबलपराक्रमौ MārkP. 9. 12; 83. 14.

अतिसंरब्धम् (ati-saṁrabdham) *adv.* very excitedly प्रायुध्यत चातिसंरब्धमनुप्रहारप्रवृत्तस्वपक्षमुक्तकण्ठीरवरवं विहङ्गमद्वयम् DaśKuC. 96. 22.

अतिसंरम्भ (ati-saṁrambha) *m.* **i** extreme agitation, excitement or flurry शोकः क्रोधोऽतिसंरम्भो राजसास्ते गुणाः स्मृताः MahāBhā. xiv. 31. 2; पार्थोऽपि नातिसंरम्भादनीकं समनीनहत्। मृगोच्छेदेऽपि किं कामं सिंहः संरम्भते क्वचित् PāṇḍaC. 5. 180; **ii** excessive anger, rage or wrath सा ··· महाट्टहासमतिसंरम्भेण विमुञ्चन्ती तत उत्पत्य ··· जगौ ननर्त च BhāgP. v. 9. 18; ध्यायन्पितृवधं मानी नोपलेभे स निर्वृतिम्। अथोपसिन्धु गान्धारैः सज्जे कन्यास्वयंवरे। निमन्त्र्य शुश्रावानीतान्वृष्णीन्दर्पोष्णदोर्द्रुमः। ततस्तस्यातिसंरम्भात्तानदूरस्थितान्प्रति। यात्राभूत् RājTa.(Ka.) 1. 67; **iii** ardent desire, extreme activity धर्मविद्यास्थानेष्वपि हि बहिर्देलेष्वतिसंरम्भो मुमुक्षोरपोद्यते NyāyPari. 482. 18.

अतिसंरम्भवर्धित (atisaṁrambha-vardhita) *adj.* increased by excessive agitation ततः शुश्राव वै शब्दमतिसंरम्भवर्धितम् Rāmā. i. 645*(1)

अतिसंरम्भवेग (atisaṁrambha-vega) *m.* very forceful or violent speed समिति रिपुगणोऽन्यैर्नातिसंरम्भवेगादिव सकरमरीणां चामरैर्वीज्यमानम् (हरिमभिययौ) HarVi. 46. 64.

अतिसंरम्भवेदन (atisaṁrambha-vedana) *adj.* causing excessive pain नावसन्नं नचोत्सन्नमतिसंरम्भवेदनम्। दंशादौ विपरीतास्तिकीटदष्टं सुबाधकम् SuśruS. v. 8. 41 (comm. अतिशयव्यथम्)

अतिसंरम्भिन् (ati-saṁrambhin) *adj.* having excessive anger, exceedingly enraged or furious पक्षो भवतोः श्रुतो मया ···। अतिसंरम्भी Yudhi-Vi. 4. 37.

अतिसंराग (ati-saṁrāga) *m.* excessive attachment विषयेष्वतिसंरागो मानसो मल उच्यते SkandP. iv. 6. 37.

अतिसंलग्न (ati-saṁlagna) *adj.* existing close together, very contiguous करद्वयम्। कुर्याच्चैवातिसंलग्नं मणिबन्धावसानतः JayāS. 27. 160 = LakṣmīT. 45. 109; (वाजिनाम्) अशुभं चातिसंलग्नं आवर्तद्वितयं तथा SukraNi. 4(7). 104.

अतिसंलुप्त (ati-saṁlupta) *adj.* completely disappeared दृष्ट्वा मुखं च

धर्मार्कं शरच्चन्द्रविनिन्दितम् । अतिसंलुप्तसिन्दूरम् BrahmVaiP. iv. 53. 13.

अतिसंवत्सर (ati-saṁvatsara) *adj.* [*f.* -ā] what is kept over a year नातिसंवत्सरं भुञ्जीत BaudhDS. ii. 6. 17 = GautDS. i. 3. 34; (नातिसांवत्सरीं वृद्धिम् ··· हरेत्) अथवा संवत्सरमतिक्रान्ता अतिसंवत्सरेति प्राप्ते ManuBh. ii. 145 11 (*on* 8. 153)

अतिसंवादाभाव (atisaṁvādābhāva) *m.* absence of close agreement or corroboration गोत्रप्रवराभिधानपरपुराणभागस्यातिसंवादाभावात् ··· तदनुरोधेन गोत्रप्रवरनिर्णयस्याकिञ्चित्करत्वात् VīraMi.(Saṁskāra.) 658. 11.

अतिसंविद्ध (ati-saṁviddha) *adj.* extremely pricked or pierced सूच्येव शङ्कुनेव चातिसंविद्धमात्मानं मन्यते CaraS. ii. 3. 7 (1922 Ed.)

अतिसंवृत (ati-saṁvṛta) *adj.* [*f.* -ā] **i** greatly contracted विवृतातिमहायोनिः सूचीवक्त्रातिसंवृता SuśruS. vi. 38. 19; RugVi. 62. 12; **ii** very much covered or hidden अतिसंवृते सूकरवालेन (अन्वेषयेत्) AṣṭāSaṁ. i. 185. 22 (l. 38); *n.* extreme shortness or smallness मर्मपीडा भवेद् यत्र भित्तिस्तम्भतुलादिभिः । कुर्वीत ह्रासं वृद्धिं वा तत्र मर्मैव्यथां त्यजन् । अतिसंवृतविस्तारं कार्यमुद्दिश्य बुद्धिमान् । शालाप्रविष्टं कुर्वीत SamarāSū. 24. 24.

अतिसंवृद्ध (ati-saṁvṛddha) *adj.* very well grown up or bred अन्तःपुरेऽतिसंवृद्धान् ··· शुनश्शोपायनं ददौ Rāmā. ii. 64. 21.

अतिसंवृद्धि (ati-saṁvṛddhi) *f.* great increase अधर्मस्यातिसंवृद्ध्या रेवती लभतेऽन्तरम् KāśyaS. 198B. 25.

अतिसंव्याप्तिप्रसक्ति (atisaṁvyāpti-prasakti) *f.* contingency of wider application (of definition) तिष्ठन्पृथिव्यां योऽत्र स्यात्सोऽन्तर्यामीति गृह्यताम् । इत्युक्तावतिसंव्याप्तिप्रसक्तावुत्तरं वचः BṛĀraUBhVā. iii. 7. 26.

अतिसंशब्द (ati-saṁśabda) *m.* loud call (for battle or fight), loud announcement सोढुं न च समर्थोऽहं युद्धकामस्य संयुगे । सुग्रीवस्य च संरम्भं (v. l. अतिसंशब्दम्) हीनग्रीवस्य गर्जतः Rāmā. iv. 16. 4.

अतिसंशयकारण (atisaṁśaya-kāraṇa) *adj.* having a cause of great doubt यदसाध्यं भवेत् कार्यमतिसंशयकारणम् । तत्तस्य वाक्यतः सिद्धिमेति मौनफलाद्भुवि BṛKathāK. 57. 565.

अतिसंशुद्ध (ati-saṁśuddha) *adj.* highly or absolutely pure शुक्लं ब्रह्मातिसंशुद्धमिति केचिद्विनिश्चिताः BṛĀraUBhVā. iv. 4. 562.

अतिसंशोधन (ati-saṁśodhana) *n.* heavy purging treatment न त्वेव बालस्य विशोषणं हितं नैवातिसंशोधनरक्तमोक्षणे KāśyaS. 46B. 39; अतिसंशोधनं चैव गुल्मिनां न प्रशस्यते KāśyaS. 113B. 14.

अतिसंश्लिष्ट (ati-saṁśliṣṭa) *adj.* very close together अवर्णे उच्चार्यमाणे ओष्ठहनु अत्युपसंहृतम् अतिसंश्लिष्टं न भवति TribhāṣyaRatna *on* TaiPrāti 2. 12; यथा रजोभिर्गगनं यथा कमलमम्बुभिः । न लिप्यतेऽतिसंश्लिष्टैर्देहैरात्मा तथैव च S'ārṅgaPa. 4248.

अतिसंश्लेष (ati-saṁśleṣa) *m.* **i** very close connection or union नारायणं परं ब्रह्म शक्तिर्नारायणी च सा । व्यापकावतिसंश्लेषादेकं तत्त्वमिव स्थितौ AhirbuS. 4. 78; **ii** close embrace वक्षःपीठेऽतिसंश्लेषसक्तैः स्वस्तनकुङ्कुमैः । काप्युपालक्षयत् पत्युः कबन्धं न पुनः शिरः PāṇḍaC. 13. 1062.

अतिसंसक्त (ati-saṁsakta) *adj.* **i** extremely attached यत्र यस्मिन्संस्थाने वर्तमानोऽतिसंसक्तोऽप्यन्यस्य संयोगादिमेति संयुक्तोऽयं कदाचिदपकरिष्यतीति JayaMa. 341. 1 (*on* 6. 4); **ii** very confidential कार्यं तदतिसंसक्तं यदव्यक्तं हितं भवेत् । अतो द्रक्ष्ये विवक्षुर्वां विविक्तस्थावुभावपि ParamāKā. 38. 23.

अतिसंसर्ग (ati-saṁsarga) *m.* extreme contact, close association योऽहमज्ञानसंमोहादज्ञया संप्रवृत्तवान् । संसर्गादतिसंसर्गात्स्थितः कालमिमं त्वहम् BrahmP. 243. 29; तत्र यथास्वं चक्षुरादीन्द्रियाणां रूपादिभिरर्थैरतिसंसर्गोऽतियोगः AṣṭāSaṁ. i. 116. 13 (l. 22); AṣṭāHṛ. i. 12. 36.

अतिसंसिद्धि (ati-saṁsiddhi) *f.* complete accomplishment or attainment (of what is above all) अतिसंसिद्धिमपि गच्छेत विद्यया सह SaṁhiUBr. 3. 17.

अतिसंसू (ati-saṁsū-) II. Ā. to produce इन्द्रियाणि दशैकं च तन्मात्राणि च शासनात् । अहंकारोऽतिसंसूते शिवस्य परमेष्ठिनः LiṅgaP. ii. 10. 10.

अतिसंसृति (ati-saṁsṛti) *adj.* beyond the worldly life, extraordinary भुज्यमानाल्पसौख्येन संसारपदमीयुषः । प्रायो विस्मयते सौख्यं श्रुतमप्यतिसंसृतिः (? ति) PadmP.(Ra.) 114. 5.

अतिसंस्कृत (ati-saṁskṛta) *adj.* [*f.* -ā] A well-cooked or prepared, well-dressed (as food), highly finished ततोऽन्नं मृष्टमत्यर्थममीष्टमतिसंस्कृतम् ViṣṇuP. iii. 15. 29; BrahmP. 140. 11; मिष्टान्नप्रचुरां भिक्षां नादद्यान्नातिसंस्कृताम् MṛgendraT. iv. 1. 82; S'ivaP. iii. 9. 48 (306A. 1); RājTa.(S'rī.) 1(5). 19; **B** highly consecrated संस्कारतः सोऽतिशयो यदि स्यात्सर्वस्य पुंसोऽस्त्यतिसंस्कृतस्य BhaviP. 81A. 25 (i. 41. 30); 82B. 24 (i. 42. 10); [अतिसंस्कृत is given as one of the meanings of अभिनीत AmaK. 2496]

अतिसंस्तव (ati-saṁstava) *m.* utmost intimacy, too much acquaintance सखे हनूमन् । किमेतदतिसंस्तवाद्विषयमात्रतः सङ्गं निवर्तयति मे दृशः MahāvīC. App. A. 5. 67 (284. 15;) रागभङ्गमतिसंस्तवाद्गतां देवराजदिशमिन्दुरत्यजत् RāmC. 2. 93; *adj.* beyond praise अतिजडोऽपि गृहीतवाक्यः । पूर्वानुभावजयिनो भवति प्रभावाद्यस्य स्तुमस्तमतिसंस्तवमप्रतर्क्यम् RājTa.(Ka.) 8. 2356.

अतिसंस्तुत (ati-saṁstuta) *adj.* well-informed or appraised अहं चेत्तं नृपं सद्यो न करोम्यतिसंस्तुतम् DevīBhāP. vii. 17. 57.

अतिसंस्तुतसाहस (atisaṁstuta-sāhasa) *adj.* where venture is praised very much अतिसंस्तुतसाहसम् । अतिशीलितपारुष्यमतिशिक्षितवैकृतम् (रावणस्थानमालोक्य) RāmC. 21. 13.

अतिसंस्निग्ध (ati-saṁsnigdha) *adj.* extremely oily अतिसंस्निग्धं जलं यच्च सफेनिलम् ···तस्मिंस्तिष्ठेज्जलद्विपः Hastyāyur. 698. 10 (4. 33)

अतिसंस्पर्श (ati-saṁsparśa) *m.* close contact अतिसंस्पर्शः ···भूतविषवातानाम् ··· मिथ्यायोगः स उच्यते CaraS. iv. 1. 120 (1941 Ed.)

अतिसंस्मृत्य (ati-saṁsmṛtya) *ger.* having remembered well स च विद्याधरः ··· आत्मानं चातिसंस्मृत्य मध्येलिङ्गं लयं गतः SkandP. iv. 76. 167.

अतिसंहत (ati-saṁhata) *adj.* [*f.* -ā] **i** very compact ततश्चावर्षदनलं समन्तादतिसंहतम् । चक्षूंषि दानवेन्द्राणां चकारान्धानि च प्रभुः MatsyaP. 150. 170; **ii** very thick स्नेहभृष्टेषु वा तेषु यवागूं वातिसंहताम् (प्रयोजयेत्) AṣṭāSaṁ. i 131. 15 (l. 25)

अतिसंहतता (atisaṁhata-tā) *f.* the state of being very closely joined or united अतिसंहततया च तेषामन्तरितचक्षुरिन्द्रियाः पुरोवर्तिनामपि वीराणां रणमति(ती)न्द्रियेण चक्षुषाद्राक्षुरमरपङ्क्तयः TilaMañ. 89. 20.

अतिसंहर्ष (ati-saṁharṣa) *m.* excessive joy किशोरस्त्वतिसंहर्षात्किशोर इव चोदितः । अभवद्दैत्यसैन्यस्य मध्ये रविरिवोदितः HariVaṁ. 33. 21 = PadmP. v. 37. 187; MatsyaP. 173. 21.

अतिसंहित (ati-saṁhita) *adj.* cheated, deceived पृथग्वा सह याने वा विश्वासेनातिसंहितम् । ···कृच्छ्रेण साध्यते मित्रम् ArthS'ā. iii. 40. 1 (8. 5); ii. 330. 5 (7. 14); प्रतारितं वञ्चितं स्यादतिसंहितमित्यपि KośaKaTa. 2. 553.

अतिसंहिता (ati-saṁhitā) *f.* too much closeness, extreme conjunction पद इत्येकपदे नास्त्यतिसंहिता AbhinBhā. ii. 234. 16 (*on* 14. 38)

अतिसंहृ (ati-saṁhṛ-) I. P. to administer भक्षयित्वाथ मांसानि विषिणो भक्षयन्ति ये । औषधानि भिषक्तेषु शीघ्रमेवातिसंहरेत् Hastyāyur. 171. 9 (2. 8)

अतिसंहृष्ट (ati-saṁhṛṣṭa) *adj.* extremely or greatly delighted or pleased, overjoyed शुद्धात्मा चातिसंहृष्टः ··· यजेत् KulārT. 6. 6; स्तुत्यातिसंहृष्टो रघुनाथो महायशाः । प्रोवाच तान् सुरान् PadmP. iv. 5. 12; CaturCin. i. 473. 7.

अतिसकरुण (ati-sakaruṇa) *adj.* very much compassionate पश्यन्ति··· योगिनः ··· यमतिसकरुणम् Vidvanmo. 8. 124; सह गमनसमुत्कैर्याचितो लोकवृन्दैः अतिसकरुणचित्तस्तांस्तथैवानुमेने (रामः) MahāN. 9. 145.

अतिसकाम (ati-sakāma) *adj.* very much passionate याः पण्यनार्योऽतिसकामपुंसं कामोपभुक्त्यै निजदत्तदेहाः । ··· पौरन्दरास्ता गणिका भवन्ति BṛParāSm. 10. 232.

अतिसक्त (ati-sakta) *adj.* [*f.* -ā] very much passionate, very much lustful, greatly attached अविश्वस्त व्यसनी नातिसक्तोऽप्रवासकः । विद्वान् सुशीलः पुरुषः सदारः सुखमश्नुते MahāBhā. xiii. 202*(1); रोहिण्यामतिसक्तस्य शरीरं नानुरक्षतः (अश्विनौ) CaraS. vi. 8. 4 (1941 Ed.); अतिसक्तः पुमान् यत्र भयाद्वृद्ध ददाति च KāmSū. 340. 9 (6. 4); KandaCū. vi. 4. 36; तत्र कश्चित्कुलपुत्रः कलासु गणिकासु चातिसक्तः DaśKuC. 115. 19; RāmāMañ. 243. 16; दुष्टचेतसः । अतिसक्ताः पलायन्ते श्रीधृतिस्मृतिकीर्तयः SūktiRa. 48. 4; 196. 10; नातिसक्तो न वैराग्यभागस्यामधिकार्यसौ BhaktiRaSi. i. 2. 6.

अतिसक्तता (atisakta-tā) *f.* excessive attachment चत्वार्याहुर्नरश्रेष्ठा व्यसनानि महीक्षिताम् । मृगयां पानमक्षांश्च ग्राम्ये चैवातिसक्तताम् MahāBhā. ii. 61. 20.

अतिसक्ति (ati-sakti) *f.* **i** excessive attachment, overaddiction मद्यातिसक्तिं विश्रम्भस्वातंत्र्ये स्त्रीषु च त्यजेत् AṣṭāHṛ. i. 2. 44; अतिसक्तिमेत्य वरुणस्य दिशा भृशमन्वरज्यदतुषारकरः S'iśuVa. 9. 7; विश्वासमतिसक्तिं च तीक्ष्णतां स्त्रीषु वर्जयेत् ViṣṇuDhaP. ii. 62. 15; अप्रतिषिद्धेष्वतिसक्तिनिषेधार्थोऽयं श्लोकसंघातः ManuBh. i. 123. 22 (*on* 2. 88); BṛKathāS'loSaṁ. 21.16; **ii** close contact, S'iśuVa. 9. 7.

अतिसक्तितस् (atisakti-tas) *adv.* due to over-extension विधान्तरं न कल्प्येत गौरवादतिसक्तितः TarkSaṁ(Ā.) 83. 13; 85. 13; अव्याप्तेरतिसक्तितः TarkSaṁ.(Ā.) 106. 14.

अतिसक्तिमत् (atisakti-ma(n)t) *adj.* excessively attached, over-addicted विरक्तप्रकृतिश्चैव विषयेष्वतिसक्तिमान् । ··· विंशतिः पुरुषा अमी । एतैः सन्धिं न कुर्वीत NītiSā. 9. 25 = Hitopa. 4. 34; SūktiRa. 134. 2; Hitopa. 4. 43.

अतिसक्तिवर्जन (atisakti-varjana) *n.* avoidance of over-addiction or excessive attachment 'संयमः' प्रतिषिद्धेषु विषयेषु प्रवृत्तिपरिहारोऽप्रतिषिद्धेष्वप्यतिसक्तिवर्जनम् ManuBh. i. 123. 11 (*on* 2. 88)

अतिसक्थ (ati-saktha) *adj.* possessed of excellent thigh-bones (न पूजनात्) प्राग्बहुव्रीहिग्रहणं च कर्तव्यम् । बहुव्रीहौ सक्थ्यक्ष्णोरित्येवमादौ प्रतिषेधो न भवति । सुसक्थः । अतिसक्थः । स्वक्षः । अत्यक्षः KāśiVṛ. *on* P. v. 4. 69.

अतिसक्षुध (ati-sakṣudha) *adj.* excessively hungry अतिसक्षुधः । ···महर्षि तमद्राक्षीत् PārśvC. 4. 147.

अतिसखि (ati-sakhi) *adj.* [AltGr. iii. 141] **i** having an excellent friend वृद्धिः प्रतिषेध्या । अतिसखीनि ब्राह्मणकुलानि MahāBh. i. 116. 6 (*on* i. 1. 47); iii. 73. 11 (*on* vi. 1. 91); iii. 275. 26 (*on* vii. 1. 96); अतिसखेरागच्छामि अतिसखेः स्वम् MahāBh. iii. 85. 2 (*on* vi. 1. 112); (ख्यत्यादतः) इत्यत्र ख्यत्यादिति विकृतनिर्देशः किम् ? यणादेशाभावे मा भूत् अतिसखेरागच्छति JaineVyā. 297. 29 (*on* iv. 3. 99); KāśiVṛ. *on* P. vi. 1. 112; PariVṛ.(Sī.) 108. 10; PrakriKau. i. 157. 2; Prasā. i. 156. 18; (सख्युरशावेत्) अशाविति किम् ? अतिसखीनि CāndraVṛ. *on* v. 4. 44; सवर्णदीर्घत्वे हि सत्यतिसखेरागच्छतीत्यत्र एकादेशस्यान्तवत्वादसखीति घिसंज्ञायाः प्रतिषेधः स्यात् KāśiVṛ. *on* P. vi. 4. 148; PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 1. 47; **ii** who has excelled a friend अतिसखेरिति । अतिक्रान्तः सखा येनेति बहुव्रीहिः PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. vi. 1. 112; **iii** whom a woman friend has excelled अतिक्रान्ता सखी एनमिति···ततश्चातिसखेरागच्छतीति घेर्ङिति गुणो (vii. 3. 111) न स्यात् Nyās. ii. 596. 24 (*on* vi. 4. 148); **iv** who has excelled a woman friend सखीमतिक्रान्तोऽतिसखिः, अतिसखेरागच्छतीत्यत्रासखीति घिसंज्ञाप्रतिषेधः स्यात् PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 4. 7; SiddhāKau. 59B. 4; *m.* excellent friend, very great friend अतिसखेरागच्छामि । अतिसखेः स्वम् MahāBh. iii. 85. 2 (*on* vi. 1. 112); iii. 226. 24 (*on* vi 4. 148); अतिसखीति पर्युदासोऽयम् । तेन शोभनः सखा सुसखा । अतिसखा । अतिसखेरागच्छति । अतिसखेः स्वम् JaineVyā. 35. 7 (*on* i. 2. 97); 276. 27 (*on* iv. 2. 66); 297. 29 (*on* iv. 3. 99); विकृतनिर्देशादेवेह न भवति, अतिसखेरागच्छति KāśiVṛ. *on* P. vi. 1. 112; PariVṛ.(Sī.) 108. 10; PrakriKau. i. 157. 2; Prasā. i. 156. 18; यद्वा शोभनः सखा अतिसखा 'न पूजनात्' इति समासान्तनिषेधः PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. vi. 1. 112; PrakriKau. i. 156. 4; Prasā. i. 156. 13; SiddhāKau. 59B. 2.

अतिसख्य (ati-sakhya) *n.* very close friendship or friendly behaviour रघुपतिस्त्वयोध्यां ययौ ··· गुहगृहेऽतिसख्यं स्मरन् KalkiP. iii. 3. 50.

अतिसगर्व (ati-sagarva) *adj.* excessively proud (सिंहलराजपुत्रः) अतिसगर्वं गन्धर्वकमपश्यत् TilaMañ. 222. 17.

अतिसङ्कट (ati-saṅkaṭa) *n.* **A** severe calamity, highly critical situation, great danger दुर्भिक्षे चातिसङ्कटे । ··· स्थानं निरीक्ष्यं यदि तद्भवेत् JayāS. 20. 379; अतिसङ्कटे । धारको जयमाप्नोति मन्त्रस्यास्य प्रभावतः JayāS. 29. 181; दृश्यतां गणपतेऽन्यया दृशा कार्यमेतदतिसंकटे स्थितम् HarVi. 14. 16; तदेतदतिसङ्कटं यदिह कैश्चिदुक्तं जनैः NalaCam. 7. 33; प्राणी ··· साधनानामभावेऽपि ह्यवशश्चातिसङ्कटे DevīBhāP. iii. 12. 73; vii. 17. 35; तृष्णा ··· अन्तःपुरस्थमपि या योजयत्यतिसङ्कटे YogVā. i. 17. 32; प्राप्तावकाशः कामोऽपि पतितास्यतिसङ्कटे NavaSāC. 6. 83; प्रगल्भभावः ··· महाशयानामतिसङ्कटेषु ··· न धियं जहाति RājTa.(Ka.) 7. 985; 7. 1160; अतिसङ्कटे तु मनस्तापमात्रेण शुद्धिः BālamBha. i. 500. 23 (*on* 1. 225); **B** fierce clash, great combat तस्यासिना ··· चर्ममात्रं न तुत्रोट कङ्कटस्यातिसङ्कटे RājTa.(Ka.) 6. 249; *adj.* [*f.* -ā] **A** full of many dangers and difficulties, extremely troublesome संसारेऽस्मिन् मनुष्याणां भ्रमतामतिसङ्कटे MārkP. 45. 5; चित्रतां कर्मणां केचिदवोचन्नतिसङ्कटाम् PadmP.(Ra.) 78. 39; भगवति सुलभबहुनर्थमतिसङ्कटमिदं वयस्यास्य MālaMā. 6. 240; हेतुत्वाचेष्टितं कामस्यैवेत्युक्तम् । तदिदमतिसङ्कटम् ManuBh. i. 55. 17 (*on* 2. 4); गर्भवासात्परं दुःखम् ··· नैवास्ति कुत्रचित् । ··· अतिसङ्कटम् SivaP. v. 22. 34 (431B. 6); ओजः ··· यस्य समयेऽप्यतिसङ्कटे ··· तं प्रति समेति रणे जयश्रीः RājTa.(Śrī.) 4. 490; **B** very much contracted or narrow अन्तरालं भवेत्तावद्यथा वा नातिसङ्कटम् PāraS. 21. 9.

अतिसङ्कटत्व (atisaṅkaṭa-tva) *n.* extreme narrowness, crowdedness दोर्दण्डखण्डवलनान्यतिसङ्कटत्वमुत्प्रेक्ष्य नो विदधिरे ककुभां पुरस्तात् HarVi. 2. 55.

अतिसङ्कटविषय (atisaṅkaṭa-viṣaya) *adj.* relating to a very difficult or critical situation अष्टौ तान्यव्रतघ्नानि ··· गुरोर्वचनमौषधम् । इदं चातिसङ्कटविषयम् NirṇaSi. 33. 22.

अतिसङ्कटवेला (atisaṅkaṭa-velā) *f.* time of great calamity अतिसङ्कटवेलासु कुर्याद्दृढ्या प्रपूजनम् GaṇeP. i. 50. 15.

अतिसङ्कटस्थलविषय (atisaṅkaṭasthala-viṣaya) *adj.* relating to a situation of extreme difficulty गोवालव्यजनादर्वाक्सवासा जलमाविशेत् । इति । एतदतिसङ्कटस्थलविषयम् Mitā. 353. 1 (*on* 3. 30)

अतिसङ्कटस्थानविषय (atisaṅkaṭasthāna-viṣaya) *adj.* having reference to a place of extreme difficulty एतदतिसङ्कटस्थानविषयमिति कैश्चिद्व्याख्यातम् SmṛtiCan. ii. 307. 21.

अतिसंकीर्ण (ati-saṁkīrṇa) *adj.* **A** very much crowded, over-crowded (place) (मुञ्जीत) नाकाले नातिसङ्कीर्णे ViṣṇuP. iii. 11. 83; पुरमध्येऽतिसङ्कीर्णे महिषीपातिताज्जनात् ··· अभवत्कोलाहलो महान् RauhiC. 105; **B** very much mixed (प्रचारः) अधमस्य त्वतिसङ्कीर्ण इति AbhinBhā. ii. 61. 8 (*on* 9. 173); सुरभिः ··· अतिसङ्कीर्णे दुस्तरपङ्के निमग्नासीत् SiṁhāDvā. 190. 4(6)

अतिसंकीर्णता (atisaṅkīrṇa-tā) *f.* over-mixture सङ्करोऽतिसङ्कीर्णतायां तस्यां भूषणसंततेर्वक्ष्यमाणख (स्या)लङ्कारवर्गस्य बहूनि विचित्राणि जायन्ते तानि कथमादियन्ते AbhinBhā. iv. 63. 24 (*on* 28. 14+0)

अतिसंकीर्णशङ्किन् (atisaṅkīrṇa-śaṅkin) *adj.* suspicious of being very much crowded तिष्ठेयुस्तत्र तुरगा नातिसङ्कीर्णशङ्किनः SamarāSū. 33. 33.

अतिसंकुचत् (ati-saṁkucat) *adj.* [*f.* -catī] shrinking or contracting very much अतिसंकुचन्नवयवैस्सकलैश्चमधःस्थितो वहति कूर्मपतिः (क्षितिभरम्) PṛthviVi. 3. 27; सखि ललिते । किमतिसंकुचती गात्रपुटके प्रविष्टा GopāKeCan. 139. 12.

अतिसंकुचित (ati-saṅkucita) *adj.* extremely limited यदि च जीवः स्वातन्त्र्येण कुर्यादीश्वरस्य तत्त्वमतिसंकुचितमेव स्यात् NyāyKu. 118. 20; नात्र सच्छब्दोऽतिसङ्कुचितज्ञानसूक्ष्मावस्थजीवमात्रविषयः SrutaPra. iB. 184. 24 (*on* i. 1. 10); संवर्तितशब्दभावनामयेन अतिसंकुचितशब्दपरामर्शरूपेण भाव्यमेव Bhāsk. i. 293. 12 (*on* i. 5. 19)

अतिसंकुचितज्ञानैश्वर्य (atisaṅkucita-jñānaiśvarya) *adj.* possessed of extremely limited knowledge and greatness जीवभूतस्त्वतिसंकुचितज्ञानैश्वर्यः GītāBh.(Rā.) 601. 16 (*on* 15. 7); मदंशः ··· जीवभूतोऽतिसंकुचितज्ञानैश्वर्यो जीवलोके संसारे वर्तमानः VedāntTaSā. 58. 6.

अतिसंकुचिताङ्ग (atisaṅkucitāṅga) *adj.* having the body excessively contracted योऽतिसङ्कुचिताङ्गस्तु शूलार्तः संनिषीदति (गजः) Hastyāyur. 290. 22 (2. 58)

अतिसंकुल (ati-saṅkula) *adj.* [*f.* -ā] **A** very much difficult श्वेते रजोभनौघे··· । न चिरात् प्रकोपमुपयाति शस्त्रमतिसङ्कुला सिद्धिः BṛSaṁ. 38. 3; **B** very much crowded or dense राक्षसैः परुषारावैर्नृत्यद्भिरतिसंकुलम् । चुक्षोभ वसुधातलम् PadmP.(Ra) 39. 67; भटानामतिसंकुलः । बभूव शस्त्रसंपातः PadmP.(Ra.) 45. 11; सदा दर्शनतः प्रज्ञाबलादप्यतिसङ्कुलम् । तत्परिस्फुरितं सम्यक् सदाभ्यस्तमिवानयोः PrabhāC. 161. 15.

अतिसंकोच (ati-saṅkoca) *m.* extreme contraction or shrinkage अतिसङ्कोचविस्तारौ पुत्तिकाहस्तिदेहयोः (कल्पनीयौ) TantrVā. 379. 12 (*on* ii. 1. 5); निश्चितमूलानाम् ··· वचनानाममावास्या प्रेतपक्षमृताहविषयत्वेनातिसंकोचस्यायुक्तत्वात् Mitā. 92. 26 (*on* 1. 256); तावतां चान्यूनानधिकानामवयवानाम् ··· अतिसंकोचविस्तारकल्पनं नातीव हृदयमनुरञ्जयति SastrDī. 124. 19 (*on* i. 1. 5)

अतिसंकोचपरिहार (atisaṅkoca-parihāra) *m.* avoidance of extreme narrowness अविशेषप्रवृत्तस्यातिसंकोचपरिहारात् SastrDī. 383. 6 (*on* iv. 3. 7)

अतिसंकोचिन् (ati-saṅkocin) *adj.* too narrow स्वलक्षणेऽतिसंकोचिनि ···संकेतस्य कर्तुमशक्यत्वात् PratyabhiVi. i. 87. 7 (*on* i. 2. 1)

अतिसंक्रुद्ध (ati-saṅkruddha) *adj.* extremely enraged रावणिः ··· तत्सैन्यमतिसंक्रुद्धः प्रविवेश Rāmā. vii. 29. 20; तं पापमतिसंक्रुद्धस्तक्षकः ··· नेता यमस्य सदनं प्रति MahāBhā. i. 37. 13; i. 37. 15 (v.l.); अतिसंक्रुद्धोऽपरः शृगालः समाययौ Pañcā. 254. 22.

अतिसंक्लिष्ट (ati-saṅkliṣṭa) *adj.* extremely defiled यास्तु अतिसंक्लिष्टे मिथ्यादृष्टौ नरकगतिप्रायोग्या वैक्रियतैजसाद्याः शुभप्रकृतयो बन्धमायान्ति JñānBiPra. 4. 10.

अतिसंक्लेश (ati-saṅkleśa) *m.* excessive distress or hardship साध्यसिद्धोऽतिसंक्लेशात् साध्यसाध्यो निरर्थकः KulārT. 15. 82; साध्यसिद्धेऽतिसंक्लेशात्साध्यसाध्योऽतिदुःखकृत् TantrRā. 1. 50.

अतिसंक्षय (ati-saṅkṣaya) *m.* excessive loss एभिरेव च निद्राया नाशः श्लेष्मातिसंक्षयात् AṣṭāHṛ. i. 7. 63.

अतिसंक्षिप्त (ati-saṅkṣipta) *adj.* [*f.* -ā] **i** very brief or concise तथा तदतिसंक्षिप्तमनभिव्यक्तलक्षणम् PāraS. 1. 48; पाणिनेः अतिसंक्षिप्तानि सूत्राणि ManuBh. i. 2. 9 (*on* 1. 1); तेन ईश्वरकृष्णेन विस्तरग्रन्थग्रहणभीरुणा हितार्थं षष्टितन्त्रम् अतिसंक्षिप्तम् MāṭhVṛ. 84. 1 (*on* 71); साध्यरूपं (प्रयोजनं) च रक्षापदेनाति-

संक्षिप्तम् S'rutaPra. iA. 7. 14 (*on* i. 1. 1); क्वाप्यतिसंक्षिप्तस्य विस्तरणम् Nyāy-Su.(Ja.) 8B. 2 (*on* i. 1. 1); **ii** very little or short (period) गते तु नातिसंक्षिप्ते काले BṛKathāS'loSaṁ. 15. 35; **iii** very narrow भुजङ्गस्यातिसंक्षिप्तमद्राक्षं पदवीम् BṛKathāS'loSaṁ. 18. 450.

अतिसंक्षिप्तकेशा (atisaṅkṣipta-keśā) *adj.* (*f.*) having very few or thin hair अतिसंक्षिप्तकेशा या(कन्या) ···उद्वाहयति यः कन्याम् ···मृत्युं स प्राप्नोति SkandP. vi. 135. 6.

अतिसंक्षिप्तचिरन्तनोक्ति (atisaṅkṣipta-cirantanokti) *f.* very concise expression of an ancient authority निजनिर्मितकारिकावलीमतिसंक्षिप्तचिरंतनोक्तिभिः । विशदीकरवाणि SiddhāMu. 1. 5 (*on* 1)

अतिसंक्षिप्तसर्गक (atisaṅkṣiptasarga-ka) *adj.* having very small cantos (*sargas*) नातिसंक्षिप्तसर्गकम् ··· अत एव महाकाव्यम् AgniP. 336. 27.

अतिसंक्षिप्तोपदेश (atisaṅkṣiptopadeśa) *m.* very succinct instruction मन्त्रे उपास्योपासनोपासकानामतिसंक्षिप्तोपदेशः कृतो दृश्यते S'ivārkaMaDī. i. 517. 10 (*on* i. 4. 6)

अतिसंक्षिप्य (atisaṅkṣip-ya) *ger.* having closely contracted or shrunk स्वान्यङ्गान्यभिसंक्षिप्य (v. l. अतिसंक्षिप्य) निष्क्रान्तो बलसूदनः MahāBhā. v. 9. 48.

अतिसंक्षुब्धा (ati-saṅkṣubdhā) *adj.* (*f.*) extremely agitated or afflicted मेना ··· विललापातिसंक्षुब्धा S'ivaP. ii(3). 44. 1 (175B. 11)

अतिसंक्षेप (ati-saṅkṣepa) *m.* **i** extreme brevity or shortness, great conciseness ग्रीष्मे ··· रात्रीणां चातिसंक्षेपाद्दिवास्वप्नः प्रशस्यते CaraS. i. 21. 43; इति प्रोक्तोऽतिसंक्षेपाद्रस्तुलक्षणसंग्रहः YuktiKa. 31. 2; 69. 19. एवं संकीर्णानुक्त्वा तद्धर्मानतिसंक्षेपेण विवक्षन्नाह VīraMi. 170. 1 (*on* 1. 95); **ii** great contraction or limitation अभ्यासैरतिसंक्षेपात् AśvaCi. 9. 49.

अतिसंख्य (ati-saṅkhya) *adj.* surpassing enumeration, countless अतिसंख्याः किल शंकरे गुणाः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 4. 64; अतिसंख्योऽपि महान्गुणाकरः सम्बाधितो यत्र गतः समाप्तताम् AlaṅkāMañ. 141. 1.

अतिसङ्ग (ati-saṅga) *m.* **1** excessive intimacy (with women) बहुस्त्रीकाश्च ये बालाः ···। संक्षीयन्तेऽतिसङ्गाद्वा KāśyaS. 149B. 13; स्त्रीष्वतिसङ्गाद्यशो वर्धते Bārhas. 1. 34; **2** detention for a long time मलानां त्वतिसङ्गोत्सर्गाभ्यां च तद्वृद्धिक्षयौ (उपलक्षयेत्) AṣṭāSaṁ. i. 102. 11 (1. 19); **3** too much eagerness यत्र व्याहतता नास्ति कोऽतिसंगोऽस्य साधने AnuVyā. 39A. 1 (*on* 3. 2)

अतिसंगत (ati-saṅgata) *adj.* gathered close together रक्षांसि च पिशाचाश्च विनेदुरभि(v. l. °ति)संगताः MahāBhā. vii. 1419*(4)

अतिसंगति (ati-saṅgati) *f.* excessive association, acquaintance or familiarity तद्दोषे ह्यतिसंगत्या दृष्टे श्रद्धा विनश्यति RāmāMañ. 298. 20.

अतिसङ्गप्रज (ati-saṅgapraja) *adj.* having excessive intercourse and profuse progeny अतिसङ्गप्रजः शुभः स्निग्धतनुर्द्विजोऽलिः TājiNī. 1 (1). 9 (5) (Bhāvaprakāśikā बहुस्त्रीसङ्गो बहुप्रजावान्)

अतिसङ्गप्रसव (ati-saṅgaprasava) *adj.* having excessive intercourse and profuse progeny स्निग्धोऽतिसङ्गप्रसवोऽपि विप्रः (मीनराशिः) TājiNī. 1(1). 12(7)

अतिसंगर (ati-saṅgara) *m.* grave battle or severe fighting बभूव तेषां च तदातिसंगरो महाभयो दैत्यवरैस्तदानीम् SkandP. i(1). 29. 46; दौहित्रः स्थापितस्तेन राज्ये कृत्वातिसङ्गरम् DevīBhāP. iii. 19. 8.

अतिसंगोपनीय (ati-saṅgopanīya) *adj.* which should be kept very secret अतिसंगोपनीयञ्च कवचम् ··· तन्मे कथय भद्रेश PañcaRā.(Nā.) i. 15. 23.

अतिसंगोपित (ati-saṅgopita) *adj.* protected very well भीत्यातिसंगोपितम् (नवनीतम्) ।··· मुक्तम् GopāKeCan. 86. 19.

अतिसंघटन (ati-saṅghaṭana) *n.* excessive clinging together उदितं शयनस्थितयोरतिसंघटनेन तद्विदैः (आलिङ्गनम्) KandaCū. ii. 2. 18.

अतिसंघट्ट (ati-saṅghaṭṭa) *m.* excessive collision कपोलमतिसंघट्टा(त्) कुंडलोरगदंष्ट्रया । न विवेद ··· विक्षतम् PadmP.(Ra.) 103. 89.

अतिसंघट्टयोनि (atisaṅghaṭṭa-yoni) *adj.* arising from excessive collision or clash (of arrows) बाणानामतिसंघट्टयोनयः । विस्फुलिंगा विदधिरे BrahmāṇḍP. iii. 22. 58.

अतिसंघर्षतस् (atisaṅgharṣa-tas) *adv.* owing to great friction अतिसंघर्षतः सिन्धुमन्दराचलयोः ··· अमृतमुत्थितम् HarVi. 32. 108.

अतिसज्जनदुर्गति (ati-sajjanadurgati) *f.* great misery of a good person अतिसज्जनदुर्गतिः ··· इति किं विधिनिर्मितिः PadyaVe. 835.

अतिसंचय (ati-sañcaya) *m.* too much hoarding, saving to an extreme degree न कार्यस्त्वतिसंचयः GiMs. iii(2). 122. 15; Tantrākhyā. 64. 1; युष्माभिरतिसंचयः कृतः PañcT. 2. 53 (2) (241. 15); Hitopa. 1. 117 (1); नाशोऽतिसंचये BṛKathāMañ. 16. 412.

अतिसंचयकर्तृ (atisañcaya-kartṛ) *adj.* great hoarder (of wealth) अतिसञ्चयकर्तृणां वित्तमन्यस्य कारणात् Subhāṣi. 474.

अतिसंचयधी (atisañcaya-dhī) *f.* thought of too much hoarding नातिसंचयधीः कार्या (v. l.) PañcT. 2. 28 (220. 3); KathāSaSāg. x. 5. 100.

अतिसंचयलुब्ध (atisañcaya-lubdha) *adj.* greedy of hoarding or amassing अतिसंचयलुब्धेन धनुषात्मा निपातितः PañcT. 2. 28 (v. l.) (220. 4); अतिसंचयलुब्धानां वित्तमन्यस्य कारणे Pañcā. 155. 15; SūktiRa. 171. 12

अतिसंचयशील (atisañcaya-śīla) *adj.* given to excessive hoarding अतिसंचयशीलोऽयं धनुषा जम्बुको हतः Tantrākhyā. 64. 2 = PañcT. 2. 28 (220. 4)

अतिसंचित (ati-sañcita) *adj.* accumulated in abundance (अङ्गना) अर्थान् व्ययीचक्रेऽतिसंचितान् RājTa.(Ka.) 8. 1955.

अतिसंचितदोष (atisañcita-doṣa) *adj.* having excessive accumulation of the humours of the body अतिसंचितदोषस्य ··· हिक्का हन्त्याशु जीवितम् RugVi. 12. 12.

अतिसञ्ज् (ati-sañj-) I. P. (*pass.*) to be attached very much भक्तियुक्तस्तु पुरुषः ···। नातिसज्येत भोगेषु ParaS. 30. 73.

अतिसंजपतस् (atisañjapa-tas) *adv.* by muttering very frequently तव मन्त्रातिसंजपतः सद्यस्तरति नरः SuvarṇaMā. 86. 31.

अतिसंजातरोष (atisañjāta-roṣa) *adj.* greatly enraged (ददर्श) सेना वानराणाम् ···। अतिसंजातरोषाणाम् Rāmā. vi. 46. 2.

अतिसंजातहर्ष (atisañjāta-harṣa) *adj.* greatly exhilerated, exceedingly jubilant (ददर्श) सेना वानराणाम् ···। अतिसंजातरोषा(v. l. हर्षा)णाम् Rāmā. vi. 46. 2.

अतिसती (ati-satī) *adj.* (*f.*) surpassing all devoted wives, extremely chaste भीतभीतयातिसत्यारुन्धत्या पृष्टः कृतो भगवान् वसिष्ठः AvantiKa. 117. 13.

अतिसत्कार (ati-satkāra) *m.* excessive honour तं चाहमतिसत्कारमन्येऽतिविडम्बनाम् BṛKathāS'loSaṁ. 18. 541; तुल्योत्साहासहिष्णुत्वादस्मै कुप्यन्तु डामराः । एष एवातिसत्काराद्वास्तु विशदाशयः RājTa.(Ka.) 8. 20.

अतिसत्कृ (ati-satkṛ-) VIII. U. to honour greatly ततस्तं विक्रमः साभिप्रायं दृष्टिविकारतः । परिज्ञायातिसच्चक्रे वक्राशयशिरोमणिः PrabhāC. 200. 23.

अतिसत्कृत (ati-satkṛta) *adj.* [*f.* -ā] highly honoured or respected ताम् ··· मातृमध्येऽतिसत्कृताम् । रामः ··· मातरं वाक्यमब्रवीत् Rāmā. ii. 34. 29; ii. 99. 1; स्थित्वा दिनानि कतिचिद् गृहे तस्यातिसत्कृतः । विदर्भराज्ञा संमंत्र्य ततो गन्तुं प्रचक्रमे BrahmāṇḍP. ii. 49. 4; अतिसत्कृता अपि शठाः सद्मसुवमुज्झन्ति जातु न प्रकृतिम् Subhāṣi. 404.

अतिसत्कृत्य (ati-satkṛtya) *ger.* having accorded great respect (very reverentially) उक्तलक्षणान् ब्राह्मणान् सम्यगतिसत्कृत्य निमन्त्रयेत् Manva-Mu. 124. 22 (*on* 3. 187)

अतिसत्क्रिया (ati-satkriyā) *f.* great honour or hospitality मौलानसौ वालिवधप्रलीनान् ।··· इदानीमुत प्रतीच्छत्यतिसत्क्रियाभिः RāmC. 3. 44.

अतिसत्तटा (ati-sattaṭā) *adj.* (*f.*) possessed of a very beautiful bank पुष्पैर्मरकतच्छायाकोमलैश्चातिसत्तटा (वापी) PadmP.(Ra.) 105. 47.

अतिसत्त्व (ati-sattva) *adj.* [*f.* -ā] **i** possessing extraordinary or very noble character अतिवाक्यक्रियोपेतमतिसत्त्वातिभावकम् ।··· यदीदृशं भवेन्नाट्यं नाट्यधर्मी तु सा स्मृता NāṭyaS'ā. 13. 73; **ii** very mighty or strong, of a very noble nature विदर्भो नाम जनपदः । तस्मिन् ··· अतिसत्त्वः ··· पुण्यवर्मा नामासीत् (राजा) DaśKuC. 129. 12; परितो विभरांबभूव हंसाञ्जलवेगं च बभार यातिसत्त्वा । पूतना Rāvaṇā. 8. 43; (नरः) पित्तोद्भवायाः प्रकृतेः सकाशात् ··· तेजोऽधिकः सत्यपरोऽतिसत्त्वः(? त्वः) KalyāKā. 3. 22; वासयति हीनसत्त्वानतिसत्त्वानुद्धतान् विवासयति ।··· नीतिविदामग्रणीर्नराधिपतिः RasGaṅ. 433. 2; स वारणेन्द्रः ···। अतुल्यवीर्यः ··· अतिसत्त्वः VarāṅgaC. 16. 8; *n.* supreme virtue (of generosity) एवं वारत्रयं मुनये भक्त्या दत्तम् । ततोऽतिसत्त्वेन परितुष्टो देवः KathāK. 44. 21.

अतिसत्त्वता (atisattva-tā) *f.* quality of having supreme nobility or courage अतिसत्त्वतया विक्रमरसतिरस्कृतस्वजनविरहदुःखः नि(र्वे ? र्व)तेन चेतसा तमपरभाग(म)ह्नः समग्रां च यामिनीमनैषीत् AvantiKa. 51. 22; 102. 4; 177. 5.

अतिसत्त्वबल (atisattva-bala) *n.* strength of supreme resoluteness or nobility असुकरमपि तद्वचस्तदानीं धृतमतिसत्त्वबले व्यपाश्रयात् Rāmā. ii. 373*(2)

अतिसत्त्वयुक्त (atisattva-yukta) *adj.* **1** possessing great courage अतिसत्त्वयुक्त इति पुंभिरयमतिशयेन वर्ण्यते S'iśuVa. 15. 38 (+15); (comm.

महता सत्त्वेन धैर्येण युक्तः); 2 endowed excessively (i. e. exclusively) with *sattva* (the best of the three constituents of Prakṛti-Primordial Matter), S'iśuVa. 15. 38 (+15) (comm. अथ च सर्वीजनिर्बीजसमाधौ पुंभियोगिभिः 'सत्त्वेन गुणेन युक्त' इति कथ्यते)

अतिसत्त्ववत् (atisattva-va(n)t) *adj.* i noble-minded योऽसौ सुवर्णकारस्तु दरिद्रोऽप्यतिसत्त्ववान्। न मूल्यमादाद्देयात: MatsyaP. 92. 29; PadmP. v. 21. 14; ii very powerful विचारयत्यधिपमणेर्विरोधितां स कृष्णभूपतिरतिसत्त्ववानिव Raghunā. 10. 68.

अतिसत्त्वाढ्य (atisattvāḍhya) *adj.* endowed with great strength तत्र गत्वातिसत्त्वाढ्यो दिलीन्द्रादाप्तवाञ्छ्रियम् ParamāKā. 37. 9.

अतिसत्त्वौजस् (ati-sattvaujas) *adj.* very strong and powerful गरुडश्चातिसत्त्वौजा भास्करप्रतिमद्युतिः MatsyaP. 171. 50.

अतिसत्प्रिय (ati-satpriya) *adj.* very dear to good men सुग्रीवाख्योऽयमीश्वरः ··· गुणवानतिसत्प्रियः। केनापि दुष्टमायेन खगेनानर्थमाहृतः PadmP.(Ra.) 47. 34.

अतिसत्य (ati-satya) *adj.* very truthful दुर्धरो दुःसहः पापी योऽतिसत्येषु निष्ठुरः। मामेव पश्यते नित्यम् PadmP. ii. 56. 19.

अतिसत्रपा (ati-satrapā) *adj* (*f.*) greatly abashed पृच्छ(च्छय?)- माना यदा देवैर्नाहं तारातिसत्रपा। तदा सा शशुमारब्धा कुमारेणातितेजसा SkandP. iv. 15. 44.

अतिसत्वर (ati-satvara) *adj.* very quick देवाधिपग्राहः ··· प्रपच्छ च महाक्षुभ्गो मारीचमतिसत्वरः PadmP.(Ra.) 14. 5; सोऽयं गतोऽपि दूरमतिसत्वरः पितुराज्ञया राज्ञोऽस्य कुसुमशेखरस्य साहायकं कर्तुम् ··· काञ्चीमनुप्राप्तः TilaMañ. 95. 7; (सः) अतिसत्वरैः पदैरागत्य मुवं प्रतीहारस्य ··· क्षणं तस्थौ UdaySuKa. 51. 7.

अतिसत्वरगत्वर (atisatvara-gatvara) *adj.* running very rapidly अतिसत्वरगत्वरैस्तुरङ्गैरतिरम्यं रथमारुरोह कृष्णः HariVi. 4. 29 (136)

अतिसत्वरम् (ati-satvaram) *adv.* very rapidly or quickly अहंकारघने शान्ते तृष्णा नवतडिल्लता। शान्तदीपशिखावृत्त्या क्वापि यात्यतिसत्वरम् YogVā. i. 15. 13; चम्पेश्वरोऽपि सिंहवर्मा ··· साहाय्यदानायातिसत्वरमापततां धरापतीनां ··· प्रतिबलं प्रतिजग्राह DaśKuC. 36. 6; प्रतिपथमतिसत्वरं प्रधावद्भिरन्वेषकजनैरन्तर्व्याकुलीभूतेव राजधान्यपि मुहूर्तमेकं बभूव UdaySuKa. 107. 7; राजा च सुदूरमभित्वर्थ(? र्धि)तानुरागवृत्तिरतिसत्वरमिदानीमेव भवन्तमीहते द्रष्टुम् UdaySuKa. 156. 8; 156. 8; 137. 8; 127. 23; 111. 15.

अतिसद् (ati-sad-) I. P. [P. vii. 3. 78] to be exhausted, to be destroyed completely ततो दुर्भिक्षमाहात्म्याद्भिक्षयात्यल्पलब्धया। सारयित्वा गुरूणां तौ भुञ्जानावत्यसीदताम् PariPar. 8. 383; मन्त्राणां देवतानां च वैरीकरणमीश्वरि। कथयामि शृणु प्राज्ञे येन लोकोऽतिसीदति TantrRā. 35. 84; AnangaRa. 4. 23.

अतिसदन (ati-sadana) *n.* excellent mansion तत्रापि मेऽतिसदनं किल मध्यभागे DevīBhāP. iv. 24. 50.

अतिसदय (ati-sadaya) *adj.* very compassionate प्रमुदितहृदयं हरिमतिसदयं नमत GītGo. v. 11. 8.

अतिसदाचार (ati-sadācāra) *adj.* very virtuous, having very good conduct ज्यायानतिसदाचारो द्यूतादिव्यसनी लघुः PariPar. 1. 271.

अतिसदृश (ati-sadṛśa) *adj.* very similar, very much alike न च अतिसदृशस्वरबहुवक्तृप्रयुक्तेषु···व्यभिचार इति साम्प्रतम् TattvBi. 68. 3; तं चातिसदृशं दृष्ट्वा सर्वेऽप्यत्रैवमब्रुवन् KathāSaSāg. xii. 34. 81.

अतिसदृशता (atisadṛśa-tā) *f.* extreme similarity कान्ते क्षोणीधरेऽस्मिन्नतिसदृशतया दुर्गमा भूविभागाः PadmP.(Ra.) 42. 60.

अतिसद्गुणा (ati-sadguṇā) *adj.* (*f.*) possessed of many good qualities मम कृतिरियं हित्वा दोषान्भवत्वतिसद्गुणा AdvaiSi. 900. 7.

अतिसद्भक्ति (ati-sadbhakti) *f.* great devotion रुद्राक्षाञ्छिववल्लभान्। धारयस्वातिसद्भक्त्या S'ivaP. ii(1). 4. 66 (42A. 4)

अतिसद्वंश (ati-sadvaṁśa) *m.* very noble family (महासाध्वी) अतिसद्वंशजाता च सुशीला कुलपालिका BrahmVaiP. iv. 57. 12.

अतिसनाथता (atisanātha-tā) *f.* the state of having many protectors प्रभूतमातापितृपक्षामित्थनेनातिसनाथतां दर्शयति JayaMa. 191. 9 (*on* 3. 1)

अतिसनामन् (ati-sanāman) *adj.* having exactly the same name (as of the tree) सदा ह्यतिसनामानि··· । फलान्यमृतकल्पानि VarāP. 77. 18.

अतिसंतत (ati-santata) *adj.* greatly extended, widely spread, uninterrupted क्षेत्रज्ञशक्तिः ··· संसारतापानखिलानवाप्नोत्यतिसन्ततान् ViṣṇuP. vi. 7. 62; तवाभ्यासोऽस्ति सद्गुणैः। ··· पद्मस्येवातिसन्ततैः YogVā. ii. 12. 5; स्वजनाश्रु किलातिसन्ततं दहति प्रेतम् RaghuVa. 8. 48; कालसमुद्रस्य न लक्ष्यन्तेऽतिसन्तताः। ··· युगान्ताः DaśāvaC. 8. 1; निःश्वासैरतिसन्ततैर्बुषकणाजालं खले विक्षिपन्नुक्षाः SubhāRaK. 35. 39; ताम्बूलीलवलीद्राक्षावितानैरतिसन्ततैः।···तन्वन्तं रतिमण्डपान् TriṣaS'aPuC. ii. 1. 103.

अतिसंतपन (ati-santapana) *n.* a kind of expiation पृथक्त्वप्रत्ययाभ्यस्तमतिसन्तपनं स्मृतम् ViṣṇuDhaP. ii. 42. 32.

अतिसंतप्त (ati-santapta) *adj.* [*f.* -ā] i extremely distressed, very much excited अहमेकोऽभि(v.l. ति)सन्तप्तो माता च प्रतिविन्ध्यतः MahāBhā. iii. 36. 15; ब्राह्मणी शूद्रभोग्या ··· । निवसेदतिसन्तप्ता यमदूतेन ताडिता BrahmVaiP. ii. 31. 23; तथोद्विग्नोऽतिसन्तप्तो न भक्ष्यैर्मन्यते सुखम् S'ivaP. v. 10. 55 (418A. 11); ब्रह्मा ··· । आजगामातिसन्तप्तः SkandP. v(2). 83. 42; भृशुण्डिरतिसन्तप्तः ··· जज्वाल वह्निवत् GaṇeP. i. 58. 28; ii very hot सरोवरैकदेशेऽतिसन्तप्तमुदकमस्ति SiṁhāDvā. 160. 4(6)

अतिसंतर्पण (ati-santarpaṇa) *n.* extreme satiation सर्वैव हि वृद्धिः प्रायोऽतिसन्तर्पणनिमित्तत्वाच्छ्लेष्मणानुगता AṣṭāSaṁ. i. 102. 14 (1. 19)

अतिसंतर्पित (ati-santarpita) *adj.* very much satisfied सहचरि चकोरयुगलं दिवसे मद्वक्त्रचन्द्रिकया। अतिसन्तर्पितनयनं पश्यति निशि नैव चन्द्रमसम् SṛṅgāMañ.(A.) 31. 8

अतिसंतानक (ati-santānaka) *m.* name of one of the sixty planets अतिसन्तानकास्त्वन्ये षष्टिर्वायोः सुता ग्रहाः AVPari. 52(5). 5.

अतिसंताप (ati-santāpa) *m.* i excessive heat व्यायाममतिसन्तापमतिमुक्त्वा निषेविणाम् (कुष्ठम्) CaraS. vi. 7. 5 (1941 Ed.); विरत्मातिसन्तापे क्षिप्रवर्षीव वारिदः RāmāMañ. 258. 26; ii great anguish वृश्चिकाख्यः ··· अतिसन्तापनष्टच्छायो ज्वराभिधः SamaMā. 5. 56.

अतिसंतापद (atisantāpa-da) *adj.* who torments very much अतिसन्तापदाज्जातः स जनाह्लादकोऽभवत् RājTa.(Ka.) 1. 327.

अतिसंतुष्ट (ati-santuṣṭa) *adj.* greatly pleased, very much satisfied ततो भूपोऽतिसंतुष्टः संमान्य व्यसृजद् द्विजम् PārśvC. 2. 70; वस्त्राभरणानि परमप्रीत्या दत्तानि श्रेणिकेनातिसंतुष्टेन SamyaKau. 2. 15; प्रियां दृष्ट्वातितुष्टः Siṁhā-Dvā. 31. 8(2); 95. 2(4); 143. 6(8)

अतिसंतुष्टमनस् (atisantuṣṭa-manas) *adj.* very much satisfied in mind मुनयः सर्वे ··· अतिसन्तुष्टमनसो नत्वा जग्मुः स्वमाश्रमम् GaṇeP. ii. 137. 39; i. 73. 25; अतिसंतुष्टमना गृहेश्वरः ···स्वगृहं प्रविशेत् MayaMa. 28. 35.

अतिसंतोष (ati-santoṣa) *m.* great satisfaction, great delight, extreme joy अतिसंतोषेण कातराक्षीति भावः LalitāTriBh. 290. 9 (*on* 20); PrabhāC. 97. 12; अतिसंतोषश्च विरोधीदयर्थः S'rīBh. 12. 5 (*on* i. 1. 1) = Yatīndra Dī. 63. 5.

अतिसंतोषराहित्य (atisantoṣa-rāhitya) *n.* absence of great delight हर्षहेतूपस्थितेष्वप्यतिसंतोषराहित्यमनुद्धर्षः NītiMā. 65. 9.

अतिसंतोषित (ati-santoṣita) *adj.* caused to be greatly delighted, very much pleased स्त्रीवैरेव चरित्रकैः शुभतरैस्तातोऽतिसन्तोषितः ParamāKā. 19. 134(? 136)

अतिसंत्रस्त (ati-santrasta) *adj.* [*f.* -ā] i very much frightened or alarmed आजग्मुरतिसंत्रस्ता ब्रह्मविष्णुशिवादयः BrahmVaiP. iv. 86. 108; ii very much infuriated or agitated इत्युक्तयातिसंत्रस्तस्तया नद्या प्रसादितः। भूभागे प्लाविते तत्र मुमोच यमुनां बलः BrahmP. 198. 14.

अतिसंत्रास (ati-santrāsa) *m.* great fear इत्युक्तयातिसंत्रासात्तया नद्या प्रसादितः (बलरामः) ViṣṇuP. v. 25. 14.

अतिसंदधान (ati-sandadhāna) *adj.* overreaching, deceiving (i. e. covering or hiding secretly) अनन्यसाधारणपारमैश्वर्यादन्यानशेषानतिसंदधानात्। गोपायितुं पारयति त्रिलोकीम् ··· न त्वदन्यः Yādavā. 7. 96.

अतिसंदिग्धत्व (atisandigdha-tva) *n.* great ambiguity or uncertainty अर्थस्यातिसंदिग्धत्वात्संदेहः AṇuBh. 67. 19 (*on* i. 2. 24)

अतिसंदिग्धवस्तु (atisandigdha-vastu) *n.* very doubtful or dubious matter वितर्कस्तु विचारः स्यादतिसंदिग्धवस्तुनि SāhiSā. 5. 33.

अतिसंदीप्ता (ati-sandīptā) *adj.* (*f.*) very much ablaze or afflicted शोकाग्निनातिसंदीप्ता निराशा पुत्रदर्शने (धेनुरगच्छत्) PadmP. v. 18. 417.

अतिसंदुष्ट (ati-sanduṣṭa) *adj.* very wicked शरभोऽप्यतिसंदुष्टो नित्यं प्राणिवधे रतः MahāBhā. xii. 117. 38.

अतिसंदेहग्रन्थि (atisandeha-granthi) *m.* knot of extreme doubt विच्छिन्नो मेऽतिसंदेहग्रन्थिर्भवदनुग्रहात् AdhyāRā. i. 2. 1.

अतिसंधम् (ati-sandhám) *adv.* wrongly, deceivingly योऽयं देवः पशूनामीष्टेऽतिसन्धं वा अयु(? यं) चरति य इत्थं स्वां दुहितरस्माकं स्वसारं करोति S'atBr. I. vii. 4. 3.

अतिसंधा (ati-sandhā-) III. U. i to overreach, to cheat, to outwit सूदारालिकव्यञ्जना वा प्रणिहिता दूष्यं रसेनातिसंदध्युः ArthS'ā. ii. 188. 6

(5.1); मध्यमोदासीनयोर्बलांशदाने यः शूरं कृतास्त्रं दुःखसहमनुरक्तं वा दण्डं ददाति सोऽतिसंधीयते। विपरीतोऽतिसंधत्ते ArthS'ā. ii. 289.7 (7.8); सत्त्वासत्त्वव्यवस्थितम्। बुध्यात्मना मया व्याप्तं को मां लोकेऽतिसंधयेत् VāyuP. ii. 6.20; अस्मानपि रहस्ये-नातिसंधत्ते PādaTā. 14.5; समानदुःखावेगावेवावां भवावः। मूर्च्छया किं मामेवमति-संधत्से VeṇiSaṁ. 6.334; आत्मानं योऽतिसंधत्ते सोऽन्यस्मै स्यात्कथं हितः TantrVā. 116.16 (on i.3.4); वज्रावर्तं धनुर्मित्रमिवाकृष्य निपीडितम्। तं (रामम्) नातिसंदधे RāghPāṇ.(Dha.) 9.35; वेश्यां यो नातिसंधत्ते मूढोऽसाविति साध्यते VitVr. 80; निर्जराः ···। अतिसंदधिरे सुखेन मूढम् S'ivLī. 3.28; स्वभक्तान्पुरा। काकुत्स्थोऽप्यति-संदधे स भुवनान्यन्यानि सृष्ट्वा तदा S'ivotkaMañ. 5; (pass.) द्विषद्भिश्चातिसंधीयते (राजा) ArthS'ā. i. 94.3 (1.19); त्वया चन्द्रमसा च विश्वसनीयाभ्यामतिसंधीयते कामिजनसार्थः (v.l.) S'āk. 3.3(1); YaśasCam. i. 373.2; एवमेतेन कल्पेन स्थिता वेश्या परिग्रहे। नातिसंधीयते गम्यैः KāmSū. 332.23 (6.3); अनवसर्पो हि राजा स्वैः परैश्चातिसंधीयेत NītiVā. 14.6; किमाश्चर्यं यदुज्जयिनिको जनः। नातिसंधीयते धूर्तैः BṛKathāS'loSaṁ. 22.177; ‖ to outdo, to surpass मूलद्वारं नान्यैर्द्वारै-रति(? अभि)संदधीत रूपद्धर्या BṛSaṁ. 53.82; न नियमानसमीक्ष्य बुद्धया यमबहुलेष्वतिसंदधीत बुद्धिम् ManuBh. i. 397.20 (on 4.204)

अतिसंधातव्य (ati-sandhātavya) *adj.* to be over-reached, cheated or outwitted स वक्ष्यत्येवं, तस्येदं प्रतिवाक्यम्, एवमतिसंधातव्यम् इत्यधीयानो गच्छेत् (दूतः) ArthS'ā. i. 78.5 (1.16); कुमारो मलयकेतुरतिसंधातव्य इत्यहो दुष्करम् MudrāRā. 5.3(8)

अतिसंधातुकाम (atisandhātu-kāma) *adj.* wishing to overcome or to deceive शत्रुमतिसंधातुकामः ··· परिच्छिद्रमासाद्य प्रहरेत् ArthS'ā. ii. 271.10 (7.6); सत्रि(? त्रि)णो मित्रव्यञ्जना वा बाह्यानां चारमेषां ब्रूयुः 'अयं वो राजा दूष्य-व्यञ्जनैरतिसंधातुकामो बुध्यध्वम्' इति ArthS'ā. iii. 75.2 (9.5); मत्स्वामिनमति-संधातुकामः परो मां विलम्बयितुमिच्छतीत्यविज्ञातोऽपि दूतोऽपसरेत् NītiVā. 13.6.

अतिसंधातुम् (ati-sandhātum) *inf.* in order to overcome or to deceive तदपि नाम दुरात्मा चाणक्यबटुः ··· अतिसंधातुं शक्यः स्यात् MudrāRā. 4.3(3); अयं बटुरशक्य इवातिसंधातुम् AdbhuDa. 2.21(11); शास्त्रज्ञसमाज्ञातो हि यद्ददाति यन्मानयति यच्च प्रियं ब्रवीति तत्सर्वमतिसंधातुमित्यविश्वासः DaśKuC. 133.2; स एव तमतिसंधातुं वञ्चयितुं समर्थः AbhinBhā. iii. 51.11 (on 19.87); तद्विदस्याति-संधातुं न्यायं तत्रैदमुत्तरम् VitVr. 76.

अतिसंधातृ (ati-sandhātṛ) *adj.* who cheats or outwits उपनिविष्ट-समाप्तयोरुपनिविष्टं पृथग्यानस्थानमतिसंधातारं युध्येत, न समाप्तमरिणैकस्थानयानम् ArthS'ā. iii. 37.5 (8.5)

अतिसंधान (ati-sandhāna) *n.* over-reaching, cheating or tricking परातिसंधानमधीयते (v.l.) यैर्विद्येति ते सन्ति किलाप्तवाचः S'āk. 5.26; परोप-जापातिसंधानोपधिभ्यश्च रक्षेत् ArthS'ā. ii. 212.6(5.5); सङ्घाश्चाप्येवमेकराजादेते-भ्योऽतिसंधानेभ्यो रक्षेयुः ArthS'ā. iii. 152.5 (11.1); तदत्र प्रतीकारेषु केवल-मतिसंधानजृम्भितमवशिष्यते MahāviC. 6.8(1) (159.8); मृषानन्दो मृषावादैरति-संधानचिन्तनम् MahāP. 21.50; कपटेनातिसंधानं ब्रुवतेऽतिबलं बुधाः NāṭyaS'ā. 19.87; कथमन्यथा तदतिसंधानमन्तरेणायमागन्तुं शक्तः स्यात् JānaPa. 4.35(8); अतिसंधानमाचार्या नाटकेऽतिबलं विदुः SāhiSā. 1.91; वंचनं चातिसंधानं व्यलीकं स्यात्प्रतारणम् AbhidhāRaMā. 4.63; Yaija. 194.35; प्रतारणातिसंधानवचनानि प्रलोभनम् S'abdaRa.(Vā.) 2038.

अतिसंधानपर (atisandhāna-para) *adj.* intent on deceiving अन्या नु किं ते नु दृशीति चुम्बिता मिथोऽतिसंधानपरेण कामिना VasaViKā. 7.16.

अतिसंधानप्रधान (atisandhāna-pradhāna) *adj.* having cheating as (his) main motive बालो वा नैकदृष्टिरतिसंधानप्रधानो ··· वेत्यवेत्य संदध्यान्न वा KāmSū. 336.10 (6.4)

अतिसंधानविरोध (atisandhāna-virodha) *m.* inconsistency with (the use of) deception or fraud षाड्गुण्यस्यातिसंधानविरोधश्चैवं न भवति ManuBh. ii. 53.3 (on 7.180)

अतिसंधानशील (atisandhāna-śīla) *adj.* given to cheating कदर्यस्य ··· नातिसंधानशीलस्य स्वैरपि व्ययैस्तथाराधनम् KāmSū. 355.10 (6.6) (comm. अतिसंधानशीलस्य छलेन संधानपरस्य)

अतिसंधानाधिक्य (atisandhānādhikya) *n.* greater (possibility of) over-reaching द्वाभ्यां समाभ्यां (यानं) श्रेयः, ज्यायसा ह्यवगृहीतश्चरति समा-भ्यामतिसंधानाधिक्ये वा तौ हि सुखौ भेदयितुम् ArthS'ā. ii. 266.5 (7.5)

अतिसंधानार्थम् (atisandhānārtham) *adv.* in order to deceive मुग्धे मुनीनामतिसंधानार्थं मम रूपेण राक्षसाः संचरन्ति ĀścaCū. 3.33 (25)

अतिसंधापटु (atisandhā-paṭu) *adj.* expert in deceiving बहुशो हरति स्म नीविबन्धानतिसंधापटुरादिमः स चोरः YātrāPra. 7.51.

अतिसंधाय (ati-sandhāya) *ger.* having deceived or over-reached असान् वाप्यतिसंधाय कुर्युर्मैत्र्येन संगतम् MahāBhā. iv.42.12; सार्थयानपात्राणि च मदनरसयोगेनातिसंधायापहरेत् ArthS'ā. i. 91.5 (1.18); प्रायेण निरुन्धन्तमसत्प-रिजनमतिसन्धायागतोऽस्मीति JānaP. 4.35 (7); जनं विद्वानेकः सकलमभिसंधाय (v.l. अतिसंधाय) कपटैः ··· मौनं च भजते MālaMā. 1.105 = SūktiRa. 82.29; चतुःषष्ट्या तन्त्रैः सकलमतिसंधाय भुवनम् SaundL. 31; यदि तु मित्रेण सह तुल्य-फलायां यात्रायामवष्टब्धो रिपुरशक्तो भूम्यादि प्रयच्छेत् तदा किं मित्रमतिसंधाय स्वकार्यं न क्रियते BālaKrī. i. 196.21 (on 1.348); कथमिवैतानतिसंधाय भग्न-मनोरथान् करिष्ये SamudraMa. 1.24 (4); श्वश्रूपिशाचिकेयं मामतिसंधाय कृत्रिमो-पायैः S'ṛṅgāBhū. 69; अतिसंधाय दानवाननुगृह्णीयाममरानिति कृतनिश्चयः स एव तिरोदधे ··· कमललोचनः NīlaVi. 122.17; (इयम्) मत्कृतस्नेहानुबन्धा बन्धुजन-मतिसंधाय मामनुसंगता वर्तते इति Mukundā. 146 (5); 184 (11)

अतिसंधायक (ati-sandhāyaka) *adj.* very deceitful or very cunning बकवृत्तिरतिसंधायकः स्वार्थनिष्ठश्च BālaKrī. i. 106.2 (on 1.129)

अतिसंधारण (ati-sandhāraṇa) *n.* total rejection, non-fulfilment, completely witholding प्रार्थनासंधारणाद्धि (PW reads प्रार्थनातिसंधारणाद्धि) वायुः प्रकुपितोऽन्तःशरीरमनुचरन् गर्भस्यापद्यमानस्य विनाशं वैरूप्यं वा कुर्यात् CaraS. iv.4.19 (1941 Ed.)

अतिसंधि (ati-sandhi) *m.* ‖ over-reaching pact (much more advantageous to oneself than to the opposite party) तेषां ज्यायसोऽधिकांशेन समात्समेन हीनाद्धीनेनेति समसंधिः। विपर्यये विषमसंधिः। तयोर्विशेषलाभादतिसंधिः ArthS'ā. ii. 279.4 (7.7); ii. 292.6 (7.9); ‖ deception अपकारमिवाति-संधयस्तमसत्पक्षमित्रापहेतवः। उपसेदुः ··· सनाभयः RāmC. 33.35.

अतिसंधिक (atisandhi-ka) *adj.* deceiver, deceitful person अतिसन्धि-कमित्येव पुरुषं सामवादिनम्। असाधवो विजानन्ति तस्मात्तत्तेषु वर्जितम् Viṣṇu-DhaP. ii. 67.9.

अतिसंधिकृत् (atisandhi-kṛt) *adj.* causing deception छलं स्याद्वाच्य-मन्यार्थं हास्यरोषातिसंधिकृत् NāṭaLaRaK. 2975; अतिसंधिकृच्छलमेतत् NāṭaLa-RaK. 2980.

अतिसंधित (ati-sandhita) *adj.* [*f.* -ā] deceived, cheated धर्मवादी शठो भर्ता ··· शुद्धभावे न जानीषे तेनैवमतिसंधिता Rāmā. ii. 7.20; अम्ब लक्ष्म-णेनातिसंधितोऽहमभिवादये Prati. 3.15 (9); सोऽयं ग्रामेयकेनेव धिया धूर्तोऽति-संधितः BṛKathāS'loSaṁ. 19.10; 22.178.

अतिसंधित्सत् (ati-sandhitsat) *adj.* wishing to deceive अतिसंधित्सतो विष्णुं कः सहायो भविष्यति SkandP. i(3B). 12.12.

अतिसंधित्सित (ati-sandhitsita) *adj.* intended to be deceived अति-संधित्सितो गोविन्दमहाराजः स्वयमस्मानतिसंधातुमवाप्ताभिसंधिरासीत् GadyaCin. 142.3.

अतिसंधीयमान (ati-sandhīyamāna) *adj.* who is being deceived पठन्तश्चापठद्भिरतिसंधीयमाना बहवः DaśKuC. 133.13.

अतिसंधेय (ati-sandheya) *adj.* improper, violating convention देव-राज कथमप्रतिसन्धेयं (v.l. अतिसन्धेयं) तुमुलम् MahāviC. 6.30 (6); ‖ to be deceived or over-reached न खल्वतिसंधेयाः केनापि मायाविनो मारीचप्रभृतयः JānaPa. 4.40 (3)

अतिसन्ध्या (ati-sandhyā) *f.* time about the twilight अतः ··· नाति-सन्ध्यासमीपपर्यन्तो वासरतृतीयांशो ग्राह्यः CaturCin. iii(2). 577.13.

अतिसंनद्ध (ati-sannaddha) *adj.* well-armoured, well-equipped तारकत्रीरभद्रौ ··· युयुधातेऽतिसंनद्धौ S'ivaP. ii(4). 8.18 (202A.9)

अतिसन्ना (ati-sannā) *adj.* (*f.*) very feeble वाचातिसन्नया रामं जटायु-रिदमब्रवीत् Rāmā. iii. 64.8.

अतिसंनिकर्ष (ati-sannikarṣa) *m.* extreme closeness, too much proximity or nearness षड्भिः प्रकारैः सतां भावानामनुपलब्धिर्भवत्यतिसंनिकर्षात् MahāBh. ii. 197.9 (on iv. 1.3); PadMañ. on KāśiVr. on P. iv. 1.3; सतां च रूपाणामतिसंनिकर्षात् ··· प्रत्यक्षानुपलब्धिः CaraS. i. 11.8; प्रायः प्रभूणामति-संनिकर्षः क्षुराग्रधारे नवपादचारः DaśavaC. 7.154.

अतिसंनिकृष्ट (ati-sannikṛṣṭa) *adj.* [*f.* -ā] ‖ extremely proximate, very near न वातिसंनिकृष्टां विप्रकृष्टाम् ··· वा सूचीं पातयेत् AṣṭāSaṁ. i. 187.22 (1.38); अतिसंनिकृष्टेषु वस्तुषु गतिकालभेदः ··· मा नाम अवसायि PrakaPañ. 130.8; आसीने च मयि नातिसंनिकृष्टमध्यास्य विष्टरम् ··· समागत्य चतुरिका साकूत-मवदत् TilaMañ. 352.11; ‖ close neighbour बलादापदि चातिसन्निकृष्टाः प्रवृत्तप्रवेशाश्चादण्ड्याः अन्यत्र प्रतिषेधात् ArthS'ā. ii. 177.7 (4.13)

अतिसंनिधान (ati-sannidhāna) *n.* extremely close proximity अश्रु-नातिसन्निधाने पलायितुमक्षमः Hitop. 1.43; पूर्वपक्षस्तु ··· अतिसंनिधानादुत्थितः VedāntKa. 153.2 (on i. 3.8)

अतिसंनिवेश (ati-sanniveśa) *adj.* having a very near place, very close इति निवारितो वारंवारमपसृत्य नातिसंनिवेशो तस्यैव मत्तवारणस्यैकपार्श्वे

निषसाद (गन्धर्वकः) TilaMañ. 223. 10.

अतिसंनिहित (ati-sannihita) *adj.* extremely near सर्वतः प्रसरतातिसंनिहितमुखरमणिनूपुरस्वनेन ··· श्रूयमाणराजहंसरवम् ···उपदर्शयन्तीम्···कन्यकामद्राक्षम् TilaMañ. 160. 1; यदा सन्तमसान्धकारे विद्युत्सम्पातमात्राद् व्याघ्रमभिमुखमतिसंनिहितं पश्यति SāmkhyaTaKau. 364. 5 (*on* 30); अतिसंनिहितमदनचेष्टानुवादिन उक्तिरेव ते ग्राम्या LataMe. 2. 21 (1); स्वयमतिसंनिहितोऽप्यलक्षितः।···अधिकाशि गृह्यते ··· तस्कराग्रणीः YātrāPra. 2. 81; 5. 9.

अतिसंनिहितदेश (atisannihita-deśa) *m.* very close region चिरकालमतिसंनिहितदेशे वासः संवसनम् CaturCin. iii(1). 513. 20.

अतिसन्मण्डल (ati-saumaṇḍala) *adj.* quite nicely rounded (i. e. well built) जङ्घादिषु धूमत्वे चातिसन्मण्डलः ··· तुरङ्गरत्नं भद्रवाहनो नाम AvantiKa. 89. 16.

अतिसन्मान (ati-sanmāna) *m.* [? अतिसंमान] great honour or respect कायं म्लेच्छः ···। क चायमतिसन्मानः PadmP.(Ra.) 34. 94.

अतिसफल (ati-saphala) *adj.* very fruitful अहोऽतिसफलं जन्म लक्ष्मणस्य महात्मनः AdhyāRā. ii. 8. 32.

अतिसम (ati-sama) *adj.* **i** absolutely equal or impartial त्वं भव खमिवातिसमः सदोपशान्तः YogVā. iv(1). 61. 25; (तौ) मुनी।···समसमेऽतिसमौ शमिनौ स्वतः YogVā. vi(1). 75. 21; **ii** very level or plain अतिसमः सुविभक्तः ··· रमणीयश्च भूभागो यत्र तत्तथा JñāDhaṬ. 42B. 9.

अतिसमञ्जसा (ati-samañjasā) *adj.* (*f.*) quite proper, extremely upright धृतराष्ट्रस्य बुद्धिर्नातिसमञ्जसी (v. l. °सा) MahāBhā. i. 136. 12.

अतिसमञ्जसी (ati-samañjasī) *adj.* (*f.*) quite proper, extremely upright धृतराष्ट्रस्य बुद्धिर्नातिसमञ्जसी MahāBhā. i. 136. 12.

अतिसमधिकता (atisamadhika-tā) *f.* great abundance साधीयोधीधनर्द्धेरतिसमधिकतां सा क्रियास्तिद्धगीर्वः JinaS. 4. 4.

अतिसमय (ati-samaya) *m.* generally accepted principle नातिसमयं जह्यात्, न नियमं भिन्द्यात् CaraS. i. 8. 25.

अतिसमर्घता (atisamargha-tā) *f.* the state of being very cheap (lacking in cost) सागरदत्तः ··· अतिसमर्घतां गतम् ··· तत्केवलावन्तिसोमसहायमाहरति YaśasCam. ii. 368. 13.

अतिसमर्थ (ati-samartha) *adj.* **i** very powerful, all-powerful स एवास्मत्प्रभुः महाप्रतापोऽतिसमर्थश्च Hitop. 3. 15 (9); तस्मै सर्वतः प्रकाशायातिसमर्थाय विष्णवे नित्यया वेदवाचा साध्वीं स्तुतिं प्रेरय TattvPrakā. 81B. 13 (*on* ii. 1. 4); **ii** virile यदा त्वनुत्पन्नपुत्रोऽविरक्तोऽतिसमर्थश्च सवर्णां न लभते VīraMi. (Saṁskāra.) 748. 11.

अतिसमस्तार्थ (atisamastārtha) *adj.* with meaning expressed in a long compound श्रव्यं नातिसमस्तार्थं काव्यं मधुरमिष्यते Kāvyālaṅ.(Bh.) 2. 3.

अतिसमाकुल (ati-samākula) *adj.* [*f.* -ā] very much disturbed or worried मेदिनी ··· दुष्टराजन्यसैन्यानां भारेणातिसमाकुला DevīBhāP. vii. 8. 33; ततो हिमालयस्तत्राजगामातिसमाकुलः SivaP. ii(3). 44. 40 (176B. 10)

अतिसमानार्थत्व (atisamānārtha-tva) *n.* the state of having exactly the same meaning, perfect synonymity विग्रहसमासयोरतिसमानार्थत्वनियमो नास्त्येव VaiyāBhū. 183. 25 (*on* 33); 185. 20 (*on* 33)

अतिसमावृत (ati-samāvṛta) *adj.* completely surrounded तौ तेन सैन्येन महतातिसमावृतौ। जग्मतुः SkandP. v(2). 82. 27.

अतिसमासेवित (ati-samāsevita) *adj.* taken in excess (तिक्तः) धातुत्त्वलयक्षयमूर्च्छाग्लानिभ्रमवातरोगपरुषत्वम्। खरविशदरौक्ष्यभावैः सोऽतिसमासेवितः कुर्यात् AṣṭāSam. i. 98. 1 (1. 18)

अतिसमाहित (ati-samāhita) *adj.* very much self-controlled वरताश्विरसामन्त सारतातिसमाहित।··· अवसि ĪśvaS. 83.

अतिसमीचीनत्व (atisamīcīna-tva) *n.* great propriety or suitability एतेषु भेदेषु स्वाधीनपतिकाया अतिसमीचीनत्वात् SṛṅgāMañ.(A.) 15. 12.

अतिसमीप (ati-samīpa) *adj.* nearest, very close ते हि एनत् नेदिष्ठम् अतिसमीपं ब्रह्मविद्यया ब्रह्म प्राप्ताः सन्तः पस्पृशुः KenUBh. 94. 14 (*on* 4. 2); VīraMi. (Tīrtha.) 104. 7; *n.* close proximity अग्नेरतिसमीपमनवहितः सन्नुपसर्पति ManvaMu. 248. 31 (*on* 7. 9)

अतिसमीपता (atisamīpa-tā) *f.* extreme proximity न विभावयत्यनिशमक्षिगतामपि मां भवानतिसमीपतया SiśuVa. 9. 81.

अतिसमीपम् (ati-samīpam) *adv.* quite closely सर्वथोच्छिष्टस्यातिसमीपं न कार्यम् BālamBha. i. 527. 13 (*on* 1. 242)

अतिसमीपसंस्थ (atisamīpa-saṁstha) *adj.* situated very closely, which is in a very close vicinity विदूरमवलोकयत्यतिसमीपसंस्थं पुनः ··· पुस्तकम् SubhāRaK. 35. 32 = SaduktiKa. 312. 4.

अतिसमीपस्था (atisamīpa-sthā) *adj.* (*f.*) situated quite near मुष्टेर्नातिसमीपस्थां वामहस्तात् कनिष्ठिकाम्। दक्षिणाङ्गुष्ठपार्श्वेन दंष्ट्रावत्परिभावयेत्।··· गणेश्वरस्य मुद्रैषा LakṣmīT. 34. 66.

अतिसमीरित (ati-samīrita) *adj.* **i** excessively blown पांशवोऽपि कुरुक्षेत्रे वायुनातिसमीरिताः PadmP. i. 27. 88; **ii** fanned in excess मिथ्याभिशस्तो गार्ग्यस्तु मन्युनातिसमीरितः BrahmP. 14. 48.

अतिसमुच्छ्रय (ati-samucchraya) *adj.* possessing a very high position अत्यायासेन नात्मानं कुर्यादतिसमुच्छ्रयम् SūktiRa. 123. 15.

अतिसमुच्छ्रित (ati-samucchrita) *adj.* **i** raised to a great height, hoisted very high (a flag) (देवी) चिच्छेद च धनुः सद्यो ध्वजश्चातिसमुच्छ्रितम् MārkP. 83. 4; यत्र ध्वजश्चातिसमुच्छ्रितः SkandP. iv. 7. 132; **ii** raised to a very high position अत्यायासेन नात्मानं कुर्यादतिसमुच्छ्रितम्। पातो यथा हि दुःखाय नोच्छ्रायः सुखकृत्तथा AṣṭāSam. i. 55. 4 (1. 8)

अतिसमुज्ज्वल (ati-samujjvala) *adj.* excessively bright or radiant अनेकशतसंख्यांश्च दीपानतिसमुज्ज्वलान्। धारयन्तो जनाः PāraS. 17. 143.

अतिसमुत्कृष्ट (ati-samutkṛṣṭa) *adj.* raised very high ततो हर्षसमुद्भूतो (v. l. हर्षेणातिसमुत्कृष्टो) निस्वनो दिवमस्पृशत् Rāmā. vi. 115. 26.

अतिसमुत्क्रुष्ट (ati-samutkruṣṭa) *adj.* very shrill ततो हर्षसमुद्भूतो (v. l. हर्षेणातिसमुत्क्रुष्टो) निस्वनो दिवमस्पृशत् Rāmā. vi. 115. 26.

अतिसमुत्तप्त (ati-samuttapta) *adj.* greatly heated भ्रान्तीः सप्ताधिकानां प्रविदधदरुणैरर्चिषां चक्रवालैः प्राचीराणामलक्ष्यप्रसृतिरतिसमुत्तप्तरौक्मालयेषु MahāviC. 6. 4.

अतिसमुद्धत (ati-samuddhata) *adj.* **i** excessively agitated मकरतिमितिमिंगिलावृतः प्रलय इवातिसमुद्धतोऽर्णवः MatsyaP. 133. 70; **ii** very insolent or proud तारकारातिरिव दैत्यबलमतिसमुद्धतं त्रैराज्यकाञ्चीपतिबलमवष्टभ्य EI. xxv. 23. 15.

अतिसमुद्भूत (ati-samudbhūta) *adj.* arising in excess आनन्देऽतिसमुद्भूतं रुदितं द्विविधं स्मृतम् ViṣṇuDhaP. iii. 28. 41.

अतिसमुद्रगाम्भीर्य (atisamudra-gāmbhīrya) *n.* depth surpassing that of the ocean अत्र प्रतापरुद्रस्य ··· अतिसमुद्रगाम्भीर्यम् ··· व्यज्यते PratāYaBhū. 71. 1.

अतिसमृद्ध (ati-samṛddha) *adj.* very rich, very wealthy, too prosperous तस्य प्रभूतेऽपि वित्ते परान् बन्धूनतिसमृद्धानवलोक्य पुनरर्थवृद्धिः करणीयेति मतिर्बभूव Hitopa. 2. 1(3); न तावद् अतिसमृद्धोऽपि मर्त्यधर्मा कश्चनापि कारयितुमिदमीश्वरः TilaMañ. 220. 15; अतिसमृद्धं प्रत्यधिकाभ्यनुज्ञानार्थमाह CaturCin. iii(1). 1141. 16; ViśvaPra. 82. 5; सर्वोऽप्यतिसमृद्धो भवत्यायत्यामसाध्यः कृच्छ्रसाध्यः स्वामिपदाभिलाषी वा NītiVā. 18. 46; *m.* **1** name of a *muhūrta* (i. e. division of time) आदित्ये उदयति ··· पञ्चपौरुषायां छायायामतिसमृद्धो नाम मुहूर्तो भवति Divyāva. 337. 1; 337. 19; **2** kind of womanly pride मानः ··· अतिसमृद्धः। यत्र विभावना वक्रवचनं प्रभुत्वमिति त्रयमप्यस्ति NāṭaLaRaK. 2403; 2416.

अतिसमृद्धि (ati-samṛddhi) *f.* very great prosperity करोति स्वे गेहे ध्रुवमतिसमृद्ध्योत्सवमसौ Subhāṣi. 451.

अतिसमृद्धिमत् (atisamṛddhi-ma(n)t) *adj.* very prosperous (धनञ्जयः) पञ्चनदमासाद्य···अतिसमृद्धिमत्।··· निवासमकरोत् MahāBhā. xvi. 8. 43.

अतिसंपतत् (ati-sampatat) *adj.* clashing together अतिसम्पतन्तस्तीव्रं विषं विषधराः परिनिर्वपन्ति RākṣaKā. 8.

अतिसंपद् (ati-sampad) *f.* abundant wealth चन्द्रे लग्नेऽतिसम्पत्स्यात् VasiS. 25. 3.

अतिसंपन्न (ati-sampanna) *adj.* very much enriched, very well developed भावा एवातिसम्पन्नाः प्रयान्ति रसतामभी SṛṅgāTi.(Ru.) 1. 16.

अतिसंपर्क (ati-samparka) *m.* excessive (sexual) intercourse [MW]

अतिसंपीडित (ati-sampīḍita) *adj.* very much troubled अतिसम्पीडितो विप्रः शङ्करं मनसागमत् SkandP. v(3). 198. 27.

अतिसंपुष्ट (ati-sampuṣṭa) *adj.* extremely well-nourished दैत्यान्दृष्ट्वातिसम्पुष्टांश्चुकोप मघवा तदा DevīBhāP. iii. 12. 26.

अतिसंपूरण (ati-sampūraṇa) *n.* excessive filling (of the stomach) अतिस्थौल्यमतिसम्पूरणात् CaraS. i. 21. 4 (comm. अतिसंपूरणमतिभोजनम्)

अतिसंपूर्ण (ati-sampūrṇa) *adj.* over-loaded पोतो यथातिसम्पूर्णो मज्जत्येव महोदधौ MalliC. 7. 414.

अतिसंप्रीता (ati-samprītā) *adj.* (*f.*) greatly pleased ब्रह्मक्षत्रे तु सम्पृक्ते···निवसत्यतिसंप्रीता (लक्ष्मीः) AhirbuS. 16. 21.

अतिसंप्रीति (ati-samprīti) *f.* extreme pleasure सौमुख्याद्यतिसम्प्रीतिरर्थिनां दर्शने सदा। सत्कृतिश्चानसूया च तदा श्रद्धेति कीर्त्यते CaturCin. i. 15. 1.

अतिसंबद्ध (ati-sambaddha) *adj.* **i** closely connected (with one another) नातिसम्बद्धं किञ्चित्सम्बद्धं वस्त्विच्छन्ति AbhinBhā. ii. 438. 22 (*on* 18. 69); **ii** well-united धरायामतिसम्बद्धाः खलास्ताम्राः ParamāKā. 169. 21.

अतिसंबन्ध (ati-sambandha) *m.* direct connection (i. e. without joints), well-joined (मुसलम्) मूले चान्तेऽतिसम्बन्धः पातनं पोथनं द्वयम् NītiPra. 5. 38.

अतिसंबाध (ati-sambādha) *adj.* extremely crowded अयोध्यायां राजमार्गाः … । बभूवुरभि(v. l. ति)सम्बाधाः Rāmā. ii. 5. 15; आस्ते तत्रातिसम्बाधो मगधाभिधमण्डलः S'āliC. 2. 12.

अतिसंभव (ati-sambhava) *m.* [Abl.] because of excessive capacity or accomodation (अग्निकर्मे) पञ्चाङ्गुलप्रमाणात्तु कार्यमेवातिसम्भवात् Hastyāyur. 330. 23 (2. 70)

अतिसंभावना (ati-sambhāvanā) *f.* great hospitality प्रविश्य वैकुण्ठमिवाप निर्वृतिं तत्रातिसम्भावनया तु किं पुनः Nārāy. x. 87. 4.

अतिसंभूति (ati-sambhūti) *f.* extreme glory अतिसम्भूतिभव्येन स्तोत्रेणाथ प्रजापतिः । तुष्टाव देवम् SkandP. v(i). 4. 73.

अतिसंभृत (ati-sambhṛta) *adj.* **A i** over-crowded, extremely saturated ततस्त्रिविष्टपे शून्ये मर्त्ये चैवातिसम्भृते BrahmP. 116. 5; **A ii** too much congested नैवातिसम्भृतं कुर्यात्स्वल्पमल्पामरालयम् SamarāSū. 10. 144; **B** stored to an excess यत्र भाति तदङ्गेषु लावण्यमतिसंभृतम् S'ārṅgaPa. 3342 = Subhāṣi. 1533.

अतिसंभृतक्रोध (atisambhṛta-krodha) *adj.* whose wrath has accumulated to a high degree एवमतिसंभृतक्रोधेषु युष्मासु खिद्यते गुरुः VeṇīSaṁ. 1. 94.

अतिसंभृतसंभार (atisambhṛta-sambhāra) *adj.* who has excessively collected (all requisite) materials (of worship) अतिसम्भृतसम्भारो मरीचिस्तत्पुरोहितः BrahmVaiP. iv. 16. 117.

अतिसंभोगजन्मन् (atisambhoga-janman) *adj.* caused by excessive sexual intercourse अतिसम्भोगजन्मना । जगाम संक्षयं क्ष्माभृत् क्षयरोगेण RājTa.(Ka.) 4. 398.

अतिसंभोगजात (atisambhoga-jāta) *adj.* caused by excessive sexual intercourse अतिसम्भोगजातेन धातुक्षैण्येन सोऽर्दितः RājTa.(Ka.) 7. 698.

अतिसंभ्रम् (atisam-bhram-) I. P., IV. P. (*caus.*) to move or to revolve swiftly मुरभिद्रथस्य मध्येऽपि चक्रमतिसम्भ्रमयाञ्चकार BhārCam. 9. 36.

अतिसंभ्रम (ati-sambhrama) *m.* **1 A** great excitement (प्रवीरः) आधीयमानमतिसम्भ्रमवेपमानविस्रस्तबाहुलतया बुबुधेऽन्तरायम् HarVi. 40. 59; ततान तारस्तरलोऽतिसन्भ्रमम् RāmC. 5. 48; चारैर्विलोकयामास रामस्तामतिसम्भ्रमात् SkandP. iii(2). 31. 80; स्तोतुमुत्सहते मेऽद्य मनो रामातिसम्भ्रमात् AdhyāRā. iii. 9. 30; **1 B i** great haste कथमतिसंभ्रमात्पार्श्वस्थापि देवी नोपलक्षिता Ratnā. 4. 15(2); अतिसम्भ्रमभ्रमद्भ्रमरनिकुरम्ब इव … (सः) यथावासमयासीत् NalaCam. 2. 30(29); पतद्भिश्चातिसम्भ्रमात् । सोऽन्वगामि नृपैः TriṣaS'aPuC. ii. 4. 12; **1 B ii** high speed, swift motion अतिसम्भ्रमभ्रमितपांसु° … °विहङ्गमम् … आलम्ब्य युगविगमोचितं रूपम् NīlaVi. 22. 8; **2** great respect, great honour तज्ज्ञातिषु चातिसम्भ्रमः KāmSū. 244. 2 (4. 2); अयं भवद्भ्यामतिसम्भ्रमेण मयि प्रयुक्तः शिरसा प्रणामः KundaMā. 5. 11; अलमलमतिसम्भ्रमेणास्यतां वासु भद्रे PādaTā. 13. 22; अतिसम्भ्रमेण । पितरौ … सुरेशः स गिरानर्च S'ivLī. 3. 71; **3** great embarrasment प्रश्नेविदितं यमतिसम्भ्रमनष्टगल्पा । दृष्ट्वा Rāvaṇā. 1. 17; **4** great fear राजा … अथातिसंभ्रमाश्चर्यखिन्नास्मृतिमुखो बभौ YogVā. iii. 105. 19 (comm. अतिसंभ्रमेण भयेन); *adj.* [*f.* -ā] greatly excited or agitated पतिमागतमाकर्ण्य पत्न्युद्धर्षातिसम्भ्रमा । निश्चक्राम BhāgP. x. 81. 25; लघवो ह्यथवा कार्ये लघाव्प्यतिसम्भ्रमाः YogVā. iii. 78. 22; मूर्तिमर्दादिभूद्गीमस्वामी सोऽन्तर्मुखस्तदा । अभूच्छ्रीशारिका देवी पुरस्तस्यातिसंभ्रमा RājTa.(Jo.) 767.

अतिसंभ्रमम् (ati-sambhramam) *adv.* with great haste कल्ये प्रस्थानाय तामतिसम्भ्रमं लङ्घयामास VidaMā. 7. 6 (3)

अतिसंभ्रमश्रान्त (atisambhrama-śrānta) *adj.* exhausted due to over-wandering or much running यत्रातिसंभ्रमश्रान्ताः सूर्यवाहाः प्रपीडिताः । विश्रामं यान्ति मध्याह्ने प्रासादशिरसि स्थिताः PadmP. vi. 4. 31.

अतिसंभ्रमाकुल (atisambhramākula) *adj.* confounded (i. e. faltering) due to great speed or haste यान्तीनामतिसंभ्रमाकुलपदन्यासं मरौ नीरसैः । किं किं कण्टकिभिः कृतं न तरुभिस्त्वद्वैरिवामभ्रुवाम् AlaṅkāSa. 89. 16.

अतिसंभ्रमानन्द (atisambhramānanda) *m.* joy due to great astonishment (in the attainment of the most beloved one) यथातिसंभ्रमानन्दे … । दृश्यते क्षीयते चैव रूपं सदसतोश्चलम् YogVā. v. 53. 42 (comm. अतिसंभ्रमहेतौ अतिप्रियतमलाभादिप्रयुक्ते आनन्दे)

अतिसंभ्रमोपसृत्वर (atisambhramopasṛtvara) *adj.* approaching in great haste or flurry अतिसंभ्रमोपसृत्वरम् … आत्मजं जयन्तमवरुध्य NīlaVi. 17. 16.

अतिसंभ्रान्त (ati-sambhrānta) *adj.* [*f.* -ā] **i** greatly disturbed, agitated or excited एतान्यतिसंभ्रान्तविविधमृगयूथानि … दक्षिणां दिशमभिवर्तन्ते MahāviC. 5. 26 (1); तच्छ्रुत्वा सा(कलिङ्गसेना)तिसंभ्रान्ता विद्धेव हृदि पत्रिणा KathāSaSāg. vi. 7. 203; बीभत्सुरेकतो वेगादन्यतस्तु वृकोदरः । प्रत्याशमतिसंभ्रान्तौ तोयहेतोरधावताम् PāṇḍaC. 7. 333; **ii** extremely quick, very hasty तत्पिता तदा । जजागरातिसंभ्रान्तः काव्यं श्रुत्वेत्युवाच च । स्थाने त्वं सुभ्रुशब्दस्य चण्डीत्याख्यामुदाहरेः PrabhāC. 114. 13.

अतिसंभ्रान्तचित्त (atisambhrānta-citta) *adj.* whose mind is extremely excited or agitated (नृपः) अतिसंभ्रान्तचित्तश्च समाहूय विभीषणम् । … अभाषत PadmP.(Ra.) 81. 81.

अतिसंमत (ati-sammata) *adj.* [*f.* -ā] very much acceptable, extremely agreeable अतिसंमता परमभीष्टमाभिमुखी जाता महीश तव योषिदियं सुरूपा PadmP. v. 20. 17; (विभीषणः) शास्त्रानुगतमत्यन्तं शिष्टानामतिसंमतम् । … वाक्यम् … अब्रवीत् PadmP.(Ra.) 55. 7.

अतिसंमद (ati-sammada) *adj.* greately delighted पुनर्जन्मोत्सवं तस्य तस्यां चक्रेऽतिसंमदः । पुनर्नृपाभिषेकं च परिवर्गो महर्द्धिभिः PadmP.(Ra.) 24. 123; *m.* great or extreme joy सुजेऽपसर्पत्यपि दक्षिणे गुणं महेषुणादाय पुरः प्रसर्पिणे । धनुः परीरम्भमिवातिसंमदात्तवाहवे दित्सति वामबाहवे Subhāṣi. 2525.

अतिसंमर्द (ati-sammarda) *m.* extreme crowding or congestion शिवस्मरणसंसृष्टो मन्दं दद्यात्पदं बुधः । मनूनां चरतामग्रे देवानां च सहस्रशः ।… संघट्टमतिसंमर्दं मार्गरोधं विचिन्तयन् SkandP. i(3). 9. 40.

अतिसंमर्दतस् (atisammarda-tas) *adv.* due to great congestion or crowding दूरे चास्तु रथाश्वमेतदखिलं यस्मातिसंमर्दतो निष्क्रामत् प्रविशच्च नागरकुलं न स्वैरमाचेष्टते PratāYaBhū. 196. 4.

अतिसंमान् (ati-sammān-) X. P. to hold in great regard, to have much respect for न ह्यतिसंमानयेत्प्रमदाम् UpadeS'. 66.

अतिसंमानना (ati-sammānanā) *f.* great honour अतिमोहनविभ्रमा तदानीं मदयन्ती खलु वारुणी निरागात् । तमसः पदवीमदास्त्वमेनामतिसंमाननया महासुरेभ्यः Nārāy. viii. 28. 9.

अतिसंमानवत् (atisammāna-va(n)t) *adj.* deserving great honour or regard अतिसंमानवदिष्टस्वजनो भीमोऽपि नीतिमानवदिष्ट YudhiVi. 6. 86.

अतिसंमानित (ati-sammānita) *adj.* greatly honoured, much respected अतिसंमानितस्तेन जामात्रा वरुणः प्रभुः BrahmP. 129. 5; कैलासं गन्तुकामास्ते कश्यपस्याश्रमं ययुः । अतिसंमानितास्तेन पूजिताश्च यथाविधि GaṇeP. ii. 9. 4.

अतिसंमुग्धा (ati-sammugdhā) *adj.* (*f.*) very naive, extremely trivial अतिसंमुग्धां वाचोयुक्तिं निराकर्तुमुपन्यस्यति TantrVā. 793. 9 (*on* iii. 2. 21)

अतिसंमूढ (ati-sammūḍha) *adj.* much deluded शैलूषवेष्टितं सर्वं परिगृह्य द्विजोत्तमः । वञ्चयत्यतिसंमूढान् दैत्यान् DevīBhāP. iv. 13. 62.

अतिसम्यक् (ati-samyak) *adv.* extremely well तच्चेन्नातिसम्यगवधारितं न धर्मपरिज्ञाने महती क्षतिः ManuBh. i. 51. 9 (*on* 2. 1)

अतिसर (ati-sará) *adj.* over-runner (Whitney) इ॒म ऐन्द्रा अ॑तिस॒रा आकू॑तिं॒ सं न॑मन्तु मे AV. v. 8. 2; अतिं॑ धावतातिस॒रा इन्द्र॑स्य॒ वच॑सा हत AV. v. 8. 4; या॒नसा॒वति॑स॒रांश्च॒कार॑ कृ॒ष्णव॑च्च॒ यान् AV. v. 8. 7; leader, foremost, fore-runner, who gets beyond or exceeds [APTE]; *m.* run, start, strain [PW, APTE]

अतिसरण (ati-saraṇa) *n.* excessive purging सोऽतिसारोऽतिसरणादाशुकारी स्वभावतः AṣṭāSaṁ. i. 280. 7 (3. 8); क्रुद्धोऽनिलोऽतिसरणाय च कल्पितोऽग्निं हत्वा मलं शिथिलयन्नपि तोयधातून् RasRaSa. 14. 4; तन्द्रातीव ततस्तृषातिसरणम् … यस्य स्यात्स हि तन्द्रिको निगदितः BhāvPra.(Bhā.) 8 (1). 494; KośaKaTa. 2. 4985.

अतिसरल (ati-sarala) *adj.* [*f.* -ā] **i** extremely straight नतवपुरप्यतिसरला मन्थरगमनापि नर्मदा यस्मिन् KuṭṭaMa. 192; **ii** extremely plain or honest, KuṭṭaMa. 192; **iii** very simple तस्यातितीव्रनियमात् … अतिसरलनिजमुनिव्रतपरिगतकुत्से च कूणिते कौत्से KalāVi. 1. 76.

अतिसरलता (atisarala-tā) *f.* extreme honesty, uprightness नार्जितं धनं प्रभूतं जरसि सुखदमतिसरलतया ChandaśCū. 2. 349 (3)

अतिसरलोन्नत (ati-saralonnata) *adj.* **i** extremely straight and elevated उदारचित्तवन्नासावंशोऽतिसरलोन्नतः PārśvC. 1. 219; **ii** extremely

plain and dignified, PārśvC. 1. 219.

अतिसरस् (ati-saras) *adj.* wherein there are many lakes यस्मिन्नतिसरसो जनो जनपदाश्च इति तुल्ययोगितापि संगच्छते RasGaṅ. 660. 8.

अतिसरस (ati-sarasa) *adj.* [*f.* -ā] **i** extremely charming or attractive तालफलादपि गुरुमतिसरसम् । किं विफलीकुरुषे कुचकलशम् GītGo. ix. 18. 2; **ii** extremely delightful or charming पुण्यतमामतिसरसां मनोऽभिरामां हरेः कथां त्यक्त्वा । श्रोतुं श्रवणद्वन्द्वं ग्राम्यं कथमादरं भवति PraboSu. 192; क्षितिपतिः ··· अतिसरसान् दिवसाननैषीत् HammīMaKā. 9. 188; **iii** full of poetic charm or sentiments अतिसरसं पद्यं ते रचयन्ति YātrāPra. 3. 50; **iv** most appreciative यस्मिन्नतिसरसो जनो जनपदाश्च इति तुल्ययोगितापि संगच्छते RasGaṅ. 660. 8; [very tasty, pw.]

अतिसरूप (ati-sarūpa) *adj.* extremely similar or alike बिम्बानुबिम्बौ हि विहाय धातुर्न जातु दृष्टातिसरूपसृष्टिः NaiṣC. 8. 46.

अतिसरस्वती (ati-sarasvatī) *adj.* (*f.*) very rich in lakes नानापत्रका-(क)सा देवी पुष्टिश्चातिसरस्वती । अरिं देवीं प्रपद्येयमुपवर्त्तयतु मे धनम् MānGS. ii. 13. 6.

अतिसर्ग (ati-sargá) *m.* **i** granting permission अतिसर्गं दंदतो मानवायोर्ध्वं पन्थानमनुपश्यमानाः।अंजुषन्त मरुतो यज्ञमेतं वृष्टिद्यावानममृतं स्वर्विदम् MaiS. ii. 13. 22; तवातिसर्गाद्द्विवेश प्राजापत्यमिदं पदम् । मयाधितिष्ठता दत्तो दानवेभ्यो महान्वरः MahāBhā. viii. 24. 54; ते प्रहृष्टाः मधुवनं पालानाक्रम्य वीर्यतः । अतिसर्गाच्च पटवो दृष्ट्वा श्रुत्वा च मैथिलीम् । पपुः सर्वे मधु तदा Rāmā. v. 60. 6 (1288* comm. अभ्यनुज्ञा अङ्गदस्य); प्रैषातिसर्गप्राप्तकालेषु कृत्याश्च P. iii. 3. 163; अतिसर्गोऽनुमतिः KātanVṛ. *on* iv. 5. 110; तं राजा दूष्यद्रव्योपभोगातिसर्गेण दूष्ये विक्रमयेत् ArthS'ā. ii. 184. 4 (5. 1); अतिसर्गः कामचारानुज्ञा JaineVyā. ii. 3. 139 (135. 10)*; SaraKaṇṭhā.(Gr.) i. 3. 184; PrakriKau. ii. 461. 6; SiddhāKau. 475B. 11; **ii** bestowing, granting, great generosity वरातिसर्गं श्रुत्वैव कश्यपादुत्तमं च ते MahāBhā. i. 14. 7 (Nīlakaṇṭha दानम्); वरातिसर्गः शतपुत्रता मम त्वयैव दत्तो ह्रियते च मे पतिः MahāBhā. iii. 281. 5?; दुष्करम् ···। अतिसर्गश्च लुब्धेन ब्रह्मचर्यं च रागिणा Saund. 11. 13; स्रष्टुर्वरातिसर्गात्तु मया तस्य दुरात्मनः । अत्यारूढं रिपोः सोढं चन्दनेनेव भोगिनः RaghuVa. 10. 42; अनुग्रहार्थं स्वस्यातिसर्गो दानं त्रिशुद्धिकम् MahāP. 20. 135; आशा अतिसर्ग उपदेशश्च दिक् SaraKaṇṭhā. 294. 12; त्यागोऽतिसर्गः प्रतिपादनम् । उत्सर्जनं वितरणम् S'abdaRa.(Vā.) 250. 1; विलम्भस्त्वतिसर्गः स्यात् KośaKaTa. 2. 733; **iii** abandonment, surrendering स्त्रीणां दासविक्रयातिसर्गा विद्यन्ते न पुंसः Nir. 3. 4 (60. 16); स चेदाचारक्रमं दर्शयेत न विक्रेतारं तस्य द्रव्यस्यातिसर्गेण मुच्येत ArthS'ā. ii. 95. 6 (3. 16); ii. 145. 1 (4. 6); **iv** showing, exhibiting (enmity etc.) दुरासदं सुदुर्धर्षं बहुरत्नसमाकुलम् । महाप्राज्ञेन पुत्रार्थे निर्मितं विश्वकर्मणा । तस्य वैरातिसर्गेण बिलेऽस्मिन्वज्रदारिते Rāmā. iv. 1104*(5); **v** pouring out (of water) अस्तु वो विदितं यथा ··· त्रिसंगमकग्रामः ··· ब्रह्मदेयस्थित्या उदकातिसर्गेण विसृष्टः EI. xvi. 19. 6; मङ्कणाग्रामे ··· °कुमारशर्मजरभज्यिभ्याम् ··· मया ··· उदकातिसर्गेण ब्रह्मदायो निसृष्टः EI. xi. 107. 22; iii. 321. 29; xvii. 107. 17; xv. 257. 18; xix. 126. 5; x. 75. 12; xi. 84. 31; श्रीशङ्करगणः सर्वानेव ··· समाज्ञापयति ··· अस्माभिः भूमेर्निर्वर्तनशतम् ··· आहणस्वामिने ··· उदकातिसर्गेणातिसृष्टम् EI. iv. 298. 23; आचन्द्रार्कार्णवक्षितिस्थितिसमकालीनं पुत्रपौत्रान्वयभोज्यमुदकातिसर्गेण प्रतिपादितम् EI. ii. 20. 1; xii. 37. 23; मया ··· चतुश्चत्वारिंशते ब्राह्मणेभ्यः ··· भोण्डानकग्रामः ··· उदकातिसर्गेण धर्मदायो निसृष्टः EI. xi. 180. 28; vi. 298. 24; viii. 193. 46; ii. 21. 1; यथा मया ··· ब्राह्मणकुमारस्वामिभ्याम् ··· भक्तीशतप्रमाणक्षेत्रम् ··· उदकातिसर्गेण धर्मदायो निसृष्टः EI. viii. 199. 49; v. 40. 18; i. 88. 45; xxi. 211; 58; iv. 81. 63; xxii. 119. 57; ii. 24. 10; x. 88. 47; xxii. 185. 49; xxii. 109. 55; iii. 109. 62; श्रीवल्लभनरेन्द्रदेवः कुशली सर्वान् ··· समादिशति ··· यथा ··· मया ··· परमेश्वरभट्टाय ··· रत्तज्जुननामग्रामः ··· स्नात्वाद्योदकातिसर्गेण प्रतिपादितः EI. vi. 246. 65; xxiii. 221. 59; xxi. 144. 50; xxii. 85. 63; vi. 32. 45; vi. 293. 66; iii. 56. 43; xxii. 75. 51; ix. 5. 14; i. 55. 42; नित्यवर्षनरेन्द्रदेवः ··· सर्वानेव ··· समादिशति ··· यथा ··· मया ··· प्रभाकरभट्टाय ··· उम्बरनामग्रामः: ··· अद्योदकातिसर्गेण दत्तः ix. 33. 58; ix. 37. 56; xii. 264. 45; xxv. 62. 77; xxiii. 272. 14; xxii. 272. 16; xxiii. 281. 16; मया ··· महिन्दारामः ··· सगुलस्वामिदीक्षितस्य बलिचरुवैश्वदेवाग्निहोत्राय ··· उदकातिसर्गेण ··· दत्तः xiv. 151. 34; [*adj.* everlasting, permanent, emancipated (= मुक्त), Apte]

अतिसर्जन (ati-sarjana) *n.* **A** (seeking or granting) permission स्तोत्रेष्वतिसर्जनाद्या वषट्कारात् ĀśvaS'S. I. i. 12. 21; ओमुन्नेष्यामीत्यतिसर्जनम् ĀśvaS'S. I. ii. 4. 25; **B** giving away, consigning, bestowal, liberality विधुरां ज्वलनातिसर्जनान्ननु मां प्रापय पत्युरन्तिकम् KumāSam. 4. 32; तत्तदीयविशिखातिसर्जनादस्तु वां गुरु यदृच्छयागतम् । ··· प्रेम युक्तमितरेतराश्रयम् Kirātā. 13. 57; प्रार्थनार्थरहितं तदाभवद्दीयतामिति वचोऽतिसर्जने S'iśuVa. 14. 48; निस्तारकोत्तमायेह भूहेमाद्यतिसर्जनम् MahāP. 38. 38; अन्यथा साधकं हन्याच्छस्त्रेण रिपुतो भयात् । ··· व्यसनेष्वतिसर्जनम् TantrRā. 35. 88; सद्दिष्टयः प्रशस्तातिसर्जनाः श्रद्धादिदानाङ्गयुक्ताः Sāyaṇa *on* ṚV. vii. 18. 23; अतिसर्जनं त्यागः KṣīraTa. *on* vi. 3; [Kośas give the meanings विलम्भ AmaK. 2305; Vaija. 193. 19; AbhidhāCin. 1519; KalpaK. 242. 72; S'abdaRa.(Vā.) 3418; दान AnekāSa. 724; AnekāSaṁ. 5. 23; ViśvaPra. 101. 202; AnekāK. 528; NānārthāSaṁ. iii. 90. 2; MediK. 105. 229; KośaKaTa. 2. 6741; वध AnekāSa. 724; AnekāSaṁ. 5. 23; ViśvaPra. 101. 202; AnekāK. 528; NānārthāSaṁ. iii. 90. 2; MediK. 105. 229; ViśvaLoK. 222. 227; KośaKaTa. 2. 6741; S'abdaRaSaK. 208. 1; प्रदेशन KalpaK. 79. 101; deception; separation from, parting with, Apte]

अतिसर्पण (ati-sarpaṇa) *n.* displacement (of vulnerable joints) गर्भसंक्रमणे चापि मर्मणामतिसर्पणे । तादृशीमेव लभते वेदनां मानवः पुनः MahāBhā. xiv 17. 19; [violent motion or movement (of the child in the womb), PW, Apte]

अतिसर्पिता (ati-sarpitā) *adj.* (*f.*) drawn out or ejected excessively जिह्वामतिसर्पितां कटुकलवणचूर्णप्रघृष्टाम् ··· वान्तः पीडयेत् SuśruS. iv. 34. 12.

अतिसर्व (ati-sarva) *adj.* transcending or excelling all, above all, supreme अतिसर्वेण हास्य परस्मै कृतं भवति AitBr. 37. 3 (911); अतिसर्वाय देहि MahāBh. i. 87. 9 (*on* i. 1. 27); अतिक्रान्तः सर्वमतिसर्वस्तस्मै अतिसर्वाय JaineVyā. 9. 9 (*on* i. 1. 35); (शूर्पणखा) वाक्त्वचेनातिसर्वेण चन्द्रलेखेव पक्षतौ (पतीयन्ती रघूत्तमं प्रार्थयाञ्चक्रे) Bhaṭṭi. 4. 16; अतिक्रान्तः सर्वमतिसर्वः । तस्मा अतिसर्वाय देहीति Nyās. i. 75. 1 (*on* i. 1. 27) = PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 1. 27; तुभ्यं नमोऽतिसर्वाय सर्वाभ्यन्तरवर्तिने KathāSaSāg. ix. 4. 31; भवादृक्कीदृगेतस्मिन्नतिसर्वे यदीर्ष्यसि (राजन्) DvyāśraKā. 1. 149; अतिसर्वाय ··· कालेन पूर्वाय जगतो नमः MugdhaBo. 3. 38 (14. 23); तत्तदन्तस्य भवन्ती परमसर्वादिवद् अतिसर्वादेरपि स्यात् PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 1. 27; अतिक्रान्तः सर्वमतिसर्वः तस्मै अतिसर्वाय देहि PrakriKau. i. 140. 4 = SiddhāKau. 52B. 2.

अतिसर्वंसह (ati-sarvaṁsaha) *adj.* extremely enduring all शूरोऽतिसर्वंसहो यौधो नाम ··· प्राप्तो दशां पञ्चमीम् MātaLī. 5. 15.

अतिसर्वकालम् (ati-sarvakālam) *adv.* for all the time, for ever, always मही भात्यतिसर्वकालम् VarāṅgaC. 7. 5; विद्याधरेन्द्रनगरादतिसर्वकालं तद्दर्शनाय करवाणि गतागतानि PṛthviVi. 4. 66 (comm. अतिसर्वकालं जातु जातु)

अतिसर्वतोमुख (ati-sarvatomukha) *adj.* superior to *sarvatomukha* (facing in all directions, turned everywhere (i. e. the wind)) स एतत्सर्वं निरूह्य ··· अतिसर्वतोमुखः ··· भूत्वा स्वे महिम्नि सदा समासते (? स्ते) Nṛsiṁho-TāU. 7.

अतिसर्वसुखावह (ati-sarvasukhāvaha) *adj.* giving all the pleasures in excess कथितमावृतिसप्तकमच्युतार्च्चण(? न)विधयातिसर्व्व(? र्व)सुखावहम् Pañca-Rā.(Nā.) iii. 8. 5.

अतिसर्वानवद्याङ्गी (ati-sarvānavadyāṅgī) *adj.* (*f.*) exceedingly faultless in every limb अतिसर्वानवद्याङ्गीम् ··· सुदेष्णा पर्यपृच्छत् MahāBhā. iv. App. I. 6. 31.

अतिसर्वापुत्र (atisarvā-putra) *m.* son of her who surpasses all अतिसर्वापुत्र इत्यादौ च न (सर्वनामत्वं दृष्टम्) LaS'abedS'e. ii. 101. 3.

अतिसविधम् (ati-savidham) *adv.* in close proximity अतिसविधमुपागतेषु हंसोऽव(? °वद)दिति तत्र कनिष्ठमात्मबन्धुम् PrabhāC. 67. 26.

अतिसविधसंचरत् (atisavidha-sañcarat) *adj.* moving very near or close by अतिसविधसंचरत्सुरसुन्दरीकरचापलविलुप्तकेतुकाण्डच्चित्रैः ··· चैत्यालयैः ··· उपशोभितं राजपुरं नाम नगरम् YaśasCam. i. 18. 3.

अतिसविधसैन्य (atisavidha-sainya) *n.* army which is very near or close by ततोऽतिसविधसैन्यसमालोकनोत्तालविलासिनीसंकुलसौधशृङ्गम् ··· पुरमवलोक्य YaśasCam. i. 341. 1.

अतिसस्नेहम् (ati-sasneham) *adv.* with great affection प्रमुञ्जानोऽतिसस्नेहं कदाचित्स्पृशते द्विजः AtriS. 293.

अतिसस्पृहा (ati-saspṛhā) *adj.* (*f.*) full of intense desire अङ्कारोपितबालासु वानरीष्वतिसस्पृहाम् । धारिणीमृषभदत्तः ··· गिरिमारोपयामास PariPar. 2. 32.

अतिसह् (ati-sah-) I. Ā. to overcome अति॒ नि॒हो अति॒ स्रिधोऽत्यचि॑त्ति॒मत्यरा॑तिमग्ने । विश्वा॒ ह्य॑ग्ने दु॒रि॒ता सह॑स्व TaiS. IV. i. 7. 3 = VājaS. 27. 6 = VājaS.(K.) xxix. 1. 6.

अतिसह (ati-saha) *adj.* very powerful, extremely overpowering or overcoming अयं महात्मा ··· समाहितश्चातिसहश्च संयुगे Rāmā. v. 45. 27.

अतिसहनवत् (atisahana-va(n)t) *adj.* possessed of great forbea-

rance, very patient in disposition अतिसहनवति पुरुषे सिंहशब्दस्यामुख्यत्वात् TattvPrakā. 69A. 3 (*on* i. 4. 8)

अतिसहर्ष (ati-saharṣa) *adj.* highly pleased, very greatly happy सुरसुन्दरोऽपि तामालोक्यातिसहर्षो जात: KathāK. 84. 3.

अतिसहसा (ati-sahasā) *adv.* in a very great hurry [pw]

अतिसहस्रशस् (ati-sahasraśas) *adv.* more than a thousand (times) (through thousand births) स्वकर्मभावनोद्योगात्पुन: प्रारभते शुभम् । शुभाच्च पुनरेत्येह स यात्यतिसहस्रश: BhaviP. 250B. 10 (i. 166. 16)

अतिसहासकेलि (atisahāsa-keli) *m. f.* sport accompanied by great fun or merriment आलिङ्गन्भृशमङ्गकानि सुदृशाम् ··· अतिसहासकेलिपरम: स्वैर(? रं) विचिक्रीड ना PadyaVe. 402.

अतिसहिष्णु (ati-sahiṣṇu) *adj.* enduring great (hardship) तदनुचरा: ··· एतदन्वेषणमनीषया देशान्तरं चरिष्णवोऽतिसहिष्णव: ··· परस्परं वियुज्य ययु: DaśKuC. 14. 12.

अतिसहिष्णुता (atisahiṣṇu-tā) *f.* ability to bear too much (pain), great forebearance सातत्येन रसप्राप्तावारम्भकाले मध्यस्थचित्तता नातिसहिष्णुता च KāmSū. 82. 10 (2. 1); नातिसहिष्णुता च नखक्षतादीनां प्रयुज्यमानानां नातिक्षमिता JayaMa. 82. 13 (*on* 2. 1); 82. 15 (*on* 2. 1)

अतिसहिष्णुशील (atisahiṣṇu-śīla) *adj.* used to endure a good deal सगीतत्राद्योऽतिसहिष्णुशीत:(? ल:) HārīS. i. 5. 22.

अतिसांवत्सर (ati-sāṁvatsara) *adj.* [*f.* -ī] **i** more than a year old संवत्सरमतिक्रान्तमतिसांवत्सरं तदारण्यमपि नाश्नीयात् comm. *on* GautDS. i. 3. 34; **ii** accruing after a period of one year नातिसांवत्सरीत्येके GautDS. ii. 3. 27 (comm. संवत्सरेऽतिक्रान्ते भवाम्); नातिसांवत्सरीं वृद्धिम् ··· हरेत् ManuSm. 8. 153 (ManvaVi. अतिसांवत्सरीं संवत्सरमात्रेणातिक्रान्तामतिशयितां द्विगुणतां गताम् 870. 26)

अतिसाक्षेपा (ati-sākṣepā) *adj.* (*f.*) very reproachful मगधात्मजा । यादवेष्वतिसाक्षेपा न निवापाञ्जलिं ददौ PāṇḍaC. 2. 448.

अतिसांकर्यजाति (atisāṅkarya-jāti) *f.* extremely mixed caste असत्तामतिसांकर्यजातीनामतिनिग्रहम् । करिष्यसि ··· निग्रहं दृढम् ParamāKā. 74. 84.

अतिसातिस्फीति (ati-sātisphīti) *f.* great increase in giving gifts तदातिहर्षेण सदातिसातिस्फीत्यार्थमापत्यसमप्रभाव: ··· चक्रे ··· सर्वजनान् स तृप्तान् ĀnandRa. 5. 51 (comm. अतिदानवृद्ध्या)

अतिसात्त्विक (ati-sāttvika) *adj.* very virtuous भवन्तो यज्ञभोक्तारस्तुष्टात्मानोऽतिसात्त्विका: MatsyaP. 148. 75; 165. 16.

अतिसात्यमुग्र्या (ati-sātyamugryā) *adj.* (*f.*) surpassing Sātyamugryā (a female descendant of Satyamugra) (in courage) धीरा भव सात्यमुग्रि दैवयज्ञ्यासखि मास्त्वातिसात्यमुग्र्या । ··· इत्यूचु: प्रयुयुत्सव: स्वकान्ता: DvyāśraKā. 4. 85 (comm. धैर्यात्सात्यमुग्र्यामतिक्रान्ता सती)

अतिसादर (ati-sādara) *adj.* very respectful (तात:) अतिक्रान्ते च दशमेऽह्नि ··· स्वगोत्राचारकर्मण्यतिसादरो मलयसुन्दरीति मे नाम कृतवान् TilaMañ. 263. 22.

अतिसादरम् (ati-sādaram) *adv.* **i** with great interest प्राह तं नन्दगोपश्च पृच्छन्तमतिसादरम् ViṣṇuP. v. 10. 18 = BrahmP. 187. 34; मुक्ताफलप्रकरवृष्टिरध:पतन्ती येनारिकीर्तिरतिसादरमालुलोके Kapphiṇā. 1. 34; **ii** very zealously सुखं त्यक्त्वा धर्मेणाकाशशायिना । पीता मरीचयो वर्षसाहस्रमतिसादरम् Anuvyā. 55B. 9 (*on* 3. 4)

अतिसादराशया (atisādarāśayā) *adj.* (*f.*) whose mind is very respectful तत्स्पर्धिनामतिशयस्त्यागे वाच्योऽतिसादराशयया KandaCū. vi. 3. 18.

अतिसादृश्य (ati-sādṛśya) *n.* close similarity अतिसादृश्यादनुभवभेदो न विभाव्यते PañcPā. 18. 23 (*on* i. 1. 1); PrakaPañ. 354. 1; अर्थयोरतिसादृश्यात्त्र दोलायते मन: । तम् ··· संशयं विदु: SaraKaṇṭhā. 444. 22; VivaPraSaṁ. 33. 8; 93. 9; SiddhāBi. 47. 5.

अतिसाधक (ati-sādhaka) *adj.* accomplishing or fulfilling much, very helpful दुराराध्यो हि योऽन्येषां भक्तानामतिसाधक: BrahmVaiP. iii. 6. 68.

अतिसाधनीयता (atisādhanīya-tā) *f.* characteristic of achieving much more अर्थवृक्षस्य यदाधिक्यम् अधिकता अतिसाधनीयता Bhāsk. ii. 79. 19 (*on* ii. 3. 2)

अतिसाधारण्य (ati-sādhāraṇya) *n.* the state of being very common तदिह शरीरं ब्रह्मविकारोऽपि न ब्रह्मणा व्यपदेष्टव्यम् । ब्रह्मण: सर्वविकारकारणत्वेनातिसाधारण्यात् Bhām. 208. 17 (*on* i. 3. 14)

अतिसाधु (ati-sādhu) *adj.* [*f.* -vī] **i** very attractive or nice अहो सखे कृतमतिसाधु काननं स्वलाञ्छनैर्नवकमनीयकान्तिभि: Kapphiṇā. 9. 3; **ii** very gentle or very good इत्थं मतिर्भवति तेष्वपि तेऽतिसाध्वी MārkP. 84. 18; अतिसुस्थिरत: प्रोक्ता सातिसाध्वीति निश्चिता BṛĀraUBhVā. i. 4. 163; **iii** very virtuous मनोरमातिसाध्वी सा क्व गता सुतसंयुता DevīBhāP. iii. 16. 8; अतिसाध्वी महाभागा सत्यभूषणभूषिता । ··· शुश्रूषेयं समागता PadmP. ii. 12. 78; GaṇeP. i 53. 6; [Lexicons give अतिसाधु as the meaning of साधीयान् MediK. 190. 66; ViśvaPra. 179. 60; ViśvaLoK. 395. 62; of सत्तम NānārthSaṁ. 96. 65]

अतिसाध्य (ati-sādhya) *adj.* easily attainable ध्यायन्ति यत्पदाम्भोजम् ··· अतिसाध्यं स्वभक्तानां तदन्येषां सुदुर्लभम् BrahmVaiP. ii. 34. 17; iv. 55. 1; DevīBhāP. ix. 38. 16.

अतिसाध्वस (ati-sādhvasa) *n.* great fear or consternation पारावतं वपु: प्राप्य वेपमानोऽतिसाध्वसात् KumāSaṁ. 10. 6; RāmC. (App. 1) 38. 88; क: सुधीस्त्यजते भाण्डं शुल्कस्यैवातिसाध्वसात् Hitopa. 3. 121; KandaCū. iii. 2. 50; [अतिसाध्वस given as the meaning of अत्याहित KośaKaTa. 2. 5624]; *adj.* much dismayed or frightened अर्थं काञ्चनपात्रेण तस्य दत्त्वातिसाध्वस: । कपिध्वजाधिपोऽवोचत् कोपो यद्देन्द्र मुच्यताम् PadmP. (Ra.) 70. 90.

अतिसान्तपन (ati-sāntapana) *n.* name of a severe penance त्र्यहाभ्यस्तैश्चातिसान्तपनम् ViṣṇuSm. 46. 21; ViṣṇuDhaP. ii. 42. 33; यदा तु षण्णां सान्तपनद्रव्याणामेकैकस्य द्व्यहमुपयोगस्तदा अतिसान्तपनम् Mitā. 515. 26 (*on* 3. 315); Aparā. 1234. 6 (*on* 3. 315); cf. **अतिसंतपन.**

अतिसान्त्वयत् (ati-sāntvayat) *adj.* consoling very much तेषां तद्वचनं श्रुत्वा कंसोऽप्याहातिसान्त्वयन् ĀdiP. 19. 73.

अतिसान्त्वित (ati-sāntvita) *adj.* very much conciliated भीत: स्वदोषवित्रस्त: कृतवैरोऽतिसान्त्वित: NītiSā. 18. 36.

अतिसान्द्र (ati-sāndra) *adj.* **1** very thick or dense सक्तव: सर्पिषाभ्यक्ता: ··· नातिद्रवा नातिसान्द्रा मन्थ इत्युपदिश्यते SuśruS. i. 46. 385; BhelaS. 263. 6 (8. 7); (बस्ति:) अतिसान्द्रस्तु न वा नेत्राद्विनिष्क्रमेत् KāśyaS. 282B. 33; फलितमिवातिसान्द्रबहलच्छदवितततमालतमालकानने ··· तम: VāsaDa. 179. 3; RatiRaha. 1. 15; NalaCam. 1. 48 (5); NavaSāC. 10. 11; अबलानितम्बवलये रभसादतिसान्द्रकण्टकसमाकुलिते NemiNir. 10. 29; **2** very strong or intense हेमन्ते विषक्तावयवेऽप्यद्रव्यगतेऽतिसान्द्रे शीतस्पर्शेऽनुभूयमानेऽप्यनुद्भूतं रूपं नोपलभ्यते Bhām. 489. 11 (*on* ii. 3. 29); विस्मयेनातिसान्द्रेण मदेन मदनेन च NavaSāC. 6. 35; छायातिसान्द्रशिशिरा ··· दृष्ट्वैव ते मुखमशोक वयं विशोका: SaduktiKa. 263. 32.

अतिसान्द्रता (atisāndra-tā) *f.* the state of being very thick or dense अतिसान्द्रता अतिद्रवता इत्येकादश द्रव्यदोषा: SuśruS. iv. 35. 32; शरच्चन्द्रिका ··· । अतिसान्द्रतयेह नृणां गात्राण्यनुलिम्पतीवेयम् Kāvyālaṅ. (Ru.) 9. 12.

अतिसान्द्रद्रव (atisāndra-drava) *adj.* very thickly fluid मन्थनादिपृथग्भूतस्नेहमर्धोदकं च यत् । नातिसान्द्रद्रवं तक्रम् SuśruS. i. 45. 85.

अतिसान्द्रम् (ati-sāndram) *adv.* **i** quite soundly सा ··· अङ्गनिक्षेपमात्रेणैवातिसान्द्रं न्यद्रासीत् YaśasCam. ii. 51. 7; **ii** very densely कुसुमितमतिसान्द्रं त्वत्समीपप्रयाणात् । मम ··· देव पुण्यद्रुमेण JinaCatur. 13.

अतिसान्द्रासृज् (atisāndrāsṛj) *adj.* having very thick blood राजिलोत्थो भवेद्दंश: ··· अतिसान्द्रासृक् RugVi. 69. 18.

अतिसाम (atisāma) *m.* name of a holy man नमोऽतिसामायैतुरेताय JaimiUBr. iv. 26. 15.

अतिसाम (ati-sāma) *n.* excessive conciliation नातिसामम् ··· न च स्त्रीषु दण्ड: (कर्तव्य:) Bārhas. 1. 52.

अतिसामन् (ati-sāman) *n.* excessive conciliation, greatly pacifying words तस्य तेनातिसाम्नापि प्रसुरभ्यधिकं क्रुधा । जाज्वल्यते स्म PāṇḍaC. 7. 677; *adj.* who has gone beyond conciliation व्रज ··· पृतना: कृतवर्मणोऽतिसाम्नो व्युह्य युधे सीमानमेत्विनस्ते DvyāśraKā. 4. 40.

अतिसामर्थ्य (ati-sāmarthya) *n.* great capacity अयं बुद्धियोग: कौशलमतिसामर्थ्यमतिसामर्थ्यसाध्यमित्यर्थ: GītāBh. (Rā.) 136. 2 (*on* 2. 50)

अतिसामान्य (ati-sāmānya) *n.* too wide a universal or generic term यद् विवक्षितमर्थमाप्नोति चात्येति च तदतिसामान्यम् NyāyBh. 68. 12 (*on* 2. 13); अतिव्यापकं सामान्यमतिसामान्यम् NyāyMañ. ii. 170. 21; तस्य ब्राह्मणत्वस्यातिसामान्यस्य योगात् TātpaṬ. (Vā.) 351. 12 (*on* i. 2. 13); *adj.* [*f.* -ā] most ordinary, very common यत्रातिसामान्यजना: प्राप्ता: Bhāsk. i. 317. 18 (*on* i. 6. 5); पञ्चमूल्यतिसामान्या योज्या पित्ते कनीयसी HārīS. iii. 3. 19.

अतिसामान्ययोग (atisāmānya-yoga) *m.* association with too wide a universal or generic term अर्थस्यातिसामान्ययोगादसंभूतार्थकल्पना सामान्यच्छलम् NyāySū. i. 2. 13.

अतिसामान्ययोगतस् (atisāmānyayoga-tas) *adv.* due to the application of too wide a universal or generic term सामान्यच्छलमेतत् स्यादति-

सामान्ययोगत: TārkiRa. 242. 5.

अतिसामान्यहेतुता (atisāmānyahetu-tā) *f.* the state of being too wide or over-pervasive a reason तत्र वक्त्रभिमतामेवातिसामान्यहेतुतामारोप्य च्छलवादी प्रत्यवतिष्ठत इति NyāyMañ. ii. 170. 32.

अतिसामान्यहेतुत्व (atisāmānyahetu-tva) *n.* the state of being too wide or over-pervasive reason वक्तुरनभिप्रेतातिसामान्यहेतुत्वकल्पना NyāyMañ. ii. 170. 23.

अतिसामीप्य (ati-sāmīpya) *n.* extreme nearness, too much proximity यथा वा चक्षुरतिसामीप्यात्कज्जलं नोपलभते MāṭhVṛ. 14. 21 (*on* 7); अतिसामीप्ये दृष्टिविघातात् AbhinBhā. i. 66. 9 (*on* 2. 90); तस्मादतिदूरवदतिसामीप्यस्याप्यदर्शनहेतुत्वादग्रहणमेवोभयोरिति NyāyMa. 77. 11; अतिसामीप्यात्सूक्ष्ममपि गृह्यते S'rīBh. 99. 1–2 (*on* i. 1. 1); तथा नेत्रगतकज्जलग्रहणेऽतिसामीप्यं (प्रतिकूलम्) SāṁkhyaTaPra. 155. 8; अतिसामीप्यालोचनाञ्जनादौ ··· यथावद्ग्रहणं नास्तीत्यर्थ: SarvaDaSaṁ. 5. 43.

अतिसामीप्यतस् (atisāmīpya-tas) *adv.* due to very great closeness तज्जा रामकृति: ··· भाषाङ्गत्वेऽप्युपाङ्गत्वमतिसामीप्यतोऽत्र च । शार्ङ्गदेवेन निर्णीतम् SaṁgīRa. ii. 108. 12 (2. 145)

अतिसामीप्याभाव (atisāmīpyābhāva) *m.* absence of very great proximity दूरस्थशङ्खस्यातिसामीप्याभावात् कथं तत्रस्थं पित्तद्रव्यं गृह्यते इत्यत्राह S'rutaPra. iB. 35. 23 (*on* i. 1. 1)

अतिसामीप्यार्थता (atisāmīpyārtha-tā) *f.* the state of having the sense of very close proximity अतिसामीप्यार्थतयोपपत्ते: TattvPrakā. 209A. 7 (*on* iv. 2. 7)

अतिसाम्प्रतम् (ati-sāmpratam) *adv.* very appropriately अतिसाम्प्रतमुपदिष्टं सुहृद्देवानेन साधुना पठता KuṭṭaMa. 24.

अतिसाम्य (ati-sāmya) *n.* **i** great equality (of status) नातिसाम्येऽपि गुणैर्वध्य: ManuBh. ii. 223. 14 (*on* 8. 366); **ii** excessive resemblance, extreme similarity अतिसाम्यादुपमेयं यस्यामसदेव कथ्यते सदपि Kāvyālaṅ.(Ru) 8. 57; अतिसाम्यादनपह्नुतभेदयोरभेद: KāvyPra. 593. 2; आरोप्यमाणस्यातिसाम्यमभेद: AlaṅkāRa. 27; अतिसाम्येऽप्युपमाननिषेधात् AlaṅkāRa. 29 (77); नोपाध्यधीनताद्यैश्च नातिसाम्यं निदर्शने AnuVyā. 43A. 6 (*on* 3. 2); अतिसाम्यादनपह्नुतभेदयोरुपमानोपमेययोरभेदप्रत्ययो रूपकम् AlaṅkāS'e. 12. 0. (1); कस्यचिद्वस्तुनो लिङ्गैरतिसाम्याद्भिन्नत्वेनागृह्यमाणानां वस्त्वन्तरलिङ्गानां स्वकारणाननुमापकत्वं मीलितम् RasGaṅ. 694. 7; द्रवत्ववद्वर्णतो नातिसाम्यम् MayūMāli. 561. 12 (*on* viii. 1. 19)

अतिसाम्यतस् (atisāmya-tas) *adv.* due to close resemblance संदिहाना निजे नाथे वयमप्यतिसाम्यत: PadmP.(Ra.) 47. 68.

अतिसाम्यप्रतिपादन (atisāmya-pratipādana) *n.* statement of extreme resemblance तेन सहातिसाम्यप्रतिपादनम् ··· भेदाभावादभेदोऽलङ्कार: AlaṅkāRa. 27 (2)

अतिसाम्या (ati-sāmyā) *f.* **i** *Glycyrrhiza glabra* साम्यं समतामतिक्रान्ता ··· अतुल्यस्थलयुक्ता इति यावत् । लतायष्टिमधु इति राजनिघण्टु: [S'abdaKaDru.] **ii** *Rubia cordifolia* [PW]

अतिसाम्राज्य (ati-sāmrājya) *n.* great sovereignty राज्यादप्यतिसाम्राज्याच्चक्रवर्तिपदादपि ।··· गुरुसेवा गरीयसी TriṣaS'aPuC. ii. 3. 88.

अतिसायम् (ati-sāyam) *adv.* very late in the evening न भुञ्जीतोद्धृतस्नेहम् ··· नातिप्रगे नातिसायम् ManuSm. 4. 62; 4. 140; नातिसायम् (अश्नीयात्) ViṣṇuSm. 68. 48; 63. 7; नातिप्रगेऽतिसायं वा न नभोमध्यगे रवौ (व्रजेत्) AṣṭāSaṁ. i. 9. 19 (1. 3); i. 65. 8 (1. 10); अतिसायमस्तमयसमये न भुञ्जीत ManuBh. i. 354. 1 (*on* 4. 62); i. 379. 4 (*on* 4. 140); BhaviP. 896A. 32 (iv. 205. 81); ManvaVi. 486. 9 (*on* 4. 62); VīraMi.(Āhnika.) 476. 2.

अतिसार (atisāra) *m.* name of a son of king Nitantu नितन्तुर्नाम राजर्षिर्बभूव ··· तस्य पुत्रा: ··· तिन्दुसारोऽतिसारश्च MahāBhā. i. App. 101. 6.

अतिसार (ati-sāra) *m.* **A** diarrhoea, dysentery, purging पीनसे चातिसारे च दधि शस्यते CaraS. i. 27. 226; i. 14. 16; i. 18. 6 (1941 Ed.); शोकातिक्षारसेवनातिसार° ···°प्रभृतिभिर्विशेषैर्बन्धनान्मुच्यते गर्भ: SuśruS. ii. 8. 3; ii. 13. 61; vi. 27. 13; अतिसारभगन्दरौ ··· इत्येवमादयो रोगा: S'ātāSm. 1. 6; 6. 16; क्षयातिसारविस्फोटस्तात्वस्थिपरिपीडनम् KātySm. 458; क्षीणज्वरातिसारे च ··· पय:फेनं प्रशस्यते HārīS. i. 8. 70; मूर्च्छातिसारहिक्काभि: ··· उपद्रुता: । वर्जनीया: ··· भिषजा HārīS. ii. 4. 4; i. 22. 7; iii. 3. 5; iii. 3. 11; आमे ज्वरेऽतिसारे च ··· न लेहयेत् KāśyaS. 4A. 29; 31B. 9; पित्तं पुनर्ज्वरातिसारान्तर्दाह° ··· °भ्रमप्रलपनानि AṣṭāSaṁ. i. 30. 10 (1. 11); i. 190. 6 (1. 39); उपोदकातिसाराय AṣṭāHṛ. i. 7. 41; i. 8. 9; समान:···करोति··· विपरीततामुपगत: ··· अनग्निमतिसारमन्त्ररुजमुग्रगुल्मादिकान् KalyāKā. 8. 5; 9. 49; 9. 62; 9. 83; वेगतीक्ष्णोऽतिसारश्च निद्राल्पत्वं तथा वमि: ।··· जायते RugVi. 2. 10; 3. 4; व्याकुर्यात् ··· नातिसारे MṛgendraT. iv. 1. 30; भगन्दरातिसारांश्च ··· रोगानन्यांश्च दारुणान् AgniP. 31. 22 = ViṣṇuDhaP. i. 196. 27; Mānaso. i. 19. 235; कासश्वासातिसारज्वर° ··· °प्रमेहान् ··· अपनयति पय: पीतमन्ते निशाया: SiddhYo. 69. 29; 10. 84; अतिसारं सरक्तं च कदाचित् कुरुते हय: AśvaVai. 24. 9; 28. 2; (गज:) पीड्यते चातिसारेण वातगुल्मश्च बाधते Hastyāyur. 88. 17 (1. 12); जलोदरेऽतिसारे च ··· यानि चान्यानि द्वन्द्वानि ··· उत्पद्यन्ते BrahmP. 241. 6; अतिसारम् ··· कासं श्वासम् ··· सर्वं प्रशमयत्याशु स्तोत्रस्यास्य सकृज्जप: GaṇeP. i. 46. 190; अतिसारो मरुद्व्याधि: SamarāSū. 9. 17; मुष्टिबन्धोऽतिसारश्च चेष्टा पुत्तलिकादिभि: ĪśānS'iPa i. 41. 39; चूर्णं जयेत् ··· । छर्दिशोषातिसारांश्च S'ārṅgaS. ii. 6. 129; अतिसारेषु जातेषु पथ्यं नाश्नाति य: पुमान् । ग्रहणी जायते तस्य Mānaso. i. 19. 235; उदावर्तातिसाराणाम् ··· रोगाणां हि चिकित्सितम् । ···वक्ष्ये RasRaSa. 12. 2; पथ्या पथ्यातिसारे Ekāva. 3. 1 (159) (100. 13) = LaṭaMe. 1. 21; ग्रहणीमतिसारं च (नाशयति ताम्रेश्वरवटी) RaseCin. 9. 312 (252. 1); स दुष्टो वह्निमान्द्यातिसारगुल्मान् करोति हि BhāvPra. (Bhā.) 3. 113; 6(2). 215; प्रतिनायकस्य च यक्ष्मण: परिजना: पाण्डु° ··· °अतिसारप्रभृतय: Jīvān. 15. 4; 99. 2; °अतिसारज्वर° ··· °प्रमेहा: ··· व्याधय: ··· तान् ··· अपहरति पय: पीतमन्ते निशाया: BhojanKu. 190. 12; 120. 17; TrikaS'e. ii. 6. 15; KalpaK. 54. 311; **B** (Gr.) the word *atisāra* वातातिसारपिशाचात् कुक् च S'ākaṭāVyā. iii. 3. 165; SaraKaṇṭhā.(Gr.) v. 2. 179; **C** offence, sin, transgression [DBHS]; *adj.* extremely strong अतिसारा: ··· युष्मन्नामैव ··· ब्रूतेऽतिशयितं बलम् Jivān. 99. 2; राजत्यस्यातिसार: परसमरविधौ रक्तधार: कुठार: KhadgaS'. 25; cf. **अतीसार.**

अतिसारक (ati-sāraka) *m.* diarrhoea, dysentery, purging वातस्य रोधश्च शकृद्विभङ्गो भवन्ति सर्वेष्वतिसारकेषु HārīS. iii. 3. 30; iii. 3. 53; iii. 6. 9; माषद्वयं प्रयुञ्जीत रसस्यास्यातिसारके RaseCin. 9. 47 (130. 3)

अतिसारकयोग (atisāraka-yoga) *m.* contact with things causing diarrhoea or dysentery अतिसारकयोगात् ···। आप: सर्वशरीरस्था: क्षुभ्यन्ति RugVi. 72. 1.

अतिसारकिन् (atisārak-in) *adj.* [DEBEU. p. 542] who suffers from diarrhoea or dysentery (वातातिसाराभ्यां कुक् च *on* P. v. 2. 129 v. l.); वातातिसारयोरुपतापत्वात् पूर्वेणैवेनिप्रत्यये सिद्धे कुगर्थमेवेदं वचनम् । ··· अतिसारकी KāśiVṛ. *on* P. v. 2. 129; एभ्य एते···स्युर्वास्त्यर्थे···अतिसारकी MugdhaBo. 7. 33(70. 13); आभ्यामिनि: स्यात्कुक् चागम: PrakriKau. i. 897. 3; सातिसारोऽतिसारकी AmaK. 1192; PuryāS'aRa. 604.

अतिसारकृत् (atisāra-kṛt) *adj.* causing dysentery (शिग्रुवृक्षस्य) फलपलाशादि कण्डूपाकातिसारकृत् AṣṭāSaṁ. i. 50. 19 (1. 8); (अनुद्धृतघृतं तक्रम्) बलप्रदं तु क्षीणानामामशोफातिसारकृत् HariS. i. 8. 56.

अतिसारकृत (atisāra-kṛta) *adj.* caused by dysentery नारिकेलजलम् ··· । पीतं हन्यात्सरुधिरमतिसारकृतं गवाम् ĪśānS'iPa. i. 49. 3.

अतिसारघ्न (atisāra-ghna) *adj.* [*f.* -ī] which cures diarrhoea or dysentery पेया रक्तातिसारघ्नी (यवागू:) CaraS. i. 2. 2 (1941 Ed.); रूक्षा वम्यातिसारघ्नी छेदनी मधुशर्करा CaraS. i. 27. 238 (1922 Ed.); पाटलाकुसुमम् ··· हिध्माकफातिसारघ्नम् BhojanKu. 107. 5; (तालीसाद्यं चूर्णम्) पाण्डुज्वरातिसारघ्नम् SiddhYo. 11. 16; शिशूनामतिसारघ्नं तत्पिष्टं पाययेन्मनाक् ĪśānS'iPa. i. 46. 3.

अतिसारघ्नी (atisāra-ghnī) *f.* Aconitum heterophyllum (= Ativiṣā) अतिविषा ··· गुणप्रियातिसारघ्नी DhanvNi. 8. 26; फलतुम्बी मसूरविदलाह्वयातिसारघ्नी AbhidhāMañ. 110. 14.

अतिसारचिकित्सित (atisāra-cikitsita) *n.* treatment for dysentery अथातोऽतिसारचिकित्सितं व्याख्यास्याम: AṣṭāSaṁ. ii. 4. 11 (66. 12)

अतिसारजित् (atirāra-jit) *adj.* curing dysentery बिल्वरास्नाबलाशाकं वातघ्नमतिसारजित् AṣṭāSaṁ. i. 37. 23 (1. 7); आजं (क्षीरं) शोषज्वरश्वासरक्तपित्तातिसारजित् AṣṭāHṛ. i. 5. 24; (भूनिम्बाद्यं चूर्णम्) कामलाज्वरपाण्डुत्वमेहारुच्यतिसारजित् SiddhYo. 4. 18; BhāvPra.(Bhā.) 6(4). 32; 6(4). 185; 6(4). 308; चाङ्गेरीशाकम् ··· कफवातार्श:संग्रहण्यतिसारजित् BhojanKu. 61. 14; 115. 19.

अतिसारत्व (atisāra-tva) *n.* the state of being the very essence शुक्र इत्यतिसारत्वात्··· । आख्या जीवस्य AhirbuS. 58. 44.

अतिसारदोष (atisāra-doṣa) *m.* the illness of diarrhoea तिलकमसहास्मि सोढुं घनसारेणातिसारदोषो मे SaraKaṇṭhā. 165. 25

अतिसारनुद् (atisāra-nud) *adj.* removing dysentery चिरबिल्वस्य च त्वच: । ··· वल्कयूषोऽतिसारनुत् KāśyaS. 252B. 24; °श्वासकासातिसारनुत् ··· वातलं मधु AṣṭāHṛ. i. 5. 52; (तक्रम्) ग्रहण्यर्शोऽतिसारनुत् HāriS. i. 8. 61; अभया ··· शूलातिसारनुत् SiddhYo. 9. 24; शताह्वा ··· श्लेष्मातिसारनुत् BhojanKu.

115. 25.

अतिसारप्रणाशन (atisāra-praṇāśana) *adj.* destroying or removing dysentery सप्तरात्रस्थितं दधि । कोरदूषोदनोपेतं अतिसारप्रणाशनम् BhelaS. 252. 12 (8. 4)

अतिसारभय (atisāra-bhaya) *n.* fear of dysentery नातिसारभयं तत्र नाश्मरी न विषूचिका PadmP. v. 29. 94.

अतिसारभेद (atisāra-bheda) *m.* purging due to dysentery निर्वीर्यरूपा त्वतिसारभेदे (नाडी भवतीत्यर्थः) NāḍiVi. 97.

अतिसारयुक्त (atisāra-yukta) *adj.* afflicted with diarrhoea or dysentery अरोचकारत्यतिसारयुक्तम् । विलङ्घनैः पाचनदीपनीयैरुपाचरेत् पीनसिनं यथावत् SuśruS. vi. 24. 23.

अतिसारयुत (atisāra-yuta) *adj.* afflicted with diarrhoea or dysentery दृष्ट्वा शोकं तथाध्मानम् ··· । तथा च पाण्डुरोगार्तमतिसारयुतं त्यजेत् HāriS. iii. 3. 78; अतिसारयुते पुंसि कथितस्त्वतिसारकी S'abdaRaSaK. 46. 9.

अतिसाररुज् (atisāra-ruj) *f.* disease of diarrhoea or dysentery अत्यम्बुपानाज्जायेत सुतरामतिसाररुक् Mānaso. i. 19. 230.

अतिसाररोग (atisāra-roga) *m.* disease of diarrhoea or dysentery यष्टीकषायपरिपक्वमजापयो वा ··· पित्ताममाशु शमयत्यतिसाररोगे KalyāKā. 9. 93.

अतिसारवत् (atisāra-vat) *adv.* as in the case of diarrhoea or dysentery (मलम्) अतिप्रवर्तमानं च साधयेदतिसारवत् SuśruS. vi. 39. 123; दोषं सामं निरामं च विद्यादत्रातिसारवत् RugVi. 4. 18.

अतिसारवत् (atisāra-va(n)t) *adj.* suffering from diarrhoea or dysentery (कुटजवल्कम्) सुस्विन्नमेतदवपीड्य रसं गृहीत्वा क्षौद्रेण युक्तमतिसारवते प्रदद्यात् SiddhYo. 3. 47.

अतिसारसंयुक्त (atisāra-saṁyukta) *adj.* afflicted with diarroea or dysentery (नरम्) शोथातिसारसंयुक्तमर्शांसि क्षपयन्ति हि RugVi. 5. 40 (? 41)

अतिसारस्यनिलया (atisārasya-nilayā) *f.* store of great passion इयमतिसारस्यनिलया तत्तदङ्गेषु जिघ्नन्ती शनैरारोहति, किमिदानीं मयैवोदास्यते RasSa. 175(14)

अतिसारहन्तृ (atisāra-hantṛ) *adj.* curing diarrhoea or dysentery सौवीरपिष्टः सहकारकल्को नाभिप्रलेपादतिसारहन्ता SiddhYo. 74. 35.

अतिसारहर (atisāra-hara) *adj.* curing diarrhoea or dysentery (आम्रस्य) पुष्पं तु रुचिदीपनम् । अतिसारहरम् BhojanKu. 104. 5.

अतिसारहृत् (atisara-hṛt) *adj.* curing diarrhoea or dysentery (जीरकत्रितयम्) चक्षुष्यं पवनाध्मानगुल्मच्छर्यतिसारहृत् BhāvPra.(Bhā.) 6(2). 86.

अतिसारातिप्रवृत्ति (atisārātipravṛtti) *f.* excessive activity of diarrhoea or dysentery अतिसारातिप्रवृत्तौ च ··· वायुः ··· दुर्जयतरो भवति AṣṭāSaṁ. ii. 70. 22 (4. 11)

अतिसारादि (atisārādi) *adj.* beginning with diarrhoea or dysentery ज्वरातिसारादि च रोगजालं बाधेत चेत् तर्हि न कोऽप्युपायः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 14. 6; अतिसारादिभिर्दोषैरौदरैः क्लेशमावहेत् TantrRā. 9. 60.

अतिसाराभिभूत (atisārābhibhūta) *adj.* overpowered by diarrhoea or dysentery येऽतिसाराभिभूताः । ··· ते मुद्गयूषस्य योग्याः KalyāKā. 5. 20.

अतिसारामय (atisārāmaya) *m.* disease of diarrhoea or dysentery रसः शीघ्रप्रभावाभिधः ··· अतिसारामये । ··· हिक्कासु च RasRaSa. 10. 94.

अतिसारार्त (atisārārta) *adj.* afflicted with or suffering from diarrhoea or dysentery शूलशोफातिसारार्तो ध्रुवं न जीवतेऽर्शसः HāriS. iii. 11. 26; गुदशोफातिसारार्तः ··· नाश्नाप्यश्च जलोदरी S'ārṅgaS. iii. 6. 5.

अतिसारार्दित (atisārārdita) *adj.* afflicted with or suffering from diarrhoea or dysentery अतिसारार्दितः शीघ्रं लवणाम्लं निषेवते Mānaso. i. 19. 266.

अतिसारिकी (ati-sārikī) *adj.* (*f.*) [*w. r.* for आतिसारिकी] curing dysentery, CaraS. iii. 5. 28 (1941 Ed.)

अतिसारित (ati-sārita) *adj.* suffering from purging or diarrhoea जलं सलोध्रं गजपिप्पली च । क्वाथावलेहौ मधुना विमिश्रौ बालेषु योज्यावतिसारितेषु SiddhYo. 66. 14.

[1]**अतिसारिन्** (atisār-in) *adj.* [*f.* -iṇī] afflicted with or suffering from (chronic) diarrhoea cf. **अतिसारकिन्, अतीसारिन्**, मा ते पुत्रं रक्षो हिंसीन्मा धेनुरतिसारिणी HirGS. ii. 4. 2; यः ··· । तनुत्वक् चातिसारी च पित्तशोथः स उच्यते CaraS. i. 18. 12 (1941 Ed.); i. 2. 20 (1941 Ed.); मेहातिसारिणां तोयपानम् SuśruS. i. 29. 69; राजघ्नो राजयक्ष्मी स्यादतिसार्यौ (? र्यु)पघातकः HāriS. ii. 1. 130; स्त्रीहन्ता चातिसारी स्यादश्वहा रोपयेद् दश S'ātāSm. 2. 43; वामयेदतिसारिणम् AṣṭāHṛ. iv. 9. 2; i. 7. 57; RugVi. 3. 17; पाण्डुर्मेही रक्तपित्ती ··· नैते स्वेद्या यश्च मर्त्योऽतिसारी SiddhYo. 72. 16; (सर्वाङ्गसुन्दरचिन्तामणिरसः) अग्निमान्द्ये ग्रहण्यां च तथा देयोऽतिसारिणि (v. l. °सारिणे) RasRaSa. 12. 66; BhāvPra.(Bhā.) 6(2). 98; ParaNā. 1884; transgressing [DBHS]

[2]**अतिसारिन्** (atisār-in) *adj.* made of the very hard pith (of a tree) काष्ठजेषु च पीठेषु नासारा नातिसारिणः (प्रशस्ताः) YuktiKa. 60. 18.

अतिसारिवा (ati-sārivā) *f.* a species of astringent-sweet twining plant or bush (? सारिवा *Hemidesmus indicus* or *Ichnocarpus frutescens*) कषायमधुरं विद्यात् खादिरं चातिसारि च (? चातिशा(? सा)रिवाम्) BhelaS. 50. 3 (1. 28)

अतिसारूप्य (ati-sārūpya) *n.* extreme or close resemblance अतिसारूप्यादैक्यं विधाय सिद्धोपमानसद्भावम् । आरोप्यते च तस्मिन्नतद्गुणादीति सोत्प्रेक्षा Kāvyālaṅ.(Ru.) 8. 32; अन्योऽन्यमतिसारूप्यादभेदभ्रमकारिणः । मम प्रीतिकराः के ते कथं च सदृशा हरेः PāṇḍaC. 17. 198.

अतिसार्थक (ati-sārthaka) *adj.* extremely purposeful or meaningful अद्य मे सफलं जन्म जीवनं चातिसार्थकम् PañcaRā.(Nā.) i. 7. 6.

अतिसार्य (ati-sārya) *ger.* having completely discharged (वान्तो विरिक्तः स्नात्वा तु) वान्तो वमनं कृत्वा विरिक्तः कोष्ठमलमतिसार्य ManvaVi. 684. 9 (*on* 5. 144)

अतिसावधान (ati-sāvadhāna) *adj.* very cautious राजप्रणिधिनिबोधे भूयादतिसावधानोऽसौ KandaCū. v. 6. 18.

अतिसाहस (ati-sāhasa) *n.* **A** extreme rashness न मे स्यादपराधोऽयं महादेवातिसाहसात् । कृतो मया यदज्ञानाद्विमर्दोऽयं त्वया सह MahāBhā. iii. 40. 59; iv. 63. 7; बाणः प्राहातिसाहसात् । हस्तौ पादौ च संछिद्य ···। मां परानयतु स्वामी PrabhāC. 115. 18; तुरगैः समं तुरगसादिनो हता दिवमुद्ययुः समाधिरुह्य तान् पुनः । अतिसाहसेन दिवमभ्युपेयुषामपि वाह्यवाहकदशा न शाम्यति S'ivLī. 18. 18; **B** extreme adventure or very bold act महाराज अलमतिसाहसेन Abhiṣe. 5 16 (1); नन्वतिसाहसमेतत् Mṛcch. 4. 20 (9); VeṇīSaṁ. 3. 209; राजवर्यप्रिये साध्वि मा कुरुष्वातिसाहसम् । तवोदरे चक्रवर्ती शत्रुहन्ता हि तिष्ठति BṛNāraP. 7. 64; यत्र सखीदर्शनेष्वकृतहस्तावलम्बनमुत्थानमतिसाहसम् Kād. 184. 3; किं कृतं दुष्कृतं कर्म शक्रेणाद्य जिघांसता । वृत्रम् ··· अयं निहतः शत्रुर्वज्रयित्वातिसाहसात् DevīBhāP. vi. 7. 29; भूपतिः प्राहातिसाहसमिदं नृणाम् । य उत्तराय नालं स्यात् स यद्वदति पर्षदि PrabhāC. 189. 10; अये, इयमवतितीर्षति मामवलोक्य मन्दारिका । अयि मन्दारिके, अलमलमतिसाहसेन S'ṛṅgāBhū. 57(2); अतिसाहसमारूढमियतैव प्रिये त्वया Mukundā. 205; **C** extreme audacity, extremely bold statement अचेत्यमानो भेदोऽपि चकास्तीत्यतिसाहसम् BrahmSi. 70. 25; किंच सर्वस्य जगतः संमोहकल्पनमतिसाहसम् TātpaṬ.(U.) 250. 16 (*on* 5(3). 41) = NyāyRa. 280. 14 (*on* 5(3). 41); चक्षुर्विषयतामेति धर्म इत्यतिसाहसम् NyāyMañ. i. 96. 27; त्यागोऽतिसाहसं मन्ये ननु यागादिकर्मणाम् BṛĀraUBhVā. (Sambandha.) 309; S'āstrDī. 40. 11 (*on* i. 1. 4); स्थानद्वयेऽप्यतः कोशा एत इत्यतिसाहसम् AnuVyā. 9B. 1 (*on* 1. 1); अबाधितस्यापि मिथ्यात्वमित्यतिसाहसम् S'atDū. 197. 4; अत एतेऽन्नमयादयः कोशा इत्येतद्व्याख्यानमतिसाहसं पूर्वोत्तरापरामर्शमूलम् NyāySū.(Ja.) 140B. 3 (*on* i. 1. 6); तत् पूर्वापरविरोधान्मन्दमित्याह । तदतिसाहसम् ViraMi.(Vyavahāra.) 81. 16; *adj.* [*f.* -ā] very adventurous (act or person) अतिसाहसमतिदुष्करमत्याश्चर्यं च दानमर्थानाम् । योऽपि ददाति शरीरं न ददाति वित्तलेशमपि KalāVi. 2. 46 = SūktiRa. 13. 16 = S'ārṅgaPa. 429; तमधः कृतवान् राजसिंहं सिंहोऽतिसाहसम् RājTa.(Jo.) 519; याश्चैवातिसाहसाः प्रथमम् । ताः स्युः स्वतो हि साध्याः KandaCū. v. 2. 4.

अतिसाहसत्व (atisāhasa-tva) *n.* the state of being highly audacious ऋषीणाम् ··· सर्वज्ञानां वेदकर्तृत्वेनादरोक्तेरतिसाहसत्वात् BhāṭṭDī. i. 14. 15 (*on* i. 1. 1); अव्यवहितपूर्वोक्तनवलक्ष्मस्मारकत्वं विहायातिदूरस्य स्मारकत्वोक्तेरतिसाहसत्वात् SetuBa. 105. 4.

अतिसाहसाध्यवसायिनी (atisāhasādhyavasāyinī) *adj.* (*f.*) resolving on a very rash act नैवमतिसाहसाध्यवसायिनी भवती भवत्वित्युक्ता सा तस्मादनुमरणनिर्बन्धाद्विरराम ViṣṇuP. iv. 3. 33.

अतिसाहसिक (ati-sāhasika) *adj.* **A** very bold त्वं चाद्भुतसिद्धिः श्रूयसे । वयं चातिसाहसिकाः । उक्तं च ··· ऋते समुद्रादन्यः को बिभर्ति वडवानलम् PañcT.(KOSEGARTEN) 241. 3; अतिसाहसिकं शूराः मन्त्रिणस्तं निरूपकम् । विनीतं गुरवो जड्धूर्तमन्तःपुराङ्गनाः SūktiRa. 39. 33; **B** extremely audacious किमिदानीमस्माभिरात्मा सुखरूपोऽनुभूयते, सत्यमिति ब्रुवाणस्यातिसाहसिकस्य नोत्तरं वाच्यम् S'āstrDī. 126. 14 (*on* i. 1. 5)

अतिसाहसिन् (ati-sāhasin) *adj.* very rash अपतत्स धरापीठे योगिनोऽग्रेऽतिसाहसी RauhiC. 398.

अतिसिंहनाद (atisiṁha-nāda) *adj.* whose cry surpasses that of a lion अतिसिंहनादः । रणेऽभिमन्युः ··· भृशं व्यराजत् MahāBhā. vii. 47. 40.

अतिसिंहस्थामन् (atisiṁha-sthāman) *n.* valour surpassing that of a lion कृत्वातिसिंहस्थाम प्राक्पश्चाच्छद्मेण पातितः। वराहो रारटीति स्म स्वभावः खलु दुस्त्यजः HammīMaKā. 4. 63.

अतिसिक्त (ati-sikta) *adj.* [*f.* -ā] **1** over-sprinkled or sprinkled profusely अतिसिक्तमेव भवता JaineVyā. 66. 15 (*on* i. 4. 8); अतिशब्दः …अतिक्रमणे: … निष्पन्नेऽपि वस्तुनि क्रियाप्रवृत्तिरतिक्रमणम् । अतिसिक्तमेव भवता KāśiVṛ. *on* P. i. 4. 95; Pradī. ii. 436B. 8 (*on* ii. 2. 18); सुसिक्तया यः सरसः पयोभिस्त्न्वातिसिक्तः(? क्तां) कुरुते धरित्रीम् Rāvaṇā. 3. 48; **2** sprinkled well पूजायाम् अतिसिक्तम्…भवता JaineVyā. 66. 16 (*on* i. 4. 8); चकारात् पूजायां च कर्मप्रवचनीयसंज्ञो भवति । अतिसिक्तं भवता KāśiVṛ. *on* P. i. 4. 95.

अतिसिक्थ (ati-siktha) *adj.* containing numerous food-particles विच्छिन्नमच्छमतिसिक्थमसिक्थकं वा। दुर्गन्धमप्स्वपि निमग्नममेध्यमामम् । पक्कातिसारमिति तद्विपरीतमाहुः KalyāKā. 9. 87.

अतिसिच्य (atisic-ya) *ger.* having sprinkled well स्वती पूजायामिति प्रादिलक्षणः सविधिः । अतिसिच्य गतः JaineVyā. 66. 17 (*on* i. 4. 8)

अतिसिञ्चत् (ati-siñcat) *adj.* sprinkling (i. e. covering) profusely शरौघैरतिसिञ्चन्तः पर्यानिन्युर्दिशोऽन्धताम् DvyāśraKā. 5. 18 (comm. अतिसिञ्चन्तः अतिव्याप्नुवन्तः); 5. 45.

अतिसित (ati-sita) *adj.* extremely white अतिसिताङ्गविहङ्गहसद्दिवम् । अकलयन्मुदितामिव … स शरदम् S'iśuVa. 6. 54; (ददर्श) क्षीरोदधेरुत्तरतो हि द्वीपः श्वेतः स नाम्ना …। देदीप्यमानो विततेन सर्वतो ज्योतिश्चयेनातिसितेन नित्यम् SkandP. ii(9). 4. 9; तरलेऽतिसितासितद्युतौ इह दोलायितमीक्षणद्वये ।… तिमिरं मूर्च्छति ते कपोलयोः NavaSāC. 12. 46.

अतिसितजलधर (atisita-jaladhara) *m.* extremely white cloud अतिसितजलधरशकलशारित इव शारदाकाशैकदेशः…पुरुष उज्जगाम HarṣaC. 165. 13.

अतिसितमहस् (atisita-mahas) *adj.* possessed of exceedingly white splendour आकृष्यमाण एव च यस्मिन्नतिसितमहसि सरभसमहासीव हरेण HarṣaC. 290. 3.

अतिसितिमन् (ati-sitiman) *m.* extreme whiteness कान्तिं कुर्वत्सुधाब्धेः क्वचिदतिसितिमद्योतिभिर्भित्तिभागैः (इदं विभाति भवनम्) YaśasCam. i. 352. 8.

अतिसिद्ध (ati-siddha) *adj.* excessively cooked अतिलोभादतिसिद्धमसिद्धं वा पर्युषितं वा भोजितवतः … भवत्युपधाव्यापत् Hastyāyur. 118. 21 (1. 16)

अतिसिद्धत्व (atisiddha-tva) *n.* the state of being very well-known or established वक्तुमिष्टस्य … अतिसिद्धत्वं वा विशेषं वक्तुं निषेध इव Kāvyānu. (He.) 321. 3.

अतिसिद्धि (ati-siddhi) *adj.* having great accomplishment ब्राह्मणद्वेषिणा नित्यं सर्वपापातिसिद्धिना । तस्य भार्या जनस्थानाद्रावणेन हृता छलात् Rāmā.(GORRE.) iv. 57. 10.

अतिसिध्य (ati-sidhya) *adj.* surpassing the Puṣya star सर्वार्थसाधने पुष्योऽतिसिध्यो वैष भास्यति DvyāśraKā. 11. 18 (comm. पुष्यनक्षत्रतुल्योऽतिसिध्यो वा पुष्यादप्यधिको वा)

अतिसिन्धु (ati-sindhu) *m.* name of a country (one of the 72 divisions of Bhārata) एकविंशतिसाहस्रो लाडदेशः प्रकीर्तितः । अतिसिन्धुश्च ग्रामाणां दशसाहस्र उच्यते SkandP. i(2). 39. 146.

अतिसिराव्यध (ati-sirāvyadha) *m.* deep cutting of vein, venesection अतिस्विन्नस्योष्णकाले तथैवातिसिराव्यधात् । अतिप्रवर्तते रक्तं तत्र कुर्यात्प्रतिक्रियाम् S'ārṅgaS. iii. 12. 30.

अतिसीद् (ati-sīd-) cf. **अतिसद्** [P. vii. 3. 78]

अतिसीदत् (ati-sīdat) *adj.* expiring, passing away शरक्षते गजे भृङ्गैः …। रुतव्याजेन रुदितं तत्रासीदतिसीदति S'iśuVa. 19. 70.

अतिसुकर (ati-sukara) *adj.* quite easy to do पयोग्रहणं सन्धिनीक्षीरमिति समासान्तवर्तिनः क्षीरपदस्य नातिसुकरः सम्बन्धो यतः ManuBh. i. 422. 27 (*on* 5. 8); उज्ज्वलनेऽपि च तेषां पातनमतिसुकरम् KalāVi. 8. 16.

अतिसुकाल (ati-sukāla) *adj.* creating a very prosperous time दर्शनानि पडपि प्रसभं दुःकालसङ्कटगमिष्यदसूनि । अन्नदानकलयातिसुकालोऽजीवयज्जिनमतैकरतो यः VasaViKā. 5. 5.

अतिसुकुमार (ati-sukumāra) *adj.* [*f* -ī] **i** very delicate or tender अतिसुकुमारकरचरणोरःस्थलविपुलबाहुंसगलवदनाद्यवयवविन्यासः … अवधूतमलिननिजशरीरेण ग्रहगृहीत इवादृश्यत BhāgP. v. 5. 31; अतिसुकुमारं च जनं सन्तापपरमाणवोऽपि मालतीकुसुममिव म्लानिमापादयन्ति HarṣaC. 26. 4; ताः कार्या न वेति वीक्षायां (अङ्गेषु) … अतिसुकुमारेषु तेषूग्रहेतुताबुद्धीनामनर्हत्वात् न कार्येति प्राप्ते GoviBh. 290. 9 (*on* iv. 1. 6); अतिसुकुमारकुसुमलोभनीयाभिनवोन्मेषयौवनभूषिताम्…स्वतनयां लोकोत्तरे पुंसि निवेश्य…वरमन्वेषयामास ĀnandRa. 4. 32 (3); **ii** very melodious or sweet धाम्नो वंशस्तस्य प्रकाशतां विभ्रदारवं शस्तस्य । अतिसुकुमारमयन्तं मधुमयतां गोपसतितमा रमयन्तम् YātrāPra. 3. 224; अहोऽतिसुकुमारी या सीता जनकनन्दिनी AdhyāRā. ii. 8. 29; अतिसुकुमारीम् … स्त्रियं गर्भिणीं दृष्ट्वा KāśyaS. 190A. 5.

अतिसुकुमारकाकली (atisukumāra-kākalī) *f.* very gentle Kākalī note (a modification of Niṣāda) चतुर्विधातोद्यवर्जितोऽतिसुकुमारकाकलीप्रायप्रमदागीतमात्रावशेषो यश्चित्तग्राही (स लौकिकः) AbhinBhā. iii. 69. 13 (*on* 19. 125)

अतिसुकुमारार्थ (atisukumārārtha) *m.* very delicate sense सेयमतिसुकुमारार्थं नातिसुकुमारसंदर्भा भारती नाम वृत्तिः SaraKaṇṭhā. 161. 25.

अतिसुकृतवत् (ati-sukṛtava(n)t) *adj.* highly meritorious, virtuous or pious इदमपि जन्म … । अतिसुकृतवदेवाद्य ज्ञातं नो दर्शनेन तव देवाद्य Yudhi-Vi. 6. 138.

अतिसुकृतवश (atisukṛta-vaśa) *m.* [Inst.] on account of great fortune, fortunately अनयाहम् … अतिसुकृतवशेन धर्ममात्रा निजकुलदेवतयेव बोधितोऽस्मि PrabhāC. 64. 26.

अतिसुकृतसार (atisukṛta-sāra) *m.* the essence (i. e. effect) of great merit or virtue मृगीदृशः … । कराब्जव्यापारानतिसुकृतसारान् रसयतो जनुः सर्वश्लाघ्यं जयति ललितोत्तंस भवतः RasGaṅ. 507. 11; BhāmiVi. 2. 53.

अतिसुकृतिन् (ati-sukṛtin) *adj.* highly meritorious, virtuous or pious अतिसुकृतिनां कर्णेष्वोंकारमत्र विवृण्वतः YātrāPra. 9. 51; मार्गे पश्यत्यतिसुकृतिनः कस्यचिद्दारयोषित् S'ṛṅgāMañ.(A.) 18. 22.

अतिसुकोमला (ati-sukomalā) *adj.* (*f.*) very tender or soft मुक्ता प्रासादमध्ये च शय्यैकातिसुकोमला RauhiC. 312.

अतिसुख (ati-sukha) *adj.* [*f.* -ā] very pleasant or agreeable तस्मिन्नतिसुखे काले धनुष्मानिषुमान् रथी । … सरयूमन्वगां नदीम् Rāmā. ii. 57. 14; अज्ञातिता नातिसुखा नावज्ञेयास्त्वतः परम् । अज्ञातिमन्तं पुरुषं परे परिभवन्त्युत MahāBhā. xii. 81. 34; *n.* great happiness or pleasure, great ease अत्यन्तविस्मृतैवातिसुखाय भ्रमदायिनी YogVā. iii(1). 113. 26; बहुतरमुपचारात् सारमाधारलोके जननमतिसुखानां वर्धनं श्रेयसां वा HārīS. i. 1. 21; विस्रम्भादतिसुखमेवानुभूयते SaraKaṇṭhā. 651. 3; बहुकालं मध्येमार्गमतिसुखस्य लाभान्न कर्मणि विरज्येत TattvPrakā. 146A. 3 (*on* iii. 1. 25); (मुरारिः) साम्राज्यं दीर्घमायुर्व्यतरदतिसुखं रामचन्द्राय हृष्टः VīraBhā. 9. 16; द्विधातिकृच्छ्रातिसुखेन साध्यम् KalyāKā. 7. 58; *m.* name of a friend of Kṛṣṇa नरो नारायणश्चान्योऽमलश्चातिसुखस्तथा । …कृष्णस्यासन् सखिप्रियाः ĀdiP. 12. 44.

अतिसुखकृत (atisukha-kṛta) *adj.* arising or resulting from great happiness अतिसुखकृतमुक्तितः पठन्तौ सुविषमसौगतशास्त्रजातमत्र । … °अर्थतत्त्वम् … अधिजग्मतुस्तौ PrabhāC. 66. 3.

अतिसुखत्व (atisukha-tva) *n.* the state of great happiness or joy मायया क्रीडायामन्यानुरोधाभावेनातिसुखत्वात् … मायामात्रमेव स्वप्नः AṇuBh. 184. 11 (*on* iii. 2. 3)

अतिसुखद (atisukha-da) *adj.* [*f.* -ā] causing extreme joy, pleasure or happiness ममता … तनुरूपातिसुखदा कोमलाङ्गी मनोहरा ĀdiP. 11. 63; अतिसुखदः … राज्ञा तेन विशेषितो निजधिया वेशोऽपि देशोऽपि वा RājTa.(S'rī.) 1(6). 32; गौराङ्गो भगवत्प्रियोऽतिसुखदः प्राप्तः सुबाहुः पुरः GopāKeCan. 60. 6.

अतिसुखदायिन् (atisukhadāy-in) *adj.* giving extreme happiness or pleasure अतिसुखदायि वाश्चर्यदर्शनम् Kād. 181. 15.

अतिसुखधी (atisukha-dhī) *adj.* desirous of great happiness शक्तोऽतिसुखधीः पातुं कः शिखामाशुशुक्षणेः PadmP.(Ra.) 46. 21.

अतिसुखपराङ्मुख (atisukha-parāṅmukha) *adj.* averse to great happiness अतिसुखपराङ्मुखेन धूर्जटिललाटलोचनाग्निनेव हृदयेनाङ्गीकृतकन्दर्पयोः (तयोः) … अतिचक्रमुः कतिपयेऽपि दिवसाः TilaMañ. 104. 5.

अतिसुखप्रद (atisukha-prada) *adj.* giving extreme happiness or great pleasure विदग्धया विदग्धेन संगमोऽतिसुखप्रदः BrahmVaiP. ii. 8. 31; अयं हि वर्तुलः स्व(? ख)ल्वो मर्दनेऽतिसुखप्रदः RasRaSa. 9. 87.

अतिसुखम् (ati-sukham) *adv.* quite happily त्वम्…अतिसुखमवसश्चित्रकूटे गिरीन्द्रे Nārāy. ix. 34. 5.

अतिसुखस्पर्श (atisukha-sparśa) *adj.* whose touch is very pleasant अनिलोऽतिसुखस्पर्शो दिशः सुरभयन् ववौ PadmP.(Ra.) 4. 19.

अतिसुखहेतु (atisukha-hetu) *m.* cause of extreme happiness or pleasure अद्य सनातनमतिसुखहेतुम् । न परिहरिष्ये विधिकृतसेतुम् StavMā. 269. 21.

अतिसुखावह (ati-sukhāvaha) *adj.* bringing great pleasure, very delightful विवाहो रमया कल्केरभूदतिसुखावहः KalKiP. iii. 10. 30.

अतिसुखासिका (ati-sukhāsikā) *f.* great comfort राज्यं पालय निश्शेषं

यच्छ मेऽतिसुखासिकाम् PadmP.(Ra.) 32.122.

अतिसुखित (ati-sukhita) *adj.* very happy चौरनाम न जानाति जनोऽतिसुखितः सदा RauhiC. 25.

अतिसुखिन् (ati-sukhin) *adj.* extremely happy or pleased अभ्युन्नताभिः (भ्रूभिः) अतिसुखिनः (जनाः) BṛSaṁ. 68.68; राजा वातिसुखी लोके प्ररूढेन्द्रियवानपि BṛĀraUBhVā. ii. 1.346; न च स्वोपकारिण्यसति प्रत्युपकारं कंचित्करोति इत्यतोऽतिसुखी प्रत्यय इत्युपहासः VedāntKa. 13.18 (*on* i. 1.1)

अतिसुखोष्ण (atisukhoṣṇa) *adj.* very agreeably warm °करीषैः। स्वेदनान्यतिसुखोष्णसुखानीत्येवमाचनिलवारणमिष्टम् KalyāKā. 12.14.

अतिसुखोद (ati-sukhoda) *adj.* (full) of very wholesome water सत्पद्मरागमणिकल्पितकर्णपूरं पूरायितामतिसुखोदसरिद्वरायाः। ··· वैकुण्ठनाथरमणीमनुनीय वाचा BṛBrahmaS. i. 9.75.

अतिसुगन्धा (ati-sugandhā) *adj.* (*f.*) very fragrant रत्नवि(? वी)-थिषु योज्यमानाः श्रेणयः सुवर्णयूथिका अतिसुगन्धा मुक्तायूथिका अतितरां राजमाना भवन्ति SāmaraU. 270.23.

अतिसुगन्धि (ati-sugandhi) *adj.* very fragrant, giving very sweet smell सहकारतैलमीषत्तिक्तमतिसुगन्धि वातकफहरम् SuśruS. i. 45.127; तस्य च पूर्वतीरे महदाम्रवनम् ··· फलैरतिसुगन्धिभिः ··· चितम् VarāP. 80.2(11); पुष्पाण्यतिसुगन्धीनि ··· यः पुमान्। प्रयच्छति हि देवेशम् BhaviP. 156A.10 (i. 103.4); 178A.21 (i. 120.47); (ऐरावणः) गण्डस्थलगलद्दानजलैरतिसुगन्धिभिः स्वर्गाङ्गणभुवं कुर्वन् कस्तूरीस्तबकाङ्कितम् TriṣaŚaPuC. i. 3.404; (विहरति हरिरिह सरसवसन्ते) नवमालिकयातिसुगन्धौ GītGo. i. 3.7.

अतिसुगन्धि(न्) (ati-sugandhi(n)) *adj.* very fragrant[nt.](?) cf. P. v. 4. 135 and SuśruS. i. 45.127.

अतिसुगम (ati-sugama) *adj.* quite easy to tread प्राप्तया सिद्धिदूत्येव शरदा दत्तसंमदः। दर्शयन्त्यातिसुगमं मार्गं स्वल्पाम्बुनिम्नगम् KathāSaSāg. iii. 5.64.

अतिसुगमार्थ (ati-sugamārtha) *adj.* meaning of which is easy to understand श्लोकेऽतिसुगमार्थे ··· मूढः कथं भवान् PārśvC. 3.370.

अतिसुगव्य (ati-sugavya) *n.* product from a very good cow निष्कादिष्वसमासग्रहणं ज्ञापकं पूर्वत्र तदन्तप्रतिषेधस्य। उगवादिभ्यो यत्। गव्यम्, सुगव्यम्, अतिसुगव्यम् KāśiVṛ. *on* P. v. 1.20.

अतिसुघटत्व (atisughaṭa-tva) *n.* the state of being very fitting or appropriate पृथिव्यादिजीवस्यैव तदन्तर्यामित्वम्। पृथिव्यादिशरीरत्वादेस्तस्मिन्नतिसुघटत्वात् TattvPrakā. 36B.10 (*on* i. 2.18)

अतिसुघनस्नेह (atisughana-sneha) *m.* very intimate affection, very deep love अथातिसुघनस्नेहनिरावरणचेष्टयोः। तयोरनयवृत्तान्तो राज्ञाकर्णि YogVā. iii(1). 89.25.

अतिसुचिरम् (ati-suciram) *adv.* for a very long time दृष्टः कातरनेत्रयातिसुचिरम् ··· दयितया ··· वल्लभः SaduktiKa. 102.24.

अतिसुजन (ati-sujana) *m.* very good person अतिसुजनेन ··· उपवनमनेनानावि Nalo. 2.35.

अतिसुत्वरी (ati-sutvarī) *adj.* [*f.*] (a woman) who has surpassed one who presses (Soma plant) सुत्वानमतिक्रान्ता अतिसुत्वरी SiddhāKau. 112A.1.

अतिसुदीप्तगात्र (atisudīpta-gātra) *adj.* having a very refulgent or lustrous body संमिश्रवर्णोऽतिसुदीप्तगात्रः ··· भोगेन युक्तः समता प्रकृत्या HāriS. i. 5.23.

अतिसुदीर्घ (ati-sudīrgha) *adj.* quite long कालेनातिसुदीर्घेण यौवनस्था वराङ्गना। प्रार्थ्यमानापि राजन् वै नात्मानं दातुमिच्छति SkandP. v(3). 33.10.

अतिसुदुःखित (ati-suduḥkhita) *adj.* [*f.* -ā] very much grieved, very greatly afflicted मनोरमा तत्र बभूवातिसुदुःखिता DevīBhāP. iii. 16.13; देहिनोऽमरतां प्राप्य निवसन्ति सुखं दिवि। ···अन्धान्निरीक्ष्यातिसुदुःखिताः ParamāKā. 23.24.

अतिसुदुर्लभ (ati-sudurlabha) *adj.* extremely difficult to get वरं वृणुष्व हे वत्स यत्ते मनसि वर्तते ··· अतिसुदुर्लभम् BrahmVaiP. ii. 63.13; कष्टं हि सुकरं पुंसां विवेकोऽतिसुदुर्लभः PārśvC. 6.65.

अतिसुदुष्कर (ati-suduṣkara) *adj.* very difficult to accomplish अतिसुदुष्करमन्यतिरिक्तदृक्छृतिभिरप्यथ दृष्टिविषैरिदम् Subhāṣi. 432.

अतिसुदृढ (ati-sudṛḍha) *adj.* very firmly set हेतुना केन हीयते। येनातिसुदृढो भावस्त्वयि PauṣkS 19.1; अतिसुदृढं हि दृष्टान्तत्वेनोपादीयते TattvPrakā. 128B.12 (*on* ii. 4.8); 129A.4 (*on* ii. 4.8)

अतिसुदृढम् (ati-sudṛḍham) *adv.* quite firmly हन्यमानं च यं माता हस्तयोः पादयोः पिता। अवष्टभ्यातिसुदृढं संनिवेश्य महीतले KathāSaSāg. xii. 27.79.

अतिसुन्दर (ati-sundara) *adj.* [*f.* -ī, -ā] **A i** very handsome, very beautiful (animates) विवाहार्थो न मे कश्चिदिमां दृष्ट्वातिसुन्दरीम् MahāBhā. iii. 248.13; कल्याणरूपा सैरन्ध्री वल्लवश्चातिसुन्दरः MahāBhā. iv. 18.5; सुमित्रानन्तरं तस्या ईक्षांचक्रेऽतिसुन्दरी। स्वप्नान् PadmP.(Ra.) 25.12; अर्भकं च ददर्शातिसुन्दरम् PadmP.(Ra.) 26.135; 73.43; नमः शिवाभ्यामतिसुन्दराभ्याम् ··· नमो नमः शंकरपार्वतीभ्याम् UmāMaSt. 6; Stotrā. 18.21; विस्तीर्णवक्षाः सुभुजोऽतिसुन्दरः···श्यामच्छविः काम इवापरो हि सः PadmP. i. 22.26; ii. 105.61; iii. 26.16; तिस्रः कन्याः ··· अतिसुन्दराः DevīBhāP. iii. 13.16; दृष्टः स्वप्ने ··· मया देवो महेश्वरः ··· अतिसुन्दरः BṛDharmaP. i. 9.17; शिरोयोजनमात्रेण बालोऽभूदतिसुन्दरः BṛDharmaP. i. 60.73; (अमात्याः) एतेऽतिसुन्दराः नानाभूषावस्त्रैरलंकृताः GaṇeP. i. 1.31; योषिद्योषित्सु रत्नभूतातिसुन्दरी। कुटुम्बिनीति स्वं नाम विदधे सार्थकं तु सा GaṇeP. i. 7.13; i. 20.31; ŚivaP. ii(1).3.26 (39B.8); ततोऽतिसुन्दरी यक्षी ···। शापातिशाद्यचतां प्राप्ता मुक्ता रामप्रसादतः AdhyāRā. i. 4.31; i. 3.35; चक्री बलाका हंसी वा यदि केतौ निलीयते। तदा नरपतिर्भार्यामाप्नोत्यतिसुन्दरीम् SamarāSū. 17.178; 57.82; कार्पासकलुषा देवी वारुणी चातिसुन्दरी CaturCin. ii(1). 87.13; अतिसुन्दरो मन्दस्मेरपूरितवदनः GopāKeCan. 99.21; पराक्रमवन्तोऽतिसुन्दरा निराश्वासा भूताः VetāPañ.(Ja.) 114.20; KathāKau. 3.58; StavMā. 48.13; 143.22; अत्र मन्मथमिवातिसुन्दरम् ··· वेङ्कटपतिम् Kuval. 171 (103); कन्यकाः ··· अतिसुन्दरेण वपुषा ··· अलभन्त जन्म ŚivLī. 17.27; 18.6; (कलिः) उग्रमप्यतिसुन्दरम् ··· ईश्वरम् (प्रत्यपद्यत) ParamāKā. 100.6; **Aii** very charming, very pleasant, very agreeable (inanimates) तारातरणिशक्तीनां समवायोऽतिसुन्दरः BrahmāṇḍP. iii. 35.21; तपःसमुचितं क्षेत्रं विशालमतिसुन्दरम्।··· सः ··· प्रविवेश PadmP.(Ra.) 29.89; DevīBhāP. v. 9.15; ता एवैताः (सुवः)। नातिदूर (v. l. नातिसुन्दर) एव तावदासां स जीर्णकन्दरः MahāvīC. 7.11(1)(195.14); किमपि संदिश वस्त्वतिसुन्दरम् RāmC. 7.47; इमान्यतिसुन्दराणि लवलीलतासदनानि TilaMañ. 166.7; (स्थलम् ··· गोलोकाभिधम्) हरिसारसुसंकृप्तसोपानैश्चातिसुन्दरैः ··· सुसंस्कृतम् BrahmVaiP. i. 28.49; ii. 16.144; आलिखेत प्रथमं चक्रम् ··· समासं चातिसुन्दरम् NityāṢoḍa. 1.132; KāliViT. 27.7; अतिसुन्दरमप्यन्तवद्भवति। तेन तदपि हेयमेव विवेकिनः TattvVai. 6.15 (*on* 1.2); पादत्रयाभ्यासस्तु नातिसुन्दरः SaraKaṇṭhā. 219.19; SamarāSū. ii. 75.5 (57); निजदोषावृतमनसातिसुन्दरमेव भाति विपरीतम्। पश्यति पित्तोपहतः शशिशुभ्रं शङ्खमपि पीतम् KāvyPra. 662.1; RasGaṅ. 638.23; भद्रकं पञ्चवर्णरजसा विलिखेदतिसुन्दरम् ĪśānŚiPa. i. 24.8; त्रिकोणमतिसुन्दरम्। ज्योतिषां निलयं दिव्यं प्राहुः PañcaRā.(Nā.) v. 11.8; ii. 2.77; ओजः समासभूयस्त्वं तद्वयेष्वतिसुन्दरम् Vāgbhaṭā. 3.12; त्रैलोक्येऽतिसुन्दरम् (तच्चैत्यम्) TriṣaŚaPuC. i. 6.614; वाहनैश्चातिसुन्दरैः (सालकेव पुरी बभौ) TriṣaŚaPuC. ii. 2.63; वामे पदे निहितमार्द्रमलक्तकं ते नान्यत्र यत्तदतिसुन्दरमेव मन्ये BhikṣāKā. 5.9; सिंहासनं सौवर्णमतिसुन्दरं स्मरेत् VīraMi(Pūjā.) 129.16; ŚivLī. 3.57; 9.56; श्रीचक्रम् ··· कुर्यात् स्थण्डिलपूजायां हस्तमात्रेऽतिसुन्दरम् TantrRā. 33.6 (comm. अतिसुन्दरं वक्ष्यमाणमानाद्यलङ्कितम्); 33.19; 33.25; **Aiii** [with Abl.] more handsome (than) यं कंचित्पुरुषवरं स्वभर्तुरतिसुन्दरं दृष्ट्वा। मृगयति किं न मृगाक्षी PraboSu. 32; **B** very pleasing (to hear), very sweet (to the ears) हलिना चक्रिणा च सा। आनीयत समाश्वासं वचनैरतिसुन्दरैः PadmP.(Ra.) 86.18; निष्ठ्यूतोद्गीर्णवान्तादि गौणवृत्तिव्यपाश्रयम्। अतिसुन्दरमन्यत्र ग्राम्यकक्षां विगाहते Kāvyāda. 1.95; SaraKaṇṭhā. 101.16; सा ··· सिंहवाहन इत्येवं चक्रे नामातिसुन्दरम् GaṇeP. ii. 10.29; **C** very beneficial, very good अतिसुन्दरेऽपि दुग्धादौ धातुदोषादरुचिः VedāntKa. 493.14 (*on* iii. 4.26); भवत्वेवमिदं भाविपरिणामेऽतिसुन्दरम् SamarāSaṁ. 9.205; एवं वयस औचित्याद्धर्मोऽप्याहारवद् वरः। स्वीकृतः कृतिना रुच्या परिणामेऽतिसुन्दरः ŚāliC. 5.87; हे सारङ्ग तवातिसुन्दरमिदं केनोपदिष्टं व्रतम् Subhāṣi. 656; अमलीमसमच्छिद्रमक्रेयमतिसुन्दरम्।··· अहो ज्ञानं महद्धनम् Subhuṣi. 12; **D** very auspicious तत्प्रगे मुहूर्तमतिसुन्दरं विजयवर्धनं वर्तते HariVi. 4.12; [अतिसुन्दर is given as the meaning of अमृत NānāMañ. 719; ViśvaLoK. 133.80; and of वाम in NānāMañ. 1191; ViśvaPra. 111.22]

अतिसुन्दरकाय (atisundara-kāya) *adj.* having a very beautiful body अतिसुन्दरकायस्तु मस्तकम् (पातु) GaṇeP. ii. 85.19; ii. 109.7.

अतिसुन्दरगात्र (atisundara-gātra) *adj.* [*f.* -ā] having very beautiful limbs अतिसुन्दरगात्रोऽसौ साक्षान्मन्मथमन्मथः GaṇeP. i. 77.10; अतिसुन्दरगात्रास्ताः ··· निरीक्ष्य मयूरेशं विह्वला मदनाग्निना GaṇeP. ii. 99.32.

अतिसुन्दरचेतस् (atisundara-cetas) *adj.* having a very pleasant heart (ते) यथावद् वृत्तमाचख्युरतिसुन्दरचेतसः PadmP.(Ra.) 81.96.

अतिसुन्दरतनु (atisundara-tanu) *adj.* having a very handsome body अकबरमतिसुन्दरतनुमिन्दुमुखो नायकेन्दुमालोक्य। भवति ··· स्मरपरवशमानसा सद्यः

S'ṛṅgāMañ.(A.) 49. 19.

अतिसुन्दरदेह (atisundara-deha) *adj.* having a very beautiful body मयूरेशः ··· अतिसुन्दरदेहः सन् नागकन्याभिराहृतः । गृहं स्वकीयम् GaṇeP. ii. 100. 1.

अतिसुन्दरमन्दहास (atisundara-mandahāsa) *adj.* whose gentle smile is very beautiful अतिसुन्दरमन्दहासम् ।··· अर्चयतु नन्दजम् PañcaRā.(Nā.) iii. 11. 4.

अतिसुन्दररूपा (atisundara-rūpā) *adj.* (*f.*) of a very beautiful appearance अतिसुन्दररूपा त्वं प्रलोभय महामुनिम् । इतीन्द्रकथिता रम्भा विश्वामित्राश्रमं ययौ SkandP. iii(1); 39. 45.

अतिसुन्दरवर्चस् (atisundara-varcas) *adj.* possessed of a very beautiful lustre देवालङ्कारमतुलमतिसुन्दरवर्चसम् । ··· पिबन्त्यमृतकल्पञ्च प्रीत्या जम्बूफलासवम् VarāP. 77. 19.

अतिसुन्दरा (ati-sundarā) *f.* name of a metre [pw]; a metre belonging to the class Aṣṭi (also called Citrā or Cañcalā) [MW]

अतिसुन्दराकार (ati-sundarākāra) *m.* very handsome form or figure वर्ष्मे देहे प्रमाणातिसुन्दराकारयोरपि ViśvaPra. 95. 120; DharK. 1375.

अतिसुन्दराकृति (ati-sundarākṛti) *adj.* of a very beautiful form or figure विराधकायादतिसुन्दराकृतिः ··· व्यदृश्यत AdhyāRā. iii. 1. 36; *f.* very beautiful form or figure वर्ष्मे देहप्रमाणातिसुन्दराकृतिषु स्मृतम् MediK. 97. 126 = S'abdaRaSaK. 226. 1.

अतिसुन्दराङ्गी (atisundarāṅgī) *adj.* (*f.*) of a very beautiful body अतिसुन्दराङ्गीम् ··· राजकन्याम् । मुक्त्वा द्रुतं क्वापि गतो न चेत् स्याः स्यात्तदानर्थनिपात एव PadyaVe. 427.

अतिसुन्दरी (ati-sundarī) *f.* one of the thousand epithets of Rādhā अतिसुन्दरी ।··· इति ··· राधानामसहस्रकम् PañcaRā.(Nā.) v. 5. 113.

अतिसुप्ततनुता (atisuptatanu-tā) *f.* the state of the body being extremely numb स्तब्धातिसुप्ततनुतातिहिमाप्रियत्वनिद्राक्षतिश्वसनसंभवलक्षणानि KalyāKā. 9. 54.

अतिसुप्ता (ati-suptā) *adj.* (*f.*) i over-sleeping तथा हरीणां कलहायमाना सेना सुखं दातुमपारयन्ती । सुधातिसुप्ता बहुवासराणि क्षणं न वेश्येव ययौ न तस्थौ RāghPāṇ.(Dha.) 16. 31 (comm. अतिनिद्राणा); ii enjoying cohabitation for a long time, RāghPāṇ.(Dha.) 16. 31.

अतिसुप्रतिष्ठित (ati-supratiṣṭhita) *adj.* extremely well-established जगत्याख्याते सत्कृतगुरुगणे (v. l. सुधृकेऽतिसुप्रतिष्ठिते जगति) ··· वृत्तभङ्गो भवति इत्यभिधाय गन्तुमुद्चलत् NalaCam. 5. 2 (6)

अतिसुप्रदेश (ati-supradeśa) *m.* very good place किंचिच्छूयमाणे नातिसुप्रदेशस्थिते द्वादशवर्षाणि ViraMi.(Saṁskāra.) 765. 19.

अतिसुप्रभ (ati-suprabha) *adj.* greatly lustrous or brilliant पावकादतिसुप्रभात् । आविर्बभूव चार्वङ्गी कन्यका शुभलक्षणा DevīBhāP. vi. 21. 41; तदोत्तस्थौ सुप्त इव स बालः ··· अतिसुप्रभः S'ivaP. ii(4). 17. 57 (214B. 1)

अतिसुप्रभावा (ati-suprabhāvā) *adj.* (*f.*) possessed of great prowess वेदे पुराणे ऋषिभिः प्रसिद्धा या गौतमी ···। वक्तुं कथं तामतिसुप्रभावामशेषतो नारद कस्य शक्तिः BrahmP. 174. 29.

अतिसुप्रियवादिनी (atisupriya-vādinī) *adj.* (*f.*) speaking very pleasant words अभार्यो लभते भार्याम् ··· अतिसुप्रियवादिनीम् BrahmVaiP. iv. 56. 86.

अतिसुबुद्धि (ati-subuddhi) *adj.* extremely wise or intelligent निवेदितं तु तत्सर्वं रामेणातिसुबुद्धिना SkandP. iii(2). 33. 15; क्षोणीचन्द्रचूडामणिना बलिनातिसुबुद्धिना । ··· वर्तितव्यं यथायथम् ParamāKā. 32. 36.

अतिसुबोधा (ati-subodhā) *adj.* (*f.*) very easy to understand तज्ज्ञानवासनातिसुबोधाकरत एव करणज्ञानाम् SiddhāTaVi.(S'eṣaVā.) 30. 24.

अतिसुभक्ति (ati-subhakti) *f.* great devotion पुरा हिमाचलो देवा मेना चातिसुभक्तितः । सेवां मे चक्रतुः S'ivaP. ii(3). 4. 26 (127B. 1)

अतिसुभग (ati-subhaga) *adj.* [*f.* -ā] very fortunate, very handsome, very beautiful or charming दानवगुरौ झषे विद्वानाढ्यो नृपजनितपूजोऽतिसुभगः Bṛhajjā. 18. 16; तेजस्विनमतिसुभगम् ··· निजहारो बलयुक्तो जनयति (ग्रहः) Sārā. 5. 30; 4. 26; यदतिसुभगमार्यसेवितं तच्छुभमनुसृत्य मनोज्ञभावबुद्ध्या । अधिगमय पदं सदाविशोकम् YogVā. ii. 9. 43; iv. 14. 46; तौ दम्पती अतिसुभगावतितरस्नेहसंपन्नौ निरन्तरसेवायां संयोक्ष्यमाणरती आसाताम् SāmaraU. 289. 4; कृतनाम्नो महीपतेः । अजायन्तातिसुभगाः क्रमात्सप्त कुमारिकाः KathāSaSāg. vi. 2. 13; viii. 1. 138; वन्देऽहम् ···अतिसुभगं वश्यगोपालकृष्णम् KṛṣṇaKa. 3. 97; SaduktiKa. 141. 11; क्वचिद्भवत्यतिसुभगोऽपि दुर्भगः Subhāṣi. 1945.

अतिसुभगवपुस् (atisubhaga-vapus) *adj.* having a very beautiful body or figure तदतिसुभगवपुषि न खलु विधिरपि गुणगणमिति ह निगदितुमलमलम् IśānS'iPa. i. 21. 31.

अतिसुभगशृङ्गधर (atisubhagaśṛṅga-dhara) *adj.* having very beautiful peaks प्रभवः को गङ्गाया नगपतिरतिसुभगशृङ्गधरः VidaMuMa. 2. 24.

अतिसुभगाकृति (atisubhagākṛti) *adj.* having a very beautiful figure स यौवनारम्भ एवातिसुभगाकृतिः AvantiKa. 9. 20.

अतिसुभाषित (ati-subhāṣita) *n.* very good saying (ironical) आर्हतास्त्वाहुः सूक्ष्मैः शब्दपुद्गलैरारब्धशरीरः शब्दः स्वप्रभवभूमेः निष्क्रम्य प्रतिपुरुषं कर्णमूलमुपसर्पतीति तदेतदतिसुभाषितम् NyāyMañ. i. 198. 10.

अतिसुमनोहर (ati-sumanohara) *adj.* extremely beautiful or charming (कृष्णरामौ) दृष्ट्वातिसुमनोहरौ । स तर्कयामास तदा मुदं देवावुपागतौ BrahmP. 192. 76.

अतिसुमहत् (ati-sumahat) *adj.* very great or big एवं तेन प्रतिज्ञाते शब्दोऽतिसुमहानभूत् SkandP. i(2). 31. 4.

अतिसुमुखा (ati-sumukhā) *adj.* (*f.*) having a very graceful face राम–अतिसुमुखा जानकी BālRā. 10. 53(2)

अतिसुमुखी (ati-sumukhī) *adj.* (*f.*) having a very fair or charming face तस्य भार्या वरारोहा सुन्दरी सुभगा शुभा । सदाचारातिसुमुखी DevīBhāP. v. 17. 6.

अतिसुर (ati-sura) *adj.* excelling or surpassing (that of) the gods 'सुद्(?सु)स्तु स्वञ्जाम्' इत्युच्यमाने सुरेत्यादौ यः सुशब्दो यश्चोपसर्गस्तस्यापि ग्रहणं स्यात् । ततश्चातिसुरोऽतिसुस्थित इत्यादावपि षत्वं प्रसज्येत Nyās. ii. 288. 3 (*on* vi. 1. 135); नूनं नः सुकृतं किमप्यतिसुरं गत्येह संसूच्यते GopāKeCan. 135. 26.

अतिसुरक्षत्व (atisurakṣa-tva) *n.* the state of being strongly guarded, strong protection तत्र राजकुलचारिण्य एव लक्षण्यान् पुरुषानन्तःपुरं प्रवेशयन्ति नातिसुरक्षत्वादपरान्तिकानाम् KāmSū. 301. 15 (5. 6); नातिसुरक्षत्वादिति नात्यन्तं स्वा राजकीया तत्र रक्षास्ति JayaMa. 302. 4 (*on* 5. 6)

अतिसुरत (ati-surata) *n.* excessive sexual intercourse अतिसुरतमजस्रं सेवनातिक्रमेण नयति रुधिरशोषं तेन वै पाण्डुरोगम् HārīS. iii. 8. 5.

अतिसुरभि (ati-surabhi) *adj.* very fragrant, strongly scented, having a strong smell शशधरः ··· मलयजरजश्चातिसुरभिः । ··· तदिदमखिलं रागिणि जने करोत्यन्तःक्षोभं न तु विषयसंसर्गविमुखे S'atTrayī. 134; अतिसुरभिणा ··· चन्दनवारिणा सिक्तशिशिरमणिभूमिम् ··· आस्थानमण्डपमयासीत् Kād. 17. 5; 9. 10; 15. 14; HarṣaC. 35. 2; अतिसुरभिरभाजि ··· संतानकः S'iśuVa. 6. 67; विजातीयैः पुष्पैरतिसुरभिभिर्बिल्वतुलसीयुतैश्चेमं पुष्पाञ्जलिमजित ते मूर्ध्नि निदधे BhagMāPū. 8; PāñcRā.(Nā.) v. 4. 21; जिनमुखशतदलम् ··· अतिसुरभि ··· पपुः ··· सुरयुवतिदृशः MahāP. 23. 170; तत्र च दिवसे ··· विलसितमतिसुरभिसुखस्पर्शसमीरणेन NalaCam. 4. 12(4); TattvVai. 42. 20 (*on* 1. 38); Pañcākhyā. 50. 13; PrabhāC. 43. 22; अतिसुरभिं दानेन द्विपगणम् ··· भिन्दानेन । द्रुतमावेशि ··· सैन्यम् ··· शिनिजेन YudhiVi. 7. 106; अतिसुरभिरयं प्रसूनराजिः RasSa. 89.

अतिसुरभिगन्धि (ati-surabhigandhi) *adj.* [cf. P. v. 4. 135] having a very strong smell करिघटाः । ··· मदाम्भोधिलहरीर्दधुस्तस्यै (नचै) बह्वीरतिसुरभिगन्धीः प्रियसखीः BhārCam. 9. 2.

अतिसुरभिता (atisurabhi-tā) *f.* strong fragrance or smell अतिसुरभितयानुलिम्पन्तमिव तर्पयन्तमिव ··· घ्राणेन्द्रियम् ··· कुसुमगन्धमभ्यजिघ्रम् Kād. 139. 2.

अतिसुरभिमुख (atisurabhi-mukha) *n.* very fragrant or sweet-smelling face पीनदशनच्छदमच्छिद्रविमुक्तश्लक्ष्णसृक्वसंवृतास्यमतिसुरभिमुखं दधानः AvantiKa. 88. 18.

अतिसुरमण्डलेश्वर (ati-suramaṇḍaleśvara) *adj.* excelling the lord of the host of gods (i. e. Indra) संवराट् ··· अतिसुरमण्डलेश्वरः । उत्प्रयाणमचीकरत् VasaViKā. 10. 42.

अतिसुरम्य (ati-suramya) *adj.* very charming or pleasing कोकिलाकलकूजितम् । आसीद्दतिसुरम्यं हि S'ivaP. ii(3). 18. 6 (142B. 3)

अतिसुरीश्री (ati-surīśrī) *adj.* (*f.*) excelling the beauty or charm of the goddesses पित्रा···रूपेणातिसुरीश्रियाम् ।···कन्यानां ग्राहितः करम् PārśvaC. 6. 924.

अतिसुरूप (ati-surūpa) *adj.* [*f.* -ā] having a very good form, very handsome अशोभनमिदं कार्यं युष्माभिर्यत् कृतं महत् । रुद्रस्यातिसुरूपस्य सेर्ष्या ये हन्तुमुद्यताः SkandP. vii(1). 308. 20; ममेयमतिसुरूपा दारिका Pañcākhyā. 105. 19.

अतिसुलक्षणा (ati-sulakṣaṇā) *adj.* (*f.*) having very good or charming features (हेमकूटस्य) दशभागोच्छ्रिता जङ्घा कर्तव्यातिसुलक्षणा SamarāSū. 57. 64.

अतिसुलभ (ati-sulabha) *adj.* [*f.* -ā] very easily attainable or available अतिसुलभमिति कथम्? 'अतिक्रमे चातिः' इति अतेर्गिसंज्ञाभावात् सुः केवल एव गिः JaineVyā. 341. 27 (*on* v. 1. 47); अतिसुलभमित्यत्र कर्मप्रवचनीयत्वादतेः केवल एव सुशब्द उपसर्ग इति भवति प्रतिषेधः KāśiVṛ. *on* vii. 1. 68; KātanVṛ. *on* iv. 1. 25; श्रीभूतिः ···अतिसुलभजलयवसेन्धनप्रचारम् ··· पेण्ठास्थानं विनिर्माय ··· वणिजां प्रशान्तशुक्क(? शुल्क)भाटकभागहारव्यवहारमचीकरत् YaśasCam. ii. 345. 10; Pradī. vi. 60. 19 (*on* vii. 1. 68); अधिकारं दुरापाद्यमुक्त्वाति सुलभं पुनः। अशक्यं साधनं चोक्त्वा सुशकं तत् फलाप्तये AnuVyā. 18A. 7 (*on* 2. 1); अतिसुलभम् ··· रघुपतिम् ··· प्रपद्ये AdhyāRā. iii. 8. 51; ('कलावती कलालापा') कं ब्रह्म तस्य लालावत् लक्षणया अतिसुलभ आपः प्राप्तिर्यस्याः सकाशात् (सा) LalitāSaBh. 90. 23 (*on* 125); 223. 26 (*on* 291); अशक्तस्यातिसुलभं वासनान्तरमाह SetuBa. 199. 17 (*on* 6. 22); *m.* one of the thousand names of Bālakṛṣṇa यथेष्टदोऽतिसुलभः ··· दैत्यारिः कैटभारिश्च ··· इत्येतत् कथितं देवि सहस्रं नाम ··· विष्णोर्बालकत्वमुपेयुषः PañcRā.(Nā.) iv. 8. 127.

अतिसुलभत्व (atisulabha-tva) *n.* the state of being very easily attainable, easy attainability तादृशज्ञानस्य सार्वदिकत्वेनातिसुलभत्वात् SetuBa. 137. 23 (*on* 4. 7)

अतिसुलभसाध्य (atisulabha-sādhya) *adj.* very easily achievable अथ त्रिकूटाबीजानि प्रत्येकं साधितवतामतिसुलभसाध्यानि कतिञ्चित् फलानि पञ्चभिराह SetuBa. 155. 10 (*on* 4. 55–59)

अतिसुलभ्य (ati-sulabhya) *adj.* very easily available विदित्वातिसुलभ्यानि कन्दमूलफलान्यथ। विदधुर्वसतिं तत्र कानने पाण्डुसूनवः PāṇḍaC. 8. 24.

अतिसुलम्भ (ati-sulambha) *adj.* [*f.* -ā] very easily attainable or available सुदुरोः केवलग्रहणं क्रियतेऽन्योपसृष्टान्मा भूदिति। ··· सुप्रलम्भम्। प्रेण व्यवहितत्वान्न भविष्यति। इदं तर्हि, अतिसुलम्भम् MahāBh. iii. 262. 18 (*on* vii. 1. 68); सुदुस् इत्येताभ्याम् ··· केवलाभ्यामिति किम्? सुप्रलम्भः। दुष्प्रलम्भः। अतिसुलम्भः JaineVyā. 341. 27 (*on* v. 1. 4); यदा त्वतिशब्दो न कर्मप्रवचनीयस्तदा नुम् भवत्येव, अतिसुलम्भ इति KāśiVṛ. *on* P. vii. 1. 68; CāndraVṛ. *on* v. 4. 22; KātanVṛ. *on* iv. 1. 25; Pradī. ii. 285B. 34 (*on* i. 4. 52); त्वम् (लक्ष्मीः) ···भक्तात्मनां चातिसुलम्भतोऽतिसुलम्भ ऋद्ध्यास्पदमस्यजस्रम् DvyāśraKā. 10. 79.

अतिसुलम्भतस् (atisulambha-tas) *adv.* because of being easily available त्वम् (लक्ष्मीः) ···भक्तात्मनां चातिसुलम्भतोऽतिसुलम्भ ऋद्ध्यास्पदमस्यजस्रम् DvyāśraKā. 10. 79.

अतिसुवर्णा (ati-suvarṇā) *adj.* (*f.*) (a cow) of a very bright colour नीलिकायास्तु गोर्मूत्रं कृष्णायाः शकृदुद्धरेत्। पयस्त्वतिसुवर्णायाः पीतायाश्च तथा दधि। कपिलाया घृतं तद्वत् BṛParāSm. 9. 24.

अतिसुवहा (ati-suvahā) *adj.* (*f.*) very easily bearable सद्यो भारावतारात् क्षितिरपि सुतरां (v. l. क्षितिरतिसुवहा) भोगिभर्तुर्बभूव RāghPāṇ.(Kā.) 11. 12.

अतिसुविदित (ati-suvidita) *adj.* very widely known महाज्यैष्ठीयोगे भवति भगवद्देवकुलगा पताकोदञ्चन्तीत्यतिसुविदितोऽयं जनरवः CaitaCa. 244. 5(10)

अतिसुविस्तृत (ati-suvistṛta) *adj.* excessively extensive सर्वे ··· राक्षसेन्द्र ··· अतिसुविस्तृताः VāmaP. 11. 40.

अतिसुवृत्त (ati-suvṛtta) *adj.* of very good character, very virtuous तस्य चातिसुवृत्तस्य देवसेनस्य दुर्जनी। ··· आसीज्जननी स्वामिनी गृहे KathāSaSāg. vi. 3. 72.

अतिसुवृत्तकूप (atisuvṛtta-kūpa) *m.* perfectly circular well तस्मिऽन्समीपेतिसुवृत्तकूपे साक्षाद्रसेन्द्रो निवसत्ययं हि RasPraSu. 1. 1.

अतिसुवृत्तता (atisuvṛtta-tā) *f.* the state of being extremely well-behaved इयमत्यच्छहृदये दधत्यतिसुवृत्ततां बाला NavaSāC. 16. 36.

अतिसुवृत्तभाव (atisuvṛtta-bhāva) *m.* **i** extremely virtuous conduct, the nature of being extremely well-behaved गृहीतहृदयातिसुवृत्तभावात्। वाणी सतः ··· कं कर्णिका च न हरेदिह पङ्कजस्य HarVi. 38. 6; **ii** perfect circularity, HarVi. 38. 6.

अतिसुशीलता (atisuśīla-tā) *f.* the nature of being extremely well-behaved, extremely virtuous conduct अतिसुशीलतादिस्वभावानामाजन्माप्युपेक्षायाः संभवात् VīraMi.(Vyavahāra.) 163. 2.

अतिसुशोभमान (ati-suśobhamāna) *adj.* shining very much यत्र मध्यश्रेणीषु सखीनां चारा अतिसुशोभमाना भवन्ति SāmaraU. 233. 13.

अतिसुश्यामा (atisu-śyāmā) *adj.* (*f.*) extremely dark रेखाकारातिसुश्यामा रोमालिः AlaṅkāŚe. 13. 10(17)

अतिसुश्लिष्ट (ati-suśliṣṭa) *adj.* extremely well-fixed अतिसुश्लिष्टलोहेष्टकचिताभिर्मार्गवापीभिः स्थपुटितमहावटद्रुमोपान्तस्थलाम् ··· नगरसीमामलङ्घयम् TilaMañ. 117. 9–10.

अतिसुश्लिष्टम् (ati-suśliṣṭam) *adv.* in an extremely fitting manner (मणीनाम्) युगलं सूत्रे ··· योजयेत् तथा। संधाय चातिसुश्लिष्टं गहनं न भवेद्यथा JayāS. 14. 24.

अतिसुश्लिष्टसंधित्व (atisuśliṣṭasandhi-tva) *n.* the state of having joints which are very firmly united अतिसुश्लिष्टसंधित्वादेकग्राव्णेव निर्मितम् (चैत्यम्) TriṣaŚaPuC. i. 6. 621.

अतिसुषुप्त (ati-suṣupta) *adj.* fast asleep (i. e. spiritually ignorant) ज्योतिरस्ति कथयापि न किञ्चिद् विश्वमप्यतिसुषुप्तमशेषम् Stotrā. 15. 18.

अतिसुसूक्ष्मतरम् (ati-susūkṣmataram) *adv.* very finely, neatly गोधूमकान्रेणुयवान्यवान्वा ··· तद्वत्क्रियानतिसुसूक्ष्मतरं विचूर्ण्य।··· सालोदकेन सहितान् प्रपिबेत् KalyāKā. 11. 105.

अतिसुसूक्ष्मतस् (atisusūkṣma-tas) *adv.* very minutely (रिष्टानि) स्थानव्यतिक्रमणतोऽतिसुसूक्ष्मतो वा।···भिषक् प्रपश्येत् KalyāKā. 1. 31.

अतिसुस्थित (ati-susthita) *adj.* very much satisfied with oneself अन्ये भ्रमन्ति भगवन्नात्मन्येवातिसुस्थिताः Stotrā. 10. 12.

अतिसुस्थिरा (ati-susthirā) *adj.* (*f.*) extremely steady or firm स्थापयेन्मन्दिरे तस्मिँल्लक्ष्मीरास्तेऽतिसुस्थिरा TantrRā. 13. 52.

अतिसुस्निग्ध (ati-susnigdha) *adj.* [*f.* -ā] **i** extremely viscous तालवृक्षाः ··· हेमत्वचोऽतिसुस्निग्धाः BrahmāṇḍP. iii. 34. 60; **ii** extremely lovable or beloved पुरा बभूव गोलोके सा गङ्गा ··· अतिसुस्निग्धा BrahmVaiP. ii. 11. 10; DevīBhāP. ix. 13. 10.

अतिसुहित (ati-suhita) *adj.* excessively satiated, excessively stuffed with food पौर्णमासायोपवत्स्यन्तौ नातिसुहितौ भवतः ĀpaŚS. iv. 2. 4; नातिसुहितः BaudhDS. ii. 7. 8; अतिसुहितोऽतितृप्त इत्यर्थः SmṛtiCan. ii. 614. 12 [extremely kind, MW]

अतिसुहृद् (ati-suhṛd) *m.* very close friend यो मे पतिर्भवेन्नाथ सोऽपि मेऽतिसुहृच्च वै ŚivaP. ii(2). 6. 37 (74B. 2)

अतिसुहृदुपदेश (atisuhṛd-upadeśa) *m.* advice of a very close friend नाकर्णयमतिसुहृदुपदेशम् StavMā. 278. 17.

अतिसुहृद्गृहस्थ (atisuhṛdgṛha-stha) *adj.* staying in the house of a very friendly planet स्वराशितुङ्गातिसुहृद्गृहस्थे वक्रोपगे तु द्विगुणीकृतांशुः JātaPā. 5. 24.

अतिसू (ati-sū-) VI. P. to impel or stretch beyond तस्यो एतस्य न रात्रिमुपयन्ति नेद् विराजमतिषुवामेति JaimiBr. 2. 326.

अतिसूक्त (ati-sūkta) *adj.* very well said, quite accurate नारद, नेदमस्तु कारं यदस्य पदस्य मन्निरुक्त एवातिसूक्तोऽर्थः YaśasCam. ii. 354. 26.

अतिसूक्ष्म (ati-sūkṣma) *adj* [*f.* -ā] **Ai** minute, atomic कारणद्रव्यमतिसूक्ष्ममनवयवमवतिष्ठते Bhām. 394. 5 (*on* ii. 2. 10); मनसोऽतिसूक्ष्मस्यानेकद्वारे शरीरेऽवस्थितस्य ··· आत्माश्रितादृष्टनिमित्तमात्मलिङ्गम् Aparā. 1014. 13 (*on* 3. 176); अतिसूक्ष्मम् ···चेतः।··· भिन्द्यात् YogŚā. 12. 41; परमेश्वरम् अणोरतिसूक्ष्मादप्यणीयांसम् ···दुर्विज्ञानं विद्यात् ManvaVi. 1540. 5 (*on* 12. 122); **Aii** very small (opp. to *sthūla*) सर्वं सूक्ष्मं स्थूलं मृदु यच्चाप्यसूक्ष्मम् (v. l. °तिसूक्ष्मम्) ··· शर्वाज्जातं विद्धि MahāBhā. xiii. 18. 53; दृष्टिर्विनश्यति ···। दर्शनाच्चातिसूक्ष्माणाम् CaraS. iv. 1. 122 (1941 Ed.); नित्यम् ··· सर्वगमतिसूक्ष्मम्।··· एवं ध्यायेत् ViṣṇuSm. 97. 3; येऽर्थाः ··· ये वा स्थूला ये च सूक्ष्मातिसूक्ष्माः।··· तेषां तेषां त्वत्त एवोपलब्धिः MārkP. 23. 46; कणोऽतिसूक्ष्मे धान्यांशे AmaK. 2426; मलानामतिसूक्ष्माणां दुर्लक्षं लक्षयेत् क्षयम् AṣṭāHṛ. i. 11. 23; (कुलेशाधारभूतम्) पात्रम्···। अतिसूक्ष्ममतिस्थूलम्···वर्जयेत् KulārT. 5. 7; अतिसूक्ष्मो भृगुतनयः PraśnaJñā. 51; योगिनां मनः। शक्तं स्यादतिसूक्ष्माणां महतामपि भावने SarvaSiSaṁ. 10. 23; इति श्रीभवानि स्वरूपं तवेदं प्रपञ्चात्परं चातिसूक्ष्मम् BhavāBhu. 10; यतोऽतिसूक्ष्मो लिङ्गात्मा नातोऽयं स्थूलदेहवत् BṛĀraUBhVā. iv. 2. 62; नाड्योऽतिसूक्ष्माः पुंसोऽस्य व्यवहारप्रसिद्धये BṛĀraUBhVā. iv. 2. 52; iv. 3. 1225; द्व्यणुकादिप्रक्रमेणारब्धमतिसूक्ष्ममनुपलब्धियोग्यं शरीरं परिकल्प्यते NyāyKa. 310. 24; 61. 17; लोकेऽपि यदतिसूक्ष्मं व्यवहारायोग्यं च असदिति व्यपदिश्यते BrahmSūBh.(Bhā.) 101. 2 (*on* ii. 1. 17); (मौक्तिकम्) मीनात् सुवृत्तं लघु नातिसूक्ष्मम् YuktiKa. 109. 18; सूक्ष्मातिसूक्ष्मोत्तममध्यमानां यन्मौक्तिकानामिह मूल्यमुक्तम् YuktiKa. 119. 5; अस्राक्षीन्नवनीलरजनीदलोपान्तातिसूक्ष्मम् ··· वपुर्नैतत् प्रजानां पतिः PraboCan. 5. 29 (95. 15); केचिदतिदूरमतिसूक्ष्मं च पश्यन्ति NyāyRa. 80. 17 (*on* 2. 114); ViśvaPra. 47. 1; DharK. 658; MediK. 47. 5; NānārthāSaṁ. i. 54. 130; अरुन्धतीमिवातिसूक्ष्मां दर्शयितुं तत्संनिहितां स्थूलतारकां दर्शयतीयमरुन्धतीति NyāySu.(Ja.) 119B. 5 (*on* i. 1. 5); स च सन्निकर्षः ··· अतिसूक्ष्मेषु ··· न प्रवर्तते TātpaVṛ. 53. 14 (*on* 1. 40); मध्यो यवो नातिसूक्ष्मो नातिमहान् वा ManvaVi. 954. 10 (*on* 8. 134); 1495. 13 (*on* 12. 30); NānārthaMa. 548; स्थावरादिवदतिसूक्ष्मस्य ··· दुर्ग्रहत्वात् NyāySiA. 208. 21; स्थूलं न चातिसूक्ष्मं च।··· वर्जयेदीदृशं शरम् ŚārṅgaPa. 1768;

(लिङ्गम्) मुहूर्तादतिसूक्ष्मं च वाजिलिङ्गसमं भवेत् AnangaRa. 6.32; नाड्य: ··· सहस्रधा भिन्नकेशांशवदतिसूक्ष्मा: यासाम् ··· हिता इति नाम S'ivārkaMaDī. ii. 237.22 (*on* iii. 2.7); ii. 462.22 (*on* iv. 2.16); विलब्धात्पदं यत्स्वकीयांशकार्धज्यका सातिसूक्ष्माथवा स्यात्स्ववृत्ते SiddhāTaVi. 81.13; बिम्बस्य खण्डेन ततो ज्यकासौ भूगर्भतोऽभीष्टनरोऽतिसूक्ष्म: SiddhāTaVi. 227.3; ViśvaLoK. 100.3; S'abdaRaSaK. 104.2; एतत्प्रकारस्तु समितारवकान् खर्बूरवकान् वातिसूक्ष्मान् संगृह्य BhojanKu. 50.4; DhanvNi. 295.17; RājNi. 295.28; **Aiii** very thin घृतात्परं मण्डमिवातिसूक्ष्मं ज्ञात्वा शिवं सर्वभूतेषु गूढम्।··· मुच्यते सर्वपाशै: S'vetāU. 4.16; अतिसूक्ष्मं तथा निम्नं पुच्छम् AśvaCi. 6.9; नातिस्थूलं नातिसूक्ष्मम् ··· सूत्रं पवित्रके ĪśānS'iPa. ii. 21.9; सूच्यातिसूक्ष्मया तोयाभिन्नयातिप्रयत्नत:। ततस्तैलेन तं लिप्त्वा निवाते संनिवेशयेत् RasRaSa. 12.76; यस्याङ्गे ··· धारा तीक्ष्णातिसूक्ष्मा प्रविशति S'ārngaPa. 4648; अतिसूक्ष्मा च सा रेखा ज्ञेया बुद्धिमता द्विधा। अवक्रा वक्रगा SiddhāTaVi. 59.11; **Aiv** very fine प्रियतमां धारयामास वाससी। वह्निशुद्धेऽतिसूक्ष्मे चामूल्ये BrahmVaiP. iv. 69.14; रक्तवस्त्रयुगं देव ··· अतिसूक्ष्मं च गृहाणेदं मयार्पितम् GaṇeP. i. 49.38; शरत्कालेऽतिसूक्ष्माणि वसनानि विधारयेत् Mānaso. iii. 6.1037; दुकूलमतिसूक्ष्मं वस्त्रं प्रसिद्धम् SmṛtiCan. v. 267.9; **Av** very weak नादोऽयम्···पञ्चविध: ···। सूक्ष्मश्चैवातिसूक्ष्मश्च व्यक्तोऽव्यक्तश्च कृत्रिम: BṛDeśī. 3.6; (शब्ददोषा:) अतिसूक्ष्म: कृशो भग्न: खरोष्ट्रध्वनिनीरस: SaṁgīRa. ii. 165.21 (3.81); i. 64.5 (1 (3).5); SvaraMeKa. 2.20; **B** very subtle, of elemental nature अप्रकाशमिदं प्रश्नम् ···। वाङ्मयं सर्वशास्त्राणामतिसूक्ष्मं चराचरम् MahāBhā. vi. App. I. 3 (20); नूनं च बुद्धिस्तव नातिसूक्ष्मा धर्मार्थकामेष्वविचक्षणा वा। हेतोरदृष्टस्य फलस्य यस्त्वं प्रत्यक्षमर्थं परिभूय यासि BuddhaC. 9.54; कथं विज्ञातवान् इति।···एतदपि नातिसूक्ष्मम् DhūrtaViSaṁ. 4.18; (ब्रह्मोवाच) जयातिसूक्ष्म दुर्ज्ञेय VāmaP. 30.23; अतिसूक्ष्मं महार्थं च ज्ञेयं तद्वटबीजवत् LingaP. i. 85.32; त्रिगुणा अतिसूक्ष्मास्तु बुद्धिगम्या हि BhaviP. 5B.29 (i. 2.24); तदव्यक्तं दुर्विज्ञेयमतिसूक्ष्मम् BrahmSūBh.(Bhā.) 169.17 (*on* iii. 2.23); महाकवेरप्यतिसूक्ष्मतत्त्वविचारहर्षप्रदम् SuvṛTi. 3.39; ब्रह्मात्मकस्यातिसूक्ष्मस्याचिद्वस्तुन: स्थित्यभिधानात् S'rīBh. 387.10 (*on* i. 4.23); स्वशरीरभूतमतिसूक्ष्मं चिदचिद्वस्तु स्वस्माद्विभज्य ··· सच्च त्यच्चाभवत् VedāntSā.(Rā.) 137.2 (*on* i. 4.27); अर्हमित्यक्षरम् ···अतिसूक्ष्मम् ···स्मरेत् YogS'ā. 8.9; तत्क्षेत्रज्ञवस्तु तदानीम् ··· पृथग्व्यपदेशानर्हमतिसूक्ष्मम् VedāntTaSā. 45.7; अतिसूक्ष्मचिदचिच्छरीरकत्वमेकत्वावधारणविवक्षितम् S'rutaPra. ii. 169.28 (*on* i. 4.27); सुषुप्तावविद्यावृत्तिभिरतिसूक्ष्माभिरनुभूयमानमपि स्वरूपसुखम्···ग्रहीतुमशक्यम् JīvanVi. 115.5; तदानीमेतावीश्वरप्राज्ञौ चैतन्यप्रदीप्ताभिरतिसूक्ष्माभिरज्ञानवृत्तिभिरानन्दमनुभवत: VedāntSā.(Sa.) 7.7; या च नादस्योपरमावस्थातिसूक्ष्मा सा शून्यतुल्यतया बिन्दुरुच्यते YogS'ā. 71.1 (4); (भावपरीक्षणरूप:) एष विधिस्त्वतिसूक्ष्म: KandaCū. v. 3.30; एतस्या मध्यदेशे विलसति परमापूर्वनिर्माणशक्ति: ···। केशाग्रस्यातिसूक्ष्मा ṢaṭcakraNi. 48; वर्गमूलादिकं किल। अतिसूक्ष्मम् ··· तद्विचारं वदाम्यहम् SiddhāTaVi. 51.4; ब्रूहि त्वं मे सत्वरं चातिसूक्ष्मम्। ज्ञात्वा सम्यक् सद्विवेकस्य तत्त्वम् SiddhāTaVi. 372.21; उपादाने ब्रह्मणि ··· अतिसूक्ष्मा शक्तिद्वयी GoviBh. 91.6 (*on* ii. 1.6); अतिसूक्ष्म: परामर्शोऽपि प्रकाशस्य स्वरूपोद्बलनमेव Bhāsk. i. 240.21 (*on* i. 5.10)

अतिसूक्ष्मक (atisūkṣma-ka) *adj.* very brief (क्षण:) मुहूर्ते षष्ठभागे च नाड्या: कालेऽतिसूक्ष्मके NānārthāSaṁ. i. 22.20.

अतिसूक्ष्मकण (atisūkṣma-kaṇa) *m.* very small particle तण्डुलास्त्रेधा विभक्तव्या:। अखण्डिता: ईषत्खण्डिता: अतिसूक्ष्मकणाश्च NyāyMāVi. 338.20 (*on* vi. 5.1)

अतिसूक्ष्मकल (atisūkṣma-kala) *n.* very low charming sound अतिसूक्ष्मकलं चापि भ्रमराणां मनोहरम् BrahmVaiP. iv. 28.50.

अतिसूक्ष्मकाय (atisūkṣma-kāya) *adj.* having a very minute body जिनेश्वर:···। निगोदजीवानतिसूक्ष्मकायान् सभासमक्षं स समादिदेश KālikāKa. 59.

अतिसूक्ष्मचैतन्य (atisūkṣma-caitanya) *n.* very minute consciousness अवयवेष्वतिसूक्ष्मचैतन्यमस्त्विति चेन्न NyāyKu. 112.11.

अतिसूक्ष्मतर (atisūkṣma-tara) *adj.* extremely subtle अतिसूक्ष्मतर: प्रश्नस्तवायं सदृशो मत: SarvaVeSāSaṁ. 584.

अतिसूक्ष्मतस् (atisūkṣma-tas) *adv.* on account of being very minute सूत्रान्तं वस्तु निर्देश्यमनिर्देश्ये प्रवेशितम्। यन्तरि व्योम्नि तदपि दुर्वाच्यमतिसूक्ष्मत: BṛĀraUBhVā. iii. 8.51; अन्वयव्यतिरेकाभ्यां चेत्सकोटे: क्रमज्यया। अनुपात: कथं न सो (? नो स) तथा कोटयुत्क्रमज्यया। तुल्यन्यायाद्भवेद्येन त्रिज्यार्धमतिसूक्ष्मत: SiddhāTaVi. 106.21.

अतिसूक्ष्मता (atisūkṣma-tā) *f.* **Ai** the state of beiug very minute, minuteness यद्यपि कैश्चित् ज्वालादे: क्षणिकत्वमभ्युपगम्यते तदपि न प्रत्यक्षत: क्षणविवेकस्यातिसूक्ष्मतयानुपलक्षणात् HetuBiṬ. 15.22; परस्य ··· जीवेष्वतिसूक्ष्मतया स्वरूपेणावास्थितत्वम् ··· दर्शयति S'vetāUBh. 193.3 (*on* 4.16); क्षयस्यातिसूक्ष्मतयानुपलभ्यमानक्षयम् Bhām. 488.7 (*on* ii. 3.26); (आत्मा) व्याप्यतिसूक्ष्मतया सर्वाचेतनान्त:प्रवेशस्वभाव: S'rīBh. 54.3 (*on* i. 1.1); कोशत्रयं मिलित्वैतद् वपु: स्यात्सूक्ष्ममात्मन:। अतिसूक्ष्मतया लीनस्यात्मनो गमकत्वत: SarvaVeSāSaṁ. 385; **Aii** the state of being very subtle, subtlety एकाकारमता मुग्धा पुनर्भूश्च यतोऽनयो:। अतिसूक्ष्मतया भेद: कविभिर्नोपदर्शित: S'ṛṅgāTi.(Ru.) 1.82; सरल: ··· क्रमान्नीतोऽतिसूक्ष्मताम्। स्वर: स्याद्येषु ते स्थाया: प्रोक्ता: SaṁgīRa. ii. 178.12 (3.145); **B** the state of being very thin ऊर्मिका ··· करे ··· जपमालावलम्बत इत्युक्त्या ततोऽपि करस्य विरहकार्श्यादतिसूक्ष्मता दर्शिता Kuval. 97 (3)

अतिसूक्ष्मत्व (atisūkṣma-tva) *n.* the state of being very minute or small, minuteness बहुष्वम्बुजपत्रेषु वेधं कुर्वन्क्रमात्क्रमात्। कालवच्चातिसूक्ष्मत्वान्न सदाप्युपलभ्यते (विभु:) JayāS. 4.90; दुर्दर्शं दु:खेन दर्शनमस्येति दुर्दर्श: अतिसूक्ष्मत्वात् (देव:) KāṭhUBh. 129.10 (*on* 2.12); सर्वभूतान्तरात्मा ··· अतिसूक्ष्मत्वात् ··· प्रतिरूपो बभूव KāṭhUBh. 164.17 (*on* 5.9); परस्यातिसूक्ष्मत्वम् ··· प्रतिपादितम् S'vetāUBh. 190.5 (*on* 4.14); प्रत्यक्त्वादतिसूक्ष्मत्वादात्मदृष्ट्यनुशीलनात् ··· अहंवृत्त्योपलक्ष्यते NaiṣkaSi. 78.5; वर्तमानक्षणस्य चातिसूक्ष्मत्वात्तत्कालग्राहिणा प्रत्यक्षेण क्षणिकत्वं गृहीतं भवति NyāyMañ. ii. 35.5; आशूत्पत्ते: सूच्यग्रभिद्यमानकोकनददलकदम्बकवदतिसूक्ष्मत्वात् कालस्य क्रमस्तत्र न विभाव्यते NyāyMañ. ii. 68.14; (कार्यम्) न च तत्प्रत्यक्षमतिसूक्ष्मत्वात् NyāyMañ. ii. 73.20; न हि पूर्णमास्यादिकालवद्दीर्घ: सन्ध्याकाल: यदि विलम्ब: स्याद्दुर्लक्षो ह्यसावतिसूक्ष्मत्वात् ManuBh. i. 128.3 (*on* 2.101); PañcPra. 10.4; (ब्रह्म) दुर्ज्ञेयं चातिसूक्ष्मत्वात् GaṇeP. ii. 146.28; (तेज:) अतिसूक्ष्मत्वान्न दृश्यते NyāyRa. 842.17 (*on* 6.436); सन्नपि कालभेदोऽतिसूक्ष्मत्वान्न परामृश्यते S'āstrDī. 45.22 (*on* i. 1.5); तदात्मतत्त्वमस्मिन्क्षेत्रे वर्तमानमपि अतिसूक्ष्मत्वाद्देहात्पृथक्त्वेन संसारिभिरविज्ञेयम् GītāBh.(Rā.) 581.7 (*on* 13.15); नाडीनां भूयस्त्वादतिसूक्ष्मत्वाच्च दुर्विवेचनतया पुरुषेणोपादातुमशक्यत्वात् S'rīBh. 737.16 (*on* iv. 2.16); VedāntDī 232.17 (*on* iv. 2.16); सन्धौ यजेत इति तत्र सन्धेरतिसूक्ष्मत्वात्तत्र यागानुपपत्ते: SmṛtiCan. v. 37.15; अतिसूक्ष्मत्वाद् ब्रह्मात्मत्वस्य मन:समाधानाद्यनुष्ठेयम् VedāntKa. 493.21 (*on* iii. 4.26); पूर्वापरनाडीग्रहणमविशिष्टं संक्रान्तिकालस्यातिसूक्ष्मत्वात् CaturCin. iii(2). 436.11; नाभिदघ्नदेशस्यातिसूक्ष्मत्वात् तद्देशमन्तर्भाव्य परिव्ययणं कृतम् SaṅkarKāBh. 47.21 (*on* i. 4.29); विष्णोरतिसूक्ष्मत्वेनात्यन्तमव्यक्तत्वात् TattvPrakā. 66B.10 (*on* i. 4.2); (कालव्यवधानम्) तस्य च कालस्यातिसूक्ष्मत्वाद् दध्यत्रेत्यादौ वर्णा: संसृष्टा इव भान्ति Prasā. i. 39.9; अतिसूक्ष्मत्वसिद्ध्यर्थमेव खल्वाकाशेऽपि दहरत्वविशेषणं कृतम् S'ivārkaMaDī. i. 439.14 (*on* i. 3.16); अतिसूक्ष्मत्वात्तस्मिन्नङ्गुष्ठपरिमाणाभावात् S'ivārkaMaDī. i. 450.8 (*on* i. 3.23); असंचेत्यमान: अतिसूक्ष्मत्वेन ग्रहीतुमशक्य: Bhāsk. i. 26.22 (*on* i. 1.1); अत्र मध्यस्यातिसूक्ष्मत्वात्तत्प्राधान्येनोपमानता AlaṅkāS'e. 13.12 (1)

अतिसूक्ष्मत्वकल्पन (atisūkṣmatva-kalpana) *n.* assumption of being very small ब्रह्माण्डस्यातिसूक्ष्मत्वकल्पनेन कीर्तेराधेयाया: परममहत्त्वं फलितम् RasGaṅ. 610.11.

अतिसूक्ष्मत्वलिङ्ग (atisūkṣmatva-liṅga) *adj.* in which the invariable mark is of a very subtle nature आराधनेऽपि अव्यक्तमेव। ज्ञानिनां प्रत्यक्षेणेतरेषामतिसूक्ष्मत्वलिङ्गानुमानेन BrahmSūBh.(Ma.) 50B.6 (*on* iii. 2.24)

अतिसूक्ष्मत्वव्यपदेश (atisūkṣmatva-vyapadeśa) *m.* mention of a very minute nature अणीयानणुतर:। अव्यक्तत्वादतिसूक्ष्मत्वव्यपदेश: S'ivārkaMaDī. i. 182.23 (*on* i. 1.4)

अतिसूक्ष्मत्वापेक्षा (atisūkṣmatvāpekṣā) *f.* consideration of a very minute nature यथैक एव काल: पूर्व इत्यवच्छेदकोऽवच्छेद्यश्च भवति। अतिसूक्ष्मत्वापेक्षयैव दृष्टान्त: BrahmSūBh.(Ma.) 51A.9 (*on* iii. 2.30)

अतिसूक्ष्मदशा (atisūkṣma-daśā) *f.* very minute state तत्कदाचित्स्वस्माद्विभक्तव्यपदेशानर्हातिसूक्ष्मदशापन्नचिदचिद्वस्तुशरीरं तिष्ठति S'rīBh. 522.14 (*on* ii. 3.18)

अतिसूक्ष्मदृक्त्व (atisūkṣmadṛk-tva) *n.* the state of being possessed of a very subtle vision अतिसूक्ष्मदृक्त्वसकलार्थवेदिताविभुतान्वितस्त्वमनुमीयसे बुधै: HarVi. 6.81.

अतिसूक्ष्मदृष्टि (atisūkṣma-dṛṣṭi) *f.* very subtle vision उद्भासितेनानीतिमार्गेणेवातिसूक्ष्मदृष्टिलक्ष्येण मध्यभागेन भ्राजमानाम् ··· श्रियमपश्यत् (नृपति:) TilaMañ. 54.12.

अतिसूक्ष्मप्रत्यक्षता (atisūkṣmapratyakṣa-tā) *f.* perceptibility of a very minute thing नापि नातिसूक्ष्मप्रत्यक्षतापत्ति: अपेक्षितमहत्त्वविशेषस्यैव यथादर्शनं सहकारित्वोपपत्ते: NyāyKu. 149.5.

अतिसूक्ष्मब्रह्मन् (atisūkṣma-brahman) *n.* very subtle or minute supreme being ध्रुवारुन्धत्यादिज्ञानस्य तत्सापेक्षत्ववच्चातिसूक्ष्मब्रह्मज्ञानस्येच्छाप्रयत्नसाध्यत्वसंभवात् Nyāyāmṛ. 625A.5; AdvaiSi. 873.10; अतिसूक्ष्मब्रह्मविचारापेक्षितमनस्समाधानहेत्वान्तरबाह्येन्द्रियनियमनवते तस्मै स गुरु: ··· ब्रह्मविद्यां प्रोवाच

S'ivārkaMaDī. i. 85. 25 (*on* i. 1. 1)

अतिसूक्ष्मभाव (atisūkṣma-bhāva) *m.* very minute character अदृश्य-मेदैरतिसूक्ष्मभावाज्जज्ञे जगन्मङ्गलतां दधानैः ।… नृत्तगीतैः Yādavā. 12. 15.

अतिसूक्ष्मम् (ati-sūkṣmam) *adv.* very minutely तदन्तरे कोणभवा फलार्थमित्थं विचिन्त्यं सुधियातिसूक्ष्मम् SiddhāTaVi. 373. 20.

अतिसूक्ष्ममुक्ताफल (atisūkṣma-muktāphala) *n.* very small pearl अतिसूक्ष्ममुक्ताफलरचिततरङ्गरम्यरङ्गरेखाराजिराजिताजिरम् … … राजभवनमविशम् NalaCam. 7. 18 (17)

अतिसूक्ष्मयत्न (atisūkṣma-yatna) *adj.* having a very subtle effort यथा हि पुरुषस्य पुरुषशक्तिः … तथात्मस्वभावतयातिसूक्ष्मयत्नमपि सम्यक्त्वरत्नम् … आकलयितुं शक्यम् YaśasCam. ii. 323. 3.

अतिसूक्ष्मरूप (atisūkṣma-rūpa) *adj.* of a very subtle form अतीन्द्रियैस्तैरतिसूक्ष्मरूपैरात्मा कदाचिन्न वियुक्तरूपः CaraS. iv. 2. 37.

अतिसूक्ष्मवपुस् (atisūkṣma-vapus) *adj.* having a very small body जानकी प्राह तं वत्स कथं त्वं योत्स्यसेऽसुरैः । अतिसूक्ष्मवपुः सर्वे वानराश्च भवादृशाः AdhyāRā. v. 3. 63.

अतिसूक्ष्मविमर्श (atisūkṣma-vimarśa) *m.* very subtle ratiocination अतिसूक्ष्मविमर्शेन स्वधीवृत्तिरचञ्चला । विलीयते यदा बोधे स्वप्नसुप्तिरितीर्यते Sarva-VeSāSaṁ. 954.

अतिसूक्ष्मशरीरा (atisūkṣma-śarīrā) *adj.* (*f.*) possessed of a very tiny body अतिसूक्ष्मशरीरा हि पुत्तिका प्लुषिरुच्यते BṛĀraUBhVā. i. 3. 305.

अतिसूक्ष्मसूत्र (atisūkṣma-sūtra) *n.* very thin thread (पटादौ) अस्मिन्नेव नातिस्थूलनातिसूक्ष्मसूत्रनिर्मिते पञ्चपला वृद्धिः DīpKa. 62. 20 (*on* 2. 179); अतिसूक्ष्मसूत्रके तु तस्मिन् पलशतमिते त्रिपलमिता वृद्धिर्मता VīraMi. 658. 18 (*on* 2. 179)

अतिसूक्ष्मस्वभावत्व (atisūkṣmasvabhāva-tva) *n.* very minute or subtle nature लिङ्गं च सर्वतो गच्छन्न कचित्प्रतिहन्यते । अतिसूक्ष्मस्वभावत्वादपि लोहसमुद्गमम् BṛĀraUBhVā. iv. 4. 86.

अतिसूक्ष्मस्वरूप (atisūkṣma-svarūpa) *adj.* of a very subtle form or nature अतिसूक्ष्मस्वरूपाय … तेजोरूप … नमोऽस्तु ते BrahmVaiP. iv. 21. 210.

अतिसूक्ष्मार्थ (atisūkṣmārtha) *adj.* with a very minute object जात्यमुक्तमिदं तथा पूर्वोक्तादतिसूक्ष्मार्थं दृष्टच्छायानुपाततः SiddhāTaVi. 228. 5.

अतिसूक्ष्मावयवा (atisūkṣmāvayavā) *adj.* (*f.*) having very subtle parts प्रकृतिः … अतिसूक्ष्मावयवा शक्तिरूपेणावतिष्ठते VedāntDī. 69. 7 (*on* i. 4. 10)

अतिसूक्ष्मेक्षिका (atisūkṣmekṣikā) *f.* very minute observation सति हि तस्मिन्किमालम्बनं व्याकृततत्वं स्यादित्यलमतिसूक्ष्मेक्षिकया NyāyMañ. ii. 121. 25; तत्तु अतिसूक्ष्मेक्षिकयोच्यते यतो व्याकरणलक्ष्यं च द्वाभ्यामपि शब्दाभ्यां व्याप्तम् GaṇRa. 7. 430 (454)

अतिसूक्ष्मोत्तरच्छद (atisūkṣmottaracchada) *adj.* having a very fine bed-cover स तु तच्छयनमतिसूक्ष्मोत्तरच्छदम् … दृष्ट्वा परं परितोषमुपगतः Tantrākhyā. 25. 13; PañcT. 1. 86 (95. 2)

अतिसूनृतम् (ati-sūnṛtam) *adv.* very kindly उवाच…सर्वान्नन्द्यादीनतिसूनृतम् । लौकिकीं रीतिमाश्रित्य करुणासागरः प्रभुः S'ivaP. ii(2). 21. 9 (94A. 6)

अतिसूर्यवर्चस् (atisūrya-varcas) *adj.* whose lustre surpasses that of the sun पद्मा … कल्किं पुरस्तादतिसूर्यवर्चसम् … उदैक्षतेशम् KalkiP. ii. 2. 20; अजिहीत च वामनाश्रमं सह ताभ्याम् … मुनिः । सततोज्ज्वलयास्त्रविद्यया मिलिताभ्यामतिसूर्यवर्चसा Rāgh. 3. 26.

अतिसूर्यसुधांशुतेजस् (atisūryasudhāṁśu-tejas) *adj.* whose lustre surpasses (that of) the sun and the moon (स ददर्श केशवम्) अतिसूर्यसुधांशुतेजसम् Yādavā. 9. 55 (comm. अतिसूर्यसुधांशु तेजो यस्य तम्)

अतिसूर्या (ati-sūryā) *adj.* (*f.*) surpassing the sun स तदा मरुत्वान् … अपारयन्द्रष्टुमिव त्रिधाम्नो दीप्तिं दिवाभीत इवातिसूर्याम् Yādavā. 7. 19.

अतिसूर्याग्नितेजस् (atisūryāgni-tejas) *adj.* whose lustre surpasses that of the sun and the fire अतिवाय्विन्द्रकर्माणमतिसूर्याग्नितेजसम् । … तं प्रपद्ये प्रजापतिम् MahāBhā. xii. 47. 21; मूढोऽयं लोको माम् … अतिसूर्याग्नितेजसम् … नाभिजानाति GītāBh.(Rā.) 401. 3 (*on* 7. 25)

अतिसूर्याग्निसप्रभा (atisūryāgni-saprabhā) *adj.* (*f.*) whose lustre surpasses that of the sun and the fire शक्तिं सोऽक्षिपद्गिरिजात्मजः । उल्काज्वाला विमुञ्चन्तीमतिसूर्याग्निसप्रभाम् SkandP. i(2). 32. 168.

अतिसूर्येन्दुपावक (ati-sūryendupāvaka) *adj.* surpassing the sun, the moon and the fire अतिसूर्येन्दुपावकम् । क्षात्रम् … वः क्षमं तेजससमेधितुम् Yādavā. 22. 41.

अतिसृ (a-tisṛ) *adj.* (*f.*) other than three (women) विभक्तिस्वरान्नञ्स्वरो बलीयान् … इहोभयं प्राप्नोति । अतिस्रः । नञ्स्वरो भवति MahāBh. iii. 100. 20 (*on* vi. 1. 158); अतिस्रः इत्यत्र तिसृभ्यो जस इति सतिशिष्टोऽपि विभक्तिस्वरो नञ्स्वरेण बाध्यते KāśiVṛ. *on* P. vi. 1. 158.

अतिसृ (ati-sṛ-) I. P. **1A** to move beyond (what is stationary), to go ahead, to overtake (what is not stationary) सप्त त्वा सूर्या अन्वापतन्तीरिदं धाम सातिसरः पराचैः AV.(P.) v. 31. 7; ते देवास्तन्नाविन्दन्येनात्यसरिष्यन् । शश्वद्ध यावानेव रथयानाय तावानाजिरास JaimiBr. 2. 128; **1B** to go far (into enquiries), to go beyond limits आकाशे भो गौतम कुत्र प्रतिष्ठितम् । अतिसरसि महाब्राह्मण अतिसरसि महाब्राह्मण Sphuṭā. 17. 19 (*on* 1. 5); **2** (passive of causative with two objects) to be purged, to cause to discharge दोषैरुपहते चाग्नौ सपिच्छमतिसार्यते CaraS. vi. 8. 59; स्वेदविष्टम्भो विह्वलत्यतिसार्यते KāśyaS. 136B. 42; 288A. 20; 333A. 2; पक्वदोषेऽपि तु योऽतिसार्यते बहुशोऽनिलेन AṣṭāSaṁ. ii. 67. 12 (4. 11); (विषान्ते) पक्काशयगते पुनः । अनेकवर्णं वमति मूत्रयत्यतिसार्यते AṣṭāHṛ. i. 7. 23; शकृदामं सरुक्शब्दं मारुतेनातिसार्यते RugVi. 3. 6; सपीतं गृहधूमाभं पुरीषं योऽतिसार्यते । फेनमुद्गमते चापि विषपीतं तमादिशेत् RugVi. 69. 15; स्तोकं स्तोकं विबद्धं वा सशूलं योऽतिसार्यते SiddhYo. 3. 19; Hastyāyur. 64. 26 (1. 9); [Ved. to extend, APTE]; [*caus.* to cause to pass through MW; to extend APTE]

अतिसृज् (ati-sṛj-) VI. U. (IV. U. KośaKaTa.; I. P. SkandP.) **1 A** to let oneself through, to pass through पवमाना असृक्षत पवित्रमति धारया ṚV. ix. 107. 25 = SV. (Jaimi.) i. 53. 10 = SV. (Kau.) I. vi. 1. 3. 12; **1 B** to betake oneself to, to place oneself in स्वर्गे वै लोकः स्वरसाम (v. l. स्वरः साम) । स्वर्गे लोके स्वरे सामान्यात्मानमतिसृजा इति KauṣīBr. 12. 5 (55. 14) (comm. आदधानि); **1 C** to submit oneself to (the care of), to surrender to ब्राह्मणेभ्यश्चात्मानमतिसृजेत् ArthS'ā. iii. 116. 7 (10. 3) (comm. स्वरक्षणार्थमर्पयेत्); **2 Ai** to let loose, to release, to set free (पाशाः) यः सत्यवाचति तं सृजन्तु AV. iv. 16. 6; AV(P.) v. 32. 1; अपामार्ग प्र जया त्वम् [अरा]त्यो अति सृजस्व नः AV(P.) v. 24. 8; (अग्निशिखे) प्रति तमोघतो यः प्रत्युष्योऽस्तु तं सृजेते योऽतिसृज्यः S'atBr. I. ix. 3. 2; अतिसृष्टो गवां भाग इत्येकान्तमतिसृजति MānS'S. 8. 1; (अथास्मै गां वेदयन्ते गौर्भो इति) अतिसृजति । मातादित्यानाम् … तृणानि गौरत्स्वित्याह KauśiSū. 92. 14; ऋषभं संपातवन्तमतिसृजति । रेतोधायै त्वातिसृजामि KauśiSū. 24. 19–20; AVPari. 18(3). 1. 11; **2 A ii** to allow a person to do something, to grant permission स्वयमेनमभ्युदेत्य ब्रूयाद् व्रात्यातिं सृज होष्यामीति । स चातिसृजेज्जुहुयान्न चातिसृजेन्न जुहुयात् AV. xv. 12. 2–3; Āpa-DS. ii(3). 7. 15; भूर्भुवः स्वर्बृहस्पतिप्रसूत इति जपित्वो प्रणयेत्यतिसृजेत्सर्वत्र ĀśvaS'S. I. i. 12. 12; I. ii. 3. 11; सर्पेतेति प्रशास्तातिसृजेत् ĀśvaS'S. I. v. 11. 1; I. v. 2. 11; निवृत्तं चरितब्रह्मचर्यमन्येभ्यो धर्मेभ्योऽनन्तरो भवेत्यतिसृजेत् Āpa-DS. i(2). 8. 31; अतिसृज होष्यामि आज्ञापय होष्यामि VīraMi. (Āhnika.) 446. 13; (caus.) to ask permission उत्तरतः स्थाल्याः स्रुवमासाद्योमुन्नयानीत्यतिसर्जयीत ĀśvaS'S. I. ii. 3. 10; **2 A iii** to let go (something), to pour (water), to utter (a word) इदं तमति सृजामि तं माभ्यवनिक्षि AV. xvi. 1. 4; यो३ प्स्व१ न्तरग्निरति तं सृजामि AV. xvi. 1. 7; AV.(P.) x. 9. 1; AV. x. 5. 15; यद्देता आपोऽतिसृज्यन्तेऽच्छिन्नं स्रावयितव्याः MaiS. i. 4. 6; यदपां घोरं यदपां क्रूरं यदपामशान्तमति तत् सृजामि MantrBr. i. 7. 2 (comm. परित्यजामि); उत्तमाः प्रताप्याधराः प्रदायैनमेनानधराचः … प्रथमो देवतानामित्यतिसृजति KauśiSū. 49. 6; त्वमतिसृज रिपोर्वधाय वाणीमसुरपुरोन्मथने यथा महेन्द्रः Rāmā. vi. 71. 21 (Govindarāja वाणीमतिसृज । आज्ञापयेत्यर्थः); **2 A iv** to give up, to abandon अन्यं वरं नचिकेतो वृणीष्व मा मोपरोत्सीरति मा सृजैनम् KāṭhU. 1. 21 (comm. अतिसृज विमुञ्च एनं वरं मा मां प्रति); स त्वं प्रियान् प्रियरूपांश्च कामानभिध्यायन्नचिकेतोऽत्यस्राक्षीः KāṭhU. 2. 3 (comm. अतिसृष्टवान् परित्यक्तवानसि); **2 B i** to allow to go beyond, to allow to proceed against, to let through, to allow to enter श्येनो भूत्वा परापतेति श्येनो वै वयसां क्षेपिष्ठश्श्येनमेवैनं कृत्वा रक्षांस्यतिसृजति KāṭhS. 24. 7; स (अग्निः) नास्तुतोऽतिसक्ष्य इत्यब्रवीत् AitBr. 14. 4 (404); न हि नमस्कारमति देवास्ते नमसिता होतारमतिसृजन्ते KauṣīBr. 13. 1 (57. 23) (comm. इमं यज्ञं प्रविशतु भवान् इत्यनुजानन्ति); GopBr. ii. 2. 18; तौ द्रवन्तावग्निः पर्युदतिष्ठत् । तावब्रूतामति नौ सृजस्वेति JaimiBr. 1. 210; एतद्वै स्वर्गस्य लोकस्य द्वारं यच्चन्द्रमास्तं यः प्रत्याह तमतिसृजते S'āṅkhāĀ. 3. 2 (11. 13); 3. 2 (11. 22); KauṣīBrU. 1. 2; स य आ दशम्यै संपादयत्यति तं सृजन्ति BaudhS'S. ii. 114. 1; सपत्नहनमित्यृषभं संपातवन्तमतिसृजति KauśiSū. 49. 1; **2 B ii** to give as a gift, to give away अत्रैके दण्डमजिनं मेखलां वासश्चातिसृजन्ति BaudhGS. ii. 5. 70; यः क्षुद्भयाद्वै न विकर्म कुर्यात् … । वृत्तिं विप्रायातिसृजेत तस्मै MahāBhā. xiii. 68. 20; अर्थिजने च किमिव नातिसृजन्ति महान्तः HarṣaC. 339. 15; तेभ्यः सोऽत्यसृजत्स्वीयं पुरं पुरुषमात्मवान् BhāgP. iii. 20. 50; मृगत्वचोऽतिमृदुला विवस्त्रेभ्या(र्भ्यो)ऽतिसर्जिति SkandP. iv. 12. 22; पुरा परित्यज्य मयातिसर्जि स्वमासनम् NaiṣC. 8. 23; **3** to

create more तदेकं सन्न व्यभवत्तच्छ्रेयो रूपमत्यसृजत क्षत्रम् S'atBr. XIV. iv. 2. 23; BṛĀraU. i. 4. 11 (comm. अतिशयेन असृजत सृष्टवत्) [Kośas give the meanings : to give, to injure, to wish to give permission, to long for, to go सृज्यतिः सृजतिश्च ··· अतेर्दाने हिंसनेच्छयोः । अनुज्ञास्पृहयोर्गत्याम् Kośa-KaTa. 2.1826; वितरति ··· अतिसृज्यते KośaKaTa. 2. 907]; to leave as a remnant, to remit, to forgive [MW. APTE]

अतिसृजत् (ati-sṛjat) *adj.* **1** omitting, leaving out त्रिषु त्रिषु पदेषु गायेदिति गौतमः पूर्वं पूर्वमतिसृजन् LāṭyāS'S. i. 8. 10; **2** giving away न्यायेनागतमर्थमतिसृजता न्याय्यमेव भवता कृतम् PañcRā. 1. 21(1); वरं लक्ष्मीपात्रं श्रियमतिसृजन्तौ समयिनां सरोजं त्वत्पादौ जननि जयतश्चित्रमिह किम् SaundL. 87.

अतिसृज्य (atisṛj-ya) *adj.* who deserves to proceed further (unharmed) अत्यु तं सृजेते योऽतिसृज्यः S'atBr. I. ix. 3. 2.

अतिसृज्य (ati-sṛjya) *ger.* **1A** having thrown down, having placed सुहुतकृतः स्थ सुहुतमकार्ष्टेत्यङ्गारानतिसृज्य स्रुक्स्रुवं प्रतितपेत् ĀśvaS'S. I. ii. 3. 9; **1B** having poured अतिसृष्टो अपां वृषभ इत्यपोऽतिसृज्य···कुर्वीत (शान्त्युदकम्) KauśiSū. 9. 9; **2** having conferred, having given अतिसृज्य ददानीति वरं मम विशां पतिः । स निरर्थं गतजले सेतुं बन्धितुमिच्छति Rāmā. ii. 363*(8); राजा ··· सहात्मनातिसृज्य सर्वस्वं द्विजेभ्यः AvantiKa. 95. 4; नरनाथस्तु ··· अहनि जायमाने ··· समुत्थितो दिनकर इवातिसृज्य कपिलानसहस्रमुस्रणा (? कपिलानां सहस्रमुस्राणां) प्रत्यङ्मुखः प्रतस्थे AvantiKa. 72. 15; **3** having released, AvantiKa. 72. 15.

अतिसृत (ati-sṛta) *adj.* **1** gone too far हलग्रहणमतिसृतं दूरमपगत-मित्यर्थः Pradi. vi. 99. 23 (*on* vii. 2. 3); **2** a mode of fighting of cavalry (rushing beyond) अभिसृतं परिसृतमतिसृतमपसृतम् ··· इत्यश्वयुद्धानि ArthS'ā. iii. 135. 1 (10. 5) (comm. परबलं मध्यतो भित्त्वा सूचिवदभिगमनम् अतिसृतम्); **3** discharged excessively आन्ध्यम् ··· पाण्डुताम् । कुरुतेऽतिसृतं रक्तं मरणं वा करोति च S'ārṅgaS. iii. 12. 40.

अतिसृति (ati-sṛti) *f.* dysentery तक्रक्वाथं पिबेत्सद्यः पीतां चातिसृतिं हरेत् ĪśānS'iPa. i. 45. 181; i. 49. 4; RasRaSa. 16. 59; चिन्तामणेः । स्वयमेव रसो देयः ··· शूले चातिसृतौ पुनः RaseCin. 9. 21 (118. 2)

अतिसृत्य (ati-sṛtya) *ger.* having attacked, having reached upto अतिसृत्यातिसरा इन्द्रस्यौजसा हत । ··· ततो वो जीवन् मा मोचि AV.(P.) vii. 18. 5.

अतिसृप् (ati-sṛp-) I. P. **A** to creep over, to creep on to यद्त्त्युंप-जिह्विका यद्वम्रो अंतिसर्पति । सर्वं तदस्तु ते घृतम् ṚV. viii. 102. 21; TaiS. IV. i. 10. 1; MaiS. ii. 7. 7; KāṭhS. 16. 7; VājaS. 11. 74; VājaS.(K.) xii. 7. 9; S'atBr. VI. vi. 3. 6; Nir. 3. 29 (72. 2); यदध दुरधं पृथिवीमसृप्त यदोषधीरत्य-सृपद्यदापः AitBr. 25. 2 (651); स इमामेव पराङत्यसिसृप्सत् ··· स इमामेव पराङतिसिसृप्सति S'atBr. IV. vi. 9. 16; ĀśvaS'S. I. iii. 11. 7; MānS'S. 97. 15; **B** to creep out (of something) अहिर्न जूर्णामति सर्पति त्वचम् ··· वृषा हरिः ṚV. ix. 86. 44; SV.(Jai.) iv. 20. 10; TaiBr. III. x. 8. 1; तस्मात्ते हित्वा जीर्णां त्वचमतिसर्पन्ति PañcBr. xxv. 15. 4; **C** to proceed, to move on प्रस्तोता प्रथमोऽतिसर्पेत् LāṭyāS'S. i. 9. 14; **D** to creep beyond (very far), to pass beyond उत यो द्यामतिसर्पात्परस्तान्न स मुच्यातै वरुणस्य राज्ञः AV. iv. 16. 4; iv. 20. 9; यदंध्वर्युः प्रत्यङ् धिष्णियानतिसर्पेत् प्राणान्संकर्षेत् TaiS. VI. iii. 1. 5; यदादित्यो रराट्यामतिसर्पेत् ···स कालः परिधानस्य KauṣiBr. 18. 4 (80. 15); होतारं च प्रत्यङ् नातिसर्पेत् VaikhāS'S. 14. 12.

अतिसृपे (ati-sṛpe) *inf.* for passing beyond तस्मात्सोमं पिबते प्राञ्चो धिष्ण्या नातिसृपे MaiS. iii. 8. 10.

अतिसृष्ट (ati-sṛṣṭa) *adj.* [*f.*-ā] **1** released, set free, permitted to go or move about freely अतिसृष्टो अपां वृषभोऽतिसृष्टा अग्नयो दिव्याः AV. xvi. 1. 1; स देवैरतिसृष्टः पितृभ्यो ददाति S'atBr.(K.) I. iii. 3. 10; एवमतिसृष्टस्य न कुतश्चिद्भयं भवतीति विज्ञायते ĀśvaGS. iii. 10. 8; एवं सर्वे प्रश्नशोऽध्यायमुक्त्वो-पसंगृह्यातिसृष्टा यथार्थम् ṚPrāti. 15. 13; अनिसृष्टोऽसि (v. l. अतिसृष्टोऽसि) निष्क्रान्तो गृहात्ताभ्यामनिन्दित MahāBhā. iii. 205. 7; VarāP. 205. 20; भ्रमेति अतिसृष्टोऽपि प्राप्तस्ते भ्रमणकालः Loc. 20. 14 (*on* 1. 4); **2 A** permitted (to do an act) स य एवं विदुषा व्रात्येनातिसृष्टो जुहोति AV. xv. 12. 4; xv. 12. 7; ब्रह्माणं त्वामनुज्ञ्य ब्रह्मणातिसृष्टः (जुहुयात्) S'atBr. XII. vi. 1. 38; अतिसृष्टो भूरिडा भुव इडा स्वरिडा वृध इडेति स्रुवपूरमुन्नयेत् ĀśvaS'S. I. ii. 3. 12; ब्रह्म अतिसृज होष्यामि । इत्यतिसृष्टेन होतव्यम् ĀpaDS. ii(3). 7. 15; प्रैषादिष्वर्थेषु ··· ब्यसंज्ञाकास्त्या भवन्ति लोट् च । ··· भवानतिसृष्टः JaineVyā. 135. 12 (*on* ii. 3. 139); न (? स) चातिसृष्टो गुरुणा स्वान् गुरूनभिवादयेत् KūrmaP. 538. 9 (2. 14); अतिसृष्टोऽभ्यनुज्ञातः SmṛtiCan. v. 326. 18; कामाचारानुज्ञा अतिसर्गः । ··· एवमतिसृष्टस्त्वम् PrakriKau. ii. 461. 6; **2 B** commanded, ordered अतिसृज होष्यामि आज्ञापय होष्यामि । अतिसृष्टेन आज्ञप्तेन VīraMi.(Āhnika.) 446. 13; **3 A** kept out, left out विष्णोः स्तुपोऽतिसृष्टो गवां भागः MaiS. i. 1. 2; अति-सृष्टो गवां भाग इत्येकान्तमतिसृजति MānS'S. 8. 1; ĀpaS'S. i. 3. 9-10; **3 B** vacated, made free पन्था अयं तेऽद्य मया निसृष्टो (v. l. ऽतिसृष्टो) येनेच्छसे तेन कामं व्रजस्व MahāBhā. iii. 133. 2; **4** given, granted (as a gift), released (what was promised) तद्वै सर्वे पाण्डुपुत्रा लभन्तां यत्तद्राजन्नतिसृष्टं त्वयासीत् MahāBhā. iii. 5. 7; भीमसेनोऽपि मांसानि ··· । अतिसृष्टानि मत्स्येन विक्रीणाति युधिष्ठिरे MahāBhā. iv. 12. 6 (दत्तानि MahāBhāṬ., MahāBhāraDī.; Lakṣābha.; प्रसाददत्तानि BhārBhāDī.; ViṣamaPaVi.); अतिसृष्टं सुरैरेकं (धनुः) त्र्यम्बकाय युयुत्सवे Rāmā. i. 74. 12; iii. 27. 19; अतिसृष्टं पुरा राजा-(? ज्ञा) कैकेयी भर्तृतो वरम् । यदि गृह्णाति Rāmā. ii. App. I. 12 (129); एतौ ग्रामौ···जयभट्टस्वामिने···अग्रहारत्वेनातिसृष्टः (? ष्टौ) EI. xxv. 53. 7; कोशम्बखण्डं नाम ग्रामः ··· उदकपूर्वमतिसृष्टः EI. xxii. 173. 19; xv. 42. 15. ब्रह्मदेयमतिसृष्टम् EI. xix. 262. 5; iii. 321. 19; एष ग्रामः ··· अचाटभटप्रवेशः ··· बलिचरुसत्त्रगन्ध-धूपदीपतैलप्रवर्तनाय चातिसृष्टः EI. xix. 129. 15; ताम्रशासनेनाग्रहारोऽतिसृष्टः EI. xxi. 136. 13; पुरा नारायणेनेयमतिसृष्टा मरुत्वते Vikramo. 1. 14; RaghuVa. 12. 27; Mṛcch. 10. 52(6); सर्वेऽतिसृष्टां परिपाल्य भूमिं नृपाः ··· त्रिदिवं प्रपन्नाः EI. viii. 287. 26; किं वातिसृष्टः पर्वतकभ्रात्रे वैरोचकाय पूर्वप्रतिश्रुतो राज्यार्धविभागः MudrāRā. 2. 15(24); 2. 15(73); नातिसृष्टो वरस्तुभ्यं तुष्टेन परमेष्ठिना RāmC. 28. 31; नव्यस्तनीतिपरिशीलयतो न सौख्यसाम्राज्यमस्तु कथ-मात्ममुखातिसृष्टम् RasiRañ. 55 (comm. अतिसृष्टं दत्तम्); **5** excessively purged अतिसृष्टं विबद्धं वा द्रवं तदुपदिश्यते CaraS. vi. 15. 53 (1941 Ed.); **6** created क्रीडार्थं चैव स्कन्दस्य ··· गरुडादतिसृष्टौ हि पक्षिणौ ··· मयूरः कुक्कुट-श्चैव BrahmāṇḍP. ii. 10. 46; RasiRañ. 55.

अतिसृष्टक (atisṛṣṭa-ka) *adj.* given (as gift) चत्वारः कुल्यवापाः ··· सप्त कुल्यवापाः ··· डोङ्गाग्रामे (मे) पूर्वं मया अप्रदा अतिसृष्टकाः EI. xv. 139. 7.

अतिसृष्टम् (ati-sṛṣṭam) *adv.* releasing frequently or for a long time (breath or urine) अतिसृष्टमतिबद्धम् ··· उच्छ्वसन्तं दृष्ट्वा प्राणवहान्यस्य स्रोतांसि प्रदुष्टानीति विद्यात् CaraS. iii. 5. 9 (1922 Ed.); अतिसृष्टमतिबद्धम्···मूत्रयन्तं दृष्ट्वा मूत्रवहान्यस्य स्रोतांसि प्रदुष्टानीति विद्यात् CaraS. iii. 5. 14 (1922 Ed.) (comm. अतिसृष्टं वा अतिबद्धं वा इति विकल्पेन बोद्धव्यम् अतिसृष्टातिबद्धयोरेकत्रासंभवात्)

अतिसृष्टयौवराज्य (atisṛṣṭa-yauvarājya) *adj.* on whom the title of crown-prince has been conferred तदारोहतु प्रागतिसृष्टयौवराज्यस्य प्रतापरुद्रस्य भुजशिखरं सागरमेखला PratāYaBhū. 153. 13.

अतिसृष्टराज्यविभव (atisṛṣṭa-rājyavibhava) *adj.* on whom the glory of kingship has been bestowed महेश्वरमहासेनातिसृष्टराज्यविभवः नल-नृपवंशप्रसूतः ··· समाज्ञापयति EI. xix. 102. 1.

अतिसृष्टवत् (atisṛṣṭa-va(n)t) *adj.* **1** who has given away (in marriage) मैथिलः ··· राघवाय तनयामयोनिजाम् । ··· अग्निसाक्षिक इवातिसृष्टवान् RaghuVa. 11. 48; **2** who has renounced or abandoned स त्वम् ··· प्रियान् ··· कामान् ··· अत्यस्राक्षीः अतिसृष्टवान् परित्यक्तवानसि KāṭhUBh. 123. 3 (*on* 2. 3); अत्यस्राक्षीः परमेवाकाङ्क्षन्नतिसृष्टवानसि सर्वमेतत्संसारभोगजातम् KāṭhUBh. 129. 4 (*on* 2. 11)

अतिसृष्टसुख (atisṛṣṭa-sukha) *adj.* who has abandoned pleasure or comfort अतिसृष्टसुखः सुखोचिते भवतीमेष नमामि दूरतः RāmC. 12. 83.

अतिसृष्टार्थता (atisṛṣṭārtha-tā) *f.* assignment of a task or mission भक्तः शक्तिपरः कृती परहितस्वष्टातिसृष्टार्थतापात्रं भृत्यजनोऽस्ति यस्य हि स किं क्वापीप्सिते सीदति VasaViKā. 14. 34.

अतिसृष्टि (áti-sṛṣṭi) *f.* excellent or superior creation सैषा ब्रह्मणोऽ-तिसृष्टिः S'atBr. XIV. iv. 2. 14; BṛĀraU. i. 4. 6; सैषा ब्रह्मणः प्रजापतेरति-सृष्टिरात्मनोऽप्यतिशया BṛĀraUBh. 93. 15 (*on* i. 4. 6); मर्त्यो वा यजमानः सन्नन्नस्यात्क्षीदमृतान् सुरान् । अतिसृष्टिरतः प्रोक्ता BṛĀraUBhVā. i. 4. 163.

अतिसृष्ट्वा (ati-sṛṣṭvā) *ger.* having granted लोकस्याप्रियमारब्धम् ··· नरेन्द्रेण ··· । अतिसृष्ट्वाभिषेकं ते पुनः प्रत्यवगृह्णतः Rāmā. ii. 506*(3)

अतिसेक (ati-seka) *m.* **i** excessive discharge °शोणितातिसेकजागरण-विषमशरीरन्यासानुपसेवमानस्य···वायुः प्रकोपमापद्यते CaraS. ii. 4. 36 (1922 Ed.); **ii** excessive sprinkling न चातिसेकक्लेपान् दद्यात् AṣṭāSaṁ. ii. 133. 23 (4. 24)

अतिसेन (ati-sena) *m.* name of a prince संनद्धा निर्ययुर्हृष्टाः ··· । चित्र-सेनोऽतिसेनश्च HariVaṁ. App. I. 30. 19.

अतिसेनानीकुमारि (ati-senānīkumāri) *adj.* excelling the daughter of a commander of an army प्रत्ययग्रहणे यस्मात्स तदादेर्ग्रहणं भवतीतीह न प्राप्नोति । अतिराजकुमारिः अतिसेनानीकुमारिः MahāBh. i. 224. 5 (*on* i. 2. 48)

अतिसेव् (ati-sev-) I. Ā. to consume too much ताम्बूलं नातिसेवेत न विरिक्तो बुभुक्षितः BhojanKu. 220. 7; [to practise excessively, MW]

अतिसेवन (ati-sevana) *n.* **i** excessive consumption (of food etc.)

अन्नपानासनयानकर्मणामसेवनादप्यतिसेवनादपि । शरीरमासन्नविपत्ति दृश्यते Saund. 9. 7; अत्युष्णस्निग्धरूक्षाम्लद्रवाणामतिसेवनात् । ··· वातादयः प्रकुप्यन्ति KāśyaS. 335B. 33; अश्वमांसं भवेत्···पित्तदाहप्रदं नृणां तदेतच्चातिसेवनात् BhojanKu. 170. 7; रात्रौ ताम्बूलं न तु भक्षयेत् । अतिसेवने दोषमाह VīraMi.(Āhnika.) 487. 12; **ii** excessive use (of wind etc.) वातातपरजोधूमावश्यायातिसेवन° ··· 'मक्षिकाद्या बाधाः परिहरेत् SuśruS. i. 19. 20; पवनसलिलातिसेवनात् ··· व्यापन्नाश्चेमे दोषाः CaraS. vi. 19. 8 (1941 Ed.); **iii** excessive practice विमुक्त्यानन्तर्यपथा नवाकोप्ये अतिसेवनात् AbhidhK. 6. 60; **iv** excessive enjoyment नारीणां चातिसेवनम् । प्रज्ञापराधम् CaraS. iv. 1. 103 (1941 Ed.); दोषग्रामोऽतिसेवनात् । ··· संभवति नृणां देहे ViṣṇuDhaP. ii. 62. 13; युष्मद्देशौपयिकमेव किल सततमतिसेवनम् PādaTā. 19. 21.

अतिसेवमान (ati-sevamāna) *adj.* taking an overdose (of medicine) काष्ठाकालानां प्रमाणमतिसेवमानानां नागानाम् ···अभिष्यन्दी भवति श्लेष्मा Hastyāyur. 620. 10 (4. 8)

अतिसेवा (ati-sevā) *f.* **i** addiction द्यूतमद्यातिसेवाप्रतिभूत्वसाक्षित्वसमाह्वानगोष्ठीवादित्राणि न सेवेत SuśruS. iv. 24. 101; अतिनिद्रातिसेवे च विद्यार्थी ··· वर्जयेत् CāṇaNīDa. 11. 10; **ii** too much indulgence in एवं कामाशयं चित्तं कामानामतिसेवया । विरज्येत BhāgP. vii. 11. 34; **iii** devoted service सः ··· राज्ञोऽतिसेवया । विपत्तौ ··· चिन्त्यतामगात् RājTa.(Ka.) 8. 2455; 8. 181.

अतिसेवापर (atisevā-para) *adj.* given over to devoted service आश्रित्य प्रेयसीमस्य नातिसेवापरोऽपि यः । तस्य प्रसादपात्रं स्यान्मुख्यं धीरः स उच्यते BhaktiRaSi. iii. 2. 27.

अतिसेवित (ati-sevita) *adj.* **i** consumed in excess (क्षारः) उपहन्ता पुंस्त्वस्य चातिसेवितः SuśruS. i. 11. 5; कफं पित्तं च मेदश्च कोपयन्त्यतिसेविताः BhelaS. 48. 20 (1. 26); अन्नैस्तद्युक्तैरतिसेवितैः । कुपितं पित्तलैः पित्तम् AṣṭāSaṁ. i. 266. 19 (3. 3); पित्तं प्रदुष्टमशनैरतिसेवितैः RasRaSa. 13. 1; मद्यं हन्त्यतिसेवितम् RājTa(S'rī.) 1(7). 69; **ii** used or practised in excess स्नेहो मिथ्योपचाराच्च व्यापद्येतातिसेवितः CaraS. i. 13. 79 (1922 Ed.) (comm. अतिसेवितः कालप्रकर्षेण सेवितः); धर्मव्यायामशोकाध्वव्यवायैरतिसेवितैः । ··· प्रवर्तते रक्तम् RugVi. 9. 1; **iii** densely covered ते ··· दद्दृशुर्मलयम् ··· चन्दनैः ··· अतिसेवितम् VāmaP. 71. 5.

अतिसेविन् (atisev-in) *adj.* who consumes excessively अन्नसंसितभक्तस्य भक्तस्याप्यातिसेव(वि)नः । ··· वायुर्वृद्धः प्रशस्यते BhelaS. 211. 7 (6. 28)

अतिसेव्य (ati-sevya) *adj.* [*f.* -ā] **i** very much enjoyable or usable अतिसेव्यमभूद्ब्रह्मन् तद्वनं वनचारिणाम् ViṣṇuP. i. 9. 3; अरम्यं नातिसेव्यं च वारिहीनं यथा सरः ViṣṇuP. v. 7. 28; क एषः ··· गीर्वाणभूमेरतिसेव्यसंनिवेशः प्रदेशः TilaMañ. 266. 5; योऽभूत् ··· विमलाकृतिरतिसेव्यो मणिरिव फणिनां फणाफलके UdaySuKa. 84. 29; **ii** to be enjoyed very much कामाधीनाः स्त्रियो राम तदर्थं रत्नसंग्रहः । सेव्यास्ता नातिसेव्याश्च भूभुजा AgniP. 224. 3 = ViṣṇuDhaP. ii. 62. 12; BallāC. 70. 17.

अतिसोढ (ati-soḍha) *adj.* not suffering, not going well with अपि चाष्टत्वादयोऽपि नैवातिसोढाः TantrVā. 314. 13 (*on* i. 4. 18)

अतिसोत्सुक (ati-sotsuka) *adj.* over-anxious निरुध्यतां क्षणमतिसोत्सुकं मनः RāmC. 15. 40.

अतिसौकुमार्य (ati-saukumārya) *n.* excessive delicateness or tenderness अतिसौकुमार्यशङ्कितेनेव यौवनेन नातिनिर्भरमुपगूढाम् ··· वधूमपश्यत् HarṣaC. 206. 14; तन्वङ्ग्याः ···अक्लाम्यन्द्रुजलतिकातिसौकुमार्यात् HarVi. 17. 88; उदबिन्दुभिस्ताडनोक्त्याधरस्यातिसौकुमार्यस्य ··· अभिव्यञ्जनात् CitraMī. 2. 4; अपि मुक्त एष कुरुते न किं व्यथामतिसौकुमार्यचिरसौहृदात्तनोः Acyutarā. 9. 51.

अतिसौक्ष्म्य (ati-saukṣmya) *n.* extreme minuteness सतां च रूपाणाम् ··· अभिभवादतिसौक्ष्म्याच्च प्रत्यक्षानुपलब्धिः CaraS. i. 11. 8 (1922 Ed.); परमाणूनां चातिसौक्ष्म्यादप्रत्यक्षत्वात् NyāyMañ. ii. 74. 10; सतोऽपि कालभेदस्यातिसौक्ष्म्यादनवग्रहात् PrakaPañ. 119. 5; सन्तमपि कालभेदमतिसौक्ष्म्यादलक्षयताम्··· यौगपद्यभ्रमः NyāyRa. 311. 18 (*on* 5. 157); पूर्वपक्षदर्शितया रीत्या ··· अतिसौक्ष्म्यं दृढीकृतम् S'ivārkaMaDī. i. 439. 17 (*on* i. 3. 16); i. 432. 22 (*on* i. 3. 13); अत एवातिसौक्ष्म्याच्च कलापीन्द्रोरगोचरा AnaṅgaRa. 6. 2; तदैक्यं नाम ··· अतिसौक्ष्म्याद्विभागानर्हत्वमेव नान्यत् GoviBh. 67. 11 (*on* i. 4. 10); 126. 10 (*on* ii. 2. 22); 303. 12 (*on* iv. 2. 16)

अतिसौक्ष्म्यवचन (atisaukṣmya-vacana) *n.* statement of extreme minuteness दहरशाण्डिल्यविद्ययोरतिसौक्ष्म्यवचनं हृदयोर्ध्वसुषिरापेक्षया S'ivārkaMaDī. i. 451. 31 (*on* i. 3. 24)

अतिसौक्ष्म्यापत्ति (atisaukṣmyāpatti) *f.* contingency of extreme minuteness परमाणुपरिमाणरूपपारिमाण्डल्यं तु न द्व्यणुके पारिमाण्डल्यान्तरमारभते, ततोऽप्यतिसौक्ष्म्यापत्तेः VedāntKau. 185. 20 (*on* ii. 2. 11)

अतिसौख्य (ati-saukhya) *n.* excessive happiness तस्य चिन्ताप्रपन्नस्य निद्राभूत् क्षणमात्रतः । अतिदुःखातिसौख्ये हि तस्याः प्रथमकारणम् TriṣaS'aPuC. i. 1. 107.

अतिसौख्यकर (atisaukhya-kara) *adj.* producing extreme happiness अतिसौख्यकरं तं (लोकम्) स (राजा) दृष्ट्वा पप्रच्छ तौ (दूतौ) पुनः GaṇeP. ii. 52. 7.

अतिसौख्यतस् (atisaukhya-tas) *adv.* due to extreme pleasure उद्भूतपुलकस्यास्य (रामस्य) संगमेनातिसौख्यतः । मिथुनस्योपमां प्राप्तं तदेव मिथुनं परम् PadmP.(Ra.) 79. 53; एतेषां (गजानाम्) वीर्यनिर्वृत्तौ रसधातुर्नराधिप । अव्यक्तः प्राणिनां प्राणान् प्रीणयत्यतिसौख्यतः Hastyāyur. 412. 19 (3. 8)

अतिसौख्यद (atisaukhya-da) *adj.* giving extreme happiness नेष्टापूर्तादिकं कर्म परलोकेऽतिसौख्यदम् ĀdiP. 8. 20; (गणेशः) भविष्यति च लोकानां भक्तानामतिसौख्यदः GaṇeP. ii. 82. 15; सूतलोहस्य वक्ष्यामि संस्कारमतिसौख्यदम् Rasā. 6. 55.

अतिसौजन्य (ati-saujanya) *n.* extreme politeness नरपतिस्तु ··· कथं कथमप्यतिसौजन्यनिघ्नस्तानि जग्राह HarṣaC. 154. 4; आतिसौजन्यात् (v. l. अतिसौजन्यात्) आर्यस्य तस्मिन्नपि निसर्गवैरिणि निशाचरे बहुमानः MahāviC. 1. 31(1)

अतिसौन्दर्य (ati-saundarya) *n.* excessive beauty अत्रातिसौन्दर्येण देवीभ्रान्त्या शालिवनगोपिकामालोकयतां पथिकानां तदक्षिनिरीक्षणेऽयमभिप्रायः SaraKaṇṭhā. 378. 6; महद्भयमुपस्थितम् । न जानीषेऽतिसौन्दर्यमानिनी AdhyāRā. ii. 2. 53; अतिसौन्दर्यशालिनीमिमामपहाय धनलिप्सया प्रस्थितो रसानभिज्ञत्वात् गोप्राय एव Kuval. 158(12); अतिसौन्दर्यशालितया स्त्रीणां मदन इव मोहजनकः AlaṅkāMañ. 7. 17; 47. 7; *adj.* extremely beautiful वल्लभो दयितेऽध्यक्षे पतौ सर्वकलावति । अतिप्रीतेऽतिसौन्दर्ये NānārthaMa. 1163.

अतिसौपर्ण (ati-sauparṇa) *adj.* superior to (the power of) *Suparṇa* अस्माकमपि सौवर्णं (v. l. अस्माकं ह्यतिसौपर्णम्) दिव्यं चक्षुर्बलं तथा Rāmā. iv. 57. 29 (*Tilaka* सुपर्णलिङ्गकचक्षुष्मतीविद्यासिद्धिजम् । सा च बह्वृचब्राह्मणे तृतीयपञ्चिकायामुक्ता)

अतिसौप्तिक (ati-sauptika) *n.* battle at the dead of the night संभाव्य द्रौणिमुख्यानामिदमप्यतिसौप्तिकम् । स्वानीकमानयं युष्मान् PāṇḍaC. 13. 1018.

अतिसौभाग्य (ati-saubhāgya) *n.* good fortune यस्य (ईशानीशिखरस्य) संदर्शनेनापि नरः ··· लभते चातिसौभाग्यम् SkandP. vii(3). 52. 2; (श्रीकृष्णः) वर्धयामास सर्वतः । रुक्मिण्या अतिसौभाग्यम् BrahmVaiP. iv. 113. 47; ततो हरिशिखेनोक्तमहो नागरको भवान् । भार्यया योऽतिसौभाग्याद् गृहादपि निराकृतः BṛKathāS'loSaṁ. 15. 58; AbhinBhā. i. 104. 11 (*on* 4. 74); इन्दुलेखा (राधिकासखी) ततः षष्ठी ··· वशीकरणमन्त्रेषु त्वतिसौभाग्यमन्त्रिता ĀdiP. 11. 57.

अतिसौभाग्या (ati-saubhāgyā) *adj.* (*f.*) possessed of good fortune तत्-(मूर्धाभिषेक)संस्कारविवर्जिताः । गर्विताश्चातिसौभाग्याः ··· देव्य इति भाषिताः NāṭyaS'ā. 24. 36.

अतिसौम्य (ati-saumya) *adj.* [*f.* -ā] **A i** very soft, very delicate, very pleasant or charming सुतीक्ष्णमतिसौम्यं च तद्दपाङ्गं सुजाभिधम् PauṣkS. 33. 50; निष्यन्दमानविनयैरतिसौम्यकान्तैः ··· अङ्गैः । चारित्रलक्षणजुषः प्रतिपूरुषं ते चेतश्चलचलयति प्रसभं मनो मे SubhaDha. 2. 11; अतिसौम्यमिदं तव रूपं दृष्ट्वेदानीं सचेताः संवृत्तोऽस्मि GītāBh.(Rā.) 559. 5 (*on* 11. 51); लब्धोऽतिसौम्यस्तनयः प्रजानां मयेति दिष्ट्याभ्यवर्धदालि RāghPāṇ.(Dha.) 3. 10; **A ii** very beautiful उपासनेऽतिसौम्यां च (ध्यायेद्देवीम्) TantrRā. 18. 8; प्रासादराजोऽयं शोभते भूषणैर्निजैः ध्वास्याह्रीस्यातिसौम्यस्य (? ध्वजाकश्चातिसौम्यश्च) श्रीकीर्तिविजयावहः SamarāSū. 55. 117; **Aiii** very mild or auspicious क्रूरोऽपि सौम्याधिकवर्गशाली शुभोऽतिसौम्यः शुभखेचरश्चेत् TājiNī. 1(1). 47(69); अतिसौम्यातिरौद्रायै ··· नमस्तस्यै नमो नमः MārkP. 85. 11; (चक्रे सूर्यस्तुतिम्) अतिसौम्यातितीक्ष्णाय सुराणां पतये नमः SkandP. ii(8). 7. 127; **B** not very mild (i. e. rather strong) संशोधनौषधानि आग्नेयवायव्यानि अतिसौम्यानि अतिमात्राणि वा··· अल्पसत्त्वमातुरमल्पबलं वातिपातयेयुः AṣṭāSaṁ. i. 120. 7 (1. 23) [शोषापहा मधुरसा सातिसौम्या मधूल्यपि KalpaK. 176. 390]

अतिसौरभ (ati-saurabha) *adj.* [*f.* -ā] very fragrant (सूत्रात्मकं तु तत्पात्रम्) तस्मिन् पात्रे ··· परमामृतम् ··· कह्लारैर्मुनेरतिसौरभैः । वास्यमानम् BrahmāṇḍP. iii. 35. 89; सुमतेरङ्गनां स समैक्षत । स्वर्गङ्गाहेमकमलैर्ग्रथितामतिसौरभाम् । दधतीम् ··· स्रजम् SkandP. ii(9). 8. 14; (पूतनायाः) दह्यमानस्य देहस्य धूमोऽभूदतिसौरभः ĀdiP. 17. 70; कृतसेको भवेदाशु सहकारोऽतिसौरभः SārṅgaPa. 2231; कमलैरुद्भावि···अतिसौरभैः S'ivLī. 3. 67; 3. 70; *m.* mango tree सहकारोऽतिसौरभः DhanvNi. 169. 21; ParyāMu. 8. 6; NighS'e. 2010; BhāvPra.(Bhā.) 6(7). 1; MadaPāNi. 38. 6; ParaNā. 937; ApūNā. 33A. 3; BhāvPraNi. 89. 1; PañcTaPra. 11. 27; KalpaK. 253. 48; *n.* great frag-

rance, cf. **अतिसौरभवत्** [mango fruit, pw]

अतिसौरभवत् (atisaurabha-va(n)t) *adj.* possessed of extraordinary fragrance अतिसौरभवन्नलिनान्नलिनं यान्तीव पङ्क्तिरभवन्नलिनाम् YudhiVi. 2. 83.

अतिसौरभ्य (ati-saurabhya) *adj.* very fragrant, possessed of much fragrance विधिः … ददर्श केतकीपुष्पम् … अतिसौरभ्यमम्लानम् S'ivaP. i. 7. 20 (6A. 13); *n.* superior smell अतिसौरभ्ययुतैः … व्यजनैस्त्वां जगदम्ब वीजयामि DeviCatuSt. 52.

अतिसौवागमिक (ati-sauvāgamika) *adj.* one who has thoroughly studied the scriptures अतिसौवागमिको मृगव्यात् । रक्ष सत्त्वानि धनानि देही DvyāśraKā. 20. 31.

अतिसौष्ठव (ati-sausṭhava) *n.* great excellence लक्ष्यते स्थूललक्षत्व-प्रवृत्तेर्यत्र लक्षणम् । गुणस्य तदुदारत्वमाशयस्यातिसौष्ठवम् AgniP. 345. 15; दर्शनीय-मतिसौष्ठवयुक्तं कार्श्यमाप कमलाभिनवाक्षी S'ṛṅgāDī. 1. 51; **अतिसौष्ठवेन** (ati-sausṭhavena) [Inst.] with great precision, very precisely स(अर्जुनः) सायकान् साध्वसविप्लुतानां क्षिपन् परेषामतिसौष्ठवेन Kirātā. 17. 21; (सम्यक् ऋत्विजे कर्म कुर्वते) सम्यक् अतिसौष्ठवेन कर्म कुर्वते ऋत्विजे इत्यन्वयः VīraMi. (Saṁskāra.) 849. 4.

अतिसौहिती (ati-sauhitī) *f.* excessive satiety उदरे किमप्यमृतमुत्प-लेक्षणा तपसार्जितं तनयनाम बिभ्रती । अतिसौहितीमधिगतेव भोजने विभरांबभूव विगतादरं मनः YātrāPra. 2. 4.

अतिसौहित्य (ati-sauhitya) *n.* **i** excessive satiety, excessive eating व्यायाममतिसौहित्यम् … । कृशो न सहते CaraS. i. 21. 13 (1941 Ed.); ना नाति-सौहित्यं कुर्यान्नातिविलङ्घनम् CaraS. vi. 5. 112 (1941 Ed); vi. 13. 17 (1941 Ed.); लघूनां नातिसौहित्यम् KāśyaS. 256B. 38; न भुञ्जीतोद्धृतस्नेहं नातिसौहित्यमाचरेत् ManuSm. 4. 62 = ViṣṇuSm. 68. 47; योऽपि कस्मैचिद्भोजनं ददाति स चौदरिकत-यातिसौहित्येन व्यापद्येत ManuBh. ii. 119. 18 (*on* 8. 104); i. 125. 2 (*on* 2. 94); अतिसौहित्यमत्यशनम् ManvaVi. 486. 8 (*on* 4. 62); **ii** great satisfaction गात्रम्…रदच्छदसुधा जिह्वातिसौहित्यकृत् । …ते किं नेन्द्रियाणां मुदे KaumuMi. 3. 7.

अतिसौहृद (ati-sauhṛda) *n.* extreme affection or fondness अति-सौहृदात्कृत्स्नं जीवलोकमनुजिघृक्षुराचार्यः … शास्त्रारम्भप्रयोजकान् मुनीन् प्रष्टृत्वे-नोपन्यस्यति स BalaKrī. ii. 46. 4 (*on* 3. 107(17)); ii. 70. 11 (*on* 3. 189–191 (? 199–201))

अतिस्कन्द् (ati-skand-) I. P. to spill over (milk) परि चेदाकरोति या स्थाल्यग्निहोत्रतपनी तया दुह्यात् । इयं वै सा । न वा इमामिह नेहातिस्कन्दति । अनयैवोपसीदति (क्षीरम्) KapiKaS. 4. 2; KāṭhS. 6. 3.

अतिस्कन्ध (ati-skandha) *adj.* having high shoulders तथा ज्ञानगतिं स्कन्धं (v. l. तथार्जुनमतिस्कन्धम्) सहजोल्बणपौरुषम् MahāBhā. iii. 468*(5)

अतिस्कन्धा (atiskandhā) *f.* name of a plant [pw]

अतिस्तन (ati-stana) *adj.* weaned from the breast यदा वै वर्धतेऽति-स्तनो वै तदा KausīBr. 13. 2 (58. 11) (comm. स्तन्यपाननिरपेक्षः)

अतिस्तन्यपूर्ण (ati-stanyapūrṇa) *adj.* extremely full of milk अति-स्तन्यपूर्णस्तनपानेनास्नेहनात् कासश्वासज्वरच्छर्दिर्षां संभवः AṣṭāSaṁ. ii. 172. 10 (6. 1)

अतिस्तब्ध (ati-stabdha) *adj.* [*f.* -ā] **A** very proud or arrogant ऐश्वर्यमदद्रुष्टात्मन्नतिस्तब्धोऽसि वासव ViṣṇuP. i. 9. 12; JānaHa. 6. 46; अतिस्तब्धाय नो देयम् PadmP. ii. 39. 76; अतिस्तब्धौ स्तनावाढ्याविव Subhā-RaK. 43. 10; **B** very rigid, hard, stiff or erect ग्रीवां तु बिभृयाद्यत्नान्नाति-स्तब्धां न कुञ्चिताम् JayāS. 33. 21; उत्तानौ तु करौ कृत्वा … नियोजयेत् । ग्रीवां तु हृदयाद्यन्तां नातिस्तब्धां न कुञ्चिताम् PāraS. 7. 461; अमार्दवमतिस्तब्धं गुणेनापि न नामितम् । … चक्रीचकार … दाशरथिः … धनुः JānaHa. 6. 46; सुखासनस्वेदं लक्षणम् - गुल्फोत्तानकराङ्गुष्ठे रेखारोमालिनासिकाः । समदृष्टिः समाः कुर्युर्नातिस्तब्धो न वामनः YaśasCam. ii. 400. 15; अविविक्तावतिस्तब्धौ स्तनावाढ्याविवावृतौ Subhā-RaK. 43. 10.

अतिस्तम्ब (ati-stamba) *adj.* not (tied to) a post (मातङ्गो) नाति-स्तम्बो न वा बद्धो न चैव विमना भृशम् Hastyāyur. 283. 8 (2. 56)

अतिस्तम्भित (ati-stambhita) *n.* excessive use of astringent therapy (i. e. preventing the flow of substances) पादौष्ठत्वक्करैः श्यावैरति-स्तम्भितमादिशेत् AṣṭāSaṁ. i. 135. 23 (1. 26)

अतिस्तम्भितलक्षण (atistambhita-lakṣaṇa) *n.* characteristics of astringent therapy (i. e. stopping the discharge of substances) हृद्वर्चोनि-ग्रहश्च स्यादतिस्तम्भितलक्षणम् CaraS. i. 22. 40 (1941 Ed.)

अतिस्तिमित (ati-stimita) *adj.* **A** extremely motionless or still तत्र ज्ञातमेवंविधमनारोग्यकरं विद्यात् … अतिस्तिमितमतिचलमतिपरुषम् CaraS. iii. 3. 7 (1941 Ed.); अतिस्तिमितगात्रगाढतरनिद्रया व्याकुलान् सदैव परिवर्जयेत् KalyāKā. 8. 63; सोऽपि … तं पुरस्तादवस्थितमतिस्तिमितप्रगल्भस्निग्धदृष्टिप्रकटितान्तःप्रीतिम् … आलोकितवान् TilaMañ. 38. 22; **B** extremely wet प्रेम्णा पुरा प्रणिहितं मयि चक्षुरीषदुल्लासिताद्र्कुचया मितमध्यया यत् । संप्रत्यतिस्तिमितवस्त्रमिवाङ्गलग्नमे-तज्जिहासुरपि हातुमनीश्वरोऽपि(? सि) SaduktiKa. 315. 1.

अतिस्तु (ati-stu-) II. P. to chant verses in excess यद्यर्वाक्स्तुयुर्या-वतीभिर्नस्तुयुस्तावतीभिरतिस्तुयुः MānS'S. 103. 7.

अतिस्तुत (ati-stuta) *adj.* **i** praised too much, over-praised अति-शब्दः अतिक्रमणे … निष्पन्नेऽपि वस्तुनि क्रियाप्रवृत्तिरतिक्रमणम् … अतिस्तुतमेव भवता KāśiVṛ. *on* P. i. 4. 95; अन्यत्रापि हि समासो दृश्यते … अतिस्तुतम् KāśiVṛ. *on* P. ii. 2. 18; अतिस्तुतमिति अतिरतिक्रमणे Nyās. i. 387. 11 (*on* ii. 2. 18); अतिक्रमेण स्तुतमतिस्तुतम् JaineVyā. 61. 3 (*on* i. 3. 81); अतिक्रमे चातिः अतिक्रम आधिक्यम् … अतिस्तुतमेव भवता JaineVyā. 66. 15 (*on* i. 4. 8); **ii** well-praised पूजायाम् … अतिस्तुतं भवता । शोभनं कृतमित्यर्थः KāśiVṛ. *on* P. i. 4. 95; JaineVyā. 66. 16 (*on* i. 4. 8); (अतिस्तुतम्) शोभनं कृतमित्यर्थः । पूजामाविष्करोति Nyās. i. 322. 12 (*on* i. 4. 95); CāndraVṛ. *on* ii. 2. 24.

अतिस्तुति (ati-stuti) *f.* **i** verse called *atistuti* (over-praising) अथैमा अतिस्तुतय इत्याचक्षते Nir. 13. 1 (223. 3); **ii** high praise, excessive praise इयमन्या ब्रह्मयज्ञस्यातिस्तुतिः BālaKrī. i. 55. 12 (*on* 1. 48); अतिस्तुतिरियम् ManuBh. ii. 483. 11 (*on* 12. 100); अतिस्तुतिर्या विहिता मयास्य पापस्य देवात्र तथाभ्यनुज्ञा Rāvaṇā. 3. 48; दूरेण ह्यतिनिन्दाया दुःखहेतुरतिस्तुतिः BṛKathāS'lo-Saṁ. 23. 74.

अतिस्तुतिपद (atistuti-pada) *n.* one worthy of high praise अति-स्तुतिपदं वस्तु समस्तं हस्तिनापुरात् । येषां दुर्योधनो नित्यमुपदीकुरुते तदा Pāṇḍa-C. 7. 141.

अतिस्तुतिपर (atistuti-para) *adj.* intent on high praise अतिस्तुति-परैरुक्तो यस्तु वैशेषिकादिभिः । ईश्वरो नेष्यतेऽस्माभिः SarvaSiSaṁ. 4(4). 23.

अतिस्तुत्यर्थ (atistuty-artha) *adj.* meant for extreme praise or glorification देववचनमतिस्तुत्यर्थम् BālaKrī. i. 113. 17 (*on* 1. 151)

अतिस्तोक (ati-stoka) *adj.* very little, very small नातिस्तोका न बहुशो मूर्धजा दुःखभागिनः BhaviP. 59B. 22 (i. 26. 84); अतिस्तोके तथाल्पिष्ठ-मल्पीयोऽणीय इत्यपि ParaNā. 1483; अतिस्तोकाप्तपरिग्रहः सह कुमारकेसरिणा … मठं विश्वभूतेर्जगाम UdaySuKa. 116. 9.

अतिस्तोकम् (ati-stokam) *adv.* very slightly (देवी) सस्मितमतिस्तो-कम् … अवलोकनेन हृदयं निवेद्य … समुत्तस्थौ UdaySuKa. 100. 15.

अतिस्तोकाशिन् (atistokāś-in) *adj.* who eats very little अतिस्तो-काशिनोऽस्याग्निविकाराः कृशता भ्रमः । अतृप्तिर्लघुता निद्राशकृन्मूत्रबलक्षयः KāśyaS. 258A. 32.

अतिस्तोतुम् (ati-stotum) *inf.* to praise or glorify very much यत्रा-नुकम्प्यते[वा] समुपमाने[न]निन्द्यते वापि । उपमेयमतिस्तोतुं दुरवस्थमिति प्रतीपं स्यात् Kāvyālaṅ.(Ru.) 8. 76.

अतिस्त्रि (ati-stri) *adj.* who has surpassed a woman समरेष्वस्य वैरिभिः । गुरू अबलताभीती शिश्रियाते अतिस्त्रियौ DvyāśraKā. 1. 165 (comm. स्त्रीशब्देनात्र स्त्रीगते अबलताभीती उपचाराद्‌च्येते । स्त्रियमतिक्रान्ते स्त्रीगताबलता-भीतिसकाशादप्यधिके इत्यर्थः); स्त्रियमतिक्रान्तोऽतिस्त्रिः SiddhāKau. 73A. 5.

अतिस्त्रीकामता (atistrīkāma-tā) *f.* excessive passion for women अतिस्त्रीकामताशुक्राश्मरीसंभवाभ्यां शुक्रम् (पीडयति) AṣṭāSaṁ. i. 101. 15 (1. 19); अतिस्त्रीकामतां वृद्धं शुक्रं शुक्राश्मरीमपि (कुर्यात्) AṣṭāHṛ. i. 11. 12.

अतिस्त्रीसङ्ग (ati-strīsaṅga) *adj.* excessively addicted to women अतिस्त्रीसङ्गम् … शुङ्गममात्यो वसुदेवो देवभूतिदासीदुहित्रा देवीव्यञ्जनया वीतजीवित-मकारयत् HarṣaC. 269. 8.

अतिस्त्रीसंप्रयोग (ati-strīsamprayoga) *m.* excessive coition with women, excessive (sexual) enjoyment with women अतिस्त्रीसंप्रयोगाच्च रक्षे-दात्मानमात्मवान् SuśruS. iv. 24. 111.

अतिस्थगित (ati-sthagita) *adj.* concealed, veiled [nt.]

अतिस्थविर (ati-sthavira) *adj.* extremely old स्वभावाद्दुर्बलाग्निभ्यस्त-थातिस्थविराय च । …बस्तिर्न स्यात्कथंचन Hastyāyur. 596. 17 (4. 5); 'अपरिणत-वयसः' नातिस्थविरान् CaturCin. iii(1). 379. 13; चौरस्य वयोज्ञाने … मन्दे वृद्धोऽर्के स्यादतिस्थविरः TājiNī. iii(1) (6). 106 (394); वयःसंपन्नाः नातिस्थविराः VīraMi. (S'rāddha.) 60. 16.

अतिस्थविष्ठ (ati-sthaviṣṭha) *adj.* (super.) very big, extremely huge गोपगणा बहिष्पाषाणपृष्ठभुवि देहमतिस्थविष्ठम् । प्रैक्षन्त Nārāy. x. 43. 6.

अतिस्थवीयस् (ati-sthavīyas) *adj.* (comp.) **i** very huge, very big

अतिस्थवीयसा हस्तार्गलदण्डेनार्गलयन्तमिव ··· ककुभां चक्रवालम् (हस्तिनम्) ··· अपश्यत् HarṣaC. 104.5; अथ तामतिरौद्रेण शशुनातिस्थवीयसा । भक्ष्यमाणामसौ दृष्ट्वा समाधानप्रदोऽभवत् PadmP.(Ra.) 64.88; **ii** superficial or very gross (argument) अतिस्थवीयानयं सर्वज्ञवादः Kāśi. i. 130.25 (*on* 2.132); i. 214.16 (*on* 4.28); सत्त्वे तद्विरोधादेव प्रागभावादेः तदानीमवस्थानासंभवात् न ततः सिद्धिरिति तदतिस्थवीयः ĀtmaSi. 22.8; यत्तु परिमितशक्तिज्ञानानैश्वर्याद्यापादनाद्धर्मिविशेषविपरीतसाधनत्वमुद्भावितं तदतिस्थवीयः ĪśvaSi.(Yā.) 77.3; अनुवादकतामात्रं वाक्यस्येति निर्णीतवन्तः। तदतिस्थवीयः NyāyKuA. ii(1). 212.6; TantrRa. 232.16; तत्र शब्दतद्व्यापारयोः प्रवर्तकत्वपक्षस्तावदतिस्थवीयानेव NyāyMa. 181.2; NyāyKu. 83.6; 133.2; तदतिस्थवीयः TattvCin. ii(2). 174.1; यच्चोपजीव्यस्यापि प्रत्यक्षस्य ज्वालाभेदानुमानेन बाधो दृष्ट इति तदप्यतिस्थवीयः S'atDū. 131.28; आप्तत्वानिश्चयेऽप्यर्थसंदेहात्प्रवृत्तिरिति चातिस्थवीयः NyāySu.(Ja.) 11B.6 (*on* i. 1.1); PūrvottaVāNaMā. 298.13; VīraMi. (Vyavahāra.) 492.23.

अतिस्थान (ati-sthāna) *n.* standing for a long time अत्याश(? °स)नमतिस्थानमतिचङ्क्रमणम् ··· असेवमानः सर्वमहो गमयस्य CaraS. i. 15.15 (1941 Ed.); अतिस्थानमतिचङ्क्रमणानि च···सर्वमेतदनायुष्यं भिषजः परिचक्षते BhelaS. 12.15 (1.8); 119.27 (6.1); अतिस्थानं च शयनम् ··· बस्तौ दत्ते न सेवेत Hastyāyur. 616.10 (4.5)

अतिस्थित (ati-sthita) *adj.* standing for a very long time नात्युपविष्टो नाप्यतिभाषी नातिस्थितस्तिष्ठेत् RaseCin. 8.40 (96.6)

अतिस्थिर (ati-sthira) *adj.* [*f.* -ā] **i** very hard or solid (अन्नम्) अतिस्थिरं मूत्रशकृद्विबन्धमतृप्तिमव्याप्तिमशीघ्रपक्तिम् । अतिद्रवं पीनसमेहकासरपन्दान् करोति AṣṭāSaṁ. i. 69.6 (1.10); स्तनयोः मण्डले···अतिस्थिरे LalitāTriBh. 300.1 (*on* 27); **ii** very firm, very stable, motionless लोक उदारः सद्गुतदारस्वामिभियातिस्थिरमभियाति RāghPāṇ.(Dha.) 8.33; अतिस्थिरा पृथु(तरा य)त्कीर्तिर्गिरि-[मास्प]द्म् EI. ii. 334.5; खड्गनारायणे यस्मिन् भवति श्रीरतिस्थिरा RasāSu. 2.1 (1.7); तन्मधो इमं मोहनबाणेन स्थिरमतिस्थिरं भावयामि Manmatho. 4.18 (646.1); या सुतरां तरुणी चाप्यतिस्थिरा Hastyāyur. 662.16 (4.19); (ताः) गजारूढास्तथा शक्तिभिरावृताः ··· स्मृत्वा लक्ष्मीमवाप्नोति राजमान्यामतिस्थिराम् TantrRā. 24.79; AbhidhāCin. 1453; Vaija. 207.79; *m.* **i** name of one of the attendants of Skanda ददावनुचरौ मेरुरग्निपुत्राय भारत । स्थिरं चातिस्थिरं चैव MahāBhā. ix. 44.44; **ii** name of one of the four lords of the north-west and belonging to Skanda अतिस्थिरश्चोच्छ्रितश्च चतुर्थस्त्वतिथिप्रियः ĪśānS'iPa. ii. 53.85.

अतिस्थिरगन्धवाह (atisthira-gandhavāha) *m.* very steady wind यत्रातिस्थिरगन्धवाहतुलितं गन्धं गृहीत्वा नवम् । भृङ्गाः ··· भ्रमन्ति UdaySuKa. 130.14.

अतिस्थिरचेतस् (atisthira-cetas) *adj.* having a very steady mind किन्तु ये शक्नुवन्त्यवधारयितुं न चातिस्थिरचेतसस्तेभ्यः अनुज्ञायन्ते (साक्ष्येषु) ManuBh. ii. 106.29 (*on* 8.71)

अतिस्थिरता (atisthira-tā) *f.* great steadiness or motionlessness युगादिजिनबिम्बस्य पुरतः ··· अतिस्थिरतया कायस्य लिखितामिव ··· विभाव्यमानाम् ···तापसकन्यकां व्यलोकयम् TilaMañ. 255.9.

अतिस्थिरत्व (atisthira-tva) *n.* **i** extreme rigidity येषां नासावसादो मुखमतिकुटिलं सन्धिभङ्गाश्च तीव्रो वाक्सङ्गोऽतिस्थिरत्वं हनुगतमपि तान्वर्जयेत्सर्पदष्टान् KalyāKā. 19.130; **ii** great stability द्रव्यभेदाङ्गीकारे अतिस्थिरत्वेन प्रसिद्धेष्वप्यर्थेषु व्यक्त्यभेदप्रत्यभिज्ञा भ्रान्ता स्यात् S'ivārkaMaDī. ii. 93.31 (*on* ii. 2.26)

अतिस्थिराशय (atisthirāśaya) *adj.* having a very firm mind सिद्धमन्त्रानतिस्निग्धान् षोडशातिस्थिराशयान् । तैरवच्छिन्नदर्पं तु होमयेत् TantrRā. 31.99.

अतिस्थिरेतर (ati-sthiretara) *adj.* very unsteady विभावनाकुला त्वयि क्रमेण देवि भावना । वपुष्यतिस्थिरेतरे नितान्तमेव पुष्यति DeviS'. 60.

अतिस्थूल (áti-sthūla) *adj.* [*f.* -ā] **A i** very big, very fat (men, animals) अथैतानष्टौ विरूपानालभते अतिस्थूलं चातिकृशं च VājaS. 30.22; नातिस्थूलं कृशं तथा । न च हीनातिरिक्ताङ्गं क्वचित्कुर्यात्पुरोहितम् AVPari. 3(2).3; मन्दोत्साहमतिस्थूलमतिस्निग्धं महाशनम् । मृत्युः प्रमेहरूपेण क्षिप्रमादाय गच्छति CaraS. ii. 4.51 (1941 Ed.); RugVi. 34.9; अतिस्थूलस्य तावदायुषो ह्रासः ··· कृच्छ्रव्यवायता···अष्टौ दोषाः CaraS. i. 21.4; चलस्फिगुदरस्तनः। अयथोपचयोत्साहो नरोऽतिस्थूल उच्यते CaraS. i. 21.9; ग्राम्यधर्मप्रवृत्तौ तु···अतिस्थूलामतिकृशां गार्भिणीं सूतिकाम् ··· वा न गच्छेत् AṣṭāSaṁ. i. 59.21 (1.9); अतिस्थूलोऽतिकृशो दुर्बलः ···व्याधिबलमेव तावदसमर्थः सोढुम् AṣṭāSaṁ. i. 120.11 (1.23); न स्वेदयेदतिस्थूलरूक्षदुर्बलमूर्च्छितान् AṣṭāSaṁ. i. 135.23 (1.26); i. 146.12 (1.28); (गर्भिणी) मधुरनित्या प्रमेहिणं मूकमतिस्थूलं वा (अपत्यं जनयति) AṣṭāSaṁ. i. 207.1 (2.2); ऋत्विजो वृणुयात् ··· गुणाश्च 'नातिस्थूलः' ManuBh. ii. 24.28 (*on* 7.78); अतिस्थूलो लघुतरो भाससे मम साम्प्रतम् GaṇeP. ii. 137.13; तदा मे वामनो भूत्वा पुत्रत्वं याहि केशव । नातिस्थूलः BṛDharmaP. i. 45.80; अतिव्यायतामतिस्थूलाम् JayaMa. 165.12 (*on* 2.8); अतिस्थूलाप्यतिकृशा···दर्शिता नात्यवर्जिता: AbhinDa. 26; स्थूलातिस्थूलमध्याश्च··· । वीर्यवन्तश्च ते ज्येष्ठा निर्मला बलवत्तराः Rasā. 6.74; अतिस्थूलस्य ··· न योजयेत् क्षीररसान् RasRaSa. 14.75; सिंहः प्रबलमतिस्थूलमपि दन्तावलं हन्तुमाक्रमति ManvaMu. 266.13 (*on* 7.106); पुरुषायिते ··· नातिस्थूलां युतां कुर्यात् KandaCū. ii. 8.41; अतिस्थूलोऽतितीक्ष्णश्च ··· वाजी AśvaVai. 6.11; अतिस्थूलाः कृशाश्चैव हीनाङ्गाश्चैव ये गजाः । तेषामङ्गान्यमेयानि MātaLī. 6.5; यो रक्ताङ्गो नातिदीर्घो न चाल्पो नातिस्थूलो रक्तमत्स्यः स उक्तः BhojanKu. 174.2; **A ii** very thick, very large (limbs) योनिः ··· वैधव्यायातिस्थूला अतिस्थूलघनलोमा पौंश्चल्याय KāśyaS. 47B.40; बाहू वै ललितौ यस्याः ··· नातिस्थूलौ न रोमशौ BhaviP. 22A.21 (i. 5.62); अतिस्थूलाः कृशास्तथा ···एवं बहुविधा भेदा दन्तानां दन्तिनां नृप Hastyāyur. 539.2 (3.34); नातिस्थूला नातिदीर्घा ··· ग्रीवा ··· एतैर्गुणैः समायुक्ता पद्मिनी कीर्तिता बुधैः Mānaso. iii. 20.1737; **B** very big, very thick, very coarse (objects) नातिस्थूलः कार्यः (यूपावटः) MānS'S. 177.17; अतिस्थूलमसारमतिदीर्घम् (यन्त्रम्) SuśruS. i. 7.19; i. 8.9; iv. 35.32; अतिदीर्घमतिस्थूलं जर्जरं स्फुटितं तनु । ··· वर्जयेत् (बस्तिनेत्रम्) KāśyaS. 163A.32 (7.5); अतिस्थूलातिदीर्घे यन्त्रके मर्मघट्टनम् AṣṭāSaṁ. ii. 66.3 (4.11); अवनिपतिस्तु (ताम्) अतिस्थूलमुक्ताफलघटितेन शुचिना हारेण गङ्गास्रोतसेव कालिन्दीशङ्कया कृतकण्ठग्रहाम् ··· ददर्श Kād. 11.10; तं वरद्वीपम् ··· निर्झराणामतिस्थूलैः शीकरैर्व्योमगामिभिः । हसन्तमिव तोषेण श्रीकण्ठागमजन्मना PadmP.(Ra.) 6.89; पात्रं कुर्याद्विचक्षणः । अतिसूक्ष्ममतिस्थूलं छिन्नं भिन्नं च वर्जयेत् KulārT. 5.7; PauṣkS. 29.130; ManuBh. ii. 131.25 (*on* 8.134); दिवोल्का ··· अतिस्थूला सस्फुलिङ्गाः···राजमृत्यवे स्यात् ViṣṇuDhaP. ii. 166 (292A.15); ii. 88.14; अतिस्थूलमपि महीमहीधराद्यपह्नुवानः कथमभावमङ्गीकुर्यात् NyāyRa. 307.14 (*on* 5(3).144); नातिस्थूलम् ··· कर्तितं द्विजकन्याभिर्मुख्यं सूत्रं पवित्रके ĪśānS'iPa. ii. 21.9; अतिस्थूलं मृतं हीरम् RaseCin. 9.308 (248.27); यवः ··· मध्यो नातिस्थूलो नातिकृश इत्यर्थः DaṇḍaVi. 23.18; अतिस्थूलं सदम्लं दधि ··· कस्य न प्रियम् BhojanKu. 123.7; **C** very great, very clear, very obvious, very apparent (concepts, actions etc.) व्यतीतं चिन्तयेत् । ··· सर्वज्ञमतिस्थूलम् ViṣṇuSm. 97.2; अतिस्थूलानि प्रतिपुरुषजातिकुलावस्थितसूक्ष्मधर्मव्यतिक्रमणानि त्वनन्तभेदानि···प्रायेणैव संभवन्तीति TantrVā. 128.17 (*on* i. 3.7); अत्राह अतिस्थूलः खल्वयं प्रमादः NyāyMañ. ii. 196.2; उत्सुकमनोभिश्च कर्तुमारब्धमतिस्थूलमपि कर्म नोपजायते सुसूत्रम् TilaMañ. 171.11; जातिमत्त्वादिकं त्वतिस्थूलमिति तार्किकाणामेव वक्तुमुचितं नास्माकम् NyāyRa. 352.19 (*on* 5(4).17); यत्त्वप्रयत्नपूर्वकं सर्वा ब्रह्मणो मुखान्निःसृता इति तच्छाक्यमुनिदेशनेवातिस्थूलम् BālaKrī. i. 19.6 (*on* 1.7); **D** very rough, very approximate तत्र ज्याया अभावे तत्कोटिज्यायाः परमत्वेन त्रिज्यामितान्यतरकोटिज्येयं तद्भिन्नज्यामितैक्यज्या लभ्यते तदेष्टान्यतरकोटिज्यया किमिति लब्धैक्यज्यातिस्थूला SiddhāTaVi. 73.5; **E** very broad (sound) नातिस्थूलो नातिकृशः स्निग्धश्चेहालको धनः (शब्दगुणाः) SaṁgīRa. ii. 164.8 (3.71)

अतिस्थूलजटा (atisthūla-jaṭā) *adj.* (*f.*) having very thick roots अतिस्थूलजटा याः स्युस्तासां ग्राह्यास्त्वचो बुधैः S'ārṅgaS. i. 1.60; BhāvPra. (S'ā.) 6 (1).98.

अतिस्थूलत्व (atisthūla-tva) *n.* the state of being very obvious यदा त्वतिस्थूलत्वान्नैवाभिक्रामामित्येतत्पदमात्रविच्छेदेन पूर्वपक्षः TantrVā. 749.2 (*on* iii. 1.20); उपनिध्यादि ··· प्रत्यर्पणीयमित्येतदतिस्थूलत्वात्स्मृतिकारैरुपेक्षितम् SmṛtiCan. iv. 425.4; नामधेयपक्षस्य ··· अतिस्थूलत्वेऽपि ··· उपन्यासमात्रमिह कृतम् MayūMāli. 81.9 (*on* i. 4.12)

अतिस्थूलदोष (atisthūla-doṣa) *adj.* having a very obvious defect परोक्तं साधनमतिस्थूलदोषं न सम्यगुत्तरार्हमिति मत्वा विकल्पसमं जात्युत्तरमाह NyāyRa. 101.12 (*on* 2.182)

अतिस्थूलपरत्व (atisthūlapara-tva) *n.* the state of referring to gross objects अतिस्थूलपरत्वेन स च वाग्विषये पुनः । दृश्यादृश्येषु भावेषु अभिव्यक्तिं प्रयाति च JayāS. 20.238 = PāraS. 15.465.

अतिस्थूलबिन्दु (atisthūla-bindu) *m.* very big spot अतिस्थूलबिन्दुप्रमाणकशुक्लवर्णतनूरुहकृतमण्डलशतैश्चित्रितो हरिणविशेषः SmṛtiCan. v. 250.20.

अतिस्थूलवर्त्मन् (atisthūla-vartman) *adj.* having very broad course श्वेतोऽवसन्नवर्त्मातिस्थूलवर्त्मातिपिञ्जरः ··· प्रदुष्टा द्वादश व्रणाः CaraS. vi. 25.24 (1941 Ed.)

अतिस्थूलशुक्ति (atisthūla-śukti) *f.* very big shell (महाशल्कः) अतिस्थूलशुक्तिसदृशबहुस्थिशकलान्वितो मत्स्यः SmṛtiCan. v. 257.8.

अतिस्थूलश्वास (atisthūla-śvāsa) *m.* very deep breath अतिस्थूल-

-श्वासस्फूर्जत्कुक्षिपरिसरम् … लेसिकापसदम् YaśasCam. ii. 44. 5.

अतिस्थूलस्फिच् (atisthūla-sphic) *adj.* having very big buttocks निःस्वोऽतिस्थूलस्फिच् BṛSaṁ. 68. 17.

अतिस्थूलाखिलाङ्ग (atisthūlākhilāṅga) *adj.* having the entire body very stout or fat नातिस्थूलाखिलाङ्गः प्रथमयुगवसन्तोद्भवः पाटलाभः …भवति च …शुभो भद्रनामा MātaLī. 1. 27.

अतिस्थूलात्मन् (atisthūlātman) *adj.* having an extremely gross nature द्वे ब्रह्मणी त्वणीयोऽतिस्थूलात्मन् सर्व सर्ववित् ViṣṇuP. v. 1. 36.

अतिस्थेयस् (ati-stheyas) *adj.* very strong or firm आसीत्प्रेयान् … अतिस्थेयो वर्षीयान् (भर्ता) DvyāśraKā. 20. 54.

अतिस्थैर्यकृत् (atisthairya-kṛt) *adj.* producing excessive firmness इत्थं श्रीमानतुङ्गप्रभुचरितमतिस्थैर्यकृत् PrabhāC. 117. 25.

अतिस्थौल्य (ati-sthaulya) *n.* extreme fattiness श्लेष्मविकारान् … व्याख्यास्यामः … गलगण्डश्च अतिस्थौल्यं च CaraS. i. 20. 17; i. 21. 4 (1941 Ed.); कुरुतस्तु ते (बृंहणलङ्घने) । अतिस्थौल्यातिकार्श्यादीन् AṣṭāHṛ. i. 14. 19; अतिस्थौल्याग्निसदनकुष्ठमेहहृतौजसः AṣṭāSaṁ. i. 19. 21 (1. 5); i. 108. 3 (1. 20)

अतिस्थौल्यदोष (atisthaulya-doṣa) *m.* defect characterised by excessive fattiness यवामलकचूर्णं च योगोऽतिस्थौल्यदोषजित् AṣṭāHṛ. i. 14. 24 = AṣṭāSaṁ. i. 126. 5 (1. 25) = RasRaSa. 25. 64.

अतिस्थौल्यविनाश (atisthaulya-vināśa) *m.* cure or removal of excessive fattiness (अरिष्टान्) अतिस्थौल्यविनाशाय संविभज्य प्रयोजयेत् CaraS. i. 21. 27;

अतिस्थौल्यादि (ati-sthāulyādi) *adj.* excessive thickness etc. अतिस्थौल्यादिनिबन्धनभंयानकत्वरहिताः (ब्रह्मचारिदण्डाः) ViraMi. 90. 9 (*on* 1. 29)

अतिस्नान (ati-snāna) *n.* excessive bathing दिवास्वप्नादतिस्नानावगाहनात् ।… वातादयः प्रकुप्यन्ति KāśyaS. 335B. 36.

अतिस्निग्ध (ati-snigdha) *adj.* [*f.* -ā] **Ai** extremely oily, extremely unctuous भोज्यमन्नम् …। नातिस्निग्धमसङ्कीर्णम् CaraS. i. 13. 60; ii. 4. 51 (1941 Ed.); नातिस्निग्धां नातिरूक्षां वर्तिं प्रणिदध्यात् SuśruS. i. 5. 17; अतिस्निग्धातिशुष्काणां गुरूणां चातिसेवनात् KāśyaS. 260A. 22; न च विकेशिकामौषधं वातिस्निग्धरूक्षम्…दद्यात् AṣṭāSaṁ. i. 187. 11 (1. 38); अतिस्निग्ध°…शीतलैः।…भोजनैः … नृणां भवत्यतीसारः RugVi. 3. 1; अतिस्निग्धमधुराम्ललवणभोजनात् … श्लेष्मा प्रवृद्धः Hastyāyur. 57. 13 (1. 9); **Aii** over-treated with oily substances स्निग्धास्निग्धातिस्निग्धलक्षणम् ।… इच्छामि वेदितुम् CaraS. i. 13. 6 (1941 Ed.); अतिस्निग्धस्य शूल° … °यक्ष्माणः KāśyaS. 157A. 13; अनास्थाप्यास्त्वतिस्निग्धोत्क्लिष्टदोषक्षतोरस्कातिकृशाः AṣṭāSaṁ. i. 145. 18 (1. 28); अतिस्निग्धस्य रूक्षणम् SiddhYo. 71. 23; अतिभिन्नपुरीषं च अतिस्निग्धस्य लक्षणम् AśvaVai. 19. 9; मतङ्गजम् । अतिस्निग्धं कथं विद्यात् Hastyāyur. 680. 2 (4. 24); अतिस्निग्धोत्क्लिष्टदोषौ क्षतोरस्कः कृशस्तथा SārṅgaS. iii. 6. 4; अतिस्निग्धक्षतक्षीणामयार्दिताः। … न विरेच्या विजानता RaseCin. 9. 228 (217. 7); **Aiii** extremely watery, marshy, wet (i. e. not dry) (स्नाने … आरामं रोपयेत्) अनूपे अतिस्निग्धे CaturCin. i. 1044. 20; SūktiRa. 18. 17; **Aiv** extremely sticky देशधातिरसस्पर्शेषु च अतिस्निग्धेषु अल्परसीकृतेषु JñānBinPra. 4. 22; **Av** extremely soft or smooth अतिस्निग्धमधुरधवलविशालतया पीतक्षीरोदेनेव पिबन्नीक्षणयुग्मायामेन दिशामायामम् …स्कन्दगुप्तः HarṣaC. 266. 16; AvantiKa. 78. 2; अविच्छिन्नमतिस्निग्धमजर्झरमनाकुलम् । लक्षणोद्धारणं कुर्यात् ĪśānŚiPa. ii. 38. 44; इदमतिस्निग्धसान्द्रिसकलद्रुमगहनम् … धर्मारण्यम् TilaMañ. 182. 1; जुष्टं ललाटम् …अतिस्निग्धलम्बालकान्तैः JinaS. 3. 5; **Bi** extremely affectionate or loving तस्य कन्या… ममातिस्निग्धा सखी DaśKuC. 114. 7; अतिस्निग्धो जनः … मुद्रिकां दातुं नेच्छति GopāKeCan. 130. 11; अतिस्निग्धं जगन्मैत्र्या मनः किं युग्मिकालवत् ŚāliC. 6. 185; उत्तारकमतिस्निग्धम् …। सदा मुखस्थं मित्रं चेत् SūktiRa. 88. 17; सुन्दोपसुन्दयोरतिस्निग्धयोर्भेदनात् सङ्ग्रात्यः RasāSu. 73. 7 (1. 266); अतिस्निग्धोऽयं चन्द्रकन्दलो नाम रसिकाग्रेसरः RasSa. 223 (6); सिद्धमन्त्रानतिस्निग्धान् … होमयेत् TantrRā. 31. 99; **Bii** extremely soft, tender, pleasing (words) (राघवः) अतिस्निग्धं च गाढं च वचनं चेदमब्रवीत् Rāmā. iii. 14. 25; अतिस्निग्धमनुरूपं चाभिहितं तत्रभवत्या SvapnVā. 6. 11 (15); PañcRā. 3. 4 (1)

अतिस्निग्धकाय (atisnigdha-kāya) *adj.* whose body is extremely unctuous न चातिस्निग्धकायस्य दद्यात्स्नेहविरेचनम् SiddhYo. 74. 29.

अतिस्निग्धकेश (atisnigdha-keśa) *adj.* having extremely glossy hair अपश्यच्च नरश्रेष्ठम् …। नीलकुञ्चितसूक्ष्मातिस्निग्धकेशम् PadmP. (Ra.) 49. 51.

अतिस्निग्धता (atisnigdha-tā) *f.* excessive unctuousness or greasiness (of enema etc.) आमता हीनता … अतिस्निग्धता अतिरूक्षता … अतिद्रवता इत्येकादश द्रव्यदोषाः SuśruS. iv. 35. 32.

अतिस्निग्धभृत्य (atisnigdha-bhṛtya) *m.* very affectionate or devoted servant or attendant राज्ञः सर्वार्थकारिण्यतिस्निग्धभृत्ये 'ममात्मा भद्रसेनः' इति व्यवहारो गौणत्वेनोदाहृतः VivaPraSaṁ. 113. 23.

अतिस्निग्धम् (ati-snigdham) *adv.* very softly or friendly को नु खल्वयमस्मिन् नगरापणालिन्दे सशङ्कितमतिस्निग्धं च सम्भाषते Avimā. 3. 7 (5)

अतिस्निग्धमधुरत्व (atisnigdhamadhura-tva) *n.* the characteristic of being extremely soft and sweet (वाग्गुणाः) आभिजात्यमतिस्निग्धमधुरत्वं प्रशस्यता AbhidhāCin. 68; (पंचत्रिंशद् वचनातिशेषाः। संस्कारवत्त्वम् …अतिस्निग्धमधुरत्वम्) अतिस्निग्धमधुरत्वं घृतगुडादिवत् सुखकारित्वम् AupaSūT. 41. 1.

अतिस्निग्धलक्षण (atisnigdha-lakṣaṇa) *n.* symptom of over-oleation पाण्डुतागौरवं जाड्यं पुरीषस्याविपक्वता। तन्द्रीररुचिरुत्क्लेशः(?°क्लेशः) स्यादतिस्निग्धलक्षणम् CaraS. i. 13. 59.

अतिस्निग्धलिङ्ग (atisnigdha-liṅga) *n.* symptom of over-oleation गौरवजाड्योत्क्लेशाध्मानानि पुरीषमविपक्वम्। अरुचिरपि पाण्डुतन्द्रे वदन्त्यतिस्निग्धलिङ्गानि KāśyaS. 21B. 2.

अतिस्निग्धवपुस् (atisnigdha-vapus) *adj.* having an extremely charming form अतिस्निग्धवपुर्श्रेष्ठ शङ्खमुक्तानिभाननः (मृगः) Rāmā. iii. 790*(62)

अतिस्निग्धवर्ण (atisnigdha-varṇa) *adj.* having a very soft colour अतिस्निग्धवर्णैः … खुरमण्डलैरुपेतः…तुरंगरत्नं भद्रवाहनो नाम AvantiKa. 89. 10.

अतिस्निग्धशरीर (atisnigdha-śarīra) *adj.* (a person) whose body is very oily नातिस्निग्धशरीराय विदध्यात् स्नेहसंयुतम् KāśyaS. 271B. 26.

अतिस्निग्धशाख (atisnigdha-śākha) *adj.* having very glossy or soft branches नृत्तारम्भग्रहिलहृदयैरुद्धतैः केकिवृन्दैर्बद्धाभोगाः प्रतिवनमतिस्निग्धशाखाद्रुमौघाः MayūSaṁ. 2. 81.

अतिस्निग्धसंसेवन (atisnigdha-saṁsevana) *n.* partaking of a very oily or greasy substance अतिस्निग्धसंसेवनैर्भोजनेषु प्रदिष्टः कफस्य प्रकोपो वसन्ते HārīS. i. 5. 62.

अतिस्निग्धाशिन् (atisnigdhāśin) *adj.* partaking of very oily or greasy substance अतिस्निग्धाशिनस्तन्द्रीतृष्णाजीर्णोदरामयाः। भवन्ति KāśyaS. 258A. 23; अतिस्निग्धाशिनो ह्युभयमार्गसंसर्गात् स्नेहो मदमूर्च्छाग्निसादहृल्लासान् जनयति AṣṭāSaṁ. i. 148. 6 (1. 28)

अतिस्निह्यत् (ati-snihyat) *adj.* very affectionate or devoted अयं खलु…अतिस्निह्यदनुचरघटासमावृतः YātrāPra. 7. 5 (1)

अतिस्नेह (ati-sneha) *m.* **1** great affection, intense love or attachment अतिस्नेहोऽप्यकालेऽस्मिन् मरणायोपपद्यते Rāmā. vi. 36. 31; अतिस्नेहेन च तथापरः । बलाद् गृहीतो बद्धश्च …। नवैते पुत्रवत् पाल्याः BṛYamaSm. 5. 17; अलमतिस्नेहेन Prati. 4. 27 (5) = Avimā. 6. 20 (1); PratiYau. 2. 3 (15); अतिस्नेहः खलु कार्यदर्शी Vikramo. 2. 8 (4); अतिस्नेहे च सूक्ष्मैला जातिफललवङ्गकम् NāgaSa. 7. 1; BrahmVaiP. ii. 16. 53; सख्युर्ममातिस्नेहेन तत् सर्वं वक्तुमर्हति BṛNāraP. 9. 77; BhaviP. 88A. 4 (i. 47. 12); अतिस्नेहम् … पितरौ त्वयि चक्रतुः GaṇeP. i. 7. 11; SaraKaṇṭhā. 659. 9; KathāSaSāg. vii. 4. 40; स तदानीमतिस्नेहा(? स्नेहात्) कुलप्रलयकातरः ।… तपःसुतमवोचत PāṇḍaC. 11. 262; तथ्यमतिस्नेहः पापशङ्कीति UnmaRā.(Vi.) 52. (2); NāṭaLaRaK. 2377; नातिशोको नातिहर्षो नातिस्नेहो न मत्सरः ।… इति सिद्धस्य लक्षणम् TantrRā. 35. 73; RasSa. 235; **2i** excessive quantity of oil (for burning a lamp) अतिस्नेहपरिष्वङ्गाद् वर्तिरार्द्रापि दह्यते Rāmā. iv. App. 1. 2 (25); **2ii** excessive oleation मिथ्याबन्धादतिस्नेहाद्रतिभैषज्यकर्षणात् ।… व्रणा न प्रशमं यान्ति CaraS. vi. 25. 33 (1941 Ed.); अतिस्नेहात् क्लेदः AṣṭāSaṁ. i. 187. 12 (1. 38); **2iii** excessive stickiness or unctuousness वैवर्ण्यं वैगन्ध्यम् … गौरवमतिस्नेहश्च अष्टौ रेतोदोषाः CaraS. i. 19. 4 (1941 Ed.)

अतिस्नेहकातर्य (atisneha-kātarya) *n.* fear due to excessive affection अलमतिस्नेहकातर्येण MahāvīC. 4. 52 (7)

अतिस्नेहनिबन्धनी (atisneha-nibandhanī) *adj.* (*f.*) **1** based on excessive attachment or love प्रदीपशान्तिष्विव मुक्तभूरिदशास्वतिस्नेहनिबन्धनीषु । संसारमालासु चलाचलासु न ज्ञायते तत्त्वमतात्त्विकीषु YogVā. i. 27. 26; **2** soaked in excessive quantity of oil, YogVā. i. 27. 26.

अतिस्नेहनिर्भर (atisneha-nirbhara) *adj.* filled with great affection or love ततश्चातिस्नेहनिर्भरेण मदनकुमारेण सा निजजननी गृहीता KathāK. 36. 11.

अतिस्नेहपर्याकुलहृदय (atisnehaparyākula-hṛdaya) *adj.* whose heart is full of excessive affection कथमयं महाराजो जानन्नपि स्वजनसंबन्धमतिस्नेहपर्याकुलहृदयेन भवता वत्सौ रामकृष्णावुपनिनीषति KaṁVa. 3. 3 (2)

अतिस्नेहपीत (atisneha-pīta) *adj.* (an elephant) which has taken excessive quantity of oil पीतोदकाय च पयो न देयं स्यात् कदाचन । न चाति-

स्नेहपीताय मद्यपीताय चैव हि Hastyāyur. 669. 2 (4. 21)

अतिस्नेहवती (atisneha-vatī) *adj.* (*f.*) full of great affection माता न ताडयति मां क्वचित्। अतिस्नेहवती यस्मादेकपुत्रपरायणा ĀdiP. 21. 67.

अतिस्नेहवश (atisneha-vaśa) *m.* [Abl.] due to great affection पुत्रसुखदुःखाभ्याम् 'अहमेव संस्पृष्टः' इति पिता अभिमन्यते। अथातिस्नेहवशादभिमानो नाध्यासवशादिति मन्येथाः, तत्र VivaPraSaṁ. 113. 17.

अतिस्नेहविरेकिन् (atisneha-virekin) *adj.* using excessively oily or greasy purgative अत्यश्नतामजीर्णेन अतिस्नेहविवे(रे)किणाम्।…ग्रहणी जन्तोर्दूष्यते BhelaS. 162. 14 (6. 13)

अतिस्नेहविह्वलमानस (atisnehavihvala-mānasa) *adj.* whose mind is agitated by great affection लुठन्तीं भूतले सुताम्। उत्थाप्याङ्के वि(नि)धायातिस्नेहविह्वलमानसः। भानुरप्याययौ PadmP. iv. 71. 33.

अतिस्नेहसमन्वित (atisneha-samanvita) *adj.* possessed of great affection ततः पिता कुमारौ तावतिस्नेहसमन्वितः। योजयामास वात्सल्याद् बहुभिः साधनैस्तथा BṛNāraP. 33. 15.

अतिस्नेहाकुल (atisnehākula) *adj.* agitated by great affection जाने जन्मान्तरे चाभून्नूनं सख्यं ममैतया। एतद्धि मे वदत्यस्यामतिस्नेहाकुलं मनः KathāSaSāg. vi. 2. 104; हंसीं तावन्मृतां दृष्ट्वा…। अतिस्नेहाकुलः सोऽपि हृदयस्फोटतो मृतः CitraPaC. 119.

अतिस्नेहापकृष्टा (atisnehāpakṛṣṭā) *adj.* (*f.*) carried away by intense love अतिस्नेहापकृष्टोमा देहार्धे शूलिनः श्रिता BṛĀraUBhVā. ii. 4. 69.

अतिस्नेहाभिनय (atisnehābhinaya) *m.* show of great affection स तावदतिस्नेहाभिनयेन त्रिचतुराणि वासराणि प्रत्यहमन्यमन्यमुपहारमुपाहरत् S'ṛṅgāSar. 75 (2)

अतिस्नेहार्द्रचित्त (atisnehārdra-citta) *adj.* whose mind is melted with great affection अतिस्नेहार्द्रचित्तस्य जनेतुश्चेति भाषितम्। निशम्य धूतपापा सा प्रोवाच SkandP. iv. 59. 47.

अतिस्नेहार्द्रचेतस् (atisnehārdra-cetas) *adj.* whose mind is melted with great affection कृतं छेकगणस्यापि त्वया संभाषणं प्रभो। यियासुना परं देशमतिस्नेहार्द्रचेतसा PadmP.(Ra.) 16. 93.

अतिस्नेहित (ati-snehita) *adj.* treated with excessive oleation, extremely lubricated मन्दाग्न्यतिस्नेहितबालवृद्धस्थूलक्षतक्षीणभयोपतप्ताः … अविरेचनीयाः स्नेहादिभिर्ये त्वनुपस्कृताश्च SiddhYo. 74. 26.

अतिस्पद (atispada) *m.* *Feronia elephantum* अतिस्प(?स्य)दः कपित्थेः-(?त्थे) ApūNā. 25B. 2.

अतिस्पर्ध् (ati-spardh-) I. Ā. to compete excessively यया विस्पर्धसे (v. l. अतिस्पर्धसे) सह MahāBhā. i. 14. 18.

अतिस्पर्धिन् (atispardh-in) *adj.* vying or competing excessively तावपि स्पर्धिनौ (v. l. तावतिस्पर्धिनौ) राजन् पृथगास्तां परस्परम् MahāBhā. xiv. 5. 5.

अतिस्पर्श (ati-sparśa) *m.* too much contact (of the tongue and palate in pronunciation) अतिस्पर्शो बर्बरता च रेफे ṚPrāti. 14. 8; [slight contact or absence of contact of the tongue or palate in pronunciation; epithet of the semi-vowels and vowels, APTE]; *adj.* not liberal, niggardly, mean-spirited [APTE]

अतिस्पर्शकर (atisparśa-kara) *adj.* causing too much contact ततो दशनच्छेद्यमतिस्पर्शकरम् (चुम्बनम्) JayaMa. 132. 19 (*on* 2. 5)

अतिस्पर्शकारिन् (atisparśakār-in) *adj.* causing too much contact ततोऽपि सर्वाङ्गिकमालिङ्गनमतिस्पर्शकारि JayaMa. 132. 21 (*on* 2. 5)

अतिस्पर्शनिवृत्त्यर्थम् (atisparśa-nivṛttyartham) *adv.* meant for the sake of avoidance of too much contact स्तनमुकुलयोरिति मुकुलग्रहणमतिस्पर्शनिवृत्त्यर्थम् JayaMa. 204. 3 (*on* 3. 2)

अतिस्पर्शवत् (atisparśa-va(n)t) *adj.* having a hard touch स्वशयनीयसंनिधावतिस्पर्शवद्भिर्वल्कलांशुकैस्तल्पमुपकल्पयता … स्वविरतापसीसमूहेन विसारितसकलबन्धुविरहदुःखा … कंचित्कालमनयम् TilaMañ. 331. 10.

अतिस्पष्ट (ati-spaṣṭa) *adj.* [*f.* -ā] **i** very true or actual स्थित्यर्थमित्यतिस्पष्टमुक्षिप्य भुजमुच्यते MaBhāsk. 5. 37; मनैक्यार्थादधिके नातिस्पष्टा स्फुटोक्तिरतः BrahmSphuSi. 9. 20; **ii** very clear, very distinct विहंगराजः … अतिस्पष्टवर्णस्वरसंस्कारया गिरा … आर्यामिमां पपाठ Kād. 12. 18; अतिस्पष्टं ब्रह्मलिङ्गमत्र प्रतीयते Bhām. 277. 15 (*on* i. 3. 41); S'ivārkaMaDī. ii. 444. 30 (*on* iv. 1. 16); अतिस्पष्टस्य प्रतिषेधनिबन्धनबाधस्यास्मिन् पादे निरूपणम् MayūMāli. 773. 21 (*on* x. 8. 1)

अतिस्पष्टकल्पित (atispaṣṭa-kalpita) *adj.* arranged very clearly अक्षराभ्यामतिस्पष्टकल्पिताभ्यां प्रपूरितम् SāhiSā. 2. 158.

अतिस्पष्टतरम् (atispaṣṭa-taram) *adv.* much more clearly वृद्धत्वाद्धतेन्द्रियत्वाच्च नातिस्पष्टतरं शृणोम्यहम् Tantrākhyā. 102. 10.

अतिस्पष्टता (atispaṣṭa-tā) *f.* the state of being very clear, extreme clarity विश्वपतित्वादीनाम् … पूर्वपक्षदशायां नातिस्पष्टता S'ivārkaMaDī. i. 332. 3 (*on* i. 2. 8)

अतिस्पष्टत्व (atispaṣṭa-tva) *n.* the state of being very clear, extreme clarity तदतिस्पष्टत्वान्न व्याख्यातम् TātpaṬ.(U.) 16. 19 (*on* 1. 68) = 20. 21 (*on* 1. 89); तदतिस्पष्टत्वान्न वार्तिककृता व्याख्यातम् NyāySu.(So.) 17. 27 (*on* i. 2. 5); वस्तुनो निर्विकारत्वस्य अस्मदभीष्टस्य अतिस्पष्टत्वात् TarkSaṁ.(Ā.) 133. 5.

अतिस्पष्टपरिकर (atispaṣṭa-parikara) *adj.* details of which are very clear (अहं च) रात्रावतिस्पष्टपरिकरं स्वप्नमद्राक्षम् UdaySuKa. 58. 13.

अतिस्पष्टम् (ati-spaṣṭam) *adv.* very clearly or precisely, in very clear words राजा…जगाद तामतिस्पष्टम् BṛKathāK. 56. 310; JīvanVi. 60. 6; भाष्यकारोऽप्यतिस्पष्टं मुक्तस्य सगुणेश्वरभावापत्तिमाह SiddhāLeSaṁ. 459. 3; एवमानयनं चक्रे पूर्वं स्वीयशिरोमणौ।…अतिस्पष्टम् SiddhāTaVi. 64. 8; (S'eṣaVā.) 43. 15.

अतिस्पष्टवर्णता (atispaṣṭavarṇa-tā) *f.* the state of having very distinct letters तस्य वातायनस्य … स्फटिकशिलापट्टे … अतिस्पष्टवर्णतया तद्दिनोत्कीर्णमिव प्रशस्तिमैक्षत् (समरकेतुः) TilaMañ. 219. 14.

अतिस्पष्टवर्णव्यक्ति (atispaṣṭa-varṇavyakti) *f.* very distinct manifestation of sounds अत्रान्तरेऽन्तरिक्षमण्डलादतिस्पष्टवर्णव्यक्तिमनोहारिणी वागश्रूयत NalaCam. 2. 22 (4)

अतिस्पष्टस्वरूप (atispaṣṭa-svarūpa) *adj.* whose form is very clear or distinct तौ चाकारहकारौ न वैखरीरूपाविवातिस्पष्टस्वरूपौ SetuBa. 190. 15.

अतिस्पष्टीकर्तुम् (atispaṣṭī-kartum) *inf.* to make very clear तमेवार्थमतिस्पष्टीकर्तुं प्रकरणमिदमारभ्यते VidhiRa. 1 (2. 18)

अतिस्पष्टीकृत (atispaṣṭī-kṛta) *adj.* which is made very clear उक्त एवायमर्थः पूर्वश्लोके नातिस्पष्टीकृतः ManuBh. ii. 263. 2 (*on* 9. 73)

अतिस्पृश् (ati-spṛś-) VI. P. to touch very closely (*pass.*) दुःस्पृष्टः स रेफोऽतिस्पृश्यते Uvaṭa *on* ṚVPrāti. 14. 8.

अतिस्पृहयालु (ati-spṛhayālu) *adj.* very avid नरेन्द्रोऽपि … प्रकृतिनिःस्पृहोऽपि परोपचारेष्वतिस्पृहयालुरिव सत्वरम् … तं जग्राह TilaMañ. 45. 10.

अतिस्पृहयालुता (atispṛhayālu-tā) *f.* excessive desire or greed कीनाशस्तु यः परं बीभत्समपि शरीरिणमतिस्पृहयालुतया गिलति YaśasCam. ii. 68. 5 (comm. वाञ्छकशीलतया)

अतिस्पृहा (ati-spṛhā) *f.* excessive desire or avidity अतिकोपं चातिहर्षमतिलौल्यमतिस्पृहाम्।… वर्जयेत् Rasā. 18. 119; RaseCin. 3. 87 (37. 5)

अतिस्फार (ati-sphāra) *adj.* very many तावज्जनाः प्राकृताः। यावन्नैव नयन्ति कर्मभिरभिध्येयप्रकर्षप्रथैश्चित्रप्रायदशैश्च निर्मलमतिस्फारं जनं रञ्जनम् RājTa.(Jo.) 31.

अतिस्फारशोकभू (atisphāra-śokabhū) *f.* abode of excessive grief इत्याकर्ण्यामराजस्य पौत्रोऽतिस्फारशोकभूः। भोजः … विललाप च PrabhāC. 110. 1.

अतिस्फालम् (ati-sphālam) *adv.* in an excessively disturbed manner (समरकेतुः) उभयश्रेणिविद्याधरेन्द्रसुन्दरीणाम् …नितम्बमण्डलैरतिस्फालमास्फालितम् (सरो दृष्टवान्) TilaMañ. 204. 3.

अतिस्फिर (ati-sphira) *adj.* very much agitated or tremulous [S'abdaKaDru. PW]

अतिस्फीत (ati-sphīta) *adj.* [*f.* -ā] **i** very abundant लभतेऽसावतिस्फीतान् लाभान् लोकस्य पूजितः PadmP.(Ra.) 32. 153; प्रभो प्रीतिरतिस्फीता कस्य जागर्ति न त्वयि PāṇḍaC. 16. 343; अथान्येद्युरतिस्फीता(?तां) पत्यौ प्रीतिमुपेयुषी। बभार गर्भं गान्धारी PāṇḍaC. 2. 1; तत्र लक्ष्मीरतिस्फीता नीरोगाश्च प्रजास्तथा TantrRā. 14. 60; मध्याह्ने ध्वाङ्क्षघोषः श्वभ्रतमतिस्फीतफेरुप्रचारः (आसीत्) MahāN. 3. 2; **ii** very many सर्वे पुनर्ब्राह्मणाः ताभ्यां संयुयुजुः शुभाशिषमतिस्फीताः समाप्तक्रियाः MahāN. 1. 19.

अतिस्फीतता (atisphīta-tā) *f.* great abundance क्वचित्सांयात्रिकप्रचारविरहादतिस्फीततां गतैः … मुक्ताफलैर्निरन्तरनिचितेषु सैकतेषु TilaMañ. 146. 20.

अतिस्फुट (ati-sphuṭa) *adj.* [*f.* -ā] **i** very clearly discernible, distinct (visible, audible) अतिस्फुटसन्धिशब्दमपि … अशिवमशान्तमनर्थमूलम् AvantiKa. 42. 19; अत्यासन्ने च सुव्यक्तं तेजस्तस्यादतिस्फुटम्। तत्राप्यदृष्टमाश्रित्य भवेद्रूपान्तरं यदि PramāVār. 3. 413; तत्र मन्त्रपवितं हविः क्रतावश्नतो न वपुरेव केवलम्। वर्णसंपदमतिस्फुटां दधन्नाम चोज्ज्वलमभूद्धविर्भुजः S'iśuVa. 14. 26; क्रुद्धयेव भ्रुकुटिरतिस्फुटा ललाटे शाल्वस्य प्रसरदमर्षमुल्ललास Kapphiṇā. 3. 28; तानि (चुम्बनादीनि) रतस्यारम्भे नातिव्यक्तानि नातिस्फुटानि JayaMa. 105. 16 (*on* 2. 3);

भगवानपि मार्तण्डः ··· दध्रे नातिस्फुटं वपुः BrahmP. 32. 47; अथैतां देवदेवस्य श्रुत्वा वाचमतिस्फुटाम् MāliniT. 12. 1; तद्दम्पतिश्रुतिमधून्यथ चाटुगाथावीणास्तथा जगुरतिस्फुटवर्णबन्धम् NaiṣC. 21. 120; नातिस्फुटाः करजाङ्कुराः···मृगपतिशिशोः Sadukti-Ka. 251. 23; ii very clear, very plain (to understand), S'iśuVa. 14. 26 (comm. अतिस्फुटा अतिव्यक्तार्था); किं त्वस्य राघवशिशोः सहजानुभावगम्भीरभीषणमतिस्फुटमेव वृत्तम् AnargharRā. 3. 28; प्रदोषस्तोत्रे ईशताण्डवनर्तनवर्णनमतिस्फुटमिति नेह लिख्यते LalitāTriBh. 278. 15 (12); तस्मात्कर्मप्रयोगाणां शास्त्रमेतददतिस्फुटम् TantrVā. 166. 3 (on i. 3. 10); सस्मारासुररिपुकेलिकोलघूर्णद्रोणाग्रप्रहतिमतिस्फुटां फणीन्द्रः Kapphiṇā. 3. 37; विध्यावृत्तिलक्षणो वाक्यभेदोऽतिस्फुटः Bhām. 160. 22 (on i. 1. 31); 281. 9 (on i. 4. 1); तावत्येव वा स्मृतिः आभासान्तरैरपि व्यामिश्रा अतिस्फुटेति PratyabhiVi. i. 160. 1 (i. 4. 2); अत्र हि द्रव्यगतया संख्यया नातिस्फुटः कर्मभेदः S'āstrDī. 143. 5 (on ii. 2. 7); एकैवालंकृतिर्यत्र शाब्दत्वार्थत्वभेदतः। द्विरुच्यते तां मन्यन्ते पुनरुक्तिमतिस्फुटाम् VyaktiVi. 74. 23; स्पष्टशब्दादियुक्तेषु भौतिकत्वमतिस्फुटम् PañcDa. 2. 17; अविचारसारवचनैरतिस्फुटैः···कुपितेव भासि कुटिले Raghunā. 12. 53; अतिस्फुटमेव त्रैलोक्यवीरत्वमस्य जनस्थानचोरस्य AdbhuDa. 7. 15 (23); स्फुटतमः ··· सर्वधर्मग्रहणेनातिस्फुटो यो विषयः Bhāsk. i. 185. 15 (on i. 4. 7); (मनः) तदेकमक्षयं स्थूलं सूक्ष्मं दुर्ज्ञमतिस्फुटम् TantrRā. 36. 23.

अतिस्फुटकररुह (atisphuṭa-kararuha) *adj.* having very clearly visible nails पाणी नातिस्फुटकररुहौ ग्राण्वि कण्डूयमानाः।··· सिंहशावाः ··· व्योम निर्मा(? र्भा)लयन्ति SaduktiKa. 251. 19.

अतिस्फुटकान्ति (atisphuṭa-kānti) *adj.* having a very clear radiance शीतदीधितिरसौ ··· अतिस्फुटकान्तिः। भाति तत्त्वविदुषामिव बोधः S'aṅkaDigVi. (Mā.) 5. 142.

अतिस्फुटक्वणितनूपुरम् (atisphuṭakvaṇita-nūpuram) *adv.* with very clearly sounding anklets (अदर्शि फणिराजसुता) नातिस्फुटक्वणितनूपुरमाकुलानि ··· दधती त्रपया पदानि NavaSāC. 18. 37.

अतिस्फुटता (atisphuṭa-tā) *f.* perfect clarity (in understanding) इदं त्वतिस्फुटतयानभिधाय ··· मार्गान्तरं दर्शितमिति मन्तव्यम् TātpaṬ.(Vā.) 178. 11 (on i. 1. 5); अगूढः अतिस्फुटतया सर्वजनसंवेद्यः SāhiDa. 53. 1.

अतिस्फुटत्व (atisphuṭa-tva) *n.* extreme or perfect clarity (in understanding) सुषुप्त्यादौ प्रत्यगात्माश्रयस्याज्ञानस्य प्रतीयमानत्वेऽपि (v. l. अतिस्फुटत्वेऽपि) स्फुटतरप्रतीत्यभावात् PañcPra. 68. 2; तदेतदतिस्फुटत्वाच्छिष्यैर्गम्यत एव TātpaṬ.(Vā.) 133. 11–12 (on i. 1. 3); क्वचिदतिस्फुटत्वेन यथा – श्रीपरिचयाज्जडा अपि भवन्त्यभिज्ञा विदग्धचरितानाम् Kāvyānu.(He.) 128. 6; रूपभेदस्य सुवर्णादौ अतिस्फुटत्वात् TarkSaṁ.(Ā.) 39. 4; सुखदुःखे तीव्रसंवेगितयातिस्फुटत्वादुक्ते Upask. 245. 11–12 (on v. 2. 15); 317. 13 (on vii. 2. 7); अग्रे बहुशो वार्तिकप्रत्याख्यानेन विरोधस्यातिस्फुटत्वादिति ध्येयम् MayūMāli. 45. 5 (on i. 3. 9)

अतिस्फुटम् (ati-sphuṭam) *adv.* i very clearly (audible or visible) यथैताः कोमलाङ्गुलितलाभिहन्यमाना नातिस्फुटं क्वणन्ति तन्त्र्यः Nāgā. 1. 12 (3); लसति हास्तिकमेतदतिस्फुटं ध्वजपटम् RāmC. (App.) I. 37. 70; अतिस्फुटम् ··· उच्चलन्तीभिः किञ्जल्क(ग)लच्चूर्णराजिभिर्भरन् भूरिशो रङ्गावलिविशेषान् ··· आवाति ··· समीरणः UdaySuKa. 114. 19–20; प्रवेशिताः स्फाटिककन्दरोदरम् ··· अपत्रपन्ते बहिरासिताः सखीरवेक्ष्य नैर्मल्यवशाददतिस्फुटम् Gaṅgāva. 3. 68; तेन मानेन च तथा कृत्वा वृत्तमतिस्फुटम् TantrRā. 29. 42; ii very clearly (understandable) ऐश्वर्यवर्णनमतिस्फुटमेव कृत्वा SaṁkṣeS'ā. i. 152. 9; अन्धं तमो विशन्तीति प्राह श्रुतिरतिस्फुटम् AnuVyā. 49B. 6–7 (on 3. 3); वचनानन्तरं सापि तथैवाधाददतिस्फुटम् PrabhāC. 197. 9; शिवस्य शम्भोरनुरागिणीरलं दिनेषु गच्छत्सु तयोरतिस्फुटम्।··· विरुद्धतामङ्कुरयाञ्चकार ParamāKā. 8. 57.

अतिस्फुटविवेक (atisphuṭa-viveka) *m.* very clear discrimination तत्रैवं प्रधानकार्याणां स्वरूपं विस्तरतो वक्तव्यं तेभ्योऽपि पुरुषस्यातिस्फुटविवेकाय SāṁkhyaPraBh. 74. 20 (on 2. 1)

अतिस्फुटाक्षरम् (atisphuṭākṣaram) *adv.* with each sound very clearly pronounced अनेन ··· इयमार्या मामुद्दिश्यातिस्फुटाक्षरं गीता Kād. 13. 7.

अतिस्फुटीकरण (atisphuṭī-karaṇa) *n.* act of making very clear उक्तमपि विमर्शरूपत्वमतिस्फुटीकरणाय पुनः कथयति विमर्शनात्मा इति Bhāsk. i. 265. 14 (on i. 5. 14)

अतिस्फुटीभूत (atisphuṭī-bhūta) *adj.* which has become very clear न हि वासुदेवः स्मरणीय इति प्रतिपत्तिः। अपि तु तदुपायद्वारेणातिस्फुटीभूतसंकल्पगोचरो देवताविशेषो ध्यायिनां फलकृत् AbhinBhā. i. 287. 15 (on 6. 31)

अतिस्फुटोच्चारा (atisphuṭoccārā) *adj.* (*f.*) with very clear pronunciation (सेनाधिपतिः) अतिस्फुटोच्चारया गिरा सादरमवादीत् TilaMañ. 194. 10.

अतिस्फैयकृत (ati-sphaiyakṛta) *adj.* surpassing (in qualities) Sphaiyakṛta (descendant of Sphyakṛta) मांसान्यतिस्फैयकृतोऽत्र नैयग्रोधं कषायं नु न भोक्तुमैच्छत् DvyāśraKā. 20. 32.

अतिस्मय (ati-smaya) *m.* great pride or arrogance अस्य···नातिस्मयोष्मापस्मारविस्मृतस्थैर्याणि स्थानकानि HarṣaC. 88. 3; युधि निघ्नन् ··· अतिस्मयाचितः। अभयं तैरसौ सेनां कां क्षिणोति स्म याचितः HarVi. 43. 15.

अतिस्मर (ati-smara) *adj.* surpassing the god of love सुतो जज्ञे सुलक्षणः। रूपेणातिस्मरः PrabhāC. 28. 28.

अतिस्मरश्री (atismara-śrī) *adj.* whose beauty surpasses (that of) the god of love अथान्यमुद्दिश्य नृपम् ··· दमस्वसारं वदति स्म देवता गिराम् ··· अतिस्मरश्रियम् NaiṣC. 12. 52 (comm. अतिक्रान्तस्मरा श्रीर्यस्य तम्)

अतिस्मराकृति (atismarākṛti) *adj.* whose form surpasses (that of) the god of love विस्मयस्फुरणपक्ष्म काचन। वीक्षते स्म तमतिस्मराकृतिम् Tārā-S'a. 16.

अतिस्मरातुर (ati-smarātura) *adj.* [*f.* -ā] greatly love-sick रामः ···। शूर्पणखां विरूपां वै चकारातिस्मरातुराम् DevīBhāP. iii. 28. 22; प्राणिनो विह्वलाः सर्वे ··· अतिस्मरातुराः DevīBhāP. iv. 6. 10.

अतिस्मृ (ati-smṛ-) I. P. to remember too long तद्वियोगं च राघवः। प्रयतिष्ये तथा कर्तुं यथा नातिस्मरिष्यति Rāmā. ii. 906*(16)

अतिस्मृति (ati-smṛti) *f.* strong memory अतिपुण्यमतिस्मृतिम्।··· साधय SkandP. iii(3). 11. 28.

अतिस्मेर (ati-smera) *adj.* very much smiling, full of smiles अतिस्मेरमुखमहोत्पलमवलोक्य देवदत्तमुत्पन्नप्रमोदमनुमिमीते Bhām. 101. 8 (on i. 1. 4); *m.* broad smile (विष्णुम्) अतिस्मेरविकाशाद्भावभावितम् SkandP. ii(8). 6. 19.

अतिस्य (ati-sya) *Pron.* cf. **अतित्यद्** superior person त्यदादिविकारः। अतिस्यः उत्तमस्यः MahāBh. iii. 222. 9 (on vi. 4. 130 Vār. 6); अतिस्य इति। शोभनः स्यः इत्युत्तरपदार्थप्रधानस्तत्पुरुषो द्रष्टव्यः Pradī. v. 349B. 37 (on vi. 4. 130); तेन तदोः सत्वम् अतिस्य इत्यत्र न PariVṛ.(Nī.) 4. 4.

अतिस्रंस् (ati-sraṁs-) I. P. to lay aside, to escape राय: सूनो सहसो वावसाना अति स्रसेम वृजनं नांहः ṚV. vi. 11. 6.

अतिस्रव (ati-srava) *m.* excessive flow or discharge कषाययोगैरथवा विपक्वमेतैः पिबेत्सर्पिरतिस्रवे च CaraS. vi. 4. 87 (1941 Ed.)

अतिस्रवण (ati-sravaṇa) *n.* excessive discharge (from bowels) यूपश्चेत् सुषिरवान्स्यात् अतिस्रवणेनोदरस्य यजमानो म्रियेत Rudradatta's comm. on ĀpaS'S. ix. 20. 1.

अतिस्रवत् (ati-sravat) *adj.* flowing too much अतिस्रवति तु रक्ते तत एवाक्षमात्रं प्राशयेत् AṣṭāSaṁ. i. 213. 14–15 (2. 4)

अतिस्रवा (ati-sravā) *f.* the plant *Sanseviera roxburghiana* [pw]

अतिस्रष्टुम् (ati-sraṣṭum) *inf.* to give away (in donation) इच्छाम्यहम् ··· खिलक्षेत्रकुल्यवापचतुष्टयं क्रीत्वातिस्रष्टुम् EI. xxiii. 54. 4.

अतिस्राव (ati-srāva) *m.* excessive discharge स्तैमित्य° ··· °अतिस्रावैः कफजं विद्यात् (व्रणम्) KāśyaS. 123B. 28; 131A. 54; *adj.* oozing excessively अन्नं च सविषम् ···। तथा भवत्यतिस्रावं पक्वं पर्युषितोपमम् ViṣṇuDhaP. ii. 28. 23.

अतिस्रावित (ati-srāvita) *n.* excessively oozing wound स्यात्सरुक् स्रावबहुलं तदतिस्रावितं विदुः SuśruS. vi. 13. 13.

अतिस्रु (ati-sru-) I. P. i to overflow यस्य सोमग्रहो गृहीतोऽतिस्रा(? स्र)वेत् का तत्र प्रायश्चित्तिः Atharva-Prāyaścitta. 2. 5; ii to flow excessively कुञ्जरस्य ··· कटाभ्यामतिसुस्राव ··· शोणितम् HariVaṁ. 74. 35.

अतिस्रुत (áti-sruta) *adj.* i which has flowed over प्रत्यङ् सोमो अतिस्रुतः VājaS. 10. 31; ii excessively discharging वातबहुलान्यर्शांसि भवन्त्यतिस्रुते रक्ते AṣṭāSaṁ. ii. 64. 5 (4. 10)

अतिस्रुतरक्त (atisruta-rakta) *n.* blood flowing excessively क्षौममषीलाक्षासमुद्रफेनचूर्णं वा ··· अतिस्रुतरक्तव्यापत्प्रतीकारोपकरणम् AṣṭāSaṁ. i. 177. 15 (1. 36); i. 176. 10 (1. 36)

अतिस्रोतस् (ati-srotas) *n.* big stream तेन ··· विद्यामदः श्रीमदो रूपमद इत्यनेकमुखान् ··· मदा(न्) मुञ्चतातिस्रोतोमदमुचः कदर्थिता इव गन्धकरिणः AvantiKa. 149. 19.

अतिस्रौघ्नीरदा (ati-sraughnīradā) *adj.* (*f.*) surpassing (in respect of whiteness) the teeth of women from Srughna नवमालिकातिस्रौघ्नीरदा सेव्यमभूत्रिदाघे DvyāśraKā. 16. 79.

अतिस्वच्छ (ati-svaccha) *adj.* [*f.*-ā] i very clean, highly transparent अतिस्वच्छचेलाम् ··· त्वाम् ··· भावयन् भारतीवल्लभः स्यात् DevīBhuSt. 13; पित्तद्रव्यस्य काचस्यैवातिस्वच्छस्य पीतत्वं गृह्यते पित्तं तु न गृह्यते TātpaṬ.(Vā.) 88. 20 (on i. 1. 2); उपस्पृशेत् ··· अतिस्वच्छाभिरद्भिश्च SkandP. iii(2). 5. 49; सः ··· ययौ। कासारम् ··· अतिस्वच्छजलम् GaṇeP. ii. 8. 17; 53. 5; अतिस्वच्छं तदा-

गच्छ वत्स स्वं दर्शयास्यकम् PrabhāC. 12. 10; अतिस्वच्छदर्पण इव किंचित्स्वच्छताम्रादावपि मुखसंस्थानविशेषप्रतीत्यापाताच्च Nyāyāmṛ. 609B. 11; या दृष्टैव पुनाति विश्वमखिलं सेयं पुनर्जाह्नवी विच्छिन्ना क्वचिदाविला क्वचिदतिस्वच्छा SaduktiKa. 240. 4; SiddhāBi. 56. 4; **ii** very bright or white गजवदनस्कन्दधृतेनातिस्वच्छेन चामरयुगेन । गलदलकाननपद्मं मृत्युंजय भावयामि हृत्पद्मे Mṛtyu-MāPūSt. 18; चन्द्रमसो बिम्बमतिस्वच्छम् ··· अवलोक्यते Bhām. 214. 8 (*on* i. 3. 15); **iii** very pure (i. e. free from blemishes) तदेष संप्रति ··· अवाप्य ··· त्वाम् ··· त्रासविरहितमपेतत्रासः स्वच्छाशयमतिस्वच्छो गुणवन्तमतिशयोज्ज्वलगुणः प्राप्नोतु सदृशवस्तुसंयोगजां प्रीतिम् TilaMañ. 43. 20; भवत इवातिस्वच्छं कस्याभ्यन्तरमगाधमतिशिशिरम् । काव्यामृतरसमग्नस्त्वमिव सदा कः कथय सरसः VidaMuMa. 2. 20; 4. 59; यत्र प्रकाशरूपस्यातिस्वच्छस्य नितान्ताभिभूतरजस्तमस्तथा विवेकख्यातिरूपेण परिणतस्य बुद्धिसत्त्वस्यात्यन्तिकश्चैतन्यादसंकरः TattvVai. 158. 19 (*on* 3. 35); किमादेयं हेयं किम् ··· सहजानन्दजलधावतिस्वच्छे तुच्छीकृतसकलमाये परशिवे S'aṅkaDigVi.(Mā.) 5. 128.

अतिस्वच्छतर (atisvaccha-tara) *adj.* very clean (कीदृशं तत्सरः) अतिस्वच्छतरं शीतम् ··· जलं तस्य SkandP. iii(2). 15. 69.

अतिस्वच्छता (atisvaccha-tā) *f.* great clarity, high transparency स्फटिकमणावतिस्वच्छतया जपाकुसुमप्रतिबिम्बोद्ग्राहिण्यरुणः स्फटिक इत्यारुण्यविभ्रमः Bhām. 4. 7 (*on* i. 1. 0); अतिस्वच्छतयान्तर्दृश्यमानव(गि ?)लितानु(न्ध ?)-कारशकलानीव संक्रान्तासन्नविटपदलबिम्बकान्युद्वहन्तम् (राजा मणिमपश्यत्) Uday-SuKa. 131. 18; नेत्रविरोधिकज्जलकालिमवैलक्षण्येनातिस्वच्छतया तदनिरोधिपित्तपीतिमग्रहणमुपपादयन् NyāyMa. 77. 3.

अतिस्वच्छत्व (atisvaccha-tva) *n.* great clearness, high transparency काचादीनां केषांचिदतिस्वच्छत्वात् ··· चाक्षुषतेजःप्रसरनिरोधकौशलं नास्ति Nyāy-Mañ. ii. 51. 14; अन्तःकरणस्यातिस्वच्छत्वाच्चैतन्यं तत्राभिव्यज्यते VivaPraSaṁ. 88. 7; SiddhāBi. 57. 6; अत्र तूक्तप्रकारम् । अणुत्वं परिच्छिन्नत्वे सत्यतिस्वच्छत्वम् S'rutaPra. ii. 393. 24 (*on* ii. 4. 6)

अतिस्वच्छन्द (ati-svacchanda) *adj.* very free अतिस्वच्छन्दरत्नाङ्कुरश्रेणीशोणभुजंगनायकफणाचन्द्रोल्लसत्पल्लवम् । भूयादभ्युदयाय···प्रत्यूहप्रशमैकपूर्णकलशप्रायं शिरो धूर्जटेः SaduktiKa. 8. 32.

अतिस्वच्छन्दशायिनी (atisvacchanda-śāyinī) *adj.* (*f.*) sleeping very freely अतिस्वच्छन्दशायिनीम् । तामजागरयन्नूचे नीचकैर्निषधापतिः PāṇḍaC. 6. 385.

अतिस्वच्छमानस (atisvaccha-mānasa) *adj.* having a very pure mind तारक त्वं समागच्छ गच्छातिस्वच्छमानस SkandP. iv. 53. 98.

अतिस्वच्छोज्ज्वलाकृति (atisvacchojjvalākṛti) *adj.* having a very clean and bright form माल्यानुलेपनादीच्छुरतिस्वस्थो(v. l. स्वच्छो)ज्ज्वलाकृतिः SarvaSiSaṁ. 11. 19.

अतिस्वद् (ati-svad-) I. Ā. to taste very well, to be very pleasant to taste यत्करोषि यदश्नासि शमशीतलया धिया । तत्रातिस्वदते स्वादु नेतरत्तात मानसे YogVā. ii. 13. 64; अत्र नीचगता निद्रा भावकेभ्यो नातिस्वदते RasāSu. 143. 3 (2. 99)

अतिस्वन् (ati-svan) *m.* cf. **अतिश्वन्** name of a man (one who has a superior dog), GaṇPā. 132. 17; KāśiVṛ. *on* P. iv. 2. 80.

अतिस्वपन (ati-svapana) *n.* excessive sleep, sleeping out of time प्रजागरातिस्वपनाम्बुशीतैः ··· संस्त्यानदोषे शिरसि प्रवृद्धो वायुः प्रतिश्यायमुदीरयेत्तु CaraS. vi. 26. 104 (1941 Ed.) = RugVi. 58. 13.

अतिस्वप्न (ati-svapna) *m.* sleeping too much, excessive sleep अतिस्वप्नातिजागरम् ··· नित्यं योगी विवर्जयेत् AmṛNāU. 28; अतिस्वप्नाव्यायामादिभिश्च श्लेष्मा प्रकुपितः ··· शोथं जनयति CaraS. i. 18. 6 (3) (1941 Ed.); i. 8. 19; vi. 19. 8 (1941 Ed.); *n.* यदास्य ··· प्रादुर्भवन्ति व्याधयो वानेकविधा अतिस्वप्नम् ··· यमदेवत्यान्यद्भुतानि प्रायश्चित्तानि भवन्ति ṢaḍviBr. vi. 4. 2; आलस्यमतिस्वप्नं गौरवम् ··· उपजनयति CaraS. i. 26. 42 (1); अतिस्वप्नम(श)य्या च तथा चाप्यतिभाषणम् ··· कुरुते नरः BhelaS. 12. 16 (1. 8); **B** remaining awake, wakeful state स्वप्नेऽपि, आस्तां तावत् अतिस्वप्नेऽपि, मे मम विप्रलम्भनकराः ··· प्रवृत्तयो न वर्तन्ते YaśasCam. ii. 26. 26 (comm.); *adj.* indulging in excessive sleep पथिकोत्पथिकाश्च ··· देवगृहपुण्यस्थानवनश्मशानेषु ··· अतिस्वप्नमध्वक्लान्तमपूर्वं वा गृह्णीयुः ArthS'ā. i. 352. 4 (2. 36); ii. 147. 8 (4. 6)

अतिस्वप्नशील (atisvapna-śīla) *adj.* habituated to excessive sleeping नात्यश्नतस्तु योगोऽस्ति···न चातिस्वप्नशीलस्य MahāBhā. vi. 21. 16 = BhagGī. 6. 16; GītāBh.(S'aṅ.) 194. 9 (*on* 6. 16)

अतिस्वमृदुत्व (atisvamṛdu-tva) *n.* one's own excessively gentle nature साधुभ्योऽतिस्वमृदुत्वं नीचाः संदर्शयन्ति हि S'ukraNī. 1. 375.

अतिस्वर्य (ati-svarya) *m.* name of a note (last of the seven notes, the lowest one) छन्दोगानां क्रुष्टप्रथमद्वितीयतृतीयचतुर्थमन्द्रातिस्वर्यलक्षणाः सप्त स्वराः MayūMāli. 599. 10 (*on* ix. 1. 17)

अतिस्वल्प (ati-svalpa) *adj.* [*f.* -ā] **i** very little (in degree) न क्षाम्यत्यतिस्वल्पमप्यार्यपरिभवपीडापावकः प्रणयविलम्बम् HarṣaC. 267. 13; अतिस्वल्पोऽपि सद्भावो मय्यस्ति यदि वा कृपा PadmP.(Ra.) 104. 69; यत्सत्यमधुना तत्संदर्शनेनातिस्वल्पोऽपि न विशेषः MālaMā. 5. 56; मूलाज्ञानविनाशेन कारणाभासचेष्टितैः । बन्धो न मेऽतिस्वल्पोऽपि SarvaVeSāSaṁ. 952; उत्तमानामतिस्वल्पप्रचारो हस्ताभिनयः AbhinBhā. ii. 65. 12 (*on* 9. 164); इत्यादिना अतिस्वल्पप्रायश्चित्तविधानेन क्षतिविरहादिति सुधीभिर्विभाव्यम् VaiyāBhū. 94. 17 (*on* 22); **ii** very little (in quantity) अष्टांशवंशरोचनसुकलितमतिस्वल्पशर्करासहितम् ··· मुखवासो भूमिपालानाम् NāgaSa. 4. 9; धृतिः सन्तोषः । यस्मिन्नतिस्वल्पेनापि जीव्यन्ते(? ते) SmṛtiCan. ii. 475. 11; **iii** very young (in age) कन्याशब्दं प्रथमवयोवचनमाश्रित्य परोक्षे प्रार्थयमानस्य ब्रूयात्किं तावन्नासौ कन्या अतिस्वल्पा वृद्धा वा ManuBh. ii. 177. 14 (*on* 8. 225); **iv** very small (in size) अतिस्वल्पौ पाणी स्तनभरनिरोधान्न मिलितौ S'ārṅgaPa. 3943; नातिस्वल्पा नातिदीर्घाः सर्गा अष्टाधिका इह SāhiDa. 372. 14; अतिस्वल्पे आकाशे···किमन्वेष्टव्यम् UpaParā. 48. 4; मध्यमा (सूची) नातिस्वल्पा नात्यधिकेत्यर्थः VīraMi.(Saṁskāra.) 262. 12; **v** much less (in strength) बहवोऽन्येऽपि चाजग्मुः ··· कश्चिद्रथानामयुतैः ··· कश्चिद्योऽतिस्वल्पोऽयुतेन सु: KathāSaSāg. viii. 3. 40.

अतिस्वल्पतनु (atisvalpa-tanu) *adj.* having a very tiny form तं कदाचिदतिस्वल्पतनुः ··· उवाच तलसंलीनः ··· मत्स्यशिशुः DaśāvaC. 1. 20.

अतिस्वल्पत्व (atisvalpa-tva) *n.* **i** the state of being very short अन्यथा हेमन्तकालेऽतिस्वल्पत्वादह्नां तत्र किंचिदूनचतुर्दशघटिकामात्र आवर्तनं भवति SmṛtiCan. v. 41. 1; **ii** the state of being very little भृतित्वं च न धान्यानां स्वरूपतः । अतिस्वल्पत्वात् ··· पञ्चभिर्व्रीहिभिः परिक्रीत इत्यव्यवहाराच्च MayūMāli. 688. 10 (*on* x. 3. 11)

अतिस्वल्पसुभाषित (atisvalpa-subhāṣita) *adj.* having very little of good expression प्रतिभादारिद्र्यदैन्यादतिस्वल्पसुभाषितेन कविना वर्णसावर्ण्यरम्यतामात्रमत्रोदितम् VakroJī. 7. 20.

अतिस्वस्थ (ati-svastha) *adj.* very healthy माल्यानुलेपनादीच्छुरतिस्वस्थोज्ज्वलाकृतिः SarvaSiSaṁ. 11. 19.

अतिस्वादु (ati-svādu) *adj.* extremely delicious, very tasty, very sweet अतिस्वादु ··· अपूर्वमङ्गनारक्तं पिबन्तु रणपूतनाः BrahmāṇḍP. iii. 22. 81; गव्यं क्षीरमतिस्वादु LiṅgaP. i. 107. 6; सर्वेऽपि ··· पिपासिताश्च···अतिस्वादुसलिलम् ··· जलाशयमधिश्रयन्ति UdaySuKa. 128. 25; सरस्वत्याः स्रोतः ··· विजयते । अतिस्वादुन्यन्तःपिहितरसरम्ये ··· मज्जन्ति निपुणाः SaduktiKa. 51. 10; मार्गे ··· अतिस्वादुफलावलिं च । ताम्बूलपर्णक्रमुकप्रसन्नान्यादाय पौराः क्षितिपं प्रणेमुः Rāṣṭrau. 9. 3.

अतिस्वादुकर (atisvādu-kara) *adj.* making very sweet or delicious अतिस्वादुकरं चैव नैवेद्यं प्रतिगृह्यताम् DevīBhāP. ix. 42. 22.

अतिस्वादुभाविन् (atisvādu-bhāvin) *adj.* becoming extremely sweet अद्वैतोपायनमिदमतिस्वादुभावीति कार्यम् CaitaCa. 238. 5 (10)

अतिस्वाधीन (ati-svādhīna) *adj.* very much at one's disposal, easily available अतिस्वाधीननीवारफलमूलसमित्कुशम् । मुनिस्तपोवनं चक्रे Nava-SāC. 11. 64.

अतिस्वान (ati-svāna) *n.* loud noise, rattle नानायुद्धाश्च संक्रुद्धा बलिनस्तमयूयुधन् । सोऽयं सोऽयमतिस्वानं कुर्वाणाः PadmP.(Ra.) 47. 120.

अतिस्वान्तप्रमोद (ati-svāntapramoda) *m.* great delight of heart प्रातस्त्यः पवनो वहत्ययमतिस्वान्तप्रमोदप्रदः Hāsyārṇa. 2. 2.

अतिस्वापरति (atisvāpa-rati) *f.* delight in excessive sleep दीर्घनिद्रा मृतिस्तथा । अतिस्वापरतिश्चाथ AnekāK. 788.

अतिस्वाभाविक (ati-svābhāvika) *adj.* very natural असौ तु सायमागत्य नातिस्वाभाविकाकृतिः ।··· विनीतवदुक्तवान् BṛKathāS'loSaṁ. 25. 3.

अतिस्वामित्व (atisvāmi-tva) *n.* overlordship जितं त इति शब्दोऽयमतिस्वामित्वसूचकः AhirbuS. 53. 54.

अतिस्वार (ati-svāra) *m.* last note in the Sāma scale अर्धेडा शक्करीणामतिस्वारो रेवतीनाम् PañcBr. viii. 9. 14; मन्द्रकर्षणसंयुक्तमतिस्वारं प्रशंसति BṛDe. 8. 113; मन्द्रः क्रुष्टो ह्यतिस्वार एतान्कुर्वन्ति सामगाः NāraS'i. i. 1. 12; अतिस्वारस्य नीचस्य हृदि स्थानं विधीयते NāraS'i. i. 7. 2; अतिस्वारेण नीचेन जगत्स्थावरजङ्गमान् NāraS'i. i. 7. 7; अतिस्वारे तृतीये च क्रुष्टे तु करुणा श्रुतिः NāraS'i. i. 7. 10.

अतिस्वार्य (ati-svārya) *m.* last note in the Sāma scale मित्रावरुणयोरतिस्वार्यः SāmaViBr. i. 1. 14 (comm. अतिस्वार्यः षष्ठः); विकर्षेण तु मन्द्रस्य युक्तोऽतिस्वार्य उच्यते BṛDe. 8. 120; मन्द्रादिषु त्रिषु स्थानेषु सप्त सप्त यमाः ।

क्रुष्टप्रथमद्वितीयतृतीयचतुर्थमन्द्रातिस्वार्याः TaiPrāti. 23. 13.

अतिस्विन्न (ati-svinna) *adj.* i undergoing over-fomentation दाहः स्वराङ्गदौर्बल्यमतिस्विन्नस्य लक्षणम् CaraS. i. 14. 14 (1941 Ed.); स्वेदद्वेषोऽङ्गराग-श्चेत्यतिस्विन्नस्य लक्षणम् BhelaS. 35. 21 (1. 22); स्वराङ्गहानिर्वैह्वल्यमतिस्विन्नस्य लक्षणम् KāśyaS. 25B. 2 (1. 25); अतिस्विन्नस्य मृदुत्वग् भवति Hastyāyur. 231. 21 (2. 30); 131. 5 (1. 18); ii perspiring greatly, sweating very much ग्रीष्मे ··· अतिस्विन्नं भवति (शरीरम्) AṣṭāSaṁ. i. 122. 6 (1. 23); अतिस्विन्नोऽपि न सहसा शीतोदकमनुप्रविशेथाः AṣṭāSaṁ. i. 135. 2 (1. 26); अतिस्विन्नमथाश्वास्य शीताम्बु-त्रासनं हितम् SiddhYo. 72. 12; अतिस्विन्ने च प्रदेहः Hastyāyur. 134. 14 (1. 18)

अतिस्विन्नतनु (atisvinna-tanu) *adj.* with a body perspiring greatly छर्दतीसारदुष्टानामतिस्विन्नतनोरपि ··· सिरामोक्षो न विद्यते S'ārṅgaS. iii. 12. 21.

अतिस्वृ (ati-svṛ-) I. P. i to overtune, to pass over a musical tone (skipping the intermediate one) अर्द्धेडामतिस्वरति PañcBr. xiii. 12. 11; यन्निधनमतिस्वरति तत् साम्न ऋच्यायतनम् JaimiBr. 1. 326 (4); ii to have a *Svaranidhana* (making a low and deep sound) beyond the normal अथ यद् ऋचमतिस्वरति तद् बार्हतम् JaimiBr. 1. 299 (9); iii to end in a sound यदा वा ऋचमाप्नोत्योमित्येवातिस्वरति ChāndoU. i. 4. 4.

अतिस्वेद (ati-sveda) *m.* i excessive perspiration अतिस्वेदश्च ··· °मूत्रवर्चस्त्वं चेति चत्वारिंशत्पित्तविकाराः CaraS. i. 20. 16 (1922 Ed.); (वृद्धस्तु कुरुते) स्वेदोऽतिस्वेददौर्गन्ध्यकण्डूः AṣṭāHṛ. i. 11. 14; पित्तविकाराः पुनः। ओषः ··· अतिस्वेदोऽङ्गगन्धः AṣṭāSaṁ. i. 107. 19 (1. 20); अतिस्वेदोऽङ्गदाहकः KāśyaS. 43B. 4; अतिस्वेदातिघर्मेण ··· जायते मारुतक्षयः HāriS. iii. 9. 8; ii treatment by excessive fomentation अतिस्वेदं प्रयुञ्जीत अज्ञानादल्पमेधसः Hastyāyur. 680. 23 (4. 24)

अतिस्वेदन (ati-svedana) *n.* excessive perspiration अस्वेदनमतिस्वेद-नम् ··· कुष्ठानां पूर्वरूपाणि भवन्ति CaraS. ii. 5. 8 (1922 Ed.)

अतिस्वेदार्द्र (ati-svedārdra) *adj.* wet or moist with excessive perspiration अतिस्वेदार्द्रगण्डस्थलम् ।··· गोविन्दम् ··· पश्यामि GītGo. ii. 6. 10.

अतिहठ (ati-haṭha) *m.* [Abl.] with great force, very forcibly वेग-मतिहठादाच्छोटयितुमिव रंहसा प्रसिद्धेषु प्रविष्टलोकहृदयेषु ··· विश्वमतिक्रमितुमीश्वरा ··· तुरगी UdaySuKa. 124. 3; अध्यन्तःपुरमाविशद्भिरमरैः ··· निजयोषितामतिहठा-द्गर्भा अपि स्रंसिताः Manmatho. 3. 4 (631. 17)

अतिहत (áti-hata) *adj.* A firmly fixed इमां वशावाचमाहुर्वशेति तिस्रो वशा अतिहताः सधस्थे AV.(P.) xiii. 5. 2; यश्चायं दक्षिणेऽक्षन्पुरुषस्तस्य हैतस्य हृदये पादावतिहतौ S'atBṛ. X. v. 2. 13; B very much injured अतिहतानां तु मर्मणां यथास्वं पूर्वं पूर्वं च कर्म ईषदंते वा हतानामुत्तरमेव AṣṭāSaṁ. i. 236. 8 (2. 7)

अतिहतव्रीड (atihata-vrīḍa) *adj.* completely devoid of modesty, utterly shameless अतिहतव्रीडोऽहर्निशं मां विडम्बयति Hāsyārṇa. 1. 26 (7)

अतिहन् (ati-han-) II. P. i to continue to slay, not to stop killing तच्चेदतिहन्यात् ··· सायंप्रातराज्येन जुहुयात् ĀpaS'S. vi. 14. 12; ii to strike down तान् ··· मध्यमेषायां अतिहन्यात् MānS'S. 122. 14; iii to accentuate नीचं तु स्वरपूर्वं तु नीचावग्रहमेव च। हन्तव्यं तद्विजानीयात् उच्चावग्रहवर्जितम्। नातिहन्यान्न निर्हन्यात् MāṇḍūS'i. 6. 6; (Desid.) to try to escape अत्यजिघांसत् AitĀ. ii. 4. 3.

अतिहनन (ati-hanana) *n.* striking hard ईषत्स्पर्शनपीडनातिहननान्यु-त्क्षिप्य संपीडनम् ··· इति सृणेस्तोदक्रमो दर्शितः MātaLī. 12. 21.

अतिहन्यमान (ati-hanyamāna) *adj.* being attacked hard दैत्यराजेन तेनातिहन्यमानाः···पलायन्त दिशो दश सवासवाः S'ivaP. ii(5). 15. 63 (238A. 10)

अतिहरत् (ati-harat) *adj.* i avoiding अथैनदुरसा संस्पृश्य दक्षिणं भागमात्मनोऽतिहरञ्जपति S'āṅkhāĀ. 1. 7 (3. 31); ii carrying beyond समया-हवनीयं प्रस्तरमतिहरन् MānS'S. 65. 16.

अतिहरितपत्त्र (atiharita-pattra) *n.* very dark green leaf अतिहरित-पत्त्रपरिकरसंपन्नस्पन्दनैकविटपस्य ··· कुसुम्भकुसुमायते तरणिः SubhāRaK. 27. 19.

अतिहरितवर्ण (atiharita-varṇa) *adj.* of dark blue or green colour तं तस्मिन्नवसरे चैत्यम् ··· अतिहरितवर्णमद्राक्षम् UdaySuKa. 28. 16.

अतिहरिता (ati-haritā) *adj.* (*f.*) dark green अतिहरितया देहत्विषा सिक्त इव ··· मुख्यं रागमावहन् (शुकः) UdaySuKa. 29. 1.

अतिहरिद्राद्रव (ati-haridrādrava) *m.* abundant paste of turmeric पयःपूरैः पीतीकृतममतिहरिद्राद्रवमयैः। दुकूलम् VidaMā. 6. 1.

अतिहर्ष (ati-harṣa) *m.* 1 great or excessive joy अतिहर्षोऽयमस्थाने तवाद्य मधुसूदन MahāBhā. vii. 155. 6; कस्मात्पौरजनस्यायमतिहर्षोऽद्य शंस मे Rāmā. ii. 118*(1); उद्भूतरोमांच इवातिहर्षात् पुष्पाङ्कुरैरास नवैरशोकः JānaHa. 3. 7; त्वयाद्य लङ्काभिभवेऽतिहर्षाद् दुष्टोऽतिमात्रं विवृतोऽन्तरात्मा Bhaṭṭi. 12. 80; अतिहर्षविस्मयकौतुकोत्तानितचक्षुश्चिन्तितवानहम् NalaCam. 7. 19 (31); यदातिहर्षो-त्पुलकाश्रुगद्गदं प्रोत्कण्ठ उद्गायति BhāgP. vii. 7. 34; अतिहर्षादभूदस्याम्भः पृषतौघ-मौक्तिकमयो गुम्फः सहस्रेक्षणः AnargharRā. 5. 55; आह्वयत्यतिहर्षेण AdhyāRā. i. 3. 48; तत्र स्तुत्यातिहर्षोऽभूत् PadmP. iv. 22. 38; अतिहर्षो मे लक्ष्मीः सा ह्यागतेह नः KathāSaSāg. vi. 7. 8; अतिहर्षेण विकसिताक्षिः UdaySuKa. 51. 28; स्पर्शा-तिहर्षाद्रुतसत्यमत्या प्रवृत्य मिथ्याप्रतिलब्धबाधौ···न श्रद्दधाते NaiṣC 6. 53; (गुरुः) तत्काव्यान्यतिहर्षेण प्राशंसत् PrabhāC. 150. 22; भावेऽनिष्टे भवन्ति ··· नातिहर्षो न कुत्सनम् BhāvPra.(S'ā.) 141. 22 (6); अपश्यदतिहर्षेण समस्तान् ParamāKā. 147. 57; अतिहर्षादिव जहौ नाभिरस्या गभीरताम् YātrāPra. 2. 12; नातिशोको नातिहर्षः ··· इति सिद्धस्य लक्षणम् TantrRa. 35. 73; 2 too much of excitement अतिहर्षादतिप्रसक्तभावः स्त्रीष्वतिप्रसङ्गमारभते CaraS. ii. 6. 8 (1941 Ed.); क्रोधभयातिहर्षात् ··· पित्तप्रकोपो भवति KalyāKā. 3. 57; अतिकोपं चातिहर्षम् ··· वर्जयेत् Rasā. 18. 119; अतिहर्षात् (भवति) ··· अनर्थः KandaCū. vi. 6. 3; *adj.* very happy, greatly delighted अतिहर्षं च तं दृष्ट्वा···नारदः पृष्टवान् SkandP. iii(2). 1. 56.

अतिहर्षगद्गद (atiharṣa-gadgada) *adj.* faltering with excessive joy राढीयैरतिहर्षगद्गदगलैः प्राभाकरः श्रूयते LaṭaMe. 2. 16.

अतिहर्षजा (atiharṣa-jā) *adj.* (*f.*) resulting from excessive pleasure क्रीडा यैषातिहर्षजा BṛKathāS'loSaṁ. 12. 67.

अतिहर्षतस् (atiharṣa-tas) *adv.* very joyfully अतिहर्षतः। ते प्राहुः PrabhāC. 51. 5; 81. 15.

अतिहर्षद (atiharṣa-da) *adj.* giving great delight आश्चर्यमतिहर्षदम्। अकस्मादपि जायेत JayāS. 16. 327.

अतिहर्षनिरुत्तर (atiharṣa-niruttara) *adj.* who gives no reply due to extreme joy अतिहर्षनिरुत्तरेण सार्धं रथवासी पवनेश पाहि मां त्वम् Nārāy. x. 73. 10.

अतिहर्षपरीतत्व (atiharṣaparīta-tva) *n.* being filled with great joy अतिहर्षपरीतत्वाद्वितन्त्रीपरिवादिनोः। ताडयन्ति स्म गन्धर्वाः BṛKathāS'loSaṁ. 5. 80.

अतिहर्षभर (atiharṣa-bhara) *m.* burden of great joy सातिहर्षभरस्त-ब्धनिःश्वासा पञ्चतामगात् KathāSaSāg. xii. 28. 74.

अतिहर्षभू (atiharṣa-bhū) *f.* place of extreme joy श्रुत्वातिहर्षभूः श्रेष्ठी PrabhāC. 161. 26; मेने स्वजन्म भूपालः कृतार्थमतिहर्षभूः PrabhāC. 194. 24.

अतिहर्षम् (ati-harṣam) *adv.* very joyfully, with great joy अतिहर्षम् (उत्प्लुत्य) सिंहेनाक्रान्तो(ऽपि) गर्दभः PañcT. 4. 17 (389. 1); अतिहर्षमुपरि-भागेनातिक्रान्तः सिंहो गर्दभेन Tantrākhyā. 128. 22.

अतिहर्षसमन्वित (atiharṣa-samanvita) *adj.* very much delighted ते ···। काष्ठानि चालयामासुरतिहर्षसमन्विताः NīlaP. App. 1309.

अतिहर्षयुक्त (atiharṣa-yukta) *adj.* filled with great joy विनेदतुस्ता-वतिहर्षयुक्तौ गाण्डीवधन्वा च जनार्दनश्च MahāBhā. vi. 55. 126; पद्मकेतुः···। सप्त करोति सुभिक्षं वर्षाण्यतिहर्षयुक्तानि BṛSaṁ. 11. 49.

अतिहर्षसमाकुल (atiharṣa-samākula) *adj.* overcome with great joy जय वर्धस्व वर्धस्वेत्यतिहर्षसमाकुले। नृत्यद्भिर्दिव्यमुनिभिः BrahmāṇḍP. iii. 28. 23.

अतिहर्षसंभ्रम (atiharṣa-sambhrama) *m.* confusion due to great joy केशस्तनाधरादिग्रहणादतिहर्षसंभ्रमोत्पन्नम्। कुट्टमितं विज्ञेयम् NāṭyaS'ā. 22. 20.

अतिहर्षान्वित (atiharṣānvita) *adj.* [*f.* -ā] filled with great joy अतिहर्षान्वितो राजा वरमेनमयाचत MahāBhā. iii. App. 25. 38; इन्दुमती ततः। अतिहर्षान्विता जाता पुत्रस्यागमनं प्रति PadmP. ii. 107. 12.

अतिहर्षित (ati-harṣita) *adj.* [*f.* -ā] very much delighted काश्चिदा-लोक्य गोविन्दमायान्तमतिहर्षिता। कृष्ण ··· कृष्णेति प्राह ViṣṇuP. v. 13. 44; v. 20. 73; BrahmāṇḍP. iii. 6. 19; BṛNāraP. 18. 70; नानोत्सवसमायुक्ता कौसल्या चातिहर्षिता AdhyāRā. ii. 2. 49; i. 2. 22; त्वद्वचोभिः ··· अतिहर्षितः PrabhāC. 130. 9.

अतिहर्षुल (ati-harṣula) *adj.* [*f.* -ā] feeling great delight तावत्क्ष-णाच्च तत्रैकः सार्थवाहोऽतिहर्षुलः KathāSaSāg. xi. 1. 31; तव विभोऽपरा कोमलं भुजं निजगलान्तरे पर्यवेष्टयत्। गलसमुद्गतं प्राणमारुतं प्रतिनिरुन्धतीवातिहर्षुला Nārāy. x. 68. 3.

अतिहर्षोत्कर्ष (ati-harṣotkarṣa) *m.* great surge of joy राजापि ··· अतिहर्षोत्कर्षमन्थरगिरा तां बभाषे NalaCam. 3. 5.

अतिहस् (ati-has-) I. P. to laugh excessively अतीयतेऽतिहसति स्त्रियो वातिनिषेवते BhelaS. 54. 9 (2. 3); नास्फोटयेन्नातिहसेत् BhaviP. 116A. 5 (i. 65. 21)

अतिहसकृत् (atihasa-kṛt-) *adj.* laughing too much रजयसि मृगान् राजंराजं रजंरजमाः किमित्यतिहसकृता भीमस्याव्याथ्यतीव मनो द्विषा DvyāśraKā.

8. 122.

अतिहसित (ati-hasita) *n.* excessive laughter अपहसितमतिहसितम् । द्वौ द्वौ भेदौ स्याताम् NāṭyaŚā. 6. 61; अतिहसितान्तेऽनिलप्रशम: AṣṭāSaṁ. i. 157. 20 (1. 29); विक्षिप्ताङ्गं भवत्यतिहसितम् DaśRū. 4. 77; Kāvyānu.(He.) 90. 2; अधमानां स्वनिष्ठे परनिष्ठे चापहसितातिहसिते RasTa. 145. 7; करोपगूढपार्श्वं यत्तचातिहसितं भवेत् BhāvPra.(Śā.) 60. 17 (3); RasāSu. 195. 11 (2. 234); नीचानामपहसितं तथातिहसितं तदेव षड्भेद: SāhiDa. 183. 9; सहस्ततालं क्षिप्ताङ्गं तच्चातिहसितं विदु: BhaktiRaSi. iv. 1. 15.

अतिहसितक (atihasita-ka) *n.* excessive laughter अपहसितातिहसितके ज्येष्ठादीनां क्रमाद् द्वे द्वे RasāSu. 194. 2 (2. 230)

अतिहस्त (ati-hasta) *m.* fourth part of the trunk of an elephant (from below) पृथुहस्तस्याभ्यन्तरेऽतिहस्त: Hastyāyur. 525. 13 (3. 29)

अतिहस्तक (atihasta-ka) *m.* fourth part of the trunk of an elephant (from below) संभोगश्चातिहस्तक: ··· उपर्यैते गजाङ्गुल्या: प्रदेशास्सा तु कर्णिका Vaija. 109. 70; cf. **अतिहस्तिक**.

¹अतिहस्तय (ati-hastaya-) I. P. [denom.] to stretch out the hand हस्तौ निरस्यति अतिहस्तयति MugdhaBo. 21. 17 (134. 11)

²अतिहस्तय (ati-hastaya-) I. P. [denom.] to overtake on an elephant तेनातिक्रामति । हस्तिनातिक्रामति अतिहस्तयति KātanVr. iii. 2. 9; ŚṛṅgāPra. 14. 29; MugdhaBo. 21. 17 (134. 8); पीयमानो मुहु: प्रीत्या हास्तिनं सोऽत्यहस्तयत् PāṇḍaC. 5. 531; PrakriKau. ii. 385. 1.

अतिहस्तयत् (atihastayat) *adj.* crossing with an elephant अतिक्रामति तु तेन य: । अत्यश्वयन् हस्तिनातिहस्तयन् स प्रकीर्तित: KośaKaTa. 2. 263.

अतिहस्तिक (atihasti-ka) *m.* the fourth part of the trunk of an elephant (from below) सुभाग (v. l. सुभोग) श्चातिहस्तिक: ŚabdaRa.(Vā.) 1436; cf. **अतिहस्तक**

अतिहस्तितरिपु (atihastita-ripu) *adj.* which has subdued the enemy तान् निर्माति करोऽतिहस्तितरिपून् युद्धेषु ते विक्रमान् Ekāva. vii. 1. 13.

अतिहा (ati-hā-) III. A. to pass over, to tresspass तस्मात् कौषीतकीनां न कश्चनातीव जिहीते यज्ञावकीर्णा हि PañcBr. xvii. 4. 3; अति नवममहर्जिहीते दशममहरभ्यारभते JaimiBr. 3. 218.

अतिहान (áti-hāna) *n.* [Debru. p. 726] overlapping, jumping over तस्मादिमानि पर्वाणि व्यतिषक्तानीदमित्थमतिहानमिदमित्थम् ŚatBr. IV. ii. 3. 4; IV. ii. 3. 5.

अतिहानि (ati-hāni) *f.* great loss अधर्मश्चातिहानिं(? नि:) च वृथा चापि परिश्रम: । प्राप्तैश्वर्यस्य नागस्य ग्रहणं न प्रशस्यते Hastyāyur. 204. 15 (2. 13)

अतिहाय (atihā-ya) *ger.* **i** having passed over मा ते गृध्नुरविशस्तातिहाय छिद्रा गात्राण्यसिना मिथू क: ṚV. i. 162. 20; VājaS. 25. 43; अतिहाय पूर्वा आहुतीर्जुहोति TaiS. II. vi. 6. 6; अतिहाय वषट्करोति TaiS. VI. iii. 1. 3; एषा वा अग्निहोत्रस्य स्थाणुर्या पूर्वाहुतिस्तामतिहाय जुहुयात् KāṭhS. 6. 5; TaiBr. II. i. 4. 4; ज्यायोऽभ्यारम्भमतिहाय पञ्चममह: षष्ठस्याह आरम्भ: PañcBr. xii. 11. 19; मासानतिहाय दा: Nir. 33. 8 (1. 7); BaudhŚS. i. 26. 6; i. 97. 3; BhārŚS. ii. 19. 7; ĀpaŚS. vi. 11. 4; अतिहायेडो बर्हि: प्रति समानयति ŚābaBh. 1218. 21 (*on* iv. 1. 40); ṬupṬ. 15. 1 (*on* iv. 1. 40); **ii** having abandoned or forsaken कोशानेतान् पञ्च रसादीनतिहाय ··· हरिमीडे HariStu. 50. 20; यदि व्रजिष्यस्यतिहाय मद्वचो भद्रं भवत्या न ततो भविष्यति BhāgP. iv. 3. 25; v. 5. 9; तमतिहाय स्वयमुपेन्द्रेणात्मानमयाचत BhāgP. v. 24. 24;द्विज त्वं···हरेरपि माहात्म्यश्रवणात्सच: ··· अतिहाय कलङ्कं च SkandP. ii(7). 21. 31; अतिहाय प्रमाणाप्तनियमं सदसत्तया AnuVyā. 31B. 2 (*on* 2. 2); 58A. 2 (*on* 3. 4); श्रुतिप्रोक्तं जगज्जन्मादिकारणमतिहाय VedāntKau. 177. 17 (*on* ii. 2. 1)

अतिहायत् (ati-hāyat) *adj.* [Viśva? अति ह आयन् they went beyond] 'सोम: पवित्रमत्येति रेभन्' इत्यतिहायन् JaimiBr. 3. 205; 'यो नो अंहोऽतिपिप्रति' इत्यतिहायन् JaimiBr. 3. 208.

अतिहार (ati-hāra) *m.* **i** addition लोपातिहारचरोक्षसमापाद्या: SaṁhiUBr. 2. 2; अतिहारं तथा ब्रूमो मधुश्रुतघृतश्रुते LaṚkTanSaṁ. 141; **ii** theft अतिहारस्तु चौर्ये स्यात् ŚabdaRaSaK. 285. 12.

अतिहारगिर् (atihāra-gir) *adj.* speaking agreeably जिनदास: । तं मायाश्रावकमृज्वीजहारातिहारगी: PariPar. 3. 93.

अतिहारहार (atihāra-hāra) *m.* charming necklace पाशप्रकाशैरतिहारहारै: । ···विरेजु: कामास्त्रशाला इव यत्र बाला: NemiNir. 1. 39.

अतिहारिन् (atihār-in) *adj.* [*f.* -iṇī] very attractive रूपं च शत्रुभयकार्यतिहारि कुत्र MārkP. 84. 31; स्त्रियो मङ्गलहस्तास्तम् ··· डुढौकिरेऽतिहारिण्य: PadmP.(Ra.) 38. 131; अन्येषु च नगारण्यप्रदेशेष्वतिहारिषु PadmP.(Ra.) 85. 159; नालया नेत्रनलिननालेनातिहारिणी TriṣaŚaPuC. i. 2. 752; क्वचिन्नीलशिलारश्मिप्ररोहै: सोऽतिहारिभि: ··· आबभौ TriṣaŚaPuC. i. 2. 779; व्याजहार जनन्येवं युवधीरनिहारिणा । रूपेण मोहिता स्म: PariPar. 2. 266.

अतिहार्द (ati-hārda) *n.* excessive love, extreme affection इत्येवमतिहार्देन गोपीजननिरीक्षित: । ··· केशव: ViṣṇuP. v. 18. 32 = BrahmP. 192. 32; आनीता चातिहार्देन सा ददर्श तदा पतिम् MārkP. 72. 18; 100. 24; दिदृक्षते त्वां जनतातिहार्दात् ŚaṅkaDigVi.(Mā.) 14. 77.

अतिहार्य (ati-hārya) *adj.* easily removable अतिहार्येषु शल्येषु महामर्मगतेष्विव । सविवादेषु चोपेक्षां कालापेक्षी व्यधान्नृप: RājTa.(Ka.) 8. 159.

अतिहार्या (atihāryā) *f.* ford, fordable river अतिहार्या ह वा एषा पवमाना । यो वा अतिहार्यामतिगाहते मृदा वै स लिप्यते JaimiBr. 1. 275.

अतिहास (ati-hāsa) *m.* **A i** excessive or loud laughter अतिहासातिरोषौ च क्रोधस्थानं च वर्जये MahāBhā. iii. 222. 28; दैन्यातिहासपैशुन्यपरिवादवर्जनम् KāmSū. 310. 10 (6. 1) (JayaMa. अतिहासो नित्यप्रहसनता); तेषु ममातिहास: ··· मूढेषु ViṣṇuP. iv. 24. 136; अकस्मादतिहासस्ते किमर्थमभवन्नृप MatsyaP. 21. 20; RāmC. 12. 35; LiṅgaP. i. 89. 37; यस्यातिहासा: ··· कर्णचामरतां यान्ति BṛKathāMañ. i. 1. 19; KalāVi. 8. 11; Subhāṣi. 2364; KāvyKaVṛ. 98. 28 (3. 5); अपहास: सनीराक्षो ह्यतिहासोऽप्यपातक: SāhiSā. 5. 103; अतिहासस्त्वनुस्यूतोऽपहासोऽकारणात् Vaija. 143. 85; AbhidhāCin. 298; **A ii** one of the varieties of Hāsyarasa cf. **अतिहसित** अपहासोऽतिहासश्च नीचे प्रायोऽधमे रस: NāṭyaDa. 166. 27(115); **B** one of the 1008 epithets of Śiva अतिहासश्च कल्पश्च दमनो जगदीश्वर: CaturCin. i. 206. 8.

अतिहासकर्मन् (atihāsa-karman) *adj.* indulging in excessive laughing अतिहासकर्माणम् ··· गुरु: शिष्यं विवर्जयेत् KulārT. 13. 17.

अतिहासित (ati-hāsita) *n.* excessive laughter (one of the four types of laughter) हासश्चतुर्विध: ···सशब्दं पापहसितमशब्दमतिहासितम् AgniP. 341. 11.

अतिहास्य (ati-hāsya) *n.* excessive laughter शब्दरूपरसा गन्धा: स्पर्शाश्चापि जुगुप्सिता: । अशुच्यन्नं तथा मुक्तमतिहास्यं च वामयेत् SuśruS. i. 46. 489; मुक्तमप्रयतं चान्नमतिहास्यं च वामयेत् BhāvPra.(Bhā.) 5. 224.

अतिहास्यता (atihāsya-tā) *f.* habit of excessive laughing, excessive hilarity आलस्यं चैव निद्रा च व्यसनान्यतिहास्यता । यस्यैतानि न विद्यन्ते तस्येयं सुचिरं मही MahāBhā. xii. 277*(3)

अतिहास्यम् (atihāsyam) *adv.* with a loud laughter पश्य पश्यातिहास्यमसावुत्तानमुखी ··· आक्रन्दति प्रेतजाया UdaySuKa. 91. 11.

अतिहि (ati-hi) *adj.* (*n.*) which is beyond (the scope of being addressed with) the word '*he*' (i. e. possessing a high status) हे इतीमं शब्दमतिक्रान्तं ब्राह्मणकुलम् अतिहि Nyās. i. 93. 6 (*on* i. 1. 48)

अतिहिंसन (ati-hiṁsana) *adj.* very harsh or hurting तीक्ष्णोऽतिहिंसन: Vaija. 106. 28.

अतिहिंसिन् (atihiṁs-in) *adj.* who kills or hurts exeessively नास्तिकाय न वक्तव्यं नाधनायातिहिंसिने BṛBrahmaS. i. 11. 18.

अतिहिंस्र (ati-hiṁsra) *adj.* very cruel, killing or hurting excessively चापेन ते कर्म न चातिहिंस्रम् KumāSaṁ. 3. 20; Bṛhajjā. 21. 6; क्रियायोगेन शस्त्रेन नातिहिंस्रेण नित्यश: । ··· अभ्येति ··· माम् BhāgP. iii. 29. 15.

अतिहिंस्रकर्मन् (atihiṁsra-karman) *adj.* doing very injurious deeds सिंहांशे प्रमुरसुतोऽतिहिंस्रकर्मा Bṛhajjā. 19. 7.

अतिहित (áti-hita) *adj.* [*f.* -ā] **A i** removed, carried off अविन्दम् ते अतिहितं यदासीद्यज्ञस्य धाम परमं गुहा यत् ṚV. x. 181. 2; यत्तं अङ्गमतिहितं पराचै: AV. xviii. 2. 26; **A ii** transplanted (placed) अदितिर्मां प्रपन्ना वै पुत्रार्थे पुत्रलोभिनी । (आत्मानम्) तस्यामतिहितं देवा: करिष्ये BhaviP. 713A. 32 (iv. 76. 9); **B i** extremely benevolent or well-intentioned राजगेहे पुरोहितेनातिहितेन राज्ञ: । द्रव्यं जिनानां स्नपनक्रियार्थं संभार्यां बुद्धिमता प्रचक्रे VarāṅgaC. 23. 17; तदा श्रेष्ठिनातिहितमित्रारक्षकमन्त्रिनृपा विज्ञप्ता: Bharat. 1B. 10; ViśvaPra. 63. 90 = KośaKaTa. 2. 5408; **B ii** very wholesome or beneficial चिर्बिल्लिका चैव कटु: कषाया । जीर्णज्वरे चातिहिता रसायनी BhojanKu. 73. 2; 81. 14; *n.* great benefit or welfare वक्ष्यत्यतिहितं शुकस्तदा त्वां तुल्यानि प्रतिभान्त्यमूनि राजन् Rāvaṇā. 12. 67; इति वाचयत्यतिहितं सुधीजने महिकन्यकाधवकथां महीधव: । ···बहुमतोऽभवद् बुधै: Raghunā. 4. 69.

अतिहितकारिन् (atihitakār-in) *adj.* extreme benefactor सर्वदा मानसवाचिककायिकव्यापारैरतिहितकारी गुरोरप्रतिलोमयन्वाचेति Aparā. 25. 24 (*on* 1. 27)

अतिहितैषिन् (atihitaiṣ-in) *adj.* great well-wisher यूयं मम प्रिया: सर्वे तथा चातिहितैषिण: ĀdiP. 21. 2.

अतिहिध्मान्न (atihidhmā-ghna) *adj.* curing acute hiccup ज्वरघ्न-

मतिहिध्माग्नं पुष्पाञ्जनमिहोदितम् RasPraSu. 6. 26.

अतिहिम (ati-hima) *adj.* very cold नातिपक्वम् (v. l. नातिहिमम्) ···पूतं निधापयेत् SiddhYo. 22. 169; न नैवातिशीतः अतिहिमः SthānṬ. 345A. 12.

अतिहिमम् (ati-himam) *adv.* end of or departure of cold हिमस्यात्ययोऽतिहिमम् । अत्ययो ध्वंसः SiddhāKau. 162A. 1 (*but* अतिहिमम् इत्युक्ते तद्‌तिशयस्यैव प्रतीतेः LaS'abdeS'e. i. 533. 5)

अतिहिमप्रपात (ati-himaprapāta) *m.* severe attack of cold हर्षातिवातातिहिमप्रपातात्···।··· वातः प्रकोपः (? पम्) समुपैति नित्यम् KalyāKā. 3. 56.

अतिहिमाप्रियत्व (atihimāpriya-tva) *n.* nausea for very cool things स्तब्धातिसुप्ततनुताातिहिमाप्रियत्वनिद्राक्षतिश्वसनसंभवलक्षणानि KalyāKā. 9. 54.

अतिहिमाम्बु (atihimāmbu) *n.* excessively cold water कासवृद्ध्या भवेच्छ्वासः ··· अतिहिमाम्बुना AṣṭāHr. iii. 4. 2.

अतिहीन (ati-hīna) *adj.* **A** very faint शब्दानां चातिहीनानां भवन्ति श्रवणाज्जडाः CaraS. iv. 1. 118 (1941 Ed.); **B** very low or inferior सर्वः कोऽप्यतिहीनोऽपि स्वपूज्यस्यार्थसाधकः SkandP. i(2). 1. 80; अयं खड्गः ··· नात्युत्कृष्टो नातिहीनः YuktiKa. 160. 4; Vāgbhaṭa. 4. 58; का प्रत्याशा जीवितस्यातिहीनस्य AnuBh. 305. 19 (*on* iv. 1. 3)

अतिहीनत्व (atihīna-tva) *n.* very low or inferior status पारशव्यां तु ततोऽपि हीनजातिरेवमनुलोमजानपेक्ष्य अतिलोमजानामतिहीनत्वात् ManvaVi. 1293. 19 (*on* 10. 28)

अतिहीनलिङ्ग (ati-hīnaliṅga) *adj.* having excessive or deficient characteristics कालश्च विपरीतोऽतिहीनलिङ्गो यथायथम् ।··· अहितायोत्तरोत्तरम् AṣṭāSaṁ. i. 61. 18 (1. 9)

अतिहीनसत्त्वक (atihīnasattva-ka) *adj.* having very inferior potency श्यामपीतमतिहीनसत्त्वकं हि रेणुकं हि कथितं द्वितीयकम् RasPraSu. 6. 55.

अतिहृ (ati-hṛ-) I. P. **Ai** to carry over or beyond यत्तिर॒श्चीन॑मति॒हरे॑दन॑भिविद्धं य॒ज्ञस्या॒भिर्विध्येत् TaiS. II. vi. 8. 4; JaimiBr. 1. 67; तानन्वारोहामीति दक्षिणं सक्थ्यतिहरति AitĀ. V. i. 4. 18; स्थानं चेन्निविदोऽतिहरेत् ĀśvS'S. I. vi. 6. 18; तृणमेतेन मन्त्रेणोपर्युपर्यतिहरेत् ĀpaS'S. xii. 16. 6; अपरया द्वारोदुम्बरीमासन्दीं मौञ्जविवानामति हरेयुः LāṭyāS'S. iii. 12. 1 (comm. प्रविशेयुः); उपनिर्हरन्ति सूतिकाग्निमौपासनमतिहरन्ति BhārGS. 1. 26 (27. 6) = HirGS. ii. 3. 4; दक्षिणं पादमग्रे अतिहर देहलिं माधिष्ठाः HirGS. i. 22. 6; VaikhāGS. 3. 55; द्वंद्वं पात्राण्यतिहरेयुः DrāhyāGS. iii. 5. 32 (comm. उद्वासयेयुः); नासति यजमाने ग्राममर्यादामतिहरेयुः । यद्यतिहरेयुरग्नयो लौकिकास्संपद्येरन् BaudhPiMe. ii. 6. 8; **Aii** to bring along अपरयाध्वर्यू राजानमतिहरति MānS'S. 69. 20; **Aiii** to add (i. e. to perform) पूर्वेणेष्ट्योत्तरेण मासमतिहरेत् MānS'S. 200. 16; **B** to dismiss (a law suit) देवब्राह्मण° ··· °व्याधितानामनाथानामनभिसरतां धर्मस्थाः कार्याणि कुर्युः । न च देशकालभोगच्छलेनातिहरेयुः ArthS'ā. ii.115. 4 (3. 20); धर्मस्थश्चेत् ··· कार्यमदेशेनातिवाहयति छलेनातिहरति ··· उत्तममस्मै साहसदण्डं कुर्यात् ArthS'ā. ii. 161. 4 (4. 9)

अतिहृच्छेदन (ati-hṛcchedana) *adj.* cutting the heart very much राधा त्वयि। ननु विक(? कि)रति नेत्रनाराचमेषातिहृच्छेदनम् ChandoMañ. 2. 293.

अतिहृत (ati-hṛta) *adj.* carried over क्रीत्वा राजा येनातिहृतः स्यात्तेन गत्वा तूष्णीमुपविशेत् LāṭyāS'S. v. 9. 4 (comm. येन पथा संस्थानमानीतः स्यात्)

अतिहृत्य (ati-hṛ́tya) *ger.* **i** having carried beyond or over, having passed over ता॒ नाति॒हृत्य सा॒दयेत् S'atBr. I. i. 1. 21; द्व्यङ्गुलं समिधोऽतिहृत्यानुदृभन्निवाभिजुहोति KausīBr. 2. 2 (4. 15); अन्तरा यूपमाहवनीयं च दक्षिणातिहृत्य ĀpaS'S. vii. 19 8; संभोगे रशनाग्रमतिहृत्य VārāS'S. I. vi. 3. 21; समिधोऽतिहृत्याभिजुहोति S'āṅkhāS'S. ii. 8. 22–23; **ii** having brought along वाससा राजानमतिहृत्य MānS'S. 72. 14.

अतिहृद्य (ati-hṛdya) *adj.* [*f.* -ā] extremely appealing to the heart, quite pleasant अतिहृद्यमतिस्वादु त्वद्गपुर्बिलनिर्गतम् । अपूर्वमङ्गनारक्तम् BrahmāṇḍP. iii. 22. 81; नानारागातिहृद्यम् ··· गानं वीणामहर्षे: S'ivPāKeSt. 38; महानसिकपुरुषैरुपनीतमतिहृद्यवर्णगन्धरसम् ··· नवैर्द्रव्यविशेषैरुपस्कृतानेकभक्ष्यलेह्यपेयप्रकारमास्वादयांचकार (क्षोणीपतितनयः) TilaMañ. 178. 1; राजी ··· अतिहृद्या ··· जिनानाम् CaturJiStu. 90 (comm. अत्यन्तहृदयङ्गमा); मनुमिममतिहृद्यं यो भजेत् PañcRā.(Nā.) v. 4. 7; अतिहृद्यविद्यासिंहासनेऽसौ क्षितिमीक्षते स्म S'aṅkaDigVi.(Mā.) 2. 66; GopāKeCan. 64. 6; शरहास्तादतिहृद्ये ··· अतिहृद्ययोः शृङ्गारहास्ययोः AlaṅkāS'e. 22. 4 (2); °शुद्धोदकैः स्नायन्तीमतिहृद्यरूपविभवां नीलोछसत्कुन्तलाम्।··· वन्दे ··· देवीं सरोजासनाम् S'ilpaRa. ii. 24. 10; इतरेतरयोगमेयुषाभ्यामतिहृद्यन्म(? °द्यं म)करन्दशर्कराभ्याम् । कृतिनः खलु केऽपि भावयन्ते भवशान्त्यै परसंविदोरभेदम् YātrāPra. 7. 133.

अतिहृद्यता (atihṛdya-tā) *f.* extreme attractiveness or charm अमृतं सूक्तमित्यादौ लक्ष्यस्यमतिहृद्यता Candrā. 9. 8.

अतिहृद्यबिम्बाधर (atihṛdya-bimbādhara) *m.* very attractive *bimba*-like lower lip अत्रैवातिहृद्यबिम्बाधरे राज्ञो ममत्वमभिप्रायः RasāSu. 251. 12 (3. 106)

अतिहृल्लास (ati-hṛllāsa) *m.* excessive joy or happiness (*lit.* throbbing of the heart) अतिहृल्लासपूरितास्ते तद्गताः PrabhāC. 29. 17.

अतिहृष् (ati-hṛṣ-) IV. P. to be extremely glad or happy सिन्धुदत्तापुत्राणां कतमस्ते पितेति सुश्रुत इत्युक्ते सोऽत्यहृष्यत् DaśKuC. 140. 1; तेनैव दृष्टोऽसि भवद्दर्शनाद् योऽतिहृष्यति Stotrā. 10. 7; पाङ्कजगन्ध्यामातरोऽत्यहृष्यन् DvyāśraKā. 4. 87.

अतिहृषिततनूरुह (atihṛṣita-tanūruha) *adj.* having excessively horripilated hair all over the body अतिहृषिततनूरुहो नरेन्द्रः श्रवणनिबद्धमना भृशं बभूव VarāṅgaC. 7. 67.

अतिहृष्ट (ati-hṛṣṭa) *adj.* [*f.* -ā] extremely delighted or happy, overjoyed स तु लब्धराज्य इवातिहृष्टः DaśKuC. 106. 20; 61. 11; अतिहृष्टं कुमारम् ··· पर्यचारयत् ··· कादम्बरीपरिजनः AvantiKa. 244. 13; 177. 18; PadmP. (Ra.) 35. 92; बभूवुरतिहृष्टास्ते निधिं प्राप्याधना इव SkandP. ii(9). 10. 21; i(2). 3. 84; तत्रातिहृष्टो वसति नित्यं वै सर्वदा भवः VāmaP. 83. 22; ĀdiP. 16. 1; PadmP. iv. 73. 22; ततोऽतिहृष्टां परिगृह्य जानकीं रामः प्रहृष्टः AdhyāRā. vi. 13. 22; i. 4. 23; vi. 3. 87; vii. 9. 64; स गतो गृहम् । पितृभ्यामतिहृष्टाभ्यां ददृशे विमना भृशम् PārśvC. 7. 465; रक्षोवक्षश्छेदनार्थं महान्तं कृत्वा खड्गं देवराजोऽतिहृष्टः S'ārṅgaPa. 4644; StavMā. 192. 11; विप्रोत्तमः ··· श्रीवीरसिंहतनयं विनयी बभाषे । वाचस्पतिस्त्रिदशराजमिवातिहृष्टः VīraBhā. 9. 3; नृपालैः ··· अतिहृष्टैः । प्रस्तूयमाननिजबाहुमहास्तदानीमानन्दसान्द्रहृदयोऽजनि भूमिपालः Raghunā. 8. 102.

अतिहृष्टचेतस् (atihṛṣṭa-cetas) *adj.* excessively rejoiced in heart इतीरिते शिष्यवरेण शिष्यं प्रोचे दरीयानतिहृष्टचेताः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 13. 3.

अतिहृष्टधी (atihṛṣṭa-dhī) *adj.* with a very happy mind इत्याकर्ण्य स राजर्षिस्तान् प्रणम्यातिहृष्टधीः ।···त्रिधन्वानमथाब्रवीत् KūrmaP. 225. 4 (1. 20); दण्डवत्पतितामग्रे सीतां दृष्ट्वातिहृष्टधीः । अनसूया AdhyāRā. ii. 9. 87.

अतिहृष्टमनस् (atihṛṣṭa-manas) *adj.* exceedingly delighted at heart स चापि सगरो राजा जगाम स्वं निवेशनम् । पत्नीभ्यां सहितस्तात सोऽतिहृष्टमनास्तदा MahāBhā. iii. 104. 16; नातिहृष्टमनाः सूतः MahāBhā. ix. 1. 24; सैवमुक्ताथ मात्रा तु नातिहृष्टमनाभवत् BrahmP. 38. 28; अतिहृष्टमनाः शिष्यं गुरुरध्यापयेन्मनुम् PadmP. iv. 82. 12; S'ivLī. 3. 45.

अतिहृष्टवत् (atihṛṣṭa-vat) *adv.* like one who is very glad or pleased अथो मन्त्रं मन्त्रयित्वा अन्योन्येनातिहृष्टवत् । ··· ततः पृच्छेरनामयम् MahāBhā. vi. 31. 3; (लोपामुद्रा) प्रतीक्षमाणावसरं यथाकालोचितं हि यत् । तदुपस्थापयेत् सर्वमनुद्विग्नातिहृष्टवत् SkandP. iv. 4. 16; असौ क्रूरोऽतिनिकटमुपविष्टोऽतिहृष्टवत् SkandP. iv. 76. 42.

अतिहृष्टिकरी (atihṛṣṭi-karī) *adj.* (*f.*) causing great joy प्लवङ्गमपतेरपतत् । स्ववलेषु दृष्टिरतिहृष्टिकरी RāmC. 26. 52.

अतिहेतु (ati-hetu) *adj.* transcending the sphere of cause (and effect relationship) अव्यावृत्तानुगतमतिहेतु सदैकलम् । विज्ञानघनमानन्दमैकात्म्यं व्यवतिष्ठते BṛĀraUBhVā. ii. 4. 473.

अतिहेय (ati-heya) *adj.* to be completely avoided or rejected कथितं मे त्वया वत्स संसारस्य व्यवस्थितम् । स्वरूपमतिहेयस्य MārkP. 16. 1; इति हि ब्रह्मतर्कोक्तिरतिहेयमतोऽखिलैः । बुभूषुभिर्मतमिदं जीवेशाभेदवादिनः AnuVyā. 44A. 1 (*on* 3. 2)

अतिहेयता (atiheya-tā) *f.* the state of being fit to be completely abandoned or avoided सुखस्य दुःखयुक्तत्वात् । अतिहेयतया पुमर्थता नो विषपृक्तान्नवत् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 15. 66; मलमूत्रपूयमांसशोणितादिकर्दमितेषु शरीरेषु रौरवादिष्विवावस्थानस्यातिहेयतायास्सर्वसम्प्रतिपत्त्यर्हत्वाच्च···उभयं सूचितम् S'ivārkaMaDī. ii. 244. 18 (*on* iii. 2. 11)

अतिहेयवृत्ति (atiheya-vṛtti) *f.* profession which is to be completely abandoned or avoided मानस्थितेऽशीतकरे तदानीं जातस्तु जीवत्यतिहेयवृत्त्या JātaPā. 6. 16.

अतिहेलन (ati-helana) *n.* excessive contempt or disregard देवानां चातिहेलनात् । भविष्यतस्तव ··· जाठराधमौ BhāgP. iii. 14. 37.

अतिहैतनाम (ati-haitanāma) *adj.* [SiddhaHe. vii. 4. 60; Vār. *on* P. vi. 4. 170] surpassing a descendant of (the sage) Hitanāman ब्राह्मरहस्यवेद्यसौ । सौषामवद् ब्राह्मयुतोऽपि धीयुतोऽतिहैतनामो जितचाक्रवर्मणः DvyāśraKā. 20. 70.

अतिहौत्रायणीक (ati-hautrāyaṇīka) *adj.* [SiddhaHe. vi. 1. 138] surpassing the pupils of the Hotṛ priest अतिहो(? हौ)त्रायणीकैः । छात्रैः प्राध्ययनं प्राप भूपतिर्देवपत्तनम् DvyāśraKā. 15. 37.

अतिह्रस्व (áti-hrasva) *adj.* [*f.* -ā] **Ai** very short, very dwarfish

(in height) आलभतेऽतिदीर्घं चातिह्रस्वं च VājaS. 30.22; अथैतानरूपेभ्य आ लभते । अतिह्रस्वमतिदीर्घम् TaiBr. III. iv. 19.1; नातिदीर्घं नातिह्रस्वम् … कच्चित् कुर्यात् पुरोहितम् AVPari. 3(2). 3; संजज्ञे … द्रुपदस्य कुले कन्या …। नातिह्रस्वा न महती MahāBhā. i. 61.96; x. 7.37; x. 8.129; शरीरमधिकृत्याष्टौ पुरुषा निन्दिता भवन्ति, तद् यथा अतिदीर्घश्चातिह्रस्वश्च CaraS. i. 21.3; (वक्त्रम्) कृपणानामतिह्रस्वम् BṛSaṁ. 68.56; मध्यमा स्त्री नातिदीर्घा नातिह्रस्वा CāndraVṛ. *on* iii. 2.82; अस्याः खलु कन्यकायाः सर्व एवावयवाः … नातिह्रस्वा नातिदीर्घाः DaśKuC. 110.9; तात प्रमाणतो नातिह्रस्वा न चात्यायता (शरीराकृतिः) TilaMañ. 271.15; काश्यपायातिह्रस्वाय … तुभ्यं वामनरूपाय … नमो नमः AgniP. 31.14; 46.9; नैवोच्चा नातिह्रस्वाश्च … प्रासादाः शुभदा नृणाम् SamarāSū. 50.2; PadmP. ii. 27.39; **A ii** very short (in length) अतिस्थूलमसारमतिदीर्घमतिह्रस्वम् … मृदुपाशमिति द्वादश यन्त्रदोषाः SuśruS. i. 7.19; नेत्रम् … अतिस्थूलं कर्कशम् … अतिह्रस्वमस्त्रिमदित्येकादश नेत्रदोषाः SuśruS. iv. 35.32; नातिदीर्घा नातिह्रस्वा …। यष्टिः प्रशस्यते तज्ज्ञैः Mānaso. iv. 14.1418; **A iii** very small (in size) (कुलम्) अत्युच्चमतिह्रस्वं च अतिवर्णं च वर्जयेत् SmṛtiCan. i. 204.1; VīraMi.(Saṁskāra.) 589.3; अतिह्रस्वः … निन्द्यो गजः MātaLī. 3.2; **B i** very brief or short (because of containing only a few letters or syllables) नातिदीर्घं नातिह्रस्वं नातिगुर्वक्षरान्वितम् ।… नाम कुर्यात् ViṣṇuP. iii. 10.11; **B ii** very short (in duration) अतिह्रस्वः खरः … वर्जिता बस्तयो नव KāśyaS. 163A.43; 48B.6; जपः । अतिह्रस्वो व्याधिहेतुरतिदीर्घस्तपःक्षयः KulārT. 15.55; TantrSā.(K.) 33.28.

अतिह्रस्वक (atihrasva-ka) *adj.* very short or dwarfish मथ्यमानात् समुत्तस्थौ तस्योरोः पुरुषः किल ।…खर्वाटास्योऽतिह्रस्वकः ViṣṇuP. i. 13.34.

अतिह्रस्वकाल (atihrasva-kāla) *adj.* lasting for a very short time तमसि जनसंबाधे विजने वाथ शनकैर्गच्छतोर्नातिह्रस्वकालमुद्धर्षणं परस्परस्य गात्राणामुद्घृष्टकम् KāmSū. 98.21 (2.2)

अतिह्रस्वपुरुष (atihrasva-puruṣa) *m.* very short in stature or dwarfish person (वर्जयेत्) अतिह्रस्वम् अतिह्रस्वपुरुषम् VīraMi.(Saṁskāra.) 589.3.

अतिह्रस्वाङ्ग (atihrasvāṅga) *adj.* having a very short body तत्रासीद् बाहुको नरः । काककृष्णोऽतिह्रस्वाङ्गः BhāgP. iv. 14.44.

अतिह्रासवृद्धि (ati-hrāsavṛddhi) *f.* excessive decrease or increase (of a *tithī* or lunar-day) अत्र केचित् नवरात्रशब्दो नवाहोरात्रपरः ।… तन्न, अतिह्रासवृद्ध्योर्न्यूनाधिकत्वापत्तेः … तेन तिथिवाच्येवायम् NirṇaSi. 124.21.

अतिह्री (ati-hrī-) III. P. to feel excessively bashful or shy यथातिजिह्रेषि यथातिवेपसे …। तथात्र मन्ये तव पक्षपातवन् नितान्तमन्तःकरणं कृशोदरि NavaSāC. 7.56.

अतिह्रीणा (ati-hrīṇā) *adj.* (*f.*) very much shy or bashful निशम्येति वचो मातुरतिह्रीणा गिरीन्द्रजा SkandP. iv. 90.4.

अतिह्रेपण (ati-hrepaṇa) *adj.* causing great shame, very shameful हरिणार्थमतिह्रेपणः सिंहसंभारः HarṣaC. 253.14; किमिदमसाम्प्रतमतिह्रेपणम् … मया प्रस्तुतम् Kād. 141.14; इदं द्वयमपि प्रायो ममातिह्रेपणं सखे SkandP. i(3B). 13.15.

अतिह्वे (ati-hve-) I. Ā. to call over (before others) इहार्वाञ्चमतिह्वये TaiBr. II. iv. 3.2.

[1]**अती** (atī-) II. P. [P. ii. 4.45-51] **1A** to cross (a road or obstacle etc.), to go beyond, to pass through, to go across **B** to go over, to go past, to go out **C** to bypass, to leave behind, to avoid, to disregard **D** to go beyond a limit, to remain over **E** to remain or be over, to protrude **F** to outstay, to outlive **G** to neglect, to overlook **H** to vanish, to disappear, to go away from **I** to go, to repaire, to enter **J** to encounter, to confront **2A** to overcome, to conquer **B** to excel, to surpass, to supersede **C** to transcend, to go beyond the range of **D** to transgress to violate, to disregard, to neglect **3A** to pass (time as subject), to elapse **B** to pass (a state or condition), to miss (time as object) **C** to overtake, to go ahead **1A** to cross (a road or obstacle etc.), to go beyond, to pass through, to go across नदं न भिन्नममुया शयानं मनो रुहाणा अति यन्त्यापः ṚV. i. 32.8; अति धन्वेव ताँ इहि ṚV. iii. 45.1 = AV. vii. 117.1; राजा पवित्रमत्येति ṚV. ix. 85.9; ix. 86.7; ix. 96.6; वारान् … अत्येष्यव्यान् ṚV. ix. 97.31; सुगेभिर्दुर्गमतीतामप द्रान्त्वरातयः ṚV. x. 85.32; MantrBr. i. 3.12; एतु तिस्रोऽति रोचना यतो न पुनरायति । शश्वतीभ्यः समाभ्यो यावत्सूर्यो असद्दिवि AV. vi. 75.3; तयोः पश्यन्तो अतियन्त्यन्यमपश्यन्तः TaiS. III. ii. 2.1; मा त्वा केचिन्नियमन् विं न पाशिनोऽतिधन्वेव ताँ इहि VājaS. 20.53; तद् यथा गाधाभ्यां तीर्थाभ्यां समुद्रमतीयात् तादृक् तद् यत् संधौ जुहोति KauṣīBr. 2.9 (8.3); दृषद्वत्या अप्यये ऽपोनप्त्रीयं चरुं निरुप्याथातियन्ति PañcBr. xxv. 10.15 = ĀpaS'S. xxiii. 13.2; तावब्रूताम् – एह्यग्निं समिद्धमत्ययावेति JaimiBr. 3.235; नाध्वर्युः प्राङ् हविर्धाने अतीयात् ĀpaS'S. xi. 9.2; xi. 10.17; xi. 20.6; यजमानाः कृष्णाजिनानि धून्वन्तः उदञ्चो दक्षिणापथेनातियन्ति ĀpaS'S. xxi. 5.10; शामित्रं नातीयात् KātyS'S. vi. 5.12; जवादतीये हिमवानधोमुखैः…पत्रिभिः Kirātā. 14.54; यत्र च … गृहपङ्क्तयश्चिरमतीयिरे जनैस्तमसीव हस्तपरिमर्शसूचिताः S'iśuVa. 13.53; परीत्य पूजयन् मानस्तम्भान् सोऽत्यैत्ततः परम् MahāP. 24.16; अतीयतामयमथवेतरेण वामपां निधिर्दधिमुखदुर्मुखौ सुखम् RāmC. 15.16; **1B** to go over, to go past, to go out स्तेगो न क्षामत्येति पृथ्वीम् ṚV. x. 31.9; त्वं भूमिमत्येष्योजसा त्वम् AV. xix. 33.3; पुरद्वारीन्द्रकीलपरिघावन्तरेण नातीयात् BaudhDS. ii. 3.34; सोऽतीयात् सहसा शत्रून् सहसा चाभिपेदिवान् MahāBhā. iv. App. I. 45.40; स्वेदस्य विषमत्येति रोमकूपैः समन्ततः BhelaS. 31.10 (1.18); **1C** to bypass, to leave behind, to avoid, to disregard इहि तिस्रः परावत इहि पञ्च जनाँ अति ṚV. viii. 32.22; यो माभिच्छायमत्येषि मां चाग्निं चान्तरा AV. xiii. 1.57; एष ते रुद्र भागस्तं जुषस्व तेनावसेन परो मूजवतोऽतीह्यवततधन्वा पिनाकहस्तः कृत्तिवासाः TaiS. I. viii. 6.2; अहिंसन्नः … शिवोऽतीहि VājaS. 3.61; एतत्ते रुद्रावसं तेन परो मूजवतोऽतीहि VājaS. 3.61; अग्निरबिभेत् । आहुतयो माऽत्येष्यन्तीति TaiBr. II. i. 3.7; श्रद्धा त्वेवैनं नातीयात् GopBr. i. 2.14; अपृक्तमेकाक्षरमद्रियोनि यत् तदानुनासिक्यभयादतीयते ṚPrāti. 11.2; अदो पितो … धक्षिधुक्षीत्यपि चातियन्ति किम् ṚPrāti. 11.4; न हि रथमतीत्य कश्चिद्द्रोयानेन व्रजेत् पुरुषः DhūrtaViSaṁ. 26.12; सा वर्ण्यमानान् क्रमशोऽथ भैमी शनैरतीयाय शतं नरेन्द्रान् Nalābhyu. 5.25; **1D** to go beyond a limit, to remain over तद्धावतोऽन्यानत्येति तिष्ठत् VājaS. 40.4; अथ या अष्टाविष्टका अतियन्ति S'atBr. VIII. v. 3.7; तमेवास्मा एतत्परस्ताद्दधाति तथा नात्येति S'atBr. XIII. ii. 6.2; ताः पराग्वचनेन सप्तनवतिर्भवन्ति सा या नवतिस्तिस्रस्तास्त्रिशिन्यो विराजोऽथ याः सप्तातियन्ति AitĀ. I. ii. 2.27; यदि त्वतीयाद्यमावास्यां पौर्णमासीं वातीयाद्यदि वाऽन्यस्याग्निषु यजेत ĀśvS'S. I. iii. 10.10; अप्यन्यस्मिञ्जलधर महाकालमासाद्य काले स्थातव्यं ते नयनविषयं यावदत्येति भानुः MeghDū. 34; **1E** to remain or be over, to protrude ततो याश्चत्वारिंशत् तदूधोऽथ याश्चतस्रोऽतियन्ति ते स्तनाः KauṣīBr. 27.3 (131.14) (comm. उपरि वर्तन्ते ते स्तना इति मन्तव्याः । ऊधःस्तनरूपत्वमुपर्यधोवृत्त्याधाराधेयभावावस्थितिसाम्यात्); **1F** to outstay, to outlive निर्तिक्ति यो वारणमन्नमत्ति वायुर्न राष्ट्र्यत्येत्यक्तून् ṚV. vi. 4.5; **1G** to neglet, to overlook अतीहि मन्युषाविणं सुषुवांसमुपारणे ṚV. viii. 32.21; **1H** to vanish, to disappear, to go away from (अपराह्णे)…अपि ह वा एनं रशना अतियन्ति KauṣīBr. 7.4 (31.1); यतो याति ततोऽत्येति यया तां तायतां यतैः DeviS'. 95; **1I** to go, to repair, to enter भुवि बहवो नृपा वनान्यतीयुः BuddhaC. 8.83; वनानि हित्वा भवनान्यतीयुः BuddhaC. 9.71; ये तपोवनमपास्य गृहाण्यतीयुः Saund. 7.50; अद्वारेण च नातीयाद् ग्रामं वा वेश्म वा वृतम् ManuSm. 4.73; **1J** to encounter, to confront शक्तो बलीयानीशः सन् पिप्रीषुरतथात्मना । अतीयते यत् तत्रास्य किं भाव्यन्यदभावतः Kapphiṇā. 16.70; **2A** to overcome, to conquer अतीयामनिदस्तिरः स्वस्तिभिर्हित्वावद्यमरातीः ṚV. v. 53.14; सोम … अर्व परिधिँरति ताँ इहि ṚV. ix. 107.19; जहाति रिप्रमत्येन एति AV. xii. 2.11; स सर्वा दुरिष्टिमत्येति AitBr. 15.2 (420); अनेन वै न उद्गात्रात्येष्यन्ति S'atBr. XIV. iv. 1.4; XIV. iv. 1.2; इन्द्रगाथाभिर्ह वै देवा असुरानागायाथैनानत्यायन् GopBr. ii. 6.12; स तद् गोभिः स्तवाऽत्येत्यन्ये । रक्षसाऽनन्विताश्च ये TaiĀ. i. 10.4 (78.3); यं ज्ञात्वा मृत्युमत्येति तस्मै ज्ञेयात्मने नमः MahāBhā. xii. 47.25; अत्येति सर्वदुःखानि दुःखं ह्यन्तवदुच्यते MahāBhā. xii. 199.13; कथम् । … शास्त्रजनितकर्मज्ञानरूपेण ज्योतिषोद्गात्रात्मना अत्येष्यन्ति अतिगमिष्यन्ति BṛĀraUBh. 45.20 (*on* i. 3.2); त्वां चिन्तयन्नमृतवृष्टिमिवाकिरन्तीमत्येति साधकजनः सहसैव मृत्युम् HarVi. 47.134; सर्वाश्रमानुपादाय स्वाश्रमेण कलत्रवान् । व्यसनार्णवमत्येति जलयानैर्यथार्णवम् BhāgP. iii. 14.17; यः षट्सपत्नान् विजिगीषमाणो गृहेषु निर्विश्य यतेत पूर्वम् । अत्येति दुर्गाश्रित ऊर्जितारीन् क्षीणेषु कामं विचरेत् विपश्चित् BhāgP. v. 1.18 = S'atTrayī. 3.681; Bhām. 591.14 (*on* iii. 3.6); **2B** to excel, to surpass, to supersede तदेव मन्येऽहं ज्येष्ठं तदु नात्येति किं चन AV. x. 8.16; अत्योऽसीत्याह । तस्मादश्वः सर्वान्पशूनत्येति TaiBr. III. viii. 9.1; ऋतमेव परमेष्ठ्यृतं नात्येति किञ्चन MānS'S. 42.22; वस्वौकसारां नलिनीमत्येतीवोत्तरान् कुरून् । पर्वतश्चित्रकूटोऽसौ Rāmā. ii. 88.26; सर्वान् देवान् …। अत्येति तेजसा देवो महादेवस्ततः स्मृतः VāyuP. i. 10.61 = BrahmāṇḍP. i. 9.91; इन्धनौघधगप्यग्निस्त्विषा नात्येति पूषणम् S'iśuVa. 2.23; अपराधशतक्षमं नृपः क्षमयात्येति भवन्तमेकया S'iśuVa 16.48; तद्धावतः द्रुतं गच्छतः अन्यान् आत्मविलक्षणान् मनोवागिन्द्रियप्रभृतीन् अत्येति अतीत्य गच्छतीव ĪśopBh. 10.13 (*on* 4); तच्चमूश्च द्विषः संख्ये सज्जातीयाय सारवान् HarVi. 43.47; धनूंषि … स्वदेहलीनां स्थितिमत्यजन्ति नृणां कलत्राणि हितान्यतीयुः RāghPāṇḍ(Dha.) 5.58; नासाभ्ये(v. l. त्ये)ति तिलप्रसूनपदवीं कुन्दाभदन्ति प्रिये GītaGo. x. 19.6; अत्येति सर्वभूतानि योगस्थो नात्र संशयः BṛBrahmS.

i. 3. 56; अथ पुरि गुरुमतिधाम स्वगिरा योऽत्येति देवगुरुमतिधामा ĀnandRa. 5. 65; **2C** to transcend, to go beyond the range of तमेव विदित्वाति मृत्युमेति नान्यः पन्था विद्यतेऽयनाय VājaS. 31. 18; ऋचं वा पदं वातीयात् AitBr. 11. 3 (293); ता वा एताश्चतस्रः षडहं पराच्य इडा अतियन्ति PañcBr. x. 12. 6; तस्या एतद् अन्नाद्यमेव मुखतोऽपिधाय स्वस्त्यत्येति JaimiBr. 1. 176; ताश्चतस्रः स्तोत्रिया विराजमतियन्ति S'āṅkhāS'S. xiv. 26. 3; तदु नात्येति कश्चन KāṭhU. 4. 9 = 5. 8; तमेव विदित्वाति मृत्युमेति S'vetāU. 3. 8 = 6. 15; नैनमतीयीमहि ĀrṣeU. 1. 8; ज्ञात्वा तं मृत्युमत्येति KaivaU. 1. 9; अत्येति तत्सर्वमिदं विदित्वा योगी परं स्थानमुपैति चाद्यम् BhagGī. 8. 28; नात्येति कारणं कार्यं न कार्यं कारणं तथा MahāBhā. xii. 204. 11; निवृत्तं सेवमानस्तु भूतान्यत्येति पञ्च वै ManuSm. 12. 90; अतीत्य वाचां मनसां च गोचरम् Kirātā. 18. 41; तदेतत् सर्वात्मकं ब्रह्म, उ नात्येति नातीत्य तदात्मकतां तदन्यत्वं गच्छति कश्चन KāṭhUBh. 155. 13 (*on* 4. 9); आदित्यवर्णं प्रकाशरूपं तमसोऽज्ञानात् परस्तात् तमेव विदित्वाति-मृत्युमत्येति S'vetāUBh. 160. 19 (*on* 3. 8); तदु तद्ब्रह्म नात्येति नातिवर्तते···कश्चन KāṭhUBh. 170. 13 (*on* 6. 1); अविवेकिभिः तलमलवदिव गगनं गम्यमानमेव तलमले अत्येति परमार्थतः ताभ्यामसंसृष्टस्वभावात् तथा मूढैः अशनायापिपासादि-मद्ब्रह्म BṛĀraUBh. 411. 14 (*on* iii. 5. 1); नात्मत्वादात्मनः प्राप्तिस्तदु नात्येति कश्चन TaiUBhVā. 108. 13 (2. 5); स्वप्नो भूत्वा यथात्येति मृत्यो रूपाण्यसङ्गतः BṛĀraUBhVā. iv. 3. 809; अप्यत्येषि गुणानविप्लवकथाभिज्ञां प्रपन्नश्च किम् ··· दशाम् SubhaDha. 2. 6; तमेव विदित्वा साक्षात्कृत्य मृत्युमविद्यामत्येतीति योजना Bhām. 491. 1 (*on* ii. 3. 30); स्वगोचरान्न चात्येति यत् तत् स्तिमितमुच्यते BhāvPra. (Sā.) 120. 9 (5); तमेव विद्वानत्येति मृत्युं पन्था न चेतरः PañcDa. 11. 8; अत्येति अतिक्रम्य वर्तते TatvPrakā. 47B. 10 (*on* i. 3. 14); अतीयाय स तं शापमधीयाय मुनेर्गिरः S'ivLī. 4. 33; **2D** to transgress, to violate, to disregard, to neglect पूर्वे येऽत्यायंस्ते पराबभूवुः AitĀ. II. i. 1. 2; अतीयाच्चेद्द्रैष्णव्यर्चा संचरेत् ĀpaS'S. xi. 9. 3; अपतिरपत्यलिप्सुर्देवरात्। गुरुप्रसूता नर्तुमतीयात् Gaut-DS. ii. 9. 5; अतीयात् सागरो वेलां न प्रतिज्ञामहं पितुः Rāmā. ii. 104. 18; न कालः कालमत्येति न कालः परिहीयते Rāmā. iv. 24 6; भवन्निदेशं नात्येति वेलामिव महोदधिः BrahmāṇḍP. ii. 48. 36; व्यञ्जकस्य संयोगस्य कालं न व्यङ्ग्यस्य रूपस्य व्यक्तिरत्येति NyāyBh. 65. 4 (*on* i. 2. 9); यथा ब्राह्मणत्वं विद्याचरणसंपदं क्वचिदत्येति NyāyBh. 68. 13 (*on* i. 2. 13); सोऽयं संयोगो हेतुविशेषणत्वेनोपात्त उप-लब्धिकालमत्येति NyāyVār. 177. 12 (*on* i. 2. 50); छायामत्येति नात्मीयां यथा वा कृत्स्नमप्यदः AṣṭāHṛ. i. 12. 32; नात्येति ब्रह्मरूपं यत्तद्ब्रह्मेति प्रतीयताम् Tai-UBhVā. 197. 11 (3. 1); नातीयात् कार्यकालं हि कृत्वा मन्त्रविनिश्चयम् NītiSā. 12. 52; गृह्यकारवचनं ह्येतदक्षतहोमे तावदासायमाहुतेः प्रातराहुतिर्नात्येति TantraVā. 179. 1 (*on* i. 3. 10); नात्येष्यति वचो नूनं वालिसूनोर्दशाननः RāmC. 28. 60; आमोदनिद्रागमनाददतीये न बाहुपाशं सुभटः प्रियायाः RāmC. App. 1. 38. 68; अनेन वै न उद्गात्रा वाचात्येष्यन्ति स्वं वपुः BṛĀraUBhVā. i. 3. 146; देशं कालं च योऽतीयात् कर्म कुर्याच्च योऽन्यथा AgniP. 256. 45; अर्थस्यानुमितस्योक्तिर्नात्येति पुनरुक्तताम् VyaktiVi. 83. 23; तथा यदि पक्षहोमे पक्षत्रयमतीयात् पुनराधेयं तस्य प्रायश्चित्तिरिति SmṛtiCan. ii. 436. 12; यो देशकालोचितं कर्म कुर्वन् 'देशं कालं चातीयात्' अतिक्रामति VyavaNi. 314. 2; यस्तु भृतकः पण्यकृष्याद्युचितं देशं कालं चातीयात् विक्रेयकर्षणादिकमकुर्वन् लङ्घयेत् VīraMi. 673. 5 (*on* 2. 195); अतीयादि-त्यस्यार्थ उल्लङ्घयेदिति BālamBha. ii. 295. 26 (*on* 2. 195); **3 A** to pass (time or period of time as subject), to elapse नैनमनीजानं संवत्सरोऽतीयात् MānS'S. 57. 8; पञ्च वर्षशतानि···। तत्रातीयुः MahāBhā. i. 71. 25; नात्येति कालो यज्ञस्य यथायं मम राघव। तथा कुरुष्व Rāmā. i. 18. 18; राम राम महाबाहो कालो ह्यत्येति साम्प्रतम् SkandP. iii(1). 44. 105; आलोचं कुर्वतोऽत्येति कालः कार्यस्य कस्यचित् TriṣaS'aPuC. i. 2. 48; कालोऽत्येति चलं च जीवितमिति क्षुण्णं मनश्चिन्तया SaduktiKa. 312. 33; क्षणार्धवत् सप्त दिनान्यतीयुः Yādavā. 7. 78; कालस्तिष्यः सर्वदोषाकरोऽपि त्रेतामत्येति S'aṅkaDigVi. (Mā.) 10. 8; वर्षाण्यती-युर्भगवन्नमुष्य पञ्चाष्ट जातस्य S'aṅKaDigVi. (Mā.) 12. 51; कालस्त्वयमेषामत्येति सुधाप्रदानस्य NīlaVi. 107. 12; **3 B** to pass (a state or condition), to miss (time or period of time as object) उदयास्ताचलावेतौ यत्क्रोडे बाल्य-वार्धके। विस्रम्भाच्चन्द्रसूर्याभ्यामतीयेते विनिर्भयम् MahāviC. 7. 23; अतीयाय गृहे कालं भोजनस्य द्विजोत्तमः BṛDharmaP. i. 7. 12; स वसन्तमतीयाय Triṣa-S'aPuC. iv. 7. 128; जिष्णुः ···। उत्सवैकमयान् कांश्चित् तत्रातीयाय वासरान् PāṇḍaC. 5. 406; **3 C** to overtake, to go ahead नास्तमेति यथा सूर्यः (v. l. यथा नात्येति मां सूर्यः) MahāBhā. vii. 120. 5; [to go with difficulty, to go with fault, to mete out punishment तावतेः पुनः कृच्छ्रदोषातिक्रमेषु दण्डने KośaKaTa. 2. 1353]

²**अती** (atī-) IV. Ā. [DhātuPā. IV. 35 ईङ्] to wander or roam about incessantly अतिप(तीय)तेऽतिहसति स्त्रियो वातिनिषेवते BhelaS. 54. 9 (2. 3)

अतीकाश (atī-kāśá) *m.* [P. vi. 3. 123] **1** radiance, lustre त्रयस्त्रिंशन्ति सुकृतस्य लोके त्रयोऽतीकाशा[स्]त्रीणि शीर्षाण्येषाम् AV(P.) iv. 40. 3; नक्षत्राणां मातीकाशात् पाहि TaiS. I. ii. 2. 2; KāṭhS. 2. 3 (KapiKaS. 1. 15 ati°-); MaiS. i. 2. 2; ĀpaS'S. x. 9. 8; BhārS'S. x. 6. 3; MānS'S. 60. 4; विश्वेषां देवानामोतुर्नक्षत्राणामतीकाशास्तद्वा एतत् सर्वदेवत्यं यद्वासः TaiS. VI. i. 1. 4; सोऽयमात्मनोऽतीकाशः KauṣīBr. 8. 5 (37. 13) (*but* comm. तत्रत्याया एकस्या ऋच उत्सर्गे च देहमध्यवर्त्याकाशदृष्टिश्च कर्तव्या); **2** hole or aperture दिक्ष्वतीकाशान् करोति TaiS. VI. i. 1. 1; S'ābaBh. 128. 10 (*on* i. 2. 14); यजूंष्यतीकाशाः AitBr. 39. 3 (940); 38. 1 (929); अतीकाशाः छिद्राणि NyāySu. (So.) 64. 8 (*on* i. 2. 14); VīraMi. (Rājanīti.) 97. 12.

अतीकाशकरण (atīkāśa-karaṇa) *n.* making of a hole or aperture तस्मात् प्रवर्ग्यकाले दिक्ष्वतीकाशकरणं प्राग्वंशस्य प्रशस्यते TantrVā. 31. 13 (*on* i. 2. 14); अतश्चातीकाशकरणं सद्यो धूमनिर्गमफलकत्वेन प्रशंसितुं कालान्तरभाविस्वर्ग-निन्दा MīmāKau. iii(1). 36. 2 (*on* i. 2. 14)

अतीकाशा (atī-kāśā) *adj.* (*f.*) having an aperture or a hole तच्छालां कुर्वन्ति प्राचीनवंशां दिक्ष्वतीकाशां दक्षिणतो वर्षीयसीम् BaudhS'S. ii. 204. 10.

अतीक्ष्ण (á-tīkṣṇa) *adj.* [*f.* -ā] [AltGr. II. 1, 241; P. vi. 2. 161; KāśiVṛ. *on* P. vi. 2. 161; Prasā. ii. 78. 1; SiddhāKau. 652B. 16] **1** not sharp or pointed, blunt अतीक्ष्णामिषुं कुर्यात् KāṭhS. 25. 1 = KapiKaS. 38. 4; गर्तेन्वान्यूपोऽतीक्ष्णाग्रो भवति S'atBr. V. ii. 1. 7; जिह्वानिर्लेखनानि स्युरतीक्ष्णान्य-नृजूनि च CaraS. i. 5. 70 (1922 Ed.); **2** not severe (or rigid), not harsh (or rough) मातीक्ष्णो मा मृदुर्भूः MahāBhā. xii. 104. 33; अतीक्ष्णेनाभ्युपायेन तथा राष्ट्रं समापिबेत् MahāBhā. xii. 212*(2) = SūktiRa. 157. 9 [*atīkṣṇa* given as one of the meanings of *mṛdu*, AmaK. 2523; AgniP. 361. 18; Vaija. 229. 12; AnekāSaṁ. 2. 230; DharK. 1162; AnekāK. 399; MediK. 79. 14; NānārthaMa. 853; ViśvaLoK. 169. 13; KośaKaTa. 2. 5867; S'abdaRaSaK. 174. 4; of *manda*, MediK. 79. 13; S'abdaRaSaK. 174. 2]

अतीक्ष्णकठिन (a-tīkṣṇakaṭhina) *adj.* neither sharp nor hard अस्त्रै-रतीक्ष्णकठिनैर्जगज्जयति मन्मथः Kuval. 78 = RasGaṅ. 581. 18.

अतीक्ष्णदण्ड (atīkṣṇa-daṇḍa) *adj.* whose punishment is not severe सुतीक्ष्णदण्डाः (v. l. अतीक्ष्णदण्डाः) संप्रेक्ष्य पुरुषस्य बलाबलम् Rāmā. i. 7. 10; अतीक्ष्णदण्डाश्चतुरो वर्णान् जुगुपुरञ्जसा HariVaṁ. 41. 7.

अतीक्ष्णसूर्य (atīkṣṇa-sūrya) *adj.* having no severe sunshine अती-क्ष्णसूर्यं तदचण्डवातम्। प्रौढे निदाघेऽपि बभूव भोग्यम् Yādavā. 4. 77 (comm. अतीक्ष्णसूर्यम् अतीव्रतपनम्)

अतीक्ष्णाग्र (átīkṣṇāgra) *adj.* not pointed or sharp at the end, having a blunt point or end, S'atBr. V. ii. 1. 7; क्रीडनकानि खलु कुमारस्य··· अतीक्ष्णाग्राणि ··· स्युः CaraS. iv. 8. 63 (1941 Ed.); AṣṭāSaṁ. ii. 175. 10 (6. 1)

अतीक्ष्णोपद्रव (atīkṣṇopadrava) *adj.* the supervenient disease of which is not very severe अतीक्ष्णोपद्रवं तस्मात् पित्तज्वरमुपक्रमेत् KāśyaS. 312B. 2.

अतीचार (atī-cāra) *m.* **1** transgression, violation (of a vow or an act) न हि सूक्ष्मेऽप्यतीचारे भर्तुः सा ववृते तदा MahāBhā. i. 1112*(4); पुण्डरीकः समं श्रमणकोटिभिः। सर्वानालोचयामासातीचारान् सूक्ष्मबादरान् TriṣaS'a-PuC. i. 6. 437; iii. 2. 46; PāṇḍaC. 15. 81; अकालविनयाद्यैर्यो ज्ञानाचारेऽष्टरूपिणि। अतीचारः कृतस्तत्र स्याद् मिथ्या दुष्कृतं मम MalliC. 3. 236; PrabhāC. 160. 16; KathāK. 134. 4; **2** accelerated motion (of planet) सहजां वक्रातीचारभि-न्नाम् (गतिम्) ··· यद्यतीचारगो गुरुः पूर्वराश्यवशिष्टांशानां भोगार्थं स्वाभाविक-गतिमास्थितः पुनस्तं राशिं नैति VīraMi. (Samaya.) 12. 13; cf. **अतिचार**.

अतीचारपरीहार (atīcāra-parīhāra) *m.* avoidance of transgression अतीचारपरीहारो यत्नादेकादशं तु तत् TriṣaS'aPuC. i. 1. 893.

अतीचारभव (atīcāra-bhava) *adj.* arising from transgression अद्यान्यतीचारभवान्युन्मूलयितुमात्मनः। यास्यामि गुरुपादान्ते धर्मलाभस्तवानघे Pari-Par. 8. 165.

अतीचाररहित (atīcāra-rahita) *adj.* free from transgression अतीचार-रहितं चारित्रं पालयित्वा पश्चापि स्वर्गं जग्मुः KathāK. 57. 3.

अतीचारवर्जित (atīcāra-varjita) *adj.* free from transgression दुष्करं तु जिनोपज्ञं तपोऽतीचारवर्जितम् PariPar. 11. 141.

अतीचारविवर्जित (atīcāra-vivarjita) *adj.* free from transgression तीव्रं तावतीचारविवर्जितम्। ···पालयामासतुर्व्रतम् PariPar. 10. 38; SamarāSaṁ. 9. 743.

अतीचारशङ्का (atīcāra-śaṅkā) *f.* suspicion of violation दृष्टेऽतीचार-शङ्का न भवति TattvMu. 4. 42.

अतीच्छा (atīcchā) *f.* ardent or strong desire चेतसः संप्रसादोऽभि-रुचिरतीच्छा TattvVai. 24. 24 (*on* 1. 20)

अतीण् (atīṇ) (Gr.) the root *ati* + *i*- इयाद्व्यधास्रुसंस्रुतीणवसावहृलिहश्लिषश्वसश्च (णः) P. iii. 1. 141; शाद्व्यधास्रुसंस्रुलिहश्लिषश्वसतीणः Jaine-Vyā. ii. 1. 114.

¹अतीत (atīta) *adj.* [*f.* –ā] **1 A i** past, what has passed or elapsed (a point or span of time) **ii** what has passed off or been transgressed (time) **iii** what has passed off or is spent, ended (point or span of time) **B i** past, bygone, extinct, disappeared (belonging to or pertaining to past times, eras or lives) (with entities, states, events etc.) **ii** existing at a point of time in the past (but has not ceased to exist) **C i** previous, preceding, former, earlier, ancient (with persons, states, events, period of time) **ii** immediately preceding, last **iii** (referring to) earlier times things or events **D i** (action or deed) done, performed or undertaken earlier (in the past) **ii** (action) which has passed off, been completed, finished, over, ended **iii** (action for which) has been carried out (with great speed) **E i** who has passed away, dead, departed (animates) **ii** who has passed or spent a certain period of time **2 A i** who or what has crossed over or passed beyond **ii** what has been crossed over or passed beyond **B i** who has gone far away **ii** gone very deep, very firm **3 A** the stipulated time-limit of which has passed off, what has been delayed, neglected, missed, omitted **B** devoid of something **C i** who or what has overcome or gone beyond the reach of something, transcendent **ii** who or what has surpassed or excelled something or someone **iii** who has escaped from something **iv** what has gone beyond the capacity (of someone) **D** who is overcome by something **4** the word *atīta* **1 Ai** past, what has passed or elapsed (point or span of time as subject) अतीते पर्वण्यामावास्ये प्रवृत्तेऽभ्युद्र(? द्दृ)ष्टिः S'āṅkhāS'S. iii. 3. 1; KauṣiGS. i. 7. 1; ततो देवयुगेऽतीते देवा वै समकल्पयन् । यज्ञम् MahāBhā. x. 18. 1; i. 84. 18; xi. 4. 3; HariVaṁ. 116*(2); Saund. 15. 32; HārīS. i. 4. 8; तदुत्तरायणेऽतीते ··· कुर्यात् PauṣkS. 30. 8; नातीतानागतयोरितरेतरापेक्षा सिद्धिः NyāySū. ii. 1. 42; अतीतानागतानीह यानि मन्वन्तराणि वै ViṣṇuP. iii. 1. 5; iv. 3. 31; VāyuP. i. 5. 50; BrahmāṇḍP. i. 31. 122; सोऽयं सम्बन्धविशिष्टः कालो वर्तमान उच्यते क्रियासंबन्धातिक्रमादतीतः NyāyVār. 255. 20 (*on* ii. 1. 38); MaBhāsk. 1. 24; EI. x. 103. 24; अदृष्टेऽनागतेऽतीते च काले बुद्ध्यहंकारमनसां रूपे चक्षुःपूर्विका त्रयस्य वृत्तिः SāṁkhyaKāBh. 20. 19 (*on* 30); DaśKuC. 95. 8; शकनृपाणाम् । पञ्चाशत्संयुक्तैर्वर्षशतैः पञ्चभिरतीतैः । ब्राह्मस्फुटसिद्धान्तः ··· कृतो जिष्णुसुतब्रह्मगुप्तेन BrāhmSphuSi. 24. 7; PadmP.(Ra.) 113. 1; VarāṅgaC. 26. 27; पञ्च नाडिका इष्टदेवताजपादि पञ्चनाडिकायामतीतायामास्थानम् Bārhas. 1. 59; PāraS. 9. 102; अथातीते क्वचित्काले विप्रान्पप्रच्छ पार्थिवः BṛKathāS'loSaṁ. 2. 11; TattvSaṁ. 232; अतीते च गणरात्रे ··· द्वितीयो दाशरथिः ··· चित्रकूटमुपगतः AnargharRā. 5. 2(5); S'vetāUBh. 225. 11 (*on* 6. 5); शकनृपकालातीतसंवत्सरशतेषु सप्तमु(सु) EI. iii. 109. 60; xxi. 144. 50; NyāyMañ. ii.' 22. 22; कालोऽतीतोऽनादिरेष्यन्ननन्तः ṢaṁkṣeS'ā. 2. 129 (ii. 82. 11); यत्रातीतस्य कालस्यागामिनश्च स्वभावानुवृत्तिः सा संध्या ManuBh. i. 36. 26 (*on* 1. 69); ii. 145. 14 (*on* 8. 153); EI. xxv. 170. 22; YaśasCam. ii. 419. 10; आश्वयुज्यामतीतायां निर्ययुर्मानवा बहिः NīlaP. 324; EI. ii. 217. 1; गोप्रचारस्य देवस्य ब्राह्मणस्य च भो द्विजाः । यावत्कालावधेः सीमा अतीते (कालावधौ) नास्ति पातकम् BhaviP. 395A. 29 (ii(3). 2. 26); RājMār. 46. 5; श्रीविक्रमादित्ये(त्यो)त्पादितातीतसंवत्सरशते[ष्वे]कादशसु EI. xi. 310. 17; NyāyRa. 82. 8 (*on* 2. 117); अतीतकालविप्रकृष्टदेशविशिष्टस्य तेनैव रूपेण सन्निहितदेशवर्तमानकालविशिष्टतया प्रतिपादनानुपपत्तेः S'rīBh. 191. 2 (*on* i. 1. 13); Lakṣaṇā. 13. 7; प्रोष्ठपद्यामतीतायां मघायुक्तां त्रयोदशीम् । प्राप्य श्राद्धं तु कर्तव्यम् S'aṅkhaSm. 14. 32; 15. 12; PariPar. 5. 63; AnuVyā. 16B. 6 (*on* 1. 4); अतिशयेनेतो गतोऽतीतः ··· वर्तमानत्वमतिक्रान्त इत्यर्थः SthānṬ. 158A. 8; CaturCin. ii(1). 1062. 10; मासेऽतीते युतः पौरैः श्रेष्ठी यक्षालये ययौ SamarāSaṁ. 4. 17; Gurvā. 191; S'aṅkaVi.(Ā.) 10. 4; साल(शालि)वाहनशके वर्षाणां त्रयोदशोत्तरत्रयोदशशत्यामतीतायाम् EI. xxi. 21. 42; DaṇḍaVi. 97. 7; विक्रमसमयातीते तिथिमितसंवत्सरेऽश्ववसुवर्षे EI. ii. 45. 30; BhāṭṭDī. iv. 204. 15 (*on* xi. 4. 7); MahāN. 5. 12 (1); S'ukraNī. 2. 298; (as predicate) कालो महांस्त्वतीतो मे शूरपुत्रमपश्यतः MahāBhā. xiv. 15. 20; Rāmā. ii. 17. 26; vii. 38. 26; तन्मुखावलोकनेन विना अनेकान्यहानि अतीतानि DaśKuC. 8. 3; BṛKathāS'loSaṁ. 19. 123; RāmC. 8. 92; VarāP. 174. 4; परार्धं ब्रह्मणो विप्रा अतीतमिति नः श्रुतम् SaurP. 22. 9; DvyāśraKā. 13. 49; JīvanVi. 117. 10; PuruṣPa. 136. 24; CampaS'reKa. 310; BhojPra. 3. 14; वाच्यतां समयोऽतीतः स्पष्टमग्रे भविष्यति । इति पाठयतां ग्रन्थे काठिन्यं कुत्र वर्तते KaliViḍ. 8; PuṣpaBāVi. 14; RasSa. 150 (8); **1 A ii** what has passed off or been transgressed (time as object) अतीतायां चेद्यववेलायां व्रीहिवेलायां वा यजेत धान्यपात्रानुप्त्राभिकृषेयुः LāṭyāS'S. viii. 3. 7; आ षोडशाद् ब्राह्मणस्य नातीतः कालः (उपनयनस्य) VasiSm. 11. 51; दृष्ट्वा तत्समयमतीतमस्य शिष्या रक्षन्तो वपुरितरेतरं जजल्पुः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 10. 19; कालेऽतीतेऽश्नतो जन्तोर्वायुनोपहतेऽनले । कृच्छ्राद्विपच्यते भुक्तम् BhāvPra.(Bhā.) 5. 156 = BhojanKu. 218. 1; S'ukraNī. 5. 80; **1 A iii** what has passed off or is spent, ended (point or span of time) शरद्विषुवतोऽतीतादुषस्युत्थानमिष्यते NāraS'i. ii. 8. 2; MārkP. 21. 32; S'ābaBh. 773. 3 (*on* iii. 2. 20); सुहृत्कथाव्यग्रैरस्माभिरतीतमप्यहो न विज्ञातम् PādaTā. 36. 12; RāmC. 14. 73; अहो तु खल्वतीतेऽपि कथंचित् ··· संवत्सरे ··· प्रेमाश्रुपातं गुरोः ··· नासादयम् SubhaDha. 1. 6 (6); RājTa.(Ka.) 8. 401; (as predicate) प्राप्तयोर्विविधान् भोगानतीतः शिशिरागमः Rāmā. vii. 42. 26; MārkP. 69. 32; वेलातीतानगाराणां महर्षीणामियं हि सा PadmP.(Ra.) 116. 19; SamarāSaṁ. 2. 254; KaliViḍ. 8; **1 B i** past, by gone, extinct, disappeared (belonging or pertaining to past times, eras or lives) (with entities, states, events etc.) एवमेष क्षयो वृत्तः ···। तव दुर्मन्त्रिते राजन्नतीतं किं नु शोचसि MahāBhā. viii. 69. 40; i. App. 81 (149); v. 88. 28; xi. 26. 4; xii. 16. 10; xiv. 46. 40; HariVaṁ. 7. 37; महोरगाः ··· बुद्धेष्वतीतेषु कृताधिकाराः BuddhaC. 1. 19; CaraS. iv. 1. 87 (1922 Ed.); पौरुषाणामहोरात्राणामतीतानां संख्यैव नास्ति । न च भविष्याणाम् ViṣṇuSm. 20. 19; MaYānaSū. 51. 24 (10. 7); S'atTrayī. 267 = Subhāṣi. 3153; KāmSū. 321. 11 (6. 2); अतीतान्न स्मरेद् भोगान् न तथानागतानपि BṛhaspaSm. 305. 535; PadārthSaṁ. 258. 1; JayāS. 29. 30; वर्तमानं न तद् ब्रह्म नातीतं नैव भावि तत् AhirbuS. 2. 47; ViṣṇuP. iv. 24. 103; VāyuP. i. 59. 63; नष्टं मृतमतीतं च नानुशोचन्ति पण्डिताः BrahmāṇḍP. ii. 54. 16; NyāySū. iv. 1. 16; NyāyBh. 19. 7 (*on* i. 1. 5); YājñaSm. 3. 150; SūrySi. 7. 2; श्रोत्रं वर्तमानमेव शब्दं शृणोति नातीतं न च भविष्यन्तम् SāṁkhyaKāBh. 21. 16 (*on* 33); NyāyBi. 2. 28; PramāVār. 1. 209; ऊनं चास्तविलग्नादेष्या त्वधिके युतिरतीता BrāhmSphuSi. 9. 14; KhaṇḍKhā. 8. 3; KāśyaS. 61B. 2; अतीतानुपजातेषु नित्यसामान्यगोचरम् । ज्ञानं चेत् केवलं चेदं सामान्यं गृह्यते न तु TattvSaṁ. 790; 1788; NyāyVi. 2. 32; अतीतानागतयोरप्यर्थयोरालम्बनत्वमुक्तम् TātpaṬ.(U.) 287. 24 (*on* 5(4). 202); 177. 15 (*on* 4. 233); यस्य पूर्वमेवास्ति नापरः सोऽनागतः ··· यस्यापरमेव न पूर्वं सोऽतीतः TattvSaṁPañ. 504. 26 (*on* 1787–1790); SarvaSiSaṁ. 8 28; सा च (अर्थप्रतीतिः) वर्णद्वयज्ञानेऽतीतेऽन्त्यज्ञानतः परा । भवति S'lokaVār. 534. 5 (5(11). 96); अनागताद्धि संबन्धादतीतः संबन्धो बलीयान् भवति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 344. 18 (*on* ii. 1. 36); IṣṭaSi. 281. 19; NyāyMañ. i. 126. 32; ParāTri. 219. 7; साम्राज्यमूलेऽतीतेऽपि तादवस्थ्यं ययौ रिपुः RāghPāṇ.(Dha.) 18. 81; ManuBh. i. 112. 24 (*on* 2. 71); BṛĀraUBhVā. i. 2. 109; तृप्तिहेतौ भोजनेऽतीते वर्तमाने वाप्रवृत्तेः PrakaPañ. 427. 6; 436. 13; YaśasCam. i. 552. 6; Kāśi. ii. 155. 10 (*on* 5(3). 150); अत एवातीतेऽपि धूमादौ लिङ्गे तत्स्मरणमात्रादेवानुमेयज्ञानं भवति TātpaṬ.(Vā.) 130. 17 (*on* i. 1. 3); NyāyKa. 119. 10; YogBh. 30. 9 (*on* 1. 25); NīlaP. 568; NaraP. 64. 56; न ह्यतीतानागतौ (प्रत्ययौ) व्यासज्य प्रत्युत्पन्नं वर्तितुमर्हतः TattvVai. 38. 12 (*on* 1. 32); NyāyKuA. ii(2). 13. 2; अध्यापनक्रियातिवृत्तौ तत्कारकत्वेऽतीत एव 'आचार्याय वरो देयः' NayaVi. 15. 5 (*on* i. 1. 1); YogVā. iii. 27. 35; अतीतैश्च भविष्यैश्च वर्तमानैस्तथैव च । नामभिश्छान्दसैश्चैव इदं स्तोत्रमुदीरयेत् LiṅgaP. i. 21. 1; DevīBhāP. i. 3. 24; PadmP. v. 2. 27; अतीतानागतसूक्ष्मादि (वस्तु) यथा योगिज्ञाने विषयीभवति PratyabhiVi. i. 172. 2 (*on* i. 4. 5); AbhinBhā. i. 48. 10 (*on* 2. 2); S'āstrDī. 52. 16 (*on* i. 1. 5); NyāyRaMā. 66. 19; Kiraṇā. 9. 4; ĪśānS'iPa. i. 10. 20; AlaṅkāSa. 178. 8; ततो नातीतवर्तमानयोरेकत्वमध्यक्षज्ञानगोचरः PramāMī. 35. 28 (*on* i. 2. 4); PṛthvīVi. 5. 89; AnuVyā. 41A. 2 (*on* 3. 2); 51A. 7 (*on* 3. 3); SthānṬ. 392A. 6; TattvPradī.(Ci.) 10. 1; न हि अतीतस्यागामिनो वा मानयोगस्य सद्व्यवहारप्रयोजकत्वं वर्तमानात् अस्तिबुद्धिदर्शनात TarkSaṁ.(Ā.) 9. 5; S'rutaPra. iA. 13. 13 (*on* i. 1. 1); SamarāSaṁ. 4. 173; SyādvāMañ. 1 (31); प्रत्यभिज्ञानप्रत्यक्षे ह्यतीतापि पूर्वावस्था स्फुरत्येव TarkBhā.(Ke.) 49. 13; 55. 3; BhāvPra.(S'ā.) 20. 3 (1); अतीते पञ्चमे वेगे RasRaSa. 29. 124; TattvCin. iv(2). 862. 11; NyāySiA. 240. 8; न चाकारः स्थिरस्त्वयेष्यते येनाकारिण्यतीतेऽपि परस्मिन्वर्तेत S'atDū. 101. 14; JīvanVi. 94. 11; SarvaDaSaṁ. 2. 186; NyāyMāVi. 39. 12 (*on* i. 3. 10); अतीतानागतयोरसत्त्वेन कारणत्वानुपपत्तेः NyāySu.(Ja.) 42B. 6 (*on* i. 1. 1); 418A. 6 (*on* ii. 2. 11); KumāPraPra. 79. 19; HaṭPra. 3. 102; Nyāyāmṛ. 580B. 4; यच्चेदमतीतं विज्ञानमुपरितनस्य ग्राह्यत्वेन भवद्भिरिष्टम् YuktiSneha. 57. 33 (*on* i. 1. 5); RājTa. (Jo.) 1159; EI. xxi. 282. 5; अतीतं तु (दुःखम्) प्रागेव नष्टमिति न तत्र साधनापेक्षा SāṁkhyaPraBh. 6. 19 (*on* 1. 1); 53. 30 (*on* 1. 113); HaṁsDū.(Rū.) 112; S'ivārkaMaDī. i. 160. 18 (*on* i. 1. 3); ii. 80. 23 (*on* ii. 2. 17); Kanda-

Cū. vi. 2. 33; अतीतानागतयोरपि ··· संस्कारात्मना सत्त्वेन तत्संसर्गस्याप्युपपत्तेः SiddhāLeSaṁ. 121. 1; GuruCandr. i. 446. 2; LaCandr. 330. 40; MīmāKau. i. 146. 10 (*on* i. 3. 33); अतीतानामतीतत्वादेव नाशासंभवात् BhāṭṭCin. i. 43. 16 (*on* i. 1. 4); SṛṅgāMañ.(A.) 10. 3; अतस्तस्यां (नाशसामग्र्याम्) सत्यां नश्यत्यतीतायां नष्ट इत्याद्युपपद्यते VaiyāBhū. 22. 22 (*on* 2); SāhiSā. 1. 49; (as predicate) प्राप्ता जरा यौवनमप्यतीतम् S'atTrayī. 611; ViṣṇuP. iii. 1. 7; MārkP. 3. 28; अतीते च प्रत्यभिज्ञाने वृत्तिमानप्यतीत इत्यन्तःकरणस्य विनाशः प्रसज्यते NyāyBh. 198. 9 (*on* iii. 2. 5); ṢaḍdarSa.(Ha.) 82 = ṢaḍdarSa.(Rā.) 161 = PurāPraSaṁ. 19. 25; भविष्यच्च यदागामि नातीतं नापि वर्तते BṛĀraUBhVā. iii. 8. 7; NyāyKa. 71. 23; BhaviP. 164B. 24 (i. 113. 17); SaduktiKa. 166. 26; यत्र च क्षणे ज्ञानं समुत्पन्नं तत्रार्थोऽतीतः SyādvāMañ. 16 (119); यदतीतमतीतमेव तत् Yādavā. 9. 5; अतीतानि हिमानि (इति) निर्हिमम् PrakriKau. i. 475. 6; **1Bii** existing at a point of time in the past (but has not ceased to exist) यदा धर्मः स्वव्यापारं न करोति तदानागतः···यदा कृत्वा निवृत्तस्तदातीतः YogBh. 132. 4 (*on* 3. 13); सोऽयं देवदत्त इत्यत्रापि न लक्षणागन्धो विद्यते। विरोधाभावात्। देशान्तरसंबन्धितयातीतस्य सन्निहितदेशसंबन्धितया वर्तमानत्वाविरोधात् S'rīBh. 193. 5 (*on* i. 1. 13); चन्द्रस्तावत् ··· प्रतिमासं भिन्नत्वेन वर्णितः। तेनातीताश्चन्द्रा अनन्तकोटय इति लब्धम् Kuval. 66 (57); **1Ci** previous, preceding, former, earlier, ancient (with persons, states, events, period of time) न चाप्यतीतां गान्धारि वाचं ते वितथामहम्। स्मरामि भाषमाणायास्तथा प्रणिहिता ह्यसि MahāBhā. xi. 13. 10; षण्णामनन्तरातीतं विज्ञानं यद्धि तन्मनः AbhidhK. 1. 17; PauṣkS. 19. 13; 43. 191; JayāS. 21. 32; अतीतानेकराजदत्ता(त्त)संचिन्तनपरिपालन(नं) कृतपुन्या(ण्या)नुकीर्तनपरिहारार्थ(र्थे)न्न कीर्तयामः EI. xxiii. 87. 38; BrahmāṇḍP. ii. 19. 15; MatsyaP. 126. 33; स्फुटतिथ्यन्तज्ञानं यन्नार्यभटादिभिः कृतमतीतैः। ब्रह्मे स्फुटं कृतं तत् BrāhmSphuSi. 16. 37; PadmP.(Ra.) 105. 62; PāraS. 12. 258; अतीतभवनामार्थभावनावासनान्वयात्। सद्योजातोऽपि यद्योगादितिकर्तव्यतापटुः TattvSaṁ. 1216; TātpaṬ.(U.) 275. 14 (*on* 5(4). 149); योऽयमतीतैर्मन्त्रैरुक्त आत्मा ĪśopBh. 12. 17 (*on* 7); GītāBh.(S'aṅ.) 24. 8 (*on* 2. 12); VṛGautaSm. 540. 22 (6); BālaKrī. i. 66. 4 (*on* 1. 58); अतीते दिवसे भुक्तमन्नमद्यापि भुज्यते ParaS. 30. 48; Kāśi. ii. 150. 8 (*on* 5(3). 130); EI. xxv. 170. 26; Avalo. 32. 5 (*on* 1. 59); °कोसलराज्याभिसि(षि)क्तश्रीअभिमन्युदि(दे)वस्यातीतराज्ये EI. xii. 240. A5; NyāyKa. 186. 3; TātpaṬ.(Vā.) 167. 13 (*on* i. 1. 5); AgniP. 209. 10; जन्मन्यहमतीतेऽस्मिन् व्याधोऽहं गोमतीतटे SaurP. 3. 27; RāmāMañ. 498. 6; GītāBh.(Rā.) 623. 1 (*on* 18. 1); EI. xii. 30. 6; कोऽत्रेदयिष्यत्···श्रीगौतमस्वामिमुखानतीतान् Gurvā. 482; TattvPrakā. 65A. 13 (*on* i. 4. 1); RājTa.(Jo.) 1189; सपिण्डता तु पुरुषे सप्तमे विनिवर्तेते इति। सप्तमेऽतीते इत्यर्थः Prasā. i. 703. 10; ii. 27. 8; SiddhāKau. 248B. 14; **1Cii** immediately preceding, last आः। आश्चर्यमस्माकं किं वृत्तमतीतेऽहनि KundaMā. 5. 1(4); PādaTā. 3. 3; राजन् अतीते निशान्ते गौरीपतिः···निद्रामुद्रितलोचनं विबोध्य···मामवोचत् DaśKuC. 13. 24; SubhaDha. 2. 1 (5); यद्यद् भावेषु यत्कर्म तस्माल्लग्नव्यवस्थितिः। अतीतानागते कार्ये त्वतीतानागतादपि DaivaVa. 2. 19; S'abdaRa.(Vā.) 4591; Prasā. i. 300. 7; **1Ciii** (referring to) earlier times, things or events इत्येवमाश्वासयतो राजानं जनमेजयम्। अतीतानागतं वाक्यमृषेः परिषदा श्रुतम् HariVaṁ. 118. 1; **1Di** (action or deed) done, performed or undertaken earlier (in the past) अतीते कार्यशेषज्ञो नरोऽर्थैर्न प्रहीयते MahāBhā. v. 39. 41; SūktiRa. 82. 21; आयतिं सर्वकार्याणां तदात्वं च विचारयेत्। अतीतानां च सर्वेषां गुणदोषौ च तत्त्वतः ManuSm. 7. 178; 7. 179; KāmSū. 345. 4 (6. 5); PramāVāSvopVṛ. 52. 21; अतीतानागतं कर्म निमित्तीकृत्य तेषु चेत्। पाचकादिषु धीशब्दौ तन्न हेतुरसत्त्वतः TattvSaṁ. 754; AnargharRā. 6. 5 (1); ManuBh. ii. 52. 23 (*on* 7. 179); लोकश्चातीतानागतवर्तमानक्रियासंबन्धमात्रविवक्षया कारकशब्दान् प्रयुङ्क्ते TātpaṬ.(Vā.) 23. 24 (*on* i. 1. 1); RāmāMañ. 360. 8; AnuVyā. 3A. 9 (*on* 1. 1); अतीतानागते कार्ये DaivaVa. 2. 19; SyādvāMañ. 28 (134); स चैकोऽपि (कालः) वर्तमानातीतभविष्यक्रियोपाधिवशात् वर्तमानादिव्यपदेशं लभते TarkBhā.(Ke.) 66. 3; VīraMi.(Tīrtha.) 161. 18; **1Dii** (action) which has passed off, been completed, finished, over, ended भुक्तवति जने अतीते पात्रसंपाते भैक्षमादद्यात् ViṣṇuSm. 96. 6; अनन्तरं नियोगो न निष्पद्यते तर्हि क्रियायामतीतायां कुतस्तत्सिद्धिः PrakaPañ. 444. 2; S'aṅkhaSm. 7. 2; (as predicate) फलनिष्पत्तिसमये तु सोऽतीतः (व्यापारः) NyāyRa. 531. 13 (*on* 5 (11). 82); **1D iii** (action for which) has been carried out (with great speed) अक्षरादक्षरं यातम् ···। विलम्बितं च नातीतं तथास्फुटपदोज्झितम् JayāS. 14. 86; **1E i** who has passed away, dead, departed (animates) तं व्यतीतं (v. l. अतीतम्) अतिक्रम्य राजा स्वमिव बान्धवम्।··· पर्यदेवयत् MahāBhā. i. 110. 1; अतीतमाज्ञाय तु पार्थिवर्षभम् ··· पत्नयः। ··· व्यलपन्ननाथवत् Rāmā. ii. 59. 14; ManuSm. 5. 71; 9. 196; ViṣṇuSm. 17. 19; अतीतायामप्रजसि बान्धवास्तदवाप्नुयुः YājñaSm. 2. 144; AgniP. 255. 31; दर्शयति हि पित्रादेरतीतस्य देशकालान्तरानुभूतस्याननुभूतचरदेशकालान्तरसंबन्धं स्वप्ने TattvVai. 17. 23 (*on* 1. 11); AśvaCi. 11. 19; NavaSāC. 11. 93; अतीते पितामहे तद्धनं पितापुत्रयोः साधारणमपि मणिमुक्तादि पितुरेव Mitā. 218. 19 (*on* 2. 114); 344. 9 (*on* 3. 22); LakṣmīT. 36. 138 = BṛBrahmaS. iv. 2. 41; अतीतस्य ··· रावणस्य सूक्तम् ··· शुकेन पठ्यमानमश्रौषम् UdaySuKa. 110. 22; ĪśānS'iPa. i. 52. 23; SmṛtiCan. iv. 664. 18; v. 296. 8; ये काव्यपीयूषरसै रसायाः पतीनतीतानपि जीवयन्ति VasaViKā. 1. 5; RājTa.(S'rī.) 1(7). 55; सुग्रीव इत्यमृतबिन्दुसंधितान्यतीतस्यापि वत्सस्य नामाक्षराणि मामाप्याययन्ति AdbhuDa. 3. 17(1); S'ivLī. 22. 37; BālamBha. iii. 72. 23 (*on* 3. 23); (as predicate) अनल्पं जल्पन्तः कति बत गता नो यमपुरम् ···। अतीता यद्येवं न हि निजहितं चेतसि वयं वहामो हा मोहाद् विषयविषजातोदनशिनः (?) S'atTrayī. 367; ViṣṇuP. iv. 1. 79; तद्वंशेषु जिगीषुषु तेषु बहुष्वतीतेषु EI. vi. 4. 2; ChāndoUBh. 483. 6 (*on* viii. 2. 9); तानि मित्राण्यतीतानि ते भृत्यास्ते च बान्धवाः DaśāvaC. 8. 220; HārLa. 33. 3; EI. iii. 76. 19; **1 E ii** who has passed or spent a certain period of time (in a particular state) (animates) द्वादशाब्दानतीतो वा स्निग्धस्विन्नोऽवशोधितः। पिबेत् क्षीरेण पिप्पल्यः(? लीः) KāśyaS. 109A. 9; **2 A i** who or what has crossed over or passed beyond तामतीतस्य सिन्धुः ···। सौभाग्यं ते सुभग विरहावस्थया व्यञ्जयन्ती कार्श्यं येन त्यजति विधिना स त्वयैवोपपाद्यः MeghDū. 29; ViṣṇuP. iv. 13. 93; एवं देवेष्वतीतेषु महर्लोकाज्जनं तपः VāyuP. i. 24. 3; S'iśuVa. 13. 1; NemiDū. 32; लग्ने भावाश्चोदितास्तेषु तिष्ठँल्लग्नस्थः संस्थानतीतो द्वितीयः VasiS. 32. 168; (as predicate) यस्तानतीतः (लग्नांशान्) स भवेद् द्वितीयः (ग्रहः) YogYā. 5. 19; **2 A ii** what has been crossed over or passed beyond (रामः–) भगवत्प्रसादादतीतः सागरः Abhiṣe. 4. 17(1); अतीतश्च महानध्वा शिष्यते स्तोकमन्तरम् BṛKathāS'loSaṁ. 10. 75; **2 B i** who has gone far away तावन्योन्यं श्रवणविषयाद् दूरमावामतीतौ HaṁsDū.(Vā.) 105; चतुष्पथादतीता तु विषादप्यतिरिच्यते (प्रिया) Subhāṣi. 1244; **2 B ii** gone very deep, very firm अतीतं पूर्ववृत्तेऽपि सुदृढेऽपि निगद्यते S'abdaRaSaK. 136. 17; **3 A** the stipulated time-limit of which has passed off, what has been delayed, neglected, missed, omitted प्रायश्चित्तं तु कृत्वातीतानि कर्माणि प्रतिनिदध्यात् S'āṅkhāS'S. iii. 21. 12; KāmSū. 252. 11 (4. 2); अतीतानञ्जलीन् पिण्डान्दत्त्वा चैव तदादितः। अथवाद्याह्निकं सर्वं ज्येष्ठः कुर्याद्यथाविधि LaghvāśvaSm. 20. 14; PāraS. 19. 186; 'अतीता' पञ्चमं पक्षमतिक्रान्ता (पितृक्रिया) CaturCin. iii(2). 48. 9; अतीतां अतीतारम्भकालां उपासीतोपासितुमारभेत (सन्ध्याम्) VīraMi. 78. 2 (*on* 1. 24); **3 B** devoid of (*lit.* gone beyond) something बतो बलादतीतो भवति। दुर्बलो बतासि यम Nir. 6. 28 (127. 3); तौ धृतराष्ट्रमुपागतौ (शकुनिदुर्योधनौ) YudhiVi. 3. 64; **3 Ci** who or what has overcome or gone beyond the reach of something, transcendent ज्योतिर्ब्रह्म सनातनम्। अद्भुतं चाप्यचिन्त्यं (v. l. चाप्यतीतम्) च MahāBhā. i. 1. 29; BhagGī. 14. 21; VijñāS'. 88; BṛParāSm. 1. 61; 12. 175 (+198); एते सर्वविकल्पातीत एकस्मिन्नर्थे सर्वशक्तियोगात् द्रष्टॄणां दर्शनविकल्पाः VākyaP. 1. 9 (35. 4); NityāṢoḍa. 6. 49; S'ivBhuSt. 4; YaśasCam. ii. 411. 9; स चोंकारमयोऽतीतो गायत्रीमसृजद् द्विजः SkandP. v(3). 5. 24; YogVā. v. 17. 15; PadmP. iv. 77. 59; भ्रान्तिज्ञानादतीतस्तु मुमुक्षुः संयतेन्द्रियः BrahmP. 44. 13; 233. 71; वाचाधीशं (F. N. वाचातीतम्) हुतवहतनुं शक्तिपाणिं भवन्तं ये ध्यायन्ति EI. xxv. 179. 31; Viṣāpahā. 37; AupaSūṬ. 204. 2; शीतोष्णादिद्वंद्वदुःखातीताय च महात्मने EI. xiv. 173. 72; ix. 309 4; Mahimna. 2; स्थितिनियतिमतीते ··· स्फुरतु ··· गोष्ठवीरे रतिर्नः StavMā. 122. 9; EI. ix. 308. 1; Gaṅgāva. 3. 45; कृत्यान्यतीताः। जीवन्मुक्ताः समुदितचिदानन्दसन्दोहमग्नाः Vidvanmo. 7. 64; S'ivārkaMaDī. i. 98. 16 (*on* i. 1. 1); **3 C ii** who or what has surpassed or excelled something or someone मत्तान् वित्तमदेन ··· स्तुत्वा नरेन्द्राधमान्। द्राक्षातीतरसं दयामयतनुम् ··· पशुपतिं साक्षादुपेक्षामहे S'atTrayī. 637; सुयोधनं वा न गुणैरतीताः Kirātā. 3. 13; EI. xxv. 179. 26; कोऽवेदिष्यत् तुलनामतीतान् श्रीगोतमस्वामिमुखान् Gurvā. 482; माधवरायराज्ञा। सेयं निबद्धा (स्वकीर्तिः) पृथुभिर्गुणौघैः परार्धसंख्यागणनामतीतैः AlaṅkāMañ. 44. 2; **3 C iii** who has escaped from something दिष्ट्या कायस्थवागुरादतीतं भवन्तमक्षतं पश्यामि PādaTā. 29. 8; **3 C iv** what has gone beyond the capacity (of someone) एवमुक्त्वा तु तां कन्यां बलात् संगृह्य बाहुना। अतीते वाक्पथे तेन विवस्त्रा सा तथा कृता PadmP. v. 34. 38; (as predicate) नाद्याप्युच्चैः किंचिदतीतं तव कार्यम् RāghPāṇ.(Dha.) 13. 20; **3 D** who is overcome by something स हि सर्वस्य राज्यस्य मुखमेकं भविष्यति। ताते च वयसातीते मयि चारण्यमाश्रिते Rāmā. ii. 47. 12; **4** the word *atīta* द्वितीया

श्रितातीतपतितगतात्यस्तप्राप्तापन्नैः P. ii. 1. 24; JaineVyā. i. 3. 21; SaraKaṇṭhā. (Gr.) iii. 2. 34; ननु कथमर्थशून्यत्वं शब्दानाम् ? अतीतानागतभूतभविष्यदादयः शब्दा ह्यर्थसमकालत्वाभावेऽप्यर्थवन्त एव S'rutaPra. ii. 62. 19 (*on* i. 3. 27); [Kośas give अतीत as the synonym of अतिक्रान्त S'abdaRa.(Su.) 6. 77; गत NānārthāSaṁ. i. 71. 336; भूत AmaK. 2490; AbhidhāRaMā. 5. 73; Vaija. 234. 59; RājNi. 415. 5; AnekāSaṁ. 2. 181; न DharK. 2012; नि MediK. 202. 81; निस् ViśvaPra. 191. 68; ViśvaLoK. 419. 75; नु DharK. 2911; MediK. 198. 42; KośaKaTa. 2. 3183; प्राञ्च AnekāSaṁ. 7. 14; ViśvaLoK. 408. 14; पुरा AnekāSa. 787; Vaija. 285. 23; ViśvaPra. 190. 57; DharK. 2953; GaṇRa. 1. 6(16); S'abdaRa.(Vā.) 4550; पूर्ववृत्त S'abdaRaSaK. 136. 17; वा MediK. 201. 75; वि AnekāSaṁ. 7. 15; ViśvaPra. 189. 41; ViśvaLoK. 418. 71; वृत्त AmaK. 2491; AnekāSa. 27; Vaija. 236. 77; DharK. 1030; AnekāK. 271; NānārthāSaṁ. i. 152. 1280; MediK. 61. 60; S'abdaRa. (Vā.) 4011; KośaKaTa. 2. 5194; S'abdaRaSaK. 133. 9; स AnekāSaṁ. 7. 16; NānārthSaṁ. 96. 67; ViśvaPra. 189. 42; GaṇRa. 1. 6(15); S'abdaRa. (Vā.) 4608; KalpaK. 460. 22]

अतीत (atīta) *n.* **1** the past नार्थो न धर्मो न सुखं यदेतदनुशोचसि (v. l. योऽतीतमनुशोचसि) MahāBhā. xi. 2. 19; Rāmā. vii. 65. 36; उपेक्षाव्यवदाननिमित्ततोऽपि अतीतं द्रष्टव्यम् AbhidhSa. 21. 11; AbhidhKoBh. 299. 8 (*on* 5. 27); AgniP. 360. 33; करणेऽतीते यजः Kātan. iv. 3. 81 (comm. करणवाचिन्युपपदेऽतीते क्रियायां वर्तमानाद् यजतेर्णिनिर्भवति । अग्निष्टोमयाजी); Kātan. iii. 1. 12; Prasā. i. 308. 10; **2** the end, the last part त्वं पित्रोर्वयसोऽतीते जातः संलाल्यसे ततः ĀdiP. 24. 88; **3** name of a transcendent state (supposed to be even beyond the four known states of the soul i. e. *turyātīta*) जाग्रत उत्तरं स्वप्नः, ततः सुप्तं, ततस्तुर्यं, ततोऽपि तदतीतम ParāTri. 23. 17; *m.* **1** an epithet of S'iva (अष्टोत्तरसहस्रं तु नाम्नां शर्वस्य शृणु) गिरिसाधनः । अजितश्च (v. l. अतीतोऽपि) महामुनिः MahāBhā. xiii. 17. 87; अतीताय भविष्याय वर्तमानाय वै नमः (शूलिने) LiṅgaP. i. 21. 26; **2** name of a divine incarnation of Viṣṇu in the *Svārociṣa manvantara* ततः पुनः स वै देवो प्राप्ते स्वारोचिषेऽन्तरे । तुषितायां समुत्पन्नो ह्यतीतस्तुषितैः सह VāyuP. ii. 5. 126; **3** (music) name of a type of *graha* when the music starts before the song समोऽतीतोऽनागतश्च ग्रहस्ताले त्रिधा मतः SaṁgīRa. iii. 27. 1 (5. 50); सोऽवपाणिरतीतः स्याद्यो गीतादौ प्रवर्तते SaṁgīRa. iii. 28. 1 (5. 51); iii. 269. 5 (6. 193); तथाप्यनागतातीतसमाख्यानग्रहत्रयम् । अनुसृत्येह वीणायाम् ··· । लघुद्रुतादेरधुना पौर्वापर्यं समाश्रितम् CāturDa. 3. 116.

[2]**अतीत** (atīta) *adj.* very much adorned, extremely beautiful ताते-तोऽततनुतोऽनीतं (v. l. °ऽतीतम्) न नुत्तैनोनुतान्ततः Yādavā. 6. 79 (comm. अतीतमिति पाठे अत्यर्थं ई कान्तिः । तया इतं प्राप्तम्); तातेतातीतितातीतः Yādavā. 6. 93 (comm. अतीतः अत्यर्थं शोभितः)

अतीतक (atīta-ka) *adj.* past [DBHS]

अतीतकक्ष्य (atīta-kakṣya) *adj.* who has crossed the outer hall अनोपमं भवतो निकेतं मुनीश्वराः प्रापुरतीतकक्ष्याः Nāray. iii. 11. 2.

अतीतकक्ष्याविशेष (atīta-kakṣyāviśeṣa) *adj.* who has crossed a particular outer hall सोऽवरुह्यौपवाह्यात् । औत्सुक्येनातीतकक्ष्याविशेषस्तं प्राणंसीत् Acyutarā. 7. 15.

अतीतकर्मन् (atīta-karman) *n.* previous *karman* तत्राद्यस्य ··· नवकर्मानुपादानातीतकर्मनिर्जरारूपे संयमतपसी प्रतिपाद्ये Kāvyānu.(He.) 2. 20.

अतीतकला (atīta-kalā) *f. kalās* (minutes) which are over अप्राप्तातीतकला मुक्त्यास्यैवोद्धृता दिवसाः BrāhmSphuSi. 2. 51.

अतीतकल्प (atīta-kalpa) *m.* past or previous age or aeon अतीतकल्पावसाने निशासुप्तोत्थितः प्रभुः ViṣṇuP. i. 4. 3; BrahmSūBh.(S'aṅ.) 199. 14 (*on* i. 3. 30); S'vetāUBh. 192. 4 (*on* 4. 15); IṣṭaSi. 350. 4; PañcPā. 78. 23 (*on* i. 1. 2); आसीदतीतकल्पान्ते ब्राह्मो नैमित्तिको लयः BhāgP. viii. 24. 7; KūrmaP. 74. 15 (1. 9); AgniP. 2. 3; NyāyMa. 332. 4; अतीतकल्पनानामानन्त्यात् BrahmSūBh.(Rā.) 437. 14 (*on* ii. 1. 15); PadmP. v. 3. 21; TattvPradī.(Ci.) 161. 4; अतीतकल्पानुपूर्वी चेदं प्रथमा PrakaVi. 286. 13; NyāySiA. 261. 3; S'atDū. 151. 15; Nyāyāmṛ. 296B. 7.

अतीतकल्पसंयोग (atīta-kalpasaṁyoga) *m.* passing the juncture of the aeon or age अतीतकल्पसंयोगे गरुडस्त्वं भविष्यसि LiṅgaP. ii. 3. 74; (*but* comm. अतीतात् कल्पोऽतीतकल्पस्तस्य संयोगे प्राप्तौ)

अतीतकल्पित (atīta-kalpita) *adj.* (the start of the Tāla) begun before (the start of the song, music and dance) विलम्बितो लयो यत्र नृ(? ग्र)-हश्चातीतकल्पितः । तद्ददारभटी यत्र तत् ख्यातं चण्डताण्डवम् BhāvPra.(S'ā.) 298. 15(10)

अतीतकाम (atīta-kāma) *adj.* whose wish was over (i. e. unrealised) अतीतकामो युधि सोऽत्यमर्षी राजा विनिःश्वस्य बभूव तूष्णीम् MahāBhā. iv. 61. 23.

अतीतकामुक (atīta-kāmuka) *m.* past paramour अतीतकामुकव्रातकेशाघातव्रणान्तिका । ··· राक्षसी साब्रवीत्सुतम् BṛKathāMañ. 2(2). 84.

अतीतकायस्थ (atīta-kāyastha) *m.* clerk of the earlier days कश्चित्सहृदयो जनः । हासायातीतकायस्थचरितं कर्तुमीरितः । करोति तत्प्रसङ्गेन दुराचारविडम्बनाम् NarmaMā. 1. 6.

अतीतकार्य (atīta-kārya) *n.* **i** past action यानि कर्माण्यतीतानि तान्येव कथं नाम पुनरारभेतेत्यतीतकार्यगुणदोषतत्त्वविचारणोपदेशः ManuBh. 52. 16 (*on* 7. 178); कार्यपदस्यातीतकार्यपरत्वात् LaCandr. 168. 29; **ii** past effect अतीतकार्ये कार्यतायास्त्वदभ्युपेतायाः सत्त्वात् तथापि प्रवृत्त्यापत्तेः VaiyāBhū. 77. 17 (*on* 22); **iii** religious acts whose time is over अतीतकार्याण्यखिलानि तानि कार्याणि सौम्यायनगे दिनेशे VasiS. 26. 3.

अतीतकाल (atīta-kāla) *m.* **A** past time आसीन्निरर्थकतमो धिगतीतकालो दीर्घः सुखार्णवजले पतितस्य निन्द्यः PadmP.(Ra.) 112. 98; NāṭyaS'ā. 14. 26; GītāBh.(S'aṅ.) 282. 6 (*on* 10. 6); उत्तरज्ञानमतीतकाललिङ्गितभावाकलनकुशलम् NyāyMañ. ii. 22. 25; ii. 31. 22; ĀgaPrā. 16. 17; अतीतकाले पठिताः श्रुतयः स्मृतीनां मूलम् S'āstrDī. 19. 11 (*on* i. 3. 1); VedāntDī. 108. 8 (*on* ii. 2. 25); TarkBhā.(Mo.) 16. 17; Kāvyānu.(He.) 66. 13); TātpaVṛ. 198. 8 (*on* 2. 47); तदेवेदमिति सर्वं वस्तुजातमतीतकालानुभूतं प्रत्यभिज्ञायते BrahmSūBh.(Rā.) 489. 15 (*on* ii. 2. 24); अतीतकालसंबन्धस्यापौ ··· अनुमेयौ S'rutaPra. iA. 167. 8 (*on* i. 1. 1); KumāPraPra. 85. 9; तद्व्यक्तिध्वंसविशिष्टः कालस्तद्व्यक्तेरतीतकालः TarkKau. 3. 17; Upask. 112. 6 (*on* ii. 2. 8); GuruCandr. ii. 19. 13; LaCandr. 5. 9; VyutpaVā. 167. 16; BhāṭṭCin. i. 20. 18 (*on* i. 1. 4); Bhāsk. i. 161. 20 (*on* i. 4. 2); अतीतकाललिखितं (लेख्यम्) न तत् स्यात् साधनक्षतम् S'ukraNī. 4(5). 180); **B** (fallacy in which) the subject is devoid of the probandum, time-barred, (stated when the time for it is over or past) cf. **बाधित, कालातीत, कालात्ययापदिष्ट;** पक्षधर्मादिलक्षणानां च क्रमनियमाभावात्साध्यसमविरुद्धसव्यभिचारातीतकालप्रकरणसमा हेत्वाभासा इति पाठो नाश्रितः NyāyMañ. ii. 153. 28; SarvaDaSaṁ. 11. 51; NyāyPari. 297. 8; NyāyK. 8; *n.* fault of stating something too late (i. e. when its proper time is gone), time-barred अथातीतकालम् – अतीतकालं नाम यत् पूर्वं वाच्यं तत्पश्चादुच्यते, तत्कालातीतत्वादग्राह्यं भवति CaraS. iii. 8. 58; *adj.* whose time is past अतीतकाले दुर्भिक्षे यत्रैत्य पुनराश्रमम् । मुनिः पारेते नद्या वै नाम चक्रे तदा प्रभुः MahāBhā. i. 65. 32; SuśruS. iv. 24. 28; BhelaS. 85. 4 (4. 4); BṛParāSm. 12. 175 (+77); AṣṭāSaṁ. i. 64. 24 (1. 10); अतीतकालस्य तदत्र जृम्भितं तपस्यमासे करिणोऽपि दुर्जयः । मुखलाङ्गलः HarVi. 12. 47; VīraMi. (Saṁskāra.) 298. 2.

अतीतकालज्ञ (atītakāla-jña) *adj.* who knows (the events of) the past time अतीतकालज्ञा अस्मिन्नर्थे वायुप्रोक्ता गाथाः ··· कथयन्ति ManvaMu. 371. 15 (*on* 9. 42)

अतीतकालता (atītakāla-tā) *f.* **A** the state of being a fallacy in which the subject is devoid of the probandum (the time of which is over or past) प्रसिद्धैवातीतकालता व्यतिरेकानुमानभेदानाम् ĀtmaSi. 41. 12; NyāySu. (Ja.) 253B. 5 (*on* ii. 1. 2); **B** the state of being subject to the fallacy called time-barred एतेषामनुमानानामाशङ्क्यातीतकालतां विषयव्यवस्थया परिहरति VedāntKa. 225. 25 (*on* i. 4. 23); 247. 19 (*on* ii. 1. 34)

अतीतकालत्व (atītakāla-tva) *n.* **A** the state of belonging to the past time तत्तस्यातीतकालत्वान्निग्रहवचनमसमर्थं भवति CaraS. iii. 8. 58 (1941 Ed.); अतीतकालत्वादारब्धवानिति वक्तव्ये वर्तमानकाले पदप्रयोगः Sphuṭā. 2. 12 (*on* 1. 1); Upask. 331. 14 (*on* vii. 2. 10); **B** the state of having the fallacy called Kālātyayāpadiṣṭa or Bādhita सति प्रमातरि जाग्रत्प्रत्यये बोधविरहस्य प्रमितत्वेन साधनव्याप्त्यनुमानस्यातीतकालत्वात् VedāntKa. 295. 28 (*on* ii 2. 28).

अतीतकालवत् (atītakāla-vat) *adv.* like the past time विमतः कालो रोहिण्युदयासत्तिमान् अतीतकालवत् NyāySu.(Ja.) 469B. 1 (*on* iii. 2. 1)

अतीतकालसंसर्ग (atītakāla-saṁsarga) *m.* contact with the past time अतीतकालसंसर्गो भवन्नेव विशेषणम् NyāyMañ. ii. 32. 13.

अतीतकालारम्भण (atītakālārambhaṇa) *n.* activity, the proper time for which is over or past तदलमस्माकमेतेनातीतकालारम्भणेन ViṣṇuP. iv. 2. 85.

अतीतकालावच्छिन्न (atītakālāvacchinna) *adj.* delimited by the past time अतीतकालावच्छिन्नज्ञानाभावो नाम ज्ञानस्य संकोचोऽर्थान्तरज्ञानं वा S'rutaPra. 137A. 22 (*on* i. 1. 1); S'atDū. 122. 1; अतीतकालावच्छिन्नो हि घटस्तत्र भासते YuktiSneha. 73. 25 (*on* i. 1. 5)

अतीतकालावस्था (atītakālāvasthā) *f.* existence in the previous time (i. e. period) एकदा च राजा … तैजसं मूर्त्या पावनं चरितैः आप्यं पुण्यैः पार्थिवमतीतकालावस्थया विद्याधरमुनिमपश्यत् TilaMañ. 25. 8.

अतीतकालीन (atīta-kālīna) *adj.* belonging to the past time न च वाच्यं कर्मविरोधाभाववदयमपि विरोधः परिहर्तव्य इति । अतीतदेवताप्रवाहे प्रमाणसद्भावेनातीतकालीनविरोधस्यैव परिहर्तुं शक्यत्वात् TattvPrakā. 56A. 5 (*on* i. 3. 28)

अतीतकालीनाध्ययन (atītakālīnādhyayana) *n.* study (carried out) in the past अतीतकालीनाध्ययनपक्षीकारे चांशतः सिद्धसाधनत्वात् TattvPradī. (Ci.) 157. 4.

अतीतकालोद्भावन (atītakālodbhāvana) *n.* suggesting the fallacy in which the subject is proved to be devoid of the probandum (the proper time for which is over) तदिदं सदुत्तरप्रकरणसमातीतकालोद्भावनाभ्यामतिव्याप्तेः TārkiRa. 248. 2.

अतीतकुलकोटि (atītakula-koṭi) *f.* crore(s) of families (generations) in the past अतीतकुलकोटीनां सप्तद्वीपनिवासिनाम् । आब्रह्मभुवनाल्लोकादिदमस्तु तिलोदकम् VāyuP. ii. 48. 22 = SkandP. iv. 35. 183.

अतीतकुलसप्तक (atītakula-saptaka) *n.* group of seven preceding generations (सुधीः) भोगान्ते च व्रजेन्मोक्षमतीतकुलसप्तकैः SkandP. ii(4). 33. 63.

अतीतकृत (atīta-kṛta) *adj.* laid down or stated heretofore यदतीतकृतविविधलक्ष्मयुतैर्मात्रासमादिपादैः कलितम् । … पादाकुलकम् VṛttaRa. 2. 37.

अतीतकृत्य (atīta-kṛtya) *n.* action (carried out) in the past 'दण्डी भुङ्क्ते, भाविकृत्यमासीत्' इत्यादौ गत्यभावात् … द्वितीयेऽतीतकृत्यमासीदित्यन्वयासंभवात् GuruCandr. ii. 19. 16.

अतीतकृत्स्नाधिकरण (atīta-kṛtsnādhikaraṇa) *n.* all the sections completed heretofore अन्त्याधिकरणस्यातीतकृत्स्नाधिकरणन्यायातिदेशरूपस्य विशिष्य नैतस्मिन्पादे सङ्गत्यपेक्षा इति च वक्ष्यामः S'ivārkaMaDī. i. 518. 18 (*on* i. 4. 7)

अतीतक्रिय (atīta-kriya) *adj.* who has completed the action सर्वत्रैव … प्रवृत्तक्रिय एवाततायी नत्वतीतक्रियो भाविक्रियो वेति सिद्धान्तमाहुः DaṇḍaVi. 235. 13; कर्तृकर्मणोरन्वये चातीतक्रिये कर्तरि पचतीत्यापत्तेः VaiyāBhū. 21. 22 (*on* 2)

अतीतक्रोधसंताप (atīta-krodhasantāpa) *adj.* who has overcome anger and distress तस्मात्सत्याश्रया विप्राः … । अतीतक्रोधसंतापा नियता धर्मसेतवः MahāBhā. xiv. 35. 25.

अतीतक्षणविषय (atītakṣaṇa-viṣaya) *m.* object of the past moment एवं पूर्वज्ञानविशेषितस्य स्तम्भादेर्विशेषणमतीतक्षणविषय इति मानसी प्रत्यभिज्ञा NyāyMañ. ii. 33. 16.

अतीतक्षणानन्त्य (atītakṣaṇānantya) *n.* infinity of the past moments अतीतक्षणानन्त्यमस्मिन्कल्प इव पूर्वकल्पेऽप्यस्ति S'ivārkaMaDī. i. 159. 26 (*on* i. 1. 3)

अतीतक्षणालम्बन (atītakṣaṇālambana) *adj.* having the past moment as object ते हि … सन्तन्यमानेषु भावेष्वतीतक्षणालम्बनमेव ज्ञानमास्थिताः Kāśi. ii. 160. 11 (*on* 5(3). 164)

अतीतगमना (atīta-gamanā) *f.* one of the thousand names of Rādhikā अतीतगमना गौरी परानुग्रहकारिणी … इति राधिकानामसहस्रम् PañcaRā.(Nā.) v. 5. 56.

अतीतगुणा (atīta-guṇā) *f.* one of the thousand names of Rādhikā. भद्रकल्पद्रुमातीता तथातीतगुणा … इति राधिकानामसहस्रकम् PañcaRā.(Nā.) v. 5. 44.

अतीतगोचरा (atīta-gocarā) *adj.* (*f.*) beyond the reach or range of यातीतगोचरा वाचां मनसां चाविशेषणा । … तां वन्दे स्वेश्वरीं पराम् ViṣṇuP. i. 19. 77.

अतीतगोत्रज (atīta-gotraja) *adj.* who is outside the kinsmen belonging to a particular *gotra* पितृवंशे मृता ये च मातृवंशे तथैव च । अतीतगोत्रजास्तेभ्यः पिण्डोऽयमुपतिष्ठतु SkandP. iii(2). 29. 66.

अतीतग्रन्थोक्त (atītagranthokta) *adj.* stated in the previous part of the book एवमतीतग्रन्थोक्तन्यायेन … भेदे निश्चितेऽपि NyāySu.(Ja.) 435B. 11 (*on* ii. 3. 14)

अतीतग्रह (atīta-graha) *m.* start of the Tāla (beat) before (the beginning of the song) ततोऽतीतग्रहे शम्यातालौ द्वादश ताः कलाः SaṁgīRa. iii. 268. 2 (6. 189) (comm. ततोऽतीतग्रह इति तत एकादशीद्वादश्योः कलयोः शम्यातालौ योजयेत् । अतीतग्रह इति । गीतादेः पूर्वमेव तालस्य किंचित्प्रवृत्तावित्यर्थः । एवं द्वादश कलाः प्रयुज्य, अनन्तरम्)

अतीतग्राहित्व (atītagrāhi-tva) *n.* the state of being the cogniser of the past नन्वतीतग्राहित्वादुरमप्रामाण्यं कल्पयितुं युक्तमस्या बुद्धेरिन्द्रियस्यातीतेऽपि सामर्थ्यमदृष्टमिति NyāyMañ. ii. 33. 4.

अतीतघटादि (atīta-ghaṭādi) *adj.* jar etc. belonging to the past time नापि ज्ञानत्वे न ज्ञाननिवर्त्यत्वमिति तृतीयः । अतीतघटादावव्याप्तेः Nyāyāmṛ. 39A. 8; ब्रह्मज्ञानप्रयुक्त एव स इति नातीतघटादावव्याप्तिः AdvaiSi. 162. 1; या अतीतघटादौ ज्ञाननाश्यत्वलक्षणस्याव्याप्तिः सा ज्ञानप्रयुक्तेत्यादिकरणान्नेत्यर्थः LaCandr. 162. 26.

अतीतचतुर्विंशति (atīta-caturviṁśati) *f.* twenty-four past (Tīrthaṅkaras) पापामठे अतीतचतुर्विंशतिमध्यात् अष्टौ पुण्यनिधयः TīrthaKa. 85. 8.

अतीतचतुर्विंशतिका (atīta-caturviṁśatikā) *f.* the period in which the 24 past Tīrthaṅkaras lived भारते क्षेत्रेऽतीतचतुर्विंशतिकायां तृतीयतीर्थंकरसागरसमये उज्जयिन्यां नरवाहनो नृपः PurāPraSaṁ. 97. 10; अतीतचतुर्विंशतिकायां नमीश्वराद्यानामष्टजिनानां कल्याणकत्रयमभूत् KumāPraPra. 105. 25.

अतीतचरित (atīta-carita) *adj.* (one) whose age of achievements is over अतीतचरिते वृद्धे विपुलं वक्तुमुद्यते । हसन्ति यदि नो बालास्तदिदं श्रूयते मम RāmāMañ. 225. 1.

अतीतचाक्षुष (atīta-cākṣuṣa) *n.* past visual perception चैत्रादेरतीतचाक्षुषस्य घटादिविषयकत्वेऽपि समयविशेषे चैत्रो घटं न पश्यति इति प्रयोगात् VyutpaVā. 134. 5.

अतीतजन्मकृत (atītajanma-kṛta) *adj.* committed in the past birth(s) न तु … अतीतजन्मकृतानां च दाहः युक्तः (कर्मणाम्) GītāBh.(S'aṅ.) 396. 17 (*on* 13. 23); अतीतं अतीतजन्मकृतम् (पापम्) VīraMi. (Tīrtha.) 161. 18.

अतीतजन्मन् (atīta-janman) *n.* past birth मर्त्येषु जन्मलाभश्च स्मृतिश्चातीतजन्मनां । आवयोरन्तिकं गत्वा बदरीभूतयोस्ततः PadmP. vi. 174. 35.

अतीतजन्मसूचिका (atītajanma-sūcikā) *adj.* (*f.*) suggestive of the previous birth अनूकम् अतीतजन्मसूचिका आकृतिः VīraMi. (Lakṣaṇa.) 24. 2.

अतीतजन्मस्मरण (atītajanma-smaraṇa) *n.* remembrance of past birth(s) योगी प्राप्नोति … अतीतजन्मस्मरणं च दीर्घम् Saund. 16. 2.

अतीतजन्मानुभूत (atītajanmānubhūta) *adj.* experienced in the past births अतीतजन्मानुभूतपदार्थस्मरणमपि तस्य भवेत् NyāyMañ. ii. 39. 18.

अतीतजन्मान्तरकृत (atītajanmāntarakṛta) *adj.* committed in the other births of the past (कर्माणि) अतीतजन्मान्तरकृतानि वा अप्रवृत्तफलानि ज्ञानेन दह्यन्ते ChāndoUBh. 403. 2–3 (*on* vi. 14. 2)

अतीतजन्मान्तरानुभूत (atītajanmāntarānubhūta) *adj.* experienced in the other births in the past अतीतजन्मान्तरानुभूतस्तन्यपानदुःखानुभवस्मृतिर्गम्यते ChāndoUBh. 393. 12–13 (*on* vi. 11. 3)

अतीतजन्मोपार्जित (atītajanmopārjita) *adj.* accomplished in the past birth(s) हरिवाहनः … अतीतजन्मोपार्जितेन पुण्यानुबन्धिना प्राज्यपुण्यसंभारेण पुञ्जितं पालयन्नेकातपत्रं राज्यम् … तिलकमञ्जर्यां कलत्रिणमात्मानममन्यत TilaMañ. 427. 12.

अतीतज्ञ (atīta-jña) *adj.* who has knowledge of the past पृथ्वीम् … पृथोर्भार्यामित्यतीतज्ञा जानन्ति ManvaMu. 371. 26 (on 9. 44)

अतीतज्ञान (atīta-jñāna) *n.* past cognition कथम् प्रतिपिण्डम् … संस्कारादतीतज्ञानप्रबन्धप्रत्यवेक्षणाद् यदनुगतमस्ति तत्सामान्यमिति PadārthaSaṁ. 311. 19.

अतीतज्योतिस् (atīta-jyotis) *adj.* which is without a flame गुरूपदेशश्च नाम पुरुषाणाम्…अतीतज्योतिरालोकः Kād. 103. 23.

अतीततत्ता (atīta-tattā) *f.* the state of being that namely a past fact घटो नष्ट इत्यादाविवातीततत्तारूपस्वार्थात्यागात् Nyāyāmṛ. 472A. 6; इन्द्रियाणामतीततत्तांशे सामर्थ्याभावात् S'ivārkaMaDī. ii. 89. 26 (*on* ii. 2. 24)

अतीतता (atīta-tā) *f.* the state of being past प्रत्यक्षविज्ञानम् … स्मृतिवदतीततया चावभासेत TātpaṬ.(U.) 278. 10 (*on* 5(4). 160); अतीततयानागततया च तावप्यद्यापि विद्येते (पदार्थौ) ĀtmaSi. 62. 4; यद्यप्येकस्य महतः संयोगोऽतीततामापन्नस्तथापि TattvVai. 92. 13 (*on* 2. 22); याश्चातीततयानागततया च स्वसंवेद्यं गृह्णन्ति (संविदः) S'atDū. 216. 30; Aparā. 1005. 1 (*on* 3. 148); दण्डस्यातीततया विशेषणत्वासंभवान्मतुबाद्यनुपपत्तिः VyutpaVā. 167. 14.

अतीततादशा (atītatā-daśā) *f.* the state of being past (पाकस्य) अतीततादशायां चातीतौदनेच्छाविरहेणेष्टसाधनत्वाभावात् TattvCin. iv(2). 108. 2; तस्यातीततादशायाम् … अप्युक्ताज्ञाननिवर्तकवृत्त्यव्याप्यत्वात् GuruCandr. i. 143. 20; सत्ताभावकाले अतीततादशारूपे दण्डादेः कारणत्वादसत् कारणम् LaCandr. 446. 41.

अतीतताभाज् (atītatā-bhāj) *adj.* reaching the past stage अतीतभाक्

अतीतताभाक् GuruCandr. ii. 402. 16.

अतीततारक (atīta-tāraka) *adj.* which has crossed the (region of) stars सानुमानयमतीततारकः Yādavā. 6. 106.

अतीततारापथ (atīta-tārāpatha) *adj.* which has crossed the path of the stars अतीततारापथैः ··· शबरवृन्दानि ··· शिखरैर्धारयन्तम् (पर्वतम्) TilaMañ. 239. 21.

अतीततारूपत्व (atītatārūpa-tva) *n.* the state of having the form of pastness वर्तमाननाशप्रतियोगी यो नाशस्तत्प्रतियोगित्वस्याप्यतीततारूपत्वात् GuruCandr. ii. 190. 2; ii. 190. 15.

अतीततालक्षण (atītatā-lakṣaṇa) *n.* characteristic of being a past thing वर्धमानको वर्तमानतालक्षणं हित्वातीततालक्षणमापद्यते SyādvāMañ. 5(80)

अतीततीर्थनायक (atīta-tīrthanāyaka) *m.* previous or past Tīrthaṅkara शेषानतीततीर्थनायकान् ··· प्रणमामि TattvPradī.(A.) 4. 11 (*on* 1. 2)

अतीततृप्ति (atīta-tṛpti) *f.* past satisfaction (भोजने) अतीततृप्ताविच्छा नास्ति TattvCin. iv(2). 167. 1.

अतीततृष्णा (atīta-tṛṣṇā) *f.* past desire अतीततृष्णादशाविच्छाविरहात् TattvCin. iv(2). 170. 3.

अतीतत्रिवार्ध्यायुस् (atīta-trivārdhyāyus) *adj.* who has passed three *vārdhi* years of his life तत्रातीतत्रिवार्ध्यायुर्विजयेऽत्र पुरेऽत्र च SamarāSaṁ. 3. 132.

अतीतत्रैगुण्या (atīta-traiguṇyā) *adj.* (*f.*) who is beyond the three *guṇas* अतीतत्रैगुण्यामशरणशरण्यां भगवतीमहं तामालम्बे NīlaVi. 94. 6.

अतीतत्व (atīta-tva) *n.* **i** the state of being beyond (the sphere of objects) सर्वभावेष्वतीतत्वात् सर्वेषाम् ··· योजयेत् PauṣkS. 6. 72; प्राज्ञस्तु धर्माद्यतीतत्वात् अन्यत्र धर्मादिति प्रश्नमर्हति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 237. 6 (*on* i. 4. 6); **ii** the state of being past प्रत्यक्षबुद्धीनां नातीतो विषयो भवेत्। अतीतत्वात् S'lokaVār. 5(3). 162 (313. 1); न तावत्क्रमोत्पन्नयोर्विज्ञानयोर्मेयमानत्वेन ग्राह्यग्राहकभावः उपरितनज्ञानकाले पूर्वस्यातीतत्वात् TātpaṬ.(U.) 275. 15 (*on* 5(4). 149); न हि प्रत्यक्षविज्ञानादतीतत्वं समीक्ष्यते BṛĀraUBhVā. i. 4. 302; i. 4. 1530; जन्यज्ञानसमये जनकस्यार्थक्षणस्यातीतत्वात् कथमर्थस्य प्रत्यक्षग्राह्यता PrakaPañ. 139. 3; NyāyKa. 257. 14; अनुमानादिषु प्रमेयस्यातीतत्वादिना तद्वत्ताविरहात् TātpaṬ.(Vā.) 25. 6 (*on* i. 1. 1); NyāyKuA. ii(2). 19. 1; NyāyVārPari. 618. 5; NyāyRa. 283. 22 (*on* 5(3). 51); Bhām. 443. 19 (*on* ii. 2. 28); KāvyPra. 171. 4; Kiraṇā. 9. 5; अकार्षीत् पटमित्यादौ धर्म्यवस्थानेऽपि फलसिद्धौ तदुत्पादानुगुणव्यापारप्रध्वंसस्थितिरतीतत्वम् Kiraṇā. 121. 10; नष्टो घट इत्यादौ धर्मिस्वरूपनिवृत्तिरेव अतीतत्वम् Kiraṇā. 121. 11; वर्तमाना अतीतत्वं भाविनो वर्तमानताम्। पदार्थाः प्रतिपद्यन्ते TriṣaS'aPuC. iv. 4. 277; SmṛtiCan. iv. 512. 3; CaturCin. i. 73. 1; S'rutaPra. iA. 138. 26; NyāyKu. 78. 10; SyādvāMañ. 16(130); Ekāva. iii. 1. 68 (94. 2); NyāyPari. 377. 18; अतीतत्वं नाम वर्तमानकालव्यावृत्तभूतकालयोगित्वम् VivaPraSaṁ. 103. 3; NyāySu.(Ja.) 495B. 10 (*on* iii. 2. 1); Upask. 392. 10 (*on* ix. 2. 1); वर्तमानत्वेन हि गृहीतोऽर्थः स्मृतावतीतत्वेन भासते SarvaDaKau. 51. 23; स्मर्यमाणसुखस्यातीतत्वेन स्मृतिरूपान्तःकरणवृत्तेः वर्तमानत्वेन भेदात् VedāntPari. 49. 5; लुङोऽर्थः उत्पत्तिभूतत्वं च। भूतत्वमतीतत्वम् Tarkāmṛ. 22. 11; BhāṭṭDī. ii. 174. 7 (*on* v. 1. 16); अतीतत्वं वर्तमानध्वंसप्रतियोगित्वम् VyutpaVā. 205. 26; LaCandr. 6. 2; अतीतानामतीतत्वादेव नाशासंभवात् BhāṭṭCin. i. 53. 16 (*on* i. 1. 4)

अतीतत्वधी (atītatva-dhī) *f.* knowledge of pastness घटप्रागभावेऽतीतत्वधीः GuruCandr. ii. 190. 3.

अतीतत्वप्रतीति (atītatva-pratīti) *f.* perception of pastness अज्ञासिषमित्यतीतत्वप्रतीतिः S'rutaPra. iA. 145. 25 (*on* i. 1. 1)

अतीतत्वबोधक (atītatva-bodhaka) *adj.* expressing pastness कृतोपवास इति अतीतत्वबोधकनिष्ठया उपवासपरदिने गणेशपूजादिकं कुर्यादित्यर्थो लभ्यते VīraMi.(Tīrtha.) 24. 8.

अतीतत्वमात्र (atītatva-mātra) *n.* merely being past न च तत्ताया अतीतत्वमात्रेण तत्पदस्य लक्षणा NyāyaMṛ. 472A. 5.

अतीतत्ववर्तमानत्वविरोध (atītatvavartamānatva-virodha) *m.* contradiction between the past and present states एकस्य कालद्वयासम्बन्धं वदतोऽतीतत्ववर्तमानत्वविरोधो विवक्षितः S'rutaPra. iB. 211. 14 (*on* i. 1. 13)

अतीतत्वविशेषित (atītatva-viśeṣita) *adj.* characterised by pastness प्रत्यक्षं मानसं चैव यदातीतार्थगोचरम्। तदा स्मृतिप्रमाणत्वमतीतत्वविशेषितम् AnuVyā. 41A. 9 (*on* 3. 2); यदा यस्मादतीतत्वविशेषितमर्थं स्मृतिर्विषयीकरोति NyāySu.(Ja.) 495B. 4 (*on* iii. 2. 1)

अतीतत्वसामान्य (atītatva-sāmānya) *n.* pastness in general अनन्तरातीतः पक्षः अतीतत्वसामान्यं च हेतुरिति NyāyRa. 313. 10 (*on* 5(3). 162)

अतीतत्वाकार (atītatvākāra) *m.* form of a past event यदा 'वृष्टिरासीत्' इत्यनुमीयते तदा वृष्टिरतीतत्वाकारेण वर्तते VivaPraSaṁ. 102. 11; अतीतत्वाकारो यद्यपि न गृहीतस्तथापि स्मृतिस्वाभाव्यात्तथा भास इति स्मृतिर्यथार्थैवेति SarvaDaKau. 51. 27.

अतीतत्वादि (atītatvādi) *adj.* the state of being a past event etc. तेन नातीतत्वादिसंदेहः क्षतिमावहति TālpaṬ.(Vā.) 175. 23 (*on* i. 1. 5); पदेषु अतीतत्वादि चोच्चारणक्रियानाशादिना नष्टत्वम् VaiyāSiMañ. 150. 5; गुणादौ नात्मनः संयोगः। द्रव्येऽपि तस्यातीतत्वादिकाले उत्पत्तिकाले वा न सः LaCandr. 453. 6; अतीतत्वादिदशायामपि शुक्तिरूप्यादौ नाभानापादकाज्ञानविषयतावच्छेदकत्वं साक्ष्यसंबन्धादेव LaCandr. 289. 5; GuruCandr. i. 144. 7.

अतीतत्वानुपपत्ति (atītatvānupapatti) *f.* unreasonableness of pastness असतोऽतीतादेः तत्त्वतः संक्रमायोगात् सत्त्वे वातीतत्वानुपपत्तेः PramāMā. 16. 15.

अतीतत्वानुविद्ध (atītatvānuviddha) *adj.* mixed with (i. e. characterised by) pastness अतीतत्वानुविद्धो हि स्मृत्या ग्राह्योऽनुभूयते S'lokaVār. 5. 159 (312. 4); Kāśi. ii. 158. 20 (*on* 5. 160); स्मृतिवदेव तु शक्त्यर्पणद्वारेण ज्ञायमानमतीतत्वानुविद्धमेव पूर्वं गृह्येत NyāyRa. 312. 16 (*on* 5(3). 160); यदुक्तं भवतातीतत्वानुविद्धस्मृत्यानुभूयते इति तन्न, स्वप्ने प्रत्युत्पन्ननिर्भासात् Kāśi. ii. 159. 8 (*on* 5. 160)

अतीतदर्शन (atīta-darśana) *adj.* gone out of sight (i. e. dead) सुहृदः समागताः···शयने न्यवेशयन्निरीक्ष्य राजानमतीतदर्शनम् Rāmā. ii. 1548*(8)

अतीतदर्शा (atīta-darśā) *adj.* (*f.*) which has crossed the new-moon day अतीतदर्शामिव चन्द्रलेखाम् ··· अमंस्त ··· शूरकुलेश्वरस्ताम् Yādavā. 13. 33.

अतीतदशाह (atīta-daśāha) *adj.* ten days old देशान्तरस्थपदेनातीतदशाहसपिण्डमरणश्रवणे एकाहाशौचिनां सद्यः शौचमुक्तम् HārLa. 33. 12; ManvaVi. 655. 17 (*on* 5. 99)

अतीतदिन (atīta-dina) *n.* yesterday सोऽप्यूचे यत् त्वयातीतदिने मे कथितं पुरः PārśvC. 3. 530.

अतीतदिवस (atīta-divasa) *m.* earlier day अतीतदिवसे वृत्तं प्रशंसन्ति न वा पुनः MahāBhā. xii. 216*(1); PañcT. (v. l.) 3. 45(2) (298. 33)

अतीतदुःख (atīta-duḥkha) *adj.* who has overcome grief, free from grief यस्यां (वाराणस्याम्) मृताः कीटपतङ्गभृङ्गाः ··· गच्छन्ति कैलासमतीतदुःखाः PadmP. iv. 17. 75; *n.* misery which is over or past ननु नासौ पुरुषार्थः अतीतदुःखध्वंसस्य सिद्धत्वात् अनागतदुःखस्य ध्वंसयितुमशक्यत्वात् TattvCin. ii(2). 156. 11; दुःखनिवृत्तिर्न पुरुषार्थः ··· अतीतदुःखस्यातीतत्वात् Upask. 14. 6 (*on* i. 1. 4); तदपि न शोभनम्। तत्रातीतदुःखस्य स्वत एव निवृत्तत्वेनासाध्यत्वात् SarvaDaKau. 135. 8.

अतीतदेवताप्रवाह (atīta-devatāpravāha) *m.* series of past deities न तेषां वेदविद्याधिकारः ··· अतीतदेवताप्रवाहे प्रमाणसद्भावेनातीतकालीनविरोधस्यैव परिहर्तुं शक्यत्वात् TattvPrakā. 56A. 5 (*on* i. 3. 28)

अतीतदोष (atīta-doṣa) *adj.* free from faults अनन्तविज्ञानमतीतदोषम् ··· जिनमाप्तमुख्यं स्वयंभुवं स्तोतुमहं यतिष्ये MahāviSt. 1 (H.) 1; अतीतदोषमित्यनेनाष्टादशसंक्षयाभिधानादपायापगमातिशयः SyādvāMañ. 1(37); 1(43); 1 (126)

अतीतदोषता (atītadoṣa-tā) *f.* faultlessness अतीतदोषता चोपशान्तमोहगुणस्थानवर्तिनामपि संभवतीत्यतः ···जिनमिति विशेषणम् SyādvāMañ. 1(88); 1(127)

अतीतद्वैतभानतस् (atītadvaitabhāna-tas) *adv.* due to the disappearance of the cognition of duality अर्थतोऽप्यद्वयानन्दानतीतद्वैतभानतः। गुरूनाराध्य वेदान्तसारं वक्ष्ये VedāntSā.(Sa.) 1. 4.

अतीतधर्म (atīta-dharma) *m.* past attribute न चानुभवानन्तरं यदा ज्ञानान्तरेणातीतधर्मवैशिष्ट्यभानं तदा स्मृतौ तत्तोल्लेखः TattvCin. i. 841. 16.

अतीतधिष्ण्य (atīta-dhiṣṇya) *n.* past asterism प्रोच्यन्ते लिप्तिका भानां स्वभोगोऽथ दशाहतः। भवन्त्यतीतधिष्ण्यानां भोगलिप्तायुता ध्रुवाः SūrySi. 8. 1.

अतीतनक्षत्रपथ (atīta-nakṣatrapatha) *adj.* which has over-reached the path of the stars (i. e. the sky) वधूजनश्चन्द्रमधश्चकार अतीतनक्षत्रपथानि यत्र प्रासादशृङ्गाणि वृथाध्यरुक्षत् S'iśuVa. 3. 52.

अतीतनिमित्तभाव (atīta-nimittabhāva) *adj.* forecast of the past event अनागतातीतनिमित्तभावैर्वशीकृतः सूरवरैः स साहिः। भक्तिं विधत्ते KālakāKa. 26.

अतीतनिषेध (atīta-niṣedha) *m.* negation of a past event अशेषनृनाशस्तु नैव क्वचिद् दृष्ट इत्यतीतनिषेधः NyāySu.(Ja.) 287B. 4 (*on* ii. 1. 4)

अतीतनु (atīta-nu) *adj.* gone out of a ship, landed from a ship त्रिष्वतीतनु यन्नावमतिक्रान्तं भवेदिह KośaKaTa. 1. 2354.

अतीतनौक (atīta-nauka) *adj.* gone out of a ship, landed from a ship अर्धनावं तु नावोऽर्धेऽप्यतिसंप्रचलं तथा। अतीतनौके चागाधा त्रिष्वेते परिकीर्तिता: ParyāS'aRa. 3. 44; अतीतनौकेऽतिनु त्रिषु KalpaK. 351. 69.

अतीतपञ्चरात्र (atīta-pañcarātra) *adj.* five-nights old निःशेषजलवाप्यादौ यत्प्रविष्टं नवोदकम्। नातीतपञ्चरात्रं तत् कालदुष्टमिहोच्यते VṛHārīSm. 11. 129.

अतीतपञ्चाशद्वर्षा (atīta-pañcāśadvarṣā) *adj.* (*f.*) who has passed fifty years (of age) न…योषितश्चोनद्वादशातीतपञ्चाशद्वर्षाया रजःस्तन्यादयः Aṣṭā-Saṁ. i. 196. 17 (2. 1)

अतीतपरमार्थ (atīta-paramārtha) *adj.* the real meaning of which is the past आचक्षीरन् इत्यादयोऽत्र संभावनाविषया लिङ्प्रयोगा अतीतपरमार्था एव पर्यवस्यन्ति Loc. 4. 11 (*on* 1. 1)

अतीतपरमेश्वर (atīta-parameśvara) *m.* former lord or king अतीतपरमेश्वरप्रसादासादितश्रीरा … सूरिपरिषत् … मन्मुखेनैवं विज्ञापयति YaśasCam. i. 291. 2.

अतीतपर्वभाग (atīta-parvabhāga) *m.* part of the fortnight which has elapsed अतीतपर्वभागेभ्यः शोधयेत् द्विगुणां तिथिम् JyotiVe. 22.

अतीतपाक (atīta-pāka) *m.* cooking which is completed अतीतपाके च कृतिसाध्यतोत्तीर्णे न व्यभिचारः TattvCin. iv(2). 107. 4.

अतीतपाकवत् (atītapāka-vat) *adv.* like the completed cooking अनुमानं च वर्तमानपाकः पाकपूर्वकालीनः पाकत्वादतीतपाकवत् AdvaiSi. 342. 4.

अतीतपात्रसंचार (atīta-pātrasañcāra) *adj.* at which the plates (in which food is eaten) are already removed अतीतपात्रसंचारे काले विगतभिक्षुके। एककालं चरन्भैक्ष्यम् MahāBhā. xii. 9. 22; xiii. 129. 53.

अतीतपादानुपपत्ति (atītapādānupapatti) *f.* irrelevance of the previous section गुरुप्रसादसहितोपासनेन यथाकथंचिज्ज्ञानोपपत्तेर्व्यर्थं भक्त्यादीत्यतीतपादानुपपत्तिः TattvPrakā. 180A. 5 (*on* iii. 3. 51)

अतीतपितृ (atīta-pitṛ) *m.* deceased ancestor प्रयान्ति वैष्णवं लोकम्… मनुजाः। तेषामतीतपितरः पितृणां पितरस्तथा SkandP. ii(7). 12. 14.

अतीतपुत्रमरण (atīta-putramaraṇa) *n.* death of a son in the past शोकवस्तु शोकनिमित्तं वस्तु अतीतपुत्रमरणादि S'rutaPra. iA. 65. 8 (*on* i. 1. 1)

अतीतपुरुष (atīta-puruṣa) *m.* previous kinsman, ancestor or predecessor पूर्व्वजैरग्रहारस्थित्या एतदीयातीतपुरुषाणां प्रतिपालितो वि[रुध]रि[दा]नीं [?प्रतिपादिताविरुद्धमिदानीम्] सर्व्वपरिहारान्विधाय मया…श्रीचन्द्रभट्टसुताय परमया भक्त्या … प्रदत्तः EI. xxv. 170. 26.

अतीतपुरुषव्यवहार (atītapuruṣa-vyavahāra) *m.* activities of the earlier persons सचिवलोकोऽपि श्रुतत्वाद्धर्मशास्त्राणामपेक्षितत्वादतीतपुरुषव्यवहाराणाम् … परिहरन्प्रजाखेदमखिलान्यपि राजकार्याणि चक्रे TilaMañ. 20. 1.

अतीतपुष्टितस् (atītapuṣṭi-tas) *adv.* due to the previous strengthening कुशलमूलाद्वातीतपुष्टितः MaYānaSū. 15. 3 (4. 8)

अतीतप्रतिष्ठ (atīta-pratiṣṭha) *adj.* which has been already installed प्रतिष्ठितं पूजयेदिति विधिवाक्येन प्रतिष्ठायाः कारणत्वं न बोध्यते किन्तु भूतार्थक्तानुशासनादतीतप्रतिष्ठे पूज्यत्वं बोध्यते TattvCin. ii(2). 144. 10.

अतीतप्रत्युत्पन्नोत्पत्ति (atītapratyutpannotpatti) *f.* origination (of something) in the past and present सन्ति ते धर्माः येषां प्रतिसंख्यानिरोध एव लभ्यते तद्यथा अतीतप्रत्युत्पन्नोत्पत्तिधर्माणां सास्रवाणाम् AbhidhKoBh. 4. 16 (*on* 1. 7); अनुत्पत्तिधर्मग्रहणमतीतप्रत्युत्पन्नोत्पत्तिधर्मनिरासार्थम् Sphuṭā. i. 21. 2 (*on* 1. 6)

अतीतप्रपञ्च (atīta-prapañca) *m.* worldly life of the past तत्कालवर्तिप्रपञ्चमात्रं जीवानां नियम्यं न त्वतीतप्रपञ्चोऽपि PūrvottaVāNaMā. 203. 5; जीवानामतीतप्रपञ्चशरीरकत्वमपि अस्त्येव PūrvottaVāNaMā. 203. 9; सुषुप्तौ जीवस्येव प्रलये ईश्वरस्याविद्यावृत्तिसिद्धिः। अतीतप्रपञ्चस्मृतेरेव तत्र मानत्वात् GuruCandr. i. 369. 12.

अतीतप्रयोग (atīta-prayoga) *m.* past performance तेन सहितौ वक्तव्यौ। कुतः। अस्मिन्प्रयोगे स्विष्टस्य करिष्यमाणत्वेऽप्यतीतप्रयोगे कृतत्वेन योगसंभवे क्लृप्तयोगं परित्यज्य कल्प्यरूढयाश्रयणायोगात् NyāyMāVi. 543. 22 (*on* x. 4. 19)

अतीतप्रलय (atīta-pralaya) *m.* past world-dissolution प्रकृतौ संस्थितं विश्वमतीतप्रलये तु यत् ViṣṇuP. i. 2. 25.

अतीतप्रलयापाय (atītapralayāpāya) *m.* end of the past dissolution अतीतप्रलयापाय उत्थिताय स वेधसे। हत्वासुरं हयग्रीवं वेदान्प्रत्याहरद्धरिः BhāgP. viii. 24. 57.

अतीतप्रसवकाला (atīta-prasavakālā) *adj.* (*f.*) whose time for delivery is overdue रक्तगुल्मे पुनरतीतप्रसवकालाया योषितः स्वेदपूर्वं स्नेहविरेचनं वितरेत् AṣṭāSaṁ. ii. 95. 8 (4. 16)

अतीतप्रागभाव (atīta-prāgabhāva) *adj.* whose antecedent non-existence is over (i. e. which has come into existence) अतीतप्रागभावोऽनागतध्वंसः घटो वर्तमानो न च तथा आत्मा TātpaṬ.(Vā.) 500. 1 (*on* iii. 1. 1)

अतीतप्राप्ति (atīta-prāpti) *f.* past attainment ता अपि हि तदानीमतीतप्राप्तिवत् प्राप्यन्ते Sphuṭā. ii. 160. 16 (*on* 2. 59)

अतीतप्राय (atīta-prāya) *adj.* almost over or past अष्टाविंशतितममनोश्चतुर्युगमतीतप्रायं वर्तते ViṣṇuP. iv. 1. 76.

अतीतप्रोक्षण (atīta-prokṣaṇa) *adj.* sprinkling which is already done अतीतप्रोक्षणे व्रीह्यावघातान्वयः TattvCin. ii(2). 136. 5.

अतीतबाल्य (atīta-bālya) *adj.* **i** whose childhood is over पिता चास्याचिन्तयदयमतीतबाल्यः सुबुद्धिमान् भविष्यतीति ViṣṇuP. iv. 4. 9; सोऽपि यावदतीतबाल्यो भवति तावत्तस्य धनं रक्षेत् ManvaMu. 293. 22 (*on* 8. 27); **ii** when the childhood has passed अतीतबाल्ये सा काले विध्वस्तपितृमातृका SkandP. iii(3). 3. 67.

अतीतबुद्धि (atīta-buddhi) *f.* past cognition भाष्यकारेण त्वतीतबुद्धेर्ग्राह्यत्वनिराकरणार्थं क्षणिकत्वं कारणमुक्तम् Kāśi. ii. 155. 8 (*on* 5(3). 149)

अतीतब्रह्मकल्प (atītabrahma-kalpa) *m.* aeon of past Brahmā अतीतब्रह्मकल्पस्य वृत्तान्तं वेत्सि त्वं किल BṛNāraP. 37. 84.

अतीतब्रह्मन् (atīta-brahman) *m.* past Brahmā (creator) अतीतब्रह्मणामस्थां स्रक् कण्ठे तव भासते SkandP. iv. 31. 92; अतीतब्रह्मणः कल्पे स्वर्गः कीदृग्विधः स्मृतः BṛNāraP. 37. 74.

अतीतब्रह्मसृष्टि (atīta-brahmasṛṣṭi) *adj.* who is beyond the creation of Brahmā अतीतब्रह्मसृष्टिनेश्वरेणात्राभेदाध्यवसायः PratāYaBhū. 398. 6.

अतीतभय (atīta-bhaya) *adj.* fearless (*lit.* who has overcome fear) ये च वीतभया नित्यं हरस्य भ्रुकुटीभटाः(v. l. ये चातीतभयातीतरहस्यभ्रुकुटीतटाः) MahāBhā. x. 7. 39.

अतीतभव (atīta-bhava) *m.* past life or birth अतीतभवनामार्थभावनावासनान्वयात्। सद्योजातोऽपि यद्योगादितिकर्तव्यतापटुः TattvSaṁ. 1216; अहं पुरातीतभवेऽभवं मुने दास्यास्तु कस्याश्चन वेदवादिनाम्। निरूपितो बालक एव योगिनां शुश्रूषणे BhāgP. i. 5. 23; इतरस्तमथावोचदतीतभवसंचितम्। इष्टानिष्टफलं कर्म दैवमाहुर्विचक्षणाः BṛKathāS'loSaṁ. 21. 50; अतीतभवनिष्पादितसकलब्रह्मविचारस्य … वामदेवादेरिव विचारानपेक्षत्वेऽप्यक्षतेः SiddhāSi. i. 6. 10.

अतीतभवप्रारब्ध (atītabhava-prārabdha) *n.* active or fructifying *karma* of the past births इदं किल किमपि … अतर्कितोपनतमतीतभवप्रारब्धमिव समाक्रम्य जगत्त्रयम् … किञ्चिदधरोत्तरयति विश्वमिदम् NīlaVi. 99. 6.

अतीतभाज् (atīta-bhāj) *adj.* pertaining to the past कालाद्यव्यवधानत्वान्न ह्यात्मस्थमतीतभाक् BṛĀraUBhVā. i. 4. 300.

अतीतभाविविज्ञान (atītabhāvi-vijñāna) *n.* knowledge of the past and future अतीतभाविविज्ञानमस्ति जन्मान्तरेऽपि च SkandP. iii(1). 34. 20.

अतीतभुवनानन्द (atītabhuvanānanda) *m.* joy that was in the bygone world अतीतभुवनानन्दरत्नाढ्यां पादुकां यजेत् AgniP. 144. 7.

अतीतभूतजा (atītabhūta-jā) *adj.* (*f.*) arising from past elements क्षणादूर्ध्वमविज्ञप्तिः कामाप्तातीतभूतजा AbhidhK. 4. 4 (comm. अतीतानि महाभूतान्युपादाय)

अतीतभूयिष्ठा (atīta-bhūyiṣṭhā) *adj.* (*f.*) greater part of which has elapsed अतीतभूयिष्ठायां च शर्वर्यामाहते प्रयाणपटहे … बाह्यास्थानमण्डपमगच्छम् TilaMañ. 123. 20.

अतीतभोगक (atītabhoga-ka) *adj.* (motion) of the previous day ह्यस्तनाद्यतनयोर्यो विश्लेषोऽतीतभोगकः MaBhāsk. 4. 18.

अतीतमनु (atīta-manu) m. period of Manu which has elapsed सार्धमतीतमनूनां सन्धिभिराद्यन्तरान्तगतैः BrāhmSphuSi. 1. 27.

अतीतमनुष्यभाव (atīta-manuṣyabhāva) *adj.* transcending the state of being a human being संजातपरमनिर्वृतेरतीतमनुष्यभावमिव … आत्मानं मन्यमानस्य (पार्थिवस्य) TilaMañ. 61. 20.

अतीतमनोरथवर्त्मन् (atīta-manorathavartman) *adj.* which has exceeded the course of desire कथमतीतमनोरथवर्त्मभिर्विषहसे विषयैरधुनान्तरम् RāmC. 7. 23.

अतीतमन्वन्तर (atīta-manvantara) *n.* period of Manu which is over अतीतमन्वन्तरे ये … महर्षयः GītāBh.(Rā.) 503. 5 (*on* 10. 6)

अतीतमान (atīta-māna) *adj.* who has transcended pride (वैष्णव): अतीव(? त)मानरोषादिक्षुत्पिपासादिविग्रहः BṛBrahmaS. iii. 4. 5.

अतीतमानुष (atīta-mānuṣa) *adj.* surpassing men, superhuman इदं च तत्राद्भुतरूपमुत्तमं जगाद विप्रर्षिरतीतमानुषम् MahāBhā. i. 190. 14; viii. 60. 30; TantrVā. 135. 21 (*on* i. 3. 7)

अतीतमास (atīta-māsa) *m.* month which is over शशाङ्कमासैरभिताडितान् हरेदतीतमासानथवार्कसंभवैः (लब्धः ··· अहर्गणः) MaBhāsk. 1. 7; 1. 13; 1. 18; अतीतमाससंबन्धिजननक्रियाकर्तुरिव ··· प्रतीत्यापत्तिः LaS'abdeS'e. ii. 28. 13.

अतीतमासता (atītamāsa-tā) *f.* the state of a month which has elapsed अतीतमासतया चान्द्रा एव विनियोज्यन्ते Govindasvāmin. *on* MaBhāsk. 1. 13.

अतीतमुक्त (atīta-mukta) *m.* name of a disease (of elephants) (अवशिष्टान् ··· रोगान् वक्ष्यामि) संतापोऽतीतमुक्तो य ऊष्मापरिगतश्च यः Hastyāyur. 52. 12 (1. 7)

अतीतमूल्या (atīta-mūlyā) *adj.* (*f.*) beyond value, invaluable अधिगम्य गिरामतीतमूल्याम् ··· सुतजन्मसूचकस्य Acyutarā. 2. 24.

अतीतमृति (atīta-mṛti) *adj.* who has transcended death ततामितमते तातमतातीतमृतेऽमित AlaṅkāCin. 35. 14 (comm. अतीतमृते हीनमरण)

अतीतमोक्ष (atīta-mokṣa) *m.* past liberation कैश्चिदतीतमोक्षस्यानङ्गीकृतत्वात् NyāySu.(Ja.) 492B. 1 (*on* iii. 2. 1)

अतीतयौवन (atīta-yauvana) *adj.* **i** (time) beyond the period of youth ते पुनर्जन्मनि शुभे भूत्वा दुःखपरिप्लुताः । अतीतयौवने काले स्थविरत्वमुपागताः MahāBhā. xiii. App. 1. 15 (1650); **ii** who is past youth जीर्णाश्चातीतयौवनाः (पुनर्नवांस्तान् कुरुते योगोऽयममृतोपमः) BhelaS. 131. 17 (6. 4)

अतीतर (atītara) *adj.* which excels others अन्यद्बलं किल महोऽन्यतरद्रवीन्द्रोः ··· अतीतरमस्य सर्वम् DvyāśraKā. 1. 198.

अतीतरस (atīta-rasa) *adj.* flavourless, tasteless अतीतरसमकालं चान्नं नानुभवेत् NītiVā. 25. 39.

अतीतरहस्य (atīta-rahasya) *adj.* extremely mysterious ये च वीतभया नित्यं हरस्य भ्रुकुटीभटाः (v. l. ये चातीतभयातीतरहस्यभ्रुकुटीतटाः) MahāBhā. x. 7. 39.

अतीतराज्य (atīta-rājya) *n.* previous regime, earlier rule °कोसलराज्याभिसि(षि)क्त श्रीअभिमन्युदि(दे)वस्यातीतराज्ये EI. xii. 240. 5A; श्रीमल्लक्ष्मणसेनदेवपादानामतीतराज्ये सं 74 वैशाख वदि 12 गुरौ EI. xii. 30. 6.

अतीतरात्रि (atīta-rātri) *f.* previous night अतीतरात्रेरन्त्ययामेनागामिरात्रेराद्ययामेन च ··· सहितो दिवसोऽद्यतनः LaS'abdeS'e. ii. 252. 20; ii. 434. 9.

अतीतरूप (atīta-rūpa) *adj.* **i** beyond form अतीतरूपं शिवसामरस्यम् S'āraTi. 25. 62; **ii** having the nature of the past तदथ चातीतरूपम् TattvMu. 3. 76 (comm. वर्तमानत्वावस्थानान्तरमतीतावस्थम्)

अतीतरूपत्व (atītarūpa-tva) *n.* the state of being in the form of the past ताद्रूप्यमतीतरूपत्वं वर्तमानावभासिनो ग्राह्यस्य संविद्विरुद्धम् Kāśi. ii. 158. 16 (*on* 5(3). 159)

अतीतरूप्य (atīta-rūpya) *n.* silver which no more exists अतीतरूप्यादिविषयकत्वेन ··· नासंभवः GuruCandr. i. 129. 3.

अतीतलक्षण (atīta-lakṣaṇa) *n.* nature of a past event अतीतोऽतीतलक्षणयुक्तोऽनागतवर्तमानाभ्यां लक्षणाभ्यामवियुक्तः YogBh. 130. 1 (*on* 3. 13); 127. 2 (*on* 3. 13); यदा खल्वयं सुवर्णकारो वर्धमानकं भङ्क्त्वा रुचकं रचयति तदा वर्धमानको वर्तमानलक्षणं हित्वातीतलक्षणमापद्यते TātpaṬ.(Vā.) 608. 24 (*on* iv. 1. 32); पिण्डस्य वर्तमानलक्षणापायेऽतीतलक्षणोत्पत्तिः YogSūVṛ. *on* 3. 13; *adj.* possessed of the characteristic of pastness परिणामः···अतीतलक्षणः स्वरूपाभिभवरूपः Nāgojibhaṭṭa on YogSū. 3. 13.

अतीतलाभ (atīta-lābha) *m.* previous or earlier gain or profit अतीतलाभस्य सुरक्षणार्थं भविष्यलाभस्य च संगमार्थम् ।··· यन्मन्त्र्यतेऽसौ परमो हि मन्त्रः PañcT. 2. 182 (BSS Ed.)

अतीतलावण्य (atīta-lāvaṇya) *adj.* whose beauty has passed away अतीतलावण्यजलप्रवाहा प्रावृट् जरां प्राप शरच्छलेन SūktiMu. 62. 4.

अतीतलिङ्ग (atīta-liṅga) *n.* past sign or reason क्वचित् अतीतलिङ्गादिस्थले LaCandr. 445. 40.

अतीतलोक (atīta-loka) *adj.* **i** who has surpassed all the people नमस्ते ··· तेजसातीतलोकाय कृतार्थाय महात्मने PadmP.(Ra.) 9. 176; जलधिसमीपगतावतीतलोकौ ··· दिनकरराघवनन्दनौ Bhaṭṭi. 10. 64; **ii** gone beyond (this) world, Bhaṭṭi. 10. 64 (comm. अतीतलोकावेकत्र लोकान्तरगमनादन्यत्र लोकोत्तरत्वादिति भावः)

अतीतवत् (atīta-va(n)t) *adj.* [*f.* –vatī] **i** which has elapsed तदन्वतीतवतीषु कियतीषु चित्कालकलासु YaśasCam. ii. 298. 1; **ii** who has passed or overcome द्रोहैः ··· स फाल्गुने । पञ्च पञ्चाशतं वर्षानायुषोऽतीतवान्हतः RājTa. (Ka.) 8. 1348; वयस्य, सा तव पुरातनपुण्यविभवेन विपदमिमामतीतवती नितम्बिनी Mukundā. 44 (14)

अतीतवत्सर (atīta-vatsara) *m.* year that has passed अतीतवत्सराणां मासानामानन्त्येऽपि विशेषवदत्राप्युपपत्तेः TattvPrakā. 183B. 7 (*on* iii. 3. 60)

अतीतवयस् (atīta-vayas) *adj.* whose young age has passed (who has grown old) विज्ञायातीतवयसं रुषङ्गुं ते तपोधनाः । तं वै तीर्थमुपानिन्युः MahāBhā. ix. 38. 26.

अतीतवरुणावास (atīta-varuṇāvāsa) *m.* beyond the abode of Varuṇa (i. e. western quarter) अतीतवरुणावासं सहस्रारं निवेशयेत् । विष्णुप्रहरणं चक्रम् AṣṭāSaṁ. ii. 194. 17 (6. 5)

अतीतवर्ण (atīta-varṇa) *m.* letter (which is) already pronounced अन्त्यस्य वर्णस्य अतीतवर्णद्वयानुगृहीतस्य ··· अर्थप्रतिपादनसामर्थ्यमस्ति TātpaṬ.(U.) 458. 18 (*on* 5(11). 68); न चेन्द्रियमतीतवर्णग्रहणसमर्थं न संस्कारो वर्तमानग्राही भवति NyāyMañ. i. 338. 6.

अतीतवर्तमानकालद्वय (atītavartamānakāla-dvaya) *n.* pair of the past and the present (time) न तावदेकस्यातीतवर्तमानकालद्वयसम्बन्धविषयं प्रत्यक्षज्ञानं प्रत्यभिज्ञा VivaPraSaṁ. 94. 4.

अतीतवर्तमानकालवर्तिन् (atītavartamānakāla-vartin) *adj.* existing in the past and the present (time) प्रत्यभिज्ञा हि नामातीतवर्तमानकालवर्त्येकवस्तुविषयमेकं प्रत्यक्षज्ञानम् VedāntDī. 108. 5 (*on* ii. 2. 25)

अतीतवर्तमानकालविशिष्ट (atītavartamānakāla-viśiṣṭa) *adj.* characterised by the past and the present तदेवेदम् इति हि सामानाधिकरण्येनातीतवर्तमानकालविशिष्टं वस्तु एकम् इति प्रतीयते VedāntSā.(Rā.) 179. 5 (*on* ii. 2. 24); सामानाधिकरण्येनातीतवर्तमानकालविशिष्टं वस्त्वेकमिति हि विज्ञायते BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 90. 2 (*on* ii. 2. 24)

अतीतवर्तमानत्व (atītavartamāna-tva) *n.* nature of both the past and the present (time) अतीतवर्तमानत्वधर्मिणी सा(प्रत्यभिज्ञा) च दृश्यते AnuVyā. 41A. 11 (*on* 3. 2)

अतीतवर्तमानविषय (atītavartamāna-viṣaya) *adj.* object of (both) the past and the present (time) तथा च विज्ञानमप्येकमतीतवर्तमानविषयं न स्यात् NyāyVārPari. 617. 10.

अतीतवर्तमानषडाकारोपभोग (atītavartamāna–ṣaḍākāropabhoga) *m.* experience of the six types (of *vijñāna* i. e. sight, hearing, smell etc.) of the past and the present किमुपादाय धातवोऽष्टादशैव, द्वाभ्यां देहपरिग्रहाभ्यामतीतवर्तमानषडाकारोपभोगधारणतामुपादाय AbhidhSa. 2. 2.

अतीतवर्तमानावस्था (atītavartamānāvasthā) *f.* state characterised by both past and present अविषयश्चातीतवर्तमानावस्थाव्याप्येकं द्रव्यमिन्द्रियाणाम् PramāMī. 36. 3 (*on* i. 2. 4)

अतीतवर्त्स्यच्चेष्टा (atītavartsyac-ceṣṭā) *f.* movements in the past and those about to take place (in near future) यद्यतीतवर्त्स्यच्चेष्टापेक्षया घटशब्दोऽचेष्टावत्यपि प्रयुज्येत SyādvāMañ. 28(137)

अतीतवस्तु (atīta-vastu) *n.* thing of the past तदलमतीतवस्तुनिर्बन्धेन । विधेहि ··· सांप्रतकालोचितं कृत्यम् TilaMañ. 421. 13; ते हि विकल्पाः ··· वर्तमाननिष्ठा वा अतीतवस्तुविश्रान्ता वा PratyabhiVi. i. 403. 7 (*on* i. 8. 2); अतः कथं तेनातीतवस्तुसादृश्यं वर्तमानवस्तुनि स्यात् SāṁkhyaPraBh. 138. 11 (*on* 5. 97)

अतीतवाक्पथ (atīta-vākpatha) *adj.* **i** beyond the power of words, दमयन्ती तु दुःखार्ता ··· अतीतवाक्पथे काले शशापैनं रुषा किल MahāBhā. iii. 60. 36 (Nīlakaṇṭha अतीतवाक्पथे वाचाप्यनिवार्ये सति काले धूम्रवर्णे व्याधे); **ii** having no scope for words ध्येयमेकम् ··· स्तुत्यमुत्तममतीतवाक्पथम् । आमनन्ति यमुपास्यमादराद् दूरवर्तिनमतीव योगिनः S'iśuVa. 14. 60.

अतीतवाचित्वभ्रम (atītavācitva-bhrama) *m.* wrong notion (that the word भूत) is expressive of the past भाष्ये भूतशब्दस्यातीतवाचित्वभ्रमं निरस्यति VedāntKa. 38. 23 (*on* i. 1. 1)

अतीतवात्सरीय (atīta-vātsarīya) *adj.* of the past or previous year अतीतवात्सरीयाणां स्नानादीनां हि कर्मणाम् । ··· अपूर्णानां हि शान्तये PauṣkS. 30. 104.

अतीतवार्षिका (atīta-vārṣikā) *adj.* (*f.*) **i** where the rainy season has been over बलेषु वर्धमानेषु तेषु यातीतवार्षिका । लोत्रप्रतिग्रहोपात्ता भूर्हृता तैर्नियोगिभिः RājTa.(Prā.) 412; **ii** obtained during the previous year, RājTa.(Prā.) 412.

अतीतवासकर्तृ (atītavāsa-kartṛ) *m.* agent of past act of residing वसन् ददर्श । भूते लट् । अतीतवासकर्तृकर्तृकं दर्शनमर्थः SiddhāKau. 476B. 8.

अतीतवासर (atīta-vāsara) *m.* previous day अतीतवासरेऽप्येष भक्ष्या-

लामेऽतिसक्षुध: । दूरादपि महर्षिं तमद्राक्षीत् PārśvC. 4. 147.

अतीतवासस् (atīta-vāsas) *n.* old garment स्रजं छत्रोपानहौ कनकमतीतवासांसि न चान्यैर्धृतानि धारयेत् SuśruS. iv. 24. 101.

अतीतविज्ञान (atīta-vijñāna) *n.* **i** instruction given earlier परमात्मविषयत्वादतीतविज्ञानस्य KenUBh. 59. 11 (*on* 4. 7); **ii** knowledge of the past अतीतविज्ञानविशिष्टता अपरोक्षतया प्रत्यक्षे 'तदयम्' 'स्मराम्यहमेतत्' इति प्रतिभासनात् TātpaṬ.(U.) 177. 22 (*on* 4. 233)

अतीतविज्ञानकर्मता (atītavijñānakarma-tā) *f.* the state of being the object of the knowledge of the past अपरोक्ष एवार्थोऽतीतविज्ञानकर्मतया स्मृतौ प्रतिभासते TātpaṬ.(U.) 177. 21 (*on* 4. 233); स्मरणेऽप्यनधिगतावगमोऽप्यस्त्येव अतीतविज्ञानकर्मतया हि तत्र घट: प्रतिभासते तद्विशिष्टतया वा गृहीत इति TātpaṬ.(U.) 371. 19 (*on* 5(6). 104)

अतीतविद्या (atīta-vidyā) *f.* lore or knowledge previously taught अतीतविद्याप्राप्त्युपसर्गशमनार्थां शान्तिं पठति 'शं नो मित्र' इत्यादि TaiUBh. 225. 9 (*on* 1. 12)

अतीतविपर्यास (atīta-viparyāsa) *adj.* who is free from errors अत्रातीतविपर्यास: केवलामनुपश्यति । छन्दस्यश्छन्दसां योनिमात्मा छन्दोमयीं तनुम् VākyaP. 1. 17.

अतीतविशेषण (atīta-viśeṣaṇa) *adj.* distinguishing the past अनिरुद्धग्रहणमतीतविशेषणार्थम् Sphuṭā. i. 49. 4 (*on* 1. 20)

अतीतविशेषणावच्छेद (atītaviśeṣaṇāvaccheda) *m.* delimitation by the attribute of the past यदि ह्यतीतविशेषणावच्छेदेन विद्यमानस्यैव विशेष्यस्य ध्वंस: स्यात् TattvCin. ii(2). 94. 7.

अतीतविषय (atīta-viṣaya) *adj.* [*f.* -ā] having for its object a past thing संस्काराद् दृष्टश्रुतानुभूतेष्वर्थेषु शेषानुव्यवसायेच्छानुस्मरणद्वेषहेतुरतीतविषया स्मृति: PadārthaSaṁ. 256. 20; अतीतविषया न प्रत्यक्षबुद्धय: Kāśi. ii. 159. 23 (*on* 5(3). 161); NyāyKa. 257. 15; न च स्मृतिरतीतविषयाननुभूतपूर्वं वर्तमानं गोचरयितुमर्हति TātpaṬ.(Vā.) 137. 3 (*on* i. 1. 4); अतीतविषयो हि शोक: S'rutaPra. iA. 65. 9 (*on* i. 1. 1); अतीतविषया: ··· मायापरिणामा भवन्ति VivaPraSaṁ. 258. 10; 258. 8; न चेयं श्रुतिरतीतविषयैव TattvPrakā. 56A. 9 (*on* i. 3. 28)

अतीतविषयक (atītaviṣaya-ka) *adj.* having a past thing for its object अज्ञानस्य रूप्याकारज्ञानात्मना परिणामे रूप्यमिति प्रतीते: ··· अतीतविषयकज्ञानन्यायेन वोपपत्तौ रूप्यरूपाविद्यापरिणामकल्पना न युक्ता AdvaiSi. 652. 13; भाविविषयमनुमितिरूपमतीतविषयकं वा स्मृतिरूपं च विवरणोक्तम् LaCandr. 309. 16.

अतीतविषयग्रहण (atītaviṣaya-grahaṇa) *n.* cognition of a past object उक्त एवेन्द्रियस्य अतीतविषयग्रहणे सामर्थ्यविरह: NyāyMañ. ii. 33. 8.

अतीतविषयग्राहिणी (atītaviṣaya-grāhiṇī) *adj.* (*f.*) comprehending a past object तद्यथा युधिष्ठिरभीमसेनावास्ताम्, अतीतविषयग्राहिणी बुद्धि: MāṭhVṛ. 50. 3 (*on* 33)

अतीतविषयज्ञत्व (atītaviṣayajña-tva) *n.* the nature of cognizing a past thing तत्प्रतिबिम्बितानुभवेन अतीतविषयज्ञत्वमपि सिध्यति VivaPraSaṁ. 258. 11.

अतीतविषयता (atītaviṣaya-tā) *f.* the state of having a past thing as object आत्मांश एव प्रमा पर्यवसितेति किमतीतविषयतया Kāśi. ii. 161. 19 (*on* 5(3). 168); न ह्यनुव्यवसायरूपं प्रत्यक्षमिष्टं, अतीतविषयतया प्रत्यक्षत्वानुपपत्ते: S'rutaPra. iA. 114. 26 (*on* i. 1. 1); न च भारतादिवदतीतविषयतया वेदस्य प्रामाण्योपपत्ति: TattvPrakā. 56A. 6 (*on* i. 3. 28)

अतीतविषयत्व (atītaviṣaya-tva) *n.* the state of having a past thing as object तस्मादतीतविषयत्वात् क्रियाया व्यापारानुबन्धितयापि संस्कारस्य स एव विषय: NyāyVārPari. 610. 3; न चाप्रामाण्येनोपपत्ति: । तदभावादेव । नापि भारतादिवदतीतविषयत्वेन TattvPrakā. 56B. 5 (*on* i. 3. 29); NyāySu.(Ja.) 496A. 1 (*on* iii. 2. 1)

अतीतविषयानुमान (atītaviṣayānumāna) *n.* inference the subject of which is a past thing अतीतविषयानुमानादिषु विषयाभावेऽपि विषयित्वदर्शनात् S'atDū. 135. 29.

अतीतविषयोल्लेख (atītaviṣayollekha) *m.* reference to past things or objects साक्षिज्ञाने मोक्षसुषुप्त्योरतीतविषयोल्लेखरूपोपप्लवापाताच्च Nyāyāmṛ. 72A. 7.

[1]**अतीतवृत्त** (atīta-vṛtta) *n.* past incident or event नातीतमर्थं (v. l. °वृत्तं) वै पश्चात्तापेन युज्यते MahāBhā. xi. 1. 28.

[2]**अतीतवृत्त** (atīta-vṛtta) *n.* earlier or previous metre अनन्तरमतीतवृत्तलघुगुरुसंख्यं गुरुलघुविन्यासं कुर्यात् Jānāśra. 6. 7.

अतीतवृत्तान्त (atīta-vṛttānta) *m.* past event or incident राज्ञोक्तम् अलमतीतवृत्तान्तचर्चया PrabaK. 34. 32.

अतीतवेदिन् (atītaved-in) *adj.* one who knows the past अनागतातीतवे(दी मुनिस्तद्)युक्तं मन्यमान: ··· वक्ष्यति AbhinBhā. i. 140. 12 (*on* 4. 176)

अतीतव्यक्ति (atīta-vyakti) *f.* past individual entity अतीतव्यक्तेस्तद्व्यक्तित्वेन हेतुतास्थले कारणता न स्यात् GuruCandr. ii. 18. 13.

अतीतव्यभिचारिन् (atīta-vyabhicārin) *adj.* one who commits the sin or crime already mentioned or referred to अतीतव्यभिचार्यादिक उपस्थित: क्रमप्राप्तसर्योपस्थाने वा अहन्यतीते एकदिनात्यये BālamBha. iii. 169. 33 (*on* 3. 281)

अतीतव्यवहार (atīta-vyavahāra) *adj.* beyond (i. e. incapable of) carrying on transactions अतीतव्यवहारान् ग्रासाच्छादनैर्बिभृयु: BaudhDS. ii. 2. 38; (न सिध्येयु:) कृता: (व्यवहारा:) अप्राप्तातीतव्यवहाराभ्याम् ArthS'ā. ii. 3. 8 (3. 1); स्थविरो लुप्तस्मृति: जराभिभूतोऽतीतव्यवहार: ManuBh. ii. 154. 9 (*on* 8. 163); अतीतव्यवहारा: मूकादय: SmṛtiCan. iv. 632. 16.

अतीतव्यसन (atīta-vyasana) *n.* past calamity खलु कृत्वा नातीतव्यसनशोचनम् KaumuMi. 9. 4(1)

अतीतव्याधि (atīta-vyādhi) *m.* past disease अतीतव्याधौ तु न शक्यमेतद् ज्ञातुमवश्यमशितेनानेन जीवतीति ManuBh. i. 434. 23 (*on* 5. 27)

अतीतशरीर (atīta-śarīra) *n.* body of the previous life अननुसंधानस्य च शरीरभेदादेव अतीतशरीरेष्विव संभवात् TattvPradī.(Ci.) 380. 8; अतीतशरीरादाविवाननुसंधानापत्ते: SarvaDaKau. 141. 3.

अतीतशान्ति (atīta-śānti) *f.* name of one of the five Kalās of the goddess Tripurā भूमौ निवृत्तिरुदिता पयसि प्रतिष्ठा विद्यानले मरुति शान्तिरतीतशान्ति: । व्योम्नि DevīPañ. 4. 26.

अतीतशैशव (atīta-śaiśava) *adj.* who is past childhood (i. e. grown up, a major) बालदायादिकं रिक्थं तावद्राजानुपालयेत् । ··· यावच्चातीतशैशव: ManuSm. 8. 27; AgniP. 222. 19; ViṣṇuDhaP. ii. 61. 46; ii. 72. 6; अतीतशैशवस्य तु गुरुपत्नीवत् संपूज्यत्वम् ManuBh. i. 143. 9 (*on* 2. 133); ii. 84. 14 (*on* 8. 27); तत्राप्यतीतशैशवस्य 'परिपूर्णं सर्वेषाम्' इति वचनात् (सूतकम्) ManuBh. i. 446. 20 (*on* 5. 58); i. 446. 23 (*on* 5. 58); क्षत्रियवैश्ययोस्त्वतीतशैशवयो: एकादशद्वादशयो: ManuBh. ii. 329. 18 (*on* 10. 3)

अतीतश्यामता (atīta-śyāmatā) *f.* past darkness नन्वतीतश्यामताप्रत्ययस्तत्र यथार्थ एव NyāySu.(Ja.) 251A. 5 (*on* ii. 1. 2)

अतीतश्लेष्मकाल (atīta-śleṣmakāla) *m.* [Loc.] when the time for (preponderence of) phlegm is over (i. e. after the third part of the day) तत: सुखोषितं पूर्वोक्तेन विधिनातीतश्लेप्म(? ष्म)काले निरन्नं विभज्य कोष्ठं यथार्हौषधमात्रां पाययेत् AṣṭāSaṁ. i. 141. 9 (1. 27)

अतीतश्लोकार्थ (atītaślokārtha) *m.* meaning of the preceding verse अतीतश्लोकार्थस्यैव संक्षेप: उच्यते GītāBh.(S'aṅ.) 419. 14 (*on* 14. 16)

अतीतसंवेदन (atīta-saṁvedana) *n.* cognition of a past thing प्रतिभाससिद्धा तावच्चेतनसमवायिनी चिति: । अनागतातीतसंवेदने च व्यक्तमेव विषयानाश्रितत्वम् PrakaPañ. 329. 3.

अतीतसंसृति (atīta-saṁsṛti) *adj.* who has gone beyond transmigration (i. e. is liberated) मुक्ता स्त्री मौक्तिके त्रिस्तु विसृष्टेऽतीतसंसृतौ NānārthāSaṁ. i. 129. 1006.

अतीतसंस्कार (atīta-saṁskāra) *m.* **1** past (i. e. missed) sacrament (i. e. sacrament not yet performed even though the prescribed time for it is over) एतद्बहूनामपत्यानां युगपत्संस्कारकरणविषयमिति वोपदेव: । अतीतसंस्काराणां युगपत्करण इत्यन्ये NirṇaSi. 196. 22 = BālamBha. i. 14. 30 (*on* 1. 11); **2** obsequial rite performed for the dead अथातीतसंस्कार: स चेदन्तर्दशाहं स्यात्तत्रैव सर्वं समापयेत् NirṇaSi. 397. 22.

अतीतसकलवस्तु (atīta-sakalavastu) *n.* all past things ब्रह्मण: ··· अतीतसकलवस्त्ववभाससिद्धि: SiddhāLeSaṁ. 120. 4.

अतीतसंख्य (atīta-saṅkhya) *adj.* innumerable अतीतसंख्या विहिता: ··· शिलीमुखा: Kirātā. 14. 10; राक्षसयोधवर्या: ···। साहायकं भेजुरतीतसंख्या: प्रपन्नसंख्यस्य जगत्त्रयारे: RāmC. 27. 34.

अतीतसंगर (atīta-saṅgara) *adj.* who has broken his promise प्रमत्तमात्मंभरिमप्रतिष्ठितं धिगस्तु मां शत्रुमिमं सुहृन्मुखम् । निमित्तमाधेरधिकस्य तेऽधुना यदेष जातोऽहमतीतसङ्गर: RāmC. 5. 62.

अतीतसंग्रह (atīta-saṅgraha) *adj.* who is beyond hoarding (i. e. without covetousness) विषये विमुखो धीरो मनसोऽतीतसंग्रह: PadmP. ii. 61. 15.

अतीतसत्ता (atīta-sattā) *f.* past existence अतीतसत्तायां दण्डस्य विशेषणत्वेऽपि व्यावृत्तिबुद्धावविशेषणत्वात् LaCandr. 451. 13; अतीतसत्तासंबन्धांश एव तस्य विशेषणत्वव्यवहारात् GuruCandr. ii. 37. 10.

अतीतसंनिहित (atīta-sannihita) *adj.* pertaining to the immediate past संनिहितवाचि नैतच्छब्देनातीतसंनिहितस्येवागामिसंनिहितस्यापि परामर्शसंभवात् NyāyMāVi. 88. 5 (*on* ii. 2. 8)

अतीतसप्ततिवर्ष (atīta-saptativarṣa) *adj.* who has passed his seventieth year तथैव नोनषोडशातीतसप्ततिवर्षस्य पुंसः शुक्रसेकादयः AṣṭāSaṁ. i. 196. 16 (2. 1)

अतीतसप्तमादिका (atītasaptamādikā) *adj.* (*f.*) beyond the seventh generation etc. in relation (i. e. who is not a *sapiṇḍa*) सातीतसप्तमादिका प्रकर्षेण शस्ता VīraMi.(Saṁskāra.) 709. 3.

अतीतसमय (atīta-samaya) *adj.* 1 who has transgressed the (set) time (-limit) अतीतसमयानस्मान्दृष्ट्वा स हरिसत्तमः । शङ्कमानश्च मां दृष्ट्वा वधायाज्ञापयिष्यति Rāmā. iv. 1336*(1); 2 the agreed time-limit of which was over अर्जुनः…अतीतसमये काले प्रियां भार्यामभाषत MahāBhā. iv. 623*(3); *m.* past time अतीतसमयावच्छेदानुमाने तत्ताधीव्यपदेशयोरभावात् TattvCin. i. 840. 3.

अतीतसमस्तवेदन (atīta-samastavedana) *adj.* who is beyond all kinds of sensations तमतीतसमस्तवेदनं त्यजेत् KalyāKā. 20. 38.

अतीतसंभूति (atīta-sambhūti) *f.* past birth नारायणेन चातीतसंभूतौ तस्मै वरो दत्तः ViṣṇuP. iv. 8. 18.

अतीतसर्वब्रह्माण्ड (atīta-sarvabrahmāṇḍa) *adj.* beyond (i. e. greater than) the entire universe तं नमस्कुर्महे कूर्मं यः कवाटमसंकटम् । अतीतसर्वब्रह्माण्डमवशेषमिवावहत् DaśāvaC. 1. 4.

अतीतसर्वावरण (atīta-sarvāvaraṇa) *adj.* transcending all enclosures or covers अतीतसर्वावरणोऽखिलात्मा तेनास्तृतं यद्भुवनान्तराले ViṣṇuP. vi. 5. 83 = BrahmP. 233. 71; अतीतसर्वावरणः । आवरणं प्रकृतिसंबन्धकमैवासनादिकम् । तत्सर्वमतीतं येन सः S'rutaPra. iA. 211. 19 (*on* i. 1. 1)

अतीतसाध्यकानुमान (atītasādhyakānumāna) *n.* inference in which the probandum is a past thing न चैवं शतेन दशानुमानानुपपत्तिः । तादृशस्थले शतबोधोत्तरं दशव्यक्तिविशेष्यकोक्तबोधरूपकारणस्य नियमेनोत्पद्यमानत्वेन दशत्वोत्पत्तावनुमित्सायां सत्याम् अतीतसाध्यकानुमानोपपत्तेः MīmāKau. i. 257. 14 (*on* i. 4. 17)

अतीतसिद्धि (atīta-siddhi) *f.* establishment of (the existence of) the past (time) नाप्यनागतापेक्षातीतसिद्धिः NyāyBh. 109. 6 (*on* ii. 1. 42)

अतीतसूत्र (atīta-sūtra) *n.* previous or preceding *sūtra* अतीतसूत्रे तदप्युक्तम् TattvPrakā. 75B. 7 (*on* i. 4. 26); 191A. 7 (*on* iii. 4. 22)

अतीतस्तुतिगोचरा (atīta-stutigocarā) *adj.* (*f.*) beyond the range of praise अशेषरत्नचित्रां तामतीतस्तुतिगोचराम् । अद्वैतमिव सर्वेषामद्भुतानाममन्यत Yādavā. 10. 108.

अतीतस्मरण (atīta-smaraṇa) *n.* remembrance of past (things or events) भवतु तावदतीतस्मरणे, अनागता(व)बोधे तु कथम् Kāśi. ii. 67. 14 (*on* 5(2). 116)

अतीतस्मृति (atīta-smṛti) *f.* remembrance of past (things or events) न ह्यतीतस्मृतावनागतानुमाने स्वप्ने कृष्णविषाणाद्यवभासे वार्थसंसर्गोऽस्ति NyāyRa. 283. 12 (*on* 5(3). 51)

अतीतस्वरूप (atīta-svarūpa) *n.* nature of the past (time) तदनेन वर्तमानाभावेऽतीतस्वरूपाक्षेपः कृतः TātpaṬ.(Vā.) 407. 4 (*on* ii. 1. 41)

अतीतस्वार (atīta-svāra) *m.* circumflex accent on a long vowel and pronounced between an acute and a grave वर्णस्वारोऽतीतस्वारः स्वरितो द्विविधः स्मृतः । मात्रिको वर्ण एवं नु दीर्घस्तूच्चरितादनु NāraS'i. i. 8. 3 (comm. उदात्तानुदात्तमध्ये उच्चार्यते इति स्वारः स्वरितविशेषः रूढ्या अध्येतृभिरुच्यते)

अतीतहायना (atīta-hāyanā) *adj.* (*f.*) (cow) which is more than a year (or years) old अतीतहायना गौः CāndraVṛ. *on* ii. 3. 11.

अतीतहिरण्यगर्भ (atīta-hiraṇyagarbha) *m.* Hiraṇyagarbha (i. e. Brahmā) of the past epoch अतीतहिरण्यगर्भमुक्तेः श्रुत्यादिसिद्धत्वेनेदानीं संसार्युपलंभायोगाच्च Nyāyāmṛ. 296B. 6.

अतीतहोम (atīta-homa) *m.* offering which is missed संस्थितायामिष्टावतीतहोमान् जुहोति VaikhāS'S. 20. 15.

अतीतहोमद्रव्य (atītahoma-dravya) *n.* material (remaining) from the past sacrifice (i. e. sacrifice that has already taken place) अतीतहोमद्रव्यं द्विजाय दत्त्वा BālamBha. i. 240. 12 (*on* 1. 89)

अतीतागमन (atītāgamana) *n.* recurrence or relapse of the past (ailments) एभिः प्रसिद्धवचनैरतीतागमनं मतम् CaraS. iv. 1. 88 (1941 Ed.)

अतीतागतवस्तु (atītāgata-vastu) *n.* past and future episode or event विष्कम्भकस्तु संक्षेपादतीतागतवस्तुनोः । सूचकः SāhiSā. 4. 2.

अतीतागामिहर्षहेतु (atītāgāmi-harṣahetu) *m.* past and future causes of joy एतद्वाक्यश्रवणानन्तरभाविनो मुखविकासस्यातीतागामिहर्षहेत्वन्तरश्रवणमूलत्वशङ्कानुदयात् S'rutaPra. iB. 90. 24 (*on* i. 1. 1)

अतीताग्निविषयानुमानवत् (atītāgniviṣayānumāna-vat) *adv.* like the inference about fire which is an object of the past प्रत्यक्षपूर्वकमपि भविष्यद्विषयं भविष्यति भस्मदर्शनादतीताग्निविषयानुमानवत् TātpaṬ.(U.) 143. 15 (*on* 4. 92)

अतीतातीतभाव (atītātītabhāva) *adj.* who has completely gone beyond (all) the past dispositions (of the mind) अतीतातीतभावो यो वैदेही मुक्त एव सः TejoBiU. 4. 53; अतीतातीतभावो यो विदेहो मुक्त एव सः Sarva-VeSāSaṁ. 984.

अतीतादि (atītādi) *adj.* (a thing) belonging to the past and the like न चेन्द्रियस्यातीतादौ सामर्थ्यम् TātpaṬ.(U.) 177. 7 (4. 233); कश्चित्किञ्चिदेवातीतादि गृह्णाति TattvVai. 30. 24 (*on* 1. 25); 172. 13 (*on* 3. 48); न चातीतादि न संविदितम् PramāMā. 16. 11; अथ नातीतादिरर्थः स्वसामर्थ्येनानुमित्यादिकं व्यावर्तयति NyāySu.(Ja.) 48A. 6 (*on* i. 1. 1); 69B. 9 (*on* i. 1. 1); स्यादतीतादावतिव्याप्तिः TattvPrakā. 9A. 11 (*on* i. 1. 2); अतीतादिः प्रकारो दृश्यते Upask. 420. 6 (*on* x. 1. 4); ज्ञाततया मम घटादौ परस्याप्यतीतादावभावात् Nyāyāmṛ. 59B. 7; 98B. 5; 193B. 6; अतीतादिरपि कदाचिद्वर्तते AdvaiSi. 334. 14.

अतीतादिक (atītādi-ka) *adj.* (what is) past and the like कालविप्रकृष्टे अतीतादिके योगजधर्मानुग्रहरूपात् सामर्थ्यात् ज्ञानमुत्पद्यते Kiraṇā. 285. 13; वीक्ष्यातीतादिकान् भावान् संविन्नोऽतिशयेन सः SamarāSaṁ. 9. 302; सत्कार्यवादिनां ह्यतीतादिकमपि स्वरूपतोऽस्तीति तत्संबन्धः संभवेदिति SāṁkhyaPraBh. 46. 1 (*on* 1. 91)

अतीतादिकला (atītādi-kalā) *f.* *kalā*s (limiting factors) called *atītā* etc. अतीतादिकलानां स्यादेवमुद्दीपनं यतः ĪśānS'iPa. ii. 18. 23; प्रणवपूर्वम् … अतीतादिकलाबीजान्युच्चार्य ĪśānS'iPa. ii. 18. 23 (2); ii. 18. 23 (3)

अतीतादिकार्य (atītādi-kārya) *n.* past effect and so on अतीतादिकार्याणामपि … तत्त्वधीप्रयुक्तत्वप्रतीतेः GuruCandr. i. 99. 15.

अतीतादिकाल (atītādi-kāla) *m.* past time etc. अतीतादिकाले घटाद्यभावेन घटादेरतीतादिधर्मकत्वानुपपत्तेः SāṁkhyaPraBh. 53. 32 (*on* 1. 113); योगिनोऽतीतादिकालं प्रत्यक्षतः पश्यन्ति VīraMi.(Samaya.) 8. 22.

अतीतादिगोचरत्व (atītādigocara-tva) *n.* the state of cognising the past and the rest साक्षिणोऽतीतादिगोचरत्वाभावे … अनुमानमात्रोच्छेदः स्यात् NyāySu.(Ja.) 495A. 7 (*on* iii. 2. 1)

अतीतादिचतुर्विंशति (atītādi-caturviṁśati) *f.* twenty-four (Jinas) of the past etc. (i. e. past, present and future) तत्रातीतादिचतुर्विंशतिजिन ७२ समलंकृतः प्रासादः कारितः PurāPraSaṁ. 126. 26.

अतीतादिज्ञातृ (atītādi-jñātṛ) *adj.* knower of the past etc. ततः प्रभृति … चूडामण्यादिशास्त्रैरतीतादिज्ञाता … (देवबोधिद्विजः) … सुखासनमधिरोहति KumāCaSaṁ. 89. 30.

अतीतादिज्ञान (atītādi-jñāna) *n.* knowledge of the past etc. अतीतादिज्ञानस्येश्वरज्ञानस्य च कर्मकारकाजन्यत्वेनाविषयत्वप्रसङ्गात् TattvPradī(Ci.) 47. 3; अतीतादिज्ञानस्य निर्विषयत्वापातात् NyāySu.(Ja.) 42B. 9 (*on* i. 1. 1); येनातीतादिज्ञाने … व्यभिचारः स्यात् Nyāyāmṛ. 72B. 6; 73A. 8; 123B. 7; 183B. 10; अतीतादिज्ञानस्य ईश्वरज्ञानस्य च उत्पत्त्यर्थमर्थानपेक्षत्वेऽपि तन्निरूप्यत्वदर्शनेन ज्ञानस्य ज्ञातृज्ञेयनिरूप्यत्वं स्वभावः AdvaiSi. 303. 5.

अतीतादिज्ञानवत् (atītādijñāna-vat) *adv.* like the knowledge of the past etc. भ्रमस्य चातीतादिज्ञानवदर्थाभावेऽपि संभवात् Nyāyāmṛ. 425A. 13.

अतीतादिज्ञानस्थल (atītādijñāna-sthala) *n.* case of the knowledge of the past etc. अतीतादिज्ञानस्थलेऽप्यतीतादिविषयस्य … सत्त्वात् LaCandr. 775. 18.

अतीतादिज्ञानापेक्षा (atītādijñānāpekṣā) *f.* expectancy of the knowledge of the past etc. अस्त्वतीतादिज्ञानापेक्षा शक्तिग्रहस्य NyāySu.(Ja.) 495A. 3 (*on* iii. 2. 1)

अतीतादित्वप्राप्ति (atītāditva-prāpti) *f.* contingency of (having the nature of) being past etc. शब्दस्य चातीतादित्वप्राप्तिः NyāySu.(Ja.) 76A. 4 (*on* i. 1. 1)

अतीतादिदशा (atītādi-daśā) *f.* the state of being past etc. अतीतादिदशायाम् … कल्पनमावश्यकम् GuruCandr. i. 137. 17; अतीतादिदशायाम्…उक्तज्ञाननिवर्तकवृत्त्यव्याप्यत्वात् LaCandr. 288. 5.

अतीतादिधर्मकत्व (atītādidharmaka-tva) *n.* the state of having the attribute past etc. अतीतादिकाले घटाद्यभावेन घटादेरतीतादिधर्मकत्वानुपपत्तेः SāṁkhyaPraBh. 53. 32 (*on* i. 113)

अतीतादिधूम (atītādi-dhūma) *m.* the past smoke and the like अतीतादिधूमेषु ··· कारणस्याभावात् GuruCandr. i. 228. 15.

अतीतादिनिमित्तभाषक (atītādinimitta-bhāṣaka) *adj.* prognosticator of past and other things दमनको नाम जटी ··· वसति ··· अतीतादिनिमित्तभाषक: Bharat. 46. 10.

अतीतादिनिष्ठ (atītādi-niṣṭha) *adj.* present in what is past etc. अतीतादिनिष्ठस्य ज्ञानादिसंबन्धस्य ज्ञानादिमत्कालो नावच्छेदक: GuruCandr. ii. 71. 24.

अतीतादिबुद्धि (atītādi-buddhi) *f.* knowledge of the past etc. अतीतादिबुद्धिस्तत्सहिता VedāntKa. 19. 7 (*on* i. 1. 1)

अतीतादिभेदभिन्न (atītādibheda-bhinna) *adj.* differentiated because of the difference of the past etc. न चासंस्कृतमतीतादिभेदभिन्नं रूपादिवद्यतस्तत्सर्वमैकध्यमभिसंक्षिप्यासंस्कृतस्कन्ध इति संख्यां गच्छेत् AbhidhKoBh. 15. 2 (*on* 1. 22)

अतीतादिरूप (atītādi-rūpa) *adj.* having the nature of past etc. बाह्याभ्यन्तराखिलगुणदोषादिकमतीतादिरूपं पश्यन्तीति विशेष: YogSā. 10. 13(1)

अतीतादिरूपता (atītādirūpa-tā) *f.* the state of having the nature of the past etc. नातीतादिरूपता कालस्य कारकव्यङ्ग्या TātpaṬ.(Vā.) 406. 9 (*on* ii. 1. 40)

अतीतादिरूपत्व (atītādirūpa-tva) *n.* the state of having the nature of the past etc. विशेषणानां हि शब्दवाच्यत्वे तेषामतीतादिरूपत्वात् NyāySu.(Ja.) 493A. 13 (*on* iii. 2. 1)

अतीतादिलक्षण (atītādi-lakṣaṇa) *n.* character of the nature of past etc. अस्य ह्यतीतादिलक्षणवृत्तिलाभापेक्षो व्यवहार इति पूर्वकाद्भेद: Tattv-SaṁPañ. 504. 16 (*on* 1787–1790)

अतीतादिलिङ्गादि (atītādi-liṅgādi) *adj.* the indicatory mark etc. regarding the thing of the past etc. अतीतादिलिङ्गादेर्ज्ञानेनानुमित्यादिदर्शनेन Nyāyāmṛ. 212A. 5.

अतीतादिवस्तु (atītādi-vastu) *n.* thing of the past etc. अतीतादिवस्त्वनुमाने विषयस्याविद्यमानस्य ज्ञानजनकत्वायोगात् VivaPraSaṁ. 94. 19.

अतीतादिविकल्प (atītādi-vikalpa) *m.* concept in relation to past etc. तयोर्भावेऽप्यतीतादिविकल्पो य: प्रवर्तते TattvSaṁ. 1932.

अतीतादिविभाग (atītādi-vibhāga) *m.* the division such as past and others) कालेऽप्यतीतादिविभाग: NyāyRa. 807. 17 (*on* 6. 305) = Yukti-Sneh. 150. 20 (*on* i. 1. 6)

अतीतादिविशेषणक (atītādiviśeṣaṇa-ka) *adj.* having past etc. as a qualifying adjunct अतीतादिविशेषणकं ज्ञानम् GuruCandr. i. 233. 14.

अतीतादिविषय (atītādi-viṣaya) *m.* object which is past etc. कथमिन्द्रियाण्यतीतादिविषयसाक्षात्काराय कल्पेरन् ĪśvaSi.(Yā.) 70. 23; तस्य चातीतादिविषयसाध्यप्रयोजनज्ञानं चित्तम् VedāntKa. 151. 20 (*on* i. 3. 8); अन्यथा अतीतादिविषयस्मृत्यनुमानादिभङ्गप्रसङ्गात् SatDū. 197. 17; अतीतादिविषयानुमित्यादिव्यावर्तकत्वं च प्रमेयस्य न स्यात् NyāySu.(Ja.) 48A. 5 (*on* i. 1. 1); न द्वितीय: । अतीतादिविषयप्रमाणाव्याप्ते: NyāySu (Ja.) 247B. 11 (*on* ii. 1. 2); तथा अतीतादिविषयावच्छेदेन ज्ञानस्य ··· तादृशसम्बन्धाभावसिद्धि: GuruCandr. ii. 71. 20; प्रमाया अतीतादिविषये विषयित्वासंभव: LaCandr. 446. 21; [Loc.] in case of past etc. सोऽयं देशकालविप्रकर्ष: ··· अतीतादिविषये ज्ञानस्य तदीयकालिकाधिकरणतानवच्छेदकत्वरूप: LaCandr. 463. 27; *adj.* having 'past' etc. for its object नातीतादिविषयस्य प्रत्यक्षतोपपत्ति: Kāśi. i. 123. 6 (*on* 2. 115); अतीतादिविषयस्य निरालम्बनतापातश्च NyāySu.(Ja.) 42B. 5 (*on* i. 1. 1)

अतीतादिविषयक (atītādiviṣaya-ka) *adj.* having past etc. as its object इदानीमतीतादिविषयकमित्यादिव्यवहारानुपपत्ति: GuruCandr. i. 233. 14.

अतीतादिविषयत्व (atītādiviṣaya-tva) *n.* the state of being the past and other objects of knowledge अवश्यं चैतदनुमन्तव्यम्, अतीतादिविषयत्वानुरोधात् NyāyKuA. ii(2). 12. 6.

अतीतादिविषयीभाव (atītādi-viṣayībhāva) *m.* becoming of the past things etc. as object (of knowledge) अतीतादिविषयीभाववत् परचित्तमपि विषयीभवतीत्यभ्युपगन्तव्यम् Bhāsk. i. 172. 14 (*on* i. 4. 5)

अतीतादिवृष्टि (atītādi-vṛṣṭi) *f.* past rain etc. नदीपूरनयनसन्निकर्षे अतीतादिवृष्टिविज्ञानं भवति Kāśi. i. 211. 2 (*on* 4. 2)

अतीतादिव्यवहार (atītādi-vyavahāra) *m.* usage as *past* etc. तदुपाधेरेवातीतादिव्यवहारहेतुत्वोपपत्तौ कालापलापप्रसङ्गात् TattvPradī.(Ci.) 321. 11; अतीतादिव्यवहारहेतु: काल: TarkSaṁ.(A.) 11. 23; कालस्त्वतीतादिव्यवहारहेतु: GoviBh. 134. 2 (*on* ii. 2. 33)

S. D. 151

अतीतादिव्यावर्तिका (atītādi-vyāvartikā) *adj.* (*f.*) excluding the past etc. क्रम्युद्देश्यत्वैवेष्टोपायस्यातीतादिव्यावर्तिका NayaVi. 39. 3 (*on* i. 1. 2)

अतीतादिव्यावृत्ति (atītādi-vyāvṛtti) *f.* **i** exclusion of past (deeds) etc. वर्तमाननिर्देशादतीतादिव्यावृत्तिमात्रं व्यवसीयते VīraMi. (Vyavahāra.) 136. 29; **ii** distinction from the past etc. अनेनैवातीतादिव्यावृत्तिसिद्धावहीन इति व्यर्थम् LaS'abdeS'e. ii. 1046. 2.

अतीतादिशरीर (atītādi-śarīra) *n.* past body etc. नाप्यतीतादिशरीरेष्विव शरीरभेदस्तत्र तन्त्रम् Nyāyāmṛ. 580A. 9.

अतीतादिसंविद् (atītādi-saṁvid) *f.* consciousness of the *past* etc. अतीतादिसंविदामर्थसहभावसिद्धे: VedāntKa. 19. 11 (*on* i. 1. 1)

अतीतादिसाध्य (atītādi-sādhya) *n.* past probandum etc. अतीतादिसाध्ये ··· तदवच्छिन्नविषयत्वस्य सत्त्वात् LaCandr. 672. 32.

अतीतादिसुख (atītādi-sukha) *n.* past happiness etc. अतीतादिसुखे मानसवारणासंभवाच्च LaCandr. 783. 32.

अतीतादिस्मृति (atītādi-smṛti) *f.* recollection of the past (things) etc. अतीतादिस्मृत्यादेर्दु:खादिजनकत्वेऽपि अतीतादेस्तद्जनकत्ववत् AdvaiSi. 444. 20; अतीतादिस्मृत्यादेर्दु:खादिकं प्रति ··· हेतुत्वेऽपि Nyāyāmṛ. 180B. 5.

अतीताद्यनुमान (atītādy-anumāna) *n.* inference of past thing etc. अतीताद्यनुमाने ज्ञानसिद्धिर्न स्यात् S'āstrDī. 52. 16 (*on* i. 1. 5)

अतीताद्यभिधा (atītādy-abhidhā) *f.* signification such as past etc. नासावेव विकल्पो हि तमर्थं प्रतिपद्यते । अतीताद्यभिधात्यागात्तन्नामघटनाश्रित: TattvSaṁ. 1244.

अतीताद्यभिधान (atītādy-abhidhāna) *n.* concept as past etc. क: पुनर्भावस्तेनेष्ट: । गुणविशेष: यतोऽतीताद्यभिधानज्ञानप्रवृत्ति: TattvSaṁPañ. 504. 13 (*on* 1788)

अतीताद्यर्थ (atītādy-artha) *m.* objects like the past यथेष्टचरितं ज्ञानमतीताद्यर्थगोचरम् SarvaSiSaṁ. 10. 66; लक्ष्यज्ञानशब्देन लक्ष्यकर्मकं स्फुरणं किं वा तद्विषयम् ··· विवक्ष्यते । नाद्य: । अतीताद्यर्थलक्षकपदेषु व्यभिचारात् Tattv-Pradī.(Ci.) 19. 4.

अतीताद्यसंबन्ध (atītādy-asambandha) *adj.* absence of relation with past etc. अतीतादिनिष्ठस्य ज्ञानादिसंबन्धस्य ज्ञानादिमत्कालो नावच्छेदक: अतीताद्यसंबन्धात् GuruCandr. ii. 72. 5.

अतीताद्याकारा (atītādy-ākārā) *adj.* (*f.*) of the form of (the things of) past etc. द्वयी ह्युपायधी: अतीताद्याकारा कार्याकारा च NayaVi. 39. 3 (*on* i. 1. 2)

अतीताधिकमास (atītādhikamāsa) *m* the last intercalated month अतीताधिकमासादारभ्य द्वात्रिंशन्मासादुपरि षोडशदिनेषु घटिकाचतुष्टयाधिकेषु गतेष्वधिमासो भवति SmṛtiCan. v. 103. 19.

अतीताधिकरण (atītādhikaraṇa) *n.* preceding topic or section एवं शब्देनातीताधिकरणत्रयात्मकपेटिकाद्वयकृतनिरसनप्रकारो विवक्षित: S'rutaPra. ii. 159. 18 (*on* i. 4. 23); अतीताधिकरणे व्यवहारमभ्युपेत्य चेतनाचेतनव्यवहारो निरूपित: TattvPrakā. 87B. 5 (*on* ii. 1. 18); अतीताधिकरणे निर्णय: कृत: Nyāy-Su.(Ja.) 146B. 2 (*on* i. 1. 7); अतीताधिकरणद्वयेन 'युगपत्सर्वं ब्रह्मणे समर्पयेत्' इत्युक्तम् NyāyMāVi. 496. 19 (*on* x. 2. 6); अतीताधिकरणे पूर्वपक्षतया शङ्काद्वयं प्रसक्तम् SivārkaMaDī. i. 535. 3 (i. 4. 16)

अतीताधिकार (atītādhikāra) *m.* scope of the condition *atīta* (Kātan. iv. 3. 81) (in the sense of past) अतीताधिकार: किम् । श्वसदवसामतीतमात्रे क्वन्सुरभिधातव्य: KātanVṛ. *on* iv. 4. 1.

अतीताध्याय (atītādhyāya) *m.* preceding chapter अतीताध्यायान्ते भावानां लक्षणं रसलक्षणमेव AbhinBhā. i. 343. 5 (*on* 7. 1); अस्याध्यायस्यातीताध्यायेन ··· संगति: सूचिता NyāySu.(Ja.) 229B. 10 (*on* ii. 1. 1); अतीताध्यायार्थस्य कारणत्वमेतदध्यायार्थस्य कार्यत्वम् NyāySu.(Ja.) 229B. 12 (*on* ii. 1. 1)

अतीताध्वपरिग्रह (atītādhva-parigraha) *m.* accepting the status (*lit.* path) of the past लक्षणपरिणामो यथा तस्यैव घटस्यानागताध्वपरित्यागेन वर्तमानाध्वस्वीकार: । तत्परित्यागेनातीताध्वपरिग्रह: RājMār. 47. 1.

अतीताननुसंधान (atītānanusandhāna) *n.* no consideration for the past अतीताननुसंधानं भविष्यदविचारणम् ।··· जीवन्मुक्तस्य लक्षणम् ViveCū. 434.

अतीतानन्तकल्प (atītānanta-kalpa) *m.* endless past periods of time अतीतानन्तकल्पेषु ··· संसारो न कस्यचित् स्यात् NyāyMa. 332. 12.

अतीतानन्तकाल (atītānanta-kāla) *adj.* of endless past time अतीतानन्तकाले संसारसागरे भ्रमितोऽयं जीव: TātpaVṛ. 197. 7 (*on* 2. 47); *m.* endless past time अतीतानन्तकाले दुर्लभाया: ··· सिद्धगते: काललब्धिरूपेण बहिरङ्गसहकारी भवति काल: TātpaVṛ. 203. 18 (2. 51)

अतीतानन्तर (atītānantara) *adj.* [in Cpd.] immediately preceding अतीतानन्तरजन्मनि मर्कटत्वमेव आसीत्तस्य ChāndoUBh. 301. 16 (*on* v. 10. 5); अतीतानन्तरोपाधिजनिता सा, न स्वाभाविकी BrahmSūBh.(S'aṅ.) 53. 12 (*on* i. 1. 12); अतीतानन्तरवाक्यनिर्दिष्टो यो ब्रह्मलोकः···सोऽत्र जीवघन इत्युच्यते BrahmSūBh.(S'aṅ.) 163. 11 (*on* i. 3. 13); इदं च पूर्वमेवोपन्यस्तम् अतीतानन्तरब्राह्मणसमाप्तौ BṛĀraUBh. 569. 14 (*on* iv. 3. 21); अतीतानन्तरश्लोकेन उक्तमर्थं परामृशति GītāBh.(S'aṅ.) 339. 14 (*on* 12. 1); स सदृशसंतानजननस्वभावो घटक्षणत्वात् अतीतानन्तरघटक्षणवत् BrahmSūBh.(Bhā.) 119. 17 (*on* ii. 2. 20); अतीतानन्तरसूत्रोपक्रमे वर्णितं तत् VedāntKa. 162. 10 (*on* i. 3. 14); अतीतानन्तरभाष्ये च न स एव पुनरुत्थातुमर्हतीत्यभिहितत्वात् VedāntKa. 371. 3 (*on* iii. 2. 9)

अतीतानागत (atītānāgata) *adj.* (belonging to the) past and future अतीतानागता भावा ये च वर्तन्ति सांप्रतम्। तान् कालनिर्मितान् बुद्धा न संज्ञां हातुमर्हसि MahāBhā. i. 1. 190; कीर्तनात् सुखमेधते। अतीतानागतानां वै महर्षीणां सदा नरः HariVaṁ. 7. 46; अतीतानागताश्चैते मनवः परिकीर्तिताः MatsyaP. 9. 37; पितॄणां मानुषाणां वै अतीतानागतेषु च। मन्वन्तरेषु सर्वेषु निमित्तानि भवन्ति हि BrahmāṇḍP. i. 8. 26; i. 23. 36; i. 29. 78; प्रत्यक्षादन्यविज्ञानमतीतानागतैरपि (अर्थैः)। जन्यते S'lokaVār. 5(3). 202 (326. 1); न ततः पूर्वापरौ क्षणावतीतानागतौ भवतः NyāyMañ. ii. 35. 11; ii. 34. 27; न चातीतानागताभ्यां लक्षणाभ्यां वियुक्तम् YogBh. 127. 6 (*on* 3. 13); लक्षणं प्रोक्तं युगानां वै समासतः। अतीतानागतानां वै KūrmaP. 309. 5 (1. 30); 428. 2 (1. 51); TātpaṬ.(Vā.) 87. 25 (*on* i. 1. 2); LiṅgaP. i. 40. 94; देवीपुराणे ··· अतीतानागतो भोगः CaturCin. iii(1). 231. 13; अतीतानागते कार्ये BhāvPra.(S'ā.) 202. 10 (7); TattvCin. i. 844. 12; अनुमानशब्दादिषु ज्ञानस्य न प्रमेयजन्यत्वनियमः अतीतानागतवस्तुज्ञानेषु तदसंभवात् VivaPraSaṁ. 319. 16; सामान्यं चातीतानागतविशेषेष्वेकमेव NyāySu.(Ja.) 493A. 11 (*on* iii. 2. 1); SiddhāBi. 37. 1; अतीतानागतगवादौ व्यभिचारमुद्भाव्य गोत्वादेर्ज्ञाने तदङ्गीकुर्वन्ति तार्किकाः LaCandr. 419. 14; 344. 23; 445. 39; LalitāSaBh. 21. 3 (*on* 52); अतीतानागतानां पदानां वृत्त्यनाश्रयतया वृत्त्याश्रयत्वेन ज्ञानस्य दुरुपपादत्वम् VaiyāSiMañ. 150. 3; *n.* (rarely) *m.* [sg. du; rarely pl.] the past and the future (time, event, object) अतीतानागते विद्वान् ···। अन्वशासत् सः ··· भरतर्षभान् MahāBhā. iii. 155. 23; इन्द्रियेभ्यश्च पञ्चभ्यो मनसश्चैव भारत। अतीतानागतेभ्यश्च मुक्तो ह्येतैः सुखी भवेत् MahāBhā. v. 43. 21; (दिव्यं मे प्राप्तम्) परचित्तस्य विज्ञानमतीतानागतस्य च MahāBhā. vi. 16. 8; vii. 122. 39; अतीतानागतं स्वरूपतोऽस्त्यध्वभेदाद् धर्माणाम् YogSū. 4. 12; नातीतानागतयोरितरेतरापेक्षा सिद्धिः NyāySū. ii. 1. 42; यद्यतीतानागतावितरेतरापेक्षौ सिध्येतां प्रतिपद्येमहि वर्तमानविलोपम् NyāyBh. 109. 5 (*on* ii. 1. 42); यथा त्वचत्वे भोक्तृभोग्ययोर्विभागो दृष्टः तथातीतानागतयोरपि कल्पयितव्यः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 306. 19 (*on* ii. 1. 13); तथा चातीतानागतमात्रदर्शनाद् वर्तमानाभावेन न त्रैकाल्यविषयमनुमानम् TātpaṬ.(Vā.) 406. 5 (*on* ii. 1. 39); (स्निग्धकटाक्षे दृशौ) अत्र ··· शतृप्रत्ययः कामप्यतीतानागतविभ्रमविरहिताम् ··· प्रस्तुतौचित्यविच्छित्तिं समुल्लासयन् ··· प्रत्ययवक्रतामाह्वति VakroJī. 109. 10.

अतीतानागतकाल (atītānāgata-kāla) *m.* the past and the future times नासौ क्रियावच्छेदलक्षणः प्रकारोऽतीतानागतकाले वर्तते KhaṇḍanKhā. 1241. 12; तस्मात् ··· अतीतानागतकालतत्संबन्धिपदार्थानां च ग्रहणम् ··· परैर्वेष्टव्यम् NyāySū.(Ja.) 493A. 8 (*on* iii. 2. 1)

अतीतानागतगोचर (atītānāgata-gocara) *adj.* having for its range the past and the future नदीपूरस्य पिपीलिकाण्डसंचरणस्य चातीतानागतवर्षलिङ्गस्य शब्दस्यातीतानागतगोचरस्यार्थसहकारिताविरहिणोऽप्रमाणत्वप्रसङ्गात् TātpaṬ.(Vā.) 20. 24 (*on* i. 1. 1)

अतीतानागतज्ञ (atītānāgata-jña) *adj.* [*f.* -ā] knowing the past and the future भवानपि ··· नः पितामहः। अतीतानागतज्ञश्च HariVaṁ. 115. 22; तस्याः ··· सोमिका नाम सारिका अतीतानागतज्ञा बभूव VetāPañ. 72. 42.

अतीतानागतज्ञान (atītānāgata-jñāna) *n.* knowledge of the past and the future परिणामत्रयसंयमादतीतानागतज्ञानम् YogSū. 3. 16; RājMār. 48. 11; आविर्भूतप्रकाशानामनुपप्लुतचेतसाम्। अतीतानागतज्ञानं प्रत्यक्षान्न विशिष्यते VākyaP. 1. 37 = Pradī. v. 261A. 40 (*on* vi. 3. 109); योगिनां चातीतानागतज्ञानस्य सत्यत्वात् BṛĀraUBh. 18. 18 (*on* i. 2. 1); अदृष्टमप्यतीतानागतज्ञानं कल्प्यम् NyāyMañ. ii. 34. 30; अतीतानागतज्ञानं मिथ्येशस्य प्रसज्यते BṛĀraUBhVā. i. 2. 109; अतीतानागतज्ञाननिधिर्मुनिरुवाच तम् SkandP. ii(2). 22. 17; स सम्यक् पालयामास प्रजाः ···। अतीतानागतज्ञानपरिनिष्ठितमानसः SkandP. v(2). 73. 3; KhaṇḍanKhā. 1054. 16; AnuVyā. 56A. 5 (*on* 3. 4); VaiyāBhū. 100. 23 (*on* 24); अतीतानागतज्ञानविषये का गतिः।···ज्ञानेन विषये प्राकट्यजननायोगात् SarvaDaKau. 32. 19; *adj.* having knowledge of the past and the future अतीतानागतज्ञानो वसिष्ठो गुरुरेव नः PadmP. vi. 198. 15.

अतीतानागतज्ञानिन् (atītānāgatajñānin) *adj.* who knows the past and the future पाराशर्यो महामुनिः। अतीतानागतज्ञानी GaṇeP. i. 10. 1; ii. 141. 33.

अतीतानागतत्व (atītānāgata-tva) *n.* A the state of being past and future विद्यमान एव देवदत्ते तद्वृत्तीनामतीतानागतत्वप्रतिपादनाय 'गोमानासीत्', 'गोमान् भविता' इति प्रयुज्यते Pradī. iv. 342A. 31 (*on* v. 2. 94); नाप्यद्भुतदर्शनादतीतानागतत्वप्रत्यक्षत्वप्रतीतेः काव्यलिङ्गमिदम् AlaṅkāSa. 180. 6; निमित्तत्वे चार्थक्रियाकारित्वेन सत्त्वादतीतानागतत्वक्षतिः SyādvāMañ. 16 (142); B the state of being past and future (time) नित्यमेकं विभु द्रव्यं यदि कालोऽभ्युपेयते। अतीतानागतत्वादिभेदः स्यात् किंनिबन्धनः BṛĀrāUBhVā. ii. 1. 406; यदि तु वर्तमानत्वाभावादतीतानागतयोरसत्त्वं हन्त भो वर्तमानस्याप्यभावोऽतीतानागतत्वाभावात् TattvVai. 194. 12 (*on* 4. 12)

अतीतानागतधी (atītānāgata-dhī) *f.* cognition of the past and the future ज्ञानीयं फलं ज्ञातता वा व्यवहारो वा। आद्येऽतीतानागतधीभ्रमाद्यर्थाव्याप्तिः KhaṇḍanKhā. 1124. 19.

अतीतानागतपर्याय (atītānāgata-paryāya) *m.* past and future modification अतीतानागतपर्याया वर्तमानज्ञाने साम्प्रता इव दृश्यन्ते TātpaVṛ. 49. 18 (*on* 1. 37); 50. 13 (*on* 1. 37)

अतीतानागतप्रतिपत्ति (atītānāgata-pratipatti) *f.* cognition of the past and the future उपाध्यवच्छिन्नस्यातीतानागतप्रतिपत्तिविषयत्वम् KhaṇḍanKhā. 1241. 4.

अतीतानागतप्रतीति (atītānāgata-pratīti) *f.* knowledge of the past and the future अतीतानागतप्रतीतिकालेऽपि क्रियावच्छिन्नः प्रतीयते KhaṇḍanKhā. 1238. 4; 1241. 9.

अतीतानागतप्रत्यय (atītānāgata-pratyaya) *m.* knowledge of the past and the future प्रागुत्पत्तेरपि सदेव कार्यम्। अतीतानागतप्रत्ययभेदाच्च BṛĀraUBh. 18. 15 (*on* i. 2. 1)

अतीतानागतप्रमा (atītānāgata-pramā) *f.* true knowledge of the past and the future विषयता च विषये न ज्ञानाहिता ज्ञाततारूपा विवक्षितापसिद्धान्तादसिद्धेः अतीतानागतप्रमायां तदभावाच्च TattvCin. i. 388. 1.

अतीतानागतवर्तमान (atītānāgata-vartamāna) *adj.* (belonging to the) past, future and present योगप्रवृत्तेरतीतानागतवर्तमानतत्त्वदर्शनं भवति BhagAjju. 45 (13). 3; स्वभावत एवातीतानागतवर्तमानार्थग्रहणशक्त आत्मा TātpaṬ.(U.) 79. 15 (*on* 2. 141); न च शक्यन्तेऽतीतानागतवर्तमानास्तार्किका एकस्मिन् देशे काले च समाहर्तुम् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 304. 14 (*on* ii. 1. 11); 304. 18 (*on* ii. 1. 11); TātpaṬ.(Vā.) 184. 18 (*on* i. 1. 5); अतीतानागतवर्तमानपर्यायपरंपरानुसंधायकं चान्वयि द्रव्यम् SyādvāMañ. 19 (36); PrabaCin. 56. 22; TattvCin. iii. 51. 3; अतीतानागतवर्तमानं सर्वमपि लिङ्गमनेन साध्येन व्याप्तम् NyāySu.(Ja.) 495A. 5 (*on* iii. 2. 1); YogSūVṛ. *on* 1. 49; *n.* the past, the future and the present तत्र धर्मस्य धर्मिणि वर्तमानस्यैवाध्वस्वतीतानागतवर्तमानेषु भावान्यथात्वं भवति, न तु द्रव्यान्यथात्वम् YogBh. 128. 4 (*on* 3. 13); यद्येकः कालः कथमतीतानागतवर्तमानभेदेन व्यवह्रियते Kiraṇā. 120. 10; 321. 3; Upask. iii. 15 (*on* ii. 2. 8)

अतीतानागतवर्तमानता (atītānāgatavartamāna-tā) *f.* the state of being the past, the future and the present यद्येकः कालः कथमतीतानागतवर्तमानभेदेन (v. l. °वर्तमानतया) व्यवह्रियते Kiraṇā. 120. 10.

अतीतानागतवस्तु (atītānāgata-vastu) *n.* past or future thing तथाप्यतीतानागतवस्तुविषयज्ञानं न सिद्ध्यति S'ivārkaMaDī. i. 160. 11 (*on* i. 1. 3)

अतीतानागतविद् (atītānāgata-vid) *adj.* who knows the past and the future परिपृच्छामो मुनिं कञ्चिदिहागतम्। अतीतानागतविदम् GaṇeP. i. 54. 10; अतीतानागतविदां महतां श्रुतिसंवादिनो देवप्रभवनियमग्राहकप्रत्यक्षस्य सत्त्वात् TattvPrakā. 56A. 12 (*on* i. 3. 28)

अतीतानागतविषय (atītānāgata-viṣaya) *adj.* pertaining to the past and the future यदि चातीतानागतविषयं तदुच्यते तदा तत एवाभिलाषस्मृतादिवत्तेषां तत्प्रत्यक्षमेव न भवति TātpaṬ.(U.) 127. 13 (*on* 4. 30); यत्प्रसादाद्धि योगिनामपि अतीतानागतविषयं प्रत्यक्षं ज्ञानमिच्छन्ति योगशास्त्रविदः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 39. 3 (*on* i. 1. 5); अतीतानागतविषयेष्विष्टसाधनज्ञानेषु प्रवर्तकत्वव्यभिचारात् TattvPradī.(Ci.) 92. 6; *m.* past or future thing अतीतानागतविषयग्रहणस्मरणेषु ··· प्रागेव विदितत्वप्रतीतेः नानुमानिकी तत्र विषयसिद्धिः SiddhiTra. 18. 8; चित्तं चेतयितृत्वम् ··· अतीतानागतविषयप्रयोजननिरूपणसामर्थ्यं च तत्संकल्पादपि भूयः ChāndoUBh. 429. 7 (*on* vii. 5. 1)

अतीतानागतविषयता (atītānāgataviṣaya-tā) *f.* the state of having past and future object नातीतानागतविषयतया प्रत्यक्षानुपपत्तिं ब्रूमः अपि त्वतीतानागताधारतयेत्यर्थः TātpaṬ.(Vā.) 407. 21 (*on* ii. 1. 42)

अतीतानागतविषयत्व (atītānāgataviṣaya-tva) *n.* the state of being

a past or future object of knowledge अतीतानागतविषयत्वेन योगिप्रत्यक्षे विद्यमानोपलम्भनत्वस्यासिद्धत्वमाशङ्क्य तत्परिहारार्थम् … सत्संप्रयोगग्रहणमर्थवद्भवति TātpaṬ.(U.) 126. 16 (*on* 4. 26); अतीतानागतविषयत्वं च विज्ञानस्य न स्यात् अतीतानागतयोरसत्त्वेनाकारणत्वात् TātpaṬ.(Vā.) 87. 24 (*on* i. 1. 2)

अतीतानागतवृष्टि (atītānāgata-vṛṣṭi) *f.* past and future rain अस्ति हि तस्यापि नदीपूरजलदचक्षुःसन्निकर्षः न चातीतानागतवृष्टिपरिचयो भवति Kāśi. i. 211. 10 (*on* 4. 21); नन्वतीतानागतवृष्टिविषयकज्ञानोत्पत्तिस्थले सत एव वृष्टिरूपविषयस्य स्वज्ञानजनकत्वदर्शनात् तथात्रापि संभाव्यमिति चेन्न VedāntRaMañ. 1. 4 (66. 20)

अतीतानागतव्यपदेश (atītānāgata-vyapadeśa) *m.* designation or term as the past and future गुणधर्मस्य च प्रधान आरोपादासीद्भवितेति प्रत्यार्थस्यातीतानागतव्यपदेश इति चोदको मन्यते Pradī. iv. 342A. 34 (*on* v. 2. 94)

अतीतानागतादि (atītānāgatādi) *adj.* past, future etc. अतीतानागताद्यर्थज्ञानोत्पत्तौ च हेतुताम् । योगिनां मन एव स्यात् BṛĀraUBhVā. i. 4. 87; न हि क्षणलवादिवद् वर्षादिवद्वातीतानागतादयोऽपि उपाधिभेदाः सन्ति Kiraṇā. 120. 11; NyāyVi. 2. 177; न तर्हि वर्तमानसामान्यज्ञानेऽप्यतीतानागतादिज्ञानम् NyāyKuA. ii(2). 13. 2; असाधारणकारणत्वं पदानां, तदर्थानां त्वतीतानागतादिरूपतया कारणत्वमेव नास्ति NyāyVārPari. 312. 7; योगिज्ञानम्…अतीतानागतादिविषयमपि कल्पनापोढत्वात्प्रत्यक्षमेव NyāyRa. 160. 19 (*on* 4. 85); विद्यमानोपलम्भनत्वमेवासिद्धं, योगिनां मुक्तात्मनां चातीतानागतादिविषयज्ञानोत्पत्तेः Kāśi. i. 213. 21 (*on* 4. 28)

अतीतानागताधारता (atītānāgatādhāra-tā) *f.* the state of being a locus of the past and future नातीतानागतविषयतया प्रत्यक्षानुपपत्तिं ब्रूमः अपि त्वतीतानागताधारतया TātpaṬ.(Vā.) 407. 22 (*on* ii. 1. 42)

अतीतानागतानुमान (atītānāgatānumāna) *n.* inference of the past and future न च विषयोऽपि ज्ञप्तिसामग्र्यनुप्रविष्ट इति वाच्यम्, अतीतानागतानुमानादिषु तदयोगात् S'atDū. 133. 9; आद्ये अतीतानागतानुमानादिकरणव्याप्तिः KhaṇḍanKhā. 514. 6.

अतीतानागतानुमिति (atītānāgatānumiti) *f.* inference of the past and future यदैवार्थस्तदा ज्ञानम् … नाद्यः, अतीतानागतानुमित्याद्यव्यापनात् KhaṇḍanKhā. 428. 13.

अतीतानागतानुरोध (atītānāgatānurodha) *m.* [Abl.] in accordance with the past and future न त्वर्थनिष्ठं ज्ञानसंबन्धित्वं, अतीतानागतानुरोधात् GuruCandr. i. 231. 16.

अतीतानागताभिज्ञता (atītānāgatābhijña-tā) *f.* the nature of knowing the past and future सर्वसर्वज्ञतापत्तिरतीतानागताभिज्ञतापत्तिश्चेत्यपि द्रष्टव्यम् NyāyVārPari. 417. 2.

अतीतानागतार्थ (atītānāgatārtha) *m.* event of the past or future, past and future things कुतो भवेत् । व्यपदेशो विना योगमतीतानागतार्थयोः BṛĀraUBhVā. iv. 3. 684; न चातीतानागतार्थगोचरायाः संविदोऽर्थसहभावोऽपि Bhām. 20. 16 (*on* i. 1. 1); योगिनां चातीतानागतार्थग्रहणे किमर्थस्य निमित्तत्वम् PramāMī. 20. 3 (*on* i. 1. 25); (रुद्रशक्तिं परां शृणु) अतीतानागतार्थस्य कुर्याद्वा कथनादिकम् MālinīT. 3. 54; अतीतानागतार्थेषु जाते शक्तिग्रहेऽखिलम् । विशेषं ज्ञापयेद्वाक्यम् AnuVyā. 41A. 1 (*on* 3. 2); योगिनां चातीतानागतार्थग्रहणे किमर्थस्य निमित्तत्वम् । तयोरसत्त्वात् SyādvāMañ. 16 (139); योगिनामिन्द्रियेणैवातीतानागतार्थसाक्षात्कारः NyāySū.(Ja.) 277B. 8 (*on* ii. 1. 2); न च साक्षिप्रत्यक्षेण सर्वज्ञता … अतीतानागतार्थग्राहित्वाभावात् VivaPraSaṁ. 258. 4; अतीतानागतार्थानां हेतुत्वासंभवात् … लिङ्गस्येव ज्ञानसंबन्धेनार्थस्य हेतुत्वं वा बोध्यम् LaCandr. 702. 22.

अतीतानागतार्थज्ञ (atītānāgatārtha-jña) *adj.* who knows the past and future objects अतीतानागतार्थज्ञो वर्तमानविचक्षणः Rāmā. vi. 111. 70 (GPP. Ed.)

अतीतानागतावस्थ (atītānāgatāvastha) *adj.* relating to the past and future states यच्चेदमिष्यते रूपं दाहपाकादिकार्यकृत् । अतीतानागतावस्थं किं तदेवाभ्युपेयते TattvSaṁ. 1811; असतो जनकत्वसंभवादतीतानागतावस्थस्यासत्त्वधर्माश्रयत्वेनैवाभ्युपगमात् AdvaiSi. 405. 14.

अतीतानागतावस्था (atītānāgatāvasthā) *f.* past and future states निवृत्तिश्च न नाशोऽपि त्वतीतावस्था, ध्वंसप्रागभावयोरतीतानागतावस्था स्वरूपत्वात् सत्कार्यवादिभिरभावानङ्गीकारात् SāṁkhyaPraBh. 6. 22 (*on* 1. 1)

अतीतानागतास्तित्ववादिन् (atītānāgatāstitva-vādin) *m.* upholder of the theory of the existence of the past and future यदि धर्मत्रातोऽतीतानागतास्तित्ववादी स इति न सौत्रान्तिकः Sphuṭā. i. 50. 12 (*on* 1. 20)

अतीतानागतेहत्य (atītānāgatehatya) *adj.* past, future and present अतीतानागतेहत्यजन्मनाशादिहेतुनुत् । यस्तु धीपूर्वको ध्वंसस्तदर्थेयं परा श्रुतिः BṛĀraUBhVā. ii. 4. 399.

अतीतानुभव (atītānubhava) *m.* past experience नापि संभूय तत्साधकम्, अतीतानुभवस्य वर्तमानस्मृतेश्च यौगपद्यायोगात् VivaPraSaṁ. 96. 3; तस्मादतीतानुभवकालः…अपेक्षणीयः PratyabhiVi. i. 157. 5 (i. 4. 2); एकस्य समानविषयत्वं अतीतानुभवकालावच्छिन्नवस्तुविषयत्वाच्चान्यस्य TārkiRa. 27. 5; अतीतानुभवविषयत्वस्यानुभवाविषयत्वेन स्मृत्या तदुल्लेखानुपपत्तेश्च TattvCin. i. 840. 14; अतीतानुभवव्यावृत्त्यर्थं वर्तमानदशायामित्युक्तम् S'rutaPra. iA. 134. 23 (*on* i. 1. 1); तदसत्कर्मणो भोगादतीतानुभवस्मृतेः । स्थितिर्निरन्वये नाशे न स्मृतेर्नापि कर्मणः MṛgendraT. i. 2. 25.

अतीतानुसंधान (atītānusandhāna) *n.* recollection of the past स्मृतेः अतीतानुसन्धानरूपायाः हेतुः परिणामिकारणं संस्कार इति यावत् PramāMī. 22. 2 (*on* i. 1. 29)

अतीतानुस्मृति (atītānusmṛti) *f.* remembrance of the past मेधा अतीतानुस्मृतिः। तथा चोक्तम् – अतीतानुस्मृतिर्मेधा तत्कालग्राहिणी मतिः VīraMī. (Lakṣaṇa.) 79. 5.

अतीतानेकजन्मन् (atītāneka-janman) *n.* past several births अतीतानेकजन्मकृतानि च तान्येव सर्वाणि भस्मसात् कुरुते GītāBh.(S'aṅ.) 144. 15 (*on* 4. 37)

अतीतानेकभव (atītāneka-bhava) *m.* past several existences or births इह खलु तावदतीतानेकभवपरंपरासमर्जितसुकृतसंपदावर्जितभगवदनुग्रहासादितसत्त्वप्रसादतया पुरुषार्थकाष्ठामभिलषन् SiddhāSi. i. 3. 14.

अतीतान्त (atītānta) *adj.* that has gone beyond (both) the extremes रूपं न नित्यं नानित्यमतीतान्तं विशुद्धकम् । अनुत्पन्नानिरुद्धानि व्योमाभं लेपवर्जितम् AbhisaAlaṅ. 3. 12.

अतीतान्तेत (atītānteta) *adj.* who has reached (emancipation) which is beyond the (two) extremes (of pleasure and pain etc.) अतीतान्तेत एतां ते तन्तन्तु तततातितिम् NemiC. 12. 37.

अतीतापद् (atītāpad) *adj.* gone beyond calamities, free from calamities तं नेमिं नमः … चक्रे यदूनां च यः … राजीमतीतापदम् CaturJiStu. 85.

अतीतापाश (atītā-pāśa) *m.* fetters of the *kalā* known as *śāntyatītā* रेचकेनातीतापाशात् संहृत्य ĪśānS'iPa. ii. 18. 112 (12) (183. 27)

अतीतापेक्षा (atītāpekṣā) *adj.* (*f.*) depending on the past नातीतापेक्षानागतसिद्धिः नाप्यनागतापेक्षातीतसिद्धिः NyāyBh. 109. 6 (*on* ii. 1. 42)

अतीताभाव (atītābhāva) *n.* absence in the past time नासीत्तत्र देवदत्तः इति ज्ञानमुत्पद्यमानमतीताभावग्राहकत्वेन कथमक्षजं स्यात् TātpaṬ.(U.) 416. 20 (*on* 5(9). 28)

अतीताभिधायिन् (atītābhidhāyin) *adj.* expressive of the past अतीताभिधायिनोऽपि पूर्ववत् प्रयोक्तव्याः KātanVṛ. *on* iv. 4. 1.

अतीतारम्भकाला (atītārambhakālā) *adj.* (*f.*) the (proper) time of commencement of which is over अतीतां अतीतारम्भकालां उपासीत (सन्ध्याम्) VīraMi. 78. 2 (*on* 1. 24)

अतीतार्थ (atītārtha) *m.* **i** past object, thing or event in the past सर्वदा चापि पुरुषाः प्रायेणानृतवादिनः। यथाद्यत्वे न विस्रम्भस्तथातीतार्थकीर्तने S'lokaVār. 2. 144 (88. 6); TattvSaṁ. 2793; 3286; अक्षबुद्धिरतीतार्थं वेत्ति Laghīya. 1. 45; वर्तमानात्मगं ज्ञानमतीतार्थं स्पृशेत् कथम् BṛĀraUBhVā. i. 4. 459; संतोषस्तस्य सततमतीतार्थस्य चास्मृतिः LiṅgaP. i. 8. 38; अतीतार्थे परम्परया तत्कार्यतयापि शब्दलिङ्गादेरर्थसंबन्धोऽस्ति NyāyVārPari. 157. 9; सोऽयमतीतार्थप्राधान्यादितिहासः SaraKaṇṭhā. 305. 4; पूर्वोदाहरणेष्वतीतार्थकीर्तनेन … धर्मं प्रत्यप्रामाण्यमुक्तम् NyāySu.(So.) 7. 30 (*on* i. 2. 2); प्रत्यक्षं मानसं चैव यदातीतार्थगोचरम् AnuVyā. 41A. 9 (*on* 3. 2); सोऽरोदीदित्यादावप्यतीतार्थकथनेन योग्यानुपलब्ध्यभावान्न स्वार्थसत्यत्वनिश्चयः MīmāKau. iii(1). 7. 7 (*on* i. 2. 2); VyutpaVā. 189. 2; **ii** having missed one's aim, object or profit [DBHS]; **iii** meaning of past tense नु प्रश्नेऽनुशयेऽतीतार्थे AnekāSaṁ. 7. 11; प्रश्नातीतार्थयोश्च नु DharK. 2911.

अतीतार्थक (atītārtha-ka) *adj.* having the sense of the past प्रागतीतार्थकं नूनमवश्यं निश्चये द्वयम् AgniP. 360. 31 = S'abdaRa.(Vā.) 4598.

अतीतार्थविषय (atītārtha-viṣaya) *adj.* [*f.* -ā] pertaining to the past object यच्चातीतार्थविषयं मानसमित्युक्तम् PrakaPañ. 143. 1; तथा स्थायिन्यात्मन्यसत्यतीतार्थविषया स्मृतिर्न कस्यचित् स्यात् Aparā. 1005. 7 (*on* 3. 149)

अतीतालम्बन (atītālambana) *adj.* depending upon a past object प्रत्यक्षविज्ञानमपरोक्षतयार्थमवभासयति तत्कथमतीतालम्बनं स्यात् TātpaṬ. (U.) 277. 24 (*on* 5(4). 158); 278. 10 (*on* 5(4). 159)

अतीतावच्छिन्न (atītāvacchinna) *adj.* conditioned by the past अतीतावच्छिन्नवस्तुग्रहणं प्रत्यभिज्ञानम् SaptaPa. 167 (49)

अतीतावस्थ (atītāvastha) *adj.* belonging to the past state अतीता-

वस्थः प्रत्युत्पन्नावस्थश्च सभागहेतुर्नानागतावस्थः Sphuṭā. ii. 130.6 (*on* 2.52); एवमिन्द्रियस्यापि यद्यतीतावस्थस्यैव व्यापारवतो विषयस्तदा पुरोवर्तिविषयस्फुरणं न स्यात् NyāyVārPari. 610.6; अनागतावस्थानां बीजशक्तिदाह एव ज्ञानादिभिः क्रियते न त्वतीतावस्थानाम् YogSā. 33.8 (2); अतीतावस्थसुखादौ उक्तभेदस्यासत्त्वात् GuruCandr.i. 368.20.

अतीतावस्था (atītāvasthā) *f.* past state नन्वतीतावस्थाविशिष्टत्वमस्य नेन्द्रियसंनिकृष्टम् TātpaṬ.(Vā.) 139.15 (*on* i. 1.13); यदि पुरोवर्ती विषयस्तदातीतावस्थास्फुरणं न स्यादेव NyāyVārPari. 610.2; अतीतावच्छिन्न(v. l. अतीतावस्थावच्छिन्न)वस्तुग्रहणं प्रत्यभिज्ञानम् SaptaPa. 167 (49); AdvaiSi. 639.2; निवृत्तिश्च न नाशोऽपि त्वतीतावस्था SāṁkhyaPraBh. 6.22 (*on* 1.1)

अतीतावस्थातस् (atītāvasthā-tas) *adv.* from the past state प्रधानव्यापारविषयता ह्यवान्तरव्यापारविषयतया व्याप्ता सा चातीतावस्थातो निवर्तमाना तामपि निवर्तयति NyāyVārPari. 611.10.

अतीतावेक्षण (atītāvekṣaṇa) *n.* observation of prescriptions made only earlier (one of the 36 Tantrayuktis) (अतीतानागतावेक्षास्वसंज्ञोह्यसमुच्चयाः) अतीतावेक्षणं नाम यदतीतमेवोच्यते, यथा सा कुटी तच्च शयनं ज्वरं संशमयत्यपि Cakrapāṇi on CaraS. viii. 12.44 (1941 Ed.)

[**अतीतावेक्षा** (atītāvekṣā) *f.* Cf. **अतीतावेक्षण** CaraS. viii. 12.44 (1941 Ed.)]

अतीताशिस् (atītāśis) *adj.* who is beyond wishes (केतुमतीः) तैः (शरैः) … अतीताशीः … ईशिता … अतुत्त HarVi. 43.224.

अतीताशीतिवत्सर (atītāśītivatsara) *adj.* who is beyond eighty years, who is more than eighty years old न नस्यमूनसप्ताब्दे नातीताशीतिवत्सरे AṣṭāSaṁ. i. 157.24 (1.29)

अतीताशीतिवर्ष (atītāśītivarṣa) *adj.* who is past eighty years, more than eighty years old कश्चित्सार्थवाहोऽतीताशीतिवर्षः … तरुणीं भार्यामासवान् Tantrākhyā. 138.12; PañcT. 3.66 (4) (325.9)

अतीताशेषजन्मन् (atītāśeṣajanman) *n.* all the previous births किं काशीप्रवेशादतीताशेषजन्मार्जितं पापं नश्यति TristhaSe. 98.22.

अतीताशौच (atītāśauca) *adj.* whose (period of) impurity is over सूतकेष्वतीताशौचानां सपिण्डानां त्रिरात्रविध्यसंभवात् SmṛtiCan. vi. 50.1.

अतीताष्टमवर्षत्व (atītāṣṭamavarṣa-tva) *n.* the state of having completed the eighth year (of life) अष्टवर्षं ब्राह्मणमुपनयीत…अष्टवर्षत्वं चाष्टमवर्षसंबन्धेन, नातीताष्टमवर्षत्वेन VīraMi.(Saṁskāra.) 339.23.

अतीतासद्विषयक (atītāsadviṣaya-ka) *adj.* pertaining to the object that is past or unreal अतीतासद्विषयकज्ञानव्यवहारादौ चातीतासतोरेव व्यावर्तकत्वम् AdvaiSi. 448.21.

अतीतास्पृष्ट (atītāspṛṣṭa) *adj.* not being in touch with what has gone before (i. e. not returning to the initial point) अतीतास्पृष्टमन्यान्यग्रहणं त्वनवस्थितिः MānaMe. 38.4.

अतीति (atīti) *f.* the nature of being past or bygone, non-existence (at present) श्नि विभक्त्यभ्यासद्वयैर्थाभावातीत्यसंप्रतिव्यृद्धिशब्दप्रभवपश्चाद्यथानुपूर्व्ययौगपद्यसंपत्साकल्यकल्पान्तोक्तौ JaineVyā. i. 3.5; अतीतिरतीतत्वम्। स्वत एवातिक्रान्तत्वमित्यर्थः JaineVyā. 47.24 (*on* i. 3.5)

अतीतेच्छा (atītecchā) *f.* past desire अतीतेच्छाधीनपाककृतिरपि तत्र वर्तते VyutpaVā. 138.33.

अतीतेषुपथ (atīteṣupatha) *adj.* beyond the range of an arrow वीरः …। अतीतेषुपथे काले जहार गदया शिरः MahāBhā. vii. 236*(2)

अतीतैककाल (atītaikakāla) *adj.* things that are simultaneously past शक्तिप्रवृत्त्या न विना रसः सैवा[न्य]कारणम्। इत्यतीतैककालानां गतिस्तत्कार्यलिङ्गजा PramāVāSvopVṛ. 5.16.

अतीतैष्य (atītaiṣya) *adj.* [du.] past and future गत्यन्तरेण लब्धौ द्वियोगकालावतीतैष्यौ Āryabh. 2.31 (46)

अतीतैष्यग्रहान्तर (atītaiṣyagrahāntara) *n.* distance between planets of yesterday and tomorrow (*lit.* past and future) स्फुटभुक्तिरतीतैष्यग्रहान्तरं वर्तमानेऽह्नि BrāhmSphuSi. 2.29.

अतीतैष्यन्मितघट (atītaiṣyanmita-ghaṭa) *m.* jar known as past or future one अतीतैष्यन्मितघटप्रतिषेधस्तथाविधः BṛĀraUBhVā. i. 2.113.

अतीतोत्तमर्ण (atītottamarṇa) *m.* creditor who has passed away (i. e. dead) अथातीतोत्तमर्णऋणापाकरणविषयाणि SmṛtiCan. iv. 414.16.

अतीतोपध (atītopadha) *adj.* free from deceit or cheating (i. e. trustworthy) तानतीतोपधान् … पूजयेथाः MahāBhā. xii. 112.24.

अतीतोपाधि (atītopādhi) *m.* past delimiting condition अतीतोपाध्यवच्छिन्नत्वं तस्य पूर्वत्वम् KhaṇḍanKhā. 1211.6; अतीतोपाधिमत्कालसंबन्धिनो वर्तमानत्वविरोध उच्यते S'rutaPra. iB. 211.5 (*on* i. 1.13); अतीतोपाधिविशेषसंबन्धितया हि तत्त्वं न त्वतीततया NyāyPari. 377.20.

अतीतोपालम्भ (atītopālambha) *m.* finding fault with the past (event) अलमतीतोपालम्भेन Hitopa. 3.30 (1)

अतीतौदनेच्छा (atītaudanecchā) *f.* past desire for food अतीततादशायां च अतीतौदनेच्छाविरहेण इष्टसाधनत्वाभावात् TattvCin. iv(2). 108.2.

अतीत्य (atītya) *ger.* **Ai** having gone beyond, having crossed, having passed through, having penetrated **ii** having exceeded, having transcended **Bi** having surpassed, having excelled **ii** having set aside, disregarding, overlooking **iii** having overcome, got over or subdued, leaving behind **iv** having transgressed or gone beyond (the limit) **C** having spent or passed (time) **D** having finished or concluded **E** having caused to cross. **Ai** having gone beyond, having crossed, having passed through, having penetrated अ॒ती॒त्या॒दः स्व॑रा॒भ॑रे॒ह TaiBr. III. xi. 4.2; S'atBr. VI. iii. 3.1; JaimiBr. 1.247; अतीत्य तमसः पारं स्वर्गे लोके महीयते DevaBr. 3.24; तच्चाप्यतीत्य नृपतिः … जगामान्यन्महद्वनम् MahāBhā. i. 64.3; अतीत्य (यन्त्रं) लक्ष्यं यो वेद्धा स लब्धा मत्सुताम् MahāBhā. i. 176.11; ii. 18.26; (भीष्मः) अतीत्य सेनां पार्थानामवतस्थे चमूमुखे MahāBhā. vi. 113.27; अतीत्य च ततः कक्ष्याश्चतस्रः … विवेशास्थानमण्डपम् AhirbuS. 49.44; 57.48; नैर्ऋत्यामिषुविक्षेपमतीत्याभ्यधिकं भुवः।… मूत्रं पुरीषं च विसर्जयेत् ViṣṇuP. iii. 11.9; v. 37.75; अत्यतिष्ठदतीत्य भुवनं समधितिष्ठति S'vetāUBh. 166.2 (*on* 3.14); अतीत्य तमुद्देशमश्रौषम् … वाचं कुलटाविटयोः BṛKathāS'loSaṁ. 20.53; रोधसः पुलिनमब्जिनीं ततस्तामतीत्य भजते कुमुद्वतीम् …विहङ्गमः RāmC. 2.31; 6.8; लब्ध्वा वैरोचनाद्भूमिं पद्भ्यां द्वाभ्यामतीत्य यः BṛNāraP. 2.35; सूर्यमार्गादभिगता तारामार्गमतीत्य च … प्राप ब्रह्माण्डखर्परम् YogVā. iii. 53.8; संसारसागरमतीत्य हरिं व्रजामि AdhyāRā. vi. 10.61; विभीषणः … चतुर्भिरमात्यैः सममतीत्य वारिधिम् RāmāCam. 6.16 (4); यस्याचकास्ति नृकपालमतीत्य भालमाग्नेयमन्यदिव लोचनमुजिह्मानम् S'rīKaC. 5.27; मृत्युं मरुमिवातीत्य याति मुक्तिपुरीम् सुखम् PāṇḍaC. 5.467; अतीत्याङ्गणवेदीं तामभितां ममतामपि … तस्थतुः सुखितौ पुरः S'āliC. 6.132; मध्यमतीत्य दिक्षु रचयेद्द्वाराणि TantrSa. 2.26; पत्नीयजमानौ … ग्रामसीमामतीत्य एकरात्रं चेद्वसतस्तदा पुनराधानं प्रायश्चित्तं भवति VīraMi.(Saṁskāra.) 1011.15; अतीत्य देशः अतिदेशः MayūMāli. 526.25 (*on* vii. 1.1); बभ्राम यस्य लवणाब्धिमतीत्य कीर्तिः EI. viii. 210.14 = xii. 278.101; महीमतीत्य विमला यत्कीर्तिरम्बिं गता EI. xii. 154.56; **Aii** having exceeded, having transcended तस्मात् त्रीनतीत्यैषा संख्या S'ābaBh. 1092.10 (*on* iii. 7.27); यद्वाचां विषयमतीत्य … ब्रह्मयौ तदिह … तेजोभिर्ज्वलति महत्त्वमप्रमेयम् MahāvīC. 4.15; नामाद्याशान्तमतीत्य वदनशीलो भवति ChāndoUBh. 452.13 (*on* vii. 15.4); अन्तमतीत्य वर्तते इति अत्यन्तम् GītāBh. (S'aṅ.) 200.10 (*on* 6.28); अपि बुद्धिगोचरमतीत्य संस्थितः … निरूप्यसे HarVi. 6.59; ईशानतीत्य शान्तान्तं तत्त्वं सादाशिवं स्मृतम् MṛgendraT. i. 13.163; Bhām. 200.11 (*on* i. 3.8); (मूर्तिर्मे) अस्पृष्टा च सदा षड्भिः सप्तातीत्य व्यवस्थिता BhaviP. 230A.22 (i. 154.22); सत्त्वादीन् गुणान् …अतीत्य…ब्रह्मभूयाय ब्रह्मत्वाय कल्पते GītāBh.(Rā.) 596.24 (*on* 14.26); एतद्द्वितयमतीत्यानन्दमयमवस्थितम् तत्त्वम् YogS'ā. 12.49; नेत्रं सद्योऽतीत्य सीमानमेतद् वाणी नैवं वक्ति वाच्यं जनेषु GopāKeCan. 97.14; अतीन्द्रियग्राह्यः इन्द्रियमतीत्य वर्तमानेन शास्त्रेणैव ग्राह्यः S'rutaPra. ii. 208.28 (*on* ii. 1.1); अतीत्य कृच्छ्रात् समुदायशोभां प्रत्यङ्गसौन्दर्यपरा दिदृक्षा। पर्यभ्रमत् Yādavā. 12.66; ये तु … महत्तत्त्वपर्यन्तावरणान्यतीत्य प्रकृत्यावरणं गताः YogSā. 19.16 (1); दध्यवस्थामसंप्राप्य दुग्धावस्थामतीत्य च … मन्दं तच्च BhojanKu. 136.4; यस्येयत्तामतीत्य प्रभवति महिमा कोऽपि MahāN. 1.1; **Bi** having surpassed, having excelled ह्रिया तथा सर्वभूतान्यतीत्य यशश्च तेजश्च तवापि दीप्तम् MahāBhā. iii. 26.16; वपुश्च दीप्तं पुरुषानतीत्य BuddhaC. 10.3; Saund. 4.6; नृपः अतीत्य सर्वभूतानि बभौ भानुपराक्रमः MārkP. 69.4; लोकानतीत्य लालित्याल्ललिता तेन चोच्यते MatsyaP. 60.11; कथमतीत्य हरिणं हरयो वर्तन्ते S'āk. 1.8 (1); सा चमूरतीत्य भूयांसि पुराण्यवर्तत S'iśuVa. 12.65 (comm. शोभयातिशय्य स्थितेति गम्यते); तावतीत्य तपस्तेऽद्य वर्तते निस्पृहस्य वै PāraS. 10.235; अतीत्य भूतानि तिष्ठतीत्यतिष्ठाः BṛĀraUBh. 219.16 (*on* ii. 1.2); अतीत्य सर्वानन्यान्वदितुं शीलमस्येत्यतिवादी MuṇḍaUBh. 346.16 (*on* iii. 1.4); अतीत्येन्द्रं स्थितो ज्ञानैश्वर्यादिभिः … इति अतीन्द्रः ViṣṇuSaBh. 57.20 (*on* 30); इतश्च निद्रानिभृतां कुमुद्वतीमतीत्य रक्ताम्बुजिनी विराजते RāmC. 4.12; दैवतान्यतीत्य वर्तन्ते तथा … दैवतान्यपि तैस्तैर्गुणैरतीत्य वर्तमान जगत्पते GītāBh.(Rā.) 516.3 (*on* 10.15); **Bii** having set aside, disregarding, overlooking अतीत्य ता (स्त्रियः) महाबाहुः क्रोशन्तीः कुररीरिव। ववन्दे पितरं ज्येष्ठं धर्मराजो युधिष्ठिरः MahāBhā. xi. 11.10; अतीत्य तस्य संदेशं विनाशो गमने भवेत् Rāmā. iv. 64.31; vii. 26.25; विशेषतः पूजयति कौसल्यामप्यतीत्य माम् Rāmā. ii. 140*(2); अतीत्य

बन्धूनवलङ्घ्य मित्राण्याचार्यमागच्छति शिष्यदोष: PañcRā. 1.19; स्रोतोवहां पथि निकामजलामतीत्य जात: सखे प्रणयवान् मृगतृष्णिकायाम् S'āk. 6.17; ततो मामतीत्य सा त्वया प्रशस्ता Ubhayābhi. 2.8; दारुभित्तिभुवोऽतीत्य किमन्यत्सद्म कल्प्यते Kāvyālaṅ.(Bh.) 6.10; ब्रह्म उ नात्येति नातीत्य तदात्मकतां तदन्यत्वं गच्छति कश्चन KāṭhUBh. 155.13 (*on* 4.9); ब्रह्मक्षत्रादिरूपाणि यतोऽतीत्यासृजत्प्रभु: BṛĀraUBhVā. i. 4.1615; iii. 9.99; स्थाविरोऽपि शिष्यसङ्घमतीत्य ··· शङ्कराचार्यमिदमाह S'aṅkaVi.(Ā.) 228.11; धर्मकार्यपुत्रलाभयो: सिद्धिर्यया सह न सम्भवति तामतीत्य भार्यान्तरं विन्देदिति SmṛtiCan. iv. 573.9; जातीमतीत्य तगरं विगणय्य भृङ्गैरङ्गीकृतं वदनसौरभमेव तस्या: Surath. 7.53; स्वार्थसम्प्रतिपत्त्यर्थं पुरुषस्येन्द्रियाणि हि l तमप्यतीत्य वर्तन्ते SūktiRa. 196.6; राज्ञोऽतीत्य बहून्मही ध्रुवमापज्जयापीडमेनम् RājTa.(Jo.) 417; **B iii** having overcome, got over or subdued, leaving behind एषा प्रवासं कथमप्यतीत्य याता पुन: संशयमन्यथैव MālaMā. 10.91; तत् धावत: द्रुतं गच्छत: अन्यान् आत्मविलक्षणान् मनोवागिन्द्रियप्रभृतीन् अत्येति अतीत्य गच्छतीव ĪśopBh. 10.14 (*on* 4); शोकमतीत्य गच्छतीति शोकातिग: सन् KāṭhUBh. 109.6 (*on* 1.12); अतीत्यायं संव्यवहारविषयमन्नान्नादादिलक्षणमविद्याकृतं विद्यया ब्रह्मत्वमापन्न: विद्वान् TaiUBh. 298.18 (*on* 3.10); स्वाभाविकं ज्ञानं कर्म च अभिभूय अतीत्य ··· अत्येष्यन्ति BṛĀraUBh. 45.19 (*on* i. 3.2); प्राण: ··· मृत्युमतीत्य अवहत् प्रापयत् BṛĀraUBh. 56.10 (*on* i. 3.11); सर्वाणि ··· दु:खान्यतीत्य गच्छतीति सर्वदु:खातिग: ViṣṇuSaBh. 5.4 (*on* 6); अतीत्य दु:खहेतून्याहन्ति दु:खान्यशेषत: BṛĀraUBhVā. ii. 1.350; मधुलिहामसुखायत संहतिर्वृतिमतीतिमतीत्य कृतस्थिति: HarVi. 3.6; इमां देवीं स्तुवन्नित्यम् ··· । क्लेशानतीत्य सकलानैश्वर्यं महदश्नुते LakṣmīT. 9.48; 17.100; Hitopa. 1.15; दोषज्ञानादतीत्यैतां (अविद्यां) विद्ययामृतमश्नुते AnuVyā. 33B.11 (*on* ii. 2.12); अविद्यां तत्कार्यं दु:खादिकं चातीत्य तीर्त्वा NyāySu.(Ja.) 429A.4 (*on* ii. 2.12); अतीत्य हि गुणान् सर्वान् स्वभावो मूर्ध्नि तिष्ठति Subhāṣi. 2713; जातो विघ्नगणानतीत्य कृषिनामद्याहमग्रेसर: PārvPa. 5.6; **B iv** having transgressed or gone beyond (the limit) संधां संहितामतीत्य नमुचेरासुरस्य शिर: प्राच्छैत्सीत् JaimiBr. 2.134; सोऽतीत्य तेजसां वृत्तिम् RaghuVa. 17.34; आत्मसंमितमन्नपरिमाणमतीत्याश्नत: ··· न योग: अस्ति GītāBh.(S'aṅ.) 194.1 (*on* 6.16); मातीत्य प्रश्नविषयं गार्गि प्राक्षी: कथंचन BṛĀraUBhVā. iii. 6.22; **C** having spent or passed (time) संवत्सरं हि व्रतं नातीत्यैतस्मिंस्त्वेवैतत् संवत्सरेऽधीयीत BaudhGS. iii. 2.39; अतीत्यैकादशाहं तु नामकर्म तथाकरोत् Rāmā. i. 17.11; वयश्च कौमारमतीत्य सम्यक् ··· जग्राह विद्या: BuddhaC. 2.24; मुक्तो यथा बन्धनाद् मुक्त्वा वेश्मसुखान्यतीत्य समयं भूयो विशेद्बन्धनम् Saund. 11.60; अतीत्योन्मीलनादिन्दोर्दृक्सिद्धिर्गणितागतात् SūrySi. 1.63; अतीत्य गणितानीतं यदा स्यातामुपप्लुती LaBhāsk. 1.30; अष्टाशीतिमब्दानतीत्य निष्ठिते महापद्मे ··· चाणक्येन मौर्यचन्द्रगुप्त: प्रतिष्ठापित: AvantiKa. 183.17; द्वित्राणि दिनान्यतीत्य मत्तकाशिनीं तामवादिषम् DaśKuC. 83.13; तस्माद्रात्रिमतीत्य या समाप्ति: सा फलेन संबध्यते TantrVā. 117.8 (*on* iii. 6.43); रामोऽपि रजनीमेकामतीत्य तमसातटे RāmāMañ. 73.6; तत: स राजा विमना निर्गत्यातीत्य वासरम् ··· देव्या वासगृहं ययौ KathāSaSāg. vii. 8.67; पूर्वोक्तानां दातॄणामभावे ऋतुत्रयमतीत्यैव स्वयं कुर्यात् (कन्या) DīpKa. 10.5 (1.64); अतीत्य बाल्यं जगतां पते त्वमुपेत्य पौगण्डवयो मनोज्ञम् Nārāy. x. 53.1; अथ चेत्पञ्चमीं रात्रिमतीत्य पतेत्तर्हि परतो भवेत् VīraMi.(S'uddhi.) 77.20; एकं दिनमतीत्य द्वितीये सायं भुञ्जानश्चतुर्थकालिक: । एवं त्रीण्यतीत्य चतुर्थे सायं भुञ्जानोऽष्टमकालिक: BālamBha. iii. 92.1 (*on* 3.50); **D** having finished or concluded अतीत्यैतान्यवस्यन्ति प्लुतादिप्रभृतीनि च ṚPrāti. 10.4; 10.12; अतीत्य तेषां पदतां प्रदर्शयेत् ṚPrāti. 11.14; अतीत्य निष्क्रमणम् KātyS'S. i. 8.25 (comm. तत्रातीत्य तत्कर्मातिक्रम्य समाप्य); मन्त्रस्य तु ··· स्वार्थमतीत्य मुख्यं युक्तो हि गौणार्थनिमित्तभाव: TantrVā. 770.21 (*on* iii. 2.3); तदतीत्य व्यवहितेन संबन्ध: BrahmSūBh.(Bhā.) 207.10 (*on* iii. 4.25); पादपांसुकृतपुत्तलिहोमान्मारयेत्परमतीत्य तु विप्रम् ĪśānS'iPa. i. 9.147; अतीत्य मैथिलं युद्धम् ··· स पूर्तं चक्रे महासर: DvyāśraKā. 15.114; **E** having caused to cross अज्ञानपापादीनतीत्य ··· विष्णु: स्वभक्तानतिवहति KarmaNi. 6B.9.

अतीत्वरी (atī́tvarī) *adj.* (*f.*) unchaste (woman) इ॒द्वा॒व॒त्स॒रा॒या॒तीत्व॑रीम् VājaS. 30.15; इ॒द्व॒त्स॒रा॒या॒तीत्व॑रीम् (आलभते) TaiBr. III. iv. 11.1.

अतीदम् (atīdam) *adj.* surpassing this (a lamp) दीपा इमे रव्युदये न राजन्त्यतीदमो हव्यभुजोऽपि नामी DvyāśraKā. 2.31.

अतीदेश (atīdeśa) *m.* transference (of a future) किदतीदेशात् Vār. *on* P. i. 2.18; cf. **अतिदेश.**

अतीद्धवर्णना (atīddha-varṇanā) *f.* very exciting description अधिंविद्यमतीद्धवर्णनागुणमुग्धेषु गणेषु नाकिनाम् । ख(स)मसूच्यत चित्रलेखया RāmC. 13.12.

अतीनानस् (atīnānas) *adj.* who has surpassed the master's chariot अतीनाना नाना न नूनना । स: ··· ऐरिरत् HarVi. 43.3 (comm. इनस्य प्रभो: अनो रथमतिक्रान्त:)

अतीन्दिरा (atīndirā) *adj.* (*f.*) superior to Lakṣmī (सीताया:) क: स्तोतुमहो महत्या वपुश्रिय: स्फीतिमतीन्दिराया: Rāgh. 9.15.

अतीन्दुसार (atīndusāra) *adj.* which has excelled the lustre of the moon अतीन्दुसारैर्मणिभि: किलाहमपूजयं दैवतमस्मदीयम् PratāYaBhū. 152.4 (comm. अत्युज्ज्वलै:)

अतीन्द्र (atīndra) *adj.* superior to Indra, surpassing Indra युवयोरिदमेव भिद्यते यदुपेन्द्रस्त्वमतीन्द्र एव स: S'iśuVa. 16.70 (comm. इन्द्रविजयीति यावत्); अतीन्द्रमपि माहात्म्यं राज्ञस्तस्याधितिष्ठत: । अयमन्योऽपि दोषोऽभूत् RājTa.(Ka.) 4.322; अतीन्द्रमतिकिंनराधिपमशेषलोकोन्नतं न किं किमधितिष्ठति त्रिभुवने स सर्वाधिक: PratāYaBhū. 421.11; *m.* **i** a name of Viṣṇu अतीन्द्र: (केशवस्य ··· नाम्नां सहस्रम्) MahāBhā. xiii. 135.30; PañcaRā.(Nā.) iv. 3.97; अतीत्य इन्द्रं स्थित: ज्ञानैश्वर्यादिभि: स्वभावसिद्धैरिति अतीन्द्र: ViṣṇuSaBh. 57.20 (*on* 30); **ii** name of a Vidyādhara king विद्याभृतां पतिस्तस्मिन्नतीन्द्रो नाम विश्रुत: PadmP.(Ra.) 6.3; **iii** one of the thousand names of a Jina अतीन्द्रोऽतीन्द्रिय: MahāP. 25.148.

अतीन्द्रपात्र (atīndra-pātra) *adj.* having a hero superior to Indra कुर्वन् कवीन्द्र: कवितामतीन्द्रपात्रं कथामात्रमुपाददीत VasaViKā. 1.41.

अतीन्द्रपुर (atīndrapura) *adj.* which surpasses the capital of Indra इतश्च लाटभूपालभुक्तौ ···।··· आस्तेऽतीन्द्रपुरं पुरम् VasaViKā. 4.17.

अतीन्द्रमन्त्रिन् (atīndramantrin) *adj.* excelling or surpassing Indra's minister (Bṛhaspati) आगतेषु च मन्त्रेणातीन्द्रमन्त्रिषु मन्त्रिषु TriṣaS'aPuC. ii. 3.166.

अतीन्द्रावरुण (atīndrāvaruṇa) *adj.* who surpasses Indra and Varuṇa स्वसादुहित्रो: क्षपकं पितापुत्रयोश्च नामुं (गजम्) शुकपिच्छपुच्छम् । जिघृक्षतो दक्षिणयापि होतापुत्रावतीन्द्रावरुण: किमु त्वम् DvyāśraKā. 6.33.

अतीन्द्रिय (atīndriya) *adj.* [*f.* –ā] **A** beyond (the range of) the sense-organs, not cognizable by the senses, not perceptible by the senses, supersensuous यदतीन्द्रियम् ··· परं ज्योति: VaikhāDS. i. 9.15; प्राप्तं ज्ञानम् ···। दृष्टिश्चातीन्द्रिया MahāBhā. vi. 16.8; सुखमात्यन्तिकं यत्तद् बुद्धिग्राह्यमतीन्द्रियम् MahāBhā. vi. 28.21; सूक्ष्मं ह्येतदतीन्द्रियम् MahāBhā. xiii. 1.8; अतीन्द्रियं पुनर्मन: सत्त्वसंज्ञकम् CaraS. i. 8.4; तद्वदतीन्द्रियाणां पुन: सत्त्वादीनाम् CaraS. iii. 5.7; अर्थादिविहितं ज्ञानमिन्द्रियाणामतीन्द्रियम् BhelaS. 104.19 (5.7); नमस्ते देव देवेश ··· अतीन्द्रिय ViṣṇuSm. 1.51; 97.2; सामान्यतस्तु दृष्टादतीन्द्रियाणां प्रतीतिरनुमानात् SāṁkhyaKā. 6; अतीन्द्रियाणामिन्द्रियाण्यतीत्य वर्तमानानां सिद्धि: SāṁkhyaKāBh. 5.17 (*on* 6); अत्र प्रधानपुरुषावतीन्द्रियौ तयो: सामान्यतोदृष्टादनुमानात्सिद्धि: MāṭhVṛ. 14.5 (*on* 6); अतीन्द्रियमिन्द्रियं भ्रान्तानामधिष्ठानम् SāṁkhyaPraSū. 2.23; अतीन्द्रियेष्वप्युपपन्नदर्शनो बभूव भावेषु (रघु:) RaghuVa. 3.41; गुरुत्वधर्माधर्मभावना ह्यतीन्द्रिया: PadārthaSaṁ. 98.4; अत एवातीन्द्रिय: सत्तादीनामिव प्रत्यक्षेषु वृत्त्यभावात् स्वात्मगतसंवेदनभावाच्च PadārthaSaṁ. 329.2; (सान्दीपनि:) सोऽप्यतीन्द्रियमालोक्य तयो: कर्म ViṣṇuP. v. 21.25; तत: परमनिर्वाणमतीन्द्रियमगोचरम् ।··· समश्नुते MārkP. 43.46; अतीन्द्रिय: । ब्रह्मा नारायणाख्य: स सुष्वाप सलिले तदा VāyuP. i. 6.3; i. 14.9; योऽतीन्द्रिय: परो व्यक्तादणुर्ज्यायान् सनातन: MatsyaP. 2.27; 23.3; 52.20; BrahmāṇḍP. i. 5.3; i. 5.140; यदस्य दर्शनात्तेऽद्य जातं ज्ञानमतीन्द्रियम् BrahmāṇḍP. ii. 35.6; ii. 22.80; बृहद्द्वारोपरिस्थं च संविदक्षादतीन्द्रियम् PauṣkS. 9.138; अस्तीति परमं वस्तु निरालम्बमतीन्द्रियम् JayāS. 5.29; 16.277; रूपादीनामन्वयदर्शनात् प्रकृतिविकारयो: पृथिव्यादीनां नित्यानामतीन्द्रियाणां कारणभावोऽनुमीयते NyāyBh. 246.10 (*on* iv. 1.11); यां सूक्ष्मां नित्यामतीन्द्रियां वाचमृषय: ···पश्यन्ति VākyaP. 24.2 (*on* 1.5); अतीन्द्रियानसंवेद्यान् पश्यन्ति ··· ये भावान् VākyaP. 1.38; शास्त्राधिकारेऽसंबद्धा बहवोऽर्था अतीन्द्रिया: PramāVār. 1.202 [text as in PramāVāSvopVṛ. *on* 1.202]; सोऽतीन्द्रियमर्थं दर्शयन् कथं न प्रतिपत्तेर्भेदक: PramāVāSvopVṛ. 48.5; तस्मादकर्तृको वेद: प्रमाणं स्यादतीन्द्रियै: PadmP.(Ra.) 11.167; अतीन्द्रियं तु मन: KāśyaS. 67A.33; AṣṭāSaṁ. i. 222.19 (2.5); ते (परमाणव:) चातीन्द्रिया: BrahmSi. 70.18; वासुदेवात् ···। अतीन्द्रियात् PāraS. 7.479; रूपादिविषयव्यतिरिक्तान्यच्छान्यतीन्द्रियाणि स्वविज्ञानानुमेयानीन्द्रियाणि Sphuṭā. i. 27.14 (*on* 1.9); अतीन्द्रियं तु तं योगं नैव कश्चिद्व्यवस्यति TattvSaṁ. 2382; न चातीन्द्रियानर्थान् श्रुतिमन्तरेण कश्चिदुपलभत इति शक्यं संभावयितुम् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 284.9 (*on* ii. 1.1); अतीन्द्रिया कस्यचिच्छक्तिराविर्भवति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 758.4 (*on* iii. 4.51); किमु वक्तव्यमतीन्द्रियमात्मतत्त्वम् KenUBh. 42.11 (*on* 2.1); अतीन्द्रियम् ··· पुरुषाख्यम् ···वक्तव्यम् PraśnaUBh. 268.10 (*on* 4.1); TaiUBh. 279.15 (*on* 2.9); अतीन्द्रियम् इन्द्रियगोचरातीतम् अविषयजनितमित्यर्थ: GītāBh.(S'aṅ.) 196.17 (*on* 6.21); अतीन्द्रियं हि सुखं सर्वोत्तमं स्यात्

S'atS'lo. 67; एतेनातीन्द्रिये भावकार्यकारणतागते: NyāyVi. 2. 179; शब्द: स्वयम्भुः सर्व(त्र) कार्याकार्येष्वतीन्द्रिये PramāSaṁ. 3. 61; अतीन्द्रियेऽपि किंचिद्धि सत्यं दृष्टं यदृच्छया S'lokaVār. 2. 178 (99. 6); 6. 43 (741. 4); ततश्च पौरुषेयत्वादप्रामाण्यमतीन्द्रिये TantrVā. 169. 17 (*on* i. 3. 10); 727. 13 (*on* iii. 1. 14); परोक्षो ह्यर्थोऽतीन्द्रिय उच्यते Nyās. i. 638. 24 (*on* iii. 2. 111); अतीन्द्रियं प्रार्थितमर्थवेदिभिस्तदेतदुक्तं परमार्थनामकम् KalyāKā. 2. 3; BrahmSūBh.(Bhā.) 117. 20 (*on* ii. 2. 18); न काचिदतीन्द्रिया शक्तिरस्मन्मते NyāyMañ. i. 63. 1; अतीन्द्रियो लिङ्गाद्यर्थः BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 625; 862; अमूर्तत्वादमर्त्यं तद्वद्वापि त्वदतीन्द्रियम् BṛĀraUBhVā. ii. 3. 31; रसस्यातीन्द्रियस्यास्य त्वानन्दत्वं कुतो न्विति TaiUBhāVā. 126. 10 (2); तत्रातीन्द्रियोऽयमनन्तो दुष्पार इति मन्वाना अवसीदेयुः ManuBh. i. 48. 16 (*on* 1. 111); दिव्यं ज्ञानमतीन्द्रियेऽपि विषये व्याहन्यते न क्वचित् NaiṣkSi. 205. 2; अतीन्द्रियाय महसे ··· नमो नमः SāraTi. 20. 150; विधानां स्फुरितं प्रीत्यै स्त्रीणां लावण्यवद्वहिः । अन्तर्भवतु वा मा वा किं विचारैरतीन्द्रियैः YaśasCam. i. 481. 8; ii. 323. 1; NyāyKa. 41. 14; 275. 18; ज्योतिषामयनं साक्षाद्यत्तज्ज्ञानमतीन्द्रियम् । प्रणीतं भवता BhāgP. x. 8. 5; सहस्रशीर्षा पुरुषो रुक्मवर्णो ह्यतीन्द्रियः KūrmaP. 54. 7 (1. 6); अतीन्द्रियम्···पदं ते SkandP. iii(3). 14. 50; i(2). 21. 124; vii(1). 290. 30; जय योगिन्नतीन्द्रिय VāmaP. 30. 23; रक्षःप्रेतपिशाचानां यक्षाणामपि दर्शनात् । अतीन्द्रियाणामन्येषां नवमे मरणं ध्रुवम् ViṣṇuDhaP. iii. 238. 8; अतीन्द्रियं स्तौमि जनार्दनम् VarāP. 55. 33; भानुवर्णमतीन्द्रियम् । दामोदर प्रपन्नोऽस्मि NaraP. 7. 65; 59. 9; का पुनरियं शक्तिः । नेयमतीन्द्रिया Kāśi. iii. 161. 15 (*on* 5 (7). 3); यदिदम् ··· अतीन्द्रियाणां ग्रहणम् TattvVai. 30. 23 (*on* 1. 25); तदिदममीषामतीन्द्रियं रूपम् NyāyKuA. i. 26. 6; ii. 86. 7; कार्यान्तरमेवातीन्द्रियं सर्वबीजाव्यभिचारि भविष्यतीति चेत् ĀtmaTaVi. 108. 14; 645. 9; अतीन्द्रियस्य सामर्थ्यस्य नैयायिकैरनभ्युपेतत्वात् TātpaṬ.(Vā.) 37. 7 (*on* i. 1. 1); 110. 2 (*on* i. 1. 3); 180. 24 (*on* i. 1. 5); एष धर्मोत्तरो भगवत्पूजापुण्ययोः साध्यसाधनभावमतीन्द्रियम् ··· आगमादवगम्य DharmoPra. 1. 18; अयं खल्वात्मा ··· अतीन्द्रियो भूतः सन् TattvPradī.(A.) 26. 4 (*on* 1. 19); न च देशान्तरप्राप्त्यातीन्द्रियस्यापि कर्मणोऽनुमानं संभवति NyāyRa. 391. 8 (*on* 5(4). 139; 741. 23 (*on* 6. 43); नूनमस्त्यतीन्द्रियमपि रूपम् S'āstrDī. 80. 6 (*on* i. 1. 5); अतीन्द्रिये वस्तुनि संबन्धावधारणविरहान्न विशेषतो दृष्टम् S'rīBh. 137. 11 (*on* i. 1. 3); 415. 14 (*on* ii. 1. 12); रूपं वातीन्द्रियमन्तःकरणप्रत्यक्षनिर्देशात् VedāntSā.(Ra.) 43. 4 (*on* i. 1. 21); शरीरसंयुक्तमपरोक्षप्रतीतिसाधनमतीन्द्रियमिन्द्रियम् Lakṣaṇā. 3. 14; कार्यत्वस्य विपक्षवृत्तिहतये संभाव्यतेऽतीन्द्रियः । कर्ता TarkBhā.(Mo.) 23. 1; कस्मात्त ईदृशं ज्ञानं वर्ततेऽतीन्द्रियं शुक PadmP. ii. 122. 4; नमामि रुद्रमतीन्द्रियम् SaurP. 47. 69; सोऽप्यतीन्द्रियमालोक्य तयोः कर्म···अयाचत मृतं पुत्रम् BrahmP. 194. 24; 242. 10; हेमगर्भाण्डजो ब्रह्मा ··· अतीन्द्रियः LiṅgaP. i. 20. 9; i. 8. 106; वदन्त्यगोचरं वाचां बुद्ध्यादीनामतीन्द्रियम् । त्वां वेदवेदिनः AdbyāRā. i. 3. 2; v. 1. 58; तानि चातीन्द्रियाणीति नासिकाद्यन्वयव्यतिरेकानुविधायिगन्धाद्यनुभवबलेन कल्प्यानि (इन्द्रियाणि) Aparā. 981. 6 (*on* 3. 90); अतीन्द्रियमिन्द्रियम् SaptaPa. 125 (36); दिव्यं ज्ञानमतीन्द्रियं यदृषिभिः ··· अवनीं नीतम् Golā. 199. 33 (23. 9); जायते देहिनां सौख्यं स्वसंवेद्यमतीन्द्रियम् TriṣaS'aPuC. ii. 3. 803; अन्यथा···°देवतादीनामतीन्द्रियाणामत्यन्ताभावः स्यात् SāṁkhyaTaPra. 155. 6; अतीन्द्रियेऽर्थेऽन्धपरम्परा स्यात् । न च वाच्यवाचकभावोऽतीन्द्रियः NyāySu.(So.) 1137. 10 (*on* iii. 2. 24); शङ्कितदोषानुमानस्य ··· अतीन्द्रिये स्वातन्त्र्येण प्रमाणत्वायोगात् PrakaVi. 38. 11; अतीन्द्रियं साक्षात्प्रतीतिसाधनमिन्द्रियम् TarkSaṁ.(Ā.) 34. 1; शक्तिश्चातीन्द्रियं रूपं यदर्थमुपकल्प्यते NyāyKu. 173. 9; अतीन्द्रियं लिङ्गिनं प्रति लिङ्गस्योपादानत्वप्रसङ्गात् S'rutaPra. ii. 172. 22 (*on* i. 4. 28); अतीन्द्रियस्य रसस्य ज्ञापकाः शरीरधर्मा भवितुमर्हन्ति RasTa. 53. 3; ज्ञानादतीन्द्रियात्सोऽपि ज्ञात्वा भावं महीपतेः···उवाच PārśvC. 2. 702; असन्निहितस्यापि पादधावनादेरुपचारस्य प्रतीतावतीन्द्रियेषु पितृषु तत्संपादनमशक्यमेव CaturCin. iii(1). 67. 21–22; सुखमात्यन्तिकं यत्र बुद्धिग्राह्यमतीन्द्रियम् SyādvāMañ. 8 (280); 20 (24); आत्मा गुहायां निहितो जन्तोर्जयत्यतीन्द्रियः NāraS'i. 1(0). 1; अतीन्द्रियस्यापि कालस्य ग्रहणात् TarkBhā.(Ke.) 32. 3; 58. 11; 77. 2; अतीन्द्रियानसंवेद्यान् पश्यन्त्यार्षेण चक्षुषा ।··· भावान् PadMañ. *on* Kāśi-Vṛ. *on* P. vi. 3. 109; देवतादेशेनातीन्द्रियं भावं विज्ञपयन् PrabaCin. 122. 1; क्वचिदपि न भवेदन्यथातीन्द्रियेषु TattvMu. 4. 127; अतीन्द्रिये प्रत्यक्षबाधायोगात् S'atDū. 51. 2; 93. 5; अनुमानाप्रामाण्यवादिभिरतीन्द्रियस्य शङ्कितुमशक्यत्वात् NyāyPari. 133. 5; 238. 11; अतीन्द्रियं शक्त्यतिरिक्तमद्रव्यं सत्त्वम् NyāySiA. 247. 3; नो चेत्कथं वेदितुमीश्वरोऽयमतीन्द्रियं दैवतमिष्टदं नः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 10. 101; ततः परममाकाशमतीन्द्रियमगोचरम् S'ārṅgaPa. 4597; स तद्वांतीन्द्रियाश्रितोऽतीन्द्रियः NyāySu.(Ja.) 24A. 4 (*on* i. 1. 1); 274A. 12 (*on* ii. 1. 2); 466B. 6 (*on* iii. 2. 1); अलौकिकोऽतीन्द्रियः TattvPrakā. 107B. 8 (*on* ii. 3. 3); मूर्तत्वे सति निरवयवः परमाणुः । स चातीन्द्रिय एव TarkKau. 3. 1; श्रुतिनिर्णीतेऽतीन्द्रियेऽर्थे VedāntKau. 214. 17 (*on* ii. 3. 5); अतीन्द्रियाणां सूर्यादिगतीनामनुमानम् Upask. 45. 3 (*on* i. 1. 30); 67. 12 (*on* ii. 1. 1); समवायस्तु वैशेषिकसमयेऽतीन्द्रिय एव SarvaDaKau. 39. 27; 18. 17; अन्यथातीन्द्रियप्रतियोगिकत्वेन पिशाचात्यन्ताभावस्येव तत्तत्सामान्याभावस्याप्रत्यक्षतापत्तिः PadārthTaNi. 23. 3; 25. 1; किंचिदतीन्द्रियं शक्तिसामर्थ्यादिपदवाच्यमभिधेयम् TantrRaha. 20. 3; अतीन्द्रियं ज्ञानकरणमिन्द्रियं साध्यत इति SāṁkhyaPraBh. 50. 23 (*on* 1. 103); अतीन्द्रिया विभूनां तु ये स्युर्वैशेषिका गुणाः BhāṣāPa. 94; अत एवातीन्द्रिये घटत्वाद्यभावो न प्रत्यक्षः BhedaDhi. 28. 4; अव्यक्तमतीन्द्रियं प्रधानम् S'ivārkaMaDī. i. 513. 23 (*on* i. 4. 2); इन्द्रियाणां चातीन्द्रियाणां सत्त्वेऽज्ञातसत्त्वस्य वाच्यत्वात् SiddhāLeSaṁ. 299. 1; इन्द्रियाणां चातीन्द्रियमपि ईश्वरापरोक्षम् GuruCandr. i. 51 5; i. 78. 8; कारणत्वस्य व्याप्तिरूपतयातीन्द्रियस्य ··· दौर्बल्यात् BhāṭṭDī. iii. 20. 13–14 (*on* viii. 2. 3); प्रत्यक्षद्रव्ये प्रत्यक्षमेव प्रमाणम् । अतीन्द्रियेऽनुमानम् Tarkāmṛ. 4. 16; 9. 12; 14. 4; धर्मः···सूक्ष्मोऽतीन्द्रियः VīraMi.(Tīrtha.) 234. 18; अतीन्द्रियार्थविषयं चक्षुराद्यनुमानं सामान्यतोदृष्टम् MānaMe. 61. 4; अन्यथातीन्द्रियस्याफलस्य ··· यागे कार्यत्वान्वयबोधं विनानुपपत्तेः BhāṭṭCin. i. 67. 6 (*on* i. 1. 4); अतीन्द्रियं शक्त्याद्यतिरिक्तमद्रव्यं सत्त्वम् YatīndraDī. 90. 4; अतीन्द्रियस्याप्यर्थस्य बुद्धिग्राह्यत्वप्रसङ्गात् YogVār. *on* 1. 4; अतीन्द्रियं चेन्द्रियात्मानिर्देश्यम् सर्वदैवतम् TantrRā. 36. 26; AmaK. 2182; Vaija. 212. 133; S'abdaRa.(Vā.) 3322; KośaKaTa. 1. 1222; KalpaK. 229. 138; **B** endowed with supersensory power (a sense organ, a person etc.) क्षणेनातीन्द्रियाण्येषां चक्षूंष्यासन् युधिष्ठिर MahāBhā. iii. 273. 14; यथैतद्भौतिकं नाम निसर्गबहुविस्तरम् । अतीन्द्रियैर्महाभागैः सिद्धैरपि न लक्ष्यते VāyuP. i. 49. 166; BrahmāṇḍP. i. 19. 174; वीराणां रणमति(ती)न्द्रियेण चक्षुषाद्राक्षुरमरपङ्क्तयः TilaMañ. 89. 22; तेन दृष्टा भक्तोत्तमाः श्रीपुरुषोत्तमस्य । अतीन्द्रिया निर्गतसर्वपापाः SkandP. ii(9). 4. 14; जीवेद्वर्षसहस्रं वै सर्वभावेष्वतीन्द्रियः (मृत्युहारिरसः) RasRaSa. 28. 97; **C** who is beyond or above the (control of) the sense (i. e. who has fully controlled his senses) माघे ··· पूजां जागरणं तथा । कुर्याद्योऽतीन्द्रियो मर्त्यो न स मर्त्ये पुनर्भवेत् SkandP vii(1). 179. 2; भोजनादिषु सर्वेषु दद्यादग्र्यमतीन्द्रियः ParaS. 23. 40; तत्र दीपप्रदानेन ज्ञानचक्षुरतीन्द्रियः ।···गोसुतम् ···योऽङ्कयित्वा मोचयति स याति परमं पदम् PadmP. v. 14. 204; *m.* **i** name of Viṣṇu अतीन्द्रियो महामायः (विष्णोर्नामसहस्रम्) MahāBhā. xiii. 135. 31; SkandP. v(1). 63. 142; PañcaRā.(Nā.) iv. 3. 14; **ii** name of S'iva अतीन्द्रियः ··· एवं नाम्नां सहस्रेण तुष्टाव वृषभध्वजम् LiṅgaP. i. 98. 67; SaurP. 41. 52; अतीन्द्रियमनाधारम्···त्वां प्रणमामोऽखिलेश्वरम् S'ivaP. ii(2). 15. 58 (86A. 6); iv. 35. 42 (391B. 14); **iii** epithet of Mahāvīra Jina त्वां जिनं स्तुवे ··· अतीन्द्रोऽतीन्द्रियो धीन्द्रः MahāP. 25. 148; *n.* mind इन्द्रियाण्यतिक्रान्तमतीन्द्रियं मन उच्यते ManuBh. i. 10. 17 (*on* 1. 7); इन्द्रियमतीत्य वर्तत इत्यतीन्द्रियं मनः ManvaMu. 6. 9 (*on* 1. 7)

अतीन्द्रियकरण (atīndriya–karaṇa) *n.* supersensory instrument छेदनादिक्रियाणामतीन्द्रियकरणकार्यत्वादर्शनात् NyāyMañ. i. 182. 25.

अतीन्द्रियकर्तृ (atīndriya–kartṛ) *m.* supersensory agent एतेन ··· सम्भाव्यते अतीन्द्रियकर्ता TattvCin. ii(2). 36. 2.

अतीन्द्रियकारकाधिकरणत्व (atīndriyakārakādhikaraṇa–tva) *n.* the state of having supersensory causal factor for location न कारकगुणज्ञानमिन्द्रियकारणकम्, अतीन्द्रियकारकाधिकरणत्वेन परोक्षत्वाद् गुणानाम् NyāyMañ. i. 149. 4.

अतीन्द्रियकार्य (atīndriya–kārya) *n.* **1** product of supersensory (cause) योऽप्यत्र कथञ्चिद्वेतुर्लभ्यते नातीन्द्रियकार्यं महाभूतादिव्यक्तम् ऐन्द्रियकत्वाद् घटवत् इति NyāyVār. 233. 17 (*on* ii. 1. 31); अतीन्द्रियकार्यस्यापि घ्यणुकवदुपलम्भः सम्भवति Vādā. 77. 1; **2** effect beyond sensory cognizance यथा चेदमसदर्थं तथा वैदिकमप्यतीन्द्रियकार्यार्थमसदर्थम् Kāśi. i. 69. 9 (*on* 2. 20); यत् खल्वतीन्द्रियकार्यकल्प्यमागन्तुकं रूपम् NyāyRa. 764. 12 (*on* 6. 133)

अतीन्द्रियकेवलज्ञान (atīndriya–kevalajñāna) *n.* supersensory perfect knowledge त्रिकालविषयवस्तुनिवेदनान्यथानुपपत्तेरतीन्द्रियकेवलज्ञानसिद्धिः PramāMī. 12. 14 (*on* i. 1. 16)

अतीन्द्रियगन्ध (atīndriya–gandha) *m.* smell beyond sensory perception घ्राणग्रहणवृत्तिगुणत्वावान्तरजातिमत्त्वं गन्धत्वम् । एवं रसादावपि वाच्यं तेन नातीन्द्रियगन्धाद्यनुपग्रहः Upask. 139. 12 (*on* iii. 1. 1)

अतीन्द्रियगुणत्व (atīndriyaguṇa–tva) *n.* the nature of being a quality which is beyond sensory perception अतीन्द्रियगुणत्वम् ··· लौकिकप्रत्यक्षाविषयगुणत्वसाक्षाद्व्याप्यजातिमत्त्वम् NyayK. 8.

अतीन्द्रियगुणपुरुष (atīndriyaguṇa–puruṣa) *m.* person having supersensory merit अज्ञस्य चातीन्द्रियगुणपुरुषविवेचनेऽसामर्थ्यात् वचनानां समीहितार्थसत्तामन्तरेणापि वृत्तिं पश्यतो भवितव्यमेवादृष्टव्यभिचारवचसामपि पुरुषाणां वाचि शङ्कया किं यथार्था नेति PramāVāSvopVṛ. 118. 15.

अतीन्द्रियगोचर (atīndriyagocara) *adj.* beyond (the objects) perceptible to the sense-organs त्वं वैद्यस्त्वं धृतात्मा च त्वमतीन्द्रियगोचरः BrahmP.

178.149; कालोऽतीन्द्रियगोचरः परम इत्येवं प्रतीतः सदा KalyāKā. 4.3; अनुभवश्चातीन्द्रियगोचरः प्रत्यक्षसूत्रे निराकृतः Kāśi. ii. 27.19 (*on* 5(2).1.4)

अतीन्द्रियगोचरत्व (atīndriyagocara-tva) *n.* the state of being beyond (the objects) perceptible to the sense-organs (ब्रह्म) अतो न शक्यमतीन्द्रियगोचरत्वात्केवलेन मनसावगाहितुम् PraśnaUBh. 283.11 (*on* 5.2)

अतीन्द्रियग्रहण (atīndriya-grahaṇa) *n.* grasping the supersensory यदिदमतीतानागतप्रत्युत्पन्नप्रत्येकसमुच्चयातीन्द्रियग्रहणमल्पं बह्विति सर्वज्ञबीजम् YogBh. 30.9 (*on* 1.25)

अतीन्द्रियग्राहिन् (atīndriya-grāhin) *adj.* cognizing (the objects) that are beyond sensory perception सामान्यातीन्द्रियग्राही सिद्धान्तोऽभ्युपगम्यते BhaviP. 78B.21 (i. 40.14)

अतीन्द्रियग्राह्य (atīndriya-grāhya) *adj.* **i** fit to be grasped by supersensory means योऽसावतीन्द्रियग्राह्यः (भगवान्) ManuSm. 1.7; इन्द्रियाणामतीतोऽतीन्द्रियम्। अव्ययीभावः। अतीन्द्रियग्राह्यः। सुप्सुपेति समासः। इन्द्रियाण्यतिक्रम्य गृह्यते। न कस्यचिदिन्द्रियस्य गोचरः (भगवान्)। अथवेन्द्रियाण्यतिक्रान्तमतीन्द्रियं मन उच्यते ManuBh. i. 10.16 (*on* 1.7); **ii** to be grasped by other than sensory means योऽसावतीन्द्रियग्राह्यः प्रभासक्षेत्रसंस्थितः। सोमेश्वरः SkandP. vii(1). 38.4; अतीन्द्रियग्राह्यः – इन्द्रियमतीत्य वर्तमानेन शास्त्रेणैव ग्राह्यः S'rutaPra. ii. 208.27 (*on* ii. 1.1); **iii** beyond what is perceptible by the sense-organs अतीन्द्रियग्राह्यः … यद्वा इन्द्रियग्राह्यानतीत्य वर्तमानः S'rutaPra. 208.27 (*on* ii. 1.1)

अतीन्द्रियघटित (atīndriya-ghaṭita) *adj.* consisting of what is supersensory अतीन्द्रियघटितस्य व्याप्त्यादेः … चाक्षुषत्वम् GuruCandr. iii. 97.5; ii. 59.6.

अतीन्द्रियघटितत्व (atīndriyaghaṭita-tva) *n.* the state of being formed of what is supersensory तादृशवृत्तिमत्प्रतियोगिकाभावस्यातीन्द्रियघटितत्वात् LaCandr. 336.22.

अतीन्द्रियचक्षुरादि (atīndriya-cakṣurādi) *adj.* super-sensuous sense of sight and others इन्द्रियानुमाने सर्वदातीन्द्रियचक्षुराद्यनुमाने Bhāsk. i. 231.21 (*on* i. 5.8)

अतीन्द्रियचापल्य (atīndriyacāpalya) *n.* extreme unsteadiness of the sense-organs इन्द्रोऽतीन्द्रियचापल्यात् प्रवक्तुमुपचक्रमे BrahmVaiP. iii. 20.21.

अतीन्द्रियज्ञ (atīndriya-jña) *adj.* who knows super-sensuous (things) अतीन्द्रियज्ञैर्ग्रहपूर्वकाणां सदोदिता ये भगणाः स्वशास्त्रे SiddhāTaVi. 4.2; 22.5; 51.1; 115.12; 266.24; त्वां सर्वज्ञमतीन्द्रियज्ञमनुजव्याजेन मन्ये भुवि Golā. 247.8 (29.49)

अतीन्द्रियज्ञान (atīndriya-jñāna) *n.* super-sensory knowledge (ऋषयः) अतीन्द्रियज्ञानेन संयोक्ष्यमाणा आपद्यन्त SāmaraU. 246.18; अतीन्द्रियज्ञानमिदं तथार्जवं प्रादुस्तथा ज्ञानविशुद्धसत्त्वाः VāyuP. i. 16.22; सदैव मुक्तोऽहमचिन्त्यशक्तिमानतीन्द्रियज्ञानमविक्रियात्मकः AdhyāRā. vii. 5.44; (दिव्यकार्यम्) अतीन्द्रियज्ञानविकलतया स्वयमनात्वेदितम् … अल्पमपि न कृतस्तत्कपालानां सङ्ग्रहः TilaMañ. 51.18; केवलिनोऽतीन्द्रियज्ञानपरिणतत्वात्सर्वप्रत्यक्षं भवति TattvPradī. (A.) 29.4 (*on* 1.20); 31.3 (*on* 1.22); 234.3 (*on* 2.80); अनादिप्रवृत्तज्योतिषातीन्द्रियज्ञानप्रतारितेन भगवतेदमतिकष्टं व्रतमाचरितम् PraboCan. 3.8 (52.8); TātpaVr̥. 18.25 (*on* 1.15); आगमस्तु यद्यतीन्द्रियज्ञानपूर्वकस्तत्साधकः तदेतरेतराश्रयः PramāMī. 11.20 (i. 1.16); अतीन्द्रियज्ञानवर्जितोऽपि यः क्षोणीभर्तुर्व्यधित प्रबोधम् KumāGuṇo. 34.3; अतीन्द्रियज्ञानमयं नयनमिव … विभवति गुप्तचरचक्रं सचिवचक्रवर्तिनाम् HammīMaMa. 2.34(8); अतीन्द्रियज्ञानयुक्तानामागमनशक्तियुक्तानां श्राद्धदेशं च प्रत्यागतानां (पितॄणाम्) … तृप्तिर्भवतीत्युक्तम् CaturCin. iii(1). 19.9; यैरपि योगजधर्मस्य अतीन्द्रियज्ञानजनकत्वमभ्युपगम्यते JñānBiPra. 20.29; *adj.* [*f.* -ā] having supersensory knowledge व्यासः … प्रोवाचातीन्द्रियज्ञानः MahāBhā. i. 100.8; धन्यां चातीन्द्रियज्ञानाम् इमां प्राप्तां परां गतिम्। मन्येऽद्य माद्रीम् MahāBhā. ii. 70.19; देवलोऽतीन्द्रियज्ञानो वरं दातुं समाययौ PadmP. vi. 197.27; नमस्तेऽतीन्द्रियज्ञानसुखाय MahāP. 25.90.

अतीन्द्रियज्ञानकारण (atīndriyajñāna-kāraṇa) *n.* cause of supersensory knowledge अतीन्द्रियज्ञानकारणं योगजो धर्म इति न सिद्धम् NyāyKa. 198.2.

अतीन्द्रियज्ञाननिधि (atīndriyajñāna-nidhi) *m.* repository of super-sensory knowledge सः … अतीन्द्रियज्ञाननिधिः … समासदत् … पदं चक्रिणः S'iśuVa. 1.11.

अतीन्द्रियज्ञानवत् (atīndriyajñāna-va(n)t) *adj.* possessing supersensory knowledge मया यथा श्रुतं पूर्वं तत्पुराणं सुपुण्यदम्। अतीन्द्रियज्ञानवतो व्यासाच्चामिततेजसः GaṇeP. i. 9.33; i. 25.33.

अतीन्द्रियज्ञानविषय (atīndriyajñāna-viṣaya) *adj.* having super-sensory knowledge as object प्रत्यक्षं तु यद्यप्यैन्द्रियकं नातीन्द्रियज्ञानविषयम् PramāMī. 12.24 (*on* i. 1.16)

अतीन्द्रियज्ञानशेवधि (atīndriyajñāna-śevadhi) *adj.* who is a repository of super-sensory knowledge किं त्वर्थोऽतीन्द्रियज्ञानशेवधीनां भवादृशाम् PāṇḍaC. 18.20.

अतीन्द्रियज्ञानसिद्धि (atīndriyajñāna-siddhi) *f.* accomplishment of super-sensory knowledge तदेवम् … अतीन्द्रियज्ञानसिद्धिरुक्ता PramāMī. 14.7 (*on* i. 1.16)

अतीन्द्रियज्ञानातिशय (atīndriyajñānātiśaya) *m.* potency of the knowledge of whatever is beyond (the range of) the sense-organs अथ कुतश्चिदतिशयाद् बुद्धीन्द्रियादीनां स एव वेत्ति नापरः। तस्य कुतोऽयमतीन्द्रियज्ञानातिशयः PramāVāSvopVr̥. 111.7; अतीन्द्रियज्ञानातिशयासादनमपि मुनीनां तपोबलेनैवेत्यर्थः ManuBh. ii. 445.1 (*on* 11.235)

अतीन्द्रियज्ञानोत्पत्ति (atīndriyajñānotpatti) *f.* generation of super-sensory knowledge तत एव च अतीन्द्रियज्ञानोत्पत्तिकारणम् … विहाय … मानसज्ञाने ये रतिं कुर्वन्ति TātpaVr̥. 53.16 (*on* 1.40)

अतीन्द्रियज्ञानोद्गति (atīndriya-jñānodgati) *adj.* having the rise of knowledge beyond (the range of) the senses एषः … अतीन्द्रियज्ञानोद्गतिः सिद्धः YaśasCam. i. 400.1.

अतीन्द्रियज्ञानोपयोग (atīndriyajñānopayoga) *m.* use of super-sensory knowledge विज्ञायातीन्द्रियज्ञानोपयोगेन यथास्थितम्। सर्वं मुनीनां नागश्रीवृत्तान्तं तेऽभ्यचीकथन् PāṇḍaC. 4.345.

अतीन्द्रियतर (atīndriya-tara) *adj.* which is much more beyond the sense-perception (i. e. very subtle) कीटः अतीन्द्रियतरः ऊर्णाभक्षकः LalitāSaBh. 83.14 (*on* 118)

अतीन्द्रियता (atīndriya-tā) *f.* nature of being beyond sense-perception स्थूलार्थासंभवे तु स्यान्नैव वृक्षादिदर्शनम्। अतीन्द्रियतयाणूनां न चाणुवचनं भवेत् TattvSaṁ. 562; 584; श्वेतद्वीपः पयोम्भोधौ वर्तते हि धरातले। तद्वासिनामपि कथं प्रोक्तातीन्द्रियता त्वया SkandP. ii(9). 4.18; रूपं यागादीनामतीन्द्रियतया न … प्रत्यक्षादिदृश्यम् Kāśi. i. 158.6 (*on* 2.192); अतीन्द्रियतया सूक्ष्मोऽस्या विषय इति सूक्ष्मा प्रज्ञा TattvVai. 58.26 (*on* 2.2); न द्वितीयः तस्यातीन्द्रियतया ऐन्द्रियकप्रत्ययविषयत्वविरोधात् Kiraṇā. 110.18; तथा वेदार्थस्यातीन्द्रियतया तत्र वृद्धव्यवहारस्य … ग्रहीतुमशक्यत्वात् SāṁkhyaPraBh. 125.11 (*on* 5.41); 125.18 (*on* 5.42); परमाणूनां तत्संयोगानां चातीन्द्रियतया तद्रूपत्वेऽवयविनः प्रत्यक्षानुपपत्तिरित्यादिकमवयविसाधकम् YogSā. 70.2(4); क्षणस्यातीन्द्रियतया इदानीमिति ज्ञानासंभवः VaiyāSiMañ. 214.6.

अतीन्द्रियतीक्ष्णत्व (atīndriya-tīkṣṇatva) *n.* sharpness which is beyond sense-perception कुठारे विलक्षणच्छिदाकार्यबलादतीन्द्रियतीक्ष्णत्वसिद्धेः TattvCin. ii(2). 118.1.

अतीन्द्रियतैक्ष्ण्य (atīndriya-taikṣṇya) *n.* sharpness which is beyond sense-perception लौहविशेषाणामेव सातिशयच्छिदाजनकत्वमिति नातीन्द्रियतैक्ष्ण्यसिद्धिः TattvCin. ii(2). 124.4.

अतीन्द्रियत्व (atīndriya-tva) *n.* **i** the state of being beyond sense-perception; super-sensuousness निरवयवत्वादतीन्द्रियत्वात् सूक्ष्मः (पुरुषः) TattvSa. 123.9; सेनावनवद् ग्रहणमिति चेन्नातीन्द्रियत्वादणूनाम् NyāySū. ii. 1.37; ii. 2.51; अतीन्द्रियत्वाच्चोदनालक्षण इति विचारः S'ābaBh. 1289.5 (*on* v. 1.1); अपौरुषेयत्वाद्वेदस्य तदर्थस्यातीन्द्रियत्वात् SāṁkhyaPraSū. 5.41; भाक्त एकप्रत्ययोऽतीन्द्रियत्वादणूनाम् NyāyBh. 102.5 (*on* ii. 1.37); 115.10 (*on* ii. 1.53); इन्द्रियवृत्तीनामतीन्द्रियत्वात् NyāyVār. 15.9 (*on* i. 1.1); 50.19 (*on* i. 1.5); शक्त्योरतीन्द्रियत्वेन स्मृतिरेव हि सेष्यते S'lokaVār. 5(6).14 (437.2); 5(11). 38 (519.2); 6.377 (826.6); फलसंबन्धमात्रस्यैवातीन्द्रियत्वेन तदपेक्षितत्वात् TantrVā. 131.5 (*on* i. 3.7); कार्यविशेषोऽयुक्त एव तस्यातीन्द्रियत्वात् SphoṭSi. 213.1; 251.3; संबन्धग्रहणं न प्रत्यक्षेणानुमानादिभिर्वा स्यात् धर्मस्यातीन्द्रियत्वात् TātpaṬ.(U.) 37.7 (*on* 2.18); ननु च शक्तेरतीन्द्रियत्वात्कारणानां कार्यारम्भनियमाभावाच्च कथं तद्विरहोऽक्षणिकस्य भवेत् HetuBiṬ. 146.22; अयं धर्मः अयमधर्म इति शास्त्रमेव विज्ञाने कारणम्। अतीन्द्रियत्वात्तयोः BrahmSūBh. (S'aṅ.) 556.11 (*on* iii. 1.25); ननु यस्य द्वयं श्रौत्रं तस्य बुद्धिद्वयं भवेत्। भवतोऽतीन्द्रियत्वात्तु कथं नादैविशेषधीः TattvSaṁ. 2147; अतीन्द्रियत्वात्तद्व्यापि व्यापित्वाच्चामृतं ततः BrĀraUBhVā. ii. 3.31; क्रियाया अतीन्द्रियत्वेन तद्योगकृतकारकत्वानधिगमे व्यवहारविलोपप्रसङ्गात् NyāyMañ. i. 17.11; i. 93.27; i. 358.29; अतीन्द्रियस्य व्योम्नः संयोगविभागयोरप्यतीन्द्रियत्वात् PrakaPañ. 216.2; शब्दाभासस्यैन्द्रियकत्वेऽपि रूपतः सामर्थ्योपधानेनाभिधात्वात्तस्य चातीन्द्रियत्वात् TattvBi. 159.7; इन्द्रियसंबन्धस्यातीन्द्रियत्वान्न तद्भावाभावकृतौ सान्तरनिरन्तरप्रत्ययौ

NyāyKa. 24.1; चेतोधर्मेणातीन्द्रियत्वात् ⋯ तस्य (कामस्य)⋯स्वरूपं दुर्ज्ञानम् JayaMa. 323.9 (*on* 6.2); अत एव धर्मस्यातीन्द्रियत्वमपि सेत्स्यति Kāśi. i. 76.21 (*on* 2.26); iii. 12.27 (*on* 5(4).12); iii. 141.12 (*on* 5(5).14); तदवयवानां परमाणूनामतीन्द्रियत्वात् Bhām. 394.15 (*on* ii. 2.10); 846.23 (*on* iii. 2.3); इन्द्रियमनसोस्तु द्वयोरतीन्द्रियत्वात् TātpaṬ.(Vā.) 116.12 (*on* i. 1.3); 221.21 (*on* i. 1.12); 225.21 (*on* i. 1.14); सर्वशक्तीनामतीन्द्रियत्वात् NyāyRa. 144.10 (*on* 4.34); 437.12 (*on* 5(6).14); 742.9 (*on* 6.44); वाय्वाकाशदिक्कालमनसामतीन्द्रियत्वम् Kiraṇā. 40.7; 105.11; 106.13; ब्रह्मणोऽत्यन्तातीन्द्रियत्वेन प्रत्यक्षादिप्रमाणाविषयतया BrahmSūBh.(Rā.) 136.15 (*on* i. 1.3); तथैवामूर्तत्वातीन्द्रियत्वसिद्धत्वादिपर्यायांश्च इयर्ति TātpaVṛ. 110.13 (*on* 1.87); प्रयोगसम्यक्त्वस्यातीन्द्रियत्वेन प्रत्यक्षानवगम्यत्वात् PramāMī. 24.1 (i. 1.29); अपञ्चीकृतयोरतीन्द्रियत्वात् PrakaVi. 602.13; परमात्मनोऽतीन्द्रियत्वात् S'rutaPra. i. 57A.3 (*on* i. 1.1); अस्तु तर्हीश्वरो न कर्ता अशरीरत्वात् अतीन्द्रियत्वात् NyāyKu. 91.6; अणूनामतीन्द्रियत्वेन तैः सहाविनाभावस्य क्वापि लिङ्गे ग्रहीतुमशक्यत्वात् SyādvāMañ. 16(181); परमाणूनामतीन्द्रियत्वेन लोकस्याप्यतीन्द्रियत्वप्रसङ्गात् VedāntKau. 193.4 (*on* ii. 2.18); किं परमाणुरूपोऽर्थोऽवयविरूपो वा⋯न प्रथमः अतीन्द्रियत्वात् SarvaDaSaṁ. 2.190; 4.373; 11.127; तेषामनेकत्वादतीन्द्रियत्वाच्च TattvPrakā. 101B.9 (*on* ii. 2.22); ईश्वरस्य तत्क्रियायाश्चातीन्द्रियत्वेन ⋯ प्रत्यक्षेण प्रत्येतुमशक्यत्वात् NyāySu.(Ja.) 159B.1 (*on* i. 2.2); 234A.11 (*on* ii. 1.1); 320A.3 (*on* ii. 2.11); 424A.12 (*on* ii. 2.12); 460B.8 (*on* iii. 2.1); वासनानां चातीन्द्रियत्वादनुपलब्धिर्युज्यते Vādā. 76.8; देशान्तरस्थाकाशादेरतीन्द्रियत्वेऽपि तत्किरणसंयोगविभागयोस्तन्मण्डलेन प्रत्यक्षत्वात्तत एव गत्यनुमानम् Upask. 57.18 (*on* i. 2.5); 82.18 (*on* ii. 1.9); 183.10 (*on* iii. 2.14); ननु विघ्नस्य दुरितरूपत्वेनातीन्द्रियत्वात् SarvaDaKau. 3.19; 57.11; तच्च रूपमतीन्द्रियत्वादपूर्ववदेवाप्रत्यक्षम् YuktiSneha. 25.12 (*on* i. 1.2); 71.34 (*on* i. 1.5); परमाणूनामतीन्द्रियत्वात् घटादेः प्रत्यक्षं न स्यात् SiddhāMu. 15.31 (*on* 36); अन्तःकरणस्येन्द्रियतयातीन्द्रियत्वात् कथं प्रत्यक्षविषयता VedāntPari. 38.4; ब्रह्मणोऽत्यन्ताव्यक्तत्वेनातीन्द्रियत्वात् GuruCandr. i. 176.17; i. 213.14; i. 471.11; क्षणानामतीन्द्रियत्वात् LaCandr. 562.25; प्रत्यक्षप्रामाण्यस्यातीन्द्रियत्वेनानभ्युपेयत्वापत्तेः SarvaMaSaṁ. 16.12; तस्यातीन्द्रियत्वं दोषः VaiyāBhū. 257.12 (*on* 69); **ii** the state of being something the means of preception of which are unperceived शरीरसंयुक्तमपरोक्षप्रतीतिसाधनमतीन्द्रियमिन्द्रियम् । ज्ञानकरणजन्यत्वरहितज्ञानत्वमपरोक्षत्वम् । अतीन्द्रियत्वं नामाज्ञातसाधनत्वम् Lakṣaṇā. 3.15; **iii** the state of being without (ordinary) senses अथातीन्द्रियत्वादेव केवलिनः शरीराधारोद्भूतं भोजनादिसुखं क्षुधादिदुःखं च नास्ति TātpaVṛ. 27.13 (*on* 1.20); 127.14 (*on* 2.4)

अतीन्द्रियत्वतस् (atīndriyatva-tas) *adv.* due to being super-sensuous उत्पत्तिवदमानानि सन्तु वानाथवृत्तयः गृहीतग्रहणात्सूक्ष्मकालस्यातीन्द्रियत्वतः VedāntSiSūMañ. 1.85.

अतीन्द्रियत्वनिवृत्ति (atīndriyatva-nivṛtti) *f.* absence of super-sensuousness न परमाणवोऽतीन्द्रियाः । रूपादिमतामतीन्द्रियत्वनिवृत्तेः NyāyVār. 232.8 (*on* ii. 1.31)

अतीन्द्रियत्वप्रसङ्ग (atīndriyatva-prasaṅga) *m.* contingency of being super-sensuous प्रधानात्मत्वे विश्वस्यातीन्द्रियत्वप्रसङ्गाच्च NyāyKa. 144.22; परमाणूनामतीन्द्रियत्वेन लोकस्याप्यतीन्द्रियत्वप्रसङ्गाच्च VedāntKau. 193.5 (*on* ii. 2.18); सुखं निर्विकल्पकं वा स्यात् सविकल्पकं वा, नाद्यः अतीन्द्रियत्वप्रसङ्गात् Upask. 419.10 (*on* x. 1.3); आत्मनोऽणुत्वेन तद्वृत्तित्वेऽतीन्द्रियत्वप्रसङ्गात् AdvaiSi. 615.10.

अतीन्द्रियत्वभङ्ग (atīndriyatva-bhaṅga) *m.* loss of super-sensuousness गुरुत्वादेरतीन्द्रियत्वभङ्गप्रसङ्गाच्च S'atDū. 68.6.

अतीन्द्रियत्वविशेषित (atīndriyatva-viśeṣita) *adj.* characterised by super-sensuousness त्रिवृत्करणपक्षे त्वतीन्द्रियत्वविशेषितमुक्तलक्षणं द्रष्टव्यम् S'ivārkaMaDī. ii. 181.13 (*on* ii. 4.15)

अतीन्द्रियत्वसिद्धि (atīndriyatva-siddhi) *f.* establishment of super-sensuousness या पारिशेष्यात् कारणान्तरस्यातीन्द्रियत्वसिद्धिः सार्थापत्तिः NyāyRa. 392.5 (*on* 5(4).140); अतीन्द्रियत्वसिद्धये स्पार्शनप्रत्यक्षे तादात्म्येन तस्य प्रतिबन्धकत्वम् LaCandr. 341.28.

अतीन्द्रियत्वापत्ति (atīndriyatvāpatti) *f.* contingency of super-sensuousness निरवयवस्य परमाणुतया अतीन्द्रियत्वापत्तेः Kiraṇā. 18.1.

अतीन्द्रियत्वापात (atīndriyatvāpāta) *m.* contingency of super-sensuousness सर्वगुणानामप्यतीन्द्रियत्वापातात् Kiraṇā. 281.19.

अतीन्द्रियत्वाभ्युपगम (atīndriyatvābhyupagama) *m.* acceptance of super-sensuousness उपलम्भस्यातीन्द्रियत्वाभ्युपगमात् NyāyKuA. ii(1).234.8; ज्ञानत्वं सविकल्पकभिन्नवृत्ति इत्यत्र किं मानम् । न प्रत्यक्षमसिद्धेः अतीन्द्रियत्वाभ्युपगमाच्च TattvCin. i(1). 809.5; अतीन्द्रियाणुवचनमपि ⋯ ऐन्द्रियकाणामेवावस्थाविशेषेणातीन्द्रियत्वाभ्युपगमादविरुद्धम् NyāyPari. 19.1; तस्यातीन्द्रियत्वाभ्युपगमात VedāntRaMañ. 1.4 (61.16)

अतीन्द्रियदर्शन (atīndriya-darśana) *adj.* who perceives what is beyond the scope of the senses उत्पन्नाः समकालं ते बुद्ध्यातीन्द्रियदर्शनाः VāyuP. i. 24.78 = LiṅgaP. i. 20.86; *n.* perception of what is beyond the range of sense-perception येऽपि सातिशया दृष्टाः प्रज्ञामेधाबलैर्नराः । स्तोकस्तोकान्तरत्वेन न त्वतीन्द्रियदर्शनात् TattvSaṁ. 3160 = NyāyMañ. i. 96.11; तथा सति अनुच्चारितशब्दश्रवणादतीन्द्रियदर्शनमेवापतितम् Kāśi. i. 135.10 (*on* 2.143); i. 136.4 (*on* 2.146)

अतीन्द्रियदर्शित्व (atīndriyadarśi-tva) *n.* character of being one who perceives what is super-sensuous दृष्टिर्व्यवहितातीन्द्रियदर्शित्वम् ViraMi. 902.28 (*on* 3.202)

अतीन्द्रियदर्शिन् (atīndriyadarś-in) *adj.* who can see super-sensuous things अत्रापि अतीन्द्रियदर्शियोगिप्रत्ययो भवति बाधको यदि योगी भवेत् PramāVāBh. 94.14.

अतीन्द्रियदृश् (atīndriya-dṛś) *adj.* who can perceive super-sensuous things न चातीन्द्रियदृक्तेषामिष्ट एकोऽपि मानवः । स्वर्गयागादिसंबन्धज्ञानं नैव ह्यचोदनम् TattvSaṁ. 2372; भवतीमतीन्द्रियदृशः सरस्वतीं निगदन्ति दन्तिवदनोपपादिनि Surath. 14.22.

अतीन्द्रियदेवता (atīndriya-devatā) *f.* super-sensuous divinity ननु तथाप्यतीन्द्रियदेवताफलादिषु कथं शक्तिग्रहो वैदिकपदानां स्यात्तत्राह Sāṁkhya-PraBh. 125.30 (*on* 5.44)

अतीन्द्रियदेवोक्ति (atīndriyadevokti) *adj.* (one) who speaks about gods who are beyond the reach of senses यश्चातीन्द्रियदेवोक्तिः श्रोता दृष्टपरावरः AnuVyā. 51A.7 (*on* 3.3)

अतीन्द्रियद्वय (atīndriya-dvaya) *n.* pair of super-sensuous objects न चातीन्द्रियद्वयाधारसन्निकर्षस्तथा प्रसिद्धः TātpaṬ.(Vā.) 116.10 (*on* i. 1.3)

अतीन्द्रियधर्म (atīndriya-dharma) *m.* super-sensuous attribute साधकाभावेन वह्न्यन्यत्वसिद्धावतीन्द्रियधर्माभावसाधने लाघवं बाधकाभावेनातीन्द्रियधर्मसाधने च गौरवमिति TattvCin. ii(2). 126.5; अतीन्द्रियधर्मादिगोचरवाक्यवत् ⋯वेदान्तानाम् ⋯ अज्ञातज्ञापकत्वेन शंसनात् LalitāTriBh. 328.13 (*on* 43)

अतीन्द्रियनिबन्धन (atīndriya-nibandhana) *adj.* pertaining to super-sensuous (objects) उपदेशोऽन्यथा न स्यात् अतीन्द्रियनिबन्धनः S'lokaVār. 2.156 (92.4)

अतीन्द्रियविधि (atīndriya-vidhi) *m.* injunction about a super-sensuous object तस्मादतीन्द्रियविधिनिषेधयोरनुमानमङ्गीकृत्याशक्यत्वादशक्यापह्नवमनुमानमित्यर्थः NyāyVārPari. 655.5.

अतीन्द्रियपक्ष (atīndriya-pakṣa) *m.* super-sensuous minor term (of a syllogism) अतीन्द्रियपक्षविरहे च विषये तदभावादव्यापकापत्तेः KhaṇḍanKhā. 833.19; अतीन्द्रियपक्षसाध्यहेतुकानुमितिविशेषस्य⋯जननम् GuruCandr. i. 284.6; LaCandr. 363.19.

अतीन्द्रियपदार्थ (atīndriya-padārtha) *m.* super-sensuous object न च अस्मदादीनामतीन्द्रियपदार्थदर्शनकौशलमस्ति NyāyMañ. i. 373.3; अत एव भगवानतीन्द्रियपदार्थप्रकाशनशेमुषीं प्राप्तः YaśasCam. ii. 298.23; अतीन्द्रियपदार्थसार्थनिपुणाववोधात्मकं जिनेन्द्रम् ⋯ प्रणम्य कथयामि विदितवातरोगक्रियाम् KalyāKā. 8.1.

अतीन्द्रियपदार्थज्ञ (atīndriyapadārtha-jña) *adj.* knower of the super-sensuous things अतीन्द्रियपदार्थज्ञो न हि कश्चित्समस्ति वः TattvSaṁ. 3580.

अतीन्द्रियपिशाच (atīndriya-piśāca) *m.* super-sensuous ghost अतीन्द्रियपिशाचाद्युपाधित्वस्य वा शङ्का पूर्वोक्ता GuruCandr. i. 225.21; LaCandr. 337.24; 342.25.

अतीन्द्रियपुरुष (atīndriya-puruṣa) *m.* super-sensuous being तत्राप्यतीन्द्रियपुरुषाधिष्ठानकल्पना कल्पनामात्रमेव ĀgaPrā. 17.15.

अतीन्द्रियप्रतियोगिक (atīndriyapratiyogi-ka) *adj.* having a super-sensuous object for counter-correlative नन्वयमन्योन्याभावो न प्रत्यक्षः अतीन्द्रियप्रतियोगिकाभावत्वात् TattvCin. ii(1). 605.1; तादृशनिषेधानां मध्ये अतीन्द्रियप्रतियोगिकाभावस्यापि संभवेन तत्प्रतियोगित्वस्यायोग्यत्वात् LaCandr. 336.41; तेनातीन्द्रियप्रतियोगिकाभावे नाव्याप्तिः BhāṭṭCin. i. 118.6 (*on* i. 1.4)

अतीन्द्रियप्रत्यक्ष (atīndriya-pratyakṣa) *n.* **i** super-sensuous direct knowledge [JainL.] **ii** perception of the super-sensuous object योगजधर्मस्य प्रत्यक्षजनकत्वस्वीकारपक्षेऽपि अतीन्द्रियप्रत्यक्षजनकत्वास्वीकारात् सत्यत्वप्रत्यक्षाजनकत्वमिति भावः GuruCandr. i. 250.12.

अतीन्द्रियबुद्धि (atīndriya-buddhi) *adj.* who has knowledge about

the super-sensuous things बिम्बम् ⋯ इदमप्युदितं मध्ये तूदये चन्द्रवद्रवेः। विगोलिप्ता चतुष्कोनं तच्चातीन्द्रियबुद्धिभिः SiddhāTaVi. 291. 5.

अतीन्द्रियबोधतस् (atīndriyabodha-tas) *adv.* because of the teaching of super-sensuous विधेरेवानपेक्षत्वं वेदान्तेष्वभिधाश्रुतेः। अनृतन्त्रत्वसामान्यात्तथातीन्द्रियबोधतः BṛĀraUBhVā. ii. 4. 153.

अतीन्द्रियभूत (atīndriya-bhūta) *m.* super-sensuous being कस्यैष खल्वीदृशो महिमा अतीन्द्रियभूतस्य MaiU. 2. 3.

अतीन्द्रियमहार्थत्व (atīndriyamahārtha-tva) *n.* the state of being a super-sensuous great object तच्च ज्ञानात्मकत्वाद्दर्शनभूतत्वादतीन्द्रियमहार्थत्वाद् ⋯ज्ञानमेवात्मनि बिभ्रत: TattvPradī.(A.) 257. 5 (*on* 2. 100)

अतीन्द्रियमोदिन् (atīndriyamod-in) *adj.* giving super-sensuous pleasure तेन त्वं स्वजनः किलेति करदैर्यत्तैरुपन्नूयसे। तत्रातीन्द्रियमोदिमांसलरसोद्गारस्तवैष ध्वनिर्दोषोऽभूत्कलकण्ठनायक SubhāRaK. 33. 19.

अतीन्द्रिययत्न (atīndriya-yatna) *m.* super-sensuous effort इष्टं च प्राणसंचारस्य सर्वस्य ⋯ अतीन्द्रिययत्नसिद्धिः SiddhāMu. 79. 4 (*on* 152)

अतीन्द्रियरंहस् (atīndriya-raṁhas) *adj.* having a speed beyond (the powers of) the senses अभिननन्दुरतीन्द्रियरंहसः प्लवगवीरगणाः प्लवगेश्वरम् RāmC. 7. 70.

अतीन्द्रियरस (atīndriya-rasa) *m.* super-sensuous taste रसनेन्द्रियग्राह्यगुणत्वव्याप्यजातिमत्त्वं रसत्वं तथा सति नातीन्द्रियरसाव्याप्तिः Upask. 288. 8 (*on* vii. 1. 6)

अतीन्द्रियरूप (atīndriya-rūpa) *n.* super-sensuous colour न ह्यननुसंहितोपाधेरुपहितप्रत्ययः। अतीन्द्रियरूपरसगन्धाननुमानापत्तेश्च TattvCin. i. 602. 3; अतीन्द्रियरूपाव्याप्तिरिति चेन्न Upask. 285. 12 (*on* vii. 1. 16)

अतीन्द्रियलिङ्ग (atīndriya-liṅga) *n.* super-sensuous probans अतीन्द्रियलिङ्गस्थले परामर्शस्य तदजन्यतया कथं तद्व्यापारत्वमिति चेत् Upask. 393. 8 (*on* ix. 2. 1)

अतीन्द्रियवस्तु (atīndriya-vastu) *n.* super-sensuous object न चातीन्द्रियवस्तूनां प्राक्सृष्टाकारयोगिता MānaMe. 62. 3.

अतीन्द्रियवायु (atīndriya-vāyu) *m.* super-sensuous wind or air न च सर्वत्रातीन्द्रियवायुसंयोगकारणताप्रसङ्गः TattvPradī.(Ci.) 306. 3; तथातीन्द्रियवाय्वादिद्रव्यपञ्चकलिङ्गान्यपि सामान्यतो दृष्टानि Upask. 79. 15 (*on* ii. 1. 8)

अतीन्द्रियविद् (atīndriya-vid) who knows super-sensuous things जीवस्य जलू(?लौ)कावत् पूर्वग्रहणादेव परालम्बनमतीन्द्रियविद्भिरुदाहृतम् S'aṅka-Vi.(Ā.) 148. 12; 156. 2.

अतीन्द्रियविधि (atīndriya-vidhi) *m.* injunction of a super-sensuous (object) तस्मादतीन्द्रियविधिनिषेधयोरनुमानमनङ्गीकृत्याशक्यत्वात् NyāyVārPari. 655. 5.

अतीन्द्रियविशेषण (atīndriya-viśeṣaṇa) *n.* qualification of being super-sensuous सर्वस्य चानुव्यवसायग्राह्यत्वात् अतीन्द्रियविशेषणायोगात् TarkSaṁ.(Ā.) 118. 2.

अतीन्द्रियविषय (atīndriya-viṣaya) *m.* super-sensuous object अतीन्द्रियविषयोऽपि मनसो गोचर एव ChāndoUBh. 93. 15 (*on* ii. 7. 1); श्रुतिश्च नोऽतीन्द्रियविषये विज्ञानोत्पत्तौ निमित्तम् TaiUBh. 260. 6 (*on* 2. 6); *adj.* having a super-sensuous object अतीन्द्रियविषयस्य च वाक्यस्य प्रयोगशास्त्रत्वाभावात् TantrVā. 171. 7 (*on* i. 3. 10)

अतीन्द्रियविषयक (atīndriyaviṣaya-ka) *adj.* having a super-sensuous thing as object योगीन्द्रियमतीन्द्रियविषयकं न भवति इन्द्रियत्वात् MānaMe. 166. 4.

अतीन्द्रियवृत्ति (atīndriya-vṛtti) *adj.* present in a super-sensuous object अतीन्द्रियवृत्तीनि अतीन्द्रियाणि Tarkāmṛ. 14. 3; 9. 11.

अतीन्द्रियव्यापारक (atīndriyavyāpāra-ka) *adj.* having a super-sensory function ऐन्द्रियकं कारणमतीन्द्रियव्यापारकमिति यागानुभवयोर्दर्शनात् TattvCin. iv(2). 413. 4.

अतीन्द्रियव्यापारवत्त्व (atīndriyavyāpāravat-tva) *n.* the state of having a super-sensory function न चैन्द्रियकस्यातीन्द्रियव्यापारवत्त्वनियमः TattvCin. iv(2). 422. 2.

अतीन्द्रियव्योमन् (atīndriya-vyoman) *n.* super-sensory space अतीन्द्रियव्योमाश्रयाणां विभागसंयोगानामप्रत्यक्षत्वात् NyāyKa. 195. 1.

अतीन्द्रियशक्ति (atīndriya-śakti) *f.* super-sensory or supernatural power पुरा च सविस्तरमतीन्द्रियशक्तिनिराकरणं कृतमेव NyāyMañ. i. 123. 1; अन्यदेवातीन्द्रियशक्तिस्वीकारबीजमाशङ्क्य विमृशति NyāyVārPari. 441. 11; किं चित्करत्वे चातीन्द्रियशक्तेः स्वीकारात् NyāyKuA. i. 27. 4; यदुपरोधाद्दहनो न दहति सा ह्यतीन्द्रियशक्तिः NyāySiA. 254. 29; व्रीहीन् प्रोक्षतीत्यादिद्वितीयाश्रुतिभिश्च व्रीह्यादिषु अतीन्द्रियशक्तिसद्भावसिद्धिः TattvPradī.(Ci.) 143. 12; 132. 6; सूर्यगत्युपनायकत्वं च द्रव्यस्वरूपं वा अतीन्द्रियशक्तिर्वा NyāySu.(Ja.) 215B. 10 (*on* i. 4. 6)

अतीन्द्रियशक्तिमत्त्व (atīndriyaśaktimat-tva) *n.* possession of super-sensory power तस्माप्यतीन्द्रियशक्तिमत्त्वान्न किञ्चिदपेक्षितव्यमस्ति NaiṣkSi. 146. 4.

अतीन्द्रियशक्तिविषयत्व (atīndriyaśaktiviṣaya-tva) *n.* the state of having the super-sensory power as object तदिमास्तावदतीन्द्रियशक्तिविषयत्वादर्थापत्तयः प्रमाणान्तरम् NyāyMañ. i. 34. 7.

अतीन्द्रियशब्दकल्पन (atīndriyaśabda-kalpana) *n.* assumption of a super-sensuous word अतीन्द्रियशब्दकल्पनमप्यनुपपन्नम् TantrRaha. 26. 29.

अतीन्द्रियशरीरिका (atīndriya-śarīrikā) *adj.* (*f.*) having a super-sensuous body दिव्येयमादिसृष्टिस्तु ⋯ अतीन्द्रियेन्द्रिया तद्वदतीन्द्रियशरीरिका MatsyaP. 4. 3.

अतीन्द्रियसंयोग (atīndriya-saṁyoga) *m.* conjunction of super-sensuous (things) अनुत्तरमेतत्। यत्पुनरेतदतीन्द्रियसंयोगातीन्द्रियत्वादिति NyāyVār. 233. 12 (*on* ii. 1. 31)

अतीन्द्रियसंसर्ग (atīndriya-saṁsarga) *m.* super-sensuous contact अतीन्द्रियसंसर्गसाधने न कोऽपि दोषः NyāySu.(Ja.) 470B. 5 (*on* iii. 2. 1)

अतीन्द्रियसमवाय (atīndriya-samavāya) *m.* super-sensuous inherence सर्वमेव तज्जातीयं तदुत्पत्तिमत्तया निश्चितं भवति ⋯ अस्माकञ्चातीन्द्रियसमवायादिसिद्धौ NyāyKuA. ii(2). 48. 6.

अतीन्द्रियसमूह (atīndriya-samūha) *m.* collection of super-sensuous objects अतीन्द्रियाश्च प्रत्येकमणवः कथं मिलिता अपि दृश्येरन् अतीन्द्रियसमूहस्याप्यतीन्द्रियत्वात् ĀtmaTaVi. 645. 10.

अतीन्द्रियसर्ववस्तु (atīndriya-sarvavastu) *n.* all objects which are super-sensuous ये चातीन्द्रियसर्ववस्तुकथया वञ्चन्ति सर्वं जगत् Vidvanmo. 2. 32.

अतीन्द्रियसाधारण (atīndriya-sādhāraṇa) *adj.* common to super-sensuous (objects) न चाशेषनिषेधानां प्रतियोगित्वमतीन्द्रियसाधारणं चक्षुरादियोग्यम् AdvaiSi. 337. 6.

अतीन्द्रियसामर्थ्य (atīndriya-sāmarthya) *n.* super-sensuous power सर्वेश्च परेषां विमर्ष(?र्श)संभवोऽतीन्द्रियसामर्थ्येऽपि समानः NyāyVārPari. 441. 10.

अतीन्द्रियसामान्य (atīndriya-sāmānya) *n.* generic concept which is supersensuous एवम् ⋯ अतीन्द्रियसामान्यं विशेषाश्च बोध्याः SiddhāMu. 8. 15 (*on* 15)

अतीन्द्रियसामान्यवन्निष्क्रिय (atīndriyasāmānyavanniṣkriya) *adj.* super-sensuous, possessed of generality and inactive अग्निरतीन्द्रियसामान्यवन्निष्क्रियाश्रयः कारणत्वात् गुरुत्वाश्रयवत् TattvPrakā.(Ci.) 132. 13.

अतीन्द्रियसुख (atīndriya-sukha) *n.* super-sensuous happiness प्राप्यते येन ⋯। पश्चादतीन्द्रियसुखम् ⋯ धर्मो जयति ⋯ स जिनप्रणीतः VarāṅgaC. 1. 3; अतीन्द्रियज्ञानमतीन्द्रियसुखं चोपादेयमिति TātpaVṛ. 70. 10 (*on* 1. 53); 91. 12 (*on* 1. 71)

अतीन्द्रियस्वभाव (atīndriya-svabhāva) *adj.* of a super-sensuous nature अतीन्द्रियस्वभावपरमात्मनो विपरीतानि ⋯ इन्द्रियाण्यतिक्रान्तस्य ⋯ परोक्षं किमपि नास्ति TātpaVṛ. 32. 13 (*on* 1. 22)

अतीन्द्रियाणु (atīndriyāṇu) *m.* super-sensuous atom करिकुसुम्भादीनामतीन्द्रियाणुसंचयमात्रत्वात् TātpaṬ.(Vā.) 397. 19 (*on* ii. 1. 36); अतीन्द्रियाणुवचनमपि ⋯ अतीन्द्रियत्वाभ्युपगमादविरुद्धम् NyāyPari. 18. 8.

अतीन्द्रियातिशय (atīndriyātiśaya) *m.* super-sensuous excellence पूर्ववदुपलब्धेरतीन्द्रियातिशयकल्पने चापसिद्धान्तः PrakaVi. 292. 22

अतीन्द्रियात्मन् (atīndriyātman) *m.* super-sensuous self अतीन्द्रियात्मवृत्तेर्ब्राह्मणत्वादेरपि चाक्षुषत्वम् GuruCandr. iii. 97. 6; *adj.* of super-sensuous nature पौरुषायत्ताः सत्त्वानां सकलाः क्रियाः। अतस्तच्चिन्त्यमन्यत्र का चिन्तातीन्द्रियात्मनि YaśasCam. i. 383. 6.

अतीन्द्रियादेश (atīndriyādeśa) *m.* prediction about super-sensuous (i. e. future) संवादितातीन्द्रियादेशः ⋯ ग्रहसंहितानां पारदृश्वा ⋯ तारको नाम गणकः HarṣaC. 184. 2 (comm. अतीन्द्रियादेशो भाविकथनम्)

अतीन्द्रियाधार (atīndriyādhāra) *adj.* which possesses a super sensuous substratum यथात्ममनःसंयोगोऽतीन्द्रियाधार एवमिन्द्रियमनःसंयोगोऽपीति NyāyVār. 35. 4 (*on* i. 1. 4); यत्कर्मातीन्द्रियाधारं तदप्रत्यक्षमुच्यते S'lokaVār. 6. 394 (831. 1)

अतीन्द्रियाधारता (atīndriyādhāra-tā) *f.* the state of possessing a super-sensuous substratum अतीन्द्रियाधारता वा सामान्यम् NyāyVār. 35. 3 (*on* i. 1. 4)

अतीन्द्रियाधारत्व (atīndriyādhāra-tva) *n.* the state of possessing a super-sensuous substratum अभावत्वे सति अतीन्द्रियाधारत्वात् सत्प्रतिपक्षत्वम् … न चातीन्द्रियाधारत्वमेव तस्य योग्यताविरहः NyāyKuA. i. 90. 3; i. 87. 4.

अतीन्द्रियानुभव (atīndriyānubhava) *m.* perception of the super-sensuous तत्र हि वचनादृते … अतीन्द्रियानुभवशक्तिर्निराकृता Kāśi. i. 214. 7 (*on* 4. 26–28)

अतीन्द्रियानुमान (atīndriyānumāna) *n.* inference of the super-sensuous भाष्यमपि … न तु शास्त्रसिद्धव्याप्त्युपजीवनेनातीन्द्रियानुमाननिषेधार्थम् NyāyPari. 152. 7.

अतीन्द्रियानुमिति (atīndriyānumiti) *f.* inference of the super-sensuous अतीन्द्रियानुमित्यादावपि सत्ताभानावश्यकत्वम् GuruCandr. i. 173. 20.

अतीन्द्रियानेकार्थ (atīndriyānekārtha) *m.* many super-sensuous objects इति कपिलस्य महर्षित्वमुच्यमाने मन्त्रद्रष्टृत्वातीन्द्रियानेकार्थद्रष्टृत्वादिनाप्युपपद्यते S'rutaPra. ii. 210. 31 (*on* ii. 1. 1)

अतीन्द्रियान्यधर्मत्व (atīndriyānyadharma-tva) *n.* the state of being the property of some super-sensuous (object) अतीन्द्रियान्यधर्मत्वशङ्का स्यात् NyāyKuA. i. 102. 1.

अतीन्द्रियार्थ (atīndriyārtha) *m.* super-sensuous object न ह्यतीन्द्रियार्थोऽनुमातुं शक्यः NyāyVār. 214. 7 (*on* ii. 1. 28); अतीन्द्रियार्थसंबद्धागमप्रवृत्तिरतीन्द्रिया कथमन्येन सिद्धा PramāVāSvopVr̥. 111. 21; अतीन्द्रियार्थसंबन्धो को वा शक्ति प्रपद्यते TattvSaṁ. 2772; 2373; यानि … म्लेच्छादीनामतीन्द्रियार्थस्मरणानि TantrVā. 75. 8 (*on* 1. 3. 2); TātpaṬ.(U.) 32. 22 (*on* 2. 4); तस्मादतीन्द्रियार्थानां साक्षाद् द्रष्टुरभावतः। … वेदवाक्येभ्यो यथार्थत्वविनिश्चयः ṢaḍdSa. (Ha.) 69; ṢaḍdSa.(Rā.) 64; वाक्यं चातीन्द्रियार्थेषु प्रमाणम् BrĀraUBhVā. i. 4. 806; न ह्यतीन्द्रियार्थे पुरुषस्य दर्शनशक्तिः NyāyRa. 74. 13 (*on* 2. 96); 59. 7 (*on* 2. 46); वेदानाम् … अतीन्द्रियार्थे प्रामाण्यासंभवात् S'āstrDī. 109. 12 (*on* i. 1. 5); BhāṭṭCin. i. 130. 19 (*on* i. 1. 5); नित्यातीन्द्रियार्थानुमापकं सामान्यतो दृष्टम् TārkiRa. 81. 7; अतीन्द्रियार्थनिषेधस्य च सिद्धिर्नानुमानादिप्रमाणं विना PramāMī. 7. 27 (*on* i. 1. 11); अतीन्द्रियार्थेन व्याप्तिग्रहणासंभवात् PrakaVi. 568. 4; VedāntKa. 51. 8 (*on* i. 1. 2); अतीन्द्रियार्थाभावेन प्रत्यक्षेतरस्याप्रामाण्यात् …रेतोधात्वादि अतीन्द्रियार्थसत्त्वे…प्रमाणम् TattvPrakā. 10A. 6 (*on* i. 1. 3); एवं वेदप्रामाण्यमाक्षिपतोऽतीन्द्रियार्थव्यवहारमात्रविलयप्रसङ्गः NyāySu. (Ja.) 281B. 11 (*on* ii. 1. 3); अतीन्द्रियार्थापरोक्षज्ञातृत्वलक्षणसार्वज्ञ्यादेरपि न सर्वशब्देन ग्रहणम् BhāṭṭDī. ii. 129. 19 (*on* iv. 3. 8); MānaMe. 61. 5; संभावितोऽयमर्थः इति जायमानोऽतीन्द्रियार्थनिश्चयः संभवः SarvaMaSaṁ. 14. 1; 16. 11; MayūMāli. 435. 19 (*on* v. 3. 11); *adj.* whose object is super-sensuous अतः कथमतीन्द्रियार्थान् शब्दान् निबध्नीयुः Kāśi. i. 67. 24 (*on* 2. 21); तद्धि न धर्मशास्त्रमतीन्द्रियार्थमिति प्रतिषेधानुपदेशात् ManuBh. i. 361. 27 (*on* 4. 80)

अतीन्द्रियार्थगोचर (atīndriyārtha-gocara) *adj.* relating to super-sensuous objects तद्‌तीन्द्रियार्थगोचरमप्यवगतं तामनुमापयति Kāśi. i. 142. 15 (*on* 2. 157); BrahmSūBh.(Rā.) 404. 6 (*on* ii. 1. 4); अतीन्द्रियार्थगोचराणां केवलतर्काणामेवाप्रतिष्ठितत्वाभिधानस्य भाष्यकारैरेव बहुशोऽभिधानात् NyāyPari. 329. 3.

अतीन्द्रियार्थगोचरत्व (atīndriyārthagocara-tva) *n.* the state of having for its object the super-sensuous (त्रिवेदीदिव्यचक्षुषे) दिव्यं चातीन्द्रियार्थगोचरत्वात् Kāśi. i. 1. 14 (*on* 0. 1)

अतीन्द्रियार्थग्राहक (atīndriyārtha-grāhaka) *adj.* perceiving super-sensuous objects योगिप्रत्यक्षं त्वतीन्द्रियार्थग्राहकम् PrakaVi. 564. 7.

अतीन्द्रियार्थत्व (atīndriyārtha-tva) *n.* the state of having super-sensuous object for its meaning किमिदानीमतीन्द्रियार्थत्वमपौरुषेयत्वम् Kāśi. i. 68. 11 (*on* 2. 21); i. 24. 19 (*on* 1. 55); Upask. 432. 3 (*on* x. 2. 9); अतीन्द्रियार्थत्वमादौ निराकरोति SāṁkhyaPraBh. 125. 13 (*on* 5. 42)

अतीन्द्रियार्थदर्शन (atīndriyārtha-darśana) *n.* perception of super-sensuous objects पौरुषेयाणामुपदेशेन प्रामाण्यं पुरुषाणामतीन्द्रियार्थदर्शनशक्त्यभावात् ManuBh. ii. 481. 21 (*on* 12. 95); i. 56. 26 (*on* 2. 6); न च तेषामप्रक्षीणमलावरणानां तदानीमतीन्द्रियार्थदर्शनमस्ति NyāyKa. 196. 1; 323. 24; अतीन्द्रियार्थदर्शनोपायो भावना NyāyKuA. i. 139. 6; i. 128. 1; केवलवस्तुप्रत्यक्षत्वे प्रतिपत्तुः सामग्री उपयुज्यते। सा च लोकयात्रायां चक्षुरादीन्द्रियस्वभावा योगिनामतीन्द्रियार्थदर्शने भावनारूपा AlaṅkāSa. 179. 10; SarvaDaSaṁ. 12. 167; VīraMi. 861. 8 (*on* 3. 104)

अतीन्द्रियार्थदर्शित्व (atīndriyārthadarśi-tva) *n.* the state of being the perceiver of super-sensuous objects तत्प्रणेतुरतीन्द्रियार्थदर्शित्वेन…प्रामाण्यमनुमीयते NyāySā. 29. 7; NyāyKuA. i. 142. 2; ĀtmaTaVi. 903. 15; सिद्धानामतीन्द्रियार्थदर्शित्वकल्पनायामपि न कपिलवाक्यमात्रात् निर्णयः PrakaVi. 387. 24; 385. 23; न च मन्वादीनामतीन्द्रियार्थदर्शित्वम् TattvCin. iv(1). 508. 1; S'ivārkaMaDī. ii. 180. 4 (*on* ii. 4. 15)

अतीन्द्रियार्थदर्शिन् (atīndriyārtha-darśin) *adj.* perceiver of super-sensuous objects सोऽप्यतीन्द्रियार्थदर्शी न भवति NyāyMañ. i. 373. 5; TātpaṬ. (Vā.) 601. 12 (*on* iv. 1. 21); अतीन्द्रियार्थदर्शिपूर्वकोऽयमिति परिशेषः ĀtmaTaVi. 883. 19; योगिनो नातीन्द्रियार्थदर्शिनः Kiraṇā. 287. 5; सुरगणा महर्षयश्चातीन्द्रियार्थदर्शिनः GītāBh.(Rā.) 495. 5 (*on* 10. 2); शास्त्रमेवातीन्द्रियार्थदर्शिसद्भावे प्रमाणम् PramāMī. 12. 15 (*on* i. 1. 16); Upask. 432. 3 (*on* x. 2. 9)

अतीन्द्रियार्थदृश् (atīndriyārtha-dr̥ś) *adj.* perceiver of super-sensuous objects खादेत् श्वमांसमित्येष नार्थं इत्यत्र का प्रमा। प्रसिद्धो लोकवादश्चेत्तत्र कोऽतीन्द्रियार्थदृक् PramāVār. 1. 321; PramāVāSvopVr̥. 112. 2; अतीन्द्रियार्थदृक्तस्माद्धिधूतान्तस्तमश्रयः। वेदार्थप्रविभागज्ञः कर्ता चाभ्युपगम्यताम् TattvSaṁ. 3123; *m.* one of the thousand names of Jina (जिनः) महेन्द्रोऽतीन्द्रियार्थदृक् MahāP. 25. 148.

अतीन्द्रियार्थद्रष्टृ (atīndriyārtha-draṣṭr̥) *adj.* perceiver of super-sensuous objects योगिनोऽतीन्द्रियार्थद्रष्टारो न भवन्ति NyāyKa. 197. 9.

अतीन्द्रियार्थद्रष्टृत्व (atīndriyārthadraṣṭr̥-tva) *n.* the state of being a perceiver of super-sensuous objects (अभवत्) अतीन्द्रियार्थद्रष्टृत्वम् Skand-P. iii(1). 18. 23; SarvaDaKau. 97. 9.

अतीन्द्रियार्थनिश्चय (atīndriyārtha-niścaya) *m.* determination of super-sensuous objects संभावितोऽयमर्थ इति जायमानोऽतीन्द्रियार्थनिश्चयः संभवः SarvaMaSaṁ. 14. 1.

अतीन्द्रियार्थनिष्ठत्व (atīndriyārthaniṣṭha-tva) *n.* the state of dealing with super-sensuous objects धर्मब्रह्मविषयो वेदस्त्वतीन्द्रियार्थनिष्ठत्वात्प्रमाणमेव SarvaMaSaṁ. 15. 17.

अतीन्द्रियार्थपरिज्ञान (atīndriyārtha-parijñāna) *n.* perception of super-sensuous objects यस्याशेषातीन्द्रियार्थपदार्थपरिज्ञानसामर्थ्यं नास्ति तस्य कियन्मात्रातीन्द्रियार्थपरिज्ञानमपि न स्यात् … तेनातीन्द्रियार्थपरिज्ञातृत्वे सतीति सविशेषणत्वाद्धेतोर्न कश्चिद्व्यभिचारः TattvSaṁPañ. 822. 10 (*on* 3148)

अतीन्द्रियार्थप्रतिपत्ति (atīndriyārtha-pratipatti) *f.* knowledge of super-sensuous objects त्वदंशुभिः … दृशो यैर्जिनराज नाञ्चिताः। अतीन्द्रियार्थप्रतिपत्तिपाटवं न जातु तेषामुपयाति सन्मुखम् NemiNir. 5. 66.

अतीन्द्रियार्थप्रतिपादक (atīndriyārtha-pratipādaka) *adj.* setting forth super-sensuous objects सोऽयमतीन्द्रियार्थप्रतिपादक उपदेशः … तत्प्रमाणम् TātpaṬ.(U.) 83. 9 (*on* 2. 156)

अतीन्द्रियार्थप्रतिपादकत्व (atīndriyārthapratipādaka-tva) *n.* the state of setting forth super-sensuous objects अतीन्द्रियार्थप्रतिपादकत्वे सति वाक्यत्वादित्ययं हेतुः TātpaṬ.(U.) 89. 14 (*on* 2. 176); 76. 20 (*on* 2. 125)

अतीन्द्रियार्थबोधित्व (atīndriyārthabodhi-tva) *n.* the state of conveying super-sensuous objects अतीन्द्रियार्थबोधित्वं समानं चोदनोक्तिभिः BrĀraUBhVā. ii. 4. 165.

अतीन्द्रियार्थयाथात्म्य (atīndriyārtha-yāthātmya) *n.* real nature of super-sensuous objects शब्दमूल एवातीन्द्रियार्थयाथात्म्याधिगमः BrahmSūBh. (S'aṅ.) 335. 11 (*on* ii. 1. 27)

अतीन्द्रियार्थविज्ञान (atīndriyārtha-vijñāna) *n.* perception of super-sensuous objects अतीन्द्रियार्थविज्ञानयोगेनाप्युपलभ्यते। प्रज्ञादिगुणयोगित्वम् TattvSaṁ. 3397; 3176; श्रुतिश्च नः प्रमाणमतीन्द्रियार्थविज्ञानोत्पत्तौ BrahmSūBh. (S'aṅ.) 422. 6 (*on* ii. 3. 1); *adj.* where there is perception of super-sensuous objects अतीन्द्रियार्थविज्ञानं प्रमाणं श्रुतिः …। श्रुतिर्यत्र प्रमाणं स्याद्युक्तिः का तत्र SiddhāTaVi. 113. 1.

अतीन्द्रियार्थविद् (atīndriyārtha-vid) *adj.* perceiver of super-sensuous objects यद्यत्यन्तपरोक्षेऽर्थेऽनागमज्ञानसंभवः। अतीन्द्रियार्थवित् कश्चिदस्तीत्यभिमतं भवेत् PramāVār. 1. 318.

अतीन्द्रियार्थविषय (atīndriyārtha-viṣaya) *adj.* [*f.* -ā] dealing with super-sensuous objects अर्थापत्तिस्तु प्रायशोऽतीन्द्रियार्थविषया दृष्टा Kāśi. i. 245. 12 (*on* 4. 102); i. 127. 20 (*on* 2. 121); अतीन्द्रियार्थविषया हि श्रुतिः BrahmSūBh.(Rā.) 514. 3 (*on* ii. 3. 2); VedāntSā.(Rā.) 192. 2 (*on* ii. 3. 2); VedāntDī. 116. 10 (*on* ii. 3. 1); न हि सोऽयं देवदत्त इत्येतद्वाक्यमतीन्द्रियार्थविषयम् S'atDū. 161. 6; MānaMe. 61. 4.

अतीन्द्रियार्थविषयत्व (atīndriyārthaviṣaya-tva) *n.* the state of dealing with super-sensuous objects अतीन्द्रियार्थविषयत्वादभिधाश्रुतेः प्रामाण्यम् …वक्तव्यम् NaiṣkaSi. 134. 9; S'rutaPra. ii. 341. 13 (*on* ii. 3. 2)

अतीन्द्रियार्थसत्यता (atīndriyārthasatya-tā) *f.* reality of super-sensuous objects प्रत्यक्षेत्येवोक्ते अतीन्द्रियार्थसत्यतायां न प्रमाणमुक्तं स्यात् NyāySu.

(Ja.) 211A. 6 (*on* i. 4. 6)

अतीन्द्रियार्थसाक्षात्कार (atīndriyārtha-sākṣātkāra) *m.* direct perception of super-sensuous objects अतीन्द्रियार्थसाक्षात्कारसमर्थस्य कपिलस्य VedāntDī. 81. 5 (*on* ii. 1. 2)

अतीन्द्रियार्थसाधक (atīndriyārtha-sādhaka) *adj.* which establishes super-sensuous objects अनुमानमिति संबद्धस्यातीन्द्रियार्थसाधकस्यैतन्नाम NyāyVār. 253. 4 (*on* ii. 1. 35)

अतीन्द्रियार्थाधिगति (atīndriyārthādhigati) *f.* perception of super-sensuous objects अतीन्द्रियार्थाधिगतिश्च कथं यद्यनुमानं नास्ति NyāyVār. 349. 1 (*on* iii. 1. 1)

अतीन्द्रियार्थोपदेशिन् (atīndriyārthopadeśin) *adj.* who teaches super-sensuous objects नार्थे प्रामाण्यमतीन्द्रियार्थोपदेशिनाम् BrahmSi. 87. 10.

अतीन्द्रियाश्रय (atīndriyāśraya) *adj.* of super-sensuous locus, residing in super-sensuous object स(संचय:)च गृह्यमाणाश्रयो गृह्यते, नातीन्द्रियाश्रय: NyāyBh. 295. 1 (*on* iv. 2. 14)

अतीन्द्रियाश्रित (atīndriyāśrita) *adj.* residing in super-sensuous (things) यदि क्रियापरिस्पन्द: स तर्हि अतीन्द्रियाश्रितोऽतीन्द्रिय: NyāySu.(Ja.) 24A. 4 (*on* i. 1. 1); अतीन्द्रियाश्रितयोस्तयोरैन्द्रियकत्वानुपपत्ति: NyāySu.(Ja.) 390B. 3 (*on* ii. 2. 7)

अतीन्द्रियासिद्धि (atīndriyāsiddhi) *f.* non-establishment of a super-sensuous thing त्वन्मते सर्वस्य योगीन्द्रियग्राह्यत्वेन अतीन्द्रियासिद्धौ असंभावितत्वात् नोक्तमिन्द्रियं सिध्यति TarkSaṁ.(Ā.) 34. 5.

अतीन्द्रियेन्द्रिया (atīndriyendriyā) *adj.* (*f.*) possessing super-sensuous sense-organ दिव्येयमादिसृष्टिस्तु रजोगुणसमुद्भवा । अतीन्द्रियेन्द्रिया तद्वदतीन्द्रियशरीरिका MatsyaP. 4. 3.

अतीन्द्रियेश्वरभेद (atīndriyeśvara-bheda) *m.* difference from super-sensuous Supreme Being नन्वेवमपि अतीन्द्रियेश्वरभेद: कथं प्रत्यक्ष: स्यात् BhedaDhi. 10. 1.

अतीन्द्रियोच्छेद (atīndriyoccheda) *m.* disappearance of super-sensuous things अनुपलब्धिमात्रस्य बाधकत्वे अतीन्द्रियोच्छेदात् TattvCin. ii(2). 33. 2.

अतीन्द्रियोदाहरण (atīndriyodāharaṇa) *n.* example of a super-sensuous object अतीन्द्रियोदाहरणसूत्रं सिद्धान्ते पूर्वपक्षे वा TātpaṬ.(Vā.) 52. 18 (*on* i. 1. 1)

अतीन्द्रियोपराग (atīndriyoparāga) *m.* eclipse as super-sensuous तथा सर्वज्ञतामन्तरेणापि भवतीदानींतनज्यौतिषिकाणामिवातीन्द्रियोपरागादिज्ञानमित्यभिप्राय: DharmoPra. 246. 18.

अतीन्द्रियोपादान (atīndriyopādāna) *n.* super-sensuous material cause नात्र शरीरपूर्वकत्वं साधनीयं शरीरे सत्यवश्यमिन्द्रियप्राप्तावतीन्द्रियोपादानोपकरणादिकारकशक्तिपरिज्ञानासंभवे सति कर्तृत्वासंभवात् NyāyKa. 55. 18; किं विपुलकार्याणां कर्तृकालैक्यनियममन्तर्भाव्य तदुच्यते ⋯ उतातीन्द्रियोपादानादिदर्शनवशात् S'rutaPra. iB. 127. 24 (*on* i. 1. 3)

अतीन्द्रियोपादानक (atīndriyopādānaka) *adj.* having a super-sensuous thing for its material cause अतीन्द्रियोपादानकस्यापि द्रव्यस्यैन्द्रियकत्वं त्र्यणुकादेरिवोपपद्यते NyāySu.(Ja.) 24A. 6 (*on* i. 2. 1)

अतीन्द्रियोपाधि (atīndriyopādhi) *m.* super-sensuous extraneous or delimiting condition (too wide a middle term in a syllogism) अतीन्द्रियोपाधिनिषेधे किं प्रमाणम् NyāyKuA. i. 181. 1; अतीन्द्रियोपाध्यादिलिङ्गानाम् ⋯ अनभिधानम् KhaṇḍanKhā. 823. 10; 714. 21; नन्वतीन्द्रियोपाधिशङ्कायां कथं साध्यनिश्चय: NyāyPari. 113. 4.

अतीन्द्रियोपाध्यन्तर (atīndriyopādhy-antara) *n.* another super-sensuous extraneous or delimiting condition अथ तेनैवाप्यतीन्द्रियेणातीन्द्रियोपाध्यन्तरप्रयुक्त: संबन्ध इति शङ्क्येत NyāyPari. 115. 3.

अतीन्धनावृत (atīndhanāvṛta) *adj.* piled over with excessive quantity of fuel (न दीप्यते) यथा निरिन्धनो वह्निरल्पो वातीन्धनावृत: CaraS. vi. 15. 212 (1941 Ed.); AṣṭāSaṁ. ii. 76. 11 (4. 12)

अतीप (atīpa) *n.* place abounding in water अतीपम् MugdhaBo. 6. 70 (62. 16)

अतीपान (atī-pāna) *n.* drinking of water superseding (gods, *pitṛs* etc.) अत्याशनादतीपानाद् यच्च उग्रात् प्रतिग्रहात् । तन्नो वरुणो राजा पाणिना ह्यवमर्शतु TaiĀ. x. 1. 13 (778. 4) (comm. देवर्षिपितृतर्पणमतीत्य पीतमुदकम् अतीपानम्)

अतीभ (atībha) *adj.* superior to an elephant अथ क्षितीशो रतिपालशौर्यं अतीभमाकर्ण्य लसत्प्रमोद: ।⋯ अमुष्य पादेऽक्षिपत् काञ्चनशृङ्खलानि HammīMaKā. 10. 63.

अतीमोक्ष (atī-mokṣa) *m.* [pl.] name of a number of Mantras (TaiS. III. v. 4. 12; MaiS. i. 4. 3); तानि ह त्वा एतानि कूश्माण्डानीत्याचक्षते ⋯ अतीमोक्षा इति वा BaudhS'S. i. 52. 13; i. 242. 2; अन्तर्वेद्यासीनोऽतीमोक्षान् जपति BhārS'S. iv. 22. 1; विष्णुक्रमान् ⋯ अतीमोक्षानिति व्यतिषक्तानेके समामनन्ति ĀpaS'S. iv. 14. 9; ये देवा यज्ञहन इत्यतीमोक्षा: ĀpaS'S. iv. 14. 10; iv. 16. 8; xiii. 25. 1; अतीमोक्षैरग्नीनुपतिष्ठते MānS'S. 28. 9.

अतीयाय (atīyāya) *ger.* having spent मुहूर्तमतीयाय जपेदिह रतिरिह रमध्वम् PāraGS. iii. 14. 10.

अतीयिवस् (atīy-ivas) *adj.* who has surpassed दधदुर्वरावलयमेककोऽपि य: किरिकच्छपोरगपतीनतीयिवान् Surath. 14. 26; शिशुनापि शुनासीरवीरवृत्तिमतीयुषा । रुषा भुजिष्यतां नीता: पिशुना येन भूभुज: PrabaCin. 76. 9.

अतीर (a-tīra) *adj.* **i** without a shore, vast अत: परमतीरोऽयं सागर: सरितां पति: Rāmā. vi. 4. 69 (comm. अलभ्यपरतीर:); **ii** not growing on the bank मुक्ताढकमसूराणामतीरैर्जाङ्गलैस्तथा ।⋯ यूषै: पुराणगोधूमयवशाल्यन्नमभ्यसेत् ViṣṇuDhaP. ii. 56. 40.

अतीरशुष्क (a-tīraśuṣka) *adj.* not dry on the bank (रेवा क्रमेणाप्यत पार्थिवेन) या ⋯ अतीरशुष्कांश्च दधार वृक्षान् Rāvaṇā. 4. 29.

अतीरात्र (atī-rātra) *m.* **1** dead of night, midnight पूर्वांशे द्वितये ज्ञेय: पक्ष एव मनीषिभि: । तृतीयांशे पुनर्मृत्युरतीरात्रात् प्रजायते HārīS. ii. 6. 43; **2** name of a son of Cākṣuṣa Manu and Naḍvalā (चाक्षुषात्) मनोरसूत ⋯ नड्वला सुतान् । पुरुं कुत्सम् ⋯ । अग्निष्टोममतीरात्रम् BhāgP. iv. 13. 16; cf. **अतिरात्र.**

अतीरुच् (atī-rúc) *m.* fetlock or knee (of a horse) आग्नेमतीरुग्भ्याम् MaiS. iii. 15. 3; JaineVyā. 315. 27 (*on* iv. 3. 219); cf. **अतिरुच्.**

अतीरुत (atī-ruta) *n.* name of a metal प्रागादौ रजतं ताम्रं त्रपु वंगमतीरुतम् ।⋯ मध्ये हेम निवेश्य च JayāS. 20. 311.

अतीरेक (atī-reká) *m.* [DEBRU. p. 102] surplus, excess, redundancy नेत्त्वेवातीरेकोऽस्ति S'atBr. IV. v. 10. 8.

अतीरोक (atī-roka) *m.* interspace, space between the strings नक्षत्राणामतीरोका: KapiKaS. 35. 7; अथैषौदुम्बरी राजासन्दी । तस्यै ⋯ वाकोवाक्यमतीरोका(:) JaimiBr. 2. 25; परिश्रयन्त: स्रक्तिष्वतीरोकान् कुर्वन्ति HirS'S. vii. 1. 25; LāṭyāS'S. iii. 12. 7.

अतीर्ण (á-tīrṇa) *adj.* not covered, not traversed प्रेमायुस्तारीदतीर्णम् ṚV. viii. 79. 6; जन्यार्णवोऽरिजनित: सुमहानिदानीं तीर्णोऽप्यतीर्ण इति निश्चिनुते मनो मे Jīvān. 433. 3.

अतीर्णपराभव (atīrṇa-parābhava) *adj.* one who has not overcome defeat स्फुरसि न त्वमतीर्णपराभवस्तव तमो बत मोक्षपथोऽप्यसौ RāmC. (App. 1) 37. 50.

अतीर्ति (a-tīrti) *f.* not overcoming रक्षसामतीर्त्यै KapiKaS. 29. 8.

अतीर्त्वा (a-tīrtvā) *ger.* without settling the issue नाभियुक्तोऽभियुञ्जीत तमतीर्त्वार्थमन्यत: NāraSm. 21. 55.

अतीर्थ (a-tīrtha) *n.* **1** place other than the regular path (between the Cātvāla and Utkara) तेनान्तरेण प्रतिपद्यन्ते चात्वालं चोत्करं च । एतद्वै देवानां तीर्थम् ।⋯ अतीर्थं ह्येव यज्ञस्यातोऽन्यत् ṢaḍviBr. iii. 1. 7; संस्थितेऽतीर्थेन निर्हृत्यावभृथे प्रेतालङ्कारान् कुर्वन्ति ĀśvaS'S. I. vi. 10. 1; MānS'S. 180. 6; 199. 12; LāṭyāS'S. iii. 4. 5; **2** improper occasion अतीर्थं वै प्रातस्सवनं दक्षिणानाम् JaimiBr. 2. 130; **3** part (of the palm of the hand) other than the tīrtha (i. e. the region used for the flow of water) (यद् यन्मीमांस्यं स्यात्तत्तदद्भि: संस्पृशेत् ।⋯ नोपस्पृशेद् व्रजन् । नाङ्गुलीभि: । नातीर्थेन GobhiGS. i. 2. 17; नातीर्थेन विहिततीर्थान्येन पित्र्यादिना न (आचामेत्) VīraMi.(Āhnika.); 93. 25; **4** unworthy person अतीर्थे ब्रह्मणस्त्यागी तीर्थे चाप्रतिपादक: (एतान्येनांसि सर्वाणि) MahāBhā. xii. 35. 5; अनर्हे ब्राह्मणे दत्तमज्ञानात्तन्न दूषकम् । सकारणं तथा तीर्थेऽतीर्थे वा प्रतिपादनम् MahāBhā. xii. 35. 29; सुवृत्तस्यावदातस्य कलापूर्णस्य सत्पते: । क्षणलेशग्रहेऽपि स्यादतीर्थस्यापि तीर्थता SubhāNī. 8. 1; **5** not a ford, not a proper landing place अकाले अतीर्थे च तरत: पूर्व: साहसदण्ड: ArthS'ā. i. 309. 1 (2. 28); अभूमावतीर्थेऽवतारणं तरुषण्ड इत्यत्ययस्थानानि ArthS'ā. i. 336. 2 (2. 32); पूर्व्वे राजान: पोतपात्रेष्वन्यदेशाद्देशान्तरप्रवृत्तेषु दुर्व्वातेन समापतितेषु भग्नेष्वतीर्थसंगतेषु च संभृतानि कनककरितुरगरत्नादीनि वस्तूनि सकलानि बलादपहरंति EI. xii. 195. 143; **6** improper course (of action) धनधान्यरत्नानि देवो दातुमर्हति न स्वचक्षु: ⋯ तन्न देवं वयमतीर्थे प्रतारयाम: JātaMā. 10. 15 (2. 24); तदयुक्तं मामतीर्थे प्रतारयितुम् JātaMā. 85. 8 (13. 25); **7** not a holy place, not a place of pilgrimage तीर्थविशेषणं च सुखावतरत्वाद् दु:खावतारादतीर्थाद् व्यावर्तयत्पुरुषस्योपकरोति TantrVā. 982. 13 (*on* iii. 4. 20);

तीर्थेऽप्यतीर्थे मरणे विशेषो नास्ति कश्चन । मन्मन्त्रोपासकानाम् BrahmVaiP. ii. 10. 84; सुतीर्थे वाप्यतीर्थे वा जलमध्येऽपि वा वसन् । पराप्रासादमन्त्रज्ञो मुक्त एव KulārT. 16. 117; **8** period of time when no Tīrthaṅkara lives तीर्थे सति सिद्धाः निर्वृतास्तीर्थसिद्धा ऋषभसेनगणधरादिवत् ··· अतीर्थे तीर्थान्तरे साधुव्यवच्छेदे जातिस्मरणादिना प्राप्तापवर्गमार्गा मरुदेवीवत् सिद्धा अतीर्थसिद्धाः SthānṬ. 33B. 1; **9** not the usual way, something unusual, Anupadasūtra 1. 8 [pw]; **10** [Loc.] at an improper place ये ··· मृगयाविहारा अतीर्थे च मृगान् निघ्नन्ति तानपि संपरेताँल्लक्ष्यभूतान् यमपुरुषा इषुभिर्विध्यन्ति BhāgP. v. 26. 24; ये ··· मृगयारसिका नित्यमतीर्थे मृगघातकाः DevīBhāP. viii. 22. 45; **अतीर्थेन** (á-tīrthena) [Inst.] not in the correct manner, following a wrong way अ॒तीर्थेन॒ त्वा॒ अ॒य॒मध्व॒र्युरा॒हुतीः॒ प्रा॒रौत्सीत् S'atBr. XI. iv. 2. 14; *adj.* not sanctifying, not purifying दानमिज्या तपः शौच तीर्थसेवा श्रुतं तथा । सर्वाण्येतान्यतीर्थानि यदि भावो न निर्मलः SkandP. iv. 6. 39 (comm. पवित्रत्वासाधकानि)

अतीर्थकरसिद्ध (atīrthakara-siddha) *m.* one who is a Siddha but not a Tīrthakara तीर्थकराः सन्तो ये सिद्धास्ते तीर्थकरसिद्धा ऋषभादिवत् ··· अतीर्थकरसिद्धाः सामान्यकेवलिनः सन्तो ये सिद्धा गौतमादिवत् SthānṬ. 33B. 4.

अतीर्थगता (atīrtha-gatā) *adj.* (*f.*) committed at places that are not holy सर्वा च तीर्थातीर्थगता हिंसैव Kāśi. i. 188. 9 (*on* 2. 252)

अतीर्थगमन (atīrtha-gamana) *n.* cohabitation outside the prescribed period called *ṛtu* or *tīrtha* अतीर्थगमनात्पुंसस्तीर्थे(ऽ)संगाहनात् स्त्रिया । उभयोर्धर्मलोपः स्यात् BhaviP. 271B. 5 (i. 182. 73)

अतीर्थता (atīrtha-tā) *f.* the state of not being a holy place एषां शापं प्रदास्यामि तीर्थस्य नगरस्य तु । तीर्थं चातीर्थतां यातु नगरं शापयाम्यहम् MatsyaP. 185. 21.

अतीर्थप्रपन्न (atīrtha-prapanna) *adj.* who has entered by the improper or wrong passage अतीर्थप्रपन्ना ऋत्विजः पुरायुषः प्रमायुका भवन्ति । तीर्थप्रपन्नाः सर्वमायुर्यन्ति MānS'S. 184. 10.

अतीर्थसर्पण (a-tīrthasarpaṇa) *adj.* not going to a sacred place अनर्थितर्पणं वित्तं चित्तमध्यानदर्पणम् । अतीर्थसर्पणं देहं पर्यन्ते शोच्यतां व्रजेत् RājTa.(Jo.) 909 = Subhāṣi. 3038.

अतीर्थसिद्ध (atīrtha-siddha) *m.* one who has attained liberation in a period of time when no Tīrthaṅkara lives अतीर्थे तीर्थान्तरे साधुव्यवच्छेदे जातिस्मरणादिना प्राप्तापवर्गमार्गा मरुदेवीवत् सिद्धा अतीर्थसिद्धाः SthānṬ. 33B. 1.

अतीर्थस्नान (atīrtha-snāna) *n.* bath at a place which is not a ford निमज्जनं च नदीतडागादावतीर्थस्नानमङ्गपरिघर्षणादिवर्जनम् ManuBh. i. 455. 7 (*on* 5. 72)

अतीर्थीकृत (a-tīrthīkṛta) *adj.* not given to worthy persons वित्तं त्वतीर्थीकृतम् ··· रक्षति दुःखदुःखी BhāgP. xi. 11. 19.

अतीर्यसत्त्व (atīrya-sattva) *adj.* whose prowess cannot be overcome कुरुबलाब्धिमनन्तपारमेको रथेन ततरेऽहमतीर्यसत्त्वम् BhāgP. i. 15. 14.

अतीव (átīva) *ind.* [GaṇRa. 1. 15 (34); JaineVyā. i. 1. 74] **Ai** as if high above, as if surpassing अती॒व यो म॑रु॒तो मन्य॑ते नः AV. ii. 12. 6; बृहस्पते अति यदर्यो अर्हादित्येतया परिदध्यात् तेजस्कामो ब्रह्मवर्चसकामोऽतीव वान्यान् ब्रह्मवर्चसमर्हति AitBr. 17. 5 (466) (comm. अत्र पादे योऽयमतिशब्दस्तत्प्रसादादनुष्ठातान्यपुरुषानतीवातिक्रम्यैवाधिकं ब्रह्मवर्चसमर्हति प्राप्नोतीत्यर्थः); शिष्यस्ते शासिता सोऽस्तु धृतराष्ट्र युधिष्ठिरः । अतीव सर्वान्पुत्रांस्ते MahāBhā. v. 34. 82; (MahāBhāraDī. अतीव अतिक्रम्य); देवराज सुदेवोऽयं मम सेनापतिः पुरा । आसीद्योधः प्रशान्तात्मा सोऽयं कस्मादतीव माम् । नानेन क्रतुभिर्मुख्यैरिष्टं नैव द्विजातयः । तर्पिता विधिवच्छक्र सोऽयं कस्मादतीव माम् MahāBhā. xii. 99. 10–11; **Aii** as if beyond या॒ हु॒ता॒ अति॑ने॒दन्ति मनुष्यलो॒कमेव ता॒भिर्जयत्य॒तीव॒ हि मनुष्यलोकः S'atBr. XIV. vi. 1. 10; अतीव हि पितृलोकः BṛĀraU. iii. 1. 8; **B** very much, excessively [अतीव च निर्भरे AmaK. 2853; अतीवेत्यत्रेवशब्दो वाक्यालंकारे तं च प्रायोऽतिशब्दात् किंवृत्तेश्च प्रयुञ्जते शाब्दिकाः SyādvāMañ. 7(4)] (with verbs) स यद्यतीव वर्षेद् एतदेव निधनमुपेयात् JaimiBr. 1. 117; यः सर्वभूतप्रशमे निविष्टः ···। अतीव संज्ञायते ज्ञातिमध्ये MahāBhā. v. 33. 101; सोऽतीव बालबुधवृद्धतमान् बभार VarāṅgaC. 1. 51; वेदार्थज्ञानरत्ने मे तृष्णातीव विजृम्भते S'lokaVār. 1. 9 (3. 6); मेयाभावस्य मेयता । न्यायं न सहतेऽतीव BṛĀraUBhVā. (Sambandha.) 938; कुवलयमतीव वापीं विभूषयति EI. i. 360. 60; केऽपि काका इव ··· कवित्वकर्पूरवनीः कवीनामतीव···द्विषन्ति VasaViKā. 1. 25; शुभसंभावनोत्कर्षादतीव मुमुदे हृदि PārśvC. 1. 244; प्रद्योतते नूनमतीव भास्वान् Yādavā. 11. 59; प्रशशंसुरतीव शंकरम् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 4. 31; कमले किल तव नयने संमोहयतो ह्यतीव मे चेतः AlaṅkāMañ. 35. 9; (with nouns) यदा शीते भवत्युष्णमुष्णे शीतमतीव च । नवमासात् परं विद्यात् तेषु देशेषु वै भयम् AVPari. lxxi. 2. 5; पश्यन्ति हि भवन्तोऽद्य मय्यतीव व्यतिक्रमम् MahāBhā. ii. 42. 13; पश्चाच्छान्तिं न च गच्छत्यतीव MahāBhā. iii. 254. 11; पुरीषमानाहमतीव कुर्यात् रेतोऽवरोधः कुरुतेऽथ षण्ड:(म्) BhelaS. 10. 1 (1. 6); नायकविदितं च प्रादोषिकं विधिमतीव यत्नादस्याः कारयेत् KāmSū. 243 11 (4. 2); क्षुद्रेऽपि नूनं शरणं प्रपन्ने ममत्वमुच्चैःशिरसां सतीव (v. l. अतीव) KumāSam̐. 1. 12; SāhiDa. 426. 7; Kuval. 123(22); अतीव मे कौतुकं वर्तते UttaRāC. 4. 20(3); ईदृशस्य भवतः कथमेतल्लाघवं मुहुरतीव रतेषु S'iśuVa. 10. 77; भिनत्ति भीमं करिराजकुम्भं बिभर्ति वेगं पवनादतीव (सिंहः) NītiRa. 7; Indische Sprüche 2047; अतीव शब्दं कुर्वन्ति मांसाद्याहुतयः BṛĀraUBh. 366. 10 (*on* iii. 1. 8); एतौ द्वावप्यर्थौ न शास्त्रादृते अन्येन प्रतिपादयितुं शक्येते इत्यतीव शास्त्रविषयः TantrVā. 231. 3 (*on* i. 3. 25); ManuBh. i. 364. 22 (*on* 4. 91); निहतेषु···सत्त्वेषु ··· । एता वहन्ति संतापमतीवारण्यभूमयः NavaSāC. 2. 59; कर्षकाणां वै तदेवातीव दुर्दिनम् । ··· सुखदम् DevīBhāP. iii. 9. 17; अनुरागातिशयसूचकमालतीकटाक्षाभियोगे माधवस्य रतिरतीवोत्पद्यते SaraKaṇṭhā. 601. 6; पितामहो यस्खलु सिंहवर्म्मा पिता च यद्वीरवरस्सधन्वः । जगत्यतीवातिशयोऽमुनैव महानुभावत्वमतो[ऽ]पि यस्तु EI. i. 258. 15; विधुरतीव तनोति ··· हृदये मदनव्यथाम् GītGo. vii. 14. 9; तर्के ज्ञानमतीव यस्य EI. xix. 299. 24; (अमावास्यायाः) अपराह्णे सूर्याचन्द्रमसोरतीव संनिकर्षात् BhāṭṭCan. 15. 15 (*on* xiii. 2. 11); जनप्रवादमाकर्ण्य ··· । अतीव भवनिर्वेदो बभूव मम चेतसि SamarāSam̐. 2. 228; तदाप्यनम्रं तमतीव गर्वात् । विपक्षमालोक्य विशामधीशः ··· रोषारुणवीक्षणोऽभूत् Raghunā. 8. 85; अमलद्युतिसंध्या । भासते··· अतीव सतीव PadyaVe. 559; अतीव सौन्दर्यादिकृतो गर्वो यस्याः संजातः ··· अतिगर्विता LalitāSaBh. 119. 14 (*on* 155); (with adjectives, adjectivals and adverbs) कर्णस्तु तद्वाक्यमतीव हृष्टः । संपूजयामास हसन् सशब्दम् MahāBhā. ii. 60. 38; राममतीव प्रियदर्शनम् । ···न ततर्प समायान्तं पश्यमानो नराधिपः Rāmā. ii. 3. 12; अतीव हि समालक्ष्य भ्रातरं क्षुभितेन्द्रियम् । कुम्भकर्णः शनैर्वाक्यं बभाषे Rāmā. vi. 51. 28; भवतः शरण्यानतीव सन्दर्शितपक्षपातान् । यास्यामि BuddhaC. 7. 47; सत्त्वानि ··· स्वजातिषु प्रीतिपराण्यतीव Saund. 16. 20; (मुखाब्जं तन्वङ्ग्याः) किंपाकद्रुमफलमिवातीव विरसम् S'atTrayī. 96; 339; वयांसि तेषां स्तनपानबाल्यव्रतस्थिता यौवनमध्यवृद्धाः । अतीव वृद्धा इति चन्द्रभौमज्ञशुक्रजीवार्कशनैश्चराणाम् BṛSam̐. 96. 17; अंशुपाणिभिरतीव पिपासुः पद्मजं मधु ··· पतङ्गः Kirātā. 9. 3; कुलवधूर्यदि ··· अतीव प्रियमिति वा विप्रियं वदति DhūrtaViSam̐. 26. 6; अतिमलिने कर्तव्ये भवति खलानामतीव निपुणा धीः । तिमिरे हि कौशिकानां रूपं प्रतिपद्यते चक्षुः VāsaDa. 6. 1; Subhāṣi. 928; कौमारकं विहन्तुं रतिसमये मदनसेनायाः । इच्छामि किन्तु तस्या मात्रातीव प्रसारितं वदनम् KuṭṭaMa. 350; अतीव कुत्सिताचारोऽपि भजते माम् GītāBh.(S'aṅ.) 273. 6 (*on* 9. 30); संसारोऽयमतीव विचित्रः MohaMu. 8; वाम्या ये च विषातुराः । अतीव चोल्बणकफास्ते च स्युर्मधुकाम्बुना SiddhYo. 73. 21; न जाने का च सा माया किं स्वित् सातीव दुष्करा DevīBhāP. i. 15. 25; त्वमतीव गुणश्लाघी YogVā. ii. 11. 51; दुराराध्या हि नरपतयः पर्वता इव (v. l. अतीव कर्कशाः स्तब्धाः ईश्वराः पर्वता इव) PañcT. 1. 26(1) (25. 3); अन्तर्गूढविषो बहिर्मधुमयश्चातीव मायापटुः ··· यः शिक्षितो दुर्जनैः PañcT. 1. 107 (106. 9) = Hitopa. 2. 150; याञ्चाजीवनम् ··· अतीव गर्हितम् Hitopa. 1. 101(1); राजा जातोऽतीव विवेकवान् EI. iii. 299. 31; परुषं निष्ठुरार्थं तु यदतीव विगर्हितम् । विरुद्धलक्षणाद्यासु तदुक्तिषु न दुष्यति SaraKaṇṭhā. 133. 8; (पान्थौ) अतीव विस्मितौ BṛKāthāMañ. i. 2. 19; अतीव युक्तं मतम् ··· भवद्भिरुक्तम् DaśāvaC. 3. 18; तवेदमीदृशं रूपं दृष्ट्वातीव व्यथिता भवामः GītāBh(Rā.) 548. 24 (*on* 11. 23); ध्यानलयेन पुरः परिकल्प्य भवन्तमतीव दुरापम् GītGo. iv. 8. 7; EI. iii. 193. 10; VasaViKā. 2. 48; सः ··· अतीव भोजने गृद्धः PrabhāC. 34. 4; अयं प्रत्येकपदव्युत्पादनप्रयासः ··· भवद्भिरतीव परिहरणीयः NyāyKu. 4. 12; अतीव चित्राणि वीर भवतश्चरितानि Ekāva. 8. 46(3) (297. 11); काचिद्विधवातीव रूपवती PrabaCin. 98. 20; द्विषन्तः । वरं विहाय सह चेरुरतीव हृष्टाः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 2. 73; त्वयापि ··· यदेव सत्त्वेन व्यवस्थापितम् ··· तदतीव मन्दम् NyāySu.(Ja.) 39A. 8 (*on* i. 1. 1); बिभ्रदतीव विलोचनहारि वपुः । हरिरस्तु मदीयहृदम्बुजमध्यगतः ChandoMañ. 2. 373; सा कन्या अतीव रूपिणी VetāPañ.(S'i.) 22. 13; राजा ··· तासां पृष्ठे वस्त्रलग्नांस्तिलान् दृष्ट्वातीव चमत्कृतः MādhavāĀ. 25(3); कालक्रमेण परिणामवशादनव्या भावा भवन्ति खलु पूर्वमतीव तुच्छाः DṛṣṭāKaS'. 99; राधा ··· अतीव सहना तूष्णीमसौ तिष्ठति UjjvaNīMa. 90. 5; कन्दुकद्वयमतीव सुन्दरं राधिकोरसि HariVi. 1. 13; PurāPraSam̐. 13. 32; 79. 32; KathāK. 1. 7; 93. 15; श्रीरङ्गराजपुत्रः कनकसभापतिरतीव मेधावी EI. iii. 246. 154; महाकैलासो नाम कैलासादतीव परतो लोकः LalitāSaBh. 126. 7 (*on* 168); 203. 24 (*on* 242); **C** (with negative particle) (not) much, (not) quite (with verbs) तत्र यल्लोकवाक्यस्थं कथयेच्छब्दलक्षणम् । वेदं व्याख्यातुकामस्य तन्नातीवोपयुज्यते S'lokaVār. 5(5). 8 (407. 8); स्मर्यमाणस्य चांशस्य विवेकेनाप्रमाणता । श्रुतातिदेशवाक्यत्वं न चातीवोपयुज्यते S'lokaVār. 5(6). 10 (436. 2); ग्रन्थारम्भः स्वप्रतिपत्त्यर्थमिति नातीव शोभते TātpaṬ.(U.) 3. 15 (*on* 1. 9); (with nouns) तस्मान्नातीव वाच्यानां वाचकाधी-

नता भवेत् SlokaVār. 4.205 (196.3); नातीव पुनरुक्तता महान् दोषः NyāySu. (So.) 68.27 (*on* i. 2.19); पूर्णालुप्ताविभागः ··· नातीवालंकारशास्त्रे व्युत्पाद्यता-मर्हति CitraMī. 27.8; आज्यादिपदे तु ··· अतिरिक्तशक्तिकल्पनमपि ··· नातीव दोष-मावहति MīmāKau. i. 187.8 (*on* i. 4.3); निमित्तसूत्रस्य नातीव प्रयोजनम् MayūMāli. 2.26 (*on* i. 2.1); तत्र प्रत्यक्षागमसिद्धेष्वर्थेषु नातीव विसंवादः Govi-Bh. 114.9 (*on* ii. 2.1); (with *adjs.*) उत्सन्नवेदमूलत्वं तु वेदचतुष्टयप्रसिद्धेर्ना-तीव पेशलम् BālaKri. i. 18.17 (*on* 1.7); जैमिनीयानां प्रमाणलक्षणादिनिरूपणं नातीव···संगतम् NyāySu.(Ja.) 91A.6 (*on* i. 1.1); नातीव श्रद्धेया सा (योजना) SivārkaMaDī. i. 261.21 (*on* i. 1.22); उक्तिरपि वार्त्तिककारीया नातीवादर्तव्या MīmāKau. ii. 359.18 (*on* iii. 3.14); काव्यप्रकाशटीकाकारैरुक्तं नातीव श्रद्धेयम् RasGaṅ. 160.12; MayūMāli. 877.32 (*on* xii. 4.1) [अतीव forms cpds with words following it optionally; as there are no formal criteria to distinguish cpds. from phrases, only compounds with *atīva* syntactically connected with a member of the following cpd. are enlisted.]

अतीवकृश (atīva-kṛśa) *adj.* extremely lean त्वामतीवकृशतनुं दृष्ट्वा ··· अहम् ··· दुःखिता VetāPañ.(Jam.) 128.23.

अतीवक्षुभित (atīva-kṣubhita) *adj.* greatly agitated तं च श्रुत्वातीव-क्षुभितहृदय आकारमाच्छाद्य मण्डलवटप्रदेशे ··· अवस्थितः Tantrākhyā. 4.6; सः ··· तच्च श्रुत्वातीवक्षुभितहृदयः ··· तूष्णीमवस्थितः PañcT. 1.5 (13.4); इति श्रुत्वा हस्तिराजोऽतीवक्षुभितहृदयः चिरं विचिन्त्याब्रवीत् Pañcā. 186.22.

अतीवजातनिर्वेद (atīvajāta-nirveda) *adj.* full of great detachment (towards worldly things) आवाम्···सुदत्तभगवद्भाषितपुरावृत्तवृत्तान्तश्रवणेनातीव-जातनिर्वेदौ YaśasCam. ii 259.14.

अतीवतराम् (atīva-tarām) *adv.* exceedingly, excessively उत्क्षिप्तम् ··· अतीवतरां शिरोभिः ···। श्रद्धेयनिर्झरजलव्यपदेशमस्य विष्वक्तटेषु पतति स्फुटमन्तरिक्षम् SiśuVa. 4.25; ते तरवो दिवसेऽपि जज्वलुरतीवतराम् BhārCam. 3.121.

अतीवतीक्ष्ण (atīva-tīkṣṇa) *m.* extremely sharp (अहम्) अविकटा-धिपतिनातीवतीक्ष्णविषाणविनिर्मितमर्मप्रहारः ··· प्रेतभावमनुसरन् YaśasCam. ii. 219.2.

अतीवतीव्र (atīva-tīvra) *adj.* very fierce or intense तं वीक्ष्यातीव-तीव्रक्रुद्धरिष्टिरसौ जवात्। ··· एकेनैव प्रहारेणास्योत्तमाङ्गमपातयत् SamarāSaṁ. 5.584.

अतीवत्रस्त (atīva-trasta) *adj.* extremely troubled तस्मात्कथंचिदपेतोऽ-तीवत्रस्तहृदयः (गर्दभः) Tantrākhyā. 129.1; गर्दभः ··· अतीवत्रस्तहृदयः ··· पलायितः PañcT. 4.17 (389.2)

अतीवत्वरगलम् (atīvatvara-galam) *adv.* in such a manner that the words were coming out very quickly from the throat क्षितिपतिना ··· मुञ्च मुञ्चेमं चित्रपिङ्गलमतीवत्वरगलं गिरता ··· भण्डिलस्तामेव ··· अवस्थामनुससार YaśasCam. ii. 191.3 (comm. अतिशयेन वेगवद्गलशब्दं यथा भवति)

अतीवपाक (atīva-pāka) *m.* too much cooking किलिञ्जकनामधेयः किमपि मामबूभुजत् ··· अतीवपाकोपहतवृहतीवार्ताकफलतोभाजनकन्दसालनकावता-रम् YaśasCam. i. 405.4.

अतीवपाण्डुर (atīva-pāṇḍura) *adj.* extremely white दिग्वधूमुखमा-भाति विना चन्दनचर्चया। अतीवपाण्डुरच्छायं सान्द्रं चन्द्रमरीचिभिः Mānaso. iv. 2.260.

अतीवपितृवल्लभा (atīva-pitṛvallabhā) *adj.* (*f.*) very dear to (her) father तस्य सुताहं सुन्दरी नाम अतीवपितृवल्लभा VetāPañ.(Si.) 31.22.

अतीवप्रसन्नरोचिस् (atīvaprasanna-rocis) *adj.* of a very clear brilliance or brightness अतीवप्रसन्नरोचिषि चन्द्रमण्डले YaśasCam. i. 571.3.

अतीवफलभोगिन् (atīva-phalabhogin) *adj.* enjoying worldly plea-sures to a great extent तथान्तर्ध्याननिरता प्रियाः शंभोर्न कर्मिणः। बहिस्करा (? बहिश्चराः) यथा लोके नातीवफलभोगिनः SivaP. vii. 39.32 (598B.1)

अतीवममता (atīva-mamatā) *f.* extreme possessiveness (नरः) हिरण्यधान्यतनयभार्याभृत्यगृहादिषु। एते कथं भविष्यन्तीत्यतीवममताकुलः BrahmP. 233.38.

अतीवरम्य (atīva-ramya) *m.* very attractive or charming तत्सर्वं रसशृङ्गारं चकार रसिकेश्वरः। अतीवरम्यदेशे च सर्वजन्तुविवर्जिते DevīBhāP. ix. 19.7.

अतीवरी (atīvarī) *f.* a kind of medicinal plant, ApūNā. 42B.3.

अतीवरूपसंपन्न (atīvarūpa-sampanna) *adj.* endowed with extreme beauty कन्याद्वयमपश्यत। अतीवरूपसंपन्नम् VarāP. 10.53.

अतीवललिताकल्प (atīvalalitākalpa) *adj.* having very beautiful decorations प्रभुः ··· जगाम ··· रासमण्डलम् ··· अतीवललिताकल्पतल्पयुक्तैः सुशो-भितम् BrahmVaiP. i. 5.23.

अतीवव्याकुल (atīva-vyākula) *adj.* very much perturbed सः···अतीव-क्षुभितहृदयः (v. l. अतीवव्याकुलहृदयः) PañcT. 1.5(4) (13.8); दण्डप्रहार-संभ्रान्तमतीवव्याकुलेन्द्रियम् ··· निगडे स्थापयित्वा तं स्वयं सुष्वाप विज्वरः DevīBhāP. vii. 24.3.

अतीवव्याकुलित (atīva-vyākulita) *adj.* very much perturbed तं चापश्यन्तोऽतीवव्याकुलितचित्ताः संपन्नाः Tantrākhyā. 82.26; तं चापश्यन्तस्ते तत्कालसमुपजातविपरीतनिमित्तव्याकुलितचित्ताः (v. l. तं चापश्यन्तोऽतीवव्याकुलित-चित्ताः संपन्नाः) PañcT. 2.77 (36) (252.3)

अतीवशुभद (atīva-śubhada) *adj.* extremely auspicious काश्याः स कलयत्यतीवशुभदान् प्रौढान्कटाक्षक्रमान् ParamāKā. 132.61.

अतीवश्लक्ष्णता (atīva-ślakṣṇatā) *f.* extreme smoothness अतीवश्लक्ष्ण-तावशात्। न कांचिदुपमां रोद्धुमूरू शक्नोति सुभ्रुवः Subhāṣi. 1564.

अतीवसमयोपात्त (atīvasamayopātta) *adj.* obtained after a long time अतीवसमयोपात्तं पुण्यं मुञ्चन्ति येऽखिलम् PārśvC. 6.1250.

अतीवसाधुसंलाप (atīvasādhu-saṁlāpa) *adj.* conversing exceed-ingly well अतीवसाधुसंलापो वदेत् संसदि बुद्धिमान् SivS. 5.232.

अतीवसुख (atīva-sukha) *n.* great deal of happiness मुनीन्द्रा ये तु धर्मिष्ठाः ··· अतीवसुखसंपन्नाः प्रयान्ति यममन्दिरम् BṛNāraP. 29.21.

अतीवसुखसाध्य (atīva-sukhasādhya) *adj.* to be accomplished very easily अतीवसुखसाध्यो हि धर्मो वैशाखगोचरः SkandP. ii(7). 22.10.

अतीवसौख्य (atīva-saukhya) *m.* great pleasure साप्यतीवसौख्यपरा जाता SiṁhāDvā. (App.) 243.0 (69)

अतीवस्नेह (atīva-sneha) *m.* extreme affection शिशुमारोऽप्यतीव-स्नेहाक्षिप्तहृदयः स्वगृहगमनकालक्षेपमकरोत् PañcT. 4.1 (16) (373.2)

अतीवस्फुरद्वदन (atīvasphurad-vadana) *adj.* whose mouth was very much shaking नकुलोऽपि ··· अपश्यन्महाभोगिनम् ··· तं च दृष्ट्वा अतीव-स्फुरद्वदनदशनचरणः सहसोत्पत्य तस्योपरि संनिपतितः Tantrākhyā. 133.6; PañcT. 5.2 (56) (403.7)

अतीवहृतहृदया (atīvahṛta-hṛdayā) *adj.* (*f.*) whose heart is greatly captured तेनातीवहृतहृदया ··· प्रत्युतमातुः पूर्वार्जितधनमक्षपयत् Tan-trākhyā. 136.1.

अतीवाकार्यकारिणी (atīvākāryakār-iṇī) *adj.* (*f.*) doing very im-proper deeds भवतो दुहितातीवाकार्यकारिणी VetāPañ.(Jam.) 38.24.

अतीवाद (atī-vāda) *m.* name of a *ṛc* (verse) VaitāSū. 32.26 [VIŚVA ? PW, MW] cf. **अतिवाद.**

अतीवादा (atī-vādā) *f.* name of a *ṛc* (verse) प्रवल्हिकाः प्रतीराधान-तीवादामाहनस्याः सर्वा वाचो वदति KauṣiBr. 30.7 (145.1) (comm. वीमे देवा इत्येषातीवादा = AV. xx. 135.4); SāṅkhāSS.xii. 23.4 (comm.)

अतीवाद्भुतदर्शन (atīvādbhuta-darśana) *adj.* whose appearance was very wonderful कन्याद्वयमपश्यत ··· अतीवाद्भुतदर्शनम् VarāP. 10.53.

अतीवानन्दकारिन् (atīvānandakārin) *adj.* causing extreme de-light ततश्चत्वारि खण्डानि दिव्यरूपधराणि च। अतीवानन्दकारीणि BṛKathāK. 126.225.

अतीवायतेक्षणा (atīvāyatekṣaṇā) *adj.* (*f.*) having very long eyes विनीय दुःखमबला सा त्वतीवायतेक्षणा। उवाच प्राञ्जलिर्भूत्वा MahāBhā. xii. 250.1.

अतीवार्तमनस्ता (atīvārtamanas-tā) *f.* the state of having a very depressed mind असौ ··· बान्धवजमरणाद्द्रविणसंद्रवणाच्चातीवार्तमनस्तया छात-च्छायकायः YaśasCam. ii. 346.7.

अतीवार्द्रतनू (atīvārdra-tanū) *adj.* (*f.*) having very wet form (thoroughly drenched) सा सुषुवे सरस्वती। विहारमारभ्य सरस्वतीः सुधासरःस्वती-वार्द्रतनूरनूत्थिताः NaiṣC. 12.4.

अतीवासक्त (atīvāsakta) *adj.* greatly attached or addicted to मगध-सुन्दरीनामया पण्याङ्गनयात्मन्यतीवासक्तचित्तवृत्तिप्रसरो मृगवेगनामा वीरः···एवमुक्तः YaśasCam. ii. 304.27.

अतीवोत्तुङ्ग (atīvottuṅga) *adj.* very high or tall ततो गच्छंस्तया सार्धं ददर्श पुरतो वटम्। अतीवोत्तुङ्गशाखाग्रम् BrahmVaiP. iv. 29.30.

अतीवोत्फुल्लनयन (atīvotphulla-nayana) *adj.* with eyes very much widened (wide open) राजातीवोत्फुल्लनयनः ··· किमिदमिति चिन्तितवान् Pañcā. 117.24.

अतीवोदार (atīvodāra) *adj.* exceedingly magnanimous सुरेश्वरः। सत्य-शौचक्षमाचारमतीवोदारमानसम्। जिज्ञासुस्तमृषिश्रेष्ठम् MārkP. 3.20.

अतीवोद्वर्तन (atīvodvartana) *n.* excessive application of fragrant substances °अतीवोद्वर्तनकुलप्रवृत्त्यादिभिरुपायैः ··· उत्पद्यते (व्याधिः) KāśyaS

331B. 25.

अतीवोद्विग्न (atīvodvigna) *adj.* very much depressed कन्यामलभमानोऽसौ … चिन्तामवाप महतीमतीवोद्विग्नमानसः MārkP. 96. 2.

अतीव्र (a-tīvra) *adj.* [*f.* -ā] not sharp or acute (mild) रुजाकरमतीव्रवेदनं भवति SuśruS. iii. 6. 22; शिशोस्तीव्रामतीव्रां च रोचनाल्लक्षयेद्रुजम् RugVi. 68. 4; [blunt, not pungent, MW]

अतीव्रत (a-tīvrata) *adj.* not hasty, slow न विद्यते तीव्रता त्वरावत्ता यस्यासावतीव्रतः, अत्वरित इति यावत् VīraMi.(Saṁskāra.) 447. 13.

अतीव्रता (atīvra-tā) *f.* lack of sharpness or intensity माधुर्यमुक्तमाचार्यैः क्रोधादावप्यतीव्रता SaraKaṇṭhā. 75. 1; 721. 7; तिग्मांशुर्धत्ते ग्रीष्मेऽप्यतीव्रताम् RājTa.(Ka.) 1. 41; तीव्रातीव्रतया वायोः … कुर्वन्त्येकत्र रन्ध्रेऽपि तज्ज्ञा नानास्वरोदयम् SaṁgīRa. iii. 328. 1 (6. 454)

अतीव्रत्व (atīvra-tva) *n.* absence of intensity तेजसस्तु प्राणनैकट्यादुभयथा तीव्रातीव्रत्वेन प्राणानुग्रह इति द्विधा स्वेदो वैवर्ण्यं च Kāvyānu.(He.) 120. 1 (comm. अतीव्रत्वेन तु वैवर्ण्यं यथा)

अतीव्रप्रयत्नत्व (atīvraprayatna-tva) *n.* the state of possessing not very intense articulation एषु अतीव्रप्रयत्नत्वं संयोगस्य गुरुत्वाभावे हेतुः ChandaśCū. 1. 7 (17)

अतीव्ररक्षस् (a-tīvrarakṣas) *adj.* not having a demon more terrible than herself रन्तुमास्वयन तद्विदादयोऽतीव्ररक्षसि पतत्रिकेशिकौ RāmKṛViKā. 6 (comm. न विद्यते तीव्रं रक्षः यस्मात्तत्)

अतीव्रारम्भ (a-tīvrārambha) *m.* beginning or origin of the low (note) तीव्रेणापि शनैरेवमतीव्रारम्भसम्भवः NyāyMañ. i. 210. 4.

अतीशय (atīśaya) *m.* name of a Kinnara अतीशयः सप्रयोगो गीतज्ञश्चैव किन्नराः। शिवप्रणामसम्पन्ना व्यपोहन्तु मलं मम LiṅgaP. i. 82. 56.

अतीशशक्ति (atīśa-śakti) *f.* power surpassing (that of) the god भुवं विनान्यानखिलानधस्थानतीशशक्त्या प्रवहः पराशाम्। प्रचालयति SiddhāTaVi. 25. 12.

अतीशेष (atī-śeṣa) *m.* supernatural power of a Jain prophet चतुस्त्रिंशदतीशेषैरिद्धर्द्धिं त्रिजगत्प्रभुम् (त्वां तोष्ये) MahāP. 25. 7 (F. N. अतिशयैः)

अतीशोक (atī-śoka) *m.* extreme heat यदि शोको यद्यतीशोको रुद्रस्य प्राणो यदि [वा]वारुणोऽसि AV.(P.) i. 32. 3.

अतीष् (atīṣ-) I. P. to pass by तं मरुतोऽध्यैयन्त तेऽत्यैषन् MaiS. i. 10. 14; KāṭhS. 36. 8.

अतीषङ्ग (atī-ṣaṅga) *m.* name of a Sāman (recited by mingling two different *ṛcs*) रैवतो वैराजः शाक्वरः इतीन्द्रियस्य त्रयोऽतीषङ्गाः ĀrṣeBr. vi(1). 4. 4; सौर्योऽतीषङ्गः ĀrṣeBr. vi(4). 2. 5 (comm. अतीषङ्गो नाम परस्परमिश्रणम्। उभयोः ऋचोः सौर्यत्वाद्व्यतिषज्यते); अतीषङ्गानां वा प्रथमम् Kṣudra. 2 (91); अतीषङ्गो यदिन्द्रेन्द्रायाहि PuṣpSū. ii. 5. 7; येषां जपैश्च होमैश्च द्विजातयः पापेभ्यः पूयन्ते अतीषङ्गाः ViṣṇuSm. 56. 10.

अतीषद्धास्य (atīṣaddhāsya) *adj.* very slight smile दुर्गाम् … अतीषद्धास्ययुक्तास्याम् … मुदिता ददृशुः सर्वे BrahmVaiP. iv. 44. 48.

अतीसार (atī-sāra) *m.* dysentery or diarrhoea यदि यूपः सुषिरः स्यादतीसारेण यजमानो म्रियेत ĀpaŚS. ix. 20. 1; वातातीसाराभ्यां कुक् च P. v. 2. 129; अतीसारो व्याधिः MahāBh. ii. 144. 5 (*on* iii. 3. 17); JaineVyā. iv. 1. 52; CāndraVṛ. *on* i. 3. 7; KātanVṛ. *on* iv. 5. 2; SiddhāKau. 568B. 8; षडतीसारा इति वातपित्तकफसन्निपातभयशोकजाः CaraS. i. 19. 7 (1922 Ed.); अतीसारशूलार्ताः … सर्व एते दिवास्वप्नं सेवेरन् CaraS. i. 21. 40 (1922 Ed.); उपोदिका तिलकल्कसिद्धा हेतुरतीसारस्य CaraS. i. 26. 86 (1922 Ed.); स्कन्दापस्मारलक्षणम् … स्रस्ताङ्गत्वमतीसारः AṣṭāSaṁ. ii. 188. 13 (6. 3); दोषैर्व्यस्तैः समस्तैश्च भयाच्छोकाच्च षड्विधः। अतीसारः AṣṭāHṛ. iii. 8. 1; पक्वोऽसकृदतीसारः SiddhYo. 3. 23; क्रिमिदोषतः … नृणां भवत्यतीसारः RugVi. 3. 3; प्रवाहणातीसाराभ्यां निर्गच्छति गुदं बहिः RugVi. 55. 54; अतीसारे पुरुषं(? पुरीषं) च ततो मूत्रं प्रवर्तते KāśyaS. 78A. 43; तन्द्रातीसारपाण्डुत्वं भृशं स्निग्धस्य लक्षणम् ŚārṅgaS. iii. 1. 31; सारसस्य तथा मांसम् … मोहातीसारपित्तघ्नम् BhojanKu. 172. 13; इह खलु द्विविधोऽतीसारः Hastyāyur. 155. 8 (2. 2); अतीसारस्तृषा मूर्च्छा … शूलस्योपद्रवा दश HārīS. iii. 7. 67; अतीसारे सुशंसन्ति पिण्डोऽयं वाजिनः शुभः AśvaCi. 13. 35; अतीसारप्लीहागुल्मादिकैः … क्षयं (नीयते) ViṣṇuP. i. 17. 88; रोध्रत्वङ्मधुना सार्धं अतीसारविनाशिनी ViṣṇuDhaP. ii. 52. 68; षष्ठे मासे नृपोऽतीसारान्मृतः PurāPraSaṁ. 20. 29; मोदकभुक्त्यनन्तरं तस्या अतीसार उत्पन्नः KathāK. 133. 30; अङ्गारैः शाकवृक्षस्य … दत्तैर्नश्यत्यतीसारः ŚāraṅgaPa. 2850; अतीसारसंभूतबीभत्सभावना … अवनीपतिभवनमभजत् YaśasCam. ii. 295. 2; अतीसारैः … नष्टा पुष्टिः Deśopa. 7. 21; लिङ्गस्तम्भो ह्यतीसारः Rasā. 18. 138; उष्णोदकानुपानं च दद्यात् … अतीसारे RaseCin. 9. 17 (115. 7); अन्त्रग्रन्थिरतीसारः ParyāRaMā. 1401; Vaija. 183. 129 = KośaKaTa. 1. 7335; AnekāSaṁ. 3. 220 = ViśvaPra. 53. 79; ViśvaLoK. 113. 81; KalpaK. 54. 311; cf. **अतिसार.**

अतीसारक (atīsāra-ka) *m.* dysentery or diarrhoea दाहमूर्च्छाप्रलापाश्च छर्द्यतीसारकभ्रमाः।… पैत्तिकज्वरलक्षणम् ĪśānŚiPa. i. 45. 29.

अतीसारकारक (atīsāra-kāraka) *adj.* causing dysentery or diarrhoea उभौ बस्ती … अतिमात्रौ … क्रमातीसारकारकौ ŚārṅgaS. iii. 5. 19.

अतीसारकिन् (atīsārak-in) *adj.* [Debru. p. 542] suffering from or afflicted with dysentery or diarrhoea गुदे पक्वे गतोष्माणमतीसारकिणं त्यजेत् SuśruS. vi. 40. 21; वात - अतीसारशब्दाभ्यां मत्वर्थे इन् भवति … अतीसारकी JaineVyā. 252. 35 (*on* iv. 1. 52); अतीसारक्यपीदृक् स्यात् KātanVṛ. *on* ii. 6. 15; आन्नस्य भृत्या लुलुवु(ठु)श्च भूमौ। वातक्यतीसारकिणश्च पिशाचकिनो यथा DvyāśraKā. 18. 90; चादिनिः। वातकी। अतीसारकी SiddhāKau. 307B. 22; अतीसारक्यप्यतिसारकी NāmŚil. 1783; KośaKaTa. 1. 7336; cf. **अतिसारकिन्.**

अतीसारक्रिया (atīsāra-kriyā) *f.* treatment of diarrhoea or dysentery विकारान् साधयेत् … विड्वृद्धिजानतीसारक्रियया AṣṭāHṛ. i. 11. 32.

अतीसारगद (atīsāra-gada) *m.* disease of diarrhoea or dysentery लिङ्गैरसाध्यो ग्रहणीविकारो यैस्तैरतीसारगदो न सिध्येत् RugVi. 4. 19; अतीसारगदारम्भस्तत्रैवास्य विलोकितः RājTa.(Śrī.) 3. 526.

अतीसारचिकित्सित (atīsāra-cikitsita) *n.* therapeutics of dysentery or diarrhoea अथातोऽतीसारचिकित्सितं व्याख्यास्यामः CaraS. vi. 19. 1 (1941 Ed.); Hastyāyur. 155. 7 (2. 2)

अतीसारतस् (atīsāra-tas) *adv.* due to dysentery or diarrhoea विषूचिकान्नकवलदवातीसारतो मृताः ŚātāSm. 6. 3; शृङ्गाटकेन वैधव्यं दुहितॄणां प्रजायते। वाप्या कूपेन वा विद्धे स्यादतीसारतो भयम् SamarāSū. 39. 54.

अतीसारदुष्ट (atīsāra-duṣṭa) *adj.* suffering from dysentery or diarrhoea छर्द्यतीसारदुष्टानामतिस्विन्नतनोरपि … सिरामोक्षो न शस्यते ŚārṅgaS. iii. 12. 21.

अतीसारनाशन (atīsāra-nāśana) *adj.* curing dysentery or diarrhoea कोरदो(दू)षा(षौ)दनो योज्यस्तथातीसारनाशनः BhelaS. 252. 18 (8. 4); मकरो दीपनो हृद्यो ग्राही चोष्णविकारहा। मूत्राश्मरीणां शमनो गुल्मातीसारनाशनः HārīS. i. 22. 8; पटोलयवधान्याकक्वाथः पेयः सुशीतलः। शर्करामधुसंयुक्तश्छर्द्यतीसारनाशनः SiddhYo. 3. 32; 3. 32 (1); अमृतातिविषा तथा। एभिः कृतं पिबेत्क्वाथं ज्वरातीसारनाशनम् ŚārṅgaS. ii. 2. 62; रालो हिमो गुरुस्तिक्तः … शूलातीसारनाशनः BhāvPra. (Bhā.) 6 (3). 49; 6(7). 17; (आम्रबीजम्) लघ्वतीसारनाशनम् BhojanKu. 105. 6.

अतीसारनिपीडित (atīsāra-nipīḍita) *adj.* affected by dysentery or diarrhoea अतीसारनिपीडितम्। शूनमुष्कोदरं चैव यक्ष्मिणं परिवर्जयेत् RugVi. 10. 11.

अतीसारनिबर्हण (atīsāra-nibarhaṇa) *adj.* eradicating dysentery or diarrhoea तस्याग्निदीपनान् योगानतीसारनिबर्हणान् … कुर्यात् CaraS. vi. 8. 124 (1941 Ed.)

अतीसारनिवर्तक (atīsāra-nivartaka) *adj.* curing dysentery or diarrhoea सर्वांश्चैवौषधिगणानतीसारनिवर्तकान्। एवं यथास्वं युञ्जीत Hastyāyur. 607. 11 (4. 5)

अतीसारनिवृत्ति (atīsāra-nivṛtti) *f.* cure or stopping of dysentery or diarrhoea जम्ब्वाम्रमध्यं बिल्वं च सकपित्थं सनागरम्। पेयामण्डेन पातव्यमतीसारनिवृत्तये CaraS. vi. 8. 127 (1941 Ed.)

अतीसारपीडित (atīsāra-pīḍita) *adj.* afflicted by dysentery or diarrhoea गृहीत्वा सज्वरं श्वासच्छर्द्यतीसारपीडितम्। हन्नाभिहस्तपादेषु शोथः कर्षति गुल्मिनम् RugVi. 28. 19; 35. 28.

अतीसारप्रतिषेध (atīsāra-pratiṣedha) *m.* prevention of dysentery or diarrhoea अथातोऽतीसारप्रतिषेधं व्याख्यास्यामः SuśruS. vi. 40. 1.

अतीसारप्रवृद्धि (atīsāra-pravṛddhi) *f.* increase of diarrhoea or dysentery सलिलमुपयुञ्जनात्स्यादतीसारप्रवृद्धिहेतुरिति तस्मै दूर्वामधूलिकां मेषपर्णीं च संकुट्य … कवलान् दद्यात् Hastyāyur. 156. 10 (2. 2)

अतीसारभेषज (atīsāra-bheṣaja) *n.* the plant *Symplocos racemosa* तदेव वल्कलाह्वं च तथातीसारभेषजम्। श्वेतलोध्रं हि कथितं शब्दैः पर्यायवाचकैः AbhidhāMañ. 87. 10; अतीसारभेषजं रोध्रे ApūNā. 15A. 4.

अतीसारमृत (atīsāra-mṛta) *adj.* died of (chronic) diarrhoea or dysentery अतीसारमृते लक्षं सावित्र्याः संयतो जपेत् ŚātāSm. 6. 45.

अतीसाररोगघ्न (atīsāraroga-ghna) *adj.* curing the disease of diarrhoea or dysentery ज्वरातीसाररोगघ्नः …। सूतिकाघ्नो रसो नाम ब्रह्मणा परिकीर्तितः RaseCin. 9. 355 (270. 20)

अतीसारवत् (atīsāra-vat) *adv.* as in the case of dysentery or

diarrhoea (प्रवाहिकानाम्) तासामतीसारवदादिशेच्च लिङ्गं क्रमं चामविपक्वतां च RugVi. 3. 22.

अतीसारवर्ज (atīsāra-varja) *adj.* excepting dysentery (श्लेष्मा तु) छर्द्यतीसारवर्जानि यथोक्तानि शूलादीन्युपजनयत्यतिमात्राणि AṣṭāSaṁ. i. 70. 14 (1. 11)

अतीसारविज्ञान (atīsāra-vijñāna) *n.* knowledge of diarrhoea अथातीसारविज्ञानं भेषजं शृणु पुत्रक HāriS. iii. 3. 1.

अतीसारविनाशिनी (atīsāra-vināśinī) *adj.* (*f.*) curing diarrhoea or dysentery रोध्रत्वङ्मधुना सार्धमतीसारविनाशिनी ViṣṇuDhaP. ii. 52. 68.

अतीसारशमन (atīsāra-śámana) *adj.* curing diarrhoea or dysentery (शुण्ठीचूर्णम्) किराताब्दामृतानिम्बचन्दनोदीच्यवत्सकैः । शोषातीसारशमनं विशेषाज्ज्वरनाशनम् SiddhYo. 2. 23; 37. 70.

अतीसारशान्ति (atīsāra-śānti) *f.* removal of diarrhoea लाजोत्पलं वा स्तन्येन प्रियङ्गुलोध्रकं लिहेत् । कृष्णां समङ्गां वालोड्य ज्वरातीसारशान्तये ĪśānS'iPa. i. 46. 2; i. 45. 177.

अतीसारसाधन (atīsāra-sādhana) *n.* medical treatment for diarrhoea (उपाचरेत्) शकृद्वृद्धिजानतीसारसाधनेन AṣṭāSaṁ. i. 103. 10 (1. 19)

अतीसारहर (atīsāra-hara) *adj.* curing diarrhoea बिल्वम् ··· °कफप्रशमनानाम् । उदीच्यं निर्वापणदीपनीयच्छर्द्यतीसारहराणाम् AṣṭāSaṁ. i. 81. 6 (1. 13)

अतीसाराग्रवेदना (atīsārāgra-vedanā) *f.* pain preceding diarrhoea वातकर्मनिवृत्तिश्चेत्यतीसाराग्रवेदना: KāśyaS. 34A. 9.

अतीसारातङ्कतस् (atīsārātaṅka-tas) *adv.* due to the disease of diarrhoea यशोधरापि मे मातातीसारातङ्कतो मृता SamarāSaṁ. 4. 348.

अतीसारातिवर्तक (atīsārātivartaka) *adj.* complete destroyer of or cure for diarrhoea एष संवर्तनो वर्गो ह्यतीसारातिवर्तकः Hastyāyur. 302. 24 (2. 60)

अतीसारानुबन्ध (atīsārānubandha) *m.* continuity of dysentery अतीसारानुबन्धे पिच्छाबस्तयो योज्या: AṣṭāSaṁ. ii. 69. 16 (4. 11)

अतीसारिन् (atīsār-in) *adj.* suffering from dysentery एते हि ··· अविरेच्या: पुनर्नवज्वरातीसार्यधोरक्तपित्त° ··· °शल्याभिहतातिस्निग्धरूक्षक्रूरकोष्ठा: AṣṭāSaṁ. i. 138. 12 (1. 27); व्यायामप्रमदाध्ववाहनरतान् क्लान्तानतीसारिण: ··· कामं दिवा स्वापयेत् BhāvPra.(Bhā.) 5. 218.

अतीसारोक्तविधि (atīsārokta-vidhi) *m.* treatment prescribed for dysentery ग्रहणीमाश्रितं दोषमजीर्णवदुपाचरेत् । अतीसारोक्तविधिना तस्यामं च विपाचयेत् SiddhYo. 4. 1.

¹अतु (a-tu) (Gr.) other than the suffix *tu* (Uṇādi. तुन् and तु) तादौ च निति कृत्यतौ P. vi. 2. 50.

²अतु (atu) (Gr.) word ending in *atu*(=*at*) अत्वसन्तस्य चाधातो: P. vi. 4. 14; अत्वसन्तस्य दीर्घत्वे पित उपसंख्यानम् Vār. 1 (*on* vi. 4. 14); MahāBh. iii. 183. 21 (*on* vi. 4. 14); अत्वसोऽधो: JaineVyā. iv. 4. 12; सावतोश्च S'ākaṭāVyā. i. 2. 137; iii. 2. 128; अभ्वादेरत्वस: सौ SiddhaHe. i. 4. 90; vi. 4. 132; इदंकिमोऽतुरियक्रिय् चास्य SiddhaHe. vii. 1. 148; vii. 1. 161; vii. 2. 155; अत्वसोऽधो: सौ धोंऽधौ MugdhaBo. 3. 108 (26. 23); 3. 24 (13. 1); 7. 42 (71. 8); अतु, इति लुप्तषष्ठीकं पृथक् पदम् LaS'abdeS'e. i. 344. 12.

अतुकुली (atukulī) *f.* a kind of musical instrument मृदंगमुरजाश्चैव पटहोऽतुकुलीगणा: (दध्वनु:) BrahmāṇḍP. iii. 16. 3.

अतुङ्ग (a-tuṅga) *adj.* **i** not puffed up (i. e. flat) अतुङ्गमनपूपाकृतिं कूर्मस्येव प्रतिकृतिमश्वशफमात्रं करोति BhārS'S. i. 26. 2 = ĀpaS'S. i. 25. 4; HirS'S. i. 6. 45; **ii** not tall मेरो: सं(शृं)गमतुङ्गमेव मनुते चित्रीयमाणोऽरुण: EI. i. 145. 26; अतुङ्गस्तु भवेत् खर्वे S'abdaRaSaK. 63. 6; **iii** not being in the house of exaltation कक्ष्याह्रास: ··· तस्मिन्पापे नीचेऽतुङ्गेऽशुभसंयुक्ते JaimiUpaSū. ii. 1. 28.

अतुच् (atuc) (Gr.) the suffix *atuc* (*atu*) एधिवह्योरतुच् SaraKaṇṭhā. (Gr.) ii. 1. 65.

अतुच्छ (a-tuccha) *adj.* [*f.* -ā] **A** not insignificant, not small (i. e. abundant, considerable, large, vast, deep) [objects] अभ्यवाञ्छदतुच्छमच्छमशेषम् ··· अमृतमातृप्ति पातुम् (राजमहिषी) NalaCam. 3. 22 (32); बिभ्राण: स्वर्णतूणीरावतुच्छौ सरलाकृती TriṣaS'aPuC. i. 4. 258; ii. 4. 113; संपदा निर्विशेषाणां परस्परमतुच्छया । पूर्ग्रामाणां तत्र भेदो राजाश्रयकृतो यदि TriṣaS'aPuC. ii. 1. 7; मत्स्यस्यातुच्छं छित्वास्य पुच्छकम् SamarāSaṁ. 4. 380; YogVā. i. 23. 42; अतुच्छं क्षरन्त: सप्तधा मदम् ···इभा: बभु: PāṇḍaC. 12. 232; मा भूत्क्षुभ्यदतुच्छदुग्धजलधिस्वच्छोच्छलद्वीचिरुक्तन्न(न:) शक्तपूर्वपूरुषयशस्तत्संकुच [द्*]वृत्तिमत् ···कुम्भनृपतिस्ताने कलिंगे व्यधात् रम्यान् मंडपहेमदंडकलशान् EI. xxi. 286. 37; **Bi** not insignificant, not mean or low (i. e. great, intense, important) पिङ्गलक: ···असहमानस्वयंग्राहि ··· अतुच्छम् ··· राजत्वमनुभवन्नास्ते Tantrākhyā. 4. 16; Pañcā. 4. 30; नालिकेरफलसलिलविलुप्यमानमिथुनमन्मथकलहावसानपय:पानातुच्छवाञ्छे (उद्याने) YaśasCam. i. 103. 5 (comm. प्रचुरतरा); i. 123. 2; ii. 173. 8; क्लेशावेशमतुच्छमुपगच्छन्ती ··· शैलेन्द्रमधिरोहसि KaumuMi. 4. 2 (5); वत्स चित्तं तवातुच्छमतुच्छं दुस्तपं तप: SamarāSaṁ. 1. 139; 7. 12; 7. 199; ममाथ ··· मूर्च्छातुच्छा समागच्छत् SamarāSaṁ. 5. 299; SyādvāMañ. 24 (54); अहो अतुच्छं वात्सल्यं मातु: PrabhāC. 127. 21; S'āliC. 1. 39; लोकपाला इमे लोकं रक्षन्ति शुद्धवृत्तय: । मर्यादाभिरतुच्छाभिर्गोपाला गोगणं यथा YogVā. iii. 86. 45; **Bii** deep, dense (abstract ideas) यच्छन्नतुच्छां सुरलोकलक्ष्मीम् HammīMaKā. 2. 65; वाञ्छामतुच्छां दधौ HammīMaKā. 5. 71; 7. 119; 13. 32; हरिदासमणिवर्माणौ क्व पुनरतुच्छया मुदा गच्छत: Damaru. 81(2); **Ci** what is other than void मेयं चेत् तदप्यतुच्छं घटादिवत् IṣṭaSi. 118. 6; 141. 7; 141. 11; 156. 20; सारमिति यत् अतुच्छं रूपं तत् इयमेव विमर्शशक्ति: PratyabhiVi. i. 261. 6 (*on* i. 5. 14); SarvaDaSaṁ. 14. 58; अभावत्वं हि···अतुच्छोऽखण्डधर्म: LaCandr. 271. 12; **Cii** not false, real यच्छ्रेयो यदतुच्छं च यदपायविवर्जितम् । तत्तदाचर यत्नेन पुत्रेति गुरव: स्थिता: YogVā. ii. 7. 13 (comm. अतुच्छं परमार्थसत्यम्); iv. 20. 8.

अतुच्छक (atuccha-ka) *adj.* not insignificant (considerable), great स्रवदवश्यायसलिलशीकरक्षेपैर्वितरन्नतुच्छकं छ(छां)टक(?)मतिस्फुटम् UdaySuKa. 114. 19.

अतुच्छकलना (atuccha-kalanā) *adj.* (*f.*) having a considerable size (लहर्य:) अतुच्छकलना: काश्चित् YogVā. iv. 11. 71 (comm. अतुच्छा महती कलना देहसंस्थानकल्पना यासां ता:)

अतुच्छकान्तिच्छटा (atucchakānti-cchaṭā) *f.* streak of great splendour धारागृहमतुच्छकान्तिच्छटानाम् (राजा उदयसुन्दरीं ददर्श) UdaySuKa. 133. 11.

अतुच्छकीर्ति (atuccha-kīrti) *adj.* of great repute तस्य च्छत्रं यश:स्वच्छमतुच्छकीर्ते: RāmāMañ. 406. 9.

अतुच्छकोपा (atuccha-kopā) *adj.* (*f.*) very wrathful अतुच्छकोपापरिहार्या तद्भार्या घण्टाख्या ··· निर्विवरमररं प्रदायास्थात् YaśasCam. ii. 338. 13.

अतुच्छख्याति (atuccha-khyāti) *f.* knowledge of what is not void न तावदन्यथाख्यातिवादिना अयमतुच्छे तुच्छभ्रम: अतुच्छे अतुच्छख्यातौ वा तुच्छख्यातिभ्रम इति शक्यं वक्तुम् IṣṭaSi. 141. 8; न हि तुच्छस्य तत्त्वं बोधयन् बाधोऽतुच्छख्यातिस्स्यात् IṣṭaSi. 158. 5; 162. 14.

अतुच्छगुणाश्रय (atucchaguṇāśraya) *m.* abode of great qualities ऊचे च जननी वत्स त्वमतुच्छगुणाश्रय: SamarāSaṁ. 9. 314.

अतुच्छगूर्जरभू (atuccha-gūrjarabhū) *f.* great land of the Gūrjaras. गच्छोऽगच्छदतुच्छगूर्जरभुवि प्रष्ठां प्रतिष्ठामिमाम् PārśvC.(Praśasti.) 5.

अतुच्छचित्त (atuccha-citta) *adj.* not mean-minded, noble-minded निरुत्तरीकृत्य ततो हठेनानिच्छन्तमप्येनमतुच्छचित्तम् । हम्मीरदेवं नृपतित्वलक्ष्मीममीमनल्लातुमिलाविलासी HammīMaKā. 8. 55.

अतुच्छच्छदसंपद् (atucchacchda-sampad) *adj.* rich in large leaves लूताजालकरालायामतुच्छच्छदसंपदि । निहितान्यायुधान्यस्यां कोऽप्यवेक्षिष्यते न हि PāṇḍaC. 10. 23.

अतुच्छच्छाया (atuccha-cchāyā) *f.* abundant lustre इतस्ततो विदूरतरचरच्चाषच्छदमूर्च्छदतुच्छच्छायाच्छाद्यमानमेचकरचनै: ··· महाभागभवनैरुपशोभितं राजपुरं नाम नगरम् YaśasCam. i. 20. 2 (comm. अतुच्छा प्रचुरा या छाया कान्ति:)

अतुच्छत्व (atuccha-tva) *n.* the state of not being void नापि शून्यख्यातिप्रसङ्ग: प्रकारस्य अतुच्छत्वात् IṣṭaSi. 46. 16; तस्य तुच्छस्वभावस्य कार्यत्वेनातुच्छत्वप्रसङ्गात् Bhām. 753. 8 (*on* iv. 4. 1)

अतुच्छदेवच्छन्द (atuchha-devachhanda) *m.* large necklace of pearls (composed of 100, 103, 81 or 108 strings) अतुच्छदेवच्छन्दाविच्छिन्नकर्णीरथस्यन्दनद्विपतुरगनरनिकीर्णशयननिचयै: ··· रमणीनिकरै: ···स: ··· स्तूपं तत्रातिष्ठपत् YaśasCam. ii. 315. 9.

अतुच्छद्रव्य (atuccha-dravya) *n.* not negligible property एवं विभज्य ग्रहणमतुच्छद्रव्यविषयं, तुच्छद्रव्यं तु निस्स्वादिभ्य: समूहेन देयम् SmṛtiCan. iv. 532. 13.

अतुच्छधर्म (atuccha-dharma) *m.* property of a real thing तुच्छनिष्ठस्य सर्वदेशकालनिष्ठात्यन्ताभावप्रतियोगित्वादेस्तुच्छत्वमेव, अधिकरणस्वरूपत्वात्, तुच्छस्यातुच्छधर्मासंभवात् LaCandr. 271. 10; यदि तुच्छेऽप्यतुच्छधर्मसंसर्ग इति कस्यचिदाग्रह: तदा LaCandr. 272. 8.

अतुच्छधी (atuccha-dhī) *adj.* possessing great wisdom, very intelligent (द्विज:) अव्रजत्कुब्जकाभ्यर्णे प्रच्छं प्रच्छमतुच्छधी: । निषण्णश्च विषण्णश्च

MalliC. 6. 469; कुमार: … तत्र गत्वा च नत्वा च तमपृच्छदतुच्छधी: SamarāSaṁ. 2. 150; (धनगिरिर्मुनि:) सुनन्दासदनं पूर्वमेवागच्छदतुच्छधी: PrabhāC. 4. 58; सुहितानीन्द्रियाणीव वत्सरूपाण्यतुच्छधी: । विचार्य स: S'āliC. 1. 36.

अतुच्छपदस्थिति (atucchapada-sthiti) *adj.* **i** not found at a low place त्वया मुक्तगिरि: पाणौ ममातुच्छपदस्थिति: । निधीयतामधीराक्षि रागिधातुपरिच्छद: VidaMā. 6. 2; **ii** without the letters *tu*, *ccha*, *pa* and *da*; VidaMā. 6. 2.

अतुच्छपार्थवात्सल्य (atuccha-pārthavātsalya) *n.* great affection for Arjuna (son of Pṛthā) जल्पन्तं तम् …। अतुच्छपार्थवात्सल्यविवशो गुरुरब्रवीत् PāṇḍaC. 3. 312.

अतुच्छपुच्छ (atuccha-puchha) *n.* big tail अतुच्छपुच्छदण्डेन प्रचण्डेन स केसरी । भूतलं ताडयामास वज्रेणेन्द्र इवाचलम् TriṣaS'aPuC. iv. 1. 384.

अतुच्छबल (atuchha-bala) *adj.* having great strength स तु लक्ष्मणस्तव यश:सदृशं मम चाच्छिदच्छ्रुतिमतुच्छबल: Rāgh. 8. 60.

अतुच्छम् (a-tuccham) *adv.* significantly इत्थं सवात्सल्यमतुच्छमिच्छानुरूपम्…। उदीर्य देवी सपरिच्छदापि गिरोऽधिभू: क्वापि तिरोबभूव VasaViKā. 1. 73.

अतुच्छमत्सर (atuccha-matsara) *m.* excessive jealousy अतुच्छमत्सराक्रान्त: कियद्भिर्वासरैस्तत: । भूपतिर्दण्डकारण्ये संप्राप भयभीषणे CitraPaC. 426.

अतुच्छमनस् (atuccha-manas) *adj.* noble-minded किमिति चेत्थमतुच्छमनसापि भवता कृपास्पदमारब्धेयं तपस्विनी UdaySuKa. 84. 1.

अतुच्छमूर्च्छा (atuccha-mūrccha) *f.* intense or deep swoon श्रीदत्त:… प्रसूतिदु:खेनातुच्छमूर्च्छापाश्रयां धनश्रियमाकलय्य YaśasCam. ii. 339. 25; मन्दं वदन्नेवातुच्छमूर्च्छाभिराकुल: । क्रौर्यंत्रस्तैरिव प्राणैस्त्यज्यते स्म सुयोधन: PāṇḍaC. 13. 996; आपृच्छय गच्छति प्रेयस्यन्यया संज्ञया विना । अतुच्छमूर्च्छयादर्शि स्वानुरागस्य चेष्टितम् SamarāSaṁ. 5. 443; सा…अतुच्छमूर्च्छापगमात्स्वस्था तस्थौ कथंचन MalliC. 2. 511.

अतुच्छरुच् (atuccha-ruc) *adj.* having great lustre अथादर्शि मया…। अर्हन्नजितदेवाख्य: समागच्छन्नतुच्छरुक् SamarāSaṁ. 3. 52.

अतुच्छरूप (atuccha-rūpa) *n.* what is not void किं चायमपरस्त्वदीये पक्षे दोष: येनातुच्छरूपेणापोहे वस्तुमात्राक्षेपोऽपि न सिध्यति, तद्रूपस्य शशविषाणेऽपि संभवात् S'arka. 65. 4.

अतुच्छवत् (atuccha-vat) *adv.* like what is not void अतस्तदुभयं तुच्छमेव अतुच्छवद् भ्रान्तौ ख्यातिसामानाधिकरण्यवदिति मायावादिनापि भ्रान्तौ तुच्छख्यातिरेष्टव्या IṣṭaSi. 158. 1.

अतुच्छवात्सल्य (atuccha-vātsalya) *n.* great affection ततोऽतुल्यवात्सल्याच्छम्भल्या दास्या कालविलम्बेनेक्षुरसपूर्ण: करक: … उपानीयत PrabaCin. 48. 5; 87. 26; सङ्घस्यातुच्छवात्सल्यं कृत्वा स्वीयं च मन्दिरम् । अर्थिभिर्मुषितं चक्रे KumāDeC.(So.) 27. 12; अतुच्छवात्सल्यभरं दधान:…पृथ्वीराजेति नामाधित तस्य भूप: HammīMaKā. 2. 75.

अतुच्छविक्रम (atuccha-vikrama) *adj.* of great valour शकाधिप: …। तुष्टस्तवोपरि हमीरभूपते याचस्व वाञ्छितमतुच्छविक्रम HammīMaKā. 12. 5.

अतुच्छशब्द (atuccha-śabda) *m.* superfluous word शतार्धपञ्चांशभुजो द्वादशार्धार्धलोचन: ।… इति तुच्छमेवाभिधेयमतुच्छशब्दैरुक्तमिति अपुष्टार्थम् SaraKaṇṭhā. 8. 8.

अतुच्छशोकमूर्च्छाला (atucchaśoka-mūrcchālā) *adj.* (*f.*) fainting with great grief (मातर:) अतुच्छशोकमूर्च्छालास्तास्तत: कथमप्यगु: PāṇḍaC. 7. 88.

अतुच्छसार्थ (atuccha-sārtha) *adj.* accompanied by a large caravan गच्छन्नतुच्छसार्थोऽसौ भीष्मां पञ्चाटवीं ययौ PārśvC. 8. 86.

अतुच्छसुतवात्सल्य (atuccha-sutavātsalya) *n.* great affection for a son अतुच्छसुतवात्सल्यपिच्छलीभूतचेतसा । सोममूर्ति: क्षमी व्याघ्रो जनन्या मन्यते ध्रुवम् KāvyKaVṛ. 152. 6 (4. 7)

अतुच्छहर्षभाज् (atucchaharṣa-bhāj) *adj.* full of great delight आचार्योऽपि हि तं बालं पप्रच्छातुच्छहर्षभाक् PariPar. 5. 72.

अतुच्छात्मन् (atucchātman) *adj.* noble-minded कुमार: … अगच्छदतुच्छात्माभिवन्दितुम् । …मुनीश्वरम् PārśvC. 3. 28.

अतुच्छार्थ (atucchārtha) *m.* entity which is not void न चातुच्छार्थविवक्षायां मां प्रत्ययं नास्तिशब्द: प्रयोक्तव्य: IṣṭaSi. 162. 11.

अतुच्छार्थता (atucchārtha-tā) *f.* the state of having a non-void (i. e. significant) entity for its meaning तस्य अतुच्छार्थतासिद्धेर्मम IṣṭaSi. 162. 12.

अतुच्छालम्बन (atucchālambana) *adj.* not clinging to insignificant things अतुच्छालम्बनं धीरं प्रबुद्धं गुणहारि च । तवापि हि मन: YogVā. iii. 105. 14.

अतुच्छेच्छ (atuccheccha) *adj.* **A** having a strong desire, very eager क्व नाम भगवत्पादा नयनानन्ददायिन: । इत्यपृच्छदतुच्छेच्छ: सर्वानुद्यानपालकान् TriṣaS'aPuC. i. 3. 368; **B** for which there is a strong desire, strongly desired अतुच्छेच्छं किं तन्मे यस्य नेशिषे । तद् ब्रूहि PāṇḍaC. 1. 487.

अतुच्छोत्सव (atucchotsava) *m.* great festivity पुरं प्राविशदुर्वीन्दुरतुच्छोत्सवसच्छवि: HammīMaKā. 9. 52.

अतुञ्ज (a-tuñja) *adj.* not hurting or injuring, not ferocious जहर्ष … असौ वृषैरतुञ्जै: … वृतम् । वजन् व्रजम् DhātuKā. 1. 33.

अतुण्डक (a-tuṇḍaka) *adj.* not hurting, not violent (i. e. calm and peaceful) प्रहुण्डितानैक्षत…। स भण्डिल: …तत्र जनानतुण्डकान् DhātuKā. 1. 36.

अतुण्डा (a-tuṇḍā) *adj.* (*f.*) mouthless अमानुषा ह्यतुण्डाश्च… । हीनाङ्गा अधिकाङ्गाश्च जायन्ते यदि वा स्त्रिय: । … विनाशं तस्य देशस्य कुलस्य च विनिर्दिशेत् MatsyaP. 235. 2.

अतुदत् (a-tudat) *adj.* not hurting or striking, not giving trouble अस्यूतनासिकाभ्यां समुष्काभ्यामतुदन्नारया (अनडुह:) मुहुर्मुहुरभ्युच्छन्दयन् (विलिखेत् भूमिम्) BaudhDS. ii. 2. 74 = iii. 2. 2; धुर्यै: … विनीतैस्तु व्रजेन्नित्यं प्रतोदेनातुदन् भृशम् ManuSm. 4. 68; अद्यापि पश्यार्यमणं विधुं वातुदन् निवर्तेत विधुंतुदो न HammīMaKā. 8. 102.

अतुन्द (a-tunda) *adj.* not stout or bulky, thin, lean [MW, Apte]

अतुन्दपरिमृज (a-tundaparimṛja) *adj.* [cf. P. iii. 2. 5; SiddhaHe. v. 1. 143] not lazy, active, smart (*lit.* not stroking the stomach) कथं स शोकापनुद: पुत्र: स्तम्बेरमोर्गपि । अप्यतुन्दपरिमृज: DvyāśraKā. 11. 101 (comm. निरालस्योऽपि)

अतुन्दिक (a-tundika) *adj.* not corpulent (thin or lean) अतुन्दिकं क्वापि जिगाय तुन्दी DvyāśraKā. 18. 68.

अतुन्दिल (a-tundila) *adj.* not having a protuberant belly, not corpulent (lean or thin) व्याघ्रकेतु: … अतुन्दिलमपि तुण्डिभम् … शबरयुवानमादायाजगाम HarṣaC. 310. 7; अतुन्दिल: क्वापि च तुन्दवन्तम् … जिगाय DvyāśraKā. 18. 68.

अतुबन्त (atub-anta) *adj.* (word) ending in a suffix called *-atup* (e. g. the suffix *matup*, *ḍmatup*) पकारलोपे कृते नातुबन्तं भवत्यत्वन्तमेव MahāBh. iii. 183. 25 (*on* vi. 4. 14); उपदेशे चैतदतुबन्तं नात्वन्तम् MahāBh. iii. 184. 7 (*on* vi. 4. 14); iii. 184. 1 (*on* vi. 4. 14); एतेन तदाश्रयणे अतुबन्तमेतत् नात्वन्तमित्यपास्तम्, तदाश्रयणाभावात् LaS'abdeS'e. i. 345. 1.

अतुम्पक (a-tumpaka) *adj.* not hurting or killing, non-violent, peaceful अतुम्पकान् वितुफती … पृतना स्थिता DhātuKā. 2. 74.

अतुम्बर (atumbara) *m.* name of a kind of plant (उपागत: ।… मेघश्यामं च तं देशं द्रुमखण्डैरनेकश:) जात्या चम्पकजात्या च तुम्बरैश्चाप्यतुम्बरै: MatsyaP. 118. 14.

अतुर् (a-tur) *adj.* having no barriers or obstructions, having none to overpower or suppress मोर्मेमूर्तिरिव तोर्मेचमूपै: । प्रागतू: स वह उज्झति फेनं तूर्णं उग्रविधिपाकनियोगात् DvyāśraKā. 8. 104 (comm. अविद्यमाना: तुरस्तूर्वन्त: सेतुबन्धेन पीडका यस्य)

अतुर (á-tura) *adj.* not quick, not alert तुराणामतुराणां विशामवर्जुषीणाम् । समैतु विश्वतो भगो अन्तर्हस्तं कृतं मम AV. vii. 50. 2 [not rich, not liberal PW, MW]

अतुर्मुह्य (atur-muhyá) *n.* [Roth अन्तर्मुह्य internal confusion; Debru. p. 830] यदि कामयेतातुर्मुह्यं स्यादिति पूर्वार्धेऽन्यां जनताया गां निदध्यात् … ते संगछेते तावदतुर्मुह्यं भवति MaiS. ii. 1. 9; MānS'S. 121. 9.

¹अतुल (a-tula) *adj.* [*f.* -ā] having no equal or parallel, incomparable, matchless (excessive, immense), incalculable, unique (huge) विहाय स्त्रीरूपमतुलं हरि: ।… दानवान् समकम्पयत् MahāBhā. i. 17. 9; प्रहर्षमतुलं लेभे MahāBhā. i. 92. 36; जलदै: सुमहाद्भुतै: । सृजद्भिरतुलं तोयमजस्रम् MahāBhā. i. 22. 3; भिन्नानामतुलो नाश: क्षिप्रमेव प्रवर्तते MahāBhā. 25. 14; कृत्वा स्वकार्यमतुलम् MahāBhā. i. 53. 16; अनया सह संप्रीतिमतुलां समवाप्स्यसि MahāBhā. i. 76. 33; तत: सुरा: … उत्पेतुर्नादमतुलमुत्सृजन्त: MahāBhā. i. 218. 23; ii. 20. 14; शोकावेग इवातुल: MahāBhā. iii. 12. 14; iii. 23. 30; उपायो विहितश्चायं त्वदर्थमतुलोऽनया MahāBhā. iii. 75. 13; वेदनामतुलां प्राप्य । प्रजायन्ते सुतान्नार्य: MahāBhā. iii. 196. 10; महाभ्रजालमतुलं मातरिश्वेव संततम् MahāBhā. vi. 98. 32; अथ राष्ट्रमुपायेन भुज्यमानं सुरक्षितम् । जनयत्यतुलां नित्यं कोशवृद्धिम् MahāBhā. xii. 72. 18; प्रत्युवाच कंसारिरतुलं वच: HariVaṁ. 86. 26; विद्याद्वयमधीयाने यशश्चाप्यतुलं भुवि Rāmā. i. 21. 15; i. 23. 9; i. 62. 20; ii. 2. 23; अकीर्तिरतुला लोके ध्रुव: परिभवश्च मे Rāmā. ii. 11. 6; ii. 21. 5; तवापमानप्रभव: क्रोधोऽयमतुलो मम Rāmā. iii. 21. 2; लङ्कायामतुलां गुप्तिं कारयामास Rāmā. vi.

27. 16; स्त्रियः पवित्रमतुलं नैता दुष्यन्ति कर्हिचित् BaudhDS. ii. 2. 57; AtriSm. 5. 4; MahāBhā. i. 673*(1); PāṇiS'i. 60; ततो ययुर्मुदमतुलां दिवौकसः BuddhaC. 12. 121; धर्ममतुलमधिगम्य मुनेः Saund. 3. 27; 3. 8; 8. 62; Abhiṣe. 3. 21; विजयि भुजयोर्वीर्यमतुलम् S'atTrayī. 72; सा गङ्गा ह्यतुलामलोर्मिपटला VijñāS'. 69; PauṣkS. 25. 36; JayāS. 6. 164; PāraS. 5. 95; स्वर्गाक्षयत्वमतुलं दाम्पत्यमतिदुर्लभम् । प्राप्तम् ViṣṇuP. iii. 18. 95; बालक्रीडेयमतुला गोपालत्वं जुगुप्सितम् ViṣṇuP. v. 13. 3; BrahmP. 189. 3; प्रश्नभारोऽयमतुलस्त्वयास्मासु निवेशितः MārkP. 10. 7; 45. 15; LakṣmīT. 18. 10; स्वर्गेऽपि दुःखमतुलम् MārkP. 11. 26; प्राप्य योगर्द्धिमतुलां परं निर्वाणमाप्तवान् MārkP. 44. 29; 26. 37; 81. 53; अतुलमिह महातमःप्रणाशं शिवकथितं परमं विधिं विदित्वा BrahmāṇḍP. i. 27. 95; ii. 27. 12; कुर्वन्ति भास्करशनैश्चरराहुभौमा दारिद्र्यदुःखमतुलं नियतं द्वितीये BṛSaṁ. 103. 2; Kirātā. 12. 39; अब्दुर्गमतुलं लब्ध्वा तथापि चकितोऽभवत् Tantrākhyā. 61. 10; राज्ञारोपितराज्यभारमतुलं यश्चावहल्लीलया EI. iii. 354. 61; तेनास्मै ददतः स्वसारमतुलां तुष्टिर्विषादश्च मे Nāgā. 2. 10; बृहत्तुलैरप्यतुलैः ... रेजे विचित्रैरपि या सचित्रैर्गृहैः S'iśuVa. 3. 50; बहुसैन्यं दुरालोकमसिरत्नगदाधरम् । अतुलं संशयतुलां ततो नारोढुमर्हसि PadmP.(Ra.) 9. 76; SūryaS'. 26; 63; EI. xi. 285. 31; xi. 526. 32; ViveCū. 577; तुला उपमानमस्य न विद्यते इति अतुलः ViṣṇuSaBh. 72. 15 (*on* 52); विज्ञानं तच्च बुद्धौ समुदितमतुलम् S'atS'lo. 97; SaundL. 95; कनककमकृतप्रसवः पुनः समधिरुह्य तुलामतुलामपि । अकिरतार्थमपाकृतकल्मषो द्विजदरिद्रसुरायतनेषु यः EI. xvii. 299. 23; RāghPāṇ.(Dha.) 15. 12; 17. 9; सुतलैरप्यतुलैर्दैवकुलैः संकुलम् ... कुण्डिनं नाम नगरम् NalaCam. 2. 27 (20); TilaMañ. 226. 24; SubhāRaSaṁ. 335; PañcaRā.(Nā.) i. 1. 3; अतुलम् ... चकार ... प्रशान्ताश्रमम् EI. xxi. 149. 9; x. 23. 19; xii. 60. 10; BhāgP. ix. 4. 15; BrahmVaiP. i. 20. 64; SkandP. i(1). 9. 65; v(3). 4. 51; VāmaP. 2. 30; 85. 34; प्रोक्ता चातिशयोक्तिस्तु ह्यतुलैरुपमागुणैः ViṣṇuDhaP. iii. 14. 10; जय इव विक्रमनीत्योः कृतदक्षिणयोरिवातुलस्वर्गः । तनयस्तयोश्च जज्ञे EI. xv. 61. 63; तेन त्वं भवता च कीर्तिरतुला कीर्त्या च लोकत्रयम् KāvyPra. 350. 4; AlaṅkāSa. 142. 6; AlaṅkāS'e. 13. 61; Kuval. 107 (7); PadyāTa. 101; PadyaVe. 152; EI. xi. 150. 25; xiv. 299. 18; MāliniT. 13. 52; अलक्ष्मीरतुला चेयं ज्येष्ठा इत्यभिशब्दिता LiṅgaP. ii. 6. 17; BhaviP. 551A. 9 (iii(4). 6. 55); PadmP. ii. 28. 46; iv. 72. 30; जाज्वल्यमानं तिलकं रोचनाया इवातुलम् BṛDharmaP. i. 20. 29; YogVā. ii. 15. 4; AdhyāRā. v. 5. 64; अतुलं तेषां द्विजानां सभां तत्र द्रष्टुमुपासितुं च लभते कः स्वल्पपुण्यो जनः EI. xv. 354. 57; (मनुः) लोकानामेकबन्धुः प्रविदधदतुलं शर्म धर्मप्रपञ्चैः (श्लोः) EI. xviii. 34. 63; EI. i. 145. 27; RājTa.(Ka.) 2. 78; NaiṣC. 3. 26; दिवा चेन्मेषसंक्रान्तिरनर्थकलहप्रदा । रात्रौ सुभिक्षमतुलम् NāraS. 11(0). 5; 24(0). 32; VasiS. 2. 8; 3. 10; PāṇḍaC. 1. 127; 15. 129; सुधातुलसितद्युतिः । सुधावदतुला सिता शुभ्रा Kāvy-KaVṛ. 70. 7 (3. 3); VasaViKā. 11. 71; PrabhāC. 132. 16; RasRaSa. 2. 108; S'aṅkaDigVi.(Mā.) 4. 20; 9. 87; जलवत्सुधातत्त्वाभ्यामुदिताभ्यां सौम्यकार्यमतुलं स्यात् S'ārṅgaPa. 2808; अतुलं शुद्धं प्रमाणं स मे भूयात् NyāySu.(Ja.) 1A. 5 (*on* i. 1. 1); KumāCaSaṁ. 52. 30; EI. ii. 413. 13; ii. 417. 37; RājTa.(S'rī.) i. 3. 1; i. 3. 98; चातक तात कियद्भवता पातकमतुलमकारि Subhāṣi. 684; 2401; पूरयेदतुलां दिव्यां सुषुम्णां पश्चिमे मुखे HaṭPra. 4. 46 (comm. अतुलां निर्मलां निरुपमाम्); तस्यासीत्तनयस्तपोभिरतुलैरन्वर्थनामा बुधः EI. i. 363. 6; प्राचीनानां भजनमतुलं दुष्करं शृण्वतो मे ... ज्वलति हृदयम् StavMā. 51. 5; Nāray. x. 88. 12; तन्वी ... अतुलां साम्राज्यलक्ष्मीमधरीचकार BhāmiVi. 2. 31; वारं वारमहो नु वर्ण्यमतुलं किं तद्यशो निर्मलम् ParamāKā. 3. 17; Raghunā. 4. 23; प्रायः प्राप्तो भवनमतुलां पुष्टितामानयन्ति PavaDū.(Vā.) 4; 11; PadyaVe. 464; परस्य पदरत्नानि किंचार्थमतुलं हरन् । ज्ञास्यत्यन्य इति त्रस्तो दुष्कविस्तस्करायते Damaru. 51; MadaKeC. 77; MahāN. 9. 137; देवः स वः शिवशतानि तनोतु शौरिर्यः शैशवेऽपि तुलयन्नतुलं नगेन्द्रम् ...गोपीजनैः सरभसं परिरभ्यते स्म Pārtha-Pa. 1; *m.* **1i** name of S'arva (नाम्नां शर्वस्य मे शृणु) बलवीरो बलो गणः (v. l. बलवीर्योऽतुलो गुणः) MahāBhā. xiii. 17. 40; **1 ii** name of Viṣṇu अतुलः शरभो भीमः ViṣṇuSaNā. 72. 52; **1iii** name of a Nāyaka अतुलो दुष्टहाऽचिष्मान् PāraS. 11. 181; **1iv** name of Vṛṣabhadeva अतुलोऽचिन्त्यवैभवः MahāP. 25. 140; **1v** name of a poet (किं नोज्ज्वलः किमु कलाः सकला न धत्ते ... सत्यं सतामहृदयेषु गुणास्तृणानि) अतुलस्य SubhāRaK. 40. 32; **2** sesamum plant तिलवृक्षः । इति शब्दचन्द्रिका [S'abdaKaDru.]

²अतुल (a-tula) *adj.* having no beams बृहत्तुलैरप्यतुलैः ... रेजे विचित्रैरपि या सचित्रैर्गृहैः S'iśuVa. 3. 50 (comm. तुला उपरिस्थाप्यदार्वाधारभूतानि स्तम्भाग्रपीठानि); NalaCam. 2. 27 (20)

³अतुल (atula) *num.* [*m.* PW] three hundred and sixty मातुलपातालातुलविमलवराङ्गानि वत्सराः क्रमशः ... एवमतुलशब्दः षष्ट्यधिकशतत्रयसंख्यामाह । तावत्सूर्योदयपरिमितस्सावनः संवत्सरः VīraMi.(Samaya.) 10. 3; 10. 10; मातुलातुलविमलसंख्याकाः हि सौरसावनपार्वणसंवत्सराणां दिवसाः BhaṭṭCan. 75. 4 (*on* xv. 1. 18)

अतुलकर्कश (atula-karkaśa) *adj.* **1** extremely rugged क्षोणीभृतामतुलकर्कशविग्रहाणाम् ...। पक्षच्छिदामयमुदग्रबलो विधाय मग्नं विपज्जलनिधौ जगदुज्जहार NaiṣC. 13. 5 (comm. अतुला अत्युच्चाः कर्कशाश्च); **2** killing a peerless white charger, NaiṣC. 13. 5 (comm. अतुलानत्युच्चान् सलक्षणांश्च कर्काञ् श्वेताश्वान् द्यन्ति मारयन्ति)

अतुलकर्मन् (atula-karman) *adj.* of unparalleled deeds शुश्रुवुर्मधुरां गिरम् ।... विष्णोरतुलकर्मणः SkandP. v(1). 30. 34.

अतुलकान्ति (atula-kānti) *adj.* of peerless lustre अवयवेषु परस्परबिम्बितेष्वतुलकान्तिषु राजति यत्तनोः । अयमयं प्रविभाग इति स्फुटं जगति निश्चिनुते चतुरोऽपि कः S'ārṅgaPa. 3367; *f.* peerless beauty मत्प्रेयसीमतुलकान्तिभरामिदानीमाभ्यामियं समवलोक्य समागतेति । मल्लोचने सुतनु चुम्बितवान् प्रियस्ते S'ṛṅgāMañ.(A.) 27. 13.

अतुलखेचरत्व (atulakhecara-tva) *n.* unequalled capacity to move in the air or sky ततस्त्वतुलखेचरत्वमजरामरत्वं भवेत् KalyāKā. 24. 4.

अतुलख्याति (atula-khyāti) *f.* unequalled fame औदार्ये समवेक्ष्य रूपमतुलख्यातिं प्रतापोदयं कन्यां दास्यति सज्जनोऽद्य भवते GopāKeCan. 112. 21.

अतुलगति (atula-gati) *adj.* (argument) having an uneven course स्थाने स्थाने परेषां मतमतुलगति क्षिण्वता तार्किकाणाम् ।... निर्णीताः ... मया षोडशैते पदार्थाः NyāyMañ. ii. 208. 19.

अतुलगद (atula-gada) *m.* unequalled (i. e. severe) illness or disease तस्माद् वक्ष्यामि चादौ ज्वरमतुलगदं वाजिनां कुञ्जराणां मानुष्याणां पशूनाम् ... प्राणापहारी ज्वरः HāriS. iii. 2. 26.

अतुलगन्ध (atula-gandha) *m.* matchless (i. e. very sweet) fragrance आकारयन्ति पथिकान् नलिनीनिबद्धचित्तानलीनतुलगन्धबहुप्रचारैः BṛBrahmaS. iii. 5. 14.

अतुलगुण (atula-guṇa) *adj.* **A** possessing matchless qualities or virtues पारावारो गुणानामयमतुलगुणः पातु वो मैथिलेशः PārijāHa. 3; प्रयत्नादयमतुलगुणः (खड्गः) पूजनीयो नरेन्द्रैः S'ārṅgaPa. 4649; श्रीमान् नित्यमहोज्ज्वलोऽतुलगुणः सत्तन्त्रसंपत्तिभृद्राज्ञा तेन विशेषितो निजधिया वेशोऽपि देशोऽपि वा RājTa(S'rī.) 1(6). 32; **B** (cloth or dress) made of matchless yarn, RājTa.(S'rī.) 1(6). 32.

अतुलगुणगण (atulaguṇa-gaṇa) *m.* multitude of matchless qualities or virtues त्वं चात्माराम एवेत्यतुलगुणगणाधार शौरे नमस्ते Nārāy. i. 1. 9.

अतुलचारी (atula-cārī) *f.* matchless step (in dance) तटभुवि नटराजक्रीडया भानुपुत्र्या विदधदतुलचारीर्भाति कुञ्जेविहारी StavMā. 33. 2.

अतुलता (atula-tā) *f.* the state of being incomparable or matchless गच्छत्यतुलताम् । गिरां मार्गे पादौ गिरिवरसुते लङ्घयति ते MūkaPañ. 3. 45.

अतुलतेजस् (atula-tejas) *adj.* possessed of incomparable splendour (भारद्वाजकिरीटिनौ) उभौ दिव्यास्त्रविदुषावुभावुत्तम(v. l. अतुल°)तेजसौ MahāBhā. iv. 53. 21; त्रीन्विक्रमान्प्रक्रमतो विष्णोरमित(v. l. अतुल°) तेजसः । ... तत्ते भवतु मङ्गलम् Rāmā. ii. 581 (3); शिवाय ... नित्यायातुलतेजसे ... नमः KūrmaP. 287. 15 (1. 26); वैकुण्ठभुवने रम्ये विष्णोरतुलतेजसः SkandP. v(1). 52. 14; (देवी तापसी) त्यक्तवाङ्गानि च सर्वाणि विष्णोरतुलतेजसः । निर्गता DevībhāP. i. 7. 49; कलाः सर्वे भगवतो विष्णोरतुलतेजसः BṛBrahmaS. iv. 9. 61; अङ्गात्षण्मुखस्योद्बभूवतुः । पुत्रौ शाखविशाखाख्यावुभावतुलतेजसौ Kathā-SaSāg. iii. 6. 92; ix. 3. 84; कामदेवादभवदतुलतेजा नाम हेमाद्रिसूरिः Catur-Cin. II. i. 2. 5.

अतुलत्व (atula-tva) *n.* **i** matchlessness, the incomparable state राशीनशेषाञ्जहता सहेलं क्रमादुदारेण विधो युवानः । त्वयातुलत्वं गमितेऽनुरागे नान्योन्यमानग्रहमुत्सहन्ते S'rīKaC. 11. 72; **ii** immeasurableness, S'rīKaC. 11. 72 (comm. तुलोन्मेयत्वाभावोऽपि)

अतुलदिव्यप्रभावा (atuladivya-prabhāvā) *adj.* (*f.*) having incomparable and divine power काशीपुरीमतुलदिव्यप्रभावाम् । ये कल्पयन्त्यपरतीर्थसमां समंतात् ते पापिनः SkandP. iv(1). 30. 86.

अतुलदुःस्थ (atula-dussthа) *adj.* difficult (to be compared) because of the absence of a weighing instrument तुल्यस्यातुलदुःस्थस्य भावकैः किल तोलनम् ।... जगत्सत्ता तथैव हि YogVā. iii. 11. 7.

अतुलद्युति (atula-dyuti) *adj.* having incomparable brightnesss or splendour महासने मुनिवरो निषसादातुलद्युतिः MatsyaP. 154. 122; नवोद्याने ...। वत्सेश्वरः समभ्यायात्तं देशमतुलद्युतिम् BṛKathāMañ. 7. 347; स प्राप प्रतोलीमतुलद्युतिः (पाण्डुः) PāṇḍaC. 4. 50.

अतुलधरणिपाल (atula-dharaṇipāla) *m.* incomparable king मालि-

न्यामेव यथा – अतुलधरणिपालश्रेणिवेणिप्रसूनप्रसमरमकरन्दस्नातपादारविन्दः Kāvy-KaVr. 10.29 (1.2)

अतुलधर्मन् (atula-dharman) *adj.* of incomparable quality जगत्सु तुल्यधर्मैभिर्मिथुनैर्मिथस्तन्वतोर्मिथो विजयितां भजे व्रजनवीनयूनोर्युगम् StavMā. 83.19.

अतुलधामभू (atuladhāma-bhū) *adj.* (*f.*) abode of incomparable splendour अतुलधामभूः…परशुराममिश्रोऽजनि VīraMi.(Saṁskāra.) 123.17.

अतुलधी (atula-dhī) *adj.* having incomparable intelligence प्रददौ स कन्याम् । सीरायुधाय … अतुलधीर्नरेन्द्रः ViṣṇuP. iv. 1.94; जन्मार्णवं कथमयं तरतीति योऽत्र संभावयत्यतुलधीः VarāṅgaC. 1.12; अतुलधियां वीक्ष्य तादृक्प्रबन्धान् वक्ति … संग्रहं धर्मशास्त्रे VīraMi.(Paribhāṣā.) 7.13.

अतुलनिर्घोष (atula-nirghoṣa) *adj.* having an incomparable rumbling sound (भीमस्य) तस्याप्यतुलनिर्घोषः … महारथः MahāBhā. vii. 151.14.

अतुलपराक्रम (atula-parākrama) *m.* incomparable valour अतुलपराक्रमचमत्कारिताखिलभारतस्य … पर्षदा प्रहितं पत्रकम् PārthPa. 3(4)

अतुलपरिताप (atula-paritāpa) *m.* incomparable sorrow अवश्यं यातारश्चिरतरमुषित्वापि विषयाः … व्रजन्तः स्वातन्त्र्यादतुलपरितापाय मनसः Śat-Trayī. 157 = Subhāṣi. 3386.

अतुलप्रताप (atula-pratāpa) *adj.* possessed of unparalleled valour (पुरीम्) तामीक्षमाणः स पुरं पुरस्तात्प्रापत्प्रतोलीमतुलप्रतापः (हरिः) ŚiśuVa. 3.64; *m.* incomparable valour देव त्वय्यतुलप्रतापमहसि प्राप्ते प्रतिक्ष्मापतिव्याकोशासिलतासितोत्पलवनीमानद्विरेफप्रथाम् AlaṅkāRa. 38 (53)

अतुलप्रतापतस् (atulapratāpa-tas) *adv.* due to incomparable prowess (तस्य) नलता च तथाश्वशिक्षयानलता वाप्यतुलप्रतापतः VīraBhā. 8.24.

अतुलप्रतिज्ञा (atula-pratijñā) *f.* incomparable (i.e. very difficult) vow हन्तैष पन्नगपतेरतुलप्रतिज्ञाप्राग्भारसागरसमुत्तरणैकपोतः NavaSāC. 18.12.

अतुलप्रभ (atula-prabha) *adj.* [*f.* -ā] having incomparable splendour तानि सर्वाणि संनह्य …। आयुधानि कपालांश्च निस्त्रिंशांश्चातुलप्रभान् MahāBhā. iv. 158*(2); राजा दशरथः … पुरीमावासयामास … श्रीमतीमतुलप्रभाम् Rāmā. i. 5.11; ततो वै यजमानस्य पावकादतुलप्रभम् । प्रादुर्भूतं महद्भूतम् Rāmā. i. 15.9; iii. 70.10; अध्यास्ते वानरः श्रीमान्किष्किन्धामतुलप्रभाम् Rāmā. iv. 11.21; देवावतारसमये विमानमतुलप्रभम् ।… अग्निमध्यात्समुत्थितम् JayāS. 1.124; *m.* name of a Kalpa [DBHS]

अतुलप्रभा (atula-prabhā) *f.* name of Pārvatī शैला शार्कमयैतुलप्रभा KalpaK. 395.137.

अतुलप्रभाव (atula-prabhāva) *adj.* having unparalleled prowess प्रसादये त्वामतुलप्रभावम् MahāBhā. vi. 4.12; द्यावापृथिव्योरतुलप्रभावं यदन्तरं तद् वपुषा तवैव । व्याप्तम् ViṣṇuP. i. 4.37; नृसिंहः । दृष्टः स दैत्यैरतुलप्रभावः ŚivaP. ii(5). 43.29 (271.2)

अतुलप्रवाह (atula-pravāha) *m.* incomparable current सैकतं लिङ्गमतुलप्रवाहाल्लयमेष्यति SkandP. i(3). 4.27.

अतुलप्राण (atula-prāṇa) *adj.* whose life is incomparable पातकी ननु कोऽस्ति भोः । निद्राणमतुलप्राणं योऽवधीन्मम बान्धवम् PāṇḍaC. 18.32.

अतुलफलयुज् (atulaphala-yuj) *adj.* granting unparalleled fruit प्रेक्ष्य प्राप्तेप्सितार्थैर्भुवि बलवदवाक्फपवृक्षाः किमेवं विद्वद्भिः शङ्क्यतेऽङ्घ्रीनतुलफलयुजो यस्य सोऽर्हन् मुदेऽस्तु JinaS. 1.8.

अतुलबल (atula-bala) *adj.* i possessed of matchless strength or power यदयमतुलबलस्त्वयाद्य (इन्द्रजिता) त्रिदशपतिस्त्रिदशाश्च निर्जिताः Rāmā. vii. 29.38; पुत्रशतान्यतुलबलपराक्रमसाराण्यासन् ViṣṇuP. iv. 9.1; अतुलबलेन … सम्राजेव वपुषा जिताशेषभुवनम् … उर्वीपतिकुमारमद्राक्षम् TilaMañ. 276.16; अतुलबलैर्हैयैश्च नागैः LiṅgaP. i. 97.33; (कपीश्वरः) संदिदेशातुलबलं नीलं सेनासु नायकम् RāmāMañ. 191.10; अतुलबलहनूमत्कल्पितस्यन्दनश्रीः … असौ (अर्जुनः लक्ष्मणो वा) वैरिकक्षं विगाह्य ।… एनम् (कर्णं इन्द्रजितं वा) प्रसभमकृत बाह्वोर्विक्रमाणां निकर्षम् RāghPāṇ.(Ka.) 12.17; PrabaK. 52.5; स चातुलबलपराक्रमः … लाखाकं नृपं जितवान् KumāPraPra. 37.12; हत्वा सुग्रीवघातोद्यतमतुलबलं वालिनं व्याजवृत्त्या Nārāy. ix. 35.1; कथा यत्रोदग्रस्यतुलबलधैर्यस्य भवतः (रामस्य) RasGaṅ. 430.9; ii having a very powerful (*lit.* unequalled) army अतुलबलेन … सम्राजेव TilaMañ. 276.16; रोहिण्यामतुलबलं निहन्ति केतुश्च शूरसेनेशम् VasiS. 10.42; 6.55; *n.* i unrivalled strength, power (श्लोकान् पठेद्यः) मतिमतुलबलं कान्तिमायुःप्रकर्षम् …लभते SūryaS. 101; ii unequalled or very powerful army अर्णोराजः सादाशिवमनिशमनुध्याय रूपं प्रसन्नादसादत्रैव जन्मन्यतुलबलमिव प्राप्य पञ्चाननत्वम् PṛthvīVi. 5.193.

अतुलबलता (atulabala-tā) *f.* unequalled power अहो … अतुलबलता कुसुमधन्वनः Abhiṣe. 5.5 (2)

अतुलबलसीमन् (atula-balasīman) *adj.* limit of whose strength is unparalleled अतुलबलसीमा येन भीमादपीह:(ह) VīraBhā. 11.2.

अतुलबलौघ (atulabalaugha) *adj.* possessing a flow of matchless strength वेदाङ्गेष्वतुलबलौघ गीयसे MahāBhā. i. 21.17.

अतुलभक्ति (atula-bhakti) *adj.* having unequalled or matchless devotion पुरुषसिंहः … हिरण्यरेतसमतुलभक्तिः प्रदक्षिणीकृत्य … सौम्यां दिशमभिप्रातिष्ठत AvantiKa. 222.5; *f.* unparallelled or matchless devotion अतुलभक्तिप्रसाधितया लक्ष्मीकृतलिङ्गया द्वितीययेव पुण्डरीकमालया दृष्टया संभावयन्तीं भूतनाथम् … कन्यकां ददर्श Kād. 130.5.

अतुलभुजबल (atula-bhujabala) *adj.* possessed of matchless strength of arms बृहद्रथः … अतुलभुजबलम् … तनयं लेभे Kād. 62.8; पाण्डुपुत्रैः कृतानि प्रत्याशं मुक्तकेशान्यतुलभुजबलैः पार्थिवान्तःपुराणि VeṇīSaṁ. 6.628; *n.* unequalled power of arms तदा अतुलभुजबलप्रथितोपक्रमे दृष्टे तन्मित्रेऽस्मिन्नन्तरायकारिणि कार्यसिद्धिर्नो नातिनिरपाया MahāvīC. App. A. 5.58 (282.1)

अतुलभोगद (atulabhoga-da) *adj.* granting incomparable enjoyments उन्नतो मांसलोऽङ्गुष्ठो वर्तुलोऽतुलभोगदः SkandP. iv. 37.14.

अतुलम् (a-tulam) *adv.* in an unequalled manner, in a matchless way सायं प्राप्तो वनान्तादतिकठिनलताजालनिर्यापणेन खिन्नो भोक्तुं निविष्टो युवतिभिरतुलं याचितो दोहनाय GopāKeCan. 119.2; आचन्द्रतारमतुलं रघुनाथभूपे विश्वम्भरामवति विश्वजनीनकीर्तौ । आसन् प्रजाः … °भासमानाः Raghunā. 12.88.

अतुलमङ्गलावसर (atulamaṅgalāvasara) *m.* extremely auspicious occasion इहातुलमङ्गलावसरे तद्वक्तुं न युक्तम् PrabaCin. 100.12.

अतुलमति (atulamati) *adj.* possessed of unequalled intellect इति व्यासो ब्रूते … गलितभवबन्धोऽतुलमतिः VijñāS. 74.

अतुलमहस् (atūla-mahas) *adj.* extremely glorious, possessed of unequalled lustre अतुलमहसि वृन्दारण्यराज्येऽभिषिक्ताम् … राधिकामर्चयामि StavMā. 71.12.

अतुलमहानन्द (atula-mahānanda) *m.* extremely great joy, superb bliss (अभिचिन्तयेत्…अच्युतम्) मज्जन्तम् … अतुलमहानन्दसंदोहसिन्धौ PañcaRā.(Nā.) v. 3.21.

अतुलमहिमन् (atula-mahiman) *m.* unequalled greatness नृत्यत्यन्योऽप्यतुलमहिमश्लाघ्यभूमिः Subhāṣi. 845.

अतुलमान (atula-māna) *m.* unequalled haughtiness, excessive pride करैः … हृदयमुकुरं भङ्गुरदृशाम् । समुत्सृज्याशेषं मलमतुलमानग्रहमयं मृगाङ्कस्तत्कालप्रतिफलितकन्दर्पमकरोत् ŚrīKaC. 10.58.

अतुलमायाबल (atula-māyābala) *n.* extraordinary power of magic अभिव्यञ्जन् व्योमस्थलमतुलमायाबलमदः पुरा मारीचोऽयं युधि भयमनैषीद् दिविषदः JainaPa. 1.37.

अतुलमाहात्म्य (atula-māhātmya) *n.* unequalled glory or greatness सदाचारविधिर्देव भवता वर्णितः प्रभो तस्याप्यतुलमाहात्म्यम् DevīBhāP. xii. 1.1.

अतुलमोक्षभाज् (atulamokṣa-bhāj) *adj.* possessing incomparable liberation अर्हन्त एवातुलमोक्षभाजः (v. l. °भाजः) VarāṅgaC. 25.90.

अतुलमोक्षभास् (atulamokṣa-bhās) *adj.* shining with incomparable liberation अर्हन्त एवातुलमोक्षभासः VarāṅgaC. 25.90.

अतुलरम (atula-rama) *adj.* possessed of unequalled wealth वच्मि ममातुलरम ते रुजम् YudhiVi. 3.62 (comm. अतुला तुलारहिता रमा लक्ष्मीर्यस्य)

अतुलरसास्वाद (atularasāsvāda) *m.* flavour of excellent juice जातं त्वत्सङ्गवल्ल्यां फलमतुलरसास्वादहृद्यम् ŚārṅgaPa. 1234 = Subhāṣi. 2588.

अतुलराग (atula-rāga) *m.* i unparalled affection or attachment हरिकरसङ्गादधिकं रमणीयाप्यतुलरागसंवलिता । सुन्दरि तवाननाग्रे कमलाभा विगलितप्रतिभा RasGaṅ. 525.7; ii extremely red colour, RasGaṅ. 525.7.

अतुलरुचि (atula-ruci) *adj.* possessed of peerless splendour एकराशीभवदतुलरुचौ काकतीन्द्रस्य कीर्तौ । एतैः … °क्षीराम्भोराशिमुख्यैः प्रकटितमधुना तद्धनीभावरूपम् PrātaYaBhū. 422.5.

अतुलरूपा (atula-rūpā) *adj.* (*f.*) having an unequalled form तुलस्यतुलरूपासि TulU. 70.18.

अतुलरूपाङ्ग (atula-rūpāṅga) *adj.* having branches (*lit.* limbs) of incomparable beauty तान् (कनकशाखिनः) दृष्ट्वा मनोरथफलाङ्कुरान् । अन्यानतुलरूपाङ्गानुपचक्राम खेचरः MahāBhā. i. 25.29.

अतुलवर्चस् (atula-varcas) *adj.* possessed of matchless lustre भविष्यतो महावीर्यौ शिष्यौ तेऽतुलवर्चसौ BrahmāṇḍP. i. 35.35.

अतुलवाजिमेध (atula-vājimedha) *m.* matchless horse-sacrifice रघुपतिः – अयजदादिदेवान् । मखैः … अतुलवाजिमेधैस्त्रिभिः KalkiP. iii. 3.53.

अतुलवारि (atula-vāri) *n.* incomparable water (जम्बूद्वीप इति ख्यातां विपुलां तत्र कर्णिकाम्) नभसेव चतुर्दिक्कं व्याप्तामतुलवारिणा YogVā. iii. 25. 30.

अतुलविक्रम (atula-vikrama) *adj.* **i** of incomparable stride एतत्ते सर्वमाख्यातममृतं मथितं यथा । यत्र सोऽश्वः समुत्पन्नः श्रीमानतुलविक्रमः MahāBhā. i. 18. 1; **ii** possessed of matchless valour or strength (परिक्षित्) ररक्ष पृथिवीं देवीं श्रीमानतुलविक्रमः MahāBhā. i. 45. 8; ii. 16. 13; iv. 53. 21; (लङ्काम्) दद्यादतुलविक्रम (कुबेर) Rāmā. vii. 11. 24; vii. 83. 15; vii. 91. 11; कन्यापुरे स (श्रीकृष्णः) कन्यानां षोडशातुलविक्रमः । शताधिकानि ददृशे सहस्राणि VisnuP. v. 29. 31 = BrahmP. 202. 31; निहते शुम्भे देवरिपौ युधि । … अतुलविक्रमे MarkP. 91. 31; (सुदर्शन) नमो जयायातुलविक्रमाय AhirbuS. 44. 44; ज्येष्ठशुक्लचतुर्दश्यां सावित्रीं यो हि पूजयेत् । पुनर्मही समागत्य श्रीमानतुलविक्रमः (भवेत्) BrahmVaiP. ii. 2. 101; SkandP. i(2). 18. 9; VāmaP. 91. 31; VarāP. 25. 43; LiṅgaP. i. 69. 82; (सुग्रीवः) भीतभीतः सदा यत्र तिष्ठत्यतुलविक्रमः AdhyāRā. iii. 10. 37; vi. 1. 36; vi. 11. 6; हरेरतुलविक्रमप्रणयलालसस्याहवे … भवति … सखा … करः MālaMā. 8. 97; संग्रामैः खण्डशः कुर्वन् स तानतुलविक्रमः RājTa.(Ka.) 8. 653; 8. 712; नृपोऽपि तं गृहीत्वा तु प्रायादतुलविक्रमः BṛKathāMañ. 9(2). 1161; काश्मीराधिपतिर्वीरोऽमान्यतुलविक्रमः … पतितः पृथिवीतले Citra-PaC. 205; *m.* name of a king तस्मात् (क्रोधदानात्) अतुलविक्रमः BhaviP. 416A. 18 (iii(1). 2. 36)

अतुलविस्मय (atula-vismaya) *m.* unparalleled astonishment, great wonder श्रुत्वैतदतुलविस्मयलोलितमौलिः स तद्गृहं गत्वा । द्वारे स्वगितस्तिष्ठति Kalā-Vi. 2. 25.

अतुलविहृति (atula-vihṛti) *f.* matchless sport अतुलविहृतिभिः प्रीणयन्नेणनेत्राः । … त्वं (कृष्ण) व्यलासीः Nāray. x. 88. 10.

अतुलवीर्य (atula-vīrya) *adj* **i** possessed of incomparable might एवं सा धर्मराजस्य वध्यमाना महाचमूः । भीष्मेणातुलवीर्येण व्यशीर्यत सहस्रधा MahāBhā. vi. 55. 32; क एषोऽतुलवीर्यो हि यस्य दूराद् द्रवन्ति च । विघ्नाः PauṣkS. 20. 53; आज्ञापयस्वातुलवीर्य शंभो VāmaP. 6. 47; **ii** marked by matchless valour प्रयच्छन्ति शुभानि च । कर्माण्यतुलवीर्याणि अन्ते तु परमं पदम् JayāS. 27. 218.

अतुलवेगा (atula-vegā) *adj.* (*f.*) having incomparable speed शतधनुरप्यतुलवेगाम् … वडवामारुह्यापक्रान्तः VisnuP. iv. 13. 91.

अतुलवैभव (atula-vaibhava) *adj.* having unequalled glory अहो दानं महादानं सुदानमिदमस्य हि । प्रभावात्तरक्षणं दाता भवत्यतुलवैभवः TrisaS'a-PuC. ii. 3. 295.

अतुलव्यतिवर्तमानवेग (atula-vyativartamānavega) *adj.* with matchless velocity of revolving अतुलव्यतिवर्तमानवेगम् । भ्रमयसि …°कालचक्रम् AmṛUda. 4. 35.

अतुलव्यय (atula-vyaya) *adj.* spending on an unparalleled scale पार्थिवः संग्रहीतुं प्रववृते पदातीनतुलव्ययः RājTa.(Ka.) 8. 726.

अतुलशक्ति (atula-śakti) *f.* **i** incomparable weapon called *śakti* जयातुलशक्तिदीधितिपिञ्जर भुजदण्डचण्डरणरभस…कुमार जय MatsyaP. 159. 40; **ii** unequalled power रागादियोग एव सर्वज्ञता अविनाशितातुलशक्तियोगश्चेति स एव प्रमाणम् PramāVāBh. 34. 18–19.

अतुलश्वासोष्मन् (atula-śvāsoṣman) *m.* matchless (excessive) warmth of the breath सापश्यद्धरिम् । चित्तोत्तम्भितनेत्रयुग्ममतुलश्वासोष्मणा भूयसा GopāKeCan. 132. 6.

अतुलशौण्डि (atula-śauṇḍi) *adj.* incomparably skilful बलं च कृत्स्नं मथितं बालेनातुलशौण्डिना PadmP. iv. 60. 65.

अतुलसन्नाद (atula-sannāda) *adj.* having unequalled good (big) sound अतुलसन्नादाय … वरविशिखानमुञ्चदस्मै (अर्जुनः) YudhiVi. 4. 56 (*but* comm. अनुलसन्नादाय अनुलसन् नादो शब्दो यस्य स तस्मै)

अतुलसांनिध्यद (atulasānnidhya-da) *adj.* giving incomparable (closest) proximity or presence विधानं तद् ब्रूमो वयमतुलसान्निध्यदमथ Pañca-Rā.(Nā.) iii. 6. 1.

अतुलसुखरति (atulasukha-rati) *adj.* taking delight in matchless (highest) bliss मार्कण्डेयः … पुष्पभद्रातीरे निन्ये तपस्यन्नतुलसुखरतिः षट् तु मन्वन्तराणि Nāray. xii. 97. 5.

अतुलसुन्दर (atula-sundara) *adj.* incomparably handsome, of peerless beauty [nt.]

अतुलस्नेहविक्लव (atulasneha-viklava) *adj.* distressed on account of matchless affection मातुलानतुलस्नेहविक्लवान् विस्मृतक्षमाः । …नमस्यन्ति स पाण्डवाः PāndaC. 11. 13.

अतुलस्पर्श (atula-sparśa) *adj.* which has an incomparable (extremely delightful) touch अतुलस्पर्शं तदर्धासनम् । वेश्याभ्यः प्रणयादृतेऽपि लभते ज्ञातोपचारो जनः DhūrtaViSam. 3. 16; अतुलस्पर्शम् … सुरताख्यं सुखान्तरमनुभूय Kād. 301. 5.

अतुलहासकला (atula-hāsakalā) *f.* matchless (very beautiful) art of smiling यत्र … योषितामतुलहासकला भवन्ति BṛBrahmaS. iii. 5. 9.

अतुला (atulā) *f.* name of Gaṅgā (नाम्नां सहस्रं गङ्गायाः) अजरातुलानन्तामृतस्रवा SkandP. iv. 29. 17; epithet of Gaurī [pw]

अतुलाग्निभीति (atulāgni-bhīti) *f.* fear from incomparable (terrible) fire अजाग्निवीभ्योरतुलाग्निभीतिः VasiS. 7. 8.

अतुलात्यन्तसुख (atulātyanta-sukha) *adj.* having incomparable and extreme happiness तेभ्योऽतुलात्यन्तसुखास्तु सिद्धाः VarāṅgaC. 10. 48

अतुलाधर्मत्व (atulādharma-tva) *n.* the state of not being the property of a balance सोऽयं व्यधिकरणः अवनमनविशेषाभावस्यातुलाधर्मत्वात् Nyāy-Vār. 236. 13 (*on* ii. 1. 31)

अतुलानलाभ (atulānalābha) *adj.* resembling a matchless fire वेतालानतुलानलाभविकटान् झोटिङ्गचेटानपि जित्वा KumāPraPra. 43. 2.

अतुलानुभाव (atulānubhāva) *adj.* of incomparable prowess तस्यातुलानुभावस्य … । (ऐश्वर्यम्) अस्मद्विधः … नावगच्छति DevīBhāP. viii. 19. 28.

अतुलामयभीति (atulāmaya-bhīti) *adj.* (causing) fear of an unique disease व्यत्ययकेतुस्त्वतुलामयभीतिरीतिकरः VasiS. 10. 39.

अतुलार्चिष्मन् (atulārciṣma(n)t) *adj.* possessed of incomparable (terrible) flames हुतभुक् … प्रजज्वालातुलार्चिष्मान् MahāBhā. i. 218. 18.

अतुलार्थयुक्ता (atulārtha-yuktā) *adj.* (*f.*) having unequalled wealth अतुलार्थयुक्ता पुष्पवती क्रमाद्भास्करवासरेषु VasiS. 24. 33.

अतुलावृत्तित्व (atulāvṛtti-tva) *n.* the state of not subsisting in a balance असिद्धस्तावदयं हेतुरवनमनविशेषानाधारत्वस्यातुलावृत्तित्वात् NyāyVār. 236. 16 (*on* ii. 1. 31)

अतुलाश्रिता (atulāśritā) *adj.* (*f.*) not supporting a comparison (i. e. unparalleled, unrivalled) भवता…स्वमित्रोद्धारिणाभीता पृथ्वी यमतुलाश्रिता Kāvyāda. 3. 68.

अतुलास्त्रगौरव (atulāstra-gaurava) *adj.* teeming with unrivalled weapons रवेण भौमो ध्वजवर्तिवीरवेवेजि संयत्यतुलास्त्रगौरवे Kāvyāda. 3. 47.

अतुलित (a-tulita) *adj.* [*f.* -ā] **i** unequalled, unrivalled, immense (rich with) पुंसः श्रीसद्गुरूणामतुलितकरुणापूर्णपीयूषदृष्ट्या S'atS'lo. 91; (सुदत्तस्य) वेधसाप्यतुलितं बाहुबलविजृम्भितमेव वप्रः YaśasCam. ii. 240. 1; शैलोद्यानवनारामफलैरतुलिता मही … जयाब्दे NāraS. 3. 44; निःसाराः सप्रजाः क्षितिपाः । अतुलितसस्यसमृद्धां भूमिं मुक्त्वा पराभवाब्देऽपि VasiS. 6. 68; EI. xiv. 358. 7; **ii** immeasurable (great many) तारणाब्दे त्वतुलिता अर्थवन्तो हि जन्तवः NāraS. 3. 34; **iii** not weighed (*hence* copious amount) अतुलितकनकाभिषेकमुख्यैः सपदि वधूः समभावयन्महीन्दुः Raghunā. 12. 28.

अतुलितघनभोग (atulita-ghanabhoga) *adj.* having an incomparable intense enjoyment कुसुमितवनमध्ये पद्मिनीं सौधभागेऽप्यतुवि(? लि)तघनभोगः कामिनीं संयमेत S'ṛṅgāDī. 2. 40.

अतुलितत्व (atulita-tva) *n.* the state of not being compared with ब्रह्मणः … केनाप्यतुलितत्वम् … चाह S'vetāUBh. 198. 4 (*on* 4. 19)

अतुलितप्रभाव (atulita-prabhāva) *adj.* having unequalled valour सः … समुत्पपातातुलितप्रभावः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 11. 39; 16. 101.

अतुलितमहिमन् (atulita-mahiman) *adj.* of incomparable majesty दिश्याल्लक्ष्मीमपारामतुलितमहिमेवापरो मन्दराद्रिः SūryaS'. 72.

अतुलितसुरकुमार (atulita-surakumāra) *adj.* unequalled (i. e. superior) to a god स रूपसंपदातुलितसुरकुमारः … इमामेव नगरीम् … आगच्छत् TilaMañ. 127. 7.

अतुलिताकाशस्वरूप (atulitākāśa-svarūpa) *adj.* (Brahman) having the form of incomparable (huge) ether अतुलिताकाशस्वरूपं रूपमाविश Yog-Vā. v. 50. 15.

अतुलितात्मन् (atulitātman) *adj.* whose mind is not balanced तस्माद्ज्ञातहेयोपादेयस्यातुलितात्मनः । गृहवासपरित्यागः कर्तुं समुचितो न ते Samarā-Sam. 6. 325.

अतुलितोरुविक्रम (atulitoruvikrama) *adj.* of great valour which is matchless विद्विषत्यतुलितोरुविक्रमे विक्रमेत सहसा न नीतिमान् HarVi. 14. 55.

अतुलीकृत (atulī-kṛta) *adj.* rendered matchless कयापि भक्तिपरया सौभाग्यमतुलीकृतम् BhaviP. 654A. 26 (iv. 28. 35)

अतुलेभेश (atulebheśa) *m.* incomparably excellent elephant गच्छन्नतुलेभेशं गर्वेण वृकोदरोऽपि न तु लेभे शम् YudhiVi. 7. 58.

अतुलोदग्र (atulodagra) *adj.* incomparably terrible प्रसादमतुलोदग्रं

प्रतिग्रहदृढां क्षितिम् ।… संजहार पदे पदे RājTa.(S'rī.) 1 (3). 67 (Hoshiarpur Ed.)

अतुलोन्नति (atulonnati) *adj.* of matchless height (महेन्द्रम्) स्थिरमतुलोन्नतिमूढतुङ्गमेघम् Bhaṭṭi. 10. 48.

अतुलोपकृत (atulopakṛta) *adj.* showing incomparable favour गौरी …तामरसभास्यतुलोपकृतम् … वदनं दधती … अस्य तु लोपकृतम् CaturJiStu. 80.

अतुलोपम (atulopama) *adj.* having no suitable comparison ते कुञ्जभवने ददृशाते हरिं प्रियम् … किशोरमतुलोपमम् ĀdiP. 13. 102.

अतुल्य (a-tulya) *adj.* [*f.* –ā] **i** incomparable, unequal, matchless अतुल्यानामनूहेन S'āṅkhāS'S. v. 19. 4; अथादाह्यान् व्याख्यास्यामः । न दाह्योऽतुल्यो भवति VaikhāGS. 5. 11; विष्णुना तु तदाकाशे वैनतेयः समेयिवान् । तस्य नारायणस्तुष्टस्तेनालौल्येन(v. l. अतुल्येन)कर्मणा MahāBhā. i. 29. 12; सेनासमुद्योगः …। तुमुलः (v. l. अतुल्यः) तव सैन्यानां युगान्तसदृशोऽभवत् MahāBhā. vii. 100. 5; यस्यायं विजिते स्थितो बोधिसत्त्वो अद्य अतुल्यां प्राप्स्यति बोधिमग्राम् MaVastuAva. ii. 300. 1; अतुल्याः स्युः परिक्रये MīmāSū. x. 3. 55; अतुल्येषु तु भेदः MīmāSū. xii. 1. 1; पितृयज्ञेनातुल्यमेतत् S'ābaBh. 1510. 20 (*on* vi. 8. 10); 2079. 11 (*on* x. 8. 29); TātpaṬ.(U.) 375. 14 (*on* 5(7). 5); भुक्ते चान्ने विदाहस्त्वधृतिरपि सदा हृद्यतुल्या च पीडा SuśruS. vi. 45. 9; MaYānaSū. 25. 17 (7. 3); SāṁkhyaKāBh. 6. 15 (*on* 8); NyāyVār. 311. 1 (*on* ii. 2. 44); AṣṭāSaṁ. i. 63. 4 (1. 9); VarāṅgaC. 10. 7; संकलितव्यवकलिते पृथगतुल्यानाम् BrahmSphuSi. 18. 41; NītiSā 18. 36; RugVi. 9. 11; देवग्रामभवा तस्य पत्नी वव्वाभिधाभवत् । अतुल्या चलया लक्ष्म्या सत्या चाप्य[नपत्य]या EI ii. 163. 17; YaśasCam. i 306. 9; बलं विक्रमसिंहस्य तदतुल्यमभज्यत KathāSaSāg. x. 2. 9; DvyāśraKā. 17. 114; Līlā. 272; ChandaśCū. 6. 14 (3); SmṛtiCan. iv. 649. 20; NyāyPari. 307. 4; NyāyMāVi. 187. 25 (*on* iii. 6. 14); संतस्तत्तापसंतप्ता धर्मैशाखिनमाश्रिताः … जिनवाक्कुल्ययाजस्रं सिच्यमानमतुल्यया SamarāSaṁ. 8. 536; सत्यमार्तण्डनामासीदतुल्यबलविक्रमः EI. v. 110. 14; PrabhāC. 209. 14; (तौ मुनी) अतुल्यौ धर्मसौधस्य तुल्यकुड्याविव स्थितौ S'āliC. 6. 134; तुल्यानतुल्यान् संस्थाप्य तुल्यातुल्याख्यभावना SiddhāTaVi. 388. 23; **ii** not similar अतुल्यदूष्यदेशर्तुप्रकृतिः पादसंपदि । ग्रहेष्वनुगुणेष्वेकदोषमार्गो नवः सुखः AṣṭāHṛ. i. 1. 30 (comm. अतुल्या न सदृशाः); ChāndraVṛ. *on* v. 3. 84; MugdhaBo. 3. 9 (11. 18); PrakriKau. i. 140. 2; *m.* a name of S'iva अष्टोत्तरसहस्रं तु नाम्नां शर्वस्य मे शृणु … अतुल्यः MahāBhā. xiii. 17. 61; *n.* a high number न खलु कुलपुत्र एकसत्त्वारम्बणतया बोधिसत्त्वानां बोधाय चित्तमुत्पद्यते यदुत परिपाकविनयाय । न सत्त्वशतस्यार्थाय … न सत्त्वातुल्यस्य GaṇḍVyū. 83. 17; 1. 3. 30.

अतुल्यक (atulya-ka) *adj.* unequal बाहू … अतुल्यकौ SiddhāTaVi. 60. 3.

अतुल्यकक्ष (atulya-kakṣa) *adj.* having no equal counterpart आस्तां तवान्यदपि तावदतुल्यकक्षमैश्वर्यमीश्वरपदस्य निमित्तभूतम् YaśasCam. ii. 255. 11.

अतुल्यकक्षत्व (atulyakakṣa-tva) *n.* the state of having an unequal counterpart, not being of equal status तदतुल्यकक्षत्वाद्बाध्यत्वं सुवचं भवति NyāyMañ. i. 240. 11; PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 1. 53.

अतुल्यकक्ष्य (a-tulyakakṣya) *adj.* which does not belong to one and the same class तेषामतुल्यकक्ष्याणां प्राथम्यं न विशेषायोपयुज्यते TattvBi. 154. 7; AlaṅkāRa. 44 (11)

अतुल्यकक्ष्यता (atulyakakṣya-tā) *f.* the state of not belonging to one and the same class दर्शिता त्वतुल्यकक्ष्यता TattvBi. 154. 10; Kāvyānu. (He.) 342. 15.

अतुल्यकर्ण (atulya-karṇa) *m.* unequal diagonal अतुल्यकर्णाभिहतिर्द्विभक्ता फलं स्फुटं तुल्यचतुर्भुजे स्यात् Līlā. 174.

अतुल्यकल्प (atulya-kalpa) *adj.* having an unequal procedure ततो न किंचिन्न बाध्यते … तुल्यकल्पमतुल्यकल्पं वा TantrVā. 1112. 14 (*on* iii. 6. 42)

अतुल्यकल्पत्व (atulyakalpa-tva) *n.* the state of being of unequal procedure स्मार्तमात्रेण वाल्पव्ययायासतया स्मार्तादप्यूनेन वैशेषिकेण वा गुरुतरदुरितनिराकरणासंभवादतुल्यकल्पत्वाच्च TristhaSe. 124. 29.

अतुल्यकान्ति (atulya-kānti) *adj.* possessed of matchless brilliance महागृहाणि … पृथग्विधैर्न्यस्तबलिप्रकारैरतुल्यकान्तीन्यनिशं विभान्ति VarāṅgaC. 9. 23.

अतुल्यकारणत्व (atulyakāraṇa-tva) *n.* the state of having a dissimilar cause अतोऽतुल्यकारणत्वाद्वैलक्षण्यमेव न्याय्यम् S'ābaBh. 1684. 5 (*on* ix. 1. 39)

अतुल्यकार्यत्व (atulyakārya-tva) *n.* **i** the state of having a dissimilar purpose वेदान्तराणामतुल्यकार्यत्वकारितः समुच्चयोऽवगम्यते TantrVā. 642. 11 (*on* ii. 4. 9); ṬupṬ. 205. 5 (*on* ix. 1. 55); **ii** the state of producing dissimilar effects शक्तस्य त्वाश्रमित्वमेवोपादेयमित्यर्थः । भूयोधर्मकाल्पधर्मकयोरतुल्यकार्यत्वात् BrahmSūBh.(Rā.) 703. 4 (*on* iii. 4. 39); S'rutaPra. ii. 557. 27 (*on* iii. 4. 39); SaṅkarKāBh. 77. 5 (*on* ii. 1. 82)

अतुल्यकालज (atulyakāla-ja) *adj.* recorded at different times (of the day) बिन्दुभिस्त्रिभिरतुल्यकालजैः संलिखेच्छफरिके विधानतः MaBhāsk. 3. 3.

अतुल्यकालत्व (atulyakāla-tva) *n.* the state of not being simultaneous अन्यप्रयुक्तस्य पश्चादवगतफलद्वाराप्यैश्वर्यवीपूर्वकमधिकारपरत्वमित्यतुल्यकालत्वेऽप्यन्तरङ्गं बलीय इत्यर्थपरत्वमध्ययनविधेर्युक्तम् NayaVi. 33. 4 (*on* i. 1. 1)

अतुल्यकालम् (a-tulyakālam) *adv.* not simultaneously यथेन्द्रियार्थान्युगपत्समस्तान्नावेक्षते कृत्स्नमतुल्यकालम् । यथाबलं संचरते MahāBhā. xii. 196. 2.

अतुल्यकुलसंबन्ध (atulyakula-sambandha) *m.* (nuptial) relation with a family of unequal rank अतुल्यकुलसंबन्धः सैषा किं वापराध्यति KathāSaSāg. iv. 1. 80.

अतुल्यकेलि (atulya-keli) *f.* incomparable sport अतुल्यकेलिसौन्दर्यप्रेष्ठवंशीत्वनाङ्कितः (गुणाः कृष्णस्य कीर्तिताः) UjjvaNīMa. 8. 6.

अतुल्यक्रम (a-tulyakrama) *adj.* not of similar sequence यद् द्वयोः स्वरव्यञ्जनसमुदाययोः … तुल्यक्रमयोरतुल्यक्रमयोर्वा परस्परसाम्यं छेकानुप्रासः AlaṅkāRa. 3 (2)

अतुल्यक्रियता (atulyakriya-tā) *f.* the state of having dissimilar effect or function कर्मापि यद्यस्य धातोः … तत्तदासेव्यम् ।… अतुल्यक्रियतया ह्रासकरं भेदार्थेन AṣṭāSaṁ. i. 103. 5 (1. 19)

अतुल्यगन्धर्द्धि (atulya-gandhardhi) *adj.* possessed of abundance of incomparable perfume अतुल्यगन्धर्द्धिरसौजसं शुभां सुधां किलोत्सृज्य वराप्सरोधृताम् JātaMā. 69. 17 (10. 14)

अतुल्यगा (atulya-gā) *adj.* (*f.*) which moves on incomparably अवस्कन्दसमापत्तिरानिरोधमतुल्यगा AbhisaAlaṅ. 5. 25

अतुल्यगुण (atulya-guṇa) *m.* incomparable quality विपुलपुण्यवृद्धि तस्याः … अतुल्यगुणमहात्मताम् MaYānSū. 53. 11 (10. 14); जगतामतुल्यगुणयोगिना प्राणिवर्गेण संभृतः … पातालनामा तृतीयो लोकः UdaySuKa. 93. 24.

अतुल्यगोत्र (a-tulyagotra) *adj.* [*f.* –ā] not belonging to the same lineage अतुल्यगोत्रस्य … मिथुनीकृतस्य । किं स्यात् … यत् स्त्रीषु गर्भत्वमुपैति पुंसः CaraS. iv. 2. 3; vi. 2 (1). 15; कन्यामतुल्यगोत्राम् … उद्वहेत् AṣṭāSaṁ. i. 195. 6 (2. 1)

अतुल्यगोत्रीय (atulya-gotrīya) *adj.* (born) of hetero-linear (union) अतुल्यगोत्रीयं शारीरं व्याख्यास्यामः CaraS. iv. 2. 1.

अतुल्यजातीय (a-tulyajātīya) *adj.* [*f.* –ā] not belonging to the same class अतुल्यजातीययोरपि पौर्वापर्यं भवति TantrVā. 616. 7 (*on* ii. 3. 22); KenUBh. 47. 4 (*on* 2. 4); असंभिन्नशक्तिप्रविभागास्तुल्यजातीयातुल्यजातीयशक्तिभेदानुपातिनः YogBh. 82. 7 (*on* 2. 18) (TattvVai. तुल्यजातीयातुल्यजातीयेषु … ये शक्तिभेदास्ताननुपतितुं शीलं येषां ते); गुणकार्याणां तुल्यजातीयाश्चातुल्यजातीयाश्च याः शक्तयः Bhāsvatī. 196. 4 (*on* YogSū. 2. 18)

अतुल्यता (atulya-tā) *f.* **A** incomparability, the state of being unequal अचिन्त्यातुल्यत्वे(v. l. ते)मेयसंख्ययोः समतिक्रमौ (विशेषमार्गः) AbhisaAlaṅ. 4. 24 = AbhisaAlaṅĀ. 357. 1;; कातुल्यता । व्रीहीणां विहिता न नीवाराणाम् । इयमतुल्यता S'ābaBh. 1058. 5 (*on* iii. 6. 37); 1114. 17 (*on* iii. 8. 8); TantrVā. 305. 21 (*on* i. 4. 10) = AbhisaAlaṅĀ. 503. 16; अतुल्यतयोपजनितध्वाङ्क्षः KuṭṭaMa. 133; ननु जैमिनेरपि निष्प्रमाणिका … अपौरुषेयत्वकल्पना अस्त्येवैलक्ष्यः । स्वाधीनामपि सरसां परिहरति मृणालिकांवेति कथमतुल्यता NyāyRa. 91. 15 (*on* 2. 153); SaṅkarKāBh. 77. 5 (*on* ii. 1. 82); पैतामहे पैतृके च जन्मनैव स्वाम्यमिति का तत्र तुल्यातुल्यता ।… पैतृके तु जीवति पितरि निर्दोषे तस्यैव स्वातन्त्र्यमिति अतुल्यता SmṛtiCan. iv. 650. 3.

अतुल्यतुल्यकरुणायन (atulyatulya-karuṇāyana) *n.* showing of mercy towards an unequal or an equal person करुणामहाकरुणयोः किं नानाकरणम् । … अपरित्राणपरित्राणतः अतुल्यतुल्यकरुणायनाच्च AbhidhKoBh. 415. 10 (*on* 7. 33)

अतुल्यत्व (atulya-tva) *n.* dissimilarity, incomparability अवर्णमध्य आकार एकादेशे विशेषः । स्वरकृतोऽनुपलक्ष्यः सर्वैर्विज्ञानस्यातुल्यत्वात् APrāti. 6; त्रिदिवि यस्य सदृशो नास्ति रूपेण कश्चन । अतुल्यत्वात् कृतो देवैर्नाम्ना कामस्तु पावकः MahāBhā. iii. 209. 23; AbhisaAlaṅ. 4. 24; अतुल्यत्वात्तु वाक्ययोर्गुणे तस्य प्रतीयेत MīmāSū. ii. 2. 26; तस्या यदबहुलमाशीर्ब्रह्मचर्यमतुल्यत्वात् MīmāSū. vi. 1. 24 (S'ābaBh. अतुल्यत्वादसमानविधाना पत्नी); ix. 4. 35; x. 8. 29; अतुल्यत्वे ह्यभिप्रेतेऽस्य वस्तुनः TattvSaṁ. 1711; सोमवाक्येऽपि विशिष्टविधौ प्रत्यक्षोपात्ते सत्यानुमानिकासंभवादेवातुल्यत्वम् TantrVā. 513. 16 (*on* ii. 2. 18); 807. 8 (*on* iii. 2. 37); दृष्टान्तदार्ष्टान्तिकयोरतुल्यत्वात् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 455. 15 (*on* ii. 3. 24); 641. 12

(*on* iii. 3. 17); GītāBh.(S'aṅ.) 361. 8 (*on* 13. 2); BṛĀraUBh. 284. 12 (*on* ii. 3. 3); NayaVi. 128. 8 (*on* i. 1. 5); वेदस्य व्यापाराभावे निष्फलत्वापत्तेरतुल्यत्वम् NyāySu.(So.) 58. 12 (*on* i. 2. 10); नानयोर्विकल्पो युक्तः अतुल्यत्वात् PrakaPañ. 224. 26; ĀgaPrā. 61. 15; Anuvyā. 56A. 3 (*on* 3. 4); अतुल्यत्वाशङ्काया-मतिदेशः स्यात् VedāntKa. 234. 16 (*on* ii. 1. 12); DaṇḍaVi. 266. 6; सर्वशरीरा-णामतुल्यत्वात् AṇuBh. 137. 5 (*on* ii. 2. 34); MayūMāli. 855. 12 (*on* xii. 1. 17); तयोर्जनकानामास्यभवानां वायुसंयोगानामतुल्यत्वात् LaS'abdeS'e. i. 28. 8.

अतुल्यदण्ड (atulya-daṇḍa) *m.* unequal punishment लोभमोहयोर-तुल्यदण्डनिमित्तत्ववचनं तत्साक्षिविषयम् Aparā. 603. 22 (*on* 2. 4)

अतुल्यदूष्य (atulya-dūṣya) *adj.* not contaminated by a similar disorder (of humour) अतुल्यदूष्यदेशर्तुप्रकृतिः पादसंपदि (व्याधिः) AṣṭāSaṁ. i. 6. 13 (1. 2) = AṣṭāHṛ. i. 1. 30.

अतुल्यदेश (atulya-deśa) *adj.* (disease) produced in a dissimilar (i. e. unsuitable) place अतुल्यदेशो व्याधिर्यथा । अनूपदेशे पित्तसंभूतः comm. *on* AṣṭāHṛ. i. 1. 30.

अतुल्यद्वारकत्व (atulyadvāraka-tva) *n.* the state of having dissimilar intermediary न द्विवचनापत्तिरेकत्वविरोधो वा अतुल्यद्वारकत्वात् TattvCin. iv(2). 797. 1.

अतुल्यधी (atulya-dhī) *adj.* possessed of an incomparable intellect अतुल्यधीः … प्रविवेश सभागृहं नरेन्द्रो मतिमद्भिर्वरमन्त्रिभिः VarāṅgaC. 24. 13.

अतुल्यनाद (atulya-nāda) *adj.* having an incomparable twang विस्फारयंश्चापमतुल्यमानम् (v. l. अतुल्यनादम्) Rāmā. vi. 47. 16.

अतुल्यनामन् (atulya-nāman) *adj.* [P. vi. 3. 63] named Atulyā धृति-षेणराजा । अतुल्यनामा किल तस्य भार्या VarāṅgaC. 2. 11.

अतुल्यपरिवर्त (atulya-parivarta) *m.* square of *atulya* (a high number) [DBHS]

अतुल्यपात (atulya-pāta) *m.* unequal fall (at different times) तदेवं कारणभेदानुविधायीनि गुरुत्ववन्ति द्रव्याणि चिराशुपातविधानभाञ्जि भवन्तीत्यहेतुर-तुल्यपातः NyāyVār. 420. 12 (*on* iii. 2. 14)

अतुल्यपार्श्वद्वय (atulya-pārśvadvaya) *adj.* whose both flanks are not symmetrical अतुल्यपार्श्वद्वयः … पूज्यो न चार्यं गजः MātaLī. 3. 1.

अतुल्यपौरुष (atulya-pauruṣa) *adj.* possessed of incomparable prowess सुरोत्तमः प्रवरवराहरूपधृक् । … समुद्धरद् धरणिमतुल्यपौरुषः MatsyaP. 248. 79.

अतुल्यप्रकृति (atulya-prakṛti) *f.* different material or substance न, अतुल्यप्रकृतीनां विकारविकल्पात् NyāySū. ii. 2. 44; *adj.* having dissimilar constitution (of humour) अतुल्यप्रकृतिर्यथा पित्तप्रकृतेः श्लेष्मोद्भवो व्याधिः comm. *on* AṣṭāHṛ. i. 1. 30.

अतुल्यप्रत्यय (atulya-pratyaya) *m.* dissimilar notion श्यामलोहितादि-वर्णवैलक्षण्येन जायमाना अतुल्यप्रत्ययहेतवः TattvSaṁPañ. 121. 19 (*on* 323)

अतुल्यप्रभाव (atulya-prabhāva) *adj.* possessed of incomparable prowess क्षेमकारोऽङ्घ्रिपद्मो यस्या दुर्वार एवम् (v. l. क्षेमकारो हि यस्याः पादोऽ-तुल्यप्रभावः) CaṇḍīS'. 93; PrabhāC. 39. 13.

अतुल्यबल (a-tulyabala) *adj.* not equally strong (i. e. valid, authoritative) अतुल्यबलयोः स्पर्धा न भवति JaineVyā. 34. 5 (*on* i. 2. 90); कथं पुनः प्राकरणिकेन … सहातुल्यबलस्य विकल्पोऽभिधीयते TantrVā. 1076. 5 (*on* iii. 6. 9); NyāyRaMā. 183. 24; अन्तरङ्गानपि विधीन् बाधमानो लुक् बलवान् इत्य-तुल्यबलेन लोपेन स्पर्धां नार्हति Pradī. v. 72A. 24 (*on* vi. 1. 69); TarkBhā. (Ke.) 92. 2; अतुल्यबलयोर्विरोधे हीनस्य निग्रहावश्यंभावात् NyāyPari. 351. 18.

अतुल्यबलता (atulyabala-tā) *f.* the state of having unequal validity विरुद्धयोरतुल्यबलतया न विकल्पः Bhām. 69. 18 (*on* i. 1. 2)

अतुल्यबलत्व (atulyabala-tva) *n.* the state of having unequal validity नेमौ विधी विकल्प्येते … स्वयमतुल्यबलत्वात् TantrVā. 100. 10 (*on* i. 3. 3); 531. 18 (*on* ii. 2. 23); 539. 11 (*on* ii. 2. 23); 1076. 26 (*on* iii. 6. 9); अतुल्यबलत्वे तु यत्कृतकमन्यतरस्य दौर्बल्यम् NyāyMañ. i. 215. 25; असमर्थविशेषण-त्वेनासिद्धभेदस्यातुल्यबलत्वात् ĀtmaTaVi. 834. 19; दुर्बलत्वादितरस्य बलीयस्त्वाद-तुल्यबलत्वम् S'āstrDī. 65. 18; (*on* i. 1. 5); NyāyMa. 342. 1; विधिनिषेधयोः … अतुल्यबलत्वमाशङ्क्य VedāntKa. 437. 23 (*on* iii. 3. 26); PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 1. 12; श्रुतिस्मृत्योरतुल्यबलत्वात् AdvaiSi. 744. 6; PāṇiTaVāNaMā. 92. 21; 111. 14; अतुल्यबलत्वाद्विकल्पो न युक्तः GuruCandr. i. 267. 15; प्रत्यक्षानु-मानयोरतुल्यबलत्वेन MayūMāli. 13. 24 (*on* i. 2. 3); 598. 6 (*on* ix. 1. 16); 872. 25 (*on* xii. 3. 7)

अतुल्यबलवत्त्व (atulyabalavat-tva) *n.* the state of having unequal authority असंभवे त्वतुल्यबलवत्त्वे बलवदनुसारेण निश्चयोपपत्तेः एतद्वाक्यव्याख्या न युक्ता CaturCin. iii(2). 211. 2.

अतुल्यभुजवैभव (atulya-bhujavaibhava) *adj.* whose strength of the arms is incomparable आस्तां तावद्भवान् शल्योऽप्यतुल्यभुजवैभवः PāṇḍaC. 13. 81.

अतुल्यम् (a-tulyam) *adv.* matchlessly, incomparably यत्रायमारोपण-तुल्यकालं तत्प्रेमशाखी फलवानतुल्यम् CaitaCa. 234. 17(10)

अतुल्यमधुरप्रेमन् (atulyamadhura-preman) *m. n.* incomparably sweet love अतुल्यमधुरप्रेममण्डितप्रियमण्डलः (श्रीकृष्णः) BhaktiRaSi. ii. 1. 33.

अतुल्यमहस् (atulya-mahas) *adj.* having unequal strength अतुल्य-महसा सार्धं रामेण मम विग्रहः Bhaṭṭi. 5. 29.

अतुल्यमान (atulya-māna) *adj.* having none equal in size विस्फारयं-श्चापमतुल्यमानम् Rāmā. vi. 47. 16.

अतुल्यरूप (atulya-rūpa) *adj.* **i** having an unequalled or incomparable form रक्षांसि … अतुल्यरूपाण्यतिघोरवन्ति … विघ्नं सदा तपसश्चिन्तयन्ति MahāBhā. iii. 113 1; अतीव रूपं (v. l. अतुल्यरूपं) बभूव युद्धं रविभीम-सून्वोः MahāBhā. vii. 154. 17; viii. 882*(4); **ii** having dissimilar form न चातुल्यरूपेऽनुमानमित्यनुकारः संभवति Bhām. 225. 12 (*on* i. 3. 22); हस्तादि-च्छेदसहस्रदण्डप्रवासनवधानामतुल्यरूपाणां संग्राह्यस्त्रीप्रातिलोम्यमात्रेण समञ्जयितु-मशक्यत्वादियमत्र व्यवस्था DaṇḍaVi. 161. 4; अतुल्यरूपे न्यायातिदेशो युक्तः MayūMāli. 529. 5 (*on* vii. 1. 4)

अतुल्यरूपता (atulyarūpa-tā) *f.* the state of being of dissimilar form प्रायश्चित्तानामतुल्यरूपतया सहोपदेशस्तत्र ManuBh. ii. 370. 3 (*on* 11. 2)

अतुल्यरूपिन् (atulya-rūpin) *adj.* possessed of unequalled form देयं किमस्माभिरतुल्यरूपिणे SkandP. i(1). 19. 43.

अतुल्यलक्षण (atulya-lakṣaṇa) *adj.* having a dissimilar characteristic पादचतुष्टये … अतुल्यलक्षणं विषमम् AbhinBhā. ii. 236. 14 (*on* 14. 43)

अतुल्यलक्ष्मी (atulya-lakṣmī) *f.* unparalleled good fortune, unequalled glory आयुः परं वपुरभीष्टमतुल्यलक्ष्मीः … भवन्ति तुष्टात्त्वत्तः BhāgP. viii. 17. 10.

अतुल्यलम्बक (atulya-lambaka) *adj.* having unequal perpendiculars अतुल्यलम्बकं क्षेत्रमिदं पूर्वैरुदाहृतम् Līlā. 188.

अतुल्यवर्तित्व (atulyavarti-tva) *n.* the state of behaving in a dissimilar manner इत्यतश्चक्षुरिन्द्रियपरमाणुभिस्तद्विषयपरमाणूनामतुल्यवर्तित्वात् पृथ-क्स्थानावस्थितत्वात् Sphuṭā. i. 53. 16 (*on* 1. 20)

अतुल्यवात्सल्य (atulya-vātsalya) *n.* matchless affection, unparalleled love or affection धर्मैश्चातुल्यवात्सल्यसंपूर्णहृदयः पिता PārśvC. 6. 1245; तत्रानीयातुल्यवात्सल्यादिभिर्भूषणादिदानैश्च संतर्प्य PrabaCin. 87. 26; 124. 8.

अतुल्यवात्सल्यता (atulyavātsalya-tā) *f.* the state of having unparalleled affection or love ततोऽतुच्छवात्सल्यात् (v. l. पयसि याच्यमानेऽतुल्य-वात्सल्यतया) PrabaCin. 48. 5.

अतुल्यवात्सल्यत्व (atulyavātsalya-tva) *n.* the state of having unparalleled affection or love श्रीसिद्धराजस्य प्रजापालनपाण्डित्यं सेवकेष्वतुल्य-वात्सल्यत्वं चेत्यादीन् गुणान् वर्णयन् PrabaCin. 72. 2.

अतुल्यविषय (atulya-viṣaya) *adj.* having a dissimilar topic न हि दुर्बल इत्येव बाधः किं तु अतुल्यविषयो दुर्बलः CaturCin. iii(1). 1329. 15.

अतुल्यवीर्य (atulya-vīrya) *adj.* possessing unequalled power or valour रक्षांसि … अतुल्यरूपाणि (v. l. अतुल्यवीर्याणि) MahāBhā. iii. 113. 1.

अतुल्यव्यक्तित्व (atulyavyakti-tva) *n.* the state of having unequal or dissimilar individual द्रव्यत्वेन अतुल्यव्यक्तित्वम् TarkSaṁ.(Ā.) 68. 1.

अतुल्यष (atulyaṣa) *m.* name of a snake in Kāśmīra नागाः कश्मीरायां कृतालयाः … नामतस्तु समाचक्ष्व (तान्) … कुशकुण्डोऽतुल्यषश्च NīlaP. 929.

अतुल्यसाहस (atulya-sāhasa) *adj.* of incomparable courage वसुन्ध-राम् … दंष्ट्रैकया विष्णुरतुल्यसाहसः समुद्दधार स्वयमेव देवः SkandP. v(3). 19. 43.

अतुल्यस्थान (atulya-sthāna) *adj.* having a dissimilar place of articulation वर्णान्तराणां यथायोगमतुल्यस्थानप्रयत्नत्वात् Nyās. i. 21. 19 (*on* i. 1. 0 (PraSū. 5)); अतुल्यस्थानेन घकारेण सह भेदोऽपि SaraKaṇṭhā. 232. 4.

अतुल्याख्यभावना (atulyākhya-bhāvanā) *f.* peculiar combination (of figures in arithmetic) called *atulyā* (i. e. of unequal terms) तुल्यान-तुल्यान् संस्थाप्य तुल्यातुल्याख्यभावना । कार्या SiddhāTaVi. 388. 23.

अतुल्याख्या (atulyākhyā) *f.* synonym of dissimilar or different तस्य चातुल्याख्यायामवकाशो महापुरुष इति Nyās. i. 374. 10 (*on* ii. 1. 68)

अतुल्याच् (atulyāc) *adj.* (words) having unequal (number of) vowels अतुल्याचामल्पाचः पूर्वनिपातः CāndraVṛ. *on* ii. 2. 48.

अतुल्यातिशय (atulyātiśaya) *adj.* possessed of unequalled excellence यस्यावतारा जायन्ते … तैस्तैरतुल्यातिशयैर्वीर्यैः BhāgP. x. 10. 34.

अतुल्याधिकरण (a-tulyādhikaraṇa) *adj.* non-appositional, used in different cases परिणामो भवेत्तुल्यातुल्याधिकरणो द्विधा SāhiDa. 528. 1.

अतुल्यान्नविकार (atulyānnavikāra) *n.* incomparable (i. e. excellent) food-preparation अतुल्यान्नविकाराणि बहूनि विविधानि च ।…एवमादीनि चान्यानि गृह्य PadmP. v. 17. 124.

अतुल्याभिजना (atulyābhijanā) *adj.* (*f.*) born in a different family (i. e. *gotra*) कन्याम् …अतुल्याभिजनाम्…विधिनोद्वहेत् AṣṭāSaṁ. i. 195. 6 (2. 1)

अतुल्यार्थ (atulyārtha) *adj.* having a different purpose न त्वतुल्यार्थयोर्बाधः क्रत्वर्थपुरुषार्थयोः TantrVā. 1081. 10 (*on* iii. 6. 10)

अतुल्यार्थकत्व (atulyārthaka-tva) *n.* the state of not having the same meaning तयोरतुल्यार्थकत्वात् LaCandr. 481. 37.

अतुल्यार्थतापत्ति (atulyārthatāpatti) *f.* undesirable contingency of not having the same or similar meaning अन्यथा अतुल्यार्थतापत्तेः TattvCin. iv(2). 762. 2.

अतुल्यार्थत्व (atulyārtha-tva) *n.* A the state of not having the same meaning or sense अतुल्यार्थत्वात्तन्निष्कर्षः BhāvanāVi. 123. 2; चत्वारि पदान्युपलभेमहीत्यतुल्यार्थत्वादतन्त्रत्वाभिप्रायेण TantrVā. 300. 23 (*on* i. 4. 8); तुल्यार्थत्वं किमनयोराम्नानयोः स्यात्, अतुल्यार्थत्वं वा BrahmSūBh.(Śaṅ.) 641. 11 (*on* iii. 3. 17); आम्नानवैषम्यादतुल्यार्थत्वम् ŚrutaPra. ii. 477. 11 (*on* iii. 3. 17); B the state of not having the same purpose नापि विकल्पेन पक्षेऽर्थवत्ता, असाधारणेऽपि वैधर्म्यप्रयोगेणातुल्यार्थत्वात् TātpaṬ.(U.) 334. 16 (*on* 5(5). 118); एवकारस्तु तपसो वधेन सहातुल्यार्थत्वात् कल्पान्तरप्रसङ्गनिवृत्त्यर्थः BālaKrī. ii. 120. 19 (*on* 3. 257); सूर्यचन्द्रदर्शनयोरतुल्यार्थत्वात् समुच्चय इति कल्पतरुः VīraMi. (Saṁskāra.) 250 .21; अतुल्यार्थत्वेन विकल्पो न BālamBha. ii. 115. 14 (*on* 2. 103)

अतुल्याशङ्का (atulyāśaṅkā) *f.* doubt of inequality or dissimilarity तस्मात्पूर्वेणाधिकरणेनातुल्याशङ्कायां तुल्यता सूत्रेणातिदिश्यते । सर्वेष्वेवाधिकरणप्रदेशेष्वतुल्याशङ्का निवर्त्यते ŚābaBh. 2031. 19 (*on* x. 7. 17); का पुनरत्रातुल्याशङ्का यां व्यावर्तयितुमतिदेशः क्रियते TantrVā. 921. 14 (*on* iii. 4. 11); 1041. 3 (*on* iii. 5. 13); 1102. 17 (*on* iii. 6. 30)

अतुल्योक्ति (atulyokti) *f.* statement of being unequal अनेनैव भेदेन स्वाम्ये तुल्यातुल्योक्तिः SmṛtiCan. iv. 650. 4.

अतुल्योपन्यास (atulyopanyāsa) *m.* statement of what is dissimilar तस्माद्यूपवदिति अतुल्योपन्यासः ŚābaBh. 1564. 8 (*on* vii. 3. 29)

अतुल्योपम (a-tulyopama) *adj.* who has no comparison with equals नः स गिरं करोतु सविता योऽन्यैरतुल्योपमः YogYā. 1. 1.

अतुल्योपमान (atulyopamāna) *adj.* having a standard of comparison which is not equal यत्त्वतुल्योपमानं तद्वदन्यसदृशोपमम् SaraKaṇṭhā. 42. 19; PratāYaBhū. 317. 12.

अतुल्योपलम्भ (atulyopalambha) *m.* dissimilar knowledge पिहितैकलोचनेनातुल्योपलम्भः अविकलाक्षस्य स्यात् TātpaṬ.(Vā.) 511. 2 (*on* iii. 1. 11)

अतुल्योपायत्व (atulyopāya-tva) *n.* the state of being an unequal means तर्हि विकल्पः स्यादिति चेन्न । अतुल्योपायत्वात् TantrRaha. 11. 27.

अतुष (a-tuṣa) *adj.* [*f.*-ā] i without husk अन्वाहार्यपचनेऽतुषानिव युवान् कृत्वा ŚatBr. II. v. 2. 14; तण्डुलांस्तु प्रगृह्णीयात् … अकणानतुषानेव PāraS. 18. 151; कृत्वा तण्डुलान् … अतुषानेव कृमिहीनानपि क्रमात् BṛBrahmaS. iii. 10. 172; ii without barley-grains स कुशैः कृतोपवेशः प्राश्यापश्चतुरतुषास्तुषारचारूः Surath. 12. 32.

अतुषार (a-tuṣāra) *adj.* not cold [Apte]

अतुषारकर (atuṣāra-kara) *m.* the sun (*lit.* hot-rayed) वरुणस्य दिशा भृशमन्वरज्यदतुषारकरः ŚiśuVa. 9. 7.

अतुषारदीधिति (atuṣāra-dīdhiti) *m.* the sun (*lit.* hot-rayed) अथावबुद्धतदभिप्रायः प्रयाणशुद्धिमिव प्रष्टुमुपस(? सस)र्प परिणतज्योतिषमतुषारदीधितिम् TilaMañ. 197. 16.

अतुषारपात (a-tuṣārapāta) *m.* absence of snow-fall अवतीर्णश्च तस्मिन् …तुषारपातमतुषारपातम् … अमंस्त (समरकेतुः) TilaMañ. 212. 16.

अतुषारमरीचिबिम्ब (atuṣāramarīci-bimba) *n.* solar orb (इन्दुः) जग्राह नूनमतुषारमरीचिबिम्बमध्यप्रवेशपुनरुक्तिवशोत्थमौष्ण्यम् HarVi. 24. 40.

अतुष्ट (a-tuṣṭa) *adj.* [*f.* -ā] i discontented, dissatisfied, displeased (तत्र पाण्डवेयाः) अतुष्टास्तुष्टवद्राजन्नूषुः परमदुःखिताः MahāBhā. i. 135. 20; iii. 287. 21; ततः स राजा … प्रियामतुष्टां प्रतिकूलभाषिणीम् । समीक्ष्य…क्षितौ विसंज्ञो निपपात दुःखितः Rāmā. ii. 11. 15; अतुष्टांस्तुष्टिहेतोस्त्यागेन साम्ना च प्रसादयेत् ArthŚā. i. 65. 2 (1. 13); अनागतं प्रार्थयतामतिक्रान्तं च शोचताम् । वर्तमानैरतुष्टानां निर्वाणं नोपपद्यते BhagAjju. 40 (11); भूताभूतपरिज्ञानं कृताकृतपरीक्षणम् । तुष्टातुष्टविचारश्च सर्वेषामनुजीवनम् NītiSā. 13. 48; अतुष्टं सर्वयाचकम् … गुरुः शिष्यं विवर्जयेत् KulārT. 13. 20; अतुष्टां विकसन्मुखीम् …गोरक्षिकामिमां स्रष्टुं नूनमर्धहृतं विधेः RāghPāṇ.(Dha.) 7. 79; कल्याणानि ददातु वो गणपतिर्यस्मिन्नतुष्टे सति क्षोदीयस्यपि कर्मणि प्रभवितुं ब्रह्मापि जिह्मायते BhaviP. 609A. 7 (iv. 1. 1) = CaturCin. i. 1. 5; iii(2). 1. 5; शूद्रो भीमः … निष्ठुरः सर्वदातुष्टः … शूद्राचारपरिभ्रष्टः PadmP. iii. 14. 16; न ह्यतुष्टे दशग्रीवे मुच्यन्ते भोगसंपदः RāmāMañ. 302. 26; शृङ्गाराश्रेण कामी युवतिजनशताभोगयोगादतुष्टः RaseCin. 8. 49 (105. 4); भोजराडतुष्ट इव दृष्टवान् भगिनिकाकरे कन्यकाम् Nārāy. x. 39. 3; ii not satisfying, unsatisfactory हर्षप्रीतिकथापेतमतुष्टं पानभोजने । … आपानं तामसं स्मृतम् CaraS. vi. 24. 78 (1941 Ed.); अतुष्टा वृष्टिरत्युग्रं डामरं कीटगे गुरौ NāraS. 2(5). 27.

अतुष्टत्व (atuṣṭa-tva) *n.* dissatisfaction तेषां मुण्डजटिलव्यञ्जनास्तुष्टातुष्टत्वं विद्युः ArthŚā. i. 65. 1 (1. 13)

अतुष्टि (a-tuṣṭi) *f.* discontent, displeasure, dissatisfaction लब्धे भूयःस्पृहातुष्टिः AbhidhK. 6. 6; परपरिवादोऽतिरौद्रतातुष्टिः … एषा तु राजसी वृत्तिः TattvSa. (3) 124. 11; निधौ कृतेऽर्थे न हि विद्यते फलं भवत्यतुष्टिर्विफलीकृते पुनः DhūrtaViSaṁ. 24. 23; आसां (तुष्टीनाम्) विपरीता अतुष्टयः अनम्भ इत्याद्याः MāṭhVṛ. 67. 15 (*on* 50); आस्तिक्यं दानानिष्ठा … अतुष्टिरर्थोपचयैर्वैश्यप्रकृतयस्त्विमाः BhāgP. xi. 17. 18; SkandP. ii(9). 20. 26; पराजयमतुष्टिं च कुर्वन्त्यतो न बध्नीयात् कथञ्चिद्दक्षिणामुखान् SamarāSū. 33. 57; अतुष्टेर्वर्धनतः पुनः । कारागारमिदं विश्वं यस्य नौमि तमीश्वरम् Kiraṇā. 159. 3; ManvaVi. 1496. 12 (*on* 12. 32); यदतुष्टिमगाद्धनुः श्रमे दृढमुष्टियदधाच कार्मुकम् ।… शरवृष्टिर्न वृथाभवत्ततः VīraBhā. 8. 12.

अतुष्टिकर (atuṣṭi-kara) *adj.* causing displeasure or discontent; not satisfying न भुञ्जीत कदाचन … प्रेतान्नमतुष्टिकरमेव च ManuSm. 4. 217; तानि (रुधिराणि) तु … अतुष्टिकराणि PañcT. 1. 86 (95. 9); Tantrākhyā. 25. 19; अतुष्टिकरं यस्मिन्भुज्यमाने चित्ततुष्टिर्न भवेत् ManuBh. i. 402. 29 (*on* 4. 217); CaturCin. iii(1). 775. 4; अतुष्टिकरं संविचिकित्सया ManvaVi. i. 562. 13 (*on* 4. 217); कर्म … अतुष्टिकरं वर्जयेत् ManvaMu. 174. 13 (*on* 4. 161); VīraMi. (Āhnika.) 499. 7.

अतुष्टिदान (atuṣṭi-dāna) *n.* giving displeasure [PW]

अतुष्टिपर्यन्ता (atuṣṭi-paryantā) *adj.* (*f.*) ending with the absence of satisfaction तुष्टिस्त्वतुष्टिपर्यन्ता तस्माद् वाञ्छां परित्यज AnnaU. 5. 37.

अतुष्यत् (a-tuṣyat) *adj.* not being satisfied or contented; not being pleased अदृश्यामपि (v. l. अतुष्यन्नपि) कौन्तेये स्थितां पश्यन्निवोद्यताम् MahāBhā. ii. 45. 16; तथाप्यतुष्यन्तमन्यस्मिन्पुत्रे दारेषु वा स्निह्यन्तमरण्याय आपृच्छेत ArthŚā. i. 90. 5 (1. 18); i. 65. 4 (1. 13); ii. 222. 11 (5. 6)

अतुस् (atus) (Gr.) Perf. 3rd du. active ending परस्मैपदानां णलतुसुस्थलथुसणल्वमाः P. iii. 4. 82; अतुः उरिति वचनमेव श्रूयेत MahāBh. ii. 45. 20 (*on* iii. 1. 36); मानां णल्वमथाथुसणलतुसुसः JaineVyā. ii. 4. 68; अतङां णलतुसुस्थलथुसणल्वमाः CāndraVyā. i. 4. 11; अतङाण्णशतुसुस्थाथुसुश्णश्मा: ŚākaṭāVyā. i. 4. 101; णप् अतुस् उस् … ए वहे महे … स्वामहि एतानि … धोः पराणि प्रयुज्यन्ते MugdhaBo. 8. 1 (79. 4); क्न अतुसिति स्थिते…स्थानिवद्भावाद् PariVṛ.(Sī.) 157. 14; संयोगात्परस्य लिटोऽकित्त्वादतुसादौ न संप्रसारणम् । बभञ्जतुः । बभ्रञ्जतुः । बभर्जे । बभ्रज्जे । भर्ष्टा । भ्रष्टा । भृज्यात् PrakriKau. ii. 259. 6; अतुसि प्राप्ते संप्रसारण इयं विभाषा Prasā. i. 69. 20.

अतुहिन (a-tuhina) *adj.* not cold [MW]

अतुहिनकर (atuhina-kara) *m.* the sun [Apte]

अतुहिनद्युति (atuhina-dyuti) *m.* the sun आकाशशेषे तुहिनांशुबिम्बे प्रकाशकल्पेऽतुहिनद्युतौ च । शकाः समन्तान्निभृतं समेत्य पृथ्वीपतीये शिबिरे निपेतुः HammīMaKā. 3. 56.

अतुहिनधामन् (atuhina-dhāman) *m.* the sun (*lit.* hot-rayed) क्षणमतुहिनधाम्नि प्रोष्य भूयः पुरस्तादुपगतवति पाणिग्राहवद्दिग्वधूनाम् ŚiśuVa. 11. 65 = Subhāṣi. 2189.

अतुहिनरश्मि (atuhina-raśmi) *m.* the sun (*lit.* hot-rayed) व्रजन्तीः …करैस्ताः । परस्पर्शं क्षणमनिलाकुलीकृतानां शाखानामतुहिनरश्मिरन्तरालैः ŚiśuVa. 8. 3; BṛSaṁ. [MW]

अतुहिनरुचि (atuhina-ruci) *m.* the sun (*lit.* of hot lustre) अतुहिनरुचिनासौ केवलं नोदयाद्रिः … क्ष्माभृतः सर्व एव । … शेखरं बिभ्रतीव ŚiśuVa. 11. 46; BṛSaṁ. [MW]

अतुहिनांशु (atuhināṁśu) *m.* the sun (*lit.* hot-rayed) आयास्यामि त्वया साकं छायेवातुहिनांशुना MalliC. 1. 338.

अतूणीरप्रकाशक (a-tūṇīraprakāśaka) *adj.* not showing the quiver (not showing their back) अतूणीरप्रकाशकान् । अशंसत् प्रतियोधान् Yādavā. 22. 107.

अतूतुजि (á-tūtuji) *adj.* not zealous अतूतुजिं चित्तूतुजिरशिश्नत् ṚV. vii. 28. 3 (*but* Sāy. अदातारम्)

अतूत्थित (a-tūtthita) *adj.* uncovered, without armour प्रपर्णितदिशं रुचा क्षपितभूभृतोऽस्यानुजाः । सद्योनिवसितं हरिं ययुरतूत्थिताङ्गाः क्रुधा Dhātu-Kā. 3. 64 (comm. अतूत्थिताङ्गा अनादृतवर्मावरणा आययुः ।··· तूत्थ आवरणे कर्मणि क्तः; cf. प्रोर्णवनं तूत्थनच्छादने अपि S'abdaRa.(Vā.) 439)

अतूपर (a-tūpara) *adj.* not hornless, horned (अजः) लोहस्तूपरो भवति । अप्यतूपरः ĀpaS'S. x. 29. 5 (comm. तूपर अशृङ्गः)

अतूर्ण (a-tūrṇa) *adj.* not surpassed यो मे सहस्रं निरमिमीत सवानतूर्तो राजा अतूर्ण इति वा । अत्वरमाण इति वा Nir. 9. 10 (162. 11)

अतूर्णदत्ता (a-tūrṇadattā) *adj.* (*f.*) given unhurriedly or given unsurpassingly अतूर्णदत्ता प्रथमेदमागन्वत्सेन गां सं सृज विश्वरूपाम् KauśiSū. 62. 21.

अतूर्णम् (a-tūrṇam) *adv.* not quickly, without haste, slowly तदानतात् ··· श्रोणीभिर्गुरुभिरतूर्णमुत्पतन्त्यस्तोयेषु द्रुततरमङ्गना निपेतुः S'iśuVa. 8. 31; असुक्तं पीडयेद्वस्तिमतूर्णमविलम्बितम् SiddhYo. 76. 2 (567. 8); सम्यगर्चति नलेऽर्कमतूर्णं भक्तिगन्धिरमुनाकलि कर्णः NaiṣC. 21. 32 (comm. त्वरारहितम्)

अतूर्त (a-túrta) *adj.* [DEBRU. p. 563] **i** unsurpassed, not superseded अतूर्तो राजा श्रव इच्छमानः ṚV. i. 126. 1 (अत्वरमाणः Nir. 9. 10 (162. 11)); (अग्निः) अतूर्तं श्रावयत्पतिं पुत्रं ददाति दाशुषे ṚV. v. 25. 5; KāṭhaS. 2. 15; MaiS. iv. 11. 1; अतूर्तो होतेत्याह न ह्येतं कश्चन तरति TaiS. II. v. 9. 2; 'अतूर्तो होता' इति शंसति । अयं वा अग्निरतूर्तो होता AitBr. 10. 2 (262); S'atBr. I. iv. 2. 12; प्रणीर्यज्ञानाम् रथीरध्वराणाम् अतूर्तो होता TaiBr. III. v. 3. 1; S'āṅkhāS'S. i. 4. 20; अतूर्तो राजातूर्ण इति वा Nir. 9. 10 (162. 11); (átūrta) आशुं जेतारं हेतारं रथीतममतूर्तं तुग्र्यावृधम् ṚV. viii. 99. 7; **ii** not crossed or stepped over, immeasurable अश्वमिवाधुक्षद्धुनिमन्तरिक्षमतूर्ते बद्धं सविता समुद्रम् ṚV. x. 149. 1.

अतूर्तदक्ष (átūrta-dakṣa) *adj.* of unsurpassed will power युवोरु षू रथं हुवे ···। अतूर्तदक्षा वृषणा वृषण्वसू ṚV. viii. 26. 1 (Sāy. परैरहिंसितबलौ ··· अश्विनौ)

अतूर्तपथिन् (átūrta-pathin) *adj.* who has not traversed his path अतूर्तपन्था असुरः ṚV. v. 42. 1; अतूर्तपन्थाः पुरुरथो अर्यमा सप्तहोता विषुरूपेषु जन्मसु ṚV. x. 64. 5.

अतूर्यवक्त्रनिर्घोषम् (a-tūryavaktranirghoṣam) *adv.* without any sound of trumpets or shouts राजा तेजःप्रतापभूः ··· अतूर्यवक्त्रनिर्घोषं रहो योगीव निध्वनिः पर्वताधित्यकाभूमिं गत्वा PrabhāC. 201. 15.

अतूर्याङ्गत्व (a-tūryāṅgatva) *n.* the state of not being a part of musical accompaniments तूर्याङ्गाणामित्यपि न भवति । शङ्खस्य अतूर्याङ्गत्वादित्येके Pradī. ii. 472B. 32 (*on* ii. 2. 34)

अतूलपूर्ण (a-tūlapūrṇa) *adj.* not filled with cotton शेते ··· अतूलपूर्णं गाङ्गेयस्त्रिभिर्वर्णैः समन्वितम् । उपधायोपधानाग्र्यम् MahāBhā. xi. 23. 19.

अतूष्णीक (a-tūṣṇīka) *adj.* not keeping quiet, garrulous अतूष्णीकस्य तु ··· अनेनैव निवर्तनीयत्वात् NyāyPari. 208. 10.

अतृ (atṛ) (Gr.) the affix *at* (in the past sense) जृषोऽतृ JaineVyā. ii. 2. 87; S'ākaṭā. iv. 3. 201 = SiddhaHe. v. 1. 173; अवर्णादिश्चोऽन्तो वातुरीङ्योः SidddhaHe. ii. 1. 115.

अतृचवर्जम् (atṛcavarjam) [*w. r.* for आद्यतृचवर्जम्] VaitāS'S. 39. 3 [VIśVA]

अतृजन्त (a-tṛjanta) *adj.* not ending with the affix *tṛc* अतृजन्तत्वात् अप्तृन् इत्युपधादीर्घो न PrakriKau. i. 173. 6; Prasā. i. 173. 16.

अतृण (a-tṛṇa) *adj.* [*f.* -ā] devoid of grass, grassless अतृणे पतितो वह्निः स्वयमेवोपशाम्यति MahāBhā. v. 175*(4); यथा वाप्यतृणं वनम् ।··· तथा राष्ट्रमराजकम् Rāmā. ii. 61. 20; नासस्या नातृणा भूमिर्न बुभुक्षार्दितो जनः Viṣṇu-P. v. 10. 22; अतृणे सतृणा यस्मिन् सतृणे तृणवर्जिता मही यत्र BṛSaṁ. 54. 52 = S'ārṅgaP. 2201; LiṅgaP. ii. 5. 50; SūktiRa. 41. 5.

अतृणम् (a-tṛṇam) *adv.* disappearance of grass अतीतानि तृणानि अतृणम् JaineVyā. 47. 24 (*on* i. 3. 5)

अतृणाद (á-tṛṇāda) *adj.* not able to eat grass (very young) अथ वत्सं जातमाहुः । अतृणाद इति S'atBr. XIV. iv. 3. 5; अतृणाद इति नाद्यापि तृणमत्ति अतीव बालः पयसैवाद्यापि वर्तते इत्यर्थः BṛĀraUBh. 172. 1 (*on* i. 5. 2); BṛĀraUBhVā. i. 5. 53; बद्धं स्मृत्वा स्वं लघुवत्सकम् । अतृणादं पयोवृत्तिं करुणं पर्यदेवयत् SkandP. vi. 50. 10.

अतृणीकृतजीवित (a-tṛṇīkṛtajīvita) *adj.* who has not regarded his life (worthless like) a straw अतृणीकृतजीवितान् ··· न स संजगृहे भटान् Gaṅgāva. 1. 76.

अतृण्ण (atṛṇṇa) [*w. r.* for आतृण्ण] ĀpaS'S. xvi. 22. 3 [VIśVA.] cf. TaiS. V. ii. 7. 2.

अतृण्या (a-tṛṇyā) *f.* [DEBRU. p. 841] absence of a heap of grass पाशानां समूहः पाश्या, न पाश्या अपाश्या । अतृण्या KāśiVṛ. *on* P. vi. 2. 156.

अतृतीय (a-tṛtīya) *adj.* with no third [DBHS]

अतृतीयलोचन (a-tṛtīyalocana) *adj.* not having a third eye द्वितीयहरमिवातृतीयलोचनम् ··· माक्रनरलोकनायकमवलोकयन् मनस्येवमकरोत् YātrāPra. 6. 75 (18)

अतृतीया (a-tṛtīyā) *adj.* not accompanied by the instrumental case दिशो दिग्देशकालेऽतृतीयायुजः S'ākaṭā. iii. 4. 36.

अतृतीयादि (a-tṛtīyādi) *adj.* other than the instrumental case etc. अतृतीयादिषु दृश्यते KāśiVṛ. *on* P. vii. 1. 76.

अतृतीयान्त (a-tṛtīyānta) *adj.* not ending in instrumental अतृतीयान्तोऽपि यजिः करणतया निर्दिश्यते Kāśi. ii. 11. 4 (*on* 5(1). 15); यद्वा अन्तराशब्देन अतृतीयान्तेन साहचर्यात् अन्तरेणेत्यस्यापि अतृतीयान्तस्य ग्रहणम् PadMañ. *on* KāśiVṛ. on P. ii. 3. 4; YuktiSneha. 47. 18 (*on* i. 1. 5); LaS'abdeS'e. i. 469. 6.

अतृतीयापर (a-tṛtīyāpara) *adj.* not followed by the instrumental धातुवाच्यश्च यागादिरतृतीयापरोऽपि सन् S'lokaVār. 916. 1 (*on* 7. 254)

अतृतीयास्थ (a-tṛtīyāstha) *adj.* not accompanied by the instrumental case अषष्ठ्यतृतीयास्थस्यान्यस्य दुक् P. vi. 3. 99; KāvyālaṅSū. ii. 1. 5.

अतृदिल (á-tṛdila) *adj.* [DEBRU. p. 362] not pierced तृदिला अतृदिलासो अद्रयः ṚV. x. 94. 11.

अतृन् (atṛn) (Gr.) the Kṛt suffix *at* जीर्यतेरतृन् P. iii. 2. 104; Sara-Kaṇṭhā. (Gr.) i. 4. 141.

अतृप (a-tṛpá) *adj.* [DEBRU. p. 71] not satisfied, not satisfying अनिरेण वचसा फल्ग्वेन प्रतीत्येन कृधुनातृपासः ṚV. iv. 5. 14.

अतृप्णुवत् (á-tṛpṇuva(n)t) *adj.* insatiable अतृप्णुवन्तम् ··· इन्द्र ।··· अहिं वज्रेण वि रिणा अपर्वन् ṚV. iv. 19. 3.

अतृप्त (a-tṛpta) *adj.* [*f.* -ā] **i** not satisfied, greedy (eager) ययातिः ··· अतृप्त एव कामानाम् MahāBhā. i. 70. 44; i. 78. 37; i. 90. 64; अभीप्सति च तां नित्यमतृप्तः स पुनः पुनः MahāBhā. xi. 5. 18; अतृप्त इव पुत्राणां दाराणां च धनस्य च । उवाच ··· राजा MahāBhā. xiii. 12. 19; ननु विप्रयोजयेन्मां ··· अतृप्तमेव मृत्युः BuddhaC. 5. 38; 11. 14; 15; न विवेद तयोरतृप्तयोः प्रियमत्यन्तविलुप्तदर्शनम् KumāSam. 4. 2; (मन्त्रराट्) यदा तत्स्थानबृंहितः । अतृप्तोऽकृतकृत्यश्च मन्त्रहृत्पद्मसेवनात् JayāS. 10. 63; एकं वर्षसहस्रमतृप्तोऽस्मि विषयेषु ViṣṇuP. iv. 10. 10; यस्मादेवं मय्यतृप्तायां त्वयायं मत्पतिर्भक्षितः ViṣṇuP. iv. 4. 65; अतृप्त इव कामानां पूरुं पुत्रमुवाच ह MatsyaP. 24. 69; धनेषु जीवितव्येषु ··· अतृप्ताः प्राणिनः सर्वे CāṇaNiDa. 16. 13; अतृप्त इव ··· विस्मयस्मेरः समचिन्तयत् HarṣaC. 120. 10; AvantiKa. 73. 18; सा पिब(न्ति ? न्ती)व तमतृप्त (त ?)या दृशा प्रत्यवोचत् AvantiKa. 238. 16; तृप्तातृप्तातितृप्तलिङ्गानि तु क्रमात् स्वास्थ्यवातपित्तकफविकारैरादिशेत् AṣṭāSaṁ. i. 166. 16 (1. 33); अतृप्तः परमैर्भोगैरतिष्ठत् स यथेप्सितम् PadmP.(Ra.) 9. 222; 30. 154; तथापि भक्त्यातृप्तोऽहम् PāraS. 12. 263; अरामां ··· जगतीमतृप्तस्तत्कुल्यानपि परशुरामः शमयति MahāviC. 3. 24 (76. 6); अतृप्तं बालकं शीघ्रं संन्यस्य शयने सती BrahmVaiP. iv. 12. 3; गोविन्देन सहासक्तामतृप्तां मां च मूर्च्छिताम् । रासेश्वरी समागत्य चापश्यत् BrahmVaiP. ii. 15. 25; ii. 15. 41; दूरादभ्यागतं श्रान्तमनुगच्छन्ति देवताः । तस्मिंस्तृप्ते तु तृप्ताः स्युरतृप्ते तु विपर्ययः BrahmP. 163. 19; अतृप्ते लोचने मेऽद्य पुत्रदर्शनलालसे DeviBhāP. i. 19. 57; iii. 11. 52; YogVā. iii. 68. 9; अतृप्तोऽहं मरिष्यामि SaraKaṇṭhā. 15. 24; तत्कर्मैणाप्यतृप्तस्य सुग्रीवस्य प्रार्थनया ··· सप्त सालान् ··· सायकेन विव्याध Rāmā-Cam. 4. 12 (4); परस्परोपकारेषु सर्वकालमतृप्तयोः । स द्वयोरगमत्कालो मम तस्य च मित्रयोः KathāSaSāg. iv. 2. 152; तस्मिन्प्रयाते सा तस्थावतृप्ता तत्समागमे । स्वेदार्द्रस्रस्तधम्मिल्लच्छिन्नहाराङ्कितस्तनी BṛKathāMañ. xiv. 232; यस्मादतृप्तः स्फटिकगिरिणा तं विनिक्षिप्य वामे प्रालेयाद्रेः क्षणमभिमुखो दक्षिणः पाणिरासीत् VikraDeC. 18. 94; (अस्ति) अतृप्ताभिरङ्गशोभायाम् ··· अलंकृता वधूभिः (अयोध्येति ··· नगरी) TilaMañ. 9. 12; उल्लिखन्निवातृप्तः ··· स्मरामि तस्याः ··· जघनम् ĀryāSaS'a. 56. 9; एकश्च वायसोऽत्यन्तमतृप्तो मांसभोजनात् PariPar. 2. 390; 3. 42; अतृप्ताः स्वामिनं द्रष्टुममराः पारिपार्श्विकाः TriṣaS'aPuC. i. 2. 426; i. 4. 825; श्रीकुम्भो मुदिताशयः । अतृप्त इव तीर्थेशवक्त्रराजीवमैक्षत MalliC. 5. 327; अतृप्तः शास्त्रपीयूषे विद्वानप्यार्यरक्षितः ।··· प्रययौ पाटलीपुरम् PrabhāC. 9. 12; अतृप्तापि तदालोके वीक्ष्यान्ये

चित्रपट्टिके। रूपानुरूपविज्ञानप्रकर्षात् सातिविस्मिता SamarāSaṁ. 8.117; अतृप्तस्तद्वधात् ··· वसतीरादिशन्नृपः RājTa.(S'ri.) 3.514; अतृप्तानामिव ··· प्रपश्यताम्। आददानः···नमतां नतीः (ननाम पितरं शम्भुः) ParamāKā. 61.19; **ii** not to satisfaction भक्तानां ···कथितम् ···अशक्तानामतृप्तं नक्तभोजनम् JayāS. 25.147; 27.177.

अतृप्तक (atṛpta-ka) *adj.* unsatisfied तथैव पुरुषं मृत्युर्हन्ति भोगैरतृप्तकम् PadmP.(Ra.) 110.78.

अतृप्तचक्षुस् (atṛpta-cakṣus) *adj.* with eyes unsatisfied अनिच्छतां यानमतृप्तचक्षुषां ययौ BhāgP. iv. 30.43.

अतृप्तचेतस् (atṛpta-cetas) *adj.* with the mind unsatisfied ततो निरुद्धः ···। प्रियया तृप्तचेतास्तु दुर्गां सस्मार S'ivaP. ii (5). 53.46 (286B.13)

अतृप्ततरा (atṛpta-tarā) *adj.* (*f.*) more unsatisfied अतृप्ततरया दृशा बहु पश्यन् ··· सरः समध्यगमम् DaśKuC. 107.19.

अतृप्तता (atṛpta-tā) *f.* insatiety अतृप्तता श्रुते दानं धर्मस्य च निरामिषम्। बुद्धक्षेत्रस्य संशुद्धिः संसारापरिखेदिता AbhisaAlaṅ. 1.52; तव सा कथासु परिघट्टयति श्रवणम् ··· घनतां ध्रुवं नयति तेन ··· अतृप्ततया S'iśuVa. 9.64; SaraKaṇṭhā. 619.6; TilaMañ. 390.20; प्रेमास्पदत्वाद्वात्स्येव परिच्छेदादतृप्तता VedāntSiSū-Mañ. 1.97.

अतृप्तत्व (atṛpta-tva) *n.* insatiety प्रभूतं दत्त्वाप्यतृप्तत्वमौदार्यम् YatīndraDī. 61.4.

अतृप्तदर्शना (atṛpta-darśanā) *adj.* (*f.*) whose eyes are not satisfied अतृप्तदर्शना पुत्र दर्शनस्य तवानघ MahāBhā. vii. 55.10.

अतृप्तदृग्गोचर (atṛpta-dṛggocara) *adj.* coming in the range of the unsatisfied eyes (स आदिराजः) अतृप्तदृग्गोचरमाह पूरुषम् BhāgP. iv. 20.22.

अतृप्तदृष्टि (atṛpta-dṛṣṭi) *adj.* with eyes unsatisfied अतृप्तदृष्टयोऽपश्यन् वरं पौरपरंपराः BṛKathāS'loSaṁ. 22.91.

अतृप्तनयन (atṛpta-nayana) *adj.* with eyes unsatisfied यं तरुणं नृपेन्द्रः। पश्यन्नतृप्तनयनः EI. v. 79.67.

अतृप्तनेत्रा (atṛpta-netrā) *adj.* (*f.*) with eyes unsatisfied ततः प्रजा वीक्ष्य पतिम् ··· अतृप्तनेत्राः कुसुमैरवाकिरन् BhāgP. ix. 11.30.

अतृप्तम् (a-tṛptam) *adv.* so as not to cause satiety, not to full satisfaction य आतृणोत्यवितथेन कर्णावतृप्तं कुर्वन्नमृतं संप्रयच्छन् SaṁhiUBr. 3.13 (comm. तृप्तं महत् कष्टं। तदनुत्पादयन्); अतृप्तमुच्छ्वासतरङ्गितानि ··· निशशाम कान्तः सखीषु संदेशपदानि तन्व्याः Kapphiṇā. 12.43.

अतृप्तमनस् (atṛpta-manas) *adj.* with the mind unsatisfied युवतिः ··· यान्तम् ··· अतृप्तमनाः पतिमीक्षते स्म S'iśuVa. 15.94.

अतृप्तयोनिरसाश्रय (atṛptayoni-rasāśraya) *adj.* based on a sentiment produced from an unsatisfied source (ईहामृगः) गन्धर्वनायकः शृङ्गारबहुलः कार्योऽतृप्तयोनिरसाश्रयः ViṣṇuDhaP. iii. 17.25.

अतृप्तसुरतरागा (atṛpta-suratarāgā) *adj.* (*f.*) whose passion for sexual intercourse has not been satisfied सा ··· अतृप्तसुरतरागैव कथंकथमप्यगादन्तःपुरम् DaśKuC. 76.1.

अतृप्तहृदया (atṛpta-hṛdayā) *adj.* (*f.*) with an unsatisfied heart कस्यायासि रतैरतृप्तहृदया गेहाद्विशालेक्षणे Ubhayābhi. 9.6.

अतृप्तात्मन् (atṛptātman) *adj.* being unsatisfied अहं पुनरतृप्तात्मा तावदस्मिन्गृहाश्रमे। अणुव्रतविधौ रम्ये करोमि परमां धृतिम् PadmP.(Ra.) 33.116.

अतृप्ताशय (atṛptāśaya) *m.* unsatiated intention or tendency आशयसंनिश्रिता पारमिताभावना षडाकारा। अतृप्ताशयेन विपुलाशयेन मुदिताशयेन उपकाराशयेन निर्लेपाशयेन कल्याणाशयेन च MaYānaSū. 102.14 (16.16)

अतृप्ति (a-tṛpti) *f.* **1** lack of satisfaction, dissatisfaction अनाथानां तथा स्त्रीणां बालवृद्धस्य चैव हि। बुभुक्षितानां दीनानां नातृप्तिरुपलक्ष्यते Rāmā. (GORR.) i. 13.12; अतृप्तौ च कुतः शान्तिः Saund. 11.33; BuddhaC. 11.13; 11.19; अवसानेषु सर्वेषामतृप्तिर्नागुणस्स्मृतः PauskS. 1.51; अहो कष्टं किमिति सृष्टिरेवं न बभूव यत् सर्वदैव भोक्तुं सामर्थ्यमतृप्तिर्भोग्यानां चाक्षय इति PañcPā. 53.18 (*on* i. 1.1); यत्र च ··· अतृप्त्या द्रविणोपार्जनानि, विनयाधानाय वृद्धोपास्तयः पुंसामासन् TilaMañ. 12.17; न ह्यस्यातिप्रवृत्तिः फलम्, गगनास्वादनेनातृप्तेः ĀtmaTaVi. 496.8; अर्जनरक्षणक्षयातृप्तिहिंसादिदोषान् दृष्ट्वा यो विषयेभ्योऽविरक्तस्तस्य मोक्षो नास्ति MāṭhVṛ. 40.20 (*on* 23); तेनाप्यतृप्तिमालोक्य तत्सूनुः श्रद्धयातिथिम्। स्वभोजनेन विदधे संपूर्णाशननिर्वृतम् DarpDa. 6.44; ममातृप्तिस्त्वयैव विदिता इत्यभिप्रायः GītāBh.(Rā.) 518.9 (*on* 10.18); निजामतृप्तिं कस्यापि तथाप्यकथयन्न सः PariPar. 8.391; गुणेष्वतृप्तिर्गुणवत्सु चादरो निगूढमेतच्चरितं महात्मनाम् Subhāṣi. 269; संसारदशायां प्रकाशमानेऽप्यानन्दे अध्यस्तापकर्षतारतम्येन सातिशयत्वादतृप्तिः SiddhāLeSaṁ. 175.2; असन्तोषमतृप्तिम् VīraMi.(Saṁskāra.) 139.6; **2** distaste (for food) अतृप्तिश्च आस्यविपाकश्च ··· पित्तविकाराः CaraS. i. 20.16 (1922 Ed); अतृप्तिः पूतिवक्त्रत्वम् (इति प्रधानाः पित्तार्त्याः) KāśyaS. 43B.9; (अत्युष्णमन्नम्) अतिस्थिरं मूत्रशकृद्विबन्धमतृप्तिमव्याप्तिमतिशीघ्रपक्तिम् (करोति) AṣṭāSaṁ. i. 69.7 (1.10); i. 107.23 (1.20); अथ पित्तभवा रोगाः ··· क्लमो हरितवर्णत्वमतृप्तिः पीतगात्रता S'ārṅgaS. i. 7.117; मितभोजिनोऽतृप्तिरत्रस्य व्रतं येषां ते (चतुर्थकालमितभोजिनः) Aparā. 1091.22 (*on* 3.262); *adj.* having no taste (for food), not having satisfaction (in food) अतृप्तिर्भोजने पृष्टो न ब्रूते यः कुशग्रही ĪśānS'iPa. i. 42.20.

अतृप्तिक (atṛpti-ka) *adj.* unsatisfied संक्रन्दनोऽपि तद्रूपशोभां द्रष्टुम् ···। सहस्राक्षोऽभवन्नूनं स्पृहयालुरतृप्तिकः MahāP. 14.20; शुश्रूषमाणां प्रतिमामात्मनोऽपि महीपतिः। कारयामास तत्रैव स हि भक्तेरतृप्तिकः TriṣaS'aPuC. i. 6.631.

अतृप्तिकर (a-tṛptikara) *adj.* not causing satisfaction तत्र हीनमात्रमाहारराशिं बलवर्णोपचयक्षयकरमतृप्तिकरमुदावर्तकरम् ··· वातविकाराणामायतनमाचक्षते CaraS. iii. 2.7 (1922 Ed.); विगतः शमः परमोपशमो यत्र तद्विषममतृप्तिकरं हानिवृद्धिसहितत्वाद्वा विषमम् TātpaVṛ. 96.17 (*on* 1.76)

अतृप्तिकारित (a-tṛptikārita) *adj.* caused by dissatisfaction न चाशितोऽसौ भवति ···। स वैवर्ण्यं च कार्श्यं च जगामातृप्तिकारितम् MahāBhā. i. 1591*(2)

अतृप्तिकृत् (atṛpti-kṛt) *adj.* not satiating चित्रोक्तिः पुष्पशकटी चासेचनमतृप्तिकृत् Hārāva. 220.

अतृप्तिचपल (atṛpti-capala) *adj.* restless due to lack of satisfaction गीतं प्रभो तव यशस्त्रिदशाङ्गनाभिः शृण्वन्नतृप्तिचपलः सुरलोकपालः SūktiMu. 97.36.

अतृप्तिजनक (atṛpti-janaka) *adj.* causing or producing discontent अथ स महात्मा ··· अतृप्तिजनकं कुशास्वादं गार्हस्थ्यमवेत्य JātaMā. 34.5 (7.2)

अतृप्तिदान (atṛpti-dāna) *n.* charity without satisfaction or sufficiency त्रिविधेन दानेन पाचयति। सर्वस्वशरीरभोगदानेन अविषमदानेन अतृप्तिदानेन च MaYānaSū. 31.16 (8.16)

अतृप्तिनिमित्तकत्व (atṛptinimittaka-tva) *n.* the state of being caused by lack of satisfaction अतः परितृप्तः किं कामयते अतृप्तिनिमित्तकत्वात् कामस्य PañcPā. 53.14 (*on* i. 1.1)

अतृप्तिपर्यन्तम् (a-tṛptiparyantam) *adv.* not to one's satiation चतुर्थकालमश्नीयादित्युपोषितो रात्रौ पारणं कुर्यादित्यर्थः। मितमतृप्तिपर्यन्तम् Aparā. 1101.20 (*on* 3.265)

अतृप्तिव्यतिरेक (atṛpti-vyatireka) *m.* absence of dissatisfacton स चातृप्तिव्यतिरेकेणाविच्छिन्नो भोगावेश इत्युच्यते AbhinBhā. i. 279.19 (6.31)

अतृप्तिहेतु (atṛpti-hetu) *m.* cause of lack of satisfaction आपातमात्ररमणीयमतृप्तिहेतुम् ··· विदित्वा ··· पञ्चेन्द्रियार्थसुखमर्थधियस्त्यजन्ति SubhāRaSaṁ. 98; 490.

अतृप्यत् (a-tṛpyat) *adj.* not being satisfied अतृप्यन्नमृतस्येव कृच्छ्राल्लब्धस्य बान्धवात्। उद्यच्छाम्येष शत्रूणां नियमाय जयाय च MahāBhā. v. 134.14; वायुः ··· क्षीबक्षीबः क्षणमथ मृगप्रेक्षणानामतृप्यन् भूयो भूयः सुरभिषु लुठत्युन्नतेषु स्तनेषु Kapphiṇā. 15.22; 3.22; अतृप्यन्तं च वेतालं तमन्यानयनासहम्। तर्पयिष्यन्स्वमांसानि च्छेत्तुमारभते स्म सः KathāSaSāg. v. 3.239; अतृप्यन्तो यूयं यूथमपि निपात्य प्रतिभटान् ··· विवुधभटाः साफल्यमनैषुरक्षिसाहस्रममरपतेः NīlaVi. 19.18; अयं कुठारः ··· छिनत्त्वतृप्यन्नमुनापि कर्मणा समस्तमिक्ष्वाकुविदेहयोः कुलम् Rāgh. 4.76; चमूपतयः ··· अतृप्यन्तश्च वृन्दं वृन्दं निपात्यापि सर्वामपि प्रतिवाहिनीं क्षणेन व्याकुलीचक्रुः ĀnandRa. 7.18 (20)

अतृप्यमाण (a-tṛpyamāṇa) *adj.* not being satisfied धर्मस्य च फलं लब्ध्वा न तृप्यति ···। अतृप्यमाणो निर्वेदमादत्ते ज्ञानचक्षुषा MahāBhā. iii. 200.47; तं सा पिबन्ती मुहुरङ्कसंस्थमतृप्यमाणम् ··· उवाच वचनं श्लक्ष्णम् SaurP. 62.38.

अतृश् (atṛś) (Gr.) **1** the suffix *at* indicating an easy performance तृन्नुदन्ताव्ययकसानातृशृशतृङ्णिकच्खलर्थस्य SiddhaHe. ii. 2.90; iii. 1.85; धारीङोऽकृच्छ्रेऽतृश् SiddhaHe. v. 2.25; **2** ending in *atṛś* द्विषो वातृशः SiddhaHe. ii. 2.84.

अतृषा (a-tṛṣā) *adj.* (*f.*) free from thirst गर्तमात्रं तु ये चक्रुर्यत्र गौरतृषा भवेत्। यमलोकमदृष्ट्वैव ते यान्ति स्वर्गतिं नराः PadmP. i. 31.49.

अतृषित (á-tṛṣita) *adj.* **1** not greedy अमविष्णवः सुपीवसो अतृषिता अतृष्णजः ṚV. x. 94.11; **2** not thirsty मन्थमुपमथ्यातृषिताय प्रयच्छति KauśiSū. 27.10; न हि संसारविषयात्साध्यसाधनादिभेदलक्षणादविरक्तस्यात्मैकत्वज्ञानविषयेऽधिकारः, अतृषितस्येव पाने BṛĀraUBh. 79.5 (*on* i. 4.1)

अतृष्ण (a-tṛṣṇa) *adj.* [*f.* -ā] **A** not greedy तमहमरागमतृष्णं कृष्णद्वैपायनं वन्दे VeṇīSaṁ. 1.22 = S'ārṅgaPa. 173; शाम्यन्ति शुद्धिमायान्ति सौम्यास्तिष्ठन्ति सून्नते। अचञ्चले जले तृष्णा (? जलेऽतृष्णाः) शरदीवाभ्रमालिका: YogVā. ii. 18.22; **B** not thirsty, YogVā. ii. 18.22.

अतृष्णज् (á-tṛṣṇaj) *adj.* [Debru. p. 547] not thirsty अर्मविष्णवः सुप्रीवसो अर्तृषिता अतृष्णजः ṚV. x. 94. 11.

अतृष्णता (atṛṣṇa-tā) *f.* absence of greed अमात्सर्यमतृष्णता।... य एवंभूतमाचारमनुतिष्ठन्ति मानवाः BhaviP. 85B. 23 (i. 44. 14); (प्राप्तगिरः कवेः शिक्षास्तावदाह) अतृष्णता निजोत्कर्षे परोत्कर्षविमर्शनम् KaviKaṇṭhā. 2. 13.

अतृष्णा (a-tṛṣṇā) *f.* absence of greed सत्यापैशुनातृष्णाप्रातिकूल्यातमोऽरतिलोकाद्वेष° ... °अपापकृत्याहिंसा इत्येते मदनाशकरा उदाहृताः SanatBh. 254. 2 (*on* 2. 24)

अतृष्य (a-tṛṣyá) *adj.* thirstless अक्षुध्या अतृष्या स्त गृहा मास्मद्बिभीतन AV. vii. 60 (62). 4 = vii. 60 (62). 6.

अतृष्यत् (á-tṛṣyat) *adj.* [*f.* -ntī] not thirsty or greedy अतृष्यन्ती रेपसो यन्त्यच्छा देवाञ्जन्म प्रयसा वर्धयन्ती: ṚV. i. 71. 3; अतृष्यंस्तृष्यध्यायत् TaiĀ. i. 11. 6 (93. 4); नभः ... तमिस्रया मोक्षमविद्ययेव । अतृष्यतस्तत्त्वविदो निशायामन्तर्मुखं चित्तमिवान्वविन्दत् Yādavā. 2. 87.

अतृष्यमाण (a-tṛṣyamāṇa) *adj.* not greedy, not having a desire for स तरुणानि तरुपर्णान्यधिश्राय तैराहारप्रयोजनमभिनिष्पद्यातृष्यमाण आहारविशेषानुत्सुकः स्वस्थमतिस्तथैव विजहार JātaMā. 35. 6 (7. 4)

अतेजस् (a-tejás) *adj.* **A** devoid of brilliance तमतेजसं कृणु योऽस्मान् द्वेष्टि AV. ii. 19. 5; स्वाहेत्यात्मानं गमयामीत्यतेजसे तस्मै। यः कार्यकारणेशः परमात्मेत्यच्युतैकतास्य मनोः PañcaRā.(Nā.) iii. 3. 18; तेजस्व्यतेजस्तद्वच ... यः पश्यति स नश्यति AṣṭāHṛ. ii. 5. 31; **B** weak, not vigorous नासत्यवादी नातेजा नायज्वा नासहस्रदः। ...यो भोजेष्वभ्यजायत MatsyaP. 44. 68; वितन्वते जोऽपमदं शितायुधा द्विपाश्च कुर्वन्ति कुलं तरस्विनः Kāvyāda. 3. 60; *n.* **i** other than phlogiston यदा हि तेजस्त्वं व्यक्तिमात्रगतं अङ्गीकृतं तदा न किंचित् अतेजोऽस्ति इति आपत्तिः आपद्यते TarkSaṁ.(Ā.) 37. 10; **ii** shadow छाया इति राजनिर्घण्टः [S'abdaKaDru.]

अतेजस्क (atejás-ka) [AltGr II. 1. N. 33] *adj.* devoid of brilliance एतद्वै तदक्षरं गार्गि ब्राह्मणा अभिवदन्ति अतेजस्कमप्राणममुखमनामागोत्रम् S'atBr. XIV. vi. 8. 8; TattvPrakā. 46A. 8 (*on* i. 3. 12); अनामगोत्रमसुखमतेजस्कमहेतुकम्। ... तद्विष्णोः परमं पदम् VisṇuP. i. 14. 41; त्वया यच्छासितो लोकः ...। अशोभनो ह्यतेजस्को मम शापाद्भविष्यति BrahmāṇḍP. iii. 6. 28; जगत्त्रयम्। अन्धकारावृतमभूदतेजस्कं समन्ततः BrahmāṇḍP. iii. 40. 11; अतेजस्कम् अविद्यमानं तेजोऽस्य तत् BṛĀraUBh. 445. 8 (*on* iii. 8. 8); विज्ञानलक्षणं तेजोऽतेजस्कमिति वार्यते BṛĀraUBhVā. iii. 8. 99.

अतेजस्विन् (a-tejasvin) *adj.* dim, dark, not bright [Apte]

अतेजित (a-tejita) *adj.* not sharpened, blunt कुण्ठितं तु कुण्ठं च स्यादतेजितम् KośaKaTa. 2. 562.

अतेजोमय (a-tejomaya) *adj.* consisting of what is other than lustre, not consisting of brightness or light नरकप्रेतादिशरीराणि च अतेजोमयानि BṛĀraUBh. 612. 16 (*on* iv. 4. 5)

अतैजस (a-taijasa) *adj.* **i** not metallic, not made of metal (like gold) अतैजसानामेवंभूतानामुत्सर्गः BaudhDS. i. 5. 43; अतैजसानि पात्राणि तस्य (भिक्षोः) स्युः ManuSm. 6. 53; LaViṣṇuSm. 4. 29; अतैजसानि सुवर्णाद्यघटितानि ManuBh. i. 514. 11 (*on* 6. 53); ViṣṇuDhaP. ii. 131. 21; BṛDharmaP. ii. 7. 22; अतैजसानि अधातुमयानि BālamBha. iii. 98. 14 (*on* 3. 60); **ii** not related to light or fire, not consisting of light or fire प्राप्तमर्थं न गृह्णाति अतैजसम् TātpaṬ.(Vā.) 121. 12 (*on* i. 1. 4); घ्राणादीनामतैजसानामेवंभावः NyāySu.(Ja.) 256B. 11-12 (*on* ii. 1. 2); SarvaDaKau. 92. 13.

अतैजसत्व (ataijasa-tva) *n.* **i** the state of not being made of fire एवम् अतैजसत्वाद्यपि ... शक्याध्यवसानमिति अभौतिकत्वं मनसः SiddhiTra. 16. 1; स्फटिकादेरतैजसत्वात् TarkSaṁ.(Ā.) 37. 21 सुवर्णं तावद्दशमं पीतिमगुरुत्वाश्रयत्वेनातैजसत्वात् SarvaDaKau. 8. 12; **ii** absence of luminosity मांसमनसोः ... अतैजसत्वप्रसङ्गः SrikarBh. 190. 5 (*on* ii. 4. 18); अतैजसत्वे सिद्धे रूपवत्त्वात्र वाय्वादि SarvaDaKau. 92. 14; अतैजसत्वेऽपि प्राणवदेव वृत्तिभेदेनापसर्पणोपपत्तेः SāṁkhyaPraBh. 140. 29 (*on* 5. 105)

अतैजसद्रव्य (ataijasa-dravya) *n.* non-luminous substance एवमतैजसद्रव्यमपि चक्षुर्देहमसंत्यज्यापि वृत्त्याख्यपरिणामविशेषेण झटित्येव दूरस्थं सूर्यादिकं प्रत्यपसरेदिति SāṁkhyaPraBh. 140. 31 (*on* 5. 105)

अतैमिरिक (a-taimirika) *adj.* not suffering from amaurosis, not suffering from dimness of vision उभयं ह्यतैमिरिकेण चक्षुषा गृह्यते NyāyBh. 294. 13 (*on* iv. 2. 14); NyāyVār. 513. 10 (*on* iv. 2. 14); तद्धि द्वितीयस्य चन्द्रस्यासत्त्वम्, यदतैमिरिकेण चक्षुष्मता न गृह्यते TaiUBh. 275. 9 (*on* 2. 8)

अतैल (a-taila) *n.* oil extracted from substances other than sesamum seeds स्थावरात्मकः स्नेहः तैलमतैलं च CaraS. iii. 8. 150 [1941 Ed.]; *adj.* [*f.*-ā] **i** containing no oil, not mixed with oil (an item of food) मुञ्जीतातैलवणं सर्वश्रेष्ठेष्वप्युपोषितः MatsyaP. 54. 28; 55. 17; 75. 7; 280. 12; BhaviP. 669A. 9 (iv. 40. 8); PadmP. v. 21. 242; **ii** not (mixed) with any oily substance अतैलया। उद्वर्तितः पिष्टिकया सः DvyāśraKā. 15. 77; **iii** not consisting of oil स्निग्धीकरणमतैलं प्रकाशमानं हि तत्त्वमिदम् YogS'ā. 12. 37; **iv** not oily द्विजः ...स्वयं शुचिरतैलोऽपि पिबन् खादन्न चानमेत् BṛDharmaP. ii. 1. 33.

अतैलता (ataila-tā) *f.* the state of being without oil तिलानामतैलता वा स्यात् ... तदा च विन्ध्याद्र्यं सुमहत् BṛSaṁ. 46. 35.

अतैलपक्व (a-tailapakva) *adj.* not cooked in oil, cooked without oil धान्यम् ... अतैलपक्वं मुनयो हविष्यान्नं प्रचक्षते PadmP. iv. 79. 56 = BṛDharmaP. ii. 5. 11; कदलीम् ... अतैलपक्वं मुनयो हविष्यान्नं प्रचक्षते। अतैलपक्वमित्येतत् कथितहविष्याणामेव विशेषणमिदम् CaturCin. ii(1). 333. 9.

अतैलपङ्किल (a-tailapañkila) *adj.* not unctuous with oil परिमृज्य कैशिकमतैलपङ्किलं नृपतेरकल्पयत नीरजेक्षणा Raghunā. 4. 10.

अतैलपूर (a-tailapūra) *adj.* without being filled with oil भवन्ति यत्रौषधयो रजन्यामतैलपूराः सुरतप्रदीपाः KumāSaṁ. 1. 10 = KāvyālaṅSū. iv. 3. 23 = SaraKaṇṭhā. 320. 15 = AlaṅkāRa. 22(25) = SāhiDa. 530. 7; शं वो दिनकृद्दिश्यादतैलपूरो जगद्दीपः Kāvyālaṅ.(Ru.) 9. 17; धारिण्या सुनुः... सुषुवेऽन्यदा। कान्त्या दीप इवातैलपूरोऽन्तःसूतिकागृहम् PariPar. 1. 117.

अतैलपूरत्व (atailapūra-tva) *n.* the state of being not filled with oil सुरतोपयोगिन्यन्धकारनाशे उपयोगोऽतैलपूरत्वेनाधिकारूढवैशिष्ट्यम् SāhiDa. 530. 9.

अतैलभाव (ataila-bhāva) *m.* the state of being devoid of oil, absence of oil तिलानामतैलता वा (v. l. तिलानामतैलभावः) स्यात् ... तदा च विन्ध्याद्र्यं सुमहत् BṛSaṁ. 46. 35.

अतैलवर्तिपरिकरा (a-tailavartiparikarā) *adj.* [*f.* -ā] having no auxiliaries like oil and wick अतैलवर्तिपरिकरा ज्वलन्ती शिखेव परमुल्लास दीपस्य UdaySuKa. 15. 25; 150. 2.

अतैलशिरःस्नात (atailaśirassnāta) *adj.* bathed overhead without oil अतो रात्रौ शिष्टानामतैलशिरःस्नातानां तैलेन पादाभ्यङ्गसमाचरणमविरुद्धम् ManvaMu. 160. 7 (*on* 4. 83)

अतैष (a-taiṣa) *adj.* not born on the Tiṣya (or Puṣya) constellation ननु सैधमसैध्यमप्यदोहः पौषातैषाणां नृणां हि सिद्धये। जल्पन् ... ससज्ज लक्षः DvyāśraKā. 4. 90.

अतोटकतैकगुण (atoṭakataika-guṇa) *adj.* having the only virtue of non-quarrelsomeness त्यज मित्रमतोटकतैकगुणम् ChandaśCū. ii. 162. 3.

अतोद (a-toda) *m.* non-oppression वातोदवसितमिवाप्यचपलनायकम् (राजसदनम्) YaśasCam. i. 346. 1 (comm. वातावराणां विशिष्टानां अतोदः अपीडनम्)

अतोद्य (atodya) *n.* [*w. r.* for आतोद्य] the Indian lute (nt.) BhāgP. iv. 12. 40 (Bombay Ed.)

अतोद्यहस्त (atodya-hasta) *adj.* having *atodya* (a kind of musical instrument) in hand कोऽयमत्यद्भुताकारः ... अतोद्यहस्तः ... जटामण्डलभूषणः NaraP. 64. 41.

अतोऽधि (ató'dhi) *adv.* thence after यदतोऽध्यचितार्ः TaiS. VII. iii. 1. 3.

अतो निमित्तम् (ato nimittam) *adv.* for this reason, on this ground अतोनिमित्तं शोकं मे वर्धयस्यमरप्रभ MahāBhā iii. 58. 32; अतोनिमित्तं त्रस्तोऽहम् Rāmā. iv. 31. 8.

अतोऽन्य (ato'nya) *adv.* differing from this [MW, Apte]

अतोऽन्यथा (ato'nyathā) *adv.* otherwise, in the opposite way अज्ञानं यदतोऽन्यथा MahāBhā. vi. 35. 11; कृच्छ्रसाध्यस्त्वतोऽन्यथा CaraS. vi. 3. 110; स्पर्शानां करणं स्पृष्टमन्तस्थानामतोऽन्यथा MāṇḍuS'i. 6. 9.

अतोय (a-toya) *adj.* [*f.* -ā] **i** waterless, having no water व(?वि) न्ध्याटवीष्वतोयासु ... कृष्णसर्पाः प्रजायन्ते दत्तदायापहारकाः SkandP. iii(2). 34. 34; सर्वं त्वतोयमरुणम् AṣṭāHṛ. iii. 12. 9; विच्छया(न्ध्या)टवीष्वतोयासु ... कृष्णाहा(ह)यो हि जायन्ते मु(भू)मिद(दा)यं हरन्ति ये EI, xi. 114. 25; EI. ii. 20. 7; iii. 110. 69; xxii. 186. 56; xxii. 76. 83; xxiii. 222. 67; xx. 125. 14; xx. 128. 21; xxi. 145. 54; ix. 6. 27; xv. 90. 57; vii. 97. 30; xiii. 119. 27; अतोया इवापगाः TrisaS'aPuC. iii. 3. 19; विन्ध्याटवीष्वतोयासु ... कृष्णसर्पास्तु जायन्ते ये हरन्ति वसुन्धराम् CaturCin.i (1). 500. 22; **ii** other than water उदङ्कोऽतोये SiddhaHe. v. 3. 135.

अतोयकर्मान्तिकम् (a-toyakarmāntikam) *adv.* without any superintendent or officer in charge of watering the plants वनस्थलीयम् ... अतोय-

कर्मान्तिकमात्तसेका । ··· प्रस्तौति ··· संचरणोत्सवं ते Yādavā. 8. 20.

अतोयकुम्भ (atoya–kumbha) *m.* pitcher containing no water अतोयकुम्भान् ··· शङ्कास्थानेषु स्थापयेत् खाताभिज्ञानार्थम् ArthS'ā. iii. 174. 8 (12. 5)

अतोयता (atoya–tā) *f.* the state of being waterless, absence of water जातानि कुत्रचिदतोयतया विनाशम् । ऋच्छन्ति ··· सस्यानि BrSaṁ. 19. 21.

अतोयत्वादिप्रसङ्ग (atoyatvādi–prasaṅga) *m.* (undesirable) contingency of having the nature of something other than water etc. अन्यथा तोयादिपरमाणूनामतोयत्वादिप्रसङ्गो नित्यरूपादियोगात् TātpaṬ.(Vā.) 595. 20 (*on* iv. 1. 21)

अतोयात्मतत्त्व (atoyātma–tattva) *adj.* having the intrinsic nature of being something other than water अद्धा न बाध्येत यदि मरीचीन् अतोयात्मतत्त्वान् अतोयात्मना गृह्णीयात् Bhām. 12. 19 (*on* i. 1. 1)

अतोयात्मत्व (atoyātma–tva) *n.* the state of not being of the form of water मरीचीनामतोयात्मत्वं स्वरूपं तत्तथा भ्रमो न गृह्णाति VedāntKa. 14. 1 (*on* i. 1. 1)

अतोऽर्थम् (ato'rtham) *adv.* **i** for this purpose अतोऽर्थं च मया वीर प्रभावान्मेदिनीतले । प्रेरिता मैथिली सीता न च प्राणैर्वियोजिता Rāmā. iii. 53*(i); अतोऽर्थमागतोऽहं ते गृहम् VarāP. 8. 34; 90. 39; **ii** therefore अतोऽर्थं कलुषा स्मृता (सा तिथिः) BhaviP. 637A. 23 (iv. 14. 9); 770A. 25 (iv. 114. 20)

अतोऽर्थात् (ato'rthāt) *adv.* for this reason, therefore अतोऽर्थान्न प्रमाद्यन्ति प्रमदासु विपश्चितः ManuSm. 2. 213 (comm. अस्माद्धेतोः)

अतोर्ध्वम् (atordhvam) *adv.* thereafter, after that रत्तिपंचकपंचकमतोर्ध्वं वर्धयेन्नियतम् RaseCin. 8. 42 (98. 6)

अतोष (a–toṣa) *adj.* dissatisfied प्रभावतो बाणचयस्य मोक्तरि प्रभावतोषे समरे स्थिते RāghPāṇ.(Dha.) 6. 31; *m.* discontent, displeasure अन्यादृशं रूपमतोषहेतुः CaitaCa. 124. 15.

अतोषणीय (a–toṣaṇīya) *adj.* not to be pleased or appeased [MW]

अतोषयत् (a–toṣayat) *adj.* displeasing, not pleasing or satisfying अतोषयन्महाराजम् ··· । मुहूर्तमपि नेच्छेयं जीवितुं कुपिते नृपे Rāmā. ii. 16. 14.

अतोषयित्वा (a–toṣayitvā) *ger.* without satisfying अतोषयन्महाराजम् (v. l. अतोषयित्वा राजानम्) ··· । मुहूर्तमपि नेच्छेयं जीवितुं कुपिते नृपे Rāmā. ii. 16. 14.

अतोषित (a–toṣita) *adj.* displeased भवमामुहि तोषिताद्धि पूर्वं परिपूर्वं दितिजादतोषितादा Surath. 8. 79.

अतोष्य (a–toṣya) *adj.* who cannot be satisfied त्वमेव सर्वं भगवन्कथं तु स्तोष्ये ह्यतोष्यं प्रणिपत्य मूर्ध्ना LiṅgaP. i. 72. 156.

अतौल्य (a–taulya) *adj.* which cannot be weighed अत्र परस्य परिहारमाह–अतौल्यादर्धराशेस्तद्विशेषानवधारणम् । तन्नातौल्याद्गुरुत्वादेस्तत्राप्यनवधारणम् NyāyVi. 2. 107. (comm. तुलया परिच्छेत्तुमशक्यम्)

अतौल्वलि (a–taulvali) *adj.* other than the family of Taulvali प्राच्यादिभ्योऽतौल्वलिभ्यः । प्राच्यगोत्रादिभ्यन्तात् ··· अपत्ये विहितस्य लुग्भवति CāndraVyā. ii. 4. 122; JaineVyā. i. 4. 132; SiddhaHe. vi. 1. 143.

[1]**अत्क** (átka) *m.* [MAYR. 1. 27, 3. 626; DEBRU. p. 534] garment, mantle उच्छुक्रमत्कमजते सिमस्मात् ṚV. i. 95. 7 (Sāy. सारभूतं रसम्); स्तुरीर्नात्कं व्युतं वसाना सूर्यस्य श्रिया सुदृशी हिरण्यैः ṚV. i. 122. 2; ii. 35. 14; iv. 16. 13 (Sāy. रूपम्); हिरण्ययान्प्रत्यत्काँ अमुग्ध्वम् ṚV. v. 55. 6; vi. 33. 3 (Sāy. आयुधैः); viii. 41. 7; आ हर्यतो अर्जुने अत्के अव्यत ṚV. ix. 107. 13; आ जामिरत्के अव्यत ṚV. ix. 101. 14 (Sāy. आच्छादके पवित्रे); x. 95. 8; वसानो अत्कं सुरभिम् ṚV. x. 123. 7; अभि ··· जनित्रं हिरण्ययं बिभ्रदत्कं सुपर्णः । ··· परि स्वयं मेधमृज्रो जजान SV. II. ix. 2. 12. 1; [a traveller, a limb अत्कः पथिकः शरीरावयवश्च SiddhāKau. (Uṇ. 3. 323) 539B. 10; soul अतति अत्को गतिमदात्मानौ Prasā. ii. 616. 13; water APTE, lightning PW, name of an Asura MW]

[2]**अत्क** (at–ka) *m.* [for अक्क or अर्क] a kind of tree or a corner अत्के (v. l. अर्के) चेन्मधु विन्देत किमर्थं पर्वतं व्रजेत् । इष्टस्यार्थस्य संसिद्धौ को विद्वान्यत्नमाचरेत् ManuBh. i. 118. 25 (*on* 2. 79); S'atDū. 75. 7.

अत्कार (at–kāra) *m.* the syllable *at* किमिदम् अ अदिति । अकारात्कारौ शिष्यमाणावनुपसर्जनस्य द्रष्टव्यौ MahāBh. i. 87. 26 (*on* i. 1. 27)

अत्कारान्त (atkārānta) *adj.* ending in *at* एवमप्यत्कारान्तत्वात् संख्येयेत्यप्रसिद्धिः । न ह्यत्कारान्ता संख्यास्ति MahāBh. i. 427. 18 (*on* ii. 2. 25)

अत्कारान्तत्व (atkārānta–tva) *n.* the state of ending in *at* एवमप्यत्कारान्तत्वात्संख्येयेत्यप्रसिद्धिः MahāBh. i. 427. 17 (*on* ii. 2. 25)

अत्कील (atkīla) *m.* name of one of the three Ṛṣi-ancestors of the Kata clan कतानां वैश्वामित्रकात्यात्कीलेति ĀśvaS'S. II. vi. 14. 6 ĀpaS'S. xxiv. 9. 11; BaudhS'S. iii. 447. 7; author of ṚV. iii. 9–10 [PW]

अत्कीलवत् (atkīla–vat) *adv.* in the manner of the sage Atkīla अत्कीलवत्कतवदङ्गिरोवदिति ĀpaS'S. xxiv. 7. 5; xxiv. 9. 11.

अत्त (atta) *adj.* [*f.* –ā] swallowed, eaten विदुर्यं कपिलं देवं येनात्ताः सगरात्मजाः MahāBhā. v. 107. 17; अत्तं यथा वाडववह्निनाम्बु ···। हिमाचले भानुमतोऽशुसङ्गाज्जलत्वमभ्येति पुनस्तदेव ViṣṇuP. v. 9. 30; एवमत्ताखिला चमूः GaṇeP. ii. 121. 47; यस्यान्नमत्तम् ··· तत्सुतम् । विनियन्तुं प्रवृत्ताः स्म ParamāKā. 38. 29.

अत्तका (attakā) *f.* elder sister अत्तका चान्तिका तथा DvirūK. (Ha.) 67.

अत्तन (attana) *n.* point of a weapon shaped like a discus स्यादट्टनं चक्रफलम् TrikāS'e. ii. 8. 55 (comm. अट्टनं अत्तनं चक्रफलमिति द्वे चक्रफलस्य); cf. **अट्टन**.

अत्तवे (áttave) *inf.* in order to eat, to devour कृता धाना अत्तवे ते हरिभ्याम् ṚV. iii. 35. 7; तेन स्तोतृभ्य आ भर नृभ्यो नारिभ्यो अत्तवे ṚV. viii. 77. 8; viii. 43. 29; अक्रीळन् क्रीळन् हरिरत्तवेऽदन् ṚV. x. 79. 6; x. 92. 3; आ वह पितॄन् हविषे अत्तवे ṚV. x. 16. 12; AV. xviii. 1. 57; आवाहयत् पितॄन्हविषे अत्तवे CaturCin. iii(1). 1263. 4; AV. xviii. 2. 34; अयज्ञियो हतवर्चा भवति नैनेन हविरत्तवे AV. xii. 2. 37.

अत्तवै (attavai) *inf.* in order to eat एह गच्छन्तु पितरो हविषे अत्तवा इत्येतामेव दिशमभ्यपः प्रसिञ्चति BhārGS. 2. 11 (43. 8)

अत्तव्य (attavya) *adj.* fit to eat तस्माद्भोक्तव्य(v. l. अत्तव्य)मपरं भगवन्प्रदिशस्व मे । यद्भुक्त्वामृतमाहर्तुं समर्थः स्यामहं प्रभो MahāBhā. i. 25. 9; यक्षरक्षःपिशाचान्नं मद्यं मांसं सुरासवम् । तद्ब्राह्मणेन नात्तव्यं देवानामश्नता हविः ManuSm. 11. 95; ViṣṇuDhaP. ii. 73. 106; अदो जग्धिरादेशो भवति ··· कितीति किम् ? अत्तव्यम् KāśiVṛ. *on* P. ii. 4. 36; YaśasCam. ii. 284. 12; SaduktiKa. 199. 28; Jīvān. 189. 2.

अत्ता (attā) *f.* [Prakrit, word of address] **i** mother अम्बार्थवाचकानां मुसंज्ञस्य च प्रो भवति कौ परतः । अम्बार्थाः । मातृशब्दपर्यायाः । हे अम्ब, हे अत्त JaineVyā. 374. 18 (*on* v. 2. 102); **ii** word of address for a courtesan's mother अत्तेति गणिकामाता वाच्या परिजनेन हि NāṭyaS'ā. 17. 93; SāhiSā. 3. 73; 3. 29; NāṭyaDa. 210. 25 (200); **iii** mother-in-law अत्ता श्वश्रूं च Nānārthā-Saṁ. i. 10. 3; **iv** mother's elder sister, comm. on AmaK. (Ramānath) [PW]

अत्ताक्षु (attākṣu) *m.* name of a plant स्यात्तैलकण्टकोऽत्ताक्षुरध्यण्डः कोकिलाक्षकः KośaKaTa. 1. 4074.

अत्ताडि (attāḍi) *m.* name of a Brahmin अत्ताडिभट्टः EI. iv. 82. 106–108.

अत्तामभट्ट (attāma–bhaṭṭa) *m.* name of a Brahmin, EI. v. 82. 106.

[1]**अत्ति** (átti) *adj.* eater (*lit.* eating) वागेवात्रिर्वाचा ह्यन्नमद्यतेऽत्तिर्ह वै नामैतद्यदत्रिरिति S'atBr. XIV. v. 2. 6; = BṛĀraU. ii. 2. 4; अत्तृत्वादत्तिरिति BṛĀraUBh. 279. 6 (*on* ii. 2. 4); अत्तिरस्यन्नमद्यासम् JaimiUBr. iii. 20. 10; *f.* act of eating सा याता कृत्तिवाससा । सासवात्तिकृतायासा HarVi. 43. 86; क्वापि चेष्टा तदर्था स्यादत्तिर्हि रसवित्तये AnuVyā. 3A. 11 (*on* i. 1. 1); अत्तिश्रवणादिरूपा क्रिया रससाक्षात्काराय भवति NyāySu.(Ja.) 72B. 11 (*on* i. 1. 1); चरणं भ्रमणेऽत्तौ च ViśvaPra. 50. 33; *m.* the root *ad*– अन्नं कस्मात् ··· अत्तेर्वा Nir. 3. 9; इडत्यर्तिव्ययतीनाम् P. vii. 2. 66; न पादमाचामायसपरिमुहात्तिरुचिनृति° CāndraVyā. i. 4. 141; आत्मा आप्नोतेरत्तेरततेर्वा AitUBh. 249. 16 (*on* 1. 1); तदा यामिनीशब्दे अत्तौ चाप्युत्पन्नस्य पूर्ववाक्यार्थविषयानुपपत्तिरुपरमति PrakaPañ. 280. 12; अत्तेर्निषेधः PrakriKau. ii. 395. 1.

[2]**अत्ति** (atti) *f.* elder sister [PW] cf. **अत्तिका**.

अत्तिकर्मन् (atti–karman) *adj.* (expressing) the action of eating अत्तिकर्माण उत्तरे धातवो दश Nir. 3. 9 (63. 19) (but Durga कर्मशब्दो हि प्रायेणार्थपर्यायवचन एतस्मिञ्छास्त्रे)

अत्तिका (attikā) *f.* **1** word of address for an elder sister अत्तिका भगिनी ज्येष्ठा AmaK. 391; अलिका (? अत्तिका *index*) भगिनी ज्यायसी S'abda-Ra.(Vā.) 1901; ParyāS'aRa. 1. 160; AbhidhāCin. 335; **2** mother-in-law अम्बा माताज्जुका (? मातात्तिका TAPS. L. 9. 73) श्वश्रूः NāṭaLaRaK. 2196.

अत्तिच्छन्दस् (átti–cchandas) *f.* the metre अतिच्छन्दस् (popular etymology) तद्यदेषा पञ्छन्दांस्यत्ति तस्मादत्तिछन्दा अत्तिच्छन्दा ह वै तामतिच्छन्दा इत्याचक्षते परोऽक्षम् S'atBr. VIII. vi. 2. 13; cf. **अतिच्छन्दस्**.

अत्तियषडङ्गविद् (attiyaṣaḍaṅgavid) *m.* name of a Brahmin, EI. v. 83. 127.

अत्तियारालिभट्ट (attiyārāli–bhaṭṭa) *m.* name of a Brahmin, EI. v. 85. 150.

अत्तुकाम (attu-kāma) *adj.* desirous of eating or devouring अस्य पाणि: …। कथंचिच्छिद्यते गृध्रैरत्तुकामै: MahāBhā. xi. 19.3; तमत्तुकाममाहेदं ब्रह्मा लोकपितामह: MārkP. 50.40; 51.110; (वैद्यपुत्रौ) प्रजानामत्तुकामानामन्योन्यस्य प्रभक्षिणौ। विनाशं समवापतु: VāyuP. ii. 22.8; त्वामत्तुकामो दुष्टात्मा त्वयाहं जनितोऽधुना SkandP. v(2). 55.18; तं दृष्ट्वा ब्राह्मणं सर्वे पिशाचा: धावन्तोऽत्तुकामास्ते PadmP. i. 23.2; मकर: क्राम्यति नक्तमत्तुकाम: Rāvaṇā. 9.4.

अत्तुम् (át-tum) *inf.* in order to eat, to consume, to devour, to destroy पुनरा यात नो गृहान् हविरत्तुं सुप्रजस: सुवीरा: AV. xviii. 4.63; फलान्यादातुमैच्छत (v.l. फलान्यत्तुमियेष स:) MahāBhā. i. 39.29; i. 167.21; अशनं खलु वान्तमात्मना कृपण: श्वा पुनरत्तुमिच्छति Saund. 8.21; श्वमांसमिच्छन्नार्तोऽत्तुम् … वामदेवो न लिप्तवान् ManuSm. 10.106; विरूपान् श्मश्रुलानत्तुमारब्धास्ते च तां तनुम् MārkP. 48.19; 76.6; मधुकैटभौ…अत्तुं ब्रह्माणं जनितोद्यमौ MārkP. 81.71; धन्यक: प्रियां स्वामत्तुमक्षमस्तया सह … अपासरत् DaśKuC. 108.22; मूर्तान्यत्तुमिवाशेषभुवनान्युज्ज्वलानि च AhirbuS. 36.15; मांसमत्तुं समुत्पन्ना मम भद्राद्य धीरिति PadmP.(Ra.) 22.134; स्नातुं पातुं बिसान्यत्तुं करिणो जलगाहनम्। … कविनोत्प्रेक्ष्य वर्ण्यते Kāvyāda. 2.223; क्षुधया पीड्यमानोऽपि न विषं ह्यत्तुमिच्छति UpadeSā. 440.231; मृत्यु: अभिव्याददात् मुखविदारणं कृतवान् अत्तुम् BṛĀraUBh. 26.15 (*on* i. 2.4); 28.9 (*on* i. 2.5); दूरमुद्ययुरसृङ्मुखालयो दैवमत्तुमिव शत्रुतां गतम् RāmC. 29.53; अग्नयोऽस्याहिताग्ने: प्राणानेवात्तुमिच्छन्ति ManuBh. i. 341.19 (*on* 4.28); एतौ च भक्षयिष्यामि इत्युक्त्वात्तुं समुद्यता (शूर्पणखा) AgniP. 7.5; बभूव रुद्रो जगदेतदत्तुम् PadmP. i. 2.34; वमति स मुखादग्निं विश्वमत्तुं प्रसारितात् GaṇeP. ii. 56.27; ii. 118.10; बाला एवात्तुमिच्छन्ति फलं मुकुरबिम्बितम् YogVā. i. 23.2; वपु: किमत्तुं शकितं मया न DvyāśraKā. 10.56; 14.18; 20.12; श्रद्धत्तेऽत्तुमनुवरो मनसा केन नन्वसौ TriṣaS'aPuC. i. 2.857; चित्रव्याघ्रोऽयमत्तुं प्रमदवनमृगीतर्णकांस्तूर्णमेति SaduktiKa. 280.19; हविष्ट्वं चात्तुं योग्यत्वाद्धृदयादीनामेव NyāyMāVi. 227.12 (*on* iv. 1.12); तदत्तुं मनोऽध्रियत TattvPrakā. 31B.9 (*on* i. 2.9); त्वां मत्तो रक्षयित्वा स्वयमत्तुमिच्छति SiṁhāDvā. 36.9(1); चेत:कीर … अत्तुं कालबिडालो धावति ĀryāS'. 54; (मधुकैटभनामानौ दानवौ) धातारमत्तुमालोलौ विरेजाते ParamāKā. 119.47; एषा वत्सतरी च मातरि तृणान्यत्तुं गतायां क्वचिद् द्वीपिन्या: … स्तन्यं पयश्चूषति JānaPa. 1.39.

अत्तृ (at-tṛ́) *adj.* [*f.* -ttrī́] [DEBRU. p. 686] **1** eater, consumer, devourer अत्तार: सन्त्वक्षिता: AV. vi. 142.3; य एवं वेदात्त्यस्य प्रजा जायते TaiS. VI. iv. 10.5; अत्तारमेवैतत्परिमिततरं कनीयांसं करोति S'atBr. I. iii. 2.12; यदु किञ्चात: प्रैतीश तदियं सर्वमत्ति सेयमित्याद्यात्त्री अत्ता ह वा आद्यो भवति AitĀ. II. i. 2.19; नात्ता दुष्यत्यदन्ताद्यान् प्राणिनोऽहन्यहन्यपि। धात्रैव सृष्टा ह्याद्याश्च प्राणिनोऽत्तार एव च ManuSm. 5.30; न हि कश्चित्सर्वस्यैकोऽत्ता दृश्यते BṛĀraUBh. 28.14 (*on* i. 2.5); ChāndoUBh. 268.12 (*on* v. 2.1); TaiUBh. 283.9 (*on* 3.1); अत्तॄन् अतीत्य अजिघांसत् AitUBh. 262.11 (*on* 3.3); PraśnaUBh. 240.17 (*on* 1.4); अन्न एव यतो वृत्तिरत्तुरन्नाद एव च BṛĀraUBhVā. i. 2.184; स्रष्टृत्त्रो: कार्यभक्ष्याभ्यामन्योन्याव्यतिरेकत: BṛĀraUBhVā. i. 2.193; Bhām. 167.10 (*on* i. 2.9); इत्यत्रौदनोपसेचनसूचितोऽत्ता परमपुरुष: VedāntSā.(Rā.) 65.5 (*on* i. 2.9); **2** destroyer सर्वस्यात्ता भवति सर्वमस्यान्नं भवति य एवं वेद S'atBr. XIV. v. 2.6; BṛĀraU. i. 2.5; व्रात्यस्त्वं प्राणैकऋषिरत्ता विश्वस्य सत्पति: PraśnaU. 2.11; अत्ता चराचरग्रहणात् BrahmSū. i. 2.9; अरक्षितारमत्तारं नृपं विद्यादधोगतिम् ManuSm. 8.309; विष्णुरत्ता तथैवान्नं परिणामश्च वै तथा ViṣṇuP. iii. 11.97; तत्र किमग्निरत्ता स्यात् उत जीव: BrahmSūBh.(S'aṅ.) 105.3 (*on* i. 2.9); तस्य च भोक्त्रा भवितव्यमिति अत्ता प्रतीयते BrahmSūBh.(Bhā.) 40.9 (*on* i. 2.9); अत्ता उपजीविता प्रजानां राजभागग्रहणेन ManuBh. ii. 203.1 (*on* 8.308); अत्ता परमात्मैव।…परस्य ब्रह्मणो विष्णो: संहर्तृत्वम् S'rīBh. 244.8 (*on* i. 2.9); तस्मादत्ता विश्वसंहर्ता परमात्मेति फलितोऽर्थ: VedāntKau. 55.6 (*on* i. 2.9); इत्यत्रात्ता श्रीपुरुषोत्तम: VedāntPāSau. 54.9 (*on* i. 2.9); अत्तारमतिशयितकरग्रहेण खादकमिव ManvaVi. 1057.7 (*on* 8.308); विष्णुरेवात्तात्रोच्यते TattvPrakā. 32A.5 (*on* i. 2.9); कश्चिदुपासनोपचिताललौकिकसामर्थ्यो महादेवादिरत्ता भविष्यति AṇuBh. 57.16 (*on* i. 2.9); 108.9 (*on* i. 4.12); अत्ता संहर्ता S'ivārkaMaDī. i. 336.15 (*on* i. 2.9); **3** enjoyer विशामत्ताजन्यमित्राणां हन्ताजनि AitBr. 39.4 (941); समानादेकस्मात् पुरुषादत्ता च भोक्ता, आद्यं च भोग्यम् BālaKrī. i. 62.24 (*on* 1.53); समानादेकस्मात्पुरुषादत्ता भोक्ता भार्याया: SmṛtiCan. i. 194.13; अत्ता भार्याया भोक्ता पुरुष: MīmāKau. i. 68.7 (*on* i. 3.9); विशामत्ता प्रजानां भोक्ता VīraMi.(Rājanīti.) 98.2; *m.* **i** name of one of the Rudras occupying infernal regions अत्ता कुहककालाग्निरुद्रो हाटक एव च (अष्टाविमे रुद्रा: कटाहाभ्यन्तरे स्थिता:) AgniP. 84.24; **ii** name of S'iva अत्ता हर्ता चतुर्मुख: (एवं नाम्नां सहस्रेण तुष्टाव वृषभध्वजम्) LiṅgaP. i. 98.136.

अत्तृता (attṛ-tā) *f.* the state of being the eater or destroyer अतोऽद्यतात्ततान्नत्वं सत्यशब्दार्थ एव हि AnuVyā. 8B.3 (*on* i. 1.14); विनाशकत्वलक्षणात्तृता च NyāySu.(Ja.) 135A.5 (*on* i. 1.6)

अत्तृत्व (attṛ-tva) *n.* **i** the state of being the eater or consumer अत्तृत्वपक्तृत्वप्रकाशनधर्मा अविशिष्टा: ChāndoUBh. 238.12 (*on* iv. 11.1); 323.13 (*on* v. 18.1); S'ivārkaMaDī. i. 407.9 (*on* i. 3.6); **2** the state of being the destroyer सोमोऽपीज्यमानोऽग्निरेव। अत्तृत्वात् BṛĀraUBh. 93.13 (*on* i. 4.6); 279.6 (*on* ii. 2.4); तस्य प्रजापतित्वमत्तृत्वं चास्मिन् शरीरेऽवधारयितव्यम् PraśnaUBh. 251.6 (*on* 2.1); तत्रात्तृत्वम् … अदिते: प्रतीयते BrahmSūBh.(Ma.) 10A.8 (*on* i. 2.9); अत्र त्वत्तृत्वेनाधिकेन सर्वपापग्रहणमिति ManvaVi. 1057.8 (*on* 8.308); संहर्तृत्वापरपर्यायवाच्यमत्तृत्वम् … श्रूयते TattvPrakā. 31B.9 (*on* i. 2.9); **3** the state of being the enjoyer अत्तृत्वं च भोक्तृता वा संहर्तृता वा स्यात् Bhām. 167.2 (*on* i. 2.9); यदि कर्मफलभोक्तृत्वमत्तृत्वं स्यात्तर्हि तत्परमात्मनो न स्यात् PrakaVi. 173.24; भोक्तृत्वलक्षणमत्तृत्वं नाग्निपरमात्मसाधारणम् VedāntKa. 136.6 (*on* i. 2.9)

अत्तृरूपिन् (attṛrūp-in) *adj.* having the form of an eater कार्यं सर्वं यतो व्याप्तं कारणेनात्तृरूपिणा TaiUBhāVā. 95.9 (2)

अत्तृसर्ग (attṛ-sarga) *m.* creation of the eater अत्तृसर्गोऽथवोक्त: प्रागन्नसर्गोऽधुनोच्यते BṛĀraUBhVā. i. 2.170.

अत्तेण्डाग्राम (atteṇḍā-grāma) *m.* a village called Atteṇḍā °अत्तेण्डाग्रामे प्रतिवासिनो ब्राह्मणपु(:)र:सरान् … दानमिदम् … अनुपालनीयम् EI. xii. 240.9.

अत्तेमाम्बिका (attemāmbikā) *f.* name of the queen of king Choḍa II तस्मादसूतात्मजमत्तेमाम्बिका चन्द्रं द्वितीयेव विपश्चिदर्चितम् EI. xix. 160.46.

अत्त्रधिकरण (attr-adhikaraṇa) *n.* the topic which decides that the eater is Brahman अत्त्रधिकरणम् – अत्ता चराचरग्रहणात् VedāntSā.(Rā.) 65.1 (*on* i. 2.9); लाघवार्थमत्त्रधिकरणद्युभ्वाद्यधिकरणयोरिव … सूत्रमकरिष्यत S'ivārkaMaDī. i. 359.19 (*on* i. 2.15); अत्त्रधिकरणभाष्ये हिंसारूपं हि परप्राणविमोचनमिति …हिंसात्वं व्यवहृतम् PūrvottaVāNaMā. 70.2.

अत्त्वप्रवृत्ति (attva-pravṛtti) *f.* function of (substituting) *a* (in the place of *ṛ*) अत एव चर्करीति अजर्धा: इत्यादावत्त्वप्रवृत्ति: LaS'abdeS'e. i. 252.1.

अत्त्वा (at-tvā) *ger.* having eaten हुतादो वा अन्ये देवा अहुतादोऽन्येऽग्निचिदत्त्वैतान्…अवरुन्द्धे KāṭhS. 21.7; बलिमपि बलिमत्त्वावेष्टयद् ध्वाङ्क्षवद्य: BhāgP. x. 47.17; भगवन् पिप्पलान्यत्त्वा जीवितोऽसि यतो मुने BhaviP. 770A.13 (iv. 114.24); नराकृतिपशोर्मांसम् …। अत्त्वा शुध्येन्नर: पापादुपवासैस्त्रिभि: MahNirvāT. 11.126; अनादेयतृणान्यत्त्वा स्रवन्त्यनुदिनं पय: (गाव:) BṛParāSm. 5.9; 8.187 (? 186); (आयुधानि) दधीचिरपि तानत्त्वा(? तान्यत्त्वा) दैतेयेभ्यो ह्यरक्षत NitiPra. 2.45.

अत्त्वाय (at-tvā́ya) *ger.* [DEBRU. p. 659] having eaten यदत्त्वाय न दत्तौ गमयेत् MaiS. i. 8.5 (DEBRU. AV ?)

अत्थेत्थम् (atthettham) *adv.* once upon a time (?) अत्थेत्थमभिभवकारिण: कांश्चिद् व्यापादयन् PrabaCin. 107.5.

अत्न (atna) *adj.* [Uṇā. 3.6] traveller (*lit.* travelling continuously) अत्नो रवौ ना पथिकेऽन्यवत्स्यात् KośaKaTa. 2.6126; *m.* **i** the sun अत सातत्यगमने … अत्न आदित्य: Uṇā. 3.6 = SiddhāKau. 537B.2; KośaKaTa. 2.6126; **ii** the soul अतति अत्न आत्मा PrakriKau. ii. 622.12; **iii** the wind अततीत्यत्न: … वायु: Daśapādī. 5.39.

अत्निच् (atnic) (Gr.) the suffix *atni* अर्तेरत्निच् SaraKaṇṭhā.(Gr.) ii. 1.216.

अत्नु (atnu) *m.* [*w. r.* for **अत्न**] [S'abdaKaDru.]

अत्पूर्व (at-pūrva) *adj.* preceded by a short *a* हन्तेरत्पूर्वस्य P. viii. 4.22; अत्पूर्वस्येति किमर्थम्। प्रघ्नन्ति परिघ्नन्ति MahāBh. iii. 460.5 (*on* viii. 4.22); हन्तेरत्पूर्वस्यैव नस्य णत्वं नान्यस्य PrakriKau. i. 227.2.

अत्प्रत्यय (at-pratyaya) *m.* the suffix *a* (अदन्ता:) अत्प्रत्ययो वादन्तो वा (? अद् वान्तो) येषामिति विग्रह: KātanVṛ. *on* ii. 6.41; 'समवान्धात्तमस:' इत्यत्प्रत्यय: SyādvāMañ. 32 (10)

[1]**अत्य** (átya) *m.* [MAYR. DEBRU. p. 792 / अत्या: अतना: Nir. 4.13 (79.8)] horse, runner, courser, steed, stallion (used with another word denoting horse] (अग्नि:) अत्य: कविर्नभन्यो३ नार्वा ṚV. i. 149.3; ईर्मान्तास: सिलिकमध्यमास: … अत्या:।… आक्षिषुर्दिव्यमज्ममश्वा: ṚV. i. 163.10 = VājaS. 29.21 = Nir. 4.13 (79.8); ṚV. i. 181.2; ii. 34.3; सहस्रिणं वाजमत्यं न सप्तिं ससवान्तसन्त्स्तूयसे जातवेद: ṚV. iii. 22.1; VājaS. 12.47; S'atBr. VII. i. 1.22; अत्यं न मिहे वि नयन्ति वाजिनम् ṚV. i. 64.6 = AitĀ. I. ii. 1.14;

ṚV. i. 129. 2; i. 135. 5; iii. 38. 1; v. 30. 14; ix. 6. 5; ix. 93. 1; ix. 96. 15; आ त्वा हरयः ··· अत्याः ··· वृष्णे मदाय सुयुजो वहन्तु ṚV. vi. 44. 19; ix. 80. 3; अश्वोऽसि ··· अत्योऽसि TaiS. VII. i. 12. 1; VājaS. 22. 19; PañcBr. i. 7. 1; TaiBr. III. viii. 9. 1; (used alone) (इन्द्रः) एष प्र पूर्वीरव तस्य चम्रिषोऽत्यो न योषामुदयंस्त भुर्वणिः ṚV. i. 56. 1; i. 52. 1; i. 130. 6; viii. 50. 5; x. 96. 10 = AV. xx. 31. 5; ये ते वृषणो वृषभास इन्द्र ··· अत्याः ṚV. i. 177. 2; iii. 32. 6; iii. 34. 9 = AV. xx. 11. 9; v. 31. 9; vi. 32. 5; वृषायन्ते ··· अत्याय पूर्वीः ṚV. iii. 7. 9; i. 58. 2; i. 65. 6; ii. 4. 4; iii. 2. 3; iii. 2. 7; v. 25. 6; vi. 2. 8; vi. 4. 5; vii. 3. 5; इन्दुरत्यो न वाजसृत् ṚV. ix. 43. 5; ix. 13. 6; ix. 32. 3; ix. 43. 1; ix. 46. 1; ix. 66. 23; ix. 76. 1; ix. 77. 5; ix. 81. 2; ix. 82. 2; ix. 85. 5; ix. 85. 7; ix. 86. 3; ix. 86. 26; ix. 86. 44; ix. 87. 5; ix. 96. 20; ix. 97. 18; ix. 97. 20; ix. 97. 45; x. 144. 1; अत्यान् कक्षीवन्त उदमृक्षन्त पज्राः ṚV. i. 126. 4; युवमत्यस्यावनक्षथो यद्विपत्मनो नर्यस्य प्रयज्योः ṚV. i. 180. 2; (बृहस्पतिः) अत्यो न यंसद् यक्षभृद् विचेताः ṚV. i. 190. 3; iv. 2. 3; v. 44. 3; (मरुतः) निमेघमाना अत्येन पाजसा ṚV. ii. 34. 13; v. 59. 3; vii. 56. 16; अत्यो न हस्तयतो अद्रिः ṚV. x. 76. 2; एष स्तोमो महे ··· वाहे धुरीवात्यो न ṚV. vii. 24. 5 = AitĀ. I. v. 2. 21; अत्यः ··· अश्वानाम् Nigh. 1. 14 = AVPari. 48. 93.

²अत्य (a–tya) *m.* the suffix *a* पार्श्वादिषु सुबन्तेषु वाक्षु अत्यो भवति JaineVyā. 103. 29 (*on* ii. 2. 20)

अत्यंसल (áty–aṁsala) *adj.* having strong shoulders अथैतानरूपेभ्य आलभते । ··· अतिकृशमत्यंसलम् TaiBr. III. iv. 19. 1.

अत्यंह (atyaṁhá) *m.* name of a person, the son of Aruṇa अत्यंहो हारुणिः TaiBr. III. x. 9. 3.

अत्यंहस् (áty–aṁhas) *adj.* beyond the reach of evil or distress (मरुद्विशेषः) सत्यश्चर्तपाश्चात्यंहाः TaiS. IV. vi. 5. 5; I. viii. 13. 3; VājaS. 17. 80; MaiS. ii. 11. 1; KāṭhS. 18. 6; KapiKaS. 28. 6.

अत्यकुण्ठसमुत्कण्ठ (atyakuṇṭha–samutkaṇṭha) *adj.* having an unrestrained eagerness गुणचन्द्रः परिज्ञाय ··· । सुस्थितं स्थितमुद्याने ··· अत्यकुण्ठसमुत्कण्ठः शुश्रूषितुमुपागतः SamarāSaṁ. 8. 211.

अत्यकूल (aty–akūla) *n.* अत्यकूलेन (aty–akūlena) [Inst.] without flowing over the bank तावज्जलदेवतया तस्य महर्षेरुग्रतपसा रञ्जितया इति चिन्तितम् – नदीजलप्रवाहेणायं महात्मा न प्रवहेत् ततोऽत्यकूलेन नदी वहति KathāK. 133. 15.

अत्यक्त (a–tyakta) *adj.* [*f.* –ā] **A** not given up, not abandoned, not relinquished, not left out अत्यक्ताहं त्वया ब्रह्मन् न शक्या नयितुं बलात् MahāBhā. i. 165. 29; अत्यक्तं तुल्यशीलाभिः स्त्रीभिः पानेन मृगयया वा प्रसज्य रात्रावुपगृह्यानयेयुः ArthS'ā. i. 92. 6 (1. 18); भीमाद्दुःशासनं त्रातुं त्यक्तमत्यक्तमायुधम् VeṇīSaṁ. 3. 501; त्यक्तमप्यन्यथा गेहमत्यक्तमविवेकिनः SamarāSaṁ. 6. 322; विधृतमत्यक्तं पौरुषं पुरुषकारो येन स तथा ManvaVi. 806. 9 (*on* 7. 102); अत्यक्तक्षितिविग्रहो मुनिकथागीतादिगोत्रस्थितिर्विन्ध्यो बन्धुरबन्धुतां वितनुते यस्योपपन्नश्रियः EI. ii. 411. 4; जहल्लक्षणायां तु अधीस्थस्याप्यत्यक्तस्यैव स्वीकारः Nyāyāmṛ. 595B. 9; ऋष्यशृङ्गवचनम् ··· अत्यक्तस्य द्वितीयपक्षस्य स्वविषये बाधकम् BālamBha. i. 547. 8 (*on* 1. 249); **B** not abandoned by, endowed with, possessing एवमादिभिरत्यक्तो बभूवासुलभैर्गुणैः ··· शाक्यराजः Saund. 2. 45; तान् ··· जनः । अत्यक्तानसुभिर्घोरामवस्थामन्वबीभवत् RājTa.(Ka.) 8. 444; वेदयज्ञैश्चात्यक्तानां स्वकर्मसु दक्षाणां गृहेभ्यः प्रत्यहं ब्रह्मचारी सिद्धान्नभिक्षासमूहमाहरेत् ManvaMu. 71. 27 (*on* 2. 183); **C** not alienated, not given up तत्र त्यक्तानामदानादत्यक्तानां च दानादयथाश्रुतकरणप्रसङ्गः TantrVā. 1023. 24 (*on* iii. 4. 47); अत्यक्तस्य हविषो देवतासंबन्धासंभवात् VedāntKa. 87. 19 (*on* i. 1. 4); अत्यक्तस्य प्रक्षेपे परं होमशब्दवाच्यता नास्ति VīraMi.(Vyavahāra.) 427. 4; अत एव ब्राह्मणोद्देशेन पक्केऽप्यन्ने तदुद्देशेनात्यक्ते देवतात्वाप्रसिद्धिः MīmāKau. ii. 48. 16 (*on* ii. 3. 14); **D** not separated अत्यक्तायाद्रिपुत्र्या त्रिपुरहर जगत्क्लेशहन्त्रे नमस्ते SubhāRaK. 4. 27; SaduktiKa. 4. 2.

अत्यक्तकर्तृस्वभाव (atyakta–kartṛsvabhāva) *adj.* who has not abandoned his nature as an agent (of an activity) यावत् अत्यक्तकर्तृस्वभावं स्वातन्त्र्येण अपरित्यक्तमेव सन्तमात्मानं निर्माय PratyabhiVi. i. 270. 5 (*on* i. 5. 16)

अत्यक्तकुलक्रम (atyakta–kulakrama) *adj.* who has not abandoned his hereditary practices नियोगिनस्ते विधिषु प्रयुक्ताः ··· । वृद्धिक्षमा राज्यपदस्य भक्ता जिष्णोरिवात्यक्तकुलक्रमाश्च Vīrabhā. 5. 54.

अत्यक्तजातिधर्मा (atyakta–jātidharmā) *adj.* (*f.*) who has not given up the customs of her caste अत्यक्तजातिधर्मां मामेतेनैव निपातय KathāSaSāg. vii. 8. 166.

अत्यक्ततादृग्भव (atyakta–tādṛgbhava) *adj.* by whom such a state was not given up तादृक्षे विरहेऽपि यस्य कथमप्यत्यक्ततादृग्भवे ··· असावद्यापि दासः शशी HammīMaMa. 5. 42.

अत्यक्तत्याग (atyakta–tyāga) *m.* abandonment of what has not been given up तत्राप्राप्तप्राप्तौ चात्यक्तत्यागे च बाह्योपायानुष्ठानसाध्यत्वात् Bhām. 80. 4 (*on* i. 1. 4)

अत्यक्तत्व (atyakta–tva) *n.* the state of not having been given away or offered (in sacrifice) पूर्वं त्यक्तस्य होमेन नाशादहुतस्य च भक्ष्यमाणस्यात्यक्तत्वेनेन्द्रपीतपदव्यपदेशानुपपत्तेः MīmāKau. ii. 301. 7 (*on* iii. 2. 39)

अत्यक्तदीक्ष (atyakta–dīkṣa) *adj.* who has not concluded the consecration दीक्षामोचनम् अत्यक्तदीक्षेऽपि यजमाने नवमे निरूपितम् SaṅkarKāBh. 88. 10 (*on* ii. 2. 41)

अत्यक्तद्विजमाना (atyakta–dvijamānā) *adj.* (*f.*) which has not given up the worshipping of the Brahmins स्वयं निश्चित्य कर्तव्यमत्यक्तद्विजमानया (दुर्योधनः) KīcaVa. 4. 9 (comm. अत्यक्तो द्विजानां ब्राह्मणानां मानः पूजा यया)

अत्यक्तधर्म (atyakta–dharma) *adj.* who has not given up his duties मया चात्यक्तधर्मेण यत्प्रजानां कृते कृतम् BṛKathāS'loSaṁ. 1. 84.

अत्यक्तधैर्य (atyakta–dhairya) *adj.* who has not given up his courage तस्मादत्यक्तधैर्येण भाव्यमापदि धीमता PañcT. 1. 127 (139. 1) = KathāSaSāg. x. 4. 195.

अत्यक्तपूर्वरूप (atyakta–pūrvarūpa) *adj.* which has not given up its previous form अत्यक्तपूर्वरूपं हि विशेषानुदये सति । कथं नाम भवेच्छ्रोत्रमभोग्यमपरस्य ते TattvSaṁ. 2545.

अत्यक्तपूर्वरूपत्व (atyaktapūrvarūpa–tva) *n.* the state of not giving up its previous form यस्माद्गत्याद्यसत्त्वेऽपि प्राप्नुवन्त्यस्य ते ध्रुवम् । अत्यक्तपूर्वरूपत्वाद्गत्याद्युदयकालवत् TattvSaṁ. 700.

अत्यक्तपूर्विन् (atyakta–pūrvin) *adj.* who has not given up (the sleep) before निद्रां योऽत्यक्तपूर्व्यब्दैर्गर्जकैः साध्वपां पिबैः । स तामत्यजदम्भोधौ कैटभस्य मधुं द्विषन् DvyāśraKā. 3. 47.

अत्यक्तविषयोपरागवत् (atyaktaviṣayoparāga–va(n)t) *adj.* possessing the coloration of the unabandoned object बहिर्मुखतामागतं प्रमातुः स्वरूपं प्रमाणं भवति, पुनरन्तर्मुखतामागतं तावदत्यक्तविषयोपरागवत् प्रमा स्यात् Bhāsk. ii. 91. 18 (*on* ii. 3. 2)

अत्यक्तवेद्यभाव (atyakta–vedyabhāva) *adj.* which has not abandoned the nature of being an object (of knowledge) देहादेरेव अत्यक्तवेद्यभावस्य भिन्नस्यैव ··· प्रमातृत्वाभिमानः PratyabhiVi. i. 316. 1 (*on* i. 6. 5)

अत्यक्तव्य (a–tyaktavya) *adj.* not to be abandoned वयस्यवर्गाणाम् । अर्थे जीवितमपि निजमत्यक्तव्यं न जानन्ति KandaCū. iii. 5. 19.

अत्यक्तव्यार्था (a–tyaktavyārthā) *adj.* (*f.*) the meaning of which is not to be abandoned येन तदंशे श्रुतिरत्यक्तव्यार्था स्यात् S'ivārkaMaDī. ii. 48. 9 (*on* ii. 1. 34)

अत्यक्तशील (atyakta–śīla) *adj.* who has not given up his good conduct एवं चात्यक्तशीलानां ससत्त्वानां जितक्रुधाम् । तुष्टेवाचिन्तिता एव स्वयमायान्ति संपदः KathāSaSāg. x. 9. 43.

अत्यक्तसंनिधि (atyakta–sannidhi) *adj.* whose proximity was not given up हरिवाहनः ··· कमलगुप्तादिभिः प्रधानाप्तराजपुत्रैरत्यक्तसंनिधिः ··· पालयन्नेकातपत्रं राज्यम् TilaMañ. 427. 4.

अत्यक्तसन्मार्ग (atyakta–sanmārga) *adj.* who has not abandoned the right path तौ च ज्येष्ठावबुध्येतां मृदुं तं बुद्धिवर्जितम् । साधुमत्यक्तसन्मार्गम् KathāSaSāg. vi. 7. 39.

अत्यक्तसाम्राज्यभर (atyakta–sāmrājyabhara) *adj.* who has not given up the burden (responsibility) of the empire करोमि तावद्युवराजमेनमत्यक्तसाम्राज्यभरस्तनूजम् VikraDeC. 3. 28.

अत्यक्तसैन्य (atyakta–sainya) *adj.* whose army has not left (him) दग्ध्वाथ राजधानीं तामुच्चलो डामरान्वितः । अत्यक्तसैन्यं वीक्ष्यारिं पारमेवातरत्पुनः RājTa.(Ka.) 7. 1583.

अत्यक्तस्वातन्त्र्य (atyakta–svātantrya) *adj.* who has not given up his independence न हि स्वातन्त्र्यमन्यगम् । करोति कापीत्यादेरत्यक्तस्वातन्त्र्यस्यैव क्रीडावगमादिति भावः TattvPrakā. 161A. 10 (*on* iii. 2. 38)

अत्यक्तस्वालम्बन (atyakta–svālambana) *adj.* who has not abandoned his self-dependence (नाट्यम्) अत्यक्तस्वालम्बनब्रह्मकल्पनटोपरञ्चितम् ··· भाति AbhinBhā. i. 5. 18 (*on* 1. 1)

अत्यक्ताग्नि (atyaktāgni) *adj.* who has not abandoned (the worship of) the sacred fire अत्यक्ताग्नेः त्यक्ताग्निव्यतिरिक्तस्यैव अत्यक्ताग्नेरेव श्राद्धाधिकारः SmṛtiCan. v. 420. 19.

अत्यक्तार्द्रत्व (atyaktārdra-tva) *n.* the state of not giving up its freshness (i. e. which has not dried) मनुष्यहिंसितानां प्राणिनामनागसां देहानामत्यक्तार्द्रत्वपूर्वाणामवयवानां यच्छेदनम् PārāSū. 42. 1; 93. 9.

अत्यक्तोद्यम (atyaktodyama) *adj.* who has not given up his efforts अप्रच्युत: अत्यक्तोद्यम: ManvaVi. 1535. 17 (*on* 12. 116)

अत्यक्तोष्मन् (atyaktoṣman) *adj.* which has not given up heat सुधौत: प्रस्रुत: स्विन्नोऽत्यक्तोष्मा चौदनो लघु: AṣṭāSaṁ. i. 31. 22 (1. 7) = AṣṭāHṛ. i. 6. 29.

अत्यक्त्वा (a-tyaktvā) *ger.* without abandoning अत्यक्त्वा जीवितं संख्ये शक्यो जेतुं युधिष्ठिर: MahāBhā. ix. 23. 9; नात्यक्त्वा सुखमाप्नोति ··· त्यक्त्वा सर्वं सुखी भव MahāBhā. xii. 170. 22; न मानमलमत्यक्त्वा भूतिं प्राज्ञोऽधिगच्छति Kapphiṇā. 16. 45.

अत्यक्ष (aty-akṣa) *adj.* **i** having superior eyes प्राग्बहुव्रीहिग्रहणं च कर्तव्यम्। इह मा भूत् स्वक्ष:, अत्यक्ष इति MahāBh. ii. 439. 5 (*on* v. 4. 69); बहुव्रीहौ सक्थ्यक्ष्णो: इत्येवमादौ प्रतिषेधो न भवति ··· अत्यक्ष: KāśiVṛ. *on* P. v. 4. 69; **ii** beyond the reach of the senses, supersensuous तत्रात्यक्षं द्वयं पञ्चस्वर्थेष्वेकोऽपि नेक्ष्यते PramāVār. 3. 472; इत्यत्यक्षेषु सर्वोऽपि शब्दस्तुल्यबलाबल: TattvSaṁ. 2444; अत्यक्षेषु द्रुमेष्वन्यदध्यक्षमपरे विदु: NyāyVi. 2. 102; अत्यक्ष: ··· परमात्मा कीर्तित: YogŚā. 12. 8; अनन्तमेकमत्यक्षं केवलज्ञानमुच्यते TriṣaŚaPuC. i. 3. 581; अत्यक्षेऽप्यागमात्पुंसि विशिष्टत्वं प्रतीयते YaśasCam. ii. 275. 5; अनन्तगुणितं तस्मादत्यक्षं स्वस्वभावजम् KumāPraPra. 85. 10; *m.* name of a son of Śvaphalka सुषुवे तस्माच्छ्वफल्कात् ··· अविक्षितस्तथाक्षेप: (v. l. परिक्षिपस्तथात्यक्ष:) BrahmP. 14. 9.

अत्यक्षत्व (atyakṣa-tva) *n.* the state of being beyond the reach of the senses नभसो निरुपाख्यत्वान्नाभिव्यक्ति: प्रकल्पते। अत्यक्षत्वाच्च खे नायमालोक: स तथेक्ष्यते TattvSaṁ. 2608.

अत्यक्षदर्शन (atyakṣa-darśana) *n.* knowledge of supersensuous thing नैतदेवं भवेन्नाम ह्येवं पाठस्य तुल्यता। तदर्थतत्त्वबोधस्तु न विनात्यक्षदर्शनम् TattvSaṁ. 3115.

अत्यक्षफल (atyakṣa-phala) *adj.* having an unseen (imperceptible) effect नायं पुरुषोऽनाश्रित्यागमप्रामाण्यमासितुं समर्थोऽत्यक्षफलानां केषांचित् PramāVāSvopVṛ. 72. 2.

अत्यक्षर (aty-akṣara) *adj.* inarticulate (sound) अत्यक्षरा: शब्दा: VarāGS. 8. 6 = MānGS. i. 4. 6 (comm. अत्यक्षरा: शब्दा अतिक्रान्ताक्षरा ये गोमायुरुतादय:); अत्यक्षरा: शब्दा: संततवलीकप्रस्राव: KāṭhGS. i. 9. 9.

अत्यक्षरतेजस् (atyakṣara-tejas) *n.* most indestructible light यदा च मायापुरुषौ कालोऽत्यक्षरतेजसि। तदिच्छया तिरोयान्ति स त्वेको वर्तते प्रभु: SkandP. ii(9). 25. 59.

अत्यक्षविज्ञान (atyakṣa-vijñāna) *n.* knowledge of supersensuous (things) प्रमाण(? णा)गोचरा येषां प्रमाबाधाकुलं वच:। तेषामत्यक्षविज्ञानशक्तियोगो हि दूरत: TattvSaṁ. 3342.

अत्यक्षसंयोग (aty-akṣasaṁyoga) *adj.* beyond the contact of the sense-organs अविशिष्टानां सर्वार्थेष्वेकमर्थमत्यक्षसंयोगमनत्यक्षदर्शिनि पुरुषसामान्ये को विवेचयेत् PramāVāSvopVṛ. 113. 28; अविदितार्थविभागेषु शब्देष्वेकमर्थमत्यक्षसंयोगमनालम्बनसमारोपं विनिश्चित्य व्याचक्षाणो जैमिनि: PramāVāSvopVṛ. 115. 9.

अत्यक्षस्वभाव (atyakṣa-svabhāva) *adj.* of supersensuous nature न चात्यक्षस्वभावेषु अनुपलब्धिनिश्चयहेतु: PramāVāSvopVṛ. 83. 6.

अत्यक्षाधिगम (atyakṣādhigama) *m.* understanding of supersensuous (things) प्रत्यक्षेऽर्थे स्खलन्ति ये। कथं संभाव्यते तेषामत्यक्षाधिगम: स्फुट: TattvSaṁ. 3327.

अत्यक्षावेश (atyakṣāveśa) *m.* introduction of supersensuous (meaning) तेषामविदितार्थनियमानामत्यक्षावेशादविद्वानेव दोषोपप्लुत: कश्चित्तत्त्वं व्याचष्टे नापर इति न न्याय्यम् PramāVāSvopVṛ. 111. 5.

अत्यगम्या (aty-agamyā) *adj.* (*f.*) (a woman) never to be approached, completely unapproachable (sexually) अत्यगम्या हि या याश्च निबोध कथयामि ता: DevīBhāP. ix. 34. 69; BrahmVaiP. ii. 30. 196.

अत्यगाध (aty-agādha) *adj.* **A** extremely unfathomable, very difficult to enter, very deep (ददर्श स तु तं देशम्) अत्यगाधमहागर्तैर्वनापगमहाभयम् MahāBhā. i. App. 1. 117. 16 (4); भिन्नां नावमिवात्यगाधे कुरूणाम् ···सूतपुत्र: संतारयिष्यंस्तव पुत्रस्य सेनाम् MahāBhā. vii. 2. 1; सर: प्रसन्नोदकमत्यगाधम् (नृप: आससाद) VarāṅgaC. 12. 72; अत्यगाधजलदर्शनजातातङ्ककम्पिततनूस्तनुमध्या:। ··· वेशयन्ति सलिलं स्म युवान: HammīMaKā. 6. 12; **B** (*fig.*) very difficult to understand, very profound अत्यगाधहृदयान्तरोल्लसद्गाढनिश्चलगभीरतां बुध: (अवहत्) Raghunā. 5. 12; **C** very deep-rooted गात्रप्रदेशे क्वचिदेव दोषा: ··· कुर्वन्ति मांसोच्छ्रयमत्यगाधं तदर्बुदं शास्त्रविदो वदन्ति RugVi. 38. 19 (comm. अत्यगाधमिति दूरानुप्रविष्टम्)

अत्यग्नि (aty-agni) *adj.* **1** having a hyperactive digestive fire (i. e. strong apetite) पय: ··· हितमत्यग्नये CaraS. i. 27. 215 (1922 Ed.); AṣṭāSaṁ. i. 23. 23 (1. 6); मांसैस्सफलकै: स्निग्धैरत्यग्निं प्रतिभोजयेत् BhelaS. 69. 19 (3. 3); भुक्ते भुक्ते क्षुधान्य(? ध्य)स्य जायते न च पुष्यति। अत्यग्निरिति तं विद्यात्स च दु:खितम: स्मृत: BhelaS. 163. 13 (6. 13); **2** surpassing the fire अत्यर्कमत्यग्निं च ते तेजो व्योम्न्यतितारकम् SkandP. iv. 16. 120; *m.* hyperactive digestive fire तमत्यग्निम् ··· अन्नपानैर्नयेच्छान्तिम् AṣṭāSaṁ. ii. 76. 15 (4. 12); अत्यग्निविषमज्वरपीनसान् ··· गोमांसं संनियच्छति AṣṭāHṛ. i. 6. 63 = AṣṭāSaṁ. i. 35. 4 (1. 7); तीक्ष्णोऽसम्यगप्युपयुक्तमाशु पचति स एव वर्धमानोऽत्यग्निर्भवति AṣṭāSaṁ. i. 232. 7 (2. 6)

अत्यग्निकारक (atyagni-kāraka) *adj.* causing hyperactive digestive fire अत्यग्निकारकं चूर्णं प्रदीप्ताग्निसमप्रभम्।···नाशयत्यचिराद्गदान् SiddhYo. 6. 39.

अत्यग्निजित् (atyagni-jit) *adj.* curing hyperactive digestive fire बुभुक्षा चेत् प्रबलतामपस्तन्यस्य गच्छति। अत्यग्निजिद्धितं तस्य विधानं पारिगर्भिकम् AṣṭāSaṁ. ii. 175. 2 (6. 1)

अत्यग्नितेजस् (atyagni-tejas) *adj.* surpassing the fire in splendour अग्निं निर्वापयामासु: केचिदत्यग्नितेजस: SkandP. iv. 89. 41.

अत्यग्निनाशन (atyagni-nāśana) *adj.* curing hyperactive digestive fire गुरु पारावतं ज्ञेयमरुच्यत्यग्निनाशनम् CaraS. i. 27. 130 (1922 Ed.); मांसमद्यादत्यग्निनाशनम् CaraS. vi. 15. 225 (1941 Ed.)

अत्यग्निपूजित (atyagni-pūjita) *adj.* wholesome to one having excessive digestion विशुष्का वटका: ···। विबन्धभेदिन: श्लेष्मकारिणोऽत्यग्निपूजिता: BhojanKu. 37. 13.

अत्यग्निभग्न (atyagni-bhagna) *adj.* destroyed by excessive fire अत्यग्निभग्नतिमिरप्रसरां भवानि विप्रा: पठन्ति भवतीमिह सामिधेनीम् HarVi. 47. 120.

अत्यग्निमान्द्य (aty-agnimāndya) *n.* excessive loss of digestion (i. e. excessive dyspepsia) रसो ह्यग्निकुमाराख्य: ··· हन्यादत्यग्निमान्द्यम् RasRaSa. 18. 169.

अत्यग्निवारण (atyagni-vāraṇa) *adj.* curing hyperactive digestive fire आविकं सुभृतं मांसमद्यादत्यग्निवारणम् AṣṭāSaṁ. ii. 76. 20 (4. 12)

अत्यग्निशमन (atyagni-śamana) *adj.* pacifying the excessive power of digestion पालेवतं गुरु। रुच्यमत्यग्निशमनम् AṣṭāHṛ. i. 6. 133 = AṣṭāSaṁ. i. 40. 21 (1. 7)

अत्यग्निष्टोम (aty-agniṣṭoma) *m.* **1** name of the second of the seven Soma-saṁsthās (sacrifices) यज्ञायज्ञा वो अग्नय इति चतुर्वर्गेणात्यग्निष्टोमम् SāmaViBr. i. 4. 3; अग्निष्टोमोऽत्यग्निष्टोम: ··· इये(? इत्ये)ते सुत्या: GopBr. i. 5. 23; अग्निष्टोमोऽत्यग्निष्टोम: ··· इति संस्था: ĀśvaŚS. I. vi. 11. 1; अथात्यग्निष्टोमम्, स एनान् नान्वभवत् ŚāṅkhāŚS. xv. 5. 1; अग्निष्टोमोऽत्यग्निष्टोम:···अप्तोर्याम इति सप्त सोमसंस्था: BaudhŚS. iii. 188. 3; KātyŚS. x. 9. 28; LāṭyāŚS. v. 4. 24; एवं चतु:संस्थो ज्योतिष्टोमोऽत्यग्निष्टोमवर्जम् VaitāSū. 26. 15; AgniP. 166. 15; सप्तभि: सोमसंस्थाभिर्यजेद्देवं सनातनम्। अग्निष्टोमं महाभाग चात्यग्निष्टोममेव च ViṣṇuDhaP. ii. 95. 15; अत्यग्निष्टोमयज्ञस्य फलमष्टगुणं लभेत् BṛNāraP. 16. 38; अग्निष्टोमोऽत्यग्निष्टोम: ··· श्रुतौ श्रुत: BhaviP. 276A. 1 (i. 186. 7); TantrVā. 1117. 14 (*on* iii. 6. 43); PrakaVi. 975. 15; अग्निष्टोमोऽत्यग्निष्टोम: ··· इति ज्योतिष्टोमस्य सप्त संस्थाभेदा: NyāyMāVi. 294. 10 (*on* v. 3. 13); 295. 1 (*on* v. 3. 14); ŚivārkaMaDī. i. 39. 32 (*on* i. 1. 1); यास्तु अत्यग्निष्टोमवाजपेयाप्तोर्यामाख्या: अन्यास्तिस्र: स्मृतौ गण्यन्ते BhāṭṭDī. ii. 37. 17 (*on* iii. 6. 16); एतस्यैव च अत्यग्निष्टोम इति संज्ञा BhāṭṭDī. iv. 9. 17 (*on* x. 5. 12); (called a Saṁskāra) अग्निष्टोमोऽत्यग्निष्टोम: ··· इति सप्त सोमसंस्था:। ··· इत्येते चत्वारिंशत् संस्कारा: GauDS. i. 8. 21; VaikhāGS. 1. 1; BhaviP. 9B. 18 (iB. 2. 152); CaturCin. iv. 17. 5; Subodhi. 3. 12 (*on* 2. 4); निरूढपशुसवनसौत्रामण्यग्निष्टोमात्यग्निष्टोमा:। ··· एभिरष्टचत्वारिंशद्भि: संस्कारै: संस्कृतो ब्राह्मणो भवति SkandP. v(3). 20. 57; (reward of the Atyagniṣṭoma acrifice) नारायणं तथाभ्यर्च्य पौषे मासे जगत्पतिम्। अत्यग्निष्टोममाप्नोति ViṣṇuDhaP. i. 159. 4; **2** name of one of the seven pure *tānas* not containing the Ṣaḍja note in them अथात्र शुद्धतानानां नामानि व्याहरामहे। अग्निष्टोमोऽत्यग्निष्टोम: ··· राजसूय: ··· इति स्यु: षड्जहीनानां सप्त नामानि SaṁgīRa. i. 142. 4 (1 (4). 72)

अत्यग्निष्टोमक (atyagniṣṭoma-ka) *m.* second of the seven Soma-saṁsthās अग्निष्टोममेव च। अत्यग्निष्टोमकं चोक्थ्यम् ··· संपूज्य AgniP. 30. 5.

अत्यग्निष्टोमज (atyagniṣṭoma-ja) *adj.* produced by the performance of the Atyagniṣṭoma sacrifice पञ्चकृत्वो व्रतमिदं कृतं येन महात्मना। अत्यग्नि-

ष्टोमजं पुण्यं प्राप्नुयान्नात्र संशयः BṛNāraP. 20. 20.

अत्यग्निष्टोमवर्जम् (atyagniṣṭoma–varjam) *adv.* excluding the Atyagniṣṭoma sacrifice एवं चतुःसंस्थो ज्योतिष्टोमोऽत्यग्निष्टोमवर्जम् VaitāSū. 26. 15.

अत्यग्निष्टोमसंस्था (atyagniṣṭoma–saṁsthā) *f.* sacrifice called Atyagniṣṭoma राजन्यस्य गृह्णीयादिति वचनस्यात्यग्निष्टोमसंस्थोपमर्देन षोडशिसंस्थाविधायकत्वस्य वक्ष्यमाणत्वात् MayūMāli. 313. 19 (*on* iii. 6. 16)

अत्यग्निष्टोमिक (atyagniṣṭomika) *m.* name of one of the 49 *tānas* अथैकोनपञ्चाशत्तानाः । अत्यग्निष्टोमि(? म)कः VisṇuDhaP. iii. 18. 0 (315A. 13)

अत्यग्निसंतप्त (aty–agnisantapta) *adj.* greatly heated in fire (i. e. red-hot) वरमाशीविषविषम् …। पीतमत्यग्निसंतप्ता भक्षिता वाप्ययोगुडाः । न तु श्रुतवतां वेशं बिभ्रति शरणागताः HārīS. iii. 2. 2.

अत्यग्निसंभव (atyagni–sambhava) *adj.* caused by a very strong gastric fire तृट्श्वासदाहमूर्च्छाद्या व्याधयोऽत्यग्निसंभवाः CaraS. vi. 15. 221); AṣṭāHṛ. iv. 10. 83 = AṣṭāSaṁ. ii. 76. 15 (4. 12)

अत्यग्निसह (atyagni–saha) *adj.* capable of withstanding extreme heat of fire यो दिव्यमूलिकाभिश्च कृतोऽत्यग्निसहो रसः RasRaSa. 11. 80.

अत्यग्निहित (atyagni–hita) *adj.* beneficial to (a patient) having excessive fire of digestion यत्किंचिद्गुरु मेध्यं च श्लेष्मकारि च भोजनम् । सर्वं तदत्यग्निहितम् CaraS. vi. 15. 233 (1941 Ed.); AṣṭāSaṁ. ii. 77. 1 (4. 12)

अत्यग्र (áty–agra) *adj.* excessively sharp तद्यत्र वा इषुरत्यग्रो भवति JaimiUBr. iii.5. 6; *m.* the highest region (name of the region where the *diśās* converge in an upward direction) दिशो वै यत्र समुदश्रयन्त । तदेषोऽत्यग्रो नाम लोकोऽभवद् य एष तपति JaimiBr. 2. 44.

अत्यग्रम् (áty–agram) *adv.* with the end (of the *prastara*) protruding) beyond (the fire) नात्यग्रं प्रहरेद्यदत्यग्रं प्रहरेत् TaiS. II. vi. 5. 4 = KāṭhS. 25. 5 = KapiKaS. 39. 2; BaudhS'S. i. 29. 3; BhārS'S. iii. 6. 2; HirS'S. ii. 4. 10; VaikhāS'S. 7. 6; ĀgniVeGS. i. 6. 3 (37. 21)

अत्यग्र्य (aty–agrya) *adj.* foremost, very prominent यः … वीरनारायणाद्या(नत्य)ग्र्यानग्रहारान् व्यधित[विधि]रिव स्वर्गमस्तारिवर्गः EI. xviii. 43. 313.

अत्यघनाशन (atyagha–nāśana) *adj.* destroying great sins अत एव महादेवि रुद्राक्षोऽत्यघनाशनः S'ivaP. i. 25. 54 (34A. 9)

अत्यघवत् (atyagha–va(n)t) *adj.* who has committed great sins, great sinner तद् (रुद्राक्ष)धरो मत्प्रियः शुद्धोऽत्यघवानपि पार्वति S'ivaP. i. 25. 54 (34A. 9)

अत्यङ्कुश (aty–aṅkuśa) *adj.* beyond the (control of) goad, unmanageable (लक्ष्मणः) अत्यङ्कुशमिवोद्दामं गजम् …। प्रधावितमहं दैवं पौरुषेण निवर्तये Rāmā. ii. 20. 15; ii. 305*(16); कुशमाली समुद्रोऽयमत्यङ्कुश इव द्विपः JātaMā. 91. 24 (14. 19); अत्यङ्कुशो नागः KāśiVṛ. *on* vi. 2. 191 = Prasā. ii. 784. 7 = SiddhāKau. 655B. 15.

अत्यङ्ग (aty–aṅga) *adj.* [*f.* –ā] **1** who has crossed the Aṅga country अतिक्रान्तोऽङ्गानत्यङ्गः MahāBh. i. 490. 9 (*on* ii. 4. 62) = PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. ii. 4. 62; LaS'abdeS'e. ii. 230. 5; **2** having extra limbs अमानुषाणि रुण्डानि संजायन्ते यदा स्त्रियाम् । अत्यङ्गानि अनङ्गानि हीनाङ्गान्यथ वा पुनः AVPari. 70B(10). 3; **3** having large limbs (an idol) (प्रतिमा) नृपभयमत्यङ्गायाम् BṛSaṁ. 58. 50; **4** very costly, most valuable अङ्गान्मणिभिरत्यङ्गैः … सोऽभ्यनन्ददुपानतान् MahāP. 29. 38 [*f. n.* अनर्घ्यैः]; *n.* prominent part or limb (penis) विमुक्तशुक्रो मातङ्गः सद्यः संपद्यते सुखी । अत्यङ्गं यदि शूनं स्यात् … सर्पिषा।… परिषेचयेत् Hastyāyur. 211. 18 (2. 17); *m.* name of a Brāhmaṇa रथाङ्गादत्यङ्गः समजनि EI. vi. 205. 5.

अत्यङ्गसादन (aty–aṅgasādana) *n.* great exhaustion or weariness of body अत्यङ्गसादन° … °कण्ठकण्डूः।… लक्षणानि सर्वाणि सर्वजमहाज्वरसंभवानि KalyāKā. 9. 58.

अत्यङ्गसौरस्य (aty–aṅgasaurasya) *n.* excessive tastiness of the bodily fluid भजन्तेऽत्यङ्गसौरस्याद्यं यूकामक्षिकादयः।… सः … वर्षं न जीवति AṣṭāHṛ. ii. 5. 25.

अत्यङ्गार (aty–aṅgāra) *adj.* devoid of live coal (i. e. completely extinguished fire) वह्नौ विधूमेऽत्यङ्गारे …। चरेत्तु मतिमान् भैक्ष्य(? क्ष)म् LiṅgaP. i. 89. 12.

अत्यङ्गुल (aty–aṅgula) *adj.* exceeding an *aṅgula* (finger's breadth) अतिक्रान्तमङ्गुलीरत्यङ्गुलम् JaineVyā. 279. 17 (*on* iv. 2. 88); CāndrVṛ. iv. 4. 74; (अतिगतमङ्गुलिभ्यः) अत्यङ्गुलम् KāśiVṛ. *on* P. v. 4. 86; Nyās. ii. 173. 18 (*on* v. 4. 86); नात्यङ्गुलो भवति जातु यथा स्म कोऽपि DvyāśraKā. 19. 137; अत्यङ्गुलः MugdhaBo. 6. 51 (59. 18)

अत्यङ्गुलि (aty–aṅguli) *adj.* having an additional finger तत्पुरुषस्येति किम् । अत्यङ्गुलिः पुरुषः KāśiVṛ. *on* P. v. 4. 86.

अत्यच्छ (aty–accha) *adj.* [*f.* –ā] **i** extremely pure नूनं चैत्यांशरहिता चिद्यदात्मनि लीयते । असद्रूपवदत्यच्छा सत्तासामान्यता तदा AnnaU. 1. 24; वीताखिलविषयेच्छं जातानन्दाश्रुपुलकमत्यच्छम्। सीतापतिदूताद्यं वातात्मजमद्य भावये हृद्यम् HanuPañ. 1; (ईशानलिङ्गजलैः स्नापयांचक्रे) सन्मनोभिरिवात्यच्छैः SkandP. iv. 33. 20; सिताश्महर्म्यमुत्तुङ्गं झटित्यधिरुरोह सा । (पाटला) आनन्दकन्दलीचित्तमत्यच्छं पार्थिवस्य च NavaSāC. 16. 6; **ii** very clean or transparent तरलदेहप्रभावितानच्छलेनात्यच्छं सकलमिव शोणसलिलमानयन्ती … मालती समदृश्यत HarṣaC. 50. 1; बहिर्निर्गच्छदत्यच्छनयनरश्मिसंपृक्तपित्तपीतिमानमाश्रयरहितं शङ्खं च दोषाच्छादितसितिमानमनुभवन् TātpaṬ.(Vā.) 83. 14 (*on* i. 1. 1); तमालश्यामलं क्षारमत्यच्छमतिफेनिलम्।… लङ्घयामास हनूमानेष सागरम् SaraKaṇṭhā. 13. 11; प्रतिबिम्बितमत्यच्छे गगनस्फटिकोपमे । यथाप्रमाणं सर्वाङ्गं रूपं तत्र हि दृश्यते TriṣaS'aPuC. i. 6. 718; (अष्टमङ्गलीम्) अत्यच्छै रजतमयैरखण्डैरथ तण्डुलैः। … आलिलेख TriṣaS'aPuC. ii. 2. 465; अत्यच्छं शरदम्व(म्ब)रात् … सरः … तेनाखानि EI. vi. 202. 21; अत्यच्छं सितमंशुकम् … धातः सृष्टिरियं वृथैव तव न ग्रीष्मोऽभविष्यद्यदि SūktiMu. 60. 17 = S'ārṅgaPa. 3833; **iii** very white छादितादित्यमत्यच्छं शरदभ्रं जिगीषुभिः। चन्दनैश्च तदीयाङ्गं व्यलिम्पंश्चन्दनद्युति PāṇḍaC. 5. 508; **iv** very pure or clean (unmixed with dirt or mud) (ज्योत्स्नातिशयं विभाव्य) किं नु ध्वान्तपयोधिरेष कतकक्षोदैरिवेन्दोः करैरत्यच्छोऽयमधश्च पङ्कमखिलं छायापदेशादभूत् AnarghaRā. 2. 75 = SubhāRaK. 29. 17; **v** extremely bright, free from defects or spots सुतारं घनमत्यच्छं कलिलं व्यङ्गमेवच । वैदूर्याणां समाख्याता एते पञ्च महागुणाः YuktiKa. 121. 22; कलङ्कादि विहीनं तद् (वैदूर्यम्) अत्यच्छमिति कीर्तितम् YuktiKa. 122. 2; **vi** very thin, extremely diluted नात्यच्छस्निग्धशीतानि स्वादूनि च लघूनि च । पयो द्रवाणि भुञ्जीत KāśyaS. 343A. 35.

अत्यच्छगुच्छायित (atyacchagucchāy–ita) *adj.* resembling extremely white bunch of flowers प्रेङ्खत्प्रौढकटाक्षकुञ्जकुहरेष्वत्यच्छगुच्छायितम् … कल्माषं कवलीकरोतु मम ते कामाक्षि मन्दस्मितम् MūkaPañ. 2. 28.

अत्यच्छचन्दन (atyaccha–candana) *n.* extremely pure sandal-paste तस्या स्वर्णाभमत्यच्छचन्दनच्छुरितं वपुः PāṇḍaC. 4. 155.

अत्यच्छता (atyaccha–tā) *f.* excessive clearness or transparency शबरयुवा … अत्यच्छतया स्पर्शानुमेयम् … अम्भः … समुपाहरत् Kād. 32. 18; अत्यच्छतयाश्रयस्य निरालम्बिभिरिवाम्बरतलोत्कीर्णाभिरिव… वर्णपङ्क्तिभिरुद्भासितां प्रशस्तिमैक्षत् (समरकेतुः) TilaMañ. 219. 15.

अत्यच्छत्व (atyaccha–tva) *n.* **i** excessive cleanliness or whiteness द्रव्यैरिव हिमानीनां सुधांशोरिव रश्मिभिः। मुनीनामिव चेतोभिर्निर्मितं मन्यते जनैः। यदत्यच्छत्वशैत्येन तत्रास्त्येकं महासरः PārśvaC. 1. 824; **ii** excessive purity (of the mind), PārśvaC. 1. 824; (जीवन्मुक्तस्य) विश्रान्तचित्तस्य कालुष्यरहितत्वादत्यच्छत्वम् JīvanVi. 17. 11.

अत्यच्छदशन (atyaccha–daśana) *m.* very bright tooth अत्यच्छदशनोद्गच्छदंशुलेखातरङ्गिभिः । दीर्घैर्यस्यारिनारीणां निःश्वासैश्चामरायितम् NavaSāC. 11. 79.

अत्यच्छसान्द्रता (atyacchasāndra–tā) *f.* excessive dilution (*accha*) or thickness क्वाथात् सर्वत्र चाष्टममंशं कल्कस्य स्याद् यावता वा नात्यच्छसान्द्रता भवेत AṣṭāSaṁ. i. 150. 8 (1. 28)

अत्यच्छसुधा (atyaccha–sudhā) *f.* extremely white plaster वहदत्यच्छसुधोज्ज्वलं वपुः। कथमृच्छतु यत्र नाम न क्षितिभृन्मन्दिरमिन्दुमौलिताम् NaiṣC. 2. 82.

अत्यच्छहृदय (atyaccha–hṛdaya) *n.* very pure heart इयमत्यच्छहृदये दधत्यतिसुवृत्तताम् । बाला … सम्मुखी त्वयि NavaSāC. 16. 36.

अत्यजत् (a–tyajat) *adj.* [*f.* –antī] **i** not giving up or abandoning जाततर्षा यानत्यजन्तः परियान्ति दुःखम्।… तेषु कामेषु कस्यात्मवतो रतिः स्यात् BuddhC. 11. 23; क्रोधादाभ्यन्तरान् दोषांस्तथा दुष्टमनोरथान्। अत्यजन्तः…कथं ते गुरवः क्षितौ BhaviP. 84B. 17 (i. 43. 33); उदेतुमत्यजन्नीहां राजसु द्वादशस्वपि । जिगीषुरेको दिनकृदादित्येष्विव कल्पते S'iśuVa. 2. 81; 18. 33; स्वसिद्धान्तमत्यजता कृतकत्वानित्यत्वयोः न शक्यः संबन्धो दर्शयितुम् NyāyVār. 139. 19 (*on* i. 1. 37); वाच्यार्थमत्यजन्त्याः यस्या वृत्तेः प्रवृत्तिरन्यार्थे । इयमजहतीति कथिता SvātmNi. 34; (पूर्वगुरवः) ऐश्वर्यवस्तु परिगृह्य तदत्यजन्तः … सर्वेश्वरश्रुतिवचः समुदाहरन्ति SaṁkṣeS'ā. 3. 172 (ii. 253. 21); धनूंषि।… स्वदेहलीनां स्थितिमत्यजन्ति नृणां कलत्राणि हितान्ययीयुः RāghPāṇ.(Dha.) 5. 58; परमात्मा स्वचैतन्यप्रकाशमत्यजन्नपि … स्वरूपमादर्शयति AbhinBhā. iii. 124. 11 (*on* 21. 89–91); DvyāśraKā. 2. 102; पूर्वमत्यजतः स्थितिं शुभकरीमासेव्यमानस्य ते वर्धन्ते विजयश्रियः AlaṅkāSa. 91. 1; भक्त्युद्रिक्तत्वमत्यजन्। तेजो नामाभवत् सूदो वन्द्यः RājTa.(Ka.) 8. 1224; BhāvPra.(S'ā.) 155. 17 (6); सः (मालाकारः) … राजसेवामत्यजन् व्याकुलो बभूव

PuruṣPa. 183. 13; BhaṭṭCin. i. 63. 3 (*on* i. 1. 4); **ii** not abandoning or leaving off, not discarding कैश्चित् … पीडितैरपि समन्ततः प्रेक्षिकजनेन स्थानमत्यजद्भिः ग्रामेयकैः TilaMañ. 119. 9; अत्यजत्यचले तस्मिन् बोधितोऽपि सुतारया। …अक्रुध्यत्तरां द्विजः MalliC. 1. 394; अहं सर्वमत्यजन्नेकहस्तावलम्बेन देवालयादवरोढुं न शक्नोमि PuruṣPa. 95. 28; **iii** not transgressing or violating यस्यामजिह्मा महतीमपङ्काः सीमानमत्यायतयोऽप्यजन्तः। जनैरजातस्खलनैर्न जातु द्वयेऽप्यमुच्यन्त विनीतमार्गाः S'is'uVa. 3. 57; **iv** not giving or allowing (a free passage) गुरोः सर्वप्रकारं पन्थानमत्यजतः शतं दण्डः ManuBh. ii. 193. 12 (*on* 8. 275); प्रायोपविष्टो रामो मार्गमत्यजति सिन्धौ लक्ष्मणं प्रति MahāN. 6. 77 (1); Bālam-Bha. ii. 300. 11 (*on* 2. 204)

अत्यजन (a-tyajana) *n.* non-abandonment, retention, holding (संग्रहपरिग्रहौ धारणं च…निपीडितेनाभिनेतव्यम्) धारणमत्यजनम् AbhinBhā. ii. 60. 18 (*on* 9. 142)

अत्यज्ञ (aty-ajña) *adj.* extremely ignorant जस्सकः।… अत्यज्ञो लवण्यैरभ्यषिच्यत RājTa.(Jo.) 59.

अत्यज्यमान (a-tyajyamāna) *adj.* not being given up or offered स्वीकृतद्रव्यपृथक्त्वादशेषमत्यज्यमानमनर्थकं स्यात् TantrVā. 519. 7 (*on* ii. 2. 19)

अत्यटन (aty-aṭana) *n.* excessive wandering अत्यटनं चानशनम् … द्राग् जराकारणं महत् S'ukraNī. 3. 302.

अत्यणीयसी (aty-aṇīyasī) *adj.* (comp.) (*f.*) very subtle or minute सूक्ष्मा कुण्डलिनीमध्ये ज्योतिर्मात्रात्यणीयसी ĪśānS'iPa. i. 1. 34 = ii. 1. 115.

अत्यणु (áty-aṇu) *m.* very small, very minute नो अत्यणुरभयमेवान्तरा MaiS. iii. 9. 4; अथैनम् (यूपम्) नातिस्थूलं नात्यणुम् … करोति BhārS'S. vii. 2. 8; MānS'S. 177. 18; HirS'S. iv. 1. 2; अयं (रामः) जगत्तरोः सारः शिष्यतेऽन्तश्चिदत्यणुः RāmC. 9. 13.

अत्यतन्ती (aty-atantī) *adj.* (*f.*) frequently moving मुहुरवतरन्त्या तोयमादाय पुनरूर्ध्वमतिदूरमत्यतन्त्या … जलदसंततया TilaMañ. 121. 4.

अत्यतिक्रम् (aty-atikram-) I. P. to surpass or overpower completely ततो रथवरान् राजन्नभ्यतिक्रामदर्जुनः (v. l. अत्यति(?त्य)क्रामत्) MahāBhā. vii. App. 1. 15. 71.

अत्यतिघर्म (aty-atigharma) *m.* [Vis'va. better अतिघर्म] excessive heat अम्भश्चात्यतिघर्मश्च तथा तत्ते प्रजापते ĀpaS'S. xxi. 12. 3; HirS'S. xvi. 4. 35.

अत्यतिरात्र (aty-atirātra) *adj.* (the sacrifice *aptoryāma*) surpassing Atirātra (because of having a larger number of Stotras) अतिरात्रमपियन्त्मन्वप्तोर्यामोऽप्येत्यत्यतिरात्रो हि स भवति AitBr. 14. 3 (401) (Sāy. स ह्यतिरात्रमतिलङ्घ्य स्तोत्राधिक्येन वर्तमानत्वात् अत्यतिरात्रः)

अत्यतिरिच् (aty-atiric-) VII. P. to exceed very much (in weight) (*pass.* to be left over with a surplus) भ्रियमाणस्तु तुलया कपोतो व्यतिरिच्यते (v. l. °भ्रियमाणः कपोतस्तु मांसेनात्यतिरिच्यते) MahāBhā. iii. 131. 26.

अत्यतिरोष (aty-atiroṣa) *m.* extremely great wrath यद्यप्यत्यतिरोषतः प्रकुरुतेऽप्यन्यत्र कोलाहलं सम्यग् दृश्यत एव साधु न तथा रङ्गोऽवरङ्गोद्भवः ParamāKā. 20. 136.

अत्यतीत (aty-atīta) *adj.* **i** dead गुरुषु त्वभ्यतीतेषु (v. l. अत्यतीतेषु) विना वा तैर्गृहे वसन् ManuSm. 4. 252 (ManvaVi. अत्यतीतेषु मृतेषु विना तैस्तु जीवत्स्वपि); **ii** what is beyond death [DBHS]

अत्यद्भुत (aty-adbhuta) *adj.* [*f.* -ā] most astonishing, marvellous, miraculous, wonderful or mysterious एतदत्यद्भुतं कर्म सरस्वत्या नृपं प्रति। वारुणिः कीर्तयामास BṛDe. 6. 24; अत्यद्भुता संसिद्धा लीला सदा गोवर्धनाद्रौ SāmaraU. 260. 13; एतामत्यद्भुतां वाचम् … उक्तवान् वायुराकाशे MahāBhā. i. 114. 36; अत्यद्भुतम् … अर्जुनः।… संग्रामं चकार MahāBhā. iii. 39. 5; तच्च संस्मृत्य संस्मृत्य रूपमत्यद्भुतं हरेः MahāBhā. vi. 40. 77 = BhagGī. 18. 77; यत् … रत्नमत्यद्भुतं भवेत्। तदानयेयं तपसा MahāBhā. xiv. 55. 26; vii. 45. 2; ix. 29. 55; अत्यद्भुतमचिन्त्यं च अतर्कितमिदं मया Rāmā. i. 66. 21; i. 700*(3); अत्यद्भुतानि कर्माणि HariVa. 1. 3; ViṣṇuP. v. 12. 9; दानवाः … चक्रुरत्यद्भुतं रणम् MatsyaP. 151. 14; भद्राणीमानि तेषां वै भवन्तीह महीक्षिताम्। अत्यद्भुतानि चत्वारि बलं धर्मः सुखं धनम् BrahmāṇḍP. i. 29. 80; अत्यद्भुतमिदं दिव्यम् … श्रुतं भगवतो वाक्यम् AhirbuS. 21. 2; Tantrākhyā. 139. 2 = PañcT. 3. 66 (13) (327. 1); अत्यद्भुता त्वियं वृत्तिः VākyaP. 3(3). 81; इदमत्यद्भुतं कर्म PadmP.(Ra.) 9. 165; अत्यद्भुतादसि गुणातिशयात् प्रियो मे UttaRāC. 5. 10; भावैरत्यद्भुतैः MahāvīC. 2. 39; 5. 48; विश्वसृजः कौशलमत्यद्भुतं जातम् KuṭṭaMa. 263; अत्यद्भुतेन प्रादुर्भूतं किल केनचित् रूपविशेषेण KenUVāBh. 92. 20 (*on* 3. 2); प्रत्यक्षा इव यत्रार्था दृश्यन्ते भूतभाविनः। अत्यद्भुताः स्यात् तत् … भाविकम् KāvyālaṅSāSaṁ. 6. 6; अत्यद्भुतं तदथ पुष्पकमित्यपश्यत् RāmC. 19. 30; अत्यद्भुतमिदं शक्र रहस्यं ते प्रकीर्तितम् LakṣmīT. 31. 64; अत्यद्भुतं रतसमरमाततान (राजा) TilaMañ. 17. 13; अत्यद्भुतेन … राज्याभिषेकेण … भवितव्यम् TilaMañ. 142. 14; नार्यः …। समापेतुः सहस्राणि द्रष्टुमत्यद्भुतां पुरीम् SkandP. v(1). 40. 20; ii(8). 6. 202; अत्यद्भुतं नृत्तम् NavaSāC. 17. 11; 16. 11; BrahmP. 18. 3; 188. 32; अत्यद्भुतं रहःस्थानं रहस्यम् … वृन्दावनं नाम PadmP. iv. 69. 6; मुनिः … चचारात्यद्भुतं तपः PadmP. iv. 72. 2; प्रज्वारः … सेनां चात्यद्भुतां लब्ध्वा हर्षितोऽभूत् BṛDharmaP. ii. 12. 67; RāmāMañ. 333. 1; KāvyPra. 356. 8; [GītāBh.(Rā.) 547. 19 (*on* 11. 20); नमस्ते … शंभवे।… प्रक्षीणदोषैर्दृश्याय सोमायात्यद्भुताय ते KathāSaSāg. vii. 1. 101; xii. 34. 228; उदयति विधेः शक्तिरत्यद्भुतेयम् RājTa.(Ka.) 2. 93; द्वे अश्वे पीतपाण्डुरे। आस्तामत्यद्भुते RājTa.(Ka.) 8. 1016; 2. 142; 4. 370; 7. 1495; कुम्भोऽयम् … अत्यद्भुतः SamudraMa. 1. 63; सर्वमत्यद्भुतं सताम् PāṇḍaC. 2. 28; 2. 67; (विधेः) अपूर्ववस्तुरचनावैचित्र्यमत्यद्भुतम् SaduktiKa. 324. 17; HammīMaMa. 2. 2; स्वामिनोऽत्यद्भुतामृद्धिम् … पश्य SamarāSaṁ. 5. 337; 7. 27; गुरुराजकीर्तिशशिनः सौन्दर्यमत्यद्भुतम् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 4. 101; 16. 99; KumāDeC.(So.) 25. 14; अत्यद्भुतमिमं मन्ये स्वभावममनस्विनः। यदुपक्रियमाणोऽपि प्रीयते न विलीयते Subhāṣi. 514; शौर्यमत्यद्भुतम् RājTa.(S'rī.) 1 (1). 163; KathāKau. 2. 56; 9. 88; पङ्कजभवान् प्रत्यण्डमत्यद्भुतान् गोपान् … अदर्शयत् … कृष्णः PraboSu. 242; RasGaṅ. 494. 4; अत्यद्भुतो विजयदुन्दुभिनादमन्त्रः S'ivLī. 9. 14; 13. 21; अत्यद्भुतं च दानं नलं विनान्यस्य नास्त्येव KathāK. 163. 24; JānaPa. 4. 34 (1); Jīvān. 479. 9; LalitāSaBh. 72. 12 (*on* 108); ĀnandaRa. 4. 33.

अत्यद्भुत (aty-adbhuta) *n.* great wonder, miracle or surprise, most wonderful event, feat or object नश्येच्चेन्मदुधमणिः शाम्येद्वाग्निर्विवाहजः। अत्यद्भुतं द्वयमिदम् AVPari. 37(9). 1; 72(5).1; एतदत्यद्भुतं दृष्ट्वा दानवानां समुत्थितः। अमृतार्थे महान् नादः MahāBhā. i. 16. 38; अत्यद्भुतानि ते दृष्ट्वा वासुदेवपुरोगमाः।… व्रीडामुपागमन् MahāBhā. ix. 60. 54; इदमत्यद्भुतं श्रुत्वा सर्वेषां नो महामुने। कौतूहलं महज्जातम् Rāmā. iii. 10. 9; असावपि … अत्यद्भुतमिति मन्यमानः … तत्पृष्ठमधिरूढः PañcTa. 3. 93 (358. 3); नात्यद्भुतम् … भवन्तमभिष्टुवन्तः। तुल्या भवन्ति भवतः BhaktāSt. 10; BṛKathāS'loSaṁ. 27. 44; तदत्यद्भुतं यत् पथैव जिगीषुणापि न जितं मुग्धे त्वदीयं मुखम् SubhāRaK. 16. 62 = S'ārṅgaPa. 3322; अत्यद्भुतं वर्तते PrasaRā. 3. 44 (1); S'āliC. 1. 128; त्वत्खड्गभोगी द्विषत्प्राणैर्यत्परितोषमेति…किं त्वेतदत्यद्भुतम्।… यत् संवर्धयति त्रिलोकभरितां त्वत्कीर्तिलक्ष्मीसुधाम् PratāYaBhū. 66. 9; YogVā. i. 6. 47; सखि पुरः पश्येदमद्भुतम् PadyaVe. 590.

अत्यद्भुतकर (atyadbhuta-kara) *adj.* causing great surprise अत्यद्भुतं रणे कर्म (v. l. अत्यद्भुतकरं कर्म) कृतवांस्तत्र पाण्डवः MahāBhā. vi. 109. 17; अत्यद्भुतकरं रत्नैर्निर्मितं तिमिरापहम्। कण्ठाभरणम् SkandP. vi. 103. 31; इतरतरुविलक्षणाकारतयात्यद्भुतकरम् … कल्पतरुखण्डमपश्यत् TilaMañ. 213. 21.

अत्यद्भुतकल्पन (atyadbhuta-kalpana) *adj.* based on a wonderful idea स पुष्पकादीनि …। अपश्यदत्यद्भुतकल्पनानि विमानरत्नानि च तानि तत्र RāmC. 17. 62.

अत्यद्भुतकीर्तिद (atyadbhutakīrti-da) *adj.* bestowing wonderful fame लग्नमासाब्दपा वीर्ययुता नराणाम्। … अत्यद्भुतकीर्तिदाः स्युः TājiNī. ii. 7. 13 (299)

अत्यद्भुतक्रिय (atyadbhuta-kriya) *adj.* whose deeds are wonderful कुशलमत्यद्भुतक्रियस्य … लवस्य लाभाभ्युदयेन UttaRāC. 6. 8 (3)

अत्यद्भुतज्ञाननिधि (atyadbhutajñāna-nidhi) *m.* store of wonderful knowledge (ब्रह्मा) अत्यद्भुतज्ञाननिधिर्बभूवासौ द्विजोत्तमाः SkandP. ii(2). 2. 2.

अत्यद्भुततम (atyadbhuta-tama) *adj.* most wonderful अत्यद्भुतं महाप्राज्ञ (v. l. अत्यद्भुततमं ब्रह्मन्) रोमहर्षणमर्जुनः। भवेन सह संग्रामं चकार MahāBhā. iii. 39. 5; स (मयः) तेभ्यः प्रददौ प्रीतो ग्रहाणां चरितं महत्। अत्यद्भुततमं लोके SūrySi. 14. 27.

अत्यद्भुततर (atyadbhuta-tara) *adj.* more wonderful अत्यद्भुतं रणे कर्म (v. l. अत्यद्भुततरं कर्म) कृतवांस्तत्र पाण्डवः MahāBhā. vi. 109. 17; भूयोऽप्यहं प्रवक्ष्यामि धनुष्कोटेस्तु वैभवम्। अत्यद्भुततरम् SkandP. iii(1). 33. 1.

अत्यद्भुतत्व (atyadbhuta-tva) *n.* the state of being extremely wonderful or strange अतीतानागतयोः … अत्यद्भुतत्वात् … प्रत्यक्षायमाणत्वं भाविकम् AlaṅkāSa. 178. 9; सा च भावना वस्तुगत्यात्यद्भुतत्वप्रयुक्ता AlaṅkāSa. 179. 11; कुसुमानि शरा इत्यादौ तु विरहिण्यादीनां अवस्थाया अत्यद्भुतत्वस्य विवक्षितत्वात् … आर्थो विरोधः RasGaṅ. 576. 4; 576. 11.

अत्यद्भुतदर्शन (atyadbhuta-darśana) *adj.* having a wonderful appearance अथ तं रथमायान्तं दृष्ट्वात्यद्भुतदर्शनम् MahāBhā. viii. 31. 37; एतेन चात्यद्भुतदर्शनानि शरैः रक्षःसहस्राणि निषूदितानि Rāmā. vi. 1015*(1); *n.* sight

of an extremely wonderful thing अत्यद्भुतदर्शनाद्युपहतायां दृष्टौ स्वस्थवृत्ते च प्रसादनम् AṣṭāSaṁ. i. 764. 2 (1. 32)

अत्यद्भुतदोषभेदतस् (atyadbhuta–doṣabhedatas) *adv.* according to the unusual disorder (of humours) तिलोद्भवादिकं विधीयते साधनसाध्यवेदिना विधानमत्यद्भुतदोषभेदत: KalyāKā. 11. 54.

अत्यद्भुतप्रभा (atyadbhuta–prabhā) *f.* extremely wonderful lustre अत्यद्भुतप्रभाचक्रं विचक्रिरे TriṣaS'aPuC. i. 3. 456; अत्यद्भुतप्रभापुञ्जो रत्नपुञ्जस्तथोच्चकैः TriṣaS'aPuC. ii. 2. 34.

अत्यद्भुतभक्तिभाज् (atyadbhutabhakti–bhāj) *adj.* having a very wonderful devotion अथात्मजं श्रीवसुदेवनाम्नः स्वभ्रातुरत्यद्भुतभक्तिभाजः। निवेशयामास स यौवराज्ये गोविन्दम् NemiNir. 1. 73.

अत्यद्भुतभोगधारिन् (atyadbhutabhogadhār–in) *adj.* having a wonderful hood शेषो बभूवेश्वरतल्पभूत: सौमित्रिरत्यद्भुतभोगधारी AdhyāRā. vii. 9. 57.

अत्यद्भुतभोग्यवस्तु (atyadbhuta–bhogyavastu) *n.* extremely wonderful object of enjoyment सा च प्रीत्या कुतुकैरत्यद्भुतभोग्यवस्तुदानैश्च । … रञ्जनमेतस्य संतनुयात् KandaCū. vi. 1. 41.

अत्यद्भुतमति (atyadbhuta–mati) *adj.* possessed of wonderful intelligence अत्यद्भुतमतिः शङ्कयः RājTa.(Ka.) 2. 67.

अत्यद्भुतमुष्टिपात (atyadbhuta–muṣṭipāta) *m.* very wonderful blow of the fist (कालनेमी) शिरांसि केषांचिदपातयद् रथाद्भुजांस्तथा…अत्यद्भुतमुष्टिपातैः SkandP. i(2). 18. 92.

अत्यद्भुतयोगनिष्ठ (atyadbhutayoga–niṣṭha) *adj.* possessing very wonderful events आख्यानमत्यद्भुतयोगनिष्ठम् । आख्याहि … पारीक्षितम् BhāgP. i. 18. 17.

अत्यद्भुतरूप (atyadbhuta–rūpa) *adj.* [*f.* –ā] having an extremely wonderful appearance तेनात्यद्भुतरूपशोभमनिर्वर्ण्यगुणसौन्दर्यं महत्सरः … प्रत्यहमवघुष्यते JātaMā. 131. 18 (12. 18); (कनकवर्षः) येनात्यद्भुतरूपेण…। मारव्यथाकुलश्चक्रे दृष्टेनैवाबलाजनः KathāSaSāg. ix. 5. 32; श्रीकुन्थुरत्यद्भुतरूपमूर्तिः … स वः पुनातु NemiNir. 1. 17; मूर्तिर्मुरशत्रोरत्यद्भुतरूपा । आस्तां मम चित्ते नित्यं तनुमध्या ChandoMañ. 2. 18; *n.* wonderful appearance अदृश्यतात्यद्भुतरूपमुद्वहन् स्तम्भे सभायां न मृगं न मानुषम् BhāgP. vii. 8. 18; (सुरेशा ददृशुः … नलम्) दिशन्तमत्यद्भुतरूपसंपदा Nalābhyu. 4. 5.

अत्यद्भुतवपुर्धरा (atyadbhutavapur–dharā) *adj.* (*f.*) possessed of an extremely wonderful body ते (गौरीं) तां दृष्ट्वा व्रतोपेतामत्यद्भुतवपुर्धराम् SkandP. vi. 121. 6.

अत्यद्भुतवपुःशोभा (atyadbhuta–vapuśśobhā) *f.* extremely wonderful beauty of the body (छन्दःपूरणार्थं पादद्वयम्) अत्यद्भुतवपुःशोभासंभ्रान्तभुवनत्रयः KāvyKaVṛ. 16. 19 (1. 3)

अत्यद्भुतवस्तु (atyadbhuta–vastu) *n.* very wonderful thing अत्यद्भुतवस्तुवर्णनया भाविकानां हृदि भावनोदयात् (भाविकः अलङ्कारः) PratāYaBhū. 461. 3.

अत्यद्भुतविक्रम (atyadbhuta–vikrama) *adj.* having a very wonderful valour प्रियो मे पद्मनाभोऽसौ श्रुतोऽत्यद्भुतविक्रमः PadmP.(Ra.) 53. 115; मार्गमतिक्रम्य दृष्टात्यद्भुतविक्रमः । मालवं प्राप्य देवीं सोऽब्रवीत् KathāSaSāg. x. 2. 115.

अत्यद्भुतविस्मय (atyadbhuta–vismaya) *m.* extremely marvellous astonishment हेमाद्रिः … धत्तेऽत्यद्भुतविस्मयेन धरया धूतस्य कान्तत्विषः लोलत्कुन्तलकुण्डलस्य शिरसः शोभाम् SubhāRaK. 4. 23.

अत्यद्भुतवीर्य (atyadbhuta–vīrya) *n.* exceedingly wonderful power अगस्त्यमत्यद्भुतवीर्यदीप्तं तं चार्थमूचुः सहिताः सुरास्ते MahāBhā. iii. 102. 7.

अत्यद्भुतसभा (atyadbhuta–sabhā) *f.* extremely wonderful assembly अत्यद्भुतसभासभानाथसंदर्शनजडीकृतो वाचस्पतिरपि भगवान् … यावदास्ते स्तब्ध इव NīlaVi. 42. 21.

अत्यद्भुतस्थिति (atyadbhuta–sthiti) *adj.* possessed of an extremely miraculous state, wonderfully situated तत्र देवसभे देवं स्थितमत्यद्भुतस्थितिम् । प्रणनाम … भरतः MahāP. 1. 152.

अत्यद्भुताकार (atyadbhutākāra) *adj.* [*f.* –ā] of a very wonderful form or appearance (सैन्यम्) अत्यद्भुताकारम् MahāBhā. vii. 89. 2; SkandP. iii(3). 5. 61; मालामत्यद्भुताकारां धारयन्पादलम्बिनीम् KūrmaP. 81. 2 (1. 9); अत्यद्भुताकारं भगवन्तं दृष्ट्वा…सर्वतो नमस्करोति GītāBh.(Rā.) 555. 7 (*on* 11. 40); *m.* extremely wonderful form वहनस्थितः …। कन्यामत्यद्भुताकारकमनीयामवैक्षत KathāSaSāg. xii. 19. 43.

अत्यद्भुताकृति (atyadbhutākṛti) *f.* extremely wonderful form दृष्ट्वा तु वर्धमानस्य लिङ्गस्यात्यद्भुताकृतिम् । सुरेशः SkandP. v(2). 44. 49; *adj.* of a very wonderful form (or beauty) तत्रस्थश्च ददर्शैकां कन्यामत्यद्भुताकृतिम् KathāSaSāg. v. 3. 177; अथ सः। तत्र तद्भगिनीं कन्यां ददर्शात्यद्भुताकृतिम् KathāSaSāg. xi. 1. 20.

अत्यद्भुतार्थ (atyadbhutārtha) *m.* very wonderful thing अत्यद्भुतार्थकथनाद्भाविकं तदुदाहृतम् PratāYaBhū. 460. 11.

अत्यद्भुतार्था (atyadbhutārthā) *adj.* (*f.*) conveying a very wonderful meaning अत्यद्भुतार्था … वदनपद्मान्निःसरत्यस्य (मन्त्रिवरस्य) वाणी PañcaRā.(Nā.) v. 4. 15.

अत्यद्भुतावेश (atyadbhutāveśa) *m.* feeling of great wonder श्रुत्वा च तामहमत्यद्भुतावेशबहलितो ननु किमिदमचिन्त्यमाश्चर्यमिति यावत्किल विभावयितुमारभे UdaySuKa. 28. 28.

अत्यद्भुतास्पदत्व (atyadbhutāspada–tva) *n.* the state of being the object of very great wonder तत्र हि भगवतो हरेर्गङ्गायाश्च सकलत्रैलोक्यालङ्कारत्वेऽपि न तयोर्जामातृगृहिणीभावेन विधानमिति न महोदधेः श्लाघातिशययोगः यन्निबन्धनमत्यद्भुतास्पदत्वमस्य स्यात् VyaktiVi. 97. 8.

अत्यद्भुतैश्वर्यदर्शक (atyadbhutaiśvarya–darśaka) *m.* one of the thousand epithets of Viṣṇu (showing very wonderful powers) मोहजनकोऽत्यद्भुतैश्वर्यदर्शकः ।… इति … विष्णोर्नामसहस्रकम् SātvaT. 6. 131.

अत्यद्भुतोदया (atyadbhutodayā) *adj.* (*f.*) of a very wonderful manifestation सीतावस्थापिता रेजे श्रीरिवात्यद्भुतोदया PadmP.(Ra.) 105. 50.

अत्यद्भुतोद्धव (atyadbhutoddhava) *m.* extremely wonderful festivity (i. e. wedding) अत्यद्भुतोद्धवनिरीक्षणजातहर्षान् संभाव्य साधु सुहृदः स्वजनान् … । आनन्दरङ्गनृपतिः ĀnandRa. 5. 48.

अत्यद्भुतोपम (atyadbhutopama) *adj.* highly matchless पुरुषाः साधुलोचनाः । सुकुमारैरुरसिजैः पीनैरत्यद्भुतोपमैः । परिपस्पृशिरे मां च गाढमालिङ्ग्य सर्वशः Rāmā. i. 314*(9)

अत्यधमजातीय (atyadhama–jātīya) *adj.* belonging to a very low caste अत्यधमजातीयभार्याशास्त्रीयपुत्रविषयमिति कश्चित् BālamBha. iii. 76. 31 (*on* 3. 25)

अत्यधस् (aty–adhas) *adv.* very low तावुभौ स्यातां पततोऽश्रद्धयात्यधः SkandP. iv. 38. 101.

अत्यधस्तात् (aty–adhastāt) *adv.* very low चरणमिवानुरक्तमत्यधस्ताद्वर्तयति AvantiKa. 46. 14.

अत्यधार्मिक (aty–adhārmika) *adj.* extremely unrighteous अकृत्वा वैश्वदेवं तु ये भुञ्जन्त्यत्यधार्मिकाः।… काकयोनिं व्रजन्ति ते LaS'ātāSm. 52.

अत्यधिक (aty–adhika) *adj.* [*f.* –ā] **i** additional, highly excessive तस्मादतिरिक्तस्यात्यधिकस्य परस्याप्रतिभासनात् VakroJī. 156. 13; **ii** too large, more than the normal (measurement) अर्धेनात्यधिके कार्ये द्वे पदे वेदिकोच्छ्रयः (सुभद्रस्य) SamarāSū. 57. 99; **iii** excessive, too much कुटिले बलमत्यधिकं रागस्तीक्ष्णे च पन्नगे स्नेहः RaseCin. 3. 54 (29. 7); EI. xxiii. 272. 2; पथ्या रसाञ्जनं धात्री त्रयं पिष्ट्वाम्भसा समम् । पिबेद्यात्यधिकं पुष्पं सप्ताहात्परिनाशयेत् AnaṅgaRa. 6. 54; **iv** too big (in size) (सूची) मध्यमा नातिस्वल्पा नात्यधिकेत्यर्थः VīraMi.(Saṁskāra.) 262. 12; **v** above, superior अध्यारूढं समारूढेऽत्यधिके त्रिलिङ्गकः ViśvaLoK. 99. 11.

अत्यधिकपरिमाणता (atyadhikaparimāṇa–tā) *f.* excess in measurement यावत्परिमाणे कृते अत्यधिकपरिमाणता न भवति तावत्परिमाणं वा पुरोडाशं कुर्यात् VīraMi.(Saṁskāra.) 940. 1.

अत्यधिकादर (atyadhikādara) *adj.* honouring too much, respecting very greatly अहो नु विपरीतेषु विधिरत्यधिकादरः। यः करोत्यायतां लक्ष्मीमयशःस्पर्शदूषिताम् RāmāMañ. 341. 13.

अत्यधिकाधिकारा (atyadhikādhikārā) *adj.* (*f.*) possessed of excessive power तमद्वितीयैव कवेर्विवेक्तुं दृष्टिर्भवत्यत्यधिकाधिकारा PṛthvīVi. 1. 13.

अत्यधिकान्न (atyadhikānna) *n.* food in great abundance अत्यधिकान्नस्यापरिग्रहणार्थं पूर्वपरिविष्टं प्रभूतमत्रास्ति SmṛtiCan. v. 352. 10.

अत्यधिक्षेप (aty–adhikṣepa) *m.* excessive contempt गुरूणामध्य (v. l. °त्य in BālaKrī. Ed. 3. 223 (?229))धिक्षेपः YājñaSm. 3. 228 (BālaKrī. अतिशयेनाधिक्षेपोऽत्यधिक्षेपः)

अत्यधीर (aty–adhīra) *adj.* extremely timid केचित्तं शरणं याता अत्यधीराः सुराधमाः GaṇeP. ii. 3. 14.

अत्यध्यवसायता (atyadhyavasāya–tā) *f.* the state of being excessively attached कथं मूर्च्छामापद्यते ।…अतिविरेकतया यदुत पुरीषविरेकेण शोणितविरेकेण वा विरिक्तस्य चात्यध्यवसायतया Yogācā. 14. 8.

अत्यध्यशन (aty–adhyaśana) *n.* excessive eating (eating even when the earlier food is not digested) रूक्षाशनात्यध्यशनप्राग्वातावश्यमैथुनैः …

कुपितोऽनिलः ।… अतिवेदनाम् … कुर्यात् RugVi. 60.11 (comm. अध्यशनमजीर्णे भोजनम्)

अत्यध्यापक (aty-adhyāpaka) *m.* venerable teacher, excellent teacher पूजनेभ्यः काष्ठादिभ्यः उत्तरपदं पूजितमनुदात्तं भवति । … काष्ठाध्यापकः ।… अत्यध्यापकः KāśiVṛ. *on* P. viii. 1.67.

अत्यध्व (aty-adhva) *adj.* [*f.* -ā] what has gone beyond the path, what has gone astray प्राध्वं शकटम् । अत्यध्वम् CāndraVṛ. *on* iv. 4.71; प्राध्वमित्यादयः क्रान्ताद्यर्थे द्वितीयेति समासः ।… अत्यध्वमिति । प्राध्वमित्यनेन तुल्यमेतत् Nyās. ii. 173.14 (*on* v. 4.85); अत्यध्वं शकटम् KātanVṛ. ii. 6.41; चमूमुत्सृज्य वैष्णवीम् । अत्यध्वां तां महोऽपायां वैरीयां तत्तमोऽविशत् RāghPāṇ. (Dha.) 18.32.

अत्यध्वग (aty-adhvaga) *adj.* who goes on a long journey or travels very long अत्यध्वगोऽतिप्रणतः प्राध्वः AnekāK. 861.

अत्यध्वगमन (aty-adhvagamana) *n.* too much walking on the road, too much travelling उष्णे चात्यध्वगमनात् … वायुर्विवृद्धः CaraS. vi. 29.8 (1922 Ed.); अत्यध्वगमनाच्च … कुपितः पवनः सर्वाङ्गमनुसृतस्तमवस्कन्दयति (हस्तिनम्) Hastyāyur. 75.20 (1.10); 140.17 (1.18)

अत्यध्वन् (aty-adhvan) *m.* very long journey, excessive travelling अत्यध्वा विपरीतोऽस्माज्जरादौर्बल्यकृच्च सः SuśruS. iv. 24.79; RugVi. 4.5; अत्यध्वानं च विवर्जयेत् Rasā. 11.118.

अत्यध्वम् (aty-adhvam) *adv.* going astray पुरोगा नेशुरत्यध्वं घातान्धतमसान्धिताः DvyāśraKā. 19.103.

अत्यध्ववैषम्य (atyadhva-vaiṣamya) *n.* (bodily) disorder caused by too much walking on the road उष्णे चात्यध्ववैषम्यात् … वायुर्विवृद्धः CaraS. vi. 29.10 (1941 Ed.)

अत्यध्वसेवन (aty-adhvasevana) *n.* excessive walking on the road अत्यध्वसेवनाच्चापि सातत्यगमनात्तथा … कुप्यन्ति धातवः Hastyāyur. 2.48 (262.12)

अत्यध्वान्ता (atyadhvāntā) *adj.* (*f.*) which has not discarded enthusiasm अत्यध्वान्ताम् … चमूमुत्सृज्य वैष्णवीम् ।… ताम् … वैरीयां तत्तमोऽविशत् RāghPāṇ.(Dha.) 18.32 (comm. ध्वान्तमुत्साहम्)

अत्यनच्छ (aty-anaccha) *adj.* extremely dirty न वा स्वयं स्वच्छः सन्नत्यनच्छं वपुरुपेयात् GoviBh. 102.4 (*on* ii. 1.21)

अत्यनडुह् (aty-anaḍuh) *adj.* surpassing a bull चुलुक्य … धुर्येत्यनड्वन् प्रियचत्वरेभिर्वर्णैरुपायैः … स्मर देवकार्यम् DvyāśraKā. 2.2.

अत्यनपेक्षता (atyanapekṣa-tā) *f.* the state of being extremely independent तदिहकरणश्रुतिरत्यनपेक्षतया बलिनि विनिवेशयेत् NayaMañ. iv(3).2.4.

अत्यनर्थ (aty-anartha) *m.* great calamity or evil अत्यनर्थे न भीः कार्या कामोऽयं भविता चिरात् SkandP. i(2).45.119; YogVā. iii. 111.45.

अत्यनलप्रभ (atyanala-prabha) *adj.* having lustre excelling that of the fire तमत्यनलप्रभैरवचकार शरैर्भरतानुजः Rāgh. 19.7.

अत्यनल्प (aty-analpa) *adj.* **i** too much, very much वान्तः…पिबेज्जलं शीतलमत्यनल्पम् । जलोदरं तत्कुरुते KalyāKā. 11.136; **ii** too long धिङ् मे धनं जीवितमत्यनल्पम् NaraP. 63.47.

अत्यनवकाश (aty-anavakāśa) *adj.* having absolutely no scope नित्यादत्यनवकाशं बलवत् Pradī. vi. 98.18 (*on* vii. 2.3)

अत्यनालोच्यकार्य (atyanālocya-kārya) *n.* [AltGr. II. 1.69] (act) which is done without much consideration अत्यनालोच्यकार्येषु प्रवृत्तिर्दुःखकारणम् BṛKathāMañ. 16.566.

अत्यनिर्वचनीया (aty-anirvacanīyā) *adj.* (*f.*) extremely inexplicable or indescribable अत्यनिर्वचनीयां च (देवीम्) को वा निर्वक्तुमीश्वरः BrahmVaiP. iii. 22.27; iv. 38.40.

अत्यनिल (aty-anila) *adj.* surpassing the wind [MW]

अत्यनिलवृद्धिकारण (atyanilavṛddhi-kāraṇa) *n.* cause of excessive increase of the (bodily) wind हरितकम् … हन्ति … पीतमत्यनिलवृद्धिकारणम् BhojanKu. 110.7.

अत्यनिलोग्रवेग (aty-anilogravega) *adj.* surpassing (in speed) the impetuous current of the wind, surpassing the wind in violent speed ते (पाण्डवाः) सैन्धवैरत्यनिलौघवेगैः (v. l. °त्यनिलोग्रवेगैः) … वाजिभिरुह्यमानाः MahāBhā. iii. 253.6.

अत्यनिलौघवेग (aty-anilaughavega) *adj.* surpassing the speed of the current of the wind, MahāBhā. iii. 253.6.

अत्यनुकूलता (atyanukūla-tā) *f.* extreme favourableness or helpfulness आनन्दशब्दश्च शुद्धसात्त्विकान्तःकरणवृत्त्यभिव्यक्तायामत्यनुकूलतया स्फुरन्त्यां कस्यांश्चिद्व्यक्तौ लोके प्रसिद्धः VivaPraSaṁ. 289.16.

अत्यनुग्रह (aty-anugraha) *m.* extreme favour तथात्यनुग्रहवशात् स्वान्तःस्थितमपि भक्तं प्रकटीकृत्य AṇuBh. 345.22 (*on* iv. 3.17); 346.13 (*on* iv. 4.1)

अत्यनुग्रहभाजन (atyanugraha-bhājana) *adj.* recipient of excessive favour, object of great favour तस्मादत्यनुग्रहभाजनस्य भक्तस्य स्वप्राप्तिविलम्बमसहिष्णुर्भगवान् AṇuBh. 314.10 (*on* iv. 1.17)

अत्यनुबन्ध (aty-anubandha) *adj.* having intense continuity अत्यनुबन्धविक्रयक्रयादिलोभात् CaraS. viii. 11.29 (1941 Ed.)

अत्यनुमती (aty-anumati) *f.* a type of full-moon day दिवा चन्द्रवती राका पूर्णिमानुमती निशि । सा पूर्णिमात्यनुमती तथापि द्विविधा भवेत् VasiS. 12.30.

अत्यनुमोदित (aty-anumodita) *adj.* fully consented to or permitted (सः) ततः संवेगमापद्य गुरुणात्यनुमोदितः … दीक्षां दैगंबरीमितः PadmP. (Ra.) 26.38.

अत्यनुराग (aty-anurāga) *m.* excessive love येयमत्यनुरागान्नेत्रादिष्वाधिक्यबुद्धिः SaraKaṇṭhā. 412.13.

अत्यनुरागवैकल्य (atyanurāga-vaikalya) *n.* frailty due to excessive love एवमत्यनुरागवैकल्यादीश्वरत्वेनैव धार्यमाणदेहं तमालोकयद्भिः CaitaCa. 224.15 (9)

अत्यनुरागशालित्व (atyanurāgaśāli-tva) *n.* **i** the state of being possessed of excessive redness यदि चातिरक्तत्वमत्यनुरागशालित्वं तदा त्रिष्वपि नयनेषु तत्तस्त्वाथथास्थितमेव सम्यक् AlaṅkāMañ. 26.13; **ii** the state of being possessed of excessive love, AlaṅkāMañ. 26.13.

अत्यनुरूप (aty-anurūpa) *adj.* highly befitting युवयोः … रूपेणात्यनुरूपेण मोहिताः सः PariPar. 2.266.

अत्यनुल्बणम् (aty-anulbaṇam) *adv.* not much, very little ततस्तं भावयेद्योगी कम्पमानोऽत्यनुल्बणम् MāliniT. 18.25.

अत्यनुवच् (aty-anuvac-) II. Ā. to surpass in study, to study far more (than another) अथ केनेदं त्वमस्मानत्यनूचिषे JaimiBr. 1.271.

अत्यनुष्टुभ् (aty-anuṣṭubh) *f.* **i** name of a metre (longer than Anuṣṭubh) अस्यात्यनुष्टुप्छन्दः स्यात् ĪśānŚiPa. i. 14.250; **ii** (formula) in the Atyanuṣṭubh metre वाराहो नाम यो मन्त्रो ह्यत्यनुष्टुबितीरितः AhirbuS. 59.44.

अत्यनुसारण (aty-anusāraṇa) *n.* excessive pursuit तस्मात् पलायमानानां कुर्यान्नात्यनुसारणम् MahāBhā. xii. 100.14.

अत्यनुसारिणी (aty-anusāriṇī) *f.* hiatus (*vivṛti*) between a long and a short syllable पूर्वं ह्रस्वं परं दीर्घमक्षरं यत्र दृश्यते । सा वत्सानुसृता ज्ञेया व्यत्यासेऽत्यनुसारिणी MāṇḍūŚi. 9.4.

अत्यनुसृ (aty-anusṛ-) I. P. (*caus.*) to cause to pursue excessively जितां च भूमिं रक्षेत भग्नान्नात्यनुसारयेत् MahāBhā. xii. 100.12; पुनरावर्तमानानाम् … न वेगः सुसहो राजंस्तस्मान्नात्यनुसारयेत् MahāBhā. xii. 100.13.

अत्यनूक्त (aty-ánūkta) *adj.* excessive Anuvacana (अनुवषट्कार ? or अनुवाचनप्रैष ?) वषट्कृतमत्यनूक्तं च यद्वै TaiBr. III. vii. 11.1

अत्यनूर्जित (aty-anūrjita) *adj.* in which one experiences lack of power परिभवभवनं श्रमास्पदं सुखपरिवर्जितमत्यनूर्जितम् … धनविकलत्वमतीव दारुणम् JātaMā. 77.17 (12.4)

अत्यन्त (aty-anta) *adj.* [*f.* -ā] [AltGr. II. 1.310] **i** excessive, very great, very much, extreme यास्समुद्रादुच्चरन्त्युत्सेभ्यो या नदीभ्यः । अत्यन्तस्सर्पो वैद्युतो अशनिं यावयादितः AV.(P.) xv. 23.13; अत्यन्त उत्सवो रमण एव भवति भजनप्रेमानन्दसुखप्राप्तौ SāmaRaU. 251.2; 280.4; 288.21; तं समासाद्य कृष्णा … अदृष्टपूर्वं संत्रासात् (v. l. अदृष्टपूर्वमत्यन्तम्) विषादमगमद्भृशम् MahāBhā. iii. 12.16; यद्भूतहितमत्यन्तं तत्सत्यमिति धारणा MahāBhā. iii. 200.4; Subhāṣi. 2969; विषस्य विषयाणां च दूरमत्यन्तमन्तरम् Śat-Trayī. 751; Subhāṣi. 3368; Hitopa. 1.36; प्रतिपत्ता विषभक्षणानुज्ञानादेव तद्गृहभोजनस्यात्यन्तमकरणीयत्वमनुमातुमर्हति VyaktiVi. 27.7; इक्षुधन्वा … आचारमालोक्य पुनस्त्वदीयं विषादमत्यन्तमवाप चित्ते BhāvŚ. 76; अत्यन्तमानुकूल्यं प्रतिकूलत्वं तथा च नात्यन्तम् । कन्यासिद्धौ हेतुः KandaCū. iii. 2.46; व्युत्क्रमेण त्वनुष्ठाने केषांचिदङ्गानां स्वैः प्रधानैरत्यन्तमव्यवधानमन्येषामत्यन्तं व्यवधानं स्यात् MīmāNyāPra. 238.15; स्वदानात्फलमत्यन्तं परदानानुपालने EI. viii. 142.25; SamarāSū. 31.31; 45.43; अनुचितमिदं गुरूणां पुरतः प्रागल्भ्यमत्यन्तम् GopāKeCan. 113.20; कुरङ्गाक्षीषु नात्यन्तः प्रसङ्गः सङ्गतः सताम् PāṇḍaC. 1.338; 9.6; (extremely) अत्युच्चका स्थिरात्यन्ता या चेयं मांसवाहिनी (नाडी) NāḍīVi. 30; ArthSaṁ. 83.3; उक्त्वा चात्यन्तमुत्कर्षमत्युत्कृष्टस्य वस्तुनः SāhiDa. 610.8; AnaṅgaRa. 3.8; MūkaPañ. 1.37; तन्त्रस्वीकारे त्वत्यन्तं ज्ञानगौरवम् LaŚabdeŚe. i. 238.17; **ii** beyond limit or end, limitless, eternal यत्र कुत्र

स्थितो वापि सुखमत्यन्तमश्नुते YogaU. 102; अत्यन्तं सख्यमिच्छामीत्याह तं स सुयोधनः MahāBhā. i. 126. 38; सुखदुःखे हि पुरुषः पर्यायेणोपसेवते । नात्यन्तमसुखं कश्चित्प्राप्नोति पुरुषर्षभ MahāBhā. iii. 245. 13; विजित्य च महीं राजा सोऽत्यन्तं सुखमेधते MahāBhā. ii. 5. 92; ManuSm. 5. 46; भर्तुस्ते नूनमत्यन्तमवैधव्यं न रोचते DūtGha. 7; कस्यात्यन्तं सुखमुपनतं दुःखमेकान्ततो वा MeghDū. 106; एवमर्थं च कामं च धर्मं चोपाचरन्नरः । इहामुत्र च निःशल्यमत्यन्तं सुखमश्नुते KāmSū. 25. 22 (1. 2); BrahmāṇḍP. iii. 3. 112; सुखमात्यन्तिकं अत्यन्तमेव भवति इत्यात्यन्तिकम् । अनन्तमित्यर्थः GītāBh.(S'aṅ.) 196. 15 (*on* 6. 21); अमनोविषयेऽत्यन्तं तमानन्दं प्रचक्ष्महे TaiUBhāVā. 110. 24 (2); विवर्तैरत्यन्तैर्भरितभुवनाभोगविभवैः YaśasCam. i. 3. 9 (comm. अत्यन्तैः पर्यन्तरहितैः । नतै (? अनन्तै)रित्यर्थः); सुखमत्यन्तमपरिमितम् ··· अश्नुते GītāBh.(Rā.) 343. 6 (*on* 6. 28); न विद्यते अन्त इत्यत्यन्तं ते परं कालम् ··परिभ्रमन्ति TātpaVr̥. 362. 18 (*on* 3. 71); Subhāṣi. 668; **iii** absolute, total, complete, perfect अत्यन्तस्तत्परित्यागः सत्यात्मनि न विद्यते BuddhaC. 12. 73; मधुरिपुः ··· बिलेऽत्यन्तं नाशमवाप्तो भविष्यति ViṣṇuP. iv. 13. 48; सा चात्यन्तमदर्शनं नयनयोर्यातेति कोऽयं विधिः Vikramo. 4. 2 = KāvyPra. 427. 5; ṬupṬ. 8. 18 (*on* iv. 1. 12); कथं नोच्यतेऽत्यन्तमात्मन एकत्वमद्वितीयत्वं च ब्रुवता BrahmSūBh.(S'aṅ.) 315. 8 (*on* ii. 1. 14); अत्यन्तः निवृत्तस्य दुःखस्य पुनरनुत्पादः SāṁkhyaTaKau. 24. 2 (*on* 1); PārthPa. 30 (1); **iv** highest, excellent, best यत्र गत्वा न शोचन्ति न व्यथन्ति चलन्ति वा । तदहं स्थानमत्यन्तं मार्गयिष्यामि केवलम् MahāBhā. iii. 247. 40; लेभे स करमत्यन्तं गन्धर्वनगरात्तदा MahāBhā. ii. 25. 6; तत्र ह्यत्यन्ता श्रुतिरुत्सृष्टा वाक्यानुरोधेन स्यात् S'ābaBh. 1251. 7 (*on* iv. 3. 7); (केशिध्वजः) अवाप सिद्धिमत्यन्तां तापक्षयफलां द्विज ViṣṇuP. vi. 7. 106; अत्यन्तम् अन्तमतीत्य वर्तते इत्यत्यन्तम् उत्कृष्टं निरतिशयम् GītāBh.(S'aṅ.) 200. 10 (*on* 6. 28) (*but* अत्यन्तमपरिमितम् GītāBh.(Rā.) 343. 6) (*on* 6. 28)

अत्यन्त (aty-anta) *m.* extreme end, farther end अन्तात्यन्ताध्वदूरपारसर्वानन्तेषु डः P. iii. 2. 48; अवारपारात्यन्तानुकामं गामी P. v. 2. 11; अत्यन्तं गामी अत्यन्तीनः JaineVyā. 239. 10 (*on* iii. 4. 136); CāndraVyā. iv. 2. 17; S'ākaṭāVyā. iii. 3. 55; SiddhaHe. vii. 1. 100; SaraKaṇṭhā.(Gr.) i. 4. 65; **अत्यन्ताय** (atyantāya) [Dat.] **i** for ever, always तस्मात्कल्याणवृत्तः स्यादत्यन्ताय नरो भुवि MahāBhā. iii. 191. 23; नात्यन्तायाज्ञानं शरणं भवितुमर्हति MahāBh. i. 2. 25 (*on* i. 1. 0); नात्यन्ताय निवर्तन्ते नरा वैषम्यतो विधेः SabhāS'. 61; BālaKrī. ii. 21. 3 (*on* 3. 45); **ii** absolutely, completely, entirely इमे पुनर्वर्णा अत्यन्तायैवानर्थकाः MahāBh. i. 220. 21 (*on* i. 2. 45); i. 364. 15 (*on* ii. 1. 1); AhirbuS. 51. 72; तत्र नात्यन्ताय स्वार्थः परित्यक्तो भवति S'ābaBh. 1367. 18 (*on* vi. 1. 22); नात्यन्ताय मिमीते यत् सामान्ये समवस्थितम् । सादृश्यादुपमेयार्थः समीपे परिकल्प्यते VākyaPa. 3 (14). 391; सत्त्वादत्यन्ताय कारकव्यापारवैफल्यम् NyāyMañ. ii. 64. 7; ii. 76. 25; तद् यदि तान्यप्यनुरुध्यन्ते ततोऽत्यन्ताय वेदबाधः Kāśi. i. 48. 23 (*on* 1. 98); i. 131. 12 (*on* 2. 133); TātpaṬ.(Vā.) 498. 4 (*on* iii. 1. 1); ĀtmaTaVi. 544. 18; अयं स्वार्थं नात्यन्तायोत्सृजति SaraKaṇṭhā. 658. 9; NyāyKu. 88. 7; **iii** very or too much एतच्च शास्त्रान्तरे विस्तरेणाभियुक्तैर्युक्तिभिरुपपादितमिति नेहात्यन्ताय प्रतायते NyāyMañ. i. 236. 17.

अत्यन्तक (atyanta-ka) *m.* God Viṣṇu अत्यन्तकोऽपकारेण निरास्यन्न तदानवम् RāghPāṇ.(Dha.) 18. 83 (comm. अत्यन्तको विष्णुः)

अत्यन्तकटु (atyanta-kaṭu) *adj.* extremely bitter सर्वात्मनात्यन्तकटुं विदित्वा तं निम्बमेव त्यज दूरतोऽपि SṛṅgāVaiTa. 29.

अत्यन्तकटुक (atyanta-kaṭuka) *adj.* **i** extremely bitter ततो धिगिदमत्यन्तकटुकं विषयामिषम् MahāP. 5. 126; **ii** very pungent तीव्रमत्यन्तकटुके ViśvaLoK. 284. 43.

अत्यन्तकठिन (atyanta-kaṭhina) *adj.* very hard अत्यन्तकठिने द्रव्ये नीरं षोडशिकं मतम् S'ārṅgaS. ii. 9. 4; व्यामूढात्मन् किमेतस्मिन्नत्यन्तकठिनेऽश्मनि । सहस्रैरपि यत्नानां प्ररोहति सरोजिनी PāṇḍaC. 18. 60; BhaktiRaSi. ii. 4. 120.

अत्यन्तकठोर (atyanta-kaṭhora) *adj.* very hard तं भृत्याधममवैक्षत ··· घृणाजनकमत्यन्तकठोरमनसामपि PārśvC. 1. 273.

अत्यन्तकण्डूति (atyanta-kaṇḍūti) *f.* excessive itch गण्डूलं कण्डूलाफलं अत्यन्तकण्डूतिजनकं बहुरोमयुक्तं वर्षाकालभवम् SmṛtiCan. v. 230. 19; CaturCin. iii(1). 566. 15; अत्यन्तकण्डूतिपरो नराणां विरोधकारी शुनकः सदैव S'ārṅgaP. 2627.

अत्यन्तकमनीया (atyanta-kamanīyā) *adj.* (*f.*) very attractive ललनाश्चात्यन्तकमनीयाः Vāgbhaṭā. 4. 136.

अत्यन्तकराल (atyanta-karāla) *adj.* very dreadful मध्येऽत्यन्तकरालवाडवशिखाशोषेऽपि वारांनिधेः कल्लोलाः प्रकटीभवन्ति सततं मुक्ताफलोद्गारिणः SūktiMu. 6. 27.

अत्यन्तकरुण (atyanta-karuṇa) *adj.* very pitiable इत्थं विलापैरत्यन्तकरुणैर्मर्मभेदिभिः PāṇḍaC. 3. 76.

अत्यन्तकरुणा (atyanta-karuṇā) *f.* extreme compassion यद्युपदेष्टा ते ··· अत्यन्तकरुणाक्रान्तः ··· यतिः YogVā. iv. 53. 41.

अत्यन्तकर्कशा (atyanta-karkaśā) *adj.* (*f.*) **1** very rough सोऽवोचदुपलैरम्ब क्षितिरत्यन्तकर्कशा PadmP.(Ra.) 31. 179; **2** very harsh मानेऽत्यन्तकर्कशा UjjvaNīMa. 126. 6.

अत्यन्तकर्मनिवृत्ति (atyanta-karmanivṛtti) *f.* complete or total abstention from doing (religious) rites ब्रह्मविदामप्यत्यन्तकर्मनिवृत्तेर्दूषितत्वात् S'atDū. 228. 15.

अत्यन्तकर्शिता (atyanta-karśitā) *adj.* (*f.*) very much emaciated सा तस्य ब्राह्मणी भार्या शोकेनात्यन्तकर्शिता YogVā. iii. 19. 25.

अत्यन्तकलुषा (atyanta-kaluṣā) *adj.* (*f.*) very much impure अत्यन्तकलुषा जन्मसहस्रैर्ज्ञानभागिनी YogVā. iii. 94. 6.

अत्यन्तकल्याण (atyanta-kalyāṇa) *n.* absolute bliss तदेवाभयमत्यन्तकल्याणं परमामृतम् । सद्रूपं परमं ब्रह्म KaṭhRuU. 27.

अत्यन्तकष्ट (atyanta-kaṣṭa) *adj.* **i** very difficult (for learning) इह पुनरत्यन्तकष्टं व्याकरणं प्रणयता सूत्रकारेण न कस्यचित् प्रयोजनत्वमाश्रितम् TantrVā. 196. 2 (*on* i. 3. 18); **ii** very difficult or miserable (condition) चाक्रायणः···अत्यन्तकष्टावस्थां प्राप्तः सन् S'ivārkaMaDī. ii. 401. 21 (*on* iii. 4. 28); *n.* great trouble अत्यन्तकष्टं प्राप्तोऽस्मि SiṁhāDvā. 167. 5 (2)

अत्यन्तकातर (atyanta-kātara) *adj.* [*f.* –ā] **i** very perplexed or alarming अत्यन्तकातरं वाक्यं येनेदं भाषितं त्वया PadmP. (Ra.) 12. 173; जानास्येव हि मे चित्तं त्वदृतेऽत्यन्तकातरम् PadmP.(Ra.) 99. 61; **ii** greatly frightened विलोभनयनां वेण्यां गृहीत्वात्यन्तकातराम् । आचकर्ष PadmP.(Ra.) 71. 71.

अत्यन्तकान्त (atyanta-kānta) *adj.* very lovely रूपं च ते दिव्यमत्यन्तकान्तम् MahāBhā. iii. 184. 18; एताः स्थानपरिग्रहेण शिवयोरत्यन्तकान्तश्रियः प्रालेयाचलमेखलावनभुवः पुष्णन्ति नेत्रोत्सवम् SubhāRaK. 47. 17 = SaduktiKa. 283. 7; *n.* name of a type of house for a Brāhmaṇa अत्यन्तकान्ताधिष्ठानं चतुरश्रं हि तस्य तु ĪśānS'iPa. ii. 29. 78.

अत्यन्तकान्तक (atyantakānta-ka) *n.* name of a type of house for a Brāhmaṇa यथार्हं भूषयेच्छेषमेतदत्यन्तकान्तकम् ĪśānS'iPa. ii. 29. 81.

अत्यन्तकाम (atyanta-kāma) *m.* **i** boundless or extreme pleasure भूयादत्यन्तकामाय जगतां काममर्दनः EI. x. 8. 20(1); x. 10. 21(1); **ii** excessive love तत्र यद्यप्यत्यन्तकामाकृष्टचेतनः ··· अत्यन्तायोद्वाहकर्मणा स्वीकुर्यात् BālaKrī. ii. 21. 2 (*on* 3. 45); **iii** a *biruda* (title) of the Pallava kings Narasiṁha, Parameśvara etc. अत्यन्तकामः EI. x. 6. 5; अत्यन्तकामो नृपतिर्निर्जितारातिमण्डलः EI. x. 9. 20 (5); x. 11. 21(5); श्रीमतोऽत्यन्तकामस्य द्विषद्‌र्पापहारिणः EI. x. 9. 20(8); x. 12. 23(1)

अत्यन्तकामदा (atyantakāma-dā) *adj.* (*f.*) giving great pleasure सुलोचनेति विख्याता पत्युरत्यन्तकामदा KalkiP. iii. 14. 14.

अत्यन्तकामिन् (atyanta-kāmin) *adj.* [*f.* –ī] very passionate अत्यन्तकामिना चैव पत्नीहीनेन चैव हि । एषामनुज्ञामादाय कुर्याद्वैतानिकी[:] क्रियाः AVPari. xxiii. 12. 5; अलक्ष्मीस्तद्ग्रामपार्श्वाद्बभूवात्यन्तकामिनी BrahmVaiP. i. 8. 10; अत्यन्तकामिनश्चैव संकीर्यन्ते परस्परम् NaraP. 54. 44.

अत्यन्तकामुक (atyanta-kāmuka) *adj.* very passionate अत्यन्तकामुकस्यापि वृत्तिः कुण्ठति मातरि ViveCū. 446.

अत्यन्तकार्यिक (atyanta-kāryika) *adj.* having a very urgent purpose तन्नास्ति यन्न कुरुते लोको ह्यत्यन्तकार्यिकः । एष शर्वोऽपि भगवान्बटूभूय स वर्तते KāvyālaṅSāSaṁ. 2. 4(3*)

अत्यन्तकार्श्य (atyanta-kārśya) *n.* extreme leanness अत्यन्तकार्श्यं वनजायताक्ष्या मध्यो जगामेति ममैष तर्कः JānaHa. 1. 32 = SūktiMu. 53. 59 = S'ārṅgaPa. 3344; यदात्यन्तकार्श्यं प्रतिपन्नः जरादिनिमित्तैस्तदोर्ध्वोच्छ्वासी भवति BṛĀraUBh.(S'aṅ.) 597. 2 (*on* iv. 3. 36)

अत्यन्तकाल (atyanta-kāla) *m.* [Loc.] for a long time [DBHS]

अत्यन्तकालभेद (atyanta-kālabheda) *m.* total difference in time ननु अत्यन्तकालभेदान्नैतत्प्रसज्यते । वक्ष्यत्यस्योत्तरमर्थस्याविकृतत्वादिति TantrVā. 369. 16 (*on* ii. 1. 5)

अत्यन्तकीट (atyanta-kīṭa) *m.* insect par excellence सर्पाणां मूत्ररेतःशवमलरुधिराण्डास्रवोऽत्यन्तकीटाश्चान्ये संमूर्च्छिताद्या अनलपवनतोयोद्भवास्ते त्रिधोक्ताः KalyāKā. 19. 138.

अत्यन्तकुटिल (atyanta-kuṭila) *adj.* very curly अत्यन्तकुटिलै रूक्षैः ··· रोमैः केशैश्चापि तथाविधैः । अत्यन्तपिङ्गला नारी विषतुल्येति निश्चितम् BhaviP. 21A. 15 (i. 5. 25)

अत्यन्तकुत्सित (atyanta-kutsita) *adj.* very disgusting अत्यन्तकुत्सिते क्षिष्णुर्णान्तो निराकरिष्णुके S'abdaRa.(Su.) 3. 12.

अत्यन्तकुरूप (atyanta-kurūpa) *adj.* very ugly दामरसन्धिविग्रही । अत्यन्तकुरूपः PurāPraSaṁ. 119. 1.

अत्यन्तकुशल (atyanta-kuśala) *adj.* very clever, very skilful एतद्वेदितुमिच्छामः अत्यन्तकुशलो ह्यसि VāyuP. i. 7. 3; MatsyaP. 48. 104; यदिदं जगदत्यन्तकुशलशिल्पिभिरपि दुर्निर्माणं °प्रयत्नपूर्वकं भवितुमर्हतीति KenUVāBh. 86. 19 (*on* 3. 1)

अत्यन्तकुष्ठिन् (atyanta-kuṣṭhin) *adj.* suffering from severe leprosy दस्युर्ददर्श ताम् ··· । स्वयं स्नानाङ्गरागाद्यं कस्याप्यत्यन्तकुष्ठिनः । नानोपचारं परमम् ···कुर्वतीम् PārśvC. 2. 625.

अत्यन्तकुसीदिकुलीन (atyanta-kusīdikulīna) *adj.* born in the family of great usurers मगन्दः कुसीदी । ··· तदपत्यं प्रमगन्दः अत्यन्तकुसीदिकुलीनः Nir. 6. 32 (129. 13)

अत्यन्तकृच्छ्रतस् (atyantakṛcchra-tas) *adv.* with great difficulty चिरेण निद्रया लब्धं पद्ममत्यन्तकृच्छ्रतः PadmP.(Ra.) 8. 351.

अत्यन्तकृपा (atyanta-kṛpā) *f.* great mercy पद्मनाभपरायणः । अत्यन्तकृपया युक्तं चेतस्तत्र तदाकरोत् PadmP. iv. 20. 65.

अत्यन्तकृश (atyanta-kṛśa) *adj.* extremely emaciated अन्तर्वर्त्नीं सतीमेतामत्यन्तकृशविग्रहाम् । भर्तापृच्छत् PadmP.(Ra.) 7. 3.

अत्यन्तकृशता (atyantakṛśa-tā) *f.* extreme leanness अत्यन्तकृशतया तै रङ्क इति दत्ताभिधानस्तार्णमुटजं विधाय तदवष्टम्भेन यावत्तस्थौ PrabaCin. 108. 5.

अत्यन्तकृशत्व (atyantakṛśa-tva) *n.* extreme thinness यदा त्वत्यन्तकृशत्वात् तक्षणादिरहितोऽपि खदिरो नियोजनेऽप्ययोग्यः तदापि मुख्यत्वात्खदिर एवोपादेयः NyāyMāVi. 328. 3 (*on* vi. 3. 20)

अत्यन्तकृष्ण (atyanta-kṛṣṇa) *adj.* very dark अत्यन्तकृष्णः स विनिर्मलस्त्वम् ··· विष्णुः कथं वीर तवोपमानम् Subhāṣi. 2538.

अत्यन्तकोप (atyanta-kopa) *m.* extreme wrath अलमत्यन्तकोपेन तात मन्युमिमं जहि ViṣṇuP. i. 1. 16; LiṅgaP. i. 64. 108; स छिन्नधन्वा विरथः ··· । अत्यन्तकोपमापन्नः स्यन्दनं परमाविशत् PadmP. iv. 41. 16; अत्यन्तकोपज्वलितान्मुखाद्विष्णोः ··· निश्चक्राम महत्तेजः SkandP. iii(1). 6. 33; BrahmVaiP. ii. 16. 95; अत्यन्तकोपः कटुका च वाणी ···चिह्नानि देहे नरकस्थितानाम् CāṇaNīDa. 7. 17.

अत्यन्तकोपकार (atyantakopa-kāra) *adj.* causing severe anger अत्यन्तकोऽपकारेण निरास्थन्न तदानवम् । अत्यन्तकोपकारेण निरास्थं नतदानवम् RāghPāṇ.(Dha.) 18. 83.

अत्यन्तकोपन (atyanta-kopana) *adj.* very irascible, extremely wrathful दुर्वालः खल्वाटकः कपिलकेशो वात्यन्तकोपनो वा SmṛtiCan. v. 169. 21; गच्छन्नेव स नभसि···अनसूयागर्भसंभवमप्यत्यन्तकोपनं दुर्वाससं नाम तापसमद्राक्षीत् NīlaVi. 12. 13; नामलिङ्गानि···चण्डस्त्वत्यन्तकोपनः AgniP. 366. 8; AmaK. 2088; *n.* extreme wrath चण्डानि प्रचण्डानि ··· अत्यन्तकोपनचिह्नभूतनेत्रशोणिमादिव(? म)न्ति वा मुण्डानि येषामसुराणां तान्निषूदनी(? ती)ति वा LalitāSaBh. 154. 20 (*on* 196)

अत्यन्तकोपाकरण (atyantakopākaraṇa) *n.* not showing great anger नायकापराधाधिक्येऽत्यन्तकोपाकरणं खण्डितायां हितकारिणीत्वम् ··· संभोगार्थप्रयत्नश्च SṛṅgāMañ (A.) 39. 17.

अत्यन्तकोपिन् (atyanta-kopin) *adj.* extremely irascible चण्डस्त्वत्यन्तकोपी स्यात् KośaKaTa. 2. 124.

अत्यन्तकोमल (atyanta-komala) *adj.* very delicate or beautiful अत्यन्तकोमलान्यत्र सदा विकसितानि च ··· बहुशः सन्ति पद्मानि BrahmāṇḍP. iii. 35. 78; एतत्सर्षपवत्रं स्याच्छाणे वह्निं वमत्यपि । अपि कुण्डलिकां याति एतदत्यन्तकोमलम् YuktiKa. 151. 5.

अत्यन्तकोविदा (atyanta-kovidā) *adj.* (*f.*) very expert, highly skilled क्रीडायां बहुभेदायामस्यां सात्यन्तकोविदा PadmP.(Ra.) 24. 69.

अत्यन्तकौलीन (atyanta-kaulīna) *n.* extremely noble family प्रार्थनाशब्दोऽप्यतितरां रमणीयः । यस्मात्काकतालीययोगेन तत्समागमः कदाचिन्न वाच्यतावहः । प्रार्थना पुनरत्रात्यन्तकौलीनकलङ्ककारिणी Kāvyānu.(He.) 167. 25.

अत्यन्तकौशल (atyanta-kauśala) *n.* great skill or dexterity अत्यन्तकौशलेऽपि किंचिन्न्यूनाधिकभावस्यावश्यकत्वाभावात् (? श्यकत्वात्) ··· अधिकानां ग्रहणमवर्जनीयम् MayūMāli. 370. 19 (*on* iv. 2. 5)

अत्यन्तक्रुद्धा (atyanta-kruddhā) *adj.* (*f.*) exceedingly enraged शपथैः प्रतियाचितैः पादपतनैश्च (स्त्रियं) ग्राहयेत् । व्रीडायुक्तापि योषिदत्यन्तक्रुद्धापि न पादपतनमतिवर्तते KāmSū. 200 (3. 2)

अत्यन्तक्रोध (atyanta-krodha) *m.* extreme wrath or ire तदा विकर्तनं(नः) कुकर्मकर्मठेऽत्यन्तक्रोधादिव सुयोधने । कर्मसाक्षी तदा मङ्क्षु जज्वाल PāṇḍaC. 7. 27.

अत्यन्तक्रोधसक्त (atyanta-krodhasakta) *adj.* excessively given to anger, over-irate अत्यन्तक्रोधसक्तोऽपि कदाचित्कीर्तयेद्धरिम् । सोऽपि ··· मुक्तिं लभेत् BrahmP. 216. 89.

अत्यन्तक्लिष्ट (atyanta-kliṣṭa) *adj.* [*f.* -ā] extremely laboured or strained विधौ च लक्षणात्यन्तक्लिष्टा समाश्रिता स्यात् SāstrDī. 60. 9 (*on* i. 4. 3); रुद्रादिमुक्तादिशब्दानां लब्धात्मकरूढिपरित्यागेनात्यन्तक्लिष्टयोगकल्पनादनल्पमेवाज्ञानमापद्यते TristhaSe. 314. 7; अत्यन्तक्लिष्टगौण्याश्रयणं श्रुतिबाधश्च न दोषः MayūMāli. 69. 11 (*on* i. 4. 5)

अत्यन्तक्लिष्टत्व (atyantakliṣṭa-tva) *n.* far-fetchedness, state of being excessively laboured अत्रत्यवाक्यस्य ··· पक्षान्तरपरत्ववर्णनमत्यन्तक्लिष्टत्वादयुक्तमिति MayūMāli. 65. 6 (*on* i. 4. 4)

अत्यन्तक्लेश (atyanta-kleśa) *m.* excessive hardship (भिक्षा) अत्यन्तक्लेशनिर्माणा समानीतातिदूरतः । तया पृष्ठं तु मे भग्नम् BṛKathāK. 63. 71; उक्तयावकभोजनस्यात्यन्तक्लेशावहत्वादुपवासतुल्यत्वम् BālamBha. iii. 189. 4 (*on* 3. 323); व्रतस्यात्यन्तक्लेशयुक्तत्वेन···अष्टौ गावः (देयाः) BālamBha. iii. 198. 1 (*on* 3. 327)

अत्यन्तक्षय (atyanta-kṣaya) *m.* **A** total destruction सा समस्तमहामोहमूर्धाभिषिक्तस्कन्धावारस्यात्यन्तक्षये संभूतत्वात् TattvPradī.(A.) 58. 8 (*on* 1. 45); यत्र संस्कारस्य अत्यन्तक्षयेण चित्तस्य विलयात् मोक्षो भवति YogVār. *on* 1. 1; **B** total decrease or loss अत्यन्तक्षयपक्षे तु परेद्युर्नापराह्णगा BṛNāraP. 27. 31; हेमाद्रिस्त्वपराह्णसंध्याव्यापि परदिने प्रतिपत्तुर्थांशे चन्द्रोदये च सति द्वितीयादिष्वत्यन्तक्षये सति पूर्वेद्युर्याग: NirṇaSi. 37. 11.

अत्यन्तक्षीणकोश (atyantakṣīṇa-kośa) *adj.* whose treasury is very much exhausted शिलोञ्छेनापि जीवतोऽत्यन्तक्षीणकोशस्य विस्तीर्यते यशः (नृपतेः) ManuBh. ii. 10. 25 (*on* 7. 33)

अत्यन्तक्षुद्र (atyanta-kṣudra) *adj.* utterly mean or low अत्यन्तक्षुद्र निर्लज्ज परस्त्रीसंगलोलुप । ··· परलोकं व्रजाधुना PadmP.(Ra.) 95. 19.

अत्यन्तक्षुधार्त (atyanta-kṣudhārta) *adj.* extremely afflicted with hunger वयमत्यन्तक्षुधार्ताः Tantrākhyā 66. 14 = PañcT. 2. 29(49) (229. 6)

अत्यन्तखर (atyanta-khara) *adj.* very hard or harsh प्रखरम् ··· त्रिष्वत्यन्तखरे MediK. 146. 177.

अत्यन्तखिन्न (atyanta-khinna) *adj.* greatly dejected मुनिः ···अत्यन्तखिन्नो निजयोगभूम्ना प्राविक्षदङ्गं पृथुकस्य तस्य SaṅkaDigVi.(Mā.) 13. 37.

अत्यन्तखिन्नधी (atyantakhinna-dhī) *adj.* of greatly dejected mind इत्युक्तो ब्रह्मणा सौरिः पुनरत्यन्तखिन्नधीः । उवाच SkandP. ii(7). 13. 16.

अत्यन्तखेद (atyanta-kheda) *m.* extreme distress or exhaustion अङ्गानामनुलेपनस्मरणमप्यत्यन्तखेदावहम् । हन्ताधीरदृशः किमन्यदलकामोदोऽपि भारायते Kuval. 42 (5)

अत्यन्तखेदित (atyanta-khedita) *adj.* extremely distressed अत्यन्तखेदितोऽप्यासीत् ··· । दर्पं हन्तुं नृपस्तस्य संनद्धो न तु जीवितम् RājTa.(Ka.) 7. 604.

अत्यन्तग (atyanta-ga) *adj.* [*f.* -ā] **i** reaching the farthest end गमेर्डो भवति सुबन्ते वाचि ··· अत्यन्तगः JaineVyā. 106. 17 (*on* ii. 2. 46); CāndraVṛ. i. 2. 35; अन्त अत्यन्त ··· इत्येतेषु ··· गमेर्डो भवति । अन्तगः अत्यन्तगः KāśiVṛ. *on* P. iii. 2. 48; **ii** attaining the highest limit दूरगैरन्तगैर्बाणैर्भवानत्यन्तगः श्रियः (v. l. °अत्यन्तगश्रियः) । अपि संक्रन्दनस्य स्यात् क्रुद्धः Bhaṭṭi. 6. 110 (comm. अत्यन्तगा अतिभूमिं गता श्रीर्यस्य)

अत्यन्तगत (atyanta-gata) *adj.* [*f.* -ā] **A** always applicable, universal अनत्यन्तगतस्त्वेष उद्देशो भवति Nir. 12. 4 (219. 10); **B** departed forever (i. e. dead) कथमत्यन्तगता(त्वं) न मां दहेः RaghuVa. 8. 56 (comm. पुनरावृत्तिरहिता)

अत्यन्तगति (atyanta-gati) *f.* (Gr.) **A** contact covering the whole, complete contact अनत्यन्तगतौ क्तात् P. v. 4. 4; अत्यन्तगतिरशेषेण संबन्धः तदभावोऽनत्यन्तगतिः ··· भिन्नकः । छिन्नकः KāśiVṛ. *on* P. v. 4. 4; **B** utmost speed, motion or velocity ये त्वेतेऽत्यन्तगतियुक्तास्तत्र कथम् । धावतः पततः MahāBh. i. 327. 17 (*on* i. 4. 24)

अत्यन्तगभीर (atyanta-gabhīra) *adj.* very deep or profound सुरेश्वरार्यो गुरुमात्मदेशम् । शारीरकेऽत्यन्तगभीरभावे वृत्तिं स्फुटं कर्तुमना जगाद SaṅkaDigVi.(Mā.) 13. 1.

अत्यन्तगमन (atyanta-gamana) *n.* final departure (i. e. death) आयुर्नासाग्रसञ्चारि निःश्वासोच्छ्वासकैतवात् । अत्यन्तगमनायेव सदाभ्यासे कृतोद्यमम् PārśvC. 1. 749.

अत्यन्तगमनोत्सुक (atyanta-gamanotsuka) *adj.* extremely eager to depart इदानीमत्यन्तगमनोत्सुकोऽहम् TilaMañ. 171. 11.

अत्यन्तगम्भीरा (atyanta-gambhīrā) *adj.* (*f.*) extremely deep अवतेरुरत्यन्तगम्भीरां तां महापगाम् PadmP.(Ra.) 32. 52.

अत्यन्तगरिष्ठद (atyantagariṣṭha-da) *adj.* vanquisher of the most

formidable (foe) करालाक्षश्च भूभर्ता षष्ठोऽत्यन्तगरिष्ठदः (दैत्यः) । वज्रनिष्ठुरघोषश्च प्राचलत्प्रेतवाहनः BrahmāṇḍP. iii. 24. 52.

अत्यन्तगरीयसी (atyanta-garīyasī) *adj.* (comp.) (*f.*) very much more important वसतां गुरुगेहेषु क्षमात्यन्तगरीयसी । ··· कृता सा हि हितात्यन्तम् PadmP.(Ra.) 8. 334.

अत्यन्तगर्जन (atyanta-garjana) *adj.* roaring very loudly (यः) अत्यन्तगर्जनान् मत्तान् मातङ्गानजयद्रणे PṛthvīVi. 5. 113.

अत्यन्तगर्व (atyanta-garva) *adj.* having excessive pride अत्यन्तगर्वमनधीतसमस्तशास्त्रम् (पुरुषम्) । ··· कामाक्षि नैव तव काङ्क्षति दृष्टिपातः Mūka-Pañ. 1. 99.

अत्यन्तगर्विता (atyanta-garvitā) *adj.* (*f.*) excessively arrogant or proud यद्विवाहोत्सवे मत्ता नृत्यस्यत्यन्तगर्विता PāṇḍaC. 2. 168; प्रेष्याभियाति चेटीभिः प्रियमत्यन्तगर्विता BhāvPra.(S'ā.) 101. 15 (4)

अत्यन्तगर्हणीय (atyanta-garhaṇīya) *adj.* very despisable अत्रात्यन्तगर्हणीयचरितं पदार्थान्तरं प्रतीयमानतया चेतसि निधाय ··· सलिलनिधिः वाच्यतयोपक्रान्तः VakroJī. 59. 12.

अत्यन्तगर्हित (atyanta-garhita) *adj.* greatly condemned, utterly censured न पातव्यमपेयं च द्विजैरत्यन्तगर्हितम् BṛParāSm. 6. 249; युगपद्विलयं प्राप्ताः ··· सद्भिरत्यन्तगर्हिताः (सगरात्मजाः) BrahmāṇḍP ii. 53. 43; तैरयं पशुधर्मः स चात्यन्तगर्हितो मनुष्याणामपि प्रोक्तः प्रवर्तितः ManuBh. ii. 261. 6 (*on* 9. 66); Aparā. 1047. 24 (*on* 3. 229); BālamBha. ii. 164. 29 (*on* 2. 127)

अत्यन्तगर्हितत्व (atyantagarhita-tva) *n.* the state of being utterly condemned or censured चौरस्य ··· अत्यन्तगर्हितत्वात्पृथङ्निर्देशः ManvaVi. 169. 25 (*on* 4. 133); एवं पञ्चरात्राख्यैकशास्त्रावान्तरसंहितासंकरस्यात्यन्तगर्हितत्वे वैखानसपञ्चरात्रसंकरः कैमुत्यनिषिद्धः PāñcRāRa. 20. 12.

अत्यन्तगहन (atyanta-gahana) *adj.* very profound तदुपासनमत्यन्तगहनमपि ··· यो मनोलयं करोति स मुक्तः S'aṅkaVi.(Ā.) 182. 3.

अत्यन्तगहनीकृत (atyantagahanī-kṛta) *adj.* made greatly dense or thick गगनं वृक्षसंघातैरत्यन्तगहनीकृतम् PadmP.(Ra.) 74. 106.

अत्यन्तगह्वरा (atyanta-gahvarā) *adj.* (*f.*) extremely deep लङ्का अगम्या ··· सुभीमात्यन्तगह्वरा PadmP.(Ra.) 48. 245.

अत्यन्तगाढ (atyanta-gāḍha) *adj.* very deep सात्यन्तगाढप्रेम्णा तल्लोकसेवनात् स्वोच्छिष्टं मुञ्जानान् तान् प्रति तद्भावाभवत् SāmaraU. 246. 20.

अत्यन्तगामिन् (atyantagām-in) *adj.* A constantly moving on मन्ये पर्यायधर्मोऽयं कालस्यात्यन्तगामिनः । चक्रे प्रधिरिवासक्तो नास्य शक्यं पलायितुम् MahāBhā. v. 50. 58; B going very fast or very far अत्यन्तीनोऽत्यन्तगामिनि AbhidhāCin. 495; ParaNā. 1959; KośaKaTa. 1. 2611 (cf. अत्यन्तं गामी, भृशं गन्ता SiddhāKau. 294B. 3)

अत्यन्तगुणदैव (atyantaguṇa-daiva) *adj.* having fortune with excellent qualities स एव यदापच्चगुणदैवेनानुष्ठीयते तदा क्लेशेन विनैकान्तेन समग्रफलसाधको भवति (v. l. यदात्यन्तगुणदैवे GHARPURE Ed.) ManuBh. ii. 63. 26 (*on* 7. 205)

अत्यन्तगुणभूत (atyanta-guṇabhūta) *adj.* completely subordinate or ancillary तत्रात्यन्तगुणभूता अध्वर्य्वादयः न फलं प्राप्नुवन्ति S'ābaBh. 973. 1 (*on* iii. 4. 35); एवमिहाप्यत्यन्तगुणभूत एव कर्ता प्रतीयते ṬupṬ. 81. 21 (*on* vi. 1. 1)

अत्यन्तगुणभूतत्व (atyantaguṇabhūta-tva) *n.* the state of being wholly subordinate न संस्कारक्रिया (केनचिद्रूपेणेप्सिता) अत्यन्तगुणभूतत्वात् TantrVā 411. 15 (*on* ii. 1. 28)

अत्यन्तगुणयोग (atyantaguṇa-yoga) *m.* possession of very high qualities यदि तु निरुपाधिस्तादृशश्चेदत्यन्तगुणयोगात्स्यादुपेयादेवासौ एक एव संवादकत्वम् ManuBh. ii. 75. 3 (*on* 8. 3)

अत्यन्तगुणवत् (atyanta-guṇava(n)t) *adj.* [*f.* -vatī] **i** perfectly meritorious, most virtuous, endowed with excellent qualities नात्यन्तगुणवान्कश्चिन्नचाप्यत्यन्तनिर्गुणः । उभयं सर्वकार्येषु दृश्यते साध्वसाधु च MahāBhā. xii. 15. 50; गौतमीयमपि शूद्रायामनात्रेय्यामेवात्यन्तगुणवत्यां वधे द्रष्टव्यम् BālaKrī. ii. 159. 9 (*on* 3. 265 (272)); यदा पुनर्निमित्यत्यन्तगुणवान् आत्मघाती चात्यन्तनिर्गुणस्तदैकवर्षमेव ब्रह्महत्याव्रतं कुर्यात् Mitā. 420. 28 (*on* 3. 243); 427. 5 (*on* 3. 249); एतदमतिपूर्वकमत्यन्तगुणवतस्तद्गमने वीर्योत्सर्गात्प्राङ्निवृत्तौ द्रष्टव्यम् Aparā. 1118. 13 (*on* 3. 268); अत्यन्तगुणवत्प्रव्रजितागमनविषयम् ··· नारदवचनम् Subodhi. 108. 6 (*on* 2. 293); BālamBha. ii. 342. 3 (2. 293); अयं च भ्रातृसद्भावे पत्यधिकारोऽत्यन्तगुणवत्पत्नीविषयः DīpKa. 57. 19 (*on* 2. 136); 98. 31 (*on* 3. 257); इदं चात्यन्तगुणवतो निर्धनस्य निर्गुणब्राह्मणवधे ViraMi. 939. 14 (*on* 3. 249); **ii** well equipped with favourable conditions उद्यानानि पुरा भान्ति ···। जनानां रतिसंयोगेष्वत्यन्तगुणवन्ति च Rāmā. ii. 1662*(2)

अत्यन्तगुणाधिक (atyantaguṇādhika) *adj.* superior in endless qualities अत्यन्तगुणाधिको विशिष्टः KāvyālaṅSū. iv. 3. 24.

अत्यन्तगुणिन् (atyanta-guṇin) *adj.* having extraordinary qualities, [MW]

अत्यन्तगुप्त (atyanta-gupta) *adj.* **i** well protected, well controlled मुनयः ···भीतकूर्मवदत्यन्तगुप्तेन्द्रियकदम्बकाः PadmP.(Ra.) 14. 175; **ii** completely secret, extremely concealed इदं कवचमत्यन्तगुप्तं कुत्रापि नो वदेत् PañcaRā.(Nā.) iv. 5. 7; श्रीमूलस्थानमाहुः सरसिरुहदृशामङ्गमत्यन्तगुप्तम् RasSa. 7.

अत्यन्तगुरु (atyanta-guru) *adj.* **i** very great (i. e. unbearable), intense स तादृशोऽपि बद्धमूलोऽप्यत्यन्तगुरुरेकपद एवास्य ननाश शोकावेशः HarṣaC. 251. 17; **ii** very great, superior दृढा शिरोधि दधदंसलोऽसौ राजानमत्यन्तगुरुं चकार VīraBhā. 1. 81; **iii** very heavy, huge कथं चात्यन्तगुरुभिः पर्वतैरलमुन्नतैः सेतुः शाखामृगैर्बद्धो यः सुरैरपि दुर्घटः PadmP.(Ra.) 3. 22; कर्कशः ··· येऽत्यन्तगुरवः स्निग्धास्ते शूद्राः प्रस्तराधमाः YuktiKa. 139. 12; अत्यन्तगुरुदेहस्तु गजो भित्त्वा च मेदिनीम् Hastyāyur. 245. 8 (*on* ii. 38. 6); **iv** very severe कामतो मोहात्कृतं पापं प्रायश्चित्तैः पृथग्विधैरत्यन्तगुरुभिरपगच्छति BālaKrī. ii. 81. 25 (*on* 3. 212 (222)); **v** extremely complicated, difficult तेनात्यन्तगुरुः सत्रयमुपायस्स्तुत्यर्थमेव लघुरित्युपचरितः TantraVā. 209. 20 (i. 3. 18)

अत्यन्तगुरुतर (atyanta-gurutara) *adj.* very grave, heinous (sin) अत्यन्तगुरुतरमहापातकविषयं चैतत् Aparā. 1218. 4 (*on* 3. 311)

अत्यन्तगुरुभक्त (atyanta-gurubhakta) *adj.* very much devoted to the teacher अत्यन्तगुरुभक्ताय शुद्धाय यदि कथ्यते । तदाष्टवर्णं वक्तव्यम् Kula-CūT. 7. 5.

अत्यन्तगुह्य (atyanta-guhya) *adj.* great secret नामानि त्रिपुरे भवन्ति खलु यान्यत्यन्तगुह्यानि ते DevīPañ. 1. 19; सरहस्यम् अत्यन्तगुह्यतदर्थव्याख्यासहितम् ManvaVi. 204. 26 (*on* 2. 140)

अत्यन्तगुह्यतम (atyanta-guhyatama) *adj.* extremely secret अत्यन्तगुह्यतमम् अत्यन्तरहस्यम् ··· शृणु मे ··· वचः GītāBh.(S'aṅ.) 547. 6 (*on* 18. 64)

अत्यन्तगूढ (atyanta-gūḍha) *adj.* **i** concealed extremely well प्रागात्मानं निगमशिरसामन्तरत्यन्तगूढम् । बुद्धौ कर्तुं निजपदजुषामब्धिमध्येऽशयिष्ठाः MayūSam. 1. 27; देवाः स्वाहासमीपं निभृतमुपगतास्तरथुरत्यन्तगूढाः SvāhāSu. 19; **ii** entirely hidden (hence) unintelligible तत्रापेऽत्यन्तगूढाविशदविशदतच्छायजीवादिवाचः NyāyPari. 481. 9.

अत्यन्तगेय (atyanta-geya) *adj.* very melodious or musical अत्यन्तगेयरवदत्तमना वराकः श्रोत्रेन्द्रियेण समवर्तिसुखं प्रयाति (कुरङ्गः) SubhāRa-Saṁ. 87.

अत्यन्तगोपन (atyanta-gopana) *n.* great secret बीजानां च ध्यानभेदमत्यन्तगोपनं महत् KāliViT. 31. 2.

अत्यन्तगौरव (atyanta-gaurava) *n.* A very high reverence तस्यामत्यन्तगौरवस्य प्रसिद्धत्वात् ChāndoUBh. 159. 10 (*on* iii. 12. 1); B extreme cumbrousness तैश्च स्तोत्रे विधीयमानेऽत्यन्तगौरवम् S'āstrDī. 60. 9 (*on* i. 4. 3); अध्वर्योः परिक्रेतृत्वस्यात्यन्ताप्राप्त्या तत्प्रापकत्वे विधेरत्यन्तगौरवप्रसङ्गात् । स्वामिकर्तृकत्वे तु विधेर्नात्यन्तगौरवम् MayūMāli. 332. 30 (*on* iii. 8. 1); अनेकादृष्टानुविद्धकर्मान्तरत्वकल्पनायामत्यन्तगौरवापत्तिः MīmāKau. 90. 8 (*on* i. 3. 12)

अत्यन्तगौरवम् (atyanta-gauravam) *adv.* with very great respect वशी ··· पौरैरीक्षितोऽत्यन्तगौरवम् RaghuVa. 15. 38.

अत्यन्तग्रह (atyanta-graha) *m.* full or complete perception अत्यन्तग्रहे अत्यन्ताग्रहे च नाध्यासः Bhām. 21. 21 (*on* 1. 1. 1)

अत्यन्तघन (atyanta-ghana) *adj.* **i** very solid निरूहं संप्रदापयेत् ···नैवात्यन्तघनं तथा AśvaVai. 16. 22; **ii** extremely firm अत्यन्तघनबन्धेन तमसा भूयसापि किम् PadmP.(Ra.) 28. 147; **iii** very strong, intense स्वसात्यन्तघनस्नेहात्पारम्पर्याच्च तत्पतिः PadmP.(Ra.) 10. 28; **iv** full of many clouds घनाध्वनोऽत्यन्तघनस्य लङ्घनात्परिश्रमं प्राप्य पिपासयाकुलाः । ··· अद्रिमुर्युयुव्रजाः NemiNir. 5. 32.

अत्यन्तघर्माम्भस् (atyanta-gharmāmbhas) *n.* profuse perspiration अत्यन्तघर्माम्भःकणिकामौक्तिकोज्ज्वलः ··· स्नातुमिच्छामीत्याह ViṣṇuP. v. 25. 8 = BrahmP. 198. 8.

अत्यन्तघोर (atyanta-ghora) *adj.* very terrible, extremely dreadful very severe अत्यन्तघोरो व्यचरंस्तापसांस्तान् प्रधर्षयन् Rāmā. iii. 37. 4; उग्रमत्यन्तघोरं यद्भीषणं भयदायि च AhirbuS. 54. 41; कृत्वा तपोऽत्यन्तघोरम् ··· सिद्धा ··· सौख्यं ···परिप्राप्नुवन्ति PadmP.(Ra.) 78. 62 (36); अत्यन्तघोरैः कर्मभिः असंबद्ध एवायं वर्तते BṛĀraUBh. 573. 15 (*on* iv. 3. 22); मनुष्यः ··· व्रजति कथमनन्तं दुःखमत्यन्तघोरम् SubhāRaSaṁ. 12; अत्यन्तघोरं भगवन्नरसिंह वपुस्तव LiṅgaP. i. 96. 24; PariPar. 1. 371; यानि चात्यन्तघोराणि तै रक्षांसांस्तथा भुवम्

S'ārṅgaPa. 1900.

अत्यन्तचञ्चल (atyanta-cañcala) *adj.* [*f.* –ā] **i** extremely fickle, very unsteady न बबन्धाम्बरे स्थैर्यं विद्युदत्यन्तचञ्चला VisṇuP. v. 6. 42; पतितोऽहम् ··· संसारसागरे ··· निःसारेऽत्यन्तचञ्चले BrahmP. 49. 25; अत्यन्तचञ्चलस्येह पारदस्य निबन्धने । कामं विज्ञायते युक्तिर्न स्त्रीचित्तस्य काचन KathāSaSāg. vii. 3. 232; किंकराः ··· एहिरेयाहिरां चक्रुर्नृत्यन्तोऽत्यन्तचञ्चलाः S'āliC. 6. 161; **ii** very tremulous अत्यन्तचञ्चलोद्वृत्ततारका दृष्टिर्भयानका SaṁgīRa. 7. 390; अत्यन्तचञ्चलमकृत्रिममञ्जनं किम् ··· कामाक्षि नेत्ररुचिनीलिमकन्दली ते MūkaPañ. 1. 83.

अत्यन्तचटुल (atyanta-caṭula) *adj.* very nimble नकुलैर्दृश्यमानानामत्यन्तचटुलं वपुः । मुहुः कुण्डलितैर्भोगैः पन्नगानां व्यचेष्टत BrahmāṇḍP. iii. 23. 61.

अत्यन्तचन्द्रमस् (atyanta-candramas) *m.* name of a Bodhisattva [DBHS]

अत्यन्तचपल (atyanta-capala) *adj.* [*f.* –ā] **i** extremely wanton or unrestrained भिक्षो मे हृदयकपिमत्यन्तचपलं दृढं भक्त्या बद्ध्वा शिव भवदधीनं कुरु S'ivāL 20; स च सहचरोऽत्यन्तचपलः SaduktiKa. 109. 33; **ii** very unsteady, very fickle आयुरत्यन्तचपलं मृत्युरेकान्तनिष्ठुरः YogVā. i. 26. 9; **iii** very tremulous दृष्टिरियम् ···यासीत्पुरा कुरङ्गाक्षि नित्यमत्यन्तचपलैव ChandaśCū. iv. 5. 28.

अत्यन्तचल (atyanta-cala) *adj.* **i** very swift, extremely speedy (मारुतेन) पश्यात्यन्तचलेन सद्म महतामाकाशमारोपिताः (जरत्तृणाद्यवयवाः) BhallS'. 59; Subhāṣi. 1010; **ii** very unsteady or unreliable, BhallS'. 59; Subhāṣi. 1010.

अत्यन्तचापल्य (atyanta-cāpalya) *n.* extreme fickleness or wantonness अत्यन्तचापल्यमसत्क्रियां च । कुमारभावे ··· विचार्य को वा विरतिं न याति SarvaVeSāSaṁ. 29.

अत्यन्तचारु (atyanta-cāru) *adj.* [*f.* -u or –vī] extremely beautiful or charming, very much attractive सरसो मानसाख्यस्य तटेऽथात्यन्तचारुणि । गुरुभ्यां वाञ्छितं कर्तुं तयोर्वैवाहमङ्गलम् PadmP.(Ra.) 15. 91; 46. 139; एवमत्यन्तचार्वीभिरत्युर्वीभिर्विभूतिभिः । महेन्द्रोदयमुद्यानं जातं नन्दनसुन्दरम् PadmP.(Ra.) 95. 47; अप्सरोभिरिवात्यन्तचारुभिः परिशोभितः TriṣaS'aPuC. i. 4. 593; तमप्रतिममत्यन्तचारुवपुषम् (तुष्टाव शौरिम्) Yādavā. 4. 124.

अत्यन्तचारुत्व (atyantacāru-tva) *n.* great charm or beauty इत्यादिश्लेषसंपृक्तत्वमस्या अत्यन्तचारुत्वनिबन्धनम् AlaṅkāSa. 155. 1.

अत्यन्तचित्तैकाग्र्य (atyanta-cittaikāgrya) *n.* complete concentration of mind ध्यानरूपोपासना ··· मानाद्विलक्षणेति तस्यामत्यन्तचित्तैकाग्र्यमपेक्षितम् S'ivārkaMaDī. ii. 436. 21 (*on* iv. 1. 8); i. 187. 15 (*on* i. 1. 4); i. 403. 21 (*on* i. 3. 3)

अत्यन्तचित्र (atyanta-citra) *adj.* **i** very strange or wonderful एतत्ते पूर्वजन्मप्रभृति निगदितं वृत्तमत्यन्तचित्रम् PadmP.(Ra.) 20. 249; **ii** very variegated माल्यान्यत्यन्तचित्राणि प्रापितानि प्रसारणम् PadmP.(Ra.) 95. 45.

अत्यन्तचिन्ता (atyanta-cintā) *f.* too much worry, great anxiety एवमत्यन्तचिन्ताकुलाः (जन्तवः) ··· दैवमाक्षिपन्ति BṛNāraP. 30. 5(1); प्रेताः ··· तर्कयामासुरत्यन्तचिन्ताकुलितचेतसः BṛBrahmaS. i. 5. 109; सः ··· अत्यन्तचिन्ताचकितो निद्रां नापत् RājTa.(Jo.) 888.

अत्यन्तचिरकाल (atyanta-cirakāla) *m.* very long time अतीतेऽब्देऽपि अत्यन्तचिरकालादूर्ध्वम् SmṛtiCan. vi. 55. 6; v. 252. 12.

अत्यन्तचिरकालग (atyantacirakāla-ga) *adj.* lasting for a very long time पशुभूम्यादिकं दत्तम् ··· ददाति परमान् भोगानत्यन्तचिरकालगान् PadmP. (Ra.) 14. 78.

अत्यन्तचिराध्वगा (atyantacirādhva-gā) *adj.* (*f.*) travelling for a very long time गमागमपरिश्रान्ता तत्रात्यन्तचिराध्वगा YogVā. iii. 70. 47.

अत्यन्तचिरोज्झित (atyantacirojjhita) *adj.* given up for a very long time कृष्णात्यन्तचिरोज्झिते च कबरीबन्धे करोतु क्षणम् VeṇīSaṁ. 6. 145.

अत्यन्तचूर्ण (atyanta-cūrṇa) *adj.* crushed to fine powder अस्थि गृहीत्वा हीरकसहितमत्यन्तचूर्णं कृत्वा पायसे प्रक्षिप्य ··· भोजयेत् HārLa. 200. 1.

अत्यन्तच्छवि (atyanta-cchavi) *f.* great lustre or beauty अत्यन्तच्छविसंयुक्ता श्यामकर्णं (°वर्णा) मनोरमा । ··· किन्नरांशकसंभवा Mānaso. iii. 20. 1792.

अत्यन्तच्छिन्न (atyanta-cchinna) *adj.* very precipitous न सुमेर्वादयः पर्वता अत्यन्तच्छिन्नतटाः समुच्छ्रायघनाः भवन्ति Sphuṭā. iii. 87. 11 (*on* 3. 55)

अत्यन्तजघन्य (atyanta-jaghanya) *adj.* extremely low, of a very inferior authority प्रयोगवचनाधीना तु समाख्याऽत्यन्तजघन्यपक्षाश्रयणं तावदेको दोषः MīmāKau. i. 164. 4 (*on* i. 4. 2)

अत्यन्तजघन्यत्व (atyantajaghanya-tva) *n.* very low authority, very inferior value समाहारद्वन्द्वस्यात्यन्तजघन्यत्वात् BhāṭṭDī. iii. 274. 21 (*on* x. 4. 2); अनीप्सितद्वितीयातः तस्यात्यन्तजघन्यत्वात् MayūMāli. 371. 14 (*on* iv. 2. 26)

अत्यन्तजड (atyanta-jaḍa) *adj.* **i** extremely insentient गुणात् अत्यन्तजडात् जानामि-इति-वपुः चित्स्वभावतामभ्येति PratyabhiVi. i. 73. 1 (*on* i. 1. 4); **ii** quite dull, completely devoid of lustre अत्यन्तजडाज्जलाद्द्युतिमतो ज्वालाध्वजस्योद्भवः RājTa.(Ka.) 4. 41.

अत्यन्तजनानुराग (atyanta-janānurāga) *m.* great affection for men (दिनेशः) आर्द्राप्रवेशे ··· कुरुते ··· अत्यन्तजनानुरागम् VasiS. 2. 10.

अत्यन्तजरासंयोग (atyantajarā-saṁyoga) *m.* union with excessive old age (i. e. decrepitude) अत्यन्तजरासंयोगे 'जरया ह वा' इत्यनर्थकम् NyāyBh. 279. 11 (*on* iv. 1. 60)

अत्यन्तजलभार (atyanta-jalabhāra) *m.* excessive weight of water अत्यन्तजलभारेण पतिता जलदा इव PadmP.(Ra.) 22. 57.

अत्यन्तजातिभेद (atyanta-jātibheda) *m.* extreme difference in the essential nature (of the probandum in the present case and of the earlier cases) प्रसिद्धसाध्ययोरत्यन्तजातिभेदे लिङ्गानामनुमेयधर्मसामान्यानुवृत्तितोऽनुमानं सामान्यतो दृष्टम् PadārthaSaṁ. 206. 1; अत्यन्तजातिभेदे सति ··· लिङ्गसामान्यस्य साध्यसामान्येन सहाविनाभावाद्यनुमानं तत्सामान्यतो दृष्टम् Kiraṇā. 305. 16.

अत्यन्तजात्यभेद (atyanta-jātyabheda) *m.* complete identity of essential nature (between the probandum of the present and of the earlier cases) तत्र दृष्टं प्रसिद्धसाध्ययोरत्यन्तजात्यभेदेऽनुमानम् PadārthaSaṁ. 205. 20; प्रसिद्धं यत्पूर्वलिङ्गेन सह दृष्टं साध्यं यत्संप्रत्यनुमेयं तयोरत्यन्तजात्यभेदे सति यदनुमानं तद् दृष्टम् Nyāyka. 212. 6 = Kiraṇā. 305. 5.

अत्यन्तजितेन्द्रियत्व (atyantajitendriya-tva) *n.* the state of completely conquering the senses स्त्र्यादिसंदर्शनादत्यन्तजितेन्द्रियत्वेऽपि प्रमादो मा भूदित्यप्रमत्तश्चरेत् BālaKrī. ii. 26. 16 (*on* 3. 59)

अत्यन्तजीर्णता (atyantajīrṇa-tā) *f.* the state of being very old or dilapidated अत्यन्तजीर्णतया च खण्डस्फुटितमायतनमद्राक्षम् UdaySuKa. 60. 27.

अत्यन्तज्ञान (atyanta-jñāna) *n.* excellent knowledge तेऽत्यन्तज्ञानसंपन्ना न चक्रुः सृष्टिमुत्तमाम् GaṇeP. i. 16. 7.

अत्यन्ततत्पर (atyanta-tatpara) *adj.* very much devoted to (something) तस्याः ··· परिचर्यां स्वयं शक्रश्चकारात्यन्ततत्परः Rāmā. i. 974*(2); सुबुद्धिर्विदधे नित्यं तत्तथात्यन्ततत्परः TriṣaS'aPuC. i. 1. 421.

अत्यन्ततत्परता (atyantatatpara-tā) *f.* great or extreme devotion or attachment प्रकृष्टप्रसङ्गेनात्यन्ततत्परतया अर्थान् नेहेतोद्यमेन न साधयेत् ManvaVi. 460. 19 (*on* 4. 15)

अत्यन्ततनु (atyanta-tanu) *adj.* very thin (i. e. too much diluted) कषाये कल्कमालोड्य निरूहं संप्रदापयेत् । नैवात्यन्ततनुम् AśvaVai. 16. 22.

अत्यन्ततनुतस् (atyantatanu-tas) *adv.* due to being very minute or subtle अत्यन्ततनुतो ह्यन्तर्विन्ध्यादेरीक्षणं कुतः BṛĀraUBhVā. iv. 3. 1212.

अत्यन्ततपस्विन् (atyanta-tapasvin) *m.* great ascetic अभवन् प्रजाः । ···तदात्यन्ततपस्विनाम् VisṇuP. i. 15. 80; शुक्रस्यास्याभवन्पुत्राः पञ्चात्यन्ततपस्विनः KūrmaP. 218. 9 (1. 19)

अत्यन्ततप्त (atyanta-tapta) *adj.* extremely hot or boiling घृतेनात्यन्ततप्तेन तदा तैलेन तन्मुखम् । ··· भृशमापूर्य हन्यते S'ivaP. v. 9. 19 (416A. 13)

अत्यन्ततरम् (atyanta-taram) *adv.* exceedingly, very much स्पर्शरसेऽत्यन्ततरमुत्कण्ठितोऽस्मि ते Stotrā. 10. 15.

अत्यन्ततरोक्त (atyantatarokta) *adj.* repetedly told यो ह्यत्यन्ततरोक्तश्च पुराकल्पः स उच्यते VāyuP. i. 59. 112.

अत्यन्ततस् (atyanta-tas) *adv.* **i** always, invariably, permanently दृष्टे सापार्था चेन्नैकान्तात्यन्ततोऽभावात् SāṁkhyaKā. 1; यत एकान्ततोऽवश्यमत्यन्ततो नित्यं दृष्टेन हेतुनाभिघातो न भवति SāṁkhyaKāBh. 2. 8 (*on* 1); एकान्तात्यन्ततश्च पुनस्ते ह्युपायाः ··· तुल्या एव संभवन्ति RaseCin. 1. 11 (3. 22); **ii** absolutely, completely (essentially) सास्नादिभ्यस्तु पिण्डस्य भेदो नात्यन्ततो यदा S'lokaVār. 5(16). 46 (557. 3); सर्वेषां पदार्थानां ब्रह्मात्मकत्वादत्यन्ततो नानाभावो नास्ति VedāntKau. 127. 21 (*on* i. 4. 11); **iii** extremely, excessively ये सुकुमारमतयः ··· ये चात्यन्ततोऽपि जडमतयः ··· उभयेऽपि ··· प्रवर्तयितव्याः VyaktiVi. 20. 25.

अत्यन्तता (atyanta-tā) *f.* [Inst.] absolutely [DBHS]

अत्यन्ततात्पर्यता (atyantatātparya-tā) *f.* total attentiveness or intentness (i. e. being completely given to some aim or object) ताच्छील्यप्रत्ययोपादानात् अत्यन्ततात्पर्यतयैव तन्मयत्वम्, न तु तत्कर्ममात्रेणेत्याशङ्क्याह पुण्यः पुण्येन कर्मणा भवति BṛĀraUBh. 614. 4 (*on* iv. 4. 5)

अत्यन्ततादात्म्य (atyanta-tādātmya) *n.* absolute identity अत्यन्ततादात्म्ये गमनानुपपत्तेः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 836. 8 (*on* iv. 3. 14)

अत्यन्ततान्ता (atyanta-tāntā) *adj.* (*f.*) very much exhausted or languishing अत्यन्ततान्ता न शक्नोम्यहमन्तःपुरं गन्तुम् TilaMañ. 308. 14.

अत्यन्तताप (atyanta-tāpa) *adj.* causing excessive trouble or suffering मातृभोजनैः। अत्यन्ततापैरत्यर्थं वर्धमानातिवेदनः (जन्तुः) VisṇuP. vi. 5. 11; *m.* A excessive trouble or suffering ननु इव शब्दोऽप्यत्यन्ततापाभावेऽनुपपन्नः PrakaVi. 488. 16; B excessive heat अत्यन्ततापे सत्युदकपरिक्षयात् NyāyKa. 197. 2; C fiercely burning heat (of the sun) तत्र भूमिः ··· अत्यन्ततापविषमा निस्तृणा VisṇuDhaP. i. 162. 5.

अत्यन्ततापित (atyanta-tāpita) *adj.* excessively troubled or distressed गृहिणीवृत्तदोषेण गौतमोऽत्यन्ततापितः SabhāS'. 94.

अत्यन्ततामसी (atyanta-tāmasī) *f.* one of the fourteen births of *jīva* (pertaining to very deep ignorances) संदिग्धमोक्षा यदि तत्प्रोच्यतेऽत्यन्ततामसी YogVā. iii. 98. 8 = iii. 94. 19.

अत्यन्तताम्रास्य (atyantatāmrāsya) *adj.* having a very red face कपयः पिंगललोचनाः। क्रोधेनात्यन्तताम्रास्याः प्रत्येकं हनुमत्समाः BrahmāṇḍP. iii. 29. 118.

अत्यन्ततावि‍रहितत्व (atyatatāvirahita-tva) *n.* absence of permanence, temporariness स्रक्चन्दनवनितानाम् ···अनैकान्तिकत्वादत्यन्ततावि‍रहितत्वाच्च परिहरणीयम् RaseCin. 1. 10 (3. 18)

अत्यन्ततिथिवृद्धि (atyanta-tithivṛddhi) *f.* continuation of the (new moon) day (to the *pratipadā* exceeding the limit of late afternoon) (*lit.* excessive increase of the lunar day) अमावास्या प्रतीता चेन्मध्याह्नात्परतो यदि। भूतविद्धेति विख्याता ··· अत्यन्ततिथिवृद्धौ तु भूतविद्धां परित्यजेत् BṛNāraP. 27. 33.

अत्यन्ततिरस्कार (atyanta-tiraskāra) *m.* i total concealment or cover-up सर्वात्मतारूपस्य विक्षेपस्यात्यन्ततिरस्कारादनुत्पत्तिरतीतेऽध्वनि प्रवेशः क्षयः RājMār. 46. 5; ii complete disregard (i. e. total abandonment) अत्र च वाच्यस्यात्यन्ततिरस्कारः पूर्वोक्तमनुसृत्य योजनीयः Loc. 123. 24 (*on* 3. 1)

अत्यन्ततिरस्कृत (atyanta-tiraskṛta) *adj.* [*f.* -ā] i greatly discarded or neglected तथाविधे हि भये नात्मात्यन्ततिरस्कृतो न विशेषत उल्लिखितः AbhinBhā. i. 279. 9 (*on* 6. 31); ii completely abandoned नन्वत्र लक्षणात्यन्ततिरस्कृता Loc. 18. 14 (*on* 1. 4); अत्यन्ततिरस्कृतस्तादृशो वाच्यो यत्र सः Ekāva. 3. 1 (21) (83. 7); तदेवानुपपत्त्यादेः काप्यत्यन्ततिरस्कृतम् BhāvPra.(S'ā.) 173. 2 (6)

अत्यन्ततिरस्कृतत्व (atyantatiraskṛta-tva) *n.* the state of being completely abandoned तत्र मुख्यार्थस्यात्यन्ततिरस्कृतत्वादत्यन्ततिरस्कृतवाच्यत्वम् SāhiDa. 209. 2.

अत्यन्ततिरस्कृतवाच्य (atyantatiraskṛta-vācya) *adj.* (a type of poetry) in which the expressed meaning is completely abandoned तद्भेदा यथा अर्थान्तरसंक्रमितवाच्यः अत्यन्ततिरस्कृतवाच्य इति अविवक्षितवाच्यस्य Loc. 48. 17 (*on* 1. 16); अत्र लिप्तेति पयोदसुहृदामिति च अत्यन्ततिरस्कृतवाच्ययोः संसृष्टिः KāvyPra. 188. 6; अत्यन्ततिरस्कृतवाच्यस्तु पदार्थोपचार एव VyaktiVi. 36. 15; अत्र शंसनस्यात्यन्ततिरस्कृतवाच्यस्यातिप्रसिद्धत्वादगूढत्वम् Ekāva. 4. 1. (6) (131. 1); ध्वनिरर्थान्तरसंक्रमितवाच्योऽत्यन्ततिरस्कृतवाच्यश्चेति द्विविधः SāhiDa. 208. 4; AlaṅkāSa. 14. 3; RasGaṅ. 25. 8.

अत्यन्ततिरस्कृतवाच्यध्वनि (atyantatiraskṛtavācya-dhvani) *m.* variety of poetry based on suggestion in which the expressed meaning is completely discarded [*f.* (in rhetoric) a metaphoric or hyperbolic use of depreciatory language, MW ?]

अत्यन्ततिरोधान (atyanta-tirodhāna) *n.* complete hiding पक्षेऽन्यपदार्थेऽवयवानामत्यन्ततिरोधानान्नास्ति पूरण्याः प्राधान्यम् Pradī. v. 231B. 16 (*on* vi. 3. 34)

अत्यन्ततिरोभाव (atyanta-tirobhāva) *m.* complete or total disappearance उपलब्धिलक्षणप्राप्तस्यात्यन्ततिरोभावोऽनित्यतेत्यन्ये NyāyVār. 285. 20 (*on* ii. 2. 12–13); एवं सत एवात्यन्ततिरोभावो विनाशः इति अनित्यतेति चाख्यायते TātpaṬ.(Vā.) 442. 23 (*on* ii. 2. 13)

अत्यन्ततीक्ष्ण (atyanta-tīkṣṇa) *adj.* i very pungent अत्यम्लानि फलानि···अन्तर्बाह्यमलातिशोधनकराण्यत्यन्ततीक्षणा(? क्ष्णा)नि च KalyāKā. 4. 43; ii very sharp नागराजाविवात्यन्ततीक्ष्णनाराचदन्तुरौ। पृष्ठे निषङ्गौ बिभरांचक्रे विश्वंभराधवः TrisaS'aPuC. i. 5. 409; मृद्व्यप्यत्यन्ततीक्ष्णाग्रा निर्झरोर्मिरिवोत्थिता (वासना) YogVā. iii. 113. 14.

अत्यन्ततीक्ष्णता (atyantatīkṣṇa-tā) *f.* extreme sharpness तस्य (खड्गवरस्य) शाणेऽप्यशाणे खरता मूर्ध्नि चात्यन्ततीक्ष्णता YuktiKa. 159. 20.

अत्यन्ततीव्र (atyanta-tīvra) *adj.* very intense अत्यन्ततीव्रो दर्पदाहज्वरोष्मा Kād. 102. 20.

अत्यन्ततीव्रता (atyantatīvra-tā) *f.* very high-pitched state अत्यन्ततीव्रताद्यापन्नेषु शब्देषु ··· स्थिरत्वम् NyāySiA. 248. 1.

अत्यन्ततुङ्गा (atyanta-tuṅgā) *adj.* (*f.*) very great (*lit.* tall) वयम्··· पूजिता यन्नरेन्द्रेण श्रद्धयात्यन्ततुङ्गया PadmP.(Ra.) 4. 113.

अत्यन्ततुच्छ (atyanta-tuccha) *adj.* i absolutely non-existent, extremely fictitious अत्यन्ततुच्छगगननलिननरविषाणादिव्यावृत्ताः सत्त्वहेतव उदाहर्तव्याः TattvVai. 129. 17 (*on* 3. 13); ii extremely useless संभारोऽयं भुवनभवनव्याप्तिपर्याप्तभोगः सर्वाशासु प्रततजनतापूरणेऽत्यन्ततुच्छः DarpDa. 6. 37.

अत्यन्ततुच्छता (atyantatuccha-tā) *f.* the state of being totally non-existent or fictitious नात्यन्ततुच्छता येनैकान्ततोऽनित्यं स्यात् TattvVai. 129. 17 (*on* 3. 13)

अत्यन्ततुच्छत्व (atyantatuccha-tva) *n.* the state of being totally non-existent or fictitious न हि लोके मृत्तिकाविकाराणामत्यन्ततुच्छत्वं सिद्धं येन दृष्टान्तता स्यादिति SāṁkhyaPraBh. 159. 7 (*on* 6. 52)

अत्यन्ततुमुल (atyanta-tumula) *adj.* extremely tumultuous युद्धम् ··· अत्यन्ततुमुलं चासीच्छक्तीनां सैनिके महत् BrahmāṇḍP. iii. 25. 69.

अत्यन्ततुल्य (atyanta-tulya) *adj.* extremely similar, equal in all respects यश्चान्योऽन्यमत्यन्ततुल्येषु मुक्तात्मादिषु ··· विशेषाख्यः पदार्थः कल्प्यते NyāyPari. 497. 17.

अत्यन्ततुल्यता (atyantatulya-tā) *f.* complete equality, the state of being equal in all respects नात्यन्तमेव बाध्यत्वं न चाप्यत्यन्ततुल्यता TantrVā. 114. 19 (*on* i. 3. 4)

अत्यन्ततुल्यत्व (atyantatulya-tva) *n.* complete equality or similarity 'सीम्नो विवादे क्षेत्रस्य' इत्यादिना यो न्यायोऽभिहितः तस्यारामादीनामत्यन्ततुल्यत्वेन तेष्वतिदेशानपेक्षत्वात् आरामायतनेऽपि च वक्ष्यमाणं वचनं निष्प्रयोजनम् Subodhi. 80. 21 (?22) (*on* 2. 154); BālamBha. ii. 278. 4 (*on* 2. 154)

अत्यन्ततुष्ट (atyanta-tuṣṭa) *adj.* extremely satisfied एतेषु देशेषु दत्तेन कृतेन श्राद्धेनात्यन्ततुष्टाः पितरो भवन्तीति ManuBh. i. 296. 6 (*on* 3. 197)

अत्यन्ततृप्ति (atyanta-tṛpti) *f.* complete satisfaction उपादेयाः श्राद्धेऽत्यन्ततृप्त्यर्थम् DīpKa. 29. 27 (*on* 1. 259)

अत्यन्ततृप्तिद (atyantatṛpti-da) *adj.* giving complete satisfaction खड्गमांसमतीवात्र कालशाकं तथा मधु। शस्तानि कर्मण्यत्यन्ततृप्तिदानि नरेश्वर VisṇuP. iii. 16. 3.

अत्यन्ततृषित (atyanta-tṛṣita) *adj.* very thirsty स्पृशंस्तु विमलं शीतमुदकं द्विरदः सुखम्। अत्यन्ततृषितो वन्यः प्रतिसंहरते करम् Rāmā. iii. 280*; दृष्ट्वा मेघमुखान्नागकुमारान्नभसि स्थितान्। तेऽबध्नन्नञ्जलीन् भालेष्वत्यन्ततृषिता इव TrisaS'aPuC. i. 4. 413.

अत्यन्ततृष्णावती (atyanta-tṛṣṇāvatī) *adj.* (*f.*) extremely affectionate एषा ते माता न स्नेहवती द्वितीये पुत्रेऽत्यन्ततृष्णावती कनकमयमङ्गुलीयकं रहसि तस्मै दत्तवती ManuBh. ii. 192. 29 (*on* 8. 275)

अत्यन्ततेजस्विन् (atyanta-tejasvin) *adj.* extremely bright or lustrous पुण्डरीकमत्यन्ततेजस्वि ChāndoUBh. 48. 11 (*on* i. 6. 7); कपेर्मर्कटस्यासः पृष्ठभागोऽत्यन्ततेजस्वी PrakaVi. 125. 17; इति दक्षवचने सूर्यपदं नक्षत्रपदं चात्यन्ततेजस्विसूर्यनक्षत्रपरम् VīraMi.(Āhnika.) 262. 8.

अत्यन्ततेजोऽभाव (atyanta-tejo'hhāva) *m.* absolute non-existence of light तमोऽञ्जनपुञ्ज इव श्याममिति ज्ञानमत्यन्ततेजोऽभावे सति सर्वत्रारोपितरूपमात्रविषयमप्रत्यक्षमपि प्रत्यक्षमिव पश्यति NyāyKa. 179. 17.

अत्यन्ततोष (atyanta-toṣa) *m.* extreme joy सा चात्यन्ततोषाच्चन्दनतरोर्निरुपमं गर्भखण्डं दत्त्वा यथास्थानं प्रपेदे BhojPra. 49. 2.

अत्यन्ततोषभाज् (atyantatoṣa-bhāj) *adj.* highly satisfied or pleased इति शय्यम्भवस्तस्मै सर्वमत्यन्ततोषभाक् सुवर्णताम्रपात्रादि यज्ञोपकरणं ददौ PariPar. 5. 37.

अत्यन्तत्याग (atyanta-tyāga) *m.* complete abandonment पापरोगा अपस्माराद्यास्तदाक्रान्तं पतिं द्विषन्त्या नार्या न त्यागोऽत्यन्तत्यागः ManvaVi. 1156. 10 (*on* 9. 79); ब्रह्मोज्झता वेदस्यात्यन्तत्यागोऽनध्ययनम् ManvaVi. 1371. 7 (*on* 11. 56)

अत्यन्तत्याज्य (atyanta-tyājya) *adj.* to be absolutely abandoned or discarded तत्रान्त्यानां वाससामत्यन्तत्याज्यानां त्यागः Aparā. 885. 18 (*on* 3. 16)

अत्यन्तत्रयीविरुद्ध (atyanta-trayīviruddha) *adj.* absolutely contrary to or extremely opposed to the three Vedas (i. e. Vedic prescriptions) बाभ्रव्यादीनाम् ··· अत्यन्तत्रयीविरुद्धाचारान्वये चानुपपन्ने सति S'rutaPra. ii. 320. 22 (*on* ii. 2. 38)

अत्यन्तत्वरित (atyanta-tvarita) *adj.* extremely quick or nimble

विद्रवन्तमिवाभान्तमत्यन्तत्वरितैः पदैः ··· तं राजनन्दनः ··· पप्रच्छ VikraDeC. 4. 40.

अत्यन्तदक्षिण (atyanta-dakṣiṇa) *adj.* extremely courteous अत्यन्तदक्षिणो लोकदाक्षिण्येन जगत्पतिः । प्रतीयेष निरीहोऽपि मङ्गलानि पदे पदे TrisaS'aPuC. ii. 3. 240.

अत्यन्तदक्षिणता (atyantadakṣiṇa-tā) *f.* extreme skill or compliance आवर्ज्यतेऽवसर एव हि चित्तवृत्तिरत्यन्तदक्षिणतया सुजनस्य वाग्भिः HarVi. 38. 14.

अत्यन्तदग्ध (atyanta-dagdha) *n.* one of the four kinds of medical treatment by cauterizing स्पृष्टं चैव समं च दग्धमथवा दुर्दग्धमत्यन्तदग्धं चेत्तत्र चतुर्विधं ह्यभिहितं तेषां यथानुक्रमात् KalyāKā. 21. 24.

अत्यन्तदयान्वित (atyantadayānvita) *adj.* extremely compassionate (पुरुषः) धीरोऽत्यन्तदयान्वितोऽपि ··· दुष्टानाम् ··· सङ्गं सदा चेद्भजेत् AdhyāRā. ii. 2. 82.

अत्यन्तदयापर (atyantadayā-para) *adj.* extremely compassionate वैश्यात्यन्तदयापरैर्न विहिता वन्ध्यार्थिनां प्रार्थना Subhāṣi. 3200.

अत्यन्तदयित (atyanta-dayita) *adj.* [*f.* –ā] very dear अत्यन्तदयितो भृत्यः कृतानेकाद्भुतक्रियः PadmP.(Ra.) 33. 75; अत्यन्तदयिता त्वं मे किमन्यस्त्रीभिरुत्तमे PadmP.(Ra.) 73. 86.

अत्यन्तदरिद्र (atyanta-daridra) *adj.* very poor रत्नापहारी चात्यन्तदरिद्रः AtriSm. 4. 4; कुतस्ते ब्राह्मणभोजनस्य शक्तिरत्यन्तदरिद्रस्य Tantrākhyā. 63. 22; PañcT. 2. 27 (219. 6); अहम् ··· ब्राह्मणः ··· अत्यन्तदरिद्रः ··· देशान्तरमागतः SiṁhāDvā. 161. 5(3); अत्यन्तदरिद्रस्यापि अतिथिपूजाव्यतिक्रमो न युक्तः ManuBh. i. 249. 27 (*on* 3. 90)

अत्यन्तदर्पित (atyanta-darpita) *adj.* very proud दण्डधरः प्रभुः ··· नियमयत्येव ··· अत्यन्तदर्पितान् BrahmāṇḍP. iii. 33. 58.

अत्यन्तदर्शनगोचर (atyanta-darśanagocara) *m.* absolute range of perception एनम् अत्यन्तदर्शनगोचरप्राप्तं विमूढा ··· नानुपश्यन्ति GītāBh.-(S'aṅ.) 439. 10 (*on* 15. 10)

अत्यन्तदर्शिता (atyanta-darśitā) *adj.* (*f.*) shown to a great extent भवेदभिभवायैव क्षमा ह्यत्यन्तदर्शिता PariPar. 7. 58.

अत्यन्तदवीयस्ता (atyantadavīyas-tā) *f.* the state of being very distant काली कराली च मनोजवा चेति मन्त्रे ब्रह्मविद्याप्रस्तावे अत्यन्तदवीयस्तयोपयुक्तमग्निजिह्वानिरूपणमपि दृश्यते S'ivārkaMaDī. i. 382. 22 (*on* i. 2. 22)

अत्यन्तदारिद्र्य (atyanta-dāridrya) *n.* extreme poverty तद्द्वारं विधातव्यम् ··· आध्मातेऽत्यन्तदारिद्र्यम् ··· नृणाम् ··· भवेत् SamarāSū. 39. 53; भो यजमान अहमत्यन्तदारिद्र्यपीडितः ··· ब्राह्मणः SiṁhāDvā. 148. 5(5)

अत्यन्तदारुण (atyanta-dāruṇa) *adj.* **i** extremely dreadful or frightful उत्पातास्तत्र वै यथा । तेषां तीव्रतमं ज्ञेयं फलमत्यन्तदारुणम् ViṣṇuDhaP. ii. 156. 3; मुमुचुः शरजालानि राक्षसा देवतागणे । देवाश्च राक्षसानीके संग्रामेऽत्यन्तदारुणे BṛNāraP. 10. 13; **ii** very cruel अत्यन्तदारुणः पापो वह्निना दह्यतामसौ PadmP.(Ra.) 98. 93; **iii** very severe or acute अक्षिदुःखं हृदो दुःखं सर्पेतेऽत्यन्तदारुणाः KathāK. 26. 15.

अत्यन्तदार्ढ्य (atyanta-dārḍhya) *n.* complete or absolute certainty तद्यत्र दुष्टाशयत्वस्यात्यन्तदार्ढ्याभावस्तद्विषयम् SmṛtiCan. iii. 283. 20.

अत्यन्तदाह (atyanta-dāha) *m.* **i** excessive burning sensation चूर्णितं सर्वमेतत् । व्यामिश्रं भक्षयित्वा जयति नरवरो रक्तपित्तक्षयासृक्तृष्णाश्वासोरुहिक्काज्वरमदकसनारोचकात्यन्तदाहान् KalyāKā. 10. 22; **ii** complete burning यस्य यज्ञस्य पुरोडाशावाग्नेयाग्नीषोमीयौ क्षायतोऽत्यन्तदाहेन भस्मीभवतः NyāyMāVi. 331. 27 (*on* vi. 4. 5); क्वचिच्चैकस्यार्धस्यात्यन्तदाहादर्धान्तरस्यादनीयत्वम् MayūMāli. 484. 7 (*on* vi. 4. 5)

अत्यन्तदीन (atyanta-dīna) *adj.* extremely pitiable or sad (पद्मः) अत्यन्तदीनवदनः कृत्वा निष्वां(? निर्ज्यां) धनुर्लताम् PadmP.(Ra.) 44. 148; SiṁhāDvā. 201. 1(4); गिरिगह्वरगुहायां लीनमत्यन्तदीनं स्वजनकममुनैव प्राणहीनं करोषि RasGaṅ. 690. 10.

अत्यन्तदीनत्व (atyantadīna-tva) *n.* the state of being extremely pitiable तान् दृष्ट्वा स बलीयसः । जगामात्यन्तदीनत्वं स्वभोगभ्रंशकातरः PadmP. (Ra.) 11. 312.

अत्यन्तदीनम् (atyanta-dīnam) *adv.* very pitiously अत्यन्तदीनमेतस्यां रुदन्त्याम् ··· मृगीभिरपि निर्मुक्ताः ··· बाष्पबिन्दवः PadmP.(Ra.) 17. 79.

अत्यन्तदीप्त (atyanta-dīpta) *adj.* extremely bright श्रुतिसहजविवेकं-(? क)ज्ञानसंसर्गदीपाः ··· अत्यन्तदीप्ताः । ··· यस्य SubhāRaSaṁ. 20.

अत्यन्तदीप्तिमत् (atyantadīpti-ma(n)t) *adj.* extremely refulgent or radiant (यः) अत्यन्तदीप्तिमान् ··· । दृष्ट्वा तं तादृशं शेषो भीत्या भ्रान्त इवाभवत् GaṇeP. i. 90. 47; पुण्डरीकं यथात्यन्तदीप्तिमदेवमस्य पुरुषस्याक्षिणी अत्यन्तदीप्तिमती PrakaVi. 125. 17.

अत्यन्तदीप्रा (atyanta-dīprā) *adj.* (*f.*) extremely refulgent वक्षस्तस्य तया भिन्नम् ··· शक्त्या दिव्ययात्यन्तदीप्रया PadmP.(Ra.) 62. 82.

अत्यन्तदीर्घ (atyanta-dīrgha) *adj.* [*f.* –ā] **1** very long वक्त्रश्रोत्रशिरोधराधररदैरत्यन्तदीर्घैः कृशैः (उपलक्षिताः अश्वजातीयाः पुरुषाः) RatiRaha. 3. 35; **2** continuing for a very long time दुःखायात्यन्तदीर्घाय बालता YogVā. i. 19. 26; इत्थम् ··· मया ··· नेष्यन्ते कति वा प्रजागरभरैरत्यन्तदीर्घाः क्षपाः MahāN. 4. 31.

अत्यन्तदीर्घता (atyantadīrgha-tā) *f.* great height or tallness अत्यन्तदीर्घतया दीर्घं त्रिविक्रमादपि ··· राक्षसं ददर्श UdaySuKa. 75. 27.

अत्यन्तदीर्घिका (atyanta-dīrghikā) *adj.* (*f.*) continuing for a very long time कथा मे मन्दभाग्याया इयमत्यन्तदीर्घिका PadmP.(Ra.) 98. 32.

अत्यन्तदुःकथा (atyanta-duḥkathā) *adj.* (*f.*) extremely painful to narrate गत्वा वैश्रवणाय ··· तेन वेदिता । दशग्रीवाद्विनिष्क्रान्ता वाणी चात्यन्तदुःकथा PadmP.(Ra.) 8. 193.

अत्यन्तदुःख (atyanta-duḥkha) *n.* extreme sorrow or grief आयुष्मन् अलमत्यन्तदुःखावेगेन VeṇīSaṁ. 4. 306; अत्यन्तदुःखविज्ञानं सम्यक्त्वरहितात्मनाम् PadmP.(Ra.) 31. 20; नो वेद्मि किं करोमीति ··· । अत्यन्तदुःखवेगोरुचिन्तावार्तान्तरस्थितः PadmP.(Ra.) 31. 123; 2. 172; यः शूद्रसंस्कृतं लिङ्गम् ··· नमेन्नरः । इहैवात्यन्तदुःखानि पश्यन्ति(? ति) BṛNāraP. 14. 62; अत्यन्तदुःखमापन्नो मुमूर्च्छे PadmP. iv. 41. 28; PramāMā. 21. 9; गर्भवासे ··· अत्यन्तदुःखाद् गच्छन्ति मासाः TrisaS'aPuC. ii. 1. 47; ManvaVi. 1240. 3 (*on* 9. 248); अत्यन्तदुःखसहिष्णुरूपे रामे SāhiDa. 55. 1; *adj.* [*f.* –ā] causing great sorrow गतिष्वत्यन्तदुःखासु निर्विण्णः पर्यटन्नहम् PadmP.(Ra.) 10. 164; अत्यन्तदुःखान्मरणाद्वरं व्याधिः YogVā. iii. 106. 19.

अत्यन्तदुःखकर (atyantaduḥkha-kara) *adj.* causing extreme affliction यद्वचनम् ··· अत्यन्तदुःखकरार्थकं तद्वाक्पारुष्यम् SmṛtiCan. iii. 12. 12.

अत्यन्तदुःखतस् (atyantaduḥkha-tas) *adv.* due to great sorrow संसारे पर्यटन् जन्तुः ··· मनुष्यभावमायाति चिरेणात्यन्तदुःखतः PadmP.(Ra.) 2. 168.

अत्यन्तदुःखद (atyantaduḥkha-da) *adj.* causing great misery मूले स्थूलौ क्रमकृशौ ··· पयोधरौ । सुखदौ पूर्वकाले तु पश्चादत्यन्तदुःखदौ SkandP. iv. 37. 61; अत्यन्तदुःखदम् । पापं राज्याख्यम् PadmP.(Ra.) 10. 175; YogVā. v. 5. 30; TrisaS'aPuC. iv. 7. 395; आपत्स्वपि हि कष्टासु वर्तमानेन देहिना NāraSm. 137. 5; अत्यन्तदुःखदापत्स्वपि BālamBha. ii. 286. 31 (*on* 2. 175)

अत्यन्तदुःखनिवृत्ति (atyanta-duḥkhanivṛtti) *f.* absolute cessation of miseries अत्यन्तदुःखनिवृत्त्या कृतकृत्यता SāṁkhyaPraSū. 6. 5; ननु मा भवतु दुष्टसाधनादत्यन्तदुःखनिवृत्तिः ··· उभयोरेव दृष्टादृष्टयोरत्यन्तदुःखनिवृत्त्यसाधकत्वे ··· अविशेष एव मन्तव्यः SāṁkhyaPraBh. 9. 5 (*on* 1. 6); 8. 2 (*on* 1. 2)

अत्यन्तदुःखप्रद (atyantaduḥkha-prada) *adj.* causing extreme sorrow दग्ध्वा कर्मेन्धनानि ज्वलितशिखिवदत्यन्तदुःखप्रदानि SubhāRaSaṁ. 415.

अत्यन्तदुःखभाज् (atyantaduḥkha-bhāj) *adj.* experiencing great affliction (ईश्वरः) करोति ··· कांश्चिदत्यन्तदुःखभाजः पश्वादीन् BrahmSūBh. (S'aṅ.) 341. 17 (*on* ii. 1. 34); PadmP. iii. 24. 8.

अत्यन्तदुःखसंचार (atyantaduḥkha-sañcāra) *adj.* extremely difficult to traverse अत्यन्तदुःखसंचारोऽयं मार्गः विशेषतस्त्वां प्रति KundaMā. 1. 28(9)

अत्यन्तदुःखसाध्यत्व (atyantaduḥkhasādhya-tva) *n.* the state of being accomplished with great trouble or difficulty प्रकृष्टसुखान्तरदर्शनात्यन्तदुःखसाध्यत्वदुःखोदर्कत्वविरहे सति निरूपकस्यापि तत्रोपादेयताबुद्धिदर्शनात S'rutaPra. iA. 71. 22 (*on* i. 1. 1)

अत्यन्तदुःखाकार (atyantaduḥkhākāra) *adj.* characterised by great misery जीवोऽहमत्यन्तदुःखाकारः TripāMaNāU. 366. 20(5)

अत्यन्तदुःखाभाव (atyanta-duḥkhābhāva) *m.* absolute absence of misery (ब्रह्मणः) अत्यन्तदुःखाभाववतो नित्यमुक्तत्वात् Kiraṇā. 90. 20.

अत्यन्तदुःखार्त (atyantaduḥkhārta) *adj.* overpowered by great sorrow तेऽत्यन्तदुःखार्ताः PadmP.(Ra.) 123. 39; मुरद्विषः । मृत्युनात्यन्तदुःखार्तः प्रवर्ते PāṇḍaC. 18. 81.

अत्यन्तदुःखित (atyanta-duḥkhita) *adj.* [*f.* –ā] greatly afflicted साहम् ··· । अत्यन्तदुःखिता कृष्ण किं जीवितफलं मम MahāBhā. v. 88. 63; MārkP. 99. 18; BṛNāraP. 7. 56; अत्यन्तदुःखितस्तप्त्वा तपः PadmP.(Ra.) 64. 94; मम वधूं सा ··· सपत्नपालैश्चकारात्यन्तदुःखिताम् BṛKathāMañ. ix. 1. 826; KathāSaSāg. vi. 6. 122; ग्रामकूटसुतोऽभवत् । एको विपन्नपितृकोऽत्यन्तदुःखितमातृकः PariPar. 3. 108; इमामत्यन्तदुःखिताम् । किं नाम ··· त्वमेवमवमन्यसे PāṇḍaC. 5. 97; 2. 103; 2. 445; RājTa.(Ka.) 8. 2341; (S'rī.) 2. 110;

2. 131; भवन्ति परदु:खेन साधवोऽत्यन्तदु:खिता: SiṁhāDvā. 101. 7; 116. 14 (25)

अत्यन्तदु:खिता (atyantaduḥkhi-tā) *f.* extreme sorrowfulness जान-(? ना)स्येव ममाकूतमत: किं ते निवेद्यते । केवलं मुखरत्वं मे करोत्यत्यन्तदु:खिताम् PadmP.(Ra.) 15. 120.

अत्यन्तदु:खिन् (atyanta-duḥkhin) *adj.* extremely miserable मनुष्येषु रज उत्कटं भवति सत्त्वतमसी उदासीने तेन तेऽत्यन्तदु:खिन: SāṁkhyaKāBh. 12. 29 (*on* 16); SkandP. ii(2). 5. 24.

अत्यन्तदु:खोपरम (atyanta-duḥkhoparama) *adj.* in which there is absolute cessation of misery अत्यन्तदु:खोपरमं सुखम् Saund. 12. 23.

अत्यन्तदु:खोपशमन (atyanta-duḥkhopaśamana) *n.* absolute cessation of misery देहादेरव्यक्तान्तस्य ··· अत्यन्तदु:खोपशमनलक्षणमोक्षदशानुपपत्ते: ĀtmaSi. 39. 10.

अत्यन्तदु:प्रवेश (atyanta-duḥpraveśa) *adj.* extremely difficult of access त्रिकूटाख्यो महागिरि: । अत्यन्तदु:प्रवेश: PadmP.(Ra.) 5. 155.

अत्यन्तदुरवगाहत्व (atyantaduravagāha-tva) *n.* the state of being extremely difficult to comprehend प्राधान्येन तत्त्वनिर्धारणं च प्रकारान्तरेण क्रियते अत्यन्तदुरवगाहत्वात् कृतमपि MuṇḍUBh. 343. 8 (*on* iii. 1. 1)

अत्यन्तदुरवगाह्यत्व (atyantaduravagāhya-tva) *n.* the state of being extremely difficult to be comprehended श्याम: हार्दं ब्रह्म अत्यन्तदुरवगाह्यत्वात् ChāndoUBh. 547. 10 (*on* viii. 13. 1)

अत्यन्तदुराराध्य (atyanta-durārādhya) *adj.* extremely difficult to be propitiated अत्यन्तदुराराध्यानामपि ऋचा वशीकरणात् BhāṭṭDī. iii. 112. 13 (*on* ix. 2. 7)

अत्यन्तदुरालोकान्त (atyantadurālokānta) *adj.* the end of which is extremely difficult to see दृष्ट्वा चाग्रतस्तं प्रभाराशिमत्यन्तदुरालोकान्तम् TilaMañ. 153. 21.

अत्यन्तदुरुपलक्ष्य (atyanta-durupalakṣya) *adj.* extremely difficult to be observed तेषाम् ··· अक्षभूमिहस्तादिषु चात्यन्तदुरुपलक्ष्याणि कूटकर्माणि DaśKuC. 47. 19; 135. 20.

अत्यन्तदुर्गत (atyanta-durgata) *adj.* extremely impoverished (विद्या) अत्यन्तदुर्गतेनापि नेरिणे वप्तव्येति । वरं म्रियताम् ManuBh. i. 134. 26 (*on* 2. 113); RājTa.(Ka.) 5. 473.

अत्यन्तदुर्गति (atyanta-durgati) *f.* extreme calamity (मातापितृभ्यामुत्सृष्टम्) बहुप्रजातया भरणासमर्थेनात्यन्तदुर्गत्या ManuBh. ii. 296. 3 (*on* 9. 171); BālamBha. ii. 171. 15 (*on* 2. 130)

अत्यन्तदुर्गत्व (atyantadurga-tva) *n.* the state of being very difficult of access पुरस्यात्यन्तदुर्गत्वात् साधनक्षयकातर: । न स तद्ग्रहणे बुद्धिं चकार PadmP.(Ra.) 33. 168.

अत्यन्तदुर्गम (atyanta-durgama) *adj.* [*f.* –ā] **1A** very difficult of access समैश्चात्यन्तदुर्गमै: । ··· व्यावृत्तदेह: स गिरि: HariVaṁ. 61. 43; PadmP.(Ra.) 5. 152; कथमेतां प्रविष्टस्त्वं भूमिमत्यन्तदुर्गमाम् NavaSāC. 16. 11; वाहनै: । महीतलं समाक्रान्तं कृतमत्यन्तदुर्गमम् PadmP.(Ra.) 101. 50; **2** very diffcult to comprehend or grasp कथं वा तव मन्त्रोऽयं विदितोऽत्यन्तदुर्गम: PadmP.(Ra.) 33. 142; **3** very difficult (to effect) परिहासपुरे तेन स तत: संप्रवेशित: । श्वभ्राम्बुविषमाद्यसान्निर्गमोऽत्यन्तदुर्गम: RājTa.(Ka.) 7. 1326.

अत्यन्तदुर्गा (atyanta-durgā) *adj.* (*f.*) extremely difficult to traverse महीदुर्गं पृथिव्येव यत्र समविषमतया प्राकारादिभिश्चात्यन्तदुर्गा ManvaVi. 790. 4 (*on* 7. 70)

अत्यन्तदुर्ग्रह (atyanta-durgraha) *adj.* [*f.* –ā] **i** very difficult to comprehend तत्त्वमसीति तु वाक्यमत्यन्तदुर्ग्रहपदार्थम् Bhām. 705. 16 (*on* iv. 1. 2); NyāyKu. 184. 13; **ii** very obstinate प्रातर्ज्ञात्वा महाश्वेता ततस्तरलिकागिरा । अत्यन्तदुर्ग्रहामेव सखीम् BṛKathāMañ. App. 38.

अत्यन्तदुर्ग्राह्य (atyanta-durgrāhya) *adj.* totally unacceptable नारायणस्य तल्पवाहनोपासनेन मुक्तिरित्युक्तम्, तदत्यन्तदुर्ग्राह्यम् S'aṅkaVi.(Ā.) 223. 9.

अत्यन्तदुर्घट (atyanta-durghaṭa) *adj.* very difficult to accomplish अथावयविसद्भावादिदमुत्तरमुच्यते । निरूपयिष्यते पश्चादेतदत्यन्तदुर्घटम् PramāVāBh. 41. 8.

अत्यन्तदुर्जय (atyanta-durjaya) *adj.* [*f.* –ā] very difficult to overcome or conquer संसारप्रभवो मोहो यैर्जितोऽत्यन्तदुर्जय: । अर्हन्तो भगवन्तस्ते भवन्तु तव मङ्गलम् PadmP.(Ra.) 89. 24; BhaviP. 720A. 37 (iv. 82. 36); कृत्या सात्यन्तदुर्जया PāṇḍaC. 9. 204; 13. 760.

अत्यन्तदुर्दर्शन (atyanta-durdarśana) *n.* extremely perverse philosophical system सिद्धेऽपि संख्यास्वरूपे ये केचिदत्यन्तदुर्दर्शनाभ्यासतिरोहितबुद्धयो विप्रतिपद्यन्ते तान् प्रत्याह । एकादीति NyāyKa. 113. 17; 179. 20.

अत्यन्तदुर्धरा (atyanta-durdharā) *adj.* (*f.*) very difficult to bear or resist नन्दीश्वरान्ते च पिशिताशाभवत् प्रभो: । अत्यन्तदुर्धरा BṛKathāK. 115. 5.

अत्यन्तदुर्बल (atyanta-durbala) *adj.* **i** very weak, ineffective अत्यन्तदुर्बलोऽपि विधि: ··· प्रतिषेधेन तुल्यबलो भवति TantrVā. 4. 16 (*on* i. 2. 2); **ii** very weak वत्स स्वच्छन्दचर्याभिरभूरत्यन्तदुर्बल: PāṇḍaC. 2. 107; SiṁhāDvā. 190. 4(3)

अत्यन्तदुर्बलत्व (atyantadurbala-tva) *n.* extreme weakness (of argument) श्रुतिमूलशून्यस्योपमानमात्रस्यात्यन्तदुर्बलत्वात् VedāntRaMañ. 2. 7 (92. 14)

अत्यन्तदुर्बोध (atyanta-durbodha) *adj.* very difficult to understand नात्यन्तदुर्बोधोऽयमर्थ: MudrāRā. 4. 11(3)

अत्यन्तदुर्भग (atyanta-durbhaga) *adj.* [*f.* –ā] very unfortunate or unlucky इष्टा ग्रथास्विन: (? यशस्विन:) केचित्केचिदत्यन्तदुर्भगा: PadmP.(Ra.) 14. 44; अत्यन्तदुर्भगा मातुरप्युद्वेगविधायिनी । सा कालं गमयत्यन्यगृहे TriṣaS'aPuC. i. 1. 543.

अत्यन्तदुर्भिक्ष (atyanta-durbhikṣa) *n.* excessive famine or scarcity of food अत्यन्तदुर्भिक्षे औपसर्गिकात्यन्तमरकादिपीडायां च नाशौचम् HārLa. 103. 20.

अत्यन्तदुर्भिद् (atyanta-durbhid) *adj.* very difficult to cut or untie तदस्य दग्धसंसारग्रन्थेरत्यन्तदुर्भिद: । परं निर्मूलविच्छेदि क्रियतां तद्भवार्चनम् SaurP. 48. 9.

अत्यन्तदुर्मद (atyanta-durmada) *adj.* very arrogant दश चाष्टौ च सङ्ग्रामानेवमत्यन्तदुर्मद: । यदुभिर्मागधो राजा चक्रे ViṣṇuP. v. 22. 11; BrahmP. 195. 11.

अत्यन्तदुर्मुख (atyanta-durmukha) *adj.* whose face is very ugly अत्यन्तदुर्मुखाय च । ··· ब्रह्महत्यां लभेत्सोऽपि य: स्वकन्यां ददाति BrahmVaiP. ii. 16. 95; DevīBhāP. iv. 18. 83.

अत्यन्तदुर्लक्ष्य (atyanta-durlakṣya) *adj.* very difficult to observe अत्यन्तदुर्लक्ष्यं यत् उ अपि अविज्ञातमिव विशेषतो अगृह्यमाणमभूत् ChāndoUBh. 362. 5 (*on* vi. 4. 7)

अत्यन्तदुर्लभ (atyanta-durlabha) *adj.* [*f.* –ā] very difficult to get, very rare तं व्वश्चैव शतं व्वश्च संयोगोऽत्यन्तदुर्लभ: PārāS'i. 109; BṛParāSm. 6. 128; ViṣṇuP. vi. 8. 54; MārkP. 1. 24; PadmP.(Ra.) 6. 504; 47. 64; सदसद्व्यतिरिक्तो हि राशिरत्यन्तदुर्लभ: NyāyMañ. ii. 97. 28; BṛĀraUBhVā. i. 4. 931; SkandP. iii(3). 18. 68; अत्यन्तदुर्लभा नृणां भक्तिर्धर्मप्रवक्तरि BṛNāraP. YuktiKa. 151. 22; ĀdiP. 17. 79; YogVā. i. 33. 43; TātpaVṛ. 276. 14 (*on* 3. 3); सफलं मानुषं जन्म विधत्तात्यन्तदुर्लभम् SamarāSaṁ. 8. 250; MūkaPañ. 1. 66.

अत्यन्तदुर्लभत्व (atyantadurlabha-tva) *n.* the state of being very difficult to obtain, extreme inaccessibility एकान्तित्वस्य च सात्त्विकाधिकारिकत्वेनात्यन्तदुर्लभत्वात् VedāntRaMañ. 3. 8 (118. 17)

अत्यन्तदुर्विज्ञान (atyanta-durvijñāna) *adj.* extremely difficult to comprehend अत्यन्तदुर्विज्ञानो ह्यसौ (वेद:) निगमनिरुक्तव्याकरणतर्कपुराणमीमांसाशास्त्रश्रवणमपेक्षते स्वार्थबोधे ManuBh. i. 73. 29 (*on* 2. 13)

अत्यन्तदुर्विध (atyanta-durvidha) *adj.* very poor आर्या म्लेच्छाश्च तत्रापि जायन्ते पूर्वकर्मत: । तथा केचिद्धनेनाद्या:(? धनेनाढ्या: (v. l. Kāśī Ed. 1958)) केचिदत्यन्तदुर्विधा: PadmP.(Ra.) 14. 41.

अत्यन्तदुर्वृत्त (atyanta-durvṛtta) *adj.* of very bad conduct क किलात्यन्तदुर्वृत्ता दानवा: YogVā. v. 32. 26.

अत्यन्तदुष्कर (atyanta-duṣkara) *adj.* very difficult to do अज्ञानामनुष्ठानमत्यन्तदुष्करं ज्ञात्वा VedāntRaMañ. 3. 8 (122. 3)

अत्यन्तदुष्करत्व (atyantaduṣkara-tva) *n.* the state of being very difficult to do संनिहितव्यवहितानां पारिशेष्येणावधारणाया अत्यन्तदुष्करत्वेऽपि PrakaPañ. 240. 14; VedāntRaMañ. 4. 10 (144. 20)

अत्यन्तदुष्कर्ष (atyanta-duṣkarṣa) *adj.* extremely difficult to cultivate पञ्चवर्षोपेक्षितं (क्षेत्रम्) पुनरटवीसमं स्यात्, अत्यन्तदुष्कर्षं भवेदित्यर्थ: SmṛtiCan. iv. 560. 16.

अत्यन्तदुष्ट (atyanta-duṣṭa) *adj.* [*f.* –ā] **i** extremely wicked or perverse अत्यन्तदुष्टस्य कलेरयमेको महान् गुण: ViṣṇuP. vi. 2. 39; एवं सोऽत्यन्तदुष्टस्य पुत्रस्य चरितैर्मुनि: । दह्यमानमनोवृत्ति: MārkP. 75. 13; **ii** extremely defective, most objectionable निरवदानाश्रयणे चात्यन्तदुष्टा परिसंख्या स्यात् TantrVā. 1022. 15 (*on* iii. 4. 47); तदत्यन्तदुष्टं नरकप्रदमेव मतम् S'aṅkaVi.(Ā.)

117.14; त्रैदोष्यादेवायं पक्षोऽत्यन्तदुष्टः MayūMāli. 320.5 (*on* iii. 7.6); 705.19 (*on* x. 4.12); **iii** extremely unchaste or defiled विप्रदुष्टां कायिकव्यभिचारेणात्यन्तदुष्टामित्यर्थः SmṛtiCan. iv. 569.16.

अत्यन्तदुष्टचेष्टा (atyantaduṣṭa-ceṣṭā) *adj.* (*f.*) whose actions are extremely wicked अत्यन्तदुष्टचेष्टा या वा सा वारयेद्गमनम् S'ārṅgaPa. 2711.

अत्यन्तदुष्टता (atyantaduṣṭa-tā) *f.* extreme defilement तत्संसर्गाच्च ब्रह्मचारिणोऽत्यन्तदुष्टता स्यात् ManuBh. i. 196.3 (*on* 2.241)

अत्यन्तदुष्प्राप (atyanta-duṣprāpa) *adj.* [*f.* -ā] extremely difficult to learn or achieve एषा (युक्तिः) ह्यत्यन्तदुष्प्रापा YogVā. v. 24.19; अत्यन्तदुष्प्रापपरप्रबोधम् YogVā. v. 50.82.

अत्यन्तदुःषम (atyanta-duṣṣama) *m.* last division of *avasarpiṇī* era (also called duṣṣama-duṣṣamā) उक्तो वर्षसहस्राणामेकविंशतिमानतः। प्रत्येकं दुःषमोऽत्यन्तदुःषमश्च जिनाधिपैः PadmP.(Ra.) 20.82.

अत्यन्तदुस्तर (atyanta-dustara) *adj.* **i** extremely difficult to overcome येनायमपरः प्राप्तः संशयोऽत्यन्तदुस्तरः PadmP.(Ra.) 105.10; **ii** extremely difficult to cross सुरभिः ··· अत्यन्तदुस्तरे पङ्के निमग्ना सती राजानं दृष्ट्वा कातरं शब्दं चकार SiṁhāDvā. 190.4 (4–5)

अत्यन्तदुस्त्यज (atyanta-dustyaja) *adj.* [*f.* -ā] extremely difficult to abandon एक एव महान्दोषः ··· । महानिन्दात्रपाहेतुः सतामत्यन्तदुस्त्यजः PadmP.(Ra.) 83.35; श्रीमत्यः अत्यन्तदुस्त्यजा मुग्धा मदाहितमनोरथाः कथमेतास्त्यजामि PadmP.(Ra.) 112.93.

अत्यन्तदुःसह (atyanta-dussaha) *adj.* [*f.* -ā] extremely unbearable, extremely difficult to endure अरण्ये नागराणां तु स्थितिरत्यन्तदुःसहा BrahmāṇḍP. ii. 28.17; गर्भगृहे ··· चलत्कृमिकुलाकीर्णे दुर्गन्धेऽत्यन्तदुःसहे PadmP.(Ra.) 5.336; 94.2; 99.76; चक्रस्य वणिजः ···। ज्वालाकुलं मूर्ध्नि चक्रं पपातात्यन्तदुःसहम् BṛKathāMañ. 15.315; भ्रातृमिन्धा इव ववुर्वायवोऽत्यन्तदुःसहाः TriṣaS'aPuC. i. 1.81; इन्द्रवारुणिकामूलं कटुत्रयसमायुतम्। पिबेदुष्णाम्बुना हन्ति शूलमत्यन्तदुःसहम् RasRaSa. 18.171.

अत्यन्तदुःसाध्य (atyanta-dussādhya) *adj.* **i** extremely difficult to subdue येनैषोऽत्यन्तदुःसाध्यः संसारः परमासुरः। निहतः ··· अर्हन्तं तम् ··· अर्चयत PadmP.(Ra.) 114.17; **ii** extremely difficult to achieve एवमत्यन्तदुःसाध्यस्य मोक्षस्य न हि देहपातात् प्राप्तिः संभवतीति सिद्धान्तः S'aṅkaVi.(Ā.) 156.3.

अत्यन्तदुःस्थ (atyanta-dusstha) *adj.* most ill-founded, most unreasonable तनुभृतस्तत्प्रतिच्छन्दभूता इत्यप्यत्यन्तदुःस्थम् TattvMu. 2.15; रूपवत्त्वाभिधानं चात्यन्तदुःस्थम् NyāySiA. 249.10.

अत्यन्तदुःस्थित (atyanta-dussthita) *adj.* [*f.* -ā] extremely miserable यस्य त्वेतद्द्वयं सत्यं स एवात्यन्तदुःस्थितः BodhiCa. 9.112; बुद्धिः सिद्धिश्च नामतः। स्थविरे द्वे मिथःसख्यौ नित्यमत्यन्तदुःस्थिते PariPar. 3.2; अस्तीह मामके सार्थे को नामात्यन्तदुःस्थितः TriṣaS'aPuC. i. 1.110.

अत्यन्तदून (atyanta-dūna) *adj.* very much distressed, excessively sad अत्यन्तदूनाः श्रीसूरयस्तदुत्तरक्रियां निर्माय ··· श्रीकुमारपालस्य स्कन्धावारमलंचक्रुः KumāCaSaṁ. 57.26.

अत्यन्तदूनहृदया (atyantadūna-hṛdayā) *adj.* (*f.*) very much distressed or sad at heart सती ··· अत्यन्तदूनहृदया वक्तुं समुपचक्रमे SkandP. iv. 88.87.

अत्यन्तदूरग (atyanta-dūraga) *adj.* staying very far away, staying in a distant (place) रराज राजराजोऽपि रामोऽत्यन्तदूरगः PadmP.(Ra.) 105.98.

अत्यन्तदूरतस् (atyantadūra-tas) *adv.* from very far रजोगुणहता दृष्टिस्तमः संपरिवर्धते। न चाधिगम्यते सत्त्वं तत्त्वमत्यन्तदूरतः YogVā. i. 26.16.

अत्यन्तदूरत्व (atyantadūra-tva) *n.* great distance दूरस्थितायां पुनरत्यन्तदूरत्वदोषनिबन्धनः (भ्रमः) MānaMe. 282.3.

अत्यन्तदूरदेश (atyantadūra-deśa) *m.* very far off country, very remote region तदत्यन्तदूरदेशे स्वामिस्थितिसंभावनाविषयम् SmṛtiCan. iii. 311.9; iv. 712.12.

अत्यन्तदूरस्थता (atyantadūrastha-tā) *f.* the state of being far away or remote व्यतिरेकादिपक्षस्त्वत्यन्तदूरस्थतया नोपक्षिप्यते S'atDū. 205.20.

अत्यन्तदूरीकृत (atyanta-dūrīkṛta) *adj.* which has been completely set aside or removed अत्यन्तदूरीकृतवालिभयं ऋक्षवानरैश्वर्यम् ··· स्वामी प्रत्यपद्यत ĀścaCū. 6.13 (13)

अत्यन्तदूष्य (atyanta-dūṣya) *adj.* highly treacherous द्वयोरपि पुरस्ताद्दूष्यबलघातिनोर्यो बहुलतरं शक्तिमत्तरमत्यन्तदूष्यं च घातयेत् सोऽतिसंधत्ते ArthS'ā. ii. 326.3 (7.13)

अत्यन्तदृढ (atyanta-dṛḍha) *adj.* very firm मृदुमूर्धानमत्यन्तदृढं परिचयग्रहे ··· पारावतं समासाद्य PadmP.(Ra.) 2.120.

अत्यन्तदृढीभूत (atyanta-dṛḍhībhūta) *adj.* which is extremely strengthened ततोऽत्यन्तदृढीभूतविरागः क्रोधभारभाक्। काकुत्स्थः ··· अवोचत् PadmP.(Ra.) 97.50.

अत्यन्तदृष्टार्थत्व (atyantadṛṣṭārtha-tva) *n.* the state of having its purpose quite visible or obvious व्रीहियवयोरत्यन्तदृष्टार्थत्वान्नापूर्वभेदः ṬupT. 214.12 (*on* ix. 2.47)

अत्यन्तदेशसाम्य (atyanta-deśasāmya) *n.* complete sameness of place अत्यन्तदेशसाम्येन प्रत्यासन्नत्वाद् विनियोगो भवति TantrVā. 862.4 (*on* iii. 3.14)

अत्यन्तदोष (atyanta-doṣa) *m.* great fault, major defect येन नात्यन्तदोषाय भवेत् MīmāKau. ii. 239.10 (*on* iii. 2.10); लक्षणापि निरूढत्वान्नात्यन्तदोषः MayūMāli. 588.11 (*on* ix. 1.8); 796.22 (*on* xi. 1.2)

अत्यन्तदोषहीन (atyanta-doṣahīna) *adj.* completely free from fault अत्यन्तदोषहीनांस्तान् हिंसन्ति यान्महामखे PadmP. ii. 36.37.

अत्यन्तदोषाभाव (atyantadoṣābhāva) *m.* absence of a great fault or defect अत्र प्रगायेऽत्यन्तदोषाभावात् प्रग्रथनम् S'āstrDī. 606.4 (*on* ix. 2.6)

अत्यन्तदौर्गत्य (atyanta-daurgatya) *n.* excessive poverty अत्यन्तदौर्गत्यपरिक्लिष्टतया प्रकृष्टसंपत्तिकामनोपासितपराशक्तिभिरपि ··· विचारण्यनामभिराचार्यवर्यैस्तूर्णमभ्यर्णमुपागताम् ··· तामेव वनभुवम् ĀnandRa. 1.45 (5)

अत्यन्तद्रव्यशून्य (atyanta-dravyaśūnya) *adj.* completely devoid of money अत्यन्तद्रव्यशून्यश्च शक्त्या दद्यात्तृणं गवाम् BṛNāraP. 26.83.

अत्यन्तद्रुतिहेतुत्व (atyantadrutihetu-tva) *n.* the state of being the cause of extreme melting (of the heart) (अतिशयान्वितम्) अत्यन्तद्रुतिहेतुत्वात् KāvyPra. 475.2; सातिशयमिति अत्यन्तद्रुतिहेतुत्वात् Kāvyānu.(He.) 241.6.

अत्यन्तधनिन् (atyanta-dhanin) *adj.* excessively wealthy, very rich अत्यन्तधनिनः ठक्कुरास्ते दण्ड्यन्ते PrabaK. 103.22; तत्र सुलोचनः श्रेष्ठी वसति अत्यन्तधनी Bharat. 4B.6.

अत्यन्तधवल (atyanta-dhavala) *adj.* extremely white (मगधाभिख्ययाख्यातो विषयः) हंससंघातैः ··· अत्यन्तधवलः क्वचित् PadmP.(Ra.) 2.27.

अत्यन्तधातूष्ण (atyanta-dhātūṣṇa) *m.* extreme heat of minerals बहुविधवरवर्णात्यन्तधातूष्णयुक्ता ··· दहनगुणधरेयम् KalyāKā. 5.6.

अत्यन्तधार्मिक (atyanta-dhārmika) *adj.* [*f.* -ā] extremely religious अत्यन्तधार्मिका गौरी तस्य पत्नी पतिव्रता BrahmāṇḍP. ii. 63.67; कश्यपः ··· त्वया तु शोभतेऽत्यर्थं पुत्रेणात्यन्तधार्मिक NilaP. 352; VarāP. 39.3; BṛNāraP. 18.62; केचिदागत्य नित्यमत्यन्तधार्मिका इव विधृतविद्याधराकाराः ··· नाट्यकर्म कर्तुं प्राक्रमन्त TilaMañ. 399.9.

अत्यन्तधीमत् (atyanta-dhīma(n)t) *adj.* extremely intelligent भवते यन्मया प्रोक्तं शिष्यायात्यन्तधीमते YogVā. iv. 34.36.

अत्यन्तधीर (atyanta-dhīra) *adj.* [*f.* -ā] **i** extremely steady or firm (of mind) न खल्वत्यन्तधीरा सा खिन्ना ते विपुला मतिः PadmPrā. 6.22; **ii** very courageous, brave or self-possessed अत्यन्तधीराणामपि मनसि साध्वसमादधानम् (अम्भोनिधिमपश्यम्) TilaMañ. 120.20.

अत्यन्तधीरधी (atyantadhīra-dhī) *adj.* whose mind is very firm मर्तव्यमिति निश्चित्य तथाप्यत्यन्तधीरधीः। शत्रुं तथाविधं वीक्ष्य पद्मनाभानुजोऽवदत् PadmP.(Ra.) 75.50.

अत्यन्तधृष्टत्व (atyantadhṛṣṭa-tva) *n.* great boldness or rudeness केचिदत्यन्तधृष्टत्वात् परमं कोपमागताः PadmP.(Ra.) 24.95.

अत्यन्तधैर्यवत् (atyanta-dhairyava(n)t) *adj.* greatly courageous राजा ··· एवं बहुविधं कालं नीत्वा अत्यन्तधैर्यवान्। ध्यायन्नारायणं देवं शीर्णपर्णाशनोऽभवत् BṛNāraP. 15.51.

अत्यन्तनम्र (atyanta-namra) *adj.* [*f.* -ā] very much bent down शनैश्चरः ··· अत्यन्तनम्रवदन ईषन्मुद्रितलोचनः ··· बालकं द्रष्टुं जगाम BrahmVaiP. iii. 11.6; लवन्ति विनमन्ति अत्यन्तनम्रा भवन्तीति लताः LalitāTriBh. 311.9 (*on* 34)

अत्यन्तनयज्ञधी (atyantanayajña-dhī) *adj.* possessing intellect very much conversant with royal policy शाहमीरः सुतो योऽस्ति तवात्यन्तनयज्ञधीः। स विसृज्यस्त्वया RājTa.(Prā.) 500.

अत्यन्तनरक (atyanta-naraka) *m.* worst hell अत्यन्तनरकस्तस्य तस्य पापीयसोऽधिकम्। कारणं (?)कीर्तनं नाम सर्वं चैव भयावहम् ManuBh. i. 462.19 (*on* 5.88)

अत्यन्तनष्ट (atyanta-naṣṭa) *adj.* totally lost अत्यन्तनष्टो यो ग्रन्थः प्रतिभात्येव कस्यचित् PramāVāBh. 16.6.

अत्यन्तनानात्व (atyantanānā-tva) *n.* total diversity यदि यागहोम-

-योरत्यन्तनानात्वमसंशये संशयवचनम् TantrRa. 146. 6; नात्यन्तनानात्वं धर्माणां क्वचिदपि धर्मिणोऽस्ति NyāyRa. 443. 19 (*on* 5(6). 33)

अत्यन्तनाश (atyanta-nāśa) *m.* complete destruction स्यातां ह्यत्यन्तनाशे हि कृतनाशाकृतागमौ । सुखदुःखादिभोगश्च नैव स्यादेकरूपिणः TattvSaṁ. 226; स्यातामत्यन्तनाशेऽस्य कृतनाशाकृतागमौ । न त्ववस्थान्तरप्राप्तौ S'lokaVār. 694. 5 (5 (17). 23); अत्यन्तनाशे गुणसंगतेर्या स्थितिर्नभोवत्कणभक्षपक्षे । मुक्तिस्तदीये चरणाक्षपक्षे सानन्दसंवित्सहिता S'aṅkaDigVi.(Mā.) 16. 69; इहात्यन्तनाशाशङ्काप्रसङ्गाभावादेवोत्क्रान्तिविषयत्वमप्यधिकरणस्यायुक्तम् S'rutaPra. ii. 394. 29 (*on* ii. 4. 7)

अत्यन्तनास्तिक्य (atyanta-nāstikya) *n.* extreme disbelief or atheism यदापि अत्यन्तनास्तिक्येनाधानकरणसंभावना पितृपितामहविषये निवृत्ता, तदाज्ञया नाधिकारः अग्रजस्य तथात्वे तु तदाज्ञयाधिकारः BālamBha. i. 269. 16 (*on* 1. 89)

अत्यन्तनिःप्रकम्पम् (atyanta-niḥprakampam) *adv.* very steadfastly कूटस्थत्वेनात्यन्तनिःप्रकम्पं व्यवस्थितत्वात् ··· केवलमेव सौख्यम् TattvPradī.(A.) 79. 8 (*on* 1. 60)

अत्यन्तनिकट (atyanta-nikaṭa) *adj.* very close, very near इति संचिन्त्य चात्यन्तनिकटं परमं पुरम् । कृतं सविषसंपर्कं सद्विद्योदारशक्तिना PadmP.(Ra.) 123. 98; मार्जारजन्मा सातत्यादत्यन्तनिकटस्थितिः SamaMā. 5. 38; आयुधानि ··· । वेपमानानि यदि वा जल्पन्त्यथ रुदन्ति वा । हसन्ति तुमुलं युद्धमत्यन्तनिकटं वदेत् VasiS. 45. 49; अत्यन्तनिकटे नेदिष्ठम् ParaNā. 1528.

अत्यन्तनिकर्ष (atyanta-nikarṣa) *m.* extreme depression, very low state अथैष हंसवचनादात्मनोऽत्यन्तनिकर्षमुत्कर्षकाष्ठां च रैक्वस्योपश्रुत्य विषण्णमानसो जानश्रुतिः ··· कथमपि निशीथमतिवाहयांबभूव Bhām. 268. 2 (*on* i. 3. 34)

अत्यन्तनिकृष्ट (atyanta-nikṛṣṭa) *adj.* [*f.* -ā] extremely low तादृशी हि अस्य मृषा वासना उद्भवति अत्यन्तनिकृष्टा BṛĀraUBh. 565. 20 (*on* iv. 3. 20); किंचिदित्यविशेषाभिधानादत्यन्तनिकृष्टं भिक्षामात्रदानं प्रत्येतव्यम् BālaKrī. ii. 163. 25 (*on* 3. 271); (उत्तमां सेवमानस्तु जघन्यो वधमर्हति) जघन्योऽत्यन्तनिकृष्टः ManuBh. ii. 223. 14 (*on* 8. 366); अत्यन्तनिकृष्टो वर्णो यद्याक्षिप्यते स वर्ण एव तदा स आक्षेपकः Subodhi. 88. 20 (*on* 2. 204); श्वादिष्वत्यन्तनिकृष्टेष्वपि सर्वोत्कृष्टब्रह्मव्याप्तिदृष्टया श्रुतिर्नमः प्रयुङ्क्ते BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 432. 7 (*on* iv. 1. 5)

अत्यन्तनिकृष्टजाति (atyantanikṛṣṭa-jāti) *f.* extremely low caste चाण्डालः ···सहजेनापि अत्यन्तनिकृष्टजातिप्रापकेणापि विनिर्मुक्त एव अयम् BṛĀraUBh. 574. 1 (*on* iv. 3. 22)

अत्यन्तनिकृष्टत्व (atyantanikṛṣṭa-tva) *n.* the state of being very low इह तु हीनजाताविति ··· स्वर्णकारजातेर्वात्यन्तनिकृष्टत्वप्रतिपत्त्यर्थम् BālaKrī. ii. 76. 12 (*on* 3. 204)

अत्यन्तनिद्रा (atyanta-nidrā) *f.* excessive sleep शिलाथ सा ··· तेन । अत्यन्तनिद्रोपगमाय मुक्ता निद्राप्रवासाय कपेर्बभूव JātaMā. 159. 10 (24. 21); °शिरोगौरवात्यन्तनिद्राः ··· श्लेष्मव्याधिस्वरूपाणि KalyāKā. 10. 2; अत्यन्तनिद्रातरुणीकरालो न कुम्भकर्णो विजहाति निद्राम् DaśāvaC. 7. 222.

अत्यन्तनिन्दित (atyanta-nindita) *adj.* [*f.* -ā] greatly condemned or blamed तपसा शोषिता साभूत्सीता दग्धेव माधवी ··· अत्यन्तनिन्दितं स्त्रीत्वं चिन्तयन्ती सती सदा PadmP.(Ra.) 109. 8; तत्र मृतप्रमृते अत्यन्तनिन्दिते ततोऽपि सत्यानृतम् ManuBh. i. 328. 23 (*on* 4. 4); तिथिर्वारत्रयेष्वेका त्वधिकात्यन्तनिन्दिता NāraS. 4. 36.

अत्यन्तनिन्द्य (atyanta-nindya) *adj.* most censurable पापरोगी कुष्ठी । स हि लोकेऽत्यन्तनिन्द्यः ManuBh. i. 276. 26 (*on* 3. 149); अत्युच्चमधातिनीचमत्यन्तनिन्द्यं कविभिः प्रदिष्टम् AnaṅgaRa. 3. 5.

अत्यन्तनिपुण (atyanta-nipuṇa) *adj.* very clever तेषां पापविशोधनं कर्तुमत्यन्तनिपुणानखिलज्ञान्स्वशिष्यान् ··· आज्ञापयामास S'aṅkaVi.(Ā.) 162. 19.

अत्यन्तनिबिड (atyanta-nibiḍa) *adj.* very dense or close विशिष्टेन स्पर्शवद्द्रव्यसंयोगेनात्यन्तनिबिडावयववृत्तिना वेगो विनाश्यते NyāyKa. 268. 2; 136. 12.

अत्यन्तनियतरोध (atyantaniyata-rodha) *m.* absolutely definite obstruction अनागतानां धर्माणामुत्पादस्यात्यन्तं विघ्नोऽत्यन्तविघ्नोऽत्यन्तनियतरोधः Sphuṭā. i. 19. 8 (*on* 1. 6)

अत्यन्तनियताहार (atyantaniyatāhāra) *adj.* extremely abstemious in diet राक्षसाधिपः । ··· सागरानूपं वीर्यवानवलोकयन् । ··· अत्यन्तनियताहारैः शोभितं परमर्षिभिः Rāmā. iii. 33. 14.

अत्यन्तनियाम्य (atyanta-niyāmya) *adj.* to be extremely controlled इति प्रधानस्य परशरीरत्वश्रवणादत्यन्तनियाम्यस्यैव शरीरत्वाच्च नियाम्यत्वसिद्धिः S'rutaPra. ii. 23. 27 (*on* i. 3. 10)

अत्यन्तनिरर्थक (atyanta-nirarthaka) *adj.* utterly meaningless अवयवानामत्यन्तनिरर्थकानामप्यन्यत्र दृष्टार्थारोपेण LaS'abdeS'e. i. 170. 2.

अत्यन्तनिरवकाशत्व (atyantaniravakāśa-tva) *n.* the state of having no scope at all तदपि दृढव्याप्तिपक्षधर्मतामूलम् । अत्यन्तनिरवकाशत्वात् S'ivārkaMaDī. ii. 9. 6 (*on* ii. 1. 4)

अत्यन्तनिराकरण (atyanta-nirākaraṇa) *n.* total rejection or refutation ततश्च न ··· अत्यन्तनिराकरणपक्षः परिग्रहीष्यते TantrVā. 114. 11 (*on* i. 3. 4)

अत्यन्तनिरालम्बन (atyanta-nirālambana) *adj.* absolutely supportless भेदाभेदसमर्थनं च अत्यन्तनिरालम्बनं स्यात् PūrvottaVāNaMā. 78. 7.

अत्यन्तनिरुत्तर (atyanta-niruttara) *adj.* who has absolutely no superior जय जय जगदेकनाथ शंभो ··· जयात्यन्तनिरुत्तर S'ivaP. vii. 31. 7 (582B. 9)

अत्यन्तनिरूक्षित (atyanta-nirūkṣita) *adj.* extremely dried or hard पुरीषमत्यन्तनिरूक्षितं घनं निरेति KalyāKā. 22. 15.

अत्यन्तनिरूढ (atyanta-nirūḍha) *adj.* [*f.* -ā] firmly established by convention, purely conventional अकर्मणि कर्मविपरीतदर्शनं अत्यन्तनिरूढम् GītāBh.(S'aṅ.) 123. 19 (*on* 4. 18); यथा रथाङ्गनामा चक्रवाक इति लक्षणा किं त्वत्यन्तनिरूढेति सूत्रार्थः Bhām. 214. 17 (*on* i. 3. 17) तत्त्वत्यन्तनिरूढानामनुपपन्नमिति सामानाधिकरण्यस्यैवासंभवात् MayūMāli. 58. 6 (*on* i. 4. 2)

अत्यन्तनिरूढता (atyantanirūḍha-tā) *f.* the state of being extremely conventional or deep-rooted in usage न चात्यन्तनिरूढतया गौणेऽपि न गौणत्वाभिमानः Bhām. 6. 15 (*on* i. 1. 1)

अत्यन्तनिरूढत्व (atyantanirūḍha-tva) *n.* the state of being fully conventional or deep-rooted in usage सोमादिशब्दानामर्थान्तरेऽत्यन्तनिरूढत्वात् S'āstrDī. 59. 10 (*on* i. 4. 2); 68. 17 (*on* i. 4. 5); सोमादिपदानामर्थान्तरे अत्यन्तनिरूढत्वात् वरम् ··· जघन्यविधिप्रकाराङ्गीकरणम् MīmāKau. i. 168. 9 (*on* i. 4. 2)

अत्यन्तनिरूढलक्षणा (atyantanirūḍha-lakṣaṇā) *f.* indication which is fully established by convention मतुब्लोपश्चात्यन्तनिरूढलक्षणावेशा(? वशा)-दन्वाख्यायते TantrVā. 699. 12 (*on* iii. 1. 8)

अत्यन्तनिर्गत (atyanta-nirgata) *adj.* very much protruded, jutting out or projected, very prominent अत्युत्पिण्डिते अत्यन्तनिर्गते (चक्षुषी) AdbhuSāg. 536. 21; अत्यन्तनिर्गते चैव सुबद्धे नैव चाविले । प्रशस्ते वाजिनां नेत्रे S'ārṅgaPa. 1621.

अत्यन्तनिर्गुण (atyanta-nirguṇa) *adj.* (person) absolutely devoid of good qualities or conduct नात्यन्तगुणवान् कश्चिन्न चाप्यत्यन्तनिर्गुणः । उभयं सर्वकार्येषु दृश्यते साध्वसाधु च MahāBhā. xii. 15. 50; (प्रतिवेश्यानुवेश्यौ ··· । अर्हाविभोजयन्विप्रो दण्डमर्हति माषकम् ManuSm. 8. 392) अर्हौ यदि तौ प्रतिवेश्यानुवेश्यौ योग्यौ भवतः, न द्विषन्तौ नात्यन्तनिर्गुणौ ManuBh. ii. 231. 18 (*on* 8. 392); यदा पुनर्निमित्तमत्यन्तगुणवान् आत्मघाती चात्यन्तनिर्गुणस्तदैकवर्षमेव ब्रह्महत्याव्रतं कुर्यात् Mitā. 420. 28 (*on* 3. 243); 508. 20 (*on* 3. 303); अत्यन्तनिर्गुणयोः क्षत्रियवैश्ययोः पञ्चदशाहर्विंशत्यहौ HārLa. 9. 19; 11. 19; 38. 8; अत्यन्तनिर्गुणे वेदैकदेशस्वक्रियाशून्ये VīraMi. 789. 3 (*on* 3. 21)

अत्यन्तनिर्गुणत्व (atyantanirguṇa-tva) *n.* the state of being absolutely devoid of attributes पूर्वमत्यन्तनिर्गुणत्वे पश्चादपि कारणाभावेन गुणोत्पत्त्ययोगात् S'atDū. 199. 11.

अत्यन्तनिर्घृण (atyanta-nirghṛṇa) *adj.* extremely merciless or cruel एष रामेण सहितः प्रयात्यत्यन्तनिर्घृणः । रथमारुह्य गोविन्दः ViṣṇuP. v. 18. 21 = BrahmP. 192. 21.

अत्यन्तनिर्जित (atyanta-nirjita) *adj.* completely conquered स्त्रीभिरत्यन्तनिर्जिताः । ··· नराः ··· पापैरुपपातकिनः स्मृताः SkandP. i(2). 41. 50 = S'ivaP. v. 6. 7 (412A. 6)

अत्यन्तनिर्दय (atyanta-nirdaya) *adj.* extremely cruel or merciless क्वायं म्लेच्छो महाशत्रुः कुकर्मात्यन्तनिर्दयः PadmP.(Ra.) 34. 94.

अत्यन्तनिर्दल (atyanta-nirdala) *adj.* absolutely unreasonable तस्यात्यन्तनिर्दलस्योपेक्षैव कार्या NyāySu.(Ja.) 399B. 9 (*on* ii. 2. 7)

अत्यन्तनिर्दोष (atyanta-nirdoṣa) *adj.* completely faultless विशेषोऽत्यन्तनिर्दोषस्तोकदोषेतरक्रिया TantrVā. 110. 10 (*on* i. 3. 4); यावत्यन्तनिर्दोषौ··· मोक्षस्वर्गौ तत्रापि नास्तिकाः सापवादाः NyāyRa. 2. 19 (*on* 0. 6)

अत्यन्तनिर्धन (atyanta-nirdhana) *adj.* extremely impecunious or poor अतोऽत्यन्तनिर्धनस्य बहुदक्षिणादिलाभलोभात् कदाचिदतिक्रमेऽपि न दोषः CaturCin. iii(1). 1003. 4.

अत्यन्तनिर्बन्ध (atyanta-nirbandha) *m.* extreme insistence यदि तेऽत्यन्तनिर्बन्धस्तत्करिष्ये वचस्तव KathāSaSāg. viii. 6. 65; पत्युरत्यन्तनिर्बन्धादाख्याति स तथापि तत् PariPar. 8. 213.

अत्यन्तनिर्भग्न (atyanta-nirbhagna) *adj.* completely deprived of

असावत्यन्तनिर्भिन्नस्तव पुत्रो भविष्यति । अनाथवत्सुखेभ्यश्च राजवंशाच्च वत्सले Rāmā. ii. 8. 16.

अत्यन्तनिर्भिन्न (atyanta-nirbhinna) *adj.* absolutely different विकारोऽत्यन्तनिर्भिन्नो यदा तु स्याद्विकारिण: BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 262.

अत्यन्तनिर्मल (atyanta-nirmala) *adj.* [*f.* -ā] **A** absolutely pure यदेतन्निष्कलं ब्रह्म···अत्यन्तनिर्मलम् । ··· तज्ज्ञानं ब्रूहि केशव MahāBhā. vi. App. 1. 3 (2); ज्ञानस्वरूपमत्यन्तनिर्मलम् ··· विष्णुम् ··· प्रभुम् । प्रणम्य VisṇuP. i. 2. 6; गुणैस्तव जगत्सर्वं व्याप्तमत्यन्तनिर्मलैः PadmP.(Ra.) 3. 250; अत्यन्तनिर्मल: सूक्ष्म आत्मायमतिभास्वर: SarvaVeSāSaṁ. 481; अत्यन्तमलिनो देहो देही चात्यन्तनिर्मल: SadācāAnu. 6; न च स्वयमत्यन्तनिर्मल: सन् अत्यन्तमलिनं देहमात्मत्वेनोपेयात् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 327. 11 (*on* ii. 1. 21); YaśasCam. ii. 399. 19; यदा पुरा ज्ञास्यसि तत्सत्यमत्यन्तनिर्मलम् । वाच्यवाचकशब्दार्थभेदं त्यक्ष्यसि YogVā. iv. 41. 7; अत्यन्तनिर्मलस्य व्यापकस्य अपरिणामिन: पुरुषस्य ··· कथं प्रतिबिम्बनमुपपद्यते RājMār. 77. 6; अयमात्मा ··· अत्यन्तनिर्मलोऽपि ··· मलीमसो भवति TātpaVṛ. 211. 14 (*on* 2. 58); द्रोणकोऽप्यत्यन्तनिर्मलचित्त: KathāK. 52. 3; (without attributes) अत्यन्तनिर्मलं सकलविशेषरहितम् S'rutaPra. iA. 78. 17 (*on* i. 1. 1); **B** extremely clean (साधक:) प्रक्षाल्य गन्धतोयेन ···पाणियुग्मं यथा वै स्यात्सार्धमत्यन्तनिर्मलम् JayāS. 13. 228; PāraS. 6. 400; बिभर्ति यच्चासिरत्नमच्युतोऽत्यन्तनिर्मलम् VisṇuP. i. 22. 74; उत्तरीयं च विन्यस्तमंशुकं कृतपुष्पकम् । अत्यन्तनिर्मलं रेजे PadmP.(Ra.) 3. 198; (देशे) अत्यन्तनिर्मले ··· योगाङ्गान्यभ्यसेत् LiṅgaP. i. 8. 83; अत्यन्तनिर्मला भूमि: शरीरं प्रतिबिम्बितम् YuktiKa. 157. 1; अत्यन्तनिर्मलं स्वच्छं स्रवतीव जलं शुचि YuktiKa. 137. 16; **C** very clear एवं प्रभातसमये संपन्नेऽत्यन्तनिर्मले । ··· नमस्कृत्वार्चितं जिनम् PadmP.(Ra.) 29. 105; मूर्तिरिवात्यन्तनिर्मला कीर्ति: RasGaṅ. 245. 1.

अत्यन्तनिर्मलत्व (atyantanirmala-tva) *n.* extreme purity अत्यन्तनिर्मलत्वातिस्वच्छत्वातिसूक्ष्मत्वोपपत्ते: आत्मन: GītāBh.(S'aṅ.) 534. 3 (*on* 18. 50)

अत्यन्तनिर्मूल (atyanta-nīrmūla) *adj.* completely baseless or unauthoritative अतिथ्यादिसंबन्धोऽत्यन्तनिर्मूल एव TantrVā. 914. 10 (*on* iii. 4. 8)

अत्यन्तनिर्याण (atyanta-niryāṇa) *n.* absolute deliverance अत्यन्तनिर्याणान्नैर्याणिक: AbhidhKoBh. 401. 10 (*on* 7. 13)

अत्यन्तनिर्विकल्पकता (atyantanirvikalpaka-tā) *f.* the state of being absolutely indeterminate अत्यन्तनिर्विकल्पकतया तद्बलाद्भासमानाप्यभानप्रायैव VaiyāSiMañ. 170. 3.

अत्यन्तनिर्विकल्पात्मन् (atyantanirvikalpātman) *adj.* whose nature is completely indeterminate (without attributes) अत्यन्तनिर्विकल्पात्मन: परमात्मप्रकाशस्य बलाद्भानसत्त्वेऽप्यप्रतिभातप्रायत्वम् LalitāSaBh. 104. 17 (*on* 137)

अत्यन्तनिर्विकार (atyanta-nirvikāra) *adj.* completely devoid of modification अत्यन्तनिर्विकारो जीवस्य परिणाम: TattvPradī.(A.) 8. 8 (*on* 1. 7)

अत्यन्तनिर्विशेष (atyanta-nirviśeṣa) *adj.* absolutely devoid of distinction or distinguishing feature अत्यन्तनिर्विशेषे ह्यद्वये विशुद्धे तत्त्वे न शक्य: ··· प्रतिपाद्यप्रतिपादनादिव्यवहार: कर्तुम् PraśnaUBh. 291. 18 (*on* 6. 2)

अत्यन्तनिर्विषयत्व (atyantanirviṣaya-tva) *n.* the state of being totally devoid of scope or object प्रत्यक्षस्यात्यन्तनिर्विषयत्वप्रसक्तौ तत्परिहाराय श्रुतौ लक्षणा उष्णीकरणे SiddhāLeSaṁ. 252. 5.

अत्यन्तनिर्वृत (atyanta-nirvṛta) *adj.* [*f.* -ā] fully satisfied, extremely happy अङ्कारोपणेऽत्यन्तनिर्वृता । अपत्योद्वाहकल्याणसुखमित्याप धारिणी PariPar. 2. 156; प्रशान्तात्मा अत्यन्तनिर्वृतमना: GītāBh.(Rā.) 333. 5 (*on* 6. 14)

अत्यन्तनिर्वृतिपथ (atyantanirvṛti-patha) *m.* path of extreme bliss, road (leading) to perfect happiness जन्माटवीषु कुटिलासु विनष्टमार्गान् येऽत्यन्तनिर्वृतिपथं प्रतिबोधयन्ति VarāṅgaC. 1. 20.

अत्यन्तनिर्वेद (atyanta-nirveda) *m.* complete disgust, extreme indifference (श्रमणा:) नयन्त्यत्यन्तनिर्वेदं महोद्योगपरान्नरान् PadmP.(Ra.) 22. 11.

अत्यन्तनिविडच्छद (atyantaniviḍa-cchada) *adj.* having very dense or thick foliage मारुति: । ददर्श शिंशपावृक्षमत्यन्तनिविडच्छदम् AdhyāRā. v. 2. 7.

अत्यन्तनिवृत्तानिष्ट (atyantanivṛttāniṣṭa) *adj.* whose evil has completely ceased अत्यन्तनिवृत्तानिष्टा: ··· न कदाचित्पुनरावर्तन्ते NyāySu.(Ja.) 625A. 6 (*on* iv. 2. 1)

अत्यन्तनिवृत्ति (atyanta-nivṛtti) *f.* **i** complete disappearance or cessation अहमोऽत्यन्तनिवृत्त्या तत्कृतनानाविकल्पसंहृत्या । प्रत्यक्तत्त्वविवेकादयमहमस्मीति विन्दते तत्त्वम् ViveCū. 306; पुरुषार्थो हि निरुपाधिकप्रेमद्वेषास्पदयो: सुखदु:खयो: प्राप्तिरत्यन्तनिवृत्तिर्वा BrahmSūBh.(S'rī.) i. 19.'2 (*on* i. 1. 1); समासोपात्तयो: सुखदु:खयो: बुद्ध्या निष्कृष्टयोर्यथासंख्यं प्राप्तेरत्यन्तनिवृत्तेश्चान्वय: S'ivārkaMaDī. i. 19. 26 (*on* i. 1. 1); इत: परं मोक्षोपपत्त्यर्थं प्रधानसृष्टेर्ज्ञानिपुरुषं प्रत्यत्यन्तनिवृत्तिरत्यन्तलयाख्या वक्तव्या SāṁkhyaPraBh. 102. 28 (*on* 3. 58); **ii** complete absence तत्र धनद्वैगुण्ये निरूपितकालप्राप्तौ च द्रव्यदानस्यात्यन्तनिवृत्तेस्तेन वचनेन ··· स्वत्वं भवति Mitā. 174. 18 (*on* 2. 58)

अत्यन्तनिवृत्तितस् (atyantaniv.tti-tas) *adv.* due to complete exclusion (from) मामेयमात्रसद्भावात्तेभ्योऽत्यन्तनिवृत्तित: ।··· कुतोऽभावस्य संभव: BṛĀraUBhVā. iii. 8. 116.

अत्यन्तनिवृत्तिनिषेध (atyantanivṛtti-niṣedha) *m.* refutation of absolute exclusion अत्यन्तनिवृत्तिनिषेधेन वृत्तिमात्रं स्यात् । नैकान्तिकी निवृत्तिरित्यर्थ: TātpaṬ.(Vā.) 290. 18 (*on* i. 1. 35)

अत्यन्तनिवृत्तिहेतुत्व (atyantanivṛttihetu-tva) *n.* the state of being the cause of complete cessation नि:श्रेयसजनकं तु निवृत्तं अत्यन्तनिवृत्तिहेतुत्वात् ManvaVi. 1518. 14 (*on* 12. 88)

अत्यन्तनिश्चल (atyanta-niścala) *adj.* [*f.* -ā] without the slightest movement, completely motionless ज्ञात्वा वसन्तमालां तां स्पर्शेनात्यन्तनिश्चलाम् PadmP.(Ra.) 17. 263; दृष्टिस्तम्भनिबद्धेव बभूवात्यन्तनिश्चला PadmP.(Ra.) 21. 103; (राग:) वृश्चिकाख्यो व्यथादायी द्वेष्योऽप्यत्यन्तनिश्चल: SamaMā. 5. 56.

अत्यन्तनिश्चलम् (atyanta-niścalam) *adv.* without any movement or motion कृष्णोऽपि तं दधारैव शैलमत्यन्तनिश्चलम् VisṇuP. v. 11. 20; BrahmP. 188. 18.

अत्यन्तनिश्चित (atyanta-niścita) *adj.* absolutely decided, perfectly settled तत्तस्य वचनं श्रुत्वा हितमत्यन्तनिश्चितम् (क्षितीश्वरपदं तस्मै ददौ) PadmP. (Ra.) 119. 1; संदिह्यमान: सर्वत्र पदार्थोऽन्यत्रनिश्चितात् । प्रयोगात् सुविनिश्चेयो न्यायाद्वात्यन्तनिश्चितात् BṛĀraUBhVā. iv. 3. 323.

अत्यन्तनिश्चितमति (atyantaniścita-mati) *adj.* with very firm or determined mind अत्यन्तनिश्चितमतौ तस्मिन् राजसुते स(? सु)ताम् । तामुवाच विशाल: (पिता) MārkP. 125. 44.

अत्यन्तनि:शून्य (atyanta-niśśūnya) *adj.* completely empty (devoid of any object) (ददृशुर्नभ:) क्वचिदत्यन्तनि:शून्यमवदातमनन्तरम् YogVā. iii. 24. 49; (लोकालोक:) क्वचिदत्यन्तनि:शून्य: क्वचिज्जनपदावृत: YogVā. vi(2). 64. 29.

अत्यन्तनि:श्रीक (atyantaniśśrī-ka) *adj.* thoroughly devoid of beauty (i. e. extremely ugly) एवमत्यन्तनि:श्रीके त्रैलोक्ये सत्त्ववर्जिते । देवान् प्रति बलोद्योगं चक्रुर्दैतेयदानवा: VisṇuP. i. 9. 32 = PadmP. v. 4. 23.

अत्यन्तनिषिद्धता (atyantaniṣiddha-tā) *f.* the state of being absolutely prohibited तेषां (गान्धर्वादिविवाहानाम्) न त्वत्यन्तनिषिद्धता BālamBha. iii. 39. 18 (*on* 3. 16)

अत्यन्तनिषिद्धलक्षणा (atyantaniṣiddha-lakṣaṇā) *f.* indication which is completely prohibited अत्यन्तनिषिद्धलक्षणायां प्रमाणाभावात् BhāṭṭDī. iii. 150. 15 (*on* ix. 3. 8)

अत्यन्तनिषेकतस् (atyantaniṣeka-tas) *adv.* due to excessive watering or sprinkling असेकतोऽत्यन्तनिषेकतश्च शाखाविशोषं फलिनो निरूप्य । सप्ताहमात्रं शृतमेव सर्पि: ··· निषेचनीयम् S'ārṅgaPa. 2271.

अत्यन्तनिषेध (atyanta-niṣedha) *m.* **Ai** total or absolute prohibition (of food etc.) अतोऽत्यन्तनिषेधेऽपि न क्वचिद्वारि वार्यते AṣṭāSaṁ. i. 22. 12 (1. 6) = BhojanKu. 192. 22; एतच्चानयो: (ब्राह्मणक्षत्रिययो:) अत्यन्तनिषेधार्थं न पुनर्वैश्यस्य प्राप्त्यर्थम् SmṛtiCan. i. 207. 6; **Aii** total prohibition (of acceptance of gift) एतच्च सति संभवे धनग्रहणनिषेधपरं न पुनरत्यन्तनिषेधाय SmṛtiCan. ii. 491. 3; **B** total or absolute negation संभवे वा कारणानुपलब्ध्यादीनां कथमत्यन्तनिषेध: HetuBiṬ. 6. 15; अद्वैतवादे चात्यन्तनिषेध: NayaVi. 223. 7 (*on* i. 1. 5); अत्यन्तनिषेधस्यानुत्पत्तिधर्मैकत्वात् KhaṇḍanKhā. 373. 21; घटसंसर्गाभावयोरत्यन्तनिषेधासंभवेऽपि संसर्गविशेषव्यक्तेरत्यन्तमभावात् Kiraṇā. 330. 11.

अत्यन्तनिष्करुणत्व (atyantaniṣkaruṇa-tva) *n.* the state of being extremely merciless अत्र रामस्य स्वहस्तं प्रति रामस्य गात्रमसीतिवचनमनुपयुक्तं सद् रामस्येत्यनेन स्वस्यात्यन्तनिष्करुणत्वं गर्भीकरोति Kuval. 166 (11)

अत्यन्तनिष्कृष्ट (atyanta-niṣkṛṣṭa) *adj.* completely distinct, drawn out or separated गकारोऽत्यन्तनिष्कृष्टगत्वाधारो न गम्यते S'lokaVār. 5(11). 32 (517. 7); TattvSaṁ. 2143; एते चात्यन्तनिष्कृष्टा: पक्षा यद्यपि न स्थिता: TantrVā. 247. 13 (*on* i. 3. 26); गकारो धर्मी, गत्वाधारो न भवतीति साध्यो धर्म:, अत्यन्तनिष्कृष्टे इति धार्मिविशेषणम् TātpaṬ.(U.) 450. 15 (*on* 5(11). 32); धर्मिण्य[त्यन्तनिष्कृष्टेऽप्य]सौ विद्वद्भिरिष्यते NyāyKu. 182. 7.

अत्यन्तनिष्क्रियत्व (atyantaniṣkriya-tva) *n.* nature of being absolutely free from action न चात्यन्तनिष्क्रियत्वमात्मनो वयमिच्छाम: S'atDū. 224. 6.

अत्यन्तनिष्ठुर (atyanta-niṣṭhura) *adj.* extremely harsh or cruel अत्यन्तनिष्ठुरैर्वाक्यैर्दारापत्यैश्च पीडित: । अपृष्ट्वा पुत्रदारांस्त्वं गतवान् गहनं वनम्

GaṇeP. i. 51.60; द्विजिह्वमुद्वेगकरं क्रूरमत्यन्तनिष्ठुरम् । खलस्याहेश्च वदनमपकाराय केवलम् Pañcā. 113.16.

अत्यन्तनिष्प्रयोजन (atyanta-niṣprayojana) *adj.* completely without purpose, extremely useless कर्तव्यताकलापोपदेशश्च तदानीमत्यन्तनिष्प्रयोजनः स्यात् NyāyMañ. ii. 92.26.

अत्यन्तनिष्फल (atyanta-niṣphala) *adj.* completely without fruit, totally futile अत्यन्तनिष्फलः सक्तः परित्यक्तः पितृलोकं यायात् KāmSū. 356.17 (6.6); तन्नाम निष्फलत्वादप्रयोजकं भवति यदत्यन्तनिष्फलं तन्निरपेक्षं वा द्रव्ययागादिस्वरूपवत् लब्धात्मकम् TantrVā. 682.5 (*on* iii. 1.10)

अत्यन्तनिस्तेजस् (atyanta-nistejas) *adj.* completely spiritless साशङ्कस्य समाकुलीकृतमतेरत्यन्तनिस्तेजसः ··· क्लेशो योऽर्थिजनस्य वक्तुमनसो भूयास्त ते विद्विषाम् S'ārṅgaPa. 1232 = Subhāṣi. 2567.

अत्यन्तनिःस्पृह (atyanta-nisspṛha) *adj.* completely free from desire or wish (धर्मरुचिर्नृपः) आत्मनिन्दापरो धीरः स्वदेहेऽत्यन्तनिःस्पृहः PadmP. (Ra.) 20.150; द्रव्यादिशुद्धमाहारं विज्ञायात्यन्तनिःस्पृहः । मुनिरप्यादद्दे PāṇḍaC. 9.372.

अत्यन्तनिःस्वादु (atyanta-nissvādu) *adj.* completely tasteless, devoid of any flavour कोऽणुरत्यन्तनिःस्वादुरपि संस्वदतेऽनिशम् YogVā. iii. 79.18.

अत्यन्तनिहीन (atyanta-nihīna) *adj.* extremely inferior, of an extremely low nature कथं स्वत एवानधिकातिशयानन्दे···उत्कृष्टतमे त्वयि स्थिते अत्यन्तनिहीनेषु ··· भावेषु ··· भोग्यत्वबुद्धिरुपजायते GītāBh.(Rā.) 383.4 (*on* 7.14)

अत्यन्तनीच (atyanta-nīca) *adj.* [*f.* -ā] **i** very inferior (character in a drama) स्त्रीणां तु प्राकृतं प्रायः शौरसेन्यधमेषु च । पिशाचात्यन्तनीचादौ पैशाचं मागधं तथा DaśRū. 2.65 = BhāvPra.(Sā.) 270.5 (9) = SāhiSā. 4.76; **ii** extremely downcast (दृष्टिमेदं तथा वक्ष्ये कान्तानां भावसंभवम्) अत्यन्तनीचा दुःखाय सप्रथा दृष्टिरुच्यते S'ṛṅgāDī. 2.43.

अत्यन्तनृशंस (atyanta-nṛśaṁsa) *adj.* extremely harsh or cruel वादाः आक्रोशाः अवचनीयाः अत्यन्तनृशंसाः मातृभगिनीभार्यादिगताः ManuBh. ii. 191.12 (*on* 8.269)

अत्यन्तनैपुण (atyanta-naipuṇa) *n.* complete or perfect skill or cleverness अप्यौपनिषदंमन्याः केचिदत्यन्तनैपुणात् । प्रक्रियां रचयित्वाहुर्वेदान्तार्थाविपश्चितः BṛĀraUBhVā. ii. 3.90.

अत्यन्तपक्व (atyanta-pakva) *adj.* **A** thoroughly baked or cooked पुरोडाशश्रपणे श्रूयते 'यो विदग्धः ··· स नैर्ऋतः ···' इति । विदग्धः अत्यन्तपक्वः NyāyMāVi. 158.3 (*on* iii. 4.7); **B** very mature अत्यन्तपक्ववैराग्यादरसेषु रसेष्वपि MahāU. 5 (64); त्रयोऽप्यत्यन्तपक्वाश्चेत् महतस्तपसः फलम् PañcDa. 6.282.

अत्यन्तपद्मा (atyanta-padmā) *f.* (pool) abounding in lotuses अत्यन्तपद्मा कमलिनी NighaṇṭuPrakāśa. [pw]

अत्यन्तपरतन्त्र (atyanta-paratantra) *adj.* wholly dependent (i. e. a born slave) अध्यधीनशब्दोऽत्यन्तपरतन्त्रगर्भदासादौ रूढ्या वर्तते ManuBh. ii. 104.11 (*on* 8.66); अध्यधीनोऽत्यन्तपरतन्त्रो गर्भदासः ··· न साक्षी कार्यः Manva-Mu. 301.3 (*on* 8.66)

अत्यन्तपरतन्त्रत्व (atyantaparatantra-tva) *n.* the state of being entirely dependent नाभिधानं स्वधर्मेण संबन्धस्यास्ति वाचकम् । अत्यन्तपरतन्त्रत्वाद् रूपं नास्यापदिश्यते VākyaP. 3(3).4; ईश्वर एव विधिप्रतिषेधयोर्नियुञ्ज्येत, अत्यन्तपरतन्त्रत्वात् जीवस्य BrahmSūBh.(S'āṅ.) 477.16 (*on* ii. 3.42)

अत्यन्तपरप्रणेय (atyanta-parapraṇeya) *adj.* entirely guided by others अत्यन्तपरप्रणेयाः पतितमप्यात्मानमपि न जानन्तः ··· क्षत्रबन्धवस्तेऽमी AvantiKa. 237.2.

अत्यन्तपरप्रभाव (atyanta-paraprabhāva) *m.* extremely great prowess दृष्ट्वाप्यवध्यत्वमदीनतां च वज्रस्य चात्यन्तपरप्रभावम् । क्षुवो दधीचस्य मुनीश्वरस्य विसिस्मिये चेतसि धातृपुत्रः S'ivaP. ii(2). 38.49 (117A.14)

अत्यन्तपरम (atyanta-parama) *adj.* highest of all, greatest अत्यन्तपरमं स्थानं शब्दादिगुणवर्जितम् । ··· शृण्वन्तु मुनिसत्तमाः MahāBhā. vi. App. I. 3(8); वर्धमाने तदा वह्नावत्यन्तपरमाद्भुते । अतिदुद्राव तां ज्वालां ब्रह्मा चाहं च सत्वरः VāyuP. i. 55.19; BrahmāṇḍP. i. 26.19; विषेणात्यन्तपरमं मम जातं प्रयोजनम् PadmP.(Ra.) 29.18.

अत्यन्तपरवती (atyanta-paravatī) *adj.* (*f.*) entirely dependent भार्या ··· सा ह्यत्यन्तपरवती । नोभयोर्विभागोऽस्ति । स्त्रीधनमपि तेनैव तस्याः परिपालनीयम् ManuBh. ii. 137.15 (*on* 8.147)

अत्यन्तपराक्रमिन् (atyanta-parākramin) *adj.* extremely valorous or powerful एकस्मिन्दिवसे राजपुत्रोऽत्यन्तपराक्रमी । ददर्श विचरन्स्वीये पत्तने चारुलोचनाम् HariVaṁ. 192*(1)

अत्यन्तपराजय (atyanta-parājaya) *m.* complete defeat ततोऽत्यन्तपराजयाद्वरं संशयोऽपि इति न्यायेन समाधानाभासेनापि प्रत्यवस्थेयमेवेत्याशयवानाह TātpaṬ.(Vā.) 696.12 (*on* v. 1.43)

अत्यन्तपराजीयमानावस्था (atyantaparājīyamānāvasthā) *f.* occasion of complete defeat यथा नैयायिका मन्यन्ते अत्यन्तपराजीयमानावस्थायां जातिहेत्वाभासश्च प्रयोक्तव्य इति DharmoPra. 255.25.

अत्यन्तपराधीन (atyanta-parādhīna) *adj.* entirely depending on others अत्यन्तपराधीनं प्रति न विधिरित्यत्र दृष्टान्तमाह VedāntKa. 326.3 (*on* ii. 3.41)

अत्यन्तपरानुरोधिन् (atyanta-parānurodhin) *adj.* completely subordinate to other (word-senses) तन्नामाशेषस्वार्थपरित्यागेनात्यन्तपरानुरोधिवृत्ति भजते यत्र कश्चिदर्थंशोऽप्रसिद्धः TantrVā. 463.12 (*on* ii. 2.3)

अत्यन्तपराभूति (atyanta-parābhūti) *f.* complete defeat अतोऽत्यन्तपराभूतिलज्जितो विजयो निशि । निर्गत्य चलितो देशान्तरं क्रान्त्वा बहुं महीम् PārśvC. 6.313.

अत्यन्तपरायत्तत्व (atyantaparāyatta-tva) *n.* the state of being completely dependent on others न च सदाचारः स्वयमेव शास्त्रम् ··· अत्यन्तपरायत्तत्वात्प्रमेयत्वाच्च TantrVā. 144.4 (*on* i. 3.7)

अत्यन्तपरार्थ (atyanta-parārtha) *adj.* **i** absolutely meant for others, subsidiary शब्दस्य तावदत्यन्तपरार्थदृष्टार्थत्वान्नापूर्वेण कश्चिदुपकारः TantrVā. 194.17 (*on* i. 3.18); **ii** fully caring for others येऽत्यन्तपरार्थाः स्वोपकारमगणयन्तः ··· सन्तस्तान्प्रत्याह Kāśi. i. 2.17(*on* 0.3)

अत्यन्तपरार्थता (atyantaparārtha-tā) *f.* the state of being entirely secondary वाजपेयश्रुतेरेव स्यादत्यन्तपरार्थता S'āstrDī. 388.15 (*on* iv. 3.13)

अत्यन्तपरिचितत्व (atyantaparicita-tva) *n.* very close acquaintance तत्र कामस्य सकलजातिसुलभतयात्यन्तपरिचितत्वेन सर्वान्प्रति हृद्यतेति पूर्वं शृङ्गारः AbhinBhā. i. 267.14 (*on* 6.15) = Kāvyānu.(He.) 81.8.

अत्यन्तपरिणतवयस् (atyantapariṇata-vayas) *adj.* who is very old दशमीस्थोऽत्यन्तपरिणतवयाः ManuBh. i. 147.20 (*on* 2.138)

अत्यन्तपरिणाहित्व (atyantapariṇāhi-tva) *n.* the state of having extremely large size, excessive largeness अत्यन्तपरिणाहित्वादत्यन्तश्लक्ष्णतावशात् न कदाचिदुपमा रोढुमूरू शक्नोति सुभ्रुवः VyaktiVi. 75.26; Subhāṣi. 1564.

अत्यन्तपरितोषण (atyanta-paritoṣaṇa) *n.* extreme satisfaction or joy हसेत् ··· अत्यन्तपरितोषणात् । उत्क्रोशेन्मया जितमिति पूत्कुर्यात् JayaMa. 110.4 (*on* 2.3)

अत्यन्तपरित्यक्त (atyanta-parityakta) *adj.* completely given up अर्थाः ··· अत्यन्तपरित्यक्ताः परमानन्दाय कल्पन्ते VairāS'.(A.) 37; UpaParā. 3.21.

अत्यन्तपरित्याग (atyanta-parityāga) *m.* complete renunciation अत्रेदमवधेयम् ··· दक्षिणामेदमुज्झयित्वेत्यनेनापि नात्यन्तपरित्यागो विवक्षितः Mayū-Māli. 832.40 (*on* xi. 4.3); 624.38 (*on* ix. 3.5)

अत्यन्तपरिदुष्टा (atyanta-paridustā) *adj.* (*f.*) extremely vicious व्यभिचारिणीस्त्रीषु विषये भरणं पोषणं अप्याछिन्द्युरपाकुर्युर्न दद्युरिति यावत् । एतच्चापोषणं अत्यन्तपरिदुष्टासु Subodhi. 62.14 (*on* 2.135-36); BālamBha. ii. 189.33 (*on* 2.135-36)

अत्यन्तपरिदेवन (atyanta-paridevana) *n.* excessive lamentation सूतः – कुमार अलमत्यन्तपरिदेवनकार्पण्येन VeṇīSaṁ. 3.169.

अत्यन्तपरिपक्व (atyanta-paripakva) *adj.* very mature महाब्राह्मणो वा अत्यन्तपरिपक्वविद्याविनयसंपन्नः अतिघ्नीम् ··· आनन्दस्य अवस्था तां प्राप्य गत्वा शयीत BṛĀraUBh. 245.6 (*on* ii. 1.19)

अत्यन्तपरिपूर्ण (atyanta-paripūrṇa) *adj.* completely filled or full of कल्पार्णव इवात्यन्तपरिपूर्णैकवस्तुनि । निर्विकारे निराकारे निर्विशेषे भिदा कुतः ViveCū. 403.

अत्यन्तपरिलघुता (atyantaparilaghu-tā) *f.* extreme weightlessness or insignificance तस्मादपोहशब्दार्थवादिनो बौद्धान् प्रति सर्वमिदमुच्यमानमत्यन्तपरिलघुतया परिप्लवत एव केवलमिति TattvSaṁPañ. 701.19 (*on* 2612-13)

अत्यन्तपरिशीलन (atyanta-pariśīlana) *n.* very close contact, very frequent use अत्यन्तपरिशीलनाद्विशिष्टवस्तुन्यपि क्रमेणावज्ञा भविष्यति RasSa. 145(2)

अत्यन्तपरिशीलित (atyanta-pariśīlita) *adj.* **1** perpetually inhabited षष्ठ्यन्तादणादयः स्युरत्यन्तपरिशीलितेऽर्थे स चेद्देशः । शिबीनां विषयो देशः शैबः SiddhāKau. 244B.19; **2** studied very intensively देवदत्तस्य विषय इति तेनात्यन्तपरिशीलित इत्यर्थः LaS'abdeS'e. ii. 246.6.

अत्यन्तपरिशुद्ध (atyanta-pariśuddha) *adj.* extremely pure अनादि-

मलसंश्लेषप्रागभावात्स्वभावत: । अत्यन्तपरिशुद्धात्मेत्यतोऽशिव उच्यते S'ivaP. vi. 9. 7 (480B. 12)

अत्यन्तपरिहरणीयता (atyantapariharaṇīya-tā) *f.* the state of being fit for complete rejection असमानविभक्तिनिर्देशस्तस्यात्यन्तपरिहरणीयताज्ञापनाय GītāBh.(Rā.) 691. 17 (*on* 18. 67)

अत्यन्तपरिहार (atyanta-parihāra) *m.* absolute avoidance or rejection निमित्तानामपि शक्तिलक्षणेन संबन्धेन संबद्धानामत्यन्तपरिहारासंभवात् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 470. 9 (*on* ii. 3. 40)

अत्यन्तपरिहार्य (atyanta-parihārya) *adj.* fit to be completely avoided सोऽपि (= दीर्घसमासोऽपि) नात्यन्तपरिहार्य: Kāvyānu.(He.) (comm.) 246. 4.

अत्यन्तपरिहार्यत्व (atyantaparihārya-tva) *n.* fitness for complete avoidance (निषेधागूरणस्य) फलं चात्रानिष्टस्य प्रस्थानस्य … अत्यन्तपरिहार्यत्वप्रतिपादनम् AlaṅkāSa. 121. 2; अत्रानिष्टत्वाद् गमनस्य … विशेषश्च गमनस्यात्यन्तपरिहार्यत्वरूप: प्रतीयते SāhiDa. 588. 12.

अत्यन्तपरिहास्य (atyanta-parihāsya) *adj.* most ridiculous यत् तु … सुशब्देन विशेषणादपरोक्षनिश्चयहेतुत्वं सिद्धमिति तदप्यत्यन्तपरिहास्यम् S'atDū. 71. 8.

अत्यन्तपरुषम् (atyanta-paruṣam) *adv.* most harshly एवमत्यन्तपरुषं वदन्तं लक्ष्मणं तदा । उवाच हनुमान् वीर: AdhyāRā. iv. 5. 53.

अत्यन्तपरोक्ष (atyanta-parokṣa) *adj.* [*f.* -ā] **i** most imperceptible or unknown, beyond the range of sight (and other senses) यत् पुन: साधनधर्मं धर्मिणं चोपलभ्यात्यन्तपरोक्षं धर्मान्तरमनुमिमीते तत् सामान्यतो दृष्टम् NyāyVār. 214. 12 (*on* ii. 1. 28); न ह्यत्यन्तपरोक्षेषु प्रमाणस्यास्ति संभव: PramāVār. 1. 316; 1. 318; PramāVāSvopVṛ. 103. 6; स्वस्यैव मे स्वचरितमत्यन्तपरोक्षमिवालक्ष्यते AvantiKa. 164. 15; अत्यन्तपरोक्षाणां चक्षुरादीनामभावताप्रसङ्ग: HetuBiṬ. 81. 7; TātpaṬ.(Vā.) 131. 15 (*on* i. 1. 3); बहिरङ्गं त्वत्यन्तपरोक्षगोचरं शाब्दं ज्ञानम् Bhām. 335. 12 (*on* ii. 1. 4); **ii** absolutely indirect अर्थवादस्यासमवेतार्थतयात्यन्तपरोक्षा वृत्ति: स्यात् Bhām. 84. 21 (*on* i. 1. 4); मन्त्रार्थवादयोरत्यन्तपरोक्षवृत्तिप्रसङ्गाच्च Bhām. 261. 6 (*on* i. 3. 33)

अत्यन्तपरोक्षता (atyantaparokṣa-tā) *f.* the state of being completely beyond the senses श्रोत्रस्य चात्यन्तपरोक्षतया तत्प्रतीतेरग्रहे शब्द: शब्द इत्येकावभासप्रकाशानुपपत्ते: TattvBi. 44. 1.

अत्यन्तपरोक्षत्व (atyantaparokṣa-tva) *n.* the state of being completely beyond direct knowledge or perception विनिवृत्ते तदा सर्गे … । तदात्यन्तपरोक्षत्वाददृश्यत्वाच्च कस्यचित् । … ग्रहणं तन्न विद्यते BrahmāṇḍP. iii. 2. 289; अत्यन्तपरोक्षत्वात् कथं नाम प्रत्यक्षवत् सत्यमक्षरं प्रतिपद्येरन् MuṇḍaUBh. 324. 14 (*on* ii. 1. 1); TātpaṬ.(Vā.) 256. 7 (*on* i. 1. 23); यद्यपि न व्याप्तिदर्शनमस्ति अर्थस्यात्यन्तपरोक्षत्वात् तथापि … अर्थापत्ति: … उदेष्यति VedāntKa. 468. 12 (*on* iii. 3. 53)

अत्यन्तपरोक्षार्थ (atyantaparokṣārtha) *adj.* **i** having objects which are completely beyond sensory experience or direct knowledge योह्यन्तपरोक्षार्थ: स पुराणकल्प उच्यते BrahmāṇḍP. i. 33. 53; **ii** having a completely indirect reference (अग्निं युनज्मि…पञ्चभिर्युनक्ति पाङ्क्तो यज्ञ: इत्यग्नियोग:) वाक्यशेषे यज्ञसंकीर्तनस्य अत्यन्तपरोक्षार्थतापरिहारार्थं यज्ञार्थो योऽग्निस्तदर्थो योग इति MayūMāli. 823. 4 (*on* xi. 3. 9); *m.* completely imperceptible or invisible objects or matter कैव कथा … अर्थापत्तेश्चात्यन्तपरोक्षार्थगोचराया: Bhām. 660. 19 (*on* iii. 3. 53); अदृष्टव्यापिकार्थापत्तिरत्यन्तपरोक्षार्थविषयत्वादप्रमाणम् VedāntKa. 468. 11.

अत्यन्तपवित्र (atyanta-pavitra) *adj.* very sacred or holy यदि त्वत्यन्तपवित्रदेशोद्भवा मृत्तिका तदा तिलकुशरहिता पिण्डिका कार्या HārLa. 166. 13.

अत्यन्तपवित्रता (atyantapavitra-tā) *f.* highest purity औचित्यं तेन च तदा निन्ये‍ऽत्यन्तपवित्रताम् । सर्वैर्यदर्थ्यमानोऽपि नोपाविक्षन्नृपासने RājTa. (Ka.) 8. 370.

अत्यन्तपाक (atyanta-pāka) *m.* complete ripening निर्माणे यदि मार्मिकोऽसि नितरामत्यन्तपाकद्रवन्मृद्वीकामधुमाधुरीमदपरीहारोद्धुराणां गिराम् । काव्यं तर्हि सखे सुखेन कथय त्वम् BhāmiVi. 4. 30 = RasGaṅ. 79. 3.

अत्यन्तपात्रीभूत (atyanta-pātrībhūta) *adj.* (who has) become extremely deserving or worthy अयं च ब्रह्महत्यातुल्य: प्रत्यवाय: सत्यां शक्तावत्यन्तपात्रीभूतस्यातिथेरतिक्रमे विज्ञेय: CaturCin. iii(1). 437. 12.

अत्यन्तपान (atyanta-pāna) *n.* abundant drinking (of nectar) (पितर:) अत्यन्तपानेन क्षुधा जयन्ति BhaviP. 98A. 32 (i. 53. 27); (of spirituous liquor) अत्यन्तपानान्मद्यस्य … बुद्धिर्विनश्यति प्राय: MahNirvāT. 11. 111.

अत्यन्तपाप (atyanta-pāpa) *adj.* great sinner, most wicked (person) तव विभो नात्यन्तपापा जना यत् किंचिद् ददते स्म Nārāy. x. 74. 6; *n.* great sin भक्तत्यागं प्राहुरत्यन्तपापम् MahāBhā. xvii. 3. 11; मैथुनकर्मणोऽत्यन्तपापहेतुत्वं दर्शयति BṛĀraUBh. 799. 12 (*on* vi. 4. 4); अत्यन्तपापसंयुक्तान् नाहं पवितुमुत्सहे NīlaP. 267; TantrSā.(K.) 41. 10; ततोऽत्यन्तपापहेतुना स्त्रीवधेन पर्याप्तम् KathāK. 49. 25.

अत्यन्तपापकर्मन् (atyantapāpa-karman) *adj.* committing a most sinful act अद्य तं पापकर्माणं (v. l. अत्यन्तपापकर्माणम्) क्षुद्रं सौभद्रघातिनम् ।… इषुभि: क्षेप्स्यतेऽर्जुन: MahāBhā. vii. 59. 18; *n.* most sinful act एवंप्रकारमत्यन्तपापकर्म प्रदर्शयन् । प्राणिन: प्रवणांश्चक्रे राक्षसो धरणीतले PadmP.(Ra.) 11. 93; हिंसाग्रन्थमिवात्यन्तपापकर्मविनिर्मितम् । तं दृष्ट्वा मारुतिर्दध्यौ PadmP.(Ra.) 52. 14.

अत्यन्तपापकृत् (atyantapāpa-kṛt) *adj.* committing a great sin तेपामुच्छेदकर्ता च यो नरोऽत्यन्तपापकृत् । तमसि…निमज्जति MārkP. 29. 12.

अत्यन्तपापिन् (atyanta-pāpin) *adj.* most sinful (person) पित्रैव योद्धुमारब्धा बलिनोऽत्यन्तपापिन: BṛNāraP. 8. 79.

अत्यन्तपापीयस् (atyanta-pāpīyas) *adj.* (comp.) most wicked (person), great sinner तिर्यक्प्रभृतीनामत्यन्तपापीयसां च सारूप्यम् TristhaSe. 304. 32.

अत्यन्तपामर (atyanta-pāmara) *adj.* greatly foolish अत्यन्तपामर: कश्चित् पुत्र आत्मेति मन्यते SarvaVeSāSaṁ. 522.

अत्यन्तपारतन्त्र्य (atyanta-pāratantrya) *n.* complete subservience, complete dependence स्वर्दृक्कुशब्दे तु सोपपदो दृशि: … न च कर्ता प्रत्याय्यमानो वीक्षणलिङ्गत्वेन कल्प्यते, दृशेरत्यन्तपारतन्त्र्यात् S'ābaBh. 1987. 27 (*on* x. 6. 3); दस्यु: भृतिदास: वैतनिक: … तस्य च दिवसभृतत्वान्नात्यन्तपारतन्त्र्यमस्ति ManuBh. ii. 104. 14 (*on* 8. 66); 'स यथा शकुनि'रित्याद्यग्रिमवाक्येन वर्ण्यमानस्याप्येतुरत्यन्तपारतन्त्र्यस्य … अग्रिमखण्डयोरुच्यमानस्याज्ञानस्य च तत्रानन्वयप्रसङ्गात् S'ivārkaMaDī. i. 201. 20 (*on* i. 1. 10)

अत्यन्तपारार्थ्य (atyanta-pārārthya) *n.* **i** the state of being meant completely for another त्वत्पक्षे तु … धातोरत्यन्तपारार्थ्यं स्यात् TantrVā. 612. 2 (*on* ii. 3. 19); फले तावद् विधीयमाने गुणे परपदसंबन्धविधानात् धातोरत्यन्तपारार्थ्यं स्यात् S'āstrDī. 57. 10 (*on* i. 4. 2); 390. 8 (*on* iv. 3. 16); 390. 15 (*on* iv. 3. 17); अस्मिन् दर्शने संज्ञापरिभाषाणां ह्यत्यन्तपारार्थ्यान्न स्वातन्त्र्येण कार्यावगमहेतुत्वम् Pradī. vii. 76. 20 (*on* viii. 2. 1); UpaParā. 35. 22; नापि गुणफलसंबन्धविधानं संभवति … धातोरत्यन्तपारार्थ्यापत्तेश्च MīmāNyāPra. 247. 14; 248. 5; BhāṭṭDī. iv. 86. 12 (*on* x. 7. 11); केवलप्रत्ययस्य प्रयोगानर्हत्वात् तदर्थं धातूच्चारणमित्यत्यन्तपारार्थ्यमित्यर्थ: MayūMāli. 57. 20 (*on* i. 4. 2); 390. 8 (*on* iv. 3. 15); 667. 5 (*on* x. 2. 12); **ii** complete dependence on others (for livelihood) स्वतन्त्रस्यात्मन: परार्थत्वेन दानाद् दासत्वम् …। अनेनात्यन्तपारार्थ्यमासाद्य शुश्रूषका दासा: SmṛtiCan. iv. 460. 15 = VīraMi.(Vyavahāra.) 317. 9.

अत्यन्तपार्थक्य (atyanta-pārthakya) *n.* complete difference or separation इह तु जिज्ञासाशब्दो न विचारे रूढ:, ज्ञानेच्छालक्षणाद् यौगिकार्थाद् विचारस्यात्यन्तपार्थक्याभावात् VivaPraSaṁ. 171. 12.

अत्यन्तपावन (atyanta-pāvana) *adj.* [*f.* -ī] most purifying, very pure or holy सप्तर्षय: … अथर्वरूपैर्मन्त्रैश्च वर्धयन्तो जयश्रियम् । हविषेव महावह्निशिखामत्यन्तपावि(? व)नीम् BrahmāṇḍP. iii. 20. 104; यद्यहं मानवे वंशे जातोऽस्म्यत्यन्तपावने SkandP. iv. 19. 53; सम्यक् प्राप्स्यसि विश्रान्तिमात्मन्यत्यन्तपावने YogVā. v. 24. 69.

अत्यन्तपिङ्गला (atyanta-piṅgalā) *adj.* (*f.*) excessively tawny अत्यन्तपिङ्गला नारी विषतुल्येति निश्चितम् BhaviP. 21A. 17 (i. 5. 26)

अत्यन्तपिपासा (atyanta-pipāsā) *f.* excessive thirst अत्यन्तपिपासया । स पीड्यमानो ब्रह्माणं कृताञ्जलिरभाषत BhaviP. 866B. 17 (iv. 177. 32)

अत्यन्तपीडन (atyanta-pīḍana) *n.* extreme oppression सपत्राकृतिनिष्पत्राकृती त्वत्यन्तपीडने Vaija. 195. 38 = AbhidhāCin. 13. 72; वैश्यानाम् … अन्यथाशौचसमाप्तिप्रतीक्षायामुपसर्गव्याध्यादिभिरत्यन्तपीडने वृत्ते रक्षाकालोऽतिक्रमेत् HārLa. 109. 15; ParaNā. 1371.

अत्यन्तपीडा (atyanta-pīḍā) *f.* excessive suffering or affliction रोगोऽत्यन्तपीडाकर: ManuBh. ii. 123. 22 (*on* 8. 108) = BālamBha. ii. 90. 28 (*on* 2. 80); यावज्जीवशब्दस्य तदीयजीवनेऽपि कृतार्थत्वेनात्यन्तपीडाभावात् अग्निमान् जीवन् जुहुयादित्येवमाश्रीयते NyāyRaMā. 116. 17; यद्यप्युच्यते शरीरं पीड्यते येन … अत्यन्तं तन्न कर्तव्यम् … इति तदत्यन्तपीडानिवारकं न तु पीडामात्रस्य CaturCin. iii(2). 168. 13.

अत्यन्तपीडित (atyanta-pīḍita) *adj.* extremely pained or afflicted स विद्धो वाक्शरैस्तीक्ष्णै: …। मनस्यत्यन्तपीडित: PadmP.(Ra.) 66. 61; (रोगी) व्याधिनात्यन्तपीडित: ManuBh. i. 147. 21 (*on* 2. 138); सर्पोऽसौ श्येनेनात्यन्तपीडित: BṛKathāMañ. ix. 2. 684; Aparā. 1058. 17 (*on* 3. 245); अमुना मर्माभिघाते-

नात्यन्तपीडितस्तुरुष्कपार्थिवः पृथ्वीराजम् … संजहार PrabaCin. 118. 2.

अत्यन्तपीडितव्रत (atyantapīḍita-vrata) *n.* religious vow observed by one severely afflicted (with diseases etc.) पयःपानादीनामव्रतघ्नत्वं स्त्री-बालात्यन्तपीडितव्रतविषयम् CaturCin. ii(1). 333. 18.

अत्यन्तपीतिमन् (atyanta-pītiman) *m.* deep yellow colour सुवर्णं तैजसमेवास्तु शुद्धसुवर्णे दृश्यमानस्यात्यन्तपीतिम्नः … लौहित्य एव अवान्तरविशेषत्वोपपत्तेः PūrvottaVāNaMā. 81. 6.

अत्यन्तपीन (atyanta-pīna) *adj.* **i** extremely robust or muscular राज्ञामत्यन्तपीनत्वमुच्चता दीर्घबाहुता AlaṅkāS'e. 14. 1; **ii** extremely corpulent or swollen निम्नं क्वाप्युन्नतं क्वाप्यतिकृशमपरत्रान्यतोऽत्यन्तपीनम् … अङ्गम् (स्त्रीणाम्) MadaKeC. 54.

अत्यन्तपीवर (atyanta-pīvara) *adj.* very great or abundant लभ्यतेऽयमुपाध्यायः पुण्यैरत्यन्तपीवरैः PāṇḍaC. 3. 218.

अत्यन्तपुण्य (atyanta-puṇya) *n.* great religious merit अत्यन्तपुण्यकारिणः … कल्पान्तरे पूर्वजातिस्मरणपूर्वकं जन्म VivaPraSaṁ. 266. 22; मदीयं मतमत्यन्तपुण्यदम् S'aṅkaVi.(Ā.) 164. 12; शिवस्योपासनमत्यन्तपुण्यवर्धनम् S'aṅkaVi.(Ā.) 265. 14; 184. 7.

अत्यन्तपुरुषार्थ (atyanta-puruṣārtha) *m.* highest goal or aim of human beings अथ त्रिविधदुःखात्यन्तनिवृत्तिरत्यन्तपुरुषार्थः SāṁkhyaPraSū. 1. 1; दृष्टसाधनजन्यायां दुःखनिवृत्तावत्यन्तपुरुषार्थत्वमेव नास्ति SāṁkhyaPraBh. 8. 10 (*on* 1. 3); 41. 22 (*on* 1. 82)

अत्यन्तपूति (atyanta-pūti) *adj.* very putrid अत्यन्तपूतिबीजस्य कर्षकः । किं करिष्यति PramāVāBh. 397. 21; MahāP. 4. 147.

अत्यन्तपूर्णता (atyantapūrṇa-tā) *f.* extreme fulness or plenitude पूर्णपूर्णेति वीप्सयात्यन्तपूर्णतोच्यते SetuBa. 332. 4.

अत्यन्तपेलवा (atyanta-pelavā) *adj.* (*f.*) very delicate मन्ये मौर्ख्यमयी सृष्टिरियमत्यन्तपेलवा YogVā. v. 13. 109.

अत्यन्तपेशल (atyanta-peśala) *adj.* very tender न्यस्तं मयि मनः पाल्यमेतदत्यन्तपेशलम् BṛKathāMañ. ix. 2. 823; xvi. 189; Mānaso. iii. 15. 1633.

अत्यन्तपैत्तिक (atyanta-paittika) *adj.* very bilious (person) अत्यन्तपैत्तिको वापि कदुष्णं पातुमर्हति KāśyaS. 177B. 12.

अत्यन्तपोषण (atyanta-poṣaṇa) *n.* excessive nourishment अपोषितो भवेत् क्षीणो (वाजी) रोगी चात्यन्तपोषणात् S'ukraNī. 4(7). 121.

अत्यन्तपौनरुक्त्य (atyanta-paunaruktya) *n.* excessive repetition अत्यन्तपौनरुक्त्यं मा भूदिति कश्चिद्विशेष आश्रयितव्यः ManuBh. ii. 97. 23 (*on* 8. 55)

अत्यन्तप्रकर्ष (atyanta-prakarṣa) *m.* complete superiority ननु भवत्वभ्यासः स तु कथमत्यन्तप्रकर्षनिष्ठः । किंचिन्मात्रस्य विशेषस्य दर्शनात् PramāVāBh. 105. 32; Bhām. 133. 19 (*on* i. 1. 12); VedāntKa. 109. 24 (*on* i. 1. 12); S'rutaPra. ii. 197. 5 (*on* i. 4. 29)

अत्यन्तप्रकाश (atyanta-prakāśa) *adj.* very bright आदित्यादिषु हि सत्त्वं अत्यन्तप्रकाशम् अत्यन्तभास्वरम् GītāBh.(S'aṅ.) 441. 6 (*on* 15. 12)

अत्यन्तप्रकृतिपरिशुद्ध (atyanta-prakṛtipariśuddha) *adj.* extremely pure by nature आलयविज्ञानसंशब्दितः … नित्यमव्युच्छिन्नशरीरः प्रवर्ततेऽनित्यतादोषरहित आत्मवादविनिवृत्तोऽत्यन्तप्रकृतिपरिशुद्धः LaṅkāSū. 6. 0 (90. 11)

अत्यन्तप्रक्षीयमाणा (atyanta-prakṣīyamāṇā) *adj.* (*f.*) exceedingly diminishing अत्यन्तप्रक्षीयमाणा अविद्या BṛĀraUBh. 566. 10 (*on* iv. 3. 20)

अत्यन्तप्रगुण (atyanta-praguṇa) *adj.* exceedingly capable पाण्डवानां स विग्रहः । अरातिश्रियमादातुमत्यन्तप्रगुणोऽभवत् PāṇḍaC. 13. 520.

अत्यन्तप्रचण्ड (atyanta-pracaṇḍa) *adj.* very fierce अत्यन्तप्रचण्डौ तौ दुष्टौ रक्तकलोचनौ । … सुयक्षेण निरीक्षितौ PadmP.(Ra.) 109. 98.

अत्यन्तप्रचलिता (atyanta-pracalitā) *adj.* (*f.*) greatly shaken अक्षरस्य …ईषत्प्रचलितावस्था अन्तर्यामी अत्यन्तप्रचलितावस्था क्षेत्रज्ञः BṛĀraUBh. 453. 7 (*on* iii. 8. 12)

अत्यन्तप्रतिकूल (atyanta-pratikūla) *adj.* exceedingly unfavourable अयं परामर्शः ·– ते अत्यन्तप्रतिकूलः S'atDū. 81. 29.

अत्यन्तप्रतिपत्ति (atyanta-pratipatti) *f.* extreme knowledge अत्यन्तप्रतिपत्त्या तु दुर्लभोऽलङ्कृतो जनः PañcT. 1. 156 (153. 12); Pañcā. 109. 5.

अत्यन्तप्रतिभासलय (atyanta-pratibhāsalaya) *m.* total loss of knowledge देहाद्यनुबन्धः … स्वयमेव च कदाचिच्चक्रभ्रमस्वप्नादिवदत्यन्तप्रतिभासलयमेष्यति S'atDū. 137. 5.

अत्यन्तप्रतियोगिभिन्नत्व (atyantapratiyogibhinna-tva) *n.* total difference from the counter-correlative (निवृत्तेः) तस्या अत्यन्तप्रतियोगिभिन्नत्वात् GuruCandr. ii. 188. 21.

अत्यन्तप्रतिषेध (atyanta-pratiṣedha) *m.* **i** absolute negation सद्रूपप्रतीतस्य वा कथमत्यन्तप्रतिषेधोपपत्तिः TantrVā. 323. 14 (*on* i. 4. 22); **ii** complete prohibition तत्तयोरत्यन्तप्रतिषेधार्थं न वैश्यादिप्राप्त्यर्थम् Aparā. 87. 18 (*on* 1. 56); CaturCin. iii(2). 334. 4; SaṅkarKāBh. 33. 12 (*on* i. 3. 29)

अत्यन्तप्रत्यासत्ति (atyanta-pratyāsatti) *f.* very close proximity अत्यन्तप्रत्यासत्त्युपस्थितधात्वर्थातिक्रमकारणाभावात् … विजायते TantrVā. 354. 7 (*on* ii. 1. 1); Kāśi. i. 235. 27 (*on* 4. 73); BhāṭṭDī. ii. 162. 20 (*on* v. 1. 6)

अत्यन्तप्रत्यासन्न (atyanta-pratyāsanna) *adj.* [*f.* –ā] very close or proximate संख्यादयः शेषाः संभवेयुस्ते त्वत्यन्तप्रत्यासन्नप्रधानभूतेन कारकेणापहृत्य क्रियायै नीयन्ते TantrVā. 930. 19 (*on* iii. 4. 12); विधेरत्यन्तप्रत्यासन्ना भावनैव विधेयतया धर्मशब्दवाच्यतामश्नुवीत Kāśi. i. 158. 20 (*on* 2. 192); ii. 127. 6 (*on* 5(3). 69); NyāyRa. 508. 17 (*on* 5(10). 41)

अत्यन्तप्रदीप्त (atyanta-pradīpta) *adj.* set ablaze intensely ततो यातौ वह्नयमा(? पा)नौ प्राणमुष्णस्वरूपकम् । तेनात्यन्तप्रदीप्तेन ज्वलनो देहजस्तथा YogKuU. 1. 44; तेनात्यन्तप्रदीप्तस्तु ज्वलनो देहजस्तथा HaṭPra. 3. 67.

अत्यन्तप्रदेश (atyanta-pradeśa) *m.* general rule तत्रैषोऽत्यन्तप्रदेशः BhārS'S. i. 1. 9; ĀpaS'S. xii. 7. 12; xv. 2. 8; ĀpaS'uS. i. 3. 17.

अत्यन्तप्रबल (atyanta-prabala) *adj.* very powerful सेवयात्यन्तप्रबलं नत्या चारिं प्रसाधयेत् S'ukraNī. 4(7). 187.

अत्यन्तप्रयत (atyanta-prayata) *adj.* exceedingly purified or pious अध्येषामाणोऽन्नमश्नन्नित्यत्यन्तप्रयतसाध्यकर्मारम्भोपलक्षणम् ManvaVi. 679. 24 (*on* 5. 138)

अत्यन्तप्रलय (atyanta-pralaya) *m.* complete dissolution अत्यन्तप्रलयं कृत्वा मोहनीयस्य कर्मणः । (सः) अवाप केवलज्ञानम् PadmP.(Ra.) 87. 15; VedāntRaMañ. 1. 3 (27. 17)

अत्यन्तप्रवणा (atyanta-pravaṇā) *adj.* (*f.*) greatly devoted अत्यन्तप्रवणां सतीम् … परित्यज्य भूभार्याम् … प्रतिपेदे विशुद्धात्मा श्रामण्यम् PadmP.(Ra.) 11. 287.

अत्यन्तप्रवृत्त (atyanta-pravṛtta) *adj.* exceedingly inclined तत्पुण्यपापयोरत्यन्तप्रवृत्तजीवविशेषविषयम् NyāyKu. 121. 3.

अत्यन्तप्रवृद्धद्वेष (atyantapravṛddha-dveṣa) *m.* hatred which has grown excessively योऽत्यन्तप्रवृद्धद्वेषो न हिंस्याद्भूतानीत्यतिक्रान्तनिषेधाधिकारः ManuBh. i. 62. 7 (*on* 2. 6)

अत्यन्तप्रशस्त (atyanta-praśasta) *adj.* very commendable or laudable अत्यन्तप्रशस्तयोरपि वाङ्मनसयोः स्तेनानृतवादयोगाद् हिरण्यादूनत्वम् MīmāKau. iii(1). 34. 2 (*on* i. 2. 11)

अत्यन्तप्रसन्नता (atyantaprasanna-tā) *f.* extreme limpidity, great pellucidity अपां कतकसंपर्काद्यथात्यन्तप्रसन्नता BṛĀraUBhVā. iv. 3. 975.

अत्यन्तप्रसन्नास्वाद (atyantaprasannāsvāda) *adj.* who greatly relishes the taste प्रसन्नास्वादमत्यन्तप्रसन्नास्वादमेककम् । विधायाथ निजं स्थानं गम्यतेऽथ विरम्यते PrabhāC. 192. 19.

अत्यन्तप्रसिद्ध (atyanta-prasiddha) *adj.* [*f.* –ā] very well-known इत्यत्यन्तप्रसिद्धेऽपि सिद्धे सर्वागमैरपि । दृष्टेऽप्यकालमरणे विचिकित्सेत् कथं बुधः AṣṭāSaṁ. i. 63. 7 (1. 9); या त्वादिमती नात्यन्तप्रसिद्धा नासौ शास्त्रेणानुगम्यते TantrVā. 701. 14 (*on* iii. 1. 8); ब्रह्मवित्परिषद्यत्यन्तप्रसिद्धाम् उपलभमानाः … पृच्छन्ति AitUBh. 287. 4 (*on* 5. 0); अतिस्थवीयानयं सर्वज्ञवादः येनात्यन्तप्रसिद्धैरपि प्रमेयत्वादिहेतुभिः शक्यते निराकर्तुमित्याह Kāśi. i. 130. 25 (*on* 2. 132); तत्रैवात्यन्तं प्रसिद्धं निदर्शनमाह TattvVai. 81. 14–15 (*on* 2. 17); इत्यनुमानवैधर्म्यमत्यन्तप्रसिद्धमेव NyāyKu. 9. 1; उदाहरणभूतानामत्यन्तप्रसिद्धानां षड्विधत्वादुभयत्र षड्ग्रहणम् SmṛtiCan. iv. 731. 7.

अत्यन्तप्रसिद्धत्व (atyantaprasiddha-tva) *n.* the state of being very well-known द्वित्वश्रवणाविशेषात् अत्यन्तप्रसिद्धत्वाच्च हुतप्रहुते इति प्रथमः पक्षः BṛĀraUBh. 170. 17 (*on* i. 5. 2); प्रथमदिनेऽत्यन्तप्रसिद्धत्वान्मनुना स्नानं नोक्तम् HārLa. 157. 21; गोमहिषयोरिवार्थभेदस्यात्यन्तप्रसिद्धत्वान्नामत्वं न युक्तम् NyāyMāVi. 55. 1 (*on* i. 4. 13); सोमादिपदवत् अर्थान्तरे अत्यन्तप्रसिद्धत्वात् LaCandr. 372. 15; 375. 33.

अत्यन्तप्रसिद्धविषय (atyantaprasiddha-viṣaya) *m.* very well-known or commonplace subject अत्यन्तप्रसिद्धविषयसत्याभिधानमात्रेण प्रज्ञाप्रकर्षदुरवगाहगहनेऽपि निरत्ययिनां साधयितुकामो बन्धकीमपि प्रागल्भ्येन विजयते PramāVāSvopVṛ. 117. 18.

अत्यन्तप्रसिद्धार्थ (atyantaprasiddhārtha) *m.* most popular or well-known meaning अत्रात्यन्तप्रसिद्धार्थभेदादाग्नेयशब्दो न ब्राह्मणस्य नामधेयम् NyāyMāVi. 55. 12 (*on* i. 4. 14)

अत्यन्तप्रहाण (atyanta-prahāṇa) *n.* complete abandonment or total

relinquishment चतुर्विधा प्रहाणसंपत् । सर्वक्लेशप्रहाणम् अत्यन्तप्रहाणं सर्ववासनप्रहाणं सर्वसमाधिसमापत्त्यावरणप्रहाणं च AbhidhKoBh. 416. 1 (*on* 7. 34)

अत्यन्तप्रहृष्टधी (atyantaprahṛṣṭa-dhī) *adj.* whose mind was exceedingly delighted श्रुत्वा हनूमतो वाक्यं रामोऽत्यन्तप्रहृष्टधीः AdhyāRā. v. 5. 59.

अत्यन्तप्रागल्भ्य (atyanta-prāgalbhya) *n.* extreme boldness or adventurousness प्रौढनायकेष्वत्यन्तप्रागल्भ्यात्तासामपि कतिपयोऽप्यनुरागो वर्तेत इति प्राचीना लिखितवन्तः S'ṛṅgāMañ (A.) 6. 18.

अत्यन्तप्राच्य (atyanta-prācya) *adj.* very old व्यथन्ते तद्विनात्यन्तप्राच्यान्यपि फलानि माम् PāṇḍaC. 1. 143.

अत्यन्तप्रातिलोम्य (atyanta-prātilomya) *n.* excessively inverse order (of castes) उत्तरश्चण्डालः । स प्रतिलोमोऽत्यन्तप्रातिलोम्यात् सत्यपि क्षेत्रप्राधान्ये पितृदोषात् ManuBh. ii. 350. 7 (*on* 10. 68); BālamBha. i. 284. 22 (*on* 1. 94)

अत्यन्तप्राप्ति (atyanta-prāpti) *f.* full knowledge पूर्ववत्त्वाद्बवनुवादो भवेदत्यन्तप्राप्तावित्यर्थः TantrVā. 912. 10 (*on* iii. 4. 3)

अत्यन्तप्रायश्चित्तभेद (atyantaprāyaścitta-bheda) *m.* great difference of atonement or expiation सत्यम् । यदि सुरामद्ययोर्मद्यपानेऽत्यन्तप्रायश्चित्तभेदो न स्यात् ManuBh. ii. 415. 6 (*on* 11. 146)

अत्यन्तप्रायसाधर्म्य (atyantaprāya-sādharmya) *n.* complete or near complete similarity अत्यन्तप्रायसाधर्म्यविकल्पादिनिबन्धनः । क्षिप्तः सूत्रकृतः साक्षादुपमानस्य विप्लवः NyāyMañ. i. 132. 1.

अत्यन्तप्राशस्त्यार्थम् (atyantaprāśastyārtham) *adv.* for the purpose of excessive praise सर्वत्रीजपदेन यवप्राप्तेः पुनरुपादानमत्यन्तप्राशस्त्यार्थम् ViraMi.(Pūjā.) 251. 10.

अत्यन्तप्रिय (atyanta-priya) *adj.* extremely dear, very much pleasing राज्ञोऽत्यन्तप्रियस्त्वं हि तारापुत्रोऽतिवल्लभः AdhyāRā. iv. 7. 12; ध्यानार्चनप्रणामस्तुतिकीर्तनादीनि स्वयमेवात्यन्तप्रियाणि प्राप्य समानि कुर्वन्तः मामुपासत इत्यर्थः GītāBh.(Rā.) 563. 8 (*on* 12. 6); राजन्नभिनिविष्टोऽसि कष्टेऽत्यन्तप्रियोऽसि च KathāSaSāg. xii. 12. 4; चणकाः अश्वानामत्यन्तप्रियाः SmṛtiCan. v. 213. 16.

अत्यन्तप्रियतम (atyantapriya-tama) *adj.* extremely dear सः ··· राज्ञोऽत्यन्तप्रियतमः परोपकारी सर्वलोकस्यातिप्रियः SiṁhāDvā. 128. 0(6)

अत्यन्तप्रियदर्शन (atyantapriya-darśana) *adj.* of very agreeable looks, of pleasing appearance ददर्श सुतमात्मनः । ··· दीर्घबाहुं महासत्त्वमत्यन्तप्रियदर्शनम् । ··· गुणैः प्रद्योतयन्तं तम् Rāmā. ii. 29(A.)*. 4.

अत्यन्तप्रीत (atyanta-prīta) *adj.* very much delighted विवाहविधिरत्यन्तप्रीतलोकसमाकुलः PadmP.(Ra.) 12. 17; इत्युक्तवन्तमत्यन्तप्रीतस्तं पवनात्मजः । पप्रच्छ PāṇḍaC. 8. 141.

अत्यन्तप्रीति (atyanta-prīti) *f.* great satisfaction or pleasure तृतीयस्य विधा योऽसौ संयमो नाम वर्णितः । (उपायः) भोगैः शुद्धैस्त्रिधोद्भूतैरत्यन्तप्रीतये मम LakṣmīT. 16. 40; अत्यन्तप्रीतिकरत्वात् ManuBh. i. 329. 5 (*on* 4. 5); गयाख्ये च देशविशेषे क्रियमाणे पार्वणेऽत्यन्तप्रीतिजनकेऽपि मातुरंशहारित्वमस्ति SmṛtiCan. v. 99. 4; अत्यन्तप्रीतिविषयः आनन्दः LalitāTriBh. 318. 1 (*on* 38)

अत्यन्तप्रीतिद (atyantaprīti-da) *adj.* giving great delight देवानां च पितृणां च ऋषीणां राजसत्तम । अत्यन्तप्रीतिदं सत्यं प्रपादानं न संशयः SkandP. ii(7). 2. 15.

अत्यन्तप्रीतिमानस (atyantaprīti-mānasa) *adj.* whose mind is greatly pleased केवलिरविणो[द्]द्योतितमत्यन्तप्रीतिमानसाः समशंसन् PadmP. (Ra.) 105. 267.

अत्यन्तप्रेतोपकार (atyanta-pretopakāra) *m.* great service to the departed प्रेतेषु दुर्लभमित्यनेनात्यन्तप्रेतोपकार इति प्रदर्शितम् HārLa. 160. 7.

अत्यन्तप्रेमन् (atyanta-preman) *n.* great or deep love सर्वेषामङ्गेषु ब्रह्मस्वरूपतया अत्यन्तप्रेमविषयत्वेन सुन्दरपदार्थवदविनाभाववान्छाविषयत्वात् LalitāTriBh. 295. 12 (*on* 25); अत्यन्तप्रेमसंभारसंसक्तमनसोस्तयोः । बभूव लकुचः पुत्रो युवराजो विचक्षणः BṛKathāK. 50. 2; अत्यन्तप्रेमाविच्छेदप्रदायिनि परात्परे । कन्यां प्रदाय देवाय त्वं कृती भव पर्वत BrahmVaiP. iv. 42. 74; पुत्रकाङ्क्षयैव दुःखं तु तस्यात्यन्तप्रेमास्पदत्वात् Nyāyāmṛ. 397A. 9.

अत्यन्तप्रौढवाक्य (atyantapraudha-vākya) *adj.* whose utterances are very ostentatious or flamboyant अत्यन्तप्रौढवाक्याः परिलब्धधृतयः क्रोधना मध्यवेगा उक्षाणः (नायकाः) PañcSā. 2. 9.

अत्यन्तफल (atyanta-phala) *adj.* conducive to great reward, yielding eternal fruit शिवे दत्तं हुतं जप्तम् ···। एकान्ततोऽत्यन्तफलं तद्भवेन्नात्र संशयः SaurP. 47. 37; (कुपुत्राः) एतेन नात्यन्तफला एवेत्युक्तम् ManvaVi. 1197. 31 (*on* 9. 161)

अत्यन्तफलद (atyantaphala-da) *adj.* [*f.* -ā] yielding great (permanent) fruit शीर्षोदये लग्नगते ···। अत्यन्तफलदा यात्रा तदीशश्चेच्छुभग्रहः VasiS. 37. 67; तदुपासनमत्यन्तफलदमिति कृत्वा S'aṅkaVi.(Ā.) 220. 5.

अत्यन्तफलप्रदा (atyantaphala-pradā) *adj.* (*f.*) yielding great (permanent) fruit गजच्छाया तदा ज्ञेया श्राद्धेऽत्यन्तफलप्रदा NāraS. 4. 35.

अत्यन्तफलप्रदायिन् (atyantaphala-pradāyin) *adj.* habitually giving great (permanent) fruit हेमाद्रिरत्यन्तफलप्रदायि नानातिथीनां व्रतवृन्दमाह CaturCin. ii(2). 258. 5.

अत्यन्तफलभूयिष्ठ (atyantaphala-bhūyiṣṭha) *adj.* plentiful or abundant in great results स तु पैतामहो धर्मो बहुवित्तक्रियान्वितः । नात्यन्तफलभूयिष्ठः क्लेशायाससमन्वितः S'ivaP. vii. 10. 20 (555A. 2)

अत्यन्तफलसमृद्धम् (atyantaphalasamṛddham) *adv.* full of endless consequences अत्यन्तफलसमृद्धं भ्रमन्ति TātpaVṛ. 362. 17 (*on* 3. 71)

अत्यन्तफलसंपत्ति (atyantaphala-sampatti) *f.* opulence in the form of abundant produce (corn) अत्यन्तफलसंपत्तिनम्रशाल्यादिभूषिता । धरणी जायते तस्मिन् समेते सस्यकारणम् PadmP.(Ra.) 2. 99.

अत्यन्तबल (atyanta-bala) *adj.* having great strength ऊर्जस्व्यूर्जस्वलोऽत्यन्तबलपर्यायवत्यपि KalpaK. 116. 246.

अत्यन्तबलवत् (atyantabala-va(n)t) *adj.* very strong or powerful अत्यन्तबलवन्तोऽपि पौरजानपदा जनाः।··· बाध्यन्ते TantrVā. 863. 9 (*on* iii. 3. 14); यस्मान्नायं नियमो दृश्यते यो जयति सोऽत्यन्तबलवानवश्यम् ManuBh. ii. 59. 26 (*on* 7. 199); अत्यन्तबलवतोद्देश्यसामर्थ्येन निर्णयो दुरपह्नवः MīmāKau. i. 299. 25 (*on* i. 4. 30)

अत्यन्तबलिन् (atyanta-balin) *adj.* very strong or powerful भवन्तोऽत्यन्तबलिनः शूराश्च कृतविक्रमाः AdhyāRā. iv. 9. 4.

अत्यन्तबलीयसी (atyanta-balīyasī) *adj.* (*f.*) (*comp.*) very strong or compelling तत्त्वज्ञानवासनया अत्यन्तबलीयस्यास्याः समूलकाषं कषितत्वात् TātpaṬ.(Vā.) 94. 24 (*on* i. 1. 2); यत्त्वत्यन्तबलीयस्या श्रुत्या संयुक्तम् S'āstrDī. 581. 11 (*on* ix. 1. 5)

अत्यन्तबहिर्भूत (atyanta-bahirbhūta) *adj.* completely external अतो मनुष्योऽहमित्यत्यन्तबहिर्भूतमनुष्यत्वादिविशिष्टपिण्डात्माभिमानवज्ज्ञातृत्वमप्यध्यस्तम् S'rīBh.(Rā.) 26. 9 (*on* i. 1. 1)

अत्यन्तबहिर्मुद्र (atyanta-bahirmudra) *adj.* totally outside authentication, having absolutely no aunthentication °वचनव्याख्यानं तत्त्वत्यन्तबहिर्मुद्रम् ViraMi.(Vyavahāra.) 17. 30.

अत्यन्तबहु (atyanta-bahu) *adj.* **i** very many, innumerable (यमकानाम्) अत्यन्तबहवस्तेषां भेदाः सम्भेदयोनयः Kāvyāda. 3. 3 = SaraKaṇṭhā. 198. 14; अत्यन्तबहवोऽप्येते भोगा हि न सुखावहाः YogVā. v. 22. 47; **ii** very abundant योषिद्ग्राह्यापेक्षयात्यन्तबहुधनो यः पुत्रस्तस्य धनग्राह्यानन्तर्यार्थम् SmṛtiCan. iv. 403. 6.

अत्यन्तबहुत्व (atyantabahu-tva) the state of being extremely abundant एकविषयत्वे विकल्पः प्राप्नोति । स च न युक्तो द्विगुणस्यात्यन्तबहुत्वात् ManuBh. ii. 133. 12 (*on* 8. 139)

अत्यन्तबहुल (atyanta-bahula) *adj.* very frequent or profuse कार्मारव्याम् ··· गान्धारोऽत्यन्तबहुलः SaṁgīRa. i. 252. 3 (1(7). 102)

अत्यन्तबहुव्याप्ति (atyantabahu-vyāpti) *f.* very large coverage or inclusion एकैकश इति शसप्रत्ययाद्वीप्सात्यन्तबहुव्याप्तिप्रदर्शनार्था NyāyKa. 27. 7.

अत्यन्तबाध (atyanta-bādha) *m.* **i** complete denial (of one's nature) गुणादीनां च नात्यन्तबाधः SāṁkhyaPraSū. 5. 26; सदसद्भ्यां भिन्नमेव जगद् भवतु तथाप्यत्यन्तबाधप्रतिषेधानुपपत्तिः SāṁkhyaPraBh. 127. 24 (*on* 5. 54); **ii** complete annulment or sublation, complete contradiction इतरथा हि प्रैषेऽत्यन्तबाध एव स्यात् TantrVā. 1176. 5 (*on* iii. 8. 24); पृष्ठशब्दश्रुतिवृत्ते गृह्यमाणेऽत्यन्तबाध आत्मने(पदस्य स्यात्) ṬupṬ. 162. 4 (*on* vii. 3. 36); तत्र (पीलुशब्दविषये) म्लेच्छोक्तस्यात्यन्तबाधः NyāyRa. 643. 20 (*on* 5(15). 17); आहवनीयवत्तं बाधित्वा ··· होमस्तत्रानादरे सत्याहवनीयविधेरत्यन्तबाधप्रसङ्गात् NyāyRaMā. 116. 16; तत्र श्रुतेरप्यत्यन्तबाधो वाक्यस्य च S'āstrDī. 242. 22 (*on* iii. 3. 7); PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 1. 21; प्रतिषिद्धं परित्यज्यान्यत्रापि शक्यं कर्तुमिति प्रतिषेधेऽपि नात्यन्तबाधः Aparā. 558. 10 (*on* 1. 260); परेणोद्गात्रापच्छेदनिमित्तादक्षिण्येन बाधेऽपि नात्यन्तबाधः Nyāyāmṛ. 115B. 7; काम्येनाग्निनोत्तरवेद्या बाधेऽपि नात्यन्तबाधः VidhiRa. 32 (177. 23); तस्मादत्यन्तबाधादपि पापीयान्विकल्पः S'ivārkaMaDī. i. 118. 22 (*on* i. 1. 2); न निषेधेन विधेरत्यन्तबाधो युक्तः MīmāNyāPra. 265. 7; ननु तत्राप्येकत्वस्य नात्यन्तबाधः MayūMāli. 711. 16 (*on* x. 4. 18)

अत्यन्तबाधक (atyantabādha-ka) *adj.* extremely obstructive (आबाधकः) अभिव्याप्तो बाधकोऽत्यन्तबाधकः JīvanVi. 160. 16; *n.* great impediment

अथ प्रश्नोत्तराभ्यामत्यन्तबाधकं प्रदर्श्य तद्वर्जनमाह JīvanVi. 160. 10.

अत्यन्तबाधन (atyanta-bādhana) *n.* total annulment S'lokaVār. 5. (15) 17 (643. 5); न बहुवचनस्यात्यन्तबाधनं युक्तम् S'āstrDī. 287. 13 (*on* iii. 5. 7); भूयसां शेषकार्याणां मा भूदत्यन्तबाधनम् S'āstrDī. 480. 14 (*on* vi. 3. 21)

अत्यन्तबाधानुपपत्ति (atyantabādhānupapatti) *f.* impossibility of complete sublation or rejection निषेधस्य प्राप्तिसापेक्षत्वेनोपजीव्यत्वादत्यन्तबाधानुपपत्तेः BhāṭṭDī. i. 259. 1 (*on* iii. 3. 7)

अत्यन्तबाधापत्ति (atyantabādhāpatti) *f.* contingency of total sublation or rejection न चैवमाचमनादिभिः क्रमादिबाधे श्रुतेरत्यन्तबाधापत्तिरिति वाच्यम् MīmāKau. i. 33. 14 (*on* i. 3. 7)

अत्यन्तबाधायोग (atyantabādhāyoga) *m.* impropriety of total annulment or rejection अनपनीतस्य च शास्त्रस्यात्यन्तबाधायोगाद्विकल्पो दुःपरिहरः NyāySu.(So.) 8. 25 (*on* i. 2. 2); दुर्बलप्रमाणप्रापितस्यापि च प्रबलप्रमाणप्रापितेनात्यन्तबाधायोगादुभयोरपि … विकल्पः BhāṭṭDī. iv. 91. 6 (*on* x. 7. 15); तस्य च शास्त्रत्वेनात्यन्तबाधायोगात् MīmāKau. iii. 264. 70 (*on* ii. 2. 23); शास्त्रेण … शास्त्रान्तरस्यात्यन्तबाधायोगात् MīmāNyāPra. 264. 27; निर्दोषशास्त्रकारितत्यात्यन्तबाधायोगात्तदानीमपि विकल्पो दुर्वारः MayūMāli. 881. 10 (*on* xii. 4. 10); 508. 14 (*on* vi. 5. 19)

अत्यन्तबाधित (atyanta-bādhita) *adj.* [*f.* -ā] completely annulled or rejected समाख्या … इतरथा प्रैषेऽत्यन्तबाधिता स्यात् S'āstrDī. 339. 9 (*on* iii. 8. 12); बुभुक्षुत्वादिकं हि जाठरेऽत्यन्तबाधितम् S'rutaPra. iB. 344. 13 (*on* i. 2. 27)

अत्यन्तबाल (atyanta-bāla) *adj.* [*f.* -ā] very young स यथा कुमारो वा अत्यन्तबालो वा … अतिघ्नीम् … प्राप्य गत्वा शयीत BṛĀraUBh. 245. 5 (*on* ii. 1. 19); अत्यन्तबालम् अत्यन्तवृद्धं च वर्जयित्वा … न कश्चित्पुरुषोऽस्ति यः स्त्रीभिर्नाकृष्यते ManuBh. i. 186. 15 (*on* 2. 214); स्पृहा यस्या नोत्पन्ना सा चाष्टवर्षा षड्वर्षा वा न त्वत्यन्तबालैव ManuBh. ii. 268. 8 (*on* 9. 88); अत्यन्तबालम् … श्रीमदिन्दीवराक्षम् (दुग्धेन संप्रीणयेत्) SkandP. ii(5). 16. 3; PañcaRā.(Nā.) iii. 10. 17; नात्यन्तबालवृद्धांश्च श्रुतवृत्तादिभूषितान् ।…अष्टौ वरयित्वा ĪśānS'iPa. ii. 45. 45; अत्यन्तबालम् … कृष्णं नमामि KṛṣṇaKa. 2. 19; प्राचीनैरुपदेशैस्तावदवगन्तुमसमर्थोऽत्यन्तबालः S'ivārkaMaDī. i. 174. 20 (*on* i. 1. 4)

अत्यन्तबालकपुत्र (atyantabālaka-putra) *m.* very young son देशान्तरस्थेऽत्यन्तबालकपुत्रेऽपुत्रपत्नीसंभवे पुत्रिण्याः पत्न्या जलमात्रं विधत्ते HārLa. 174. 13.

अत्यन्तबाह्य (atyanta-bāhya) *adj.* extreme stranger to (completely ignorant of) (स्वामी) युष्मद्विधैः … षाड्गुण्योपायेऽत्यन्तबाह्यैः …असमीक्ष्य मन्त्रयते Tantrākhyā. 44. 17; PañcT. 1. 147 (149. 7); Pañcā. 102. 20.

अत्यन्तबीभत्स (atyanta-bībhatsa) *adj.* exceedingly hideous or disgusting अनेकाशुचिसंघातत्वादत्यन्तबीभत्सं कुलायं नीडं शरीरम् BṛĀraUBh. 550. 12 (*on* iv. 3. 12); कृमिकुलनिलयेऽत्यन्तबीभत्सरूपे रज्यत्यङ्गे वधूनां व्रजति गतमतिः श्वभ्रगर्भे क्रमित्वम् SubhāRaSaṁ. 122.

अत्यन्तबीभत्सित (atyanta-bībhatsita) *adj.* exceedingly hideous अत्यन्तबीभत्सितमपि स्त्र्यादिदेहम्…गृध्यन्तः…धावन्ति SanatBh. 199. 18 (*on* 1. 14)

अत्यन्तबुद्धि (atyanta-buddhi) *adj.* extremely intelligent विप्रयोगात् प्रियस्य च । मनुष्या मानसैर्दुःखैर्युज्यन्ते येऽल्पबुद्धयः (v. l. क्लिश्यन्तेऽत्यन्तबुद्धयः) MahāBhā. xi. 2. 18.

अत्यन्तबुद्धिमान्द्य (atyanta-buddhimāndya) *n.* extreme dullness of intellect अत्यन्तबुद्धिमान्द्यात् …। यो विचारं न लभते ब्रह्मोपासीत सोऽनिशम् PañcDa. 9. 54.

अत्यन्तभक्त (atyanta-bhakta) *adj.* [*f.* -ā] extremely devoted प्रह्लादः …। अत्यन्तभक्तो देवेशं जगाम मनसा हरिम् MatsyaP. 245. 8; विजयतां ममात्यन्तभक्ता दयिता Tantrākhyā. 111. 3; PañcT. 3. 69 (336. 8); (रामः) जनकस्य नरेन्द्रस्य सुतयात्यन्तभक्तया । जानकं पालयत्(न्) सत्यम् … प्राविक्षद्दण्डकं वनम् PadmP.(Ra.) 102. 17; सोदरौ । अत्यन्तभक्तौ च पितुर्व्यवर्तेतां पदातिवत् TriṣaS'aPuC. iv. 5. 86; प्रारब्धकर्मण्येवात्यन्तभक्तेन भवता … पुरुषप्रयत्नस्य वैयर्थ्यं मनसापि चिन्तयितुमशक्यम् JivanVi. 10. 18; त्वं तु यदि तयोर्विरोधेऽत्यन्तभक्तः GuruCandr. i. 81. 17.

अत्यन्तभक्ति (atyanta-bhakti) *f.* extreme devotion अन्यार्चने स्वेष्टेश्वरेऽत्यन्तभक्तिप्राप्तिपूर्वकान्येशप्रीतिद्वारा … अर्चयिष्य एवं संकल्पयेत् PārāSū. 47. 6; त्रिपुरकुमारः परमगुरुचरणकमलयुगलमत्यन्तभक्त्या … प्रणम्य दिग्विजयार्थम् … ययौ S'aṅkaVi.(Ā.) 271. 5.

अत्यन्तभक्तिभाज् (atyantabhakti-bhāj) *adj.* extremely devoted तत्रापि धारिणी सा च पत्यावत्यन्तभक्तिभाक् । तल्पं प्रकल्पयामास PariPar. 1. 112.

अत्यन्तभक्षण (atyanta-bhakṣaṇa) *n.* eating too much एषामन्यतमस्यात्यन्तभक्षणाभ्यासे प्रत्येकं भक्षणसमुदाये वैतत् Aparā. 1165. 25 (*on* 3. 289)

अत्यन्तभग्न (atyanta-bhagna) *adj.* completely destroyed राज्यम् … सेवस्व मुदितोऽत्यन्तभग्ननिःशेषकण्टकम् PadmP.(Ra.) 47. 95.

अत्यन्तभङ्ग (atyanta-bhaṅga) *m.* **i** complete destruction होमस्य … अत्यन्तभङ्गे संस्कार्याभावात् … कपाले घृष्टे सत्ययं होमः NyāyMāVi. 331. 5 (*on* vi. 4. 4); **ii** great humiliation, defeat तुण्डीराणामीशिता दुर्नयेन प्राप्यैवं पाण्ड्यमत्यन्तभङ्गम् Raghunā. 10. 35.

अत्यन्तभद्रा (atyanta-bhadrā) *adj.* (*f.*) extremely blessed or happy (सूर्यः) नृणां दृष्टिं विजिह्मां विदधदपि करोत्यन्तरत्यन्तभद्राम् SūryaS'. 86.

अत्यन्तभय (atyanta-bhaya) *n.* excessive fear (राजकुमारोऽपि) पूर्वारूढं भल्लूकं दृष्ट्वा पुनरत्यन्तभयं प्राप्तः SiṁhāDvā. 35. 4(10)

अत्यन्तभयदायक (atyantabhaya-dāyaka) *adj.* greatly awe-inspiring अत्यन्तभयदायकम् … तमालोक्य जगन्नाथं भूयोभूयो ववन्दिरे SkandP. ii(1). 38. 14.

अत्यन्तभयसंपत्ति (atyantabhaya-sampatti) *f.* good deal of excessive fear अत्यन्तभयसंपत्तिरेतस्माज्जायते मम SkandP. ii(3). 2. 40.

अत्यन्तभवनिवृत्ति (atyanta-bhavanivṛtti) *f.* total cessation of worldly life तर्हि मिथ्याभूतस्य मोक्षो नामात्यन्तभवनिवृत्त्यात्मा स्वरूपनिवृत्तिपर्यवसितः S'atDū. 194. 23.

अत्यन्तभवभीत (atyanta-bhavabhīta) *adj.* exceedingly afraid of worldly life अत्यन्तभवभीतानां भक्तानां भावितात्मनाम् । इदं रहस्यं वक्तव्यम् JayāS. 12. 136 = PāraS. 5. 183.

अत्यन्तभागिनी (atyanta-bhāginī) *adj.* (*f.*) ever sharing, always suffering दुःखानामेव पुत्राहं विहितात्यन्तभागिनी Rāmā. ii. 430*(2)

अत्यन्तभारत्व (atyantabhāra-tva) *n.* excessive heaviness क एनान्धारयति यतोऽग्नीषोमविष्णुतेजःकूटात्मकत्वेनात्यन्तभारत्वात् S'aṅkaVi.(Ā.) 48. 8.

अत्यन्तभाव (atyanta-bhāva) *m.* eternality, unending (perpetual) existence (सर्गस्य) अकारणत्वे ह्यत्यन्ताभावोऽत्यन्तभावो वा स्यात् Sāṁkhya-TaKau. 460. 6 (*on* 56)

अत्यन्तभावन (atyanta-bhāvana) *n.* very deep contemplation स्नेहस्यैव विकारः प्रिययोरत्यन्तभावनादनिशम् BhaktiRa. 2. 59.

अत्यन्तभावम् (atyanta-bhāvam) *adv.* totally, completely, absolutely अत्यन्तभावं नष्टास्ते MahāBhā. iv. 24. 13.

अत्यन्तभाष्यानुग्रह (atyanta-bhāṣyānugraha) *m.* complete favour or concurrence of the Bhāṣya एवं 'ज्ञोऽविदर्थस्य' इति सूत्रेऽपि तत्संबन्धेनात्यन्तभाष्यानुग्रहः LaS'abdeS'e. ii. 8. 18–19.

अत्यन्तभासुर (atyanta-bhāsura) *adj.* very shining, splendid भवनद्वारे … गजान् । … अत्यन्तभासुरान् ।… दृष्ट्वा पादचरास्त्रस्ताः PadmP.(Ra.) 71. 19; तदेतदत्यन्तभासुरम्…अविविधाय रूपं नैशाचरमनेन गगनाध्वनैव धावितः पृष्ठे Uday-SuKa. 112. 18; 77. 28.

अत्यन्तभास्वर (atyanta-bhāsvara) *adj.* [*f.* -ā] very brilliant, excessively shining अत्यन्तभास्वरा स्वच्छा तयोर्मध्ये स्थली मुने BrahmāṇḍP. iii. 33. 51; आदित्यादिषु हि सत्त्वम् अत्यन्तप्रकाशम् अत्यन्तभास्वरम् GītāBh.(S'aṅ.) 441. 6 (*on* 15. 12)

अत्यन्तभिदा (atyanta-bhidā) *f.* [P. iii. 3. 104] entire difference, difference in every respect अग्रहोऽनतिभेदाच्चेदंशेऽत्यन्तभिदा क्व वः IṣṭaSi. 268. 11.

अत्यन्तभिन्न (atyanta-bhinna) *adj.* [*f.* -ā] entirely or radically different, totally distinct अत्यन्तभिन्नावात्मानौ तावितौ व्यवसीयते TattvSaṁ. 704; तेन नात्यन्तभिन्नोऽर्थः सारूप्यमिति वर्णितम् S'lokaVār. 5(12). 76 (565. 6); अत्यन्तभिन्नमपि मीमांसकस्यासिद्धम् TātpaṬ.(U.) 218. 17 (*on* 5(2). 61); 208. 22 (*on* 5(2). 61); यद्यपि जातिर्व्यक्तेरत्यन्तभिन्ना नोपलभ्यते TantrVā. 268. 24 (*on* i. 3. 26); 269. 5 (*on* i. 3. 26); यदि अत्यन्तभिन्ना एव एताः सृतयः स्युः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 822. 10 (*on* iv. 3. 1); 89. 10 (*on* i. 1. 31); कथं च अत्यन्तभिन्नानां रूपरूपिभावः IṣṭaSi. 19. 15; पराधीनं यस्य कर्तृत्वं निरूपितं किमसौ ततोऽत्यन्तभिन्नः BrahmSūBh.(Bhā.) 140. 21 (*on* ii. 4. 43); यद्येवं निमित्तान्तरमनपेक्ष्यैकव्यवहारोऽत्यन्तभिन्नैः … किं न साध्यते ĀtmaTaVi. 388. 12; एवं चेदत्यन्तभिन्नोऽसंबद्धः कथं संबन्धिनौ संबन्धयेत् Bhām. 401. 8 (*on* ii. 2. 13); अत्यन्तभिन्नयोरैक्यं येषां चित्तशरीरयोः । … नमस्तास्ते सुपण्डिताः YogVā. iii. 110. 37; ते च क्रिये शास्त्रादत्यन्तभिन्ने NyāyRa. 7. 17 (*on* 1. 22); 632. 17 (*on* 5(14). 75) = YuktiSneha. 4. 27 (*on* i. 1. 1); किं पुनरत्यन्तभिन्नशब्दप्रत्याय्यमानस्य लिङ्गभेदावगतिर्न स्यात् Pradī. iv. 120B. 35 (*on* iv. 1. 92); किमयं जीवः परस्मादत्यन्तभिन्नः S'rī-Bh. 539. 9 (*on* ii. 3. 42); तस्मादत्यन्तभिन्नं चिदचिद्वस्तुशरीरकं ब्रह्म NītiMā. 41. 16; तथा ह्यत्यन्तभिन्नयोरश्महिषयोरिव नोपादानोपादेयभावः TattvPradī.(Ci.) 335. 4; गुणगुणिनोः … अत्यन्तभिन्नयोस्तदनुपलम्भात् TarkSaṁ.(Ā.) 59. 17–18; अत्यन्त-

भिन्नयोः प्रकारप्रकारिभावरहितयोरित्यर्थः S'rutaPra. iB. 63.24 (*on* i. 1.1); न खल्वत्यन्तभिन्नयोः क्वचिदपि विशेषणविशेष्यभावो दृश्यते NyāyKu. 129.14; नायं जीवः श्रीपुरुषोत्तमादत्यन्तभिन्नः VedāntKau. 236.3 (*on* ii. 3.42); अत्यन्तभिन्नधात्वर्थसंबन्धे तु तेनैव णमुल् भवति PadMañ. *on* KāśiVr. *on* P. iii. 4.37; अस्तु तर्हि परस्परमत्यन्तभिन्नानां द्रव्यजातिगुणादीनां ··· स्वरूपमात्रग्रहणं निर्विकल्पकम् S'atDū. 84.7; 179.7; अत्यन्तभिन्नधर्मपरम्पराया अप्यप्रामाणिकत्वात् NyāySu.(Ja.) 363A.8 (*on* ii. 2.6); ननु वृत्तितद्वोधौ यदि घटदीपाविवात्यन्तभिन्नौ YogVār. *on* 1.4; अथ तादृशविशिष्टरूपमत्यन्तभिन्नं तर्हि भाषान्तरेणातिरिक्तविषयैव स्वीकृता GuruCandr. i. 232.2; अर्थेन ज्ञानादत्यन्तभिन्नेन घटादिरूपेण विषयेणाभिन्नो धियां विशेषः LaCandr. 40.4; 678.33.

अत्यन्तभिन्नता (atyantabhinna-tā) *f.* absolute or total difference अत्यन्तभिन्नतास्माभिर्नैव कस्यचिदिष्यते S'lokaVār. 5(3).105 (297.7); 7.192 (899.2); तस्माद्यथैव सूर्यादेरिन्द्रादत्यन्तभिन्नता TantrVā. 398.15 (*on* ii. 1.17); विकारे सांख्यसिद्धान्त आरम्भेऽत्यन्तभिन्नता BṛĀraUBhVā. iv. 3.656; अत्यन्तभिन्नतयैतावन्तं कालमनुभूतेषु सर्वेष्वात्मसु ··· समदर्शनरूपो योगः GītāBh.(Rā.) 349.3 (*on* 6.33)

अत्यन्तभिन्नत्व (atyantabhinna-tva) *n.* the state of being entirely different, total difference तस्याप्यत्यन्तभिन्नत्वं न स्यादवयवैः सह S'lokaVār. 5(14).75 (632.5); अत्यन्तभिन्नत्वाद् द्रव्यादिषूपचारो न युक्तः TantrVā. 1183.5 (iii. 8.43); अत्यन्तभिन्नत्वमङ्गीकृत्य ··· धर्ममभ्युपगच्छति PrakaVi. 508.18; तत्र न डित्थशब्दो जातिवदर्थस्यात्मा अत्यन्तभिन्नत्वात् S'āstrDī. 42.7–8 (*on* i. 1.4); तयोरत्यन्तभिन्नत्वेऽपि तत्कल्पनाया पदार्थान्तरधर्माणामपि विवक्षितधर्मधर्मित्वापत्तेः Syādvā-Mañ. 7 (9–10); कार्यस्य कारणानन्यत्वमस्ति न त्वत्यन्तभिन्नत्वम् VedāntPāSau. 159.18 (*on* ii. 1.14); 188.4 (*on* ii. 2.13); तदा जडेभ्योऽत्यन्तभिन्नत्वात् जडधर्मत्वं वक्तुमशक्यम् LaCandr. 335.13.

अत्यन्तभिन्नत्वसाम्य (atyantabhinnatva-sāmya) *n.* similarity in complete difference (being completely different) समवायः ··· संबध्येतात्यन्तभिन्नत्वसाम्यात् VedāntKau. 188.18 (*on* ii. 2.13)

अत्यन्तभिन्नमति (atyantabhinna-mati) *adj.* having entirely different view, having widely different opinion अत्यन्तभिन्नमतयः ··· निरीश्वरमिदं प्राहुः SivS. 1.13.

अत्यन्तभिन्नरूप (atyantabhinna-rūpa) *adj.* having a totally different form अत्यन्तभिन्नरूपयोरभिन्नस्वभावत्वमसंभावयन् पृच्छति Nyās. iii. 976.1 (*on* viii. 2.18);

अत्यन्तभिन्नरूपत्व (atyantabhinnarūpa-tva) *n.* the state of being of an entirely different form अत्यन्तभिन्नरूपत्वाल्लक्ष्याणां लक्षणाद्विना नैकमालम्बनम् TantrVā. 197.18 (*on* i. 3.18)

अत्यन्तभिन्नविषय (atyantabhinna-viṣaya) *adj.* having an entirely different object अयं गौरिति प्रत्यक्षमपि यद्यत्यन्तभिन्नविषयं स्यात्तर्हि इदं गोत्वे इति प्रतीतिः स्यात् MānaMe. 43.1.

अत्यन्तभिन्नार्थ (atyantabhinnārtha) *adj.* having an entirely different meaning रूपादिशब्दाश्चन्दनशब्दादत्यन्तभिन्नार्थाः NyāyVār. 170.6 (*on* i. 2.45); न चात्यन्तभिन्नार्थेन आमन्त्रवाच्यस्यार्थस्य संबन्धिनः साधनादयः शक्यन्तेऽभिव्यक्तुम् Nyās. i. 532.22 (*on* iii. 1.40); सामानाधिकरण्यं चात्यन्तभिन्नार्थयोः ···न संभवति MayūMāli. 56.3 (*on* i. 4.2)

अत्यन्तभिन्नार्थत्व (atyantabhinnārtha-tva) *n.* the nature of having a totally different meaning अत्यन्तभिन्नार्थत्वस्य···दूषितत्वात् न्यूनबोधनमवशिष्यते S'atDū. 192.8.

अत्यन्तभिन्नैकनिष्ठत्व (atyantabhinnaikaniṣṭha-tva) *n.* the nature of being present only in absolutely different things साहित्यस्यात्यन्तभिन्नैकनिष्ठत्वात् NyāyKu. 135.14.

अत्यन्तभीकर (atyantabhī-kara) *adj.* causing excessive fear, extremely terrific अथ क्रुद्धो दानवेन्द्रः खड्गं विक्षेप···अत्यन्तभीकरम् S'ivaP. ii(5). 38.21 (364B.6)

अत्यन्तभीत (atyanta-bhīta) *adj.* [*f.* -ā] extremely afraid of, terribly frightened लोकत्रयं सर्वं प्रव्यथितमत्यन्तभीतम् GītāBh.(Rā.) 547.22 (*on* 11.20); मा मा पतेति चात्यन्तभीताः प्राद्रुद्विजातयः BṛKathāMañ. ii. 2.127; तच्छ्रुत्वात्यन्तभीतेन तेन मुक्तो वृषः क्षणात् PārśvC. 2.646; दृष्टिर्भयानकात्यन्तभीता ज्ञेया भयानके BhāvPra.(S'ā.) 126.5(5)

अत्यन्तभीतमनस् (atyantabhīta-manas) *adj.* greatly afraid of in the mind त्वां दृष्ट्वा प्रव्यथितान्तरात्मा अत्यन्तभीतमना धृतिं न विन्दामि GītāBh. (Rā.) 549.11 (*on* 11.24)

अत्यन्तभीम (atyanta-bhīma) *adj.* very dreadful, extremely terrific दृष्ट्वा दक्षिणतोऽत्यन्तभीमनिःस्वानकारिणो भल्लका(?न्) गगने गृध्रा भ्रमन्ति छन्नभास्कराः PadmP.(Ra.) 74.14; मृतिजननजरावर्तमत्यन्तभीमं ··· व्याधिसिन्धुप्रवाहम् । नीयन्ते प्राणिवर्गाः ··· यैः SubhāRaSaṁ. 643; 74; अत्यन्तभीमा नरकाः सुघोराः ViṣṇuDhaP. ii. 119.55.

अत्यन्तभीरु (atyanta-bhīru) *adj.* extremely timid यैरगृहीतसंबन्ध एव लिङ्गादिः स्वरूपसामर्थ्येनैव प्रेरक इष्यते तेऽत्यन्तभीरव इत्युपेक्षणीयाः NyāyMañ. i. 320.14; अदृष्टद्वारेणोपयोगस्तु अत्यन्तभीरुभिः परैः ··· परित्यक्तः S'rutaPra. iB. 152.28 (*on* i. 1.4)

अत्यन्तभीरुता (atyantabhīru-tā) *f.* extreme timidity अपि भर्तुः प्रभावज्ञा कथं मिथ्या विमूर्छसि । स्वभावसुलभा सत्यं स्त्रीणामत्यन्तभीरुता Rāmā-Mañ. 317.25.

अत्यन्तभीषण (atyanta-bhīṣaṇa) *adj.* [*f.* -ā] very dreadful, extremely terrific नेष्यामो भवतीरद्य प्रेतनाथनिकेतनम् ।···बाणैरत्यन्तभीषणैः BrahmāṇḍP. iii. 24.25; यावच्च तत्तयोर्युद्धं वर्ततेऽत्यन्तभीषणम् PadmP.(Ra.) 6.465; अन्येनाशीविषेणेव पततात्यन्तभीषणा । दृष्टिरुल्कानिभाक्षेपि प्रतिपक्षस्य विग्रहे PadmP.(Ra.) 12.294; (ताक्ष्यः) उपसंहृत्य देहमत्यन्तभीषणम् ···मातुरन्तिकमगात् SkandP. iii(1). 38.25; भुजङ्गमः ·· तत्रैवाजनि दृष्टश्च स मयाऽत्यन्तभीषणः SamarāSaṁ. 4.370; सा (सरित्) ··· कल्लोलकलिता त्यक्तमर्यादात्यन्तभीषणा SamarāSaṁ. 8.499.

अत्यन्तभूतत्व (atyantabhūta-tva) *n.* absolute past तदर्थश्चेदवयवो भाविनो भूततागतिः । न स्यादत्यन्तभूतत्वमेवैकं तत्र संभवेत् VākyaP. iii. 9.94 (95)

अत्यन्तभूयसी (atyanta-bhūyasī) *adj.* (comp.) much more perfect, complete in all aspects अत्यन्तभूयसी किल योगवशादात्मसंवित्तिः RasRaSa. 1.48.

अत्यन्तभेद (atyanta-bheda) *m.* **i** absolute or total difference (between two or more entities) प्रत्येकं व्यञ्जका भिन्ना वर्णवाक्यपदेषु ये । तेषामत्यन्तभेदेऽपि सङ्कीर्णा इव शक्तयः VākyaP. 1.88; एकत्वं तु स्वरूपत्वाच्छब्दयोगौणमुख्ययोः । प्राहुरत्यन्तभेदेऽपि भेदमार्गानुदर्शिनः VākyaP. 2.259; एवमत्यन्तभेदेऽपि केचिन्नियतशक्तितः । तुल्यप्रत्यवमर्शादेर्हेतुत्वं यान्ति नापरे TattvSaṁ. 726; परार्थानुमानं शब्दात्मकम्, स्वार्थानुमानं तु ज्ञानात्मकम् । तयोरत्यन्तभेदात् नैकं लक्षणमस्ति NyāyBiṬ. 87.5 (*on* 2.1); अत्यन्तभेदाद्धि स्तोत्रशस्त्रापूर्वयोः ··· सम्बन्धवचनम् TantrVā. 411.10 (*on* ii. 1.27); अत्यन्तभेदस्तु घटतज्ज्ञानयोरस्माभिर्नेष्टः TātpaṬ.(U.) 257.16 (*on* 5(4).69); अत्यन्तभेदो विज्ञेयः संसारीश्वरयोरतः BṛĀraUBhVā. i. 4.1240; वस्तुनोरत्यन्तभेदे सति शब्दसाधारणतामात्रेण तदनुमानमुपपद्यते NyāyMañ. i. 179.11; गौरिवाश्व इति । अत्यन्तभेदविवक्षायामिदमुच्यते Pradī. ii. 394A.19 (*on* ii. 1.54); एवमेव हि लोके निमित्तोपादानयोरत्यन्तभेदो दृश्यते S'rīBh. 384.5 (*on* i. 4.23); 161.4 (*on* i. 1.4); तत्र न तावत्तादात्म्यं शब्दार्थयोः अत्यन्तभेदेन प्रतिभासनात् TarkBhā.(Mo.) 4.18; न च साधनस्य कर्मणः क्रियया सादृश्यमुपपद्यते । अत्यन्तभेदात् Nyās. i. 554.26 (*on* iii. 1.87); प्रमाणान्तरे गोवाहीकयोरत्यन्तभेदमवगम्य व्यपदेश्यगौणत्वमवसीयते Aparā. 1003.20 (*on* 3.144); न च प्रयोजनसहितमेव लक्ष्यं लक्षणाया विषयः विषयप्रयोजनयोरत्यन्तभेदात् Kāvyānu.(He.) 49.10; अत्यन्तभेदः अभेदासह्यो भेद इत्यर्थः SrutaPra. iB. 156.34 (*on* i. 1.4); न गोपुरुषवदत्यन्तभेदो जीवपरयोः BrahmSūBh.(Bhā.) 74.1 (*on* i. 4.5); यत्तन्निवृत्यात्यन्तभेदनिवृत्तिस्स्यात् NyāyKu. 130.15; यावद् ब्रह्मणः परस्परं च जीवानामत्यन्तभेदः पारमार्थिको नाङ्गीक्रियते S'atDū. 173.29; जगद्ब्रह्मणोरत्यन्तभेदे कथं त्रिविधपरिच्छेदराहित्यम् NyāySiA. 229.18; इयं च श्रुतिरत्यन्तभेददर्शननिन्दापरा भवतु NyāySu.(Ja.) 452A.4 (*on* ii. 3.14); अत्यन्तभेदेऽत्यन्ताभेदे च सामान्याधिकरण्यानुपपत्तेः Upask. 286.13 (*on* vii. 1.6); तार्किकादिपक्षवदत्यन्तभेदनिषेधाय पुनरुक्तः (जीवपुरुषोत्तमयोः संबन्धः) VedāntKau. 291.19 (*on* iii. 2.28); अत्यन्तभेदसत्त्वे ज्ञानानन्दयोरैक्यासंभवेन नाखण्डार्थत्वम् LaCandr. 806.37; एकोदुम्बरबीजोपादेयानामपि फलपत्रक्रमिकाष्ठादीनामत्यन्तभेददर्शनात् SetuBa. 236.16; अत्यन्तभेदेऽश्वपुरुषयोरिव तद्व्यवहाराभावात् Vaiyā-SiMañ. 38.12; वृत्तिवाक्ययोरत्यन्तभेदात् LaS'abdeS'e. ii. 400.2; **ii** (between a thing and its attributes etc.) अत्यन्तभेदात् स्तुतिस्तुत्ययोः S'ābaBh. 2004.11 (*on* x. 6.35); पर्यायेणाथ कर्तृत्वं स किं तस्यैव वस्तुनः । अत्यन्तभेदाभेदौ तु स्यातां तद्वति वस्तुनि PramāVār. 1.177; न त्वष्टाकपालस्तुत्या द्वादशकपालस्य स्तुतिः, विशेषणविशेष्ययोरत्यन्तभेदात् TantrVār. 312.15 (*on* i. 4.16); धर्मधर्मिणोरत्यन्तभेदे च कौटस्थ्याविरोधः NyāyKuA. i. 55.6; केन वा धर्मेभ्योऽत्यन्तभेदो धर्मिण उपेयते Kāśi. i. 265.10 (*on* 4.152); अत्यन्तभेदेऽपि च स्वभावनियमादेव धर्मधर्मिभावनियमोपपत्तेः Kiraṇā. 258.20; संस्थानतद्वतोः संस्थानयोश्चात्यन्तभेदात् NyāyKu. 149.17; तत्र प्रकारप्रकारिणोः प्रकाराणां च मिथोऽत्यन्तभेदेऽपि NyāySiA. 187.14; किं च धर्मधर्मिणोरत्यन्तभेदे गवाश्ववत् सामानाधिकरण्यप्रत्ययो न स्यात् SarvaDaKau. 91.1; **iii** (between cause (means) and effect (result)) साध्यसाधनयोरत्यन्तभेदात् Pradī. iii. 117A.40 (*on* iii. 1.87); अत्यन्तभेदो ग्राह्यग्राहकयोरिष्ट एव Kāśi. ii. 126.22 (*on* 5(3).69); उपादानेऽपि हि कार्यकारणयोरत्यन्तभेद एव दृश्यते S'atDū. 209.15; पूर्वत्र कार्यकारणयोरत्यन्तभेदो निराकृतः

VedāntKau. 161. 19 (*on* ii. 1. 20); **iv** (between general and particular) तेन नात्यन्तभेदोऽपि स्यात्सामान्यविशेषयोः S'lokaVār. 5(11). 11 (*on* 548. 4); वक्त्रौदुम्बरीजातिव्यक्तिस्पर्शानामत्यन्तभेदात् TantrVā. 98. 19 (*on* i. 3. 3); अस्तु वात्यन्तभेद एव जात्यादेः YuktiSneha. 39. 32 (*on* i. 1. 4); **v** (between part and whole) न च ब्रह्मांशानां ब्रह्मणोऽत्यन्तभेदं वा ब्रह्माध्यस्तत्वं वा स्वप्नेऽप्यङ्गीकरोषि S'atDū. 202. 12; अवयवानामवयविना सहात्यन्तभेदो नास्ति S'arka. 14. 2; किमभेदांश एव जीवः किं वा भेदांश एव । ··· न द्वितीयः । अत्यन्तभेदप्रसङ्गात् VivaPraSam̐. 312. 12; उपकार्योपकारकभावस्य दर्शपूर्णमासप्रयाजादौ भिन्नायतनत्वेनात्यन्तभेदात् SarvaDaSam̐. 15. 169; **vi** (between a thing and its modifications) सांख्या हि प्रकृतिविकारयोरत्यन्तभेदमनिच्छन्तः···सङ्गिरन्ते Kāśi. ii. 148. 18 (*on* 5(3). 123); न तूदकं कूपस्य विकृतिः । अत्यन्तभेदात् Prasā. i. 840. 20.

अत्यन्तभेदकता (atyantabhedaka-tā) *f.* nature of causing total or absolute difference तथा च मिलितयोरुपाध्योर्भेदकत्वेऽपि नात्यन्तभेदकता अमिलितयोस्तु सा LaCandr. 468. 26.

अत्यन्तभेदकत्व (atyantabhedaka-tva) *n.* nature of causing total or absolute difference अनिरपेक्षोपाध्योरत्यन्तभेदकत्वमेतद्ग्रन्थविरुद्धम् LaCandr. 468. 34; मिलितोपाध्योर्नात्यन्तभेदकत्वम् GuruCandr. ii. 90. 8.

अत्यन्तभेदग्राहक (atyantabheda-grāhaka) *adj.* causing the cognition of absolute difference न च जगद्ब्रह्मणोरत्यन्तभेदग्राहकं किं चन प्रमाणमस्ति Aparā. 1003. 21 (*on* 3. 144)

अत्यन्तभेदतस् (atyantabheda-tas) *adv.* **A** on account of absolute difference एकस्य कार्यमन्यस्य न स्यादत्यन्तभेदतः PramāVār. 1. 165; प्रत्यक्षो गम्यते मात्रा प्रतीचोऽत्यन्तभेदतः BṛĀraUBhVā. iv. 3. 184; **B** by total removal or destruction निकृत्या परिबद्धस्य पाशस्यात्यन्तभेदतः । ···चैतन्यं स्वच्छं मन्येत S'ivaP. vii(2). 18. 17 (566B. 13)

अत्यन्तभेदपक्ष (atyantabheda-pakṣa) *m.* view subscribing to absolute difference धर्मधर्मिणोरत्यन्तभेदपक्षः ··· निरस्तः Nyāyāmṛ. 274B. 8; अत्यन्तभेदपक्षेऽपि विशेषोऽङ्गीकार्यः AdvaiSi. 807. 14.

अत्यन्तभेदवत् (atyantabheda-va(n)t) *adj.* absolutely different बद्धः पुनरत्यन्तभेदवत् (मेयं मन्यते) ĪśvaPraSū. iv. 1. 13.

अत्यन्तभेदवाद (atyantabheda-vāda) *m.* theory or doctrine of absolute difference अत्यन्तभेदवादः प्रबन्धेन निरस्तः PrakaVi. 444. 16; अत्यन्तभेदवादे भेदाभेदवादे वा 'शुक्लो घटः' इति प्रथमं तादात्म्यं प्रतिपाद्य VivaPraSam̐. 46. 24.

अत्यन्तभेदवादिन् (atyantabheda-vādin) *adj.* upholder of the theory of absolute difference तयोरत्यन्तभेदवादिनश्च कथं तर्हि 'नीलो घटः' इत्यादिप्रतीतिव्यवहारौ इत्याशङ्क्य PūrvottaVāNaMā. 78. 2.

अत्यन्तभेदव्यापक (atyantabheda-vyāpaka) *adj.* pervading absolute difference ननु न पृथगनुपलम्भोऽत्यन्तभेदव्यापकः NyāyKu. 130. 14.

अत्यन्तभेदसाम्य (atyantabheda-sāmya) *n.* equality in having absolute difference एवं समवायोऽपि समवायिभ्योऽत्यन्तभिन्नः सन् समवायलक्षणेनान्येन संबन्धेन समवायिभिः संबध्येत, अत्यन्तभेदसाम्यात् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 371. 8 (*on* ii. 2. 13) = VedāntPāSau. 188. 5 (*on* ii. 2. 13)

अत्यन्तभेदाभाव (atyantabhedābhāva) *m.* absence of total or absolute difference आकृतिव्यक्त्योरत्यन्तभेदाभावात् ··· द्रव्यमभिधीयते TantrVā. 279. 2 (*on* i. 3. 26); वाच्यवाचकयोरत्यन्तभेदाभावात् विश्वम् ··· ब्रह्म VisṇuSaBh. 32. 16 (*on* 14); अंशान्तराग्रहोऽपि इदमंशाग्रहः, तयोरत्यन्तभेदाभावात् IṣṭaSi. 268. 13; अत्यन्तभेदाभावादिति वक्ष्यमाणोऽभिसन्धिः TattvVai. 128. 23 (*on* 3. 13); सामान्यम्···विकल्पाकारेभ्योऽत्यन्तभेदाभावेनाभावरूपम् NyāyKa. 319. 4; व्यापारस्य च व्यापारवतोऽत्यन्तभेदाभावात् NyāySu.(So.) 31. 25 (*on* i. 2. 7); संयोगाप्राप्त्यभावश्चात्यन्तभेदाभावादुपपत्स्यते NyāySu.(Ja.) 319B. 11 (*on* ii. 2. 1); प्रयोजनविषयसंबन्धानां स्वरूपतोऽत्यन्तभेदाभावात् पृथग्वक्तव्यत्वाभावः VivaPraSam̐. 226. 6; द्रव्यस्य क्रियातोऽत्यन्तभेदाभावात् BhāṭṭDī. ii. 252. 13 (*on* vi. 3. 3); व्रीह्यवयविनः स्वावयवैरत्यन्तभेदाभावात् BhāṭṭDi. ii. 263. 3 (*on* vi. 3. 11); MayūMāli. 624. 20 (ix. 3. 5); शरीरशरीरिणामत्यन्तभेदाभावेन BhāṭṭCin. i. 131. 4 (*on* i. 1. 5); कार्यकारणयोरत्यन्तभेदाभावात् GuruCandr. iii. 155. 22; अत्यन्तभेदाभावात् अत्यन्ताभेद उपचर्यते LaCandr. 468. 32; आहारांशेऽत्यन्तभेदाभावात् BālamBha. ii. 280. 13 (*on* 2. 160)

अत्यन्तभेदावसिति (atyantabhedāvasiti) *f.* ascertainment of absolute difference अनेकदेहानुस्यूतमात्मानं पश्यतः स्वस्य ततोऽत्यन्तभेदावसितिरेव युक्ता NyāySu.(Ja.) 491A. 4 (*on* iii. 2. 1)

अत्यन्तभेदाश्रय (atyanta-bhedāśraya) *m.* locus of absolute difference (i. e. absolutely different) स्तोकप्रविभागापेक्षं नैवेदमत्यन्तभेदाश्रयसदृशमभिधीयमानं शोभते TantrVā. 202. 24 (*on* i. 3. 18)

अत्यन्तभेदिन् (atyanta-bhedin) *adj.* absolutely different (in nature) अत्यन्तभेदिनोऽप्येते तुल्यप्रत्यवमर्शिने । शक्ताः शब्दास्तदर्थाश्चेत्यसङ्कचर्चितं पुरा TattvSam̐. 2612.

अत्यन्तभेदोक्ति (atyanta-bhedokti) *f.* statement of absolute difference विवक्षा नैगमोऽत्यन्तभेदोक्तिः स्यात्तदाकृतिः Laghīya. 1. 68.

अत्यन्तभेदोपलक्षण (atyantabhedopalakṣaṇa) *n.* adventitious mark of absolute difference युष्मद्ग्रहणमत्यन्तभेदोपलक्षणार्थम् Bhām. 3. 20 (*on* i. 1. 1)

अत्यन्तभैक्ष (atyanta-bhaikṣa) *n.* continual alms अरण्यं व्रजति मूलफलभक्षोऽत्यन्तभैक्षभक्षो वा MānS'S. 183. 20.

अत्यन्तभैरव (atyanta-bhairava) *adj.* very dreadful or formidable अयम् ··· वारणः ··· अत्यन्तभैरवाकारः PadmP.(Ra.) 85. 153.

अत्यन्तभोग (atyanta-bhoga) *m.* great enjoyment or pleasure अत्यन्तभोगौपयिकमैश्वर्यमिव देहिनाम् Gaṅgāva. 1. 14.

अत्यन्तभोजन (atyanta-bhojana) *n.* excessive eating उष्णादत्यन्तभोजनात् ··· नागानां कुप्यते वातशोणिते Hastyāyur. 125. 12 (1. 17)

अत्यन्तभ्रान्ति (atyanta-bhrānti) *f.* too much rotation (सा गङ्गा) न सत्तादार्थमत्यन्तभ्रान्तिश्रान्तेव मूर्च्छिता RāmāMañ. 22. 18.

अत्यन्तम् (atyantam) *adv.* **A i** for ever, during the whole life, to the end of life **ii** till the end or completion of a ritual act etc. **iii** necessarily **iv** for a very long time **B** absolutely, perfectly, completely, entirely **C** exceedingly, excessively, extremely, immensely **A i** for ever, during the whole life, to the end of life देवमीड्यं विदित्वा निचाय्येमां शान्तिमत्यन्तमेति KāṭhU. 1. 17 (*but* comm. अतिशयेन) = S'vetāU. 4. 11; तृतीयोऽत्यन्तमात्मानमाचार्यकुलेऽवसादयन् ChāndoU. ii. 23. 1; S'vetāU. 4. 14; अत्यन्तं तु गतश्रियः ĀśvaS'S. I. ii. 1. 36; परीक्ष्यकारिणं धीरमत्यन्तं श्रीर्निषेवते MahāBhā. v. 34. 56 = KātySm. 3 = Subhāṣi. 2649; स्वर्गं गच्छेयुरत्यन्तं सर्वे मे प्रपितामहाः Rāmā. i. 41. 18; सर्वेषामपि तु न्याय्यं दातुं शक्त्या मनीषिभिः । ग्रासाच्छादनमत्यन्तं पतितो ह्यददद्भवेत् ManuSm. 9. 202; अत्यन्तमेव सदृशेक्षणवल्लभाभिराहो निवत्स्यति समं हरिणाङ्गनाभिः S'āk. 1. 26; सत्यमत्यन्तमुदितं धर्मशास्त्रेषु धीमताम् । तारणाय MārkP. 8. 20; (ते खल्वत्यन्तं व्यावृत्तिहेतुत्वाद्विशेषा एव) 'अत्यन्तं' सर्वदा NyāyKa. 14. 4; अत्यन्तमिति । ··· अथवान्तमतिक्रान्तमिति ··· क्रियाविशेषणं चैतत् Nyās. ii. 62. 10 (*on* v. 2. 11); कस्यात्यन्तं मित्रमेकान्ततो वा शत्रुः कृत्यं शत्रुमित्रत्वहेतुः RāghPāṇ. (Dha.) 11. 8; दग्धे बीजे यथात्यन्तं प्रादुर्भवति नाङ्कुरः YaśasCam. ii. 399. 9; अत्यन्तं यावज्जीवम् VīraMi. (Vyavahāra.) 559. 7 = VyavaMa. 165. 1 = BālamBha. ii. 175. 3 (*on* 2. 132); ii. 186. 30 (*on* 2. 134); अत्यन्तं शान्तिमात्यन्तिकीं दुःखनिवृत्तिम् S'ivārkaMaDī. i. 97. 29 (*on* i. 1. 1) **A ii** till the end or completion of a ritual act etc. अप्यत्यन्तं गुणभूतानाम् ĀśvaS'S. I. iii. 14. 5; क्रतुपशवो वात्यन्तम् ĀśvaS'S. II. vi. 7. 2; **A iii** necessarily इति प्रागाथौ पूर्वाह्णे काण्वीमपराह्णेऽन्यतरां वात्यन्तं ĀśvaS'S. I. iv. 7. 4; सुब्रह्मण्या त्वत्यन्तम् ĀśvaS'S. II. vi. 4. 19; अत्यन्तमेके सुवर्णप्राशनमुदके निघृष्य VārāGS. 2. 8; **A iv** for a very long time कथं जीवेयुरत्यन्तं कथं वर्धेयुरित्यपि MahāBhā. iii. 10. 22; आत्मा ···दुःखसहस्रैः सदा अभिभूतो भ्रमत्यत्यन्तम् TattvPradī(A.) 14. 5 (*on* 1. 12); TātpaVṛ. 15. 11 (*on* 1. 12); **B** absolutely, perfectly, completely, entirely अर्थमप्रतियतो नात्यन्तं स्वरसंस्कारोद्देशः Nir. 1. 15 (37. 17); नात्यन्तमेवानुवृत्तिः श्रूयते पुत्ररक्षणे MahāBhā. i. 1. 185; यथा नोऽत्यन्तमव्ययम् । राज्यं निर्द्वन्द्वम्···चिरं भवेत् MahāBhā. iv. 25. 7; अत्यन्तभावं नष्टास्ते (v. l. अत्यन्तं वा नष्टास्ते) MahāBhā. iv. 24. 13; जयत्वजितमत्यन्तम् ArthS'ā. i. 47. 4 (1. 9); अत्यन्तमपि संहारो नाहारस्य प्रशस्यते Saunda. 14. 8; युञ्ज्यात् य एनमत्यन्तमायुषा च सुखेन च CaraS. i. 16. 12; नात्यन्तं संस्कृतेनैव नात्यन्तं देशभाषया । कथां गोष्ठीषु कथयँल्लोके बहुमतो भवेत् KāmSū. 60. 9 (1. 4) = SaraKaṇṭhā. 142. 20; योऽत्यन्तं न विनश्यति ViṣṇuP. ii. 7. 20; अपरिग्रहाच्चात्यन्तमनपेक्षा BrahmSū. ii. 2. 16; तदेवमेकस्यानेकशरीरयोगः शरीरादिवियोगश्चात्यन्तं न स्यादिति NyāyBh. 53. 14 (*on* i. 1. 40); 225. 9 (*on* iii. 2. 47); वाक्यात्पदानामत्यन्तं प्रविवेको न कश्चन VākyaP. 1. 73 = VaiyāBhū. 66 (249. 5); शब्देष्वत्यन्तमाश्रितः VākyaP. 2. 104; 2. 218; अत्यन्तं यानभिज्ञा क्षणमपि तमसा साकमेकत्र वस्तुम् SūryaS'. 24; अत्यन्तमसदार्याणामनालोचितचेष्टितम् Kāvyāda. 2. 250 = SaraKaṇṭhā. 327. 20; आशातन्तुर्न च कथयतात्यन्तमुच्छेदनीयः MālaMā. 9. 152; S'lokaVār. 5(17). 30 (696. 1); 5(8). 19 (479. 4); प्रवृत्तिः शुक्तिशकले तथा च रजतार्थिनः । आभासते कथंचिच्च तन्नात्यन्तं न भासते VibhraVi. 80; भिन्नधर्मत्वे भेदोऽत्यन्तं प्रसज्यते TattvSam̐. 134; 266; 560; यथाकामित्वं तु विदुषोऽत्यन्तमप्राप्तम् AitUBh. 248. 8 (*on* 1. 0); ऋक्सामनी नात्यन्तं भिन्ने अन्योन्यम् ChāndoUBh. 45. 13 (*on* i. 6. 1); 238. 13 (*on* iv. 11. 1); क्रियाणां तत्साधनानां च अत्यन्तमेव निवृत्तिः BṛĀraUBh. 321. 12 (*on* ii. 4. 14); अत्यन्तमेव अस्पृष्टं समम् एकम् अविक्रियं तद्ब्रह्म GītāBh.(S'aṅ.) 168. 17 (*on* 5. 18);

विधिरत्यन्तमप्राप्ते TantrVā. 59.7 (*on* i. 2.42); 93.12 (*on* i. 3.3); 113.19 (*on* i. 3.4); 188.1 (*on* i. 3.14); 193.1 (*on* i. 3.18); 230.1 (*on* i. 3.25); 630.1 (*on* ii. 4.1); न ह्येकस्य द्वयोश्चात्यन्तमभेदः IstaSi. 226.22; 8.14; 268.3; यदि चात्यन्तमेव शूद्राप्रतिषेधः स्यात् ManuBh. i. 214.24 (*on* 3.14); i. 229.18 (*on* 3.45); सुखरागादेरनङ्गस्य च देहिनः संबन्धाभावमत्यन्तं निर्वाणं विदुः BṛKathāS'loSaṁ. 21.17; 18.471; अत्यन्तं वा तिरस्कृतम् Dhvanyā. 2.1; KāvyPra. 82.5 = Candrā. 7.3 = BhāvPra.(S'ā.) 173.19(6); तेषां दुःशकमत्यन्तमबुद्धार्थावबोधनम् BṛĀraUBhVā. i. 4.243; i. 4.271; ii. 4.117; कार्यकारणयोरत्यन्तं भेदः BrahmSūBh.(Bhā.) 93.3 (*on* ii. 1.14); नात्यन्तमेव च विभिन्नवपुः परस्मात् SaṁkṣeS'ā. 3.10 (ii. 155.13); अत्यन्तमसन्नेव कश्चित्सप्तमो रसः किमिति नावभासेत PañcaPā. 7.16 (*on* i. 1.0); सांसारिकं सुखम् ⋯ नात्यन्तमाद्रियन्ते PrakaPañ. 335.2; दुःखसन्ततिर्धर्मिणी अत्यन्तमुच्छिद्यते सन्ततित्वात् NyāyKa. 4.12; नात्यन्तमसत्कर्तुं शक्यं गगनकुसुमवत् Kāśi. iii. 151.13 (*on* 5(6).32); योऽस्यात्यन्तमुच्छेदः स शेष इति शब्द्यते SaraKaṇṭhā. 558.1; 563.18; 663.5; नापि अत्यन्तं भेदेन विमर्शनमेव PratyabhiVi. i. 152.1 (*on* 1.4.1); न त्वत्यन्तं पारिप्लवम् TantrRa. 107.2; भिन्नदेशतयात्यन्तं कार्यकारणभूतयोः । युगपद्धर्मयोर्यत्र ख्यातिः KāvyPra. 714.3; अस्य तु काणादपक्षस्य ⋯ अनुपपन्नत्वाच्चात्यन्तमनपेक्षैव S'rīBh. 483.10 (*on* ii. 2.16); दुःखसन्ततिरत्यन्तमुच्छिद्यते Kiraṇā. 9.10 = Upask. 13.11 (*on* i. 1.4) = BhāṭṭCin. 36.16 (*on* i. 1.4); अथ चेन्द्रियाश्रयत्वं शरीरे दृश्यमानं घटादेरत्यन्तं व्यावर्तमानं शरीरमेव चेतनमवगमयति NītiMā. 46.14; आद्यस्तावत्प्रभेदो मुख्यादिभ्योऽत्यन्तं भिन्नः Kāvyānu.(He.) 31.3; अत्यन्तमुपेक्षा मुमुक्षुभिः कार्या VedāntPāSau. 190.14 (*on* ii. 2.17); NyāySu.(So.) 13.20 (*on* i. 2.2); किं तु तयोर्नात्यन्तं श्रुतिस्मृतिवन्निःशङ्कं प्रवृत्तिहेतुता ManvaVi. 107.16 (*on* 2.12); रागद्वेषादेरत्यन्तमुच्छेत्तुमशक्यत्वात् Ekāva. 3.1 (93) (97.1); किमत्यन्तमप्राप्तमध्ययनं विधीयते NyāyMāVi. 11.27 (*on* i. 1.1); अत्यन्तं निर्जगद्व्योम यथा ते बुद्धिमाश्रितम् PañcDa. 2.42; तदत्यन्तमसङ्गतम् NyāySu.(Ja.) 20A.5 (*on* i. 1.1); वाच्येऽत्यन्तं तिरस्कृते SāhiDa. 208.2; AṇuBh. 133.8 (*on* ii. 2.17); 150.20 (*on* ii. 3.30); तदा अत्यन्तं वेदबाधः स्यात् YuktiSneha. 13.22 (*on* i. 1.1); 86.38 (*on* i. 1.5); 116.32 (*on* i. 1.5); तस्य श्रपणानन्तरं न विधेयमत्यन्तमबुद्धिस्थस्य विधौ तस्य बुध्यारोहणकल्पनागौरवात् VidhiRa. 13(95.3); न त्व(न्व)नयोरिह भेदादत्यन्तं किं न भिद्यते कार्यम् KandaCū. ii. 1.53; तिर्यगामन्त्रणस्यात्यन्तमसंभावितत्वाभावात् Kuval. 67(11); NayaMañ. II. ii. 4.8; शोकम् ⋯ तरति अतिक्रामति अत्यन्तं नाशयतीति यावत् GuruCandra. ii. 313.15; शास्त्रप्राप्तस्य चात्यन्तं बाधायोगादगत्या ग्रहणाग्रहणवद्विकल्पः BhāṭṭDī. iv. 96.4 (*on* x. 8.1); iv. 80.17 (*on* x. 7.9); अत्यन्तमेवानन्त्यप्रसङ्गात्पाठानुपपत्तिः MīmāKau. i. 109.4 (*on* i. 3.24); i. 287.25 (*on* i. 4.27); iii. 367.8 (*on* iii. 3.14); इति कल्पनाया अत्यन्तमप्रामाणिकत्वात् SetuBa. 12.25; कर्तृत्वादिरहितस्येश्वरत्वमत्यन्तमयोग्यं ज्ञात्वा Bhāsk. i. 50.20 (*on* i. 1.1); सुडामोरस्य विषयेऽत्यन्तमप्रयोगो बोध्यते LaS'abdeS'e. i. 330.3; **C** exceedingly, excessively, extremely, immensely अत्यन्तं शक्वर्य इति नियमाः S'āṅkhāGS. vi. 2.2; अल्पोऽपि ह्यरिरत्यन्तं वर्धमानपराक्रमः । वल्मीको मूलज इव ग्रसते वृक्षमन्तिकात् MahāBhā. ii. 50.24; iv. 25.15; vii. 9.72; v. 11.17; भ्रातृगुप्त्यर्थमत्यर्थमत्यन्तमहं लक्ष्मणमब्रुवम् Rāmā. ii. 80.2; तदेतदत्यन्तं संदिग्धं वर्तते आचार्याणां विभाषानुवर्तते न वेति MahāBh. i. 34.1 (*on* i. 1.1); अहं हि दुःखमत्यन्तमसह्यम् ⋯ नैव सोढुं न संहर्तुं शक्नोमि Prati. 2.9; अतियत्नं न (v. l. अत्यन्तं तन्न) कुर्वीत AtriS. 37; रोगेण यद्रजः स्त्रीणामत्यन्तं संप्रवर्तते AṅgiSm. 43; जनन्या दोहदाभावे गर्भस्थस्यापि दुःखिताः । अत्वन्तं जायमानस्य योनियन्त्रनिपीडनात् BṛParāSm. 12.179; नात्यन्तमानुलोम्येन ⋯सिद्धिं गच्छति कन्यासु KāmSū. 206.12 (3.2) = RatiRaha. 11.19; यानं वृक्षम् ⋯ शय्यां दत्वात्यन्तं सुखी भवेत् YājñaSm. 1.211; वचः ⋯ स्थायि(यी) भवति चात्यन्तं रागः शुक्लपटे यथा PañcT. 1.39 (Kosegarten's Edn.); भावोऽयं मानुषस्त्वया । व्यज्यतेऽत्यन्तमात्मानं किमनन्तं न वेत्सि VisṇuP. v. 7.35; अत्यन्तमपरोक्षं च लिङ्गं नाम तथैव च BrahmāṇḍP. i. 33.24; अत्र प्रविश्य कोपोऽत्यन्तं न कर्तव्यः Mṛcch. 5.33(3); वरं कृतध्वस्तगुणादत्यन्तमगुणः पुमान् Kirātā. 15.15; अत्यन्तमन्तर्विशालं वहति जघनरन्ध्रं हस्तिनी RatiRaha. 1.19; तमेवात्यन्तमुपचर्य जीविष्यामि DaśKuC. 71.8; सर्वस्याग्रेसरे प्रीतिर्यशस्यत्यन्तमुन्नता PadmP.(Ra.) 2.57; नात्यन्तं सरलैर्भाव्यम् CāṇaNīDa. 712; नात्यन्तं दर्शयेद्देयं न चात्यन्तमदर्शनम् । ईर्ष्याभावो न चात्यन्तं कोपो नात्यन्तमिष्यते VitaVṛ. 23; विप्राणां भोक्तुकामानामत्यन्तं चान्त(? न्न) काङ्क्षया यो विघ्नं कुरुते मर्त्यः VṛGautSm. 597.20(4); अत्यन्तं वल्लभोऽस्मीति विस्रम्भं स्त्रीषु न व्रजेत् NītiSā. 7.50; यद्यप्यत्यन्तमुचितो वरेन्दुस्तेन लभ्यते KavyālāṅSāSaṁ. 5.11 (*10); असाध्यमिदमत्यन्तमन्यस्य मनसापि वा MahāViC. App. 7.6 (302.10); असूयत्यत्यन्तं यदभिहननाय स्पृहयते SaundL. 85; तदु अन्तिके समीपे अत्यन्तमेव विदुषाम् ĪśopBh. 11.9 (*on* 5); अत्यन्तं पूज्यतमाश्रमिभ्यः S'vetaUBh. 246.3 (*on* 6.21); क्षात्रं कर्म ⋯ अत्यन्तं क्रूरमपि स्वधर्म इति कृत्वा GītāBh.(S'aṅ.) 18.14 (*on* 2.10); कालिन्दीगतकालियशिरसि सुनृत्यन्तं मुहुरत्यन्तम् ⋯ प्रणमत गोविन्दम् GovindA. 7; S'ivPāKeSt. 28; S'ivaKePāSt. 14; TripuVePāSt. 42; UmāMaSt. 6; संप्राप्य प्रणिधिगिरां गरीयसीनामत्यन्तं तरलितताम्रतारकाणाम् । संरम्भः ⋯अलम्भि भूपतीनाम् Kapphiṇā. 3.1; अंशाः सन्ति न सन्तीति चिन्तात्यन्तमसंगता NyāyMañ. i. 352.25; ii. 81.27; जड ईश्वरप्रतीके यः ⋯ अत्यन्तमनुरक्तिं कुरुतेऽर्चनं विद्यतेऽत्यन्तं स उत्तमः PārāSū. 42.15; राजा ⋯ अत्यन्तं भक्तिमान् कृष्णे बभूव SkandP. ii(9). 32.15; v(1). 3.10; v(1). 6.95; अत्यन्तमपि शूराणां स्वस्वभावैकहेतुतः ⋯ वेपथुर्जायते BṛĀraUBhVā. i. 2.187; ii. 3.166; रभसादत्यन्तमुच्छ्वासिषु प्रोत्तुङ्गस्तनमण्डलेषु ⋯ आसां स्वेदिषु दृश्यते मृगदृशां संक्रान्तबिम्बो भवान् NalaCam. 6.69; एष परितोषनामा कमलगुप्तसेनापतेरत्यन्तमाप्तः TilaMañ. 192.1; प्रार्थना पुनरत्यन्तं कौलीनकलङ्ककारिणी Vakrojī. 17.11; 42.5; निशे विहायापि निशीथिनीशं रतिस्तवात्यन्तमिह प्रसिद्धा YaśasCam. i. 363.3; ii. 399.19; येनावृत्य मुखानि साम पठतामत्यन्तमायासितम् Avalo. 22.19 (*on* 1.45); अतो मया रागद्वेषनिषेधायात्यन्तं जागरितव्यम् TattvPradī.(A.) 103.6 (*on* 1.81); न खलु तण्डुला अत्यन्तं फलीकृता अपि ⋯पुलका भवन्ति TātpaṬ.(Vā.) 667.4 (*on* iv. 2.44); नायकस्य तया सह पूर्वं व्यावृत्तानि तैरुपबृंहयेदत्यन्तमनुरक्तां कुर्यात् JayaMa. 280.20 (*on* 5.4) तेषु तेषु विषयेषु क्षिप्यमाणमत्यन्तमस्थिरम् (चेतः) TattvVai. 3.8 (*on* 1.1); अतोऽधिकप्रमाणे अत्यन्तं न्यूनप्रमाणे चेत्यर्थः AbhinBhā. i. 52.12 (*on* 2.18); रजताद्यपि नात्यन्तमसद्भाति Loc. 14.14 (*on* 1.4); अभिधानश्रुतिबाध अत्यन्तमन्याय्यः TantrRa. 160.12; तद्वर्णनं हि ⋯ अत्यन्तमनुचितम् KāvyPra. 443.2; ज्ञानस्वरूपमत्यन्तं निर्मलं परमार्थतः BrahmP. 1.26; शरीरं पीड्यते येन शुभेनापि च कर्मणा । अत्यन्तं तन्न कुर्वीत BhaviP. 10A.6 (i. 2.161); भक्ष्यार्थमत्यन्तं रतौ श्रमपरायणौ । शिशोश्चञ्चुपुटे भक्ष्यं क्षिपन्तौ ⋯ वीक्ष्य ⋯ व्यासः ⋯ समचिन्तयत् DeviBhāP. i. 4.6; शीघ्रं दर्शय रामं मे काय मेऽत्यन्तमाहितम् AdhyāRā. vii. 8.41; वयमत्यन्तमाकुलाः YogVā. iii. 105.9; संसारमिदमत्यन्तमसारं त्यजतः सुखम् Hitopa. 4.91; 1.36; अत्यन्तं निर्गते चैव नेत्रे AśvaVai. 3.14; शिलीमुखैस्त्वया ⋯ °निर्जितो रिपुः । बिभेत्यत्यन्तमलिनः VidaMuMa. 4.44; अत्यन्तं करिसूकरादिगवयैर्भीमं पुरः काननम् SubhāRaK. 24.4; (योगी) संदध्यान्मनोऽत्यन्तमनन्यधीः MāliniT. 14.22; तस्मादत्यन्तमाप्तेन शिवेन श्रुतयोऽखिलाः । प्रणीताः ĪśānS'iPa. ii. 1.49(44); अत्यन्तं चलचित्तनिग्रहपरैरप्याप्यते वा न वा । मोक्षः VairāS'.(Pa.) 66; अश्वानादायात्यन्तमुत्तमान् ।⋯सज्जीकुर्यात् Mānaso. iv. 4.783; निष्ठुराक्षरमत्यन्तं बुधैः श्रुतिकटु स्मृतम् Vāgbhaṭā. 2.9; परनिन्दाकर्दमोपमर्ददोहदः ⋯ यतीनां चात्यन्तमनुचितः MudriKu. 1.23(6); अत्यन्तं निर्ममोऽभूस्त्वम् PariPar. 1.441; भोगेष्वत्यन्तमासक्तिस्तस्याभूत् TriṣaS'aPuC. i. 1.605; i. 1.823; i. 5.484; नित्यशः कार्यमत्यन्तमवश्यंभावि साधनम् AnuVyā. 64B.2 (*on* 4.1); बहुस्तद्बहुमानस्तु मामत्यन्तमुदस्यति PāṇḍaC. 1.7; 1.131; 1.286; 2.101; 5.119; नावसीदति नात्यन्तं हीयते SmṛtiCan. iii. 109.13; सा गगनप्रसूनकलिकेवात्यन्तमेवासती SaduktiKa. 130.26; अभ्यर्थिता ततोऽत्यन्तं न मन्ये तद्वचो यदा MalliC. 1.73; हस्तिकुन्थ्वोरिवात्यन्तं भेदः पार्श्वभवादृशोः PārśvC. 5.225; 6.48; मोहसैन्यमिवात्यन्तं परावृत्तिपरौ पुरम् । दक्षौ प्राविक्षताम् S'āliC. 6.123; 6.189; इहात्यन्तमुपयुक्तानाम् ⋯ अल्पलक्षणं न दोषाय TarkBhā.(Ke.) 96.1; शनैरिति नात्यन्तमात्मानमवसादयेदित्यर्थः ManvaVi. 574.13 (*on* 4.242); 716.4 (*on* 6.35); यद्भूतहितमत्यन्तं तद्वै सत्यं ब्रवीम्यहम् SūktiRa. 10.8; अतोऽत्यन्तमनुभूतियुक्तिबहुवाग्विरोधेन ⋯ उत्पत्तिश्रुतिरप्रमाणमेव TattvPrakā. 109A.6 (*on* ii. 3.8); 24B.2 (*on* i. 1.24); यथात्यन्तमवशायामपि गवि किंचिद्वशत्वमात्रेण देवदत्तस्वामित्वं लोके दृष्टम् NyāySu.(Ja.) 327A.5 (*on* ii. 2.1); यश्चायमत्यन्तमणुस्तमेनं द्रक्ष्यामि गोपालशिशुं कदा नु HariC.(Pa.) 140; (कुन्ती) युधिष्ठिरं नाम धर्मपरमत्यन्तम् । अवाप ⋯ तनयम् YuddhiVi. 1.20; 4.55; अत्यन्तं विशकलितयोः शब्दयोः ⋯ भेदप्रतीतिस्थगनमात्रम् SāhiDa. 51.10; 322.17; तच्छ्रुत्वा हृदयेऽत्यन्तं विषण्णो राक्षसाधमः UttaKuC. 141; क्षीरनीरादीनां चात्यन्तमुल्बणता Upask. 289.6 (*on* vii. 1.6); पानीयं पिबथात्यन्तं तच्छ्रुत्वा चिन्तयन्नृपः RatnaCūKa. 456; 494; एवं तयोरत्यन्तं विशेषाज्जीवस्यैव संभोगप्राप्तिः VedāntKau. 54.4 (*on* i. 2.8); सा ⋯ पित्रादीनामत्यन्तं वल्लभाभूत् Bharaṭ. 4B.8; क इह भवतो वेत्त्यत्यन्तं निसर्गमहार्घताम् Subhāṣi. 906.1675; मलयजरसबिन्दुर्वर्धते न प्रसन्नम् । नयति च रसवाहादेवमत्यन्तमत्र DṛṣṭāKaS'a. 98; कष्टैकसाध्या रतावत्यन्तं बहुभोजना च ⋯ ज्ञेया बुधैर्हस्तिनी (स्त्री) AnaṅgaRa. 3.25; 3.18; 3.21; अध्ययनविधेर्दृष्टादृष्टार्थत्वविचारोऽत्यन्तमनुपपन्नः YuktiSneha. 5.24 (*on* i. 1.1); अत्यन्तं ललिता सा तु राज्ञा चर्मारदारिका BallāC. 24.10; (भार्या) अत्यन्तं रूपाढ्या सा परपुरुषैर्वशीक्रियते ProboSu. 30; KandaCū. iii. 2.46; iii. 1.22; शब्दचित्रस्य प्रायो नीरसत्वान्नात्यन्तं तदाद्रियन्ते कवयः CitraMī. 4.24; 102.1; अत्यन्तं कृशतया तै रङ्क इति नाम कृतम् PurāPraSaṁ. 82.16; उपमानस्यात्यन्तमसंभावितत्वात् सादृश्यमेव न तावत्प्रतिपत्तुं शक्यम् RasGaṅ. 205.2; 110.21; पीड्यते शरीरमत्यन्तं क्लेशवद्भवति VīraMi.(Saṁskāra.) 139.4; स्वप्ने साकल्येनात्यन्तं कृष्णवर्णं पुरुषं पश्यति VīraMi. (Rājanīti) 338.5; अत्यन्तं मृदुलं त्वदङ्घ्रियुगलम्

S'ivaL. 79; तावक्रीनः सुतोऽप्ययम् । लाल्यमानस्तवात्यन्तं भविष्यति सुखप्रदः CitraPaC. 318; वृद्धोऽत्यन्तमयम् ··· धर्मः संप्रति चाल्यते तव करालम्बेन भूमीपते SūktiSu. 48 = PadyaVe. 63; अत्यन्तमुपकारीति विस्तरात्प्रस्तुतो मया MānaMe. 47.2; अत्यन्तं लालयितुः पत्युः प्रेमापि वेत्ति नेन्दुमुखी S'ṛṅgāMañ.(A.) 4.2; अत्यन्तं रञ्जयन्तीं निजकरनिचयैर्वारुणीं सेवमानो भानो ··· वन्दनीयोऽसि PadyāTa. 25; अत्यन्तं भ्रमरीकीर्णो वाजी PadyaVe. 122; वेदेषु चतुर्ष्वपि परमत्यन्तं गोपनीयतरम् VarivaRaha. 7; अत्यन्तमौदार्यान्निर्लोभा LalitāSaBh. 64. 33 (*on* 99); 76. 21 (*on* 113); मातापित्रोर्हि स्वसुतस्य संततिरत्यन्तं प्रियैव भवति Bhāsk. i. 8. 7 (*on* i. 1. 1); अरमत्यन्तम् AlaṅkāMañ. 146. 12; अत्यन्तम् अतिशयेन Bālam-Bha. ii. 44. 7 (*on* 2. 27); यदत्यन्तं ताम्यति ··· तदेतत् कामाक्षि ··· ते पदयुगम् MūkaPañ. 3. 89; नेतारः··· षोडशात्यन्तमुद्धताः SāhiSā. 6. 61; अत्यन्तं स्वबलं रक्षेत् CaturDī. 4. 2; NāmMā. 173; KośaKaTa. 2. 2941.

अत्यन्तमग्ना (atyanta-magnā) *adj.* (*f.*) extremely plunged (into) अत्यन्तमग्नाः सख्यस्तत्सुखं निरीक्ष्य सुरतानन्दे मग्ना भवन्ति SāmaraU. 225. 17.

अत्यन्तमणिज्योत्स्ना (atyanta-maṇijyotsnā) *f.* excessive splendour of gems अत्यन्तमणिज्योत्स्नाभिः अन्ये च ब्रह्माण्डवर्तिनः तत्स्थानं दीपयन्तो भवन्ति SāmaraU. 224. 12.

अत्यन्तमत्सर (atyanta-matsara) *m.* excessive envy कुर्वन्तु नाम बहिरन्यगुणेषु केचिदत्यन्तमत्सरविमूढधियोऽभ्यसूयाम् HarVi. 38. 32.

अत्यन्तमत्सरि (atyanta-matsari) *adv.* in an extremely jealous manner तं हतरिपु नर्दन्तं दशन्तमत्यन्तमत्सरि पुनर्दन्तम् । द्रष्टुं के शेकुरवस्थितं रणे ···कुरवः (भीमम्) YudhiVi. 8. 53.

अत्यन्तमद्यप (atyanta-madyapa) *adj.* drinking liquor in excess तेन्न यः पानशौण्डोऽत्यन्तमद्यपस्तद्गुणप्रतिषेधः ManuBh. ii. 149. 30 (*on* 8. 159)

अत्यन्तमद्यपान (atyanta-madyapāna) *n.* drinking of liquor in excess शौण्डिका अत्यन्तमद्यपानप्रसक्ताः DaṇḍaVi. 115. 18.

अत्यन्तमधुर (atyanta-madhura) *adj.* **i** extremely sweet or pleasing (to hear) अत्यन्तमधुरालापहृताशेषमनोरथम् । न विना पुण्डरीकाक्षं यास्यामो नन्दगोकुलम् ViṣṇuP. v. 7. 31; अत्यन्तमधुरैर्वाक्यैः पद्मेनाश्वासिता ततः PadmP.(Ra.) 34. 49; **ii** very sweet (to taste) न हि देवदत्तोऽत्यन्तमधुरमधुपयःप्रभृतिभिः प्रीयमाणो यज्ञदत्तसाहचर्यात्सौवीरप्रियो भवति ṬupṬ. 186. 24 (*on* ix. 1. 9); **iii** extremely charming (to see) घनापाये पूर्णः शशधर इवात्यन्तमधुरः ··· समगमदयोध्यां रघुपतिः Rāgh. 20. 72.

अत्यन्तमध्यग (atyanta-madhyaga) *adj.* being exactly at the centre स वायसः ··· । पूर्वापरविभागाज्ञो बभूवात्यन्तमध्यगः PariPar. 2. 393.

अत्यन्तमध्यस्थ (atyanta-madhyastha) *adj.* quite neutral or impartial कश्चिदासन्नभव्यः शिवकुमारनामा ··· परित्यक्तसमस्तशत्रुमित्रादिपक्षपातेनात्यन्तमध्यस्थः ··· प्रतिज्ञां करोति TātpaVṛ. 2. 11 (*on* 1. 0); 221. 19 (*on* 2. 68)

अत्यन्तमनीषिन् (atyanta-manīṣin) *adj.* very wise भरतः शिक्षणीयोऽयं तवात्यन्तमनीषिणः PadmP.(Ra.) 32. 129.

अत्यन्तमनोज्ञा (atyanta-manojñā) *adj.* (*f.*) very charming प्रासात्यन्तमनोज्ञा च मथुरा सिद्धिभूरिव PadmP.(Ra.) 89. 57.

अत्यन्तमनोरम (atyanta-manorama) *adj.* [*f.* –ā] exceedingly charming ततस्तौ नगरीं यातौ तत्र तत्र विनायकम् । ··· रमयन्तं स्वाः स्त्रियोऽत्यन्तमनोरमाः (अपश्यताम्) GaṇeP. ii. 24. 33; प्रकल्पितात्यन्तमनोरमासनम् । ··· विनिर्ममेयेद्वासगृहम् NāgaSa. 2. 4.

अत्यन्तमनोहर (atyanta-manohara) *adj.* very attractive or pleasing रूपेण चात्यन्तमनोहरेण ··· बभूव सा सुन्दरी Saund. 4. 5; विद्याभृतां तृतीयस्तु वंशोऽत्यन्तमनोहरः PadmP.(Ra.) 5. 3; भविष्यतस्तीर्थकरस्य नेमेर्निमित्तमत्यन्तमनोहरश्रीः । कृतिः सुराणां ससुरेश्वराणां या प्राप सौरीति ततः प्रसिद्धिम् NemiNir. 1. 58; वदानवद्याङ्ग मनोभवो भवान् किमेवमत्यन्तमनोहराकृतिः Nalābhyu. 4. 38.

अत्यन्तमनोहरतमा (atyantamanohara-tamā) *adj.* (*f.*) extremely charming or attractive कान्ता 'कन दीप्तौ' इति धातोः अत्यन्तमनोहरतमेत्यर्थः LalitāTriBh. 302. 15 (*on* 29)

अत्यन्तमनोहरता (atyantamanohara-tā) *f.* the state of being very attractive, excessive beauty इतश्चात्यन्तमनोहरतयासाकमासनयोग्या सरित्सङ्गमोत्सङ्गभूमयः NalaCam. 6. 73 (1)

अत्यन्तमन्थरत्व (atyantamanthara-tva) *n.* the state of being extremely slow सर्वस्य कल्पनीयत्वादत्यन्तमन्थरत्वम् MayūMāli. 727. 17 (*on* x. 5. 13)

अत्यन्तमन्द (atyanta-manda) *adj.* very mild (fire) नात्यर्थदीप्तेन हुताशनेन नात्यन्तमन्देन च साध्यमन्नम् ViṣṇuDhaP. ii. 63. 13.

अत्यन्तमन्दतर (atyantamanda-tara) *adj.* extremely dull or foolish खेचरीमुद्राविज्ञानेन मोक्षो नास्तीति भवदुक्तं तदत्यन्तमन्दतरम् S'aṅkaVi.(Ā.) 200. 14.

अत्यन्तमन्दता (atyantamanda-tā) *f.* the state of being extremely weak (taste or relish) रुचिः प्रयाति मन्दाग्नेः क्षीरेणात्यन्तमन्दताम् SuvṛTi. 2. 12.

अत्यन्तमन्मथाक्रान्त (atyanta-manmathākrānta) *adj.* overwhelmed by extreme carnal desire न ह्यत्यन्तमन्मथाक्रान्तस्वान्तोऽपि घटं कामिनीं पश्यति NyāyRa. 330. 21 (*on* 5(3). 217)

अत्यन्तमरक (atyanta-maraka) *m.* strong epidemic (which kills extensively) अत्यन्तदुर्भिक्षे औपसर्गिकात्यन्तमरकादिपीडायां च नाशौचम् HārLa. 103. 20; उपद्रवे अत्यन्तमरके NirṇaSi. 384. 8.

अत्यन्तमलसंबद्ध (atyantamala-sambaddha) *adj.* having impurity on a large scale अत्यन्तमलसंबद्धं यथा शुध्यति हाटकम् । तथाग्नितीर्थमासाद्य देही पापैर्विशुध्यति SkandP. ii(3). 3. 5.

अत्यन्तमलिन (atyanta-malina) *adj.* [*f.* –ā] **i** very dirty, very impure, very unclean अत्यन्तमलिनः कायो नवछिद्रसमन्वितः DakṣaSm. 2. 7 = BṛParāSm. 2. 95; अदृष्टार्थो रोगी मदनवशगोऽत्यन्तमलिनः । शिशुत्वे पीडार्तः सवितृसुतलग्नेऽत्यलसवाक् Bṛhajjā. 20. 9; न चात्यन्तनिर्मलः सन् ··· अत्यन्तमलिनं देहमात्मत्वेनोपेयात् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 327. 11 (*on* ii. 1. 21); अत्यन्तमलिनो देहो देही चात्यन्तनिर्मलः SadācāAnu. 6; अत्यन्तमलिनो देही नवद्वारैर्मलं वहन् । सदास्ते तच्छोधनाय प्रातःस्नानं विधीयते DevīBhāP. xi. 3. 5; वनं ययौ राजा ··· पूर्वजन्मार्जितैर्दोषैरत्यन्तमलिनोऽशुचिः GaṇeP. i. 4. 5; (दुष्टचाण्डाली) अत्यन्तमलिना दीर्घश्रोत्ररन्ध्रा GaṇeP. i. 74. 5; त्र्यहोषितत्वमत्यन्तमलिनपुरुषाभिप्रायम् VyavaNi. 144. 7; अत्यन्तमलिनः काय इत्यादिना प्रातःस्नानस्य मलशोधकत्वावश्यकत्वाभिधानेनोभाभ्यामित्युक्तम् VīraMi (Āhnika.) 140. 1; **ii** very dark or black उज्ज्वलप्रतापतपनाद्विरूपकार्यस्यात्यन्तमलिनस्य शत्रूणामपयशोरूपस्योत्पत्तिः AlaṅkāMañ. 133. 10.

अत्यन्तमलीमसात्मन् (atyantamalīmasātman) *adj.* having an extremely dirty form or nature किमश्मनोऽत्यन्तमलीमसात्मनः सुवर्णमक्षुण्णगुणं न जायते HarVi. 12. 22.

अत्यन्तमसृणकान्ति (atyantamasṛṇa-kānti) *adj.* of very delicate (i. e. soft) beauty तद(? दा)भिजात्यं यन्नातिकोमलच्छायं नात्यन्तमसृणकान्ति ··· सत् हृदयरञ्जकं भवतीत्यर्थः VakroJī. 68. 17.

अत्यन्तमहच्चेतस्क (atyantamaha-cetaska) *adj.* whose mind is full of very great joy अर्हद्दासर्षिदासाख्यौ वेदितव्यौ च सद्गुणैः । अत्यन्तमहच्चेतस्कौ PadmP.(Ra.) 123. 115.

अत्यन्तमहती (atyanta-mahatī) *adj.* (*f.*) very great (in quality) अस्य शुभा तनुः । अत्यन्तमहतीं ऋद्धिं वहत्येषा मनोहरा PadmP.(Ra.) 17. 317; *f.* name of the twelfth lunar day when the planet Mercury and the constellation S'ravaṇa are in conjunction with the moon in its twelfth phase बुधश्रवणसंयुक्ता द्विज सा द्वादशी यदि । अत्यन्तमहती नाम तस्यां सर्वमथाक्षयम् NīlaP. 771.

अत्यन्तमहत्त्व (atyanta-mahattva) *n.* greatest magnitude (infinite in size) अत्यन्तमहत्त्वे च वर्तमानं व्योमादिकमन्त्यमित्युच्यते NyāyRa. 402. 12 (*on* 5 (4). 177)

अत्यन्तमहादर (atyantamahādara) *adj.* having very great respect स्वयं विभीषणस्तावत्प्राप्तोऽत्यन्तमहादरः PadmP.(Ra.) 80. 49.

अत्यन्तमहाधन (atyantamahā-dhana) *adj.* having very opulent wealth अस्मिन्नेव विषये यदापहर्तात्यन्तमहाधनः तदात्मतुलितं सुवर्णं दद्यात् Mitā. 439. 29 (*on* 3. 258)

अत्यन्तमहानन्द (atyantamahānanda) *m.* very great joy अथ भूव्योमचाराणां सुराणामेव संकुलः । जातः समागमोऽत्यन्तमहानन्दसमुद्भवः PadmP. (Ra.) 103. 63.

अत्यन्तमहाभियोग (atyantamahābhiyoga) *m.* most serious accusation तत्रात्यन्तमहाभियोगे त्रिसप्ताहो महाभियोगमात्रे तु चतुर्दशाह इत्यादि कल्प्यम् Aparā. 715. 13 (*on* 2. 113)

अत्यन्तमहाभूति (atyantamahā-bhūti) *f.* very great power ततोऽत्यन्तमहाभूत्या भक्त्या देवैः समन्वितः ।··· उद्यानं संप्राप जिनपुंगवः PadmP.(Ra.) 3. 280.

अत्यन्तमहासुख (atyantamahā-sukha) *n.* extremely great happiness तपस्विनोऽत्यन्तमहासुखाशया वनेषु कस्मै स्पृहयन्ति सत्तमाः VidaMuMa. 3. 39.

अत्यन्तमहोपकारा (atyantamahopakārā) *adj.* (*f.*) immensely useful अभिजातोपरुद्धा भूमिरत्यन्तमहोपकारापि क्षमा मोक्षयितुं व्यसनाबाधभयात् ArthS'ā. iii. 31. 5 (8. 4)

अत्यन्तमांसल (atyanta-māṁsala) *adj.* extremely loud (वैदेही) तावच्च मधुरं श्रुत्वा स्वनमत्यन्तमांसलम् । दध्यौ PadmP.(Ra.) 97. 95.

अत्यन्तमांसाशिन् (atyantamāṁsāś-in) *adj.* who eats too much

meat कश्मलेऽत्यन्तमांसाशी उग्रगन्धे ह्यपिण्डदः AgniP. 203. 17.

अत्यन्तमाङ्गलिकत्व (atyantamāṅgalika-tva) *n.* nature of being greatly auspicious दध्नोऽत्यन्तमाङ्गलिकत्वेन पिण्डांशे ग्रहणेन च पर्युदासः Bālam-Bha. i. 568. 22 (*on* 1. 250)

अत्यन्तमाननीय (atyanta-mānanīya) *adj.* extremely respectable ईदृशमत्यन्तमाननीयेष्वपि निरनुरोधवृत्ति स्वामिभक्तिव्रतम् Ratnā. 4. 19 (1)

अत्यन्तमानसंसक्त (atyantamāna-saṁsakta) *adj.* very much given to conceit or pride नात्यन्तमानसंसक्ता गोष्ठीषु निरतास्तथा HariVaṁ. 281*(11)

अत्यन्तमानिन् (atyanta-mānin) *adj.* very proud या त्वं पुत्रम् … अत्यन्तमानिनम्। दुर्योधनं पुरस्कृत्य दुष्कृतं साधु मन्यसे MahāBhā. xi. 26. 2.

अत्यन्तमान्यत्व (atyantamānya-tva) *n.* the state of being very much respectable मातापित्रोरत्यन्तमान्यत्वात् ManuBh. i. 183. 12 (*on* 2. 205); सवर्णापुत्रोऽन्यायवृत्तो न लभेत केषामिति तदेतदसत् जातेरत्यन्तमान्यत्वात् ManuBh. ii. 291. 17 (*on* 9. 156)

अत्यन्तमायाजुष् (atyantamāyā-juṣ) *adj.* extremely deceitful मनस्यन्यत् वचस्यन्यत् क्रियायामन्यदेव हि। गणिकाया इवामुष्यात्यन्तमायाजुषः सदा TriṣaS'aPuC. i. 2. 41.

अत्यन्तमायानिपुण (atyanta-māyānipuṇa) *adj.* very skilful in deceiving अत्यन्तमायानिपुणैर्गोमायुभिरिव द्विजैः। भ्रमद्भिर्मण्डलीभूय TriṣaS'a-PuC. iv. 3. 38.

अत्यन्तमालिन्य (atyanta-mālinya) *n.* extreme impurity अत्यन्तमालिन्यं चात्र मैत्रायणीयशाखायां श्रूयते JīvanVi. 58. 14.

अत्यन्तमित्र (atyanta-mitra) *n.* very close friend योऽपि स्यादत्यन्तमित्रं तस्यापि सौहार्दमा निधनात् ManuBh. ii. 80. 23 (*on* 8. 17)

अत्यन्तमिथ्यात्व (atyantamithyā-tva) *n.* absolute falsity क्षणिकात्यन्तमिथ्यात्वे विशेषौ च द्वयोरिह। दर्शनादेकदेशस्येत्यनेनैतद्व्युदस्यते S'lokaVār. 5. 75 (370. 3); क्षणिकत्वं च धर्मिणो विशेषः, अत्यन्तमिथ्यात्वं च धर्मस्येत्याह – क्षणिकेत्येन TātpaṬ.(U.) 323. 17 (*on* 5 (5). 75); दर्शरात्रिरिवात्यन्तमिथ्यात्वतिमिराकरः। ततो विषोपममतिः संभिन्नमतिरब्रवीत् TriṣaS'aPuC. i. 1. 324; बन्धोऽपि स्वप्नपदार्थवदतोऽत्यन्तमिथ्यात्वेन न तत्र कारणमस्ति SāṁkhyaPraBh. 1. 42 (20. 13)

अत्यन्तमुकुल (atyanta-mukula) *adj.* completely closed प्रस्पन्दमानपक्ष्माग्रा नात्यन्तमुकुलैः पुटैः BhāvPra.(S'ā.) v. 128. 3.

अत्यन्तमुख्य (atyanta-mukhya) *adj.* very important or prominent षट्षष्टिकोटितीर्थानि पुण्येऽस्मिन्भूधरोत्तमे । तेषु चात्यन्तमुख्यानि षट् SkandP. ii(1). 1. 56; ii(1). 27. 2.

अत्यन्तमुदान्वित (atyantamudānvita) *adj.* filled with extreme joy ते कालनेमिप्रमुखास्ततोऽसुरास्तस्मै सुतां सिन्धुसुताय दत्त्वा। बभूवुरत्यन्तमुदान्विताः S'ivaP. 236B. 7 (ii(5). 14. 39)

अत्यन्तमुदित (atyanta-mudita) *adj.* greatly delighted एवं जीवाश्रितो भावाः … जायन्ते वा म्रियन्ते वा … केचिदत्यन्तमुदिताः YogVā. iv. 43. 8; अत्यन्तमुदितेन स्वामिना विमोषणेन ममैव … दत्तः (कृपाणः) UdaySuKa. 88. 17.

अत्यन्तमूढ (atyanta-mūḍha) *adj.* most ignorant अत्यन्तमूढकविभिः परमार्थदूरैः। लोकेऽन्यथैव कथितः पुरुषः प्रधानः PadmP.(Ra.) 19. 139; यथा चायमत्यन्तमूढेषु दृश्यते क्लेशस्तथा विदुषोऽपि विज्ञातपूर्वापरान्तस्य रूढः YogBh. 66. 1 (*on* 2. 9); शास्त्रं लोकबुद्धिमनुसरत्, अन्नमयं शरीरमनात्मानमत्यन्तमूढानामात्मत्वेन प्रसिद्धमनूद्य … मुख्यमानन्दमयमात्मानमुपदिदेश BrahmSūBh.(S'aṅ.) 37. 4 (*on* i. 1. 12); न ह्यत्यन्तमूढः उन्मत्तादिरपि जलाद्योश्छायातपयोर्वा ऐकात्म्यं पश्यति किमु विवेकी GītāBh.(S'aṅ.) 365. 10 (*on* 13. 2); 172. 7 (*on* 5. 22); स्थावरादिप्राणानां चात्यन्तमूढानामुत्कर्षहेतोः कर्मण आरम्भकत्वसंभवात् ChāndoUBh. 300. 16 (*on* v. 10. 5); यथाकामित्वं विदुषोऽत्यन्तमप्राप्तम्, अत्यन्तमूढविषयत्वेनावगमात् AitUBh. 248. 9 (*on* 1. 0); न हीहोत्कृष्टसत्त्वेषु देवादिषु परात्मनः। नापि चात्यन्तमूढेषु विशेषः कश्चिदीक्ष्यते BṛĀraUBhVā. i. 4. 1461; तिर्यक्षु तम उत्कटं भवति, सत्त्वरजसी उदासीने, तेन तेऽत्यन्तमूढाः SāṁkhyaKāBh. 12. 30 (*on* 16); SubhāRaSaṁ. 650.

अत्यन्तमूढता (atyantamūḍha-tā) *f.* extreme foolishness अत्यन्तमूढतां च परस्य दर्शयन्नाह HetuBiṬ. 65. 7.

अत्यन्तमूर्ख (atyanta-mūrkha) *adj.* very foolish नाम ग्रन्थकृतां गृहाण विबुधोपाध्यायचर्चां कुरु…इच्छेश्चेद्बुधतां पुरो जडधियामत्यन्तमूर्खोऽपि सन् Subhāṣi. 2383; न सर्ववित्कश्चिदिहास्ति लोके नात्यन्तमूर्खो भुवि कश्चिदस्ति Tantrākhyā. 83. 10.

अत्यन्तमूर्च्छित (atyanta-mūrcchita) *adj.* **i** greatly overcome वक्त्रं चुम्बति चन्द्रिका। तथापि निर्विकारोऽसौ … शशाप ब्रह्मचारी ताः क्रोधेनात्यन्तमूर्च्छितः PadmP. i. 22. 99; **ii** completely swooned कन्दर्पसर्पदष्टोऽभूत्स तत्रात्यन्तमूर्च्छितः BṛKathaMañ. ix. 2. 445.

अत्यन्तमृदित (atyanta-mṛdita) *adj.* completely crushed न च पूर्वकृतैः कर्मभिर्मृदितकषायस्य किमिदानीन्तनैरिति वाच्यम्, अमुक्तस्यात्यन्तमृदितकषायत्वाभावात् S'atDū. 224. 19.

अत्यन्तमृदु (atyanta-mṛdu) *adj.* **i** very kind त्वं तावदत्यन्तमृदुः प्रजासु त्वत्तोऽपि मृद्वी गृहिणी तवेयम् S'ivLī. 22. 55; **ii** very soft or weak लम्भिताः कदलीस्तम्भास्तदूरुभ्यां पराभवम्। अत्यन्तमृदुभिर्लब्धो जडैः क्व जयडिण्डिमः VikraDeC. 8. 15.

अत्यन्तमृदुल (atyanta-mṛdula) *adj.* very soft कुचाभ्यामालीढं सहजकठिनाभ्यामपि रमे, न काठिन्यं धत्ते तव हृदयमत्यन्तमृदुलम् RasGaṅ. 693. 5.

अत्यन्तमृदुस्पर्श (atyantamṛdu-sparśa) *adj.* having a very soft touch ततोऽत्यन्तमृदुस्पर्शे निषण्णं रत्नकम्बले … रामम् … द्राग्विश्रमयितुं सक्ता सीता PadmP.(Ra.) 33. 49.

अत्यन्तमेचकित (atyanta-mecakita) *adj.* of a very dark-blue colour अत्यन्तमेचकितकान्तिभिः कुरुलैस्त्रैलोक्यमपि मोहयन्ती (युवतिराजगाम) UdaySu-Ka. 67. 17.

अत्यन्तमेधाविन् (atyanta-medhāvin) *adj.* very intelligent 'मासमग्निहोत्रं जुहोति' इत्यादावपि अत्यन्तमेधाविनः तत्सत्त्वे भेदप्रमानुपपत्तेश्च MīmāKau. iii. 166. 21 (*on* ii. 2. 3)

अत्यन्तमोह (atyanta-moha) *m.* great infatuation मत्कृते पितृपुत्राणां भ्रातॄणां चापि विग्रहः। जायतेऽत्यन्तमोहेन ममत्वाहृतचेतसाम् ViṣṇuP. iv. 24. 133; रागद्वेषात्यन्तमोहैर्निमित्तैरेव ब्रूयात्स्वस्य संपत्सुखार्थी KalyāKā. 6. 26; मन्दोऽप्यत्यन्तमोहादतिविपुलतरेभ्योऽथ पूर्वागमेभ्यः। संक्षिप्तं शिल्परत्नं प्रलिखितुमधुना प्रक्रमे S'ilpaRa. i. 1. 7; अत्यन्तमोहयुक्तापि तदभावात्तनुं त्यजेत्। एवं भवन्ति पुन्नार्योरवस्था मोहसंभवाः S'ṛṅgāDī. 1. 60.

अत्यन्तमोहन (atyanta-mohana) *adj.* exceedingly alluring एवं कीर्तयतस्तस्य तत्क्षणादेव सा पुनः। बभूव दधती दिव्यं रूपमत्यन्तमोहनम् PadmP. iv. 71. 67.

अत्यन्तमोहवशतस् (atyantamohavaśa-tas) *adv.* due to great infatuation अत्यन्तमोहवशतो लज्जात्यागो भवेद्यथा S'ṛṅgāDī. 1. 54.

अत्यन्तमौन (atyanta-mauna) *adj.* keeping complete silence (not uttering a single word) नृपतिः … अत्यन्तशूरो (v. l. अत्यन्तमौनः) हृत्पद्मं विदार्य प्रददौ निजम् BṛKathāMañ. ix. 1. 121.

अत्यन्तम्लानवदन (atyantamlāna-vadana) *adj.* having an exceedingly gloomy face श्रुत्वा सेनाजयं दैत्यो ययौ चिन्तां महत्तराम्। अत्यन्तम्लानवदनो निमग्नो दुःखसागरे GaṇeP. ii. 115. 1.

अत्यन्तयत्न (atyanta-yatna) *m.* great effort अत एव कनीयस्त्वं देवानां, शास्त्रजनितप्रवृत्तेरल्पत्वात्, अत्यन्तयत्नसाध्या हि सा BṛĀraUBh. 35. 16 (*on* i. 3. 1); अतः सर्वदात्यन्तयत्नेन मोक्षकाङ्क्षिभिर्योग एवाङ्गीकर्तव्यः S'aṅkaVi.(Ā.) 200. 10.

अत्यन्तयाच्ञा (atyanta-yācñā) *f.* constant begging अत्यन्तयाच्ञासु न याति खेदं भिक्षाभुजां पात्रमतो नु सेव्यम् SevyaS'ev. 32.

अत्यन्तयातना (atyanta-yātanā) *f.* excessive torture ब्रह्मणा वेदात्मकेनाग्निकल्पेनान्तर्बहिश्च दह्यमानोऽत्यन्तयातनाशरीरो ब्रह्मराक्षसः BālaKrī. ii. 75. 24 (*on* 3. 213)

अत्यन्तयुक्त (atyanta-yukta) *adj.* completely fit सोऽत्यन्तयुक्तो मोक्षाय VākyaP. 1. 1 (11. 3)

अत्यन्तयोग (atyanta-yoga) *m.* entire etymological significance of a word संकुचितावयवशक्तित्वेन नात्यन्तयोगपरतन्त्र इति रूढ्येव वर्तेत इति गौणवादादविरोधः CaturCin. iii(1). 155. 5.

अत्यन्तयोगाभ्यास (atyanta-yogābhyāsa) *m.* intense Yogic practice अत्यन्तयोगाभ्यासोपचितधर्मातिशया असमाध्यवस्थिता अपि ये अतीन्द्रियं पश्यन्ति ते वियुक्ताः NyāyKa. 198. 5.

अत्यन्तरक्त (atyanta-rakta) *adj.* very red चक्षुषात्यन्तरक्तेन दिग्धं सकलमम्बरम् PadmP.(Ra.) 8. 179; 8. 473; इन्द्रगोपः अत्यन्तरक्तो भवति BṛĀraUBh. 292. 8 (*on* ii. 3. 6); वृत्तीकृत्य निजश्रुतीः स्तिमितयन्नत्यन्तरक्तेक्षणः RasSa. 115.

अत्यन्तरक्षित (atyanta-rakṣita) *adj.* completely or thoroughly protected नाशक्नोद्विनिहन्तुं तान् दैवभाव्यर्थरक्षितान् (v. l. दैवेनात्यन्तरक्षितान्) (पाण्डवान्) MahāBhā. i. 55. 15.

अत्यन्तरङ्गता (atyantaraṅga-tā) *f.* the state of being most intimate or favourite नृपान्तिकम्। मदनो नाम वाचालः प्रपेदेऽत्यन्तरङ्गताम् RājTa.(Ka.) 7. 301; मन्त्रिणो राजकलशापत्यान्यत्यन्तरङ्गताम्। लेभिरे क्ष्माभुजः पार्श्वे प्रशस्तकलशादयः RājTa.(Ka.) 7. 572.

अत्यन्तरङ्गत्व (atyantaraṅga-tva) *n.* the state of being very intimate (i. e. appropriate) कर्तुरत्यन्तरङ्गत्वम् … क्रियावैचित्र्यवक्रत्वप्रकारास्त इमे

स्मृताः VakroJī. 116. 22.

अत्यन्तरत्यन्तरव्यग्रा (atyantaratyantara-vyagrā) *adj.* (*f.*) **i** completely engrossed in another love-making वेश्यानां परलोकसाधनधियामत्यन्तरत्यन्तरव्यग्राणामिदमेकमेव तपसश्छिद्रं कदाचिद्भवेत् Subhāṣi. 2368; **ii** completely engrossed in a different attachment (i. e. devotion); Subhāṣi. 2368.

अत्यन्तरमणीय (atyanta-ramaṇīya) *adj.* charming throughout, very charming, delightful or pleasing अविच्छेदोऽत्यन्तसंयोगः । कालाः इबन्ताः सुबन्तेन सह षसो भवति अविच्छेदे । ... अत्यन्तरमणीयम् JaineVyā. 51. 1 (*on* i. 3. 26); एतच्चात्यन्तरमणीयमपि मनाङ्मात्रचलितावधानत्वेन कवेः कदर्थितम् VakroJī. 21. 20; सौकुमार्यातिशयस्तेन अत्यन्तरमणीयस्वाभाविकधर्मयुक्तत्वेन VakroJī. 134. 12; 135. 9; अस्तं मह्यदखानः स कलानिधिरिवागमत् । अत्यन्तरमणीयानां सुचिरस्थायिता कुतः RājTa.(Jo.) 1302.

अत्यन्तरम्य (atyanta-ramya) *adj.* [*f.* -ā] very charming or pleasing नात्यन्तमेवानुवृत्तिः (v. l. °रम्या वृत्तिश्च) । श्रूयते पुत्ररक्षणे MahāBhā. i. 1. 185; अत्यन्तरम्या नृपतेर्मनुष्याः स्वयंवृता रात्रिदिवं पुरस्तात् Rāvaṇā. 4. 17.

अत्यन्तरसपोषण (atyanta-rasapoṣaṇa) *n.* excessive development of a sentiment न नयेद् वस्तुविच्छेदमत्यन्तरसपोषणात् SāhiSā. 6. 8.

अत्यन्तरसप्रपीडित (atyantarasa-prapīḍita) *adj.* the juice of which has been completely extracted (by pressing) यथेक्षुरत्यन्तरसप्रपीडितो भुवि प्रविद्धो दहनाय शुष्यते Saund. 9. 31.

अत्यन्तरसवती (atyantarasa-vatī) *adj.* (*f.*) possessing taste as its essence अत्यन्तरसवत्यः आपो भवन्ति ChāndoUBh. 141. 6 (*on* iii. 1. 2)

अत्यन्तरसिन् (atyantaras-in) *adj.* very tasty अथवात्यन्तरसिनः संस्कृतस्यान्नस्य सक्तिप्रतिषेधोऽयम् ManuBh. i. 168. 16 (*on* 2. 177)

अत्यन्तरहस्य (atyanta-rahasya) *adj.* very secret (शास्त्रम्) गुह्यतमं गोप्यतमम्, अत्यन्तरहस्यं इत्येतत् GītāBh.(S'aṅ.) 447. 10 (*on* 15. 20); अत्यन्तगुह्यतमम्, अत्यन्तरहस्यम् ... शृणु ... वचः GītāBh.(S'aṅ.) 547. 6 (*on* 18. 64)

अत्यन्तराग (atyanta-rāga) *m.* excessive love or passion (तस्य दर्शनवेलायाम्) अत्यन्तरागतरलव्यापारनयनाञ्चलाः (मृगीदृशः) BrahmāṇḍP. iii. 38. 51; यः पुनरत्यन्तरागान्धीकृतान्तःकरणैरन्तिकावलोकित° ... °प्रत्यभिज्ञानुभवः सोऽपि ... अन्यथासिद्धः NyāyMa. 92. 11.

अत्यन्तरागनाश (atyanta-rāganāśa) *m.* complete fading of colour इदं च यदि प्रक्षालने सत्यत्यन्तरागनाशस्तदा वेदितव्यम् Aparā. 262. 9 (*on* 1. 186)

अत्यन्तरागपीडित (atyanta-rāgapīḍita) *adj.* very passionate (*lit.* afflicted with extreme passion) त्रिरात्रादीनां तु विकल्पः अत्यन्तरागपीडितयोर्गमनं धैर्यवतोस्तु ब्रह्मचर्यम् ManuBh. i. 228. 5 (*on* 3. 45)

अत्यन्तरागवत् (atyantarāga-va(n)t) *adj.* possessed of extreme passion, extremely passionate यथात्यन्तरागवतः कामिनीसाक्षात्कारस्थले ज्ञानधाराकल्पने गौरवात् VaiyāSiMañ. 214. 1.

अत्यन्तरागिणी (atyanta-rāgiṇī) *adj.* (*f.*) very passionate अत्यन्तरागिणीं मत्वा नृपतिस्तां सविस्मयः BṛKathāMañ. 16. 91.

अत्यन्तराहित्य (atyanta-rāhitya) *n.* the state of being totally devoid of हेयगुणानामत्यन्तराहित्यं शान्तिः BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 248. 114 (*on* iii. 2. 17)

अत्यन्तरिक्तता (atyantarikta-tā) *f.* extreme destitution द्वैषेच्छुभिः पात्यमानो व्यसनेऽस्मिन् सुदारुणे । प्रयास्यसि दिनैरेव रिक्तोऽत्यन्तरिक्तताम् RājTa.(Ka.) 7. 379.

अत्यन्तरुचिर (atyanta-rucira) *adj.* very charming or pretty क्वचिच्च कुसुमैर्युक्तमत्यन्तरुचिरं शुभम् । तपस्विशरणं शैलं कामिनामतिदुर्लभम् MatsyaP. 117. 11.

अत्यन्तरुच्य (atyanta-rucya) *adj.* very tasty अत्यन्तरुच्यम् ... प्रज्ञां दत्ते वारि भागीरथीयम् BhojanKu. 180. 24.

अत्यन्तरूक्ष (atyanta-rūkṣa) *adj.* **i** very dry अत्यन्तरूक्षकायाश्च ... ये Hastyāyur. 665. 12 (4. 19); **ii** very harsh or rough दुर्गन्धश्चाशुचिर्लोलः पिशाचोऽत्यन्तरूक्षवाक् ĪśānS'iPa. i. 42. 22.

अत्यन्तरूढ (atyanta-rūḍha) *adj.* firmly established, very conventional व्रीह्यादयो ह्यत्यन्तरूढाः TantrVā. 286. 3 (*on* i. 4. 2); अत्यन्तरूढेषु प्रतिष्ठानिष्ठादिषु षत्वानापत्तेः LaS'abdeS'e. i. 45. 12.

अत्यन्तरूढता (atyantarūḍha-tā) *f.* the state of being purely conventional or well-established 'दध्ना जुहोति' 'व्रीहिभिर्यजेत' इत्यादिषु द्रव्यविशेषे दध्यादिशब्दानामत्यन्तरूढतया यागनामत्वासंभवादगत्या गुणत्वमाश्रितम् NyāyMāVi. 41. 24 (*on* i. 4. 2)

अत्यन्तरूढत्व (atyantarūḍha-tva) *n.* the state of being purely conventional or well-established तथैव दध्यादेरर्थान्तरेऽप्यत्यन्तरूढत्वान्न नामत्वम् S'āstrDī. 166. 3 (*on* ii. 3. 4); MīmāKau. i. 168. 3 (*on* i. 4. 2)

अत्यन्तरूढिशब्दत्व (atyantarūḍhiśabda-tva) *n.* the state of being a word of purely conventional signification अत्यन्तरूढिशब्दत्वाद्वाक्यभेदादिभिर्विना । ज्वलनं न परित्यज्य क्रतुरग्निः प्रतीयते TantrVā. 615. 3 (*on* ii. 3. 22)

अत्यन्तरूप (atyanta-rūpa) *n.* extreme beauty; beauty par excellence पाणिग्रहं तस्याः स्वीकुरुष्व सुरेश्वर । अत्यन्तरूपयुक्ताया मम वाक्यप्रणोदितः SkandP. vi. 81. 5; किं पुत्रात्यन्तरूपेण मान्या ह्येषा महान्वया KathāSaSāg. ix. 2. 76; युगबाहुपत्नी मदनरेखा अत्यन्तरूपपात्रं परम् KathāK. 13. 21; 44. 29.

अत्यन्तरूपवत् (atyantarūpa-va(n)t) *adj.* [*f.* -vatī] very handsome, very beautiful असौ ... क्षितौ । चचार तपसा महतात्यन्तरूपवान् PadmP.(Ra.) 6. 319; SiṁhāDvā. 128. 0(2); यद्यप्यत्यन्तरूपवती शूद्रा ManuBh. i. 214. 15 (*on* 3. 14); तस्य भार्या विष्णुश्रीरत्यन्तरूपवती KathāK. 24. 18; 52. 17.

अत्यन्तरोगयुक्त (atyantaroga-yukta) *adj.* extremely affected by a disease or affected by a permanent disease अत्यन्तरोगयुक्तो वा ... । एतत्तन्त्रसमायोगात्त्याज्यो न हि KulaCūT. 7. 66.

अत्यन्तरोगवत् (atyantaroga-va(n)t) *adj.* acutely suffering from a disease पिशुनोऽत्यन्तरोगवान् । सर्वे ते श्राद्धकाले तु त्याज्या वै धर्मदर्शिभिः PadmP. v. 9. 84.

अत्यन्तरोचन (atyanta-rocana) *adj.* **i** very favourite स्वामी ममैष घटितो यत्त्वमत्यन्तरोचनः Stotrā. 3. 11 (comm. अत्यन्तं रोचनः अतिशयेन प्रियः) **ii** very refulgent, Stotrā. 3. 11 (comm. अतिदीप्तप्रकाशवपुः)

अत्यन्तरोमश (atyanta-romaśa) *adj.* having excessive hair, very hairy अत्यन्तरोमशाभ्यां तु ताभ्यां जाताण्ड उच्यते AśvaVai. 3. 146.

अत्यन्तरोषिन् (atyantaroṣ-in) *adj.* very irascible अपि ज्ञायते चण्डभार्गवो नामात्यन्तरोषी ब्रह्मर्षिः Avimā. 6. 4(8)

अत्यन्तरौद्र (atyanta-raudra) *adj.* very fierce or dreadful ताभ्यामत्यन्तरौद्राभ्यां हताविन्धकपह्लवौ PadmP.(Ra.) 59. 10; रे जीव त्वं विमुञ्च क्षणरुचिचपलानिन्द्रियार्थोपभोगानेभिर्दुःखं न नीतः किमिह भववनेऽत्यन्तरौद्रे हतात्मन् SubhāRaSaṁ. 410.

अत्यन्तरौद्रराक्षसी (atyantaraudra-rākṣasī) *f.* very fierce or dreadful demoness उपसर्गो महानासीज्जनितः पूर्ववैरतः । अत्यन्तरौद्रराक्षस्या विद्युद्वक्त्राभिधानया PadmP.(Ra.) 104. 101.

अत्यन्तलग्न (atyanta-lagna) *n.* excessive attachment or clinging सा स्वजघनस्य नायकजघनेनात्यन्तलग्नात् समधिकेति प्रत्यासन्नस्य (भावस्य लक्षणम्) JayaMa. 161. 7 (*on* 2. 8)

अत्यन्तलघीयस् (atyanta-laghīyas) *adj.* (*comp.*) very much lighter स्नातकव्रतानां त्वत्यन्तलघीयः प्रायश्चित्तं प्रवक्ष्यते ManuBh. ii. 388. 12 (*on* 11. 60)

अत्यन्तलघु (atyanta-laghu) *adj.* **1** very light (to digest) अत्यन्तलघुभिर्मांसैर्जाङ्गलैश्च हिता रसाः AṣṭāSaṁ. ii. 6. 17 (4. 1); **2** very insignificant (करः) अर्थिनः पुनरत्यन्तलघुर्धनभृतोऽप्यसौ PārśvC. 1. 127.

अत्यन्तलम्बकर्ण (atyantalamba-karṇa) *adj.* having very long ears त्रिभिः मुखेन कर्णाभ्यां च पिबतीति व्युत्पत्त्या त्रिपिबः अत्यन्तलम्बकर्णः SmṛtiCan. v. 256. 16.

अत्यन्तलय (atyanta-laya) *m.* complete dissolution or destruction तदानीं च पुरुषार्थसमाप्त्या चित्तस्यात्यन्तलयात् YogSūVṛ. *on* 1. 51 (58. 13)

अत्यन्तलयपर्यन्त (atyantalaya-paryanta) *adj.* up to the complete absorption अत्यन्तलयपर्यन्तः कार्योऽव्यक्तस्य नात्मनः । प्रोक्त एवं विवेकोऽत्र S'āṁkhyaPraBh. 109. 15 (*on* 3. 84)

अत्यन्तलाघव (atyanta-lāghava) *n.* extreme parsimony एवमत्यन्तलाघवलाभात् कर्मान्तरवाक्यमेदाभ्युपगमः S'āstrDī. 813. 7 (*on* xi. 3. 11); PrakaVi. 8. 15.

अत्यन्तलालित (atyanta-lālita) *adj.* excessively fondled शरीरमिदमत्यन्तलालितम् ...। बाल्ये विवर्धितं मात्रा यौवने सेवितं सुखैः BṛKathāMañ. ix. 2. 1179.

अत्यन्तलिप्त (atyanta-lipta) *adj.* excessively anointed (नरके क्षारेण) अत्यन्तलिप्तेन कृत्ताङ्गाः (वृन्ताकवत् प्रपच्यन्ते तप्तलोहकटाहकैः) S'ivaP. v. 9. 9 (416A. 6)

अत्यन्तलीन (atyanta-līna) *adj.* completely absorbed, identical उन्मग्नरूपात(? पता) च न रूपवत्त्वजात्यत्वस्य । अत्यन्तलीनस्वभावत्वात् Loc. 183. 10 (*on* 3. 33)

अत्यन्तलुप्त (atyanta-lupta) *adj.* lost forever सव्येतरेण स्फुरता तदक्ष्णा । आख्यातमस्यै गुरु भावि दुःखमत्यन्तलुप्तप्रियदर्शनेन RaghuVa. 14. 49; ĀtmaSi. 52. 15.

अत्यन्तलुब्ध (atyanta-lubdha) *adj.* extremely greedy एतौ ... अत्यन्तलोभाभिभूतौ (v. l. °लुब्धप्रकृती) ... तत्र बहु लभ्यत इत्युपक्रम्य मलयकेतुमा-

°श्रितौ MudrāRā. 3.24 (24); PāṇḍaC. 1.201; जात्याक्रोशो यथा ब्राह्मणं प्रति अत्यन्तलुब्धा ब्राह्मणा इत्यादि DaṇḍaVi. 197.11.

अत्यन्तलेप (atyanta-lepa) *m.* excessive anointing इति व्यासवचनं तदत्यन्तलेपशङ्कादिशून्यपादाद्यभिप्रायम् VīraMi.(Āhnika.) 56.6.

अत्यन्तलोकप्रसिद्धता (atyantalokaprasiddha-tā) *f.* the state of being widely known among people प्रदीपो दृष्टान्तः … अत्यन्तलोकप्रसिद्धतयास्य दृष्टान्तत्वम् TātpaṬ.(Vā.) 33.18 (*on* i. 1.1)

अत्यन्तलोप (atyanta-lopa) *m.* complete lapse यस्य नित्यस्य मुख्यकालातिक्रमे जघन्यस्य कालान्तरस्यानभ्यनुज्ञानादत्यन्तलोपः CaturCin. iii (1). 223.16; iii(2). 46.3.

अत्यन्तलोभ (atyanta-lobha) *m.* extreme greed यावेतौ डिङ्करातबलगुप्तौ तावप्यत्यन्तलोभाभिभूतौ … मलयकेतुमाश्रितौ MudrāRā. 3.24 (24)

अत्यन्तलोलुप (atyanta-lolupa) *adj.* extremely greedy अत्यन्तलोलुपा ब्राह्मणा इति जात्याक्रोशः VīraMi.(Vyavahāra.) 379.10.

अत्यन्तलोहिता (atyanta-lohitā) *adj.* (*f.*) extremely red अत्यन्तलोहिता।… रौद्री दृष्टिरुदाहृता SaṁgīRa. iv. 137.4 (7.387)

अत्यन्तवक्र (atyanta-vakra) *adj.* [*f.* -ā] **A** extremely crooked (in behaviour) चेतो दुनोति सुदृशाम् … रणितेन शङ्खः। व्यक्तं प्रकाशयत एव बहिर्विशुद्धिमत्यन्तवक्रहृदयाद्बत कस्य शान्तिः HarVi. 29.57; 33.29; **B** extremely curved, HarVi. 29.57; यदात्यन्तवक्रे तर्जन्यनामिके। शुकतुण्डस्तदा SaṁgīRa. iv. 41.7 (7.137)

अत्यन्तवत्सल (atyanta-vatsala) *adj.* having great love for a child (paternal love) अत्यन्तवत्सलेनापि किंनिमित्तमिदमनुष्ठितम् … कार्यं तातेन TilaMañ. 299.10; PariPar. 13.42.

अत्यन्तवनवास (atyanta-vanavāsa) *m.* long exile in forest पाण्डोः … संततिः। अत्यन्तवनवासाय सृष्टा MahāBhā. ix. 202*(3)

अत्यन्तवयस् (atyanta-vayas) *n.* advanced age अत्यन्तवयसा दग्धः…। यदि स्थातुं न शक्नोति क्षितिस्थो दर्भसंस्तरे BhaviP. 789A.6 (iv. 126.35)

अत्यन्तवरासन (atyantavarāsana) *n.* very excellent seat सीतया सहितस्तस्थौ पद्मोऽत्यन्तवरासने PadmP.(Ra.) 34.22.

अत्यन्तवर्चस् (atyanta-varcas) *adj.* possessed of great refulgence रथेनादित्य(v. l. °नात्यन्त)वर्चसा। उवाह महिषीं भोज्यामेषः MahāBhā. ii. App. 1.21 (1542)

अत्यन्तवर्जन (atyanta-varjana) *n.* absolute avoidance अत्यन्तवर्जनार्थं निन्दापरत्वेन व्याख्येयम् BālaKrī. ii. 73.25 (*on* 3.198 (?208))

अत्यन्तवर्जित (atyanta-varjita) *adj.* absolutely excluded साम शाठ्यं जनो वेत्ति दानादत्यन्तवर्जितम् JānaHa. 10.26.

अत्यन्तवर्ज्यत्व (atyantavarjya-tva) *n.* complete exclusion मांसविक्रयिणः पृथक् प्रतिषेधोऽत्यन्तवर्ज्यत्वख्यापनार्थः Aparā. 450.21 (*on* 1.222); SmṛtiCan.v. 171.17.

अत्यन्तवर्धित (atyanta-vardhita) *adj.* extremely developed आश्रितवात्सल्यम् …। विभवायासतां नीतं भवतात्यन्तवर्धितम् DaśāvaC. 5.145.

अत्यन्तवल्लभ (atyanta-vallabha) *adj.* [*f.* -ā] very dear उत्तानपादस्य सुरुच्यामुत्तमः सुतः।… पितुरत्यन्तवल्लभः ViṣṇuP. i. 11.3; (कुलपर्वतः) वैभ्राजः … ब्रह्मणोऽत्यन्तवल्लभः KūrmaP. 415.9 (1.49); 185.14 (1.16); अयं कुबेरकान्तस्य सुहृदत्यन्तवल्लभः BṛKathāK. 127.212; 156.2; YogVā. iii. 109.11; भर्तुः सात्यन्तवल्लभा TantrRā. 9.99; SāmaraU. 220.6; 288.3; तवात्यन्तवल्लभा। अशोकवनिका RāmāMañ. 265.17; TriṣaS'aPuC. ii. 5.29; PāṇḍaC. 2.209; PārśvC. 5.28; SamarāSaṁ. 4.261; अत्यन्तवल्लभपुत्रकलत्रादिपरित्यजनेन शून्यारण्यानीसेवनमिव SyādvāMañ. 6 (106); राधा … विष्णोरत्यन्तवल्लभा UjjvaNīMa. 75.3; हरिद्रा …। लक्ष्म्याः प्रेमतरुः साक्षाद्धरेरत्यन्यवल्लभः BṛBrahmaS. iii. 10.85; i. 4.24.

अत्यन्तवशीकृतचित्त (atyantavaśīkṛta-citta) *adj.* who has extreme control over the mind परवैराग्योपेतस्य योगाभ्यासपाटवेनात्यन्तवशीकृतचित्तस्योत्पन्ने तत्त्वज्ञाने JīvanVi. 19.20.

अत्यन्तवश्यप्रकृति (atyantavaśya-prakṛti) *adj.* having extremely controlled subjects, whose subjects are extremely controlled महाराजो वा अत्यन्तवश्यप्रकृतिः BṛĀraUBh. 245.5 (*on* ii. 1.19)

अत्यन्तवसति (atyanta-vasati) *f.* permanent residence अत्यन्तवसतिः क्वापि न केनापि च लभ्यते S'ivaP. vii. 5.55 (507B.12)

अत्यन्तवह्निसंयोग (atyanta-vahnisaṁyoga) *m.* excessive or intense contact with fire सुवर्णादिकमपि पार्थिवमेवेति कस्यचित्प्रवादोऽपि प्रत्युक्तः पार्थिवत्वे सति सर्पिरादिवदत्यन्तवह्निसंयोगेन द्रवत्वोच्छेदप्रसङ्गात् NyāyKa. 26.5.

अत्यन्तवाक्यत्व (atyantavākya-tva) *n.* the state of being merely a subordinate part of an injunction तत्रोद्दिश्यमानत्वाद्यागस्य स्वपदस्थं च विशेषणमविवक्षितम्। तस्मात्सर्वयागेषु धर्माः। न च दर्शपूर्णमासपदेन संबध्यन्ते। अत्यन्तवाक्यत्वात् ṬupṬ. 153.23 (*on* vii. 1.2)

अत्यन्तवात (atyanta-vāta) *m.* violent wind अत्यन्तवातेन हतं वहच्च यत्प्राशुकं तन्निगदन्ति वारि SubhāRaSaṁ. 216; अत्यन्तवातशीतातपपानस्नानवेगरोधांश्च। जह्यात् RaseCin. 8.40 (96.6)

अत्यन्तवार्धक (atyanta-vārdhaka) *n.* extreme old age शूद्रोऽपि दशमीमितः (पूज्यः)। दशमी अन्त्यावस्थोच्यते। अत्यन्तवार्धकोपलक्षणमेतत् ManuBh. i. 147.6 (*on* 2.137)

अत्यन्तवाल्लभ्य (atyanta-vāllabhya) *n.* extreme belovedness अत्यन्तवाल्लभ्यान्मुखचुम्बनपर एव तस्यास्त्वम् Kāvyānu.(He.) 40.9.

अत्यन्तवासित (atyanta-vāsita) *adj.* thoroughly infused (scented) भूतभौतिकमायानामसत्त्वेऽत्यन्तवासिते (सति) PañcDa. 2.98 (comm. भूतानामाकाशादीनां भौतिकानां ब्रह्माण्डादीनां मायायाश्च तत्कारणभूताया मिथ्यात्वे विवेकध्यानाभ्यां चित्ते दृढं वासिते सति)

अत्यन्तवासिन् (atyantavās-in) *m.* student who perpetually resides (with his teacher) न रिक्तश्च न चैवात्यन्तवासिनः … ग्रहीतव्यः प्रतिभूत्वक्रियां प्रति KātySm. 115; अत्यन्तवासिनः नैष्ठिकब्रह्मचारिणः SmṛtiCan. iii. 78.13; iv. 319.1; VyavaNi. 248.12; VīraMi.(Vyavahāra.) 44.1; 255.9.

अत्यन्तवाहन (atyanta-vāhana) *n.* act of driving too much or too long हयाः। कृशा व्याधिपरीताङ्गा जायन्तेऽत्यन्तवाहनात् AśvaCi. 9.7 = AśvaVai. 7.23 = S'ārṅgaPa. 1691 = S'ukraNī. 4 (7).120.

अत्यन्तविकर (atyanta-vikara) *adj.* highly expert in a particular mode of fighting यथा शुक्रस्तुभ्यं परमरिपुरत्यन्तविकरः।… दैत्यान् … सवीर्यान् कुरुते S'ivaP. ii (5). 46.19 (276A.6)

अत्यन्तविकार (atyanta-vikāra) *m.* too much modification न च समस्यवचनं सम्भवति प्रकृतस्य सर्वथा बाधेनात्यन्तविकारापत्तेः MayūMāli. 633.6 (*on* ix. 4.1)

अत्यन्तविकारित्व (atyantavikāri-tva) *n.* the state of having an extreme model for यानि च दर्शपूर्णमास[प्रकृतिकानि] तेषामपि नात्यन्तविकारित्वं स्वेन गार्हपत्येन संबन्धात् SaṅkarKāBh. 139.16 (*on* iii. 2.28)

अत्यन्तविकास (atyanta-vikāsa) *adj.* blooming completely, full-blown अपश्यमत्यन्तविकासमादौ तिरस्कृतानन्तदिनेशकान्ति। हिरण्मयं पङ्कजम् BṛBrahmS. ii. 1.6.

अत्यन्तविकृत (atyanta-vikṛta) *adj.* extremely hostile अत्यन्तविकृतं हन्यात् स पापीयान् रिपुर्मतः NītiSā. 8.74 (comm. अत्युपचरितस्य ह्यरिलक्षणं प्राप्तस्योच्छेदेऽपि नाधर्मः पापीयस्त्वात्)

अत्यन्तविक्रान्त (atyanta-vikrānta) *adj.* extremely mighty, very brave सहस्रशिरसो भृत्यौ क्रूरामरधनश्रुती। जातावत्यन्तविक्रान्तौ PadmP.(Ra.) 5.129; सः। निष्क्रान्तोऽत्यन्तविक्रान्तः सामन्तशतवेष्टितः PadmP.(Ra.) 12.141.

अत्यन्तविक्लवा (atyanta-viklavā) *adj.* (*f.*) extremely distressed, greatly afflicted (सा) उपालम्भं प्रयच्छन्ती दैवायात्यन्तविक्लवा PadmP.(Ra.) 16.10; एवं निर्घाट्यमाणा सा सर्वत्रात्यन्तविक्लवा। सखीं जगाद PadmP.(Ra.) 17.62.

अत्यन्तविक्लवीभूत (atyanta-viklavībhūta) *adj.* extremely distressed, extremely despondent अत्यन्तविक्लवीभूतं तमालोक्य तथाविधम्। वितानतां परिप्रापदन्तःपुरमहार्णवः PadmP.(Ra.) 115.50.

अत्यन्तविक्षेपाभाव (atyanta-vikṣepābhāva) *m.* complete absence of disturbance अनुसंदधतैवात्र भोजनादौ प्रवर्तितुम्। शक्यतेऽत्यन्तविक्षेपाभावादाशु पुनः स्मृतेः PañcDa. 7.125.

अत्यन्तविख्यात (atyanta-vikhyāta) *adj.* very famous तस्य … शिष्यावत्यन्तविख्यातौ धनवन्तौ गुणोत्कटौ PadmP.(Ra.) 5.115.

अत्यन्तविगतजन (atyantavigata-jana) *adj.* absolutely or totally devoid of people यं कंचित् … तस्करः … अतिजने अतिगतजने अत्यन्तविगतजने देशे विसृजेत् ChāndoUBh. 399.10 (*on* vi. 14.1)

अत्यन्तविघातक (atyanta-vighātaka) *adj.* extremely interrupting, totally destructive न कुर्यात् … सङ्गं तमस्तीव्रं तितीरिषुः। धर्मार्थकाममोक्षाणां यदत्यन्तविघातकम् BhāgP. iv. 22.34.

अत्यन्तविघ्न (atyanta-vighna) *m.* extreme obstacle अनागतानां धर्माणामुत्पादस्यात्यन्तं विघ्नोऽत्यन्तविघ्नोऽत्यन्तनियतरोधः Sphuṭā. 19.8 (*on* 1.6)

अत्यन्तविघ्नभूत (atyantavighna-bhūta) *adj.* which has become an extreme or complete obstacle अनागतानां धर्माणामुत्पादस्यात्यन्तविघ्नभूतो विसंयोगाद्योऽन्यो निरोधः सोऽप्रतिसंख्यानिरोधः AbhidhKoBh. 4.11 (*on* 1.6)

अत्यन्तविघ्नितोत्पादत्व (atyantavighnitotpāda-tva) *n.* the state of having its origin completely obstructed अत्यन्तविघ्नितोत्पादत्वादेषामनुत्पत्तिधर्म-

त्वम् Sphuṭā. 20. 26 (*on* 1. 6)

अत्यन्तविचित्ररचन (atyantavicitra-racana) *adj.* composition of which is extremely diverse अत्यन्तविचित्ररचनस्य जगतो निरतिशयज्ञानशक्तियुक्तबहुकर्तृकत्वकल्पनं युक्तमिति चेत् NītiMā. 10. 11.

अत्यन्तविच्छेद (atyanta-viccheda) *m.* complete cessation तेषामत्यन्तविच्छेद इह मन्वन्तरक्षयात् VāyuP. i. 61. 174.

अत्यन्तविजातीय (atyanta-vijātīya) *adj.* of absolutely different category ईदृशेष्वत्यन्तविजातीयेषु समाख्यानमन्तरेण नान्यः कश्चिदनुगतो धर्मोऽस्ति NyāyMāVi. 71. 12 (*on* ii. 1. 7)

अत्यन्तविजातीयत्व (atyantavijātīya-tva) *n.* the state of belonging to an absolutely different category हस्तादिवृत्तीनामत्यन्तविजातीयत्वात् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 501. 5 (*on* ii. 4. 6); श्रवणाद्यवान्तरव्यापारोपेताः प्राणा न संभूय प्राण्युरिति युक्तम् प्रमाणाभावात्, अत्यन्तविजातीयत्वाच्च श्रवणादिभ्यः प्राणनस्य BrahmSūBh.(S'aṅ.) 507. 4 (*on* ii. 4. 10); अश्मकाष्ठतृणादेरचेतनस्येव जीवस्याप्यज्ञत्वादिना सर्वज्ञत्वादियुक्तादीश्वरात् अत्यन्तविजातीयत्वश्रवणात् तयोरेकभावानुपपत्तेः BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 32. 6 (*on* ii. 1. 23)

अत्यन्तविजातीयारम्भकत्व (atyantavijātīyārambhaka-tva) *n.* the state of producing extremely dissimllar (things) तन्तुवीरणयोरपि कटारम्भः स्यात् । तथा सति धर्मविशेषविपर्ययः प्राप्नोति । अत्यन्तविजातीयारम्भकत्वं द्रव्याणां प्राप्नोतीत्यर्थः Sphuṭā. 107. 22 (*on* 3. 100)

अत्यन्तविजिगीषा (atyanta-vijigīṣā) *f.* excessive desire to conquer कामदेवेन कृतं तेषां हृदयं यदत्यन्तविजिगीषाज्वलनजाज्वल्यमानमभूदिति यावत् Kāvyānu.(He.) 56. 22.

अत्यन्तविज्ञानत्व (atyantavijñāna-tva) *n.* the state of possessing infinite knowledge दोषात्ययं विनात्यन्तविज्ञानत्वस्यानुपपत्तेः SyādvāMañ. 1 (44)

अत्यन्तविडम्बन (atyanta-viḍambana) *n.* **i** mere play, sport or amusement जन्म कर्म च विश्वात्मन्नजस्याकर्तुरात्मनः । तिर्यङ्नृ(? नृ)षिषु यादःसु तदत्यन्तविडम्बनम् BhāgP. i. 8. 30; AdhyāRā. iv. 6. 72; **ii** extreme mockery, matter of great ridicule (मोहिन्युवाच ब्रह्माणम्) स्वकन्यायां यत स्पृहा स(? त्वम्) कथं हससि नर्तकीम् । सतां कर्म विरुद्धं यत्तदत्यन्तविडम्बनम् BrahmVaiP. iv. 33. 36; कृष्णानुग्रहतो विद्वान् लब्ध्वा च जन्म भारते । न भजेत् कृष्णपादाब्जं तदत्यन्तविडम्बनम् PañcaRā.(Nā.) ii. 2. 65.

अत्यन्तविडम्बना (atyanta-viḍambanā) *f.* extreme mockery सापह्नवं मम मनो यदेतत्त्वयि जायते । देवक्याश्चात्मजप्रीत्या तदत्यन्तविडम्बना ViṣṇuP. v. 20. 99 = BrahmP. 193. 84.

अत्यन्तवितत (atyanta-vitata) *adj.* very vast, very extensive अत्यन्तविततेषु प्रधानेष्वष्टसु नागकुलेषु लब्धप्रसूतयः प्रचरन्ति भोगिनो लोकाः Uday-SuKa. 93. 26; अहम् (ब्रह्मा) । यावत्पश्यामि गगनं न तमोभिर्न तेजसा । व्याप्तमत्यन्तविततं शून्यमन्तविवर्जितम् YogVā. iii. 85. 8; न चात्यन्तविततस्य जगतः कथमात्मा कर्तेति वाच्यम् Aparā. 975. 3 (*on* 3. 68)

अत्यन्तविततव्यवहार (atyantavitata-vyavahāra) *adj.* of very wide use, having very extensive usage अत्यन्तविततव्यवहाराः पदार्था दृश्यन्ते Vakro-Jī. 140. 15.

अत्यन्तवित्रस्त (atyanta-vitrasta) *adj.* very much frightened, extremely afraid of ततस्तेऽत्यन्तवित्रस्ता म्लेच्छाः पतितकार्मुकाः । कुर्वन्तः परमं रावं गत्वा पत्ये न्यवेदयन् PadmP.(Ra.) 34. 70.

अत्यन्तवित्रास (atyanta-vitrāsa) *m.* great fear or terror वीक्षितं परमं रूपं मनोद्रवणकारणम् । पुनश्चात्यन्तवित्रासकारणम् PadmP.(Ra.) 32. 90.

अत्यन्तविद् (atyanta-vid) *adj.* greatly learned, very erudite या भक्तिरत्यन्तविदां[दा] च पश्चाच्छ्रीवीरभानुप्रभुणा व्यधायि VīraBhā. 1. 60.

अत्यन्तविद्या (atyanta-vidyā) *f.* highest knowledge (i. e. realization of the Supreme Being) अव्यक्त(v. l. अत्यन्त)विद्यामिति यत् सनातनीं ब्रवीषि त्वं ब्रह्मचर्येण सिद्धाम् MahāBhā. v. 44. 3 (Nila. अन्तस्त्रिविधपरिच्छेदः तमतिक्रान्तं ब्रह्म तद्विषयां विद्याम्)

अत्यन्तविद्युति (atyanta-vidyuti) *adj.* completely deprived of its glory, totally lacking in lustre तस्या मुखे मुखं तासां जातमत्यन्तविद्युति Kīca-Va. 2. 5 (comm. अतिशयविगतशोभम्)

अत्यन्तविद्वस् (atyanta-vidvas) *adj.* profoundly learned (person) (राजलक्ष्मीः) न गच्छति प्रणयितामत्यन्तविद्वत्स्वपि MudrāRā. 3. 5 = SūktiRa. 167. 23.

अत्यन्तविधर्मन् (atyanta-vidharman) *adj.* absolutely different in qualities or properties सत्त्वात् परिणामिनोऽत्यन्तविधर्मा विशुद्धोऽन्यश्चितिमात्ररूपः पुरुषः YogBh. 159. 2 (*on* 3. 35); तयोः (सत्त्वपुरुषयोः) अत्यन्तासंकीर्णयोस्तमःप्रकाशवदत्यन्तविधर्मणोरपि यः परस्परप्रतिबिम्बवशात् प्रत्ययाविशेषः — स भोगः YogSā. 54. 11(3)

अत्यन्तविधर्मिन् (atyanta-vidharmin) *adj.* totally different or opposed in qualities or properties अत्यन्तविधर्मिणोरन्यतरार्थानुचिन्तनं न तदितरस्य साक्षात्काराय कल्पते TattvVai. 34. 24 (*on* 1. 29)

अत्यन्तविनत (atyanta-vinata) *adj.* very much low, extremely bent down (अश्वाः ताजिका मताः) अत्यन्तविनतं येषां निर्मांसं च मुखं भवेत् AśvaVai. 6. 6

अत्यन्तविनय (atyanta-vinaya) *m.* excessive modesty or humility अयि वत्स । कृतं कृतमतिविनयेन (v. l. अत्यन्तविनयेन) UttaRāC. 6. 12(10) (NSP. 1949)

अत्यन्तविनयिन् (atyanta-vinayin) *adj.* very polite, extremely humble or modest (चित्राङ्गदः) सोऽत्यन्तविनयी नीचैर्निविष्टो विष्टरे पुनः PāṇḍaC. 9. 114.

अत्यन्तविनष्ट (atyanta-vinaṣṭa) *adj.* absolutely lost, totally disappeared (invisible) त (भ्रूक्षेपकटाक्षप्रभृतयः) एवात्यन्तविनष्टाः सन्त इदानीं स्मृतिगोचरतया निरपेक्षभावत्वप्राणं कर(? रु)णमुद्दीपयन्ति Loc. 131. 19 (*on* 3. 4); (निरपेक्षत्वभावप्राणम्) Kāvyānu.(He.) (comm.) 63. 20.

अत्यन्तविनष्टचित्त (atyantavinaṣṭa-citta) *adj.* whose mind is completely lost अचिरविनश्वरे संसारे सारस्य स्थिरस्य मार्गणमन्वेषणं यः करोति स संमूढः अत्यन्तविनष्टचित्तः Mitā. 329. 12 (*on* 3. 8)

अत्यन्तविनाश (atyanta-vināśa) *m.* utter destruction, (annihilation) न हि प्रलयोऽस्माभिरत्यन्तविनाशोऽभिप्रेयते BrahmSūBh.(Bhā.) 64. 15 (*on* i. 3. 30); ननु सतो नात्यन्तविनाशः TattvVai. 60. 14 (*on* 2. 4); अहमर्थस्य चात्यन्तविनाशो मोक्षे भवद्भिरिष्यते S'atDū. 123. 2; दैवराजव्यतिरेकेण अत्यन्तविनाशं गते ··· तथाविध एव बन्धदात्रे देयः (आधिः) DīpKa. 45. 20 (*on* 2. 59); शदोऽत्र अत्यन्तविनाशानुसारेण शदकल्पकैः कल्पितः SmṛtiCan. iv. 492. 14; आकाशवदन्तःकरणस्यात्यन्तविनाशाभावात् SāṁkhyaPraBh. 121. 31 (*on* 5. 25)

अत्यन्तविनीता (atyanta-vinītā) *adj.* (*f.*) extremely obedient or modest तस्मात्त्वमनया देव्या सहात्यन्तविनीतया । भास्कराराधने यत्नं कुरु BhaviP. 170A. 14 (i. 116. 93); अत्राश्रमे हरिषेणमुनिरासीत्, तस्य ऋषिदत्ता पुत्री अत्यन्तविनीता बभूव KathāK. 81. 24.

अत्यन्तविपरीत (atyanta-viparīta) *adj.* [*f.* –ā] **i** entirely opposite, totally contradictory अत्यन्तविपरीतोऽपि यदा योऽर्थोऽवधार्यते । ··· शब्दस्तत्र मुख्यः प्रवर्तते VākyaP. 2. 287; श्रुतिबलीयस्त्वादस्य द्रव्यसंबन्ध उच्यते । तदेवात्यन्तविपरीतम् TantrVā. 721. 19 (*on* iii. 1. 13); यत्त्वनिष्टं तत्र पुरुषप्रवृत्त्यसंभवादत्यन्तविपरीत एव विध्युपन्यासः TantrVā. 988. 7 (*on* iii. 4. 23); ज्ञानस्य कारणान्तरानपेक्षस्य स्वत एव प्रामाण्यमप्रामाण्यं च अत्यन्तविपरीतरूपं न संभवति NyāyRa. 55. 22 (*on* 2. 36); शाक्यादिष्विदमत्यन्तविपरीतम् S'āstrDī. 27. 9 (*on* i. 3. 3); न च ज्ञानाभावस्य ज्ञानात्मता संभवति, अत्यन्तविपरीतत्वात् S'āstrDī. 55. 20 (*on* i. 1. 5); **ii** very much changed or transformed ब्रह्मणो दिवसस्यान्ते कालीक्रोडात् शुचिस्मिते । राधासमीपं देवेशि यदा यास्यति बालकः । अत्यन्तविपरीता सा भविष्यति दिनान्तरे KāliViT. 23. 29.

अत्यन्तविपरीतत्व (atyantaviparīta-tva) *n.* the state of being totally contradictory कर्मविनाशप्रभवं हि सदेतत् न कथंचित्कर्मसंबन्धीति शक्यं वदितुम् । अत्यन्तविपरीतत्वात् TantrVā. 370. 13 (*on* ii. 1. 5)

अत्यन्तविपरीतदर्शन (atyantaviparīta-darśana) *n.* totally opposite (i. e. wrong) perception अत्यन्तविपरीतदर्शनभावितत‌या मोमुह्यमानो लोकः Gītā-Bh.(S'aṅ.) 123. 12 (*on* 4. 18)

अत्यन्तविपरीतनिषेवण (atyantaviparīta-niṣevaṇa) *n.* use of completely opposite (things) मधुरस्निग्धसौहित्यैर्यत् सौख्येन विनश्यति । कृशिमा स्थविमात्यन्तविपरीतनिषेवणैः AṣṭāHṛ. i. 14. 33; AṣṭāSam. i. 127. 2 (1. 24)

अत्यन्तविपरीतस्वभाव (atyantaviparīta-svabhāva) *adj.* of a completely contradictory nature अत्यन्तविपरीतस्वभावयोश्च भावाभावयोरेकत्वाभिधानं साहसमात्रम् S'āstrDī. 145. 12 (*on* i. 1. 6); अत्यन्तविपरीतस्वभावयोरपोह्यापोहयोः संकरः समाश्रितः स्यात् NyāyRa. 591. 17 (*on* 5(13). 97)

अत्यन्तविपर्यय (atyanta-viparyaya) *n.* completely opposite condition (i. e. incurable) (व्याधिः) अनुपक्रम एव स्यात् स्थितोऽत्यन्तविपर्यये AṣṭāHṛ. i. 1. 32; (व्याधिः) तस्मादुपेक्ष्य एवासौ स्थितोऽत्यन्तविपर्यये AṣṭāSaṁ. i. 6. 20 (1. 3)

अत्यन्तविपर्यस्त (atyanta-viparyasta) *adj.* **i** of a totally opposite nature (i. e. false or unreal) आभ्यां प्रमाणाभ्यामन्येन च ज्ञानेन दर्शितोऽर्थः कश्चिदत्यन्तविपर्यस्तः । यथा मरीचिकासु जलम् NyāyBiṬ. 22. 1 (*on* 1. 1); **ii** totally mistaken अत्यन्तविपर्यस्तः दुर्ज्ञानावलेपदुर्विदग्ध इति यावत् TātpaṬ.(Vā.) 64. 23 (*on* i. 1. 1)

अत्यन्तविपुल (atyanta-vipula) *adj.* extremely vast or wide जनकोऽ-

वोचदत्यन्तविपुल: क्षारसागर: । न तत्करोति यद्वाप्य: स्तोकस्वादुपयोभृत: PadmP.(Ra.) 28. 146; इक्ष्वाकूणां कुलं श्रीमद्भूषय …। अत्यन्तविपुलं भ्रात: शशी गृ(?ग्र)हकुलं यथा PadmP.(Ra.) 31. 162; (रत्नकम्बला:) अत्यन्तविपुलाश्चित्तचारा इव महात्मनाम् S'āliC. 4. 13.

अत्यन्तविप्रकर्ष (atyanta-viprakarṣa) *m.* extreme remoteness न तु क्रत्वन्तरस्थं परिहर्तव्यमत्यन्तविप्रकर्षेणैवाप्रसक्तत्वात् TantrVā. 916. 20 (*on* iii. 4. 9(1)); इति गौण्यामत्यन्तविप्रकर्ष: MayūMāli. 68. 18 (*on* i. 4. 5); 439. 16 (*on* v. 4. 2)

अत्यन्तविप्रकृष्ट (atyanta-viprakṛṣṭa) *adj.* [*f.* -ā] **i** very distant, very remote इतश्चात्यन्तविप्रकृष्टे देशे परित्यक्तायाः सीतायाः आगमनं न संभाव्यते KundaMā. 3. 7 (16); **ii** very much removed or unconnected वत्यर्थोपादानेन कर्मणि प्रवृत्तौ च अत्यन्तविप्रकृष्टा गौणता स्यात् TantrVā. 298. 3 (*on* i. 4. 5); अत्यन्तविप्रकृष्टं वा किंचिद्भवेदित्याशङ्कितत्वान्न नियोगतोऽर्थापत्ति: TantrVā. 426. 2 (*on* ii. 1. 46); पदान्तरत्वेन अत्यन्तविप्रकृष्टविशेषणतां दर्शयति Kāśi. iii. 123. 21 (*on* 5 (5). 59); करणत्वं चार्थवत्त्वशब्देनाभिप्रेतम् … अत्यन्तविप्रकृष्टलाङ्गलाद्यपेक्षया साधकतमत्वेन विवक्ष्यते NyāySu.(So.) 87. 16 (*on* i. 2. 26); असादेव वचनात् कुलवृत्तादिसंदेहाभावे अत्यन्तविप्रकृष्टोऽपि पुत्रीकार्य इति गम्यते VīraMi.(Saṁskāra.) 210. 9; अत्यन्तविप्रकृष्टार्थविधानात् केवलवाक्यं स्यादित्यर्थ: MayūMāli. 452. 3 (*on* vi. 1. 5); **iii** far remote (in time) तदत्यन्तविप्रकृष्टनाडीनां पुण्यत्वं नास्तीति व्यतिरेकमात्रपरम् SmṛtiCan. v. 130. 18.

अत्यन्तविप्रकृष्टता (atyantaviprakṛṣṭa-tā) *f.* the state of being extremely distant or remote तद्धि (प्रत्यक्षम्) योगिनां स्यात् अस्मदादीनां वा । नाद्यम् । अत्यन्तविप्रकृष्टतया श्रद्धामात्रगम्यत्वात् SyādvāMañ. 16 (178)

अत्यन्तविप्रकृष्टत्व (atyantaviprakṛṣṭa-tva) *n.* the state of being very far away तारारूपाणि यानीह दृश्यन्ते द्युतिमन्ति हि। दीपवत् (v. l. अत्यन्त)-विप्रकृष्टत्वादणूनि सुमहान्त्यपि MahāBhā. iii. 43. 30.

अत्यन्तविप्रकृष्टदेश (atyantaviprakṛṣṭa-deśa) *m.* very distant place अत्यन्तविप्रकृष्टदेशस्थानां गवामानयनयोग्यताभावमालोच्य तत्परित्याग: NyāySu.(Ja.) 372B. 11 (*on* ii. 2. 6)

अत्यन्तविप्रकृष्टार्थ (atyantaviprakṛṣṭārtha) *adj.* the meaning of which is very remotely connected श्रुतेरत्यन्तविप्रकृष्टार्थात् प्रकरणाद् बलीयस्त्वात Bhām. 187. 10 (*on* i. 2. 23)

अत्यन्तविप्लव (atyanta-viplava) *m.* great damage or loss खातमब्धौ निपतितं नष्टतोयं चिरोषितम् । अपि रुद्रप्रभावेण प्रायान्नात्यन्तविप्लवम् BrahmāṇḍP. ii. 58. 30.

अत्यन्तविप्लुता (atyanta-viplutā) *adj.* (*f.*) gone totally astray, very much immoral अत्यन्तविप्लुतायामगुप्तायां क्षत्रियायां वैश्यस्य पञ्चशतिको दण्ड: Aparā. 857. 11 (*on* 2. 286)

अत्यन्तविफल (atyanta-viphala) *adj.* completely unprofitable or futile वरमत्यन्तविफल: सुखसेव्यो हि सज्जन: Subhāṣi. 385.

अत्यन्तविभक्त (atyanta-vibhakta) *adj.* totally separate, distinct or different भोग्यशक्तिर्बुद्धि: भोक्तृशक्ति: पुरुष: तयोरत्यन्तविभक्तयो: TattvVai. 64. 20 (*on* 2. 6); आत्मनोऽत्यन्तविभक्तसिद्धये व्यवहारजीवत्वहेतव: पुद्गलप्राणा एवमुच्छेत्तव्या: TāttvPradī.(A.) 213. 2 (*on* 2. 59); ज्ञानिन: प्राप्यं तु तस्मादत्यन्तविभक्तमित्याह GītāBh.(Rā.) 436. 3 (*on* 8. 22); अत्यन्तविभक्तस्वभावयो: प्रकृत्यात्मनो: संसर्गस्यानादित्वम् … उच्यते GītāBh.(Rā.) 582. 21 (*on* 13. 19)

अत्यन्तविभक्तत्व (atyantavibhakta-tva) *n.* the state of being totally separate or different कुतोऽत्यन्तविभक्तत्वमित्यत आह TattvVai. 64. 20 (*on* 2. 6); आत्मनोऽत्यन्तविभक्तत्वाय व्यवहारजीवत्वहेतुमालोचयति TattvPradī.(A.) 206. 6 (*on* 2. 53)

अत्यन्तविभव (atyanta-vibhava) *m.* great pomp (wealth) ततो भर्ता मया सार्धमुद्युक्तश्चैत्यवन्दने । जिनेन्द्रातिशयस्थानेष्वत्यन्तविभवान्वित: PadmP.(Ra.) 98. 44.

अत्यन्तविभागवत् (atyantavibhāga-va(n)t) *adj.* possessed of absolute difference बाढमस्त्येव तद् दृश्यं न त्वत्यन्तविभागवत् BṛĀraUBhVā. iv. 3. 1611.

अत्यन्तविभिन्न (atyanta-vibhinna) *adj.* completely distinct यथा ह्यामलकादय: परस्परमत्यन्तविभिन्नमूर्तयोऽपि प्रत्येकं समुदिता वा नानाविधव्याधिव्यावर्तनसामर्थ्याध्यासिता भवन्ति TattvSaṁPañ. 239. 27 (*on* 723–726); होत्रध्वर्युशब्दयोरत्यन्तविभिन्नपुरुषवचनयोर्मुख्यसामानाधिकरण्याभावात् TantrVā. 1170. 24 (*on* iii. 8. 21)

अत्यन्तविभिन्नार्थ (atyantavibhinnārtha) *adj.* having entirely different objects न चात्यन्तविभिन्नार्थे विरोधेऽन्यतरत् प्रमा NyāyPari. 308. 3.

अत्यन्तविभीतचित्त (atyantavibhīta-citta) *adj.* very much frightened in mind मृगान्वराका(?कां)श्चलतोऽपि तूर्णान्निरागसोऽत्यन्तविभीतचित्ता:(?त्तान्)। येऽश्नन्ति मांसानि निहत्य पापा: SubhāRaSaṁ. 542.

अत्यन्तविमल (atyanta-vimala) *adj.* [*f.* -ā] extremely pure ततस्तुष्टाव देवेन्द्र: …। गुणैरवितथैर्दिव्यैरत्यन्तविमलैरिति PadmP.(Ra.) 2. 126; 10. 135; 24. 4; आर्जवादिगुणश्लाघ्यामत्यन्तविमलां सतीम् । अपोह्य तादृशीं लोको दु:खं प्रेत्येह चाश्नुते PodmP.(Ra.) 102. 38; गुणैरत्यन्तविमलै: सा … पत्युर्न्यलीयत हृदि PariPar. 2. 9; विविदिषन्त्यत्यन्तविमलस्वान्ता ब्राह्मणा यद्ब्रह्म तत्त्वमसि तत्त्वम् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 10. 54.

अत्यन्तविमुक्त (atyanta-vimukta) *adj.* completely released or freed तेनात्यन्तविमुक्तश्च मुक्त: पुरुष उच्यते MahāBhā. xii. 166*(8); जीवा:…देहाद्युपाधिभिरत्यन्तविमुक्ता: NyāySu.(Ja.) 504A. 11 (*on* iii. 2. 9)

अत्यन्तविमुख (atyanta-vimukha) *adj.* extremely averse or opposed नरेन्द्रा भूयिष्ठं गुणवति जनेऽत्यन्तविमुखा: Tantrākhyā. 31. 20 = PañcT. 1. 113 (109. 1) = Pañcā. 75. 5; अत्यन्तविमुखे दैवे …। मनस्विनो दरिद्रस्य वनादन्यत्कुत: सुखम् Hitopa. 1. 99 = SūktiMu. 7. 4; अत्यन्तविमुखे दैवे …। न वैराग्यादन्यदस्ति पण्डितस्यावलम्बनम् BrahmP. 139. 4.

अत्यन्तविमूढता (atyantavimūḍha-tā) *f.* extreme foolishness सन्धर्ता कुपितोऽवोचद्दहोऽत्यन्तविमूढता PadmP.(Ra.) 11. 164.

अत्यन्तविमूढार्थ (atyantavimūḍhārtha) *adj.* meant for the very stupid or dull यदप्रमाणताभावे लिङ्गं तस्यैव कथ्यते । तदत्यन्तविमूढार्थमागोपालमसंवृते: PramāVār. 3. 99.

अत्यन्तविमोक्ष (atyanta-vimokṣa) *m.* complete or final release or deliverance अक्षपादाभिहितोऽपवर्ग: श्रेयांस्तदत्यन्तविमोक्ष एव NyāyMañ. ii. 81. 30; असावेव चास्य दु:खानामत्यन्तविमोक्षाय यदपवर्गप्रतिष्ठा नाम AmṛUda. 5. 2(2)

अत्यन्तवियोग (atyanta-viyoga) *m.* final separation किं वा तवात्यन्तवियोगमोघे कुर्यामुपेक्षां हतजीवितेऽस्मिन् RaghuVa. 14. 65; तस्मात्पुरुषादत्यन्तवियोग इति यावत् YogaSā. 65. 9 (4)

अत्यन्तविरत (atyanta-virata) *adj.* completely disinterested or indifferent अत्यन्तविरत: …। व्योमवत्तिष्ठ नीराग: YogVā. iv. 46. 15.

अत्यन्तविरल (atyanta-virala) *adj.* very few, scanty अत्यन्तविरला जाता: क्ष्माजा मन्दफला: MahāP. 3. 114.

अत्यन्तविरह (atyanta-viraha) *m.* complete absence or negation स्वाश्रयेऽत्यन्तविरह: सद्विलक्षणता तथा Nyāyāmṛ. 41B. 5 = GuruCandr. i. 109. 17.

अत्यन्तविरुद्ध (atyanta-viruddha) *adj.* completely opposed or contradictory धर्मस्य चात्यन्तविरुद्धमेतत् VarāṅgaC. 19. 9; तदिदं गीताशास्त्रम् … अत्यन्तविरुद्धानेकार्थत्वेन लौकिकै: गृह्यमाणमुपलभ्य … विवरणं करिष्यामि GītāBh.(S'aṅ.) 3. 2 (*on* 1. 0); इत्यत्यन्तविरुद्धं तां ब्रुवाणामसमंजसम् ।…विजया निरकासयत् SkandP. i(3B). 19. 13; अत्र तदिदंशब्दादिना स्मृत्यनुभवयोरत्यन्तविरुद्धविषयतासूचनेनाश्चर्यविभावता योजिता Loc. 159. 18 (*on* 3. 16); संबन्धयोग्यच्छागत्वपरिकल्पनमत्यन्तविरुद्धम् BrahmSūBh.(Rā.) 357. 18 (*on* i. 4. 10); अत्यन्तविरुद्धानि त्वनादेयानि NyāySiA. 193. 24; लोकेऽत्यन्तविरुद्धवचनविरोधाच्च न्यायस्य तत्राप्रवृत्ते: BālamBha. ii. 249. 6 (*on* 2. 139)

अत्यन्तविरुद्धत्व (atyantaviruddha-tva) *n.* the state of being completely contradictory भो: शबर अनर्हं भवता प्रतिपादितं कथमत्यन्तविरुद्धत्वात् S'aṅkaVi.(Ā.) 157. 12.

अत्यन्तविरूपता (atyantavirūpa-tā) *f.* extreme ugliness or deformity अत्यन्तविरूपतया परिचित: PrabaCin. 30. 22.

अत्यन्तविरोध (atyanta-virodha) *m.* complete incompatibility or opposition शुद्ध्यशुद्ध्योरत्यन्तविरोधात् TattvVai. 184. 10 (*on* 4. 3); वीररौद्रयोस्त्वत्यन्तविरोधोऽपि नास्ति Loc. 177. 27 (*on* 3. 26) = Kāvyānu.(He.) 99. 25; 100. 22; अद्वैतभेदयोरत्यन्तविरोधात् PramāMā. 19. 8; एकस्मिन्विषय एकस्य विधिप्रतिषेधयोरत्यन्तविरोधात् Pradī. iii. 192A. 38 (*on* iii. 2. 118); iii. 104B. 33 (*on* iii. 1. 67); अतोऽत्यन्तविरोधे … उभयबाधोऽन्यतरबाधो वावश्यंभावी S'atDū. 129. 17; 220. 1; प्रमातृनिष्ठस्य हि विषयचैतन्यविषयत्वेनात्यन्तविरोध: SiddhāTa. 54. 7; न वा … अत्र विषययोरत्यन्तविरोध: BhāṭṭDī. i. 38. 19 (*on* i. 3. 2)

अत्यन्तविरोधाभाव (atyantavirodhābhāva) *m.* absence of absolute contradiction विकल्पाश्रयणेऽप्यत्यन्तविरोधाभावात् TantrVā. 82. 21 (*on* i. 3. 3); जीवन्निति शक्त्यपेक्षयाप्युपसंहारे तेषामत्यन्तविरोधाभावात् NyāyRaMā. 116. 20.

अत्यन्तविरोधिन् (atyanta-virodhin) *adj.* wholly or completely contradictory, totally opposed इतरद् भोगात्यन्तविरोधि AvantiKa. 39. 9; त्रयीमार्गस्य सिद्धस्य ये ह्यत्यन्तविरोधिन: । अनिराकृत्य तान्सर्वान्धर्मशुद्धिर्न लभ्यते TantrVā. 115. 17 (*on* i. 3. 4); ईदृशो नामायम् … शुक्ल: कर्माशयो यदेकोऽपि सन् … अत्यन्तविरोधिन: कर्माशयान्भूयसोऽप्यपहन्ति TattvVai. 72. 11 (*on* 2. 13)

अत्यन्तविलक्षण (atyanta-vilakṣaṇa) *adj.* [*f.* -ā] **i** of a complete-

ly different or separate nature वाक्येऽत्यन्तविलक्षणे सदृशस्येव संज्ञानमसतोऽर्थस्य मन्यते VākyaP. 2.94; अन्यथा निरुपाख्यवत् सन्तोऽप्यत्यन्तविलक्षणाः प्रकाशेरन् BrahmSi. 97.19; अत्यन्तविलक्षणानां मधुरतिक्तश्वेतपीतादीनामपि परस्पराध्यासदर्शनात् S'vetāUBh. 54.23 (*on* 1.0); न हि मैत्रायणी शाखा काठकस्यात्यन्तविलक्षणा BālaKrī. i. 18.16 (*on* 1.7); तच्चेदमन्यव्यावृत्तिरूपम् ⋯ अत्यन्तविलक्षणानां सालक्षण्यापादनाच्च TātpaṬ(Vā.) 486.7 (*on* ii. 2.65); ĀtmaTaVi. 308.3; जातिः ⋯ नानाव्यक्तिषु स्वयमेकाकारतया ताभ्योऽत्यन्तविलक्षणा ⋯ प्रकाशते TantrRaha. 18.13; अत्यन्तविलक्षणानामपि सर्षपवृक्षसिंहादीनामप्यश्वादिव्यावृत्तिसामान्यात् सजातीयत्वं स्यात् NyāyRa. 586.16 (*on* 5(13).77); 566.9 (*on* 5(13).1); कथं चात्यन्तविलक्षणानि स्वलक्षणान्येकरूपं विज्ञानं जनयन्ति S'āstrDī. 103.16 (*on* i. 1.5); वेद्यभूतादस्मात्क्षेत्रादत्यन्तविलक्षणः ⋯ आत्मा GītāBh.(Rā.) 587.15 (*on* 13.33); उक्तदोषभयादत्यन्तविलक्षणानामेव क्षणानां कार्यकारणभावोऽभ्युपगम्येत PrakaVi. 522.23; यदि द्रव्यादिभ्योऽत्यन्तविलक्षणा सत्ता तदा द्रव्यादीन्यसद्रूपाण्येव स्युः SyādvāMañ. 80.(155); न खलु शिशुवृद्धदेहयोरत्यन्तविलक्षणयोरैक्यप्रत्यभिज्ञा S'ivārkaMaDī. ii. 89.32 (*on* ii. 2.24); अत्यन्तविलक्षणानामेकोपलक्षणं विना एकविधिविधेयत्वायोगात् MīmāKau. i. 44.17 (*on* i. 3.7); **ii** completely opposed to each other, having exactly opposite features न च सदसतोरत्यन्तविलक्षणयोः सारूप्यमस्ति TātpaṬ.(Vā.)84.4 (*on* i. 1.2); भावाभावात्मना ह्यत्यन्तविलक्षणानामपि यदि कथंचित् ⋯ कारणत्वं निर्वोढुं शक्यते NyāyKu. 168.16; किंतु वक्तव्यमत्यन्तविलक्षणेनाचेतनवर्गेण S'ivārkaMaDī. ii. 22.15 (*on* ii. 1.15); **iii** very strange, very unusual कारणभेदादेवात्मभेदमत्यन्तविलक्षणमनुभवन्तोऽध्यक्षत एवावसीयन्ते HetuBiṬ. 82.10; आत्मा यजमान इत्यारभ्य पुरुषसंबन्धिरात्मादिभिर्यज्ञसंपादनमत्यन्तविलक्षणम् BrahmSūBh.(Bhā.) 183.22 (*on* iii. 3.24); न भौतिकं शरीरं नाप्यशरीरस्य यातनाः, किं तर्हि अत्यन्तविलक्षणे ते मानुषशरीरेऽतोन्यान्येतानि मृदुस्निग्धसुकुमारशरीरारम्भकाण्यत्यन्तविलक्षणानि ManuBh. ii. 461.25 (*on* 12.21); ii. 208.24 (*on* 8.324); यदप्यत्यन्तविलक्षणानामित्यादि तदपि सन्दिग्धानैकान्तिकम् ĀtmaTaVi. 347.1; न पुनरत्यन्तविलक्षणं सर्वज्ञत्वम् TarkBhā.(Mo) 25.8; व्यभिचार्यादयस्तु ⋯ न ततोऽत्यन्तविलक्षणाः VyaktiVi. 18.20; यदि द्रव्यादत्यन्तविलक्षणं सत्त्वं तदा द्रव्यमसदेव भवेत् PramāMī. 27.17 (*on* i. 1.32); अथर्ववेदस्तु ⋯ अत्यन्तविलक्षण एव PrasthāBhe. 6.16; उत्कृष्टतमः पुरुषस्तु अन्यः। अत्यन्तविलक्षणः आभ्याम् VīraMi. (Bhakti) 148.6.

अत्यन्तविलक्षणत्व (atyantavilakṣaṇa-tva) *n.* **i** the state of being totally different in nature अभिधेयव्यक्तेस्तत्राभावादत्यन्तविलक्षणत्वाच्च TantrVā. 274.6 (*on* i. 3.26); केवलं वस्तुशून्यं तु तत् (सादृश्यं) शाबलेयबाहुलेययोः स्वरूपेणात्यन्तविलक्षणत्वात् S'arka. 20.22; न चात्यन्तविलक्षणत्वेन शाखान्तरत्वोपपत्तिः BālaKrī. i. 18.15 (*on* 1.7); तदेवमत्यन्तविलक्षणत्वात् ⋯ न ⋯ एकोपनिपातः PañcPā. 62.3 (*on* i. 1.1); अत्यन्तविलक्षणत्वात् ⋯ सुखामृतं तत्सर्वथा प्रार्थनीयम् TattvPradī.(A.) 15.8 (*on* 1.13); न च तदस्ति महदादीनां परस्परमत्यन्तविलक्षणत्वात् PrakaVi. 342.26; भूतलस्य गगनेन सादृश्ये गजानां मेघानां च बिम्बप्रतिबिम्बभाव इत्यत्यन्तविलक्षणत्वात् CitraMī. 37.10; ज्ञानादत्यन्तविलक्षणार्थमपलप्य(v. l. अत्यन्तविलक्षणत्वमालम्ब्य) ज्ञानस्वीकारो न संभवति GuruCandr. i. 117.13; स्वाहाकारदेवताया अग्न्यादेश्चात्यन्तविलक्षणत्वेन गौणसामर्थ्यस्याप्यभावात् MayūMāli. 653.15 (*on* x. 1.7) **ii** the state of being completely opposite न च संविद्विषयावभिन्नौ प्रत्यक्त्वाप्रत्यक्त्वरूपेण अनुवृत्तव्यावृत्तरूपेण चात्यन्तविलक्षणत्वात् VivaPraSaṁ. 92.6; चिदचिद्वस्तुनोरत्यन्तविलक्षणत्वात् BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 22.1–2 (*on* ii. 1.15)

अत्यन्तविलक्षणस्वभाव (atyantavilakṣaṇa-svabhāva) *adj.* completely different in nature वस्तुमात्रं ह्यनुमेयादत्यन्तविलक्षणस्वभावमग्न्यादेरिव धूमादि VyaktiVi. 18.18.

अत्यन्तविलक्षणाकार (atyantavilakṣaṇākāra) *adj.* having totally dissimilar forms लोके च शरीरशब्दः ⋯ कृमिकीट° ⋯ °पशुप्रभृतिषु अत्यन्तविलक्षणाकारेषु द्रव्येष्वगौणः प्रयुज्यमानो दृश्यते BrahmSūBh.(Rā.) 413.1 (*on* ii. 1.9)

अत्यन्तविलक्षणार्थ (atyantavilakṣaṇārtha) *m.* extremely dissimilar object ज्ञानादत्यन्तविलक्षणार्थमपलप्य ज्ञानस्वीकारो न संभवति GuruCandr. i. 117.13.

अत्यन्तविलज्जिता (atyanta-vilajjitā) *adj.* (*f.*) extremely shy or bashful इति प्रियस्य वचनं श्रुत्वात्यन्तविलासिनी (v. l. °विलज्जिता) सहसा निजमास्थाय रूपं भेजे रतोत्सवम् BṛKathāMañ. ix. 1.21.

अत्यन्तविलम्ब (atyanta-vilamba) *m.* excessive delay (स्वामिनः) समागमस्यात्यन्तविलम्बे षष्ठो भागः। अतिविलम्बे तु दशमो भागः (नृपेण आदेयः) SmṛtiCan. iii. 313.4; यदि जातकर्मणः प्रागेव वैश्वानरेष्टिर्निरूप्येत तदा स्तनप्राशनस्यात्यन्तविलम्बात्पुत्रो विपद्येत NyāyMāVi. 252.25 (*on* iv. 3.18)

अत्यन्तविलम्बित (atyanta-vilambita) *adj.* exceedingly prolonged or slowed न कुर्वीत पदं दीर्घं न चात्यन्तविलम्बितम् YājñaS'i. 45; प्रोक्तः प्लुतोऽत्यन्तविलम्बितः (स्थायः) SaṁgiRa. ii. 185.4 (iii. 0.167)

अत्यन्तविलय (atyanta-vilaya) *m.* total dissolution मोक्षे तु चित्तस्यात्यन्तविलयात् संस्कारोऽपि न तिष्ठति YogSūVṛ. *on* 1.18.

अत्यन्तविलासरूप (atyantavilāsa-rūpa) *adj.* possessing extremely graceful form नृत्यन्तमत्यन्तविलासरूपं गोक्षीररूपं तरुणं त्रिनेत्रम् (शिवं समीक्ष्य) PadmP. iv. 104.16.

अत्यन्तविलासिनी (atyanta-vilāsinī) *adj.* (*f.*) given to excessive sportiveness इति प्रियस्य वचनं श्रुत्वात्यन्तविलासिनी। ⋯ भेजे रतोत्सवम् BṛKathāMañ. ix. 1.21.

अत्यन्तविलुप्तदर्शन (atyantavilupta-dars'ana) *adj.* completely disappearing from sight (रतिः) न विवेद तयोरतृप्तयोः (लोचनयोः) प्रियमत्यन्तविलुप्तदर्शनम् KumāSaṁ. 4.2.

अत्यन्तविलोकनीय (atyanta-vilokanīya) *adj.* quite worth beholding नृत्यन्तमत्यन्तविलोकनीयं कृष्णं मणिस्तम्भगतम् KṛṣṇaKa. 2.67; अपास्य वृन्दावनरासलास्यमुपास्यमत्यन्तविलोकनीयम् (कृष्णमुखम्) GopāKeCan. 43.14.

अत्यन्तविवश (atyanta-vivaśa) *adj.* utterly helpless तथापि मम भक्ता ये नात्यन्तविवशाः पुनः S'ivaP. vii(2). 13.59 (569B.13); राज्याभिषेकं संभूय तत्रत्या ब्राह्मणा ददुः। नृपमत्यन्तविवशम् RājTa.(Ka.) 7.1386.

अत्यन्तविविक्त (atyanta-vivikta) *adj.* completely different, quite separate or distinct अत्यन्तविविक्तयोर्धर्मधर्मिणोः मिथ्याज्ञाननिमित्तः ⋯ 'ममेदं' इति लोकव्यवहारः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 2.3 (*on* i. 1.0); अत्यन्तविविक्तः स्वयंज्योतिरात्मा स्वप्ने भवतीत्यभिप्रायः BṛĀraUBh. 552.4 (*on* iv. 3.14); KāṭhUBh. 172.11 (*on* 6.5); प्रत्यगात्मनि खलु अत्यन्तविविक्ते Bhām. 25.3 (*on* i. 1.1); PrakaVi. 5.24; न च जीवब्रह्मैक्यवदात्मदेहैक्यमनुभूयमानमपि वास्तवं भवितुमर्हति। सत्यानृतरूपेण अत्यन्तविविक्तयोः वास्तवैक्यस्यायोगात् VivaPraSaṁ. 17.13; NyāySu.(Ja.) 52B.9 (*on* i. 1.1)

अत्यन्तविविक्तत्व (atyantavivikta-tva) *n.* the state of being totally different, absolute distinctness सर्वं पश्यतोऽध्यवस्यतश्चात्यन्तविविक्तत्वं भावयति TattvPradī.(A.) 42.2 (*on* 1.32); प्रपञ्चादत्यन्तविविक्तत्वेन विषयभूतः NyāySu.(Ja.) 15B.11 (*on* i. 1.1)

अत्यन्तविवृद्धतापा (atyantavivṛddha-tāpā) *adj.* (*f.*) **1** the heat in which (season) has tremendously increased कृशाशयात्यन्तविवृद्धतापया विपाण्डुरीभूतपयोधरश्रिया ⋯ तवारिनारी शरदा विडम्ब्यते Subhāṣi. 2487; **2** whose affliction has greatly increased, Subhāṣi. 2487.

अत्यन्तविवेक (atyanta-viveka) *m.* **A** extreme discrimination अत्यन्तविवेकचित्तचतुराः सन्तः प्रशस्ता जनाः। सेवध्वं चरितं पुराणपुरुषैरासेवितं सर्वतः PadmP.(Ra.) 1.102; **B** total or complete distinctness or separateness तौ चेद्धर्मिणौ अत्यन्तविवेकेन गृह्यमाणावसंभिन्नौ Bhām. 4.16 (*on* i. 1.1); यमलयोरत्यन्तविवेकं पश्यन्तोऽपि मात्रादयः ⋯ न परान्प्रतिपादयितुं क्षमन्ते NyāySu.(Ja.) 491B.6 (*on* iii. 2.1)

अत्यन्तविवेकिन् (atyantavivek-in) *adj.* highly discerning or discriminating धीराः अत्यन्तविवेकिनः युक्तात्मानो नित्यसमाहितस्वभावा सर्वमेव समस्तं शरीरपातकालेऽपि आविशन्ति MuṇḍUBh. 356.11 (*on* iii. 2.5)

अत्यन्तविशद (atyanta-viśada) *adj.* absolutely clear, pure or bright चकासामास ⋯ मुक्तालंकरणैरपि ⋯ अत्यन्तविशदैर्वृषभात्मजः TriṣaS'aPuC. i. 3.15; अत्यन्तविशदं वज्रं तारकाभं कवेः प्रियम् S'ukraNī. 4(2).44.

अत्यन्तविशदता (atyantaviśada-tā) *f.* absolute purity or transparency अत्यन्तविशदतया च सुरभीप्रश्नवेने(? स्रवेणे)व स्नपितैः (मुक्ताफलैः) TilaMañ. 121.13.

अत्यन्तविशदत्व (atyantaviśada-tva) *n.* absolute clarity, purity, or transparency अत्यन्तविशदत्वाद्विमलं सत् ⋯ पारमार्थिकसुखं भण्यते TātpaVṛ. 78.13 (*on* 1.59)

अत्यन्तविशदस्वरूप (atyantaviśada-svarūpa) *adj.* of absolutely clear nature स्वयंप्रकाशतयात्यन्तविशदस्वरूपे च वस्तुनि NyāySiA. 227.2.

अत्यन्तविशाल (atyanta-viśāla) *adj.* exceedingly broad or spacious अत्यन्तविशालेषु कपालेषु चतुर्षु पुरोडाशानां शतेष्ववस्थापितेषु NyāyMāvi. 660.5 (*on* xi. 4.12)

अत्यन्तविशिष्ट (atyanta-viśiṣṭa) *adj.* highly special, very particular स च दुष्प्रापः अत्यन्तविशिष्टकर्मज्ञानसाध्यत्वात् KāṭhUBh. 172.18 (*on* 6.5)

अत्यन्तविशिष्टता (atyantaviśiṣṭa-tā) *f.* very special status अथ यतेरत्यन्तविशिष्टतया श्राद्धनियोग उच्यते CaturCin. iii(1). 416.17.

अत्यन्तविशीर्ण (atyanta-viśīrṇa) *adj.* utterly decayed यच्चात्यन्तविशीर्णमुषितं कीटामयाद्याहतम् ⋯ एतद्धान्यमनुत्तमम् KalyāKā. 4.26.

अत्यन्तविशुद्ध (atyanta-viśuddha) *adj.* absolutely pure (मन्दोदरी) जातात्यन्तविशुद्धधर्मनिरता शुक्लैकवस्त्रावृता PadmP.(Ra.) 78.94; आत्मानमेवात्यन्तविशुद्धं निरन्तरं पश्यतो न घृणानिमित्तमर्थान्तरमस्ति ĪśopBh. 12.5 (*on* 6); KāṭhUBh. 173.5 (*on* 6.6); तदेतत् ··· अत्यन्तविशुद्धप्रज्ञोपाधिसंबन्धेन सर्वज्ञम् AitUBh. 293.2 (*on* 5.3); BṛĀraUBh. 247.9 (*on* ii. 1.19); AupaSūṬ. 21.3; अत्यन्तविशुद्धाध्यवसायेन ··· रसस्य बन्धात् JñānBiPra. 3.27.

अत्यन्तविशुद्धि (atyanta-viśuddhi) *f.* absolute purity नोपलम्भकृदत्यन्तविशुद्धिर्व्याधसंभवः AbhisaAlaṅ. 3.14.

अत्यन्तविशेष (atyanta-viśeṣa) *adj.* having extreme distinctiveness or speciality भावांश्चात्यन्तविशेषान् विनियोजयेदीश्वरे समर्पयेच्च: S'vetāUBh. 223.8 (*on* 6.4); *m* absolute distinction अपहतपाप्मत्वेन च जीवब्रह्मणोरत्यन्तविशेषात् VedāntPāSau. 53.18 (*on* i. 2.8)

अत्यन्तविशेषस्थत्व (atyantaviśeṣastha-tva) *n.* the state of dwelling in a very special condition सर्वान्त्यस्य केवलस्य (पशोः) ··· अत्यन्तविशेषस्थत्वाद्बाधकत्वं भवेत् TantrVā. 1112.26 (*on* iii. 6.42)

अत्यन्तविश्रान्त (atyanta-viśrānta) *adj.* brought to a complete stand-still, completely absent अत्यन्तविश्रान्तमनुष्यसञ्चारतया दुरवतारास्तटप्रदेशाः KundMā. 1.5 (9)

अत्यन्तविश्लेष (atyanta-viśleṣa) *m.* complete separation or detachment जीवप्रदेशकर्मप्रदेशानामत्यन्तविश्लेषो द्रव्यमोक्षः TātpaVṛ. 106.15 (*on* 1.84); मुक्तिः प्राणाक्षदेहादिभिरुपधिभिरत्यन्तविश्लेषरूपा TattvMu. 2.73.

अत्यन्तविश्वसनीयता (atyantaviśvasanīya-tā) *f.* the state of being most trustworthy सकलेष्टदा ··· परदेवतायाः बहुफलप्रदातृत्वेन अत्यन्तविश्वसनीयतया अतिशयप्रतिभानाच्चेत्यर्थः LalitāSaBh. 334.8 (*on* 46)

अत्यन्तविश्वस्तत्व (atyantaviśvasta-tva) *n.* the state of being highly trustworthy वादिप्रतिवादिनोः सत्यसंधत्वेन परस्परमत्यन्तविश्वस्तत्वादियं मदीया भूरियं मदीयेति स्वस्वचित्तानुसंधानपुरःसरं वाङ्मात्रमिभिर्विरचितेत्यर्थः Subodhi. 78.22 (*on* 2.150)

अत्यन्तविश्वास (atyanta-viśvāsa) *m.* too much trust or confidence तदा तौ छद्मना विश्वासमानीतौ (v. l. एवमत्यन्तविश्वासात्संनिहितौ) PañcT. 3.52 (308.7); NalaCam. 4.16; विश्वस्तेऽत्यन्तविश्वासो न कर्तव्यः GaṇeP. i. 3.31.

अत्यन्तविश्वास्य (atyanta-viśvāsya) *adj.* very much worthy of trust राक्षसः ··· नन्दानुरक्तानां प्रकृतीनामत्यन्तविश्वास्यः MudrāRā. 3.24 (72)

अत्यन्तविषघ्नी (atyanta-viṣaghnī) *adj.* (*f.*) very much (capable of) destroying poison, strong antidote for poison सा च भगवतः सोमस्य सर्वासामोषधीनामधिपतेः प्रभावादत्यन्तविषघ्नी ··· बभूव HarṣaC. 332.17.

अत्यन्तविषण्णात्मन् (atyantaviṣaṇṇātman) *adj.* very much depressed in mind ततोऽत्यन्तविषण्णात्मा म्रियमाणस्य पक्षिणः। कर्णजापं ददौ PadmP. (Ra.) 44.111.

अत्यन्तविषम (atyanta-viṣama) *adj.* 1 very difficult or complicated लोकप्रसिद्धानामेव शब्दानामत्यन्तविषमधातुगणोणादिसूत्रादिभिः···यथावस्थितानुवादमात्रमेव क्रियते TantrVā. 209.16 (*on* i. 3.18); तदपि ··· अत्यन्तविषमैश्च भाष्यवार्त्तिकादिभिः विपरीतगौरवाश्रयणादसंबद्धम् MīmāKau. i. 116.18 (*on* i. 3.24); 2i very much uneven पादाश्चात्यन्तविषमा दन्तौ चान्योन्यविषमौ ··· स गजाधमः YuktiKa. 24.18; 2ii very much dissimilar अत्यन्तविषमाकारतया प्रतीयमानेषु चात्मसु ··· पण्डिताः समदर्शिनः GītāBh.(Rā.) 305.7 (*on* 5.18); तत्र तत्रात्यन्तविषमाकारे वर्तमानमात्मानं समानाकारं पश्यति VedāSaṁ. 117.43; 3 very bad or evil अपश्यत् ··· पुत्रान् ··· अत्यन्तविषमोदन्तान् YogVā. v. 45.15.

अत्यन्तविषमीभाव (atyantaviṣamī-bhāva) *m.* extreme wretchedness अत्यन्तविषमीभावं पश्य श्रेणिक कर्मणाम् PadmP.(Ra.) 28.264.

अत्यन्तविषयबाध (atyanta-viṣayabādha) *m.* complete annulment of the object न चात्यन्तविषयबाधोऽपि येन देशान्तरेष्वपि तदभावात् ज्ञानस्य निरालम्बनत्वं स्यात् NyāyKu. 66.10.

अत्यन्तविषयसेवा (atyanta-viṣayasevā) *f.* over-indulgence in sensual pleasures क्लेशानामन्यतमेन समुदाचरताभिभवाद्वात्यन्तविषयसेवया वा विच्छिद्य विच्छिद्य तेन तेनात्मना समुदाचरन्ति TattvVai. 60.20 (*on* 2.4)

अत्यन्तविषयाभिलाषिता (atyantaviṣayābhilāṣi-tā) *f.* the state of having too much desire for sensual pleasures अहो अत्यन्तविषयाभिलाषिता नाम देहभाजामन्धकरणी काचन पिशाचिका RasSa. 83 (1)

अत्यन्तविषयासक्त (atyanta-viṣayāsakta) *adj.* very much attached to sensual pleasures (शत्रुम्) अत्यन्तविषयासक्तं प्रजाद्रव्यापहारकम् ··· पीडयेत् S'ukraNi. 4 (7). 250.

अत्यन्तविषयासक्ति (atyanta-viṣayāsakti) *f.* extreme attachment to sensual pleasures अत्यन्तविषयासक्तिः कार्पण्यम् ··· इत्येतैश्च नराः पापैरुपपातकिनः स्मृताः SkandP. i(2). 41.46; BhaviP. 620A. 11 (iv. 5.29); PadmP. ii. 67.64; S'ivaP. v. 6.2 (412A. 3); जगाद भरतोऽत्यन्तविषयासक्तिनिःस्पृहः PadmP.(Ra.) 83.75; सोऽत्यन्तविषयासक्तिकृतकौटिल्यचेष्टितः MahāP. 5.120.

अत्यन्तविषयासङ्ग (atyanta-viṣayāsaṅga) *m.* great attachment to sensual pleasures अत्यन्तविषयासङ्गो विप्रयोगस्तनूनपात्। दौर्भाग्यं प्रेत्य हेतुभ्य एतेभ्यो ह्रयोऽभवन् PadmP.(Ra.) 20.213; *adj.* very much attached to sensual pleasures अत्यन्तविषयासङ्गो यथा दीक्षासमाश्रितः PadmP.(Ra.) 33.48.

अत्यन्तविषयिन् (atyanta-viṣayin) *adj.* extremely attached to sensual pleasures अहमत्यन्तविषयी मोहितस्तव मायया ViṣṇuP. v. 23.46 = BrahmP. 196.44.

अत्यन्तविषादिन् (atyanta-viṣādin) *adj.* very much depressed महाभागावेतौ सीतासंकथायामत्यन्तविषादिनौ KundaMā. 6.14 (1)

अत्यन्तविसंस्थुल (atyanta-visaṁsthula) *adj.* very much dishevelled अच्छभल्लवदत्यन्तविसंस्थुलशिरोरुहम्···तदालोक्य सद्यो विष्णुश्रियो वपुः TriṣaS'aPuC. iv. 7.31.

अत्यन्तविसजातीयता (atyantavisajātīya-tā) *f.* the state of being of an entirely different nature जीवस्य ··· इत्यादिनात्यन्तविसजातीयतयावगतस्य सर्वज्ञसत्यसंकल्पब्रह्मस्वरूपतानुपपत्तिः सिद्धेवेत्यर्थः VedāntSā.(Rā.) 155.1 (*on* ii. 1.23)

अत्यन्तविसदृश (atyanta-visadṛśa) *adj.* extremely dissimilar, quite different इह तु शब्दार्थयोरत्यन्तविसदृशवपुषोराकारसमारोपकारणानवधारणात्कथमितररूपेणेतरस्यावभासः NyāyMañ. ii. 102.23; अपि चालीकस्य समस्तसामर्थ्यविरहिणः अत्यन्तविसदृशस्य समर्थेन सलक्षणेन विधिरूपेण किं सादृश्यम् TātpaṬ.(Vā.) 488.3 (*on* ii. 2.65); अत्यन्तविसदृशः कैवर्तानामाकारेण दृश्यते TilaMañ. 126.20; तत्र ··· सौमिको विध्यन्तः प्रवर्तेत न यागहोमत्वेन। अत्यन्तविसदृशत्वात् S'āstrDī. 570.19 (*on* viii. 4.2); Kiraṇā. 265.18.

अत्यन्तविस्तर (atyanta-vistara) *adj.* having great expanse निर्गमं देहि देवेश कुक्षेरत्यन्तविस्तरात् GaṇeP. ii. 11.27.

अत्यन्तविस्तीर्ण (atyanta-vistīrṇa) *adj.* of great expanse तं तमत्यन्तविस्तीर्णं नानावस्त्रविभूषितम्। पुनर्वसौ गते चन्द्रे तत्र यायान्नराधिपः ViṣṇuDhaP. ii. 161.3.

अत्यन्तविस्तृति (atyanta-vistṛti) *f.* great expansion ज्वालामालिनिकानित्या द्वारस्यात्यन्तविस्तृतिम्। वितताम BrahmāṇḍP. iii. 29.43.

अत्यन्तविस्फारित (atyanta-visphārita) *adj.* opened very much wide देवस्य ··· प्रस्तूयमाने गुणे श्रुतिकौतुकेन ··· पन्नगपतिर्धत्ते सहस्रं दृशाम् ··· अत्यन्तविस्फारितम् SaduktiKa. 189.20.

अत्यन्तविस्मय (atyanta-vismaya) *m.* graat wonder अत्यन्तविस्मयाविष्टा ववृषुः पुष्पमभ्रगाः BrahmāṇḍP. iii. 26.112; अहो इत्येतस्मिन्नर्थेऽत्यन्तविस्मयख्यापनार्थम् TaiUBh. 297.16 (*on* 3.10); संवादम् ··· श्रुतवान् अस्मि ··· अत्यन्तविस्मयकरम् GītāBh.(S'aṅ.) 569.10 (*on* 18.74); स्मरणानि चात्यन्तविस्मयकराणि पूर्वजाते: TilaMañ. 45.1; UdaySuKa. 111.6.

अत्यन्तविस्मरणशील (atyantavismaraṇa-śīla) *adj.* very much forgetful by nature अत्यन्तविस्मरणशीलस्य ··· भेदप्रमापत्तेः MīmāKau. iii. 166.19 (*on* ii. 2.3)

अत्यन्तविस्मित (atyanta-vismita) *adj.* very much amazed नन्दगोपोऽपि जग्राह बालमत्यन्तविस्मितः ViṣṇuP. v. 6.6 = BrahmP. 184.27; अत्यन्तविस्मिता दैत्यकुमाराः BrahmāṇḍP. iii. 26.100; जनः किमेतदित्याह केनेत्यत्यन्तविस्मितः BrahmP. 207.28; PadmP. iv. 72.34.

अत्यन्तविस्मृत (atyanta-vismṛta) *adj.* totally forgotten अत्यन्तविस्मृतो योऽर्थः ··· येन स प्राज्ञ इति कीर्त्यते PramāVāBh. 83.31; अत्यन्तविस्मृतं विश्वं मोक्ष इत्यभिधीयते YogVā. iii. 21.11; iii. 13.26; NemiNir. 3.27.

अत्यन्तविहीनत्व (atyantavihīna-tva) *n.* the state of being completely devoid of न च तेषां क्षान्तिसहभुवां त्यागात्। अनार्यत्वप्रसङ्गः। तदलाभस्यात्यन्तं हतत्वात्। तस्यालाभस्यात्यन्तविहीनत्वात् Sphuṭā. 74.26 (*on* 2.40)

अत्यन्तविह्वल (atyanta-vihvala) *adj.* [*f.* -ā] very much distressed or afflicted वानराङ्कबलं भङ्गं निन्युरत्यन्तविह्वलम् PadmP.(Ra.) 70.63; 118.61; ततो भृगुः ··· प्राह भूपतिम्। अत्यन्तविह्वलो दुःखं वीक्ष्य तत्पूर्वकर्मजम् GaṇeP. i. 9.1; रतिरत्यन्तविह्वला। विललाप S'ivaP. ii(3). 19.21 (144A. 2)

अत्यन्तवीर्य (atyanta-vīrya) *n.* great strength or virility कान्तिं गात्राणां स्थैर्यमत्यन्तवीर्यं मर्त्यः प्राप्नोति स्त्रीषु नित्यं जितात्मा KalyāKā. 6.21; *adj.* very strong रोगान्सर्वान्हन्तुमत्यन्तवीर्यान् योगान्वक्ष्यामि KalyāKā. 6.41.

अत्यन्तवृत्त (atyanta-vṛtta) *adj.* quite past स्वरूपाविर्भावविवक्षायामपि नियोगविशेषादत्यन्तवृत्ते प्रतिबन्धे स्वरूपमात्राधीनस्य स्वरूपाविर्भावस्य ··· अनिवर्त्यत्वमुपपद्यते SatDū. 59.8.

अत्यन्तवृद्ध (atyanta-vṛddha) *adj.* [*f.* -ā] **A** extremely old क्वचिदवलम्बितवेत्रयष्टयोऽत्यन्तवृद्धाः … प्रत्यदृश्यन्त दारुणा दावाग्नयः HarṣaC. 82. 5; अलं प्रव्रज्यया … इयमत्यन्तवृद्धानां पूज्यते न तु नैष्ठिकी PadmP.(Ra.) 122. 44; अत्यन्तबालमत्यन्तवृद्धं प्राप्तयोगप्रकर्षणं च वर्जयित्वा ManuBh. i. 186. 15 (*on* 2. 214); VīraMi.(Saṁskāra.) 470. 3; **B** greatly increased, HarṣaC. 82. 5; उत्तमाङ्गे गृहीतश्च शिरोत्यर्तियन्तवृद्धया KathāSaSāg. xiii. 1. 109.

अत्यन्तवृद्धि (atyanta-vṛddhi) *f.* **i** abundant growth ये वा समानजातीयपर्वबीजप्रवृत्तयः । तेऽत्यन्तवृद्धिधर्माणः संस्कारोत्कर्षभेदतः TattvSaṁ. 3414;

अत्यन्तवैषम्य (atyanta-vaiṣamya) *n.* great difference नेदं रजतमिति ज्ञानोदया इदं रजतमिति धीः प्रतिबध्नातु इति चेन्न; सत्तया ज्ञायमानतया च ज्ञापकयोरत्यन्तवैषम्यात् S'rutaPra. i. 196. 14 (*on* i. 1. 1)

अत्यन्तवैसादृश्य (atyanta-vaisādṛśya) *n.* total dissimilarity अत्यन्तवैसादृश्यरहितकतिपयाध्यासः एकाधिष्ठाने दृष्टः, यथा सर्पभूदलनाम्बुधाराद्यध्यासो रज्जुमात्रे S'rutaPra. iA. 80. 11 (*on* i. 1. 1); कर्मान्तरविधानामवश्यंभावे तेषामदृष्टार्थत्वान्न त्रित्ववत्त्वमात्रेणानूयाजकार्यापन्नत्वं, यागहोमयोरत्यन्तवैसादृश्याच्च Bhāṭṭ-Dī. iii. 277. 19 (*on* x. 4. 5)

ज्ञानानां प्रमातरि भ्रमजनकत्वानुपपत्तेश्च तेषां प्रमातृनिष्ठतैव SiddhāTa. 54. 14; संनिहितपरामर्शसंभवेऽत्यन्तव्यवहितपरामर्शानौचित्याच्च S'ivārkaMaDī. 380. 33 (*on* i. 2. 22); अन्नक्रियायां पाकस्यैवाव्यवहितत्वात्करणत्वम् … न त्वत्यन्तव्यवहितस्य शूर्पस्य MayūMāli. 14. 18 (*on* i. 2. 3)

अत्यन्तव्याकुल (atyanta-vyākula) *adj.* [*f.* –ā] greatly afflicted, extremely agitated अत्यन्तव्याकुल(? लं)प्राय: कन्यादु:खं मनस्विनाम् PadmP. (Ra.) 15. 23; शुचिष्मत्यपि दु:खार्ता रुरोदातीव दु:सहम् । आर्तस्वरेण हारावैरत्यन्तव्याकुलेन्द्रिया SkandP. iv. 11. 81; किं न पश्यसि चार्वङ्गीमत्यन्तव्याकुलामिव PadmP. iv. 71. 75.

अत्यन्तव्याधिपीडित (atyanta-vyādhipīḍita) *adj.* extremely afflicted with a disease तृषा परमया ग्रस्तो महासर इवागमत् । महौषधमिव प्रापदत्यन्तव्याधिपीडित: PadmP.(Ra.) 118. 98.

अत्यन्तव्यापार (atyanta-vyāpāra) *m.* excessive use दक्षिणस्य प्रायशोऽत्यन्तव्यापारादेषां भङ्गोऽपि स्यात् JayaMa. 117. 25 (*on* 2. 4)

अत्यन्तव्यापारनिषेध (atyanta-vyāpāraniṣedha) *m.* complete denial of the functioning तदानीं वाक्चक्षुरादिकर्मज्ञानेन्द्रियाणां नात्यन्तव्यापारनिषेध: S'rutaPra. ii. 104. 24 (*on* i. 4. 1)

अत्यन्तव्यावर्तकत्व (atyantavyāvartaka-tva) *n.* the state of being completely distinctive तद्भावे द्रव्यगुणकर्मवदत्यन्तव्यावर्तकत्वस्वरूपहानिप्रसङ्गात् NyāySu.(Ja.) 373B. 6 (*on* ii. 2. 6)

अत्यन्तव्यावर्तमान (atyanta-vyāvartamāna) *adj.* being completely excluded इन्द्रियत्वादय: शरीरे दृश्यमाना: संप्रतिपन्नाचैतन्याद् घटादेरत्यन्तव्यावर्तमाना: शरीरमेव चेतनमवगमयन्ति ĀtmaSi. 7. 13.

अत्यन्तव्यावृतास्या (atyantavyāvṛtāsyā) *adj.* (*f.*) having an excessively open mouth अत्यन्तव्यावृतास्या च तीक्ष्णशीला सरित्प्रिया (शाकुनसत्त्वा स्त्री) NāṭyaS'ā. 22. 112.

अत्यन्तव्यावृत्त (atyanta-vyāvṛtta) *adj.* absolutely different अत्यन्तव्यावृत्तानां पिण्डानां यत: कारणादन्योन्यस्वरूपानुगम: प्रतीयते तत्सामान्यम् NyāyKa. 11. 19; SyādvāMañ. 8 (12); प्रपञ्चादत्यन्तव्यावृत्तं ब्रह्मैवाशेषवेदप्रतिपाद्यम् NyāySu.(Ja.) 25A. 1 (*on* i. 1. 1); 358A. 1 (*on* ii. 2. 6)

अत्यन्तव्यावृत्तत्व (atyantavyāvṛtta-tva) *n.* the state of being absolutely different वैलक्षण्ये परमोत्कृष्टत्वेऽत्यन्तव्यावृत्तत्वे च यो युक्त्यादिविरोध: स एवात्र … निरस्यते NyāySu.(Ja.) 306A. 7 (*on* ii. 1. 8)

अत्यन्तव्यावृत्तबुद्धि (atyantavyāvṛtta-buddhi) *f.* knowledge as being absolutely different अनेकव्यक्तिवृत्तित्वे च कथमत्यन्तव्यावृत्तबुद्धिहेतव: गुणा अपि भवन्त: सामान्यवन्त: स्यु: Kiraṇā. 25. 9; अत्यन्तव्यावृत्तबुद्धिहेतव: अन्त्या: विशेषा: इति न युक्तम् TarkSaṁ.(Ā.) 123. 25; 124. 6; 124. 9; अस्ति तत्र … अत्यन्तव्यावृ(त्ति)त्तबुद्धिं प्रति कारणत्वावधारणम् NyāySu.(Ja.) 373B. 7 (*on* ii. 2. 6); नित्याश्रया अत्यन्तव्यावृत्तबुद्धिहेतवोऽनन्ता अन्त्या विशेषा: SarvaMaSaṁ. 24. 1.

अत्यन्तव्यावृत्ति (atyanta-vyāvṛtti) *f.* absolute difference or exclusion नित्यद्रव्यवृत्तयोऽन्त्या विशेषा: । ते खल्वत्यन्तव्यावृत्तिहेतुत्वाद्विशेषा एव PadārthSaṁ. 13. 20; 321. 15; अत्यन्तव्यावृत्तिबुद्धिहेतुर्विशेष: NyāyKa. 15. 18; 20. 9; 324. 10; तथापि अत्यन्तव्यावृत्त(? त्ति)बुद्धिहेतुत्वं व्याहन्येत Kiraṇā. 25. 10; विशेषेषु नि:सामान्यलक्षणांशव्याघातात् न सत्त्वं इति चेत् न … अत्यन्तव्यावृत्तिधीहेतुत्वेनैव लक्षणसंभवात् TarkSaṁ.(Ā.) 8. 26; तथा विशेषा नित्यद्रव्यवृत्तयोऽन्त्या अत्यन्तव्यावृत्तिहेतवस्ते द्रव्यादिवैलक्षण्यात् पदार्थान्तरम् SyādvāMañ. 8 (38); नित्येष्वेव द्रव्येष्वेव वर्तन्ते एव ये ते (अन्त्य)विशेषा: । अत्यन्तव्यावृत्तिहेतवो वा NyāySu.(Ja.) 337B. 2 (*on* ii. 2. 6); 337B. 8 (*on* ii. 2. 6); 358A. 1 (*on* ii. 2. 6); 374B. 8 (*on* ii. 2. 6); ननु पृथक्त्वस्य सर्वद्रव्यसाधारणतया नित्यद्रव्येषु ततो नात्यन्तव्यावृत्तिसिद्धि: इति चेत् मैवम् TantrRaha. 19. 22.

अत्यन्तव्यावृत्त्यभाव (atyantavyāvṛtty-abhāva) *m.* absence of absolute difference तेषामत्यन्तव्यावृत्त्यभावे संकर: स्यात् इति चेत्, न TarkSaṁ. (Ā.) 124. 10.

अत्यन्तव्रतधारिन् (atyanta-vratadhārin) *adj.* who observes the vow very rigorously तेषामत्यन्तव्रतधारिणां मुक्तिरेव फलम् BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 413. 6 (*on* iii. 4. 48)

अत्यन्तशक्त (atyanta-śakta) *adj.* extremely efficient वयमिह न समर्था यूयमत्यन्तशक्ता: SaṁkṣeS'ā. 2. 235 (ii. 137. 18); कर्णधारेषु अनासन्नवर्तिष्वपरयानपात्रेषु यानमत्यन्तशक्तेशमिति मन्यमानस्य मे मनाङ्मन्दायते चित्तम् TilaMañ. 143. 6.

अत्यन्तशंकरी (atyanta-śaṅkarī) *f.* name of Dākṣāyaṇī (*lit.* extremely benevolent) [PW]

अत्यन्तशत्रु (atyanta-śatru) *m.* bitter enemy अत्यन्तशत्रुरस्माकं येन दु:शासन: शरै: । क्षिप्रं ह्यभिमुख: संख्ये विसंज्ञो विमुखीकृत: MahāBhā. vii. 49. 6.

अत्यन्तशब्द (atyanta-śabda) *m.* **1** the expression *atyanta* (absolute) अत्यन्तशब्दव्यावर्त्यं कापिलमतम् S'rutaPra. ii. 293. 27 (*on* ii. 2. 16); **2** very loud sound, thunder स्तनि: स्यात् कुन्थनेऽभिनिरुत्तर: । सोऽत्यन्तशब्दे KalpaK. 246. 103.

अत्यन्तशब्दगम्य (atyanta-śabdagamya) *adj.* absolutely knowable from verbal testimony यस्तु अत्यन्तशब्दगम्योऽर्थ: तत्र वाक्यस्याभावे तदर्थप्रतिपादकस्य न शक्यं कल्पयितुं विषदध्यादिसाधर्म्यम् BṛĀraUBh. 394. 2 (*on* iii. 3. 1)

अत्यन्तशब्दवृत्तज्ञ (atyanta-śabdavṛttajña) *adj.* who is very well conversant with the meaning of utterances यथात्यन्तशब्दवृत्तज्ञो यो न भवति तस्य पदार्थवाक्यक्रम: Loc. 32. 12 (*on* 1. 10)

अत्यन्तशम (atyanta-śama) m. complete peace (of the self) पुमांल्लभेतानतिवेलमात्मन: प्रसीदतोऽत्यन्तशमं स्वत: स्वयम् BhāgP. iv. 21. 40.

अत्यन्तशमन (atyanta-śamana) *n.* complete pacification अत्यन्तशमनान्न पृग(? थ)ग्जन: परमार्थश्रमण: AbhidhKoBh. 369. 10 (*on* 6. 51)

अत्यन्तशरक्षत (atyanta-śarakṣata) *adj.* exceedingly wounded with arrows आत्मानमत्यन्तसुर(? शर)क्षताङ्गम् । समीक्ष्य VarāṅgaC. 18. 100.

अत्यन्तशरीरसौख्य (atyanta-śarīrasaukhya) *n.* excessive bodily pleasure रत्नत्रयीं रक्षति येन जीवो विरज्यतेऽत्यन्तशरीरसौख्यात् SubhāRaSaṁ. 181.

अत्यन्तशस् (atyanta-śas) *adv.* excessively, extremely न समवायेऽभिवादनमत्यन्तश: BaudhDS. i. 2. 33 (comm. अत्यन्तशस्समवायेऽत्यन्तसमीपे स्थित्वेत्यर्थ:)

अत्यन्तशस्त (atyanta-śasta) *adj.* very much praiseworthy द्वि: स्विन्नमन्नं पृथुकं शुद्धं देशविशेषके । नात्यन्तशस्तं विप्राणां भक्षणे न निवेदने BrahmVaiP. i. 27. 18.

अत्यन्तशान्त (atyanta-śānta) *adj.* very peaceful विष्णु: समुद्यतगदायुतरौद्रपाणि: शम्भु: … कपालमाली । अत्यन्तशान्तचरितातिशयस्तु वीर: कं पूजयाम उपशान्तमनन्तरूपम् PurāPraSaṁ. 104. 18.

अत्यन्तशान्तत्व (atyantaśānta-tva) *n.* absolute peacefulness हा नाथ प्रिय धर्मज्ञ दाक्षिण्यामृतसागर । हा धिगत्यन्तशान्तत्वं नैव काङ्क्षेत चेदृशम् BrahmāṇḍP. ii. 30. 10.

अत्यन्तशान्तिद (atyantaśānti-da) *adj.* causing absolute peace (of mind) तदाचरध्वमत्यन्तशान्तिदं मोक्षदं नृणाम् S'aṅkaVi.(Ā.) 106. 10.

अत्यन्तशास्त्रगम्या (atyanta-śāstragamyā) *adj.* (*f.*) knowable only from the Vedic authority सा (इतिकर्तव्यता) च प्रत्यक्षादीनामनुग्राहकदर्शनशक्त्यभावाद् अत्यन्तशास्त्रगम्या TantrVā. 356. 3 (*on* ii. 1. 1)

अत्यन्तशास्त्राधीनत्व (atyantaśāstrādhīna-tva) *adj.* absolute dependence on the sacred books पूर्णाहुत्यादिषु त्वत्यन्तशास्त्राधीनत्वात् … किंमूला विशेषकल्पना TantrVā. 32. 21 (*on* i. 2. 17)

अत्यन्तशिथिलत्व (atyantaśithila-tva) *n.* extreme feebleness उक्तन्यायस्य अत्यन्तशिथिलत्वाद् वाक्यमात्रं त्वया दृष्टान्तीकृतम् GuruCandr. i. 282. 16.

अत्यन्तशिव (atyanta-śiva) *adj.* extremely auspicious प्राप्नोति चात्यन्तशिवं पदं तत् Saund. 16. 37.

अत्यन्तशिशिर (atyanta-śiśira) *adj.* very cold इन्दुमयसालमीडे …। अत्यन्तशिशिरमारुतमनयोर्मध्यं च चन्द्रिकोद्गारम् LalitāStaRa. 101.

अत्यन्तशिशु (atyanta-śiśu) *m.* very young child स्तनंधयोऽत्यन्तशिशु: स्तनादिव (अपकृष्ट:) … उत्सहते न वर्तितुम् MudrāRā. 4. 14.

अत्यन्तशिशुक (atyantaśiśu-ka) *m.* very young child अत्यन्तशिशुक: सवित्रीं प्राप्तस्त्वामहमिह विदध्या: समुचितम् RasGaṅ. 607. 12.

अत्यन्तशिष्टता (atyantaśiṣṭa-tā) *f.* the state of being very much disciplined अत्यन्तशिष्टतया व्यपदेश्येन विदुषा कर्मैव कर्तव्यम् GītāBh.(Rā.) 200. 1 (*on* 3. 24)

अत्यन्तशिष्यगुणवत् (atyantaśiṣyaguṇa-va(n)t) *adj.* possessing the high virtues of a disciple कथमत्यन्तशिष्यगुणवतेऽर्थिने ते तुभ्यं न अवक्ष्यम् PraśnaUBh. 290. 16 (*on* 6. 1)

अत्यन्तशीत (atyanta-śīta) *adj.* very cool व्यपगतरसगन्धस्वच्छमत्यन्तशीतं लघुतममतिमेध्यं पेयमेतद्धि तोयम् KalyāKā. 5. 8; 6. 60.

अत्यन्तशीतल (atyānta-śītala) *adj.* [*f.* –ā] **1** very soothing, very pleasant इति देवस्य वचनमाकर्ण्यात्यन्तशीतलम् । प्रणम्य प्रार्थितवती प्रोवाच च तमम्बिका SkandP. i(3A). 12. 44; स्यन्दमानं सदास्तु मे । भवत्पादाम्बुजस्पर्शामृतमत्यन्तशीतलम् Stotrā. 5. 11; अत्यन्तशीतलमतन्द्रयतु क्षणार्धम् … अक्षिप्ररोहमचिरान्मयि कामकोटि MūkaPañ. 1. 24; 1. 64; 1. 100; **2** very cool अत्यन्तशीतलाभोगं प्रभेदमिव हिमस्य (तडागमद्राक्षीत् राजा) UdaySuKa. 129. 4; यां

रसवतीम् ··· प्रसुरभ्यवहरति तां प्राक्पुण्यरूपां जन्मान्तरिततयात्यन्तशीतलां मन्ये PrabaCin. 99. 13; यथा वा विलीनं घृतमत्यन्तशीतलप्रदेशे चिरमवस्थापितं सुघनीभवति तथा वासना द्रष्टव्या JīvanVi. 50. 11; अनलः।··· न ददाह हरेः पुच्छं बभूवात्यन्तशीतलः AdhyāRā. v. 4. 46.

अत्यन्तशीतलता (atyantaśītala–tā) *f.* extreme coolness इतस्समागच्छतोऽस्य वायोरत्यन्तशीतलतया प्रतिहतमिव भाति UdaySuKa. 64. 22; अत्यन्तशीतलतया सुभगस्वभाव सत्यं न कश्चिदपि ते तरुरस्ति तुल्यः Subhāṣi. 807.

अत्यन्तशीतोपद्रव (atyanta–śītopadrava) *m.* extreme trouble due to cold कथं भवता निशाशेषेऽत्यन्तशीतोपद्रवः सोढः PrabaCin. 29. 5.

अत्यन्तशीलाढ्या (atyanta–śīlāḍhyā) *adj.* (*f.*) richly endowed with good conduct सेयमत्यन्तशीलाढ्या जिनधर्मपरायणा। कुटीरे दुर्विधस्यास्ते भ्रमता या त्वयेक्षिता PadmP.(Ra.) 48. 54.

अत्यन्तशीलित (atyanta–śīlita) *adj.* very much practised विषयशब्दो बह्वर्थः ··· क्वचिदत्यन्तशीलिते ज्ञेये। देवदत्तस्य विषयोऽनुवाक इति KāśiVṛ. *on* iv. 2. 52; अत्यन्तशीलित इति। अत्यन्ताभ्यस्त इत्यर्थः Nyās. i. 946. 6 (*on* iv. 2. 52); PadMañ. on KāśiVṛ. *on* iv. 2. 52.

अत्यन्तशुचि (ayanta–śuci) *adj.* **i** very pure अत्रान्तरे मुनिः पूर्वमत्यन्तशुचिरागमत् PadmP.(Ra.) 122. 65; **ii** very clean शिष्याः ··· अत्यन्तशुचिस्थले गर्त्तं कृत्वा ··· समाधिं चक्रुः S'aṅkaVi.(Ā.) 280. 9; *f.* great purity अत्यन्तशुचिसंयुक्ता ··· प्राप्य गर्भं च प्रयता दितिः RāmāMañ. 24. 13.

अत्यन्तशुद्ध (atyanta–śuddha) *adj.* [*f.* –ā] **i** very clear or discerning (intellect) तेनास्मिन् विरलक्रमव्यपगमादत्यन्तशुद्धां धियं धन्यानां विदधातु मुद्धतधियां धीः संविदे धीयते PramāVāBh. 3. 5; **ii** very clear (free from obscuring objects) नभः ··· अत्यन्तशुद्धं गम्भीरं प्रसन्नमपि सज्जनात् YogVā. iii. 24. 3; **iii** absolutely pure (free from all adjuncts or qualities) अत्यन्तशुद्धे सन्मात्रे परिणामनिरामयम्। तुर्यातीतं पदं तत् स्यात् तत्स्थो भूयो न शोचति YogVā. iii. 67. 26; S'ārṅgaPa. 4491.

अत्यन्तशुद्धचित्त (atyantaśuddha–citta) *adj.* having a very pure mind अत्यन्तशुद्धचित्तास्ते रविचन्द्रसमप्रभाः PadmP.(Ra.) 4. 58.

अत्यन्तशुद्धता (atyantaśuddha–tā) *f.* extreme purity (of mind) दशग्रीवस्तु भावस्य दधानोऽत्यन्तशुद्धताम्। महावीर्यो(ऽ)दधत् स्थैर्यं मन्दरस्य महारुचिः PadmP.(Ra.) 7. 310.

अत्यन्तशुद्धपक्ष (atyantaśuddha–pakṣa) *adj.* **i** representing a very pure (valid) doctrine अत्यन्तशुद्धपक्षाणां स्वहंसानामिवान्तरम्। यत्पूर्वजन्मपुण्यानामज्ञासीत् केवलं विधिः PṛthviVi. 5. 115 (comm. अत्यन्तं शुद्धः पक्षः सिद्धान्तो येषाम्); **ii** having very white wings or feathers PṛthviVi. 5. 115 (comm. हंसपक्षे पक्षाः पतत्राणि)

अत्यन्तशुद्धमानस (atyantaśuddha–mānasa) *adj.* very pure in mind तौ युवामागतौ नाकान्मां प्रबोधयितुं सुरौ। ··· अत्यन्तशुद्धमानसौ PadmP.(Ra.) 118. 122.

अत्यन्तशुद्धहृदय (atyantaśuddha–hṛdaya) *adj.* very pure or noble in heart or mind लज्जां गुणौघजननीम् ··· अत्यन्तशुद्धहृदया अनुवर्तमानाः। तेजस्विनः सुखमसूनपि संत्यजन्ति S'atTrayi. 318 = KumāPraPra. 56. 20.

अत्यन्तशुद्धाकृति (ātyantaśuddhākṛti) *adj.* having a very pure form विभो ··· अत्यन्तशुद्धाकृते ··· सर्वामयात् पाहि माम् Nāräy. vii. 25. 10.

अत्यन्तशुद्धि (atyanta–śuddhi) *f.* excessive purity (of the mind) अनाशकं चानशनम् ··· मृत्यन्तं वा सनियमं तदप्यत्यन्तशुद्धिकृत् BṛĀraUBhVā. iv. 4. 1058; *adj.* most perfect or holy, completely free from defects अत्यन्तशुद्धया सूक्त्या प्रवर्तितचेतसं तामग्रतः कृत्वा ··· निर्जगाम ··· श्मशानात् UdaySuKa. 92. 8.

अत्यन्तशुश्रूषु (atyanta–śuśrūṣu) *adj.* loyally serving or attending upon (दायभागे) अर्धग्रहणं तृतीयांशग्रहणं च अत्यन्तशुश्रूषोः शूद्रस्य द्रष्टव्यम् VyavaNi. 430. 5.

अत्यन्तशुष्क (atyanta–śuṣka) *adj.* completely dried up अत्यन्तशुष्कं यद् द्रव्यं सुपिष्टं वस्त्रगालितम्। तत् स्याच्चूर्णम् S'ārṅgaS. ii. 6. 1.

अत्यन्तशून्य (atyanta–śūnya) *n.* absolute void ज्ञानादत्यन्तशून्यं स्यात् S'ivS. 1. 59; *adj.* completely void or vacant येनात्यन्तशून्याः सर्वधर्मा दृष्टास्तेन मार्गो भावितः PrasaPa. 298. 8; जनाः ··· विवर्णदेहाः खेदेन ··· अत्यन्तशून्यमनसः Tr.ṣaS'aPuC. ii. 6. 158.

अत्यन्तशून्यता (atyanta–śūnyatā) *f.* Void of an endless (vow) (one kind of *śūnyatā*), absolute Void सर्वाकारं सर्वकालं च मया सर्वसत्वहितं कर्तव्यमिति तच्छून्यतात्यन्तशून्यता MadhyāViSūṬ. 45. 15; अन्तस्यान्तेन शून्यत्वात् अतीतान्तत्वेनात्यन्तशून्यता AbhisaAlaṅĀ. 90. 18; MahāVyu. 37. 9.

अत्यन्तशूर (atyanta–śūra) *adj.* very brave or valient यदाश्रौषं भीष्ममत्यन्तशूरं हतं पार्थेन ··· तदा नाशंसे विजयाय संजय MahāBhā. i. 1. 126; i. 1. 146; नृपतिः ··· अत्यन्तशूरो हृत्पद्मं विदार्य प्रददौ निजम् BṛKathāMañ. ix. 1. 121.

अत्यन्तशेषता (atyantaśeṣa–tā) *f.* absolute subservience ननु चात्यन्तशेषतैवात्मनोऽनवधिकातिशयसुखमित्युक्तं भवति VedāSaṁ. 171. 10.

अत्यन्तशेषत्व (atyantaśeṣa–tva) *n.* the state of being of absolutely (a mere) auxiliary character or absolute secondariness यागफलयोरेकान्तेनैव शेषित्वात् पुरुषस्य चात्यन्तशेषत्वात् TantrVā. 673. 20 (*on* iii. 1. 6)

अत्यन्तशोक (atyanta–śoka) *m.* extreme grief अलमत्यन्तशोकावेगेन VeṇīSaṁ. 3. 138; न हि ··· विबुधलोकानामन्तरत्यन्तशोकातङ्कशंसिनो हृदयायासाः TilaMañ. 41. 20; अत्यन्तशोकावेशेऽभिनयादिशून्यत्वेन यत्रास्ते AbhinBhā. iii. 69. 11 (*on* 19. 125); अत्यन्तशोकातुरो नृपः PārśvC. 6. 1066; अजातमृतमूर्खेभ्यः ··· मूर्खस्त्वत्यन्तशोकदः Subhāṣi. 2728.

अत्यन्तशोकिन् (atyanta–śokin) *adj.* extremely grieved, full of sorrow अत्यन्तशोकिनां स्थूला निपेतुर्बाष्पबिन्दवः PadmP.(Ra.) 104. 92.

अत्यन्तशोण (atyanta–śoṇa) *adj.* deep red अत्यन्तशोणे ··· मनःषट्पदो मे ··· सदा मोदतां स्कन्द ते पादपद्मे Subrahma. 9.

अत्यन्तशोणता (atyantaśoṇa–tā) *f.* deep redness (तिग्मांशुः) मणीनां किरणैश्छन्नो जगामात्यन्तशोणताम् PadmP.(Ra.) 2. 201.

अत्यन्तशोणित (atyanta–śoṇita) *adj.* deep red अत्यन्तशोणितं स्निग्धं मसृणं स्वर्णगैरिकम् DhanvNi. 128. 22 = RasRaSa. 3. 47; *n.* red ochre, Nighaṇṭuprakāśa [in pw]

अत्यन्तशोभन (atyanta–śobhana) *adj.* very pleasant or auspicious ततो वसन्तमाला तद् गेयमत्यन्तशोभनम्। प्रशशंस PadmP.(Ra.) 17. 283; यत् ते तव रूपं कल्याणतमम् अत्यन्तशोभनम् ĪśopBh. 19. 15 (*on* 16); नारदोऽपि ततो देवैः पुष्पैरत्यन्तशोभनैः। ···मनुष्यैरपि पूजितः BṛKathāK. 76. 152; अत्यन्तशोभनं विद्याज्जृम्भणं च पुरः शुनाम् ĪśānS'iPa. i. 39. 76; NānārthSaṁ. 92. 28.

अत्यन्तशोभा (atyanta–śobhā) *f.* great splendour or beauty शुशुभे पाण्डवं सैन्यम् ··· यथा कुबेरो लङ्कायां पुरा चात्यन्तशोभया MahāBhā. ii. App. 1. 37. 22; सुषमात्यन्तशोभायाम् MediK. 119. 57 = S'abdaRaSaK. 230. 8.

अत्यन्तशोभावत् (atyantaśobhā–va(n)t) *adj.* most brilliant (पद्मरागः) घृष्टो योऽत्यन्तशोभावान् गरिमानं न मुञ्चति YuktiKa. 93. 16.

अत्यन्तशोभिता (atyanta–śobhitā) *adj.* (*f.*) exquisitely adorned स तां ददर्श कदलीगर्भां प्रावृतवल्कलाम्। मुनिकन्योचितेनात्र वेषेणात्यन्तशोभिताम् KathāSaSāg. vi. 6. 106.

अत्यन्तश्रद्धा (atyanta–śraddhā) *f.* strong faith प्रमाणेनोपपादितेऽत्यन्तश्रद्धोत्पादनाय परमर्षिपूर्वकत्वमाह SāṁkhyaTaKau. 503. 1 (*on* 69); अत्यन्तश्रद्धया सार्धं शृणु पर्वतपुंगव DevīBhāP. vii. 39. 2; दानशूरश्चात्यन्तश्रद्धाजाड्येनानुष्ठानाय शुद्धप्रदेशं भूमौ न क्वाप्युपलेभे JīvanVi. 55. 16.

अत्यन्तश्रद्धालु (atyanta–śraddhālu) *adj.* having a strong faith, very much believing (अहन्यहनि यच्छ्रद्धं तन्नित्यम्) अहन्यहनीत्येतदत्यन्तश्रद्धालुविषयं सुसमृद्धविषयं वा SmṛtiCan. v. 431. 18.

अत्यन्तश्रम (atyanta–śrama) *m.* great exhaustion अरण्ये तत्र निस्तोये सीतात्यन्तश्रमान्विता PadmP.(Ra.) 35. 3.

अत्यन्तश्रावक (atyanta–śrāvaka) *m.* devoted Jain householder तस्यैव भूपतेः श्रेष्ठी वसुमित्रोऽभवद् धनी। अत्यन्तश्रावको विद्वान् BṛKathāK. 48. 2.

अत्यन्तश्रीमत् (atyantaśrī–ma(n)t) *adj.* excessively rich तत्र श्रीकान्तराजा अत्यन्तश्रीमान् दाता भोक्ता विवेकी KumāPraPra. 51. 10.

अत्यन्तश्रेयोविरोधित्व (atyantaśreyovirodhi–tva) *n.* the state of being totally opposed or contrary to beatitude अत्यन्तश्रेयोविरोधित्वाच्छ्रेयोऽर्थिभिर्मुमुक्षुभिः प्रयत्नेन त्याज्या (आसुरी संपद्) VedāntRaMañ. 4. 10 (141. 16)

अत्यन्तश्रेष्ठतर (atyanta–śreṣṭhatara) *adj.* very much superior असन्मतमत्यन्तश्रेष्ठतरमिति कृत्वा तदेव सर्वैरङ्गीकर्तव्यम् S'aṅkaVi.(Ā.) 273. 1.

अत्यन्तश्रैष्ठ्य (atyanta–śraiṣṭhya) *n.* great superiority (योगिनम्) प्रयत्नेन भोजयेदित्यनेन अत्यन्तश्रैष्ठ्यं योगिन उक्तम् SmṛtiCan. v. 158. 13.

अत्यन्तश्लक्ष्णता (atyantaślakṣṇa–tā) *f.* excessive smoothness or tenderness अत्यन्तपरिणाहित्वादत्यन्तश्लक्ष्णतावशात्। न काचिदुपमारोढुमूरू शक्नोति सुभ्रुवः VyaktiVi. 75. 26.

अत्यन्तश्वास (atyanta–śvāsa) *m.* hard breathing अत्यन्तश्वासतप्तानां प्रतिपानं तु वाजिनाम् AśvaVai. 13. 31.

अत्यन्तसंयुक्तता (atyantasaṁyukta–tā) *f.* the state of being very closely connected आत्माश्रयादेरत्यन्तसंयुक्ततां ज्ञात्वा अनवस्थामात्रग्रहणम् Bhāsk. i. 238. 16 (*on* i. 5. 10)

अत्यन्तसंयोग (atyanta–saṁyoga) *m.* **i** very close connection, un-

interrupted continuity, close association with the whole अत्यन्तसंयोगे च P. ii. 1.29; कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे P. ii. 3.5; अत्यन्तसंयोगे समासस्याविशेषवचनात् …एतत्समासवचनमनर्थकम् । अत्यन्तसंयोग इत्येव सिद्धम् MahāBh. i. 384.15 (*on* ii. 1.29); i. 445.13 (*on* ii. 3.5); i. 446.4 (*on* ii. 3.5); अत्यन्तसंयोगः कृत्स्नसंयोगः KāśiVr. *on* P. ii. 1.29; क्रियागुणद्रव्यैः साकल्येन कालाध्वनोः संबन्धः अत्यन्तसंयोगः KāśiVr. *on* P. ii. 3.5; कालस्य हि कृत्स्नस्य स्वेन संबन्धिना व्याप्तिरत्यन्तसंयोगः Nyās. i. 352.23 (*on* ii. 1.28); i. 402.26 (*on* ii. 3.6); अविच्छेदोऽत्यन्तसंयोगः JaineVyā. 50.36 (*on* i. 3.26) = 65.31 (*on* i. 4.4); अत्यन्तसंयोगे चैषा द्वितीया संध्यामिति ManuBh. i. 127.22 (*on* 2.101); तस्मात्तत्कालमिति अत्यन्तसंयोगे द्वितीया JayaMa. 221.6 (*on* 3.4); सन्ततं यजेतात्यन्तसंयोगात् SaṁkarKāBh. 29.19 (*on* i. 3.17); आश्लेषश्च कालात्यन्तसंयोगे मर्यादायाम् SaraKaṇṭhā.(Gr.) i. 3.62; सर्वैर्ध्रुभिर्योगेऽत्यन्तसंयोगेऽध्वादयो नित्यं ढसंज्ञाः स्युः MugdhaBo. 5.4 (45.20); अब्दमित्यत्यन्तसंयोगे द्वितीया ManvaMu. 56.13 (*on* 2.107); गुणक्रियाद्रव्यैः कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे द्वितीया स्यात् PrakriKau. i. 403.3 (*on* ii. 3.5); कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे तृतीया स्यात् PrakriKau. i. 408.2–3 (*on* ii. 3.6); अह:शेषमित्य(? त्य)न्तसंयोगे द्वितीया VīraMi. 204.6 (*on* 1.113); तां रात्रीम् - अत्यन्तसंयोगे द्वितीयास्मरणात्तस्यां समस्तरात्राविर्त्यर्थः VīraMi. (Saṁskāra.) 950.13; केयमभिव्याप्तिर्यात्यन्तसंयोग उच्यते VyutpaVā. 145.1; अत्यन्तसंयोगे किम् । मासस्य द्विरधीते SiddhāKau. 140B.6 (*on* ii. 3.5); अत्यन्तसंयोगो निरन्तरसंबन्धः LaS'abdeS'e. i. 475.24; ii. 312.3; ii. 315.5; **ii** very close union विप्रलम्भोऽत्यन्तसंयोगो द्वावपि तावत्प्रत्ययौ ManuBh. ii. 104.29 (*on* 8.67)

अत्यन्तसंयोगद्वितीया (atyantasaṁyoga-dvitīyā) *f.* accusative case on the basis of uninterrupted connection or close association अत्यन्तसंयोगद्वितीयया च संततमेव यागः BhāṭṭCan. 77.2 (*on* xv. 1.25)

अत्यन्तसंयोगलक्षणा (atyantasaṁyoga-lakṣaṇā) *adj.* (*f.*) having the characteristic of uninterrupted association अर्धमासमिति अत्यन्तसंयोगलक्षणा द्वितीया SaṅkarKāBh. 29.22 (*on* i. 3.17)

अत्यन्तसंयोगवाचिन् (atyantasaṁyoga-vācin) *adj.* [*f.* -ī] expressive of a very close association वत्सरं सोऽपि तत्समः इति अत्यन्तसंयोगवाचिन्या द्वितीयया दर्शनादन्तरितदिवसगणना कार्या Mitā. 449.9 (*on* 3.261); अत्यन्तसंयोगवाचिद्वितीयया सातत्यानुष्ठापकत्वरूपनिमित्तत्वावगतेः MīmāKau. ii. 41.10 (*on* ii. 3.9); ii. 76.17 (*on* ii. 3.24)

अत्यन्तसंवास (atyanta-saṁvāsa) *m.* perpetual companionship, lasting association नायमत्यन्तसंवासो लभ्यते जातु केनचित् MahāBhā. xii. 28.51; नायमत्यन्तसंवासः कस्यचित् केनचित् सह SkandP. vi. 29.95; Hitopa. 4.76.

अत्यन्तसंविग्न (atyanta-saṁvigna) *adj.* greatly agitated इत्युक्त्वात्यन्तसंविग्नस्तानापृच्छ्य ससंभ्रमः । सिंहासनात्समुत्तस्थौ PadmP.(Ra.) 83.89.

अत्यन्तसंवृत (atyanta-saṁvṛta) *adj.* extremely enclosed or narrow संघातः अत्यन्तसंवृत्त(? त)देशे बहूनामवस्थानम् BālamBha. iii. 122.1 (*on* 3.223)

अत्यन्तसंवेष्टित (atyanta-saṁveṣṭita) *adj.* very closely enveloped or encircled कण्ठे जीर्णलताप्रतानवलयेनात्यन्तसंपीडितः (v. l. अत्यन्तसंवेष्टितः) S'āk. 7.11.

अत्यन्तसंशय (atyanta-saṁśaya) *m.* **A** persistent doubt तथात्यन्तसंशयस्तद्धर्मसातत्योपपत्तेः NyāySū. ii. 1.5; तेन खल्वत्यन्तसंशयः प्रसज्यते NyāyBh. 75.6 (*on* ii. 1.5); अत्यन्तसंशयहेतुत्वमेवाभिधानपक्षेऽपि स्यात् TantrVā. 975.20 (*on* ii. 4.13); पूर्वं वा करणात्पश्चादपि कुर्यादित्यत्यन्तसंशयः TātpaṬ.(Vā.) 358.17 (*on* ii. 1.6); **B** great danger असत्प्रयोजनान्नाथ प्राप्तोऽस्यत्यन्तसंशयम् PadmP.(Ra.) 8.122.

अत्यन्तसंशयप्रसङ्ग (atyantasaṁśaya-prasaṅga) *m.* contingency of having persistent doubt वैधर्म्यादुभयथा वा संशयेऽत्यन्तसंशयप्रसङ्गः NyāySū. v. 1.15.

अत्यन्तसंशान्त (atyanta-saṁśānta) *adj.* quite gentle, very calm क्वचिदत्यन्तसंशान्तवातादेकान्तनिर्ध्वनि YogVā. iii. 24.59.

अत्यन्तसंश्लेष (atyanta-saṁśleṣa) *m.* very close contact अत्यन्तसंश्लेषाभावात् संधिदर्शनप्रसंगादेव पक्वामयोरपि नावयव्यारम्भकत्वम् MayūMāli. 587.14 (*on* ix. 1.7)

अत्यन्तसंसर्ग (atyanta-saṁsarga) *m.* very close contact जानतश्च संवत्सरं यावदत्यन्तसंसर्गे तत्प्रायश्चित्तप्राप्तिः Aparā. 1086.20 (*on* 3.261)

अत्यन्तसंसृष्ट (atyanta-saṁsṛṣṭa) *adj.* [*f.* -ā] **i** entirely mixed up अत्यन्तसंसृष्टाश्च वसास्ताः स्वयाज्यार्थेर्चान्त एव हुता भवन्ति S'ābaBh. 2206.10 (*on* xi. 4.34); **ii** most intimately connected, very closely associated यथैवात्यन्तसंसृष्टस्त्यक्तुमर्थो न शक्यते । तथा शब्दोऽपि संबन्धी प्रविवेक्तुं न शक्यते VākyaP. 2.304; अतोऽत्यन्तसंसृष्टयोरेकत्वभ्रान्त्या सामानाधिकरण्यप्रतीतिः S'āstrDī. 121.11 (*on* i. 1.5)

अत्यन्तसंसृष्टता (atyantasaṁsṛṣṭa-tā) *f.* the state of being very intimately connected or associated स्थूलोऽहं कृशोऽहमित्यादिबुद्धिस्तु शरीरात्मनोरत्यन्तसंसृष्टतया MānaMe. 197.6.

अत्यन्तसंस्तुत (atyanta-saṁstuta) *adj.* very highly praised ऋत्विग्वा यदि वाचार्यः सखा वात्यन्तसंस्तुतः । गृहे वसेदमात्यस्ते यः स्यात्परमपूजितः MahāBhā. xii. 81.23.

अत्यन्तसक्त (atyanta-sakta) *adj.* **i** very much addicted to यः पुनर्दत्तादाने चौर्ये निरतोऽत्यन्तसक्तः … स्थावरेषु … जायते Aparā. 998.7 (*on* 3.135); **ii** absolutely attached to (worldly pleasures) ये तु नात्यन्तसक्ता नाप्यत्यन्तं विरक्तास्त्वयि च धृतरसा भक्तियोगो ह्यमीषाम् Nārāy. xi. 96.4.

अत्यन्तसंकट (atyanta-saṅkaṭa) *adj.* very narrow गर्भवासेऽत्यन्तसंकटे मातुर्जठरे मूत्रपुरीषपूर्णे (वेदनामनुभवतः) Aparā. 967.22 (*on* 3.62)

अत्यन्तसंकर (atyanta-saṅkara) *m.* excessive intermixing चतुर्णां यत्र वर्णानां मैत्रेयात्यन्तसंकरः ।… साधुवृत्तीनामुपघाताय जायते ViṣṇuP. iii. 18.49; [Inst.] with excessive intermixing सद्भूतासद्भूततामायान्तो ये यावन्तः पर्यायास्ते तावन्तस्तात्कालिका इवात्यन्तसंकरेणाप्यवधारितविशेषलक्षणा एकक्षण एवावबोधसौधस्थितिमवतरन्ति TattvPradī.(A.) 50.4 (*on* 1.37)

अत्यन्तसंकीर्ण (atyanta-saṅkīrṇa) *adj.* excessively mixed, very much indistinct किं पुनरतीन्द्रिया मिथो मिश्रीभूता अत्यन्तसंकीर्णाः कालाकाशादयः Kiraṇā. 6.6.

अत्यन्तसंकुचित (atyanta-saṅkucita) *adj.* very much shrunk, extremely limited कृष्णबहुले कर्मणि स्थावरादौ तमोमये ज्ञानमत्यन्तसंकुचितं भवति SiddhāSi. i. 149.5; अत्यन्तसंकुचितज्ञानत्वान्नानुभूयते प्रत्यगात्मतत्त्वम् VedāntRaMañ. 1.2 (20.21)

अत्यन्तसंकुलता (atyantasaṅkula-tā) *f.* extreme disorderliness or perplexity अत्यन्तसंकुलतया न विज्ञातपरस्पराः शक्रयः BrahmāṇḍP. iii. 23.23.

अत्यन्तसंकोच (atyanta-saṅkoca) *m.* extreme contraction or abridgement (hence too limited application) वाक्यस्यात्यन्तसंकोचप्रसङ्गात् S'āstrDī. 316.12 (*on* iii. 7.1); एवं सति वाक्यस्यात्यन्तसंकोचो न भविष्यति NyāyMāVi. 190.22 (*on* iii. 7.1)

अत्यन्तसंक्षिप्त (atyanta-saṅkṣipta) *adj.* (building) very much reduced (in height and expanse) (वेश्म) तदेवात्यन्तसंक्षिप्तमट्टालीति निगद्यते SamarāSū. 18.46.

अत्यन्तसंक्षेप (atyanta-saṅkṣepa) *m.* [Abl.] very concisely, very briefly इत्यादि शास्त्रजातानां लक्षणं भोजभूभुजा । प्रोक्तमत्यन्तसंक्षेपाल्लिखितं मयकात्र तु YuktiKa. 176.2.

अत्यन्तसंगविलय (atyanta-saṅgavilaya) *m.* complete disappearance of attachment (to the world) अत्यन्तसङ्गविलयाय भवत्प्रणुन्नः … तं शंकरं परिहसन्नुमयाभिशेषे Nārāy. vi. 23.9.

अत्यन्तसजातीय (atyanta-sajātīya) *adj.* very similar, belonging to the same category, having the same characteristics (प्रकाशकत्वम्) किमत्यन्तसजातीयमाहो सजातीयमात्रम् TātpaṬ.(Vā.) 372.9 (*on* ii. 1.19); अत्यन्तसजातीयेष्वपि एकजातीयत्वेनाबाधितप्रत्यभिज्ञाने जातेरेव भङ्गप्रसङ्गात् NyāySiA. 207.29.

अत्यन्तसत् (atyanta-sat) *adj.* existing for all the time, absolutely real न तावदत्यन्तसतो गगनस्योत्पादः NyāyKa. 65.1; अत्यन्तसतो जन्मासंभवात् NyāySu.(Ja.) 432A.7 (*on* ii. 3.1); अत्यन्तसतोऽपि गुणादेर्भानं न युक्तम् SāṁkhyaPraBh. 127.19 (*on* 5.53)

अत्यन्तसत्त्व (atyanta-sattva) *n.* absolute existence अनुन्मूलने वा मरणत्रासस्य स्यादत्यन्तसत्त्वम् TattvVai. 66.21 (*on* 2.9); कार्यस्य … सत्त्वमात्रं साध्यमुतात्यन्तसत्त्वम् NyāySu.(Ja.) 319A.12 (*on* ii. 2.1); *adj.* possessing excessive strength अत्यन्तसत्त्वे यदि लग्ननाथे … सद्भागयुग् जीवति दीर्घमायुः JātaPā. 4.71.

अत्यन्तसत्याभिधान (atyantasatyābhidhāna) *n.* statement of absolute truth यथेदमतिदुष्करमत्यन्तसत्याभिधानं तथात्यन्तासत्याभिधानमपि PramāVāSvopVṛ. 117.28.

अत्यन्तसदृश (atyanta-sadṛśa) *adj.* very much similar अत्यन्तसदृशमेव प्रतिनिधेयम् NyāyMāVi. 324.11 (*on* vi. 3.12); न हि त्र्यणुकादिपरिमाणमत्यन्तसदृशम् TattvPrakā. 98A.7 (*on* ii. 2.11); ब्राह्मणेनात्यन्तसदृशौ क्षत्रियवैश्यौ परित्यज्य शूद्र एव वृत्त्ययोगात् S'ivārkaMaDī. i. 484.21 (*on* i. 3.37); ii. 86.6 (*on* ii. 2.21)

अत्यन्तसद्भक्ति (atyanta-sadbhakti) *adj.* having everexisting devo-

tion इत्युक्तेऽत्यन्तसद्भक्तिः प्रणम्य चरणौ गुरोः। जग्राह भरतो धर्मं सागारम् PadmP.(Ra.)32.184.

[1]**अत्यन्तसद्वृत्ति** (atyanta-sadvṛtti) *adj.* of very righteous conduct (हे विराट) भवतोऽत्यन्तसद्वृत्ते रक्षाकौशलसंभृतम् । प्राप्तं मया शिवं नित्यम् KīcaVa. 3.8.

[2]**अत्यन्तसद्वृत्ति** (aty-antasadvṛtti) *adj.* having conduct very much like that of a low person (हे युधिष्ठिर) भवतोऽत्यन्तसद्वृत्तेरक्षाकौशलसंभृतम् प्राप्तं मयाशिवं नित्यम् KīcaVa. 3.8 (comm. अन्ते सीदन्तीति अन्तसदो नीचाः। अतिशयेन तेषामिव वृत्तिर्यस्य ईदृशस्य भवतः)

अत्यन्तसंतुष्ट (atyanta-santuṣṭa) *adj.* [*f.* -ā] very much pleased, extremely satisfied सौवीरराजश्चासावत्यन्तसन्तुष्टः प्रीतिसदृशीः क्रियाः कृत्वा विष्णुसेन इति संज्ञामकरोत् Avimā. 6.14 (31); सा तु ··· विष्णुगृहे सती नृत्यत्यत्यन्तसन्तुष्टा BṛNāraP. 18.59.

अत्यन्तसंतोष (atyanta-santoṣa) *m.* great satisfaction एवमत्यन्तसंतोषजनकमतम् ··· परित्यज्य मूर्खजनाः ··· कथं बोधं वहन्ति S'aṅkaVi.(Ā.) 140.1; 267.11.

अत्यन्तसंदिह्यमानता (atyantasandihyamāna-tā) *f.* the state of being extremely doubtful ततः ··· शिवानन्देन तमुदन्तमत्यन्तसन्दिह्यमानतयात्यदिदृक्षुणा मनसि कृतम् CaitaCa. 207.13 (9)

अत्यन्तसंदुष्ट (atyanta-sanduṣṭa) *adj.* very wicked ततोऽभ्ययान्महावीर्यो द्वीपी ··· श्वार्थमत्यन्तसंदुष्टः MahāBhā. xii. 117.11.

अत्यन्तसंनिकर्ष (atyanta-sannikarṣa) *m.* very close or extreme proximity न ह्यत्यन्तसंनिकर्ष एवैकं संबन्धकारणम् TantrVā. 831.24 (*on* iii. 3.11); इदं रूपमनयोर्नियतमित्यत्यन्तसंनिकर्षमात्रेण नियमे संबन्धाभिधानम् Kāśi. iii. 227.19 (*on* 5(10).15); अन्तिमपक्षोः प्रथमद्वितीयपदार्थानुष्ठानेऽत्यन्तसंनिकर्ष उपान्त्यादिष्वेकद्वित्रादिमात्रान्तरितः MayūMāli. 410.23 (*on* v. 1.5); 416.8 (*on* v. 1.12)

अत्यन्तसंनिकृष्ट (atyanta-sannikṛṣṭa) *adj.* [*f.* -ā] **i** very close, being in great proximity (शक्तयः) अत्यन्तसंनिकृष्टास्ताः श्रीकामेश्वरसुभ्रुवः BrahmāṇḍP. iii. 37.43; अत्यन्तसंनिकृष्टानामपि भिन्नात्मनां मितेः । लोचनस्थाञ्जनादीनां न दृष्टिपथतेष्यते BṛĀraUBhVā. ii. 1.353; एवं चात्यन्तसंनिकृष्टार्थविधानाच्छ्रुत्यनुग्रहः क्षौमवसानसंबन्धविधावत्यन्तमनुपपन्नं वाक्यं स्यात् S'āstrDī. 452.1 (*on* vi. 1.5); MayūMāli. 452.2 (*on* vi. 1.5); **ii** very intimate अये प्रियवयस्य इत्याह । अत्यन्तसंनिकृष्टः संबन्धः MudrāRā. 6.15 (21)

अत्यन्तसंनिधान (atyanta-sannidhāna) *adj.* which is very close, very proximate अत्यन्तसंनिधानानां दोषाणां दूषणात्मनाम् । अहितैर्दूषणं भूयो न विद्वान् कर्तुमर्हति AṣṭāHṛ. i. 7.50; *n.* great proximity प्रतिपत्तुरत्यन्तसंनिधानं त्वस्य प्रतिपत्त्रात्मकं कुतस्त्यम् Bhām. 14.18 (*on* i. 1.1); स एव भोगोऽत्यन्तसंनिधानेन विवेकाग्रहणात् अभोक्तुरपि पुरुषस्य भोग इति व्यपदिश्यते RājMār. 76.24; S'āstrDī. 198.12 (*on* iii. 1.10); यदेतदित्यत्यन्तसंनिधानात्पूर्वश्लोकोदितं परामृश्यते ManvaMu. 243.31 (*on* 6.82)

अत्यन्तसंनिधि (atyanta-sannidhi) *m.* great proximity एवंविधे विषये अत्यन्तसंनिधिरप्यतिक्रमप्रयोजको न भवति CaturCin. iii(1). 457.5; अन्यथा यस्यैव पाठतोऽत्यन्तसंनिधिः तस्यैव राजसूयपदेन विधानम् ···स्यात् MīmāKau. i. 166.17 (*on* i. 4.2); ii. 341.5 (*on* iii. 3.12)

अत्यन्तसंनिहित (atyanta-sannihita) *adj.* **i** very close एवमत्यन्तसंनिहितस्यापि देशान्तरत्वे 'देशान्तरस्थे प्रेते' इत्यादिवसिष्ठवचनेन नात्रैकरात्रं भवितुमर्हति SmṛtiCan. vi. 53.13; अनन्तरः ··· अत्यन्तसंनिहितः TantrRa. 72.6; मातुः स्वपुत्रान्प्रत्यसाधारणत्वेन पित्रपेक्षयात्यन्तसंनिहितः संनिकर्षः Subodhi. 71.9 (*on* 2.135-136); BālamBha. ii. 208.23 (*on* 2.135-136); **ii** very intimate सहायोऽत्रात्यन्तसंनिहितो विवक्षितः । बान्धवाश्च ये साहसकर्तारं ज्ञात्वापि न तं परित्यजन्ति DaṇḍaVi. 76.18.

अत्यन्तसंनिहितत्व (atyantasannihita-tva) *n.* close proximity यजेत इत्यत्र ··· धात्वर्थो भाव्य इति वाच्यम्, एकपदोपात्तत्वेनात्यन्तसंनिहितत्वात् VivaPraSaṁ. 162.19.

अत्यन्तसम (atyanta-sama) *adj.* [*f.* -ā] **i** thoroughly even यथा चित्रमत्यन्तसमायामपि भित्तावविद्यमाननिम्नोन्नतादिभ्रमान् जनयति IṣṭaSi. 36.2; **ii** absolutely neutral, undisturbed or unruffled (गुणलक्षणानि) तानि प्रलयदशायामत्यन्तसमानि सृष्ट्यादौ विषमाणि NyāySiA. 247.6; **iii** exactly similar जीवानाम् ··· ज्ञानरूपतया अत्यन्तसमस्वरूपाणां कर्मकृतदेहोपाधिकदेवत्वादिभेदस्य स्वरूपानुबन्धित्वप्रतिक्षेपे तात्पर्यम् S'atDū. 150.29; द्वयमिदमत्यन्तसमं नीचप्रभविष्णुता शरच्चैयम् । क्षेत्रेभ्योऽपास्य फलं खलेषु विक्षिप्यते यस्याम् SūktiMu. 62.23; S'ārṅgaPa. 3909; Subhāṣi. 1813.

अत्यन्तसमता (atyantasama-tā) *f.* the state of being quite similar, close similarity एकत्ववादा अप्येवं द्वन्द्वरूपेणात्यन्तसमतया प्रकारैक्येन ··· निर्वाह्याः NyāySiA. 233.21.

अत्यन्तसमतिक्रमण (atyanta-samatikramaṇa) *n.* complete crossing over, complete crossing beyond (द्रव्यतः षोडशाकाराः) अत्यन्तसमतिक्रमणानैर्याणिकः AbhidhKoBh. 400.78 (*on* 7.13)

अत्यन्तसमाकुल (atyanta-samākula) *adj.* [*f.* -ā] **i** greatly excited सा विनीतान्तिकं भर्तुर्गत्वात्यन्तसमाकुला।···जगौ स्वप्नान् ···मनोहरान् PadmP.(Ra.) 25.5; (लक्ष्मणः) परिदेवनमेवं च चक्रेऽत्यन्तसमाकुलः PadmP.(Ra.) 99.90.

अत्यन्तसमान (atyanta-samāna) *adj.* exactly the same, very much the same संप्लववादे त्वत्यन्तसमानविषयानेकप्रमाणबाध्यत्वमप्यन्वमंसत NyāyPari. 307.2; को वा···प्रत्यभिज्ञाम् ··· अभिज्ञया सह···अत्यन्तसमानविषयामभिमन्येत S'atDū. 180.6; 179.23; जीवन्मात्मामहवर्गस्यापि दर्शनात्यन्तसमानदेवतेन प्रत्याब्दिकस्य तन्त्रप्रसङ्गो नेत्यवधेयम् BālamBha. i. 538.30 (*on* 1.249)

अत्यन्तसमानविषयत्व (atyantasamānaviṣaya-tva) *n.* the nature of having exactly the same sphere or topic वषट्कर्तृप्राथम्यविशिष्टापूर्वभक्षविधानमेतत् । तयोश्च परस्परनियमादत्यन्तसमानविषयत्वम् TantrVā. 1053.6 (*on* iii. 5.31); न चाभाववचनं वैषयिकाभिप्रायम्, इतरत् (= आनन्दवचनम्) तु स्वाभाविकाभिप्रायमिति शक्यं वक्तुम् । उभयत्रापि सामान्योपादानादत्यन्तसमानविषयत्वात् S'āstrDī. 130.24 (*on* i. 1.5)

अत्यन्तसमानार्थ (atyanta-samānārtha) *adj.* having exactly the same meaning सूयतिर्जिनिनात्यन्तसमानार्थः ManuBh. ii. 339.23 (*on* 10.30)

अत्यन्तसमानार्थत्व (atyantasamānārtha-tva) *n.* the state of having exactly the same meaning स नामानुवादो भवति, योऽत्यन्तसमानार्थत्वेनावधार्यते TantrVā. 937.20 (*on* iii. 4.13)

अत्यन्तसमालक्ष्य (atyanta-samālakṣya) *adj.* clearly noticeable हेलात्यन्तसमालक्ष्यविकारः SāhiDa. 128.14.

अत्यन्तसमास (atyanta-samāsa) *m.* frequent or excessive (use of) compounds दीर्घसमासोऽत्यन्तसमासश्च विषमता तद्विपर्ययेण समता AbhinBhā. ii. 336.13 (*on* 16.100)

अत्यन्तसमीप (atyanta-samīpa) *adj.* very near (देवाः) प्रणम्यादरतो मुनिम् । नातिदूरे न चात्यन्तसमीपे स्थितिमाश्रिताः PadmP.(Ra.) 6.270.

अत्यन्तसमुच्छ्रित (atyanta-samucchrita) *adj.* very tall तं वृक्षमदशत्तक्षकस्तदा । अभवद्भस्मसात्सोऽपि वृक्षोऽत्यन्तसमुच्छ्रितः SkandP. ii(1). 11.38.

अत्यन्तसमुदित (atyanta-samudita) *adj.* closely stated together (राजशब्दः) यदि हि जात्यभिषेकयोरत्यन्तसमुदितयोरेव प्रयुज्यते TantrVā. 589.9 (*on* ii. 3.3)

अत्यन्तसमुद्घात (atyanta-samudghāta) *m.* complete destruction तत्र अनुशयानामरिप्रख्याणां मूषिकाविषवत्प्रकोपधर्मिणामत्यन्तसमुद्घातादर्हद्भवो भवति LaṅkāSū. 3.2 (57.2); कथमवधार्यते आर्या एव प्रहीणक्लेशा इति । अत्यन्तसमुद्घातवचनादेवमुक्तम् Sphuṭā. ii. 65.24 (*on* 2.36)

अत्यन्तसमुपेक्षित (atyanta-samupekṣita) *adv.* completely disregarded यदा प्रमादिभिः पूर्वमत्यन्तसमुपेक्षितः । जन्तुर्जन्मसहस्रेभ्यो ह्येकस्मिन् मानुषो यदि । तत्राप्यतिविमूढात्मा किं भोगानभिधावति AgniP. 200.13.

अत्यन्तसमृद्ध (atyanta-samṛddha) *adj.* very rich पुष्पफलयोर्वृद्ध्यनिवृत्तिः प्रतिदानवेलायामत्यन्तसमृद्धाधमर्णविषये वेदितव्या SmṛtiCan. iv. 375.3; BālamBha. i. 507.8 (*on* 1.228)

अत्यन्तसंपन्न (atyanta-sampanna) *adj.* very rich येऽत्यन्तसंपन्ना गोऽजाविधनधान्यैस्तेभ्यः प्रतिग्रहीतव्यम् ManuBh. i. 344.4 (*on* 4.33)

अत्यन्तसंपर्क (atyanta-samparka) *m.* close association यदा तु कामतोऽत्यन्तसंपर्कं करोति तदा 'अन्त्यजेन तु संपर्के भोजने मैथुने कृते । प्रविशेत् संप्रदीप्तेऽग्नौ ' ··· इत्युशनसोक्तं द्रष्टव्यम् Mitā. 465.28 (*on* 3.265)

अत्यन्तसंपीडित (atyanta-sampīḍita) *adj.* firmly pressed कण्ठे जीर्णलताप्रतानवलयेनात्यन्तसंपीडितः । ··· मुनिः S'āk. 7.11.

अत्यन्तसंप्रीति (atyanta-samprīti) *f.* great pleasure, great joy तच्छेदखण्डान्यायाः स्युः ··· गजायेऽत्यन्तसंप्रीतिर्ध्वाङ्क्षे वित्तविनाशनम् NāraS. 25.9.

अत्यन्तसंबन्ध (atyanta-sambandha) *m.* close relation विशेषणस्य च विशेष्येणात्यन्तसंबन्धात् TantrVā. 253.23 (*on* i. 3.26); कल्याणगुणेन कालस्य मासस्यात्यन्तसंबन्धः Prasā. i. 403.22.

अत्यन्तसंभावित (atyanta-sambhāvita) *adj.* highly honoured अत्यन्तसंभावितयोरग्निमारुतयोस्तृणदहनादानाशक्त्या आत्मसंभावना शातिता भवेत् KenUVāBh. 93.2 (*on* 3.10)

अत्यन्तसंभृतस्नेह (atyanta-sambhṛtasneha) *adj.* greatly cherishing love जानामि बालमित्रं त्वामहमत्यन्तसंभृतस्नेहम् KalāVi. 2.44.

अत्यन्तसंमद (atyanta-sammada) *adj.* greatly delighted प्रतीन्दोर्व-

चनं श्रुत्वा राघवोऽत्यन्तसंमदः PadmP.(Ra.) 65. 1.

अत्यन्तसंमिश्रता (atyantasammiśra-tā) *f.* the state of being thoroughly mixed नाट्ये च रस एव ··· अत्यन्तसंमिश्रतया प्रतिभासनाद्धर्मैधर्मिव्यवहारो युक्तः Loc. 182. 21 (*on* 3. 33)

अत्यन्तसरल (atyanta-sarala) *adj.* **i** very straight नात्यन्तसरलैर्भाव्यं गत्वा पश्य वने तरून्। छिद्यन्ते सरलास्तत्र कुब्जाः सन्ति पदे पदे Subhāṣi. 2758; **ii** very simple, very straightforward, Subhāṣi. 2758.

अत्यन्तसरसता (atyantasarasa-tā) *f.* the state of being richly endowed with sentiments नीरसप्रायमप्यत्र निबद्धमद्भुतरसपरिपोषकतयात्यन्तसरसतावहम् Loc. 176. 24 (*on* 3. 26)

अत्यन्तसरसहृदय (atyantasarasa-hṛdaya) *adj.* **i** which has abundant water inside नितरां नीचोऽस्मीति त्वं खेदं कूप मा कदापि कृथाः। अत्यन्तसरसहृदयो यतः परेषां गुणग्रहीतासि RasGaṅ. 538. 13; BhāmiVi. 1. 7; PadyāTa. 252; **ii** whose heart is full of feelings, RasGaṅ. 538. 13; BhāmiVi. 1. 7; PadyāTa. 252.

अत्यन्तसरूप (atyanta-sarūpa) *adj.* very similar (i. e. very fitting) एतदपरितोषेणात्यन्तसरूपं दृष्टान्तमाह Bhām. 137. 21 (*on* i. 1. 17)

अत्यन्तसहचरित (atyanta-sahacarita) *adj.* closely associated अत्यन्तसहचरिते लोकविज्ञाते द्वन्द्वमित्युपसंख्यानम् Vār. (*on* P. viii. 1. 15); MahāBh. iii. 371. 1 (*on* viii. 1. 15); CāndraVyā. vi. 3.13; KāśiVṛ. *on* vi. 3. 26; PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. vi. 3. 26; Prasā. i. 637. 13.

अत्यन्तसहचरितता (atyantasahacarita-tā) *f.* close association इह त्वग्नीषोमस्यात्यन्तसहचरिततया संबन्धस्य क्लृप्तत्वेन लक्षणासंभवात् MayūMāli. 713. 13 (*on* x. 4. 22)

अत्यन्तसहचरितत्व (atyantasahacarita-tva) *n.* close association अत्यन्तसहचरितत्वेन लोकविज्ञानमत्राभिव्यक्तिः LaS'abdeS'e. ii. 418. 10.

अत्यन्तसहर्षक (atyantasaharṣa-ka) *adj.* extremely glad or delighted इति तस्य (मुनेः) वचः श्रुत्वा राजात्यन्तसहर्षकः। चक्रे पूर्णाहुतिं यज्ञे PadmP. iii. 12. 50.

अत्यन्तसहाभिधान (atyanta-sahābhidhāna) *n.* mentioning very closely together तेनात्यन्तसहाभिधानमेव प्रतिपन्नोत्कर्षावगतिः VakroJī. 212. 17.

अत्यन्तसहित (atyanta-sahita) *adj.* closely associated धान्यकक्षयोः सहोत्पन्नयोरत्यन्तसहितयोरपि नैपुण्येन धान्यं रक्षति कक्षमुद्धरति ManuBh. ii. 36. 4 (*on* 7. 110)

अत्यन्तसहृदय (atyanta-sahṛdaya) *adj.* excellent connoisseur अत्यन्तसहृदयो यो न भवति तस्यैष स्फुटसंवेद्य एव क्रमः Loc. 31. 22 (*on* 1. 10)

अत्यन्तसाकाङ्क्ष (atyanta-sākāṅkṣa) *adj.* very expectant एवं त्वत्यन्तसाकाङ्क्षमेव वाक्यं क्लेशगम्यार्थं भवति S'āstrDī. 64. 10 (*on* i. 1. 5)

अत्यन्तसाङ्कर्यकार्य (atyanta-sāṅkaryakārya) *adj.* whose work is greatly confused मुक्त्वाप्युच्चैर्यामसंसृप्तवृत्तिभ्रंश्यत्यन्तेऽत्यन्तसाङ्कर्यकार्यः Kapphiṇā. 20. 13.

अत्यन्तसाजात्य (atyanta-sājātya) *n.* absolute homogeneity न हि धर्मिधर्मयोरत्यन्तसाजात्यमभेदनियामकम् VedāntRaMañ. 1. 1 (4. 21); S'atDū. 213. 29; VedāntPari. 255. 3.

अत्यन्तसात्त्विक (atyanta-sāttvika) *adj.* thoroughly endowed with the quality of *sattva* (goodness) स्वाभाविकमिदं रूपं नित्यमत्यन्तसात्त्विकम् AhirbuS. 44. 29.

अत्यन्तसात्मता (atyantasātma-tā) *f.* the state of possessing one's perfect essential nature कृपा स्वबीजप्रभवा स्वबीजप्रभवैर्न चेत्। विपक्षैर्बाध्यते चित्ते प्रयात्यत्यन्तसात्मताम् PramāVār. 2. 129.

अत्यन्तसादृश्य (atyanta-sādṛśya) *n.* extreme similarity किमत्यन्तसादृश्यादिविकल्पैः NyāyMañ. i. 132. 3; PañcPā. 25. 17 (*on* i. 1. 1); PrakaPañ. 214. 19; अत्यन्तसादृश्यादेकस्मिन्पक्षे प्रसिद्धेर्विपर्यासः NyāyRa. 285. 15 (*on* 5 (3). 56); NyāyMa. 92. 13; PavaDū.(Dha.) 71; CaturCin. iii(1). 303. 14; अत्यन्तसादृश्यं प्रतिबंधकम् NyāySu.(Ja.) 491B. 8 (*on* iii. 2. 1); Vādā. 46. 3; VedāntKau. 154. 13 (*on* ii. 1. 7); Nyāyāmṛ. 607A. 8; न चात्यन्तसादृश्यं विवक्षितम् BhāṭṭCin. i. 19. 21 (*on* i. 1. 4)

अत्यन्तसाद्यस्कबल (atyanta-sādyaskabala) *n.* army of very raw recruits गच्छेदपि जेतुमरिं लघुम्। महतात्यन्तसाद्यस्कबलेनैव सुबुद्धियुक् S'ukraNī. 4 (7). 177.

अत्यन्तसाधक (atyanta-sādhaka) *adj.* very deligent or helpful अत्यन्तसाधकाः शान्ताः ··· शिष्याः स्युः कार्यसिद्धये RasRaSa. 6. 7.

अत्यन्तसाधकतमत्व (atyantasādhakatama-tva) *n.* the state of being the most efficient भवतस्त्वपूर्वविधानादत्यन्तसाधकतमत्ववर्तमानन्वयोः क्रियां प्रत्युपादानात् TantrVā. 48. 2 (*on* i. 2. 29)

अत्यन्तसाधन (atyanta-sādhana) *n.* efficient means अत्यन्तसाधनं तस्य यत् तद्द्वेधा व्यवस्थितम् AhirbuS. 13. 12; ṬupṬ. 23. 21 (*on* iv. 2. 10)

अत्यन्तसाधर्म्य (atyanta-sādharmya) *n.* absolute similarity अत्यन्तसाधर्म्यादुपमानं न सिध्यति NyāyBh. 111. 13 (*on* ii. 1. 45); NyāyVār. 258. 5 (*on* ii. 1. 42); TātpaṬ.(Vā.) 409. 14 (*on* ii. 1. 44)

अत्यन्तसाधारण (atyanta-sādhāraṇa) *adj.* very common आत्मनः संनिकर्षादयस्त्वत्यन्तसाधारणा विजातीयव्यवच्छेदायापि नालमिति नोपात्ताः TātpaṬ. (Vā.) 259. 21 (*on* i. 1. 23)

अत्यन्तसाधुता (atyantasādhu-tā) *f.* extreme goodness दुर्जनाः ···। त एव बलहीनाश्चेद्भजन्तेऽत्यन्तसाधुताम् BṛNāraP. 8. 43.

अत्यन्तसाध्वस (atyanta-sādhvasa) *n.* extreme fear (अर्जुनः) अत्यन्तसाध्वसावनतः सर्वतो नमस्करोति GītāBh.(Rā.) 555. 7 (*on* 11. 40)

अत्यन्तसानुबन्ध (atyanta-sānubandha) *adj.* closely connected अग्निहोत्रिब्राह्मणसुवर्णापहारे ब्राह्मणोऽत्यन्तसानुबन्धद्यूतादिसिद्धये हर्ता क्षत्रियादिर्वाल्पानुबन्धः Aparā. 1082. 19 (*on* 3. 258); 1146. 1 (*on* 3. 84)

अत्यन्तसानुरागा (atyanta-sānurāgā) *adj.* (*f.*) closely attached सुरतान्ते च सात्यन्तसानुरागा जगाद तम् KathāSaSāg. ix. 2. 271.

अत्यन्तसान्निध्य (atyanta-sānnidhya) *n.* close proximity अत्रैकशाखापदमत्यन्तसान्निध्योपलक्षणार्थम् VīraMi.(Āhnika.) 209. 11.

अत्यन्तसामञ्जस्य (atyanta-sāmañjasya) *n.* absolute propriety अस्य श्लोकस्य वाच्यार्थविषये यद्यपि नात्यन्तसामञ्जस्यम् ··· तथापि विवक्षितप्रस्तुतार्थतायां न किंचिदसामञ्जस्यम् Kuval. 72 (29); S'ivārkaMaDī. i. 180. 22 (*on* i. 1. 4)

अत्यन्तसामीप्य (atyanta-sāmīpya) *n.* close vicinity प्रधानकालाबहिर्भावश्च संभावयितव्यो, नात्यन्तसामीप्यम् TantrVā. 473. 22 (*on* ii. 2. 3); ĀtmaSi. 65. 20; NyāyMāVi. 633. 20 (xi. 2. 7); घोषस्यात्यन्तसामीप्ये गङ्गादौ तीरधर्माधारत्वारोपो गौतमोक्तः VaiyāSiMañ. 148. 23; LaS'abdeS'e. i. 479. 3.

अत्यन्तसाम्य (atyanta-sāmya) *n.* absolute or very close resemblance न हि दृष्टान्तदार्ष्टान्तिकयोरत्यन्तसाम्येन भवितव्यमिति नियमोऽस्ति BrahmSūBh. (S'aṅ.) 127. 5 (*on* i. 2. 21); 697. 10 (*on* iii. 3. 51); (एकत्ववादाः) तेऽप्यत्यन्तसाम्याद्वैलक्षण्याभावाच्च S'āstrDī. 113. 22 (*on* i. 1. 5); S'atDū. 159. 3; S'ivārkaMaDī. ii. 484. 24 (*on* iv. 4. 4); यदा तु पूर्णमासशब्दस्यात्यन्तसाम्याभावेऽपि MīmāKau. iii(2). 155. 9 (*on* ii. 2. 3); BhāṭṭCin. i. 29. 23 (*on* i. 1. 4)

अत्यन्तसारभूत (atyanta-sārabhūta) *adj.* forming the very essence एते रोहितादिविशेषा रसा अत्यन्तसारभूता इत्यर्थः ChāndoUBh. 147. 8 (*on* iii. 5. 4); अमृतशब्दाभिधेयोऽत्यन्तसारभूतः सूक्ष्मोऽन्नरस ऊर्गुच्यते NyāyMāVi. 24. 8 (*on* i. 2. 2)

अत्यन्तसारूप्य (atyanta-sārūpya) *n.* very close similarity अत्यन्तसारूप्ये च प्रकृतिविकारभाव एव प्रतीयेत BrahmSūBh.(S'aṅ.) 294. 16 (*on* ii. 1. 6); अतः ··· अत्यन्तसारूप्यं चैतन्येन TattvVai. 158. 28 (*on* 3. 35); अनित्यशब्दवादिनोऽपि हि अत्यन्तसारूप्यापोहरूपं नित्यमेव वाचकं मन्यन्ते NyāyRa. 820. 11 (*on* 6. 354); भेदाग्रहस्त्वत्यन्तसारूप्यात् TattvCin. i. 626. 4; न भेदेनोपालम्भः अत्यन्तसारूप्यात् Upask. 317. 12 (*on* vii. 2. 7)

अत्यन्तसालक्षण्य (atyanta-sālakṣaṇya) *n.* absolute similarity (*lit.* commonness of characteristics) कार्यकारणयोरत्यन्तसालक्षण्यस्य नविलक्षणत्वाधिकरणे निरस्तत्वात् S'atDū. 211. 10.

अत्यन्तसावधान (atyanta-sāvadhāna) *adj.* very attentive अत्यन्तसावधानाध्येतृकाणां वाक्योत्सादासंभवाच्च BhāṭṭCin. ii. 17. 2 (*on* i. 3. 1)

अत्यन्तसाहचर्य (atyanta-sāhacarya) *n.* close association लोकज्ञातेऽत्यन्तसाहचर्ये S'ākaṭāVyā. ii. 3. 12; SiddhaHe. vii. 4. 84; Pradī. vi. 169. 12 (*on* vii. 2. 102)

अत्यन्तसाहस (atyanta-sāhasa) *n.* very daring act अगृहीते च देशादौ तद्व्याप्तिर्गृह्यते कथम्। तस्याग्रहे नानुमानं चैतदत्यन्तसाहसम् PramāVāBh. 24. 23.

अत्यन्तसिद्ध (atyanta-siddha) *adj.* firmly established अत्यन्तसिद्धः सिद्ध इति MahāBh. i. 6. 26 (*on* i. 1. 0); Pradī. vi. 146. 12 (*on* vii. 2. 67); सुखमत्यन्तसिद्धं च ध्यानं मे दर्शयस्व ह PadmP. ii. 8. 95.

अत्यन्तसुकर (atyanta-sukara) *adj.* very easy to do सिद्धवस्तुषु शब्दस्य बोधकत्वशक्तिग्रहणमत्यन्तसुकरम् VedāSaṁ. 146. 3.

अत्यन्तसुकुमार (atyanta-sukumāra) *adj.* [*f.* -ā] very delicate अत्यन्तसुकुमारस्य ··· कच्चिदद्य शरीरं ते भूमौ न परितप्यते MahāBhā. xi. 20. 11; (देवी) अत्यन्तसुकुमारा ··· जगाद PadmP.(Ra.) 73. 43; अत्यन्तसुकुमारौ द्वौ शृङ्गारकरुणौ मतौ PratāYaBhū. 58. 12 (2); *m.* name of the plant *Panicum*

itadicum [MW]

अत्यन्तसुकुमारता (atyantasukumāra-tā) *f.* extreme delicacy देवताभिः प्रदत्तमभूदेकमत्यन्तसुकुमारतया कटाक्षटङ्किकाभिरिव घटितं परमेष्ठिना (पुत्रिकारत्नम्) UdaySuKa. 96.12; मार्गोल्लङ्घनपरिश्रमादत्यन्तसुकुमारतया रुधिरपूरितत्वात् PrabaCin. 111.13.

अत्यन्तसुकुमाराङ्गा (atyantasukumārāṅgā) *adj.* (*f.*) of very delicate limbs सात्यन्तसुकुमाराङ्गा गुणैर्दिव्यैरलंकृता PadmP.(Ra.) 123.88.

अत्यन्तसुकुमाराङ्गी (atyantasukumārāṅgī) *adj.* (*f.*) of very delicate limbs अत्यन्तसुकुमाराङ्गी श्यामा पद्मदलेक्षणा।... किमवस्थाय सा सती Rāmā. ii. 1324*(12); 1325*(1)

अत्यन्तसुख (atyanta-sukha) *adj.* very comfortable, very pleasant अत्यन्तसुखसंचारा मध्याह्ने ... दिवसाः Rāmā. iii. 15.10; (पीत्वा पानीयं) अत्यन्तसुखसंस्पर्शम् Rāmā. iii. 1318*(1); गृहेऽत्यन्तसुखेऽप्येतत् कुर्यात् प्रश्नोत्तरोत्तरम् BhelaS. 217.16 (6.30); तस्मिन् पुरे ... उद्यानमत्यन्तसुखप्रदेशम् VarāṅgaC. 3.5; SūktiRa. 188.2; *n.* extreme or great happiness सर्वं प्रसन्नमेवासीदत्यन्तसुखसंयुतम् MahāBhā. vii. App. 8.471A (3); घसो भवति। अत्यन्तं सुखमत्यन्तसुखम् JaineVyā. 50.36 (i. 3.26); अन्नदोऽत्यन्तसुखं प्राप्नोति ManvaMu. 187.11 (*on* 4.229); धर्मामृतमिदं पातुमत्यन्तसुखकारणम् SamarāSam. 3.313.

अत्यन्तसुखकारिन् (atyantasukhakār-in) *adj.* very much pleasant अतिपीडनं हि मांसस्थानेऽत्यन्तसुखकारि स्यात् JayaMa. 102.10 (2.2)

अत्यन्तसुखप्रसुप्त (atyantasukha-prasupta) *adj.* very pleasantly fallen asleep समालिङ्गयेतरेतरमत्यन्तसुखप्रसुप्तयोर्युवयोर्दैवदत्तोत्साहः DaśKuC. 38.4.

अत्यन्तसुखभागिनी (atyantasukha-bhāginī) *adj.* (*f.*) extremely happy ब्रह्मंस्त्वं मां प्रभाषसे ... अत्यन्तसुखभागिनीम् MahāBhā. v. 11.17.

अत्यन्तसुखभाज् (atyantasukha-bhāj) *adj.* very happy (ईश्वरः) कांश्चिदत्यन्तसुखभाजः करोति BrahmSūBh.(Śaṅ.) 341.16 (*on* ii. 1.34)

अत्यन्तसुखभोगिनी (atyantasukha-bhoginī) *adj.* (*f.*) enjoying great pleasure ब्रह्मंस्त्वं मां प्रभाषसे ... अत्यन्तसुखभागिनीम् (v. l. °भोगिनीम्) MahāBhā. v. 11.17.

अत्यन्तसुखलेश (atyanta-sukhaleśa) *adj.* having a very small bit of pleasure अत्यन्तसुखलेशो हि बहुदुःखो भवाम्बुधिः BṛKathāMañ. ix. 3.43.

अत्यन्तसुखसंवृद्ध (atyantasukha-saṁvṛddha) *adj.* [*f.* -ā] reared up in great luxury पौत्रं तु तव दुर्धर्ष लक्ष्मणम् ...अत्यन्तसुखसंवृद्धम्...आससाद रणे कार्ष्णिः MahāBhā. vii. 45.12; vii. 35.4; सोऽत्यन्तसुखसंवृद्धः ... एको बहून् समासाद्य कच्चिन्नासीत्पराङ्मुखः MahāBhā. vii. 100.25; सोऽत्यन्तसुखसंवृद्धः किमशिष्यति मे सुतः Rāmā. ii. 1248*(3); अत्यन्तसुखसंवृद्धा लालिता पितृवेश्मनि। ... किमवस्थाय सा सती Rāmā. ii. 1324*(11); पश्य ... मम भार्याम् ... अत्यन्तसुखसंवृद्धाम् Rāmā. iii. 2.16; iii. 15.28.

अत्यन्तसुखसेविनी (atyantasukha-sevinī) *adj.* (*f.*) accustomed to great pleasure (भरतः) गृहाय प्रतिनेष्यति। इमां वाप्येष वैदेहीमत्यन्तसुखसेविनीम् Rāmā. ii. 91.11.

अत्यन्तसुखावह (atyantasukhāvaha) *adj.* bringing extreme happiness लिङ्गं रते द्रावकरं वधूनां संजायतेऽत्यन्तसुखावहं च ŚārṅgaPa. 3210.

अत्यन्तसुखित (atyanta-sukhita) *adj.* very much comforted सोऽत्यन्तसुखितः सूत किमशिष्यति राघवः Rāmā. ii. 52.4.

अत्यन्तसुखिन् (atyanta-sukhin) *adj.* used to great comfort, extremely happy बालमत्यन्तसुखिनं विचरन्तमभीतवत्। कृतास्त्रा बहवो जघ्नुः MahāBhā. vii. 32.23; तमहम् ... अत्यन्तसुखिनं देवमनघं शरणं व्रजे MahāBhā. xiii. 151*(8); एवमत्यन्तसुखिनः सर्वदुःखविवर्जिताः VāyuP. i. 45.50; देवेषु सत्त्वमुत्कटं रजस्तमसी उदासीने तेन तेऽत्यन्तसुखिनः SāṁkhyaKāBh. 12.28 (*on* 16); अत्यन्तसुखिनं पुत्रं कथं शत्रुमभाषतम् PadmP. iv. 106.9; गुरुराख्यदिदं सत्यं किन्त्वत्यन्तसुखी भवेत् (नृपः) SamarāSam. 8.434.

अत्यन्तसुखैकहेतु (atyantasukhaikahetu) *m.* only cause of extreme happiness नखं प्रयुक्तं प्रणयाद्रसज्ञैर्यदेतदेवास्ति मनोभवस्य। सर्वस्वमत्यन्तसुखैकहेतुर्नातोऽस्ति किंचिद्रकामिनीनाम् AnaṅgaRa. 9.29.

अत्यन्तसुखोचित (atyantasukhocita) *adj.* deserving extreme comfort गात्राणि चात्यन्तसुखोचितानि MahāBhā. viii. 68.30.

अत्यन्तसुगम (atyanta-sugama) *adj.* easily understandable भोः स्वामिन् मदीयं मतमत्यन्तसुगमं श्रूयताम् ŚaṅkaVi.(Ā.) 154.4.

अत्यन्तसुजन (atyanta-sujana) *m.* very good person (भार्गवः) अत्यन्तसुजनः ... असौ दृष्टः MahāviC. 2.15; AdbhuDa. 8.7.

अत्यन्तसुतेजस् (atyanta-sutejas) *adj.* very brilliant सहस्रं तस्य दाराणां यदत्यन्तसुतेजसाम् PadmP.(Ra.) 10.66.

अत्यन्तसुधास्वभाव (atyanta-sudhāsvabhāva) *adj.* of extremely nectar-like nature अत्यर्थं(v. l. अत्यन्त°) सुधास्वभावं श्रुत्वा बलिः DaśāvaC. 5.199.

अत्यन्तसुन्दर (atyanta-sundara) *adj.* [*f.* -ī] very beautiful नित्या कलान्तरादूर्ध्वं धिष्ण्यमत्यन्तसुन्दरम् BrahmāṇḍP. iii. 36.73; लोकस्य पूजनीयोऽसौ जायतेऽत्यन्तसुन्दरः PadmP.(Ra.) 32.160; तनया वनमालेति तयोरत्यन्तसुन्दरी PadmP.(Ra.) 36.15; तेऽमी प्रयोगमार्गेषु गौणवृत्तिव्यपाश्रयाः। अत्यन्तसुन्दरा दृष्टास्तदुदाहृतयो यथा Kāvyāda. 2.254; तस्य भार्या ... अत्यन्तसुन्दरी GaṇeP. i. 62.7; (इन्दुलेखा) अत्यन्तसुन्दरी कान्ता वावदूका विलासिनी ĀdiP. 11.56; NānārthSaṁ. 53.16.

अत्यन्तसुन्दरतर (atyantasundara-tara) *adj.* extremely beautiful नाथ त्वं तादृशो मह्यं भासि यादृग्वयोः पतिः। अत्यन्तसुन्दरतरं वपुर्बिभ्रत्सुकोमलम् PadmP. iv. 55.31; तस्य पुत्रः ... अत्यन्तसुन्दरतरः GaṇeP. i. 76.3.

अत्यन्तसुन्दराकारा (atyantasundarākārā) *adj.* (*f.*) of very beautiful form मुद्राः। अत्यन्तसुन्दराकाराः BrahmāṇḍP. iii. 36.62.

अत्यन्तसुप्त (atyanta-supta) *adj.* **i** defunct वृत्तित्यागविलीनेन किंचित्स्फुरता बहिः। अन्तरत्यन्तसुप्तेन चेतसा तिष्ठ विज्वरः YogVā. vi(2). 29.21; **ii** being in deep sleep न च त्वदुक्तमर्थं न जानामीत्यादिव्यवहारोऽत्यन्तसुप्ते ज्ञायमाने चाज्ञायमाने सम्भाव्यमानोऽज्ञानं गमयतीति युक्तम् Vādā. 29.5.

अत्यन्तसुप्रसिद्ध (atyanta-suprasiddha) *adj.* very widely known रुद्रस्य संहर्तृत्वेऽत्यन्तसुप्रसिद्धेऽङ्गीकृते TattvPrakā. 112B.12 (*on* ii. 3.13)

अत्यन्तसुरभि (atyanta-surabhi) *adj.* **i** characterised by great fragrance अत्यन्तसुरभिः ... शस्यमानः पुरस्त्रीभिर्याति यो वन्दितुं जिनम् PadmP. (Ra.) 14.219; 73.4; **ii** very fragrant अत्यन्तसुरभिणा श्वासपवनेन ... मधुकरकुलानि स्तम्भयन्तीं बालिकामपश्यम् TilaMañ. 247.18; महार्हगन्धमत्यन्तसुरभि ... स्वीकुर्यादित्यर्थः JayaMa. 269.15 (*on* 5.2)

अत्यन्तसुरसास्वादा (atyantasurasāsvādā) *adj.* (*f.*) having (water) of very delicious taste नद्यः ... अत्यन्तसुरसास्वादाः PadmP.(Ra.) 3.58.

अत्यन्तसुलभ (atyanta-sulabha) *adj.* [*f.* -ā] very easily attainable उत्तमगुणानां ब्रह्मात्यन्तसुलभमित्याह GītāBh.(Rā.) 316.7 (*on* 5.26); आनतिश्चैवं सत्यत्यन्तसुलभा NyāyMāVi. 525.16 (*on* x. 3.14)

अत्यन्तसुसदृशत्व (atyantasusadṛśa-tva) *n.* great similarity अत्यन्तसुसदृशत्वेन त्वाकारविवेको न लक्ष्यते Kāśi. ii. 116.9 (*on* 53(3).56)

अत्यन्तसुसूक्ष्मवृत्ति (atyantasusūkṣma-vṛtti) *f.* very subtle function (of the mind) (परमात्मतत्त्वम्) समाधिनात्यन्तसुसूक्ष्मवृत्त्या ज्ञातव्यमार्यैः ViveCū. 362.

अत्यन्तसुहृद् (atyanta-suhṛd) *m.* close friend य एवात्यन्तसुहृदस्त एनं पर्युपासते MahāBhā. v. 134.4.

अत्यन्तसूक्ष्म (atyanta-sūkṣma) *adj.* **i** very minute, very fine केशः ... अत्यन्तसूक्ष्मो भवति BṛĀraUBh. 509.8 (*on* iv. 2.3); (चिरायुः) वैडङ्गं वा चूर्णमत्यन्तसूक्ष्मम् ... सेवमानः KalyāKā. 6.43; अन्यदपि यदत्यन्तसूक्ष्मम् ... ऊष्मण उपजायते ManuBh. i. 28.20 (*on* 1.45); **ii** extremely subtle जगदत्यन्तसूक्ष्मात् ...सतो जायते ChāndoUBh. 393.16 (*on* vi. 11.3); शब्दस्तु ... मां अत्यन्तसूक्ष्मं अविषयम् ... गोचरीकृत्य स्प्रष्टुं नैवार्हति UpadeSā. 107.114; घृतसारवत् ... अत्यन्तसूक्ष्मं ज्ञात्वा ŚvetāUBh. 193.19 (*on* 4.16); प्रज्ञावानपि पण्डितोऽपि चतुरोऽत्यन्तसूक्ष्मार्थदृक् व्यालीढस्तमसा न वेत्ति ViveCū. 116.

अत्यन्तसूक्ष्मत्व (atyantasūkṣma-tva) *n.* extreme smallness, extreme minuteness व्रीहेर्वा यवाद्वा इत्यादि अत्यन्तसूक्ष्मत्वप्रदर्शनार्थम् ChāndoUBh. 177.5 (*on* iii. 14.3); एवमर्धमासान्तस्याप्यत्यन्तसूक्ष्मत्वाद्दर्शपूर्णमासप्रयोगसमर्थकालत्वम् Aparā. 217.17 (*on* 1.154); वालाग्रशतभागस्य इत्यनेनात्यन्तसूक्ष्मत्वप्रतिपादनमिति युक्तम् ŚivārkaMaDī. i. 450.31 (*on* i. 3.23)

अत्यन्तसूक्ष्मधी (atyantasūkṣma-dhī) *adj.* of a very subtle intellect मन्त्रिवर्गः ... चकार संशयापन्नो मन्त्रमत्यन्तसूक्ष्मधीः PadmP.(Ra.) 89.39.

अत्यन्तसेनासंमर्द (atyanta-senāsammarda) *m.* great clash of armies अत्यन्तसेनासंमर्दाद्रथचक्रैर्विचूर्णिताः BrahmāṇḍP. iii. 29.26.

अत्यन्तसेवन (atyanta-sevana) *n.* **i** excessive enjoyment or addiction असेवनादथैतस्य तथैवात्यन्तसेवनात्। रोगग्रामो नृणां देहे संभवति ViṣṇuDhaP. ii. 62.14; **ii** long service अप्रधानं प्रधानस्स्यात् काले चात्यन्तसेवनात् ŚukraNī. 2.249.

अत्यन्तसेवित (atyanta-sevita) *adj.* very much frequented सरस्वतीतीर्थवरम् ... अर्हिस्तैर्धर्मपरमैर्नृभिरत्यन्तसेवितम् MahāBhā. ix. 36.62; **ii** excessively practised तपसा चात्यन्तसेवितेन कामं बाधित्वा शरीरक्षयादर्थमुपहन्ति JayaMa. 27.5 (*on* 1.2); **iii** excessively consumed रसैरत्यन्तसेवितैः। रक्तम् ...शिरोरोगाय जायते AśvaVai. 31.23.

अत्यन्तसैन्यसंबाध (atyanta-sainyasambādha) *m.* great crowding of the army अत्यन्तसैन्यसंबाधं वेत्रसंताडनैः शतैः । निवारयन्त्यो वेत्रिण्यः Brahmāṇḍ-P. iii. 16. 34.

अत्यन्तसोल्लास (atyanta-sollāsa) *adj.* excessively joyful हंसीनां यूथान्यत्यन्तसोल्लासानि SāmaraU. 282. 4.

अत्यन्तसौकर्य (atyanta-saukarya) *n.* great facility or ease क्रियासु ···अत्यन्तसौकर्ययुक्तास्वपि अकौशलम् BṛĀraUBh. 607. 8 (*on* iv. 4. 2)

अत्यन्तसौक्ष्म्य (atyanta-saukṣmya) *n.* great subtlety लिङ्गलिङ्गिसंबन्धविशेषाणामत्यन्तसौक्ष्म्यात् दुरवबोधतां मन्यते BṛĀraUBh. 515. 17 (*on* iv. 3. 2); TātpaṬ.(Vā.) 669. 24 (*on* iv. 2. 51)

अत्यन्तसौजन्य (atyanta-saujanya) *n.* extreme courtesy लज्जयति मामत्यन्तसौजन्यमेषाम् MālaMā. 10. 163.

अत्यन्तसौन्दर्यवती (atyantasaundarya-vatī) *adj.* (*f.*) possessing great beauty ललिता ···अत्यन्तसौन्दर्यवती LalitāTriBh. 279. 13 (*on* 13)

अत्यन्तसौम्य (atyanta-saumya) *adj.* very pleasing असौ ··· अत्यन्तसौम्यास्यः ··· नयवत्सलः PāṇḍaC. 3. 107.

अत्यन्तसौष्ठव (atyanta-sauṣṭhava) *n.* extreme well-formedness अत्यन्तसौष्ठवाद् बाह्वोर्जायते दृढवेधिता S'ārṅgaPa. 1844.

अत्यन्तस्तवन (atyanta-stavana) *n.* great praise तद्दर्शनेन योग्यतां प्राप्ता अत्यन्तस्तवनं चक्रुः SāmaraU. 246. 22.

अत्यन्तस्तिमित (atyanta-stimita) *adj.* extremely paralysed or stupefied अत्यन्तस्तिमिताङ्गानां व्यायामेन सुखैषिणाम् । भ्रान्तिज्ञानावृताक्षाणां दुःखमेव सुखायते ViṣṇuP. i. 17. 61; SkandP. ii(2). 38. 50.

अत्यन्तस्तोकजीविन् (atyantastokajīv-in) *adj.* living for a very short period केचिद्दीर्घायुषः केचिदत्यन्तस्तोकजीविनः PadmP.(Ra.)

अत्यन्तस्त्रीसेवापर (atyanta-strīsevāpara) *adj.* excessively indulging in sexual pleasure विषमदोषः सुरतक्षतजोऽत्यन्तस्त्रीसेवापरो रागी न स्यात् शुक्रक्षयतः PramāVāBh. 123. 6; JñānBiPra. 22. 4.

अत्यन्तस्थविर (atyanta-sthavira) *adj.* **i** very much advanced (in age) अत्यन्तस्थविरे काले तनयोऽयं बभूव BrahmVaiP. iv. 14. 18; **ii** very old अत्यन्तस्थविरः ··· । चित्तग्रहं न जानेऽहं तारुण्यतरलस्य ते DaśāvaC. 5. 54.

अत्यन्तस्थूल (atyanta-sthūla) *adj.* excessively gross कथम्···अत्यन्तस्थूलं पृथिव्यादि ··· अत्यन्तसूक्ष्मात् ··· सतो जायते ChāndoUBh. 393. 15 (*on* vi. 11. 2)

अत्यन्तस्थूलत्व (atyantasthula-tva) *n.* extreme obviousness or grossness उद्देशक्रमेणोत्तरस्य बाह्यत्वेन अत्यन्तस्थूलत्वेन स्थूलतमप्रक्रमेण विकारदर्शनम् Subodhi. 8. 7 (*on* 2. 13); BālamBha. ii. 20. 24 (*on* 2. 13)

अत्यन्तस्निग्ध (atyanta-snigdha) *adj.* [*f.* -ā] **A** very greasy or smooth (पश्यति तं नागम्) द्राघिष्ठकरमत्यन्तस्निग्धपिङ्गनखाङ्कुरम् PadmP.(Ra.) 8. 419; 34. 34; **B** very affectionate अवोचद्दशग्रीवः ···। हनूमन्तं मुहुः पश्यन्नत्यन्तस्निग्धया दृशा PadmP.(Ra.) 19. 26.

अत्यन्तस्नेह (atyanta-sneha) *m.* extreme affection भाव्यमानादेव दीपकादत्यन्तस्नेहास्पदत्वप्रतिपत्त्या चारुत्वनिष्पत्तिः Loc. 116. 6 (*on* 2. 28); Kāvyānu.(He.) 53. 17; यस्यां रसिकानन्दोऽत्यन्तस्नेहाविष्टमना भवति SāmaraU. 288. 22; *adj.* very affectionate (राधारसिकानन्दौ) अत्यन्तस्नेहावभवताम् SāmaraU. 251. 2.

अत्यन्तस्फुटीभाव (atyanta-sphuṭībhāva) *m.* extreme obviousness अत्यन्तस्फुटीभावेऽपि तदानींतनकालता न त्रुट्यति PratyabhiVi. i. 160. 2 (*on* i. 4. 2)

अत्यन्तस्वच्छता (atyantasvaccha-tā) *f.* **i** extreme transparency चित्यासंपृक्तमपि बुद्धिसत्त्वमत्यन्तस्वच्छतया ··· शब्दाद्यनुभवति TattvVai. 79. 30 (*on* 2. 17); **ii** extreme guilelessness स्तनयोरिव नारीणामत्यन्तस्वच्छता हृदि AlaṅkāS'e. 14. 3; **iii** extreme obviousness, AlaṅkāS'e. 14. 3.

अत्यन्तस्वतन्त्र (atyanta-svatantra) *adj.* absolutely independent सर्वशक्तिः पुमानत्यन्तस्वतन्त्रः NyāyRa. 663. 7 (*on* 5(15). 83); 52. 18 (*on* 2. 25)

अत्यन्तस्वार्थहानि (atyanta-svārthahāni) *f.* complete loss of the real sense किं चानन्दशब्दस्य दुःखाभावपरत्वेऽत्यन्तस्वार्थहानिः स्यात् S'āstrDī. 126. 9 (*on* i. 1. 5)

अत्यन्तस्वार्थिक (atyanta-svārthika) *adj.* absolutely pleonastic इदमेव निषेधसूत्रमत्यन्तस्वार्थिकमपि कनं ज्ञापयति SiddhāKau. 320A. 7; शसः ··· अत्यन्तस्वार्थिकत्वात् MayūMāli. 3. 18 (*on* i. 2. 1); नित्यग्रहणम् ··· अत्यन्तस्वार्थिकायज्विधानार्थम् LaS'abdeS'e. i. 211. 8; अत्यन्तस्वार्थिककान्तेऽपि नित्यमेवेत्वम् । अकचोऽत्यन्तस्वार्थिकापवादत्वाभावात् LaS'abdeS'e. i. 379. 7; अस्यात्यन्तस्वार्थिकतरज्ज्ञापकत्वमिति तु न युक्तम् LaSabdeS'e. ii. 130. 7.

अत्यन्तस्वेदक (atyanta-svedaka) *adj.* excessively perspiring नात्यन्तस्वेदकानि ··· गात्राणि यासां ताः पूजिताः स्त्रियः BhaviP. 23A. 23 (i. 5. 99)

अत्यन्तहरित् (atyanta-harit) *adj.* extremely green अत्यन्तहरिद्वर्णम् ··· लक्ष्यते यच्च (मरकतरत्नम्) YuktiKa. 129. 5.

अत्यन्तहरित (atyanta-harita) *adj.* extremely green असावम्बरतलाद्त्तफालमत्यन्तहरितदूर्वास्तम्बोपरि पपात UdaySuKa. 124. 16; SāmaraU. 282. 6.

अत्यन्तहर्ष (atyanta-harṣa) *m.* great joy अत्यन्तहर्षसंपन्नावावां सम्यगनृत्यताम्(? °नृत्याव) BṛNāraP. 18. 97; PadmP.(Ra.) 97. 106; गाढालिङ्गितवत्यपि प्रियतमे नात्यन्तहर्षोन्नता । ··· मध्या स्मृता सा वधूः S'ṛṅgāDī. 1. 12.

अत्यन्तहर्षित (atyanta-harṣita) *adj.* excessively gladdened अंमृतमश्नन्ति पितरोऽत्यन्तहर्षिताः MahāBhā. xiv. App. 4 (1940); VṛGautaSm. 575. 16 (10); S'ivaP. ii(2). 17. 72 (89B. 4)

अत्यन्तहानि (atyanta-hāni) *f.* complete loss or harm खदिरोपादाने संस्काराणां बहूनामत्यन्तहानिः स्यात् S'āstrDī. 479. 22 (*on* vi. 3. 19) (comm. बहूनामत्यन्तहान्यपेक्षया वरं प्रधानस्यैकस्य); तस्यैवात्यन्तहानेर्निरुपधिकसुखस्तादृशो धीविकासः TattvMu. 5. 74; NāraS. 31. 4.

अत्यन्तहारिन् (atyantahār-in) *adj.* greatly attractive अद्रेः कुक्षिष्वत्यन्तहारिषु । स्थास्यामः PadmP.(Ra.) 35. 33; अत्यन्तहारिषु हरिन्मणिकुट्टिमेषु Kapphiṇā. 1. 15.

अत्यन्तहिंस्र (atyanta-hiṁsra) *adj.* excessively harmful or cruel अत्यन्तहिंस्रमनसोऽपि तवानतानां नक्तंचराः ···गौरि वहन्ति मैत्रीम् HarVi. 47. 161.

अत्यन्तहित (atyanta-hita) *n.* perfect welfare हा भ्रातः ···ममात्यन्तहितोद्यतः । कथमेतामवाप्नोसि(? षि) बन्धावस्थाम् PadmP.(Ra.) 64. 2; शूरोऽसि रघुशार्दूल ममात्यन्तहिते रतः AdhyāRā. ii. 4. 18; v. 4. 15; अत्यन्तहितैषिणः ··· पित्रादेर्वचने कस्यचिद्दोषं गुणत्वेन गुणं वा दोषत्वेन प्रदर्शयति S'ivārkaMaDī. i. 156. 32 (*on* i. 1. 3); सखीषु कथमिति चेत् अत्यन्तहिताभिलाषिण्युत्तमा S'ṛṅgāMañ.(A.) 41. 1.

अत्यन्तहिमाभिभूत (atyantahimābhibhūta) *adj.* obsessed by excessive snow देवालयम् ··· शीतातपात्यन्तहिमाभिभूतम् (वर्ज्यम्) KalyāKā. 3. 29.

अत्यन्तहिमोत्किर (atyanta-himotkira) *adj.* scattering snow excessively निनाय सात्यन्तहिमोत्किरानिलाः सहस्यरात्रीः KumāSaṁ. 5. 26.

अत्यन्तहृष्ट (atyanta-hṛṣṭa) *adj.* very much delighted मानिनोऽत्यन्तहृष्टाः (प्रमथगणाः) YogYā. 6. 22; (सीता) अत्यन्तहृष्टचेतस्का बभूव सुमुखेक्षणा PadmP. iv. 59. 76.

अत्यन्तहेय (atyanta-heya) *adj.* to be thoroughly avoided, discarded or rejected ततश्चारित्रलवस्याप्यभावादत्यन्तहेय एवायमशुभोपयोगः TattvPradī.(A.) 14. 7 (*on* 1. 12); TātpaVṛ. 14. 12 (*on* 1. 12); अश्मकाष्ठलोष्टतृणादीनामत्यन्तहेयानाम् ··· अचिद्विशेषाणाम् S'rīBh. 454. 12 (*on* ii. 1. 23); अत्यन्तहेयं न क्वापि शास्त्रं किंचन विद्यते LakṣmīT. 28. 35; Aparā. 1034. 19 (*on* 3. 206); SmṛtiCan. iv. 631. 8.

अत्यन्तहेयत्व (atyantaheya-tva) *n.* the state of being completely discarded द्वयोरपि रजस्तमसोरत्यन्तहेयत्वेऽप्येतदर्थं रजसः प्रथममुपादानम् Rāj-Mār. 3. 14.

अत्यन्ताकरण (atyantākaraṇa) *n.* total or absolute non-production or non-operation एकान्तासामर्थ्यप्रयुक्तत्वादत्यन्ताकरणस्य सामर्थ्ये सति सहकारिसंनिधिप्रयुक्तत्वात्करणनियमस्य ĀtmaTaVi. 154. 15.

अत्यन्ताकर्तृगामित्व (atyantākartṛgāmi-tva) *n.* the state of going to one who is absolutely a non-performer संहत्य प्रयुक्तं कर्म प्रत्येकं फलं साधयतीत्यभ्युपगन्तव्यम् । न चैवमत्यन्ताकर्तृगामित्वं तेष्वेव व्यासज्यवृत्तिकर्तृत्वं प्रत्येकवृत्तिफलमिति प्रकारभेदमात्रम् S'āstrDī. 460. 1 (*on* vi. 2. 1)

अत्यन्ताकारणत्व (atyantākāraṇa-tva) *n.* the state of being absolutely a non-cause उत्तरस्य ज्ञानस्य जगत्कारणत्वाभावान्नान्योन्याश्रयणमिति चेन्न, अत्यन्ताकारणत्वेऽसत्त्वप्रसङ्गात् NyāySiA. 231. 28.

अत्यन्ताकुल (atyantākula) *adj.* [*f.*-ā] very much excited, agitated or occupied एवं संकोच्य चरणमत्यन्ताकुलमानसः। स्थितः शुष्कद्रुमस्याग्रे ··· ध्वाङ्क्षः PadmP.(Ra.) 7. 43; 102. 129; गोप्यः। विगलितगृहकृत्या विस्मृतापत्यभृत्या मुरहर मुहुरत्यन्ताकुला नित्यमासन् Nāray. x. 45. 7.

अत्यन्ताकुलता (atyantākula-tā) *f.* great excitedness तृष्णाव्यक्तिभिरुपेतत्वात् अत्यन्ताकुलतया दुःखमेव भवति TattvPradī.(A.) 97. 1 (*on* 1. 76);

अत्यन्ताकृतक (atyantākṛtaka) *adj.* which is totally or altogether not created or produced (eternal) यथा महत्यां खातायां मृदि व्योम्नि महत्त्वधीः । अल्पायां वाल्पधीरेवमत्यन्ताकृतके मतिः TattvSaṁ. 2230; S'loka-Vār. 6. 218 (785. 3); किञ्चात्यन्ताकृतकेऽपि व्योम्न्यस्त्येव व्यञ्जकानुविधायिनी महत्त्वा·

ल्पत्वबुद्धिः NyāyRa. 785. 11 (*on* 6. 218)

अत्यन्ताकृति (atyantākṛti) *f.* whole or complete form न चात्यन्ताकृतिर्नश्येत् TantrVā. 908. 17 (*on* iii. 3. 43)

अत्यन्ताक्लृप्त (atyantākḷpta) *adj.* totally unestablished पदानां त्वत्यन्ताक्लृप्तमेवान्वितप्रत्यायकत्वं कल्प्यम् NyāyRaMā. 96. 6; वाक्यं त्वत्यन्ताक्लृप्तमेव सर्वं कल्प्यम् NyāyRa. 947. 20 (*on* 7. 358); MayūMāli. 711. 16 (*on* x. 4. 18)

अत्यन्ताक्षम (atyantākṣama) *adj.* absolutely incapable मूर्च्छादशायामत्यन्ताक्षमस्य च जीवस्य S'ivārkaMaDī. i. 308. 11 (*on* i. 2. 1)

अत्यन्तागतिकता (atyantāgatika-tā) *f.* the state of being absolutely without a way out, complete helplessness तथा च सति सकृदाम्नातरूपव्याघातादत्यन्तागतिकतया तदाश्रयणात् S'āstrDī. 397. 4 (*on* iv. 4. 4)

अत्यन्तागम्यत्व (atyantāgamya-tva) *n.* the state of being absolutely unknowable or unattainable सुदूरे विप्रकृष्टतरे देशे वर्ततेऽविदुषामत्यन्तागम्यत्वात्तद् ब्रह्म MuṇḍUBh. 350. 2 (*on* iii. 1. 7)

अत्यन्तागृहीत (atyantāgṛhīta) *adj.* totally ungrasped हेतुरत्यन्तागृहीतार्थविषयैः प्रत्यक्षादिभिरनेकान्तः TātpaṬ.(U.) 39. 17 (*on* 3. 6); वासना … न सांवृतं घटादिकमत्यन्तागृहीतं ग्राहयति NyāyRa. 261. 11 (*on* 5(2). 181)

अत्यन्ताग्निकर (atyantāgnikara) *adj.* promoting very good digestion, excellent stomachic रसायनम् । अत्यन्ताग्निकरम् RaseCin. 9. 50 (132. 12)

अत्यन्ताग्निसंयोग (atyantāgnisaṁyoga) *m.* excessive contact with fire न च घृतादिद्रवत्ववदेवात्यन्ताग्निसंयोगादेतद् द्रवत्वं क्षीयेत Kiraṇā. 77. 11; सुवर्णादिकमपार्थिवम् अत्यन्ताग्निसंयोगेऽपि अनुच्छिद्यमानद्रवत्वाधिकरणत्वात् Lakṣaṇā. 5. 6; 9. 16; TarkSaṁ.(Ā.) 39. 7; पार्थिवेऽत्यन्ताग्निसंयोगस्य पूर्वरूपविजातीयरूपजनकत्वनियमात् TattvCin. i. 746. 8; Upask. 77. 12 (*on* ii. 1. 7); SarvaDaKau. 92. 4; पृथिवीद्रवत्वस्य जन्यजलद्रवत्वस्य चात्यन्ताग्निसंयोगनाश्यत्वात् SiddhāMu. 20. 25 (*on* 42); PūrvottaVāNaMā. 350. 17.

अत्यन्ताग्रह (atyantāgraha) *m.* total non-perception अत्यन्तग्रहेऽत्यन्ताग्रहे च नाध्यासः Bhām. 21. 21 (*on* i. 1. 1)

अत्यन्ताग्रहिन् (atyantāgrah-in) *adj.* extremely intent on, having great obstinacy तथा यो वितथाभिनिवेशी वितथे प्रमाणरहिते बौद्धचार्वाकादिसिद्धान्तादावभिनिवेशत्यन्ताग्रही तादृशेषु प्रत्यवाय(? प्रत्यय)वानन्त्यासु चण्डालादियोनिषु जायते Aparā. 997. 17 (*on* 3. 133)

अत्यन्ताघटमानता (atyantāghaṭamāna-tā) *f.* the state of being extremely unsuited or unfitting पुनः पुनर्नञः प्रयोगोऽत्यन्ताघटमानतादर्शनार्थः SyādvāMañ. 27(8)

अत्यन्ताघटित (atyantāghaṭita) *adj.* absolutely unfitting or unsuited अत्यन्ताघटितमिदं घटयतो जगन्नाथस्य … युक्तैव NyāySu.(Ja.) 435B. 2 (*on* ii. 3. 13)

अत्यन्ताचरिता (atyantācaritā) *adj.* (*f.*) followed or practised very closely or scrupulously योऽत्यन्ताचरितां वृत्तिं क्षत्रियो नानुवर्तते । … क्षत्रधर्मादपैति सः MahāBhā. xii. 94. 5.

अत्यन्ताचिन्त्यमूर्ति (atyantācintya-mūrti) *adj.* whose form is exceedingly inconceivable अत्यन्ताचिन्त्यमूर्तेश्चिरतरमजितस्यान्तरिक्षस्वरूपे तस्मिन्नस्माकमन्तःकरणमतिमुदा क्रीडतात्क्रोडभागे ViṣṇuPādāSt. 25.

अत्यन्ताच्छस्वभावत्व (atyantācchasvabhāva-tva) *n.* the state of having an extremely clear nature अत्यन्ताच्छस्वभावत्वात् स्फटिकादिर्यथा मणिः । उपरक्तो जपाद्यैस्तु स्वेन रूपेण नेक्ष्यते LakṣmīT. 14. 36.

अत्यन्ताज्ञ (atyantājña) *adj.* extremely ignorant नाना पश्यन्नत्यन्ताज्ञः S'rutaPra. iA. 77. 16 (*on* i. 1. 1); ManvaVi. 1528. 1 (*on* 12. 103)

अत्यन्ताज्ञातता (atyantājñāta-tā) *f.* the state of being absolutely unknown न चास्यात्यन्ताज्ञातता स्वतोऽपरोक्षार्थगोचरत्वस्योपाधेरवधारणात् S'atDū. 66. 11.

अत्यन्ताढ्य (atyantāḍhya) *adj.* very rich अत्यन्ताढ्यास्तपोभूत्या सिद्ध्याकांक्षणतत्पराः (मुनयः) PadmP.(Ra.) 14. 177.

अत्यन्ताणु (atyantāṇu) *adj.* extremely atomic नात्यन्ताणोर्महत्तास्त्यवयविनि हते मध्यमं क्वास्तु मानम् TattvMu. 5. 48.

अत्यन्तातङ्क (atyantātaṅka) *m.* great pain रोगाः समुद्भवन्त्यस्मिन्नत्यन्तातङ्कदायिनः TrisaS'aPuC. i. 1. 254.

अत्यन्तातथ्यत्व (atyantātathya-tva) *n.* extremely unreal nature अद्भुतत्वमत्यन्तातथ्यत्वरूपं द्रष्टव्यम् AlaṅkāMañ. 218. 2.

अत्यन्तातिरिक्त (atyantātirikta) *adj.* [*f.* -ā] totally different न धात्वर्थादत्यन्तातिरिक्ता भावना S'āstrDī. 101. 4 (*on* ii. 1. 1); TristhaSe. 19. 21.

अत्यन्तातिरेकिणी (atyantātirekiṇī) *adj.* (*f.*) totally different एवं यदि ज्योतिष्टोमत्वादीनि देशकालादिभेदाच्च तद्व्यक्त्योऽत्यन्तातिरेकिण्यो भवन्ति तथाप्यदोषः TantrVā. 456. 19 (*on* ii. 2. 2)

अत्यन्तातिशय (atyantātiśaya) *m.* extreme or maximum excellence or speciality एवं यावदत्यन्तातिशयवानन्त्यः कारणकलापो जातः ततः कार्यस्योत्पत्तिः HetuBiṬ. 130. 18; महान्तश्च ते ऋषयश्च तेषामेव गुणानामत्यन्तातिशयेन महान्तो भवन्ति ManuBh. i. 3. 17 (*on* 1. 1)

अत्यन्तातिशयित (atyantātiśayita) *adj.* most excellent, having exquisite excellence तत् कस्यचित् पुरुषवर्यस्य ज्ञानमत्यन्तातिशयितं सर्वविषयं भविष्यति NyāyRa. 80. 8 (*on* 2. 114)

अत्यन्तातिशयोक्ति (atyantātiśayokti) *f.* a kind of hyperbole (hyperbole of the highest degree) अत्यन्तातिशयोक्तिस्तु पौर्वापर्यव्यतिक्रमे Candrā. 5. 42 = Kuval. 43; AlaṅkāMañ. 58. 10.

अत्यन्तातिशोभित (atyantātiśobhita) *adj.* very much beautified यदक्षरं तृतीयान्ते तदत्यन्तातिशोभितः (v. l. °शोभितः) पादश्चतुर्थः दृश्येत बहिर्वलयमण्डले SāhiSā. 2. 159.

अत्यन्तातिसूक्ष्मतमत्व (atyantātisūkṣmatama-tva) *n.* the state of being extremely subtle परस्यात्यन्तातिसूक्ष्मतमत्वम् S'vetāUBh. 193. 1 (*on* 4. 16)

अत्यन्तातीन्द्रिय (atyantātīndriya) *adj.* [*f.* -ā] completely beyond the senses इह त्वत्यन्तातीन्द्रियत्वाद्यथाश्रुतादीषदप्यन्यथात्वे पौरुषेयत्वमापद्येत TantrVā. 11. 2 (*on* i. 2. 7); अत्यन्तातीन्द्रिये वस्तुनि साध्यमाने यावन्तो धर्मा दृष्टान्ते अन्वयव्यतिरेकपरिशुद्धाः सम्भवन्ति ते सर्वे प्रसज्यमानाः केन वार्यन्ते BrahmSūBh. (Bhā.) 8. 28 (*on* i. 1. 2); 92. 12 (*on* ii. 1. 11); अर्थापत्तिस्त्वत्यन्तातीन्द्रिये शक्त्यादौ प्रवर्तमाना कथं प्रत्यक्षपूर्विका NyāyRa. 162. 9 (*on* 4. 89); मूलप्रकृतिर्नाम … अत्यन्तातीन्द्रियाणि … समतामुपेतानि सत्त्वरजस्तमांसि द्रव्याणि S'rīBh. 465. 19 (*on* ii. 2. 1); S'rutaPra. ii. 277. 26 (*on* ii. 2. 1); NyāyPari. 97. 5; 150. 6; NyāySu.(Ja.) 111A. 12 (*on* i. 1. 3); केवलान्वयिन्यन्वयव्यतिरेकिणी चात्यन्तातीन्द्रियार्थगोचरता निरस्ता YatīndrDī. 20. 1; प्रकृतिः … अत्यन्तातीन्द्रियापि तत्कार्येणानुमीयते GoviBh. 114. 3 (*on* ii. 2. 1)

अत्यन्तात्महिता (atyantātmahitā) *adj.* (*f.*) highly beneficial to oneself कश्चिदासन्नभव्यः शिवकुमारनामा … धर्मार्थकामेभ्यः सारभूतामत्यन्तात्महितामविनश्वराम् … मुक्तिश्रियमुपादेयत्वेन स्वीकुर्वाणः … प्रतिज्ञां करोति TātpVṛ. 2. 11 (*on* 1. 0)

अत्यन्तात्मेच्छा (atyantātmecchā) *f.* absolutely one's own wish or will नयन्ति स्वगृहं प्रति । अत्यन्तात्मेच्छया चैव ĀdiP. 25. 65.

अत्यन्तान्तिक (atyantāntika) *adj.* extremely close, very near अत्यन्तान्तिकदेशे यूपाद्युत्पत्त्यसंभवाच्चात्र देशे यूपो दृष्टिपथमवतरति तद्देशत्वेनैव प्रयोजकत्वात् MayūMāli. 825. 15 (*on* xi. 3. 11)

अत्यन्तादर (atyantādara) *m.* highest regard, greatest care अतः प्रत्यवायगुरुत्वादत्यन्तादरः कर्तव्य इत्यर्थः HārLa. 99. 13; सर्वोत्कृष्टत्वसिद्धावेवात्यन्तादरकृतेनाभिमुख्येन ध्यानं भवति S'ivārkaMaDī. ii. 309. 26 (*on* iii. 3. 14)

अत्यन्तादरणीयत्व (atyantādaraṇīya-tva) *n.* the state of being very much worthy of regard पाशुपतमतस्य क्वचिदविरोधेऽपि नात्यन्तादरणीयत्वम् S'rutaPra. ii. 336. 24 (*on* ii. 2. 42)

अत्यन्तादर्शन (atyantādarśana) *n.* complete absence of perception अस्तित्वं च प्रतिज्ञाय सदादर्शनमिच्छतः । अत्यन्तादर्शने न स्यादसत्त्वं प्रति निश्चयः VākyaP. 3 (13). 11; दर्शनाभावोऽत्यन्तादर्शने भवति BālamBha. i. 261. 3 (*on* 1. 89)

अत्यन्तादुर्बला (atyantādurbalā) *adj.* (*f.*) not very weak अपरिक्लिष्टां अत्यन्तादुर्बलां गां दत्त्वा दाता स्वर्गे महीयते पूज्यते Mitā. 71. 23 (*on* 1. 208)

अत्यन्तादृत (atyantādṛta) *adj.* very much honoured अत्यन्तादृतसत्कविर्गुरुकृपाधारः … विजयतामानन्दरङ्गः क्षितौ ĀnandaRa. 8. 38.

अत्यन्तादृष्ट (atyantādṛṣṭa) *adj.* [*f.* -ā] absolutely unperceived or uncognised यथा न योगजाद्धर्मादशुक्ले शुक्लप्रत्ययः सञ्जायते अत्यन्तादृष्टे च प्रत्यभिज्ञानम् PadārthaSaṁ. 322. 6; NyāyKa. 323. 26; अत्यन्तादृष्टा हि वाचकशक्तिः TantrVā. 225. 19 (*on* i. 3. 23); अत्यन्तादृष्टे वासनानुपपत्तेः PraśnaUBh. 276. 5 (*on* 4. 5); दृष्टानुसारेण कथंचिदुपपत्तौ अत्यन्तादृष्टकल्पनाया अयोगात् TātpaṬ. (Vā.) 72. 4 (*on* i. 1. 1); अथ कर्मस्वरूपमप्यनुमानेनैव गृह्येत न अत्यन्तादृष्टेन तेन कस्यचिल्लिङ्गस्य संबन्धग्रहणासंभवात् NyāyRa. 371. 10 (*on* 5(4). 75); तत्रात्यन्तादृष्टमपूर्वम् S'āstrDī. 798. 9 (*on* xi. 1. 3); SarvaDaSaṁ. 9. 102; MānaMe. 62. 5; MayūMāli. 25. 12 (*on* i. 3. 3)

अत्यन्तादृष्टचर (atyantādṛṣṭa-cara) *adj.* never perceived before नित्यज्ञानादिकं ह्यत्यन्तादृष्टचरं सो(? नो)त्प्रेक्षामप्यर्हतीति NyāyKu. 98. 18.

अत्यन्तादृष्टचरत्व (atyantādṛṣṭacara-tva) *n.* the state of having never been perceived before तथात्वस्यात्यन्तादृष्टचरत्वेन लक्षणासंभवित्वात् Tattv-

Pradī.(Ci.) 107. 8.

अत्यन्तादृष्टत्व (atyantādṛṣṭa-tva) *n.* the state of being absolutely unperceived तदा यजमानफलोत्पत्तेरत्यन्तादृष्टत्वात्तदाशङ्का TantrVā. 1014. 6 (*on* iii. 4. 41)

अत्यन्तादृष्टपूर्व (atyantādṛṣṭa-pūrva) *adj.* never seen before, absolutely unperceived before न चात्यन्तादृष्टपूर्वाणां कल्पनाजालगोचरत्वमिति चोपपादितम् TātpaṬ.(Vā.) 172. 21 (*on* i. 1. 5); 413. 4 (*on* ii. 1. 52); आर्द्रमरिचमञ्जर्यादिष्वत्यन्तादृष्टपूर्वेषु … झटिति निश्चयोत्पादादर्शनात् VivaPraSaṁ. 124. 17.

अत्यन्तादृष्टार्थ (atyantādṛṣṭārtha) *adj.* which is intended for an absolutely unperceived result इतरथा दीर्घेण कर्त्रा विशेषणमत्यन्तादृष्टार्थं भवेत् TantrVā. 894. 4 (*on* iii. 3. 27); यश्च ग्रहेषु देवतोद्देशः सोऽत्यन्तादृष्टार्थ एव S'āstrDī. 699. 3 (*on* x. 4. 2)

अत्यन्तादृष्टार्थत्व (atyantādṛṣṭārtha-tva) *n.* the state of having an absolutely unperceived purpose अत्यन्तादृष्टार्थत्वमेव केवलं शास्त्रप्रत्ययाधीनम् TantrVā. 228. 21 (*on* i. 3. 25)

अत्यन्ताद्भुत (atyantādbhuta) *adj.* extremely wonderful तया सह विवदमानोऽत्यन्ताद्भुतमिति ब्रूयात् KāmSū. 268. 13 (5. 2)

अत्यन्ताद्भुतरूपा (atyantādbhuta-rūpā) *adj.* (*f.*) having an extremely wonderful appearance or form अत्यन्ताद्भुतरूपां तां दृष्ट्वा कापि पणाङ्गना RatnaCūKa. 354.

अत्यन्ताद्भुतवीर्य (atyantādbhuta-vīrya) *adj.* with extremely wonderful virility or strength अत्यन्ताद्भुतवीर्येण येनाष्टौ कर्मशत्रवः। क्षपिताः क्षणमात्रेण हरिणेवेह दन्तिनः (जिनेन्द्रः) PadmP.(Ra.) 114. 24.

अत्यन्ताद्वैत (atyantādvaita) *n.* absolute non-duality (i. e. absolute monism) श्रुत्यनुसारिकाशकृत्स्नमतादत्यन्ताद्वैतसिद्धौ … तदालोचनेन तन्निर्देश इत्यर्थात्स्थितम् VedāntKa. 220. 19 (*on* i. 4. 22)

अत्यन्ताधम (atyantādhama) *adj.* very low or vile स्थाणुम् … अन्ये अत्यन्ताधमाः … अनुसंयन्ति KāṭhUBh. 163. 9 (*on* 5. 7); श्वकाकादयोऽप्यत्यन्ताधमा देवैः सह संस्पर्धेरन् ManuBh. ii. 7. 1 (*on* 7. 21); PārśvC. 7. 760; VīraMi.(Tīrtha.) 180. 2.

अत्यन्ताधार्मिक (atyantādhārmika) *adj.* extremely unjust or unrighteous एतच्च प्रमादस्खलिताधर्मविषयत्वे न त्वत्यन्ताधार्मिकसन्धिकारस्तेनादिविषये ManvaMu. 308. 2 (*on* 8. 104)

अत्यन्ताधिक (atyantādhika) *adj.* very much more, too much श्राद्धार्थमुपकल्पितमप्यन्नादिकमत्यन्ताधिकं दाता न दद्यात् भोक्ता न च प्रतिगृह्णीयात् CaturCin. iii(1). 1020. 11; सर्वमूलनाशस्तु नास्मिन् विषये विकल्प्यते। अत्यन्ताधिकहानित्वात् SmṛtiCan. iv. 324. 7; v. 87. 20.

अत्यन्ताधिकप्रखरा (atyantādhika-prakharā) *adj.* (*f.*) (a kind of lady-friend) very much sharp (सखी) तत्रात्यन्ताधिकप्रखरा UjjvaNīMa. 190. 9.

अत्यन्ताधिकमध्या (atyantādhika-madhyā) *adj.* (*f.*) (a kind of lady-friend) falling very much in the middle (in between the sharp and the soft ones) (सखी) तत्रात्यन्ताधिकमध्या UjjvaNīMa. 191. 1.

अत्यन्ताधिकमृद्वी (atyantādhika-mṛdvī) *adj.* (*f.*) (a kind of lady-friend) very much soft (सखी) तत्रात्यन्ताधिकमृद्वी UjjvaNīMa. 191. 7.

अत्यन्ताधिक्य (atyantādhikya) *n.* too much excess (व्यायामः) अत्यन्ताधिक्यान्वितो हन्ति मर्त्यम् KalyāKā. 6. 9; दण्डेऽप्यत्यन्ताधिक्यमाह कात्यायनः SmṛtiCan. iv. 553. 6.

अत्यन्ताध्मानक (atyantādhmāna-ka) *adj.* very much puffing अत्यन्ताध्मानकश्चैव जलपूर्णमिवोदरम्। कृशस्य यस्य वाहस्य भवेत्तस्योदकोदरम् AśvaCi. 52. 11.

अत्यन्ताध्यारोप (atyantādhyāropa) *m.* exessively incorrect attribution तत्र यद्वृत्तिकारेणोदाहरणम् … दत्तं तदत्यन्ताध्यारोपाभिभवाभिप्रायप्रयुक्तमित्यनादृतम् TantrVā. 178. 23 (*on* i. 3. 10)

अत्यन्ताध्रुव (atyantādhruva) *adj.* highly transient or impermanent स विद्वान् ध्रुवान् नित्यान् अत्यन्ताध्रुवापेक्षया … अभिप्राप्नोति ChāndoUBh. 428. 10 (*on* vii. 4. 3)

अत्यन्तानतिक्रम (atyantānatikrama) *m.* complete non-transgression (something which cannot at all be set aside) प्रकृतिग्रहणम् … औपदेशिकत्वाद्धात्यन्तानतिक्रमार्थम् TantrVā. 887. 12 (*on* iii. 3. 19)

अत्यन्तानतिदूर (atyantānatidūra) *n.* [Loc.] very near (*lit.* not very much afar) यत्रात्यन्तानतिदूरे पात्रलक्षणान्वितो विप्रोऽस्ति SmṛtiCan. v. 415. 15.

अत्यन्तानतिरेकिणी (atyantānatirekiṇī) *adj.* (*f.*) absolutely not exceeding, absolutely not different पदैक्येऽप्यविरुद्धेयमत्यन्तानतिरेकिणी (जातिः) S'lokaVār. 7. 192 (899. 1)

अत्यन्ताननुभूत (atyantānanubhūta) *adj.* absolutely not experienced or perceived (before) अत्यन्ताननुभूतत्वमस्ति तत्कारितं यतः VibhraVi. 139; अत्यन्ताननुभूतोऽपि बुद्ध्या योऽर्थः S'lokaVār. 5(2). 113 (244. 2); अत्यन्ताननुभूतेषु हिमवत्पृष्ठवस्तुषु। जाग्रतोऽनुभवोऽप्येवं सुषुप्तान्न विशिष्यते BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 995; स्वप्ने तु … अत्यन्ताननुभूतस्य स्मृतिरिति कथ्यमानमेव त्रपाकरम् NyāyMañ. i. 168. 13; TattvBi. 74. 1; Kāśi. ii. 114. 20 (*on* 5(3). 51); NyāyKa. 268. 5; Bhām. 78. 16 (*on* i. 1. 4)

अत्यन्ताननुरूप (atyantānanurūpa) *adj.* very much incongruous अत्यन्ताननुरूपसंघटनयोर्विरूपयोश्च संघटनं तत्तृतीयं विषमम् AlaṅkāSa. 131. 1; अत्यन्ताननुरूपाणां चारण्यादीनां परस्परं संघटनम् AlaṅkāSa. 131. 14; स्वमतिसूर्यप्रभववंशयोरत्यन्ताननुरूपत्वकथनोत्तरम् RasGaṅ. 678. 2.

अत्यन्ताननुष्ठान (atyantānanuṣṭhāna) *n.* complete absence of performance प्रवृत्त्यनुकूलत्वमपि नात्यन्ताननुष्ठाने संभवति MīmāKau. i. 17. 12 (*on* i. 3. 3)

अत्यन्तानन्तसौख्य (atyantānanta-saukhya) *n.* extreme and infinite bliss निर्वाहे पुनरत्यन्तानन्तसौख्यविधायिनी … भविता सिद्धिः PārśvC. 7. 256.

अत्यन्तानन्दमग्न (atyantānanda-magna) *adj.* immersed in extreme joy अत्यन्तानन्दमग्नान्यानन्दरसेन वनान्युत्फुल्लितानि संसिद्धानि कोटिशः SāmaraU. 266. 2.

अत्यन्तानन्दसन्दोह (atyantānanda-sandoha) *m.* flow of extreme joy अत्यन्तानन्दसन्दोहदायिनी परिवर्ण्यते। योषिदित्यनुवर्तते AlaṅkāS'e. 13. 2.

अत्यन्तानन्यत्व (atyantānanya-tva) *n.* the state of being absolutely non-different अत्यन्तानन्यत्वे च जातिरेव न स्यात् PrakaVi. 535. 20.

अत्यन्तानन्यमूलत्व (atyantānanyamūla-tva) *n.* the state of having absolutely the same basis अत्यन्तानन्यमूलत्वाच्छ्रुतितस्तत्प्रमाणता TantrVā. 121. 11 (*on* i. 3. 7)

अत्यन्तानन्वित (atyantānanvita) *adj.* quite unconnected न ह्यत्यन्तानन्वितानां क्षणानाम् … संबन्धे विशेषः IṣṭaSi. 53. 11.

अत्यन्तानपक्रमण (atyantānapakramaṇa) *n.* absolute absence of going away (i. e. escaping) यूपद्वये युगपन्नियोजने सति दार्ढ्यातिशयात्पशोरत्यन्तानपक्रमणसिद्ध्या … समुच्चय एव युक्तः MayūMāli. 768. 20 (*on* x. 7. 18)

अत्यन्तानपेक्षत्व (atyantānapekṣa-tva) *n.* the state of being completely unconcerned or devoid of expectation (of past deeds) ईश्वरस्य च अत्यन्तानपेक्षत्वे लौकिकस्यापि पुरुषकारस्य वैयर्थ्यम् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 477. 19 (*on* ii. 3. 42)

अत्यन्तानपेक्षा (atyantānapekṣā) *f.* complete non-expectation न चैवमनुमानस्यात्यन्तानपेक्षा स्यादिति वाच्यम् VivaPraSaṁ. 269. 10.

अत्यन्तानपेक्षित (atyantānapekṣita) *adj.* absolutely not required किमत्यन्तानपेक्षितमेव … मानान्तरम् PrakaVi. 43. 19.

अत्यन्तानभिज्ञ (atyantānabhijña) *adj.* quite ignorant तदत्यन्तानभिज्ञस्य चोद्यम् NyāyMañ. i. 105. 29; अस्मद्भाग्यवशाच्चैतावप्यत्यन्तानभिज्ञौ दैवेन पशूकृत्योपहृतौ KaṁVa. 6. 20 (3)

अत्यन्तानभिधेय (atyantānabhidheya) *adj.* absolutely not denotable or expressible जात्या स्वनिबन्धनभूतया विना अत्यन्तानभिधेयक्रियागुणमात्रद्वारेणान्यत्र वर्तितुमर्हति TantrVā. 320. 14 (*on* i. 4. 21)

अत्यन्तानभिलषणीया (atyantānabhilaṣaṇīyā) *adj.* (*f.*) extremely undesirable मातुलस्य सुताः पैतृष्वसेयीमिव भार्यात्वेन अत्यन्तानभिलषणीयां त्यजन्ति VīraMi.(Saṁskāra.) 719. 8.

अत्यन्तानर्थक (atyantānarthaka) *adj.* absolutely useless पुनर्विधानं चात्मनेपदस्यात्यन्तानर्थकम् S'āstrDī. 9. 13 (*on* i. 1. 1)

अत्यन्तानर्थक्य (atyantānarthakya) *n.* absolute futility अत्रैन्द्रवायवादिवाक्यानां यागविधायकत्वाभावेऽत्यन्तानर्थक्यम् MayūMāli. 138. 20 (*on* ii. 2. 6); 692. 24 (*on* x. 3. 17); 832. 12 (*on* xi. 4. 3)

अत्यन्तानर्थक्यप्रसङ्ग (atyantānarthakya-prasaṅga) *m.* occasion for absolute futility अन्यथा 'बह्वल्पं वा स्वगृह्योक्तम्' इत्यस्य निर्विषयत्वेनात्यन्तानर्थक्यप्रसङ्गापत्तेः MīmāKau. i. 98. 15 (*on* i. 3. 15); अत्यन्तानर्थक्यप्रसङ्गाच्च ददातिनैवान्वय इत्यर्थः MayūMāli. 692. 18 (*on* x. 3. 17)

अत्यन्तानर्थक्याभाव (atyantānarthakyābhāva) *m.* absence of absolute futility विभक्तिलक्षणायाः … जात्यभिप्रायेणानुवादतया … अत्यन्तानर्थक्याभावात् MayūMāli. 195. 9 (*on* ii. 1. 7)

अत्यन्तानर्थहेतुत्व (atyantānarthahetu-tva) *n.* the state of being the cause of great evil द्विर्वचनमत्यन्तानर्थहेतुत्वप्रदर्शनार्थम् ChāndoUBh.

550. 17 (*on* viii. 14. 1)

अत्यन्तानलसंयुक्त (atyantānala-saṁyukta) *adj.* brought into contact with intense fire सुवर्णरूपपरावृत्तेरपि … अत्यन्तानलसंयुक्तवज्ररूपापरावृत्तेरिव वस्तुस्वभावेन वोपपत्तेः PūrvottaVāNaMā. 81. 2.

अत्यन्तानलसंयोग (atyantānala-saṁyoga) *m.* contact with intense fire सुवर्णादि न पार्थिवम्, अत्यन्तानलसंयोगेऽपि अपरावर्तमानरूपवत्त्वात् Kiraṇā. 78. 14; अत्यन्तानलसंयोगेनानुच्छिद्यमानजन्यद्रवत्वाधिकरणत्वेन व्यतिरेकिणा तेजस्त्वानुमानात् Upask. 74. 4 (*on* ii. 1. 3); अस्ति हि सुवर्णस्यात्यन्तानलसंयोगेऽपि पीतं रूपम् TattvCin. i. 746. 8; अत्यन्तानलसंयोगेऽपि अनुच्छिद्यमानद्रवत्वात् Siddhā-Mu. 20. 24 (*on* 42); अत्यन्तानलसंयोगेन तदीयद्रवत्वस्य वज्ररूपस्येव अनुवृत्तेरपि वस्तुस्वभावादेवोपपत्तेः PūrvottVāNaMā. 81. 3.

अत्यन्तानवगत (atyantānavagata) *adj.* completely unknown श्रोतॄणां पुनरत्यन्तानवगतेऽर्थे प्रवर्तमानं पुरुषवाक्यमपि न वेदवाक्याद् भिद्यते TantrVā. 425. 12 (*on* ii. 1. 46); 47. 4 (*on* i. 2. 29); अत्यन्तानवगतस्य कालान्तरसम्बन्धस्यानुमानेन ग्रहणे NyāyRaMā. 61. 26; अत्यन्तानवगतमलौकिकं ब्रह्मावबोध्यते Bhām. 197. 19 (*on* i. 3. 7); न तु अत्यन्तानवगतस्वर्गस्य MayūMāli. 579. 20 (*on* ix. 1. 4)

अत्यन्तानवच्छिन्न (atyantānavacchinna) *adj.* extremely uninterrupted यत्पुनः शङ्खेन त्रिवार्षिकमुक्तम् … तत्कामतोऽत्यन्तानवच्छिन्नाभ्यासविषयम् Mitā. 480. 27 (*on* 3. 287); 489. 5 (*on* 3. 289)

अत्यन्तानवरत (atyantānavarata) *adj.* extremely uninterrupted अत एव शालग्रामबाणलिङ्गादौ हरिहरयोः अत्यन्तानवरतसांनिध्यप्रयुक्तावावा(? क्तावा)-हनादिहापि … आवाहनं तन्मुद्राश्च न प्रदर्श्या: LalitāSaBh. 208. 28 (*on* 255)

अत्यन्तानात्मभूत (atyantānātmabhūta) *adj.* totally different from the self अत्यन्तानात्मभूतस्य यश्चित्तस्यानुवर्तते । पर्यन्तवासिनः कस्मान्न म्लेच्छस्यानुवर्तते YogVā. iii. 121. 63.

अत्यन्तानादरणीय (atyantānādaraṇīya) *adj.* fit to be completely disregarded कथं न्यायशास्त्रस्यात्यन्तानादरणीयत्वम् S'ivārkaMaDī. ii. 77. 29 (*on* ii. 2. 16)

अत्यन्तानारूढ (atyantānārūḍha) *adj.* completely unperceived (*lit* not mounted) ननु बुद्धावनारूढस्य कथमभावेनापि विशेष्यता, नायमत्यन्तानारूढः (स्फोटः) NyāyRa. 543. 18 (*on* 5(11). 134)

अत्यन्तानाशङ्कनीय (atyantānāśaṅkanīya) *adj.* not at all to be doubted or objected एकप्रयोगत्वेऽपि … प्रयोगभेदोऽपि नापेक्षित इति तन्त्रत्वमत्यन्तानाशङ्कनीयम् MayūMāli. 831. 9 (*on* xi. 4. 2)

अत्यन्तानियत (atyantāniyata) *adj.* most unrestrained इदमत्यन्तानियतानां ब्राह्मण्यादीनां गमने (यमोक्तम्) Aparā. 1121. 12 (*on* 3. 268)

अत्यन्तानिर्हार्य (atyantānirhārya) *adj.* absolutely irremovable भुक्तस्नेहोऽत्यन्तानिर्हार्यः SmṛtiCan. ii. 268. 3; VīraMi.(Āhnika.) 115. 5; Bālam-Bha. i. 457. 23 (*on* 1. 195)

अत्यन्तानिष्ट (atyantāniṣṭa) *adj.* most undesired अत्यन्तानिष्टस्य ज्वालापञ्जरान्तर्व्यवस्थितत्वादेर्वरमित्यभ्युपगमपूर्वं विधानम् AlaṅkāRa. 49. 46; आदिशब्देन अत्यन्तानिष्टश्रवणादि अभिप्रेतम् S'rutaPra. ii. 433. 29 (*on* iii. 2. 10)

अत्यन्तानिष्टप्रसङ्ग (atyantāniṣṭa–prasaṅga) *m.* contingency of the most undesirable consequence तेनात्यन्तानिष्टप्रसङ्गः TantrVā. 1128. 8 (*on* iii. 7. 3)

अत्यन्तानुकल्प (atyantānukalpa) *m.* most secondary procedure जातदन्तस्य दाहोऽनुकल्पः कृतनाम्नस्तु अत्यन्तानुकल्पः BālamBha. iii. 4. 10 (*on* 3. 1)

अत्यन्तानुकूल (atyantānukūla) *adj.* extremely favourable येनात्यन्तानुकूलेन नरपक्षी विमोचितः PadmP.(Ra.) 10. 173; तेषामीश्वरतद्गुणविभूतिसाक्षात्कारस्यात्यन्तानुकूलस्य निरवधिकातिशयत्वेऽपि … तद्व्यावृत्तिः S'rutaPra. iA. 18. 7 (*on* i. 1. 1); अत्यन्तानुकूलरूपरसगन्धादियोगाच्च NyāySiA. 235. 21.

अत्यन्तानुकूलत्व (atyantānukūla–tva) *n.* the state of being extremely favourable or beneficial निरोधसमाधेरत्यन्तानुकूलत्वात् RājMār. 7. 12; सत्त्वं नाम परगतदुःखभावनायामत्यन्तानुकूलत्वम् RasTa. 57. 6; पुरुषं प्रति भगवतोऽत्यन्तानुकूलत्वात् Nyāyāmṛ. 619B. 6.

अत्यन्तानुगत (atyantānugata) *adj.* highly devoted or loyal (नृपतिः) अत्यन्तानुगतं शुचिम् ।… युञ्ज्यान्महति कर्मणि MahāBhā. xii. 94. 14.

अत्यन्तानुगामिन् (atyantānugāmin) *adj.* following closely केवलं चिरकालेन मयात्यन्तानुगामिना YogVā. iii. 106. 45.

अत्यन्तानुगुण (atyantānuguṇa) *adj.* extremely suitable चतुर्थे चाध्याये … अनिमित्तोत्पत्तिसर्वनित्यत्वादिनिराकरणं चात्यन्तानुगुणम् NyāyPari. 25. 2; तथा सति आत्मयाथात्म्यविच्छब्दोऽप्यत्यन्तानुगुणः NyāySiA. 224. 18.

अत्यन्तानुचित (atyantānucita) *adj.* [*f.* –ā] absolutely improper अत्यन्तानुचितं चान्यह्लवन्यैः …। रक्षितं रक्षिणो न्यस्य हतक्ष्माभृत्कलेवरम् RājTa. (Ka.) 8. 1457; RājTa.(S'rī.) 4. 187; अत्यन्तानुचितां क्षत्रव्रतस्य च कुलस्य च । कृष्णाकेशाम्बराकृष्टिं तदा कारयतस्तव PāṇḍaC. 13. 886; भीतोन्मत्तादिस्वामिना कृतनिवर्तकेन सहान्यस्य विवादो नात्यन्तानुचितः इत्यभिप्रायः SmṛtiCan. iii. 307. 1.

अत्यन्तानुचितत्व (atyantānucita–tva) *n.* the state of being absolutely improper, absolute impropriety व्यञ्जनावग्रहकाले दर्शनपरिकल्पनस्य चात्यन्तानुचितत्वात् JñānBiPra. 46. 28; प्रधानयजमानस्य तत्सङ्कोचकत्वकल्पनस्यात्यन्तानुचितत्वात् BālamBha. i. 265. 29 (*on* 1. 89)

अत्यन्तानुच्छेद (atyantānuccheda) *m.* absence of total annihilation अपि च सन्तानत्वमपि भविष्यति अत्यन्तानुच्छेदश्च भविष्यति SyādvāMañ. 8. 260; जात्याश्रयाणां व्यक्तीनामत्यन्तानुच्छेदात् YuktiSneha. 147. 12 (*on* i. 1. 6); मनसोऽत्यन्तानुच्छेदेन प्रत्यभिज्ञोपपत्तिः GuruCandr. iii. 50. 14; मनसः सुषुप्तावत्यन्तानुच्छेदेन प्रत्यभिज्ञोपपत्तिः LaCandr. 596. 28.

अत्यन्तानुताप (atyantānutāpa) *m.* intense repentance प्रियं किंचिदवमत्य अत्यन्तानुतापः कलहान्तरितायां हितकारिणीत्वम् S'ṛṅgāMañ.(A.) 39. 18.

अत्यन्तानुत्पत्ति (atyantānutpatti) *f.* total non-production कथमत्यन्तानुत्पत्तिः S'āstrDī. 125. 35 (*on* i. 1. 5)

अत्यन्तानुत्पन्न (atyantānutpanna) *adj.* not produced at all पूर्वस्यात्यन्तानुत्पन्नस्य न तावदुत्तरोत्पत्तिर्व्याप्रियते NyāyRa. 840. 18 (*on* 6. 429)

अत्यन्तानुत्पाद (atyantānutpāda) *m.* absolute non-origination तेषां नवानामात्मगुणानामत्यन्तानुत्पादो मोक्षः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 487. 6 (*on* ii. 3. 50)

अत्यन्तानुपपत्ति (atyantānupapatti) *f.* **i** absolute impossibility प्रदीपे तु प्रभामण्डलस्यावयवविश्लेषमन्तरेणात्यन्तानुपपत्तेः S'āstrDī. 143. 2 (*on* i. 1. 6); अग्निरात्मानं दहतीतिवदत्यन्तानुपपत्तेः VedāntTaSā. 71. 7; **ii** absolute inexplicability तत्रापि द्विवचनस्यात्यन्तानुपपत्तेः ऋत्विग्गामित्वम् S'āstrDī. 340. 13 (*on* ii. 8. 15); **iii** absolute absence (of means) वस्तुतः क्षत्रियब्रह्मचारिणामिवात्यन्तानुपपत्तौ प्राणयात्रार्थं भिक्षाटनेऽपि न दोषः VīraMi. (Tīrtha.) 165. 25.

अत्यन्तानुपपद्यमान (atyantānupapadyamāna) *adj.* absolutely incompatible अत्यन्तानुपपद्यमानगुणानुसारेण … तृचशास्त्रवर्णनमेव युक्तम् Mayū. Māli. 604. 14 (*on* ix. 2. 4)

अत्यन्तानुपपन्न (atyantānupapanna) *adj.* **i** extremely inexplicable अत्यन्तानुपपन्नं तु दृष्ट्वा तस्याः समागमम् । तामेव ध्यातवानस्मि BṛKathāS'loSaṁ. 18. 628; **ii** absolutely inappropriate, absolutely untenable येषामितिकर्तव्यता नास्ति तेषां प्रायश्चित्तविधानमत्यन्तानुपपन्नम् ṬupṬ. 117. 12 (*on* vi. 3. 7); प्रधानयागाद्युपयोगिनां हविषामपि प्रयाजशेषं प्रति गुणत्वमत्यन्तानुपपन्नम् S'āstrDī. 362. 3 (*on* iv. 1. 14); आत्मभेदस्यान्तःकरणोपाधिकत्वाभावाच्च एकमनोमूलत्वनिर्बन्धोऽत्यन्तानुपपन्नः S'rutaPra. ii. 648. 11 (*on* iv. 4. 16); ii. 234. 17 (*on* ii. 1. 15); (उपहितांशभेदपक्षः) स्थिरात्मपरित्यागप्रसङ्गाच्चात्यन्तानुपपन्नः VedāntTaSā. 47. 3.

अत्यन्तानुपयोग (atyantānupayoga) *m.* extreme uselessness तत्रात्यन्तानुपयोगादत्र वैपरीत्यादित्यर्थः BālamBha. iii. 151. 3 (*on* 3. 257)

अत्यन्तानुपलब्ध (atyantānupalabdha) *adj.* absolutely unperceived क्वचिज्ज्ञातेषु दूरादिकारणे संशयोऽपि च । नात्यन्तानुपलब्धेषु त्वभावोऽतोऽस्य निश्चितः BṛĀraUBhVā. (Sambandha.) 880; अत्यन्तानुपलब्धवस्तुनि पुनर्यः पञ्चकानुद्भवः … तत्रापरं कारणमन्विच्छन्ति मनीषिणः SaṁkṣeS'ā. 3. 257 (ii. 298. 19); विशेषस्मृत्यपेक्षो हि संशयो नात्यन्तानुपलब्धधर्मवत्तायां भवितुमर्हति TātpaṬ.(Vā.) 183. 14 (*on* i. 1. 5); अत्यन्तानुपलब्धस्य तु शशविषाणवत् खड्गादौ लिङ्गस्यासत्त्वमेव Pradī. iv. 20. 24 (*on* iv. 1. 3); अत्यन्तानुपलब्धशीतोष्णविशेषं तदेवेत्यपि न वाच्यम्, अत्यन्तानुपलब्धस्य विशेषस्य कल्पकाभावात् NyāySiA. 251. 8.

अत्यन्तानुपलब्धि (atyantānupalabdhi) *f.* complete absence of perception, absolute non-apprehension अत्यन्तानुपलब्धिश्चाभावकारणम् NyāyBh. 179. 11 (*on* iii. 1. 40); न ब्रूमो विनाशहेतोरग्निदण्डादेर्निवृत्तौ भावेन भवितव्यमिति; किं तर्हि, भावाभावस्यात्यन्तानुपलब्धिलक्षणस्य PramāVāSvopVṛ. 96. 16; न च निर्विषया निराश्रया वा संविन्नाम काचित्संभवति, अत्यन्तानुपलब्धेः ĀtmaSi. 22. 3; तन्न, तस्य कार्यजातस्य कारणात्मनः सदातनत्वेन … कुम्भस्यात्यन्तानुपलब्धिप्रसङ्गात् Bhām. 345. 11 (*on* ii. 1. 12); S'rīBh. 40. 5 (*on* i. 1. 1)

अत्यन्तानुपलभ्य (atyantānupalabhya) *adj.* totally unperceivable नन्वत्यन्तानुपलभ्यं कथं विनश्यति TattvVai. 91. 13 (*on* 2. 22)

अत्यन्तानुपलम्भ (atyantānupalambha) *m.* complete non-apprehension को हि विशेषोऽत्यन्तानुपलम्भे सदसतोरुपलम्भसाध्येष्वर्थेषु PramāVāSvopVṛ. 90. 5.

अत्यन्तानुपस्थित (atyantānupasthita) *adj.* absolutely non-present पूर्वत्रार्थवादोपनीतत्वात्फलस्यास्तु नैमित्तिकत्वं, प्रकृते त्वत्यन्तानुपस्थितं फलं कल्प-

-नीयमित्यनङ्गत्वम् MayūMāli. 399. 32 (*on* iv. 4. 8)

अत्यन्तानुपस्थिति (atyantānupasthiti) *f.* total absence, complete non-presentation यद्यपि तावद्धिरण्यविशिष्टधारणविधिस्थापि तस्य फलापेक्षायाम् ··· नात्यन्तानुपस्थिति(? त)फलकल्पना SāstrDī. 271. 16 (*on* iii. 4. 12)

अत्यन्तानुपहत (atyantānupahata) *adj.* totally undefiled अनुपस्कृत-मखातपूरितमथवाऽत्यन्तानुपहतम्। सर्वशेषश्चायम् ManuBh. i. 475. 8 (*on* 5. 111)

अत्यन्तानुपाख्येय (atyantānupākhyeya) *adj.* absolutely indescribable नत्वर्थस्यामात्रार्थीभूतस्याविधिविषयत्वात्। अत्यन्तानुपाख्येयनञर्थवादिनां च सुतरामविधिविषयत्वं तदर्थस्य Kāśi. i. 166. 8 (*on* 2. 203)

अत्यन्तानुपादानार्थ (atyantānupādānārtha) *adj.* intended for total rejection or avoidance एवमन्येऽपि सामान्यतः प्रतिषेधसिद्धौ विशेषप्रतिषेधा अत्यन्तानुपादानार्था वेदितव्याः Aparā. 450. 23 (*on* 1. 222)

अत्यन्तानुरक्ति (atyantānurakti) *f.* great attachment अत्र धनाद्यपेक्षाशून्यस्य भगवद्दृगन्तपाताभिलाषा हि भगवत्यत्यन्तानुरक्तिं व्यनक्ति RasGaṅ. 119. 1.

अत्यन्तानुरञ्जन (atyantānurañjana) *n.* much entertainment अथ च निर्वेदः ··· अत्यन्तानुरञ्जनाय हासविस्मयादिवन्न भवति Kāvyānu.(He.) 115. 17.

अत्यन्तानुवृत्ति (atyantānuvr̥tti) *f.* full compliance, complete obedience यथा तापसवत्सराजचरिते पद्मावतीं प्रति कामोत्पत्तिर्वत्सेश्वरस्य निमित्तमत्यन्तानुवृत्तिर्नाम AbhinBhā. iii. 197. 15 (*on* 22. 159)

अत्यन्तानुसन्धान (atyantānusandhāna) *n.* too much contemplation भगवन्नलमत्यन्तानुसन्धानेन DhūrtaSa. 85. 8.

अत्यन्तानृत (atyantānr̥ta) *n.* extreme untruth प्रत्यक्षवेदशब्दत्वात्तदुक्ता नापशब्दता न ह्यत्यन्तानृतं वक्तुं शक्यते पूर्वपक्षिणा TantrVā. 162. 8 (*on* i. 3. 12); न ह्यत्यन्तानृतमुद्धतं च बुद्धो वदतीति संभावयामः NyāyRa. i. 85. 13 (*on* 2. 131)

अत्यन्तानौचित्य (atyantānaucitya) *n.* great impropriety पितुः पितृष्वसुनवमी मातुः पितृष्वसुसप्तमी च त्याज्येत्यस्यात्यन्तानौचित्यात् BālamBha. i. 193. 9 (*on* 1. 53)

अत्यन्तानौपयिकत्व (atyantānaupayika-tva) *n.* complete uselessness पौरुषेयवाक्ये तु लक्षणनिरपेक्षस्य लोकस्य व्यवहारसिद्धेरत्यन्तानौपयिकत्वम TantrVā. 425. 9 (*on* ii. 1. 46); 29. 12 (*on* i. 2. 11)

अत्यन्तान्तरङ्ग (atyantāntaraṅga) *adj.* very closely related or intimate चिदात्मस्वभावस्य तत्त्वज्ञानस्यात्यन्तान्तरङ्गस्य कुतोऽनिर्वाच्ययाविद्यया बाधः Bhām. 25. 18. (*on* i. 1. 1)

अत्यन्तान्तरङ्गत्व (atyantāntaraṅga-tva) *n.* the state of being very closely related तदनन्तरमप्येकगोत्रत्वे सति स्वपितृकुलत्वेनात्यन्तान्तरङ्गत्वात् BālamBha. ii. 211. 16 (*on* 2. 135); Subodhi. 72. 18 (*on* 2. 135)

अत्यन्तान्तरित (atyantāntarita) *adj.* completely intervened or screened अत्यन्तान्तरितान्तान्तसमस्तापरिमण्डलाम्। अजदेवत्रयीशेषां संसरामि जगत्कुटीम् YogVā. vi(1). 21. 34.

अत्यन्तान्तर्भूत (atyantāntarbhūta) *adj.* completely merged व्यक्तिपदार्थकस्य पुनरत्यन्तान्तर्भूताकृतिनिश्चयसिद्धेर्न शब्दव्यापारकल्पनोपपत्तिः। तस्माद्व्यक्तिरेव पदार्थो नाकृतिः TantrVā. 257. 2 (*on* i. 3. 26)

अत्यन्तान्ध (atyantāndha) *adj.* entirely blind ननु तमसश्चाक्षुषत्वे पिहितलोचनस्य पटलपिहितलोचनस्यात्यन्तान्धस्य च कथं नीलं तम इति प्रतीतिः MānaMe. 161. 9.

अत्यन्तान्धमूक (atyantāndhamūka) *adj.* completely blind and dumb तत्र रूपमात्रप्रत्यायनपरत्वे पदानां वाक्यार्थप्रत्ययानुपपत्तेः ··· अत्यन्तान्धमूकं जगत्प्रसज्येत TattvBi. 151. 12.

अत्यन्तान्नाश (atyantānnāśa) *m.* taking food very often ज्ञानात्कामात्सामर्थ्य च तज्जातिप्रवेशमत्यन्तान्नाशे न तत्र प्रायश्चित्तम् ManvaVi. 1431. 14 (*on* 11. 175)

अत्यन्तान्याय्य (atyantānyāyya) *adj.* extremely improper or unjust यत्त्वत्यन्तबलीयस्या श्रुत्या संयुक्तं तस्य प्रकरणार्थत्वमत्यन्तान्याय्यमिति मन्यमानान् प्रति श्रुतिसंयुक्तानामप्यपूर्वार्थता प्रतिपाद्यते SāstrDī. 581. 12 (*on* ix. 1. 5)

अत्यन्तान्याय्यत्व (atyantānyāyya-tva) *n.* extreme impropriety or injustice वसन्ते ब्राह्मणोऽग्नीनादधीतेति विहितश्रौतकालबाधस्यात्यन्तान्याय्यत्वम् BālamBha. i. 251. 26 (*on* 1. 89)

अत्यन्तापकर्ष (atyantāpakarṣa) *m.* extreme distraction अत्रैव रजस्तमसोरत्यन्तापकर्षका(? र्षा)च्छुद्धसत्त्वमात्रोत्कर्षेण चित्तस्य बहिर्वृत्त्यलाभादेकाग्रावस्था Vidvanmo. 7. 23(3); प्रमाणं च तत्र ज्ञानत्वमत्यन्तोत्कर्षवद्वृत्ति अत्यन्तापकर्षवद्वृत्तित्वात् परिमाणत्ववत् इत्याद्यनुमानमेव JñānBiPra. 19. 16.

अत्यन्तापकार (atyantāpakāra) *m.* great disservice (or offence) निर्वैरः निर्गतवैरः सर्वभूतेषु शत्रुभावरहितः, आत्मनोऽत्यन्तापकारप्रवृत्तेष्वपि GītāBh.(S'aṅ.) 336. 9 (*on* 11. 55)

अत्यन्तापकृष्ट (atyantāpakr̥ṣṭa) *adj.* [*f.* -ā] **1** very inferior, very insignificant यद्यपि निरतिशयमेकमेव रूपमात्मन ऐश्वर्यं ज्ञानमानन्दश्च तथापि ··· क्वचिदत्यन्तापकृष्टमिव क्वचित्सत् क्वचित्प्रकर्षवत् क्वचिदत्यन्तप्रकर्षवदिव भासते Bhām. 133. 18 (*on* i. 1. 12); ज्ञानादि तिर्यगादिषु सत्त्वैवात्यन्तापकृष्टम् VedāntKa. 109. 23 (*on* i. 1. 5); उत्कृष्टो हि निरतिशयो ब्रह्मानन्दः तेन कथमत्यन्तापकृष्टस्य क्रिमिकीटाद्यानन्दस्यापि अभेदो युज्यते PūrvottaVāNaMā. 366. 12; **2** very low (in status) अत्यन्तापदि वृद्धिदानमपि ··· अत्यन्तापकृष्टेषु कर्तव्यम् ManvaVi. 1336. 6 (*on* 10. 117); 1288. 17 (*on* 10. 17); अन्यथा अत्यन्तापकृष्टोऽप्युत्कृष्टतमेन वैयात्याद् घटमानः ··· तमभिवादयेत् NyāySu.(Ja.) 271A. 4 (*on* ii. 1. 2); ManvaMu. 213. 15 (*on* 5. 92); **3** very small or lowest (number) दशसंख्यात्यन्तापकृष्टा यत्र सा दशावरा (परिषद्) ManvaVi. 1532. 24 (*on* 12. 110)

अत्यन्तापचय (atyantāpacaya) *m.* extreme deterioration ये चापचयधर्माणः प्रतिपक्षस्य संनिधौ। अत्यन्तापचयस्तेषां कलधौतमलादिवत् TattvSaṁ. 3416; Kāśi. ii. 178. 11 (*on* 5(3). 214)

अत्यन्तापचित (atyantāpacita) *adj.* completely diminished संवृतः सिन्धुसौवीरैः ···। अत्यन्तापचितैः शूरैः। फल्गुनः परवीरहा MahāBhā. vii. 85. 73.

अत्यन्तापटुकरणत्व (atyantāpaṭukaraṇa-tva) *n.* the state of having extremely ineffective sense-organs चन्द्रमसा संवादादिदर्शनादत्यन्तापटुकरणत्वमपि दुर्वचम् S'rutaPra. ii. 619. 29 (*on* iv. 3. 5)

अत्यन्तापद् (atyantāpad) *f.* great calamity, extreme distress अशौचं त्र्यहं वा सर्वेषाम्। एतच्चात्यन्तापदि HārLa. 89. 10; केचिदत्यन्तापदि (ब्राह्मणस्य) शौद्रमपि कर्मेच्छन्ति SmrtiCan. ii. 474. 10; तत्रात्यन्तापदि स्वयंकृषतो नियममाह हारीतः Aparā. 937. 5 (*on* 3. 41); तत्रात्यन्तापदि स्वल्पकाले च वेदत्यागे प्राजापत्यः। अधिककाले त्वतिकृच्छ्रः Aparā. 1153. 29 (*on* 3. 289); 477. 17 (*on* 1. 228); 179. 23 (*on* 1. 134); सूत्रे विभागपूर्ववृत्तिद्वयासंभवेऽत्यन्तापदि कुसीदाश्रयणमित्येतदर्थमित्याहुः ManvaVi. 452. 25 (*on* 4. 5); 1336. 5 (*on* 10. 117); अत्यन्तापदि मनुः – आपद्गतः सकृद्गृह्णन् ···। नैनसा लिप्यते विप्रः DīpKa. 17. 24 (*on* 1. 130); (धनम्) प्रतिषिद्धकृद्विहितानुष्ठायिनोः पुनर्ब्राह्मणक्षत्रिययोरत्यन्तापदि क्षत्रियो हर्तुमर्हति ManvaMu. 453. 20 (*on* 11. 18); 448. 13 (*on* 10. 120); (विवाहः) पैशाचस्त्वत्यन्तापदि VīraMi. 126. 16 (*on* 1. 61); आपदि तु ··· वपाप्रचाररूपः। ततोऽप्यत्यन्तापदि राजक्रयावधिरूपः MīmāKau. i. 23. 24 (*on* i. 3. 4); i. 24. 7 (*on* i. 3. 4); उभयोर्जीवनेऽस्यापि पत्न्यनुमत्यैव दातृत्वम्। अत्यन्तापदि तु कथञ्चिदपि तदनुमत्यलाभे स्वातन्त्र्यमपि BālamBha. ii. 171. 12 (*on* 2. 130); ii. 239. 4 (*on* 2. 135)

अत्यन्तापद्विषय (atyantāpad-viṣaya) *adj.* concerning a great calamity or misfortune यत्तु वसिष्ठेनोक्तं ब्रह्मोज्झः कृच्छ्रं द्वादशरात्रं चरित्वा ··· इति तदत्यन्तापद्विषयम् Mitā. 484. 1 (*on* 3. 288)

अत्यन्तापरदृष्ट (atyantāparadr̥ṣṭa) *adj.* never seen after (the base) अत्यन्तापरदृष्टानां वा परभूतलोपार्थम् Vār. 3 *on* P. iii. 1. 2; य एतेऽत्यन्तापरदृष्टाः क्विबादयो लुप्यन्ते तेषां परभूतानां लोपो यथा स्यात् MahāBh. ii. 4. 12 (*on* iii. 1. 2) (*but* Pradī. अत्यन्तापरदृष्टानां वेति।··· परेण प्रधानेन प्रमाणेन प्रत्यक्षेण न क्वचिद्दृष्टा ये क्विबादयः)

अत्यन्तापराधित्व (atyantāparādhi-tva) *n.* the state of being very much guilty गोप्याधिं भुञ्जानस्य अत्यन्तापराधित्वात् SmrtiCan. iv. 324. 6; तटाकादावमेध्यकर्तुरत्यन्तापराधित्वात् SmrtiCan. iv. 553. 6.

अत्यन्तापरिज्ञात (atyantāparijñāta) *adj.* totally unknown यद्यपि नात्यन्तापरिज्ञातोऽर्थो ज्ञातुमिष्यते NyāyRaMā. 5. 20.

अत्यन्तापरिदृश्यमान (atyantāparidr̥śyamāna) *adj.* not being perceived at all, being completely unknown नात्यन्तापरिदृश्यमानस्वाभाविकसंबन्धकल्पना युक्ता TātpaṬ.(Vā.) 420. 7 (*on* ii. 1. 56)

अत्यन्तापरिदृष्ट (atyantāparidr̥ṣṭa) *adj.* [*f.* -ā] **1** not seen at all स खल्वत्यन्तापरिदृष्टः स्वरूपतो वा साध्येत TātpaṬ.(Vā.) 183. 11 (*on* i. 1. 5); न चात्यन्तापरिदृष्टापूर्वार्थगोचरः संशयो दृष्टचरः Kāśi. ii. 13. 11 (*on* 5(1). 15); Kāśi. ii. 113. 19 (*on* 5(3). 50); अत्यन्तापरिदृष्टे देशे काले चाग्निरनुमीयते S'āstrDī. 63. 22 (*on* i. 1. 5); **2** which cannot be perceived at all क्रिया नामेयमत्यन्तापरिदृष्टा। ··· सासावनुमानगम्या MahāBh. i. 254. 15 (*on* i. 3. 1); क्रिया नामेयमत्यन्तापरिदृष्टानुमानगम्याशक्या पिण्डीभूता निदर्शयितुम् MahāBh. ii. 114. 10 (*on* iii. 2. 102) = ii. 120. 9 (*on* iii. 2. 115); तत्रात्यन्तापरिदृष्टब्रह्माद्यर्थप्रमाणाभिमतेषु वाक्येषु तद्वाचीनि पदानि स्युः BrahmSi. 156. 12; वर्णवादी हि ··· अपूर्वमिवात्यन्तापरिदृष्टम् ··· संस्कारं परिकल्पयति SphoṭSi. 94. 4; न हि रूढिरत्यन्तापरिदृष्टा कल्पयितुं शक्यते S'āstrDī. 77. 21 (*on* i. 4. 10); अत्यन्तापरिदृष्टशक्त्यन्तरं रूढ्यात्मकं न कल्पनीयमित्यर्थः MayūMāli. 77. 21 (*on* i. 4. 10); **3** not found anywhere, unknown अत्यन्तापरिदृष्टं वाक्यमेकमनवयवम् TattvBi. 75. 2; यत् ··· त्वगिन्द्रियस्य

रूपादिप्रकाशनशक्तिकल्पनं तदत्यन्तापरिदृष्टम् Kāśi. i. 268. 8 (*on* 4. 163); न चात्यन्तापरिदृष्टे वस्तुनि उपकरणमुन्नेतुं शक्यम् AbhinBhā. i. 21. 17 (*on* 1. 44); अत्यन्तापरिदृष्टाकारणकवस्तुकल्पनायोगात् S'rīBh. 94. 18 (*on* i. 1. 1); अत्यन्तापरिदृष्टभूतभविष्यद्वर्तमानादीनां कल्पनानुपपत्त्या NyāyMa. 162. 11.

अत्यन्तापरिनिर्वाण (atyantāparinirvāṇa) *adj.* total absence of extinction or of annihilation (of the soul) अत्यन्तापरिनिर्वाणधर्मा तु हेतुहीनो यस्य परिनिर्वाणगोत्रमेव नास्ति MaYānaSū. 13. 1 (3. 11)

अत्यन्तापरिहार्यत्व (atyantāparihārya-tva) *n.* the state of being completely unavoidable or absolutely inevitable तदेतद्व्रीहियवश्रुत्योरत्यन्तापरिहार्यत्वादवश्यमापतितम् TantrVā. 92. 1 (*on* i. 3. 3)

अत्यन्तापर्यायत्व (atyantāparyāya-tva) *n.* total absence of synonymity यद्यपि चायं प्रयोगः ··· अत्यन्तापर्यायत्वादुपपद्यते NyāyRaMā. 48. 11.

अत्यन्तापह्नव (atyantāpahnava) *m.* complete or total denial परोक्षे लिडत्यन्तापह्नवे च Vār. 1 (*on* P. iii. 2. 115); S'ākaṭāVyā. iv. 3. 211; परोक्षे लिडित्यत्रात्यन्तापह्नवे चेति वक्तव्यम् MahāBh. ii. 120. 25 (*on* iii. 2. 115); Kāśi-Vṛ. *on* P. iii. 2. 115; SiddhāKau. 471A. 16; अत्यन्तापह्नवे प्रत्यक्षस्याप्यपह्नवत्वात् CāndraVṛ. *on* i. 2. 81; अत्यन्तापह्नवश्चाबाधितपरोक्तविपरीतबोधनाय तदुपपादकाभावप्रतिपादनेच्छा VyutpaVā. 206. 10.

अत्यन्तापूर्व (atyantāpūrva) *adj.* totally unknown before, completely new अनन्तभेदास्वपि व्यक्तिषु नात्यन्तापूर्वविशेषणोपलक्षणोपादानम् TantrVā. 251. 3 (*on* i. 3. 26); अत्यन्तापूर्वदृष्टेऽर्थे प्राङ्नाद्राक्षमिमं नगम् BṛĀraUBhVā. i. 4. 270; ततः कदाचिदत्यन्तापूर्वदुःखार्दितो द्विजः RāmāMañ. 487. 9; अत्यन्तापूर्वोऽपि वाक्यार्थविशेषः पदार्थैरवगम्यते S'āstrDī. 73. 7 (*on* i. 1. 5); संस्कारेभ्य एकं सप्तदशं जायत इत्यत्यन्तापूर्वकल्पनाप्रसङ्गः SiddhāTa. 17. 19.

अत्यन्तापेक्षित (atyantāpekṣita) *adj.* very much needed, absolutely necessary, quite essential अतो ज्ञानस्य सर्वपुरुषार्थसाधनत्वादत्यन्तापेक्षितं तत् TattvPrakā. 188A. 8 (*on* iii. 4. 9)

अत्यन्तापेक्षितत्व (atyantāpekṣita-tva) *n.* absolute necessity तस्य च सुखप्रचारार्थमत्यन्तापेक्षितत्वान्नानर्थक्यम् MayūMāli. 702. 13 (*on* x. 4. 7)

अत्यन्तापेशल (atyantāpeśala) *adj.* not at all good (i. e. unacceptable) यत्तावद् (विज्ञानानां तज्ज्ञेयानां च विवेकाग्रहमात्रं विभ्रमः) इत्यभाणि तदत्यन्तापेशलम् NyāyMa. 65. 7.

अत्यन्ताप्ततम (atyantāpta-tama) *adj.* most trust-worthy न ह्यवेदमूलमत्यन्ताप्ततमाः कपिलादयो महर्षयः प्रणयेयुः (सांख्यतन्त्रम्) S'ivārkaMaDī. i. 514. 27 (*on* i. 4. 4)

अत्यन्ताप्रकाश (atyantāprakāśa) *m.* total absence of light or cognition न तत्रात्यन्ताप्रकाशः किन्तु स्फुटतरप्रकाश(?शा)भावः NyāyMa. 178. 11.

अत्यन्ताप्रकृत (atyantāprakṛta) *adj.* not at all relevant नैवात्यन्ताप्रकृतहेत्वन्तराभिप्रायेणान्यतः परिच्छेदोऽभिहितः TantrVā. 102. 19 (*on* i. 3. 3)

अत्यन्ताप्रतिपन्न (atyantāpratipanna) *adj.* completely unaccepted, totally rejected अत्यन्ताप्रतिपन्नफलवचनेनैकवाक्यतायाः प्रकृतक्रत्वेकवाक्यत्वमेव लघीयः TantrRa. 165. 2.

अत्यन्ताप्रतिभास (atyantāpratibhāsa) *m.* total absence of apprehending न खलु स्वरूपसतोऽप्यत्यन्ताप्रतिभासोऽभावाद्विशिष्यते NyāyMa. 279. 8.

अत्यन्ताप्रतीत (atyantāpratīta) *adj.* completely unknown अनारभ्य विहितानां त्वत्यन्ताप्रतीतक्रतुसंबन्धात् सोऽपि लघीयानेव TantrRa. 33. 5; देवतातृप्तिरेव द्वारमिति कल्पयितुं युक्तं न त्वत्यन्ताप्रतीतापूर्वकल्पनम् S'āstrDī. 579. 17 (*on* ix. 1. 4); व्याकरणे त्वत्यन्ताप्रतीतपारिभाषिकपदार्थग्रहण° ··· °योगविभागादिक्लेशः प्रसिद्ध एव S'ivārkaMaDī. i. 9. 4 (*on* i. 1. 1); अत्यन्ताप्रतीतधर्मिसाध्यापेक्षणेन सूत्रयोजनायामतिक्लेशः स्पष्ट एव S'ivārkaMaDī. i. 11. 6 (*on* i. 1. 1)

अत्यन्ताप्रतीयमान (atyantāpratīyamāna) *adj.* not at all being known, completely unknown वचनतोऽत्यन्ताप्रतीयमानस्यैव स्वप्रज्ञाबलाद्वचनार्थंकरणात् SmṛtiCan. iv. 705. 18; तदप्यावृत्त्यध्याहारादिना क्लिष्टमत्यन्ताप्रतीयमानार्थकं स्वप्रज्ञाविलसितमात्रम् VīraMi.(Vyavahāra.) 537. 9.

अत्यन्ताप्रमाण (atyantāpramāṇa) *n.* not at all a means of valid knowledge बाध्योक्तौ श्रुतिश्चिरानुवृत्तदृढभ्रान्तिहेतुत्वेनात्यन्ताप्रमाणं स्यात् Nyāyāmṛ. 165A. 7.

अत्यन्ताप्रमित (atyantāpramita) *adj.* not at all established by means of valid knowledge अत्यन्ताप्रमितात्माश्रितत्वकल्पनाद्वरं प्रमितदेहस्याभ्यन्तरप्रदेशे इच्छादयः सन्तीति कल्पनम् VedāntKa. 467. 19 (*on* iii. 3. 53)

अत्यन्ताप्रयुक्तत्व (atyantāprayukta-tva) *n.* the state of being completely unemployed (i. e. absence of usage) व्याकरणानुगमोऽपि चास्य यदि नाम कथंचित्तदुपयोगार्थ एव भवेत् न तु लौकिकप्रयोगार्थः । अत्यन्ताप्रयुक्तत्वात् TantrVā. 212. 17 (*on* i. 3. 18)

अत्यन्ताप्रवृत्त (atyantāpravṛtta) *adj.* totally inactive or unengaged in वरणं त्वत्यन्ताप्रवृत्तानां प्रवर्तनार्थमभ्यर्थनम् TantrVā. 1141. 11 (*on* iii. 7. 24)

अत्यन्ताप्रसिद्ध (atyantāprasiddha) *adj.* **i** completely unknown or unestablished तत्सर्वमधर्मसंस्काराभ्यां भवति । अत्यन्ताप्रसिद्धार्थेष्वदृष्टादेवेति PadārthaSaṁ. 184. 12; अत्यन्ताप्रसिद्धेषु आदित्यविगलनादिषु ··· संस्कारो नेष्यते Kiraṇā. 275. 8; प्रसिद्धं हि लक्षणं भवति नात्यन्ताप्रसिद्धम् Bhām. 64. 11 (*on* i. 1. 2); नाद्यः अत्यन्ताप्रसिद्धस्य विध्ययोगात् VivaPraSaṁ. 144. 1; अत्यन्ताप्रसिद्धकार्यं प्रति योग्यत्वस्याप्यसंभवात् S'ivārkaMaDī. i. 58. 19 (*on* i. 1. 1); **ii** of completely unknown use, very uncommon अनदनीयेन च खनित्रादिनात्यन्ताप्रसिद्धेन याग इति दोषाः TantrVā. 284. 12 (*on* i. 4. 2); पञ्चमप्रकारत्वाश्रयणं तु अत्यन्ताप्रसिद्धम् SiddhāTa. 56. 6; त्रयपदस्य षट्कपरत्वेऽत्यन्ताप्रसिद्धलक्षणापत्तिः SetuBa. 340. 24–25; अन्यथा वेदवाक्यस्यात्यन्ताप्रसिद्धं स्वविषये संशयजनकत्वम् ··· प्रत्ययस्य संशयत्वं च कल्प्येत SiddhāTa. 25. 6; वरं ह्यत्यन्ताप्रसिद्धार्थकत्वकल्पनातो लक्षणाकल्पनम् LaCandr. 375. 34; **iii** completely unknown or unintelligible किमेवमकस्मात् ··· अत्यन्ताप्रसिद्धाभिः कर्णाटगौडलाटभाषाभिर्भाषयते भवान् SarvaDaSaṁ. 15. 560; **iv** of absolutely unknown existence, quite unreal अत्यन्ताप्रसिद्धसद्भावं···न गगनकुसुमादिवत् कल्पनार्हम् Kāśi ii. 44. 22 (*on* 5. 39); कार्यता ··· व्योमतत्पुष्पयोर्न स्यात् सिद्धात्यन्ताप्रसिद्धयोः BṛĀraUBhVā. (Sambandha.) 629; शशमूर्धवर्तिनां चावयवानां विषाणात्मना विकारोऽत्यन्ताप्रसिद्धो निष्प्रामाणिकः S'āstrDī. 85. 11 (*on* i. 4. 13)

अत्यन्ताप्रसिद्धता (atyantāprasiddha-tā) *f.* the state of being completely unknown अत्यन्ताप्रसिद्धतया ब्रह्मणोऽपदार्थस्यावाक्यार्थत्वात् Bhām. 64. 12 (*on* i. 1. 2)

अत्यन्ताप्रसिद्धत्व (atyantāprasiddha-tva) *n.* **i** complete non-existence अत्यन्ताप्रसिद्धत्वेन गगनारविन्दादेरिव लक्ष्यत्वानुपपत्तेः TattvPradī.(Ci.) 106. 8; **ii** the state of being completely unknown अत्यन्ताप्रसिद्धत्वान्न तस्य विषयत्वम् S'ivārkaMaDī. i. 20. 6 (*on* i. 1. 1); अत्यन्ताप्रसिद्धत्वान्न नामत्वम् MayūMāli. 619. 15 (*on* ix. 2. 20)

अत्यन्ताप्रसिद्धि (atyantāprasiddhi) *f.* **1** total lack of understanding or ascertainment तथा च अत्यन्ताप्रसिद्ध्यभावात् विषयत्वसिद्धिः VivaPraSaṁ. 230. 21; 'अहम्' इत्यात्मत्वसामान्याकारेण सर्वप्रत्यक्षसिद्धस्यात्यन्ताप्रसिद्ध्यभावात् VivaPraSaṁ. 246. 8; **2** absence of popularity कार्ये जीवयोस्तथाभूतकारणत्वदर्शनान्नात्यन्ताप्रसिद्धिः VedāntRaMañ. 1. 4 (63. 5)

अत्यन्ताप्रस्तुत (atyantāprastuta) *adj.* totally unconnected (with the subject-matter), extremely irrelevant स च (मुख्यार्थातिरिक्तार्थः) क्वचिदत्यन्ताप्रस्तुतः क्वचित्प्रस्तुतश्चेति न कोऽपि दोषः RasGaṅ. 542. 18.

अत्यन्ताप्रस्तुतत्व (atyantāprastuta-tva) *n.* the state of being extremely irrelevant or totally unconnected with the subject-matter यत्र वाच्यस्यात्यन्ताप्रस्तुतत्वं तत्राभिधायाः अपर्यवसानात् स्यादपि कदाचिल्लक्षणाया अवकाशः RasGaṅ. 546. 7.

अत्यन्ताप्रहाण (atyantāprahāṇa) *n.* complete non-abandonment अनागामिन इति विशेषणं पृथग्जनानामन्तराभवसंयोजनस्यात्यन्ताप्रहाणात् Sphuṭā. iii. 77. 7 (*on* 3. 41)

अत्यन्ताप्राप्त (atyantāprāpta) *adj.* absolutely unobtained (by any means of valid knowledge), completely unknown नित्यप्राप्तयोर्दर्शपूर्णमासयोः अत्यन्ताप्राप्ताभ्यासपरकत्वमयुक्तम् S'aṅkarKā. 74. 2 (xv. 1. 15); पक्षसंमानं तावदत्यन्ताप्राप्तमेवेति नित्यानुवादः TantrVā. 650. 16 (*on* ii. 4. 25); 934. 4 (*on* iii. 4. 12); 1058. 2 (*on* iii. 5. 43); नेहात्यन्ताप्राप्तनिबद्धभ्रान्तबुद्धयो बालादयो गृह्यन्ते ManuBh. ii. 106. 28 (*on* 8. 71); अत्यन्ताप्राप्तमर्थं हि विधयो बोधयन्ति नः BṛĀraUBhVā.(Saṁbandha.) 413; यद्यत्यन्ताप्राप्तमेवेदं फलं विधीयते TantrRa. 203. 4; गौरवं चात्यन्ताप्राप्तप्रेषणविधौ स्यात् S'āstrDī. 258. 3 (*on* iii. 3. 14); तत्रात्यन्ताप्राप्तार्थविधायकत्वमपूर्वविधित्वम् VedāntRaMañ. 1. 4 (42. 4); नियमपरिसंख्ययोरप्यपूर्वविधिवद् वस्तुतोऽत्यन्ताप्राप्त एव विषयः VidhiRa. 1 (4. 2); 10 (75. 3); 23 (124. 8); 42(?44) (218. 8); न चोभयत्रावदानोत्तरकालं पेषणविधिः अत्यन्ताप्राप्तपेषणविधौ गौरवात् BhāṭṭDī. i. 285. 16 (*on* iii. 3. 14); ii. 295. 5 (*on* vi. 5. 8); 'उपांशु यजुषे' त्यस्य निगदेष्वत्यन्ताप्राप्तोपांशुताविधायित्वेन अपूर्वविधित्वापत्तेः MīmāKau. iii. 117. 15 (*on* ii. 1. 42); अत्यन्ताप्राप्तः प्रातःकालो विधेयः MayūMāli. 808. 11 (*on* xi. 2. 3); 810. 20 (*on* xi. 2. 8); 819. 23 (*on* xi. 3. 3)

अत्यन्ताप्राप्तत्व (atyantāprāpta-tva) *n.* the state of being not obtained previously or being totally unknown hitherto तथा चोक्तलक्षणश्रवणादिसाध्यनिदिध्यासनस्यात्यन्ताप्राप्तत्वात् अपूर्वविधिरेवायम् VedāntKau. 6. 15 (*on* i. 1. 1); प्रोक्षणात्मकसंस्कारकर्मणो विधिमन्तरेण मानान्तरेणात्यन्ताप्राप्तत्वात् VedāntRaMañ. 1. 4 (42. 6); त्वदभिप्रेतायाश्चापरोक्षज्ञानं प्रति विचारसाधनताया अत्यन्ताप्राप्तत्वेनापूर्वविधित्वमेव युक्तम् Nyāyāmṛ. 617A. 5; 623. 10; VidhiRa.

23 (124. 13); स्नानादर्वाग(? क्)शोधननिषेधस्यात्यन्ताप्राप्तत्वात् BālamBha. i. 323. 28 (*on* 1. 100)

अत्यन्ताप्राप्तप्रापक (atyantāprāpta-prāpaka) *adj.* conveying what is totally unobtained (i. e. unknown by other means) 'अग्निष्टोमे प्रवृणक्ति' इति वचनं वस्तुतोऽत्यन्ताप्राप्तप्रापकमपि प्रतिप्रसवफलकम् BhāṭṭDī. i. 281. 2 (*on* iii. 3. 12)

अत्यन्ताप्राप्तप्रापण (atyantāprāpta-prāpaṇa) *n.* (statement) teaching something not known previously (by any other means of valid knowledge) किमयं विधिर्नियमः परिसंख्या वा। उच्यते न तावद्विधिः प्राप्तार्थत्वात्। ··· अत्यन्ताप्राप्तप्रापणं विधिः Mitā. 25. 9 (*on* 1. 81); विधेरत्यन्ताप्राप्तप्रापणस्वभावेन लोकसिद्धार्थे प्रवृत्त्यभावात् Subodhi. 13. 9 (*on* 2. 24) = BālamBh. ii. 31. 24 (*on* 2. 4); अत्यन्ताप्राप्तप्रापणापेक्षया प्राप्तव्यवस्थाया लघुत्वादिति भावः MayūMāli. 207. 7 (*on* iii. 1. 13); 258. 9 (*on* iii. 3. 14)

अत्यन्ताप्राप्तविधान (atyantāprāpta-vidhāna) *n.* injunction of (something) which is absolutely unknown (by any other means of knowledge) यज्ञभागस्वरविधिः न तु याजुर्वैदिकत्वानपेक्षोपांशुत्वविधानार्थः। अत्यन्ताप्राप्तविधानात् प्राप्तप्रतिप्रसवविधानस्य लघुत्वात् VidhiRa. 10 (74. 25)

अत्यन्ताप्राप्तविधानतस् (atyantāprāptavidhāna-tas) *adv.* on account of the injunction of what is altogether not obtained (by other means of valid knowledge) अत्यन्ताप्राप्तविधानतो विधिगौरवापत्तेः UpaParā. 32. 26.

अत्यन्ताप्राप्तविधि (atyantāprāpta-vidhi) *m.* injunction of what is not at all obtained (by other means) उत्तरम(? त्तम)स्याहुः पत्नीसंयाजान्तत्वविधौ त्वत्यन्ताप्राप्तविधिः स्यात् UpaParā. 32. 11; अत्यन्ताप्राप्तविध्यपेक्षया प्रतिप्रसवविधेर्लघुत्वात् MayūMāli 680. 16 (*on* x. 2. 34); 321. 5 (*on* iii. 7. 7)

अत्यन्ताप्राप्तविधित्व (atyantāprāptavidhi-tva) *n.* the state of being an injunction of what is not at all obtained (by other means of valid knowledge) तत्र ब्राह्मणस्यात्यन्ताप्राप्तविधित्वात् प्रवृत्तेश्च अनन्यप्रमाणकेऽर्थे गौणत्वमयुक्तम् TantrVā. 770. 18 (*on* iii. 2. 3); चरौ च निवर्तमानं, पशौ पुनरत्यन्ताप्राप्तविधित्वेन (गृह्यते) TantrVā. 904. 3 (*on* iii. 3. 36)

अत्यन्ताप्राप्तविषय (atyantāprāpta-viṣaya) *adj.* whose subject-matter is not at all obtained (by any other means of valid knowledge) (i. e. quite new) अत्यन्ताप्राप्तविषयो विधिरपूर्वविधिः PrakaVi. 989. 12; *m.* topic totally unknown hitherto अत्यन्ताप्राप्तविषयप्रापको विधिरपूर्वः BhāṭṭCin. i. 71. 10 (*on* i. 1. 4); i. 71. 11 (*on* i. 1. 4)

अत्यन्ताप्राप्तविषयत्व (atyantāprāptaviṣaya-tva) *n.* the state of being that whose sphere is what is totally unknown विधीनामन्येनात्यन्ताप्राप्तविषयत्वेन श्रुतान्यथात्वकल्पनस्याप्रमाणकत्वात् TantrVā. 1004. 24 (*on* iii. 4. 36)

अत्यन्ताप्राप्ति (atyantāprāpti) *f.* absolute non-obtainment (by any other means of knowledge) विवक्षितरूपभेदेनात्यन्ताप्राप्तेरुभयत्राप्यविशिष्टत्वात् VidhiRa. 13 (93. 1); न च केनापि रूपेण प्राप्त्यभाव एवात्यन्ताप्राप्तिः VidhiRa. 13 (93. 3); 2 (5. 6); 3 (17. 5); न च यत्र गुणस्य गोदोहनादेरत्यन्ताप्राप्त्या विधेयता तत्र विधेयस्यैव फलसंबन्धात् इन्द्रियकामाधिकरणन्यायः BhāṭṭDī. iv. 29. 9 (*on* x. 5. 18); पुरोडाशविकारत्वाभावादत्यन्ताप्राप्तिरिति सूचनार्थं सांनाय्यविकार इत्युक्तम् MayūMāli. 258. 1 (*on* iii 3. 14)

अत्यन्ताप्रामाणिक (atyantāprāmāṇika) *adj.* absolutely unauthentic संकोचविकासपक्षस्त्वत्यन्ताप्रामाणिकः SiddhāTa. 3. 20.

अत्यन्ताप्रामाणिकत्व (atyantāprāmāṇika-tva) *n.* the state of being totally unauthentic यस्य तूत्कर्षोऽपि न संभवति मन्त्रस्य तस्य जपमात्रेणोपयोगो न तु गौणत्वमत्यन्ताप्रामाणिकत्वात् S'āstrDī. 211. 2 (*on* iii. 2. 11)

अत्यन्ताप्रामाण्य (atyantāprāmāṇya) *n.* absolute invalidity एवं सति हिंसाविधिनिषेधवाक्ययोरप्यपच्छेदनयावतार इति चेन्न। तत्र विधिवाक्यस्यात्यन्ताप्रामाण्यप्रसङ्गात् S'atDū. 200. 3; न चासिद्धिः प्रत्यभिज्ञानात् तस्यात्यन्ताप्रामाण्ये च क्षणिकवादापातात् Nyāyāmṛ. 152B. 5; 460A. 7; 611B. 6; अत्यन्ताप्रामाण्यस्यान्याय्यत्वात् AdvaiSi. 358. 5; 433. 4.

अत्यन्ताफलत्व (atyantāphala-tva) *n.* the state of having no result at all अत्यन्ताफलत्वे तु यदेव श्रद्धया करोति तदेव वीर्यवत्तरं भवति CaturCin. i. 15. 15.

अत्यन्ताबाध (atyantābādha) *m.* absolute absence of sublation ह्रदे प्रपञ्चे चापरोक्षभ्रान्तिसिद्धेन धूमेनान्तान्तबाधेन च वह्नेः परमार्थिकसत्त्वस्य चासिद्धेः Nyāyāmṛ. 169B. 7.

अत्यन्ताबाध्य (atyantābādhya) *adj.* absolutely unsublatable न हि ब्रह्मभिन्नं क्वचिदत्यन्ताबाध्यमस्ति AdvaiSi. 365. 14; 441. 9.

अत्यन्ताबाध्यत्व (atyantābādhya-tva) *n.* absolute non-annulment अत्यन्ताबाध्यत्वं च प्रत्युक्तम् PrakaVi. 645. 17; उक्तप्रकारत्रययुक्तानाप्तवाक्यविषयस्यात्यन्ताबाध्यत्वापातात् Nyāyāmṛ. 141A. 8; कथमत्यन्ताबाध्यत्वाभावग्राहकागमानुमानयोः प्रवृत्तिर्न स्यात् AdvaiSi. 365. 7.

अत्यन्ताबाध्यविषयत्व (atyantābādhyaviṣaya-tva) *n.* the state of having a subject-matter which is absolutely unannulable वेदान्तानां चात्यन्ताबाध्यविषयत्वात् तत्त्वावेदकप्रामाण्यमुचितम् VivaPraSaṁ. 108. 17.

अत्यन्ताबाध्यार्थ (atyantābādhyārtha) *m.* object which cannot be totally sublated, an object which is not at all annulable न हि सुशिक्षितोऽपि प्रत्यक्षादि (sic) रत्यन्ताबाध्यार्थपरिच्छेदलक्षणा(? ण)प्रामाण्यं स्वतः परतो वा विज्ञातुं क्षमते PramāMā. 12. 5; आगमस्य तु तत्त्वावेदनलक्षणं प्रामाण्यमत्यन्ताबाध्यार्थविषयत्वात् इति भावः PrakaVi. 84. 18; 429. 24; 430. 2.

अत्यन्ताबोध (atyantābodha) *m.* total ignorance बुद्धस्य हि पुनरत्यन्ताबोधो नास्ति NayaVi. 245. 11 (*on* i. 1. 8)

अत्यन्ताभक्ष्यत्व (atyantābhakṣya-tva) *n.* the state of being totally prohibited food वराहोऽत्रारण्यो न ग्राम्योऽत्यन्ताभक्ष्यत्वात् Aparā. 552. 9 (*on* 1. 258)

अत्यन्ताभवन (atyantābhavana) *n.* absolute non-existence एवं च नैव वक्तव्यमत्यन्त(? न्ता)भवनं क्वचित् S'lokaVār. 5(3). 206 (326. 9); अहं जगदिति भ्रान्तिदृश्यस्यादावनुद्भवः। यदा ताभ्यामवगतस्त्वत्यन्ताभा(? भ)वनात्मकः YogVā. iii. 23. 8.

अत्यन्ताभाव (atyantābhāva) *m.* **1** total or complete absence of a thing or quality (सर्गस्य) अकारणत्वे ह्यत्यन्ताभावोऽत्यन्तभावो वा स्यात् SāṁkhyaTaKau. 460. 6 (*on* 56); जितेन्द्रियः। अत्यन्ताभावमेतस्य (भवसागरस्य) दृश्यस्याप्यवगच्छति YogVā. iv. 4. 2; iii. 7. 20; iv. 2. 9; अन्यथा पुरुषप्रधानमहत्स्वर्गापूर्वदेवतादीनामतीन्द्रियाणामत्यन्ताभावः स्यात् SāṁkhyaTaPra. 155. 6; कार्यस्य त्रैकालिकोऽप्यभावोऽत्यन्ताभावः। यथा वायौ रूपाभावः TarkBhā. (Ke.) 77. 14; JivanVi. 143. 12; अत्यन्ताभाव एवात्र रतेः खलु विवक्षितः। एतस्याः प्रागभावे तु शुचिर्नोपरमो भवेत् BhaktiRaSi. iv. 9. 10; नास्तीत्यनेन सामयिकाभाव उच्यते नात्यन्ताभावः LalitāSaBh. 6. 15 (*on* 10); अत्यन्ताभावः ··· यद्वस्तु यत्र न कदापि भविष्यति न च कदाचिद्भूतं तस्य वस्तुनः तत्रात्यन्ताभावो मन्तव्यः Upask. 384. 4 (*on* ix. 1. 9); **2** unreal thing, false thing, thing which does not exist अत्यन्ताभावो यथा द्वितीयमनीश्वरशिरः, तृतीयो बाहुः, शशविषाणादयो वा MāṭhVṛ. 15. 10 (*on* 7); शशशृङ्गादिरूपेण सोऽत्यन्ताभाव उच्यते S'lokaVār. 5(8). 4(474. 1); अत्यन्ताभावः खरविषाणवन्ध्यासुतखपुष्पवत् SāṁkhyaKāBh. 4. 17 (*on* 4); बहुव्रीहिश्चात्यन्ताभावे प्रसक्त्यभावे च भवतीति सर्वत्र संज्ञा सिध्यति Nyās. i. 310. 18 (*on* i. 4. 63) = PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* i. 4. 63; शशस्य तु विषाणवत्त्वेनाविद्यमानत्वं सार्वकालिकमिति सोऽत्यन्ताभावः NyāyRa. 481. 16 (*on* 5(8). 26); सा च पुरोवर्तिप्रतीतरजतस्यैव व्यावहारिकमत्यन्ताभावं विषयीकरोति AdvaiSi. 131. 1; शशे शृङ्गस्यात्यन्ताभावः SarvaMaSaṁ. 32. 1; नरशृङ्गप्रायत्वम् नरशृङ्गसदृशत्वम् अत्यन्ताभाव इति यावत् Bhāsk. ii. 60. 10 (*on* ii. 2. 7); **3** constant absence (as against प्रागभाव and प्रध्वंसाभाव) (said to exist in a dormant form even when a given thing is found at a place) एवं घटस्य प्राक्प्रध्वंसात्यन्ताभावानामपि घटादन्यत्वं स्यात् BṛĀraUBh. 19. 19 (*on* i. 2. 1); एकस्याभावो द्वयोरभावः सर्वस्याभावः प्रागभावः प्रध्वंसाभावः इतरेतराभावोऽत्यन्ताभाव इति लक्षणतो न केनचिद्विशेषो दर्शयितुं शक्यः GitāBh.(S'aṅ.) 529. 12 (*on* 18. 48); यदि स्याद्देशादिनिषेध एवास्य स्यात् नात्यन्ताभावः HetuBiṬ. 6. 9; TātpaṬ.(Vā.) 440. 24 (*on* ii. 2. 12); अभावभेदनिरूपणम्–स च द्विविधः···चतुर्विध इत्यन्ये इतरेतराभावः अत्यन्ताभावश्च तौ च द्वाविति NyāyMañ. i. 59. 2; NyāyKa. 230. 4; उभयावधिरहितो संसर्गाभावोऽत्यन्ताभावः Lakṣaṇā. 13. 2; संबन्धिमात्रे सम्बन्धिमात्रस्यानियतकालसंसर्गाभावोऽत्यन्ताभावः Kiraṇā. 330. 10; पृथिव्यादेः प्रागभावः···अत्यन्ताभावो वाकाशः S'rīBh. 489. 3 (*on* ii. 2. 23); अनादिरनन्तः संसर्गाभावोऽत्यन्ताभावः SaptaPa. 114 (34); न चात्यन्ताभावोऽपि सर्वधर्मरहितः। प्रमेयत्वाद्यनुभवात् PramāLa. 2B. 6; सर्वेषामपि भावानामाश्रयत्वेन संमते। प्रतियोगित्वमत्यन्ताभावं प्रति मृषात्मता TattvPradī.(Ci.) 39. 4; 40. 8; गुणवत्त्वात्यन्ताभावानधिकरणत्वं विवक्षितं इति चेत् न, तस्मिन्नेवात्यन्ताभावेऽतिव्याप्तेः TarkSaṁ.(Ā.) 19. 19; 128. 25; तथैव व्यापारत्वं तच्च प्रागभावेऽप्यस्तीति चेत् न। अत्यन्ताभावस्यापि व्यापारत्वापत्तेः TattvCin. i. 80. 1; i. 369. 1; ii(1). 974. 2; अभावो हि त्रिविधः प्रागभावोऽत्यन्ताभावः प्रध्वंसाभावश्चेति RasāSu. 203. 16 (2. 263); प्रतियोग्याश्रयोऽभावोऽत्यन्ताभावः SarvaDaSaṁ. 10. 176; तदा अभाववैलक्षण्याङ्गीकारविरोधेनासिद्धिप्रसङ्गोऽत्यन्ताभावे व्यभिचारश्च NyāySu.(Ja.) 20A. 13 (*on* i. 1. 1); 432B. 3 (*on* ii. 3. 1); 438A. 2 (*on* ii. 3. 14); S'aṅkaVi.(Ā.) 260. 19; TarkKau. 21. 3; उक्ताभावत्रयभिन्नो योऽभावः सोऽत्यन्ताभाव इति पर्यवसन्नोऽर्थः Upask. 377. 10 (*on* ix. 1. 5); SarvaDaKau. 5. 1; 27. 22; 42. 26; 135. 11; PadārthaTaNi. 23. 3–25. 1; अत्यन्ताभावः प्रामाणिकोऽप्रामाणिको वा Nyāyāmṛ. 83B. 6; 16B. 6; SāṁkhyaPraBh. 54. 8 (*on* 1. 113); यस्य कालत्रयेऽप्यभावः सोऽत्यन्ताभावः Vedānt-

Pari. 259. 3; BhāṣāPa. 12; नित्यत्वे सत्यनेकवृत्तित्वमत्यन्ताभावेऽप्यस्ति SiddhāMu. 5. 6 (*on* 8); किमत्यन्ताभावस्य तथाभूतस्यापि निवृत्तिरभ्युपगम्यते S'ivārkaMaDī. i. 92. 7 (*on* i. 1. 1); अत्यन्ताभावान्योन्याभावौ त्वजन्यौ अविनाशिनौ Tarkāmṛ. 15. 6; निषेधस्य अत्यन्ताभावस्य LaCandr. 20. 18; प्रागभावपरिपालनगिरात्यन्ताभावोऽभिधीयते SiddhāTa. 26. 1; त्रैकालिकसंसर्गावच्छिन्नप्रतियोगिताकोऽत्यन्ताभावः TarkSaṁ.(A.) 62. 14; 6. 11; अत्यन्ताभावान्योन्याभावौ तु धर्म्यन्तरस्वरूपावेव YatīndraDī. 36. 5; अत्यन्ताभावप्रागभावयोर्ध्वंसवदजन्यत्वेन BhāṭṭCin. i. 5. 24 (*on* i. 1. 1); i. 17. 27 (*on* i. 1. 4); i. 118. 11 (*on* i. 1. 4); अथ कदाचिदत्यन्ताभावस्य कदाचिदन्योन्याभावस्य बोधात् तत्र नियामकः संसर्गारोपस्तादात्म्यारोपश्च VaiyāBhū. 202. 12 (*on* 40); देशतः परिच्छेदो ह्यत्यन्ताभाव एव LalitāSaBh. 136. 17 (*on* 178); 145. 28 (*on* 188); BālamBha. i. 601. 5 (*on* 1. 271); **4** a figure of speech based on constant absence अत्यन्ताभावो यथा। अणहोत्तं पि हु दिण्णं तइ दोहग्गं सवत्तीणम् SaraKaṇṭhā. 396. 4 (comm. स्थानान्तरप्रमितस्य स्थानान्तरे त्रैकालिकोऽभावविशेषोऽत्यन्ताभावः); अन्ये पुनरन्यथा अत्यन्ताभावमाचक्षते। यथा ··· दृष्टमात्रेऽपि ते तत्र रोषः खकुसुमायते SaraKaṇṭhā. 396. 9 (comm. अत्यन्तासत्प्रतियोगिकोऽभावोऽत्यन्ताभावः); AlaṅkāRa. 7 (62)

अत्यन्ताभावक (atyantābhāva-ka) *m.* constant absence, total negation अन्योऽप्यभावभेदोऽयं त्रिविधः परिकीर्तितः। अत्यन्ताभावकध्वंसप्रागभावविभेदतः Vidvanmo. 4. 39.

अत्यन्ताभावता (atyantābhāva-tā) *f.* the state of being constant absence न च हेत्वन्तरमत्यन्ताभावतयोपगतमनुक्रान्तरूपम् HetuBiṬ. 6. 8.

अत्यन्ताभावत्व (atyantābhāva-tva) *n.* the state of being constant absence उपलक्षणत्वमयावद्द्रव्यभावित्वेन चेदत्यन्ताभावत्वहानिः Nyāyāmṛ. 500A. 8 नित्यसंसर्गाभावत्वमत्यन्ताभावत्वम् SiddhāMu. 7. 8 (*on* 12); कपालादेश्च घटादितादात्म्यादत्यन्ताभावत्वाभावात् GuruCandr. i. 88. 11; i. 106. 8; अपि तु अत्यन्ताभावत्वमेवेति न तस्य फलत्वोपपत्तिः MīmāKau. ii. 106. 8 (*on* ii. 4. 2); अत्यन्ताभावत्वविशिष्टरूपस्योच्छेदस्यापि दृश्यत्वात् तादृशे मोक्षकाले तस्यातीतत्वादिति भावः LaCandr. 5. 9; 421. 33.

अत्यन्ताभावत्ववत् (atyantābhāvatva-vat) *adv.* like the state of constant absence अन्योन्याभावत्वमव्याप्यवृत्तिवृत्तिनित्याभाववृत्तिधर्मत्वादत्यन्ताभावत्ववत् Upask. 286. 16 (*on* vii. 1. 6)

अत्यन्ताभावप्रतियोगिता (atyantābhāvapratiyogi-tā) *f.* counter correlativeness in relation to constant absence सत्त्वासत्त्वयोरत्यन्ताभावप्रतियोगितासाधने घटादावपि सत्त्वाद्यभावप्रसङ्गेन बाधितविषयत्वात् NyāySu. (Ja.) 56A. 4 (*on* i. 1. 4); GuruCandr. i. 183. 15; मेयत्वं केवलान्वयि अत्यन्ताभावप्रतियोगितानवच्छेदकमेयत्वत्ववत्त्वात् LaCandr. 805. 37; 323. 24.

अत्यन्ताभावप्रतियोगित्व (atyantābhāvapratiyogi-tva) *n.* the state of being a counter correlative to constant absence वेद्यत्वस्यापि धर्मतयात्यन्ताभावप्रतियोगित्वात् TattvPradi.(Ci.) 18. 12; एतेन पृथक्त्वस्यात्यन्ताभावप्रतियोगित्वं प्रत्युक्तम् TarkSaṁ.(Ā.) 20. 4; प्रतिपन्नोपाधावत्यन्ताभावप्रतियोगित्वस्यैव मिथ्यात्वलक्षणत्वात् VivaPraSaṁ. 46. 6; मिथ्यात्वं खल्वत्यन्ताभावप्रतियोगित्वं तच्च बुद्धिद्वारेणैव NyāySu.(Ja.) 438A. 1 (*on* ii. 3. 14); 56B. 4 (*on* i. 1. 1); स्वरूपेणात्यन्ताभावप्रतियोगित्वे साध्येऽत्यन्तासत्त्वापातात् Nyāyāmṛ. 605A. 7; 86A. 5; देशतः परिच्छिन्नत्वमत्यन्ताभावप्रतियोगित्वम् AdvaiSi. 315. 2; 499. 14; अत्यन्ताभावप्रतियोगित्वघटितमिथ्यात्वे सिद्धेऽपि GuruCandr. i. 166. 10; देशपरिच्छेदोऽत्यन्ताभावप्रतियोगित्वम् LaCandr. 156. 38; 772. 39; 315. 27; 38. 2; 37. 19.

अत्यन्ताभावप्रतियोगिन् (atyantābhāva-pratiyogin) *adj.* counter-correlative in regard to constant absence नाप्यत्यन्ताभावप्रतियोगिसाध्यकत्वे सति केवलान्वयिधर्मावच्छिन्नपक्षकत्वम् TattvCin. ii(1). 833. 4; यद्धि सकलदेशकालासत् तदत्यन्ताभावप्रतियोगीत्युच्यते NyāySu.(Ja.) 56A. 5 (*on* i. 1. 1); MaṇiKa. 40. 11.

अत्यन्ताभाववत् (atyantābhāva-va(n)t) *adj.* consisting of constant absence कपालमत्यन्ताभाववत् वस्तुत्वात् GuruCandr. i. 240. 11.

अत्यन्ताभावविरोध (atyantābhāva-virodha) *m.* opposition to constant absence तद्वृत्तेस्तत्रात्यन्ताभावविरोधात् TattvCin. ii(2). 172. 9.

अत्यन्ताभावविरोधिता (atyantābhāvavirodhi-tā) *f.* the state of being in opposition to constant absence ध्वंसादेरत्यन्ताभावविरोधिताया निष्प्रमाणकतया नरकात्यन्ताभावस्यैव प्रायश्चित्तसन्ध्यावन्दनादिफलत्वसंभवात् VyutpaVā. 210. 15.

अत्यन्ताभावविरोधिन् (atyantābhāva-virodhin) *adj.* contrary to constant absence अत्यन्ताभावविरोधिनश्च गुणतत्प्रागभावप्रध्वंसाः SarvaDaKau. 5. 9.

अत्यन्ताभावविषयकत्व (atyantābhāvaviṣayaka-tva) *n.* the state of having for its object constant absence रूपवत्यपि ··· अत्यन्ताभावविषयकत्वस्यैव वाच्यत्वात् GuruCandr. i. 100. 18; iii. 145. 11; तादृशबाध्यस्यात्यन्ताभावविषयकत्वेनैव विवरणे व्याख्यानात् LaCandr. 128. 10.

अत्यन्ताभावविषया (atyantābhāva-viṣayā) *adj.* (*f.*) having for its object constant absence नात्र रजतमिति वाक्याभिलप्या तु प्रतीतिरत्यन्ताभावविषया AdvaiSi. 130. 3.

अत्यन्ताभाववृत्तित्व (atyantābhāvavṛtti-tva) *n.* **1** presence in constant absence न च अत्यन्ताभाववृत्तित्वसंदेहे साधनाव्यापकत्वसंदेहः AdvaiSi. 410. 15; **2** presence of constant absence पक्षे अत्यन्ताभाववृत्तित्वसंदेहः GuruCandr. i. 420. 23 = LaCandr. 411. 6.

अत्यन्ताभावसमानाधिकरण (atyantābhāva-samānādhikaraṇa) *adj.* co-existing with constant absence घटोऽत्यन्ताभावसमानाधिकरणो धर्मत्वात् GuruCandr. i. 240. 10.

अत्यन्ताभावसंबन्ध (atyantābhāva-sambandha) *m.* connection with constant absence अत्यन्ताभावसंबन्धः कस्यचिन्न प्रसिध्यति PramāVāBh. 6. 18; किं च नानागतस्ववृत्तिदुःखस्यात्यन्ताभावसंबन्धः साध्यः TattvCin. ii(2). 172. 6; तत्संबन्धस्येवात्यन्ताभावसंबन्धस्यापि साध्यत्वात् AdvaiSi. 554. 14.

अत्यन्ताभावसामानाधिकरण्य (atyantābhāva-sāmānādhikaraṇya) *n.* co-existence with constant absence अन्यथा प्रमात्वस्योपाधेरत्यन्ताभावसामानाधिकरण्यं न स्यात् TattvCin. i. 377. 1; न घटादेरत्यन्ताभावसामानाधिकरण्यम् AdvaiSi. 154. 1; LaCandr. 152. 13.

अत्यन्ताभावाधिकरण (atyantābhāvādhikaraṇa) *n.* locus of constant absence न च अत्यन्ताभावाधिकरणे प्रागभावस्याप्यनुपपत्तिरिति वाच्यम् AdvaiSi. 185. 1; 500. 2; 648. 5; अत्यन्ताभावाधिकरणे सदा घटादिशून्ये कपालादौ अनुपपत्तिः LaCandr. 184. 15.

अत्यन्ताभावाप्रतियोगित्व (atyantābhāvāpratiyogi-tva) *n.* the state of not being a counter correlative to constant absence अत्यन्ताभावाप्रतियोगित्वं वा केवलान्वयित्वमेतेषाञ्च स्वात्मवृत्तित्वेऽपि न दोषः Upask. 159. 8 (*on* iii. 1. 17); अधिष्ठानचिद्रूपात्यन्ताभावाप्रतियोगित्वात् GuruCandr. i. 440. 18.

अत्यन्ताभावाप्रतियोगिन् (atyantābhāvāpratiyogin) *adj.* non-counter correlative to constant absence किं च यत्किञ्चिद्गुणवत्त्वं सर्वगुणवत्त्वं वा अत्यन्ताभावाप्रतियोगि TarkSaṁ.(Ā.) 19. 24; अत्यन्ताभावाप्रतियोगिसाध्यसमानाधिकरणपक्षसपक्षसद्धेतुवचनं केवलान्वयि TattvCin. ii(1). 736. 2; SiddhāMu. 42. 9 (*on* 72); LaCandr. 422. 29; MaṇiKa. 50. 3.

अत्यन्ताभावीय (atyantābhāv-īya) *adj.* belonging or pertaining to constant absence घटोऽत्यन्ताभावीयः चैत्रो गोमान् इत्यादावपि घटचैत्रादेर्विशेष्यत्वम् GuruCandr. ii. 77. 23; प्रतियोग्यभावयोः परस्परावच्छेदेन तादात्म्याध्यासासंभवे 'घटोऽत्यन्ताभावीयः अत्यन्ताभावो घटीयः' इति धीस्तयोः परस्परविशेष्यविशेषणता च न स्यात् LaCandr. 464. 40.

अत्यन्ताभास (atyantābhāsa) *m.* mere illusion किं च पूर्वपक्षश्चात्यन्ताभासः S'rutaPra. iB. 219. 8 (*on* i. 1. 13); न ह्यत्यन्ताभासेन प्रसक्तिर्भवति अतिप्रसङ्गात् NyāySu.(Ja.) 619B. 12 (*on* iv. 1. 3)

अत्यन्ताभिजात्य (atyantābhijātya) *adj.* very noble यस्मादत्यन्ताभिजात्यो योगी दुःखलेशेनाप्युद्विजते ··· तथा विवेकी स्वल्पदुःखानुबन्धेनापि उद्विजते RājMār. 28. 2.

अत्यन्ताभिनिवेश (atyantābhiniveśa) *m.* great intentness or attachment तदुभयमप्यत्यन्ताभिनिवेशेन बहुकालाभ्यासविषयम् Mitā. 474. 16 (*on* 3. 279); (कर्मणाम्) केषांचित् पुनरत्यन्ताभिनिवेशवशात् पुनः पुनः कृतानामत्रैव जन्मनि विपाको भवति Aparā. 997. 4 (*on* 3. 132); अत्यन्ताभिनिवेशादिप्रवृत्तौ दण्डमाह ManvaVi. 910. 8 (*on* 8. 59)

अत्यन्ताभिन्न (atyantābhinna) *adj.* [*f.* -ā] not at all different, absolutely identical भिन्नाभिन्नं हि प्रत्ययत्वं तवासिद्धम्। अत्यन्ताभिन्नं च न नः किंचिदस्ति Kāśi. ii. 62. 19 (*on* 5(2). 103); नायं जीवः श्रीपुरुषोत्तमादत्यन्तभिन्नः नाप्यत्यन्ताभिन्नः किंतु परमात्मनोंऽशः VedāntKau. 236. 3 (*on* ii. 3. 42); अन्योन्याभावो हि धार्मिणात्यन्ताभिन्नोऽभ्युपेयते NyāySu.(Ja.) 285A. 7 (*on* ii. 1. 4); 104A. 11 (*on* i. 1. 2); 304B. 4 (*on* ii. 1. 7); ब्रह्मणोऽत्यन्ताभिन्ना तच्छक्तिश्चेत् तदा तत्तात्त्विकत्वं न द्वैतमिथ्यात्वे बाधकम् GuruCandr. ii. 215. 23; बौद्धस्य तु मतस्य ज्ञानादत्यन्ताभिन्नं जगदलीकमित्येवंरूपस्य कोऽवकाशः LaCandr. 228. 1; 335. 14; LalitāSaBh. 75. 13 (*on* 113)

अत्यन्ताभिन्नत्व (atyantābhinna-tva) *n.* the state of being absolutely identical, absolute identity न ह्यत्यन्ताभिन्नत्वं द्रव्यात् क्रियायाः येन तद्भेदाद् भेदः स्यात् S'āstraDī. 472. 11 (*on* vi. 3. 4); न ब्रह्मणो जगत्कारणत्वं वास्तवं संभवति, असर्वकारणेन मुक्तजीवेनात्यन्ताभिन्नत्वात् NyāySu.(Ja.) 293B. 10 (*on* ii. 1. 5); द्व्यणुकसमवायलक्षणेन संबन्धेन स्वकारणे समवैत्यत्यन्ताभिन्नत्वात्

BrahmSūBh.(Bhā.) 115. 1 (*on* ii. 2. 13); (ब्रह्मणः) नापि प्रदेशत्वम् ।··· नाप्यत्यन्ताभिन्नत्वम् Nyāyāmṛ. 606B. 3; अत्यन्तभेदाभावादैक्यमत्यन्ताभिन्नत्वमुपचर्यते GuruCandr. ii. 90. 2.

अत्यन्ताभिन्नार्थकत्व (atyantābhinnārthaka-tva) *n.* the state of having an absolutely identical sense 'सत्यं ज्ञानमनन्तमेकमेवाद्वितीयम्' इत्यादिवाक्यस्थानां सत्यादिपदानां प्रथमतोऽत्यन्ताभिन्नार्थकत्वं निर्णीयते LaCandr. 510. 24.

अत्यन्ताभिभव (atyantābhibhava) *m.* absolute suppression or concealment यद्यपि तत्रापि (चन्द्रमसि) तेजस्यौष्ण्यमस्ति तथाप्यत्यन्ताभिभवेन स्वोचितार्थक्रियानुपयोगादसत्कल्पत्वम् TātpaṬ.(Vā.) 374. 10 (*on* i. 2. 22); सर्वार्थतालक्षणस्य धर्मस्य क्षयोऽत्यन्ताभिभवः RājMār. 45. 23; LalitāSaBh. 138. 7 (*on* 180)

अत्यन्ताभिभूत (atyantābhibhūta) *adj.* which is completely overcome or subjugated सा(शक्तिः) त्रिविधा पर्यवस्यति । ··· अत्यन्ताभिभूतरजःसत्त्वाभ्यां असत्प्राया केवलतमोमयी तृतीया LalitāSaBh. 138. 8 (*on* 180)

अत्यन्ताभिमत (atyantābhimata) *adj.* most desired or liked अत्यन्ताभिमतेऽपि वस्तुनि विधिर्यासां निषेधात्मकस्ताः ···वामाः प्रसीदन्तु वः SubhāRaK. 16. 1 = SaduktiKa. 82. 18; S'ārṅgaPa. 3079; SāhiDa. 133. 6; अत्यन्ताभिमतस्य धर्मिस्वरूपस्य स्थितत्वात् अनिष्टबन्धनिवृत्तेरिष्टत्वाच्च S'rutaPra. iB. 169. 16 (*on* i. 1. 4)

अत्यन्ताभिमतत्व (atyantābhimata-tva) *n.* the state of being greatly desired स्वसत्ताया अपि संश्रितरक्षासंकल्पनिर्वर्तनस्यात्यन्ताभिमतत्वं प्राधान्यम् S'rutaPra iA. 5. 23 (*on* i. 1. 1)

अत्यन्ताभियोग (atyantābhiyoga) *m.* **i** very great diligence or perseverance एतानि योगाङ्गानि मुमुक्षुभिः ··· अत्यन्ताभियोगेन सेवितव्यानि NyāySā. 39. 9; **ii** intense obsession or preoccupation लक्षणान्तराण्यपि ··· निरस्तानि । नास्माकं तत्रात्यन्ताभियोगः वेदार्थविचारमात्रप्रवृत्तत्वात् TantrRaha. 8. 22.

अत्यन्ताभिरामा (atyantābhirāmā) *adj.* (*f.*) extremely beautiful or charming विरामरहितं रामस्तयात्यन्ताभिरामया । रामया सहितो रेमे PadmP. (Ra.) 80. 102.

अत्यन्ताभीतिपातन (atyantābhīti-pātana) *n.* extreme frightfulness अतिक्रौर्यमतिक्षान्तिरत्यन्ताभीतिपातनम् ··· तास्ताः सदोषताः BhaviP. 28B. 1 (i. 8. 24)

अत्यन्ताभीष्टत्व (atyantābhīṣṭa-tva) *n.* the state of being highly desired 'दशनवसनाङ्गराग' इति ···रञ्जनविधिरिति वक्तव्ये दशनादिग्रहणमादरार्थम्, विलासिनीनां दशनादिसंस्कारस्यात्यन्ताभीष्टत्वात् JayaMa. 35. 1 (*on* 1. 3)

अत्यन्ताभूत (atyantābhūta) *adj.* completely non-existent विध्युपदेशकर्तव्यताभावनाशब्दानां ह्यत्यन्ताभूतमेव बहुभाषित्वप्रख्यापनापरपर्यायत्वमध्यारोप्याचक्षाणेन स्वयमनाख्येयत्वमतीव स्थापितम् TantrVā. 185. 5 (*on* i. 3. 11)

अत्यन्ताभेद (atyantābheda) *m.* absolute non-difference or identity अपूर्वपक्षो(? क्षे)ऽपि तुल्यमिति चेत् न । तस्य कर्मफलशक्त्यात्मकत्वेनात्यन्ताभेदात् TantrVā. 370. 16 (*on* ii. 1. 5); (ब्रह्मजीवयोः) अत्यन्ताभेदे भेदे च न तत्संभवः IṣṭaSi. 242. 11; विद्यावेद्यात्मकयोरत्यन्ताभेदमामनन्त्यार्याः KāmKaVi. 19; Kāśi. i. 265. 14 (*on* 4. 152); न ह्यत्र षष्ठ्यर्थः संबन्धोऽस्ति, तस्य भेदाधिष्ठानत्वात् । चैतन्यस्य पुरुषादत्यन्ताभेदात् Bhām. 515. 12 (*on* ii. 4. 12); यदि साधनसाधर्म्ययोरत्यन्ताभेदो यदि वा सामान्यविशेषभावेन कथंचिद् भेद उभयथापि न पञ्चमी TātpaṬ.(Vā.) 277. 14 (*on* i. 1. 34); VedāntKa. 221. 9 (*on* i. 4. 19); VedāntKau. 164. 20 (*on* ii. 1. 20); अनन्यत्वं हि भेदाभावः । अत्यन्ताभेद इति यावत् NyāySu. (Ja.) 296A. 5 (*on* ii. 1. 6); BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 22. 4 (*on* ii. 1. 15); अस्तु तर्हि भेदाभेदः अत्यन्ताभेदेऽत्यन्तभेदे च सामानाधिकरण्यानुपपत्तेरिति चेन्न Upask. 236. 13 (*on* vii. 1. 6); SarvaDaKau. 91. 1; न च सदसतोरेकत्वम् । यदि द्वयोरेकत्वं मृत्पिण्डेनापि जलाहरणं कर्तव्यम् । भवेदेवं यद्यत्यन्ताभेदः स्यात् SāṁkhyaSūVṛ. 63. 11 (*on* 1. 118); SiddhāBi. 75. 3; भ्रमस्य स्वस्मिन्नविषयता अत्यन्ताभेदे संबन्धिविरहात् GuruCandr. i. 19. 24; i. 35. 17; i. 257. 14; ज्ञानस्य घटादिविषयैरत्यन्ताभेदापत्त्या तार्किकाणां बौद्धस्वीकृतसाकारवादापत्तिः LaCandr. 63. 20; 483. 34; 677. 31; अत्यन्तभेदाभावेऽप्यत्यन्ताभेदस्याप्यभावात् BhāṭṭDī. ii. 252. 15 (*on* vi. 3. 3); तन्त्रसारे···पयोविकारत्वे सत्येवामिक्षायाः पयस्त्वं, न त्वामिक्षापयसोरत्यान्ताभेद इत्युक्तम् MayūMāli. 357. 7 (*on* iv. 1. 9); मृद्घटयोरिव ब्रह्मजगतोरत्यन्ताभेदेन ब्रह्मणः सत्यत्वेन जगतोऽपि सत्यत्वावश्यंभावात् LalitāSaBh. 151. 30 (*on* 193); 98. 15 (*on* 131); SetuBa. 135. 20; अत एवार्थे शब्दधर्मत्वव्यवहारः अत्यन्तभेदेऽश्वपुरुषयोरिव तद्व्यवहाराभावात् । नाप्यत्यन्ताभेदे सः VaiyāSiMañ. 38. 13.

अत्यन्ताभेदग्राहक (atyantābheda-grāhaka) *adj.* causing the knowledge of absolute identity or oneness (शक्त्यादिना सहाभेदग्राहकमानाभावात्) अभेदग्राहकेति अत्यन्ताभेदग्राहकेत्यर्थः LaCandr. 752. 38.

अत्यन्ताभेदतात्पर्यक (atyantābhedatātparya-ka) *adj.* having the purport of absolute identity or oneness (न च भूतात्मनोर्भिन्नत्वेन प्रत्यक्षसिद्धयोः पृथगुपदेश ऐक्यार्थः ··· इति वाच्यम्) ऐक्यार्थः अत्यन्ताभेदतात्पर्यकः GuruCandr. iii. 57. 23 = LaCandr. 598. 21.

अत्यन्ताभेदधी (atyantābheda-dhī) *f.* notion of ab-olute identity or oneness न च भ्रमेऽत्यन्तन्ताभेदधीरिष्टा IṣṭaSi. 264. 22.

अत्यन्ताभेदपक्ष (atyantābheda-pakṣa) *m.* the alternative view holding absolute identity or oneness अत्यन्ताभेदपक्षे धर्मग्रहणमन्तरेण धर्मी न ज्ञायेतैव Kāśi. i. 265. 16 (*on* 4. 152)

अत्यन्ताभेदपर (atyantābheda-para) *adj.* intent upon conveying absolute identity or oneness अत्यन्ताभेदपरत्वान्यथानुपपत्त्या शुद्धलक्षणेति भावः LaCandr. 509. 41; एतानि स्वबोध्यार्थानामत्यन्ताभेदपराणि LaCandr. 510. 24.

अत्यन्ताभेदबोधकत्व (atyantābhedabodhaka-tva) *n.* the state of signifying absolute identity or oneness (उपाधिभेदभिन्नेऽर्थे ऐक्यप्रतिपादकत्वात्) भिन्नोपाध्युपहितवाचकस्वघटकनामार्थयोरत्यन्ताभेदबोधकत्वात् LaCandr. 708. 40.

अत्यन्ताभेदरूप (atyantābheda-rūpa) *adj.* having the form of absolute identity or oneness तत्त्वमसीत्यादावपि तात्पर्यानुरोधात् विशेष्यस्वरूपयोरत्यन्ताभेदरूपव्यक्तिमात्रस्वरूपैक्यबोधः GuruCandr. ii. 217. 12; भेदाभावत्वविशिष्टस्यात्यन्ताभेदरूपत्वाभावात् LaCandr. 706. 40; 834. 12.

अत्यन्ताभेदवादिन् (atyantābheda-vādin) *adj.* propounder of the theory of absolute identity or oneness न वयं ब्रह्मप्रपञ्चयोरत्यन्तमेव भेदवादिनः घटपटयोरिव । ··· न वात्यन्ताभेदवादिनः शुक्तिरजतयोरिव BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 31. 15 (*on* ii. 1. 22)

अत्यन्ताभेदश्रुति (atyantābheda-śruti) *f.* Vedic passage expressing absolute identity or oneness तदा अनन्तेषु भावेषु सत्सु 'एकमेवाद्वितीयम्' इत्यत्यन्ताभेदश्रुतिविरोधः IṣṭaSi. 243. 13.

अत्यन्ताभेदसाधन (atyantābheda-sādhana) *n.* establishment of absolute identity or oneness साप्यभेदमात्रेण चरितार्था नात्यन्ताभेदसाधनायालम् NyāySu.(Ja.) 303A. 3 (*on* ii. 1. 6); 319B. 6 (*on* ii. 2. 1)

अत्यन्ताभेदसिद्धि (atyantābheda-siddhi) *f.* establishment of absolute identity or oneness तस्यापि लक्ष्यत्वाभ्युपगमेऽसत्पक्षपातादत्यन्ताभेदसिद्धेः सिद्धान्तभङ्ग इति चेत् तत्राह VedāntRaMañ. 1. 1 (12. 25)

अत्यन्ताभेदाभिप्राय (atyantābhedābhiprāya) *adj.* having the purport of teaching absolute identity or oneness यत्तु प्रियादिसंसूचितस्य संसारिण एव आत्मनो वेद्यतया अनुकर्षणम् ··· तदपि ··· सत्यामेव अधिकोपदिदिक्षायां अत्यन्ताभेदाभिप्रायम् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 722. 16 (*on* iii. 4. 8)

अत्यन्ताभेदार्थकत्व (atyantābhedārthaka-tva) *n.* the state of signifying absolute identity or oneness जगत्कारणत्वसंसारित्वरूपविरुद्धविशेषणोपहितयोः सुतरामेकता न घटत इतीति, एकतेत्यस्यात्यन्ताभेदार्थकत्वात् LaCandr. 468. 26.

अत्यन्ताभ्यधिक (atyantābhyadhika) *adj.* much more (amount) एवंभूतपरिभाषाकरणे तु सोदयादत्यन्ताभ्यधिकेऽपि प्रविष्टे सामकदानं विना न कदाचिदाधिलाभः SmṛtiCan. iv. 343. 17.

अत्यन्ताभ्यर्थना (atyantābhyarthanā) *f.* intense entreaty or supplication देवदेवत्ये ··· पित्र्ये वात्यन्ताभ्यर्थनयोपरुद्धोऽश्नीयात् ManvaVi. 238. 4 (*on* 2. 189); 473. 6 (*on* 4. 33)

अत्यन्ताभ्यर्हित (atyantābhyarhita) *adj.* very much valued or honoured अत्यन्ताभ्यर्हितादिविषयैरिन्द्रियसंनिकर्षे ध्यानस्य भङ्गो भवति YogSā. 46. 5(2)

अत्यन्ताभ्यस्त (atyantābhyasta) *adj.* oft repeated ननु लोके द्रागेव वाक्यार्थावगतिर्नैयतीं सामग्रीमपेक्षते । उच्यते, अत्यन्ताभ्यस्तेषु वाक्येषु स्यादेवम् PrakaPañ. 404. 18; (गुरुतल्पगः ···अभ्यसेद् वेदसंहिताम्) अभ्यस्तेषु अत्यन्ताभ्यस्तेषु BālamBha. iii. 155. 26 (*on* 3. 260)

अत्यन्ताभ्यस्तप्रयोग (atyantābhyasta-prayoga) *adj.* who has thoroughly practised the use (of syllogism) लिङ्गदर्शनेन अन्यतो वा निमित्तात् प्रबुद्धवासनो मन्दप्रचारार्थस्मरणोऽत्यन्ताभ्यस्तप्रयोगस्तथाविधप्रयोगमुच्चार्यैवं तत्त्वमवगाहमानस्तदर्थं प्रतिपद्यते DharmoPra. 143. 25.

अत्यन्ताभ्यास (atyantābhyāsa) *m.* frequent repetition, repeated practice प्रयोगप्राचुर्यादत्यन्ताभ्यासेनातिशीघ्रतया सन्नपि प्रत्ययक्रमो न लक्ष्यते TātpaṬ.(Vā.) 477. 20 (*on* ii. 2. 65); अत्यन्ताभ्यासेनास्यापि मुख्यवत् प्रतिपत्तेरविलम्बनात् Bhām. 146. 13 (*on* i. 1. 22); 204. 2 (*on* i. 3. 10); अस्मिन्नेव विषये कामतोऽत्यन्ताभ्यासे मरणान्तिकम् Mitā. 445. 21 (*on* 3. 260); 436. 1 (*on* 3. 255); 487. 18 (*on* 3. 289); एतदत्यन्ताभ्यासे सानुबन्धे तदभिशंसननिमित्ते च ब्राह्मणस्याङ्कनिर्वासनादिदण्डप्राप्तौ सत्यां वेदितव्यम् Aparā. 1147. 9 (*on* 3. 285); 1181. 28 (*on* 3. 289); 1184. 18 (*on* 3. 290); अत्यन्ताभ्यासेन गौणा(? णी) प्रथमप्रतिपत्तिर्न

विरुध्यते PrakaVi. 134. 15: कामतोऽत्यन्ताभ्यासेन करणे कृच्छ्राब्देन वत्सरकृतैः प्राजापत्यैरेव ManvaVi. 1425. 12 (*on* 11. 162); 1431. 13 (*on* 11. 175); DīpKa. 22. 1 (*on* 1. 176); इदानीमुक्तविषयेष्वत्यन्ताभ्यासे प्रायश्चित्तमाह VīraMi.(Saṁskāra.) 149. 16; रेतोविण्मूत्रकरनिर्मथितदधिवेदिपुरोडाशभक्षणानामत्यन्ताभ्यासे अतिकृच्छ्रः पुनरुपनयनं चेति BālamBha. i. 55. 15 (*on* 1. 14); iii. 168. 6 (*on* 3. 276)

अत्यन्ताभ्यासवश (atyantābhyāsa–vaśa) *m.* [Inst.] due to repeated practice अत्यन्ताभ्यासवशेन प्रत्यक्षानन्तरम् ··· चिरस्थायीति गृह्यते Bhām. 547. 4 (*on* iii. 2. 3)

अत्यन्ताभ्यासविषय (atyantābhyāsa–viṣaya) *adj.* referring to frequent or habitual repetition 'परेषामत्यन्तकर्म' इत्यत्यन्ताभ्यासविषयं शूद्रान्त्यकर्मविषयं वा, प्रायश्चित्तस्य गुरुत्वात् Mitā. 482. 15 (*on* 3. 288); 489. 2 (*on* 3. 289); स्त्रियास्तु भर्तुर्व्यतिक्रमे कृच्छ्रद्वादशरात्राभ्यासस्तावन्तं कालम्। कामतोऽत्यन्ताभ्यासविषयमेतत् Aparā. 1125. 6 (*on* 3. 268); 1130. 24 (*on* 3. 271); 1155. 18 (*on* 3. 289)

अत्यन्तामर्षिन् (atyantāmarṣin) *adj.* extremely intolerant, very irascible एवमत्यन्तामर्षिणो मन्युमतः स्वहरणपरिभवादि मरणाय कल्पते ManuBh. ii. 119. 29 (*on* 8. 104)

अत्यन्तामलता (atyantāmala–tā) *f.* extreme purity ततो विमर्शकुण्डान्तरत्यन्तामलतामितः। घटनालैस्त्रिभिर्ज्ञानादिकैर्व्याप मनःसरः S'āliC. 5. 51.

अत्यन्तामुख्य (atyantāmukhya) *adj.* absolutely secondary लाक्षणिकगङ्गापदत्वन्नात्यन्तामुख्य इत्यर्थः S'rutaPra. iA. 253. 15 (*on* i. 1. 1)

अत्यन्तामूर्त (atyantāmūrta) *adj.* absolutely formless आत्मनः स्वभावेनात्यन्तामूर्तस्य ज्ञानसंतानस्य वा भूतैर्मिश्रत्वं भवेत् TantrVā. 378. 4 (*on* ii. 1. 5)

अत्यन्तायासपूर्वकत्व (atyantāyāsapūrvaka–tva) *n.* the state of being preceded by excessive pain or exertion प्रथमसंनिपाते ··· अत्यन्तायासपूर्वकत्वात् विषमिव ··· भवति GītāBh.(S'aṅ.) 518. 14 (*on* 18. 37)

अत्यन्तायुक्त (atyantāyukta) *adj.* [*f.* –ā] highly or completely improper or unfair, very unreasonable धातुपारार्थ्यानदनीययागसोमबाधविकल्पाश्चात्यन्तायुक्ताः TantrVā. 284. 15 (*on* i. 4. 2); S'āstrDī. 772. 6 (*on* x. 8. 1); श्रुतार्थापत्तिस्त्वत्यन्तायुक्ता NyāySu.(Ja.) 52B. 6 (*on* i. 1. 1); GuruCandr. i. 115. 21; किं चैवमेकवाक्यत्वाभ्युपगमोऽपि फलार्थं गुणविधिवादिनोऽत्यन्तायुक्तः MīmāKau. i. 266. 5 (*on* i. 4. 22); लक्षणाश्रयणं स्यात्तच्चात्यन्तायुक्तम् MayūMāli. 14. 16 (*on* i. 2. 3); 4. 33 (*on* i. 2. 1); 498. 11 (*on* vi. 5. 8)

अत्यन्तायोग (atyantāyoga) *m.* total dissociation, absolute non-connection अयोगान्ययोगात्यन्तायोगानामन्यतमस्यापि व्यवच्छेदासंभवात् BhāvanāVi. 70. 3; तथा च संभवविधेरत्यन्तायोगो विरुद्धो न त्वयोगः ĀtmaTaVi. 128. 11.

अत्यन्तायोगव्यवच्छेद (atyantāyoga–vyavaccheda) *m.* exclusion or elimination of complete or absolute non-relation or non-association न ह्यत्यन्तायोगव्यवच्छेदेनायोगो व्यवच्छिन्नो भवति TātpaṬ.(Vā.) 190. 16 (*on* i. 1. 5); NyāyVārPari. 120. 2; Upask. 17. 13 (*on* i. 1. 14); S'atDū. 156. 11; सोऽयमयोगान्ययोगात्यन्तायोगव्यवच्छेदलक्षणस्त्रिप्रकारो नियमः SaraKaṇṭhā. 171. 20; RasGaṅ. 448. 9; AlaṅkāMañ. 171. 4; 171. 11; क्रियासंगतस्य एवकारस्यात्यन्तायोगव्यवच्छेदोऽर्थः Tarkāmṛ. 24. 19.

अत्यन्तायोगव्यवच्छेदता (atyantāyogavyavaccheda–tā) *f.* the state of being the exclusion of absolute non-relation क्रियासंगतत्वादवधारणस्यात्यन्तायोगव्यवच्छेदतापर्यवसानात् ··· इति शङ्कनीयम् S'ivārkaMaDī. i. 168. 22 (*on* i. 1. 4)

अत्यन्तायोगव्यावृत्ति (atyantāyoga–vyāvṛtti) *f.* exclusion of absolute non-connection असंभवनिवृत्तिपक्षे त्वत्यन्तायोगव्यावृत्तिः फलम् TātpaṬ.(Vā.) 288. 16 (*on* i. 1. 35)

अत्यन्तायोग्य (atyantāyogya) *adj.* totally unfit अस्त्वत्यन्तायोग्यानाममुरादीनां ज्ञानप्राप्त्ययोगः TattvPrakā. 193B. 3 (*on* iii. 4. 36)

अत्यन्तायोग्यता (atyantāyogya–tā) *f.* the state of being totally unfit ननु स्वाङ्गद्वारा योग्यत्वान्नात्यन्तायोग्यता MayūMāli. 307. 3 (*on* iii. 6. 7)

अत्यन्तारक्षणविषय (atyantārakṣaṇa–viṣaya) *adj.* pertaining to absolute absence of protection इति याज्ञवल्क्यस्मरणं तदत्यन्तारक्षणविषयम् VīraMi.(Rājanīti.) 271. 18.

अत्यन्तार्त (atyantārta) *adj.* very much afflicted or suffering (from a disease) पर्वतग्रहणेनैव तत्र निषेधे सिद्धे पुनः पर्वतमस्तकग्रहणमत्यन्तार्तस्य पर्वते न दोष इति वक्तुमित्युक्तं तद्भाष्ये SmṛtiCan. ii. 238. 7; रोगिणोऽत्यन्तार्तस्य ManvaVi. 203. 13 (*on* 2. 138); ManvaMu. 153. 16 (*on* 4. 47)

अत्यन्तार्थानौचित्य (atyantārthānaucitya) *n.* absolute impropriety of the sense तत्रात्यन्तार्थानौचित्यं नास्त्येव S'rutaPra. iB. 239. 22 (*on* i. 1. 21)

अत्यन्तार्थान्तरपरत्व (atyantārthāntarapara–tva) *n.* the state of purporting to a totally different sense गौणत्वे चात्यन्तार्थान्तरपरत्वाच्छ्रुतिबाधः S'āstrDī. 69. 1 (*on* i. 4. 5)

अत्यन्तालभ्यत्व (atyantālabhya–tva) *n.* absolute unattainability न द्वितीयः। भगवत्करनिष्ठायुधचिह्नस्यात्यन्तालभ्यत्वात् S'aṅkaVi.(Ā.) 75. 9.

अत्यन्तालसस्वभावत्व (atyantālasasvabhāva–tva) *n.* the state of having a very lazy or dull nature अत्यन्तालसस्वभावत्वादार्त्विज्यकर्त्राक्षेपविषये उदासते MayūMāli. 884. 2 (*on* xii. 4. 16)

अत्यन्तालाभ (atyantālābha) *m.* extreme non-availability त्रयोऽपि अत्यन्तालाभे तेषां पापिनां पावनाय प्रायश्चित्तज्ञापनद्वारा ManvaVi. 1387. 21 (*on* 11. 85)

अत्यन्तालीका (atyantālīkā) *adj.* (*f.*) completely false अत्यन्तालीकाया अपि बाह्यतायाः प्रतिभासवदत्यन्तासतोऽपि रजतादेः प्रतिभासोपपत्तेः TattvPradī.(Ci.) 74. 14.

अत्यन्तालौकिक (atyantālaukika) *adj.* totally supernormal or uncommon वेदांस्त्वनादृत्य दृष्टानुसारेण ··· अत्यन्तालौकिकेऽर्थे प्रवर्तयतामुपेक्षैवोत्तरम् S'āstrDī. 117. 2 (*on* i. 1. 5)

अत्यन्तालौकिकता (atyantālaukika–tā) *f.* the state of being totally supernormal or uncommon कथं च विध्यर्थस्यात्यन्तालौकिकतया ··· अध्याहारः S'āstrDī. 82. 28 (*on* i. 1. 5)

अत्यन्तालौकिकत्व (atyantālaukika–tva) *n.* the state of being totally supernormal or uncommon इह तु ज्योतिष्टोमादिभिः स्वर्गापूर्वसंपादनस्यात्यन्तालौकिकत्वात्प्रकाराकाङ्क्षावश्यंभाविनी VidhiRa. 7 (35. 17)

अत्यन्ताल्प (atyantālpa) *adj.* very little लघूनां अत्यन्ताल्पज्ञानभाग्यशरीररूपचरणवतामपि ··· तिर्यगादीनामपि सिद्धिम् ··· ददातीति सा तथा LalitāTriBh. 313. 20 (*on* 35); सिद्धमन्नमत्यन्ताल्पं यात्राविषयं भैक्षमालोच्यते ManuBh. i. 170. 28 (*on* 2. 182); ii. 192. 24 (*on* 8. 274); ii. 222. 13 (*on* 8. 363); अत्यन्ताल्पं तदा कार्षापणं दण्डं दाप्यः ManvaMu. 338. 24 (*on* 8. 274); 62. 18 (*on* 2. 134); BālamBha. ii. 300. 6 (*on* 2. 204)

अत्यन्ताल्पग्रहण (atyantālpa–grahaṇa) *n.* receiving very little (quantity) याचितभैक्षादत्यन्ताल्पग्रहणात् ManuBh. i. 332. 27 (*on* 4. 9)

अत्यन्ताल्पतनु (atyantālpa–tanu) *adj.* whose body is extremely small राज्ञोक्तम् भो महाजनाः अयम् अत्यन्ताल्पतनुः परं भीतश्च SiṁhāDvā. 202. 4(5)

अत्यन्ताल्पता (atyantālpa–tā) *f.* the state of being very small सोऽयमत्यन्ताल्पतामापन्नः परमाणुर्नित्यः PrakaVī. 496. 15.

अत्यन्ताल्पत्व (atyantālpa–tva) *n.* the state of being very small तत्रात्यन्ताल्पत्वे वर्तमानः परमाणुः NyāyRa. 402. 11 (*on* 5(5). 177); S'rutaPra. ii. 393. 23 (*on* ii. 4. 6)

अत्यन्ताल्पपरिमाण (atyantālpa–parimāṇa) *adj.* of a very small measure or size नात्यन्ताल्पपरिमाणमुपादेयं भवितुमर्हति Bhām. 346. 1 (*on* ii. 1. 12); *n.* very small amount तस्यास्तु वृद्धिर्न प्रयुक्तधनवृद्धितुल्या किं तु अत्यन्ताल्पपरिमाणेनैवारोपणीयेति SmṛtiCan. iv. 379. 3; v. 415. 18.

अत्यन्ताल्पफल (atyantālpa–phala) *adj.* having very little fruit अत्यन्ताल्पफलानि ··· कर्माणि GītāBh.(Rā.) 125. 6 (*on* 2. 45)

अत्यन्ताल्पभाग (atyantālpa–bhāga) *m.* very small part or portion तस्यैव निधेरत्यन्ताल्पभागं गणयित्वा येनावसादं न गच्छति न(?) विषयश्च (? विनयं च) लभते तद्दण्ड्यः ManvaMu. 295. 14 (*on* 8. 36)

अत्यन्ताल्पीयस्त्व (atyantālpīyas–tva) *n.* the state of being very little अत्र प्रथमे कतिपयपदार्थाः प्रधानाद्विप्रकृष्यन्त इति वक्तव्ये प्रथम एकः पदार्थ इत्युक्तिरत्यन्ताल्पीयस्त्वद्योतनार्था MayūMāli. 439. 14 (*on* v. 4. 2)

अत्यन्तावध्य (atyantāvadhya) *adj.* not to be killed at all गुर्वादीनत्यन्तावध्यानप्याततायिनो हन्यात्किमुतान्यानिति Mitā. 146. 1 (*on* 2. 21) = DaṇḍaVi. 239. 16.

अत्यन्तावनत (atyantāvanata) *adj.* bowing down very low, very respectful अत्यन्तावनतौ दृष्ट्वा ··· प्रहृष्टवदनोऽत्यर्थमभवत् ··· उमापतिः LiṅgaP. i. 22. 1.

अत्यन्तावमत (atyantāvamata) *adj.* extremely disrespected or disregarded एतच्च सर्वमत्यन्तावमतेनापि न कार्यम् ManvaVi. 217. 13 (*on* 2. 162)

अत्यन्तावश्यक (atyantāvaśyaka) *adj.* extremely necessary अत्यन्तावश्यकेषु कार्येषु जातसंभ्रमः ··· संभ्रमापदेनोक्ता SmṛtiCan. iv. 481. 9; अत्यन्तावश्यकेषु पदार्थेषु परिगृह्यमाणेषु नित्यं मम हस्तभूषायितं तालवृन्तमनवधानभ्रष्टम् RasSa. 36(2)

अत्यन्तावसादन (atyantāvasādana) *n.* complete destruction or

annihilation संसारस्यात्यन्तावसादनात् BṛĀraUBh. 3. 11 (*on* i. 1. 0)

अत्यन्तावस्थान (atyantāvasthāna) *n.* eternal existence, absolute position आकाशवदात्मनोऽत्यन्तावस्थानं मोक्षः NyāySā. 40. 1.

अत्यन्तावहितचित्त (atyantāvahita–citta) *adj.* having a most attentive or vigilant mind शास्त्रार्थेऽत्यन्तावहितचित्तानां शिष्टानां न शास्त्रार्थगोचरा भ्रान्तिः MayūMāli. 463. 11 (*on* vi. 2. 3)

अत्यन्तावाचक (atyantāvācaka) *adj.* absolutely non-expressive, not denoting at all नासावत्यन्तावाचकस्य गाव्यादेरवकल्पते SāstrDī. 44. 12 (*on* i. 3. 9)

अत्यन्तावाचकत्व (atyantāvācaka–tva) *n.* complete non-expressiveness अत्यन्तावाचकत्वात्तु नैवासाधुः प्रसज्यते TantrVā. 193. 20 (*on* i. 3. 18)

अत्यन्ताविगुण (atyantāviguṇa) *adj.* entirely free or completely devoid of deficiencies ते च (दोषाः) … अत्यन्ताविगुणस्यापि क्रतोः फलं प्रतिबध्नन्ति TantrVā. 1163. 7 (*on* iii. 8. 9)

अत्यन्ताविद्यमान (atyantāvidyamāna) *adj.* totally non-existent, absolutely absent or wanting यत्रापि गोगभेदासादिस्वामिन्यत्यन्ताविद्यमानमेव शेषत्वम् TantrVā. 929. 19 (*on* iii. 4. 12); यत्तद्वैत्यन्ताविद्यमानाननुभूतप्रकृत्याचालम्बनं सांख्यादीनां ज्ञानम् NyāyRa. 244. 15 (*on* 5(2). 113); 256. 9 (*on* 5(2). 158); भावो नटेऽत्यन्ताविद्यमानोऽपि सामाजिकजनतास्वाद्यमानः … रसः Kāvyānu.(He.) 70. 2; किं शब्दस्यात्यन्ताविद्यमानाकारसमर्पकत्वाभावः किं वा मनसः तदाकारभाक्त्वाभावः VivaPraSaṁ. 323. 21.

अत्यन्ताविद्यमानकर्मन् (atyantāvidyamāna–karman) *adj.* (verb) having absolutely no object, absolutely intransitive अत्यन्ताविद्यमानकर्माणो धातवोऽकर्मकग्रहणेन गृह्यन्ते Pradī. ii. 275B. 34 (*on* i. 4. 52); येऽत्यन्ताविद्यमानकर्माणो धातवोऽकर्मकाः PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 4. 52.

अत्यन्ताविद्यमानता (atyantāvidyamāna–tā) *f.* total non-existence, absolute absence न वरुणग्रहवदत्यन्ताविद्यमानता SāstrDī. 276. 11 (*on* iii. 4. 16)

अत्यन्ताविद्यमानत्व (atyantāvidyamāna–tva) *n.* total non-existence, constant absence विनष्टानामपि शक्त्यात्मनावस्थानमेवेष्टं न त्वत्यन्ताविद्यमानत्वम् NyāyRa. 665. 20 (*on* 5(15). 92)

अत्यन्ताविद्यावत् (atyantāvidyā–va(n)t) *adj.* having no knowledge at all, absolutely ignorant अत्यन्ताविद्यावतो यज्ञानधिकारात्तन्निषेधार्थं ज्ञानमुपयुज्यते AṇuBh. 14. 19 (*on* i. 1. 3)

अत्यन्ताविनाभाव (atyantāvinābhāva) *m.* perfect invariable concomitance तदत्यन्ताविनाभावान्नैकाकारं हि जायते SlokaVār. 5(3). 85 (293. 3); साधनं हि प्रतीतमत्यन्ताविनाभावात् स्वसाध्यां क्रियाम् … प्रतिपादयति TantrVā. 298. 4 (*on* i. 4. 5)

अत्यन्ताविनीतारि (atyantāvinītāri) *m.* extremely impudent foe शोकापगमोपायश्चायमेव यदत्यन्ताविनीतारिनिग्रहः HarṣaC. 252. 14.

अत्यन्ताविलक्षणत्व (atyantāvilakṣaṇa–tva) *n.* total absence of dissimilarity परमाण्वादीनाम् … अत्यन्ताविलक्षणत्वात् न स्वतो व्यावृत्तिः TarkSaṁ.(Ā.) 124. 28.

अत्यन्ताविवक्षा (atyantāvivakṣā) *f.* complete absence of intention पाशशब्दस्य पाशतदितरेष्वजहल्लक्षणया निर्वाहाभावाद्वचनस्यात्यन्ताविवक्षा MayūMāli. 287. 12 (*on* iii. 5. 7)

अत्यन्ताविवेक (atyantāviveka) *m.* extreme non-discrimination किमुत अत्यन्ताविवेकनिमित्तं यथाकामित्वम् AitUBh. 248. 10 (*on* 1. 0)

अत्यन्ताविशुद्ध (atyantāviśuddha) *adj.* extremely impure अत्यन्ताविशुद्धस्य पातकिनः परमविशुद्धिप्राप्तिः BrahmSūBh.(Śrī.) ii. 446. 14 (*on* iv. 1. 16)

अत्यन्ताविषय (atyantāviṣaya) *m.* thing which is entirely out of reach (of cognition); entirely inconceivable thing न चात्यन्ताविषये निरूपणा संभवति IṣṭaSi. 8. 18; 8. 22.

अत्यन्ताविहितच्छाग (atyantāvihita–cchāga) *m.* goat which is not at all laid down (for a sacrificial rite) न च मन्त्रवर्णस्यात्यन्ताविहितच्छागप्रापणसामर्थ्यम् TantrVā. 513. 7 (*on* ii. 2. 18)

अत्यन्तावृत्त (atyantāvṛtta) *adj.* very often repeated कायिकवाचिकमानसिकबुद्धिपूर्वसकृदावृत्तात्यन्तावृत्तमहापातकोपपातकादिप्रतियोगिकृतवैलक्षण्यसंभवात्…न काचिदनुपपत्तिः TristhaSe. 100. 12.

अत्यन्तावेद्यत्व (atyantāvedya–tva) *n.* the state of being absolutely unknowable ब्रह्मणश्चात्यन्तावेद्यत्वे … इत्यादिव्याक्षेपश्च NyāySiA. 228. 11.

अत्यन्ताव्यक्तत्व (atyantāvyakta–tva) *n.* the state of being absolutely unmanifest or obscure ब्रह्मणोऽत्यन्ताव्यक्तत्वेन अतीन्द्रियत्वात् GuruCandr. i. 176. 17.

अत्यन्ताव्यतिरिक्त (atyantāvyatirikta) *adj.* not at all distinct, fully identical स चात्यन्ताव्यतिरिक्तसमासिवचनत्वेऽवकल्पते TantrVā. 1116. 25 (*on* iii. 6. 43); स्वयं षष्ठानीति यथैव ह्यत्यन्ताव्यतिरिक्तस्यैवात्मनो व्यतिरिक्तवदुपादानव्यपदेशो भ्रान्तिनिबन्धनः तथैवाकाशादीनामपीत्यवसेयम् BālaKrī. ii. 34. 3 (*on* 3. 72)

अत्यन्ताव्यतिरिक्तता (atyantāvyatirikta–tā) *f.* the state of being absolutely non-different or fully identical तत्रात्यन्ताव्यतिरिक्तता तावत् स्थूलबुद्ध्यैव निराकृता Sarka. 101. 18.

अत्यन्ताव्यतिरिक्तत्व (atyantāvyatirikta–tva) n. the state of being absolutely non-different or fully identical अवयवानां वैशेषिकाङ्गीकृतं व्यतिरिक्तत्वं सांख्यैर्दूष्यमाणमपि लोके प्रसिद्धिं गतम् । सांख्याङ्गीकृतं चाप्यत्यन्ताव्यतिरिक्तत्वं वैशेषिकैः Sarka. 101. 23.

अत्यन्ताव्यभिचारिस्वार्थ (atyantāvyabhicāri–svārtha) *m.* ones own meaning which is necessarily concomitant केचित् … अत्यन्ताव्यभिचारिस्वार्थद्वारेण सत्तां गमयन्तः … अन्नार्थ्यन्ते TantrVā. 254. 10 (*on* i. 3. 26)

अत्यन्ताशक्त (atyantāśakta) *adj.* excessively weak or feeble इदमत्यन्ताशक्तस्य बालतरस्याविद्यमानपित्रादिकस्य प्रतिषिद्धम् Aparā. 1071. 3 (*on* 3. 253); 1075. 27 (*on* 3. 255); इदं कृच्छ्रत्रयं प्रमादमृतस्यात्यन्ताशक्तपुत्रविषयम् SmṛtiCan. vi. 128. 5; तदत्यन्ताशक्तपुत्रविषयम् CaturCin. iii(1). 1653. 22.

अत्यन्ताशक्तत्व (atyantāśakta–tva) *n.* the state of being very weak or utterly incapable इह तु शब्दार्थसंबन्धस्यौत्पत्तिकत्वेनाशास्त्रहेतुत्वादत्यन्ताशक्तत्वम् TantrVā. 769. 9 (*on* iii. 2. 3)

अत्यन्ताशक्ति (atyantāśakti) *f.* total incapacity, utter inability सर्वात्मना त्वरमाणस्य यावानेवात्यन्ताशक्त्या कालविप्रकर्षो भवति TantrVā. 120. 17 (*on* i. 3. 6); सर्वस्यैव त्वत्यन्ताशक्तावयं कल्पः BālaKrī. i. 172. 25 (*on* 1. 266); PañcRāRa. 168. 1; SivārkaMaDī. ii. 435. 30 (*on* iv. 1. 7)

अत्यन्ताशक्य (atyantāśakya) *adj.* utterly impossible प्रतिपदपाठो ह्यानन्त्यादत्यन्ताशक्यः TantrVā. 227. 3 (*on* i. 3. 24)

अत्यन्ताशुचि (atyantāśuci) *adj.* extremely impure or dirty धिक् स्त्रीकलेवरमिदं बहुदोषपरिप्लुतम् । अत्यन्ताशुचि बीभत्सम् PadmP.(Ra.) 86. 22; अत्यन्ताशुचिसंपृक्तानां त्यागः BālaKrī. i. 136. 8 (*on* 1. 195); दिवाकीर्तिश्चाण्डालः अत्यन्ताशुचिसाहचर्याद्वारते च प्रयोगदर्शनान्मार्जारमूषिकसंवादे ManuBh. i. 459. 29 (*on* 5. 84)

अत्यन्ताश्चर्य (atyantāścarya) *n.* great wonder नैतदत्यन्ताश्चर्यं निरवयवस्य स्वरूपाप्रच्युतिः BrahmSūBh.(Bhā.) 105. 19 (*on* ii. 1. 28)

अत्यन्ताश्चर्यतर (atyantāścarya–tara) *adj.* more wonderful or marvellous क्वचिच्चात्यन्ताश्चर्यतरे वस्तुनि सकृदुपलब्धे कालान्तरे स्मृतिदर्शनादादरग्रहणमपि संस्कारनिमित्तम् NyāyKa. 257. 7.

अत्यन्ताश्रुततृतीयार्थ (atyantāśruta–tṛtīyārtha) *m.* sense of the instrumental case which is absolutely unheard of ताभिर्यजेयेदिति चात्यन्ताश्रुततृतीयार्थः कल्प्येत TantrVā. 1063. 3 (*on* iii. 5. 48)

अत्यन्ताश्रुतत्व (atyantāśruta–tva) *n.* the state of being absolutely unheard of or not mentioned तस्या अत्यन्ताश्रुतत्वेन तदपेक्षयाश्रुतबहुवचनात्मकविभक्तिकल्पनस्यैव युक्तत्वादित्यर्थः MayūMāli. 362. 25 (*on* iv. 1. 15)

अत्यन्ताश्लेष (atyantāśleṣa) *m.* extreme cohesion नीरक्षीरवदत्यन्ताश्लेषं शक्तिसुरद्विषाम् BrahmāṇḍP. iii. 24. 36.

अत्यन्तासंयुत (atyantāsaṁyuta) *adj.* totally unrelated अत्यन्तासंयुता एतास्तव राम न काश्चन YogVā. v. 18. 64.

अत्यन्तासंसृष्ट (atyantāsaṁsṛṣṭa) *adj.* completely unconnected, absolutely unrelated इमौ वाक्यार्थौ … अत्यन्तासंसृष्टौ यदि स्याताम् RasGaṅ. 498. 6.

अत्यन्तासंस्कृतबुद्धि (atyantāsaṁskṛta–buddhi) *adj.* whose mind is extremely uncultured or undisciplined प्राकृतः अत्यन्तासंस्कृतबुद्धिः … कर्ता तामस उच्यते GītāBh.(Śaṅ.) 513. 10 (*on* 18. 28)

अत्यन्तासक्त (atyantāsakta) *adj.* very much attached to अत्यन्तासक्तस्तस्मिन् मार्गे लिङ्गं विधूयापपाप्मा भात्रापन्नो भवेत् SāmaraU. 292. 14.

अत्यन्तासक्ति (atyantāsakti) *f.* extreme or strong attachment श्रुतेऽत्यन्तासक्तिः पुरुषमभिजातं कथयति SūktiRa. 168. 39 = Subhāṣi. 281; Kuval. 116 (8); अविहितनिषिद्धेष्वत्यन्तासक्तिं कुर्वन्नरो मनुष्यजातिमात्रं प्रायश्चित्तमर्हति ManvaMu. 457. 30 (*on* 11. 44)

अत्यन्तासंकर (atyantāsaṅkara) *m.* complete absence of mixing up or confusion उपन्यासप्रकारभेदाच्च भेदव्यवस्था हेत्वाभासानाम् । न ह्यत्र गोत्वाश्वत्वादिवदत्यन्तासंकर इष्यते KhaṇḍanKhā. 837. 3.

अत्यन्तासंकीर्ण (atyantāsaṅkīrṇa) *adj.* completely distinct or unmixed सत्त्वपुरुषयोरत्यन्तासङ्कीर्णयोः प्रत्ययाविशेषो भोगः YogSū. 3. 35; भोक्तृ-

भोग्यशक्त्योरत्यन्तविभक्तयोरत्यन्तासंकीर्णयोरविभागप्राप्ताविव सत्यां भोगः कल्पते YogBh. 64. 6 (*on* 2. 6); 159. 2 (*on* 3. 35); सत्त्वपुरुषयोरत्यन्तासंकीर्णयोः प्रत्ययाविशेषो भोगः TattvVai. 8. 25 (*on* 1. 4); सत्त्वम् … पुरुषः … तयोरत्यन्तासंकीर्णयोर्भोग्यभोक्तृरूपत्वात् चेतनाचेतनत्वाच्च RājMār. 55. 10; साक्षादपि हि दृश्यमाना अत्यन्तासंकीर्णाः स्थाण्वादयो वक्रकोटरादिभिः पुरुषादिभ्यो विविच्यन्ते नान्यथा Kiraṇā. 6. 4; तयोरत्यन्तासंकीर्णयोस्तमःप्रकाशवदत्यन्तविधर्मणोरपि यः … प्रत्ययाविशेषः … स भोगः मुख्यः YogSā. 54. 11 (3)

अत्यन्तासङ्ग (atyantāsaṅga) *m.* excessive attachment वोढुर्वरस्य निर्बन्धः अत्यन्तासङ्गः BālamBha. i. 170. 27 (*on* 1. 52)

अत्यन्तासंगत (atyantāsaṅgata) *adj.* [*f.* –ā] absolutely or extremely irrelevant पूर्वनिर्दिष्टनिर्ज्ञातपुंलिङ्गाकाशपरत्वे च नपुंसकलिङ्गमत्यन्तासंगतं स्यात् UpaParā. 46. 27; एवं भक्षणं श्रुत्या नञर्थविशेषणमर्थात्तु नियोज्यविशेषणमित्यप्यत्यन्तासंगतम् MayūMāli. 466. 22 (*on* vi. 2. 5); अन्यथा तदनपेक्षत्वेन कप्प्रतीक्षोक्तिरत्यन्तासंगता स्यात् LaS'abdeS'e. i. 544. 10.

अत्यन्तासत् (atyantāsat) *adj.* [*f.* –ī] **i** absolutely non existent or fictitions अत्यन्तासत्यपि ज्ञानमर्थे शब्दः करोति हि S'lokaVār. 2. 6 (46. 5); 6. 94 (754. 6); ननु चाकाशगमनसुरकन्यालाभादयोऽत्यन्तासन्तः … न शक्यन्ते अनुवदितुम् TantrVā. 32. 10 (*on* i. 2. 16); 375. 8 (*on* ii. 1. 5); अत्यन्तासतोऽपि च लाक्षणिको विरोधः प्रतीयते HetuBiṬ. 7. 15; किमत्यन्तासतः प्रभेदकल्पना S'arka. 38. 19; विद्यमानस्य चार्थस्य दृष्टं न ग्रहणं क्वचित्। न त्वत्यन्तासतोऽस्तित्वं कांश्चित् प्रत्युपपद्यते TattvSaṁ. 2267; न चात्यन्तासतो जन्म कुर्याल्लोकेऽपि कारणम् BṛĀraUBhVā. iii. 2. 91; अत्यन्तासदर्थप्रतिभासाभावाच्चेति NyāyMañ. i. 170. 5; असत्त्वे न विशेषोऽस्ति प्रागत्यन्तासतोरिह SaṁviSi. 85. 3; उत्पादः। नात्यन्तासतो नरविषाणस्य NyāyKa. 65. 2; न ह्यत्यन्तासन्निरुपाख्यं सर्वमिति वा भाव इति अभिधानस्य गोचरः TātpaṬ.(Vā.) 612. 12 (*on* iv. 1. 37); प्रतीतिरेव त्वत्यन्तासतो गगनकमलिनीकल्पस्य देहेन्द्रियादेर्नोपपद्यते Bhām. 9. 10 (*on* i. 1. 1); 11. 20 (*on* i. 1. 1); सा … अत्यन्तासत्यपि गगनकुसुमसंसर्गादौ धियमुपजनयति Kāśi. i. 61. 19 (*on* 2. 6); किञ्च अत्यन्तासन्तं प्रपञ्चं कथमविद्यापि दर्शयितुमलम् NayaVi. 225. 3 (*on* i. 1. 5); न ह्यत्यन्तासतो मा(? भा)नमुपपन्नम् Loc. 14. 13 (*on* 1. 4); शब्दश्चात्यन्तासत्यपि शशविषाणादौ ज्ञानमुत्पादयति NyāyRa. 47. 7 (*on* 2. 6); 754. 20 (*on* 6. 94); न ह्यत्यन्तासतामुत्पत्तिः संभवति S'āstrDī. 114. 16 (*on* i. 1. 5); क्वचित्सन्ति महात्मानो राजपुत्रास्त्रयः शुभाः। धार्मिकाः शौर्यमुदिता अत्यन्तासति पत्तने। विस्तीर्णे शून्यनगरे YogVā. iii. 101. 4; अनुत्पन्नो विनष्टोऽत्यन्तासन्नित्यत्राप्यभावत्रयेऽपि विवक्षितविपरीतमापद्यते NyāyVārPari. 558. 8; अत्यन्तासतो नित्यनिवृत्तत्वात् Kiraṇā. 6. 18; तस्मादत्यन्तासतः प्रकाश इति निरर्थिका वाचोयुक्तिः NyāyMa. 108. 3; अत्यन्तासतोऽपि बहिः शशविषाणादीन् अर्थान् बुद्ध्या विषयीकृत्य शशविषाणादिप्रयोगः Pradī. iv. 341A. 29 (*on* v. 2. 94); अतीतानागतानामत्यन्तासतां च गगनकुसुमादीनामभावाभावेन भाव एव भवेत् TārkiRa. 114. 3; न त्वेवमत्यन्तासद्भवितुमर्हति KhaṇḍanKhā. 79. 4; अत्यन्तासतीमेव तादृशबुद्धिं प्रति जनकत्वाभावावधारणम् KhaṇḍanKhā. 330. 9; अत्यन्तासदेव रजतम् … शुक्तिकायामारोप्यते TattvSaṁkhyā. 9. 2; नाप्यत्यन्तासदादरणीयम् PrakaVi. 9. 9; 439. 25; नात्यन्तासन् देहादिः VedāntKa. 11. 12 (*on* i. 1. 1); न … अध्यस्तमत्यन्तासत् भवितुमुत्सहते TarkSaṁ.(Ā.) 134. 29; एवमसमीचीनबोधेऽपीति क्वचिदत्यान्तासतो भानमिति NyāyKu. 54. 1; सदुपरक्तस्यात्यन्तासतः ख्यात्यभ्युपगमात् TattvCin. i (1). 536. 6; अतो नागामिनः कारणत्वम्, नाप्यत्यन्तासतः S'atDū. 135. 3; वसन्ति ते धर्मयुक्ता अत्यन्तासति पत्तने PañcDa. 13. 33; तत्किं सर्वत्रारोप्यमत्यन्तासदेव NyāySu.(Ja.) 54B. 2 (*on* i. 1. 1); 260A. 11 (*on* ii. 1. 2); 438A. 1 (*on* ii. 3. 14); न चात्मत्वादिरुपाधिः अत्यन्तासति व्यभिचारात् Vādā. 19. 2; अन्तरपि तस्य वह्नेरतात्त्विकत्वान्न देहदाहप्रसङ्ग इति चेत् तर्ह्यायातमत्यन्तासदनिर्वचनीयं वेति SarvaDaKau. 124. 9; अत्यन्तासत्यप्यर्थे शब्दस्य ज्ञानजननात् AṇuBh. 4. 24 (*on* i. 1. 1); प्रतीतिरप्यत्यन्तासती Nyāyāmṛ. 176B. 8; 519B. 8; अत्यन्तासत्यपि गगनकुसुमसंसर्गादौ स धियमुपजनयिष्यतीत्यर्थः YuktiSneha. 20. 4 (*on* i. 1. 2); 51. 24 (*on* i. 4. 5); अत्यन्तासतः कारणत्वायोगात् S'ivārkaMaDī. i. 530. 25 (*on* i. 4. 14); i. 532. 6 (*on* i. 4. 15); अत्यन्तासत इवान्यत्र सतोऽप्यपरोक्षप्रतीतिप्रयोजकसंनिकर्षानुपपत्तेस्तुल्यत्वात् AdvaiSi. 647. 2; अत्यन्तासत्यपि ह्यर्थे ज्ञानं शब्दः करोति हि RasGaṅ. 191. 18; अत्यन्तासत्यपि शब्दाद्बोधे बाधकाभावात् VaiyāBhū. 54. 23 (*on* 12); **ii** totally absent (in a given place or time) निरुद्धागामिनोः खलु तदानीमत्यन्तासतोरनतिशयतया कार्योपजनोपयोगायोगात् SphoṭSi. 57. 2; यद्यप्यनुष्ठेयरूपत्वाद्वाक्यार्थोऽत्यन्तासन् प्रत्यक्षादीनामविषयः तथापि तस्य तत्र प्रामाण्यं संभवति TātpaṬ.(U.) 33. 24 (*on* 2. 6); **iii** completely false यत्र त्वत्यन्तासदुक्तिः तत्रात्युक्तिः AlaṅkāMañ. 218. 1.

अत्यन्तासत्कार्यवादिन् (atyantāsatkārya–vādin) *adj.* upholder of the view that the product is absolutely non-existent or absent (before its production) अत्यन्तासत्कार्यवादिनं प्रति भेदाभेदसमर्थनं उत्तरत्र विधास्यते NyāySu.(Ja.) 300B. 11 (*on* ii. 1. 6)

अत्यन्तासत्ता (atyantāsattā) *f.* total or absolute non-existeuce न च हेत्वन्तरेऽत्यन्तासत्तयाङ्गीकृते प्रकारोऽयं संभवति HetuBiṬ. 6. 11; 7. 5.

अत्यन्तासत्ताविरह (atyantāsattā–viraha) *m.* absence of being absolutely non-existent स्वप्नपदार्थानामपि मनःपरिणामत्वेनात्यन्तासत्ताविरहाच्च SāṁkhyaPraBh. 76. 8 (*on* 2. 6)

अत्यन्तासत्त्व (atyantāsat–tva) *n.* **i** absolute non-existence, totally fictitiousness, being a void, absolute nothing सोऽयं घटशब्दोऽसत्प्रत्ययसमानाधिकरणो घटस्यात्यन्तासत्त्वं प्रतिपादयति NyāyVār. 482. 9 (*on* iv. 1. 37); अत्यन्तासत्त्वे खपुष्पसदृशी (अविद्या) न व्यवहाराङ्गम् BrahmSi. 9. 13; 9. 18; न क्वचिदपि ज्ञानेऽर्थस्यात्यन्तासत्त्वं वक्तव्यमित्याह NyāyRa. 326. 20 (*on* 5 (3). 206); आयातं तर्हि अत्यन्तासत्त्वमनिर्वचनीयत्वं वा PramāMā. 9. 31; तस्य … गगनारविन्दवदत्यन्तासत्त्वात् S'aṅkaVi.(Ā.) 134. 7; 157. 4; तद् द्वयमत्यन्तासत्त्वे हेतुः VedāntKa. 13. 9 (*on* i. 1. 1); ननु किमन्यत्र सतोऽन्यत्र ख्यातत्वं मिथ्यात्वम्? उतात्यन्तासत्त्वम् S'rutaPra. iA. 78. 28 (*on* i. 1. 1); मिथ्यारूपत्वम् … किमत्यन्तासत्त्वम् SyādvāMañ. 13 (39); किं च रजतस्यात्यन्तासत्त्वे प्रतिभासो नोपपद्यते NyāySu.(Ja.) 54A. 1 (*on* i. 1. 1); 380A. 11 (*on* ii. 2. 6); मिथ्यात्वं च यद्यपि नात्यन्तासत्त्वं अपसिद्धान्तात् Nyāyāmṛ. 14A. 8; 72A. 8; अत्यन्तासत्त्वे सुखादीनां ज्ञानमेव नोपपद्यते नरशृङ्गादीनामभानादित्यर्थः SāṁkhyaPraBh. 127. 12 (*on* 5. 52); क्वचिदप्युपाधौ सत्त्वेन प्रतीत्यनर्हत्वम् अत्यन्तासत्त्वम् AdvaiSi. 139. 1; 509. 10; आकाशादावत्यन्तासत्त्वमादाय विज्ञानवादसंमत(? ता)र्थान्तरात् GuruCandr. i. 69. 20; i. 79. 14; i. 109. 8; अवच्छिन्नवृत्तिकान्यसर्वदेशवृत्तिकात्यन्ताभावस्य प्रतियोगित्वमत्यन्तासत्त्वम् LaCandr. 134. 16; 330. 39; उपमानोपमेययोरत्यन्तासत्त्वेऽपि कल्पनामात्रतो यथा निष्पत्तिः RasGaṅ. 208. 4; किमत्यन्तासत्त्वं उत सदसद्विलक्षणत्वं बाध्यत्वं वा MānaMe. 303. 2; न तावच्छशशृङ्गादिवदत्यन्तासत्त्वं तत् BhāṭṭCin. i. 37. 16 (*od* i. 1. 4); तत्र खपुष्पादीनामत्यन्तासत्त्वेन मुख्यार्थगुणयोगस्याभावात् MayūMāli. 85. 6 (*on* i. 4. 13); **ii** total absence न ह्ययमत्यन्तासत्त्वाभिप्रायेण प्रागुत्पत्तेः कार्यस्यासद्व्यपदेशः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 319. 3 (*on* ii. 1. 17); तदात्मानं स्वयमकुरुत इति वाक्यशेषे विशेषणान्नात्यन्तासत्त्वम् (कार्यस्य) BrahmSūBh.(S'aṅ.) 319. 13 (*on* ii. 1. 17); कार्यस्य प्रागुत्पत्तेरत्यन्तासत्त्वात् पूर्वोत्तरकालयोर्विशेषे असति तत्किं तदैव जायते न पुनरन्यदा IṣṭaSi. 52. 17; अतः पूर्वोक्तादभावत्रयात् यदन्यदसत् तदसत् तदत्यन्तासत्त्वम् असदित्युभयत्र भावप्रधानो निर्देशः तत्रैकमसदुद्देश्यमपरमसद्विधेयम्। तथा चोक्ताभावत्रयभिन्नो योऽभावः सोऽत्यन्ताभाव इति पर्यवसन्नोऽर्थः Upask. 377. 7 (*on* ix. 1. 5); परदिने प्रतिपदोऽत्यन्तासत्त्वे तु दर्शयुतापि पूर्वैव ग्राह्या NirṇaSi. 122. 23; 128. 31; तत्र द्वितीयस्य पुरोडाशस्य सोमयाजिनामसत्त्वात् सोमपूर्वयाजिनामत्यन्तासत्वाच्चानित्यस्यावधित्वायोगात् BālamBha. i. 248. 30 (*on* 1. 89)

अत्यन्तासत्त्वविरोधिन् (atyantāsattva–virodhin) *adj.* opposing the absolute fictitiousness बाध्यत्वं नात्यन्तासत्त्वविरोधि AdvaiSi. 638. 3.

अत्यन्तासत्त्वापत्ति (atyantāsattvāpatti) *f.* (unwarranted) contingency of absolute fictitiousness तथा च कथं नात्यन्तासत्त्वापत्तिः Nyāyāmṛ. 28A. 9; त्वन्मते अत्यन्ताभावस्यासन्मात्रप्रतियोगिकत्वस्वीकारेणासत्त्वस्यात्यन्तासत्त्वापत्तिः GuruCandr. i. 51. 10; i. 68. 17; न प्रपञ्चस्यात्यन्तासत्त्वापत्तिः LaCandr. 136. 10; सा च नात्मनो भिन्ना … अत्यन्तासत्त्वापत्तेश्च SarvaMaSaṁ. 41. 10.

अत्यन्तासत्त्वापात (atyantāsattvāpāta) *m.* (unwarranted) contingency of absolutely fictitious character (अभाववेदनम्) नाद्यः अत्यन्तासत्त्वापातात् Vādā. 15. 3; त्वन्मतहानेश्च। अत्यन्तासत्त्वापातात् Nyāyāmṛ. 89A. 8; 28A. 6; 41A. 8; एवमत्यन्तासत्त्वापातः AdvaiSi. 134. 1; 422. 10.

अत्यन्तासत्त्वाभ्युपगन्तृ (atyantāsattvābhyupagantṛ) *adj.* one who accepts the absolutely fictitious character (of something) न चात्रासत्यशब्दोऽत्यन्तासत्यपरः, अत्यन्तासत्त्वाभ्युपगन्तुर्वादिन एवाभावात् Vādā. 63. 6.

अत्यन्तासत्प्रतियोगिता (atyantāsatpratiyogi–tā) *f.* the nature of having an absolute fiction as its counter-correlative तथा सति चात्यन्तासत्प्रतियोगिता दुर्वारा KhaṇḍanKhā. 199. 21; 199. 15.

अत्यन्तासत्य (atyantāsatya) *n.* totally unreal thing, absolute fiction कल्पितं स्यादपोह्यं चेन्नात्यन्तासत्यकल्पना S'lokaVār. 5(3). 138 (306. 2); न चात्यन्तासत्यस्य बुद्धिविषयता संभवति NyāyRa. 306. 14 (*on* 5(3). 139); न चात्रासत्यशब्दोऽत्यन्तासत्यपरः Vādā. 63. 6.

अत्यन्तासत्याभिधान (atyantāsatyābhidhāna) *n.* telling or uttering of absolute lies यथेदमतिदुष्करमत्यन्तसत्याभिधानं तथात्यन्तासत्याभिधानमपि PramāVāSvopVṛ. 117. 28.

अत्यन्तासदसंसर्ग (atyantāsad–asaṁsarga) *m.* absence of relation which is totally non-existent असंसर्गाग्रहस्यापि मन्ता शंसत्यबाधिते। अत्यन्तासदसंसर्गाग्रहं संसर्गलग्नकम् KhaṇḍanKhā. 168. 6.

अत्यन्तासदर्थ (atyantāsad–artha) *m.* object which is totally non-existent or absolutely fictitious देशकालव्यवहितानुभूतपूर्वपदार्थविषय एव भ्रान्तोऽपि प्रत्ययः प्राणभृतां भवति न त्वत्यन्तासदर्थविषयः NyāyMañ. ii. 110. 30; ii. 111. 29; *adj.* having a totally non-existent or absolutely fictitious thing as the object ईदृशमेव ज्ञानमवस्त्वालम्बनं न पुनरत्यन्तासदर्थम् Kāśi. iii. 88. 16 (*on* 5(4). 147)

अत्यन्तासदारोप (atyantāsad–āropa) *m.* superimposition of a totally non-existent or absolutely fictitious thing उपासनाभागेऽपि नात्यन्तासदारोप इत्याह PrakaVi. 129. 16.

अत्यन्तासदुक्ति (atyantāsad–ukti) *f.* absolutely unreal statement यत्र त्वत्यन्तासदुक्तिः तत्रात्युक्तिः AlaṅkāMañ. 218. 1.

अत्यन्तासदुपास्ति (atyantāsad–upāsti) *f.* meditation on an absolutely non-existent or fictitious thing अत्यन्तासदुपास्तिनिषेधपरतया तद्विरोधाभावात् AdvaiSi. 733. 4.

अत्यन्तासदृशत्व (atyantāsadṛśa–tva) *n.* the state of being totally dissimilar, absolute dissimilarity अत्यन्तासदृशत्वात्तु न गौणोऽप्यत्र दृश्यते TantrVā. 771. 9 (*on* iii. 2. 4)

अत्यन्तासद्भाव (atyantāsadbhāva) *m.* absolute non-existence अभावस्य च भावाधीननिरूपणत्वात्यन्तासद्भावानिरूपणात् TātpaṬ.(Vā.) 497. 12 (*on* iii. 1. 1)

अत्यन्तासद्भूत (atyantāsadbhūta) *adj.* which is absolutely non-existent ग्राह्यग्राहकसंवित्तीनां भेदोऽत्यन्तासद्भूतः PrakaPañ. 185. 12.

अत्यन्तासद्रजत (atyantāsad–rajata) *n.* absolutely non-existing silver शुक्तिकासन्निकृष्टं दुष्टमिन्द्रियं तामेवात्यन्तासद्रजतात्मनावगाहमानं ज्ञानं जनयतीत्यङ्गीकारात् NyāySu.(Ja.) 48A. 10 (*on* i. 1. 1)

अत्यन्तासद्रूपत्व (atyantāsadrūpa–tva) *n.* the state of being of form totally unreal एवमत्यन्तासद्रूपत्वेनाभिमतस्य स्थायित्वादेः सद्रूपज्ञानात्मकत्वमत्यन्तासम्भाव्यम् SāstrDī. 57. 22 (*on* i. 1. 5)

अत्यन्तासद्रूप्य (atyantāsad–rūpya) *n.* absolutely non-existent silver दुष्टेन्द्रियं स्वसंनिकृष्टं शुक्तीदमंशमत्यन्तासद्रूप्यात्मना गृह्णाति Nyāyāmṛ. 423B. 7.

अत्यन्तासद्वंशजा (atyantāsadvaṁśa–jā) *adj.* (*f.*) born in an extremely low family (सा) अधमा परमा दुष्टात्यन्तासद्वंशजा तथा BrahmVaiP. iv. 84. 31.

अत्यन्तासद्विलक्षण (atyantāsad–vilakṣaṇa) *adj.* different from what is absolutely nothing or void अत्यन्तासद्विलक्षणं भवदपि जगत् KhaṇḍanKhā. 361. 22.

अत्यन्तासद्विषयत्व (atyantāsadviṣaya–tva) *n.* the state of relating to an absolutely non-existing object देशान्तरादिषु यथा तथा वा सत एवार्थस्य मिथ्याज्ञानेष्वप्यालम्बनत्वान्नात्यन्तासद्विषयत्वानुमानं शक्यमिति चेत् NyāyKu. 41. 11.

अत्यन्तासद्वैलक्षण्य (atyantāsad–vailakṣaṇya) *n.* the state of being different from what is absolutely nothing or void तद्वैलक्षण्येति । अत्यन्तासद्वैलक्षण्येत्यर्थः LaCandr. 422. 35.

अत्यन्तासद्व्यवहार्यता (atyantāsadvyavahārya–tā) *f.* expressibleness or knowability as absolutely non-existent अत्यन्तासद्व्यवहार्यता स्वीकृतैव स्यात् KhaṇḍanKhā. 1329. 16.

अत्यन्तासन्न (atyantāsanna) *adj.* who is too near, easy of access आसाद्यात्यन्तासन्नं कृत्वा ManvaVi. 479. 20 (*on* 4. 47); अत्यन्तासन्नकाले चायं विधिरिष्यते PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. iii. 2. 120; यस्यां दशायां भगवानत्यन्तासन्नः सुहृदादिवत् स्वच्छन्दाराधनयोग्यो भवति PāñcRāRa. 140. 4.

अत्यन्तासंनिधान (atyantāsannidhāna) *n.* total absence of nearness अत्यन्तासंनिधानस्फोरणार्थमाह MayūMāli. 219. 16 (*on* iii. 2. 8)

अत्यन्तासंनिहित (atyantāsannihita) *adj.* not at all proximate अत्यन्तासंनिहितभिन्नप्रयोगविधिपरिग्रहाच्च न धर्मसाङ्कर्यम् ViraMi. (Bhakti.) 14. 13.

अत्यन्तासभ्यस्मृति (atyantāsabhya–smṛti) *f.* recollection of the extremely vulgar तदस्माकं ग्राम्यं प्रतिभाति । अत्यन्तासभ्यस्मृतिहेतुत्वात् Loc. 45. 7 (*on* 1. 14) = Kāvyānu.(He.) 331. 20.

अत्यन्तासमञ्जस (atyantāsamañjasa) *adj.* [*f.* –ā] absolutely improper, extremely unjustified यथा रामस्य धीरललितत्वयोजनेन नाटिकानायकत्वं कुर्यादिति त्वत्यन्तासमञ्जसम् Loc. 148. 18 (*on* 3. 14); अहोमात्मकत्वे तु यजेदित्युक्तिरत्यन्तासमञ्जसा स्यात् SmṛtiCan. v. 345. 14.

अत्यन्तासमञ्जसत्व (atyantāsamañjasa–tva) *n.* the state of being absolutely improper or extremely unreasonable तदेतत् अनेकाध्याहारकरणादत्यन्तासमञ्जसत्वाच्चोपेक्षणीयम् SmṛtiCan. iv. 704. 11.

अत्यन्तासमर्थ (atyantāsamartha) *adj.* extremely incapable यदा कश्चित्प्रवृत्तावत्यन्तासमर्थं वृद्धमातुरं वा प्रति विनोदार्थं वाक्यं प्रयुङ्क्ते SāstrDī. 17. 17 (*on* i. 1. 2); अत्यन्तासमर्थत्वाज्ज्ञानादिनिमित्तेऽपराध एतत् Aparā. 1116. 24 (*on* 3. 268)

अत्यन्तासमर्थत्व (atyantāsamartha–tva) *n.* the state of being extremely incapable, extreme incapability न चात्यन्तासमर्थत्वं गौणसामर्थ्यसंभवात् SāstrDī. 212. 5 (*on* iii. 2. 3)

अत्यन्तासमर्थविषय (atyantāsamartha–viṣaya) *adj.* referring to one who is extremely incapable भुञ्जीत संगवे चेत्स्यान्न पूर्वं भोजनक्रिया । अत्यन्तासमर्थविषयमेतत् Aparā. 429. 21 (*on* 1. 218)

अत्यन्तासमर्पक (atyantāsamarpaka) *adj.* extremely inexpressive तृतीये च पादेऽत्यन्तासमर्पकसमासभूयस्त्वैशसं न तद्विदाह्लादकारितामावहति VakroJī. 9. 7.

अत्यन्तासंबद्ध (atyantāsambaddha) *adj.* extremely incoherent यदपि संख्याया विवक्षितत्वमुक्तं तदत्यन्तासंबद्धम् ManuBh. i. 159. 14 (*on* 2. 165); यत्पुनरुच्यते परैः अत्यन्तासंबद्धमेतद् यत्प्रतिज्ञा प्रतिज्ञासाधनायेति TātpaṬ.(Vā.) 703. 2 (*on* v. 2. 3); अत्यन्तासंबद्धश्चेहायं ग्रन्थः Pradī. iv. 403A. 9 (*on* v. 3. 93); स्तुतिमात्रेणैव मुक्तिः करस्थितेति भवद्भिरुक्तं तदत्यन्तासंबद्धम् SaṅkaVi.(Ā.) 57. 14.

अत्यन्तासंबद्धत्व (atyantāsambaddha–tva) *n.* the state of being extremely incoherent दूषणानामत्यन्तासंबद्धत्वात्तुष्ट इत्येवोक्तम् NyāySu.(Ja.) 130A. 1 (*on* i. 1. 2)

अत्यन्तासंबन्ध (atyantāsambandha) *m.* absolute absence of connection अनागतानां च कर्मणामननुष्ठानादेवासत्त्वाद्देहान्तरानुत्पत्तेरत्यन्तासंबन्धः शरीरेण भवति NyāyRa. 671. 12 (*on* 5(15). 109); 'जगद्व्यापारवर्जम्' 'भोगमात्रसाम्यलिङ्गात्' इत्यादिसूत्राणां चात्यन्तासंबन्धः PrakaVi. 1076. 25; ततोऽत्यन्तासंबन्धानुपयुज्यमाननिरुपपत्तिकार्थत्वेन हेय एव स्यात् TantrVā. 184. 17 (*on* i. 3. 11); यस्त्वत्यन्तासंबन्धः स निरन्वयः ManuBh. ii. 167. 10 (*on* 8. 198)

अत्यन्तासंबन्धिन् (atyantāsambandhin) *adj.* not at all closely related वेदविवर्जिते भोजनाद्यप्रधानेऽपि नास्ति ब्राह्मणातिक्रम इत्यर्थः । एतदत्यन्तासंबन्धिब्राह्मणविषयम् SmṛtiCan. v. 164. 4.

अत्यन्तासंभव (atyantāsambhava) *m.* absolute impossibility सर्वकल्पनानामप्यात्मन्यत्यन्तासंभवे समानेऽद्वैवृत्तौ कः पक्षपाते हेतुः NaiṣkaSi. 165. 5; तमस्तद्दुत्थकार्याणामत्यन्तासंभवादतः BṛĀraUBhVā. ii. 5. 59; (वृत्तयः) अध्यापनादयस्तावदत्यन्तासंभवादप्राप्ताः ManuBh. ii. 348. 13 (*on* 10. 63); अत्यन्तासंभवो यावद्वद्धो दृश्यस्य न क्षयः । तावद् द्रष्टरि दृश्यत्वं न संभवति मोक्षधीः YogVā. iii. 11. 23; iii. 9. 37; iii. 54. 73; स्वप्नादिबोधे वन्ध्यासुतो याति अङ्गुल्यग्रे हस्तियूथशतमित्यादौ चात्यन्तासंभवाद् बाह्यस्य ज्ञानात्मकत्वमेवाकाराणामभ्युपगन्तव्यम् SāstrDī. 55. 1 (*on* i. 1. 5); आत्मनश्च स्वयंप्रकाशत्वात् नित्यशुद्धबुद्धमुक्तब्रह्मात्मैक्यसाक्षात्कारहेतुताया अत्यन्तासंभवात् SarvaDaKau. 130. 2; यदि स्वतो निश्चेतुं न शक्नुयात् तदा निश्चयस्यात्यन्तासंभवः TantrRaha. 6. 23; न च तेभ्यः परमाणवश्चयवन्ते इति शक्यं वक्तुं अत्यन्तासंभवात् GoviBh. 155. 6 (*on* ii. 3. 24)

अत्यन्तासंभविन् (atyantāsambhavin) *adj.* which is entirely improbable तत् किमुच्यते 'अत्यन्तासंभविनः कथं विरोधः' इति HetuBiṬ. 7. 8; यथैव स्वप्नमायादावत्यन्तासंभवि स्फुटम् IṣṭaSi. 215. 12.

अत्यन्तासंभावना (atyantāsambhāvanā) *f.* absolute impossibility लौकिके तु वमनेन व्यापन्ने रसायनगुणाभावादिन्द्रियेण वीर्येण च वृद्धिः संभाव्यते । न जलोदरवदत्यन्तासंभावना TantrVā. 1011. 12 (*on* iii. 4. 38)

अत्यन्तासंभावनीय (atyantāsambhāvanīya) *adj.* extremely impossible ये तद्वत्यन्तासंभावनीयज्ञानार्थाः स्वशिरश्छेदादयः ते … कथमवसीयन्ते Kāśi. ii. 174. 18 (*on* 5(3). 207)

अत्यन्तासंभावनीयत्व (atyantāsambhāvanīya–tva) *n.* the state of being extremely impossible, absolute impossibility तत्रापिशब्देन निपातसमुदायेनात्यन्तासंभावनीयत्वम् Loc. 153. 24 (*on* 3. 16)

अत्यन्तासंभावित (atyantāsambhāvita) *adj.* absolutely impossible or unthinkable निमित्तनैमित्तिकाश्रयाश्रयिभावादयः संबन्धाः शब्दार्थयोरत्यन्तासंभाविता एव Kāśi. iii. 222. 16 (*on* 5(10). 6); वसिष्ठपराशरकृष्णद्वैपायनादीनामप्यनुत्पन्नं ज्ञानमन्येषामुत्पत्स्यत इत्यत्यन्तासंभावितम् SrutaPra. iB. 168. 27; यदुक्तमत्यन्तासंभावितं वेदमूलत्वमिति तन्निराकरणार्थमुक्तं संभाव्येति MayūMāli. 20. 20 (*on* i. 3. 1); तथाप्यर्थिपदवत् प्रत्ययस्यापि तदनुवादकत्वमत्यन्तासंभावितम् MayūMāli. 461. 17 (*on* vi. 2. 2); 490. 13 (*on* vi. 4. 12)

अत्यन्तासंभावितत्व (atyantāsambhāvita–tva) *n.* the state of being extremely impossible, extreme impossibility सागमपक्षस्यात्यन्तासंभावितत्वात् बाधकस्य चानागमनिश्चयस्याभावात् SmṛtiCan. iii. 168. 4; अर्गलितापवरकशयितेन प्रबोधकालेऽपि तत्रैवोत्थितेन शरीरेण बहिर्देशदृश्यस्वाप्नवह्निस्पर्शस्वाप्नजलपानादेः

अत्यन्तासंभावितत्वेन तत्प्रयुक्तदाहपिपासोपशमादिप्रत्ययस्य प्रमात्वायोगाच्च Pūrvotta-VāNaMā. 341. 16; वेश्यावशीकरणस्यात्यन्तासंभावितत्वसिद्धये गगनकुसुममालिका-धारणरूपार्थान्तरकल्पनं मिथ्याध्यवसितिः Kuval. 127 (1); भ्रान्त्यादेः संभावितत्वाद्भ्रान्त्यादिमूलत्वमेव न चोदनामूलत्वं, तस्या अनुपलभ्यमानतया तन्मूलत्वस्यात्यन्तासंभावितत्वात् MayūMāli. 18. 30 (*on* i. 3. 1)

अत्यन्तासंभावितविषया (atyantāsambhāvita-viṣayā) *adj.* (*f.*) pertaining to an extremely impossible thing सप्तमो रसो भविष्यतीतिवदियं प्रत्याशात्यन्तासंभावितविषयेति भावः NyāySu.(Ja.) 509A. 7 (*on* iii. 2. 10)

अत्यन्तासंभावितार्थ (atyantāsambhāvitārtha) *m.* absolutely impossible sense or meaning स आत्मनो वपामुदखिदत् इत्यनेनात्यन्तासंभावितार्थेन यथा प्राजापत्यस्य तूपरस्याजस्य विधिः स्तूयते NyāyMāVi. 605. 6 (*on* x. 8. 6)

अत्यन्तासंभाविन् (atyantāsambhāvin) *adj.* absolutely impossible अपि च अत्यन्तासंभावी वन्ध्यासुतादिसंसर्गः कदा कुत्र वा भविष्यति Kāśi. i. 71. 28 (*on* 2. 21)

अत्यन्तासंभाव्य (atyantāsambhāvya) *adj.* extremely or absolutely impossible सर्वेष्वर्थेष्वत्यन्तासंभाव्येष्वपि दृष्टविषयैः प्रमाणैः ManuBh. i. 70. 24 (*on* 2. 10); एवमत्यन्तासद्रूपत्वेनाभिमतस्य स्थायित्वादेः सद्रूपज्ञानात्मकत्वमत्यन्तासंभाव्यम् ŚāstrDi. 57. 22 (*on* i. 1. 5); 150. 9 (*on* i. 1. 7)

अत्यन्तासंभाव्यमान (atyantāsambhāvyamāna) *adj.* absolutely impossible or inconceivable यदि पुनरचेतनादिनात्यन्तासंभाव्यमानतदर्थविशेषणेनाप्रस्तुतेन वर्णितेन प्रस्तुतमाक्षिप्यमाणं चमत्कारकारि तदा वस्तुध्वनिरसौ Loc. 43. 21 (*on* 1. 13)

अत्यन्तासंभाव्यमानता (atyantāsambhāvyamāna-tā) *f.* extreme impossibility or inconceivability दिवसार्थो ह्यत्रात्यन्तासंभाव्यमानतामस्यार्थस्य ध्वनति Loc. 159. 12 (*on* 3. 16); दिवसार्थेनात्यन्तासंभाव्यमानतास्यार्थस्य ध्वन्यते Kāvyānu.(He.) 66. 20.

अत्यन्तासंभाव्यमानत्व (atyantāsambhāvyamāna-tva) *n.* the state of being absolutely impossible तत्रापिशब्देन निपातसमुदायेन तापसस्य सतः शत्रुताया अत्यन्तासंभाव्यमानत्वमभिव्यक्तम् Kāvyānu.(He.) 217. 8.

अत्यन्तासह्यस्मृति (atyantāsahya-smṛti) *f.* memory of the extremely unbearable तदस्माकं ग्राम्यं प्रतिभाति अत्यन्तासभ्यस्मृति-(v.l. अत्यन्तासह्यस्मृति) हेतुत्वात् Loc. 45. 7 (*on* 1. 14)

अत्यन्तासूया (atyantāsūyā) *f.* extreme jealousy or envy अतिमत्सरोऽत्यन्तासूया VīraMi.(Tīrtha.) 152. 4.

अत्यन्तास्तिक (atyantāstika) *adj.* extremely pious or orthodox अतस्तद्दर्णनं जानश्रुतेरत्यन्तास्तिकस्य एतावन्तं कालमेवं प्रशस्तां विद्यां नाध्यगमं येनैवमवमानस्य पात्रमभूवमिति शोकहेतुकं भवति ŚivārkaMaDī. i. 478. 12 (*on* i. 3. 34)

अत्यन्तास्था (atyantāsthā) *f.* extreme care चर्मादिकमत्यन्तास्थया परीक्ष्यम् SmṛtiCan. iv. 517. 6.

अत्यन्तास्वकाराभिन्यस्त (atyantāsva-kārābhinyasta) *adj.* who is very poor and oppressed by taxation अत्यन्तास्वकाराभिन्यस्ताः ··· स्वधर्मान्न चलन्ति PañcT. 1. 52 (31) (40. 4)

अत्यन्तास्वरस (atyantāsvarasa) *adj.* not favourable at all अयं श्लोको मृषावादिनामत्यन्तास्वरसः ŚrutaPra. iA. 255. 23 (*on* i. 1. 1)

अत्यन्तास्वाकाराभिन्यस्त (atyantāsvākārābhinyasta) *adj.* who has studied the art of complete disguise or complete concealment of one's natural disposition अत्यन्तास्वाकाराभिन्यस्ताः (? अभ्यस्ताः) स्वधर्मान्न ··· चलन्ति Tantrākhyā. 12. 9.

अत्यन्ताह्लाद (atyantāhlāda) *m.* extreme joy or delight तदत्यन्ताह्लादं ह्यजरममरं चिन्तय मनः। परब्रह्माव्यग्रं हरिहरसुराद्यैरवगतम् VijñāŚ. 15.

अत्यन्तिक (átyanti-ka) *n.* too great a nearness or proximity नाहैव सन्नात्यन्तिके नो दूरे तत्थापयेत् ŚatBr. III. v. 3. 19; न दूरे वाहयेत् क्षेत्रं न चैवात्यन्तिके तथा BṛParāSm. 5. 128.

अत्यन्तिकस्थ (atyantika-stha) *adj.* found very near अत्यन्तिकस्थं बलिनं रिपुमाकर्ण्य मार्गपाः। चमूं निवेशयामासुस्तूर्णं जलगदान्तिके RājTa.(Prā.) 390.

अत्यन्तिन (atyantina) *adj.* facing directly (an enemy) शत्रूनभिमुखो गच्छेत्तस्मिन्नत्यन्तिनः स्मृतः ParyāŚaRa. 2. 341.

अत्यन्तिम (atyantima) *adj.* extreme, very large अतो मन्त्रकृतं संविधानमुपायान्तराभावे शौर्येण प्रतिक्रियतामित्यत्यन्तिममिदमौपयिकम् Jīvān. 272. 7.

[1]**अत्यन्तीन** (atyantīna) *adj.* very close or intimate (युवाम्) अत्यन्तीनं सखित्वं च प्राप्तास्थो भरताश्रयम् Bhaṭṭi. 22. 19.

[2]**अत्यन्तीन** (atyantīna) *adj.* going too far अत्यन्तं गामी अत्यन्तीनः, भृशं गन्तेत्यर्थः KāśiVṛ. 134. 6 (*on* P. v. 2. 11); अन्तस्याभावोऽत्यन्तम् ··· हसपक्षे वान्तादपि ··· खः, अत्यन्तं गामी अत्यन्तीनः JaineVyā. 239. 12 (*on* iii. 4. 136); CāndraVṛ. *on* iv. 2. 17; अन्तस्याभावोऽत्ययो वात्यन्तम्। अन्तमतिक्रान्तं वा ··· क्रियाविशेषणे चैते। अत्यन्तीनः। अनुकामीनः Prasā. i. 867. 11; कामं गाम्यनुकामीनो ह्यत्यन्तीनस्तथा भृशम् AmaK. 1620; ParaNā. 1960.

अत्यन्तीनत्व (atyantīna-tva) *n.* the state of going too far वृतस्त्वम् पात्रैसमितैः ···। श्रियं नेता नात्यन्तीनत्वमुन्मनाः Bhaṭṭi. 5. 10; लक्ष्मीं परम्परीणां त्वमत्यन्तीनत्वमुन्नय [APTE]

अत्यन्तेच्छा (atyantecchā) *f.* excessive or earnest desire सङ्गे कुर्यादिष्टपशुं तथा ··· सङ्गेऽत्यन्तेच्छायाम् ManvaVi. 611. 2 (*on* 5. 31)

अत्यन्तेषीका (atyanteṣikā) *adj.* with the reed protruding beyond (the cover) (समिधः) अत्यन्तेषीका(?क) मौञ्जपरिहिता मधुना प्रलिप्य चिक्कशेषु पर्यस्य KauśiSū. 21. 24 (Dārila अन्तमतीत्य गताः अत्यन्ताः। इषीका अतीत्य गता इत्यर्थः)

अत्यन्तेष्ट (atyanteṣṭa) *adj.* very dear अनभिष्वङ्गः अभिष्वङ्गाभावः ··· अत्यन्तेष्टेषु दासवर्गादिषु GītāBh.(Śaṅ.) 377. 13 (*on* 13. 9); योऽयमद्वैतभाजामत्यन्तेष्टस्तमधृत भवानाश्रमं यत्तुरीयम् CaitaCa. 121. 14 (5)

अत्यन्तैकत्व (atyantaika-tva) *n.* absolute identity न च तयोः सत्यानृतयोः ··· ममेदं देहादि इति वा प्रत्ययः शङ्कनीयः, इतरेतरमत्यन्तैकत्वमापाद्यैवाध्यासस्वीकारात् VivaPraSaṁ. 17. 1.

अत्यन्तैकान्तिकम् (atyantaikāntikam) *adv.* in very great intimacy मात्रा स्वस्रा दुहित्रा वा नात्यन्तैकान्तिकं वसेत् ŚukraNī. 3. 19.

अत्यन्तैकार्थ (atyantaikārtha) *m.* absolutely the same thing अत्यन्तैकार्थविवक्षायां तु तत्रापि प्रयोगायोगात् NyāyPari. 398. 23.

अत्यन्तैक्य (atyantaikya) *n.* complete identity न चेदं रूप्यमित्यत्राप्यत्यन्तमैक्यबुद्धिः। अतो व्यक्त्योरत्यन्तैक्यबुद्ध्यभावो न दोषाय IṣṭaSi. 263. 14; यतः समुदायैक्यमेव मयोच्यते नात्यन्तैक्यम्। अतश्चेतनेष्वपि ··· तद्युक्तम् NyāySu.(Ja.) 507B. 11 (*on* iii. 2. 10); वेदान्तसूत्रे क्वापि सर्वात्मनामत्यन्तैक्यं नोक्तमस्ति SāṁkhyaPraBh. 69. 20 (*on* 1. 153); ŚivārkaMaDī. ii. 22. 25 (*on* ii. 1. 16)

अत्यन्तोचित (atyantocita) *adj.* highly appropriate सूत्रस्य ··· मेदोपपादकत्वमुक्तम्। ततोऽपि विज्ञानमयादन्य इत्यन्यत्वव्यपदेशस्यैव हेतुत्वोक्तिपरत्वमत्यन्तोचितम् ŚrutaPra. iB. 236. 11 (*on* i. 1. 20)

अत्यन्तोचितत्व (atyantocita-tva) *n.* extreme propriety यथा परैः सूत्रानुपदिष्टापि साधर्म्यवैधर्म्यसमादिसंग्राहिका प्रतिधर्मसमोन्नीता तद्वत् सर्वसंग्राहकविभागस्यात्यन्तोचितत्वात् NyāyPari. 232. 8.

अत्यन्तोच्छित्ति (atyantocchitti) *f.* total destruction सुखस्य ··· अनवबोधः पिधानम्। तस्यात्यन्तोच्छित्तावशेषपुरुषार्थपरिसमाप्तिः NaiṣkSi. 3. 3; मोक्षदशायाम् ···बुद्ध्यादीनां विशेषगुणानामत्यन्तोच्छित्तिः स्वरूपमात्रप्रतिष्ठत्वमात्मनोऽङ्गीकृतं तेषामयुक्तः पक्षः RājMār. 85. 11.

अत्यन्तोच्छेद (atyantoccheda) *m.* complete destruction, total annihilation तेनाकारविलक्षणत्वाभावात् अभावेनाव्यवधानात् चात्यन्तोच्छेदेऽपि स एवायमिति अभेदाध्यवसायी प्रत्ययः प्रस्तूयते TarkBhā.(Mo.) 20. 4; नवानाम् आत्मनो वैशेषिकगुणानामत्यन्तोच्छेदो मोक्ष इति वचनात् SyādvāMañ. 8(92); 8(259); 16(90); 27. (41); हेतूनामत्यन्तोच्छेदान्न पुनस्सहकार्यागमोऽपुनरावृत्तिश्रुतेः ŚatDū. 151. 26; 154. 27; 199. 13; एतेषामेकविंशतिप्रभेदानामत्यन्तोच्छेदो मोक्षः SarvaDaKau. 28. 14; सर्वत्र काले बन्धस्यात्यन्तोच्छेदः कस्यापि पुंसो नास्ति वर्तमानकालवदित्यनुमानं संभवेदित्यर्थः SāṁkhyaPraBh. 72. 34 (*on* 1. 159); 64. 1 (*on* 1. 144); 114. 22 (*on* 4. 20); उच्छित्तिरत्यन्तोच्छेदो धर्मः प्रतियोगितया यस्यास्ति तदन्यस्यानुच्छित्तिशब्देन बोधनात् GuruCandr. ii. 275. 7; iii. 56. 19; नाशमत्यन्तोच्छेदम्। तेन दोषादिनिमित्तनाशस्य भ्रमादिनाशप्रतियोजकत्वेऽपि न क्षतिः LaCandr. 649. 41.

अत्यन्तोच्छेदकत्व (atyantocchedaka-tva) *n.* the nature of complete destroyer देहादेरत्यन्तोच्छेदकत्वस्याप्यात्पत्या अविद्याया अत्यन्तोच्छेदे मुच्यमानकर्मैव प्रतिबन्धकं कल्प्यते LaCandr. 892. 17.

अत्यन्तोच्छेदरूप (atyantoccheda-rūpa) *adj.* of the nature of complete annihilation दुःखान्तो द्विविधः अनात्मकः सात्मकश्च। तत्रानात्मकः सर्वदुःखानामत्यन्तोच्छेदरूपः SarvaDaSaṁ. 6. 49.

अत्यन्तोच्छेदानुसरण (atyantocchedānusaraṇa) n. resorting to or following utter annihilation अत्यन्तोच्छेदानुसरणपीडनाभ्यां सहसा निष्कार्यः (रिपुः) ManuBh. ii. 60. 5 (*on* 7. 200)

अत्यन्तोच्छेदायोग (atyantocchedāyoga) *m.* impossibility of total destruction भास्करमते अस्तु बुद्ध्युपाधेः सत्त्वादत्यन्तोच्छेदायोगात् PrakaVi. 1110. 9.

अत्यन्तोत्कट (atyantotkaṭa) *adj.* increased excessively, very intense अत्यन्तोत्कटदोषेषु विसंज्ञेषु च दीयते चूर्णं प्रधमनम् ŚārṅgaS. iii. 8. 17; योऽत्यन्तोत्कटरागादिवशात्सभ्यः स्मृत्याचारविरुद्धं वादनिर्णयं विदधाति तस्य दण्डमाह

SmṛtiCan. iii. 49. 20; iii. 182. 17; यदा तु सर्वथात्यन्तोत्कटरागता पशुभक्षणे भवति तदापि … न तु पशुहिंसा युक्ता ManvaVi. 611. 1 (*on* 5. 37)

अत्यन्तोत्कर्ष (atyantotkarṣa) *m.* great excellence तथ्येनापि ब्रुवन्दाप्यो दण्डम् … तदाक्षेप्तुरत्यन्तोत्कर्षे … ग्राह्यम् Aparā. 806. 28 (*on* 2. 204); अत्यन्तोत्कर्षरूपेण विसजातीयस्य पुरुषोत्तमत्वं वक्तुमारभते GītāBh.(Rā.) 598. 1 (*on* 15. 1); प्रमाणं च तत्र ज्ञानत्वमत्यन्तोत्कर्षवद्वृत्ति … इत्याद्यनुमानमेव JñānBiPra. 19. 16.

अत्यन्तोत्कृष्ट (atyantotkṛṣṭa) *adj.* [*f.* –ā] very much excellent ज्ञानतश्चात्यन्तोत्कृष्टापकृष्टरूपेण वर्तमानेषु सर्वेषु भूतेषु समाश्रयणीयत्वेन समोऽहम् GītāBh.(Rā.) 481. 5 (*on* 9. 29); 482. 2 (*on* 9. 29); यद्यपि शिलोञ्छवृत्तिरत्यन्तोत्कृष्टा तथाप्यस्ति प्रतिग्रहेण किंचित्साम्यम् ManuBh. ii. 362. 14 (*on* 10. 112); षण्मासपर्यन्तं सद्यःशौचं, एतच्च … मातापित्रोरत्यन्तोत्कृष्टगुणयोः HārLa. 37. 13; 9. 20; विष्णूक्तस्तु पञ्चाशत्पणोऽत्यन्तोत्कृष्टमृगपक्षिवधविषयः DaṇḍaVi. 223. 6; 241. 9; अत्यन्तोत्कृष्टस्य …विप्रपरिचर्यापरशूद्रस्य दशरात्रमिति NirṇaSi. 369. 28.

अत्यन्तोत्तम (atyantottama) *adj.* very much superior धर्मरत्नमहाराशिमत्यन्तोत्तमयोगिनम् … हनूमानाससार तम् PadmP.(Ra.) 113. 24; तिक्ता बिंबलता…पटोलात्यन्तोत्तमकारवेल्लिसहिता पंचैव वल्यः स्मृताः। … पित्तघ्नाः KalyāKā. 4. 38; Aparā. 700. 10 (*on* 2. 99)

अत्यन्तोत्तुङ्ग (atyantottuṅga) *adj.* exceedingly tall अत्यन्तोत्तुङ्गवर्ष्माणम् …महादेवी समारूढा हयं ययौ BrahmāṇḍP. iii. 16. 23.

अत्यन्तोत्त्रासितत्रप (atyantottrāsita–trapa) *adj.* extremely shameless कुर्वाणौ कलहं नित्यमत्यन्तोत्त्रासितत्रपौ … तौ महीपतिरन्वशात् PāṇḍaC. 4. 452.

अत्यन्तोत्साह (atyantotsāha) *m.* very great enthusiasm अन्तराया इति ख्याता योगस्यैते हि योगिनाम्। अत्यन्तोत्साहयुक्तस्य नश्यन्ति न च संशयः LiṅgaP. i. 9. 13.

अत्यन्तोत्सिक्तमत्सर (atyantotsikta–matsara) *adj.* whose envy is greatly increased (*lit.* flowing beyond limits) तौ नितान्तमयुध्येतामत्यन्तोत्सिक्तमत्सरौ PāṇḍaC. 4. 458.

अत्यन्तोत्सुक (atyantotsuka) *adj.* extremely eager मनसा कान्तसक्तेन सकलं च सखीजनम्। न्यवर्तयन्निगद्यैवमत्यन्तोत्सुकमानसा PadmP.(Ra.) 97. 69; अत्यन्तोत्सुकचेतसां खलु नृणां कुत्रापि वस्तुन्यहो क्रोधः केवलमाधिहेतुरनिशम् RasSa. 84.

अत्यन्तोदात्तचरित (atyantodātta–carita) *adj.* whose conduct is extremely noble मन्त्रिणामपि स्वतंत्रमृद्धिमन्तमत्यन्तोदात्तचरितम् …क्षत्रियकुमारमुद्दिशतां न लेशोऽप्यस्ति निर्वादस्य TilaMañ. 299. 16.

अत्यन्तोदार (atyantodāra) *adj.* extremely generous धनत्यागेनात्यन्तोदारस्यापि गृहजनः पीड्यते TantrVā. 27. 1 (*on* i. 2. 10); MīmāKau. iii(1). 32. 16 (*on* i. 2. 10)

अत्यन्तोदासीन (atyantodāsīna) *adj.* completely unrelated निरन्वयोऽत्यन्तोदासीनः संबन्धाभासेनापि रहितः ManvaVi. 1000. 11 (*on* 8. 198); DaṇḍaVi. 326. 15.

अत्यन्तोदितभाव (atyantodita–bhāva) *m.* the state of being grown very tall *or* clearly visible symptoms (of ailment) वने दोषा न (दोषान्न) गच्छन्ति विधालवणवर्जिताः। अत्यन्तोदितभावाद्धि मातङ्गानां तृणं हितम् Hastyāyur. 564. 18 (4. 3)

अत्यन्तोद्ग्रन्था (atyantodgranthā) *adj.* (*f.*) totally outside or beyond the text न चात्यन्तोद्ग्रन्था सामानाधिकरण्येऽपि स्मृतिरुपेया NayaVi. 91. 5 (*on* i. 1. 5)

अत्यन्तोद्भट (atyantodbhaṭa) *adj.* very prominent यत्र बहुतरधर्मसाधारण्यनिबन्धनं सादृश्यमत्यन्तोद्भटं तत्रैव शीघ्रं स्मृत्युपपत्तेः PrakaPañ. 409. 16.

अत्यन्तोद्रिक्तवृत्ति (atyantodrikta–vṛtti) *adj.* having an excessively conspicuous presence or function तदलङ्कारमहिमैव तथाविधोऽत्र भ्राजते, तस्यात्यन्तोद्रिक्तवृत्तेः स्वशोभातिशयान्तर्गतमलङ्कार्यं प्रकाश्यते VakroJī. 60. 19.

अत्यन्तोद्वेजनकरी (atyantodvejana–karī) *adj.* (*f.*) causing great anguish मर्मस्पर्शिनीर्वाचोऽत्यन्तोद्वेजनकरीराक्रोशवाचो यो वदति ManuBh. i. 157. 1 (*on* 2. 161)

अत्यन्तोन्नत (atyantonnata) *adj.* very high or lofty अत्यन्तोन्नतपूर्वपर्वतमहापीठे हरस्पर्धया … । नूनं पञ्चशरोऽकरोच्छशिमिषात् स्वं ज्वाललिङ्गम् Subhāṣi. 1996.

अत्यन्तोन्नति (atyantonnati) *f.* great height मण्डितं शक्रचापेन गगनं चित्रतेजसा। अत्यन्तोन्नतियुक्तेन तोरणेनेव चारुणा PadmP.(Ra.) 22. 60.

अत्यन्तोन्मग्नस्वभावत्व (atyantonmagnasvabhāva–tva) *n.* the state of having a completely emergent nature अत्यन्तोन्मिश्र(v. l. °न्मग्न)स्वभावत्वे सति तद्धर्मन्वादिति विशेषणमस्माभिः कृतम्। उन्मग्नरूपता च न रूपवज्जात्यत्वस्य। अत्यन्तलीनस्वभावत्वात् Loc. 182. 25 (*on* 3. 33)

अत्यन्तोन्मत्तदुश्चेष्ट (atyantonmatta–duśceṣṭa) *adj.* who misbehaves and is extremely intoxicated तम् …। अत्यन्तोन्मत्तदुश्चेष्टं रत्नचूडो निरैक्षत SkandP. iv. 67. 122.

अत्यन्तोन्मुक्ति (atyantonmukti) *f.* complete freedom from ज्ञानसुखदुःखेच्छाद्वेषप्रयत्नधर्माधर्मसंस्काराणां नवसंख्यावसराणामात्मगुणानामत्यन्तोन्मुक्तिर्मुक्तिः इति काणादाः YaśasCam. ii. 270. 2.

अत्यन्तोन्मूलन (atyantonmūlana) *n.* complete uprooting यथोक्तधर्माणामेषां संभाव्यो यदि वा मलः। अत्यन्तोन्मूलने दक्षः प्रतिपक्षस्तथैव हि TattvSaṁ. 3418.

अत्यन्तोपकारक (atyantopakāraka) *adj.* [*f.* –ikā] **i** very much obliging or beneficient (person) लोके ह्यत्यन्तोपकारकौ मातापितरौ प्रथितौ ManuBh. i. 150. 22 (*on* 2. 144); Aparā. 438. 2 (*on* 1. 220); **ii** highly beneficial (thing) यदि पुनर्विवादविषयीभूता सीमाभूमिरेकस्य ग्रामस्य क्षेत्रादेरत्यन्तोपकारिका तया विना तद् ग्रामादि न भवत्येव Aparā. 764. 4 (*on* 2. 153); 578. 22 (*on* 1. 315)

अत्यन्तोपकारित्व (atyantopakāri–tva) *n.* characteristic of being very obliging or beneficient मातुर्गर्भधारणपोषणद्वारेणात्यन्तोपकारित्वात् SmṛtiCan. iv. 688. 4.

अत्यन्तोपकारिन् (atyantopakārin) *adj.* [*f.* –iṇī] **i** very much obliging or beneficient (person) राक्षसेनास्माकमत्यन्तोपकारि मित्रं घातितस्तपस्वी पर्वतक इति MudrāRā. 1. 15(4); तन्मे त्वमत्यन्तोपकारिणी PāṇḍaC. 6. 845; **ii** highly beneficial (object) ते हि (मारुताः) घर्मदोषवारकत्वादत्यन्तोपकारिणः AbhinBhā. i. 31. 16 (*on* 1. 84)

अत्यन्तोपघात (atyantopaghāta) *m.* excessive defilement, impurity or dirt अतस्तयोः स्वयोन्या स्वेनोत्पत्तिकारणेनाग्निना अत्यन्तोपघाते उदकेन च (निर्णेकः गुणवत्तरः) ManuBh. i. 475. 15 (*on* 5. 112); ManvaVi. 664. 24 (*on* 5. 113); गृहं रजस्वलादिवासदूषितं (उपहतमुच्यते)। अत्यन्तोपघातादयो यथायथं बोद्धव्याः DīpKa. 23. 19 (*on* 1. 188); क्षुमातसी तत्सूत्रनिर्मितं श्वेतसर्षपपिष्टसहितैरुदकगोमूत्रैः शुद्ध्यति। इदं चात्यन्तोपघाते VīraMi. 258. 17 (*on* 1. 186); *adj.* which destroys completely तयोः स्वेन कारणेनैव जलेनात्यन्तोपघातेनाग्निना निर्णेकः शुद्धिहेतुर्गुणवत्तरः ManvaMu. 217. 30 (*on* 5. 113)

अत्यन्तोपचय (atyantopacaya) *n.* excessive accumulation आस्वादितैर्वनफलैरसदीयैर्महारसैः। अत्यन्तोपचयादेते जायेते हृदि च स्थले PariPar. 1. 155.

अत्यन्तोपचरितार्थत्व (atyantopacaritārtha–tva) *n.* the state of having a highly secondary or figurative sense द्युशब्दश्रवणस्य प्रजापतिसभावेश्मशब्दयोश्च विकारास्पृष्टे ब्रह्मण्यत्यन्तोपचरितार्थत्वप्रसङ्गः PrakaVi. 1076. 4.

अत्यन्तोपचित (atyantopacita) *adj.* gathered excessively together अत्यन्तोपचितान्वा त्वं मानयन्भ्रातृबान्धवान्। कृतवर्माणमासाद्य न नेष्यसि यमक्षयम् MahāBhā. viii. 51. 56.

अत्यन्तोपद्रुतत्व (atyantopadruta–tva) *n.* the state of being excessively afflicted क्षयरोगिणामत्यन्तोपद्रुतत्वात् SmṛtiCan. iv. 394. 18.

अत्यन्तोपपन्ना (atyantopapannā) *adj.* (*f.*) highly appropriate or suitable अत्र तु सिद्धान्तानुरूप्यान्नमस्यात्यन्तोपपन्ना S'rutaPra. iA. 10. 9 (*on* i 1. 1)

अत्यन्तोपयुक्त (atyantopayukta) *adj.* very useful or appropriate तृतीये 'दर्शनस्पर्शनाभ्यामेकार्थग्रहणात्' इत्यादिकं बाह्यान्तरेन्द्रियनिरूपणादिकं चात्यन्तोपयुक्तम् NyāyPari. 22. 5; अयमर्थो ब्रह्मजिज्ञासाकर्तव्यतायामत्यन्तोपयुक्तः NyāySu.(Ja.) 90B. 8 (*on* i. 1. 1)

अत्यन्तोपयुक्तता (atyantopayukta–tā) *f.* the characteristic of being very useful पूर्वैर्ग्रन्थेष्वनिवेशितं मन्त्रार्थचिन्तनं अत्यन्तोपयुक्ततया स्वयमेवाभिधाय… समाराधनं च विहितम् (पराशरभट्टारकैः) PāñcRāRa. 53. 21.

अत्यन्तोपरति (atyantoparati) *f.* absolute cessation or termination अत्यन्तोपरतिर्यत्र दुःखस्य च सुखस्य च BhāgP. iii. 25. 23.

अत्यन्तोपरम (atyantoparama) *m.* absolute cessation or termination यथाविधे शरीरे चेतना गृह्यते तथाविध एवात्यन्तोपरमश्चेतनाया गृह्यते NyāyBh. 226. 1 (*on* ii 2. 47); प्रयोजनं परं निःश्रेयसं सहेतुकस्य संसारस्य अत्यन्तोपरमलक्षणम् GītāBh.(S'aṅ.) 3. 5 (*on* 1. 0)

अत्यन्तोपवन (atyantopavana) *n.* very near or close garden उमामहेश्वरोपेते समृद्धे नगरे शुभे। कर्तव्यं साधनं तत्र रसराजस्य धीमता। अत्यन्तोपवने रम्ये चतुर्द्वारोपशोभिते RasRaSa. 6. 14.

अत्यन्तोपहत (atyantopahata) *adj.* excessively defiled (by dirt), very impure उत्सर्गो वात्यन्तोपहतानां (पदार्थानाम्) GautDS. i. 1. 33; अत्यन्तोपहतस्य वस्त्रस्य यत्प्रक्षालितं सद्विरज्यते तच्छिन्द्यात् ViṣṇuSm. 23. 6; 23. 1; 23. 42;

मृतपञ्चनखात्कूपादत्यन्तोपहताच्चोदकं पीत्वा ब्राह्मणस्त्रिरात्रमुपवसेत् VisnuSm. 54. 2; MārkP. 34. 55 = BrahmP. 221. 54; (शौचं तैजसवत् स्मृतम्) अग्नेरपां च संयोगादत्यन्तोपहतस्य च LiṅgaP. i. 89. 60; Mitā. 491. 16 (*on* 3. 289); अत्यन्तोपहतं सर्वं लोहभाण्डमग्नौ प्रक्षिप्तं शुध्येत् CaturCin. iii(1). 819. 1; अत्यन्तोपहतमाह शारीरैर्मलैः सुरामिश्च यदुपहतं तदत्यन्तोपहतमिति DīpKa. (*on* 1. 185); ViraMi. (Āhnika.) 212. 1.

अत्यन्तोपहतात्मन् (atyantopahatātman) *adj.* whose mind is extremely distressed or subdued तस्मै विभीषणायाग्रे दास्यामो नु किमुत्तरम्। का वा शोभाधुनास्माकमत्यन्तोपहतात्मनाम् PadmP. 118. 64.

अत्यन्तोपादेय (atyantopādeya) *adj.* fully acceptable एवंभूतमत्यन्तोपादेयं सत्कतिपयसमुचितजनानुग्राहकं कृतमिति Loc. 218. 17 (*on* 3. 41); परस्य च श्रोतृजनस्य ··· उत्साहजननेनैव भूतमत्यन्तोपादेयं सत् कतिपयसमुचितजनानुग्राहकं कृतम् Kāvyānu. (He.) 316. 13.

अत्यन्तोर्जितविक्रम (atyantorjita-vikrama) *adj.* having an extremely powerful valour विध्वस्य शब्दमात्रेण शत्रुलोकं मघोर्गृहम्। सुप्रभातनयोऽविक्षदत्यन्तोर्जितविक्रमः PadmP. (Ra.) 89. 62.

अत्यन्तोल्लासिन् (atyantollāsin) *adj.* emerging greatly अत्यन्तोल्लासिहर्षाश्रुसलिलप्लुतलोचनः। भूत्वा ··· । शिरसा तं नमश्चक्रे संविग्नात्मा मुनिं गजः PārśvC. 1. 839.

अत्यन्त्य (aty-antya) *m.* extremely low caste, outcaste of the lowest degree अत्यन्त्यः = श्वपाक इति वाचस्पतिः NirṇaSi. 373. 27.

अत्यन्धकार (aty-andhakāra) *m.* extreme darkness अत्यन्धकारव्याप्तं यत्कूपाकारं च वर्तुलम्। ··· अन्धकूपं प्रकीर्तितम् BrahmVaiP. ii. 33. 104; *adj.* [*f.* -ā] very dark अत्र (श्लोके) ··· रात्रिरत्यन्धकारा पतिः प्रोषितः ··· इति विध्यन्तरं प्रतीयते Kāvyānu. (He.) 36. 11.

अत्यन्नलिप्सा (atyanna-lipsā) *f.* excessive greed for food देही मुक्त इवेक्ष्यते। नात्यन्नलिप्साग्लानिभ्यां शिरसो गौरवेण च KāśyaS. 228B. 40.

अत्यन्नाद (atyannāda) *adj.* consumer of excessive food अग्निरत्यन्नादो भवति यस्यैते उपधीयेते MaiS. iii. 2. 6.

अत्यन्य (aty-anya) *adj.* excelling others अत्यन्यान्पुरुषांश्चापि कृत्वा तत्कर्मसंयुगे MahāBhā. i. 181. 1883* (comm. JñānDī.: अत्यन्यान् अन्यानतिक्रान्तान्)

अत्यपकर्ष (aty-apakarṣa) *m.* extreme reduction, the lowest limit मितमष्टग्रासनियमस्यात्यपकर्षेण परिमाणत्वात्तावन्नियतम् ··· अश्नीयात् ManvaVi. 1401. 11–12 (*on* 11. 109); अकृते तु टिलोपे द्वयजेव अत्यपकर्षे क्रियमाणे तदर्थं यस्य तस्मात् Prasā. i. 952. 11.

अत्यपतर्पण (aty-apatarpaṇa) *n.* extreme underfeeding; starvation रौक्ष्यादत्यपतर्पणात् ··· प्रवर्तन्ते गदाविमौ CaraS. vi. 7. 12 (1941 Ed.); अत्यपतर्पणेन हि प्रमेहिणो मूत्रकृच्छ्र ··· भ्रमादीनां संभवः AṣṭāSaṁ. ii. 82. 20 (4. 14); अवात्सल्याद्भयाच्छोकात्क्रोधादत्यपतर्पणात्। स्त्रीणां स्तन्यं भवेत्स्वल्पम् BhāvPra. (Bhā.) 4. 10.

अत्यपराध (aty-aparādha) *m.* grave offence अत्यपराधादेकलोष्टवधेनाप्येनं हन्युरित्यभिप्रायः BālaKrī. i. 192. 17 (*on* 1. 337 (336))

अत्यपाया (aty-apāyā) *adj.* (*f.*) who has crossed over all difficulties or evils यामानिना वपतु वो वसु सा ··· अत्यपाया Kāvyālaṅ. (Ru.) 5. 21.

अत्यपूर्व (aty-apūrva) *adj.* very extraordinary सावधानं निशामय। अत्यपूर्वं च चरितं पुराणेषु पुरातनम् BrahmVaiP. i. 9. 47; iv. 131. 1; अत्यपूर्वस्य रागस्य पूर्वपक्षाय पल्लवाः। पद्यानि पादयुग्मस्य प्रत्युदाहरणानि च VikrDeC. 8. 11; अम्ब त्वया भेषजमत्यपूर्वमशिक्षि YātrāPra. 7. 180.

अत्यपूर्वम् (aty-apūrvam) *adv.* in a very extraordinary manner लास्ययोग्यबहुतालक्षणान्यत्यपूर्वमनिशं वधूततेः। कल्पयन्तमधिपम् ··· प्रास्तुवन्सकलशास्त्रकोविदाः Raghunā. 5. 57.

अत्यप्रसिद्ध (aty-aprasiddha) *adj.* very unknown, उभयगुणयोगाच्चात्यप्रसिद्ध उपनागरः SaraKaṇṭhā. 233. 20.

अत्यप्सरस् (aty-apsaras) *adj.* who has surpassed nymphs पञ्चो राजा ···अत्यप्सरोभिर्वारस्त्रीजनैश्च परिवारितः TriṣaS'aPuC. iii. 6. 5; इत्येतयालोपि दिवोऽपि पुंसां वैमत्यमत्यप्सरसा रसायाम् NaiṣC. 10. 113.

अत्यबाध्यता (atyabādhya-tā) *f.* state of being extremely non-sublatable or non-stultifiable साक्षात्कारः···गृह्यात्वेवात्यबाध्यताम् Nyāyāmṛ. 140B. 10

अत्यब्ज (aty-abja) *adj.* superior to a lotus (in beauty) संज्ञाप्य नः स्वध्वजभृत्यवर्गान् दैत्यारिरत्यब्जनलास्यतुर्यैः ··· विलज्जं रमते रमायाम् NaiṣC. 3. 34.

अत्यब्दम् (aty-abdam) *adv.* for more than a year अत्यब्दमिति योऽभ्यस्येत्प्रतिधस्त्रमनन्यधीः। स व्योममूर्तिः SkandP. iv. 36. 45.

अत्यभिगा (aty-abhigā-) III. P. to pass by fast क्षिप्रं तत्प्रतिपद्यस्व न कालोऽत्यभ्यगाद्यथा VarāP. 172. 54.

अत्यभिघात (aty-abhighāta) *m.* heavy blow, severe hurt भोजननिरोधोऽत्यभिघातात् भोक्तुमशक्तिः BālaKrī. i. 278. 8 (*on* 2. 225)

अत्यभिजातत्व (atyabhijāta-tva) *n.* extreme nobility गुणोऽप्यत्यभिजातत्वं जातो दोषाय दैवतः KathāSaSāg. xii. 18. 32.

अत्यभिधान (aty-abhidhāna) *n.* excessive talk 'आहुतोढायां पुनरादधीत' इत्यलमत्यभिधानेन BālaKrī. i. 92. 19 (*on* 1. 96)

अत्यभिनन्द् (atyabhi-nand-) I. P. to relish very much धात्रीमालीयतेऽकस्मात् स्तन्यं नात्यभिनन्दति KāśyaS. 33B. 38.

अत्यभिनिवेश (aty-abhiniveśa) *m.* excessive adherence to न मन्त्रौषध्यादावत्यभिनिवेशः कार्यः BālaKrī. ii. 62. 3–4 (*on* 3. 161–4) (171. 74?); ii. 45. 14 (*on* 3. 103–4 (113–14?))

अत्यभिन्नता (atyabhinna-tā) *f.* complete identity, non-difference निदर्शनत्वयेणातो भगवानत्यभिन्नताम्। गुणानामादरेणाह AnuVyā. 45A. 10 (*on* 3. 2)

अत्यभिन्नपद (atyabhinna-pada) *n.* complete non-duality अत्यभिन्नपदे तस्मिंस्तन्वाना भेदमाततम्। संसारमाया YogVā. iv. 41. 19.

अत्यभिमान (aty-abhimāna) *m.* excessive self-conceit or pride उत्पत्तिकारणान्याह – ते बुद्धिदौर्बल्यात् ··· अत्यभिमानात् ··· दैवयोगाच्च स्युः KāmSū. 352. 14 (6. 6); मगधराजः ··· अत्यभि(वा ? मा)नादनन्यगतिः ··· श्रीगर्भे ससार AvantiKa. 113. 11.

अत्यभिमानिन् (aty-abhimānin) *adj.* having excessive attachment मूढस्य स्वदेहेऽत्यभिमानिनः। कामासक्तस्य नो सिद्धमैहिकं पारलौकिकम् ĀdiP. 7. 25.

अत्यभियोग (aty-abhiyoga) *m.* excessive perseverance, intense application (आत्मज्ञानं कार्यं) आमरणेन च यावज्जीवमत्यभियोगेनेत्यर्थः BālaKrī. ii. 62. 6 (*on* 161–64 (171–74?))

अत्यभिरामाङ्ग (aty-abhirāmāṅga) *adj.* having very charming limbs or body क्षीणमत्यभिरामाङ्गं क्षीयमाणं निरङ्कुशम्। वियोगवह्निना नागं दावेनै(? ने)-वाकुलीकृतम् (पद्मं वातिरुपासर्पत्) PadmP. (Ra.) 54. 7.

अत्यभिषुत्य (atyabhi-ṣutya) *adj.* involving additional pressing (of Soma) अत्यभिषुत्यं वा। दक्षिणाभिर्वा वर्षीयांसं यज्ञक्रतुं कुर्वीत ĀpaS'S. xiv. 20. 3.

अत्यभिष्यन्दिन् (aty-abhiṣyandin) *adj.* 1 causing extreme flow or effusion वातमेवंविधमनारोग्यकरं विद्यात्। तद्यथा ··· अत्यभिष्यन्दिनमतिभैरवारावम् CaraS. iii. 3. 7(1) (1941 Ed.); AṣṭāSaṁ. i. 55. 21 (1. 9); SiddhYo. 40. 20; BhojanKu. 135. 19; 2 causing excess of cough or phlegm आविकं दधि··· रूक्षमुष्णं कषायं स्यादभिष्यन्दि दोषलम् HāriS. i. 8. 38.

अत्यभिसृत (aty-abhisṛta) *adj.* passed by विमूढा हि वयं सर्वे प्रच्छन्नमृषिसत्तमम्। संध्यां वसिष्ठमासीनं तमत्यभिसृताः पुरा MahāBhā. i. 91. 12.

अत्यभिहत (aty-abhihata) *adj.* greatly struck विशल्यप्राणहराणि वैकल्यकराणि च कदाचिदत्यभिहतानि मारयन्ति SuśruS. iii. 6. 23.

अत्यभीष्ट (aty-abhīṣṭa) *adj.* extremely desired पुत्रमित्रकलत्रेषु रत्नस्वर्णधनेषु च। प्राणेभ्योऽप्यत्यभीष्टेषु मूर्च्छावान् दण्डकोऽभवत् TriṣaS'aPuC. i. 1. 434.

अत्यभुक्ता (aty-abhuktā) *adj.* (*f.*) not having taken food excessively or overeaten (स्त्रियम्) सुक्षामामत्यभुक्तां च ··· पुरुषो व्रजेत् BhaviP. 897B. 26 (iv. 205. 125)

अत्यभ्यवहृत (atyabhyava-hṛta) *adj.* excessively partaken of, overeaten or drunk सहसात्यभ्यवहृतैः पानान्नैः पीडितोऽनिलः। ऊर्ध्वं प्रपद्यते CaraS. vi. 17. 38 (1941 Ed.)

अत्यभ्यस्त (atyabhyasta) *adj.* [*f.* -ā] i excessively used सोऽत्यभ्यस्तस्तनोः कुर्याच्छैथिल्यम् AṣṭāHṛ. i. 10. 11; ii often repeated अत्यभ्यस्ता यान्या सुरतविधौ विविधचाटुपरिपाटी KuṭṭaMa. 384.

अत्यभ्यास (atyabhyāsa) *m.* excessive use (कषायो रसः) अत्यभ्यासात् सोऽपि शुक्रोपरोधम् ··· कुर्यात् AṣṭāSaṁ. i. 98. 10 (1. 18)

अत्यभ्युदयकाल (atyabhyudaya-kāla) *adj.* later than the time of the rising sun अत्यभ्युदयकाल[म]स्य पूजनम् ParaS. 3. 15.

अत्यमङ्गल (aty-amaṅgala) *n.* extremely inauspicious object अमङ्गलानां सर्वेषां विधवा ह्यत्यमङ्गलम् SkandP. ii(9). 22. 11.

अत्यमर (aty-amara) *adj.* surpassing the gods चित्रमिदमत्यमरं राजत्वम् HarṣaC. 121. 8.

अत्यमरावतीश (aty-amarāvatīśa) *adj.* surpassing the lord of Amarāvatī ज्ञातापि राजात्यमरावतीशभोगावतीशं सुतमुत्सुकोऽयम्। शरावतीशाजिरवत्यलंकारवत्यधीशांश्च युधे दिदेश DvyāśraKā. 6. 62.

अत्यमर्ष (aty-amarṣa) *m.* excessive anger ततस्तेनात्यमर्षान्धेनात्मना

पश्चमेन ते । अयुध्यन्त प्रभासाद्यास्त्रयोऽत्र श्रुतशर्मणा KathāSaSāg. viii. 5. 98; PārśvC. 8. 218; HammīMaKā. 10. 61; Rāgh. 15. 48.

अत्यमर्षण (aty-amarṣaṇa) *adj.* [*f.* -ā] extremely angry ह्रदात्समुत्थितो यत्र धार्तराष्ट्रोऽत्यमर्षणः MahāBhā. i. 157*(6); iii. 34. 1; कृष्णायसस्येव च ते हृदयं कृतम् । मम मातस्त्वकरुणे वैरप्रज्ञे ह्यमर्षणे (v. l. अत्यमर्षणे) MahāBhā. v. 133. 1; vii. 44. 17; BhāgP. x. 37. 3; S'ivaP. ii(5). 54. 21 (287B. 3); TriṣaS'aPuC. ii. 4. 210; PāṇḍaC. 12. 270; उल्लुखानोऽत्यमर्षणः । प्रतस्थे HammīMaKā. 9. 106.

अत्यमर्षित (aty-amarṣita) *adj.* extremely enraged, made very angry विलोक्य तं वज्रधरोऽत्यमर्षितः···महागदाम् । चिक्षेप BhāgP. vi. 11. 9; viii. 21. 9; SkandP. i(3B). 19. 65; S'ivaP. ii(5). 55. 7 (288B. 12)

अत्यमर्षिन् (aty-amarṣin) *adj.* very angry दुर्योधनः ··· युधि सोऽत्यमर्षी राजा विनिःश्वस्य बभूव तूष्णीम् MahāBhā. iv. 61. 23; v. 22. 15; viii. 46. 45; BhāgP. iii. 1. 37; (सुग्रीवः) अत्यमर्षी रुषाक्रान्तस्तं हन्तुं नगमाददे PadmP. iv. 64. 28.

अत्यमलतर (atyamala-tara) *adj.* extremely bright or pure नेत्रमताभ्रमत्यमलतररुचिविसरम् । यस्य विभाति ··· तं जिनमवनमत सुधियः MahāP. 23. 174.

अत्यमितानन्द (atyamitānanda) *adj.* characterised by immeasurable bliss अत्यमितानन्दं चिद्ब्रह्म VarīvaRaha. 139.

अत्यमृतम् (aty-amṛtam) *adv.* surpassing nectar मन्दिरमत्यमृतमङ्गसुखदायि शोभायमानमभ्येति SāmaraU. 264. 13.

अत्यम्बुकाम (atyambu-kāma) *adj.* having great desire for water कुञ्जराः ··· नात्यम्बुकामाः ··· ज्ञेया बुधैर्वामिनवंशजाताः YuktiKa. 199. 11.

अत्यम्बुद (atyambu-da) *adj.* giving plenty of water नात्यम्बुदा जलमुचोऽचलसंनिकाशाः BṛSaṁ. 19. 2.

अत्यम्बुदुर्दिन (atyambuda-durdina) *n.* rainy day having many clouds तदेनदत्यम्बुददुर्दिनेषु विशेषतः कोपमुपैति नित्यम् KalyāKā. 11. 132.

अत्यम्बुपान (atyambu-pāna) *n.* drinking excessive water अजानाम् ··· नात्यम्बुपानात् ··· सर्वव्याधिहरं पयः SuśruS. i. 45. 53 = Hastyāyur. 668. 24 (4. 21) = BhojanKu. 132. 14; अत्यम्बुपानाद्विषमाशनाद्वा···अन्नं न पाकं भजते नरस्य SuśruS. i. 46. 500; RugVi. 6. 7; BhāvPra.(Bhā.) 5. 227; अत्यम्बुपानावश्यायग्राम्यधर्मातपांस्त्यजेत् SuśruS. vi. 64. 11; AṣṭāSaṁ. i. 70. 21 (1. 11) जन्तोरत्यम्बुपानाच्च वातविण्मूत्रधारणात् ।··· न सम्यक् परिपच्यते KāśyaS. 260A. 23 (9. 5);; ViṣṇuDbaP. ii. 56. 123; अत्यम्बुपानाशनसेवनाच्च । ··· वायुः प्रकुप्याशु करोति शूलम् Hastyāyur. 274. 9 (2. 52); अत्यम्बुपानाज्जायेत सुतरामतिसाररुक् Mānaso. i. 19. 230; RasRaSa. 16. 4; अत्यम्बुपानान्न विपच्यतेऽन्नमनम्बुपानाच्च स एव दोषः BhāvPra.(Bhā.) 5. 158 = BhojanKu. 192. 13; अत्यम्बुपानाद्विषमाशनाच्च षड्भिः प्रकारैः प्रभवन्ति रोगाः SiṁhāDvā. 172. 7; BhojanKu. 114. 13.

अत्यम्बुपानतस् (atyambupāna-tas) *adv.* due to excessive drinking of water अतीसारः स सुतरां जायतेऽत्यम्बुपानतः AṣṭāHr. iii. 8. 1; अत्यम्बुपानतो घस्रशयनान्निशि जागरात् ··· भवेद्रोगः PārśvC. 7. 383.

अत्यम्बुप्लुत (atyambu-pluta) *adj.* soaked in excessive water विदाहि शुष्कमत्यम्बुप्लुतं चान्नं न जीर्यति AṣṭāHr. i. 8. 32.

अत्यम्ल (aty-amla) *adj.* [*f.* -ā] extremely sour or acid दधि तु मधुरमम्लमत्यम्लम् SuśruS. i. 45. 65; अत्यम्लं शुक्तमाख्यातं निन्दितं ब्रह्मवादिभिः BṛbaspaSm. 339. 86; अत्यम्लकटुतीक्ष्णोष्णलवणैर्मातृभोजनैः । (जन्तुः) वर्धमानातिवेदनः ViṣṇuP. vi. 5. 11; BṛSaṁ. 76. 12; अत्यम्लानि फलानि वातशमनान्युद्रिक्तरक्तान्यपि KalyāKā. 4. 43; (श्राद्धकर्मणि वर्ज्यानि) न दातव्यं अत्यम्लं पिच्छिलम् BrahmP. 220. 178; 220. 183; वर्जयेन्मधु मांसं च अत्यम्लं च खगाधिप BhaviP. 287B. 29 (i. 195. 8); तिन्तिणीफलमत्यम्लं लवणेन युतं यदा । तदाम्लस्य तिरस्कारादीषदम्लं यथा तथा PañDa. 12. 79; (आम्रफलं) तरुणं तु तदत्यम्लं रूक्षं दोषत्रयास्रकृत् BhāvPra.(Bhā.) 6 (7). 3; 6 (7). 144; अम्लं चतुर्थमत्यम्लं पञ्चमं दधि पञ्चधा BhojanKu. 135. 12; 136. 1; चिञ्चात्यम्ला भवेदामा पक्वा तु मधुराम्लिका BhojanKu. 98. 4; AbhidhāMañ. 194. 14; *n.* **A** name of a plant (वृक्षाम्ल), *Spondias magnifera* [APTE] श्रेष्ठाम्लमत्यम्लमथाम्लबीजं फलं च चुक्रादि गजेन्दुसंख्यम् RājNi. 89. 11; **B** very sour substance यद् ··· अतिगुरुद्रव्यमत्यम्लयुक्तम् ··· तत्तद्वातघ्नमुक्तम् KalyāKā. 10. 19.

अत्यम्लकाञ्जिक (atyamla-kāñjika) *adj.* very sour gruel अत्यम्लकाञ्जिकं पश्चात् पचेद्यामचतुष्टयम् RasRaSa. 20. 123.

अत्यम्लतक्र (atyamla-takra) *n.* very sour butter-milk अत्यम्लतक्रमनिलामयुतातिसारे प्रातः पिबेत् KalyāKā. 9. 92.

अत्यम्लत्व (atyamla-tva) *n.* extreme sourness औषधस्य··· अत्यम्लत्वात् ··· दुर्योगातियोगात्पच्येते KāśyaS. 156A. 36.

अत्यम्लपर्ण (atyamla-parṇa) *adj.* possessing very acid leaves [pw]

अत्यम्लपर्णी (atyamlaparṇī) *f.* *Asclepias acida* (?) [PW] अत्यम्लपर्णी तीक्ष्णाम्ला प्लीहशूलविनाशिनी BhojanKu. 70. 19; RājNi. 332 22; KalpaK. 298. 441.

अत्यम्लपान (atyamla-pāna) *n.* very sour drink अत्यम्लपानैरतिशीतलान्नैः श्लेष्म प्रकोपं समुपैति नृणाम् KalyāKā. 3. 60.

अत्यम्लरसा (atyamla-rasā) *f.* a kind of medicinal plant (बीजपूरा) KalpaK. 261. 118.

अत्यम्लवेत (atyamlaveta) *n.* a kind of sovrel (acid leaved herb) अत्यम्लवेतश्च तथा च कोलम् (यवानिकाखण्डविकाचूर्णम्) HāriS. iii. 6. 27.

अत्यम्ला (atyamlā) *f.* name of a plant, a kind of wild citron (वनबीजपूर) मातुलुङ्गी अत्यम्ला देवदूती च ParyāRaMā. 152; RājNi. 174. 17; अथात्यम्ला मातुलुङ्गी NāmaMāli. 197; ParyāMu. 8. 11; Vaija. 47. 34; KośaKaTa. 1. 3244.

अत्यम्लित (aty-amlita) *adj.* soaked many times in sour substances अत्यम्लितमुद्रर्तिततारादिष्टादिपत्रमतिशुद्धम् RaseCin. 3. 56 (comm. आम्लवर्गैर्बहुशो भावितम्)

अत्यम्लीभाव (atyamlī-bhāva) *m.* extremely sour nature यानि मधुरसान्यपि कालात्ययेन द्रव्यान्तरसंसर्गेण वात्यम्लीभावमापद्यन्ते CaturCin. iii(1). 616. 14.

अत्यम्लीभू (atyamlī-bhū-) I. P. to become very sour शुक्तं यदन्यरसं द्रव्यान्तरसंसर्गादिनात्यम्लीभवति VīraMi.(Āhnika.) 497. 10.

अत्यय (aty-ay-) I. Ā. to pass away, to become past यथैकरूपव्यासक्तचक्षुर्मनसोः यानि रूपाणि शब्दगन्धरसस्प्रष्टव्यानि चात्ययन्ते तदालम्बनैः पञ्चभिर्विज्ञानकायैर्न शक्यं पुनरुत्पत्तुम् AbhidhKoBh. 4. 13 (*on* 1. 6)

अत्यय (aty-aya) *m.* [also *n.* S'abdaBhePra.(Ma.) 4. 18; included in *Vinayādi gaṇa* GaṇPā. 211. 16; CāndraVyā. iv. 4. 17; KāśiVṛ. *on* P. v. 4. 34; JaineVyā. 272. 12 (*on* iv. 2. 40); SaraKaṇṭhā.(Gr.) v. 4. 36; GaṇRa. 3. 193 (236); Prasā. i. 944. 21]; **1Ai** end, closure, termination **Aii** death, passing away **Aiii** departure, absence **Bi** destruction, ruin, perishing, **Bii** total disappearance **Biii** loss (of money) **C** danger, harm, calamity **D** non-existence **E** suffering, disease **2i** going beyond, crossing over, overstepping **2ii** overcoming, mastering **3A** transgression, offence, crime **3B** punishment, fine **4A** lapse (of time), missing or passing over (stipulated time) **4B** emergency, urgent matter **5** going in various directions, variety, type **6** Lexicons *add* portent, attack **1Ai** end, closure, termination शुक्रात्यये पौर्णमास्यामिवेन्दुः MahāBhā. i. 71. 49; शालीन् सयवगोधूमान् सेव्यानाहुर्घनात्यये CaraS. i. 6. 43 (1941 Ed.); i. 6. 44; दोषचयम् ··· विशोधयन् ··· । घनात्यये वार्षिकमाशु सम्यक् प्राप्नोति रोगानृतुजान्न जातु AṣṭāHr. i. 4. 35; सम्यक्कृवर्धितमण्डलं समुदयैर्दोषात्ययै(?यै)र्भासितम् EI. xii. 16. 21; iv. 341. 26; समजनि वाजिनां गतिरपास्तरयास्तगिरावहरहरत्ययेऽपि परिवृद्धिमिवानयताम् Kappiṇā. 11. 6; 15. 8; यदि योगी धनिष्ठायां कुर्यात् कालं दिनात्यये BṛKathāK. 46. 28; कृतस्तु दासविशेषो दास्यावधित्वेन परिभाषितकालस्यात्ययाद् विमुच्यते SmṛtiCan. iv. 467. 12; अतिशब्दाद्रवेः राहुमेघागमहेमन्तकालदिनात्ययाः KāvyKaVṛ. 110. 1 (4. 1); अत्ययेऽत्र शरदां जिनमोक्षात् ViviTīKa. 47. 8; बाह्याः शरीरे किल शैशवीया भावा यथात्याजिषतात्ययेऽस्य । ह्रातुं तथाभ्यन्तरगानपीमान् उदासते हन्त किमत्र सन्तः HammīMaKā. 8. 41; प्रादुर्भवन्ती बहिरङ्गिजनीनां संवर्त्तिकासंहतिराबभासे । नीहारवर्षात्ययनिर्णयाय प्रसारिता पाणिपरम्परेव YātrāPra. 3. 8; **1Aii** death, passing away अथैकोद्दिष्टं व्याख्यास्यामः । ··· अत्यये गुरूणां त्रिशुक्लाः ··· ब्राह्मणाः पात्रमित्यामनन्ति VaikhāGS. 5. 13; स भुक्त्वा विपुलान् भोगान् ··· कालान्तरेऽत्यये प्राप्ते प्राप्तं यात्यच्युतं पदम् PāraS. 18. 440; (उद्दातम् । ··· नास्ति ममात्ययाद्दातुम्) नास्तीदं दानं ममात्ययादस्य भविष्यति GiMs. iii(2). 124. 8; पितुरत्ययादचिराधिष्ठिताधिकारः · कान्तको नाम नागरिकः DaśKuC. 58. 18; पश्यन्त्यपि यथा पत्युरत्यये न ममार सा RāmC. 31. 45; 33. 1; ज्ञातीनामत्यये वित्तमदत्तमपि संमतम् YaśasCam. ii. 344. 12; यद्भक्तियुक्ताः पुरुषास्तु नित्यं दारिद्र्यमोहात्ययसंभवादीन् । न प्राप्नुवन्ति S'ivaP. ii(5). 26. 23 (251B. 8); तदपत्यमत्यये । कुमारपाल उ अविता महीम् DvyāśraKā. 15. 123; (विवाहात्ययवृद्धिषु) अत्ययो मरणम् SmṛtiCan. ii. 316. 10; ii. 622. 20; CaturCin. iii(1). 239. 17; iii(1). 860. 1; लेखकसाक्षिणामत्यये तल्लिखितैः इतराक्षरैः संशयनिरासमाह बृहस्पतिः VyavaNi. 90. 1; VīraMi.(Āhnika.) 166. 14; (पञ्चता, मरण, अपगम etc.) AmaK. 1699; AbhidhāRaMā. 3. 6; Vaija. 239. 1; AbhidhāCin. 323; NānārthāSaṁ. ii. 11. 2; S'abdaRa.(Vā.) 2113; 3761; S'abdaRaSaK. 241. 13; KośaKaTa. 1. 6383; **1Aiii** departure, absence कृत्वा सायं पृथग्याति भूतेभ्यस्तमसोऽत्यये । प्रकाशं किरणैः कुर्वंस्तेनैनं केशिनं विदुः BṛDe. 2. 65; अव्ययं विभक्तिः···

°अत्ययासम्प्रति° · °वचनेषु P. ii. 1. 6; इयं कदम्बानिलभर्तुरत्यये न दिग्वधूनां कृशता न राजते Kirātā. 4. 24; अत्ययोऽभूतत्वमतिक्रमः । अतीतानि हिमानि निर्हिमम् KāśiVr. *on* P. ii. 1. 6; SākaṭāVyā. ii. 1. 18; अथात्यये गगनविहारभूमुर्जा गिरम्(? गिराम्) …। महीपतिः … वनावनीं व्यहृत Kapphiṇā. 9. 1; PrakriKau. i. 475 6; SiddhaHe. iii. 1. 39; **1 B i** destruction, ruin, perishing कृतात्ययेऽनुशयवान् दृष्टस्मृतिभ्यां यथेतमनेवं च BrahmSū. iii. 1. 8; iv. 3. 9; कर्मणामुत पुण्यानां पापानां च फलोदयः । प्रभवश्चाप्यय(v. l. °त्यय)श्चैव MahāBhā. iii. 32. 33; मा गमः ससुतामात्योऽत्ययम् MahāBhā. v. 35. 32; v. 70. 33; v. 144. 5; vii. 75. 25; xiii. 41. 25; अत्ययमप्यविगणय्य दिशन्ति सत्पुरुषाः JātaMā. 19. 1; प्रभवश्चाप्ययश्चैव भूतानां तेन भास्करः VāyuP. i. 31. 37; फणिनोऽभिमुखागमोऽरिसङ्गं कथयति बन्धवधात्ययं च यातुः BṛSaṁ. 88. 19; तेनैव नाथ प्रथमं निसृष्टः … अहमत्ययाय RāmC. 32. 11; श्रुतं च दृष्टवद्दृष्टं स्पर्शा(? र्धा)सूयात्ययव्ययैः BhāgP. xi. 10. 21; (S'rīdhara – अत्ययो नाशः । व्ययोऽपक्षयः तैर्दुष्टम् । यद्वा व्ययो नाशः । अत्ययोऽन्यस्यातिशयः); (कृतात्यये) कृतस्य यागादेः अत्यये भोगेन क्षये सति BrahmSūBh.(Bhā.) 154. 18 (*on* iii. 1. 8); 237. 5 (*on* iv. 3. 9); विश्वसर्गविधौ … । तदत्ययविधावीशस्तं वन्दे परमेश्वरम् YuktiKa. 1. 6; कार्यस्य ब्रह्मलोकस्यात्यये BrahmSūBh.(Rā.) 751. 21 (*on* iv. 3. 9); VedāntDī. 144. 18 (*on* iii. 1. 8); 239. 10 (*on* iv. 3. 9); VedāntKau. 261. 2 (*on* iii. 1. 8); अथ … पचतीतिवत् क्रतेरत्ययेऽग्रिमक्रतेरनुत्पादे च मध्येऽप्यपाक्षीत्पक्ष्यतीति च स्यात् TattvCin. iv(2) 833. 2; नैवेच्छत्ययमत्ययं गुणिसखः कस्यापि तेजोनिधिः Subhāṣi. 577; 1187; AṇuBh. 173. 12 (*on* iii. 1. 8); हिमस्यात्ययः अतिहिमम् । अत्ययो ध्वंसः SiddhāKau. 162A. 1; (निरपाया) अपायोऽत्ययो नाशस्तद्रहिता LalitāSaBh. 66. 11 (*on* 101); GoviBh. 186. 5 (*on* iii. 1. 8); 310. 16 (*on* iv. 3. 10); (नाश, विनाश) AnekāSa. 248; ParyāRaMā. 1625; AnekāSaṁ. 3. 468; S'abdaBhePra.(Ma.) 4. 18; DharK. 1885; AnekāK. 650; NānārthSaṁ. 4. 34; MediK. 125. 67; AnekāTi. 3. 9; NānārthaMa. 1328; ParaNā. 2633; VisvaLoK. 264. 69; KośaKaTa. 2. 7405; S'abdaRaSaK. 241. 13; Kośāva. 37. 6; **1 B ii** total disappearance अशनायापिपासे यस्तद्धेतोरत्ययात्सदा । अत्येति BṛĀraUBhVā. iii. 5. 56; यः स्वकारणसंसर्गः कार्याणामत्ययो भवेत् BṛĀraUBhVā. iii. 5. 69; **1 B iii** loss (of money) (गोऽभिशापात्यये) अत्यये द्रव्यविनाशे DīpKa. 38. 25 (*on* 2. 12); अत्ययः प्राणधनातिपातस्तस्मिन् Mitā. 140. 16 (*on* 2. 12); VīraMi. (Vyavahāra.) 104. 6; **1 C** danger, harm, calamity सर्वान्नानुमतिश्च प्राणात्यये तद्दर्शनात् BrahmSū. iii. 4. 28; न चामृत्युर्भविता वै हतेऽस्मिन् को वात्ययः स्यादहतेऽस्मिन् जनस्य MahāBhā. xiii. 1. 16; xiii. 10*(2); उद्वाहकाले … प्राणात्यये … अनृतं वदेयुः पञ्चानृतान्याहुरपातकानि VāsiDS. 16. 36; हेतुलक्षणकालज्ञो बलशोणितवर्णवित् । कालं तावदुपेक्षेत यावन्नात्ययमाप्नुयात् CaraS. vi. 14. 181 (1922 Ed.); प्रोक्षितं भक्षयेन्मांसम् … । यथाविधि नियुक्तस्तु प्राणानामेव चात्यये ManuSm. 5. 27; 10. 99; अतिचक्रमणेनापि … । अत्ययं प्राप्नुयाद् घोरं देहान्तकरणं महत् KāśyaS. 85B. 42; 71B. 21; सोऽयमधुना स्वामिनो महानत्ययो वर्तते Tantrākhyā. 43. 3; शरीरस्यात्यये प्राप्ते वदन्ति नियमं तु ये । …ते तस्य विघ्नकर्तारः ParāSm. 6. 57; इतरेषां वै मन्त्रमुद्रादिकं स्वकम् । नाख्येयमत्यये प्राप्ते PauṣkS. 32. 7; शरीरस्यात्यये कार्यः सदैव नियमो द्विजैः LaS'ātāSm. 169; साहसस्तेयपारुष्यगोऽभिशापात्यये स्त्रियाम् । विवादयेत्सद्य एव कालोऽन्यत्रेच्छया स्मृतः YājñaSm. 2. 12; BrahmSūBh.(Bhā.) 211. 10 (*on* iii. 4. 28); अधिरोपयामि न भवन्तमत्ययं दयितं यशो यदि निह्नुयतामरिः RāmC. 20. 38; देवाः … । यत्र तत्रापि तुष्यन्ति न पश्यन्ति पुरोऽत्ययम् RāmC. 28. 29; मिथ्याभियोगाद् द्विगुणमभियोगाद्धनं हरेत् । साहसस्तेयपारुष्येष्वभिशापात्यये स्त्रियः AgniP. 252. 41; यथाविधि नियुक्तं च प्राणानामपि चात्यये । भक्षयेदेव मांसानि KūrmaP. 572. 10 (2. 17); एवमादिशल्येष्वनुद्धृतेष्वेव देवालयगृहादिकं यदि कुर्यात् … अनभ्युदयात्ययरोगप्रवासनैर्धन्यविनाशपरिक्लेशादयो दोषा भवन्ति ĪśānS'iPa. ii. 29. 91(15); अत्यये सर्वयुद्धं स्याच्चौकायुद्धं जलप्लुते YuktiKa. 9. 7; एतदेव महत्त्वं च महतामुच्यते बुधैः । प्रतिपन्नादचलनं प्राणानामत्ययेऽपि च KathāSaSāg. xii. 32. 8; Aparā. 618. 26 (*on* 2. 12); क्ष्मात्यये जायमाने । भर्तारं यं धरित्री…उपेता…स क्ष्मापतिश्चन्द्रदेवः EI. ii. 359. 2; आतरेष्वत्यये सेतोर्गृहीता पट्टशती त्वया RājTa.(Ka.) 8. 136; वदनगभंगतं न निजेच्छया शशिनमुज्झति राहुरसंशयम् । अशित एव गलत्ययमत्ययं सखि विना गलनालबिलाध्वना NaiṣC. 4. 65 (Malli. अकृच्छ्रेण, Nārāyaṇa नाशं विना); प्राणानामत्यये तदभक्षणे मरणनिश्चये ManvaVi. 605. 11 (*on* 5. 27); CaturCin. iii(1). 575. 6; रात्रौ सुप्तश्च पार्श्वे यत्तस्य तेन सहात्ययः PrabhāC. 11. 8; एवं रतिसंमर्दे … । असमीक्ष्यात्ययमेतौ जायेते चण्डवेगौ द्वौ KandaCū. ii. 7. 31; NirṇaSi. 32. 24; BālamBha. i. 378. 24 (*on* 1. 121); (आपद्) AmaK. 2635; (कृच्छ्र) AmaK. 2635; AnekāSa. 248; ParyāRaMā. 1625; AgniP. 361. 32; AbhidhāRaMā. 5. 40; Vaija. 239. 1; AnekāSaṁ. 3. 468; S'abdaBhePra.(Ma.) 4. 18; DharK. 1885; AnekāK. 650; NānārthSaṁ. 4. 34; NānārthāSaṁ ii. 11. 2; MediK. 125. 67; AnekaTi. 3. 9; NānārthaMa. 1328; ParaNā. 2633; VisvaLoK. 264. 69; S'abdaRaSaK. 241. 13; Kośāva. 37. 6; **1 D** absence, non-existence यथोक्तदोषदुष्टत्वान्नात्ययो बोधतोऽन्यतः BṛĀraUBhVā. iii. 3. 132; शुद्धबोधात्मकत्वेऽपि येषां नोत्तमकर्तृता । निर्मिताः स्वात्मनो भिन्नाः भर्त्रा ते कर्तृतात्ययात् ĪśvaPraSū. iii. 2. 6 (PratyabhiVi. कर्तृताया उत्तमस्वातन्त्र्यलक्षणाया अत्ययात् अभावात्); अर्थे हि सति साकारं निराकारं तदत्यये । … ज्ञानम् NyāyMañ. i. 15. 17; मुक्तौ स्वापे मलोत्सर्गे यः संबाधसमाकुलः । निःशङ्कस्यात्ययात्तस्य के के न स्युर्मेहामयाः YaśasCam. i. 511. 2 (comm. निःशङ्कस्यात्ययात् निःशङ्कत्वाभावात्); **1 E** suffering, injury, harm प्रागेवैनमत्ययभयादिति CaraS. i. 12. 10 (1922 Ed.); संरक्षणार्थं जन्तूनां रात्रावहनि वा सदा । शरीरस्यात्यये चैव समीक्ष्य वसुधां चरेत् ManuSm. 6. 68 (ManvVi. अत्यये पीडायाम्); आमच्छेदेऽत्ययो ह्यत्र कुवेधाद्वोपजायते KāśyaS. 15A. 36; 129A. 11; तत्र योऽभ्युषिते पाने त्वजीर्णे पिबते नरः । तत् पानमत्ययं याति तस्मात्पानात्ययो मतः KāśyaS. 135B. 42; अत्ययं चातिदारुणम् AṣṭāHṛ vi. 2. 23 (comm. अत्ययं विनाशहेतुः); अन्नपानविधानेन मुञ्जीतान्नं विनात्ययात् AṣṭāSaṁ. i. 11. 8 (1. 3); i. 152. 23 (1. 28); ii. 179. 4 (6. 2); विरहातुरस्य मम पत्युरत्ययं मणिरत्न यत्नपरमो निवारय RāmC. 20. 42; न ममात्ययः क्वचिदपीह कश्चन RāmC. 29. 67; अनिर्हृतो दोषः … महात्ययम् । विषमं वा ज्वरं कुर्यात् SiddhYo. 1. 67; ViṣṇuDhaP. ii. 131. 35; **2 A** going beyond, crossing over, overstepping क्षुरस्य धारा निशिता दुरत्यया KāṭhU. 3. 14 (comm. दुःखेन अत्ययो यस्याः सा दुरत्यया); GītāBh.(S'aṅ.) 220. 15 (*on* 7. 14); अत्ययो वाथ सम्प्राप्तिः संक्रान्तिः स्यात्परात्मनः TaiUBhāVā. 108. 12(2); न चेद्भुक्तं फलं तस्य तदभावेऽपि चात्ययः BṛĀraUBhVā. i. 5. 248; **2 B** overcoming बुद्धिश्च ते महाप्राज्ञ देवैरपि दुरन्वया (v. l. सर्वलोके दुरत्यया) Rāmā. iii. 62. 18; **3 A** transgression, offence, crime क्षेत्रिकस्यात्यये दण्डयो भागाद्दशगुणो भवेत् ManuSm. 8. 243 (ManuBh. अत्ययोऽतिक्रमोऽपराधः); खरं ते वावकर्म निश्चारितम् । अत्ययमत्ययतो देशय Divyāva. 3. 14 = S'ikṣāSa. 58. 16; अत्ययं वयं भगवन् देशयामः SaddhaPuṇ. 134. 19; तस्य मम भगवन्नत्ययं जानतोऽत्ययं पश्यतोऽन्यत्ययमत्ययतः प्रतिगृह्णीष्वानुकम्पामुपादाय GiMs. iii(1). 43. 3–5; अत्ययमत्ययत्वेन प्रतिगृह्णन्तु नायकाः BodhiCa. 2. 66; अति यतति अनेन नरकादिषु इत्यत्ययः, अशुभकर्म । तमत्ययत्वेन दोषत्वेन प्रतिगृह्णन्तु BodhiCaPañ. 36. 16; (अतिक्रम) AmaK. 2635; AbhidhāRaMā. 5. 40; AgniP. 361. 32; Vaija. 239. 1; AnekāSaṁ. 3. 468; S'abdaBhePra.(Ma.) 4. 18; DharK. 1885; AnekāK. 650; NānārthāSaṁ. ii. 11. 2; MediK. 125. 67; AnekāTi. 3. 9; NānārthaMa. 1328; S'abdaRa. (Vā.) 4072; ParaNā. 2633; VisvaLoK. 264. 69; KośaKaTa. 2. 7405; KalpaK. 130. 374; S'abdaRaSaK. 241. 13; (दोष) AmaK. 2635; AnekāSa. 248; ParyāRaMā. 1625; AnekāMañ. 115; Vaija. 239. 1; AnekāSaṁ. 3. 468; S'abdaBhePra.(Ma.) 4. 18; DharK. 1885; AnekaK. 650; NānārthSaṁ. 4. 34; NānārthāSaṁ. ii. 11. 2; MediK. 125. 67; AnekāTi. 3. 9; NānārthaMa. 1328; ParaNā. 2633; VisvaLoK. 264. 69; KośaKaTa. 2. 7405; S'abdaRaSaK. 241. 13; Kośāva. 37. 6; **3 B** punishment, fine शुल्कस्थानं परिहरन्नकाले क्रयविक्रयी । मिथ्यावादी च संस्थाने दाप्योऽष्टगुणमत्ययम् ManuSm. 8. 400; मूलं भागो व्याजी परिघः क्लृप्तं रूपिकमत्ययश्चायमुखम् ArthS'ā. i. 137. 7 (2. 6); i. 161. 2 (2. 9); i. 204. 2 (2. 12); i. 246. 2 (2. 17); i. 261. 7 (2. 19); i. 270. 5 (2. 21); i. 296. 8 (2. 25); ii. 251. 10 (7. 3); iii. 146. 8 (11. 1); अत्ययोऽतिक्रमनिमित्तो दण्डः Aparā. 834. 15 (*on* 2. 262); अत्ययं राज्ञोपचितं शुल्कम् ManvaVi. 1106. 7 (*on* 8. 400); DīpKa. 10. 15 (*on* 1. 66); (दण्ड) AmaK. 2635; AnekāSa. 248; ParyRaMā. 1625; AnekāMañ. 115; Vaija. 239. 1; AnekāSaṁ. 3. 468; S'abdaBhePra.(Ma.) 4. 18; DharK. 1885; AnekāK. 650; NānārthāSaṁ. ii. 11. 2; NānārthSaṁ. 4. 34; MediK. 125. 67; AnekāTi. 3. 9; NānārthaMa. 1325; ParaNā. 2633; VisvaLoK. 264. 69; KośaKaTa. 2. 7405; S'abdaRaSaK. 241. 13; **4 A** lapse (of time), missing or passing over (stipulated time) कालात्ययेन प्रायश्चित्तशेषकथनम् ĀśvaS'S. I. iii. 12. 19; प्रातराहुतिं चैके सायमाहुतिकालेऽत्ययान्मन्यन्ते S'āṅkhāGS. i. 3. 8; संनिधातृसमाहर्तॄः संनिधाता कृतविदूषणात्ययाभ्यां पीडयति ArthS'ā. iii. 29. 8 (8. 4); सायंहोमात्यये प्रातर्हुत्वा तां सायमाहुतिम् GobhiSm. 2. 137; 2. 138; 2. 150; 3. 2; 3. 121; ViraMi. (Saṁskāra.) 898. 10; आपद्युन्मार्गगमने कार्यकालात्ययेषु च । अपृष्टोऽपि हितान्वेषी ब्रूयात्कल्याणभाषितम् NītiSā. 5. 28; गन्धपुष्पधूपतैलेज्यादिक्रियोपवर्तनार्थं तथा कालात्ययात्खण्डस्फुटितसंस्कारार्थं च विहारस्य प्रतिपादितस्त[? स्य] … संघस्य … न परिपन्थना कार्या EI. xxii. 75. 52; **4 B** emergency, urgent matter न … कर्म विदध्यादन्यत्रात्ययात् KāśyaS. 160A. 8; अत्ययः कालप्रतीक्षणासमर्थं कार्यम् BālaKrī. i. 206. 21 (*on* 2. 12); (आत्ययिके कार्ये) अत्ययोऽतिक्रमणं शीघ्रसंपादनं प्रयोजनमस्य AbhinBhā. ii. 139. 19 (*on* 12. 38); cf. **आत्ययिक**; **5** going to various directions, of various types बहव इमेऽस्मिन् पुरुषे कामा नानात्ययाः ChāndoU. iv. 10. 3 (comm नाना अत्ययः अतिगमनं येषां व्याधीनाम् … ते नानात्ययाः); यथा सोम्य…मधुकृतः … नानात्ययानां

वृक्षाणां रसान् समवहारमेकतां रसं गमयन्ति ChāndoU. vi. 9.1 (comm. नानात्ययानां नानागतीनां नानादिक्कालानाम्); NānārthāSaṁ. ii. 11.3 [attack, assault PW, MW, Apte; surpassing Gold; portent (उत्पात) KośaKaTa. 2.7405; Kośas give अत्यय as one of the meanings of *gṛhya* (*n.*) DharK. 1934; *upa* AnekāSaṁ. 7.35; VisvaPra. 189.37; KośaKaTa. 2.3194]

अत्ययकर्मन् (atyaya-karman) *n.* obsequial rite अत्ययकर्मणि ··· दानं प्रशस्तम् ··· निशि ParāSm. 12.26.

अत्ययका (atyayakā) *f.* name of a river सङ्कुणात्ययकाप्तत: (? अत्ययका तथा) ··· एता: ··· नद्यस्त्वाम् ··· अभिषिञ्चन्तु ViṣṇuDhaP. ii. 22.176.

अत्ययकारण (atyaya-kāraṇa) *n.* cause of destruction ज्ञायते नित्यगस्येव कालस्यात्ययकारणम् CaraS. i. 16.32.

अत्ययत् (aty-ayat) *adj.* surpassing, excelling जयति भुवि वीरश्रीनृसिंहक्षितीन्द्र: । नृगनहुषययातीनत्ययन् EI. xiv. 239.62.

अत्ययत्व (atyaya-tva) *n.* the state of being a sin or evil अत्ययमत्ययत्वेन प्रतिगृह्णन्तु नायका: BodhiCa. 2.66.

अत्ययदेशना (atyaya-deśanā) *f.* confession of sin or guilt स राजा ··· अस्य पादयोर्न्यपतत्तदत्ययदेशनां च चक्रे JātaMā. 127.13 (21.35); अधुना यथाप्रधानमत्ययदेशनामाह BodhiCaPañ. 29.22 (*on* 2.30)

अत्ययद्वार (atyaya-dvāra) *n.* [Inst.] through destruction मोहकलिलात्ययद्वारेण लब्धात्मविवेकप्रज्ञ: GītāBh.(S'aṅ.) 58.9 (*on* 2.53)

अत्ययन (aty-ayana) *n.* passing beyond, crossing तयोर्वा (समुद्रयो:) एतयोरत्ययनमस्ति JaimiBr. 1.5.

अत्ययभय (atyaya-bhaya) *n.* fear of harm प्रागेवैनमत्ययभयादिति CaraS. i. 12.10 (1922 Ed.)

अत्ययभाज् (atyaya-bhāj) *adj.* which is delayed or has crossed (the proper time) उपेक्षमाणाद्वात्ययभाजि कार्ये पुंस: प्रयासो विफल: समस्त: YaśasCam. ii. 154.3.

अत्ययभेद (atyaya-bheda) *m.* difference in guilt or sin आश्रयपरिवृत्तेस्त्रिविधतथतापरिवृत्तिर्वस्तु तदत्ययभेदात् MaYānaSū. 190.11 (App.)

अत्ययभ्रान्ति (atyaya-bhrānti) *f.* false notion of death तस्मिंस्तु मायापिहितस्वरूपे (मकराक्षे) मन्येऽत्ययभ्रान्तिरमीभिरापे RāmC. (App. 2) 33.6.

अत्ययवर्जित (atyaya-varjita) *adj.* free from harm कल्कप्रयोगेऽल्पगुणं तथा चात्ययवर्जितम् । क्रियावसाने दातव्यं शालिषष्टिकपायसम् AśvaVai. 66.16.

अत्ययवादिन् (atyaya-vādin) *adj.* speaking about death तमित: ··· नरा इहानयन्तु वचनान्नृपस्यात्ययवादिन: Rāmā. ii. 1577*(2)

अत्ययवेदिन् (atyayaved-in) *adj.* aware of death तमित: ··· नरा इहानयन्तु वचनान्नृपस्यात्ययवादिन: (v. l. नृपस्यात्ययवेदिन:) Rāmā. ii. 1577*(2)

अत्ययशङ्किन् (atyayaśaṅk-in) *adj.* apprehensive of death अत्ययशङ्किभिरितरैरपत्यै: सह विचित्य ··· विषीदन्त्या: कुन्त्या: ··· प्रभञ्जनभू: ··· दृशौ रञ्जयामास BhārCam. 2.5 (2)

अत्ययशस्कर (aty-ayaśaskara) *adj.* causing great infamy परस्त्रीसेवनं शक्र इहैवात्ययशस्करम् BrahmVaiP. iv. 61.41.

अत्ययस्थान (atyaya-sthāna) *n.* occasion for penalty or fine स्थानस्याशुद्धि: ··· अतीर्थेऽवतारणं तरुषण्ड इत्यत्ययस्थानानि ArthS'ā. i. 336.2 (2.32)

अत्ययाभाव (atyayābhāva) *m.* absence of danger अनत्ययमत्ययाभावात् (परीक्षेत) JayaMa. 255.12 (*on* 5.1)

अत्ययावह (atyayāvaha) *adj.* causing danger or suffering तत्रैकस्य ज्ञानपरिष्कृतत्वाद्रतिजनन एवोत्पद्यन्ते अन्यस्य ज्ञानवैकल्यादत्ययावहा अपीति JayaMa. 155.12 (*on* 2.7)

अत्ययावेदिन् (atyayāvedin) *adj.* indicating danger मरुतोऽपि ··· मारुतेरत्ययावेदि तद्वाक्यमुपतुष्टुवु: RāmC. 21.92.

अत्ययिक (atyayika) *n.* very important or urgent matter, pressing affair साहसेऽत्ययिके सदा । न कालनियमस्तत्र S'ukraNī. 4(5).54.

अत्ययिन् (atyay-in) *adj.* going astray or surpassing, exceeding अत्ययी KāśiVṛ. *on* P. iii. 2.157 = SiddhāKau. 513A.16 = Prasā. ii. 591.15; इत्येतेभ्य इन् भवति । ··· अत्ययी JaineVyā. 116.20 (*on* ii. 2.140); अत्ययी मदनेनेव वीचिबाहुर्जलाशय: । आलिङ्गत्यव्यथी नारी: Rāvaṇā. 11.36.

अत्ययीभाव (atyayībhāva) *m.* state of being dead यथा हि कृष्णेन बलं धार्यं वै फाल्गुने हते । तथा कर्णात्ययीभावे त्वया धार्यं महद्बलम् MahāBhā. viii. App. 5(47)

अत्ययुक्त (aty-ayukta) *adj.* very much improper, disagreeable, not at all standing to reason इति मतद्वयमपीदमत्ययुक्तम् VīraMi. (Vyavahāra.) 163.7.

अत्ययोदति (aty-ayodati) *adj.* who surpasses (in cruelty) a demoness with iron-teeth अत्ययोदति: ··· यमकिङ्करो यथा प्राणिभिन्मयि नृपेऽपि ही जन: DvyāśraKā. 20.16.

अत्यराति (atyarāti) *m.* name of a Brāhmaṇa (son of Janantapa) वासिष्ठ: सातहव्योऽरातये जानंतपये प्रोवाच तस्माद्धत्यरातिर्जानंतपिरराजा सन् AitBr. 39.9 (954); अत्यरातिर्ब्राह्मण: VīraMi. (Rājanīti.) 107.5.

अत्यराल (atyarāla) *m.* **i** elephant beyond the stage of rutting सप्तारत्निना तुल्यभोजनोऽष्टारत्निरत्यराल: ArthS'ā. i. 331.8 (2.31); **ii** a kind of elephant, the measurement of whose body exceeds the usual measurement by two *aratnis* अरत्निमात्रेणाधिक्यादराल: परिकीर्तित: । अत्यरालो द्वयाधिक्यात् Mānaso. ii. 3.223.

अत्यराला (atyarālā) *f.* female elephant of the same status as of Arāla अत्यराला भवेद्धेनुररालस्य प्रमाणत: Hastyāyur. 561.2 (4.3)

अत्यरिभवन (atyari-bhavana) *n.* (Astrol.) mansion of an extremely opposed planet अत्यरिभवनं प्राप्तै: पञ्चादिभिरस्तगैश्च गगनचरै: । नाशं प्रयाति राजा Sārā. 38.21.

अत्यरिष्ट (aty-ariṣṭa) *adj.* most inauspicious निमित्तान्यत्यरिष्टानि काले त्वनुगते नृणाम् BhāgP. i. 14.5.

अत्यरुण (aty-aruṇa) *adj.* of deep-red complexion पाशाङ्कुशाढ्योऽत्यरुणस्तु ध्येय: ··· गणेश: ĪśānS'iPa. i. 16.84.

अत्यरुणेक्षण (atyaruṇekṣaṇa) *adj.* with extremely red eyes सख्य: पश्यत कृष्णस्य मुखमत्यरुणेक्षणम् ViṣṇuP. v. 20.54; तामन्वधावत्तद्वैन्य: कुपितोऽत्यरुणेक्षण: BhāgP. iv. 17.15.

अत्यरुन्धति (aty-arundhati) *adj.* (*n.*) surpassing Arundhati अत्यरुन्धति च स्त्रैणमापाणिग्रहणात्तव । रामो जानकि जानाति RāmC. (App. 1) 40.40.

अत्यर्क (aty-arka) *adj.* **1** surpassing the Sun अत्यर्कमत्यग्नि च ते तेजो व्योम्न्यतितारकम् SkandP. iv. 16.120; **2** the white *Colotropis gigantea* राजार्को वसुकोऽत्यर्क: DhanvNi. 137.8; AbhidhāMañ. 92.13; ṢaḍrasaNi. 21.11; KalpaK. 274.233.

अत्यर्कवाजिन् (aty-arkavājin) *adj.* superior to the horses of the Sun केचिद् (तस्मै) विश्राणयामासुर्वाजिनोऽत्यर्कवाजिन: TriṣaS'aPuC. i. 4.278.

अत्यर्कानलदीप्त (aty-arkānaladīpta) *adj.* brighter than the sun and fire अत्यर्कानलदीप्तं तत्स्थानं विष्णोर्महात्मन: MahāBhā. iii. 160.19.

अत्यर्केन्दुकुलप्रशस्ति (atyarkendukula-praśasti) *adj.* possessing fame surpassing that of the solar and lunar dynasties पद्मभू: । अत्यर्केन्दुकुलप्रशस्तिमसृजद्यं काकतीयान्वयम् PratāYaBhū. 12.10.

अत्यर्घ (aty-argha) *m.* very high price or value वज्रमणिमुक्ताप्रवालहेमरूप्यधातुर्हि प्रभूतमल्पसारमत्यर्घेण ग्रसते इत्याचार्या: ArthS'ā. ii. 316.2 (7.12); *adj.* very precious, of very high value असावत्यर्घो न: सुकृतमुपचेतुं सुमहत् NīlaVi. 62.15.

अत्यर्घासन (aty-arghāsana) *n.* most precious seat अनर्होऽपि च सर्वेभ्यस्त्वत्यर्घासनमिच्छति S'ukraNī. 3.93.

अत्यर्घित (aty-arghita) *adj.* valued greatly अत्यर्घितबलात्कारमतिसंस्तुतसाहसम् (रावणास्थानम्) RāmC. 21.13.

अत्यर्ज् (aty-arj-) I. A. (P.) **i** to lead to, to let pass or through स्वस्ति हैनमत्यर्जन्ति स्वर्गं लोकमभि य एवं वेद AitBr. 2.4(45); अथैनमुत्क्रान्तमत्यर्जन्त AitBr. 6.8 (176); अति नोऽर्जस्याकाशं न: कुर्विति AitBr. 14.4 (404); अति ह वा एवमर्जते स्वर्गं लोकमभि य एवं वेद AitBr. 14.4 (407); 6.8 (177); **ii** to admit तथेति तं तुरीयेऽन्यार्जत AitBr. 9.1 (238); (caus.) to bring across, to convey across, to let pass तं हात्यर्जयन्ते JaimiBr. 1.18; 1.50; 1.210; तद्यथा द्वारफलके प्रतिनिहिते स्यातामेवमेवैतेऽहोरात्रे प्रतिनिहिते अनत्ययनाय । ते उ ह त्वैवंविदमेवात्यर्जयत: JaimiBr. 3.344.

अत्यर्जुन (aty-arjuna) *adj.* which surpasses (the valour of) Arjuna सेहे सोऽपि न सौप्तिकं विनिपतद्द्रौणेस्तदत्यर्जुनम् PārthaPa. 8.

अत्यर्जुनम् (aty-arjunam) *adv.* in the manner surpassing Arjuna अत्यर्जुनं धनुर्विद्यावेदिनामपि विद्विषाम् । कोदण्डस्थं करस्थं च गुणं चिच्छेद पार्थिव: HammīMaKā. 13.217.

अत्यर्ति (aty-arti) *f.* severe pain महाशयात्यर्तिसतोदनान्विता स जालिनी KalyāKā. 11.14.

अत्यर्थ (aty-artha) *adj.* exeessive, very great, abundant, exhorbitant अत्यर्थं हिमं निपतति ṢaḍviBr. v(vi). 9.2; लेभे स करमत्यन्तं (v. l. अत्यर्थं) गन्धर्वनगरात्तदा MahāBhā. ii. 25.6; v. 125.6; xv. 4.15; यदि ते दु:खमत्यर्थम् ViṣṇuP. i. 11.23; i. 13.73; i. 17.51; तदिदं दु:खमत्यर्थमनिवार्यं मनोगतम् BrahmāṇḍP. ii. 51.18; अहोऽत्यर्थेऽप्यर्थे, श्रुतिशतगुरुभ्यामवगते ··· मन: VijñāS'. 26; अत्यर्थैर्विनोदैर्वितथविहसितैर्गोपयाञ्चक्रिरे ता: (अरतय: रावणेन)

RāmC. (App. 2) 39. 96; हरिम् । देवाः सत्रैर्महद्भिः ··· तोषयामासुरत्यर्थम् VarāP. 10. 3; AdhyāRā. vii. 7. 41; रहस्यमिदमत्यर्थं न श्राव्यं पापकर्मणाम् VṛGautaSm. 629. 12 (20); तत्र च व्यवहारेण सोऽर्थमत्यर्थमार्जयत् PariPar. 2. 277; S'rīKaC. 1. 13; अत्यर्थं शपथं कृत्वा वृत्रः शक्रेण सूदितः Pañca. 131. 32; विदूरमणिः । वैदूर्यम् । पक्षे विशेषेण दूरमत्यर्थं मणिः KāvyKaVṛ. 72. 14 (3. 3); 72. 10 (3. 3); 74. 23 (3. 3); सामकः कायिको दोषः प्रायोऽत्यर्थस्तु वाचिकः PārśvC. 6. 361; SūktiRa. 187. 6; तद्दूरं प्रिययात्यर्थमसतां हतया तया । दैत्येषु निहितम् HariC.(Pa.) 58; यदा तु भोज्यते नागो विषमं परिचारकैः । रूक्षमत्यर्थमशनं यवसं वाप्ययोगतः ··· विषमाग्निः प्रजायते Hastyāyur. 82. 17 (1. 12); MātaLī. 8. 18; अतिवेलभृशात्यर्थातिमात्रोद्गाढनिर्भरम् । क्लीबे शीघ्राद्यसत्त्वे स्यात् त्रिष्वेषां सत्त्वगामि यत् AmaK. 132; AnekāSa. 675; Vaija. 211. 131; अत्यर्थक्षौमयोरट्टः TrikāS'e. iii. 3. 91 (comm. अत्यर्थः अतिशयः); iii. 3. 465; AbhidhāCin. 1505; तीव्रं कटूष्णात्यर्थेषु AnekāSam. 2. 418; 3. 341; सुष्ठु प्रशंसनेऽपि स्यादत्यर्थेऽपि च कथ्यते VisvaPra. 186. 13; 37. 14; 190. 53; अट्टमत्यर्थगेहयोः DharK. 477; AnekāK. 163; अट्टं भक्ते च शुष्के ना क्षौमेऽत्यर्थे गृहान्तरे MediK. 35. 1; 196. 23; अत्यर्थेऽति हि भोः पदम् NāṭaLaRaK. 2242; अट्टं भित्तिचतुष्के स्यात् क्षा(? क्षौ)मेऽत्यर्थे गृहान्तरे NānārthaMa. 441; ParaNā. 1604; उत प्रश्ने वितर्केऽर्थेऽप्युतात्यर्थविकल्पयोः VisvaLoK. 409. 22; 408. 16; 416. 58; S'abdaRaSaK. 83. 4; [Loc.] extremely, excessively अल्पोऽपि वर्धतेऽत्यर्थे SūktiRa. 156. 57; [Inst.] extremely, excessively अत्यर्थेन जगन्नाथ भूयो भूयः प्रशंससि । भोगेभ्यो धूपदानं च PauṣkS. 34. 13; *n.* one of the defects of shampooing (संवाहनकलायाः) दोषास्तस्याः ··· आदेशाहतमत्यर्थमवसुप्तप्रतीपकम् PadmP.(Ra.) 24. 78; *m.* meaning of *ati* न च तस्यात्यर्थं प्रत्युपसर्जनत्वे कथं स्त्रीप्रत्ययान्तत्वम् LaS'abdeS'e. i. 530. 13.

अत्यर्थकठिन (atyartha-kaṭhina) *adj.* very hard हस्तिदन्तम् ··· अत्यर्थकठिने चापि शोथे पाचनभेदनम् SiddhYo. 44. 19.

अत्यर्थकदर्थित (atyartha-kadarthita) *adj.* very much troubled नीतः शान्तिम् ··· येनात्यर्थकदर्थितार्थिनिवहो दारिद्र(? द्रय)दावानलः CaturCin. ii(2). 1003. 3.

अत्यर्थकदर्थ्यमान (atyartha-kadarthyamāna) *adj.* being greatly troubled पश्य ··· अत्यर्थकदर्थ्यमानशङ्खिनीयूथम् ··· उदन्वन्तम् BālRā. 7. 28 (2)

अत्यर्थकर्मन् (atyartha-karman) *n.* too much work (गजः) अत्यर्थकर्मणातिव्यायामात् ··· अवसीदति Hastyāyur. 250. 27 (2. 44)

अत्यर्थकलि (atyartha-kali) *m.* great quarrel क्षितिपात्मजानां तदर्थमत्यर्थकलिर्बभूव ViṣṇuP. iv. 2. 93.

अत्यर्थकान्त (atyartha-kānta) *adj.* extremely lovely रूपं च ते दिव्यमत्यन्तकान्तम् (v. l. अत्यर्थकान्तम्) MahāBhā. iii. 184. 18; रूपाण्यत्यर्थकाम्यानि (v. l. अत्यर्थकान्तानि) द्विरदाश्वनृपाणाम् ···प्रापुर्दुर्दर्शताम् MahāBhā. viii. 16. 38.

अत्यर्थकाम्य (atyartha-kāmya) *adj.* very covetable, very desirable रूपाण्यत्यर्थकाम्यानि द्विरदाश्वनृणाम् ···प्रापुर्दुर्दर्शताम् MahāBhā. viii. 16. 38.

अत्यर्थकारिन् (atyarthakār-in) *adj.* overdoing (इतश्च देहः सस्नेहं मनोराजं महौजसम् ।··· अवदत्) मा ज्ञासीः ··· नैवाहारकमेव माम् । जानीह्यौदरिकं मात्राधिकमत्यर्थकारिणम् S'āliC. 5. 43.

अत्यर्थक्रुद्ध (atyartha-kruddha) *adj.* very angry [APTE]

अत्यर्थगाढ (atyartha-gāḍha) *adj.* very important कार्येणात्यर्थगाढेन बाह्लीकेषूषितं मया MahāBhā. viii. 30. 13.

अत्यर्थगुरु (atyartha-guru) *adj.* very heavy for digestion (कायाग्निर्मन्दः) सोऽन्नैरत्यर्थगुरुभिरुपयुक्तैः प्रशाम्यति SuśruS. iv. 39. 4.

अत्यर्थघोर (atyartha-ghora) *adj.* very ferocious, extremely terrible यानि चात्यर्थघोराणि तै रक्षांस्यान् MārkP. 84. 25.

अत्यर्थचपल (atyartha-capala) *adj.* very fast अत्यर्थचपलोत्तुङ्गतरङ्गशतमालिनम् ।··· जलधिं पश्यन्मुनिगणैः सह ··· विशश्रमे BrahmāṇḍP. ii. 57. 31.

अत्यर्थचिराय (atyartha-cirāya) *adv.* [Dat.] for a very long time समधत्त कर्णः ··· रौद्रं शरम् ··· पार्थार्थमत्यर्थचिराय गुप्तम् MahāBhā. viii. 66. 5.

अत्यर्थजातविस्रम्भ (atyartha-jātavisrambha) *adj.* in whom a good deal of confidence has arisen, greatly confident (दूरगतभावोऽपि हि कन्यासु न निर्वेदेन सिध्यतीति घोटकमुखः ।) दूरेति अत्यर्थजातविस्रम्भोऽपि न सिध्यति JayaMa. 220. 17 (*on* 3. 4)

अत्यर्थजुगुप्सा (atyartha-jugupsā) *f.* great dislike नातिहृष्टेन मनसा न चात्यर्थजुगुप्सया । मध्यस्थेनैव भावेन मध्यस्थमभिनिर्दिशेत् NāṭyaS'ā. 22. 92.

अत्यर्थतपःप्रयुक्त (atyarthatapaḥ-prayukta) *adj.* produced by great penance अथात्र नारायणगीतमाहुर्महर्षयस्तात महानुभावाः । महार्थमत्यर्थतपःप्रयुक्तं तदुच्यमानं हि मया निबोध MahāBhā. xiii. 61. 13.

अत्यर्थतर्पित (atyartha-tarpita) *adj.* excessively treated with oily substances गुर्वाविलमतिस्निग्धम् ···। ज्ञेयं दोषसमुत्क्लिष्टं नेत्रमत्यर्थतर्पितम् SuśruS. vi. 18. 14.

अत्यर्थतस् (atyartha-tas) *adv.* thoroughly, completely, excessively स्रष्टुः सर्गमहो तनोति मदनो व्यस्तार्थमत्यर्थतः PadyaVe. 474.

अत्यर्थताप (atyartha-tāpa) *m.* 1 great affliction अलमत्यर्थतापेन भर्त्रा त्वमपि रंस्यसे ViṣṇuP. v. 32. 12; 2 too much heat (उपारूढो मध्याह्नः) सौधान्यत्यर्थतापाद् वलभिपरिचयद्वेषिपारावतानि Mālavikā. 2. 12.

अत्यर्थतीक्ष्ण (atyartha-tīkṣṇa) *adj.* very sharp, very strong अत्यर्थतीक्ष्णोष्णरूक्षाः ··· आदित्यपवनाः सौम्यान् क्षपयन्ति गुणान् AṣṭāHṛ. i. 3. 3; (मद्यम्) पेयम् ··· नात्यर्थतीक्ष्णमृद्वल्पसंभारं कलुषं न च AṣṭāHṛ. i. 5. 66.

अत्यर्थतृषित (atyartha-tṛṣita) *adj.* very thirsty [APTE]

अत्यर्थदर्शनद्वेष (atyartha-darśanadveṣa) *m.* excessive hatred against the religion or doctrine अत्यर्थदर्शनद्वेषात् ··· सः ··· तमवधीच्छरैः RājTa.(Jo.) 1127.

अत्यर्थदान (atyartha-dāna) *n.* extraordinary gift अत्यर्थदानप्रथमप्रयोगं पुपोष पुष्पायुधबोधिसत्त्वः S'rīKaC. 1. 13.

अत्यर्थदीपन (atyartha-dīpana) *adj.* stimulating (the digestive fire) a good deal रम्भाफलं नात्यर्थदीपनम् BhojanKu. 88. 13.

अत्यर्थदीप्त (atyartha-dīpta) *adj.* burning fiercely नात्यर्थदीप्तेन हुताशनेन नात्यन्तमन्देन च साध्यमन्नम् ViṣṇuDhaP. ii. 63. 13.

अत्यर्थदुःखिता (atyartha-duḥkhitā) *adj.* (*f.*) very much grieved परित्यज्य मकामत्यर्थदुःखिताम् । यातोऽसि कतमामाशाम् PadmP.(Ra.) 81. 9.

अत्यर्थदुर्गन्ध (atyartha-durgandha) *adj.* very foul-smelling द्रवत्यत्यर्थदुर्गन्धं पुरीषम् ··· गजः Hastyāyur. 283. 11 (2. 56)

अत्यर्थदुर्दिन (atyartha-durdina) *adj.* very cloudy, very rainy अश्वानाम् ··· अत्यर्थदुर्दिने काले स्नानमेकं प्रशस्यते ViṣṇuDhaP. ii. 46. 45.

अत्यर्थदुष्ट (atyartha-duṣṭa) *adj.* much morbific, quite disordered अत्यर्थदुष्टास्तु दोषा दुष्टामबद्धखाः ।··· तनुं सर्वां दण्डवत्स्तम्भयन्ति AṣṭāHṛ. i. 8. 12.

अत्यर्थदुष्प्राप्य (atyartha-duṣprāpya) *adj.* very difficult to obtain एतत्तस्य परं कार्यम् ···। कर्तुमत्यर्थदुष्प्राप्यमीश्वरैः किमुतेतरैः MārkP. 23. 23.

अत्यर्थदूरजात (atyarthadūra-jāta) *adj.* growing very far away क्षोभितः स महाह्रदः । अत्यर्थदूरजातांश्च तांश्चासिञ्चन् महीरुहान् BrahmP. 185. 12.

अत्यर्थधर्मयुक्ता (atyartha-dharmayuktā) *adj.* (*f.*) very meritorious अलमन्याभिस्तेषां कथाभिरत्यर्थधर्मयुक्ताभिः । येषां न क्षणमपि रुचितो हरचरणस्मरणविच्छेदः MahāBhā. xiii. 109*(5)

अत्यर्थनक्तस्नान (atyarthanakta-snāna) *n.* bathing very late in the night अत्यर्थनक्तस्नानेषु ग्रहा गृह्णन्ति मानवान् ViṣṇuDhaP. i. 231. 10.

अत्यर्थनिषिद्ध (atyartha-niṣiddha) *adj.* strictly prohibited ज्ञानिनोऽत्यर्थनिषिद्धनिरोधवासनाबलादेव बुद्धिपूर्वनिषिद्धनिवृत्तिरिति चेन्न S'atDū. 233. 20.

अत्यर्थनिष्ठुर (atyartha-niṣṭhura) *adj.* very harsh अत्यर्थनिष्ठुरं वाक्यं प्रत्यक्षं वज्रमुच्यते SāhiSā. 1. 81.

अत्यर्थनिस्त्रिंश (atyartha-nistriṁśa) *adj.* extremely cruel पीडितोऽत्यर्थनिस्त्रिंशैस्तोत्रहस्तैर्नरैः ··· प्राणांस्त्यजति कुञ्जरः Hastyāyur. 197. 27 (2. 13)

अत्यर्थनेत्रप्रस्राव (atyartha-netraprasrāva) *m.* excessive discharge from the eyes मूर्छा चास्य भवति तृष्णा चात्यर्थनेत्रप्रस्रावः Hastyāyur. 97. 25 (1. 14)

अत्यर्थपक्व (atyartha-pakva) *adj.* too much baked or over-cooked विरुद्धं पाकतश्चापि ···। अपक्वतण्डुलात्यर्थपक्वदग्धं च यद्भवेत् CaraS. i. 26. 101 (1922 Ed.); तासामत्यर्थपक्वानां भङ्गो भवति रूपके ViṣṇuDhaP. iii. 91. 7.

अत्यर्थपरिश्लथाङ्गी (atyarthapariślathāṅgī) *adj.* (*f.*) whose body is extremely weak, feeble or tired अत्यर्थपरिश्लथाङ्गीमार्तामिव लक्षयित्वा ··· आत्मानमपि तया समानार्थमापादयम् DaśKuC. 74. 12.

अत्यर्थपरीतगात्र (atyarthaparīta-gātra) *adj.* whose limbs are totally affected (by poison) तत् सप्तमेऽत्यर्थपरीतगात्रं व्यापादयेन्मर्त्यमतिप्रवृद्धम् SuśruS. v. 8. 82.

अत्यर्थपित्त (atyartha-pitta) *n.* excessive bilious humour अत्यर्थपित्ताभिपरीतदेहान् विरेचयेत्तानपि मन्दमन्दम् SiddhYo. 74. 27.

अत्यर्थपुष्कल (atyartha-puṣkala) *adj.* immensely vast, exceedingly abundant शाखाकेसरिचिह्नानां बलमत्यर्थपुष्कलम् ।··· समालोक्य PadmP.(Ra.) 60. 64.

अत्यर्थपूति (atyartha-pūti) *adj.* excessively stinking, putrid कृष्णीभूतं क्लिन्नमत्यर्थपूति शीर्णं मांसं यात्यजस्रं क्षताच्च SuśruS. v. 5. 57; RugVi. 69. 13.

अत्यर्थप्रचुर (atyartha-pracura) *adj.* very plentiful अत्यर्थप्रचुरद्रव्येषु

कूष्माण्डादिषु दोषश्रवणाभावे निवृत्तिर्न भवति SmṛtiCan. v. 222. 15.

अत्यर्थप्रसाद (atyartha-prasāda) *m.* great favour or boon न च ज्ञानं विनात्यर्थप्रसाद: BrahmSūBh.(Ma.) 2B. 10 (*on* i. 1. 1); TattvPrakā. 5B. 11 (*on* i. 1. 1); अत्यर्थप्रसादद्वारा मोक्षसाधनापरोक्षज्ञानोत्पादिका ब्रह्मजिज्ञासा कर्तव्या TattvPrakā. 5B. 12 (*on* i. 1. 1)

अत्यर्थप्रिय (atyartha-priya) *adj.* [*f.* -ā] extremely dear or favourite परमपुरुष: ··· अत्यर्थप्रियं ज्ञानिनं लब्ध्वा न कदाचिदावर्तयिष्यति S'rīBh. 776. 12 (*on* iv. 4. 22); साक्षात्काररूपा स्मृति: ··· अत्यर्थप्रिया यस्य स एव परेणात्मना वरणीयो भवति S'rīBh. 10. 18 (*on* i. 1. 1); अत्यर्थप्रियमिह मन्मना भवेति विधीयते GītāBh.(Rā.) 690. 1 (*on* 18. 65); मय्यतिमात्रप्रह्वीभावमत्यर्थप्रियं कुरु GītāBh.(Rā.) 690. 5 (*on* 18. 65); प्रणामादिरत्यर्थप्रियस्तप्राप्तिफल: VedāSaṁ. 73. 9; निवृत्तकल्मषस्यात्मनो भगवानत्यर्थप्रिय इति NītiMā. 74. 14.

अत्यर्थप्रियत्व (atyarthapriya-tva) *n.* the state of being very much dear, extreme fondness or attachment विद्या वेदितुर्वेद्यात्यर्थप्रियत्वेन स्वयमपि निरतिशयप्रिया सती S'rīBh. 722. 13 (*on* iv. 1. 13); स्मर्यमाणविषयस्यात्यर्थप्रियत्वेन ··· स्मृतिसंतानमेवोपासनशब्दवाच्यम् GītāBh.(Rā.) 369. 1 (*on* 7. 1); स्वयमप्यत्यर्थप्रियत्वमापन्नम् ··· वेदनमपवर्गसाधनतया विधीयते NītiMā. 64. 24; अत्यर्थप्रियत्वे प्रमाणं दर्शयति S'rutaPra. ii. 653. 21 (*on* iv. 4. 22)

अत्यर्थप्रियरूप (atyarthapriya-rūpa) *adj.* of extremely dear or pleasing nature स्मर्यमाणविषयस्यात्यर्थप्रियत्वेन स्वयमप्यत्यर्थप्रियरूपं स्मृतिसंतानमेवोपासनशब्दवाच्यमिति हि निश्चीयते GītāBh.(Rā.) 369. 1 (*on* 7. 1)

अत्यर्थप्रियानुध्यान (atyarthapriyānudhyāna) *n.* uninterrupted meditation which is extremely dear अपि चात्यर्थप्रियानुध्यानरूपसम्यक्प्रीणने सति ब्रह्मस्वरूपं गृह्यते VedāntSā.(Rā.) 272. 4 (*on* iii. 2. 23)

अत्यर्थप्रियानुभव (atyarthapriyānubhava) *m.* extremely dear experience स्वस्वामिन्यत्यर्थप्रियानुभवरूपां परां भक्तिं लभते GītāBh.(Rā.) 686. 17 (*on* 18. 54)

अत्यर्थप्रीति (atyartha-prīti) *adj.* (*f.*) extremely dear or favourite धनयुक्तानामावली श्रेणि: ··· अमन्दस्नेहा अत्यर्थप्रीतिर्भवति PrabhāC. 90. 21.

अत्यर्थप्रीतिविरहित (atyartha-prītivirahita) *adj.* completely devoid of love or attachment अत्यर्थप्रीतिविरहितात् कर्मस्वरूपात् स्मृत्यभ्यासात् ··· तदापरोक्षज्ञानम् ··· विशिष्यते GītāBh.(Rā.) 564. 27 (*on* 12. 12)

अत्यर्थबन्धन (atyartha-bandhana) *n.* excessive binding or tying (मतङ्गज:) ग्रामेऽत्यर्थबन्धनात् ··· ग्राहेण वा स म्रियते Hastyāyur. 251. 1 (2. 44)

अत्यर्थबल (atyartha-bala) *adj.* excessively powerful अत्युच्छ्रितमत्यर्थबलम् ManvaVi. 839. 4 (*on* 7. 170); *n.* excessive strength (बिन्दवस्ते जनयन्ति) मदेन मदसंकाशमत्यर्थबलतेजसम् Hastyāyur. 697. 2 (4. 32)

अत्यर्थबृंहित (atyartha-bṛṁhita) *n.* excessive use of ' nourishing therapy ' स्थौल्यमति चात्यर्थबृंहिते CaraS. i. 22. 38 (1941 Ed.)

अत्यर्थभक्त (atyartha-bhakta) *adj.* extremely devoted to प्रह्लाद: सोऽसुरोत्तम: । अत्यर्थभक्तो देवेशं जगाम मनसा हरिम् VāmaP. 29. 8.

अत्यर्थभक्ति (atyartha-bhakti) *adj.* extreme devotion यो नित्यं परितो वृतो गणशतैरत्यर्थभक्त्युज्ज्वलै: RājTa.(S'rī.) 1(3). 120.

अत्यर्थभार (atyartha-bhāra) *m* exceedingly heavy load खरोष्ट्रहस्त्यश्वतराश्व ··· । अत्यर्थभारातिनिरोधखिन्ना: क्षुत्तृट्श्रमा: क्लेशवधं भजन्ते VarāṅgaC. 6. 15.

अत्यर्थभाविक (atartyha-bhāvika) *adj.* highly emotional उन्मादनात्समुद्भूत: कामो रतिकरो भवेत् । स्वभावोपगतो यस्तु नासावत्यर्थभाविक: (v. l. नानारत्यर्थभावक:) NāṭyaS'ā. 22. 332.

अत्यर्थभिन्न (atyartha-bhinna) *adj.* totally different इत्थमत्यर्थभिन्नार्थावभासखचिते विभौ । ··· व्यवहारोऽनुभूयते ĪśvaPraSū. i. 7. 14; अत एव अत्यर्थभिन्नै: मायाबलात् भेदैकप्राणितै: नीलसुखाद्याभासै: ··· सर्वो व्यवहारोऽनुभूयते PratyabhiVi. i. 390. 3 (*on* i. 7. 14)

अत्यर्थभोजन (atyartha-bhojana) *n.* overeating अत्यर्थभोजनान्मूर्च्छा विदग्धाच्चैव भोजनात् Hastyāyur. 32. 12 (1. 4)

अत्यर्थम् (aty-artham) *adv.* **A** extremely, excessively, very much, to a great extent (with verbs and participles) म्लायते माल्यमत्यर्थम् AV-Pari Lxiv(7). 10; Lxxb(7). 22; Lxxi(12). 4; रोगेण यद्रज: स्त्रीणामत्यर्थं हि प्रवर्तते ĀpaSm. 7. 2; तं च द्विषन्ति तेऽत्यर्थं स चापि सुमहाबल: MahāBhā. i. 32. 11; स्पर्धते हि सदात्यर्थं सूतपुत्रो मया रणे MahāBhā. v. 153. 24; सनाथमिदमत्यर्थं भवता पालितं बलम् MahāBhā. vii. 5. 2; vii. 13. 3; (अर्जुन:) अत्यर्थमिव संक्रुद्ध: प्रतिविद्धे जनार्दने MahāBhā. vii. 79. 23; ix. 367*(2); दुन्दुभीभिर्मृदङ्गैश्च ··· नादितां भृशमत्यर्थं (पुरीमावासयामास) Rāmā. i. 5. 18; i. 42. 6; सा च ते करुणं माता ···अत्यर्थं श्राम्यते वीर HariVaṁ. 99. 20; नात्यर्थमभिकाङ्क्षामि मृगयां सरयूवने Rāmā. ii. 43. 14; (ग्रहणी) एकश: सर्वशश्चैव दोषैरत्यर्थमुच्छ्रितै: । सा दुष्टा SuśruS. vi. 40. 171; (शाल्या)दीन्यपि योऽत्यर्थमश्नाति सुलघून्यपि BhelaS. 4. 10 (1. 5); हसत्यत्यर्थमेव च । उन्मादेन कृशो जन्तु: पञ्चत्वमुपगच्छति BhelaS. 103. 12 (5. 6); (लवणो रस:) अत्यर्थमुपयुज्यमान: पित्तं कोपयति CaraS. i. 26. 43; अत्यर्थमिष्टं देवानाम् NāṭyaS'ā. 28. 9; विद्वत्संसदि नात्यर्थं कथासु परिपूज्यते KāmSū. 187. 23 (2. 10); 274. 15 (5. 3); जगदेतत् ··· रागादिदुष्टमत्यर्थं भ्राम्यते भवसङ्कटे ViṣṇuP. iii. 18. 19; vi. 5. 11; भीत: प्रावेपतात्यर्थं सहसाश्वत्थपर्णवत् MārkP. 7. 15; अत्यर्थं भ्राजते यस्माद् व्योम्न्यस्यां वै निशाकर: BrahmāṇḍP. i. 28. 46; i. 23. 25; विललाप च सात्यर्थम् BrahmāṇḍP. ii. 30. 9; न चात्यर्थं विरुध्यते AṣṭāHṛ. i. 5. 69; किमिदमत्यर्थमुत्ताम्यति मे मन: Ratnā. 3. 9(32); किं विलापयसेऽत्यर्थं पार्श्वे शायय रावणम् Bhaṭṭi. 8. 83; अत्यर्थमुद्वेजयिता परेषां नाम्नापि तस्यैव स नन्दकोऽभूत् S'iśuVa. 3. 19; अयम् ··· जनोऽत्यर्थमनुगृहीत: DaśKuC. 105. 20; सर्वान् ··· सर्वगुणैरत्यर्थमत्यशेत राजवाहन: AvantiKa. 205. 6; शिरो नमयतेऽत्यर्थम् VarāṅgaC. 4. 51; तमुपागतमत्यर्थं हारलता पूजयामास KuṭṭaMa. 369; हृदि विद्ध इवात्यर्थं यया संतप्यते जन: । ···न तां वाचमुदीरयेत् NītiSā. 3. 24; तथा लेलायतीव अत्यर्थं चलतीव BṛĀraUBh. 530. 19 (*on* iv. 3. 7); स एष वृक्ष: पेपीयमान: अत्यर्थं पिबन् ··· तिष्ठति ChāndoUBh. 391. 13 (*on* vi. 11. 1); अत्यर्थं राजते ··· दन्तपङ्क्ति: S'ivaKePāSt. 10; इयं ह्युद्गीथकर्मणि अत्यर्थं व्यापृता BṛĀraUBhVā. i. 3. 128; i. 4. 1845; अलकानीव नात्यर्थं यमकानि चकासति KāvyālaṅSū. iv. 1. 7; नात्यर्थमस्मद्बहुमानयोगादुद्वेजनीय: परुषै: पुरैव RāmC. 27. 67; पित्तकृन्ति यथात्यर्थं द्रव्याण्यश्नाति पैत्तिके । तदोपजायते ··· रक्तातीसार: RugVi. 3. 20; पित्रात्मतनयस्तदा । दध्ना संतोषितोऽत्यर्थम् VāmaP. 91. 44; मुक्तश्च विधिनात्यर्थं पूर्णभद्रनिकेतने BṛKathāK. 31. 3; भूयिष्ठेष्वपि का भवत्सु गणनात्यर्थं किमुत्ताम्यते VakroJī. 61. 3; क्षतानि चात्यर्थं सहते सोऽधिकभावाच्चण्डवेग: JayaMa. 77. 4 (*on* 2. 1); इयं च माता ··· अत्यर्थमनुतप्तेयम् BrahmP. 92. 46; बीजं वै कामराजाख्यम् ··· जजाप बालकोऽत्यर्थम् DevīBhāP. iii. 17. 36; अत्यर्थं स्पर्धते सा तु देवयानी तपस्विनी PadmP. ii. 80. 3; बन्धयेदुदरेऽत्यर्थं प्राणापानौ च य: सुधी: S'ivS. 4. 38; व्यलपन्बहुधात्यर्थमनर्थक्रुतचेतस: SamarāSū. 6. 20; 48. 81; प्रकिरन्ति यदात्यर्थं सर्वं पुच्छं तुरङ्गमा: AśvaVai. 3. 170; नात्यर्थमर्थार्थनया धीमानुद्वेजयेज्जनम् CāruCaS'. 37; सदृशं शोभतेऽत्यर्थं भूपाल तव चेष्टितम् KāvyPra. 284. 4; ईर्ष्यया मोहितात्यर्थमहमेवमचिन्तयम् KathāSaSāg. vii. 8. 161; न भानुरत्यर्थमतापयज्जनम् VikraDeC. 17. 5; अलंकृताभिरत्यर्थं गोपकन्याभिरावृतम् ··· इष्ट्वा (देवम्) ĪśānS'i. Pa. i. 34. 48; वात: प्रकुपितोऽत्यर्थमेतानि लिङ्गानि दर्शयति Hastyāyur. 64. 21 (1. 9); 652. 9 (4. 15); आनन्दयति कोऽत्यर्थं सज्जनानेव भूतले (मित्रोदय:) VidaMuMa. 1. 57; 2. 2; 4. 4; सोऽत्यर्थं कथमन्यथा दहति मामेष त्वदोष्ठव्रण: SubhāRaK. 20. 13; रुरोद भग्नाशा (अरिनारी) अत्यर्थम् Kāvyānu.(He.) 252. 8; बन्धोऽयमवपाताख्यस्तेनात्यर्थं विगर्हित: Mānaso. ii. 3. 220; iv. 3. 612; राजापि दृष्टसुस्वप्न इवात्यर्थममोदत PariPar. 1. 213; 2. 172; विनयं कुर्वतात्यर्थमर्जुनेन विशेषत: । ··· गुरोरावर्जितं मन: PāṇḍaC. 3. 271; सोत्कण्ठं सेवितोऽत्यर्थं तारुण्यसमये पुरा HāsyCū. 138. 21; येनात्यर्थं बलिभिरनिशं तर्पितो नागलोक: CaturCin. ii(2). 246. 3; परमत्यर्थम् ManvaVi. 1336. 19 (*on* 10. 118); नृप: ···श्रीहेमचन्द्राचार्यं श्रीसोमेश्वरयात्रार्थमत्यर्थमभ्यर्थयन् PrabaCin. 84. 22; अनुकूलाचरणेन हि कुप्यन्ति व्याधयोऽत्यर्थम् SūktiRa. 32. 58; 171. 23; इति कथिते कुपिता (त्यर्थं) तद्वचनेन PurāPraSaṁ. 79. 19; राजा ··· अत्यर्थं तदादिष्टं समाचरत् RājTa.(Jo.) 260; सज्जनमनिशमनार्य: प्रबाधतेऽत्यर्थम् Subhāṣi. 409; स्पृष्टो वा व्यथतेऽत्यर्थं स गजोऽत्यर्थवेदन: MātaLī. 8. 19; 8. 24; (पित्रा) ईर्ष्यापरेणात्यर्थं तर्जित: KathāK. 21. 18; विधाता ··· अत्यर्थमस्तुवत्स्तोत्रैर्योगनिद्रामनुत्तमाम् ParamāKā. 119. 49; अत्यर्थं बहु मनुते स्म रामभद्र: (रावणम्) Rāgh. 18. 9; जाज्वल्यमानं अत्यर्थं ज्वलत् Bhāsk. i. 110. 14 (*on* i. 2. 8); अत्यर्थमिति । अत्यन्तमित्यर्थ: BālamBha. iii. 134. 11 (*on* 3. 243); अत्यर्थमतिमर्यादमतिवेलं च कथ्यते AbhidhāRaMā. 4. 34; NāmMā. 173; EI. ii. 59. 81; ii. 4. 18; ii. 219. 55; v. 184. 15; xii. 212. 18; xiv. 91. 26; (with adjectives) अत्यर्थं कनकास्त्वन्ये प्रतप्तकनकप्रभा: AVPari. LII(6). 2; Lxix(3). 2; सत्त्वविभ्रंशिनात्यर्थं शब्देनोद्वेगकारिणा AVPari. Lviii(2). 1; घोररूपं तदत्यर्थं यन्त्रं देवै: सुनिर्मितम् MahāBhā. i. 29. 3; युष्मानजीजनम् । दु:खायासभुजोऽत्यर्थम् MahāBhā. ii. 70. 15; अत्यर्थं कोपनो राजा जातवैरश्च पाण्डुषु MahāBhā. ix. 63. 2; xii. 2. 18; संरक्ततरमत्यर्थं मधुरं तावगायताम् Rāmā. i. 4. 18; कपिराजेन ··· वाक्यं हेतुमदत्यर्थं भवद्भिरपि तच्छ्रुतम् Rāmā. vi. 11. 23; वेनो नात्यर्थं धार्मिकोऽभवत् HariVaṁ. 5. 2; प्रवृत्तमूत्रमत्यर्थं तं प्रमेहिणमादिशेत् SuśruS. ii. 6. 23; नात्यर्थं पुष्टपृष्ठा ··· वेदी परिवृता PañcRā. 1. 6; परदु:खोत्पादने चात्यर्थं भीरु: स ··· कथम् ··· परुषं वक्ष्यति MaYānaSū. 110. 17 (16. 46(2)); अत्यर्थमेव क्षणदा च तन्वी RaghuVa. 16. 45 = SubhāRaK. 9. 3; तज्जन्मदिनमत्यर्थमाह्लाद्यमलदिङ्मुखम् ViṣṇuP. v. 3. 3; v. 30. 34; यद्वाभिमतमत्यर्थं दुर्लभं यद् वृणुष्व माम् MārkP. 24. 4; नात्यर्थं धार्मिका ये च तान् सर्वान् हन्ति सर्वश:

BrahmāṇḍP. i. 31. 80; ii. 26. 33; स्त्रीकार्यमिदमत्यर्थं गरीयः सारमेव च PañcT. 4. 12; अत्यर्थं विपुलैः स्वनीतिविभवैः संमोहमापादिताः MudrāRā. 3. 26; तत्तु नात्यर्थं तीक्ष्णमुष्णं शीतं वा ··· योजयेत् AṣṭāSaṁ. i. 163. 12 (1. 32); ii. 177. 8 (6. 2); ते दन्द्रम्यमाणाः ··· अत्यर्थं कुटिलामनेकरूपां गतिं गच्छन्तः KāṭhU. Bh. 124. 8 (*on* 2. 5); मनः चञ्चलम् अत्यर्थं चलम् GītāBh.(S'aṅ.) 199. 9 (*on* 6. 26); 222. 7 (*on* 7. 17); क्षणिकं हि तदत्यर्थम् UpadeSā. 275. 23; तामिस्रोऽत्यर्थं तमोबहुलः BālaKrī. ii. 85. 2 (*on* 3. 218 (? 224); अत्यर्थं मधुररसाः सन्तु ह्योषधयश्च नः BṛĀraUBhVā. vi. 3. 46; उत्कण्ठिता इवात्यर्थं दृष्टाः पञ्चवटीमृगाः RāmC. 10. 66; जगदाकुलमत्यर्थं तदाऽऽसीन्मुनिसत्तमाः BrahmP. 32. 87; न स्थूलो न कृशोऽत्यर्थम् BhaviP. 22A. 33 (i. 5. 68); चलच्चित्तश्च सोऽत्यर्थं विवादे चोद्यतस्तथा DeviBhāP. iii. 9. 24; अत्यर्थं लघु ··· यद्वज्रं क्वचिद् दृश्यते YuktiKa. 98. 1; अत्यर्थं सा च दृष्ट्वा त्वां जायते मदनातुरा KathāSaSāg. ii. 2. 145; शरीरं जडमत्यर्थमपवित्रं विनश्वरम् AdhyāRā. ii. 7. 96; अत्यर्थं कृशकायास्ते (चित्रगतदानवाः) Mānaso. iii. 1. 809; अत्यर्थमसमर्थः संश्छलेन च बलेन सः MalliC. 1. 81; सुसमृद्धोऽपि अत्यर्थमाढ्योऽपि CaturCin. iii(1). 1149. 1; एवं चेच्छतवाराणि पुटपाकेन साधितम् गुणवज्जायतेऽत्यर्थम् RasRaSa. 2. 45; दुर्बलं वपुरत्यर्थं बलयुक्तं करोत्यसौ RasRaSa. 27. 36; दयालुरहमत्यर्थम् BhāvPra.(Bhā.) 1. 20; हृष्टोऽत्यर्थं रजन्यां भ्रमति MātaLī. 3. 6; अत्यर्थं भयभीतोऽहं तव शरणे प्रविष्टः KathāK. 63. 10; अशाश्वतमिदं सर्वं ··· कलयन्ति किलात्यर्थं परलोकपरा नराः ParamāKā. 23. 12; 67. 95; वह्निधूमनिवहैरत्यर्थमभ्रंलिहैः EI. i. 200. 18; (with nouns) के सदस्या बभूवुश्च सर्पसत्रे···विषादजननेऽत्यर्थं पन्नगानां महाभये MahāBhā. i. 48. 2; परो वै विस्तरोऽत्यर्थं त्वया संजय कीर्तितः MahāBhā. vi. 13. 38; पुत्रस्य तव चात्यर्थं विषादः समपद्यत MahāBhā. ix. 20. 27; अपृच्छं त्वां तवात्यर्थं कीर्तिं समभिवर्धयन् Rāmā. ii. 84. 20; कृतो ह्यत्यर्थमाहारो विहन्ति च पराक्रमम् Saund. 14. 2; धूमदोषाद्विरेकः स्यादत्यर्थं शिरसश्च रुक् BhelaS'. 30. 25 (1. 18); अत्यर्थं ग्लानिश्चक्षुषोः CaraS. ii. 3. 14 (1941 Ed.); परमार्थोऽयमत्यर्थं परमार्थो न चाप्ययम् ViṣṇuP. iii. 18. 10; संक्षोभो जायतेऽत्यर्थम् BrahmāṇḍP. i. 31. 38; विशेषात्तु जृम्भात्यर्थं समीरणात् RugVi. 2. 6; क्षयप्रवृत्तिरत्यर्थम् ··· प्रतिश्यायेऽनिलात्मके RugVi. 58. 17; स्विन्नेऽत्यर्थं संधिपीडा तृषा च SiddhYo. 72. 11; अत्यर्थमन्तर्व्यथामनुभवन्ती क्वापि कालं क्षपयति UdaySuKa. 71. 13; दुर्जनाद्भीतिरत्यर्थं कस्य वा नोपजायते SāhiSā. 1. 4; **B** by going beyond an object अत्यर्थमर्थातिक्रमेण बाह्यशब्दादिविषयोल्लंघनेन AbhinBhā. iv. 5. 21 (*on* 29. 9)

अत्यर्थमण्डन (atyartha-maṇḍana) *n.* very high ornament अत्यर्थमण्डनशिखण्डिशिखः ··· वापीं निपीतसलिलो वलितं प्रयाति RājTa.(Ka.) 8. 3379.

अत्यर्थमत्प्रियत्व (atyarthamatpriya-tva) *n.* the state of my being very dear to one अत्यर्थमत्प्रियत्वेन···क्षणमात्रवियोगासहतया मत्प्राप्तिप्रवृत्तौ त्वरावान् GītāBh.(Rā.) 362. 4 (*on* 6. 47)

अत्यर्थमधुर (atyartha-madhura) *adj.* **1** very sweet sounding, very melodious सङ्गतं हृदयङ्गमम् । अत्यर्थमधुरं सान्त्वम् AgniP. 359. 66; KalpaK. 447. 74; **2** excessively sweet, containing too much sugar तोयम् ··· नागो न पिबेत् ··· अत्यर्थमधुरं यत्र श्लेष्माणमभिवर्धयेत् Hastyāyur. 652. 26 (4. 15)

अत्यर्थमनोऽनुग (atyartha-mano'nuga) *adj.* very appealing to the mind, very attractive आसेदुरत्यर्थमनोरमं (v. l. मनोऽनुगं) वै तमाश्रमाग्र्यं वृषपर्वणस्ते MahāBhā. iii. 174. 6.

अत्यर्थमनोरम (atyartha-manorama) *adj.* highly gratifying to the mind, very delightful or pleasant आसेदुरत्यर्थमनोरमं वै तमाश्रमाग्र्यं वृषपर्वणस्ते MahāBhā. iii 174. 6.

अत्यर्थमनोहर (atyartha-manohara) *adj.* very attrattive or charming स काश्यपस्यायतनम् ··· विवेश ··· अत्यर्थमनोहरं शिवम् MahāBhā. i. 64. 42.

अत्यर्थमहादुःख (atyartha-mahāduḥkha) *n.* excessively great pain or trouble सैन्यलोकः ··· सिंहकर्मभिरत्यर्थमहादु(:?)खवशीकृतः PadmP.(Ra.) 60. 41.

अत्यर्थमहापराक्रम (atyartha-mahāparākrama) *adj.* very much forceful (i. e. highly audacious) अथो पुनस्तां महिषीं महीक्षितो वचोभिरत्यर्थमहापराक्रमैः । उवाच कुब्जा भरतस्य मातरम् Rāmā. ii. 183*(4)

अत्यर्थमहाविताना (atyarthamahā-vitānā) *adj.* (*f.*) having very great expanse महापताकाः ··· महागजस्कन्धगता विरेजुः (v. l. विरेजुरत्यर्थमहावितानाः) MahāBhā. vi. 56. 4.

अत्यर्थमहित (atyartha-mahita) *adj.* exceedingly honoured भरतो भरतस्याग्नेः पावकस्तु प्रजापतेः । महानत्यर्थमहितस्तथा भरतसत्तम MahāBhā. iii. 209. 8.

अत्यर्थमहोपवास (atyarthamahopavāsa) *m.* very great fast कदाचिदत्यर्थमहोपवासैः ··· कृशीकृताङ्गो नियमैर्यमैश्च मुनिः प्रचक्रे सुतपोऽतिघोरम् VarāṅgaC. 31. 49.

अत्यर्थमूर्च्छित (atyartha-mūrcchita) *adj.* excessively increased (उन्मादः) एकैकशः समस्तैश्च दोषैरत्यर्थमूर्च्छितैः । मानसेन च दुःखेन स पञ्चविध उच्यते SuśruS. vi. 62. 4; RugVi. 4. 2 (comm. अतिवृद्धैः)

अत्यर्थमृदु (atyartha-mṛdu) *adj.* very weak अत्यर्थमृदुकायाग्नेस्तक्रमेवावचारयेत् CaraS. vi. 14. 79 (1941 Ed.)

अत्यर्थयुक्ति (atyartha-yukti) *f.* extreme reasonableness एकदेशविवर्तिरूपकमलङ्कारः । तदत्यर्थयुक्तियुक्तम् VakroJī. 186. 17.

अत्यर्थयोग (atyartha-yoga) *m.* excessive use, overdose उष्णकर्मणोऽत्यर्थयोगादत्यशनास्व(शु)गमनात् ··· पित्तं प्रकुपितं भवति Hastyāyur. 332. 17 (2. 70)

अत्यर्थरक्त (atyartha-rakta) *adj.* very red अत्यर्थरक्तमतिकृष्णमतीव पीतम् ··· विसर्पसर्पं तं वर्जयेत् KalyāKā. 9. 34.

अत्यर्थरत्नखचित (atyartha-ratnakhacita) *adj.* inlaid with many jewels (महागौर्याः प्रतिबिम्बः) अत्यर्थरत्नखचितमुकुटाञ्चितमस्तकः BrahmāṇḍP. iii. 39. 93.

अत्यर्थरथाङ्गनामन् (atyartha-rathāṅganāman) *m.* numerous Cakravāka birds रराज चारक्तदिगन्तरालं सशोणमत्यर्थरथाङ्गनाम्नः(?) ह्रदः प्रभिन्नादिव शोणितोघैर्विलिप्तवन्तः सकलं वियोगात् MahāBhā. vi. 213*(2)

अत्यर्थरम्य (atyartha-ramya) *adj.* very charming or beautiful पञ्चमं वर्षमत्यर्थरम्यं रम्यकसंज्ञितम् SamarāSū. 5. 32.

अत्यर्थरसिक (atyartha-rasika) *adj.* extremely tasty अत्यर्थरसिकं कायं कालपक्कस्य मक्षिकाः । अपि स्नातानुलिप्तस्य भृशमायान्ति सर्वशः CaraS. v. 2. 22.

अत्यर्थराग (atyartha-rāga) *adj.* most passionate (वनिता) अबलात्यर्थरागेषु(?) क्लीबं याचितदुर्गयोः । स्त्रैणे जलाशये चाथ NānāMañ. 728.

अत्यर्थरूक्ष (atyartha-rūkṣa) *adj.* excessively dry कलायमुद्गाढकिकोरदूषादत्यर्थरूक्षाध्यशनाभिघातात् (वायुः प्रवृद्धो जनयेद्धि शूलम्) RugVi. 26. 2.

अत्यर्थरौद्र (atyartha-raudra) *adj.* very cruel इह बोधिसत्त्वः प्रकृत्या मृदुना कायवाङ्मनस्कर्मणा समन्वागतो भवति अकुशलेन नात्यर्थरौद्रेण नात्यर्थसत्त्वोपघातकेन BodhiBhū. 4. 2.

अत्यर्थलवण (atyartha-lavaṇa) *adj.* very salty सदात्यर्थलवणाम्लकटुक्षारोष्णोपसेवी भवति KāśyaS. 133A. 28.

अत्यर्थलुब्ध (atyartha-lubdha) *adj.* excessively covetous धर्मः सुचरितः सद्भिः सह द्वाभ्यां नियच्छति । अर्थश्चात्यर्थलुब्धस्य कामश्चातिप्रसङ्गिनः MahāBhā. ix. 59. 17.

अत्यर्थवक्रत्व (atyarthavakra-tva) *n.* **i** very artful expression अत्यर्थवक्रत्वमनर्थकं या शून्यापि सर्वान्यगुणैर्व्यनक्ति । अस्पृश्यतादूषितया तया किं तुच्छश्वपुच्छच्छटयेव वाचा S'rīKaC. 2. 14; Subhāṣi. 174; **ii** extreme crookedness, S'rīKaC. 2. 14.

अत्यर्थवर्ण (atyartha-varṇa) *m.* excessive colour आकराध्यक्षः ··· आकरम् ··· भूमिप्रस्तररसधातुमत्यर्थवर्णगौरवम् ··· परीक्षेत ArthS'ā. i. 198. 3 (2. 12)

अत्यर्थवात (atyartha-vāta) *m.* excessive wind अत्यर्थवातेन अधःस्फुरन्ती उत्तानभेदिन्यसमाप्तिकाले (नाडी) NāḍīVi. 102.

अत्यर्थविचेतना (atyartha-vicetanā) *adj.* (*f.*) very much disinclined or disinterested प्रगल्भा स्वयमुद्भिन्नमन्मथोन्मादमन्थरा । सुरतालापलीलायामप्यत्यर्थविचेतना SāhiSā. 4. 13.

अत्यर्थविनिःसृता (atyartha-vinissṛtā) *adj.* (*f.*) exceedingly coming out ज्वालाभिरत्यर्थविनिःसृताभिरस्त्रस्य सूरस्य महेन्द्रसूनोः MahāBhā. viii. 1036*(1)

अत्यर्थविलासिनी (atyartha-vilāsinī) *adj.* (*f.*) very coquettish दृष्टमात्रे ततः कान्ते प्रद्युम्नतनये द्विज । दृष्ट्वात्यर्थविलासिन्या लज्जा क्वापि निराकृता ViṣṇuP. v. 32. 25.

अत्यर्थविवृता (aryartha-vivṛtā) *adj.* (*f.*) wide open यस्य···नासिकात्यर्थविवृता संवृता पिटिकाचिता AṣṭāHṛ. ii. 5. 8.

अत्यर्थविशारद (atyartha-viśārada) *adj.* very wise or clever अवध्यतां प्रेक्ष्य महासुरस्य तौ ··· समर्थ्य चात्यर्थविशारदावुभौ । बिले विराधस्य वधं प्रचक्रतुः Rāmā. iii. 56*(7)

अत्यर्थविषम (atyartha-viṣama) *adj.* extremely difficult or uneven अत्यर्थविषमः प्रोक्तः स मार्गो घोरदर्शनः ViṣṇuDhaP. ii. 116. 19.

अत्यर्थविसृष्ट (atyartha-visṛṣṭa) *adj.* discharged with great force अथात्यर्थविसृष्टेन द्विषतामसुभोजिना । आजघ्ने वक्षसि द्रोणो नाराचेन धनंजयम् MahāBhā. vii. 66. 22.

अत्यर्थविस्तर (atyartha-vistara) *adj.* very extensive ग्रन्थोऽयमपि बह्वर्थो भाष्यं चात्यर्थविस्तरम् । बहुज्ञा एव जानन्ति AnuVyā. 10B. 10 (*on* i. 1. 12)

अत्यर्थवीर्या (atyartha-vīryā) *adj.* (*f.*) very powerful तस्मै प्रदत्तं

दत्तेन श्रीहरेः कवचं पुरा । शक्तिरत्यर्थवीर्या च BrahmāṇḍP. ii. 32. 51.

अत्यर्थवृष्य (atyartha-vṛṣya) *adj.* productive of excessive sexual vigour पयः स्निग्धमत्यर्थवृष्यं च···जीवनीयं रसायनम् Hastyāyur. 668. 7 (4. 21)

अत्यर्थवेगवत् (atyartha-vegava(n)t) *adj.* very vigorous सेवमानो यदौचित्याद्याजीवात्यर्थवेगवान् । नारीस्तर्पयते तेन वाजीकरणमुच्यते SuśruS. iv. 26. 6

अत्यर्थवेदन (atyartha-vedana) *adj.* [*f.* -ā] **i** paining excessively कृष्णोऽरुणो वा परुषो भृशमत्यर्थवेदनः ।··· विद्रधिर्वातसम्भवः SuśruS. ii. 9. 7; ये च मर्मस्वसंभूता भवन्त्यत्यर्थवेदनाः ··· व्रणाः RugVi. 42. 14; BhāvPra.(Bhā.) vii. 46. 4; पक्वाभाः पिडकाः स्निग्धाः सूक्ष्माश्चात्यर्थवेदनाः (मसूरिकाः) RugVi. 54. 20; **ii** very sensitive नागाः प्रशस्ता ··· अत्यर्थवेदना ये च शूराः शब्दसहिष्णवः VisṇuDhaP. ii. 10. 4; स्यन्दन्ते चास्य वाश्रूणि भवेदत्यर्थवेदनः Hastyāyur 181. 12 (2. 10); 210. 26 (2. 17); प्राजनाङ्कुशदण्डेभ्यो दूरादुद्विजते हि यः । स्पृष्टो वा व्यथतेऽत्यर्थम् स गजोऽत्यर्थवेदनः MātaLī. 8. 19.

अत्यर्थवेदना (atyartha-vedanā) *f.* excessive pain शोकोपवासव्यायामरूक्षशुष्काल्पभोजनैः ।··· हृदि वातातुरे रूपं जीर्णे चात्यर्थवेदना CaraS. i. 17. 31.

अत्यर्थवेदिन् (atyarthaved-in) *adj.* of extreme sensibility धृतो धावति चात्यर्थं प्रेरितस्तु न गच्छति । अत्यर्थवेदी विज्ञेयो व्यालो मिश्रगजो मतः Mānaso. iv. 3. 612.

अत्यर्थव्यभिचारिणी (atyartha-vyabhicāriṇī) *adj.* (*f.*) extremely unchaste (woman) अत्यर्थव्यभिचारिणी तु न त्याज्या SmṛtiCan. iv. 570. 3; cf. SaṅkhaLiDS. 334.

अत्यर्थव्यय (aty-arthavyaya) *m.* **i** expenditure of immense wealth वेश्या पुनर्वातरोग इवात्यर्थव्ययमुत्पादयति DhūrtaViSaṁ. 20. 17; **ii** (atyartha-vyaya) complete destruction or ruin (of health), DhūrtaViSaṁ. 20. 17.

अत्यर्थशङ्कित (atyartha-śaṅkita) *adj.* extremely frightened अत्यर्थशङ्कितः स्याद्बहुवागथवाल्पवाग्विगतलक्ष्मीः । प्रायः प्रकृतिविकारं विषप्रदाता नरो ज्ञेयः CaraS. vi. 23. 105 (1922 Ed.)

अत्यर्थशान्तचेतस्क (atyarthaśāntacetas-ka) *adj.* who has an extremely calm mind वारणः । अत्यर्थशान्तचेतस्को निश्चलः सौम्यदर्शनः PadmP. (Ra.) 83. 125.

अत्यर्थशीत (atyartha-śīta) *adj.* extremely cool, very cold तं विसंज्ञं निपतितं सिषिचुः परिचारकाः । जलेनात्यर्थशीतेन MahāBhā. vii. 9. 2; अम्भो वा पिबेन्मधुसमायुतम् । अह्नि मेघानिलाविष्टेऽत्यर्थशीताम्बुसङ्कुले SuśruS. vi. 64. 9; शीतकाले ··· शरीरमत्यर्थशीतवातविष्टब्धबद्धगुरुदोषं भवति AṣṭāSaṁ. i. 121. 16 (1. 23)

अत्यर्थशीतल (atyartha-śītala) *adj.* extremely cold अत्यर्थशीतलाम्भोभिः प्लावयन्तौ दिशः सदा । ऋतू हेमन्तशिशिरौ आजग्मतुः BrahmP. 36. 89.

अत्यर्थशुक्ल (atyartha-śukla) *adj.* very much white अत्यर्थशुक्लमतिमाधुर्योपपन्नम् ··· श्लेष्मोपसृष्टं क्षीरमभिज्ञेयम् CaraS. iv. 8. 55 (1941 Ed.)

अत्यर्थशोभन (atyartha-śobhana) *adj.* exceedingly shining धमनीनामपूर्णानां जालमत्यर्थशोभनम् । ललाटे दृश्यते यस्य षण्मासान्न स जीवति CaraS. v. 11. 8 (1941 Ed.)

अत्यर्थशोभित (atyartha-śobhita) *adj.* exceedingly beautiful तदा विमुक्तकोणः स्यात् प्रासादोऽत्यर्थशोभितः SamarāSū. 49. 110.

अत्यर्थसक्त (atyartha-sakta) *adj.* stuck very close एषामत्यर्थसक्तानां (पाशानाम्) विभागायासिनाहुतीः । ···दद्यात् MṛgendraT. ii. 7. 86.

अत्यर्थसंगतार्थत्व (atyarthasaṅgatārtha-tva) *n.* the state of having a very closely connected meaning अत्यर्थसंगतार्थत्वाद्वाक्यं वाक्यान्तरस्थितम् SāhiSā. 2. 75.

अत्यर्थसंचित (atyartha-sañcita) *adj.* accumulated in excess यतेत च यथाकालं मलानां शोधनं प्रति । अत्यर्थसंचितास्ते हि क्रुद्धाः स्युर्जीवितच्छिदः AṣṭāHr. i. 4. 26; सश्लेष्ममेदःपवनः साममत्यर्थसंचितम् । अभिभूयेतरं दोषम् RugVi. 24. 2.

अत्यर्थसत्त्वोपघातक (atyartha-sattvopaghātaka) *adj.* excessively harmful to creatures इह बोधिसत्त्वः प्रकृत्या मृदुना कायवाङ्मनस्कर्मणा समन्वागतो भवति अकुशलेन नात्यर्थरौद्रेण नात्यर्थसत्त्वोपघातकेन BodhiBhū. 4. 3.

अत्यर्थसमयोगित्व (atyarthasamayogi-tva) *n.* the state of mixing together in higher or equal proportion एकद्वित्रिसमायोगाद्भावकल्पनया तथा । संख्यैवा(? ख्यावा)न्तरवर्णानां लोके कर्तुं न शक्यते । अत्यर्थसमयोगित्वात् VisṇuDhaP. iii. 27. 10.

अत्यर्थसमुच्छ्रिता (atyartha-samucchritā) *adj.* (*f.*) risen very high अत्यर्थसमुच्छ्रिताभिः । गङ्गोर्मिभिः ··· इद्धः सहस्ररश्मिप्रतिमो विभाति MahāBhā. xiii. 27. 80.

अत्यर्थसमुल्बण (atyartha-samulbaṇa) *adj.* very gaudy or showy

धीरोद्धतानां वेशः स्यात्र चात्यर्थसमुल्बणः VisṇuDhaP. iii. 20. 16.

अत्यर्थसंपीडित (atyartha-sampīḍita) *adj.* extremely pressed or troubled कण्ठे जीर्णलताप्रतानवलयेनात्यन्तसंपीडितः ··· मुनिः S'āk. 7. 11 = SaduktiKa. 322. 5.

अत्यर्थसुकुमार (atyartha-sukumāra) *adj.* very delicate or charming अत्यर्थसुकुमारार्थसंदर्भा कैशिकी मता PratāYaBhū. 58. 7.

अत्यर्थसुख (atyartha-sukha) *adj.* giving great happiness, extremely pleasant (किरीटम्) महार्हरूपं द्विषतां भयंकरं विभाति चात्यर्थसुखं सुगन्धि तत् MahāBhā. viii. 66. 14.

अत्यर्थसुखिन् (atyartha-sukhin) *adj.* exceedingly happy जिनालयं यः कुरुतेऽतिभक्त्या ··· अत्यर्थसुखी च लोके VarāṅgaC. 22. 47.

अत्यर्थसुधास्वभाव (atyartha-sudhāsvabhāva) *adj.* greatly consisting of the nature of nectar (i. e. very sweet) इत्युक्तमत्यर्थसुधास्वभावं तेन ··· श्रुत्वा बलिः ··· तमभ्यधात् DaśāvaC. 5. 199.

अत्यर्थसुन्दराकार (atyarthasundarākāra) *adj.* having an exceedingly beautiful form अत्यर्थसुन्दराकारा धीराश्चाप्सरसां गणाः BrahmāṇḍP. iii. 9. 71.

अत्यर्थसूक्ष्म (atyartha-sūkṣma) *adj.* extremely subtle अत्यर्थसूक्ष्मं वरदं क्षेत्रज्ञं प्रभुमीश्वरम् । ··· जीवदेव त्वमभ्येहि VisṇuDhaP. iii. 102. 5.

अत्यर्थसेवन (atyartha-sevana) *n.* excessive use लोकेऽपि दृश्यते ह्येतन्मद्यस्यात्यर्थसेवनात् BhaviP. 126B. 1 (i. 73. 29)

अत्यर्थस्निग्ध (atyartha-snigdha) *adj.* treated excessively with oily medicine अत्यर्थस्निग्धदेहस्य विशुद्धामाशयस्य वा । मारुतस्यानुलोम्यस्य यस्याधो वमनं व्रजेत् KāśyaS. 276A. 17.

अत्यर्थस्नेह (atyartha-sneha) *m.* excessive (application of) unctuous substance अत्यर्थस्नेहात् रौक्ष्यात् ···स (मतङ्गजः) म्रियते Hastyāyur. 251. 2 (2. 44)

अत्यर्थस्वादु (atyartha-svādu) *adj.* very sweet औद्दालकं तु शालाकं विषजिन्मधुराम्लकम् । छात्रं सर्वौघमत्यर्थस्वाद्विमा मधुजातयः Vaija. 134. 136.

अत्यर्थहानितस् (atyarthahāni-tas) *adv.* due to total loss मोक्षसाधनवैयर्थ्यान्मुक्तेरत्यर्थहानितः NītiMā. 27. 14.

अत्यर्थहेतिपटुता (atyarthahetipaṭu-tā) *f.* **i** extreme fury of the flames अत्यर्थहेतिपटुताकवलीभवत्तत्तत्पार्थिवाधिकरणप्रभवास्य भूतिः NaiṣC. 13. 11; **ii** extreme sharpness of the weapon, NaiṣC. 13. 11.

अत्यर्थाधिकपरिमाणत्व (atyarthādhikaparimāṇa-tva) *n.* extremely large amount यथा ··· इति धर्म्यत्वेनापि वसिष्ठविहिता प्रतिषिद्धा तथैव प्रतिषिध्यते । अत्यर्थाधिकपरिमाणत्वेनाधर्म्यत्वात् SmṛtiCan. iv. 369. 11.

अत्यर्थानलमन्दता (atyarthānalamandatā) *f.* extreme weakness of the digestive fire आरोग्यसागरो नाम रसः ··· हन्यात् ··· अत्यर्थानलमन्दताम् RasRaSa. 19. 75.

अत्यर्थानुकूलरूपा (atyarthānukūla-rūpā) *adj.* (*f.*) which is of the nature of being very favourable अत्यर्थप्रिया अत्यर्थानुकूलरूपा S'rutaPra. iA. 61. 9 (*on* i. 1. 1)

अत्यर्थानुचित (atyarthānucita) *adj.* extremely improper अत्यर्थानुचितं यत् स्यात् ··· तत् परित्यज्यताम् SāhiSā. 6. 3.

अत्यर्थानुराग (atyarthānurāga) *f.* great attachment वनिता जनितात्यर्थानुरागायां च योषिति AmaK. 2482.

अत्यर्थायास (atyarthāyāsa) *m.* extreme exertion अत्यर्थायाम(स)-सेवया । कुप्यन्ति धातवः सर्वे Hastyāyur. 632. 11 (4. 12)

अत्यर्थोपक्लिन्न (atyarthopaklinna) *adj.* greatly perspiring अत्यर्थोपक्लिन्नमवसन्नानलम् ··· आदानदुर्बलं शरीरं भवति AṣṭāSaṁ. i. 121. 21 (1. 23)

अत्यर्थोपचित (atyarthopacita) *adj.* who has accumulated abundant wealth अत्यर्थोपचिताः कामं विशेषासादनं विना । तेजस्विनो न तिष्ठन्ति दीप्रा दावानला इव KathāSaSāg. xv. 2. 14.

अत्यर्थोपहतकाया (atyarthopahata-kāyā) *adj.* (*f.*) whose body has been extremely contaminated सुराप्यात्यर्थोपहतकायया संस्पृष्टं दुष्टं भवति SmṛtiCan. iv. 586. 17.

अत्यर्थोष्ण (atyarthoṣṇa) *adj.* extremely hot अत्यर्थोष्णगभस्तिजालमण्डलोऽर्कः ··· नृणाम् (दौर्बल्यमावहति) AṣṭāSaṁ. i. 14. 22 (1. 4)

अत्यर्थोहक (atyarthoha-ka) *adj.* excessively guessing or reasoning अत्यूहः ··· त्रि त्वत्यर्थोहकादिषु NānārthāSaṁ. ii. 58. 138.

अत्यर्द् (aty-ard-) VI. P. to hurt very much अभ्यार्दीद्वालिनः (v. l. अत्यार्दीद्वालिनः) पुत्रं प्रजङ्घोऽपि समत्सरः Bhaṭṭi. 15. 115.

अत्यर्द (atyarda) *m.* name of a Sāman विश्वामित्रस्य चात्यर्दः ĀrṣeBr

iv. 11. 2.

अत्यर्दित (aty-ardita) *adj.* extremely hurt or afflicted अत्यर्दित: श्र(स्र)वेद्न्त: पूतिकं पूयशोणितम् Hastyāyur. 492. 11 (3. 17)

अत्यर्ध (atyardha) *m.* name of a Sāman विश्वामित्रस्यात्यर्ध: [pw] cf. **अत्यर्द.**

अत्यर्धगोमूत्र (atyardha-gomūtra) *n.* a type of staircase called Ardhagomūtra (because of its zigzag form) वल्लीमण्डलमत्यर्धगोमूत्रेण समाहितम् MayaMa. 21. 88.

अत्यर्धयोजन (atyardha-yojana) *n.* distance of more than half a yojana (a measure of length) (ताटका) सेयं पन्थानमावार्य वसत्यत्यर्धयोजने Rāmā. i. 23. 27 (Kataka. अतिक्रान्तोर्धमत्यर्धं ततः कर्मधारयः)

अत्यर्धहस्त (atyardha-hasta) *m.* one and a half cubits अत्यर्धहस्तमारभ्य षट्षडङ्गुलवर्धनात् MānaSā. 34. 3.

अत्यर्बुद (aty-arbuda) *n.* a number larger than an *Arbuda* अर्बुदम् । अत्यर्बुदम् । बहो: AVPari. 48. 66.

अत्यर्वाचीन (aty-arvācīna) *adj.* very low or inferior (stage) अत्यर्वाचीने पदे विविदिषासंन्यासेऽपि यदा क्रोधादयो न सन्ति तदोत्तमपदे तत्त्वज्ञाने कुतस्ते स्यु: JīvanVi. 135. 14.

अत्यर्शस् (aty-arśas) *adj.* afflicted with acute piles उष्ट्रीक्षीरम् … पित्तश्लेष्मात्यर्शसां प्रशस्तम् BhojanKu. 133. 2.

अत्यर्ह् (aty-arh-) I. P. to excel in worth, to be valued more बृहस्पते अति यदुर्यो अर्हात् ṚV. ii. 23. 15 = TaiS. I. viii. 22. 2; MaiS. iv. 14. 4; KāṭhS. 4. 16; 40. 11; VājaS. 26. 3 = VājaS.(K.) xxviii. 2. 1.

अत्यलङ्कार (aty-alaṅkāra) *m.* excessive decoration दानशय्यात्यलङ्कारपानभोजनमैथुनै: । नित्योपेतं प्रमुदितं याक्षं विद्यात् प्रभक्षणम् KāśyaS. 53A. 32.

अत्यलङ्कृत (aty-alaṅkṛta) *adj.* greatly adorned हयौ … अत्यलङ्कृतौ । … तत्र योजयेत् BṛParāSm. 10. 153.

अत्यलसवाच् (atyalasa-vāc) *adj.* very indistinct or slow in speech सवितृसुतलग्नेऽत्यलसवाक् Bṛhajjā. 20. 9.

अत्यलसशिष्य (atyalasa-śiṣya) *m.* very lazy disciple कुरडग्रामे धरडो नाम भरटकोऽभूद् मूर्खोऽत्यलसशिष्ययुत: Bharaṭ. 12A. 10.

अत्यलौकिक (aty-alaukika) *adj.* extremely uncommon तस्य स्वातन्त्र्येण जगत्कर्तृत्वेऽत्यलौकिकमाहात्म्यवत्त्वेन निरूपणं नोपपद्येत AṇuBh. 37. 2 (*on* i. 1. 15); 225. 14 (*on* iii. 3. 23)

अत्यल्प (aty-alpa) *adj.* [*f.* -ā] **A** very small, very limited, tiny (in size or dimensions) तस्मादतिदूरमत्यल्पमिति यजमानस्य हवमियादेव GopBr. ii. 6. 14; तत्र वक्रम् …अत्यल्पम् … इत्यष्टौ शस्त्रदोषा: SuśruS. i. 8. 9; वटस्य बीजमत्यल्पं तत्कार्यमतिपीवरम् PramāVāBh. 42. 6; तत्कथमत्यल्पं चक्षुरधिष्ठानं परमात्मन: परममहत: Bhām. 175. 7 (*on* i. 2. 14); किमिच्छसि पदत्रयं ननु भुवा किमत्यल्पया SubhāRaK. 6. 11; मानमुन्मानमत्यल्पं परिमाणम् VedāntKau. 225. 18 (*on* ii. 3. 22); **B** very small, very short (in duration) अत्यल्पम् … नोत्तरं शस्यते बुधै: KātySm. 173; VyavaMa. 15. 17; आयुरस्ति तवात्यल्पं गम्यतां पौर्विकी तनु: PadmP. iv. 105. 16; भूतजीवितमत्यल्पम् SūktiRa. 197. 11; **C** very small (in amount or degree), petty, insufficient (uncountable, abstract) पापान्स्वल्पेऽपि (v. l. पापेऽत्यल्पेऽपि) तान् हन्यादपराधे तथानृजून् MahāBhā. iii. 29. 27; अत्यल्पमिदमुच्यते MahāBh. i. 486. 15 (*on* ii. 4. 49) = NyāyVār. 104. 17 (*on* i. 1. 23) = Bṛha. 228. 6 (*on* i. 1. 5) = ChāndoUBh. 498. 11 (*on* viii. 5. 4) = PraśnaUBh. 274. 17 (*on* 4. 5) = BṛĀraUBh. 284. 19 (*on* ii 3. 3) = ManuBh. i. 199. 18 (*on* 3. 1) = i. 208. 16 (*on* 3. 5) = NyāyRa. 197. 18 (*on* 4. 213) = PramāMā. 21. 3 = SarvaDaSaṁ. 4. 146 = Prasā. ii. 785. 14 = S'ivLī. 14. 30 = MayūMāli. 202. 24 (*on* iii. 1. 11) = 832. 13 (*on* xi. 4. 3) = LalitāSaBh. 200. 34 (*on* 236); (आहार:) उपयुक्तस्तथात्यल्पो न सामर्थ्याय कल्पते Saund. 14. 3; क्रूरकोष्ठस्य चात्यल्पं मन्दवीर्यमभेदनम् CaraS. i. 26. 94 (1941 Ed.); हिरण्यमस्य दर्शयेदत्यल्पमिति च ब्रूयात् ArthS'ā. ii. 199. 10 (5. 2); अत्यल्पमिदमस्माकं निवापोदकभोजनम् Mṛcch. 10. 17; अत्यल्पं चेदमुच्यते BrahmSūBh.(S'aṅ.) 299. 12 (*on* ii. 1. 9); Kāśi. ii. 135. 25 (*on* 5(3). 88); अत्यल्पमपि तत्कार्यं नान्यस्त्वत्तोऽस्ति मे प्रिय: ĀdiP. 20. 4; प्रायेण प्राणिनो दु:खं सुखमत्यल्पमुच्यते VarāṅgaC. 15. 75; तदा न शूद्रस्य दशम एवांश:, किं तर्हि, अत्यल्पं नाधिकतरं धनं लभते ManuBh. ii. 290. 10 (*on* 9. 154); अत्यल्पमेतत् VedāSaṁ. 131. 13; अत्यल्पश्च कथं मुक्तस्य भोगो भवति VedāntDī. 250. 12 (*on* iv. 4. 19); अत्यल्पमिदमन्वयुङ्क्था: PramāMī. 1. 6 (*on* i. 1. 0); सुखं विषयसेवायामत्यल्पं सर्षपादपि PariPar. 2. 190; 6. 20; PāṇḍaC. 14. 15; तण्डुलादीनां च त्यागोऽत्यल्पादीनाम् Aparā. 259. 20 (*on* 1. 184); भवेत्सादृश्यमत्यल्पं तृतीयं परमात्मना AnuVyā. 36B. 6 (*on* 2. 3); धान्यानामत्यल्पानां बहुमलोपघाते त्याग: ManvaVi. 668. 19 (*on* 5. 119); सर्वो विकारो वाचारम्भणत्वादत्यल्प: PrakaVi. 143. 17; अस्मिन्नर्थे पुरायं मया जित इति वक्तव्ये पुरा मयेत्येतावन्मात्रमुत्तरमत्यल्पमित्यर्थ: SmṛtiCan. iii. 100. 3; दारिद्र्ये दानमत्यल्पमपि लाभाय भूयसे PrabaCin. 58. 9 = KumāPraPra. 42. 27; CitraPaC. 310; अत्यल्पमपि साधूनां शिलालेखेव तिष्ठति । जललेखेव नीचानां यत् कृतं तद्विनश्यति SūktiRa. 181. 3; CāṇaSāSaṁ. 3. 21; अत्यल्पमेतद्भवतेरितं मुने S'aṅkaDigVi.(Mā.) 8. 45; Jīvān. 336. 2; अत्यल्पमिदं कथितं यत्सर्वं खल्विदं ब्रह्म VarivaRaha. 146; **D** very insignificant, of very small value or importance, very low अत्यल्पं हि तदस्या: सुलक्षणस्याकृतेरमुष्येति KathāSaSāg. viii. 2. 391; यदुल्लासाय संरम्भो धीरैर्विस्तार्यते महान् । कृत्यं हिनस्ति तद्दैवमत्यल्पेनैव वस्तुना RājTa.(Ka.) 7. 917; अत्यल्पमपि तद्रक्ष्यमात्मच्छिद्रं निजे प्रभौ TriṣaS'aPuC. i. 5. 104; असंस्थानात्मकेषु वाय्वादिषु सामान्यप्रत्ययस्तूत्पद्यते । स त्वन्मते न स्यादित्यभिप्राय: । अत्यल्पं चेदम् S'arka. 82. 12; अत्यल्पमिदम् अखिलमेव कार्यजातं सत्त्वसामान्यनिर्माणं प्रसज्येत TattvBi. 39. 3; अत्यल्पमेतत् । न ह्यत्र त्रयीविदो विवदन्ते यद्वासुदेव: परमात्मा अखिलजगत्कारणमिति ĀgaPrā. 42. 9; अत्यल्पेऽपि क्रियालोपे प्रमाद्यन्तं कदाचन । आचुक्रोश मुनिर्ग्रामम् MalliC. 8. 318; **E** very few (numerically), very small, very rare संख्ये संख्यां रावणिर्वानराणां तामत्यल्पां चापहस्तश्चकार RāmC. 30. 17; अत्यल्प: परिवारोऽयं ताम्बूलप्रणयी स्थित: SamaMā. 7. 30; तच्च च्छत्रं ययौ सिद्धिमत्यल्पैरेव काञ्चनै: RājTa.(Ka.) 7. 531; मितै: परिजनैर्युतम् । यूथनाथमिवात्यल्पैर्द्विपै: RājTa.(Ka.) 8. 2130; यत्र…सोऽत्यल्पोऽष्टकलं तत्स्यात्कपालं त्वार्षभीगतम् SaṁgīRa. i. 276. 1 (1 (8). 4); अत्यल्पम् (उत्तरम्) यथा – सुवर्णशताभियोगे पञ्चाशतं धारयामीति VyavaNi. 58. 5; मिताक्षराधृतवचनम् – सन्दिग्धमन्यत्प्रकृतादत्यल्पमतिभूरि च ।… अत्यल्पम् – सुवर्णशताभियोगे पञ्च धारयामीति VīraMi.(Vyavahāra.) 62. 10; अल्पं शतधनु: प्रोक्तमत्यल्पं च तदर्धकम् (मण्डलं गतिशिक्षणे) S'ukraNī. 4(7). 131; 4(5). 140; अत्यल्पोऽयं सर्वनि:शेषभजनार्हं उपपन्न: SiddhāTaVi.(S'eṣavāsanā.) 53. 16; अत्यल्पेष्वाज्यभागादिष्वेव प्रयोगविधिव्यापारकल्पना MayūMāli. 848. 4 (*on* xii. 1. 2)

अत्यल्पक (atyalpa-ka) *adj.* [*f.* -ikā] very little, small or slight दातव्यैव यज्ञे दक्षिणा भवत्यत्यल्पिका AitBr. 30. 9 (795); अत्यल्पकेऽपि व्यसनांशलेशे न संवृतिर्यै: क्रियते प्रयत्नात् । तेषाम् … विपदो भवन्ति DaśāvaC. 7. 197; तादृक्साधुद्रुहामीदृग्गतिरत्यल्पकं फलम् PrabhāC. 24. 26; ViśvaPra. 42. 14; MediK. 41. 16.

अत्यल्पकाल (atyalpa-kāla) *m.* very short span of time, very short period अथवात्यल्पकालोऽस्य राज्यस्याज्ञायि भूभुजा RājTa.(Prā.) 106.

अत्यल्पकालभाविनी (atyalpakālabhāv-inī) *adj.* (*f.*) lasting for a very short time चण्डोऽवन्तिषु मातङ्ग: पिशितस्य निवृत्तित: । अत्यल्पकालभाविन्या: प्रपेदे यक्षमुख्यताम् YaśasCam. ii. 333. 20.

अत्यल्पजीविता (atyalpa-jīvitā) *adj.* (*f.*) extremely short-lived काश्चिदत्यल्पजीविता: YogVā. iv. 11. 71.

अत्यल्पतण्डुलक (atyalpataṇḍula-ka) *adj.* having very little rice (in it) पायसं पयोबहुलमत्यल्पतण्डुलकं परमान्नम् LalitāSaBh. 224. 28 (*on* 295)

अत्यल्पतण्डुला (atyalpa-taṇḍulā) *adj.* (*f.*) with very little rice (in it) जीर्णस्नेहं ततो नरम् । यवागूं पाययेत् … अत्यल्पतण्डुलाम् SiddhYo. 71. 9.

अत्यल्पतम (atyalpa-tama) *adj.* **i** very few केचित् … दुर्बुद्धयोऽत्यल्पतमा निनिन्दु: VarāṅgaC. 29. 56; **ii** excessively insignificant तदिदं प्रतिपादनम् … अत्यल्पतममिति धूलिपदेन ध्वन्यते LalitāSaBh. 85. 1 (*on* 119)

अत्यल्पतर (atyalpa-tara) *adj.* very few अत्यल्पतराप्रधानार्थविवादस्य प्रधानभेदकत्वाभावात् S'atDū. 56. 16.

अत्यल्पतस् (atyalpa-tas) *adv.* very scarcely, in very few cases कुष्ठस्या(त्य)ल्पतो न्याय्यं, (रेकं) बहुशश्छर्दनं स्मृतम् BhelaS. 142. 18 (6. 6)

अत्यल्पता (atyalpa-tā) *f.* the state of being very small or insignificant, extreme paucity अमानक्लृप्तिसन्मानव्यवस्थात्यल्पताभवा: । विशेषदृष्टिवाक्ये च पुंशक्ति: सुनिदर्शनम् AnuVyā. 38A. 10 (*on* 3. 2)

अत्यल्पतापादन (atyalpatāpādana) *n.* producing or effecting extreme smallness भेदस्य वस्तुस्वरूपत्वे विदारणप्रसङ्गेनात्यल्पतापादनमप्यसङ्गतमेव NyāySu.(Ja.) 382A. 11 (*on* ii. 2. 6)

अत्यल्पत्व (atyalpa-tva) *n.* **i** the state of being very unimportant, insignificant or scanty षष्ठप्रत्ययोऽप्यर्धपरिच्छित्तिरित्येके । सोऽत्यल्पत्वात् पुरुषेच्छानुविधायित्वेनानियतत्वाच्च नोक्त: MṛtaSaṁ. 237. 17 (*on* 8. 33); अन्नप्राचुर्यकथनस्यात्यल्पत्वात् TattvPrakā. 17A. 12 (*on* i. 1. 13); **ii** extreme paucity, the state of being very few in number सुखाभाववचनानामत्यल्पत्वात् तेषामेवान्यथाकरणं युक्तम् S'āstrDī. 126. 8 (*on* i. 1. 5); **iii** the state of being too small पञ्चाशतमिति । अर्धन्यूनतयात्यल्पत्वम् BālamBha. ii. 13. 1 (*on* 2. 7)

अत्यल्पत्वोक्ति (atyalpatvokti) *f.* the statement of being very small

or little भेदस्यात्यल्पत्वोक्त्या तस्य भानमात्रं न तु तत्त्वत: सोऽस्तीति ध्वनितम् SetuBa. 189. 28.

अत्यल्पदर्शिन् (aty-alpadarśin) *adj.* very much short-sighted पापेन क्रूरेणात्यल्पदर्शिना । श्रुत्वा निहतमाचार्यमश्वत्थामा किमब्रवीत् MahāBhā. vii. 166. 15.

अत्यल्पदेह (atyalpa-deha) *adj.* having a very thin or small body स्पृश्नी(? पृश्नि)स्त्वत्यल्पदेहे स्यात् ParyāS'aRa. 2. 112.

अत्यल्पद्युज्यका (atyalpa-dyujyakā) *f.* the smallest diameter of the circle (in the sky) made by an asterism in its daily revolution कदम्बमे स्फुटक्रान्तिज्यात्यल्पद्युज्यकासमा । वस्तुभूतापि तद्रीत्या नायात्येवं स्थलान्तरे SiddhāTaVi. 255. 19.

अत्यल्पधनसंपद् (atyalpa-dhanasampad) *adj.* having the acquisition of very little wealth अत्यल्पधनसंपदाम् ।···साध्वसं नियतं तेषाम् BṛNāraP. 4. 73.

अत्यल्पनरक (atyalpa-naraka) *m.* very small hell तेषामत्यल्पनरका जम्बूद्वीपसमा मता: VarāṅgaC. 5. 17.

अत्यल्पनरभेद (atyalpa-narabheda) *m.* very little difference in the altitudes अत्यल्पनरभेदो(? दे)ऽपि छायाभेदो न लक्ष्यते SiddhāTaVi. 229. 21.

अत्यल्पपक्ष्मन् (atyalpa-pakṣman) *adj.* the opening of which has very thin and scanty eyelashes नेत्रं चात्यल्पपक्ष्मास्यम् SarvaSiSaṁ. 11. 22.

अत्यल्पपण्य (atyalpa-paṇya) *n.* very small commodity अत्यल्पपण्यदानप्रश्नप्रतिवचनजल्पने मूक: SamaMā. 8. 54.

अत्यल्पपरितुष्ट (atyalpa-parituṣṭa) *adj.* satisfied with very little विपश्चित: । अत्यल्पपरितुष्टस्य संतुष्टस्य धनेन किम् DarpDa. 2. 59.

अत्यल्पपरिवार (atyalpa-parivāra) *adj.* whose retinue is very small प्रत्युद्ययौ तमत्यल्पपरिवारं कुरूद्वह: PāṇḍaC. 11. 252.

अत्यल्पप्रजा (atyalpa-prajā) *f.* very little progeny अचेतनाया अत्यल्पप्रजासर्गकर° ··· °चेतनविशेषरूपच्छागस्वभावख्यापनाय तद्रूपत्वकल्पनं विरुद्धमेव BrahmSūBh.(Rā.) 357. 11 (*on* i. 4. 10)

अत्यल्पप्रपञ्च (atyalpa-prapañca) *m.* elaboration of very few cases अन्यथा समन्वयसूत्रेणैवालम् । किमनेनात्यल्पप्रपञ्चेनेति NyāySu.(Ja.) 125A. 10 (*on* i. 1. 6)

अत्यल्पप्रयोजन (atyalpa-prayojana) *n.* very limited purpose अचेतनाया: ··· °चेतनविशेषैकरूपात्यल्पप्रयोजनसाधन° ··· °चेतनविशेषरूपच्छागस्वभावख्यापनाय तद्रूपत्वकल्पनं विरुद्धमेव BrahmSūBh.(Rā.) 357. 12 (*on* i. 4. 10)

अत्यल्पफल (atyalpa-phala) *n.* very little fruit अहो महदिदं वैचित्र्यं यदेकस्मिन्नेव कर्मणि वर्तमाना: संकल्पमात्रभेदेन केचिदत्यल्पफलभागिन: GītāBh.(Rā.) 475. 2 (*on* 9. 25); *adj.* having very little fruit यत्तु ज्ञानम् ··· एकस्मिन् कर्तव्ये कर्मणि ··· अत्यल्पफले कृत्स्नफलवत्सक्तमहैतुकम् GītāBh.(Rā.) 676. 24 (*on* 18. 22)

अत्यल्पबल (atyalpa-bala) *adj.* with a very small army अत्यल्पबला अपि दुर्गाश्रिता महाबलैररिभिर्न सहसा शक्यन्तेऽभिभवितुम् ManuBh. ii. 23. 18 (*on* 7. 73); बलीयसात्यल्पबल: शूरेण न च विग्रहम् । कुर्यात् S'ukraNī. 4(7). 251.

अत्यल्पबलवत् (atyalpabala-va(n)t) *adj.* possessing a very small army अत्यल्पबलवान् राजा स्थिरो द्वन्द्वबलाद् भवेत् YuktiKa. 17. 7.

अत्यल्पबहुग्राहिणी (atyalpabahu-grāhiṇī) *adj.* (*f.*) catching very little or more न वातिसंनिकृष्टां विप्रकृष्टामत्यल्पबहुग्राहिणीं वा सूचीं पातयेत् AṣṭāSaṁ. i. 187. 22 (1. 38)

अत्यल्पबान्धव (atyalpa-bāndhava) *adj.* having very few kinsmen अल्पमित्रो गृही हीनबाहात्यल्पबान्धव: । स्यात् SamarāSū. 48. 30.

अत्यल्पबिन्दु (atyalpa-bindu) *m.* very few dots अत्यल्पबिन्दुसहिता यदि खेचरेन्द्रा: केमद्रुयोगफलदा विबलाश्च सर्वे JātaPā. 7. 71.

अत्यल्पबीजत्व (atyalpabīja-tva) *n.* the state of possessing very little seed (semen or sperm) पित्रोरत्यल्पबीजत्वादासेक्य: पुरुषो भवेत् SuśrnS. iii. 2. 38.

अत्यल्पबुद्धि (atyalpa-buddhi) *adj.* having very little intellect तेनास्मि ··· अत्यल्पबुद्धिना ··· दूषित: Mṛcch. 10. 28 (174); (कलौ) आसनस्थान्द्विजान्दृष्ट्वा चलन्त्यत्यल्पबुद्धय: SkandP. i(2). 40. 227.

अत्यल्पबोध (atyalpa-bodha) *m.* very little cognition or consciousness स्वापे देहपरिवर्तनादिस्तु ··· अत्यल्पबोधे सति भवति S'rutaPra. iA. 104. 6 (*on* i. 1. 1)

अत्यल्पबोधन (atyalpa-bodhana) *n.* very little knowledge जन्मकाले महज्ज्ञानं शैशवेऽत्यल्पबोधनम् PadmP. iv. 110. 450.

अत्यल्पभक्षण (atyalpa-bhakṣaṇa) *n.* eating very little अन्यत्रात्यल्पहरणे कणानां नात्यल्पल(? भ)क्षणम् ManvaVi. 1427. 13 (*on* 11. 167)

अत्यल्पभाषिन् (atyalpabhāṣ-in) *adj.* speaking very little अव्यक्तजल्पी (v. l. अत्यल्पभाषी) मध्वक्षो मध्यम: पाण्डवो बली MahāBhā. v. 50. 20.

अत्यल्पभेदत्व (atyalpabheda-tva) *n.* the state of having very little difference होमयागयोरत्यल्पभेदत्वाद्धोमात्मके श्राद्धे अनास्थया यजेदित्युक्तिर्युज्यते SmṛtiCan. v. 345. 13.

अत्यल्पम् (aty-alpam) *adv.* very briefly अत्यल्पमिदमुच्यते भयेनेति MahāBh. i. 390. 21 (*on* ii. 1. 37); NyāyMañ. i. 5. 8; ii. 54. 18.

अत्यल्पमात्र (atyalpa-mātra) *adj.* of very little or very small measure अत्यल्पमात्रमपि कर्म कृतं कदाचित् NyāyMañ. ii. 117. 13.

अत्यल्पमूल्य (atyalpa-mūlya) *adj.* of very small value, costing very little अत्यल्पमूल्यो गोमेदो नोन्मानं तु यतोऽर्हति S'ukraNī. 4(2). 81.

अत्यल्पमेधस् (atyalpa-medhas) *adj.* of very poor intellect येऽत्यल्पमेधसस्तेऽपि साधवोऽध्येतुमागमम् । उपचक्रमिरे PariPar. 12. 187; अत्यल्पमेधस: सर्वे तव सब्रह्मचारिण: PariPār. 12. 213.

अत्यल्पयष्टिका (atyalpa-yaṣṭikā) *f.* the very minimum height from the horizon फलोनलम्बमौर्वी स्यात्स्वस्थानेऽत्यल्पयष्टिका । स्वदिग्लवोनलम्बज्या स्थूला वात्यल्पयष्टिका SiddhāTaVi. 198. 21.

अत्यल्पर्षभगान्धार (atyalparṣabhagāndhāra) *adj.* with very rare *ṛṣabha* and *gāndhāra* (notes) अत्यल्पर्षभगान्धारं पन्यासं मधभूरि च SaṁgīRa. i. 276. 9 (1(8). 8)

अत्यल्पलब्धा (atyalpa-labdhā) *adj.* (*f.*) received in a very small quantity ततो दुर्भिक्षमाहात्म्याद्भिक्षयात्यल्पलब्धया । सारयित्वा गुरूणां तौ भुञ्जानौ PariPar. 8. 383.

अत्यल्पविभव (atyalpa-vibhava) *m.* very little wealth or fortune भट्ट: ··· अत्यल्पविभवपरिप्लुतमात्मगोचरं भवान्तरमाकर्ण्य YaśasCam. ii. 309. 27.

अत्यल्पविषयाधिप (atyalpaviṣayādhipa) *m.* ruler of very small territory स मेने विधिरात्मानमत्यल्पविषयाधिपम् BrahmVaiP. iv. 33. 74.

अत्यल्पवृष्टि (atyalpa-vṛṣṭi) *f.* **1** too much or too little rain प्रावृष्यत्यल्पवृष्टिभ्यां कालेऽप्येवं कुत: सुखम् PadmP. ii. 66. 153; **2** very little rain शेषेषु पादत्रितयेषु भीतिरत्यल्पवृष्टिर्महती गदा च VasiSaṁ. 2. 9.

अत्यल्पशिल्पिन् (atyalpa-śilpin) *adj.* having very little skill तं नृशंसेन पापेन क्रूरेणात्यल्पदर्शिना (v. l. अत्यल्पशिल्पिना) । श्रुत्वा निहतमाचार्यम् MahāBhā. vii. 166. 15.

अत्यल्पश्रम (atyalpa-śrama) *adj.* exerting very little सोऽत्यल्पश्रम एव मण्डलयुतो गम्भीरवेदी पृथुर्मन्देभानुकृति: बलीरितवपु: स्यात्सान्द्रपर्वा नृप: YaśasCam. i. 493. 3.

अत्यल्पसत्त्व (atyalpa-sattva) *n.* possessing very little strength का कथात्यल्पसत्त्वाभिभूतां विद्यान्नजारणे PrabhāC. 58. 4.

अत्यल्पसाध्य (atyalpa-sādhya) *n.* very negligible objective ददाह तां पुरीं चक्रं सकलामेव सत्वरम् । अक्षीणामर्षमत्यल्पसाध्यसाधननिस्पृहम् BrahmP. 207. 43.

अत्यल्पसुख (atyalpa-sukha) *n.* very little pleasure अत्यल्पसुखदातृत्वात्कनिष्ठोऽयं स्मृतो बुधै: DeviBhāP. v. 16. 20.

अत्यल्पसैनिक (atyalpa-sainika) *adj.* having very few soldiers तस्मिन्नत्यल्पसैनिके । न तै: प्रहृतम् RājTa.(Ka.) 8. 252.

अत्यल्पहार (atyalpa-hāra) *m.* the smallest divisor अत्यल्पहारं प्रथमं विलिख्याधिकक्रमात्ते सकला विलेख्या: SiddhāTaVi. 406. 2.

अत्यल्पहृदय (atyalpa-hṛdaya) *adj.* extremely small-minded गोप्यं रहस्यभणितमत्यल्पहृदयातिथि । अमृतं पारतमिव नाल्पसत्त्वै: सुदुर्जरम् RājTa.(Ka.) 7. 1690.

अत्यल्पागस् (atyalpāgas) *adj.* who has committed a very slight offence मानिनि ··· अत्यल्पागसि ··· कान्ते पदान्तानते कोऽयम् ··· कोपस्त्वयालंकृत: PadyaVe. 487.

अत्यल्पान्तर (atyalpāntara) *n.* difference between the smallest visible forms of heavenly bodies (like the sun and the moon) नवत्यंशैर्नतांशैरल्पात्यल्पान्तरयोरन्तरं तदेष्टैर्नतांशै: किमिति लब्धमुदयस्थितान्तरे युतं स्वेष्टान्तरं स्याद् दृश्यादृश्यबिम्बयोस्तदर्धमिते ग्रासे ग्रस्तं न लक्ष्यं नृभि: SiddhāTaVi.(S'eṣaVā.) 35. 4.

अत्यल्पायुस् (atyalpāyus) *adj.* who has a short (span of) life अत्यल्पायुरयं बालो भावी श्रुतधर: कथम् PariPar. 5. 82.

अत्यल्पौषधत्व (atyalpauṣadha-tva) *n.* very little quantity of medicine (अ)त्यल्पौषधत्वात् (दुर्योगातियोगौ) KāśyaS. 156A. 34.

अत्यवगाढा (aty-avagāḍhā) *adj.* (*f.*) **1** very advanced or deve-

loped सरसीमिवात्यवगाढां दशां चतुर्थीमुत्सृजन्तम् …अपश्यत् (हस्तिनम्) HarṣaC. 103. 3; **ii** very much dived into, HarṣaC. 103. 3.

अत्यवधान (aty-avadhāna) *n.* extreme attention क्रियादिपरामर्शे सभ्यादीनामत्यवधानेन व्यवहारशेषविचारः VīraMi. (Vyavahāra.) 71. 27.

अत्यवनत (aty-avanata) *adj.* bent very low अत्यवनतशिरसोऽतिदूरगमनात् AṣṭāSaṁ. i. 156. 14 (1. 29); बडिशोऽत्यवनतमुखः … ग्रहणे AṣṭāSaṁ. i. 172. 7 (1. 34); i. 140. 1 (1. 27)

अत्यवपीड (aty-avapīḍa) *m.* excessive use of nasal ointment दीर्घे महास्रोतसि च ज्ञेयमत्यवपीडवत् SuśruS. iv. 36. 10.

अत्यवश्यम् (aty-avaśyam) *adv.* quite certainly [DBHS]

अत्यवसृज् (aty-avasṛj-) VI. P. to let loose. to let go, to discharge कार्मुकमादाय … । तत्राधाय शरम् … आचार्यः … अभ्य (v. l. त्य)वासृजत् MahāBhā. vii. 101. 61; स्वरश्मीनभ्य (v. l. त्य) वसृजेत् … कालवित् MahāBhā. xii. 88. 32; धेनुं सवत्सामभ्य (v. l. त्य GORR. Ed.) वासृजत् (भरतः) Rāmā. ii. 1812* (74)

अत्यवसृत्य (aty-avasṛtya) *ger.* having receded अभ्य (v. l. त्य) वसृत्यैव संग्रामादुत्तरां दिशम् । अतिष्ठदाहवे द्रोणो विधूम इव पावकः MahāBhā. vii. 161. 21.

अत्यवसेचन (aty-avasecana) *n.* causing excessive bleeding वायुः … मृत्युं चात्यवसेचनात् कुर्यात् CaraS. vi. 29. 40 (1941 Ed.)

अत्यवस्थ (aty-avastha) *adj.* transcendent of all (three) stages (wakeful, dream and sleep) वक्ष्यामि वत्स तव वाञ्छितमत्यवस्थम् SaṁkṣeŚā. 1. 93 (i. 85. 15)

अत्यवस्था (aty-avasthā) *f.* extremely (bad) condition कुमारावत्यवस्थया … आगत्यारक्षान्तिके स्थितौ PārśvC. 2. 835.

अत्यवहन (aty-avahana) *n.* complete absence of carrying (burden) वाजिनामत्यवहनात् सुदोषाः संभवन्ति हि । कृशः … जायतेऽत्यन्तवाहनात् S'ukraNī. 4(7). 120.

अत्यवहित (aty-avahita) *adj.* very harmful (वृक्कादि मांसात्) जुगुप्सया वा विपाकेऽत्यवहितं भवेत् BhelaS. 128. 20 (6. 4)

अत्यवहितत्व (atyavahita-tva) *n.* great attentiveness नन्वत्यवहितत्वे तमपि न शृणोत्येव Bhāsk. i. 378. 19 (*on* i. 7. 10)

अत्यवहेला (aty-avahelā) *f.* great disregard वीरेणात्यवहेलया विरचितोपेक्षो जडः …विश्वं तृणं मन्यते RājTa.(Jo.) 934.

अत्यवाक्शिरस् (atyavāk-śiras) *adj.* whose head is extremely bent down अत्यवाक्शिरसो नस्यम् … मस्तुलुङ्गेऽवतिष्ठति CaraS. viii. 9. 101 (1941 Ed.)

अत्यवाक्शीर्ष (atyavāk-śīrṣa) *adj.* with too low a head (of the bed) उच्चकैरत्यवाक्शीर्षम् … (शयनम्) परित्यजेत् AṣṭāSaṁ. ii. 164. 14 (5. 7)

अत्यवि (áty-avi) *adj.* [AltGr. II. i. 311] passing through the strainer (of sheep's wool) सोमः … अर्षति … अत्यविः । वायोः … निष्कृतम् ṚV. ix. 13. 1; SV. II. v (1). 3. 1; धीभिर्हिन्वन्ति … वने क्रीळन्तमत्यविम् ṚV. ix. 106. 11; SV. II. iii(1). 18. 2; ṚV. ix. 6. 5; ix. 45. 5.

अत्यवे (aty-ave-) II. P. to know excellently सर्वैरेभिः समायुक्तं सात्यवैदुक्तिकौशलम् PadmP.(Ra.) 24. 35; Kapphiṇā. 8. 10.

अत्यवेक्ष् (aty-avekṣ-) I. P. to look after well संकीर्णानि च धान्यानि नात्यवेक्षत् कुटुम्बिनी MahāBhā. xii. App. 22 (10)

अत्यव्यवस्थितत्व (atyavyavasthita-tva) *n.* the state of being disorderly or deranged पौराणिकस्य वंशानुपूर्वीमध्यगतजन्मक्रमस्यात्यव्यवस्थितत्वात् तदनुरोधेन गोत्रप्रवरनिर्णयस्याकिंचित्करत्वात् VīraMi.(Saṁskāra.) 658. 12.

अत्यश् (aty-aś-) IX. U. **i** to eat violating the prescribed order य्द्यु अश्नाति देवानत्यश्नाति … यस्य हविर्न गृह्णन्ति तेनो देवान्नात्यश्नाति S'atBr. I. i. 1. 9; अनवक्लृप्तं यो मनुष्यान् वसतोऽत्यश्नाद् अनवक्लृप्तमिदु तदसद्यो देवान् वसतोऽत्यश्नात् S'atBr.(K.) II. i. 4. 1; XI. i. 7. 1; (K.) II. i. 1. 6; (गान्धारी) बबन्ध नेत्रे स्वे … नात्यश्नीयां पतिमहमिति MahāBhā. i. 103. 13; अहं पतीन् … नात्यश्ने MahāBhā. iii. 222. 36; (पितृमातृगुरून्) नैतानतिशयेज्जातु नात्यश्नीयात् MahāBhā. xii. 109. 10; iii. 197. 13; **ii** to eat too much cf. **अत्यश्नत्.**

अत्यशक्त (aty-aśakta) *adj.* very much weak अत्यशक्तविषयमेवाशिरस्कस्नानं गौणम् BālamBha. i. 344 (? 324). 4 (*on* 1. 100)

अत्यशक्ति (aty-aśakti) *f.* excessive weakness आलस्यान्मूर्खसंयोगाद्भयाद्रोगनिपीडनात् । अत्याशक्याच्च (? अत्यशक्त्या च) मानाच्च षड्भिर्विद्या विनश्यति MāṇḍūS'i. 16. 15.

अत्यशक्य (aty-aśakya) *adj.* extremely impossible अत्यशक्ये तु निद्रादौ पुनरेव समाचरेत् AnuVyā. 49A. 9 (*on* 3. 3)

अत्यशन (aty-aśana) *n.* immoderate eating अतिथीनन्नपानेन भृत्यानत्यशनेन (संभोज्य शेषमश्नीमः) MahāBhā. iii. 182. 19 (BhārBhāDī. अशनादधिकेन दानमानादिना); कार्शितस्यात्यशनात् … श्लेष्मा … प्रकोपमापद्यते CaraS. ii. 3. 10 (1941 Ed.); न चैवात्यशनं कुर्यात् ManuSm. 2. 56; BhaviP. 12A. 9 (i. 3. 48); ViṣṇuSm. 99. 19; अत्यशनं ज्ञेयमतिमात्रोपयोगतः KāśyaS. 260B. 14; AṣṭāSaṁ. i. 130. 4 (1. 25); BālaKrī. ii. 118. 25 (*on* 3. 250 (? 256)); और्वस्यात्यशनं विधाय शिखिनः … प्राप्तास्तलं पर्वताः BālRā. 7. 48; अत्यशनम् … अध्यशनमत्र संत्याज्यम् YaśasCam. i. 513. 3; अत्यशनानशने योगविरोधिनी GītāBh.(Rā.) 335. 7 (*on* 6. 16); Aparā. 221. 7 (*on* 1. 154); SmṛtiCan. i. 115. 1; ManvaVi. 486. 8 (*on* 4. 62); अतिपानं चात्यशनम् … विवर्जयेत् RasaCin. 3. 86 (37. 1); मूर्च्छाश्च पश्चात्यशनाविदग्धाहारधान्यजाः Hastyāyur. 48. 24 (1. 7); 86. 10 (1. 12); 19. 21 (1. 2); 79. 4 (1. 11); 94. 10 (1. 13); 139. 1 (1. 18); 251. 2 (2. 44); *m.* the twelfth day of the Karmamāsa द्वादशोऽत्यशनः … चतुर्दशोऽग्निवेश्मा- (? श्यः) पञ्चदश उपशमः एतानि दिवसानां क्रमेण नामधेयानि comm. on Sūryaprajñāpati 147B. 10 (*on* 48); *adj.* eating immoderately अत्यशने … कन्या न दीयते PadmP. v. 49. 97.

अत्यशनत्याग (atyaśana-tyāga) *m.* abstention from overeating प्रणीतात्यशनत्यागाद् ब्रह्मचर्यं तु भावयेत् YogS'ā. 1. 31.

अत्यशनप्रतिषेध (atyaśana-pratiṣedha) *m.* prohibition of overeating दृष्टमूलतामत्यशनप्रतिषेधस्याचष्टे ManuBh. i. 105. 3 (2. 57)

अत्यशित (aty-aśita) *adj.* superceded in eating अत्यशिता ह वा एतस्यास्याग्नयो भवन्ति BhārS'S. vii. 23. 12; **ii** who has overeaten नात्यशितः … व्यवायं गच्छेत् CaraS. i. 8. 22; ii. 3. 6; नानाशितो नात्यशितो वृष्याणां तर्पितस्त्र्यहात् (नारीं) व्रजेत् AṣṭāSaṁ. i. 60. 9 (1. 6); (जठरं) पूर्णं स्थूलं व्याधिते स्यात्तुन्दिलेऽत्यशिते तथा SaṁgīRa. iv. 126. 9 (7. 356)

अत्यशितृ (aty-aśitṛ) *adj.* eating in excess अत्यशितुर्दुःखेनान्नपरिणामः NītiVā. 25. 47.

अत्यशुचि (aty-aśuci) *adj.* extremely impure अत्यशुचिः स देहः शुध्यते कथम् PadmP. ii. 66. 73.

अत्यशुभा (aty-aśubhā) *adj.* (*f.*) very inauspicious न चैवात्यशुभा पृष्ठमुखी शतपदी मता S'ukraNī. 4 (7). 106.

अत्यश्नत् (aty-aśnat) *adj.* overeating नात्यश्नतस्तु योगोऽस्ति BhagGī. 6. 16; अत्यश्नतोऽतिपिबतः … दोषा घोराः प्रकुप्यन्ति BhelaS'. 39. 19 (1. 25); न अत्यश्नतः आत्मसंमितमन्नपरिमाणमतीत्य अश्नतः अत्यश्नतः न योगः अस्ति GītāBh. (S'aṅ.) 194. 1 (*on* 6. 16)

अत्यश्यानदशाञ्चल (atyaśyāna-daśāñcala) *adj.* with the fringes and hem (of the garment) being not dry (i. e. too wet) ददर्श सा … ऋषिसत्तमम् … ह्यत्यश्यानदशाञ्चले वसानं वल्कलयुगे SkandP. i(3). 18. 37.

अत्यश्रुपात (aty-aśrupāta) *m.* too much shedding of tears अत्यश्रुपातकलुषीकृतगण्डदेशा नैच्छद्दरिद्रगृहिणी रजनीविरामम् SaduktiKa. 309. 25.

अत्यश्वयत् (aty-aśvayat) *adj.* crossing with the help of a horse अतिक्रामति तु तेन यः । अत्यश्वयत् KośaKaTa. 2. 263.

अत्यष्ट (aty-aṣṭa) *adj.* nine (*lit.* beyond eight) अत्यष्टाश्चाभिमुखा ग्रहाः (अभवन्) DvyāśraKā. 1. 195.

अत्यष्टन् (aty-aṣṭan) *adj.* nine (*lit.* beyond eight) अत्यष्टानोऽत्र निधयः DvyāśraKā. 1. 195.

अत्यष्टि (aty-aṣṭi) *f.* [DEBRU. p. 641] name of a metre ततो अष्टाषष्टिः अत्यष्टिः ṚPrā. 16. 54; तथा सप्तदशात्यष्टिः NāṭyaS'ā. 14. 50; छन्दसां नामानि … अष्टिः अत्यष्टिः Jānāśra. 1. 2; अत्यष्टिर्नामाष्टषष्ट्यक्षरं छन्दः Jānāśra. 4. 82; JayaChand. 4. 4; ChandaSū. 41. 5 (4. 7); VṛttaRa. 73. 2 (1. 19); ह्यष्टिरत्यष्टिरेव च … एतासां छन्दसां संख्या ĪśānS'iPa. i. 1. 86; Mānaso. iv. 2. 220; अत्युक्ता … अत्यष्टि-धृति-अतिधृतयः एकैकवृद्धाः Chandonu. 2. 4; अत्यष्टौ यम्नस्भलाः शिखरिणी चैः Chandonu. 2. 286; KalpaK. 78. 90; **ii** the number seventeen अत्यष्टौ च प्रतिनियमिता वर्णतः स्पष्टरूपा NāṭyaS'ā. 15. 109; अष्टयत्यष्टिधृत्यतिधृतिसंख्या वा दर्भाः ĪśānS'iPa. ii. 9. 11; अत्यष्टयङ्गुलमानान्ते ब्रह्मवाय्वन्तरालगे VāstuVi. 42. 2 (4. 19); अत्यष्टितिथ्यर्कनवेषुदस्राः GrahaGa. 41. 24 (8. 13); अत्यष्टिसंख्यैरिषुवर्गसंख्यैर्द्व्यैरथैतैः क्रमवर्धितैश्च TantrSa. 8. 116; अत्यष्टयष्टिवृषार्कगोशरदृशः खण्डानि (मन्दफलानयने) GrahaLā. 7. 10; S'ilpaRa. i. 5. 63; SiddhāTaVi. 108. 19; GaṇīNā. 32.

अत्यष्टिगदित (atyaṣṭi-gadita) *adj.* called Atyaṣṭi यदा लौ गश्चान्ते भवति चरणेऽत्यष्टिगदिते (शिखरिणी) NāṭyaS'ā. 15. 102.

अत्यष्टिभागतस् (atyaṣṭibhāga-tas) *adv.* by (measuring) seventeen parts तस्मान्मेढ्रस्य मूलान्तमूरू चात्यष्टिभागतः S'ilpaRa. ii. 13. 3.

अत्यष्टिभागयुक्त (atyaṣṭibhāga-yukta) *adj.* consisting of seventeen

degrees अत्यष्टिभागयुक्तेऽस्मिन् केतुसंज्ञोऽपरो विष: VasiS. 42. 64.

अत्यष्टिमात्रक (atyaṣṭimātra-ka) *adj.* of the measure of seventeen (*aṅgulas*) विकारांशैर्घनं तस्मादधश्चात्यष्टिमात्रकै: ĪśānS'iPa. ii. 41. 118.

अत्यष्टिवर्ण (atyaṣṭi-varṇa) *adj.* of seventeen syllables ठद्वयं मनु: … अत्यष्टिवर्णस्तारादिरयं भूहृदयाह्वय: ĪśānS'iPa. i. 26. 67.

अत्यष्टिसंज्ञ (atyaṣṭi-saṁjña) *adj.* which is termed Atyaṣṭi (i. e. a kind of metre consisting of 17 syllables) अत्यष्टिसंज्ञं छन्दश्च तथा सप्तदशाक्षरम् ViṣṇuDhaP. iii. 3. 5.

अत्यष्टिसंज्ञक (atyaṣṭisaṁjña-ka) *adj.* which is turmed Atyaṣṭi (i. e. metre S'ikhariṇī) छन्दस्यत्यष्टिसंज्ञके । वृत्तभेदे शिखरिणी NānārthāSaṁ. ii. 207. 1836.

अत्यष्टिहस्त (atyaṣṭi-hasta) *m.* (measure of) seventeen cubits अत्यष्टिहस्तादारभ्य आ त्रिषष्टिकराततात् । छन्दानि पञ्च भौमादि भवन्त्यार्कतलादिह ĪśānS'iPa. ii. 30. 14.

अत्यष्ट्यंश (atyaṣṭy-aṁśa) *adj.* which consists of seventeen parts अत्यष्ट्यंशे तु लिङ्गामे भागं त्रेधा विभज्यतु S'ilpaRa. ii. 3. 35; *m.* seventeen parts जङ्घादैर्घ्यं च तत्तुल्यमत्यष्ट्यंशैस्तलायति: ĪśānS'iPa. ii. 42. 30.

[1]**अत्यस्** (aty-as-) II. P. to excel, to surpass सेदग्निरग्नींरत्यस्त्वन्यान् ṚV. vii. 1. 14; श्रिया समानानति सर्वान्त्स्याम AV. xi. 1. 12.

[2]**अत्यस्** (aty-as-) IV. P. **i** to throw beyond यद् अत्यस्येद् अस्मिन् लोके प्रतितिष्ठेद् अव स्वर्गाल्लोकाच्छिद्येत JaimiBr. 1. 86; **ii** to place over उपर्युपर्यक्षं पवित्रमत्यस्यति JaimiS'S. 9.

अत्यसंस्थितात्मन् (aty-asaṁsthitātman) *adj.* whose mind is extremely unsteady or wavering बन्धुवियुक्तोऽत्यसंस्थितात्मा च … मकरे बुधे पुरुष: Sārā. 26. 20.

अत्यसदृश (aty-asadṛśa) *adj.* highly improper, very unbecoming or unbefitting तत् प्रसीद विधत्त न खेदं दूत्यमत्यसदृशं हि ममेदम् NaiṣC. 5. 115.

अत्यसद्भाव (aty-asadbhāva) *m.* total or absolute negation अत्यसद्भावमिवात्मन: प्रतिपद्य नि:सङ्गभावमत्रजम् UdaySuKa. 70. 28.

अत्यसन (aty-asana) *n.* dropping or passing over (so as to intervene in the main action) अत्यसनेन तर्षणेन च गवां पानक्रिया व्यवधीयते KāśiVṛ. *on* P. iii. 4. 57 = Prasā. ii. 697. 12 = SiddhāKau. 584B. 23.

अत्यसंतुष्ट (aty-asantuṣṭa) *adj.* completely dissatisfied सहिष्णुरत्यसन्तुष्ट: शीघ्रगोऽदितिधिष्ण्यज: NāraS. 52. 7.

अत्यसम (aty-asama) *adj.* very uneven, very rough [MW]

अत्यसंबद्ध (aty-asambaddha) *adj.* very incongruous, absolutely unconnected तदत्यसंबद्धम् । न ह्याततायिहनने दोष: कस्यापि संमत: VīraMi. (Vyavahāra.) 20. 27.

अत्यसंबद्धप्रलापिन् (atyasambaddha-pralāpin) *adj.* who speaks inconsiderately and extremely incoherently (स:) अवोचदत्यसंबद्धप्रलापी कल्पकद्विज: PariPar. 7. 133.

अत्यसह्य (aty-asahya) *adj.* extremely unbearable ततो महामेघमहीश्वराभं प्रभिन्नमत्यङ्कुशमप्रसह्यम् (v. l. अत्यसह्यम्) Rāmā. ii. 305*(16)

अत्यसार (aty-asāra) *adj.* absolutely worthless or insubstantial तदेतेनात्यसारेण सुकृतं यदुपार्ज्यते । तदेव सारं संसारे कृतबुद्धिभिरुच्यते KathāSaSāg. xii. 27. 107.

अत्यसित (aty-asita) *adj.* very dark असित (v. l. अत्यरसित? अत्यसित *nt*) धवलरक्तत्रिभागभासुर: DaśKuC. 110. 20.

अत्यसिद्ध (aty-asiddha) *adj.* totally not established येनैव च प्रकारेणात्यसिद्धमनुमीयते । तेनैव शशशृङ्गादे: शक्यमस्तित्वकल्पनम् AnuVyā. 25B. 5 (*on* 2. 2); अत्यसिद्धमित्यनेनागमानादरं दर्शयति NyāySu.(Ja.) 353A. 10 (*on* ii. 2. 6)

अत्यसूयक (aty-asūyaka) *adj.* excessively jealous श्रेणिकस्य पुरं प्राप कोऽपि देवोऽत्यसूयक: BṛKathāK. 9. 6.

अत्यसूया (aty-asūyā) *f.* excessive jealousy सरोषमोष्ठौ निर्भुज्य पश्यन्त्येवात्यसूयया SkandP. i(2). 21. 139.

अत्यसृक्क्षय (aty-asṛkkṣaya) *m.* excessive loss of blood वेगसंधारणाद्रौक्ष्याद् व्यायामादत्यसृक्क्षयात् ।… ज्वर: संजायते नार्या: KāśyaS. 307B. 8.

अत्यस्त (aty-asta) *adj.* casting beyond, overcoming द्वितीया श्रितातीतपतितगतात्यस्तप्राप्तापन्नै: P. ii. 1. 24; इनच्छ्रितातीतपतितगतात्यस्तै: JaineVyā. i. 3. 21; द्वितीया श्रितातीतपतितगतात्यस्तगमिगामिबुभुक्ष्वादिभि: SaraKaṇṭhā.(Gr.) iii. 2. 34; प्रास्तं प्रत्यस्तमत्यस्तं सहसा निघ्नतोऽपि च ।… सहसा परिणीतस्य दन्तिन: Hastyāyur. 342. 22 (2. 72); तरङ्गानत्यस्त: तरङ्गात्यस्त: तुहिनात्यस्त: KāśiVṛ. *on* P. ii. 1. 24.

अत्यस्तग (atyastaga) *adj.* **i** dead, departed रक्तवक्त्रममलद्युतिसंध्या । भासते रविमनुव्रजमानात्यस्तगं पतिमतीव सतीव PadyaVe. 559; **ii** completely set, PadyaVe. 559.

अत्यस्ति (aty-asti) *adj.* beyond existence उपसर्जने मा भूत् ।– अत्यस्ति: JaineVyā. 17. 23 (*on* i. 1. 74)

अत्यस्तिका (aty-astikā) *f.* a certain posture, presumably of the hands [DBHS]

अत्यस्त्र (aty-astra) *n.* absence of occasion for weapons दु:सुराष्ट्रम् ·– विधायिषु । तेष्वत्यस्त्रं ब्रुवन्तोऽनुद्विपं जग्मुर्द्विषद्भटा: DvyāśraKā. 5. 40 (comm. शस्त्राणां ग्रहणे प्रस्तावाभावं ब्रुवन्त:)

अत्यस्थि (aty-asthi) *adj.* beyond (i. e. without) bones, boneless अत्यस्था KātanVṛ. *on* ii. 2. 13.

अत्यस्मद् (aty-asmad) *adj.* [the forms and meanings of this adjectival form of the 1 per. pronoun are exactly parallel to those of **अतियुष्मद्** which should be referred to for them and also for references to grammatical works. Here only the forms are listed in the order in which the forms of *atiyuṣmad* are given. I. Singular number of the subordinate referent; Nom. sg. अत्यहम् Acc. sg. अतिमाम् Inst. sg. अतिमया Dat. sg. अतिमह्यम् Abl. sg. अतिमत् Gen. sg. अतिमम Loc. sg. अतिमयि Nom. du. अतिमाम् Acc. du. अतिमाम् Inst. du. अतिमाभ्याम् Dat. du. अतिमाभ्याम् Abl. du. अतिमाभ्याम् Gen. du. अतिमयो: Loc. du. अतिमयो: Nom. pl. अतिवयम् Acc. pl. अतिमान् Inst. pl. अतिमाभि: Dat. pl. अतिमभ्यम् Abl. pl. अतिमत् Gen. pl. अतिमाकम्, अतिमयाम् Loc. pl. अतिमासु II. Dual number of the subordinate referent; Nom. sg. अत्यहम् Acc. sg. अत्यावाम् Inst. sg. अत्यावया Dat. sg. अतिमह्यम् Abl. sg. अत्यावत् Gen. sg. अतिमम Loc. sg. अत्यावयि Nom. du. अत्यावाम् Acc. du. अत्यावाम् Inst. du. अत्यावाभ्याम् Dat. du. अत्यावाभ्याम् Abl. du. अत्यावाभ्याम् Gen. du. अत्यावयो: Loc. du. अत्यावयो: Nom. pl. अतिवयम् Acc. pl. अत्यावान् Inst. pl. अत्यावाभि: Dat. pl. अत्यावभ्यम् Abl. pl. अत्यावत् Gen. pl. अत्यावाकम्, अत्यावयाम् Loc. pl. अत्यावासु; III. Plural number of the subordinate referent; Nom. sg. अत्यहम् Acc. sg. अत्यस्माम् Inst. sg. अत्यस्मया Dat. sg. अतिमह्यम् Abl. sg. अत्यस्मद् Gen. sg. अतिमम Loc. sg. अत्यस्मयि Nom. du. अत्यस्माम् Acc. du. अत्यस्माम् Inst. du. अत्यस्माभ्याम् Dat. du. अत्यस्माभ्याम् Abl. du. अत्यस्माभ्याम् Gen. du. अत्यस्मयो: Loc. du. अत्यस्मयो: Nom. pl. अतिवयम् Acc. pl. अत्यस्मान् Inst. pl. अत्यस्माभि: Dat. pl. अत्यस्मभ्यम् Abl. pl. अत्यस्मद् Gen. pl. अत्यस्माकम्, अत्यस्मयाम् Loc. pl. अत्यस्मासु]

अत्यस्य (atyas-ya) *ger.* **A** having driven out or turned out एवं तं दूतमत्यस्य दूरं वाक्यमपास्य स: ।… स्थित: कर्तव्यवस्तुनि PadmP.(Ra.) 108. 22; **Bi** having gone over or crossed (distance) कालेषु इति किम् । योजनमत्यस्य गा: पाययति KāśiVṛ. *on* iii. 4. 57; **Bii** having passed (time) (तृष्यस्वो: क्रियान्तरे काले) क्रियान्तर इति किम् । अहरत्यस्य गत: । अत्रास्यतिर्न क्रियान्तरे वर्तते किन्तु गतावेव JaineVyā. 142. 24 (*on* ii. 4. 42); **C** having discharged कृत्स्नमहरिषूनत्यस्य क्षिप्त्वा गत इत्यर्थ: PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. iii. 4. 57.

अत्यस्यत् (aty-asyat) *adj.* attacking, assailing बहुभिश्चैकमत्यस्यन्नेकेन च बहूञ्जनान् । विनियोक्ष्याम्यहं बाणान् नृवाजिगजमर्मसु Rāmā. ii. 20. 31.

अत्यहंकर्तृकर्मा (atyahaṅkartṛ-karmā) *adj.* (*f.*) **1** whose object is exclusively ego as the subject अनेन गुणलेशेन ह्यत्यहंकर्तृकर्मया । लक्ष्यतेऽसावहंवृत्त्या NaiṣkaSi. 166. 4 (comm. अतिशयेनाहंकर्तैव कर्म विषयो यस्या:); **2** (atyahaṅkartṛkarmā) transcending the ego as the subject and the object, NaiṣkaSi. 166. 4 (comm. अहंकर्तारं प्रमातारं तत्कर्म च देहघटादिकर्मातीत्य या वर्तते)

अत्यहंकारदूषित (atyahaṅkāra-dūṣita) *adj.* defiled by excessive egotism यदा यदा ममाज्ञानमत्यहंकारदूषितम् । तदा तदापनेतव्यं त्वयैव परमेश्वर LiṅgaP. i. 96. 96.

अत्यहंकृत (atyahaṁ-kṛta) *adj.* associated with great egotism तथाख्यातै: पुरावृत्तैर्हर्षो मे नात्यहंकृतै: PrabhāC. 130. 6.

अत्यहस्कर (aty-ahaskara) *adj.* excelling the sun त्रिकरोऽभूत् पुमर्थेषु तेजसा सोऽत्यहस्कर: DvyāśraKā. 11. 59.

अत्यहस्करतेजस्क (atyahaskaratejas-ka) *adj.* surpassing solar effulgence or radiance अत्यहस्करतेजस्क प्रतापविजितानल । किंचिद्विज्ञप्तुकामा: स्म: SkandP. iv. 43. 85.

अत्यह:स्वप्न (aty-ahassvapna) *m.* excessive sleep by day अत्यह:स्वप्नशीताम्बुश्लैष्मिकस्तन्यसेविन: । शिशो: AṣṭāSaṁ. ii. 182. 4 (6. 2)

अत्यहित (aty-ahita) *n.* greatest harm (स दैत्य:) प्रबुध्याहारकाले तु कुर्यादत्यहितं तव KathāSaSāg. xvi. 2. 45; स एव निधनं गच्छेदिच्छेदत्यहितं

सताम् PāṇḍaC. 2.216.

अत्यहृद्य (aty-ahṛdya) *adj.* most repulsive or unsavoury भवति जुगुप्साप्रकृतिर्वीभत्सः सा तु दर्शनाच्छ्रवणात् । संकीर्तनात्तथेन्द्रियविषयाणामत्यहृद्यानाम् Kāvyālaṅ.(Ru.) 15.5.

अत्यह्न (aty-ahna) *adj.* exceeding a day अहरतिक्रान्तः अत्यह्नः KāśiVṛ. *on* P. v. 4.88; MugdhaBo. 6.50 (59.15); SiddhāKau. 185A. 9; PrakriKau. i. 554. 1.

अत्यह्नेन्दुमुखी (atyahnendu-mukhī) *adj.* (*f.*) whose face is (beautiful) like the moon beyond the day-time (i.e. at night) (गृहम्) तयात्यह्नेन्दुमुख्या स पूर्वाह्नार्कप्रभोऽविशत् DvyāśraKā. 19.132.

अत्या (atyā) *f.* mare (Grass.) तिस्रो म॒हीरुप॑रास्तस्थुरत्या॑: ṚV. iii. 56.2 [Geld. suggests *dty ā*]

अत्याकरण (aty-ākaraṇa) *n.* carrying away दक्षिणानामत्याकरण इति । सूत्रं शालीके: BaudhŚS. iii. 108.3.

अत्याकरालगोज्वाल (atyākarālagojvāla) *m.* name of a tribe अत्याकरालगोज्वाला हीनाना वनपातकाः ।··· ते पिबन्ति महाभागाः प्रथमां तु महानदीम् VāyuP. i. 44.12.

अत्याकर्षण (aty-ākarṣaṇa) *n.* excessive pulling or dragging अत्याकर्षणखिन्नाङ्गवासुकेर्मुखफूत्कृतैः । इतौजसोऽतिखिन्नाश्च दैत्या निष्प्रालवद्द्रुमुः SkandP. ii(9). 11. 31.

[1]**अत्याकार** (atyā-kāra) *m.* utterance of the expression *atyā* (*ati-ā*?) (to show contempt, insult, blame etc.) गोत्रचरणाच्छ्लाघात्याकारतदवेतेषु P. v. 1.134; अत्याकारः पराधिक्षेपः KāśiVṛ. *on* v. 1.134; वृद्धचरणाच्छ्लाघात्याकारावेते JaineVyā. iii. 4.124; ŚākaṭāVyā. iii. 3.21; अत्याकारः परिभवः AbhidhāRaMā. 4.19 = Vaija. 97.171; आक्षेपोऽत्याकारः TrikāŚe. iii. 2.29; अत्याकारो निकारश्च AbhidhāCin. 442; SiddhaHe. vii. 1.75; श्लाघात्याकारौ गार्गिकाकाठिकाभ्यां भाषेतामात्यः DvyāśraKā. 18.16; अत्याकारस्त्वधिक्षेपे परे पुनः अवज्ञायाम् NānārthāSaṁ. iii. 27.20–21; पराभवः ··· निवेदितः । अत्याकारनिराकारौ ParaNā. 188; अत्याकारोऽपि धिक्कारः KośaKaTa. 1.1988.

[2]**अत्याकार** (aty-ākāra) *adj.* having very large form or body अत्याकारः ~ पुनरत्याकृतिनि NānārthāSaṁ. iii. 27.21.

अत्याकीर्णजनता (atyākīrṇajana-tā) *f.* the state of having overcrowded people अयं हि तावदत्याकीर्णजनतया प्रकीर्णवीचिवलय इव सलिलनिधिः ··· कुसुमपुरराजमार्गः DhūrtaViSaṁ. 6.17.

अत्याकुल (aty-ākula) *adj.* [*f.* -ā] **i** greately confused or bewildered or confounded संशोषिते संयति मेघनादमहानदे ···। तदाश्रयैस्तत्पुरवासिलोकैरत्याकुलैर्मीनकुलायितं तैः RāmC. (App. 2) 39.71; पुमानिति ···। विवेकरहिताशयः ··· न वेत्ति गतमप्यह्नो जगति कालमत्याकुलः SubhāRaSaṁ. 256; अत्याकुला बभूवुस्ते वीराः परमवैरिणः PadmP. iv. 33.4; इतश्च कौलिको मुक्तसुरतारम्भोऽत्याकुलः स्वमनसा पर्यालोचितवान् Pañcā. 54.20; सर्वत्रालोकयामासात्याकुलः प्रेष्य पूरुषान् PārśvC. 3.523; 6.587; अत्याकुलेन राज्ञा तारादेवी स्मृता PurāPraSaṁ. 87.27; **ii** greatly disturbed or disordered तस्मिन्नत्याकुले युद्धे दारुणे लोमहर्षणे MahāBhā. vi. App. I. 4(96); युगाख्यासुरसंपूर्णं ह्यासीदत्याकुलं जगत् MatsyaP. 47.37; एवमत्याकुले युद्धे सास्फोटभयसंकुले YogVā. iii. 38.1; किं नामाद्भुतमत्र काननतरोरत्याकुलात् पक्षिभिर्यत्प्रोच्चपवनप्रतापनिहतात्यक्तं फलं भ्रश्यति SubhāRaSaṁ. 294 (Schmidt); अत्याकुलां हरिबलैरवलोक्य लङ्काम् RāmāCam. 6.32.

अत्याकुलत्व (atyākula-tva) *n.* the state of being greatly confused or agitated (पिङ्गलायाः) अत्याकुलत्वं दिशिकारशब्दे कुचाकुचेत्येवमुदाहृते वा BṛSaṁ. 88.45; दहतु दहतु घोरः शङ्करं कालकूटो न हि न हि तदपि स्यादित्थमत्याकुलत्वम् SamudraMa. 3.8; अत्याकुलत्वादभयार्थिनस्ते रामाश्रितो रात्रिचरा इवासन् Raghunā. 7.65.

अत्याकुलम् (aty-ākulam) *adv.* in a very confused manner, very agitatedly अत्याकुलं कथयसि । न शुद्ध्यति मेऽन्तरात्मा Mṛcch. 8.37 (27); अत्याकुलं भ्रमद्भिर्वातोद्भ्रामो भवति काकैः BṛSaṁ. 95.10.

अत्याकुलमति (atyākula-mati) *adj.* with an extremely agitated mind इत्थमत्याकुलमतिश्चिन्तयन्नेव बालकः । अवाप परमां विद्याम् PadmP. iv. 72.102.

अत्याकुलमानस (atyākula-mānasa) *adj.* with an extremely agitated mind जगद्गुरो। परित्रायस्व पद्माभ मामत्याकुलमानसम् PadmP.(Ra.) 123.71.

अत्याकुलित (aty-ākulita) *adj.* greatly confused or perplexed ततः पूर्णयात्याकुलितमूढया तत्पतिरेव समानीतः ŚukSa. 37.17 [Lassen, Anthologia Sanscritica, 1815 Ed.]; ततोऽत्याकुलितश्चित्ते चिन्तयामास राजसूः PārśvC. 7.141.

अत्याकृ (atyā-kṛ-) viii. Ā. to censure, to insult गार्गिकयात्याकुरुते SiddhāKau. 293A. 2.

अत्याकृति (aty-ākṛti) *adj.* having a large form or body अत्याकारः··· त्रिषु पुनरत्याकृतिनि NānārthāSaṁ. iii. 27.21.

अत्याकृष् (atyā-kṛṣ-) vi. P. to drag excessively जन्तवोऽपि । देहानिवारात्याचकृषुस्तुरंगाः स्कन्धान्तरन्यस्तयुगा रथौघान् RāghPāṇ.(Dha.) 5.63.

अत्याकृष्ट (aty-ākṛṣṭa) *adj.* excessively pulled अत्याकृष्टं त्रुटयति सुदृढमपि प्रेमबन्धनं मूढे KuṭṭaMa. 673.

अत्याक्रन्दरव (atyākranda-rava) *m.* very loud cry अत्याक्रन्दरवो राजलोकवक्त्राद्युदच्छलत् PārśvC. 7.320.

अत्याक्रम् (aty-ākram-) i. P. **i** to cross, to pass beyond ताभ्या॑मेव प्रति॑ प्रोच्या॒त्याक्रा॑मति TaiBr. III. iii. 7.7; III. iii. 7.9; स उ॒त्तरमाघारमाघार्या॒सं॑स्पर्शयन्न॒त्याक्रामति ŚatBr.(Ka.) IV. vii. 4.5; II. iv. 2.10; इत्यसंस्पर्शयन् स्रुचावत्याक्रामति MānŚS. 20.4; **ii** to surpass श्रिया चेतरावत्याक्रामत् GopBr. i. 3.15; ततः एनं महादेवः ··· तेजसा व्याक्रमत् (v. l. अत्याक्रामत्) MahāBhā. iii. 40.49.

अत्याक्रमण (aty-ākramaṇa) *n.* stepping beyond, crossing अत्याक्रमण इति । सूत्रं बौधायनस्य BaudhŚS. iii. 65.12.

अत्याक्रमणविधि (atyākramaṇa-vidhi) *n.* injunction about *atyākramaṇa* (stepping beyond or crossing) प्रस्थानस्य अत्याक्रमणविधिनैव प्राप्तत्वात् MīmāKau. ii. 38.3 (*on* ii. 3.6)

अत्याक्रम्य (aty-ākramya) *ger.* having crossed, having returned पुन॑रत्याक्र॒म्यो॑प॒सदं॑ जुहोति TaiS. VI. ii. 3.3; पञ्चप्रयाजानिष्ट्वेदङ्ङत्याक्रम्य संस्रावेणानुपूर्वं हवींष्यभिघारयति BaudhŚS. i. 24.10; अग्नयेऽनुब्रूहीत्यत्याक्रम्याश्राव्याह्याग्निं यजेति BaudhŚS. i. 24.13; अत्याक्रम्य यथास्थानं स्रुचौ सादयति MānŚS. 22.23; 20.19; द्वौ हुत्वा सर्वं समानीयैकं हुत्वात्याक्रम्यानुपूर्वं हवींष्यभिघारयति MānŚS. 42.7.

अत्याक्रान्त (aty-ākrānta) *adj.* overcome with, covered with अत्याक्रान्तो हि कायाग्निर्गुरुणान्नेन शाम्यति Saund. 14.7.

अत्याक्रामत् (aty-ākrāmat) *adj.* stepping beyond, crossing over सव्येनात्याक्रामञ्जपति BaudhŚS. i. 23.10; संस्पर्शयन्स्रुचावुदङ्ङत्याक्रामञ्जपति BaudhŚS. i. 23.16.

अत्याक्षिपत् (aty-ākṣipat) *adj.* insulting greatly दीनान् ··· पीडयति यो निर्हेतुमत्याक्षिपंस्तस्य ··· स्वविभवस्तापाय RājTa.(Śrī.) 1(3).78.

अत्याक्षेप (aty-ākṣepa) *m.* great delay नायमस्यात्याक्षेपस्य कालः Tantrākhyā. 113.28.

अत्याखण्डलविक्रम (aty-ākhaṇḍalavikrama) *adj.* surpassing Indra's valour तमीशः कामरूपाणामत्याखण्डलविक्रमम् । भेजे RaghuVa. 4.83; दर्पममित्राणाम् ··· अखण्डयदपर्यायादत्याखण्डलविक्रमः Yādavā. 22.173.

अत्याग (a-tyāga) *m.* **i** not giving (gifts), niggardliness तथात्यागः ··· एत एवासयस्तीक्ष्णाः कृन्तन्त्यायूंषि देहिनाम् MahāBhā. v. 37.9 (BhārArthaPra. अत्यागः दानसमयेऽप्यदानम्)) संमोहोऽज्ञानमत्यागः ··· सर्वे एते गुणाः विप्राः तामसाः संप्रकीर्तिताः MahāBhā. xiv. 36.12; **ii** not abandoning, not giving up, not disowning अत्यागेऽपि तनोरखण्डपरमानन्दावबोधस्पृशाम् अध्वा कोऽपि ··· संपत्स्यते ŚatTrayī. 268; न चाप्यस्यागोऽस्ति ManuBh. i. 298.17 (*on* 3.202); i. 532.13 (*on* 6.95); न निर्वापवेलायामत्यागादस्वत्वम् TantrVā. 1023.18 (*on* iii. 4.47); मार्गभेदः ··· येन मार्गेण उपक्रमः तस्य अत्यागः KāvyālaṅSū. iii. 1.12; नष्टो नांशी त्यजेदंशमत्यागे नाश एव न IṣṭaSi. 223.2; तस्य स्थैर्यधैर्यात्यागवैशारद्यादिभिरनुभावैरभिनयः प्रयोक्तव्यः NāṭyaŚā. 7.30 (2–3); तावदिल्लनेन पूर्वप्रश्नितस्यात्याग उक्तः AbhinBhā. i. 48.15 (*on* 2.3); तत्रैकैकस्यात्यागे उत्तरोत्तरा इति चतुरवस्थोऽयं संप्रज्ञातः समाधिः RājMār. 8.23; यदुत्साहस्य चात्यागस्तद्धि सत्पुरुषव्रतम् KathāSaSāg. xii. 34.37; तस्य त्यागो हि दन्तस्य पतनात्प्राग्विनिश्चितः । तस्यात्यागे ह्यवाप्नोति मित्रार्थे(? र्थं)बलभूक्षयम् Hastyāyur. 492.14 (3.17); अत्यागश्च निषिद्धसंभाषणाद्याचरणम् DaṇḍaVi. 303.24; वाचैकदेशस्यात्यागादस्मिन्पक्षे ··· न कोऽपि दोषः SiddhāBi. 45.8; सामानाधिकरण्येन प्रतीयमानस्यैक्यस्यात्यागात् AdvaiSi. 374.8; अर्थान्तरभानेऽपि शक्यार्थभानस्यात्यागात् MīmāKau. i. 275.24 (*on* i. 4.23); **iii** non-exclusion आकाङ्क्षणादथात्यागस्तुल्यो द्रव्यक्रियादिषु ŚlokaVār. 5 (13).156 (609.1)

अत्यागकारण (atyāga-kāraṇa) *n.* cause of non-abandonment जलाविलदोषवत्या अपि स्रजो यदत्यागकारणं तदिह वैधर्म्यद्वारेण प्रतिपादितम् SaraKaṇṭhā. 502.1.

अत्यागमनतस् (atyāgamana-tas) *adv.* due to frequent arrivals or meetings अत्यागमनतो नित्यम् ··· अनयोः प्रेमसंबन्धो बभूव BṛKathāK. 46.120.

अत्यागवासना (atyāga-vāsanā) *f.* desire of non-abandonment तत्ते केयं मदीयाया(? याः) कोशेऽप्यत्यागवासना PāṇḍaC. 6.395.

अत्यागशीलता (atyāgaśīla-tā) *f.* nature of being niggardly लोभः स्वकीयद्रव्यस्यात्यागशीलता GītāBh.(Rā.) 592.12 (*on* 14.12)

अत्यागस् (aty-āgas) *n.* great offence or sin अतिवादोऽतिमानश्च तथात्यागो नराधिपः(? प)।… एते … कृन्तन्त्यायूंषि देहिनाम् MahāBhā. v. 37.9 (Nila. अत्यागः उत्कृष्टोऽपराधः); न हि संवादत्यागः सज्जनरक्षासु मार्दवादत्यागः YudhiVi. 2.19 (comm. अत्यागः अतिशयेनागोऽपराधः); अत्यागः स्तूयते मौग्ध्याद्वालाभिर्यत्र कामिनाम् PṛthvīVi. 5.159.

अत्यागित्व (atyāgi-tva) *n.* lack of liberality, niggardliness तथात्यागित्वमेव च। एते वै सप्तदोषास्तु सदा विद्यार्थिनां मताः MahāBhā. v. 240*(2) (comm. लुब्धता); कृतज्ञत्यागिनोस्त्यागिनि विशेषः प्रत्यक्षो द्रव्यदर्शनात्। न तु कृतज्ञे तस्यात्यागित्वात् JayaMa. 345.2 (*on* 6.5); अत्यागित्वमकारुण्यं सुखदुःखोपसेवनम्।… राजसस्य गुणाः प्रोक्ताः SarvaSiSaṁ. 11.23.

अत्यागिन् (a-tyāgin) *adj.* **i** not forsaking मित्रमत्यागि चेष्यते MahāBhā. v. 39.37; पतितात्याग्यपतितत्यागिनः पतिताः GautDS. iii. 3.1; अपतितत्यागी पुत्रादीनामपतितानां त्यागी, तेषामेव पुत्रादीनां पतितानामत्यागी Aparā. 1045.9 (*on* 3.227); **ii** not renouncing अनिष्टमिष्टं मिश्रं च त्रिविधं कर्मणः फलम्। भवत्यत्यागिनां प्रेत्य न तु संन्यासिनां क्वचित् BhagGī. 18.12; अत्यागिनां अज्ञानां कर्मिणामपरमार्थसंन्यासिनाम् GītāBh.(Śaṅ.) 499.13 (*on* 18.12); अत्यागिनां कर्तृत्वममताफलत्यागरहितानाम् GītāBh.(Rā.) 664.6 (*on* 18.12); अत्यागी जन्ममरणे प्राप्नोतीह पुनः पुनः SkandP. i(2). 46.36; रागिणि अत्यागिणि(? नि) रक्ते शक्यस्त्याग आधातुमुपायेन JayaMa. 344.7 (*on* 6.5)

अत्याग्नेय (aty-āgneya) *n.* name of a particular mystic formula (जातवेदस इत्यस्यास्त्रिष्टुभः) पादशः प्रतिलोमः स पावकास्त्रं निगद्यते।… स्वरशः प्रतिलोमोऽयमत्याग्नेयं निगद्यते AhirbuS. 57.53.

अत्याग्रह (aty-āgraha) *m.* excessive or extreme insistence यदि वात्याग्रहो वत्स प्रव्रज्याविषये तव PariPar. 2.118; अत्याग्रहेण चाक्काया: प्रेरिता मगधान्यदा। पप्रच्छ वरसेनम् PārśvC. 7.133; अत्याग्रहेण पितरं तत्तीर्थोत्कण्ठिता तदापृच्छत् PrabhāC. 43.7; PrabaK. 54.5; तदात्याग्रहे मम नाम ब्रूयाः KumāPraPra. 53.24; वृद्धेनात्याग्रहं कृत्वा जामातृकोऽपि रक्षितः CampaŚreKa. 267; अत्याग्रहेणामरदत्तराज्ञा … मित्रानन्दो वसन्तपरे प्रहितः KathāK. 113.23; 120.8; करे गृहीत्वात्याग्रहेण गृहं नीतः MādhavaĀ. 83 (4); नातिक्रौर्यम् … धारयेन्नातिमार्दवम् … अत्याग्रहं न च ŚukraNī. 3.218.

अत्याग्रहगृहीत (atyāgraha-gṛhīta) *adj.* prompted by too much insistence अत्याग्रहगृहीतस्तु तस्या वासांसि कल्पकः। रजकस्यार्पयत् PariPar. 7.54.

अत्याग्रहपर (atyāgraha-para) *adj.* given to too much insistence तथाप्यत्याग्रहपरान् वीक्ष्य सावददक्किका RatnaCūKa. 213.

अत्याचर् (aty-ācar-) I. P. to behave unfaithfully पातिव्रत्यं परो धर्मः श्रूयते योषितामिति। नाहमत्याचरामि त्वां मनसापि कदाचन BallāC. 29.17.

अत्याचार (aty-ācāra) *m.* **A** act of supererogation अनाचाराद्धर्महानिरत्याचारस्तु मूर्खता ŚukraNī. 3.221; **B** very subtle or shy conduct, Ind. Spr. 156 [nt.]; **C** performance of works not sanctioned by usage, irreligious conduct [Apte]; *adj.* negligent of or departing from the established customs [MW, Apte]

अत्याचारदोष (atyācāra-doṣa) *m.* offence of committing an act of supererogation ममात्याचारदोषादियं देवस्य नयनगोचरं प्राप्ता ĀścaCū. 7.16 (1)

अत्याजन (a-tyājana) *n.* not causing exclusion or abandonment यथा प्रतिज्ञाविरोधादिकम् …। तस्य तत्त्वनिर्णयविरोधित्वेन तदुद्भावनस्यात्याजनेन तत्त्वनिर्णयाङ्गत्वात् NyāySu.(Ja.) 465B.3 (*on* iii. 2.1)

अत्याजि (aty-āji) *m.* great battle अत्याजिलब्धविजयप्रसरस्त्वया किं विज्ञायते रुचिपदं न महीमहेन्द्रः NaiṣC. 13.28.

अत्याजितस्वकुला (atyājita-svakulā) *adj.* (*f.*) who has not been made to leave her family एते प्रच्छन्नयोगा अत्याजितस्वकुलासु स्त्रीषु JayaMa. 293.17 (*on* 5.5)

अत्याज्य (a-tyājya) *adj.* [*f.* -ā] not to be abandoned सत्यप्रतिज्ञता नाम धिङ् मम क्षत्रियव्रतम्। त्यजामि पुत्रमत्याज्यं यत्कृते निरपत्रपः Rāmā. ii. 882*(4); अत्याज्यमस्य जानामि प्राणैस्तुल्यं धनंजयम् MahāBhā. v. 85.12; i. 194.16; भजन्तं भक्तमत्याज्यमदुष्टं त्यजतः सुखम्। नेह नामुत्र पश्यामि MārkP. 8.251; अत्याज्यो हि यथा भर्ता स्त्रीणां भार्या तथा नृणाम् MārkP. 71.11; अत्याज्यानि न वै त्यजेत् BṛParāSm. 6.260; उपस्थिता च या योषिदत्याज्या रागिणामपि BrahmVaiP. iv. 32.10; राजा-वयस्य भौतिकं कारणवशात् परित्यक्तं न दोषाय, नैष्ठिकं पुनरत्याज्यम् TāpaVa. 3.13 (5); क्रमागतो महापुरुषमार्गः कुलाभिमानिभिरत्याज्यः TilaMañ. 318.10; एष मे शरणागतः। अत्याज्यस्तदिदाम्यन्यन्मांसमेतत्समं तव KathāSaSāg. i. 7.92; तद्ब्रूहि शीघ्रमत्याज्यां कदा परिणयामि ताम् KathāSaSāg. vi. 5.61; iii. 3.60; vii. 5.164; xii. 17.65; भवान् कथम्। नात्याज्यं वेत्ति मानग्रहमहाव्रतम् RājTa.(Ka.) 7.324; तथा कुलयोषित्प्रभृतीनामत्याज्यानां ये त्यागिनस्तांश्चोद्दिश्य Aparā. 509.13 (*on* 1.504); भजन्तं भक्तमत्याज्यं त्यजतः स्यात्कथं सुखम् DevīBhāP. vii. 27.22; अत्याज्यं हि व्रतं राज्ञः प्रजानां परिपालनम् PuruṣPa. 98.23; कुर्यान्निषेकं पुमान्। अत्याज्ये च समूलभे शुभगुणे JātaPā. 3.16; परराष्ट्रोपप्लवादौ वा कथंचित् चोरहस्तगता हीनवर्णोपभुक्ताप्यत्याज्या स्यात् (नारी) BālaKrī. ii. 133.16 (*on* 3.262)

अत्याज्यजप (atyājya-japa) *m.* muttering (of sacred words) which cannot be abandoned चण्डी नरपतेः पत्नी भाव्यर्थबलवत्तया। अत्याज्यजपमौनस्था तस्मिन्नवसरेऽभवत् RājTa.(Ka.) 7.329.

अत्याज्यता (atyājya-tā) *f.* the state of being unabandonable (i. e. acceptable) दोषे गुणत्वं तनुते दोषत्वं वा निरस्यति। भवन्तमथवा दोषं नयत्यत्याज्यतामसौ Candrā. 2.41.

अत्याज्यत्व (atyājya-tva) *n.* the state of being not fit to be abandoned कर्मत्यागो न विद्यत इत्यनेनात्य(? त्या)ज्यत्वविधानात्। एकाहं द्व्यहं वा … वैतानहोमकर्म कर्तव्यम् HārLa. 24.14.

अत्याज्ययाज्यसुभट (atyājyayājya-subhaṭa) *m.* a distinguished warrior who is not to be dispensed with but to be respected राड्हर्षयत् … सत्प्रयोज्यनवभोज्यगणेनात्याज्ययाज्यसुभटानुपरिस्थः DvyāśraKā. 8.106.

अत्याज्यस्त्रीविषय (atyājyastrī-viṣaya) *adj.* having reference to a woman who cannot be discarded अथात्याज्यस्त्रीविषयाणि (वचनानि) SmṛtiCan. iv. 575.13.

अत्याटिन् (atyāṭ-in) *adj.* excessively roaming about अत्याटिनं करालं भिक्षायुक्तं कपालशूलकरम्। महादरिद्रं भैरवरूपं कुरु ĀryāŚ. 48.

अत्याढ्य (aty-āḍhya) *adj.* very rich अत्याढ्यांश्चातिशूरांश्च ब्राह्मणांश्च बहुश्रुतान्। एतान्सहायाल्लिप्सेथाः MahāBhā. xii. 84.2; अत्याढ्ये चातिदुर्बले।… कन्या न दीयते BṛParāSm. 6.27; अत्यशने विदूरस्थेऽत्याढ्ये। कुलहीने च मूर्खे च षट्सु कन्या न दीयते PadmP. v. 49.97; अत्याढ्यानापणेषु वणिग्जनान्। अहमिन्द्रानिव पश्यन् TriṣaŚaPuC. i. 5.60; सर्वस्वोल्लुण्ठने तस्मिन्धनिनां दुःसहे पुरे। आसन्दरिद्रा अत्याढ्या आढ्या दारिद्र्यभागिनः RājTa.(Śrī.) 4.637.

अत्यातप (aty-ātapa) *m.* excessive heat of the sun अत्यातपे वापि तथान्धकारे … न क्वचिदभ्युपेयात् NītiSā. 7.38.

अत्यातुर (aty-ātura) *adj.* seriously ill इच्छानुविधायित्वस्यात्यातुरादिदेहेष्वसत्त्वेऽपि साक्षात्स्वस्वामिभावस्य वा … संबन्धान्तरस्य संभवात् Nyāyāmṛ. 400B.7.

अत्यातुरभिन्न (atyātura-bhinna) *adj.* different from the one who is seriously ill आतुरे अत्यातुरभिन्ने (रात्रौ दिवाशौचस्य चतुर्थांशः) VīraMi. 37.22 (*on* 1.17)

अत्यात्तस्व (atyātta-sva) *adj.* whose property is robbed (by another) परिक्षीणोऽत्यात्तस्वः कदर्यो व्यसन्यत्याहितव्यवहारश्चेति लुब्धवर्गः ArthŚā. i. 68.4 (1.14)

अत्यात्मप (aty-ātmapa) *adj.* disregarding the body-guard (i. e. cowherd) दृष्ट्वाथ तत् स्नेहवशोऽस्मृतात्मा सगोव्रजोऽत्यात्मपदुर्गमार्गः।… अगाद्धंकृतैरास्तुपया जवेन BhāgP. x. 13.30.

अत्यात्मबल (aty-ātmabala) *n.* more than the natural (i. e. superhuman) strength तस्येमानि रूपाणि भवन्ति, तद्यथा – अत्यात्मबलवीर्य° … °विज्ञानानि CaraS. ii. 7.13.

अत्यादर (aty-ādara) *m.* **i** great respect or regard आत्मज्ञातिषु नात्यादरः KāmSū. 244.2 (4.2); दृष्टिप्रसादविधिमात्रहृतो जनोऽयमत्यादरेण किमिति क्रियते विलक्षः PriyDa. 4.2; इयत्कं दुर्मतिविस्पन्दितेष्वत्यादरेण HetuBiṬ. 7.18; कुमार … कृतं कृतमत्यादरेण UttaRāC. v. 28 (1); सुवर्णोदकैः … अत्यादरात्स्नानं ते परिकल्पयामि जननि DevīCatuSt. 14; (कुरङ्गः) यो नित्यमत्यादरेण आधत्ते … अन्तरङ्गं समोदं सोमापीडस्य सोऽयं प्रदिशतु ŚivPāKeSt. 5; तमपत्यचतुष्टयैकपूज्यं पृथगत्यादरदीर्घरुद्धजन्यम्। अपरो नृपतिर्नुनाव RāmC. 8.78; अत्यादराद्दाशरथौ शरौघान् ववर्ष (तत्रैव) तथेन्द्रशत्रुः RāmC. (App. 2) 38.43; यानं मदाशयमवेत्य … अत्यादरेण भवतीमनुगच्छतीव RāmāCam. 6.103; सर्वजीवव्यापित्वादभेदोपदेशस्य तत्रात्यादरः प्रतीयते VedāntDī. 129.7 (*on* ii. 3.42); तेषां चात्यादरात् … गुरवस्ततः प्राहिण्वन्बप्पभट्टिम् PrabhāC. 82.20; ततस्ताम्बूलिकास्तोमम् … स अत्यादरेण संमान्य … ततश्चाभ्यर्थयामास PrabhāC. 159.10; 22.25; अत्यादरेण व्यासादिभिः परिग्रहविशेषाच्च NyāyPari. 474.2; अत्यादराच्छात्रगणैः सहासौ प्रत्युद्गतः … सत्यवतीसुतम् ŚaṁkaDigVi.(Mā.) 7.22; आत्मज्ञातिषु रचयेन्नात्यादरमावृता नम्रा KandaCū. iv. 2.9; निदेशवर्तिनि दासजने किमत्यादरेण … संहियतामयमञ्जलिः 35.18; **ii** great interest or attachment नात्यादरेण जगृहे फलमङ्घ्रिपाणाम् RāmC. 25.24; न हि विरक्ताः स्त्रियः … लेखानभिलिख्य तथात्यादरेण प्रेषयन्ति TilaMañ. 110.16; विरमात्यादरः कोऽयं कुरङ्गान्वेषणे

तत्र NavaSāC. 2.55; ध्वनिशब्दे कोऽत्यादर इति भावः Loc. 8.19 (*on* 1.1); अत्यादरो न कर्तव्यो मृगयायां कदाचन DevīBhāP. vii. 11.40; यत्कर्माति-कठोरघोरगहनं भूयै यदत्यादरः Mugdhopa. 3; ततस्तेऽत्यादरेण दोहाय प्रवृत्ताः Bharat. 11.11; उपयुक्तसंस्कारार्थम् ··· दुर्बलम् । उपयुक्तापेक्षयोपयोक्ष्यमाणेऽत्याद-रात् MīmāNyāPra. 231.2; विबुधाः ··· अत्यादरादभ्यवजह्रुः ··· तान्पदार्थान् S'ivLī. 12.56; 1.11; तेऽप्यत्यादरातिपुः पार्श्वात्तिद्वैभवलाभहेतुमपृच्छन् KathāK. 2.2; **iii** great consideration or emphasis इयामाकादिकुधान्यलक्षणमिदम् ··· अत्यादरादुच्यते KalyāKā. 4.21; लौकिकाः मायावीति पुमांसमेव निपुणं येनाहुर-त्यादरात् SaṁkṣeS'ā. ii. 209.17 (3.102); ब्रह्मणः कल्याणगुणानन्त्यमत्यादरेण वदतीयं श्रुतिः S'rīBh. 61.25 (*on* i. 1.1); तथा सति कारणसत्यत्वमत्यादरेण प्रति-पादयन्ती श्रुतिर्बाध्येत S'atDū. 211.22.

अत्यादरकीलिता (atyādara-kīlitā) *adj.* (*f.*) pinned with great affection कटाक्षरेखाः पतिता जनस्य याः । नवोद्गतश्मश्रुनिभादिहैव ता निषेदुरत्या-दरकीलिता इव S'ivLī. 11.22.

अत्यादरतस् (atyādara-tas) *adv.* due to very great regard तयोस्तद-त्यादरतस्तदानीं विशोकमन्तःकरणं बभूव । स्तोकं हि तोकं धनमङ्गनानाम् ··· स्वामिनि सुप्रसन्ने RāmC. (App. 1) 38.32; पलितत्वादादरतो हानिः (v. l. पत्नीष्वत्यादरतो हानिः) KandaCū. v. 1.32)

अत्यादरनिचित (atyādara-nicita) *adj.* full of great respect अत्यादर-निचितेनाकृष्टचेतसा जनेनानेन सर इदं तथा संस्कृतं यथेह तेऽद्य सिद्धिः स्यात् DaśKuC. 125.18.

अत्यादरपर (atyādara-para) *adj.* [*f.* -ā] **i** having great respect पतिव्रता बन्धुयुक्ता आगतेष्वतिथिष्वपि अत्यादरपरा नित्यम् ĀdiP. 18.13; **ii** very cautious अत्यादरपरो विद्वान् ईहमानः स्थिरां श्रियम् । अग्नेः शेषं ऋणाच्छेषं शत्रोः शेषं न शेषयेत् PraboCan. 5.11.

अत्यादररचित (atyādara-racita) *adj.* performed with great care or attention त्रिदशेशानां स्थानान्यत्यादररचितनृत्यगीतार्चनाञ्चितानि क्रियन्ताम् DaśKuC. 127.18.

अत्यादरस्नेहम् (aty-ādarasneham) *adv.* with great regard and attachment मुञ्जीतात्यादरस्नेहं देहे निर्वर्त्यते रसः BhelaS. 68.8.

अत्यादरागत (atyādarāgata) *adj.* who has approached with great respect लक्ष्मीपतेः पृथुभुजद्वयम् ···। अत्यादरागतजितोर्जितवैरिलक्ष्मीपादाब्जयावक-निषक्तमिवाचकाशे NavaSāC. 17.71.

अत्यादराञ्चित (atyādarāñcita) *adj.* bent with great respect अत्या-दराञ्चितेन शिरसा सरभसकृतप्रणाममुपदर्शितस्मितः ··· हठादाक्षिप्तम् TilaMañ. 389.9.

अत्यादरानत (atyādarānata) *adj.* bent down with great respect अत्यादरानतसुरासुरमौलिरत्ननानामरीचिखचितांघ्रिसरोरुहाय ।··· नमस्ते NavaSāC. 18.17.

अत्यादराराधिन् (atyādarārādhin) *adj.* who worships with great respect युक्तायुक्तपरीक्षणक्षमधियामत्यादराराधिनां संसेव्यम् ··· जैनेश्वरं शासनम् NyāyVi. 2.480.

अत्यादरार्थम् (atyādarārtham) *adv.* for showing great respect द्विर्व-चनमत्यादरार्थं मुण्डकसमाप्त्यर्थं च MuṇḍUBh. 361.8 (*on* iii. 2.11)

अत्यादरास्पदता (atyādarāspada-tā) *f.* the state of being the object of high regard परस्य च श्रोतृजनस्यात्यादरास्पदतया···धर्मवीरस्पर्शिनेन वीररसे विश्रान्तिः Loc. 218.16 (*on* 3.41); Kāvyānu.(He.) 316.12.

अत्यादरोपनीत (atyādaropanīta) *adj.* offered with great respect तस्य ··· अत्यादरोपनीतम् ··· अनैषमस्त्यशाल्यमवनीमखमुजो बुभुजिरे YātrāPra. 1.22 (5)

[1]**अत्यादान** (aty-ādāna) *n.* excessive cutting अत्यादानात्स्रवेद्रक्तं तन्नि-मित्तं म्रियेत च SuśruS. iv. 22.51.

[2]**अत्यादान** (aty-ādāna) *n.* **i** excessive intake, excessive eating अत्यादानं गुरुस्निग्धम् ··· निद्रासुखं चाप्यधिकं कफहृद्रोगकारणम् CaraS. i. 17.34; अत्यादानं तथा क्रोधं भजतां चातपानलौ ।··· शोणितं संप्रदुष्यति CaraS. i. 24.9; अत्यादानात् सांपन्निकानां सत्त्वानां शरीरगौरवमासीत् CaraS. iii. 3.24 (1941 Ed.); रसानामत्यादानमतियोगः CaraS. i. 11.37; iv. 1.124; **ii** receipt of excessive amount (सन्धिः) विपरीतः कपालः स्यादत्यादानाभिभाषितः ArthS'ā. ii. 252.2 (7.3)

[1]**अत्यादि** (aty-ādi) *adj.* (preverbs) *ati* and others 'अत्यादयः क्रान्ता-द्यर्थे द्वितीयया' समस्यन्ते ··· अतिखट्वः MahāBh. 416.20 (*on* ii. 2.18); SaraKaṇṭhā.(Gr.) iii. 2.151; PrakriKau. i. 523.1 (*on* viii. 3.42)

[2]**अत्यादि** (a-tyādi) *adj.* except the (personal) terminations '*ti*' etc. आ तुमोऽत्यादिः कृत् SiddhaHe. v. 1.1; iv. 2.104.

अत्यादित्य (aty-āditya) *adj.* surpassing the sun रक्षाहेतोर्नवशशिभृता वासवीनां चमूनामत्यादित्यं हुतवहमुखे संभृतं तद्धि तेजः MeghDū. 43; NemiDū. 47.

अत्यादित्यज्योतिस् (aty-ādityajyotis) *adj.* surpassing the brightness of the sun संक्रीडन्तः स्यन्दनास्ते तदानीमत्यादित्यज्योतिषो राक्षसानाम् । ··· पातं तेनुः RāmC. 30.26.

अत्यादित्यप्रभ (aty-ādityaprabha) *adj.* surpassing the lustre of the sun मण्डपं समदृश्यत···। अत्यादित्यप्रभं पुण्यं मुक्तादामविभूषितम् AhirbuS. 49.48.

अत्यादृ (aty-ādṛ-) VI. P. to show great respect यस्तां विविक्तचरितैर-नुवर्तमानां नात्याद्रियत्परमभागवतप्रसङ्गः BhāgP. iii. 16.21.

अत्यादृत (aty-ādṛta) *adj.* **A** excessively indulged in तेनैवात्यादृतेनेह भोजनेन शरीरजाः । व्याधयः संप्रवर्धन्ते BhelaS. 3.23 (*on* 1.5); **B** highly respected or esteemed धर्म्याणि देवि सकलानि सदैव कर्माण्यत्यादृतः प्रतिदिनं सुकृती करोति MārkP. 84.15 (*kartari* PW); तत्प्रायः शिवयोरपीदमनयोर्दाम्पत्यमत्यादृतम् EI. ii. 337.27; न यस्य लोके स्वजनः परो वा नात्यादृतो नोत कश्चिद्विगर्ह्यः BhāgP. iii. 14.25; राज्ञात्यादृतो राजभृत्यः प्रजासु राजवद्वदति 'अहं वः पालकः' इत्यादि VedāntKau. 45.18 (*on* i. 1.31); **C** respectful (with Loc.) रसवत्स्वेष्वत्या-दृतमनाः कविः यमलङ्कारं तदङ्गतया विवक्षति Dhvanyā. 224.2 (*on* 2.18–19); दक्षस्तु धातुरतिलालनया रजोऽन्धो नात्यादृतस्त्वयि च Nārāy. iv. 16.9.

अत्याद्या (aty-ādyā) *adj.* (*f.*) beginning with the word *ati* (referring to a Ṛk (prob. ṚV. i. 99.1) अतिदुर्गेयमत्याद्या षदन्ता त्रिष्टुबीरिता S'āraTi. 21.116 (comm. अतिदुर्गाणि विश्वा इत्यारभ्य परिषदन्ता सर्वा ऋक्)

अत्याधम् (aty-ādham-) I. P. cf. **अत्याध्मा.**

अत्याधा (aty-ādhā-) III. P. **A** to surpass (in wealth or riches) जम-दग्निर्ह वै माहेनानां पुरोहित आस । तान् ह वित्तेनात्यादधौ JaimiBr. 1.152(2) = 2.310(1); **B** to place over or upon दक्षिणोत्तरे स्थूणे निधाय वीवधमत्यादधाति AitĀ. v. i. 3.7; तस्यां प्रागग्रं शाखापवित्रमत्यादधाति ĀpaS'S. i. 12.3; i. 21.3; i. 22.3; तयोः प्रस्तरमत्यादधाति ĀpaS'S. ii. 9.13; xi. 7.9; रथवाहने रथमत्याद-धाति xviii. 17.14; [KośaKaTa. 2.967 gives meanings of अत्याधा as अत्याङोऽनर्थशङ्कोपश्लेषाश्चर्यमहाभये]

अत्याधान (aty-ādhāna) *n.* act of placing upon जुहूमत्यादधाति ।··· सर्वत्रैवमत्याधानोपावहरणे भवतः ĀpaS'S. ii. 13.5; अत्याधानमुपश्लेषणम् । तद-भावेऽनत्याधाने KāśiVṛ. *on* P. i. 4.75; Prasā. i. 520.9; SiddhāKau. 182A. 10 (*on* 1.4.75); **B** wooden bench or block (used by a carpenter) as a support (for cutting etc.) उद्घनोऽत्याधानम् P. iii. 3.80; अन्तर्घनोद्घनौ देशात्या-धानयोः Kātan. iv. 5.60 (KātanVṛ. एतावलन्तौ निपात्येते देशात्याधानयोर्यथा संख्यम् ··· यस्योपरिकाष्ठानि हन्यन्ते तदत्याधानम्); अत्याधानं चेद्भवति । उद्घनः । यस्मिन् काष्ठे(? ष्ठे) स्थापयित्वा अन्यानि काष्ठानि तक्ष्यन्ते KāśiVṛ. *on* iii. 3.80; घनोद्घनः ··· मूर्त्यत्याधान ··· प्रशस्तगणाः S'ākaṭā. iv. 4.20 (comm. यस्मिन् काष्ठे स्थापयित्वा काष्ठानि तक्ष्यन्ते); अत्याधानाङ्गासन्नम् SiddhaHe. v. 3.36 (comm. अत्याधीयन्ते च्छेदनार्थं कुट्टनार्थं वा काष्ठादीनि यत्र तदत्याधानम्); Kośas give the meaning transgression or violation प्रमादोऽनवधानं स्यादत्याधानमति-क्रमः AbhidhāRaMā. 4.69 = Vaija. 193.16 = KalpaK. 237.28; अत्याधान is given as one of the meanings of गृहपति, गृहपतिर्गृहस्थे स्यादत्याधाने च सत्रिणि ViśvaPra. 73.209.

अत्याधानकाष्ठ (atyādhāna-kāṣṭha) *n.* wooden cutting-block (कायः) अत्याधानकाष्ठमिव देहिनां भवदुःखपरशुपाताय YaśasCam. ii. 244.17.

अत्याधाय (aty-ādhāya) *ger.* having placed upon उत्तमे निधने प्रस्तर-मत्याधाय ĀpaS'S. i. 4.12; दक्षिणं पादमत्याधाय ĀpaS'S. i. 17.8; i. 21.3; xi. 8.1; xi. 10.8; xi. 21.3; xx. 16.18.

अत्याधि (aty-ādhi) *m.* substitution अपि चार्णवे द्राभ्यामत्याधिस्त्रिकद्रु-काणामिति NidāSū. 186.3 (10.10)

अत्याधिक्य (aty-ādhikya) *n.* excessiveness प्रकर्षश्च वित्तस्य न्यायार्जि-तत्वादिः ··· वयसः (प्रकर्षः) अत्याधिक्यादिः VīraMi. (Saṁskāra.) 474.22.

अत्याधित्सत् (aty-ādhitsat) *adj.* wishing to substitute तं खलूत्तरस्य त्र्यहस्य स्तोमैरभिविधत्ते वैषुवतीयमत्याधित्सन् NidāSū. 170.6 (9.12)

अत्याध्मा (aty-ādhmā-) I. P. to swell excessively अत ऊर्ध्वं प्रवक्ष्यामि धूमोपहतलक्षणम् । श्वसिति क्षौति चात्यर्थमत्याधमति कासते SuśruS. i. 12.30 (comm. आधमति आध्मानयुक्तो भवति)

अत्याध्मान (aty-ādhmāna) *n.* excessive swelling मूर्च्छामदग्लानि-विदाहतोदात्याध्मानविष्टम्भविमोहनादीन् । मात्राधिकं ह्यौषधमत्र दत्तं कुर्यादजीर्णम् KalyāKā. 3.36.

अत्याध्मानकुक्षि (atyādhmāna-kukṣi) *adj.* having extreme tympanites, having an excessive distension of the belly न चात्याध्मानकुक्षिर्यः

स गजः साध्यलक्षणः Hastyāyur. 283. 17 (2. 56)

अत्यानन्द (áty-ānanda) *m.* excessive pleasure, extreme delight प्रजापतिः प्रजाः सृष्ट्वानुव्यैक्षत तस्यात्यानन्देन रेतः परापतत् S'atBr. VI. ii. 2. 6; अथानन्दभरा (v. l. अत्यानन्दबलात्) राज्ञी विह्वलोन्मत्तलोचना। जग्राह तनयं शीघ्रम् SkandP. iii(3) 10. 86; दृष्ट्वा सुतमुखं सोऽथ राजा राज्ञी च ··· अत्यानन्दसमायुक्ते नावर्तेतां तदात्मनि KathāSaSāg. ix. 5. 184; (तरुः) कश्चित्प्रभूणामत्यानन्दं जनयतु फलैः S'ārṅgaPa. 991.

अत्यानन्दनिर्भर (atyānanda-nirbhara) *adj.* full of great delight गरुडध्वज··· । त्यक्त्वा स्वविक्रमं किं त्वं स्थितोऽत्यानन्दनिर्भरः GaṇeP. ii. 77. 19.

अत्यानन्दमय (atyānanda-maya) *adj.* consisting of supreme bliss अत्यानन्दमयं ब्रह्म त्वनिरुक्तं परं पदम् TaiUBhVā. 131. 9(2)

अत्यानन्दा (atyānandā) *f.* vagina characterised by sexual insatiability अत्यानन्दा च या योनिः SuśruS. vi. 38. 8; अत्यानन्दा न संतोषं ग्राम्यधर्मेण गच्छति SuśruS. vi. 38. 15 = RugVi. 62. 8; अत्यानन्दा कर्णिनी च ··· योनयः प्रोक्ताः ··· दोषप्रकोपतः BhāvPra. viii. 70. 4.

अत्यानी (aty-ānī-) I. U. to bring across अहं एवैनान्पूर्वया पुरोनुवाक्ययाऽत्यानयति TaiBr. I. vi. 9. 4 (Bhaṭṭa Bhāskara अन्तरिक्षात् अत्यानयति)

अत्यापत्ति (aty-āpatti) unwarranted application, undesirable consequence यच्च किंचित्प्रमाया लक्षणमुच्यते तदज्ञातं ज्ञातमात्रं वा। यदि तत्त्वव्यवहारकं तदा अत्यापत्तिः KhaṇḍanKhā. 448. 23; अतद्धेत्वाश्रयस्य···चात्यापत्तेः KhaṇḍanKhā. 502. 13; नात्यापत्त्या प्रमामात्रात्ते तेऽर्थाः स्वीक्रियोचिताः KhaṇḍanKhā. 567. 15; 1219. 4; अत्यापत्तेस्तृतीयो न पूर्ववच्च प्रसङ्गतः TarkSaṁ.(Ā.) 11. 5; अन्तर्भावाद्धि संशीतावत्यापत्तेः स पूर्ववत् TarkSaṁ.(Ā.) 82. 29; 91. 25.

अत्यापत्तिदुष्ट (atyāpatti-duṣṭa) *adj.* vitiated by the defect of unwarranted application or consequence अतोऽत्यापत्तिदुष्टं तदसंभवि च लक्षणम् TarkSaṁ.(Ā.) 107. 21 (2. 40)

अत्यापद् (aty-āpad) *f.* grave calamity or distress अत्यापद्यपि जातायां कुटुम्बी वैष्णवो द्विजः। ब्राह्मणादेव गृह्णीयाद् वृत्तिं देवमठाश्रिताम् JayāS. 22. 24; अत्यापदमपि प्राप्ता निस्तीर्णाभिभवा भवेः SkandP. iii(3). 8. 37.

अत्यापन्न (aty-āpanna) *adj.* greatly afflicted, in grave distress दशरथः-हा वत्से जानकि। ··· अत्यापन्नो गुरुजनः MahāvīC. iv. 52. 5 (113. 5); अत्यापन्नेषु दीनेषु कृपां देवेषु सोऽकरोत् SkandP. ii(9). 10. 15; अन्योन्येन प्रेरितैरस्त्रजातैरत्यापन्नौ प्राजितारावभूताम् Raghunā. 10. 15.

अत्याप्त (aty-āpta) *adj.* extremely trustworthy or reliable अत्याप्तैर्मैत्रिभिर्युक्तः ··· मन्त्रं चकार क्वथिताशयः BrahmāṇḍP. iii. 25. 4; अत्याप्तजनवाक्येन श्रुत्वा सा नृपमागतम्। आनन्दाब्धौ निमग्नाभूत् GaṇeP. i. 55. 9; अमात्या अपि तेऽत्याप्ता बहुदृष्टा बहुश्रुताः PariPar. 6. 29.

अत्याप्ति (áty-āpti) *f.* great gain अत्याप्तिरुच्छिष्टे भूतिश्चाहिता AV. xi. 7. 22.

अत्याभरण (aty-ābharaṇa) *n.* excessive ornamentation विप्रलम्भे तु नार्यास्तु शुद्धो वेषो भवेदिह। नात्याभरणसंयुक्तो न चापि मृजयान्वितः NāṭyaS'ā. 21. 76.

अत्याभुग्न (aty-ābhugna) *adj.* excessively bent परिपीडितसकलाङ्गमचलिताक्षमत्याभुग्नगात्रम् AvantiKa. 65. 20.

अत्याभोग (aty-ābhoga) *adj.* very expansive or broad अत्याभोगमिदं भुजान्तरमयं मध्यः प्रकामं तनुः JānaPa. 2. 17.

अत्यामय (aty-āmaya) *m.* excessive disease, epidemic धरासुते षोडशधिष्ण्यके च। रक्ताननं नाम भवेत्तु तत्र सुभिक्षमत्यामयशत्रुवृद्धिः VasiS. 4. 5.

अत्यामर्द (aty-āmarda) *m.* battle, crowd, conflict अत्यामर्दश्च संमर्दो विमर्दः संयुगेऽस्त्रियाम् Kalpak. 127. 347.

अत्याय (aty-āya) *m.* [Delbrü. p. 97] **A** passing by, going beyond प्रजा ह तिस्रो अत्यायमीयुः ṚV. viii. 101. 4; (atyāyá) AV. x. 8. 3; AitĀ. II. i. 1. 3; II. i. 1. 5; JaimiBr. 2. 229; अतीण् इत्येतेभ्यो णो भवति ··· अत्यायः JaineVyā. 101. 18 (*on* ii. 1. 114); KāśiVṛ. *on* P. iii. 1. 141; KātanVṛ. *on* iv. 2. 58; MugdhaBo. 26. 37 (153. 8); PrakriKau. ii. 504. 2; SiddhāKau. 489. 17; **B** violation अत्यायं चातिमानं च ··· वर्जयेत् MahāBhā. xii. 91. 29; great gain or profit [Apte]; *adj.* going beyond the income नात्यायं च व्ययं कुर्यात् प्रत्यवेक्षेत चान्वहम् NītiSā. 5. 76 (comm. अत्ययं चेति आयमतिक्रान्तम् अत्यधिकमित्यर्थः); SūktiRa. 156. 14; [past going time, Apte]

अत्यायत् (aty-āyat-) I. Ā. to make extraordinary efforts for (with Loc.) धर्मः ··· अर्थकामवद्व्यसाधनेषु नात्यायतते DaśKuC. 43. 23(2) (comm. नात्यायतेते नात्यन्तमधीनो भवतीत्यर्थः। उपसर्गादन्योऽर्थः)

अत्यायत (aty-āyata) *adj.* [*f.* -ā] **Ai** very long अत्यायतं नमनयोः Mālavikā. 3. 7 = S'arṅgaPa. 3376; नात्यायताश्च नागवराः AvantiKa. 81. 21; अत्यायतैः ··· शौरिर्भुजैः ··· भुवनं बभार Kapphiṇā. 1. 39 = KāvyPra. 559. 1; अत्यायतमापगौघं यथाम्बुराशिम् ··· ददृशुर्वेलानि RāghPāṇ.(Dha.) 14. 27; इयमिन्दुद्युतिहरं युक्तमत्यायतैर्गुणैः। मृणालवलयं हस्ते वहति NavaSāC. 16. 38; (अश्वाः) बन्धव्यास्तेऽत्र चोत्तराभिमुखाः। नात्यायता न शिथिलाः AśvaCi. 18. 5; सा प्रश्नोत्तरयुग्मपङ्क्तिरुभयोरत्यायता पातु वः SaraKaṇṭhā. 70. 2; तयोरुपरि कर्तव्या स्यादेकात्यायता तुला Hastyāyur. 461. 29 (3. 11); बध्वा पाशानथात्यायतसुदृढतरानग्रतो हस्तिपेन्द्रैः MātaLī. 10. 5; न पाणिप्रच्छायं नयनयुगमत्यायतमिदम् S'āṁgaPa. 3943; **Aii** greatly stretched मानं मानिनि मुञ्च सर्वमचिरादत्यायतं छिद्यते PadmPrā. 7. 22; **Bi** very much extended, very extensive or wide अनेन ··· मुक्तभिदम् ··· अत्यायतं भरतेनेव भारतं वर्षम् AvantiKa. 209. 13; स्थिरप्रबलवेदनासहितशोफमत्यायतं करोति निजजानुनि KalyāKā. 8. 24; परिभूष्य ··· अत्यायतं च जघनं रशनागुणेन BhikṣāKā. 2. 12; कूजद्दक्षविहंगमां सतरणीं अत्यायतां दीर्घिकाम्। कुर्यात् S'ārṅgaPa. 2169; **Bii** far reaching त्यागःप्रमार्जनार्थेज्या प्राक्तनी भरतेशिनः। पाश्चात्यात्यायतापीज्या केवलोत्पत्तिमन्वभूत् MahāP. 36. 188; वशीकृताक्षमालो यः क्षमामत्यायतां दधन् NavaSāC. 11. 88; इयम् ··· युक्तमत्यायतैर्गुणैः ··· वहति त्वां च चेतसि NavaSāC. 16. 38; अत्यायतैर्नियमकारिभिरुद्धतानाम् ··· उपायैः (शौरिः भुवनं बभार) KāvyPra. 559. 1; **C** very tall अत्यायतैस्तालविटपिभिः कुतूहलान्मृग्यमाणगाम्भीर्यमानमिव···सरो दृष्टवान् TilaMañ. 203. 20; शरीराकृतिरस्याः। तात प्रमाणतो नातिहस्वा न चात्यायता TilaMañ. 271. 15; *m.* very light (fetter) उद्घाससुपरुन्ध्याद्यो गात्रसंचारमेव वा। संबन्धसंज्ञया तज्ज्ञैरत्यायत इति स्मृतः Hastyāyur. 429. 5 (3. 8)

अत्यायतकुतूहला (atyāyata-kutūhalā) *adj.* (*f.*) full of excessive curiosity अहो बत त्वमेतस्मिन्नत्यायतकुतूहला NavaSāC. 6. 62.

अत्यायतकृष्टशार्ङ्ग (atyāyatakṛṣṭa-śārṅga) *adj.* who has stretched the bow very much कुमारः ··· कुम्भे जघान नात्यायतकृष्टशार्ङ्गः RaghuVa. 5. 50.

अत्यायततस् (atyāyata-tas) *adv.* from very excessive (attachment) स च वधमत्यायततः स्नेहात्तेष्ववदैकमत्याय ततः। सुरललनामोदितयोर्भ्रात्रोः सुन्दोपसुन्दनामोदितयोः YudhiVi. 2. 11.

अत्यायतनयन (atyāyata-nayana) *n.* very long eye इयं हि प्रद्युम्नदासी ··· अत्यायतनयनसंचारेण ··· वदनेन ··· वेशमार्गमलंकुरुते DhūrtaViSaṁ. 12. 2.

अत्यायतपदत्व (atyāyatapada-tva) *n.* the state of taking very long strides यदा तु बकवद्गच्छेदुल्लोकितविलोकितैः। अत्यायतपदत्वाच्चाप्यङ्गहास्यो भवेत्तु सः NāṭyaS'ā. 12. 41.

अत्यायतबाहुदण्ड (atyāyata-bāhudaṇḍa) *adj.* possessing very long stout arms अङ्गुष्ठमात्रं पुरुषं तथैव सौवर्णमत्यायतबाहुदण्डम्। चतुर्भुजम् ··· दातव्यमेतत्सकलं द्विजाय MatsyaP. 72(+). 34.

अत्यायतबाहुदण्डम् (atyāyata-bāhudaṇḍam) *adv.* so as to streatch greatly the stout arm अत्यायतबाहुदण्डमिति उत्क्षेपणक्रियाविशेषणम् CaturCin. ii(2). 896. 14.

अत्यायतम् (aty-āyatam) *adv.* for a long time मुग्धास्तेऽनुनयन्ति ये न कुपिताः कुप्यन्ति वात्यायतम् DhūrtaViSaṁ. 2. 3; सा ··· परामृष्टनयनबाष्पसलिला ··· अत्यायित(? अत्यायतं) निःश्वस्य च शनैरवादीत् TilaMañ. 94. 16.

अत्यायतमुखी (atyāyata-mukhī) *adj.* (*f.*) having a long drawn face नात्यायतमुखी दीर्घलोचना समनासिका ··· एवं रूपगुणोपेता किन्नरांशकसम्भवा Mānaso. iii. 20. 1788.

अत्यायतशूक (atyāyata-śūka) *adj.* (rice) with very long awns (a variety of rice) अत्यायतशूकः दीर्घशूकः BhojanKu. 6. 22.

अत्यायताक्ष (atyāyatākṣa) *adj.* having very long eyes अत्यायताक्षम् ··· वदनम् ··· यस्ते स्मरत्यसकृदेव स एव जातः S'āraTi. 24. 109.

अत्यायति (aty-āyati) *adj.* **1 A** extremely long यस्याम्···सीमानमत्यायतयोऽत्यजन्तः। जनैरजातस्खलनैर्न जातु द्वयेऽप्यमुच्यन्त विनीतमार्गाः S'iśuVa. 3. 57; **1 B** with ample future, S'iśuVa. 3. 57; (comm. अतिमात्रा आयतिरायामः उत्तरकालश्च येषां ते अत्यायतयः); *f.* very large size व्याधाः स्रस्तसुवर्णकुण्डलमहिभ्रान्त्या तदत्यायतेर्दण्डैर्द्रागपसारयन्ति च भयप्रोत्कम्पिहस्तस्रजः EI. ix. 325. 21.

अत्यायम् (atyā-yam-) I. P. to draw near अत्रो ह स्माह बोधायनस्तूष्णीमश्वमत्यायच्छेत् BaudhS'S. iii. 117. 20.

अत्यायम् (atyāyam) *adv.* [pw. Viśva.] cf. **अत्याय**.

अत्यायमन (aty-āyamana) *n.* act of drawing near अश्वस्यात्यायमन इति सूत्रं शालीकेः BaudhS'S. iii. 117. 19.

अत्याया (aty-āyā-) II. P. to come bypassing (something) अत्यायाहि शश्वतः ṚV. iii. 35. 5; अत्यायातमश्विना ṚV. v. 75. 2.

अत्यायान (atyā-yāna) *n.* going beyond, transgression अत्यायानमति-

क्रम: S'abdaRa.(Vā.) 3716.

अत्यायामवत् (atyāyāma-va(n)t) *adj.* very high, very tall करोतु यूथस्य भूषणं करिणी । अत्यायामवतोर्या मदान्धयोर्मध्यमधिवसति ĀryāSaS'a. 590.

अत्यायास (aty-āyāsa) *adj.* over exerting, over straining (विशांपतिः) स्वसैनिकानत्यायासानुपशमय्य ... संप्रहारायाभ्यचोदयत् AvantiKa. 101. 5; *m.* excessive effort or exertion अत्यायासेन नात्मानं कुर्यादतिसमुच्छ्रितम् AṣṭāSaṁ. i. 55. 3 (1. 8) = SūktiRa. 123. 15; अत्यायासेन लभ्येत येन देवः सनातनः VarāP. 39. 20; अत्यशनानशने योगविरोधिनी ... अत्यायासानायासौ च GītāBh.(Rā.) 335. 8 (*on* 6. 16); अत्यायासात् प्रभोर्जज्ञे रक्तदोषो दुरायतिः PrabhāC. 165. 6; अत्यायासश्च सर्वेषां द्राग्जराकारणं महत् S'ukraNi. 3. 302.

अत्यायासकर (atyāyāsa-kara) *adj.* requiring too much exertion अत्यायासकराणि कर्मपटलान्याचर्य निर्वन्मला बोधे भक्तिपथेऽथवाप्युचिततामायान्ति किं तावता Nārāy. i 2. 9.

अत्यायासपरिश्रान्त (atyāyāsa-pariśrānta) *adj.* exhausted by excessive exertion अत्यायासपरिश्रान्तजरदुरगराजसमुद्वान्त ... हालाहलबीजावापम् ... सागरमथनसंरम्भमाननन्द गोविन्दः NīlaVi. 88. 1.

अत्यायासमुक्त (atyāyāsa-mukta) *adj.* free from excessive fatigue अतोऽत्यायासमुक्तोऽपि तल्लीनो निर्वृतैर्नरः PārśvC. 6. 716.

अत्यायाससाध्य (atyāyāsa-sādhya) *adj.* to be accomplished with great effort कथमत्यायाससाध्ये योगाभ्यासे प्रेक्षावतां प्रवृत्तिः VīraMi. 886. 3 (*on* 3. 161)

अत्यायासाभाव (atyāyāsābhāva) *m.* absence of great effort अतोऽत्यायासाभावान्नातिवैराग्येण क्रमम् TattvPrakā. 147B. 13 (*on* iii. 1. 29)

अत्यायु (aty-āyu) *n.* 'surviving one' (name of a day) तद्वास्या एतत्सत्यं पदं यदहः । तदेतदत्यायु नाम JaimiBr. 2. 258.

अत्यायुपात्र (atyāyu-pātra) *n.* the surviving vessel (i. e. Droṇakalaśa) यदाहात्यायुपात्रमित्यति ह्येतदन्यानि पात्राणि यत् द्रोणकलशो देवपात्रं द्रोणकलशः PañcBr. vi. 5. 7; i. 2. 4.

अत्यायुष (aty-āyuṣa) *adj.* lasting longer than (the period of human) life न ह्यत्यायुषं सत्रमस्ति PañcBr. xxv. 8. 3 (comm. न ह्यत्यायुषं आयुरतिक्रान्तमायुषो मध्ये मरणसाधनं सत्रं नास्ति)

अत्यायुस् (aty-āyus) *n.* extremely long life अथो हैषायुष्यैव क्लृप्तिः आयुर्वै गायत्रम्...अत्यायुर्यज्ञायज्ञीयम् JaimiBr. 1. 292; 2. 433; *adj.* long-lived अत्यायुः कृपणो न दारतनयः स्याद्धन्विजातो नरः HorāSā. 29. 9; किं नाम वैपरीत्यमेतावता कालेनात्यायुषि त्वयि समालोकितं जनेन VeṇīSaṁ. (Grill's Ed.) 96. 13.

अत्यारक्ततमा (atyārakta-tamā) *adj.* (*f.*) extremely red, very deep-red अत्यारक्ततमा कान्तिर्यस्या वा LalitāSaBh. 192. 28 (*on* 228)

अत्यारक्तदृशिन् (atyārakta-dṛśin) *adj.* having very red eyes चुक्रोध भानुजः । अत्यारक्तदृशी GaṇeP. ii. 108. 17.

अत्यारण्य (atyāraṇya) *m.* name of a seer of a *mantra* अत्यारण्याह्वयोऽस्यर्षिः ... स्यात् ĪśānS'iPa. i. 25. 3.

अत्यारब्ध (aty-ārabdha) *adj.* too greatly exerted बोधिसत्त्वोऽत्यारब्धेन वीर्येण स्थानं खलु पुनरेतद् विद्यते यन्निर्वाणफलं प्राप्नुयात् S'ikṣāSa. 51. 2.

अत्यारभ् (aty-ā-rabh-) I. P. to begin with zeal अत्यारम्भि स्वैरलीला चकोरैः Rāgh. 10. 29.

अत्यारात् (aty-ārāt) *adv.* very close, very near वर्चस्स्थानम् ... अत्यारात्परकुड्यस्य न कर्तव्यम् BṛhaspaSm. 167. 49 = Aparā. 765. 8 (*on* 2. 154) = SmṛtiCan. iv. 551. 14 = VīraMi.(Vyavahāra) 364. 9.

अत्यारूढ (aty-ārūḍha) *adj.* excessively grown or developed, excessive अत्यारूढो हि नारीणामकालज्ञो मनोभवः RaghuVa. 12. 33 = Kuval. 118(9); अत्यारूढं वदन्त्येवमसंबद्धं जडाशयाः KathāSaSāg. x. 5. 251; अत्यारूढस्य भावस्य विलयः शान्तिरुच्यते RasāSu. 144. 4 (2. 102); अत्यारूढसरपरिभवव्यस्तराज्यावधानः ... रामः BhramDū. 15; **ii** deep-rooted अत्यारूढं समारूढे दृश्यतेऽभ्यधिकेऽपि च NānārthāSaṁ. iii. 23. 5; *n.* **i** elevation, high position, great rise अत्यारूढं रिपोः सोढं चन्दनेनेव भोगिनः RaghuVa. 10. 42; **ii** climbing very high, RaghuVa 10. 42; अतिक्रमेऽत्यूर्ध्वगमे चात्यारूढं नपुंसकम् AnekāK. 207; [violation, transgression, AnekāK. 207]

अत्यारूढतेजस् (atyārūḍha-tejas) *adj.* possessed of excessive valour अत्यारूढतेजसः निजामात्मजस्य नासरस्य शासनेन ... योधाः समाबध्य वर्माणि ĀnandRa. 7. 39(6)

अत्यारूढमन्मथ (atyārūḍha-manmatha) *adj.* having intense love (सः) दृष्ट्वा चात्यारूढमन्मथो निर्गत्य पौरमुख्येभ्यः श्मशानरक्षामयाचत DaśKuC. 116. 10.

अत्यारूढमहिमन् (atyārūḍha-mahiman) *adj.* whose greatness has grown very high हीरनामा यवनाधिभूः अत्यारूढमहिमा ĀnandRa. 6. 30(2)

अत्यारूढि (aty-ārūḍhi) *f.* very high or elevated position अत्यारूढिर्भवति महतामप्यपभ्रंशनिष्ठा S'āk. 4. 5.

अत्यारोह (aty-āroha) *m.* insolence अपूज्यस्तेन जातोऽसावत्यारोहेण निन्दितः KathāSaSāg. i. 1. 30.

अत्यार्जव (aty-ārjava) *n.* extreme straightforwardness ते (अनर्थादयः) बुद्धिदौर्बल्यात् ... अत्यार्जवात् ... दैवयोगाच्च स्युः KāmSū. 352. 14 (6. 6); निन्दन्ति स्म तपःसूनोः केचिदत्यार्जवं मुहुः PāṇḍaC. 6. 935; *adj.* very honest or straightforward अत्यार्जवः खल्वसि PādaTā. 19. 1.

अत्यार्त (aty-ārta) *adj.* very much distressed or troubled पाहि पाहीत्यभीक्ष्णं स अत्यार्तश्च यदाब्रवीत् JayāS. 2. 62; हतशिष्टाः ... शरणं जग्मुरत्यार्ताः क्रन्दन्तं शून्यकेश्वरम् BrahmāṇḍP. iii. 24. 101; पृष्टवान् । प्रियाप्रवृत्तिमत्यार्तः श्रीदत्तः शबराधिपम् KathāSaSāg. ii. 2. 134; ix. 4. 115.

अत्यार्तजगत् (atyārta-jagat) *n.* greatly distressed world अत्यार्तजगत्परित्राणाय च भगवतोऽत्र शरीरग्रहणम् ViṣṇuP. iv. 4. 15.

अत्यार्तम् (aty-ārtam) *adv.* very distressingly, very pitiably अत्यार्तमरटद्वयान्नो रोदसी परिपूरयन् SkandP. iv. 65. 72; S'ivaP. ii(5). 58. 32 (293A. 13)

अत्यार्ति (aty-ārti) *adj.* very much troubled or distressed किमेतत् । अत्यार्ति माघरजनावतिवाहितायां हेमे हिमाहतसरोजनिभं मुखं ते RāmC. 19. 22; *f.* great grief or distress प्रणतः प्रियदत्तां तामत्यार्त्या पृच्छति स सः KathāSaSāg. ix. 2. 226; अत्यार्त्या ... स्वाशक्यत्वं ज्ञात्वा प्रभुमेव शरणं गच्छति AṇuBh. 250. 12 (*on* iii. 3. 43); 256. 17 (*on* iii. 3. 49)

अत्यार्द्र (aty-ārdra) *adj.* [*f.* -ā] **i** very wet or moist नात्यार्द्रा नातिशुष्का वा नैव चोषरसंभवाः AVPari. xxvi. (4). 4; **ii** extremely suffused (with devotion) सारावूरू पुरारेः ... भक्तैरत्यार्द्रचित्तैरधिकमवनतौ वाञ्छितं वो विधत्ताम् S'ivaKePāSt. 21; **iii** very fresh or green अत्यार्द्रपत्रबहलैः संततच्छायमङ्घ्रिपैः ... गिरिम् ... तमारुरोह जगद्गुरुः TriṣaS'aPuC. i. 6. 89.

अत्यार्य (aty-ārya) *adj.* very noble अत्यार्यम् ... श्रीर्भयान्नोपसर्पति MahāBhā. v. 39. 50; Subhāṣi. 2646; SūktiRa. 167. 2; अपि तु त्वां मृदुम् ... अत्यार्यम् ... न लोको बहु मन्यते MahāBhā. xii. 76. 19; AnekāSaṁ. 3. 168.

अत्यार्यमति (atyārya-mati) *adj.* having a very noble mind अत्यार्यमतिं कान्तं स्वगृहे चन्द्रेक्षितः शुक्रः (कुरुते) Sārā. 28. 32.

अत्याल (atyāla) *m.* [*w. r.* for *vyāla*] name of the plant *Plumbago rosea*, RājNi. [S'abdaKaDru, MW, APTE]

अत्यालाप (aty-ālāpa) *m.* excessive talk अत्यालापमसंतोषं परव्यापारसंकथाः (वर्जयेत्) MahāBhā. iii. 1095*1; अत्यालापमतिक्रीडां सर्वदा परिवर्जय SkandP. iii(3). 11. 27.

अत्यावप् (aty-āvap-) I. P. to insert (verses in other metres) नान्यैरात्रेयं गायत्रमत्यावपेद्ब्राह्मणस्य ĀśvaS'S. i(4). 15. 4.

अत्यावर्तनवेला (atyāvartana-velā) *f.* shore line which is crossed over पद्माननिशानाथं वीक्ष्य लोकमहोदधिः । कलध्वनिर्ययौ वृद्धिमत्यावर्तनवेलया PadmP.(Ra.) 82. 37.

अत्यावर्तित (aty-āvartita) *adj.* excessively stirred or turned round गोत्रसि(शि)खरिव्यूहः समूहः पतत्यत्यावर्तितमूर्तिः EI. i. 140. 1.

अत्यावश्य (aty-āvaśya) *adj.* very necessary सर्वामीष्टकरं नीतिशास्त्रं स्यात् सर्वसंमतम् । अत्यावश्यं नृपस्यापि स सर्वेषां प्रभुर्यतः S'ukraNi. i. 12.

अत्यावश्यक (atyāvaśya-ka) *adj.* [*f.* -kī] very necessary, quite indespensable तत्प्रयोजनं प्राणसंयमस्वरूपमिव तदङ्गयुक्तजपोऽप्यत्यावश्यक इति न VīraMi. 68. 8 (*on* 1. 23); RasGaṅ. 551. 1; LalitāSaBh. 216. 8 (*on* 275); इयं नवावरणी पूजा अत्यावश्यकी NityoNi. 55. 18; S'ukraNi. 4 (7). 226.

अत्यावश्यकता (atyāvaśyaka-tā) *f.* extreme necessity विषुवायनयोर्ग्रहणं गोबलीवर्दन्यायेन पुण्यतरत्वद्योतनेनात्यावश्यकताद्योतनाय LalitāSaBh. 207. 28 (*on* 253)

अत्यावश्यकत्व (atyāvaśyaka-tva) *n.* extreme necessity गर्भधारणपोषादिभिरत्यावश्यकत्वेन जन्येऽतिशयान्तरमुत्पादयति माता Subodhi. 73. 25 (*on* 2. 135); VīraMi. 916. 4 (*on* 3. 224); SiddhāTaVi. 64. 22; S'eṣaVā. 48. 4; BālamBha. ii. 212. 29 (*on* 2. 135)

अत्यावाप (aty-āvāpa) *m.* infiltration of traitorous elements अत्यावापयुक्ता वा मौला मूले विकुर्वीरन् ArthS'ā. iii. 51. 3 (9. 2); iii. 53. 3 (9. 2); दूष्यबाहुल्यमत्यावापः ArthaS'ā. iii. 130. 5 (10. 5)

अत्याविल (aty-āvila) *adj.* i extremely turbid अथ जातासु नाभिबस्तिसेवनीमेहनेष्वन्यतमस्मिन् ... गोमेदकप्रकाशमत्याविलं ससिकतं विसृजति SuśruS. ii. 3. 7; **ii** very impure अत्याविलं देहं न शीघ्रं शुध्यते किल VāmaP. 43. 85.

अत्याविश् (aty-āviś-) VI. P. to seize fully, to enter fully into बहून-

प्या(v. l. त्या)विशन्मोहो भीरून्हृदयदुर्बलान् MahāBhā. vii. 31. 32.

अत्यावृत् (aty-āvṛt-) I. P. (caus.) to cause to turn back, to bring back यद्ग्रामन्वत्यावर्तयेत् । रुद्राय पशूनपिदध्यात् TaiBr. I. iv. 3. 6.

अत्यावृत (aty-āvṛta) *adj.* fully eclipsed अत्यावृतेऽपि चन्द्रसूर्यादौ दिनरजनीविभागहेतुत्वल्पप्रकाशवत् जीवेऽपि अन्यव्यावर्तकचैतन्यमात्राविर्भाव आवश्यकः JñānBiPra. 2. 1.

अत्यावेग (aty-āvega) *m.* great excitement or force कोऽयमत्यावेगो भवतः PraboCan. 5. 16 (92. 8); कथमत्यावेगो विरहस्य KamVa. 4. 32 (1)

अत्यावेश (aty-āveśa) *m.* excessive intentness अमीषामपकारिणामर्थे कोऽयमत्यावेशो भवतः PraboCan. 5. 16 (185. 4) (NSP. Ed. 1935)

अत्याश (aty-āśa) *m.* excessive eating, voracity अतिवादोऽतिमानश्च तथात्यागः (v. l. तथात्याशः) ···। एत एवासयस्तीक्ष्णाः MahāBhā. v. 37. 9; Aparā. 221. 7 (*on* 1. 154)

अत्याशन (aty-āśaná) *n.* **i** taking food before (gods etc.) अत्याशनादतीपानाच्च उग्रात्प्रतिग्रहात् । तन्नो वरुणो राजा पाणिना ह्यवमर्शतु TaiĀ. X. 1. 13 (778. 4); **ii** eating too much उच्चैर्भाष्यमत्याशनम् ···। भावानेतान्मनसाप्यसेवमानः सर्वमहो गमयस्व CaraS. i. 15. 15 (1941 Ed.); BhelaS. 119. 27 (6. 1); LiṅgaP. ii. 6. 66.

अत्याशा (aty-āśā) *f.* **i** excessive desire अतिवादोऽतिमानश्च तथात्यागः (v. l. तथात्याशा) ··· । एत एवासयस्तीक्ष्णाः MahāBhā. v. 37. 9; **ii** great hope अत्याशाभिरुपागताध्वगगणान् धन्वावनौ तापितान्नो यत्तर्पयितुं क्षमोऽसि मम तद्दुःखैर्मनो दूयते । इत्युद्भटः [S'abdaKaDru.]

अत्याशित (áty-āśita) *adj.* [*f.* -ā] **i** who has eaten by superseding (gods) अमुष्मिँल्लोके एवं वा अत्याशितस्य तिष्ठति तस्मान्नात्याशितेन भवितव्यम् MaiS. iii. 6. 2; **ii** who has overeaten कृशो नात्याशितो वापिदिगो का (दीनो वा) मैथुनं व्रजेत् BhelaS. 10. 16 (1. 7); KāśyaS. 202A. 26; 203B. 30; AṣṭāSam. i. 199. 14 (2. 1); i. 200. 1 (2. 1); AṣṭāHṛ. i. 7. 71; iii. 12. 22; ArthS'ā. ii. 154. 11 (4. 8); साधयेत्सर्वमेतेन भवेद्योऽत्याशितो गजः Hastyāyur. 91. 4 (1. 12); यदा ह्यत्याशितो नागस्तृणेन विधयापि वा । तृषार्तः ··· पिबेत् Hastyāyur. 81. 2 (1. 12); BhāvPra.(Bhā.) 3. 24; (सुरा) नागेभ्यस्तदैनां संप्रदापयेत् ··· अत्याशितं जरयति Hastyāyur. 662. 13 (4. 19); *m.* a kind of *ānāha* (abdominal swelling or constipation caused by over-eating) अत्याशितः स्वादानाहो वातोन्मथित एव च Hastyāyur. 80. 16(1. 12); 32. 4 (1. 4); 81. 1 (1. 12)

अत्याशितता (atyāśita-tā) *f.* the state of eating excessively सिराणामवहनकारणानि मूर्च्छा भयम् ··· अत्याशितता AṣṭāSam. i. 178. 23 (1. 36)

अत्याशितानाह (atyāśitānāha) *m.* abdominal swelling or constipation caused by overeating इत्यत्याशितानाहः Hastyāyur. 82. 11 (1. 12)

अत्याशितीय (atyāśit-īya) *n.* topic of eating अथात्याशितीयं व्याख्यास्यामः BhelaS. 3. 20 (1. 5)

अत्याशित्व (atyāśi-tva) *n.* consuming too much, greed लाभविघ्नाः ··· दाम्भिकत्वमत्याशित्वं दैन्यम् ArthS'ā. iii. 70. 8 (9. 4)

अत्याशिन् (atyāś-in) *adj.* eating too much, gluttonous अत्याशी ··· पुरुषः ··· नैते लोकानाप्नुवन्ति MahāBhā. iii. App. 4 (20); JaineVyā. 74. 2 (*on* i. 4. 61); SkandP. iii(1). 1. 53.

अत्याशिस् (aty-āśis) *adj.* which is more than what is expressed in blessing अत्यशिषस्ततो दृष्ट्वा तेषां विद्योत्थसंपदः PadmP.(Ra.) 7. 368.

अत्याशुग (aty-āśuga) *adj.* surpassing the arrows (in action) शिवं धनुः ··· । अत्याशुगम् MahāBhā. iv. App. I. 53 (24)

अत्याशुप्रतिभानता (atyāśupratibhāna-tā) *f.* the state of having a sudden flash of intellect अत्याशुप्रतिभानतां वक्तुमाह AbhiSaAlaṅĀ. 316. 9.

अत्याश्चर्य (aty-āścarya) *n.* very great wonder तस्या निकुञ्जदेव्याः कृपां निरीक्ष्य अत्याश्चर्यं प्रपेदे SāmaraU. 226. 14; जन्मनः प्रभृति भुजङ्गपतीनश्नता नेदमीदृशमत्याश्चर्यं मया दृष्टपूर्वम् Nāgā. 5. 13 (3); इदमपरमत्याश्चर्यम् AvantiKa. 145. 17; BṛKathāS'loSam. 9. 16; अत्याश्चर्यविषादाभ्यां किञ्चिद्वक्तुमिहोत्सुकः SkandP. iv. 88. 18; श्रुत्वा तु तद्वाक्यम् ···। अत्याश्चर्यमिदं मत्वा प्रहृष्टोऽभवम् PadmP. iv. 19. 1; अत्याश्चर्यमिदं सूत क्षत्रियेण कथं मुनिः । आराधितः PadmP. v. 2. 56; अत्याश्चर्यमिदमिति राजदूताः प्रणम्य ताम् (ऊचुः) GaṇeP. i. 74. 6; ii. 61. 38; अदर्शयिष्यो लवलीस्तवम् ···अत्याश्चर्यं न कस्योदपादयिष्यः DvyāśraKā. 13. 56; *adj.* very wonderful अभिजनस्य ··· अत्याश्चर्यमस्त्रकौशलम् DaśKuC. 144. 22; धर्म्याक्षेपोऽयमाक्षिप्तो धर्मी धर्मे प्रभाद्वयम् । अनुज्ञायैव यद्रूपमत्याश्चर्यं विवक्षता Kāvyāda. 2. 130; अत्याश्चर्यमिदं नाम यद् अनेनैव वर्ष्मणा । गाणपत्यमवाप्तोऽसौ NilaP. (App.) 1190; अत्याश्चर्यार्चनीयाङ्घ्रि राधिकाकमलादिभिः (त्वं ब्रह्म परमं हरे) SkandP. ii(9). 17. 28; अत्याश्चर्यमपूर्वमुत्तरमिदं श्रुत्वा नृपा विस्मिताः KalkiP. iii. 73. 37; अतिसाहसमतिदुष्करमत्याश्चर्यं च दानमर्थानाम् KalāVi. 2. 46 = SūktiRa. 13. 16 = S'ārṅgaPa. 429; अत्याश्चर्यमिदं मन्ये तवागमनकारणम् ViṣṇuDhaP. i. 21. 14 = PadmP. v. 25. 123.

अत्याश्चर्यकर (atyāścarya-kara) *adj.* causing great wonder, extremely wonderful दर्शयेतां तौ कौबेरं लोकमुत्तमम् । अत्याश्चर्यकरम् GaṇeP. ii. 52. 19.

अत्याश्चर्यतपश्चरण (atyāścarya-tapaścaraṇa) *n.* very wonderful (i. e. extraordinary) performance of austerities दक्षिणमथुरायाम् ··· अत्याश्चर्यतपश्चरणगोचराचारचातुरीचमत्कृतचित्तखचरेश्वरविरचितचरणार्चनोपचारं श्रीमुनिगुप्तनामध्याहारं भदन्तं भगवन्तम् ··· अभिवन्द्य YaśasCam. ii. 296. 23.

अत्याश्चर्यत्व (atyāścarya-tva) *n.* the state of being very wonderful त्रिविक्रमत्वादिक्रियाणां लोकविलक्षणत्वेनात्याश्चर्यत्वात्कथं तदुपासनं ब्रह्माणी हास्यति TattvaPrakā. 169B. 12 (*on* iii. 3. 20); शेषाणि विशेषणानि अत्याश्चर्यत्वद्योतनमात्रपराणि Bhāsk. i. 252. 13 (*on* i. 5. 13)

अत्याश्चर्यमय (atyāścarya-maya) *adj.* [*f.* -ī] full of great wonder, extremely wonderful अत्याश्चर्यमयीं ब्रह्मन्कथामेताम् ··· उक्तवानसि SkandP. ii(8). 6. 76; (ध्वनिम्) अत्याश्चर्यमयं श्रुत्वा विस्मितो रघुनन्दनः RāmaMañ. 114. 25.

अत्याश्चर्यमहायान (atyāścarya-mahāyāna) *n.* extremely wonderful great aerial car सूर्यस्योपरि यः कुर्याच्छोभनं पुष्पमण्डलम् । (सः) ··· अत्याश्चर्यमहायानैः (गत्वा) ··· वसेदर्कपुरे BhaviP. 244B. 34 (i. 163. 84)

अत्याश्चर्ययुत (atyāścarya-yuta) *adj.* extremely surprised or wonderstruck अत्याश्चर्ययुतौ चोभौ पश्यतः सर्वसंपदः GaṇeP. ii. 55. 23.

अत्याश्चर्यवत् (atyāścarya-va(n)t) *adj.* [*f.* -vatī] **i** greatly astonished ममाग्रे स्थितो रुद्रो मम ध्यानावस्थां दृष्ट्वा अत्याश्चर्यवान् SāmaraU. 257. 17; **ii** extremely wonderful अत्याश्चर्यवती रम्या कथेयं पापनाशिनी MatsyaP. 146. 12 = PadmP. v. 20. 1.

अत्याश्चर्यसमायुक्त (atyāścarya-samāyukta) *adj.* extremely wonderful शृणु नारद यद् वृत्तं पुरा मम महामते । अत्याश्चर्यसमायुक्तम् LiṅgaP. ii. 3. 23.

अत्याश्चर्यस्वप्नप्रपञ्च (atyāścarya-svapnaprapañca) *m.* extremely wonderful things in the dream जीवस्याप्यत्याश्चर्यस्वप्नप्रपञ्चस्रष्टृत्वे समाने S'ivārkaMaDī. ii. 233. 3 (*on* iii. 2. 6)

अत्याश्रम (aty-āśrama) *adj.* being beyond the religious orders of life, free from the duties of the four orders of life एष पाशुपतो योगः ··· सर्ववेदान्तमार्गोऽयमत्याश्रममिति(? म इति) श्रुतिः KūrmaP. 508. 4 (2. 11); पाशुपतं योगं योगैश्वर्यमनुत्तमम् । अत्याश्रममिदं ज्ञेयम् LiṅgaP. ii. 55. 27; अत्याश्रमपक्षोऽयम् । आश्रमपक्षे तूभयमपीष्टम् S'atDū. 233. 12; पाशुपताश्रमः ··· अत्याश्रमसंज्ञकोऽयमाश्रमभेदः स्वतंत्रः BrahmSūBh.(S'ri.) ii. 415. 3 (*on* iii. 4. 49); द्विविधमत्याश्रमाख्यं पाशुपतव्रतम् S'ivārkaMaDī. ii. 412. 27 (*on* iii. 4. 48); तदलमनुस्मर शापान्तवचनमत्याश्रमस्य मुनेः NīlaVi. 27. 9.

अत्याश्रमस्थ (atyāśrama-stha) *adj.* who is beyond the religious orders of life अत्याश्रमस्थस्तु ··· पुराणोक्तलक्षणस्सर्वाश्रमसाधारणः S'ivārkaMaDī. ii. 411. 23 (*on* iii. 4. 47); अत्याश्रमस्थो मुनिः ··· पस्पर्श हस्तेन तम् (नरेन्द्रम्) S'ivLī. 22. 12.

अत्याश्रमित्व (atyāśrami-tva) *n.* the state of being above the religious orders of life श्वेताश्वतरोपनिषदुपसंहारे तदधिकारितया अत्याश्रमित्वोपपादनात् अप्राप्तार्थत्वेन तद्विधिः S'atDū. 239. 21.

अत्याश्रमिन् (aty-āśramin) *adj.* **i** who is beyond the religious orders of life ब्रह्म ह श्वेताश्वतरोऽथ विद्वान् । अत्याश्रमिभ्यः परमं पवित्रं प्रोवाच सम्यक् S'vetāU. 6. 21; (शतरुद्रीयम्) अत्याश्रमी सर्वदा सकृद्वा जपेत् KaivaU. 2. 24; ब्रह्मचर्यादिविद्यासाधनानां साकल्येनात्याश्रमिषूपपत्तेर्गार्हस्थ्येऽसंभवात् AitUBh. 246. 11 (*on* 1. 10); ब्रह्मसंस्थशब्दः ···अत्याश्रमिणि परमहंसाख्ये वृत्तः ChandoUBh. 128. 5 (*on* ii. 23. 1); (ब्रह्म) तस्मादिदम् ··· अत्याश्रमिभिः ··· वेदनीयम् ChāndoUBh. 538. 3 (*on* viii. 12. 1; परमहंससंन्यासिनस्त एवात्याश्रमिणः S'vetāUBh. 246. 18 (*on* 6. 21); भस्म वै शिवमन्त्रेण धृत्वा ह्यत्याश्रमी भवेत् S'ivaP. i. 18. 81 (23B. 11); योगं त्वत्याश्रमिभ्यः परममिति वचः वक्ति मोक्षाश्रमेण TattvMu. 2. 36; अत्याश्रमिभ्य एव ब्रह्मविद्याप्रदानमुक्तम् S'ivārkaMaDī. ii. 286. 26 (*on* iii. 3. 3); **ii** not following the rules of the religious orders of life यदि तावदाश्रमानतिक्रम्य ये वर्तन्ते तेऽत्याश्रमिणः एव प्रसज्यन्ते तदा न तेषां योग्यत्वं प्रायश्चित्तभाक्त्वात् BrahmSūBh.(Bhā.) 208. 10 (*on* iii. 4. 26)

अत्याश्रमोचितज्ञान (atyāśramocita-jñāna) *n.* knowledge proper for one who is beyond the religious orders of life अत्याश्रमोचितज्ञानम् ··· ब्रह्मणो वदनाल्लब्धं मयेदम् S'ivaP. vii. 6. 72 (509B. 12)

अत्याश्रावण (aty-āśrāvaṇa) *n.* excessive call 'āśrāvaya' अत्याश्रावण इति सूत्रं बौधायनस्य BaudhS'S. iii. 62. 4.

अत्याश्रु (aty-āśru-) V. P. (caus.) to give an excessively prolonged

call सोम एवात्याश्रावयेदिति शालीकिः BaudhŚS. iii. 62. 4.

अत्याश्रावित (aty-āśrāvita) *n.* excessive call 'āśrāvaya' आश्रावितमत्याश्रावितम् TaiBr. III. vii. 11. 1.

अत्यास (aty-āsa) *m.* passing over, interval अत्यासो व्यतिक्रमः गतिविशेष एव PadMañ. *on* KāśiVr. *on* P. ii. 1. 24.

अत्यासक्त (aty-āsakta) *adj.* extremely interested in or attached to धने सर्वकुटुम्बे च नात्यासक्तः सदा भव SkandP. iii(3). 11. 32; (हृदयम्) अत्यासक्तं त्वदधरामृतपाने GaṇeP. i. 28. 6.

अत्यासक्ति (aty-āsakti) *f.* over-attachment, (excessive) addiction or indulgence धनक्षयोऽतिप्रीतौ चात्यासक्तौ वपुःक्षयः। ... ब्रह्मन्नारीषु किं सुखम् BrahmVaiP. i. 23. 25; न तस्य धनं धर्मः शरीरं वा यस्यास्ति स्त्रीष्वत्यासक्तिः NītiVā. 3. 12; 3. 4; शिशुपालवधादौ चादितः तदसंगतशृङ्गाराङ्गभूत° ...वर्णनासु अत्यासक्तिः Kāvyānu.(He.) 145. 5; एष यद्यपि ते दानगुणः सर्वगुणोत्तमः। तथापि नियतं तत्राप्यत्यासक्तिर्न शोभना PārśvC. 1. 101; तत्र यद्व्यसनमत्यासक्तिः औचित्यनिरपेक्षा प्रवृत्तिरिति यावत् SyādvāMañ. 27(76).

अत्यासक्तीकरण (atyāsaktī-karaṇa) *n.* act of cultivating intense attachment इन्द्रियाणामनिग्रहात् अत्यासक्तीकरणात् नरः ... पापमृच्छति VīraMi. 912. 9 (*on* 3. 219)

अत्यासङ्ग (aty-āsaṅga) *m.* great inclination for, excessive attachment, overindulgence नाशयति च दिङ्मोह इवोन्मार्गप्रवर्तकः पुरुषमत्यासङ्गो विषयेषु Kād. 103. 9; पलितराशिरत्यासङ्गादुत्तमाङ्गेनोह्यते AvantiKa. 42. 1; चण्डघोषस्तु युवराजोऽत्यासङ्गादङ्गनासु राजयक्ष्मणा सुरक्षयमगात् DaśKuC. 89. 16; अत्यासङ्गविनष्टोऽयमरे किं कृतवानिति। रुष्टः सिंहो भटान् प्रैषीन्निग्रहीतुं प्रभाकरम् PārśvC. 3. 466; 7. 166.

अत्यासज्ज् (ati-ā-sajj-) I. Ā. to be extremely fond of, to get attached to (a certain thing) नात्यासज्जेय भोज्ये झष इव बडिशे Nāray. xi. 93. 6.

अत्यासत्ति (aty-āsatti) *f.* close proximity, intimate connection प्रयोगस्य ह्यत्यासत्त्यादयो दोषाः Kāśi. i. 222. 8 (*on* 4. 39)

अत्यासन (aty-āsana) *n.* **A** sitting posture maintained for a long time अन्नवृद्धया विना षड् या वृद्धयस्तासु वर्जयेत्।... अत्यासनं चङ्क्रमणम् SuśruS. iv. 19. 4; अत्यासनमतिस्थानमतिचङ्क्रमणानि च सर्वमेतदनायुष्यम् BhelaS. 12. 15 (1. 8); प्रवातयानयानाध्वभाष्यात्यशन (v. l. त्यासन) संस्थितीः AṣṭāSaṁ. i. 130. 4 (1. 25); **B** keeping at a point or certain position (for a long time) वह्नौ निश्चलतामुपेतमधिकं संवासनात्यासनैः। तम् (पारदम्) ... संभक्ष्य वीर्यं प्राप्नोति मर्त्यः KalyāKā 24. 47.

अत्यासन्न (aty-āsanna) *adj.* [*f.* -ā] **i** quite near, extremely close (धृतराष्ट्रः) अत्यासन्नं मद्वृत्तं मन्यतेऽधर्मम् MahāBhā. v. 26. 19; अत्यासन्ना हयारोहा ऋष्टिभिर्भरतर्षभ MahāBhā. vi. 101. 21; नात्यासन्नै(? न्नै)र्न दूरसंस्थितैः प्रेक्षकैः- (? प्राश्निकैः) तु भवितव्यम् NāṭyaŚā. 27. 73; अत्यासन्नानधीयानान् ब्राह्मणान् यो व्यतिक्रमेत् BṛParāSm. 6. 234; द्रष्टुं नात्यासन्नं शशाक सा (सीता) JānaHa. 10. 79; अत्यासन्नातिदूरस्थं विप्रियं विकृतादि च। यद्दृश्णा वीक्ष्यते रूपं मिथ्यायोगः स उच्यते AṣṭāHṛ. i. 12. 36; अत्यासन्ना विनाशाय दूरस्था न फलप्रदाः। सेव्यतां मध्यभागेन राजा वह्निर्गुरुः स्त्रियः CāṇaNīDa. 14. 11; अत्यासन्ने च सुव्यक्तं तेजस्तत्स्यादतिस्फुटम् PramāVār. 3. 413; (अहम्) तस्य नात्यासन्ने...सरसस्तीरकानने कृतानिकेतनः स्थितः DaśKuC. 123. 24; अत्यासन्नस्य सुविवित्तिर्दुर्लभा चाञ्जनादिवत् VibraVi. 76; अत्यासन्नानसंसृष्टानणूनेवाक्षगोचरान्। अपरः प्राह NyāyVi. 2. 101; संसाराध्वनि ... °खिन्नानाम् ...। अत्यासन्नसुधाम्बुधिम् ... दर्शयत्येषा शंकरभारती ViveCū. 582; RāmC. 5. 92; अत्यासन्नोऽतिचपलः को न दह्येत वह्निना BṛkathāŚloSaṁ. 4. 6; अत्यासन्नं च भक्तानां तं वन्दे भक्तिसङ्गिनम् (हरिम्) BṛNāraP. 11. 26; अत्यासन्नं सैन्यलोकं व्रजन्तं ये दूरस्थानूचुरन्यान्नरेन्द्रान् Rāvaṇā. 8. 38; सिध्यन्त्यमूः अत्यासन्नमहोदयप्रणयिनामष्टौ महासिद्धयः PraboCan. 3. 21; TriṣaŚaPuC. i. 4. 538; KāvyKaVṛ. 83. 6 (3. 4); अजितस्वामिनं नृपः। आचर्यत् सुरभिद्रव्यैरत्यासन्नोपकारिणम् PrabhāC. 202. 20; चक्षुरप्राप्यार्थप्रकाशकम्। अत्यासन्नाप्रकाशकत्वात् NyāySu.(Ja.) 255B. 4 (*on* ii. 1. 2); 256B. 6 (*on* ii. 1. 2); इदमत्यासन्नं मदीयं भवनम् KaṁVa. 5. 25(3); अत्यासन्नस्थले असमत्वेऽपि समान्तरितान्येव दृश्यानि SiddhāTaVi.(ŚeṣaVā.) 19. 17; कथमत्यासन्न एव सेनारजोभिलक्षितसंनिपातस्तारेयः AdbhuDa. 3. 14(2); अये अत्यासन्नेयं वास्तुभूमिः RasSa. 126(1); NānārthaMañ. 632; **ii** extremely close (relation, contact) अत्यासन्नाभिरेताभिः (कुरङ्गाक्षीभिः) दूरे स्युर्गुरवो गुणाः PāṇḍaC. 1. 338; (ज्ञानस्य) बह्वासङ्गेन जीवस्यात्यासन्ना अपि पापिनः। ज्ञातास्तेन स्वयं यान्ति दोषाः हीता इव ध्रुवम् PārśvC. 6. 379; **iii** very near or close (time) प्रत्यासन्ने (v. l. अत्यासन्ने) आयुषि ... अष्टादशपापस्थानानि त्याजितः PrabaK. 40. 18; **iv** closely related अत्यासन्ने ...। वृत्तिहीने च मूर्खे च कन्यादानं न शस्यते SkandP. i(1). 23. 7.

अत्यासन्नता (atyāsanna-tā) *f.* great proximity, extreme vicinity कुक्कुटैः संपात्याः कुक्कुटसंपात्या ग्रामाः अत्यासन्नताकथनम् JaineVyā. 51. 23 (*on* i. 3. 29); अत्यासन्नतया तेन ग्रीष्मे तीव्रकरा रवेः SūrySi. 12. 46.

अत्यासन्नत्व (atyāsanna-tva) *n.* great proximity, extreme vicinity परस्परोपसर्पणव्यवधानादिविरहादेराश्रयभूतैर्ये जाताः योग्यश्चात्यासन्नत्वातिविप्रकर्षविरहात् देशश्च HetuBiṬ. 129. 13; अत्यासन्नत्वेन मन्त्रेशानां साक्षाद् ग्रहणम् Bhāsk. ii. 228. 12 (*on* iii. 1. 5)

अत्यासन्नफल (atyāsanna-phala) *adj.* whose effect is imminent महासेनेन दुःस्वप्नः स यथा वञ्चितस्तथा। वञ्चय त्वमपि क्षिप्रमत्यासन्नफलो ह्यसौ BṛKathāŚloSaṁ. 2. 80.

अत्यासन्नबन्धु (atyāsanna-bandhu) *m.* very close relative इमे ... अत्यासन्नबन्धवः ... भवितुमर्ह(न्ति) AvantiKa. 175. 6.

अत्यासन्नम् (aty-āsannam) *adv.* very near, quite close शक्रोऽप्यैरावतं रोषादत्यासन्नमानयत् PadmP.(Ra.) 12. 341; तमत्यासन्नमासीनमतिमात्रप्रियंवदम्। पादौ संवाहयन्तं मे क्रुद्धो हरिशिखोऽब्रवीत् BṛKathāŚloSaṁ. 13. 25.

अत्यासन्नमद (atyāsanna-mada) *adv.* (an elephant) whose (flow of) rut is just to begin अत्यासन्नमदो हृष्टो वारणः स्यात्प्रभेदने Mānaso. iv. 3. 49.

अत्यासन्नराज्य (atyāsanna-rājya) *adj.* whose accession to the throne was imminent ततः प्रभृत्युन्मुखता सुनिमित्तैरगृह्यत। तस्यात्यासन्नराज्यस्य भृत्यैरिव दिने दिने RājTa.(Ka.) 7. 744.

अत्यासन्नविधूदया (atyāsanna-vidhūdayā) *adj.* (*f.*) (the quarter) where the moon rise is imminant सा कृशाङ्गी शरीरेण शरत्काण्डविपाण्डुना। अत्यशेत दिशं प्राचीमत्यासन्नविधूदयाम् YātrāPra. 2. 2.

अत्यासन्नीभू (atyāsannī-bhū-) I. P. to be very close or at hand त्रिजगत्कौतुकास्थानं स्थानमाविश्य तौ ततः। प्रहारोद्ग्रहस्ताग्रावत्यासन्नीबभूवतुः PāṇḍaC. 13. 911.

अत्यासम् (atyās-am) *ger.* having passed by द्व्यहमत्यासं गाः पाययति KāśiVṛ. *on* P. iii. 4. 57; JaineVyā. 142. 22 (*on* ii. 4. 42); द्व्यहात्यासं गाः पाययति द्व्यहमत्यासम् SiddhāKau. 584B. 23; Rāvaṇā. 13. 34; नृपोऽपि ... मुहूर्तमत्यासमथोत्फलद्भिः।... दृतिवाः पिबद्भिः स तैर्जहर्ष प्लवगैर्नु रामः DvyāśraKā. 14. 26.

अत्यासादन (aty-āsādana) *n.* assailing, assaulting यत्तथोत्कृष्टधियः प्रियसखस्य नः प्रमत्तवद(? ट)वीपथावतरणमारण्यकैरत्यासादनम् AvantiKa. 174. 17; युक्तमुक्तमलं तात जानक्या वस्तु पुष्कलम्। स्फुटीकृतं तु नात्यन्तमत्यासादनभीतया PadmP.(Ra.) 37. 74; वातापिरिल्वलिश्चारावगस्त्यस्यात्यासादनाद् विनेशतुः NītiVā. 16. 21.

अत्यासादना (aty-āsādanā) *f.* act of showing disrespect, neglect स साधुभिर्बहिः कार्यो वृद्धात्यासादनारतः MahāP. 39. 161 (F. N. वृद्धातिक्रमणे तत्परः)

अत्यासादयत् (aty-āsādayat) *adj.* attacking, assaulting (विनिनाश) हर्षाद् वातापिरगस्त्यमत्यासादयन् ArthŚā. i. 38. 4 (1. 6) (cf. comm. वञ्चयन्); संकल्पोपपन्नप्रतिष्ठानि देवतासायुज्यभाञ्जि शिलाशकलानि किमत्यासादयन् पुरुषो न भवति महापञ्चपातकी YaśasCam. ii. 136. 5.

अत्यासादयितव्य (aty-āsādayitavya) *adj.* to be attacked or assailed बालेनापि सदा मोहात् भृशं सापह्नवान्यपि। नात्यासादयितव्यानि तेजांसि च तपांसि च MahāBhā. iii. 291. 4; नात्यासादयितव्यानि तेजांसि च तपांसि च Rāmā. i. 1179*(1); कोऽव्यस्तत्र चतुर्विंशद्गन्धर्वाणां तरस्विनाम्...नात्यासादयितव्यास्ते वानरैर्भीमविक्रमैः Rāmā. iv. 41. 18.

अत्यासादयितुम् (aty-āsādayitum) *inf.* to assail or attack closely नात्यासादयितुं तात रामान्तकमिहार्हसि Rāmā. iii. 35. 17.

अत्यासाद्य (aty-āsādya) *ger.* having entered farther सोऽत्यासाद्य तु तद्वेश्म Rāmā. ii. 277*(4)

अत्यासारिणी (aty-āsāriṇī) *adj.* (*f.*) [AltGr. II. 1. 197] **i** heavily showering or streaming नात्यँग्नं प्र हृरेद् यदत्यँग्नं प्रहरेदत्यासारिण्यँध्वर्योर्नाशुका स्यात् (वृष्टिः) TaiS. II. vi. 5. 4; KapiKaS. 39. 2; **ii** running or crossing over मा ते कुमारं रक्षो वधीन्मा धेनुरत्यासारिणी ĀpaManPāṭha. ii. 13. 1; BhārGS. 1. 25 (26. 5)

अत्यासृ (aty-āsṛ-) I. P. to move near, to approach अत्यासरत् प्रथमा धोक्ष्यमाणा AV.(P.) v. 31. 1 = KauśīSū. 72. 21.

अत्यासृज् (aty-āsṛj-) VI. P. to let loose against तेन तमत्यासृजामि योऽस्मान् द्वेष्टि यं वयं द्विष्मः AV.(P.) xvi. 129. 1.

अत्यासेवित (aty-āsevita) *adj.* over-indulged in सेवेत ... समं वा त्रिवर्गम् एको ह्यत्यासेवितो धर्मार्थकामानामात्मानमितरौ च पीडयति ArthŚā. i. 39. 7

(1.7); NītiVā. 3.4; प्राणातिपातेनात्यासेवितेन बाह्या भावा अल्पौजसो भवन्ति AbhidhKoBh. 254.7 (*on* 4.85); JayaMa. 27.7 (*on* 1.2)

अत्यास्या (aty-āsyā) *f.* excessive sitting in one place अत्यास्यायानयानाभ्यां संधिमूर्द्धत्रिकादिरुक् AṣṭāSaṁ. ii. 165.17 (5.17)

अत्याहत (aty-āhata) *adj.* [*f.* -ā] **i** greatly afflicted (अयोध्यां भरत: क्षिप्रं प्रविवेश) तिमिराभ्या (v. l. त्या)हताम् … निशामिव Rāmā. ii. 106.2; स: … मातापितृवियोगजेन दु:खेनात्याहत: Divyāva. 299.27; **ii** violently shaken अत्याहतो यथैवाम्भोबिन्दुर्भ्रमति पुष्करे BrahmāṇḍP. iii. 38.58.

अत्याहति (aty-āhati) *f.* excessive impact एको वीरतर: स कामसमरे वक्षोभव: सुभ्रुवां येनात्याहतिजर्झरेण न मनाक् शैथिल्यमालम्बितम् SūktiMu. 78.14.

अत्याहव (aty-āhava) *m.* great battle अभ्याभवो (v. l. अत्याहवो) द्वैतवने य आसीद्दुर्मन्त्रिते घोषयात्रागतानाम् MahāBhā. v. 23.25.

अत्याहार (aty-āhāra) *m.* overeating अत्याहारम् … योगी विवर्जयेत् AmṛNāU. 28; SkandP. iii(3). 11.26; निद्रा नाम दौर्बल्य° … °चिन्तात्याहारस्वभावादिभिर्विभावै: समुत्पद्यते NāṭyaS'ā. 7.109; Kāvyānu.(He.) 107.15; BhāvPra (S'ā.) 22.22(1); अत्याहार: प्रलापश्च … षड्भिर्योगो न सिध्यति KulārT. 15.108; PārśvC. 3.1040; HaṭPra. 1.15; अत्याहारान्महद्दु:खम् PadmP. ii. 66.140; अत्याहारामयाविन: । … यस्यानुजीविन: NaiṣC. 17.25; S'aṅkaVi.(Ā.) 224.9; PurāPraSaṁ. 115.16; अत्याहारात् … कुपिते मारुते Hastyāyur. 286.8 (2.57); *adj.* who eats excessively अत्याहारस्तु दैत्य: … कृष्णम् … अन्वयात् HariC.(Pa.) 129.

अत्याहारयमाण (aty-āhārayamāṇa) *adj.* extorting, over-taxing (विननाश) लोभादैलश्चातुर्वर्ण्यमत्याहारयमाण: ArthS'ā. i. 38.1 (1.6)

अत्याहारित (aty-āhārita) *adj.* subjected to extortion अत्याहारितमर्थं वा स्वयं परमुखेन वा । … कृच्छ्रेण साध्यते मित्रम् ArthS'ā. iii. 40.5 (8.5)

अत्याहारिन् (aty-āhārin) *adj.* eating immoderately, gluttonous [MW.]

अत्याहित (aty-āhita) *adj.* [*ā* due to Prakrit accāhida(?) अतीवाहितमाहितं वात्याहितम् Kṣīra, *on* AmaK. 2489] **i** acted violently against (Loc.) महादेवे …। तस्मिन्नत्याहितं तेन नृशंसेन AhirbuS. 43.26; **ii** daring, disagreeable अत्याहितं किमपि राक्षसकर्म कुर्यादार्या सती कथम् MahāviC. 4.50; कार्यमत्याहितं भविष्यति PraboCan. 2.27 (33.1); अत्याहितेन भवितव्यं रहस्येन AdbhuDa. 2.11(1); *n.* **1** daring deed or action, rash act (death) पाण्डुपुत्रैर्न कच्चिदत्याहितमाचेष्टितं भवेत् VeṇīSaṁ. 2.315; प्रत्याख्यातमनोरथा किमपि सा कुर्वीत नात्याहितम् TāpaVa. 4.9; 4.15(23); यदपायशङ्कया त्वया व्यवसितमत्याहितं सेयं ते भगिनी प्रतिगृह्यताम् SubhaDha. 5.11(5); यूथायित(v. l. अत्याहित)मवतु हरे: … वराहवपुषो व: SaraKaṇṭhā. 738.18; यावदत्याहितं नाप्नोति तावत् … सानुनीयताम् Kāvyānu.(He.) 129.5; तस्या अत्याहिते हन्त जीवितेनापि किं मम SamaraSaṁ. 5.78; मा मद्वियोगकातरा किंचिदत्याहितं करिष्यत्यम्बा MohaRāPa. 3.58(3); MalliC. 1.81; अत्याहितमिदम् … बालौ मल्लयुद्धे नियोजितौ Yādavā. 10.37; 19.49; ĀnandRa. 7.43(1); **2** great calamity, danger, evil, accident, mishap कीचकस्य तु घातेन … । अत्याहितं चिन्तयित्वा व्यस्मयन्त पृथग्जना: MahāBhā. iv. 24.1; भयं नाभ्याविशेत्तत्र (v. l. नात्याहितं विशेत्तत्र) यत्र राजा युधिष्ठिर: MahāBhā. iv. 27.17; vi. 3.22; vii. 39.4; इदमत्याहितं चान्यत् कुत: सत्यमराजके Rāmā. ii. 61.10; यदि स्यादिह गोविन्दो नैतदत्याहितं भवेत् HariVaṁ. 102.13; S'āk. 6.28(19); यावदपरमपि किंचिदत्याहितं न श्रावयति तावदेवाज्ञापय मां संग्रामावतरणाय VeṇīSaṁ. 5.118; तदेतदत्याहितमाशङ्के … किमत्र नामात्याहितम् MahāviC. 6.42(1); 6.4(3); आर्ये किमत्याहितं सीतादेव्या: … न केवलमत्याहितं सापवादमपि UttaRāC. 2.6(2); MālaMā. 9.269; TāpaVa. 2.17(3); AhirbuS. 48.106; अहो अत्याहितम् । सा … छिन्नपातं पतति SubhaDha. 1.11(11); तेनोत्तमोत्तमनिजध्वजिनीपतीनामत्याहितेन हतशेषचमूजयाश: । … दशास्य: RāmC. 36.1; ĀtmaTaVi. 589.15; महामोहस्य विवेकसकाशादत्याहितं श्रुतम् PraboCan. 2.11 (25.3); KathāSaSāg. xii 6.210; न्यक्कृतोऽयं निपत्याशु कुर्यादत्याहितं रुषा RājTa.(Kā.) 8.3152; TriṣaS'aPuC. ii. 6.62; अत:परं युष्माकमत्याहितमेष्यति PañcT. 1.61 (67.25) = Pañcā. 37.3; तस्याप्यत्याहितं न स्यात् स्थितेष्वस्मत्सु (?) संनिधौ PāṇḍaC. 8.413; 5.46; 5.296; 7.366; 9.268; 17.247; क: सत्यां मयि मायिकोऽपि भवतामत्याहिताय प्रभु: Surath. 7.74; 2.57; भगवति महि … महदेतदत्याहितम् TriPuḌi. 1.31(2); 2.1(1); 2.6(11); 4.2(6); अत्याहिते परिपतत्यथ दैवयोगाद्देवोऽयमेव शरणम् SamudraMa. 1.29; 1.67(1); KirātāVyā. 26(6); यद्यत्राया हयखुररज:पीत[तो]या: समुद्रा लोपामुद्रादयितचुलुकात्याहितानां स्मरन्ति EI. vii. 193.74; NyāyPari. 359.2; S'ṛṅgāBhū. 74.1; राक्षसहतकस्याक्रन्दितं श्रुत्वा मम किमप्यत्याहितमाशङ्कमाना भीतभीता जानकी UnmaRā(Vi.) 25(4); BhaktiRaSi. iv. 5.3; तयोरप्रतीकारमत्याहितमुपस्थितमवगच्छामि KaṁVa. 4.9(7); 2.24(2); 4.36 (2); YātrāPra. 6.187; अत्याहिताद् गलितवस्त्रम् … सैन्यम् Raghunā. 8.93; 3.40; यावदत्याहितं नैति तावत् प्रतिविधीयते ParamāKā. 81.21; 31.25; NilaVi. 22.6; AdbhuDa. 1.12(6); 2.27; 3.9(6); शत्रुपक्षे महदत्याहितमापतिष्यति Jīvān. 120.1; Mukundā. 185(5); S'ṛṅgāSar. 110(2); Manmatho. (430.7); [Kośas give the meanings महाभीति, महाभय or अतिसाध्वस and जीवानपेक्षि कर्म or साहस, AmaK. 2489; AnekāSa. 356; Vaija. 273.1; AnekāSaṁ. 4.94; ViśvaPra. 71.180; DharK. 1011; AnekāK. 356; NānārthSaṁ. 3.24; NānārthāSaṁ. iii. 18.3; MediK. 71.181; NānārthaMa. 805; ViśvaLoK. 151.191; KośaKaTa. 2.5624]

अत्याहितकर्मन् (atyāhita-karman) *adj.* doing dangerous deeds शौण्डिकपाकमांसिकौदनिकरूपा जीवा: … अतिव्ययकर्तारमत्याहितकर्माणं च निवेदयेयु: ArthS'ā. i. 351.5 (2.36) (comm. अतिमात्रारब्धमद्यपानादिकर्माणम्); अस्यात्याहितकर्मणो व्यपगमे कालेन भर्त्रा समं संधास्ये भवतीम् Jīvān. 79.2 (comm. अतिभयावहस्य)

अत्याहितम् (aty-āhitam) *adv.* very much, thoroughly (*lit.* very well placed) न तु तेषां गतिर्वास: प्रवृत्तिश्चोपलभ्यते । अत्याहितं वा गूढास्ते पारं वोर्मिमतो गता: MahāBhā. iv. 25.15.

अत्याहितमति (atyāhita-mati) *f.* very apprehensive mind इत्येवमत्याहितमत्या समेतामेतां सद्य असाद्य … सरमा चिरमाश्वासयामास RāmāCam. 6.30(1) (comm. अत्याहितमत्या विभीतबुद्ध्या । यद्वा अत्याहिते जीवितानपेक्षितव्यापारे या मति:)

अत्याहितलाघवत्व (atyāhitalāghava-tva) *n.* the state of having well placed swiftness रथवरौ … रथचर्यास्वत्याहितलाघवत्वात् … प्रचकाशाते AvantiKa. 112.1.

अत्याहितविशङ्किनी (atyāhita-viśaṅkinī) *adj.* (*f.*) apprehending great calamity मन्त्रिणी सह पोत्रिण्या भृशं चिन्तामवाप ह । उवाच तां दण्डनाथामत्याहितविशङ्किनीम् । …तत्प्रतीकारकर्मणे BrahmāṇḍP. iii. 28.49.

अत्याहितव्यवहार (atyāhita-vyavahāra) *adj.* engaged in dangerous or rash transactions कदर्यो व्यसन्यत्याहितव्यवहारश्चेति लुब्धवर्ग: ArthS'ā. i. 68.4 (1.14)

अत्याहितशंसिन् (atyāhitaśaṁs-in) *adj.* speaking of the great calamity ततस्तस्मिन्मुनिसुते हृतेऽत्याहितशंसिभि: । … शिशुभि: कथितं तत्पितु: पुर: SkandP. iv. 12.65; iv. 39.31.

अत्याहितसंचय (atyāhita-sañcaya) *m.* lot of calamities or difficulties सूतेऽत्याहितसंचयैरपि रसम् … राधामाधवयोरयं निरुपम: प्रेमानुबन्धोत्सव: UjjvaNīMa. 451.6.

अत्याहितहेतु (atyāhita-hetu) *m.* cause of calamity, reason for danger अत: प्रागेवातर्क्यं किञ्चिदत्याहितहेतुस्तदीयान्तर्मुखतेति Jīvān. 101.4.

अत्याहितादर (atyāhitādara) *adj.* having great regard for स बन्धुर्योऽनुबध्नाति हितेष्वत्याहितादर: NītiSā. 8.77.

अत्याहृतव्यवहार (atyāhṛta-vyavahāra) *adj.* who is engaged in excessive dealings उक्तं च संमानितविमानिता: ।… प्रत्यपहृतमाना: । तथात्याहृतव्यवहारा: … समवाये स्वधर्मान्न चलन्ति Tantrākhyā. 12.11.

अत्याहृता (aty-āhṛtā) *adj.* (*f.*) taken or used in excess उपयुञ्जीत पिप्पलीम् … अत्याहृता पचेद्देहं तीक्ष्णोष्णाकटुभावत: BhelaS. 67.22 (3.1)

अत्याहृत्य (aty-áhṛtya) *ger.* [accent? DEBRU. p. 782] having brought अत्याहृत्य पशून् देवानुत्पातयस्वाद्भुतम् ṚV.(Khila.) iv. 5.29; अग्निहोत्रवत् तूष्णीमुन्नीयापरेणाहवनीयं व्रतमत्याहृत्य प्रयच्छन्नाह व्रत्य व्रतय व्रतमुपेहीति ĀpaS'S. x. 17.8.

अत्युक्त (aty-ukta) *adj.* **i** spoken too much अत्युक्तमपि मे सर्वं क्षन्तुमर्हस्यनिन्दित MahāBhā. iii. 197.42; **ii** beyond expression सुखमेतेन सिद्धानामत्युक्तं विषयातिगम् । अप्रमेयमनन्तं च MahāP. 11.214; *n.* **i** name of a metre with two syllables in each foot एकाक्षरं भवेदुक्तमत्युक्तं द्व्यक्षरं भवेत् NāṭyaS'ā. 14.46; छन्दसां नामानि उक्तम् … अत्युक्तम् Jānāśra. 1.2 (3); (अक्षराणि) अत्युक्तस्याष्टौ Jānāśra. 1.4 (2); 4.3; उक्ता स्त्री क्लीबमोक्तं स्यादत्युक्तात्युक्तमन्तिमे KośaKaTa. 1.1399; **ii** one of the four types of *dhruvā* using the metre *atyukta* अत्युक्तं च प्रतिष्ठं च मध्यं गायत्रमेव च । एता: स्थिताव(प)कृष्टास्तु(सु) त्र्यस्रा ज्ञेयास्तु जातय: NāṭyaS'ā. 32.35.

अत्युक्तवत् (atyukta-va(n)t) *adj.* who has insulted or offended यदिदं कुरुपञ्चालानां ब्राह्मणानत्यवादी: अत्युक्तवानसि BṛĀraUBh. 469.14 (*on* iii. 9.19)

अत्युक्ता (aty-uktā) *f.* name of a metre cf. **अत्युक्त,** उक्तात्युक्ता तथा मध्या … इत्युक्ताश्छन्दसां संज्ञा: VṛttaRa. 1.18; अत्युक्तायास्तु चत्वारो भेदा रतिगणा मता: । किंतु तत्र लपूर्वा ये तेष्वादावधिको लघु: SaṁgīRa. ii. 227.7

(4.64); ĪśānŚiPa. i. 1. 84; (एकाक्षरात्समारभ्य यावत् षड्विंशतिं गताः । एकैकाक्षरसंवृद्धया पादाः स्युश्छन्दसाम्) तत्र … अत्युक्ता द्वितीया (इति संज्ञाः … छन्दसाम्) Mānaso. iv. 2. 218; उक्तात् एकैकाक्षरवृद्धपादा अत्युक्तादयः । तत्र द्वयक्षरा अत्युक्ता जातिः Chandonu. 2. 4 (1); अत्युक्तात्युक्तम् KośaKaTa. 1. 1399.

अत्युक्ति (aty-ukti) *f.* **1** excessive talk अत्युक्तिमन्यदोषोक्तिमसभ्योक्तिं च वर्जयेत् । भाषेत वचनं नित्यमभिजातं हितं मितम् YaśasCam. ii. 349. 9; दुर्बोधं यदतीव तद्धि जहति स्पष्टार्थमत्युक्तिभिः । स्पष्टार्थेष्वतिविस्तृतिं विदधति … टीकाकृतः RājMār. 1. 15; श्वासाः किं त्वरितागतैः पुलकिता कस्मात् प्रसादः कृतः … स्वेदार्द्रं मुखमातपेन गलितं क्षामा किमत्युक्तिभिः Subhaṣi. 1440; **2A** exaggerated statement अहो दाम्भिकब्राह्मणस्यात्युक्तिः PraboCan. 2. 10 (24. 2); शैलैस्संधयति स्म वानरहृ(? हृ)तैर्वाल्मीकिरम्भोनिधिं व्यासः पार्थशरैस्तथापि न तयोरत्युक्तिरुद्भाव्यते ŚṛṅgāPra. 96. 23; SaduktiKa. 318. 11; PrabaCin. 42. 1; अतिदोषवत् अत्युक्त्या दोषवत्, शतं देयमित्युक्ते द्विशतं दत्तमित्यादि SmṛtiCan. iii. 100. 18; HammiMaMa. 1. 17 (2); RasTa. 158. 3; अत्युक्तिरेषा तव सार्वभौम तनोति कामं श्रवसोः कटुत्वम् CaitaCa. 176. 13 (8); लज्जयेव मीलयति मामतिवत्सलतया देवपादानामस्थानप्रवृत्ता मुहुरत्युक्तिः AdbhuDa. 3. 19 (3); शक्त्युत्कर्षमाविष्कर्तुमत्युक्तिः SiddhāKau. 140A. 11; (अपि स्तुत्यादिति) अत्युक्तिरसंभाव्यार्थसंभावनम् LaŚabdeŚe. i. 475. 11; **2Bi** poetic exaggeration अल्पं निर्मितमाकाशमनालोच्यैव वेधसा । इदमेवंविधं भावि भवत्याः स्तनजृम्भणम् । इदमत्युक्तिरित्युक्तमेतद् गौडोपलालितम् Kāvyāda. 1. 92; लौकिकार्थमतिक्रम्य प्रस्थानं यत् प्रवर्तते । तदत्युक्तिरिति प्रोक्तं गौडानां मनसो मुदे SaraKaṇṭhā. 132. 9; अत्युक्तौ यदि न प्रकुप्यसि मृषावादं न चेन्मन्यसे तद् ब्रूमोऽद्भुतकीर्तनेषु रसना केषां न कण्डूयते । देव त्वद्विजयप्रतापदहनज्वालावलीशोषिताः सर्वे वारिधयस्ततो रिपुवधूबाष्पाम्बुभिः पूरिताः SubhāRaK. 41. 24; SūktiMu. 97. 46 = ŚārṅgaPa. 1246 = MahāN. 6. 70; अत्युक्तिभ्रमोक्तिचित्रोक्तिविरोधाभासप्रभृतयोऽद्भुता एव अत्युक्तिर्यथा – कोलावतारो हरिः … यस्य दशनप्रान्ते स्थिताया भुवः । तारा हारति वारिदस्तिलकति स्वर्वाहिनी माल्यति RasTa. 158. 3; **2Bii** the figure of speech hyperbole (consisting of the description of marvellous and fabulous valour, magnanimity etc.) अत्युक्तिरद्भुतातथ्यशौर्यौदार्यादिवर्णनम् Candrā. 5. 116 = Kuval. 163; अतथ्यैरद्भुतैर्यत्र शौर्यौदार्यादि वर्ण्यते । अत्युक्तिस्तत्र गदिता AlaṅkāMañ. 217. 13; अत्युक्तिर्वक्रोक्तिः (एते त्रिंशदलङ्काराः) SāhiSā. 2. 95; असंभाव्यार्थकथनमत्युक्तिः SāhiSā. 2. 130; **2C** name of a fault in developing a sentiment (*rasa*) रसदोषानाह । दोषोऽनौचित्यमङ्गौग्र्यमपोषोऽत्युक्तिरङ्गिभित् NāṭyaDa. 173. 24 (125); 'प्र(अ)त्युक्तिरिति' धाराधिरूढस्यापि रसस्य नैरन्तर्येण पुनः पुनरुद्दीप्तिर्दोषः NāṭyaDa. 175. 11 (125)

अत्युक्तिरूप (atyukti-rūpa) *adj.* of the form of exaggeration भित्तिरत्नेषु संक्रान्तप्रतिबिम्बशताकुला । जानीते स्म नदी यत्नाद्बिम्बं राघवभूपतेः । अत्र समृद्धेरत्युक्तिरूप उदात्तोऽलङ्कारः AlaṅkāMañ. 217. 6.

अत्युक्था (aty-ukthā) *f.* name of a metre with two syllables in each foot, cf. **अत्युक्त, अत्युक्ता**; आरभ्यैकाक्षरात्पादादेकैकाक्षरवर्धितैः पादैरुक्थादिसंज्ञं स्याच्छन्दः … उक्थात्युक्था तथा मध्या (इत्युक्ताश्छन्दसां संज्ञाः) ChandoMañ. 1. 26; अत्युक्था (द्व्यक्षरा वृत्तिः) ChandoMañ. 2. 2 (1)

अत्युक्थ्य (aty-ukthya) *adj.* surpassing the Ukthya sacrifice अत्युक्थ्यो हि स भवति AitBr. 14. 3 (400)

अत्युग्र (aty-ugra) *adj.* **1Ai** very terrible, very frightening (men, gods, Rākṣasas etc.) न विमुञ्चति मां शोको ज्ञातिघातिनमातुरम् । राज्यकामुकमत्युग्रम् MahāBhā. xii. 27. 3; दृष्ट्वा पितुर्वधं घोरं तत्पुत्राः … वारयामासुरत्युग्रं भार्गवम् BrahmāṇḍP. ii. 41. 1; बिभेमि तं मुनिवरम् … अत्युग्रम् BrahmP. 178. 20; दंष्ट्राकराल अत्युग्रस्त्रिनेत्रः शशिशेखरः VetāPañ.(Śi.) 49. 25; सापि सेहे तदत्युग्रराक्षसांसाधिरोहणम् । अनुरागपरायत्ताः कुर्वते किं न योषितः KathāSaSāg. iii. 4. 381; भीमः … पञ्चानन इवात्युग्रः साहसैकरसः स्थितः PārśvC. 2. 217; त्यजेत् स्वामिनमत्युग्रमत्युग्रात् कृपणं त्यजेत् SūktiRa. 123. 38 = ŚārṅgaPa. 1370; **1Aii** very powerful, very strong के शूरा रथशार्दूलमच्युतं (v. l. अत्युग्रं) क्षत्रियर्षभम् । … पृष्ठतोऽन्वयुः MahāBhā. vi. 15. 6; x. 7. 9; त्रयो मन्त्रा इवात्युग्राः … त्रयः सुकेशस्य सुताः Rāmā. vii. 5. 7; अत्युग्रो बाणः … बलेस्सुतः ViṣṇuP. v. 1. 24 = BrahmP. 181. 10; 3. 112; HarṣaC. 256. 10; नृहरिर्देवः … करैरष्टभिरत्युग्रः PāraS. 23. 92; सामर्षो नायकोऽत्युग्रः Kāvyālaṅ.(Ru.) 15. 13; अत्युग्रेण यमेश्वरेण तनुमानङ्गीकृतो भक्षितुं व्याघ्रेणेव बुभुक्षितेन गहने नो शक्यते रक्षितुम् SubhāRaSaṁ. 297; ऊर्ध्वरेतसमत्युग्रं सुदीर्घतपसि स्थितम् । गौरी … प्राप्य च त्र्यम्बकं पतिम् KathāSaSāg. iii. 6. 61; RājTa.(Śrī.) 1 (3). 70; **1B** very ferocious, very cruel, vicious (animals) न तु तन्मृषे कर्णो धनुषश्छेदनम् …। निकर्तनमिवात्युग्रो लाङ्गूलस्य यथा हरिः MahāBhā. vii. 145. 25; नागा हयान् समासाद्य विक्षिपन्तो बहून्यथ । द्रावयामासुरत्युग्राः MahāBhā. viii. 19. 51; वल्मीकविवरोद्यातैरत्युग्रैः स महोरगैः । … वेष्टितः प्राप केवलम् PadmP. (Ra.). 4. 76; स्वभावरौद्रम् अत्युग्रम् … उलूकमभिषिच्येमं कथं रक्षा भविष्यति PañcT. 3. 35 (290. 3); Tantrākhyā. 97. 15; (ज्वरौ … प्रमुस्तौ व्यसृजत्) आशीविषमिवात्युग्रं ज्वलन्तमिव पावकम् Hastyāyur. 55. 19 (1. 8); **1C** very harsh (words) श्रुतं ते … कुन्त्याः … वाक्यमर्थवदव्यग्रम् (v. l. अत्युग्रम्) MahāBhā. v. 136. 2; अन्यथा कथमत्युग्रमिदं भणति नः पिता PārśvC. 7. 52; तदा च बाणपक्षीयैः … पण्डितैः । जगदे किंचिदत्युग्रं प्राग्वृत्तश्रुतितः स्फुटम् PrabhāC. 115. 9; **1D** very terrible, severe (things) दानवालयमत्युग्रं प्रयातोऽस्मि युयुत्सया MahāBhā. iii. 165. 23; iv. 21. 6; शस्त्रधारणमत्युग्रं तच्च कार्यं कृतं त्वया MahāBhā. v. 186. 12; मर्मभेदिभिरत्युग्रैर्बाणैः … अभ्यहनद् द्रौणिः पाण्डवम् MahāBhā. viii. 15. 20; कृपस्य … अत्युग्रं धनुश्चिच्छेद पाण्डवः MahāBhā. viii. 21. 21; दण्डधारणमत्युग्रं प्रजानां परिपालनम् । (एतानि राज्ञां कर्माणि) MahāBhā. xii. 23. 10; विष्णुचक्रं तथात्युग्रम् … ददामि ते Rāmā. i. 26. 5; ते वयं वनमत्युग्रं प्रविष्टाः पितृशासनात् Rāmā. iii. 11. 4; एते च पार्थिवाः सर्वे सुग्रीवसमविक्रमाः । तेषामनीकमत्युग्रम् Rāmā. vi. 411B*(2); ऐकाहिकं द्व्याहिकं च … चातुर्थकं तथात्युग्रम् … शमं नयाशु गोविन्द AgniP. 31. 18; BrahmāṇḍP. iii. 22. 14; तस्मिन्नत्युग्रे ग्रीष्मसमये … स भ्राता … अकथयत् HarṣaC. 84. 7; यत्तदूर्जितमत्युग्रं क्षात्रं तेजोऽस्य भूपतेः । दीव्यताक्षैस्तदानेन नूनं तदपि हारितम् VeṇīSaṁ. 1. 129 = KāvyPra. 313. 2 = VyaktiVi. 41. 13 = SūktiRa. 50. 7; चापमारोपयामास … अत्युग्रम् … नराधिपः BṛKathāK. 32. 24; इदं निरुदकं स्थानम् … अत्युग्रं पापेनाधिष्ठितं मया BṛKathāMañ. i. 2. 6; लक्ष्मणशरैः … स्वदुर्नयैरिवात्युग्रैर्हतः RāmāMañ. 378. 18; 351. 16; योग्यमुग्रस्य हि व्याधेः शान्त्यामत्युग्रमौषधम् TriṣaŚaPuC. i. 1. 762; स्पर्धयेव मिथोऽत्युग्रौ गर्जतः स्म घनाम्बुधी PārśvC. 2. 920; क्षितिम् । उपग्रह इवात्युग्रः संजहार RājTa.(Śrī.) 1 (3). 66; अतुष्टा वृष्टिरत्युग्रं डामरं कीटगे गुरौ NāraS. 2 (5). 27; 3 (0). 63; **1Ei** very fierce, awe-inspiring, powerful (abstract concept) उत्पातसंघैरत्युग्रैः क्षात्रहानिः प्रजायते AVPari. lxx (c). 32. 28; चित्तं पित्तमुदीर्णवेगम् । उन्मादमत्युग्रम् … कुर्यात् CaraS. vi. 9. 11 (1941 Ed.); कुर्यान् मन्त्रम् … अत्युग्रं कपिलं नाम्ना JayāS. 6. 147; दत्त्वा च वरमत्युग्रं कश्यपस्तामुवाच ह ViṣṇuP. i. 21. 33; शीतोष्णादिभिरत्युग्रैर्यस्य बाधा न विद्यते … तस्य सिद्धिरुपस्थिता MārkP. 39. 65; PadmP.(Ra.) 85. 20; SiddhYo. 4. 10; दुःखम् … आधिदैविकमत्युग्रं न भविष्यति ते BhaviP. 91B. 12 (i. 48. 41); DevīBhāP. vi. 21. 33; ज्ञातं भवद्भिरत्युग्रं पुत्रस्य मम चेष्टितम् DevīBhāP. vii. 11. 22; अद्वैतं ज्ञानमत्युग्रं तेन मुक्तो भवेन्नरः ŚaṅkaVi.(Ā.) 17. 8; (रसोऽयं चन्द्रशेखरः) अत्युग्रं नाशयेज्ज्वरम् RaseCin. 9. 11 (112. 18); मम हृदयवृत्तेरभिमतं भविष्यत्यत्युग्रं परमपरितोषोपचितये Indische Sprüche 4185; **1Eii** very severe, very austere (*tapas* etc.) अध्यापनयाजनप्रतिग्रहैरशक्तः क्षत्रधर्मेण जीवेत् … नेति गौतमोऽत्युग्रो हि क्षत्रधर्मो ब्राह्मणस्य BaudhDS. ii. 2. 70; दर्पसारः … अत्युग्रेण समाधिना समाराधयन्नन्धकारिमध्यास्ते शैलं कालम् AvantiKa. 209. 20; (सीता) तपोऽधिकुरुतेऽत्युग्रं जनान्तरसुदुःसहम् PadmP.(Ra.) 109. 11; (स कौशिकः) ब्राह्मण्यसिद्धयेऽत्युग्रं चचार सुमहत्तपः SkandP. iii(1). 39. 38; iii(1). 40. 22; PāṇḍaC. 18. 167; NemiDū. 35; **2** surpassing Ugra (in being highly terrible) स एतत् सर्वं निरुह्य … ददात्यत्युग्रोऽतिवीरोऽतिमहानतिविष्णुः NṛsiṁhoTāU. 7; *m.* **1** name of a demon (देवराजः) अत्युग्रं सुखदं दानवोत्तमम् । एतान् दृष्ट्वा … दानवेन्द्रानथाब्रवीत् PadmP. v. 13. 415; **2** name of Viṣṇu अत्युग्रो यमारिः कालसंवरः (इत्येतद् वासुदेवस्य विष्णोर्नामसहस्रकम्) PañcRā.(Nā.) iv. 3. 70 (? 80); *n.* **1** asafoetida हिंगौ तु भूतनाशनम् । अगूढगन्धमत्युग्रम् ŚeṣaNā. 1646; हिङ्गु रामठमत्युग्रम् DhanvNi. 77. 4; MadaPāNi. 23. 395; ApūNā. 42B. 2; AbhiMañ. 80. 7; **2** *bīja* letter known as *khrīm* छिन्नारहस्ये नर्तकीबीजम् अत्युग्रं वेश्यापि गणिका तथा । पण्यस्त्री पञ्च बीजानि खींबीजस्यानृतं परम् UddhāK. 3. 47.

अत्युग्र (aty-ugra) *adv.* (in Cpd.) very harmfully विक्रमस्य बलैस्तेषां ग्रामग्रामा उपद्रुताः । अत्युग्रकृतपापानामिह लोकेऽपि यत्फलम् MalliC. 7. 13; पातकं क्षालयिष्यामि तदहं वह्निसाधनात् । अत्युग्रकृतपापस्य नान्या काचिद्गतिर्मम MalliC. 7. 582.

अत्युग्रकच्छु (atyugra-kacchu) *m.* severe itch or scabies °युतविधिना दद्रुकण्डूकिलासप्रोसिध्मात्युग्रकच्छून् शमयति सहसा श्लेष्मरोगानशेषान् KalyāKā. 10. 12.

अत्युग्रकरवाल (atyugra-karavāla) *m.* very terrible sword पृष्ठतस्तस्य चात्युग्रकरवालकरामसौ ददर्श राक्षसीमेकाम् SamarāSaṁ. 2. 326.

अत्युग्रकर्मन् (atyugra-karman) *adj.* performing terrible deeds न हि सोऽस्ति पुमाँल्लोके यः संक्रुद्धं वृकोदरम् । द्रष्टुमत्युग्रकर्माणं विषहेत नरर्षभम् MahāBhā. vi. 19. 12; यदेतत्पलितम् मूर्ध्नि तद्विजानीत नागराः । दूतभूतमनार्यस्य मृत्योरत्युग्रकर्मणः MārkP. 109. 36; कुतः श्रद्धाविमुक्तस्य धर्मो धर्मफलानि च । … अत्युग्रकर्मभिर्मोके वेष्टितानां समन्ततः PadmP.(Ra.) 31. 21; PrabhāC. 23. 2; *n.* terrible deed स त्रिंशद्वर्षलक्षायुर्विष्णुरत्युग्रकर्मभिः । तमःप्रभाख्यामगमत् षष्ठीं नरकमेदिनीम् TriṣaŚaPuC. iv. 4. 304.

अत्युग्रकोदण्ड (atyugra-kodaṇḍa) *adj.* having a very dreadful bow

स दृष्ट्वा राममत्युग्रकोदण्डं स्मितमग्रतः (अब्रवीत्) RāmāMañ. 124. 15.

अत्युग्रकोप (atyugra-kopa) *m.* very terrible anger भज्यमानं ततः सैन्यवक्त्रं दृष्ट्वा महासुराः। उत्थिता योद्धुमत्युग्रकोपापूरितविग्रहाः PadmP.(Ra.) 12. 199.

अत्युग्रक्रकच (atyugra-krakaca) *m.* very terrible saw ते अत्युग्रक्रकचप्रचण्डनखरोत्कृत्तक्वणत्कीकसैरङ्गैः ··· श्येनीसुतस्तृप्यतु MahāvīC. 5. 19.

अत्युग्रक्रोध (atyugra-krodha) *m.* very terrible anger or fury प्रभुः। व्रजन्नभिमुखः शत्रोरत्युग्रक्रोधसङ्कुलः PadmP.(Ra.) 89. 87; इति ब्रुवाणस्यात्युग्रक्रोधान्निर्धूतविश्रुतम्। वेगादपातयन्मुष्टिं कपेर्वक्षसि राक्षसः RāmāMañ. 343. 13.

अत्युग्रगन्धा (atyugra-gandhā) *f. Carum copticum, ajamodā* अजमोदात्युग्रगन्धा मोदाहस्तिमयूरकः MadaPāNi. 22. 374; अश्वक्षुरः श्वेतपुष्पी ··· वह्नी चात्युग्रगन्धा च DhanvaNi. 151. 3.

अत्युग्रग्राह (atyugra-grāha) *m.* very frightful alligator सन्त्यत्र लवणाम्भोधावत्युग्रग्राहसङ्कटे ··· रम्या महाद्वीपाः PadmP.(Ra.) 5. 152.

अत्युग्रज्वाला (atyugra-jvālā) *f.* very severe flame प्रतीच्यां शार्ङ्गमत्युग्रज्वालामध्यगतं स्मरेत् AhirbuS. 26. 59.

अत्युग्रतपस् (atyugra-tapas) *adj.* practising very severe penance मुनिमिति ··· अत्युग्रतपसम् ··· पुरुषविशेषमाह NyāyKa. 2. 12; अत्युग्रतपोभिः ··· महर्षिभिः परिवृतम् ··· जाबालिमपश्यम् Kād. 41. 17; अत्युग्रतपसं दृष्ट्वा सहस्राक्षः पुरन्दरः। समर्थः पुत्रजनने स्वयमेवास्य शाश्वतः BrahmP. 10. 26; अत्युग्रतपसोऽमुष्य गतिः केयं महामुनेः PariPar. 1. 74; *n.* very severe penance अत्युग्रतपसा क्लिष्टा पद्मिनीव हिमार्दिता SkandP. i(2). 25. 57; महादेव उवाच। विप्रवर्य कवे तात मम भक्तोऽसि पावनः। अनेनात्युग्रतपसा S'ivaP. ii(5). 50. 36 (282A. 4); ii(1). 19. 2 (64A. 7); ददर्श मुनिमत्युग्रतपोज्वलिततेजसम् BrDharmaP. i. 25. 54.

अत्युग्रतम (atyugra-tama) *adj.* **i** exceedingly violent स्कन्दग्रहोऽत्युग्रतमः सर्वेष्वेव यतः स्मृतः SuśruS. vi. 37. 22; **ii** very severe तपोभिरत्युग्रतमैरुदारैः ··· कर्माणि तेषां तनुतामुपेयुः VarāṅgaC. 30. 65.

अत्युग्रतर (atyugra-tara) *adj.* very violent शिवस्तदत्युग्रतरं निगीर्य (कालकूटम्)। गौरीपरिष्वङ्गरसादिवाभूत्कपोलकालागुरुनीलकण्ठः DaśāvaC. 2. 24.

अत्युग्रतादीप्त (atyugratā-dīpta) *adj.* burning with severity (of heat) मुहुरत्युग्रतादीप्तः संसिक्तो रक्तवृष्टिभिः। ··· इत्यादिविकृतोपेतः स्कन्धावारो न शस्यते NītiSā. 17. 26.

अत्युग्रतेजस् (atyugra-tejas) *n.* very terrible or formidable lustre त्वं गतिर्गतिमतां वर अत्युग्रं तेजसां तेजः (अत्युग्रतेजस्तपसाम्) MahāBhā. xiii. 16. 13; अत्युग्रतेजोज्वलिताम्बुराशे प्रसेव्यमाने परितो नमस्ते BrahmāṇḍP. iii. 30. 26; पुनर्विष्णुर्मया प्रोक्तो मृडानि शुभलोचने। अत्युग्रतेजसा तेजो भ्रमन् SkandP. iv. 26. 102; *adj.* having very powerful lustre अन्यथाष्टभुजो धत्ते मुख्यदक्षकरादिकैः। ··· चक्रमत्युग्रतेजसम् PāraS. 23. 49; एकमत्युग्रतेजसं पुरुषमद्राक्षम् TilaMañ. 381. 14.

अत्युग्रत्व (atyugra-tva) *n.* great violence अवहित्थं न पुंसि स्यादत्युग्रत्वं तु चण्डता KośaKaTa. 1. 2029.

अत्युग्रदण्ड (atyugra-daṇḍa) *m.* very severe punishment मर्त्याः अत्युग्रदण्डादपि चोद्विजन्ते दण्डोऽपराधप्रतिमः शिवाय YogYā. 2. 32; अत्युग्रदण्डकल्पः स्यात्स्वभावाहितकारिणः S'ukraNī. 4(1). 65.

अत्युग्रदंष्ट्र (atyugra-daṁṣṭra) *adj.* having very terrible teeth अत्युग्रदंष्ट्रम्। ··· वन्दे षट्कोणसंस्थं सकलरिपुजनप्राणसंहारचक्रम् S'ilpaRa. ii. 23. 6.

अत्युग्रदर्पशमन (atyugradarpa-śamana) *m.* name of one of the forms of Nṛsiṁha (pacifying a very terrible pride) चतस्रो मूर्तयो विभोः। सूर्यलोकप्रदश्चाद्यो द्वितीयोऽग्निप्रभाकरः। अत्युग्रदर्पशमनश्चतुर्थो विश्वसूकरः JayāS. 29. 9.

अत्युग्रदर्शन (atyugra-darśana) *adj.* of an extremely fierce appearance युद्धं त्वमानुषं दृष्ट्वा कुरूणां फल्गुनस्य च। एकस्य च बहूनां च रौद्रमत्युग्रदर्शनम् MahāBhā. iv. App. 58(12)

अत्युग्रदीप्ति (atyugra-dīpti) *f.* very terrible lustre अत्युग्रदीप्तिविशदः समरेऽग्रगण्यः। ··· सूर्यः स्वभावरुचिमानिव भाति कर्णः KarṇaBhā. 4.

अत्युग्रदृष्टि (atyugra-dṛṣṭi) *f.* exceedingly fierce sight दक्षिणाशामुखो भूत्वात्युग्रदृष्टिमलीमसः। ··· मन्त्रं मण्डलकं जप्यात् KulārT. 16. 131.

अत्युग्रद्विजिह्व (atyugra-dvijihva) *m.* very virulent serpent वणिक् प्राग्रहरस्तत्र शिवनागाभिधः सुधीः। यन्मन्त्रैर्ह्रीयतेऽत्युग्रद्विजिह्वप्रभवं विषम् Prābhā-C. 127. 8.

अत्युग्रनरसिंह (atyūgra-narasiṁha) *m.* very fierce Narasiṁha अत्युग्रनरसिंहोऽहं कलशेश्वरपश्चिमे। अत्युग्रमपि पापौघं हरामि SkandP. iv. 61. 193.

अत्युग्रनिग्रह (atyugra-nigraha) *m.* very severe punishment यस्मिन्विनिर्मितवति प्रसभं प्रकोपादत्युग्रनिग्रहनवानुभवोपदेशम्। उद्घोष्यते क्रतुषु ··· पिष्टचरुभाजनमञ्जबन्धुः S'rīKaC. 5. 42.

अत्युग्रनियम (atyugra-niyama) *m.* very severe restraint अत्युग्रनियमोपेते (गायत्री च सरस्वती) ··· तप एवं प्रचक्रतुः SkandP. iii(1). 40. 22.

अत्युग्रपराक्रम (atyugra-parākrama) *adj.* of very terrible valour पदातिरत्युग्रपराक्रमश्च पदातिमेव प्रससार चाग्र्यम् VarāP. 11. 87.

अत्युग्रपात (atyugra-pāta) *adj.* giving a very terrible stroke आवृण्वन्बाणजालैरखिलमपि दिशाचक्रमत्युग्रपातैरन्तर्धानैकतानो जयति ··· मेघनादः Adbhu-Da. 8. 39.

अत्युग्रपाप (atyugra-pāpa) *n.* very heinous sin पादोदकेनाप्यभिषिच्यमाना अत्युग्रपापैः परिलिप्तदेहाः। ते यान्ति मुक्तिम् PadmP. ii. 98. 71.

अत्युग्रपीड (atyugra-pīḍa) *adj.* causing acute pain सोऽयम् ··· नाशयेत् ··· अर्शोस्याननासिकाक्षिगुदजान्यत्युग्रपीडानि च RasRaSa. 15. 40.

अत्युग्रपुण्य (atyugra-puṇya) *n.* very great religious merit अत्युग्रपुण्यपापानां मानेन फलमश्नुते SkandP. 1(ii). 34. 78; अत्युग्रपुण्यपापानां फलं भवति सत्वरम्। विचार्य खलु कर्तव्यं कार्यं तद्भूतिमिच्छता DevīBhāP. vi. 3. 22; vi. 16. 30; अत्युग्रपुण्यपापानामिहैव फलमश्नुते PrabaCin. 97. 14; UttaKuC. 430; Hitop. 1. 60 = S'ārṅgaPa. 700.

अत्युग्रपुर (atyugra-pura) *n.* name of a city (पञ्चवटः) योधाग्रमत्युग्रपुरमग्रहीत् RājTa.(Ka.) 8. 3402.

अत्युग्रप्रतिपिष्ट (atyugra-pratipiṣṭa) *adj.* severely pounded against one another अत्युग्रप्रतिपिष्टैश्च नदद्भिश्च भृशातुरैः। गजाश्वमथितैश्चान्यैर्मही कीर्णाभवत्प्रभो MahāBhā. x. 8. 72.

अत्युग्रप्रत्यनीकाभियोग (atyugra-pratyanīkābhiyoga) *m.* very voilent attack of the hostile army तानत्युग्रप्रत्यनीकाभियोगान्मेजे रामः सत्वरं सानुजन्मा RāmC. 30. 57.

अत्युग्रबल (atyugra-bala) *adj.* having very violent strength अथैत्य राजा युधि सत्यसंधो जयद्रथोऽत्युग्रबलो मनस्वी MahāBhā. vi. 81. 14.

अत्युग्रबाण (atyugra-bāṇa) *m.* very fierce arrow ततः पञ्चदशात्युग्रबाणान्देवी मुमोच ह DevīBhāP. vii. 28. 64.

अत्युग्रबाहु (atyugra-bāhu) *adj.* having very strong arms छत्रचामरसंवीताः सर्वे तेऽत्युग्रबाहवः (गणाः) SkandP. i(1). 29. 44.

अत्युग्रभय (atyugra-bhaya) *n.* great fear or danger समतृष्णानुसन्धानमत्युग्रभयदर्शनम्। प्रधानं दानमानं च भेदोपायाः प्रकीर्तिताः NītiSā. 18. 40; AgniP. 241. 58.

अत्युग्रभयद (atyugrabhaya-da) *adj.* producing great fear अर्कोदये विजृम्भन्ति गगनं स्थगयन्ति च। दिनद्वयं च त्रिदिनमत्युग्रभयदं रजः NāraS. 50. 4.

अत्युग्रभ्रम (atyugra-bhrama) *m.* very severe delusion or error अत्युग्रभ्रममुद्गराहतिवशात्संमूर्च्छितस्यानिशम्। ··· मुक्तिः स्यान्मम सत्वरं कथमतः सद्वृत्तवित्तं विना VairāS'.(Pa.) 39.

अत्युग्रम् (aty-ugram) *adv.* **i** in a very sharp or cutting manner न सूक्तं भवतात्युग्रमति रामं मदोद्धत Bhaṭṭi. 8. 90; **ii** very impetuously ततो निश्चेरुरत्युग्रं शरा बर्हिणवाससः। ब्रह्मेशविष्णुनामाङ्काः VāmaP. 69. 151.

अत्युग्रमहस् (atyugra-mahas) *n.* very bright or terrible lustre जग्मुः क्ष्मामितरे तु मीलितदृशस्तारादयो यूथपाः तस्यात्युग्रमहःप्रतानपरिधौ देहद्युतेः मूर्च्छति RāmC. 15. 65; *adj.* **i** having a very terrible lustre झटिति प्रसभं प्रतिघ्नती दृशमत्युग्रमहोभिरङ्गकैः (तपस्विनी निरगात्) RāmC. 12. 86; **ii** of very fierce might न चेदत्युग्रमहसा कपिसंघस्तरंगवान्। अगस्त्येनेव जलधिः पौलस्त्येनाद्य पीयते RāmC. 28. 104.

अत्युग्रमुष्टि (atyugra-muṣṭi) *m. f.* very strong fist अत्युग्रमुष्टिकुलिशाहतिपिष्टनिष्कौ ··· तौ रेजतुः स्फुटरुचा निजविक्रमेण RāmC. 36. 31.

अत्युग्रमूर्ति (atyugra-mūrti) *adj.* of a very fierce form अत्युग्रमूर्तिर्भगवान्स्वल्पवीर्यैर्नरैः कथम्। आराध्यते SkandP. ii(2). 15. 17.

अत्युग्ररस (atyugra-rasa) *n. Ferula asafoetida* हिंग्वत्युग्ररसं स्यात् AbhidhāMañ. 80. 7.

अत्युग्रराक्षस (atyugra-rākṣasa) *m.* very fierce demon सापि सेहे तदत्युग्रराक्षसांसाधिरोहणम् KathāSaSāg. iii. 4. 381.

अत्युग्रराव (atyugra-rāva) *m.* very fierce cry अत्युग्ररावेण दशाननस्य प्रसादवान् रावण इत्यभिख्याम्। चक्रे पिनाकी DaśāvaC. 7. 41.

अत्युग्ररुज् (atyugra-ruj) *adj.* of very acute pain त्वङ्मांससिरास्नायुसन्ध्यस्थिस्थितेऽत्युग्ररुजि वायौ ··· अग्निकर्म कुर्यात् SuśruS. i. 12. 10; साटोपमत्युग्ररुजमाध्मातमुदरं भृशम्। आध्मानमिति तं विद्यात् RugVi. 22. 68.

अत्युग्ररूप (atyugra-rūpa) *adj.* having a very frightful appearance

or form ज्वालाकेशं त्रिनेत्रं कनकमयलसद्गात्रमत्युग्ररूपं वन्दे … सकलरिपुजनप्राणसंहारचक्रम् S'ilpaRa. ii. 23. 6.

अत्युग्रवचन (atyugra-vacana) *n.* very harsh words एवं हि मोहितास्तेन नावबुध्यन्त शङ्करम् । अत्युग्रवचनं प्रोचुः LiṅgaP. i. 29. 36.

अत्युग्रवत् (atyugra-va(n)t) *adj.* speaking very harsh (words) अत्युग्रवान्पुंदूषकश्च जारकः पुंश्चलीपतिः DevīBhāP. ix. 7. 31.

अत्युग्रविग्रह (atyugra-vigraha) *adj.* having a very frightful form क्रोधात्मको भवेद्रौद्रः प्रतिशत्रुनमर्षणः । रक्षःप्रायो भवेद्यत्र नायकोऽत्युग्रविग्रहः S'ṛṅgāTi.(Ru.) 3. 11; *m.* name of one of the chiefs of the army of a Daitya आदिष्टवान्महासैन्यनायकानुग्रशासनः । … अत्युग्रविग्रहः … शृण्वन्नवाज्ञां ममादरात् SkandP. iv. 71. 68.

अत्युग्रवीरपताका (atyugravīra-patākā) *f.* banner of a very fierce warrior ततस्तं तादृशं प्रेक्ष्य स्वामिना दर्शिकेन … अत्युग्रवीरपताका भ्रुकुटी सज्जीकृता TāpaVa. 5. 27 (55)

अत्युग्रवीर्य (atyugra-vīrya) *adj.* of very formidable prowess लोका भूपाः कति कति गता मृत्युमत्युग्रवीर्याः KalkiP. iii. 14. 11.

अत्युग्रशक्ति (atyugra-śakti) *adj.* of very fiery strength तस्य निर्वर्तनाद्भक्त्या … भवेत् । श्रीमानत्युग्रशक्तिर्वै क्षत्रियः PauṣkS. 30. 173 = PāraS. 12. 508.

अत्युग्रशब्द (atyugra-śabda) *m.* very loud sound अत्युग्रशब्दश्रवणाच्छ्रवणात् सर्वशो न च ।… भवन्ति … जडाः CaraS. iv. 1. 118 (1941 Ed.)

अत्युग्रशस्त्र (atyugra-śastra) *n.* very fierce weapon ते चापि युयुधुस्तत्र पुरुषा रक्तसंभवाः । समं मातृभिरत्युग्रशस्त्रपातातिभीषणम् MārkP. 88. 44.

अत्युग्रशासन (atyugra-śāsana) *adj.* **i** whose rule is very harsh or cruel अत्युग्रशासनात्तस्माद्विप्रा(:) प्राप्य महाभयम् । कुलेषु रजकादीनाम् … लिल्यिरे PadmP.(Ra.) 20. 176; श्रुत्वा नृपासनगतं वेनमत्युग्रशासनम् । निलिल्युर्दस्यवः BhāgP. iv. 14. 3; **ii** whose punishment is very severe यद्देव प्रस्थितं मत्वा देवमत्युग्रशासनम् । दुर्मतिः स्वयमेवायम् … वेत्रिभूमौ समागतः SamarāSaṁ. 2. 410.

अत्युग्रशूलधृक् (atyugraśūla-dhṛk) *m.* name representing the letter *dh* (*lit.* holding a very fierce trident) प्रहारी रौरवो दण्डी बलितोऽत्युग्रशूलधृक् Tantrābhi. (4) 31. 1.

अत्युग्रशूलिन् (atyugra-śūlin) *adj.* who holds a fierce trident एतद्वः कथितं सर्वं सरहस्यं समासतः । शिवेन देवदेवेन शर्वेणात्युग्रशूलिना LiṅgaP. ii. 54. 7.

अत्युग्रशौर्य (atyugra-śaurya) *n.* very fierce valour अत्युग्रशौर्यरभसोऽप्यकठोरवादी पृथ्वीपतिर्जयति विक्रमशीलजन्मा RāmC. 29. 102.

अत्युग्रसमाधियोग (atyugra-samādhiyoga) *m.* very severe performance of meditation यः … गालवं कुर्वाणमत्युग्रसमाधियोगम् । स्मरेत्सक्द्वा न स पापभाग् जनः SkandP. iii(1). 3. 117.

अत्युग्रसमीरण (atyugra-samīraṇa) *m.* very fierce or violent wind ख्यातः … महेन्द्रकेतुरत्युग्रसमीरणपराक्रमः PadmP.(Ra.) 54. 38.

अत्युग्रसाध्य (atyugra-sādhya) *n.* what is achievable by a very powerful one अक्षीणामर्षमत्युग्रसाध्यसाधनसस्पृहम् । तच्चक्रम् … विष्णोरभ्याययौ करम् ViṣṇuP. v. 34. 44.

अत्युग्रसाहस (atyugra-sāhasa) *adj.* prone to do a frightful rash act अत्युग्रसाहसं तं (चौरम्) चकार सा । निवेद्य निजवृत्तान्तं किंचिद्धि कलितग्रहम् BṛKathāMañ. ix. 2. 542.

अत्युग्रसेन (atyugra-sena) *adj.* whose army is fierce नानावाहैश्चामरैर्वीज्यमानैः यातो योद्धुं कल्किरत्युग्रसेनः KalkiP. iii. 7. 36.

अत्युग्रोत्कण्ठा (atyugrotkaṇṭhā) *f.* intense curiosity or longing for अये कथमयमुग्रसेनोऽत्युग्रोत्कण्ठापूर्णकण्ठस्तूर्णोपकल्पितानल्पार्हणोपकरणः … उत्तिष्ठमानोऽपि … परिसरोपसन्ननिरुद्ध इवास्ते KaṁVa. 7. 12.

अत्युग्रोदग्रवेल्लत् (atyugrodagra-vellat) *adj.* moving very fiercely and upwards (तेजोलेशविलासरूपाणि) अत्युग्रोदग्रवेल्लद्भगपगितजगद्दाहरौद्राधिकारक्रीडत्कल्पान्तकालज्वलनविलसदुद्दण्डचण्डायितानि MahāviC. App. B 5. 48 (286. 17)

अत्युचित (aty-ucita) *adj.* very appropriate उत्खाताहितकटकां निवेदयिष्ये क्ष्मामेवात्युचितमुपायनं स्वभर्त्रे Kapphiṇā. 3. 33; PuruṣPa. 108. 17.

अत्युच्च (aty-ucca) *adj.* [*f.* -ā] **A i** very tall, high or lofty (घटोत्कचसुतः) सोऽवतीर्य पुनस्तस्थौ रथे हेमपरिष्कृते । महीधर इवात्युच्चः श्रीमानञ्जनपर्वतः MahāBhā. vii. 131. 52; अत्युच्चान्नमयन् शनैरवनतान् संवर्धयन् भूतले मालाकार इव प्रपञ्चचतुरो राजा चिरं नन्दति S'atTrayī. 420; PārśvC. 1. 535; Subhāṣi. 2947; LaJāta. 2 (3). 1; राज्यवर्धनहर्षौ … नात्युच्चं नातिखर्वम् … कुमारगुप्तम् … ददृशतुः HarṣaC. 196. 8; PāraS. 7. 384; 18. 338; नात्युच्चशिखरो मेरुः (v. l. नात्युच्चं मेरुशिखरम्) PañcT. 2. 65 (244. 11); IṣṭaSi. 36. 4; वल्लत्यत्युच्चमासाद्य नद्योघः सुमहानपि RāmC. 21. 118; TilaMañ. 8. 5; तुलावदुद्धृता वल्गा नात्युच्चा नातिलम्बिता । दोषं दृष्ट्वा तु कर्तव्या तिर्यगाकुञ्चिता श्लथा AśvaCi. 8. 15; BhaviP. 304B. 32 (i. 210. 68); 312A. 13 (i. 216. 48); अत्युच्चान्विकरालांश्च … स तान्दृष्ट्वा प्रकम्पेत (यमदूतान्) PadmP. ii. 15. 8; YuktiKa. 45. 6; कुड्यं विकृतमत्युच्चम् … द्वारं न शोभनम् SamarāSū. 48. 91; KāvyPra. 196. 6 = Kuval. 171 (27) = RasGaṅ. 290. 1; उग्रोऽङ्लजे शिवेऽत्युच्चे TrikāS'e. iii. 3. 333; TrisaS'aPuC. i. 2. 898; PāṇḍaC. 2. 129; अत्युच्चखर्वपीनत्वराहित्यमशिरालता ।… तज्ज्ञैः पात्रगुणा मताः SaṁgīRa. iv. 367. 5 (7. 1233); HaṭPra. 1. 13; RājTa.(Prā.) 26; न नीचे नात्युच्चे तृणहरिणचर्मादिजनिते समासीनः पीठे Manmatho. 4. 12 (644. 19); **A ii** (a family) where all are very tall अत्युच्चमतिदीर्घा यस्मिन् कुले तदत्युच्चम् (कुलम्) SmṛtiCan. i. 204. 6; VīraMi.(Saṁskāra.) 589. 3; **B i** very highly placed (in society) अत्युच्चान् नमयन् शनैः … राजा चिरं नन्दति S'atTrayī. 420; PārśvC. 1. 535; Subhāṣi. 2947; **B ii** elevated शीतलं निम्नमत्युच्चं गोजिह्वासदृशं परम् । इत्युक्तम् … भगदोषचतुष्टयम् RatiMañ. 33; **C i** greatly exalted, supreme अत्युच्चो येन रूपेण संनिकर्षमुपैति यः । तद् द्वितीयतृतीयौ द्वाविति तत्र नमस्क्रिया AhirbuS. 53. 55; **C ii** very superior (in quality), excellent ततो हरिर्ददौ तस्यै …। गन्धभाजनमत्युच्चं दर्शनीयतमं शुचि ĀdiP. 14. 1; **D** very loud (sound) ततो भयार्तमत्युच्चम् …। द्रौपदी … विदधे ध्वनिम् PāṇḍaC. 7. 20; **E** type of sexual union (of a very small female with a very big male) अत्युच्चमश्वमृग्योः … इति नवधा रतमुदितम् NāgaSa. 14. 12; RatiRa. 3. 4; मृगी हयं हस्तिवधू(:) शशं चेदत्युच्चनीचं सुरतं वदन्ति PañcSā. 2. 4; AnaṅgaRa. 3. 5; समो मध्यमवेगश्च चण्डवेगस्तथैव च । नीचकश्चोच्चवेगश्च अत्युच्चो मन्दकस्तथा ।… एवं रतिर्नवविधा S'ṛṅgāDī. 3. 55.

अत्युच्चक (atyucca-ka) *adj.* [*f.* -ā] **1** (lying) quite high or protruding अत्युच्चका शिरात्यन्ता या चेयं मांसवाहिनी (नाडी) ।… तामसाध्यां विनिर्दिशेत् NāḍiVi. 30; **2** type of sexual union (of a very small female with a very big male) अत्युच्चकं वाप्यतिनीचकं वा निन्द्यं रतज्ञैः सुरतं प्रदिष्टम् PañcSā. 2. 5; कुरङ्गीहययोर्योगे रतमत्युच्चकं विदुः AnaṅgaRa. 3. 4.

अत्युच्चकुच (atyucca-kuca) *m.* very high breast अत्युच्चकुचसंरुद्धं न पश्याम्येतदाननम् BṛKathāMañ. ix. 2. 1363.

अत्युच्चकैस् (aty-uccakais) *adv.* **i** very loudly ऊचुरत्युच्चकैरन्ये स्तोत्रसूक्तानि भूभृतः PāṇḍaC. 6. 101; **ii** very tall or high ब्रह्माण्डभाण्डोपममण्डपश्रीरत्युच्चकैः किं बहु वर्ण्यते यः । महीतलव्योमतलान्तरालप्रमाणदण्डश्रियमादधाति VasaViKā. 11. 60.

अत्युच्चगामिन् (atyucca-gāmin) *m.* name of a former Buddha [DBHS]

अत्युच्चचतुःशाल (atyucca-catuśśāla) *adj.* having four very high (or spacious) halls चक्रे काश्मीरिकाणां च दैशिकानां समाश्रयः । तयात्युच्चचतुःशालो विहारश्चारुसंपदा RājTa.(Ka.) 6. 303.

अत्युच्चतरशब्द (atuccatara-śabda) *m.* very high-pitched sound 'टिट्टिभाः' अत्युच्चतरशब्दोपलक्षिताः CaturCin. iii(1). 583. 11.

अत्युच्चता (atyucca-tā) *f.* **A** excessive height धवलकुसुमनिकरमत्युच्चतया तारागणमिव शिखरदेशलग्नमुद्वहद्भिः पादपैरुपशोभिता (विन्ध्याटवी नाम) Kād. 19. 3; हस्तवामेनात्युच्चतया निरवकाशमिवाकाशं कुर्वाणम् … धिष्ण्याकारमपश्यत् HarṣaC. 101. 13; नात्युच्चतया बन्ध्यः (सेतुः कार्यः) SmṛtiCan. iv. 556. 3; **B** great length, great size साधनस्यात्युच्चतया निष्पीडितेन कथंचिद् व्यापारात् JayaMa. 75. 16 (*on* 2. 1)

अत्युच्चदूरपात (atyuccadūra-pāta) *m.* shooting at a very high and far-off place नालीका लघवो बाणा नलयन्त्रेण नोदिताः । अत्युच्चदूरपातेषु दुर्गयुद्धेषु ते मताः S'ārṅgaPa. 1788.

अत्युच्चदेव (atyucca-deva) *m.* name of a Bodhisattva [DBHS]

अत्युच्चध्वनि (atyucca-dhvani) *m.* very high-pitched sound तारोऽत्युच्चध्वनितरणयोः DharK. 2235; ViśvaLoK. 283. 40.

अत्युच्चनिपात (atyucca-nipāta) *m.* fall from a very high place जम्बूफलानामत्युच्चनिपातविशीर्णानाम् … रसेन जम्बू नाम नदी … आत्मानं यावदिलावृतमुपस्यन्दयति BhāgP. v. 16. 19.

अत्युच्चनीचकृत (atyuccanīca-kṛta) *adv.* (in cpd.) for a very noble or mean person अत्युच्चनीचकृतहेतिपरिश्रमी च…प्राप्नोति नैव विधिना स पराङ्मुखेन स्त्रीयोदरस्य परिपूरणमन्नमात्रम् BṛParāSm. 12. 70.

अत्युच्चनीचकैस् (aty-uccanīcakais) *adv.* in a very low or high pitch पठेत् । नाविच्छिन्नपदं नातिमन्दं नात्युच्चनीचकैः AṣṭāSaṁ. i. 5. 7 (1. 2)

अत्युच्चनीचायत (aty-uccanīcāyata) *adj.* excessively high, low or

long अल्पद्वारमरन्ध्रगर्तविवरं नात्युच्चनीचायतम् ··· प्रोक्तम् योगमठस्य लक्षणमिदम् HathPra. 1. 13.

अत्युच्चपद (atyucca-pada) *n.* very high position or status अत्युच्चपदाध्यासः पतनाय KāvyālanSū. iv. 3. 20(3) = VyaktiVi. 130. 1; दुष्कृतं त्वपि दिव्यानामत्युच्चपदजन्मनाम् । प्रवातमिव पुष्पाणामधःपातैककारणम् KathāSaSāg. iii. 3. 135.

अत्युच्चपातध्वनि (atyucca-pātadhvani) *adj.* sound of the fall of which is very loud (वयम् ··· समारूढा नगोत्तमम्) अत्युच्चपातध्वनिभिर्निर्झरैः कंदरोद्गतैः । गर्जन्तमिव BrahmāndP. ii. 35. 24.

अत्युच्चपूत्यादि (atyuccapūty-ādi) *adj.* having very loud or putrid (quality) etc. एवमत्युच्चपूत्यादीनिन्द्रियार्थान् यथायथम् । विद्यात् AstāHr. i. 12. 37 (comm. अत्युच्चपरुषेष्टविनाशभीषणाद्यनिष्टशब्दः ··· पूतिविष्ठाद्यनिष्टो गन्धः)

अत्युच्चभाषण (atyucca-bhāṣaṇa) *n.* very loud speech अत्युच्चभाषणविषाध्ययनातिगीतशीतादिभिः प्रकुपिताः पवनादयस्तु । ··· हन्युः स्वरम् SuśruS. vi. 53. 3; RugVi. 13. 1 = BhāvPra.(Bhā.) 8 (14(? 15)). 1; कण्ठोद्ध्वंसः श्रमो ग्लानिर्ज्वरश्चात्युच्चभाषणात् KāśyaS. 162B. 24.

अत्युच्चभाषिणी (atyuccabhāṣ-iṇī) *adj.* (*f.*) speaking very loudly खररोमा दिवास्वप्ननिरतात्युच्चभाषिणी । ··· राक्षसं शीलमाश्रिता NāṭyaS'ā. 22. 108; BhāvPra.(S'ā.) 110. 9(5).

अत्युच्चमर्दलनिस्वन (atyucca-mardalanisvana) *m.* very high sound of *mardala* (i. e. a kind of drum) अत्युच्चमर्दलनिस्वन(नं)धार्यं चोर्ध्वेऽर्धमल्पमरुतं मग्ने (गगने) दधानाम् MānaSā. 43. 77.

अत्युच्चरति (atyucca-rati) *f.* a type of sexual union (of very dissimilar persons) रमेत न तथा कान्ता सात्युच्चरतिरुच्यते S'ṛṅgāDī. 3. 32.

अत्युच्चराशिभाग (atyucca-rāśibhāga) *m.* highest portion of the zodiac दशशिख्यष्टाविंशतितिथिशरनक्षत्रविंशतिभिरंशैः । अत्युच्चराशिभागाः सूर्यादीनां क्रमेण निर्दिष्टाः HorāSā. 2. 4.

अत्युच्चरोमाञ्चा (atyucca-romāñcā) *adj.* (*f.*) having intense horripilation काश्चिदत्युच्चरोमाञ्चाः सानन्दाश्चन्दनद्रवैः ··· लिलिखुः पत्त्रवल्लरीः PāṇḍaC. 2. 228.

अत्युच्चलोचन (atyucca-locana) *adj.* having extremely protruding eyes क्लीबाश्चान्धाश्च जायन्ते बधिरा लम्बचूचुकाः (v. l. [अ]त्युच्चलोचनाः) MahāBhā. iii. 198. 35.

अत्युच्चवत्त्व (atyuccavat-tva) *n.* very great height अहम् ··· अत्युच्चवत्त्वात्पतितो मृतः BrahmāṇḍP. ii. 35. 28.

अत्युच्चवेत्रासन (atyucca-vetrāsana) *n.* very high cane-seat अत्युच्चवेत्रासनोपविष्टैः ··· महापुरुषैरधिष्ठितम् (राजकुलं विवेश) Kād. 88. 6.

अत्युच्चशब्द (atyucca-śabda) *m.* very high-pitched sound (तारः) त्रिलिङ्गोऽत्युच्चशब्दे च MediK. 135. 44; प्रणादोऽत्युच्चशब्दे स्यात् VisvaLoK. 172. 30.

अत्युच्चशब्दश्रवण (atyuccaśabda-śravaṇa) *n.* hearing a very loud sound (रजस्वला स्त्री) अत्युच्चशब्दश्रवणं हसनं बहुभाषणम् (विवर्जयेत्) BhāvPra. (Bhā.) 3. 5; 3. 9.

अत्युच्चशिखर (atyucca-śikhara) *n.* very high peak सोऽभवदद्रिरित्युच्चः शिखरैः (v. l. °अत्युच्चशिखरै)स्तरुसंकटैः ··· महान् MahāBhā. vii. 150. 67; *adj.* having a very high peak नात्युच्चशिखरो मेरुः ··· व्यवसायद्वितीयानाम् Tantrākhyā. 74. 26 = PañcT. 2. 65 (244. 11); SūktiRa. 99. 5.

अत्युच्चशिखरिन् (atyucca-śikharin) *m.* very high mountain अत्युच्चशिखरिशिखरनिष्पतदच्छनिर्झरस्रोतोनिपातपरिधौतचक्रवालशिलाचक्रम् ··· आलोकमानः सागरमथनसंरम्भमानन्द गोविन्दः NilaVi. 87. 13.

अत्युच्चशिरस् (atyucca-śiras) *adj.* holding his head very high असौ तवात्युच्चशिराः सुदुष्करं निदेशमाशंसति पुष्करेश्वरः RāmC. 5. 71.

अत्युच्चशुक्र (atyucca-śukra) *m.* Venus at the highest point अत्युच्चशुक्रेऽङ्गुलीयं शतमानसुवर्णकम् । कृत्वायुताज्यहोमेन सम्पात्य जपितं पुनः ĪśānS'īPa. i. 37. 63.

अत्युच्चसौध (atyucca-saudha) *n. m.* very high mansion or palace अत्युच्चसौधशिखरोद्गतवल्लरीणां वातावधूतकुसुमानि पतन्ति भूयः BṛBrahmaS. iii. 5. 23; ĀnandRa. 3. 27.

अत्युच्चसौधेश (atyuccasaudheśa) *m.* lord of a very high mansion (द्विजः) स्याच्च ··· वेश्मदोऽत्युच्चसौधेशः SkandP. iii(2). 6. 97; iv. 38. 98.

अत्युच्चस्वर (atyucca-svara) *m.* very high-pitched sound प्रसिद्धावपि टङ्कारस्तारोऽत्युच्चस्वरे त्रिषु TrikāS'e. iii. 3. 352.

अत्युच्चाक्रान्तदशा (atyuccākrānta-daśā) *f.* period marked by (the planet) in its highest position अत्युच्चाक्रान्तदशा मकरे भौमस्य यत्नतोऽर्थाप्तिम् HorāSā. 11. 17.

अत्युच्चाङ्ग (atyuccāṅga) *adj.* possessing a very tall body रक्तश्यामो भास्करो गौर इन्दुर्नात्युच्चाङ्गो रक्तगौरश्च वक्रः Bṛhajjā. 2. 4.

अत्युच्चातिनीच (atyuccātinīca) *adj.* very high or very low अप्यत्युच्चातिनीचो जनिमृतिभयभाग् वैधधीसाध्यमोक्षः VedāntKa. 68. 10 (*on* i. 1. 4)

अत्युच्चापातकृत् (atyuccāpātakṛt) *adj.* causing the fall of an elevated (ground, person) अत्युच्चापातकृन्नीचोन्नतिदं च निरङ्क(? ङ्कु)शम् । आसीदपथगं सत्यं तदा जलविजृम्भितम् RājTa (S'rī.) 1(3). 10.

अत्युच्चारोहण (atyuccārohaṇa) *n.* climbing a very high place अत्युच्चारोहणेनास्या नद्यां गर्भः पपात ह ViṣṇuP. ii. 13. 15.

अत्युच्चैर्ध्वनि (atyuccair-dhvani) *m.* very loud sound, very high note तारोऽत्युच्चैर्ध्वनिः ParaNā. 1451.

अत्युच्चैस् (aty-uccais) *adv.* **1** very loudly नात्युच्चैर्नातिनीचैः स्वरैरध्ययनमभ्यसेत् CaraS. i. 8. 24; इत्यपसारकविरतावविरतमुच्छलितकण्ठमत्युच्चैः । वर्णयति KuṭṭaMa. 87. 99; MahāP. 1. 131; JinaS'. 4. 10; तस्मिन्पदे भवन्तं सततमुपश्लोकयेयमत्युच्चैः Stotrā. 7. 7; PāṇḍaC. 9. 66; VetāPañ.(Jam.) 12. 9; **2** very high or tall नात्युच्चैर्नाति वा नीचैर्निषण्णः सदने सुखम् MāṇḍūS'i. 4. 4; देव, अत्युच्चैः किलायं सह्यः सानुमान् MahāviC. 7. 20(2); सः ··· ययौ तन्नगरम् ··· अत्युच्चैर्गगनस्पर्श्यमणिप्राकारवेष्टितम् BrahmVaiP. ii. 17. 10; BṛDharmaP. i. 49. 72; नात्युच्चैर्नम कुब्जयाग्रचरणौ SubhāRaK. 4. 31; SaduktiKa. 6. 3; (नृपः) नात्युच्चैर्नीचैस्तिष्ठेत्ससौष्ठवम् Mānaso. iv. 1. 19; KaṁVa. 6. 32(1); नात्युच्चैः पृषदाज्यहोमसुरभिर्धूम्या जरीजृम्भते Jīvān. 129. 4 (comm. अत्युन्नतत्वेन); **3** extremely सर्वे उच्चै (v. l. अत्युच्चै)र्गतिवेगं निरूपयन्ति MahāviC. 7. 20(6); साधुन्यायेऽयमत्युच्चैर्गतोद्धतगतिः स्थितः । इच्छुः प्रसादमेतस्य लोकः प्रणतिमीयिवान् RāghPāṇ.(Dha.) 7. 6 (comm. अत्युच्चैरतिशयेन); MahāN. 1. 44; मुखामोदोऽत्युच्चैर्वपुरपि शिरीषप्रतिभटः ··· युवा ··· युवत्याः संभोगे त्वनुभवति सर्वेन्द्रियसुखम् AlaṅkāMañ. 223. 10; *adj.* who has gone beyond or surpassed a high position पाठेनेयमव्ययसंज्ञा क्रियते सेह न प्राप्नोति । ··· इहापि तर्हि प्राप्नोति । अत्युच्चैः अत्युच्चैसौ अत्युच्चैस इति । उपसर्जनस्य नेति प्रतिषेधो भविष्यति MahāBh. i. 96. 7 (*on* i. 1. 38); उपसर्जने मा भूत् (झिसंज्ञा) । अत्युच्चैः अच्यु(? त्यु)च्चैसौ अत्युच्चैसः JaineVyā. 17. 23 (*on* i. 1. 74); अत्युच्चैसौ इत्यादौ उपसर्जनस्याव्ययत्वप्रतिषेधार्थम् Prasā. i. 316. 14; SiddhāKau. 109A. 3; LaS'abdeS'e. i. 363. 9.

अत्युच्चोपधान (atyuccopadhāna) *n.* extremely elevated pillow नीचात्युच्चोपधानाहःस्वप्नधूमरजांसि च । यान्यहानि पिबेत्तानि तावन्त्यन्यान्यपि त्यजेत् AṣṭāSaṁ. i. 130. 5 (1. 25)

अत्युच्चोपवेशनस्थल (atyuccopaveśanasthala) *n.* very high seat उच्चैःस्थानं कुलादिना महान्तम्, अथवा अत्युच्चोपवेशनस्थलम् VīraMi. (Rājanīti) 250. 2.

अत्युच्छलत् (aty-ucchalat) *adj.* rising upwards; streaming upwards यस्यासिरत्युच्छलता रराज धाराजलेनेव रणेषु धाम्ना VikraDeC. 1. 104.

अत्युच्छ्रय (aty-ucchraya) *m.* high erection अपरेद्युस्तथा चास्याः (यष्ट्याः) क्रियते उच्छ्रयो (v. l. °तेऽत्युच्छ्रयो) नृपैः MahāBhā. i. 57. 20 (JñānDī. अत्युच्छ्रयः उत्थापनम्)

अत्युच्छ्रयपुरःपाद (atyucchraya-puraḥpāda) *m.* highly raised front foot सोऽत्युच्छ्रयपुरःपादमारुताघूर्णिताम्बरः । प्रक्रामन्नसुरो युद्धे त्रासयामास देवताः MatsyaP. 176. 60.

अत्युच्छ्राय (aty-ucchrāya) *m.* great height रुन्धानेन द्युमणिसरणिं स्पर्धया येन मेरोरत्युच्छ्रायस्थगितगगनप्राङ्गणैर्गण्डशैलैः BhramDū. 79.

अत्युच्छ्रित (aty-ucchrita) *adj.* [*f.* -ā] **1** very high or tall शुचौ देशे प्रतिष्ठाप्य स्थिरमासनमात्मनः । नात्युच्छ्रितं नातिनीचम् MahāBhā. vi. 28. 11; कुम्भकर्णः । रराज मेरुप्रतिमानरूपो मेरुर्यथात्युच्छ्रितघोरशृङ्गः Rāmā. vi. 55. 51; नात्युच्छ्रितं नातिनीचं कुडयोत्सेधं यथारुचि NāraS. 31. 56 = VasiS. 39. 188; (जम्बूवृक्षः) अत्युच्छ्(? च्छ्रि)तः सुविस्तीर्णः सर्वकामफलप्रदः ParaS. 26. 17; (वृक्षान्) अत्युच्छ्रितान् पातयन् मालाकार इव प्रयोगनिपुणो राजन्महीं पालय YaśasCam. i. 393. 7; AgniP. 373. 2; NilaP. App. 1294; नात्युच्छ्रितं नाप्यतिनीचपादं सपादपीठं शयनं प्रशस्तम् SiddhYo. 76. 1; BhaviP. 325A. 29 (ii. 17. 7); तस्य दक्षिणपार्श्वे तु जम्बूवृक्षः ··· अत्युच्छ्रितः सुविस्तीर्णः LiṅgaP. i. 48. 31; अत्युच्छ्रितासु सहकारमहीरुहाणां शाखासु ··· अधिरूढवन्तः । ··· पिकाः ··· निशामभिवदन्ति BhikṣāKā. 27. 13; 31. 13; अतिनीचमत्युच्छ्रितं च यत्तद्भिन्नासनोपविष्टः (प्राणायाममनु(? उप)क्रमेत्) VīraMi. 901. 21 (*on* 3. 200); **2** very great or intense नाधीरो नात्युच्छ्रितसत्त्वः स्यात् CaraS. i. 8. 26 (1922 Ed.); अत्युच्छ्रितम् ··· वामदेव इति प्रकाशपुण्यशब्दः(? ब्दं) तपोराशिं ददर्श AvantiKa. 144. 12; स धीरधीरत्युच्छ्रितेन कृच्छ्रेण राज्ञा कृताभ्यनुज्ञः BhārCam. 3. 21 (1); **3** very prosperous, very powerful अत्युच्छ्रितं तथात्मानं तदा कुर्वीत विग्रहम्

ManuSm. 7.170; चन्द्रसितमन्दयोगे मानी … नात्युच्छ्रितो न नीचः … भवति HorāS'ā. 23.34; बुद्धिशून्यो हि भूभृदत्युच्छ्रितोऽपि परैरध्यारुह्यमाणमात्मानं न चेतयते DaśKuC. 130.5; मन्येत । अत्युच्छ्रितमात्मानं कोशहस्त्यश्वादिसंपदा ManuBh. ii. 50.5 (*on* 7.170); अत्युच्छ्रितमत्यर्थबलम् ManvaVi. 839.4 (*on* 7.170); सङ्ग्रामे तारकामये … अत्युच्छ्रिते प्रतिबले … ब्रह्माणं पप्रच्छ कुमारः VarāP. 213.1; **4** raised to a very high position अत्युच्छ्रिते मन्त्रिणि पार्थिवे च विष्टभ्य पादावुपतिष्ठते श्रीः MudrāRā. 4.13; PañcT. 1.90 (6) (101.40); Pañcā. 58.13; Hitopa. 2.113; YaśasCam. i. 393.7; **5** very prominent अत्युच्छ्रितान्यत्र हि मण्डलानि । शस्त्रैः … विघृष्य KalyāKā. 11.92; **6** very much puffed up अत्युच्छ्रितास्तु गोधूमगोलकाः परिपाचिताः । … बलवतां हिताः Bhojan-Ku. 46.5 (1)

अत्युच्छ्रितत्व (atyucchrita-tva) *n.* excessive height or tallness अत्युच्छ्रितत्वादह्रावेतौ ग्रहणे परिवर्जितौ । वारणौ नृपशार्दूल नयशिक्षाविशारदैः Hastyāyur. 23.14 (1.2)

अत्युच्छ्रितध्वज (atyucchrita-dhvaja) *m.* banner-staff raised very high अत्युच्छ्रितध्वजपताकमुपैति पोतं कूलं प्रयाति जलधेः परिवारयुक्ता । … प्रमदा Bṛhajjā. 27.35; अत्युच्छ्रितध्वजविचित्रचलत्पताकैः । … रुद्धातपं पुरमभूत् VarāṅgaC. 1.37.

अत्युच्छ्रितप्रतिषेध (atyucchrita-pratiṣedha) *m.* rejection of what is very high अत्रातिलम्बात्युच्छ्रितप्रतिषेधान्मध्ये कथंचिदलाभे परिमाणान्तरमविरुद्ध-मपि ज्ञायते SmṛtiCan. i. 83.10.

अत्युच्छ्रितशालकल्प (atyucchritaśāla-kalpa) *adj.* resembling a very tall *Śāla* tree पुलिन्दनाथः । … भूमितले पपात दवाग्निनात्युच्छ्रितशालकल्पः Varā-ṅgaC. 14.42.

अत्युच्छ्रितसत्त्व (atyucchrita-sattva) *adj.* very bold in spirit नाधीरो नात्युच्छ्रितसत्त्वः स्यात् CaraS. i. 8.26 (1922 Ed.)

अत्युज्जृम्भित (aty-ujjṛmbhita) *adj.* greatly welling up अत्युज्जृम्भित-हर्षशोकजनितैर्बाष्पैर्निषादाधिपः RāmāCam. 2.48.

अत्युज्ज्वल (aty-ujjvala) *adj.* [*f.* -ā] **1** very bright, very lustrous व्यञ्जयेद्व्योमबाह्यं रक्तारुणेन तु । पीठकोणानि सर्वाणि तेन चात्युज्ज्वलेन वा PauṣkS. 5.68; हासोऽस्थिसंदर्शनमक्षियुग्ममत्युज्ज्वलं तर्जनमङ्गनायाः MārkP. 25.17; S'at-Trayī. 821; Kapphiṇā. 6.43; निर्वापितौ दुर्विनयान्मया वामत्युज्ज्वलावात्मज-रत्नदीपौ RāmC. (App. I.) 38.39; प्रसादहृद्यालङ्कारैस्तेन मूर्तैरभूष्यत । अत्युज्ज्वलैः कवीन्द्रेण कालिदासेन वागिव NavaSāC. 2.93; अत्युज्ज्वलस्य रत्नस्य प्रभयेव S'ivārkaMaDī. i. 134.29 (*on* i. 1.2); अत्युज्ज्वलः खलु घटे निहितः प्रदीपः Subhāṣi. 3135; अत्युज्ज्वलोऽपि तपनो निजमंशुजातं नैव प्रपञ्चयति चेन्न तमो विशीर्येत् Raghunā. 8.42; एतन्मे सखि सद्मसीम्नि विलसत्कासारमत्युज्ज्वलं पश्य GopāKeCan. 136.1; **2** extremely pure or excellent धन्योऽसौ विधिरेव यस्य जगतो निर्माणमत्युज्ज्वलम् SaduktiKa. 324.16; लोकेशो जनयन्त्यनक्ति नितरां कारुण्यमत्युज्ज्वलम् RājTa. (Jo.) 974; श्रीमत्कालिकसूरयश्चिरतरं चारित्र-मत्युज्ज्वलं संपाद्य प्रतिपद्य चान्त्यसमये भक्तिप्रतिज्ञां मुदा KālikāKa. 65.

अत्युज्ज्वलकीर्ति (atyujjvala-kīrti) *f.* very bright fame शिवावतारस्य … द्वात्रिंशदत्युज्ज्वलकीर्तिराशेः समा व्यतीयुः S'aṅkaDigVi. (Mā.) 16.96.

अत्युज्ज्वलगुण (atyujjvala-guṇa) *adj.* possessing very high qualities स्वमुत्सृज्य गुणं योगादत्युज्ज्वलगुणस्य यत् । वस्तु तद्गुणतामेति गण्यते स तु तद्गुणः KāvyaPra. 745.1.

अत्युज्ज्वलत्व (atyujjvala-tva) *n.* extreme newness or freshness अत्युज्ज्वलत्वं बन्धस्य काव्ये कान्तिरितीष्यते PratāYaBhū. 325.13 (comm. यद्-भावे चिरन्तनचित्रच्छायेव प्रबन्धच्छाया भवति)

अत्युज्ज्वलदन्तकान्ति (atyujjvala-dantakānti) *f.* very bright lustre of the teeth रोमाञ्चतरङ्गिताङ्गः । क्षिपन्निवात्युज्ज्वलदन्तकान्त्या प्रसारमुक्तावलिमस्य कण्ठे VikraDeC. 3.43.

अत्युज्ज्वलनेपथ्य (atyujjvala-nepathya) *adj.* dressed in very bright garments तदात्युज्ज्वलनेपथ्यः सवयस्यो गृहादहम् । क्रीडार्थं गन्तुमुद्यानं चलितः SamarāSam. 5.40.

अत्युज्ज्वलपीताम्बर (atyujjvala-pītāmbara) *adj.* dressed in a very bright yellow garment पुरुषोत्तमे … अत्युज्ज्वलपीताम्बरे … निविष्टमना भव GītāBh. (Rā.) 489.3 (*on* 9.34)

अत्युज्ज्वलवेषत्व (atyujjvalaveṣa-tva) *n.* the state of wearing very bright clothes प्रोषिते … स्त्रीणां पत्यौ … न चात्युज्ज्वलवेषत्वम् BhaviP. 36A.21 (i. 14.4)

अत्युड्डीन (aty-uḍḍīna) *adj.* flying very high शिरोऽत्युड्डीनं कापि गतम-भूत् LalitāSaBh. 3.31 (*on* 1)

अत्युत्क (aty-utka) *adj.* very eager ततस्तुल्यगुणेनैषा त्वयात्युत्केन याचिता KathāSaSāg. ix. 2.401.

अत्युत्कट (aty-utkaṭa) *adj.* [*f.* -ā] very intense, excessive, abundant त्रिभिर्वर्षैस्त्रिभिर्मासैस्त्रिभिः पक्षैस्त्रिभिर्दिनैः । अत्युग्रपुण्यपापानाम् (v. l. अत्युत्कटैः पापपुण्यैः) इहैव फलमश्नुते Hitopa. 1.60; प्रतिज्ञा … ममेयं दुष्करा कृता । शोकमत्युत्कटं दृष्ट्वा PadmP. (Ra.) 8.368; यत् पुनरभिधीयते वेदशब्दस्त्रय्याणा-मेव वाचको न चतुर्थस्येति सोऽयमत्युत्कटो द्वेषः NyāyMañ. i. 237.7; असारस्य हि जायन्ते नटस्यात्युत्कटा रसाः BṛKathāS'loSam. 18.41; तामेव भार्यां प्रति मे प्रीति-रत्युत्कटा PadmP. iv. 108.78; अत्युत्कटः प्रतापश्च TriṣaS'aPuC. ii. 6.544; ChandoMañ. 2.77; मयि च भक्तिरत्युत्कटा Nārāy. iii. 9.8; विद्या अत्युत्कटा वेदशास्त्रादिः सभाचातुर्यादिश्च VīraMi. (Rājanīti.) 486.19; तनुषे संपत्तिमत्युत्कटाम् RasGaṅ. 610.7; स्वैरं मे समराङ्गणे विहरतां दण्डोऽयमत्युत्कटः TripuDi. 1.21.

अत्युत्कटकण्टक (atyutkaṭa-kaṇṭaka) *adj.* **A** greatly horripilated भैमीवक्षो नलोऽस्पृशदङ्गुल्या च क्षणादभूत् । वपुः सरोजिनीनालमिवात्युत्कटकण्टकम् MalliC. 6.522; **B** abounding in thorns (a lotus-stalk), MalliC. 6.522.

अत्युत्कटकामिता (atyutkaṭa-kāmitā) *f.* excessive passion (वधः) 'सकामायाः स्त्रियास्तथे'ति । अत्युत्कटकामितया अकामयमानं पुरुषं या प्रवर्तयति तस्या अप्येताइशं कार्यम् DīpKa. 95.12 (*on* 3.233)

अत्युत्कटकृकाटिक (atyutkaṭa-kṛkāṭika) *adj.* having a very prominent or massive (joint of the) neck अद्राक्षीद् राक्षसं घोरम् … अत्युत्कटकृकाटि-कम् … दीर्घस्कन्धद्वयोत्कटम् SkandP. iv. 54.15.

अत्युत्कटतपस् (atyutkaṭa-tapas) *n.* severe penance अत्युत्कटतपः-पापाभ्यां प्रत्यक्षत एव फलं दृश्यते TattvPrakā. 10B.4 (*on* i. 1.3)

अत्युत्कटम् (aty-utkaṭam) *adv.* very acutely or intensely कुप्यति … पित्तं तच्छरदि प्रतीतजलदव्यापारतोऽत्युत्कटम् KalyāKā. 4.8.

अत्युत्कटरस (atyutkaṭa-rasa) *adj.* displaying excessive sentiment विडम्बयन्नशास्त्रज्ञमत्युत्कटरसं नटम् BṛKathāS'loSam. 12.64.

अत्युत्कटाघ (atyutkaṭāgha) *n.* grave sin अत्युत्कटाघभरत्फललब्धदुःखास्ते कोऽशरक्षणनिभाद् वितरन्ति राज्ञः RājTa. (S'ri.) 2.98.

अत्युत्कण्ठता (atyutkaṇṭha-tā) *f.* great anxiety or eagerness मम बालो बहुदिनं स्थापितः कुत्र वर्तते । अत्युत्कण्ठतया सुभ्रु दर्शनार्थमिहागता GaṇeP. ii. 21.26.

अत्युत्कण्ठा (aty-utkaṇṭhā) *f.* excessive eagerness or longing उभयो-र्दर्शने तत्र मिथः संदर्शनार्थिनोः । अत्युत्कण्ठावतोर्विष्णुशिवयोर्विस्मयप्रदम् Bṛ-DharmaP. i. 9.22; चिरविरहिणोरत्युत्कण्ठाश्लथीकृतगात्रयोर्नवमिव जगज्जातं भूयश्चि-रादभिनन्दतोः S'ārṅgaPa. 3682 = Subhāṣi. 2063 (v. l.); रामः … अत्युत्कण्ठा-करुणमनघे मन्मुखेनेदमूचे BhramDū. 96.

अत्युत्कम्पिनी (aty-utkampinī) *adj.* (*f.*) trembling excessively (ग्रहवर्मा) अत्युत्कम्पिनीम् … वधूमपश्यत् HarṣaC. 206.16.

अत्युत्कर्ष (aty-utkarṣa) *m.* great excellence or eminence कोटिः संख्यान्तराग्रयोः । अत्युत्कर्षप्रकर्षाश्रिकार्मुकाग्रेषु च स्त्रियाम् VisvaLoK. 75.9.

अत्युत्कृति (aty-utkṛti) *f.* name of a metre having 27 syllables in each foot or quarter ऋषिस्तु नारदश्छन्दो ह्यत्युत्कृतिरुदाहृता ĪśānS'iPa. i. 36.18; i. 38.4.

अत्युत्कृष्ट (aty-utkṛṣṭa) *adj.* [*f.* -ā] most excellent, very good, supreme नात्युत्कृष्टो नातिनिकृष्ट इत्यतोऽयं मध्यदेशो न तु पृथिवीमध्यभवत्वात् ManuBh. i. 79.15 (*on* 2.21); i. 146.22 (*on* 2.137); ii. 379.3 (*on* 11.37); अयं खड्गः … । नात्युत्कृष्टो नातिहीनः YuktiKa. 160.4; एकत्र यत्र वस्तूनामनेकेषां निबन्धनम् । अत्युत्कृष्टापकृष्टानां तं वदन्ति समुच्चयम् Vāgbhaṭā. 4.130; अत्युत्कृष्टा गतिः सर्वेषां ब्रह्मविद्यावताम् VedāntKau. 324.13 (*on* iii. 3.31); SāhiDa. 610.8; अत्युत्कृष्टस्यैकस्यैव धवलरूपस्य … उपाधिमालिन्यतारतम्यात् तत्र तत्र प्रति-बिम्बे धावल्यापकर्षः SiddhāLeSam. 173.4; VīraMi. (Rājanīti.) 236.17; इदं च पुनर्यौवनम् … अत्युत्कृष्टम् RasGaṅ. 475.8; जीवादधिकं ब्रह्म उरुशक्तिकत्वात् तस्मादत्युत्कृष्टम् GoviBh. 103.3 (*on* ii. 1.22)

अत्युत्कृष्टगज (atyutkṛṣṭa-gaja) *m.* best of the elephants (आकर-लवणशुल्कतरनागवरेष्वाप्तान् नियुञ्जीत) नागवरेषु अत्युत्कृष्टगजेषु VīraMi. (Rāj-nīti.) 187.9.

अत्युत्कृष्टगुण (atyutkṛṣṭa-guṇa) *m.* **i** excellent quality देहः — अत्युत्कृष्टगुणैर्युक्तो ह्यद्वयो यस्य कस्यचित् JayāS. 6.67; **ii** quality or property of a superior object स्वगुणत्यागादत्युत्कृष्टगुणस्वीकारस्तद्गुणः AlaṁkāSa. 170.3; तद्गुणः स्वगुणत्यागादत्युत्कृष्टगुणग्रहः SāhiDa. 612.1.

अत्युत्कृष्टगुणता (atyutkṛṣṭaguṇa-tā) *f.* the state of having excellent qualities or attributes अत्युत्कृष्टगुणतया वर्ण्यमानस्यान्यत्र स्वसादृश्यमसहमान-स्योपमेयं किंचित् प्रदर्श्य तावता तस्य तिरस्कारः द्वितीयं प्रतीपम् Kuval. 13(1)

अत्युत्कृष्टगुणत्व (atutkṛṣṭaguṇa-tva) *n.* the state of having excel-

lent qualities or attributes तदात्युत्कृष्टगुणत्वादुपमानभावमप्यसहमानस्योपमानत्वकल्पनात्मके प्रतीपेऽतिव्याप्तिः AlaṅkāKau.(Vi.) 15. 10.

अत्युत्कृष्टता (atyutkṛṣṭa-tā) *f.* great excellence or superiority अत्युत्कृष्टतया कुत्राप्युपमानभावमसहमानस्य प्रसिद्धस्य पीयूषस्य राघवसूक्तेषूपमानत्वप्रदर्शनेन तिरस्करणात् पूर्वस्माद् विलक्षणं तृतीयं प्रतीपम् AlaṅkāMañ. 15. 3.

अत्युत्कृष्टत्व (atyutkṛṣṭa-tva) *n.* the state of being much superior आनन्दमयस्यानन्दः …अत्युत्कृष्टत्वेन वर्णितः S'ivārkaMaDī. i. 218. 8 (*on* i. 1. 16)

अत्युत्कृष्टधर्मप्रद (atyukṛṣṭadharma-prada) *adj.* yielding most excellent religious merit अथात्युत्कृष्टधर्मप्रदं पूर्वोक्तराशिषट्कादिक्रमेण बुद्धयाप्यपरिच्छेद्यफलकं योगमाह LalitāSaBh. 219. 11 (*on* 285)

अत्युत्कृष्टधी (atyutkṛṣṭa-dhī) *f.* most excellent wisdom or intelligence शब्दमुत्थाप्य नारद । …चित्तविक्षेपरहितमत्युत्कृष्टधियान्वितम् JayāS. 14. 87.

अत्युत्कृष्टपरीवार (atyutkṛṣṭa-parīvāra) *adj.* having very excellent attendants उदयाचलः … । अत्युत्कृष्टपरीवार आजगाम … हिमगिरेर्गृहम् S'ivaP. ii(3). 37. 27 (167B. 3)

अत्युत्कृष्टफलप्रदा (atyutkṛṣṭaphala-pradā) *adj.* (*f.*) giving very good yield (harvest) समूलभेषु बीजोप्तिरत्युत्कृष्टफलप्रदा NāraS. 6. 42.

अत्युत्कृष्टरूपा (atyutkṛṣṭa-rūpā) *adj.* (*f.*) having the most excellent form नरेन्द्रतनयस्तु…तत्र निहितदृष्टिरत्युत्कृष्टरूपाम् …कन्यकारूपधारिणीमेकां चित्रपुत्रिकां ददर्श TilaMañ. 162. 5.

अत्युत्कृष्टसुकृत (atyutkṛṣṭa-sukṛta) *n.* most excellent meritorious act सप्तमे (अध्याये) परस्य ब्रह्मणो वासुदेवस्य … तिरोधानमत्युत्कृष्टसुकृतहेतुकभगवत्प्रपत्त्या च तन्निवर्तनम् … प्रास्तौषीत् GītāBh.(Rā.) 407. 5 (*on* 8. 1)

अत्युत्कृष्टाधिपत्य (atyutkṛṣṭādhipatya) *n.* most excellent dominion or supremacy तत्प्रभावादत्युत्कृष्टाधिपत्याधिष्ठातृत्वाच्चैनं मद आविवेश ViṣṇuP. iv. 6. 9.

अत्युत्क्रम् (aty-utkram-) I. P. to surpass, to excel ब्रह्मलोकगताः शूरा नातिक्रामन्ति (v. l. नात्युत्क्रामन्ति) भूमिदम् MahāBhā. xiii. 61. 55.

अत्युत्क्रान्त (aty-utkrānta) *adj.* who has distinguished himself in (Loc.) अव्यु(v. l. अत्यु)त्क्रान्ताश्च धर्मेषु पाषण्डसमयेषु च । कृशप्राणाः कृशधनास्तेषु दत्तं महाफलम् MahāBhā. xiii. 24. 56.

अत्युत्क्रान्ति (aty-utkrānti) *f.* passing away, death अत्युत्क्रान्तौ प्रवृत्तस्य खोत्क्रमण(? सुखोत्क्रमण)सिद्धये तुभ्यं संप्रददे नाम्ने इमामुत्क्रान्तिसंज्ञिकां (धेनुम्) (इति) इमं मन्त्रमुक्त्वा न ममेति विप्रे हस्ते (? विप्रहस्ते) जलान्नजपेत् (जलं निनयेत्) BālamBha. iii. 213. 34 (*on* 3. 327)

अत्युत्क्षिप्त (aty-utkṣipta) *adj.* **i** pushed up excessively (one of the defects in placing the enema-tube) अत ऊर्ध्वं व्यापदो वक्ष्यामः । तत्र नेत्रं विचलितम् … अत्युत्क्षिप्तम् SuśruS. iv. 35. 32; **ii** raised up too high बाहुशीर्षे प्रसन्ने च नात्युत्क्षिप्ते च कारयेत् NāṭyaS'ā. 12. 5; करुणे … नात्युत्क्षिप्तैः पदैर्गच्छेत् NāṭyaS'ā. 12. 65

अत्युत्तम (aty-uttama) *adj.* [*f.* -ā] most excellent or superior अत्युत्तमोत्तमोनम् … सौम्याद्यासु वीथिषु यथाक्रमं ब्रूयात् BṛSaṁ. 9. 9; अत्युत्तमस्तु संयोगः संसारे सुखदः सदा DevīBhāP. v. 16. 20; v. 16. 21; तस्य भार्या च लावण्यवतीत्यत्युत्तमाभवत् KathāSaSāg. xii. 20. 4; v. 3. 84; मिश्रा मध्यमा नात्युत्तमा नाधमा गतिः ManvaVi. 1479. 3 (*on* 12. 3); अत्युत्तमः प्रकथितः कवीन्द्रैः (योनिः) PañcSā. 2. 32; मुद्रात्युत्तमा यवनेश्वरेण प्राप्ता PuruṣPa. 206. 16; अत्युत्तमः साधकानाम् … सर्वार्थजातमातनुतेऽचिरात् ParamāKā. 131. 52; अत्युत्तमोऽप्यहमस्या (विद्यायाः) उपासकोऽस्मि SetuBa. 160. 11; अत्युत्तमां स्तुतिं कर्तुं यत्र तद्व्याजवर्णनम् SāhiSā. 2. 115; *m.* name of a former Buddha [DBHS]

अत्युत्तमत्व (atyuttama-tva) *n.* the state of being the best of all, highest degree of excellence परमाद्भुतं अत्युत्तमत्वात् … इत्यर्थः LalitāSaBh. 4. 19 (*on* 1); त्रयाणां च गुणानाम्…अत्युत्तमत्वं ध्वनयन् LalitāSaBh. 218. 8 (*on* 281); एतस्या विद्याया अत्युत्तमत्वादेव … अहमस्या उपासकोऽस्मि SetuBa. 160. 11.

अत्युत्तमप्रभाचक्र (atyuttamaprabhā-cakra) *n.* halo of the most excellent light or lustre जाम्बूनदमयी(? यीं) यष्टिमिव शुद्धां हुताशने । अत्युत्तमप्रभाचक्रपरिवारितविग्रहा(? हाम्) । मैथिलीं राघवो वीक्ष्य PadmP.(Ra.) 105. 59.

अत्युत्तमफलकत्व (atyuttamaphalaka-tva) *n.* the state of having the most excellent fruit ज्ञानभक्त्योरेव क्रमेणोत्तमात्युत्तमफलकत्वम् AṇuBh. 303. 23 (*on* iv. 1. 2)

अत्युत्तमम् (aty-uttamam) *adv.* too high एते वै हस्तदोषाः स्युः …। न चासौ मुष्टिबन्धी स्यान्न चात्युत्तममाचरेत् YājñaS'i. 39.

अत्युत्तमवपुस् (atyuttama-vapus) *adj.* having the most excellent body जातो नारायणः …। अत्युत्तमवपुः श्रीमान् PadmP.(Ra.) 76. 3.

अत्युत्तमसुख (atyuttama-sukha) *n.* most excellent pleasure अत्युत्तमसुखस्यैव दातृत्वात्स तथाविधः (संयोगः) DevīBhāP. v. 16. 22.

अत्युत्तमार्थ (atyuttamārtha) *m.* most excellent thing (object, quality etc.) अत्युत्तमार्थादधिको योऽर्थः सोऽतिशयः स्मृतः SāhiSā. 3. 21.

अत्युत्तरभद्रपाद (aty-uttarabhadrapāda) *adj.* surpassing the person born under the asterism *uttarābhādrapadā* न प्रोष्ठपादोऽप्यभवन्नृशंसो धर्मात्तदात्युत्तरभद्रपादः DvyāśraKā. 20. 34.

अत्युत्तान (aty-uttāna) *n.* very shallow (vessel) धनस्य हृदये … न वज्रदेशनार्थोऽस्थादत्युत्तान इवोदकम् PariPar. 12. 293.

अत्युत्तालखुरद्वय (atyuttāla-khuradvaya) *adj.* whose two hoofs were very much elevated गर्दभः … परं वेगमास्थायोपसर्पितुमारब्धः (v. l. खरः … अधावदत्युत्तालखुरद्वयः) (280. 10) PañcT. 3. 33 (287. 8)

अत्युत्तालम् (aty-uttālam) *adv.* very swiftly ततः … अत्युत्तालमहमधाविषम् PāṇḍaC. 17. 328.

अत्युत्तुङ्ग (aty-uttuṅga) *adj.* **i** very high or lofty ततः … जगामासौ …। अत्युत्तुङ्गैर्गृहैः पूर्णं श्रीपुरं श्रीनिकेतनम् PadmP.(Ra.) 49. 1; 82. 39; स्रष्टा यस्य पुरस्य मूर्धनि मुदा कोट्टारमस्थापयत् । अत्युत्तुङ्गमहीभुजङ्गसुभगप्रासादरूपेण VasaViKā. 2. 50; **ii** very prominent or raised up स्तनयुगमत्युत्तुङ्गम् Subhāṣi. 1268.

अत्युत्तुङ्गतरङ्गिणी (atyuttuṅga-taraṅgiṇī) *adj.* which has very high waves (मन्दाकिनी) क्षीरतुल्यजला शश्वदत्युत्तुङ्गतरङ्गिणी BrahmVaiP. vi. 34. 25.

अत्युत्तुङ्गनगेन्द्र (atyuttuṅga-nagendra) *m.* extremely lofty mountain अत्युत्तुङ्गनगेन्द्रशेखरगतम् … श्रीराधा…अकरोद्द्रावनम् GopāKeCan. 134. 28.

अत्युत्तुङ्गमनोरथ (atyuttuṅga-manoratha) *m.* very high expectation विचित्रस्वजनस्नेहैरत्युत्तुङ्गमनोरथैः । मूढोऽयं दह्यते लोकः PadmP.(Ra.) 35. 189.

अत्युत्तुङ्गशिखाग्र (atyuttuṅgaśikhāgra) *n.* top of the extremely lofty branches अत्युत्तुङ्गशिखाग्रगुप्तफलका प्रायो जनैर्भुज्यते (आनततरुश्रेणी) GopāKeCan. 78. 32.

अत्युत्थित (aty-utthita) *adj.* emerged very high स सागरतलं भित्त्वा बभूवात्युत्थितस्तदा (मैनाकः) Rāmā. v. 1. 90.

अत्युत्पावन (aty-utpāvana) *adj.* which is the means of extreme purification एतत्समस्तगुह्यानां गुह्यम् … अत्युत्पावनमुत्तमम् MṛgendraT. iii. 1. 64.

अत्युत्पिञ्ज (aty-utpiñja) *m.* (?) great confusion or revolt, great sedition मृतेऽथोदक्पतौ जातेऽत्युत्पिञ्जे मुक्तता(? तां) भजन् । सः … । मद्रासन्नक्षितेः स्वाम्यं कश्मीरेन्द्रेण लम्भितः RājTa.(Jo.) 733.

अत्युत्पिण्डित (aty-utpiṇḍita) *adj.* very much protruding तस्य चेच्चक्षुषी … अत्युत्पिण्डिते (comm. अत्यन्तनिर्गते) AdbhuSāg. 536. 14.

अत्युत्सव (aty-utsava) *m.* **i** excessive or limitless increase अत्युत्सवो बतायं प्राप्तीनां वर्तते AbhidhKoBh. 67. 9 (*on* 2. 40); **ii** excessive joy, great festivity तस्य पूर्वे कृतार्थकाः । नृत्यन्त्यत्युत्सवात् PadmP. iv. 30. 30; धरणीधरः । … प्रभुम् । प्रावेशयत् … अत्युत्सवात् पुरम् PrabhāC. 82. 28.

अत्युत्सवयोग (atyutsava-yoga) *m.* occasion of great festivity सहसात्युत्सवयोगो भ्रंशः कोपप्रसङ्गस्य Kāvyālaṅ.(Ru.) 14. 31.

अत्युत्सह् (aty-utsah-) I. Ā. to be very eager यतोऽहमपि नैनं कृतघ्नं पावकं द्रष्टुमत्युत्सहे TāpaVa. 2. 21(18)

अत्युत्सार्य (aty-utsārya) *ger.* having dispelled completely अत्युत्सार्य बहिर्विटङ्कवडभीगण्डस्थलश्यामिकाम् … प्रदीपांशवः … निर्याताः SubhāRaK. 28. 10.

अत्युत्साह (aty-utsāha) *m.* excessive enthusiasm अत्युत्साहोऽरुचिश्चान्ने यस्य स्यादचिरेणैव उन्मादं सोऽधिगच्छति SuśruS. vi. 62. 6; अत्युत्साहम् … अतिधैर्यं च साधय SkandP. iii(3). 11. 28.

अत्युत्साहकरत्व (atyutsāhakara-tva) *n.* the state of being highly encouraging तत् … अध्वर्योरत्युत्साहकरत्वेनाविशिष्टम् TantrVā. 1165. 14 (*on* iii. 8. 15)

अत्युत्साहवत् (atyutsāha-va(n)t) *adj.* very enthusiastic भयसंनिधानेऽप्यवसादहेतावत्युत्साहवन्तः (अमात्याः) ManuBh. ii. 20. 29 (*on* 7. 61)

अत्युत्साहिन् (aty-utsāhin) *adj.* very violent क्रूरा अत्युत्साहिनः ViraMi. (Āhnika.) 528. 5.

अत्युत्सिक्त (aty-utsikta) *adj.* **A** extremely arrogant, very much puffed up with pride तेभ्यश्चोपलभ्य लुब्धसमृद्धमत्युत्सिक्तमविधेयप्रायं च प्रकृतिमण्डलमलुब्धतामभिख्यापयन्…अभिसमाहरेयमर्थान् DaśKuC. 145. 5; अत्युत्सिक्तः सुतः … । विधुरे राज्ञि निर्यातः RājTa.(Ka.) 7. 264; **B** very strong भृङ्गाः ।

प्रत्याकृष्टा राजपादाश्रयत्वादत्युत्सिक्तैर्यत्र कह्लारगन्धैः Ragh. 10. 28.

अत्युत्सित्स (aty-utsitsa-) I. P. [*desid.*] to drive off, to repel, to push up excessively तेऽब्रुवन् सत्रा वै नोऽत्युदसित्सन् JaimiBr. 2. 400.

अत्युत्सुक (aty-utsuka) *adj.* **i** extremely eager, very much impatient भटाः ··· । स्वजीवितान्याजिमुखे विहातुमत्युत्सुका भङ्गमलीमसानि NavaSāC. 17. 42; श्रीरामचन्द्रस्य हे लोकाः कामदुघाङ्घ्रिपद्मयुगलं सेवध्वमत्युत्सुकाः AdhyāRā. iii. 10. 44; स चौरराट् ··· वीरसमवसरणं दृष्ट्वा चात्युत्सुकोऽचलत् RauhiC. 115; लोहदण्डं गृहीत्वात्युत्सुकः कोणिकः समायाति KathāK. 130. 13; **ii** over-anxious, with excessive longing (जीमूतवाहनः) प्रातश्चात्युत्सुको भूयस्तद्गौर्यायतनं ययौ KathāSaSāg. xii. 23. 68; तत्रेप्सितम् । सेत्स्यतीति प्रतीक्षस्वात्युत्सुको वत्स मा स्म भूः TrisaS'aPuC. ii. 3. 91; दुर्वाराः स्मरमार्गणाः प्रियतमो दूरे मनोऽत्युत्सुकम् KāvyPra. 686. 5 = AlaṅkāSa. 162. 3 = VetāPañ.(S'i.) 54. 21; Subhāṣi. 1156; यस्यामत्युत्सुकं ते परिपतति मनस्तामितो दर्शयामि MadaKeC. 20.

अत्युत्सुकता (atyutsuka-tā) *f.* extreme eagerness अत्युत्सुकतया यातो मुनिं द्रष्टुं तथाविधम् GaṇeP. i. 56. 29.

अत्युत्सुकत्व (atyutsuka-tva) *n.* great zeal अत्युत्सुकत्वनिपतत्पदपात° ···°र्वियोजितपक्षिपक्षाः । ···नीरान्विरीयुरथ दम्पतयः सहेलम् HammīMaKā. 6. 57.

अत्युत्सुकम् (aty-utsukam) *adv.* most anxiously, in an exceedingly restless manner हंहो पान्थ किमाकुलः श्रमवशादत्युत्सुकं धावसि प्रायेणास्य महाद्रुमस्य भवता वार्तापि नाकर्णिता S'atTrayī. 817.

अत्युत्सेक (aty-utseka) *m.* excessive arrogance or pride अत्युत्सेकेन सहसा साहसाध्यवसायिनाम् । श्रीरारोहति सन्देहं महतामपि भूभृताम् RājTa. (Ka.) 4. 518.

अत्युत्सेध (aty-utsedha) *adj.* very high मध्ये अत्युत्सेधमत्युच्चम् VīraMi. (Rājanīti.) 200. 23; *m.* extreme height अत्युत्सेधः अत्युच्चता VīraMi. (Lakṣaṇa.) 240. 20.

अत्युदक (aty-udaka) *n.* excessive water दोषवच्चातिमात्रं स्यात् सस्यस्यात्युदकं यथा CaraS. vi. 30. 313 (1941 Ed.)

अत्युदकनिन्दा (atyudaka-nindā) *f.* condemnation of excessive water अनुदकात्युदकनिन्दामाह SmṛtiCan. iv. 556. 3.

अत्युदग्र (aty-udagra) *adj.* **i** extremely terrific वेदाः ···निहत्य शङ्खासुरमत्युदग्रम् (दत्ताः पितामहाय) S'āraTi. 17. 150; **ii** very severe अत्युदग्रतपस्सिद्धिरुद्धपापक्रियाफलः (वक्तुमैच्छत् ···रामदूतं दशाननः) RāmC. 21. 62; **iii** very tall, of a very great height गौरवर्णोऽत्युदग्रश्च (एतद्भद्रस्य मातङ्गस्य लक्षणम्) Mānaso. iv. 3. 426; **iv** mighty, very strong or powerful अत्युदग्रैर्भूमीपालैः पूरितास्थानसीमा Raghunā. 12. 9.

अत्युदग्रता (atyudagra-tā) *f.* **i** great height अत्युदग्रतया पूर्वकायस्य ··· पातालतलादिव उत्तिष्ठता ··· गन्धहस्तिना सनाथीकृतैकदेशम् Kād. 87. 19; **ii** much exaltation राजशब्दस्तथा सेहे न कुत्राप्यधिरोहणम् । अत्युदग्रतया तस्मिंल्लघुत्वेनान्यराजसु RājTa.(Ka.) 7. 920.

अत्युदग्रप्रकृति (atyudagra-prakṛti) *adj.* of a very violent nature अत्युदग्रप्रकृतयः (भैरवश्रेष्ठाः) BrahmāṇḍP. iii. 20. 80.

अत्युदञ्चत् (aty-udañcat) *adj.* elevating, raising up अत्युदञ्चच्चारुलीलाधृतलीलावतीतनुम् ··· कालिकाम् ··· समाराध्य ParamāKā. 116. 16.

अत्युदय (aty-udaya) *m.* complete sunrise अवनिपतिरप्यु(? त्यु)दयमिवाभियोगमरेः काङ्क्षन् ··· समग्रां च यामिनीमनैषीत् AvantiKa. 51. 21.

अत्युदात्त (aty-udātta) *adj.* **i** most prominent or excellent अत्युदात्तं छिन्द्यात् कृच्छ्राणि ··· करतलं निर्वृतेरीश्वरस्य JinaS'. 2. 22; **ii** high-minded, having a very good character अत्युदात्तश्चन्द्रकेतुरौर्मिलेयः UttaRāC. 6. 19 (13)

अत्युदात्तगुण (atyudātta-guṇa) *adj.* having exalted qualities अत्युदात्तगुणेष्वेषा कृतपुण्यैः प्ररोपिता । ··· सत्क्रिया RājTa.(Ka.) 3. 304.

अत्युदार (aty-udāra) *adj.* [*f.* -ā] **A i** very noble, extremely dignified, exalted (person) जज्ञे बहुज्ञं परमत्युदारम् ···पराशरात्सत्यवती महर्षिम् HariVaṁ. 4*(1); अत्युदारैरु(द)ग्रशक्तिभिः (महापुरुषैः) ··· अलङ्कृता AvantiKa. 5. 3; अत्युदारपरिजना कापि तत्र एवागतवती MālaMā. 1. 207; (inanimate) भाग्ययुक्तात्युदारा (छाया) ··· श्रेयसां स्वच्छवर्णा YogYā. 5. 40 = BṛSaṁ. 68. 93; स्तोकं वचः कर्म तवात्युदारं तारं तवैकस्य यशः किमन्यत् RāmC. 23. 48; क्षमा तु दृष्टैव तवात्युदारा PadmP.(Ra.) 19. 97; पूरयिष्यत्यल्पीयसापि कृतिमत्युदाराम् RāmaCam. 6. 2; अत्युदारमृषिभिः परिशस्तं प्रत्युवाच वचनम् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 5. 16; 6. 33; **A ii** extremely liberal or generous अत्युदाराम् ··· । गङ्गां गत्वा यैः शरीरं विसृष्टं गता धीरास्ते विबुधैः समत्वम् MahāBhā. xiii. 27. 81; अत्युदारा ··· अलकनन्दा SkandP. iv. 29. 17; **B i** very attractive, extremely charming, excellent सुरतलास्यमत्युदारतरलितविभ्रमं बबन्ध AvantiKa. 31. 11; आनाय्य मध्येऽस्य मरीचिरम्यं वैडूर्यमस्थापयदत्युदारम् PadmP.(Ra.) 21. 153; पीतेन द्योतते यच्चतुरपरिहितेनाम्बरेणात्युदारम् ··· जघनम् ··· पातु पीताम्बरस्य ViṣṇuPādaSt. 21; S'ivPāKeSt. 5; अत्युदा[रा]भरणभूषिताङ्गयष्टिभिः ··· अन्तःपुरिकाभिः ··· अभ्यर्च्य ··· भगवन्तं प्रद्युम्नम् TilaMañ. 300. 23; दत्त्वा मात्रे मुद्रिकामत्युदाराम् GopāKeCan. 131. 33; RasSa. 131; **B ii** extremely pleasant or sumptuous तदगारेऽत्युदारमभ्यवहारविधिमकरवम् DaśKuC. 48. 9; 105. 14; नृत्तारम्भेषु हस्ताहतमुरजधिमिद्धिङ्कृतैरत्युदारैश्चित्तानन्दं विधत्ते S'ivPāKeSt. 12; **C** very large, much extensive अत्युदारैरु[द]ग्रशक्तिभिः (महाप्रासादैः) ··· अलङ्कृता AvantiKa. 5. 3; व्यसनार्णवमत्युदारमेषः प्रविशत्येव विशुष्कदारुकल्पः PadmP.(Ra.) 123. 173; अत्युदारमवबद्धवितानम् ··· प्राविशच्छयनमन्दिरमम्बा S'ivLī. 8. 61; **D** of a very high order त्रिकालवीर्णसन्देहो भक्त्या युक्तोऽत्युदारया । ···किष्किन्धं नगरं पुनरागमत् PadmP.(Ra.) 9. 6; **E** very rich, plentiful एतदपि त्वामत्युदारया समृद्ध्या ··· उपपन्नाम् ··· चापलं स्पृष्टं न वेति परीक्षिता DaśKuC. 116. 18; अत्युदारां वसुधारावृष्टिं च परितेनिरे । ···पुष्करावर्तवारिदाः TrisaS'aPuC. ii. 2. 516; विचारोदयकारिण्या धिया व्यवहरन्ति ये । फलानामत्युदाराणां भाजनं हि भवन्ति ते YogVā. ii. 14. 12; PārśvC. 3. 82.

अत्युदारक (atyudāra-ka) *adj.* very fine, excellent सनागरारुष्करवृद्धदारकं गुडेन यो मोदकमत्युदारकम् ··· करोति SiddhYo. 5. 47.

अत्युदारचरित (atyudāra-carita) *adj.* of a very noble character अत्युदारचरितोऽन्त्यजमेनं प्रत्युवाच स च विस्मितचेताः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 6. 33.

अत्युदारधी (atyudāra-dhī) *adj.* very liberal-minded जनकस्तव दास्यति ध्रुवं सकलां संपदमत्युदारधीः Nalābhyu. 7. 31; ऊर्वीं विभुरत्युदारधीः । ··· आससदत्स रामसौधम् Raghunā. 11. 28.

अत्युदारप्रकृति (atyudāra-prakṛti) *adj.* of a very noble nature (सिद्धयः) अत्युदारप्रकृतयः खेलन्ति मदविह्वलाः BrahmāṇḍP. iii. 36. 55; अत्युदारप्रकृतिर्मालती MālaMā. 1. 146.

अत्युदारमति (atyudāra-mati) *adj.* very liberal-minded अत्युदारमते वीर निजप्राणैः पणीकृताम् । किं मां पृच्छसि युवतीम् SkandP. v(2). 46. 113.

अत्युदारवेष (atyudāra-veṣa) *adj.* having a very dignified dress नरपतिः ···अत्युदारवेषम् ··· हरदासनामानं महाप्रतीहारमाकारणाय···तस्य प्राहिणोत् TilaMañ. 100. 7.

अत्युदारव्यवहार (atyudāra-vyavahāra) *m.* very noble action अत्युदारव्यवहारमग्रे प्रावर्तय AvantiKa. 175. 20.

अत्युदारव्यवहृति (atyudāra-vyavahṛti) *adj.* of a very noble behaviour अथ शनैः शनैरत्युदारव्यवहृतिर्वृंहन्ति राजकुलानि वीक्ष्य(? क्ष)माणः ··· प्रकृतिमभजत् HarṣaC. 68. 5.

अत्युदारव्यवहृतिमनोहृत् (atyudāravyavahṛti-manohṛt) *adj.* attracting the mind on account of extremely magnificent routine अथ शनैः शनैरत्युदारव्यवहृतिमनोहन्ति (v. l. for व्यवहृतिर्वृंहन्ति) राजकुलानि वीक्ष्य(? क्ष)माणः ··· प्रकृतिमभजत् HarṣaC. [KANE p. 91]

अत्युदाराकृति (atyudārākṛti) *adj.* of a very magnificent form अत्युदाराकृतिभिः ··· कृत्रिमसुरसमूहैः परिकरिताम् ··· प्रतिमामपश्यत् TilaMañ. 217. 9.

अत्युदाराशय (atyudārāśaya) *adj.* whose mind is extremely magnanimous इयं हि ··· त्वया ··· अत्युदाराशयेन ··· विविवदाराध्यमाना ··· प्रसादं गमिष्यति TilaMañ. 30. 12.

अत्युदारौजस् (atyudāraujas) *adj.* of extraordinary power स्ववृन्दस्यात्युदारौजा राजा चक्रे स दारकैः RājTa.(Ka.) 3. 112.

अत्युदास (aty-udāsa) *adj.* curing completely लिहेदिदं षट्पलसर्पिरुत्तमम् ··· । सकासगुल्मोर्ध्वमरुत्प्रपीडितात्युदासमुद्वर्तनिवारणं परम् KalyāKā. 11. 171.

अत्युदासीन (aty-udāsīna) *adj.* thoroughly aloof or unaffected ब्रह्मत्वे सृजते लोकान्कालत्वे संक्षिपत्यपि । पुरुषत्वेऽत्युदासीनः कर्म च त्रिविधं विभोः S'ivaP. vii. 10. 28 (512B. 6)

अत्युदीर्ण (aty-udīrṇa) *adj.* completely operative अत्युदीर्णपरिपूर्णानि हि कर्माणि कायस्य निक्षेपं न प्रतीक्षन्ते AbhidhKoBh. 123. 4 (*on* 3. 12) (Sphuṭā. क्षेत्राशयविक्षेपयोगादत्युदीर्णानि Vārāṇasī Ed.)

अत्युदीर्णता (atyudīrṇa-tā) *f.* the state of being extremely intensified अनिन्धनोऽन्यथा सीदेदत्युदीर्णतयाथवा । धातूनपि पचेदस्य (जाठरानलः) AṣṭāSaṁ. i. 15. 13 (1. 4)

अत्युदीर्णत्व (atyudīrṇa-tva) *n.* the state of being very intense बुद्धौ प्रचलितायामत्युदीर्णत्वाद्दोषाः प्रकुपिताः ··· जनयन्त्युन्मादम् AṣṭāSaṁ. ii. 212. 7 (6. 9)

अत्युद्गत (aty-udgata) *m.*~*n.* a high number [DBHS]

अत्युद्गाढरय (atyudgāḍha-raya) *m.* very great speed or velocity अत्युद्गाढरयस्थिराकृतिघनध्वानभ्रमन्मन्दरक्षुब्धक्षीरधिवीचिसंचयगतप्रालेयपादोपमः … लोकेश्वरः पातु वः SubhāRaK. 2. 3.

अत्युद्गार (aty-udgāra) *m.* excessive eructation or belching अत्युद्गारस्तमः कासो हिक्का श्वासः स्वरक्षयः BhelaS. 243. 10 (8. 1); स्यादत्युद्गारोऽन्त्रकूजनम् RugVi. 411. 29; वातजा रोगाः … मूकत्वमतिजृम्भा स्यादत्युद्गारोऽन्त्रकूजनम् S'ārṅgaS. i. 7. 111.

[1]**अत्युद्गृह्य** (aty-udgṛhya) *adj.* [w. r. for अत्युद्गृह्य *ger.*] to be raised higher तं कर्णदघ्नं नात्युद्गृह्यः MaiS. i. 6. 6.

[2]**अत्युद्गृह्य** (aty-udgṛhya) *ger.* having raised above कर्णदघ्नं नात्युद्गृह्य … यथार्षमादधाति MānS'S. 32. 11.

अत्युद्ग्रह् (aty-udgrah-) IX. P. to hold above, to raise above जानुदघ्ने धारयमाणस्तृतीयमध्वनोऽग्निं हरति … न कर्णदघ्नमत्युद्गृह्णाति ĀpaS'S. v. 14. 8.

अत्युद्घ (aty-udgha) *adj.* [P. iii. 3. 86, Debru. p. 30] extremely excellent विशिष्टमन्नमत्युद्धं नानारससमन्वितम् । विषान्नं शोभनाहारं निगदन्ति मनीषिणः BṛKathāK. 6. 20; 7. 86; 55. 67 (wrongly written as द्ध)

अत्युद्दाम (aty-uddāma) *adj.* completely beyond control, very violent अत्युद्दामस्तयोर्ज्यायान्द्विषन्नपि नृपासनम् । आसीत् RājTa.(Ka.) 7. 1184; 7. 1530; नाथ चेत्सखि तस्याङ्कं श्रये श्रीखण्डशीतलम् । तदत्युद्दामकामाग्निनिर्दग्धां विद्धि मां मृताम् KathāSaSāg. vi. 5. 23.

अत्युद्दामतपस् (atyuddāma-tapas) *n.* very austere penance अत्युद्दामतपःप्रसादितपुरारातिप्रदिष्टाद्भुतज्योतीरूपमहास्त्रमन्त्रपटलीनिर्व्यूढदोर्विक्रमः … भार्गवः JānaPa. 4. 21.

अत्युद्दामप्रमोद (atyuddāma-pramoda) *m.* extremely great joy परिजनस्य चासीदत्युद्दामप्रमोदकोलाहलो रवः AvantiKa. 135. 14.

अत्युद्धत (aty-uddhata) *adj.* [*f.* -ā] **i** very bright or thick नात्युद्धतं वर्णकम् JayaMa. 237. 11 (*on* 4. 1); **ii** very violent (dance) क्वचिदत्युद्धतानि प्रमोदनृत्तानि AvantiKa. 114. 3; अनुद्धतं चोद्धतं च तथात्युद्धतमित्यपि । तत्तत्ताण्डवभेदस्तु परस्तादेव वक्ष्यते BhāvPra.(S'ā.) 45. 21(2); (battle, war) चक्रुः क्रोधात्पुनस्ते प्रवरपुरवरे युद्धमत्युद्धतं तत् RājTa.(S'rī.) 4. 205; **iii** very proud, excessively arrogant (राज्ञः) नात्युद्धताः … वनिता विनीताः Varāṅga-C. 1. 62; सर्वे वयमधो नीतास्तेनात्युद्धतया गिरा RāmC. 11. 19; नादत्रासितशात्रवं किमथवा राधेयमत्युद्धतम् । … मृधायाह्वये PārthPa. 29; जानासि खलु रावणस्य साहसिकलक्षणामाजानसिद्धामत्युद्धतां प्रकृतिम् AdbhuDa. 5. 11(4); **iv** very strong अत्युद्धतभुजाश्मानः शक्तयः क्वाश्चिदुच्छ्रिताः BrahmāṇḍP. iii. 16. 32; अत्युद्धतं बहलाश्रु स्फुटतमस्तनमाश्लिष्टपार्श्वजनमारब्धकरतालमतिहसितम् RasTa. 146. 6; **v** very abundant संग्रामोदन्वतां यः प्रभवति विभवात्प्राभवेऽत्युद्धतायाः शश्वत्कावन्धसृष्टेः … कृपाणः KhadgaS'. 76.

अत्युद्धतध्वज (atyuddhata-dhvaja) *adj.* having a very lofty or high banner तद्दृष्ट्वा दानवबलं संनद्धात्युद्धतध्वजम् । युयुधे BhaviP. 690A. 28 (iv. 61. 5)

अत्युद्धतपराक्रम (atyuddhata-parākrama) *adj.* exhibiting great or fierce valour ततः प्रववृते युद्धमत्युद्धतपराक्रमम् BrahmāṇḍP. iii. 26. 98.

अत्युद्धतप्रायत्व (atyuddhataprāya-tva) *n.* the state of being mostly very proud डिमादिनायकास्त्वत्युद्धतप्रायत्वान्नातीव विनिपातमाशङ्कन्ते AbhinBhā. iii. 11. 12 (*on* 19. 18)

अत्युद्धतरस (atyuddhata-rasa) *m.* very violent (poetic) sentiment अत्युद्धतरसौ रौद्रबीभत्सौ परिकीर्तितौ PratāYaBhū. 58. 13.

अत्युद्धतानृत (atyuddhatānṛta) *n.* blatant lie न खलु एतावदत्युद्धतानृतं प्रेक्षापूर्वकारी भाषत इति संभावयामः Kās'i. i. 130. 17 (*on* 2. 131)

अत्युद्धतार्थसंदर्भा (atyuddhatārtha-sandarbhā) *adj.* (*f*) having a composition of very violent incident अत्युद्धतार्थसंदर्भा वृत्तिरारभटी स्मृता PratāYaBhū. 58. 8.

अत्युद्धा (aty-uddhā) III. Ā. to raise high अथ शीर्ष्णा यूपमत्युजिहीते S'atBr. V. ii. 1. 14.

अत्युद्धुर (aty-uddhura) *adj.* extremely unchecked, unassailable अत्युद्धुरैः शरैस्तस्य तरङ्गैरिव नीरधेः । निम्नगेव चमूश्चक्रे पाण्डवीया पराङ्मुखी Pāṇḍa-C. 13. 831.

अत्युद्धुरकन्धर (atyuddhura-kandhara) *adj.* having highly raised neck अत्युद्धुरकन्धरान् बन्धुरान् धारयामास तुरगान् वृषभध्वजः TrisaS'aPuC. i. 2. 929.

अत्युद्धुरध्वनि (atyuddhura-dhvani) *adj.* with very loud voice वज्रावर्तं समुद्धृत्य धनुरत्युद्धुरध्वनिः । पद्मनाभः कृतान्तास्यं जगौ PadmP.(Ra.) 103. 4.

अत्युद्धुराङ्घ्रियुग (atyuddhurāṅghri-yuga) *n.* the two feet which were held very high अत्युद्धुराङ्घ्रियुगलङ्घितमौलिबन्धौ … तौ रेजतुः … निजविक्रमेण RāmC. 36. 31.

अत्युद्धूत (aty-uddhūta) *adj.* very violent अये अत्युद्धूतो वायुः । अतितपत्यादित्यः DūtVā. 52(1)

अत्युद्धृता (aty-uddhṛtā) *adj.* (*f.*) raised high, well-protected अत्युद्धृता वसुमती दलितोऽरिवर्गः…एकत्र जन्मनि कृतं यदनेन यूना BhojPra. 48. 5.

अत्युद्बन्धोदर (atyudbandhodara) *adj.* having a very compact belly अत्युद्बन्धोदरः … तुरगरत्नं भद्रवाहनो नाम AvantiKa. 89. 13.

अत्युद्भट (aty-udbhaṭa) *adj.* very strong or powerful कालसंनिभभटैरत्युद्भटैरुत्कटं प्रध्वस्तं बलम् ParamāKā. 6. 41.

अत्युद्भटम् (aty-udbhaṭam) *adv.* very tightly आकृष्टाः स्म यदुच्चकैः कटुवचोवीचीभिरत्युद्भटं बद्धा यत्प्रहृताः स्म KaumuMi. 6. 12.

अत्युद्भटवेत्रिन् (atyudbhaṭa-vetrin) *m.* very fierce or powerful guard अत्युद्भटवेत्रिवेत्रलताघातविद्रावितवीथीभवदमरमण्डलम् … आलोक्य सेनामुखम् NīlaVi. 10. 11.

अत्युद्य (aty-udya) *ger.* having spoken beyond limit (i. e. abused) अतिवादेन वै देवा असुरानत्युद्याथैनानत्यायन् AitBr. 30. 7 (789) (comm. अतिक्रम्य उक्त्वा अधिक्षिप्येत्यर्थः)

अत्युद्यम् (aty-udyam) *adv.* very highly, exaggeratedly (सा) अत्युद्यं शस्यमाना पदे पदे । … संप्राप पौण्डरीकपुरान्तिकम् PadmP.(Ra.) 99. 10.

अत्युद्यम (aty-udyama) *m.* great effort नास्त्युद्यमसमो बन्धुः (v. l. नात्युद्यमसमो) कृत्वा यं नावसीदति S'atTrayī. 216.

अत्युद्रिक्त (aty-udrikta) *adj.* very excessive शूद्रस्य स्वभावप्रभवस्तु रजःसत्त्वाभिभवेनात्युद्रिक्तस्तमोगुणः GītāBh.(Rā.) 682. 4 (*on* 18. 41)

अत्युद्रिक्तक्षुध् (atyudrikta-kṣudh) *adj.* extremely hungry, experiencing extreme hunger अत्युद्रिक्तक्षुधं बालं परिभूतं तु लेहयेत् AṣṭāSaṁ. ii. 184. 12 (6. 2)

अत्युद्रिक्तपित्त (atyudrikta-pitta) *adj.* with excessive bilious humour तन्त्रैरण्डतैलम् … अत्युद्रिक्तपित्तस्त्रिफलां त्रायमाणां वा क्षीरेण (पिबेत्) AṣṭāSaṁ. ii. 92. 3 (4. 16)

अत्युद्रिक्तरक्त (atyudrikta-rakta) *n.* extremely morfibic blood ये अपि न सिध्यन्ति ते रक्तप्रकोपजाः । तस्मात्तेष्वत्युद्रिक्तरक्तविस्रावणाय यथास्वं सिरां विध्येत् AṣṭāSaṁ. i. 176. 8 (i. 36)

अत्युद्रिक्तसत्त्व (atyudrikta-sattva) *n.* extremely predominent *sattva* quality देहसंबन्धं प्रतिपद्यते प्राप्नोति अत्युद्रिक्तसत्त्वान्मुच्यते VīraMi. 875. 19 (*on* 3. 140)

अत्युद्रेक (aty-udreka) *m.* extreme preponderance बहूनामपि सद्भावे वियोगेऽत्र तु केचन । … उन्मादमोहावित्याद्या अत्युद्रेकं व्रजन्त्यमी BhaktiRaSi. iii. 4. 27.

अत्युद्विज् (aty-udvij) *adj.* greatly frightening अचिन्त्यधाम्ने गुह्याय रुद्रायात्युद्विजे नमः SkandP. ii(8). 6. 35.

अत्युद्वेग (aty-udvega) *adj.* full of great anxiety अत्युद्वेगः प्रचुरसलिलः स्यात्तृतीयः (वत्सरः) BṛSam. 8. 40.

अत्युन्नत (aty-unnata) *adj.* **A i** very tall, very lofty, extremely high मूलेन यस्य मथितः सकलोऽम्बुराशिरत्युन्नतेन शिखरेण च नाकमार्गः HarVi. 4. 2; अत्युन्नतमनुन्नतं दन्तवन्तमदन्तं च पश्यैनमगजं गजम् NalaCam. 6. 57; अत्युन्नतो महाभोगः श्रीमान्स्वगुणचामरः । रामेणैव यशःस्तम्भः कल्पस्थायीकृतः पदे RāmāMañ. 199. 15; आरोपितः स चेव्या खट्वामत्युन्नतां शनैः शिशुकः SamaMā. 8. 4; BrahmP. 118. 4; अत्युन्नतस्य पादेषु क्षपासु लुठतेन्दुना । यस्य प्रभुरपि स्पर्धां नैति चन्द्रशिखामणिः S'rīKaC. 4. 22; गिरयोऽत्युन्नतास्तत्र … आक्रान्ताः कटकैर्हिमैः RājTa.(S'rī.) 3. 506; मखद्विषः … आरुह्य मतङ्गजानत्युन्नतान् स्वं स्वमधिकारमनुपालयांचक्रिरे NīlaVi. 29. 8; **A ii** very much protruding, very prominent, very high तत्र … अत्युन्नतं मृदुकीलं मृदुमुखम् … इति द्वादश यन्त्रदोषाः SuśruS. i. 7. 19 (comm. उच्छ्रितकीलकादि); कटं कथं मस्तके ते लोमचक्रं च वक्षसि अत्युन्नतं मध्यदेशे किंचिदुत्पाटितं मुने BrahmVaiP. iv. 47. 140; अत्युन्नतायतरदोलिखितान्तरिक्षै रक्षोभटैरनुगतः स ययौ रणाय RāmC.(App. II.) 37. 38; तज्जानुयुग्मं महिषासुरेन्द्र ह्यत्युन्नतं भाति तथैव तस्याः VāmaP. 19. 12; विस्तारिणि (v. l. अत्युन्नते)स्तनतटे हरिचन्दनं ते लज्जावहं किमिति लिम्पसि कातराक्षि BhikṣāKā. 3. 7; अत्युन्नतेन घनयोः स्तनयोर्द्वितयेन च ParamāKā. 51. 6; **Aiii** raised very high, lifted up greatly न चोत्थापयता क्षिप्रं कार्यमभ्यु(v. l. त्यु)न्नतं तु तत् SuśruS. vi. 15. 6 (comm. तदर्मे अत्युन्नतं न कार्यम्); वमेन्नात्युन्नतो नात्यवनतः

पार्श्वापवृत्तो वा। तत्रात्युन्नतस्य पृष्ठहृदयपीडा भवति AṣṭāSaṁ. i. 140. 1 (1. 27); हिरण्मयी पार्थिवबाणपङ्क्तिरत्युन्नते मूर्ध्नि महासुरस्य। रेजेतराम् NavaSāC. 17. 58; **Aiv** very thick or puffed up अत्युन्नताश्च गोधूमगोलकाः परिपाचिताः। मुद्गानां वेसवारैस्तु पूर्णा गुरुतरा मताः BhojanKu. 49. 8; **Bi** greatly elevated, very noble, very much exalted अशेषैर्दोषैरनामृष्टात्युन्नतहृदयः EI. viii. 191. 23; iv. 77. 16; i. 86. 17; अत्युन्नतं द्विजकुलं द्विजशापव्याजाद्धत्वा स्वलोकममलं तनुनाभिगन्ता SātvaT. 2. 60; सुचिरं नावतिष्ठते। उदग्रकर्मा च पुमान्निहत्यात्युन्नतं रिपुम् RājTa. (Ka.) 8. 34; प्रथमतरमेव धूर्ताः सगुणानत्युन्नतान् प्रबाधन्ते। स्त्रीणां स्तनेषु लक्ष्मीस्तेष्वेवादौ जरा पतति Subhāṣi. 2862; **Bii** very excellent, very severe, very great or high अत्युन्नतं तपश्चक्रे सामान्यजनदुःसहम् PadmP.(Ra.) 122. 1; तदा कविस्तद्दानमत्युन्नतं दृष्ट्वा ··· राजानं वदति BhojPra. 12. 23; अत्युन्नतपदारूढः पूज्यान्नैवापमानयेत् NītiMañ. 78.

अत्युन्नतकटिग्रीवा (atyunnata-kaṭigrīvā) *adj.* (*f.*) having a very high waist and neck अत्युन्नतकटी(? टि)ग्रीवा उष्ट्रसत्त्वाटवीप्रिया NāṭyaS'ā. 22. 129.

अत्युन्नतगुण (atyunnata-guṇa) *adj.* having very noble qualities अत्युन्नतगुणः शत्रुः श्लाघनीयो विपश्चिताम् PadmP.(Ra.) 78. 29.

अत्युन्नतचेष्टित (atyunnata-ceṣṭita) *n.* very noble action तेन त्वया सार्धमहं विधाय संबन्धमत्युन्नतचेष्टितेन। कृतार्थतामेमि PadmP.(Ra.) 19. 98.

अत्युन्नतत्व (atyunnata-tva) *n.* **i** great protrusion आकर्षतेवोर्ध्वमतिकृशीयानत्युन्नतत्वात्कुचमण्डलेन। ननाम मध्यः ··· अङ्गनानाम् S'iśuVa. 3. 15; **ii** great nobility निद्रा महीभारपरिग्रहश्च श्रीसंश्रयत्वं परयाचनं च। अत्युन्नतत्वं गुणहीनता च किं युक्तमेतत्पुरुषोत्तमस्य SamaMā. 4. 25.

अत्युन्नतधान्यकूट (atyunnata-dhānyakūṭa) *n.* very high heap of grains यदन्तरात्युन्नतधान्यकूटमुद्रामषीमुद्रित एव चन्द्रः। कलङ्कितां याति न चेत् सुधांशौ न गन्धतोऽप्यङ्ककथाप्रसङ्गः Raghunā. 1. 37.

अत्युन्नतपताक (atyunnata-patāka) *adj.* with a very lofty banner हीरनृपालः ··· अत्युन्नतपताकं मनोहरं हूणराजभवनमवजगाहे ĀnandRa. 7. 56 (11)

अत्युन्नतपद (atyunnata-pada) *n.* extremely high position अत्युन्नतपदारूढः पूज्यान्नैवावमानयेत्। नहुषः शक्रतामेत्य च्युतोऽगस्त्यावमाननात् CāruCaS'. 57; SiṁhāDvā. 219. 4; S'ārṅgaPa. 1522.

अत्युन्नतपुर (atyunnata-pura) *n.* very prosperous city अत्युन्नतपुराणां च स्वायत्तीकरणे मतिः ParamāKā. 178. 33.

अत्युन्नतरत्नतोरण (atyunnata-ratnatoraṇa) *n.* very lofty jewelled arch देवः ···। तामत्युन्नतरत्नतोरणशिखाप्रेङ्खोलमुक्ताफलप्रालम्बोच्छलदच्छकान्तिनिकरस्मेरामवापत्पुरीम् NavaSāC. 17. 76.

अत्युन्नतवंश (atyunnata-vaṁśa) *m.* **1** very tall bamboo दधार गर्भे तनयं धरेव सा करीरमत्युन्नतवंशवृद्धये YātrāPra. 1. 123; **2** very noble family, YātrāPra. 1. 123.

अत्युन्नतशरीर (atyunnata-śarīra) *adj.* having a very tall body अत्युन्नतशरीरस्य पीडितोऽत(? थ) बहुद्रवः Hastyāyur. 611. 14 (4. 5)

अत्युन्नतशिरस् (atyunnata-śiras) *adj.* with the head raised very high अत्युन्नतशिरसोऽपि सम्यक्शिरोऽप्रतिपद्यमानं तानेव (हीनदोषान्कुर्यात् नस्यम्) AṣṭāSaṁ. i. 156. 13 (1. 29)

अत्युन्नतसर्वलिङ्ग (atyunnata-sarvaliṅga) *adj.* having all the symptoms excessively prominent सास्रावमत्युन्नतसर्वलिङ्गं सकण्डुरं श्लेष्मयुतं विवर्ज्यम् (श्लीपदम्) RugVi. 39. 7 (comm. येन दोषेणारब्धं श्लीपदं तस्यात्युन्नतानि अतिवृद्धानि सर्वाणि लिङ्गानि यत्र तत्तथा)

अत्युन्नतस्तन (atyunnata-stana) *adj.* with the breasts extremely protruding अत्युन्नतस्तनमुरो नयने सुदीर्घे वक्रे भ्रुवावतितराम् ··· किमपि चाद्भुतयौवनायाः SāhiDa. 112. 4; 236. 3.

अत्युन्नतस्वान्त (atyunnata-svānta) *adj.* in which the heart (of the inhabitant) was very jubilant एवमत्युन्नतस्वान्तम् ··· उन्मत्तमिव संवृत्तं नगरं तत् समन्ततः PadmP.(Ra.) 120. 28.

अत्युन्नति (aty-unnati) *f.* **A** great protrusion स्तनावत्युन्नतिं प्राप्तौ श्यामलीभूतचूचुकौ PadmP. (Ra.) 17. 3; अत्युन्नतिस्फोटितकञ्चुकानि वन्द्यानि कान्ताकुचमण्डलानि VikraDeC. 1. 15; वक्षोजौ करिकुम्भविभ्रमकरीमत्युन्नतिं गच्छतः SāhiDa. 110. 14; **B** great prosperity त्यागेनात्युन्नतिं नीतो येन ··· याचकः RāmāMañ. 448. 2; अत्युन्नतिर्लोकपराभवाय येषां प्रकाशस्तिमिरं हि तेषाम् DarpaDa. 2. 9; **C** great height ते ··· यान्तु ··· परामत्युन्नतिं पादपाः Subhāṣi. 824.

अत्युन्नतिमत् (atyunnati-ma(n)t) *adj.* characterised by great prosperity or height दानपरोऽत्युन्नतिमान् ··· भवति नरेन्द्रः करीन्द्र इव Subhāṣi. 2368.

अत्युन्नतिव्यसनिन् (atyunnati-vyasanin) *adj.* addicted to attaining great prominence अत्युन्नतिव्यसनिनः शिरसोऽधुनैष स्वस्यैव चातकशिशुः प्रणयं विधत्ताम् SūktiRa. 102. 18 = Subhāṣi. 677.

अत्युन्नबोधिपतग (atyunnabodhi-pataga) *m.* bird having a very favourable intention अत्युन्न(?)बोधिपतगा अपि नः स्वपक्षच्छायाभिरुद्गतभयाः प्रियमाचरन्ति RāmC. (App. II.) 37. 42.

अत्युन्नमत् (aty-unnamat) *adj.* greatly protruding वक्त्रेन्दुना ··· अत्युन्नमद्घनपयोधररुद्धभासा पादारविन्दयुगलस्य हृता न लक्ष्मीः Subhāṣi. 1572.

अत्युन्नमय्य (aty-unnamayya) *ger.* raising or stretching up very high [DBHS]

अत्युन्मनस् (aty-unmanas) *adj.* very much disturbed in mind क्षणमप्युन्मनसा रघूद्वहेन। रुरुधे रहसि आञ्जनेयः RāmC. 8. 1; अत्युन्मनास्तदवलोकनकौतुकेन ··· अधिरुरोह पुरन्ध्रिलोकः NavaSāC. 18. 3.

अत्युन्माथिन् (aty-unmāthin) *adj.* excessively rubbed अत्युन्माथिनि चन्दनेऽपि नियतं नामाग्निरुत्तिष्ठति SubhāRaK. 21. 31.

अत्युन्माद (aty-unmāda) *m.* great madness अत्युन्मादो मरणं दश प्रकटिताः कन्दर्पचेष्टा इति PañcSā. 4. 18.

अत्युन्मादसमारम्भ (atyunmāda-samārambha) *adj.* causing great madness मन्मथस्य शरोत्कराः प्रविष्टाः ··· अत्युन्मादसमारम्भाः MahāBhā. iv. App. I. 12. 33.

अत्युन्मिषत् (aty-unmiṣat) *adj.* very much rising दुग्धसिन्धुरत्युन्मिषत्प्रचुरतुङ्गमरीचिवीचिः ··· अनिशमुल्लसतीव यस्याम् HarVi. 1. 6.

अत्युपकारहेतु (atyupakāra-hetu) *m.* cause of great favour वक्तानपेक्ष्य जगता(? द)त्युपकारहेतुम्।··· उपचिनोति फलं विशालम् VarāṅgaC. 1. 11.

अत्युपक्षि (aty-upakṣi-) v. P. to shatter completely महापुरुषः ··· अस्थीनि तस्यात्युपक्षिणोति Kāvyānu.(He.) 253. 11.

अत्युपक्षीणदेह (atyupakṣīṇa-deha) *adj.* with the body very much emaciated अत्युपक्षीणदेहानाम् ··· दोषाः प्रकुपिताः ··· जनयन्त्युन्मादम् CaraS. ii. 7. 3; ii. 8. 4 (1922 Ed.); AṣṭāSaṁ. ii. 212. 4 (6. 9)

अत्युपचार (aty-upacāra) *m.* extra service सा तस्यात्युपचारस्य कारणं परिशङ्किता। पतिं पप्रच्छ RājTa.(Ka.) 8. 1252; अत्युपचारः खल्वेषः PadmPrā. 17. 2; आदावत्युपचारचाटुविनयालंकारशोभान्वितम् ··· धिक् केनाप्यकुलीनसंगतम् ··· उत्पादितम् Pañcā. 74. 6.

अत्युपचित (aty-upacita) *adj.* grown very large अत्युपचितं वा कोपभयान्नित्यमासन्नमरिबलं वासयेत् ArthS'ā. iii. 53. 6 (9. 2)

अत्युपजातनिद्र (aty-upajātanidra) *adj.* who is very sleepy यामिनीम् ··· नात्युपजातनिद्रः प्रायेण जाग्रदेव निन्ये Kād. 118. 19.

अत्युपद्रव (aty-upadrava) *m.* great trouble स्तोत्रम् ··· अत्युपद्रवदुःखघ्नम् BrahmāṇḍP. ii. 36. 44.

अत्युपध (aty-upadha) *adj.* tried, tested शुचिः। मास्यमात्ये चात्युपधे AmaK. 2391; AnekāK. 137.

अत्युपधा (aty-upadhā) III. P. to add (to the length) अरत्निं पक्षयोरत्युपदधाति MānS'S. 148. 3.

अत्युपपन्नसंस्थान (atyupapanna-saṁsthāna) *adj.* possessing a very proportionate body or limbs अयम् ··· नात्युपपन्नसंस्थानः DaśKuC. 70. 18 (comm. अनुगुणावयवः)

अत्युपप्लव (aty-upaplava) *m.* great disturbance सम्यगरूढमूलत्वादत्युपप्लवाद्यनुवृत्त्या असत्कल्पोऽयम् PāṇiTaVāNaMā. 46. 18.

अत्युपमर्दित्व (atyupamardi-tva) *n.* the nature of destroying greatly तत्र विरहतापस्यात्युपमर्दित्वेन AṇuBh. 325. 5 (*on* iv. 2. 13)

अत्युपयज् (aty-upayaj-) I. P. to make an additional *upayaj*-offering सोऽत्युपयजति यज्ञं गच्छ स्वाहेति S'atBr. III. viii. 5. 1.

अत्युपयुक्त (aty-upayukta) *adj.* used excessively य एव ··· इष्यन्ते सुखहेतवस्त एवात्युपयुक्ताः ··· पुनर्दुःखहेतवः संपद्यन्ते AbhidhKoBh. 330. 13 (*on* 6. 3)

अत्युपयुज्यमान (aty-upayujyamāna) *adj.* being excessively used एवं गुणोऽपि स (मधुरो रसः) सदात्युपयुज्यमानः स्थौल्य° ··· °अतिनिद्राः (आवहन्) AṣṭāSaṁ. i. 97. 8 (1. 18)

अत्युपरितनभूमिका (atyuparitana-bhūmikā) *f.* the uppermost storey तत्कालमत्युपरितनभूमिकामेत्य भर्तृसुतया मलयसुन्दर्या यथा सवस्त्राञ्चलग्रन्थिमुन्मोच्य वाचितः ··· इष्टलेखः TilaMañ. 384. 2.

अत्युपसंहृत (aty-upasaṁhṛta) *adj.* brought into close contact अवर्णे नात्युपसंहृतमोष्ठहनु नातिव्यस्तम् TaiPrāti. 2. 12.

अत्युपसेवन (aty-upasevana) *n.* excessive indulgence or employment अत्युपसेवनमतियोगः CaraS. i. 11. 37; अत्युपसेवनाद्वा।··· भवन्ति शिश्ने

पञ्चोपदंशाः BhāvPra.(Bhā.) viii. 51. 1.

अत्युपसेवना (aty-upasevanā) *f.* excessive homage [nt.]

अत्युपसेवमान (aty-upasevamāna) *adj.* practising excessively व्यवायव्यायामसंतापानत्युपसेवमानस्य ... दोषाः प्रकोपमापद्यन्ते CaraS. ii. 5. 7.

अत्युपहति (aty-upahati) *f.* great damage स्नेहानामपि शुद्धिरत्युपहतिर्नो चेदभिद्योतनात् IśānS'iPa. i. 7. 32.

अत्युपहास्यता (atyupahāsya-tā) *f.* the state of being excessively ridiculed or laughed at नो चेद्वो दर्शयामि ह । स्वपराक्रममत्युग्रं यास्यथात्युपहास्यताम् S'ivaP. ii(4). 14. 20 (209A. 15); आयुःक्षतिवि(? वि)कलतात्युपहास्यता च -- स्यादेव यद्यपि रतेन पराङ्गनायाः AnaṅgaRa. 8. 9.

अत्युपादेयत्व (atyupādeya-tva) *n.* the state of being perfectly acceptable or highly suitable for acceptance अतो ब्रह्मसूत्राणामत्युपादेयत्वाद्व्याख्येयता TattvPrakā. 3A. 3 (*on* i. 1. 0); 3B. 13 (*on* i. 1. 0); शांभवम् ... °शिवसंबन्धि यत् तत्त्वम् ... तस्य याः चिन्ताः विचारणानि ता एव रत्नानि अत्युपादेयत्वेन मणयः Bhāsk. ii. 210. 18 (*on* iii. 1. 1)

अत्युपालम्भ (aty-upālambha) *m.* severe reproach or scolding अलमलमत्युपालम्भेन । इदमुचितमुत्सङ्गासनमनुगृह्यताम् PādaTā. 25. 1.

अत्युमा (aty-umā) *f.* name of one of the sixteen S'aktis अमृता नन्दिनीन्द्राणी त्वीशानी चात्युमा तथा (इति षोडश शक्तयः) BrahmāṇḍP. iii. 44. 84.

अत्युरु (aty-uru) *adj.* [*f.* -rvī] very extensive or large एवमत्यन्तचार्वीभिरत्युर्वीभिर्विभूतिभिः । महेन्द्रोदयमुद्यानं जातं नन्दनसुन्दरम् PadmP.(Ra.) 95. 47; वरिष्ठोऽतिवरेऽत्युरौ Vaija. 256. 25; वरीयान् सत्तमेऽत्युरौ Vaija. 256. 26.

अत्युर्वीश (atyurvīśa) *m.* emperor अत्युर्वीशनरेन्द्रपण्डितधनी द्रव्योनभूपो मृगे Bṛhajjā. 19. 3.

अत्युल्बण (aty-ulbaṇa) *adj.* [*f.* -ā] **i** very acute or powerful स तान्प्रमृद्याभ्यपतत् पुनरेव युधिष्ठिरम् । मन्त्रौषधिक्रियातीतो व्याधिरत्युल्बणो यथा MahāBhā. viii. 33. 8; **ii** very loud विप्रघुष्टस्वनानां च दुन्दुभीश्चापि निघ्नताम् । तेषां सुतुमुलः शब्दः (v. l. अत्युल्बणो नादः) पूरयामास तद्वनम् Rāmā. iii. 23. 21; **iii** very prominent or conspicuous, very gaudy प्रतनुश्लक्ष्णाल्पदुकूलता···नात्युल्बणमनुलेपनम् KāmaSū. 237. 6 (4. 1); मणिभिः···नात्युल्बणैर्धनिनः BṛSaṁ. 68. 13; Kāda. 299. 23; शिखाभिराश्लिष्ट इवौर्ववह्नेरत्युल्बणां पाटलतां प्रपन्नः Kapphiṇā. 12. 12; नयनयोरत्युल्बणं कज्जलं वेषोऽयं विरसः NalaCam. 6. 70; यत्र तु वेश्यादिभिर्योगोऽत्युल्बणं चाकल्पादि तत् (प्रहसनं) संकीर्णम् AbhinBhā. ii. 448. 14; Kāvyānu.(He.) 389. 8; SūktiMu. 96. 5; **iv** very powerful or strong नीलो नागपतिर्विभुः । सेव्यमानः ··· नागैश्चात्युल्बणैर्भीमैः NīlaP. 331; अत्युल्बणं हस्तिबलमश्वीयं विश्वविश्रुतम् ··· दर्पं यथा द्विषां घ्नन्ति जनयन्त्यात्मनस्तथा TriṣaS'aPuC. ii. 6. 543; **v** very fierce इत्थं सुराणां दैत्यानां संग्रामस्समभून्महान् । अत्युल्बणः S'ivaP. ii(5). 16. 44 (239A. 14); **vi** abundant, very much, in excess वर्षतां जलदानां च तोयमत्युल्बणं निशि ViṣṇuP. v. 3. 17.

अत्युल्बणकर्णबाण (atyulbaṇa-karṇabāṇa) *m.* (words acting as) piercing arrows to the ears स इत्थमत्युल्बणकर्णबाणैर्भ्रातुः पुरो मर्मसु ताडितोऽपि । ···गतव्यथोऽयात् BhāgP. iii. 1. 16.

अत्युल्बणगन्धत्व (atyulbaṇagandha-tva) *n.* the state of being too strong a smell अत्युल्बणगन्धत्वादेकांशो नित्यमेव धान्यानाम् । कर्पूरस्य BṛSaṁ. 77. 15.

अत्युल्बणजन (atyulbaṇa-jana) *m.* extremely haughty men प्रवृत्ते च पुरक्षोभे ···। अत्युल्बणजनः सर्वो धावति स धृतायुधः RājTa.(S'rī.) 4. 107.

अत्युल्बणपदा (atyulbaṇa-padā) *adj.* (*f.*) having very grandiose or pompous words समासबहुला अत्युल्बणपदा च (गौडीया रीतिः) KāvyālaṅSū. i. 2. 12.

अत्युल्बणपराक्रम (atyulbaṇa-parākrama) *adj.* of very fierce valour अमरैरमृतास्वादादत्युल्बणपराक्रमैः । पराजिता महादैत्याः BrahmāṇḍP. iii. 10. 39.

अत्युल्बणम् (atyulbaṇam) *adv.* very heavily अल्पशेषजीवितोऽयमामीलितलोचनः ··· मुहुर्मुहुरत्युल्बणं श्वसिति Kād. 38. 2.

अत्युल्बणानिला (atyulbaṇānilā) *adj.* (*f.*) having excess of wind or gases भवति क्रूरकोष्ठस्य ग्रहण्यत्युल्बणानिला CaraS. i. 13. 68.

अत्युल्लङ्घिन् (aty-ullaṅghin) *adj.* excelling to a high degree अशेषाश्च ते विश्वंभरेश्वराश्च तैः विश्वंभरेश्वरैः (? तेषां अशेषविश्वंभरेश्वराणां) अतिशायि अत्युल्लङ्घि जन्म उत्सवदिवसो यस्य सः YaśasCam. i. 319. 17 (comm.)

अत्युल्लस् (atyul-las-) I. P. **i** to shine or gleam excessively आकर्ण्य कौरवकुमारबलं प्रचण्डमत्युल्लसन्ति गुरुरोषकषायतारा: (पाण्डवानाम् दृष्टयः) BālBhā. 2. 47; **ii** to resound greatly मुदा लोकस्य सर्वस्यात्यु(? प्यु)ल्लास जयध्वनिः PāṇḍaC. 4. 307; **iii** to cause to agitate or toss very much नृत्योन्मादतरङ्गिणीर्बलवतीरानन्दवात्या क्रमादत्युल्लासयति स्म CaitaCa. 259. 10 (10)

अत्युल्लसत्पक्ष्मन् (atyullasat-pakṣman) *n.* excessively shaking or agitated eyelashes यच्चक्षुरत्युल्लसत्पक्ष्मश्रेणि ··· तेनैवेह मनो हरत्यधरितप्रौढा नवोढा न किम् SubhāRaK. 19. 5.

अत्युल्लसत्परिमल (atyullasat-parimala) *adj.* of which fragrance is very much widespread, of very striking fragrance कस्यानुभावमयमाह तवाप्यकस्मादत्युल्लसत्परिमलो मुकुले विकासः RāmC. 36. 49.

अत्युल्लास (aty-ullāsa) *m.* **i** great joy or delight शरद्यपामिव तदा प्रसादः ककुभामभूत् । अत्युल्लासश्च लोकानां कमलानामिवोषसि TriṣaS'aPuC. ii. 2. 128; छत्रप्रकाशभेदेन केश्चिदेषां (संभोगानां) द्विरूपता । इष्टाप्यत्र न हि प्रोक्ता नात्युल्लासकरी यतः UjjvaNīMa. 590. 3; **ii** great splendour, TriṣaS'aPuC. ii. 2. 128.

अत्युल्लासतुरङ्गम (atyullāsa-turaṅgama) *m.* great joy in the form of a horse निर्गच्छन्ति मुदा ··· अत्युल्लासतुरङ्गमैर्भवजये जैत्रा इवामी भटाः CaitaCa. 251. 17 (10)

अत्युशनस् (aty-uśanas) *adj.* excelling S'ukrācārya बुद्ध्योशनसमत्युशन प्रभाभिः ··· चुलुक्य ··· स्मर देवकार्यम् DvyāśraKā. 2. 2 (comm. शुक्रमतिक्रान्त)

अत्युष्ण (aty-uṣṇa) *adj.* **i** very hot or very warm अथ ग्रीष्मसमत्युष्णं विश्वामित्रोऽभ्युपागमत् MahāBhā. v. 104. 11; नैवातिशीतो नात्युष्णः कालो भवति MahāBhā. xii. 101. 10; iii. 73. 21; रुरोद कृष्णा ··· (मन्युं) द्रवीभूतमिवात्युष्णमुत्सृजद्वारि नेत्रजम् MahāBhā. v. 80. 43 (but नीलकण्ठः - अत्युष्णं वह्निम्, सर्वज्ञनारायणः अत्युष्णं दुःखम्); अत्युष्णमल्पयवसेन्धनोदकं वा देशं हेमन्ते यायात् ArthS'ā. iii. 48. 1 (9. 1); प्रत्यक्षलवणं वर्ज्यमन्नमत्युष्णमेव च MārkP. 34. 28; VāyuP. ii. 18. 53; अत्युष्णे वा दिवा पीतः (स्नेहः) ··· पिपासाम् ··· समीरयेत् CaraS. i. 13. 20; i. 14. 6; SuśruS. vi. 18. 39; BhelaS. 40. 10 (1. 25); अत्युष्णं सर्वमन्नं स्याद्भुञ्जीरंस्ते च वाग्यताः ManuSm. 3. 236; नात्युष्णं भोजने हितम् HāriS. i. 23. 40; i. 5. 58; PāraS. 18. 284; AṣṭāHṛ. i. 13. 34; AṣṭāSaṁ. i. 65. 7 (1. 10); i. 69. 4 (1. 10); VarāṅgaC. 5. 20; SarvaVedāSaṁ. 369; अत्युष्णो वायुः प्रकाशदहनः प्रवर्तते S'vetāUBh. 144. 9 (*on* 2. 11); उष्णमेवात्युष्णं अतिगतमुष्णमिति ManuBh. i. 307. 13 (*on* 3. 236); ParaS. 5. 59; RugVi. 29. 1; SiddhYo. 75. 15; BhāgP. v. 9. 18; कटुतिक्तकषायाणि चात्युष्णलवणानि च ··· गर्भिणी वर्जयेत् ViṣṇuDhaP. ii. 52. 44; PadmP. ii. 32. 20; कालेऽतिशीतेऽत्युष्णे ··· नाभ्यसेद्योगविद्योगम् GaṇeP. 142. 7; S'ivaP. v. 22. 4 (430B. 15); KathāSaSāg. xii. 20. 30; IśānS'iP. i. 45. 143; YogS'ā. 5. 51; GopāKeCan. 73. 4; Hastyāyur. 81. 23 (1. 12); RasRaSa. 5. 172; तिग्मं तीक्ष्णं खरं तप्तमत्युष्णं सोष्मवैकृतम् ParyāMu. 21. 28; **ii** very hot in effect, producing excessive heat नात्युष्णं निंबजं (तैलं) तिक्तं कृमिकुष्ठकफप्रणुत् AṣṭāHṛ. i. 5. 60; माद्वीकं लेखनं हृद्यं नात्युष्णं मधुरं सरम् AṣṭāHṛ. i. 5. 71; i. 6. 116; चणकाम्लकमत्युष्णं दीपनं दन्तहर्षणम् BhāvPraNi. 29. 251; **iii** as much warm as desired or as can be tolerated, lukewarm अत्युष्णमभिमतोष्णम् ManvaVi. 420. 16 (*on* 3. 236); अत्युष्णं कोष्णं सर्वमन्नं स्यात् ManuBhāvCan. 420. 22 (*on* 3. 236); अत्युष्णम् ईषदुष्णम् । अत्युष्णस्य भोक्तुमशक्यत्वात् VīraMi. 116. 16; **iv** forceful, full of zest, very energetic प्रपन्नपरकृत्यानामत्युष्णो हि समुद्यमः RāmC. 1. 56; सत्त्वं (? स त्वं) महत्त्वं प्रथयन् स्वदोष्णोरत्युष्णमेव ध्वजिनीसमग्रः RāmC. 32. 56; 9. 12; [अत्युष्ण is given as one of the meanings of तीव्र, ViśvaPra. 130. 67; MediK. 136. 45; S'abdaRaSaK. 255. 9]

अत्युष्णक (atyuṣṇa-ka) *adj.* very active, very busy अत्युष्णकास्तत्र न के विचेरुर्न शीतकोऽदृश्यत कश्चिदेषाम् Rāvaṇā. 16. 57.

अत्युष्णकोपन (atyuṣṇa-kopana) *adj.* aroused or aggravated by excessive heat वाताच्छिरोरुङ्नात्युष्णात्पित्तादत्युष्णकोपनात् IśānS'iPa. i. 45. 143.

अत्युष्णता (atyuṣṇa-tā) *f.* excessive heat अत्युष्णता, अतितीक्ष्णता ··· इत्येकादश (बस्तिद्रव्यदोषाः) SuśruS. iv. 35. 32; अहमम्बरमणेरत्युष्णतया गन्तुमक्षमः DaśKuC. 16. 7; यामार्धेऽत्युष्णता भवेत् RasRas. 5. 135; अत्युष्णता गुरुत्वं च शिरसो यस्य ज्ञायते AśvaVai. 31. 7.

अत्युष्णतीक्ष्ण (atyuṣṇa-tīkṣṇa) *adj.* excessively hot and sharp अत्युष्णतीक्ष्णानि यथौषधानि नाशं नयन्ते सहसैव देहम् RasRaSa. 30. 107.

अत्युष्णतृष्णा (atyuṣṇa-tṛṣṇā) *f.* thirst due to excessive heat लभेत जलधीन् सर्वान् पिबेदत्युष्णतृष्णया VarāṅgaC. 5. 98.

अत्युष्णतैलपान (atyuṣṇataila-pāna) *n.* drinking of very hot oil अत्युष्णतैलपानम् ··· सेतुस्नायी न पश्यति SkandP. iii(1). 1. 43; अत्युष्णतैलपानम् ··· एवमाद्या यातनाः BṛNāraP. 14. 18; 14. 150.

अत्युष्णत्व (atyuṣṇa-tva) *n.* excessive heat अथ ··· औषधस्य ··· अत्युष्णत्वात् -- दुर्योगातियोगावुपद्येते KāśyaS. 156A. 35; तस्मादग्निरुदकमत्युष्णत्वाद्-

दाहकत्वाद्यस्मिन्निति बहुव्रीहिः कर्तव्यः Pradi. v. 102B. 13 (*on* vi. 1. 91)

अत्युष्णदीर्घ (atyuṣṇa-dīrgha) *adj.* very hot and long अत्युष्णदीर्घैः श्वसितानुबन्धैरुरःक्षेपनिर्ह्रासकदर्थितास्याम् (दयितामपश्यत्) HarVi. 25. 56.

अत्युष्णनिःश्वास (atyuṣṇa-niśśvāsa) *m.* extremely hot breath हर्षः··· अत्युष्णनिःश्वासदग्धयेव च श्यामायमानया रसनया निवेद्यमानदारुणसंनिपातारम्भम् ··· पितरमद्राक्षीत् HarṣaC. 218. 9; प्रेङ्खोलयद्भिरत्युष्णनिःश्वासपवनोर्मिभिः । शातितः शीतिमा कैश्चित् PāṇḍaC. 4. 127.

अत्युष्णपान (atyuṣṇa-pāna) *n.* very hot drink अत्युष्णपानान्ननिषेवणेन रेतोऽसृगण्डोपचयश्च दुष्येत् KāśyaS. 205A. 33; 205B. 19.

अत्युष्णपानीय (atyuṣṇa-pānīya) *n.* extremely hot water शिलाजतुशिलाम् ··· निक्षिप्यात्युष्णपानीये यामैकं स्थापयेत्सुधीः S'ārṅgaS. ii. 11. 94.

अत्युष्णपायस (atyuṣṇa-pāyasa) *adj.* containing extremely hot food cooked in milk अस्यैव पृष्ठे विन्यस्य स्थालमत्युष्णपायसम् । भुञ्जेऽहम् TriṣaS'aPuC. iv. 7. 56; *n.* very hot food cooked in milk पृष्ठेऽस्य श्रेष्ठिनो न्यस्यात्युष्णपायसभाजनम् । चेद् भोजयसि मा राजँस्तदा भुञ्जे TriṣaS'aPuC. iv. 7. 54.

अत्युष्णबाष्प (atyuṣṇa-bāṣpa) *m.* extremely hot tears अत्युष्णबाष्पाम्बुकणप्रतानविदाहभीत्येव विकम्पमानम् ··· बिम्बाधरम् ··· उद्वहन्तीम् ··· दयितामपश्यत् HarVi. 25. 50.

अत्युष्णभस्मन् (atyuṣṇa-bhasman) *adj.* having exceedingly hot ashes कुम्भीपाकेषु पच्यन्ते केचिदत्युष्णभस्मसु VarāṅgaC. 5. 69.

अत्युष्णभोजन (atyuṣṇa-bhojana) *n.* partaking of very hot food, exceedingly hot meal अत्युष्णभोजनाज्जिह्वाकण्ठौष्ठहृदयोदरम् । ··· दह्यते KāśyaS. 258A. 6.

अत्युष्णभोजिन् (atyuṣṇabhoj-in) *adj.* one who habitually takes very hot food or meal राजसः··· अत्युष्णभोजी पानीयमन्तरा प्रचुरं पिबन् SarvaSiSaṁ. 11. 21.

अत्युष्णम् (aty-uṣṇam) *adv.* very hotly श्वसिति मुहुरत्युष्णम् ··· अयम् ĀścaCū. 4. 2; निश्वसन्ति किमत्युष्णमेताः पातालयोषितः RāmC. 24. 42.

अत्युष्णमुखमारुत (atyuṣṇa-mukhamāruta) *m.* extremely hot breath अत्युष्णमुखमारुतमार्गगतेन द्रवतेव गलितताम्बूलरागेणाधरबिम्बेनोपलक्षितम् ··· ज्येष्ठं भ्रातरमपश्यत् HarṣaC. 243. 8.

अत्युष्णमूत्र (atyuṣṇa-mūtra) *adj.* who passes very hot urine ऊर्ध्वा च दृष्टिर्न च संप्रतिष्ठा ··· अत्युष्णमूत्रो विषमस्थ एव ··· सः ··· न जीवति VāyuP. i. 19. 29 = LiṅgaP. i. 91. 32.

अत्युष्णरब्बा (atyuṣṇa-rabbā) *f.* extremely hot Rabbā (a kind of dish) बालोऽप्ययं दग्धोऽङ्गुलीष्वत्युष्णरब्बया PariPar. 8. 296.

अत्युष्णवीर्य (atyuṣṇa-vīrya) *adj.* having an extremely hot nature तैलेनात्युष्णवीर्येण जज्ञे निःसंज्ञको मुनिः TriṣaS'aPuC. i. 1. 762.

अत्युष्णशीत (aty-uṣṇaśīta) *adj.* extremely hot or cold कालश्च नात्युष्णशीतः ManuBh. ii. 53. 16 (*on* 7. 182); नात्युष्णशीतानि पयःसरांसि किञ्जल्कचूर्णैः कपिलीकृतानि । ··· ययुः सुरदन्तिमुख्याः BrahmP. 36. 96.

अत्युष्णशीतल (aty-uṣṇaśītala) *adj.* extremely hot or cold दुष्टो वायुरभिष्यन्दी स्तिमितोऽत्युष्णशीतलः AṣṭāSaṁ. i. 61. 14 (1. 9)

अत्युष्णसर्वाङ्ग (atyuṣṇa-sarvāṅga) *adj.* with the entire body excessively hot भवत्यत्युष्णसर्वाङ्गो ज्वरितस्तेन चोच्यते CaraS. vi. 3. 132.

अत्युष्णसिकतास्नान (atyuṣṇasikatā-snāna) *n.* bath with excessively hot sand अत्युष्णसिकतास्नानम् ··· इत्यादिनरकान् घोरान् सेतुस्नायी न पश्यति SkandP. iii(1). 1. 44; BṛNāraP. 14. 19.

अत्युष्णसेवन (atyuṣṇa-sevana) *n.* partaking in a very hot state विदाहिकटुकाम्लोष्णभोज्यैरत्युष्णसेवनात् । ··· पित्तं प्रकोपं यात्येभिः S'ārṅgaS. i. 2. 33 (comm. अत्युष्णसेवनादित्यातपाग्नीनाम्)

अत्युष्णाध्वगमन (atyuṣṇādhvagamana) *n.* walking on the street in extreme heat अत्युष्णाध्वगमनात् परिश्रान्तनिर्वाणात्सहसा पित्तमुदीर्णं वायुः ··· विधुनोति Hastyāyur. 78. 15 (1. 11)

अत्युष्णान्न (atyuṣṇānna) *n.* excessively hot food अत्युष्णान्नं बलं हन्ति BhāvPra.(Bhā.) 5. 140 = BhojanKu. 216. 18.

अत्युष्णावयवस्पर्श (atyuṣṇāvayava-sparśa) *m.* touch of the excessively hot limbs हर्षः ··· परिचारिकाणामत्युष्णावयवस्पर्शभस्मीभूतोदरैरिव धवलैः करैः स्पृश्यमानं लोकान्तरप्रस्थितम् ··· पितरमद्राक्षीत् HarṣaC. 217. 16.

अत्युष्णाश्रुप्रमार्जन (atyuṣṇāśru-pramārjana) *n.* wiping away of extremely hot tears मुहुर्मुहुरत्युष्णाश्रुप्रमार्जनप्रदग्धमिव करकिसलयं धुनाना ··· प्रतीहार्याजगाम HarṣaC. 227. 1.

अत्युष्णीकृत (atyuṣṇī-kṛta) *adj.* heated to a very great extent, made excessively hot चित्रगुप्तोऽपि ··· अत्युष्णीकृते विततशरावतैले क्षिप्यमाणान् दर्शयित्वा DaśKuC. 13. 13.

अत्युष्णोपक्षीण (atyuṣṇopakṣīṇa) *adj.* in which excessive heat is over (i. e. has subsided) अत्युष्णोपक्षीणे कालेऽहस्तिबलप्रायो यायात् ArthS'ā. iii. 49. 4 (9. 1)

अत्युहा (atyuhā) *f.* *Indigoferā tinctoria* अत्युहा नील्याम् ApūNā. 54. 1, cf. **अत्यूहा**.

अत्युह्य (aty-uhya) *ger.* having carried over अधोऽधोऽक्षं प्रत्यञ्चं द्रोणकलशमत्युह्योर्ध्वपर्यक्षं पवित्रमसिन्करोति KātyāS'S. ix. 2. 16 (comm. प्रेरयित्वा)

अत्यूधस् (aty-ūdhas) *adj.* (*f.*) going beyond the udder ऊधोऽतिक्रान्ता अत्यूधाः SiddhāKau. 120B. 8.

अत्यूध्नी (aty-ūdhnī) *adj.* (*f.*) having a very large udder ऊधसोऽन्यपदार्थे स्त्रियां ङीब् भवति नश्चान्तादेशः । ··· अत्यूध्नी CāndraVyā. ii. 3. 9; KāśiVṛ. *on* P. iv. 1. 26; अतिगतमूधोऽस्याः (अत्यूध्नी) PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. iv. 1. 26; Prasā. i. 345. 22; SiddhāKau. 120B. 7; KośaKaTa. 1. 6773.

अत्यूमशा (aty-ūmaśā) *Ind.* [used in comp. with verbs like *kṛ*– etc.] a word included in the Ūryādigaṇa for the designation *gati*, inserted in a list of words said to be having the general sense *hiṁsā*, GaṇPā. 31. 25 [particle of abuse, MW]

अत्यूर्ज् (aty-ūrj) *adj.* extremely vigorous or strong अश्रीयानि सुवलञ्चवल्गिसुमहांस्त्यूर्ज्यनूजिक्षणात् DvyāśraKā. 1. 200; नपुंसकस्य झलचः । ··· बहूर्जि प्रतिषेधः । बहोरन्यत्र अत्यूर्ञ्जि BhāṣāVṛ. vii. 1. 72.

अत्यूर्जस्वल (aty-ūrjasvala) *adj.* extremely powerful or mighty अहो मनुष्यपोतस्य तावदत्यूर्जस्वलं चरितम् MahāvīC. vi. 16 (6)

अत्यूर्जित (aty-ūrjita) *adj.* A extremely powerful अत्यूर्जितं कोपभयादभ्याशे तु रिपोर्बलम् । वासयेत् NītiSā. 19. 22; HarVi. 9. 7; Kapphiṇā. 5. 41; (with abstract notion) तत्सत्त्वमत्यूर्जितम् PriyaDa. 3. 7; तस्मिन्निन्द्रजिता मुहुः प्रकटितं यद्वैरमत्यूर्जितम् AdbhuDa. 5. 15; B vigorous, loud, emphatic वाक्यं जगाद ··· अत्यूर्जितं रणनयान्तरतत्त्ववेदी HarVi. 13. 8; 16. 4; (रिपुतर्जितानि) यावत्प्लवङ्गबलमध्यगयोर्नं पश्यस्यत्यूर्जितानि पतिदेवरयोरदूरे RāmC. 8. 94; अत्यूर्जितं गर्जितम् S'rīKaC. 4. 51.

अत्यूर्जितम् (aty-ūrjitam) *adv.* very loudly गर्जन्नत्यूर्जितं ··· । जनेनालक्षि स गजः PariPar. 4. 27; जगर्जात्यूर्जितं गजः SamarāSaṁ. 7. 450; [most excellent, nt.]

अत्यूर्जितश्री (atyūrjita-śrī) *adj.* with great majesty स दिव्यदृक् । आसन्नमृत्युं दैत्येन्द्रं ददर्शात्यूर्जितश्रियम् NaraP. 44. 3.

अत्यूर्जितसत्त्व (atyūrjita-sattva) *n.* great nobility अतस्त्वयात्यूर्जितसत्त्वशालिना समन्तभद्रेऽपि वचस्युदीरिते HarVi. 12. 21.

अत्यूर्जिताकार (aty-ūrjitākāra) *adj.* of very noble form संकल्पात्ससृजे दिव्यम् ··· । लोकमत्यूर्जिताकारम् BṛBrahmaS. i. 3. 61.

अत्यूर्ध्व (aty-ūrdhva) *adj.* very high or tall अत्यूर्ध्वम् ··· भवनम् ··· ददर्श रामः BrahmāṇḍP. ii. 32. 9; तन्मध्यदेशे रम्ये च ददर्श शंकरालयम् । ··· अत्यूर्ध्वम् BrahmVaiP. iii. 29. 15.

अत्यूर्ध्वगतिद (atyūrdhvagati-da) *adj.* bestowing a very noble status (सिद्धः ··· कथयामास) अत्यूर्ध्वगतिदं कञ्चिदूर्ध्वाम्नायम् ParamāKā. 140. 76.

अत्यूर्ध्वगम (atyūrdhva-gama) *m.* rising very high अतिक्रमेऽत्यूर्ध्वगमे चात्यारूढं नपुंसकम् AnekāK. 207.

अत्यूर्ध्वम् (aty-ūrdhvam) *adv.* very highly अत्यूर्ध्वं प्रापयामास जया तस्मै जयं ददौ BrahmVaiP. iv. 27. 39.

अत्यूर्ध्ववलिता (atyūrdhva-valitā) *adj.* (*f.*) curved excessively upwards अत्यु(? त्यू)र्ध्ववलिता चैव वाजिनां निन्दिता गतिः AśvaVai. 3. 95 (comm. अत्यूर्ध्वा अत्युन्नता । वलिता भङ्गीयुक्ता)

अत्यूर्ध्वाक्ष (aty-ūrdhvākṣa) *adj.* who has raised his eyes high or upwards अत्यूर्ध्वाक्षोऽतिरश्चात् । शिशिरः प्रद्दश्यते TaiĀ. i. 6. 1 (33. 1)

अत्यूर्मि (áty-ūrmi) *adj.* overcoming the waves, overblowing अत्यूर्मिः ··· सोमः पवित्रे अर्षति ṚV. ix. 17. 3; *f.* great or many ripples दग्धकुण्डम् ··· अत्यूर्मियुक्ततोयं च प्रतप्तक्षारसंयुतम् BrahmVaiP. ii. 33. 69.

अत्यूष्मन् (aty-ūṣman) *adj.* very hot अत्यूष्मभिर्निःश्वासैः S'ṛṅgāTi. (Ru.) 1. 45.

अत्यूष्मल (aty-ūṣmala) *adj.* very hot सा बाष्पमत्यूष्मलमुद्वहन्ती S'ivLī. 29. 44.

अत्यूह् (aty-ūh-) to convey across, cf. **अतिवह्** [MW]

अत्यूह् (aty-ūh) cf. **अत्योह्**.

अत्यूह् (aty-ūh-) I. P. to place before ब्रह्म वा एतत्पुरस्ताद्राष्ट्रस्यात्यौहीत् MaiS. iv. 3.8; iv. 7.8; cf. **अतिवह्, अत्योह्**.

अत्यूह (atyūha) *m.* 1 bulbul कैरात: कोकिलोऽत्यूह: CaraS. i. 27.48; 2 pea-cock अत्यूहश्चित्रमेखले AnekāSaṁ. 3.755; NānārthāSaṁ. ii. 58.138; VisvaPra. 181.19; MediK. 191.13; S'abdaRaSaK. 342.3; दात्यूह: कालकण्ठक: । अत्यूहोऽपि च दात्यौहे KalpaK. 335.162; 3 penis of an elephant अत्यूह: ककुदं मेढ्रे Vaija. 110.80; NāmaMāli. 467; अत्यूहो गजमेढ्रे ना NānārthāSaṁ. ii. 58.138.

अत्यूह (aty-ūha) *adj.* having excessive deliberation त्रि त्वत्यर्थोहकादिषु NānārthāSaṁ. ii.58.138.

अत्यूहा (aty-ūhā) *f.* *Indigofera tinctoria* अत्यूहा तु नीलिकायाम् AnekāSaṁ. 3.756; VisvaPra. 181.19; NānārthāSaṁ. ii. 58.138; MediK. 191.13; S'abdaRaSaK. 342.3.

अत्यूह्य (aty-ūhya) *ger.* having carried through तत्र विख्यातदोषेणापि विदुषा स्वातन्त्र्येण व्रतमत्यूह्य कार्यम् Aparā. 1210.8 (*on* 3.300)

अत्यृज् (aty-ṛj-) I. U. to convey across स्वस्ति हैनमत्यर्जन्ति स्वर्गं लोकमभि य एवं वेद AitBr. ii. 4(45); तथेति तं तुरीयेऽत्यार्जत AitBr. ix. 1(238); xiv. 4(404)

अत्यृद्ध (aty-ṛddha) *adj.* very much developed कथं समृद्धमप्यृद्धं (v. l. अत्यृद्धं) तपो भवति केवलम् MahāBhā. v. 43.6.

अत्यृष् (aty-ṛṣ-) I. P. to flow through मही न धारात्यन्धो अर्षति ṚV. ix. 86.44; TaiBr. III. x. 8.1; सोम: … अत्यर्व्यमर्षति ṚV. ix. 107.17.

अत्ये (aty-e-) II. P. to come over hither सर्वे देवा अत्यायन्ति AV. xi. 10.14; xi. 10.15.

अत्येतवै (áty-etavái) *inf.* to cross easily, traversable, अकुर्धन्वान्यत्येतवा उ ṚV. v. 83.10.

अत्येतु (aty-étu) *adj.* [DEBRU. p. 652] for overcoming or escaping ता भूरिपाशावनृतस्य सेतू दुरत्येतू रिपवे मर्त्याय ṚV. vii. 65.3.

अत्येतुम् (áty-etum) *inf.* **A i** to pass beyond, to go beyond न ह वै सप्त स्रवन्तीरघमत्येतुमर्हति S'atBr. XIII. viii. 4.2; न वा इमां कश्चन तिर्यङ् नोर्ध्वोऽत्येतुमर्हति S'atBr. XIII. i. 4.2; नाशक्नोदत्येतुं बाणगोचरम् … मारीचो रामहस्तिन: Bhaṭṭi. 9.134; PārthPa. 41; **A ii** to overcome न दिष्टमर्थमत्येतुमीशो मर्त्य: कथंचन MahāBhā. iii. 136.13; **A iii** to transgress, to disobey गुरो: शासनमत्येतुं न शशाक स राघव: Kāvyāda. 2.301 = SaraKaṇṭhā. 677.11.

अत्येनस् (aty-enas) *n.* great fault चक्रे सामात्येन: स्मरता मात्स्येश्वरेण YudhiVi. 6.62.

अत्येश (atyeśa) *m.* great Lord(?) अत्येशाग्रे गुरुं प्रणमेदिति कश्चित् PārāSū. 36.10.

अत्येष् (aty-eṣ-) I. P. to move across अजा रोह सुकृतां यत्र लोक: शरभो न चत्तोऽति दुर्गाण्येष: AV. ix. 5.9.

अत्येष्यत् (aty-eṣyát) *adj.* intending to cross over अग्निर्वा एष धुर्यस्तमेतदत्येष्यन्भवति S'atBr. I. i. 2.10.

अत्यैश्वर्य (aty-aiśvarya) *n.* great wealth अत्यैश्वर्यप्रदं धर्मं मनसा चिन्तयंस्तदा । तूष्णीं स्थितो भद्रमति: SkandP. ii(1). 20.21.

अत्योत (atyotá) *adj.* supported by the horses स संग्रामस्तमोद्योऽत्योत: । वाचो गा: पिपाति तत् TaiĀ. i. 10.4 (78.2)

अत्योह् (aty-oh-) I. P. [set up as ²*atyūh-* by PW, MW] to consider superior अतीदु शक्र ओहत इन्द्रो विश्वा अति द्विष: ṚV. viii. 69.14.

अत्यौग्र्य (aty-augrya) *n.* excessive fierceness लक्ष्मी: … । अत्यौग्र्याद् बिभ्यती क्षत्रे केवले नेच्छति स्थितिम् AhirbuS. 16.20.

अत्यौत्सुक्य (aty-autsukya) *n.* excessive eagerness, great anxiety अत्यौत्सुक्यं विना विप्र मनस: प्रीतये त्वपि । कामाप्तये वा PauṣkS. 38.39; अत्यौत्सुक्याच्च यागस्थमवतार्य यजेत्तत: JayāS. 20.281; ParaS. 19.312; S'ṛṅgāTi. (Ru.) 2.19; HarVi. 18.20; Kapphiṇā. 15.5; योऽयं माभूद्रक्षणायाङ्गनानामत्यौत्सुक्यं प्रत्युतासां करोति KathāSaSāg. vii. 2.134; UjjvaNīMa. 155.11.

अत्यौन्नत्य (aty-aunnatya) *n.* great height तस्यां तिष्ठन्कनकरचनाविस्फुरन्मन्दिरायामत्यौन्नत्यादिव पटुपतत्पिण्डितार्कप्रभायाम् KathāSaSāg. v. 3.285; RājTa.(Jo.) 954.

अत्यौर्ववह्निम् (aty-aurvavahnim) *adv.* crossing the submarine fire अत्यौर्ववह्निमगमज्जलधेरमन्दमास्कन्ददानरभसादिव तोयसैन्यम् HarVi. 22.5.

अत्यौषधोपयोग (aty-auṣadhopayoga) *m.* excessive use of drugs अत्यौषधोपयोगाच्च चतुर्थे वयसि स्थित: (दुर्बल:) Hastyāyur. 36.2 (1.4)

अत्यौष्ण्य (aty-auṣṇya) *n.* excessive heat अन्तर्दाहो ज्वरोऽत्यौष्ण्यम् KāśyaS. 43B.4; BhojanKu. 154.24.

¹अत्र (á-tra) (Ved. *atrā* as metrical lengthening mostly at the beginning of a *pāda*) *adv.* [fr. the pronominal base *a-* MAYR. 1.28; AltGr. III. p. 444, 512; Indian Grammarians derive it from *etad* substituting *a* in place of the base P. v. 3.5; *atra* is substituted for *etad* (Loc.) CāndraVyā. iv. 3.11 (comm. एतद्रोऽत्रेति); JaineVyā. iv. 1.72; S'ākaṭāVyā. iii. 4.16; SiddhaHe. vii. 2.93; *atra*, without accent, is also used as anaphoric (*anvādeśa*) for *etad* (P. ii. 4.33) which is illustrated in SiddhāKau. as एतस्मिन् ग्रामे सुखं वसाम: । अथोऽत्राधीमहे । Generally used in the Locative sense (P. v. 3.10); but sometimes in the sense of other cases also by implication (P. v. 3.14)]; **1 A i** here, in this place अत्राह तत्कण्व एषां कण्वतमो नाम गृणाति नृणाम् ṚV. i. 48.4; अत्राह तद् वहेथे मध्व आहुतिम् ṚV. i. 135.8; अत्रा पिता दुहितुर्गर्भमाधात् ṚV. i. 164.33; ii. 1.15; अत्रा दधे अमृतं जातवेदा: ṚV. iii. 23.1; यमत्र मित्रावरुणावथो युवम् ṚV. v. 63.1; न्यु ग्नि: सीदत् … हुवानो अत्र सुभगाय देवान् ṚV. vii. 30.3; मित्रावरुणा … प्रति वामत्र वरमा जनाय पृणीतमुद्न: ṚV. vii. 65.4; सचेतसो अभ्यर्चन्त्यत्र ṚV. x. 1.3; x. 16.13; उक्थेभिरत्र मतिभिश्च विप्रोऽपीपयद् गयो दिव्यानि जन्म ṚV. x. 64.16; x. 92.15; अत्रैव वोऽपि नह्याम्युभे आर्त्नीइव ज्यया ṚV. x. 166.3; आ वीरोऽत्र जायतां पुत्रस्ते दशमास्य: AV. iii. 23.2; वीरान् नो अत्र मा दभन् AV. iv. 7.7; यत्सम्यञ्चावभियन्तावभि क्षामत्रा मही रोधचक्रे वावृधेते AV. v. 1.5; v. 8.9; शप्तारमत्र नो जहि दिवो वृक्षमिवाशनि: AV. vi. 37.2; त्वष्टा नो अत्र वरीय: कृणोतु AV. vi. 53.3; अमित्रा येऽत्र न: सन्ति तानग्न आ द्या त्वम् AV. vi. 104.2; एतं वो युवानं प्रति दध्मो अत्र AV. ix. 4.24; नानार्षेयाणामप्यस्त्यत्र AV. xi. 1.33; न ते अत्र लोक: AV. xii. 2.1; अत्रैव दीदिहि द्यवि AV. xii. 2.18; xii. 3.17; एष भागो अङ्गिरसो नो अत्र AV. xii. 3.45; न किल्बिषमत्र नाधारो अस्ति AV. xii. 3.48; दिष्टं नो अत्र जरसे नि नेषत् AV. xii. 3.55; पुण्यं पूर्वा फल्गुन्यौ चात्र हस्त: …मे अस्तु AV. xix. 7.3; अत्र रमेथां वर्ष्मन् पृथिव्या: TaiS. I. ii. 13.2; किमत्र भद्रं तन्नौ सह TaiS. I. iii. 2.1; ओषधय: प्रतिमोदध्वमग्निमेत ᳵ शिवमायन्तमभ्यत्र युष्मा: VājaS. 11.47; येऽत्र स्थ पुराणा ये च नूतना: VājaS. 12.45; यदत्र शिष्टं रयिन: सुतस्य … सोम राजानमिह भक्षयामि TaiBr. I. iv. 2.3; यद्वेवास्यात्र होता वाध्वर्युर्वा ब्रह्मा वा S'atBr. I. i. 1.15; तद् यज्ञमेवैतदत्र दधाति S'atBr. I. i. 2.16; III. iii. 4.28; अत्रैव मा भगवानमूमुहन्न प्रेत्य संज्ञास्तीति S'atBr. XIV. v. 4.13; नात्राग्निं होत्रादित्याह KauṣīBr. 10.23 (3.4); तस्मादस्य नाम गृह्णात्यत्र हि जायते KauṣīBr. 13.13 (3.8); एतावतो ह्यत्राश्विनौ कामान् ददृशतु: AitBr. 4.4(90); नात्र भुवनम् न पूषा TaiĀ. i. 2.4; तावब्रूताम् … ग्रहं एव नावत्रापि गृह्यतामिति TaiĀ. v. 1.6; अभवत् परमत्र जन्माग्ने MantrBr. i. 1.2; अत्र पितरो मादयध्वम् MantrBr. ii. 3.6; अत्रैव त्वा क्रिमे (घातयिष्यामि) MantrBr. ii. 7.1; न चात्र नामादेश: ĀśvaS'S. I. iv. 2.10; अहमर्थे नियुज्येयमत्रेति प्रथमं वच: । भरद्वाजोऽब्रवीत्तस्मादृषिभि: स नियोजित: CaraS. i. 1.8 (but comm. अत्रेतिशब्दो यस्मादर्थे); कुर्वन्ति चात्र पिशितार्द्रमुखा विहङ्गा: राज्ञां शरीरशिथिलानि विभूषणानि ŪruBha. 7; क: कोऽत्र भो: UttaRāC. 1.12(3); 2.14(1); तदत्र सालप्रच्छाये मुहूर्तमासनपरिग्रहं करोतु तात: UttaRāC. 6.22(1); किं त्वत्र वस्तुनि परवानस्मि MahāviC. 1.56(9); अर्थोऽत्र लोके पुरुषस्य बन्धु: PañcT. 232.9 (2.33); आगतोऽत्राहमुदकार्थी PañcT. 251.4 (2.77); अहमत्र गङ्गातीरे नित्यस्नायी … तिष्ठामि Hitopa. 1.43(1); तत्किं मयात्रावस्थाय कर्तव्यम् Hitopa. 1.76(2); अत्र कुक्षावस्या विद्यत इत्यात्रेयी S'ābaBh. 1358.11 (*on* vi. 1.7); अत्र हि मन्त्रे … रज:सत्त्वतमांस्यभिधीयन्ते BrahmSūBh.(S'aṅ.) 240.12 (*on* i. 4.8); अस्त्यत्र भरतक्षेत्रे मध्यखण्डविभूषणम् RatnaCūKa. 5; अत्र श्लोके देवीस्तुति: प्रतिज्ञाता SetuBa. 13.2; शाखामृगेणात्र किम् SubhāRaK. 6.6; कुतोऽत्र सलिलम् Subhāṣi. 67; बभूव सूत्रधारोऽत्र EI. i. 248.21; निर्माप्य प्रतिमात्र बाहुबलिन: EI. vii. 110.12; सप्तार्चिरत्रागत: EI. xxi. 281.1; **1 A ii** there, in that place विदन्तीमत्र नरो धियंधा: ṚV. i. 67.4; अत्राह तदुरुगायस्य वृष्ण: परमं पदमव भाति भूरि ṚV. i. 154.6; अत्रा ते भद्रा रशना अपश्यम् ṚV. i. 163.5; i. 163.7; स मा धीर: पाकमत्रा विवेश ṚV. i. 164.21; किमत्र दस्रा कृणुथ: ṚV. i. 182.3; अश्वस्यात्र जनिम ṚV. ii. 35.6; सना अत्र…सप्त वाणी: ṚV. iii. 1.6; iii. 39.3; अस्माकमत्र पितरो मनुष्या अभि प्र सेदु: ṚV. iv. 1.13; अत्रा पुरंधिरजहादराती: ṚV. iv. 26.7; अत्रा न हार्दि क्रवणस्य रेजते ṚV. v. 44.9; शतैरपद्रन्पणय इन्द्रात्र दशोणये कवयेऽर्कसातौ ṚV. vi. 20.4; अत्रेव त्वमिह वयम् ṚV. x. 18.9; विश्वाहास्मै शरणा: सन्त्वत्र ṚV. x. 18.12; अत्रा यम: सादना ते मिनोतु ṚV. x. 18.13; अत्रा जहाम ये असन्नशेवा: ṚV. x. 53.8; अत्रा सखाय: सख्यानि जानते ṚV. x. 71.2; अवर्धन्वाजा उत ये चिदत्र ṚV. x. 73.3; अत्रा नो विश्पति: पिता पुराणाँ अनु वेनति ṚV. x. 135.1; अत्रा दधेते अमृतानि नाम AV. v. 1.3; देवा: सधस्था विद लोकमत्र AV. vi. 123.2; अत्रैवेधि पितृषु जागृहि त्वम् AV. xii. 2.10; ये पाशिन

उपतिष्ठन्त्यत्र AV. xvii. 1. 8; योऽत्रासदजीवन: AV. xviii. 2. 30; पितृणां लोकं प्रथमो यो अत्र AV. xviii. 3. 73; अत्रादधुर्यजमानाय लोकम् AV. xviii. 4. 7; उप तिष्ठन्तु त्वात्र AV. xviii. 4. 33; xviii. 4. 49; येऽत्र पितर: पितरोऽत्र यूयं स्थ AV. xviii. 4. 86; यदि त्वमत्र मनसा जगन्थ VājaS. 23. 49; अत्र रमेथां वर्ष्मन् पृथिव्या: TaiS. I. ii. 13. 2; तन्मे राध्यतामिति नात्र तिरोहितमिवास्ति S'atBr. 1. i. 1. 2; द्वादशविधा वा इमे प्राणा: … अत्र वै प्राणा आप्यन्तेऽत्र संस्क्रियन्ते AitĀ. I. v. 1. 9; I. v. 1. 10; अथात्रैव तिष्ठन्नग्निं यथाङ्गमुपतिष्ठते नमो नम इति S'āṅkhāĀ. 3. 11 (1. 5); धनंजयसखा चात्र नित्यमास्ते स्म तुम्बुरु: MahāBhā. ii. 4. 30; ववर्ष चात्र पर्जन्य: MahāBhā. vi. 1. 21; यस्मादत्र च भूतानि प्रमुह्यन्ति महान्त्यपि BuddhC. 12. 35; **1 Bi** now, at this time, at this moment, on this occasion देवो नो अत्र सविता न्वर्थं प्रासावीत् R̥V. i. 124. 1; वज्रिन्नत्र विश्वे देवास: … वृणते R̥V. iv. 19. 1; अग्न्युपस्थानवदत्र समिधो दिशां चोपस्थानम् ĀpaS'S. vi. 26. 6; अत्र यजमानो वरं ददाति ĀpaS'S. vii. 21. 5; अत्रापि मेषं मेषीं च करोतीति वाजसनेयकम् ĀpaS'S. viii. 6. 4; अत्र राजानमाहृत्य … क्रैयात् ĀpaS'S. x. 3. 7; अर्धव्रतमत्र वाजसनेयिन: समामनन्ति ĀpaS'S. xi. 15. 7; अत्रेडाया निरवदानमेके समामनन्ति ĀpaS'S. xii. 25. 8; (अबला:) प्रयन्ति कालेऽत्र जनस्य सेव्यताम् R̥tuSaṁ. 5. 2; अद्यात्राह्नि AgniP. 360. 36; **1 Bii** then, at that time, on that occasion अत्राह गोरमन्वत नाम त्वष्टुरपीच्यम् R̥V. i. 84. 15; प्र वामत्र विधते दंसना भुवत् R̥V. i. 119. 7; अत्रा पूष्ण: प्रथमो भाग एति … अज: R̥V. i. 162. 4; मो षु त्वामत्र बहवो हि विप्रा नि रीरमन् R̥V. ii. 18. 3; उत श्रवो विविदे श्येनो अत्र R̥V. iv. 26. 5; iv. 30. 7; इन्द्रा नो अत्र वरुणा स्याताम् R̥V. iv. 41. 6; वन्वानो अत्र सरथं ययाथ R̥V. v. 29. 9; अत्रा दासस्य नमुचे: शिरो यदवर्तय: R̥V. v. 30. 7; v. 30. 10: विश्वे ते अत्र मरुत: सखाय: R̥V. v. 31. 10; अदेवो यदभ्यौहिष्ट देवान्त्स्वर्षाता वृणत इन्द्रमत्र R̥V. vi. 17. 8; वृणाना अत्र … सख्यं त्वायन्तो ये अमदन् R̥V. vii. 18. 12; vii. 18. 19; vii. 85. 2; अत्रा वि नेमिरेषामुरां न धूनुते वृक: R̥V. viii. 34. 3; अत्रादेदिष्ट पौंस्यम् R̥V. viii. 45. 26; अत्रा सं जिघ्रते युजा R̥V. ix. 14. 4; ix. 73. 9; स्वधावो भागं नो अत्र वसुमन्तं वीतात् R̥V. x. 11. 8; मध्वा नो अत्र पितरा शिशीताम् R̥V. x. 12. 4; x. 17. 9; अत्रा युक्तोऽवसातारमिच्छात् R̥V. x. 27. 9; अत्रेदु मे मंससे सत्यमुक्तम् R̥V. x. 27. 10; स्त्रीभिर्यो अत्र वृषणं पृतन्यात् R̥V. x. 27. 10; अत्राह त्वं वि जहुर्वेद्याभि: R̥V. x. 71. 8; अत्रा वो नृत्यतामिव तीव्रो रेणुरपायत R̥V. x. 72. 6; त्वामिदत्र वृणते त्वायवो होतारमग्ने विदथेषु वेधस: R̥V. x. 91. 9; x. 93. 15; अदेवस्य शूशुवानस्य माया: । वि धृष्णो अत्र धृषता जघन्थ R̥V. x. 111. 6; विश्वे ते अत्र मरुत: सह त्मनावर्धन्नुग्र महिमानमिन्द्रियम् R̥V. x. 113. 3; इन्द्रस्यात्र तविषीभ्यो विरप्शिन ऋघायतो अरंहयन्त मन्यवे R̥V. x. 113. 6; x. 134. 7; तद् यदेता देवता यजत्यत्राग्नि: … प्रीतो भवति KauṣīBr. 1. 1 (1. 8); सदृशोऽत्र बाष्प: Saund. 6. 42; अत्र … एतस्मिन् काले … स्वप्नान् न पश्यति PraśnaUBh. 276. 18 (*on* 4. 6); **1 C** thereby, therein, in the case, in this respect देवो नो अत्र सविता … अनागसो वोचति R̥V. i. 123. 3; अत्र कवीन् पृच्छामि R̥V. i. 164. 6; i. 165. 11; यो वृत्राय सिनमत्राभरिष्यत् R̥V. ii. 30. 2; मो षू णो अत्र जुहुरन्त देवा: R̥V. iii. 55. 2; iii. 57. 2; अत्राह ते … अवोभिरिन्द्र स्तवन्त स्वसार: R̥V. iv. 22. 7; v. 41. 17; अत्र श्रवांसि दधिरे R̥V. v. 61. 11; मित्रो नो अत्र वरुणश्च पूषार्यो वशस्य पर्येतास्ति R̥V. vi. 24. 5; स मा नो अत्र जुहुर: सहस्व: R̥V. vii. 4. 4; इमा उ त्वा … अत्र मन्द्रा गिर: R̥V. vii. 18. 3; अस्माकेभिर्नृभिरत्रा स्वर्जय R̥V. viii. 15. 12; ऋतमत्र नकिरस्मा अपीपेत् R̥V. x. 31. 11; अवर्धन्निन्द्रं मरुतश्चिदत्र R̥V. x. 73. 1; न त्वत्र स्थायि वैरूपं तृतीये ĀśvaS'S. II. ii. 7. 19; स्रुवाहुतिमत्र वाजसनेयिन: समामनन्ति ĀpaS'S. ix. 13. 15; असिद्धवदत्रा भात् P. vi. 4. 22 = JaineVyā. iv. 4. 21; अत्र लोपोऽभ्यासस्य P. vii. 4. 58; नात्र चिन्ता कार्या SvapnVā. 1. 3 (11); भवति चात्र श्लोक: KāmSū. 73. 8 (1. 5); तदनन्तरमत्रैव ते यत्नाद्विनिवारिता: KāmSū. 370. 23 (7. 2); अलं प्रयत्नेन तवात्र RaghuVa. 3. 50; भवन्तमेवात्र गुरुलाघवं पृच्छामि S'āk. 5. 29 (3); अत्र लोकचरितं नानारसं दृश्यते Mālavikā. 1. 4; अथ किमत्र प्राप्तकालं भवान् मन्यते PañcT. 1. 56 (60. 2); अत्रातीतविपर्यास: VākyaP. 1. 17; निघातोऽत्र तथा सति VākyaP. 2. 5; देव किमत्र चित्रम् Kād. 13. 10; तदत्र भगवती कामन्दकी न: शरणम् MālaMā. 1. 394; तत्किमत्र मन्दभाग्य: करोमि UttaRāC. 1. 40 (1); प्रकीर्यते काव्यबन्ध एषोऽत्र VeṇīSaṁ. 1. 5; अत्र अथशब्द: आनन्तर्यार्थ: BrahmSūBh.(S'aṅ.) 5. 12 (*on* i. 1. 1); अत्र केचिदुदाहरन्ति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 73. 1 (*on* i. 1. 23); अत्रानुरूपं राजर्षे विमृशस्व मनीषया BhāgP. i. 17. 20; अत्र स्फुटो न कश्चिदलङ्कार: KāvyPra. 18. 1; आद्यमत्र कथापीठं कथामुखमत: परम् KathāSaSāg. i. 1. 4; तात: प्रमाणमत्र PurāPraSaṁ. 13. 15; स्वानुभव एवात्र साक्षी PratyabhiHr̥. 2. 11 (1); अथवा किमत्र मया प्रतिज्ञातव्यम् Ubhayābhi. 2. 16; सनोऽत्र नार्धधातुकत्वम् PrakriKau. ii. 130. 1; भवन्ति चात्र श्लोका: EI. x. 99. 27; दूतकोऽत्र राजपुत्र: सामन्तशीलादित्य: EI. xxi. 184. 42; मुनयोऽत्र प्रशंसन्ति EI. xxv. 60. 49; **1 D** in this world, on this earth को न्वत्र मरुतो मामहे व: R̥V. i. 165. 13; नि षीमिदत्र गुह्या दधाना: R̥V. iii. 38. 3; अत्र वसवो रन्त देवा: R̥V. vii. 39. 3; न ह्याचारविहीनस्य सुखमत्र परत्र वा MārkP. 34. 6; आनन्दकार्ये यात्रायां स जयी परतोऽत्र च BrDharmP. i. 26. 14; स्वनामसंकीर्तनमत्र मुक्तम् Surath. 1. 47; अत्रामुत्र च सुखं नास्तीत्यर्थ: S'rutaPra. ii. 417. 18 (*on* iii. 1. 17); स्वर्गे हत: पूज्यते वै हन्ता त्वत्रैव पूज्यते SūktiRa. 99. 9; वरं पुण्यं कृतं यत्नात् परत्रात्र फलप्रदम् CitraPaC. 326; धर्म इवात्र योऽवतीर्ण: EI. i. 198. 4; परत्र चात्र तस्मै हरिर्यच्छतु वाञ्छितार्थम् EI. ii. 231. 12; **1 E** in or on that object or thing नात्रावखादो अस्ति व: R̥V. i. 41. 4; आ वां रथं युवतिस्तिष्ठदत्र R̥V. i. 118. 5; अत्रापश्यं विश्पतिं सप्तपुत्रम् R̥V. i. 164. 1; i. 164. 11; द्यौर्मे पिता जनिता नाभिरत्र R̥V. i. 164. 33; मो षू ण इन्द्रात्र पृत्सु देवै: R̥V. i. 173. 12; अहिं यदघ्नन्नोजो अत्रामिमीथा: R̥V. v. 31. 7; वस्वीर्नो अत्र पत्नीरा धिये धु: R̥V. v. 41. 6; मात्र पूषन्नाघृण इरस्य: R̥V. vii. 40. 6; viii. 31. 18; ब्रध्नश्चिदत्र … नरं दात् R̥V. ix. 97. 52; दुर्मन्त्वत्रामृतस्य नाम R̥V. x. 12. 6; मित्रो नो अत्रादितिरनागान्त्सविता देवो वरुणाय वोचत् R̥V. x. 12. 8; नेदेव मा युनजन्नत्र देवा: R̥V. x. 51. 4; x. 102. 7; अत्र पितरो मादयध्वम् VājaS. 2. 31; प्रयाजानेवात्र यजन्ति AitBr. 3. 6 (78); तद् यज्ञमेवैतदत्र दधाति S'atBr. I. i. 2. 16; तस्मादेनामत्र शंसति AitĀ. I. iv. 2. 23; **2** representing locative case (in Gr.) तदस्यात्र स्यादिति CāndraVyā. iv. 1. 21 (comm. प्रथमान्तात् षष्ठ्यर्थे सप्तम्यर्थे च छयतौ भवत:); CāndraVyā. iv. 2. 98; तदत्रास्मै वा शुल्कम् … देयम् S'ākaṭāVyā. iii. 2. 156; SiddhaHe. vi. 2. 70; vi. 4. 158; अस्मिन्नर्थेऽव्ययं चात्र S'abdaRaSaK. 250. 7 [अत्र is given as the meaning of अदस् in the कोषs अद: परस्मिन्नत्रापि ViśvaPra. 174. 5; AnekāK. 932; NānārthāSaṁ. i. 40. 3; MediK. 186. 15; अदोऽत्र परत्र च AnekāTi. 2. 7; AnekāSaṁ. 2. 561]

[2]**अत्र** (á-tra) *n.* [attra] food, nourishment अत्राण्यस्मै: पड्भि: सं भरन्ति R̥V. x. 79. 2; देवा: अत्रं न मम BālamBha. i. 556. 11 (*on* 1. 249)

[3]**अत्र** (atrá) *m.* a kind of demon स्वयं सा रिषयध्यै या न उपेषे अत्रै: R̥V. i. 129. 8 (Sāy. भक्षकै: अस्मद्विरोधिभि:); अपादमत्रम् … नि … आवृणक् R̥V. v. 32. 8 (Sāy. अमत्रम् अमात्रं परिमाणरहितम्); देवजना गुदा मनुष्या आन्त्राण्यत्रा उदरम् AV. ix. 7. 16; आन्त्रेभ्यो जज्ञिरे अत्रा: AV. x. 10. 21.

[4]**अत्र** (atra) *n.* [अमत्र- with म dropped] vessel, pot वर्णस्य वर्णयोर्लोपो बहूनां व्यञ्जनस्य च । अत्राणीति BrDe. 2. 116; अत्रम् – अमत्रम् – अत्राण्यस्मै पड्भि: संभरन्ति इत्यादाविवात्रापि मध्यमवर्णलोपश्छान्दस: BhāBhāDī. *on* iv. 55. 19.

[5]**अत्र** (a-tra) *adj.* requiring no (other) protector, needs no protection (from others) (i. e. fearless) प्र क्षत्रमत्रमाप्नोति BrĀraU. v. 13. 4; प्र क्षत्रमत्रम् न त्रायते अन्येन केनचिदित्यत्रम् BrĀraUBh. 723. 13 (*on* v. 13. 4); प्राप्नोत्यत्रमसौ क्षत्रमत्रातृकमनीश्वरम् BrĀraUBhVā. v. 15. 9.

[6]**अत्र** (atra) *nu.* **i** eighth house in a horoscope अत्र शुभदृग्योगे राजप्रेष्य: JaimiUpaSū. iii. 1. 26; **ii** eighth zodiacal sign (i. e. वृश्चिक) अथ स्वांशो ग्रहाणाम् … अत्र जलसरीसृपा: स्तन्यहानिश्च JaimiUpaSū. i. 2. 9 (comm. अत्रेति पदेन (20/12) अष्टसंख्योच्यते)

[7]**अत्र** (a-tra) (Gr.) except the suffix *tra* वलादेरिडत्र वषुणादे: S'ākaṭāVyā. iv. 2. 134; स्ताद्यशितोऽत्रोणादेरिट् SiddhaHe. iv. 4. 32.

[8]**अत्र** (-atra) (Gr.) formans forming both substantives and adjectives [DEBRU. p. 170], cf. **अत्रन्, कत्रन्.**

अत्रकृतानुयोग (atrakr̥tānuyoga) *adj.* who has raised objection in this (work) अजयं चात्रकृतानुयोगमेनम् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 14. 156.

अत्रग (atra-ga) *adj.* what is present here अन्यस्य मुख्यवाच्यत्वमिति तन्नात्रगस्य हि AnuVyā. 10B. 6 (*on* 1. 1)

अत्रतस् (atra-tas) *adv.* from here onwards कथयध्वं ममात्मानमत्रतस्तदनन्तरम् VarāP. 172. 24.

अत्रत्य (atra-tya) *adj.* [*f.* -ā] **i** belonging to or connected with this place, residing here दौरात्म्याद्रक्षसस्तां तु नात्रत्या: श्रद्दधु: प्रजा: RaghuVa. 15. 72; माम् … अत्रत्यायैव कस्मैचिदिभ्यकुमारायान्वजानाद्भार्यां मे पिता DaśKuC. 49. 2; 94. 12; EI. ii. 346. 7; अत्रत्यमक्षयं यस्मात् सुकृतं सुकृतेतरम् SkandP. iv. 64. 67; अत्रत्य: प्राणिमात्रोऽपि रक्षणीय: प्रयत्नत: SkandP. iv. 96. 19; अत्रत्यै: किलार्जुनसकाशाद्विष्णोरन्त:पुरमाच्छिन्नमिति JayaMa. 130. 10 (*on* 2. 5); अत्रत्यो हि नदीपूर: NyāyRa. 454. 12 (*on* 5 (7). 17); तत्राजायत सख्यं मे राज्ञात्रत्येन KathāSaSāg. viii. 6. 196; अव्ययात् त्यप् ।… अत्रत्य: BhāṣāVr̥. iv. 2. 104; राजानं प्रार्थय द्रुतम् । चन्द्रशेखरमत्रत्यम् PārśvC. 3. 815; अस्ति तावदत्रत्या काचित् … मयि निबद्धभावा … कन्यका SubhaDha. 1. 3 (3); ग्रन्थमत्रत्याय राज्ञे माधवदेवनाम्ने दर्शयत PrabaK. 56. 10; मोघाशो मघवान्देव: स्यादत्रत्यस्य सादने Yādavā. 6. 65; अहमत्रत्य:, अस्मिन् काले वर्तमान: एवमाकार: Bhāsk. ii. 42. 21 (*on* ii. 2. 3); अत्रत्या: प्रकृतयोऽप्यनुरक्ता आर्यस्य प्रसादेन MadaKeC. 13 (13); KośaKaTa. 2. 324; **ii** mentioned in this section or in this context, occurring in this topic or expression etc. वस्तुतो हि अत्रत्योऽयं प्रमातापि प्रमेय

एव PratyabhiVi. ii. 240. 7 (*on* iii. 1. 10); येऽपि चान्तरमार्गा इत्यत्रत्यान् नृत्ते सूच्यान् परिहर्तुम् AbhinBhā. ii. 141. 19 (*on* 12. 42); ते यचत्रत्यमभिधानमङ्गीकृत्य तथा मन्यन्ते TantrRa. 37. 6; 300. 17; अत्रत्य आचार्य: TātpaVr̥. 353. 14 (*on* 3. 61); अत्रत्य: पित्रादिशब्दप्रयोगोऽपि CaturCin. iii(1). 1256. 5; विदेहमुक्तिरित्यत्रत्येन देहशब्देन कृत्स्नं देहजातं विवक्षित्वा JīvanVi. 44. 16; 93. 18; अत एवात्रत्यमुत्थानं च न स्वापानन्तरभावि PañcRāRa. 129. 10; अत्रत्यस्य यत्किंचिच्छब्दस्य Nyāyāmr̥. 102B. 7; विशेषान्तरमत्रत्यं विवाहप्रकरणे वक्ष्याम: VīraMi. (Saṁskāra.) 315. 4; MīmāKau. iii. 47. 15 (*on* i. 2. 23); YuktiSneha. 88. 31 (*on* i. 1. 5); MayūMāli. 188. 19 (*on* iii. 1. 4); 491. 3 (*on* vi. 4. 14); 531. 1 (*on* vii. 2. 1); कर्मकालोच्चारणमत्रत्य: पूर्वपक्षी मन्यते NyāySu.(So.) 20. 9 (*on* i. 2. 6); 85. 31 (*on* i. 2. 26); अत्रत्यं धर्मपदं वेदार्थमात्रोपलक्षणं पर्यवस्यति SivārkaMaDi. i. 15. 11 (*on* i. 1. 1); i. 401. 33 (*on* i. 3. 2); i. 487. 5 (*on* i. 3. 39); ii. 109. 11 (*on* ii. 2. 38); ii. 374. 26 (*on* iii. 3. 54); अत्रत्यो नामशब्दो भयापहेत्यादिनामविशेषपरत्वेन व्यवतिष्ठते LalitāSaBh. 21. 33 (*on* 52); तदनुरोधेनात्रत्यस्य ··· पदस्य ··· अविवक्षितार्थकतैव युक्ता SetuBa. 36. 19; 176. 2; अत्र ग्रन्थकृतोऽत्रत्यं पद्यमुदाहरति Bhāsk. i. 36. 6 (*on* i. 1. 1); ‘एकाच उपदेशे’ इत्यात्रत्य: कैयटोऽपि चिन्त्य एव LaS'abdeS'e. i. 22. 18; ii. 141. 15; अत्रत्यं तत्त्वं कलातोऽवगन्तव्यम् BālamBha. i. 29. 23 (*on* 1. 11–12); **iii** belonging to this world and life अत्रत्योऽपि मनुजस्तथा भावमुपेयिवान् SkandP. ii(9). 4. 29; किं स्वर्गेण ··· मरणव्यवहितेन, वरमत्रत्यमेव भोजनशय्यादिसुखमिति NyāyRa. 3. 8 (*on* 0. 7); वृत्त्यादीनामत्रत्येष्ववचनजनेष्वकार्यकरत्वं सूचितम् S'rutaPra. iA. 9. 16 (*on* i. 1. 0)

अत्रत्यचिन्ता (atratya-cintā) *f.* deliberation on this topic इति शिक्षार्थमत्रत्यचिन्तां तत्राकरोन्मुनि: VedāntKa. 209. 14 (*on* ii. 4. 14)

अत्रत्यजन्तु (atratya-jantu) *m.* creature of this place (i. e. Kāśī) अत्रत्यजन्तुरक्षार्थमसत्यमपि भाषयेत् SkandP. iv. 96. 18.

अत्रत्यटीका (atratya-ṭīkā) *f.* gloss on this portion (comment made here) अत एव नात्रत्यटीकाया: वार्तिकान्तेन विरोध: NyāyVārPari. 11. 9.

अत्रत्यत्रिभुजद्वय (atratya-tribhujadvaya) *n.* two triangular figures occurring herein तच्चतुरस्रेऽत्रत्यत्रिभुजद्वयफलयुतिर्गणितम् ĀryaSi. 15. 68 (164)

अत्रत्यन्यायातिदेश (atratyanyāyātideśa) *m.* transference of the maxim (argument) set forth here ‘द्वा सुपर्णा’ इति वाक्ये अत्रत्यन्यायातिदेशश्चानुपपन्न: S'rutaPra. iB. 307. 14 (*on* i. 2. 12)

अत्रत्यपरिभाषा (atratya-paribhāṣā) *f.* terminology used here अत्रत्यपरिभाषा भिन्ना BālamBha. ii. 267. 18 (*on* 2. 145)

अत्रत्यपाठक्रम (atratya-pāṭhakrama) *m.* textual order found here श्रुत्यन्तरसिद्धश्रौतक्रमेणात्रत्यपाठक्रमबाधात् संवत्सरादूर्ध्वं क्रमेण विनिवेश: BrahmSū-Bh.(S'rī.) ii. 473. 3 (*on* iv. 3. 3)

अत्रत्यपाप (atratya-pāpa) *n.* sin committed here (i. e. in Kāśī) अत्रत्यपापेन वासस्यैव वैगुण्ये TristhaSe. 124. 24.

अत्रत्यपापनाश (atratyapāpa-nāśa) *m.* destruction of the sin committed here (i. e. in Kāśī) यत्तु वैशेषिकमात्रादेवात्रत्यपापनाशो विशेषविधिवशादिति तदपि न TristhaSe. 125. 1.

अत्रत्यपूर्वपक्ष (atratya-pūrvapakṣa) *m.* prima facie view referred to here तथाप्याधुनिका वेदान्तिनोऽत्रत्यपूर्वपक्षजातमेव ब्रह्ममीमांसासिद्धान्ततया कल्पयन्ति SāṁkhyaPraBh. 131. 31 (*on* 5. 65); अत्रत्यपूर्वपक्षवादिमतेऽस्य मन्त्रस्य प्रैषत्वाभावेन ··· आग्नीध्रकर्तृकत्वानुपपत्ते: समाख्याया आध्वर्यवत्वात् MīmāKau. ii. 239. 23 (*on* iii. 2. 10)

अत्रत्यबलिदान (atratya-balidāna) *n.* offering of oblation stated here नामभिरेवात्रत्यबलिदानं दृष्टं कुतोऽत्र मन्त्रैर्दीयते इत्याह VīraMi. (Saṁskāra.) 945. 23.

अत्रत्यबहुवचन (atratya-bahuvacana) *n.* (use of) plural in the present context (word) प्रकृतेऽपि तन्मते ··· अत्रत्यबहुवचनस्य द्वित्वसंख्याबोधकत्वावश्यंभावाच्च SetuBa. 248. 24.

अत्रत्यभाष्य (atratya-bhāṣya) *m.* explanation in the Bhāṣya quoted here अत्रत्यभाष्यस्य साधारण्यं शङ्कते YuktiSneha. 88. 31 (*on* i. 1. 5); एवं च यत्कैश्चिद्याज्ञिकैरुद्धृत्य भक्षणमुक्तं तदत्रत्यभाष्यवार्तिकविरोधादुपेक्ष्यम् MayūMāli. 286. 23 (*on* iii. 5. 6); एवं रीत्या साधुत्वेऽत्रत्यभाष्यमेव मानम् LaS'abdeS'e. ii. 512. 10; i. 400. 12; ii. 229. 8.

अत्रत्यभाष्यविरोध (atratyabhāṣya-virodha) *m.* opposition to the explanation in the Bhāṣya given here न च “आशित: कर्ता” इत्यत्रत्यभाष्यविरोध: LaS'abdeS'e. ii. 795. 16.

अत्रत्यमण्डल (atratya-maṇḍala) *n.* **1** region referred to here तैरूचे सहकाराणां करो नात्रत्यमण्डले KumāDeC.(So.) 14. 17; **2** mystic diagram in the present context अत्रत्यमण्डलप्रकृतिपञ्चाशद्रेखाणां च पदानां द्वादशाङ्गुलप्रमाणत्वोक्त्या प्रत्येकं तावदन्तरत्वात् VīraMi. (Rājanīti.) 375. 9.

अत्रत्यमुनि (atratya-muni) *m.* sage of this place त्वत्संनिधानादत्रत्यमुनीनां भयनाशनम् । इत: परं भवत्वार्य SkandP. iii(1). 4. 47.

अत्रत्ययाग (atratya-yāga) *m.* sacrifice referred to in the present context अत्रत्ययागानाम् ··· उदयोत्तरमेव सर्वनिर्वापस्यातिदेशप्राप्तत्वाच्च BhāṭṭDī. iv. 156. 15 (*on* xi. 2. 3)

अत्रत्ययुक्ति (atratya-yukti) *f.* reasoning advanced in the present context अत्रत्ययुक्तीनां श्रुत्यादिसिद्धत्वेन प्राबल्यात्पादभेद: TattvPrakā. 126A. 2 (*on* ii. 4. 1); तद्युक्तिभिरत्रत्ययुक्तीनां विरोधेनोभयोरेव दुर्घटं प्रामाण्यम् Sāṁkhya-PraBh. 1. 29 (*on* 1. 0)

अत्रत्ययुवराज (atratya-yuvarāja) *m.* prince of this kingdom अत्रत्ययुवराजेनास्या एव जनन्या: केलियात्रामहमधिकृत्य कृतं किमपि भाणम् RasSa. 11(2)

अत्रत्यरीति (atratya-rīti) *f.* method adopted in this context अत्रत्यरीत्या तु तत्रापि वाचकलुप्तत्वं स्यादिति स्वग्रन्थविरोधोऽपि दुष्परिहर इति दिक् AlaṅkāKau.(Vi.) 83. 1.

अत्रत्यविदिग्विभाग (atratya-vidigvibhāga) *m.* division of the intermediary directions stated here अत्रत्यविदिग्विभागवशादेव दिग्विभागोऽपि वक्ष्यमाणायुधन्यासादावुन्नेय: SetuBa. 292. 18.

अत्रत्यविशेषण (atratya-viśeṣaṇa) *n.* adjective in this context अत्रत्यविशेषणानां यथाकथंचिदन्यथानयनमपि न स्वरसमित्युपेक्ष्यम् SetuBa. 34. 3.

अत्रत्यवृत्तान्त (atratya-vr̥ttānta) *m.* local happening (or event) देशान्तरिणो वयमनभिज्ञा अत्रत्यवृत्तान्तस्य KaumuMi. 1. 13(16); 4. 9(7); मत्सर: – इममेव मत्सरमत्रत्यवृत्तान्तहारिणं करिष्याम इति निगृह्य स्थापितोऽस्मि Jīvān. 268. 3.

अत्रत्यवेशवनिता (atratya-veśavanitā) *f.* harlot of this locality or region न खल्वयं जनो मूर्खजनेष्वन्यतम: किं त्वत्रत्यवेशवनिताजनविस्रम्भसर्वस्वभाजनं रसिकाग्रेसर: पल्लवक: RasSa. 189(11)

अत्रत्यव्यक्ति (atratya-vyakti) *f.* an individual member here व्यक्तिपक्षे तत्रत्यात्रत्यव्यक्त्योर्भेदेन प्रकृते प्रत्याहारघटकद्वितीयवर्णादौ चोच्चारितस्यैव ग्राहकत्वादप्रवृत्तेरिति चेत् न LaS'abdeS'e. i. 39. 12.

अत्रत्यव्यवहार (atratya-vyavahāra) *m.* debate pertaining to the topic in hand अत्रत्यव्यवहारस्य प्रतिज्ञासाधनदूषणनिर्णयरूपेण चतुष्पात्त्वम् Nyāy-Pari. 174. 9.

अत्रत्यशब्दविशेष (atratya-śabdaviśeṣa) *m.* particular expression used here अत्रत्यशब्दविशेषादेव नारायणाद्भिन्नं ब्रह्म प्रतीयते S'ivārkaMaDī. i. 324. 12 (*on* i. 2. 5)

अत्रत्यसंघ (atratya-saṅgha) *m.* community of this place वयं तु नागमिष्यामोऽत्रत्यसंघानानुज्ञया PrabhāC. 120. 9.

अत्रत्यसंबन्ध (atratya-sambandha) *m.* connection mentioned here इत्यत्रत्यसंबन्धस्य षष्ठीवाच्यत्वेन दृष्टतया प्राप्तां षष्ठीं वारयितुं स: LaS'abdeS'e. i. 449. 6.

अत्रत्यसिद्धान्त (atratya-siddhānta) *m.* final view referred to here or in the present topic किमेवं देहाद्यालम्बनोऽहंप्रत्यय: । ···न चानालम्बनोऽयम् अत्रत्यसिद्धान्तात् Kāśi. ii. 128. 24 (*on* 5(3). 70); द्रव्यमित्युक्तमपवादं पूर्वपक्षत्वेन प्रदर्श्य तदुत्तरत्वेनात्रत्यसिद्धान्ततत्त्वं स्याद्वा ··· इत्यत्र दर्शयिष्यते TantrRa. 67. 14; एवं च प्रागुक्तेऽत्रत्यसिद्धान्ते दीक्षितीयं दूषणं समाहितमिति बोध्यम् BālamBha. i. 596. 29 (*on* 1. 255)

अत्रत्यार्थैकरूप्य (atratyārthaikarūpya) *n.* identity of the word-sense referred to here अत्रत्यार्थैकरूप्यकृतप्रत्यभिज्ञानस्यैव प्राथमिकत्वात् S'ivārka-MaDī. i. 381. 20 (*on* i. 2. 22)

अत्रत्येतिकर्तव्यता (atratyetikartavyatā) *f.* procedure stated here चत्वार: पक्षा: ··· प्रदर्शिता: । तेषु यदि सामान्याद्ध्वविधिपरत्वपक्षस्तदात्रत्येतिकर्तव्यतायास्तत्रत्येतिकर्तव्यतया सह समुच्चय: SetuBa. 312. 23.

अत्रत्योपास्ति (atratyopāsti) *f.* meditation prescribed here अत्रत्योपास्तीनां फलश्रवणाभावेन प्रकरणित्वायोगाच्च SetuBa. 200. 32.

अत्रदघ्ना (atra-daghnā) *adj.* (*f.*) [Debru. p. 375, cf. P. iv. 1. 15] having this much height (i. e. upto the navel) (औदुम्बरी) अत्रो एव रेतस आशयो रेत: सोमस्तस्मादत्रदघ्ना भवति S'atBr. III. iii. 4. 28.

अत्रदेशीय (atra-deśīya) *adj.* belonging to this place or region (अमात्या:) विज्ञप्यन्तेऽत्रदेशीयै: कान्दिशीकैर्बलातुरै: RājTa.(Prā.) 400.

अत्रन् (atran) (Gr.) Uṇādi suffix forming substantives and adjectives, Uṇā. 3. 105–107.

अत्रप (a-trapa) *adj.* [*f.* –ā] devoid of shame, shameless रामं धिक् त्वां दुन्वन्तमत्रपम् Bhaṭṭi. 5. 98; अर्पय मे तामित्येवं च वदतेऽत्रप: PadmP.(Ra.)

73.69; अहो स्त्रीणामत्रासमत्रपं मनः। यत्पुरेव प्रगल्भेयमुपसर्पति माम् BṛKathāS'loSaṁ. 19.12; 17.94; 20.175; धिङ् मां कृतघ्नमस्निग्धमक्षतं पापमत्रपम् RāmC. 31.50; रामं ददर्श … हरः। … अत्रपं शोकविह्वलम् S'ivaP. ii(2).24.25 (98B.12); अत्रपां चाल्यमानेन हृदयेन … भर्तुर्निन्दामि ते तनुम् KīcaVa. 3.40 (comm. लज्जारहिताम्); AmṛUda. 4.38; महाशय मया सार्धं त्वमरण्यमुपागतः। न गच्छामि त्वया सार्कं नाकमप्यहमत्रपः (रामः) MahāN. 9.71.

अत्रपत्रक (atrapatraka) *m.* the plant *Origanum majorana* फणिज्जके मरिचकः खरपत्रोऽत्रपत्रकः NighS'e. 2111.

अत्रपा (a-trapā) *f.* lack of shame अवद्ये भयादर्शित्वमत्रपा AbhidhK. 2.32; Triṁśi. 13; तनुता चापि विषयनिवृत्तिश्चात्रपा तथा। …इत्यवस्थाः प्रपञ्चिताः AbhinDa. 324(7)

अत्रपाकर (a-trapākara) *adj.* not causing shame अभिजनवर्णनं कवीनामत्रपाकरम् ManuBh. i. 25.28 (*on* 1.33)

अत्रपान्विता (a-trapānvitā) *adj.* (*f.*) not possessing shame उपविष्टासक्तत्तस्मादनिर्विण्णात्रपान्विता KāśyaS. 86A.12.

अत्रपापरा (atrapā-parā) *adj.* (*f.*) **i** given to shamelessness अत्रपापरा … धृतमन्दरागे रागं बध्नाति (स्त्री श्रीर्वा) NalaCam. 4.16 (71); **ii** (atrapāpa-rā) causing sins which do not save one (from hell), NalaCam. 4.16 (71) (comm. न त्रायते नरकाद् अत्रं तथाभूतं यत्पापं कमप्युपसर्गं राति ददातीत्यत्रपापरा)

अत्रपार्थ (a-trapārtha) *adj.* not needing shame, bashful इतीदमाकर्ण्य स पावनंजयेरतोऽत्रपार्थस्य विरित्सया रिपोः। … पुनरब्रवीद्वचः RāghPāṇ.(Dha.) 11.31 (comm. न त्रपामर्थयते तादृशः)

अत्रपावरण (a-trapāvaraṇa) *adj.* without any covering of shame अत्रपावरणमात्तसीत्कृतं विस्मरामि किमु ते रतोत्सत(?व)म् VasaTi. 9.4.

अत्रपिमन् (a-trapiman) *adj.* devoid of misery or grief त्वां प्रपिष्टमहमत्रपिमाणं ही करोम्यगरिमा त्रपयन्ती DvyāśraKā. 20.53 (comm. त्रपिम्णा दुःखेन रहितं त्वाम्)

अत्रपु (a-trapú) *adj.* [Debru. p. 490] not tinned तदेन॒ व्य॑दह॒त्तस्मा॑द॒योऽत्र॒पु प्रतिधु॒क् क्षीरं॑ विदहति MaiS. i. 8.2; तस्मादत्रप्वयःपात्रं प्रतिधुक् क्रूडयति KāṭhS. 6.3 = KapiKaS. 4.2.

अत्रपु (a-trapu) *adv.* shamelessly (i. e. daringly, fearlessly) कमाशु न तथारेमे न्यायीद्धयायन्क्षमातले। हेयानयमयाकारोमयापेतो यतोऽत्रपु (?) RāghPāṇ.(Dha.) 18.122 (comm. अलज्जं निःशङ्कं यथा स्यात्तथा)

अत्रभगवत् (atra-bhagava(n)t) *Pron.* [*f.* -vatī] your honour एष जमदग्निपुत्रः प्रणम्य कौशिकेन सार्धमत्रभगवते विज्ञापयति MahāvīC. 4.24(5); उक्तमत्रभगवत्या भागीरथीदेव्या UttaRāC. 3.3(9); पूर्वपूर्वशरीरमित्यनादितैवात्रभगवती चित्तमनाकुलयति Bhām. 376.12 (*on* ii. 1.36)

अत्रभव (atra-bhava) *adj.* born in this place पानात्सुधानामजलेऽप्यमृत्युं चिह्नं बिभर्त्यत्रभवं स मीनम् NaiṣC. 22.125.

अत्रभवत् (atra-bhavat) *Pron.* [*f.* -ī] [AltGr. II. 1.262] your or his honour (honorific term used to refer to a person who is present or is near the speaker) [singular referent, sg. form] अनुक्तोऽप्यत्रभवता भवत्या वचनादहम्। वने वत्स्यामि विजने वर्षाणीह चतुर्दश Rāmā. ii. 16.49; ii. 44.21; बलदेवः – (विलोक्य) अये अयमत्रभवान् धृतराष्ट्रः … इत एवाभिवर्तते ŪruBha. i. 35 (4); अये इयमत्रभवती गान्धारी ŪruBha. 1.39(4); रदनिके अनुगच्छात्रभवन्तम् Cārud. 1.22(15); DūtVā. 4(23); PañcRā. 1.17(4); आर्यं नोत्सहे … वारयितुमत्रभवतीम् Prati. 2.21; MadhyaVyā. 49(12); इहात्रभवत्या दुहितुः Mṛcch. 9.34(4); ननु को भवान् (v. l. कोऽत्रभवान्) Mṛcch. 10.49(2); त्वमेवात्रभवतीं प्रभोरन्तिकं प्रापय Vikramo. 1.15(2); जयमत्रभवान्नूनमरातिष्वभिलाषुकः Kirātā. 11.18 (comm. पूज्य इत्यर्थः); 13.45; 13.68; PadmPrā. 6.11; अपि चात्रभवान् स्वमेव मुखवर्णं स्ववादानुरागान्नूनं विस्मृतवान् PramāVāSvopVṛ. 113.14; वत्से वन्दस्वात्रभवन्तं भदन्तम् HarṣaC. 331.5; इतरथा को नु बहु मन्येत कल्याणरूपमीदृशं सङ्कल्पमत्रभवत्याः काषायग्रहणकृतम् HarṣaC. 338.12; ह्रीमतात्रभवतैव भूयते S'iśuVa. 14.2; 14.87; KaumuMa. 1.17(1); लक्ष्यते … कृपणदर्शना यात्रभवतो ब्राह्मणी AvantiKa. 194.4; 56.7; किमस्ति कश्चिद्विमर्दको नामात्रभवत इति DaśKuC. 55.2; यदा तावदत्रभवतः … महाराजरामस्याभिषेकसमयः UttaRāC. 1.2 (2); MahāvīC. 2.25(1); प्रिये मालति … अत्रभवतीं निदाघसंतापशान्तये विज्ञापयामि MālaMā. 8.16; 1.50; 1.348; एकाकिनीयमत्रभवती TāpaVa. 3.9(6); 5.27 (= 5.8) (21); यदप्यत्रभवान् वृत्तिकारः प्राह NyāyMañ. i. 94.2; स्वैरमास्तामत्रभवती SubhaDha. 2.14 (6); तीर्थं न क्वचिदीदृगत्रभवती त्वत्खड्गधारा यथा SubhāRaK. 41.16; सर्वशाखाप्रत्ययन्यायश्चात्रभवतो विपरीतफलः S'rīBh. 60.14 (*on* i. 1.1); पूज्ये तत्रभवानत्रभवांश्च भगवानपि AbhidhāCin. 336; DvyāśraKā. 18.105; स्वामिन्नेष स सेतुरत्रभवतो रामस्य EI. ii. 187.34; कृष्णः – (ससम्भ्रमम्) आसनमासनमत्रभवते RukmiHa. 2.6 (13); KirātāVyā. 19(7); 22(1); इत्यपृच्छमहमत्रभवन्तं सत्यवाचमभियुक्ततमं तम् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 5.154; 9.5; 10.114; PuruṣPa. 30.16; प्रपद्यन्ते लोकाः कति न भवतीमत्रभवतीम् Gaṅgā 1.31; अत्रभवत्तत्रभवच्छब्दौ पूज्यार्थौ PrakriKau. i. 270.3; ParaNā. 541; JānaPa. 2.31(31); एतद्विचार्यमत्रभवता S'ṛṅgāSar. 60(13); 72(5); 94.1; [singular referent, pl. form] भगवन् कः पुनरयं महात्मा यमत्रभवन्तोऽप्येवमभ्युद्गताः MahāvīC. 1.13(4); अत्रभवन्तो ब्रुवन्तु कः परिहार इति BṛĀraUBh. 264.12 (*on* ii. 1.20); NyāyMañ. i.42.2; यथाहुरत्रभवन्तो वार्त्तिककाराः TattvBi. 67.8; 153.4; तदाहुरत्र भवन्तो मण्डनमिश्राः NyāyMa. 234.8; VedāntKa. 294.3 (*on* ii. 2.28); NyāyKu. 165.5; NyāySiA. 261.1; कथं तस्मिन्काये सुभग बहुमानोऽत्रभवताम् Subhāṣi. 3389; यथाहुः अत्रभवन्तो वार्त्तिककाराः SiddhāLeSaṁ. 364.1; [plural referent] समानवयोरूपरमणीयं सौहार्दमत्रभवतीनाम् S'āk. 1.24 (17); तृतीयः – इमेऽत्रभवन्तो द्विजातयः PañcRā. 1.4(1); इत्यत्रभवन्तो विदाङ्कुर्वन्तु MahāvīC. 1.4(8); ननु कातरेयमत्रभवतीभिरेव पर्यवस्थापनीया MahāvīC. 2.20(11); 1.24(1); UttaRāC. 1.1(2); तेन हि तत्प्रयोगादेवात्रभवतः सामाजिकानुपास्महे MālaMā. 1.62; HarVi. 45.17; VedāntKa. 272.12 (*on* ii. 2.18); ते योगैश्वर्यमनुभवतामत्रभवतां सनकसनन्दनसनत्कुमारादिमहायोगिनाम् … दृशामवलोकयन्तः NīlaVi. 37.6; VaiyāBhū. 2.2 (*on* 1); [dual referent] राजा – (परिजनं विलोक्य) आसने तावदत्रभवतोः Mālavikā. 1.12(4)

अत्रभवतीवचन (atrabhavatī-vacana) *n.* word of this lady किमत्रभवतीवचनसंप्रत्ययादेवास्मान् संभृतदोषैरधिक्षिपथ S'āk. 5.25(1)

अत्रभवद्दर्शन (atrabhavad-darśana) *n.* glance of your honour नियतिवशात्सोऽहमत्र वसन्नस्मादत्रभवद्दर्शनपात्रमस्मि DaśKuC. App. 155.7.

अत्रय (a-traya) *n.* group of three *a*- sounds (i. e. short, long and prolated) अत्रयम् ए-ह-क-ख-ग-घ-ङाः कण्ठ्याः MugdhaBo. 1.4 (2.1)

अत्रयीपरिचित (a-trayīparicita) *adj.* **i** who is not familiar with the triad (i. e. the three Vedas), who has not studied the three (Vedas) अत्रयीपरिचितोऽथ बुधस्त्वम् NaiṣC. 21.87; **ii** who is not known by the three Vedas (who is not within the range of the knowledge of the three Vedas), NaiṣC. 21.87.

अत्रवस् (atravas) *ind.* the year before last (?) [Apte]

अत्रसत् (a-trasat) *adj.* [*f.* -ntī] not afraid, not agitated, free from suspicion निलयेषु नक्तमसिताश्मनां चयैः … मुहुरत्रसद्भिरपि यत्र … शशलाञ्छनांशव उपांशु जघ्निरे S'iśuVa. 13.54; कान्तौ … कलयतश्च रतावमन्दं नानाविलासरसिकौ मुदमत्रसन्तौ HarVi. 5.125; शमीह ते समानतो विभावितोऽत्रसत्रयः DeviS'. 65; अमरः खचरश्चक्रमत्रसत्समनद्ध तम् RāghPāṇ.(Dha.) 18.119; शीताः समीराः प्रशमं पिपासां विनोदकैरत्र सतां नयन्ति। तेषां तदन्यत्र मनांसि शृङ्गैर्विनोदकैरत्रसतां नयन्ति Surath. 4.60; शिशुरुपेत्य सरित्तटमत्रसन्प्रसुवमेतदुवाच S'aṅkaDigVi.(Mā.) 5.67; अरिसमितावत्रसतः क्रव्यभुजोऽहम् … स्वसा डिम्बा YudhiVi. 1.41; सा…असहत…प्रणयवतः…परिरम्भमत्रसन्ती Nalābhyu. 6.122.

अत्रसद् (atra-sad) *adj.* sitting here, residing here तस्मा अत्रसद एता देवता बलिं हरन्ति JaimiUBr. iv. 24.3.

अत्रसा (a-trasā) *adj.* (*f.*) fearless सा सती जयतादत्र सरन्ती यमितात्रसा SaraKanṭhā. 281.16.

अत्रसिता (a-trasitā) *adj.* (*f.*) fearless, not frightened अजिते अत्रसिते … उमे … अन्तरिक्षगतं वा रक्ष SkandP. i(2). 62.56.

अत्रस्त (a-trasta) *adj.* [*f.* -ā] not frightened, unalarmed सः … गोविन्दः प्रत्युवाच … अग्रस्त(v. l. अत्रस्त)मनिरस्तमसंकुलम्। … वाक्यमुत्तमम् MahāBhā. v. 89.17; अथ रुक्मरथः … त्रस्तामाश्वासयन्सेनामत्रस्तो वाक्यमब्रवीत् MahāBhā. vii. 44.9; जुगोपात्मानमत्रस्तः RaghuVa. 1.21 = KāvyPra. 292.1 = VyaktiVi. 38.8 = Kāvyānu.(He.) 205.8 = SāhiDa. 388.4; तं च दृष्ट्वा … अत्रस्ता कुन्दमालिका। … ववन्दे BṛKathāS'loSaṁ. 22.287; आयात्यासन्नमं(?म)त्रस्तो रिरंसुद(?ई)रिणो यदा Mānaso. iv. 15.1630; गात्रमत्रस्तमास्ते S'rīKaC. 7.46.

अत्रस्तता (atrasta-tā) *f.* fearlessness, the state of being undaunted or unalarmed अत्रात्रस्ततायनूद्यात्मगोपनायेव विधेयम् SāhiDa. 388.6.

अत्रस्तधी (atrasta-dhī) *adj.* having a fearless mind (सः) वैशाखासितपञ्चम्यां यात्रामत्रस्तधीर्व्यधात् RājTa.(Ka.) 7.1297.

अत्रस्तम् (a-trastam) *adv.* fearlessly इदमत्रस्तं निष्क्रान्तं माधवीगृहात्। शिखण्डिमिथुनम् BṛKathāS'loSaṁ. 9.50.

अत्रस्तमुद्रावती (atrastamudrā-vatī) *adj.* (*f.*) having a posture of the fingers called '*abhaya*' अत्रस्तमुद्रावतीम् ये त्वाम् .-भावे संदधते NityoNi. 145.22.

अत्रस्तविभ्रमा (atrasta-vibhramā) *adj.* (*f.*) having undisturbed amorous movements तां राजतनयोऽवदत् । सोत्कम्पकुचविन्यस्तहस्त(? स्ता)-मत्रस्तविभ्रमाम् BṛKathāMañ. ix. 2. 122.

अत्रस्थ (atra-sthá) *adj.* [*f.* -ā] **i** staying here, residing here, present here अपेत वीत ··· अत: । येऽत्रस्थाः पुराणा ये च नूतनाः TaiĀ. i. 27. 5 (172. 1) [TaiS. IV. ii. 4. 1 reads येऽत्र स्थ cf. अत्र स्थ TaiPrāti 12. 7]; शिवं ध्यायस्व मेऽत्रस्थः सुकृतं स्मर्यते यदि MahāBhā. xii. 136. 166; अत्रस्थं निष्कलं ब्रह्म यावन्न श्वसिति द्विज(? जः) BṛParāSm. 12. 175(+55); त्वां निरामयम् । पश्याम धीमन्नत्रस्थाः ··· मुनिसत्तमम् BrahmāṇḍP. i. 1. 24; (राक्षसः) अयमत्रस्थः एव ··· उद्धृत्य दूरीकृतः MudrāRā. 3. 24(76); अत्रस्थां देवीं महाराजस्य निवेदयामि VeṇīSaṁ. 2. 20; अत्रस्थोऽयं ··· सरसीसमीरणेन विगतक्लमो भविष्यति महाराजः VeṇīSaṁ. 4. 31; अत्रस्थस्यैव ··· वृत्तिलाभः BṛĀraUBh. 607. 20 (*on* iv. 4. 2); कतिपयाहमत्रस्था एव वयं भद्रमुखमाशीर्भिर्वर्धयामः ĀścaCū. 3. 9(1); सूर्यप्रभस्य चात्रस्थस्यायुः स्ववयस्यकाः KathāSaSāg. viii. 7. 200; (काकः) अत्रस्थः सखि लक्षयोजनगतस्यापि प्रियस्यागमं वेत्त्याख्याति च S'ārṅgaPa. 888; बालस्तस्मादत्रस्थ एव सन् । लाल्यः PrabhāC. 4. 21; अत्रस्थेन प्रियसख ··· सत्त्वया भक्तिपूर्वम् ··· वन्द्यतामिन्दुमौलिः MayūSaṁ. 1. 109; गीतनादस्तदावयोः । अनुगीत इवात्रस्थैः किन्नरैः RājTa.(S'rī.) 1(5). 101; **ii** belonging to this place अत्रस्था याः स्त्रियः सन्ति तासामर्थे त्वमागतः PadmP. v. 17. 61; अत्रस्थैः सर्वदा रक्ष्यः स्वभेदः प्रभविष्णुभिः RajTa.(Ka.) 4. 345 = RājTa.(S'rī.) 3. 299; अशिवोपशमः कार्यस्तदत्रस्थैर्विधास्यते PrabhāC. 120. 8; अ[त्रस्थ]स्वच्छश्रीमद्° ··· °तुंगसूरिवंशोद्भवश्रीधर्मचन्द्रसूरि° EI. xi. 64. 7; वयमत्रस्थाः शान्तिं करिष्यामः PurāPraSaṁ. 107. 19.

अत्रस्थवृत्तान्त (atrastha-vṛttānta) *m.* events that have taken place here गणौ त्वदीयौ ··· अत्रस्थवृत्तान्तविचारकोविदौ SkandP. iv. 5. 37.

अत्रस्थशक्ति (atrastha-śakti) *f.* goddess residing here तन्मध्ये नवयोनिं वा विधायात्रस्थशक्तिभिः TantrRā. 36. 95.

अत्रस्थायिन् (atra-sthāyin) *adj.* staying here, residing here अत्रस्थायी भवतु मुदे वो नेमी VasaViKā. 12. 32.

अत्रस्नु (á-trasnu) *adj.* **A** fearless, bold, steady द्यावापृथिवी स्ताꣳशंगवी अत्रस्नू MaiS. iv. 13. 9; अत्रस्नू अप्रवेदे TaiUBr. III. v. 10. 1; अत्रस्नूऽअप्रवेदेऽइति S'atBr. I. ix. 1. 5; S'āṅkhāS'S. i. 14. 4; (लक्ष्मणः) अत्रस्नुभिर्युक्तधुरं तुरंगैः । रथम् ··· आरोप्य वैदेहसुतां प्रतस्थे RaghuVa. 14. 47; दन्तिनः ··· अत्रस्नुभिः ··· योधपुरुषैरधिष्ठिताः AvantiKa. 96. 4; जिष्णुमार्गणैरङ्गभूपतिः । अत्रस्तु(? स्नु)रस्त्रमाहेयं महीयांसमजूहवत् PāṇḍaC. 13. 722; शबरनायकः ।···अत्रस्नुर्विषये गृध्नुः क्षिप्नुः श्वापदसंततेः SamarāSaṁ. 8. 256; **B** not having cracks, flawless बिभ्रत्यमूस्तटभुवो मणिचक्रमुच्चैरत्रस्नु HarVi. 5. 24 (comm. अत्रस्नु भेदरहितम्) cf. **अत्रस्यत्**.

अत्रस्नुता (atrasnu-tā) *f.* fearlessness, boldness अत्रस्नुताधिकमनोजवधूतमालमाल्येन तेन सहितः स्वगृहं विवेश RāghPāṇ.(Dha.) 8. 52.

अत्रस्यत् (a-trasyat) *adj.* **A** not being afraid, fearless, bold पक्षो योऽङ्गीकृतो येन तमत्रस्यन् स निर्वहेत् TantrVā. 86. 5 (*on* i. 3. 3); कस्यचित् कवचं स्रस्तं व्यस्तायां च शरैस्त्वचि । शौर्यमन्तर्गतं व्यक्तमासीदत्रस्यतस्ततः Surath. 10. 68; **B** having no cracks, flawless अत्रस्यन्नवमणिजन्मभिर्मयूखैः ।··· आकाशे रचितमभित्ति चित्रकर्म S'iśuVa. 4. 53 (comm. अत्रस्यन्तः त्रासदोषेणादुष्यन्तः, 'त्रासो भीमणिदोषयोः' इति विश्वः); cf. **अत्रस्नु**.

अत्राण (a-trāṇa) *adj.* [*f.* -ā] **i** having no protection, refuge or shelter, helpless अत्राणः खलु लोकोऽयं परिभ्रमति चक्रवत् BuddhaC. 14. 5; (यदा) बोधिप्राप्तस्य च मे ये ··· सत्त्वा अत्राणा अशरणाः ··· सचे तेषां म[म] नामधेयं कर्णपुटे निपतेत् (तदा) तेषां सर्वव्याधयः प्रशमेयुः GiMs. i. 5. 6; AbhidhKoBh. 1. 16 (*on* 1. 1); धिगत्यन्ताशुचिं देहम् ···अत्राणम् PadmP.(Ra.) 39. 117; अत्राणा ··· जन्मवत्ता हि देहिनाम् VarāṅgaC. 15. 31; अत्राणो नीयते जन्तुः कर्मभिर्यमसद्मनि YogS'ā. 4. 62; TriṣaS'aPuC. ii. 1. 59; **ii** affording no (perpetual) shelter or help तस्मादस्वन्तमत्राणमविश्वास्यमतर्पकम् । विज्ञाय क्षयिणं स्वर्गमपवर्गे मतिं कुरु Saund. 11. 55; **iii** unrestricted, unlimited, cf. **अत्राणोत्कण्ठा**; *n.* what is not a protection or shelter, absence of protection अत्रात्माद्यपवर्गपर्यन्तं प्रमेये मिथ्याज्ञानमनेकप्रकारकं वर्तते ।··· अनात्मनि आत्मेति, दुःखे सुखमिति, अत्राणे त्राणमिति NyāyBh. 8. 7 (*on* i. 1. 2); शपनाथशिक्षभुजादुपलम्भनाशीर्जिज्ञासात्राणे S'ākaṭāVyā. i. 4. 12; भुनजोऽत्राणे SiddhaHe. iii. 3. 37; कथं त्वया निन्द्यमिदम् ··· कृतमत्राणमीदृशम् KīcaVa. 3. 10; BālamBha. iii. 171. 23 (*on* 3. 289)

अत्राणता (atrāṇa-tā) *f.* helplessness, the state of having no protection विज्ञाय चात्यन्तमनित्यभावमत्राणतामप्यशरण्यतां च । तपो जिनैरभ्युदितम् VarāṅgaC. 28. 48.

अत्राणोत्कण्ठा (atrāṇotkaṇṭhā) *f.* unrestricted eagerness घ्रातमघ्राणमप्यद्य भीमोऽत्रैतीति मे मनः । अत्राणोत्कण्ठया नुन्नम् DvyāśraKā. 9. 53 (comm. अत्राणारक्षिता निरर्गला योत्कण्ठा)

अत्राण्डेला (atrāṇḍelā) *f.* name of a village महडा-अत्राण्डेला-मेढकाख्यद्रे-कोकटिदेव-पञ्चपल्लिका-सहितं चम्पामल्लग्रामम् ··· प्रददे EI. xii. 220. 9.

अत्राता (a-trātā) *adj.* (*f.*) unrestricted, unlimited मे मनः । अत्राणोत्कण्ठया नुन्नं नुत्तमत्रातया मुदा DvyāśraKā. 9. 53.

अत्रातृक (atrātṛ-ka) *adj.* requiring no (other) protector प्राप्नोत्यत्रमसौ क्षत्रमत्रातृकमनीश्वरम् । स एव त्राता सर्वस्य BṛĀraUBhVā. v. 15. 9.

अत्रात्र (átrātra) *adv.* [AltGr. III. p. 440] there and yonder अत्रात्र वै मृत्युर्जायते TaiBr. I. vii. 7. 5 (BhaṭṭaBhāskara सन्ध्याकाले मध्यरात्रे निर्जनदेशे ··· मृत्युरुत्पद्यते)

अत्राद्यभेद (atrādya-bheda) *m.* [=attrā°] division into the eater and the etable अत्राद्यभेदतो द्वौ वा यदि वाध्यर्ध उच्यते BṛĀraUBhVā. i. 3. 266.

अत्रान्तरे (atrāntare) **i** in the meantime, meanwhile अत्रान्तरे च सगरो हयमेधमारभत ViṣṇuP. iv. 4. 16; MatsyaP. 61. 32; अत्रान्तरे ··· वर्वरकेण ··· आलम्बिता करेण ··· कनकदण्डिला(? का) MudrāRā. 2. 15 (40); अत्रान्तरे···सा दूतिका ··· पुनरागत्येदमाह PañcT. 1. 55 (48) (52. 4); 2. 29 (14) (225. 1); अत्रान्तरे ··· शृङ्गारशेखरः स्वसुतायाः स्वयंवरार्थम् ··· राज्ञामेकत्र संगममकरोत् VāsaDa. 140. 5; अत्रान्तरे भगवानपि मरीचिमाली तं वृत्तान्तमिव कथयितुं मध्यमलोकमवततार VāsaDa. 165. 1; अत्रान्तरे सरस्वत्यवतरणवार्तामिव कथयितुमवततार मध्यमं लोकमंशुमाली HarṣaC. 22. 1; 16. 3; अत्रान्तरे ब्राह्मणेन मृतं पुत्रमारोप्य राजद्वारि ··· अब्रह्मण्यमुद्घोषितम् UttaRāC. 2. 7 (6); MālaMā. 1. 249; Kapphiṇā. 5. 5(); BṛKathāS'loSaṁ. 12. 39; RāghPāṇ.(Dha.) 7. 1; अत्रान्तरे ··· नारदः ··· प्राप्य (? प्राप) पार्वतकं सदः BṛKathāK. 76. 102; अत्रान्तरे ··· हंसी ··· श्लोकद्वयमपठत् NalaCam. 2. 17 (13); YaśasCam. ii. 355. 6; TilaMañ. 46. 5; SkandP. iii(1). 1. 7; BṛNāraP. 8. 93; अत्रान्तरे नभःसिन्धुपुलिनं प्राप पाटला NavaSāC. 16. 1; Bhām. 356. 2 (*on* i. 2. 14); अत्रान्तरेऽम्बरे धीरो ध्वनिराकस्मिकोऽभवत् PadmP. iv. 74. 75; UdaySuKa. 83. 9; BṛKathāMañ. i. 1. 36; EI. iv. 306. 49; अत्रान्तरे स च प्रायः पर्यहीयत वासरः KathāSaSāg. i. 6. 123; DaśāvaC. 5. 71; GītGo. 7. 1; 10. 1; अत्रान्तरे दैत्यभिदस्तमाप्नोदादित्यः DvyāśraKā. 14. 39; 10. 32; S'rīKaC. 19. 48; PariPar. 2. 92; अत्रान्तरेऽन्तरिक्षान्तरुल्ललास सरस्वती PāṇḍaC. 1. 229; PārśvC. 1. 212; 2. 356; SamarāSaṁ. 2. 45; अत्रान्तरे विष्णुशर्मा नाम महापण्डितः ··· अब्रवीत् Hitopa. 0. 27 (1); 1. 124 (1); 2. 79 (20); अत्रान्तरेऽश्रूयत लोकवार्ता S'aṅkaDigVi.(Mā.) 7. 73; 13. 22; अत्रान्तरे यदि न वारिद वारिपूरैराप्लावयेस्तदनु किं मृतमण्डनेन S'ārṅgaPa. 785; SiṁhāDvā. 55. 11 (9); PurāPraSaṁ. 10. 12; VetāPañ.(Jam.) 14. 17; अत्रान्तरे ···°प्रयाणभेरिध्वनिराविरासीत् YātrāPra. 4. 59; NīlaVi. 20. 12; VasaTi. 26. 9; **ii** in the middle अत्रान्तरे भाष्यकारस्य सूत्रं भ्रष्टम् 'वाक्यासमवायात्' इति TantrVā. 646. 3 (*on* ii. 4. 16)

अत्रान्तस् (atrāntas) *adv.* in the meantime प्रासोष्टापत्यमत्रान्तस्तद्वधूः RājTa.(Ka.) 8. 1251.

अत्रापि (atrāpi) here too, even here भवतु नामेदृक् सूत्रं वेदमधीत्य तु । जिज्ञासानन्तरं कार्येत्यत्रापि द्वयमीप्सितम् S'lokaVār. 1. 79 (26. 3); अत्रापि प्रवृत्तिनिवृत्त्योरुपदेशः NyāyKa. 5. 8; अत्रापि तावदनुसराव: PraboCan. 3. 9 (53. 4)

अत्रायनि (atrāyani) *m.* name of a Ṛṣi who founded a lineage (*gotra*) गोत्रकारान्निबोध मे ··· सोमोऽत्रायनिकासोरुकौशल्याः MatsyaP. 196. 9.

अत्रार्थे (atrārthe) in this respect, in this matter सज्जो भवास्मिन् (v. l. अत्रार्थेऽहमेव जागरूकस्तिष्ठामि (390. 25) PañcT. 4. 17 (29) (390. 2); अत्रार्थे सुयोधनराजाख्यानं शृणु SaṁyaKau. 7. 7; अहो गतानि रत्नानि मेऽत्रार्थे संशयो न हि CampaS'reKa. 399.

अत्रावसरे (atrāvasare) at this time अत्रावसरे ··· वैदेहिकेश्वरेण स विशांपतिरेवमूचे YaśasCam. ii. 260. 27; तदत्रावसरे पुण्यदर्शनं पुण्यतोऽभवत् PrabhāC. 8. 10; अत्रावसरे पौराः प्राहुः MahāN. 3. 15 (1)

अत्रास (a-trāsa) *adj.* [*f.* -ā] **i** fearless, bold गात्रेष्वत्रासदृढातिगाढकरकठोरधारिणि(?) AvantiKa. 108. 14; अहो स्त्रीणामत्रासमत्रपं मनः BṛKathāS'loSaṁ. 19. 12; राधेयः कौरवगणनेत्रा स प्रोक्तोऽर्धरथो रथौघगणनेऽत्रासः YudhiVi. 6. 105; (दमयन्ती) सञ्छन्ना मात्रा सानन्दं राज्ञो भृता च नामात्रासा Nalo. 3. 53; **ii** spotless, free from defects अत्रासमगुणभ्रंशं मौलिरत्नं महीभुजाम् EI. xiv. 236. 19; xiv. 217. 10 = iii. 151. 11 = iv. 12. 13; **iii** which is not a cause of fear, not causing fear जातुषं घोषवच्चित्रमत्रासं रमणं बृहत् AṣṭāSaṁ. ii. 175. 9 (6. 1); *m.* freedom from fear, security वयम् ···। अन्वभूम निराबाधमत्रासं कटकान्वयाः Yādavā. 6. 56; [Inst.] fearlessly कथमहमत्रासेन स्वयं प्रवेक्ष्यामि तूर्णमत्रासेनः YudhiVi. 6. 33.

अत्रासकारण (atrāsa-kāraṇa) *n.* cause of fearlessness त्रासकारणमुक्तमत्रासकारणं वक्तव्यमित्यत्रासकारणत्वे श्लोकः MaYānaSū. 6.13 (1.14)

अत्रासनक्रमकर (atrāsa-nakramakara) *m.* fearless crocodiles and alligators (सरित्पतिः) अत्रासनक्रमकरै रयमाविलोलमायाति RāghPāṇ.(Dha.) 8.22.

अत्रासपदस्थानत्व (atrāsapadasthāna-tva) *n.* the state of not being an occasion fit for fear अत्रासपदस्थानत्वे श्लोकः MaYānaSū. 7.11 (1.16)

अत्रासम् (a-trāsam) *adv.* fearlessly अत्रासं विहसन्नुच्चैरुवाच क्षणदाचरः RājTa.(Ka.) 3.342.

अत्रासमानस (atrāsa-mānasa) *adj.* whose mind is fearless धत्ते विषाणगणमेणकुलं कृतास्थमत्रासमानसमदभ्रमरालताभिः HarVi. 5.30 (comm. अत्रासमानसं निर्भयचित्तम्)

अत्रासरति (a-trāsarati) *adj.* having no attachment to fear, fearless स्वयं गुरुर्न्यंरुणदेनमत्रासरतिः (पार्थम्) YudhiVi. 7.99 (comm. अविद्यमाना त्रासे भये रतिर्यस्य सः निर्भयः)

अत्रासरसस्थिति (a-trāsarasasthiti) *adv.* in such a way that there is no place for the sentiment of fear जगतः सातिरेका त्वं गतिरस्य स्थिराधिका । तरस्यत्रासतारारेः सास्यत्रासरसस्थिति DeviS. 52 (comm. त्रासरसे अभिनिवेशे स्थितिः स्थानं न विद्यते यस्मिन्)

अत्रासवृत्ति (a-trāsavṛtti) *adj.* not of a fearing nature, who is fearless by nature अत्रासवृत्तिरवदातगुणानुवर्ती श्रीरामराजनरपालमणिस्समिन्धे EI. xiv. 222.111; ix. 338.170.

अत्रासित (a-trāsita) *adj.* not frightened अत्रासितानां क्रोधान्धैर्भवत्येषा विकत्थना VeṇīSaṁ. 3.440 (comm. अत्रासितानां गेहवासिनाम्)

अत्रासिन् (atrās-in) *adj.* who does not cause fear करालवदनोऽत्रासी करालाङ्गोऽभयङ्करः AhirbuS.(Pari.) 619.6.

अत्रासुक (á-trāsuka) *adj.* not timid or fearful अत्रासुका अस्मात्पशवो भवन्ति MaiS. iv. 2.3.

अत्रास्पदे (atrāspade) at this place खेलन्त्यः शतशः फणीन्द्रसुदृशः स्वच्छन्दमत्रास्पदे ··· प्रतिलेभिरे NīlaVi. 74.3.

अत्रि (átri) *m.* [Etym.? áttri? DEBRU. p. 637; 710; AltGr. III. 399/ Uṇā. 4.68 अदेस्त्रिन् (अदेस्त्रिनिच्च as cited in Kaiyaṭa *on* P. i. 1.63; Ujjval. अदेस्त्रिन्निदिति(? स्त्रिनं) पारायणीयम् ; गोवर्धनीयवृत्तौ तु अदेस्त्रिनिच ; Siddhā-Kau. अदेस्त्रिनिश्च; Daśapādyuṇādivṛtti has अदेस्त्रिनिच 1.37 and अदेस्त्रिन् 6.64); अत्रैव तृतीयमृच्छतेत्यूचुः । तस्मादत्रिः । न त्रय इति Nir. 3.17 (69.9); अहं तृतीय इत्यर्थस्तस्मादत्रिः स कीर्त्यते VāyuP. ii. 4.15; त्रिगुणायां प्रकृत्यां त्रिर्विष्णावश्च प्रवर्तते । तयोर्भक्तिः समा यस्य तेन बालोऽत्रिरुच्यते BrahmVaiP. i. 22.16; तद्ध स्म पृच्छन्त्यत्रैव त्याइदिति तुतोऽत्रिः संबभूव S'atBr. I. iv. 5.13 (Sāy. अत्रैव त्यदिति अत्रिरिति शब्दव्युत्पत्तिः); वागेवात्रिर्वाचा ह्यन्नमद्यतेऽत्तिर्ह वै नामैतद्यदत्रिरिति सर्वस्यात्ता भवति S'atBr. XIV. v. 2.6; हतस्ते अत्रिणा क्रिमिः Mantr-Br. ii. 7.1 (comm. अत्रिणा पापस्य भक्षकेण); अत्तृत्वादत्तिरिति अत्तिरेव सन् यदत्रिरित्युच्यते परोक्षेण BṛĀraUBh. 279.6 (*on* ii. 2.4); अत्ति ग्रसते सर्वविद्याः इत्यत्रिः GaṇRa. 1.25(54); अत्ति तपः स्वाध्यायमत्रिः Prasā. ii. 627.18; यदिदं सर्वं पाप्मनोऽत्रायत यदिदं किं च तस्मादत्रयस्तस्मादत्रय इत्याचक्षत एतमेव सन्तम् AitĀ. II. ii. 1.15] **A** name of a Vedic sage **B** name of S'iva **C** the sun as a deity **D** name of priests at various sacrifices **E** authors of various works **F** the sound *da* **G** [pl.] name of a country **H** member of a dynasty at Kānyakubja **I** a Nāga; **A** name of a Vedic sage (seer of ṚV. v. 37–43; v. 76–77; v. 83–86; x. 143) स एतमत्रिस्तृचमपश्यत् JaimiBr. 3.203; (favoured by Indra) उतात्रये शतदुरेषु गातुवित् ṚV. i. 51.3; (protected by Aśvins from darkness and heat) अत्रिं न महस्तमसोऽमुमुक्तम् ṚV. vi. 50.10; vii. 71.5; तप्तं घर्ममोम्यावन्तमत्रये ṚV. i. 112.7; ऋबीसे अत्रिमश्विनावनीतमुन्निन्यथुः ṚV. i. 116.8; i. 117.3; x. 39.9; (nourishing food provided by Aśvins) युवमत्रये···ओमानमश्विनावधत्तम् ṚV. i. 118.7; (protected by Agni) अग्निरत्रिं घर्म उरुष्यदन्तः ṚV. x. 80.3; x. 150.5; (favoured by MitrāVaruṇa) अवथो यावद्गस्ते मित्रावरुणा ··· अत्रिम् AV. iv. 29.3; iv. 29.4; (his rejuvenation) त्वं चिदत्रिमृतजुरमर्थमश्वं न यातवे ṚV. x. 143.1; (saving the Sun) अत्रिः सूर्यस्य दिवि चक्षुराधात् ṚV. v. 40.8; AV. xiii. 2.4; xiii. 2.12; xiii. 2.36; (his magic spell) ब्रह्माण्यत्रेरव तं सृजन्तु ṚV. v. 2.6; v. 40.6; (killing of Svarbhānu) स्वर्भानुर्वा आसुर आदित्यं तमसाविध्यत्तं देवाः ··· अत्रिमुपाधावन् PañcBr. vi. 6.8; xiv. 11.14; तेऽत्रिमब्रुवन् ··· तदत्रिरपाहन् JaimiBr. 1.80; GopBr. ii. 3.19; (killing of Dasyus) आदग्ने अपृणतोऽत्रिः सासह्याद् दस्यून् ṚV. v. 7.10; (creating the universe) अत्रिः । य इदं विश्वं भुवनं जजान AV. xiii. 3.15; असतः सद् ये ततक्षुः । ऋषयः सप्तात्रिश्च यत् TaiĀ. i. 11.2 (59.4); (association with sacrifice Caturātra) स (अत्रिः) एतं चतूरात्रं यज्ञमपश्यत् JaimiBr. 2.281; चत्वारश्चतूरात्राः । अत्रेः प्रथमश्चतुर्वीरः । ···अग्निष्टोम उक्थ्यौ अतिरात्रोऽत्रेरेव चतुष्टोमाः ĀpaS'S. xxii. 18.14; PañcBr. xxi. 9.2; (seer of the Sāmans) अत्रेश्चासङ्गः ĀrṣeBr. i 3.10; राक्षोघ्नमत्रेर्वा ĀrṣeBr. i. 9.8; (two कनीनिका सामन्s) अत्रेर्वा ĀrṣeBr. i. 10.8; अत्रेर्विवर्तौ द्वौ ĀrṣeBr. iv. 3.2; [Atri in later works] अथाकामयतात्रिः भूयिष्ठा म ऋषयः प्रजायामाजायेरन् इति JaimiBr. 2.219; दिव्यत्रिर्ह तपति GopBr. i. 2.8; अत्रिं श्रद्धादेवं यजमानं चत्वारि वीर्याणि नोपानमन् TaiS. VII. i. 8.2; BaudhS'S. ii. 274.3; S'āṅkhāS'S. xiv. 65.1; तम् (रामम्) चापि भगवानत्रिः पुत्रवत्प्रत्यपद्यत Rāmā. ii. 109.5; धर्मे ··· स्थिताः ··· । भृग्वत्र्यङ्गिरसः ··· ऋषयः MahāBhā. xii. 160.23; xiii. 15.20; xiv. 35.16; चिकित्सितं यच्च चकार नात्रिः BuddhaC. 1.43; तथैवात्रेर्महात्मनः (विस्तरश्लोकः) VāyuP. i. 1.125; i. 3.3; मन्वत्रिकश्यपाश्चैव ··· सेवन्ते ··· । प्रयागम् MatsyaP. 192.10; अत्रिभृग्वङ्गिराद्याश्च ऋषयः ··· । पितॄंस्तेऽपूजयन् सर्वे BrahmāṇḍP. ii. 10.111; ii. 23.4; अत्रेस्तपोवनम् Bhaṭṭi. 22.9; अत्रिर्मध्ये भवेद्राजन् (शिशुमारप्रजापतेः) VṛGautaSm. 630.8 (20); असितोऽत्रिणा स्तुतः HarVi. 43.338 (comm. अत्रिणा कृष्णः स्तुतः); 37.53; गौतमोऽगस्तिरत्रिश्च सर्वे रुद्रपराक्रमाः KūrmaP. 246.11 (1.22); 738.6 (2.38); रामः ··· अत्रिं प्रणम्य (दण्डकारण्यमागतः) AgniP. 7.1; 72.42; 275.18; भृगुणात्रिणा ··· महर्षिभिः ··· प्रत्यवेक्ष्यसे SkandP. i(3B). 3.5; गौतमोऽत्रिश्च ··· (मुनयः समागताः) BhāgP. i. 9.7; तदाश्रमपदे मुख्यो बभूवात्रिः पुरा नृप ViṣṇuDhaP. i. 151.57; अगस्त्योऽत्रिः ··· समाययौ BrahmVaiP. ii. 50.38; iv. 33.19; अत्र्यङ्गिरसौ···पूजयेत् NīlaP. 576.1155; काममत्रे नमस्ते । (स्तौमि हर्षान्महर्षीन्) BālBhā. 1.25; अत्रे ··· वसिष्ठ यम दत्त पदं रणाय BālRā. 4.4; वामदेवोऽत्रिः ··· एते ··· मुनयः ऊचुः ··· कल्किम् KalkiP. iii. 3.4; शूद्रमारोप्य वेद्यां तु पतितोऽत्रिर्बभूव ह BhaviP. 25A.29 (i. 7.9); (मुनयः सर्वे) अत्रिः ··· ते प्रणम्य महादेवम् LiṅgaP. i. 33.21; (दक्ष उवाच) वसिष्ठोऽत्रिः ··· जामातरो मम BrahmP. 34.18; धौम्योऽत्रिः ··· एते चान्ये च मुनयः ··· संस्थिताश्चाश्रमे DevīBhāP. iii. 16.18; अत्रिगौतमौ ··· इत्येवमादयो रामहयमेधवरं ययुः PadmP. iv. 9.32; अत्रिः ··· गौतमाद्या मुनीश्वराः । तुष्टुवुः ··· पार्वतीपतिम् GaṇeP. i. 89.32; कश्यपोऽत्रिश्च ··· मुनयः ··· ययुः (मखं प्रति) S'ivaP. ii(2). 27.3 (102B.12); समाजग्मुस्तदा द्रष्टुम् ··· सुराधिपम् । मुनयः ··· °अत्रिशौनकाः SaurP. 50.5; ब्रह्मसभायाम् ··· समायाता महर्षयः । ··· कपिलोऽत्रिश्च BṛDharmaP. i. 27.16; श्रुत्वा रामस्य वचनम् ··· प्रहस्यात्रिर्महायशाः । प्राह AdhyāRā. iii. 1.3; रामः सौमित्रिणा सह । ··· अत्रेर्जगामाश्रमम् RāmāMañ. 106.3; महामुनेरत्रेराश्रमपदमिदम् RāmāCam. 6.101(6); अत्रिः ··· वसिष्ठः ।···एतान् प्राग्वत् तर्पयित्वा ĪśānS'iPa. ii. 3.83; अत्रेर्जाता अत्रिजाः (पितरः) CaturCin. iii(1). 56.9; मरीच्यत्रिसुपर्वणम् । ··· एतानन्यान् महाभागान् ··· दृष्ट्वा परमप्रीतः राजा Hastyāyur. 3.17 (1.1); अत्रिणा यज्ञोपवीतरहितस्याक्षिप्ते ब्राह्मण्ये JīvanVi. 6.11; त्वमत्रेरानन्दजन्मा हि दृगम्बुबिन्दुः S'rīKaC. 11.70; अत्रेश्चरितमाचरन् (सिद्धः आसीत्) ParamāKā. 136.37; अत्रिं नत्वाथ गत्वा वनम् Nāray. ix. 34.6 (husband of Anasūyā∼Anusūyā) अत्रेर्भार्या सुतं दत्तं सोमं दुर्वाससम् MahāBhā. xiii. 89*(1); अत्रिर्वसिष्ठो वह्निश्च (ख्यात्याद्या जगृहुः कन्याः) ViṣṇuP. i. 7.27 = KūrmaP. 72.3 (1.8); (सन्नतिश्चानसूया च प्रत्यगृह्णन्त पुनरन्ये महर्षयः) अत्रिः BrahmāṇḍP. i. 9.54; पतिव्रतामत्रेरनसूयां तपस्विनीं प्रसादयत MārkP. 16.49; (भगवान्) अत्रेरपत्यत्वं वृतः प्राप्तोऽनसूयया BhāgP. i. 3.11; (विन्ध्येत्) युक्तमत्रिं चाप्यनसूयया SkandP. ii(9). 27.64; अत्रेरनसूयाप्यजीजनत् । सोमम् AgniP. 20.12; अनसूया ··· भार्यात्रेः DevīBhāP. vii. 3.60; PadmP. ii. 55.11; अत्रिस्तां चानुसूककाम् (उपयेमे) LiṅgaP. i. 5.25; अत्रिम् ··· अनसूया वचोऽब्रवीत् LakṣmīT. 1.6; BhaviP. 581A.4 (iii(4) 17.67); युक्तः प्रियया चानसूयया । तेजसामिव पात्रमत्रिर्वोग्राणां तपसां तेजसामिव NavaSāC. 11.36; RāmāCam. 2.85; अवेक्षितुं कौशिकयज्ञमत्रिः प्राप्तोऽनसूयासहितो महर्षिः JānaPa. 2.30; (father of Soma) अत्रेः पुत्रोऽभवत्सोमः MahāBhā. vii. 119.4; पिता सोमस्य वै राजन् जज्ञेऽत्रिः HariVaṁ. 20.1; ब्रह्मणः पुत्रोऽत्रिः । अत्रेः सोमः ViṣṇuP. iv. 6.5; VāyuP. i.28.1; BrahmāṇḍP. ii. 65.1; पिता सोमस्य ··· अत्रिः SkandP. iv. 14.16; VarāP. 35.1; BrahmP. 9.1; अत्रेः सोम इव द्विजोऽभूत् EI. ii. 162.8; (father of Durvāsas) नाम्ना हि दुर्वासा अत्रेः पुत्रो महामुनिः Rāmā. vii. 51.2; अत्रेस्तनयः ··· दुर्वासा विस्मरमकरोत् HarṣaC. 12.6; 18.4; तच्छ्रुत्वात्रिः पुत्रवाक्यं ध्यात्वा वचनमब्रवीत् BrahmP. 117.4; 144.2; रामोऽपि ददर्शात्रेः सुतं मुनिम् (दुर्वाससम्) AdhyāRā. vii. 8.47; (father of Uttānapāda) उत्तानपादं जग्राह पुत्रमत्रिः प्रजापतिः HariVaṁ. 2.7; (father of Satyanetra etc.) अनसूया विजज्ञे वै पञ्चात्रेयान् ··· । सत्यनेत्रश्च हव्यश्च आपोमूर्तिः शनैश्चरः । सोमश्च पञ्चमस्तेषाम् BrahmāṇḍP. i. 11.25; अत्रेर्भार्यानुसूया वै सुषुवे प्रजास्तु याः । ··· सूनुपञ्चकम् । सत्यनेत्रो मुनिर्भव्यो मूर्तिरापः शनैश्चरः । सोमश्च LiṅgaP. i. 5.46; (father of Sruti) अनसूया विजज्ञे वै पञ्चात्रेयानकल्मषान् । कन्यां चैव श्रुतिम् BrahmāṇḍP. i. 11.25; अत्रेर्भार्यानुसूया वै सुषुवे षट्प्रजास्तु याः । तास्वेका कन्यका नाम्ना

-श्रुतिः LingaP. i. 5. 46; (father of Dattātreya) अत्रेरपत्यमभिकाङ्क्षत आह तुष्टः ··· स (विष्णुः) दत्तः BhāgP. ii. 7. 4; दत्तो भूत्या(? त्वा)नसूय(? या)यामत्रेरान्वि-(? न्वी)क्षिकीं ततः। प्रह्लादायोपदेक्ष्यामि SkandP. ii(9). 18. 25; अत्रेः पुत्रतया पुरा त्वमनुसूयायां हि दत्ताभिधो जातः Nārāy. ix. 36. 1; (father of the moon, which is considered to be produced from the eye of the sage Atri) नयन-समुत्थं ज्योतिरत्रेः RaghuVa. 2. 75 = KāvyālaṅSū. iii. 2. 2; Vikramo. 2. 21; नयति नयनादत्रेर्जातो मुदं नयनानि च (सोमः) AnargharRā. 2. 85; अत्रेर्नेत्रमला-च्चन्द्रः ··· बभूव BrahmVaiP. i. 9. 2; KāvyMī. 87. 7; आहुर्नेत्रोत्थमत्रेः (चन्द्रम-सम्) YaśasCam. i. 609. 1; DevīBhāP. i. 11. 47; नेत्रादत्रेरिव निशाकरः Nava-SāC. 11. 91; ज्योत्स्नामिवात्रेः सुतः (चन्द्रः) EI. i. 258. 6; EI. i. 255. 3; VyaktiVi. 107. 17; RājTa.(Ka.) 7. 642; EI. i. 208. 2; नेत्रादत्रेरजनि रजनी-वल्लभः PrasaRā. 7. 71; स (चन्द्रः) किं नात्रेः पुत्रः SaduktiKa. 229. 8; Kāvy-KaVṛ. 32. 26 (2. 1); मुनेर्नेत्रादत्रेर्यदजनि घनज्योतिः SūktiMu. 36. 59; S'ārṅga-Pa. 222; SāhiDa. 465. 1; अत्रेर्नेत्रमलाच्चन्द्रः ··· बभूव BallāC. 2. 8; RasGaṅ. 350. 17; (name of the seer of the fourth *Vyāhṛtimantra mahas*) (सप्तेमा व्याहृतीः ··· असृजत्) ··· गौतमोऽत्रिस्तथैव च। ··· वसिष्ठश्चर्षयः (व्याहृतीनां) क्रमात् BṛParāSm. 2. 65; ĪśānS'iPa. i. 9. 97; (seer of the second syllable स of गायत्री) (श्रूयताम् ··· (गायत्र्याः) ··· ऋष्यादिकांस्तथा। ··· क्रमात्) वामदे-वोऽत्रिर्वसिष्ठः DevīBhāP. xii. 1. 13; (seer of the second syllable मः belong-ing to the *mantra* नमः शिवाय) (प्रजापतिः। पुत्रेभ्यः प्रददौ मन्त्रम् (नमः शिवाय)) गौतमोऽत्रिर्वरारोहे···। ··· वर्णानां क्रमशश्चर्षयः स्मृताः S'ivaP. vii. 13. 47 (559B. 4); (seer of the seventh syllable of the eight-syllabled *mantra* sacred to Viṣṇu) (अष्टवर्णो मनुः) ··· ऋष्यादिकमुच्यतेऽस्य। गौतमश्च ···। ··· अत्रिरिहाष्टमः। अगस्त्यश्च क्रमादेते वर्णानां समुदीरिताः ĪśānS'iPa. i. 33. 4; (seer of the second note of the seven musical notes) (सप्तस्वरान् समुद्धृत्य वीणादिषु निधाय च) दक्षोऽत्रिः ···। ··· षड्जादीनां ऋषीश्वराः SaṅgīMa. i. 1. 37; (seer of the second name Ananta of a *mantra* consisting of three names of Viṣṇu) नामत्रयमन्त्रस्य काश्यपात्रिभरद्वाजा ऋषयः (अच्युतानन्तगोविन्दनाम्ने धाम्ने नमः) NityoNi. 101. 21; (name of one of the seven ancient great sages) कश्यपोऽथात्रिः ··· उदीच्यां दिशि सप्तैते नित्यमेव निवासिनः Rāmā. vii. 1. 5; अत्रिः ···। ··· एते सप्तर्षयस्तथा BrahmāṇḍP. i. 36. 18; ViṣṇuP. iii. 1. 32; MārkP. 79. 9; VṛHārīSm. 6. 186; ViṣṇuDhaP. i. 176. 6; VāmaP. 36. 9; SkandP. ii(1). 36. 38; BrahmP. 5. 34; BhaviP. 186B. 7 (i. 125. 27); PadmP. v. 7. 87; अत्रिः ··· सप्तर्षयोऽमलाः AdhyāRā. vii. 1. 7; सप्तर्षयो मरीच्यत्रिमुखाः ParaNā. 331; (name of one of the seven stars in the Great Bear) गौतमोऽत्रिर्वसिष्ठश्च ···। एते सप्त महात्मानः उदीच्यां स्थावराः स्थिताः AVPari. 52. 10. 2; (प्रागुत्तरतश्चैते सदोदयन्ते (सप्तर्षयः)) ··· अत्रिस्तस्यासन्नः पुल-स्त्यश्च BṛSaṁ. 13. 5; सप्तर्षयो मरीच्यत्रिमुखाश्चित्रशिखण्डिनः AmaK. 198; (सप्तर्षिमण्डलं नित्यम्) अङ्गिराश्चात्रिरेव च ViṣṇuDhaP. i. 106. 22; Siddhā-TaVi. 350. 9; (name of the founder of a Gotra) (भृगूणां विस्तरश्चोक्तः) ··· तथैवात्रेर्महात्मनः BrahmāṇḍP. i. 1. 117; समानकल्पाः। राजन्यात्रि° ··· ··· शुनकानाम् S'ābaBh. 1480. 3 (*on* vi. 6. 1); विकर्णशुङ्गच्छगलाद्वत्सभरद्वाजा-त्रिषु। छागलो भवति आत्रेयश्चेत् JaineVyā. iii. 1. 16 = KāśiVṛ. *on* P. iv. 1. 117; (ते तु गोत्रकरा ज्ञेयाः) ··· अत्रिर्भृगुश्चाङ्गिरास्तथा BhaviP. 589A. 33 (iii (4). 21. 14); अत्रिर्भरद्वाजः सगौतमः। एतेषां पञ्च गोत्राणां प्रतिशुक्रो न विद्यते NāraS. 33 (0). 17; सौपायनात्रिकुहलाः (ऋषयो गोत्रकाराः) BallāC. 83. 7; अत्रिः (गोत्रहेतवो मुनयः) S'abdaRa.(Vā.) 404; जमदग्निः ··· अत्रिगौतमाः। ··· गोत्र-काराः KalpaK. 68. 1; तदेतद्गोत्रनवकमत्रिश्चाप्यर्चनानसः BālamBha. i. 178. 11 (*on* 1. 53); (name of a Pravararṣi of Atri, Māṇḍavya and Jātūkarṇya *gotras*) श्यावाश्वश्च तथात्रिश्चार्चनानस एव MatsyaP. 197. 5; आत्रेयोऽर्चनान-सश्श्यावाश्वोऽङ्गिरसोऽत्रिश्च SkandP. iii(2). 9. 96; अत्रि अर्चनानससोवास (श्या-वाश्वेति) त्रिप्रवराय EI. xx. 127. 16; (विप्राः ··· माण्डव्यगोत्रे विज्ञेयाः प्रवरैः पञ्चभिर्युताः) भार्गवश्च्यावनोऽत्रिश्चाप्नुवानौर्वस्तथैव च SkandP. iii (2). 9. 38; iii(2). 21 (138B. 8); जातूकर्ण्यास्त्रिप्रवराः वासिष्ठात्रिजातूकर्ण्येति VīraMi.(Saṁ-skāra.) 640. 21; NirṇaSi. 216. 29; (name of one of the ten *pāriṣadas* in the north) जमदग्निस्तथैवात्रिः ···। एते उत्तरतः स्थिताः ĪśānS'iPa. ii. 57. 89; (name of one of the sons of Brahmā) ब्रह्मणो मानसाः पुत्रा विदिताः षण्महर्षयः मरीचिरत्र्यङ्गिरसौ MahāBhā. i. 59. 10; HariVaṁ. 7. 7; BrahmāṇḍP. i. 5. 70; ततोऽत्रिर्भगवानृषिः। दशैतान्मानसान् पुत्रान् MatsyaP. 3. 6; (असृजत्) मरीचिं दक्षमात्रिं च ViṣṇuP. i. 7. 5; विप्रान् ससृजे ··· पुलस्त्योऽत्रिः VāyuP. i. 9. 63; VṛHārīSm. 8. 3; ब्रह्मणा सृष्टाः ··· तपोधनाः।··· मरीचिरत्रिश्च VarāP. 2. 44; दशपुत्राः प्रजज्ञिरे। मरीचिरत्र्यङ्गिरसौ BhāgP. iii. 12. 22; अत्रिर्नाम ··· ब्रह्मणः सुतः SkandP. v(3). 107. 5; ब्रह्मपुत्रोऽत्रिः AgniP. 273. 1; नेत्राभ्यामत्रिनामानम् ···। ··· ब्रह्मासृजत् KūrmaP. 62. 12 (1. 7); अत्रिः कर्दमश्च (पुत्राः ब्रह्मणः) Brahm-VaiP. i. 24. 4; VāmaP. 2. 48; ब्रह्मणोऽत्रिः सुतः ViṣṇuDhaP. i. 25. 1; मरीचि-रत्रिः ···। ··· ब्रह्मणः सुताः BrahmP. 5. 8; मरीचिर्नारदोऽत्रिश्च ···। ··· ब्रह्मणः प्रथिताः सुताः DevīBhāP. iii. 13. 12; PadmP. v. 3. 160; ब्रह्मा ससर्ज···तनयान् दश। वशिष्ठमत्र्यङ्गिरसौ BṛDharmaP. i. 32. 13; अत्रिम् ··· असृजद्विभुः SaurP. 26. 2; ब्रह्मपुत्रो महातेजा अत्रिः BhaviP. 686A. 31 (iv. 58. 1); श्रोत्रादत्रिं तथा-सृजत् (ब्रह्मणः पुत्रा एकादश) LiṅgaP. i. 70. 187; दक्षमत्रिम् ···। इत्येते ब्रह्मणः पुत्रा द्वादश S'ivaP. vii. 12. 49 (515A. 8); ब्रह्मणोंऽशेन समभून्मरीचिरत्रिः SātvaT. 1. 43; मरीचिरत्रिः ··· (ब्रह्मणः) अङ्गादजायत Nārāy. iii. 10. 7; स्वयंभूस्तस्मादत्रिः सुतोऽभूत् EI. ix. 29. 5; (ब्रह्मणः) अतृ(त्रि)नामाभवत्सूनुः EI. ii. 217. 10; vi. 351 2; iv. 312. 2; xii. 210. 1; v. 74. 2; xv. 350. 1; vi. 336. 1; xii. 39. 1; ii. 3. 1; xxi. 93. 2; xviii. 731. 7; v. 110. 2; xix. 167. 8; (name of a Prajāpati) प्रजापतयोऽभवन्। ··· मरीचिरत्रिश्च Rāmā. iii. 13. 8; उत्तानपादं जग्राह पुत्रमत्रिः प्रजापतिः HariVaṁ. 2. 7; अत्रेर्वंशं प्रवक्ष्यामि तृतीयस्य प्रजापतेः BrahmāṇḍP. ii. 8. 73; अत्रिरुग्रतपाश्चैव ··· योगात्मानः VāyuP. i. 23. 153; अत्रिश्च ···।··· दशमश्चैव वसिष्ठः प्रजापतिः NaraP. 4. 2; (प्रजेशान् सोऽसृज-त्ततः) मरीचिमत्रिम् SkandP. ii(9). 24. 37; उपासते यं तत्रैव प्रजानां पतयो विभुम्। ··· अत्रिः VāmaP. 24. 27; भृगुरत्रिः ··· एते प्रजाध्यक्षाः (त्वामभि-षिञ्चन्तु) ViṣṇuDhaP. ii. 22. 7; विश्वे प्रजानां पतयः।··· अत्रिम् PadmP. v. 37. 73; पतीन् प्रजानामसृजत् ··· दश।··· अत्रिम् BhaviP. 6B. 36 (i. 2. 61); पतीन्प्रजानामसृजम् ···। मरीचिमत्र्यङ्गिरसौ ManuSm. 1. 35; अत्रिर्वसिष्ठश्च प्रजानां पतयः स्थिताः ĪśānS'iPa. ii. 57. 80; उत्तानपादं जग्राह पुत्रमत्रिः प्रजापतिः BallāC. 46. 11; (name of one of the twenty-eight Yogācāryas or Yogeśvaras) अत्रिः सबालकः।··· योगेश्वराः क्रमात् SkandP. i(2). 40. 213; अत्रिः ···। प्रोक्ता हि परमात्मनः। योगाचार्यावतारा ये LiṅgaP. i. 7. 32; i. 24. 56; अत्रिरेव च। अष्टविंशतिसंख्याता योगाचार्याः S'ivaP. vii. 9. 3 (553B. 16); (name of the nineteenth Vyāsa belonging to Dvāparayuga) द्वापरे ··· व्यासः। अत्रिरेकोन-विंशः DevīBhāP. i. 3. 31; [pl.] [भृग्वत्र्यङ्गिरस्कुत्सवसिष्ठगोतमेभ्यश्च। अत्रयः KātanVṛ. *on* ii. 4. 7; CāndraVṛ. *on* ii. 4. 11; KāśiVṛ. *on* P. ii. 4. 65; JaineVyā. i. 4. 136; S'ākaṭāVyā. ii. 4. 112; SiddhaHe. vi. 1. 128; Gaṇ-Ra. 1. 25 (53); अत्रेरपत्यानि इतश्चानिञः इति ठकः 'अत्रिभृगु' इति लुकिकृते अत्रय इति PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 1. 63; MugdhaBo. 7. 14 (67. 11);] descendants of Atri (devotees of Indra) तस्मा॑ उ ब्रह्म॑वाहसे गिरो॑ वर्ध॑न्त्यत्र॑यः ṚV. v. 39. 5; अत्री॑णां स्तोम॑मद्रिवो म॒हस्कृ॑धि ṚV. viii. 36. 6; viii. 38. 8; (devoted to Mitrā-Varuṇas) अत्रि॑भ्यु एषं ते म॒तिः ṚV. v. 67. 5; (associated with the sun-deity) अत्र॑यस्तमन्व॑विन्दन् ṚV. v. 40. 9; (तस्य) आदित्यस्य अत्र-यस्तमोऽपजिघांसन्ते KauṣīBr. 24. 3 (109. 1); 24. 3 (109. 6); (associated with Agni तं त्वां ··· वर्धयन्त्यत्र॑यः ṚV. v. 22. 4; (belonging to *pitṛs*) ये अत्र॑यो अङ्गि॑रसो नव॑ग्वाः AV. xviii. 3. 20; (association with *nakṣatras*) सर्वेऽत्रयो अगस्त्यश्च। नक्षत्रैः शंकृतोऽवसन् TaiĀ. i. 11. 2 (85); (association with *narā-śaṁsa prayāja*) नराशंसो अग्न आज्यस्य वेत्विति द्वितीयो वसिष्ठशुनकानामत्रिवध्र्य-श्वानाम् S'āṅkhāS'S. i. 7. 3; अत्रीणां चैके (द्वितीयः प्रयाजः) KātyS'S. xix. 6. 9; TantrVā. 186. 4 (*on* i. 3. 12); (as *pravararṣi*) अत्रीणामात्रेयार्चना-नसश्यावाश्वेति ĀśvaS'S. II. vi. 14. 1; अत्रयो भूरयः BaudhS'S. iii. 439. 8; अत्रीणां त्र्यार्षेयः ĀpaS'S. xxiv. 8. 11; (in Purāṇa and later works) अत्रिरर्ध-स्वनश्चैव ···।··· पूर्वातिथिश्च यः। इत्येते त्वत्रयः प्रोक्ताः MatsyaP. 145. 107; BrahmāṇḍP. i. 16. 50; काश्यपेषु वसिष्ठेषु भृग्वत्र्यङ्गिरसेषु च।··· प्रतिशुक्रं न विद्यते VasiS. 37. 97; अत्रयः।··· राज्ञोऽर्घ्या अभवन् भृशम् DvyāśraKā. 15. 30; VīraMi.(Saṁskāra.) 315. 24; 646. 14; 647. 6; त्रयोऽप्यत्रयः इत्यादौ नियतेषु विशेष्यसंसर्गेषु विरोधस्य कुत्राप्यसमावेशात् RasGaṅ. 573. 8; NirṇaSi. 214. 18; BālamBha. i. 180. 31 (*on* 1. 53); **BI** name of S'iva अत्रिर्ज्ञानमूर्तिर्महायशाः। (एवं नाम्नां सहस्रेण तुष्टाव गिरिजापतिम्) SaurP. 41. 86; S'ivaP. iv. 35. 76 (392B. 8); **BII** name of an incarnation of S'iva महादेवावताराणि कलौ शृणुत ···। अत्रिरुग्रः KūrmaP. 442. 10 (1. 53); कलाविह। नाम्ना ह्यत्रिः परिप्लुतः S'ivaP. iii. 5. 6 (298B. 10); (कथयिष्यमि विभूतीः शिवयोः) त्रिनेत्रोऽत्रिः LiṅgaP. ii. 11. 17; तस्य (शिवस्य) अवताराः ···। अत्रिश्च ṢaḍdarSa. 92; **BIII** one of the Rudra's aspects presiding over the syllables (न्यसेत् लिपिपदेषु) अत्रिः ··· संवर्तकस्तथा BrahmāṇḍP. iii. 44. 33; (लिख्यन्ते चैव लिपीश्वराः) अत्रिः AgniP. 292. 45; **CI** (identified with) the sun as a deity अत्रेस्तु सुमहाभागं पुत्रं पुत्र-वतां वरम्। विदुरं विद्धि MahāBhā. i. 61. 79; (Nīla. अत्रेरिति। यश्चोदितो भास्करेऽ-भूत् प्रनष्टे सोऽप्यत्रात्रिर्भगवानाजगाम। इत्यत्रेर्भास्करकार्यकारित्वस्मरणात् अत्रिशब्देन सूर्यो गृह्यते) **CII** name of a deity abiding in the sun in the month of *Jyeṣṭha* शुचिसंज्ञे निबोध मे। मित्रोऽत्रिः ···। एते वसन्ति वै ViṣṇuP. ii. 10. 7; वसन् ग्रीष्मे तु द्वौ मासौ ···। ऋषी अत्रिर्वसिष्ठश्च MatsyaP. 126. 7; BrahmāṇḍP. i. 23. 5; BhāgP. xii. 11. 35; BhaviP. 96A. 29; LiṅgaP. i. 55. 26; **DI** name

of one of the priests at Soma's Rājasūya sacrifice यत्रायजत् राजसूयेन सोमः …। अत्रिर्धीमान् विप्रमुख्यो बभूव MahāBhā. ix. 42. 39; सोमः …। समाजह्रे राजसूयम् …। होतास्य भगवानत्रिः HariVaṁ. 20. 23; MatsyaP. 23. 20; अत्रिर्भृगुश्च ऋत्विजोऽभवन् BrahmP. 9. 15; PadmP. v. 12. 20; **Dii** name of one of the priests at Vainya's sacrifice गत्वा च यज्ञायतनमत्रिस्तुष्टाव तं (वैन्यम्) नृपम् MahāBhā. iii. 183. 10; xii. 131*(1); **Diii** name of a priest at Cyavana's sacrifice (च्यवनः) … शुश्राव … त्यागम्। अन्यैश्च बहुभिः सार्धमत्र्यङ्गिरसभार्गवैः। प्रवर्तिते महायज्ञे BhaviP. 47B. 15 (i. 19. 61); **Div** name of the priest Subrahmaṇya at Brahmā's Sacrifice (यज्ञाः सृष्टाः स्वयंभुवा-) … सुब्रह्मण्योऽत्रिरुच्यते PadmP. v. 29. 15; **Dv** name of the priest at the marriage of S'iva तथात्रिश्च वशिष्ठश्च …। चक्रुस्ते विधिवत्क्रियाम् SkandP. i(1). 23. 54; **Dvi** name of one of the priests at the sacrifice of the Asuras ख्याताश्चोशनसः पुत्राः चत्वारोऽसुरयाजकाः। त्वष्टावरस्तथात्रिश्च MahāBhā. i. 59. 36; **Dvii** name of a number of sages अत्रिम् …। एतानन्यांश्च पश्यामि काले गत्वा तु वैष्णवान् ParaS. 31. 28; अत्रेर्मृगीसमागमः DaśKuC. 44. 8; कपिलोऽत्रिविदस्तथा। अन्ये च बहवोऽज्ञानाज्जाता वल्कलतापसाः। स्त्रियं दृष्ट्वा कुचित्ताः PadmP. (Ra.) 4. 126; सिद्धिमीयुः पुरैतस्याः (काल्याः) प्रसादात्पार्थिवर्षयः। संवर्तश्च वसिष्ठोऽत्रिः S'aktiSaṁT. i. 19. 8; अत्रेर्यमकम् … सुधीधुर्यमाहुर्यमार्याः YātrāPra. 1. 14; **Ei** name of the author of a *smṛti* चतुर्णामपि वर्णानामत्रिः शास्त्रमकल्पयत् AtriS. 5; शूद्रावेदी पतत्यत्रेः ManuSm. 3. 16 (Kullūka अत्रेर्मतं ब्राह्मणविषयम्); श्रुता मे … धर्माः … अत्रेः ParāSm. 1. 13; गाथाश्चात्र महाभाग स्वयमत्रिरगायत MārkP. 29. 43; श्रुतास्ते … धर्माः … अत्रेर्विष्णोश्च BṛParāSaṁ. 1. 15; मन्वत्रि° …।…धर्मशास्त्रप्रयोजकाः YājñaSm. 1. 4 = SkandP. i(2). 40. 209; अत्रिरुतथ्यस्य तनयः पुत्रस्तयोरेतन्मतम् ManuBh. i. 215. 14 (*on* 3. 16); हारितोऽत्रिः …। धर्ममेते यथाब्रुवन् AgniP. 162. 1; मन्वत्रि° …।… पृच्छ(? च्छय)न्ते धर्मकाङ्क्षिणः PadmP. i. 19. 10; वसिष्ठोऽत्रिः …।… एते शास्त्रप्रणेतारः BrahmP. 145. 2; LiṅgaP. i. 39. 64; (देवलकाः) अमीषामेवोपब्राह्मण्यं वर्णयत्यत्रिः ĀgaPrā. 9. 19; मनुः … अत्रिः … (इति षट्त्रिंशदेव स्मृत्यन्तरेषु पठिताः) Aparā. 7. 17 (*on* 1. 5); अत्रिरपि … पादोपग्रहणं गुरोः (कार्यम्) SmṛtiCan. i. 97. 3; i. 209. 1; v. 161. 4; ManvaVi. 285. 12 (*on* 3. 16); अत्रिश्च … स्नानजप° …°दानानां नित्यत्वमाह PañcRāRa. 105. 16; यथाह अत्रिः – ब्रह्मसूत्रम् …। परित्यजन्ति ये मोहात् S'atDū. 225. 16; VīraMi. (Āhnika.) 114. 12; 179. 20; 385. 6; 496. 16; VīraMi. (Saṁskāra.) 151. 23; 174. 1; 192. 18; 768. 11; 769. 21; 771. 20; BālamBha. i. 95. 12 (*on* 1. 24); S'abdaRa. (Vā.) 1840; **Eii** name of a physician अत्रिः कृतयुगे वैद्यः HārīS. (Pari.) 8; इन्द्र ऋषिभ्यश्चतुर्भ्यः कश्यपवशिष्ठात्रिभृगुभ्यः। ते पुत्रेभ्यः प्रददुः (आयुर्वेदम्) KāśyaS. 61B. 18; **Eiii** name of the author of a work on architecture भृगुरत्रिर्वसिष्ठश्च। अष्टादशैते विख्याता वास्तुशास्त्रोपदेशकाः MatsyaP. 252. 2; **Eiv** name of the author of a Tāntric text मरीचिरत्र्यङ्गिरसौ …।…एते चित्रशिखण्डिनः।… समाराध्य जगत्पतिम्।… तन्त्राणि सात्त्वतादीनि चक्रिरे PāraS. 1. 60; **Ev** name of the author of an astrological text (इत्थं होराशास्त्रं रचितम्)…। अत्रिश्च भरद्वाजः …।… विस्तरं रचितम् Sārā. 54. 11; अत्रिः … अष्टादशैते गम्भीरा ज्योतिःशास्त्रप्रवर्तकाः NāraS. 1. 2; यानत्रेरुत्पातान् गर्गः प्रोवाच BṛSaṁ. 46. 1; **F** the sound *da* अत्रिर्मीनश्च मेषश्च …। रुद्रमूर्तय उद्दिष्टाः मदीया वर्णपालिकाः AhirbuS. 17. 35; मायात्रिः कर्णबिन्द्वाढ्यः S'āraTi. 11. 1 (comm. अत्रिर्दकारः); 14. 28; AgniP. 301. 2; ĪśānS'iPa. i. 2. 5; i. 14. 283; i. 23. 48; i. 27. 93; अत्रिर्दकारः TantrSā. (K.) 99. 8; **G** [pl.] name of a country or region अत्रयोऽथ भरद्वाजाः (एते देशा उदीच्याः) MatsyaP. 114. 43; BrahmāṇḍP. i. 16. 50; [sg.] अथ दक्षिणेन … वैडूर्यशंखमुक्तात्रिवारिचरधर्मपट्टनद्वीपाः BṛSaṁ. 14. 14; **H** name of a man in the dynasty at Kānyakubja अत्रेरितोऽजनि सुतः सुकृती EI. i. 215. 6; **I** name of a Nāga (नागाः कश्मीरायां कृतालयाः) अत्रिः NīlaP. 908; [Kośas give the meaning *ṭva* द्वोऽत्री रामपिता मनुः EkārthaNā. 2. 29; kind of wooden shovel or scraper अत्रिः स्त्री काष्ठकुद्दाले SabdaRaSaK. 250. 8; enemy अत्रिः शत्रौ पुमान् S'abdaRaSaK. 250. 9]; [*adj.* áttri? devourer अत्रिमनु स्वराज्यमग्निमुक्थानि वावृधुः ṚV. ii. 8. 5; Geld. *em.* atrimanuṣvát ?]

अत्रिका (atrikā) *f.* name of the cross-wise part of the sword-hilt below the part called *haṇḍikā* which consists of two parts असेस्तु यत्। तिर्यग्भागद्वयं मुष्टावधोग्रान्तं नपुंसकम्। भवेद्गुञ्जनकं तस्मादधस्ताद्धण्डिका स्त्रियाम्। अत्रिका तदधस्तिर्यग्भागद्वितयम् KalpaK. 123. 307.

अत्रिकामिनी (atri-kāminī) *f.* wife of the sage Atri अनसूयात्रिकामिनी BrahmVaiP. ii. 1. 133.

अत्रिकाश्रम (atrikāśrama) *n.* (?) name of a *tīrtha* [PW]

अत्रिकिणिन् (a-trikiṇin) *adj.* not having the three scars (i. e. scar on the shoulder caused by the constant contact of the bow, scar on the arms caused by wrestling and scar on the neck caused by fight with the elephants) विज्ञायते ब्राह्मणा ऋत्विजो योनिगोत्रश्रुतवृत्तसंपन्ना अविगुणाङ्गा अत्रिकिणिनः BaudhS'S. i. 36. 7.

अत्रिकुल (atri-kula) *n.* family of the sage Atri असौ भगवदंशमत्रिकुलप्रसूतं दत्तात्रेयाख्यमाराध्य ViṣṇuP. iv. 11. 12; (पुरोहितोऽभूत्) शौरेरत्रिकुलोद्भूतः सुहोत्रो नाम वै द्विजः MārkP. 118. 24; तं वन्देऽत्रिकुलप्रसूतममलं वेधोऽभिधं मद्गुरुम् BṛĀraUBhVā. vi. 5. 23; अत्रिकुलपवित्रीकरणकुशलचरित्रसंपदम् … माकन्दलोकनायकमवलोकयन् मनस्येवमकरोत् YātrāPra. 6. 75 (19)

अत्रिकोण (a-trikoṇa) *adj.* not triangular चतुरस्रं सुसंपूर्णं प्रसन्नम् … अत्रिकोणमवक्रं च अधिकारमुखं भवेत् ViṣṇuDhaP. iii. 38. 4.

अत्रिगण (atri-gaṇa) *m.* group of sages including Atri अत्रिगणपठितश्च धनंजयोऽन्यः BālamBha. i. 186. 6 (*on* 1. 53); i. 186. 11 (*on* 1. 53)

अत्रिगर्ता (a-trigartā) *adj.* (*f.*) devoid of the king of Trigarta country अद्यास्त्वनर्जुना भूमिरत्रिगर्ताथ वा पुनः MahāBhā. vii. 16. 16.

अत्रिगुणत्व (atriguṇa-tva) *n.* the state of not being constituted by the three *guṇas* (viz. *sattva*, *rajas* and *tamas*) तस्मादनवस्थाभियास्यासङ्गात्वमिच्छतात्रिगुणत्वम् … अभ्युपेयम् SāṁkhyaTaKau. 310. 2 (*on* 17); 323. 5 (*on* 19); पुरुषस्य बहुत्ववदत्रिगुणत्वं विवेकित्वम् … बोद्धव्यम् SāṁkhyaTaPra. 172. 3.

अत्रिगुणोपेत (a-triguṇopeta) *adj.* not possessing the three qualities (viz. *sattva*, *rajas* and *tamas*) अत्रिमत्रिगुणोपेतम् … अनसूया वचोऽब्रवीत् LakṣmīT. 1. 6.

अत्रिगुप्ताभिधान (atriguptābhidhāna) *adj.* (person) named Atrigupta अन्तर्वेद्यामत्रिगुप्ताभिधानः प्राप्योत्पत्तिं प्राविशत्प्राग्र्यजन्मा। श्रीकाश्मीरान् ParāTri. (comm.) 280. 13.

अत्रिगृहिणी (atri-gṛhiṇī) *f.* wife of the sage Atri अत्रिगृहिणी प्रिया … अब्रवीदत्रिम् S'ivaP. iv. 3. 12 (352A. 5)

अत्रिगोत्र (atri-gotra) *n.* lineage of Atri ध्वंसं व्रजन्त्यत्र विदेहपौण्ड्रमद्रात्रिगोत्रप्रभवाः सगौडाः VasiS. 9. 41; अत्रिगोत्रसमुत्पन्न … अर्घं गृहाण भगवन्सुधाकुम्भ SkandP. iii(1). 52. 125; अत्रिगोत्रसमुद्भव। गृहाणार्घ्यम् … शशिन् GaṇeP. i. 69. 60; आत्रेयीं स्त्रियमत्रिगोत्रजाताम् (हत्वा व्रतं चरेत्) ManuBh. ii. 396. 16 (*on* 11. 86); आत्रेयी चात्रिगोत्रोत्पन्ना BhāṭṭDī. ii. 222. 24 (*on* vi. 1. 3); आत्रेयी रजस्वला गर्भिणी अत्रिगोत्रोत्पन्ना चेति BālamBha. iii. 129. 16 (*on* 3. 234–242); *adj.* [*f.* –ā] born in the lineage of Atri अत्रिगोत्रायाश्च … घातनं ब्रह्महत्यासमानि ViṣṇuSm. 36. 1; 50. 9; अनेन चात्रिगोत्रैवात्रेयीत्युक्तं भवति Aparā. 1063. 26 (*on* 3. 251); च्यवनश्चात्रिगोत्रश्च … एते चान्ये च मुनयः … सर्वे संस्थिताश्चाश्रमे स्थिताः DevīBhāP. iii. 16. 18; अन्ये तु … आत्रेयीं चात्रिगोत्रां वर्णयन्ति BālaKrī. ii. 111. 23 (*on* 3. 245 (? 251)); आत्रेयीमत्रिगोत्रां रजस्वलां च ManvaVi. 1389. 8 (*on* 11. 87); आत्रेयी … ऋतुमती अत्रिगोत्रा च DīpKa. 97. 23 (*on* 3. 251)

अत्रिगोत्रज (atrigotra-ja) *adj.* [*f.* –ā] born in the lineage of the sage Atri एषः … दत्त इत्यभवदत्रिगोत्रजः S'iśuVa. 14. 79; आत्रेयीशब्देनर्तुमत्युच्यते …अत्रिगोत्रजा च Mitā. 429. 22 (*on* 3. 251); अत्रिगोत्रजो यदा भारद्वाजगोत्रजेन पुत्रत्वेन स्वीक्रियते तदा प्रत्ययः PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. iv. 1. 110.

अत्रिगौणिन् (atrigauṇin) *m.* name of one of the founders or originators of Atrigotra अत्रिवंशसमुत्पन्नान् गोत्रकारान्निबोध…बौलेयश्चात्रिगौणी मतिस्तथा ViṣṇuDhaP. i. 113. 3.

अत्रिचक्षुर्मल (atri-cakṣur-mala) *m.* excretion of Atri's eye अक्षीणलक्ष्मीकमिदं सदा ते सौम्यं मुखं तीर्थप पश्यतां नः। चित्तेषु नूनं प्रतिभासतेऽयं चन्द्रोऽत्रिचक्षुर्मल एव देव NemiC. 6. 41.

अत्रिचतुरह (atricaturaha) *m.* 'the four days of Atri', name of a sacrifice [PW]; cf. **अत्रिचतुर्वीर** KātyS'S. xxiii. 2. 14.

अत्रिचतुर्वीर (atricaturvīra) *m.* name of a four-day Soma sacrifice चत्वारोऽहीनाश्चतुरहाश्चतुःसुत्या भवन्ति। अत्रिचतुर्वीरजामदग्नवसिष्ठसंसर्पविश्वामित्राः KātyS'S. xxiii. 2. 14.

[1]**अत्रिज** (atri-ja) *adj.* [*f.* –ā] born of Atri (son or daughter of Atri) आत्रेय्युवाच अत्रिजाहं हव्यवाह BrahmP. 144. 9; अत्रिजा अत्रिपुत्राः ManvaVi. 398. 26 (*on* 3. 196); (Punarvasu, a teacher of Āyurveda) तत्सर्वमत्रिजः … व्याजहार पुनर्वसुः CaraS. i. 21. 62 (1922 Ed.); पुनर्वसुं भूतहिते निविष्टं प्रपच्छ शिष्योऽत्रिजमग्निवेशः CaraS. vi. 20. 1 (1922 Ed.); i. 3. 28 (1922 Ed.); i. 7. 66 (1922 Ed.); vi. 3. 342 (1922 Ed.); (the moon) व्याधः … अपश्यदन्तिके … नक्षत्राणां यथात्रिजम् … विटपिनम् BrahmP. 80. 18; NaiṣC. 22. 133; [pl.] particular class of manes called Barhiṣadaḥ) दैत्यदानवयक्षाणां बर्हिषदो नाम पितरः, अत्रेर्जाता अत्रिजाः CaturCin. iii(1). 56. 9; iii(1).

57. 3; (Lakṣmī) वृषादितियं प्राप्य चात्रिजामचलां तथा । ततो याति परं लोकम् BhaviP. 143B. 8 (i. 92. 16)

²**अत्रिज** (a-trija) *adj.* (the moon) which is not born thrice (but only twice, once from the ocean and a second time from Atri's eye) सागरान्मुनिविलोचनोदराद्द्वयादजनि तेन किं द्विजः । एवमेव च भवत्त्रयं द्विजः पर्यवस्यति विधुः किमत्रिजः NaiṣC. 22. 133.

¹**अत्रिजात** (atri-jāta) *adj.* (the moon) born of the sage Atri अत्रिजातस्य या मूर्तिः शशिनः सज्जनस्य च । क्व सा वै रात्रिजातस्य तमसो दुर्जनस्य च NalaCam. 1. 9.

²**अत्रिजात** (a-trijāta) *adj.* person belonging to one of the first three castes (*lit.* not born thrice i. e. twice-born) अत्रिजातस्य या मूर्तिः शशिनः सज्जनस्य च । क्व सा वैरात्रिजातस्य तमसो दुर्जनस्य च NalaCam. 1. 9.

अत्रिज्ञानमूर्ति (atrijñāna-mūrti) *m.* one of the 1008 names of S'iva (*lit.* whose form is bereft of the three constituents *sattva*, *rajas* and *tamas*) अत्रिज्ञानमूर्तिः ··· एवं नाम्नां सहस्रेण तुष्टाव वृषभध्वजम् LiṅgaP. i. 98. 102.

अत्रितनय (atri-tanaya) *m.* son of the sage Atri (the moon) पुरात्रितनयः श्रीमान्सोमः संप्राप्य यौवनम् SkandP. ii(3). 7. 13; (Dattātreya) तथात्रितनयो भूत्वा दत्तात्रेयः ··· योगमष्टाङ्गमाचख्यौ BrahmP. 180. 31–32; योगेश्वरोऽत्रितनयः ··· दत्ताख्य आस SātvaT. 2. 11; 6. 45.

अत्रितनूभव (atri-tanūbhava) *m.* son of Atri [PW] (*lit.* born of the body of the sage Atri)

अत्रितस् (atri-tas) *adv.* from the sage Atri ब्रह्मपुत्रोऽत्रिरत्रितः । सोमः AgniP. 274. 1; नारायणस्य प्रभोर्नाभीपङ्करुहाद्बभूव जगतस्स्रष्टा स्वयम्भूस्ततः । जज्ञे मानससूनुरत्रिरिति यस्तस्मान्मुनेरत्रितस्सोमो वंशकरस्सुधांशुरुदितः श्रीकण्ठचूडामणिः EI. vi. 351. 2; iv. 304. 2.

अत्रिदृग्ज (atridṛg-ja) *m.* the moon (*lit.* born of Atri's eye) इन्दुर्विधुरत्रिदृग्जः AbhidhāCin. 105; अत्रिदृग्जौषधीनाथदशवाजिनिशाकराः ParaNā. 289.

अत्रिधन (atri-dhana) *n. m.* special (sacrificial) fee for the *Ṛtvij* who belongs to the Atrigotra अत्रिश्रेष्ठानि गोत्राणि यश्चकार महातपाः । यज्ञेष्वत्रिधनं चैव सुरैर्यस्य प्रवर्तितम् HariVaṁ. 23. 12; ते तु गोत्रकरा राजन् ··· स्वस्त्यात्रेया इति ख्याताः किं त्वत्रिधनवर्जिताः HariVaṁ. 23. 14; ज(? य)ज्ञेष्वत्रिधनश्चैव सुरैर्यश्च प्रवर्तितः VāyuP. ii. 9. 73.

अत्रिन् (atrín) *adj.* [Ety. *attrin*; अदेस्त्रिनिश्च Uṇā. 4. 68, चात् त्रिप् । अत्ती अत्रिणौ अत्रिणः । अत्रिः अत्ती अत्रयः SiddhāKau. 551B. 9] **i** devourer (demon) अप्रजाः सन्त्वत्रिणः ṚV. i. 21. 5; विश्वं समत्रिणं दह ṚV. i. 36. 14; vi. 16. 28; vii. 104. 1; viii. 12. 1; जुहि विश्वान्रक्षस इन्द्रो अत्रिणः ṚV. ix. 86. 48; x. 36. 4; वि लपन्तु यातुधाना अत्रिणो ये किमीदिनः AV. i. 7. 3; ii. 4. 3; शङ्खेन हत्वा रक्षांस्यत्रिणो वि षहामहे AV. iv. 10. 2; vi. 32. 3; viii. 4. 1; अग्निस्तिग्मेन शोचिषा यासद्विश्वं न्यत्रिणम् VājaS. 17. 16; रक्षांसि वै पाप्मात्रिणो रक्षांसि AitBr. 6. 2 (146); विश्वं समत्रिणं दह ṢaḍviBr. iii. 1. 13; *m.* sage Atri (n) (a Prajāpati and son of Brahmā) अङ्गिरोऽत्री च ···एकविंशतिरुत्पन्नास्ते प्रजापतयः स्मृताः BṛBrahmaS. iv. 4. 29; स्यादत्रिरत्रिणा समम् S'abdaRa.(Su.) 3. 312.

अत्रिनन्दन (atri-nandana) *m.* son of Atri (i. e. sage Durvāsas) सौमित्रिः ··· मुनिं निवेदयामास रामाग्रे दर्शनार्थिनम् । दुर्वाससम् ··· अत्रिनन्दनमागतम् SkandP. ii(8). 2. 55; ii(9). 8. 20; (Dattātreya) (विष्णोः) अवतारो हि यो नाम दत्तात्रेयोऽत्रिनन्दनः LakṣmīT. 8. 40; (Punarvasu, a teacher of Āyurveda) निजगादात्रिनन्दनः AṣṭāHṛ. ii. 3. 17; श्रुत्वा च तानि तन्त्राणि हृष्टोऽभूदत्रिनन्दनः BhāvPra.(Bhā.) 1. 33.

अत्रिनयन (atri-nayana) *m.* **i** eye of the sage Atri अदिदीपदिन्दुरपरो दहनः कुसुमेषुमत्रिनयनप्रभवः S'iśuVa. 9. 42 = VyaktiVi. 107. 13; 107. 14; **ii** the moon शशाङ्कः शीतरश्मिश्च सोमोऽत्रिनयनो मतः GaṇiNā. 60.

अत्रिनयनप्रभव (a-trinayanaprabhava) *adj.* (one) not born of the three-eyed (S'iva) अदिदीपदिन्दुरपरो दहनः कुसुमेषुमत्रिनयनप्रभवः S'iśuVa. 9. 42 = VyaktiVi. 107. 13.

अत्रिनयनोद्भव (atrinayanodbhava) *adj.* who was born of Atri's eye विष्णोर्यथा च विस्तीर्णे हारश्चोरसि संस्थितः । तथावगाढे नभसि चन्द्रोऽत्रिनयनोद्भवः MatsyaP. 139. 17.

अत्रिनामन् (atri-nāman) *adj.* **i** (sage) named Atri मध्यमो देवबाहुश्च अत्रिनामा च ते त्रयः BrahmāṇḍaP. i. 11. 27; नेत्राभ्यामत्रिनामानं (ब्रह्मासृजत्) KūrmaP. 62. 15 (1. 7); चाक्षुषेऽप्यन्तरे ··· अत्रिनामा सहिष्णुश्च सप्तैत ऋषयः स्मृताः SauraP. 33. 5; **ii** (person) called Atri प्रस्थितस्य ··· मम त्रिभागशेषायां निशीथिन्यामत्रिनामा भट्टपुत्रः ··· निकटमाजगाम TilaMañ. 137. 6.

अत्रिनिर्वचन (atri-nirvacana) *n.* etymology of the word *atri* अत्तिरेव सन्यदत्रिरित्युच्यते परोक्षेण । सर्वस्यैतस्यान्नजातस्य प्राणस्य अत्रिनिर्वचनविज्ञानादत्ता भवति BṛĀraUBh. 279. 8 (*on* ii. 2. 4)

अत्रिनेत्र (a-trinetra) *adj.* other than the one who has three eyes अत्रिनेत्रः शिवः साक्षादचतुर्बाहुरच्युतः । अचतुर्वदनो ब्रह्मा श्रीगुरुः परिकीर्तितः BrahmāṇḍP. iii. 43. 70 = KulārT. 13. 57.

अत्रिनेत्र (atri-netra) *n.* eye of the sage Atri त्रिनेत्रभूरप्ययमत्रिनेत्रादुत्पादमासादयति स्म चित्रम् NaiṣC. 22. 73; AvantiKa. 146. 8; अत्रिनेत्रसमुद्रोत्पन्नचन्द्रयोरैक्यम् KāvyMi. 87. 5 (16); Kāvyānu (He.) 17. 1.

अत्रिनेत्रज (atrinetra-ja) *m.* the moon (*lit.* born of Atri's eye) पुनर्भुवा दशाश्वो ग्लौरिन्दुः कुमुदबान्धवः । ओषधीशो निशाकेतुर्मृगलक्ष्मात्रिनेत्रजः Vaija. 19. 25; AgaNi. 40.

अत्रिनेत्रनिर्गत (atrinetra-nirgata) *adj.* born of the eye of Atri अत्रिनेत्रनिर्गतस्य धवलधाममण्डलमनोहरो दृष्ट इव जनेन जन्मदिवसः कुमुदबन्धोः HarṣaC. 290. 6.

अत्रिनेत्रप्रसूत (atrinetra-prasūta) *m.* (*lit.* born of the eye of Atri) the moon ऋक्षेशः स्यादत्रिनेत्रप्रसूतः AbhidhāRaMā. 1. 42; AbhidhāCin. 105; NāmMā. 47.

अत्रिनेत्रभू (atrinetra-bhū) *m.* the moon (born of the eye of Atri) तिथिप्रणीर्दर्शविपन्निशामणिस्त्रिनेत्रचूडामणिरत्रिनेत्रभूः TrikāS'e. i. 3. 4; KalpaK. 398. 171.

अत्रिनेत्रसमुत्पन्न (atrinetra-samutpanna) *adj.* born of the eye of Atri तत्रैव चन्द्रिकाद्वारे तपस्तप्त्वा सुदारुणम् । अत्रिनेत्रसमुत्पन्नश्चन्द्रमाः कान्तिमापयौ BrahmāṇḍP. iii. 35. 53.

अत्रिनेत्रसमुद्भव (atrinetra-samudbhava) *adj.* born of Atri's eye क्षीरोदार्णवसंभूत अत्रिनेत्रसमुद्भव । गृहाणार्घ्यं मया दत्तं रोहिण्या सहितः प्रभो BṛNāraP. 17. 17; AgniP. 183. 13; BhaviP. 684B. 2 (iv. 55. 54)

अत्रिनेत्रसमुद्भूत (atrinetra-samudbhūta) *adj.* born of Atri's eye अत्रिनेत्रसमुद्भूतः पौत्रो वै द्रुहिणस्य यः । नाथः सर्वौषधीनां च ज्योतिषां पतिरेव च SkandP. iv. 15. 25.

अत्रिनेत्रोदर (atrinetrodara) *n.* inside of the eye of Atri (उदैयत) अत्रिनेत्रोदरादिव तुषाण(? र)करेण भूयः HarVi. 26. 24.

अत्रिनेत्रोद्भव (atrinetrodbhava) *adj.* born of the eye of Atri अत्रिनेत्रोद्भव श्रीमन्क्षीरोदमथनोद्भव । महेशमुकुटावास तुभ्यं चन्द्र नमोऽस्तु ते PadmP. v. 78. 19; सदा त्रिनयनो भवान्वहसि चात्रिनेत्रोद्भवम् ··· विरुद्धचरितोचिता जगदधीश ते भिक्षुता S'ivStu.(N.) 11.

अत्रिपत्नी (atri-patnī) *f.* wife of Atri (i. e. Anasūyā) तामत्रिपत्नीं धर्मज्ञामभिचक्राम मैथिली Rāmā. ii. 109. 17; प्रत्युवाचात्रिपत्नीं तामनसूयामिदं वचः MārkP. 16. 64; अत्रिपत्नी सुतं चन्द्रं लेभे क्रत्वेदमुत्तमम् BrahmVaiP. iii. 5. 22; BṛDharmaP. i. 32. 29; अनसूयात्रिपत्नी च सतीनामुत्तमा सती । यया संप्रार्थिता देवाः पुत्रत्वमगमंस्त्रयः DevīBhāP. iv. 16. 8; PadmP. v. 16. 120; अहो अत्रिपत्न्यास्तपःप्रभावः PrasaRā. 5. 44 (1)

अत्रिपुत्र (atri-putra) *m.* son of Atri अत्रिपुत्रोऽदुर्बलो हि जामाता त्वावयोरिति BṛDe. 5. 57; ततः प्रणम्यात्रिपुत्रमलर्कः स महीपतिः ··· उवाच MārkP. 43. 59; चन्द्र आपोमयो विप्रा अत्रिपुत्रो गुणान्वितः । उत्पन्नो ह्यनसूयायाम् SkandP. i(1). 11. 30; VarāP. 141. 46; अत्रिपुत्रो महात्मा वै दत्तात्रेयः ··· मदिरारुणलोचनः PadmP. ii. 103. 106; अत्रिपुत्रो महातेजा अङ्गो नाम महीपतिः PadmP. ii. 29. 72; अत्रिपुत्रस्तु दुर्वासाः ··· मालाम् ··· याचितवान् PadmP. v. 4. 5; BrahmP. 117. 2; 140. 21; DaśāvaC. 2. 2; ManvaVi. 318. 26 (*on* 3. 196); दैत्यादीनाम् ··· अत्रिपुत्रा बर्हिषदो नाम पितरः स्मृताः ManvaMu. 126. 7 (*on* 3. 196); एभिर्मृद्वग्निना पक्वं ग्रहण्यर्शोऽतिसारनुत् । बिल्वतैलमिति ख्यातमत्रिपुत्रेण भाषितम् BhāvPra.(Bhā.) viii. 2. 114; AdhyāRā. vii. 9. 19.

अत्रिपुत्रिकापुत्र (atriputrikā-putra) *m.* Atri's daughter's son गणद्वये पाठाद्विगोत्रत्ववाचोयुक्तिः अत्रिपुत्रिकापुत्राणाम् VīraMi.(Saṁskāra.) 654. 5.

अत्रिपुरुष (a-tripuruṣa) *m.* other than three generations तदत्रिपुरुषागतभोगविषयम् । भोगमात्रविषयत्वे पूर्वोक्तानेकवचनविरोधात् SmṛtiCan. iii. 169. 2.

अत्रिपुरोगम (atri-purogama) *adj.* of whom Atri is chief पितरो ये च लोकानां स्रष्टारोऽत्रिपुरोगमाः । एते तस्याप्रमेयस्य विष्णो रूपं महात्मनः ViṣṇuP. v. 1. 17; ऋषयश्च ततः सप्त वसिष्ठात्रिपुरोगमाः तुष्टुवुः MārkP. 106. 51; SkandP. iii(3). 21. 18.

अत्रिप्रजापति (atri-prajāpati) *m.* Prajāpati named Atri उत्तानपादं जग्राह पुत्रमत्रिप्रजापतिः BrahmāṇḍP. i. 36. 84.

अत्रिप्रभृति (atri-prabhṛti) *adj.* having Atri as the first सुप्रसिद्धमर्थमत्रिप्रभृतयोऽपि ··· सामान्यतो दर्शयन्ति S'atDū. 226. 17; अत्रिप्रभृतिभिः शिखा-

धारणस्यैव स्मरणाच्च S'atDū. 229. 22.

अत्रिप्रमुख (atri-pramukha) *adj.* with Atri as the chief श्राद्धे समाजग्मु: ... वसिष्ठात्रिप्रमुखा: श्रुतिपारगा: GaņeP. i. 36. 27.

अत्रिप्रसूति (atri-prasūti) *f.* the moon (progeny of Atri) अत्रिप्रसूतिरविकोटिसमानतेजा: ... य: कालकूटमपिबत् PadmP. v. 28. 165.

अत्रिभरद्वाजिका (atri-bharadvājikā) *adj.* (*f.*) (marriage) of the *yavan* descendants of Atri and Bharadvāja समर्थानां प्रथमस्य गोत्रप्रत्ययान्तस्यालुगुच्यते ... अवश्यं चैतदेवं विज्ञेयमत्रिभरद्वाजिका ...इत्येवमर्थम् MahāBh. 1. 492. 8 (*on* P. ii. 4. 62); CāndraVṛ. *on* iii. 3. 90; JaineVyā. 206. 17 (iii. 3. 93)

अत्रिभारद्वाजिका (atri-bhāradvājikā) *f.* marriage of descendants of Atri with those of Bhāradvāja मैथुनिकायाम् अत्रिभा(? भ)रद्वाजिका Prasā. i. 784. 14.

अत्रिभार्या (atri-bhāryā) *f.* wife of Atri आययु: ...। अत्रिभार्यानसूया च चन्द्रपत्न्यस्तथैव च BrahmVaiP. iv. 45. 69.

अत्रिभुवन (a-tribhuvana) *adj.* devoid of three worlds (समरकेतु:) अवतीर्णश्च तस्मिन् (आरामे) त्रिभुवनमत्रिभुवनम् ... अमंस्त TilaMañ. 212. 16.

अत्रिमण्डल (atri-maṇḍala) *n.* cycle of hymns of Atri व्युदस्य बन्धुप्रभृतीन् द्वैपदा येऽत्रिमण्डले BṛDe. 7. 86.

अत्रिमुख (atri-mukha) *adj.* with Atri at the head सप्तर्षयो मरीच्यत्रिमुखाश्चित्रशिखण्डिन: AgniP. 359. 31; SkandP. iii(1). 4. 4; BrahmP. 140. 7; YātrāPra. 1. 13 (1)

अत्रिमुख्य (atri-mukhya) *adj.* among whom Atri is the chief भक्त्या भृग्वत्रिमुख्यैर्मुनिभिरभिनुता ... शर्वाणी शर्मणे न: ... सदास्तु CaṇḍiS'. 64.

अत्रिमुनि (atri-muni) *m.* sage Atri आ: कीदृगत्रिमुनिलोचनदूषिकायां पीयूषदीधितिरिति प्रथितोऽनुराग: AnarghaRā. 2. 83; PṛthviVi. 6. 70; अत्र ... सत्रमत्रिमुनिकर्तृकमास S'aṅkaDigVi.(Mā.) 5. 153.

अत्रिमुहूर्ता (a-trimuhūrtā) *adj.* (*f.*) not lasting for three *muhūrtas* (तृतीया) गौरीव्रत एव अत्रिमुहूर्तापि चतुर्थीयुक्ता ग्राह्या VīraMi.(Samaya.) 36. 9.

अत्रिमोचित (atri-mocita) *adj.* set free by the sage Atri आनम्यात्रिमोचितं सूर्यम् ... वक्ति द्या नीतिमञ्जरीम् NītiMañ. 1.

अत्रियाम (a-triyāma) *adj.* [*f.* -ā] **A** for whom there exists no night रिपुवनदाहिसाहस मयात्रियाम (ईश) HarVi. 5. 148; **B** who has no illusion, HarVi. 5. 148 (comm. त्रियामा रात्रिरविद्या वा)

अत्रियुज् (atri-yuj) *adj.* having the letter *da* साग्निरथात्रियुक् । धान्तम् ... पदम् ... एष मन्त्रस्तु कालचक्र: AhirbuS. 34. 11.

अत्रिरात्र (a-trirātra) *m.* name of a Brahmin (? अत्रिरात cf. **अत्रिवसु**) भोज्यं विना पाटलिका प्रविष्टं मुष्टिप्रदं श्रोत्रियमत्रिरात्रम् । शुष्कान्नदाता पितृकार्यमेतत्किं किं करोषीत्यसकृद्ब्रवीति SamaMā. 6. 22.

अत्रिरात्रयाजिन् (a-trirātrayājin) *adj.* who has not performed a *trirātra* sacrifice शबलीहोमं कुर्वीत । नात्रिरात्रयाजीति शाण्डिल्य: LāṭyāS'S. ix. 8. 2.

अत्रिरूप (a-trirūpa) *adj.* [*f.* -ā] not having three forms शक्तिं ब्रह्मणोऽनपगामिनीम् ... अत्रिरूपाम् AhirbuS. 21. 11; यद्वदति दर्शनस्य परार्थत्वादिति, न तु तदनुमानम्, अत्रिरूपलिङ्गजनितत्वादनर्थदृक् च Kāśi. iii. 38. 4 (*on* 5(4). 53)

अत्रिरूपत्व (atrirūpa-tva) *n.* the state of not having three forms साध्यतद्विपरीतयो: साध्यस्यात्रिरूपत्वमसत्प्रतिपक्षत्वम् NyāySā. 6. 11; TarkSaṁ. (Ā.) 96. 5.

[1]**अत्रिलोचन** (atri-locana) *n.* eye of the sage Atri निशाकरस्योत्थितमत्रिलोचनात् विभाति ... मण्डलम् HarVi. 21. 2; KāvyPra. 284. 3; NīlaVi. 12. 12.

[2]**अत्रिलोचन** (a-trilocana) *adj.* not S'iva य: अत्रिलोचन: स संपन्नोमासमागम: ... कथम् YaśasCam. i. 53. 24 (comm.)

अत्रिवंश (atri-vaṁśa) *m.* family of the sage Atri आसीत् ... अत्रिवंशसमुत्पन्नस्त्वङ्गो नाम प्रजापति: HariVaṁ. 5. 1; VāyuP. ii. 1. 107; MatsyaP. 197. 1; BrahmāṇḍP. i. 36. 126; एतेऽत्रिवंशा: कथिता ब्रह्मणा ब्रह्मवादिनाम् KūrmaP. 218. 12 (1. 19); SkandP. vii(1). 336. 72; BrahmP. 4. 28; PadmP. ii. 12. 50; v. 5. 26; इत्यत्रिवंशनिर्णय: BālamBha. i. 181. 5 (*on* 1. 53)

अत्रिवंश्य (atri-vaṁśya) *adj.* belonging to the family of the sage Atri वेदान्तभूमिकुशलो मुनिरत्रिवंश्य: SaṁkṣeS'ā. ii. 277. 9 (3. 218)

अत्रिवंश्यत्व (atrivaṁśya-tva) *n.* the state of belonging to the family of the sage Atri इति मत्स्यपुराणे विश्वामित्रस्यात्रिवंश्यत्वाभिधानात् VīraMi. (Saṁskāra.) 609. 8.

अत्रिवचन (atri-vacana) *n.* statement of the sage Atri अत्रिवचनं स्पष्टार्थमेव BālaKrī. ii. 141. 1 (*on* 3. 257 (263)); SmṛtiCan. v. 346. 18.

अत्रिवत् (atri-vát) *adv.* as in the case of Atri like the sage Atri अत्रिवज्जातवेद: ... प्रस्कण्वस्य श्रुधी हवम् ṚV. i. 45. 3; अग्ने अत्रिवन्नमसा गृणान: ṚV. v. 4. 9; शुचि: ष्म यस्मा अत्रिवत्प्र स्वधितीव रीयते ṚV. v. 7. 8; v. 72. 1; अत्रिवद् व: क्रिमयो हन्मि AV. ii. 32. 3; Nir. 3. 17 (69. 4); श्यावाश्ववदर्चनानसवदत्रिवदित्यध्वर्यु: BaudhS'S. iii. 441. 6; ĀpaS'S. xxiv. 8. 11; अनया न गर्भैक्यमत्रिवदनुभवन्ति ManuBh. i. 410. 24 (*on* 4. 240); VīraMi. (Saṁskāra.) 637. 2.

अत्रिवन (atri-vana) *n.* the forest of Atri (अत्रि:) अत्रिश्रेष्ठानि गोत्राणि यश्चकार महायशा: । यज्ञेष्वत्रिवनं यश्च सुरैर्यस्य प्रकीर्तितम् (v. 1. प्रवर्तितम्) ViṣṇuDhaP. i. 25. 4.

अत्रिवर (atri-vara) *adj.* best of the Atris दत्तो ह्यत्रिवरो ज्येष्ठो दुर्वासास्तस्य चानुज: LiṅgaP. i. 63. 76.

अत्रिवर्गफल (a-trivargaphala) *adj.* not having the three objects of human pursuit as the fruit अत्रिवर्गफले प्रहसनादौ रसोत्पत्तिहेतोरेव बीजत्वम् Avalo. 7. 2 (*on* 1. 25)

अत्रिवर्गस्थ (a-trivargastha) *adj.* outside the three aims of human life अत्रिमत्रिगुणोपेतमत्रिवर्गस्थम् ... अनसूया वचोऽब्रवीत् LakṣmīT. 1. 6.

अत्रिवर्ष (a-trivarṣa) *adj.* in whose case three years are not over पिण्डोदकक्रिया प्रेते नात्रिवर्षे विधीयते BaudhDS. i. 5. 93; ManuSm. 5. 70; ManuBh. i. 310. 5 (*on* 3. 235); HārLa. 122. 14; SmṛtiCan. vi. 23. 20; ManvaVi. 634. 11 (*on* 5. 70); Dīpaka. 75. 15 (*on* 3. 1–2); VīraMi. 758. 7 (*on* 3. 1–2); BālamBha. iii. 4. 1 (*on* 3. 1–4)

अत्रिवसु (atri-vasu) *m.* name of a Brahmin श्रोत्रियस्यात्रिवसो: ... सरसतापादनाय वेशविलासिन्या यदासवासेचनम् ... सचमत्कारमौचित्यमाचिनोति AuciViCa. 16(28)

अत्रिवृत् (a-trivṛt) *adj.* not threefold, having no three strands न चात्रिवृत्कृतैस्तेजोऽबन्नैरण्डोत्पत्ति: । अत्रिवृतां तेषां तत्रासामर्थ्यात् GoviBh. 179. 4 (*on* ii. 4. 20)

अत्रिवृत्कृत (a-trivṛtkṛta) *adj.* not made threefold न च आपोऽत्रिवृत्कृता: सन्तीति ChāndoUBh. 289. 4 (*on* v. 8. 2); BrahmSūBh.(S'aṅ.) 74. 14 (*on* i. 1. 24); BrahmSūBh.(Bhā.) 32. 8 (*on* i. 1. 24); Bhām. 151. 6 (*on* i. 1. 24); न चेदानीमत्रिवृत्कृतस्य तस्मिन्(?) प्रयोजनमस्ति PrakaVi. 140. 20; VedāntKa. 123. 4 (*on* i. 1. 24); S'rutaPra. ii. 403. 25 (*on* ii. 4. 18); S'ivārkaMaDī. ii. 190. 19 (*on* ii. 4. 18); AdvaiSi. 838. 14; GuruCandr. ii. 286. 11; GoviBh. 179. 4 (*on* ii. 4. 20)

अत्रिशासन (atri-śāsana) *n.* instruction of the sage Atri सौभाग्यवापीं तां द्रष्टुमहं प्राप्तोऽत्रिशासनात् PadmP. v. 28. 64.

अत्रिश्रेष्ठ (atri-śreṣṭha) *adj.* with Atri as the seniormost अत्रिश्रेष्ठानि गोत्राणि यश्चकार महातपा: । ... स तासु जनयामास पुत्रिकासु सनामकान् HariVaṁ. 23. 12; VāyuP. ii. 9. 73; BrahmāṇḍP. ii. 8. 79; ViṣṇuDhaP. i. 25. 4; BrahmP. 13. 11.

अत्रिसंस्तव (atri-saṁstava) *m.* praise of Atri ऋग् दशम्यत्रिसंस्तव: BṛDe. 6. 72.

अत्रिसंज्ञ (atri-sañjña) *adj.* (letter *da*) called Atri अव्याद् दधद् यन्महिषगतवरोटौ कोटिमानोऽत्रिसंज्ञम् ĪśānS'iPa. i. 3. 46.

अत्रिसम (atri-sama) *adj.* equal to the sage Atri आसीद्धर्मस्य संगोप्ता पूर्वमत्रिसम: प्रभु: HariVaṁ. 5. 1; BrahmāṇḍP. i. 36. 126; BrahmP. 4. 28; PadmP. ii. 27. 18.

अत्रिसंभव (atri-sambhava) *adj.* [*f.* -ā] **A** born of Atri (the sage Datta) दत्तमाराधयामास कार्तवीर्योऽत्रिसंभवम् HariVaṁ. 23. 139; VāyuP. ii. 32. 10; MatsyaP. 43. 15; BrahmāṇḍP. ii. 69. 10; BrahmP. 13. 161; **B** produced by Atri अथ सुस्राव नेत्राभ्यां जलं तत्रात्रिसंभवम् PadmP. v. 12. 6; चर्मण्वती शतद्रूश्च पयस्विन्यत्रिसंभवा SkandP. ii(3). 1. 21.

अत्रिसंभूत (atri-sambhūta) *m.* born of Atri (an epithet of S'iva) नमस्ते ... शम्भो ... अत्रिसंभूत ... प्रसीद VāmaP. 44. 37.

अत्रिसुत (atri-suta) *m.* **A** son of Atri (the sage Datta) दत्तमाराधयामास सोऽर्जुनोऽत्रिसुतं मुनिम् MahāBhā. ii. App. 1. 39. 30; **B** son of Atri (the moon) सोमस्तुष्टिप्रदो भवेत् । भवन्ति तुष्टेऽत्रिसुते सर्वे सानुग्रहा ग्रहा: BhaviP. 768A. 31 (iv. 113. 14); चन्द्र: सुधांशुरयमत्रिसुतो द्विजेश: Subhāṣi. 663; **C** son of Atri (the sage Durvāsas) दुर्वासा: कोपनो मुनि: ... उक्त्वेत्यत्रिसुत: ... जगाम RāmāMañ. 506. 13.

अत्रिसुता (atri-sutā) *f.* daughter of Atri अपालात्रिसुता त्वासीत् कन्या त्वग्दोषिणी पुरा BṛDe. 6. 99.

अत्रिस्त्री (atri-strī) *f.* wife of Atri (Anasūyā) पातिव्रत्यप्रभावेणात्रिस्त्रिया त्रिसुरार्थनात् । जीवितो विप्रः S'ivaP. ii(3). 54. 79 (190B. 1)

अत्रिस्मरण (atri-smaraṇa) *n.* Smṛti-text of Atri अपुत्रेणैव कर्तव्यः पुत्रः प्रतिनिधिः सदा । इत्यत्रिस्मरणात् VīraMi. (Saṁskāra.) 225. 1.

अत्रिहायनी (a-trihāyanī) *adj.* (*f.*) not three years old, very youthful इवमाही करिणी तस्याः स्व्यपत्यं (? इव)माहेयी अत्रिहायनी किंतु तरुणी Virodhā. *on* MahāBhā. iv. 16. 6.

अत्रिहिरण्य (atri-hiraṇya) *n.* Atri's reward in gold अत्रिहिरण्यं ददाति KāṭhaS. 28. 4; तदेतद् अत्रिहिरण्यं ददाति JaimiBr. 1. 80.

अत्री (atrī) *f.* *Argyrcia speciosa* or *argentea* अथ वृद्धदारके इक्षुगन्धया । इक्षुगन्धा छागलात्री S'abdaRa.(Su.) 4. 229; [Atri's wife, Anasūyā, PW]

अत्रीश (atrīśa) *m.* 1 Lord of Atri (name of a S'ivaliṅga) स्थापयामास शंकरम् । ... अत्रीशादुत्तरे भागे SkandP. i(2). 57. 2; i(2). 66. 118; अत्रीशं च नमस्कृत्य केदारं यः प्रपश्यति SkandP. i(2). 57. 3; अत्रीशयोगिनीभ्याम् ... नमः VīraMi. (Bhakti) 113. 21; 2 the letter *da* अत्रीशो वरदः शूली वामगुल्फो दकारकः Tantrābhi. viii. 57. 12.

अत्रीश्वर (atrīśvara) *m.* Lord of Atri (name of a S'ivaliṅga) स्थापितं लिङ्गमुत्तमम् । अत्रीश्वराभिसंज्ञम् SkandP. i(2). 52. 18; लिङ्गान्यत्रीश्वरादीनि दृष्ट्वा ...वसन्त्युज्ज्वलतेजसः SkandP. iv. 18. 14; iv. 18. 16; iv. 97. 12; गोदावर्याः ... दक्षिणस्यां दिशि कश्चिदत्रीश्वर इति स्वयम् ... प्रादुर्भूतः S'ivaP. iv. 3. 3 (351B. 14); [name of a Tīrtha, PW]

अत्रु (atru) *m.* a small insect अत्तीत्यत्रुः क्षुद्रजन्तुः Prasā. ii. 613. 6.

अत्रुटच्छ्री (atruṭac-chrī) *adj.* of undiminishing beauty or brilliance कण्ठे निष्कः क्राम्यतो म्लास्यमानस्यास्य क्रामन्म्लासते स्मात्रुटच्छ्रीः DvyāśraKā. 8. 10.

अत्रुटत् (a-truṭat) *adj.* 1 not faltering मल्लाचार्यः ... अवदत् ... अत्रुटद्वचाः PrabhāC. 78. 31; 2 not breaking off वर्माण्यग्रे धृतानि यत् । त्रुटिष्यन्ति हि वीराणामत्रुटद्रणकर्मणाम् TriṣaS'aPuC. i. 5. 353; स्वाक्रिया करपादादेर्विलासेनात्रुटद्रसा SaṅgīRa. iv. 191. 1 (7. 548) (comm. अच्छिद्यमानो रसः प्रेक्षकप्रीतिर्यस्याम्)

अत्रुटित (a-truṭita) *adj.* 1 unbroken, without break सत्यपि आत्मनि नष्टोऽनुभवः तस्य हि अनाशे इदमित्येष एव अत्रुटितः प्रकाशः इति का स्मृतिः PratyabhiVi. i. 96. 3 (*on* i. 2. 4); नृत्तं प्रवर्तितं प्रकृष्टमत्रुटितं वर्णनाविलासवलनादिदक्षिणम् (शोभां जनयेत्) AbhinBhā. i. 178. 12 (*on* 4. 264); अत्रुटितेन ध्वङ्गेन(? व्यङ्ग्येन) तावत्समासाभिनयो नो शक्यः कर्तुम् Loc. 139. 26 (*on* 3. 6); 2 not torn up त्रुटितस्यात्रुटितस्यैव परिधानम् JayaMa. 41. 2 (*on* 1. 3)

अत्रुटितता (atruṭita-tā) *f.* the state of being unbroken, continuity यथा वर्तनाक्रमेण स्वयमेव त्यागोपादाने अत्रुटिततया वा सम्पद्यते तथा कर्तव्यम् AbhinBhā. i. 96. 18 (*on* 4. 62)

अत्रुटितत्व (atruṭita-tva) *n.* the state of being unbroken, continuity °जङ्घाचरणादेः सङ्गततयात्रुटितत्वेन वृत्तियोजने (हस्तपादसमायोगः) AbhinBhā. i. 90. 19 (*on* 4. 30); मध्ये त्रुटितत्वमत्रुटितत्वं वा तावतो विच्छेदानुबन्धौ AbhinBhā. ii. 397. 19 (*on* 17. 130)

अत्रुटितपदार्थसत्ता (atruṭita-padārthasattā) *f.* unbroken existence of objects सोऽयमविच्छिन्नदृष्टीनामत्रुटितपदार्थसत्ताग्रहणाभिधानः इत्थमुत्थितः NyāyMañ. ii. 24. 4.

अत्रुटितप्रकाश (atruṭita-prakāśa) *m.* the unbroken light विश्वं सत्यरूपम् ... अत्रुटितप्रकाशामेदमेव सत् ... मेदेन भासयति PratyabhiVi. ii. 204. 5 (*on* ii. 4. 20)

अत्रुटितरूपता (atruṭitarūpa-tā) *f.* the state of having an unbroken form (i. e. movement) तत्र येऽङ्गहाराः अङ्गानां हरणानीति अत्रुटितरूपतया समुचितस्थानप्राप्ताः AbhinBhā. i. 21. 20 (*on* 1. 44)

अत्रुटितसत्ता (atruṭita-sattā) *f.* unbroken existence कस्य विच्छिन्नसत्ता कस्यात्रुटितसत्ता कस्य वा बोधकम् NyāyMañ. ii. 23. 32.

अत्रुटितसत्ताक (atruṭitasattā-ka) *adj.* having an unbroken existence निमेषद्वयेऽत्रुटितसत्ताकस्तम्भादिपदार्थग्राहि प्रत्यक्षमुत्पद्यते NyāyMañ. ii. 35. 2.

अत्रुटितायुस् (atruṭitāyus) *adj.* whose life (-thread) is not broken जन्तोर्वज्राहतस्यापि मृत्युर्नात्रुटितायुषः TriṣaS'aPuC. i. 1. 542.

अत्रुट्यत् (a-truṭyat) *adj.* i not breaking or sustaining a loss धन्वत्रुट्यत्क्रान्ति संक्षिप्य दत्तं मन्ये सख्यं लस्तताखण्डलेन DvyāśraKā. 8. 10; ii steady, permanent अत्रुट्यद्घटनाङ्गवासनतया मुक्त्वापि गौरीशतां गाढाकर्षणलीलया विघटनाभीतेन देहार्धयोः । मन्दं मन्दमकर्षि ... कोदण्डम् PṛthviVi. 11. 49.

अत्रुम्प्य (a-trumpya) *adj.* not to be injured or killed अत्रुम्प्यधामानमिनं प्रतोफितुम् ... मिलतोऽथ राक्षसाम् । वापीमपर्पन् ·द्विजाः DhātuKā. 1. 53.

अत्रेय (atreya) *m.* name of a sage of *Tāmasa Manvantara* अत्रेयः (ऋषयस्तामसेऽन्तरे) BrahmāṇḍP. i. 36. 47.

अत्रेर्विवर्त (atrer-vivarta) *m.* name of the third and fourth *sāmans* of the *mantra* 371 of *Sāmaveda* अत्रेर्विवर्तौ द्वौ ĀrṣeBr. iv. 3. 2.

अत्रेश्चतुर्वीर (atreś-caturvīra) *m.* name of a Soma-sacrifice of four days' duration अत्रेश्चतुर्वीरं वीरकामः ĀśvaS'S. ii(4). 2. 16; अत्रेश्चतुर्वीरश्चतु(? तु)रात्राणां प्रथमः MānS'S. 205. 8.

अत्रैककुद (á-traikakuda) *n.* other than (an ointment) from the mountain Trikakud यदि त्रैककुदं न विन्देदप्यत्रैककुदमेव स्यात् S'atBr. III. i. 3. 12.

अत्रैगुण्य (a-traiguṇya) *n.* absence of the three qualities (*sattva*, *rajas* and *tamas*) अत्रैगुण्याच्चास्य कैवल्यम् SāṁkhyaTaKau. 325. 1 (*on* 19); 270. 7 (*on* 11); अहेतुमत्त्वादिसाधर्म्येऽप्यत्रैगुण्याद्यस्यास्त्येव वैधर्म्यमिति न दोषः SāṁkhyaTaPra. 164. 18.

अत्रैरात्रिक (a-trairātrika) *adj.* (Sāman) which is not as laid down for the last day of the Trirātra-sacrifice एष्वत्रैरात्रिकम् - इन्द्रमिद् गाथिनो बृहदिति NidāSū. 105. 27 (6. 8)

अत्रैव (atraiva) here itself, on this spot itself तावत्कपिञ्जलोऽत्रैव समायातः PañcT. 3. 46 (16) (304. 3); तदात्रैवागत्य ... महासत्त्वः ... दृष्टः Vetā-Pañ.(Jam.) 8. 17.

अत्रैवर्णिक (a-traivarṇika) *adj.* not belonging to the (first) three castes (Brāhmaṇa, Kṣatriya and Vaiśya) किं त्रैवर्णिकानामन्यतमो रथकारः, आहोस्विदत्रैवर्णिकः S'ābaBh. 1384. 10 (*on* vi. 1. 44); न ह्यत्रैवर्णिकस्य कूश्माण्डीभिरधिकारोऽयमुपपद्यते BālaKrī. ii. 94. 12 (*on* 3. 243); अस्तु वात्रैवर्णिकपरिग्रहोऽप्रामाण्यहेतुः ĀgaPrā. 69. 19; न ह्यत्रैवर्णिकानां तेषामुपनयनाभावेनाध्ययनसिद्धस्वाध्यायलब्धविद्यत्वम् S'rutaPra. ii. 59. 5 (*on* i. 3. 25); ii. 77. 6 (*on* i. 3. 33); पूर्वमत्रैवर्णिकदेवानां तद्यो य इति लिङ्गादधिकार उक्तः VedāntKa. 183. 16 (*on* i. 3. 34); BrahmSūBh.(S'rī.) i. 475. 1 (*on* i. 3. 33); अत एव नात्रैवर्णिकानामधिकारः TantrRaha. 69. 18; 70. 27; तदङ्गभूतमन्त्रग्रहणमत्रैवर्णिकस्यापि निषादजातीयस्य सिध्यति S'ivārkaMaDī. i. 475. 22 (*on* i. 3. 33); MayūMāli. 458. 8 (*on* vi. 1. 12)

अत्रैवर्णिकत्व (atraivarṇika-tva) *n.* the state of not belonging to the (first) three castes विगीतः पुरुषो ब्रह्मविद्याधिरोहानर्हः अत्रैवर्णिकत्वात् NyāyPari. 321. 4; NyāyMāVi. 369. 22 (*on* vi. 8. 5)

अत्रैवर्णिकपर (atraivarṇika-para) *adj.* referring to one not belonging to the (first) three castes त्रैवर्णिकानामुक्तस्य कालस्य बाधे मानाभावेनेदं वचनमत्रैवर्णिकपरम् BālamBha. i. 293. 8 (*on* 1. 95); TristhaSe. 309. 2.

अत्रैवर्णिकव्युदास (atraivarṇika-vyudāsa) *m.* exclusion of those not belonging to the (first) three castes त्रैवर्णिकाधिकारत्वाद्धर्मशास्त्राणामत्रैवर्णिकव्युदासः CaturCin. iii(2). 163. 18.

अत्रैविद्याक्षेप (atraividyākṣepa) *m.* reviling a person who has not studied the three Vedas अत्रैविद्याक्षेपे तु वाक्पारुष्यपदे दण्डो वक्ष्यते SmṛtiCan. iv. 527. 12

अत्रोफक (a-trophaka) *adj.* not killing अत्रोफकास्तुम्फितुमुद्यताः ... द्विजाः DhātuKā. 1. 53.

अत्र्यक्षिज (atryakṣi-ja) *m.* the moon अत्र्यक्षिजो ग्लौः...शशाङ्कः Kośa-KaTa. 1. 723.

अत्र्यपत्य (atry-apatya) *n.* offspring of Atri आत्रेयी स्याद्रजस्वला । अत्र्यपत्ये त्रिषु AnekāK. 655.

अत्र्यम्बक (a-tryambaka) *adj.* A deviod of S'iva अत्र्यम्बकमपि सत्रिनेत्रम् (शिखण्डिताण्डवं नाम वनम्) YaśasCam. ii. 197. 2; B which is not frequented by dumb, deaf and blind अत्र्यम्बकमपि सत्रिनेत्रम् YaśasCam. ii. 197. 2 (comm. अ-त्रिकृष्यादेस्त्र्यम्बकं गमनशीलमातृकं न भवति)

अत्र्यात्मज (atry-ātmaja) *m.* son of Atri मुनीन्द्रमत्र्यात्मजमग्निवेशः ... अपृच्छत् CaraS. vi. 12. 3 (1941 Ed.)

अत्र्यादि (atry-ādi) *m.* i group of words beginning with Atri स्व्यत्र्यादेरेयण् Kātan. ii. 6. 4; ii sages Atri and others अत्र्यादीनसृजत्सत्रं क्रत्वादरात्प्रजापतिः NītiMañ. 88; अत्र्यादिग्रहणमादरार्थम् ManvaMu. 89. 14 (*on* 3. 16)

अत्र्यादिप्रतिषेध (atryādi-pratiṣedha) *m.* exclusion of Atri and others तस्मादृषिभ्योऽविधानेऽत्र्यादिप्रतिषेधः Vār. 4 *on* iv. 1. 114.

अत्र्यादिस्मरण (atryādi-smaraṇa) *n.* Smṛti of Atri and others अपुत्रेणैव कर्तव्यः...प्रयत्नतः इत्यत्र्यादिस्मरणात् BālamBha. ii. 172. 2 (*on* 2. 130)

अत्र्यार्षेय (a-tryārṣeya) *adj.* who does not have or cannot name his three *ṛṣis* ancestors अत्र्यार्षेयस्य हानं स्यात् MīmāSū. vi. 1. 43; किमत्र्या-

र्षेयस्याधिकारः उत नेति S'ābaBh. 1383. 12 (*on* vi. 1. 43); अत्र्यार्षेयाणामार्षेयत्रयवरणलक्षणाङ्गभाजि ... अनधिकारः PrakaPañ. 483. 3; अत्र्यार्षेयस्य चानधिकारोऽधिकरणसिद्धः। देवानां देवर्षीणां च मूलभूतऋष्यन्तराभावादत्र्यार्षेयतया चानधिकारः S'rutaPra. ii. 59. 8 (*on* i. 3. 25); S'ivārkaMaDī. i. 492. 17 (*on* i. 3. 39); अत्र्यार्षेयस्य प्रयोगविधिना त्र्यार्षेयवरणं संपादनाशक्तेः MayūMāli. 467. 16 (*on* vi. 2. 7)

अत्र्यार्षेयत्व (atryārṣeya-tva) *n.* statet he of not having three *ṛṣi* auscestors अत्र्यार्षेयत्वाच्च कर्मस्वनधिकारात् SiddhāSi. i.74. 22.

अत्र्यार्षेयवत् (atryārṣeya-vat) *adv.* like one who dose not have three *ṛṣi* anscestors अत्र्यार्षेयवद्विदुषोऽप्यसामर्थ्यादनधिकारः MayūMāli.457. 16 (*on* vi. 1. 12)

अत्व (a-tva) *n.* **i** nature of the sound *a* अत्वमनेन विधीयते MahāBh. i. 409. 2 (*on* ii. 2. 4); प्राप्तापन्नौ द्वितीययात्वं च CāndraVyā. ii. 2. 19; vi. 3. 112; अत्वं चानयोरन्त्यस्य भवति CāndraVṛ. *on* ii. 2. 19; *on* vi. 3. 112; टेरत्वे सत्याप् MugdhaBo. 3. 80 (22. 3); ट्रेरत्वे सत्याप् PrakriKau. i. 186. 4; संज्ञायां गौणत्वे नात्वसत्वे PrakriKau. i. 223 8; i. 253. 9; i. 289. 2; i. 306. 25; **ii** generic nature of the sound *a* तथा च सति सामान्यं त्रिष्वत्वं कैश्चिदिष्यते S'lokaVār. 5 (11). 46 (521. 1); 5 (11). 47 (521. 3); भिन्नाक्षकारव्यक्तिष्वत्वं सामान्यमिच्छन्त्यवर्णकुलशब्दाभिधेयम् TātpaṬ.(U.) 453. 13 (*on* 5 (11). 45); न हि यथा शाबलेयादौ गोत्वं साधारणमेवात्वं ह्रस्वदीर्घप्लुतेषु YuktiSneha. 93. 36 (*on* i. 1. 5)

अत्वक्क (atvák-ka) *adj.* [DEBRU. p. 537] having no skin, skinless अत्वक्काय स्वाहा TaiS. VII. v. 12. 12.

अत्वक्छिरःप्रादीपिकम् (atvakchiraḥ-prādīpikam) *adv.* by setting fire to the skinless head (having placed fire on the head after peeling off the skin from the scalp) मातृपितृपुत्रभ्रात्राचार्यतपस्विघातकं वात्वक्छिरःप्रादीपिकं घातयेत् ArthS'ā. ii. 169. 8 (4. 11)

अत्वगस्थि (a-tvagasthi) *adv.* without skin and bones अत्वगस्थ्यथ ... सर्वभूतस्थमात्मानं ये पश्यन्ति न ते मृताः MahāBhā. xiv. 46. 46.

अत्वच् (a-tvác) *adj.* skinless, having no skin or bark पुरुषो वै प्रजापतेर्नेदिष्ठं सोऽयमत्वक् S'atBr. V. ii. 1. 16; हेतिना च तदीयेन चन्दनेनात्वचोऽसृजेत् PauskS. 41. 210; सर्वसाक्षी जगत्पतिः ... अत्वचः स्पर्शमेवापि सर्वेषामेव जायते PadmP. ii. 86. 74.

अत्वचीयस् (a-tvacīyas) *adj.* being in lower degree among those not possessed of fine skin कोऽत्वचीयसि बत त्वचयेद्वा DvyāśraKā. 20. 50.

अत्वत् (at-va(n)t) *adj.* (root etc.) having a short *a* in it उपदेशेऽत्वतः P. vii. 2. 62; योगविभागः करिष्यते ... ततोऽत्वतः। अत्वतश्चोपदेश इति MahāBh. iii. 299. 18 (*on* vii. 2. 63); पाठेऽत्वतः CāndraVyā. v. 4. 162; वोपदेशेऽत्वदसृजिदृशस्तासौ ... अव्याद: JaineVyā. v. 1. 108; सृजि ... अत्वतः...थवः SiddhaHe. iv. 4. 78; सृजदृशश्च्पाठात्वतो ... अनृव्येऽदः MugdhaBo. 8. 62 (88. 20)

अत्वत्त्व (atvat-tva) *n.* the state of being possessed of short *a* उपदेशेऽजन्तत्वादत्वत्त्वाच्च थलि निषेधमाशङ्क्याह LaS'abdeS'e. ii. 550. 2.

अत्वदात्मक (a-tvadātmaka) *adj.* not having thee as the soul, not possessed of yourself as its nature त्वदन्यः अत्वदात्मकः ... नास्ति S'rutaPra. iA. 238. 26 (*on* i. 1. 1)

अत्वदीय (a-tvadīya) *adj.* who does not belong to you, not your (follower) धर्माय पापानि समाचरन्ति ... अत्वदीयाः Viṣāpahā. 13; न संविदानन्दमयी च मुक्तिः सुसूत्रमासूत्रितमत्वदीयैः MahāVīSt.(H.) 1. 8; SyādvāMañ. 8; 14 (13)

अत्वनिपातन (atva-nipātana) *n.* laying down of (the form with) *a* हलिकल्योरत्वनिपातनं सन्वद्भावप्रतिषेधार्थम् Vār. 1 *on* P. iii. 1. 21; हलिकल्योरत्वनिपातनं क्रियते MahāBh. ii. 28. 2 (*on* iii. 1. 21); असत्यपि अत्वनिपातने Pradī. vi. 237. 18 (*on* vii. 4. 1); vi. 237. 21 (*on* vii. 4. 1); PadMañ. *on* Kāśi-Vṛ. *on* P. iii. 1. 21; अनाश्रित्य ज्ञापकमत्वनिपातनमुक्तम् LaS'abdeS'e. ii. 611. 18.

अत्वनिबन्धन (atva-nibandhana) *adj.* based on the vowel *a* खट्वाभिरित्यत्रात्वनिबन्धन ऐस् न LaS'abdeS'e. i. 102. 7.

अत्वन्त (atv-anta) *adj.* (word) ending in the suffix *atu* पकारलोपे कृते नातुबन्तं भवत्यत्वन्तमेव उपदेशे...चैतदतुबन्तं नात्वन्तम् MahāBh. iii. 183. 25 (*on* vi. 4. 14); iii. 184. 7 (*on* vi. 4. 14); अत्वन्तविषयं तु वचनम् Pradī. v. 279A. 4 (*on* vi. 4. 14); vi. 62. 15 (*on* vii. 1. 70); अत्वन्तस्य ... च धः स्यादधो सौ परे MugdhaBo. 3. 108 (26. 24); PrakriKau. i. 213. 9; अत्वन्तस्योपधाया दीर्घः स्यात् SiddhāKau. 98A. 14; Prasā. i. 289. 11.

अत्वन्तत्व (atvanta-tva) *n.* the state of having the suffix *atu* at the end अत्वन्तत्वाद्दीर्घः। धीमान् PrakriKau. i. 270. 3; Prasā. i. 270. 11; न चोकारलोपेऽत्वन्तत्वस्याप्यभावः LaS'abdeS'e. i. 344. 25.

अत्वन्तत्वाभाव (atvantatvābhāva) *m.* absence of the state of having the suffix *atu* at the end शत्रन्तस्य त्वत्वन्तत्वाभावान्न दीर्घः भवतीति भवन् SiddhāKau. 98B. 7; PrakriKau. i. 270. 1.

अत्वम् (a-tvam) *n.* [AltGr. III. 439] something other than you अत्वं त्वं संपद्यते त्वद्भवति MahāBh. i. 354. 10 (*on* i. 4. 108) = S'ṛṅgāPra. i. 159. 7; पटीभवन्ति तन्तवः, अत्वं त्वं संपद्यते त्वद्भवतीति प्रकृत्याश्रयेण बहुवचनप्रथमपुरुषौ दृश्येते PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. vi. 3. 46.

अत्वर (a-tvara) *adj.* without haste, free from haste अत्वरः ... कुर्यात् पितृकार्यमशेषतः BṛParāSm. 7. 192; अन्नमिष्टं हविष्यं च दद्यादक्रोधनोऽत्वरः YājñaSm. 1. 240; GobhiSm. 2. 111; आचार्यादिच्छन् स्वाध्यायमत्वरः ... स्वाध्याये सिध्यति द्विजः AhirbuS. 15. 40; देशिको विमुम्। भूषणैर्भूषयेत्सम्यगत्वरः PāraS. 12. 469; अक्रोधनोऽत्वरोऽमत्तः सत्यवादी KūrmaP. 605. 9 (2. 22); अत्वरो भव निद्रायाम् SkandP. iii(3). 11. 47; iii(2). 5. 49; iv. 31. 150; अत्वरः अव्यग्रः Mitā. 83. 1 (*on* 1. 240); धौतवस्त्रधरः स्नात्वा शुचिरक्रोधनोऽत्वरः PadmP. iv. 100. 55; CaturCin. iii(1). 1010. 17; NānārthāSaṁ. ii. 51. 55; *m.* buffalo अत्वरस्तु त्वराहीने त्रि द्वे तु महिषे स्मृतः NānārthāSaṁ. ii. 51. 55 [*f.* अत्वरी or अत्वरा ?]

अत्वरत् (a-tvarat) *adj.* not hastening, without making haste, not hasty अथ बन्धपरिक्लिष्टो मार्जारो वीक्ष्य मूषकम्। छिन्दन्तं वै तदा पाशानत्वरन्तं त्वरान्वितः (संचोदयितुमारेभे) MahāBhā. xii. 136. 84; (अन्नम्) अक्रुध्यता चात्वरता देयं तेनापि भक्तितः ViṣṇuP. iii. 15. 30; विश्रब्धश्चात्वरन् ब्रह्मन् कुरुष्व त्वं मनोगतम् MārkP. 22. 14; तेनात्मनापोऽनलमूर्तिरत्वरन्। ज्योतिर्मयो वायुमुपेत्य काले BhāgP. ii. 2. 28; अत्वरन् सहस्रनाममन्त्रम् ...पठित्वा LalitāSaBh. 210. 32 (*on* 256)

अत्वरम् (a-tvaram) *adv.* without haste (slowly, leisurely) (ददर्श सोऽथ गोविन्दम्) यावद्दत्तं वस्तुजातं तावदश्नन्तमत्वरम् SkandP. ii(2). 38. 50.

अत्वरमनस् (atvara-manas) *adj.* without a hasty mind (with a steady mind) प्राप्यैव प्रतिमात्वमत्वरमनास्तत्रैव तस्थौ प्रभुः CaitaCa. 133. 4(6)

अत्वरमाण (a-tvaramāṇa) *adj.* [*f.* -ā] not hastening, not hasty, without making haste अत्वरमाण इव हि प्रतिकामिनमन्नाद्यमत्ति KauṣiBr. 15. 3 (67. 7); 15. 4 (68. 4); अत्वरमाणः पुनर्मन्थेत् BhārS'S. ix. 4. 6 = ĀpaS'S. ix. 3. 4; xvi. 3. 12; अतूर्तो राजा ... अत्वरमाण इति वा Nir. 9. 10 (162. 11); याचते न जलं देयं सम्यगत्वरमाणया MahāBhā. iii. 73. 4; अत्वरमाणेन ... उपसंहृतान्तःकरणेनैव (विद्या) लभ्या SanatBh. 275. 2 (*on* 3. 3); यदोपचिकीर्षत्परिराष्ट्रं प्रत्यभिमुखेन तदानेन विधानेन गच्छेदत्वरमाणः ManuBh. ii. 53. 9 (*on* 7. 181); उपदिष्टज्ञानवृद्धयुपाये चाश्रद्दधानोऽत्वरमाणः ... विनश्यति GītāBh.(Rā.) 283. 1 (*on* 4. 40); सोऽभियुक्तस्तमयःपिण्डकमग्निवर्णं कराभ्यामादाय शनैरत्वरमाणः ... व्रजेत् Aparā. 707. 7 (*on* 2. 106); राजा शत्रुदेशमत्वरमाणो गच्छेत् ManvaMu. 280. 9 (*on* 7. 181)

अत्वरमाणपथिन् (atvaramāṇa-pathin) *adj.* whose path is not hurried अतूर्तपन्था अत्वरमाणपन्थाः Nir. 11. 23 (196. 15) (Durga अत्वरमाणः पथि वर्तते नियतगतिः)

अत्वरमाणविहितत्व (atvaramāṇavihita-tva) *n.* the state of being not given to haste अचपला अत्वरमाणविहितत्वात् MaYānaSū. 80. 31 (12. 9)

अत्वरा (a-tvarā) *f.* freedom from haste, absence of haste त्रीणि चात्र प्रशंसन्ति शौचमक्रोधमत्वराम् VasiSm. 11. 32 = ManuSm. 3. 235; SkandP. vii(1). 205. 13; BhaviP. 275B. 6 (i. 185. 20) (correct अत्वराम्); **अत्वरया** (a-tvarayā) [Inst.] without haste, slowly, without hurry विभक्तता चात्वरयैव सिद्धिर्विपक्षसंप्राप्तिविरोधहेतवः AnuVyā. 71B. 7 (*on* 4. 2); व्रीहिवक्त्रेण शस्त्रेण विध्येदत्वरया भिषक् Hastyāyur. 488. 13 (3. 16); द्विजः कुरुकुले वसन् ... शनैरत्वरया ... तपः ... अनुतिष्ठेत् ManvaMu. 68. 7 (*on* 2. 164); 131. 11 (*on* 3. 224)

अत्वरित (a-tvarita) *adj.* not hasty, free from haste तदहि ब्रह्मचारी स्यादकोपोऽत्वरितो मृदुः AgniP. 117. 6; अत्वरितः द्रुतकारित्वहीनः CaturCin. iii(1). 1010. 8; शनैरत्वरितः ManvaVi. 218. 15 (*on* 2. 164); VīraMi. (Saṁskāra.) 447. 13; प्रसादयामास भगीरथस्तं वाग्भिः ... अत्वरितो महेशम् Gaṅgāva. 6. 7.

अत्वरितत्व (atvarita-tva) *n.* the state of not being in haste अत्वरितत्वं व्यक्तिः समुच्चयश्चाग्रतः प्रोक्तः KandaCū. ii. 3. 5.

अत्वरितम् (a-tvaritam) *adv.* without haste स मुहूर्तमनादरमत्वरितं सललितम् ... तेन हस्तिना प्रक्रीडय Avimā. 1. 6(9); तदत्वरितमावेद्यतामित्यादि पृष्टा मनुजपरमेश्वरेण सा ... अभाषत UdaySuKa. 93. 6.

अत्वर्म (atvarma) *m.* name of a mountain (गिरेश्छः शस्त्रजीविषु) अत्वर्म। अत्वर्मीयाः JaineVyā. 202. 10 (*on* iii. 3. 65)

अत्वर्मीय (atvarmīya) *m.* warlike people residing on the mountain

Atvarma (गिरेश्छ: शस्त्रजीविषु) अत्वर्म । अत्वर्मीया: JaineVyā. 202. 10 (*on* iii. 3. 65)

अत्वसामान्य (atva-sāmānya) *n.* generic nature of the sound *a* सति च तद्भेदे तदनुवृत्तमत्वसामान्यं केचिदिच्छन्ति NyāyRa. 521. 13 (*on* 5(11). 46); YuktiSneha. 93. 35 (*on* i. 1. 5)

अत्वाभाव (atvābhāva) *m.* absence of short *a* अपि वोपसमस्तार्थमत्वाभावात्कृतं भवेत् MahāBh. iii. 309. 21 (*on* vii. 2. 102)

अत्विष (a-tviṣa) *n.* absence of vehemence एतदेवात्रात्विषं चानृशंस्यं च यथा भवानाह्योपायामि त्वेव भवन्तम् GopBr. i. 1. 32.

अत्सरा (atsarā) *f.* [Debru. p. 926] flesh from the part of horse's leg between the fetlock joint and the hoof अत्सराभि: कपिञ्जलान् MaiS. iii. 15. 6; cf. **अच्छला, अच्छरा.**

अत्सरुक (atsaru-ka) *adj.* without handle ते सर्वे कुण्डपायिनोऽत्सरुकैश्चमसैर्भक्षयन्ति PañcBr. xxv. 4. 4; BaudhS'S. iii. 243. 5; अत्सरुका वा दश चमसा भवन्ति BhārS'S. xiii. 2. 9; दश चमसान्नैय्यग्रोधान्त्रैहीतकान् वा त्सरुमतोऽत्सरुकान् वा ĀpaS'S. xii. 2. 8; xxiii. 10. 11; अत्सरुकैश्चमसै: सोमान् भक्षयन्ति MānS'S. 210. 18; अत्सरुका: कुण्डप्रतिरूपाश्चमसा: KātyS'S. xxiv. 4. 40; अत्सरुकैश्चमसैर्भक्षयेयु: कुण्डप्रतिरूपै: LatyāS'S. x. 12. 13; S'ābaBh. 1838. 6 (*on* x. 2. 33)

अत्स्य (atsya) *n.* black salt सौवर्चलम्…कृष्णलवणमक्ष्यम् (v. l. °मत्स्यम्) कोद्रविकं पुन: KalpaK. 152. 178.

अत्स्यत् (atsyat) *adj.* who will devour एष मृत्युर्यद् यमोऽत्स्यन्नेव नाम JaimiBr. 1. 28; स प्रजापतिमत्स्यतो रूपेणाभिपलायत Vādhūlasūtra 4. 109 (Acta Orientalia, Norway, vi. 232); 3. 19 (Acta Orientalia, iv. 20)

अत्स्यमान (atsyamāna) *adj.* going to be devoured, will be eaten up वयमत्स्यमाना रजनीचरैश्चिदिह माश्रयन्त: DvyāśraKā. 12. 13.

[1]**अथ** (-atha) (Gr.) [Debru. p. 171] secondary suffix to form action-nouns with paroxytone and oxytone with prefixes थाथघञ्क्ताजबित्रकाणाम् P. vi. 2. 144; शीङ्शपिरुगमिवंचिजीविप्राणिभ्योऽथ: Uṇā. 3. 113 (एभ्य: सप्तधातुभ्योऽथ: स्यात्); शीङ्शपिशमिगमिवन्दिबन्धिजीविप्राण्युपसृष्टवसिभ्योऽथ: SaraKaṇṭhā. (Gr.) ii. 2. 158.

[2]**अथ** (átha) *ind.* [Mayr. 1. 28; AltGr. III. p. 444; originally *athā* becomes shortened as *atha*. कुत्रा … पाथाथा सिश्चथा … बिभृता TaiPrāti. 3. 11 (comm. इत्येतानि पदानि व्यञ्जनपराणि पदकाले ह्रस्वमापद्यन्ते); VājaPrāti. 3. 124; included in the *cādi-gaṇa*. GaṇPā. 85. 46; KāśiVṛ. *on* P. i. 4. 57; JaineVyā. i. 2. 128 (42. 4); SaraKaṇṭhā. (Gr.) i. 1. 22]; **1** and, as well as **2 Ai** then, next, immediately following, subsequently **ii** thereafter, then, afterwards, at that time **B** then (in interrogative sentences) **C** therefore, then (as consequence) **D** then, at that time, formerly **3** supposing, what if **4** now **5** but, on the other hand **6** yet, still **7** or, or else **8 A** (as an introductory particle) **B** (particle of auspiciousness) **C** (prerequisites implied) **D** well, let it be **E** in entirety **F** yes (showing agreement); **1** and, as well as (joining two words) विश्वेषामिरज्यन्तं वसूनां सासहांसं चिदस्य वर्पस: । कृपयतो नूनमत्यथ ṚV. viii. 46. 16; इमे सोमासो अधि तुर्वशे यदाविमे कण्वेषु वामथ ṚV. viii. 9. 14; अश्वस्याश्वतरस्याजस्य पेत्वस्य च । अथर्षभस्य ये वाजा: AV. iv. 4. 8; स्थावरोऽस्म्यथ जङ्गम: TaiĀ. i. 11. 4 (88. 3); द्वे विद्ये वेदितव्ये … परा चैवापरा च । तत्रापरा ऋग्वेद: … ज्योतिषमिति । अथ परा यया तदक्षरमधिगम्यते MuṇḍaU. i. 1. 5; अधिदैवमथाध्यात्ममधियज्ञमिति त्रयम् ।… श्रुतमित्यभिधीयते S'āṅkhāGS. i. 2. 5; वरीयसी च पीयूषो दवीयोऽथ ह्रसीय च BhārS'i. 13 (comm. एते शब्दा: दीर्घविरला:); हृदये चैकमात्रस्तु अर्धमात्रस्तु मूर्धनि । नासिकायां त्वथार्धं च रङ्गस्यैव द्विमात्रता PāṇiS'i. 28; अनुनासिका: । भवन्ति प्रत्यये येषामन्तस्था: संयुतास्तथा । हकारं चैव वर्गाणां तृतीयं च चतुर्थकम् । अथ दीर्घविसर्गान्ता अष्टौ ते नादसंज्ञका: PārāS'i. 41; व्यञ्जनान्यनुवर्णानि यान्युवर्णान्यान् हितानि (? न्तान्वितानि) च । विद्याद्वि:करणमेतेषामथौकारउकारयो: LomS'i. 4. 7; NāraS'i. i. 1. 12; राक्षोघ्नानि च सामानि स्वधावन्ति यजूंषि च । मध्वृचोऽथ पवित्राणि श्रावयेत् BaudhDS. ii. 8. 5; बलाहका: । प्रववर्षुर्दिवारात्रम् …। शतशोऽथ सहस्रश: MahāBhā. iii. 179. 3; दशाहाच्छुध्यते विप्रो जन्महानौ स्वयोनिषु । षड्भिस्त्रिभिरथैकेन क्षत्रविट्शूद्रयोनिषु AṅgiSm. 83; ManuBh. i. 448. 29 (*on* 5. 60); विद्वेषामर्षपैशुन्यम् (v. l. विद्वेषमथ पैशुन्यम्)…असंतोषं ब्रह्मचारी विवर्जयेत् VedavyāSm. 1. 28; महाख्यं नवनाभं तु बिम्बभेदेन यत् स्थितम् । दृष्टेन पूजितेनाथ तथाग्नौ कल्पितेन च । मोक्षो येन भवत्याशु भक्तानाम् PauṣkS. 1. 12; गणितमथ कलां वैशिकीं हस्तिशिक्षां ज्ञात्वा Mṛcch. 1. 4; विपदि धैर्यमथाभ्युदये क्षमा … प्रकृतिसिद्धमिदं हि महात्मनाम् S'atTrayī. 14; 432; 662; 809; Hitopa. 1. 24; स्नाय्वस्थ्यसृक्त्वगथ शुक्रवसे च मज्जा Bṛhajjā. 2. 11; मुनिरयमथ वीरस्तादृशस्तत्प्रियं मे MahāvīC. 2. 27 (53. 4); जेतुं जैत्रानथ खलु जपन् सूक्तसामानुवाकान् MahāvīC. 3. 23 (75. 11); दशरथमहिष्योऽथ जनक: …आगच्छन्ति UttaRāC. 6. 39; सर्वत्रैक: पश्यति जिघ्रत्यथ भुङ्क्ते (तम्…हरिमीडे) HariStu. 14; अस्या: (पृथिव्या:) … गन्ध: … शान्तोऽथ विशदो व्यापी स्याद् व्योम्नोऽथ प्रधानत: BṛĀraUBhVā. ii. 4. 359; विद्यते … करिभिरथ तुरंगैर्यत्र … विराम: … मालिनी सा S'rutaBo. 38; (अथ इति मङ्गलानन्तरारम्भप्रश्नकार्त्स्न्याधिकारप्रतिज्ञासमुच्चयेषु) भीमोऽथार्जुन: GaṇRa. 1. 8 (21); PrakriKau. i. 304. 2; Prasā. i. 304. 16; जयोऽथ मङ्गल: श्रेयान् चित्रकान्त: परो महान् । एकैकहस्तवृद्धया तु मञ्चानामिति लक्षणम् YuktiKa. 55. 20; PañcT. 1. 80 (90. 4); ज्ञानं तर्केऽथ तन्त्रे EI. xiii. 291. 17; लक्ष्म्या यस्मिन्नुपात्तं जननमथ यश:पाण्डुपीयूषपुरै: EI. xiv. 300. 23; मृद्वङ्गी विकचारविन्दसुरभि: श्यामाथ गौरद्युति: । … स्यान्नायिका पद्मिनी PañcSā. 1. 6; सेतोश्च जालं जलमूषरोर्वी द्विराजसंधावथ मध्यकूर्मम् । …दोषषट्कम् EI. xiv. 103. 73; आ पूर्वाद्रेरथास्त(:) क्षितिधरकटकादा च हेमाचलाता(? न्ता)त् EI. xviii. 162. 65; NīlaVi. 71. 19; तन्त्रेऽस्मिन् वर्जिता ये च प्रतिष्ठां तैर्न कारयेत् । …कुबुद्धिश्चाथ लम्बोष्ठी PañcaRā. (Ha.) i. 3. 5; LakṣmīT. 1. 14; (joining two clauses) युक्ष्वा हि केशिना हरी … । अथा न इन्द्र सोमपा गिरामुपश्रुतिं चर ṚV. i. 10. 3; i. 54. 9; अग्ने भवा यज्ञानामभिशस्तिपावा । अथा वह सोमपतिम् ṚV. i. 76. 3; i. 92. 15; i. 94. 9; तां सत्यां श्रद्धामभ्या हि यातमथा सोमस्य पिबतं सुतस्य ṚV. i. 108. 6; i. 108. 1; पृङ्क्तं हवींषि मधुना हि कं गतमथा सोमं पिबतम् ṚV. ii. 37. 5; ii. 36. 3; iii. 3. 1; iii. 6. 1; तं जानन्नग्न आ सीदाथा नो वर्धया गिर: ṚV. iii. 29. 10; TaiS. I. v. 5. 2; जहि शत्रूँरप मृधो नुदस्वाथाभयं कृणुहि ṚV. iii. 47. 2; TaiS. I. iv. 42. 1; ṚV. iv. 36. 4; iv. 42. 9; iv. 53. 5-6-7; ix. 4. 1–10; ix. 86. 28; अति द्रव सारमेयौ श्वानौ …। अथा पितॄन्सुविदत्राँ उपेहि ṚV. x. 14. 10; x. 15. 4; अहरहर्जायते मासिमास्यथा देवा दधिरे हव्यवाहम् ṚV. x. 52. 3; x. 107. 3; x. 108. 3; अहमस्मि सहमानाथ त्वमसि सासहि: ṚV. x. 145. 5; अरसं प्राच्यं विषमरसं यदुदीच्यम् । अथेदमधराच्यम् AV. iv. 7. 2; स य उदिते जुहोति प्रसवत एवैतन्महते देवायातिथ्यं करोत्यथ योऽनुदिते जुहोति संनिहितायैवैतन्महते देवायातिथ्यं करोति KauṣīBr. 2. 9 (7. 18); अस्य शिरश्छित्त्वान्यत्रापनिदधतुरथाश्वस्य शिर आहृत्य तद्धास्य प्रतिदधतु: S'atBr. XIV. i. 1. 24; यो न्वेव ज्ञातस्तस्मै ब्रूयादथ योऽनूचानोऽथ योऽस्य प्रिय: स्यात् S'atBr. XIV. i. 1. 26; सरागस्तत्र वसति गुणास्तेषां समाचरन् । अथ तत्र विरागी स गच्छति त्वथ संशयम् MahāBhā. xii. 192. 121; (वाग्योगविद् दुष्यति चापशब्दै:) अथ योऽवाग्योगवित् । अज्ञानं तस्य शरणम् MahāBh. i. 2. 25 (*on* i. 1. 0); पद्मावती नरपतेर्महिषी भवित्री दृष्टा विपत्तिरथ यै: प्रथमं प्रदिष्टा । तत्प्रत्ययात् कृतमिदम् SvapnaVā. 1. 11; प्राप्यते स … आर्द्रनखलक्ष्म कपोलै: । दध्रिरेऽथ रभसच्युतपुष्पा: स्वेदबिन्दुकुसुमान्यलकान्ता: S'iśuVa. 10. 78; संवित्तिरस्त्यथ गुणा: प्रतिभान्ति लोके BallāS'. 53; कुरङ्गीहययोर्योगे रतमत्युच्चकं विदु: । हस्तिनीशशयोश्चाथ रतं स्यादतिनीचकम् AnaṅgaRa. 3. 4; दीर्घतपा: … नागान् शशाप … गता मर्त्यानामपि वाहनत्वमथ नो शप्तास्तु दिक्कुञ्जरा: MātaLī. 1. 12; स्रष्टासि तात जगतोऽस्य चराचरस्य संधारयस्यथ मुखैश्चतुरोऽपि वेदान् NīlaVi. 56. 16; **2 Ai** then, next, immediately following, subsequently (joining words) तेषामार्जि यतामभिसृष्टानां वायुर्मुखं प्रथम: प्रत्यपद्यताथेन्द्रोऽथ मित्रावरुणावथाश्विनौ AitBr. 9. 1 (238); अथ सूददोहा: । अथ धाय्या । अथ सूददोहा: AitĀ. I. iv. 2. 20; दर्शपूर्णमासाभ्यामिष्टेष्टिपशुचातुर्मास्यैरथ सोमेन ĀśvaS'S. I. iv. 1. 1; (उपेयु: । त्रैवार्षिकं प्रजाकामा:) गवामयनं प्रथम: संवत्सर: । अथादित्यानाम् । अथाङ्गिरसाम् ĀśvaS'S. II. vi. 5. 7; अथैतरेषां दशानामैन्द्रवायवाग्रं प्रथममह: । अथ शुक्राग्रम् । अथ द्वे आग्रयणाग्रे । अथैन्द्रवायवाग्रम् । अथ द्वे शुक्राग्रे ĀpaS'S. xxi. 14. 5; xxi. 22. 8; पूर्वा विद्धा परा चाथ कण्डिका यत्र दृश्यते । चापलानीति सा ज्ञेया आच्छच्छन्दो निदर्शनम् PārāS'i. 85; आहुत्याप्यायते सूर्य: सूर्याद्वृष्टिरथौषधि: । तदन्नं रसरूपेण शुक्रत्वमधिगच्छति YājñaSm. 3. 71; चण्डवृष्टिप्रयातो भवेन्नद्वयेनाथ रै: सप्तभि: JayaChand. 7. 32; न्यायप्रवृत्तो नृपतिरात्मानमथ च प्रजाम् । त्रिवर्गेणोपसंधत्ते NītiSā. 1. 15; सुखदु:खमोहमात्रं निश्चयसंकल्पनाभिमानाच्च । प्रकृतिरथान्त:करणं बुद्धिमनोऽहङ्कृति क्रमश: ParamāSā. 19; **2 Aii** thereafter, then, afterwards, at that time (joining clauses, sequence between two or more actions) (ता (= आप:) उत्तरेणाहवनीयं प्रणयति ।) अथ तृणै: परिस्तृणाति S'atBr. I. i. 1. 22; अथ वाचं यछति। … अथ व्रतपति S'atBr. I. i. 2. 2; वेदशिरसा नाभिदेशमालभेत … अथास्या योक्त्रं विचृतेत् ĀśvaS'S. I. i. 11. 3; दुह्यमानोपविशेत्तामभिमन्त्रयेत … अथैनामुत्थापयेत् ĀśvaS'S. I. iii. 11. 2; I. iv. 8. 24; I. v. 12. 6; (व्रतमुपैष्यन्समुद्रं मनसा ध्यायति ।) अथ जपति … अथादित्यमुपतिष्ठते ĀpaS'S. iv. 3. 2 and 4; तदुदित्वा वाचं यच्छति । अथ यज्ञं युनक्ति ĀpaS'S. iv. 4. 8; vii. 25. 8; अथ प्रतिप्रस्थाता … सर्वां मेषीमवद्यति । … अथ प्रचर्यारमति ĀpaS'S. viii. 6. 30; अथाध्वर्यु: … मेषमवद्यति । … अथ प्रचरति ĀpaS'S. viii. 6. 31; होमो विधीयते । अथ बलिं हरति MānGS. ii. 12. 3; पतिरवस्थाय युग्मन्तमौदुम्बरं शलाटुग्रथनमाबध्नाति … अथ सीमन्तमूर्ध्वमुन्नयति GobhiGS. ii. 7. 5; कस्यचित्त्वथ कालस्य राजा दशरथ: सुतम् । भरतम् …

अब्रवीत् Rāmā. ii. 1.2; अथ चलति महीपतौ … आसीदतिमहान् संभ्रमो महीपतीनाम् Kād. 13.20; मध्ये साधुमृदुभिषक्(ग्)दैवज्ञान् वासयेदथ प्रान्ते म्लेच्छान्त्यजक्रु(? क्रू)खीरसैनिककर्कशान् YuktiKa. 24.8; DvyāśraKā. 7.48; भगवन्नारायणो व्यासत्वेनावततार। अथ … वेदम् … चतुर्धा व्यभजत् BrahmSūBh.(Ma.) 1B.3 (*on* i. 1.1); SamarāSaṁ. 1.156; (used with a preceding gerund) सौभाग्यमस्यै दत्त्वायाथास्तं वि परेतन ṚV. x. 85.33; ChāndoUBr. i. 2.14; अपाञ्चमिन्द्र तं कृत्वाथेममिहाव गमय AV. iii. 3.6; यो अस्या ऋचे उपश्रुत्याथ गोष्वचींचरत् AV. xii. 4.28; मनुष्यायेन्वै योऽहरहराहृत्याथैनं याचति TaiS. I. v. 9.6; आचार्येभ्यो नमस्कृत्वा [अ]थ वंशस्य कीर्तयेत् VaṁśaBr. 3.1; सहभस्मानं वा गार्हपत्यायतने निधायाथ प्राञ्चमाहवनीयमुद्धरेत् ĀśvaS'S. I. iii. 12.25; II. v. 7.10; अपि वा दक्षिणार्धादवदाय यजमानभागमथ संभेदात् ĀpaS'S. iii. 1.11; v. 11.6; v. 22.10; संवत्सरमग्निहोत्रं हुत्वाथ दर्शपूर्णमासावारभते ĀpaS'S. v. 23.2; v. 24.7; xxi. 12.6; xxi. 13.14; xxiv. 12.11; ऊरुभागे तृतीयेऽधः करं न्यस्याथ दक्षिणम्। प्रसन्नमनसो भूत्वा (वर्णानुच्चारयेद् बुधः) YājñaS'i. 19; गोमयेनोपलिप्याथ च्छागेनाघ्रापयेत् पुनः AtriS. 78; भेदयन्त्येतानमित्रा मित्ररूपिणः। विदित्वा चापरे भिन्नानन्तरेषु पतन्त्यथ MahāBhā. i. 25.14; Rāmā. i. 1.20; पिष्ट्वा ब्रह्माण्डमस्मादथ भुवनविभागान् व्युदस्य MahāvīC. 6.10 (161.6); 6.45 (179.5); एतद्वचः श्रुत्वा राजाथोदञ्चनेऽक्षिपत् (मत्स्यम्) AgniP. 2.7; DevīBhāP. i. 3.20; नत्वाथ सार्थवाहः प्रययौ KalāVī. 1.23; देवी विलोक्याथ … मुनीन् बभाषे DarpDa. 7.20; KāvyPra. 110.1; स्थूललिङ्गशरीरे क्षपयित्वा दूरीकृत्य अथ भगवल्लीलोपयोगिदेहप्राप्त्यनन्तरं भोगेन संपद्यते AṇuBh. 315.16 (*on* iv. 1.19); GoviBh. 297.9 (*on* iv. 1.19); (सः … अनुसंधाय … भगवन्तं मदनान्तकम्) स्तुत्वा श्रुतिशिरोभिः कृत्वा विसर्जनं अथ स्मृत्वा चिरन्तरमात्मनि NīlaVi. 10.4; 58.9; (used with *yadā́* in the preceding subordinate clause) यदा वृत्राणि जङ्घनदथैनं मे पुनर्ददत् ṚV. iv. 24.10; यदेदेवीरसहिष्ट माया अथाभवत्केवलः सोमो अस्य ṚV. vii. 98.5; यदा वै द्वौ संरभेते अथ तद् वीर्यं भवति S'atBr. I. i. 1.22; यदा ना उपनेष्यसेऽथ ते शिरश्छित्त्वान्यत्रापनिधास्यावः … स यदा नावनुवक्ष्यस्यथ ते तदिन्द्र शिरश्छेत्स्यति S'atBr. XIV. i. 1.23; XIV. i. 1.24; पश्चात्स्वस्य धिष्ण्यस्य दक्षिणं पादं प्राञ्चं प्रतिष्ठापयत्यथ सव्यं, यदेतरः श्राम्येदथेतरं यदेतरोऽथेतरम् AitĀ. V. i. 4.18; यदा वर्षस्य तृप्तः स्यादथाग्रयणेन यजेत ĀśvaS'S. I. ii. 9.3; यदा सोमांशूनभिषवाय व्यापोहन्त्यथ ग्राव्णोऽभिष्टुयात् ĀśvaS'S. I. v. 12.7; यदा वीतार्चिर्लेलायतीवाग्निरथाहुतीर्जुहोति ĀpaS'S. ii. 19.11; यदा चास्य होता नाम गृह्णीयादथ ब्रूयात् ĀpaS'S. iv. 12.5; v. 7.12; ix. 2.3; xiii 7.14; xv. 18.13; होता प्रातरनुवाकमनूच्याभूदुषा इति यदा ब्रूयादथ वेदिमाक्रामेयुः LāṭyāS'S. i. 9.2; यदायमर्थस्य तथाभावं प्रतिपद्यते अथ प्रवर्तेत इति NyāyVār. 8.9 (*on* i. 1.1); प्रियकरपरिमार्गादङ्गनानां यदाभूत् पुनरधिकतरैव स्वेदतोयोदयश्रीः। अथ वपुरभिषेक्तुं तास्तदाम्भोभिरीषुर्वनविहरणखेदम्लानमम्लानशोभाः S'iśuVa. 7.75; (used with *yád* in the preceding clause) यद्ध द्यावापृथिवी आविवेशीरथाभवः पूर्व्यः कारुधायाः ṚV. iii. 32.10; यदग्नये मथ्यमानायानुवाचाहाथ कस्मात् सावित्रीमन्वाह AitBr. 3.5(66); 3.5(67); (used with *yadi* in the preceding clause) यदि त्वध्वर्यव आर्जि जापयेयुरथ ब्रह्मा तीर्थदेशे मयूखे चक्रं प्रतिमुक्तं तदारुह्य ĀśvaS'S. II. iii. 9.8; यद्यभिचरेद्योपवेषे शुक्र सामुमृच्छतु यं द्विष्म इत्यथास्मै नामगृह्य प्रहरति ĀpaS'S. iii. 14.1; (used with *yāvad* in the preceding clause) सा यावद्रात्रेष्टिः संतिष्ठतेऽथ सायमग्निहोत्रं जुहोति ĀpaS'S. xiii. 25.9; (used with *ced* in the preceding clause) उपाध्यायश्चेदागच्छति उपाध्यायश्चेदागन्ता अथ त्वं छन्दोऽधीष्व KāśiVṛ. *on* P. iii 3.8; (used with *prāk* in the preceding clause) असंशयं प्रागसृजद्विधाता यमेकमेव त्रिजगद्वदान्यम्। कल्पद्रुमादीनथ तैस्तदीयनिर्माणशेषैः परमाणुलेशैः NavaSāC. 1.82; (a past action denoted by a past passive participle or a present participle) स्नातोऽथ भुङ्क्ते GaṇRa. 1.8(21); PrakriKau. i. 304.2; Prasā. i. 304.13; श्लिष्यंस्तामथ रुक्मिणीं नतमुखीं कृष्णः स पुष्णातु नः KṛṣṇaKa. 2.105; संक्रुद्धस्त्वथ संचचाल दलितक्षोणीशदिल्लीश्वरः ParamāKā. 11.78; (used with a locative absolute construction) भुक्तवत्सु च (v. l. भुक्तवत्स्वथ) विप्रेषु भोजयित्वानुजान् MahāBhā. iii. 4.7; संकीर्त्यमानेषु राज्ञां नामसु … ददर्श भैमी पुरुषान् पञ्च तुल्याकृतीनिव (v. l. अथ) MahāBhā. iii. 54.10; स्वाम्ये स्थिते सति भवेदथ कर्तृभावः SaṁkṣeS'ā. 1.474; (i. 345.2); अम्ब पश्याननम्। व्यादेहीति विकासितेऽथ वदने माता समस्तं जगद् दृष्ट्वा यस्य जगाम विस्मयवशम् Subhāṣi. 40; (contrasting with *agre*) अतिरात्रमग्रेऽथाग्निष्टोममष्टा उक्थ्यानथाग्निष्टोममथातिरात्रम् ĀśvaS'S. II. iv. 5.10; आहवनीयमग्रेऽथ गार्हपत्यमथ दक्षिणाग्निम् ĀpaS'S. vi. 5.4; हृदयस्याग्रेऽवद्यति। अथ जिह्वाया अथ वक्षसः ĀpaS'S. vii. 24.2; उपपक्षावग्रेऽथ श्मश्रूण्यथ केशान् ĀpaS'S. x. 5.7; (नखानि कारयते) हस्त्यान्यग्रेऽथ पद्यानि ĀpaS'S. x. 5.13; हृदयस्याग्रेऽवद्यति अथ जिह्वायाः S'ābaBh. 509.10 (*on* ii. 2.17) **2 B** then (in interrogative sentences) (with an interrogative pronoun or participle) अथ केन प्रयुक्तोऽयं पापं चरति पूरुषः Gītā. 3.36; PañcDa. 7.159; द्रोणः – एह्येहि पुत्र। अयमक्रमः। दुर्योधनः – अथ कः क्रमः PañcRā. 1.23(4); अथ कस्यां वेलायां प्रत्यागतप्राणः स्वामी PratiYau. 1.8(1); अथेमं दिवसशेषम् … क नु खलु यापयामि Mālavikā. 3.2(3); अथ भगवान् कृष्णः केन प्रकारेण सन्धिं कर्तुं सुयोधनं प्रति प्रहितः VeṇiSaṁ. 1.122; अथ किमाह मन्दारिका माधवालेख्यप्रयोजनं मालत्याः MālaMā. 1.330; 10.93; अथान्येन केन (परवान्) MahāvīC. 1.56(13) (31.7); अथ स राजा किमाचारः संप्रति UttaRāC. 2.6 (18); अथ कोऽयम् … ध्वनिनैव दत्तपुलकं करोति माम् UttaRāC. 6.17; अथानुभवविध्वंसे स्मृतिस्तदनुरोधिनी। कथं भवेत् ĪśvaPraSū. i. 2.3; अथ सायंवैश्वदेवहोमे कः कर्ता? … पत्न्येव ManuBh. i. 260.11 (*on* 3.111); कृष्ण … कथमथ वञ्चयसे जनम् GītGo. viii. 17.6; अथ कं प्रवेशोपायमकार्षीः MohaRāPa. 1. 18(34); अथ कथं परमेश्वरस्य निःश्रेयसप्रदत्वमभिधीयते SarvaDaSaṁ. 1.13; अथ 'आत्' इति वर्तमाने अद्वचनं किमर्थम्। ह्रस्वश्रवणार्थमिति चेन्न Prasā. i. 234.10; अथ का निरोद्धव्याश्चित्तवृत्तयः YogSā. 2.13(1); (without any interrogative word) तपोवनेऽस्मिन्नथ निष्क्रियो वा संकीर्णधर्मापतितोऽशुचिर्वा। दृष्टस्त्वया येन न ते विवत्सा BuddhaC. 7.42; अथ दृष्टपूर्वस्त्वयैष पन्थाः PratiYau. 1.3(10); अथ परिसमाप्ता विद्या SvapnaVā. 1.12(18); 1.13(1); अथ शक्यं श्रोतुम् PadmPrā. 5.20; अथोपनीतं पत्रकं गृहीतं च तया PadmaPrā. 23.15; अथ सा तत्रभवती किमाख्यस्य राजर्षेः पत्नी S'āk. 7.20(6) अथास्मद्वचनादाघोषितः कुसुमपुरे कौमुदीमहोत्सवः MudrāRā. 3.9(2); स एव दुरात्मा … उपलब्धः। … अथ दर्शनगोचरं गतः VeṇīSaṁ. 6.41; तद्विना कुम्भकारेण घटोऽपि न भवेत्कथम्। प्रधानमयमृत्पिण्डादेव तादृक्स्वभावतः। अथ स्वभाव एषोऽस्य यत्कुलालाद्यपेक्षणम्। तथेश्वरव्यपेक्षास्तु देहहेतोः स्वभावतः SiTrayī. 2.29; अथेति प्रश्नोपक्षेपे NyāyKa. 145.6 'अह भंते'ति अथ परिप्रश्नार्थः SthānṬ. 124A.1; अथ शक्तोऽसि भोक्तुम् GaṇRa. 1.8(21); अथेति प्रश्ने BālamBha. ii. 270.16 (*on* 2.146); **2 C** therefore, then (as consequence) स्वग्नयो हि वार्यं देवासो दधिरे च नः। स्वग्नयो मनामहे। अथा न उभयेषाममृत मर्त्यानाम्। मिथः सन्तु प्रशस्तयः ṚV. i. 26.9; i. 47.3; सुशर्माणा स्ववसा हि भूतमथा धत्तं यजमानाय शं योः ṚV. i. 93.7; i. 102.6; i. 114.9; i. 117.19; नहि ते पूर्तमक्षिपद्भुवन्नेमानां वसो। अथा दुवो वनवसे ṚV. vi. 16.18; नहि मे अस्त्यघ्न्या न स्वधितिर्वनन्वति। अथैतादृग्भरामि ते ṚV. viii. 102.19; अर्वाग्देवा अस्य विसर्जनेनाथा को वेद यत आबभूव ṚV. x. 129.6; सर्वान् कामान् यमराज्ये वशा प्रददुषे दुहे। अथाहुर्नारकं लोकं निरुन्धानस्य याचिताम् AV. xii. 4.36; वैवस्वते राजनि तज्जुहोम्यथ यज्ञियं मधुमदस्तु नोऽन्नम् AV. vi. 116.1; vi. 119.2; सोऽग्निरब्रवीद् भागयसान्यथ व इदमिति TaiS. I. v. 1.2; IV. ii. 6.1; ब्रह्मवादिनो वदन्ति। नाग्निष्टोमो नोक्थ्यः। न षोडशी नातिरात्रः। अथ कस्माद्वाजपेये सर्वे यज्ञक्रतवोऽवरुध्यन्त इति TaiBr. I. iii. 4.1; अथ कस्माद् वाम्रक्रेणैतन्मरुत्वतीयं प्रतिपद्यते AitĀ. I. ii. 2.3; I. v. 2.3; उत्तमस्य च मासस्यादौ येऽभिप्लवास्त्रय उद्धृत्य तेषां मध्यममथ स्युः पृष्ठ्यमध्यमाः ĀśvaS'S. II. vi. 1.6; बहूनीन्द्रसहस्राणि दैत्येन्द्रनियुतानि च। विनष्टानीह कालेन मनुजेष्वथ का कथा ViṣṇuSm. 20.25; सुखसाध्यभैक्ष्यमशनं शय्या श्मशाने वने। मित्रामित्रसमानतातिविमला चिन्ताथ शून्यालये … योगी सुखं तिष्ठति S'atTrayī. 234; अथ वेणुवनात् त्रिषु नागवनं श्वः प्रयाता स्वामी प्रागेव संभावयितव्यः PratiYau. 1.3(1); कल्याणानां त्वमसि महसां भाजनं विश्वमूर्ते धुर्यां लक्ष्मीमथ मयि भृशं धेहि MālaMā. 1.13; अन्नस्याहारस्यैषणं वाञ्छानेषणम् … भैक्ष्यम् … अथ अहो … श्रमणा आहारग्रहणेऽप्यनाहारा भवन्ति TātpaVṛ. 309.11 (*on* 3.27); जाया मे स्यादथ प्रजायेय SiddhāSi. i. 9.3; **2D** then, at that time, formerly (contrasting with *adhunā*) जगाम व्यर्थं मे बहुदिनमथार्थार्थितया … हरिध्यानव्यग्रं भवितुमधुना वाञ्छति मनः VijñāS'. 21; **3** supposing, what if (introduces posibility, mostly in the Bhāṣya works) वेदादिमारभेत संततमधीयीत मौनी न चान्तरा विरमेत् अथान्तरा व्याहरेदथान्तरा विरमेत् त्रीन् प्राणानायम्यातम्याचम्य वृतान्तादेवारभेत JaimiGS. 2.8 (33.2); अथ चित्तं समाधातुं न शक्नोषि मयि स्थिरम्। अभ्यासयोगेन ततो मामिच्छाप्तुं धनञ्जय MahāBhā. vi. 34.9 = BhagGī. 12.9; यदि पूर्वपदप्रकृतिस्वरत्वं ततो बहुव्रीहिः। अथान्तोदात्तत्वं ततस्तत्पुरुषः MahāBh. i. 2.2 (*on* i. 1.0); बालमर्हसि न त्यक्तुम् … अथ बन्धुं च राज्यं च त्यक्तुमेव कृता मतिः। मां नार्हसि विभो त्यक्तुम् BuddhaC. 6.35; 7.29; Saund. 9.42; अथ न रुचितं मुञ्च त्वं मामहं कृतनिश्चयः Prati. 1.18; अथ अवश्यमेव माधवसेनः पूज्येन मोचयितव्यः श्रूयतामभिसंधिः Mālavikā. 1.6 (22); अथैकधेनोरपराधचण्डाद्गुरोः … बिभेषि RaghuVa. 2.49; यदि यथा वदति क्षितिपस्तथा त्वमसि किं पितुरुत्कुलया त्वया। अथ तु वेत्सि शुचि व्रतमात्मनः पतिगृहे तव दास्यमपि क्षमम् S'āk. 5.28; (एतां किल मातापितरौ आत्मानं च वर्जयित्वा अपरः भूमिपतितं न गृह्णाति *chāyā*) राजा – अथ गृह्णाति S'āk. 7.20 (29); कथं निमित्तार्थता भवेत् कथं वा यागविधानमिति। यदि राजशब्दो ब्राह्मणादिष्वपि … ततो निमित्तार्थता। अथ क्षत्रिय एव ततः प्रापकाण्येवंजातीयकानि श्रवणानि S'ābaBh. 579.2 (*on* ii. 3.3); 1260.9 (*on* iv. 3.26); (इदं जन्म) अथाकृतकेन हेतुना (निर्वर्त्यते) ततो हेतूच्छेदस्याशक्यत्वा-

दनुपपन्नो जन्मोच्छेदः NyāyBh. 6.2 (*on* i. 1.1); 34.4 (*on* i. 1.22); 70.5 (*on* i. 2.14); अथ त्वमपरमपि प्रयोजनं श्रोतुमिच्छसि तदपि कथयामि MudrāRā. 3.24 (1); अथ कार्यविपत्तिस्तु ··· स्वामिनः ···। अप्राप्ते वै स काले तु दाप्यस्त्वर्धकृतेऽपि तत् KātySm. 609; 649; मार्गणैरथ तव प्रयोजनं नाथसे किमु पतिं न भूभृतः Kirātā. 13.59; 14.20; बाले किमनेन पृष्टेन प्रयोजनम्। अथ कौतुकमावेदयामि Kād. 144.5; ऋषिरयमतिथिश्चेत् ··· मधुपर्कः कल्प्यताम् ···। अथ तु रिपुरकस्माद् द्वेष्टि नः पुत्रभाण्डे तदिह···कार्मुकस्याधिकारः MahāviC. 2.44; ब्रह्म···यदि प्रसिद्धं न जिज्ञासितव्यम्। अथाप्रसिद्धं नैवं शक्यं जिज्ञासितुम् BrahmSūBh.(S'an.) 8.11(*on* i. 1.1); नाचेतनस्य प्रधानस्य चेतनो जीवः स्वरूपं भवितुमर्हति। अथ तु चेतनं ब्रह्म मुख्यमीक्षितृ परिगृह्येत BrahmSūBh.(S'an.) 42.4 (*on* i. 1.6); 42.15 (*on* i. 1.6); न संख्योपसंग्रहादपि प्रधानादीनां श्रुतिमत्त्वं प्रत्याशा ··· नानाभावात् ··· अथोच्येत पंचविंशतिसंख्यैवेयमन्वयवद्वारेण लक्ष्यते BrahmSūBh.(S'an.) 245.10 (*on* i. 4.11); 294.17 (*on* ii. 1.6); 298.12 (*on* ii. 1.8); 302.14 (*on* ii. 1.11); 317.11 (*on* ii. 1.15); 321.6(*on* ii. 1.18); अथास्ति हस्तसंकेतादीनां यथासमयं प्रतिपादनमित्युच्यते। तत् तर्हि प्रमाणान्तरमनुमानं वा Kāśi. iii. 109.22 (*on* 5(5).19); अथ तद्वदभावोऽपि प्राक् प्रतीयत इत्युच्यते सिद्धं तर्हि साध्यत इति Kāśi. iii. 211.19 (*on* 5(8).53); अथास्माद्वचनाद्भवति। मैवम् ManuBh. i. 459.20 (*on* 5.83); निरालम्बनासु बुद्धिषु यदि विशेषमात्रमङ्गीकृत्योच्यते ततो वक्तव्यम् – कथमनुगताकारा बुद्धिरिति S'arka. 2.20; अथेयं (प्रतीतिः) रजतत्वेन न शुक्तिमवलम्बते। सामानाधिकरण्येन प्रतिपत्तिर्विरुध्यते PrakaPañ. 45.7; अथ मतं भूतार्थप्रतिपादकं वचनमनुवादकं स्यात् NyāyKa. 4.16; (यदि ब्रूयात् प्रमाणेनेति स प्रतिवक्तव्यः प्रमाणज्ञानोपायमविद्वान् कथं भवानेवमाहेति) अथ प्रमाणेनागृहीतप्रामाण्येनेति। वाङ्मनसयोर्विसंवादः TātpaṬ.(Vā.) 15.9 (*on* i. 1.1); यदि स्मरामि तां तन्वीं जीविताशा कुतो मम। अथ विस्मृत्य जीवामि जीवितव्यसनेन किम् SaraKaṇṭhā. 304.16; अथ लोकप्रसिद्धत्वात्तेषां लक्षणं न वक्तव्यं तत् प्रत्यक्षेऽपि स्यादित्याह NyāyRa. 135.16 (*on* 4.8); 698.12 (*on* 5(17).39); अथ कथायां वादिनो नियममेतादृशं मन्यन्ते प्रमाणादयः सर्वतन्त्रसिद्धान्ततया सिद्धाः पदार्थाः सन्तीति कथकाभ्यामभ्युपेयम्। तदपरे न क्षमन्ते KhaṇḍanKhā. 11.15; अथ कन्यकादोषेण मृत्युर्भवति तदस्य दारिद्र्योत्थक्लेशस्य पर्यन्तो भवति Pañcā. 287.3; अथ मरणमवश्यमेव जन्तोः किमिति मुधा मलिनं यशः कुरुध्वम् Hitopa. 3.138; यद्येते ··· संभूय काव्यव्यवहारं प्रयोजयन्ति तदानीम् ··· गौडीपाञ्चाल्योः काव्यानात्मत्वप्रसङ्गः। अथ कतिपये···गुणमात्रसंभवेऽपि काव्यव्यवहारप्राप्तिः Ekāva. 5.1 (22) (146.9); अथ सदसद्वैलक्षण्यमनिर्वाच्यत्वमिति मतम्। तदास्माभिर्जगतः सदसद्रूपतानभ्युपगमात् सिद्धसाधनता Vādā. 3.4; अथ प्रागेव स्वाध्यायाध्ययनात् प्रव्रजितः स्यात् SiddhāSi. i. 3.17; अथ सोमेन यागं भावयेदित्यन्वयः तत्र यद्यपि सोमस्य करणत्वेन यागार्थत्वाद्यागनिर्वृत्तिर्दृष्टमेव प्रयोजनम् MīmāNyāPra. 196.16; अथ साजात्याभिमानेन दुर्वासस एव वचनं सत्यापयितुमध्यवसायस्तदेहि NīlaVi. 36.6; अथ भाष्यकृतोऽननुरुध्य प्रवपतीति प्रशब्दस्य शिखासहितवपनमर्थः BālamBha. i. 37.2 (*on* 1.11); यदि शाटकः न वातव्यः, अथ वातव्यः न शाटकः। शाटको वातव्य इति विप्रतिषिद्धम् PariVṛ.(Nī.) 2.12; **4** now उप॒ कामा॑न्त्ससृ॒ज्महेऽथा॑ नोऽवि॒ता भ॑व R̥V. i. 81.8; त्वामु॒ग्रमव॑से सं शि॑शीम॒स्यथा॑ न इन्द्र॒ हव॑नेषु चोदय R̥V. i. 102.10; परि॒ ··· जना॑ना॒ं विश्वास॑र॒द्भोज॑ना पू॒यमा॑नः। अथा भ॑र श्येनभृत॒ प्रयां॑सि R̥V. ix. 87.6; अथ प्रातर्जुहोति KauṣīBr. 2.8 (7.1); अथ॒ वा अ॑स्य वा॒युश्चा॑नुवत्स॒रश्चाप्री॑ता॒वुच्छि॑ष्येते TaiBr. I. iv. 10.2; हतः क्रिमीणां क्षुद्रको हता माता हतः पिता। अथैषां भिन्नकः कुम्भो य एषां विषधानकः MantrBr. ii. 7.4; अथान्तरतराणि DevaBr. 1.20; 1.21; अथैताः तिस्रः संहिता भवन्ति SaṁhiUBh. 1.9; 1.17; 1.19; 3.20; अथान्नं वै प्रेङ्खः AitĀ. I. ii. 4.17; अथ पुनरालभमानस्य ··· वैश्वदेवेन यजते ĀpaS'S. viii. 21.7; अथ येषां स्युः (मन्त्रकृतः) अपुरोहितप्रवरास्ते ĀpaS'S. xxiv. 10.14; xxiv. 5.15; अथ काम्यानि ĀpaDS. i(1). 1.19; i(1). 1.31; i(1). 2.7; अथ यदि रथाङ्गं विशीर्येत (प्रतिदध्यात्) S'āṅkhāGS. i. 15.9; अथ यदि दशरात्रात्संनिपतेयुः BaudhDS. i. 5.104; यत्रानेकः क्वचिदपि गृहे तत्र तिष्ठत्यथैको यत्राप्येकस्तदनु बहवस्तत्र चान्ते न चैकः S'atTrayī. 171; अथ क्रमेण क्षीयमाणे वपुषि AvantiKa. 245.6; ब्रह्मविद्यामथेदानीं वक्तुं वेदः प्रचक्रमे UpadeSā. 118.2; अथ केचिद्भेदा अपीतावविभागमापद्यन्ते केचिन्न BrahmSūBh.(S'an.) 302.2 (*on* ii. 1.10); (used to cite the views of other texts or persons) अथापि ब्राह्मणं भवति ··· अथ यो मन्त्रे मन्त्रे वेद सर्वमायुरेति ĀrṣeBr. i. 1.6; अथैष आर्चिको निगदो भवति SaṁhiUBr. 3.12; अथ ताण्डकम् ĀpaS'S. xxi. 16.5; अथ भाल्लविकम् ĀpaS'S. xxi. 16.15; xxi. 19.20; अथ काठकाः ĀpaS'S. xxi. 23.6; अथाह ताण्डिनः ĀpaS'S. xxiv. 10.18; viii. 13.16; xxi. 17.11; अथापि रौरुकिब्राह्मणं भवति GobhiGS. iii. 2.5; अथाप्युदाहरन्ति GobhiGS. i. 3.14; BaudhDS. i. 4.16; i. 5.18; i. 5.20; अथ हैके ब्रुवते BaudhDS. ii. 5.2; अथाप्यत्रान्नगीतौ श्लोकावुदाहरन्ति BaudhDS. ii. 3.18; (introducing a new topic after a clear statement of the end of previous topic by *iti*) इत्यध्यात्ममथाधिदैवतम् AitBr. 10.8 (283); AitĀ. I. iii. 8.9; इति तु पूर्वं पटलम्। अथोत्तरम् ĀśvaS'S. I. iv. 7.1; II. v. 7.7; इति पृथक्त्वम्। अथ सामान्यम् ĀśvaS'S. II. iv. 5.14; इति द्रव्यादिसामान्यलक्षणानि। अथ तद्विशेषलक्षणान्युच्यन्ते TarkKau. 1.19; (used to introduce enumeration or listing) अथ पतनीयानि। समुद्रसंयानम्। ब्रह्मस्वन्यासापहरणम् ··· शूद्राभिजननम्। तदपत्यत्वं च BaudhDS. ii. 1.40; अथोपपातकानि। अगम्यागमनम् ··· कन्यादूषणमिति BaudhDS. ii. 1.43; ii. 1.46; (namely, to wit) वर्णा विंशतिरेकश्च येषां द्विर्भाव इष्यते। अथ मान्त्यास्तृतीयाश्च यलवाः शषसैः सह LomS'i. 3.6; नन्दी विशाला सुमुखी चित्रा चित्रवती सुखा। बला वा चाथ विज्ञेया देवानां सप्तमूर्च्छनाः NāraS'i. i. 2.9; यः ··· अपरो विकल्प उत्प्रेक्षितः अथेदं जगदपीतावपि विभक्तमेव परेण ब्रह्मणावतिष्ठेतेति सः ··· प्रतिषिद्धः BrahmSūBh.(S'an.) 301.6 (*on* ii. 1.9); **5** but, on the other hand माकि॑र्नेश॒न्माकीं॒ रिष॒न् माकीं॒ सं शा॑रि॒ केव॑टे। अथारि॑ष्टाभि॒रा ग॑हि R̥V. vi. 54.7; तानग्निरुवाचाथ यद् वोऽहं घोरसंस्पर्शतमोऽस्म्यनपचयितारो मनुष्याः कथं वस्तद् भविष्यति यन्मनुष्येष्विति KauṣīBr. 1.1 (1.2); नार्भत्रीषु स्तुवतेऽथार्भवः पवमान इत्याचक्षते KauṣīBr. 16.1 (69.12); अथ य एतैरसंपूर्णं पश्यति स गाथादर्शी भवति SaṁhiUBr. 3.22; अथेतराः (आपः) पेयाः ··· तास्तत्रैवाभ्यश्राम्यत् GopBr. i. 1.3; अथेह मुखत एवाग्निमागच्छन्ति AitĀ. I. i. 2.2; य उ हैवंविदं स्वेषु प्रतिर्बुभूषति न हैवालं भार्येभ्यो भवति। अथ य एवैतमनु भवति यो वैतमनु भार्यान् बुभूर्षति स हैवालं भार्येभ्यो भवति BṛĀraU. i. 3.18; यत्र स्वः पाणिर्न विनिर्ज्ञायतेऽथ यत्र वागुच्चरत्युपैव तत्र न्येति BṛĀraU. iv. 3.5; य एतद्विदुरमृतास्ते भवन्त्यथेतरे दुःखमेवापियन्ति S'vetāU. 3.10; स एष स्वर्ग्यः पशुर्य एनमेवं विभजन्त्यथ येऽतोऽन्यथा तद्यथा ···पापकृतो वा पशुं विमथ्नीरंस्तादृक् तत् ĀśvaS'S. II. vi. 9.17; ii. vi. 15.5; यो वसन्तोऽभूत् ··· इति यजते स ऋतुयाजी। अथ यश्चतुर्षु चतुर्षु मासेषु स चातुर्मास्ययाजी ĀpaS'S. viii. 4.13; ब्रह्मचर्यवान् प्रव्रजतीत्येकेषाम्। अथ शालीनयायावराणामनपत्यानाम् BaudhGS. ii. 10.3; स्तुवतो दुहिता त्वं वै याचतः प्रतिगृह्णतः। अथाहं स्तूयमानस्य ददतोऽप्रतिगृह्णतः BaudhDS. ii. 2.80; ii. 9.6; ननु वक्तव्यम् एकशरीरसंक्षिप्ता पृथिवी रक्षितव्येति। अथ कुत उत्पन्नोऽयं दोषः Prati. 1.11 (7); 1.14 (1); 1.15 (1); नाकमिष्टसुखं यान्ति सुयुक्तैर्वडवारथैः। अथ पत्काषिणो यान्ति येऽचीकमतभाषिणः MahāBh. ii. 55.5 (*on* iii. 1.48); गृहोद्यानतटाकानां संस्कर्ता लभते न तु। व्ययम् ··· न निवेद्य नृपे यदि। अथावेद्य प्रयुक्तस्तु तद्गतं लभते व्ययम् KātySm. 763; अथेहापूर्वार्थवद् भूतोपदेशः MīmāSū. xi. 3.42; पक्षी (तद् दृष्ट्वा) वृक्षादवतीर्याभिधत्ते (भद्र) मा क्लिश्यताम् नायं वह्निः खद्योतोऽयमिति। अथासौ तद्वचनमनादृत्य पुनर्धमति PañcT. 1.151(12) (152.1); रात्रेश्चतुर्थचरणे नलिनी द्रवत्वं संयाति चित्रदयिता प्रथमेऽथ यामे AnaṅgaRa. 1.15; **6** yet, still यद॒न्ये श॒तं याचे॑युर्ब्रा॒ह्मणा गोप॑तिं व॒शाम्। अथै॑नां दे॒वा अ॑ब्रुवन्ने॒वं ह॑ वि॒दुषो॑ व॒शा AV. xii. 4.22; यदि दुरुक्तोक्तो यजतेऽथ हैषाहुतिर्गच्छत्येव देवान् AitBr. 3.5 (74); परिमिता वा ऋचः परिमितानि सामानि परिमितानि यजूंष्यथैतस्यैवान्तो नास्ति यद् ब्रह्म BaudhDS. ii. 10.66; यदप्यचेतनत्वाद्वक्तुमशक्तस्सुरालयस्तदपि। अथ केन [कृ]तोऽहमिति प्रशस्तिपृथुजिह्वया वदति EI i. 112.7; यस्मिन्नप्रतिमा क्षमाभिरमते··· यत्रास्पृहा सस्पृहा। कामं निर्वृतिकामुकस्स्वयमथाप्यग्रेसरो योगिनाम् EI. iii. 197.201; **7** or, or else यजमानस्योष्णीषम्। आदाय ···। प्रतिप्रयच्छेदितरेषु। अथापरमभिरूपं कुर्यादिति गाणगारिः ĀśvaS'S. I. v. 12.14; अथैतैरेव देवता उदस्य राजशब्दं चामुना त्वा छन्दसा रोहामीत्यारोहेत् LāṭyāS'S. iii. 12.9 (comm. अथ शब्दो विकल्पार्थः); गाण्डीवं द्रक्ष्यन्ति कुरवो मम। दक्षिणेनाथ वामेन कतरेण स्विदस्यति MahāBhā. iv. 56.4; पुरुषत्वमथ स्त्रीत्वं मत्तो यदभिकाङ्क्षसि MahāBhā. xiii. 12.44); यदि लोपोऽप्यनुवर्तते ततो यिशब्दः। अथ निवृत्तं ततो यकारः MahāBh. iii. 230.13 (*on* vi. 4.159); अथ त्विदानीं कुलगर्वितत्वादस्मासु विश्रम्भगुणो न तेऽस्ति BuddhaC. 10.27; 13.11; यद्यन्यया ··· भर्ता हृतस्ते कुरु बाष्पमोक्षम्। ··· अथापि किंचिद्व्यसनं प्रपन्नः Saunda. 6.42; 8.5; किमेकस्यादित आरभ्य धर्मान् सर्वान् कृत्वा द्वितीयस्य पुनरादित उपक्रमितव्याः, अथ प्रथमस्तावत् कर्तव्यः ततो द्वितीयः S'ābaBh. 1310.8 (*on* v. 2.1); किमस्य संकेतकृतं वाच्यवाचकत्वमथ प्रदीपप्रकाशवदवस्थितमिति YogBh. 33.2 (*on* 1.27); किमिदं जन्म कृतकेन हेतुना निर्वर्त्यते आहो स्विदकृतकेन, अथाकस्मिकम् NyāyBh. 5.17 (*on* i. 1.1); 34.13 (*on* i. 1.22); संज्ञिनीं व्यक्तिमिच्छन्ति सूत्रग्राह्यामथापरे VākyaPa. 1.69; 2.246; 2.399 किं पुनरेतानि प्रमाणानि संप्लवन्ते, अथ प्रतिप्रमेयं व्यवतिष्ठन्ते NyāyVār. 31.20 (*on* i. 1.3); चोदितेषु पशुषु चोदकप्राप्तानां प्रोक्षणादीनां यत्र क्वचिदेकस्मिन्नेकस्यानुष्ठाने द्वितीयादिषु किं प्रथमप्रवृत्त्यैव, अथानियमः इति संशये Kāśi. ii. 29.24 (*on* 5(2).3); MahāviC. 3.35 (80.13); नीलाब्दः किमयं मेरौ धूमोऽथ प्रलयानले KāvyālaṅSāSaṁ. 6.3(3*); क्रियाविधिशेषत्वं वेदान्तानाम्। अथ प्रकरणान्तरभयान्नैतदभ्युपगम्यते BrahmSūBh.(S'an.) 15.9 (*on* i. 1.1); 131.7 (*on* i. 2.24); RāghPāṇ.(Dha.) 13.10; किमज्ञासीदयं वक्ता किञ्चिदित्यनुमित्ससे। विशिष्टार्थान्वयज्ञानमनुमातुमथेच्छसि ĀgaPrā. 39.6; किमयमथशब्द आनन्तर्ये अथाधिकारे Bhām. 36.10 (*on* i. 1.1); VakroJī. 1.9; वनेऽथ साधारणभूप्रदेशे YuktiKa. 82.10; रूढितोऽथ प्रयोजनात्। अन्योऽर्थो लक्ष्यते KāvyPra. 40.2; नित्यः शब्दोऽथानित्यः GaṇRa. 1.8(21); खलं न वेद्मि स्थिरमस्थिरं वा। सत्यं स्थिरश्चेत्क्षण-

सौख्यदः किमथास्थिरः किं युगदीर्घरोषः AlaṅkāRa. 31(41); अथ निर्निमित्तापकारिणो हि राजानः Hitopa. 2.146(1); तेन भ्रातृयुगेन ··· । धर्म्मस्थानपरम्परा नवतरा चक्रेऽथ जीर्णोद्धृता EI. viii. 213.41; PārśvC. 8.263; तत्सन्नमःप्रयुक्तिं निजनाम ··· अथ प्रणवप्रणामपूर्वं स्वनाम TantrSa. 1.61; लङ्घनादथ सूत्रस्य दर्शनान्नामभाषणात् । श्रवणादथ शब्दस्य जानीयाच्छल्यमादरात् PañcaRā.(Ha.) i. 8.11; बुद्धिर्नित्या अथानित्येति SiddhāSi. i. 9.1; तत्र किं पूर्वस्य कार्यमथ परस्य LaS'abdeS'e. i. 21.14; PariVr.(Si.) 3.9 (on i. 1.1); यो हन्यात् ··· बहून् वै प्राणिनोऽथैकम् Indische Sprüche 3830; (with वा preceding or succeeding) रेफपूर्वो हकारस्तु रेफात् परमथापि वा LomS'i. 8.5; यदि वै वक्ष्यसि मृषा प्रह्लादाथ न वक्ष्यसि । शतधा ते शिरो वज्री वज्रेण प्रहरिष्यति MahāBhā. ii. 61.63; धर्मराजः ··· स्वयं चेदं कथयतु ··· । ईशो वा ते यद्यनीशोऽथ वैषः MahāBhā. ii. 62.26; विदितं वाथ वाज्ञातं पितुर्मे संविधीयताम् MahāBhā. iii. 74.4; अथवा पुनरस्त्वम्यं-शब्दः शेषे लोपश्च टिलोपः MahāBh. iii. 252.12 (on vii. 1.30); यायाद्यात्रां महीपतिः । फाल्गुनं वाथ चैत्रं वा ManuSm. 7.182; सुकृतं वाथ दुष्कृतम् । तदल्पं क्षपयेद् विप्रम् VrGautaSm. 506.16(2); तमसि जनसंबाधे विजने वाथ ··· उद्घर्षणं परस्परस्य गात्राणाम् KāmSū. 98.21 (2.2); विजिगीषते यदि जगन्ति युगपदथ संजिहीर्षति । प्राप्तुमभवमभिवाञ्छति वा वयमस्य नो विषहितुं क्षमा रुचः Kirātā. 12.30; अथ वा नातिमात्रमत्र वस्तुनि मया मनः खेदयितव्यम् MudrāRā. 3.12(1); 3.32(6); अहो महत्साहसमेतदेव यद् वर्णनीयो नवसाहसाङ्कः । भक्त्याथ वास्यैव मम प्रबन्धे सूक्ष्मोऽयमुन्मीलति शक्तिलेशः NavaSāC. 1.11; विष्णुं वाथ गणेशं वा Mānaso. i. 11.99; अपि गंगादितीर्थेषु हन्तुर्गामथ वा द्विजम् । निष्कृतिः स्यान्न EI. vi. 97.51; शंभोः श्वासगतागतानि गणयेद्यः सन्मतिर्योऽथ वा नेत्रोन्मीलनमीलनानि कलयेन्मार्कण्डनाम्नो मुनेः EI. viii. 213.42; कार्तिके वाथ चैत्रे वा विजिगीषोः प्रशस्यते । यानम् PañcT. (Kosegarten) 3.36 (152.13); 1.399 (84.12); KathāLa. 2A.4; गुणमभिदधतामथागुणं वा SiddhāSi. i. 3.7; विदितमथ न वा Jīvān. 75.5; **8 A** used as an introductory particle generally implying auspiciousness त्वथैवेति विनिवर्तकाधिकारकावधारकाः TaiPrāti. 22.6; only GaṇRa. and Prasā. specify such usage as threefold, viz. मङ्गल, आरम्भ and अधिकार (स्वाध्यायादौ) ओंकाराथकारौ । ओंकारं वेदेषु । अथकारं भाष्येषु VājaPrāti. 1.17–19; at the beginning of works अथ खल्वयमार्षः प्रदेशो भवति ĀrṣeBr. i. 1.1; अथैतस्य समाम्नायस्य विताने योगापत्तिं वक्ष्यामः ĀśvaS'S. I. i. 1.1; LāṭyāS'S. i. 1.1; अथ विधिं वक्ष्यामः KauśiSū. 1.1; अथ कर्माणि आचाराद्यानि गृह्यन्ते ĀpaGS. i. 1.1; अथ शिक्षां प्रवक्ष्यामि ह्यमोघानन्दकारिणीम् AmoghS'i. 1; PārāS'i. 1; PāṇiS'i. 1; अथ शब्दानुशासनम् MahāBh. i. 1.1 (on i. 1.0); अथ वर्णाश्रमधर्मम् VaikhāDS. i. 1.1; अथ योगानुशासनम् YogSū. 1.1; अथ भक्तानुरक्तोऽहं वच्मि योगानुशासनम् S'ivS. 1.2; अर्थस्त्वत्राथशब्दस्याधिकार एव । ··· अधिकारश्चाधिक्येन प्राधान्येनारम्भणम् SāṁkhyaPraBh. 5.36 (on i. 1.1); ··· मोक्षसाधनोपदेशविधिं व्याख्यास्यामः UpadeSā. 1.1; अथ धर्मार्थकामफलाय राज्याय नमः NītiVā. 1.0(1); अथ श्रीकालीविलासतन्त्रम् KāliViT. 1.0(1); अथ माधवानलाख्यानम् MādhavāĀ. 0(3); अधिकारार्थोऽप्यथशब्दो दृश्यते यथा अथैष ज्योतिरिति वेदे यथा वा लोके अथ शब्दानुशासनम् अथ योगानुशासनम् Bhām. 34.6 (on i. 1.1); अथ सर्वेषां शास्त्राणां भगवत्येव तात्पर्यम् ··· तेषां प्रस्थानभेदोऽत्रोद्दिश्यते PrasthāBhe. 1.3; अथेति मङ्गलानन्तरारम्भप्रश्नकार्त्स्न्याधिकारप्रतिज्ञासमुच्चयेषु । (आरम्भे) अथ शब्दानुशासनम् GaṇRa. 1.8(21); Prasā. i. 304.14; योऽसौ ··· अथशब्दवाच्यमवद्यासान् [स]मासेन षट् EI. iii. 190.30; (used at the beginning of sections) अथ द्वितीयोऽङ्कः Prati. 2.0(1); अथ चतुर्थोऽङ्कः Avimā. 4.0(1); अथ तृतीयोऽध्यायः AśvaVai. 3.0(1); अथावन्त्यखण्डेऽवन्तीक्षेत्रमाहात्म्यं प्रारभ्यते SkandP. v. 1.0(1); अथेदमारभ्यते सन्धिविग्रहसंबन्धं काकोलूकीयं नाम तृतीयं तन्त्रम् PañcT. 3.0(4) (272.4); 4.0(1) (371.3); अथ प्रथम उल्लासः KāvyPra. 1.2; MudriKuC. 2.0(1); अथ रसप्रकरणम् PratāYaBhū. 219.1; (used to introduce topics) अथ महाव्रतम् AitĀ. I. i. 1.1; अथ भरतद्वादशाहः ĀśvaS'S. II. iv. 5.8; अथ पाकयज्ञः KāṭhGS. ii. 1.1; अथ ब्रह्मदेयायाः प्रदानविधिं वक्ष्यामः KāṭhGS. ii. 3.1; अथ श्राद्धम् GautaDS. ii. 6.1; अथ निर्वचनम् Nir. 2.1 (44.2); अथ शब्दोत्पत्तिः TaiPrāti. 2.1; अथ शिक्षाविहिताः VājaPrāti. 1.29; अथाध्ययनविधिः YājñaS'i. 17; 202; अथादिः प्राक् शकटेः PhitSū. 24; 50; अथ विशेषलक्षणम् MīmāSū. viii. 1.1; अथ चित्ररतानि KāmSū. 142.5 (2.5); अथानुमानं निरूप्यते YatīndraDī. 18.2; TarkKau. 10.24; YuktiKa. 26.6; अथ ध्वनिभेदा उच्यन्ते Ekāva. 3.0(1) (81.2); अथामात्यनिरूपणम् RājNīRa. 10.1; ChandoMañ. 2.0(1); TantrSā.(K.) 7.12; AnaṅgaRa. 3; अथ प्रयागप्रकरणम् TristhaSe. 1.10; S'aktiVā. 14.12; BhojanKu. 1.13; **8 B** a particle expressive of auspiciousness (merely by its utterance, not necessarily by its meaning) ओंकारश्चाथशब्दश्च द्वावेतौ ब्रह्मणः पुरा । कण्ठं भित्त्वा विनिर्यातौ तस्मान्माङ्गलिकावुभौ cited as a Smṛti passage in Bhām. 35.22 (on i. 1.1); अथशब्दोऽयमुच्चारणमात्रेण मङ्गलरूपः SāṁkhyaPraBh. 5.34 (on 1.1); अर्थान्तरप्रयुक्त एव ह्यथशब्दः श्रुत्या मङ्गलप्रयोजनो भवति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 5.15 (on i. 1.1); अथशब्दस्य ··· श्रवणं मङ्गलाय PramāMī. 2.1 (on i. 1.1); (अथेति) मङ्गले । 'अथ परस्मैपदानि' Prasā. i. 304.13; **8 C** अधिकार (prerequisites implied) अथ । इति मङ्गलान्तरारम्भप्रश्नकार्त्स्न्याधिकारप्रतिज्ञासमुच्चयेषु । ··· (अधिकारे) अथ समासः GaṇRa. 1.8 (21); अथेति ··· अधिकारे । अथ स्नानविधिः Prasā. i. 304.15; **8 D** well! let it be! (*pādapūrṇa*) तद्धदब्रवीद् अथार्वाङ्गेनमेतास्वेवाप्स्वन्विच्छेति तदथर्वाभवत् GopBr. i. 1.4; **8 E** (कार्त्स्न्यं) in entirety अनेन तु विधानेन पुरा चक्रेऽथ पुत्रिकाः ManuSm. 9.128 (ManvaMu. कार्त्स्न्येऽथशब्दः); अथ । इति मङ्गलानन्तरारम्भप्रश्नकार्त्स्न्याधिकारप्रतिज्ञासमुच्चयेषु । ··· अथातो धर्मं व्याख्यास्यामः GaṇRa. 1.8(21); अथ कार्त्स्न्येन Mallinātha's comm. on S'iśuVa. 7.75; (कार्त्स्न्ये) अथ क्रतून् ब्रूमः Prasā. i. 304.15; **8 F** yes! statement indicating agreement प्रतिज्ञायाम् । गौडो भवान् । अथेति ब्रूम Prasā. i. 304.16; [*kośas* give the meanings of *atha* as समुच्चय (cf. 1); मङ्गल (cf. 8B); संशय and विकल्प (cf. 3); आरम्भ (cf. 8A); अधिकार (cf. 8C); अनन्तर (cf. 2); प्रतिज्ञा or अङ्गीकार (cf. 8F); प्रश्न (cf. 2); साकल्य (cf. 8E); हेतु (cf. 2); अन्वादेश (अथ ··· अन्वादेशे AnekāSaṁ. 7.27); निदर्शने ··· अथ इष्यते AnekāNā.(Dha.) 39); कण्ठसमीकृति श्रुति (AnekāNā.(Dha.) 39); वितर्क (अथ ··· स्याद्वितर्कविकल्पयोः AnekāK. 987); and आख्यान (अथ प्रश्नाख्यानयोः KośaKaTa. 2.686)]

अथक् (athak) sound of a running horse तस्य पार्श्वरश्मं ब्रह्मसाम भवत्यथकारेण समृद्धम् । अथग् अथग् इतीव ह्यश्वो धावति JaimiBr. 2.274.

अथ कदाचित् (atha kadācit) once upon a time अथ कदाचिदाषाढभूतिर्नाम ··· तस्य शुश्रूषामुपगतः PañcT. 1.55(5) (48.6); 1.86(6) (94.11); 2.25(13) (206.1); अथ कदाचिद्दीर्घकर्णो नाम मार्जारः पक्षिशावकान् भक्षयितुमागतः Hitopa. 1.42(5); 2.79(18); 2.108(5)

अथकार (atha-kāra) *m.* the word *atha* इडे अभितोऽथकारं तस्माच्छृङ्गे तीक्ष्णीयसी स्तूपात् PañcBr. xiii. 4.4; त्रीन्द्रियं वा एतत् साम । ··· तस्मा अथकारं प्रायच्छत् । अन्नं वा अथकारः JaimiBr. 1.186; 3.107; चन्द्रमा अथकारः ChāndoU. i. 13.1; ओङ्कारः स्वाध्यायादौ । ओङ्काराथकारौ VājaPrāti. 1.17; 1.19; चन्द्रदृष्ट्या अथकारमुपासीत ChāndoUBh. 71.13 (on i. 13.1)

अथकारणिधन (athakāra-ṇidhana) *n.* conclusion of a *Sāman* with the word *atha* पदनिधनं प्रथमस्याह्नो रूपम् ··· अथकारणिधनं पञ्चमस्य PañcBr. x. 10.1; xiii. 4.10.

अथकारवत् (athakāra-va(n)t) *adj.* [*f.* -ī] containing the word *atha* ते उ अथकारवत्याध्यर्धेळं च भवतः प्रत्यक्षं शक्वरीणां रूपं शाक्वरेऽहन् JaimiBr. 3.103; अथकारवत्यो यथा शक्वर्यः KṣudraSū. 124(193)

अथकारस्थान (athakāra-sthāna) *n.* the place of the word *atha* (in a Sāman) अथकारस्थान इति शौचिवृक्षिरेवमल्पीयान्विकारः LaṭyaS'S. x. 2.8.

अथ किम् (atha kim) what then ! (yes, of course, certainly) यो न्वावैकेन मनुष्येण संयुनोति तं न्वेव परिचक्षते । अथ किं य उभयैर्देवमनुष्यैः JaimiBr. 1.359; (नेपथ्ये) किं धार्तराष्ट्रैरिति । भटः – आर्य, अथ किम् PañcRā. 2.1 (4); PratiYau. 2.8 (17); राजा – सुमन्त्र एक एव ननु प्राप्तः । कञ्चुकीयः – महाराज । अथ किम् Prati. 2.10 (14); BālC. 2.13(5); भीमसेनः – भवान् राहुरिवोत्थितः । घटोत्कचः – अथ किम् । राहुरेव MadhyaVyā. 1.33 (1); राजा – अथ किं, बलात्कारेण SvapnVā. 4.4 (21); 1.12 (51); सखे, अयं स बलभित्सखो दुःषन्तः । ··· अथ किम् S'āk. 2.15(2); Mālavikā. 1.15(20); Mṛcch. 1.28 (7); KundaMā. 3.7(11); अश्वत्थामा – किं तात एव नास्ति । सूतः – अथ किम् VeṇiSaṁ. 3.133; सोऽब्रवीत् तात, अथ किम् PañcT. 3.57 (317.7); Hitopa. 2.79 (24); सीता – असान्वा स्मरति । अष्टावक्रः – अथ किम् UttaRāC. 1.8 (20); 4.1 (11); 4.22 (18); 6.19 (8); 7.1 (3); कुमारौ – यस्य तद्गृहेषु माहेश्वरं धनुः पूज्यते । विश्वामित्रः – अथ किम् MahāvīC. 1.14 (2); 5.24 (3); वयस्य मकरन्द अपि भवानुत्कण्ठते मदयन्तिकायाः । ··· अथ किम् MālaMā. 4.135; 9.269; मारिष रामायणमिति शृणोषि ··· अथ किम् AnargharaRā. 1.6 (4); 2.7 (8); ĀścaCū. 1.2 (3); अथ किमित्यभ्युपगमे । देवदत्त गच्छसि । अथ किम् GaṇRa. 1.6 (16); दम्भः – अथ किं सोऽप्यत्रैव महामोहस्याज्ञया वर्तते PraboCan. 2.11 (24.17); PārthaPa. 22 (3); MohaRāPa. 1.18 (32); नटी – कथं कृता एव रङ्गजीवैर्भूमिकाः । सूत्रधारः – अथ किम् UnmaRā.(Vi.) 7 (6); किमस्ति संदेशः ··· विभीषणस्य । अनलः – देव, अथ किम् AdbhuDa. 1.17 (7); 1.25 (7); MadaKeC. 2 (8)

अथ किमु (átha kímu) how much more indeed तन्न्वेवानवक्लृप्तम् । यो मनुष्येष्वनश्नत्सु पूर्वोऽश्नीयादथ किमु यो देवेष्वनश्नत्सु पूर्वोऽश्नीयात्तस्मादु नैवाश्नीयात् S'atBr. I. i. 1.8.

अथगिर् (atha-gir) *f.* the word *atha* प्रकृतैकात्म्यविद्याया व्युत्थानायाथगीरियम् BṛĀraUBhVā. i. 4.1566; इह तु सूत्रकृताथगिरोदितः पुरुष एकविधस्त्रि-

विधो न तु SaṁkṣeS'ā. 2. 91 (ii. 58. 4)

अथङ्शब्द (athaṅ-śabda) *m.* suffix *atha* चङङौ लुग्विकरणानां ज्ञापकौ स्याताम् … अथङ्शब्द औणादिकानाम् MahāBh. i. 193. 21 (*on* i. 2. 4); cf. Uṇā. 3. 116.

अथ च (atha ca) moreover, and also अथ चैनं नित्यजातम् … मन्यसे BhagGī. 2. 26; अथ च न परिभोगैर्वञ्चिता भ्रातरो मे Prati. 1. 14; अथ च परिहरन्ते धार्तराष्ट्रा न किञ्चित् PañcRā. 2. 15; अथ (चै)वं गते केन (नामान्यो)पायेन जीवितं स्यात् । किं चौर्येण PañcT. 2. 42 (235. 8); अतोऽविधेय एव क्रमः । अथ च नाचोदनालक्षणः Kāśi. i. 169. 13 (*on* 2. 206); अथ च इति अभ्युपगमार्थः GītāBh.(S'aṅ.) 42. 10 (*on* 2. 26); मनसि च गिरं ग्रथ्नन्तीमे किरन्ति न कोकिलाः । अथ च सवितुः शीतोल्लासं लुनन्ति मरीचयः SubhāRaK. 8. 13; BālamBha. i. 13. 19 (*on* 1. 10)

अथ चेत् (atha cet) if so, now अथ चेत् सर्वाण्याख्यातजानि नामानि स्युः Nir. 1. 12 (36. 11); अथ चेत्ते प्रवर्तेरन् मयि किंचिदसांप्रतम् । निर्दहेयं कुरून् सर्वान् MahāBhā. v. 70. 87; v. 74. 13; vi. 24. 33; अथ चेदन्नेनोच्छिष्टी स्यात् तदुदस्य … अद्भिः प्रोक्षेत् BaudhDS. i. 5. 23; एवमभिधाय पुनराह 'अथ चेन्नैवंविधं होतारमध्वर्युमुद्गातारं ब्रह्माणं वा वृणुते' NyāyMañ. i. 235. 3.

अथ तु (atha tu) on the contrary, but अथ त्विदानीं लडितः सुखेन …। वीतस्पृहो धर्ममनुप्रपन्नः Saund. 6. 43; अथ तु यद्येवंरूपः … युवा महाकुलीनश्च कश्चित्संनिहितः स्यात् DaśKuC. 69. 22; अथ तु प्रमाणमेवार्थं प्रत्याचष्टे किं प्रमेयविकल्पैः कृतकरै(? कै)रिति Kāśi. ii. 36. 27 (*on* 5(2). 17); यथा भवद्भिर्नैयायिका उक्ताः अथ त्वधिकृता काचित्प्रत्यक्षादेव सा भवेत् इति NyāyMañ. i. 134. 13; अथ तु प्रयोजनवती तत उपपन्ना प्रयोजनव्याप्तिः TātpaṬ.(Vā.) 50. 19 (*on* i. 1. 1); अथ तु प्रामाण्यलिप्सया … विधिः कल्प्येत MīmāKau. ii. (1). 7. 14 (*on* i. 2. 2)

अथद्रा (átha-drā) *adj.* flowing downwards आवर्तमिन्द्रः शच्या धमन्तम् । उप स्तु(? स्नु)हि (द्रप्सम्) तं नृम्णामथद्राम् TaiĀ. i. 6. 3 (37. 1); cf. **अधद्र**.

अथनवत् (athana-va(n)t) *adj.* who is without movement अथर्वाणोऽथनवन्तः थर्वतिश्चरतिकर्मा । तत्प्रतिषेधः Nir. 11. 18 (195. 11)

अथनिधन (atha-nidhana) *n.* finale (of a Sāman) consisting of the word *atha* ब्रह्मवर्चसमथनिधनेनावारुन्धत PañcBr. x. 12. 3 (comm. अथनिधनेन अथकारनिधनेन साम्ना)

अथ नु (atha nu) **i** if अथ नूच्चारणविशेषार्थाः S'ābaBh. 147. 3 (*on* i. 2. 31); अथ नु मन्त्रा एते S'ābaBh. 1541. 17 (*on* vii. 2. 1); **ii** hence यत एवमथ नु तस्मात् मन्ये KenUBh. 43. 13 (2. 1); अथ नु इति हेतुर्मीमांसायाः KenUVāBh. 78. 14 (2. 1)

अथपदार्थ (athapadārtha) *m.* meaning of the word *atha* मङ्गलं च नाथपदार्थः किंतु प्रयोजनम् PrakaVi. 22. 17.

अथ पुनर् (atha punar) **i** but then कुमार नाहमेवं वक्तुं समर्थः । अथ पुनर्भरतः प्राप्त इति ब्रूयाम् Prati. 4. 4 (11); **ii** then again अथ पुनः प्रकीर्णमलपङ्कः … बलवतीभिर्यन्त्रणाभिरुद्वेजितः प्रत्यवामृशम् DaśKuC. 47. 4.

अथमथ (athamatha) *n.* name of a Sāman सौश्रवसे वाथमथे वा ĀrṣeBr. ii. 4. 2.

अथमूलत्व (athamūla-tva) *n.* the state of being (a science) which begins with *atha* तत्र ताराथमूलत्वं सर्वशास्त्रस्य चेष्यते AnuVyā. iA. 7 (*on* i. 1)

अथ यद् (átha yád) (the reason) why, as to why अथ यद् द्वन्द्वं द्वन्द्वं वै वीर्यम् S'atBr. I. i. 1. 22; अथ यदपः प्रत्यानयत्याप: कृत्स्नानि ह वै सर्वाणि हवींषि भवन्ति । हविष एव कृत्स्नतायै KauṣiBr. 2. 1 (4. 3)

अथरी (atharī́) *f.* [DEBRU. p. 386] **1** flame or arrow or point द्वियँ पञ्च जीजनन्त्संवसानाः स्वसारो अग्निं मानुषीषु विक्षु । उषर्बुधमथर्यो ३ न दन्तम् ṚV. iv. 6. 8; **2** finger अथर्यः … अङ्गुलिनामानि Nigh. 2. 5; अथर्यः … अङ्गुलीनाम् AVPari. 48. 82.

अथर्य् (athary-) I. P. to flicker अथर्यति Nigh. 2. 14 (2)

अथर्य (athar-ya) (Voc. átharya) *adj.* flickering (*dakṣiṇāgni*) अथर्य पितुं मे पाहि VājaS. 3. 37 (Uvaṭa अथर्य । अतनवान् अथर्यः । सततं हि दक्षिणाग्निर्गार्हपत्यस्य स्थानं गच्छति); S'āṅkhāS'S. ii. 14. 3; शंस्य आहवनीयः स्यादथर्य्यो दक्षिणानलः KośaKaTa. 1. 5586 cf. [1]**अथर्व**.

अथर्यु (athar-yú) *adj.* [DEBRU. p. 845] flickering, moving अग्निं नरः … जनयन्त … गृहपतिमथर्युम् ṚV. vii. 1. 1; KāṭhS. 39. 15; Nir. 5. 10 (98. 11)

अथर्व (atharva) *m.* **Ai** name of a person (the eldest son of Brahmā) ब्रह्मा … ब्रह्मविद्याम् … अथर्वाय ज्येष्ठपुत्राय प्राह MuṇḍaU. i. 1. 1; अथर्वायाङ्गिरसे नमः BhaviP. 183A. 8 (i. 123. 64); **Aii** one of the names of S'iva नमस्त्रिनेत्रनेत्राय … अथर्वाय नमो नमः MahāBhā. xiii. App. 6 (37); **Aiii** (pl.) name of a country अथर्वाश्चार्कलिङ्गाश्च … मध्यदेश्याः … जनपदाः MārkP. 57. 33; **Aiv** name of a Pravara of Kauśika *gotra* विश्वामित्र अथर्व भारद्वाज SkandP. iii(2). 21. 5; **Av** name of a Brahmin (शेषान् वः संप्रवक्ष्यामि ब्राह्मणान् गोत्रसंभवान्) अथर्वाः पञ्चपञ्चाशत् SkandP. vi. 115. 18; **B** the Atharvaveda यजुर्वेदः पश्चिमतो ह्यथर्वश्चोत्तरेण तु SkandP. ii(5). 14. 32; ऋग्वेदोऽथ यजुर्वेदः साम चाथर्व एव च ĪśānS'iPa. ii. 1. 49; ऋग्यजुःसामाथर्वाश्च … संप्रोच्यन्ते सदागमाः KathāL. 1B. 8.

[1]**अथर्व** (athar-va) (Voc. átharva) *adj.* flickering (Agni) अथर्व पितुं मे गोपायेति TaiBr. I. i. 10. 2 (Sāy. चतुर्थवेदप्रवर्तकाचार्यरूप दक्षिणाग्ने, यद्वा हिंसारहित) अथर्व पितुं मे पाहि ĀśvaS'S. I. ii. 5. 2.

[2]**अथर्व** (atharva) *adj.* [*f.* -ā] belonging to or related to the Atharvaveda वाचयेद् ब्रह्मचारिणम् … अथर्वम् LaghvāśvaSm. 12. 14 (161); अथर्वमसितं मन्त्रं कलाष्टकसमायुतम् (हरिः जजाप) LiṅgaP. i. 17. 85; स्नाप्य मुच्येत मानवः…। होतारेणाथ शिरसा अथर्वेण शुभेन च (मन्त्रेण) LiṅgaP. i. 27. 42; सामवेदस्तथाथर्वो वेदः LiṅgaP. i. 86. 52; आसीदथर्वा त्रिवलिस्त्रिवेदीमूलाद् विनिर्गत्य वितायमाना । नानाभिचारोचितमेचकश्रीः श्रुतिर्यदीयोदररोमरेखा NaiṣC. 10. 75.

अथर्वक (atharva-ka) *n* the Atharvaveda सुमन्तुर्जाजलिश्चैव श्लोकायनिरथर्वके । शौनकः पिप्पलादश्च AgniP. 271. 8.

अथर्वकर (atharva-kara) *m.* one of the names of Viṣṇu ओं नमः श्रीपते देव … नमोऽथर्वकराय च BrahmP. 59. 54.

अथर्वकल्प (atharva-kalpa) *m.* ritual belonging to the Atharvaveda इत्येतैश्चान्यैश्चाप्यथर्वकल्पविहितैः सरुद्रगणैः (मन्त्रैः) (अभिषिञ्चेन्मनुजेन्द्रं पुरोहितः) BṛSaṁ. 48. 71.

अथर्वकाण्ड (atharva-kāṇḍa) *n.* name of a work अथर्वकाण्डे उमामनन्तं बहुशोभमानाम् … विद्याफलमाह S'aṅkaVi.(Ā.) 254. 11.

अथर्वकौशल (atharva-kauśala) *n.* expertise in the Atharvan practices अथर्वकौशलाद् द्रोणो रणं कुरुबलैर्व्यधात् RājTa.(Jo.) 1267.

अथर्वगिर् (atharva-gir) *f.* Atharvan scripture यम् … अथर्वगिरश्च हेतुम् … अवदातधियो वदन्ति HarVi. 47. 62.

अथर्वग्रहण (atharva-grahaṇa) *n.* mention of the name Atharvan (वेदाथर्वपुराणानि) भेदेनाथर्वग्रहणं छन्दःसमाधानार्थं वेदत्वेऽपि BālaKrī. i. 94 4 (*on* 1. 100); Aparā. 136. 14 (*on* 1. 101)

अथर्वचोदित (atharva-codita) *adj.* enjoined in the Atharvanic texts आचरेत्स्नानमाग्नेयं यथैवाथर्वचोदितम् ĪśānS'iPa. i. 9. 61 = ii. 3. 98.

अथर्वज (atharva-ja) *adj.* originating from the Atharvaveda तद्धितान्तश्च यश्शब्दः पश्चिमास्याच्च सामजः ।… केवलो वर्णमात्रश्च स शब्दोऽथर्वजः स्मृतः BhaviP. 520B. 5 (iii(3). 28. 50)

अथर्वजुष्ट (atharva-juṣṭa) *adj.* cherished (i. e. praised) in the Atharvanic texts अघोरवक्त्रं त्रितयं प्रपद्ये अथर्वजुष्टं तव रूपकाणि (महेश्वरस्य) SkandP. i(2). 40. 103.

अथर्वज्ञ (atharva-jña) *adj.* well versed in the Atharvaveda पुरोहितं चाथर्वज्ञं कुर्याद्दक्षं तपोऽन्वितम् KathāSaSāg. vi. 8. 193; AnekāSaṁ. 4. 74; ViśvaPra. 54. 84; आथर्वणिरथर्वज्ञे दृश्यते च पुरोहिते NānārthSaṁ. 2. 17; MediK. 54. 90; आथर्वणोऽप्यथर्वज्ञवाडवेऽपि पुरोधसि AnekāTi. 4. 21; ViśvaLcK. 114. 89; KośaKaTa. 2. 5011; S'abdaRaSaK. 118. 3.

अथर्वण (atharvaṇa) *m.* **A** the Atharvanic magical practice or charm personified ॐ कटुके … अथर्वणस्य दुहिते AVPari. xxxv. 1. 1; **B** Atharvaveda (name of one of the four Vedas) यजुर्वेदोऽप्यथर्वणः । मत्तः प्रादुर्भवन्त्येते MahāBhā. iii. 187. 14; भक्तश्चोदकुस्थितो ब्रूयाद्दक्षिणस्थो(णास्थो ?) ह्यथर्वणम् JayāS. 20. 263; ViṣṇuP. v. 1. 37; KāvyMī. 2. 21; पठन्ति स्म द्विजास्तत्र ऋग्यजुःसामलक्षणान् । अथर्वणमपि तत्र पठन्ति स्म दिवानिशम् SkandP. iii(2). 36. 7; VasiS. 29. 4; 43. 27; ऋग्वेदाद् भारती जाता … । अथर्वणादारभटी (वाग्वृत्तिः) SaṁgīRa. iv. 341. 3 (7. 1113); अथर्वणे नाधिकारः क्षत्रियाणां कदाचन S'aktiSaṁT. i. 2. 81; i. 2. 73; **C** mantra of an Atharvanic text उत्तराभिमुखीं धेनुं जलमध्ये तु कारयेत् । अथर्वणेन संस्नातां पुनर्मामित्यथेति च MatsyaP. 58. 46; **D** Atharvan priest, student or follower of the Atharvanic school of Veda दैवबलप्रवृत्ता ये देवद्रोहादभिशस्तका अथर्वणकृता उपसर्गजाश्च (व्याधयः) SuśruS. i. 24. 7; सूक्तान्यथर्वणानाम् PāraGS. ii. 10. 21; बह्वृचौ पूर्वतः स्थाप्यौ … । सामगौ पश्चिमे तद्वदुत्तरेण त्वथर्वणौ MatsyaP. 58. 29; पार्वणानि मयोक्तानि विपरीतानि तानि ते । अथर्वणास्तर्पयन्ति PrajāSm. 194; PāraS. 12. 346; भोजयेत् … शान्तिकर्मण्यथर्वणम् SkandP. vii(1). 266. 45; अथर्वणो मुमुक्षुश्च ब्राह्मणः पङ्क्तिपावनः KūrmaP. 600. 10 (2. 21); ब्राह्मणाश्चैव क्रियां कुर्युः प्रयत्नतः । बहूवृचोऽथर्वणश्चैव BhaviP. 200B. 13 (i. 135. 57); नियोजयेत् … अथर्वणावुत्तरतः BhaviP. 861A. 18 (iv. 175. 46); 384B. 25 (ii(2). 19. 166); अथर्वण इवाथर्वरहस्यपरिशालिनः । ललन्ति ब्राह्मणाः … कर्मसु ParamāKā. 111. 66; **E** name of a seer उद्गाह

इति मन्त्रस्य अथर्वण ऋषिः स्मृतः BhaviP. 375B. 1 (ii(2). 13. 81); **F** an epithet of S'iva शैलधन्वा जटाचीरोऽथर्वणनन्दिवर्धनगुडाकेशाग्रकालञ्जराः (इति शिवनामानि) TrikāS'e. i, 1. 44; **G** text of the Atharvanic school, the Muṇḍaka Upaniṣad अथर्वणे 'द्वे विद्ये वेदितव्ये' इत्युक्तम् VedāntKau. 67. 12 (*on* i. 2. 22); *adj.* belonging or pertaining to the Atharva Veda स मंत्री कारयामास अभिचारविधिं तदा । अथर्वणेन मन्त्रेण पुरोधाः प्रचकार ह SkandP. v(2). 66. 24.

अथर्वणजा (atharvaṇa-jā) *adj.* (*f.*) originated from the Atharva Veda ऋगथर्वणजा शाखा नष्टा सा च महामते SkandP. iii(2). 40. 48.

अथर्वणतुल्य (atharvaṇa-tulya) *adj.* similar to Atharvanic rites (of exorcism) यथाथर्ववेदविहितमभिचारादिकं गोप्यमेवं काम्या इष्टयोऽतीव गोप्या इति यज्ञेष्वथर्वणतुल्यास्तत एवोपांशु कर्तव्या इत्यर्थः MayūMāli. 342. 2 (*on* iii. 8. 19)

अथर्वणनामक (atharvaṇanāma-ka) *adj.* named Atharvaṇa सामवेदस्ततः प्रोक्तस्तथाथर्वणनामकः (वेदः) BṛKathāK. 126. 175.

अथर्वणप्रदिष्ट (atharvaṇa-pradiṣṭa) *adj.* mentioned in Atharvanic texts अथर्वणप्रदिष्टाः स्युः शतं सैकं तु मृत्यवः । एकस्तेषां सकालः स्यात् अन्येऽप्यागन्तवो नृणाम् BṛhaspaSm. 259. 190.

अथर्वणभद्रकाली (atharvaṇa-bhadrakālī) *f.* Bhadrakālī of the Atharvaṇas प्रत्यङ्गिरा अथर्वणभद्रकालीदेवता LalitāSaBh. 214. 27 (*on* 268)

अथर्वणमन्त्रोत्थ (atharvaṇa-mantrottha) *adj.* arisen from the (employment of) Atharvanic Mantra शापाथर्वणमन्त्रोत्थे (ज्वरे) विधिर्दैवव्यपाश्रयः AṣṭāSaṁ. ii. 14. 14 (4. 2)

अथर्वणमय (atharvaṇa-maya) *adj.* consisting of the Atharvaveda परमर्षिभिः ··· साममयोऽथर्वणमयस्सर्ववेदमयः ··· भगवान् ···इष्टः ViṣṇuP. iv. 1. 13.

अथर्वणरहस्यज्ञ (atharvaṇarahasya-jña) *adj.* conversant with the secret (charms and rituals) of the Atharva Veda अथर्वणरहस्यज्ञः (शिवयोगी नाम कश्चिद् ब्राह्मणः कोङ्कणोद्भवः) ParamāKā. 134. 19.

अथर्वणवर (atharvaṇa-vara) *adj.* pre-eminent among those conversant with Atharvanic practices सर्ववेदगुरुर्विप्रो ह्यथर्वणवरो मुनिः । ग्रहपीडां विनिर्जित्य करोतु तव शान्तिकम् BhaviP. 260B. 20 (i. 175. 42)

अथर्वणवाक्य (atharvaṇa-vākya) *n.* sentence of an Atharvan चतुर्थ्यामनश्नन् जपति स विद्यावान् भवति । इत्यथर्वणवाक्यम् GaṇU. 571. 18.

अथर्वणवेद (atharvaṇa-veda) *m.* the Atharvaṇa Veda जुहोत्यग्नये ··· सामवेदायाथर्वणवेदाय VaikhāGS. 2. 12; श्रूयन्त इति श्रुतयः । अथर्वणवेदे येऽभिचारप्रकाराः श्रुतास्ते कर्तव्या इत्यर्थः ManuBh. ii. 377. 19 (*on* 11. 32); LalitāSaBh. 214. 27 (*on* 268); अथर्वणवेदोपवेदभूतायुर्वेदे ··· अजीर्णे पुनरा सन्ध्यागमनात् स्वापो विधीयते PāñcRāRa. 82. 2; SetuBa. 201. 4.

अथर्वणवेश्मन् (atharvaṇa-veśman) *n.* house of an Atharvan priest तथाथर्वणवेश्मनः । ··· मृत्तिकाः । प्रगृह्य ViṣṇuDhaP. ii. 104. 89.

अथर्वणशाखा (atharvaṇa-śākhā) *f.* a school of the Atharvaṇa Veda एवमथर्वणशाखायां शम्भुशब्दवाच्यस्य ध्येयत्वं कारणत्वं भासते YatīndraDī. 81. 20.

अथर्वणशिरस् (atharvaṇa-śiras) *m.* the mantra called Atharvaśiras अथर्वणशिरा यस्य जप्तव्याः पापनुत्तये VasiS. 45. 115.

अथर्वणस्वीकृत (atharvaṇa-svīkṛta) *adj.* accepted by followers of the Atharvaṇa Veda पाद्यादीनि तु शौनकाथर्वणस्वीकृते कौशिकप्रणीते श्राद्धकल्पे आवाहनानन्तरमुक्तानि CaturCin. iii(1). 1229. 2.

अथर्वणाद्भुत (atharvaṇādbhuta) *n.* Atharvanic text on portent अथर्वणाद्भुते च - यदा वानभ्रविमले सूर्ये छाया न दृश्यते । दृश्यते सा प्रतीपा वा तदा देशभयं भवेत् AdbhuSāg. 318. 5.

अथर्वणि (átharvaṇi) *m.* **i** Atharvan priest आ सोमं मधुमत्तमं घर्मं सिञ्चादथर्वणि ṚV. viii. 9. 7 (Sāy. अग्निः ··· उपचारात अथर्वेत्युच्यते तस्मिन्); **ii** Brahmin versed ? in the Atharvaveda अथर्वणिर्नाथर्वज्ञब्राह्मणे MediK. 54. 90; **iii** (family) priest अथर्वणिर्ना ··· पुरोधसि MediK. 54. 90.

अथर्वणोक्त (atharvaṇokta) *adj.* taught in the Atharvaṇa Veda यज्ञेनाथर्वणोक्तेन यो रुद्रं समतोषयत् BṛKathāMañ. vi. 1. 14; सवाः ··· अथर्वणोक्तैकाग्निसंबन्धाच्च ··· अनुष्ठीयन्ते VedāntKau. 301. 5 (*on* iii. 3. 3)

अथर्वणोदित (atharvaṇodita) *adj.* explained in the Atharvaṇa Veda (सवाः) अथर्वणोदितैकाग्निसंबन्धाच्चाथर्वणिकानामेव कार्यत्वेन नियम्यन्ते AṇuBh. 209. 21 (*on* iii. 3. 3)

अथर्वणोपनिषद् (atharvaṇopaniṣad) *f.* Upaniṣad of the Atharva Veda (i. e. Muṇḍaka) तदुक्तमथर्वणोपनिषत्सु अष्टादशार्णमन्त्रस्वरूपमुक्त्वा पठ्यते AṇuBh. 236. 11 (*on* iii. 3. 30); 216. 6 (*on* iii. 3. 7); 219. 1 (*on* iii. 3. 12); 296. 25 (*on* iii. 4. 45)

अथर्वणोपवेदज (atharvaṇopaveda-ja) *adj.* found in an auxiliary text of the Atharvaveda मन्त्रौघाः ··· शङ्करेण प्रकाशिताः । पार्वत्यग्रे महाराज अथर्वणोपवेदजाः SkandP. iii(2). 20. 7.

अथर्वणोपास्य (atharvaṇopāsya) *adj.* capable of being worshipped according to the (explanation) of the Atharvaveda यद्यथर्वणोपास्यात् प्रियशिरस्त्वादिविशिष्टस्य भेदः स्यात् तदा तदप्राप्तिः स्यात् AṇuBh. 219. 6 (*on* iii. 3. 12)

अथर्वतरु (atharva-taru) *m.* tree in the form of Atharvaveda सुमन्तुश्चाथर्वतरुं व्यासशिष्यो बिभेद तम् । शिष्यानध्यापयामास AgniP. 150. 30.

अथर्वत्व (atharva-tva) *n.* essential nature of Atharvan (Ṛṣi) तदथर्वणोऽथर्वत्वम् GopBr. i 1. 4.

अथर्वदृष्ट (atharva-dṛṣṭa) *adj.* seen by the sage Atharvan (=known from the Atharvaveda) कर्मणां पुण्यतमानामन्येषां चाथर्वदृष्टानामनुष्ठानं क्रियत एव AvantiK. 60. 11.

अथर्वधर्म (atharva-dharma) *m.* characteristic feature of the Atharvaveda अथर्वधर्मोऽपि न कश्चिदाम्नातः NyāyMañ. i. 236. 23.

अथर्वन् (áthar-van) *m.* [MAYR. I. 28; 547; III. 626 / in *bhikṣādigaṇa on* P. iv. 2. 38 and *vasantādigaṇa on* P. iv. 2. 63; JaineVyā. 181. 22 (*on* iii. 2. 52); GaṇRa. 4. 257 (304); ततो वक्तव्यमथर्वणो वेति MahāBh. ii. 320. 14 (*on* iv. 3. 132); अथर्वन्निति वसन्तादिषु पठ्यते KāśiVṛ. *on* P. vi. 4. 174; S'ākaṭāVyā. ii. 3. 60; SiddhaHe. vii. 4. 49] **A i** an ancient seer or priest **ii** [pl.] priests of the Atharvan clan **B i** hymn or stanza which deals with white magic (of the Atharvaveda) **ii** [sg. pl.] the fourth Veda called Atharvaveda **C** a type of secular fire produced by Atharvan **D** Atharvan as a deity **E** Atharvan identified with Prajāpati **F** with Soma **G** one of the attendants of Viṣṇu **H** a follower of Atharvaveda **I** a metre of a Mantra **A i** an ancient seer or priest यामथर्वा मनुष्पिता दध्यङ् धियमयत्नत ṚV. i. 80. 16; तमु त्वा दध्यङ्ङृषिः पुत्र ईधे अथर्वणः ṚV. vi. 16. 14; केन नु त्वमथर्वन् काव्येन केन जातेनासि जातवेदाः AV. v. 11. 2; (producer of fire) इममु त्यमथर्ववदग्निं मन्थन्ति वेधसः ṚV. vi. 15. 17; त्वामग्ने पुष्करादध्यथर्वा निरमन्थत ṚV. vi. 16. 13; VājaS. 11. 32; अग्निर्जातो अथर्वणा ṚV. x. 21. 5; KauṣīBr. 22. 6 (100. 6); अथर्वा त्वा प्रथमो निरमन्थदग्ने TaiS. IV. i. 3. 2; अग्निर्देवेभ्यो निलायत तमथर्वान्वपश्यत् TaiS. V. i. 4. 3; अथर्वा त्वा प्रथमो न्निरमन्थत् S'atBr. VI. iv. 2. 1; (gift of a cow) कः पृश्निं धेनुं वरुणेन दत्तामथर्वणे सुदुघां नित्यवत्साम् AV. vii. 104. 1; (relative of gods) योऽथर्वाणं पितरं देवबन्धुं बृहस्पतिं नमसाव च गच्छात् AV. iv. 1. 7; v. 11. 11; vii. 2. 1; (Indra his helper) अहमिन्द्रो रोधो वक्षो अथर्वणः ṚV. x. 48. 2; यज्ञैरथर्वा प्रथमो विधारयत् ṚV. x. 92. 10; यज्ञैरथर्वा प्रथमः पथस्तते ṚV. i. 83. 5; यामाहुतिं प्रथमामथर्वा AV. xix. 4. 1; xviii. 3. 54; अथर्वा यत्र दीक्षितो बर्हिष्यास्त हिरण्यये AV. x. 10. 12; अथर्वा दैवो मृत्योः प्राध्वंसनात् S'atBr. XIV. v. 5. 22; तमथर्वाणं ब्रह्माब्रवीत् GopBr. i. 1. 4; तमथर्वाणमृषिमभ्यश्राम्यत् GopBr. i. 1. 5; अथर्वणे यां प्रवदेत ब्रह्माथर्वा तां पुरोवाचाङ्गिरे ब्रह्मविद्याम् MuṇḍaU. i. 1. 2; अथ काङ्कायनो भगवन्तमथर्वाणं पप्रच्छ AV. Pari. xxx(2). 1. 1; दृष्ट्वा त्वग्निरथर्वाणं ततो वचनमब्रवीत् MahāBhā. iii. 212. 8; छन्दांसि नाम क्षत्रिय तान्यथर्वा जगौ पुरस्तादृषिसर्ग एषः MahāBhā. v. 43. 30; xiii. 15. 21; अनुपमशमदीप्ततागरीयान् कृतपदपङ्क्तिरथर्वणेव वेदः Kirātā. 10. 10 (comm. वसिष्ठेन कृता । अथर्वणस्तु मन्त्रोद्धारो वसिष्ठकृत इति आगमः); पथ्या च मानवी कन्या तिस्रो भार्या ह्यथर्वणः BrahmāṇḍP. ii. 1. 103; अथर्वणा अङ्गिरसा च दृष्टा मन्त्राः अथर्वाङ्गिरसः ChāndoUBh. 145. 12 (*on* iii. 4. 1); अथर्वणोऽपत्यम् आथर्वणः BṛĀraUBh. 428. 2 (*on* iii. 7. 1); TaiUBh. 246. 4 (*on* 2. 3); अश्विभ्यां प्रार्थितोऽथर्वा मधुविद्यामिमां किल । तावथर्वाब्रवीत् BṛĀraUBhVā. ii. 5. 99; चतुर्मुखाथर्वादिगुरुपरम्परया BrahmSūBh.(Rā.) 262. 12 (*on* i. 2. 23); **A ii** [pl.] priests of the Atharvan clan शतं गा अथर्वभ्यः । अश्वथः पायवेऽदात् ṚV. vi. 47. 24; अभि ते मधुना पयोऽथर्वाणो अशिश्रयुः ṚV. ix. 11. 2; नवग्वा अथर्वाणो भृगवः सोम्यासः ṚV. x. 14. 6; त्वया पूर्वमथर्वाणो जघ्नू रक्षांस्योषधे AV. iv. 37. 1; x. 6. 20; xi. 6. 13; सोऽथर्वणां पाशान्मा मोचि AV. xvi. 8. 13; इष्टो यज्ञो भृगुभिः ··· आशीर्वा अथर्वभिः KāṭhS. 5. 4; अथर्वभ्योऽवतोकाम् VājaS. 30. 15; TaiBr. III. iv. 11. 1; अथर्वाण उपरि श्येनं स्वर्गं लोकमायन् JaimiBr. 3. 66; अथर्वाणो वा एतल्लोककामाः सामापश्यन् PañcBr. viii. 2. 6; तानथर्वण ऋषीन्···अभ्यश्राम्यत् GopBr. i. 1. 5; अथर्वणां चन्द्रमा देवतम् GopBr. i. 1. 29; **B i** *m. n.* hymn or stanza which deals with white magic (of the Atharvaveda), magical practice भेषजं वै देवानामथर्वाणः PañcBr. xvi. 10. 10; स तु खलु ··· यदूनं करोति तदथर्वणां तेजसा प्रत्याप्याययेत् GopBr. i. 1. 22; मन्त्रः कल्पो ब्राह्मणमृग्यजुःसामाथर्वाणि एषा व्याहृतिः GopBr. i. 1. 27; ऋचां मूर्धानम् ··· अथर्वणां मुण्डमुण्डं नाधीतेऽधीते वेदमाहुस्त-

मज्ञम् S'āṅkhāĀ. 14.1 (47.15); नैवर्क्षु तत्र यजुःषु नाप्यथर्वसु MahāBhā. v. 44.21; श्वो युद्धमिति कृतोपवासः ··· अथर्वभिश्च जुहुयात् ArthS'ā. iii. 116.6 (10.3); पुरोहितम् ··· आपदां दैवमानुषीणामथर्वभिरुपायैश्च प्रतिकर्तारं कुर्वीत ArthS'ā. i. 47.1 (1.9); पुरोहितपुरोगास्तं जिष्णुं जैत्रैरथर्वभिः । उपचक्रमिरे पूर्वमभिषेक्तुं द्विजातयः RaghuVa. 17.13; (आदिशास्त्रम्) जुष्टमङ्गिरोभिरथर्वभिः AhirbuS. 11.20; औद्गात्रं सामभिश्चक्रे ब्रह्मत्वं चाप्यथर्वभिः VisnuP. iii. 4.12 = AgniP. 150.25; VisnuP. iii. 6.8; iv. 4.99; तमोगुणानि सामानि तमः सत्त्वमथर्वसु MārkP. 102.7; VāyuP. i. 59.60; अथर्वणामुदीरयद्भिः घोषाद् द्विजातिभिः प्रतिगृहीतप्रवेशः ··· देवः AvantiKa. 223.11; विपदां प्रतिकर्तारो यस्योपायैरथर्वभिः । त्वादृशाः सन्ति किं तस्य कल्याणमनुयुज्यते AnarghaRā. 3.37; मन्त्राश्चाथर्वणानि तु । सप्तर्षिभिस्तु ते प्रोक्ताः BrahmāṇḍP. i. 29.51; एनं ऋग्यजुःसामाथर्वभिः स्तुत्वा VīraMi.(Pūjā.) 141.23; **B ii** [sg., pl.] the fourth Veda called Atharvaveda अथर्वाणो वेदः सोऽयमित्युथर्वणामेकं पूर्वं व्याचक्षाण इवानुद्रवेत् S'atBr. XIII. iv. 3.7; ऋक्सामयजुषां सत्यमथर्वणि च यन्मतम् HariVaṁ. 100.66; स्युः पञ्च शाखा अथर्वणाम् AhirbuS. 12.9; ऋग्यजुःसामाथर्वाणो यत्तस्मै ब्रह्मणे नमः VisnuP. iii. 3.23; एवं मन्त्रगुणानां तु समुत्पत्तिश्चतुर्विधा । अथर्वऋग्यजुःसाम्नां वेदेष्विह पृथक् पृथक् MatsyaP. 145.62; एकविंशमथर्वाणमा(? म)प्तोर्यामं तथैव च । ···चतुर्थादसृजन्मुखात् BrahmāṇḍP. i. 8.53; अथर्वाणं द्विधा कृत्वा सुमन्तुरददाद्द्विजाः BrahmāṇḍP. i. 35.55; वेदाथर्वपुराणानि सेतिहासानि शक्तितः YājñaSm. 1.101; कथमथर्वा वेदः CāndraVyā. iii. 3.81; आयुषः पालकं वेदमुपवेदमथर्वणः AṣṭāSaṁ. i. 1.14 (1.1); (कुमारद्वयम्) रूपाभ्यां विधिमन्त्राभ्यामथर्वेव प्रदीप्यते AnarghaRā. 3.35; KūrmaP. 66.8 (1.7); सामाथर्वाणमाकाशम् ··· अर्चयेत् AgniP. 30.3; अथर्वाणं न्यसेत्सौम्ये सिताङ्गं नीलवाससम् SkandP. ii(9). 27.57; वेदानाम् ऋग्यजुःसामाथर्वणां य उत्कृष्टः सामवेदः सोऽहम् GītāBh.(Rā.) 524.5 (*on* 10.22); LiṅgaP. i. 70.246; S'ivaP. vii(1). 12.61 (515B.2); गर्त्रादिथर्वाथ रथाङ्गरक्षस्तस्यैकपार्श्वे प्रणयं बबन्ध S'rīKaC. 20.33; एवं परंपराप्राप्तमेतल्लोके प्रतिष्ठितम् । ऋग्यजुःसामवेदेभ्यो वेदाश्चाथर्वणः क्रमात् AbhinDa. 7; बद्धमूर्तिरथर्वेव दिदीपे सोऽधिकं तदा PāṇḍaC. 13.490; सामवेदादथर्वणः । भारत्याद्याः क्रमाज्जाताः RasāSu. 71.10 (1.260); कर्णाटैः सोऽथ पाठितः । सरहस्यमथर्वाणम् RājTa (Jo.) 1271; 1268; अदृष्टद्वारा दृष्टप्रयोजनककर्मप्रतिपादकवाक्यबहुलश्चाथर्वा VīraMi. 12.27 (*on* 1.3); भागद्वयात्मको वेद ऋग्यजुःसामाथर्वरूपेण चतुर्धावस्थितः YatīndraDī. 27.9; प्रतिवेदमङ्गानि नियमितानि···अथर्वणा ब्रह्मत्वम् GoviBh. 259.1 (*on* iii. 3.57); तथा हि अथर्वसु पठ्यते GoviBh. 138.7 (*on* ii. 2.37); ऋग्यजुःसाम चाथर्वा वेदाः S'ukraNī. 4(3).26; **C** a type of secular fire produced by Atharvan अथर्वणा पूर्वं मथितः पुष्करोदधौ । सोऽथर्वा लौकिकाग्निस्तु VāyuP. i. 29.8; MatsyaP. 51.9; BrahmāṇḍP. i. 12.9; **D** Atharvan a deity दोषो गायेत्यथर्वाणं समावृत्याश्नाति KauśiSū. 59.25; **E** Atharvan identified with Prajāpati प्रजापतिर्वा अथर्वा TaiS. V. vi. 6.3; अथर्वा वै प्रजापतिः GopBr. i. 1.4; i. 2.16; **F** Atharvan identified with Soma अथर्वोपोत्तः (सोमः) TaiS. IV. iv. 9.1; अथर्वोपावह्रियमाणः VājaS. 8.56; **G** one of the attendants of Viṣṇu अथर्वा च ततः परम् ··· गणाः पञ्चाशदेते तु व्योमसिद्धगृहान्विताः PāraS. 17.210; **H** a follower of Atharvaveda ज्योतिर्विदो ह्यथर्वाणः ··· वरणीयाः कदा च न AtriS. 385; एकोत्तरं मृत्युशतमथर्वाणः प्रचक्षते SuśruS. i. 34.6; नाथर्वा पुरोहितोऽसमञ्जसः AvantiKa. 73.11; नन्वेताः श्रुतिरथर्वाण एवाधीयते नान्ये त्रयीविदः NyāyMañ. i. 235.9; जाताश्चत्वारि(?) क्षत्रियाः ।···अथर्वा स परिहारकः BhaviP. 424B.27 (3(1). 6.47); **I** identified with a metre of a Mantra ऋग्यजुःसामाथर्वाणि छन्दांसि NityoNi. 66.1; प्राणप्रतिष्ठामन्त्रस्य ऋग्यजुःसामाथर्वाणि छन्दांसि मुखे BālamBha. i. 114.24 (*on* 1.24); [Kośas give the meanings ब्राह्मण, वेद, अध्येतृ, ऋषिभेदक, त्र्युद्धार AbhidhāCin. 249; ViśvaPra. 100.180; NānārthāSaṁ. ii. 11.9; ii. 11.10; DharK. 1350; MediK. 100.164; ViśvaLoK. 210.155; KalpaK. 442.33; KośakaTa. 1.1330; 2.6677]

अथर्वनिधि (atharva-nidhi) *m.* treasure of the knowledge of Atharvaveda, receptacle of the Atharvaveda lore (Vasiṣṭha) अथर्वनिधेस्तस्य ··· वाचमाददे वदतां वरः RaghuVa. 1.59; अथाथर्वनिधिस्तस्य सगरस्य ··· राज्याभिषेकं कृतवान् BṛNāraP. 8.63.

अथर्वनिषेधार्थम् (atharvaniṣedhārtham) *adv.* in order to repudiate the Atharvaveda तस्मान्नाथर्वनिषेधार्थमेतद्वाक्यमिति NyāyMañ. i. 238.21.

अथर्वनिष्ठा (atharva-niṣṭhā) *adj.* (*f.*) based on Atharvaveda 'ब्रह्मैवेदं विश्वम्' इत्येव वाणी श्रौती ब्रूतेऽथर्वनिष्ठा वरिष्ठा ViveCū. 234.

अथर्वपद (atharva-pada) *m.* name of one of the Rudras ruling over *pātālas* पातालानामधिपतयः सप्त रुद्राः ··· ते च ··· अथर्वपद - महारुद्र - नैरृतसंज्ञाः ĪśānS'iPa. ii. 17.26(2)

अथर्वपाद (atharva-pāda) *m.* name of Viṣṇu (*lit.* having the foot in the form of Atharvaveda) श्वेत उवाच···नमोऽस्त्वथर्वपादाय BrahmP. 59.54.

अथर्वप्रभृति (atharva-prabhṛti) *adj.* starting from the (sage) Atharvan अथर्वप्रभृत्यङ्गिरःपर्यन्तां गुरुपरम्परामुक्त्वा S'ivārkaMaDī. ii. 285.24 (*on* iii 3.3); = PūrvottaVāNaMā. 329.4.

अथर्वभाग (atharva-bhāga) *m.* portion of the Atharvaveda आङ्गिरसोऽङ्गिरसा दृष्टोऽभिचारप्रधानकोऽथर्वभाग एव VīraMi. 101.24 (*on* 1.44)

अथर्वभागविशेष (atharvabhāga-viśeṣa) *m.* particular portion of the Atharvaveda पुरोहितं कुर्वीत । ··· अथर्वभागविशेषे च कुशलं निपुणम् VīraMi. 353.22 (*on* 1.313)

अथर्वभिन्न (atharva-bhinna) *adj.* other than one prescribed by Atharvan अथर्वभिन्नं यच्छान्तं तच्छान्तं नेतरैस्त्रिभिः AVPari. ii(2).1.

अथर्वभूत (atharva-bhūta) *m.* who has become Atharvan (refers to the twelve Maharṣis Dharma, Dakṣa etc.) HariVaṁ. 11520 [PW]

अथर्वमन्त्र (atharva-mantra) *m.* verse or formula from the Atharvaveda अथर्वमन्त्रसंप्राप्त्या सर्वसिद्धिर्भविष्यति AVPari. ii. 5.5; अथर्वमन्त्रादिकृताश्च कृत्याः शाम्यन्त्यनेनातिबलाश्च वाताः AṣṭāSaṁ. ii. 385.20 (6.49); अग्नौ हुतममृतमथर्वमन्त्रा आदित्यमण्डलं नयन्ति VedāntKa. 175.19 (*on* i. 3.31); सरतोऽथर्वमन्त्राणां तत्तद्धिंसात्मिका मतिः BhāvPra(S'ā.) 55.6(3)

अथर्वमय (atharva-maya) *adj.* of the form of Atharvaveda अथर्वमयो भगवान्नारायणो योगनिद्रां समारेभे NaraP. 28(0).3 (73.14); VisnuP. iv. 1.12 (Cal. Ed.)

अथर्वमहोष्मसमर्थक (atharvamahoṣma-samarthaka) *adj.* imparting great vigour as laid down in the Atharvaveda उदगमन् कपयः पितृकाननं तदपि यत्र स पुण्यजनः शनैः । मखमथर्वमहोष्मसमर्थकं प्रतनुते RāmC. App. 1.37.64.

अथर्वमुख (atharva-mukha) *adj.* led by Atharvan, having Atharvan as the chief उष्णिहमभ्यक्रन्दत् । ततोऽङ्गिरसो असृजताथर्वमुखान् JaimiBr. 3.381.

अथर्वमुनि (atharva-muni) *m.* the sage Atharvan अथर्वमुनिः - यवक्रीतोऽथ रैभ्यश्च ··· सप्तैते स्थावरा ज्ञेयाः AdbhuSāg. 206.3; 395.22.

अथर्वरहस्य (atharva-rahasya) *n.* secret doctrine of Atharvaveda अथर्वरहस्यपरिशालिनः । ललन्ति ब्राह्मणाः ··· कर्मसु ParamāKā. 111.66.

अथर्वरूप (atharva-rūpa) *n.* form of Atharvan अथार्चिरूपेण यथामरस्तथा (v. l. अथर्वरूपेण यथा पुरन्दरः) MahāBhā. iv. 6.3; न्यसेत् । तलद्वयेऽथर्वरूपं शिरोहृच्चरणान्तगम् AgniP. 25.22; *adj.* of the form of Atharvaveda (सप्तर्षयः) अथर्वरूपैर्मन्त्रैश्च वर्धयन्तो जयश्रियम् BrahmāṇḍP. iii. 20.104.

अथर्वलक्षण (atharva-lakṣaṇa) *adj.* having the name of Atharvan वेदः ··· ऋग्यजुःसामाथर्वलक्षणः ManvaMu. 33.28 (*on* 2.6)

अथर्वलिङ्ग (atharva-liṅga) *n.* particular form of S'iva symbolized by the Atharvaveda नमस्तेऽथर्वलिङ्गाय सामलिङ्गाय वै नमः AgniP. 217.9.

अथर्ववत् (atharva-vát) *adv.* like Atharvan, in the manner of Atharvan इममु त्यमथर्ववदग्निं मन्थन्ति वेधसः ṚV. vi. 15.17; तदग्ने ··· अथर्ववज्ज्योतिषा दैव्येन सत्यं धूर्वन्तमचितं न्योष ṚV. x. 87.12.

अथर्वविद् (atharva-vid) *adj.* who is well-versed in the Atharvaveda, proficient in the Atharvaveda lore तस्य भूमिपतेर्यस्य गृहे नाथर्वविद् गुरुः AVPari. ii. 3.4; स बभूव दुरासदः परैर्गुरुणाथर्वविदा कृतक्रियः RaghuVa. 8.4; पौष्टिकं च महाराज्यमुत्तरेणाप्यथर्ववित् MatsyaP. 93.134; दक्षिणास्योऽप्यथर्ववित् PāraS. 12.310; ब्राह्मणादथर्वविदो दशाहं शान्तिकर्म (कुर्वीत) AṣṭāSaṁ. ii. 171.18 (6.1) पुरोहितोऽथर्वविद्वै जुहाव BhāgP. x. 53.12; xii. 7.3; अथाथर्वनिधिस्तस्य (v. l. अथाथर्वविदस्तस्य) सगरस्य ··· । राज्याभिषेकं कृतवान् BṛNāraP. 8.63; अथाथर्वविदामाद्यः समन्त्रामाहुतिं ददौ NavaSāC. 11.67.

अथर्वविदित (atharva-vidita) *adj.* known from the Atharvaveda स्तूयते मन्त्रसंस्तुत्यैरथर्वविदितैर्विभुः MantriU. 13.

अथर्वविद्या (atharva-vidyā) *f.* branch of knowledge described in the Atharvaveda, Atharvanic lore अथर्वविद्याशस्त्राग्निबन्धनोच्चाटनादिकम् ···कर्म रिक्तास्वेव विधीयते NāraS. 4.8.

अथर्वविधान (atharva-vidhāna) *n.* prescription (of a rite with a *mantra*) of the Atharvaveda ऋग्यजुःसामाथर्वविधानं पुष्करोदितम् । ··· वदे AgniP. 259.1.

अथर्वविधि (atharva-vidhi) *m.* ritual prescribed in the Atharvaveda अथर्वविधितत्त्वज्ञैर्ब्राह्मणैर्विजितेन्द्रियैः । ··· दूरादुन्मूलयेद्रिपुम् Mānaso. ii. 20.1238 = SūktiRa. 150.14.

अथर्वविवर्जित (atharva-vivarjita) *adj.* (a king) who is without an Atharvan-priest अमातृको यथा बालस्तथाथर्वविवर्जितः (राजा) AV. Pari.

2(1). 5.

अथर्वविहित (atharva-vihita) *adj.* [*f.* -ā] laid down or prescribed in the Atharvaveda अथर्वविहिता शान्तिः प्रतिकूलग्रहार्चनम् AṣṭāSaṁ. i. 20. 13 (1. 5); अथर्वविहितं नित्यं कुर्यात् NītiSā. 4. 31 अथर्वविहितां शान्तिं गान्धर्वीं वा प्रयोजयेत् AśvaVai. 24. 16

अथर्ववेद (atharva-veda) *m.* Veda of the Atharvans (ब्रह्मा) तस्य वकारमात्रया … अथर्ववेदम् … अन्वभवत् GopBr. i. 1. 20; i. 1. 29; तत्रापरा (विद्या) ऋग्वेदो यजुर्वेदः सामवेदोऽथर्ववेदः MuṇḍU. i. 1. 5; दिग्भ्यश्चन्द्रमस इत्यथर्ववेदे PāraGS. ii. 10. 7; अथर्ववेदं त(र्पयामि) BaudhDS. ii. 5. 27; अथर्ववेदश्च तथा पर्वाणि च विशांपते MahāBhā. ii. 11. 23; अथर्ववेदे वेदे च बभूवर्षिः सुनिश्चितः MahāBhā. xiii. 10. 34; इह खल्वायुर्वेदो नामोपाङ्गमथर्ववेदस्य SuśruS. i. 1. 6; अथर्ववेदेतिहासवेदौ च वेदाः ArthŚā. i. 29. 2 (1. 3); राज्ञां चाथर्ववेदेन सर्वकर्माणि च प्रभुः । कारयामास ViṣṇuP. iii. 4. 14; (सोऽन्वपद्यत) तथैवाथर्ववेदस्य सुमन्तुमृषिसत्तमम् BrahmāṇḍP. i. 34. 15; तस्मादथर्ववेदं श्रयति KāśyaS. 61B. 35; 62A. 1; वारुणानिलदिङ्मध्येऽथर्ववेदं ततः परम् PāraS. 6. 154; अथर्ववेदो नवधा शाखाभेदेन कृतः ViṣṇuSaBh. 90. 15 (*on* 74); GītāBh. (Śaṅ.) 334. 9 (*on* 11. 53); क्रीतराजकभोज्यान्नत्ववचनं यद्यप्यथर्ववेदेऽस्ति TantrVā. 98. 4 (*on* i. 3. 3); प्रथमोऽथर्ववेदः NyāyMañ. i. 2. 16; i. 231. 17; अथर्ववेदस्तु त्रय्येकदेश एव NyāyKa. 179. 21; ऋग्वेदोऽथ यजुर्वेदः …। अथर्ववेदो वेदास्त्वामभिषिञ्चन्तु पार्थिव ViṣṇuDhaP. ii. 22. 130; अथर्ववेदो राजेन्द्र मुखाचाप्युत्तरान्नृप BhaviP. 6B. 23 (i. 2. 55); 12B. 30 (i. 3. 73); ĪśānŚiPa. i. 9. 106; i. 18. 17 (2); Aparā. 136. 12 (*on* 1. 109); AupaSūT. 175. 6; अथर्ववेदस्य शान्तिपौष्टिकाद्युपयुक्तत्वेन पृथङ्निर्देशः DīpKa. 14. 15 (*on* 1. 101); शास्त्रेष्वथर्ववेदस्य माहात्म्यं परिपश्यताम् । काश्मीरिकाणां तत्प्राप्त्यै चिरमासीन्मनोरथः RājTa. (Jo.) 1269; 1273; NāḍiVi. 1; ManvaMu. 85. 9 (*on* 3. 1); 455. 32 (*on* 11. 33); SivārkaMaDī. i. 338. 22 (*on* i. 2. 9); ii. 287. 12 (*on* iii. 3. 3); VīraMi. (Pūjā.) 133. 13; VedāntPari. 228. 2; NānārthāSaṁ. iii. 62. 416.

अथर्ववेदकृत (atharvaveda-kṛta) *adj.* performed according to the (rules laid down in the) Atharvaveda अथर्ववेदकृतोपनयनसंस्कारस्य वेदान्तराध्ययनमविरुद्धम् NyāyMañ. i. 237. 27.

अथर्ववेदग (atharvaveda-ga) *adj.* belonging to (found in) the Atharvaveda विकल्पेनात्र विज्ञेयं पुष्पभ्रमरचिन्तनम् ।… अथर्ववेदगम् VedāntKa. 175. 26 (*on* i. 3. 31)

अथर्ववेदज्ञ (atharvaveda-jña) *adj.* well versed in the Atharvaveda, proficient in the Atharvaveda निवेद्याथर्ववेदज्ञान् सर्वान् …। शृणु विध्यन्तरं भूयः PāraS. 12. 306.

अथर्ववेदतस् (atharvaveda-tas) *adv.* from the Atharvaveda अथर्ववेदतो रौद्रो बीभत्सो यजुषः क्रमात् BhāvPra. (Śā.) 54. 16 (3)

अथर्ववेदनिपुण (atharvaveda-nipuṇa) *adj.* proficient in the Atharvaveda (-ritual) अथर्ववेदनिपुणः शेषं दैवं समाश्रयेत् NītiSā. 12. 20.

अथर्ववेदपरायण (atharvaveda-parāyaṇa) *adj.* keenly devoted to the study of the Atharvaveda जित्वा बौद्धान् परिहरोऽथर्ववेदपरायणः । शक्तिं ध्यात्वा … प्रेमपरोऽभवत् BhaviP. 547A. 5 (iii(4). 4. 1)

अथर्ववेदपर्यन्तम् (atharvaveda-paryantam) *adv.* upto the Atharvaveda एवम् … अथर्ववेदपर्यन्तं यजुर्वेदादिकं न्यसेत् PauṣkS. 23. 70.

अथर्ववेदपारग (atharvaveda-pāraga) *adj.* well versed in the Atharvaveda श्रीहरिवर्मा … स्वकुलाभिवृद्धये अथर्ववेदपारगेभ्यः … शिवशर्मप्रजापतिशर्मधातृशर्मनन्दिशर्मभ्यः … सदक्षिणम् … दत्तवान् EI. xiv. 166. 9.

अथर्ववेदप्रवर (atharvaveda-pravara) *adj.* well versed in the Atharvaveda अथर्ववेदप्रवराः …। संहितामीरयन्ति स्म MahāBhā. i. 64. 33.

अथर्ववेदप्रोक्त (atharvaveda-prokta) *adj.* prescribed or taught in the Atharvaveda मन्त्रैर्मन्त्रविशारदाः । अथर्ववेदप्रोक्तैश्च MahāBhā. iii. 239. 20.

अथर्ववेदबाह्या (atharvaveda-bāhyā) *adj.* (*f.*) outside (the pale of) the Atharvaveda त्रयीयमथर्ववेदबाह्यैव NyāyMañ. i. 234. 19.

अथर्ववेदमध्य (atharvaveda-madhya) [Loc.] *n. m.* in the Atharvaveda अथर्ववेदमध्ये तु शाखा मुख्यतमा हि षट् GuhyaKāliU. 1.

अथर्ववेदमन्त्र (atharvaveda-mantra) *m.* a *mantra* (or sacred formula) of the Atharvaveda ततः सः … अङ्गिराः … अथर्ववेदमन्त्रैश्च देवेन्द्रं समपूजयत् MahāBhā. v. 18. 5.

अथर्ववेदराज् (atharvaveda-rāj) *m.* lord or master of the Atharvaveda शशिजोऽथर्ववेदराट् Sārā. 4. 19.

अथर्ववेदविद् (atharvaveda-vid) *adj.* well versed in the Atharvaveda, proficient in the Atharvaveda यानि चान्यान्यपि ब्राह्मणाः शंसेयुरथर्ववेदविदः CaraS. iv. 8. 33 (1941 Ed.); vi. 1(1). 58 (1941 Ed.); अथर्ववेदविदो वाभिचरेयुः ArthŚā. ii. 133. 2 (4. 3); तथैवाथर्ववेदवित् । सुमन्तुस्तस्य शिष्योऽभूद्वेदव्यासस्य ViṣṇuP. iii. 4. 9; अथर्ववेदविद्विप्रो ह्याथर्वं समाचरेत् ŚātāSm. 5. 4.

अथर्ववेदविद्वस् (atharvaveda-vidvas) *adj.* well versed in the Atharvaveda अथर्ववेदविद्वांसं पुरोहितम् … वरयेत ViṣṇuDhaP. ii. 5. 2.

अथर्ववेदविहित (atharvaveda-vihita) *adj.* enjoined or prescribed in the Atharvaveda ननु च अथर्ववेदविहितो यः क्रतुः Nyās. i. 441. 25 (*on* ii. 4. 4); अथर्ववेदविहितं स्वकर्मभ्रंशे प्रायश्चित्तम् NyāyMañ. i. 237. 31; AgniP. 238. 17; अथर्ववेदविहितेभ्यः कर्मकुसुमेभ्यः … हुतम् … आदित्यमण्डलमानयन्ति Bhām. 252. 7 (*on* i. 3. 3); MayūMāli. 342. 1 (*on* iii. 8. 19)

अथर्ववेदव्रतचर्या (atharvavedavrata-caryā) *f.* practising of the vows (prescribed) in the Atharvaveda अयं च मानवस्त्रैवेदिकव्रतचर्याविधिर्नाथर्ववेदव्रतचर्यां निषेधयति ManvaMu. 85. 15 (*on* 3. 1)

अथर्ववेदसंग्रह (atharvaveda-saṅgraha) *m.* inclusion or taking up of the Atharvaveda चतुर्दशग्रहणादृतेऽथर्ववेदसंग्रहो न स्यात् Aparā. 6. 24 (*on* 1. 3)

अथर्ववेदसंबन्धित्व (atharvavedasambandhi-tva) *n.* the state of being connected with the Atharvaveda तथैवेदमप्यथर्ववेदसंबन्धित्वेन तत्रैव VedāntDī. 169. 4 (*on* iii. 3. 3)

अथर्ववेदाधिष्ठात्री (atharvavedādhiṣṭhātrī) *adj.* (*f.*) (deity) presiding over the Atharvaveda अथर्ववेदाधिष्ठात्री श्रीमहाकालिका परा ŚaktiSaṁT. i. 5. 23.

अथर्ववेदाधीत (atharvavedādhīta) *adj.* stated in the Atharvaveda तत्राथर्ववेदाधीतानां प्रतिषेधः ManuBh. i. 59. 18 (*on* 2. 6); i. 59. 16 (*on* 2. 6)

अथर्ववेदाध्ययन (atharvavedādhyayana) *n.* study of the Atharvaveda पुरुषसंख्यानियमाच्चाथर्ववेदाध्ययनमविरुद्धम् BālaKrī. i. 28. 15 (*on* 1. 9); NyāyMañ. i. 237. 29.

अथर्ववेदाध्ययनार्थम् (atharvavedādhyayanārtham) *adv.* for the study of the Atharvaveda अस्मिन्नपि पक्षे अथर्ववेदाध्ययनार्थं पृथगेवोपनयनं कार्यम् VīraMi. (Saṁskāra.) 338. 8.

अथर्ववेदाध्यायिन् (atharvavedādhyāyin) *adj.* who studies the Atharvaveda त्रिवेदपारगानेव…ब्राह्मणान् दर्शयति नाथर्ववेदाध्यायिनः NyāyMañ. i. 232. 5.

अथर्ववेदान्तसंस्थित (atharvavedānta-saṁsthita) *adj.* which is at the end (Upaniṣad) of the Atharvaveda क्रियाशक्तेर्मदीयायास्तनुः साक्षान्महामनुः । षडर्णोऽथर्ववेदान्तसंस्थितश्चक्रबृंहितः LakṣmīT. 30. 9.

अथर्ववेदाशंसिन् (atharvavedāśaṁsin) *adj.* eulogiser of the Atharvaveda अथर्ववेदाशंसीनि भूयांसि वचांसि भवन्ति NyāyMañ. i. 232. 25.

अथर्ववेदिन् (atharvaved-in) *adj.* one who knows the Atharvaveda अथर्ववेदिनं तद्वदुत्तरे स्थापयेद्बुधः MatsyaP. 93. 129 = BṛParāSm. 11. 282; अथर्ववेदिनो विप्रास्तं विशेषैर्जयाशिषाम् । अवर्धयन् MadhuVi. 4. 19; NirṇaSi. 95. 9; BālamBha. i. 67. 13 (*on* 1. 14)

अथर्ववेदैकदेश (atharvavedaikadeśa) *m.* a portion of the Atharvaveda अथर्वशिरा नामाथर्ववेदैकदेशः Aparā. 439. 22 (*on* 1. 221); BālamBha. iii. 201. 28 (*on* 3. 327)

अथर्ववेदोक्त (atharvavedokta) *adj.* prescribed in the Atharvaveda, mentioned or stated in the Atharvaveda अधर्मोऽथर्ववेदोक्तो राजसैस्तामसैः श्रितः SarvaSiSaṁ. 11. 63; मायातीनां स्वरूपं च श्रूयतां मुनिसत्तम । वक्ष्याम्यथर्ववेदोक्तम् BrahmVaiP. ii. 64. 100; अथर्ववेदोक्तकर्मवच्चज्ञेषु काम्या इष्टयो गोप्याः NyāyMāVi. 215. 19 (*on* iii. 8. 20)

अथर्ववेदोत्था (atharvavedotthā) *adj.* (*f.*) arisen from the Atharvaveda भद्रावती … अथर्ववेदोत्था SaṁgīRa. ii. 231. 8 (4. 74)

अथर्ववेदोद्भव (atharvavedodbhava) *adj.* arising from the Atharvaveda एषामुच्छुष्मरुद्राणामतः कल्पो निगद्यते । अथर्ववेदोद्भवानाम् AVPari. 36 (2). 1.

अथर्ववेदोपनिषद् (atharvavedopaniṣad) *f.* Upaniṣad belonging to the Atharvaveda अथर्ववेदोपनिषत्सु प्रागुत्पन्नः स्वयंभूर्ब्रह्मा KāśyaS. 61B. 13.

अथर्ववैदिक (atharva-vaidika) *adj.* belonging to the Atharvaveda तत्राथर्वाङ्गिरसमन्त्राणां मधुकरत्वाभिधानात्तैः प्रयोज्यम् अथर्ववैदिकं कर्म पुष्पं सूचितम् VedāntKa. 175. 16 (*on* i. 3. 31); अथर्ववैदिकप्रत्यक्षश्रुतिमूलत्वं द्रष्टव्यम् MīmāKau. i. 22. 25 (*on* i. 3. 4); अथर्ववैदिकविशेषाभ्यनुज्ञाविधिबलाद् दोषाभावः MīmāKau. i. 24. 6 (*on* i. 3. 4)

अथर्वशाखा (atharva-śākhā) *f.* a school of the Atharvaveda अथर्वशाखे अभ्युदाहृत्य विचारः कृतः NyāyMañ. i. 234. 15; नाथर्वशाखाप्रत्ययम् Nyāy-

Mañ. i. 234. 28; अपि चाथर्वशाखारम्भे विद्याविशेषमनुपक्रम्य ··· इत्यङ्गिरससनत्कुमारयोः प्रश्ने S'ivārkaMaDī. ii. 374. 10 (*on* iii. 3. 54)

अथर्वशिखा (atharva-śikhā) *f.* one of the Upaniṣads of the Atharvaveda तत्र ब्रह्मवेदस्य अष्टादशोपनिषदो भवन्ति । मुण्डका···अथर्वशिरोऽथर्वशिखा AVPari. 49(4). 4; तत्र पञ्चदशोपनिषदो भवन्ति । मुण्डका । ··· अथर्वशिखा AVPari. 49(4). 10; अथर्वशिखायां च ··· इति प्रतिपाद्यमानं ध्येयत्वम् S'rutaPra. ii. 197. 12 (*on* i. 4. 29); तथाथर्वशिखायां 'शिव एको ध्येयः' इति श्रूयते BrahmSūBh. (S'rī.) i. 189. 6 (*on* i. 1. 4); अथर्वशिखायां शिवस्य जगत्कारणता प्रतिपाद्यते S'aṅkaVi.(Ā.) 23. 16; 206. 9; अथर्वशिखायामपि 'ओंकारः प्रलयः प्रणवः···' इति S'ivārkaMaDī. i. 72. 11 (*on* i. 1. 1); अर्धमात्रया इत्याद्यथर्वशिखानुसारिपुराणवचनात् S'ivārkaMaDī. i. 331. 16 (*on* i. 2. 8); i. 341. 26 (*on* i. 2. 9); प्रस्थिताश्च ते ··· अथर्वशिखाप्रवर्तकताम् ··· अनुसृत्य NilaVi. 38. 8; अथर्वशिखानुवाद्यस्वरूप ··· विजयी भव NilaVi. 105. 15; प्रश्नोपनिषदुक्तमात्रात्रयस्याथर्वशिखोक्तसार्धमात्रात्रयस्य प्रणवस्यार्धमात्रायामपि VaiyāBhū. 150. 7 (*on* 30)

अथर्वशिखागिर् (atharvaśikhā-gir) *f.* words of the Atharvaśikhā Upaniṣad प्रसूतिमीशानहरीन्द्रवेधसां प्रचक्षतेऽथर्वशिखागिरो यत: Gaṅgāva. 3. 46.

अथर्वशिखावाक्य (atharvaśikhā-vākya) *n.* sentence of the Atharvaśikhā Upaniṣad अथर्वशिखावाक्यमुदाहरति (भाष्यकारः) शिव एक इति S'ivārkaMaDī. i. 198. 27 (*on* i. 1. 7); i. 344. 9 (*on* i. 2. 9)

अथर्वशिखाश्रुति (atharvaśikhā-śruti) *f.* Vedic passage from the Atharvaśikhā Upaniṣad शिव एव ध्येय इति प्रतिपादयन्त्यथर्वशिखाश्रुतिरुपपन्नार्था S'ivārkaMaDī. i. 189. 26 (*on* i. 1. 4)

अथर्वशिर (atharva-śira) *m.* name of a sage इत्याह भगवानथर्वशिर: ASiraU. 7 (comm. अथर्वशिर अथर्ववेदः)

अथर्वशिरस् (atharva-śiras) *n.* an Upaniṣad of the Atharvaveda तत्समं रुद्रजापिशतमेकमेकेनाथर्वशिरःशिखाध्यायकेन तत्सममथर्वशिरःशिखाध्यायकशतमेकमेकेन मन्त्रराजजापकेन NṛsimPūTāU. 5. 8; य इदमथर्वशिरो ब्राह्मणोऽधीते अश्रोत्रियः श्रोत्रियो भवति ASiraU. 7; ज्येष्ठसामगोऽथर्वशिरसोऽध्येता AVPari. 44(2). 4; उपनिषदो वेदान्ताः सर्वच्छन्दःसु संहिता मधून्यघमर्षणमथर्वशिरो रुद्राः ···सावित्री चेति पावमानानि GautDS. iii. 1. 12 (comm. अथर्वशिरोऽथर्ववेदे प्रसिद्धम्); VasiDS. 22. 3; 28. 14; मन्त्रग्रामं तदा राजन्नथर्वशिरसि श्रुतम् MahāBhā. iii. 289. 20; i. 582*(2); इष्टिं तेऽहं करिष्यामि पुत्रीयां पुत्रकारणात् । अथर्वशिरसि प्रोक्तैर्मन्त्रैः Rāmā. i. 14. 2; AtriSm. 6. 2 = ViṣṇuSm. 56. 22 = S'aṅkhaSm. 11. 4; VṛGautaSm. 636. 15(22); KūrmaP. 82. 16 (1. 9); 599. 12 (2. 21); ViṣṇuDhaP. i. 143. 14; SaurP. 42. 35; LiṅgaP. i. 64. 78; PadmP. i. 58. 31; यत्पुनरथर्वशिरसि रुद्रेण स्वसर्वैश्वर्यं प्रपञ्चितम् VedārthSaṁ. 138. 8; अथर्वशिरउपनिषत्पाशुपतशास्त्रार्थानुष्ठापकत्वे लिङ्गम् Aparā. 18. 11 (*on* 1. 7); 439. 21 (*on* 1. 220); अथर्वशिरसि च रुद्रस्यैव सर्वात्मभावादय उच्यन्ते S'rutaPra. ii. 199. 23 (*on* i. 4. 29); iB. 110. 25 (*on* i. 1. 2); iB. 117. 17 (*on* i. 1. 2); रुद्रशिरो वैश्वानरशिरोऽथर्वशिरश्चेति त्रयाणां शीर्ष्णामध्येता त्रिशीर्षा CaturCin. iii(1). 400. 18; अथर्वशिरःश्वेताश्वतरादीनां निर्वाहः पुरुषनिर्णये प्रपञ्चितः NyāySiA. 225. 20; अथर्वशिरसि निरूपितमीश्वरेण 'अहमेकः प्रथममासम्' ··· इति BrahmSūBh(S'rī.) i. 300. 2; अथर्वशिरसि च 'य ओंकारः' स प्रणवः S'ivārkaMaDī. i. 420. 30 (*on* i. 3. 9); ii. 339. 15 (*on* iii. 3. 39); एतदर्थमथर्वशिरःश्रुत्युदाहरणम् S'ivārkaMaDī. ii. 502. 32 (*on* iv. 4. 22); अथर्वशिरसि ··· समाम्नातम् PūrvottaVāNaMā. 307. 10; 314. 12; Gaṅgāva. 3. 47; NīlaVi. 105. 16; अथर्वशिरसि रुद्रशब्दवाच्यस्य सर्वात्मकतोच्यते YatindraDī. 81. 21; GoviBh. 222. 11 (*on* iii. 3. 6); *m.* name of Viṣṇu वामनाय नमस्तुभ्यम् ··· नमश्चाथर्वशिरसे VāmaP. 87. 21; नमस्त्वथर्वशिरसे नमोऽथर्वस्वरूपिणे BrahmP. 59. 54.

अथर्वशिरसोद्गत (atharvaśirasodgata) *adj.* arising from a prominent portion (*lit.* head) of the Atharvaveda भारुण्डसामगीताभिरथर्वशिरसोद्गतैः MahāBhā. i. 585*(2)

अथर्वशिरसोद्भव (atharvaśirasodbhava) *adj.* originating from a prominent portion (*lit.* head) of the Atharvaveda भारुण्डसामगीताभिरथर्वशिरसोद्गतैः (v. l. द्भवैः) MahāBhā. i. 585*(2)

अथर्वशीर्ष (atharva-śīrṣa) *m.* one of the thousand and eight names of S'iva. अष्टोत्तरसहस्रं तु नाम्नां शर्वस्य मे शृणु । ··· अथर्वशीर्षः सामास्यः MahāBhā. xiii. 17. 88; LiṅgaP. i. 65. 113; *n.* a prominent part (*lit.* head) of the Atharvaveda नीलरुद्रं तथाथर्वसूक्ष्मासूक्ष्मं तथैव च । उत्तरेऽथर्वशीर्षं च तत्परस्तु समुद्धरेत् AgniP. 96. 41.

अथर्वश्रुति (atharva-śruti) *f.* Atharvaveda 'घटसंवृतमाकाशं नीयमाने घटे यथा । घटो नीयेत नाकाशं तद्वज्जीवो नभोपम' इत्यथर्वश्रुतेः GoviBh. 164. 1 (*on* ii. 3. 41)

अथर्वसंयुता (atharva-saṁyutā) *adj.* (*f.*) combined with or accompanied by the Atharvaveda ततश्चैकायनीं शाखां त्रयीं चाथर्वसंयुताम् — श्रावयित्वा PāraS. 17. 451.

अथर्वसर्वस्व (atharva-sarvasva) *n.* essence of the Atharvaveda विधाताथर्वसर्वस्वमायुर्वेदं प्रकाशयन् । स्वनाम्ना संहितां चक्रे BhāvPra(Bhā.) 1(1). 5.

अथर्वस्मृति (atharva-smṛti) *f.* Smṛti of the sage Atharvan बार्हस्पत्येऽथर्वस्मृतौ च अद्भुतेष्वपि सर्वेषु AdbhuSāg. 8. 18.

अथर्वस्वरूपिन् (atharva-svarūpin) *adj.* of the form of the Atharvaveda ओं नमो विष्णवे ··· नमस्त्वथर्वशिरसे नमोऽथर्वस्वरूपिणे BrahmP. 59. 54.

अथर्वहृदय (atharva-hṛdaya) *adj.* having the Atharvaveda for the heart यजुर्वेदमहाग्रीवमथर्वहृदयं विभुम् (प्रणम्य) LiṅgaP. i. 1. 21; *n.* the heart of the Atharvaveda अथर्वहृदयं वेत्ता AVPari. 69(9). 2; AVPari. 49(4). 9.

अथर्वाख्य (atharvākhya) *adj.* [*f.*] called the Atharvaveda ऋग्यजुःसामाथर्वाख्या (विद्या) AgniP. 1. 15; वेदाश्चत्वार एव च । ऋग्यजुःसामाथर्वाख्याः SkandP. ii(3) 6. 34; अथर्वाख्यं चतुर्थकम् (ब्रह्मणः वदनम्) SkandP. v(1). 2. 38; PadmP. v. 18. 56; त्रयीसारो ह्यथर्वाख्या पञ्चपर्वा महाश्रुतिः LakṣmīT. 31. 31.

अथर्वाङ्गिरस् (atharvāṅgirás) *m.* A name of the fourth Veda consisting of white and black magic [pl.] सामा॑नि॒ यस्य॒ लोमा॒न्यथर्वाङ्गि॒रसो॒ मुखं॑ स्क॒म्भं तं ब्रू॑हि कत॒मः स्वि॑दे॒व सः AV. x. 7. 20; अ॒स्य म॒हतो॒ भू॒तस्य॒ निश्व॑सितमे॒तद्यदृ॒ग्वेदो॒ यजु॑र्वेदः॒ सामवे॒दोऽथर्वाङ्गिर॒सः S'atBr. XIV. v. 4. 10; ब्रह्मचर्येण चैतस्मादथर्वाङ्गिरसो ह यो वेद स वेद सर्वम् GopBr. I. i. 2. 9; यस्य य॒जु॑रे॒व शिरः । ···अथर्वाङ्गिरसः पु॒च्छं॑ प्र॒ति॑ष्ठा TaiĀ. viii. 3. 1 (737. 10); सारं सारपरं धान्यमथर्वाङ्गिरसो विदुः AVPari. 2(5). 3; अथर्वाङ्गिरसां रूपं सर्वमृग्यजुषात्मकम् AhirbuS. 12. 6; 20. 21; अथर्वाङ्गिरसामासीत्सुमन्तुर्दारुणो मुनिः (निष्णातः) BhāgP. i. 4. 22; मेदसा तर्पयेद्देवानथर्वाङ्गिरसः पठन् YājñaSm. 1. 44 (Mitā. यः पुनः शक्तितोऽन्वहं अथर्वाङ्गिरसोऽधीते); शतपथेऽथर्वाङ्गिरसां विद्यात्वेनाभिधानात् CaturCin. iii(1). 383. 7; पक्षशिरःपुच्छानामृग्यजुःसामाथर्वाङ्गिरसां तद्भिन्नत्वेन तथा प्रायपाठसिद्धेः S'ivārkaMaDī. i. 210. 27 (*on* i. 1. 13); [sg.] सामवेदं तर्पयामि । अथर्वाङ्गिरसं तर्पयामि BaudhDS. ii. 5. 27; अथर्वाङ्गिरसोऽध्येता ब्राह्मणः पङ्क्तिपावनः S'aṅkhSm. 14. 7; [du.] अथर्वाङ्गिरसावास्तां चक्ररक्षौ महात्मनः MahāBhā. viii. 24. 80; (without cpd.) अथर्वणामङ्गिरसां साम्नामृग्यजुषस्य च VākyaPa. 1. 21; **B** hymn of the Atharvaveda (both white and black) ऋ॒चो य॒जूं॑षि॒ सामा॑नि । अ॒थ॒र्वा॒ङ्गि॒र॑स॒श्च ये TaiBr. III. xii. 9. 2; यदथर्वाङ्गि॒रसो॒ मध्वा॑हुतयः TaiĀ. ii. 9. 1 (236. 3); ii. 10. 1 (240. 4); अथर्वाङ्गिरस एव मधुकृतः ChāndoU. iii. 4. 1; तर्पयेत् सुरान् ··· मेदःकुल्याभिरपि वा अथर्वाङ्गिरसः पठन् GobhiSm. 2. 54; अथर्वाङ्गिरसं तद्वन्नीलम् ··· अथर्वा चोत्तरे जपेत् MatsyaP. 265. 28; कर्मसाधनभूता ऋग्यजुःसामाथर्वाङ्गिरसः PraśnaUBh. 302. 9 (*on* 6. 4); एत एव हि मन्त्राः स्युरथर्वाङ्गिरसोऽत्र तु TaiUBhVā. 102. 21; अथर्वाङ्गिरसस्तद्वन्मन्त्राः स्युर्ब्राह्मणोद्धृताः BṛĀraUBhVā. ii. 4. 313; साम्ना स्तुवीताथर्वाङ्गिरसा विसर्जयेत् PārāSū. 57. 21; 61. 31; **C i** sages called Atharvan and Aṅgiras तस्य विश्वेदेवा होत्रका अथर्वाङ्गिरसो गोप्तारः GopBr. i. 1. 13; ऋषीणां चरितं सत्यमथर्वाङ्गिरसामसि PraśnaU. 2. 8; अथर्वाङ्गिरसश्चैव वालखिल्या मरीचिपाः (ऋषयः) MahāBhā. ii. 122*(1); अथर्वाङ्गिरसाम् अङ्गिरसभूतानामथर्वणाम् PraśnaUBh. 266. 11 (*on* 2. 8); **C ii** name of a Ṛṣi वरं च प्रददौ तस्मै अथर्वाङ्गिरसे तदा MahāBhā. v. 18. 6; जज्ञे सती तथा पुत्रमथर्वाङ्गिरसं प्रभुम् SkandP. i(2). 14. 20.

अथर्वाङ्गिरस (atharvāṅgirasa) *m. n.* **A** the fourth Veda called the Atharvāṅgiras अथर्वाङ्गिरसं नाम अस्मिन् वेदे भविष्यति MahāBhā. v. 18. 7; ऋग्यजुःसामभिर्जुष्टमथर्वाङ्गिरसैस्तथा MahāBhā. xii. 322. 37; ऋग्भिर्यजुर्भिः सामभिरथर्वाङ्गिरसैरपि HariVaṁ. 20. 12; पुरोहितं प्रकुर्वीत ··· । दण्डनीत्यां च कुशलमथर्वाङ्गिरसे तथा YajñaSm. 1. 313; छन्दांसि ऋग्यजुःसामाथर्वाङ्गिरसाख्या वेदाः S'vetāUBh. 183. 19 (*on* 4. 9); अथर्वाङ्गिरसे शान्तिकपौष्टिकाभिचाराद्यर्थं प्रवीणः स्यात् BālaKrī. i. 185. 5 (*on* 1. 308); बाहुल्येन तत्राभिचाराणां विधानात् अथर्वाङ्गिरसग्रहणम् ManuBh. ii. 377. 20 (*on* 11. 32); उत्तराद्वदनाज्जातमथर्वाङ्गिरसं शुभम् ViṣṇuDhaP. i. 27. 16; अथर्वाङ्गिरसमन्त्रभ्रमराः Bhām. 252. 9 (*on* i. 3. 31); अथर्वाङ्गिरसमन्त्राणां मधुकरत्वाभिधानात् VedāntKa. 175. 16; अथर्वाङ्गिरसे ब्रह्मकर्मत्वात् प्रतिष्ठा AṇuBh. 36. 7 (*on* i. 1. 14); अथर्वाङ्गिरसेऽभिचारशान्तिप्रधानेऽथर्वभागविशेषे च कुशलं निपुणम् VīraMi. 353. 22 (*on* 1. 313); अथर्वाङ्गिरसो नाम ह्युपास्योपासनात्मकः S'ukraNī. 4(3). 35; **B** hymn of the Atharvaveda अथर्वाङ्गिरसाभ्यां ये दृष्टाः ··· मन्त्राः स्युरथर्वाङ्गिरसोऽत्र तु TaiUBhVā. 102. 21; अथर्वाभिचारश्रुतयोऽथर्वाङ्गिरसशब्देनोच्यन्ते ManuBh. ii. 377. 21 (*on* 11. 32); अथर्वाङ्गिरसैः अथर्वणा अङ्गिरसा च दृष्टैरथर्ववेदप्रदेशैः S'rutaPra. 590. 22 (*on* ii. 2. 42); **C** name of a clan of priests अथर्वाङ्गिरसा ये ते ··· । सर्वे संभूय संयत्ताः कालनेमिप्रचोदिताः AhirbuS. 1. 56.

अथर्वाङ्गिरसी (atharvāṅgirasī) *adj.* (*f.*) **i** pertaining to the Atharvaveda, belonging to the Atharvan and Aṅgiras अथर्वाङ्गिरसी ह्येषा श्रुतीनामुत्तमा श्रुतिः MahāBhā. viii. 49. 69; श्रुतिरथर्वाङ्गिरसीः कुर्यादित्यविचारयन् ManuSm. 11. 33 (ManvaVi. श्रुतीरथर्वाङ्गिरसीः तच्छ्रुत्युक्तानि कर्माणि); प्राह … अथर्वाङ्गिरसीं नाम स्वशिष्याय सुमन्तवे BhāgP. xii. 6. 53; यो यथाशक्त्यथर्वाङ्गिरसीः पठेत् Aparā. 69. 22 (*on* 1. 44); **ii** prescribed in the Atharvaveda कृत्यामथर्वाङ्गिरसीमिवोग्रां दीप्तामसह्यां युधि मृत्युनापि MahāBhā. viii. 67. 2; ix 16. 43.

अथर्वाङ्गिरसोऽन्त (atharvāṅgiraso'nta) *adj.* ending with the Atharvāṅgiras (i. e. the Atharvaveda) अथर्वाङ्गिरसोऽन्तश्चतुर्विधो मन्त्रः VedāntKa. 218. 4 (*on* i. 4. 19) (Parimala अथर्वाङ्गिरस इत्येतदवसानः)

अथर्वाङ्गिरस्तस् (atharvāṅgiras-tas) *adv.* from the Atharvaveda सर्वा एता अथर्वाङ्गिरस्तः PārāSū. 57. 20.

अथर्वाङ्गिरोविद् (atharvāṅgiro-vid) *adj.* knower of Atharvaveda वृणीष्व … अथर्वाङ्गिरोविदं ब्रह्माणम् GopBr. i. 2. 24; अथर्वो(? र्वा)ङ्गिरोविदेव ब्रह्मेति NyāyMañ. 235. 13.

अथर्वाण (atharvāṇa) *m.* the Atharvaveda तानुपदिशत्यथर्वाणो वेदः सोऽयम् ĀśvaŚS. II. iv. 7. 3; पञ्चकल्पमथर्वाणं कृत्याभिः परिबृंहितम् MahāBhā. xii. 330. 4; एकविंशमथर्वाणमाप्तोर्यामाणमेव च … । असृजन्मुखात् MārkP. 48. 34; 102. 5.

अथर्वाणविद् (atharvāṇa-vid) *adj.* versed in the (rituals of the) Atharvaveda कल्पयन्ति हि मां विप्रा अथर्वाणविदस्तथा MahāBhā. xii. 330. 34.

अथर्वाणशिरस् (atharvāṇa-śiras) *n.* the head (highest) of the Atharvaveda पुरुषं निर्गुणं सांख्यमथर्वाणं (v. l. °ण)शिरो विदुः CūliU. 14 [Ind. St. 9. 16]

अथर्वाणि (atharvāṇi) *m.* [for *ātharvaṇi] **i** one who knows the (rituals of) the Atharvaveda स्यात् … अथर्वज्ञे त्वथर्वाणिः पुरोहिते Vaija. 266. 13; अथर्वाणिरथर्वज्ञे दृश्यते च पुरोहिते NānārthSaṁ. 2. 17; **ii** the chief priest (the Brahmā priest), Vaija. 266. 13; NānārthSaṁ. 2. 17.

अथर्वात्मन् (atharvātman) *m.* having Atharvaveda for his body or soul ओं नमोऽथर्वात्मने वामदेवाय शिवाय AVPari. 1. 0.

अथर्वाधिप (atharvādhipa) *m.* name of the planet Mercury (having Atharvan as the presiding deity) [Apte]

अथर्वाध्यायिन् (atharvādhyāyin) *adj.* who studies the Atharvaveda एवं सामान्यविधिप्राप्तं पुनर्वसुऋक्षं यजुरथर्वाध्यायिषु विशेषशास्त्रेणोपसंह्रियत इत्यप्युक्तम् BālamBha. i. 71. 12 (*on* 1. 14)

अथर्वानुप्रवेश (atharvānupraveśa) *m.* inclusion in the Atharvaveda वेदा ऋग्यजुःसामाथर्वभेदेन भिन्ना अनन्तशाखा वर्तन्त इति । अत्राङ्गिरसानुक्तिरथर्वानुप्रवेशविवक्षया NyāyPari. 392. 18.

अथर्वान्तर्गत (atharvāntargata) *adj.* included in the Atharvaveda शेषः …। अथर्वान्तर्गतं सम्यगायुर्वेदं च लब्धवान् BhāvPra.(Bhā.) 1. 58.

अथर्वाभिमन्त्रिता (atharvābhimantritā) *adj.* (*f.*) consecrated with the incantations of the Atharvaveda धेनुं वत्सं च यो दद्याद्विनाथर्वाभिमन्त्रिताम् ।… देवत्वं नोपजायते AVPari. 9 (2). 5.

अथर्वार्थम् (atharvārtham) *adv.* for the sake of (producing) the Atharvaveda (विरिञ्चेः) प्राग्वक्त्रम् … ऋग्वेदस्य प्रवर्तकम् ।… अथर्वार्थं चतुर्थकम् PadmP. v. 14. 96.

अथर्वास्त्र (atharvāstra) *n.* name of a missile (sanctified with the muttering of some AV. formula) उपमन्युरभीतवत् । शक्रं चक्रे मतिं हन्तुमथर्वास्त्रेण मन्त्रवित् । भस्माधारात् महातेजा भस्ममुष्टिं प्रगृह्य च । अथर्वास्त्रं ततस्तस्मै ससर्ज च ननाद च LiṅgaP. i. 107. 45; एवमुक्त्वा समादाय भस्मनो मुष्टिमादरात् । अथर्वास्त्रेण तज्जप्त्वा शक्रं दग्धुं मुमोच सः (उपमन्युः) SaurP. 36. 36.

अथर्वी (atharvī́) *adj.* (*f.*) [Debru. pp. 369, 373, 412] swift as an arrow [? Geld.] याभिर्विश्पलां धनसामथर्व्यं सहस्रमीळ्ह आजावजिन्वतम् R̥V. i. 112. 10; *f.* name of a portion of the Atharvaveda रुद्रं पुरुषसूक्तं च … पश्चिमायां समुच्चरेत् । नीलरुद्रं तथाथर्वीम् …। उत्तरेऽथर्वशीर्षं च तत्परस्तु समुद्धरेत् AgniP. 96. 41.

अथर्वैकदेश (atharvaikadeśa) *m.* a part or portion of the Atharvaveda आङ्गिर(स)स्त्वथर्वैकदेश एवेति VīraMi. 13. 2 (*on* 1. 3)

अथर्वोक्त (atharvokta) *adj.* (a rite) prescribed by the Atharvaveda अगम्यागमनं कृत्वा अभक्ष्यस्य च भक्षणम् । शुद्धिश्चान्द्रायणं कृत्वा अथर्वोक्तं तथैव च ĀpaSm. 10. 14.

अथर्वोपनिषद् (atharvopaniṣad) *f.* (pl.) Upaniṣad belonging to the Atharvaveda अथर्वोपनिषत्सु क्वचिद् गोकुलवृन्दाकाननसंचरद्गोपरूपम् … क्वचिदुरुक्रमादिकं च निरूप्यते AṇuBh. 207. 5 (*on* iii. 3. 1); अथर्वोपनिषत्सु नृसिंहोपासनादिषु मत्स्यकूर्मादिरूपत्वेनापि (व्रजनाथस्य) स्तुतिः श्रूयते AṇuBh. 266. 24 (*on* iii. 3. 63)

अथलुष (athaluṣa) *m.* proper name of a snake residing in Kāśmīra नागाः कश्मीरायां कृतालयाः । नामतस्तु समाचक्ष्व (तान्) … कुशकुण्डोऽतुल्यषश्च (v. l. ऽथलुषश्च) NīlaP. 929.

अथ वा (atha vā) **A** either … or (with words and phrases) केनास्यर्थेन नृपते इमं देशमुपागतः । जिघृक्षुर्वारिजं किंचिदथवा मृगलिप्सया MahāBhā. i. 76. 14; निलीनाप्यथवा भीरुरथवा वनमाश्रिता ।… अथवा पद्मिनीं याता जलार्थं वा नदीं गता (सीता) Rāmā. iii. 58. 8; शोकाक्रान्तोऽथवा श्रान्तः स्थितः स्थानजपाद् बहिः ।… दानं दत्त्वा विशुध्यति AtriS. 64; CaraS. i. 24. 35; गुरुशुश्रूषया विद्या पुष्कलेन धनेन च । अथवा विद्यया विद्या चतुर्थं नोपलभ्यते YājñaSí. 172; SiṁhāDvā. 89. 6; 95. 4; न नृत्येदथवा गायेत् ManuSm. 4. 64; साम्ना दानेन भेदेन समस्तैरथवा पृथक् । विजेतुं प्रयतेतारीन् ManuSm. 7. 198; 8. 274; शतं वा लक्षं वा नियुतमथवा कोटिमथवा तृणायाहं मन्ये समयविपरीतं यदि भवेत् ŚatTrayī. 760; 243; 379; प्रणयिषु वा दाक्षिण्यादथवा सद्वस्तुपुरुषबहुमानात् । शृणुत … क्रियामिमां कालिदासस्य Vikramo. 1. 2; Br̥hajjā. 18. 7; AṣṭāSaṁ. ii. 190. 18 (6. 4); देवः किं बान्धवः स्यात् प्रियसुहृदथवाचार्य आहोस्विदर्यः SūryaŚ. 109; तुरीयो ह्येष मेध्योऽग्निराम्नायः पञ्चमोऽथवा । अथवा जङ्गमं तीर्थं धर्मो वा मूर्तिसञ्चरः MahāvīC. 1. 10; UttaRāC. 4. 27; तत्र किमग्निरत्ता स्यात् उत जीवः अथवा परमात्मा इति संशयः BrahmSūBh.(Śaṅ.) 109. 5 (*on* i. 2. 9); 82. 14 (*on* i. 1. 28); 164. 15 (*on* i. 3. 14); MohaMu. 17; भेदावबोधः प्रकटस्तयोरप्रकटोऽथवा VakroJī. 24. 21; अज्ञानादथवा मोहात् योऽन्यथा गृहमाचरेत् । स विषीदति YuktiKa. 49. 16; 60. 11; 206. 3; ChandasCū. 2. 97 (3); ŚārṅgaPa. 2949; ऋषीणां समितावास्ते साक्षाच्छान्तिस्तपोऽथवा ĀdiP. 1. 32; सुभाषितेन गीतेन युवतीनां च लीलया । मनो न भिद्यते यस्य स योगी ह्यथवा पशुः MādhavaĀ. 49; स्वपक्षच्छेदं वा समुचितफलभ्रंशमथवा … नाशमथवा ।… शरः प्राप्नोति Subhāṣi. 450; 520; मूकान् सृज कविंमन्यान् बधिरान् विदुषोऽथवा Gaṅgāva. 1. 34; व्यवहारं परिज्ञाय वध्यः पूज्योऽथवा भवेत् Hitopa. 1. 43; (with clauses) पित्तश्लेष्मक्षये वायुः …। प्रणाशयति संज्ञां च वेपयत्यथवा नरम् CaraS. i. 17. 61; मुण्डो वा जटिलो वा स्यादथवा स्याच्छिखाजटः । नैनं ग्रामेऽभिनिम्लोचेत् ManuSm. 2. 219; ViṣṇuSm. 20. 31; ŚābaBh. 20. 5 (*on* i. 1. 2); प्राणैस्तपोभिरथवाभिमतं मदीयैः कृत्यं घटेत सुहृदो यदि तत् कृतं स्यात् MālaMā. 1. 82; रथानिमेऽन्ये च समं नरेन्द्राः प्रपूरिताशानथवाजियुक्तान् । आपूरयन्ति स्म मनोरथांश्च RāghPāṇ.(Dha.) 16. 17; SaṁviSi. 94. 12; MālinīT. 10. 27; दृष्टं धाम रसायनस्य … सदनं दृष्टं च चिन्तामणेः । किं दृष्टैरथवानुषङ्गिकफलैः … दृष्टे जिनश्रीगृहे JinaCatur. 25; हे सारङ्ग तृणान्यशान सलिलैः प्राणान् पुषाणाथवा Subhāṣi. 651; सर्वादिः सर्वनामाख्यो न चेद् गौणोऽथवाभिधा PrakriKau. i. 140. 1; **B** rather, better, or (more likely alternative) बन्धुप्रणाशः संप्राप्तः …। अथवा मद्विनाशोऽयम् MahāBhā. i. 145. 30; वार्यतां साध्वयं मूढः … अथवायम् … वनं गच्छतु MahāBhā. iii. 9. 9; i. 193. 9; iii. 34. 18; क्षिप्रं मामपि कैकेयी प्रस्थापयितुमर्हति ।… अथवा स्वयमेवाहम् … प्रस्थास्ये यत्र राघवः Rāmā. ii. 69. 9; MahāBhā. ii. 109. 18 (*on* iii. 2. 80); CaraS. i. 26. 86 (1922 Ed.); अहो बलमनङ्गस्य … अथवा अयुक्तमधृतित्वं पुरुषाणाम् Avimā. 2. 2 (1); 3. 6 (3); BālC. 1. 18 (6); PratiYau. 1. 6 (84); PañcT. 1. 111 (1) (108. 5); Sārā. 8. 3; गमनमलसं शून्या दृष्टिः … किं न्वेतत् स्यात् किमन्यदितोऽथवा MālaMā. 1. 163; 9. 171; जगत्पतेरपि कथं जाता हृदि न्यूनता । अथवा । अर्थित्वे प्रकटीकृतेऽपि न फलप्राप्तिः प्रभोः MahāvīC. 2. 8 (1); 1. 55; 4. 5; 6. 28; करुणस्य मूर्तिरथवा शरीरिणी विरहव्यथेव वनमेति जानकी UttaRāC. 3. 4; परमेश्वरविषय एव विशेष आश्रयणीयो न जाठरविषयः इति । अथवा भूताग्नेरन्तर्बहिश्चावतिष्ठमानस्यैव निर्देशो भविष्यति ।… अथवा तच्छरीराया देवतायाः BrahmSūBh. (Śaṅ.) 134. 16 (*on* i. 2. 26); 182. 13 (*on* i. 3. 22); 228. 9 (*on* i. 4. 1); BālaKrī. i. 3. 12 (*on* 1. 0); सन्ध्ययोरेवात्रोपास्यत्वम् ।… अथवोभे सन्ध्ये प्रत्युपासीत भगवन्तं सवितारम् ManuBh. i. 189. 1 (*on* 2. 222); i. 119. 5 (*on* 2. 79); विष्णोः किं चरणस्त्रिविक्रमकृतेः … फणीन्द्ररिपुणा शेषोऽथवा प्रोद्धृतः EI. ix. 254. 26; NyāyKa. 31. 5; DevīBhāP. i. 4. 11; YuktiKa. 25. 19; बन्धुर्वा स पुराकृतः किमथवा सत्कर्मणां संचयः SaraKaṇṭhā. 458. 1; NyāyRa. 176. 16 (*on* 4. 136); स ब्रह्मोपनिषत्कथास्वधिगमः शुद्धो विरुद्धोऽथवा EI. ii. 337. 29; xxv. 178. 23; ŚrīBh. 301. 16 (*on* i. 3. 14); कुसुमस्तबकस्येव द्वे वृत्ती च मनस्विनः । सर्वलोकस्य वा मूर्ध्नि विशीर्येत वनेऽथवा Hitopa. 1. 101; 2. 137 (7); YogŚā. 1. 34; GopāKeCan. 148. 28; पृथ्वीनाथो दशरथः अथवा तदा नृपो दशरथः KāvyKaVr̥. 2. 26 (1. 8); ब्रजाथवा तावदुदीरणेन किम् Ekāva. 8. 31 (28) (273. 14); निन्दन्तु नीतिनिपुणा अथवा स्तुवन्तु लक्ष्मीः परापततु गच्छतु वा यथेच्छम् ।…

न्याय्यात् पथः प्रचलयन्ति पदं न धीराः Subhāṣi. 278; 669; 1471; EI. ix. 78.41; Nāray. i. 2.9; VīraMi. 363.6 (*on* 1.329); NīlaVi. 45.14; S'aktiVā. 59.21; द्राग् बिभ्रतः स्थाणुतां लीनत्वं दधतोऽथवाधिसरणि स्वं साधयन्तीप्सितम् Jīvān. 253.5; ParamāKā. 34.16; JānaPa. 1.12 (21); शक्तौ स्थितायामथवास्थितायां मया विनोदार्थमयं प्रयत्न आरभ्यते Bhāsk. i. 2.13 (*on* i. 1.0); किं वीजयामि ··· अथवा ··· पानीयम् ··· किमुपहरामि S'ṛṅgāSar. 81; TantrRa. 6.13; **C** but, on the contrary (adversative, rejecting or correcting earlier alternative) अथवाद्रष्टाश्रोतामन्ताबोद्धाकर्ताविज्ञाता भवति ChāndoU. vii. 9.1; जनं दशन्तु वै सर्वम् ···। अथवा संस्कृतं भोज्यं दूषयन्तु भुजङ्गमाः MahāBhā. i. 33.24; करोमि तव साहाय्यम् ···। अथवाप्यहमेवैनं हनिष्यामि वृकोदर MahāBhā. i. 142.27; आश्वासय मृगेन्द्रेह यदि दृष्टस्त्वया नलः। अथवारण्यनृपते नलं यदि न शंससि। मामदस्व मृगश्रेष्ठ MahāBhā. iii. 61.33; iii. 62.36; इदं मुहूर्तं तिष्ठस्व ···। अथवा त्वरसे मर्तुं गच्छ दक्षिणसागरम् Rāmā. vii. 34.10; एवमपशब्दज्ञानेऽप्यधर्मः। अथवा भूयानधर्मः प्राप्नोति MahāBh. i. 2.22 (i. 1.0); अये आश्रमविरुद्धः खल्वेष जनः। (अन्यतो विलोक्य) अथवा तपस्विजनोऽप्यत्र SvapnVā. 1.12 (2); मनश्च तावदस्मदिच्छया न प्रवर्तते।··· अथवा न शक्यं मनो जेतुम् Avimā. 2.4 (1); 4.20 (27); हस्तिनपुरनिवासाच्छीलज्ञो भगवान् दुर्योधनस्य। अथवा कामं दुर्योधनस्यैष न दोषमभिधास्यति PañcRā. 2.5 (6); अमात्यः – यदाज्ञापयति देवः। राजा – अथवा किं भवान् मन्यते Mālavikā. 1.7 (7); अथवा विहङ्गवेषधारी कश्चिच्छन्नं निवससि Kād. 18.15; किमिति नावेदयसि। (केशानवलोक्य) अथवा किमावेदितेन VeṇīSaṁ. 1.193; आश्चर्यम्। अथवा नाश्चर्यमेतद् दाशरथौ MahāvīC. 5.13 (1); स्कन्द इव प्रियोऽहमथवा शिष्यः कथं विस्मृतः MahāvīC. 2.28; 4.23 (4); 6.7 (1); किमत्र मन्दभाग्यः करोमि। (विमृश्य सकरुणम्) अथवा किमन्यत् UttaRāC. 1.40 (1); 1.47 (5); 2.6 (7); ते दद्युर्ददतेऽथवा किमपि न S'atTrayī. 304; अथवा नेह मरीच्यादय ऋषयोऽभिप्रेताः ManuBh. i. 242.18 (*on* 3.71); अथवा शशमृगसूकरव्यापादने नूनमयं कुशलः PañcT. 3.57 (315.6); अथवा स्वामिन् किं ते नाभिहितेन PañcT. 3.108 (365.8); अथवा बालं मे पुत्रं मुञ्जो राज्यलोभाद् विषादिना मारयिष्यति BhojPra. 1.9; प्रार्थितस्य चन्द्रदर्शनस्य प्रियामुखसत्त्वेनानर्थक्यं विचार्याथवेत्यादिसूचितः प्रतिषेध आक्षेपः Kuval. 73 (1); अथवा न पितुर्दोषो दोषोऽयं मम कर्मणाम् CitraPaC. 26; कराग्रैर्मथ्नीमो जलधिमथवा किं क्षरति नः NīlaVi. 82.17; 56.12; **D** in any case (confirming the earlier statement) well, indeed, for instance (with an example) एकस्तु मे सन्देहः, किमर्थमात्मानमन्वयं चाच्छादयति। अथवा कः शक्तः सूर्यं हस्तेनाच्छादयितुम् Avimā. 1.5 (50); रुद्धः खलु भगवान् सूर्यः ···। अथवा किमत्र चित्रं वितताः पयोदा रुन्धन्ति सूर्यम् Avimā. 4.5 (3); अथवोचितमेवैतत्। न कम्पन्ते झञ्झामरुति···कुलशिखरिणः MahāvīC. 6.35 (2); किं करोमि। का गतिः। अथवा दुःखसंवेदनायैव रामे चैतन्यमाहितम् UttaRāC. 1.46 (3); 6.40; बभूव भूयस्त्वमसज्जनानां द्वित्रा धरित्र्यामपि हन्त सन्तः। पदे पदे सन्त्यथवा भुजङ्गाः क्वचित् तु संजीवनभेषजानि Surath. 1.52; नक्षत्रालीं दिवि गणयितुं कोऽङ्गुलीभिः समर्थः। तस्य स्तोतुं सकल[म]थवा कः प्रगल्भः गुणौघम् EI. ii. 2.14; अथवा पितामह एवात्र प्रमाणम् NyāyPari. 2.8; कः पुनरभ्युपायस्तामधिगन्तुम्। अथवा सर्वं संविधास्यति चन्द्रमुखी S'ṛṅgāSar. 147 (2); (with a general rule) अधोऽधो गङ्गेयं पदमुपगता स्तोकमथवा विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः S'atTrayī. 334; स्फुरति च बाहुः कुतः फलमिहास्य। अथवा भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र S'āk. 1.15; 5.3 (2); अथवा साध्विदमुच्यते। नराधिपा नीचमतानुवर्तिनः PañcT. 1.139 (3) (146.9); 1.63 (16) (77.4); इदमाश्चर्यमथवा लोकस्थित्यनुवर्तनम् MahāvīC. 7.4; 6.10; यदि नाम किंचिद् वक्तव्यमस्ति। अथवा शान्तम्। वृद्धास्ते न विचारणीयचरिताः UttaRāC. 5.34 (2); बद्धोत्कण्ठमिदं मनः··· किमथवा प्रेमासमाप्तोत्सवम् VakroJī. 13.14; हन्त भोस्तदिदमनर्थान्तरम्। (विमृश्य) अथवा विषस्य विषमौषधं भविष्यति PrasaRā. 1.46 (9); क्षुद्रमतेरिमां मम कृतिं कः श्रद्धीताथवा यो यद्वेत्ति स तत्र तस्य विभवः DaṇḍaVi. 2.19; [commentators explain the word as पूर्वव्यावृत्तावथवाशब्दः TantrRa. 3.16 (*on* iv. 1.1); अथवेति निपातसमुदायः पक्षान्तरे NyāySu. (Ja.) 154A. 3 (*on* i. 1.12); Malli. अथवेति पक्षान्तरप्रसिद्धयोः *on* S'iśuVa. 1.29; अथवेति। किंचेत्यर्थः S'ivārkMaDī. ii. 22.25 (*on* ii. 1.15); अथवाशब्दोऽनास्थायाम् VīraMi. 723.29 (*on* 2.272)]

अथ वापि (atha vāpi) or, or again तपसोऽस्य ···। अर्धेन वापि निस्तर्तुमापदं ब्रूत माचिरम्। अथवापि समग्रेण तरन्तु तपसा मम MahāBhā. i. 41.11; स्वर्गद्वारोपमं राज्यमथवाप्यमृतोपमम् MahāBhā. v. 132.29; i. 142.27; ii. 61.36; iii. 36.4; vii. 170.46; viii. 23.24; xii. 308.64; xiii. 37.1; xiii. 54.16; यो हि मां सेवते कश्चिदथवाप्यनुवर्तते। कैकेय्याः पुत्रमन्वीक्ष्य स जनो नाभिभाषते Rāmā. ii. 17.25.

अथ वै (atha vai) [VIśVA. atha vā?] now indeed अथ वा उपांशुः प्राण एव KauṣīBr. 12.4 (54.19) (comm. वै शब्दः···°श्रुत्यन्तरप्रसिद्धिद्योतनार्थः); अथ वा अतो यो यज्ञे हीनं कुर्यात् ṢaḍviBr. ii. 7.9; ii. 8.9; JaimiUBr. ii. 2.9.

अथ ह (atha ha) now verily अथहास्य वेदमुपशृण्वतस्त्रपुजतुभ्यां श्रोत्रपरिपूरणम् GautDS. ii. 3.4 (comm. अथहेति वाक्यालङ्कारे)

अथा (a-thā) *adj.* not having the suffix *thā* यथाथाः। यथेत्येतदथाप्रत्ययान्तमव्ययं सुपा नित्यं समस्यते S'ākaṭāVyā. ii. 1.19; यथाऽथा (थाप्रत्ययवर्जं यथेत्यव्ययम्) SiddhaHe. iii. 1.41.

अथाख्यात (athākhyāta) *adj.* rightly told अथशब्दो याथार्थ्ये आङभिविधौ कथितमाख्यातम् ··· तद्यथाख्यातम् अथाख्यातम् SthānT. 324B. 12.

अथातस् (athā́tas) [a formal beginning of a work, also used to introduce a new topic, chapter or section, more emphatic than *atha*], now, henceforth, thereafter, next अथातोऽभ्युदितायाः एति ह वा एष यज्ञपथात् KauṣīBr. 4.2 (14.20) (comm. अथात इत्यखण्डशब्द आनन्तर्यवाची); अथातः प्रातरनुवाकः KauṣīBr. 11.1 (49.7) (comm. अथशब्द आनन्तर्यार्थः, अतः शब्दो हेत्वर्थः); अथातश्छन्दसां वर्णाः DevaBr. 2.1; अथातो निर्वचनम् DevaBr. 3.1 (comm. अथ साम्नां देवताभिधानानन्तरम्, अतः यतो निर्वचनेन निरुक्तम् ··· अत इत्यर्थः); 3.22; अथातस्त्रीन् कृच्छ्रान् व्याख्यास्यामः SāmaViBr. i. 2.1 (Sāy. अथशब्दोऽत्रानन्तर्ये); अथात उपदेशः ĀrṣeBr. i. 1.10 (Sāy. अथशब्दः प्रकृतब्राह्मणानन्तर्यार्थः, अतःशब्दो हेत्वर्थः); अथातोऽद्भुतानां कर्मणां शान्तिं व्याख्यास्यामः ṢaḍviBr. vi. 1.1 (Sāy. अथ इष्टप्राप्तिसाधनकर्मनिरूपणानन्तरम्); अथातोऽशनानशनस्यैव S'atBr. I. i. 1.7; अथातः शिरः AitĀ. I. iv. 1.4; I. iv. 2.12; अथातः संहितोपनिषदो व्याख्यास्यामः SaṁhiUBr. 1.1 (comm. शास्त्रादिषु ग्रन्थारम्भे वर्तमानोऽथशब्दः कुत्रचिदानन्तर्यार्थो व्याख्यातः। कुत्रचिन्मङ्गलार्थः। कुत्रचिदुभयार्थः); अथातो दर्शपूर्णमासौ व्याख्यास्यामः ĀpaS'S. i. 1.1 (comm. शब्दोऽयं प्रकरणारम्भे प्रायः प्रयुज्यते। वृद्धैः क्वचिदानन्तर्येऽपि); xix. 5.1; xxiv. 6.10; अथातोऽधिकारः KātyS'S. i. 1.1 (comm. तत्रायमथशब्दो मङ्गलार्थ आनन्तर्यार्थश्च।··· अतःशब्दोऽत्र हेत्वर्थः); अथातोऽनुक्रमिष्यामः Nir. 2.5 (46.13) (comm. अधिकारार्थोऽयमथशब्दः। अतःशब्दः क्रमे हेतौ वा); अथातो गृह्यस्थालीपाकानां कर्म PāraGS. i. 1.1 (comm. अथशब्द आनन्तर्ये द्रष्टव्यः। अतःशब्दो हेत्वर्थे); अथातो गृह्या कर्माणि DrāhyGS. i. 1.1; अथातो विनायकान् व्याख्यास्यामः MānGS. ii. 14.1 (comm. अथातशब्दावधिकारहेत्वर्थौ। आनन्तर्ये वाथशब्दः); ii. 6.1; ii. 13.1; अथातो गृह्याकर्माण्युपदेक्ष्यामः GobhiGS. i. 1.1 (comm. अथशब्द आदौ मङ्गलार्थः। अतःशब्दो हेत्वर्थः); अथातश्चतुर्थीकर्म GobhiGS. ii. 5.1 (comm. अथेति पूर्वप्रकृतार्थम्); ii. 9.1; अथातः श्रवणाकर्म GobhiGS. iii. 7.1 (comm. अथशब्देति प्रकरणान्तरोपन्यासार्थः); अथातो हविष्यकल्पं व्याख्यास्यामः KāṭhGS. iii. 7.1 (comm. अथशब्दोऽत्र नैमित्तिकप्रदर्शनार्थः); अथातो हविष्यपुण्याहः KāṭhGS. ii. 8.1 (comm. अथातःशब्दो नैमित्तिकव्युदासार्थः); अथातोऽग्निं प्रणेष्यन् JaimiGS. 1.1 (1.1) (comm. अथेति मङ्गलार्थमत इत्यारम्भार्थम्); अथातः पाकयज्ञान् व्याख्यास्यामः S'āṅkhāGS. i. 1.1 (comm. अथशब्दः मङ्गलार्थः। अथवा, आनन्तर्यख्यापनार्थः); iv. 2.1; अथातस्संध्योपासनविधिं व्याख्यास्यामः BaudhDS. ii. 4.1; ii. 1.1; ĀpaDS. i. 1.1; अथातो वेदोत्पत्तिमध्यायं व्याख्यास्यामः SuśruS. i. 1.1 (comm. अथशब्दोऽनन्तरार्थ एव।··· अन्ये तु अथशब्दः शिष्यप्रश्नानन्तर्ये); अथातो दीर्घं जीवितीयमध्यायं व्याख्यास्यामः CaraS. i. 1.1; i. 2.1; ii. 4.1; अथातस्त्रैस्वर्यलक्षणं व्याख्यास्यामः YājñaS'i. 1; अथातो धर्मं व्याख्यास्यामः VaiśeSū. i. 1.1 (Upaskāra. अथेति शिष्याकाङ्क्षानन्तर्यमाह); अथातो धर्मजिज्ञासा MīmāSū. i. 1.1 (S'ābBh. तत्र लोकेऽयमथशब्दो वृत्तादनन्तरस्य प्रक्रियार्थो दृष्टः। ··· अतःशब्दो वृत्तस्यापदेशको हेत्वर्थः); iv. 1.1; अथातो ब्रह्मजिज्ञासा BrahmSū. i. 1.1 (S'aṅ. अथशब्दः आनन्तर्यार्थः परिगृह्यते नाधिकारार्थः।··· अतःशब्दो हेत्वर्थः; Rā. अत्रायमथशब्द आनन्तर्ये भवति। अतश्शब्दो वृत्तस्य हेतुभावे; Ma. अथशब्दो मङ्गलार्थोऽधिकारानन्तर्यार्थश्च; Vallabha अथशब्द एवाधिकारे व्याख्येयः; Nimbārka अथाधीतषडङ्गवेदेन); अथातः संप्रवक्ष्यामि विष्णोराराधनक्रमम् ParaS. 4.2; 29.2; अथातो रहस्यानि व्याख्यास्यामः AtriSm. 7.1; Jānāśra. 1.1; अथातः सांवत्सरसूत्रं व्याख्यास्यामः BṛSaṁ. 2.1 (1.1); अथात आयुष्कामीयमध्यायं व्याख्यास्यामः AṣṭāSaṁ. i 1.7 (1.1); अथातः काव्यं मीमांसिष्यामहे KāvyMī. 1.1; अथातः परमानन्दं व्याख्यास्यामः PārāSū. 1.1; अथातः संप्रवक्ष्यामि आवर्तानां विनिश्चयम् AśvaVai. 3.29; अथातः संप्रवक्ष्यामि दानधर्ममनुत्तमम् KūrmaP. 634.3 (2.26); अथातो दीक्षां व्याख्यास्यामः ParaśuKS. 1.1 (2.12) (comm. अथात इति मिलित्वा आरम्भद्योतकः); RaseCin. 3.1 (12.11); अथातो बिम्बलिङ्गादिसाधनस्वीकृतिक्रमः S'ilpaRa. i. 1.20.

अथानन्तरम् (athānantaram) now [MW]

अथापर (athāpara) *adj.* followed by *athā* उदथापरश्च TaiPrāti. 9.24 (comm. उत्, अथा इत्येवंपरो नकारः यकारं नापद्यते यथा ··· विद्वानथाभव (iii. 2.11))

अथापरम् (athāparam) *adv.* again अथापरं पुनरित्यर्थः AupaSūṬ. 70.4.

अथापि (athāpi) **i** moreover, so much the more, and, also अथापि ब्राह्मणं भवति ĀrṣeBr. i. 1. 6; अथापि वेदानां रसेन यज्ञस्य विरिष्टं संधीयते GopBr. i. 1. 14; अथापि याज्ञिका यज्ञे युक्ता अनुदिशन्ति SaṁhiUBr. 3. 8; अथाप्युपमार्थे भवति Nir. 1. 4 (31. 2); 2. 4 (44. 13); अथापि NyāyBh. 260. 7 (*on* iv. 1. 36) (comm. अपि चेत्यर्थः) 276. 5 (*on* iv. 1. 57): HariStu. 16; अथाप्यनुयोगाज्ज्ञानिवेतनाय किंचिदावेद्यते NīlaVi. 44. 12; **ii** even though (taken for granted), however, (may it be so), but (generally followed by स्यात्, चेत्, तथापि) अथापि चेत् सर्वाण्याख्यातजानि नामानि स्युः Nir. 1. 12 (36. 14); अथापि शरीरस्थं चेतनोत्पत्तिकारणं स्यात् NyāyBh. 226. 3 (*on* iii. 2. 47); 173. 3 (*on* iii. 1. 26); अथापि शब्दादेव विप्लवः । तथाप्येतदनुमानं नैवोपपद्यते Bṛha. 33. 6 (*on* i. 1. 2); अथापि स्यात्सर्वान्तरत्वादानन्दमयो मुख्य एवात्मेति न स्यात् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 51. 18 (*on* i. 1. 12); 75. 16 (*on* i. 1. 24); 197. 3 (*on* i. 3. 28); 198. 1 (*on* i. 3. 30); अथापि स्यात् पूर्वे वर्णा भेत्तार इति SphoṭSi. 112. 3; अथापि स्यात् Tattv-Bi. 30. 2; अथापि ज्ञानव्यक्तिभेदः स्यात् तथापि NyāyRa. 56. 12 (*on* 2. 37); अथापि … इति महाभारतोक्तेश्च तद्बहिष्कारः इह तु न तथेति चेत् NyāyPari. 2. 9; अथापि प्रमाणं स्यात् तथापि न तया पालनकारिवाचित्वं व्यावर्तितम् MīmāKau. ii. 17. 19 (*on* ii. 3. 3); **iii** or, alternatively (followed by वा) ध्रुवं तु भरतं रामः…देशान्तरं नाययिता लोकान्तरमथापि वा Rāmā. ii. 8. 18; यद्येव नित्योऽथापि कार्यं उभयथापि लक्षणं प्रवर्त्यम् MahāBh. i. 6. 14 (*on* i. 1. 1); मासोपवासं कुर्वीत चान्द्रायणमथापि वा AṅgiSm. 28; पञ्चरात्रमथापि वा … लङ्घनस्य कृतः कालः Mānaso. i. 19. 151; द्वादश्यामपि कर्तव्यं त्रयोदश्यामथापि वा TantrSā.(K.) 14. 24; **iv** if however, but if अथापि विश्रम्भमुपैति नेह किं नाम सौख्यं चकितस्य राज्ञः BuddhaC. 11. 46; अथाप्यनाश्यानविशेषकायां मय्येष्यसि …। निपीडयिष्यामि Saund. 4. 36; अथापि मनसो बुद्धेर्वैकैकसंस्कृता ĪśvaSi.(U.) 2. 38; **v** even so, even then अथापि बत मे दैह्यो ह्यात्मा चैवात्मना विभुः । असंपन्न इवाभाति BhāgP. i. 4. 30; पर्यालोच्यमथापि … असौ रहसि मां यत्प्राह दिव्यो मुनिः NīlaVi. 67. 18.

अथार्थ (athārtha) *m.* meaning of *atha* अथ इत्यन्वादेशे GaṇRa. 1. 7 (19); आदित्यथार्थे GaṇRa. 1. 8 (20); अथार्थः पुनरिति BālamBha. ii. 113. 30 (*on* 2. 100–102)

अथार्थवत् (athārtha-va(n)t) *adj.* having the meaning *atha* अथो इत्यथार्थवत् Prasā. i. 310. 3.

अथिन् (athin) (Gr.) suffix *athi* (to form सारथिः) [DEBRU. p. 303] सारेरथिन् SaraKaṇṭhā.(Gr.) ii. 1. 201 cf. घथिन् Uṇā. 4. 89.

अथु (athu) (Gr.) a *kṛt* suffix (to form words like *vepathu*) ट्वनुबन्धादथुः Kātan. iv. 5. 67; ट्वनुबन्धाद्धातोरथुर्भवति भाव एव । टुवेपृ । वेपथुः KātanVṛ. *on* iv. 5. 67; ट्वितोऽथुः JaineVyā. ii. 3. 71.

अथुक् (athuk) (Gr.) the suffix *athu* [DEBRU. p. 174] टुड्वितोऽथुक्त्री S'ākaṭāVyā. iv. 4. 57; SiddhaHe. v. 3. 83; MugdhaBo. 26. 178 (170. 6) cf. अथुच्.

अथुच् (athuc) (Gr.) a *kṛt* suffix (to form words like *vepathu*) [DEBRU. p. 174] ट्वितोऽथुच् P. iii. 3. 89; CāndraVyā. i. 3. 69; टु इत् यस्य ततो धातोरथुच् स्याद् भावादौ PrakriKau. ii. 662. 8; KalpaK. 468. 68.

अथुराण (athurāṇa) *adj.* small or short [अथुराणः] ह्रस्वस्य AVPari. 48. 67.

अथुस् (athus) (Gr.) personal termination of (pf. 2nd per. du. act. P.) परस्मैपदानां णलतुसुस्थलथुसणल्वमाः P. iii. 4. 82; CāndraVyā. i. 4. 11; मानां णल् … अथुस् … उसः JaineVyā. ii. 4. 68; S'ākaṭāVyā. i. 4. 101; परोक्षा … थव् अथुस् अ SiddhaHe. iii. 3. 12; MugdhaBo. 79. 4 (8. 1)

अथैकदा (athaikadā) once, once upon a time अथैकदा मूषकः क्षुधा पीडितः … बिडालेन प्राप्तः Hitopa. 2. 76(5); 4. 7(1)

अथो (átho) *ind.* [PaPā. and Kośas treat it as one word and *prgṛhya*; included in Cādigaṇa 85. 80; *atha + u*] **1 Ai** then, and further (joining words) **ii** afterwards, next further, then (joining clauses) **B** now **2 i** and, moreover, also (joining words) **ii** moreover, as well as (joining clauses) **3** but, on the contrary **4** therefore, as a result, thus **5** or, rather **1 Ai** then, and further (joining words) अथो दिव्यः स सुपर्णो गरुत्मान् R̥V. i. 164. 46; कङ्कतो न कङ्कतोऽथो सतीनकङ्कतः R̥V. i. 191. 1; सीसे मृड्ढ्वम् …। अथो अव्यां रामायाम् AV. xii. 2. 19; न्यस्ताः पूर्वं भ्रातरस्तेन राज्ञा स्वयं चात्मा त्वमथो राजपुत्रि MahāBhā. ii. 60. 6; **1 Aii** afterwards, next, further, then (joining clauses) अद्येदं व्यावो मघोनी । अथो व्युच्छादुत्तराँ अनु द्यून् R̥V. i. 113. 13; ओषधीः । प्र वीयन्ते गर्भान्दधतेऽथो बह्वीर्वि जायन्ते AV. xi. 4. 3; अथो ह ब्रह्मभ्यो वशा याञ्च्याय कृणुते मनः AV. xii. 4. 30; xix. 34. 8; अथो अस्यामेवैनं प्रतिष्ठितमाधत्ते TaiS. I. v. 4. 2; I. v. 1. 4; अथो सीद ध्रुवा त्वम् VājaS. 12. 54; 12. 17; अथो उत्सं दुहन्ति AitĀ. I. ii. 1. 15; अथो सर्पिषोऽक्ष्णोरादधीत JaimiS'S. 20; वसत्स्वथ (v. l. °थो) द्वैतवने पाण्डवेषु MahāBhā. iii. 27. 1; संगता मुनयः सर्वे संजजल्पुरथो मिथः Rāmā. i. 73. 19; ii. 49. 9; मारबलमजयदुग्रमथो बुबुधे पदं शिवमहार्यमव्ययम् Saund. 3. 7; 5. 4; ततोऽवतीर्याशु करेणुकायाः … । वैदर्भनिर्दिष्टमथो विवेश RaghuVa. 7. 17; KumāSaṁ. 5. 51; अनुचरेण धनाधिपतेरथो नगविलोकनविस्मितमानसः । स जगदे वचनम् Kirātā. 5. 16; 12. 17; प्रथमं कलाभवदथार्धमथो हिमदीधितिर्महदभूदुदितः S'iśuVa. 9. 29; सान्ध्यं कर्म समाप्य सप्तसु सरिन्नाथेष्वथो मुक्तवान् MahāviC. 5. 37; राजा तु तानथो दृष्ट्वा BṛKathāS'lo-Saṁ. 5. 161; अचलमथो चित्रकूटं प्रतस्थे AnargharRā. 5. 2; Kuval. 21(13); HarVi. 45. 1; RāmC. 14. 109; अथो गत्वा मया तीव्रं मौनिना तत्कृतं तपः Rāma-Mañ. 426. 17; तेनाथो जनितमिदं कुलद्वयं नः PraboCan. 1. 17 (9. 12); मार्गेष्वथो … चकार तोषं नरदेवजन्मा RāghPāṇ.(Ka.) 2. 2; अथो जगाद सानन्दं मुकुन्दम् PāṇḍaC. 11. 258; नृपस्तद्दुःखदुःखितः । अथो मदनरेखाद्यं सखीजनमवोचत Samarā-Saṁ. 2. 369; अथो यथोत्तरं दद्यादयसा च समं विषम् RasRaSa. 29. 96; आर्यस्याथो गौडपादस्य पादावभ्यर्च्य S'aṅkaDigVi.(Mā.) 16. 36; पृष्टो हेतुरथो राज्ञा योग्यूचे KumāPraPra. 48. 1; चिरतरमथो निःश्वस्याथो सदैन्यमवस्थितम् Subhāṣi. 944; नागवराश्च दुद्रुवुरथो भीता विरिञ्चान्तिके MātaLī. 1. 24; व्यत्यस्तं लयति क्षणं क्षणमथो मौनं समालम्बते RasGaṅ. 123. 2; प्रकृतिविग्रहभेदमथो व्यधात् ParamāKā. 14. 97; **1B** now अथो इन्द्राय पातवे सुनु सोममुलूखल R̥V. i. 28. 6; अथो वशानां भवथा सह श्रिया R̥V. iii. 60. 4; अथो कृणोमि भेषजम् AV. viii. 7. 5; अथोऽयं मम कल्याणः GopBr. i. 1. 32; अथो शरस्तेन मदर्थमुज्झितः Kirātā. 14. 17; तवाथो वृषभो भद्र कीदृशो मे प्रदर्शय BṛKathāK. 105. 23; शुद्धेतरं त्वथो मार्गं मम शक्र निशामय LakṣmīT. 2. 61; मतङ्गेशमथो शृणु SkandP. v(2). 59. 56; पाद्मं कल्पमथो शृणु BhāgP. ii. 10. 47; अथोऽनुत्तरपद्धतिं व्याख्यास्यामः Paraśu-KS. 8. 3 (238. 19); **2 i** and, moreover, also (joining words) अर्वावतो न आ गह्यथो शक्र परावतः R̥V. iii. 37. 11; इमां तन्वं मम । अथो ततस्य यच्छिरः सर्वा ता रोमशा कृधि R̥V. viii. 91. 6; तं त्वा सहस्रचक्षसमथो सहस्रभर्णसम् । अति वारमपाविषुः R̥V. ix. 60. 2; आशसनं विशसनमथो अधि विकर्तनम् R̥V. x. 85. 35; x. 90. 5; x. 137. 4; अकल्पयत् । दिवं च पृथिवीं चान्तरिक्षमथो स्वः R̥V. x. 190. 3; सा मातुर्बध्यतां गृहेऽथो भ्रातुरथो पितुः AV. i. 14. 2; अयमौक्षो अथो भगः AV. ii. 36. 7; iii. 25. 5; अपां रसः प्रथमजोऽथो वनस्पतीनाम् AV. iv. 4. 5; यस्त्वं शीतोऽथो रूरः AV. v. 22. 10; मयि वर्चो अथो यशः AV. vi. 69. 3; यो नो भद्राहमकरः सायं नक्तमथो दिवा AV. vi. 128. 4; xi. 6. 2; xix. 39. 2; पावमानीर्दधन्तु न इमं लोकमथो अमुम् SV. II. v. 2. 8. 4; उद्वर्चो अथो बलम् VājaS. 11. 82; प्रतिधारयति वै ग्रीवा अथो शिरः AitBr. 11. 2 (291); MantraBr. i. 1. 7; तदात्मानं दध्यादथो यजमानम् JaimiUBr. i. 3. 7; अन्यदेव तद्विदितादथो अविदितादधि KenU. 1. 4; KāṭhU. 1. 14; अथो निमित्तैश्च तपोबलाच्च …आजगाम महर्षिः BuddhaC. 1. 49; Saund. 8. 44; कासं प्रतिश्यायमथो क्षयं च क्षयं च श्वासं च कुर्याद्विहते तु वेगे BhelaS. 9. 26 (1. 6); चित्रादीनां कलानामधिगमनमथो सौख्यमग्र्यं च कामी प्राप्नोति DhūrtaViSaṁ. 27. 1; ऐन्द्रावैष्णवमाग्निमारुतमथो सौपर्णमोजोऽस्तु ते UttaRāC. 5. 28; बिभ्रत्युल्लसितं च वर्तुलमथो रत्यम्बुनाढ्यं सदा AnaṅgaRa. 1. 10; अविचाल्यं च सूक्ष्मं च सुकुमारमथो गुरु । चातुर्विध्यं च लक्ष्यस्य NītiPra. 4. 15; **2 ii** moreover, as well as (joining clauses) अथो हारिद्रवेषु मे हरिमाणं नि दध्मसि R̥V. i. 50. 12; अथो वयं भगवन्तः स्याम R̥V. i. 164. 40; अथो हासथुर्भिषजा मयोभुवा R̥V. x. 39. 5; सोमेन पृथिवी मही । अथो नक्षत्राणामेषामुपस्थे सोम आहितः R̥V. x. 85. 2; मम पुत्राः शत्रुहणोऽथो मे दुहिता विराट् R̥V. x. 159. 3; यथायमरपा असदथो अहरितो भुवत् AV. i. 22. 2; ii. 9. 1; अथो ये क्षुल्लका इव सर्वे ते क्रिमयो हताः AV. ii. 32. 5; iii. 2. 4; अहमस्मि सहमानाथो त्वमसि सासहिः AV. iii. 18. 5; iv. 6. 6; उत त्रातासि पाकस्याथो हन्तासि रक्षसः AV. iv. 19. 3; iv. 36. 1; v. 21. 4; अथो नो धेहि तपसे इन्द्रियं च AV. vi. 133. 4; vi. 138. 2; xi. 4. 17; पुनर्नवमेवैनमजरं करोत्यथो पुनाति TaiS. I. v. 7. 3; I. v. 8. 3; अथो एतं वरमवृणीत AitBr. 2. 1(34); KauṣīBr. 2. 9 (7. 22); अथो एकविंशो वै स्तोमानां प्रतिष्ठा AitĀ. I. iv. 2. 13; दर्शयति च अथो अपि स्मर्यते BrahmSū. iii. 2. 17; प्रोल्लासोऽयमथो तवाम्बुनिलये BhallaS'. 48; BhāgP. iii. 25. 371; आबद्धखेलनमथो निगमाटवीषु … सिंहोदरी शिवमसेवत देवसिंहम् YātrāPra. 1. 70; **3** but, on the contrary एवा दाधार ते मनो जीवातवे न मृत्यवेऽथो अरिष्टतातये R̥V. x. 60. 8; त्यजेत सर्वां पृथिवीं समृद्धां युधिष्ठिरः सत्यमथो न जह्यात् MahāBhā. ii. 60. 41; अथो चिकीर्षा तव धर्म एव BuddhaC. 10. 39; **4** therefore, as a result, thus इष्कृतिर्नाम वो माता अथो यूयं स्थ निष्कृतीः R̥V. x. 97. 9; VājaS. 12. 83; द्वे द्वे सन्भरति याज्यानुवाक्ययोरेव रूपं करोत्यथो मिथुनमेव TaiS. I. vi. 8. 2; I. v. 8. 3; अथो पञ्चवीर्यं वा एतच्छन्दो यद् विराट् AitBr. 1. 6(29); अथोऽग्निभ्य एवैतदात्मानं परिददाति KauṣīBr. 2. 5 (5. 21); पुनरादधीत … अथो पुनः कामस्योपाप्त्यै KauṣīBr. 1. 3 (2. 13); तन्न सर्वस्मा अनुब्रूयात् । एनस्यं हि तदथो नेन्म

इन्द्रः शिरश्छिनददिति S'atBr. XIV. i. 1.26; अथो हैतौ श्यामशबलावेव यद् अहोरात्रे JaimiBr. 1.6; अथो अन्नं वै मधु AitĀ. I. i. 3.10; S'āṅkhāĀ. 1.1 (1.3); धर्मप्रश्नमथो ब्रूयादार्तः सभ्येषु मानवः MahāBhā. ii. 61.54; अथो कुमारश्च विनिश्चयात्मिकां चकार … कथाम् BuddhaC. 4.100; शिरस्यथो वाससि संप्रदीप्ते सत्यावबोधाय मतिर्विचार्या Saund. 16.43; चतुर्विधमथो मुक्तं दशधा प्राणमृच्छति BhelaS. 28.21 (1.17); पतन्ति शस्त्राणि तथोज्ज्वलानि स्वर्भूमिपाताल-मथो दहन्ति MatsyaP. 23.43; राश्यादिफलविभागः कस्य विधेयो विना समुत्पत्तेः। आधानमथो वक्ष्ये कारणभूतं समस्तजन्तूनाम् Sārā. 8.1; अकोविदः कोविदवादवादान् वदस्यथो नातिविदां वरिष्ठः BhāgP. v. 11.1; विष्णुश्चेतसि धीयतां परतरे ब्रह्मण्यथो लीयताम् S'atTrayī. 364; विदधे परस्परमथो बहुशः परिरम्भणं कमलचन्द्रमसोः S'rikaC. 13.37 (comm. अथो इत्यस्य स्थाने अहो इति पठनीयम्); **5** or, rather अथो मृत्योर्ह वा एतौ व्राजबाहू यदहोरात्रे KauṣīBr. 2.9 (8.5); TaiBr. I. i. 2.13; GopBr. i. 2.15; किं नु विद्याबलं किं वा वरदानमथो तव MahāBhā. iii. 176.6; धाष्टर्यात् सर्वापहारः परिशठमथवा त्रस्तवन्निष्क्रियत्वं नार्या वाक्यप्रशंसा त्वरिततरमथो हास्यपक्षक्रिया वा DhūrtaViSaṁ. 17.20; किं बाले मुग्धतेयं प्रकृति-रियमथो रौद्रता किं नु कोपः AmaS'. 143 = Subhāṣi. 1380; विशति वह्निमथो व्रजतु क्षितिम् Subhāṣi. 554; किमेष रजनीचरः किमपि मायया दर्शयत्यथो नु परमा-र्थतो दधिमुखो गृहीतो भवेत् AdbhuDa. 2.1; [Kośas give a large number of so-called meanings for अथ and अथो together समुच्चय AnekāSaṁ. 7.27; Medik. 197.35; अन्वादेश ĀnekāSaṁ. 7.27; Vaija. 285.14; अनन्तर AmaK. 2829; AnekāSa. 790; AnekāK. 987; AnekāSaṁ. 7.27; आरम्भ AmaK. 2829; AnekāSaṁ. 7.27; कार्त्स्न्यं AmaK. 2829; AnekāSa. 790; AnekāSaṁ. 7.27; ViśvaLoK. 411.33; MediK. 197.35; प्रश्न. AmaK. 2829; Abhidhā-RaMā. 5.100; S'abdaRa.(Vā.) 4530; AnekāTi 2.18; शुभ, कल्याण AmaK. 2829; AnekāSa. 790; ViśvaLoK. 411.33; नाम, अभ्युपगम AbhidhāRāMā. 5.10; अङ्गीकार, अधिकार KośaKaTa. 2.3170; निश्चय AnekāSaṁ. 7.27; संशय DharK. 2904; AnekāSaṁ. 7.27; KośaKaTa. 2.3170; प्रतिज्ञा Anekā-Saṁ. 7.27; प्रमोद AnekāSaṁ. 7.27]

अथो खलु (átho khálu) now indeed, however (to state a different view) अथो खलु यदैवाध्वर्युरुपाकुर्यात् AitBr. 7.5 (203); अथो खल्वाहुः Ait-Br 1.6 (31) (comm. प्रकारान्तरप्रारम्भार्थोऽयमथोशब्दः); अथो खल्वाहुरुक्थमेव कार्यमह्नः समृद्ध्यै PañcBr. iv. 2 13; अथो खलु। संभृत्या एव संभाराः। कार्यं यजुः TaiBr. I. iii. 1.5; अथो खलु। सकृदेव प्रवृज्यः TaiĀ. v. 6.2 (612.7)

अथोत (athota) and moreover अथोताभिधानैः संयुज्य हविश्चोदयति Nir. 7.13 (138.19)

अथोत्तरम् (athottaram) and thereafter पूतः पञ्चभिर्यज्ञैरथोत्तरं देवता-स्तर्पयति BaudhDS. il. 5.15.

अथोदिव (athodiva) *m.* name of a priest तेन हैतेनाथोदिवो गार्ग्य ईजे JaimiBr. 2.160.

अथ्यक् (athyak) (Gr.) a kind of suffix वचेरथ्यक् तश्च SaraKaṇṭhā. ii. 3.17.

¹अद् (ad–) II. P. [MAYR. 1.28; POR. p. 287; अद भक्षणे DhātuPā. 2.1; KātanVṛ. iii. 6.92; यथाद भक्षण इत्यत्राकार उच्चारणार्थः Nyās. i(1). 461.4 (*on* ii. 4.36); i(1). 463.13 (*on* ii. 4.40); DhātuPra. 2.1 (76.2); KāvyKaVṛ. 93.7 (3.5); MugdhaBo. 9.1 (103.6); PrakriKau. ii. 178.2; pres. अद्मि, अद्मः, अद्मसि, अत्सि, अत्थ, अत्ति, अत्ते, अत्तः, अदन्ति; impv. अदानि, अदाम, अद्धि, अत्तात्, अत्तम्, अत्त, अत्तन, अत्तु, अदन्तु (? AV. xi. 10.26 = Viśva. xi. 12.26); अदस्व; impf. आदम्, आदः, आदत्, आत्ताम्, आदन्; pot. अद्याम्, अद्यात्, अद्याताम्, अद्युः; subj. अदत्, अदताम्, अदन् अदान्; aorist आत्ताम्; injun. अद्म, अदः, अदत्; perfect आदिथ, आद, आदे, आदतुः, आदुः; fut. अत्ता, अत्स्यामि, अत्स्यति, अत्स्यन्ति; conditi. आत्स्यत्; passive अद्यते, अद्यन्ते; imp. अद्यताम्; fut. अत्स्यामहे] **1** to eat, to devour, to consume, to swallow, to drink देवा हविरदन्त्याहुतम् ṚV. ii. 1.14; i. 94.3; ii. 13.4; अद्धि धानाः ṚV. iii. 35.3; vi. 4.5; पचन्ति ते वृषभाँ अत्सि तेषाम् ṚV. x. 28.3; vii. 4.2; यदत्त्युपजिह्विकाः ṚV. viii. 102.21; VājaS. 11.74; TaiS. IV. i. 10.1; इभ्यान्न राजा वनान्यत्ति ṚV. i. 65.7; i. 143.5; तयोरन्यः पिप्पलं स्वाद्वत्ति ṚV. i. 164.20; पिप्पलम् … स्वादु अत्ति भक्षयत्युपभुङ्क्ते MuṇḍaUBh. 344.5 (*on* iii. 1.1); तेभिर्यमः संरराणो हवींषि … प्रतिकाममत्तु ṚV. x. 15.8; अत्ता हवींषि प्रयतानि बर्हिषि ṚV. x. 15.11; TaiS. II. vi. 12.2; अद्धि त्वं देव प्रयता हवींषि ṚV. x. 15.12; TaiS. II. vi. 12.5; दद्भिर्न जिह्वा परिविष्टमादत् ṚV. x. 68.6; असिन्वती बप्सती भूर्यत्तः ṚV. x. 79.1; उताहमद्मि पीव इदुभा कुक्षी पृणन्ति मे ṚV. x. 86.14; आमादः क्ष्विङ्कास्तमदन्त्वेनीः ṚV. x. 87.7; अधैनं वृका रभसासो अद्युः ṚV. x. 95.14; ऊर्जं गावो यवसे पीवो अत्तन ṚV. x. 100.10; अदत्पिबदूर्जयमानमाशितं तदस्मे शं योररपो दधातन ṚV. x. 37.11; पुत्रमत्तु यातुधानीः स्वसारमुत नप्त्यम् AV. i. 28.4; सिंहप्रतीको विशो अद्धि सर्वाः AV. iv. 22.7; (पापः) स ब्राह्मणस्य गामद्यात् AV. v. 18.2; आ ते करम्भमद्मसि AV. vi. 16.1; यवान्नेददानपि नह्यतं मुखम् AV. vi. 50.1; यदन्नमद्मि बहुधा विरूपम् AV. vi. 71.1: TaiĀ. II. 6.2 (226.4); व्रीहिमत्तं यवमत्तमथो माषमथो तिलम् AV. vi. 140.2; भोग्यो भवदथो अन्नमदद्बहु AV. x. 8.22; एताश्चेद्वा अस्य देवता अन्नमदन्त्यदन्त्युवेवास्य मनुष्याः TaiS. II. iii. 7.4; अद्दित् स ब्रह्मणान्नम् TaiS. V. ii. 10.3; पुरस्ताद्धि प्रतीचीनमन्नमद्यते TaiS. V. vi. 3.2; देवा वै या आहुतीरजुहवुस्ता असुरा निष्कावमादन् TaiS. VI. ii. 1.5; VI. ii. 7.5; तथा त्वा याजयिष्यावो यथा तेऽन्नमत्स्यन्ति MaiS. ii. 1.3; यस्यान्नं नाद्यात् तस्मै तां दद्यात् MaiS. i. 8.8; KāṭhS. 8.4; इषमूर्जमहमित आदम् VājaS. 12.105; 19.51; AitBr. 8.6 (235); तद् यदेता देवता यजत्येताभिर्देवताभिः शान्तमन्नमत्स्यामीति KauṣiBr. 4.14 (17.18); 6.2 (23.7); यस्यान्नं नाद्यात्। अवर्तिमेवास्मिन् पाप्मानं प्रतिमुञ्चति TaiBr. I. iv. 3.2; छागस्य हविष आत्तामद्य। मध्यतो मेद उद्भृतम् TaiBr. III. vi. 11.1; यावन्तो वै देवा अहुतमादन्। ते पराऽभवन् TaiBr. II. i. 5.3; KāśiVṛ. *on* P. ii. 4.39; ṢaḍviBr. i. 7.3; स यः कामयेत … एवमन्नमद्यामिति तर्हि स जुहुयात् S'atBr. II. iii. 2.9; स एषोऽत्र तस्मै नालमासीद्यदन्नमात्स्यत् S'atBr. IX. ii. 3.48; योऽस्य ज्याामप्यद्यात् किमस्मै प्रयच्छेत S'atBr. XIV. i. 1.8; सोऽग्निमब्रवीत् त्वयान्नमदानीति S'atBr. IX. ii. 3.49; XIV. i. 1.14; ChāndoUBr. ii. 4.1; JaimiBr. 2.414; GopBr. i. 2.4; न तस्येशे यन्नाद्याद्यद्वैनं नाद्युः AitĀ. II. i. 2.20; आयतनं नः प्रजानीहि यस्मिन् प्रतिष्ठिता अन्नमदाम AitĀ. II. iv. 2.3; S'āṅkhāĀ. 4.9 (16.3); यदन्नमदम्यनृतेन देवाः TaiĀ. ii. 6.2 (226.1); अद्यतेऽत्ति च भूतानि। तस्मादन्नं तदुच्यते TaiĀ. viii. 2.1 (736.11); MuṇḍaU. iii. 1.1; सर्वत एव मेऽन्नमत्स्यन्ति ChāndoU. iv. 1.1; S'vetāU. 4.6; वृक्षं नो ब्रूहि यदि वेत्थ कंचिद् यत्राधिरुह्याद्म रुच्याम्ब भक्ष्यम् Suparṇādhyāya. 13.3; अद्धि पिब जुषस्व मत्स्वावृषायस्व वीहि प्र देवतानामेति याज्यालक्षणानि S'āṅkhāS'S. i. 17.15; Āpa-S'S. i. 9.13; हविषि प्रैषे सूक्तवाके च अदत् अदतां अदन् MānS'S. 133.21; PāraGS. ii. 8.4; BaudhDS. ii. 3.18; मामदस्व मृगश्रेष्ठ विशोकां कुरु दुःखिताम् MahāBhā. iii. 61.33; iii. 34.69; केशा नखाश्च सुप्तानामद्यन्ते मूषकैर्निशि Mahā-Bhā. xvi. 12*(1); xii. 15.36; एतदत्स्यति मद्धस्तान्न त्वां बाधिष्यते शुभे। क्षुधा तृष्णा च Rāmā. iii. (App.) I. 12(37); vi. 48.54; ManuSm. 3.262; 4.27; CaraS. i. 15.16 (1922 Ed.); किं जीर्णं तृणमत्ति मानमहतामग्रेसरः केसरी S'atTrayī. 17; पञ्चानामिन्द्रियाणां विषयनिरसनं यत्तदद्मो न मांसम् S'atTrayī. 685; यद् यदाप्नोति सुबहु तदत्ते कालसंयमम् ViṣṇuP. ii. 13.45; MārkP. 51.77; कर्तृसमुच्चये देवदत्तोऽद्धि जिनदत्तोऽद्धि … इत्येव वयमोदनमद्मः। देवदत्तोऽद्धि … इत्येव यूय-मोदनमत्थ। देवदत्तोऽद्धि…इत्येव इमे ओदनमदन्ति JaineVyā. 137.31 (*on* ii. 4.3) पयसः कणमेव चातको जलदादत्ति बहूनि नान्यतः JānaHa. 4.26; विद्या-विक्रमजं योऽत्ति साधु सोऽत्तीह मानवः PañcT. 1.11 (19.12); आद। जघास CāndraVṛ. *on* v. 4.87; अत्ता CāndraVṛ. *on* v. 4.135; KāśiVṛ. *on* vii. 2.10; KāśiVṛ. *on* vii. 2.66; आद। आदतुः। आदुः KāśiVṛ. *on* ii. 4.40; आद KāśiVṛ. *on* vii. 3.100; जीर्णे हितं मितं चाद्यात् AṣṭāHṛ. i. 2.18; योद्धुर्बाणप्रोतमादीप्य मांसं पाकापूर्वस्वादमादे शिवाभिः S'iśuVa. 18.76; अचेष्टा यदि हान्यायादनेनात्स्यामहे वयम् Bhaṭṭi. 7.84; त्वम् … शस्त्रैरादिथ शस्त्राणि त्वमेव महतामपि Bhaṭṭi. 9.48 (comm. भक्षयसि स्म); छागाः प्रमाप्यन्तां ततस्तन्मां-समद्यताम् BṛKathāS'loSaṁ. 18.487; सोम एवान्नम् यदद्यते तदेव सोम इत्यर्थः BṛĀraUBh. 93.11 (*on* i. 4.6); न वै मृत्युर्व्याघ्र इव अत्ति भक्षयति प्राणिनः SanatBh. 181.6 (*on* 1.5); VakroPañ. 32; अथात्ति कश्चित् पय एव बालकः KalyāKā. 2.10; RāmC. 21.29; सर्वमत्ति यतः सृष्टं तस्माददितिरुच्यते BṛĀraU-BhVā. i. 2.194; ततोऽन्ते घृतप्राशनं कृत्वैतदन्यमन्नमद्याताम् ManuBh. i. 488.17 (*on* 5.142); अत्ति स्वास्येन चेद्भक्तं भोक्तुर्मुक्तिर्भवेत्कुतः YaśasCam. i. 417.3; केनचिद्धौतेन राजद्वारि द्विरदमवलोक्य विकल्पितम्, किमयमन्धकारो मूलकमत्ति Ātma-TaVi. 530.13; मध्वर्धं घृतम् … अद्यात् SiddhYo. 70.17; जलौकसां जले यद्वन्महा-न्तोऽदन्त्यणीयसः BhāgP. i. 15.25; अदन्त्येनः … आत्महेतोः पचन्ति ये GaṇeP. ii. 139.13; विषमत्तीति विषादः Loc. 104.23 (*on* 2.26 (?24)); प्राणानत्ति वियोगिनीषु पथिकेष्वन्त्राणि निष्कृन्तति (चूताङ्कुरः) UdaySuKa. 121.18; नादुः कथंचिदास्यानि बाहूंस्तस्य युगायतान् Rāvaṇā. 7.11; ĪśānS'iPa. ii. 3.9; आदुरानृधुरथानशिरे … यदापः DvyāśraKā. 8.77; 10.17; विप्राग्वरिथादिथापि। त्वं यच्च … तद्वर्हय तेऽसि मृत्युः DvyāśraKā. 10.64; तीर्थस्थितः स्वकुलजांस्तिमिरत्ति RājTa.(Ka.) 5.305; अत्तु। अत्तात्। अद्धि DhātuPra. 2.1 (76.4); अब्धीनामत्ति योऽम्बू(म्बू)-न्यनिशमुपचितो वाहिरौर्व्यः क्व नष्टः EI. i. 216.14; हंसः कुर्कुटवत् कीटानत्ति PārśvC. 1.179; S'aṅkaDigVi.(Mā.) 8.118; चमसावद्युरित्युक्त्या राजपात्रं च विप्रगम् NyāyMāVi. 178.8 (*on* iii. 5.35); S'ārṅgaPa. 3635; किं जीर्णं तृणमत्ति मानमहतामग्रेसरः केसरी Subhāṣi. 614; यमो व्याघ्र इव साक्षान्नात्ति GuruCandr. i. 332.13; अहुतमदन्तीत्यहुतादः तादृशा मरुतः VīraMi. (Saṁskāra.) 945.18;

ब्रह्माण्डान्यत्ति यः सदा RasGaṅ. 655. 5; **ii** to chew पालाशं दन्तधावनं नाद्यात् ViṣṇuSm. 61. 1; BṛhaspaSm. 5. 102; अज्ञातपूर्वाणि न दन्तकाष्ठान्यद्यात्र पत्रैश्च समन्वितानि BṛSaṁ. 85. 2 = YogYā. 2. 20; BṛBrahmS. iii. 7. 101; **iii** to devour, to destroy यास्य घोरतरा मूर्तिः सर्वानत्ति तयेश्वरः MahāBhā. vii. 173. 97; रुद्रस्वरूपेण च योऽत्ति विश्वम् ViṣṇuP. iv. 1. 86; त्वये(? यै)तत्पाल्यते देवि त्वमत्स्यन्ते च सर्वदा MārkP. 81. 56; परमात्मा तु विकारजातं उपसंहरन् सर्वमत्तीत्युपपद्यते BrahmSūBh.(Śaṅ.) 105. 16 (*on* i. 2. 9); संसारिणो न चेदत्ति संसार्येव प्रसज्यते BṛĀraUBhVā. ii. 4. 16; विद्यामत्ति सदातत्त्वम् ··· । नादमत्ति परा शक्तिः MṛgendraT. i. 13. 191 (comm. विद्यातत्त्वं सदाशिवतत्त्वे सद्युपसंहृतवैभवं भवति । ··· नादोऽपि परस्यां शक्तौ); मृत्युरत्ति जनं प्रिये KulārT. 1. 41; सृजते ह्यनिरुद्धोऽत्र प्रद्युम्नः पाति तत्कृतम् । सृष्टं तद्रक्षितं चात्ति स च संकर्षणः प्रभुः LakṣmīT. 4. 19; Stotrā. 20. 18 सृजत्यवत्यत्ति न सज्जतेऽस्मिन् BhāgP. i. 3. 36; i. 5. 6; विश्वं सृजसि पास्यत्सि क्रीडन्तूर्णपदो यथा BhāgP. iv. 6. 43; VāmaP. 31. 14; DevīBhāP. iii. 24. 14; ŚivaP. II. ii. 11. 15 (80B. 5); AdhyāRā. vi. 15. 52; SaraKaṇṭhā. 537. 2; विष्टेट् स्म मादः स्वयशोऽस्य विघ्नैर्मा स्माददन्योऽपि DvyāśraKā. 10. 71 (comm. मा विनाशयः); **iv** to enjoy, to experience, to obtain यदन्यदपि वैकृतं न विजयावसाने भवेत् तदा सुखमकण्टकं नृपतिरत्ति देशं रिपोः YogYā. 17. 8; यदिदमद्यते भुज्यते BṛĀraU-Bh. 198. 17 (*on* i. 5. 2); तयोरन्यः ··· पिप्पलं कर्मफलं सुखदुःखलक्षणं अत्ति उपभुङ्क्तेऽविवेकतः ŚvetāUBh. 179. 17 (*on* 4. 6); MuṇḍaUBh. 344. 5 (*on* iii. 1. 1); सर्वेष्वात्मसु अन्नमत्ति सर्वसंबन्धिफलमाप्नोति Bhām. 188. 18 (*on* i. 2. 24); विभवे सति नैवात्ति ··· तमाहुराखुम् VāmaP. 14. 87; ये ये जनास्ते सुखसङ्गतृप्तास्तेभ्यो गृहीत्वा बहुवित्तमादः GaṇeP. i. 7. 21; कर्मफलान्यत्तीत्यदितिर्जीव उच्यते BrahmSūBh.(Rā.) 246. 11 (*on* i. 2. 11); VedāntDī. 33. 14 (*on* i. 2. 11); VedāntKa. 99. 13 (*on* i. 1. 4); जीवः ··· देहजनितकर्मफलम् ··· अत्ति TattvPrakā. 43. 11 (*on* i. 3. 7); ŚivārkaMaDī. i. 350. 13 (*on* i. 2. 11); **v** to realize प्रत्यगत्ति यतोऽतोऽसावात्मेत्युक्तो मनीषिभिः BṛĀraUBhVā. i. 4. 743 (comm. अत्ति साक्षात्करोतीत्यर्थः); **vi** to make (someone) suffer difficulties or dangers (in the form of worldly existence) मृत्युरज्ञानं जन्तून् अत्ति संसारसङ्कटे पातयति न तु व्याघ्र इव दृश्यते BhārBhāDī. *on* v. 42. 5; **आदय्** (āday-) caus. [आदयति, आदयतः (HirŚS. xvii. 2. 23? VIŚVA.), आदयन्ति, आदयते, आदयन्ते, आदयेत्, आदयेयुः, आदयीत (? pot. 3rd per. sg. Ā.), आदयत् (impf.). आदयन्, आदयांचक्रे] **i** to make someone eat or drink, to feed someone यत्सर्वपृष्ठया यजेत देवता एवास्यान्नमादयति KāṭhS. 12. 5; तामन्नमप्यादयेच्छान्त्यै AitBr. 25. 2 (651); अथ यासां पयो न भवति जातमेव ता अथादयन्ति ŚatBr. II. v. 1. 6; ये वै वाचमन्नमादयन्त्यन्नादा भवन्ति PañcBr. v. 8. 1; दीक्षोपसत्सु व्रतदुघ आदयेयुः ĀśvaŚS. II. vi. 8. 27; अन्नं तु ददन्नदयीत ĀpaŚS. v. 25. 18 (comm. आदयेत्; CALAND न दयीत; also nt.); श्वभिरादयेद्राजा निहीनवर्णगमने स्त्रियं प्रकाशम् GautDS. iii. 5. 14; आदयते देवदत्तेन MahāBh. i. 337. 15 (*on* i. 4. 52); पाययेचादयेचापि गजमेहं भयापहम् BhelaS. 148. 18 (6. 7); अत्ति देवदत्तः । आदयति देवदत्तेन JaineVyā. 41. 3 (*on* i. 2. 122); आदयते माणवकेन JaineVyā. 41. 4 (*on* i. 2. 122); 33. 7 (*on* i. 2. 84); CāndraVṛ. *on* i. 4. 141; ii. 1. 47; अत्ति माणवक ओदनम् । आदयते माणवकेन KāśiVṛ. *on* P. i. 4. 52; आदयते देवदत्तेन KāśiVṛ. *on* P. i. 3. 87; निहत्य श्राद्धेषु पशून्मांसान्यादंस्तथादयन् SkandP. ii(9). 9. 20; DvyaśraKā. 2. 86; NaiṣC. 22. 141; MugdhaBo. 5. 5 (46. 12); 23. 58 (141. 5); PrakriKau. i. 394. 3; ii. 395. 1; Raghunā. 3. 40; SiddhāKau. 136A. 3; 462B. 25; **ii** to destory प्रतापेनादयांचक्रे द्विष खड्गेन चादयत् DvyāśraKā. 7. 62 (comm. क्षयं नीतवान्)

¹अद् (ad-) (Gr.) the root *ad*- अदो जग्धिर्ल्यप्ति किति P. ii. 4. 36; अदोऽनन्ने P. iii. 2. 68; iii. 2. 160; iii. 3. 59; vii. 3. 100; अदोऽट् Kātan. iii. 6. 92; iv. 1. 82; iv. 3. 71; अदः परयोः ··· अड् भवति । आदत् । आदः KātanVṛ. (*on* iii. 6. 92); JaineVyā. i. 4. 110; सृघस्यदः क्मरः JaineVyā. ii. 2. 143; वोपदेशे ··· अव्यादः JaineVyā. v. 1. 108; अव्याद इति किम् । ··· अत्ता आदिथ JaineVyā. 349. 30 (*on* v. 1. 108); ति कित्यदो जग्धः CāndraVyā. v. 4. 85; तीति किम् । अद्यते । क्तीति किम् । अत्ता CāndraVṛ. *on* v. 4. 85; ŚākaṭāVyā. i. 4. 65; iv. 2. 29; SiddhaHe. iv. 3. 26; iv. 4. 16; SaraKaṇṭhā. (Gr.) i. 4. 101; MugdhaBo. 9. 1 (103. 7); 9. 3 (103. 11); PrakriKau. ii. 116. 5; ii. 179. 2.

²अद् (ad-) = अन्द् (I. P.) to bind or fasten [APTE]

³अद् (ad) particle expressing wonder अदित्याश्चर्ये । कस्तद्वेद यदद्भुतम् GaṇRa. 1. 6 (17)

⁴अद् (ad) (Gr.) formans *ad* (in words *asmad* and *yuṣmad*) अद इत्यस्याष्टेर्लोपो भवति Prasā. i. 245. 19.

°अद् (-ád) *adj.* eating द्रप्सा यत्ते यवसादो व्यस्थिरन् ṚV. i. 94. 11; यस्मिन्वृक्षे मध्वदः सुपर्णा निविशन्ते ṚV. i. 164. 22; i. 164. 40; य एनमादिदेशति करम्भादिति पूषणम् ṚV. vi. 56. 1; अर्वाञ्चो अग्निर्हव्यान्नमोभिः ṚV. vii. 34. 14; vii. 104. 2; कविं विश्वादं पुरुवेपसम् । अग्निं शुम्भामि मन्मभिः ṚV. viii. 44. 26; ix. 71. 4; ऊर्जाद उत यज्ञियासः पञ्च जना मम होत्रं जुषध्वम् ṚV. x. 53. 4; x. 87. 2; x. 87. 7; x. 87. 19; x. 94. 9; अग्निष्टं ब्रह्मणा सह निष्क्रव्यादमनीनशत् ṚV. x. 162. 2.

⁵अद् (-ad) Abl. ending of pronouns भ्योऽस्मोऽद् ŚākaṭāVyā. i. 2. 179.

⁶अद् (-ad) [DEBRU. p. 174] a formans in a few words like दृषद्, भसद्, शरद् etc.; cf. अदि, Uṇā. 1. 122–132.

अद (ada) *m.* act of eating अदस्त्वदने पुमान् ŚabdaRaSaK. 172. 5.

¹अद (-adá) *adj.* [root *-ad* thematised as second member of a Cpd., DEBRU. p. 90; cf. P. iii. 2. 68; cf. *havirada* AV. iv. 37. 8; अनन्न इति किम् । अन्नादः KāśiVṛ. *on* P. iii. 2. 69; taken as *āda* in cl. Sanskrit भाषायामणेव भवति । छन्दसि त्वकारादनुपपदादिल्यणि प्राप्ते पचायजिष्यते तेन अन्नाद इत्यत्र अद इत्यवग्रहो भवति PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. iii. 2. 68; बहुलाधिकारादन्नादः क्रव्यादः CāndraVṛ. *on* i. 2. 53] eating, consuming cf. रक्तामिषाद, मानुषमांसाद [PW], हव्याद HariVaṁ. [MW]

²अद (a-da) *adj.* not violating or destroying अहमेऽदं नमामो ह मेदम् । ···न जहन्ति(? ति) न त्यजन्ति सदा तत्रैव चरन्तीति अहानि भानि नक्षत्राणि यत्र तदहभं गगनं तत्र समवसरणे स्थितम् । न द्यति धर्मं न खण्डयतीति अदम् AlaṅkāCin. 49. 3.

³अद (a-da) *adj.* without the letter *da* तस्याः साधुरदं विलोक्य वदनं यः संश्रयत्यञ्जसा मुक्त्वा मुक्तिपथं ह हा प्रविशति भ्रान्त्या सदुर्गं वनम् ŚṛṅgāVaiTa. 11.

अदंश (a-daṁśa) *n.* a kind of snake-bite (a very mild bite) अदंशमवगुप्तं स्याद्दंशमेवं चतुर्विधम् । त्रयो द्व्येकक्षता दंशाः AgniP. 293. 19.

अदंशमशक (a-daṁśamaśaka) *adj.* free from gnats and mosquitoes अदंशमशके देशे बहुमूलफलोदके । ··· जाताम् ··· तामुपेत्य MahāBhā. iii. 145. 20; vii. App. I. 8. 464; xii. 254. 42.

अदंशित (a-daṁśita) *adj.* not covered with an armour सहसा सैनिकैर्नष्टं देवारीणामदंशितैः Surath. 10. 100.

अदंष्ट्र (a-daṁṣṭra) *adj.* toothless (herbivorous) ये चरा ह्यचरानद्युरदंष्ट्रान्दंष्ट्रिणस्तथा MahāBhā. xii. 90. 20; xii. 100. 15; यथा चराणामचरा ह्यदंष्ट्रा दंष्ट्रिणामपि ··· अन्नं शूरस्य कातराः SūktiRa. 99. 11; चराणामचरा अन्नमदंष्ट्रा दंष्ट्रिणामपि ŚukraNī. iv. 7. 315.

अदंष्ट्रक (adaṁṣṭra-ka) *adj.* without fangs or teeth, toothless एकदंष्ट्रैर्महादंष्ट्रैर्बहुदंष्ट्रैरदंष्ट्रकैः । ··· भूतैर्भूतपतिर्वृतः BrahmāṇḍP. i. 25. 38.

अदंष्ट्रायुध (a-daṁṣṭrāyudha) *adj.* lacking in a boar मन्ये चानेन शरमासुतेन ··· अदंष्ट्रायुधमिवादिवराहचरितम् YaśasCam. ii. 187. 9.

अदंष्ट्रिन् (a-daṁṣṭrin) *adj.* toothless (herbivorous) चराणामन्नमचरा दंष्ट्रिणामप्यदंष्ट्रिणः ManuSm. 5. 29; त्वाष्ट्रास्त्वाष्ट्रारिराष्ट्रे न भ्राष्ट्रैनादंष्ट्रिणो जनाः SaraKaṇṭhā. 88. 18; दंष्ट्रिणां व्याघ्रादीनाम् अदंष्ट्रिणो हरिणादयः ManvaMu. 199. 23 (*on* 5. 29) = VīraMi.(Āhnika.) 528. 4.

अदःकपाल (adaḥ-kapāla) *n.* skull of that (Brahman) अदःकपालेन सुरालयेषु भिक्षामटन्यः प्रकटीचकार YātrāPra. 6. 58.

अदःकीर्तिपूर (adaḥkīrti-pūra) *m.* abundance of fame of that person क जगति न जागर्त्यदःकीर्तिपूरः NaiṣC. 12. 57 = SūktiMu. 97. 22.

अदःकृ (adaḥ-kṛ-) VIII. P. to consider that (something) यददःकरोति KāśiVṛ. *on* P. i. 4. 70.

अदःकृत (adaḥ-kṛta) *adj.* which is considered or thought of स्वयमेव तु यदा बुद्ध्या परामृशति तदा नास्त्युपदेश इति सोऽस्य विषयः । ··· अदःकृतम् KāśiVṛ. *on* P. i. 4. 70.

अदःकृत्य (adaḥ-kṛtya) *ger.* having considered it अदःशब्दोऽनुपदेशे वर्तमानः क्रियार्थैः सुबन्तैरेकार्थो भवति । अदःकृत्य चिन्तयति CāndraVṛ. *on* ii. 2. 32; अदःशब्दोऽनुपदेशे तिसंज्ञो भवति । अदःकृत्य JaineVyā. 43. 28 (*on* i. 2. 139); 61. 17 (*on* i. 3. 82); स्वयं परामर्शं अनुपदेशः । तत्र अदःकृत्य ŚākaṭāVyā. i. 1. 27; अदःशब्दस्त्वदादिषु पठ्यते सोऽनुपदेशे गतिसंज्ञो भवति ··· अदःकृत्य KāśiVṛ. *on* P. i. 4. 70; समासे भाविन्यनञः क्त्वो यप् । ··· अदःकृत्य चिन्तयति KātanVṛ. *on* iv. 6. 55; अदःकृत्यान्तर्हत्यैकः कणेहत्य पयः पपौ DvyāśraKā. 5. 20; SiddhaHe. iii. 1. 5; इमां मृदित्वा सुहृदां पुरस्कृतः ···। अदःकृत्य निरास सोऽश्मनि VāsuVi. 3. 48 (comm. कर्तव्याकर्तव्यं निश्चित्य); तस्मिन् विषयेऽदःशब्दो गतिसंज्ञः । अदःकृत्य Prasā. i. 518. 18; SiddhāKau. 181B. 10.

अदःपुत्र (adaḥ-putra) *m.* son of that person, *adj.* having that one as his son अदसः पदे सति दस्य मो भवति विभक्तौ । अमुष्मात् । ··· विभक्ताविति किम् । अदस्यति । अदस्त्वम् । अदःपुत्रः KātanVṛ. *on* ii. 2. 45; त्यदादीनां दकारस्य सो

भवति सौ विभक्तौ ।…साक्षात्साविति किम् । असौ पुत्रोऽस्येति । अदःपुत्रः KātanVṛ. *on* ii. 3. 32.

अदःपुर (adaḥ–pura) *n.* the city in the form of his body अभूत्प्रवेशार्हमनङ्गभूपतेरदःपुरम् (तस्य) Acyutarā. 3. 2 (comm. अदःपुरं अमुष्यपुरं शरीरमेव नगरम् । ' पुरं नगरदेहयोः ' इति विश्वः)

अदःप्रतिलम्भ (adaḥ–pratilambha) *m.* obtainment of that person (i. e. Damayantī) नैव नः प्रियतमोभयथासौ …। एकतो हि धिगमूमगुणज्ञामन्यतः कथमदःप्रतिलम्भः NaiṣC. 5. 69.

अदःप्रभृति (adaḥ–prabhṛti) *adj.* having the expression *adaḥ* as the first कथं तर्हि यत्तदोर्विषये कविभिरिदमेतददःप्रभृतयः शब्दाः प्रयुक्ताः प्रयुज्यन्ते च VyaktiVi. 42. 13; योऽविकल्पम् … इत्यादौ इदमदःप्रभृतयः शब्दाः तच्छब्दार्थमभिदधति Kāvyānu.(He.) 217. 4.

अदःप्रसाद (adaḥ–prasāda) *m.* his favour अदःप्रसादादखिलस्य दातृता S'ivLī. 5. 43.

अदःप्रीति (adaḥ–prīti) *f.* love for her मूर्खाः केचन विश्वसन्ति वितरन्त्यर्थानदःप्रीतये RasSa. 101.

अदक (ada–ka) *adj.* eating भामिनी…चक्रवाकांश्च विहगान्सर्वांश्चैवादकान् द्विजान् ।… विजज्ञे VāyuP. ii. 8. 329; ifc. पुरुषादक [PW]

अदकर्ण (adakarṇa) *m.* **1** the plant *Vatia robusta* अदकर्णः सर्ज्जे ApūNā. 20A. 4; **2** a kind of rice अदकर्ण …। शालिभेदे च ApūNā. 20A. 4.

अदकस् (ad–akás) *Pron.* (*ka*-extension AltGr. III. 446; DEBRU. p. 516; P. v. 3. 71; Vār. *on* P. vii. 2. 107] that, that wretched one यकासकौ शकुन्तिकाहलगिति वञ्चति VājaS. 23. 22; यकोऽसकौ शकुन्तकः VājaS. 23. 23; MaiS. iii. 13. 1; पिबति च पाति च यासकौ रहस्त्वाम् । व्रज विटपममुं ददस्व तस्यै S'iśuVa. 7. 53; ददृशे … अभीकयाथ सः । भार्योढं तमवज्ञाय तस्थे सौमित्रयेऽसकौ Bhaṭṭi. 4. 15; 20. 5; नायं घटः शरावोऽयं न शरावो घटोऽसकौ SiddhāSi. ii. 134. 19; राजभिर्बहुभिरप्यसकौ चिच्यावयिष्यत उदग्रतरः कैः DvyāśraKā. 8. 72; निबध्य वध्यते वध्यस्तेन स्तेन इवासकौ SamarāSaṁ. 4. 141.

अदकार (a–dakāra) *m.* absence of *d* रीषतोऽदकारे ṚPrāti. 9. 25.

अदक्ष (a–dakṣa) *adj.* [*f.* –ā] not dexterous, unskilful अदक्षो निन्द्यते वैश्यः शूद्रश्च प्रतिकूलवान् MahāBhā. x. 3. 20; न जात्वदक्षो नृपतिः प्रजाः शक्नोति रक्षितुम् MahāBhā. xii. 92. 44; नादक्षो नादक्षिणो नासूयकः न ब्राह्मणान् परिवदेत् CaraS. i. 8. 25; नादक्षां नादक्षिणां नाकामाम् … व्यवायं गच्छेत् CaraS. i. 8. 22; तद्द्यात्तन्त्रमेतत्तु … नादक्षाय च भेदिने TantrRā. 36. 99; अत एवादक्षालसप्रतिषेधं कुर्वन् मन्दभाग्यादीनपि स एव प्रतिषेधयति SmṛtiCan. iv. 430. 3; सभ्येष्वसत्स्वदक्षेष्वप्युपर्यपि च धावति NyāyPari. 267. 6; यद्रोमरन्ध्रपरिपूर्तिविधावदक्षा वाराहजन्मनि बभूवुरमी समुद्राः KṛṣṇaKa. 2. 27.

अदक्षपुरुष (adakṣa–puruṣa) *m.* careless man पञ्चधा स्तनजा रोगा बालरोगस्त्रिधा मतः अदक्षपुरुषाज्जातः सपत्नीविहितोऽपरः । दैवाज्जातः KalpaK. 59. 356; स्त्रीदोषाश्च त्रयः स्मृताः । अदक्षपुरुषोत्पन्नः सपत्नीविहितस्तथा । दैवाज्जातः S'ārṅgaS. i. 7. 184.

अदक्षिण (a–dakṣiṇá) *adj.* **A i** lacking in the saceificial fee (a person) **ii** at which no *dakṣiṇā* is given (a sacrifice) **iii** (gift) not accompanied by *dakṣiṇā* **iv** not requiring the payment of (sacrificial) fee **B** not clever, inexperienced, incompetent **C i** not well-behaved, immodest, impolite **ii** not favourable, not kind **D** not right, left **E** unfit, undeserving **F** northern **G** knower of Brahman [*f.* –ā] **A i** lacking in the sacrificial fee (a person) अदक्षिणासो अच्युता दुदुक्षन् ṚV. x. 61. 10; मा पुत्रमनुतप्यथाः । अदक्षिणमयज्वानम् MahāBhā. xii. 29. 27; **A ii** at which no *dakṣiṇā* is given (sacrifice) यद्युद्गातावच्छिद्यते यज्ञेन यजमानो वृ(? व्यृ)ध्यतेऽदक्षिणः स यज्ञक्रतुः स(? सं)स्थाप्यः PañcBr. vi. 7. 14; ĀpaS'S. xiv. 26. 5; तस्मान्नादक्षिणेन हविषा यजेत S'atBr. I. ii. 3. 4; KauśiSū. 6. 22; य एवादक्षिणेन हविषा यजाता इति S'atBr. I. ii. 3. 4; ĀpaS'S. ix. 15. 20; विच्छेत्स्यन्ते वा अदक्षिणा यज्ञाः JaimiBr. 2. 116; अदक्षिणाः सहस्रदक्षिणे प्रत्यतिष्ठन् GopBr. i. 5. 7; मृतो यज्ञस्त्वदक्षिणः MahāBhā. iii. 297. 59; स्वर्गं च हन्ति यज्ञो ह्यदक्षिणः MahāBhā. xii. 159. 23; BṛDharmaP. i. 4. 31; SūktiRa. 181. 31; SiṁhāDvā. 108. 12; हतो यज्ञस्त्वदक्षिणः BṛhaspaSm. 347. 136; BrahmVaiP. iv. 87. 70; अदक्षिणं च यत्कर्म तद्भुङ्क्ते च बलिर्मुने DevīBhāP. ix. 45. 66; सूर्यक्रतुं महापुण्यं नैव कुर्याददक्षिणम् BhaviP. 203A. 16 (i. 136. 67); अदक्षिणास्तथा यज्ञाः … फलानि तव दास्यन्ति MatsyaP. 246. 85; VāmaP. 31. 84; अदक्षिणम् … यज्ञं तामसं परिचक्षते GītāBh.(S'aṅ.) 476. 16 (*on* 17. 13); न त्वदक्षिणः संस्थाप्य इति दक्षिणाप्रतिषेधः ṬupṬ. 145. 4 (*on* vi. 5. 55); मखा यद्वददक्षिणाः । तद्वद्देशा दिशः सर्वा हीना गङ्गाम्भसा हरे SkandP. iv. 28. 90; **अदक्षिणेन** (adakṣiṇena) [Inst.] without sacrificial gifts अदक्षिणेनेष्ट्वोर्वरां समृद्धां दद्यात् MānS'S. 96. 2; विच्छिद्येत … यद्युद्गातादक्षिणेनेष्ट्वा तेन पुनर्यजेत MānS'S. 102. 9; **A iii** (gift) not accompanied by *dakṣiṇā* किन्तु नादक्षिणं दानमामनन्ति CaṇḍaKau. 2. 28 (2); अदक्षिणं तु यद्दानं तत्सर्वं निष्फलं भवेत् CaturCin. i. 185. 10; **A iv** not requiring the payment of (sacrificial) fee तान्यदक्षिणानि (सत्राणि) ĀśvaS'S. II. vi. 15. 7; KātyS'S. xii. 1. 8; S'ābaBh. 2012. 16 (*on* x. 6. 59); नित्यश्राद्धं देवपूजा सर्वमेतददक्षिणम् AgniP. 211. 31; SkandP. ii(5). 11. 31; BallāC. 78. 4; कर्मण्यदक्षिणे साध्वि यागस्याहं तु तत्फलम् BrahmVaiP. iii. 7. 35; अदक्षिणसर्वस्वदक्षिणयोः प्रयोगयोः संभवेन विरोध एव नास्ति AdvaiSi. 383. 8; यद्युद्गाता अदक्षिणं यज्ञमिष्ट्वा तेन पुनर्यजेत GuruCandr. i. 329. 16; **B** not clever, inexperienced, incompetent मेनेऽथ सत्यमेवेति परिहासमदक्षिणा Rāmā. (GORR.) iii. 17. 24; त्वां वक्ष्यते कथमदक्षिणम् UjjvaNīMa. 112. 5; प्राणाधिकनिजवधूरक्षणादक्षिणेन भ्रातर्न्यस्तः … कलङ्कः BhramDū. 12; अदक्षिणैर्मूर्खैश्चेति वा LalitāSaBh. 186. 35 (*on* 222); **C i** not well-behaved, immodest, impolite नादक्षिणा नानुपचारयुक्ता । भार्या भवत्तस्य Rāmā. v. 7. 67; नादक्षां नादक्षिणाम् … व्यवायं गच्छेत् CaraS. i. 8. 22 (1922 Ed.); i. 8. 25; ViṣṇuP. iii. 11. 116; BhaviP. 897B. 25 (iv. 205. 125); प्राणाः परित्यजत काममदक्षिणं माम् Ratnā. 4. 3; या दक्षिणा त्वमस्यामदक्षिणो दक्षिणस्त्वमितरस्याम् ĀryāSaS'a. 480; कः खल्वदक्षिणश्चाविचक्षणश्चैवमाचक्षीत MudriKu. 4. 15 (15); श्वश्रूरदक्षिणा…यत्किंचिदपि प्रतिकूलति PrabhāC. 19. 20; **C ii** not favourable, not kind वहति मुहुरदक्षिणः समीरः S'rīKaC. 7. 28 (comm. अदक्षिणः अ(?)प्रतिकूलः); नानुस्मरति स्वजनं यस्य दैवमदक्षिणम् BhāgP. x. 82. 20; KalkiP. i. 6. 29; अदक्षिणोऽपि प्रियकाङ्क्षिणीष्वहो त्वमेतदेकं विदधासि कौतुकम् VikraDeC. 13. 60; करोत्यसिलतां करे यदासिगर्वमुर्वीभुजो भुजस्य परिपन्थिनामयमदक्षिणे दक्षिणे RājeKaPū. 21; किं नाम नलेऽसि त्वमदक्षिणः PāṇḍaC. 6. 393; अदक्षिणं किन्तु विदेहजन्मनो मनस्तयोरुत्सुकयोरुदश्वसीत् Rāgh. 4. 32; **D** not right, left आस्पन्दतेक्षणं चास्य बाहुश्चैवाप्यदक्षिणः Rāmā. vi. 29. 10 (GORR.); स्फुरति च दिवानिशमकल्याणाख्यानविचक्षणमदक्षिणमक्षि HarṣaC. 254. 12; PārvaPa. 3. 1; करे धनुरदक्षिणे कलितहेमपट्टं वहन् JānaPa. 5. 20; S'ilpaRa. ii. 25. 107; ब्रूते कष्टमदक्षिणः क्रिमपि मे प्रस्पन्दमानो भुजः SubhaDha. 5. 2; S'ivLī. 10. 95; देवयोनिरिति ख्याता इडा नाडी त्वदक्षिणा BṛNāraP. 31. 123; मूलं चादक्षिणो रा(या)यात्कुक्कुटो विजयी भवेत् Mānaso. iv. 7. 1064; दक्षिणादक्षिणे ऊर्ध्वदंष्ट्रे त्रिजगतां पतेः MalliC. 8. 575; अस्ति स्मरप्राभृतमक्षि शौरेरदक्षिणम् Acyutarā. 1. 5; तदग्रादष्टशाखाः स्युर्दक्षिणेऽदक्षिणे तथा S'ilpaRa. ii. 18. 30; ParamāKā. 33. 6; **E** unfit or undeserving अदक्षिणं धर्मपथस्य राजा गत्वावधीत् दक्षिणदिक्स्थितं तम् DaśāvaC. 7. 284; **F** northern अदक्षिणे बद्धपदं तदन्तरे विधीयतां द्वारमथैकशालके MayaMa. 26. 26; वहति मुहुरदक्षिणः समीरः S'rīKaC. 7. 28 (comm. अदक्षिणः उत्तरदिग्भवः); **G** knower of Brahman अदक्षिणा ब्रह्मविदः LalitāSaBh. 187. 4 (*on* 222); *m.* **1** name of S'iva स्निग्धाकृतिरदक्षिणः … एवं नाम्नां सहस्रेण तुष्टाव हि हरं हरिः S'ivaP. iv. 35. 113 (393B. 3); **2** name of one of the 70 hosts of Haranārāyaṇa दुर्गन्धः पूतिगन्धश्च दक्षिणोऽदक्षिणः सुहृत् ĪśānS'iPa. ii. 54. 122.

अदक्षिणकर (adakṣiṇa–kara) *m.* left hand पञ्चम्यां चिकुरानदक्षिणकरेणाकृष्य RatiRaha. 2. 11.

अदक्षिणक्रतुसमापन (adakṣiṇa–kratusamāpana) *n.* completion of the sacrifice without *dakṣiṇā* (fee) अदक्षिणक्रतुसमापनसर्वस्वदक्षिणादानरूपयोः विरुद्धयोः समुच्चित्यानुष्ठानाशक्तेः UpaParā. 5. 19.

अदक्षिणचेष्टित (adakṣiṇa–ceṣṭita) *adj.* whose action is improper रोषात् सुदक्षिणमदक्षिणचेष्टितं तं पुप्लोष चक्रमपि काशिपुरीमधाक्षीत् Nārāy. x. 83. 8.

अदक्षिणत्व (adakṣiṇa–tva) *n.* **1** the state of being without (a sacrificial) fee (सत्रेऽपि नैमित्तिकं दानं भवति) न वादक्षिणत्वात् KātyS'S. xxv. 14. 33; अदक्षिणत्वाच्च MīmāSū. x. 6. 59; S'ābaBh. 2012. 16 (*on* x. 6. 59); अदक्षिणत्वं पूर्वस्मिन्प्रयोगे NyāyMāVi. 349. 18 (*on* vi. 5. 18); अदक्षिणत्वसर्वस्वदानयोरन्योन्यविरोधः NyāyMāVi. 349. 22 (*on* vi. 5. 18); **2** awkwardness [MW]

अदक्षिणपाणि (adakṣiṇa–pāṇi) *m.* left hand अदक्षिणपाणिसरोरुहहंसी तनुते साम्प्रतमस्य मुनिव्रतमरतिभरादिव वंशी StavMā. 281. 28.

अदक्षिणप्रत्यासङ्ग (a–dakṣiṇapratyāsaṅga) *m.* absence of a contact with (the word) *dakṣiṇa* तरतमयोश्चातिशयेऽदक्षिणप्रत्यासङ्गे VājaPrāti. 5. 2 (comm. न चेद् दक्षिणशब्दस्तत्र प्रत्यासन्नो भवति)

अदक्षिणप्रयोग (adakṣiṇa–prayoga) *m.* performance (of the sacrifice) devoid of fee पुनर्यज्ञे अदक्षिणप्रयोगोत्तरानुष्ठीयमानप्रयोगे LaCandr. 383. 15; एकप्रयोगे अदक्षिणप्रयोगकालानुष्ठानांशे LaCandr. 384. 20.

अदक्षिणभाग (adakṣiṇa–bhāga) *m.* left side अदक्षिणभागविटपिशाखाशिखरविरचितोपवेशतया … उन्नतिमभिव्यञ्जयन्तम् … खञ्जरीटकखगम् (अपश्यत्) YātrāPra. 6. 33. (3)

अदक्षिणम् (a-dakṣiṇam) *adv.* **1** without a fee (to the priests) अदक्षिणं तथा सोऽयं पितृयज्ञोऽपि रिष्यति SkandP. iii(1). 36. 143; **2** by the left side or towards the left side एत्य दक्षिणतः …प्रजाः सकृत्प्रजानां चाप्यव्राजिषुरदक्षिणम् ParamāKā. 36. 5; गजाननम् … ईषत्कुटिलदण्डाग्रवामशुण्डमदक्षिणम् … कुर्यात् S'ukraNī. iv. 4. 170.

अदक्षिणयाग (adakṣiṇa-yāga) *m.* sacrifice without fee अदक्षिणयागोत्तरं पुनः प्रयोगस्य … स्फुटविरोधाभावात् LaCandr. 382. 17.

अदक्षिणशिवारसित (adakṣiṇa-śivārasita) *n.* howling of the female jackal on the left side शृण्वन्नदक्षिणशिवारसितानि वीरः। तत्रैव … तस्थौ RāmC. 17. 75.

अदक्षिणशोणित (adakṣiṇa-śoṇita) *adj.* very weak in blood, of low blood-pressure क्षीणमांसा क्षीणबला ये चादक्षिणशोणिताः BhelaS. 131. 18 (6. 4)

अदक्षिणस्व (a-dakṣiṇasva) *adj.* unfit for receiving wealth as a gift इतरौ क्षत्रवैश्यावदक्षिणस्यौ(? स्वौ) ऋते कन्यायाः कन्यां सदक्षिणां गृह्णन्ति PāräSū. 59. 3.

अदक्षिणस्वभुज (adakṣiṇa-svabhuja) *m.* one's own left hand अदक्षिणस्वभुजतलेन … प्रतीष्टवानचलकदम्बमङ्गदः Rāgh. 16. 42.

अदक्षिणात्वज्ञान (adakṣiṇātva-jñāna) *n.* knowledge of being without a (sacrificial) fee सर्वस्वदक्षिणात्वादक्षिणात्वज्ञानयोः बाध्यबाधकत्वावश्यकत्वात् GuruCandr. i. 335. 20.

अदक्षिणामुख (a-dakṣiṇāmukha) *adj.* not facing the south अदक्षिणामुखं पृष्ठतः सूर्यमनुलोमवातमनीकं स्वभूमौ व्यूहेत ArthS'ā. iii. 119. 1 (10. 3)

अदक्षिणावत् (a-dakṣiṇāva(n)t) *adj.* which has no sacrificial fees सोऽहीनैरदक्षिणावद्भिरिष्ट्वान्तमेवापश्यत् GopBr. i. 5. 8.

अदक्षिणीय (a-dakṣiṇīyá) *adj.* [*f.* -ā] [AltGr. II. 1-239] **i** not entitled to or deserving (sacrifical) fee एषं वैं तं वेद यो दक्षिणीयो योऽदक्षिणीयः MaiS. iv. 8. 2; तथो हास्यैता दक्षिणीयायैव दत्ता भवन्ति नादक्षिणीयाय S'atBr. IV. iii. 4. 15; **ii** not fit to be given as a sacrificial fee (mule) तस्माद्रदक्षिणीयाति हि सा यज्ञमरिच्यतातिरिक्तस्य दक्षिणा स्यात् PañcBr. vi. 1. 5.

अदक्षिण्य (a-dakṣiṇyá) *adj.* [DEBRū. p. 812] **A** not suitable for sacrificial fee रुजतꣳहिरण्यमदक्षिण्यमंश्रुजꣳहि यो बर्हिषि ददाति TaiS. I. v. 1. 2 = LaCandr. 378. 41; **B** who does not offer any gift अयज्वानमदाक्षिण्यम् (v. l. अदक्षिण्यम्) अधि श्वैयेत्युदाहरत् MahāBhā. vii. App. I. 8. 359; **C** devoid of sacrificial gift दक्षिणोत्कर्षविशिष्टपुनःप्रयोगमात्रमुद्दात्रपच्छेदनिमित्तकं न त्वदक्षिण्यमपि GuruCandr. i. 330. 3.

अदग्ध (a-dagdha) *adj.* [*f.* -ā] **A** not burnt, not consumed by fire विनष्टा जानकी व्यक्तं न ह्यदग्धः प्रदृश्यते। लङ्कायाः कश्चिदुद्देशः Rāmā. v. 53. 7; अग्निर्यददग्धं तद्दहति MahāBh. i. 196. 14 (*on* i. 2. 9); भर्तृस्नेहात् सा हि दग्धाप्यदग्धा SvapnVā. 1. 13; विषयुक्तं विद्यात् दग्धस्य हृदयमदग्धं दृष्ट्वा ArthS'ā. ii. 150. 8 (4. 7); भूमिः … ह्यदग्धा च पावकोल्कार्करश्मिभिः PauṣkS. 2. 13; दण्डाः … अदग्धा उक्ताः शुभकरा नृणाम् BṛParāSm. 6. 155; किं देहस्योच्यते शुभम्। यददग्धं भवेन्मृत्स्ना BṛParāSm. 12. 175 (+12); इह तु तप्तायःपिण्डेनादग्धस्यापरं निर्दोषत्वज्ञापनमुक्तम् BālaKrī. i. 240. 9 (*on* 2. 117); भवनमद्राक्षमदग्धमिव सुस्थितम् SkandP. iii(3). 17. 56; मयोऽदग्धः कृपाबलात् S'ivaP. ii(5). 12. 1 (233A. 13); राजा …अदग्धोऽन्य इव स्मरः KathāSaSāg. xii. 19. 4; वह्निक्षिप्तमदग्धम् … दृष्ट्वा सर्वे साश्चर्या बभूवुः PurusPa. 100. 27; अदग्धस्य क्रत्वर्थस्य कदाचिदुपघाते सति क्रतुवैगुण्यापत्तेः NyāySu.(So.) 23. 10 (*on* i. 2. 7); (अस्थि) सस्नेहमदग्धमशुष्कं च ManvaVi. 646. 4 (*on* 5. 87); अदग्धायां सीतायाम् … देवानां वाक्यम् MahāN. 9. 109 (1); श्रीसूर्यशतकपुस्तकेऽदग्धे उभयोर्मानदानैः राजप्रसादः PurāPraSam. 16. 13; **B** not cremated जीवा येऽप्यदग्धाः कुले मम GautPiMe. ii. 4. 19; MatsyaP. 17. 42; अदग्धस्यहि विज्ञातुं शक्तिरस्ति न मे प्रभो Rāmā. iii. 67. 26; ये चादग्धाः कुले बालाः SkandP. vii (1). 205. 27; **C** not scorched मुक्त्वाग्निं मृदितव्रीहिरदग्धः शुद्धिमाप्नुयात् YājñaSm. 2. 107; AgniP. 254. 42; DīpKa. 51. 28 (*on* 2. 107); अदग्धः दाहजनितविकारशून्यः VīraMi. 550. 4 (*on* 2. 107); **D** not burnt (i. e. well cooked) सुस्विन्नो ह्यदग्धोऽकठिनः शुभः (चरुः) GobhiSm. 2. 72; सुसिद्धमदग्धमकठिनमन्नं भवति HārLa. 166. 11; VīraMi. (Āhnika.) 433. 2; क्षारम् … अनामं चाप्यदग्धं च दर्वीलेपमथोद्धरेत् Hastyāyur. 110. 21 (1. 15); तत्सलिलेन सार्धमालोड्य यावद्घनमप्यदग्धम् RaseCin. 9. 239 (220. 16); **E** not destroyed अदग्धा त्वविद्या असंभाव्यमपि संभावयति IṣṭaSi. 323. 3; नानुत्पन्नमदग्धं वा ज्ञानमज्ञानमस्त्यतः BṛĀraUBhVā. i. 4. 1452; NaiṣkaSi. 198. 4.

अदग्धकर्मन् (adagdha-karman) *n.* action which is not burnt down (in respect of its result) विदुषोऽदग्धकर्माभावादेव न तन्निमित्तं शरीरान्तरं संभाव्यते PrakaVi. 868. 25.

अदग्धत्व (adagdha-tva) *n.* **i** the state of not being burnt (in cooking) सुपक्वैरिति …सुशब्दाददग्धत्वं सम्यक्सिद्धत्वं च दर्शयति HārLa. 191. 6; **ii** the state of not being scorched दग्धत्वादग्धत्वयोः संशयो वा भवति तदा पुनः पूर्वोक्तरीत्या लौहपिण्डं हस्ताभ्यां हरेत् VīraMi. 550. 6 (*on* 2. 103)

अदग्धत्वप्रसङ्ग (adagdhatva-prasaṅga) *m.* contingency of not having been destroyed (*lit.* burnt) न हि शुक्त्यज्ञानमपि दग्धं पुनर्भवति, अदग्धत्वप्रसङ्गात् प्रतीतिविरोधाच्च IṣṭaSi. 70. 16.

अदग्धदश (adagdha-daśa) *adj.* **i** whose fringe is not burnt (i. e. is entire, intact) (अम्भोनिधिं स निरवर्णयत्) लक्ष्मीमदग्धदशमप्यसमौर्ववह्निदाहाकुलं चिरगतामपि नोत्सृजन्तम् HarVi. 30. 47; **ii** who is not in a burnt state, HarVi. 30. 47.

अदग्धदहनन्याय (adagdhadahana-nyāya) *m.* maxim of burning (only) what is not burnt ततश्चादग्धदहनन्यायेन यावदप्राप्तं तावद्विधीयते KāvyPra. 227. 1 = Kāvyānu. (He.) 33. 9.

अदग्धदेहसंबन्ध (adagdha-dehasambandha) *adj.* whose connection with the body is not burnt (i. e. is not destroyed) (जीवस्य) अवश्यं च तदमृतत्वमदग्धदेहसंबन्धस्यैवेति विज्ञेयम् BrahmSūBh.(Rā.) 731. 21 (*on* iv. 2. 8); VedāntKau. 402. 17 (*on* iv. 2. 9); GoviBh. 301. 5 (*on* iv. 2. 9)

अदग्धबीज (adagdha-bīja) *adj.* **i** whose primary cause is not destroyed अदग्धबीजं कर्मान्तरम् … प्रसज्येत BrahmSūBh.(S'aṅ.) 670. 2 (*on* iii. 3. 32); **ii** where the seeds have not been burnt or destroyed अदग्धबीजं क्षेत्रं पुनरेवावपनकाले गुल्मतृणवीरुद्भिर्गह्वरमिव भवति BhāgP. v. 14. 4.

अदग्धबीजभाव (adagdha-bījabhāva) *adj.* whose nature as seed (i. e. sprouting capacity) is not burnt (i. e. not destroyed) यथा तुषावनद्धाः शालितण्डुला अदग्धबीजभावाः प्ररोहसमर्था भवन्ति YogBh. 68. 12 (*on* 2. 13)

अदग्धबीजवत् (adagdhabīja-vat) *adv.* like a seed which is not burnt अदग्धबीजवदविद्यापूर्वककामादेरेव मुख्यरागादित्वेन पुनर्जन्महेतुत्वात्। ज्ञानिनस्तु दग्धबीजवदाभासमात्रा एव रागादयः JīvanVī. 69. 13.

अदग्धशरीरसंबन्ध (adagdha-śarīrasambandha) *adj.* whose connection with the body is not burnt or destroyed अदग्धशरीरसंबन्धस्य विज्ञस्य निष्पापरूपं तदमृतत्वम् GoviBh. 300. 15 (*on* iv. 2. 8)

अदग्धशेषशरीर (adagdha-śeṣaśarīra) *adj.* whose remaining (part of the) body is not burnt (जानुमात्रदग्धोऽपि) भट्टाचार्यः प्राह तथादग्धशेषशरीरः S'aṅkaVi.(Ā.) 236. 19.

अदग्धहस्त (adagdha-hasta) *adj.* **i** whose hand is not burnt (or scorched) अष्टमे मण्डले स्थित्वा नवमे मण्डलेऽग्नितप्तमयःपिण्डं त्यक्त्वा व्रीहीन् कराभ्यां मर्दयित्वादग्धहस्तश्चेच्छुद्धिमाप्नुयात् Mitā. 208. 1 (*on* 2. 107); Aparā. 708. 17 (*on* 2. 107); **ii** whose hand is not burnt (i. e. not spoilt by receiving gifts) अदग्धहस्ते यद् दत्तं तदनन्तफलं स्मृतम्। …अदग्धहस्तदानस्य फलातिशयदर्शनात् फलातिशयकामस्य तदावश्यकता सिध्यति VīraMi. (Saṁskāra.) 756. 14.

अदग्ध्वा (a-dagdhvā) *ger.* **i** without cremating (अद्विवर्षे प्रेते) शरीरमदग्ध्वा निखनन्ति PāraGS. iii. 10. 5; **ii** without burning वयं हता मातुलाद्य विश्वस्य च पुरोचनम्। अदग्ध्वा पाण्डवान् दग्ध्वा स्वयं दग्धो हुताशने MahāBhā. i. 1941*(6); xii. 18. 25; नादग्ध्वाभ्याहितं दाह्यमग्नेरग्नित्वमिष्यते। यथा बाध्यमबाधित्वा नैवं बाधकता मितेः BṛĀraUBhVā. iv. 4. 790; सूत्रक्रीडेति। नालिकासंचारनालादिसूत्राणामन्यथान्यथा दर्शनम्। छित्त्वा दग्ध्वा च पुनरच्छित्त्वादग्ध्वा दर्शनम् JayaMa. 37. 1 (*on* 1. 3); **iii** not having destroyed, without destroying न हि वैराग्निरुद्भूतः …। शाम्यत्यदग्ध्वा नृपते विना ह्येकतरक्षयात् MahāBhā. xii. 137. 42; प्रजापीडनसंतापात् समुद्भूतो हुताशनः। राज्ञः कुलं श्रियं प्राणांश्चादग्ध्वा न निवर्तते YājñaSm. 1. 341; अदग्ध्वा नाशमनीत्वा Mitā. 116. 5 (*on* 1. 341); RājTa.(Ka.) 7. 1582; VetāPañ.(S'i.) 17. 47; KaṁVa. 6. 4; अदग्ध्वा अत्यन्तमविद्यादीन् क्लेशान् अपरविद्यासामर्थ्यात् आपेक्षिकममृतत्वं प्रेप्सते BrahmSūBh.(S'aṅ.) 806. 15 (*on* iv. 2. 7); अनुपोष्य च अदग्ध्वैव शरीरेन्द्रियादिसंबन्धम् VedāntDī. 229. 24 (*on* iv. 2. 7); VedāntSā.(Rā.) 380. 7 (*on* iv. 2. 7); VedāntPāSau. 401. 4 (*on* iv. 2. 7); GoviBh. 300. 12 (*on* iv. 2. 7)

अदट (adaṭa) [Kannaḍa] *adj.* mighty, powerful स्वस्ति। श्री[:] … अदटसामन्तघनपटलविघटनप्रभञ्जनम् … रेवणदेवाङ्क[क]कारपतिहिताचा[र्]र्यम् EI. iii. 309 .34.

अदण्ड (a-daṇḍa) *adj.* [*f.* -ā] **i** without a handle एतस्या एव मृदो दोग्ध्रे करोति हस्त्योष्ठ्ये प्रसेचनवती यथा स्रुगदण्डैवम् BhārS'S. xi. 3. 5; HirS'S. xxiv. 1. 18; मध्ये परिप्लवां यथा स्रुगदण्डा BhārS'S. xiii. 2. 4; ĀpaS'S. xii. 2. 7; xv. 3. 10; HirS'S. viii. 1. 34; VaikhāS'S. 15. 2; करण्डकमदण्डं तु धूपवर्तिसमन्वितम्। खोम्पके … निक्षिपेत् Mānaso. iii. 18. 1708; **ii** without the sceptre (as a symbol of regal authority and punishment), not inflicting punish-

ment नादण्डः क्षत्रियो भाति नादण्डो भूमिमश्नुते। नादण्डस्य प्रजा राज्ञः सुखमेधन्ति भारत MahāBhā. xii. 14. 14; **iii** not holding a staff न हि दण्डिनि सति अदण्डानामन्येषां नाभावः NyāyKuA. i. 29. 6; अदण्डे दण्डीति वाक्यवत् AdvaiSi. 510. 5; **iv** exempt from fine विनीतां नगरीमिमाम्। अशुल्कामकरादण्डाकुदण्डामविशङ्कटाम्। नित्यप्रमोदां कुरुत TriṣaS'aPuC. i. 4. 700; *m.* **i** absence of fine रात्रौ चरन्ती गौः पञ्च माषान् दिवा त्रीन् मुहूर्ते माषं ग्रासे त्वदण्डः SmṛtiCan. iv. 495. 13; तपस्विनामेवादण्डः DaṇḍaVi. 58. 9; **ii** word other than *daṇḍa* धृञः प्रहरणे चादण्डसूत्रयोः Kātan. iv. 3. 14 (comm. दण्डसूत्रवर्जिते प्रहरणवाचके कर्मण्युपपदे धृञोऽज् भवति … वज्रधरः। … चक्रधरः। अदण्डसूत्रयोरिति किम्। दण्डधारः। सूत्रधारः)

अदण्डक (a-daṇḍaka) *adj.* [*f.* –ikā] **i** without a handle तस्मिन्नवदधाति परिप्लुत्रां स्रुचमदण्डिकाम् MānS'S. 72. 8; **ii** not inflicting punishment अदण्डकः ख्यातः … श्रीकोट(ट्ट)भञ्जेति EI. xxv. 155. 6.

अदण्डकर (a-daṇḍakara) *adj.* **i** exempted from fines and taxes ऋत्विगाचार्यपुरोहितश्रोत्रियेभ्यो ब्रह्मदेयान्यदण्डकराण्यभिरूपदायकानि प्रयच्छेत् ArthS'ā. i. 110. 4 (2. 1) (comm. दण्डः … कुल्यादिजलात्युपयोगादिनिमित्तो वा दमः करः कृषिफलषष्ठांशः); **ii** without a staff in the hand यश्च कोऽप्यन्यादृश एव लोकपालः। तथा हि। अपूर्वो विबुधपतिः, अदण्डकरो धर्मराजः NalaCam. 1. 33 (27); **iii** who does not inflict punishment or collect taxes, NalaCam. 1. 33(27) (comm. दण्डपाणिर्यमः। नलस्तु न दण्डो वधादिः, करो राज्ञे देयोंऽशो यस्मादित्यदण्डकरः)

अदण्डकरग्रहा (a-daṇḍakaragrahā) *adj.* (*f.*) not inflicting punishment and not collecting taxes सा विद्यैव सदाभ्यासा …। प्राज्यसौराज्यसन्नीतिरिवादण्डकरग्रहा S'āliC. 6. 190.

अदण्डकरण (a-daṇḍakaraṇa) *n.* exemption from taxes (अधि सिद्धिगतिं याति (? यान्ति) शूद्रविप्रादयः … दण्डैरदण्डकरणैः BhaviP. 84A. 20 (i. 43. 18)

अदण्डता (adaṇḍa–tā) *f.* the state of being exempt from punishment प्रजापाला हीतिवचनाद्राजकीयानामेव हस्त्यादीनामदण्डता Aparā. 771. 20 (*on* 2. 163)

अदण्डत्वाभाव (adaṇḍatvābhāva) *m.* absence of being without a staff or rod अदण्डपुरुषस्याभावे दण्डी पुरुषो न प्रतियोगी तस्यादण्डत्वाभावात् TattvCin. ii(2). 104. 2.

अदण्डदण्डन (adaṇḍa–daṇḍana) *adj.* who punishes those who are not to be punished भ्रातरौ भवतां भगिनीपतिरदण्डदण्डनः (वीरधवलः) PrabaK. 103. 29.

अदण्डधारिन् (a–daṇḍadhārin) *adj.* not holding a churning rod or staff अदण्डधारिणा चित्रं सप्तधातून् सुसाधकौ। तपसा पारदेनावर्तयामासतुराशु तौ S'āliC. 6. 98.

अदण्डन (a–daṇḍana) *n.* non-infliction of punishment or fine अदण्डनैश्च दण्ड्यानाम् …। प्रकृतीनां क्षयो लोभो वैराग्यं चोपजायते ArthS'ā. ii. 263. 10 (7. 5); मोहमदादिभिरदण्डनम् YājñaSm. 2. 214; NītiSā. 14. 53; (नृपः) दण्ड्यस्यादण्डनान्नित्यम् … गुणिभिस्त्यज्यते S'ukraNī. 4(1). 52.

अदण्डनार्ह (a–daṇḍanārha) *adj.* not deserving punishment अदण्डनार्हं सुकुमारमीश्वरं विनिन्युरात्मावसथाय दस्यवः VarāṅgaC. 13. 49.

अदण्डनिमित्त (a–daṇḍanimitta) *n.* no cause for punishment दण्डमतिक्रम्य वर्तन्त इत्यतिवर्तनानि अदण्डनिमित्तानि DaṇḍaVi. 224. 9.

अदण्डनीयत्व (adaṇḍanīya–tva) *n.* the state of being not fit to be punished चोरयितुरदण्डनीयत्वं सूचयन्नेव … राजकृत्यमाह VīraMi. 823. 11 (*on* 3. 44)

अदण्डपाशिक (a–daṇḍapāśika) *adj.* without a policeman अदण्डपाशिकं ग्रामम् … वृथा तदिति मे मतिः BhaviP. 856A. 31 (iv. 171. 9)

अदण्डपुरुष (adaṇḍa–puruṣa) *m.* man without a staff यद्वा अदण्डपुरुषस्याभावे दण्डी पुरुषो न प्रतियोगी TattvCin. ii(2). 104. 1.

अदण्डप्रवास (a–daṇḍapravāsa) *adj.* not exiled in the Daṇḍaka forest अदण्डप्रवासैः … अरामाभिधेयैरलं दैवतैर्नः S'rīRāmaBhuSt. 25.

अदण्डभाक्त्व (adaṇḍabhāk–tva) *n.* the state of being not liable to punishment वाजिकुञ्जराणां स्वामिनोऽदण्डभाक्त्वे हेतुरुशनसा दार्शितः SmṛtiCan. iv. 496. 12.

अदण्डयत् (a–daṇḍayat) *adj.* not punishing, not inflicting punishment दण्ड्यांश्चैवाप्यदण्डयन्। स राजा न भवेल्लोके राजशब्दस्य भाजनम् MahāBhā. iv. 329*(2); ManuSm. 8. 128; MatsyaP. 227. 216; AgniP. 225. 14; ViṣṇuDhaP. ii. 70. 6; Mānaso. ii. 20. 1244.

अदण्डयित्वा (a–daṇḍayitvā) *ger.* without punishing तस्माद् दण्ड्यानदण्डयित्वादण्ड्यान् दण्डयित्वा PārāSū. 89. 5; अनुज्ञानम् अदण्डयित्वोत्सर्जनम् SmṛtiCan. iii. 297. 13.

अदण्डवासिक (a–daṇḍavāsika) *adj.* having no headman अदण्डवासिकं ग्रामम् … वृथा तत् CaturCin. i. 639. 16.

अदण्डव्यावृत्तपुरुष (adaṇḍavyāvṛtta–puruṣa) *m.* man distinguished from one without a staff ततोऽप्यदण्डव्यावृत्तपुरुषबोधः स्यादिति चेत् TattvCin. i. 822. 1.

अदण्डशुल्का (a–daṇḍaśulkā) *adj.* (*f.*) exempted from fine and taxes, free from punitive tax अदण्डशुल्काम् … इमाम्। महोत्सवां कुरु पुरीम् TriṣaS'aPuC. ii. 4. 368.

अदण्डस्रुगाकृति (adaṇḍasrugākṛti) *adj.* (*f.*) having the shape of a handleless ladle अदण्डस्रुगाकृतिं परिप्लवामुत्तरस्मिन् खरान्ते VaikhāS'S. 15. 2.

अदण्डा (adaṇḍā) *f.* name of a *śakti* of Durgā अदण्डा च विदण्डा च सुदण्डा दण्डविक्रमा TantrSa. 9. 151.

अदण्डादि (a–daṇḍādi) *adj.* except (a word from) the group beginning with *daṇḍa* प्रहरणादिष्वदण्डादिषु धृञः SaraKaṇṭhā. (Gr.) i. 4. 18; आयुधादिभ्यो धृगोऽदण्डादेः SiddhaHe. v. 1. 94.

अदण्डिका (adaṇḍ–ikā) *adj.* (*f.*) without a handle तस्मिन्नवदधाति परिप्लवां स्रुचमदण्डिकाम् MānS'S. 72. 8.

अदण्डित (a–daṇḍita) *adj.* unpunished अक्षतो ब्राह्मणः पूर्वोक्तदण्डस्थानेष्वदण्डितो ब्राह्मण इत्यर्थः SmṛtiCan. iii. 291. 9; व्रात्यां चाण्डालीञ्च गत्वादण्डितस्य वत्सरान्त एव गच्छतः … मनूक्तो दण्डो द्विगुणः कार्यः DaṇḍaVi. 162. 20; परस्त्रीगमनेन दुष्टस्य पुंसोऽदण्डितस्य … दमः कार्यः ManvaMu. 355. 26 (*on* 8. 373)

अदण्डिन् (a–daṇḍin) *adj.* **A** one who does not punish (the guilty) पूज्यन्ते दण्डिनो देवैर्न पूज्यन्ते त्वदण्डिनः MatsyaP. 225. 12; ViṣṇuDhaP. ii. 70. 12; **B** one who does not possess a stick ‘दण्डिनो गच्छन्ति’ इत्यत्र तु दण्ड्यदण्डिषु समूहिषु लक्ष्यमाणेषु तदन्तर्गतस्याविशेषाद्दण्डिशब्दार्थस्य परिग्रहः TattvBi. 155. 9; Pradī. iv. 348A. 7 (*on* v. 2. 94)

अदण्डिमकुदण्डिमा (a–daṇḍimakudaṇḍimā) *adj.* (*f.*) (city) where no money is collected by way of fine and unjust punishment दण्डेन निर्वृत्तं दण्डिमं, कुदण्डेन निर्वृत्तं कुदण्डिमं राजद्रव्यं तन्नास्ति यस्यां सा तथा तामदण्डिमकुदण्डिमाम् JñātāDhaṬ. 40B. 9.

अदण्ड्य (á–daṇḍya) *adj.* who is not to be struck (with a stick), who is not to be punished or fined, exempt from punishment तस्माद्राजाऽदण्ड्यः S'atBr. V. iv. 4. 7; गरगिरो वा एते ये … अदण्ड्यं दण्डेन घ्नन्तश्चरन्ति PañcBr. xvii. 1. 9; तस्माद्ब्राह्मणो राजन्यस्य …अदण्ड्योऽघात्यः JaimiBr. 2. 196; अदण्ड्यान् दण्डयन् राजा…। स राजा न भवेल्लोके राजशब्दस्य भाजनम् MahāBhā. iv. 329*(2); अदण्ड्याश्चैव ते नित्यं विप्राः स्युर्ददतां वर MahāBhā. xii. 56. 22; xii. 59. 114; xii. 121. 57; GautDS. i. 18. 13; भैषज्यव्याधिभयनिमित्तमदण्ड्याः ArthS'ā. i. 354. 8 (2. 36); ii. 162. 1 (4. 9); अदण्ड्यो मुच्यते राज्ञा ManuSm. 8. 202; 8. 128; 8. 335; BṛhaspaSm. 13. 77; YājñaSm. 1. 358; नादण्ड्यो नाम राज्ञोऽस्ति यः स्वधर्मे न तिष्ठति MatsyaP. 225. 5; ViṣṇuDhaP. ii. 70. 5; 227. 216; NītiSā. 14. 53; PārāSū. 88. 4–5; 98. 12; 100. 24; NītiVā. 29. 95; BhāgP. iv. 16. 13; AgniP. 225. 14; BrahmVaiP. ii. 30. 71; SkandP. iv. 81. 53; ManuBh. ii 168. 19 (*on* 8. 202); Mitā. 120. 17 (*on* 1. 358); Mānaso. ii. 20. 124; Aparā. 825. 5 (*on* 2. 243); SmṛtiCan. iii. 32. 11; ManvaVi. 768. 5 (*on* 7. 28); S'ārṅgaPa. 1347; Subhāṣi. 2829; DaṇḍaVi. 6. 13; VīraBhā. 6. 18; VīraMi. 377. 14 (*on* 1. 358); BālamBha. ii. 6. 8 (*on* 2. 4); UpadeS'. 85; S'ukraNī. 4(1). 52; NītiPr. 7. 64; 8. 22.

अदण्ड्यता (adaṇḍya–tā) *f.* immunity from punishment अदण्ड्यत्वं (v. l. अदण्ड्यता) च विप्राणाम् MahāBhā. xii. 59. 69; स्वयं स्वार्थदर्शिनेष्वदण्ड्यता AvantiKa. 178. 3.

अदण्ड्यत्व (adaṇḍya–tva) *n.* immunity from punishment अदण्ड्यत्वं च विप्राणाम् MahāBhā. xii. 59. 69; अत एवादण्ड्यत्वमपि पालकवत्तस्यास्मिन् विषये वेदितव्यम् SmṛtiCan. iv. 489. 12.

अदण्ड्यत्वाभिधान (adaṇḍyatvābhidhāna) *n.* statement of immunity from punishment यदमीषामदण्ड्यत्वाभिधानं तदर्थशारीरदण्डाभिप्रायम् DaṇḍaVi. 57. 17.

अदण्ड्यदण्ड (adaṇḍya–daṇḍa) *m.* punishment of one who should not be punished क्रतुतुल्यं फलं दण्ड्यदण्डने स्वर्गादिनाशं चादण्ड्यदण्डने सम्यग्विचिन्त्य Mitā. 121. 7 (*on* 1. 360)

अदण्ड्यदण्डन (adaṇḍya–daṇḍana) *n.* punishing one who should not be punished कृच्छ्रमदण्ड्यदण्डने पुरोहितस्त्रिरात्रं राजा VasiSm. 19. 27;

अदण्ड्यदण्डने राज्ञो दण्डस्त्रिंशद्गुणोऽम्भसि । वरुणाय प्रदातव्यः ArthS'ā. ii. 181. 13 (4. 13); अन्यायेन अदण्ड्यदण्डनाधिककरग्रहणादिना यो नृपः स्वस्वकोशे धनं वर्धयेत् VīraMi. 368. 17 (on 1. 340)

¹अदत् (ad-át) *adj.* [*f.* -ī] eating, used to eating चर॑ति जि॒ह्वया॒दन्रे॑रि॒ह्वते॑ युव॒तिम् ṚV. x. 4. 4; अ॒दत्पि॑र्ब॒दू॒र्ज॑यमा॒न॒माशि॑तं॒ तत् ṚV. x. 37. 11; अहमन्नमन्नमदन्तमद्मि SV. II. i. 1. 8. 4 (Sātavalekar's Ed. 594); TaiBr. II. viii. 8. 1; TaiĀ. ix. 10. 6 (750. 6); TaiU. iii. 10. 6; NṛPūTāU. 2. 4; Nir. 14. 2 (229. 2); रसं विषस्य नाविदमूध्नः फेनमदन्निव AV.(P.) ii. 2. 3 = ix. 10. 1; मेषं सः ···। तमदन्तमविज्ञाय Rāmā. iii. 171*(21); iii. 40. 19; नात्ता दुष्यत्यदन्नाद्यान् प्राणिनः ManuSm. 5. 30; ViṣṇuSm. 73. 15; इह कस्मान्न भवति ··· अदती घ्नती MahāBh. iii. 269. 10 (on vii. 1. 80); PādaTā. 23. 14; JaineVyā. 343. 19 (on v. 1. 58); अदती घ्नतीत्येवमादिष्वतिप्रसङ्गः KāśiVṛ. on P. vii. 1. 80 = Prasā. i. 297. 10; HarVi. 42. 196; IṣṭaSi. 94. 17; सालान् ··· अदन्तं च पश्यैनमगजं गजम् NalaCam. 6. 57; BhāgP. iii. 16. 8; (वाचो विनिष्क्रान्तो वह्निः) तदा मूकमभूं प्राहुर्न देहः पतितस्तदा । जीवंश्चलन्नदन्नास्ते SkandP. ii(7). 19. 47; vi. 253. 18; हुत्वा तु तच्छेषमदन् ··· पूजां विदधीत ĪśānS'iPa. i. 16. 104; सिन्धूत्थाभ्रकमाक्षिकाणि ··· अदतो मर्त्यस्य मृत्युः कुतः ĪśānS'iPa. i. 52. 160; i. 23. 66; सल्लकीदलचयानदता करिणां गणेन Surath. 4. 32; PārśvC. 3. 795; अद भक्षणे ··· अदती DhātuPra. 2. 1 (76. 6); अदती ··· शत्रन्तात् ··· ङीप् ··· नुमत्र न भवति DhātuVṛ. 2. 1; PadMañ. on KāśiVṛ. on P. vii. 1. 80; BhāṣāVṛ. on vii. 1. 80; SamarāSam. 4. 311; अदतां मुदम् ···। व्यरचि ··· दृशां नवसुधा CaturJiSta. 25; SaṅkaDigVi.(Mā.) 15. 86; फलान्यदद्भिर्मधुराणि लोकैः Nāräy. x. 53. 10; x. 47. 9; GuruCandr. ii. 332. 14; कुणपमदन् ··· स राक्षसधर्ममालम्बे Ragh. 14. 55.

²अदत् (a-dát) *adj.* toothless अ॒ग्नेऽव॑ सृ॒जः ··· मा द॒त्वते॒ दश॑ते॒ माद॒ते॑ नः ṚV. i. 189. 5; अ॒क्रो॒ळ॒न् क्री॒ळ॒न् ह॒रि॒रत्त॑वे॒ऽदन् ṚV. x. 79. 6; त॒स्मि॒न्न ता॒वच्च॒नै॒नो भवति या॒वत्कु॒मा॒रोऽद॒ति S'atBr. IV. iv. 5. 23.

¹अदत्क (a-datka) *adj.* toothless स हाहं यशसां यशः श्येतमदत्कमदत्कम् ··· लिन्दु माभिगाम् ChāndoU. viii. 14. 1 (S'aṅ. अदत्कं दन्तरहितमप्यदत्कं भक्षयितृ)

²अदत्क (adat-ka) *adj.* eater, श्येतमदत्कमदत्कं श्येतं लिन्दु माभिगाम् ChāndoU. viii. 14. 1 (S'aṅ. अदत्कं भक्षयितृ)

अदत्त (á-datta) *adj.* [*f.* -ā] **A** who has not given दे॒हि नु मे यन्मे॒ अद॑त्तो असि॒ AV. v. 11. 9; (P.) viii. 1. 9; ददा॑मि॒ तद्य॒त्ते अद॑त्तो॒ अस्मि॒ AV. v. 11. 10; (P.) viii. 1. 10; **Bi** not given भगेनादत्तमुप मेदमागन् AV.(P.) x. 6. 4; x. 6. 9; तौ हास्मै न ददौ । तयोर्हादत्तयोर्जुह्वावेन्द्र क्रोश इति JamiBr. 3. 238; नाहमतोऽदत्तमश्नीयाम् S'āṅkhāĀ. 4. 1 (13. 23) = 4. 2 (14. 4); हुतमहुतं दत्तमदत्तम् ··· त्वम् AśiraU. 3. 1; CaturveU. 21. 17; VaṭuU. 315. 2; SaurP. 45. 26; PāraGS. ii. 5. 12; अनाददानश्च परैरदत्तं सैषा गृहस्थोपनिषत् पुराणी MahāBhā. i. 86. 3 = MatsyaP. 40. 3; न ह्यदत्तां महीं पित्रा भरतः शास्तुमर्हति Rāmā. ii. App. 15 (31); यानशय्यासनानि ···। अदत्तान्युपभुञ्जान एनसः स्यात्तुरीयभाक् ManuSm. 4. 202; अदत्तानामुपादानम् ··· शारीरम् (अशुभफलं कर्म) ManuSm. 12. 7; 8. 340; अदेयमथ देयं च दत्तं चादत्तमेव च ···।··· दानमार्गश्चतुर्विधः ··· अदत्तं षोडशात्मकम् NāraSm. 137. 2; गृह्णात्यदत्तं यो लोभात् NāraSm. 140. 12; 35. 35; 138. 9; नादत्तमुपतिष्ठते CāṇaNīDa. 17. 2; BhaviP. 858A. 2 (iv. 169. 6); Pañcā. 171. 8; S'ārṅgaPa. 855; Subhāṣi. 2026; (राज्यस्यार्धम्) वरं ह्यदत्तं विशदाक्षरेण PañcRā. 1. 46; ब्राह्मणानां ह्यन्यदत्तं प्रतिश्रुतम् MārkP. 7. 38; पूतानि ···। अदत्तानि च भक्ष्याणि BṛParāSm. 8. 330; श्रेयश्श्रेन्मार्गितेऽदत्ते YājñaSm. 2. 66; 1. 160; तत्र भवानदत्तं गृह्णीयात् ···अदत्तं ग्रहीष्यति JaineVyā. 133. 4 (on ii. 3. 121); HevajraT. ii. 3. 30; (वरे) अदत्ते ऋणवानेवाहम् KāthUBh. 113. 12 (on 1. 19); BālaKrī. i. 234. 12 (on 2. 96); यवागूरसकटुकादिः ··· अदत्तमश्नतो न दोषः ManuBh. i. 252. 17 (on 3. 96); अदत्तस्य परस्वस्य ग्रहणं स्तेयमुच्यते YaśasCam. ii. 344. 10; TātpaṬ.(Vā.) 721. 19 (on v. 2. 20); SkandP. iv. 27. 152; BṛDharmP. i. 10. 49; नादत्तं जायते ··· अत्र PadmP. v. 33. 99; नारदेन ··· दत्तादत्तयोः स्वरूपं विवृतम् Mitā. 269. 17 (on 2. 176); अदत्तं नाददीतार्थम् TriṣaS'aPuC. i. 1. 588 = PariPar. 5. 43; YogS'ā. 2. 66; अनादानमदत्तस्यास्तेयव्रतमुदीरितम् TriṣaS'aPuC. i. 3. 621 = YogS'ā. 1. 22; SthānṬ. 26B. 3; स्वामी भृतिं प्रागदत्तां दद्यात् SmṛtiCan. iv. 478. 3; ii. 334. 12; परकीयं मया···। अदत्तमात्तम् PāṇḍaC. 15. 89; असुक्तादत्ते नु वित्ते वद कोऽत्र गुणो नृणाम् PārśvC. 2. 950; 6. 1271; परिहरति विपत्तं यो न गृह्णात्यदत्तम् SindūPra. 33; 35; अ(द)त्तवारम् ···नराधिपम् । वर्जयन्ति नराः । SūktiRa. 40. 16; RasāSu. 56. 10 (1. 207); Subodhi. 12. 8 (on 2. 22); परद्रव्यम् ···। अदत्तं नैव गृह्णाति KumāPraPra. 60. 19; PañcRāRa. 136. 5; चौर्यस्यादत्तस्य नियमं गृहाण PurāPraSam. 44. 12; Bharat. 9A. 6; Nāräy. x. 80. 2; ĀryāS'. 35; VīraMi. (Vyavahāra.) 311. 18; दत्तादत्तमेदानाह नारदः VyavaMa. 203. 15; BālamBha. ii. 30. 3 (on 2. 22); भृतिं विना राजद्रव्यमदत्तं नाभिलाषयेत् S'ukraNī. 2. 270; 4 (5). 123; **Bii** not given (in marriage) [*f.*], an unmarried girl, APTE] हिस्ते॑ अद॑त्ता पुरु॒षम् AV. xii. 4. 13; अदत्तां कन्यां प्रकृत्य ··· एतद् गायेत् SāmaViBr. i. 8. 4; अदत्तां च पित्रा त्वां भद्रे न विवहाम्यहम् MahāBhā. i. 76. 25; सिध्यन्ति ते मन्त्रा नादत्तायाः कथंचन MahāBhā. xiii. 44. 24; i. App. 36 (26); MatsyaP. 227. 17; कन्यकानां त्वदत्तानां चतुर्थो भाग इष्यते BṛhaspaSm. 199. 23 = Dāyabhāga. 3. 35; PratiYau. 2. 7; 4. 16 (2); BālaKrī. ii. 14. 19 (on 3. 30); ManuBh. i. 454. 17 (on 5. 71); TilaMañ. 109. 13; अन्यस्मै वा पूर्वदत्तामदत्तां वा (साधयेत्) JayaMa. 208. 16 (on 3. 3); BṛDharmaP. ii. 8. 12; अदत्ता अपरिणीता Mitā. 345. 15 (on 3. 24); वरायादत्ताः कन्या यदि म्रियेरंस्तदा तत्सपिण्डा अहोरात्रेण शुध्यन्ति Aparā. 907. 20 (on 3. 23); **Biii** not offered to (gods, guests etc.) अत्यल्पं हि गुरोर्द्रव्यमदत्तं स्वीकरोति यः । सः ··· क्रव्यादैर्भक्ष्यते KulārT. 12. 73; अनेनान्नं सदा भुक्तम् ··· अदत्तं गुरुविप्रेभ्यः PadmP. iv. 94. 62; MalliC. 7. 1096; वृथामांसं देवादिभ्योऽदत्तम् DīpKa. 20. 30 (on 1. 167); **B iv** not paid or cleared (interest or debt) एतच्च स्वकृतवृद्धौ चिरकालमदत्तायां वेदितव्यम् Aparā. 643. 21 (on 2. 39); 644. 8 (on 2. 39); (ऋणे) अदत्ते ··· किमु वाञ्छसि जीवितम् MalliC. 1. 313; BālamBha. ii. 56. 12 (on 2. 39); **B v** given unjustly यत्पुनरन्यायेन दत्तं तददत्तम् Mitā. 269. 16 (on 2. 176); *n.* **i** non-giving, absence of charity अदत्तदोषेण भवेद् दरिद्रः SiṁhāDvā. 258B. 5; **ii** (acceptance of) what is not given (for अदत्तादान) द्यूतं मांसम् ··· अदत्तम् ··· एते दोषाः BṛKathāK. 57. 173; द्यूतं पानम् ···। हिंसादत्तम् पुनर्मांसभक्षणं व्यसनं त्विदम् BṛKathāK. 102(1). 18; 57. 171; **iii** a gift which is null and void [APTE]

अदत्तकत्व (adattaka-tva) *n.* the state of not being an adopted son तस्य स्वयंदत्तत्वेनादत्तकत्वम् BālamBha. ii. 239. 26 (on 2. 135)

अदत्तकन्या (adatta-kanyā) *f.* girl not given in marriage, unmarried girl अहस्त्वदत्तकन्यासु बालेषु च विशोधनम् YājñaSm. 3. 24; LaS'aṅkhaSm. 65 = ManuBh. i. 454. 16 (on 5. 71); LaHārīSm. 91; अदत्तकन्योपगमे प्रायश्चित्तमाह Sāy. on SāmaViBr. i. 8. 4.

अदत्तकर्ण (adatta-karṇa) *adj.* not giving one's ear to (i. e. not listening to) असंबद्धप्रलापेष्वदत्तकर्णः ··· पुण्यवर्मा DaśKuC. 129. 15.

अदत्तग्रह (adatta-graha) *m.* acceptance of what is not given धनं परेषामगृह्णतोऽल्पादि मुनेः ··· अदत्तग्रहवर्जनाख्यं व्रतम् SubhāRaSaṁ. 220.

अदत्तग्रहण (adatta-grahaṇa) *n.* **1** acceptance of what is not given अदत्तग्रहणे यत्र निवृत्तिः ··· सुचारित्रं तदुच्यते PadmP.(Ra.) 105. 218; MalliC. 7. 193; **2** mention of the word *adatta* अदत्तग्रहणमदेयस्याप्युपलक्षणार्थम् SmṛtiCan. iv. 443. 19.

अदत्तग्राहक (adatta-grāhaka) *adj.* who accepts what is not given वस्त्राभरणयोश्चैवेत्यत्रादत्तग्राहक इति शेषो विज्ञेयः SmṛtiCan. iii. 63. 6.

अदत्तचित्त (adatta-citta) *adj.* paying no attention सकामः संबभूव सः । तपःस्वदत्तचित्तः S'ivaP. ii(3). 34. 10 (163B. 9)

अदत्तझम्प (adatta-jhampa) *adj.* from which a jump is not taken वाहस्यपश्चास्यभयादिवाराददत्तझम्पो मृगशावकेन । देव्याः स वोऽव्याद्वदनेन्दुबिम्बः S'rīKaC. 1. 18.

अदत्तत्व (adatta-tva) *n.* the state of not having been given आर्तदत्तस्यादत्तत्वं धर्मकार्यव्यतिरिक्तविषयम् VīraMi. (Vyavahāra.) 312. 33; अदत्तत्वादिकमपि प्रमापणीयम् VīraMi. 406. 9 (on 2. 7)

अदत्तदर्शन (adatta-darśana) *adj.* who has not shown himself अदत्तदर्शनेन कुसुमायुधेन संताप्यमानम् ··· तमहमद्राक्षम् Kād. 153. 5; TilaMañ. 320. 10.

अदत्तदान (adatta-dāna) *adj.* **i** who has not given in charity यान्ति प्रेतपुरं नराः । अदत्तदानाः ··· शुष्ककण्ठास्यतालुकाः MahāBhā. xiv. App. 4 (695) = VṛGautaSm. 524. 17(5); अदत्तदाना जायन्ते परभाग्योपजीविनः DakṣaSm. 2. 42 = SkandP. iv. 40. 69 = v(3). 171. 18; BhaviP. 39B. 23 (i. 16. 31); **ii** to whom no charity is given समस्तनगरं भ्रान्त्वादत्तदानो गहिल्लकः । प्रविष्टो मद्गृहम् BṛKathāK. 127. 61; *n.* charity which is not given अदत्तदानाज्जायन्ते दुःखस्यैव हि भाजनाः SkandP. i(2). 2. 68; अदत्तदानेन भवेद्दरिद्री दारिद्र्यभावात्तु करोति पापम् KumāPraPra. 67. 28.

अदत्तदानतस् (adattadāna-tas) *adv.* by non-presentation of (religious) gifts संयोगी हीनयोनिः स्याद्दरिद्रोऽदत्तदानतः SkandP. v(3). 159. 13.

अदत्तदृष्टि (adatta-dṛṣṭi) *adj.* who has not (even) looked at or taken note of जन्मनः प्रभृत्यदत्तदृष्टिरेवासि स्वापतेयेषु HarṣaC. 158. 16; उभयलोकसाधनक्षमेष्वदत्तदृष्टिः ··· विप्रः AvantiKa. 227. 13.

अदत्तदृष्टिसुख (adatta-dṛṣṭisukha) *adj.* which gives no pleasure to the eyes अदत्तदृष्टिसुखम् ... अच्छोदम् ... आससाद Kād. 306. 7.

अदत्तदेय (adatta-deya) *adj.* who has not paid the dues or tax (on gambling); defaulter in payment of a tax (on gambling) अदत्तदेयोऽशुद्धः स्वं स्वकीयं धनं साधयति कितवस्तं राजा न वारयेत् Aparā. 803. 19 (*on* 2. 200)

अदत्तदोष (adatta-doṣa) *m.* sin (or fault) due to not giving (gifts) कदाप्यदत्तदोषेण दारिद्र्यं पतितं गृहे SkandP. ii(7). 15. 34.

अदत्तपरवस्तु (adatta-paravastu) *n.* another's property not donated अदत्तपरवस्तूनां गृह्णतः करपल्लवम् । आप्लुत्य ... तप्ताङ्गारे पच SkandP. iv. 8. 66.

अदत्तपरिवर्जन (adatta-parivarjana) *n.* avoidance of what is not offered हिंसातो विरतिः सत्यमदत्तपरिवर्जनम् ...अणुव्रतं मतम् SubhāRaSaṁ. 791.

अदत्तपूर्वा (adatta-pūrvā) *adj.* (*f.*) not betrothed before भगवति दत्तपूर्वेत्याशङ्क्यते (v. l. अदत्तपूर्वा Apte) MālaMā. 4. 90.

अदत्तप्रतिग्रहीतृ (adatta-pratigrahītṛ) *adj.* who accepts what is not given, receiver of unoffered things तेनादेयप्रतिग्रहीतुरदत्तप्रतिग्रहीतुश्च दण्डोऽनेन वचनेनोक्त इति मन्तव्यम् SmṛtiCan. iv. 443. 19.

अदत्तप्रतिवचन (adatta-prativacana) *adj.* [*f* -ā] **1** who is not answered ततोऽहम् .. अदत्तप्रतिवचनो रुदन् रुदन्नेव प्रतिबुद्धः TāpaVa. 5. 24(8); **2** who has not answered सा अदत्तप्रतिवचना लज्जावनतमुखी रोदितुं प्रवृत्ता TāpaVa. 4. 9(10).

अदत्तप्रतिवाक्या (adatta-prativākyā) *adj.* (*f.*) who has not answered तस्याम् ...। अदत्तप्रतिवाक्यायां गच्छन्त्यां तु व्यचिन्तयम् SamarāSaṁ. 5. 178.

अदत्तप्रतीच्छक (adatta-pratīcchaka) *adj.* seeking or desiring for what is not given अदेयदायको दण्ड्यस्तथादत्तप्रतीच्छकः NāraSm. 140. 12.

अदत्तप्रत्याहरण (adatta-pratyāharaṇa) *n.* taking back what is not (duly) given दत्तानपहरणकथनेनैव तत्प्रतिपक्षभूतस्यादत्तप्रत्याहरणस्यापि कथनमर्थसिद्धमेव BālamBha. ii. 287. 16 (*on* 2. 176)

अदत्तप्रायत्व (adattaprāya-tva) *n.* the state of being as good as not given दानप्रतिषेधाद्दत्तमप्यदत्तप्रायत्वात् प्रत्याहरणीयम् SmṛtiCan. iv. 474. 2.

अदत्तफल (adatta-phala) *adj.* [*f.* -ā] which has not yielded its fruit, dormant न चादत्तफलस्य कर्मणो न क्षयः BrahmSi. 129. 2; अदत्तफल इष्टयादौ तदा तद्वचनं मृषा S'lokaVār. 690. 2; प्रतिबन्धके च क्षीणे कार्यार्थ स्वफलं तदा दातव्यमेव साप्यदत्तफला न क्षीयते NyāyMañ. i. 254. 8; ii. 88. 16; तस्मिन् कर्मण्युद्रिक्ते च सुकृतेऽदत्तफले फलदानोन्मुखे ManuBh. ii. 384. 28 (*on* 11. 51); न च ... अदत्तफलान्येव कर्माणि क्षीयन्ते TātpaṬ.(Vā.) 71. 18; तस्माददत्तफलान्येव कर्माणि प्रायश्चित्तेन क्षीयन्ते NyāyVārPari. 376. 3; अदत्तफलं चेत्कर्मापूर्वं विनश्यति Bhām. 718. 4 (*on* iv. 1. 13); 533. 15 (*on* iii. 1. 8); तदिह तपःस्वाध्यायादिसाध्यः शुक्लः कर्माशय उदित एवादत्तफलस्य कृष्णस्य नाशकः TattvVai. 72. 5 (*on* 2. 13); दत्तफलमदत्तफलं चेति पूर्वार्थं द्विविधम् NyāySiA. 219. 22; कर्म खलु पूर्वसृष्टावनुष्ठितमदत्तफलमवस्थितम् NyāyRa. 666. 10 (*on* 5(15). 93); तत्त्वज्ञानाददत्तफलान्येव कर्माणि प्रायश्चित्तादिव विनश्यन्ति TattvCin. ii(2). 191. 15; *n.* the result of not giving याचकस्य प्रदातव्यमदत्तफलमीदृशम् Chrestomathie, 3rd Ed. 209. 10.

अदत्तफलत्व (adattaphala-tva) *n.* the state of not having yielded the fruit, dormant state इष्टयादेश्चादत्तफलत्वात् NyāyRa. 690. 13 (*on* 5(15). 5)

अदत्तफलत्वापात (adattaphalatvāpāta) *m.* consequence of the dormant state of the *karman* इष्टयादेश्चादत्तफलत्वापा[ता]त् YuktiSneha. 119. 33.

अदत्तबलिभोजन (adatta-balibhojana) *adj.* where propitiatory oblations (to gods etc.) and food (to the Brahmins) are not offered अदत्तबलिभोजनम् । गृहं न प्रविशेदेव NāraS. 32. 20; अदत्तबलिभोजनम् ... विशत्यपि गृहं यदालमेव हि विशत्यौ(?) MayaMa. 28. 34.

अदत्तबाह्यनामन् (adatta-bāhyanāman) *adj.* in which the outside names of the addressee and of the writer are not written अदत्तवा(? बा)ह्यनामानं लेख शकटदासेन लेखयित्वा MudrāRā. 1. 20(6)

अदत्तबाह्यपरिजनप्रवेश (adatta-bāhyaparijanapraveśa) *adj.* who has prohibitted entrance to outside attendants अवनीश्वरोऽपि ... अदत्तबाह्यपरिजनप्रवेशेन ... शुद्धान्तजरतीजनेन क्रियमाणविविधशिशुरक्षाविधानम् ... प्रियायाः प्रसूतिगृहमविशत् TilaMañ. 77. 5.

अदत्तभक्षण (adatta-bhakṣaṇa) *n.* partaking of food (part of) which is not offered (to guests) अदत्तभक्षणे दोष उक्तः VīraMi.(Āhnika.) 451. 4.

अदत्तभुक्त (a-dattabhukta) *adj.* neither given in charity nor enjoyed अदत्तभुक्तमुत्सृज्य धनं सुचिररक्षितम् । ... गच्छन्ति कदर्याः स्वक्षये क्षयम् DarpaDa. 2. 71.

अदत्तभोक्तृ (adatta-bhoktṛ) *adj.* enjoyer of an invalid gift (*lit.* not given) अदत्तभोक्ता दण्ड्यः स्यात् BṛhaspaSm. 140. 18.

अदत्तमातुलनिषेधवत् (adattamātulaniṣedha-vat) *adv.* like the prohibition of the maternal uncle who is not given away in adoption यद्यपि सपिण्डनिषेधेनायमपि निषिद्धस्तथापि अदत्तमातुलनिषेधवद्दत्तकनिषेधोऽपि समाधेयः VīraMi. (Saṁskāra.) 685. 5.

अदत्तमूल्य (adatta-mūlya) *adj.* price of which is not paid (तेषां हरणोपायाश्चत्वारिंशत्) ... कुप्यमदत्तमूल्यं प्रविष्टम् ArthS'ā. i. 155. 3 (2. 8); यश्च क्रयानुशयवशाददत्तमूल्यस्य पण्यस्याग्राहकः SmṛtiCan. iv. 511. 12.

अदत्तमौञ्जीदान (adatta-mauñjīdāna) *adj.* in whose investiture of the sacred thread the *muñja* grass has not been offered अदत्तमौञ्जीदाना ये ... । तेभ्यो निर्वापितं पिण्डमिह ह्यक्षयतां व्रजेत् SkandP. iv. 62. 71.

अदत्तराजभाग (adatta-rājabhāga) *adj.* of which the king's share is not paid अन्यथा प्रच्छन्ने सभिकरहिते अदत्तराजभागे द्यूते जितपणं जेत्रे न दापयेत् Mitā. 281. 21 (*on* 2. 201)

अदत्तवत् (adatta-va(n)t) *adj.* who has not given (charitable or religious) gifts एकभार्योऽन्यविद्वेषी बहुपुत्रो ह्यदत्तवान् PadmP. ii. 16. 28.

अदत्तवर (adatta-vara) *adj.* who has not given things desired (by the teacher) स्नायात् ... अशक्तौ तदनुज्ञया अदत्तवरोऽपि Mitā. 14. 26 (*on* 1. 51); धान्यं वासांसि ...इत्यादि मन्वादिलक्षितं वा दत्त्वा तदनुज्ञया वादत्तवरोऽपि Aparā. 76. 9 (*on* 1. 51)

अदत्तवार (adatta-vāra) *adj.* who has not given a date or an appointment (for meeting) अदत्तवारं दुर्दर्शमस्वाधीनं नराधिपम् । ... वर्जयन्ति नराः SūktiRa. 40. 16.

अदत्तवाह्यनामन् (adatta-vāhyanāman) *adj.* cf. **अदत्तबाह्यनामन्.**

अदत्तविहितासन (adatta-vihitāsana) *adj.* occupier of an unassigned seat राज्ञो विद्विष्टसेवी चाप्यदत्तविहितासनः S'ukraNī. 4(5). 75.

अदत्तवृति (adatta-vṛti) *adj.* to which a fence is not added अपरिवृतानां अदत्तवृतीनामपरिरक्षितानामिति यावत् SmṛtiCan. ii. 468. 14.

अदत्तवेतन (adatta-vetana) *adj.* whose salary is not paid न कुप्यवेतनी (v. l. नादत्तवेतनः) कश्चित् MahāBhā. iii. 16. 22.

अदत्तशुल्क (adatta-śulka) *adj.* who has not paid the dowry यदा त्वदत्तशुल्क एव म्रियेत, तदा तस्मिन् प्रेते कुमार्येव सतीच्छयान्यस्मै पित्रा विधिवद् देया BālaKri. i. 74. 1 (*on* 1. 69)

अदत्तश्रोत्र (adatta-śrotra) *adj.* who has not given his ear (attention) to त्वं तु तेषामदत्तश्रोत्रो मुक्तकण्ठं विरुद्य ... चिताधिरोहणायोपक्रमिष्यसे DaśKuC. 100. 15.

अदत्तस्त्रीधनविषय (adattastrīdhana-viṣaya) *adj.* pertaining to the woman's property which is not given व्यासः - असुतास्तु पितुः पत्न्यः समानांशाः प्रकीर्तिताः । पितामह्यश्च सर्वास्ता मातृतुल्याः प्रकीर्तिताः । अदत्तस्त्रीधनविषयमेतत् Aparā. ii. 731. 1 (*on* 2. 123)

अदत्तस्त्रीधना (adatta-strīdhanā) *adj.* (*f.*) to whom the woman's own property is not given अधिविन्ना ... सपत्नीपरिणयननिमित्तं धनं परिणीयमानायै दीयमानेन धनेन सममदत्तस्त्रीधनायै दद्यात् VīraMi. 625. 24 (*on* 2. 148)

अदत्तहरण (adatta-haraṇa) *n.* taking away what is not given अदत्तहरणं प्रतिषिद्धम् KāṭhGS. i. 3. 12.

अदत्तहारितार्थ (adatta-hāritārtha) *adj.* who has not paid the money which he has lost यदि स्थिताः स्थ तूष्णीं तत्क्रियते कितवस्य यत् । अदत्तहारितार्थस्य शिलाभूतस्य तिष्ठतः KathāSaSāg. xviii. 2. 85.

अदत्तहारिन् (adatta-hārin) *adj.* who takes away things not given to him नरकं यान्ति परलोकेऽदत्तहारिणः KumāPraPra. 67. 26.

अदत्तहुण्डिकादेय (adatta-huṇḍikādeya) *adj.* who has not paid the amount due on bills of exchange (शंसुवर्धनः) अदत्तहुण्डिकादेयः पलायिष्ट भयाकुलः RājTa.(Ka.) 5. 302.

अदत्ताञ्जन (adattāñjana) *adj.* to which collyrium is not applied नेत्रैरदत्ताञ्जनैः । ...शंसन्ति ते पौरुषम् ...नरसिंह देव भुवने प्रत्यर्थिवामभ्रुवः Ekāva. 4. 1(3) (130. 5)

अदत्तात्तफल (adattātta-phala) *n.* result of taking (something) not given (i. e. stealing) दरिद्रताम् । अदत्तात्तफलं ज्ञात्वा स्थूलस्तेयं विवर्जयेत् TriṣaS'aPuC. i. 3. 629; YogS'ā. 2. 65; KumāPraPra. 72. 3.

अदत्तादान (adattādāna) *n.* taking (what is) not given, (stealing) अदत्तादान एकरात्रमुपवसन्नग्निस्तिग्मेन (साम 1. 22) इति द्वितीयम् (गायेत्) SāmaViBr. i. 7. 3; PāraGS. ii. 5. 12 (Harihara स्तेयमित्यर्थः); अदत्तादान-

मेवेदं कृतं पार्थिवसत्तम MahāBhā. xii. 24. 10; xiii. 128. 26; GautDS. i. 2. 23; अदत्तादानं स्तेयम् TattvārthāSū. 7. 10; Divyāva. 302. 5; AbhidhK. 4. 70; YājñaSm. 3. 136; PadmP.(Ra.) 6. 288; S'ikṣāSa. 71. 6; KūrmaP. 554. 7 (2. 16); NyāyVārPari. 403. 6; TriṣaS'aPuC. i. 3. 85; Aparā. 998. 8 (*on* 3. 135); क्रियाशब्देन तु मृषाप्रत्यया अदत्तादानप्रत्यया ··· क्रियोक्ता SthānT. 14A. 6; MalliC. 3. 244; SyādvāMañ. 6(187); PrabaCin. 86. 12; तृतीयं धर्मलक्षणं अदत्तादानपरिहाररूपम् KumāPraPra. 67. 25.

अदत्तादानतस् (adattādāna-tas) *adv.* by taking what has not been given, by stealing अदत्तं नाददीतार्थमदत्तादानतो यतः। ··· सुखं न हि TriṣaS'aPuC. i. 1. 588.

अदत्तादायिक (adattādāyika) *m.* thief (*lit.* taking what is not given) एते प्राणातिपातिका अदत्तादायिकाः Divyāva. 186. 22; 271. 17.

अदत्तादायिन् (adattādāyin) *m.* thief (*lit.* who takes what is not given) योऽदत्तादायिनो हस्ताल्लिप्सेत ब्राह्मणो धनम् । याजनाध्यापनेनापि यथा स्तेनस्तथैव सः ManuSm. 8. 340; इमे ··· प्राणातिपातिनोऽदत्तादायिनः Gaṇḍa-Vyū. 123. 1; 174. 15; अदत्तमादत्ते गृह्णातीत्यदत्तादायी चोरः ManuBh. ii. 214. 10 (*on* 8. 340); अदत्तादायी स्तेनः Mitā. 76. 25 (*on* 1. 224); DaṇḍaVi. 84. 4; VīraMi. (Vyavahāra.) 416. 2; BālamBha. ii. 330. 26 (*on* 2. 276)

अदत्तानुनय (a-dattānunaya) *adj.* who is not given a (hostile) reception अदत्तानुनयो युद्धे यदि त्वं पितृभिर्मम । करिष्यामि तवातिथ्यं प्रहर प्रहरामि वा MahāBhā. xiv. 83. 7.

अदत्तानुपादान (adattānupādāna) *n.* not taking what is not given अस्तेयमदत्तानुपादानम् ··· सर्वेषाम् ··· धर्मसाधनम् Mitā. 41. 11 (*on* 1. 122)

अदत्तान्न (adattānna) *adj.* who has not given food in charity अनुष्ठानकृन्नादत्तान्नः स्यात् PārāSū. 78. 18.

अदत्तापनयन (adattāpanayana) *n.* abduction of one who is not betrothed महासेनस्य दुहितरं शिष्यां प्रतिगृह्य अदत्तापनयनं कृतम् PratiYau. 4. 16(2)

अदत्तापेक्ष (adattāpekṣa) *adj.* without waiting for (चम्पेश्वरोऽपि) धरापतीनामचिरकालभाविन्यपि संनिधावदत्तापेक्षः साक्षादिवावलेपो वपुष्मानक्षमापरीतः प्रतिबलं प्रतिजग्राह DaśKuC. 36. 7.

अदत्तावकाश (adattāvakāśa) *adj.* not giving scope for एषः (जाबालिः) ··· अदत्तावकाशो मत्सरस्य Kād. 45. 4; AvantiKa. 224. 12; UdaySu-Ka. 7. 27.

अदत्तावृतिक (adattāvṛti-ka) *adj.* to which a fence is not provided केनचिददत्तावृतिकं धान्यमुप्यते ManvaMu. 332. 27 (*on* 8. 238)

अदत्तास्वीकार (adattāsvīkāra) *m.* non-appropriation of what is not given अस्तेयं अदत्तास्वीकारः SmṛtiCan. i. 14. 2; Aparā. 163. 25 (*on* 1. 122)

अदत्तोत्तर (adattottara) *adj.* [*f.* -ā] who has not given a reply अदत्तोत्तरश्च तस्मै···विस्मयत्रपाविषादानां युगपदास्पदतामगच्छम् TilaMañ. 148. 20; (कन्यका) अवनतमुखी च स्थित्वा मुहूर्तमदत्तोत्तरैव तस्मादशोकतरुतलादचलत् TilaMañ. 249. 21; KathāSaSāg. x. 9. 145; SamarāSaṁ. 5. 239.

अदत्त्वा (á-dattvā) *ger.* i without giving, not having given दुर्दुभ्नैनमा शये याचितां च न दित्सति । नास्मै कामाः समृध्यन्ते यामदत्त्वा चिकीर्षति AV. xii. 4. 19; BaudhDS. ii. 3. 17; DakṣaSm. 2. 62; अदत्त्वा काञ्चनं गाश्च दरिद्रो नाम जायते MahāBhā. iii. 80. 39; v. 111. 23; MārkP. 7. 36; VṛGaut-Sm. 556. 10(7); VedaVyāSm. 3. 66; PāraS. 16. 196; (अहम्) अदत्त्वैव तदयुतमपि यातनानामनुभवेयम् DaśKuC. 58. 22; PadmP.(Ra.) 102. 190; GītāBh. (S'aṅ.) 89. 14 (*on* 3. 12); TaiUBhāVā. 210. 20(3); न ह्यदत्त्वा मांसं भक्ष्यते ManuBh. i. 441. 19 (*on* 5. 48); BhāgP. ix. 4. 45; AgniP. 109. 4; SkandP. ii(7). 25. 24; CaṇḍaKau. 4. 23; अदत्त्वा चार्थमर्थिभ्यः SaraKaṇṭhā. 596. 2; RāmāMañ. 84. 26; BrahmP. 230. 40; BhaviP. 49B. 14 (i. 20. 26); GaṇeP. ii. 139. 12; SmṛtiCan. iii. 109. 20; GopākeCan. 87. 6; ManvaVi. 589. 24 (*on* 5. 7); PrabaCin. 35. 25; भिक्षुभ्योऽन्नमदत्त्वा त्वं स्तेनवद्भोक्ष्यसे कथम् S'aṅkaDig-Vi.(Mā.) 8. 27; S'ārṅgaPa. 724; RājNiRa. 70. 2; DīpKa. 70. 10 (*on* 2. 262); PurāPraSaṁ. 17. 32; अदत्त्वा द्रविणं तासां कथाभिः ··· वशं नयेत् SṛṅgāDī. 1. 65; KathāK. 44. 9; प्रतिश्रुतं धनमदत्त्वा न गन्तव्यम् VasaTi. 11. 16; ii without giving (an answer) कथम् । अदत्त्वैव प्रतिवचनं नर्तितुमारब्धः Vikramo. 4. 21(2); S'āk. 1. 27(6); iii without producing (the result) न च फलमदत्त्वा धर्माधर्मौ क्षीयेते NyāyMañ. ii. 70. 10; न हि कर्म क्षीयते। फलमदत्त्वेति शेषः Aparā. 1039. 20 (*on* 3. 221); iv without giving (in marriage) उदारक इति प्रीतलोकाधिरोपितापरस्वाध्यनामनि वरयत्येव मां तरुणीभूतामधन इत्यदत्त्वा ··· सार्थवाहाय दित्सति मे पिता DaśKuC. 49. 5; v without puting on मञ्जीरमन्या महिलाकरस्थमङ्घ्रयोरदत्त्वैव रयादयासीत् Acyutarā. 12. 6.

अदत्रया (a-datrayā́) *adv.* [AitGr. III. 76] without recompense अदत्रया दयते वार्याणि पूषा ṚV. v. 49. 3.

अदद (ada-da) *adj.* destroying the eaters (i. e. demons) दुद्दादं ददद दुद्दे ··· अददः (कृष्णः) S'iśuVa. 19. 114.

अददत् (á-dadat) *adj.* [*f.* -ī] i not giving, not donating (as oblation or gift) तेषां सर्वेषामददद्धेडं न्येति मानुषः AV. xii. 4. 20; हेडं पशूनां न्येति ब्राह्मणेभ्योऽददद्वशाम् AV. xii. 4. 21; xii. 4. 26; किमस्या वृश्चीताददत्या: GopBr. i. 2. 6; अददल्लोभतो मोहात् कुलक्षयमवाप्नुते MatsyaP. 93. 109; अददता लुब्धप्रायेण च विगृह्यासनम् DaśKuC. 42. 16; अन्राप्यसंभवे तस्य दीक्षिते वाददत्यपि TantrVā. 109. 24 (*on* i. 3. 4); वित्तशाठ्येन मानवः । अददल्लोभमोहाभ्यां कुलक्षयमवाप्नुयात् BhaviP. 818A. 8 (iv. 141. 110); इदानीमददतोऽपि दानफलप्राप्त्युपायमाह Aparā. 406. 13 (*on* 1. 213); अददतः अदातुरपि CaturCin. ii(1). 586. 16; अप्रयच्छतः तदा तद्धनमददतोऽपि त्रैवर्णिकादाहरेत् ManvaVi. 1350. 18 (*on* 11. 15); ii not giving, not offering, not presenting (in general) अददत्सु भवन्ति नर्मदाः (स्त्रियः) Saund. 8. 39; आसनार्हस्यासनमददच्च Viṣṇu-Sm. 5. 92; भुङ्क्ते ··· अददंश्च (? अददच्च) शक्तस्तथा BṛParāSm. 2. 224; निष्क्रासनमददतां दोषकरम् JayaMa. 355. 22 (*on* 6. 6); क्रमात्तस्मिन्धने मुक्ते खिन्नः सोऽददति प्रभौ KathāSaSāg. ix. 4. 160; दण्डयः । आसनार्हस्यासनमददत् Daṇḍa-Vi. 304. 13; अम्बराण्यददतो दुरात्मनः ··· । न्यक्कृतिं कृतवतोऽतिरागवान् कं चकर्त ··· हरिः HariVi. 5. 15; iii not returning or paying back, not compensating देयं चौरहृतं द्रव्यं राज्ञा जानपदाय तु । अददद्धि समाप्नोति किल्बिषं यस्य तस्य तत् YājñaSm. 2. 36; स्वयं चाददद् राज्ञा दाप्यः (दण्डः) Bālakrī. i. 279. 6 (*on* 2. 227); अप्रतिकुर्वत्सु शाठ्येन निर्धनत्वादिना वा ऋणमददत्सु SmṛtiCan. iv. 349. 16; iv not giving (way), obstructing मातरं पितरम् ···। आक्षारयन् शतं दाप्यः पन्थानं चाददद्गुरोः ManuSm. 8. 275; अददत् अत्यजन् BālamBha. ii. 300. 11 (*on* 2. 204); v not allowing, not permitting तत्रैति (नीवि) विश्लेषणे विवदमानां कर्तुमददतीं कपोलचुम्बनेन समन्तादाकुलयेत् JayaMa. 159. 9 (*on* 2. 8); vi not yielding or producing (a result) कानिचित् ··· स्वफलमददत्य(? न्त्य)वतिष्ठन्ते NyāyRa. 682. 13 (*on* 5(9). 4); ऊषरप्रदेशे बीजमुप्तं फलमददन्तराल एव विनश्यति ManvaMu. 439. 18 (*on* 10. 71); YuktiSneha. 118. 18 (*on* i. 1. 5); vii not giving (in marriage) अप्रयच्छन्निति कन्यादानाधिकारी कन्यामददत् DīpKa. 10. 4 (*on* 1. 63); viii not giving (an answer) शुकेन सभायां [प्रातः] केनाप्युत्तरमददता षण्मासावधि याचित्वा PurāPraSaṁ. 122. 4.

अददरिद्रावत् (a-dadaridrāva(n)t) *adj.* not poor, rich (in splendour) कान्तेरददरिद्रावद्रूपमेषाबिभश्च तत् DvyāśraKā. 9. 159.

अददान (a-dadāna) *adj.* [*f.* -ā] i not giving (in general) तदङ्गं राज्ञि संस्कर्तुमददानेऽथ मन्त्री(? न्त्रि)भिः । आलोच्य वञ्चयित्वैनं नीत्वारण्ये समुज्झितम् PārśvC. 6. 1067; कोशाधिपालक्षद्रव्ये याचिते सति नृपादेशात्तस्मिन्नददाने PrabaCin. 94. 4; स धूर्तानां शिरोरत्नमददानोऽपि भोजनम् Dhūrtā. 15; नृपादेशात्तस्मिन्नददाने तम् ··· कट्कान्निरवासयत् KumāCaSaṁ. 102. 3; ii not giving (as gift), not giving away अथेह अददानमश्रद्दधानमयजमानमाहुः ChāndoU. viii. 8. 5; इतरस्त्वददानोऽपि मुच्यते सुतरां तया PārvC. 2. 935; 2. 939; तस्मिन्भूमिमददाने जिनधर्मैविरोधतः । कुमारपालभूपालः ··· रुरोध श्रीनागपुरम् KumDeC.(So.) 29. 7; KumāPraPra. 42. 20; कार्पटिका ··· याच्यमानाप्यददाना PurāPraSaṁ. 133. 26; iii not giving back, not repaying a loan ऋणमददानो दासकर्मणा निर्हरेत् NītiVā 32. 50; iv not giving (in marriage) तां पितर्यददाने च हर्तुकामो हठादपि । पूर्णमेघः ··· योद्धुमुपाययौ TriṣaS'aPuC. ii. 4. 324; v not giving way or entry, hindering, preventing वनसीमापि कठोरकण्टकाग्रा चिकुरेषु विकर्षति प्रतीशानददानेव निजान्तरप्रवेशम् PrataYaBhū. 390. 13; अपथदायी उक्तानां पन्थानमददानः DaṇḍaVi. 304. 23; vi not giving (an answer) एताः ··· उत्तरमददानाः परिवृत्य पश्यन्ति RasSa. 189 (9)

अददिवस् (á-dadivas) *adj.* who had not given or bestowed (a gift) अथो ह गोपतये वशाददुषे विषं दुहे AV. xii. 4. 39; xii. 4. 48.

अदद्राय (adadrāya-) -P. [denom.] to report as inclined towards that अदद्र्यञ्चम् [आचष्ट] आददद्रायत् SiddhāKau. 452B. 1.

अदद्र्यञ्च् (adadry-añc) *adj.* [*f.* अमुमुईची अदमुईची, MugdhaBo. 4. 12 (42. 1)] [DEBRU. p. 154] inclined towards that, directed towards it [grammarian's formation based on P. iii. 2. 59 which allows the root *añc*-(+ *kvin*) to be used as a suffix, P. vi. 3. 92 which enjoins *adri* as the substitute for the final part of pronouns, and P. viii. 2. 80 which allows the change of *d* of *adas* and also that of *adri* to *m* and of *a* to *u* optionally, giving rise to Nom. sg. अदद्र्यङ्, अदमुयङ् and अमुमुयङ्] यद्येवममुमुयङ् इति न सिध्यति । अदद्र्यङ् इति प्राप्नोति ।

अदमुयङ् इति भवितव्यम् MahāBh. iii. 414. 15; ये न सिः असिरिति सकारान्त-प्रतिषेधमाश्रयन्ति नान्त्यसदेशपरिभाषां ते अमुमुयङ् इतीच्छन्ति। … अन्त्यसदेशपरि-भाषाश्रये त्वदमुयङ् इति। ये तु त्यदाद्यत्वविषये एव मुत्वमिच्छन्ति ते अदद्रयङ् इति मन्यन्ते Pradi. viii. 135. 18 (*on* P. viii. 2. 80); अमुमुयङ्, अमुमुयञ्चौ, अमुमुयञ्चः, अदमुयङ्, अदमुयञ्चौ, अदमुयञ्चः, अदद्रयङ्, अदद्रयञ्चौ, अदद्रयञ्चः KāśiVr. *on* P. viii. 2. 80; अमुमुयञ्चम् अमुमुयञ्चौ, अमुमुईचः। अमुमुईचा, अमु-मुयग्भ्याम् इत्यादि। मुत्वस्यासिद्धत्वान्न यण् SiddhāKau. 97A. 16; AgniP. 350. 56; KośaKaTa. 2. 216; MayūMāli. 725. 10 (*on* x. 5. 11); KātanVr. *on* ii. 2. 45; अदसोऽद्र्यागमे सति द त् परस्योत्व वा भवति, दस्य च मत्वम्। अदमुयङ्, अमुमुयङ्, अमुद्र्यङ्, अदद्र्यङ् CāndraVr. *on* vi. 3. 113; अन्त्यविकारे अन्त्यसदेशस्य इति परिभाषा नाश्रिता तेषां 'अदेसोऽद्रौ' परतः उत्वं भवति। अमुद्रयङ् … चत्वारो भेदाः Jaine-Vyā. 399. 7 (*on* v. 3. 88); SākaṭāVyā. i. 2. 45; SiddhaHe. ii. 1. 46; अमुद्रयङ्, अमुमुयङ्, अदमुयङ्, अदद्रयङ् MugdhaBo. 26. 80 (158. 17) (Vrtti. अमुमञ्चतीत्यर्थे एते निपात्यन्ते) cf. अञ्च.

अदधात्वनुगति (adadhātv-anugati) *f.* presence of the root *ad*- अदधात्वनुगतिश्चात्र NyāySu.(Ja.) 158B. 12 (*on* i. 2. 2)

अदधि (a-dadhi) *adj.* other than curds शुक्तं केवलमदधि GautDS. ii. 8. 14; अदधि दधिव्यतिरिक्तं पर्युषितम् रात्र्यन्तरितम् ViraMi.(Āhnika.) 517. 22.

अदन (ádana) *n.* [Debru. p. 236] **1** food ओकिवांसा सुते सचाँ अश्वा सप्ती इवादने (इन्द्राग्नी) ṚV. vi. 59. 3; पद्वदवसं गावः पथ्यदनम् Nir. 1. 17 (39. 20); अदनानि तु वक्ष्यामि विधिवत्तेन भूमिप Hastyāyur. 173. 15 (2. 8); औदकानि (v. l. अदनानि) गृहाणि च MahāBhā. v. 47*(4); मुक्तेः पथ्यदनम् … सत्यं वचः पावनम् SatTrayī. 750; (त्रिदशः) ऋषिवेषमादायादनायावनीपति-भवनमभजत् YaśasCam. ii. 295. 3; कर्मपथ्यदन इति कर्म सुकृतदुष्कृतरूपं पथि परलोकगमनवर्त्मनि अदनं भक्षणं यस्य HārLa. 153. 17; अनुनिन्यिरे … द्विरदनैरदनै-र्निजवल्लभाः NemiNir. 6. 32; अन्नाभावे च दौर्भिक्ष्ये विपदि प्राणसङ्कटे। निषिद्धै-नादनेनापि रक्षन् प्राणान्न पातकी MahNirvāT. 11. 131; अन्धोभिस्सादनं भोज्यम् DhanvNi. 311. 22; अदने हरिते घासः SabdaRa.(Vā.) 3833; **2** act of eating, eating आत्मार्थं च क्रियारम्भो निन्दितान्नादनं तथा ManuSm. 11. 64; 11. 161; भोजनमदनमित्येतेषु विहारशय्यासनभोजनेषु … परिभूतोऽसि GītāBh.(Sań.) 327. 16 (*on* 11. 42); यस्मै वै एतत् अहन्यहनि अन्नमदनायाह्रियते ChāndoUBh. 216. 7 (*on* iv. 3. 6); सर्वस्यादनाददितित्वं वेद BrĀraUBh. 28. 17 (*on* i. 2. 5); तत्स्वशरीरस्य श्वगृध्रैरदनम् ManuBh. i. 255. 23 (*on* 3. 105); पानमदनं हिममर्द-नम्। तेजसो वृत्तयस्त्वेताः शोषणं क्षुत्तृडेव च BhāgP. iii. 26. 40; v. 2. 13; उपसेचनं हि नाम स्वयमद्यमानं सदन्यस्यादनहेतुः BrahmSūBh.(Rā.) 244. 15 (*on* i. 2. 19); अदनात्तदनाद्यस्य तुच्छमायुरकार्यतः BrParāSm. 1. 32; हुलि होमेऽदने Mugdha-Bo. 10. 1 (111. 9); चमु अदने MugdhaBo. 8. 65 (89. 11); वषट्कारो याज्ययातः सहापैत्यदनं तथा NyāyMāVi. 176. 20 (*on* iii. 5. 18); हु दानादनयोः Prakri-Kau. ii. 225. 1; चमु अदने PrakriKau. ii. 87. 6; घस्लृ अदने Prasā. ii. 77. 13; चमु अदने Prasā. ii. 324. 17; तृणु अट(द)ने Prasā. ii. 182. 19; अनाद्यस्य पुरीषादेरदनम् ManvaMu. 461. 2 (*on* 11. 56); अदनान्याहुतिविधिः … सपर्यापर्याय-स्तव भवतु यन्मे विलसितम् Subhāṣi. 3525; अदनस्य रागप्राप्तत्वेऽपि SivārkaMa-Di. ii. 400. 19 (*on* iii. 4. 28); Vaija. 167. 102; चरणं भक्षणेऽदने AnekāSam. 3. 194; AbhidhāCin. 424, SabdaRa.(Vā.) 2887; AnekāTi. 3. 105; KośaKa-Ta. i. 6597; **3** experiencing the fruits of one's *karman* स्थित्यदने निर्दिश्येते 'तयोरन्यः पिप्पलं स्वाद्वत्ति' इति कर्मफलाशनम् BrahmSūBh.(Sań.) 151. 3 (*on* i. 3. 7); या…शब्दादीनामदनाददितिः KāṭhUBh. 154. 8 (*on* 4. 7); एकस्य कर्मफला-दनम् BrahmSūBh.(Rā.) 280. 8 (*on* i. 3. 6); भेदस्य व्यपदेशं च स्थितिं चादन-मेव च। भेददार्ढ्ये हेतुमाह AnuVyā. 66A. 2 (*on* 4. 1); इति जीवस्य कर्मफलादन-मुक्त्वा BrahmSūBh.(Srī.) i. 407. 3 (*on* i. 3. 6); 'द्वा सुपर्णा' इत्यादिमन्त्रे … जीवस्यादनाच्च VedāntPāSau. 79. 19 (*on* i. 3. 7); श्रुतिरपि तयोरदनानदने दर्शयति GoviBh. 31. 16 (*on* i. 2. 8); **4** destruction, annihilation अननाद-दनाच्चापि ह्यनन्तः AhirbuS. 2. 31; सृष्टिस्थित्यदनप्रवेशयमनव्यापारमात्रेच्छया। कुर्वन् क्रीडति SarvaVeSiSāSam. 504; अदनं संहारः SivārkaMaDi. i. 336. 15 (*on* i. 2. 9)

अदन (adana) *m.* name of a Nāga king [DBHS]

अदनकृतपुष्टि (adanakṛta-puṣṭi) *f.* nourishment brought about by (its) eating यस्यादनकृतपुष्टेरधरपुटे वंशिकामोदात्। निर्गतपवनशिखायामनङ्गो-वर्धनो मधुपः GopāKeCan. 81. 26.

अदनक्रिया (adana-kriyā) *f.* act of eating तव देव द्विषां सन्तु स्नान-पानादनक्रियाः YaśasCam. i. 508. 6.

अदनक्रियाकर्मन् (adanakriyā-karman) *n.* object of the act of eating अन्नशब्दो यद्यप्यदनक्रियाकर्मणि ल्युटपाद्यते ManuBh. ii. 398. 14 (*on* 11. 92)

अदनक्रियायोग (adanakriyā-yoga) *m.* connection with the act of eating वागेव अत्रिः। अदनक्रियायोगात् सप्तमः BrĀraUBh. 279. 4 (*on* ii. 2. 4)

अदनग्राम (adana-grāma) *m.* [? अधनग्राम], निधिरदनग्राम इव … वीक्षितोऽसि TilaMañ. 218. 9.

अदनमात्र (adana-mātra) *n.* act of eating in general यद्यपि स्मृत्यन्तरे पठितश्चमुरप्यदनमात्रे तथापि ManuBh. i. 102. 14 (*on* 2. 53)

अदनयोग्य (adana-yogya) *adj.* fit for eating, edible अन्नस्य अदन-योग्यस्य न कीटादिदोषदुष्टस्य अवयवं गृहीत्वा पाणिना जुहुयात् ViraMi.(Āhnika.) 421. 1.

अदनरूप (adana-rūpa) *n.* best or superior food एतान्यदनरूपाणि मृष्टानि मधुराणि च। नरदेवीसुरादीनां भोज्ययोग्यानि सर्वदा BrKathāK. 69. 36.

अदनलिङ्ग (adana-liṅga) *n.* characteristic mark which is 'eating' 'तयोरन्यः पिप्पलं स्वाद्वत्ति' इत्यदनलिङ्गाद्विज्ञानात्मा भवति BrahmSūBh.(Sań.) 110. 6 (*on* i 2. 12)

अदनवत् (adana-vat) *adv.* like eating सा च स्मृतेरन्या ग्रसनाददनवत् Kāvyānu.(He.) 113. 12.

अदनात्मन् (adanātman) *adj.* having the nature of eating आत्मा ब्रह्मादनात्मा स्वादीक्तत्करणात्मना PāraS. 7. 421.

अदनादिक्रिया (adanādi-kriyā) *f.* action such as eating etc. तथा च अदनादिक्रियाणां परमेश्वरस्वरूपत्वमुक्तम् NyāySu.(Ja.) 159A. 4 (*on* i. 2. 2)

अदनार्थ (adanārtha) *adj.* which has the meaning 'eating' चमस इति अदनार्थस्य चमेरौणादिके … प्रत्यये कृते TantrVā. 1045. 18 (*on* iii. 5. 22); चमस इत्येषोऽदनार्थस्य चमेरौणादिकोऽधिकरणसाधनः प्रत्ययः SāstrDi. 286. 15 (*on* iii. 5. 6); भ्रौव्यगत्यदनार्थाङ् डे च MugdhaBo. 26. 130 (164. 20); यदि भुजिः पाल-नार्थः अदनार्थो वा SivārkaMaDi. i. 364. 33 (*on* i. 2. 18); अदनार्थस्य चमेर्धातो-रधिकरणवाचके…असु(? स)च्प्रत्यये कृते चमसशब्दनिष्पत्तिः BhāṭṭDi. ii. 6. 9 (*on* iii. 5. 5); 'चमु अदने' इत्यदनार्थाच्चमेः … असच्प्रत्यय इत्यर्थः MayūMāli. i. 287. 1 (*on* iii. 5. 6)

अदनार्ह (adanārha) *adj.* fit for eating अदनार्हं तथान्नं च ताभ्यः सम-भिजायते TaiUBhVā. 76. 11 (2); अन्नाद्यम् अदनार्हमन्नम् CaturCin. iii(1). 609. 5; आद्यावदनार्हौ ManvaVi. 596. 6 (*on* 5. 16); ViraMi.(Rājanīti.) 162. 18.

अदनीकृत (adanī-kṛta) *adj.* turned into food, used as food धार्तराष्ट्राः … शेष्यन्ते निहता भूमौ श्वसृगालादनीकृताः MahāBhā. v. 80. 47.

अदनीय (ad-anīya) *adj.* **A** fit to be eaten, worth eating, edible, (food) अदनीयसंयोगात्। अदनीयेन हि द्रव्येण देवतायागमाचरन्ति शिष्टाः, नानदनीयेन SābaBh. 1820. 7 (*on* x. 1. 36); सर्वमस्यादनीयमेव भवतीत्यर्थः BrahmSūBh.(Sań.) 740. 8 (*on* iii. 4. 28); वयं पुनः आद्यस्य तव अदनीयस्य हविषो दातारः PraśnaUBh. 258. 10 (*on* 2. 11); अष्टाकपालस्त्वदनीय उत्पत्तिवाक्यशिष्टश्च शक्नोति साक्षाद्यागं साधयितुम् TantrVā. 1025. 5 (*on* iii. 4. 47); दर्भाश्चाप्यदनीयाः केषां-चित् ManuBh. i. 85. 17 (*on* 2. 28); i. 302. 5 (*on* 3. 209); ii. 67. 5 (*on* 7. 217); स (स्थाणुः) चादनीयो यदि स्यात् ततो वर्ज्यः BālaKrī. i. 120. 24 (*on* 1. 170); अन्नमदनीयं साधारणं संसारिणां व्याचिकीर्षितमभिजायते Bhām. 126. 2 (*on* i. 1. 5); 479. 4 (*on* ii. 3. 12); यद्यप्यदनीयं किमपि नास्ति तथापि वाग्भूतृणोदकैरपि सत्कारं कुर्यात् Mitā. 36. 23 (*on* 1. 107); 52. 10 (*on* 1. 155); यत्लशुनगृञ्जनछत्रा-कादिकमन्नमदनीयं दुष्टद्रव्यसंसर्गेण विनापि लशुनत्वादिजातित्यैव … निषिद्धम् Smṛti-Can. v. 238. 1; सूतिकायाः … गवादेरन्नमदनीयं दुग्धादि अनिर्दशम् … न भोज्यम् CaturCin. iii(1). 773. 3; सहस्तानां मनुष्यादीनां अहस्ता मत्स्यादयः … अद-नीयाः ManvaMu. 199. 24 (*on* 5. 29); पृथिव्यामेव हि प्रायिकतया कृष्णं रूपं दृश्यते न व्रीहियवादिष्वदनीयेषु SivārkaMaDi. ii. 132. 26 (*on* ii. 3. 13); ii. 452. 13 (*on* iv. 2. 3); गोघ्रातादावन्नेऽदनीये सलिलभस्मनी मृद्वारिणी वा विशुद्ध्यर्थं प्रक्षेप्तव्ये ViraMi. 262. 24 (*on* 1. 189); हव्यकव्ययोर्विनियुक्तौ आद्यौ अदनीयौ ViraMi. (Srāddha.) 51. 1; (Āhnika.) 404. 23; 547. 18; (Rājanīti.) 477. 16; वाजमन्नमदनीयमामिक्षारूपं येषामित्येवमामिक्षायागसंबन्धिनो विश्वान् देवाननूद्य तत्र वाजिनलक्षणगुणविधिः संभवति MayūMāli. 147. 9 (*on* ii. 2. 9); 656. 5 (*on* x. 1. 10); 661. 12 (*on* x. 2. 3); पश्वादीनां निन्द्यानां भक्ष्यविवेकशून्यानामन्न-मदनीय(? यं) मद्यं मांसं सुरासवं च भक्षणीयम् BālamBha. iii. 145. 32 (*on* 3 253); आद्यं तु त्रिषु पूर्वप्रधानयोः। अदनीयेऽपि NānārthāSam. i. 49. 70; **B** fit to be eaten (i. e. to be consumed or destroyed) अदनीयं चराचरात्मकं कृत्स्नं जगत् VedāntDi. 32. 7 (*on* i. 2. 9); इह यद्यपि रमणीयाः पदार्थाः कलेर्नित्य-मदनीया इति RasGań. 171. 14.

अदनीयता (adanīya-tā) *f.* **A** the state of being fit to be eaten, edibility तथापि नान्येद्युः पाकेन सिद्धत्वं पर्युषितत्वे प्रयोजकं किंत्वदनीयतया साध्यत्वमिति SmṛtiCan. v. 227. 5; **B** the state of being fit to be consu-med or destroyed ब्रह्मक्षत्रोपलक्षितस्य चराचरस्य कृत्स्नस्य मृत्यूपसेचनत्वेनादनीय-

तया ग्रहणात् VedāntSā.(Rā.) 65.6 (*on* i. 2.9)

अदनीयत्व (adanīya-tva) *n.* the state of being fit to be eaten, edibility प्राणात्यय एव हि परस्यामापदि सर्वमन्नमदनीयत्वेनाभ्यनुज्ञायते BrahmSū-Bh.(S'aṅ.) 741.11 (*on* iii. 4.28); अन्नवचादनीयत्वाच्छ्वादेर्नात्मा कळेबरम् (कलेवरम्) SarvaSiSaṁ. 12.50; तदाज्यस्य भक्षणं विधत्ते तस्यादनीयत्वात् S'āstrDī. 661.11 (*on* x. 2.3); पशूनामदनीयत्वेनोर्क्शब्दवाच्य(? च्या)न्नरूपाणां प्रधानफलत्वात् NyāySu.(So.) 78.25 (*on* i. 2.22); यदा पक्त्रादिकमनेवंविधं तदा क्वचिद्ध-हिर्बहुंशदाहादन्तरदनीयत्वम् MayūMāli. 484.7 (*on* vi. 4.5); पर्णमपि अदनीयत्वेन न विद्यते यस्या: LalitāSaBh. 154.7 (*on* 196)

अदनीयत्वफलक (adanīyatvaphala-ka) *adj.* the result of which is eatability तदाल्पांशदाहादेवादनीयत्वफलकपाकोत्पत्ति: MayūMāli. 484.5(*on* vi. 4.5); पुरोडाशेऽदनीयत्वफलकपाकनान्तरीयकदाहोऽवर्जनीय: MayūMāli. 484.25 (*on* vi. 4.5)

अदनीयत्वसिद्धि (adanīyatva-siddhi) *f.* establishment of the state of being fit to be devoured (i. e. destroyed) कथं चराचरस्यादनीयत्वसिद्धि: S'rutaPra. iB. 301.14 (*on* i. 2.9)

अदनीयत्वाभाव (adanīyatvābhāva) *m.* absence of the state of being eatable यदि तस्या अदनीयत्वाभावेन पुरोडाशवत्प्रदानयोग्यता न स्यात् तर्हि मा भूत् पुरोडाशविकृतित्वम् NyāyMāVi. 490.20 (*on* x. 1.10)

अदनीयत्वायोग (adanīyatvāyoga) *m.* impossibility of being fit to be eaten तस्या अदनीयत्वायोगात्तद्धान्यं प्रतिषिध्यते SmṛtiCan. v. 215.20.

अदनीयदोष (adanīya-doṣa) *m.* defect in food अदनीयदोषाच्च मृत्युर्वि-प्रान् हन्तुमिच्छति ManvaMu. 193.21 (*on* 5.4)

अदनीयद्रव्यता (adanīyadravya-tā) *f.* the state of being an edible material अदनीयद्रव्यतया योग्यत्वाद्भक्षणार्थत्वमेव MayūMāli. 281.16 (*on* iii. 4.21)

अदनीयद्रव्यवर्जित (adanīyadravya-varjita) *adj.* devoid of eatable material यद्वा अनाद्यं साक्षाददनीयद्रव्यवर्जितम् आमद्रव्यकं श्राद्धमपीत्यर्थ: Catur-Cin. iii(1). 1145.17.

अदनीयद्रव्यसाध्यत्व (adanīyadravyasādhya-tva) *n.* the state of being accomplished with eatable material अदनीयद्रव्यसाध्यत्वाद्यागहोमयो: ManuBh. i. 85.9 (*on* 2.28)

अदनीयद्रव्यसिद्धि (adanīyadravya-siddhi) *f.* accomplishment of the eatable substance किं त्वदनीयद्रव्यसिद्ध्यर्थतया लोकसिद्धत्वात् MayūMāli. 686.3 (*on* x. 3.9)

अदनीयद्रव्याभाव (adanīyadravyābhāva) *m.* absence of eatable material अनाद्ये अदनीयद्रव्याभावे एकोऽपि भोजयितव्य: ManvaMu. 111.23 (*on* 3.125)

अदनीयपक्व (adanīya-pakva) *adj.* baked so as to be eatable इतरत्त्वदनीयपक्वम् MayūMāli. 484.9 (*on* vi. 4.5)

अदनीयमात्र (adanīya-mātra) *n.* anything edible चकारान्मधुसंयुक्त-मदनीयमात्रम् 'यत्किंचिन्मधुसंयुक्तं तदानन्त्याय कल्पते' इति यमवचनात् VīraMi. 324.2 (*on* 1.260); अन्नमदनीयमात्रम् BālamBha. iii. 173.13 (*on* 3.290)

अदनीयमात्रपर (adanīyamātra-para) *adj.* concerned with whatever is fit to be eaten गोरसविक्रिया इत्यग्रे दर्शनादन्नपदमत्रादनीयमात्रपरम् VīraMi. 244.10 (*on* 1.169)

अदनीयमात्रपरत्व (adanīyamātrapara-tva) *n.* the state of being concerned with whatever is fit to be eaten अन्नशब्दस्य तु ओदने रूढत्वेऽपि …यौगिकत्वेनादनीयमात्रपरत्वम् BālamBha. i. 346.19 (*on* 1.103); अदनीयमात्र-परत्वेऽतिप्रसङ्गापत्तिरत आह BālamBha. iii. 145.22 (*on* 3.253)

अदनीयमात्रवाचिन् (adanīyamātravāc-in) *adj.* denoting whatever is fit to be eaten अन्नशब्दो ह्योदनवाची न त्वदनीयमात्रवाची S'ivārkaMaDī. i. 269.13 (*on* i. 1.23-24)

अदनीयवस्तु (adanīya-vastu) *n.* eatable or edible thing अदनीय-वस्तुनो भोजनार्थं भोजनपात्रे निक्षेप: LaS'abdeS'e. ii. 600.5.

अदनीयवस्तुमात्रपर (adanīyavastumātra-para) *adj.* which denotes whatever is fit to be eaten भक्ताख्यास्त । भक्तशब्दोऽत्र अदनीयवस्तुमात्रपर: LaS'abdeS'e. ii. 1054.5.

अदनीयविकारत्व (adanīyavikāra-tva) *n.* the state of being a modification of an eatable thing अन्नमयस्तावत् शरीरमेव। 'अन्नात्पुरुष:' इत्यदनीय-विकारत्वोक्ते: S'ivārkaMaDī. i. 209.1 (*on* i. 1.13)

अदनीयसंयोग (adanīya-saṁyoga) *m.* connection with food कुत:। अदनीयसंयोगात्। अदनीयेन हि द्रव्येण देवतायागमाचरन्ति शिष्टा:, नानदनीयेन S'ābaBh. 1820.7 (*on* x. 1.36)

अदनीयस्नेहनार्थत्व (adanīyasnehanārtha-tva) *n.* the state of being intended for lubricating the eatable (i. e. oblation) अत एवोपस्त-रणाभिघारयोरदनीयस्नेहनार्थत्वात् कृष्णलेषु तन्निवृत्तिरुक्ता BhāṭṭCan. 52.25 (*on* xiv. 2.17)

अदनीयात्तृभाव (adanīyāttṛ-bhāva) *m.* the nature of the eatable and the eater यस्येति षष्ठीनिर्दिष्ट: संबन्ध: … अदनीयात्तृभावलक्षणविशेषपर्यवसित: S'rutaPra. iB. 300.9 (*on* i. 2.9)

अदनीयौदन (adanīyaudana) *n.* edible cooked rice अत्र चादनीयौद-नोपसेचनसूचित: कश्चिदत्ता प्रतीयते Bhām. 167.1 (*on* i. 2.9)

अदनोक्ति (adanokti) *f.* statement regarding eating (i. e. enjoying) the fruits of acts) द्वा सुपर्णा … इति जीवेशयो: स्थित्यदनोक्ते: BrahmSūBh. (Ma.) 15A.9 (*on* i. 3.7)

[1]**अदन्त** (a-danta) *adj.* [*f.* -ā] **i** toothless (i. e. who has not yet cut the teeth) स पुमान् पुंसो जनयन् ततेन सर्वामदन्तामदछतु सद्येव AV.(P.) xvi. 152.3; तमुवाच महाविराट्। अदन्तो बालकस्तत्र वचनं समयोचितम् Brahm-VaiP. ii. 3.33; ये चादन्ता: कुले बाला: … तेन तृप्तिं प्रयान्ति वै BrahmP. 220.93; अदन्तो न पशु: श्लाघ्य इत्याहुर्वेदवादिन: DevīBhāP. vii. 15.19; अग्न्यादिदेवता: परमात्मानमब्रुवन् 'तावदयं गोदेह: यददन्त: पशुभावमापन्न: वाग्र-हितश्च न वै नोऽयमलम्' इति S'aṅkaVi.(Ā.) 14.15; ङीत्यो न भवति। …अदन्ता JaineVyā. 158.17 (*on* iii. 1.50); **ii** toothless (i. e. whose teeth have fallen) यत्कीर्तीनां विवर्तैरजनि स भगवानेकदन्तोऽप्यदन्त: SaduktiKa. 223.25; *m.* **i** a pig अदन्तो वक्रदंष्ट्र स्यादाखनिर्ग्रामसूकर: KalpaK. 320.28; **ii** a leech [MW, Apte]; **iii** a bird [PW]; **iv** name of Pūṣan, one of the twelve Ādityas [Apte]

[2]**अदन्त** (ad-anta) *adj.* ending in short *a* अजाद्यदन्तम् P. ii. 2.33; vi. 3.9; viii. 4.7; स्वाङ्गशिटामदन्तानाम् PhiṭSū. 29; पिबिरदन्त: MahāBh. i. 136.3 (*on* i 1.56); i. 485.2 (*on* ii. 4.42-43); प्रादेरजाद्यदन्तात् युजेरयज्ञपात्रेषु CāndraVyā. i. 4.117; प्रयुञ्जीताव्ययीभावमदन्तं नाप्यपञ्चमी Kāvyālaṅ.(Bh.) 6.34; 6.59; 'वर ईप्सायाम्' अदन्तश्चौरादिक: JayaMa. 192.10 (*on* 3.1); मीनमारशब्दो ग्राम्यभाषायामदन्त: CaturDī. 13.17; णावदन्तात् वटेर्ग्रन्थे वटयेत् वेष्टने वटेत् DaivaVyā. 77; 126; 135; तत्सामर्थ्याददन्तादपि टिड्ढाणेति ङीप् Dhātu-Pra. 1.53 (13.8); 10.293 (147.5); अन्यत्र चाव्युत्पन्न: पथशब्दोऽदन्त: SyādvāMañ. 28(48); प्रथमवयोवाचिनोऽदन्तात् स्त्रियां ङीप् स्यात् PrakriKau. i. 340.2; i. 473.4; i. 553.5; i. 624.4; i. 687.5; ii. 110.7; ii. 294.4; ii. 591.4; ननु चादन्तोऽपि हलशब्दोऽस्ति Prasā. i. 606.10; i. 672.18; i. 839.11; ii. 750.17; 'पिबिरदन्त:' इत्यदन्तत्वविज्ञानादेव लघूपधगुणस्य परिहृतत्वात् PāṇiTa-VāNaMā. 56.6; अदन्तात् सर्वनाम्न: परस्य जस: शी स्यात् SiddhāKau. 49A.5; 513A.18; 125B.4; 161A.3; 212B.4; 228B.6; अदन्तादङ्गादित्यर्थेऽपि … अति-प्रसङ्ग: LaS'abdeS'e. i. 193.13; i. 207.2; i. 216.7; प्रमाणार्थकाङ्गुलशब्दोऽदन्तो नित्यक्लीब: BālamBha. ii. 116.11 (*on* 2.106); अदन्ताट्टाब्वा LalitāSaBh. 85.16 (*on* 119); 107.15 (*on* 139); विषुवन्नादेत्यत्रादन्तस्तकारान्तो वा पदच्छेद: SetuBa. 344.32; KalpaK. 468.67.

अदन्तक (adantá-ka) / (adánta-ka) *adj.* [*f.* -ikā] **i** toothless (i. e. who has no teeth) पूषा प्राशर्य दतोऽरुणत् तस्मात्पूषा प्रपिष्टभागोऽदन्तक: TaiS. II. vi. 8.5; KauṣīBr. 6.13 (27.7); दत्वते स्वाहादन्तकाय स्वाहा TaiS. VII. v. 12.1 = KāṭhS. v. 5.3; तस्मादाहुरदन्तक: पूषेति S'atBr. I. vii. 4.7; GopBr. ii. 1.2; कस्मादिमा: प्रजा अदन्तिका जायन्ते GopBr. i. 3.7; Nir. 6.31 (128.21); पूषा … अदन्तक: S'ābaBh. 880.6 (*on* iii. 3.34); 889.2 (*on* iii. 3.45); TantrVā. 903.17 (*on* iii. 3.36); **ii** toothless (who has lost all his teeth) यज्ञे…अदन्तकम् … परिवर्जयेत् BhaviP. 389A.29 (ii(2). 21.14); **iii** tuskless वक्रदन्तो ह्यदन्तक: … अनिष्टगज: S'ukraNī. iv. 7.32.

अदन्तकत्व (adantaka-tva) *n.* the state of not having teeth अदन्त-कत्वेन वा पुरोऽवस्थितवत्सपरामर्शकत्वोपपत्ते: MīmāKau. ii. 50.23 (*on* ii. 3.16); अविशेषाददन्तकत्वहेतुवशाच्च सर्वत्रेति प्राप्ते BhāṭṭDī. i. 285.11 (*on* iii. 3.14)

अदन्तग्रहण (adanta-grahaṇa) *n.* mentioning (a word) ending in short *a* अह्व इत्यदन्तग्रहणान्नेह PrakriKau. i. 554.2; त्वचेति सूत्रेऽदन्तग्रहणात् Prasā. ii. 384.17.

अदन्तजनन (a-dantajanana) *adj.* whose teeth have not yet come out येषां गर्भेऽभवत्स्रावो येऽदन्तजनना मृता:। तेषां तृप्तिर्भवेत् नूनं तीर्थे कापिल-धारिके SkandP. iv. 62.70.

अदन्तजात (a-dantajāta) *adj.* whose teeth have not yet come out अदन्तजाते (मृते दानाध्ययने वर्जयेरन्) ĀśvaGS. iv. 4.24; अदन्तजातानां निखननम् BaudhPiMe. iii. 6.3; अदन्तजाते बाले प्रेते सद्य एव ViṣṇuSm. 22.27; बालेऽदन्तजाते सूनौ ManuBh. i. 456.14 (*on* 5.77); अदन्तजाते,

स्त(? त)नये … । कार्यो नैवाग्निसंस्कार: VisnuDhaP. ii. 76.10; ii. 75.7; KūrmaP. 619.2 (2.33); अदन्तजाते अजातदन्ते ViraMi. 780.12 (*on* 3.18); न चादन्तजातमरणेऽपि प्रागाशौचमात्रस्योक्तत्वादेकाहापकर्ष: ManvaVi. 632.9 (*on* 5.67); अपिना अदन्तजातसमुच्चय: BālamBha. iii. 73.3 (*on* 3.23); iii. 73.9 (*on* 3.23)

[1]**अदन्तता** (adanta-tā) *f.* the state of having a short *a* at the end समासान्तगतानां वा राजादीनामदन्तता Kātan. ii. 6.41; प्रत्यज्ञायि प्रसरता वीरेणाजावदन्तता HarVi. 43.10; शब्दशास्त्रे हि राजादीनामदन्तता श्लाघ्यते । नान्यत्र NalaCam. 4.20(6)

[2]**अदन्तता** (adanta-tā) the state of not having teeth, HarVi. 43.10; कायस्थेनोदरस्थेन मातुरामिषशङ्कया । अन्त्राणि यत्र भुक्तानि तस्य हेतुरदन्तता SūktiRa. 115.3; Subhāsi. 2326; S'ārṅgaPa. 4043; NalaCam. 4.20(6)

अदन्तत्व (adanta-tva) *n.* the state of having a short *a* at the end हेतुमात्रमदन्तत्वम् MīmāSū. iii. 3.45; रच प्रतियत्ने इत्यदन्तत्वान्न वृद्धि: JayaMa. 55.14 (*on* 1.4); विदेरदन्तत्वप्रतिज्ञानादामि गुणो न भवति KāśiVr̥. *on* P. iii. 1.38; अश्वक्रीतधनक्रीतशब्दयोरदन्तत्वात् … ङीष् भवति PariVr̥.(Sī.) 66.2; अन्यथाकारान्तसन्निपातेन यादेशस्यादन्तविघातकत्वायोगात् PariVr̥.(Nī.) 35.5; पिबेरदन्तत्वविज्ञानादेव … भाष्यकारेणापि 'पिबिरदन्त:' इत्यदन्तत्वप्रतिज्ञानेनैव लघूपधगुणस्य परिहृतत्वात् PāṇiTaVāNaMā. 56.5–7; आमोऽमित्वमदन्तत्वात् PrakriKau. ii. 67.1; ii. 293.3; ii. 603.2; समास एव स्यादित्यदन्तत्वादत इत्यधिकारेण … ङीष् स्यात् Prasā. i. 561.12; ii. 67.4; ii. 249.15; ii. 591.20; तस्यादन्तत्वान्नोपधागुण: SiddhāKau. 383B.1; 419B.22; 450B.14; अदन्तत्वादेव टाप् LaS'abdeS'e. i. 363.23; ii. 764.18; एध:शब्दस्य सान्तत्वे उदकपर्यायो दकशब्द: । तस्यादन्तत्वे उदकशब्द: BālamBha. i. 468.25 (*on* 1.214); अदन्तत्वाट्टाप् LalitāSaBh. 80.29 (*on* 115)

अदन्तत्वनिपातन (adantatva-nipātana) *n.* direct utterance of (a base as having) the state of ending in *a* हलिकल्योरदन्तत्वनिपातनं सन्वद्भावप्रतिषेधार्थम् KāśiVr̥. *on* P. iii. 1.21; PadMañ. *on* KāśiVr̥. *on* P. iii. 1.21; LaS'abdeS'e. ii. 606.1; ii. 610.11; Prasā. ii. 383.20.

अदन्तत्वनियम (adantatva-niyama) *m.* rule regarding *a*– ending नाम्नामदन्तत्वनियमाभावात् VīraMi. (Saṁskāra.) 452.10.

अदन्तदन्तिन् (adanta-dantin) *m.* tuskless elephant मत्कुणोऽश्मश्रुपुरुष उद्दंशादन्तदन्तिनो: DharK. 661.

अदन्तदर्शन (a-dantadarśana) *adj.* whose teeth are not seen मत्तवारणा: … जिह्वालेहनेनादन्तदर्शनेनानुक्षि(? त्क्षि)प्तभ्रुवा मुखेनापिबन्त इव लक्ष्म् … प्रावर्तन्त AvantiKa. 104.8.

अदन्तद्विगुत्व (adantadvigu-tva) *n.* the state of being a *dvigu* (copulative) compound ending in *a* अत एव पञ्चानां खट्वानामिति नियमेन षष्ठ्यामेकविभक्त्यन्तत्वेनोपसर्जनत्वाद् ह्रस्वेऽदन्तद्विगुत्वात् पञ्चखट्वी इत्यत्र ङीप् LaS'abdeS'e. ii. 33.8.

अदन्तधातु (adanta-dhātu) *m.* root ending in *a* चुरादावदन्तधातुदर्शनं बहुलं वेदितव्यम् DhātuPra. 10.381 (153.15); बहुलमेतन्निदर्शनम् । अदन्तधातुनिदर्शनमित्यर्थ: SiddhāKau. 428A.10.

अदन्तधावन (a-dantadhāvana) *n.* absence of cleansing the teeth तथा दर्शपूर्णमासप्रकरणेऽग्नीषोमीयविधिलङ्घनेन … °प्रतिग्रहप्रस्तावागतरजस्वलाव्रतानां भूमिशयन° … °अदन्तधावनानखच्छेदनारज्जुसंसर्जनादीनां त्रिरात्रविषयाणां प्रकरणातिरिक्तस्त्रीधर्मत्वावधारणम् TantrVā. 151.19 (*on* i. 3.8); *adj.* who does not cleanse his teeth नित्यमदन्तधावनस्य नास्ति मुखशुद्धि: NitiVā. 25.7.

अदन्तपक्ष (adanta-pakṣa) *m.* alternative view of having an *a*–ending अदन्तपक्षे पुरोडाशाभ्याम् Kātan. iv. 3.65; अदन्तपक्षे त्वाम: प्रत्ययो भवतीति वक्तव्यम् PadMañ. *on* KāśiVr̥. *on* P. iii. 1.35.

अदन्तपीडाभिज्ञता (adantapīḍābhijña-tā) *f.* the state of being unused to tooth-ache अदन्तपीडाभिज्ञतया नातिविशदरागोद्भेदो मुखे विद्रुमद्युतिरधरमणि: DaśKuC. 93.12.

अदन्तपूर्वपद (adanta-pūrvapada) *n.* the former word-member ending in *a* अदन्तपूर्वपदेत्यर्थलाभेऽन्तग्रहणं स्पष्टार्थम् LaS'abdeS'e. ii. 71.14.

अदन्तमूल्य (a-dantamūlya) *adj.* not pronounced at the root of the teeth अलाबुवीणानिर्घोषोऽदन्तमूल्य: (?) स्वरानुग: PāṇiS'i. 23. cf. **दन्तमूल्य.**

अदन्तविक्षत (a-dantavikṣata) *adj.* not bitten with teeth पानवर्जितमदन्तविक्षि(? क्ष)तं भूय एव सृजति स मानिनी JānaHa. 8.16.

अदन्ताघातिन् (a-dantāghātin) *adj.* without striking with the teeth अदन्ताघातिनꣳ शब्दमुच्चारयन् LātyāS'S. vi. 10.18 (comm. दन्तैराघातमकुर्वन् उद्गायेत्)

अदन्ताङ्ग (adantāṅga) *n.* base ending in *a* आने परे अदन्ताङ्गस्य मुगागम: स्यात् PrakriKau. ii. 580.2; ननु चादन्ताङ्गस्य चेन्मुगुच्यते पचमान इत्यत्र … सार्वधातुकानुदात्तत्वं न प्राप्नोति Prasā. ii. 580.7.

अदन्ताधिकार (adantādhikāra) *m.* section (of roots) ending in *a* अदन्ताधिकारे 'स्तनगदी देवशब्दे' इति पठ्यते Pradī. v. 294.6 (*on* vi. 4.22)

अदन्तानुकरणक्लेश (adantānukaraṇa-kleśa) *m.* trouble of imitating what ends in *a* एवं चैतदर्थमह: इत्यदन्तानुकरणक्लेशो न कर्तव्य: SiddhāKau. 185A.11.

अदन्तत्वाभाव (adantatvābhāva) *m.* absence of the state of ending in *a* आक्रम: पूर्वं लोपाभावेनादन्तत्वाभावात्सुडागमाप्रसक्ते: ससुट्कनिर्देशो व्यर्थ: LaS'abdeS'e. 329.16.

अदन्ताभ्यास (adantābhyāsa) *m.* first part of a reduplicated syllable ending in *a* अनुनासिकान्तस्यादन्ताभ्यासस्य नुगागम: स्याद्यङ्यङ्लुको: PrakriKau. ii. 354.2.

अदन्तिन् (a-dantin) *adj.* not having tusks ऋतुष्वेवं महीपाल योगसात्म्यैरदन्तिनम् Hastyāyur. 621.11 (4.8)

अदन्तूल (a-dantūla) *adj.* toothless अकम्भाचूडालादन्तूलाललाटूलकांश्च DvyāśraKā. 18.75 (comm. अदन्तूलान् दन्तरहितान्)

अदन्त्य (a-dantya) *adj.* **i** not having the quality of being produced at the teeth अन्तो उदात्तो भवति … दन्तेषु भवं दन्त्यम् । न दन्त्यमदन्त्यम् KāśiVr̥. *on* P. vi. 2.156; अदन्त्यम् SiddhāKau. 652A.17 (comm. 'शरीरावयवाच्च' इति यत्); **ii** not having the quality of being suitable for teeth अन्यार्थेऽयं नञ् । दन्त्यम् । शरीरावयवाद्यत् । न दन्त्यमदन्त्यम् Prasā. ii. 780.9; **iii** not having a dental (letter) अयुग्मवददन्त्यं कुमार्यै KauśiGS. i. 16.10 (comm. न दन्त्यो वर्णोऽस्मिन् विद्यते इत्यदन्त्य:); *n.* other than one produced at the teeth दन्त्यादन्यद् अदन्त्यम् KāśiVr̥. *on* P. vi. 2.156; गुणप्रतिषेधे किम् । दन्त्यादन्यद् अदन्त्यम् SiddhāKau. 652A.19; Prasā. ii. 780.9 [उदाहरणे तु दन्त्यभवभिन्नमिति: LaS'abdeS'e. ii. 1087.1]

अदन्त्यनिर्णीति (adantya-nirṇīti) *f.* decision of (a consonant) not being a dental sound अश्वालम्भनशास्त्रस्य दन्त्यतालव्यसंशयात् । अमात्वेऽदन्त्यनिर्णीतिराप्तोक्तव्याकृतेर्बलात् NyāyMāVi. 37.16 (*on* i. 3.9)

अदन्दशूक (á-dandaśūka) *adj.* not biting अदन्दशूकास्ताꣳ समाꣳ सर्पा भवन्ति TaiS. VI. i. 10.4.

अदन्मार्जारि (adan-mārjāri) *f.* female cat which eats (flesh etc.) अदन्मार्जारिभीष्मान्तरम् … कात्यायनीमन्दिरम् KaumuMi. 4.12.

अदब्ध (á-dabdha) *adj.* [*f.* –ā] **i** undeceived, never deceived अदब्धो वि मुमोक्तु पाशान् R̥V. i. 24.13; अदब्ध: सु पुरएता भवा न: R̥V. i. 76.2; अदब्धो होता R̥V. i. 128.1; अदब्धासो दिप्सन्त: R̥V. ii. 27.3; ii. 27.9; ii. 27.13; ii. 28.3; नासत्या … रक्षेथे अकवैरदब्धा R̥V. iii. 54.16; कवयोऽदब्धा: R̥V. iv. 2.12; उदु त्यच्चक्षुर्महि मित्रयोराँ एति प्रियं वरुणयोरदब्धम् R̥V. vi. 51.1; vi. 51.9; सन्ति स्पशो अदब्धासो अमूरा: R̥V. vi. 67.5; अदब्धस्य स्वधावतो दूतस्य रेभत: सदा । अग्ने: सख्यं वृणीमहे R̥V. viii. 44.20; viii. 67.13; viii. 78.6; viii. 101.6; सं त्वा शिशामि जागृह्यदब्धं विप्र मन्मभि: R̥V. x. 87.24; **ii** unviolated, not tempered with अदब्धानि वरुणस्य व्रतानि R̥V. i. 24.10 = TaiĀ. i. 11.2 (86.2); R̥V. iii. 54.18; अदब्धस्य व्रतस्य ये । महो राजान ईशते R̥V. vii. 66.6; **iii** unassailed, uninjured पूषा नो यथा वेदसामसद् वृधे रक्षिता पायुरदब्ध: स्वस्तये R̥V. i. 89.5 = VājaS. 25.18; विश्वेभिरग्ने … अदब्धेभि: पायुभि: पाह्यस्मान् R̥V. i. 95.9; i. 143.8 = VājaS. 33.69; R̥V. i. 173.1; अदब्धो गोपा: R̥V. ii. 9.6; वव्राजा सीमनदतीरदब्धा: R̥V. iii. 1.6; भवा पायुर्विशो अस्या अदब्ध: R̥V. iv. 4.3 = TaiS. I. ii. 14.1 = VājaS. 13.11; अभि ये नस्ततस्रे ।… अदब्धमूर्वं बृहस्पते रक्षतादस्य योनिम् R̥V. iv. 50.2; अदब्ध: शश्वतो दभ: R̥V. v. 19.4; परि यो विश्वा भुवनानि पप्रथेऽदब्धो गोपा अमृतस्य रक्षिता R̥V. vi. 7.7; vi. 8.7; vi. 51.4; अदब्धेभि: सवित: पायुभिष्ट्वं शिवेभिरद्य परि पाहि नो गयम् R̥V. vi. 71.3 = TaiS. I. iv. 23.1; R̥V. viii. 18.2; अदब्धो वरुणो ह्रुरुग्युते R̥V. ix. 77.5; ix. 85.3; ix. 97.19; ix. 97.57; अदब्धा सिन्धु: R̥V. x. 75.7; अदब्धस्य स्वयशसो विरप्शिन: R̥V. x. 75.9; x. 128.6; वैश्वानरो नो अदब्धस्तनूपा अन्तस्तिष्ठाति दुरितानि विश्वा AV. vi. 53.2; xvii. 1.9; अदब्धो दिवि पृथिव्यामुतासि … अदब्धेन ब्रह्मणा वावृधान: … इन्द्र AV. xvii. 1.12; अग्ने सपत्नदम्भनमदब्धासो अदाभ्यम् TaiS. I. i. 10.2 = VājaS. 3.18; दब्धिरस्यदब्धो भूयासम् TaiS. I. vi. 2.4 = KāṭhS. 5.1; अदब्धो गोपा उत न: … अग्ने TaiS. IV. vi. 1.5; VājaS. 4.15; वैश्वानरो मेऽदब्धस्तनूपा: TaiĀ. ii. 2.5 (218.4); S'āṅkhāS'S. ii. 11.3; MānS'S. 26.16; 87.21; MantrBr. i. 6.35; **iv** unimpaired अदब्धेन त्वा चक्षुषाऽवेक्षे TaiS. I. i. 10.3; अदब्धेन वश्चक्षुषावपश्यामि KāṭhS. 1.6 (3.13) = KapiKaS. 1.6; अदब्धेन त्वा चक्षुषावपश्यामि VājaS. 1.30 = S'atBr. I. iii. 1.19; S'āṅkhāS'S. iv. 8.1;

BhārS'S. ii. 6. 6; **v** pure, true, reliable, sure आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतोऽदब्धासः RV. i. 89. 1 = VājaS. 25. 14; उभे यथा नो अहनी निपात उषासानक्ता करतामदब्धे RV. iv. 55. 3; पर्षि तोकं तनयं पर्तृभिष्ट्वमदब्धैः RV. vi. 48. 10; यो वामदब्धो अभि पाति चित्तिभिः RV. viii. 59. 3; सहस्रधारः सुरभिरदब्धः परि स्रव RV. ix. 97. 19; ix. 85. 3; ix. 107. 2; अदब्धं मनः S'āṅkhāĀ. 7. 1 (Keith's Ed.)

अदब्धक्षत्र (adabdha-kṣatra) *n.* undeceivable or uninjurable sovereignty or rulership मित्रावरुणा शरदाह्नां जिगत्नू अदब्धक्षत्रमिदमस्त्वोजः KāṭhS. 22. 14.

अदब्धचक्षुस् (ádabdha-cakṣus) *adj.* of unimpaired sight, of undamaged vision पृथिवीप्रो महिषो नाधमानस्य गातुरदब्धचक्षुः परि विश्वं बभूव AV. xiii. 2 44.

अदब्धधीति (ádabdha-dhīti) *adj.* of undeceivable thoughts *or* who does not deceive the thoughts (of men) स्तुष उ ... अर्यमणं भगमदब्धधीतीन् RV. vi. 51. 3.

अदब्धनीति (adabdha-nīti) *adj.* whose lead is not deceitful (i. e. sure) [PW's reading for अदब्धधीति RV. vi. 51. 3 cf. nt.]

अदब्धमनु (adabdha-manu) *m.* undeceivable Manu अग्नेऽदब्धायोऽदब्धमनो पाहि मा दिवः VārāS'S I. iii. 7. 12.

अदब्धव्रत (ádabdha-vrata) *n.* unviolated law अदब्धव्रतप्रमतिः ... शुचिजिह्वो अग्निः RV. ii. 9. 1 = TaiS. IV. i. 3. 3 = VājaS. 11. 36 = S'atBr. VI. iv. 2. 7.

अदब्धायु (adabdhāyu) *adj.* whose life or vigour is unimpaired अग्नेऽदब्धायोऽशीततनो पाहि मा TaiS. I. i. 13. 3; KāṭhS. 1. 12; KapiKaS. 1. 12; VājaS. 2. 20; TaiBr. I. ii 1. 25; BhārS'S. iii. 9. 5.

अदब्धासु (ádabdhāsu) *adj.* having undeceivable or unharmed spirit अदब्धासुर्भ्राजमानोऽहेव AV. v. 1. 1.

अदभ (á-dabha) *adj.* not injuring, without harm ता वृधन्तावनु द्यून्मर्ताय देवावदभा RV. v. 86. 5. (Sāy. अदभा अहिंस्यौ)

अदभायु (a-dabhāyu) *adj.* not deceiving कविर्देवो अदभायुः स्वधावान् AV.(P.) v. 2. 7.

अदभ्नुवती (a-dabhnuvatī) *adj.* (*f.*) free from deceit, straightforward किं चादभ्नुवतीमिमाम् । (कुब्जाम्) अमुचत् समृद्धकरुणः DhātuKā. 2. 70

अदभ्र (á-dabhra) *adj.* [*f.* –ā] **A** abundant, not little, plentiful, ample (in quantity) देवा अदभ्रमाश वो यमादित्या अहेतन RV. viii. 47. 6; अदभ्रदर्भामधिशय्य स स्थलीम् Kirātā. 1. 38; यन्नः सुतप्तं तप एतदीश निरन्धसां कालमदभ्रमप्सु BhāgP. iv. 30. 40; अदभ्रेयं सुधावृष्टिरनया मे महोत्सवः S'ivaP. iii. 9. 51 (306 A. 4); विष्वङ् मर्मुरनर्मे बिभ्रति पथां गर्भेष्वदभ्राः पटुज्योतिर्मुक्तनिरभ्रदीधितिघटानिर्धूपिता धूलयः SubhāRaK. 31. 11; क्षरददभ्रजला ...। दिवि चचाल नवाम्बुदमण्डली गजघटेव NemiC. 8. 39; आत्मप्रभाभिरदभ्रेऽपि तमसि दूरादाविर्भवन्तम् ... कापालिकमपश्यम् UdaySuKa. 61. 24; **B** intense, ardent (in quality) अदभ्रप्रभावस्तम्भितजम्भारिभुजस्तम्भस्य ... च्यवनस्य HarṣaC. 41. 10; अदभ्रसंभ्रमभ्रमितपक्षपालिभिः AvantiKa. 15. 7; (गणाधिपः नगरीमाविशत्) अदभ्रां बिभ्रतीं श्रियम् HarVi. 32. 15; 5. 68; (ब्रह्माण्डम्) अकालकल्पान्तकरालमासीत् ... क्रन्दद्भिरापतितसिंहरवैरदभ्रैः YogVā. iv. 28. 26; त्वम् ... भद्रम् ... अप्राशुरदभ्रमुग्र तनु मे SaraKaṇṭhā. 276. 20; चिराददभ्रं बिभ्राणः पराजयपराभवम् । ... प्रययौ ... दुर्योधनः PāṇḍaC. 3. 185; अदभ्रसत्राजितभक्तियंत्रितः प्रसेदिवान् प्रादुरभूत् दिवाकरः Yādavā. 14. 1; कीर्तिमदभ्रां तेन स्मरता ... पार्थकथा ... यमिता YudhiVi. 1. 10; 2. 55; अदभ्रं दिशतु स कुशलं दाशरथ्याशुगेशः RāmBāṇSta. 21; **C** big, large, huge (in size) अदभ्राभ्रनिर्घोषगम्भीरेण स्वरेणाभ्यधात् DaśKuC. 38. 15; अदभ्रभीमभ्रश्यत्तडिन्मुसलमांसलघोरधारम् । दैत्येन मुक्तमथ दुस्तरवारि KalyāMaSto. 32; व्योम्नि भ्राम्यति दुष्प्रभञ्जनजवादभ्रेऽप्यदभ्रे मुहुः । ... क्षपा यत्रासीत् क्षपिता MahāvīC. 7. 12 (196. 2); HarVi. 37. 16; शारदाभ्रमिवादभ्रं श्वेतिताखिलदिङ्मुखम् ।... नागमैरावतं व्यधात् MahāP. 22. 17; तत्र त्रिवेदीविद्वद्भ्यः काञ्चनप्रचयान् बहून् ।... अदभ्रान् प्रत्यपादयत् DaśāvaC. 5. 74; चेलुः कलहाय बलमदभ्रमवन्तः ।... भोजाः YudhiVi. 2. 34; गोवर्धनम् ... अदभ्रं तमभ्रंलिहं शैलराजम् ... बिभ्रतम् (नमस्कुर्महे) StavMā. 232. 19; भ्रमराणामिवादभ्रे भ्रमतां भवकानने । शरीरिणामवश्यं हि भवत्येव समागमः BṛKathāMañ. ix. 1. 445; शुभ्रैरभ्रैरदभ्रैः किमपि कपिपतिर्वेगगामी रराज RāmāMañ. 233. 14; अष्टार्धनासिकमदभ्रमथाद्यमष्टौ ... सुहावहमिदं सुरमन्दिरम् MayaMa. 22. 52; उद्ययुः पादयोस्तस्य ... अदभ्रा दर्भसूचयः TriṣaS'aPuC. i. 5. 773; अगाराणि ... तत्र च । अदभ्राणीव सन्ध्याभ्राण्यवतीर्णानि भूतले TriṣaS'aPuC. iii. 6. 15; शुभ्रैरभ्रैरदभ्रैः शरदि तत इतो व्योम विभ्राजमानम् SudarS'. 72; राजा ... अदभ्रतोरणस्तम्भम् ... कुमारभवनमकारयत् TilaMañ. 79. 23; UdaySuKa. 112. 18; PrabhāC. 155. 1; शुभ्रैरभ्रैरदभ्रैरुपरिविरचितैर्मुक्तपीयूषवर्षैरानन्दी नः पुनीयात् ... मुकुन्दः S'ilpaRa. ii. 23. 17; **D** numerous, many अथानयोः ... अदभ्राः पटहाश्च शङ्खाः ... विनेदुः VarāṅgaC. 14. 11; यो भीष्मकर्णगुरुशल्यचमूष्वदभ्रराजन्यवर्यरथमण्डलमण्डितासु । अग्रेचरः BhāgP. 15. 15; पक्वान्नराशयोऽदभ्राः ... बिभ्रत्यभ्रभ्रमच्छुभ्रशरदभ्रश्रियोपमाम् RājTa.(S'rī.) i. 5. 50; भ्रान्त्वाप्यदभ्रेषु धराधरेषु कुत्राप्यनासादितयोग्ययोगाः ... गुणाः स्म दिवानिशं यस्य पुरे वसन्ति HammīMaKā. 1. 84; **E** complete, entire आभाच्छत्रमस्य ... श(स)मशुकृत्वाधिपत्यमिव बिभ्रददभ्रम् DvyāśraKā. 18. 4; (AmaK. 2150; AbhidhāRaMā. 4. 16; Vaija. 208. 85; AbhidhāCin.(He.) 1426; NāmMā. 191; S'abdaRa.(Vā.) 3349; ParaNā. 1479; KośaKaTa. 2. 412; KalpaK. 227. 119; S'abdaRaSaK. 263. 7]

अदभ्रकरुण (adabhra-karuṇa) *adj.* who is full of great mercy, extremely merciful or kind सोऽसावदभ्रकरुणो भगवान् ... विषादम् ... अपनयतात् BhāgP. iii. 9. 25; दृश्याददभ्रकरुणेन विलोकनेन यच्छ्रीनिकेतममलं क्षिपतारविन्दम् BhāgP. iv. 1. 57; iv. 22. 47.

अदभ्रकर्तृ (adabhra-kartṛ) *adj.* of manifold actions यदुह वाव तव पुनरदभ्रकर्तरिह समाहूतः BhāgP. v. 3. 15.

अदभ्रकर्मन् (adabhra-karman) *adj.* of multifarious actions पुरीमिमाम् ... अर्हस्यलङ्कर्तुमदभ्रकर्मणा (मया) BhāgP. iv. 25. 29.

अदभ्रकीर्ति (adabhra-kīrti) *adj.* of abundant fame पत्यौ गढायाश्च पलायमाने कृत्वा यश(:)पुञ्जमदभ्रकीर्तिः VīraBhā. 2. 58.

अदभ्रगुणसंदर्भ (adabhra-guṇasandarbha) *adj.* possessing numerous qualities अदभ्रगुणसंदर्भं श्रीगर्भं हर्षनिर्भरः (अदर्शत् तम्) S'rīKaC. 25. 50.

अदभ्रघोरध्वनि (adabhraghora-dhvani) *adj.* producing loud and terrific sound धाराधराः ... अदभ्रघोरध्वनयोऽनुचक्रुः सप्तस्तुतां शक्रमतङ्गजानाम् Yādavā. 7. 42.

अदभ्रचक्षुस् (adabhra-cakṣus) *adj.* having abundant knowledge त्वयात्मनोऽर्धेऽहमदभ्रचक्षुषा निरूपिता BhāgP. iv. 3. 14; *n.* gnostic sight, great knowledge पश्यन्त्यदो रूपमदभ्रचक्षुषा BhāgP. i. 3. 4.

अदभ्रजघना (adabhra-jaghanā) *adj.* (*f.*) with massive hips मुदा रमणमन्वीतम्° ... कर्तुमदभ्रजघनाः क्षमाः Kāvyāda. 3. 30; SaraKaṇṭhā. 205. 25.

अदभ्रतर (adabhra-tara) *adj.* **i** very intense or loud उदभूच्च तत्र तैरेव सप्रमोदमास्फालितानामदभ्रतरो दुन्दुभीनां निनादः UdaySuKa. 147. 19; **ii** very massive चित्राभिश्चित्रः ... अदभ्रतरसंध्याभ्ररेखाभिरिव (वैजयन्तीभिरभूद्भूपालभूधरः) ParamāKā. 98. 35.

अदभ्रदय (adabhra-daya) *adj.* [*f.* –ā] of great compassion स त्वं ... अदभ्रदयया दृष्ट्या आपन्नानर्हसीक्षितुम् BhāgP. iii. 15. 9; किं त्वाशिषो रात्यपि देहमव्ययं करोतु मेऽदभ्रदयो विमोक्षणम् BhāgP. viii. 3. 19.

अदभ्रदर्भ (adabhra-darbha) *adj.* [*f.* –ā] abounding in *darbha* grass अदभ्रदर्भामधिशय्य स स्थलीम् Kirātā. 1. 38; *m.* plenty of *darbha*-grass ददर्श मेरुं मरुतां पतिः ... अदभ्रदर्भाञ्चितमेखलाभुवम् NemiNir. 5. 21.

अदभ्रदर्भाग्र (adabhradarbhāgra) *n.* tip of a big *darbha* blade गणितस्कन्धसंदर्भोऽदभ्रदर्भाग्रधीमतः । उचितोऽनुचितो यन्मे धाष्ट्यं तत् क्षम्यतां विदः Golā. 280. 5 (31. 59)

अदभ्रदृष्टिच्छटा (adabhradṛṣṭic-chaṭā) *f.* shower of numerous glances तामपि ... अदभ्रदृष्टिच्छटाभिरभितोऽपि नृपः सिषेच UdaySuKa. 137. 22

अदभ्रनाद (adabhra-nāda) *adj.* making a loud noise अदभ्रनादो जलधिर्यथैव ... सेनार्णवः सोऽतिभृशं चकम्पे VarāṅgaC. 17. 38.

अदभ्रनास (adabhra-nāsa) *adj.* having a prominent nose नानाधिष्ठानाङ्घ्रिवेद्यादियोगं मूर्धन्यष्टार्धं तथादभ्रनासम् MayaMa. 21. 10.

अदभ्रपटमण्डप (adabhra-paṭamaṇḍapa) *m.* big tent भर्तृदारिकापि सविषादहर्षा विनिःसृत्य सिद्धायतनमण्डपाददभ्रपटमण्डपं गत्वा ।... निवासहर्म्यमगमत् TilaMañ. 413. 8.

अदभ्रपयोद (adabhra-payoda) *adj.* having large clouds अभ्रवर्त्मनि ... शुभ्रदीधितिरदभ्रपयोदे । न प्रकाशनमवाप S'aṅkaDigVi.(Mā.) 5. 131.

अदभ्रबभ्रु (adabhra-babhru) *m.* large ichneumon अयम् ... कुण्डली । अदभ्रबभ्रोरभ्यर्णे निषीदति वयस्यवत् TriṣaS'aPuC. i. 3. 548.

अदभ्रबुद्धि (adabhra-buddhi) *adj.* having ample intellect स वै महाभागवतः परीक्षित् ... अदभ्रबुद्धिः ... भेजे खगेन्द्रध्वजपादमूलम् BhāgP. i. 18. 16.

अदभ्रभीतिद (adabhrabhīti-da) *adj.* causing great fear अदभ्रभीतिदे ... समरे (ब्राह्मी श्रियमासदत्) HarVi. 43. 113.

अदभ्रम् (adabhram) *adv.* copiously, plentifully, much, not little

श्यामलाकाशखङ्गांशुभूषित: स बभौ मुहु:। अदभ्रमिव बिभ्राणो नीलोत्पलदलस्रजम् BṛKathāMañ. v. 1. 9; स्थितमलियोषिता … °रसिकतामदभ्रमितया सहारवपुषा HarVi. 5. 127; अदभ्रमभ्राजत सा NaiṣC. 15. 24; अदभ्रमभ्रोपलपट्टकेषु ये शितीक्रियन्ते मदनेन पत्रिण: VikraDeC. 13. 25; Subhāṣi. 1781; त्वम् …प्रपद्य पुरुषोत्तमं पदमदभ्रमुद्भ्राजित: StavMā. 10. 23.

अदभ्रमद (adabhra-mada) *m.* great pride प्रवणमदभ्रमदचलद्विपराजितमूढविमलमहिततरङ्गम् SaraKanṭhā. 220. 15; समीक्ष्य वसन्तनभ:। भ्रमदभ्रमदभ्रमदभ्रमदभ्रमरच्छलत: Nalo. 2. 16; *adj.* having great pride (पाण्डवा:) विविशु: परमेण रंहसादभ्रमदा:। … रङ्गभुवम् YudhiVi. 1. 79.

अदभ्रमहाङ्गणक (adabhramahāṅgaṇa-ka) *n.* very great courtyard तन्मुखतोऽदभ्रमहाङ्गणकं स्यादिष्टभागे तु MayaMa. 10. 71.

अदभ्रमहीध्र (adabhra-mahīdhra) *m.* great mountain किंच … व्रजौकस: … महौजस: … अदभ्रमहीध्रसारा: … निजोत्तमाङ्गे न्यवसन्नुदारा: Ānanda-Ra. 1. 42.

अदभ्रमूर्ति (adabhra-mūrti) *adj.* of big size बिभ्रत्योऽदभ्रमूर्तिस्तनभरमबला: स्वर्भुवो या: समायु:। ध्यानध्वंसं विधातुं विकृतिमकृत … तास्वेवास्यं जिनस्य प्रणुदतु तदघं व: JinaS'. 3. 4.

अदभ्रयन्ती (adabhrayantī) *adj.* (*f.*) increasing भासां भरै: … ककुब्भासमदभ्रयन्ती (श्रीशारदा … उवाच) VasaViKā. 1. 58.

अदभ्ररूपा (adabhra-rūpā) *adj.* (*f.*) of great beauty त्वं तेन मा कुरु विषादमदभ्ररूपे S'ṛṅgāS'.(Ja.) 50.

अदभ्रविक्रम (adabhra-vikrama) *adj.* of immense prowess भज वत्स वत्सरसहस्रवर्तिनीं निजराज्यसंपदमदभ्रविक्रम: Surath. 14. 25.

अदभ्रविक्रान्ति (adabhra-vikrānti) *f.* great prowess अदभ्रविक्रान्तिशालिन्य: (आज्ञाशक्तय एवैता:) BrahmāṇḍP. iii. 19. 27.

अदभ्रविभ्रममही (adabhravibhrama-mahī) *f.* abode of plentiful amorous gestures अदभ्रविभ्रममहीं नेत्रामृततरङ्गिणीम्। विलोक्य शक्तिदेवस्तां विस्मयादिति(? त्य) च्चिन्तयत् BṛKathāMañ. v. 1. 181.

अदभ्रविभ्राजमान (adabhra-vibhrājamāna) *adj.* shining excessively अदभ्रविभ्राजमानमौक्तिकदामदीव्यद्वक्षस: … केतो: ĀnandaRa. 6. 4(11)

अदभ्रविस्तार (adabhra-vistāra) *m.* vast expanse अदभ्रविस्तारतिरस्कृतेन … वियता … कृतानुप्रवेशम् … अदृष्टपाराभिधानं सरो दृष्टवान् (समरकेतु:) TilaMañ. 203. 16.

अदभ्रवीची (adabhra-vīcī) *f.* big wave अदभ्रवीचीभ्रमदभ्रकल्पगन्धर्वरेखान्वितगन्धनागा:। … चमूसमुद्र: समजृम्भताग्रे Raghunā. 9. 28.

अदभ्रवीर्य (adabhra-vīrya) *adj.* possessing enormous strength or valour भ्रातृव्यमेनं तददभ्रवीर्यमुपेक्षयाध्येधितमप्रमत्त:। … जहि BhāgP. v. 11. 17; VīraBhā. 1. 67.

अदभ्रवैभव (adabhra-vaibhava) *adj.* possessing vast power or greatness हन्त बिभ्रति विश्वमदभ्रवैभवे भगवति विश्वंभरे कमन्यमाश्रयाम्यगाधगर्धगद्गृहीत: AmṛUda. 3. 0(3)

अदभ्रशक्ति (adabhra-śakti) *adj.* possessing great power तमभ्ररुच्चिमाख्यददभ्रशक्तिं (वेदव्यासम्) श्रीशंकर: S'aṅkaDigVi.(Mā.) 7. 35.

अदभ्रशर (adabhra-śara) *m.* numerous arrows हीरक्षोणिपते: … नवीननगरी … रेजेऽदभ्रशरै: शरासलसितैरुच्चैरिव द्यौर्घनै: ĀnandaRa. 7. 57; *n.* plentiful water, ĀnandaRa. 7. 57.

अदभ्रशिखरकृत्ताभ्र (adabhraśikharakṛttābhra) *adj.* which has pierced the clouds with high peaks अदभ्रशिखरकृताभ्रं(? °कृत्ताभ्रं) भूधरमपश्यत् (राजा) UdaySuKa. 128. 10.

अदभ्रशुभ्र (adabhra-śubhra) *adj.* exteremely white अदभ्रशुभ्राभ्रंलिहप्रासादशिखरशिखाभोगभग्नरविरथतुरंगवेगम् … कुण्डिनं नाम नगरम् NalaCam. 2. 27(3); स्फुटस्फटिकशैलाभैरदभ्रशुभ्रपातिभि:। बभौ क्ष्मां क्षालयन्ती सा (= जाह्नवी) निर्घोषोद्वेलितैर्जलै: RāmāMañ. 22. 23.

अदभ्रशोभा (adabhra-śobhā) *f.* great beauty आस्पदमदभ्रशोभाया: … विलासोद्यानं ददर्श (राजा) UdaySuKa. 46. 26.

अदभ्रश्रुत (adabhra-śruta) *adj.* possessing unbounded knowledge or learning त्वमप्यदभ्रश्रुत विश्रुतं विभो: …। प्रख्याहि BhāgP. i. 5. 40.

अदभ्रश्वभ्र (adabhra-śvabhra) *m. n.* large or deep pit अदभ्रश्वभ्रविभ्रष्टं क: पयो धर्तुमीश्वर: RāmāMañ. 494. 24.

अदभ्रसंघोष (adabhra-saṅghoṣa) *adj.* producing a loud din अदभ्रसंघोषमभूतपूर्वं युगान्तसंवादि बभूव युद्धम् Yādavā. 20. 22.

अदभ्रसंभ्रम (adabhra-sambhrama) *adj.* greatly agitated or excited अदभ्रसंभ्रमै: कैश्चिदासनात् पतयालुभि:। … फाल्गुनाकृष्टकोदण्डटंकार: श्रूयते स स: PāṇḍaC. 4. 299.

अदभ्रसंमत (adabhra-sammata) *adj.* hailed or greeted largely स: (पारिषद:) …। हविश्चरुं बिभ्रददभ्रसंमत: समुज्जिहीते स नृपस्य सन्निधौ Rāgh. 1. 48.

अदभ्रसौहृद (adabhra-sauhṛda) *adj.* having unbounded compassion or friendship समुत्तीर्य … भवार्णवं भीममदभ्रसौहृदा:। … ते … याता: BhāgP. x. 2. 31.

अदभ्राजि (adabhrāji) *m.* great fight or battle भीष्मेणादभ्राजिस्तम्भितहरि जिष्णुना क्षणादभ्राजि YudhiVi. 7. 23.

अदभ्राभ्र (adabhrābhra) *n.* huge cloud अदभ्राभ्रभ्रमिखेदेन सौदामिनीसंदोहमिव लब्धनिद्रम् … आयतनं ददर्श TilaMañ. 214. 11; तत: सौमित्रिपौलस्त्यपत्रिजालैरवान्तरै:। अदभ्राभ्रैरिव भ्रान्तमेकच्छत्रमभून्नभ: RāmāMañ. 344. 22.

अदभ्रारव (adabhrārava) *adj.* making a loud noise, roaring loudly अदभ्रारवमुखकुहरस्पष्टदंष्ट्राकरालाम्। … आलक्ष्य घोरां तनुमनिलभुवो भूमिकन्या चकम्पे Rāgh. 13. 72.

अदम (a-dama) *adj.* **i** who cannot control himself आराद्दममततरा …आत्मानमीश दधती वनभू: प्रियत्वमायाति HarVi. 5. 135 (comm. दूरत एव अदमानां अवशिनां मततरा अत्यन्तरुचिता); **ii** not liable to be subdued, untamable सैन्यम् … ममादिमददो दुद्दमदमोऽददद्दीदमत् HarVi. 43. 196.

अदमयन्ती (a-damayantī) *f.* **A** (a lady who is) not Damayantī (wife of Nala) चित्रमिदम् … असुभद्रापि विजयमानुगुण्येनाकर्षति अदमयन्त्यपि लोकपालानवधूय नलसारङ्गगुरूकरोति (? नलसारमङ्गीकरोति) AvantiKa. 45. 22; **B** (a plant or creeper which is) not the jasmine, AvantiKa. 45. 22.

अदमित (a-damita) *adj.* untamed अश्वगजादिभिर्वाहनैरदमितै: … न यायात् ManvaMu. 156. 29 (*on* 4. 67)

अदमुद्र्यञ्च (adamudry-añc) *adj.* [*f.* -adamuīcī] going to that [MW based on v. l. अदमुद्र्यच् of MugdhaBo. 26. 80, BÖHTLINGK p. 299]

अदम्भ (a-dambha) *adj.* [*f.* -ā] **i** free from deceit, straightforward, sincere, honest ऋत्विजो वरयेत्पश्चात् … अदम्भानृतवर्जितान् VasiS. 18. 34; विभीषणगुणाकृष्टान् कोविदान्को बताधुना। लम्भयिष्यति विस्रम्भमदम्भै: सूनृतामृतै: RāmC. 24. 6; तत्र त्रेताग्निविधानेन निष्कामानामदम्भानां पुण्यं स्यात् AṇuBh. 176. 16 (*on* iii. 1. 13); परबल: … (? त्यक्त्वा) मायामदम्भञ्च(अदम्भश्च ?) सक्तकार्त्तस्वरा: सदा भुंजते (श्री)श्रीफलानि EI. ix. 253. 19; **ii** free from vanity, not pretentious अदम्भा हि रम्भा PadyāTa. 118; *m.* **i** absence of deceit, straightforwardness, honesty, sincerity सत्यं अदम्भ: … धर्मस्य रूपमेतत् SkandP. ii(9). 6. 30; **ii** name of S'iva दम्भो ह्यदम्भो वैदम्भ: … पशुपति: MahāBhā. xiii. 17. 76; अदम्भो महादम्भ: सर्वभूतमहेश्वर: …एवं नाम्नां सहस्रेण तुष्टाव वृषभध्वजम् LiṅgaP. i. 98. 124; *n.* absence of deceit or hypocrisy पुष्पं नानाविधं दद्यात् आत्मनो भावसिद्धये।…अदम्भं च … दश पुष्पं प्रकीर्तितम् MahNirvāT. 5. 148; **अदम्भेन** (a-dambhena) [Inst.] without deceit, without hypocricy, sincerely, honestly तं जाग्रतमदम्भेन भ्रातुरर्थाय लक्ष्मणम्। गुह: संतापसंतप्तो राघवं वाक्यमब्रवीत् Rāmā. ii. 45. 1; तं जाग्रतं गुणैर्युक्तं (v. l. जाग्रतमदम्भेन)…। भ्रातृगुप्त्यर्थम् …अब्रवम् Rāmā. ii. 80 2; अदम्भेन भजत गजवदनम् ĀryāSaS'a. *28; अरागद्वेषत: कृतं कीर्तिरागादकीर्तिद्वेषाच्च न कृतम्। अदम्भेन कृतमित्यर्थ: GītāBh.(Rā.) 677. 8 (*on* 18. 23)

अदम्भक (adambha-ka) *adj.* not a hypocrite, sincere, honest वृद्धा ह्यलोलुपाश्चैव आत्मवन्तो ह्यदम्भका: …। तानाचार्यान् प्रचक्षते VāyuP. i. 59. 29; अदम्भक: … विमुक्त: सर्वसङ्गैर्य: स तीर्थफलमश्नुते SkandP. iv. 6. 50.

अदम्भडिम्भ (adambha-ḍimbha) *m.* innocent young animal अदम्भडिम्भसंरम्भकरंभात्मंभरे हरे:। किं शैलशूकरव्याधे व्याधामेध्यामला रुचि: Surath. 3. 24.

अदम्भदूत्य (adambha-dūtya) *n.* deceitless or honest mission अदम्भदूत्येन भजन्तु वा दयां दिशन्तु वा दण्डममी ममागसा NaiṣC. 9. 131.

अदम्भवीर (adambha-vīra) *m.* unpretentious hero उत्तम्भयामास पयोनिधेर्यस्तीरे जयस्तम्भमदम्भवीर: VikraDeC. 1. 111.

अदम्भवृत्ति (adambha-vṛtti) *adj.* of sincere conduct भवन्त: … अदम्भवृत्तय: सर्वे गुरुकर्मसु चोद्यता: HariVaṁ. 65. 14; पेतुरस्खलितसिद्धबुद्धय:। भाविन: … अदम्भवृत्तय: VasaViKā. 10. 70.

अदम्भार्चन (adambhārcana) *n.* honest or sincere worship शम्भावदम्भार्चनैर्वृद्धत्वस्य विशुद्धतां जनयितुं कर्तव्यशेष: स्थित: Mugdhopa. 66.

अदम्भिता (adambhi-tā) *f.* straightforwardness or sincerity अदम्भिता त्वमात्सर्यमप्रार्थितधनागम:। … इत्यादिसत्प्रवृत्तिश्च कर्तव्या क्षेत्रवासिना SkandP. iv. 96. 79.

अदम्भित्व (adambhi-tva) *n.* lack of deceit, straightforwardness,

sincerity, honesty अमानित्वमदम्भित्वमहिंसा क्षान्तिरार्जवम् (ज्ञानसाधनानि) MahāBhā. vi. 35.7 (= BhagGī. 13.7); BrahmāṇḍP. iii. 41.78; AgniP. 380.23; स्वधर्मप्रकटीकरणं दम्भित्वम्। तदभावोऽदम्भित्वम् GītāBh.(S'aṅ.) 375.11 (*on* 13.7); अदम्भित्वं धार्मिकत्वयशःप्रयोजनतया धर्मानुष्ठानं दम्भः तद्रहितत्वम् (Rā.) 577.16 (*on* 13.7); ध्यानपूजादिकं लोके द्रष्टर्यैव करोति ··· तथानाचरणमदम्भित्वम् SarvaVeSāSaṁ. 117.

अदम्भिन् (a-dambhin) *adj.* free from deceit, straightforward, sincere, honest योऽदम्भी (भीमभूपालः) ··· वैदर्भी मान्या या त्रिजगति कन्या बभूव भीमान्यायात् Nalo. 1.16.

अदम्य (a-damya) *m.* bull until to be tamed तदह्नोऽदम्यैर्भारोऽयमुह्यते TriṣaS'aPuC. i. 1.753.

[1]**अदय** (a-dayá) *adj.* [*f.* -ā] **1A** merciless, unkind, cruel, hard-hearted, unsympathetic or inconsiderate (towards the beloved) अदयो वीरः शतमन्युरिन्द्रः ṚV. x. 103.7; त्वामदयं मदयन्ती··· वाञ्छति VāsaDa. 213.3; मुञ्च क्षणमदय KuṭṭaMa. 158; अदयां मन्ये कथं मातरम् ĀścaCū. 1.15; महोदयानामवधीरणेन महोदयानामवधी रणेन (त्वम्) DeviS'. 61; कलियुगे ··· विप्राः··· अदयाः (भवन्ति) S'ivaP. i. 1.17 (1A. 14); हृदयमदयं (विष्णोः) DaśāvaC. 4.13; 10.28; अदय दशसि किं त्वं बिम्बबुद्ध्याधरम् AuciViCa. 35 (4); चित्तेन मेरुगिरिधीर दयालुनासि सर्वोपकारकृतधीरदया लुनासि SiPriSt. 21; छिन्नं छिन्नं हृदयमदयैश्छिद्यतेऽद्यापि यैर्मे SubhāRaK. 23.45; तद् अयमदयो मह्यं मुग्धे किमेवमसूयति SubhāRaK. 23.43; मुग्धे ··· विशसि हृदयमदये मे ĀryāSaS'a. 534; हृदयमदये तस्मिन्नेवं पुनर्वलते बलात् GītGo. vii. 16.8; S'ārṅgaPa. 3431; सः ··· अदयैः कैश्चिद्राजधान्यङ्गने हतः RājTa.(Ka.) 8.2177; अदय दयित सिञ्चस्यात्मदृग्वारिणा किं परिमलबहलानां मालतीनां न दीनाम् Golā. 249.19 (30.5); त्यक्त्वा मामदया ··· गता MohaRāPa. 3.9; वचनं मानवददयं वृष्णिश्रेष्ठः···अवदत् YudhiVi. 6.125; 8.40; कालक्षेपं यदयमदयोऽप्यद्य यावद्विधत्ते KaṁVa. 4.48; अदये ··· तनुरपि ··· तस्य ··· शीर्यति StavMā. 282.3; अस्या विदेशमदयो दयितः प्रयातः S'ṛṅgāMañ.(A.) 36.16; नयादयैनामति मा निराशतामसून्विहातेयमतः परं परम् NaiṣC. 9.128; क्रूरो नृशंसोऽप्यदये Vaija. 203.24; कर्कशः स्यात् ··· अदये AnekāK. 893; **1B** (*fig.*) very firm (*lit.* without pity) अदयैरालिङ्गनैश्च ··· शान्तिं रचयन्ति रागिण्यः ĀryāSaS'a. 332 (comm. अदयैः गाढैरित्यर्थः); **2** very sharp, merciless यदयमदयः सीताकण्ठे करोति कृपाणकः PrasaRā. 6.32.

[2]**अदय** (a-daya) *adj.* not a giver, not a doner कुमुदवनबान्धवोऽदयः ··· नास्ति दयो दानं यस्य सः अदयो अदाता VidvaMuMa. 2.12 (3)

अदयकचग्रह (adaya-kacagraha) *m.* merciless (i.e. very tight or relentless) seizure of the hair अदयकचग्रहोल्लसद्भ्रुकुटिभूषितललाटदेशम् ···रमणीयम् ··· रतसमरमाततान (राजा) TilaMañ. 17.9; हृषीकेश न समीपमदयकचग्रहग्रहिलविग्रहायाः कुटिलकुन्तलाविलविलोचनचुम्बनानाम् इति मुकुन्दम् ··· नाभिनन्दन्ती YaśasCam. i. 85.4.

अदयतस् (adaya-tas) *adv.* [for Abl.] merciless, unkind or inconsiderate किम् ऋते दयितात् ··· अदयतोऽस्ति ममेह सुखम् Nalo. 3.43.

अदयदशनदंश (adaya-daśanadaṁśa) *m.* cruel or hard bite with tooth अदयदशनदंशक्लान्तिभाजोऽधरस्य स्मितरुचिसुधयोच्चैः साधु संधाय सेकम् Kapphiṇā. 4.5.

अदयदारित (adaya-dārita) *adj.* rent cruelly उच्चैरनायिषत यस्य समाकुलत्वं विद्वेषिणामदयदारितदोर्द्रुमाणाम् (आशाः) HarVi. 37.13.

अदयन (a-dayana) *n.* cruelty सेवासर्गादुदस्तोऽदयनमदलवक्षोदमुक्ते सवादे रेमे रत्ने Kāvyālaṅ.(Ru.) 5.17 (comm. अदयनेन निर्दयत्वेन)

अदयनिपीडिताधर (adayanipīḍitādhara) *adj.* with lips pressed mercilessly अदयनिपीडिताधरम् ··· अबलामुखम् ··· तव कथयति निखिलनिशासु जागरम् YaśasCam. i. 360.6.

अदयम् (a-dayam) *adv.* **A** mercilessly, in a cruel manner अदयमिव कराग्रैरेष निष्पीड्य सद्यः शशधरम् ··· उष्णरश्मिः। अवकिरति ··· कान्तिनिर्यासम् S'iśuVa. 11.62; सखेऽदयं तामविलास खेदयन्नहीयसे Kāvyālaṅ.(Ru.) 3.54; त्रिभ्रद्वपुः सरक्तौघविस्रं सीरक्षतोऽदयम्। तेनाकारि स नागांसविस्रंसी रक्षतोदयम् HarVi. 43.306; 46.65; प्रस्वापनास्त्रमसृजत्स तामसमयोऽदयम् RāghPāṇ.(Dha.) 18.15; ममन्थुः ··· अपांनिधिम् ···देवादयोऽदयम् SkandP. ii(9). 11.27; कैकेय्याः सा हृदयमदयं मन्थरा निर्ममन्थ RāmāCam. 2.9; अयमदयं दहति मामनलशरः VyaktiVi. 85.11; प्रलयपवनैरस्तं नीतः पुरातनवारिदो यदयमदयं कीलाजालं विमुञ्चति नूतनः SūktiMu. 21.10; अदयमुभयथापि दैवयोगादपि दयितेन कृतास्मि विप्रलब्धा S'ṛṅgāMañ.(A.) 22.7; **B** ardently, fervently इच्छामि चैनमदयं परिरब्धुमङ्गैः Vikramo. 5.9; चिरमवन्मिलनादुपगूहनं द्विजपतावदयं ददति श्रियः HammīMaKā. 7.26; **C** harshly अदयं घर्ष शिलायाम् ··· हे हेमकार कनकम् SaduktiKa. 239.14; 248.25.

अदयमान (a-dayamāna) *adj.* not being compassionate, not being kind भोगेष्वदयमानस्य भूतेषु च दयावतः। वर्धते ··· विषयः MahāBhā. xii. 95.7.

अदययुद्ध (adaya-yuddha) *n.* cruel or ruthless war अयमदययुद्धोन्मर्दलीलारसोऽपि। स्फुरति तदनुरोधादेव विद्वेषिपेषी RukmiHa. 2.3.

अदयरयदलत् (adayaraya-dalat) *adj.* rending with merciless force नो कल्पापायवायोरदयरयदलत्क्ष्माधरस्यापि गम्या SūryaS'. 23.

अदयवृष्टि (adaya-vṛṣṭi) *f.* fierce shower तोयदैरदयवृष्टिविशिष्टैर्विष्टपत्रयमनीयत कष्टम् Surath. 11.27.

अदयशस्त्रपात (adaya-śastrapāta) *m.* cruel attack with weapons अदयशस्त्रपातविद्राविताखिलदस्युलोकश्च शोकलम्बालकं सबालकमादाय तदीयमन्तःपुरपुरन्ध्रिसार्थमर्थभारं च भूयः स्वशिबिराभिमुखोऽभवम् TilaMañ. 137.3.

अदयहृदय (adaya-hṛdaya) *adj.* whose heart is merciless or cruel अदयहृदयः कर्मारातौ न ते (? नते) च कृपात्मवान् ··· त्वम् YaśasCam. ii. 389.9.

अदया (a-dayā) *f.* mercilessness, unkindness, cruelty आलस्यं चाघृणादया MahāBhā. xiv. App. I. 4.1700; निर्दयस्य (v. l. निर्दयस्या)दया कर्तव्या Bārhas. 3.39; विदधे निघ्नता तेन तमस्ताराातिनादया HarVi. 43.51; अदयया दर्पांशेन हिंसया च त्यक्ते प्रमाणशास्त्रकुशले (अयम् ··· दैवं ये खण्डयन्ति तान् ··· छिनत्ति) Kāvyānu.(He.) 261.12.

अदयापात (adayāpāta) *m.* merciless attack दानतोयमनारतम्। वपुषामदयापातादिभानामभितोऽगलत् S'iśuVa. 19.68 (comm. अदयापातान्निर्दयाभियोगात्)

अदयारि (adayāri) *m.* merciless enemy अयमदयारिदारणदारुणकृपाणरुचिनिचयरचितमूर्त्तकालरात्रिप्रपञ्चः ··· अनुधावति वीरधवलः HammīMaMa. 3.15 (27)

अदयालु (a-dayālu) *adj.* cruel, ruthless तं यज्ञपशवोऽनेन संज्ञप्ता येऽदयालुना। कुठारैश्चिच्छिदुः BhāgP. iv. 28.26; निरन्तरा हता लोका विशोकेनादयालुना SkandP. v(2). 29.35; हृदयालुर्दयालुस्त्वमदयालुरिवाभवः S'āliC. 3.23; रणभुवि ··· अदयालूनां द्विषां ततिं पातयामि गदया लूनाम् YudhiVi. 6.93; गोपमूर्तिरदयालुः। दैत्यः प्रलम्बनामा प्रलम्बबाहुं भवन्तमापेदे Nārāy. x. 57.3.

अदयालुता (adayālu-tā) *f.* absence of compassion कल्पद्रुमोऽप्यदातृत्वं सुगतोऽप्यदयालुताम्। आयाति KathāSaSāg. xviii. 4.32.

अदयालुत्व (adayālu-tva) *n.* the state of being without compassion (cruelty) अदान्तत्वादातृत्वादयालुत्वैः अपराधित्वमात्मनो मन्यमानाः···प्रजापतावूषुः BṛĀraUBh. 699.6 (*on* v. 2.3)

अदयालुवत् (a-dayāluvat) *adv.* like one who is cruel स्पृहयालुं कपिं स्त्रीभ्यो निद्रालुमदयालुवत्।··· वद द्रुतम् Bhaṭṭi. 7.21.

अदयाविष्ट (a-dayāviṣṭa) *adj.* who is without compassion अदयाविष्टैः (भटैः)···मार्गेशः समरुध्यत RājTa.(Jo.) 820.

अदयित (a-dayita) *adj.* not dear मातृदोषाददयितो यदि तावदहं नृप। शत्रुघ्नमपि ··· अभिभाषितुमर्हसि Rāmā. ii. App. I. 23.87; **B** not having the beloved (with oneself) जलेजानि दुन्वन्त्यदयितं जनम् Bhaṭṭi. 6.75.

अदयोदय (a-dayodaya) *m.* Kali (*lit.* rise of cruelty) यथाप्रस्तावमयममर्षोत्कर्षहृदयोऽदयोदयो ह्यधर्मेण प्रियसखेन सममित एवाभिवर्तते CaitaCa. 7.9 (1)

अदर (a-dara) *adj.* fearless स परेण तदाजितां महीं लघु मुक्त्वा सहसादरोऽदरैः ··· प्रययौ ··· काननम् RāghPāṇ.(Dha.) 4.36; त्वमशुभान्यभिनन्दन ··· धूनय नः परमोऽदरः CaturJiStu. 13; चित्ररुचिभाजि स भोजः सोदरं स्वमदरं परिमुच्य···दिल्लीं सेवते स्म HammīMaKā. 10.11; त्रातः काकोऽदरो येन···स मेऽस्तु शरणं प्रभुः Kuval. 65 (8); *m.* absence of fear चकोरस्य दरं देवश्चक्रवाकस्य चादरम्। विवस्वान्नाभिसंधत्ते विश्वमेकं प्रकाशयन् SubhāNī. 7.3.

अदरक (adaraka) *m.* [in *gargādigaṇa*] name of a person, GaṇPā. 71.85.

अदरजठरविवर (adara-jaṭharavivara) *n.* large cavity in the stomach अदरजठरविवरविरचितासनभुवनस्ववहनासहिष्णुतयेव ··· गीर्वाणा नारायणमस्तौषुः ĀnandRa. 1.16(6)

अदरणीय (a-daraṇīya) *adj.* not to be split up यदद्रयः पर्वताः अदरणीयाः Nir. 9.9 (162.2)

अदरवेध (adara-vedha) *m.* severe piercing (by arrows) अहितं विशिखैरहन् मुकुन्दोऽदरवेधेऽपि दरव्यथाविमुक्तः Yādavā. 15.120.

अदरिद्र (a-daridra) *adj.* [*f.* -ā] **A** not poor, not in need, having no want अदरिद्रोऽस्मि सखे Mṛcch. 3.30 (? 31). (3); (लवन्यः) स तादृगपि भूपाले क्रुद्धे ···। अदरिद्रो गिरिद्रोणीश्रेणिभूसुलभाशनः RājTa.(Ka.) 8.3298; **B i** free from poverty, rich, wealthy यद्यपि च ··· साधुरदरिद्रः ··· दुर्लभः HarṣaC. 249.12; अरोगाश्चादरिद्राश्च जातौ जातौ भवन्ति ते BhaviP. 145A.9 (i. 93.53); (महादेव) तथा शुचिव्रतं विप्रमदरिद्रम् ··· ज्ञानिनं कृपयाकरोः S'ivaP. ii(5)

25.16 (250B.3); अदरिद्रा भवत्येषा सर्वार्थिजनसंहतिः KathāSaSāg. iv. 2.30; iv. 2.33; xii. 23.26; गोहेमहयरत्नादिप्रदानैः ... द्विजान् । ... अदरिद्रांश्चकार सा RājTa.(Ka.) 7.181; येनादरिद्रां जगतीं विधातुं हेमाद्रिरप्यस्य गृहेऽवतीर्णः CaturCin. ii(1). 2.10; अदरिद्रा वसामोऽत्र सर्वहेतोरिवोदरे Yādavā. 6.70; सकलां पृथिवीमदरिद्रां कुरु VetāPañ.(S'i.) 39.34; **B ii** free from misery, happy (कश्मीरमण्डलम्) करोति कद्वा अदरिद्रमन्वयम् S'rīKaC. 3.13 (comm. अदरिद्रं सुखितम्); **C i** rich in merit, noble ददर्देऽदोऽदरिद्रोऽरिरद्रिरौद्रोऽरुरादरी RāghPāṇ.(Dha.) 18.51 (comm. अदरिद्रः पुण्यवान्); **C ii** rich in, possessed of पवित्रधरः ... । धनैर्दरिद्रः स्वजनैरदरिद्रः कुलादिभिः KathāSaSāg. xii. 6.22; **D** unchangeable, firm अदरिद्रानुरागिता । द्वादशेति गुणानाहुः SaraKaṇṭhā. 569.1 (cf. f. n. 1 अदरिद्रेत्यनुरागिताया विशेषणम्, तेन स्थिरानुरागितेत्यर्थः)

अदरिद्रता (adaridra-tā) *f.* **i** the state of not being poor, absence of poverty यस्य पाणिनिबद्धेन वररुच्याश्रितश्रिया । व्यज्यते कङ्कणेनेव लक्षणेनादरिद्रता S'rīKaC. 25.63; **ii** (*fig.*) the state of not being poor (i. e. wanting in wisdom), S'rīKaC. 25.63; **iii** the state of not lacking (in courage) बहिः कोष्टकभृत्येषु विद्रुतेष्वदरिद्रताम् । परं जनकचन्द्राख्यो धैर्येणोवाह डामरः RājTa.(Ka.) 8.2331.

अदरिद्रा (a-daridrā) *adj.* other than (the root) *daridrā* आतोऽनोऽदरिद्रः MugdhaBo. 26.198 (172.15) (comm. दरिद्रावर्जादादन्तात्)

अदरिद्राणमुद् (adaridrāṇa-mud) *adj.* whose delight is not meagre (i. e. is great) एषादरिद्राणमुद्ददरिद्रायिका ददौ DvyāśraKā. 9.158.

अदरिद्राति (a-daridrāti) *adj.* other than (the root) *daridrā* अदरिद्रातेः Kātan. iv. 5.104.

अदरिद्रायक (a-daridrāyaka) *adj.* [*f.* -ikā] **i** in order to make oneself rich कोऽप्यदात् । कर्णरूपं लिखित्वास्या अदरिद्रायकोऽन्यदा DvyāśraKā. 9.157 (comm. अदरिद्रिष्यत् ईश्वरीभवितुमित्यर्थः); **ii** not poor, rich एषादरिद्राणमुद्ददरिद्रायिका ददौ DvyāśraKā. 9.158 (comm. उदारा)

अदरिद्रालय (adaridrālaya) *m.* name of S'iva (*lit.* rich abode) अष्टोत्तरसहस्रं तु नाम्नां शर्वस्य मे शृणु । ... अद्रिद्र्यालयः (v. l. अदरिद्रालयः) कर्ता MahāBhā. xiii. 17.37.

अदरिद्रीकृत (adaridrī-kṛta) *adj.* [*f.* -ā] relieved from poverty मेजे च पूर्णकोषश्रीर्हेम्ना तद्युक्तिजन्मना । सावरोधोऽसमान्भोगानदरिद्रीकृतद्विजः KathāSaSāg. vii. 1.91; अदरिद्रीकृता भूमिः VikraDeC. 4.52; दानैः क्षमाभुजा । अदरिद्रीकृता विप्राः RājTa.(Ka.) 7.955.

अदरिद्रीकृत्य (adaridrī-kṛtya) *ger.* having relieved from poverty विहङ्गिके, प्रहिणु ... अदरिद्रीकृत्य वैश्रवणयाचकवृन्दम् TilaMañ. 372.10; राजा ... मुख्यचौरम् ... गजाश्वरत्नकांचनैरदरिद्रीकृत्य ... प्रस्थापयामास PuruṣPa. 53.20; 102.28.

अदरिद्रोहिका (adaridrohikā) *adj.* (*f.*) having excellent reasoning अदरिद्रोहिका । ...तव भारती जिनपते CaturJiStu. 87.

अदरिन् (a-darin) *adj.* [*f.* -ṇī] fearless हंसम् ... ग्रहीतुकामादरिणा शयेन यन्नादसौ निश्चलतां जगाहे NaiṣC. 3.4 (comm. अदरिणा निर्भयेन); करेण वाञ्छेव विधुं विधर्तुं यमित्थमात्थादरिणी तमर्थम् । पातुं श्रुतिभ्यामपि नाधिकुर्वे ...किम् NaiṣC. 3.62.

अदर्प (a-darpa) *adj.* devoid of pride अदर्प कन्दर्पम् ... कथमसि विधातुं व्यवसितः MālMā. 5.202 = VakroJi. 12.7 = SaraKaṇṭhā. 129.15 = SuvṛTi. 2.32 = SubhāRaK. 16.22; *m.* absence of pride योगमर्थं ततोऽदर्पम् ... धर्मस्तेतान् समादाय ... आगतः KalkiP. iii. 6.10; सर्वावस्थास्वकार्पण्यमदर्पः सति कारणे । ... महापुरुषलक्षणम् SūktiRa. 168.14; [given as the meaning of *vismaya*, AnekāK. 645]

अदर्पक (adarpa-ka) *adj.* **i** different from *darpaka* (i. e. Cupid) अदर्पकाः स्मः सविधे स्थितास्ते NaiṣC. 10.46; **ii** devoid of pride, NaiṣC. 10.46.

अदर्पकचित (adarpa-kacita) *adj.* shining with humility or modesty अदर्पकचितं बालं प्रौढा लक्ष्मीः ... आलिङ्गत् RājTa.(Jo.) 788.

अदर्पणस्थ (a-darpaṇastha) *adj.* not reflected in the mirror ददर्श रामोऽनुजसंज्ञमन्तिकाददर्पणस्थं प्रतिबिम्बमात्मनः RāmC. 4.68.

अदर्पविशदा (adarpa-viśadā) *adj.* (*f.*) clear due to absence of pride अदर्पविशदा विद्या भवत्युन्नतचेतसाम् DarpDa. 1.31.

अदर्पशौर्य (adarpa-śaurya) *n.* valour without pride अदर्पशौर्यस्पृहणीयसत्त्वाः ... प्रयान्ति वीराः ... अजरामरत्वम् DarpDa. 5.45.

अदर्पसंपद् (adarpa-sampad) *f.* wealth without pride सर्गारम्भान्निसर्गेण नैव दृष्टो न यः श्रुतः । अदर्पसंपत्प्रणयी ... जनः DaśāvaC. 5.47.

अदर्पित (a-darpita) *adj.* not proud, humble तैस्तथ्यकारिभिर्युक्तैः श्रद्धावद्भिरदर्पितैः VāyuP. ii. 39.6; BrahmāṇḍP. iii. 2.5.

अदर्पिन् (a-darpin) *adj.* having no pride पराभूतक्ष्माभुजा । ... राज्यं स्वमर्पणीयमदर्पिना PrabhāC. 95.19.

अदर्भकर (adarbha-kara) *m.* hand without *darbha* grass यदा यजमानो गन्धादि ब्राह्मणसात्करोति तदा सोऽप्यदर्भकरेणैव तिलकं कुर्यात् BālamBha. i. 511.21 (*on* i. 231–32)

अदर्भपाणिक (adarbhapāṇi-ka) *adj.* not having *darbha* grass in hand चण्डालभाषिणं विप्रं सदैवादर्भपाणिकम् । ...तमाहुः पशुघातकम् SkandP. ii(1). 26.21.

अदर्विहोम (a-darvihoma) *m.* oblation different from that made with a ladle आश्रुतप्रत्याश्रुते ... याज्यानुवाक्ये वषट्कारश्चादर्विहोमानाम् ĀpaS'S. xxiv. 3.13; अदर्विहोमं सन्तमित्यापद्यते S'ābaBh. 1626.27 (*on* viii. 4.3); अदर्विहोमानां वा लिङ्गात् SaṅkarKā. ii. 2.14 (81.17 Madras Ed.)

अदर्श (a-darśa) *adj.* which is without (the performance of) the new-moon sacrifice यस्याग्निहोत्रमदर्शम् ... आ सप्तमांस्तस्य लोकान् हिनस्ति MuṇḍaU. i. 2.3; अदर्शं दर्शाख्येन कर्मणा वर्जितम् MuṇḍUBh. 315.7 (*on* i. 2.3)

[1]**अदर्श** (a-darśa) *m.* **1** other than *darśa* i. e. the full-moon sacrifice इज्येते स्वर्गलोकस्य दर्शादर्शौ BṛĀraUBhVā. (Sambandha.) 128; **2** disappearance अदर्शे तु गते देवे सर्वलोकपितामहे PadmP. v. 4.86; **3** new-moon day भद्रमङ्गलवद् अदर्शे एव दर्शः TikāSe. i. 4.9.

[2]**अदर्श** (adarśa) *m.* mirror [PW]

अदर्शता (adarśa-tā) *f.* the state of being invisible कुमारो नागपूर्वकः । जगामादर्शताम् BṛKathāK. 56.410.

अदर्शत्व (adarśa-tva) *n.* **i** the state of being other than the new-moon-day sacrifice कालान्तरकरणे सत्यौत्पत्तिकरूपविसंवादाददर्शत्वमपूर्णमासत्वं च स्यात् TantrVā. 471.23 (*on* ii. 2.3); **ii** the state of being other than the new-moon day इदमप्येकादशदिनस्यादर्शत्वे BālamBha. i. 594.16 (*on* i. 255)

अदर्शन (a-darśana) *n.* **1 A** absence of sight, non-observation, not seeing, lack of perception **B** absence of knowledge, lack of experience **C** invisible state, unknown state or condition **2 A** disappearance, going out of sight, becoming invisible, concealment **B** power to become invisible **3 A** absence, non-availability, not being found **B** absence of mention, not being available in a text **4** elision, omission **5 A** destruction, end, vanishing completely **B** antecendent non-existence of perception **6 A** failure to show oneself, not available to meet **B** failure to see or meet, neglect, disregard, not taking note of **7 A** not the accepted view, not the correct stand-point or doctrine **B** nescience, erroneous knowledge **8 A** not the organ of sight **B** meaning other than 'seeing' **9** desire to see **1 A** absence of sight, non-observation, not seeing, lack of perception नादर्शनात् KātyS'S. i. 6.22; अपराह्णे पिण्डपितृयज्ञचन्द्रादर्शनेऽमावास्यायाम् KātyS'S. iv. 1.1; (सोमस्य) अदर्शनेऽरुणपुष्पाण्यर्जुनान्यभिषुणुयात् KātyS'S. xxv. 12.18; xxvi. 2.3; उपवसेत् ... अदर्शनेऽमावास्याम् MānS'S. 25.9; अदर्शने शरीराणाम् KauṣiGS. v. 6.5; स्त्रीशूद्रशवकृष्णशकुनिशुनां चादर्शनमसंभाषा च तैः PāraGS. ii. 8.3; नार्यो रामादर्शनकर्शिताः Rāmā. ii. 53.9; तवादर्शनजः शोको भूयो मां परितापयेत् Rāmā. v. 37.22; यथा प्रश्लिष्टे स्वरवर्णसंहिते तयोस्तयोरक्षरवर्णयोस्तथा । अदर्शनेऽनार्थ्यविलोप उच्यते ṚPrāti. 11.28; अन्तर्द्धौ येनादर्शनमिच्छति P. i. 4.28; SaraKaṇṭhā.(Gr.) i. 1.70; किं कारणम् । तस्यादर्शनात् । बलादेरित्युच्यते न चात्र बलादिं पश्यामः MahāBh. i. 134.13 (*on* i. 1.56); अदर्शनेन योगो नास्तीति कृत्वादर्शनसहचरितो योऽर्थस्तस्य गतिर्भविष्यति साहचर्यात् MahāBh. i. 227.25 (*on* i. 2.51); यश्चरुपुरोडाशाग्निर्वपति । तत्रादर्शनात् । न तत्र प्रत्ययो दृश्यते MahāBh. ii. 358.4 (*on* v. 1.72); सर्वशोऽदर्शनमयोगः CaraS. i. 11.37 (Ed. 1941); सा दुःखिता भर्तुरदर्शनेन Saund 6.10; मोहो नाम ... तस्य निश्चैतन्यभ्रमणपतनाघूर्णनादर्शनादिभिरनुभावैरभिनयः प्रयोक्तव्यः NāṭyaS'ā. 7.77(3); सतः परमदर्शनं विषयानागमात् MīmāSū. i. 1.13; उदितमात्रस्य लोकैरदर्शनात् BhaṭṭiCan. 16.13 (*on* xiii. 2.11); तमाहितौत्सुक्यमदर्शनेन प्रजाः ... । नेत्रैः पपुः RaghuVa. 2.73; आगते चादर्शनम् KāmSū. 331.22 (6.3); दूरभूयस्त्वाद्धूमस्याग्नेश्च चादर्शने गौणः शब्दः S'ābaBh. 128.1 (*on* i. 2.12); 404.3 (*on* ii. 1.5); 1355.16 (*on* vi. 1.4); अदर्शने दर्शनमात्रकामा S'atTrayī. 1.22; न चैषा प्रोषितभर्तृका प्रवासचिह्नस्य वेण्यादेरदर्शनात् DaśKuC. 116.3; न चात्रादर्शनं हेतुः S'lokaVār. 5(7).13 (453.6); निर्गतेष्वपि दृष्टत्वात्तद्गतेष्वप्यदर्शनात् TantrVā. 188.11 (*on* i. 3.14); घटादिष्वदर्शनादिति निरस्ते Bṛha. 217.9 (*on* i. 1.5); किन्तु अदर्शनमात्रादेव

व्यतिरेकमाहु: HetuBiṬ. 52. 26; अदर्शनाद्दर्शनं बलीय: ManuBh. ii. 332. 2 (*on* 10. 5); हीनातिरिक्तविकृतानां चात्र छायानां दर्शनमदर्शनमेव वा AṣṭāSaṁ. i. 45. 12 (1. 8); तथा हि नित्यसत्त्वोऽयं न चापेक्षास्य काचन। ध्वनिसंकेतवर्णैश्च तद्व्यक्तिर्नाप्यदर्शनात् TattvSaṁ. 2709; न चायमर्थ: संभवति यत् प्रत्यक्षादिग्रहणार्हं न भवति, वाक्यं च तत्प्रमाणमिति। कुत:। अदर्शनात् TātptṬ.(U.) 33. 11 (*on* 2. 4); 306. 19 (*on* 5(4). 5); गृहाभावावधारणोपक्षीणेऽदर्शने बहिर्भावमतिर्भवति TātpaṬ.(U.) 391. 17 (*on* 5(8). 14); हितक्रियाद्यदर्शनादन्याय्या चेतनाज्जगत्प्रक्रिया BrahmSūBh.(S'aṅ.) 327. 18 (*on* ii. 1. 21); यदि च दर्शनादर्शने वस्तुन उत्पादनिरोधौ स्याताम् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 386. 5 (*on* ii. 2. 20); कार्यस्य हि सतो जायमानस्य कारणे सत्युत्पत्तिदर्शनात्, असति चादर्शनात् BṛĀraUBh. 14. 12 (*on* i. 2. 1); न तावद्विधिरूप:, अदर्शनात् BālaKrī. i. 14. 5 (*on* 1. 7); i. 21. 8 (*on* 1. 7); नादर्शनाभावतत्संबन्धानां प्रत्यक्षं मानम् IṣṭaSi. 348. 5; दर्शनादर्शनाभ्यां हि नियमग्रहणं यदि NyāyMañ. i. 109. 15; अग्निरेषोऽत्र धूमो वा दर्शयेन्न ह्यदर्शने S'ivDṛ. 5. 55; चक्षुर्वेदपरामृष्टं न कारणमदर्शनम् PrakaPañ. 108. 19; न च स्वाश्रयतयाभिव्यङ्ग्यप्रकाशनमभिव्यञ्जयितु: स्वभाव: प्रदीपादावदर्शनात् ĀtmaSi. 29. 2; तेषामनन्तरं फलस्यादर्शनात् JayaMa. 12. 7 (*on* 1. 2); भवतोऽदर्शनं यर्हि हृषीकाणामिवेशितु: BhāgP. i. 8. 38; प्रायो विषादजनकं भवतोर्यददर्शनम् SkandP. iv. 88. 22; न चासां दर्शनं देयं न चात्यन्तमदर्शनम् ViṣṇuDhaP. ii. 62. 36; इहापि हि स्तो दर्शनादर्शने TātpaṬ.(Vā.) 158. 22 (*on* i. 1. 5); तस्मिन् सत्यपि सुखभेदस्यादर्शनात् Bhām. 57. 19 (*on* i. 1. 1); न च वास्तवं गुणप्रधानभावमाश्रित्य पदान्तरसंबन्धो दृष्ट:। राजपुरुषेऽदर्शनात् Kāśi. iii. 3. 12 (*on* 5(4). 2); शतशोऽग्नौ धूमदर्शनमनग्नौ चादर्शनं शतशो व्याप्तिं विनानुपपन्नम् NayaVi. 126. 5 (*on* i. 1. 5); अन्यथाशुतरविनाशिनां क्षणान्तरेऽदर्शनात् NyāyVāPari. 526. 2; 569. 6; सपक्षासपक्षदर्शनादर्शनमात्रप्रमाणकत्वात् NyāyKuA. i. 169. 5; दर्शनादर्शनयोश्चार्थप्रवणत्वाप्रवणत्वोपाधिग्रस्तत्वात् ĀtmaTaVi. 869. 14; अर्थापत्तिरपि धर्मेण विनानुपपद्यमानस्य कस्यचिददर्शनादसमर्था S'āstrDī. 37. 4 (*on* i. 1. 4); तत्र सति गोप्याङ्गस्यादर्शनेन अनियन्त्रणं निधुवनविलसितमिति KāvyPra. 251. 3; Kāvyānu.(He.) 35. 17; न चोपलभ्यत इति कथमदर्शनमात्रेण नास्त्येवोच्यते TarkBhā.(Mo.) 23. 10; 24. 7; 29. 6; रात्रावदर्शनं व्यभ्रे VasiS. 45. 45; अत्र कपोलयो: प्रकृतयो: … क्षामतागमनस्य हेतुरदर्शनमुत्प्रेक्षितम् AlaṅkāSa. 62. 7; अदर्शनात्सुबद्धापि कन्दर्पप्रीतिराशयात्। राज्ञो जगाल कालेन RājTa.(Ka.) 7. 999; अत्र गौर्या: पराङ्मुखीत्वेन कपोलस्यादर्शने तत्सदृशशशिखण्डविलोकनेनोत्कण्ठातिवाहनम् AlaṅkāRa. 20 (11); चन्द्रमस: … शुक्लद्वितीयायामप्यदर्शने च नोत्पातबुद्धि: कर्तव्या AdbhuSāg. 42. 8; 277. 1; अदर्शने पादयोश्च विदेशगमनं भवेत् YogS'ā. 5. 172; न स्वेनादर्शनं दोषाभावे प्रमाणयितुमर्हति KhaṇḍanKhā. 925. 9; अदर्शनादरत्यादि: कथं तेन निवार्यते AnuVyā. 57B. 10 (*on* 3. 4); अदर्शनेऽपि विशेषमाह स एव SmṛtiCan. iii. 152. 2; तत्तु निरश(?रश)ङ्को नैच्छलक्ष्येष्वदर्शनात् SaṁgiRa. iv. 51. 7 (7. 184); विशेषवत्त्वस्यैव तत्र अदर्शनात् TarkSaṁ.(Ā.) 32. 6; अनुभावा: स्तम्भपातघूर्णनादर्शनविस्मरणादय: RasTa. 83. 4; नात्रादर्शनं क्षयोपलक्षणपरम् CaturCin. iii(1). 178. 21; जाड्यं विहाय स्वप्रकाशाभावस्य तं च त्यक्त्वा जाड्यस्य क्वचिदप्यदर्शनात् SyādvāMañ. 12 (88); 14 (27); विश्वासाद्धन्यते लोकस्तस्माच्छ्रेयो ह्यदर्शनम् SūktiRa. 108. 2; पक्षे चातीन्द्रियस्य तस्याभावस्याप्यदर्शनात् NyāyPari. 114. 15; किं परेषामदर्शनेऽपि तद्व्यामोहनम् S'atDū. 177. 9; क्रमस्य चादर्शनात् TattvPrakā. 216B. 1 (*on* iv. 3. 15); न चरम: अदर्शनादेव Subodhi. 46. 28 (*on* 2. 14); नलस्य जामातुरदर्शनेन …। भीमो नृप: सा जननी तवापि कष्टां दशामन्वहमश्नुवाते Nalābhyu. 8. 27; पटघटाद्यारम्भस्यादर्शनात् Upask. 100. 3 (*on* ii. 1. 25); न च प्रमाणबलेन तदतिरिक्ते व्याप्तिरिति वाच्यम्। अदर्शनात् AṇuBh. 133. 2 (*on* ii. 2. 15); संयुक्ताभावस्यादर्शनेन क्लृप्तै: संयोगध्वंसादिभिरेव सर्वोपपत्तौ Nyāyāmṛ. 423A. 12; यत्नेनान्विष्यमाणेऽप्युपाधेरदर्शनात् TantrRaha. 10. 23; 56. 28; अदर्शनं तु विपक्षेषु लिङ्गस्यास्त्येव YuktiSneha. 62. 24 (*on* i. 1. 5); 137. 29 (*on* i. 1. 6); दाहादिशक्तिशून्यस्याग्न्यादे: क्वाप्यदर्शनात् SāṁkhyaPraBh. 6. 27 (*on* 1. 1); 72. 4 (*on* 1. 56); उभयोरप्यन्यत: प्राप्तिसंभवात्तद्व्यतिरेकेण च क्वचित्कस्यचित्प्रापणीयस्यादर्शनात् VidhiRa. 7 (37. 2); दिवाग्नेरदर्शनादादित्यान्तर्गति: MīmāKau. iii(1). 34. 20 (*on* i. 2. 12); पुण्यपापयो: सुखदु:खभोगमात्रनाश्यतया दर्शनादर्शनाभ्याम् … पूर्वयोर्निगरणं व्यज्यते RasGaṅ. 422. 4; 696. 1; योग्यानुपलब्धिश्च दर्शनयोग्यस्यादर्शनम् BhāṭṭCin. 47. 3 (*on* i. 1. 4); सीतायाश्चादर्शनादुत्थितोऽयं शोकाम्भोधिर्वर्धते त्वत्क्षयेण JānaPa. 6. 34; भवतोरदर्शनाद् व्यथते संप्रति जम्भजित्सख: Rāgh. 3. 56; तस्य टाबेकादेशेनापहारेणादर्शनात् LaS'abdeS'e. i. 375. 12; **1B** absence of knowledge, lack of experience तेष्वदर्शनाद्विरोधस्य समा विप्रतिपत्ति: स्यात् MīmāSū. i. 3. 8; अपि वा कालमात्रं स्याददर्शनाद्विशेषस्य MīmāSū. iv. 4. 6; एवमहमित्यात्मज्ञाने तामसलीना तथाहंकारस्यादर्शनमविद्या TattvSa. 13 (132. 16); तत्र तत्र यथाभूतस्याज्ञानमदर्शनमनभिसमय: EI. xxi. 198. 9; अदृष्टशब्देनादर्शनमुच्यते NyāyVār. 446. 2 (*on* iii. 2. 69); तदेवमदर्शनं शरीरसर्गहेतु: NyāyVār. 446. 6 (*on* iii. 2. 69); तत्रान्येषामदर्शनम् VākyaP. 2. 69; तेषु क्रमकालपरिमाणेष्वदर्शनाद्विरोधस्येत्युच्यते TantrVā. 123. 10 (*on* i. 3. 7); शक्ते: शक्त्यन्तरायोगस्तत्र सत्यप्यदर्शनम् SphoṭSi. 52. 2; 240. 4; चक्षुष: संस्कारेण तिमिरे अपनीते ग्रहीतुरदर्शनात् न ग्रहीतुर्धर्म: GītāBh.(S'aṅ.) 363. 6 (*on* 13. 2) (Ānandagiri दोषाद्यनुपलम्भात्); सुषुप्तेऽदर्शनात् ज्ञानस्यापि सुषुप्तेऽभावात् PraśnaUBh. 292. 18 (*on* 6. 2); गुणे सति प्रामाण्यदर्शनात् असति चादर्शनात् TātpaṬ.(U.) 42. 8 (*on* 2. 30); यत्तव ममापि यद्येकत्र दृष्टं स्यात् न केनचिद्विरुद्धमुक्तं स्यात्। अदर्शनात्तद्विरुद्धमित्युक्तम् S'arka. 16. 23; तदयुक्तम् अदर्शनात् NyāyMañ. i. 149. 8; दर्शनादर्शनयोर्लौकिकत्वेन तुल्यतया बाध्यबाधकभावेन विषयव्यवस्थोपपत्ते: TattvBi. 64. 1; तत्रादर्शनाद् अन्यत्र च दर्शनात् VakroJī. 46. 5; तस्य तस्याध्यात्मिकादेर्दु:खस्य निवृत्तेरदर्शनात् SāṁkhyaTaKau. 25. 1 (*on* 1); ननु नित्यत्वेऽपि विषयानागमाददर्शनम् NayaVi. 232. 4 (*on* i. 1. 6); Loc. 25. 21 (*on* 1. 4); मुख्यरूपेण त्वदर्शनं सामान्यशब्दस्यापि विशेषेऽस्त्येव NyāyRa. 608. 20 (*on* 5(13). 155); 790. 11 (*on* 6. 234); स्वप्रकाशस्य कस्यचिदप्यदर्शनात् S'āstrDī. 123. 30 (*on* i. 1. 5); ज्ञानकार्यादर्शनात् S'rīBh. 155. 10 (*on* i. 1. 4); मृतशरीरे ग्रसनप्रभवादीनामदर्शनात् GītāBh.(Rā.) 581. 22 (*on* 13. 16); न हि निराश्रया: प्राणा: क्वचित्तिष्ठन्ति गच्छन्ति वा जीवतोऽदर्शनात् S'aṅkaVi.(Ā.) 231. 4; तत्र असिद्ध्यादेर्दोषान्तरस्य अदर्शनात् TarkSaṁ.(Ā.) 25. 19; S'atDū. 86. 10; इष्टानिष्टप्राप्तिपरिहारयोरदर्शनात् NyāySu.(Ja.) 12B. 3 (*on* i. 1. 1); 18A. 1 (*on* i. 1. 1); तिरश्चामविकारायोगोऽदर्शनाद्वा TattvPrakā. 52B. 12 (*on* i. 3. 26); कार्यस्य सुखस्य दु:खस्य वादर्शनात् Upask. 420. 10 (*on* x. 1. 5); अपरोक्षवृत्तौ सत्यां चिदप्रतिबिम्बनेनानिवृत्तेरदर्शनाच्च Nyāyāmṛ. 635A. 6; ज्ञानादज्ञाननिवृत्तेरन्यत्रादर्शनमकिंचित्करम् SiddhāBi. 63. 1; अदर्शनेन हि प्रायश्चित्ताभावोऽनुमेय: S'ivārkaMaDī. ii. 407. 25 (*on* iii. 4. 42); अभावस्य कारणत्वेऽपि भावसहकृतस्यैव तस्य कारणता न शुद्धस्य क्वचिदपि तथा अदर्शनात् MīmāKau. iii(2). 48. 16 (*on* ii. 1. 6); सा च व्यभिचारादर्शने सति सहचारदर्शनेन गृह्यते VedāntPari. 152. 1; निपातातिरिक्तनामार्थधात्वर्थयोरन्वयस्यादर्शनात् AlaṅkāKau.(Vi.) 68. 1; एवं रीतेरन्यत्र क्वाप्यदर्शनेन VaiyāSiMañ. 30. 6; तदर्थभूते विधेये कदाप्यदर्शनात् LaS'abdeS'e. i. 17. 2; **1C** invisible state, unknown state or condition अदर्शनादापतिता: पुनश्चादर्शनं गता:। न ते तव न तेषां त्वं तत्र का परिदेवना MahāBhā. xi. 2. 8; xiv. 42. 16; SūktiRa. 198. 2; Subhāṣi. 3268; अव्यक्तादीनि अव्यक्तम् अदर्शनम् अनुपलब्धि: आदिर्येषां भूतानाम् GītāBh.(S'aṅ.) 43. 10 (*on* 2. 28); **1D** invisibility (as a quality) अनेकद्रव्यारब्धत्वाभावात् परमाणोरदर्शनमुक्तम् NayaVi. 74. 7 (*on* i. 1. 4); **2A** disappearance, going out of sight, becoming invisible, concealment मृतादर्शनयो: KātyS'S. xx. 3. 21; शक्रो जगामादर्शनं तत: MahāBhā. iii. 38. 45; तस्य संपश्यत: … वृषभध्वज:। जगामादर्शनम् MahāBhā. iii. 42. 1; iii. 570*(3); iii. 168. 27; iii. 185. 51; iii. App. 25 (25); vii. 52. 12; vii. 303*(2); ix. 241*(2); xii. 252. 13; xiv. 14. 12; दर्शनादर्शनेनैव सोऽपाकर्षत राघवम् Rāmā. iii. 42. 8; अदर्शनमिवात्मानं भयान्नेतुं त्वमिच्छसि Rāmā. v. 18. 2; निवृत्ते हयमेधे च गते चादर्शनं हरे Rāmā. vii. 90. 20; vii. 98. 5; अदर्शनं तूपगतश्च तस्या: Saund. 4. 43; सा चात्यन्तमगोचरं (v. l. अदर्शनम्) नयनयोर्याता Vikramo. 4. 9; देवी …। जगामादर्शनम् MārkP. 23. 57; एवमुक्त्वा महादेव:…। अदर्शनमनुप्राप्त: VāyuP. i. 30. 295; जगामादर्शनं देवी खे MatsyaP. 208. 9; तेन तेऽदर्शनं नीता: सद्य एव बलाहका: BrahmāṇḍP. ii. 40. 8; उक्त्वेत्यदर्शनं याति देवी नारायणात्मिका JayāS. 27. 120; अतोऽस्माकमदर्शनमेव श्रेय: Tantrākhyā. 55. 10; तत्सर्वे हेलयोड्डीय…अदर्शनं गत्वा मुक्तिं प्राप्तुम: PañcT. 2. 1 (21) (184. 5); 2. 2 (186. 6); पुरुषस्यादर्शनमुपयाति SāṁkhyaKāBh. 32. 6 (*on* 61); आशुगा:। ऐकागारिकवद्भूमौ दूराज्जग्मुरदर्शनम् S'iśuVa. 19. 111; अदर्शनं ययौ मन्दं कृपयेव विरोचन: PadmP.(Ra.) 2. 203; इत्युक्त्वा मामसौ देवस्तत्रैवादर्शनं गत: ParaS. 1. 20; मृषा किमित्थं रसने ब्रवीषि गतैव सात्यन्तमदर्शनं मे RāmC. (App. II) 39. 16; सादर्शनमुपेयुषी LakṣmīT. 57. 26; अथ यत् … अदर्शनं जिगमिषति सवितरि तन्निधनम् ChāndoUBh. 100. 10 (*on* ii. 9. 8); यथा मरीचय: रश्मय: अर्कस्य आदित्यस्य अस्तम् अदर्शनं गच्छत: PraśnaUBh. 270. 11 (*on* 4. 2); ततश्च नष्टचर्याक्रीडयेवादर्शनमायान्तीषु दिक्कन्यकासु … शिबिरसंनिवेशमविशत् NalaCam. 6. 42 (18); देवता … जगामादर्शनं क्षणात् BṛKathāK. 16. 36; देवोऽथ … झगित्यदर्शनमगमत् TilaMañ. 45. 12; भगवान् …। अदर्शनमनुप्राप्त: KūrmaP. 167. 12 (1. 15); 515. 11 (2. 11); उदयास्तमनं ज्ञेयं दर्शनादर्शनं रवे: AgniP. 120. 27; 360. 33; काले चकार तस्याश्च सपुत्राया अदर्शनम् BrahmVaiP. iv. 58. 2; एवमुक्त्वा गतो देव: सद्योऽदर्शनम् VarāP. 3. 24; माधव:। जगामादर्शनं तस्या: NaraP. 55. 19; देवा: … जग्मुश्चादर्शनं तस्या: BrahmP. 35. 3; 40. 111; 50. 16; 51. 46; इत्युक्त्वा भगवान् ब्रह्मा जगामादर्शनं विभो BhaviP. 116A. 22 (i. 66. 1); (सूकर:) क्षणं दृष्टिपथं राज्ञ: क्षणं चादर्शनं गत: DevīBhāP. vii. 18. 40; viii. 15. 24; तस्य योगबलाद् भूप गतस्यादर्शनं तदा। दृष्ट्वा तदद्भुतं कर्म वैष्णवब्रह्मचारिण: PadmP. i. 22. 46; iv. 31. 53; जगामादर्शनं देवी व्यक्ताव्यक्तस्वरूपिणी SaurP. 49. 142; देवा जग्मुरदर्शनम् YogVā. iv. 25. 30; उक्त्वेत्यदर्शनं याते भुजङ्गे मामसूत

सा BṛKathāMañ. i. 3. 9; 4. 114; अदर्शनं प्रयातायां तस्याम् … पुष्पवृष्टिः पपात च RāmāMañ. 503. 18; व्योम्नः … तारकाश्रुकणावली । बालमित्रकरोन्मृष्टा जगामादर्शनं शनैः RāmāMañ. 247. 12 = Subbhāṣi. 2156; वारे प्राप्ते तृतीये च यान्तीष्वन्यास्वदर्शनम् SamaMā. 3. 16; दत्त्वा चास्मै स खड्गं स्वम् … अदर्शनं ययौ KathāSaSāg. ii. 2. 48; ii. 4. 59; ix. 6. 165; xiv. 1. 79; अस्तमिति शैलविशेषादर्शनयोः GaṇRa. 1. 16 (38); स महासाहसं कृत्वात एवागाददर्शनम् PariPar. 6. 219; अक्षभाष्टहतियुक्तवर्जिता अष्टगोमितलवा गजाद्रयः। तत्समे दिनमणौ च कुम्भभूर्याति दर्शनमदर्शनं क्रमात् KaraṇaKu. 6. 14 (28); पुरुषः … इत्युक्त्वादर्शनं गतः Pañcā. 161. 18; प्रापे क्विप्प्रत्ययेनेव तेन तूर्णमदर्शनम् Surath. 10. 111; जगामादर्शनं सुरः PārśvC. 2. 1002; अदर्शनं जग्मुतुरञ्जसा द्वौ S'aṅkaDigVi.(Mā.) 8. 55; 10. 72; दर्शनादर्शने भानोरुदयास्तमयौ मतौ BṛBrahmaS. ii. 7. 97; प्राप्तां सद्योऽदर्शनं पार्थिवेन्दुः … विद्विषद्भूपसेनाम् ।… ऐन्द्रजालीममंस्त Raghunā. 10. 43; स्वस्वधुत्रेन्द्राधरसंस्थयोश्च …। अदर्शनाद्दर्शनतो मिथोऽस्ति व्यत्यासतो रात्रिदिनप्रमाणम् SiddhāTaVi. 164. 10; 266. 3; 295. 8; KalpaK. 460. 22; ष्णुसु अदने । आदाने इत्येके । अदर्शने इत्यपरे SiddhāKau. 402A. 2; **2B** power to become invisible काव्यामृतादर्शनस्तम्भनोच्चाटनमारणादि … तेषां स्वयं जायते KulaCūT. 7. 34; दूरश्रुतिर्दूरदृष्टिस्तथास्यादर्शनं खलु S'ivaS. 3. 89; **3A** absence, non-availability, not being found धर्ममात्रे त्वदर्शनात् शब्दार्थेनापवर्गः स्यात् MīmāSū. xi. 1. 28; आचार्याय गां दद्यात् अदर्शने ब्राह्मणेभ्यो गां दद्यात् JaimiGS. 1. 22 (24. 2); योगप्रमाणे च तदभावेऽदर्शनं स्यात् P. i. 2. 55 (KāśiVṛ. अदर्शनमप्रयोगः); आर्तवक्षये यथोचितकालादर्शनमल्पता वा योनिवेदना च SuśruS. i. 15. 12; सुषुप्त्यवस्थायां तस्या आत्मनि बुद्धौ चादर्शनात् Bṛha. 75. 8 (*on* i. 1. 5); 128. 6 (*on* i. 1. 5); अन्नमयेऽदर्शनात् TaiUBh. 277. 3 (*on* 2. 8); अन्यस्य भजनीयस्यादर्शनात् GītāBh.(S'aṅ.) 222. 4 (*on* 7. 17); न हि लक्षणिकी गौणी वा वृत्तिः शास्त्रेणानुगम्यते । अग्निर्माणवकः इत्यादावदर्शनात् NyāyRa. 903. 9 (*on* 7. 206); न तावत् ज्ञातत्वमात्रात्पूर्वाज्ञातत्वसिद्धिः स्मृत्यवगतेऽदर्शनात् PrakaVi. 563. 3; तदनुगुणानां श्रुतिलिङ्गवाक्यादीनामदर्शनात् CaturCin. iii(1). 64. 1; iii(2). 611. 6; पीतशङ्खभ्रमादिष्वदर्शनात् NyāyPari. 486. 7; हीनसंधिनि एकस्य संधेः … अदर्शने चतुर्थस्य संधेरदर्शनम् NāṭaLaRaK. 449; कारणज्ञानतत्कार्यज्ञानादीनां युगपददर्शनात् SāhiDa. 91. 4; चिन्मात्रं मुक्तं स्यादितीच्छायाः कदाप्यदर्शनेन Nyāyāmṛ. 383A. 9; 629A. 3; 635B. 9; पूर्वपक्षसूत्रस्य चादर्शनेन … तात्पर्यस्य निर्णेतुमशक्यत्वात् S'ivārkaMaDī. i. 7. 6 (*on* i. 1. 1); अदर्शनं निष्कृतेः स्मृतम् NayaMañ. III. iv. 11. 21; यथा तत्त्वाभेदे घटः कुम्भ इति सामानाधिकरण्यप्रतीतेरदर्शनेन मिलितसिद्धिरुद्देश्या AdvaiSi. 78. 3; गौः … इदानीं बहुक्षीरेत्यत्र यादृशी प्रीतिस्तादृशप्रीतेरदर्शनात् MayūMāli. 14. 10 (*on* i. 2. 3); तद्वतामपि … ब्रह्मजिज्ञासाया अदर्शनात् GoviBh. 5. 14 (*on* i. 1. 1); अविद्याबुद्धितद्धर्मभासकांशेतरावृतिः । कल्प्यते वस्तुतस्तेषु संशयादेरदर्शनात् VedāntSiSūMañ. 1. 96; **3B** absence of mention, not being available in a text आज्ये चादर्शनात् KātyS'S. i. 4. 11; न तावदाद्यः पक्षः सूत्रेष्वदर्शनात् MṛtaSaṁ. 6. 8 (*on* 1. 10); वचनद्वयं प्रचरदपि संहितास्वदर्शनात् … नाद्रियन्ते VīraMi. 190. 16 (*on* 1. 100); तत्तन्त्रेषु क्वाप्यदर्शनात्प्रामाणिका न मन्यन्ते LalitāSaBh. 5. 13 (*on* 3); तेषामष्टशत्यामदर्शनात् SetuBa. 7. 7; उक्तसत्याषाढस्य तद्ग्रन्थेऽदर्शनात् BālamBha. i. 176. 14 (*on* 1. 53); **4** (Gr.) elision, omission कृदन्तमर्थवत्प्रातिपदिकमदर्शनं प्रत्ययस्य नाम संपद्यते GopBr. i. 1. 26; विवृत्तिषु प्रत्ययादेरदर्शनम् ṚPrāti. 14. 26; वर्णस्यादर्शनं लोपः VājaPrāti. 1. 141; अदर्शनं लोपः P. i. 1. 60; सतोऽदर्शनस्य संज्ञया भवितव्यं संज्ञया चादर्शनं भाव्यते तदेतदितरेतराश्रयं भवति MahāBh. i. 158. 3 (*on* i. 1. 60); अदर्शनम् अश्रवणम्, अनुच्चारणम्, अनुपलब्धिः, अभावः, वर्णविनाशः इत्यनर्थान्तरम् KāśiVṛ. *on* P. i. 1. 60; अदर्शनं लुक् तच्च अभावः Nyās. i. 191. 4 (*on* i. 2. 49); अदर्शनम् अभाव इत्येक एवार्थः Pradī. ii. 310A. 31 (*on* i. 4. 109); SaraKaṇṭhā.(Gr.) i. 1. 88; सतः अदर्शनस्य संज्ञा PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 1. 60; वर्णानामदर्शनं लोपसंज्ञं स्यात् PrakriKau. i. 32. 2; अदर्शनं लोप इत्यतोऽदर्शनमित्यनुवर्तते LaS'abdeS'e. i. 245. 12; **5A** destruction, end, vanishing completely अविज्ञानाच्च भारत । शास्त्रं प्राज्ञस्य वदतः समूहे यात्यदर्शनम् MahāBhā. xii. 140. 20; सः … ध्वजः । सुदर्शनस्त्वदर्शनं जगाम धरणीतले Rāmā. iii. 532*(1); काम्बोजमत्स्यकुरुकैकयसृञ्जयाद्याः । यास्यन्त्यदर्शनम् BhāgP. ii. 7. 35; इमा नद्यः … समुद्रं प्राप्य उपगम्य अस्तमदर्शनं नामरूपतिरस्कारं गच्छन्ति PraśnaUBh. 303. 7 (*on* 6. 5); विनाशमदर्शनमभावम् … न कर्तुमर्हति GītāBh.(S'aṅ.) 29. 16 (*on* 2. 17); तत्साम्यात्र प्रणश्यामि नादर्शनमुपयामि GītāBh.(Rā.) 346. 4 (*on* 6. 30); णश अदर्शने DhātuPra. 4. 88 (97. 4); नाशोऽदर्शनम् Aparā. 773. 13 (*on* 2. 165); न नश्यति स्वयमदर्शनं न याति ManvaVi. 796. 10 (*on* 7. 83); णश अदर्शने, प्रणश्यति PrakriKau. ii. 244. 1; Prasā. ii. 242. 9; ii. 394. 10; नष्टा अदर्शनं गता स्वामिनः BālamBha. ii. 280. 22 (*on* 2. 161); AmaK. 2294; Vaija. 216. 31; NānārthāSaṁ. i. 26. 69; S'abdaRa.(Vā.) 3415; 3898; KalpaK. 242. 65; विनाशः स्याददर्शनम् KośaKaTa. 2. 727; **5B** antecedent non-existence of perception न चादर्शनेऽसिद्धेऽदृष्टदृष्टिः सिद्ध्येत् IṣṭaSi. 23. 22 (comm. दर्शनप्रागभावः); **6A** failure to show oneself, to be available to meet अदर्शनं कार्यनिर्वेदः (स्त्रीव्यसनस्य दोषाः) ArthS'ā. iii. 22. 4 (8. 3); अदर्शनं वृथाभ्युपगमश्चेति विरक्तलिङ्गानि NītiVā. 32. 3; मृगयास्त्रीव्यसनयोः स्त्रीव्यसनं दुष्टम् । तत्र दर्शन(? नं) कार्याणां कालातिपातेन धर्मलोपादयः दोषाः ManvaMu. 256. 14 (*on* 7. 52); अदर्शने दोषमाह महाभारते कृष्णद्वैपायनः – अर्थिनामुपसन्नानां यस्तु नोपैति दर्शनम् । सुखेषु सक्तो नृपतिः VīraMi.(Vyavahāra.) 92. 22; **6B** failure to see or meet, neglect, disregard, not taking note of शका यवनकाम्बोजाः …। वृषलत्वं परिगता ब्राह्मणानामदर्शनात् MahāBhā. xiii. 33. 19; क्षत्रियजातयः । वृषलत्वं गता लोके ब्राह्मणादर्शनेन च ManuSm. 10. 43; स्त्रीमृगयाव्यसनयोः स्त्रीव्यसनं गरीयः । अदर्शनं कार्याणाम् ManuBh ii. 17. 5 (*on* 7. 52); अतश्चादर्शनेऽन्यथादर्शने वा राज्ञो दोषो न ब्राह्मणानाम् Mitā. 125. 15 (*on* 2. 1); तत्प्रयोजनमदर्शनान्यथादर्शनयोर्न तेषां दोषः किंतु राज्ञ एवेति बोधनम् VīraMi.(Vyavahāra.) 10. 20; **7A** not the accepted view, not the correct stand point or doctrine ज्ञातान् सृजत्यसौ तान्वा नेति ज्ञातेष्वदर्शनम् S'ivaDṛ. 2. 25; अदर्शनमेव दर्शनं प्रतिरूपयति दर्शनमिव दर्शयति TātpaṬ.(Vā.) 42. 21 (*on* i. 1. 1); न सूत्रं न च भाष्यं स्यात्तस्मादेतदर्शनम् NyāyRaMā. 150. 4; **7B** nescience, erroneous knowledge तस्यादर्शनस्याभावाद् बुद्धिपुरुषसंयोगाभावः YogBh. 97. 6 (*on* 2. 25); अज्ञानमदर्शनमिति ब्रुवाणो विकल्पतः पर्यनुयोज्यः NyāyVār. 447. 9 (*on* iii. 2. 69); ब्रूतालाभेऽस्य को हेतुर्न ह्यतोऽन्योऽस्त्यदर्शनात् TaiUBhVā. 48. 2; अदर्शनमविद्या संयोगनिमित्तमित्युक्तम् TattvVai. 92. 26 (*on* 2. 23); न दृश्यतेऽनेन पुरुषत्वमिति अदर्शनं तमः VedāntKa. 258. 13 (*on* ii. 2. 10); **8A** not the organ of sight अक्ष्णोऽदर्शनात् P. v. 4. 76; **8B** meaning other than 'seeing' अदर्शनेऽर्थे शमो ह्रस्वो भवति। शमयति रोगम् । अदर्शन इति किम् । निशामयति रूपम् CāndraVṛ. *on* vi. 1. 56; शमोऽदर्शने S'ākaṭāVyā. iv. 1. 203; SiddhaHe. iv. 2. 28; PrakriKau. ii. 324. 6; **9** desire to see दिदृक्षाविशेषोऽदर्शनमिति चेत् । अथ मन्यसे नादर्शनं दर्शनाभावः किं तु दिदृक्षादर्शनमित्युच्यते NyāyVār. 446. 18 (*on* iii. 2. 69); [Kośas give the meanings : piles (?) दुर्णामादर्शनं ज्ञेयम् DharK. 1478; (*m.*) darkness तमसं तमः ।… खत्वग्वृत्रोऽप्यदर्शनः KalpaK. 361. 6]

अदर्शन (a-darśana) *adj.* [*f.* –ā] **i** which cannot be seen, invisible, absent अदर्शनाद् ग्रामात् KātyāS'S. xxi. 3. 18 (comm. सप्तम्यर्थे पञ्चमी । ग्रामाददर्शने । यत्र स्थितैर्ग्रामो न दृश्यते); न दर्शने (v. l. अदर्शने) तिष्ठति रूपमस्य MahāBhā. v. 45. 17 = SanSu. 4. 23 (S'aṅ. दर्शनायोग्ये विषये); बभूवादर्शनः सूर्यः HariVaṁ. 54. 3; इत्युक्त्वा भगवानग्निः पश्यतस्तस्य वै मुनेः । बभूवादर्शनः सद्यः MārkP. 100. 19; एभ्योऽधिकैःकालभागैर्दृश्या न्यूनैरदर्शनाः । भवन्ति लोके खचरा भानुभाग्रस्तमूर्तयः SūryaSi. 9. 9; श्वानः सूकरकुक्कुटाः । रजःस्वला च चण्डालः श्राद्धे कार्यास्त्वदर्शनाः BṛhaspaSm. 333. 48; जन्तवोऽणवः । अपादवृत्तताम्राश्च सौक्ष्म्यात् केचिददर्शनाः AṣṭāSaṁ. i. 299. 10 (3. 14); RugVi. 7. 11; भावा मूर्ताः सर्व एव सूक्ष्मसूक्ष्मतरादिना । ज्ञेया अत्रयवेनैते यावद् यावददर्शनाः S'ivDṛ. 5. 84; अष्टोत्तरशतं जप्त्वा अदर्शनः खेचरोऽमितगतिः संपद्यते PārāSū. 82. 1; यानं वैहायसं नाम दृश्यमानमदर्शनम् । आस्थितस्तद् विमानाग्र्यम् BhāgP. viii. 10. 17; सत्ये अदर्शना या च त्रेतायां सूक्ष्मरूपिणी BrahmVaiP. ii. 1. 117 = DevīBhāP. ix. 1. 111; PariPar. 2. 479; तस्य हुंकारमात्रेण जज्ञे लुब्ददर्शना SamarāSaṁ. 8. 369; PārśvC. 2. 295; नात्यन्तं दर्शयेद् देयं न चात्यन्तमदर्शनम् ViṭaVṛ. 23; **ii** having no cognition तेनादर्शनमप्याहुः सर्वे सर्वविदं जिनम् । अनाभोगेन निःशेषसर्ववित्कार्यसंभवात् TattvSaṁ. 2050 (comm. नास्य दर्शनमुपलम्भोऽस्तीति अदर्शनः); **iii** making invisible, annihilating राम ते पादयुगलं दर्शितं मोक्षदर्शनम् । अदर्शनं भवार्णानां सन्मार्गपरिदर्शनम् AdhyāRā. iv. 6. 67; **iv** not possessing the right faith अव्रतस्थोऽपि मुक्तिस्थो न व्रतस्थोऽप्यदर्शनः YaśasCam. ii. 324. 16; **v** possessing the power of becoming invisible, YaśasCam. ii. 324. 16.

अदर्शनकामता (adarśanakāma-tā) *f.* desire not to see, lack of desire for being together [WBTF]

अदर्शनकालभाविन् (adarśanakālabhāv-in) *adj.* occurring at the time of its absence दृश्यमानस्यादर्शनकालभाविनमभावं प्रतिपद्यते नासीदयमिहेति PrakaPañ. 291. 9.

अदर्शनकृत (adarśana-kṛta) *adj.* caused by absence तद्यातु । वरमावाभ्याम् … अदर्शनकृतान्क्लेशाननुभूतान् न पुनरस्य … वदनमीक्षितुम् Kād. 294. 5.

अदर्शनगत (adarśana-gata) *adj.* **i** gone out of sight अदर्शनगतौ ज्ञात्वा भ्रातरौ पार्थिवात्मजौ । गुहः सूतश्च सस्नेहौ न्यवर्तेतां ततः पुनः Rāmā. II. App. i. 17. 4; **ii** become invisible अदर्शनगतो मन्त्री किं न कुर्याच्च भूतले JayāS. 28. 124.

अदर्शनज (adarśana-ja) *adj.* caused by disappearance (i. e. departure) तस्यादर्शनजः शोकः …। उच्छोषयति मे प्राणान् Rāmā. ii. 1490*(1)

अदर्शनजन्मन् (adarśana-janman) *adj.* caused by disappearance जामातुरदर्शनजन्मा शोकः पुनरस्माकमुपशममपितुमवशिष्यते AnarghaRā. 3. 12 (1)

अदर्शनज्ञ (a-darśanajña) *adj.* not versed in philosophy अदर्शनज्ञो देवानां प्रियः । नात्रोत्पत्त्यपेक्षया प्रयोज्यप्रयोजकभावो विवक्षितः NyāyMañ. ii. 138. 32.

अदर्शनतप्त (adarśana-tapta) *adj.* distressed at (his) absence तस्य दर्शनतृष्णं (v. l. तस्यादर्शनतप्तं) मां सानुजं वनमाश्रितम् । याज्ञसेन्याः परामर्शः स च वीर दहत्युत MahāBhā. iii. 142. 4.

अदर्शनतस् (adarśana-tas) *adv.* due to non-observation यदि स्याद्विधिशब्दोऽत्र नैवादर्शनतो भवेत् । विशेषोऽस्येति भेदेन नोपात्तं स्यादिदं ततः S'loka-Vār. 496. 5 ((5) 13. 11); यथा तथा निशाभ्रान्तिर्जातादर्शनतो रवेः VīraBhā. 3. 4; संदर्शनादेव कृतं दृग्युग्मं योग्यं न चादर्शनतश्च तस्य (भानोः) SiddhāTaVi. 295. 16 (11); देव त्वद्दर्शनादेव लीयन्ते पुण्यराशयः । किं चादर्शनतः पापमशेषमपि नश्यति RasGan. 422. 3; क्षणाददर्शनतो दीनाः सदा सहविहारिणः। ··· वयस्या व्रजवासिनः BhaktiRaSi. iii. 3. 8.

अदर्शनता (adarśana-tā) *f.* disappearance सह्वैव दीधितिभिरदर्शनतामुपगते भगवति गभस्तिमालिनि Kād. 205. 18.

अदर्शनत्व (adarśana-tva) *n.* non-observation सर्वथा तावद्राकाकुह्वोरेव चन्द्रमसः पूर्णत्वमदर्शनत्वं चेति ज्योतिश्शास्त्रे प्रसिद्धम् SmṛtiCan. v. 39. 10.

अदर्शनदशा (adarśana-daśā) *f.* the state of non-observance स एव कुतः, दर्शनदशायां भावनिश्चयात्, अदर्शनदशायामभावावधारणात् NyāyKuA. i. 166. 2.

अदर्शनदेव (adarśana-deva) *m.* name of a person ज्येष्ठस्वामि-अदर्शनदेव-धनदेव° EI. ix. 288. 14.

अदर्शननिबन्धन (adarśana-nibandhana) *adj.* depending on non-perception अनवस्थानं चादर्शननिबन्धनम् PrakaPañ. 372. 6.

अदर्शननिमित्त (adarśana-nimitta) *adj.* [*f.* -ā] **i** caused by non-perception किमयं प्राप्तिप्रत्ययः प्राप्तिनिमित्त आहो अप्राप्तेरदर्शननिमित्त इति सन्दिह्यते NyāyVār. 239. 8 (*on* ii. 1. 31); **ii** caused by lack of discrimination अदर्शननिमित्ता चेत् शरीरोत्पत्तिर्भवति NyāyVār. 446. 9 (*on* iii. 2. 69); अदर्शनादभावेऽवगते पश्चादुपजायमाना बहिर्भावमतिर्नादर्शननिमित्ता NyāyRa. 453. 20 (*on* 5(7). 14); *n.* cause of non-cognition तस्याप्यदर्शननिमित्तं चेत्येव तस्य तस्यान्यदित्यनवस्था TantrVā. 382. 9 (*on* ii. 1. 5)

अदर्शननिवृत्ति (adarśana-nivṛtti) *f.* removal of ignorance न तस्य साधनं दर्शनमपि त्वदर्शननिवृत्तेरित्यर्थः TattvVai. 93. 11 (*on* 2. 23)

अदर्शनपथ (adarśana-patha) *m.* region beyond the reach of vision सोऽदर्शनपथं यात्वा मर्त्यानां भूमिचारिणाम् । ददर्शाद्भुतरूपाणि विमानानि MahāBhā. iii. 43. 28; किं पूर्वोचितमेतदत्र सहसा विस्मृत्य मन्योर्भरान्मय्युत्कण्ठमनस्यदर्शनपथं यातास्यहो कोपने Subhāṣi. 1372.

अदर्शनपरीषह (adarśana-parīṣaha) *m.* hindrance in the form of losing faith [JainL.]

अदर्शनप्रयोग (adarśana-prayoga) *m.* method of becoming invisible अदर्शनप्रयोगांश्च जानेऽहमुपयोगिनः KathāSaSāg. ii. 4. 42.

अदर्शनप्रसङ्ग (adarśana-prasaṅga) *m.* contingency of non-observation ननु चालोकापवारणे भूभागादेरदर्शनप्रसङ्गः PrakaPañ. 323. 12; परात्मा तु कथं परस्यायोग्यः । ··· स्वयमप्यदर्शनप्रसङ्गात् NyāyKuA. i. 154. 6.

अदर्शनप्राप्ति (adarśana-prāpti) *f.* attaining of non-perception अस्तमने अदर्शनप्राप्तेः वायुनिमित्तत्वात् ChāndoUBh. 213. 15 (*on* iv. 3. 1)

अदर्शनमात्र (adarśana-mātra) *n.* **i** mere non-perception व्यतिरेकसाधनस्यादर्शनमात्रस्य संशयहेतुत्वात् PramāVāSvopVṛ. 7. 5; न चादर्शनमात्रेण ताभ्यां प्रत्यायनं भवेत् TattvSaṁ. 936; S'lokaVār. 5(13). 75 (585. 5); Kāśi. i. 126. 8 (*on* 2. 117); iii. 78. 23 (*on* 5(4). 131); बाधाददर्शनं ब्रूयात्ततो निष्प्रमाणकं वदेदयं त्वदर्शनमात्रं वदति TantrVā. 1115. 14 (*on* iii. 6. 42); विपक्षेऽदर्शनमात्रान्नाविनाभावनियमः PrakaPañ. 198. 10; NyāyMañ. i. 102. 8; दृश्यादर्शनमभावे प्रमाणं, नादर्शनमात्रम् NyāyRa. 482. 18 (*on* 5(8). 27); असाधारणं संयोगहेतुमदर्शनविशेषं ग्रहीतुमदर्शनमात्रं विकल्पयति TattvVai. 93. 12 (*on* 2. 23); न ह्यदर्शनमात्रेण कर्त्रपलापः । त्वन्मतेऽपि सर्वज्ञकर्तुरसिद्धयापत्तेः AdvaiSi. 759. 13; न ह्यदर्शनमात्रेण भानोः संभाव्यते च्युतिः BṛKathāS'loSaṁ. 20. 297; न हि ··· जात्यन्धः तमोऽपि ग्रहीतुं शक्नोति, अदर्शनमात्रस्यैव तद्रूपत्वात् Bhāsk. 71. 18 (*on* i. 1. 4); **ii** mere absence (of probandum and probans) of perception तदनुपपन्नमिवाशङ्क्यते – अशेषाविपक्षापेक्षित्वेनादर्शनमात्रावसेयत्वेन च सुखग्राह्यत्वादन्वयनिरपेक्षस्य व्यतिरेकमात्रस्यैवाङ्गत्वात् TātpaṬ.(U.) 337. 17 (*on* 5(4). 131); इदानीं पुनरर्थक्रियासमर्थता दिविशेषदर्शनशून्यचेतसामुपलब्ध्यनुपलब्ध्यदर्शनमात्रोपपत्तेस्संशयो वर्ण्यते NyāyMañ. ii. 125. 8.

अदर्शनमात्रगम्य (adarśanamātra-gamya) *adj.* cognizable by mere non-perception स (विपक्षव्यतिरेकः) ह्यदर्शनमात्रगम्यः सुकरं च सर्वधूमानामप्येकदेशस्थैर्नैवानग्निष्वदर्शनम् NyāyRa. 388. 9 (*on* 5(4). 132)

अदर्शनमानिनी (adarśana-māninī) *adj.* (*f.*) who thinks herself to be invisible उपास्यते किंनरगायनीभिः स्त्रीभिरसद्दादर्शनमानिनीभिः । ··· यथार्थिताशेषफलप्रदायी Rāvaṇā. 10. 42.

अदर्शनमारुत (adarśana-māruta) *adj.* (fanned by) the wind of lack of sight अयं तु मामात्मभवस्त्वादर्शनमारुतः । ··· कर्शयित्वाधिकं पुत्र निःश्वासायासर्संभवः (मां शोकाग्निः ··· प्रधक्ष्यति) Rāmā. ii. 527*(3)

अदर्शनयोग्यभूत (a-darśanayogyabhūta) *adj.* not subject to seeing, invisible असत् अदर्शनयोग्यभूतावाकाशवायू, तदादि(? नां) तादृग्वस्तु नासीत् तदानीं प्रलये S'aṅkaVi.(Ā.) 30. 5.

अदर्शनलक्षण (adarśana-lakṣaṇa) *adj.* of the nature of ignorance तेऽदर्शनलक्षणं तमः प्रविशन्ति BṛĀraUBh. 631. 19 (*on* iv. 4. 11); इतरे तु प्राणं न पश्यन्तीत्यदर्शनलक्षणं कृष्णात्मानमेव पश्यन्ति PraśnaUBh. 247. 9 (*on* 1. 12)

अदर्शनविशेष (adarśana-viśeṣa) *m.* particular kind of ignorance असाधारणं संयोगहेतुमदर्शनविशेषं ग्रहीतुमदर्शनमात्रं विकल्पयति TattvVai. 93. 12 (*on* 2. 23)

अदर्शनविषयत्व (adarśanaviṣaya-tva) *n.* the state of being the object of non-perception (ignorance?) एवं तावद्यावदशक्यभङ्गत्वमदर्शनविषयत्वं च भवति NyāyMañ. ii. 72. 26.

अदर्शनशोक (adarśana-śoka) *m.* grief caused by not seeing (or disappearance) तवादर्शनशोकेन राघवः प्रविचाल्यते Rāmā. v. 33. 44; जामातुरदर्शनजन्मा शोकः (v. l. अदर्शनशोकः) AnarghaRā. 3. 12(1)

अदर्शनश्रुति (adarśana-śruti) *f.* Vedic text enjoining invisibility of the moon (as the proper occasion for performing the Pitṛyajña) अदर्शनश्रुतेः क्षयोपलक्षणत्वञ्चाह स एव CaturCin. iii(1). 179. 16.

अदर्शनसंविग्न (adarśana-saṁvigna) *adj.* frightened by the disappearance परित्यज्य च पाञ्चालं प्रयाताः ··· । राज्ञोऽदर्शनसंविग्ना वर्तमाने जनक्षये MahāBhā. ix. 24. 56.

अदर्शनसंज्ञित्व (adarśanasañjñi-tva) *n.* the state of being a technical term for disappearance or loss लुपोऽदर्शनसंज्ञित्वादर्थगतिर्नोपपद्यते Vār. 2 (*on* i. 2. 51) = (MahāBh. लुब्नामेयमदर्शनस्य संज्ञा क्रियते)

अदर्शनसत्त्व (adarśana-sattva) *n.* existence of absence of seeing त्रपु इत्यत्र क्विपोऽदर्शनसत्त्वेन प्रत्ययलक्षणेन तुगापत्तिर्दोषः LaS'abdeS'e. i. 87. 2.

अदर्शनसदृशत्व (adarśanasadṛśa-tva) *n.* the state of being equal to absence of seeing सद्योजातबालदीपदर्शनस्य यथादर्शनसदृशत्वं भवति तथाप्रकाशसदृशत्वादित्यर्थः Bhāsk. i. 24. 9 (*on* i. 1. 1)

अदर्शनसंदिग्ध (adarśana-sandigdha) *adj.* hesitant on account of the disappearance परित्यज्य च पाञ्चालं प्रयाताः ···। राज्ञोऽदर्शनसंविग्नाः (v. l. °संदिग्धाः) वर्तमाने जनक्षये MahāBhā. ix. 24. 56.

अदर्शनसंभव (adarśana-sambhava) *m.* possibility of the absence of perception विग्रहवतीनामपि तासामितरपदार्थेभ्यो विशेषसामर्थ्येनादर्शनसंभवात् TattvPrakā. 83A. 2 (*on* ii. 1. 6)

अदर्शनसंभावना (adarśana-sambhāvanā) *f.* possibility of non-appearance चन्द्रमसः शुक्लद्वितीयायां किंचिदूनार्धपर्यन्तमदर्शनसंभावना AdbhuSāg. 42. 7.

अदर्शनसहचरित (adarśana-sahacarita) *adj.* associated with non-appearance अदर्शनसहचरितो योऽर्थस्तस्य गतिर्भविष्यति MahāBh. i. 227. 23 (*on* i. 2. 51)

अदर्शनसामान्य (adarśana-sāmānya) *n.* common feature of disappearance तस्माददर्शनसामान्याल्लोपसंज्ञा लुमत्संज्ञा अवगाहते MahāBh. 1. 162. 11 (*on* i. 1. 62)

अदर्शनस्थित (adarśana-sthita) *adj.* invisibly present स पश्यति ··· डाकिनीभूतवेतालगणं चादर्शनस्थितम् JayāS. 28. 120.

अदर्शनहेतुका (adarśanahetu-kā) *adj.* (*f.*) caused by non-cognition अदर्शनादभावे च प्रमेयस्यावधारिते । बहिर्भावमतिर्नासौ तेनादर्शनहेतुका S'lokaVār. 454. 1 (*on* 5(7). 15)

अदर्शनहेतुत्व (adarśanahetu-tva) *n.* the state of being the cause of non-perception तस्मादतिदूरवदतिसामीप्यस्याप्यदर्शनहेतुत्वादग्रहणमेवोभयोरिति NyāyMa. 77. 11.

अदर्शना (adarśanā) *f.* name of a Mātṛ (Mother) (created by S'iva) पानार्थमन्धकास्रस्य सोऽसृजत् ··· अदर्शना हरत्पापा MatsyaP. 179. 27.

अदर्शनात्मक (adarśanātma-ka) *adj.* of the nature of ignorance अन्धम् अदर्शनात्मकं तमः BṛĀraUBh. 631. 9 (*on* iv. 4. 10); अन्धेन अदर्शनात्मकेनाज्ञानेन तमसा आवृताः आच्छादिताः ĪśopBh. 9. 2 (*on* 3)

अदर्शनादि (adarśanādi) *adj.* **i** lack of observation etc. व्रीडादिभिरदर्शनादिभिर्वेश्वनादिभिर्वैविध्यं प्रतीयते SaraKaṇṭhā. 643. 6; मोहः ··· तत्राज्ञानभ्रमापातघूर्णनादर्शनादयः SāhiSā. 5. 24; **ii** the country 'Adarśana' etc. अस्मिंस्तु अदर्शनादयः शब्दाः पश्चात्सिन्धुरित्याद्युदाहृतश्रुत्युक्ततत्तद्देशपराः न ह्यन्ये VīraMi. (Paribhāṣā.) 57. 8.

अदर्शनादिकृत् (adarśanādi-kṛt) *adj.* causing lack of sight etc. मोहः ··· मूर्च्छनाज्ञानपतनभ्रमणादर्शनादिकृत् SāhiDa. 150. 12.

अदर्शनादितस् (adarśanādi-tas) *adv.* due to not being seen or shown etc. एवमविशेषेणादर्शनादितो लेख्यहानिप्रसक्तावपवादमाह स एव SmṛtiCan. iii. 152. 8.

अदर्शनानुपपत्ति (adarśanānupapatti) *f.* impossibility of non-perception न च वचनमदृष्ट्वा पूर्वः पक्ष इति युक्तमधीतवेदस्य ब्रह्मजिज्ञासाधिकारादर्शनानुपपत्तेः Bhām. 476. 15 (*on* ii. 3. 9)

अदर्शनापत्ति (adarśanāpatti) *f.* consequence of becoming invisible वटधानादीनाम् ··· अवयवानामपचयवशादर्शनापत्तौ उच्छेदसंज्ञा BrahmSūBh. (S'aṅ.) 324. 3 (*on* ii. 1. 18)

अदर्शनाभाव (adarśanābhāva) *m.* absence of ignorance अदर्शनाभावादेव बन्धाभावः स मोक्ष इति YogBh. 93. 1 (*on* 2. 23)

अदर्शनाभिधान (adarśanābhidhāna) *n.* statement of non-perception दूरभूयस्त्वादित्यदर्शनाभिधानालम्बनप्रतिपादनार्थं भाष्यम् ··· व्याचष्टे NyāySu. (So.) 63. 7 (*on* i. 2. 12)

अदर्शनाभिमता (adarśanābhimatā) *adj.* (*f.*) intended by the expression 'non-perception' या चानुत्पन्ने शरीरे दर्शनानुत्पत्तिरदर्शनाभिमता NyāyBh. 237. 2 (*on* iii. 2. 68)

अदर्शनाभ्यास (adarśanābhyāsa) *m.* frequency of not seeing क्वाचित्व(त्‌)दर्शनाभ्यासः तिमिरं चक्षुषः क्वचित् NyāyMañ. i. 83. 35.

अदर्शनायत्त (a-darśanāyatta) *adj.* based on non-perception or non-experience तद्द्वयञ्जकतदितरविभागस्ते कुतस्त्यः। दर्शनादर्शनायत्त इति चेत् NyāyPari. 501. 18.

अदर्शनार्थत्व (adarśanārtha-tva) *n.* the state of being expressive of elision or disappearance लुक्यपि प्रत्ययलक्षणं भवति लोपस्यादर्शनार्थत्वात् PariVṛ.(Si.) 17. 10.

अदर्शनावधारित (adarśanāvadhārita) *adj.* ascertained through non-perception अदर्शनावधारितस्य चैत्राभावस्यैवान्यत्रानुपयुक्तस्य हेतुत्वं संभवति TātpaṬ.(U.) 391. 19 (*on* 5(8). 15) = Kāśi. iii. 166. 19 (*on* 5(7). 14–15)

अदर्शनी (adarśanī) *f.* name of a lore causing invisibility संक्षेपेण करिष्यामि विद्यानां नामकीर्तनम्। वज्रोदरी ··· अदर्शनी PadmP.(Ra.) 7. 328.

अदर्शनीभूत (adarśanī-bhūta) *adj.* **i** gone out of sight चित्रग्रीवोऽपि तं प्रतिनिवृत्तं दृष्ट्वा तानब्रवीत् (v. l. लुब्धकमदर्शनीभूतं ज्ञात्वा तानुवाच) PañcT. 2. 2 (187. 3); आषाढभूतिरपि तस्मिन्नदर्शनीभूते मात्रामादाय सत्वरं प्रस्थितः Pañcā. 25. 17; **ii** become invisible क्षणेनादर्शनीभूते तस्मिन् ··· अश्वसेनराट् ··· पृष्ठतो गन्तुमुद्यतः PārśvC. 6. 1025; 7. 462; तस्मिंश्चादर्शनीभूते तावयोध्यापुरीं प्रति। ससैन्यौ चलितौ SamarāSam. 8. 314; श्रुत्वेत्यदर्शनीभूतः खेचरो वानमन्तरः SamarāSam. 8. 527.

अदर्शनीभूय (adarśanī-bhūya) *ger.* having disappeared, having gone out of sight कर्कोटोऽदर्शनीभूय तस्थावन्यत्र तोषतः BṛKathāK. 105. 64.

अदर्शनीय (a-darśanīya) *adj.* [*f.* -ā] **1A** unpleasant to see, ugly to see, unsightly तस्मात्तेनोभयं पश्यति दर्शनीयं चादर्शनीयं च ChāndoU. i. 2. 4; दर्शनीयं चैनेन पश्यत्यदर्शनीयं च JaiUBr. i. 60. 3; अदर्शनीयात् S'āṅkhāGS. iv. 7. 25; अदर्शनीयाश्रवणीयानिष्टाघ्राणे KauśiGS. iii. 9. 23; **1B** prohibited from being seen अदर्शनीयस्त्रैलोक्ये मद्वाक्यात्त्वं (चन्द्रः) भविष्यसि GaṇeP. i. 61. 7; i. 72. 35; स भृशं सद्भिरभूददर्शनीयः Yādavā. 15. 105; अदर्शनीयानपि नीचजातीन् स वीक्षते CaitaCa. 188. 8; अथादर्शनीयान्यपि तत्रैव VīraMi.(Āhnika.) 22. 11; **1C** which connot be seen, invisible, impossible to be seen भगवत्या प्रकाशितमिदमदर्शनीयमन्येषाम् ··· मानवानाम् ··· दिव्यमात्मीयं रूपम् TilaMañ. 55. 18; अदर्शनीयमशुभदर्शिभिः ··· वलभेदनपुरभेदनम् ··· परमास्थावती वसुमती सत्वरमवजगाहे ĀnandRa. 1. 8 (30); **2** not to be presented on the stage अङ्केष्वदर्शनीया या वक्तव्यैव च संमता ··· कथा SāhiDa. 292. 3.

अदर्शनीयता (adarśanīya-tā) *f.* **i** the state of being unfit to be seen अनेनादर्शनीयेन गतश्चादर्शनीयताम् GaṇeP. i. 72. 35; **ii** disappearance व्याघ्रोऽपि ··· अदर्शनीयतां प्राप्य यथास्वं निलयं गतः BṛKathāK. 157. 86.

अदर्शनीयमानिन् (adarśanīya-mānin) *adj.* regarding as not worthy to be seen इयेतायितायास्तददर्शनीयमानी स लाटो भवदीयकीर्तेः।···क्रुयां पटयन्दिदेश DvyāśraKā. 6. 38.

अदर्शनीयोत्क्षेपणीय (adarśanīyotkṣepaṇīya) *adj.* (ceremony) of suspension (from the order) which is not fit to be seen प्रतिसंहरणीयकर्मार्हायादर्शनीयोत्क्षेपणीयं कर्म कुर्वन्ति। अधमैकर्म पूर्ववत् GiMs. iii(2). 208. 18; iii(2). 208. 20–21.

अदर्शनेच्छा (adarśanecchā) *f.* **1** desire of not being seen, desire of concealment अदर्शनेच्छायां सत्यां सत्यपि दर्शने यथा स्यात् KāśiVṛ. *on* P. i. 4. 28 = SiddhāKau. 148B. 10; अदर्शनेच्छया तदनुकूलव्यापारकरणे दैववशाद्दर्शने सत्यपीत्यर्थः LaS'abdeS'e. i. 500. 11; Prasā. i. 482. 11; **2** absence of desire to see असौ परप्रेमपदं स्वभावात् ··· अदर्शनेच्छामितरेषु दत्ते Yādavā. 18. 93.

अदर्शनेच्छु (a-darśanecchu) *adj.* not desirous of seeing भद्राहवप्रौढिमदर्शनेच्छोः पालीव क्लृप्ता पटमण्डपानाम् Raghunā. 9. 58.

अदर्शनोक्त्यालम्बन (adarśanokty-ālambana) *adj.* reference to the statement of absence of knowledge अदर्शनोक्त्यालम्बने च ··· दुर्ज्ञेयत्वे दूरशब्देनोक्ते NyāySu.(So.) 9. 22 (*on* i. 2. 2)

अदर्शनोपपादक (adarśanopapādaka) *adj.* proving absence of sight यथैवादर्शनोपपादकं तदन्तर्धानप्रतिपादनमपेक्षितम् S'ivārkaMaDī. i. 554. 14 (*on* i. 4. 22)

अदर्शमुख (adarśamukha) *m.* name of a Nāga king [DBHS]

अदर्शयत् (a-darśayat) *adj.* **i** not showing प्राप्नोतीन्द्रस्य सालोक्यं शूरः पृष्ठमदर्शयन् MahāBhā. xii. 98. 31; नखपृष्ठमदर्शयन्। प्रोक्षयेदूर्ध्ववारिणा PāraS. 7. 52; भोजनविरोधिनं दोषमदर्शयन् तं तथा कुर्वाणो दण्ड्यः DaṇḍaVi. 215. 17; राजा शौर्यशक्तिमदर्शयन् ··· अरिभिः परिभूयते PuruṣPa. 42. 21; **ii** not mentioning, not stating स्नानेनेतिकर्तव्यतायाः संहितान्तरे प्रपञ्चितत्वात्तामदर्शयन्नेव मध्याह्नकृत्यं (स्मारयति) VīraMi. 195. 22 (*on* 1. 100)

अदर्शयित्री (a-darśayitrī) *adj.* (*f.*) which does not manifest anything [CONZE]

अदर्शयित्वा (a-darśayitvā) *ger.* **i** without parading, without making a show, without displaying ostentatiously अदर्शयित्वा शूरास्तु कर्म कुर्वन्ति दुष्करम् Rāmā. vi. 53. 4; **ii** without bringing forward (money for payment), without paying up or giving अदर्शयित्वा तत्रैव हिरण्यं परिवर्तयेत् ManuSm. 8. 155; अदर्शयित्वा ··· अदत्त्वा ManuBh. ii. 147. 24 (*on* 8. 155); ManvaVi. 972. 23 (*on* 8. 155); SmṛtiCan. iv. 379. 1; **iii** without showing, not having shown or exhibited अदर्शयित्वा स्वगुणम् ··· त्यागं ते त्यागकल्पद्रोरपि गृह्णाम्यहं कथम् TriṣaS'aPuC. ii. 6. 267; शोणितमदर्शयित्वैव काष्ठादिभिः परस्य दुःखमुत्पादयन् (त्रिंशतं पणान् दाप्यः) Aparā. 815. 4 (*on* 2. 218); निहितन्यासो गृहस्वामिनेऽदर्शयित्वा तत्परोक्षमेव तदीयजनहस्ते प्रक्षेपः VīraMi. 494. 24–25 (*on* 2. 67); रूपसंख्ये अप्रदर्शयित्वा (v. l. अदर्शयित्वा) रक्षणार्थं यद्दीयते स उपनिधिः BālamBha. ii. 35. 15 (*on* 2. 25); **iv** without setting forth, without having indicated भवति चादर्शयित्वापि द्वौ पक्षौ S'ābaBh. 1854. 14 (*on* x. 2. 59)

अदर्शरूपा (adarśa-rūpā) *adj.* (*f.*) having an invisible form दिव्यानां देवयोनीनाम् ··· यन्नगरादिद्वीपादिविषयागमनं तदाकाशेनैव ··· विमानेन मायया वा अदर्शरूपया अन्याभिर्वा कार्यम् AbhinBhā. ii. 201. 17 (*on* 13. 19)

अदर्शविकारता (adarśavikāra-tā) *f.* the state of being one in whom disturbance (of mind) is not visible केचित् ··· अदर्शविकारतया च निश्चिन्त्य मां निश्चलमनसं समुत्पन्नकोपाः ··· निर्वातानया(? पा)तयन् TilaMañ. 399. 17.

अदर्शित (a-darśita) *adj.* not stated, not set forth अप्रदर्शिते (v. l. अदर्शिते) पुनः समन्वयविशेषे तद्विरोधाशङ्का तन्निराकरणं च निर्विषयं स्यात् PañcPā. 2. 14 (*on* i. 1. 1) = VivaPraSaṁ. 10. 13.

अदर्शितत्व (adarśita-tva) *n.* the state of being not shown or stated व्यभिचारस्थलस्यादर्शितत्वात् NyāySu.(Ja.) 20B. 6 (*on* i. 1. 1)

अदर्शितपथ (adarśita-patha) *adj.* to whom no path has been shown or laid down अदर्शितपथं याति पयो ह्यन्धवदुत्पथे TriṣaS'aPuC. ii. 6. 542; *n.* path not shown before, unseen course °विशेषकन्यासमदर्शितपथप्रलब्ध° ··· °सुरतर(स)तृप्तिमन्वगच्छत् AvantiKa. 36. 15.

अदर्शितमुख (adarśita-mukha) *adj.* not showing the face अदर्शितमुखा एव दुर्जना मर्मवेधिनः YogVā. iii. 70. 60.

अदर्शितरुज् (adarśita-ruj) *adj.* who has not shown or disclosed the disease इत्यदर्शितरुजोऽस्य मन्त्रिणः शश्वदूचुरघशङ्किनीः प्रजाः RaghuVa. 17. 52.

अदर्शितसंभ्रम (adarśita-sambhrama) *adj.* who has not shown agitation अदर्शितसंभ्रमस्तामपृच्छत् (नृपतिः) TilaMañ. 55. 11.

अदर्शितस्पन्द (adarśita-spanda) *adj.* who has not shown any

movement अदर्शितस्पन्दमथैषदप्यमुं नटेशबिम्बं कलयन्नरेश्वरः ... देवमाराधयितुं समैहत S'ivLi. 16. 20.

अदर्शितान्तरङ्गा (adarśitāntaraṅgā) *adj.* (*f*) who has not disclosed the inner feeling अनुगच्छति या महीपतीनामनघां नीतिमदर्शितान्तरङ्गाम् YātrāPra. 5. 9

अदर्शिताभ्यर्थन (adarśitābhyarthana) *adj.* who has not disclosed his request कस्याप्यदर्शिताभ्यर्थनो बन्धुजनमप्यनालपन् ... (अहम्) एतावन्ति दिनान्ययापयम् TilaMañ. 383. 16.

अदर्शितार्थिभाव (adarśitārthibhāva) *adj.* who has not shown or disclosed the state of being a beggar द्रव्यादावदर्शितार्थिभावस्य वचनमात्रेणापि मे न कृता प्रतिपत्तिः TilaMañ. 250. 15.

अदर्शिन् (a-darśin) *adj.* not seeing, who does not see अनुरूपः शमस्यास्य तत्रायं वचनक्रमः । बहुना तु किमुक्तेन वञ्चितास्त्वददर्शिनः JātaMā. 127. 12.

अदर्शितविच्छेदम् (adarśita-vicchedam) *adv.* in an unbroken manner, in a continuous manner यददर्शितविच्छेदं पठतामोजः Kāvyānu.(He.) 240. 5 [Bombay 1964, p. 287]

अदल् (adal) *ind.* included in the *cādigaṇa*, GaṇPā. 85. 180 *on* P. i. 4. 57.

अदल (a-dala) *adj.* [दलरहिते त्रि S'abdaKaDru.] leafless, [PW; MW; APTE] without parts, [APTE]; *m.* [न दल्यते भिद्यते यत्, न दल्+घञर्थे कन् । हिज्जलवृक्षः । इति शब्दचन्द्रिका S'abdaKaDru.] name of a plant *Eugenia* or *Barringtonia acutangula*, [PW, MW, APTE]

अदलत् (adalat) *adj.* not breaking, not discontinued or given up (usage) ननु भातितरामुपाधिरत्रादलदेतद्व्यवहर्तृतेति चेन्न S'aṅkaDigVi.(Mā.) 15. 118.

अदला (a-dalā) *f.* [(नास्ति दलं पत्रं यस्याः सा) घृतकुमारी । इति शब्दचन्द्रिका S'abdaKaDru.] i name of the plant *Aloe, Indica royle*, [PW; APTE]; ii name of the plant *Socotorine Aloe* (*Perfoliate* or *Indica*) [MW]

अदलित (a-dalita) *adj.* A not split apart or rent asunder कदाचिदप्यदलितानि यानपात्रैः पाटयन्ती शुकहरेति शैवलपटलानि ... स्वल्पेनैव समयेन दूरं जगाम (नौका) TilaMañ. 146. 19; B not crushed, whole pulses दलितादलिताश्चैते पचनीया यथारुचि । चणका राजमाषाश्च मसूरा राजमुद्गकाः Mānaso. iii. 13. 1359.

अदवा (a-davā) *adj.* (*f.*) devoid of forests का सत्सरणिः ... अदवा KavīndraKa. 2. 4 (4-5) (comm. अदवा वनरहिता सरणिः सुगमा चौरादिभयाभावात्)

अदविष्ठ (a-daviṣṭha) *adj.* (super.) not very remote or far (from each other), closely arranged अदविष्ठानि काष्ठानि रचितानि चिता यथा SamarāSaṁ. 4. 621.

अदवीयःप्राक्काल (adavīyaḥ-prākkāla) *m.* immediately preceding time अत एव प्रतीच्योदीच्यादीनां विवाहाददवीयःप्राक्काले वाग्दत्तायास्तदुद्देश्ये मृतेऽपि पुनरविगीतशिष्टैरन्येन सह विवाहः क्रियते VīraMi. (Vyavahāra) 472. 1.

अदवीयस् (a-davīyas) *adj.* (compa.) [*f.* -ī] A not very distant, quite near, short, proximate (spatial sense) [predicative use] अदवीयः पदं तस्य सर्वासां संपदामिह । कमलाकान्तकान्ताङ्घ्रिकमले यः सुशीलयेत् SkandP. iv. 19. 111; iv. 58. 190; [attributive use] तेषां च सादिनामेकः साश्वेन तरस्विना । अदवीयसि देशेऽगाचन्द्रगुप्तस्य गच्छतः PariPar. 8. 259; 8. 421; विमुच्य तदहं राजन् वाहिनीमदवीयसीम् । इत्याख्यातुमिहायातः PāṇḍaC. 12. 185; HammīMaMa. 5. 21(?22) (3); साधुधर्मः ... । अदवीयानयं मार्गो लोकाग्रमुपतिष्ठते । श्राद्धधर्मात् परं मोक्षो भवति द्विरिजन्मतः MalliC. 7. 941; S'atDū. 168. 12; पदवीमदवीयसीं विमुक्तेः ... करुणां कारणमानुषीं भजामि Yādavā. 15. 89; 9. 80; Acyutarā. 9. 73; अलमिष्ट्वा मखान् मूर्खाः खड्गधारेयमस्ति नः । अदवीयानयं पन्थाः स्वर्लोकमुपतिष्ठते AnarghaRā. 2. 61; VasaViKā. 10. 10; काचिद्वातरदपाङ्गयोः पदवीमदवीयसीम् S'ṛṅgāSar. 115(9); B not far away, nearby, not too remote (in time), approaching (fast), impending (temporal sense) पुरुषेषु न रेखापि साधुभिस्तस्य दीयते । यः स्निग्धमदवीयस्यां मित्रमापदि मुञ्चति PāṇḍaC. 13. 788; C not very distant (i. e. close in relationship) शोच्यं किमपि तस्यास्ति शान्तनोस्तनुजन्मनः । येनैवमदवीयांसो वीरलोका वितेनिरे PāṇḍaC. 13. 279.

अदवीयस्त्व (adavīyas-tva) *n.* the state of not being far away पु(?प्लु)ष्यन्तं या(?चा)दवीयस्त्वात्तापैस्तीव्रैर्विवस्वतः । ... आसीदत् ... हस्तिनापुरमर्जुनः PāṇḍaC. 5. 411.

[1]अदश (a-daśa) *adj.* without a border or fringe पत्तोऽदशेनाहतेन वाससा प्रोर्णोति BaudhPiMe. i. 2. 8.

[2]अदश (a-daśa) *adj.* [*f.* -ā] A less than ten उर्वीं निस्त्रिंशपाणिरदशैः स जिगाय मासैः DvyāśraKā. 19. 137; B other than the tenth state of life (which is supposed to be the most wretched) परेषामदशाः (दशाः) PurāPraSaṁ. 121. 17.

अदशकण्ठोचित (a-daśakaṇṭhocita) *adj.* not befitting Rāvaṇa रावणः- किं पुनरसंभावनागर्भमदशकण्ठोचितं व्याहरसि BālRā. 1. 43(3)

अदशग्रीवोपसर्ग (a-daśagrīvopasarga) *adj.* free from the affliction caused by Rāvaṇa कल्पान्तं च कृतं च विश्वमदशग्रीवोपसर्गं जगत् AnarghaRā. 7. 150 = BhāvPra.(S'ā.) 205. 21(7)

अदशत् (a-daśat) *adj.* not biting अदशन्नपि नागेन्द्र त्वं नो दशसि मानसम् TripuDi. 1. 33.

अदशन् (á-daśan) *num.* not ten तं वै दशभिरेव क्रीणीयान्नादशभिर्दशाक्षरा वै विराट् S'atBr. III. iii. 3. 18.

अदशन (a-daśana) *adj.* without a (single) tooth, toothless वदनमदशनम् ... । इति वहति दशापदं मृगेन्द्रे बत कलभैरुपभुज्यतेऽटवीयम् SaduktiKa. 252. 12; मुखमदशनम्...शिव शिव जरा बाल्यं भूयः प्रसौति नवं नवम् KaṁVa. 4. 5.

अदशनपङ्क्ति (a-daśanapaṅkti) *adv.* without (display of) the row of teeth दिवसकरकराहतं तदानीमदशनपङ्क्ति कृतावभासहासम् । अमधुमदकृतामधत्त ताम्रविषमरविन्दमुखं कुशेशयिन्याः HarVi. 28. 73 (comm. अविद्यमाना दशनपङ्क्तिर्यत्र तथाविधः कृतः प्रकाशो हासो यस्येति विभावना)

अदशमास्य (á-daśamāsya) *adj.* not (yet) ten months old तमेतदप्यदशमास्यं सन्तं ब्रह्मणैव यजुषा दशमास्यं करोति S'atBr. IV. v. 2. 4.

अदशमीस्थ (a-daśamīstha) *adj.* not living in the tenth decade (of his life) (i. e. not having lived the full span of life) अस्य...पितापि...अदशमीस्थ एवास्तमगमत् HarṣaC. 66. 4.

अदशरथ (a-daśaratha) *adj.* devoid of Daśaratha अदशरथमरामम् ... उर्वीवलयमिह विधत्ते रोषणो रैणुकेयः AnarghaRā. 4. 56.

अदशरात्र (a-daśarātra) *adj.* (a sacrificial session) other than the Daśarātra अदशरात्रेषु सत्रेषु पथ्या एवेति गौतमः LāṭyāS'S. vi. 2. 30.

अदशा (a-daśā) *f.* bad state, calamity जीवन्नप्यदशां प्राप्तः कालधर्मं गतोऽपि वा TrisaS'aPuC iii. 4. 10 (comm. अदशां दुर्दशाम्)

अदशावर्तिसंभव (adaśāvarti-sambhava) *adj.* (flame of fire) produced without a wick अदर्शि किमपि ज्योतिरनुपाधिकवैभवम् । ... अदशावर्तिसंभवम् SkandP. i(3B). 20. 28.

अदशाहव्यपेत (a-daśāhavyapeta) *adj.* for which ten days are not over सर्वं च श्राद्धिकं द्रव्यमदसा(?शा)हव्यपेतं प्रतिगृह्यानध्यायः KauśiSū. 141. 12.

अदशील (ada-śīla) *adj.* tending to devour or kill कः पुनरधीरो भयवान् । सिंहनादेनादशीले समरे कमनीयेनोन्नतवक्षसा क्रीडतीति Kāvyānu.(He.) 261. 23.

अदश्छद (adaś-chada) *m.* petal (*lit.* covering) of this (i. e. of the lily) कारानिभात् कमलकुड्मलतश्चिराय निर्गत्य षट्पदयुवा कुमुदे न्यवात्सीत् । तत्रापि सङ्कुचददश्छदपीडितोऽभूत् Acyutarā. 10. 4.

अदःशिष्य (adaś-śiṣya) *m.* his disciple तस्माल्लक्ष्मणसेनसन्मुनिरदःशिष्यो रविस्तु स्मृतम्(?तः) PadmP.(Ra.) 123. 167.

अदःश्रित (adaś-śrita) *adj.* i lying on it (i. e. on the heart) सरकृतां हृदयस्य मुहुर्दशां बहु वदन्निव निःश्वसितानिलः । व्यथित वाससि कम्पमदःश्रिते (भैम्याः) NaiṣC. 4. 16 (comm. निःश्वासवायुः भैम्याः ...अदो हृदयं श्रिते आश्रिते वाससि कम्पं व्यधित चकार); ii lying in this (i. e. the ocean) (यदेष सागरः) अदःश्रितं हृदयमिवास्य निष्ठुरं परिस्फुटं स्फुटतुतरां मणीकुलम् Ragh. 16. 22.

अदष्ट (a-daṣṭa) *adj.* [*f.* -ā] not bitten मा प्रबोधय आशीविषम् ... नादष्टो वै मोक्ष्यसे MahāBhā. iii. 134. 3; पुष्पधूलिधूसरैरदष्टापि व्यचेष्टत मधुकरकुलैः HarṣaC. 48. 4; MahāP. 23. 174; 25. 23; अदष्टो वा जलत्रासी न कथंचन सिध्यति RugVi. 69. 64; सर्पैवादष्टेऽपि स्वात्मनि सर्पसंनिधानाद् दष्टबुद्धिः S'rīBh. 56. 12 (*on* i. 1. 1); KāvyPra. 657. 1; PrakaVi. 421. 22.

अदष्टसद्दशनवसन (adaṣṭa-saddaśanavasana) *adj.* the excellent lips of which were not bitten वक्त्रमदष्टसद्दशनवसनमिव हसद् यस्य विभाति तं जिनमवनमत सुधियः MahāP. 23. 174.

अदष्टोष्ठपुट (adaṣṭoṣṭhapuṭa) *adj.* whose lips have not been bitten अदष्टोष्ठपुटं मुखम् । जिनाख्याति...तावकीं वीतरागताम् MahāP. 25. 23.

अदष्ट्वा (a-daṣṭvā) *ger.* without biting व्याघ्रीव च हरेत् पुत्रमदष्ट्वा मा पतेदिति MahāBhā. xii. 89. 5.

¹अदस् (adás) *pron.* (demonstrative of remote or distant referent) [included in *sarvādigaṇa* 241.22; four bases are used *asáu*, *adás*, *amū-ami-* and *avá-*, the last of Indo-Iranian origin found in *avoḥ* Gen. Loc. dual in R̥V. vi. 67.11, vii. 67.4, x. 132.5 used with वाम् (though doubts are raised about it), Alt. Gr. III. 528-536 I. N. 193; RENOU, Gramm Vedique p. 234; MAYR. 1. p. 29; cpd. base *adas* derivative base *amu-* / Nom. sg. M. F. P. vii. 2.107; Kātan. ii. 3.32; SiddhaHe. ii. 1.43; MugdhaBo. 3.157 (36.20); base *amu-* P. viii. 2.80; JaineVyā. v. 3.88; CāndraVyā. vi. 3.112; Kātan. ii. 1.54; ii. 2.45; base *amī-* P. viii. 2.81; Inst. pl. P. vii. 1.11; JaineVyā. v. 1.9; CāndraVyā. ii. 1.3; SiddhaHe. i. 4.3; प्रगृह्य ending P. i. 1.12; meaning असावस्ततरोऽस्मात् Nir. 3.16; इदमित्येतत् प्रत्यक्षे वर्तते, एवं तदित्येतत् परोक्षे वर्तते। तेनेहैव स्यात्तस्येदमिति, अस्यामुष्य इत्यत्र न स्यात् MahāBh. ii. 316.9 (*on* iv. 3.120); अदसस्तु विप्रकृष्टे (source?) R̥V. has *asáu* [*ásau*? AV. xviii. 4.96], *amúm, amúṣmai, amúṣmāt, amúṣya, amī́ṣām, amū́m, amuyā́ (adv.) amū́ḥ, adáḥ*; AV. adds. *amúnā, amúṣmin, amū́n, amī́bhyaḥ, amúṣyāḥ, amū́ (n. pl.)*; TaiS. *amúṣyai, amúṣyāḥ*] **1 Ai** that (referring to a distant object *ille-deixis*) **ii** that remote region (the sky) **iii** that beyond perception (referring to the other warld) **iv** that (referring to Brahman) **B i** that one (adding a deictic meaning to a relative pronoun for emphasis) **ii** that well-known one **C** that just mentioned **2** so and so (definite-indefinite meaning) **3** that (emphatic) **4** this (as a result of its anaphoric and deictic use) **5** he, she, it (as a third person pronoun) **6** specific forms of *adas* used to indicate any word in that particular case **7** this woman **8** as the first person (with *jana*) **1 Ai** that (referring to a distant object *ille-deixis*) स नो वृष न्नमुं चरुं सत्रादावन्नपा वृधि R̥V. i. 7.6; अमूर्या उप सूर्ये R̥V. i. 23.17 = AV. i. 4.2 = VājaS. 6.24; न मन्युं वयश्चनामी पतयन्त आपुः R̥V. i. 24.6; i. 105.3; iv. 18.11; vi. 47.31; यदा सूर्यममुं दिवि शुक्रं ज्योतिरधारयः R̥V. viii. 12.30; viii. 91.2; यत्रामूर्यह्वतीरापस्तत्र माममृतं कृधीन्द्रायेन्द्रो परि स्रव R̥V. ix. 113.8; अदः सु मधु मधुनाभि योधीः R̥V. x. 120.3 = AV. v. 2.3 = AitĀ. I. iii. 4.15; उदसौ सूर्यो अगात् R̥V. x. 159.1 = AV. i. 29.5; आरे ३ सावस्मदस्तु AV. i. 26.1; अमूः पारे पृदाक्वस्त्रिषप्ता निर्जरायवः AV. i. 27.1; यद् राजानो विभजन्त इष्टापूर्तस्य षोडशं यमस्यामी सभासदः AV. iii. 29.1; त्वं तानिन्द्र वृत्रहन् प्रतीचः पुनरा कृधि यथामुं तृणहां जनम् AV. v. 8.7; तक्मन्भ्रात्रा बलासेन स्वस्रा कासिकया सह। पाप्मा भ्रातृव्येण सह गच्छामुमरणं जनम् AV. v. 22.12; मुह्यन्त्वद्यामूः सेना अमित्राणां परस्तराम् AV. vi. 67.1; पूतिरज्जुरुपध्मानी पूतिं सेनां कृणोत्वमूम् AV. viii. 8.2; viii. 8.14; viii. 8.15; viii. 8.17; viii. 8.18; प्रतीचीः कृत्या आकृत्यामून्कृत्याकृतो जहि AV. x. 1.6; x. 1.31; उद्वेपय त्वमर्बुदेऽमित्राणाममूः सिचः AV. xi. 9.18; xi. 10.13; xiii. 2.13; तस्याम् सर्वा नक्षत्रा वशे चन्द्रमसा सह AV. xiii. 4.28; असावादित्यः क्षत्रम् AV. xv. 10.7; xv. 15.4; xv. 18.2; गृध्राणामन्नमसौ अस्तु सेना SV. II. IX. iii. 6.1; AitBr. 2.1 (35); KauśiBr. 2.8 (7.7); तद् यथादः सोमस्य महाव्रतमेवमेवैतदिष्टि महाव्रतम् KauśiBr. 5.5 (20.4); तददश्चन्द्रमसि कृष्णम् TaiBr. I. i. 3.3; यददश्चन्द्रमसि कृष्णं पृथिव्या हृदयं श्रितम् MantrBr. i. 5.13 JaimiBr. 1.23; सोऽसावेव बन्धुः S'atBr. I. i. 2.22; XIV. i. 1.10; ṢaḍviBr. i. 1.4; AitĀ. I. iv. 2.5; S'āṅkhāĀ. 1.4 (3.7); यथामूनि त्रीणि ज्योतींष्येवमिमानि पुरुषे त्रीणि ज्योतींषि S'āṅkhāĀ. 7.4 (27.7); अमुमांहः परं मृत्युम् TaiĀ. i. 8.4 (55.3); अमूनि नक्षत्राणि। सर्वेषां भूतानां प्राणैरपः प्रसर्पन्ति TaiĀ. i. 14.2 (113.3); i. 22.3 (131.7); i. 22.8 (135.1); iii. 15.2 (354.3); एभ्यो लोकेभ्योऽमुष्मादादित्यादन्नाद्यमवरुन्धते ĀpaS'S. xxiii. 3.10; Prati. 2.2; अमुष्यां क्रीडायां तव राज भवनस्थानानि रामणीयकानि दर्शयिष्यामि KāmSū. 291.2 (5.5); यदासावर्थो न दृश्यते PañcT. 1.158(33) (158.1); 2.1(12) (183.3); 3.45(16) (300.3); 3.53(3) (310.9); अपि प्रवृत्तयज्ञोऽसौ विदेहाधिपतिः सुखी MahāviC. 1.19 (10.1); असौ विद्याधरः शिशुरपि ... इहायातः MālaMā. 2.205; अयमसौ ... कालिन्दीतटवटः श्यामो नाम UttaRāC. 1-23(2); 2.4(1); 2.11; क्वासौ क्वासौ दुरात्मा UttaRāC. 3.15(2); 4.13; EI. vi. 338.28; वाक्यार्थलक्षणमदः पुनरत्र नेष्टम् SaṁkṣeS'ā. 1.146 (121.11); अर्थे यद्ग्रिमे लक्षणं भवेत्केवले तु चपलायाः। मुखचपलासौ गदिता JayaChand. 4.9; तथासौ नकुलो ब्राह्मणमायान्तमवलोक्य Hitopa. 4.98(4); श्रीमान्धवलचन्द्रोऽसौ जीयात् Hitopa. 4.139; HammīMaMa. 2.8; अतोऽमुष्यामुतोऽमुष्य भेदो दृष्टो द्विधर्मिकः AnuVyā. 26B.6 (*on* 2.2); StavMā. 99.21; **1 Aii** that remote region (the sky) मन्त्रयन्ते दिवो अमुष्य पृष्ठे R̥V. i. 164.10; ऋजीपी श्येनः ... सोमं भरत् ... दिवो अमुष्मादुत्तरादादाय R̥V. iv. 26.6; यदेदस्तम्भीत् प्रथयन्नमूं दिवम् R̥V. viii. 51.8; viii. 34.1; उतामूं द्यां वर्ष्मणोप स्पृशामि R̥V. x. 125.7 = AV. iv. 30.7; यस्याद उर्व१न्तरिक्षम् AV. iv. 2.4; उतेयं भूमिर्वरुणस्य राज्ञ उतासौ द्यौर्बृहती दूरेअन्ता AV. iv. 16.3; कालोऽमूं दिवमजनयत् AV. xix. 53.5; MaiS. i. 5.5; इयं वै कृष्णाजिनमसौ पुष्करपर्णम् TaiS. V. i. 4.3; V. iv- 7.3; तस्मादसाविमां वृष्टयाभ्युनत्ति AitBr. 2.1(36); यदमुष्या यज्ञियमासीत् TaiBr. I. i. 3.2; असौ बृहत् TaiBr. I. iv. 6.2; सोऽसौ द्यौरभवत् JaimiUBr. i. 1.5; इयं चासौ च रोदसी TaiĀ. i. 8.2 (52.1); अमूं दिवम्। अहं वेद TaiĀ. i. 13.1 (107.3); v. 4.10 (607.8); असौ द्यौर्ब्राह्मणी S'āṅkhāĀ. 1.5 (3.19); अमुष्मिन्नाकाशे वायुरायत्तो भवति S'āṅkhāĀ. 7.4 (27.6); को अद्धा अमूमभिचक्षमीति BāṣkaU. 3; **1 Aiii** that, beyond perception (referring to the other world) स उपहूत उपहूतः। आप्नोतीमं लोकमाप्नोत्यमुम् AV. ix. 6.61; सर्वे तस्मै बाले हरानमुष्मिंल्लोक उत्तमे AV. xi. 4.18; त्रयो लोकाः संमिता ब्राह्मणेन द्यौरेवासौ पृथिव्य१न्तरिक्षम् AV. xii. 3.20; अग्निना लोकाच्छिनत्ति ब्रह्मगवी ब्रह्मज्यमस्माच्चामुष्माच्च AV. xii. 5.38; लोके ३ मुष्मिन्प्र यच्छसि AV. xii. 5.57; पावमानीर्दधंतु न इमं लोकमथो अमुम् SV. II. V. ii. 8.4; आदित्या वा अस्माल्लोकादमुं लोकमायन्तेऽमुष्मिम् लोके व्यतृष्यन्त TaiS. I. v. 4.4; I. v. 9.4; मा मेक्षेष्ठा अमुत्रामुष्मिन् लोके TaiS. I. vi. 3.3; अमुष्मिन् वा एतेन लोके राध्नुवन्ति नास्मिन् AitBr. 2.5(48); अयं वाव लोको भद्रस्तस्मादसावेव लोकः श्रेयान् AitBr. 3.2(53) तदमुं लोकमाप्नोति KausiBr. 2.2 (4.13); 2.9 (7.22); प्राणानेव तद्यजमाने दधाति सर्वायुत्वायास्मिँल्लोकेऽमृतत्वायामुष्मिन् KauṣiBr. 7.10 (33.20); 11.4 (50.12); अमुष्मिन्नेवैनं लोके प्रतिष्ठितमाधत्ते TaiBr. I. i. 8.2; अमुमेव तैर्लोकमन्नवन्तं करोति TaiBr. I. iii. 8.4; प्रति ह तिष्ठत्यस्मिꣳश्च लोकेऽमुष्मिꣳश्च SāmaViBr. i. 1.12; तेषां तप्यमानानाꣳरसोऽजायत ... सामवेदोऽमुष्मात् ṢaḍviBr. iv. 1.2; अथात उत्तरः पक्षः। सोऽसौ लोकः AitĀ. I. iv. 2.5; I. iv. 3.9; प्राणेनामुं लोकं संतनोति AitĀ. I. iv. 3.12; तस्मादसावादित्योऽमुष्मिँल्लोके रश्मिभिः पर्यूढः TaiĀ. v. 4.9 (606.14); मा पितृणां क्षेष्ठा अमुत्रामुष्मिन् लोक इति BaudhDS. ii. 8.12; अस्माल्लोकादमुं लोकं गतं त्वमनुशोचसि Rāmā. v. 31.8; इच्छन्निमं लोकममुं च जेतुम् MahāBhā. iii. 27.11; iii. 29.23; सर्वे भवन्तः ...लोकादमुष्मादवनिं प्रपन्नाः MahāBhā. iii. 181.39; उभौ लोकौ संचरसि इमं चामुं च देवत MahāBh. i. 283.18 (*on* i. 3.54); इह खलु पुरुषेण ... हितमिह चामुष्मिश्च लोके समनुपश्यता तिस्र एषणाः पर्येष्टव्या भवन्ति CaraS. i. 11.3; असौ परलोकः SanatBh. 232.12 (*on* 1.41); उभयोर्लोकयोरिहामुष्मिश्च VīraMi. (Paribhāṣā.) 63.1; **1 Aiv** that (referring to Brahman) अद इति परोक्षाभिधायि सर्वनाम तत् परं ब्रह्मेत्यर्थः BrĀraUBh. 686.1 (*on* v. 1.1); अदः तच्छब्दवाच्यं जगत्कारणं ब्रह्म SanatBh. 291.13 (*on* 4.3); **1 Bi** that one (adding a deictic meaning to a relative pronoun for emphasis) अमी य ऋक्षाः R̥V. i. 24.10; अमी ये देवाः स्थन त्रिष्वा रोचने दिवः R̥V. i. 105.5; i. 105.9; i. 105.10; अमी च ये मघवानः R̥V. i. 141.13; असौ य एषि वीरको गृहं गृहं विचाकशत् R̥V. viii. 91.2; x. 146.1; अदो यद्दारु प्लवते सिन्धोः पारे अपूरुषम् R̥V. x. 155.3; अमूर्या यन्ति योषितो हिरा लोहितवाससः। अभ्रातर इव जामयः AV. i. 17.1; असौ यो अधराद् गृहः AV. ii. 14.3; असौ या सेना मरुतः परेषाम् AV. iii. 2.6; असौ या सेना परेषाम् SV. II. IX. iii. 4.3; अमू ये दिवि सुभगे विचृतौ नाम तारके AV. iii. 7.4; vi. 103.3; अमी ये विव्रता स्थन तान्वः सं नमयामसि AV. iii. 8.5; = vi. 94.1; तैरमित्रास्त्रसन्तु नोऽमी ये यन्त्यनीकशः AV. v. 21.8; अदो यत्ते हृदि श्रितं मनस्कं पतयिष्णुकम् AV. vi. 18.3; vi. 75.1; न्य१स्मभ्यं स्वधिते यच्छ या अमूः AV. ix. 4.6; असौ पन्थाः पृषतो येन याति AV. xiii. 1.23; यदमीषामदो मनस्तदैतूप मामिह AV. xix. 52.4; अमुना सह निरर्थं गच्छ। योऽस्मान् द्वेष्टि TaiĀ. iv. 10.3 (488.1); TaiĀ. ii. 6.1 (220.2); ये वामी रोचने दिवः VājaS. 13.8; तदसौ वै धर्मो योऽसौ तपति KausīBr. 2.1 (3.20); अथ यदग्निं प्रणयन्ति यमेवामुं वैश्वदेवे मन्थन्ति तमेव तत् प्रणयन्ति KauṣiBr. 5.3 (19.12); तद्योऽसौ क्रुष्टतम इव साम्नः स्वरस्तं देवा उपजीवन्ति SāmaViBr. i. 1.8; य एवासौ तपति तमुद्गीथमुपासीत ChāndoU. i. 3.1; योऽसावतीन्द्रियग्राह्यः ManuSm. 1.7; हिंसारतश्च यो नित्यं नेहासौ सुखमेधते ManuSm. 4.170; अनर्थकार्यप्रतिषेधनार्थं यो मन्यतेऽसौ परमो हि मन्त्रः PañcT. 1.57 (60.8); द्विषद्वशे जीवति यो मृतोऽसौ PañcT. 1.122 (122.11); व्यालं बालमृणालतन्तुभिरसौ रोद्धुं समुज्जृम्भते ... नेतुं वाञ्छति यः सतां पथि खलान् सूक्तैः सुधास्यन्दिभिः S'atTrayī. 67; 120; तेऽमी मानुषराक्षसाः परहितं स्वार्थाय निघ्नन्ति ये S'atTrayī. 221; 696; 701; 742; यस्य चेष्टितमीदृशम्। नासावपैति मनसः क्षीणामामरणादपि VitVr. 21; 80; योऽसौ वरद्रन्यासस्तं त्वां माताद्य मध्यमा। यथेष्टं नाथते तात MahāviC. 4.48 (111.8); 4.1(6) 86.11); अस्ति ... देवरातो नाम ... योऽसौ यादृशश्चेति MālaMā. 2,191; अयमसौ महानद्योः संभेदः य एषः MālaMā. 4.147; योऽसावुपनिषत्स्वेवाधिगतः पुरुषोऽसंसारी BrahmSūBh.(S'aṅ.) 28.4 (*on* i. 1.4); योऽसौ चतुर्वर्गलक्षणः पुरुषार्थः VakroJi. 5.7; दाता ... योऽसौ श्रियो वल्लभः EI. iii. 107.26; i. 36.24; i. 79.11; **1 Bii** that well-known one यस्यासौ पन्था

रजसो विमानः AV. iv. 2.3; यस्यासौ सूरो विततो महित्वा AV. iv. 2. 4; अपि प्रभोर्वः कुशलं तस्य यस्यार्चयत्यसौ … शासनं पाकशासनः MahāvīC. 1. 29 (16. 2); शास्त्रं चरित्रं च मे । येनैकेन हृतान्यमूनि हरता चैतन्यमात्रामपि MahāvīC. 4. 22 (98. 10); तेषां शुभानि कर्माणि यैर्हृष्टः पुण्यवानसौ EI. ii. 47. 46;

1 C that just mentioned आमुं ददे हरसा दैव्येन AV. ii. 12. 4; आमुं नय नमसा रातहव्यम् AV. iii. 3. 1; मामीषां मोचि कश्चन AV. iii. 19. 8 = viii. 8. 19; कृण्वे ३ हमधरांस्तथामूञ्छश्वतीभ्यः समाभ्यः AV. v. 8. 8; अमूनश्वत्थ निः शृणीहि खादामून्खदिराजिरम् AV. viii. 8. 3; viii. 8. 8; viii. 8. 11; viii. 8. 24; स्वर उच्चः स्वरो नीचः स्वरः स्वरित उच्यते । व्यञ्जनान्यनु वर्तन्ते यत्रासौ तिष्ठति स्वरः MāṇḍūS'i. 5. 11; ManuSm. 4. 206; तदासौ वेदवित् प्रोक्तः AtriS. 143; दर्भानुपस्तीर्यापि उपनिनीयामीषां द्रप्सानान्निपृणुयात् LāṭyāS'S. iii. 2. 11; सा…याश्चेष्टाः पूर्वमसौ दर्शितवांस्ता एव प्रतिकुर्वीत KāmSū. 157. 25 (2. 8); यदासौ मृगी तदा नैव शशतादोषः KāmSū. 277. 1 (5. 4); 278. 5 (5. 4); 338. 5 (6. 4); किमसौ नष्टविषोऽभिसंधितव्यः PañcT. 1. 32 (28. 12); लक्षितोऽस्म्यमुना PañcT. 1. 50(9) (34. 3); अथासौ दुष्टमतिः PañcT. 1. 61(25) (69. 3); 3. 46(10) 303. 5); असावपि रक्ताक्षः स्वकुटुम्बमाहूयोक्तवान् PañcT. 3. 76(7) (346. 5); न तानङ्गीकरोत्यसौ VākyaP. 2. 156; गुणकल्पास्त्वमी कृताः S'lokaVār. 1. 57 (19. 2); विषयाः । वियोगे को भेदस्त्यजति । न जनो यत्स्वयममून् S'atTrayī. 157; 26; अकरिष्यदसौ पापमतिनिष्करुणैव सा । नाभविष्यमहं तत्र यदि तत्परिपन्थिनी MālaMā. 9. 354; असौ दृष्टः सत्त्वं प्रबलयति पापं च नुदति MahāvīC. 2. 15; प्राज्ञः खल्वसौ MahāvīC. 4. 8 (6); 6. 46; प्रथमोऽष्टाक्षरः पादः । चतुर्भिरभिवर्धिताः परेऽमुष्मात् JayaChand. 5. 16; जडाजडानामप्येवं नास्त्यसाविति निश्चयः SiTrayī. 1. 1; गदः । वह्निशत्रुविषैस्तुल्यः स्वल्पोऽपि विकरोत्यसौ SiddhYo. 1. 14; शुश्रूषुसज्जनसमीपगतोऽपि वामुं शृण्वन् पठन् भवति शम्भुशरीरधारी BṛDharmaP. i. 39. 65; श्रवणायत एवासौ धनी वैश्रवणोपमः Hitopa. 2. 85; 2. 99 (26); विक्रमौषध[नि]धिश्चक्रे चिकित्सामसौ EI. i. 270. 11; यद्यदः सत्यं ततस्त्वमेव राजा KumāDeC.(So.) 45. 3; MātaLī. 1. 19; तथाप्यमीभिः प्रकाश्यते क्वापि नैवात्मा PraboSū. 139; (बुक्कमहीपालः) अहीनभोगसंसक्तिरसौ राजशिखामणिः EI. iii. 37. 12;

2 so and so (definite indefinite meaning) तैस्त्वा सर्वैरभि ष्यामि पाशैरसावामुष्यायणामुष्याः पुत्र AV. iv. 16. 9; न्वे ३ तेनारात्सीरसौ स्वाहा AV. v. 6. 5; v. 6. 7; इदमहमामुष्यायणस्यामुष्याः पुत्रस्य वर्चः … नि वेष्टयामि AV. x. 5. 36; सो ३ मुमामुष्यायणममुष्याः पुत्रमन्ने प्राणे बधान AV. x. 5. 44; इदमहमामुष्यायणे ३ मुष्याः पुत्रे दुष्वप्न्यं मृजे AV. xvi. 7. 8; xvi. 8. 1; एतास्ते असौ धेनवः कामदुघा भवन्तु AV. xviii. 4. 33; असौ हा इह ते मनः ककुत्सलमिव जामयः AV. xviii. 4. 66; MaiS. ii. 4. 8; तामाशिषमा शासे … अमुष्मै ज्योतिष्मतीम् TaiS. I. v. 6. 4; इदमहममुं भ्रातृव्यम् … निर्भजामि TaiS. I. vi. 6. 1; I. vi. 2. 4; बृहस्पतेष्ट्वा साम्राज्येनाभिषिञ्चाम्यसौ VājaS. 9. 30; 9. 38; एष वोऽमी राजा VājaS. 9. 40 = 10. 18; राष्ट्रममुष्मै देहि VājaS. 10. 2; 10. 4; इममुमुष्य पुत्रममुष्यै पुत्रमस्यै विशे VājaS. 9. 40; असावस्य पिता VājaS. 10. 20; अमुमावहामुमावहेत्यावाहयति AitBr. 1. 2 (16); याभिरमुमावतम् AitBr. 4. 4 (90); तस्माद्धाप्येतर्हि यो द्वेष्टि तस्याप्रियं भवति अमुष्यायं यूपोऽमुष्यायं यूप इति दृष्ट्वा AitBr. 6. 1 (140); एताभ्य आग्रयणदेवताभ्य आहवनीये जुहुयात् स्विष्टकृच्चतुर्थीभ्योऽमुष्यै स्वाहामुष्यै स्वाहेति KauṣīBr. 4. 14 (17. 24); काम … समानयामुम् ChāndoUBr. i. 1. 2; i. 3. 10; i. 5. 7; आहस्पत्यं मासं प्रविशासौ ChāndoUBr. i. 5. 14; पूष्णो हस्ताभ्यां हस्तं गृह्णाम्यसौ ChāndoUBṛ. i. 6. 19; असौ नामास्मि ChāndoUBr. i. 6. 18; यं द्विष्यात्तं ब्रूयान्नामुं नानुमिति S'āṅkhāĀ. 1. 8 (4. 27); सा मेऽमुष्मादिदमवरुन्ध्यात् S'āṅkhāĀ. 4. 3 (14. 10); अधरो मत्पद्यस्वासौ TaiĀ. iv. 38. 1 (557. 3); iv. 8. 1 (461. 1); ĀśvaS'S. I. iii. 12. 7; आमुष्मादिति कर्मसु तच्च KātyS'S. i. 3. 24; अमुष्यावगम इति निरुद्धस्य नाम गृह्णीयात् MānS'S. 122. 14; अमुष्मै स्वाहा S'āṅkhāGS. i. 9. 18; ii. 2. 5; ii. 4. 2; iv. 12. 5; मम चामुष्य च पाप्मानं हनोमीति PāraGS. i. 3. 27; गच्छामुष्मिन्नसौ देशे ब्राह्मणो मां प्रतीक्षते MahāBhā. i. 166. 25; असावहममुत्रेति प्रवदन्तो मुहुर्मुहुः MahāBhā. vii. 35. 18; इदममुष्यामुष्य च सारभाण्डं फल्गुभाण्डं च न निगूहितव्यम् ArthS'ā. i. 274. 8 (2. 21); तं सत्री ब्रूयात् अमुष्य भार्यां स्नुषां दुहितरं वा कामये ArthS'ā. ii. 136. 8 (4. 4); उत्साहशक्तिमतो वा प्रेषयेत् 'अमुष्य राज्यं गृहाण यथास्थितो न संधिः' इति ArthS'ā. iii. 84. 4 (9. 6); अमुष्मात् इदन्नामकात् पितृपितामहादेः (जातः) ManuBh. i. 450. 4 (*on* 5. 60); यस्यादावेव लेखकः स्वनाम निवेशयेदिदंनामाहममुष्य पुत्रो लिखामीदमिति ManuBh. ii. 74. 12 (*on* 8. 3);

3 that (emphatic) मणिना भूषितः सर्पः किमसौ न भयङ्करः S'atTrayī. 27; नीतो येन रसातलं बलिरसौ तस्मै नमः कर्मणे S'atTrayī. 716; जामदग्न्यः खल्वसौ MahāvīC. 2. 10(3); आर्ये, पश्य पश्य । अयमसावार्येण UttaRāC. 1. 18 (8); भोगीन्द्रो नयनश्रुतिः कथमसौ द्रष्टुं क्षमो नौ भवेत् EI. i. 47. 8; ऐश्वर्यं स्मरसूदनस्य परमं ग्रामं गुणानामिव । ग्राहं ग्राहमसौ दिदृक्षुरसृजत् पद्मोद्भवोऽयं भुवि EI. i. 47. 21; विधुरपि विधियोगाद्ग्रस्यते राहुणासौ Hitopa. 1. 21 [NS. Ed.]; यः स्वभावो हि यस्य स्यात्तस्यासौ दुरतिक्रमः Hitopa. 3. 56; येनासावपि यस्य भृत्यबटुना हम्मीरवीरो जितः EI. i. 342. 6;

4 this (as a result of its anaphoric and deictic use) अथ यदमू व्यतिचरतो नान्योन्यमनुप्रपद्येते अध्वर्यू तस्मादृतुरृतुं नानुप्रपद्यते KauṣīBr. 13. 9 (61. 6); संवत्सरस्त्वायुषे जरायै परिददात्वसौ ChāndoUBr. i. 5. 15; नि जानुका मे न्यञ्जुलिका । अमी वाचमुपासताम् TaiĀ. i. 6. 2 (35. 1); स्वरभक्तिरसौ ज्ञेया पूर्वमाक्रम्य पठ्यते YājñaS'i. 102; वेदः … वराहश्च ह्यमी दन्त्याः प्रकीर्तिताः AmoghS'i. 18; वत्सः श्रेयसि जातस्ते दिष्ट्यासौ तव राघवः Rāmā. ii. 2. 29; तिष्ठन्ति वर्त्मानि नवान्यमूनि MahāBhā. iii. 253. 16; असौ सिद्धः सामेधिकः ArthS'ā. i. 54. 2 (1. 11); अमुं च मन्त्रं ब्रूयात् ArthS'ā. i. 288. 9 (2. 24); असावहं पुत्र इति KāśyaS. 57B. 11; पुरुषास्त्वमी प्रायेण सिद्धाः KāmSū. 260. 21 (5. 1); देव अहममुना भवत्सम्बन्धेन चरितार्थं माधवसेनं सभाजयितुमिच्छामि Mālvikā. 5. 19 (10); अमी वेदिं परितः क्लृप्तधिष्ण्याः … वैतानास्त्वां वह्नयः पालयन्तु S'āk. 4. 10; निष्पन्नोऽसावन्योन्यं भेदः PañcT. 1. 127 (70) (140. 4); वाक्यार्थस्याभ्युपायोऽसौ VākyaP. 2. 250; दण्डद्रविणदुर्गैकसङ्गी रक्षति भूपतिः । आत्मानमेव सततं किमु रक्षत्यदो जगत् JānaHa. 10. 40; वह्नयोऽमी त्रयोऽपि Ratnā. 1. 3; नन्वमुमेव … शरत्समयमाश्रित्य VeṇīSaṁ. 1. 45; बद्धस्तत्र निशाकरेण सहसा रोदित्यसौ मन्दधीः S'atTrayī. 480; 520; 810; स्वचित्तपरचिन्तयैव परितापमात्मन्यमी न बिभ्रति मनस्विनो यदमुना न तावत् क्षतिः S'atTrayī. 812; VijñāS'. 72; भवत्पक्षेऽप्यदः कुतः S'lokaVār. 5(13). 109 (594. 6); क्षेत्रज्ञो हि…प्रसिद्धः, नासौ श्रुत्या तात्पर्येण विवक्ष्यते BrahmSūBh.(S'aṅ.) 151. 12 (*on* i. 3. 7); नासावात्यन्तिको मोक्षः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 217. 8 (*on* i. 3. 40); अमुया कण्ठस्थितया प्रश्नोत्तररत्नमालिकया PraśnoRaMāli. 1; असौ सन्ध्याशङ्खध्वनिरनिभृतः खे विचरति MālaMā. 2. 219; 9. 16; भवत्वमुष्माद्गिरिशिखरात्पाटलावत्यां निपत्य माधवस्य मरणाग्रेसरो भवामि MālaMā 9. 233; असौ…शिशुः MahāvīC. 2. 32; संप्रत्येष सहामुनैव धनुषा वत्सेऽधिकारः स्थितः MahāvīC. 4. 38; नूनमसौ जनस्थानपश्चिमः कुञ्जवान्नाम भवेत् … दण्डकारण्यविभागः MahāvīC. 5. 26; क्वान्यत्र रामदेवादमून्यक्षराणि MahāvīC. 5. 36(1); सौमित्रेर्बाणवज्रैरधिकतरममी … प्रविद्धाः … रजनिचराः शेरते युद्धसीम्नि MahāvīC. 6. 42; अहं किल … गन्धर्वराजाच्चित्ररथादमुं वृत्तान्तमुपलभ्य … सन्दिष्टा MahāvīC. 7. 1(3); असावस्याः स्पर्शो वपुषि बहलश्चन्दनरसः UttaRāC. 1. 38; 2. 23; अहमप्यमुं वृत्तान्तं भगवत्यै लोपामुद्रायै निवेदयामि UttaRāC. 3. 3(17); 3. 15(12); 6. 17(1); जैत्रमस्त्रं जयत्यदः MahāP. 1. 4; शौरिर्भुजैरिव चतुर्भिरदः सदा यो लक्ष्मीविलासभवनैर्भुवनं बभार Kapphiṇā. 1. 39; तथा त एवार्यनिवेशनेऽपि स्थिता इवान्तर्बहिरप्यमुष्याः RāghPāṇ.(Dha.) 8. 28; कोऽयं कविः कोविदानमून् … निजनिबन्धनेन कुतूहलयति SubhaDha. 1. 1 (10); अविरतिभिरमीभिः कर्मभिः क्षीयमाणः स्वयमपि परिपीडामात्मनस्त्वं तनोषि SubhaDha. 2. 2; 5. 5 (3); न त्वमूषामन्योन्यमनुगन्तृतामीक्षामहे TātpaṬ.(Vā.) 141. 23 (*on* i. 1. 3); तत आत्मनो ज्ञानं शक्तिरित्यवसन्नमदः PratyabhiVi. i. 103. 7 (*on* i. 2. 7); उपसंहर विश्वात्मन्नदो रूपम् AdhyāRā. i. 3. 29; कार्ये त्वमुष्मिन्सकले…सम्यक्साहायकैर्भाव्यं भवद्भिः SamarāSū. 2. 9; कस्मादमी … तनुशोषमग्नाः । भवत्पदम् … तन्मुनयः प्रयान्ति DarpDa. 7. 22; विद्रद्भिर्जयपालसी[शी]तकिरणोऽमून्यादराद्वन्दितो गौडः प्रोल्लिखदक्षराणि कुमुदाकाराणि सर्प्पंतकरः EI. i. 147. 34; जपावर्णकुसुमे … अहो किंस्विदमू अग्नी इत्युज्झ्येते इहार्भकैः DvyāśraKā. 1. 28; 20. 94; अमूनि सोमेश्वरदेवरीत्या संपूज्य पंचायतनानि पूर्वम् EI. i. 286. 58; महाशीले शासनोदात्तप्रभावनोदर्कं भविष्यतीत्यदो भवद्भाषितम् MudriKu. 2. 7 (13); जगुर्विदोऽदः किल कालतन्त्रम् GrahaGa. 69. 22 (9. 1); PrasaRā. 7. 84; अनामयीकर्तुमदः क्ष्मातलम् PṛthviVi. 2. 7; उदयति मदलक्ष्मीर्दन्तिनोऽमुष्य सद्यः समिति पिशुनयन्ती वैरिवर्गस्य भङ्गम् RukmiHa. 2. 21; निष्पन्नोऽसावन्योन्यभेदः Hitopa. 2. 156 (3); 3. 55 (16); त्वयैकेन मदीयोऽर्थः संप्रसाध्यस्त्वसाविति Hitopa. 4. 122; अम्भोजिनीभिरमुना तपनातपेन त्यक्ता … मूर्च्छा HammīMaMa. 3. 8; बिभ्रते … पुष्पाण्यमी पादपाः HammīMaMa. 5. 10; निवेद्यतामदः VasaViKā. 13. 53; KṛṣṇaKa. 1. 41; वाजपेयगतं खादिरमूर्ध्वं यत्षोडशिपात्रं तस्मिन्नद उन्मानं प्रथमं सम्बध्य तद्द्वारा कर्मणान्वेति NyāyMāVi. 116. 2 (*on* iii. 1. 9); नादो वादोचितं वचः S'ārṅgaPa. 529; यदभिधानाष्टकमिदम् । अमुष्मिन्प्रत्येकं प्रविचरति देव श्रुतिः Mahimna. 28; अमीषामपि नित्यत्वे श्रुतिसंभवात् BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 166. 10 (*on* ii. 4. 1); PārvPa. 5. 3 (1); सुहृदामुचितं ह्यदः HammīMaKā. 7. 9; भवद्दृगालोकनमुक्तयोगं प्रपत्स्यतेऽदो नगरं नरेश HammīMaKā. 8. 111; 12. 5; Subhāṣi. 187; PurāPraSaṁ. 6. 18; StavMā. 238. 7; LaṭaMe. 2. 14; AdbhuDa. 7. 15; भूपैरमीभिर्मुदा Jīvān. 194. 4; PadyaVe. 252; SetuBa. 303. 20; Bhāsk. i. 1. 16 (*on* i. 1. 1);

5 he, she, it (as a third person pronoun) अमीषां चित्तं प्रतिलोभयन्ती गृहाणाङ्गान्यप्वे परेहि ṚV. x. 103. 12; अमीषां चित्तानि प्रतिमोहयन्ती गृहाणाङ्गान्यप्वे परेहि AV. iii. 2. 5; यममी पुरोदधिरे ब्रह्माणमपभूतये AV. v. 8. 5; यानसावतिसरांश्चकार कृणवच्च यान् AV. v. 8. 7; गावो घृतस्य मातरोऽमूं सं वानयन्तु मे AV. vi. 9. 3; अमून्हेतिः पतत्रिणी न्येतु AV. vi. 29. 1,

असौ मामनु शोचतु AV. vi. 130. 1; vi. 130. 2; vi. 130. 3; vi. 130. 4; इत्थं वज्रमा ददे । स्कन्धानमुष्य शातयन्वृत्रस्येव शचीपतिः AV. vi. 135. 1; vi. 135. 2; vi. 135. 3; vi. 138. 5; अमूं च मां च सं नुद AV. vi. 139. 3; यत्किं चासौ मनसा यच्च वाचा यज्ञैर्जुहोति AV. vii. 70 (73). 1; vii. 113 (118). 1; अमूंस्त आ दधामि AV. xi. 1. 20; परामीषामसून्दिदेश AV. xii. 2. 55; तस्मादमुं निर्भजामः AV. xvi. 8. 1; यास्ते अग्ने घोरास्तनुवः । ताभिरमुं गच्छ TaiBr. I. i. 7. 3; इदं ते परिददाम्यमुम् ChāndoUBr. i. 6. 26; एवं ममासौ वशमेतु ChāndoUBr. ii. 6. 7; ii. 8. 13; अद उ आविरधिदैवतम् AitĀ. I. iii. 3. 9; प्राणापानौ ··· अमुष्यासुना मा संगसाथाम् TaiĀ. iii. 14. 3 (350. 3); एतत् सम्यक् प्रकारेण ज्ञात्वासौ कम्पविद्भवेत् SvarāṅS'i. 7; राष्ट्रस्य हन्तासौ AtriS. 9. 19; निष्कासितो मयासावन्यत्र गतो यत्नादानेतव्यः KāmSū. 6. 4 (337. 24); तदासौ साधकत्वेन योक्तव्यो गुरुणा तथा PauṣkS. 1. 18; यदासौ न कल्यतां लभते PañcT. 1. 13 (10) (10. 8); बाढमित्यसावाह PañcT. 1. 52 (22) (39. 3); अथासावार्तरवमुच्चैः कृत्वा PañcT. 1. 55 (87) (58. 1); 1. 62 (11) (72. 7); अथासौ तं नादमाकर्ण्य PañcT. 1. 63 (38) (81. 4); 1. 85 (2) (93. 2); तथाप्यसौ यदि स्वयमनर्थं न करिष्यति PañcT. 1. 85 (4) (93.4); 1. 117 (22) (119. 3); 1. 151 (16) (152. 5); 1. 164 (10) (171. 6); न चासौ तस्यापकरोति PañcT. 2. 15 (12) (199. 4); 2. 25 (16) (206. 4); पृष्टश्चासावागतः PañcT. 3. 33 (32) (289. 7); 3. 67 (1) (328. 4); 4. 1 (14) (372. 9); ततोऽसौ लगुडं गृहीत्वा PañcT. 5. 3 (408. 2); अमुष्मै तस्मै च देहि CāndraVṛ. on ii. 1. 12; अमुष्य मायाविहतं निहन्ति ··· आयुधम् Kirātā. 14. 60; इतीहारमतैवासौ स्नेहस्तस्याः स तादृशः UttaRāC. 2. 18; असौ पुनरभिनिविष्टया दृशा ··· विषमविरचितैकभागां तामेव बहु मन्यमाना MālaMā. 1. 306; बुद्धरक्षिते क्वासौ MālaMā. 3. 210; स्मरति रुदितैः स्नेहाकूतं तथा व्यतनोदसौ MālaMā. 9. 66; EI. vi. 291. 40; SubhaDha. 1. 13; BālBhā. 1. 78; आजावसौ चोडनृपस्य सेनामहावनस्य ··· दावानलोऽभूत् EI. iv. 316. 8; Hitopa. 1. 12 (2); 1. 42 (5); 3. 55 (4); 4. 8 (3); HariC.(Pa.) 6; पदं किम् ··· प्रयुज्य शंसेयममुष्य दातृताम् Gaṅgāva. 1. 82; JānaPa. 6. 30; क्वामी क्वामी HammīMaMa. 3. 15 (11); **6** (Gr.) specific forms of *adas* used to indicate any word in that particular case असावित्यन्तः Vār. 6 *on* P. i. 2. 37; असावित्यन्त उदात्तो भवति । गार्ग्यो यजते । वात्स्यो यजते MahāBh. i. 211. 5 (*on* i. 2. 37); असाविति प्रथमान्तोपलक्षणम् Pradī. ii. 33A. 17 (*on* i. 2. 37); अमुष्येत्यन्तः Vār. 7 *on* i. 2. 37; अमुष्येत्यन्त उदात्तो भवति । दाक्षेः पिता यजते MahāBh. i. 211. 7 (*on* i. 2. 37); **7** this woman रे रे तन्त्रक मा रोदीः किं किं न भ्रामयत्यसौ । कटाक्षक्षेपमात्रेण करलग्ने तु का कथा S'atTrayī. 722; रे रे घरट्ट मा रोदीः कं कं न भ्रामयन्त्यमूः । कटाक्षवीक्षणादेव कराकृष्टस्य का कथा Subhāṣitaratnabhāṇḍāgāra 260. 101; **8** as the first person (with जन) तृष्णे त्वामनुबध्नता फलमियत् प्राप्तं जनेनामुना S'atTrayī. 649; **अमुया** (amuyā) [*f.* Inst.] **1** thus, so, in that way समिन्द्र गर्दभं मृण नुवन्तं पापयामुया ṚV. i. 29. 5 = AV. xx. 74. 5; ṚV. x. 85. 30; x. 135. 2; जिनाति वेदमुया ṚV. v. 34. 5; AV. vii. 56. 6; **2** there, far away अप द्वेषांस्यमुया भवन्तु AV. v. 22. 1; मा जामिं मोषीरमुया शयानाम् AV. vii. 99. 1; **3** in vain, for nothing (usually with *as* or *bhū*-) वितृन्नोऽयं मस्तिष्को मामुया भूत् JaimiBr. 1. 73; त(त)स् सिच्यतेऽमुयैव तत् परासिच्यत इति JaimiBr. 1. 315; 3. 250; मामुया भूवम् S'atBr. I. vi. 3. 17; तदमुया स्यात् S'atBr. I. vii. 2. 13; उपजानीत यथेदं नामुयासत् S'atBr. I. vii. 4. 5; तदेतस्मिन् प्रतितिष्ठति तथा नामुया भवति S'atBr. III. viii. 1. 14; VI iii. 3. 26.

अदस् (adas) *m.* the other world तेषां तप्यमानानां रसोऽजायत ··· सामवेदोऽमुष्मात् ṢaḍviBr. iv(5). 1. 2; भक्तिरस्य भजनमिति, तदिहामुत्रोपाधिनैराश्येनैवामुष्मिन् मनःकल्पनम् VedāntRaMañ. 3. 9 (126. 14)

अदस् (adás) *adv.* **1** there, yonder उताद: परुषे गवि सूरश्चक्रं हिरण्ययम् । न्यैरयद् रथीतमः ṚV. vi. 56. 3; ṚV. i. 187. 7; यत्स्थो दीर्घप्रसद्मनि यद्वादो रोचने दिवः । यद्वा समुद्रे अध्याकृते गृहेऽत आ यातमश्विना ṚV. viii. 10. 1; यददो दिवो अर्णव इषो वा मदथो गृहे ṚV. viii. 26. 17; ये सोमासः परावति ··· सुन्विरे । ये वादः शर्यणावति ṚV. ix. 65. 22; यद्देवा अदः सलिले सुसंरब्धा अतिष्ठत । अत्रा वो नृत्यतामिव तीव्रो रेणुरपायत ṚV. x. 72. 6; यददो वात ते गृहे ३ ऽमृतस्य निधिर्हितः । ततो नो देहि जीवसे ṚV. x. 186. 3; अदो यदवधावत्यवत्कमधि पर्वतात् AV. ii. 3. 1; अदो यदवरोचते चतुष्पक्षमिव छदिः AV. iii. 7. 3; iii. 13. 1; यददो देवा असुरांस्त्वयाग्रे निरकुर्वत AV. iv. 19. 4; x. 9. 5; xi. 8. 33; अदो यद्देवि प्रथमाना पुरस्तात् AV. xii. 1. 55; xvi. 7. 9; येऽदो रोचने दिवः ··· तेभ्यः सर्पेभ्यो नमः TaiS. IV. ii. 8. 3; सा वा असौ यददोऽमुष्यादित्यस्योपरिष्टाद् व्यवभाति ज्योतिरिव KauṣīBr. 3. 3 (10. 2); तद् यथैवाद उपसत्स्वेवमेवाप्यत्र सुत्यायामनवानमेवोपचारः KauṣīBr. 8. 7 (39. 3); अदः ··· स्यादिदमव्ययम् S'abdaRaSaK. 172. 5; **2** here (in this world) तद्यथैवादो मनुष्यराज आगतेऽन्यस्मिन् वार्हत्युक्षाणं वा वेहतं वा क्षदन्ते AitBr. 3. 4 (65); अनुवषट्करोति तद्यथादोऽश्वागा वा पुनरभ्याकारं तर्पयन्त्येवमेवैतद्देवताः पुनरभ्याकारं तर्पयन्ति AitBr. 11. 5 (299); तद्यथादः पूर्वेद्युः स्पष्टं तृणोदकमन्ववस्यन्तो यन्त्येवम् PañcBr. xi. 5. 20; अदः परस्मिन्नत्रापि AnekāK. 932 = Vis'vaPra. 174. 5; इदमेतददोऽपि च । बुद्धिस्थसन्निकृष्टार्थे KośaKaTa. 2. 469; **3** then (at that time) यददः संप्रयतीरहावनदता हते AV. iii. 13. 1; अमुनैवानूकाशेन यदद इन्द्रः सारथिरिव भूत्वोदजयत् AitBr. 9. 1 (240); **4** thus, so तददः सौत्रामणीतीष्टिस्तस्यां तद्व्याख्यायते S'atBr. I. vi. 3. 7.

²अदस् (adas) *adj.* who devours विश्वे हि ष्मा मनवे ··· मुवन्वृधे रिशादसः ṚV. viii. 27. 4; अस्ति हि वः सजात्यं रिशादसो देवासः ṚV. viii. 27. 10.

अदसीय (adas-īya) *adj.* [*f.* -ā] [P. iv. 2. 114; i. 1. 74 without *vṛddhi* AltGr. III. 443] pertaining to or relating to that or those त्यदादीनि शब्दरूपाणि वृद्धसंज्ञानि भवन्ति । त्यदीयम् तदीयम् ··· अदसीयम् KāśiVṛ. *on* P. i. 1. 74; अपारयन् सोढुमदसीयमविनयममर्षाकुलः सौमित्रिरमोघं माघवनमस्त्रमुक्षम् RāmāCam. 6. 75 (4); तुलयसि तुलसि किं मुधा राधाम् । यत्तव पदमदसीयं सुरभयितुं सौरभोद्गेदः ĀryāSaS'a. 431; नासादसीया तिलपुष्पतूणम् ··· कुसुमायुधस्य NaiṣC. 7. 36; 2. 108; 7. 54; 22. 14; SaduktiKa. 211. 10; पूर्वमेव महसा दुरतिक्रमेण व्याप्तं शरीरमदसीयम् SāṅkaDigVi.(Mā.) 2. 59; 6. 69; 9. 78; MahāN. 9. 41; तं चाभिषिच्याश्वदसीयरक्षाविधौ व्यधादेष मखं सुखेन HammīMaKā. 1. 16; 3. 20; 5. 38; 8. 70; 9. 45; (अच्युतरायः) अवगाहते स्म मणिधाम हरेरदसीयचित्तमपि भक्तहितः Acyutarā. 5. 26; 1. 37; 2. 14; 5. 17; 6. 31; अदसीयसंप्रदायपरम्परान्तेवासिनम् ··· धर्मशिवदेशिकाभिधानम् ··· प्राणंसीत् YātrāPra. 1. 50 (2); 2. 61; 5. 5; 6. 87; पावनिः ··· प्रतिपादयन् रघुपतेः करोर्मिकामदसीयमौलिमणिमाददे ततः Raghunā. 4. 60; स जगाद ··· अदसीयगीतिगुणरीतिमाहताम् S'ivLī. 18. 50; अदसीयरथानुपातिनी ननु मुग्धे सुरसिन्धुरेष्यति Gaṅgāva. 7. 9; Rāgh. 1. 54; भ्रष्टश्रीरदसीयशत्रुततिवज्जाता मयूखावलिः ĀnandRa. 5. 58.

¹अदस्त (á-dasta) *adj.* [*f.* -ā] inexhaustible, full सिञ्चामहा अवटमुद्रिणं वयं विश्वाहादस्तमक्षितम् TaiS. IV. ii. 5. 5; तस्मात्प्राणा अदस्ता अरिक्ता दक्षिणस्य हविर्धानस्याधस्तात्सादयत्येतद्वा KāṭhS. 27. 5; अदस्तमसि विष्णवे त्वा । यज्ञायापि दधाम्यहम् TaiBr. III. vii. 4. 17; वैश्वदेवीं वाचमुद्यासं शिवामदस्तां जुष्टां देवेभ्यः TaiĀ. iv. 1. 4 (366. 1); अदस्तमभि विष्णवे त्वेति यवाग्वाः पिण्डमवदधाति MānS'S. 11. 18.

²अदस्त (a-dasta) *adj.* not offering (worship etc.) ततस्त्वमच्छन्नमदस्तपूर्णबलिर्मया स्पाशित एव मन्ये DvyāśraKā. 10. 57 (comm. अदस्तपूर्णबलिर्मया अदत्तपर्याप्तपूजोपचारस्त्वम्)

अदस्त्व (adas-tva) *n.* thatness विभक्ताविति किम् ··· अदस्त्वम् KātanVṛ. *on* ii. 2. 45.

अदस्य (adas-ya) [*denom.*] to desire that अद इच्छति, अदस्यति KāśiVṛ. *on* P. viii 2. 80; अदस्यति KātanVṛ. ii. 2. 45; अदस्यतीत्यत्र सकारान्तत्वान्न Prasā. i. 284. 20.

अदस्यु (a-dasyu) *adj.* free from (devoid of) miscreants राष्ट्रम् ··· निर्द्वन्द्वनीरोगमदस्यु तस्य यो लक्षकोटीहवनं विदध्यात् BṛParāSm. 11. 293.

अदस्युप्रवेश्य (a-dasyupraveśya) *adj.* inaccessible to thieves अदस्युप्रवेश्यं ग्राममावसितुं यतेत धार्मिकः BaudhDS. ii. 3. 51.

अदःसंख्याभ्यर्ण (adassaṅkhyābhyarṇa) *adj.* approximating that (given) number, amounting to that quantity अदःसंख्याभ्यर्णं च मदीयं मणिगणमुपनिधिनिभेयं न प्रतिददाति YaśasCam. ii. 347. 7.

अदःसदृश (adas-sadṛśa) *adj.* similar to that सिद्धापगे पुरविरोधिजटोपरोधक्रुद्धा कुतः शतमदःसदृशान्विधत्से SāṅkaDigVi.(Mā.) 7. 68 (comm. अमुष्य शिवस्य सदृशान्)

अदःसमित् (adas-samit) *f.* that battle अदःसमित्संमुखवीरयौवतत्रुटद्दृजाकम्बुमृणालहारिणी । ··· यशोमरालावलिरस्य खेलति NaiṣC. 12. 35.

अदहत् (a-dahat) *adj.* **1** not scorching लोहेन धीमानदहन् हिताय SuśruS iv. 18. 17; **2** not burning यथैवादहत्यपि वह्नौ दाहकव्यपदेशः NyāyRaMā. 210. 22; यथैव च स एव दहनः पूर्वोक्तलक्षणं दाह्यमदहन् सन् तदाकारेण न परिणमति TātpaVṛ. 63. 12 (*on* 1. 48); स्नेहाददहति क्ष्मापे दुर्भेदोऽकः स्थितान् रिपून् RājTa.(Ka.) 8. 465; जर्जरतृणाग्रमदहन् ··· कीटत्वमात्रतन्त्रः खद्योतः ख्यापयन् भाति Subhāṣi. 779.

अदहन (a-dahana) *m.* different from fire यदि ह्यनूनमनतिरिक्तं बा दहनकारणमदहनस्यापि हेतुः NyāyKuA. i. 21. 1.

अदहनस्वभाव (a-dahanasvabhāva) *adj.* not of fiery nature अदहनस्वभावेभ्यो दारुनिर्मथनादिभ्यो वह्नेर्दाहातिशयोत्पत्तिवत् NyāyKa. 82. 11.

अदा (a-dā) (Gr.) other than the root *dā* उभयेषामीकारो व्यञ्जनादावदः Kātan. iii. 4. 44 (comm. दावर्जितानाम्); एषामीर्व्यञ्जनेऽदः SiddhaHe. iv. 2. 97; श्वाद्घोरा लोप्योऽणौ ह्रसे ल्यदः MugdhaBo. 9. 32 (107. 18)

अदाक्षिणात्य (a-dākṣiṇātya) *adj.* not a southerner ओजः समासभूयस्त्वमेतद्गद्यस्य जीवितम्। पद्येऽप्यदाक्षिणात्यानामिदमेकं परायणम् Kāvyāda. 1. 80.

अदाक्षिण्य (a-dākṣiṇya) *n.* **1A** incivility, lack of courtesy, impoliteness इदं न प्रतिरूपं ते स्त्रीष्वदाक्षिण्यमीदृशम् BuddhaC. 4. 66; सुरूपामप्यदाक्षिण्यं दूषयति DhūrtaViSaṁ. 23. 15; एतावन्मात्रमप्यस्या अभ्यर्थितमनुवर्तनीयमेव। अन्यथा ह्यदाक्षिण्यमापत्स्येत RasSa. 129. 6; अदाक्षिण्यं परिच्छेदः कार्पण्यमुचितज्ञता ParamāKā. 48. 94; **1B** non-compliance with the wishes of others, non-considerateness स्नेहः ··· माधुर्यं मानयन्नवम्। यो धारयत्यदाक्षिण्यं स मान इति कीर्त्यते UjjvaNīMa. 432. 7; **2** the state of being without sacrificial fee यद्युद्गातृप्रतिहर्त्रोर्युगपदपच्छेदो भवति तत्र संदेहः किमदाक्षिण्यं सर्वस्वं वेति S'ābaBh. 1475. 26 (*on* vi. 5. 51); पुनर्यजेतेति प्रयोगद्वयसंभवात्पूर्वस्मिन्नदाक्षिण्यं उत्तरस्मिन् सर्ववेदसमपीत्युभयसंभवात्समुच्चयः S'āstrDī. 502. 18 (*on* vi. 5. 18); एकस्मिन् ज्योतिष्टोमे शेषिणि पूर्वोद्गात्रवि(? प)च्छेदनिमित्तादाक्षिण्यप्रतिहर्त्रव(? प)च्छेदनिमित्तसर्वस्वदाक्षिण्यरूपशेषद्वयसमवाये पूर्वशेषविषयादाक्षिण्यश्रुतेः NyāySu.(So.) 1237. 33 (*on* iii. 3. 14); इत्यदाक्षिण्यसर्वस्वदाक्षिण्ययोर्निमित्तक्रमेण पौर्वापर्यप्राप्तौ VīraMi.(Paribhāṣā.) 26. 9; अथवा दक्षिणोत्कर्षविशिष्टपुनःप्रयोगमात्रं तन्नैमित्तिकं पुनरदाक्षिण्यमपि BhāṭṭDī. ii. 302. 12 (*on* vi. 5. 18); ii. 304. 20 (*on* vi. 5. 20); यद्यदाक्षिण्ये सति सर्ववेदसं नोपपद्येत ततोऽर्थान्निवर्तेत MayūMāli. 504. 15 (*on* vi. 5. 20)

अदाक्षिण्य (a-dākṣiṇya) *adj.* [*f.* –ā] **i** who has not given the sacrificial gift or fee मा पुत्रमनुतप्यथाः। अयज्वानमदाक्षिण्यमभि श्वैत्येत्युदाहरत् MahāBhā. vii. App. 8 (359); **ii** devoid of civility, lacking in obedience अयं सिंहः कुमारराट्।··· त्वामदाक्षिण्यां कलयिष्यति मानसे SamarāSaṁ. 2. 36; अविवेकमनावेक्ष्यमदाक्षिण्यमनूर्जितम्। धिगहं(? गिदं) जन्म नारीणाम् (comm. दाक्षिण्यम् परच्छन्दानुवर्तित्वम्) ĀścaCū. 3. 30.

अदाक्षिण्यप्राप्त्यभाव (adākṣiṇyaprāpty-abhāva) *m.* absence of the possibility of not giving sacrificial fee पूर्वप्रयोगाङ्गभूतकर्त्रानत्यर्थं तस्मिन्नपि तस्या आवश्यकत्वेनादाक्षिण्यप्राप्त्यप्रभावात् (? प्राप्त्यभावात्) BhāṭṭDī. ii. 305. 17 (*on* vi 5. 55)

अदाक्षिण्यम् (a-dākṣiṇyam) *adv.* in an uncivil manner, rudely इत्थं यदा निषिद्धोऽपि मृगान् हन्ति स्म भूपतिः। रूक्षाक्षरमदाक्षिण्यं तदा तेन व्यभाषत PāṇḍaC. 1. 96.

अदाक्षिण्यमात्र (adākṣiṇya-mātra) *n.* only the non-payment of sacrificial fee अदक्षिणयागोत्तरम् ··· पुनः प्रयोगस्य सर्वस्वदक्षिणया स्फुटविरोधाभावात् अदाक्षिण्यमात्रमुक्तम् LaCandr. 382. 15.

अदाक्षिण्यलोप (adākṣiṇya-lopa) *m.* failure of non-payment of sacrificial fee अदाक्षिण्यलोपे पुनःप्रयोगलोपः BhāṭṭDī. ii. 305. 8 (*on* vi. 5. 55)

अदाक्षिण्यविरोध (adākṣiṇya-virodha) *m.* contradiction with (the injunction of) non-payment of sacrificial fee तत्र प्रथमप्रयोगेऽदाक्षिण्यविरोधात्सर्वस्वं बाध्यते S'ābaBh. 1478. 20 (*on* vi. 5. 55)

अदाक्षिण्यसर्वस्व (adākṣiṇya-sarvasva) *n.* extreme lack of considerateness यदपि चात्र सौवर्णानि गृहाणि सौवर्णास्तरवः श्रूयन्ते तद्विबुधानामदाक्षिण्यसर्वस्वम् DhūrtaViSaṁ. 29. 13.

अदाक्षिण्यानुवृत्ति (adākṣiṇyānuvṛtti) *f.* act of discourtesy न ह्यसात्रदाक्षिण्यानुवृत्तिः JātaMā. 40. 7 (8. 37)

अदाक्षिण्याभाव (adākṣiṇyābhāva) *m.* absence of non-payment of sacrificial fee सर्वस्वे क्रियमाणेऽदाक्षिण्याभावाद्विगुणः स्यात् S'ābaBh. 1476. 13 (*on* vi. 5. 53)

अदातव्यता (adātavya-tā) *f.* the state of not to be given, the state of being not liable to be given or paid अनेन व्यतिरिक्तस्य कृष्यादिलब्धस्यादातव्यतोच्यते ManuBh. ii. 301. 15 (*on* 9. 208)

अदातुकाम (a-dātukāma) *adj.* [*f.* –ā] unwilling to give, not desirous of giving मद्रका ··· अदातुकामा वचनमिदं वदति दारुणम् MahāBhā. viii. 27. 87; अदातुकामं देवेन्द्रं प्रणिपत्य तमर्जुनः। उवाच SkandP. v(1). 32. 29; महामात्रश्चोपक्रान्तो हठाददातुकाममपि (नायकं दापयति) JayaMa. 327. 3 (*on* 6. 3); वल्लभेऽदातुकामेऽपि दृष्ट्वा संविद्व्यतिक्रमम्। प्रेषयामास दूतं सः BallāC. 17. 5.

अदातृ (a-dātṛ) *adj.* **i** non-giver, not liberal, miser, niggardly अदाता पुरुषश्च यः। नैते लोकानाप्नुवन्ति MahāBhā. iii. App. 1. 4 (20); अदातारः ··· दुःखानामेव भोक्तारः MahāBhā. xii. 12. 30; अदाता ह्यपि भूतानां मधुरामीरयन् गिरम्। सर्वलोकमिमं शक्र सान्त्वेन कुरुते वशे MahāBhā. xii. 85. 8; अदाता ह्यनतिस्नेहः ··· क्षिप्रमेव विनश्यति MahāBhā. xii. 93. 15; अदातृभ्यो हरेन्नित्यम् ··· नृपतिः MahāBhā. xii. 159. 10; समर्थाश्चाप्यदातारस्ते वै निरयगामिनः MahāBhā. xiii. 24. 78; xiii. 6. 17; अयोध्यायाम् ··· नामृष्टभोजी नादाता ··· दृश्यते Rāmā. i. 6. 11; i. 117*(1); नागौरवो बन्धुषु नाप्यदाता ··· आसीत् ···तस्य राज्ये BuddhaC. 2. 11; आदाननित्याच्चादातुराहरेदप्रयच्छतः ManuSm. 11. 15; भाद्रपदासूद्विग्नः ··· पटुरदाता च Bṛhajjā. 16. 13; BṛSaṁ. 101. 13; अदाता च सदा लुब्धः श्वपचः परिकीर्तितः BṛParāSm. 8. 190; ParāSm. 2. 10; परोपघातक्रियया वर्जयेदर्जनं श्रियः। अर्थानां बह्वनर्थानामदातापि ह्यसंभवात्। स्वर्गापवर्गविभवानयत्नेनाधितिष्ठति AṣṭāSaṁ. i. 13. 16 (1. 3); अदाता विषमश्नुते LaS'ātāSm. 18; अदातारं(? रः) समर्था ये ··· दीनानाथान्न पश्यन्ति ते वै निरयगामिनः VṛGautaSm. 582. 18 (10); न कदर्यः अदाता सति विभवे ChāndoUBh. 314. 9 (*on* v. 11. 5); अदाता पुरुषस्त्यागी धनं संत्यज्य गच्छति। दातारं कृपणं मन्ये VedaVyāSm. 4. 25 = SūktiRa. 170. 8 = S'ārṅgaPa. 468; अदातुरत्यागशीलस्य ManuBh. ii. 373. 19 (*on* 11. 14); अदातुः प्रियालापोऽन्यस्य लाभस्यान्तरायः NītiVā. 1. 17; अदातुस्तावत्स्नेहः ··· साधुता च यावन्नार्थावाप्तिः NītiVā. 32. 17; न ह्येतस्मिन् कुले ··· यो वादाता द्विजातये BhāgP. viii. 19. 3; VāmaP. 14. 92; उभावप्यदातारावकार्यकरौ च JayaMa. 311. 8 (*on* 6. 1); अहुताशी सहस्रेण अदाता च विशुध्यति (द्विजः) LiṅgaP. i. 15. 12; BhaviP. 717A. 1 (iv. 79. 6); अत्र जन्तुपदमदातर्यर्थे विवक्षितम् KāvyPra. 275. 3; अदातरि समृद्धेऽपि किं कुर्युरनुजीविनः SubhāRaK. 49. 10 = S'ārṅgaPa. 1372 = Subhāṣi. 472; किं वित्तं दत्त तुष्टेयमदातरि हरिप्रिया NaiṣC. 17. 81; अदातुः फलमीदृशम् PārśvC. 7. 506; 1. 125; ManvaVi. 1350. 18 (*on* 11. 15); S'ārṅgaPa. 274; मत्वा लोकमदातारं संतोषे यैः कृता मतिः SāhiDa 341. 2; नृपतिरदाता VetāPañ.(S'i.) 19. 45; अदातुर्दाक्षिण्यं न हि भवति BhojPra. 10. 25; चारणदानमदातुर्मन्त्रिणः पुरश्चारणेन पठितम् PurāPraSaṁ. 51. 14; नादातारो नाप्यधर्मे प्रसक्ताः। विप्राः ··· स्थातुं बाल्ये तस्य राष्ट्रे चकाङ्क्षुः S'ivLī. 13. 4; इतरथादातरि किञ्चिद्दातरि वा तस्मिन् ··· भक्तेरनुदयः स्यात् GoviBh. 216. 13 (*on* iii. 2. 39); Vaija. 205. 59; प्रजाशत्रुरदाता धनिकश्च यः S'ukraNī. 4(1). 17; **ii** who does not pay, a defaulter अदातुः स्वाहस्तक्यं स्वयमभ्युपगमः ManuBh. ii. 75. 4 (*on* 8. 3); **iii** (surety) not liable for payment अदातरि पुनर्दाता ··· ऋणम्। पश्चात्प्रतिभुवि प्रेते परीप्सेत्केन हेतुना ManuSm. 8. 161; संदेहहेतुः पदद्वयेनादातरि विज्ञातप्रकृताविति ··· अदातरि प्रतिभुवि ManuBh. ii. 150. 24 (*on* 8. 161); अदातरि दर्शयितरि SmṛtiCan. iv. 353. 29; **iv** who does not give (in marriage) कालेऽदातापिता वाच्यः ManuSm. 9. 4.

अदातृगृहज (a-dātṛgṛhaja) *adj.* other than the one born in the house of (i. e. son of) a liberal person नादातृगृहजो लुब्धः ··· इति भूतार्थसंग्रहः RājTa.(Ka.) 4. 91.

अदातृत्व (adātṛ-tva) *n.* **A** the state of being niggardly or miserly, absence of liberality अदान्तत्वादातृत्वादयालुत्वैः अपराधित्वमात्मनो मन्यमानाः BṛĀraUBh. 699. 6 (*on* v. 2. 3); कदर्यादीनामदातृत्वात् JayaMa. 355. 22 (*on* 6. 6); अपराधशतं राजञ्छृणुष्व ··· अदातृत्वमशौचं च BhaviP. 824A. 30 (iv. 146. 7); RasGaṅ. 428. 13; **B** the state of not being liable to repay (money) प्रतिभुवो मृतत्वात् तत्पुत्रस्य चादानप्रतिभूत्वेनादातृत्वादित्याशङ्क्याह ManvaMu. 319. 1 (*on* 8. 162)

अदातृत्वप्राप्ति (adātṛtva-prāpti) *f.* contingency of being a non-payer, non-liability for repayment (of money) पौत्रे मृते तत्पुत्रस्य तेनादातृत्वप्राप्तावप्यतिक्रान्तमित्युक्तेस्तेषां दातृत्वप्राप्तिर्भवति BālamBha. ii. 99. 28 (*on* 2. 90)

अदातृमानस (adātṛ-mānasa) *n.* mind of a non-liberal or niggardly person अदातृमानसं क्वापि न स्पृशन्ति कवेर्गिरः BhojPra. 24. 28.

अदादि (adādi) (Gr.) (roots) beginning with *ad*– (i. e. roots of the second conjugation) अदादेर्लुग् विकरणस्य Kātan. iii. 4. 92; शपोऽदादिभ्यः JaineVyā. i. 4. 143; अदादिभ्यो लुक् CāndraVyā. i. 1. 83 = Sarakaṇṭhā.(Gr.) i. 3. 109; ह्वादादेश्शलुब्लुक् S'ākaṭāVyā. iv. 3. 21; अथादादय उच्यन्ते DhātuPra. 2. 1 (76. 1); अदादेः परस्यापो लुक् स्यात् MugdhaBo. 9. 2 (103. 8); PrakriKau. ii. 178. 4 (*on* ii. 4. 72); यत्त्वाशीर्लिङि लिटि चादादिषु जुहोत्यादिषु च शबाद्यभावात्तत्प्रतीतिर्न स्यात् VaiyāBhū. 24. 22 (*on* 3); तथा चादादिगणे 'हन हिंसागत्योः' अस्य प्रक्रियायां स्वयमेव वक्ष्यते Prasā. i. 227. 12.

अदादित्व (adādi-tva) *n.* the state of belonging to (the group of roots) beginning with *ad*– (i. e. roots of the second conjugation) अदादित्वाच्छपो लुकि ··· नलोपो न LaS'abdeS'e. i. 347. 24.

अदादिमात्रत्वाभाव (adādimātratvābhāva) *m.* absence of the state of only belonging to (the group of roots) beginning with *ad*– (i. e. roots of the second conjugation) उभयानुकरणेनादादिमात्रत्वाभावान्न शपो लुक् LaS'abdeS'e. ii. 440. 17.

अदादिवत् (adādi-vat) *adv.* like the roots belonging to (the group) beginning with *ad*– (i. e. roots of the the second conjugation) चर्करीतमिति यङ्लुगन्तं तत् परस्मैपदि अदादिवत् ज्ञेयम् PrakrīKau. ii. 360. 5.

¹अदादेश (ad-ādeśa) *m.* substitute *at* अभ्यस्ताज्झेरदादेशे दधतीत्यादयोऽपि च Kāvyālaṅ.(Bh.) 6. 58; तदादादेशो झकारस्य न स्यात् PariVṛ.(Si.)

14.8; 95.14; 119.2; 156.22; तेन दधतीत्यत्रान्तादेशं बाधित्वाभ्यस्ताश्रयोऽदादेश एव PariVr.(Nī.) 32.1; 'पञ्चम्या अत्' इत्यदादेशः LaSabdeS'e. i. 329.7; i. 299.22.

²अदादेश (ad-ādeśa) *m.* the substitute for the root *ad-* (to eat) अदादेशो घसिस्तासौ न Prasā. ii. 81.14.

अदादेशविधान (adādeśa-vidhāna) *n.* laying down of the substitute *at* प्राकरणिकस्येटोऽदादेशविधानात् PariVr.(Sī.) 22.20.

अदादेशाभाव (adādeśābhāva) *m.* absence of the substitute *at* तत्र व्यवधानाददादेशाभावः Pradī. vi. 14.17 (*on* vii. 1.3)

अदाद्यन्तर्गण (adādy-antargaṇa) *m.* sub-group (of roots) in (the main group of) *adādi* (beginning with *ad-*) अदाद्यन्तर्गणो जुहोत्यादिरिति KātanVr. *on* iii. 4.92; स्वपादिरदाद्यन्तर्गणो वृन्करणावधिः Prasā. ii. 744.19.

अदाधा (a-dādhā) (Gr.) other than (the roots) *dā-* and *dhā-* ई हलि तिङ्यदाधः CāndraVyā. v. 3.106.

अदाधारूपत्व (adādhārūpa-tva) *n.* the state of not having the form of *dā-* and *dhā* अदाधारूपत्वात् PadMañ. *on* KāśiVr. *on* P. i. 1.20.

अदान (á-dāna) *n.* **A i** non-giving, absence of gift or liberality, act of not giving (gift etc.) ये वृशाया अदानाय वर्दन्ति AV. xii. 4.51; स एतं वज्रमुद्यच्छदिन्द्राय मरुत्वतेऽनुब्रूहीत्यदानाय ततो नाददात् SatBr. IV. iii. 4.23; दण्डेन वानुपिष्योत्थाप्य दोहनम् । वाशब्दो विकल्पार्थः । अदानं च KātyS'S. xxv. 1.16; स (कृष्णः) एतान् मन्युनाविष्टो (v. l. अदानान्मन्युनाविष्टः) ध्रुवं वक्ष्यत्यसंशयम् MahāBhā. v. 150.9; शरणागतसंत्यागः ··· दक्षिणानामदानं च ··· सर्वाण्येतान्यकार्याणि MahāBhā. xii. 35.13; प्रतिश्रुतस्यादानेन ··· मर्त्यस्तिर्यग्योनौ च जायते KātySm. 643; तस्मान्न देयमिति सकलमदानस्योपपत्तिरिति TantrVā. 26.21 (*on* i. 2.10); अन्ये लिप्सन्तेऽर्थं ते न माद्यन्त्यदाने RāghPāṇ.(Dha.) 11.25; तत्सौभाग्यं यत्रादानेन वशीकरणम् NītiVā. 27.56; दानं दातृत्वं तद्विपरीतमदानम् JayaMa. 313.4 (*on* 6.1); अदानमप्यवान्सल्यं जामातरि न चाचरेत् BrDharmaP. i. 36.25; अभीष्टालिङ्गनादीनामदानं ह्रीभयादिभिः SaraKaṇṭhā. 560.14; योऽस्याः फलदानाय प्राप्तः कालः तस्मिन्नदानात् NyāyRa. 494.14 (*on* 5(9).5); 681.17 (*on* 5(16).1); तत्रापश्यन्महानागमहंकारमिवोन्नतम् । ··· अदानं लोभसंनिभम् BrKathāMañ. ii. 2.38; तदिदमखिलं दानादानं धनोपनिबन्धनम् DaśāvaC. 5.162; अदानमतिदानं च न कदाचित् समाचरेत् Hastyāyur. 676.9 (4.23); दानादधःकृततदीयकरारविन्दाच्छ्लाघ्यं विमुच्य(? विबुध्य) जनशोच्यमदानमेव BhiksāKā. 10.12; यावदन्तरमदानदानयोः ··· अन्यदीयभवदीयदानयोस्तावदन्तरमिति प्रतीयते RājTa.(Prā.) 903; अदानमीषद्दानं च किंचित्कोपाय दुर्धियाम् KaliVid. 95; अदानेऽपि भूमेर्धनत्वाद्दानं स्यात् MayūMāli. 511.5 (*on* vi. 7.2); 511.11 (*on* vi. 7.3); 801.6 (*on* xi. 1.7); निःश्वस्य याति विवशस्तदुशन्त्यदानात् Subhāṣi. 3026; अदानेनापमानेन छलाच्च कटुवाक्यतः । ··· नृपं मुञ्चति वै प्रजा S'ukraNī. 1.139; **A ii** not looking at आसनचक्षुषोरदानम् अतुष्टलक्षणम् ArthS'ā. ii. 213.8 (5.5); **A iii** not giving (an answer) केवलेन आख्यातेन उत्तरस्य अदानात् आख्यातस्य साधनत्वाप्रसङ्गः Pradī. iv. 388A.41 (*on* v. 3.66); **A iv** not granting रतोपचारेष्वुद्वेगः । मुखस्यादानम् KāmSū. 330.24 (6.3); 312.20 (6.1); अदानाद्दोहदानां स्युर्गर्भस्य व्यङ्गतादयः SaṃgīRa. i. 2.29; **B** non-payment (of money, debt etc.), non-delivery (of goods etc.) अदानमादानं विनाशः परित्यागो वा अर्थस्येत्यर्थदूषणम् ArthS'ā. iii. 19.9 (8.3); तेषामाद्यमृणादानम् ManuSm. 8.4; वेतनस्यैव चादानम् ManuSm. 8.5; अर्थदूषणम् अर्थानामदानं हरणं वा ManuBh. ii. 15.26 (*on* 7.48); न चावयवशः कर्मणि वेतनस्यापरिभाषितत्वाददानमिति मन्तव्यम् Mitā. 279.12 (*on* 2.196); ManvaVi. 875.15 (*on* 8.4); मन्वादिभिर्दानस्यादानस्य च विधिक्रमो विज्ञानकमः ··· षड्विधः कथितः Subodhi. 96.27 (*on* 2.254); DīpKa. 63.23 (*on* 2.190); VīraMi.(Āhnika.) 504.7; BālamBha. ii. 295.2 (*on* 2.193); **C** not giving (in marriage) गाधिः ··· अदाने शापभीतस्तु ··· उवाच SkandP. vi. 165.28.

¹अदान (a-dāna) *adj.* who does not give, niggard, miserly सदा दानपरिक्षीणः शस्त एव करीश्वरः । अदानः पीनगात्रश्च निन्द्यत एव गर्दभः PañcT. 2.73 [KOSEGARTEN's Ed.]

²अदान (a-dāna) *adj.* (elephant) without rut तत्रापश्यन्महानागमहंकारमिवोन्नतम् । ··· अदानं लोभसंनिभम् BrKathāMañ. ii. 2.38; PañcT. 2.73 [KOSEGARTEN's Ed.]

³अदान (ad-āná) *adj.* being eaten, being gnawed व॒म्रीभि॑ः पु॒त्रम॒ग्रुवो॑ अदा॒नम् RV. iv. 19.9 = Nir. 3.20 (72.1) (Sāy. अद्यमानम्)

अदानकर्मन् (adāna-karman) *adj.* who does not give, non-giver niggardly अरातयोऽदानकर्माणो वा Nir. 3.11 (65.11); *n.* act of non-payment (of wages etc.) तेन न चोद्यमेतत् — कथं वेतनस्यादानकर्मोक्तं यावता दानकर्माप्युक्तम् ManuBh. ii. 174.12 (*on* 8.218)

अदानत्व (adāna-tva) *n.* the state of not giving दक्षिणानामदानं च (v. l. दक्षिणानामदानत्वम्) ब्राह्मणस्याभिमर्शनम् । सर्वाण्येतान्यकार्याणि MahāBhā. xii. 35.13.

अदाननिरत (a-dānanirata) *adj.* not intent on giving (i. e. not generous) धनिनोऽप्यदाननिरता गण्यन्ते धुरि महादरिद्राणाम् SūktiRa. 171.16.

अदानप्रज्ञ (adāna-prajña) *adj.* having the intention of not giving (i. e. stingy) अरातयोऽदानकर्माणो वा अदानप्रज्ञा वा Nir. 3.11 (65.11)

अदानप्रतिभूत्व (adānapratibhū-tva) *n.* the state of not being surety for payment प्रतिभुवो मृतत्वात् तत्पुत्रस्य चादानप्रतिभूत्वेनादातृत्वात् ManvaMu. 319.1 (*on* 8.162)

अदानप्रत्यवाय (adāna-pratyavāya) *m.* impediment due to not making payment अन्यथा 'पतिताः स्युरदित्सवः' इत्यदानप्रत्यवायवचनमप्यसंस्कारप्रत्यवायपरं स्यात् VīraMi.(Vyavahāra.) 455.17.

अदानफल (adāna-phala) *n.* fruit of not giving in charity यन्मया कृतमर्थित्वं प्रगेऽदानफलं हि तत् BhaviP. 281A.22 (i. 189.9)

अदानभोग (adānabhoga) *adj.* without giving in charity and enjoying अदानभोगेन धनोदयेन किम् DaśāvaC. 3.7; धनिनोऽप्यदानभोगा गण्यन्ते धुरि महादरिद्राणाम् Subhāṣi. 480.

अदानरुष्ट (adāna-rūṣṭa) *adj.* angry due to non-payment of (a tip) क्वचिददानरुष्टदुष्टप्रतीहारहठनिर्धार्यमाणरोषदष्टौष्ठकण्ठव्रातम् · आस्थानमण्डपमगच्छत् (भूमिपतिः) TilaMañ. 70.19.

अदानव (a-dānava) *m.* not a demon रक्षते दानवांस्तत्र न स रक्षत्यदानवान् MahāBhā. i. 71.12; *adj.* devoid of the demons अदानवं वा भविता नारायणपदत्रयम् MatsyaP. 139.12 = EI. vii. 150.8.

अदानविधि (adāna-vidhi) *m.* injunction of not giving अस्यादानविधिपक्षे कुमारादिपदानां मुख्यार्थता MayūMāli. 801.10 (*on* ii. 1.7)

अदानविभव (adāna-vibhava) *adj.* possessing riches not meant for charity धनिनोऽप्यदानविभवाः गण्यन्ते धुरि महादरिद्राणाम् BhojPra. 23.6.

अदानव्यवच्छेद (adāna-vyavaccheda) *m.* exclusion of non-payment (of debt) एवेनादानव्यवच्छेदः BālamBha. ii. 71.25 (*on* 2.54)

अदानव्रतिन् (a-dānavratin) *adj.* not possessing charity and austerities अदानव्रतिनो विप्राः वेदविक्रयिणस्तथा । सर्वकर्माणि कुर्युर्ये दीयते न च किञ्चन VarāP. 202.22.

अदानशील (adāna-śīla) *adj.* of a niggardly nature कृपणः दृढमुष्टिः । दृढा अशिथिला मुष्टिर्यस्य । इति द्वे अदानशीलस्य comm. *on* TrikāS'e. iii. 1.12; अदातुरदानशीलात् ··· तद्धनम् ··· हरेत् ManvaVi. 1350.18 (*on* 11.15)

अदानाशङ्का (adānāśaṅkā) *f.* doubt or fear of non-payment (of debt) निर्धनत्वेन प्रतिपन्नादिषु अदानाशङ्कायामिदमुच्यते Mitā. 166.9 (*on* 2.49)

अदानीय (a-dānīya) *adj.* not worthy of gifts यामदानीयाय ददाति तामस्य पशवोऽनवपक्रामन्ति MaiS. iv. 2.8; ĀpaS'S. xiii. 7.13 (comm. अदानीयः दानायोग्यः)

¹अदान्त (a-dānta) *adj.* **1A** unrestrained, undaunted, unsubdued, naughty यस्माददान्तान् दमयति ··· तस्माद्दण्डं विदुर्बुधाः MahāBhā. xii. 15.8; AgniP. 225.16; दण्डो दमनादित्याहुस्तेनादान्तान् दमयेत् GautDS. ii. 2.28; अस्मि अदान्तानां दमनकारणम् GītāBh.(S'aṅ.) 296.9 (*on* 10.38); अदान्तैरिन्द्रियहयैः ···। आकृष्य नरकारण्ये जन्तुः सपदि नीयते YogS'ā. 4.25; TriṣaS'aPuC. ii. 1.152; अब्यर्णः ··· आर्दिदद्द्रुतम् (राक्षसान्)। ··· अदान्तांश्छिदरैरपि Bhaṭṭi. 9.19; (कृष्णः) कालिन्द्याः कमनीयकुञ्चितकचो मृत्स्नामदान्तो ह्रदात् GopāKeCan. 86.26; **1B** having no self-control (i. e. indisciplined), who has not controlled himself न श्रीर्वसत्यदान्तेषु MahāBhā. v. 39.48; क्रव्यादिव इव भूतानामदान्तेभ्यः सदा भयम् MahāBhā. v. App. 3 (11); अदान्तो ब्राह्मणोऽसाधुः MahāBhā. x. 3.20; न हि···। दर्शयाम्यहमात्मानं न चादान्ताय भारत MahāBhā. xii. 51.11; नादान्तस्य क्रियासिद्धिः MahāBhā. xii. 154.8; तदिदम् ··· नादान्ताय (शास्त्रं वाच्यम्) MahāBhā. xii. 238.16; न ह्यदान्तोऽस्त्ववादादिषु परेषां समर्थः MaYānaSū. 20.24 (5.6); BrahmP. 236.36; SkandP. vi. 262.48; अदान्ता यूयं स्वभावतः BrĀraUBh. 697.5 (*on* v. 2.3); किमरण्ये त्वदान्तस्य दान्तस्यापि किमाश्रमे PadmP. v. 19.35; मन्त्रनाथस्य विस्तरः । नादान्तैः श्रवणीयः AhirbuS. 20.58; कस्य न वाहनयोग्या मुग्धधियस्तुच्छसाधने लग्नाः । प्रीततया प्रशमरुचश्चपलासु स्त्रीषु येऽदान्ताः KalāVi. 3.30; द्रौणिमैहितमदान्तः ससर्ज नारायणास्त्रमहितमदान्तः YudhiVi. 7.137; 8.95; **2** not tamed, not broken (i. e. wild) व्यापादयितुमप्यलम् । अविधेया इवादान्ता हयाः पथि कुसारथिम् MahāBhā. v. 34.58; ii. 127.26; यथा दान्तेन (बलीवर्देन) अदान्तं (बलीवर्दम्) संयुनक्ति ĀpaS'S. vi. 29.8; तथादान्तेषु LāṭyāS'S. ii. 8.19; अध्वानं प्रपद्येत ··· नादान्तैः (वाहैः) ViṣṇuSm. 63.17; (नृपः) नारोहेत् कुञ्जरं व्यालं नादान्तं तुरगं तथा

MatsyaP. 215.74; नादान्तक्षुत्पिपासितैः (वाहैः) … व्रजेत् AṣṭāSaṁ. i. 9.18 (1.3); ViṣṇuDhaP. ii. 89.6; ii. 89.17; अदान्ता मत्तमातङ्गा न कुर्वन्तीह तां व्यथाम् BodhiCa. 5.2; तवैव वृषभत्वं हि गोमुखस्योपपद्यते । तथापि यददान्तोऽसि सोऽयं ते जातिसंकरः KathāSaSāg. vii. 6.10; ताम् … अदान्तैर्दुष्टबलीवर्दैः प्रवाह्य मारयेत् Mitā. 309.12 (on 2.279); निर्गलौ कुमारौ तावदान्तौ वृषभाविव Triṣa-S'aPuC. iv. 1.333.

²अदान्त (a-dānta) *m.* non-final position of a word (*da=pada*) म्नोर्नुङ्झस्यदान्ते MugdhaBo. 2.29 (7.7) (comm. अदान्ते स्थितयोर् मनयोर् नुः स्यात् झसि परे । रंस्यते); 2.31 (7.12); 3.30 (13.16); 3.34 (14.6)

अदान्तकर्मन् (adānta-karman) *adj.* of undaunted activity नीते पलाशिनि … गजान्तकेनान्तमदान्तकर्मणा S'iśuVa. 12.55.

अदान्तकाम (adānta-kāma) *adj.* whose desire is unrestraimed or unsubdued अदातुकामा (v. l. अदान्तकामा) वचनमिदं वदति दारुणम् MahāBhā. viii. 27.87.

अदान्तगद (adānta-gada) *m.* uncontrollable disease or ailment परिपाहि स मां त्वमदान्तगदात् Nāräy. x. 56.10.

अदान्तगो (adānta-go) *adj.* of unsubdued senses मतिर्न कृष्णे परतः स्वतो वा मिथोऽभिपद्येत गृहव्रतानाम् । अदान्तगोभिर्विशतां तमिस्रं पुनः पुनश्चर्वितचर्वणानाम् BhāgP. vii. 5.30.

अदान्तचित्त (adānta-citta) *adj.* whose mind is unrestrained इति वदति मदाददान्तचित्ते दशवदने …। भयविवशतया भृशं चकम्पे जनकसुता Rāgh. 9.74.

अदान्तत्व (adānta-tva) *n.* the state of being without control (over the senses) अदान्तत्वादातृत्वादयालुत्वैः अपराधित्वमात्मनो मन्यमानाः BṛĀraUBh. 699.6 (on v. 2.1); 700.9 (on v. 2.1)

अदान्तधी (adānta-dhī) *adj.* having an uncontrolled intellect (mind) इति वदन्तमदान्तधियं रिपुं रघुसुतोऽपि मृदुस्मितमूचिवान् Rāgh. 19.14.

अदान्तमनस् (adānta-manas) *adj.* who has not controlled his mind नाके वलन्ते नादान्तमनसः परमेश्वरि YātrāPra. 3.186.

अदान्तमनस्तुरग (adānta-manasturaga) *m.* an untamed horse in the form of the mind अदान्तमनस्तुरगं य इह यतन्ति यन्तुम् BhāgP. x. 87.33.

अदान्तसेवन (adānta-sevana) *n.* use of an untamed or uncontrolled (animal) वृक्षच्छेदने … चतुष्पदानामदान्तसेवने वाहने … हस्तिना च संघट्टने अपेहि इति प्रक्रोशन्नदण्ड्यः ArthS'ā. ii. 178.7 (4.13) (comm. अदान्तसेवने वाहने अदान्तशिक्षणार्थे वाहने)

अदान्तात्मन् (adāntātman) *adj.* who has not controlled himself कस्मान्मृगमदान्तात्मन् … भक्षितवान् रहः BhāgP. x. 8.34.

अदान्ताश्व (adāntāśva) *m.* untamed horse यस्तु … अविज्ञानवान् … तस्य … इन्द्रियाणि अवश्यानि … दुष्टाश्वाः अदान्ताश्वा इव इतरसारथेः भवन्ति KaṭhUBh. 140.18 (on 3.5)

अदान्ताश्ववत् (adāntāśva-vat) *adv.* like an untamed horse अदान्ताश्ववदेवैतद्यतोऽस्ति दुरवग्रहम् । अतो वैराग्ययुक्पुम्भिः सदुपायैर्निगृह्यते SkandP. ii(9). 30.8.

अदान्य (a-dānyá) *adj.* unworthy of gifts अ॒दा॒न्या॑न्त्सौम॒पान् मन्य॑मानो य॒ज्ञस्य॑ वि॒द्वान्त्स॒मये॑ न धीरः॑ AV. ii. 35.3; not giving, miserly [pw]

अदाप् (a-dāp) (Gr.) other than the verbal base *dāp* दाधा घ्वदाप् P. i. 1.20; अदाब् दाधौ दा Kātan. iii. 1.8 (comm. दाप्दैपो वर्जयित्वा दाधाविन्येतौ दासंज्ञकौ भवतः); अदाबिति यत्कृतं तल्लक्षणपरिभाषाया अभावे हेतुः PariVṛ.(Si.) 86.11; 91.13.

अदापनप्रमाण (adāpana-pramāṇa) *n.* evidence for not causing to give (?) अनिवेदितस्यादापनप्रमाणम् VīraMi.(Vyavahāra.) 100.11.

अदापित (a-dāpita) *adj.* which has not been made to be given (लोपामुद्रा) न चिरं तिष्ठति द्वारि न द्वारमुपसेवते । अदापितं त्वया किंचित्कस्मैचित्र ददात्यपि SkandP. iv. 4.14.

अदापेक्षिन् (adāpekṣin) *m.* name of one of the sons of Viśvāmitra उज्जयोनिरदापेक्षी नारदी च महानृषिः । विश्वामित्रात्मजाः सर्वे MahāBhā. xiii. 4.58.

अदाप्यत्व (adāpya-tva) *n.* the state of not being made to be given व्यासस्त्वदाप्यत्वं निर्दोषत्वाभिधानादभिहितं भवतीत्यभिसंधाय निर्दोषत्वमेव पालकस्य क्वचिदाह SmṛtiCan. iv. 485.2.

अदाप्रत्यय (adā-pratyaya) *m.* the ending *adā* सूत्रकारेण तु अदाप्रत्ययः कृत इत्याहुः । स्वरे च विशेषः, अदाप्रत्यये तदाशब्दः आद्युदात्तो भवति Pradī. iv. 365A. 15 (on v. 3.19)

अदाभ्य (á-dābhya) *adj.* **A** undeceivable, who cannot be duped or misled (gods and divine objects) त्रीणि॑ प॒दा वि च॑क्रमे॒ विष्णु॑र्गो॒पा अदा॑भ्यः ṚV. i. 22.18 = AV. vii. 26.5 = VājaS. 34.43; या सा॒नु॑नि पर्व॑ता॒नामदा॑भ्या … त॒स्थतुः ṚV. i. 155.1; त्रि॒तं जरा॑य जु॒रता॒मदाभ्याः (मरुतः) ṚV. ii. 34.10; अदा॑भ्यः पुर॒एता वि॒शाम॒ग्निः ṚV. iii. 11.5; वृ॒ष॒भं च॑र्षणी॒नां वि॒श्वरू॑प॒मदा॑भ्यम् । बृ॒हस्पति॑म् ṚV. iii. 62.6; अदा॑भ्यः … व्र॒तानि॑ दे॒वः स॑वि॒ताभि र॑क्षते ṚV. iv. 53.4; न॒रा॒शंसः॑ सुषू॒दती॒मं य॒ज्ञमदा॑भ्यः ṚV. v. 5.2; v. 75.7; v. 75.8; त्वं नः॑ पा॒ह्यंह॑सः … अदा॑भ्य ṚV. vii. 15.15; काव्ये॑भिरदा॒भ्या या॑तं वरुण ṚV. vii. 66.17; उ॒ग्रं यु॑युज्म॒ पृत॑नासु…अदा॑भ्यम् (इन्द्रम्) ṚV. viii. 61.12; viii. 101.12; ए॒ष दे॒वः … अति॒ ह्वरां॑सि धावति । पव॑मा॒नो अदा॑भ्यः ṚV. ix. 3.2; ए॒ष शु॒ष्म्यदा॑भ्यः सोमः॑ पुना॒नो अ॑र्षति ṚV. ix. 29.6; अदा॑भ्यः । सोमो॒ वाज॑मिवासरत् ṚV. ix. 37.5; ix. 59.2; ix. 70.3; ix. 75.2; ix. 85.6; ix. 103.4; वृ॒षा … य॒ह्वो अदि॑ते॒रदा॑भ्यः ṚV. x. 11.1; घृ॒तेना॒ग्निं स॑पर्यत । अदा॑भ्यं गृ॒हप॑तिम् ṚV. x. 118.6; x. 118.7; x. 25.7; x. 26.7; च॒त्वारि॑ ते असु॒र्या॑णि॒ नामादा॑भ्यानि महिषस्य सन्ति ṚV. x. 54.4; सं² ³दे॒वैः शो॑भते³ वृ॒षा …। पव॑मानो अदा॑भ्यः SV. II. iii(1). 10.2; यो धीरः॑ श॒क्रः प॑रि॒भूरदा॑भ्य॒स्तेभ्यो॑ अ॒ग्निभ्यो॑ हुतमस्त्वे॒तत् AV. iii. 21.4; व॒यम् … उप॑ सेदिम । अग्ने॑ सपत्न॒दम्भ॒न॒मद॑ब्धासो॒ अदा॑भ्यम् TaiS. I. i. 10.2; VājaS. 3.18; S'atBr. II. iii. 4.21; यत्ते॒ सोमादा॑भ्यं नाम॒ जागृ॑वि TaiS. I. iv. 1.2; III. iii. 3.2 = VājaS. 7.2; 8.49; MānS'S. 74.17; TaiS. I. v. 5.4; IV. iv. 12.1; V. vii. 4.1; S'āṅkhS'S. ii. 11.3; वि॒श्वज्यो॑ति॒रदा॑भ्यम् VājaS. 33.40; व्रतानि बिभ्रद्व्रतपा अदाभ्यो भवा नो दूतो अजरः सुवीरः S'āṅkhaS'S. iii. 5.9; **B** uninjurable, free from harm, unfailing म॒रुतः … प्र वे॑पयन्ति॒ पर्व॑ताँ॒ अदा॑भ्याः ṚV. iii. 26.4; इन्द्रं॑ दि॒प्सन्ति॑ दि॒प्सवोऽदा॑भ्यम् ṚV. vii. 104.20 = AV. viii. 4.20; ṚV. viii. 5.12; viii. 7.15; छ॒र्दिर्य॒न्त॒मदा॑भ्यं॒ विप्रा॑य स्तु॒व॒ते नरा॑ ṚV. viii. 85.5; जु॒हो॒मि॑ वि॒श्वक॑र्मणे वि॒श्वाहादा॑भ्यं ह॒विः VājaS. 17.78; *m.* **i** name of a Soma cup in the Agniṣṭoma sacrifice जी॒वग्र॑हो वा ए॒ष यद॒दा॒भ्योऽन॑भिषुतस्य गृह्णाति TaiS. VI. vi. 9.2; VI. vi. 9.1; VI. vi. 9.2; अदा॑भ्य॒श्च मेऽधिपतिश्च मे TaiS. IV. vii. 7.1; VājaS. 18.19; वा॒गे॒वादाभ्यः S'atBr. XI. v. 9.1; अंश्वदाभ्यौ ग्रहीष्यन्नुपकल्पयते द्वे औदुम्बरे नवे पात्रे BaudhS'S. ii. 173.4; अंशुमदाभ्यं वा प्रथमं गृह्णाति ĀpaS'S. xii. 7.17; xii. 8.11; xii. 8.12; होतृचमसाददाभ्यं गृह्णाति MānS'S. 160.12; 197.4; यथौपसदानुवाक्याकाण्डेऽश्वदाभ्यौ S'ābaBh. 1055.5 (on iii. 6.32); 1325.10 (on v. 3.15); 1913.16 (on x. 4.3); अदाभ्यशब्देनावयवव्युत्पत्त्या हिंसाख्यदम्भानर्हद्रव्यस्य … उपादानोपपत्तेरनुपात्तत्वोक्तिरयुक्ता NyāySu.(So.) 943.29 (on ii. 3.20); पूर्वत्र अंश्वदाभ्ययोरुत्पत्तिवाक्यस्यानारभ्याधीतत्वेऽपि विनियोजकवाक्यं प्रकरणाधीतम् NyāyMāVi. 186.20 (on iii. 6.12); अदाभ्यवाक्येऽदाभ्यपदेन हिंसानर्हद्रव्यमात्रप्रतीतावपि…अर्थवादादेव देवताभिन्नसोमप्रतीतिः MīmāKau. ii. 61.11 (on ii. 3.20); **ii** (presumed to be) the name of a sacrifice तस्मात्कर्मान्तरमदाभ्यसंज्ञकं यागं करोतीत्येवं प्राप्तम् S'ābaBh. 609.5 (on ii. 3.19); भवत्वदाभ्यांशुशब्दयोर्नामत्वम् । ते च नामनी ग्रहयोरेव स्याताम् न तु यागयोः NyāyMāVi. 100.5 (on ii. 3.20); अदाभ्ये तु विशेषणाभावात् MayūMāli. 171.4 (on ii. 3.9)

अदाभ्यग्रह (adābhya-graha) *m.* name of a Soma cup अनारभ्याधीतयोरंश्वदाभ्यग्रहयोरालम्भादिवत् TantrVā. 612.19 (on ii. 3.20); अदाभ्यग्रहचित्रिण्योरनावृत्तिरित्यादिद्वयभावः NyāyMāVi. 6.20 (on i. 1.0); 290.3 (on v. 3.6)

अदाभ्यत्व (adābhya-tvá) *n.* inviolability तान॑सुरा ना॑दम्नुव॒ँस्तद॑दाभ्यस्यादाभ्यत्वं नैनं भ्रातृव्यो दम्नोति MaiS. iv. 7.7.

अदाभ्यदेवत्य (adābhya-devatya) *adj.* pertaining to the deity of Adābhya-cup अग्नये त्वा देवार्षाण्यदाभ्यदेवत्यानि त्रेशीनां त्वा सौम्यानि Sarvānukramasūtra of S'uklaYV. 9B.37 (8.32)

अदाभ्यद्रव्यक (adābhyadravya-ka) *adj.* having *Adābhya* as the offering material अतश्चांश्वदाभ्यद्रव्यको याग एव गृह्णातिना विधीयते अंश्वदाभ्यनामको वा MīmāKau. ii. 61.9 (on ii. 3.20)

अदाभ्यनियम (adābhya-niyama) *adj.* whose vows cannot be disturbed तत्राप्यदाभ्यनियमो वैखानससुसंमते । आरब्ध उग्रतपसि BhāgP. iv. 23.4.

अदाभ्यपात्र (adābhya-pātra) *n.* cup in which *Adābhya* is taken श्लक्ष्णमदाभ्यपात्रम् BaudhS'S. ii. 173.6.

अदाभ्यवाक्य (adābhya-vākya) *n.* sentence enjoining (the offering of) the *Adābhya* cup योऽप्यदाभ्यवाक्ये यजतिः सोऽपि रेवतीवारवन्तीयपूर्वपक्षन्यायेन… विधीयते TantrVā. 613.12 (on ii. 3.20); अदाभ्यवाक्ये यागविशिष्टद्रव्योद्देशे वाक्यमेदापत्तेश्च MīmāKau. ii. 60.13 (on ii. 3.20)

अदाभ्यवाक्यवत् (adābhyavākya-vat) *adv.* like the sentence enjoining (the offering of) the *Adābhya* cup विधेः अदाभ्यवाक्यवदेव न ज्योति-

होमान्तरत्वशङ्का MīmāKau. ii. 70. 11 (*on* ii. 3. 22)

अदाभ्या (á-dābhyā) *f.* name of an offering in the *citi* अदाभ्या वै नामैषाहुतिर्वैश्वकर्मणी TaiS. V. vii. 4. 1; MaiS. iii. 3. 9; चितिं जुहोमीत्यदाभ्यातृष्णे(? अदाभ्यामा°)ऽभिजुहोति MānS'S. 149. 17.

अदाभ्यांशु (adābhyāṁśu) *m.* Soma-stalk pertaining to the *Adābhya* cup अदाभ्यांशुमुपांशुपावनौ चाभिसृज्य सर्वेऽध्वर्यवो दिग्भ्यो महाभिषवमभिषुण्वन्ति ĀpaS'S. xii. 12. 1; xiii. 10. 5.

अदाभ्यांशुनामतस् (adābhyāṁśunāma-tas) *adv.* because of the designations *Adābhya* and *Aṁśu* यददाभ्यं गृहीत्वेति गृह्णात्यंशुमिति द्वयम् । तद्यागो वा गुणो यागः स्याददाभ्यांशुनामतः NyāyMāVi. 99. 25 (*on* ii. 3. 9)

¹**अदामन्** (a-dāmán) *adj.* not liberal, miserly मा त्वांदामान आ दभन् मघोनः ṚV. vi. 44. 12.

²**अदामन्** (a-dāmán) *adj.* without fetters वत्सानां न तन्तयस्त इन्द्र दामन्वन्तो अदामानः सुदामन् ṚV. vi. 24. 4.

अदाम्भिक (a-dāmbhika) *adj.* [*f.* -ā] not deceitful, honest वृद्धाश्चालोलुपाश्चैव त्वात्मवन्तो ह्यदाम्भिकाः । सम्यग्विनीता ऋजवस्तानाचार्यान्प्रचक्षते BrahmāṇḍP. i. 32. 31; महानन्दो द्विजः ··· अदाम्भिकोऽक्रूरमनाः SkandP. iv. 98. 41; रागद्वेषविहीना ये ··· वहन्ति सततं ते मां गतासूया अदाम्भिकाः BṛNāraP. 11. 55; 13. 154; अदाम्भिकानां प्रच्छन्नमनुतिष्ठतामपि लोकपङ्क्त्यादेरभावात् TātpaṬ. (Vā.) 620. 17 (*on* iv. 1. 44); LiṅgaP. i. 10. 14; KūrmaP. 540. 3 (2. 14); दक्षा चिक्षेप साक्षेपमुद्‌कुम्भानदाम्भिका S'āliC. 1. 28; अदाम्भिकं वेदमध्यापयेत् PadmP. i. 53. 38; BrahmP. 110. 109.

अदाम्भोल (a-dāmbhola) *adj.* not belonging to Indra's thunderbolt सम्यगवेक्षिताखिलकर्मणि ब्रह्मणि सरभसमनैरम्मदमदाम्भोलम् ··· च ज्योतिरुदजृम्भत BālRā. 3. 2(10)

अदाय (a-dāya) *m.* absence of inheritance यस्यास्तु हि सोदर्यो नास्ति तस्या अदायः सौदायिकस्य प्राप्नोति ManuBh. ii. 276. 17 (*on* 9. 118)

अदायक (a-dāyaka) *adj.* not giving अरक्षितारं हर्तारं विलोप्तारमदायकम् । तं स राजकलिं हन्युः प्रजाः MahāBhā. xiii. 60. 19; अविधेयो भृत्यजनः शठानि मित्राण्यदायकः स्वामी । विनयरहिता च भार्या मस्तकशूलानि चत्वारि SūktiRa. 163. 136 = Subhāṣi. 2850; S'ārṅgaPa. 1531.

अदाया (a-dāyā) *adj.* (*f.*) unfit for inheritance निरिन्द्रिया ह्यदायाश्च स्त्रियो मता इति श्रुतिः BaudhDS. ii. 2. 47; SmṛtiCan. iv. 622. 16.

अदायाद् (á-dāyād) *adj.* non-receiver of inheritance तस्मात्पुमान्दायादः स्त्र्यदायाद् MaiS. iv. 6. 4.

अदायाद (a-dāyādá) *adj.* [*f.* -ā] **1** destitute of heirs पुरा चिरादस्यादायादं कुलं स्यात् S'atBr. XI. v. 3. 11; अस्वामिकमदायादं दशवर्षस्थितं ततः । राजा तदात्मसात् कुर्यात् NāraSm. 136. 18; **2** not entitled to inheritance तस्मात्पुमान् दायादोऽदायादा स्त्री Nir. 3. 4 (60. 12); यातुधानाः पिशाचाश्च प्रतिलुम्पन्ति तद्धविः । तिलादाने ह्यदायादाः BaudhDS. ii. 8. 15; कन्या ह्यदायादा परेषामेवार्थाय क्लेशाय च । विपरीतः पुत्रः ArthS'ā. ii. 351. 2 (7. 17); ii. 37. 1 (3. 6); सत्यौरसे क्षेत्रजादयः सर्वेऽदायादाः प्रजीवनमौरसात्लभेरन् ManuBh. ii. 293. 4 (*on* 9. 163); न च वक्तव्यं कथं तर्ह्यदायादः शूद्रापुत्र इति Aparā. 735. 6 (*on* 2. 128); ManvaVi. ii. 1196. 25 (*on* 9. 158); VyavaNi. 418. 15; निरिन्द्रिया ह्यदायादाः स्त्रियः ··· पात्नीवतग्रहे पत्न्या अंशो नास्तीत्यदायादपदस्यार्थः VīraMi. (Vyavahāra.) 517. 12.

अदायादक (adāyāda-ka) *adj.* having no claimant or inheritor अदायादकं राजा हरेत् । स्त्रीवृत्तिप्रेतकार्यवर्जमन्यत्र श्रोत्रियद्रव्यात् ArthS'ā. ii. 34. 7 (3. 5)

अदायादत्ववचन (adāyādatva-vacana) *n.* statement about not being an heir अथवा पितृधनस्य दशमादंशादधिकं दायं न लभत इत्येवंपरं तस्यादायादत्ववचनम् Aparā. 735. 10 (*on* 2. 128)

अदायादन्य (a-dāyādanya) *adj.* not to be used by the inheritors क्रेतृविक्रेत्रोरन्तरपतितमदायादन्यं भवति ArthS'ā. ii. 126. 9 (4. 2) (v. l. आदायादन्यम् KANGLE tr. p. 302).

अदायादबन्धु (adāyāda-bandhu) *m.* relative who is not an heir अथादायादबन्धूनां सहोढ एव प्रथमः VasiDS. 17. 26.

अदायादबान्धव (adāyāda-bāndhava) *m.* kinsman who is not an heir तत्र षड्बन्धुदायादाः षडदायादबान्धवाः MahāBhā. i. 665*; पुत्रान्द्वादश यानाह नृणां स्वायंभुवो मनुः । तेषां षड्बन्धुदायादाः षडदायादबान्धवाः ManuSm. 9. 158 = NāraSm. ii. 2. 47(4); Vivādacintāmaṇi 147. 6; 11; 15; 19.

अदायादबान्धवत्व (adāyādabāndhava-tva) *n.* the state of being a relative but not an inheritor मनुना उत्तरषट्कस्य चादायादबान्धवत्वमुक्तम् VīraMi. (Vyavahāra.) 484. 27.

अदायादविभागार्ह (a-dāyādavibhāgārha) *adj* not to be shared by heir अदायादविभागार्हं धनमार्जयत स्थिरम् SūktiRa. 163. 125.

अदायादी (á-dāyādī) *adj.* (*f.*) having no inheritance स्त्रियो निरिन्द्रिया अदायादीरपि पापात् पुंस उपस्तितरम् । वदन्ति TaiS. VI. v. 8. 2.

अदायिक (adāyi-ka) *adj.* heirless (property) अदायिकं राजगामि KātyāSm. 931; अदायिकं दायादरहितम् Mitā. 241. 13 (*on* 2. 135–136); अदायिकमिति । ··· दायग्राहकशून्यमित्यर्थः BālamBha. ii. 196. 14 (*on* 2. 135–136); ब्राह्मणादन्यत्रादायिकं धनं राजगामि Subodhi. 66. 20 (*on* 2. 135–136)

अदायिन् (a-dāyin) *adj.* [*f.* -ī] **1** who does not give, not giving यत्पुरा धनमदायी स्यात् तद्दद्यात् KāṭhS. 6. 6 = KapiKaS. 4. 5 = ĀpaS'S. ix. 9. 6 = BhārS'S. ix. 12. 3; देवांस्तु दायिनो यान्ति तिर्यग्गच्छन्त्यदायिनः VāyuP. ii. 19. 9 = BrahmāṇḍP. ii. 17. 9 = CaturCin. iii(1). 188. 12; **2** not giving barren (अरायि) ··· अदायिनि काणे विकटे Nir. 6. 30 (128. 3)

अदार (a-dāra) *adj.* having no wife, without a wife (आहिताग्निः) अनग्निरदारो गत्वा वने निवसेत् VaikhāDS. ii. 5. 8; सदारो वाप्यदारो वा आत्मवान्संयतेन्द्रियः । वानप्रस्थाश्रमं गच्छेत् कृतकृत्यो गृहाश्रमात् MahāBhā. xii. 61. 4; अदाराश्च सदाराश्च बहवो निहतेश्वराः (वानराः) Rāmā. iv. 424*. 1; नास्त्यदाराणामननुगुणदाराणां वा सुखं नाम DaśKuC. 109. 22; अदारस्य च प्रजोत्पत्तीज्ययोरनधिकारोऽनधिकृतस्य चा[न]नुष्ठानेऽपि न प्रत्यवायः Aparā. 950. 26 (*on* 3. 55); यस्य पौषधशालासु यतयः संवसन्ति ते । सदा येषामदाराणामात्मभूसम्भवः कुतः PrabaCin. 100. 2; ऋतौ बभ्रुः ··· कलाश्च तेषु सत्पतेः ··· अदारदारदा रदाः Nalo. 2. 8; ये यौवनस्था अधना अदाराः । ··· मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति Subhāṣi. 3436; *n.* **1** abbreviation of the name of a *Sāman* called *adārasṛt* जिघ्नत इत्यदारसुरूपोत्तरहरिश्रीनिधनसैन्धुवाश्ववेडानां संक्षार ऋषभश्च PuṣpSū. i. 1. 9; ii. 1. 3; **2** [pl.] who is not a wife, a non-wife अन्यथा तु पतनेन संस्कारस्यापगमात् कृतप्रायश्चित्ता अप्यदाराः स्युः (स्त्रियः) BālaKrī. ii. 128. 8 (*on* 3. 253–254)

अदारकर्मन् (a-dārakarman) *n.* absence of marriage, celibacy स नैष्ठिको ब्रह्मचारी यस्य प्राणान्तिकमदारकर्म NītiVā. 5. 10.

अदारपरिग्रह (a-dāraparigraha) *adj.* unmarried ये चादारपरिग्रहाः । तेभ्यो निर्वापितं पिण्डमिह ह्यक्षयतां व्रजेत् SkandP. iv. 62. 71.

अदारप्रसङ्ग (adāra-prasaṅga) *m.* contingency of not having a wife न च शूद्रस्यादारप्रसङ्गो न हि तस्य मन्त्राः सन्ति ManuBh. ii. 178. 2 (*on* 8. 227)

अदारसृत् (á-dārasṛt) *adj.* not falling into a pit अदारसृद्भवतु देव सोम AV. i. 20. 1 (comm. मदीयः शत्रुः ··· न कदाचिदपि स्वस्त्रीसमीपं प्राप्नोतु); यस्य तार्द्वद्धृषभौ भवत्यर्थ यस्यैकरूपस्य सतो लक्ष्म भवति सादारसृत् MaiS. iv. 2. 14; अदारसृद्भवत देव सोम TaiBr. III. vii. 5. 12 (*but* Sāy. पत्नीनामसंसयिता पालको भवेत्यर्थः); BhārS'S. ii. 19. 1; ĀpaS'S. ii. 20. 6; KauśiSū. 2. 39; 14. 7; AVPari. xxxii. 1. 13; 1. 18; BṛSarvaAnu. 1. 9 (1. 20); *n.* name of a Sāman भरद्वाजस्यादारसृद्भवति PañcBr. xv. 3. 6; JaimBr. 3. 345; 3. 248; ĀrṣeBr. ii. 2. 8; MaśaKa. i. 5. 4–6.

अदारसृत्त्व (adārasṛt-tva) *n.* essential characteristic of the *adārasṛt Sāman* गातुविद्वा एतत्साम्नानेन दारे नासृन्मेति तददारसृतोऽदारसृत्त्वम् विन्दते PañcBr. xv. 3. 7; JaimBr. 3. 248.

अदारि (adāri) *m.* name of a king अदारिश्च ··· पार्थिवः ··· एतेषां प्रेष्यतां शीघ्रम् MahāBhā. v. 4. 20.

अदारित (a-dārita) *adj.* not rent asunder अदारितो महारौद्रैर्नानाप्रहरणोत्तमैः BhaviP. 734A. 3 (iv. 89. 49)

अदारिद्र्य (a-dāridrya) *n.* absence of poverty दीर्घायुष्यमदारिद्र्यम् ··· लोकेऽत्र विदुरनिषिद्धकारिणः BṛParāSm. 6. 172; *adj.* free from poverty, rich अदारिद्र्यो निद्राविवादः NalaCam. 5. 54 (45); अदारिद्र्यान्स तांश्चक्रे वर्षन्नाषाढवन्नृपः DvyāśraKā. 15. 102.

अदारी (adārī) *f.* name of a plant *Koṣātakī luffa acutangula* (Linn.) अदारीविदारीबदरीखदिरपीलुनिम्बपरूषकशाखाभिरेनं वीजयेत् AṣṭāSaṁ. ii. 171. 15 (6. 1); अदारीकाकजङ्घा ··· बृहतीद्वयम् ··· दग्ध्वा गोमूत्रेण बहुशः स्रावयेत् AṣṭāSaṁ. ii. 312. 14 (6. 35); cf. **आदानी, आदारी.**

अदारु (a-dāru) *n.* thing different from wood नादारौ क्रमते शस्त्रम् (v. l. नादारुणि पतेच्छस्त्रम्) MahāBhā. ii. 65. 5; अदारुणि चरितार्थमिति भावः LaS'abdeS'e. ii. 115. 1.

अदारुण (a-dāruṇa) *adj.* not cruel or not harsh अच्युतम् । स्मरेत् ··· पद्मे चानन्तपल्लवे ··· अकाराद्यैरदारुणैः JayāS. 18. 64; समये वर्णनीयस्य दारुणस्यापि वस्तुनः । अदारुणेन शब्देन प्राशस्त्यमुपवर्णनम् AgniP. 345. 22; श्रये महस्तरुणिमसम्पदा मनाग्यदारुणं दृशि वशिनामदारुणम् YātrāPra. 3. 175.

अदारुणकर (adāruṇa-kara) *adj.* doing non-dreadful (i. e. mild or pleasing) deeds जिनराजविसरम् ... नमामि ... अदारुणकरम् CaturJiStu. 70.

अदारुणत्व (adāruṇa-tva) *n.* the state of not being severe अदारुणत्वं रोगाणां वैद्यभैषज्यसंभवम् KāśyaS. 92A. 16.

अदारुणनेत्रा (adāruṇa-netrā) *adj.* (*f.*) having pleasing eyes कामदारुणमदारुणनेत्रा स्मरमयम् ... त्वाम् ... वाञ्छति VāsaDa. 213. 2.

अदारुणपदता (adāruṇapada-tā) *f.* the state of having mild words दारुणेऽर्थेऽदारुणपदता सुशब्दता AlaṅkāS'e. 8. 1 (11)

अदारुणाचार (adāruṇācāra) *adj.* whose conduct is not dreadful पितृगणाः ...। दारुणादारुणाचाराः PāraS. 16. 494.

अदारुणार्थपर्याय (adāruṇārtha-paryāya) *m.* euphemistic paraphrase अदारुणार्थपर्यायो दारुणेषु सुशब्दता SaraKaṇṭhā. 80. 1.

अदारुणौषध (adāruṇauṣadha) *adj.* requiring no strong medicine मनोमयं व्याधिमदारुणौषधम् PadmPrā. 24. 11.

अदारेरिततम (a-dāreritatama) *adj.* who is not at all agitated by wives जयति जिनाधीशनिवहः ... दीनानाम् ... अदारेरिततमः CaturJiStu. 82.

अदार्ढ्य (a-dārḍhya) *n.* **i** want of firmness, weakness अदार्ढ्यं यस्याततायिघृतना युधि नायकस्य संदर्शनादभूत HarVi. 16. 31; **ii** absence of confirmation त्वगिन्द्रियसंवादिनो वा तस्यैव द्रव्येनादार्ढ्यं वा दार्ढ्यं वा प्रतीयते Bhām. 148. 8 (*on* i. 1. 23); **iii** non-substantiation पूर्वाभियोगेन मुक्तेरदार्ढ्यात्तदुद्धरणमात्रेणात्रागमसिद्धयभावादागममप्युद्धरेदित्यर्थः SmṛtiCan. iii. 171. 10; **iv** indetermination तस्य पाशुपतमतविरोधेऽदार्ढ्यं स्यात् TattvPrakā. 104B. 6 (*on* ii. 2. 37)

अदार्ढ्यनिवृत्ति (adārḍhya-nivṛtti) *f.* removal of the non firmness, absence of fickleness दृढशब्दो ह्यत्रादार्ढ्यनिवृत्तिमात्रपरः प्रयुक्तः Prasā. i. 584. 17; अदार्ढ्यनिवृत्तिमात्रपरत्वेन लिङ्गविशेषविवक्षा नेति भावः LaS'abdeS'e. ii. 95. 9.

अदार्ढ्यशङ्का (adārḍhya-śaṅkā) *f.* doubt about absence of firmness, doubt about instability न च दृढीकरणाय पुनः प्रतिपादनमिति वाच्यम् अदार्ढ्यशङ्काया अभावात् VivaPraSaṁ. 168. 18.

अदालक (adālaka) *m.* a species of *Kovidāra* (*Bauhinia variegata*) कोविदारोऽस्य भेदः स्यात् कुदालः कुण्डली कुली। आस्फोतोऽदालकः MadaPāNi. 10. 155.

अदाव (a-dāva) *m.* not a forest conflagration स दावोऽदावः ... सद्यः SaraKaṇṭhā. 212. 16.

अदाश (a-dāśa) *m.* other than a ferryman तस्माद् यददाशा नावमधिरोहन्ति पितापुत्रौ हैवाग्रेऽधिरोहतः JaimiBr. 1. 166 [CALAND emends यादृशाः]

अदाशु (á-dāśu) *adj.* not making offerings, impious जघन्वाँ इन्द्र मित्रेरूञ्चोदप्रवृद्धो हरिवो अदाशून् ṚV. i. 174. 6.

अदाशुरि (á-dāśuri) *adj.* who has forgotten to offer यस्ते रेवाँ अदाशुरिः प्रममर्ष मघत्तये। तस्य नो वेद आ भर ṚV. viii. 45. 15.

अदाशूष्टर (á-dāśūṣṭara) *adj.* who performs the offerings the least (*comp.*) उप क्रमस्वा भर धृषता धृष्णो जनानाम्। अदाशूष्टरस्य वेदः ṚV. viii. 81. 7.

अदाश्वस् (á-dāśvas) *adj.* who does not give, niggardly, miserly अन्तर्हि ख्यो जनानामर्यो वेदो अदाशुषाम् ṚV. i. 81. 9; यः शश्वतो अदाशुषो गयस्य प्रयन्तासि सुष्वितराय वेदः ṚV. vii. 19. 1; ix. 23. 3; वाग्भिर्वत्समदाशुषि क्षितिपतौ संप्राप्तुधाः संगरम् Nārāy. ix. 36. 6.

अदास (a-dāsa) *m.* not a slave, other than a slave, free person श्रीमानदासोऽस्तु युधिष्ठिरः MahāBhā. ii. 63. 28; अदासो गच्छ मुक्तोऽसि मैवं MahāBhā. iii. 256. 21 = iv. App. I. 32 (19); अदासाः कार्षीः पुनः क्वचित् MahāBhā. v. 80. 28; xii. 67. 15; प्रसाधनोपचारज्ञमदासं दासपाण्डवाः सन्तु MahāBhā. xiii. 48. 19; ManuBh. ii. 340. 29 (*on* 10. 32); स्वदासमिच्छेद्यः कर्तुमदासं प्रीतमानसः NāraSm. 150. 42; स्वामिनः स्वस्यां दास्यां जातं समातृकमदासं विद्यात् ArthS'ā. ii. 83. 3 (3. 13); Mṛcch. 10. 58 (29); Aparā. 786. 3 (*on* 2. 182); यो बलात्कारेणादासोऽपि केनचित्प्रभुणा दासः कृतः ... असौ मोचनीय इत्यर्थः SmṛtiCan. iv. 467. 17; रिपुं च माकेन्द्र करोषि किंकरं वराहवं दीप्रमदासमञ्जसा YātrāPra. 6. 70; VīraMi. 661. 19 (*on* 2. 182); यस्यादासो विद्यते न क्षितीशः NityoNi. 1. 14.

अदासभावन (adāsa-bhāvana) *n.* thought of not being a slave (devotee) नादासभावनं वाचा मनसापि च संस्पृशेत् BṛBrahmaS. iii. 7. 36.

अदासविषय (adāsa-viṣaya) *adj.* referring to a non-slave यत्तु नाब्राह्मणायोच्छिष्टं प्रयच्छेदिति तददासविषयम् BālamBha. i. 377. 9 (*on* 1. 121)

अदासवेश (adāsa-veśa) *m.* dress of a non-slave नादासवेशं कुर्च्छेऽपि करिष्ये दीनवत्सल BṛBrahmaS. iii. 7. 36.

अदासशूद्र (adāsa-śūdra) *m.* S'ūdra who is not a slave अदासशूद्रायोच्छिष्टं न दद्यात् ManvaMu. 159. 13 (*on* 4. 80)

अदासितार्च (a-dāsitārca) *adj.* who has not performed the worship न शक्तमाश्वात्मशान्तदान्तैः श्रीवेश्म मे स्पष्टमदासितार्चैः DvyāśraKā. 10. 57 (comm. अदत्तपूजैः)

अदासी (a-dāsī) *f.* not a female slave, a free woman अदासी चैव मातेयमथप्रभृति चास्तु मे MahāBhā. i. 30. 16; रक्षिणाम् ... स्त्रियं दासीमधिमेहयतां पूर्वः साहसदण्डः अदासीं मध्यमः (दण्डः) ArthS'ā. i. 357. 2 (2. 36); ii. 174. 9 (4. 12); दासीमदासीं कर्तुमिच्छतोऽपि समानमेतद्विधानम् SmṛtiCan. iv. 469. 7; DaṇḍaVi. 318. 1.

अदासीक (adāsī-ka) *adj.* having no maid servant or female slave अहिरण्यमदासीकमल्पलोकमगौरवम्। गृहं कृपणवृत्तीनां नरकस्यापरो विधिः Rāmā. ii. 763A*(1); BhaviP. 856A. 29 (iv. 173. 8); SūktiRa. 176. 3; तत्र राज्यधरं प्रह्वं प्रहृष्टं भ्रातृदर्शनात्। दासीभिस्तमदासीकं संविमेजे च सोत्सवम् KathāSaSāg. vii. 9. 240; CaturCin. i. 639. 14.

अदासीत्व (adāsī-tva) *n.* the state of not being a maid servant or a female slave स्वामिना स्वदासी ... स्वकृतगर्भाधानादिर्दासीत्वपरिहारार्थमदासीत्वेन कार्या स्यादित्यर्थः SmṛtiCan. iv. 468. 16; VīraMi. 662. 2 (*on* 2. 182)

अदासीदासीकरण (adāsī-dāsīkaraṇa) *n.* making a free woman a slave अथ अदासीदासीकरणे। शङ्खलिखितौ DaṇḍaVi. 317. 21.

अदास्य (a-dāsya) *n.* absence of slavery or bondage ब्राह्मणस्यादास्येऽपि स्वतःप्रतिपन्नदास्यान् ManvaVi. 934. 9 (*on* 8. 102)

अदास्यत् (á-dāsyat) *adj.* not intending to give यदन्नमद्म्यनृतेन देवा दास्यन्नदास्यन्नुत संगृणामि AV. vi. 71. 3; TaiĀ. ii. 6. 2 (226. 2); यददीव्यन्नृणमहं कृणोम्यदास्यन्नग्न उत संगृणामि AV. vi. 119. 1; TaiBr. III. vii. 12. 3; यद्दक्षिणास्वदास्यन् स्यात् तस्याध्वर्यवे वरं दद्यात् MānS'S. 70. 16 = 102. 8.

अदास्यमाना (a-dāsyamānā) *adj.* not intended to be given तत्र कन्यापि तथाविधा कैश्चिददास्यमाना स्वयमुपावर्तेत JayaMa. 222. 5 (*on* 3. 4)

अदाह (a-dāha) *m.* absence of burning or scorching अग्निप्रवेशे च तदा अदाहः परमाद्भुतः Rāmā. i. App. I (259); PramāVār. 4. 264; किं सत्यानृतवशाद्दाहादाहौ उत दृष्टव्यवधानादिकारणवशादिति यत्र संदेहस्तद्विषयं च SmṛtiCan. iii. 270. 17; S'āliC. 1. 118; यद्भ्रंशान्मन्त्ररुद्धो न दहति दहनः शक्तिरेषास्तु सोऽयं हेतुर्मन्त्राद्यभावः स च गत इति तद्धेत्वभावाददाहः TattvMu. 5. 99; PañcDa. 13. 12; दाहाददाहादपि सर्वलोकाः पश्यन्तु नो भङ्गजयौ S'ivLī. 22. 21; **ii** absence of cremation केचित्त्वदाहमेव पत्न्या इच्छन्ति BālaKrī. i. 87. 4 (*on* 1. 87)

अदाहक (a-dāhaka) *adj.* not burning एकोऽपि वह्निः किंचिदेव दहति पचति च तथा च दाहकश्चादाहकश्च न भिद्यते BrahmSi. 53. 19; S'lokaVār. 5(4). 67 (367. 6); BālaKrī. i. 241. 14 (*on* 2. 117); BṛĀraUBhVā. ii. 1. 182; स्थायी मरुद्विदहनो दहनोऽपि जातु लोभानलस्तु न कदाचिददाहकः स्यात् SubhāRaSaṁ. 63; Kāśi. iii. 49. 10 (*on* 5(4). 67); वह्नितामजहच्चैव कश्च वह्निरदाहकः YogVā. iii. 79. 5; S'aṅkaDigVi.(Mā.) 8. 126; AṇuBh. 233. 11 (*on* iii. 3. 28); वह्निरदाहकः शीतत्वात् BhāṭṭCin. i. 31. 34 (*on* i. 1. 4)

अदाहकत्व (adāhaka-tva) *n.* the state of being not burning न हि महत्काष्ठं दग्धुमसमर्थस्याग्नेरदाहकत्वमनुमीयते ManuBh. ii. 399. 14 (*on* 11. 93); NyāyRa. 367. 23 (*on* 5(4). 67); Kiraṇā. 40. 5; दाहकस्य वह्नेर्मण्यादिसंनिधावदाहकत्वम् NyāySiA. 248. 18; AṇuBh. 312. 23 (*on* iv. 1. 15) वह्नेरदाहकत्वप्रसङ्गः AlaṅkāMaṇ. 166. 20.

अदाहविषय (a-dāhaviṣaya) *adj.* not relating to cremation सद्यःशौचस्यादाहविषयत्वेऽन्यस्य दाहविषयत्वं परिशेषात् BālamBha. iii. 72. 27 (*on* 3. 23)

अदाहिन् (adāh-in) *adj.* not inflammatory स्निग्धैः सुशीतैर्मधुरैरदाहिभिस्तत्रोपचारोऽशनलेपसेचनैः KāśyaS. 46B. 40; Hastyāyur. 222. 16 (2. 24)

अदाहुक (á-dāhuka) *adj.* not burning अदाहुकोऽस्यापरमग्निर्गृहान् भवति MaiS. i. 8. 9.

अदाह्य (a-dāhya) *adj.* [*f.* -ā] not to be burnt, non-combustible अदाह्योऽयम् (आत्मा) BhagGī. 2. 24; ViṣṇuSm. 20. 52; ParaS. 24. 25; BṛĀraUBhVā. iv. 4. 13; IṣṭaSi. 70. 2; SaṁkṣeS'ā. 1. 119 (i. 101. 18); न चाग्नेरस्ति सामर्थ्यमदाह्यं दग्धुमीदृशम् BṛKathāS'loSaṁ. 20. 397; VāmaP. 82. 38; ViṣṇuDhaP. ii. 78. 32; GaṇeP. ii. 138. 31; YogVā. iii. 14. 60; दवाग्निनाप्यदाह्यासु दह्यमानासु सर्वतः। जलान्तःपद्मकल्हारकैरवोत्पलपङ्क्तिषु TriṣaS'aPuC. iv. 7. 142; KarmaNi. 4B. 9; MohaRāPa. 5. 38; [not fit to be burnt on the funeral fire, APTE]

अदाह्यत्व (adāhya-tva) *n.* the state of not being combustible बोधः

…बुद्ध्यादेस्तु तत्र सत्यत्वेनादाह्यत्वान्न तु तं दहति IstaSi. 70.6; VāmaP. 9.5.

[1]**अदि** (adi) (Gr.) **i** root *ad-* अदिप्रभृतिभ्यः शपः P. ii. 4.72; सर्वत्राद्यर्थकार्यमदेर्नेष्यते JaineVyā. 33.6 (*on* i. 2.84); 124.17 (*on* ii. 3.53); अदेरर्थोऽभ्यवहारः JaineVyā. 33.4 (*on* i. 2.84); अदितुदिनुदि° … °खिदेर्दात् Kātan. iii. 7.21; CāndraVyā. ii. 1.47; S'ākaṭāVyā. i. 3.118; BālaKrī. i. 115.16 (*on* 1.155); AgniP. 358.7; न नीखाद्यादिह्वायशब्दायक्रन्दाम् SaraKaṇṭhā.(Gr.) i. 1.45; SiddhaHe. ii. 2.5; PrakriKau. ii. 78.5; **ii** meaning of the root *ad-* भुजोऽदौ S'ākaṭāVyā. iv. 1.178 (comm. भुज अद्यर्थे अभ्यवहारे)

[2]**अदि** (adi) (Gr.) Uṇādi-suffix *-ad* शदृभसोऽदिः Uṇā. 1.129–132 cf. **अद्**

अदिक् (a-dik) *adv.* without any (reference to) direction न्यसेत् … मुक्ताफलं च रजतं पारदं चाप्यदिक् तथा PāraS. 15.739.

अदिक्क (adík-ka) *adj.* without direction or region तेऽदिक्काः पराभवन् S'atBr. XIII. viii. 1.5.

अदिक्स्त्री (a-dikstrī) *f.* exclusion of a feminine word meaning direction विभाषाञ्चेरदिक्स्त्रियाम् P. v. 4.8 (Pad Mañ. दिक् चासौ स्त्री चेति दिक्स्त्री, तत्र प्रतिषेधः); वाञ्चोऽदिक्स्त्रियाम् S'ākaṭāVyā. ii. 1.138; SiddhaHe. vii. 1.107; SiddhāKau. 320B.6.

अदिगत (adi-gata) *adj.* connected with the root *ad-* अदिगतेन लिङादिपदेन वा सह समेति नञत्र SaṁkṣeS'ā. 1.420 (i. 310.3)

अदिगाख्या (a-digākhyā) *f.* not the name of a direction आशाया अदिगाख्या चेत् PhiṭSū. 18; Prasā. ii. 750.3.

अदिगुहा (adiguhā) *f.* the plant *Hedysarum gangeticum* or *Hemionites cordifolia* विदारगन्धादिगुहा सालपर्णी … निघण्टुज्ञैः प्रकीर्तिता AbhidhāMañ. 37.2; cf. **अतिगुहा**.

अदिग्गजकुल (a-diggajakula) *adj.* **A** not having the herd of the (mythological) elephants of the quarters शिखण्डिताण्डवमण्डनं नाम वनम् … अदिग्गजकुलमपि सवामनम् YaśasCam. ii. 196.2; **B** not having words or sounds (i. e. noiseless, quiet), YaśasCam. ii. 196.2 (comm. अविद्यमानदिग्गजकुलं शब्दसमूहो यत्र)

अदिग्देशकालवृत्ति (a-digdeśakālavṛtti) *adj.* not denoting or meaning 'quarter' or 'place' or 'time' उत्तरे प्रत्युत्तरे वा शक्तः। दक्षिणायां कृतमतिर्विप्रः। इत्यदिग्देशकालवृत्तय इति विस्पष्टोऽयमर्थनिर्देशः GaṇRa. 1.23(52)

अदिग्देशकालादि (a-digdeśakālādi) *adj.* not delimited by quarter, space and time etc. स्वतोऽदिग्देशकालादेः प्रत्यक्चिन्मात्रवस्तुनः। देशादिमच्छरीरेण न संबन्धः BṛĀraUBhVā. iv. 4.518.

अदिग्देशात्मक (adigdeśātma-ka) *adj.* not referring to 'quarter' and 'space' or 'place' न चैकमदिग्देशात्मकमनवयवि ज्ञानं नानादिग्देशव्यापि सम्भवति TātpaṬ.(Vā.) 660.4 (*on* iv. 2.33)

अदिग्धविद्ध (a-digdhaviddha) *adj.* not pierced or rent by a poisoned (weapon) अदिग्धविद्धमक्लिष्टं वयःस्थं सात्म्यचारिणाम्। मृगमत्स्यविहङ्गानां मांसं बृंहणमुच्यते CaraS. i. 22.25 (1922 Ed.)

अदिग्भ्रष्ट (a-digbhraṣṭa) *adj.* not missing the right direction or position अकम्पितमदीर्णाङ्गमदिग्भ्रष्टं सुरेश्वरम्। … इत्थं शक्रध्वजोत्थानं कृतं राज्ञो जयावहम् SamarāSū. 17.145.

अदिग्वृत्तित्व (adigvṛtti-tva) *n.* the state of not denoting the sense of 'direction' or 'quarter' (व्यत्यये कर्मणां साम्यं पूर्ववच्चाधरोत्तरम्) अदिग्वृत्तित्वादाह अधरे चेति BālamBha. i. 315.1 (*on* 1.96)

अदिङ्मुख (a-diṅmukha) *adj.* not discriminated or distinguished by directions, not having divisions into the various quarters महाप्रलयकाले च … आसीत्तमोमयं सर्वम् … व्यपेतगन्धरूपं च रसत्यक्तमदिङ्मुखम् SkandP. iv. 26.10; S'ivaP. ii(1). 6.6 (43A. 12)

अदिच्छत्रा (adicchattrā) *f.* [prob. w. r. for **अहिच्छत्रा**] name of a plant शलपुष्पी (sic) शताह्वयः। अदिच्छत्रा(?) ह्यवाक्पुष्पी ṢaḍrasaNi. 28.18.

अदित (a-dita) *adj.* not cut or divided, abundant अदिते। स चित्तभूः … अतनुत मोहरोदिते CaturJiStu. 75; 86; *m. n.* name of a square of the ground-plan अदिते दक्षिणामूर्तिम् … स्थापयेत् MānaSā. 32.27 [cf. अदितिपद]

अदितामितौजस् (aditāmitaujas) *adj.* possessing unimpaired and boundless strength स इत्थं समाहितः …। स्थितः सितांहा अदितामितौजा दिनान्यमातानि DvyāśraKā. 10.14.

[1]**अदिति** (á-diti) *f.* [once *adj. m.* pl. ṚV. vii. 52.1] [MAYR. 1.29; DEBRU. p. 633; 637]; **1 Ai** Vedic goddess (mother of Ādityas) तन्नो मित्रो वरुणो मामहन्तामदितिः सिन्धुः पृथिवी उत द्यौः ṚV. i. 94.16; आदित्यैर्नो अदितिः शर्म यंसत् ṚV. i. 107.2; ज्योतिष्मतीमदितिं धारयत्क्षितिं स्वर्वतीमा सचेते दिवेदिवे ṚV. i. 136.3; पिपर्तु नो अदिती राजपुत्राति द्वेषांस्यर्यमा सुगेभिः ṚV. ii. 27.7; आदित्यैर्नो अदितिः शृणोतु ṚV. iii. 54.20; प्रातर्देवीमदितिं जोहवीमि ṚV. v. 69.3; हुवे वो देवीमदितिं नमोभिः ṚV. vi. 50.1; अभि यं देव्यदितिर्गृणाति ṚV. vii. 38.4; अवधं ज्योतिरदितेर्ऋतावृधो देवस्य श्लोकं सवितुर्मनामहे ṚV. vii. 82.10; अदितिर्न उरुष्यत्वदितिः शर्म यच्छतु ṚV. viii. 47.9; अष्टौ पुत्रासो अदितेः ṚV. x. 72.8; युवोर्हि मातादितिर्विचेतसा ṚV. x. 132.6; यस्मै पुत्रासो अदितेः प्रजीवसे मर्त्याय। ज्योतिर्यच्छन्त्यजस्रम् ṚV. x. 185.3; अविं वृधाम शग्मियं सखायं वरुणं पुत्रमदित्या इषिरम् AV. v. 1.9; अष्टयोनिरदितिरष्टपुत्राष्टमीं रात्रिमभि हव्यमेति AV. viii. 9.21; दिव्यः सुपर्णः स वीरो व्यख्यदतितेः पुत्रो भुवनानि विश्वा AV. xiii. 2.9; अदितिर्मादित्यैः प्रतीच्या दिशः पातु AV. xviii. 3.27; विवस्वाँ अदितिर्देवजूतिस्तेन आदित्या आज्यं जुषाणा वियन्तु TaiS. I. v. 3.3; अदितिः पुत्रकामा साध्येभ्यो देवेभ्यो ब्रह्मौदनमपचत् TaiS. VI. v. 6.1; ते हि पुत्रासो अदितेः VājaS. 3.33; अदितिं सुप्रणीतिम्। दैवीं नावम् … आरुहेमा स्वस्तये VājaS. 21.6; उत्तमामदितिं यजति AitBr. 2.1(36); अदितिर्हीदं सर्वम् AitĀ. III. i. 6.27; अदितिर्द्यौरदितिरन्तरिक्षम् TaiĀ. i. 13.2 (196.19); ĀśvaS'S. I. ii. 1.28; ĀpaS'S. x. 21.4; Nigh. 5.5; Nir. 11.22 (75.4); अदितेऽनुमन्यस्व BaudhGS. i. 3.22; पर्युक्षणं तु सर्वत्र कर्तव्यमदितेऽन्विति GobhiSm. 1.127; द्युत्वमन्तरिक्षत्वं चादितेः …विप्रतिषिद्धम् TantrVā. 55.9 (*on* i. 2.36); दक्षस्याप्यदितिरदितेर्विवस्वान् ViṣṇuP. iv. 1.6; विवस्वानदितेः पुत्रः सूर्यो वैवस्वतेऽन्तरे VāyuP. i. 53.79; MatsyaP. 11.2; अदित्यां द्वादशादित्यान् जनयामास कश्यपः BallāC. 2.7; (goddess releasing from bonds, from indebtedness and sins) अथा वयमादित्य व्रते तवानागसो अदितये स्याम ṚV. i. 24.15; VājaS. 12.12; ṚV. i. 94.15; अनागास्त्वं नो अदितिः कृणोतु ṚV. i. 162.22; VājaS. 25.45; ṚV. iv. 39.3; अनागसो अदितये देवस्य सवितुः सवे। विश्वा वामानि धीमहि ṚV. v. 82.6; अनागस्ते वयमदितये स्याम AV. vii. 34.1; आ वृश्चन्तामदितये दुरेवाः AV. viii. 3.16; अदितिः पात्वंहसः TaiS. I. v. 11.5; (the laws of **Aditi**) अनु व्रतान्यदितेर्ऋधन्तो यूयं पात स्वस्तिभिः सदा नः ṚV. vii. 87.7; शं नो अदितिर्भवतु व्रतेभिः AV. xix. 10.9; (Aditi and Dakṣa) असच्च सच्च परमे व्योमन् दक्षस्य जन्मन्नदितेरुपस्थे ṚV. x. 5.7; दक्षस्य वादिते जन्मनि व्रते राजाना मित्रावरुणा विवाससि ṚV. x. 64.5; अदितेर्दक्षो अजायत दक्षाद्वदितिः परि ṚV. x. 72.4; (grand daughters of Aditi) श्रथ्नीते नप्तीरदितेर्ऋतं यते ṚV. ix. 69.3; (mother of all gods, wife of Viṣṇu, Kaśyapa etc.) विश्वेषामदितिर्यज्ञियानां विश्वेषामतिथिर्मानुषाणाम् ṚV. iv. 1.20; ये स्थ जाता अदितेरद्भ्यस्परि ये पृथिव्यास्ते म इह श्रुता हवम् ṚV. x. 63.2; अदितिर्देवमाता च … पत्न्यश्चान्या दिवौकसाम् MahāBhā. ix. 44.12; अदित्यै विष्णुपत्न्यै चरुः VājaS. 29.60; अथ विष्णुर्महातेजा अदित्यां समजायत Rāmā. i. 28.9; कश्यपः प्रतिजग्राह …। अदितिं च दितिं चैव Rāmā. iii. 13.11; अदित्यां जज्ञिरे देवास्त्रयस्त्रिंशदरिंदम Rāmā. iii. 13.14; अदितेरपत्यमादित्यः MahāBh. i. 185.16 (*on* i. 1.72); ततः प्रविशत्यदित्या सहासनोपविष्टो मारीचः S'āk. 7.25(18); अदितिर्देवगर्भा त्वं दैत्यगर्भा तथा दितिः ViṣṇuP. v. 2.9; (कृष्णः) अदित्याः कुण्डले दातुं जगाम त्रिदशालयम् ViṣṇuP. v. 29.35; MārkP. 104.5; NīlaP. 231; KūrmaP. 203.13 (1.13); असूत देवानदितिः समस्तान् DaśāvaC. 2.3; अदितेश्च (पुत्राः) सुराः सर्वे ममन्थुः क्षीरसागरम् RāmāMañ. 23.17; AbhidhāRaMā. 1.119; TrikāS'e. i. 1.6; Vaija. 247.1; AnekāSaṁ. 3.233; ViśvaPra. 69.162; MediK. 63.86; (identified with the earth) मह्वा महद्भिः पृथिवी वि तस्थे माता पुत्रैरदितिर्धायसे वेः ṚV. i. 72.9; मिमातु द्यौरदितिर्वीतये नः ṚV. v. 59.8; भूमिर्मातादितिर्नो जनित्रम् AV. vi. 120.2; अदितिर्द्यौरदितिरन्तरिक्षमदितिर्माता स पिता स पुत्रः AV. vii. 6.1; वाजस्य नु प्रसवे मातरं महीमदितिं नाम वचसा करामहे AV. vii. 6.4; TaiS. I. vii. 7.1; अदितिरसि विश्वधाया विश्वस्य भुवनस्य धर्त्री TaiS. IV. ii. 9.1; अदित्यै व्युन्दनमसि VājaS. 2.2; अदित्यास्त्वा पृष्ठे सादयामि VājaS. 14.5; इयं ह्यदितिः AitBr. 2.2 (40); इयं वा अदितिः। अस्यामेव प्रतितिष्ठति TaiBr. I. i. 6.5; उदस्थाद् देव्यदितिर्विश्वरूपी TaiBr. I. iv. 3.1; इयं वै पृथिव्यदितिः S'atBr. II. ii. 1.19; AVPari. 48.72; Nigh. 1.1; आदित्यः … अदितेरखण्डिताया मह्या अयं पतिरिति वा ViṣṇuSaBh. 46.4 (*on* 18); Vaija. 247.1; AnekāSaṁ. 3.233; MediK. 63.86; (lap of Aditi) तमंमृक्षन्त वाजिनमुपस्थे अदितेरधि ṚV. ix. 26.1; समी रथं न भुरिजोरहेषत दश स्वसारो अदितेरुपस्थ आ ṚV. ix. 71.5; दधाति गर्भमदितेरुपस्थ आ ṚV. ix. 74.5; प्रिया धामान्यदितेरुपस्थे ṚV. x. 70.7; अवो वन्वाना अदितेरुपस्थात् ṚV. vii. 88.7; यथा जीवा अदितेरुपस्थे AV. ii. 28.4; उपस्थे ते देव्यदितेऽग्निमन्नादमन्नाद्यायादधे TaiS. I. v. 3.1; पृथिव्यास्त्वा नाभौ सादयाम्यदित्या उपस्थ इति KauṣīBr. 6.14 (27.13); S'atBr. I. i. 2.23; (seat of Aditi) अदित्याः सदोऽस्यदित्याः सद आ। सीद TaiS. I. ii. 10.1; अदित्यै सद आसीद VājaS. 4.30; (the skin of Aditi) अदित्यास्त्वगसि प्रति त्वा पृथिवी वेत्तु TaiS. I. i. 6.1; अदित्यास्त्वगस्य-

दित्याः सदने सीद KāṭhS. 2.6; VājaS. 1.14; S'atBr. I. i. 4.5; (girdle of Aditi) अदित्यै रास्नासीन्द्राण्यै उष्णीषः सन्नहनम् TaiS. I. i. 2.2; VājaS. 1.30; S'atBr. I. iii. 1.15; TaiĀ. iv. 8.1 (460.2); (identified with a cow) पीपाय धेनुरदितिर्ऋताय ṚV. i. 153.3; मा गामनागामदितिं वधिष्ट ṚV. viii. 101.15; पयो न दुग्धमदितेरिषिरम् ṚV. ix. 96.15; घृतं दुहानामदितिं जनायाग्ने मा हिंसीः परमे व्योमन् VājaS. 13.49; अदितिः ... गोनामानि Nigh. 2.11; सन्ति तु गोरभिधानानि ... अदितिः S'ābaBh. 1933.13 (*on* x. 4.32); NānārthāSaṁ. ii. 59.145; (name of a river(?)) प्र पस्त्यामदितिं सिन्धुमर्कैः स्वस्तिमीळे ṚV. iv. 55.3; दुराध्यो अदितिं स्रेवयन्तोऽचेतसो वि जगृभ्रे परुष्णीम् ṚV. vii. 18.8; (associated with Diti) (freedom from bonds) अतश्चक्षाथे अदितिं दितिं च ṚV. v. 62.8; दितिः शूर्पमदितिः शूर्पग्राही वातोऽपाविनक् AV. xi. 3.4; तं दितिश्चादितिश्चेडा चेन्द्राणी चानुव्यचलन् AV. xv. 6.7; xv. 18.4; अदितिश्च मे दितिश्च मे TaiS. IV. vii. 9.1; अदितिर्दितिर्दनुः ... दक्षकन्यैव भारत MahāBhā. i. 59.12; **1Bi** the goddess presiding over the *punarvasu* constellation (dioskuroi) पुनर्वसू नक्षत्रमदितिर्देवता TaiS. IV. iv. 10.1; अग्निः प्रजापतिः सोमो रुद्रोऽदितिर्बृहस्पतिः (नक्षत्रदेवता ह्येताः) JyotiVe. 32; °शशिशूलभृददितिजीवफणिपितरः ... ईश्वरा भानाम् BṛSaṁ. 98.4; सोमः शिवादितिसुरेड्यभुजङ्गमाश्च ... क्रमेण भगणस्य देवतामी ĪśānS'iPa. i. 4.27; कृत्तिकादीनामष्टाविंशतिनक्षत्राणां क्रमेणाग्न्यादयोऽष्टाविंशतिरेव देवता भवन्ति ... रुद्रौ अदिती SthānṬ. 78B.6; **1Bii** the constellation *punarvasu* सौम्याद्र्यादित्युत्तराहस्तचित्राश्विविष्णुभम् BṛhaspaSm. 246.95; इत्यलार्थे तथैवार्द्रा ह्यदित्याश्रवणत्रयम् । नित्यमेव समुद्दिष्टं मिथुनस्य समाश्रयम् VisṇuDhaP. i. 94.24; हस्तचित्रादितिस्वातौ ... (धान्यं ?) प्रवेशयेत् AgniP. 121.50; अदितिश्च शुभग्रहाहः । स्यात् कुञ्जरक्रयणदर्शनदानकालः YuktiKa. 198.8; तिष्यप्रजेशादितिसोमविष्णु° ... उदितान्युडूनां दीक्षाभिषेकेष्वनवग्रहाणि ĪśānS'iPa. ii. 11.3; अध्यर्धधिष्ण्यान्यदितिद्विदैवस्थिराणि VasiS. 3.18; NāraS. 2(2).7; JātaPā 17.102; अदितिः पुनर्वसुः VīraMi.(Saṁskāra.) 271.19; BālamBha. i. 65.14 (*on* 1.14); GaṇiNā. 6; **1C** a tutelary deity अग्निः प्रजापतिः सोमो रुद्रोऽदितिर्बृहस्पतिः सर्पा इत्येतानि प्राग्द्वाराणि दैवतानि BaudhDS. ii. 5.16; भल्लाटसोमभुजगास्ततोऽदितिर्दितिरिति क्रमशः BṛSaṁ. 53.45; ईश्वरं तपनं चैव दितिं चैव तथादितिम् । पूर्वपत्रं समारभ्य विन्यसेद्यावदुत्तरम् PauṣkS. 3.64; अदितिश्चार्धसंस्थिता PañcaRā.(Ha.) i. 8.25; नेत्रयोर्दितिपर्जन्यौ श्रोत्रेऽदितिजयन्तकौ ... पूजनीयौ MatsyaP. 253.40; मुद्गलाख्यो दित्यदिती कुबेरस्य दिशि स्थिताः BhaviP. 364A.35 (ii(2). 10.38); अर्गलश्च दितिस्तद्वददितिश्चोत्तरस्थिताः (देवताः) ĪśānS'iPa. i. 11.18; चरकोऽथादितिर्दैत्यमातेति पददेवताः SamarāSū. 11.10; Aparā. 384.6 (*on* 1.211); अदितिः ... बाह्यदेवाः प्रकीर्तिताः MayaMa. 7.26; TantrRā. 30.26; **2** one of the names of Pārvatī अदितिर्नियता रौद्रा पद्मगर्भा विवाहना KūrmaP. 113.10 (1.12); अदिते ... विनते गौरि ... अन्तरिक्षगतं वा रक्ष SkandP. i(2). 62.56; अदितिः ... एवमादीनि नामानि ... मनीषिभिः । कथितानि ... शक्तेः LakṣmīT. 32.21; Vaija. 247.1; AnekāSaṁ. 3.233; NānārthāSaṁ. ii. 59.147; ParyāS'aRa. 1.60; KalpaK. 393.127; **3** one of the goddesses (Mātṛs) created by S'aṅkara पानार्थमन्धकास्रस्य ... अदितिः ... एताश्चान्याश्च देवेशः सोऽसृजन्मातरस्तदा MatsyaP. 179.15; देवदेवः ... पानार्थमन्धकास्रस्य ससृजे मातरः ... अदितिं च दितिं चैव VisṇuDhaP. i. 226.13; **4** a goddess presiding over the tenth *muhūrta* of the night दिवसमुहूर्ताः कथिताः ... रात्रेश्च ... अदितिसुरमन्त्री ... पञ्चदश VasiS. 17.3; धातृचन्द्रादितिज्याख्य° ... तथा रात्रिप्रमाणतः NāraS. 9(0).3; KalpaK. 409.32; **5** a goddess presiding over the 27th *yoga* योगेशाः ... नासत्यौ पितरोऽदितिः NāraS. 7(0).2; **6A** seer of a specific Sāman अदितेश्च साम ĀrṣeBr. i. 12.6; iii. 7.8; अदित्याः सामनी द्वे ĀrṣeBr. iii. 11.1; **6B** name of an expounder of the Vedic lore अदितिः (एताश्च ब्रह्मवादिन्यः) BrahmāṇḍP. i. 33.17; **7** sprinkling of fire-stick with water वेद्यास्तरणमाप्रासः प्रस्तरस्तरणं छदिः । त्रैहोत्रं समिदाधानमदितिस्तासु सेचनम् Vaija. 90.91; अदितिः पुनः । ज्ञेया शैलेन्द्रकन्यायां पृथिव्यामपि सूरिभिः । देवमातरि गोवाचोर्गोमार्थसमिद्गुक्षणे NānārthāSaṁ. ii. 59.146; Aditi has been recorded as one of the meanings of ऋ, Vaija. 272.18; NānārthāSaṁ. i. 5.52; करवीरी, AnekāTi. 4.45; S'abdaRaSaK. 286.10; AnekāSaṁ. 4.246; of speech अदितिः = वाचः AV-Pari. 48.102; NānārthāSaṁ. ii. 59.145; *adj.* free, unbound आदित्यासो अदितयः स्याम ṚV. vii. 52.1.

[2]**अदिति** (ad–iti) *f.* [popular Ety. from *ad-*] a goddess who devours all things सर्वं वा अत्तीति तददितेरदितित्वमित्यदितेः प्रतीयते BrahmSūBh.(Ma.) 10A.9 (*on* i. 2.9); अदितिरपि सर्वस्य स्वभोग्यस्यान्नपानादेर्भोक्त्री NyāySu.(Ja.) 159A.1 (*on* i. 2.2); कारणादल्पमेव स्यात्तद्ग्रासेरदितिर्यतः BṛĀraUBhVā. i. 2.190; सर्वमत्ति यतः सृष्टं तस्माददितिरुच्यते BṛĀraUBhVā. i. 2.194.

[3]**अदिति** (áditi) *m.* **1** one of the names of death स (मृत्युः) यद्यद्देवासृजत तत्तदत्तुमध्रियत सर्वं वा अत्तीति तददितेरदितित्वम् S'atBr. X. vi. 5.5 = BṛĀraU. i. 2.5 (comm. अदितेः अदितिनाम्नो मृत्योः अदितित्वं प्रसिद्धम्); **2** Agni अग्निरप्यदितिरुच्यते Nir. 11.23 (197.3); **3** one of the names of S'iva अष्टोत्तरसहस्रं तु नाम्नां शर्वस्य मे शृणु ।... स्नेहनोऽस्नेहनश्चैव अजितश्च (v. l. अदितिश्च) महामुनिः MahāBhā. xiii. 17.87; xiii. 17.95; अदितिः (हरस्याष्टोत्तरसहस्रं तु नाम्नां शृणुत सुव्रताः) LiṅgaP. i. 65.120.

[4]**अदिति** (á–diti) *f.* niggardliness, miserliness, not giving राये च नः स्वपत्याय देव दितिं च रास्वादितिमुरुष्य ṚV. iv. 2.11.

[5]**अदिति** (a–diti) *adv.* without a break श्रीचीनीतिस्थितिप्रीतेरुचितोदिति । एषोऽजैषीद्द्विषो रोषे रुद्धेति रुचितोदिति RāghPāṇ.(Dha.) 18.123 (comm. अदिति अखण्डं यथा स्यात्तथा)

अदितिकश्यपनन्दन (aditikaśyapa–nandana) *m.* son of Aditi and Kaśyapa (as one of the thousand names of Viṣṇu) अदितिकश्यपनन्दनः । ... इति ... विष्णोर्नामसहस्रकम् PañcaRā.(Nā.) iv. 3.130.

अदितिकुण्डल (aditi–kuṇḍala) *n.* ear-ring of Aditi हते तु नरके भूमिः गृहीत्वादितिकुण्डले । उपतस्थे ViṣṇuP. v. 29.22.

अदितिकौशिक (aditi–kauśika) *m.* name of a sect of religious mendicants begging in the name of a deity whose flag or icon they carry (KANGLE); mendicant earning his livelihood by showing images of gods (Aditi) and snake-charmers (Kauśika) (comm. Nītinirṇīti); a mendicant-woman in the garb of Aditi and a boy in the garb of Kauśika (i. e. Indra) begging for the sake of the boy (MEYER)] तेन हि ध्वजेनादितिकौशिकवदस्य मातृबान्धवा भिक्षेरन् ArthS'ā. i. 85.7 (1.17); cf. **अदितिकौशिकस्त्री.**

अदितिकौशिकस्त्री (aditikauśika–strī) *f.* **i** woman earning her living by carrying picture of a deity and a female snake charmer (T. GANAPATI SHASTRI) **ii** female dedicated to some deity (KANGLE) **iii** variant for °कैशिक° which is the name of a community devoted to music, dancing, toilet etc. (V. RAGHAVAN) (JOR) आढ्यविधवा गूढाजीवा योगस्त्रियो वा ... संघमुख्यानुन्मादयेयुः इति । अदितिकौशिकस्त्रियो नर्तकीगायना वा ArthS'ā. iii. 150.4 (11.1)

अदितिगण (aditi–gaṇa) *m.* a group (of women) headed by Aditi कश्यपायादितिगणम् ... ददौ स च महामुनिः BhaviP. 562B.13 (iii(4). 10.69)

अदितिगर्भसंभव (aditigarbha–sambhava) *adj.* born of the womb of Aditi (i. e. a god) किमेभिस्तैर्वराकैश्च अदितिगर्भसंभवैः । दैवतैः PadmP. v. 18.81.

अदितिगोचर (aditi–gocara) *m.* ground presided over by Aditi अनेन तु बलिं क्षिप्त्वा हरेददितिगोचरे ĪśānS'iPa. i. 41.31.

अदितिज (aditi–ja) *m.* **i** (pl.) son or child of Aditi (*lit.* born of Aditi) (the 12 Ādityas) अर्यमा चैव धाता च ... अंशो भगश्चातितेजा (v. l. अदितिजाः) आदित्या द्वादश स्मृताः HariVaṁ. 3.51; (gods in general) देवेन्द्रोपेन्द्रपूषाद्याः सर्वे तेऽदितिजा मताः MatsyaP. 146.20; एते च महेन्द्रप्रभृतयोऽदितिजा अनुधावन्ति TripuḌi. 4.8 (1); (देवाः) अदितेयाः यौगिकत्वाददित्या अदितिजा इत्यादयोऽपि comm. *on* AbhidhāCin. 88; S'abdaRa.(Vā.) 148; **ii** the numeral thirty-three (because of the number of gods) षट्शैलाष्टनवार्कधृत्यदितिजाः खण्डानि GrahaLā. 9.18; (sg.) **i** the god Viṣṇu in his Vāmana incarnation त्रैलोक्यमंशेन सनाथमेष कर्तुं महात्माऽदितिजोऽवतीर्णः MatsyaP. 245.19; VāmaP. 29.19; **ii** the sun (as one of the 12 Ādityas) तीक्ष्णं तपत्यदितिजः शिशिरेऽपि काले BṛSaṁ. 19.2.

अदितिजठर (aditi–jaṭhara) *n.* Aditi's womb (कुसुमपुरं नाम नगरम्) अदितिजठरमिवानेकदेवकुलाध्यासितम् VāsaDa. 121.1.

अदितितनय (aditi–tanaya) *m.* **i** the sun (son of Aditi) वीरनरेश्वर इव करमात्रतन्त्रतयात्मप्रतापप्रकाशनावसायेऽदितितनये (यशोधर्महाराजस्य पलिताङ्कुरदर्शनमभूत्) YaśasCaṁ. i. 245.5; **ii** a god (a son of Aditi) अदितिशब्दाग्रे सुतशब्दे प्रयुज्यमाने दैत्य(? देव)नामानि भवन्ति । अदितिसुतः । अदितितनयः comm. *on* NāmMā. 56.

अदितितनयभाव (adititanaya–bhāva) *m.* the state of being a son of Aditi अदितितनयभावं देवदेवश्चकार PadmP. v. 25.55.

अदितित्व (aditi–tvá) *n.* **1** freedom (from obligation) अनागास्त्वे अदितित्वे तुरास इमं यज्ञं दधतु श्रोषमाणाः (आदित्याः) ṚV. vii. 51.1 = TaiS. II. i. 11.6 = MaiS. iv. 14.14; **2** the nature of being Aditi (the eater) सर्वं वा अत्तीति तददितेरदितित्वम् ... सर्वमस्यान्नं भवति य एवमेतददितेरदितित्वं वेद S'atBr. X. vi. 5.5 = BṛĀraU. i. 2.5; सर्वस्यादनाददितित्वम् BṛĀraUBh.

28.17 (*on* i. 2. 5); अद्यतेऽन्नं प्रधानत्वाददितित्वात् तथात्ति च। अन्नान्नादत्वहेतोस्तदन्नं हीत्युच्यते बुधैः TaiUBhVā. 95.17 (Brahmvalli) सोऽदितिर्यद्यदसृजत तत्तदत्तुं मनोऽध्रियतादद्य। कुतः सर्वात्री सा सर्वमत्तीति यत्तदेव ह्यदितेरदितित्वमदितित्वनिमित्तम् TattvPrakā. 31B. 10 (*on* i. 2. 9); 31B. 13 (*on* i. 2. 9)

अदितिदारक (aditi-dāraka) *m.* son or child of Aditi (a god or divine being) अदितिशब्दाग्रे सुतशब्दे प्रयुज्यमाने दैत्य(? देव)नामानि भवन्ति। अदितिसुतः ··· अदितिदारकः comm. *on* NāmMā. 56.

अदितिदुःखहन् (aditiduḥkha-han) *m.* one of the thousand epithets of Viṣṇu (*lit.* removing Aditi's miseries) वामनोऽदितिदुःखहा।··· इति ··· विष्णोर्नामसहस्रकम् PañcRā.(Nā.) iv. 3. 78.

अदितिदेवत (aditi-devata) *adj.* with Aditi as its deity अथादितिदेवता अश्याधेये त्वेव प्रथमश्नरुः BaudhS'S. iii. 194. 7.

अदितिदेवता (aditi-devatā) *f.* the goddess Aditi अयमप्यदितिदेवतामुद्दिश्य त्यागः क्रियते S'ābaBh. 1786. 9 (*on* ix. 4. 32); चरावदितिदेवतासंबन्धमात्रविधानं न संभवति MayūMāli. 640. 6 (*on* ix. 4. 10)

अदितिदेवताक (aditidevatā-ka) *adj.* relating to the goddess Aditi (आदित्यः प्रायणीयः पयसि चरुः) आदित्यः अदितिदेवताकः MayūMāli. 640. 1 (*on* ix. 4. 10)

अदितिदेवत्य (aditi-devatya) *adj.* having Aditi for its deity उपयामगृहीतोऽसीत्याहादितिदेवत्याः TaiS. VI. iv. 7. 3; *n.* the lunar mansion Punarvasu having Aditi for the presiding deity [pw; cf. KalpaK. 400. 188]

अदितिदेवत्या (aditidevat-yā) *f.* the lunar mansion Punarvasu having Aditi for the presiding deity आदित्या अदितिदेवत्या पुनर्वसुः LalitāSaBh. 182. 1 (*on* 220)

अदितिदैव (aditi-daiva) *n.* the constellation Punarvasu (having Aditi for the presiding deity) हरदस्रहरीन्द्रसूर्यपूषादितिदैवानि च भवन्ति शान्तिके स्युः ĪśānS'iPa. i. 5. 48.

अदितिदैवत (aditi-daivata) *n.* constellation Punarvasu (having Aditi for the presiding deity) हस्तत्रये च पुष्ये च तथैवादितिदैवते। शस्ते वारे शुभे लग्ने ··· कुर्यान्मौञ्जीनिबन्धनम् Mānaso. iii. 12. 1281; *adj.* having Aditi as the presiding deity श्रवणादित्रये त्याज्यो नक्षत्रेऽदितिदैवते। निशायाश्चरमो भागो प्रयाणे पृथिवीभुजा Mānaso. ii. 13. 784.

अदितिदैवत्य (aditidaivat-ya) *adj.* having Aditi for the presiding deity (कौसल्याजनयद्रामम्) नक्षत्रेऽदितिदैवत्ये स्वोच्चसंस्थेषु पञ्चसु। ग्रहेषु Rāmā. i. 506*(5)

अदितिद्वय (aditi-dvaya) *n.* the two asterisms Punarvasu and Puṣya करादिपञ्चस्वदितिद्वयाश्विविष्णुत्रये।··· स्नातककर्म शस्तम् VasiS. 30. 3.

अदितिद्वितय (aditi-dvitaya) *n.* the two asterisms Punarvasu and Puṣya अदितिद्वितये पौष्णद्वितये श्रवणत्रये।··· चौलमीरितम् VasiS. 28. 11.

अदितिधिष्ण्य (aditi-dhiṣṇya) *n.* the constellation Punarvasu सहिष्णुरत्यसंतुष्टः शीघ्रगोऽदितिधिष्ण्यजः NāraS. 52. 7.

अदितिनक्षत्र (aditi-nakṣatra) *n.* the constellation Punarvasu (having Aditi for the presiding deity) श्रवणादितिनक्षत्रे कर्क्यशस्थे निशाकरे। सदा व्रती NāraS. 24. 23.

अदितिनन्दन (aditi-nandana) *m.* son of Aditi [du.] Indra and Viṣṇu शतक्रतुश्च भगवान् विष्णुश्चादितिनन्दनौ। ब्रह्मा रथन्तरं साम ईरयन्ति भवान्तिके MahāBhā. xiii. 15. 16; [sg.] **I** Viṣṇu in his Vāmana incarnation सभार्योऽसौ ···। जगाम यत्र विप्रेन्द्रो वामनोऽदितिनन्दनः BrahmP. 73. 36; BṛDharmP. i. 23. 56; **II** Indra तदीयानि विधीयन्ते पञ्च कृत्यानि सर्वदा।··· मयैवादितिनन्दन LakṣmīT. 27. 5; [pl. and sg.] gods in general, a god अमरा निर्जरा देवाः ··· आदितेयो दिविषदो लेखा अदितिनन्दनाः AmaK. 15; Vaija. 3. 3; सुधामदितिनन्दना दिवि पिबन्ति हृष्टान्तराः S'ārṅgaPa. 10; अदितिशब्दाग्रे सुतशब्दे प्रयुज्यमाने दैत्य(? देव)नामानि भवन्ति। अदितिसुतः ··· अदितिनन्दनः comm. *on* NāmMā. 56.

अदितिपद (aditi-pada) *n.* name of a square in a ground-plan महीधरेन्दुभल्लाटमृगादितिपदाश्रितम्। सौख्यं महीसुरावासम् MayaMa. 27. 40 cf. **अदित.**

अदितिपरिवर्धित (aditi-parivardhita) *adj.* reared by Aditi (mother of gods) एतावदितिपरिवर्धितमन्दारवृक्षकं प्रजापतेराश्रमपदं प्रविष्टौ स्वः S'āk. 7. 11 (2)

अदितिपर्यन्त (aditi-paryanta) *adj.* as far as Aditi or upto Aditi ये तथादितिपर्यन्ताः पर्जन्याद्याः सुरोत्तमाः। तेऽष्टौ चतुर्भागभुजः SamarāSū. 12. 6.

अदितिपुत्र (aditi-putra) *m.* son of Aditi (i. e. the sun) नमोऽस्त्वदितिपुत्राय BhaviP. 124B. 9 (i. 71. 11); अहो महात्मायं देवोऽदितिपुत्रो दिवस्पतिः BhaviP. 231B. 12 (i. 155. 20)

अदितिपुत्रत्व (aditiputra-tva) *n.* the state of being a son of Aditi तथाप्यदितिपुत्रत्वेन प्रसिद्धान्मण्डलाभिमानिनः पुरुषाद्भेदोऽनेन सूत्रेण प्रतिपाद्यते S'ivārkaMaDī. i. 258. 13 (*on* i. 1. 22)

अदितिपोत (aditi-pota) *m.* son of Aditi (i. e. god) अदितिशब्दाग्रे सुतशब्दे प्रयुज्यमाने दैत्य(? देव)नामानि भवन्ति ··· अदितिपोतः NāmaMā. 56 (comm.)

अदितिप्रमुखा (aditi-pramukhā) *adj.* (*f.*) headed by Aditi (Kaśyapa's wife) इति वदति कश्यपर्षौ दाक्षायण्यः किलास्य पत्न्योऽत्र। अदितिप्रमुखाः सर्वाः ··· आजग्मुः KathāSaSāg. viii. 2. 386.

अदितिप्रसूत (aditi-prasūta) *adj.* born of Aditi (i. e. son of Aditi) दितिरुवाच ··· जीर्णासि दृष्ट्वा त्वदितिप्रसूतान् BrahmP. 124. 6.

अदितिप्रीति (aditi-prīti) *f.* pleasure of Aditi हिरण्यवर्णे इति मन्त्रस्य ··· बृहती छन्दः सोमो देवता अदितिप्रीतये विनियोगः BhaviP. 366B. 26 (ii(2). 10. 110)

अदितिभ (aditi-bha) *n.* constellation Punarvasu presided over by the deity Aditi षडत्र तज्ज्ञाः प्रोचुर्विशाखादितिभध्रुवाणि SiddhāSi. 68. 11 (8. 72); क्षौराख्यकर्मादितिभे विधेयम् NāraS. 6. 9; यममैत्रादितिभाजपादु(? द्)द्त्वाष्ट्रविष्णुषु VasiS. 42. 23; अदितिभं पुनर्वसुः BālamBha. i. 67. 21 (*on* 1. 14)

अदितिभतस् (aditibha-tas) *adv.* beginning with the constellation Punarvasu presided over by Aditi स्वर्भानावदितिभतोऽष्टकक्षसंस्थे शीतांशुः कमशकटं सदा भिनत्ति GrahaLā. 11. 8.

अदितिभद्वय (aditibha-dvaya) *n.* group of two constelletions Punarvasu and Puṣya presided over by the deity Aditi पौष्णद्वये चादितिभद्वये च शस्तं द्विजानां खलु मौञ्जिकर्म VasiS. 29. 37.

अदितिभद्वितय (aditibha-dvitaya) *n.* group of two constallations Punarvasu and Puṣya presided over by the deity Aditi भाग्यद्वितयादितिभद्वितयैः संक्षिप्तसंज्ञिका विपुला VasiS. 5. 10.

अदितिभिन्न (aditi-bhinna) *adj.* different from the deity Aditi न ह्यदितिभिन्नस्यादितित्वं संभवति TattvaPrakā. 31B. 16 (*on* i. 2. 9)

अदितिभीतिघ्न (aditibhīti-ghna) *m.* one of the thousand names of Viṣṇu (*lit.* dispeller of Aditi's fear) वामनोऽदितिभीतिघ्नः···इत्येतत् ··· विष्णोर्नामसहस्रकम् SātvaT. 6. 71.

अदितिमुख्य (aditi-mukhya) *adj.* headed by the deity Aditi ततस्त्वदितिमुख्यानां मिलितानां महोत्सवे। त्रोटयामास कर्णादीन् SkandP. iv. 89. 91.

अदितियाग (aditi-yāga) *n.* sacrifice to the deity Aditi तत्र तद्व्युदासेनादितियागः प्रशस्यते TantraVā. 29. 4 (*on* i. 2. 10); कथमदितियागेनावधारणस्यावकाशो दीयते NyāySu.(So.) 61. 1 (*on* i. 2. 10)

अदितिरूप (aditi-rūpa) *n.* form of Aditi या राक्षसी···आगतादितिरूपेण भासयन्ती दिशो दश GaṇeP. ii. 21. 18.

अदितिवन (aditi-vana) *n.* name of a forest शृणु सप्त वनानीह कुरुक्षेत्रस्य मध्यतः।··· काम्यकं च वनं पुण्यं तथादितिवनं महत् VāmaP. 34. 4; अदितिवनेऽमीतिग्रामे मचक्रुक इति प्राप्यते VīraMi.(Tīrtha.) 464. 18.

अदितिश्रित (aditi-śrita) *adj.* depending on Aditi (the mother of gods) स्वदर्शनार्थं समुपेयुषीणां सुदेवतानामदितिश्रितानाम् KumārSam. 13. 47.

अदितिश्रुति (aditi-śruti) *f.* the Vedic statement about Aditi लक्षणसूत्रमदितिश्रुतिश्च सन्देहबीजम्। अदितिरेव तदत्तृत्वमिति पूर्वः पक्षः। तददितेरित्यदितिश्रुतेः TattvPrakā. 31B. 11 (*on* i. 2. 9)

अदितिसंहिता (aditi-saṁhitā) *f.* union which is signified by Aditi माता च द्यौर्वेदं पिता च प्रजा च सर्वे सैषादितिः(? ति)संहिता S'āṅkhāĀ. 7. 16 (30. 2–3)

अदितिसंज्ञिका (aditisañjñ-ikā) *adj.* (*f.*) named Aditi श्रीरिहादितिसंज्ञिका SamarāSū. 14. 26.

अदितिसंभव (aditi-sambhava) *adj.* born of Aditi महेन्द्राय ददौ राज्यं काश्यपोऽदितिसंभवः AgniP. 276. 14; इति श्रुत्वा वेदमयं वाक्यं चादितिसंभवः। विवस्वान् भ्रातृजां गृहीत्वा श्रेष्ठवानभूत् BhaviP. 582B. 29 (iii(4). 18. 28); *m.* name of the sun (*lit.* born of Aditi) नमस्तेऽदितिसंभव BhaviP. 124A. 10 (i. 71. 4)

अदितिसुत (aditi-suta) *m.* **IA** son of Aditi (i. e. god) अदितिसुतसमौजसोऽतिबलविपुलप्रभावाः CaraS. iii. 3. 25 (1922 Ed.); अदितिसुतहितकरमचिन्त्याद्भुतप्रभावमायुष्यमारोग्यकरं वयसः स्थापनम् CaraS. vi. 1(2). 3 (1922 Ed); परिजगृहुर्वालभागमदितिसुताः NilaVi. 87. 9; स किं वा नो कुर्याददितिसुतपक्षैकपतितः AdbhuDa. 5. 9; अदितिशब्दाग्रे सुतशब्दे प्रयुज्यमाने दैत्य(देव)नामानि भवन्ति (अदितिसुतः) NāmMā. 56; **IB** son of Aditi (i. e. Āditya), to be

identified as great-grand-father invoked at S'rāddha ceremony) वसुरुद्रादितिसुताः पितरः श्राद्धदेवताः YājñaSm. 1.269; तद्वद्वसवो रुद्रा अदितिसुताः आदित्या एव ये पितरः पितृपितामहप्रपितामहशब्दवाच्याः Mitā. 97.10 (on 1.269); अदितिसुता आदित्याः SmrtiCan. v. 300.14 = DīpKa. 30.14 (on 1.269); अदितिसुता आदित्याः वस्वादित्रयः श्राद्धदेवताः ViraMi. 329.7 (on 1.269)

अदितिसुतनिकेतन (aditisuta-niketana) *n.* mansion of the sun (the son of Aditi) °ललाटलोचनज्वालाग्लपितादितिसुतनिकेतनपताकाभोगाभिः YaśasCam. i. 45.4.

अदितिसुतप्रसूति (aditisuta-prasūti) *f.* birth of the sun मरीचिमतङ्गमृगशर्मादि° ... °अण्डकपालाददितिसुतप्रसूतिपूतान्तरालात्...पितामहेन YaśasCam. i. 483.3.

अदितिसुताराति (aditisutārāti) *m.* enemy of the sons of Aditi अगणिताधैर्यवीर्यावलेपं वैलक्ष्येणेव पाण्डुद्युतिमदितिसुतारातिमापादयन्त्याः CaṇḍiS'. 54.

अदितिसुतोपासन (aditisutopāsana) *n.* act of paying homage to the sun कदा ह्यमी गगनचराः कदनकन्दुकविनोदकरा मम भविष्यन्ति रविरथतुरङ्गा इत्यपजिहीर्षयेवादितिसुतोपासनम् YaśasCam. i. 440.2.

अदितिसूनु (aditi-sūnu) *m.* son of Aditi, a deity वसवश्च तथा रुद्रास्तथैवादितिसूनवः BṛParāSm. 7.168.

अदितिस्तनन्धय (aditi-stanandhaya) *m.* son of Aditi (i. e. god) अदितिशब्दाग्रे सुतशब्दे प्रयुज्यमाने दैत्य (देव) नामानि भवन्ति ... अदितिस्तनन्धयः NāmMā. 56 (comm.)

अदितिस्थान (aditi-sthāna) *n.* square of Aditi (in the ground-plan) नृपस्य मातुरदितिस्थाने कुर्यान्निवेशनम् SamarāS'ū. 15.40.

अदिती (áditī) [du.] heaven and earth, Nigh. 3.30.

अदितीपति (aditī-pati) *m.* Kaśyapa (husband of Aditi) कश्यपश्च मारीचिरदितीपतिः KośaKaTa. 1.170.

अदितीश (aditīśa) *m.* 1 name of a S'ivaliṅga (at Vārāṇasī) तत्पश्चाददितीशश्च चक्रेशस्तस्य चाग्रतः SkandP. iv. 97.208; 2 the letter *sra* षः सुरेशोऽदितीशोऽर्कोऽरुणोऽर्णव उरुक्रमः DvyakṣaNā. 2.99.

अदितीश्वरतीर्थ (aditīśvara-tīrtha) *n.* name of a Tīrtha [pw.]

अदित्यंशा (adity-aṁśā) *adj.* (*f.*) being a portion of Aditi (partial incarnation) अदित्यंशा च देवकी BrahmVaiP. iv. 6.183.

अदित्यन्त (adity-anta) *adj.* ending with the Aditi-square अदित्यन्ता द्विपदिकास्ते शेषं प्राक् प्रसाधितम् SamarāSū. 11.20; ईशादयस्त्वदित्यन्ता बाह्या नवपदाः सुराः SamarāSū. 12.12.

अदित्यपत्य (adity-apatya) *n.* offspring of Aditi इति प्रोक्तानि क्रमशोऽदित्यपत्यानि S'ivaP. v. 32.9 (442B.9)

अदित्यर्भक (adity-arbhaka) *m.* son of Aditi (a god), NāmMā. 56.

अदित्यवर्धन (aditya-vardhana) *m.* name of a king °महाराजश्रीमददित्यवर्धनस्तस्य पुत्रः EI. i. 72.2.

अदित्याख्यमृत्यु (adityākhya-mṛtyu) *m.* death (i. e. destroyer) called Aditi अदित्याख्यमृत्योरेव प्रथमया प्रकृतत्वात् TattvPrakā. 32A.4 (on i. 2.9)

अदित्याद्या (adity-ādyā) *adj.* (*f.*) beginning with Aditi (Aditi and others) अदित्याद्यास्तथा सर्वा दक्षकन्याः समागताः PadmP. v. 17.117; अदित्याद्यासु देवीषु संभूते कश्यपान्मुनेः RāmāMañ. 118.14.

अदित्युत्तानशय (adity-uttānaśaya) *m.* god (child of Aditi), comm. on NāmMā. 56.

अदित्युत्सङ्ग (adity-utsaṅga) *m.* lap of Aditi तत् (अण्डम्) समुचम्य चोत्थायादित्युत्सङ्गे निवेद्य च BrahmāṇḍP. ii. 7.287.

अदित्युदितिक्रम (adityuditi-krama) *m.* [Inst.] in the order of Aditi, Uditi मुख्योऽथ फल्लाटनिशाकरौ च भूयोऽर्गलोऽदित्युदितिक्रमेण S'ilpaRa. i. 6.39.

अदित्सत् (á-ditsa(n)t) *adj.* A not inclined to give, unwilling to give, niggardly अदित्सन्तं चिदाघृणे पूषन्दानाय चोदय ṚV. vi. 53.3; अदित्सन्तं दापयतु प्रजानन् रयिम् TaiS. I. vii. 10.1; MaiS. i. 11.4; KāṭhS. 14.2; VājaS. 9.24; S'atBr. V. ii. 2.6; सीदद्भिः कुप्यमिच्छद्भिर्धने वा पृथिवीपतिः। वाच्यः स्यात् स्नातकैर्विप्रैरदित्संस्त्यागमर्हति ManuSm. 10.113; अदित्सन् याचितः सन् दातुं यो नेच्छति ManuBh. ii. 362.27 (on 10.113); अदित्सतोऽपि सर्वस्वं यजमानाजिघृक्षताम्। ... क्वाकिंचन्यं द्विजन्मनाम् TrisaS'aPuC. iv. 2.326; अदित्सन् सुकृतं संविभागार्हं मां न मन्यसे PrabhāC. 210.6; B not willing to repay यददीव्यन्नृणमहं बभूवादित्सन्वा सञ्जगर जनेभ्यः। अग्निर्मा तस्मादिन्द्रश्च संविदानौ प्रमुञ्चताम् TaiĀ. ii. 4.1 (205.1) (comm. अदित्सन् प्रत्यर्पयितुमनिच्(? नि)च्छन्)

अदित्सा (a-ditsā) *f.* disinclination to give [nt.]

अदित्साप्रत्याख्यान (aditsā-pratyākhyāna) *n.* renunciation without the desire to give [JainL.]

अदित्सावादिन् (aditsā-vādin) *adj.* expressing disinclination to give (alms etc.) अदित्सावादिभिस्तत्र यज्ञवाटद्विजातिभिः। अपि प्रस्थाप्यमानाभ्यां युवाभ्यां वाच्यमीदृशम् PariPar. 5.10.

अदित्सु (a-ditsu) *adj.* not willing to give; not inclined to give स्वेभ्योंऽशेभ्यस्तु कन्याभ्यः प्रदद्युर्भ्रातरः पृथक्। स्वात्स्वादंशाच्चतुर्भागं पतिताः स्युरदित्सवः ManuSm. 9.118; भिक्षामदित्सुभिर्विप्रैर्विसृष्टावथ तौ मुनी PariPar. 5.15; मह्यं मदीयान्यदसूनदित्सोर्धर्मः कराद्भ्रश्यति कीर्तिधौतः NaiṣC. 3.85; सोऽयमदित्सोर्वणिजः प्रतिदिनं पत्रलिखितश्वस्तनदिनभणनन्यायः SyādvāMañ. 16(72); तत्र विप्रैर्भैक्षमदित्सुभिः प्रतिषिद्धः TīrthaKa. 72.19.

अदिदरिद्रासु (a-didaridrāsu) *adj.* not wishing to be poor (desirous of becoming rich) तस्मात्तोऽदिदरिद्रासोर्नै दरिद्रायिकाभवत् DvyāśraKā. 9.158 (comm. अदिदरिद्रासोरीश्वरीबुभूषोः)

अदिदरिद्रिषु (a-didaridriṣu) *adj.* not wishing to be poor, wishing to get rid of poverty दिप्राग्दरिद्रासुतनुस्तपोभिर्लक्ष्मीं भजेतादिदरिद्रिषुर्ना DvyāśraKā. 10.44 (comm. दरिद्रः सन्नदरिद्री भवितुमिच्छुः)

अदिदासु (a-didāsu) *adj.* unwilling to harm क्ष्मापगारमिव गिर्यपगोरं सोऽदिदासुरपि दत्तदिदोषः। तैर्बलैरनुपदाय बबन्धे DvyāśraKā. 8.109 (comm. अदिदासुरपि क्षेतुमनिच्छन्नपि)

अदिदीक्षाण (a-didīkṣāṇa) *adj.* one who is not being initiated अपि ह्यदिदीक्षाणा एव भवन्तीति वार्थो भवति NidāSū. 95.8 (5.13); SābaBh. 642.12 (on ii. 4.25); TantrVā. 650.4 (on ii. 4.24)

अदिदृक्षु (a-didṛkṣu) *adj.* not desirous of seeing न च नर्तक्यप्यदिदृक्षोः कस्यचिदात्मानं दर्शयितुं शक्नोति NyāyMa. 285.1.

अदिदेविषु (a-didevisu) *adj.* not inclined to enjoy सोत्तैष कोपम् ... दुद्यूषुरस्मानदिदेविषुर्वा। इति ... अन्या सस्मार नाधीतमपीह गीतम् DvyāśraKā. 10.39.

अदिनिवृत्ति (adi-nivṛtti) *f.* exclusion of the root *ad-* धात्वन्तरेण सिद्धेऽदिनिवृत्त्यर्थं वचनम् CāndraVṛ. on v. 4.87.

अदिप्रभृति (adi-prabhṛti) *adj.* (roots or verbal bases) beginning with *ad-* अदिप्रभृतिभ्यः शपः P. ii. 4.72; लिह आस्वादने ... एते अदिप्रभृतयोऽनुदात्ताः DhātuPra. 2.6 (77.8)

अदिप्सत् (á-dipsat) *adj.* not intending to deceive or injure यो नो दिप्सादद्दिप्सतो दिप्सतो यश्च दिप्सति AV. iv. 36.2.

अदिव् (a-div) *adj.* other than heaven अदिव्यन्तरिक्षे च नित्यप्राप्तत्वात् GuruCandr. i. 248.16.

अदिवस (a-divasa) *m.* not the day time, night अवतीर्णश्च तस्मिन् ... दिवसमदिवसम् ... अमंस्त TilaMañ. 212.15; अदिवसे तु सम्यगवलोकनाभावादनिवार्यहिंसायतनत्वेन न युक्तः TattvPradī.(A.) 312.5 (on 3.29)

अदिवा (a-divā) *adv.* not by the day-time, in the night प्रातः प्रातरनृतं ते वदन्ति पुरोदयाज्जुह्वति येऽग्निहोत्रम्। दिवाकीर्त्यमदिवा कीर्तयन्तः सूर्यो ज्योतिर्न तदा ज्योतिरेषाम् AitBr. 25.6 (667) (comm. रात्रौ)

अदिवाशिन् (a-divāśin) *adj.* not eating by the day-time त्र्यहमनक्ताश्यदिवाशी ĀpaDS. i. (9). 27.7.

अदिवास्वापिन् (a-divāsvāpin) *adj.* not sleeping during the day-time त्र्यहव्रतं चरति। ... अदिवास्वाप्युभौ कालौ भिक्षाचर्यम् HirGS. i. 8.2 = ĀgniveGS. i. 1.4 (11.18); ĀpaDS. i(1). 2.24.

अदिव्य (a-divya) *adj.* [*f.* -ā] 1 non celestial, not divine, earthly एषा कालगतिश्चित्रा संवत्सरयुगादिषु। भावाभावौ तदात्वे च (v. l. दिव्यादिव्यः परो लाभो) अयने दक्षिणोत्तरे MahāBhā. xiii. 16.46; आनन्दं गमयन्ननेकविभवान् दिव्यानदिव्यानपि। ... अस्माकमास्तां भवान् MahāviC. App. B. 7.7 (302.19); दिव्यवृत्तान्ता नादिव्यस्य निदर्शनम् BṛKathāS'loSaṁ. 22.201; प्रतीकं द्विधा दिव्यमदिव्यं च PārāSū. 64.12; 64.14; छलयुक्त्या ... कपटम् (v. l. अदिव्यं दिव्यमपि वा कृत्वा रूपविपर्ययम्। अविद्वान् वञ्च्यते येन कपटं तदुदाहृतम्) NāṭyaS'ā. 16.30; अदिव्यस्तु तृणौषध्यो जायन्ते गिरिगह्वरे Rasā. 12.74; उद्वाहसंगीतम् ... अदिव्यमास्कन्दितदिव्यमासीत् Yādavā. 13.81; ii human, mortal व्यापारोऽयमदिव्यस्य प्रेक्षितः केन कस्यचित् BṛKathāS'loSaṁ. 3.30; प्रकृतयो दिव्या अदिव्या KāvyPra. 441.4 = SāhiDa. 423.4 = RasGaṅ. 64.16; 65.2; इतैश्च परिषस्वजे। अदिव्यैर्मेदिनी दिव्यैर्दैस्त्वप्सरसां गणः RājTa.(Ka.) 8.453; पितृन्दिव्यानदिव्यांश्च ... तर्पयेदिति दिव्या वस्वादयः। अदिव्याः स्वपित्रादयः SmṛtiCan. ii. 520.11 = CaturCin. iii(1). 936.17; (नायिकाः) अदिव्या मालत्यादयः RasMañ. 38.9; अदिव्यया चमेद्दैव गोपी समाधिभाजामभजत् समाधिम् Yādavā. 4.54; व्यक्तयो दिव्या अदिव्या दिव्यादिव्याश्च AlaṅkāS'e. 21.2 (55); *n.* absence of an ordeal,

non-employment of an ordeal स्त्र्यादिव्यतिरिक्तानामेवादिव्यं मास्तु Subodhi. 42. 1 (*on* 2. 98)

अदिव्यगन्ध (adivya-gandha) *m.* sulphur गन्धकः … पूतिगन्धोऽदिव्यगन्धः KalpaK. 196. 569.

अदिव्यता (adivya-tā) *f.* the state of being non-divine or worldly कर्मेन्द्रियाणां वचनादानविहरणोत्सर्गानन्दा यथायथं व्याप्याः ते च दिव्यादिव्यतया दश SāṁkhyaTaKau. 371. 5 (*on* 32)

अदिव्यत्व (adivya-tva) *n.* the state of being non divine or worldly, mortal अदिव्यत्वं मर्त्यैकरूपता । यथा मालतीमाधवादिः AlaṅkāS'e. 21. 2 (56)

अदिव्यधर्म (adivya-dharma) *m.* non-divine nature दिव्यधर्मादिव्यधर्मव्यत्यासेन वैपरीत्यं फलमापद्येत AṇuBh. 52. 12 (*on* i. 2. 1)

अदिव्यविषय (adivya-viṣaya) *m.* non-divine object दक्षिणादिबन्धो दिव्यादिव्यविषयभोगभाजाम् TattvVai. 27. 22 (*on* 1. 24); 19. 24 (*on* 1. 15)

अदिव्यादिजनित (adivyādi-janita) *adj.* produced by non-divine and such other (factors) दिव्यादिव्यादिजनितं पारतन्त्र्यमनेकधा UjjvaNīMa. 553. 13.

अदिव्येन्द्रिय (adivyendriya) *n.* non-divine (i. e. human) sense-organ इन्द्रियानपेक्षमिति । अदिव्येन्द्रियानपेक्षमिति NyāyPari. 75. 7.

अदिव्योत्तमप्रकृतिवत् (adivyottamaprakṛti-vat) *adv.* like an excellent human (*lit.* non-divine) character तत्र रतिहासशोकाद्भुतानि अदिव्योत्तमप्रकृतिवत् दिव्येष्वपि KāvyPra. 443. 1.

अदिश् (a-diś) (Gr.) (sense) other than direction, not denoting direction विभाषाञ्चेरदिक्स्त्रियाम् P. v. 4. 8; वाञ्चेरदिक्स्त्रियाम् JaineVyā. iv. 2. 17 (269. 15); अदिश्यञ्चो वा CāndraVyā. iv. 2. 23; *f.* [Loc.] **A i** not in the direction (of) (i. e. not within the scope of) अदिश्युपमानानाम् … लक्ष्म्या महत्त्वे स्थितम्…हर्षमद्राक्षीत् HarṣaC. 113. 7; **A ii** not in a (specific) direction (i. e. in any direction) व्रीहिक्षेत्रविचित्रिताप्यदिशि यज्ञाह्वाङ्घैरङ्किता । … भद्रा सा परिगीयते वसुमती S'ilpaRa. i. 3. 7; **B** wrong direction, not a proper direction अदिगेषा ततो राजपुरवर्त्मनि गम्यते SamarāSaṁ. 7. 269.

अदिषाख्य (adiṣākhya) *adj.* named Adiṣā विदर्भदेशे नगरमदिषाख्यं बभूव ह GaṇeP. ii. 26. 2.

अदिष्ट (a-diṣṭa) *adj.* not prescribed वर्ज्येषु यन्त्रितो दिष्टे नात्यदिष्टे जितेन्द्रियः AṣṭāHṛ. iv. 15. 120; AṣṭāSaṁ. ii. 101. 3 (4. 17)

अदिसमागम (adi-samāgama) *m.* connection or relation with (the root) *ad*- भवति वास्य नञोऽदिसमागमः SaṁkṣeS'ā. 1. 420 (i. 310. 2)

अदीक्षणीय (a-dikṣaṇīya) *adj.* unworthy of an initiation अदीक्षणीयाय गां दत्त्वा जपेत् MānS'S. 213. 19.

अदीक्षाकालीन (a-dīkṣākālīna) *adj.* not pertaining to the time of initiation निखननोच्छ्रयणयोस्तु अदीक्षाकालीनयोर्यूपस्वरूपार्थत्वाभावेऽपि BhāṭṭDī. iii. 242. 18 (*on* x. 2. 31)

अदीक्षान्वित (a-dīkṣānvita) *adj.* not initiated न ह्यदीक्षान्वितैर्भानुर्ज्ञातुं स्तोतुं च तत्त्वतः ।… शक्यते BhaviP. 112A. 8 (i. 63. 7)

अदीक्षाब्रह्मचारिन् (adikṣā-brahmacārin) *m.* studying the Jain scriptures without a formal initiation [JainL.]

अदीक्षित (á-dīkṣita) *adj.* [*f.* -ā] who has not undergone the initiatory ceremony, who is not consecrated, not initiated in the holy order अदी॑क्षित एकयाहु॒रे॑र्या॑हुः TaiS. VI. i. 2. 1; अदीक्षिता दीक्षितवाचं वदन्ति PañcBr. xvii. 1. 9; तस्माददीक्षितो दीक्षितव्रतो भवति KauṣīBr. 4. 4 (15. 23); 7. 4 (30. 3); 7. 4 (30. 4); दीक्षितस्यैव प्राचीनवंशा नादीक्षितस्य S'atBr. III. i. 1. 7; III. i. 2. 20; दीक्षिते यजमानशब्दो नादीक्षिते AitĀ. V. i. 5. 8; V. viii. 3. 1; यजमानोऽदीक्षिते (होतरि) ĀśvaS'S. I. iv. 8. 19; I. v. 6. 19; I. vi. 13. 12; S'āṅkhāS'S. iii. 11. 14 = ĀpaS'S. xxiii. 14. 2; ix. 22. 1; xvi. 20. 7; ĀpaS'S. x. 17. 10; xi. 21. 2; xvi. 13. 5; xxi. 1. 4; MānS'S. 61. 2; 71. 3; 106. 6; 164. 9; आवसथोन्मर्दनालङ्करणदन्तप्रक्षालनान्यधर्योरदीक्षितस्य KātyS'S. viii. 9. 28; x. 1. 26; xi. 1. 18; वसतीवरीषु परिह्रियमाणासु दक्षिणोत्क्रम्य तिष्ठेददीक्षितश्चेदा तासां परिहरणात् LāṭyāS'S. v. 10. 3; मन्त्रसंतर्पणं द्विज । वाच्यं नादीक्षितानां च JayāS. 15. 262 = PāraS. 7. 253; 16. 316; दीक्षिष्यमाणस्य अदीक्षितस्य सा (इष्टिः) भवति S'ābaBh. 1330. 6 (*on* v. 3. 30); रविलुप्तकैरदीक्षिता बलिभिस्तद्व्रतभक्तयो नराः Bṛhajjā. 15. 2 = JātaPā. 15. 42; LaJāta. x. 5. 4; PāraS. 18. 120; 26. 49; एकत्वे तु … अदीक्षितानां दर्शनं न स्यात् TantrVā. 640. 14 (*on* ii. 4. 8); 954. 1 (*on* iii. 4. 13); VṛHārīSm. 11. 239; यद्यप्यदीक्षिता नारी दूरतः परिवर्जयेत् KālīViT. 10. 19; अदीक्षिताश्चेत्तास्तत्र ततो मायां निवेदयेत् KulaCūT. 3. 34; KulārT. 7. 38; 8. 8; 8. 110; 14. 96; ParaS. 3. 39; 29. 73; PāraS. 13. 1; 91. 1; अपिशब्दाज्ज्येष्ठस्यादीक्षितस्यापि नामग्रहणनिषेधोऽनुमीयते ManuBh. i. 141. 6 (*on* 2. 128); i. 163. 28 (*on* 2. 169); LakṣmīT. 40. 96; अदीक्षितो भवेत्पूतो मद्भक्तस्पर्शदर्शनात् BrahmVaiP. ii. 6. 100; ii. 30. 147; ii. 38. 45; ii. 64. 46; iv. 59. 148; iv. 78. 46; iv. 85. 121; iv. 85. 174; SkandP. v(1). 6. 8; VāmaP. 47. 133; VarāP. 39. 75; S'āstrDī. 778. 13 (*on* x. 8. 7); BrahmP. 28. 34; 41. 64; BhaviP. 377B. 31 (ii(2). 18(?17). 15); DevīBhāP. ix. 34. 30; शङ्करदीक्षितो यस्तु शक्तिदीक्षां प्रवर्तयेत् BṛDharmaP. i. 36. 147; SaurP. 52. 30; 65. 3; ĪśānS'iPa. ii. 2. 12 (5); ii. 11. 17; ii. 18. 123; ii. 2. 2; ii. 20. 33 (6); ii. 63. 76; न जातु वन्द्यते प्राप्तकैवल्योऽपि ह्यदीक्षितः TriṣaS'aPuC. i. 6. 744; Saṅkar KāBh 69. 21 (*on* ii. 1. 53); MahNirvāT. 6. 20; TantrSā.(K.) 5. 21; 5. 25; VīraBhā. 3. 13; PūrvottaVāNaMā. 324. 16; S'ivārkaMaDī. iii. 329. 23 (*on* ii. 3. 26); अदीक्षितस्यैवाग्निहोत्रादौ अधिकारः BhāṭṭDī. ii. 298. 21 (*on* vi. 5. 2); MayūMāli. 778. 40 (*on* x. 8. 7); NityoNi. 59. 28.

अदीक्षितक्षत्रिय (adikṣita-kṣatriya) *m.* uninitiated Kṣatriya (member of the warrior class) अदीक्षितक्षत्रियवधः (उपपातकम्) VīraMi. 930. 19 (*on* 3. 236)

अदीक्षितजन (adīkṣita-jana) *m.* uninitiated person अदीक्षितजनास्पृष्टे (स्थाने) … आचार्यः कारयेद्दीक्षां वैष्णवस्य मनस्विनः ParaS. 7. 20.

अदीक्षितदर्शन (adīkṣita-darśana) *n.* sight of an uninitiated person अदीक्षितदर्शनं द्वादशाहे तवाप्यनुपपन्नम् TantrVā. 649. 17 (*on* ii. 4. 2); द्वादशाहस्य ज्योतिष्टोमपश्चाद्भावनियमात् तत्रादीक्षितदर्शनानुपपत्तेः MīmāKau. ii. 116. 13 (*on* ii. 4. 8)

अदीक्षितद्विज (adīkṣita-dvija) *m.* uninitiated member of the higher (*lit.* twice-born) caste अदीक्षितद्विजानां च यदन्नं शवदाहिनाम् … एते सर्वे विष्णुध्नन्ति विष्णोर्नैवेद्यभक्षणात् DevīBhāP. ix. 40. 35; BrahmVaiP. ii. 36. 36.

अदीक्षितपूर्व (a-dīkṣitapūrva) *adj.* not initiated before अयं दक्षवामयोरदीक्षितपूर्वोऽपि तयोरधिकृतो भवति PārāSū. 20. 15.

अदीक्षितवाच् (a-dīkṣitavāc) *f.* speech not fit to be uttered by the initiated त्वमग्ने व्रतपा असि इति ब्रूयात् स्वप्स्यन् सुप्त्वा वा प्रतिबुध्य यदि वा दीक्षितवाचोऽवावदेत् BhārS'S. x. 11. 12.

अदीक्षितवाद (a-dīkṣitavāda) *m.* speech forbidden to an initiated person मुष्टी वाचं वा विसृज्य अदीक्षितवादं वोदित्वा ĀpaS'S. x. 18. 2 (comm. म्लेच्छाभिभाषणं चनसितादिवर्जनं चादीक्षितवादः); अदीक्षितवादं चेद् ब्रूयात् MānS'S. 60. 19.

अदीक्षितविश् (adīkṣita-viś) *m.* uninitiated Vaiśya अदीक्षितविट्क्षत्रियवधः (उपपातकम्) Mitā. 415. 14 (*on* 3. 236)

अदीक्षितवैश्य (adīkṣita-vaiśya) *m.* uninitiated Vaiśya अदीक्षितवैश्यवधः (उपपातकम्) VīraMi. 930. 19 (*on* 3. 236)

अदीक्षितव्यपदेश (adīkṣita-vyapadeśa) *m.* designation as uninitiated दीक्षितादीक्षितव्यपदेशश्च नोपपद्यतेऽर्थयोर्नित्यभावित्वात् MīmāSū. x. 6. 58; इतश्च स्वयंकर्तृकाणि सूत्राणीत्यवगम्यते । कुतः । दीक्षितादीक्षितव्यपदेशात् S'ābaBh. 2012. 89 (*on* x. 6. 58)

अदीक्षितव्रत (a-dīkṣitavrata) *n.* other than the observances of an initiated person स यद्वादीक्षितव्रतं चरेत् … एतमेवादित्यम् … जपैरुपतिष्ठते JaimiBr. 2. 66.

अदीक्षिताधिकारकत्व (adīkṣitādhikāraka-tva) *n.* eligibility of an uninitiated person अग्निहोत्राद्यनुवादेनादीक्षिताधिकारकत्वस्यैव विधानरूपः पर्युदासः BhāṭṭDī. iv. 11. 1 (*on* x. 8. 7)

अदीक्षितायन (adīkṣitāyana) *n.* name of a group of sacrifices (*yāgas*) based on the Darśapūrṇamāsa (so called because they are performed by those who are not initiated) तस्मात् तस्यादीक्षितायनानि प्रयुञ्जते KauṣīBr. 4. 4 (15. 11) (comm. दर्शपूर्णमासयोरेव गुणविकृतिभूतानि अदीक्षितायनानि विधित्स्यन्ते । तत्र प्रथमं दाक्षायणयज्ञसंज्ञं अदीक्षितायनं विधित्सुः); फाल्गुन्यां पौर्णमास्यां प्रयोगोऽदीक्षितायनानाम् S'āṅkhāS'S. iii. 8. 1.

अदीक्षितोच्छिष्ट (adīkṣitocchiṣṭa) *adj.* left-overs of the uninitiated अदीक्षितोच्छिष्टस्पर्शे द्विशतं जपेत् ĪśānS'iPa. ii. 20. 33.

अदीधु (a-dīdhu) (Gr.) (words) which are not दी (*f.* nouns ending in ई and ऊ (except स्त्री)) and धु (स्त्री and भ्रू) यूतोऽमृशसोर्म्नावु अदीधोः MugdhaBo. 3. 57 (17. 24)

अदीन (á-dīna) *adj.* [*f.* -ā] **A** not depressed, not miserable, not mean, (spirited, noble, virtuous) अदी॑नाः स्याम श॒रदः॑ श॒तम् VājaS. 36. 24; अदितिरदीना देवमाता Nir. 4. 22 (86. 1); (इन्द्रः) सत्यवादी ह्यदीनश्च धर्मवित्सुविनिश्चितः MahāBhā. v. 10. 25; viii. 46. 10; अदीनोऽक्रोधनोऽलुब्धस्तु सात्सर्वत्र पूजितः MahāBhā. xii. 223. 13; (रामः) अदीनः सत्यवागृजुः Rāmā. ii. 1. 18; अदीनो रोषणश्चण्डः संग्राममभिकाङ्क्षति Rāmā. vi. 17. 24; अदीनेषु दीन-

सत्त्वा शीलभेदादिव नावलम्बते मैत्रीकम् AvantiKa. 46. 10; (सः) महानदीनः समुद्रः VāsaDa. 25. 1; यद्वासुदेवेनादीनमनादीनवमीरितम् S'isuVa. 2. 22; द्विजाग्र्यम् … अदीनम् … गुरुर्गुरुपदं नयेत् MrgendraT. ii. 8. 184; (शरदत्ययः) रभसयन्दयिताङ्कधृतं वधूजनमदीनमदीर्घयत क्षपाः Kapphiṇā. 8. 50; RugVi. 12. 14; स्तोकादपि प्रदातव्यमदीनेनान्तरात्मना BhaviP. 10A. 9 (i. 2. 163); 60B. 11 (i. 27. 22); नागाः … अदीनाश्च … नृपतेर्विजयावहाः SamarāSū. 17. 194; देवदत्तश्श्यामो युवा लोहिताक्षोऽदीनोऽकृपणोऽनवद्यः BrahmSūBh.(Rā.) 192. 2 (*on* i. 1. 13); रन्त्वा दिनं सह तया प्रियया ह्यदीनः RākṣaKā. 20; सोऽदीनोऽविह्वलो विद्वान् … अचरत् TriṣaS'aPuC. ii. 1. 276; सखीमिव प्रेक्ष्य पुरः सदूर्मिकां नदीमदीनोऽजनि भामिनीजनः VasaViKā. 7. 49; अदीनः सुरभिस्त्यागी (स तु वैशिकः) RasāSu. 19. 16 (1. 86); इति ब्रुवाणा आसीनाः … अदीनाः कालमकार्षुः PrabaK. 45. 2; स्थिरारम्भमदीनं च नरं श्रीरुपतिष्ठते S'ārṅgaPa. 1430; Subhāṣi. 2650 (उपतिष्ठति); **B** not little, not poor (abundant) इयं वै क्षेत्रं पृथिवी । अस्यामदीनायामन्ततः प्रतिष्ठास्याम इति KauṣiBr. 30. 11 (147. 1); अनुपहतमदीनं कामकारेण दैवं नयति पुरुषकारः संचितस्तत्र तत्र MahāBhā. xiii. 6. 47; दाक्षिण्ययुक्तमशठं परपुष्टहंसवल्गु प्रभाषितमदीनमनल्पसौख्यम् BrSaṁ. 70. 7; तत्सौन्दर्यं साधुगुणाविष्टमदीनं तृप्यन्त्युच्चैर्येन न चक्षूंषि जनानाम् Kapphiṇā. 7. 37; 1. 17; तमस्यदीने पृतनारजोपमे S'rīKaC. 21. 7; पिङ्गलकः … अदीनमभीतम् … राजत्वमनुभवन्नास्ते Tantrākhyā. 4. 15; Pañcā. 4. 28; वाजीतात्रादीना सेवा Yādavā. 6. 105 (comm. अत्र पर्वते वाजीता वाजवद्भिरिता … अदीना उदारा सेवा); अदीनं चेष्टितं च NāṭaLaRaK. 1411; **C** not feeble or weak, loud, strong (sound) वाक्संपत्तौ श्लोकः । अदीना मधुरा सूक्ता प्रतीता विषदा तथा MaYānaSū. 78. 19 (12. 7); श्रुतिमधुसुभगैरदीनहृद्यैः …। मधुरिपुवनिताजनः समाजे ध्वनिभिरमाद्यत दिव्यदुन्दुभीनाम् Yādavā. 24. 44; हेषितं मधुरं चैव तुरङ्गस्य प्रशस्यते। अविच्छिन्नमदीनं च AśvaVai. 3. 125; *m.* **i** one of the names of S'iva महातपा घोरतपा अदीनो दीनसाधकः (इति भक्त्या स्तुतो मया) MahāBhā. xiii. 17. 38; S'ivaP. iv. 35. 30 (391B. 5); **ii** name of a prince (son of Sahadeva) हर्यधनसुतस्सहदेवस्तस्माददीनस्तस्य जयत्सेनः ViṣṇuP. iv. 9. 27; VāyuP. ii. 31. 10; **iii** name of a Yavana king तत्र … अदीनो नाम यवनराजो बभूव PuruṣPa. 13. 24.

अदीनकविता (adīna-kavitā) *f.* rich or noble poetry अदीनकवितापीननवीनघननीरदैः । पद्यवेण्यां … तरङ्गोऽभूद् द्वितीयकः PadyaVe. 173; 459; 593.

अदीनकुसुम (adīna-kusuma) *m.* name of a Bodhisattva [DBHS]

अदीनग (adīna-ga) *adj.* not becoming depressed, cheerful, joyful तथेति ते प्रतिश्रुत्य सर्वे चक्रुरदीनगाः HariVaṁ. 15843 (Calcutta Ed.); शेषाश्च शेषै राजेन्द्र चक्रुर्युद्धमदीनगाः HariVaṁ. 12916 (Calcutta Ed.)

अदीनगति (adīna-gati) *adj.* having an unimpeded motion किमद्य शब्दो विरतः सदादीनगतिः पुरा Rāmā. ii. 1662*(10)

अदीनगामिन् (adīna-gāmin) *m.* name of a former Buddha [DBHS]

अदीनचेतन (adīna-cetana) *adj.* having an undepressed or joyful mind निशम्य … तथाकरोद्वाक्यमदीनचेतनः MahāBhā. xii. 138. 70.

अदीनचेतस् (adīna-cetas) *adj.* possessing an undepressed or joyful mind अथासुरा गिरिभिरदीनचेतसः … सुरगणमर्दयंस्तदा MahāBhā. i. 17. 24; पौराः प्रदक्षिणं चक्रुरदीनसत्त्वाः (v. l. अदीनचेतसम्) MahāBhā. iii. 24. 5; सोऽप्यग्रहीत्सर्वमदीनचेताः DevīBhāP. iii. 22. 10.

अदीनचेष्ट (adīna-ceṣṭa) *adj.* of noble acts दैवसंपन्नमदीनचेष्टम् … प्रणेमुः EI. viii. 33. 13.

अदीनतमा (adīna-tamā) *adj.* (*f.*) (super.) not low at all, loudest सा यादीनतमा संपूर्णा संसृष्टा संयता वाक् सा पुत्र्यपशव्या SaṁhiUBr. 1. 14 (comm. अतिशयितस्वरा … उच्चैस्तरामुच्चार्यमाणा)

अदीनता (adīna-tā) *f.* **i** nobility अलोभित्वम् … अदीनता । इत्यादिसत्प्रवृत्तिश्च कर्तव्या क्षेत्रवासिना SkandP. iv. 96. 79; **ii** independence दोषदृष्टिर्जिहासा च पुनर्भोगेष्वदीनता । असाधारणहेत्वाद्या वैराग्यस्य त्रयोऽप्यमी (हेतुस्वरूपकार्याणि) PañcDa. 6. 278.

अदीनत्व (adīna-tva) *n.* **A** freedom from depression (जायते) अरोगित्वमदीनत्वं योगिनस्तत्त्वदर्शिनः S'ivaS. 3. 52; (दधीचः) तपसाराध्य शंकरम् । … अदीनत्वं च लब्धवान् LiṅgaP. i. 35. 27; दधीच उवाच … महादेव मह्यं देहि वरत्रयम् । वज्रास्थित्वादवध्यत्वं अदीनत्वं हि सर्वतः S'ivaP. ii(2). 38. 43 (117A. 10); अक्षीणत्वमदीनत्वम् JīvanVi. 29. 9; **B** noble-mindedness नित्याविद्यासु भक्तानां लक्षणं शृणु सुन्दरि । – अकार्पण्यमदीनत्वं परचिन्तानिरुद्यमः TantrRā. 30. 84.

अदीनदर्शन (adīna-darśana) *adj.* looking undepressed, of cheerful appearance ते … निवासमाजग्मुरदीनदर्शनाः Rāmā. ii. 49. 15.

अदीनधी (adīna-dhī) *adj.* noble-minded विमुश्चानुग्रहं तत्र कौमारकमदीनधीः । पुरस्तादसृजद्देवः सनन्दं सनकं तथा LiṅgaP. i. 38. 11; अथ भद्रेश्वरः सूरिः … अम्बिकादेवीमाह्वानयददीनधीः KumāPraPra. 39. 13 = KumāDeC. 1. 25.

अदीनध्वनत् (adīna-dhvanat) *adj.* sounding aloud अदीनध्वनद्घोरगम्भीरकण्ठीरवत्रस्तसत्किन्नरीरागभागे । त्रुटत्तानसंस्थानमानस्य पूर्त्यै क्षमाः कीचकाश्चर्झरीका अपीह Manmatho. 2. 5 (428. 11)

अदीननिर्वहणीय (adīna-nirvahaṇīya) *adj.* to be accomplished by a strong person वयम् … अदीननिर्वहणीयमर्थमभ्युपेत्य … अप्रकटप्रवेशमार्गमभ्युपगताः स्मः AvantiKa. 116. 11.

अदीननोद (adīna-noda) *adj.* dwelling among the brave अनङ्गकेतुना … अदीननोदेन … नादि नादौ न नुनुदे HarVi. 43. 266 (comm. नोदः निवसनम्)

अदीनप्रकृति (adīna-prakṛti) *f.* **1** of a noble or cheerful nature महानगरमिवादीनप्रकृतिशोभितम् … भैरवाचार्यं ददर्श HarṣaC. 157. 3; **2** undepressed subjects, HarṣaC. 157. 3.

अदीनम् (adīnam) *adv.* cheerfully धन्यकः…युक्तो मे दण्ड इत्यदीनमधिकृतमभिजगाद DaśKuC. 109. 15.

अदीनमनस् (adīna-manas) *adj.* undepressed in mind, cheerful तं तथादीनमनसं राजानं हर्षसंप्लुतम् । उवाच वचनं धीमान्देवराजः पुरंदरः MahāBhā. iii. 162. 11; आयुर्वृद्धिमवाप्नुयात् । नृणां समाभे(भ)वर्णानां अदीनमनसां तथा BhelaS. 25. 16 (1. 14); इतस्तपः सुतादीनामदीनमनसामपि । भाव्यर्थपिशुनैराशु दुर्निमित्तैर्विजृम्भितम् PāṇḍaC. 8. 410; भिक्षामलभमानोऽपि स्वाम्यदीनमनाः सदा TriṣaS'aPuC. i. 3. 10.

अदीनमानस (adīna-mānasa) *adj.* undepressed or cheerful at heart अथासुराः … अदीनचेतसो (v. l. अदीनमानसाः) मुहुर्मुहुः सुरगणमर्दयंस्तदा MahāBhā. i. 17. 24; एकलव्यस्तु … तथैवादीनमानसः … तं प्रादाद्द्रोणायाङ्गुष्ठमात्मनः MahāBhā. i. 123. 37; इमां ज्वरोत्पत्तिमदीनमानसः पठेत् सदा यः …। विमुक्तरोगः स … लभेत कामान् VāyuP. i. 30. 303 = BrahmP. 40. 120; अदीनमानसः साधुर्वध्यतेऽसौ हहा मया SamarāSaṁ. 4. 138.

अदीनयोधिन् (adīnayodh-in) *adj.* fierce fighter युधिष्ठिरानीकमदीनयोधी द्रोणोऽभ्ययात्कार्मुकबाणपाणिः MahāBhā. vii. 7. 24.

अदीनराज (adīna-rāja) *m.* name of a king अदीनराजः … शरासारैः प्रलयघनवर्षं दर्शयामास PuruṣPa. 15. 3; अदीनराजस्त्वामादिशति PuruṣPa. 15. 10.

अदीनलीला (adīna-līlā) *f.* cheerful sport अदीनलीलाहसितेक्षणोल्लसद्भ्रूभङ्गसंसूचितभूर्यनुग्रहम् । ईक्षेत … ईश्वरम् BhāgP. ii. 2. 12.

अदीनवचन (adīna-vacana) *adj.* speaking cheerfully (राजा) मेधावी मतिमानदीनवचनः … स धाम लक्ष्म्याः YogVā. 2. 10.

अदीनवत् (adīna-va(n)t) *adj.* having no dejection, spirited युक्तं चतुर्भिरनडुद्भिरदीनवद्भिरारुह्य यानम् RākṣaKā. 20 (comm. उन्नतैरित्यर्थः)

अदीनवदन (adīna-vadana) *adj.* having a cheerful face अदीनवदनाः शूराः शत्रुभिः परिवेष्टिताः। आहवेषु विपन्ना ये तेषां मार्गो दिवाकरः PadmP. i. 31. 44.

अदीनवाक्य (adīna-vākya) *adj.* of cheerful speech अदीनवाक्यः स्मितवान् … वैशिकः (नायकः) NāṭyaS'ā. 23. 6; BhāvPra.(S'ā.) 106. 7 (5)

अदीनवादिता (adīnavādi-tā) *f.* the nature of talking cheerfully और्जस्वला मनोवृत्तिः सदैवादीनवादिता (सुरुचिगुणाः) SkandP. iv. 19. 40.

अदीनवादिन् (adīnavād-in) *adj.* talking cheerfully अदीनवादिनः कपेर्निशम्याप्रतिमोऽप्रियं वचः। दशाननः … समादिशत्तस्य वधम् Rāmā. v. 49. 36.

अदीनविक्रम (adīna-vikrama) *adj.* endowed with no mean valour अथाब्रवीद्राघवम् … वालिरदीनविक्रमः Rāmā. iv. 167*(4)

अदीनवृत्ति (adīna-vṛtti) *adj.* not depressed in spirit, high-spirited [APTE]

अदीनशत्रु (adīna-śatru) *m.* name of a king अदीनशत्रुर्नाम्ना कुरुदेशनाथः हस्तिनापुरवास्तव्यः SthānṬ. 401A. 7; अदीनशत्रुभूपालस्त्वत्कन्यां हन्त याचते MalliC. 5. 167; 5. 111; 5. 100.

अदीनसत्त्व (adīna-sattva) *adj.* having a spirited nature, noble-minded, of great valour उवाच राजानमदीनसत्त्वं स्वमेव कार्यं नृपतेश्च यत्तत् MahāBhā. i. 3. 184; सः …। अन्यांश्च वृष्णीनुपगम्य पूजां चक्रे यथाधर्ममदीनसत्त्वः MahāBhā. iii. 118. 20; पौराः … प्रदक्षिणं चक्रुरदीनसत्त्वाः MahāBhā. iii. 24. 5; iii. 103. 7; iii. 198. 75; vi. 20. 11; तम् …। नाशक्नुवन्वारयितुम् … अदीनसत्त्वम् MahāBhā. vii. 94. 5; viii. 47. 1; xi. 21. 12; कृष्णः … आजगाम । पारिक्षितं द्रष्टुमदीनसत्त्वम् HariVaṁ. 115. 7; सहायसामर्थ्यमदीनसत्त्व स्वकर्महेतुं च कुरुष्व हेतुम् Rāmā. iv. 29. 17; तमाह सौमित्रिरदीनसत्त्वः Rāmā. vi. 47. 89; दुःखान्वितानाम् … आश्वासनं कुर्युरदीनसत्त्वाः ViṣṇuSm. 19. 24; प्रेक्षस्व पश्चात्तव मृत्युकल्पं

श्रीदेवसेनाख्यमदीनसत्त्वम् VarāṅgaC. 18. 36; 29. 39; ते ब्राह्मणाः प्रोचुरदीनसत्त्वाः VarāP. 7. 14; गन्धर्वमुख्यास्तु …। तदागमाय … मन्त्रं तदा चक्रुरदीनसत्त्वाः ViṣṇuDhaP. i. 134. 18; ii. 3. 8; कुरुष्व चेत्याहुरदीनसत्त्वं दधीचिमित्युत्तरमग्निकल्पम् BrahmP. 110. 46; संपूजयित्वा…शम्भुमदीनसत्त्वः। असिं स लेभे BrahmP. 143. 15; 175. 51; PadmP. v. 19. 176; (दानवाः) बभाषिरे दैत्यपतिम् … राजानमदीनसत्त्वाः S'ivaP. ii(5). 44. 62 (273B. 1); ii(3). 12. 14 (135B. 8); GaṇeP. i. 88. 7; आमन्त्र्य राजानमदीनसत्त्वो विद्याधरेन्द्रो दिवमुत्पपात BṛKathāMañ. 5. 263; तमर्चयामासुरदीनसत्त्वाः Yādavā. 7. 5; 22. 81.

अदीनसेन (adīna-sena) *adj.* possessed of a strong army अहीनधामानमदीनसेनं सहाबदीनं समरे निहत्य (श्रीविश्वलः अमूमुचत्…विभुत्वम्) HammīMaKā. 2. 37.

अदीनसैन्य (adīna-sainya) *adj.* having an undepressed army अर्धावशिष्टसुभटे अदीनसैन्ये दुर्गे ग्रहीतुमशक्ये च अदीनराजः परावृत्य निजनगरगमनाकाङ्क्षी बभूव PuruṣPa. 15. 19.

अदीनाकृपणाकार (adīnākṛpaṇākāra) *adj.* neither pitiable nor mean in demeanour अदीनाकृपणाकारौ रूपवन्तौ मनस्विनौ। दम्पती…। आहूय…प्रार्थयेत् LakṣmīT. 42. 30.

अदीनात्मन् (adīnātman) *adj.* possessing a noble mind, spirited तद्वै ज्योतींषि सर्वाणि प्राप्य भासन्ति नोऽपि च। स्वयं विभुरदीनात्मा तत्र ह्यभिविराजते MahāBhā. iii. 160. 20; ततो रामः प्रादुरासीत्…धनुष्पाणिरदीनात्मा खड्गं बिभ्रत्परश्वधी MahāBhā. v. 176. 17; दुर्योधनो दृष्ट्वा भीमसेनं तथागतम्। प्रत्युद्ययावदीनात्मा MahāBhā. ix 56. 1; माधवः…अभ्यगच्छददीनात्मा धृतराष्ट्रनिवेशनम् MahāBhā. ix. 62. 34; (द्रौणिः) स तद्दिव्यमदीनात्मा परमास्त्रमचिन्तयत् MahāBhā. x. 13. 17; कल्याणाभिजनः साधुरदीनः सत्यवागृजुः (v. l. अदीनात्मा महामतिः) Rāmā. ii. 1. 18; बालेव रमते सीता बालचन्द्रनिभानना। रामा रामे ह्यदीनात्मा Rāmā. ii. 54. 10; अङ्गदोऽयमदीनात्मा यौवराज्यस्य भाजनम् Rāmā. iv. 510*(2); i. 1. 14; ततो मुनिरदीनात्मा ध्यानभङ्गप्रधर्षितः।… चुक्षुभे कपिलः BrahmāṇḍP. ii. 53. 25; ततः परशुरामोऽभून्महाबलपराक्रमः। परं ज्योतिरदीनात्मा विष्णुः NaraP. 46. 37; BrahmP. 175. 56; तैस्तैः कामैरदीनात्मा यथोचितमपूजयत् BhāgP. x. 5. 16; KūrmaP. 165. 10 (1. 5); तस्य चक्रं च यद्रौद्रम् … व्यष्टम्भयददीनात्मा करस्थं न चचाल सः LiṅgaP. i. 100. 30; काले हितमिताहारविहारी विघसाशनः। अदीनात्मा नरः S'ukraNī. 3. 111.

अदीनाभिहासिन् (adīnābhihāsin) *adj.* laughing in a dignified manner अदीनाभिहास्यजिह्मभ्रुकुटीक्षणः … इत्यात्मसम्पत् ArthS'ā. ii. 226. 3 (6. 1)

अदीनार्हा (a-dīnārhā) *adj.* (*f.*) not in need of pity तामदीनामदीनार्हां सुभद्रां प्रीतिवर्धिनीम्। साक्षाच्छ्रियममन्यन्त पार्थाः कृष्णसहोदराम् MahāBhā. i. App. 116 (25)

अदीनोत्प्लवन (adīnotplavana) *n.* no mean (i. e. great) leap गच्छन्नदीनोत्प्लवनप्रगल्भः। प्राप्योपकण्ठं परमण्डलस्य ददर्श संस्थानविशेषशोभाम् Rāgh-Pāṇ.(Ka.) 6. 7 (comm. अदीनं प्रशस्तं समर्थं यदुत्प्लवनं गमनम्)

अदीप (a-dīpa) *adj.* without a lamp (एकोद्दिष्टम्) अदीपम् GautPiMe. ii. 6. 4; सूतिकागृहे। अदीपशस्त्रमुषले…। अनुप्रविश्य सा जातमपहृत्यात्मसम्भवम्। … बालं तत्रैवोत्सृजते MārkP. 51. 105; व्योमाङ्गणमनर्कं च नक्तेऽदीपं यथा गृहम् SkandP. iv. 28. 91; आश्चर्यमेतदजनिष्ट समस्तजन्तोस्तन्मन्दिरं वितिमिरं यदभूददीपम् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 2. 82.

अदीपहार्य (a-dīpahārya) *adj.* not to be removed by a lamp अथ तम् … खड्गम्।…महसां प्रसरैरदीपहार्यं किमपि ध्वान्तमिव प्रकाशयन्तम्।… अमंस्त धूमदण्डम् MadhuVi. 8. 19.

अदीपालोक (a-dīpāloka) *adj.* devoid of the light of a lamp अहो विद्याविहीनोऽयं निर्धनः शोच्यतां गतः। दीपपात्रमिवादीपालोकं दग्धदशाश्रयात् BṛKathāMañ. 7. 317.

अदीपित (a-dīpita) *adj.* unilluminated ज्योतिः सदाभ्यन्तरमाप्तपादैरदीपितं नार्थगतं व्यनक्ति KundaMā. 5. 8; अदीपितं वैद्युतजातवेदसा सिताम्बुदच्छेदतिरोहितातपम्।… शिवं नभोवर्त्म Kirātā. 4. 29.

अदीपितकन्दरा (adīpita-kandarā) *adj.* (*f.*) which has not illuminated the caves भवति दीप्तिरदीपितकन्दरा तिमिरसंवलितेव विवस्वतः Kirātā. 5. 48 (comm. अदीपितकन्दरा अप्रकाशितगह्वरा)

अदीप्त (a-dīpta) *adj.* **i** not flaming up, not ablaze अदीप्तेऽग्नौ हुतो होमो हुता भक्तिः समायिका PadmP. i. 29. 29; CāṇaSāSaṁ. 1. 97; **ii** not angry अदीप्तो यदि वासि त्वं दीप्तभामण्डलः कथम् TriṣaS'aPuC. iii. 7. 75.

अदीप्तदिगुद्भव (adīptadig-udbhava) *adj.* issued from the quarter that is not ablaze वृष्टिकरम् …। यदि च वीरणगुल्मनिभैर्घनैर्दिवसभर्तुरदीप्तदिगुद्भवैः (आवरणम्) BṛSaṁ. 30. 24.

अदीप्तनलम् (adīpta-nalam) *adv.* **i** where Nala (a chief of monkeys) was without brilliance अदीप्तनलमस्फुरत्कुमुदमस्तनीलोत्पलम् … समभवत्तदा वाहिनी RāmāCam. 6. 65; **ii** where the Nala-grass is not seen, RāmāCam. 6. 65.

अदीप्ति (a-dīpti) *f.* absence of light अपां गुणोऽत्र स्नेहः स्याच्छायादीप्तिरिहेष्यते। तमो ध्वान्तमिति ज्ञेयमतमोऽक्षरमुच्यते BṛĀraUBhVā. iii. 8. 95.

अदीप्तित्व (adīpti-tva) *n.* lack of lustre गिरिकाचमदीप्तित्वात्स्फटिकं वर्णोज्ज्वलत्वेन YuktiKa. 122. 22.

अदीप्तिमत् (a-dīptima(n)t) *adj.* devoid of lustre अपसव्ये जितो युद्धे पिहितोऽणुरदीप्तिमान् SūrySi. 7. 20; इत्युक्त्वा स्वयमादाय विच्छायं मौक्तिकं सति। हरिद्रायाः समायोगे मुक्ताफलमदीप्तिमत् PadmP. iv. 110. 261.

अदीयमान (a-dīyamāna) *adj.* [*f.* –ā] **i** not being offered or given नियतो य आहुतिभागस्तस्मिन्नदीयमानेऽनुध्यायिनीवचनं भवति S'ābaBh. 629. 3 (*on* ii. 4. 4); कथं प्रतिश्रुत्यादीयमाने धर्मो न नश्यतीति नैषा शङ्का कर्तव्या ManuBh. ii. 173. 1 (*on* 8. 214); भूयोऽपि याचितोऽनेन तापसोऽमुं नरेशिना। करिणादीयमानेन तपस्वी निहतो रुषा BṛKathāK. 102. *5. 8; TilaMañ. 180. 17; यस्य यत् नियमेन देयं तस्मिन्नदीयमाने तस्यानुध्यानं भवति MīmāKau. ii. 109. 21 (*on* ii. 4. 5); **ii** not being given (in marriage) अदीयमाना भर्तारमधिगच्छेद्यदि स्वयम्। नैनः किंचिदवाप्नोति न च यं साधिगच्छति ManuSm. 9. 91; **iii** not being repaid शान्तलाभे धनेऽदीयमाने आलस्यादिसंभावना साक्षिणश्चादीर्घे गच्छति काले विस्मरेयुः ManuBh. ii. 147. 7 (*on* 8. 154); अदीयमानपण्यस्य यावती वृद्धिः … तत्सहितं पण्यं दाप्य इति SmṛtiCan. iv. 510. 15; स्वयमृणादि दत्तमृणिनादीयमानं राज्ञे निवेदयेत तदा ManvaVi. 898. 5 (*on* 8. 43); 974. 24 (*on* 8. 158); ManvaMu. 379. 19 (*on* 9. 90); अधमर्णैर्जैह्म्याददीयमानमृणं साधयते राज्ञे साधितादर्थाद्विंशत्यंशो धनिकेन दीयते DaṇḍaVi. 110. 19.

अदीर्घ (á-dīrgha) *adj.* [*f.* –ā] **i** not long (space) एतद्वै तदक्षरं गार्गि ब्राह्मणा अभिवदन्ति … अदीर्घम् S'atBr. XIV. vi. 8. 8; प्रकाशश्चायमान्तरः … अदीर्घश्चेति प्रकाशते Bhām. 21. 1 (*on* i. 1. 1); LiṅgaP. i. 86. 57; अदीर्घस्त्रिषु … द्वात्रिंशल्लक्षणान्येवम् PārśvC. 5. 131; **ii** not lasting for a long time, of short duration कोपः स्नेहख्यापनार्थं कार्यः स चादीर्घः JayaMa. 317. 12 (*on* 6. 2); गृध्रो वृक्षमिवादीर्घं गर्धो ह्यभ्येति वृद्धकम् YogVā. i. 22. 7; सत्सेवयादीर्घया ते जाता मयि दृढा मतिः BhāgP. i. 6. 24; **iii** not long (time) सा न दीर्घेण (v. l. त्वदीर्घेण) कालेन संप्राप्ता कुरुजाङ्गलम् MahāBhā. i. 117. 8; राक्षसेन्द्रस्तु तत्रागाद्यत्र चार्जुनः। अदीर्घेणैव कालेन Rāmā. vii. 32. 23; ते त्वदीर्घेण कालेन …। ददृशुः शिखरे तस्य विषक्तामिव खे पुरीम् Rāmā. vi. 29. 13; अदीर्घं कालमापन्नः प्रश्रयं युवतेः स्मरः। प्रगल्भ्यते NāṭaLaRaK. 2443; **iv** short (vowel) अदीर्घो दीर्घतां याति, नास्ति दीर्घस्य दीर्घता PārāS'i. 34; अदीर्घं दीर्घवत् कार्यं तत्र ह्रस्वस्य कर्षणात् KauhaS'i. 20; अदीर्घं दीर्घवत्कुर्यात द्विस्वरं यत् प्रयुज्यते NāraS'i. ii. 3. 7; स्वाद्यर्थाददीर्घात् (करोतेः खमुञ् भवति) CāndraVyā. i. 3. 135; अदीर्घो दीर्घतां याति न च दीर्घस्य दीर्घता KātanVṛ. 480. 6; VarāP. 74. 4 (3); अदीर्घात् S'ākaṭāVyā. i. 1. 118; SiddhaHe. i. 3. 32; v. 4. 53; PariVṛ.(Si.) 119. 16; *m.* name of a son of Dhṛtarāṣṭra दीर्घध्वजो दीर्घभुज अदीर्घो दीर्घ एव च MahāBhā. i. 1156*.

अदीर्घक (adīrgha-ka) *adj.* not long दक्षिणं(णे) मध्यमं(मे) दीर्घं वामे दारु त्वदीर्घकम् MānaSā. 17. 18.

अदीर्घकारिता (adīrghakāri-tā) *f.* promptness (*lit.* performance without delay) तातकारितया प्रयाणकस्य भृशमदीर्घकारितया … स्वयममिलन्नमी मरुदेशनरेशाः श्रीवीरधवलस्य HammīMaMa. 2. 7 (3)

अदीर्घकाल (adīrgha-kāla) *adj.* [*f.* –ā] **A** not lasting long, of a short duration अदीर्घकाले न तु देवि जीविते वृणेऽवरामद्य महीमधर्मतः Rāmā. ii. 18. 39; **B** not taking a long time, quick (in effect) अदीर्घकालोऽभीष्टश्च प्रशस्तो मन्त्र इष्यते NītiSā. 12. 35; **C** not very far, near अदीर्घकाले यत्र मरणे विश्रान्तिपदबन्ध एव नोत्पद्यते Loc. 165. 14 (*on* 3. 20); **D** (in law) of a short duration एवं च दीर्घकाला भुक्तिरागमानुगृहीतप्रमाणं अदीर्घकाला चेत्तदनुगृहीतागम इत्यनुसंधेयम् SmṛtiCan. iii. 161. 10; iv. 376. 5.

अदीर्घकालत्व (adīrghakāla-tva) *n.* the state of not lasting for a long time मैवम्। बुद्धेरदीर्घकालत्वाज्ज्ञानान्तरोत्पादन एवासावित्यवधारयत्वायुष्मान् NyāyMañ. ii. 24. 1.

अदीर्घकालम् (adīrgha-kālam) *adv.* shortly श्रुत्वा त्वसौ मामिह वर्तमानां विक्रम्यते कच्चिददीर्घकालम् Rāmā. v. 774*(4)

अदीर्घकालाभीष्ट (adīrghakālābhīṣṭa) *adj.* yielding the desired effect in a short time अपश्चात्तापकृत् सम्यगनुबन्धिफलप्रदः। अदीर्घकालाभीष्टश्च प्रशस्तो मन्त्र इष्यते SūktiRa. 85. 2.

अदीर्घकालिक (adīrgha-kālika) *adj.* not of a long duration (i. e. of a short duration) अदीर्घकालिकमृणं याच्ञानन्तरं दातव्यम् सावधिकत्वेन कृतं तु

पूर्णेऽवधौ SmṛtiCan. iv. 376. 7.

अदीर्घकुक्षि (adīrgha-kukṣi) *adj.* having a short belley अदीर्घकुक्षिहस्ताङ्घ्रिं गोशृङ्गसदृशस्तनीम् । … पिशाचीम् … चालिखेत् ĪśānS'iPa. ii. 59. 144.

अदीर्घजीविन् (adīrgha-jīvin) *adj.* not long-lived दृष्ट एव सनातनः । सगरस्य च पुत्राणां विनाशोऽदीर्घजीविनाम् Rāmā. i. 39. 3.

अदीर्घतस् (adīrgha-tas) *adv.* soon, in a short time सा तदाहत्य दीप्ताग्रा रथशक्तिरशीर्यत (v. l. रथशक्तिरदीर्घतः) MahāBhā. x. 6. 13.

अदीर्घत्व (adīrgha-tva) *n.* **1** the state of not being long अह्रस्वत्वादीर्घत्वाद्यनुपपत्तेः S'rutaPra. ii. 20. 17 (*on* i. 3. 9) **2** the state of not being a long vowel पूर्वस्यादीर्घत्वात् पूर्वजातीय इत्यर्थेनेष्टसिद्धेरिति स्पष्टम् LaS'abdeS'e. i. 146. 3.

अदीर्घदर्शन (adīrgha-darśana) *adj.* short-sighted न शपेद्वा जना यथा । अदीर्घदर्शनम् … द्रविणलोलुपम् BhāgP. x. 56. 41.

अदीर्घदर्शिन् (adīrgha-darśin) *adj.* [*f.* -nī] **A** short-sighted, lacking foresight एवमुक्ता तु सा तेन शाल्वेनादीर्घदर्शिना (v. l. °दर्शिनी) MahāBhā. v. 172. 23; x. 2. 25; xii. 258. 6; xviii. 1. 7; दृष्ट एव सनातनः । सगरस्य च पुत्राणां विनाशोऽदीर्घजीविनाम् (v. l. अदीर्घदर्शिनाम्) Rāmā. i. 39. 3; अदीर्घदर्शिनं तं वा रावणम् … यदि जानासि शंस नः Rāmā. iv. 57. 10; v. 19. 12; येऽदीर्घदार्शिनः … मूढाः … कार्यसिद्ध्यर्थं यत्कुर्वन्ति SkandP. i(1). 17. 169; i(2). 6. 83; योऽसावदीर्घदर्शिनो बालस्य ते वृद्धस्यापरपार्श्वपापः त्वामभ्यानुनेतुमायातः AvantiKa. 240. 9; कस्यात्मजस्त्वं कुत्रत्यः कथं नोऽदीर्घदार्शिना । धृतोऽश्वः PadmP. iv. 23. 49; पश्यध्वं विपरीतस्य दण्डस्यादीर्घदार्शिनः । विपात्तिं घोरसंकाशां दीप्तामग्निशिखामिव PadmP. v. 34. 45; कथम् … आर्यहृदयमदीर्घदर्शिनं भगवन्तं कौशिकमपि संभावयति AnargharaRā. 2. 33(2) (comm. अदीर्घदर्शिनमपण्डितम्); अदीर्घदर्शिभिः क्रूरैर्मूढैरिन्द्रियवाजिभिः । हसद्भिः क्रियते कर्म रुदद्भिरनुभूयते MalliC. 2. 349; Subhāṣi. 3360; **B** characterised by lack of foresight (rashness) प्रमत्तमक्षान्तमदीर्घदर्शि । बहुच्छलं यौवनमभ्यतीत्य निस्तीर्य कान्तारमिवाश्वसन्ति BuddhaC. 10. 37.

अदीर्घदीर्घद्रव्य (adīrghadīrgha-dravya) *n.* short and long pieces of wood (for joining) अदीर्घदीर्घद्रव्याभ्यां सन्धयः स्युर्बहिर्बहिः ĪśānS'iPa. ii. 33. 93.

अदीर्घदृष्टि (adīrgha-dṛṣṭi) *f.* lack of foresight, absence of far-sight सद्यःप्रसादरुषितान् विधिशङ्करादीन् केचित् … भजन्तः । भ्रष्टा भवन्ति बत कष्टमदीर्घदृष्ट्या Nārāy. x. 89. 2.

अदीर्घपाणि (adīrgha-pāṇi) [*w. r.* for **अर्घार्धपाणि** ViṣṇuDhaP. iii. 19. 1]

अदीर्घपीवरग्रीव (adīrghapīvara-grīva) *adj.* having a short and stout neck दिविस्पृशत्कायमदीर्घपीवरग्रीवोरुवक्षःस्थलमल्पमध्यमम् BhāgP. vii. 8. 22.

अदीर्घबोध (adīrgha-bodha) *adj.* having no great understanding भक्ताय … विभूतीर्न समर्थयत्यजः । अदीर्घबोधाय विचक्षणः स्वयं पश्यन्निपातं धनिनां मदोद्भवम् BhāgP. x. 81. 37.

अदीर्घमति (adīrgha-mati) *adj.* short-sighted, not considerate लज्जेऽहमस्य स्वयमात्तशस्त्रः स्वल्पस्य शत्रोः कलयन्नवज्ञाम् । एवं किलादोर्घमतिर्ददाति स्वयं प्रवृद्धिं त्रपया विमुग्धः RājTa.(Ka.) 7. 1395.

अदीर्घमत्सर (adīrgha-matsara) *adj.* having no long-lasting jealousy or enmity अदीर्घमत्सराणां च मुक्तिरासन्नवर्तिनी ṢaḍdarSa.(Rā.) 178.

अदीर्घमेहन (adīrgha-mehana) *adj.* having a short penis अदीर्घमेहनं दीनं पुरुषं योषिदुत्सृजेत् PadmP. iv. 106. 76.

अदीर्घरससंगति (adīrgha-rasasaṅgati) *f.* immediate combination of sentiments (कवेः शिक्षास्तावदाह) उपदेशविशेषोक्तिरदीर्घरससंगतिः KaviKaṇthā. 2. 16.

अदीर्घरात्र (adīrgha-rātra) *adj.* characterised by short nights कालेऽप्यदीर्घरात्रेऽन्तरेकरात्रद्विरात्रयोः । शक्त्यान्यानपि चक्रेऽरीन् … निष्प्रभान् DvyāśraKā. 19. 134 (comm. न दीर्घरात्रा दीर्घा रात्रयोऽत्रादीर्घरात्रस्तस्मिन्काले …उष्णकाले वर्षाकालेऽपि च)

अदीर्घरोग (adīrgha-roga) *adj.* (*f.* -ā] with no chronic disease, with no long illness अरोगिणी अदीर्घरोगा, इतरस्य शक्यपरिहारत्वात् SmṛtiCan. i. 181. 14; *m.* chronic disease अरोगिणीमदीर्घरोगोपसृष्टाम् Aparā. 79. 29 (*on* 1. 53)

अदीर्घरोमता (adīrgharoma-tā) *f.* the state of not having long hair (कर्णयोः) अदीर्घरोमता चैव प्रशस्तेति प्रकीर्तिता AśvaVai. 3. 19.

अदीर्घव्याधिपीडित (adīrghavyādhi-pīḍita) *adj.* not suffering from long illness युक्तकारी भिषग्बुभुत्सुः पुरुषम् … अदीर्घव्याधिपीडितम् … कोथयेत् AṣṭāSaṁ. i. 173. 5 (1. 34)

अदीर्घशायिनी (adīrgha-śāyinī) *adj.* (*f.*) not sleeping for a long time अदीर्घशायिनी चैव यक्षशीलाङ्गना स्मृता NāṭyaS'ā. 22. 117; BhāvPra.(S'ā.) 110. 7(5)

अदीर्घसंशय (adīrgha-saṁśaya) *adj.* not doubtful for a long time अदीर्घसंशयो वाग्मी तस्मात्सर्वत्र पूजितः MahāBhā. xii. 223. 16; SkandP. i(2). 54. 39.

अदीर्घसंकथ (adīrgha-saṅkatha) *adj.* having no wide mouth प्रदीर्घदृक्पत्रमदीर्घसङ्कथं कथं धरिष्ये तदनुस्मरन् मुखम् RāmC. 4. 49.

अदीर्घसत्र (adīrgha-satra) *adj.* non-performer of a long sacrificial session तस्माद्वयं याम इतो नु योद्धुं वृत्रस्य हन्तारमदीर्घसत्रम् BrahmP. 140. 20.

अदीर्घसमास (adīrgha-samāsa) *adj.* [*f.* -ā] containing no long compound अनाविद्धान्यदीर्घसमासानि … पदानि यस्मिन् KāvyālaṅSū. i. 3. 24; संदानितकादिषु … मध्यमसमासादीर्घसमासे एव रचने Kāvyānu.(He.) 246. 14.

अदीर्घसूत्र (a-dīrghasūtra) *adj.* [*f.* -ā] **i** not procrastinating, quite prompt (in action) अदीर्घसूत्रम् … दूतं वदन्त्यष्टगुणोपपन्नम् MahāBhā. v. 37. 25; सः … अदीर्घसूत्रो दक्षश्च क्रियासु प्रतिपत्तिमान् Rāmā. ii. 20*(15); तत्र स्वामिसम्पत् । महाकुलीनः … अदीर्घसूत्रः … इत्याभिगामिका गुणाः ArthS'ā. ii. 225. 2 (6. 1); अदीर्घसूत्रः स्मृतिमान् … चैव नराधिपः YājñaSm. 1. 310 (comm. अवश्यकार्याणां कर्मणामारम्भे प्रारब्धानां च समापने यो न विलम्बतेऽसौ); अदीर्घसूत्रश्च भवेत् सर्वकर्मसु पार्थिवः MatsyaP. 220. 29; उत्साहसम्पन्नमदीर्घसूत्रम् … लक्ष्मीः स्वयं वाञ्छति PañcT. 2. 60 (243. 5); Tantrākhyā. 74. 6; SiṁhāDvā. 54. 4; Hitopa. 1. 135; Pañcā. 154. 1; SūktiRa. 156. 101; Subhāṣi. 315; 2912; कर्तव्येष्वदीर्घसूत्रः … भयङ्करः किरातपतिः … सार्थमर्दनो नाम AvantiKa. 167. 3; अदीर्घसूत्रं निस्तन्द्रम् … कुर्वीत ध्वजिनीपतिम् NītiSā. 19. 33; स व्यधत्त तथादीर्घसूत्रस्तमगमन्यथा HarVi. 43. 381; अदीर्घसूत्रः सर्वथा क्षिप्रकारी BālaKrī. 182. 10 (*on* 1. 305); अदीर्घसूत्रश्च भवेत्सर्वकर्मसु पार्थिवः ViṣṇuDhaP. ii. 65. 31; अदीर्घसूत्रं धीरं च नारदं तं नमाम्यहम् SkandP. i(2). 54. 29; अदीर्घसूत्रः …करोति यः कौतुककाहलं जगत् S'rīKaC. 3. 51 (comm. अचिरक्रियः); अस्तब्धमक्लीबमदीर्घसूत्रं सानुक्रोशं शक्तमहार्यमन्यैः SūktiRa. 138. 9; अचिरक्रियः अदीर्घसूत्र इत्यादिलक्षणं प्रशंसापरम् RājNītiRa. 3. 8; अदीर्घसूत्रोऽचिरक्रियः (राजा) DīpKa. 32. 27 (*on* 1. 310); अदीर्घसूत्रः अचिरक्रियः अवश्यकार्याणां कर्मणां प्रारम्भे प्रारब्धानां च परिसमाप्तौ यो न विलम्बते VīraMi.(Rājanīti.) 116. 20; अदीर्घसूत्रः सत्कार्ये ह्यसत्कार्ये चिरक्रियः S'ukraNī. 2. 62; **ii** not of long duration (i. e. short) (यात्राम्) अदीर्घसूत्रां परिणामकल्याम् … कामं व्यायायासकरीमुपेयात् NītiSā. 16. 24 (comm. यानमात्रसाध्यफलम्)

अदीर्घसूत्रता (adīrghasūtra-tā) *f.* absence of procrastination, promptness, quickness विजिगीषोरदीर्घसूत्रता हि कार्यसिद्धेरवश्यंभावः AnargharaRā. 6. 16(3); अदीर्घसूत्रताक्षौद्यम् …चेति विजिगीषोर्गुणोदयः NītiSā. 8. 8; विजिगीषोरदीर्घसूत्रता विजयसिद्धेरवश्यंभाविनी Hitopa. 3. 118(4); अदीर्घसूत्रता हि विजिगीषूणां सत्यंकारः सत्कार्यसिद्धेः MudriKu. 2. 10(6)

अदीर्घसूत्रव्यापार (adīrghasūtra-vyāpāra) *m.* quick action काव्यार्थः फलनिश्चितः । अदीर्घसूत्रव्यापार इव कस्य न संमतः AuciViCa. 34.

अदीर्घसूत्रिन् (adīrghasūtr-in) *adj.* who does not procrastinate, who is prompt or quick (in action) अदीर्घसूत्री स्मृतिमान् …नराधिपः …मन्त्रिणः प्रकुर्वीत YājñaSm. 1. 310; अदीर्घसूत्री धर्मात्मा … भूमिपतिश्च कार्यः ViṣṇuDhaP. ii. 3. 1; अदीर्घसूत्री प्रमितेऽर्थे निराशङ्कः (राजा) Aparā. 577. 6 (*on* 1. 308)

अदीर्घह्रस्व (a-dīrghahrasva) *adj.* neither long nor short अदीर्घह्रस्वमस्थूलमनण्वश्यामलोहितम् ViṣṇuP. i. 14. 39.

अदीर्घाकल्प (adīrghākalpa) *adj.* not elaborately dressed, scantily dressed or decorated रामः … निन्येऽदीर्घाकल्पः कथमपि तदा दीर्घदीर्घाण्यहानि BhramDū. 1.

अदीर्घान्तता (adīrghānta-tā) *f.* the state of not having a long vowel at the end रूपमिदमदीर्घान्ततां गमयति KātanVṛ. *on* iv. 6. 8.

अदीर्घायुस् (adīrghāyus) *adj.* having a short life, not long-lived अदीर्घायुषामपरिहार्यक्रमजन्मनां द्रुमाणामिव पारमार्थिकः समूहो न समस्त्येव NyāyMañ. ii. 131. 16.

अदीर्घालाबुसदृश (adīrghālābu-sadṛśa) *adj.* resembling a not-long (i. e. round) bottle-gourd कुम्भाण्डं कुम्भवद्वर्तुलमदीर्घालाबुसदृशं फलम् CaturCin. iii(1). 566. 15; SmṛtiCan. v. 230. 21.

अदीर्णबल (adīrṇa-bala) *adj.* of unbroken might स श्रीशैलोऽदीर्णबलेन प्रजिहानः स्थित्यादौ त्यन्नाम निरूढं हरिणोक्तः । … तद्दूरक्षः स्थानमरातेरभियातः RāghPāṇ.(Dha.) 13. 1 (comm. पुष्टसामर्थ्येन)

अदीर्णाङ्ग (adīrṇāṅga) *adj.* with parts not torn or sundered अदीर्णाङ्गम् … इत्थं शक्रध्वजोत्थानं कृतं राज्ञो जयावहम् SamarāSū. 17. 145.

अदीव्यत् (á-dīvyat) *adj.* not playing (dice), not gambling यददीव्यन्नृणमहं कृणोमि AV. vi. 119. 1; अदीव्यन्नृणं यदहं चकार TaiBr. III. vii. 12. 3; यददीव्यन्नृणमहं बभूव TaiĀ. ii. 4. 1 (205. 1)

अदु (a-du) (Gr.) other than a word beginning with the vowel *ā*, *ai* or *au* called *du*, cf. JaineVyā. i. 1. 68 = P. *vṛddha* नदीमानुषीभ्योऽदुभ्यस्तदाख्याभ्यः JaineVyā. iii. 1. 102; फिरदो: JaineVyā. iii. 1. 147; iii. 2. 103; नदीमानुषीनाम्नोऽदो: S'ākaṭāVyā. ii. 4. 52; ii. 4. 89; अदोर्नदीमानुषीनाम्नः SiddhaHe.vi. 1. 67; vi. 1. 113.

अदुक (aduka) *m.* name of a Nāga king [DBHS]

अदुःख (a-duḥkha) *adj.* (Accent?) free from misery or grief, without pain अदुःखौ दुःखचक्षुरिव । तथा पीत इव दृश्यते TaiĀ. i. 3. 4 (22. 5); ब्रह्मभूतः — ब्रह्मस्थानम् … अदुःखम् … प्रतिपद्यते MahāBhā. xii. 192. 123; मया … अजराणामदुःखानाम् … लब्धं पुत्रशतम् MahāBhā. xiii. 18. 6; चिन्तयित्वा भवन्तं भवति जगददुःखं किं पुनर्देव दृष्ट्वा VeṇīSaṁ. 6. 645; अदुःखम् … मोक्षमुदाहरन्ति VarāṅgaC. 10. 9; इतश्च अदुःखस्यापि विषयविशेषसंपर्कात् संवेद्याह्लादोत्पत्तेः BrahmSi. 2. 3; पुत्रदुःखं यथाध्यस्तं पित्राद्दुःखे स्व आत्मनि UpadeSā. 354. 20; सुखं चानुत्तमं मुक्तिरदुःखमविनश्वरम् ParaS. 3. 22; यदा मनः शुद्धमदुःखमसुखं समम् BhāgP. iii. 25. 16; प्रत्यगात्मानमदुःखं दुःखाकरोति Bhām. 24. 22 (*on* i. 1. 0); यो हि … अदुःखमात्मानं जानाति NyāyRa. 671. 10 (*on* 5 (10). 108); ताभ्यामदुःखाभ्यामन्योन्यस्नेहवृत्तिभिः । केऽपि … अत्यवाह्यन्त वासराः VikraDeC. 4. 94; अदुःखमसुखं ब्रह्म BrahmP. 237. 37; (श्रीमद्वृन्दावनम्) अदुःखं दुःखविच्छेद्यम् PadmP. iv. 69. 66; ततो बुधस्त्वाम् …भजन्मुक्तिमुपैत्यदुःखः AdhyāRā. vi. 15. 61; शोकान्तरं शोकच्छिद्रमदुःखम् GuruCandr. ii. 278. 5; *n.* (á-duḥkha) non-suffering, what is not pain or misery य आतृणत्त्यवितथेन कर्णावदुःखं कुर्वन्नमृतं सं प्रयच्छन् Nir. 2. 4 (46. 6) = VasiDS. 2. 10; कतमददुःखं दुःखप्रतिभासं महासंक्लेशप्रत्युपस्थानम् AbhidhSa. 42. 12; 42. 5; दुःखं दुःखविशेषेऽदुःखमिति न स्यात् NyāyVār. 87. 15 (*on* i. 1. 21); नाप्यदुःखम् अधिकृत्य प्रवृत्तिरुपपन्ना PrakaPañ. 429. 9.

अदुःखकर (a-duḥkhakara) *adj.* not causing grief or misery अनुद्वेगकरं प्राणिनामदुःखकरं वाक्यम् GītāBh.(S'aṅ.) 477. 11 (*on* 17. 15); कुपतिर्जगतस्त्वं परमदुःखकरः VidaMuMa. 4. 24.

अदुःखक्षम (a-duḥkhakṣama) *adj.* not able to suffer pain एते महामुनयो महर्षयश्च … कथमदुःखक्षमा अपि दुःखकरीं तां तां वृत्तिपूर्विकां संसारकदर्थनामनुभवन्तः सततमेव मुदितमनसस्तिष्ठन्ति YogVā. ii. 12. 18.

अदुःखगन्ध (a-duḥkhagandha) *adj.* not having (even) an iota of grief तच्चिन्तयामि गतमोहमदुःखगन्धमन्तर्गतश्वसितमुज्झितनादरूपम् TārāS'a. 111.

अदुःखजननी (a-duḥkhajananī) *adj.* (*f.*) not causing grief अदुःखजननी वृत्तिर्मैत्री मैत्रीविदां मता YaśasCam. ii. 335. 14.

अदुःखज्ञ (a-duḥkhajña) *adj.* not understanding pain or exertion (involved in the composition of a literary work) अदुःखज्ञा वाचां परिणतिषु … भवेयुस्ते किं वा कविभणितिकण्डूतिनिकषाः RāghPāṇ.(Ka.) 1. 47.

अदुःखत्व (aduḥkha-tva) *n.* the state of being without pain or misery, painlessness आनन्दशब्दस्य अदुःखत्वमर्थ इति चेन्न IṣṭaSi. 26. 14; इदं तु स्वप्नज्ञानम् … नाप्यधर्मनिमित्तमदुःखत्वादतद्धेतुत्वाच्च NyāyVārPari. 524. 15; अपापत्वमदुःखत्वं चावृजिनत्वमिहोदितम् AnuVyā. 55A. 6 (*on* 3. 4); Nyāyāmṛ. 642B. 8.

अदुःखद (a-duḥkhada) *adj.* not causing grief or misery किमिह स्यात् समुचितं भ्रातरः किमदुःखदम् YogVā. iii. 86. 26.

अदुःखदर्शिनी (a-duḥkhadarśinī) *adj.* (*f.*) who has not experienced misery or grief सुकुमारी च बाला च नित्यं चादुःखदर्शिनी … वैदेही Rāmā. iii. 56. 12.

अदुःखनवमी (aduḥkha-navamī) *f.* the ninth day in the bright half of the month of Bhādrapada [pw]

अदुःखबुद्धि (aduḥkha-buddhi) *f.* idea that it is not misery धृतिः … दुःखेऽप्यदुःखबुद्धिः RasTa. 86. 1.

अदुःखमयसर्ग (aduḥkhamaya-sarga) *m.* creation without any misery, world without misery परार्थं प्रवृत्तावदुःखमयसर्गप्रसङ्गः ĀtmaTaVi. 872. 9.

अदुःखरूप (aduḥkha-rūpa) *adj.* of the nature of absence of misery, free from (all) miseries असति च पापे परं धाम श्रेष्ठमदुःखरूपं प्राप्नोतीत्येतदपि युक्तमेव ManuBh. i. 247. 12 (*on* 3. 83)

अदुःखशीला (a-duḥkhaśīlā) *adj.* (*f.*) who is not at all used to pain पतिः … अदुःखशीलां समये भवित्रीम् । अवलोक्य देवीम् Yādavā. 2. 35.

अदुःखसुख (a-duḥkhasukha) *adj.* devoid of suffering and bliss ध्यानं तथादुःखसुखं चतुर्थम् Saund. 17. 54.

अदुःखहेतु (aduḥkha-hetu) *m.* cause of what is not misery न च दुःखं दुःखहेतुं वाधिकृत्य कृतेः प्रवृत्तिरुपपन्ना नाप्यदुःखम् अदुःखहेतुं वा किन्तु सुखं सुखहेतुं वा PrakaPañ. 429. 9.

अदुःखात्मक (a-duḥkhātmaka) *adj.* not consisting of pain (i. e. not of a painful nature) हिंसा विधिगम्यमदुःखात्मकं फलं प्रेत्य कर्तुर्दिशति TātpaṬ.(U.) 110. 15 (*on* 2. 238)

अदुःखात्मकता (aduḥkhātmaka-tā) *f.* the state of being what is not of the nature of pain विधिगम्यफलावाप्तिरदुःखात्मकता तथा S'lokaVār. 2. 238 (119. 4); विधिगम्यफलत्वे सति अदुःखात्मकता फलस्य स्यात् NyāyRa. 119. 15 (*on* 2. 238)

अदुःखात्मकफल (aduḥkhātmaka-phala) *n.* effect which is not of the nature of pain हिंसा प्रेत्य कर्तुरदुःखात्मकफलजनिका YuktiSneha. 30. 31 (*on* i. 1. 2)

अदुःखानुभव (a-duḥkhānubhava) *m.* absence of experience of misery चशब्दाददुःखानुभवेन BrahmSūBh.(Ma.) 46A. 5 (*on* iii. 1. 17); तत्राप्यदुःखानुभवेन तद्व्यापाराद्भयविरोधाभावः TattvPrakā. 144A. 4 (*on* iii. 1. 17)

अदुःखार्ह (a-duḥkhārha) *adj.* [*f.* –ā] not deserving misery or distress गच्छन्तौ शैलराजेऽसिन्राजपुत्र्यौ कथं त्विमे । न सीदेतामदुःखार्हे MahāBhā. i. 111. 10; कथं च राजपुत्री सा …। वनवासमदुःखार्हा दारुणं प्रत्यपद्यत MahāBhā. iii. 1. 6; सुखोचितमदुःखार्हं दुरात्मा …। ईदृशं दुःखमानीय मोदते पापपूरुषः MahāBhā. iii. 28. 6; iii. 28. 18; iii. 49. 40; iii. 144. 7; v. 81. 40; v. 88. 40; x. 1. 31; xii. 27. 21; पदातिनौ च यानार्हावदुःखार्हौ सुखोचितौ । दृष्ट्वा संचोदयामास शीघ्रं याहीति सारथिम् Rāmā. ii. 35. 30; सुखोचितास्त्वदुःखार्हा निषेदुर्धरणीतले SkandP. iii(1). 31. 39; धिग्धर्मं यददुःखार्हा धर्मिष्ठा दुःखभागिनः RāmāMañ. 375. 3; शोचन्ती त्वामदुःखार्हा सा मया तव वल्लभा । दृष्टा BṛKathāMañ. ii. 1. 120; ददृशे … रुदतीम् … अदुःखार्हां प्रियतराम् BallāC. 25. 6.

अदुःखासुखवेदनीय (aduḥkhāsukha-vedanīya) *adj.* (action) which produces neither a disagreeable nor an agreeable sensation अदुःखासुखवेदनीयं कर्म कतमत् AbhidhSa. 58. 13.

अदुःखासुखवेद्य (aduḥkhāsukha-vedya) *adj.* (action) which produces nither a disagreeable nor an agreeable sensation (कर्म) अतः परम् अदुःखासुखवेद्यं तु AbhidhK. 4. 47.

अदुःखासुखा (aduḥkhāsukhā) *adj.* (*f.*) neither disagreeable nor agreeable एवं षड् वेदनाकाया सुखा वा दुःखा वा अदुःखासुखा वा AbhidhSa. 4. 17; अदुःखासुखावेदनायाः संस्कारैरेव दुःखता AbhidhKoBh. 329. 7 (*on* 6. 3); तिस्रो वेदनाः । सुखा दुःखा अदुःखासुखा च EI. xxi. 198. 15.

अदुःखित (a-duḥkhita) *adj.* **I** not distressed, not miserable दुःखितोऽदुःखितो वापि सख्युर्नित्यं सखा गतिः Rāmā. iv. 8. 39; दुःखं नाम रोदनात्मकं तत्कथमदुःखितेन … अभिनयेत् NāṭyaS'ā. 7. 146 (11); ये पुनरदुःखिताः सुखभूयिष्ठवृत्तय एव राजपुत्रास्तेषाम् … उपदेशकार्ये तन्नाट्यम् AbhinBhā. i. 40. 12 (*on* 1. 114); एवं दुःखितानामदुःखितानां चेदमुपादेयमित्युक्तम् AbhinBhā. i. 41. 9 (*on* 1. 115); **II** of a nature which is free from misery अजस्रमेव दुःखार्तोऽदुःखितः सुखसंज्ञितः ।… परिक्रामति संसारे MahāBhā. iii. 200. 37.

अदुःखित्व (aduḥkhi-tva) *n.* **I** the state of not having misery (i. e. the state of being blissful) परस्यादुःखित्वेऽन्यस्य दुःखिनोऽभावे दुःखोपशमनाय शास्त्रारम्भानर्थक्यम् BṛĀraUBh. 101. 18 (*on* i. 4. 7); अदुःखित्वेन चानुक्तिः कथं नोपाधितां व्रजेत् AnuVyā. 28A. 6 (*on* 2. 2); भवतु श्रुतिरदुःखित्वसार्वज्ञ्यादिमदीश्वरे प्रमाणम् NyāySu.(Ja) 446B. 13 (*on* ii. 3. 14); अस्वतन्त्राणामपि सत्यकामत्वाददुःखित्वाद्युपपन्नम् TattvPrakā. 210B. 5 (*on* iv. 2. 16); 222A. 5 (*on* iv. 4. 16); **II** freedom from misery तालवृन्तचामरप्रदानेनादुःखित्वम् CaturCin. i. 151. 22.

अदुःखिन् (a-duḥkhin) *adj.* free from misery अदुःखिनोऽपि दृश्यन्ते सुखप्राप्तीच्छया यतः । तदुपाये प्रवर्तन्ते BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 1012; दुःखाकरोति … अदुःखिनं दुःखिनं करोति VedāntKa. 21. 8 (*on* i. 1. 1)

अदुःखोचिता (a-duḥkhocitā) *adj.* (*f.*) not deserving misery तामदुःखोचितां दृष्ट्वा पतितां कदलीमिव । रामस्तूत्थापयामास मातरं गतचेतसम् Rāmā. ii. 17. 17.

अदुःखोत्पादहेतुत्व (aduḥkhotpādahetu-tva) *n.* the state of not being the cause of origination of pain अदुःखोत्पादहेतुत्वे मोक्षो नित्यस्य तत् कुतः PramāVār. 2. 203.

अदुःखोपचिता (aduḥkhopacitā) *adj.* (*f.*) brought up in such a way as to be unaffected by any misery कृपणा सती । अदुःखोपचिता पूर्वं वर्तयिष्याम्यनाथवत् Rāmā. iv. 20. 14 (Tilaka अदुःखं दुःखरहितं यथा भवति

तथा उपचिता वर्धिता)

अदुक् (ad-uk) (Gr.) augement *ad* added at the end of *eka* एकादिश्चैकस्य चादुक् P. vi. 3. 76; SiddhāKau. 187B. 1 (*on* vi. 3. 76)

अदुका (adukā) *f.* anklet अदुका(? अन्दुका) शृङ्खला CaturCin. ii(2). 747. 3.

अदुगागम (adug-āgama) *m.* augment *aduk* एकस्य चादुगागमश्च SiddhāKau. 187B. 1 (Bālamanoramā आदुगिति अदुगिति वा छेदः) cf. **आदुक्**.

अदुग्ध (a-dugdha) *adj.* [*f.* -ā] **1i** (cow) which is not milked अभि त्वा शूर नोनुमोऽदुग्धा इव धेनवः ṚV. vii. 32. 22 = VājaS. 27. 35 = MānS'S. 127. 14; दृष्ट्वा गामङ्गणे स्थिताम् । अदुग्धाम् S'ivaP. iv. 6. 2 (355A. 12); **1ii** (cow) having no milk, barren किं धेन्वा चाप्यदुग्धया MahāBhā. xii. 79. 40; देवि ··· त्वामनादृत्य ये क्रियाः । कुर्वन्ति निष्फलास्तेषामदुग्धा इव धेनवः TripuVePāSt. 33; **1iii** (cow) not suitable for milking वत्सं हन्ति स्तनपरिसरालोकिनं हन्ति भूमिम् ।··· शक्रन्मूत्रिणी गौरदुग्धा SūktiMu. 96. 11; **2** (woman's breast) without milk सक्षीरौ वाप्यदुग्धौ वा प्राप्य दोषः स्तनौ स्त्रियाः । रक्तं मांसं च संदूष्य स्तनरोगाय कल्पते SuśruS. ii. 10. 26; RugVi. 66. 1; **3** (earth) from which nothing is produced (भूमिः) अपश्यन्त्यन्यतस्त्राणमदुग्धा त्वामुपस्थिता SamarāSū. 1. 14.

अदुग्ध (a-dugdha) *adj.* not troubled शान्तैः कान्तैर्दीप्तिवैदग्ध्यदिग्धैः स्निग्धस्निग्धैर्दुग्धमुग्धैरदुग्धैः । दृष्टैरिष्टैर्विग्रहिण्या विमुक्तेरावर्त्येवोदग्रमग्रेऽवतारम् Kapphiṇā. 20. 9.

अदुग्धगु (adugdha-gu) *adj.* in which the cows were not milked अदुग्धगुं मोचितबन्धनस्थं महोत्सवं वृष्टहिरण्यवस्त्रम् । दृष्ट्वाथ KathāSaSāg. xii. 34. 380.

अदुग्धदोहा (a-dugdhadohā) *adj.* (*f.*) not yielding milk अदुग्धदोहा धेनुश्च तथाहं निष्फलः कृतः DevīBhāP. iii. 11. 11.

अदुग्धदोहिनी (a-dugdhadohinī) *adj.* (*f.*) which does not give milk (i. e. which is not a milch-cow) अदुग्धदोहिनीम् ··· गां विहाय प्रशस्तगोमयमाहरेत् BṛJābāU. 3. 1.

अदुग्धवत् (a-dugdhava(n)t) *adj.* without milk अघृतः सघृतो वापि सदुग्धो वाप्यदुग्धवान् (बलाकाथो गर्भिणीसर्वरोगनुत्) RasRaSa. 22. 101.

अदुग्धाब्धि (a-dugdhābdhi) *m.* not an ocean of milk, other than the ocean of milk अदुग्धाब्धिः सुधोदयः । अनिन्दुः कौमुदीकान्तिः कुतो नौ सुखयत्यलम् SkandP. iv. 11. 101.

अदुग्धोदधि (a-dugdhodadhi) *m.* not the ocean of milk, other than the ocean of milk नादुग्धोदधिः सुधामाविष्करोति AvantiKa. 43. 20.

अदुङ् (ad-uṅ) *adj.* having *a* as the penultimate cf. JaineVyā. i. 1. 66 पोरदुङोऽत्रपिवपिरपिलपिचमः JaineVyā. ii. 1. 85.

अदुच्छुन (a-ducchuna) *adj.* free from misfortune, propitious पवमानस्य ते रसो मदो राजन्नदुच्छुनः । वि वारमव्यमर्षति ṚV. ix. 61. 17.

अदुन्वत् (a-dunvat) *adj.* causing no pain अनिच्छतोऽपि तस्यैर्नापितो गणिकाज्ञया । शूर्पोपमान् पादनखानदुन्वन्नुदतारयत् PariPar. 1. 185.

अदुपदेश (ad-upadeśa) *m.* grammatical element (*upadeśa*) ending in *a* तास्यनुदात्तेन्ङिददुपदेशाल्लसार्वधातुकमनुदात्तमह्न्विङोः P. vi. 1. 186; ङिद्दुपदेशाल्लसार्वधातुकानुदात्तत्वं न प्राप्नोति Prasā. ii. 580. 8; ii. 741. 9; SiddhāKau. 629B. 11; LaS'abdeS'e. ii. 504. 10.

अदुपदेशभक्त (adupadeśa-bhakta) *adj.* being part of a grammatical element ending in *a* यदाद्युदात्तत्वं न भवति तदा लसार्वधातुकनिघाते कृते अदुपदेशभक्तयक एव स्वरो भवति KāśiVṛ. *on* P. vi. 1. 195 (Vārāṇasī 1965)

अदुपध (ad-upadha) *adj.* having *a* as the penultimate vowel पोरदुपधात् P. iii. 1. 98 = SaraKaṇṭhā.(Gr.) i. 3. 140; रपलप व्यक्तायां वाचि ।··· अदुपधाः पूर्वोक्ता यतं भजन्ते DhātuPra. i. 402–403 (35. 9); 6. 115 (113. 5); पवर्गान्तादुपधात् यत् स्यात् ण्यतोऽपवादः । शप्यम् PrakriKau. ii. 475. 6 = SiddhāKau. 481B. 11; Prasā. ii. 482. 18.

अदुपधत्व (adupadha-tva) *n.* the state of having *a* as the penultimate vowel ततोऽदुपधत्वस्य विघातात् ण्यत्प्रत्यये सतीष्टस्वरसिद्धिः Pradī. vi. 59. 17 (*on* vii. 1. 65); Prasā. ii. 476. 8.

अदुपधत्वाभाव (adupadhatvābhāva) *m.* absence of the state of having *a* as the penultimate vowel लुमि कृतेऽदुपधत्वाभावात् ण्यदेव । आलम्भ्यो गौः SiddhāKau. 481B. 15; Prasā. ii. 482. 17.

अदुर् (a-dur) (Gr.) except or other than the prefix *dur* प्राद्यन्तरोऽदुरो णः CāndraVyā. vi. 4. 114; हिनुमीनानिणोऽदुरोऽन्तरश्च णः S'ākaṭāVyā. iv. 2. 238.

अदुराढ्य (a-durāḍhya) *adj.* not non-rich, rich अदुराढ्येन दुराढ्येन भूयते दुराढ्यम्भवम् PrakriKau. ii. 677. 11.

अदुरितराजी (adurita-rājī) *f.* series of meritorious deeds अदुरितराजीनिदलितकर्मश्रेणीनिरुद्धरागभरम् । मूर्तिक्रमौ वचांसि जिनस्य लोके सुखं गाताम् KāvyKaVṛ. 78. 34 (3. 4)

अदुरीहितव्यवहार (a-durīhitavyavahāra) *adj.* **i** free from wicked activities धर्मधाम इवाप्यदुरीहितव्यवहारम् (राजसदनमासादयांबभूव ··· वैतालिकः) YaśasCam. i. 345. 4 (comm. दुश्चेष्टिताचाररहितम्); **ii** free from sinful activities, YaśasCam. i. 345. 4 (comm. पापव्यवहाररहितमिति स्वच्छम्)

अदुरुक्तवाक्य (adurukta-vākya) *n.* not bad words (i. e. good words) गरगिरो वा एते ये ब्रह्माद्यज्जन्यमन्नमदन्त्यदुरुक्तवाक्यं दुरुक्तमाहुः PañcBr. xvii. 1. 9.

अदुर्ग (a-durga) *adj.* **1** having no forts, destitute of strongholds अदुर्गो देशः कस्य नाम न परिभवास्पदम् NītiVā. 20. 4 (comm. यत्र देशे दुर्गं न भवति स देशः); 20. 5; अदुर्गो विषयः कस्य नारेः परिभवास्पदम् । अदुर्गोऽनाश्रयो राजा पोतच्युतमनुष्यवत् Hitopa. 3. 49; **2** not difficult of access, not inaccessible [MW, APTE]

अदुर्गन्ध (a-durgandha) *adj.* not having a bad or foul smell व्रणे तु पूतिमांसानि मण्डलाग्रेण शोधयेत् । शुद्धं व्रणमदुर्गन्धविवर्णमवेदनम् Hastyāyur. 177. 2 (2. 9); 261. 17 (2. 48); 548. 20 (4. 1)

अदुर्गन्धि (a-durgandhi) *adj.* not having a bad or foul smell कुर्यात् खादनकोष्ठकम् ।··· अदुर्गन्धि SamarāSū. 33. 28.

अदुर्गम (a-durgama) *adj.* not difficult of access, accessible पिष्टं पिष्टपुरं येन जातं दुर्गमदुर्गमम् । चित्रं यस्य कल(? ले)र्वृत्तं जातं दुर्गमदुर्गमम् EI. vi. 6. 13.

अदुर्गमत्व (adurgama-tva) *m.* the state of not being difficult of access, the state of being accessible मार्गस्यादुर्गमत्वे च योजनागतस्य ··· इत्येवं कल्पनीयम् BālamBha. iii. 198. 38 (*on* 3. 327)

अदुर्गमार्गा (a-durgamārgā) *adj.* (*f*) having accessible roads, of easy communication खन्योरपि यः प्रभूतसारामदुर्गमार्गामल्पव्ययारम्भां खनिं खानयति सोऽतिसंधत्ते ArthS'ā. iii. 315. 10 (7. 12)

अदुर्गविषय (adurga-viṣaya) *m.* an unfortified country [MW, APTE]

अदुर्गापसार (a-durgāpasāra) *adj.* having no fort and way for escape अनुज्ञातस्तद्धिरण्योद्वेगकरं बलवान् विजिगीषमाणो यतः ··· अदुर्गापसारः शत्रुः ··· ततो यायात् ArthS'ā. ii. 343. 2 (7. 16)

अदुर्गाश्रय (a-durgāśraya) *adj.* who has not resorted to a fort (राजा) दुर्गाश्रयमदुर्गाश्रयं वा रिपुमुद्यमानमप्यावेष्टयासीत अस्य च देशमुत्सादयेत् ManvaMu. 282. 31 (*on* 7. 195)

अदुर्ग्रह (a-durgraha) *adj.* not difficult to seize अदुर्ग्रहे तरुकुसुमेऽप्युदीरितां सुमध्यमा न नमयति स्म दोर्लताम् Kapphiṇā. 9. 29.

अदुर्घट (a-durghaṭa) *adj.* not difficult to prove, not impossible मायानिर्मितभेदानामप्येकत्वमदुर्घटम् SambaSi. 3. 8.

अदुर्जनत्व (adurjana-tva) *n.* absence of wickedness, nobility अदुर्जनत्वं विनयो विवेकः परीक्षणं तत्त्वविनिश्चयश्च । एते गुणाः पञ्च भवन्ति यस्य स आत्मवान् धर्मकथापरः स्यात् YaśasCam. ii. 414. 15; सौजन्यमदुर्जनत्वं तस्य बीजं अङ्कुरहेतुस्तस्य सौजन्यबीजस्य YaśasCam. i. 55. 8 (comm.)

अदुर्जर (a-durjara) *adj.* not difficult to digest, easy to digest तुषारशर्कराशुक्तजलपानादजुर्जरम् । स्वक्तुं भोज्यं मृदु स्निग्धं काश्मीरं न शशाक सः Rāj-Ta.(Ka.) 8. 1863.

अदुर्दशा (a-durdaśā) *f.* not a bad condition or position, good condition or position तत्कर्मसाहायकसामरस्यं सारस्वतस्यावधयो रसस्य । अदुर्दशां तत्र चतुर्दशापि प्रपद्य हृद्या विदधुश्च विद्याः S'rīKaC. 20. 38.

अदुर्दिन (a-durdina) *n.* not a cloudy day, bright day वेधयेच्छिराम् । अदुदि(? र्दि)ने च वर्षासु शीते मध्यन्दिने तथा AśvaVai. 15. 4; [वीध्र] कालेऽप्यदुर्दिनम् ParyāRaMā. 1292.

अदुर्दिनोदया (adurdinodayā) *adj.* (*f.*) appearing on a bright day अदुर्दिनोदया । रत्नवृष्टिरजनिष्ट मन्दिरे NemiNir. 4. 12.

अदुर्नय (a-durnaya) *adj.* acting or behaving properly, prudent प्रह्वयानि बलान्यदुर्नयस्त्वं न मुधैव भ्रमयेः प्रनायकानि DvyāśraKā. 4. 14 (comm. न्यायी)

अदुर्निरूपत्व (adurnirūpa-tva) *n.* the state of not being difficult to explain, absence of inexplicability केनापि प्रकारेण दुर्निरूपत्वमित्यनेन प्रकारेण दुर्निरूपत्वादुर्निरूपत्वाभ्यां व्याघातात् Nyāyāmṛ. 410B. 6; 416B. 6; AdvaiSi. 623. 8.

अदुर्बल (a–durbala) *adj.* not weak, strong अत्रिपुत्रोऽदुर्बलो हि जामाता त्वावयोरिति BṛDe. 5. 57; सर्पिः क्षीरपानम् … अदुर्बलकुक्ष्य° … °रोगाभिभूतानां क्षीणदेहानां नव(ग्र)हाणां प्रशस्तं भवति Hastyāyur. 588. 12 (4. 4)

अदुर्बलदोर्बल (adurbala–dorbala) *adj.* having strong power of the arms सारंग मा पुनर्मरुपथप्रस्थानवाञ्छां कृथाः । यत्रादुर्बलदोर्बलैर्गुणगणव्यासक्तपात्रान्तरैर्लभ्यन्ते पुरुषैः पर(? रं) कतिपयैः कौपाः पयोबिन्दवः SaduktiKa. 268. 3.

अदुर्बोध (a–durbodha) *adj.* not difficult to understand, easy to understand नित्योपयोगेऽदुर्बोधं सर्वाङ्गव्यापि भावतः । संगृहीतम् AṣṭāSaṁ. i. 2. 10 (1. 1)

अदुर्भर (a–durbhara) *adj.* not difficult to carry, not heavy अयाच्यम् … अदुर्भरं मे । अस्त्येव पाथेयम् … श्रीकृष्णनामामृतभागधेयम् MukuMā. 33.

अदुर्भिक्ष (a–durbhikṣa) *adj.* without famine किं स्वर्गादधिकसुखं बन्धुसुहृत्पण्डितैः समं लक्ष्मीः । सौराज्यमदुर्भिक्षं सत्काव्यरसामृतास्वादः Kāvyālaṅ. (Ru.) 7. 95.

अदुर्मख (á–durmakha) *adj.* not lacking in generosity यस्या॒जुष॑न्न॒मु॒स्विनः॑ श॒मीमदु॑र्मखस्य वा । तं घेद॒ग्निर्वृ॒धाव॑ति ṚV. viii. 75. 14 = TaiS. II. vi. 11. 3.

अदुर्मङ्गली (á–durmaṅgalī) *adj.* (*f.*) [DEBRU. pp. 218, 380] not bringing any ill luck, not inauspicious, auspicious अदु॑र्मङ्गलीः पतिलो॒कमा वि॑श ṚV. x. 85. 43; AV. xiv. 2. 40; (अदुर्मङ्गलि) MantrBr. i. 2. 18.

अदुर्मनस् (a–durmanas) *adj.* of undejected mind याचितोऽनवलीनश्च सर्वत्यागेऽप्यदुर्मनाः । … षष्ठीं भूमिं समश्नुते AbhisaAlaṅ. 1. 58.

अदुर्योधन (a–duryodhana) *adj.* devoid of Duryodhana इदानीमपि सोदर्ये निजशौर्येण विष्टपम् । अदुर्योधनमादध्याम् PāṇḍaC. 7. 38.

अदुर्योधनपाटवम् (a–duryodhanapāṭavam) *adv.* devoid of Duryodhana's skill कौरवीं गतिमुच्छेत्तुमदुर्योधनपाटवम् । ये ते सख्येन विक्रान्ताः RāghPāṇ.(Dha.) 18. 108 (comm. न विद्यते दुर्योधनस्य राज्ञः पाटवम् यथा …स्यात्तथा)

अदुर्लभ (a–durlabha) *adj.* [*f.* –ā] not difficult to obtain, easily available लवङ्गपूगकर्पूरताम्बूलाद्यैरदुर्लभैः BṛKathāS'loSaṁ. 18. 312; वेदेषु दुर्लभमदुर्लभमात्मभक्तौ गोविन्दमादिपुरुषं तमहं भजामि BrahmS. 5. 42; अदुर्लभामिन्दुमुखीममन्यत NavaSāC. 4. 8.

अदुर्लभवल्लभ (adurlabha–vallabha) *adj.* to whom a lover is easily available मधुमदमुदा लेभे लुभ्यन्नदुर्लभवल्लभः । निधुवनविधिक्रीडालम्बं नितम्बवतीजनः Kapphiṇā. 14. 1.

अदुर्वासोऽधिष्ठित (a–durvāso'dhiṣṭhita) *adj.* **A** inhabited by people with clean clothes प्रजापतिपुरमिवाप्यदुर्वासोऽधिष्ठितम् (राजसदनम्) YaśasCam. i. 345. 3 (comm. अदुर्वासोऽधिष्ठितम् अमलिनवस्त्रमनुष्योपेतम्); **B** not inhabited by Durvāsas, YaśasCam. i. 345. 3.

अदुर्विधविदग्धता (adurvidha–vidagdhatā) *f.* not improper (i. e. perfect) sophistication अदुर्विधविदग्धतास्पदविमुग्धवेशश्रियोः … भजे व्रजनवीनयूनोर्युगम् StavMā. 82. 4 (comm. अदुर्विधा संपूर्णा या विदग्धता तस्या आस्पदं च)

अदुर्विनीत (a–durvinīta) *adj.* not indisciplined, well-behaved राजसूनुरदुर्विनीतश्च जगति दुर्लभः HarṣaC. 249. 14.

अदुर्वृत्त (a–durvṛtta) *adj.* not ill-behaved, of good character or behaviour अदुर्वृत्तोऽपि स क्षमाभृत् …। गुणवानिव वेश्यानां तन्त्रिणां नाभवत्प्रियः RājTa.(Ka.) 5. 294.

अदुर्वृत्तत्व (adurvṛtta–tva) *n.* the state of not having bad conduct, virtuousness सच्छिष्य इत्यनेनादुर्वृत्तत्वं नाभिधीयते । शिष्यस्यैवादुर्वृत्तत्वकथनमनुपपन्नम् स्यादित्याह Subodhi. 75. 3 (*on* 2. 137); यद्वा शिष्यसत्त्वं नादुर्वृत्तत्वमात्रम् BālamBha. ii. 244. 31 (*on* 2. 137)

अदुलक्षण (adu–lakṣaṇa) *adj.* caused by *adu* (i. e. that which is *avṛddha* or which does not have *ādivṛddhi*) अदुलक्षण एव फिरदोः इति फिर्भवति JaineVyā. 149. 20 (*on* iii. 1. 1)

अदुवस् (á–duvas) *adj.* [DEBRU. p. 932] (endingless pl. or *adv.*) without (divine) favour, lacking in service मा त्वा॑ व॒यं स॑हसावन्न॒वीरा॒ माप्स॑वः॒ परि॑ षदाम॒ मादु॑वः ṚV. vii. 4. 6.

अदुःशासन (a–duśśāsana) *adj.* **1** devoid of Duśśāsana अदुःशासनम् … राष्ट्रं भीमः करिष्यति PāṇḍaC. 6. 1006; काकतीन्द्रो रणे भाति भीमसेनपराक्रमः । किन्त्वदुःशासनाः सर्वे यस्य प्रत्यर्थिपार्थिवाः PratāYaBhū. 365. 8 (comm. दुःशासनो दुर्योधनानुजः … तद्रहिताः); **2** not difficult to control or govern, PratāYaBhū. 365. 8 (comm. (न) दुष्करं शासनम् … येषां ते)

अदुष्कर (a–duṣkara) *adj.* [*f.* –ā] not difficult to accomplish किमिवास्ति यन्न तपसामदुष्करम् Kirātā. 12. 29; न माथुरौत्सं धनपुण्यम् … इहादुष्करदुर्लभार्थे ऋषयः स्मरन्ति DvyāśraKā. 16. 52; स वज्रशङ्कुपुच्छानाम् … प्रतिक्रियाम् ।… मन्वानोऽभूददुष्कराम् RājTa.(Ka.) 3. 396.

अदुष्करप्रसाद (aduṣkara–prasāda) *adj.* granting grace without difficulty, whose favour is easily obtainable रमयति मलयाचलोऽयमस्मान् … अदुष्करप्रसादः SūktiMu. 103. 22.

अदुष्करलाभा (aduṣkara–lābhā) *adj.* (*f.*) not hard or difficult to gain, easily attainable यः … नारायणवक्षःस्थलेऽपि स्थितामदुष्करलाभाममन्यत प्रज्ञाबलेन लक्ष्मीम् Kād. 56. 16.

अदुष्कुलीन (a–duṣkulīna) *adj.* not born of a low family, noble-born केनापि हेतुना मयि किञ्चिद्दोषक्रमेऽदुष्कुलीने … निर्भर्त्सिता च भर्त्रा … वधूः AvantiKa. 240. 4.

अदुष्कृत् (á–duṣkṛt) *adj.* [AltGr. II. 1. 80] not evil-doing मादु॑ष्कृतौ॒ व्यैन॑सा॒घ्न्यौ शू॒नमार॑ताम् ṚV. iii. 33. 13 (Sāy. कल्याणकर्मकारिण्यौ)

अदुष्कृत (a–duṣkṛta) *adj.* who has committed no evil deed or sin भर्तुर्यद्दुष्कृतमिति बहुतरदुष्कृतोत्पादोपलक्षणं न तु मुख्यार्थम् अदुष्कृते भर्तरि तदभावापत्तेः ManvaVi. 802. 26 (*on* 7. 94)

अदुष्कृतजय (aduṣkṛta–jaya) *adj.* who has easily won a victory स्वीकृत्याकुञ्यकं धन्वोल्लेखं कुतृणवत्परान् । सोऽदुष्कृतजयश्चक्रे सुराजा शरदुर्दिनम् DvyāśraKā. 5. 44.

अदुष्कृतिन् (a–duṣkṛtin) *adj.* who has not committed a sinful act, innocent सेवातापेन पच्यन्ते न ह्यदुष्कृतिनो नराः SevyaSev. 9.

अदुष्ट (a–duṣṭa) *adj.* **Ai** [*f.* –ā] unspoiled or unpolluted (food) **ii** free from impurities or adulteration, clean **iii** unaffected, uninfected, not defective, sound, healthy **iv** flawless, defectless, perfect (art, craft) **v** unpolluted, free from profanity (fire) **Bi** blameless, non-censurable, innocent **ii** free from (physical) defect, not handicapped **iii** undefiled, not outraged, of unviolated chastity **iv** not malicious, not wicked **v** free from (religious) blot or blame **vi** uncorrupted, not guilty, honest **C** not vicious or cruel, gentle **Di** unprejudiced, unbiased, pure **ii** unvitiated, undisputed (argument etc.) **iii** free from (literary) defects or faults **iv** not inauspicious or evil, auspicious **v** free from blemish, flawless, proper (means) **vi** not malicious (motive) **vii** not faulty, unobjectionable (activity) **Ai** unspoiled or unpolluted (food or eatable) यद्ध वा अदुष्टं तद्देवानां हविः KausīBr. 10. 4 (47. 9); यस्मात्त्वमप्यदुष्टमन्नं दूषयसि तस्मादनपत्यो भविष्यसि MahāBhā. i. 3. 127; अनुलोमेन विहितं वर्णानां चरुसाधनम् ।…तदलाभात्क्रयक्रीतमदुष्टं कारुका शुचिम् PauṣkS. 27. 187; शशभक्षाददुष्टं वै नैव मांसं महाद्युते BrahmāṇḍP. ii. 63. 17; पयोदोषात्पञ्चशरावेऽदुष्टं हीतरत् MīmāSū. vi. 5. 6 (S'ābaBh. इतरदिह द्रव्यमदुष्टम्); MārkP. 115. 18; पण्यं त्यजेद्दोषादि यो नरः । अदुष्टमपि काले तु स मूल्याद्दशमं वहेत् KātySm. 686; ManuBh. ii. 317. 3 (*on* 9. 286); राजन्हवींष्यदुष्टानि श्रद्धयासादितानि ते BhāgP. iv. 13. 27; विवेको नामादुष्टादन्नात्सत्त्वशुद्धिः SarvaDaSaṁ. 4. 347; YatīndraDī. 63. 2; **Aii** free from impurities or adulteration, clean (items or things other than eatables) अदुष्टाः सततं धाराः वातोद्धूताश्च रेणवः AtriS. 20. 242; ParāSm. 7. 35; अनुष्णाभिरफेनाभिरद्भिस्तीर्थेन (v. l. °रदुष्टाभिश्च धर्मतः) ManuSm. 2. 61 (CaturCin. iii(1). 983. 7 अमेध्यसंसर्गादिदोषरहिताभिः) तथोदकेनान्नाद्यवददुष्टेनेति ManvaVi. 329. 17 (*on* 3. 82); ततश्च वस्त्रं किं गवाश्वादिवददुष्टम् TantrVā. 99. 19 (*on* i. 3. 3); यदा पुनरदुष्टं पण्यं क्रीत्वानुशयकाल एव क्रेता सानुशयो भवति Aparā. 830. 27 (*on* 2. 258); अदुष्टं पण्यं चतुर्भिः पणैः क्रीत्वा … क्रेत्रा नानुशयः कार्यः Subodhi. 98. 16 (*on* 2. 258); यद्वस्तुजालं निखिलं स्वकीयम् ।… अदुष्टमिदं सुखाय VīraBhā. 5. 79; पूजया रहितं यत्तददुष्टमपि दुःस्थितम् VīraMi.(Lakṣaṇa.) 628. 20; पलाशपुष्पैर्विकचैरदुष्टैः TantrRā. 15. 31; **Aiii** unaffected, uninfected, not defective or diseased, sound, healthy (bodily organs) एवमे(मि)प्रि(न्द्रि)यमृतुकाले विसृष्टमा(म)दुष्टायां योनौ गर्भाशयमुपगच्छति BhelaS. 94. 21 (4. 8); इन्द्रगोपकसंकाशमदुष्टं रक्तमुच्यते BhelaS. 142. 26 (6. 6); सादृश्यभ्रान्तमक्षं चेददुष्टं प्राग्ग्रहे यथा S'ivDṛ. 6 55; तस्माददुष्टेन्द्रियस्य तद्विपर्ययसामर्थ्ये अदुष्टस्य तत्समीचीनज्ञानसामर्थ्यमपि NyāyKuA. ii (1). 241. 7; NyāyRaMā. 188. 11; PramāMī. 54. 5 (*on* ii. 1. 16); NyāyMāVi. 115. 12 (*on* iii. 1. 8); यथा चक्षुरादिभिरदुष्टैर्घटादिज्ञानम् TarkBhā.(Ke.) 78. 7; MīmāKau. i. 21. 9 (*on* i. 3. 4); (physical wound or disorder) विंशतिर्व्रणाः … दुष्टोऽदुष्टो मर्मस्थितो न च CaraS. vi. 25. 20; ते चादुष्टा न रोगाय भवन्ति वनहस्तिनाम् Hastyāyur. 28. 21 (1. 3); **A iv** flawless, defectless, perfect, beyond blemish (art, craft or script) विचित्रपत्रच्छेद्यादीनि अदुष्टान्यगर्हितानि ManuBh. i. 195. 14 (*on* 2. 240); तत्र यदीतरेण ते दोषा न परिहृताः तदा दुष्टं लेख्यं परिहृताश्चेददुष्टमित्याह SmṛtiCan. iii. 143. 13;

ManvaVi. 264.16 (*on* 2.239); **A v** unpolluted, free from profanity (fire) दृष्टोऽन्यथापि वह्न्यादिरदुष्टः पुरुषागसा PramāVār. 1.286; आदायारणिजं चाग्निम् ··· अदुष्टं लौकिकं तु वा JayāS. 15.59; **B i** blameless, non-censurable, innocent (person) यद्दूषयन्त्यदुष्टं मां तप उग्रं समास्थितम्। भस्मीभूता दुरात्मानो भविष्यन्ति Rāmā. i. 58.18; ii, 859*(5); तददुष्टे (ब्राह्मणे) न विद्यते VaiśeSū. vi. 1.9 (Upask. तत्पापमदुष्टे यथाशास्त्रं व्यवहरमाणे ब्राह्मणे श्राद्धे भोजिते न विद्यते); PauṣkS. 28.23; अदुष्टास्ते तु यद् ब्रूयुः···तत्प्रमाणं प्रकर्तव्यम् BṛhaspaSm. 77.51; **B ii** free from defect (physical etc.), not handicapped (person) ऋत्विजं यस्त्यजेद्याज्यो याज्यं चर्त्विक् त्यजेद्यदि। शक्तं कर्मण्यदुष्टं च तयोर्दण्डः शतं शतम् ManuSm. 8.388 (ManuBh. अभिशंसनाङ्गवैकल्यादिदोषैरयुक्तम्); **B iii** undefiled, not outraged, of unviolated chastity (maiden or married woman) (कन्याम्) अदुष्टां दुष्टामिति ब्रुवन्नुत्तमसाहसम् ViṣṇuSm. 5.47; पतिवर्जिताः। यैरदुष्टाः स्त्रियो दृष्टास्ते दृष्टाः केनचित् क्वचित् BṛKathāS'loSaṁ. 21.156; त्यजन्नदुष्टां दण्ड्यः स्याद्दूषयंश्चाप्यदूषिताम् VedavyāSm. 2.9; तत्याज लक्ष्मणः सीतामदुष्टाम् BrahmP. 154.13; BhaviP. 35A.10 (i. 13.27); Mitā. 21.6 (*on* 1.66); सवर्णानेकत्वे तु ज्येष्ठायां चादुष्टायाम् ··· धर्ममाचरेत् Aparā. 113.6 (*on* 1.88); SmṛtiCan. i. 222.15; ManvaVi. 793.16 (*on* 7.77); Subodhi. 106.18 (*on* 2.290); दूतीयोगाद्दुष्टा भवन्त्यदुष्टाः (नार्यः) KandaCū. v. 6.41; MahāN. 9.110 (1); **B iv** not malicious or wicked भजन्तं भक्तमत्याज्यमदुष्टं त्यजतः सुखम्। नेह नामुत्र पश्यामि MārkP. 8.251; 14.48; वाङ्मनःकर्मभिर्यस्मादुदुष्टां मां विगर्हसे BrahmāṇḍP. i. 13.57; दुष्टस्यादुष्टस्य वा भर्तुर्गतिर्गन्तव्या DaśKuC. 85.23; चक्षुषी तव रज्येते स्फुरत्यधरपल्लवः।··· न तथाप्यदुष्टस्यास्ति मे भयम् Kāvyāda. 2.131; VṛGautSm. 632.18 (21); BhaviP. 29A.27 (i. 8.54); SmṛtiCan. iii. 112.8; नृपती राष्ट्रे दुष्टान्हन्यान्न त्वदुष्टांस्तदीयसहजान्भ्रातृनपि ManvaMu. 267.6 (*on* 7.110); **B v** free from (religious) blot or blame यथैवैकत्र भुञ्जानो दुष्टो दूषयत्यदुष्टान् ManuBh. i. 285.6 (*on* 3.173); (शर्करायेनुः) श्रोत्रियाय ··· अदुष्टाय प्रदातव्या VarāP. 103.9; अदुष्टश्चेह चोदकः NyāyRaMā. 180.13; Upask. 261.3 (*on* vi. 1.6); **B vi** uncorrupted, not guilty, honest (official) शौचहेतोरमात्यानामेतत्कौटल्यदर्शनम्। न दूषणमदुष्टस्य विषेणेवाम्भसश्चरेत् ArthŚā. i. 51.3 (1.10)=SūktiRa. 159.17; दुष्टादुष्टांश्च जानीयादमात्यानरिदोषतः MārkP. 27.7; 130.23; KathāSaSāg. xii. 4.115; इह त्वदुष्टस्याविद्यमानसाक्षिस्वहस्तलिखितादेर्मुख्यैवोक्तकालया प्रामाण्यसिद्धिरुच्यत इत्यविरोधः Aparā. 690.25 (*on* 2.92); सभासु चर्चा ··· प्रस्तूयमाना सचिवैरदुष्टैः VīraBhā. 5.70; लेखकजातिरदुष्टा ··· स्त्री च न दुष्टेत्यसंभाव्यम् SūktiRa. 115.12; **C** not vicious or cruel, gentle (animals etc.) नदुष्टाश्च (v. l. अदुष्टाश्च) भविष्यन्ति किशोरा वडवा अपि। नदुष्टाश्च भविष्यन्ति पृष्ठेषु च रथेषु च MahāBhā. iv. 72*(1); नानामृगगणद्वीपितरक्ष्वृक्षगणैर्वृतः। अदुष्टैर्भात्ययं शैलो बहुपक्षिसमाकुलः Rāmā. ii. 88.7; अनड्वाहौ ··· अदुष्टावेकवर्णौ तु BṛParāSm. 10.29; ओं त्रैलोक्यगतं दुष्टमदुष्टं वा गृहीतमगृहीतं वावेशय AgniP. 135.1; **D i** unprejudiced, unbiased, pure (mind, intellect, reasoning faculty etc.) मनो ह्यदुष्टं शूराणां पर्याप्तं वै नराधिप MahāBhā. iii. 91.21; अखिलासु वृत्तिषु धियो दुष्टास्वदुष्टास्वपि ··· एकात्मता साक्षिणः SarvaVeSāSaṁ. 614; अदुष्टेन हि चित्तेन सुलभा साधुमूलता TantrVā. 85.9 (*on* i. 3.3); मतिस्तस्त्वगता बुद्धिरदुष्टा शिष्टसंमता SāhiSā. 5.25; **D ii** unvitiated or undisputed (regarding validity, perfection or authority) (religious statement, passage or literature, knowledge, scripture, hymn, *mantra* etc.) पूर्वैः कृतं ब्रह्म ब्रह्मर्षिभिरनुष्ठितम्। अदुष्टं दूषयसि वै MahāBhā. v. 17.13; (तद्दुष्टज्ञानम्) अदुष्टं विद्या VaiśeSū. ix. 2.12; ज्ञानमित्यनुवर्तते। अदुष्टमदुष्टेन्द्रियजन्यम् Upask. 413.10 (*on* ix. 2.12); TantrVā. 277.21 (*on* i. 3.26); S'arka. 87.3; संन्यस्यात्मानमन्विच्छेदित्यदुष्टं स्मृतेर्वचः BṛĀraUBhVā. iii. 5.161; पौरुषेयश्च शब्दः स्वयमदुष्टोऽपि वक्तृदोषादेव दुष्यति Kāśi. i. 74.8 (*on* 2.21); अपौरुषेयं च वेदाख्यं (शास्त्रम्) पुरुषसंबन्धाभावाददुष्टमनभिशङ्कनीयम् JayaMa. 20.1 (*on* 1.2); अदुष्टमेव शास्त्रम् S'āstrDī. 89.17 (*on* i. 1.5); NyāySu.(So.) 3.7 (*on* i. 2.1); Subodhi. 5.26 (*on* 2.7); SiddhāBi. 154.4; **D iii** free from (literary) defects or faults, perfect (poetry) विश्रब्धा रचयन्तु सूक्तवरा मुस्ताक्षतिम् इत्यदुष्टम् KāvyPra. 374.3; प्रविरलपद्यनिबन्धेऽप्यदुष्टा आख्यायिका Kāvyānu.(He.) 406.6; अदुष्टमेव तत्कीर्त्यै (काव्यम्) स्वर्गसोपानपङ्क्तये Vāgbhaṭa. 2.5; RasGaṅ. 210.2; **D iv** not inauspicious or evil, auspicious (stars etc.) अथामयानां भैषज्यं लिख्यते पूर्वसंस्कृतम्। नक्षत्रतिथिवारेषु दुष्टादुष्टेषु या रुजः ĪśānS'iPa. i. 45.1; ऋक्षाण्येतानि···क्रूरग्रहैरदुष्टानि सौख्यदानि भवन्ति हि Mānaso. iii. 1.4; **D v** free from blemish, flawless, proper (means, view-point, argument, characteristic etc.) बालाम् ··· अदुष्टेनोपायेन प्रहिणुयात् KāmSū. 286.4 (5.4); BṛKathāS'loSaṁ. 25.66; तृतीये वा पक्षे अदुष्टे ··· व्यर्था चिन्ता TaiU-Bh. 273.21 (*on* 2.8); S'lokaVār. 5 (2). 176 (260.4); पुनरनुवादत्वाददुष्टा लक्षणा TantrVā. 328.13 (*on* i. 4.22); अदुष्टोऽयं हेतुः प्रत्यक्षावगतिर्नाम Bṛha. 172.7; अदुष्टेऽपि ततो हेतौ VibhraVi. 115; TātpaṬ.(U.) 44.26 (*on* 2.39); इयं त्वदुष्टा व्यवस्था ManuBh. ii. 289.26 (*on* 9.154); NyāyVārPari. 168.1; VyaktiVi. 109.9; PrakaVi. 5.23; NyāyMāVi. 218.24 (*on* iv. 1.2); NayaMañ. ii(3). 7.13; इदमेवादुष्टं प्रमाणमिति सूत्रयति GoviBh. 9.9 (*on* i. 1.3); **D vi** not malicious (motive etc.) व्यवहरन्ति स्म ह्यदुष्टैः कर्महेतुभिः BrahmāṇḍP. i. 35.105; **D vii** not faulty, unobjectionable (activity or action) संभवाद्विप्रकृष्टत्वादेरदुष्टो दूषितः पुरा (comm. ब्रह्मणः···अदुष्ट एव प्रतिबिम्बप्रवेशः); BṛĀraUBhVā. i. 4.610; द्विचत्वारिंशता दोषैरदुष्टं मुनिरप्यदः। प्रतिजग्राह भक्ताद्यम् PārśvC. 6.659; जीवोपमर्दहेतुत्वान्न मांसभक्षणादिकमदुष्टम् SyādvāMañ. 23 (86); याजनाध्यापने शुद्धे अदुष्टे ManvaVi. 1317.23 (*on* 10.76); VīraBhā. 5.47; उपवासे चरुपाकादौ वा जपादिकमदुष्टम् VīraMi.(Paribhāṣā.) 75.1; देशकालानुरोधेन कालान्तरेऽपि तत्करणमदुष्टम् VīraMi.(Pūjā.) 29.8.

अदुष्टक (aduṣṭa-ka) *adj.* not wicked, innocent अदूष (v. l. अदुष्ट)-कमिमं सर्वं स्वजनं घातयिष्यसि MahāBhā. iv. App. I. 15 (44)

अदुष्टकण्ठग्रहण (aduṣṭa-kaṇṭhagrahaṇa) *n.* clasping the neck which cannot be blamed पुरः पतीनामसतीजनेन तदात्मगेहापदि संपदूहे। उपागमेन प्रतिवेशियूनामदुष्टकण्ठग्रहणेन कापि RāmC. 22.73.

अदुष्टकन्या (aduṣṭa-kanyā) *f.* chaste maiden अदुष्टकन्यापरित्यागे दण्डमाह VīraMi.(Saṁskāra.) 745.3.

अदुष्टकरण (aduṣṭa-karaṇa) *n.* sense-organ free from defect अदुष्टकरणोद्भूतमनाविर्भूतबाधकम्। असंदिग्धं च विज्ञानं कथं मिथ्येति कथ्यते NyāyMañ. ii. 116.6; परस्पराश्रयत्वात्-अदुष्टकरणजन्यत्वेन ज्ञानस्याव्यभिचरितत्वसिद्धिरव्यभिचरितत्वज्ञानाच्चादुष्टकरणजन्यत्वसिद्धिरिति TattvPradī.(Ci.) 221.7; न हि दोषः करणसंस्कारः। तथा सत्यदुष्टकरणेन न किंचिदुपलभ्येत NyāySu.(Ja.) 42A.13 (*on* i. 1.1); 51B.12 (*on* i. 1.1); 248A.13 (*on* ii. 1.2); Vādā. 120.4.

अदुष्टकरणकज्ञान (aduṣṭakaraṇaka-jñāna) *n.* cognition based on a sense-organ devoid of defect अदुष्टकरणकज्ञानेनाबाधितत्वं विवक्षितमिति चेत्तर्हि तदेव प्रमालक्षणमस्तु KhaṇḍanKhā. 432.6.

अदुष्टकरणत्व (aduṣṭakaraṇa-tva) *n.* the state of having non-defective sense-organ न तत्साधूक्तम्, अदुष्टकरणत्वादस्य तस्य च तदभावात् PañcPā. 85.11 (*on* i. 1.4)

अदुष्टकर्मन् (aduṣṭa-karman) *adj.* who does no evil act अशूद्राणामदुष्टकर्मणामुपायनं वेदाध्ययनमग्न्याधेयं च फलवन्ति कर्माणि ĀpaDS. i. 1.15; अरोगोऽदुष्टकर्मा च कृतकृत्येषु कोविदः (भिषक्) BhelaS. 16.22 (1.6); यथा शरीरं गुप्तं स्याद्बालस्यादुष्टकर्मणः। विपत्तिः परिभेदो वा न भवेत्तत्तथा कुरु PadmP. v. 32.59; VīraMi.(Saṁskāra.) 133.22.

अदुष्टकारण (aduṣṭa-kāraṇa) *n.* defectless cause अबाधाददुष्टकारणजन्यत्वाच्च नावस्तुत्वम् SāṁkhyaSū. 1.79; 6.52; येन प्रमाणेनार्थं प्रत्येति यदि तददुष्टकारणारब्धं भवति तदा तथात्वमर्थस्य प्रतिपद्यते TātpaṬ.(U.) 86.9 (*on* 2.167); अपूर्वार्थविज्ञानम् ··· अदुष्टकारणारब्धं प्रमाणं लोकसंमतम् PramāVāBh. 21.17; तत्र लैङ्गिकज्ञानप्रत्यभिज्ञाचित्रज्ञानानामदुष्टकारणारब्धत्वात् यथार्थमेवावभासः PañcPā. 10.3 (*on* i. 1.1); अपौरुषेयं तु सिद्धार्थमपि कथं बाध्यतया संभाव्येत। न ह्यदुष्टकारणजं ज्ञानं बाध्यते Kāśi. i. 68.9 (*on* 2.21); i. 155.1 (*on* 2.186); ii. 23.11 (*on* 5.25); तदनुपादाने च ज्ञानजनकत्वमात्रं दुष्टत्वमित्यदुष्टकारणजं ज्ञानं नास्त्येवेति स्यात् KhaṇḍanKhā. 432.12; अदुष्टकारणजन्या निषेधधीर्बाधः S'rutaPra. i. 132.20 (*on* i. 1.1); i. 99.27 (*on* i. 1.1); अन्यप्रतीतिरपि न तावददुष्टकारणजन्या रजतग्राहिणी, अतिप्रसङ्गात् VivaPraSaṁ. 41.20.

अदुष्टकारणत्व (aduṣṭakāraṇa-tva) *n.* the nature of having a defectless cause प्रत्यक्षेण घटे बुद्धे का युक्तिः कार्यमेव वा। अदुष्टकारणत्वं चेत्सिद्धं वेदे नृवर्जनात् BṛĀraUBhVā.(Sam.) 849; द्विचन्द्रज्ञाने च स्वस्यादुष्टकारणत्वधीनिवृत्तिरौषधादिप्रवृत्तिश्च फलम् S'rutaPra. i. 52.14 (*on* i. 1.3)

अदुष्टकारिणी (aduṣṭa-kāriṇī) *adj.* (*f.*) committing no fault स्नुषादुष्टकारिणी ··· त्वया मिथ्यैव किं त्यक्ता VarāP. 26.191.

अदुष्टघृत (aduṣṭa-ghṛta) *n.* faultless (pure) ghee घृतस्य ··· अदुष्टघृतरूपतयाऽस्ति सङ्कोचः UpaParā. 28.17.

अदुष्टचित्ता (aduṣṭa-cittā) *adj.* (*f.*) having an undefiled mind साध्वि स्थिरं चेयमदुष्टचित्ता धर्मे मतिस्ते सततं प्रयातु MahāBhā. iii. 966*(1)

अदुष्टचेतस् (aduṣṭa-cetas) *adj.* having a noble mind अदुष्टचेतसा तेन दत्तं तत्पुस्तकं हृतम् SkandP. vi. 58.9.

अदुष्टता (aduṣṭa-tā) *f.* faultlessness प्लवङ्गम। व्याभाषितैर्वा रूपैर्वा विज्ञेयादुष्टतानयोः Rāmā. iv. 2.26; आकृत्यभिधानस्य द्रव्यनियमार्थत्वाद् द्रव्ये वा अदुष्टता TantrVā. 278.23 (*on* i. 3.26); सर्वेषां दुष्टता चेत्स्यान्न विधानाददुष्टता

BrĀraUBhVā.(Sam.) 85; ख्यातेऽर्थे निर्हेतोरदुष्टता KāvyaPra. 411. 1; नाट्यस्यादुष्टता विनोदहेतुता AbhinBhā. i. 6. 15 (*on* 1. 2); हीनोपमं तदस्याहुः कवयः क्वाप्यदुष्टताम् SaraKanṭhā. 134. 5; विकेतृप्रदर्शने तु शुद्धिरदुष्टता स्यात् Aparā. 776. 8 (*on* 2. 170); 927. 6 (*on* 3. 30)

अदुष्टत्यक्तदार (aduṣṭatyakta-dāra) *adj.* who has abandoned his wife without her fault अदुष्टत्यक्तदारस्य क्लीबस्य क्षयिकस्य च। सेच्छानुपेयुषो दाराॠ दोषः साहसे भवेत् NāraSm. 180. 61.

अदुष्टत्व (aduṣṭa-tva) *n.* not being defective, faultlessness विधानं वादुष्टत्वात् KātySS. xxiii. 4. 24; अनपनयो वादुष्टत्वात् KātySS. xxv. 9. 7; न तस्यादुष्टत्वादविशिष्टं हि कारणम् MīmāSū. vi. 5. 8; तस्यादुष्टत्वेन प्रतिपादनात्कार्यातिदेशोऽप्यदोषवानेव व्याख्यातः Nyās. iii. 683. 4 (*on* vii. 1. 95); उभयमप्यनाप्तप्रणीतत्वदोषविरहात्स्वतश्च शब्दस्यादुष्टत्वात्प्रमाणम् SāstrDī. 72. 5 (*on* i. 1. 5); मिथ्याज्ञानस्य दुष्टकारणजत्वाचोदकस्यादुष्टत्वात् NyāyRaMā. 180. 16; मदीयम् ... रूपकादि वापहृतम् इत्येवंविधस्यादुष्टत्वात् Mitā. 132. 3 (*on* 2. 6); पौनरुक्त्यम् ... न शाब्दं, तस्यार्थभेदे सत्यदुष्टत्वात् VyaktiVi. 69. 12; दुष्टत्वनिरूपणमन्तरेणादुष्टत्वस्य दुर्निरूपत्वात् KhaṇḍanKhā. 432. 8; निषिद्धकाले द्रव्यान्तरगतस्य तैलस्यादुष्टत्वमुच्यते CaturCin. iii. 2. 720; विशिष्य ब्रह्मलक्षणं उदाहृत्य तस्य दुष्टत्वादुष्टत्वचिन्तनमवकाशं लभते SivārkMaDī. i. 104. 13 (*on* i. 1. 2); परार्थः शेषः इति लक्षणस्यादुष्टत्वात् NyāyMāVi. 110. 3 (*on* iii. 1. 2); बाह्यागमेऽपि तात्पर्यप्रमासंभवात् शाब्दज्ञानकरणस्य दुष्टत्वादुष्टत्वव्यवस्था न स्यात् Nyāyāmṛ. 615B. 1; अपौरुषेये ... स्वयमदुष्टत्वाच्च प्रमाणतैवानपोदिता सेत्स्यति YuktiSneha. 20. 18 (*on* i. 1. 2); लौकिकसोमवमनस्यानिषिद्धत्वेनादुष्टत्वात् MīmāKau. 130. 8 (*on* i. 3. 21); न चात्र वचनभेदस्य दोषस्य सत्त्वाददुष्टत्वविशेषणेन वारणं भविष्यतीति वाच्यम् RasGaṅ. 211. 1; आज्ञैव धर्मे सारः इत्यपवादस्थलेऽपि ... निषिद्धस्याप्यदुष्टत्वम् JñānBiPra. 7. 26.

अदुष्टदुष्टता (aduṣṭa-duṣṭatā) *f.* faultiness of what is not faulty न ह्यभ्युपगमदूषणाद्धेतोरदुष्टदुष्टता शक्यते वक्तुम्। अदुष्टोऽयं हेतुः प्रत्यक्षावगतिर्नाम Bṛha. 172. 7 (*on* i. 1. 5)

अदुष्टदूषण (aduṣṭa-dūṣaṇa) *n.* **I** blaming what is not blamable (i. e. chaste) दुष्टानां युवतिषु सिद्धत्वान्नाकस्मादुदुष्टदूषणमाचरेत् KāmSū. 303. 16 (5. 6); विनाभावमदुष्टदूषणे ... जनस्यापकारः JayaMa. 298. 6 (*on* 5. 6); 294. 1 (*on* 5. 5); **II** adulteration of a pure (substance) अदुष्टदूषणादौ मनुः—अदूषितानां द्रव्याणां दूषणे ... दण्डः प्रथमसाहसः DaṇḍaVi. 310. 10.

अदुष्टद्रव्य (aduṣṭa-dravya) *n.* unadulterated or pure substance अदुष्टद्रव्याणामपद्रव्यप्रक्षेपेण दूषणे ... प्रथमसाहसो दण्डः ManvaMu. 416. 13 (*on* 9. 286)

अदुष्टधी (aduṣṭa-dhī) *adj.* of a pure mind, pious मूर्तिमांस्तपसा तस्य महतादुष्टधीः स्वयम्। आविरासीत् ... भास्करः SkandP. iii(1). 33. 46; मध्येसभमथोत्थाय धृतराष्ट्रमदुष्टधीः। जगाद विदुरः PāṇḍaC. 6. 1001; अदुष्टधियः ... धरणीगीर्वाणानपि मुहुर्मुहुर्बाधितुमवनीतलमवतीर्णैः ... धरणीपतिभिः अधिष्ठिता ... भूतधात्री सहस्राक्षं प्रति प्रातिष्ठत ĀnandRa. 1. 8(6)

अदुष्टनयन (aduṣṭa-nayana) *n.* unimpaired sight मण्डूकवसाञ्जनदुष्टनयनजन्यभ्रमस्यादुष्टनयनजप्रत्यक्षेणैव निवृत्तिः GuruCandr. i. 256. 10.

अदुष्टपक्ष (aduṣṭa-pakṣa) *m.* faultless view तथाप्येतदनुमानं नोपपद्यते। अदुष्टपक्षप्रतिज्ञानसापेक्षं हेतुवचनं भवति Bṛha. 33. 7 (*on* i. 1. 2)

अदुष्टपुष्टि (aduṣṭa-puṣṭi) *f.* blameless hightening or enrichment पुष्णन्ति वीणावाद्यं ये रक्तिं दधति चातुलाम्। कुर्वन्त्यदुष्टपुष्टिं च तान्धातूनधुना ब्रुवे SaṃgiRa. iii. 251. 10 (6. 125)

अदुष्टप्रातिवेशिक (aduṣṭa-prātiveśika) *adj.* having a noble neighbour सद्वृत्ताप्तजनाकीर्णमदुष्टप्रातिवेशिकम् (कुर्यान्निवेशनम्) BhaviP. 28A. 10 (i. 8. 12)

अदुष्टबुद्धि (aduṣṭa-buddhi) *adj.* having faultless intellect अदुष्टबुद्धीनां स्वत एव सिद्धत्वाच्च प्रामाण्यस्य ViṣṇuTaNi. 2A. 8; *f.* unvitiated (i. e. good) intention तेनात्ररक्षार्थमदुष्टबुद्ध्या स्वाकारितः ... द्विजान्धः पञ्चत्वमापत्सहसातिभीतः VarāṅgaC. 25. 24; अबुद्धिपूर्वमदुष्टबुद्धिपूर्वमनुप्रविशन् उपसर्पन्वाचा बाध्यो भर्त्सनीयः DaṇḍaVi. 156. 19.

अदुष्टभार्या (aduṣṭa-bhāryā) *f.* faultless wife दातुः कन्यादोषम्(न)भिधाय दाने वरस्य चादुष्टभार्यापरित्यागे उत्तमो दण्डः DīpKa. 10. 13 (*on* 1. 66)

अदुष्टभाव (aduṣṭa-bhāva) *adj.* having no bad intention, innocent इतीव तद्वाक्यमदुष्टभावा सुदुष्टमुक्त्वा रजनीचरं तम् ... व्यथिता बभूव Rāmā. iii. 45. 44; मैवं भवानेनमदुष्टभावं जुगुप्सतां साक्षतसाधुवृत्तम् JānaHa. 1. 84 = SaraKanṭhā. 108. 15; यः सर्वदा संसदि निर्मिमीते मर्मापिधानं जनतापहन्ता। स शस्यतामन्तरदुष्टभावः कुलोद्भवश्चाप्यकुलोद्भवश्च Surath. 1. 61.

अदुष्टभावता (aduṣṭabhāva-tā) *f.* the state of being faultless, innocence इति परीक्षिता। तुष्टास्मि तवैवमदुष्टभावतया DaśKuC. 116 20.

अदुष्टमति (aduṣṭa-mati) *adj.* guileless in thought ख्यातोऽदुष्टमतिश्चन्द्रे मध्यगे गुरुशुक्रयोः JātaPā. 7. 103.

अदुष्टमनस् (aduṣṭa-manas) *adj.* whose mind is guileless अदुष्टमनसं भार्यामभिनन्द्य ...। तस्थौ समुद्रदत्तोऽथ तया सह यथासुखम् KathāSaSāg. xii. 17. 61.

अदुष्टमानस (aduṣṭa-mānasa) *adj.* whose mind is guileless (नारदः) अदुष्टमानसः पश्यन् यातो रूपदिदृक्षया PadmP.(Ra.) 28. 16.

अदुष्टमूल (aduṣṭa-mūla) *adj.* having a faultless base अदुष्टमूलैः प्रबन्धैर्दुष्टमूलप्रबन्धबाधः SrutaPra. iA. 228. 18 (*on* i. 1. 1)

अदुष्टरक्त (aduṣṭa-rakta) *adj.* possessed of unvitiated blood सिरां व्यधेत्। न तु स्नेहपीत° ... °अभिघातातिस्रुतरक्तादुष्टरक्तातिस्निग्ध° ... °पीडितानाम् AṣṭāSaṃ. i. 176. 11 (1. 36)

अदुष्टरस (aduṣṭa-rasa) *adj.* whose taste is not bad (i. e. agreeable) अदुष्टरसगन्धाद्यैः ... अम्बुभिः शुद्धैराचामेत् ĪśānSiPa. i. 9. 51 = ii. 3. 47.

अदुष्टरूपत्व (aduṣṭarūpa-tva) *n.* the state of having a non-defective form एकाक्षपरिकल्पनायां हि तस्य दुष्टत्वे सर्वस्यैव रूपरसादेरप्रतिपत्तिः अदुष्टरूपत्वे वा प्रतिपत्तिः स्यात् TātpaṬ.(U.) 161. 9 (*on* 4. 163)

अदुष्टलेख (aduṣṭa-lekha) *m.* faultless document अदुष्टलेखकर्तृलेखकसाक्षियुक्तं लेख्यमर्थस्यात्यन्तसाधकम् VyavaNi. 96. 4.

अदुष्टवंश (aduṣṭa-vaṃśa) *m.* pure lineage अरोगादुष्टवंशोत्थाम् ... दुहितरं प्राप्य धर्मेण चोद्वहेत् VedavyāSm. 2. 2.

अदुष्टवचन (aduṣṭa-vacana) *n.* statement made by a good or reliable person अदुष्टवचनाच्च दुष्टां त्यजतो न दोषः BālaKrī. i. 70. 24 (*on* 1. 66)

अदुष्टवर (aduṣṭa-vara) *m.* unblemished bridegroom एतच्चादुष्टवराभिप्रायकम् SmṛtiCan. i. 218. 5.

अदुष्टवाच् (aduṣṭa-vāc) *adj.* not possessed of bad speech स एव पुरुषार्थः स्यात् ...। अदुष्टवाक् GaṇeP. ii. 117. 22.

अदुष्टव्यवहार (aduṣṭa-vyavahāra) *m.* faultless transaction अत्र चोर्ध्वगमनादौ सत्यदुष्टव्यवहारः कार्यः ... शपथाद्यनुष्ठानमात्रादेवादुष्टव्यवहारसिद्धिः BālaKrī. i. 240. 14 (*on* 2. 117)

अदुष्टशब्दार्थ (aduṣṭa-śabdārtha) *adj.* consisting of faultless word and meaning सरसालंकृतादुष्टशब्दार्थं काव्यमेव तत् SukraNī. 4(3). 60.

अदुष्टशुक्र (aduṣṭa-śukra) *adj.* whose semen is without defect योजयेच्छुक्रदोषार्थं सम्यगुत्तरबस्तिना ... एवमदुष्टशुक्रः SuśruS. iii. 2. 24.

अदुष्टशूद्र (aduṣṭa-śūdra) *m.* defectless (noble) Sūdra यत्तु शमादिवचनं, तत्र शमादिजन्यादुष्टत्वस्यं ब्राह्मणत्वमित्येतत्परम् ... शमादिमत्यदुष्टशूद्रे व्यभिचारात् MīmāKau. iii(1). 10. 13 (*on* i. 2. 2)

अदुष्टशोध (aduṣṭa-śodha) *m.* purification of the unsoiled अदुष्टशोधः। बुद्धिबोधनस्य (शुद्धशोधनस्य) दोषवत्त्वात् JayaMa. 303. 23 (*on* 5. 6)

अदुष्टसमभिव्याहार (aduṣṭa-samabhivyāhāra) *m.* association with the faultless तत्किमदुष्टसमभिव्याहारादपि दोष एव Upask. 262. 8 (*on* vi. 1. 9) (comm. निर्दोषब्राह्मणसंसर्गे)

अदुष्टसलिल (aduṣṭa-salila) *n.* undefiled or pure water अदुष्टसलिलाभावे ...। अग्नौ प्रतपनम् ... घनवस्त्रेण शोधनम् BhojanKu. 190. 2.

अदुष्टसामग्री (aduṣṭa-sāmagrī) *f.* totality of defectless causes अदुष्टसामग्रीजन्यमात्रवृत्तित्वमुपाधिश्च NyāyaSu.(Ja.) 52A. 4 (*on* i. 1. 1)

अदुष्टहेतु (aduṣṭa-hetu) *m.* faultless motive अदुष्टहेतुसंभूतं तत् प्रमाणं वचोऽर्हताम् TrisaSaPuC. ii. 3. 444.

अदुष्टाक्ष (aduṣṭākṣa) *adj.* whose eyes are not defective अदुष्टाक्षोऽपि तत् पश्येत् सति रूप्येऽन्यरूप्यवत् IṣṭaSi. 152. 20.

अदुष्टात्मन् (aduṣṭātman) *adj.* whose mind is guileless अदुष्टात्मा तमुवाचाथ फल्गुनः MahāBhā. iii. 40. 8; xii. 94. 21; यत्नेऽपि बुद्धेर्गुणपक्षे पातेन प्रतिपक्ष एव यत्नाधानात् परीक्षावतो विशेषेणादुष्टात्मनः PramāVāSvopVṛ. 74. 7.

अदुष्टात्व (aduṣṭā-tva) *n.* the state of being faultless (यथाविध्यभिगम्यैनां शुक्लवस्त्रां शुचिव्रताम्) शुक्लेत्यादिना तस्यामदुष्टात्वम् ... उक्तम् Bālam-Bha. ii. 168. 2 (*on* 2. 127)

अदुष्टान्तःकरण (aduṣṭāntaḥkaraṇa) *adj.* whose mind is guileless अदुष्टान्तःकरणैः ... नागरिकानुचरगणैः मुनिकुमारकयुगलं तद्देवायतनमानिन्ये Yaśas-Cam. i. 141. 7.

अदुष्टाभिप्राय (aduṣṭābhiprāya) *adj.* whose intention is not bad शत्रुभ्योऽप्यागतो ब्राह्मणोऽदुष्टाभिप्रायश्चेन्न दण्ड्यः DaṇḍaVi. 43. 9.

अदुष्टायति (aduṣṭāyati) *adj.* which does not lead to a bad future चण्डदण्डो महीपतिः। अदुष्टायत्यसौ नीतेरश्नाति विपुलं फलम् JānaHa. 10. 30.

अदुष्टावध (aduṣṭā-vadha) *m.* murder of a faultless woman अदुष्टावधे च शातातप आह– 'षण्मासान् स्त्रीघाते प्राजापत्यं चरेत्' Aparā. 1128. 17 (*on* 3. 270)

अदुष्टासन (aduṣṭāsana) *n.* defectless seat अदुष्टासनमध्यास्य भुञ्जीत SkandP. iii(2). 5. 135 = iv. 35. 218.

अदुष्टाहार (aduṣṭāhāra) *m.* uncontaminated food मक्षिकादिसंसर्गतो दुष्टं संत्यज्य अदुष्टाहारं भुञ्जीत ··· अदुष्टाहारान्तरासंभवेऽपि यदवश्यं वर्ज्यं तदाह SmṛtiCan. v. 229. 13–14.

अदुष्टि (a-duṣṭi) *f.* absence of morbific state तददुष्टौ प्रयत्नेन यतितव्यम् AṣṭāSaṁ. i. 299. 22 (3. 15) = AṣṭāHṛ. iii. 15. 3.

अदुष्टेन्द्रिय (aduṣṭendriya) *n.* defectless sense-organ अदुष्टेन्द्रियार्थसंनिकर्षत्वे तु जलरुधिराकारविरोधात् TātpaṬ.(Vā.) 663. 17 (*on* iv. 2. 33); रूपादिविषयज्ञानविशेषोऽपि अदुष्टेन्द्रियरूपहेतुविशेषनिरपेक्ष इति यावत् S'rutaPraB. 319. 19 (*on* i. 2. 19); Upask. 413. 10 (*on* ix. 2. 11)

अदुष्टोपाय (aduṣṭopāya) *m.* defectless means प्राणवियोगकामस्य ··· अदुष्टोपायापेक्षायामदुष्टोपायप्रतिपादकोऽयमधिकारविधिः TātpaṬ.(U.) 99. 19 (*on* 2. 209)

अदुष्प्रतीतिकर (aduṣpratīti-kara) *adj.* causing correct comprehension अनवद्यं – शिष्टानामदुष्प्रतीतिकरम् NyāyVārPari. 387. 5.

अदुष्प्राप (a-duṣprāpa) *adj.* not difficult to reach [PW]

अदुष्य (a-duṣya) *adj.* [? अदूष्य] not blamable अदुष्यं तं यमः प्राह पङ्क्तिपावन एव सः VasiDS. 11. 20.

अदुःषन्धिपद (a-duṣṣandhipada) *adj.* possessed of feet without any defect in joints अदुःषन्धिपदैर्हयैः । रथाः सुषंधयो यान्तो निःषन्धय इवाब्रमुः DvyāśraKā. 3. 114.

अदुस् (a-dus) (Gr.) other than the prefix *dus* अदुरुपसर्गान्तरोहिणनुमीनानेः SiddhaHe. ii. 3. 77.

अदुसंज्ञा (a-dusañjñā) *adj.* (*f.*) not having the technical name *du* (namely वृद्धसंज्ञा) नदीमानुषीवाचिप्रकृतिभ्योऽदुसंज्ञाभ्यस्तदाख्याभ्योऽण् भवति JaineVyā. 168. 10 (*on* iii. 1. 102)

अदुस्तर (a-dustara) *adj.* not very difficult to pass अदुस्तरो निरन्तरप्रवर्तितोष्णबाष्पसंततिरपर इव निदाघसमयो जज(? जृ)म्भे TilaMañ. 179. 4.

अदुस्तरत्व (a-dustaratva) *n.* lack of impassability केचित्तु धन्वनां धनुषां लक्षणयाधिष्ठातृपुरुषाणां धन्विनां मण्डलरूपं दुर्गमित्याहुः । तन्न युक्तम् । लक्षणादोषप्रसङ्गात् । एतादृशदुर्गस्याश्रुतत्वाददुस्तरत्वाच्च ViraMi. (Lakṣaṇa.) 240. 7.

अदुःस्पृष्टा (a-dusspṛṣṭā) *adj.* (*f.*) in which the sounds are not articulated at the wrong places of articulation अथैषादुःस्पृष्टा संहिता भवति सर्वेभ्यः कामेभ्यः SaṁhiUBr. 1. 19; 1. 17.

अदुहाना (a-duhānā) *adj.* (*f.*) not yielding milk अदुहानायामन्याम् (दद्यात्) KātyS'S. xxv. 1. 18; अदुहानापि गौर्दुह्यते PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* i. 4. 51.

अदू (á-dū) *adj.* cf. **अदुवस्.**

अदूक (a-dūka) *adj.* causing no harm अदूककुककाकादिके ··· समराङ्गने । ··· खगाधिपः । ··· अभ्रमरञ्जयत् HarVi. 43. 349 (comm. अदूकाश्च रिपुप्रतापाः कुकाः मांसादनपराः काकादयो यस्मिन्)

अदूतिक (adūti-ka) *adj.* without any female messenger साहसभवनमदूतिकम् ··· सुन्दरि सहजं तव प्रेम SundaS'. 68.

अदून (á-dūna) *adj.* which is not burned or injured अलाण्डून्हन्मि महता वधेन दूना अदूना अरसा अभूवन् AV. ii. 31. 3; अदूनो दूनवान्दैन्यान्भरतः सूनवान्यशः DvyāśraKā. 9. 45; 9. 55; किं सूयसे गिरमदून DhātuKā. 2. 58.

अदूर (a-dūra) *adj.* [*f.* –ā] not far away, not distant (close, near) संख्ययाव्ययासन्नादूराधिकसंख्याः संख्येये P. ii. 2. 25; JaineVyā. i. 3. 87; S'ākaṭāVyā. ii. 1. 3; SaraKaṇṭhā.(Gr.) iii. 3. 2; SiddhaHe. iii. 1. 20; अदूरविप्रकृष्टे च वस्तुन्यनियमो भवेत् TantrVā. 217. 19 (*on* i. 3. 18); अदूरं चान्तरं गत्वा ··· । मनोहरः पुरं प्रापत् BṛKathāS'loSaṁ. 19. 163; किं नरराजवन्द्यो जातोऽत्र भीमोऽहननाददूरः RāghPāṇ.(Dha.) 16. 79; यस्यार्चातो मोक्षलक्ष्मीरदूरा SkandP. iv. 95. 62; न हि यस्य रथरयद्धर्या दूरमदूरं किमप्यस्ति TripuḌi. 4. 1; स्वं संकेतमदूरमेव कमितुर्भ्रूसंज्ञया शंसती सिद्धिं याति विटैककल्पलतिका रण्डा न पुण्यैर्विना SubhāRaK. 24. 21; Subhāṣi. 2373; दूरं दुराशयानां, अदूरमात्मवेदिनां अधिगम्य भगवन्तं पितामहम् NilaVi. 42. 21; *n.* vicinity, proximity एनबन्यतरस्यामदूरेऽपञ्चम्याः P. v. 3. 35; एनबदूरे वा CāndraVyā. iv. 3. 41; एनोऽदूरे S'ākaṭāVyā. iii. 4. 46; KātanVṛ. *on* ii. 4. 22; किमिदमदूर इति दूरादन्यस्तद्विरुद्धस्तद्भावो वा ĀtmaSi. 65. 4; **अदूरात्** (a-dūrāt) [Abl.] i not from a distance, from near ददृशुस्ते ततः कृष्णां सूतपुत्राः समागताः । अदूरादनवद्याङ्गीं स्तम्भमालिङ्गय तिष्ठतीम् MahāBhā. iv. 22. 4; गरुडं वाग्भिरस्तुवन् । अदूरादभ्युपेत्यैनम् MahāBhā. i- 20. 9; (मृगः) मृगैः परिवृतो वन्यैरदूरात् प्रत्यदृश्यत (रामेण) Rāmā. iii. 42. 9; स्मरस्तथाभूतमयुग्मनेत्रं पश्यन्नदूरान्मनसाप्यधृष्यम् KumāSaṁ. 3. 51; तिग्मांशुरश्मिच्छुरितान्यदूरात् प्राञ्चि प्रभाते सलिलान्यपश्यत् Bhaṭṭi. 2. 12; दूरात्सामान्यधर्ममात्रविशिष्टस्य धर्मिणो ग्रहणमदूरात्तु सकलविशेषसाक्षात्करणम् NyāyMañ. i. 33. 3; तामन्तरिक्षादवतीर्य दूरं पुरीमदूरादवलोकमानः RāmC. 17. 35; ततोऽदूरादपश्यंस्ते वनषण्डं सुविस्तृतम् VāmaP. 89. 11; परिश्रमश्रान्तपदानदूरात् प्रत्यागतान् पाययते स्म वत्सान् Yādavā. 4. 87; ii not at a long distance, nearby, close at hand स तु मे भ्रातरं दृष्ट्वा ममादूरादवस्थितम् Rāmā. iv. 9. 9; सुग्रीवः ··· अदूरान्मध्यमे गुल्मे तस्थौ बहुबलानुगः Rāmā. vi. 685*(2); विकद्रुः ··· अदूरादासीनः ··· गास्यति HaṁsDū.(Rū.) 50; iii not after a long time, very soon भगवांस्तेऽक्षरो गर्भमदूरात्संप्रपत्स्यते BhāgP. iii. 24. 2; i. 14. 10; तवैकैकस्य क्षणदाचरेन्द्र मयेह बाहुद्रविणं न दृष्टम् । विलोकयिष्यामि तदप्यदूरात् RāmC. 22. 16; यः प्राणवृत्त्या परितुष्ट आत्मवान् सिध्यत्यदूरान्न तथेन्द्रियप्रियः DevīBhāP. viii. 9. 4; **अदूरे** (a-dūre) [Loc.] i not at a distance, not far away, quite near न चास्य स्थलतरमदूरे स्यात् LāṭyāSS. i. 1. 17; ततो निबध्य तां नावमदूरे काश्यपाश्रमात् । चारयामास पुरुषैर्विहारं तस्य वै मुनेः MahāBhā. iii. 111. 4; नदीनां संगमे ग्रामाददूरे स किलावसत् MahāBhā. viii. 49. 41; अये अदूरे दृश्यते दवाग्निः Avimā. 4. 6(5); असौ महाकालनिकेतनस्य वसन्नदूरे किल चन्द्रमौलेः RaghuVa. 6. 34; न हन्त्यदूरेऽपि गजान्मृगेश्वरः ṚtuSaṁ. 1. 14; न शृणोषि महानादं तस्यादूरेऽपि गर्जतः MārkP. 63. 22; PāraS. 7. 317; उपेयुषीं बिभ्रतमन्तकद्युतिं वधाददूरे पतितस्य दंष्ट्रिणः Kirātā. 14. 38; Nāgā. 4. 20(6); नायं तपोवनमुवं च बिभर्त्यदूरे Kapphiṇā. 6. 16; नरपतेः प्रबोधनार्थमदूरे वैतालिकः पपाठ NalaCam. 6. 0(5); अदूरे दृष्टवान् कञ्चित्पुरुषं स ह्यनाकृतिम् VarāP. 201. 5; NilaP. 1189; VāmaP. 7. 43; तस्यादूरे च सरसीं कूजत्कुररसारसाम् (अद्राक्षीत्) BṛKathāS'loSaṁ. 4. 98; Hitopa. 3. 9(6); अथादूरे सुखासीनः ··· । इति सूनृतया वाचा स वक्तुमुपचक्रमे NavaSāC. 11. 39; 13. 70; ĀdiP. 13. 74; इयमदूरे सरयूः PrasaRā. 5. 0(27); तोयोत्सर्गात्पाण्डुरिमाणं प्रथयन्तीं पाथोदानां पङ्क्तिमदूरे विचरन्तीम् । पश्यति Surath. 4. 39; एतत्सपत्नीगृहमप्यदूरे BhāvS'. 88; ii very soon, shortly यावत्प्लवङ्गबलमध्यगयोर्न पश्यस्यत्यूर्जितानि पतिदेवरयोरदूरे RāmC. 8. 94; तव चरणकमलयुगलस्मरणपरस्य हि सम्पदोऽदूरे Stotrā. 4. 4; पूर्णेन्दुबिम्बादपि सुन्दराणि तेषामपूरे (? मदूरे) पुरतो यशांसि NavaSāC. 1. 6; समासादयतः पुण्यैरदूरे स्वार्थसिद्धयः RājTa.(Ka.) 3. 143; अदूरे परमा सिद्धिर्विश्रान्तिः परमा च नः GaṇeP. ii. 9. 8; *m.* name of a son of the 12th Manu देववायुरदूरश्च देवश्रेष्ठो विदूरथः HariVaṁ. App. I. 1. (36); **अदूरेण** (a-dūreṇa) [Inst.] nearby चतुर्दिशमनीकान्यदूरेण संचरेयुस्तिष्ठेयुश्च NītiVā. 30. 96

अदूरकाल (adūra-kāla) *m.* not distant time, near future अदूरकालभाविन्या वृष्ट्या तद्वन्तः साध्यन्ते NyāyMañ. i. 117. 5.

अदूरकुलालवत्त्व (adūrakulālavat-tva) *n.* the state of having a potter in the vicinity नैवात्र कुलालसद्भावो बोद्धव्यः किं तु देश एवादूरकुलालवत्त्वेन साध्यः NyāyVār. 84. 1 (*on* i. 1. 16)

अदूरकेवलीभाव (adūra-kevalībhāva) *m.* imminent salvation सत्त्वरूपो हि संकल्पो धर्मज्ञानपरायणः । अदूरकेवलीभावं स्वाराज्यमधितिष्ठति YogVā. iv. 53. 35.

अदूरकोपा (adūra-kopā) *adj.* (*f.*) with easily provoked anger अदूरकोपा हि मुनिजनप्रकृतिः Kād. 142. 19.

अदूरग (a-dūraga) *adj.* not far off, close, in the vicinity अहोरात्रं स पश्यन् वै क्षेत्रं दृष्टेरदूरगम् SkandP. iv. 96. 200; विचिन्त्य ··· दत्तं सुतम् । मनोरथमदूरगं गणयति स्म वत्सेश्वरः KathāSaSāg. iv. 1. 148; xvii. 4. 47; एणाङ्कशिखस्य पत्रम् । अदूरगं दैत्यकबन्धबर्हिनृत्यप्रवृत्तेः समयं शशंस S'rīKaC. 20. 29; *m.* name of a kind of Ekārṣya ascetics दूरगा अदूरगा भ्रूमध्यगा असम्भक्ताः सम्भक्ताश्चेति एकार्ष्याः पञ्चधा भवन्ति VaikhāDS. i. 10. 3; i. 11. 3.

अदूरगत (adūra-gata) *adj.* [*f.* –ā] not gone far away, situated in the vicinity वृक्षमूलानि अदूरगतां मैथिलीं सूचयन्ति Prati. 5. 1(4); न ह्यदूरगतया प्रतिपत्त्या कुलोदयादयः परेषां कर्तुं शक्याः MaYānaSū. 20. 25 (5. 6); अश्ववक्त्रः ।··· अदूरगतस्तवैष नो शुद्धशाडवमिह क्रमेति गायन् HarVi. 5. 93; अदूरगतसादृश्यात्सुषुप्तस्योपलक्ष्यते YogVā. v. 64. 50; एकादिक्रतुसंवृद्धया वर्षे षड्योजनान्तरे । ततोऽदूरगते सेवा तदाज्ञापरिपालनम् TantrRā. 1. 33.

अदूरगतसादृश्या (adūragata-sādṛśyā) *adj.* (*f.*) having not a distant (i. e. close) similarity (तुर्या दृष्टिः) अदूरगतसादृश्या सुषुप्तस्योपलक्ष्यते AnnaU. 1. 52.

अदूरगामिन् (a-dūragāmin) *adj.* not going far away, अल्पव्याहारी च स्यात् । अदूरगामी LāṭyāS'S. ix. 8. 8.

अदूरचत्वारिंश (adūra-catvāriṁśa) *adj.* close to forty, about forty

अदूरचत्वारिंशाः (अदूराः चत्वारिंशानामिमे) JaineVyā. 62. 17 (*on* i. 3. 87)

अदूरज (adūra-ja) *adj.* growing nearby अदूरजकुजकुञ्जकुलायक्रीडत्कुररकूजितबहलम् YaśasCam. ii. 209. 5.

अदूरजाग्रत् (adūra-jāgrat) *adj.* present nearby अदूरजाग्रद्विदरप्रणालीरेखामयच्छद्विधिरर्धचन्द्रम् NaiṣC. 8. 38 (comm. अदूरे निकटे जाग्रती स्फुरन्ती··· प्रणाली रेखा)

अदूरजानु (adūra-jānu) *adj.* whose knees are close to each other (i. e. straight) सुजातद्रुमसद्वृत्तमदूरजानुमञ्जुलम् ··· मोहयन्तम् ··· जगत्त्रयम् ··· कृष्णम् PadmP. iv. 74. 181.

अदूरतरशर्मन् (adūratara-śarman) *adj.* from whom bliss is not very far मृगसेनः ···अदूरतरशर्मा ··· तमेवाषडक्षीणमक्षीणायुषमवाप्यामुञ्चत YaśasCam. ii. 338. 8.

अदूरतस् (adūra-tas) *adv.* **i** not at a distance, not far, nearby (place) शत्रुसेनाकलत्रस्य सर्वलोकानदूरतः MahāBhā. xii. 99. 37; मथुरायास्त्वदूरतः HariVaṁ. 45. 35; रामः ··· अन्तरिक्षगतं रथम् । ददर्शादूरतस्तस्य Rāmā. iii. 4. 7; तस्मिन्सिद्धाश्रमे देशे मन्दाकिन्या अदूरतः Rāmā. v. 36. 13; तस्माद्देशाददूरतः । ··· अर्जुनः ··· क्रीडते सह नारीभिः Rāmā. vii. 32. 1; आश्रमोऽदूरतोऽस्माकं तत्र विश्रम्य गम्यताम् MadhyaVyā. 1. 50; तदन्तरालानि पुनस्त्वच्छिन्नेन तु तन्तुना । विभागप्रतिपत्त्यर्थं ग्रथनीयान्यदूरतः PāraS. 12. 185; RāmC. 10. 118; SamarāSū. 31. 10; TriṣaŚaPuC. ii. 4. 128; अथ तदङ्गणाददूरतः स्थितेन मया KarPūC. 25(9); StavMā. 201. 1 Nārāy. x. 48. 1; ŚivLī. 4. 64; **ii** not from a distance, from near (place) उपास्यमानां घोराभी राक्षसीभिरदूरतः Rāmā. vi. 22. 11; गृह्णीयातामिषुं मुक्तमपि वेगाददूरतः PadmP.(Ra.) 100. 77; अदूरतः साधुगणान्विलोक्य VarāṅgaC. 3. 33; यमदूरतस्त्रिजगदेककौतुकव्यवहारसर्गविधिनव्यवेधसम् । अलका ··· वीक्षते ŚrīKaC. 4. 60; **iii** not far off, near at hand, soon (temporal) जामातृत्वमदूरतोऽपि च भवेत् कन्यापितृत्वं हि नः PañcRā. 2. 39; इति भक्त्या स्मरेद्यस्तु तस्य सिद्धिरदूरतः KulārT. 12. 32; SkandP. iv. 94. 34; ŚivS. 4. 109; वर्ण्यतेऽपि यदि प्रत्युज्जीवनं स्याददूरतः SāhiDa. 173. 4.

अदूरता (adūra-tā) *f.* the state of being near, proximity वर्णावृत्तिरनुप्रासः ··· पूर्वानुभवसंस्कारबोधिनी यद्यदूरता Kāvyāda. 1. 55; चण्डधामनि वह्लदूरताम् ··· । सूर्यकान्तगतिरेव पश्चिमे प्रापि सर्वमणिभिः पयोनिधौ ŚrīKaC. 10. 6; 10. 15.

अदूरत्रिंश (adūra-triṁśa) *adj.* not far from thirty, nearly thirty (twenty nine or thirty one) अदूरे त्रिंशतोऽदूरत्रिंशाः JaineVyā. 277. 3 (*on* iv. 2. 69); PrakriKau. i. 594. 3; SiddhāKau 195B. 5 (comm. अदूरास्त्रिंशतः)

अदूरत्वादिपरिग्रह (adūratvādi-parigraha) *m.* knowledge or consideration of not being far off and so on भावयोरदूरत्वादिपरिग्रहश्च दिक्परामर्शे उपयोगी Bhāsk. ii. 55. 25 (*on* ii. 2. 6)

अदूरदत्त (adūra-datta) *adj.* given nearby (नलः) अदूरदत्तमासनं भेजे NalaCam. 4. 16 (16)

अदूरदर्शिन् (a-dūradarśin) *adj.* one who has no foresight यस्त्वदूरदर्शी विमूढो हीयते वियुज्यते अर्थात् KāṭhUBh. 121. 15 (*on* 2. 1)

अदूरदश (adūra-daśa) *adj.* [AltGr. III, p. 398] not remote from ten, about ten (nine or eleven) अदूरदशाः JaineVyā. 62. 17 (*on* i. 3. 87); CāndraVṛ. *on* ii. 2. 46; iv. 4. 95; KāśiVṛ. *on* ii. 2. 25; नवैकादश वा । अदूरदशा इति । दशानामदूरा ये Nyās. i. 392. 23 (*on* ii. 2. 25); ii. 167. 22 (*on* v. 4. 73); KātanVṛ. *on* ii. 5. 9.

अदूरदीर्घनिद्रा (adūra-dīrghanidrā) *f.* long sleep in the near future, near death (दैत्याः) मध्येऽरिशस्त्रशयनीयमदूरदीर्घनिद्रारसत्वमिव ते बहुशः शशंसुः ŚrīKaC. 22. 52.

अदूरदेश (adūra-deśa) *m.* nearby place (नृपः) सरोऽपश्यददूरदेशे VarāṅgaC. 12. 71.

अदूरदेशत्व (adūradeśa-tva) *n.* the state of being in a nearby place बान्धवानामदूरदेशत्वेन तस्य कुलीनता शक्या ज्ञातुम् Aparā. 738. 6 (*on* 2. 128)

अदूरदेशवर्तिन् (adūradeśa-vartin) *adj.* situated in a place nearby अस्मात् ··· सभामण्डपाददूरदेशवर्तिनि तस्मिन् मदनविलासनामनिवासभवने ··· गच्छामि YaśasCam. ii. 141. 1; ii. 248. 20.

अदूरधारागृह (adūra-dhārāgṛha) *n.* shower-house which is not far away प्रसीद वामोरु विमुञ्च वाम्यम् । यथा भजेथाः शशिकान्तवीथीमदूरधारागृहशीकरेण RāmC. 22. 88.

अदूरनिर्मथित (adūra-nirmathita) *adj.* produced by churning not at a distant place, churned out nearby तेनाचिरनिर्मथितेनादूरनिर्मथितेनानन्यकर्तृनिर्मथितेनेति वक्तव्ये प्रदर्शनार्थमचिरग्रहणम् TantrVā. 307. 23 (*on* i. 4. 12)

अदूरपतित (adūra-patita) *adj.* fallen at a nearby place अदूरपतितः सोऽथ पुनरुत्थाय धावितः KathāSaSāg. viii. 3. 72.

अदूरपरिवर्तिन् (adūra-parivartin) *adj.* **i** moving about in the vicinity अदूरपरिवर्तिभिः । ··· हरिणैः कौतूहलनिरीक्षितः MahāBhā. iii. 146. 28; **ii** lying at a nearby place आजहार तदा खड्गमदूरपरिवर्तिनम् । राक्षसः Rāmā. vi. 85. 22.

अदूरपरिसर्पत् (adūra-parisarpat) *adj.* moving not far away अदूरपरिसर्पञ्च गच्छत्यच्छन्दतो गजः Hastyāyur. 226. 11 (2. 28)

अदूरपरिसर्पिन् (adūra-parisarpin) *adj.* wandering not for away, (i. e. nearby) तस्याः कटाक्षविक्षेपैरदूरपरिसर्पिणाम् । बर्हिणां बर्हभारेण बभूव पुनरुक्तता RāmāMañ. 90. 25.

अदूरपात (adūra-pāta) *adj.* hitting or striking from near (and hence inflicting a heavy blow or resulting in hard hitting) विचिक्षिपे शूलभृता सलीलं स पत्रिभिर्दूरमदूरपातैः Kirātā. 17. 53 (comm. अदूरपातैरतिगाढप्रहारैः)

अदूरप्रेरिताक्ष (adūrapreritākṣa) *adj.* who does not direct his eyes very far, who looks closely अथ कौक्कुटिकोऽदूरप्रेरिताक्षे च दाम्भिके MediK. 16. 83; ŚabdaRaSaK. 35. 12.

अदूरप्रेरितेक्षण (adūrapreriteksaṇa) *adj.* who does not direct his eyes very far, who looks closely कौक्कुटिको दाम्भिके स्याददूरप्रेरितेक्षणे ViśvaPra. 19. 208 = ViśvaLoK. 32. 187.

अदूरबान्धव (adūra-bāndhava) *m.* near relative अदूरबान्धवं बन्धुसंनिकृष्टमेव प्रतिगृह्णीयात् VasiDS. 15. 6; अदूरबान्धवमित्यत्यन्तदेशभाषाविप्रकृष्टस्य प्रतिषेधः Mitā. 235. 9 (*on* 2. 130); अदूरे चासौ बान्धवश्चेत्यदूरबान्धवः संनिहितः सपिण्ड इत्यर्थः VīraMi.(Saṁskāra.) 209. 16; अदूरबान्धवं सन्निहितमातुलादिबान्धवम् VīraMi. (Vyavahāra.) 309. 31; 478. 12; अदूरबान्धवं संनिहितदेशवृत्तिपित्रादिकं ज्ञातकुलशीलम् BālamBha. ii. 172. 22 (*on* 2. 130)

अदूरभव (adūra-bhava) *adj.* [*f.* -ā] situated not at a great distance, situated nearby अदूरभवश्च P. iv. 2. 70; शिरीषाणामदूरभवो ग्रामः शिरीषाः ··· कटुबदर्या अदूरभवो ग्रामः कटुबदरी MahāBh. i. 226. 20 (*on* i. 2. 51); तस्य निवासादूरभवौ JaineVyā. iii. 2. 59; (comm. वाराणस्या अदूरभवा वाराणसी । विदिशाया अदूरभवं वैदिशम्); CāndraVyā. iii. 1. 65; ŚākaṭāVyā. ii. 4. 192; SiddhaHe. vi. 2. 69; PrakriKau. i. 759. 2; i. 764. 3; Prasā. i. 764. 11; लिङ्गातिदेशफलं कटुबदर्या अदूरभवो ग्रामः कटुबदरी LaŚabdeŚe. ii. 252. 2; ii. 256. 13.

अदूरभाग (adūra-bhāga) *m.* not very distant part अदूरभागाभिनिविष्टद्वशस्त्वेकस्मिन्नपि रूपके पृथक्प्राधान्यम् AbhinBhā. i. 282. 5 (*on* 6. 31); Kāvyānu.(He.) 77. 3.

अदूरम् (a-dūram) *adv.* not to a long distance स तु । अदूरं तमनुव्रज्य क्षीरद्रोर्गेहमागमत् RatnaCūKa. 135.

अदूरमनोरथ (adūra-manoratha) *adj.* to which the desire (i. e. its fulfilment) is not far off जुहुधि जोषमुदेति हुताशनात्तव रथोऽयमदूरमनोरथः RāmC. App. I. 37. 66.

अदूरमरण (adūra-maraṇa) *adj.* whose death is not far off (near) निष्पथ्यौ पितरावदूरमरणौ स्वामी द्विषन्निर्जितो दृष्टो येन RājTa.(Ka.) 7. 1414.

अदूरमहीतल (adūra-mahītala) *adj.* from which the surface of the ground is not far यानादवातरददूरमहीतलेन मार्गेण ··· रामः RaghuVa. 13. 69.

अदूरमेदिनीदेश (adūra-medinīdeśa) *m.* piece of land not far off अदूरमेदिनीदेशवर्तिनस्तस्य चक्षुषः । परिच्छेदः परोक्षस्य क्वचिन्मानान्तरैरपि NyāyMañ. i. 48. 10.

अदूरमोक्षसाम्राज्य (adūra-mokṣasāmrājya) *adj.* having the sovereignty of liberation not far off सत्त्वरूपो हि संकल्पः ···। अदूरमोक्षसाम्राज्यः सुखरूपो हि तिष्ठति AdhyāRā. vii. 6. 48.

अदूरयमवाह (adūra-yamavāha) *m.* Yama's vehicle which is close by वाजिभिः ··· हेषितैः । द्रागदूरयमवाहसैरिभत्रासवैशसमिवाभ्यधीयत ŚrīKaC. 22. 30.

अदूरयोग (adūra-yoga) *m.* close contact तदाधिशिश्ये ···। वरूथताराभिरदूरयोगाद्दलद्दरीयःकरकानुकारः ŚrīKaC. 20. 15 (comm. निकटवासात्)

अदूरलग्ना (adūra-lagnā) *adj.* (*f.*) connected very close (to each other) अलक्ष्यत ···। अदूरलग्ना चरणारविन्दयोरनुश्रवाणामिव वर्णपद्धतिः ŚivLī. 11. 61.

अदूरवर्तिन् (adūra-vartin) *adj.* [*f.* -ī] **i** residing not very far, situated nearby जातानि रूपावयवोपमानान्यदूरवर्तीनि विलासिनीनाम् RaghuVa. 16. 63 (comm. अन्तिकगतानि); ततो नरपतेरभवन्मनस्यदूरवर्तिना खलु भवितव्यं भदन्तेनेति HarṣaC. 315. 14; BālRā. 4. 41 (11); त्वमपि देवि विद्रुममणिपर्यङ्कि-

-कामिमामदूरवर्तिनीमध्यास्व NalaCam. 7. 37 (3); Rāvaṇā. 3. 40; DarpDa. 2. 89; BṛKathāMañ. 10. 45; NaiṣC. 15. 37; प्रातिवेशिकान् स्वगृहाददूरवर्तिगृहान् (ब्राह्मणान्) CaturCin. i. 32. 40; ii not very far, occuring immediately (time) अदूरवर्तिनीं सिद्धिं राजन् विगणयात्मन: RaghuVa. 1. 87 (comm. शीघ्रभाविनीम्) = ChandaśCū. 3. 39 (47); सर्वज्ञत्वसिद्धिमदूरवर्तिनीमेव मन्यन्ते NyāyMañ. ii. 87. 29; RasSa. 11 (4); अविकृष्टश्च स चरितसंभोग: । आख्यानवस्तुनादूरवर्ती कर्तव्य: NāṭaLaRaK. 253.

अदूरवसति (adūra-vasati) *f.* residence in the vicinity मन्त्रिणोऽदूरवसति: कर्म कुर्याच्च सत्वरम् YuktiKa. 24. 15.

अदूरवस्थित (adūra-vasthita) *adj.* not standing far away, being close to अदूरवस्थितै: प्रियै: सुदूरवस्त्रका: कृता: । तदूरव: Nalo. 2. 58.

अदूरवासिन् (adūra-vāsin) *adj.* not living far away, residing near कीर्तिसेना ... तं प्रययौ नृपम् । अदूरवासिनं क्षिप्रं वैद्यवेषोपलक्षिता BṛKathāMañ. 7. 249.

अदूरवाह (adūra-vāha) *adj.* not carrying or travelling a long distance तत्रैषमस्त्यं प्रविवारयन्त: कार्यं ययु: केचिददूरवाहा: Rāvaṇā. 14. 61.

अदूरविंश (adūra-viṁśa) *adj.* nearly twenty अदूरविंशा: KāśiVṛ. on ii. 2. 25; कपिप्रवीरा: । ओघैर्ये परिगणिता अदूरविंशैरावाभ्याम् Ragh. 16. 62.

अदूरविनिवर्तितग्रहविमान (a-dūravinivartitagrahavimāna) *adj.* which has not surpassed the planet-vehicles अदूरविनिवर्तितग्रहविमानम् ... यदेतद् (विमानम्) आस्ते पुर: JānaPa. 1. 29.

अदूरविप्रकर्ष (adūra-viprakarṣa) *m.* i not a very great distance (in degree), little difference (in nature) अदूरविप्रकर्ष इति वक्तव्यम् । इह मा भूत् महान् सर्षप: । महान् हिमवान् । ... अदूरविप्रकर्ष एव स्पर्धा भवति MahāBh. ii. 413. 14 (on v. 3. 55); लिङ्गेन ग्रहणाददूरविप्रकर्षेण क्रियातुल्यत्वमुपपत्स्यते NyāyMañ. i. 120. 9; ii. 166. 24; अदूरविप्रकर्षेण तु कथंचित्प्रतिपादनमिहापि समानम् Bhām. 93. 24 (on i. 1. 4); वेदान्तानामदूरविप्रकर्षेण वस्तुबोधकत्वमुपपादयति VedāntKa. 75. 20 (on i. 1. 4); तथाप्यदूरविप्रकर्षेण तत्सत्त्वं कथंचिद्गोचरयत: श्रुतानुमाने TattvVai. 53. 23 (on 1. 49); विशेषसिद्धे: सामान्यसिद्धिरप्यदूरविप्रकर्ष: NyāyVārPari. 757. 3; अदूरविप्रकर्षेण कार्यत्वेनोपनीतेनापूर्वत्वेन निमित्तेनापूर्वे प्रवर्तते लिङ् NyāyKuA. ii(2). 90. 4; लीलामवगमयतीत्यदूरविप्रकर्षात् प्रतिबिम्बकल्पनमुक्तम् AlaṅkāSa. 77. 6; तसिलादीनामदूरविप्रकर्षात् GaṇRa. 1. 17 (42); वयं तु तदेवेदानीं प्रतिसंस्कारमदूरविप्रकर्षेण प्रब्रूम: NyāyPari. 235. 9; अत एव हीतिहासपुराणयोरदूरविप्रकर्षात् S'atDū. 55. 20; 212. 24; 220. 7; इदं किल किमपि... अदूरविप्रकर्षेण शक्यमिव विषमिति व्यपदेष्टुम् ...विश्वमिदम् NīlaVi. 99. 5; ii not much distinctness (in meaning) अदूरविप्रकर्षस्थैर्वस्तुतोऽनवगाहिभि: । इत्येवमादिभि: शब्दैस्तत्त्वं तदुपलक्ष्यते AhirbuS. 2. 40; द्रव्याष्टकव्यतिरेकादिशब्दैरदूरविप्रकर्षेण परामृष्ट: शक्नोति विशेष्टुम् TātpaṬ.(Vā.) 184. 12 (on i. 1. 5); अदूरविप्रकर्षेण तु नियोगादिपदप्रयोग: Kāśi. ii. 9. 17 (on 5(1). 15); अदूरविप्रकर्षमात्रेण तेषामाख्यातपर्यायत्वम् S'āstrDī. 73. 1 (on i. 4. 6); YuktiSneha. 47. 11 (on i. 1. 5); iii not great distance, little distance or gap (in space) आश्रयावच्छेदकतया तेषामप्यदूरविप्रकर्षेण तद्देशत्वम् NyāyKuA. i. 97. 4; शुक्लज्ञानं तु तु अदूरविप्रकर्षेण तथा JñānBiPra. 2. 29; iv not great distance or gap (in time) तदित्यदूरविप्रकर्षेणोच्यते Kiraṇā. 103. 1; v not very wide gap (in number) अन्ते चतुर्लक्षमित्युपसंहृतं तददूरविप्रकर्षेण VīraMi. (Paribhāṣā.) 13. 1.

अदूरविप्रकर्षिन् (adūra-viprakarṣin) *adj.* not far removed or remote, not very far off अदूरविप्रकर्षिणां समानकक्षाणां स्पर्धा JaineVyā. 259. 32 (on iv. 1. 114)

अदूरविप्रकृष्ट (adūra-viprakṛṣṭa) *adj.* not far removed, not very far off (i. e. akin to) एतस्मिन् पुनरदूरविप्रकृष्टसादृश्यसमुद्भवप्रत्यासत्तिसमुचितत्वात् ... तत्त्वमेवाध्यारोप्यते VakroJī. 102. 14; अथादूरविप्रकृष्टसांख्ययोगशीलनेन तद्विवेक इति चिन्तयसि S'atDū. 73. 18; तत्रानयोरदूरविप्रकृष्टादेकविद्यास्थाननिवेश: NyāyPari. 404. 16.

अदूरविप्रकृष्टावस्था (adūraviprakṛṣṭāvasthā) *f.* the stage or position which is not far off or remote ज्ञाननिष्ठस्य ततोऽर्वाचीनादूरविप्रकृष्टावस्थोच्यते GītāBh.(Rā.) 141. 3 (on 2. 56)

अदूरविरह (adūra-viraha) *m.* not distant separation, near separation अदूरविरहोत्कण्ठादु:खं दु:खेन सह्यते Subhāṣi. 1252.

अदूरविलम्बमान (adūra-vilambamāna) *adj.* hanging down quite near माणिक्यतोरणमदूरविलम्बमानतिग्मांशुकूबरितुरङ्गशरीरभाभि: । ... आभात्यशून्यमिव वन्दनमालिकाभि: HarVi. 1. 22.

अदूरविषय (adūra-viṣaya) *adj.* not far away (*lit.* whose sphere is near) रे रे चपल चापलस्य फलमदूरविषयमनुभावयामि भवन्तम् UdaySuKa 142. 3.

अदूरवीक्षिणी (a-dūravīkṣiṇī) *adj.* (*f.*) not seeing far away, not seeing distant things ममास्ति ... । अदूरवीक्षिणी दृष्टिर्विस्मृतिश्च गरीयसी MalliC. 7. 1083.

अदूरव्यतिरिक्त (adūra-vyatirikta) *adj.* not far different न च यथा ... ध्वनयो द्रुतादिबुद्धिं कुर्वन्ति, एवमत्र यागादयोऽदूरव्यतिरिक्ता: TantrVā. 448. 15 (on ii. 2. 1)

अदूरव्यवधान (adūra-vyavadhāna) *n.* not a great gap or interval अत्र च द्वियोजनमित्यदूरव्यवधानेन ... सार्धद्वियोजनपरमेव TristhaSe. 102. 10.

अदूरव्यापिन् (a-dūravyāpin) *adj.* not extending far off, not covering distant (objects) प्रोवाच च राजन्नदूरव्यापिन: फल्गुचेतसामलसानां मनोरथा: HarṣaC. 170. 4.

अदूरश्रवण (adūra-śravaṇa) *n.* not hearing from a distance तत्प्रेरकतात्वादिव्यापारबलानुसारेण अदूरश्रवणादिव्यवस्थोपपत्तेश्च MānaMe. 223. 2.

अदूरष (adūra-ṣa) *adj.* nearly six, not far away from (the number) six त्रिदशारिषु ते द्वित्रानासन्नत्रानदूरषान् ... युगपद्ववृषु: शरान् DvyāśraKā. 5. 30.

अदूरसंस्था (adūra-saṁsthā) *adj.* (*f.*) remaining not far away, found near हितोपदेशेषु पराङ्मुखानामदूरसंस्था विपदो हि पुंसाम् RāghPāṇ-(Ka.) 7. 27.

अदूरसंस्थिता (adūra-saṁsthitā) *adj.* (*f.*) remaining not far away, standing near सदानुकूलस्य नरस्य जीविन: सुखावहा मुक्तिरदूरसंस्थिता PadmP. ii. 96. 52.

अदूरसा (a-dūrasā) *adj.* (*f.*) not having a bad taste अभ्यर्णद्रुमकुसुमवासिताभि: शीताभि: शुचिभिरदूरसाभिरद्भि: Surath. 12. 25.

अदूरसागरावसान (adūra-sāgarāvasāna) *adj.* (who is) not far off from the end of the sea (i. e. the shore) (भद्रमित्रस्य) प्रत्यावर्तमानस्यादूरसागरावसानस्याकाण्डप्रचण्डबलादनिलात्परिवर्तितपोतस्य YaśasCam. ii. 345. 25.

अदूरस्थ (adūra-stha) *adj.* [*f.* -ā] i standing not far away, not being far off, remaining near तेऽपश्यन् ब्राह्मणम् ... अदूरस्थमग्निहोत्रपुरस्कृतम् MahāBhā. i. 1362*(2); अथापरमदूरस्थमुञ्छवृत्तिकलेवरम् MahāBhā. iv. 175* (16); ततो युधिष्ठिर: कर्णमदूरस्थं निवारितम् । अब्रवीत् MahāBhā. viii. 33. 10; अदूरस्थं रघुश्रेष्ठं ध्यात्वा चाप्यथ रावण: Rāmā. vi. 493*(1); दूरस्थमप्यदूरस्थं यन्मे मनसि वर्तते YogVā. v. 9. 11; अदूरस्थापि दूरस्था कर्मविक्षिप्तचेतसाम् (अहम्) BṛDharmaP. i. 42. 51; प्राप विदूषक: । पूर्वाम्बुधेरदूरस्थां नगरीं ताम्रलिप्तिकाम् KathāSaSāg. iii. 4. 291; ii imminent, not far away (in time) तां धर्षणामदूरस्थां संदृश्यात्मनि पार्थिव: । चिन्तार्णवगत: पारं नाससाद Rāmā. ii. 110. 35; वदनकमले पक्ष्मलदृशां दृढासक्तिर्येषामधरमधुपानं विदधताम् । अदूरस्था बन्धव्यसनघटना ... विमुग्धानां तेषाम् S'ṛṅgāVaiTa. 36.

अदूरस्थित (adūra-sthita) *adj.* i staying not far away (i. e. soon) अवनीश्वर: अदूरस्थितात्मव्यापारसत्वरसूतिकं प्रियाया: प्रसूतिगृहमविशत् TilaMañ. 77. 16; ii standing not far away (i. e. near) ततस्तस्यातिसंरम्भात्तानदूरस्थितान् प्रति । यात्राभूत् ... वाजिरेणुग्रस्तनभस्तला RājTa.(Ka.) 1. 67.

अदूरस्थितमित्रा (adūrasthita-mitrā) *adj.* (*f.*) i with a friend (i. e. lover) standing near सुतनुरियम् ... अजलप्रकृतिरदूरस्थितमित्रा गगननलिनीव Kāvyālaṅ.(Ru.) 11. 33; ii with the sun remaining near, Kāvyālaṅ.(Ru.) 11. 33.

अदूरस्थितविस्पष्टम् (adūrasthita-vispaṣṭam) *adv.* as distinctly or clearly as if it were situated (not far off) अनेकशैलान्तरितं योजनानां शतादपि । अदूरस्थितविस्पष्टं दृश्यं पश्यामि सर्वत: JātaMā. 14. 4 (2. 47)

अदूराख्य (adūrākhya) *adj.* whose designations are not distant (from each other) (i. e. closely related) अधीरयादूराख्यानाम् JaineVyā. i. 4. 81.

अदूराद्धूत (adūrāddhūta) *adj.* not called from a distance (not coming under the rule *dūrāddhūte ca*) एचोऽप्रगृह्यस्यादूराद्धूते पूर्वस्यार्धस्यादुत्तरस्येदुतौ P. viii. 2. 107; अप्रगृह्यस्य एच: अदूराद्धूते प्लुतविषये पूर्वस्यार्धस्याकार: प्लुत: स्यात् SiddhāKau. 612A. 19.

अदूराद्रि (adūrādri) *m.* nearby mountain श्रान्तं दृक्पथमागतास्तमनयन्निद्रामदूराद्रय: RājTa.(Ka.) 2. 167.

अदूराध्वगत (a-dūrādhvagata) *adj.* who has not gone a long distance न दूरे ते गता: (v. l. अदूराध्वगता:) क्षुद्रास्तावद्गच्छामहे सह । यावदावर्तयाम्यद्य चोरहस्ताद्धनं तव MahāBhā. i. 205. 20.

अदूरान्तर (a-dūrāntara) *n.* [Inst.] at no great distance तच्च — रूपम् ... विशेषै: परस्मा अप्यदूरान्तरेण दर्शयितुं शक्यम् Kāśi. i. 253. 6 (on 4. 117)

अदूरान्तरित (a-dūrāntarita) *adj.* not greatly separated (व्यञ्जनस्य)

प्रकृष्टोऽदूरान्तरितो न्यासोऽनुप्रास: Kāvyānu.(He.) 247. 3.

अदूरालोकिनी (a-dūrālokinī) *adj.* (*f.*) not looking at a distance अदूरालोकिनी म्लानपुटाप्यलसचारिणी । (दृष्टि:) ··· श्रान्ता श्रमे मता SaṁgīRa. iv. 143. 6 (7. 406)

अदूरावस्थित (adūrāvasthita) *adj.* staying close by अदूरावस्थितो रामस्तत्र वृष्णिवरूथिनीम् । शशङ्के विस्मयाविद्धः सप्तार्णवसमाहृतिम् Yādavā. 22. 203.

अदूराशिवताति (adūrāśivatāti) *adj.* whose series of misfortunes was near at hand पुनरदूराशिवतातिं श्रीभूतिम् ··· न्युब्जाननम् ··· अवेक्ष्य Yaśas-Cam. ii. 348. 10.

अदूरीकरण (a-dūrīkaraṇa) *n.* not keeping off अन्वहं चायम् ··· मन्त्रणेष्वदूरीकरणेन ··· परसं(? स)ख्यमानेय एव ते भ्राता च भृत्यश्च सचिवश्च सहचरश्च TilaMañ. 102. 21.

अदूरीकृत (a-dūrīkṛta) *adj.* not kept away from (वालि:) चरणांगुष्ठपीडितं गिरिमस्तकम् । चकार शोभनध्यानाददूरीकृतचेतन: PadmP.(Ra.) 9. 149.

अदूरेत्यभू (adūretya-bhū) *adj.* whose land is not far off (i. e. is near) अमुम् ··· भूपा अदूरेत्यभुवोऽभजन्त DvyāśraKā. 16. 6 (comm. अदूरेत्या: समीपभवा भुवो येषां ते तथा निकटस्था इत्यर्थ:)

अदूरेबान्धव (adūre-bāndhava) *m.* near relative इत्वादूरेबान्धवं बन्धुसंनिकृष्टमेव प्रतिगृह्णीयात् VasiSm. 15. 6; अदूरे बान्धवा यस्य सोऽदूरेबान्धव: Aparā. 738. 5 (*on* 2. 128); अदूरेबान्धवं संनिहितमातुलादिबान्धवम् SmṛtiCan. iv. 448. 7; अदूरेबान्धवो यथायथं संनिहित: सपिण्ड: VyavaMa. 113. 15.

अदूरेरितलोचन (adūreritalocana) *m.* (a mendicant) whose eyes are fixed not far away कौक्कुटिको दाम्भिके स्याददूरेरितलोचने AnekāSaṁ. 4. 9.

अदूरेरितेक्षण (adūreritekṣaṇa) *m.* (a mendicant) whose eyes are fixed not far away दाम्भिक: कौक्कुटिको यश्चादूरेरितेक्षण: AmaK. 2368; AnekāSa. 372 = NānārthāSaṁ. iii. 24. 17; DharK. 163; Vaija. 275. 6; AnekāK. 89; KośaKaTa. 2. 3813.

अदूरोज्झितवर्त्मन् (adūrojjhita-vartman) *adj.* keeping away not far from the road परस्पराक्षिसादृश्यमदूरोज्झितवर्त्मसु । मृगद्वन्द्वेषु पश्यन्तौ Raghu-Va. 1. 40 (comm. विश्रम्भाददूरं समीपं यथा भवति तथोज्झितं वर्त्म यैस्तेषु)

अदूरोद्गतबहुफला (adūrodgatabahu-phalā) *adj.* (*f.*) A possessing many quickly produced fruits; सदीश्वरसेवयेवादूरोद्गतबहुफलया (विन्ध्याटव्या) VāsaDa. 106. 2; (comm. अदूरोद्गतानि बहूनि बहुविधानि भूयांसि वा फलानि यस्यां तया); B possessing many quickly produced benefits (comm. अदूरं शीघ्रमुद्गतानि बहूनि धनाद्यनिष्टनिवारणादीनि फलानि यस्यां तया) VāsaDa. 106. 2.

अदूरोन्नत (adūronnata) *adj.* protruding not very much अदूरोन्नतम् ··· स्तनयुग्ममिदं शस्तम् BhaviP. 21B. 15 (i. 5. 42)

अदूषक (a-dūṣaka) *adj.* [*f.* -ikā] not committing a fault, not offending, innocent, unblamable न दूषयामि ते राजन्यच्च हन्याददूषकम् । ··· क्षिप्रं दारुणमाप्नुयात् MahāBhā. iv. 64. 9; अदूषकमिमं सर्वं स्वजनं घातयिष्यसि MahāBhā.iv. App. I. 15. 44; तत्त्वं ज्ञात्वा तु सोमस्य विक्रय: स्याददूषक: MahāBhā. xii. 35. 31; स्त्रियस्तथापचारिण्यो निष्कृति: स्याददूषिका MahāBhā. xii. 35. 30; मन्त्रिणश्च ··· । अहितं चापि पुरुषं न विहिंस्युरदूषकम् Rāmā. i. 7. 8; हन्तारो ब्राह्मणान्ये तु मृषापूर्वमदूषकान् Rāmā. vii. 86. 16.

अदूषकता (adūṣaka-tā) *f.* the state of not causing a fault संदिग्धोपाधेरदूषकतापाताच्च TattvCin. ii(1). 386. 2.

अदूषकत्व (adūṣaka-tva) *n.* the state of what does not cause a defect or fault निराश्रयदूषणस्यादूषकत्वेनासाधनोपादानात् TārkiRa. 349. 1; भीष्मप्रतीक्षाया: ··· आचारपालनार्थत्वेन वा अदूषकत्वाच्च GoviBh. 305. 10 (*on* iv. 2. 20)

अदूषण (a-dūṣaṇa) *adj.* [*f.* -ā] A not defective, faultless (justification, argument etc.) वैधर्म्यासंभवेऽप्येतत् (निरालम्बनसाधनं) अन्ये त्वाहुरदूषणम् S'lokaVār. 5. 127 (249. 2); NyāyRa. 249. 14 (*on* 5(2). 127); (प्रकृतसाधनम्) अदूषणम् । अविद्यमानदूषणमित्यर्थ: Kāśi. ii. 72. 11; इति व्यक्तिवादिन: पुनस्तत् (अनैकान्तिकत्वादि) अदूषणम् KāvyPra. 256. 6; Kāvyānu.(He.) 36. 16 (comm.); व्यर्थविशेषणं तर्हि सर्वत्रादूषणं स्यादिति चेन्न NyāySiA. 231. 1; (अपर्यवसिता परम्परा) बीजाङ्कुरपरम्परावत् अदूषणं स्यात् NyāySu.(Ja.) 59B. 11 (*on* i. 1. 1); स्वयोनि: पिण्डिकैव स्याच्छैलादीनामदूषणा IśānS'iPa. ii. 36. 27 = S'ilpaRa. ii. 1. 57; B not blamable, not guilty, irreproachable (persons) आ: सर्वाधम ! त्वमप्यात्मानमदूषणं समर्थयसे MohaRāPa. 4. 33 (8); आसीददूषणं साधुकोटीरस्य विभूषणम् S'āliC. 2. 40; संभावितो विनाशो येन ममादूषणस्यापि KandaCū. i. 5. 11.

अदूषण (a-dūṣaṇa) *n.* I not a fault or defect ननु सामान्यतोदृष्टं नान्यत्वादित्यदूषणम् S'lokaVār. 2. 175 (98. 5); 7. 329 (938. 9); न्यायानुसारेण अधिकरणभङ्गाद्यदूषणमिति दर्शयति Kāśi. i. 2. 14 (*on* 0. 2); प्रतिज्ञास(? सं)न्यासोऽपि दूषणान्तरपूर्वकत्वाददूषणमेव PrakaPañ. 227. 5; तत्तु लक्षणानभिधानाददूषणम् S'āstrDī. 35. 1 (*on* i. 1. 4); 111. 11 (*on* i. 1. 4); MīmāKau. i. 44. 21 (*on* i. 3. 7); वाणिज्याशक्तवैश्यानां शूद्रवृत्तमदूषणम् MahNirvāT. 8. 112; अभ्यासे पौनरुक्त्यं च कार्यार्थत्वाददूषणम् NyāyMañ. i. 256. 3; i. 390. 29; एकस्य रक्तत्वारक्तत्वप्रसङ्ग इत्यदूषणम् NyāyKa. 42. 15; अन्यथा शङ्का त्वदूषणमेव NyāyKuA. i. 190. 1; यत्तु प्रश्नच्छायावैलक्षण्यमुक्तं तददूषणम् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 238. 19 (*on* i. 4. 6); न च व्यतिरेकिणी विशेषणाप्रसिद्धिरदूषणम् TarkSaṁ.(Ā.) 25. 18; 12. 13; 38. 4; आरोपितत्वे ··· अनवस्थेति अदूषणम् NyāySu.(Ja.) 62A. 1 (*on* i. 1. 1); 265B. 12 (*on* ii. 1. 2); उच्यते । आद्यं तावददूषणम् PariVṛ.(Si.) 191. 10; ममात्रादूषणं भद्र KumāDeC.(So.) 10. 28; II non-refutation अप्रतिपत्ति: साधनस्यादूषणं दूषणस्य चानुद्धरणम् SyādvāMañ. 10. 139.

अदूषणजातीयत्व (adūṣaṇajātīya-tva) *n.* the state of belonging to the class of non-defects व्याघातमात्रस्य क्वचिद्दूषणकक्ष्यासूपन्यासोऽपि नोत्तरस्य दूषणविवक्षया, किं तु पूर्वस्यादूषणजातीयत्वविवक्षया NyāyKu. 64. 2.

अदूषणज्ञ (a-dūṣaṇajña) *adj.* not knowing the refutation साधनाभासाज्ञानाददूषणज्ञोऽपीति नैकान्ततो वादिनं जयेत् PramāMī. 74. 1 (*on* ii. 1. 35)

अदूषणता (adūṣaṇa-tā) *f.* the state of not being a fault न चैवं सत्यप्रसिद्धविशेषणताया अदूषणतापत्ति: TattvPradī.(Ci.) 13. 1; निषिद्धे प्रवृत्ते: सर्वसिद्धतयाप्रवर्तकस्य तत्रापि प्रसक्तेरदूषणतया तद्दूषणासंगतेश्च VaiyāBhū. 77. 28 (*on* 22); 118. 24 (*on* 25)

अदूषणत्व (adūṣaṇa-tva) *n.* the state of not being a fault, faultlessness विशेषविरोधस्य चादूषणत्वात् Kiraṇā. 77. 12; NyāyKu. 98. 4; NyāySu. (Ja.) 110B. 4 (*on* i. 1. 3); तत्र धूममात्रस्य पर्वतेऽग्निसाधकत्वेनादूषणत्वाभ्युपगमात् Vādā. 40. 4; YuktiSneha. 67. 28 (*on* i. 1. 5); स्वतन्त्रत्वेनालंकारिकतन्त्रस्य तद्विरोधस्यादूषणत्वात् RasGaṅ. 396. 3; BālamBha. i. 64. 21 (*on* 1. 14)

अदूषणधर्म (adūṣaṇa-dharma) *m.* faultless religion तत्पट्टभूषणमदूषणधर्मशीलसिद्धान्तसिन्धुपरिशीलनविष्णुलील: EI. ix. 158. 28.

अदूषणा (a-dūṣaṇā) *f.* absence of a fault or defect निवृत्तेर्निःस्वभावत्वान्न स्थानास्थानकल्पना । उपप्लवश्च सामान्यधियस्तेनाप्यदूषणा PramāVār. 1. 171.

अदूषणार्थम् (adūṣaṇārtham) *adv.* so as to prove not blamable (i. e. innocent) दूष्यस्य दूषणार्थं हि (v. l. BI. Ed. अदूषणार्थं च) परित्यागो महीयस: । अर्थस्य नीतितत्त्वज्ञैरर्थदूषणमुच्यते NītiSā. 15. 18.

अदूषणीकृ (adūṣaṇī-kṛ-) VIII. – to render faultless एतयैव प्रक्रियया— दूषणमदूषणीक्रियते Bhām. 395. 13 (*on* ii. 2. 11); VedāntKa. 261. 8 (*on* ii. 2. 11)

अदूषयत् (a-dūṣayat) *adj.* [*f.* -ntī] A not defiling, not violating तस्माच्चरेत वै योगी सतां धर्ममदूषयन् ViṣṇuP. ii. 13. 43; VāyuP. i. 16. 9; LiṅgP. i. 89. 13; S'ārṅgaPa. 4558; दाक्षिण्यमदूषयता ··· रक्तवद् विचेष्टितव्यम् DhūrtaViSaṁ. 16. 3; अदूषयंश्च शास्त्राणि (प्राप्नोति परमं धाम तद्विष्णो: परमं पदम्) LakṣmīT. 27. 34; न वा साधारणं प्रमाकरणमदूषयन्त एव दोषा विपर्ययहेतव: । सर्वत्रानाश्वासप्रसङ्गात् NyāyVārPari. 495. 6; DvyāśraKā. 9. 25; अदूषयन्त्या स्पर्शेन धात्र्या: शूद्रस्त्रिय: गृहे । तया विहितवृत्ति: स: शिशुर्वृद्धिमनीयत RājaTa. (Ka.) 5 77; B not doing any harm, not destroying वमनार्थं प्रयुञ्जीत भिषग् देहमदूषयन् CaraS. i. 2. 8; vi. 9. 18 (1941 Ed.); यथाग्निर्विपचेद् बाष्पो जलं स्थालीमदूषयन् Hastyāyur. 379. 28 (3. 3); C without spoiling अदूषयन्मनस्तस्माद् भक्तिमांस्तमुपाचरेत् AṣṭāSaṁ. i. 14. 1 (1. 3); चित्तमदूषयता तेन ज्ञाने बाधाभावात् GoviBh. 275. 8 (*on* iii. 4. 29)

अदूषयितुम् (a-dūṣayitum) *inf.* not to blame नन्वेवमदूषयितुमवमतानुवादो व्यर्थ: DaṇḍaVi. 295. 22.

अदूषयित्वा (a-dūṣayitvā) *ger.* without finding fault, without proving faulty उपक्षिप्तं दूष्यमदूषयित्वा प्रतिवादिनोऽपि स्वपक्षसाधनस्यानर्हत्वात् TārkiRa. 341. 9; वाद्युक्तमशेषमदूषयित्वा प्रतिवादिन: स्वपक्षसाधने वादविपर्यास: NyāyPari. 195. 10; Kāśi. iii. 220. 7 (*on* 5 (10). 1); VyūtpaVā. 148. 13.

अदूषित (a-dūṣita) *adj.* [*f.* -ā] A I not adulterated, not spoiled अदूषितानां द्रव्याणां दूषणे भेदने तथा ।··· दण्ड: प्रथमसाहस: ManuSm. 9. 286; ViṣṇuDhaP. ii. 72. 164; सस्यकं शुद्धिमाप्नोति···स्नेहवर्गेण संसक्तं सप्तवारमदूषितम् RasRaSa. 2. 130; अदूषितं जलादिनेति शेष: SmṛtiCan. iv. 511. 18; अदूषितानां कुङ्कुमादीनां दूषणे ManvaVi. 1255. 6 (*on* 9. 286); अदूषितानां चन्दनहिङ्ग्वादीनां भेदनम् VyavaNi. 511. 6; A II not defiled अस्कन्दमव्ययं चैव प्रायश्चित्तैरदूषितम् । अग्ने: सकाशाद् विप्राग्नौ हुतं श्रेष्ठमिहोच्यते YājñaSm. 1. 316; Aparā. 578. 20

(*on* 1. 314); VīraMi. 355. 10 (*on* 1. 316); **B i** not violated, not seduced, not outraged त्यजन्नदुष्टां दण्ड्यः स्याद् दूषयंश्चाप्यदूषिताम् VedavyāSm. 2. 9; किं मां पृच्छसि जीवातो कुलकन्यामदूषिताम् SkandP. iv. 82. 123; v(2). 46. 113; तेन प्रकारेण सादूषितैव BālaKrī. ii. 133. 16 (*on* 3. 256); सत्यं वृत्तविवाहाहं त्वदन्तिकमदूषिता। समेष्यामि क्षपामेकाम् BṛKathāMañ. ix. 2. 516; KathāSaSāg. xviii. 5. 19; VetāPañ. 80. 6; **B ii** not vitiated, not tinted सम आत्मा मनो यस्य रागद्वेषादिभिरदूषितः स समात्मा ViṣṇuSaBh. 53. 6 (*on* 25); संसारबन्धनाधीनदुःखक्लेशाद्यदूषितम् (रूपम्) NyāyMañ. ii. 77. 28; भिक्षादोषैर्भृशमदूषितः। सः TriṣaS'aPuC. i. 3. 240; YogS'ā. 7. 4; तस्मिन् कलिकालदोषैरदूषिते नित्यमुवास धर्मः VasaViKā. 1. 49; **C i** not spoilt, not rendered defective, not dangerous अदूषितेऽस्य विषये न शक्यं तस्य वर्जनम् PramāVār. 2. 222; यच्च दूषितसंसारैर्वस्तुदोषैरदूषितम्। अकल्मषगुणात्तस्माद् रमणीयतमं कुतः BṛKathāS'loSaṁ. 20. 154; S'ivaP. vii(1). 24. 2 (529B. 9); सरित्संगम् ··· दुष्टसत्त्वैरदूषितम् BhaviP. 680A. 2 (iv. 53. 31); PārśvC. 3. 872; **C ii** not violated, not defiled, not desecrated विंशत्यपि भुजैरेष द्वौ भुजावभियोधयन्। अदूषितद्वन्द्वयुद्धमर्यादो दशकन्धरः AnarghaRā. 6. 64; न च सर्वतार्किकैरदूषितम् ··· वर्त्म संभावयामः NaiṣkaSi. 80. 5; सम्यक्त्वमदूषितं हितम् SubhāRaSaṁ. 170; अदूषितम्। मुनिर्यदन्नमादत्ते सैषणासमितिर्मता YogS'ā. 1. 38; PārśvC. 6. 543; मुख्यकालप्रत्यासन्ने अशौचेन चादूषिते अशौचापगमानन्तरकाल एव पैतृकं कर्म कार्यम् CaturCin. iii(1). 308. 5.

अदूषितकौमारा (adūṣita-kaumārā) *adj.* (*f.*) whose virginity is not violated तददूषितकौमारा पलाय्याहं च निर्गता KathāSaSāg. v. 3. 182.

अदूषितत्व (adūṣita-tva) *n.* the state of being flawless, the state of not being violated विशुद्धं न भवतो ज्ञानं रागादिभिर्ज्ञानकारणानामदूषितत्वात् Kāśi. i. 1. 12 (*on* 0. 1); TārkiRa. 349. 3; शब्दादिस्मरणेनेन्द्रियाणामदूषितत्वात् YuktiSneha. 38. 22 (*on* i. 1. 4)

अदूषितधी (adūṣita-dhī) *adj.* possessing an uncorrupted mind [MW, APTE]

अदूषितभक्ति (adūṣita-bhakti) *adj.* having unblemished devotion राज्ञीमज्ञातपारुष्यतयादूषितभक्तयः। अनुसस्रुश्चतस्रस्ताः परिवारवरस्त्रियः RājTa. (Ka.) 8. 1223.

अदूषितमनोवृत्ति (adūṣita-manovṛtti) *adj.* whose mental attitude is not spoilt देशान्तरीयकृतविभ्रमैः। अदूषितमनोवृत्तिं सूरयश्चक्रिरे नृपम् KumāDeC.(So.) 31. 14.

अदूषितलोचना (adūṣita-locanā) *adj.* (*f.*) whose eyes are not affected मन्दमारुतविधुतैः कुसुमरजोभिरदूषितलोचनाप्यश्रुजलं मुमोच HarṣaC. 47. 9.

अदूषितात्मन् (adūṣitātman) *adj.* having an untinted mind (i. e. unaffected by *rāga*, *dveṣa* etc.) नादूषितात्मभिर्यस्मात्प्रतीचोऽन्यन्मनागपि।··· ईक्षितुं शक्यम् BṛĀraUBhVā. i. 4. 703.

अदूषितायति (adūṣitāyati) *adj.* (*f.*) the future of which is not spoilt शिवमौपयिकं गरीयसीं फलनिष्पत्तिमदूषितायतिम्। विगणय्य नयन्ति पौरुषम् Kirātā. 2. 35.

अदूषिन् (a-dūṣin) *adj.* doing no wrong [DBHS]

अदूष्य (a-dūṣya) *adj.* [*f.* -ā] **i** undefiable, not blamable, irreproachable, free from sin or defect, not to be found fault with (आददीत) स्त्रीरत्नं दुष्कुलाच्चापि ···। अदुष्टा (v. l. अदूष्या)हि स्त्रियः MahāBhā. xii. 159. 30; पुनर्भूर्नाम सा कन्या सपुत्रा हव्यकव्यदा। अदूष्या सा प्रसूतीषु प्रजानां दारकर्मणि MahāBhā. viii. App. I. 7A; महोदयश्च दुर्बुद्धिर्मामदूष्यं ह्यदूषयत् Rāmā. i. 58. 21; अथ चेन्मन्त्रविद्युक्तः शारीरः(रैः) पङ्क्तिदूषणैः। अदूष्यं तं यमः प्राह पङ्क्तिपावन एव सः AtriSm. 25. 351 = LikhiSm. 28 = ManuBh. i. 280. 2 (*on* 3. 158); तस्मात् ··· श्राद्धे यज्ञे च कर्मणि। अदूष्यं चैव विप्रेन्द्रं योजनीयं (? योजयेत्तु) प्रयत्नतः BṛYamaSm. 3. 40; तत्याज ···। अदूष्यां दूषितां मत्वा सीतां दशरथात्मजः DevīBhāP. iv. 25. 18; अदूषयद्भिः प्रतिभामदूष्यैः सोऽप्यदोषयन्। ··· पुम्भिरावृतोऽवैतुमिच्छति DvyāśraKā. 9. 25; **ii** incapable of being contaminated, not capable of being defiled or rendered impure or dirty अदूष्याः सन्तता धाराः BaudhDS. i. 5. 50 (comm. अशुचिस्पृष्टा अपि जलप्रस्रवणादयः अदूष्याः); अदूष्या भूः BhagAjju. 41(11). 3; देवदूष्याण्यदूष्याणि जगन्नाथेन तत्क्षणे। वासांसि वासयामास वासवो वासनावसुः TriṣaS'aPuC. ii. 3. 201; PariPar. 2. 147; MalliC. 5. 272; देवदूष्याण्यदूष्याणि व्यूतानीन्दोः करैरिव।···स प्रियाय तनूजाय ··· ददौ S'āliC. 3. 85; **iii** non-treasonable दूष्यादूष्याणामामिश्रितत्वादामिश्रा ArthS'ā. iii. 80. 3 (9. 6); **iv** not censurable or defective यदिदं दोषतया परेणोद्भावितं तददूषणम्, अदूष्येऽपि गतत्वात् KhaṇḍanKhā. 988. 2. [incorruptible, nt.]

अदूष्यचारित्र (adūṣya-cāritra) *adj.* having an unblamable or irreproachable character इति क्षणं विमृश्यासावादिदेश चिताकृते। प्रेष्यानदूष्यचारित्रो गुरुभक्तिपवित्रितः PrabhāC. 110. 3.

अदूष्यतस् (adūṣya-tas) *adv.* from one who is not acting treasonably (i. e. loyal person) दूष्यादूष्याणामामिश्रितत्वादामिश्रा। आमिश्रायामदूष्यतः सिद्धिः ArthS'ā. iii. 80. 3 (9. 6)

अदूष्यत्व (adūṣya-tva) *n.* **i** unblamable nature अदूष्यत्वं च जानक्या न विवेद जनार्दनः DevīBhāP. iv. 25. 17; **ii** the state of not being blameworthy, defective or refutable एवं हि पञ्चरात्रस्यादूष्यत्वेनैव प्रामाण्यं नानुष्ठेयत्वेनेति Aparā. 13. 24 (*on* 1. 7); 19. 7 (*on* 1. 7); तथा च सर्वानुभाषणे सर्वस्यादूष्यत्वाद् यद्दूषणीयं तत्पुनरनुवाद्यमिति TātpaṬ.(Vā.) 718. 21 (*on* v. 2. 16); अतिक्रान्तस्यैष्यतो वा पर्वणस्तदानीमदूष्यत्वात् NyāyPari. 214. 1.

अदूष्यत्वमात्र (adūṣyatva-mātra) *n.* mere irrefutability or undefective nature ननु यथा शैवाद्याम्नायस्यैवादूष्यत्वमात्रेण प्रामाण्यम् Aparā. 11. 25 (*on* 1. 7); 14. 13 (*on* 1. 7); (सांख्ययोगपञ्चरात्राणां) तेषामदूष्यत्वमात्रे तात्पर्यं न तु प्रामाण्यम् VīraMi. (Paribhāṣā.) 21. 5.

अदूष्यत्वस्मरण (adūṣyatva-smaraṇa) *n.* remembrance of not being defective ननु यथा शैवाद्याम्नायस्यैवादूष्यत्वमात्रेण प्रामाण्यम् तथैवादूष्यत्वस्मरणाविशेषाद्वेदस्यापि Aparā. 11. 25 (*on* 1. 7)

अदूष्यदूषणपरा (adūṣyadūṣaṇa-parā) *adj.* (*f.*) intent or bent on blaming the unblamable अदूष्यदूषणपरा शुद्धा चैव लभेत्सुतम् BrahmVaiP. iii. 46. 46.

अदूष्यमाण (a-dūṣyamāṇa) *adj.* not being blamed or refuted यथाभूत एवार्थो दूष्यमाणस्तथाभूत एवादूष्यमाणोऽपि NyāyVār. 557. 2 (*on* v. 2. 1)

अदूष्यवपुस् (adūṣya-vapus) *adj.* having an irreproachable body तदनु चावाम् (कुक्कुटौ) ··· नाविर्भावः कर्मणामित्यानन्दनादोदीर्णनिगरणावदूष्यवपुषौ YaśasCam. ii. 259. 15.

अदूष्यागम (adūṣyāgama) *m.* irreproachable scripture न चादूष्यागमप्रसिद्धेरेवाश्रमिणां तदनुष्ठानं स्यादिति वाच्यम् Aparā. 14. 12 (*on* 1. 7)

अदूष्यानुवाद (adūṣyānuvāda) *m.* repetition of what is irrefutable तस्मात्सर्वानुवादे द्विरनुवादोऽदूष्यानुवादश्चेति TātpaṬ.(Vā.) 718. 22 (*on* v. 2. 16)

अदृक्घूक (adṛk-ghūka) *m.* **i** owl without sight उदिते भासति ज्ञानदीधितौ पुरुभर्तरि। विशदं भव्यचेतोऽदृक्घूकानां कलुषं मनः AlaṅkāCin. 92. 20; **ii** lacking in sight (i. e. faith) like an owl, AlaṅkāCin. 92. 20.

अदृक्त्व (a-dṛktva) *n.* **i** the state of not being sentient or conscious अथ दृक् दृश्यात्मना ज्ञायेत दृशः ··· अदृक्त्वम् ··· प्रसज्येत IṣṭaSi. 12. 9; **ii** (adṛk-tva) the state of being different from consciousness (i. e. Brahman) दृश्यांशस्य अदृक्त्वात् IṣṭaSi. 12. 13; 240. 12; **iii** the state of being different from knowledge स्यादेतदेवं यद्यदृक्त्वादेव तार्किकः प्रत्यक्त्वं ब्रूयात् NyāyKu. 117. 4.

अदृक्पथ (adṛk-patha) *m.* the planet Mercury रोहिणीचन्द्रपर्यायपुत्रार्थः स्याददृक्पथः। ··· बुधः KalpaK. 402. 201.

अदृक्ष (adṛkṣa) *m.* name of one of the forty-nine Maruts (wind-gods) ईदृक्षश्चाप्यदृक्षश्च ··· एते ह्येकोनपञ्चाशन्मरुतः परिकीर्तिताः NīlaP. 620; ईदृक्षश्चाप्यदृक्षश्च ··· देवा एकोनपञ्चाशन्मरुतस्त्वामवन्तु ते AgniP. 219. 32; ईदृक्षश्चाप्यदृक्षश्च···एते त्वामभिषिञ्चन्तु मरुतस्ते समागताः ViṣṇuDhaP. ii. 22. 54.

अदृक्स्वभावत्व (adṛksvabhāva-tva) *n.* the state of being of the nature of non-conscious or insentient अज्ञानानुभवो यथा पुंसो भवति नैवं जडस्य स्यात् अदृक्स्वभावत्वात् IṣṭaSi. 194. 4. (cf. comm.)

अदृग्गोचर (a-dṛggocara) *adj.* beyond the range of sight (i. e. not transparent) पुत्री कुष्ठगतेति बिल्हणकवेराचक्ष्व तस्याः कविर्जात्यन्धः प्रतिपादयस्व नितरां श्रुत्या(? श्रुत्वा) तदुक्तं वचः। तौ श्राव्याविति चाप्तश्च युवयोर्मध्ये ह्यदृग्गोचरं बद्ध्वा काण्डपटं ददामि तदिदं ह्यभ्यस्यतामुच्यताम् CaurPañ. App. 2. 24; [not found within the range of sight, nt. ?]

अदृग्दृश्यर्थ (adṛg-dṛśyartha) *adj.* having the meaning of the root *dṛś-* other than visual perception ते मे वां नौ वस्नसौ वा पादवाक्यादाव् अचवाहाहैवादृग्दृश्यर्थैस्त्वा मा त्व् अमा MugdhaBo. 3. 143 (32. 17)

अदृग्दृश्यशङ्कु (adṛgdṛśya-śaṅku) *m.* the visible and the invisible gnomons रविशशिदृक्शङ्क्वन्तरमन्योऽदृग्दृश्यशङ्क्वैक्यम् BrāhmSphuSi. 7. 8.

अदृग्रूपत्व (adṛgrūpa-tva) *n.* the state of being of the nature of insentience तयोश्च ·· अदृग्रूपत्वे न दृग्धर्मत्वं रूपादिवत् IṣṭaSi. 5. 15; भावाद्वैतमतेऽभावस्य चादृग्रूपत्वेऽपि स्वज्ञानेऽनध्यासात् Nyāyāmṛ. 198B. 6.

अदृढ (a-dṛḍha) *adj.* [*f.* -ā] **i** not strong, not firm, not solid जारासन्धिः प्रथमश्चादृढश्च MahāBhā. viii. 41*(2); अत ऊर्ध्वमकालजमाहुः।

अकालजं हीनं दुर्बलमस्थिरमदृढमपीनभङ्गुरं धान्यमिव भवति KāśyaS. 80A. 27; अदृढं नवमथ दग्धम् ··· गृहमकांचैर्वीर्यात्प्रतिवेश्मसंनिकृष्टैश्च LaJāta. 4.7; अदृढं कोटराक्रान्तं दारु हस्ताय नेष्यते SamarāSū. 9.12; बन्धनं चादृढकुशकाशादिरज्जुभिन्नेनायथाबन्धनप्रकालबन्धनम् BālamBha. iii. 161.17 (*on* 3.263–264); **ii** not permanent, destructible प्लवा ह्येते अदृढा यज्ञरूपा: MuṇḍU. i. 2.7; यस्मादेते अदृढा: अस्थिरा: यज्ञरूपा: MuṇḍaUBh. 318.3 (*on* i. 2.7); मांसस्नाय्वस्थिवलिते शरीरपटहेऽदृढे । मार्जारवदहं तात तिष्ठाम्यत्र गतध्वनौ YogVā. i. 18.11; **iii** not firmly fixed or rooted, strong मूलमस्यादृढम् CāndrVyā. iii. 4.87; अयमभ्यास इदानीं प्रवृत्त: स्वयमदृढ: सन्ननादिप्रवृत्ता: व्युत्थानवासना: कथमभिभवेत् JīvanVi. 117.6; **iv** not very potent or virile, weak (sexually) यदि पुमानदृढ: स्यान्मैथुनेन शोणितमुद्रेदितुमसमर्थ: PārāSū. 69.4; **v** sublatable, not persevering एषा प्रकृतिरस्यास्तन्निमित्तान्तरत: स्खलत् । व्यावृत्तौ प्रत्ययापेक्षमदृढं सर्पबुद्धिवत् PramāVār. 2.208; सकलम् । प्रतिभाति तावददृढं दृढवत् समुदेति यावदवबोधरवि: SaṁkṣeSā. 2.222 (ii. 131.22); **vi** not steady or resolute, not decisive or conclusive, not firm (mind etc.) नियोगोऽप्रतिपन्नत्वात् कर्मणां स यथा भवेत् । अविरुद्धो भवेत्तावद्यावत्संवेद्यतादृढा UpadeSā. 351.11; आप्तवाक्यादथास्तीह तत्सत्यत्वेऽदृढा मति: SivDr. 4.90; अदृढं च हतं ज्ञानम् PadmP. i. 29.28; **vii** untenable (in reasoning), not standing firm (in argument) बाधेऽदृढेऽन्यसाम्यार्त्किं दृढेऽन्यदपि बाध्यताम् KhaṇḍanKhā. 590.10 = RasGaṅ. 159.2; (बाधे) अदृढे तर्कानवतारेणानुत्पन्ने LaCandr. 464.28; **viii** (in math.) (the number) that has not been or cannot be reduced to the last term or smallest (indivisible) number by a common divisor युगार्कवाराधिकमासहारभाज्योद्भवं यत्त्वधिमासशेषम् । तच्च द्विधा स्याददृढं दृढं च प्रश्नद्वयं चेत्थमिहोपपन्नम् SiddhāTaVi. 389.18; 390.7 (SesaVā) 50.14; [Kośas give भिन्द्रं स्याददृढे NānārthāSaṁ. i. 120.907; शिथिलं त्वदृढे NānārthāSaṁ. ii. 207.1831]

अदृढत्व (adṛḍha-tva) *n.* **i** the state of not being firm or fixed, being loose हस्तयो: प्रकर्षेण लम्बमानत्वादेव स्कन्धयो: शैथिल्यमदृढत्वं भवति AbhinBhā. ii. 61.10 (*on* 9.148); **ii** lack of fixity (i. e. constant movement or flow) दृष्टान्तोऽम्बुप्रवाहस्य दृढाङ्गाकाशसंस्थया । अत्र नैवादृढत्वेन प्रवाहस्याविरस्थिति: SiddhāTaVi. 46.17; **iii** weakness or untenable nature (of an argument or opinion) अदृढत्वं परस्परप्रतिक्षेपप्रकारविशेष एव NyāyPari. 59.2; न चादृढत्वं बाधस्य AdvaiSi. 464.17.

अदृढपुत्रा (adṛḍha-putrā) *adj.* (*f.*) not having strong children दुर्बलादृढपुत्राश्च कृशाश्च वपुषाथ या: KāśyaS. 186A.25.

अदृढप्रतिपत्ति (adṛḍha-pratipatti) *f.* knowledge which is not firm, unsound knowledge प्रथमप्रयुक्तस्य हि हेतोरदृढप्रतिपत्तिकारिणो हेतुत्वमेव न स्यात् NyāyMañ. ii. 201.2.

अदृढभक्तिक (adṛḍhabhakti-ka) *adj.* not firm in devotion or loyalty संक्लिष्टकर्माणमतिप्रवादं नित्यानृतं चादृढभक्तिकं च । ··· एतान् न सेवेत नराधमान् षट् MahāBhā. v. 37.33.

अदृढभूमिक (adṛḍhabhūmi-ka) *adj.* whose foundation is not well-grounded or is shaky, प्रत्यनुमानम् ···प्रमाणानुग्रहरहितम् ···कथं स्वयमदृढभूमिकं परं प्रतिरुन्ध्यात् NyāySu.(Ja.) 291A.7 (*on* ii. 1.4)

अदृढरोगिन् (adṛḍha-rogin) *adj.* having no chronic disease श्यामा: श्यामावदाताश्च श्रीमन्तोऽदृढरोगिण: AVPari. 68(1).28.

अदृढसंश्लेष (adṛḍha-saṁśleṣa) *m.* loose or weak contact or association तस्यैव (चैतन्यस्य) बहुभिर्युगपददृढसंयोग: संशय इत्यात्मसिद्धिग्रन्थोऽपि न विरुद्ध: । इतरथा ज्ञानार्थयोर्दृढादृढसंश्लेषनिरूपणानुपपत्ते: NyāyPari. 58.5.

अदृढसौहृदा (adṛḍha-sauhṛdā) *adj.* (*f.*) whose love (for the husband) is not strong enough अहम् (कौसल्या) ··· नीचा चादृढसौहृदा । अजीवनार्हा जीवामि यत् त्वयाद्य विनाकृता Rāmā. ii. 1519*(7)

अदृढस्नेह (adṛḍha-sneha) *adj.* not having much oil अदृढस्नेहं वा दशरात्रादूर्ध्वमुपस्कृतदेहमवहितो भूय: पाययेत् (औषधम्) AṣṭāSaṁ. i. 142.11 (1.27)

अदृढस्मृति (adṛḍha-smṛti) *adj.* not having a strong memory, forgetful अदृढस्मृतिं दरिद्रम् ··· । कन्यायां यमदृष्ट: स्त्रीभोग्यधनं शशी कुरुते Sārā. 23.43.

अदृढस्वभाव (adṛḍha-svabhāva) *adj.* [*f.* -ā] of unstable or weak nature नाविद्या सती, नाप्यसतीति । अत एव चास्या निवृत्तिरदृढस्वभावाया: । मायामात्रत्वात् BrahmSi. 9.24; यश्च परमार्थसन्नसौ प्रकृती रज्जुतत्त्वमिव सर्पविभ्रमस्य विकारस्य । अत एवास्यानिर्वाच्यत्वेनादृढस्वभावस्य विनाश: Bhām. 104.16 (*on* i. 1.4)

अदृढहेतु (adṛḍha-hetu) *m.* not strong evidence or reasoning लिङ्गदर्शनमात्रेणादृढहेतुना स्त्रीसंग्रहणादिरूपस्य साध्यस्य सिद्धिर्भवतीति तादृशानामस्थिरत्वम् Subodhi. 9.6 (*on* 2.20); BālamBha. ii. 24.26 (*on* 2.20)

अदृढात्मन् (a-dṛḍhātman) *adj.* not strong-willed, not resolute (य:) अदृढात्मा दृढक्रोधो नास्यार्थो रमतेऽन्तिके MahāBhā. xii. 94.32.

अदृढेक्षण (adṛḍhekṣaṇa) *adj.* of weak sight, weak-eyed नवमसुतगे पापैर्दृष्टे रवावदृढेक्षण: Bṛhajjā. 23.15.

अदृपित (á-dṛpita) *adj.* not faltering, not wavering अग्ने शिवेभिर्नं पायुभि: पाहि शग्मै: । अदब्धेभिरदृपितेभि: ṚV. i. 143.8; आशृण्वते अदृपिताय मन्म ··· । देवाय (अग्नये) ··· शंस ṚV. iv. 3.3.

अदृप्त (á-dṛpta) *adj.* not faltering, not wavering, free from error वेधा अदृप्तो अग्निर्विजानन् ··· स्वाद्मा पितूनाम् ṚV. i. 69.3; *n.* steadfastness इन्द्रावरुणा सौमनसमदृप्तं रायस्पोषं यजमानेषु धत्तम् ṚV. viii. 59.7.

अदृप्तक्रतु (ádṛpta-kratu) *adj.* of unwavering or firm thought अदृप्तक्रतुमरतिं युवत्यो: । ··· अग्निम् ··· यजध्यै (स्तुषे) ṚV. vi. 49.2; सुशेवो नो मृळयाकुरदृप्तक्रतुरवात: । भवा न सोम शं हृदे ṚV. viii. 79.7.

अदृप्तरजनीचर (adṛpta-rajanīcara) *m.* non-arrogant demon or Rākṣasa °विमानम् ··· अदृप्तरजनीचरस्तनितमिश्रदिव्याङ्गनाकरप्रहतडिण्डिमध्वनि यदेतदास्ते पुर: JānaPa. 1.29.

अदृप्यत् (á-dṛpyat) *adj.* not wavering, firm युवाम् (मित्रावरुणौ) ··· अदृप्यता मनसा रेवदाशाथे ṚV. i. 151.8.

अदृफिता (a-dṛphitā) *adj.* (*f.*) not troubled or hindered युद्धेष्वदृफिता हितेष्वदृफिता ··· पृतना स्थिता DhātuKā. 2.74.

अदृब्ध (a-dṛbdha) *adj.* not tied, free अदृब्धं मन इषिरं चक्षु: सूर्यो ज्योतिषां श्रेष्ठ: SāṅkhāĀ. 7.1 (26.12)

अदृम्फत् (a-dṛmphat) *adj.* not being troubled or worried शुम्भन्नदृम्फन् ··· लक्ष्मीं स रेधुषीमारभतेति नोतुम् DvyāśraKā. 10.76.

अदृश्- (a-dṛś-) I. Ā. (pass.) to be invisible श्व इदानीं प्रदृश्येथा: (v. l. अदृश्येथा:) MahāBhā. v. 159.7 (JñānDī. अदृश्येथा: अन्तर्हितो मा भू:)

अदृश् (a-dṛś) *f.* **i** non-cognition, non-perception, not seeing भावस्वभावभूतायामपि शक्तौ फलेऽदृश: । अन्या[?ना]नन्तर्यतो मोह[?हो] विनिश्चेतुरपाटवात् PramāVār. 3.106; **ii** not an eye विभातमप्यविभातं भानुमानप्यभानुमान् । दृशावप्यदृशावेव पश्यामि स्वामिनं न यत् TriṣaŚaPuC. i. 3.374; *adj.* **i** sightless, blind अन्धोऽदृक् AmaK. 1196; गर्भ: (रजस्वलाया:) अनुलेपात् तथा स्नानात् दु:खशीलोऽञ्जनाददृक् BhāvPra.(Bhā.) 3.8; अपराद्धेष्वहङ्कारादसुहृत्त्वं भवादृश: KicaVa. 3.31 (refers to Dhṛtarāṣṭra); **ii** what is not sentience or consciousness, i. e. insentient, inanimate अज्ञान्यस्मीति चाज्ञानसंवित्तिश्चादृश: कथम् IṣṭaSi. 194.1 (comm. न दृक् अदृक्, तस्या:); दृश्यं दृशं च निपुणं द्वयमन्तरेण निक्षिपया दृगदृशो: क्रियते विभाग: SaṁkṣeSā. 1.199 (i. 157.24); 1.553 (i. 393.5) (comm. आत्मानात्मनो:)

अदृश (a-dṛśa) *adj.* invisible य: पश्यत्यदृशं (?श्यं) वापि दृश्यं यस्तु न पश्यति । तावुभौ गच्छत: क्षिप्रं यमक्षयमसंशयम् BhelaS. 105.25 (5.7); मूर्खस्तु परिहर्तव्य: ··· । भिद्यते (भिनत्ति) वाक्यशल्येन अदृशं कण्टकं यथा CāṇaNīDa. 3.7; इमाश्च ··· दिव्यगुलिका: । आभिर्मुखकमलमलङ्कृत्य स्थिताभि: पुरुष: परेषामदृशो भवति MohaRāPa. 5.39(17)

अदृशि (a-dṛśi) *adj.* different from consciousness, non-conscious अदृशिर्दृशिरूपेण भाति बुद्धिर्यदा तदा । प्रत्यया अपि तस्या: स्यु: UpadeSā. 383.83; दृशेर्दृश्यधर्मैस्त्वयोगात् । को दोष: । घटादिवददृशि: स्यात् । ननु विप्रतिषिद्धमिदं दृशित्वाददृशि: स्यादिति । न विप्रतिषिद्धं, दृश्यधर्मा हि स्वयमपि दृश्या स्याददृशिश्च SiddhāSi. iii. 167.22–24.

अदृशित्व (adṛśi-tva) *n.* the state of being other than consciousness or knowledge, non-consciousness पुंसां चेद् दृशित्वं विशेष: अदृशित्वमितरस्य IṣṭaSi. 360.18; अत्र दृश्यधर्मैवत्वस्यादृशित्वव्याप्तिरनुभूतौ भग्ना SrutaPra. iA. 142.25 (*on* i. 1.1)

अदृशीक (a-dṛśīka) *adj.* not fit or worthy to be seen, whom one does not see उदक्यापण्डकपोगण्डचण्डालादिकादृशीकसमुत्सारणकुशलैर्विशोधितमार्ग: YaśasCam. i. 332.2.

अदृशीकरणाञ्जन (adṛśīkaraṇāñjana) *n.* kind of magical eye-salve making a person invisible सुस्थिताचार्यशिष्यौ क्षुल्लकावदृशीकरणाञ्जनाक्तचक्षुषौ चन्द्रगुप्तनृपतिना सह बुभुजाते कियन्त्यपि दिनानि TīrthaKa. 69.24; अदृशीकरणाञ्जनं पूर्वं विश्वभूतिकुलपतिना निवेदितम् KathāK. 75.29.

अदृशीभू (adṛśī-bhū-) I. P. to disappear वानरयुगलमदृशीबभूव KathāK. 37.7; अस्माकं पश्यतामेव साकस्मात् क्षणेनादृशीबभूव KathāK. 73.6; 41.4; 92.29.

अदृश्य (a-dṛśya) *adj.* [*f.* -ā] **I Ai** invisible, imperceptible **ii** not

visible, not seen, unobserved, hidden, concealed, who has disappeared **B i** difficult to look at, unbearable to see, not available for seeing **ii** not fit to be seen, unworthy of being seen, which is not to be seen, unobservable **2** not knowable, beyond comprehension **1 Ai** invisible, imperceptible (not capable of being seen by its very nature) कालो ह्यदृश्यो नृप MahāBhā. 8. 1122*(1); अदृश्याभिः प्रवृद्धा वातरश्मिभिः परिभ्रमन्ति… चन्द्रसूर्यग्रहा दिवि BrahmāṇḍP. 23. 93; प्रागदृश्ये दर्शनशक्त्याधानादुपकारक इति चेत PramāVāSvopVṛ. 48. 5; 'कश्चित्' कर्णपिशाचिकादिरदृश्यः HetuBiṬ. 64. 20; अक्षादेरप्यदृश्यस्य तत्कार्यव्यतिरेकतः NyāyVi. 2. 179; सामान्यमित्यदृश्येऽपि तेन सामान्य एव नः। व्यासङ्गिनी भवत्येषा धीः S'lokaVār. 5(4). 181 (403. 5); समूहरूपं प्रत्यक्षमदृश्यैः परमाणुभिः S'lokaVār. 5(4). 184 (404. 3); **1 Aii** not visible, not seen, unobserved, hidden, concealed, who has disappeared यदा ह्येवैष एतस्मिन्नदृश्येऽनात्म्ये … प्रतिष्ठां विन्दते TaiĀ. viii. 7. 1 (740. 3) = TaiU. 2. 7; स वा एष सूक्ष्म अग्राह्य अदृश्यः MaiU. 2. 5; अदृश्या राजसिंहस्य पश्यतः साभवत्तदा MahāBhā. i. 1. 919*; अथ तस्यामदृश्यायां नृपतिः काममोहितः। पपात धरणीतले MahāBhā. i. 161. 1; न प्रवेक्ष्यामि वो देशं बाध्यत्वं यदि मानुषैः (v. l. यद्यदृश्याः स्थ मानुषैः) MahāBhā. ii. 25. 15; ततो हाहाकृतं सर्वमभूत् … अदृश्यमाने तथा मयि (v. l. अदृश्ये मयि भारत) MahāBhā. iii. 23. 14; अपि सर्वमदृश्यं तु दिष्टं चैव तथा हठः MahāBhā. iii. 33. 31; यक्षगन्धर्वयोषाभिरदृश्याभिर्निरीक्षितः (भीमः) MahāBhā. iii. 146. 32; iii. 169. 1; तयोरदृश्ये मयि च महद्दुःखं भविष्यति MahāBhā. iii. 281. 84; धर्मात्मा स तदादृश्यः … द्विजातिभिः MahāBhā. iv. 27. 25; अदृश्यश्च प्रवेक्ष्यामि वज्रमस्यायुधोत्तमम् MahāBhā. v. 10. 12; v. 13. 20; अन्यथा बुद्धयो ह्यासन्नस्मासु वनवासिषु। अदृश्येष्वन्यथा कृष्ण MahāBhā. v. 78. 7; उभौ तौ शरजालेन तावदृश्यौ बभूवतुः MahāBhā. vi. 48. 61; vii. 15. 2; viii. 11. 15; x. 7. 66; अदृश्याय त्वगम्याय कः प्रमाणमुदाहरेत् MahāBhā. xii. 175. 31; आस्ते … नित्यमदृश्यः सर्वदैवतैः MahāBhā. xiii. 14. 186; ततो वृत्रम् … जघान … शतक्रतुरदृश्येन वज्रेण MahāBhā. xiv. 11. 19; xviii. 3. 5; अदृश्या सर्वभूतानामाश्रमेऽस्मिन्निवत्स्यसि Rāmā. i. 47. 29; त्वयादृश्येन तु रणे निहतोऽहं दुरासदः Rāmā. iv. 17. 40; vi. 67. 2; vii. 29. 26; केशाद्यास्त्वदृश्यास्ते द्वावाद्यौ परिवर्जयेत् SuśruS. vi. 54. 20; BuddhaC. 9. 43; अदृश्यानां (अर्शसां) च यत्प्रोक्तं दृश्यानां च यथाक्रमम् BhelaS. 177. 7; (6. 18); Avimā. 4. 12(46); 6. 14(42); (रघुम्) तमदृश्या किल स्वयम्। पद्मा पद्मातपत्रेण भेजे RaghuVa. 4. 5; सोऽतिक्रान्तः श्रवणविषयं लोचनाभ्यामदृष्टः (v. l. अदृश्यः) MeghDū. 100; स्वदूतैः कारयेदेतत् परदूतांश्च रक्षयेत्। प्रतिदूतापसर्पाभ्यां दृश्यादृश्यैश्च रक्षिभिः ArthS'ā. i. 83. 2 (1. 16); असावपि … एकान्तेऽदृश्योऽवस्थितः Tantrākhyā. 54. 12; 112. 16; असावपि नातिदूरे निभृतमवस्थितः (v. l. एकान्तेऽदृश्योऽवस्थितः) PañcT. 2. 1(13) (183. 29); 2. 78 (255. 7); चित्राङ्गोऽस्य व्याधस्याग्रतो गत्वा (v. l. चित्राङ्ग त्वमस्य व्याधस्यादृश्योऽग्रतो गत्वा) PañcT. 2. 95(5) (267. 9); विश्वात्मशक्तिः सा … तत्क्षणादवतिष्ठते। मन्त्रशक्तिरिवादृश्या JayāS. 3. 21; 6. 67; 10. 48; 11. 8; 14. 5; अदृश्याय ततस्तस्मै प्रणिपत्य … सुरा जग्मुः ViṣṇuP. v. 1. 66; राक्षसेनैव यस्मान्मे त्वयादृश्येन … हृता विद्या MārkP. 63. 46; 95. 26; अदृश्यं सर्वभूतानाम् … आस्थाय रूपमतुलं वाराहम् … हरिः BrahmāṇḍP. i. 5. 11; ii. 7. 69; iii. 11. 25; iii. 13. 18; सर्वथादृश्य एवास्तु भवान् PādaTā. 10. 3; अदृश्यं महसः पुञ्जम् … तदा मया … दृष्टम् AhirbuS. 44. 15 (ललिता) अदृश्या दृश्यरहिता LalitāSa. 180; तपोबलेनैष विधाय भूयसीस्तनूरदृश्याः स्विदिषून्निरस्यति Kirātā. 14. 60; AvantiKa. 228. 17; भृगुसुतः … सूर्यैर्जिनानदृश्यस्त्रिभिरष्टौ प्राग्विलोममतः KhaṇḍKhā. 2. 15; 6. 6; स्वांशैर्दृश्यादृश्यास्तस्माद्वक्ष्ये तदानयनम् BrāhmSphuSi. 6. 1; 6. 7; 10. 21; वासुदेवः परं ज्योतिरदृश्यः पुरुषोत्तमः PāraS. 1. 10; 8. 206; न दृश्यादृश्ययोर्भेदः VibhraVi. 57; अर्शांसि … अदृश्यानि पुनः सद्यान्तः परिमार्जनैः (उपाचरेत्) AṣṭāSaṁ. ii. 65. 23 (4. 10); (हनूमान्) … अदृश्यो जनकात्मजाम्। (अपश्यत्) Bhaṭṭi. 8. 70; दृश्यादृश्ययोरविशेषादुभयोर्व्यवच्छेदः स्यात् BrahmSi. 46. 16; इयम् … अदृश्या काचिदुत्कण्ठिता विलपति JānaPari. 2. 6(13); अयि वत्से, भागीरथीवरप्रसादाद्देवतानामप्यदृश्या संवृत्तासि UttaRāC. 3. 12(11); अदृश्यैर्विप्रलम्भार्थं पिशाचादिभिरीरिताः S'lokaVār. 2. 140 (87. 6); विप्रलिप्सोर्यथा वचः। नदीतीरे फलानीति तत्रादृश्यानि तानि चेत् S'lokaVār. 5(9). 3 (494. 4); यददृश्यमसंज्ञानं त्रिकमज्झी(ह्री) कलक्षणम् PramāSaṁ. 3. 59; अदृश्ये दृश्यं नाम द्रष्टव्यं विकारः … न दृश्यमदृश्यम् अविकार इत्यर्थः TaiUBh. 265. 9 (*on* 2. 7); AparoAnu. 141; ग्रन्थान्ताख्याधिक्यादृश्ये S'ākaṭāVyā. ii. 2. 112; iv. 3. 208; मायानद्धो नाकिनामप्यदृश्यः … मेघनादः RāmC. 30. 1; 28. 126 अदृश्यस्य च कर्तुरनुपलब्धितो नास्तित्वनिश्चयानुपपत्तेः NyāyMañ. i. 180. 11; आहुतिः … आदित्यमदृश्येन रूपेण प्राप्नोति ManuBh. i. 240. 14 (*on* 3. 66); i. 287. 25 (*on* 3. 179); अदृश्येऽनात्म्य इत्येवं पूर्वोत्तरविरुद्धता TaiUBhāVā. 109. 1(2); 181. 1(2); शारीरं यच्च तद्रूप्यं तद्वर्णस्तत्प्रमाणकम्। अदृश्यं संप्रविष्टं तु VṛGautaSm. 521. 12(5); PārāSū. 25. 8; तैरदृश्यैर्यदारब्धं तत्तथैव S'ivDṛ. 5. 85; प्रतियोगिन्यदृश्ये च प्रतियोगिनि। … तन्मात्रधीः PrakaPañ. 108. 10; 287. 2; NayaVi. 160. 7 (*on* i. 1. 5); कथं वा तवादृश्यानां वंश्यानामवस्थितिः YaśasCam. ii. 318. 2; धनं परेषां नयनैरदृश्यं ज्ञानं नरा धन्यतमा वहन्ति SubhāRaSaṁ. 186; यत्तददृश्यमग्राह्यमगोत्रचरणं ध्रुवम्। विष्णुनोक्तं यथा मह्यम् AgniP. 1. 18; गोलोकम् … अदृश्यं योगिभिः स्वप्ने दृश्यं गम्यं च वैष्णवैः BrahmVaiP. i. 2. 7; ii. 2. 14; ?v. 19. 154; अदृश्यमासीद्भवनम् NīlaP. 170; 865; 1360; अहम् … अदृश्यः स्यां कदाचन SkandP. iv. 99. 17; v(i). 3. 9; v(3). 53. 16; (वासुदेवः) अदृश्यः सर्वभूतानां तस्याः संदर्शने स्थितः VāmaP. 23. 1; 94. 38; तमोमूर्तिरदृश्यश्च विपरीतं चरिष्यसि ViṣṇuDhaP. i. 42. 43; iii. 8. 23; विष्णुर्वाराहरूपेण … भूत्वा दृश्योऽप्यदृश्योऽभूत् VarāP. 98. 17; दृश्यं च कार्यजातमदृश्येनैव स्वभावेन क्रियते ĀtmaTaVi. 110. 14; 372. 16; तत् स्थानम् … गगनस्थैरदृश्यं स्यात् LakṣmīT. 35. 60; अदृश्यमेतद्यदि मन्यसे NavaSāC. 7. 54; 11. 104; तस्माददृश्या त्वं भूयाः BrahmP. 135. 16; BhaviP. 135B. 2 (i. 79. 54); कथ्यते खलु यद् दृश्यमदृश्यं बध्यते कुतः DevīBhāP. i. 18. 35; vi. 5. 14; दृश्यादृश्या च भवति तत्र तत्र सरस्वती PadmP. i. 3. 67; ii. 66. 60; iv. 74. 14; v. 14. 10; गोकुले क्रीडमानः … कालं निन्ये योगिनामप्यदृश्यः ĀdiP. 26. 58; कष्टे निपतितं विश्वमदृश्ये शशिनि प्रभो GaṇeP. i. 61. 15; ii. 93. 27; तम् (शिवम्) … अदृश्यमपरे प्राहुः S'ivaP. vii(6). 5. 31 (550B. 8); जिनः प्राह … दैवं त्वदृश्यं शास्त्रे KalkiP. ii. 7. 17; iii. 17. 17; तदाद्यहल्या भूतानामदृश्या स्वाश्रमे शुभे AdhyāRā. i. 5. 33; iv. 2. 45; vii. 8. 70; vii. 9. 46; शक्तस्य पौरुषं दृश्यमदृश्यं वापि यद्भवेत् YogVā. ii. 6. 14; iii. 37. 31; iii. 70. 14; भार्यामदृश्यां च मुनिश्चकार (गौतमः) RāmāCam. 1. 90; राहुरदृश्योऽपि यथा शशिबिम्बस्थः प्रकाशते ParamāSā. 8; अदृश्यं दुर्गमम् … च किंचित्तदेकेनैव क्षणेन साधयामि UdaySuKa. 118. 22; अदृश्यं तेजसा ज्ञात्वा तमपृच्छन्नसंभृतः RāmāMañ. 5. 13; 151. 10; 267. 24; 476. 2; तरणिः। अभवददृश्यः KalāVi. 1. 24; तं तु विद्याधरं तस्या नाङ्गे लग्नं ददर्श सः। सुप्तं विद्याबलेनादावदृश्यं विहितं तया KathāSaSag. vii. 3. 225; viii. 2. 290; तिष्ठत्यदृश्यः पथि … किं शौरिर्घनकुञ्जवञ्जुललता … जालान्तरे कण्टकः DaśāvC. 8. 76; 8. 258; यदि सदृशादतिरिक्तं सादृश्यं दृश्यं स्यात् तदा दृश्यानुपलम्भग्रस्तमेव तत्। अथादृश्यम्। तदपि…कथं तत्सिद्धिः TarkBhā.(Mo.) 6. 17; अदृश्यैः कैश्चिदागत्य…तस्यामङ्गलवार्तेव कापि कर्णे न्यधीयत VikraDeC. 4. 33; अदृश्याधिके SiddhaHe. iii. 2. 145; या लुप्तकीलभावं याता हृदि बहिरदृश्यापि ĀryāSaS'. 374; 525; त्वं विश्वदृश्वा सकलैरदृश्यः Viṣāpahā. 4; (काव्ये) निबध्नीयात् … अप्यदृश्यां सितां कीर्तिमकीर्तिं च ततोऽन्यथा Vāgbhaṭā. 1. 18; सः … अभूददृश्यः … जनसंबाधमध्यगः RājT.(Ka.) 4. 2244; ना तिथिभागतोऽल्पो यावद्विधुस्तावदसावदृश्यः GrahaGa. 143. 24 (13. 15); अदृश्याभिर्हुतवहज्वालाभिरिव सर्वतः। महावात्याभिः … खिलीभूतेषु वर्त्मसु TriṣaS'aPuC. i. 6. 4; ii. 6. 253; iv. 7. 95; सः … व्यसृजद्विषामनुजवर्गमदृश्यम् RāghPāṇ. (Ka.) 3. 11; अश्यादयस्तन्मात्रारूपेणादृश्या अपि स्थूलरूपेण दृश्यन्ते BrahmSūBh.(Ma.) 50B. 8 (*on* iii. 2. 25); (सा लक्ष्मीः) … इत्युक्त्वादृश्याभवत् Hitopa. 3. 99 (33); (रसस्य) अदृश्या पञ्चमी गतिः Rasā. 10. 15 = RasaRaSa. 1. 84; 12. 33; 18. 169; रक्षोजातिः … अदृश्या वैरिणी PāṇḍaC. 9. 212; 1. 498; अदृश्ये चक्षुराद्यगोचरे … प्रतिष्ठां यदैवैष जीवो लभते PrakaVi. 114. 22; तथा ह्यदृश्येष्वपि येषु (कवीन्द्रेषु) साक्षादाकर्ण्यते कर्णसुखा तदुक्तिः Surath. 1. 34; तावद्ययौ नलो यावददृश्या दवदन्त्यभूत् MalliC. 6. 167; 8. 418; अदृश्येन ततः सर्वोऽप्युपचारः कृतो मया PārśvC. 2. 354; अदृश्यं किंचित् कारकत्वनिर्वाहकं रूपमिति स्यात् NyāyKu. 27. 11; अदृश्ये प्रत्यक्षाद्यविषये S'rutaPra. iA. 82. 18 (*on* i. 1. 1); पांशुरदृश्योऽन्यैश्च देहिभिः…चरति पाकलः Hastyāyur. 703. 18 (4. 35); योऽदृश्यः (मृत्युः) प्रहरति तेन को विरोधः SūktiRa. 37. 25; क्षणार्धेन सर्वाः सख्योऽदृश्याः PrabaK. 87. 7; 101. 23; जीवात्मन्यप्यदृश्ये वपुरपि हि दृशा गृह्यते TattvMu. 4. 84; अदृश्यो गोत्रभित् कश्चिद्गतः स्वर्गं गवेष्यते Yādavā. 6. 46; 16. 3; 20. 25; न हि यागक्रिया सर्वात्मना नश्यति किन्तु सूक्ष्मरूपत्वेनादृश्या सती … फलमारभते NyāyMāVi. 66. 13 (*on* ii. 1. 2); दृश्ये प्रतियोगिन्यदृश्ये वा स्मर्यमाणेऽधिकरणमात्रबुद्धेरेव नास्तीति व्यवहारोपपत्तौ SarvaDaSaṁ. 16. 466; शमूनं कुरुते …। तोदनात्तुत्। अदृश्यश्छः। छन्नत्वात् TattvPrakā. 76B. 12 (*on* i. 4. 29); 20A. 3 (*on* i. 1. 17); 22B. 2 (*on* i. 1. 21); दृश्यादन्योऽदृश्यः NyāySu.(Ja.) 167A. 1 (*on* i. 2. 6); 482B. 6 (*on* iii. 2. 1); VedāntKau. 34. 8 (*on* i. 1. 20); संप्रति तु गर्वितः स्यात्कथं न तस्यामदृश्यायाम् UnmaRā. (Vi.) 52; रविशशिबुधशुक्रैः … नाप्यदृश्यैर्न नीचैः। स भवति नरपुत्रो भूपतिः JātaPā. 7. 35; 11. 65; TantrRaha. 15. 17; दयस्व किं घातयसि त्वमस्माननङ्गचण्डालशरैरदृश्यैः Subhāṣi. 1316; कृष्णसारोऽपि तत्रैवादृश्यो जातः SiṁhāDvā. 35. 4 (4); सप्तर्षयः … शास्त्रैर्निषिद्धामपि रात्रिचर्यां चरन्त्यदृश्याः किल लज्जयाह्नि Gurvā. 446; (देवी) इत्युक्त्वादृश्या जाता PurāPraSaṁ. 11. 10; 19. 19; सिद्धानामप्यदृश्यो भवति YogSā. 59. 5 (3); SiddhāMu. 16. 4 (*on* 36); S'ivārkaMaDī. ii. 228. 30 (*on* iii. 2. 4); अनेन सङ्गेऽदृश्यमपीदं त्वया दृश्यम् ĀryāS'. 68; VīraMi. (Āhnika.) 188. 20; VīraMi. 841. 11 (*on* 3. 64); अदृश्ये … वासुदेवे भगवति …

भावना नोपजायते BrBrahmS. i. 7. 14; i. 7. 62; अदृश्यम् … अन्तश्चिन्तयन्नृप: — परं मह: S'ivLi. 5. 57; Vidvanmo. 5. 6; क्षितिजोर्ध्वगता दृश्याश्चादृश्यास्तदध:-स्थिता: (ग्रहा:) SiddhāTaVi. 204. 20; SiddhāTaVi.(S'esavāsanā) 14. 10; अस्मदागमनमिदमदृश्यमत्रैव तिष्ठतु JānaPari. 1. 34 (4); तावत्सिंहोऽदृश्यो बभूव KathāK. 44. 13; 63. 27; अयमञ्जलिस्ते ननु न चिरादृविता भवानदृश्य: AmṛUda. 4. 84; दृशामदृश्यं कामाक्षि प्रकटयति ते पादयुगलम् MūkaPañ. 3. 28; **I B i** difficult to look at, unbearable to see, not available for seeing नियतमगम्यम-दृश्यं भवति किल त्रस्यतो रणोपान्तम् Kāvyālaṅ.(Ru.) 5. 28; अदृश्य: सत्त्ववसति-र्गम्भीरो विपुलाशय: ।… एष जलधि: RāmāMañ. 223. 16; अदृश्या त्रिदशैर्लङ्का नदीनिर्झरशालिनी RāmāMañ. 287. 1; त्रिवर्गं सेवमान: स: (कलश:) … मध्याह्ना-दूर्ध्वमभवददृश्य: सर्वकार्यिणाम् RājT.(Ka.) 7. 510; **I B ii** not fit to be seen, unworthy of being seen, which is not to be seen, unobservable (tabooed) अदृश्य: सर्वभूतानां कृतघ्नो भविष्यसि Rāmā. vii. 53. 18; जन्मर्क्षे निधने नृणाम-दृश्यस्त्वं भविष्यसि BrahmVaiP. iv. 79. 50; iv. 79. 61; चतुर्थ्यामुदितश्चन्द्रो भाद्रे मासि … अदृश्य: BrahmVaiP. iv. 79. 62; शिवनिन्दाकर: … ब्राह्मणश्चेत् … ब्राह्म-णत्वादवध्यश्च त्याज्योऽदृश्यश्च सर्वदा S'ivaP. iii. 33. 51 (337A. 10); व्यसनोत्सव-युद्धेषु नादृश्या राजयोषित: RāmāMañ. 397. 20; चरकस्तु दृश्यादर्शनेऽदृश्यस्य दर्शने क्षिप्रं रिष्टमाह AdbhuSāg. 519. 9; दृशाप्यदृश्यो वचनैरभाष्योऽहं भवादृशै: MalliC. 2. 603; **2** not knowable, beyond experience अद्रेश्यं अदृश्यं सर्वेषां बुद्धीन्द्रियाणामगम्यम् MuṇḍUBh. 309. 8 (*on* i. 1. 6); तन्मायाश्चैका-दृश्याजन्माद्यनन्तात्मनोऽभ्युपेयत्वात् IṣṭaSi. 344. 16; 343. 22; अवेद्योऽचिन्त्योऽदृश्य: (परमात्मा) PārāSū. 22. 13; यत्तददृश्यं बुद्धीन्द्रियाविषय: Bhām. 183. 2 (*on* i. 2. 21); अद्रेश्यमदृश्यं ज्ञानेन्द्रियाविषय: PrakaVi. 197. 17; माया तावददृश्या PraboSu. 100; 103.

अदृश्य (a-dṛśya) *m.* **i** name of Viṣṇu (विष्णोर्नामसहस्रम्) अदृश्यो व्यक्तरूपश्च MahāBhā. xiii. 135. 46; **ii** name of S'iva हरस्य … अष्टोत्तरसहस्रं तु नाम्नां शृणुत … अदृश्य: LiṅgaP. i. 65. 62; **iii** name of a Marut (wind-god) अदृश्य° … एते मरुत: प्रकीर्तिता: NīlaP. 621.

अदृश्य (a-dṛśya) *ger.* not seeing (पार्वतीं) तामदृश्य ततो दैत्य:…जवेना-गात्पुनर्योद्धुम् S'ivaP. ii(5). 22. 43 (247A. 7)

अदृश्यक (adṛśya-ka) *adj.* **i** not observable तदधश्च जलं ध्वान्तमगन्त-व्यमदृश्यकम् BrahmVaiP. iv. 4. 192; **ii** (portion of heavenly body) not (yet) seen (in the sky) दर्शनभागे सौम्या: क्रूराश्चादृश्यके प्रसवकाले । राहुलेशो-पगत: … यमक्षयं नयति SārāV. 10. 106.

अदृश्यकज्जल (adṛśya-kajjala) *n.* unguent that renders (one) in-visible क्षत्रपुत्रोऽक्षविक्षिप्त: शिक्षितादृश्यकज्जल: । अन्तरिक्षगतिं प्राप YaśasCam. ii. 291. 4.

अदृश्यकरण (adṛśya-karaṇa) *n.* power of making invisible अदृश्य-करणं चैव प्राप्तं चानूरुणा पुरा SkandP. v(2). 11. 23; विण्मूत्रलेपने स्वर्णमदृश्यकरणं तथा । भवन्त्येतानि सर्वाणि SivS. 3. 64.

अदृश्यकरणी (adṛśya-karaṇī) *f.* art of making invisible वाक्सिद्धि: कामरूपत्वमदृश्यकरणी तथा YogaU. 74.

अदृश्यकर्तृसिद्धि (adṛśyakartṛ-siddhi) *f.* establishment of an invi-sible agent ननु यदि कर्तृमात्रव्याप्तिग्रहाददृश्यकर्तृसिद्धि: TattvCin. ii(2). 36. 6.

अदृश्यकाय (adṛśya-kāya) *adj.* who has made his body invisible [Conze]

अदृश्यकिञ्चिन्नक्षत्र (adṛśya-kiñcinnakṣatra) *adj.* with some conste-llations invisible तेनादृश्यकिञ्चिन्नक्षत्रस्यापि…समयस्य व्यवच्छेद: ViraMi. 77. 24 (*on* 1. 24)

अदृश्यकेतु (adṛśya-ketu) *m.* invisible comet अथादित्यजानामदृश्यकेतूनां फलमाह वृद्धगर्ग: AdbhuSāg. 174. 1.

अदृश्यगति (adṛśya-gati) *adj.* with movements unnoticed परैरदृश्य-गतयो विष्कोशीकृतरिष्टय: BrahmāṇḍP. iii. 25. 50.

अदृश्यग्रहचार (adṛśya-grahacāra) *m.* invisible movement of a planet अदृश्यग्रहचारश्च ग्रहरश्मिस्तथैव च । दोषाश्च गणिता: सर्वे BṛhaspSm. 294. 462.

अदृश्यग्रहतारक (adṛśya-grahatāraka) *adj.* with planets and stars being invisible मेघौघै: … अदृश्यग्रहतारकम् ।… खं बभूव HariVaṁ. ii. 61. 16.

अदृश्यचित्तज्ञान (adṛśya-cittajñāna) *n.* cognition of thought as im-perceptible अदृश्यचित्तज्ञाने च तदुन्मिज्ञादिसंज्ञकम् । पुनस्तथताकारेण तेषां ज्ञान-मत:परम् AbhisaAlaṅ. 4. 16 (Āloka असत्त्वात् … अदृश्यमिति)

अदृश्यचेतनपूर्वकत्व (adṛśyacetanapūrvaka-tva) *n.* the state of being preceded by an unseen intelligent being अदृश्यचेतनपूर्वकत्वं तु तस्योपे-यत एव TātpaṬ.(Vā.) 603. 2 (*on* iv. 1. 21)

अदृश्यच्छत्र (adṛśya-chatra) *n.* invisible umbrella महता मत्तमातङ्ग-मदमयेन तिलकेनादृश्यच्छत्रच्छायामण्डलेनेवाविरहितललाटाम् HarṣaC. 168. 16.

अदृश्यजाठरीयवह्नि (adṛśya-jāṭharīyavahni) *m.* gastric fire that is unseen वह्निमात्रव्याप्तधूमाददृश्यजाठरीयवह्निसिद्धिरपि स्यात् TattvCin. ii (2). 36. 7.

अदृश्यझिल्लीस्वन (adṛśyajhillī-svana) *m.* sound of concealed crickets अदृश्यझिल्लीस्वनकर्णशूल उलूकवाग्भिर्व्यथितान्तरात्मा BhāgP. v. 13. 5.

अदृश्यत् (a-dṛśyat) *adj.* not seen, invisible राजर्षिभिरदृश्यद्भिर्ऋषिभिश्च महासुरौ MahāBhā. i. 202. 19.

अदृश्यतनु (adṛśya-tanu) *m.* god of love (*lit.* having an invisible body) तत्कुमारस्तु कन्त: स्याददृश्यतनुरात्मज: NāmaMāli. 81.

अदृश्यतमा (adṛśya-tamā) *adj.* (*f.*) totally invisible सम्पद्यते पुनर-दृश्यतमामवस्थाम् Yādavā. 19. 46.

अदृश्यता (adṛśya-tā) *f.* the state of being invisible, disappearance, (mostly with verbs of motion) the state of becoming invisible, the state of vanishing दृश्यं ह्यदृश्यतां नीत्वा ब्रह्माकारेण चिन्तयेत् TejoBiU. 1. 50; दर्शनप्रणयिनामदृश्यतामाजगाम विजयानिवेदनात् KumāSaṁ. 8. 90; लुब्धकोऽपि … अपश्यन्खण्डश:छिन्नां रज्जुं कच्छपमपि योगिनमिवादृश्यतां गतम् Tantrā-Khyā. 89. 20; PañcT. 2. 95 (270. 1); भगैर्द्वादशभि: पश्चाद् दृश्य: प्राग्यात्य-दृश्यताम् SūryaSi. 10. 1; स्वक्षी यक्षी साप्यदृश्यतामयासीत् DaśKuC. 10. 8; AparoAnu. 142; केत्यतर्कयंत न केनचित्पुनर्दाशकन्धरिरदृश्यतां गत: RāmC. 29. 91; देवतापि मुनिं नत्वा समाप्तनियमं तदा जगामादृश्यतां क्वापि BṛKathāK. 11. 57; 153. 7; अदृश्यतां गतास्त्रिदशपतिसदसि हृदयदस्यवो रम्भालास्यकरणप्रयोगा: TilaMañ. 42. 9; सोऽपि … निजच्छायादृश्यताशीलकज्जलबहलं लोचनयुगलं विधाय प्र(? प्रे)याय च तन्महीश्वरगृहम् YaśasCam. ii. 290. 4; एवं तेन ततश्चोक्तो निषा-दोऽदृश्यतां गत: VarāP. 125. 137; इत्युक्त्वादृश्यतां प्राप्तो यति: क्वापि न दृश्यते PadmP. iv. 21. 42; प्रहस्त: शरजालेन निनाय तमदृश्यताम् RāmāMañ. 339. 12; 20. 15; उक्तं परस्यामिषतामनुक्तं यात्यदृश्यताम् (धनम्) DarpaDa. 2. 6; सैन्यनायका: …क्षितिं समाक्षिप्य नयन्त्यदृश्यताम् DaśāvC. 3. 19; मासत्रयप्रयोगेण पुमान्प्राप्नोत्य-दृश्यताम् Mānaso. ii. 2. 35; त्रिलोहवेष्टितं वक्त्रे धृत्वा चादृश्यतां व्रजेत् Rasā. 12. 200; गच्छति स नलस्तावद्यावदागाददृश्यताम् PāṇḍaC. 6. 416; प्रतियोगित्वे वा …तन्तूनामदृश्यता च स्यात् TattvPradī.(Ci.) 35. 7; मन्ये प्रचण्डयोगिन्या निन्ये स किमदृश्यताम् S'āliC. 6. 177; इति तेषु गतेष्वदृश्यताम् … नैषधोऽब्रवीत् Nalābhyu. 7. 26; अदृश्यता युज्यते नृहरौ PraboSu. 198; पाशं च स्वयमाददे पतिरपां वातो गतोऽदृश्यताम् ViraMi. 2. 27 (*on* 1. 1); अशपत् गृहिणीमदृश्यतामधिगच्छेत्यमुतो ययौ च स: Rāgh. 3. 72; असृञ्जि यान्त्वदृश्यतां कलेवरं विशुष्यतु Ḍamaru. 114 (? 109)

अदृश्यतामुखगुणयुक्त (adṛśyatāmukhaguṇa-yukta) *adj.* endowed with the chief attribute of invisibility (imperceptibility) अदृश्यतामुखगुण-युक्तमक्षरं प्रधानम् NayaMañ. I. ii. 6. 11.

अदृश्यती (adṛśyatī) *f.* name of S'akti's wife and daughter-in-law of Vasiṣṭha अहं त्वदृश्यती नाम्ना तं (वसिष्ठम्) स्नुषा प्रत्यभाषत । शक्तेर्भार्या Mahā-Bhā. i. 167. 12; cf. **अदृश्यन्ती**.

अदृश्यतीरभाग (adṛśya-tīrabhāga) *m.* invisible portion of the shore क्षणेनैवादृश्यतीरभागमविभाव्य पर्यन्तग्रामनगरसंनिवेशं प्रदेशमासादयम् Tila-Mañ. 133. 1.

अदृश्यतुर् (adṛśya-tur) *adj.* of unobservable velocity पूर्भिर्भ(? म)येन विहिताभिरदृश्यतुर्भि: BhāgP. ii. 7. 37.

अदृश्यतोपगत (adṛśyatopagata) *adj.* vanished, disappeared अदृश्य-तोपगत इव … क्षणमात्रं जाते जगति सति YaśasCam. i. 606. 3.

अदृश्यत्व (adṛśya-tva) *n.* **i** the state of being invisible, dis-appearance (sometimes with verbs of motion) vanishing उक्त्वा चैव मृषीन् ब्रह्मा ह्यदृश्यत्वमगात्पुन: VāyuP. i. 1. 166; तत: प्रभृति चाश्वानां स्तना दन्ता गवां तथा । मू(? गू)ढा: समभवंस्तेन चादृश्यत्वमुपागता: MatsyaP. 138. 42; प्रभु: … अदृश्यत्वमुपागमत् BrahmāṇḍP. i. 1. 159; नैवं वाक्यानि दृश्य-विशेषत्वात् । अदृश्यत्वेऽप्यदृष्टविशेषाणां विजातीयत्वोपगमविरोधात् PramāVāSvopVṛ. 10. 6; वसुमती … राज्ञोऽदृश्यत्वं चाकर्ण्योद्विग्ना … रमणानुमरणे मतिं व्यधत्त DaśKuC. 4. 23; अदृश्यत्वं यदेतोऽसि सर्वविद्याभृतामपि PadmP.(Ra.) 18. 78; बहुषु यागेषु संनिधानमदृश्यत्वं च अन्तर्धानशक्तियोगादुपपद्यते BrahmSūBh.(Bhā.) 61. 17 (*on* i. 3. 27); सूक्ष्मत्वात्तर्कदृश्यत्वमस्पृश्यत्वममूर्तता S'ivDṛ. 5. 85; योग: प्रायो दृश्योऽदृश्यत्वे नाग्रह: कार्य: ĀryaSi. 11. 9 (116); अदृश्यत्वादविद्यमानकल्पं कल्प-पादपांशुकं कलयन्तीम् …कन्यकामद्राक्षम् TilaMañ. 160. 9; खेचरीत्वं ददौ काचित् अदृश्यत्वं परा ददौ SkandP. iv. 45. 15; ViṣṇuDhaP. ii. 126. 69; PadmP. iv. 82. 69; v. 1. 9; पान्थ: सोऽगाददृश्यत्वम् PāṇḍaC. 6. 637; वेतालादिस्थूलशरीरस्या-प्यदृश्यत्वे स्थिते कथं दृश्यत्वशङ्का भवेत् S'rutaPra. ii. 603. 4 (*on* iv. 2. 13);

PrabhāC. 181. 13; तेषामदृश्यत्वाज्ञेयत्वे TattvPrakā. 50A. 13 (i. 3. 22); छायात्मकस्य दृश्यत्वप्रसिद्धेः, जीवादेरदृश्यत्वात् VedāntKau. 58. 15 (on i. 2. 20); अदृश्यत्वमग्राह्यत्वम् ···प्रधान एवान्वेति S'ivārkaMaDī. 380. 19 (on i. 2. 13); 383. 7 (on i. 2. 22); अदृष्टं तेन भूगर्भक्षितिजोर्ध्वोर्ध्वगोलकः । दृश्यत्वेनादृतश्चादृश्यत्वेनान्यस्त्वधोऽस्ति यः SiddhāTaVi. 162. 16; 266. 6; कपर्दिकयक्षेण···अदृश्यत्वं भेजे KathāK. 1. 22; 92. 12; (चतुःषष्टिकलाः) धातुपरीक्षाप्यदृश्यत्वम् LalitāSaBh. 72. 29 (on 109); तथा च सर्वपदार्थानामदृश्यत्वमेवापतेत् Bhāsk. i. 224. 16 (on i. 5. 6); ii. 185. 20 (ii. 4. 12); ii the state of being imperceptible or non-cognizable सत्याख्यं ब्रह्म···अपिहितमिव असमाहितचेतसामदृश्यत्वात् BṛĀraUBh. 736. 18 (on v. 15. 1); (भेददृष्टिः) न सा दृग्दृश्ययोः संभवेत्, दृशोऽदृश्यत्वात् IṣṭaSi. 2. 21; 314. 18; द्रष्टापि यदि दृश्याया आत्मेयात्कर्मतां धियः । यौगपद्यमदृश्यत्वं वैयर्थ्यं चाप्नुयाच्छ्रुतिः NaiṣkaSi. 72. 6; रोगादिकमेव पुष्ट्यादिहेतुः तत्तु पुष्ट्यादिकाले अदृश्यत्वादेव नोपलभ्यते NyāyVārPari. 676. 10; मायामिति । अदृश्यत्वमित्यर्थः AbhinBhā. 28. 21 (on 1. 66); (समाख्यासंबन्धः) स च परमार्थतो नास्ति । दृश्यत्वे तस्यानुपलम्भेन बाधा अदृश्यत्वे तस्य सत्तासाधकं प्रमाणं नेक्ष्यते TarkBhā.(Mo.) 6. 8; असद्ब्रह्म अदृश्यत्वाच्छशविषाणवत् NītiMā. 17. 24; तच्चादृश्यत्वम् ··· अन्तस्थस्य ··· उच्यते BrahmSūBh.(Ma.) 7A. 10 (on i. 1. 20); आनन्दमयस्य यददृश्यत्वमुक्तम् TattvPrakā. 21B. 3 (on i. 1. 20); दृश्यादन्योऽदृश्यः तस्य भावोऽदृश्यत्वम् NyāySu. (Ja.) 167A. 2 (on i. 2. 6); ब्रह्मणः स्वरूपेणादृश्यत्वेऽपि व्यतिरेकावच्छिन्नस्य दृश्यत्वात् Nyāyāmṛ. 21A. 8; 111B. 7.

अदृश्यत्वकारक (adṛśyatva-kāraka) *adj.* causing invisibility अश्रौष्वावामदृश्यत्वकारकं दिव्यमञ्जनम् PariPar. 8. 385.

अदृश्यत्वनियम (adṛśyatva-niyama) *m.* invariability of the state of being invisible न चादृश्यसमुदायस्यादृश्यत्वनियमः S'ivārkaMaDī. ii. 83. 27 (on ii. 2. 18)

अदृश्यत्वयुक्त (adṛśyatva-yukta) *adj.* possessing imperceptibility अदृश्यत्वयुक्तानन्दमयोऽपि कश्चिदिन्द्राद्यन्यतमः TattvPrakā. 21B. 10 (on i. 1. 20)

अदृश्यत्वलक्षण (adṛśyatva-lakṣaṇa) *adj.* characterised by invisibility अणिमकार्यमन्तर्धानमावरकेन विनादृश्यत्वलक्षणम् VīraMi. 902. 27 (on 3. 202)

अदृश्यत्वलिङ्ग (adṛśyatva-liṅga) *n.* characteristic called imperceptibility अदृश्यत्वलिङ्गमिन्द्रादिश्रुतिश्च ··· सन्देहबीजम् TattvPrakā. 21B. 5 (on i. 1. 20)

अदृश्यत्वशक्ति (adṛśyatva-śakti) *f.* ability to become invisible देवादिवददृश्यत्वशक्तियोगात् BrahmSūBh.(Ma.) 26B. 7 (on ii. 1. 26); देवादीनामदृश्यत्वशक्तिमत्त्वात् TattvPrakā. 89B. 11 (on ii. 1. 26)

अदृश्यत्वश्रुति (adṛśyatva-śruti) *f.* Vedic passage mentioning non-cognisibility अदृश्यत्वश्रुतिः साकल्येनादृश्यत्वपरा Nyāyāmṛ. 55A. 6.

अदृश्यत्वसम्भव (adṛśyatva-sambhava) *m.* possibility of not being visible भूतवद्भूतधर्मस्य न चादृश्यत्वसम्भवः NyāyMañ. ii. 43. 11.

अदृश्यत्वादि (adṛśyatvādi) *adj.* imperceptibility and the like इह त्वदृश्यत्वादयो धर्माः प्रधाने सम्भवन्ति BrahmSūBh. (S'aṅ.) 124. 4 (on i. 2. 21); अदृश्यत्वादयः परमेश्वरगुणा उक्ताः BrahmSūBh. (Ma.) 17A. 8 (on i. 3. 21); अदृश्यत्वाद्यभावाख्यं श्रुतिलिङ्गाधिका परा AnuVyā. 11A. 5 (on i. 2. 1); 30B. 11 (on iii. 2. 3); अदृश्यत्वादिसाधारणधर्मनिर्देशात्संशयमाह PrakaVi. 197. 23; VedāntKe. 142. 9 (on i. 2. 21); अदृश्यत्वादिविष्णुधर्मश्रवणात् TattvPrakā. 45B. 3 (on i. 3. 10); प्रधाने जीवे चादृश्यत्वादीनां सम्भवात् VedāntKau. 67. 19 (on i. 2. 22); अदृश्यत्वादयो गुणा न प्रकृतेर्भवन्ति AṇuBh. 66. 12 (on i. 2. 22); विमुविशेषणस्य···भूतयोनिविशेषणत्वेन तत्समभिव्याहृतानामदृश्यत्वादीनामपि तद्विशेषणत्वावगमात् S'ivārkaMaDī. i. 378. 6 (on i. 2. 22); निर्गुणत्वादेरप्यदृश्यत्वादेरिव तन्निमित्तत्वात् GoviBh. 15. 12 (on i. 1. 11)

अदृश्यत्वादिक (adṛśyatvādi-ka) *adj.* imperceptibility and the like अदृश्यत्वादिकांस्तस्माद्गुणानाह स्वयं प्रभुः AnuVyā. 11B. 9 (on i. 2. 10); अदृश्यत्वादिकं जडप्रकृतेर्भवेत् TattvPrakā. 37B. 13 (on i. 2. 21); अदृश्यत्वादिकं भूतयोनेर्विशेषणम् S'ivārkaMaDī. i. 378. 2 (on i. 2. 22)

अदृश्यत्वादिगुण (adṛśyatvādi-guṇa) *m.* qualities such as imperceptibility and others अदृश्यत्वादिगुणा विष्णोरुक्ताः BrahmSūBh.(Ma.) 12A. 8 (on i. 2. 21); आनन्दमयस्यादृश्यत्वादिगुणा उक्ताः TattvPrakā. 37B. 4 (on i. 2. 21); पूर्वाधिकरणेऽदृश्यत्वादिगुणानुक्त्वा प्रसङ्गाद्रूपमुपन्यस्तम् AṇuBh. 67. 9 (on i. 2. 24); अक्षरविद्यायामदृश्यत्वादिगुणवैशिष्ट्येन परं ब्रह्मोपासनीयम् S'ivārkaMaDī. 382. 24 (on i. 2. 22)

अदृश्यत्वादिगुणक (adṛśyatvādiguṇa-ka) *adj.* possessing qualities such as imperceptibility and the like अदृश्यत्वादिगुणको धर्मोक्तेः BrahmSū. i. 2. 21; अक्षरशब्देनादृश्यत्वादिगुणकं भूतयोनिं श्रावयित्वा पुनरन्ते श्रावयिष्यति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 124. 9 (on i. 2. 21); अदृश्यत्वादिगुणकः पराक्रततमोमलः (परमात्मेति गीयते) VākyaVṛ. 29; BrahmSūBh.(Bhā.) 46. 5 (on i. 2. 21); अदृश्यत्वादिगुणकः सर्वज्ञः परमपुरुषः BrahmSūBh.(Rā.) 609. 16 (on iii. 2. 35); VedāntDī. 37. 20 (on i. 2. 22); विष्णुरेवादृश्यत्वादिगुणकः BrahmSūBh.(Ma.) 12B. 4 (on i. 2. 21); अदृश्यत्वादिगुणकाक्षरस्य प्रकृतित्वं शङ्क्यते S'rutaPra. iB. 324. 7 (on i. 2. 22); iB. 306. 23 (on i. 2. 12); ii. 1. 19 (on i. 3. 1); अदृश्यत्वादिगुणके···अक्षरशब्दश्रवणात् TattvPrakā. 37B. 9 (on i. 2. 21); 42A. 7 (on i. 3. 1); VedāntPāSau. 67. 7 (on i. 2. 22); S'ivārkaMaDī. i. 382. 27 (on i. 2. 22); PūrvottaVāNaMā. 329. 10; अदृश्यत्वादिगुणकः परमात्मैव AṇuBh. 65. 24 (on i. 2. 21)

अदृश्यत्वादिगुणकत्व (adṛśyatvādiguṇaka-tva) *n.* the state of possessing the qualities such as imperceptibility and the like यदुक्तं प्रकृतिविरिञ्चयोरदृश्यत्वादिगुणकत्वमिति TattvPrakā. 38A. 12 (on i. 2. 22); 42B. 7 (on i. 3. 1)

अदृश्यत्वादिधर्मक (adṛśyatvādidharma-ka) *adj.* having the properties such as imperceptibility and the like भाष्ये अदृश्यत्वादिधर्मकस्य न विग्रह इत्याक्षेपः VedāntKa. 144. 3 (on i. 2. 21)

अदृश्यत्वादिधर्मन् (adṛśyatvādi-dharman) *adj.* having the properties such as imperceptibility and the like अदृश्यत्वादिधर्मा परमात्मैव उभयत्र वेद्यः GoviBh. 36. 13 (on i. 2. 21)

अदृश्यत्वादिलक्षण (adṛśyatvādi-lakṣaṇa) *adj.* having the characteristics of invisibility etc. यदा ह्येवैष एतस्मिन्नदृश्यत्वादिलक्षणे । निर्भेदं परमाद्वैतं विन्दते च महामतिः KaṭhRuU. 26.

अदृश्यत्वादिलिङ्ग (adṛśyatvādi-liṅga) *n.* characteristics such as imperceptibility and the like अदृश्यत्वादिलिङ्गमभावाख्यम् NyāySu.(Ja.) 158B. 5 (on i. 2. 1); TattvPrakā. 37B. 8 (on i. 2. 21)

अदृश्यत्वाधिकरण (adṛśyatvādhikaraṇa) *n.* topic dealing with imperceptibility अत एवागतार्थता अदृश्यत्वाधिकरणेन AṇuBh. 77. 18 (on i. 3. 10)

अदृश्यत्वोक्ति (adṛśyatvokti) *f.* mention of imperceptibility दृश्यत्वस्योक्तत्वात् पुनरदृश्यत्वोक्तिरयुक्ता LaCandr. 838. 28.

अदृश्यत्वोपालम्भ (adṛśyatvopālambha) *m.* blame (namely) the state of invisibility न च प्रीतिसाधनत्वरूपस्यादृश्यत्वोपालम्भः YuktiSneha. 25. 24 (on i. 1. 2)

अदृश्यदर्शन (adṛśya-darśana) *n.* sight of what should not be seen अदृश्यदर्शनोद्भूतं मलं मेऽद्य दृशोर्जिनम् । दृष्ट्वा यास्यति PārśvaC. 4. 124.

अदृश्यदशन (adṛśya-daśana) *adj.* (laugh) in which the teeth cannot be seen अदृश्यदशनो हास्यो मन्थरस्मितमुच्यते SaṃgīRa. iv. 417. 2 (7. 1426)

अदृश्यदहन (adṛśya-dahana) *m.* fire that cannot be seen कथमदृश्यदहनसन्ततेर्दृश्यदहनोत्पत्तिः SiddhāMu. 16. 5 (on 37)

अदृश्यदृश्यक (adṛśya-dṛśyaka) *adj.* partly visible and partly invisible केचित्प्रोचुरदृश्यदृश्यकगिरिं पौराणिकाः सूरयः (नभसः परिधिम्) SiddhāS'i. 22. 2.

अदृश्यदृष्टि (adṛśya-dṛṣṭi) *f.* sight of what cannot be seen अदृश्यदृष्टौ सर्वज्ञः NyāyKuA. ii. 222. 9.

अदृश्यदेश (adṛśya-deśa) *adj.* of an invisible place दूरमदृश्यदेशम् AbhidhKoBh. 13. 13 (on 1. 20)

अदृश्यधर्म (adṛśya-dharma) *m.* unknowable attribute तस्य साध्यविशेषणवैयर्थ्याच्च निग्रहः । अदृश्यधर्मानभ्युपगमात् S'aṭDū. 119. 18.

अदृश्यनिजवर्मन् (adṛśya-nijavarman) *adj.* whose own armour is invisible अदृश्यनिजवर्मणाम् ··· दानवानां शिलीमुखैः ··· शक्तीनां मण्डलं तेने BrahmāṇḍP. iii. 25. 63.

अदृश्यनिम्नोन्नत (adṛśya-nimnonnata) *n.* invisible ups and downs अदृश्यनिम्नोन्नतस्खलद्गतिना ··· वाजिसैन्येनानुगम्यमानः ··· दिवसमेव केवलमवहत् Kād. 304. 3.

अदृश्यनिम्ना (adṛśya-nimnā) *adj.* (*f.*) the bottom of which is not visible स्वल्पा त्वदृश्यनिम्ना नाभिः क्लेशावहा भवति BṛSaṃ. 68. 21.

अदृश्यनिषेध (adṛśya-niṣedha) *m.* negation of the invisible न ह्यदृश्यनिषेधः स्याद्घटादेरिव भूतले BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 951.

अदृश्यन्ती (adṛśyantī) *f.* name of Vasiṣṭha's daughter-in-law and wife of S'akti वध्वादृश्यन्त्यानुगत आश्रमाभिमुखो व्रजन् MahāBhā. i. 167. 11; v. 115. 11; अदृश्यन्त्यां समभवन्मुनिर्यत्र पराशरः VāyuP. i. 2. 11; ii. 9. 83; कीर्त्यते ··· पराशरस्य चोत्पत्तिरदृश्यन्त्याम् BrahmāṇḍP. i. 1. 150; ii. 8. 91; ज्यायसोऽजनयच्छक्तेरदृश्यन्ती पराशरम् LiṅgaP. i. 63. 83; i. 64. 24; cf. **अदृश्यती.**

अदृश्यपदवी (adṛśya-padavī) *f.* invisible state (i. e. disappearance) उक्त वेत्यदृश्यपदवीमुपयाति तस्मिन् PṛthviVi. 4. 69.

अदृश्यपरचित्तादि (adṛśya-paracittādi) *n.* other's mind etc. which are not visible अदृश्यपरचित्तादेरभावं लौकिका विदुः Laghīya. 1. 15.

अदृश्यपरमाणु (adṛśya-paramāṇu) *m.* invisible atom अदृश्यपरमाणुभ्यो यथा दृष्टं घटादि च SamarāSaṁ. 3. 230.

अदृश्यपरमाणुतस् (adṛśyaparamāṇu-tas) *adv.* from the invisible atom यच्च दृश्यं घटाद्युक्तमदृश्यपरमाणुतः तन्नोचितम् SamarāSaṁ. 3. 236.

अदृश्यपरमाणुपुञ्ज (adṛśyaparamāṇu-puñja) *m.* mass of invisible atoms न च तदानीमदृश्यपरमाणुपुञ्जात् दृश्यपरमाणुपुञ्जस्योत्पन्नत्वात् न प्रत्यक्षत्वेऽपि विरोधः SiddhāMu. 16. 3 (*on* 37)

अदृश्यपात (adṛśya-pāta) *adj.* of invisible fall कामायतनेषु कामशराणिवादृश्यपातान्नखानर्पयन् Avantika. 28. 14.

अदृश्यपातिन् (adṛśyapāt-in) *adj.* striking invisibly रामबाणेन जीवितं हरता तव। अदृश्यपातिना दूराद्दारितं हृदयं मम RāmāMañ. 185. 20.

अदृश्यपार (adṛśya-pāra) *adj.* [*f.* –ā] **i** whose other shore is invisible कौतुकानि त्वपर्यवसानायामत्र दण्डयात्रायामदृश्यपारे भगवत्यकूपारे विचरतो यदृच्छया कुमारस्य पदे पदे सुलभदर्शनानि TilaMañ. 147. 20; **ii** whose boundary cannot be seen अदृश्यपारापतनाभिहेतुषु ··· या (नगरी) न कूपदेशेष्वपि सत्सु दूषिता RāghPāṇ.(Dha.) 1. 27.

अदृश्यपारापत (adṛśya-pārāpata) *adj.* in which pigeons are invisible अदृश्यपारापतनाभिहेतुषु ··· या (नगरी) न कूपदेशेष्वपि सत्सु दूषिता RāghPāṇ.(Dha.) 1. 27.

अदृश्यप्रतिषेध (adṛśya-pratiṣedha) *m.* negation of what is not visible अनुपलम्भेनादृश्यप्रतिषेधो नेष्यते NyāyKuA. i. 169. 1.

अदृश्यबिम्ब (adṛśya-bimba) *n.* invisible orb दृश्यादृश्यबिम्बयोस्तदर्धमिते ग्रासे ग्रस्तं न लक्ष्यम् SiddhāTaVi. (S'esaVā.) 35. 5.

अदृश्यबिम्बकेन्द्र (adṛśyabimba-kendra) *n.* centre of the invisible orb यदूर्ध्वदेशे लग्नं तच्चादृश्यबिम्बकेन्द्रम् SiddhāTaVi. (S'esaVā.) 25. 14.

अदृश्यभाव (adṛśya-bhāva) *m.* invisibility झगित्यदृश्यभावमापन्नवान्मायाबलः UdaySuKa. 144. 18; 80. 30; अभजद्रौहिणेयः सोऽदृश्यभावं क्षणादपि RauhiC. 158; 396.

अदृश्यभूत (adṛśya-bhūta) *adj.* become visible (साधकः) नापहीयते। सिद्धैरदृश्यभूतैस्तु मन्त्रि(? न्त्र) सिद्धयभिकाङ्क्षिभिः JayāS. 17. 40; 28. 111; अदृश्यभूतास्तमसि न्यकृन्तन्त परस्परम् SkandP. i(2). 17. 11.

अदृश्यभेद (adṛśya-bheda) *adj.* with indiscernible distinction अदृश्यभेदैरतिसूक्ष्मभावात् जज्ञे जगन्मङ्गलतां दधानैः (नृत्तगीतैः) Yadavā. 12. 15.

अदृश्यम् (adṛśyam) *adv.* invisibly अतोऽहमद्य रात्रावदृश्यमेव पूर्वोत्खातनिधानसंनिधानप्रदेशस्थशमीतरुकोटरान्तरे त्वां स्थापयिष्यामि PañcT. 1. 158; (160. 5); अदृश्यं वा प्रकाशं वा लोकविद्वेषमागतान् (हन्याद्राजा) SūktiRa. 161. 2.

अदृश्यमात्रनिरास (adṛśyamātra-nirāsa) *m.* rejection of the invisible as such शशशृङ्गप्रतिबन्ध्या च नादृश्यमात्रनिरासः TattvCin. ii(2). 33. 4.

अदृश्यमान (ádṛśya-māna) *adj.* [*f.* –ā] **A i** not being found शरीरेष्वदृश्यमानेषु···त्रीणि षष्टिशतानि पलाशवृन्तानि SāṅkhāS'S. iv. 15. 19; **A ii** not being seen, invisible सोऽपश्यत्पथि श्रमणम् ··· दृश्यमानमदृश्यमानं च MahāBhā. i. 3. 136; i. 48*(2); iii. 23. 4; iii. 169. 1; iv. 21. 36; iv. 24. 20; v. 119. 3; v. 496* (6); vii. 154. 21; ix. 36. 23; अदृश्यमानेन रणे मायया वासवोपमौ ···निहतौ रामलक्ष्मणौ Rāmā. vi. 38. 17; vi. 67. 2; पुरुषैरपरैरदृश्यमानः पुरुषश्चोपससर्प भिक्षुवेषः BuddhaC. 5. 16; द्वितीयेऽहनि अभियोगार्थिनीं विद्यात्। अदृश्यमानां तु दूतीसाध्याम् KāmSū. 273. 17 (*on* 5. 3); तत्राप्यदृश्यमानमृगकलङ्का: AvantiKa. 33. 13; अदृश्यमानासु चैतास्वातिप्रवृद्धव्याधेरन्यव्याध्युक्तानामपि यथासन्नं व्यधः AṣṭāSaṁ. i. 177. 8 (*on* 1. 36); (एष मनुष्यः) पश्यत्यदृश्यमानो निरीक्षितो वीक्षते परां ककुभम् KuṭṭMa. 751; अदृश्यमानोऽपि पुरुषविशेषः अध्ययनध्वनिश्रवणादेव निर्धार्यते BrahmSūBh. (S'aṅ.). 192. 15 (*on* i. 3. 28); 324. 1 (*on* ii. 1. 18); महान्यग्रोधः बीजस्य ··· अदृश्यमानस्य कार्यभूतः ChāndoUBh. 395. 4 (*on* vi. 12. 2); 418. 19 (*on* vii. 1. 3); न ह्यदृश्यमानं द्वितीयं भयजन्मनो हेतुः BṛĀraUBh. 82. 11 (*on* i. 4. 2); प्राजको हि ··· त्वदृश्यमानस्य कथं रक्षतु ManuBh. ii. 198. 8 (*on* 8. 292); NalaCam. 4. 28(1); किन्नरेशः ··· अदृश्यमानः ··· ननर्द घोरम् BhaviP. 537A. 23 (iii(3). 32. 137); SivaP. ii(5). 53. 18 (286A. 7); NyāyRa. 758. 11 (*on* 6. 108); UdaySuKa. 30. 20; NītiMā. 49. 21; अदृश्यमाने सर्वाङ्गे सद्यो मरणमादिशेत् YogS'ā. 5. 172; TriṣaS'aPuC. iii. 4. 117; अदृश्यमाने चन्द्रमस्यमावास्योपवासः Aparā. 218. 4 (*on* 1. 154); ManvaVi. 890. 17 (*on* 8. 30); S'ivārkaMaDī. ii. 370. 20 (*on* iii. 3. 52); Amṛto. 4. 69(1); **Aiii** not being known कोशदण्डाभ्यामेनमदृश्यमानोऽनुगृह्णीयात् ArthaS'ā. ii. 362. 4 (*on* 7. 18); ii. 342. 1 (*on* 7. 15); न चादृश्यमानोऽपि···उपाधिः स्वाभाविकत्वं प्रतिबध्नाति इति साम्प्रतम् TātpaṬ.(Vā.) 165. 13–14 (*on* i. 1. 5); न चादृश्यमानोऽप्यनुमानगोचरः ĀgaPrā. 4. 16; JayaMa. 273. 23 (*on* 5. 3); **B** imperceptible प्रजापतिः ··· अदृश्यमानो बहुधा वि जायते AV. x. 8. 13; इयं हि निद्रा ··· अदृश्यमाना चपला जरेव या मनुष्यवीर्यं परिभूय वर्धते Cārud. 3. 4; इतरमदृश्यमानमप्यनुमानाद् बुद्धौ सन्निधापयति S'ābaBh. 1584. 10–11 (*on* viii. 1. 2); 1948. 19 (*on* x. 5. 5); कृतके हि सम्बन्धे यद्युतादृश्यमानस्यार्थस्य देवतादेः सम्बन्धकरणम् Bṛha. 197. 5 (*on* i. 1. 5); वर्मीभवेद्यदि न दैवमदृश्यमानम् MudrāRā. 2. 8; परमार्थतश्चादृश्यमानं द्रष्टृव्यतिरिक्तमस्तीति दुर्भणम् BrahmSi. 8. 5; 138. 17; अपोहश्चाप्यनिष्पन्नः साहचर्यं क कथ्यताम्। तस्मिन्नदृश्यमाने च न तयोः स्यात्प्रमाणता TattvSaṁ. 935; तेषामदृश्यमानानां कथं च रचनाक्रमः S'lokaVār. 758. 3 (6. 109); नाप्यस्पन्दात्मा प्रयत्नादिरिवादृश्यमानः TattvBi. 158. 15.

अदृश्यमानकर्तृ (adṛśyamāna-kartṛ) *m.* invisible agent किमदृश्यमानकर्तृकल्पनयेति चेत्तदपेशलम् NyāyMañ. i. 180. 13.

अदृश्यमानकल्पना (adṛśyamāna-kalpanā) *f.* postulation of what is unseen अदृश्यमानकल्पनायां मानाभावात् Upask. 87. 4 (*on* 2. 1. 12)

अदृश्यमानकारणान्तर (adṛśyamāna-kāraṇāntara) *n.* another cause which is not seen अदृश्यमानकारणान्तरकल्पनाया अयुक्तत्वात् Pradī. iii. 120A. 4 (*on* iii. 1. 87)

अदृश्यमानगोव्यक्ति (adṛśyamāna-govyakti) *adj.* by whom an individual cow is not seen अज्ञातगोव्यक्तेः – प्रत्यक्षेणादृश्यमानगोव्यक्तेरित्यर्थः S'rutaPra. iB. 109. 21 (*on* i. 1. 2)

अदृश्यमानजनास्यक (adṛśyamānajanāsya-ka) *adj.* in which faces (of the participants) are not seen ततः प्रववृते युद्धम् ··· । बाहूबाहवि सर्वत्रादृश्यमानजनास्यकम् PrabhāC. 201. 24.

अदृश्यमानत्व (adṛśyamāna-tva) *n.* the state of not being seen अर्थनिष्ठमहिम्नः तद्वाचकपदेऽदृश्यमानत्वात् कल्पितमेदं संपाद्य इदमुच्यते LalitāTriBh. 288. 19 (*on* 19); (प्रदोषे निशि तमसि च योषितो मन्दसाध्वसाः) कैश्चिददृश्यमानत्वात् JayaMa. 221. 4–5 (*on* 3. 4); देवदत्तो बहिर्नास्ति तत्रादृश्यमानत्वात् MānaMe. 68. 4.

अदृश्यमानधर्मिक (adṛśyamānadharmi-ka) *adj.* in which the substratum of the attribute is not seen (संशयः) बहिर्विषयकोऽपि दृश्यमानधर्मिकोऽदृश्यमानधर्मिकश्च Upask. 122. 6 (*on* ii. 2. 18)

अदृश्यमानपर्यन्त (adṛśyamāna-paryanta) *adj.* [*f.* –ā] whose end or limit is not visible अदृश्यमानपर्यन्तानर्पणीयकरानसौ। ददर्श विविधान् राज्ञो दिग्विभागानिवागतान् HarVi. 32. 41; अदृश्यमानपर्यन्ता सा चमूश्चक्रवर्ति(? र्तिं)नः TriṣaS'aPuC. i. 4. 52.

अदृश्यमानपानीय (adṛśyamāna-pānīya) *adj.* in which water is not seen (i. e. dry) तैः ···। अदृश्यमानपानीयं दृष्टं कूपरसातलम् BṛKathāS'loSaṁ. 15. 127.

अदृश्यमानपार (adṛśyamāna-pāra) *adj.* the other shore of which is invisible नियोजय ··· सहायपक्षे युगायत्तं निजमेव भुजयुगलमध्यवसितस्य ते गोष्पदमदृश्यमानपारः सकलोऽप्यकूपारः TilaMañ. 144. 7.

अदृश्यमानपुरुषप्रचारता (adṛśyamānapuruṣapracāra-tā) *f.* the state wherein movement of males is not seen अदृश्यमानपुरुषप्रचारतया स्त्रीराज्यमण्डलमिव विजिलानीतमखिलं तिलकमञ्जरीमन्दिरमपश्यम् TilaMañ. 372. 4.

अदृश्यमानप्रतिप्रहार (adṛśyamāna-pratiprahāra) *adj.* in which a counter-attack is not visible अदृश्यमानप्रतिप्रहारे पारियात्रे यात्रैव शिथिला HarṣaC. 288. 11.

अदृश्यमानप्राप्ति (adṛśyamāna-prāpti) *adj.* contact of which is not seen अदृश्यमानप्राप्तावयस्कान्तेऽपि दृष्टत्वादनैकान्तिकत्वमस्याभिमन्यते परः NyāyVārPari. 513. 5.

अदृश्यमानमर्त्यसंचार (adṛśyamāna-martyasañcāra) *adj.* in which the movement of mortals is not seen हन्त, कस्मादयमदृश्यमानमर्त्यसंचारे ··· महारण्येऽस्मिन्नकाण्ड एव ··· समुल्लसितो द्वैपारवः TilaMañ. 208. 12.

अदृश्यमानमानुष (adṛśyamāna-mānuṣa) *adj.* in which men become impercetible अदृश्यमानमानुषे निशीथे···अवसरपाठकः पपाठ NalaCam. 6. 53 (3)

अदृश्यमानरूप (adṛśyamāna-rūpa) *adj.* of invisible form कन्यान्तःपुरम् ··· अदृश्यमानरूपः प्रासादपालकैः प्रविवेश NalaCam. 7. 33 (6)

अदृश्यमानरूपविशेषा (adṛśyamānarūpa-viśeṣā) *adj.* (*f.*) whose particular form is invisible विप्रुष उदबिन्दवः स्पर्शमात्रानुभवेन या अदृश्यमानरूपविशेषाः ManuBh. i. 484. 14 (*on* 5. 131)

अदृश्यमानवनदेवता (adṛśyamāna-vanadevatā) *f.* invisible sylvan deity (अदृश्यमानवनदेवता) विधूतैर्बालपल्लवैरिव प्रमृज्यमानमार्गरेणुरूषितपरुष-

वपुषम् ···युवानमद्राक्षीत् HarṣaC. 34. 4.

अदृश्यमानशस्त्र (adṛśyamāna-śastra) *adj.* whose weapons are invisible अदृश्यमानशस्त्राणाम् ···दानवानां शिलीमुखैः।··· शक्तीनां मण्डलं तेने क्रन्दनं ललितां प्रति BrahmāṇḍP. iii. 25. 63.

अदृश्यमानसमत्व (adṛśyamānasama-tva) *n.* the state of being similar in imperceptibility पश्यत एव शरीरादिप्रपञ्चो निशा तदसंस्पर्शाददृश्यमानसमत्वात् BrahmSi. 133. 21.

अदृश्यमानसुन्दर (adṛśyamāna-sundara) *adj.* (apparently) beautiful so long as it is not seen तस्मादिदमपि दर्शनं अदृश्यमानसुन्दरं नान्द्रियन्ते बुधाः TattvBi. 90. 1 (comm. पारमार्थिकरूपाज्ञाने सति सुन्दरतया गृहीतम्)

अदृश्यमानाणुनिर्देश (adṛśyamānāṇu-nirdeśa) *m.* mention of invisible atoms अणिम्न इत्यदृश्यमानाणुनिर्देशादणुवादश्च भान्ति दार्ष्टान्तिका इति VedāntKa. 228. 11 (*on* i. 4. 28)

अदृश्यमानानुमान (adṛśyamānāṇumāna) *n.* inference of what is not visible सर्वथा ह्यदृश्यमानानुमानेन प्रत्ययविप्रकर्षो भवति TantrVā. 847. 12 (*on* iii. 3. 14)

अदृश्यमानाविनाभूत (adṛśyamānāvinābhūta) *adj.* invariable concomitance of which is not seen भूमौ निखातम् ··· अदृश्यमानाविनाभूतम् ··· वस्तु ··· यत् तस्य न प्रत्यक्षानुमानार्थापत्यागमहेतवः सन्ति BrahmSi. 91. 11.

अदृश्यमानुषप्रचार (adṛśya-mānuṣapracāra) *adj.* wherein movement of men is not seen अदृश्यमानुषप्रचारेषु ··· रत्नकूटाद्रिकटकदेशेष्वनुक्षणक्षिप्तविस्मयस्मेरलोचनं तारकमवोचम् TilaMañ. 156. 15.

अदृश्यमुख (adṛśya-mukha) *adj.* **i** whose face is not prominently seen सिन्धुप्रमुखदेश्या अप्यदृश्यमुखाः···सर्वभोगभाजो वाजिनः AvantiKa. 94. 13; **ii** whose face is not to be seen तददृश्यमुखं पापं मां दूरेण विसर्जय PārśvC. 1. 292.

अदृश्यमूर्ति (adṛśya-mūrti) *adj.* of invisible form अदृश्यमूर्तिः सर्वेषां प्राणिनां भवमोहनः BrahmāṇḍP. iii. 30. 61; (श्रीकामगिरिपीठम्) चिदानन्दाकाररूपं सर्वपीठाधिदैवतम्। अदृश्यमूर्तिमव्यक्तमादधार यथाविधि BrahmāṇḍP. iii. 39. 107; (सः) अदृश्यमूर्तिरात्मज्ञैरपि···। तत्राविरासीत् कृपया SkandP. ii(9). 10. 16; अदृश्यमूर्तिर्भगवानूचे तप तपेति तम् SkandP. ii(9). 24. 20; किमुत्क्षिप्य केनाप्यदृश्यमूर्तिना नीयमाना तिष्ठति UdaySuKa. 128. 2; अदृश्यमूर्तिस्स्वयमुष्णवारणं रथाङ्गपाणेस्सहधर्मचारिणी । समुन्नतिं सूर्यकुले करिष्यतो रघोरिवास्यापि बभार मूर्धनि PṛthvīVi. 2. 50; TājiNī. i. (3). 55 (120)

अदृश्ययात (adṛśya-yāta) *adj.* occupying the invisible part of the zodiac अदृश्ययातौ पितृमातृनाथौ पित्रोर्मुखादर्शनदौ भवेताम् JātaPari. 13. 66.

अदृश्यरन्ध्र (adṛśya-randhra) *adj.* pores of which are invisible गूढच्छिद्रः अदृश्यरन्ध्रः VīraMi.(Lakṣaṇa.) 253. 22.

अदृश्यरूप (adṛśya-rūpa) *adj.* [*f.* -ā] **i** of invisible form भूतं ततः किंचिददृश्यरूपम् ··· मारं बभाषे BuddhaC. 13. 56; इत्थं रतेः किमपि भूतमदृश्यरूपम् KumāSaṁ. 4. 45; अदृश्यरूपा चपला जरेव या मनुष्यसत्त्वं परिभूय वर्धते Mṛcch. 3. 9; अदृश्यरूपाः कालस्य मूर्तयो भगणाश्रिताः ।··· ग्रहाणां गतिहेतवः SūryaSi. 2. 1; वर्मीभवेद्यदि न दैवमदृश्यमानम् (v. l. अदृश्यरूपम्) MudrāRā. 2. 8; (सुराः) अदृश्यरूपाः क्षणवद्बभवेयुः VarāṅgaC. 9. 49; स्तुतिमकृत सरस्वत्यम्बरेऽदृश्यरूपा RāghPāṇ.(Dha.) 6. 51; तस्माद्यदि दिनमेकं तिष्ठसि सुतरामदृश्यरूपस्त्वम् SamaMā. 8. 26; अदृश्यरूपा वाग्देवी तत्राश्रावि महात्मना SkandP. ii(1). 32. 2; सोऽदृश्यरूपः स च दृष्टरूपः SkandP. v(2). 32. 25; अदृश्यरूपाभिर्वनदेवताभिरवकीर्यमाणबलिकुसुमम् ··· रामाश्रमं भरतः ··· अभजत RāmāCam. 2. 76 (4); अदृश्यरूपः स तदा मरुत्वान् ··· अवतस्थे Yādavā. 7. 19; अदृश्यरूपस्य हरेरगायन् गुणान् (गोपकन्याः) Yādavā. 8. 74; तत्र मनुष्यभाषया देवः कोऽप्यदृश्यरूपो देवशर्माणं प्रति ब्रूते स्म SiṁhāDvā. (App.) 241. 8; केनाप्यदृश्यरूपेण निषिद्धोऽप्येष न स्थितः RauhiC. 392; तन्तुभिरदृश्यरूपैः पटोऽत्र दृश्यः कथं भवति PraboSu. 100; *n.* invisible form सैन्यद्वयं प्रापददृश्यरूपम् VarāṅgaC. 14. 20; इदं सर्वम् ···। अदृश्यरूपमासाद्य कारणे मयि संस्थितम् BṛBrahmaS. ii. 2. 17; **अदृश्यरूपेण** (adṛśya-rūpeṇa) [Inst.] in an invisible form अत्रावदृश्यरूपेण वर्षं तिष्ठ ममाज्ञया AdhyāRā. iii. 7. 3; तान् ब्राह्मणान्निमन्त्रितानदृश्यरूपेण पितरोऽधितिष्ठन्ति ManvaMu. 125. 1 (*on* 3. 189)

अदृश्यरूपता (adṛśyarūpa-tā) *f.* the state of being of invisible form तदन्तर्द्धा(र्धा)नसामर्थ्यमभूत् तेषाम्···। नभस्वतामिवादृश्यरूपता येन सर्वतः TriṣaŚaPuC. i. 1. 861.

अदृश्यरूपत्व (adṛśyarūpa-tva) *n.* the state of being of invisible form व्यङ्ग्या च सैवं प्रसज्यते। प्रदीपघटवत् कथंचित्तत्प्रतिपत्तिमन्तरेणादृश्यरूपत्वात् PramāVāSvopVṛ. 51. 19.

अदृश्यरूपिन् (adṛśya-rūpin) *adj.* whose form is invisible, of invisible form (दुन्दुभिनिर्ह्रादः) अदृश्यरूपी मायावी देवानामप्यगोचरः ··· अभक्षयद ब्राह्मणान् बहून् ŚivaP. ii(5). 58. 21 (293A. 4); SkandP. iv. 65. 61.

अदृश्यवपुस् (adṛśya-vapus) *adj.* having an invisible body (विशुक्रः) अदृश्यवपुरापेदे ललिताकटकं खलः BrahmāṇḍP. iii. 27. 30.

अदृश्यवर्त्मन् (adṛśya-vartman) *adj.* the path of which is invisible (the course of which is incomprehensible) अदृश्यवर्त्मा सत्यात्मा न दृष्टो देवदानवैः (धर्मः) PadmP. ii. 12. 49.

अदृश्यवह्नि (adṛśya-vahni) *m.* invisible fire अदृश्यवह्नेर्धूमानुत्पत्तेर्दृश्यस्य तत्र हेतुत्वात् TattvCin. ii(2). 37. 1.

अदृश्यवाच् (adṛśya-vāc) *f.* voice coming from an invisible (source) अदृश्यवाग्भीषितभूरिभीरुभवो रवस्तावदचेतयत्तम् (नलम्) NaiṣC. 6. 17.

अदृश्यवाणी (adṛśya-vāṇī) *f.* voice coming from an invisible (source) त्वद्गुणाकृष्टचित्ता च तत्कालमहमेव ताम्। अदृश्यवाणीमसृजं पुनरागमनाय ते KathāSaSāg. iii. 4. 217.

अदृश्यविग्रह (adṛśya-vigraha) *adj.* having an invisible form उक्तमन्त्रेण ···। पूजास्थानगदा(? ता)न् विघ्नान् बाह्यतोऽदृश्यविग्रहान्। विरेच्य PāraS. 25. 9.

अदृश्यविद्या (adṛśya-vidyā) *f.* art of becoming invisible (to others) वसुधारमणस्य सेना।··· आशङ्क्य धावनमरातिमहीपतीनामाबिभ्रतीव महतीयमदृश्यविद्याम् AcyutaRā. 10. 26.

अदृश्यवेष (adṛśya-veṣa) *m.* invisible garment दिशः प्राच्याद्या दशदेवतास्ता एवान्तरं परिधानं यस्याः सा।··· परितोऽदृश्यवेषेण स्थिताः LalitāSaBh. 34. 7 (*on* 61)

अदृश्यव्यतिरेक (adṛśya-vyatireka) *m.* absence of the invisible (soul) चेतनः ···। निवृत्तश्चेत् कथमदृश्यव्यतिरेकसंशयः ĀtmaTaVi. 849. 7.

अदृश्यशरीर (adṛśya-śarīra) *n.* invisible body (जगत्कर्ता) सशरीरोऽपि किमस्मदादिवद् दृश्यशरीरविशिष्ट उत पिशाचादिवददृश्यशरीरविशिष्टः SyādvāMañ. 6 (77)

अदृश्यशरीरत्व (adṛśyaśarīra-tva) *n.* the state of possessing an invisible body अन्तर्धानमदृश्यशरीरत्वम्। तच्चाणुपरिमाणत्वे तस्य भवति Aparā. 1028. 9 (*on* 3. 202); द्वितीयविकल्पे पुनरदृश्यशरीरत्वे तस्य (जगत्कर्तुः) माहात्म्यविशेषः कारणमाहोस्विदस्मदाद्यदृष्टवैगुण्यम् SyādvāMañ. 6 (80)

अदृश्यशिला (adṛśya-śilā) *f.* invisible slab of stone पात्राणि···आयान्ति गगनाध्वना। गुरुभिः कृतयादृश्यशिलया व्योम्नि पुस्फुटुः PrabhāC. 34. 9.

अदृश्यशृङ्ग (adṛśya-śṛṅga) *n.* invisible horn (of the moon) शीतरुचेः ···। अदृश्यशृङ्गं क्षितिजादधःस्थं दृश्यं च शृङ्गं क्षितिजोर्ध्वसंस्थम् SiddhāTaVi. 243. 16; अदृश्यशृङ्गोन्नमने विनैव तत्कोट्यभावं किल सिद्धिरस्याः SiddhāTaVi. 249. 22.

अदृश्यसमुदाय (adṛśya-samudāya) *m.* aggregate of entities which are imperceptible दृष्टं हि एकैकस्य केशस्य दूरे दृश्यत्वाभावेऽपि ··· तत्समुदायस्य दृश्यत्वम्। न चादृश्यसमुदायस्यादृश्यत्वनियमः ŚivārkaMaDī. ii. 83. 27 (*on* ii. 2. 18)

अदृश्यसिद्धि (adṛśya-siddhi) *f.* miraculous power of becoming invisible अरुन्धतीकामपुरंध्रिलक्ष्मीजम्भद्विषद्दारनवाम्बिकानाम्। चतुर्दशीयं तदिहोचितैव गुल्फद्वयाप्ता यददृश्यसिद्धिः NaiṣC. 7. 98.

अदृश्यसूर्य (adṛśya-sūrya) *adj.* very dense (*lit.* from where the sun cannot be seen) अदृश्यसूर्याणि घनोपमानां नीरन्ध्रबन्धात्कदलीदलानाम्। ··· धारागृहाणि कुममार्जनेन स्मरस्य चापश्रममादिशन्ति । ··· अध्युवास मध्यंदिने मध्यमलोकपालः VikraDeC. 12. 51.

अदृश्यहेतुविशेष (adṛśya-hetuviśeṣa) *m.* a particular imperceptible cause अथवा दृश्यकारणसाम्येऽप्यदृश्यहेतुविशेषवशात् भ्रान्तिसंभवः NyāyVārPari. 419. 5.

अदृश्या (adṛśyā) *f.* name of Vāsiṣṭha's wife रेमे स तस्या राजर्षिः ··· यथा ··· अदृश्यन्त्यां (v. l. अदृश्यायां) च वासिष्ठः MahāBhā. v. 115. 11.

अदृश्यागद (adṛśyāgada) *m.* invisible drug अदृश्यागदविलिप्तवदना च विषवारुणीगण्डूषपायनेन पौरवी पौरवेश्वरं सोमकम् (जघान) HarṣaC. 271. 7.

अदृश्याग्नि (adṛśyāgni) *m.* fire which is invisible (आश्रमम्) पूर्यमाणमदृश्याग्निप्रत्युद्यातैस्तपस्विभिः RaghuVa. 1. 49; अंशुकं ज्वलदिति अदृश्याग्निज्वलदंशुकमित्यर्थः AdbhuSāg. 519. 24.

अदृश्याञ्जन (adṛśyāñjana) *n.* collyrium which makes one invisible सहिष्ये विरहं नाथ देह्यदृश्याञ्जनं यथा। यदक्तनेत्रां कन्दर्पः प्रहर्तुं मां न पश्यति Kāvyāda. 2. 151; ŚārṅgaPa. 3394; अञ्जनसुन्दर्या ··· ललितः ··· अदृश्याञ्जनावर्जितोर्जितप्रज्ञः ··· किलैवमुक्तः YaśasCam. ii. 289. 26.

अदृश्यात्मता (adṛśyātmatā) *f.* the state of invisibility दृश्यात्मा-

दृश्यात्मताप्राप्तावनित्यतेति चेत्। केयं दृश्यता नाम। यद्यर्थस्वरूपं कथं दृश्यस्यादृश्यता PramāVāBh. 46. 10.

अदृश्यात्मन् (adṛśyātman) *adj.* of invisible form न चाग्नीन्धनादिभावे नियतसन्निधेरदृश्यात्मनः कुतश्चित् धूमस्य भावः स्यात् इत्याशङ्कनीयम् HetuBiṬ. 45. 24.

अदृश्यात्मविषयत्व (adṛśyātmaviṣaya-tva) *n.* the state of having the invisible soul as its object 'सर्वज्ञो वक्ता नोपलभ्यते' इत्येवंप्रकारस्यानुपलम्भस्यादृश्यात्मविषयत्वेन संदेहहेतुत्वात् NyāyBi. 3. 70.

अदृश्यात्मस्वभाव (adṛśyātma-svabhāva) *m.* nature of an imperceptible entity or thing न हीयमनुपलब्धिरदृश्यात्मस्वभावसाधिकेत्युक्तम् PramāVāSvopVṛ. 103. 11.

अदृश्यादिधर्मक (adṛśyādidharma-ka) *adj.* possessing qualities like invisibility etc. सर्वकार्यविलक्षणं अदृश्यादिधर्मकमेव आनन्दं तदेवाहमिति विजानीयात् TaiUBh. 282. 4 (*on* 3. 0)

अदृश्यादिविशेषण (adṛśyādi-viśeṣaṇa) *adj.* having the adjunct 'invisible' (i. e. non-cognizable) etc. वाचः यस्मात् ··· अदृश्यादिविशेषणात् सहैव मनसा विज्ञानेन ··· निवर्तन्ते TaiUBh. 280. 3 (*on* 2. 9)

अदृश्यादिशास्त्र (adṛśyādi-śāstra) *n.* scriptural passage mentioning (attributes like) invisibile etc. स्यामदृश्यादिशास्त्रोक्तमहं ब्रह्मेति निर्भयम् TaiUBhVā. 68. 13(2)

अदृश्यानुपलब्धि (adṛśyānupalabdhi) *f.* non-cognition of an imperceptible thing ततोऽसिद्धेः संशयहेतुः अदृश्यानुपलब्धिः न निश्चयहेतुः NyāyBiṬ. 149. 7 (*on* 2. 48); 148. 1 (*on* 2. 47)

अदृश्यानुपलम्भ (adṛśyānupalambha) *m.* non-cognition of an imperceptible thing अदृश्यानुपलम्भादभावासिद्धौ घटादीनां नैरात्म्यसिद्धेः प्राणादेरनिवृत्तिः PramāVāSvopVṛ. 8. 16.

अदृश्यानुभवात्मन् (a-dṛśyānubhavātman) *adj.* not possessing the nature of experiencing visible (i. e. congnizable) things साम्प्रतं सांख्यादिमते वेदस्य तत्प्रचिख्यासुराह नित्यस्यापि सतः साक्षाददृश्यानुभवात्मनः। सुखादिर्विषयः शब्दादविशेषधियान्यया (v. l. शब्दाद्यविशेषो धियान्यथा in Kashi Ed. 1954) । प्रदर्श्यः NyāyVi. 2. 399 (comm. दृश्यस्य दर्शनविषयत्वेनाभिमतस्य सुखादेर्योऽनुभवः साक्षाद् उपचारेण वा तस्यात्मा स्वभावो दृश्यानुभवात्मा, स न विद्यते यस्येति); PramāSaṁ. 3. 71.

अदृश्यानेकविषय (adṛśyānekaviṣaya) *adj.* in which multiple or diverse objects are not visible इयत्तयानभिध्येयं ध्येयं वस्त्वस्ति वेदनात्। अदृश्यानेकविषयं निर्विशेषं स्वयं च तत् BṛBrahmaS. ii. 2. 69.

अदृश्याम्बरसिद्ध (adṛśyāmbarasiddha) *m.* invisible Siddha in the sky अदृश्याम्बरसिद्धौघकरोत्करसमीरिता। ··· पुष्पवृष्टिः पपात ह YogVā. i. 32. 22.

अदृश्यार्थान्तर (adṛśyārthāntara) *n.* some other invisible thing न त्वयमदृश्यार्थान्तरसंसर्गाव्यवच्छेद इवापहास्यति स्वभावम् NyāyMa. 40. 7.

अदृश्याश्रय (adṛśyāśraya) *m.* invisible abode हेमसूतयोः। दृश्यः संयोग इति चेत्कुतोऽदृश्याश्रये गतिः PramāVār. 2. 89.

अदृश्यास्य (a-dṛśyāsya) *adj.* whose face should not be seen का मय्यस्ति नमस्यता। विध्वस्तवीतरागाज्ञे ···। अदृश्यास्ये PrabhāC. 209. 22; मासोपरि गताः पञ्च दिना यदि तदापि हि। कियदेव ब्रुवाणस्त्वमदृश्यास्य न लज्जसे PārśvC. 3. 812.

अदृश्यीकरण (adṛśyī-karaṇa) *n.* act of making (something) invisible अदृश्यीकरणं वश्यीकरणम् ··· चास्याः प्रथमः कुसुमोद्गमः PāṇḍaC. 1. 493; अदृश्यीकरणाकृष्टी रूपान्तरकृतिस्तथा। परकायप्रवेशाद्या विद्याः सन्तीह भूरिशः PārśvC. 1. 576; अदृश्यीकरणे हेतुं पटं नयनमोहनम् SamarāSaṁ. 5. 148.

अदृश्यीकारकारण (adṛśyīkāra-kāraṇa) *n.* causing invisibility नेत्राञ्जनं तयोः सर्वमदृश्यीकारकारणम्। बाष्पवारिभिराकृष्य द्रागनीयत पङ्कवत् PariPar. 8. 403.

अदृश्यीकृत्य (adṛśyī-kṛtya) *ger.* having made invisible समग्रपरिवारस्यादृश्यीकृत्य क्षणाद् नृपः। निन्ये तेनाटवीम् PārśvC. 4. 27.

अदृश्यीभू (adṛśyī-bhū-) I. P. to disappear ततः परबलं भज्यते। सुभटाः कार्यसिद्धेरनन्तरमदृश्यीभवन्ति PrabaK. 17. 13.

अदृश्यीभूत (adṛśyī-bhūta) *adj.* who has disappeared किमिहैव तावत्तम् ··· अदृश्यीभूतं वनौकसमन्वेषयामि UdaySuKa. 128. 22.

अदृश्यीभूय (adṛśyī-bhūya) *ger.* having become invisible अदृश्यीभूय गत्वा तत्तस्या अन्तःपुरोत्तमम्। समाविशद्भीमभटः KathāSaSāg. xii. 7. 231; अदृश्यीभूय संभूय तौ द्वौ तत्रैव वासरे। भोजनावसरे चन्द्रगुप्तस्याभ्यर्णमीयतुः PariPar. 8. 387; मानुषः कोऽपि ···। हरते भोजनं स्थालाददृश्यीभूय लीलया PariPar. 8. 400; योगी सचिवमूचिवान् ···। अदृश्यीभूय चेदत्र गम्यते वै ततो वरम् RauhiC. 378.

अदृश्योक्ति (adṛśyokti) *f.* declaration (that something is) invisible अदृश्योक्तौ अनुपलभ्यमानवचने TattvPrakā. 82A. 13 (*on* BrahmaSūBh.(Ma.) ii. 1. 5)

अदृश्योपक्रम (adṛśyopakrama) *m.* concealed activity अदृश्योपक्रमैस्तैस्तैः करोति सुशिरं(? सुषिरम्)नरम् Deśopa. 4. 22.

अदृश्योपाधि (adṛśyopādhi) *m.* invisible external adjunct or condition तत्र न प्रथमः। अदृश्योपाध्यभावनिश्चयोपायाभावात् ĀtmaTaVi. 839. 11; अदृश्योपाधिशङ्का तु तर्कैरेव निरस्यते MānaMe. 47. 7; 41. 3.

अदृष्ट (a-dṛ́ṣṭa, á-dṛṣṭa TaiBr., S'atBr.) *adj.* [*f.* -ā] **1 A** unseen, not seen by the eyes **B** invisible by nature **2 A** unknown, imperceptible, not perceived by any sense organ **B** not experienced in this life, pertaining to the other world **C i** not known before, not experienced before, not felt before **ii** not seen before **D** unexpected, unforeseen, not thought of **3 A** in connection with which no contamination is known by any means of knowledge **B** unapproved **C** hardly seen **D** not being noticed, keeping oneself aloof **E** not referred to, not observed **F** which is not decisive **G** not opposed **1 A** unseen, not seen by the eyes न्यू३ मैयो नदीनां न्य१ दृष्टा अलिप्सत AV. vi. 52. 2; आभार्षं विश्वभेषजीमस्यादृष्टान्नि शमयत् AV. vi. 52. 3; दृष्टानदृष्टान्निष्णामि यथा सेनाममूं हनन् AV. viii. 8. 15; न ह्यदृष्टा दक्षिणा दीयते TaiBr. I. iv. 3. 13 (comm. दर्शयित्वा हि दक्षिणा दीयते इदं ददामीति तस्माद्दुग्ध्वैव क्षीरं दद्यात्); अदृष्टो द्रष्टा S'atBr. XIV. vi. 7. 31; अदृष्टो दृष्टमा भर सर्वान् कामान् प्र यच्छ मे MantraBr. ii. 4. 9; स योऽतोऽश्रुतोऽगतः ··· अदृष्टोऽविज्ञातः ··· सर्वेषां भूतानामन्तरपुरुषः स म आत्मेति विद्यात् AitĀ. III. ii. 4. 34; S'āṅkhāĀ. 8. 7 (34. 16); (देवः) दृष्टं चादृष्टम् ··· सच्चासच्च सर्वं पश्यति PraśnaU. 4. 5; अदृष्टमार्ष्या यदि दृश्यते क्रमे विलोपमेवं ब्रुवतेऽपरे तथा ṚPrāti. 11. 29; स्वरोपजनश्चादृष्टः पदेषु संहितायां च CaturA.(S'au.) 4. 109; अभिक्रमणं वचनाददृष्टेन GautDS. i. 2. 31; अगस्त्यः पादेन वहन्स्पृष्टो मया मुनिः। अदृष्टेन ततोऽस्म्युक्तः MahāBhā. iii. 178. 37; ब्रह्मदण्डमदृष्टेषु दृष्टेषु चतुरङ्गिणीम्। ··· युञ्ज्यात् MahāBhā. xii. 104. 26; अदृष्टायां च वैदेह्यां दृष्ट्वास्मांश्च समागतान् Rāmā. iv. 52. 29; अथ किञ्चिददृष्टं वा भूयस्तद्द्रष्टुमर्हथ: Rāmā. vi. 330*(1); त्रीणि देवाः पवित्राणि ब्राह्मणानामकल्पयत्। अदृष्टमद्भिर्निर्णिक्तं यच्च वाचा प्रशस्यते ManuSm. 5. 127; सोऽतिक्रान्तः श्रवणविषयं लोचनाभ्यामदृष्टस्त्वामुत्कण्ठाविरचितपदं मन्मुखेनेदमाह MeghDū. 100; चिरमदृष्टापि प्रकृतिस्थैव संसृज्यते KāmSū. 274. 1 (5. 3); पितृणां कल्पयेत्तेन पिण्डान्यन्येन सांप्रतम्। क्रमेण प्रागदृष्टानाम् PauṣkS. 27. 99; दृष्ट्वा हि धूममथाग्निमनुमिनोति नादृष्टे NyāyBh. 76. 8 (*on* ii. 1. 6); ब्रह्मक्षत्रविशां चैव सशूद्राणां यथौदनम्। तैलपक्वमदृष्टं च भुञ्जन्पादमघं भवेत् BrahmāṇḍP. iii. 8. 47; ii. 73. 45; अन्तःपुरे बद्धायाः ···। अदृष्टायाश्च (रत्नावल्याः) वसुभूतिनः कुतः परिज्ञानम् Ratnā. 4. 19(23); (लवणांकुशौ) इतस्ततश्च तौ दृष्टादृष्टौ विद्युल्लतोपमौ PadmP. (Ra.) 101. 48; निरात्मकेषु घटादिषु दृष्टादृष्टेषु प्राणाद्यदर्शनात् तन्निवृत्त्यात्मगतिः स्यात् PramāVāSvopVṛ. 8. 16; अदृष्टेषु प्रवर्तेत यो (?लो)ष्टादिष्वविवेकतः VibhraVi. 61; सांशत्वेऽपि यथा वर्णाः क्रमेण प्रतिपादकाः। स्फोटांशा अपि किं नैवं किमदृष्टाः प्रकल्पिताः TattvSaṁ. 2715; बोधकत्वान्निरपवादं प्रामाण्यमुक्तम्। तस्य कर्ता न दृश्यते। सोऽदृष्टः कल्पितः TātpaṬ.(U.) 82. 16 (*on* 2. 153); यस्मिन्नदृष्टेऽपि कृतबुद्धिरुपजायते तत् पौरुषेयम् SāṁkhyaPraSū. 5. 50; अदृष्टात् धूमाद् अग्नेरप्रतिपत्तेः NyāyBiṬ. 92. 1 (*on* 2. 5); अदृष्टः न दृष्टो न विषयीभूतश्चक्षुर्दर्शनस्य BṛĀraUBh. 437. 15 (*on* iii. 7. 23); वस्त्वन्तरविधेस्सर्पव्यवहारो निवर्तते न त्वदृष्टायामेव रज्ज्वाम् IṣṭaSi. 321. 12; यस्मिन् दृष्टेऽप्यदृष्टोऽर्थः स तदन्यश्च शिष्यते BṛĀraUBhVā. i. 4. 662; अदृष्टायास्तु संयोज्य नाम NityāṢoḍa. 2. 13; 2. 9; चन्द्रकेतुः ··· उत्सवेष्वदृष्टानाम् ··· दुष्टसामन्तानां प्रतिक्षेपाय दक्षिणापथयायिनौ सैन्यमादिक्षत TilaMañ. 114. 14; तां प्रार्थयन्तीं ललनाललाममसेवितश्रीचरणैरदृष्टाम्। वत्साम् ··· को नानुमन्येत BhāgP. iii. 22. 18; iv. 20. 38; शुभग्रहे दृष्टियुक्तेऽप्यदृष्टे चाशुभग्रहे BrahmVaiP. iv. 7. 63; किं त्वदृष्टे हि देवेशे नास्ति मे मनसो धृतिः NīlaP. 1137; यावत्त्वदृष्टमभवदुटजानां छद्रं नरः ··· आचमन् कुर्यात् LiṅgaP. i. 26. 23; अदृष्टां पुरुषैः स्त्रीभिर्देवकीं देवतागणाः। ···तुष्टुवुः BrahmP. 182. 6; दृष्टं देवं परित्यज्य अदृष्टं भजते तु यः BhaviP. 322B. 34 (ii(1). 5. 41); शंकराद्यैः ··· अदृष्टमश्रुतं च यत्। ··· कृपया कथय प्रभो PadmP. iv. 74. 7; कल्किः प्राह ··· मुनिम्। कृतं दृष्टं त्वया सर्वं ज्ञातम् ···अदृष्टमकृतं चेति KalkiP. ii. 4. 8; अदृष्टेऽप्युत्सुका राज्ञि तद्गीतेन बभूव सा NavaSāC. 6. 14; तदालोकनाददृष्टेऽपि स्वमुखे येयमीदृशं मे मुखमिति प्रतिपत्तिः SaraKaṇṭhā. 321. 21; विष्णुनाप्यदृष्टैः ···विलासैः सारीकृत्य सकलं संसारसुखचक्रवालमनुभवतः UdaySuKa. 25. 24; अदृष्टेष्वन्यदेशेषु द्रष्टव्या जानकी पुनः RāmāMañ. 212. 12; अदृष्टे दर्शनोत्कण्ठा दृष्टे विच्छेदभीरुता। नादृष्टेन न दृष्टेन भवता लभ्यते सुखम् KāvyPra. 208. 6; Subhāṣi. 1043; चेतनाचेतनवस्तुजातैरदृष्टेनान्तर्यामिणा तत्र तत्र व्याप्तिरुक्ता GītāBh.(Rā.) 451. 4 (*on* 9. 4); परेषाम-

प्यहं शरीरीत्यादेरदृष्टस्य नियामकस्याप्रतीतौ विशिष्टप्रत्ययो न स्यात् Kiraṇā. 117. 20; समाश्वास्या विभो त्वया। माता मे स्या अदृष्टोऽपि साधुः सुचिरबान्धवः BṛKathāMañ. ix. 2. 887; ii. 2. 211; विज्ञानमन्त्रविद्याद्या न कुर्वन्त्युपकारिताम्। चित्ताभिसंधिमात्रेण ह्यदृष्टस्यापि जायते MāliniT. 18. 63; दृष्टं विहाय त्वमदृष्टमैषीः Viṣāpahā. 9; न च दृष्टे श्रपणे सति अदृष्टो रक्षोपघातः कल्प्यः SaṅkarKāBh. 9. 9 (*on* i. 1. 24); गृहम्। … तददृष्टोऽन्यैर्विवेश सः RājTa.(Ka.) 3. 176; सः … अदृष्टं कृतपापिनाम् … रथं ददर्श PañcaRā.(Nā.) i. 7. 44; PramāMī. 39. 13 (*on* i. 2. 9); अथ चिरंजीवी … तैरदृष्ट एवं चिन्तयामास PañcT. 3. 57 (319. 3); 3. 75 (343. 2); दूतं वा लेखं वा दृष्ट्वाहं नरपतेरदृष्टस्य जानामि तं नरेन्द्रम् Tantrākhyā. 99. 3; मनुष्यादौ हते गवाश्वादौ वापहृते हन्तरि चादृष्टे ग्रामाद्बहिरनिर्गते चौरस्य पथि मार्गे ग्रामस्वामिनश्चौर्यदोषः Aparā. 843. 23 (*on* 2. 271); दिव्यां संसदं द्रष्टुमर्हसि। मनोज्ञमपि नाभीष्टैरदृष्टं हि मुदे सताम् PāṇḍaC. 6. 882; दृष्ट उपकारस्तुषविमोकादिरदृष्टः प्रोक्षणादिजः VedāntKa. 27. 18 (*on* i. 1. 1); अदृष्टे म्रियते नूनमिति निश्चित्य मन्त्रिभिः। नीतोऽरण्ये नृपः PārśvC. 6. 1069; तैरदृष्टमहं द्रष्टुं वत्स त्वामुत्सुकागमम् SamarāSaṁ. 5. 248; देव्यौ …। अदृष्टैर्बन्धसंबन्धैस्तं निपात्य बबन्धतुः PrabhāC. 119. 25; अदृष्टं वस्तु उपघाते सत्यप्यज्ञातोपघातम् ManvaVi. 673. 1 (*on* 5. 127); गृहभित्तिवप्रकूटाद्यन्तरे शकुनं भवेत्। दृश्यते चेदर्धफलमदृष्टमफलं विदुः SārṅgaPa. 2588; क्रयसिद्धिरदृष्टानां गुणश्रवणतो भवेत् MahNirvāT. 8. 137; स तावत् … त्वयाप्यदृष्टे क्वचित् प्रदेशे वर्तमानः स्वान्तरात्मसाक्षिकं तथानुतिष्ठतु नाम PañcRāRa. 171. 10; इदमिह दृष्टोपकरणमेतददृष्टं तु मंत्रेण RaseCin. 8. 40 (95. 26); सूत्रेष्वदृष्टं पदं सूत्रान्तरादनुवर्तनीयम् PrakriKau. i. 18. 1; कस्यचिद्वस्तुनः कुत्रचित्पूर्वमदृष्टस्य पुनस्तस्मिन्नेव देशे दृश्यमानस्य दर्शनसमानकालीनोऽभावोऽवसीयते TantrRaha. 16. 23; अन्तरदृष्टे यस्मिञ्जगदिदमारात्परिस्फुरति। दृष्टे यस्मिन्सकृदपि विलीयते क्वाप्यसद्रूपम् PraboSu. 163; स्वकृतं चिह्नम् … दृष्ट्वादृष्टान्यैः सोपहासा स्यात् KandaCū. ii. 5. 34; प्रियायाः … त्वयाप्यदृष्टाया आननं त्वत्सदृशमिति प्रतीयमाना उपमा RasGaṅ. 237. 6; पत्रफलपुष्पलक्ष्म्या कदाप्यदृष्टं वृतं च खलु शूकैः। उपसर्पेम भवन्तं बर्बुर BhāmiVi. 1. 22; इदं रूपमेकं महेशस्य दुष्टैरदृष्टं जगत्त्राणहेतोः प्रवृत्तम् Vidvanmo. 8. 95; **1 B** invisible by nature (gods, *gandharvas*, *asuras*) तद्वा एतदक्षरं गार्गि। अदृष्टम् S'atBr. XIV. vi. 8. 11; अदृष्टः सर्वभूतानां चचाराथ वसुन्धराम् BrahmāṇḍP. i. 31. 85; अदृष्टाः पुरुषैः स्त्रीभिर्देवर्कीं देवतागणाः। … तुष्टुवुः ViṣṇuP. अक्षरम् गार्गि अदृष्टं न केनचिद् दृष्टम् BṛĀraUBh. 451. 7 (*on* iii. 8. 11); ईशविद्याद्यपेक्षित्वात्सहकारि तदुच्यते। कर्म व्यापारजन्यत्वाददृष्टं सूक्ष्मभावतः MṛgendraT. i. 8. 3 (comm. सौक्ष्म्याच्चादृष्टमित्युच्यते); अदृष्टमात्मनस्तत्त्वं यो वेद न स मुह्यति BhāgP. x. 5. 30; अदृष्टैश्च महाचक्रैर्हरिः शास्ता भवेत्स्वयम् PadmP. ii. 124. 17; निन्ये क्वाप्यपहृत्य सा। अदृष्टैस्तेन भूपेन गन्धर्वैरुर्वशी किल KathāSaSāg. iii. 3. 25; अदृष्टानामपि देवादीनां विद्यमानत्वात् TattvPrakā. 89B. 9 (*on* ii. 1. 26); यत्र … दैवतगणा जल्पन्त्यदृष्टा अपि RājTa.(S'rī.) 3. 240; (invisible spirit, Yakṣa etc.) अहं पुत्रकामामिष्टिं कुर्वाणः केनाप्यदृष्टेन स्पष्टाक्षरमभिहितः Pañcā. 104. 21; हन्यामहे केनाप्यदृष्टेन PrabaK. 10. 16; (temporarily invisible) तिष्ठन्ति चेह ये सिद्धा अदृष्टा विचरन्ति च BrahmāṇḍP. i. 31. 104; प्रविश्यैरावतो नागः …। अदृष्टेनैव रूपेण जघानैनाम् AhirbuS. 50. 85; LiṅgaP. i. 40. 76; लोहजङ्घः …। तस्यावदृष्टस्तन्मध्ये देववेषं निवार्य तम् KathāSaSāg. ii. 4. 180; पापाद् निधिरिवादृष्टः सामात्योऽभूद् नृपः क्षणात् PārśvC. 3. 505; **2 A** unknown, imperceptible, not directly perceived, not perceived with any sense-organ अदृष्टं पौर्विकं कर्म तद्दैवमिति लक्ष्यते MahāBhā. xiii. App. 15 (2472); हेतोरदृष्टस्य फलस्य यस्त्वं प्रत्यक्षमर्थं परिभूय यासि BuddhaC. 9. 54; पूर्णा (गुणान्) दि(दृ)ष्टानवि (दृ)ष्टांश्च तथा शान्तिं नियच्छति BhelaS. 74. 5 (3. 5); प्रथमा धर्मपत्नी स्याद् द्वितीया रतिवर्धिनी। दृष्टमेव फलं तत्र नादृष्टमुपलभ्यते DakṣaSm. 4. 14; सर्वत्र वृत्तिसंज्ञानमदृष्टस्य च दर्शकम्। लोकस्य शून्यताकारसूचकज्ञापकाक्षगम् AbhiSaAlaṅ. 4. 21; अदृष्टेष्वभावात् VaiśeSū. viii. 2. 2 (Jayanārāyaṇa अदृष्टेषु अज्ञातेषु); युगपत् …। दृष्टे तथाप्यदृष्टे त्रयस्य तत्पूर्विका वृत्तिः SāṁkhyaKā. 30; अदृष्टेऽनागतेऽतीते च काले बुद्ध्यहंकारमनसां रूपे चक्षुःपूर्विका त्रयस्य वृत्तिः SāṁkhyaKāBh. 20. 19 (*on* 30); न च दृष्टे कारणे सत्यदृष्टं कल्पयितुं शक्यते S'ābaBh. 40. 6 (*on* i. 1. 5); अदृष्टमन्यैरिदमाश्मकीयैः कर्म ग्रहाणां लघुतन्त्रसिद्धम् MaBhāsk. 1. 21; को हि नामादृष्टं लोके स्वातन्त्र्यं शब्दस्य कल्पयितुं क्षमः Bṛha. 126. 3 (*on* i. 1. 5); 215. 15 (*on* i. 1. 5); HetuBiṬ. 53. 14; संयोगविभागाभ्यां किमपराद्धम्। येन दृष्टं कारणं परित्यज्यादृष्टं मृग्यते BhāvanāVi. 60. 1; यथा चादृष्टोऽपि लोके परमेश्वरविषय आकाशशब्दः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 172. 8 (*on* i. 3. 18); दृष्टसाधर्म्येण चादृष्टमर्थं समर्पयन्ती युक्तिरनुभवस्य संनिकृष्यते BrahmSūBh.(S'aṅ.) 289. 18 (*on* ii. 1. 4); न च अदृष्टो मार्गोऽगमनायोपतिष्ठते ChāndoUBh. 248. 6 (*on* iv. 15. 5); 28. 14; यस्तु अदृष्टः अपूर्वाख्यो धर्मः BṛĀraUBh. 331. 7 (*on* ii. 5. 12); 448. 12 (*on* iii. 8. 9); तदत्वरणमस्याणोः पञ्चस्रोतसि शाङ्करे। पर्यायैर्बहुभिर्गीतमदृष्टं पशुभिः सदा MṛgendraT. i. 7. 6 (comm. तत्तु पशुभिः पशुशास्त्रप्रणेतृभिः कदाचिदपि न बुद्धम्); तेनादृष्टमुपेतव्यमस्य किंचन कारणम् NyāyMañ. ii. 43. 7; अदृष्टे धर्मिता कुतः S'ivDṛ. 5. 54; नन्वग्नावसंयोगस्यापि दर्शनाददृष्टोऽप्यस्यासंयोगो धूमं प्रत्याशङ्कामावहति PrākaPañ. 204. 22; कर्मोपकारः कल्प्यस्तु दृष्टोऽदृष्टोऽथ वा पुनः S'lokaVār. 2. 262 (124. 6); प्रमाणषट्कविज्ञातो यत्रार्थो नान्यथा भवेत्। अदृष्टं कल्पयेदन्यं सार्थापत्तिरुदाहृता S'lokaVār. 5(7). 1 (450. 6); 6. 125 (762. 3); अदृष्टां समुदायस्य कः शक्तिं जातु कल्पयेत् TantrVā. 306. 18 (*on* i. 4. 11); 521. 23 (*on* ii. 2. 20); तस्यादृष्टमुपादानमदृष्टस्य न तत्पुनः NyāyVi. 2. 133; अथ शास्त्रप्रमाणत्वाददृष्टाप्यभ्युपेयते। फलोत्पत्तिः BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 648; 1052; तद्वद्यदृष्टं सदज्ञानकार्यं स्रगिव पन्नगम्। सर्वं बिभर्ति BṛĀraUBhVā. i. 4. 181; अदृष्टं च विधिप्रतिषेधलक्षणम् ManuBh. i. 51. 17 (*on* 2. 1); (ऋत्विजः) अविदितेन अदृष्टेनापि दोषेण युज्यन्ते ManuBh. i. 434. 1 (*on* 5. 27); (क्षुद्रः राजा) दण्डेनैव निहन्यते प्रकृतिकोपेनादृष्टेन वा दोषेण ManuBh. ii. 8. 28 (*on* 7. 27); i. 83. 12 (*on* 2. 27); i. 124. 23 (*on* 2. 93); न ह्यदृष्टस्य दृष्टात् दृष्टस्य वा अदृष्टात् भेदो द्रष्टुं शक्यः धर्मिप्रतियोग्यपेक्षत्वात् भेददृष्टेः IṣṭaSi. 2. 21; को नाम सूक्ष्मदृष्टिरदृष्टं चित्रादिकारणं कल्पयेत् NyāyMañ. i. 249. 7; सारस्वतं चक्षुरवाङ्मनसगोचरेण प्रणिधानेन दृष्टादृष्टं चार्थजातं स्वयं विभजति KāvyMī. 62. 18; तेषामेव प्रसादेन दृष्टेनार्थतत्त्वोपदेशेनादृष्टेन च स्तुतिनमस्कारमुवा Kāśi. i. 2. 11 (*on* 0. 2); न चानन्तर्यमात्रस्य दृष्टमदृष्टं वा प्रयोजनं पश्यामः Bhām. 37. 3 (*on* i. 1. 1); 77. 22 (*on* i. 1. 4); पूर्वदृष्टमदृष्टं वा प्राग्दृष्टमिति निश्चयैः। यदैवेहां विधत्तेऽन्तस्तदा स्मृतिरुदाहृता YogVā. iii. 96. 23; आद्यं तु प्रयोजनं चमत्कारकृतं स्मृतिदृष्टमपि प्रत्यक्षविशेषसिद्धमेव न तु संध्योपासनादिवददृष्टम् AbhinBhā. iii. 32. 17 (*on* 19. 52); स्वभाववादिनोऽपि शक्त्यानन्त्यमदृष्टमेव कल्प्यम् NyāyRa. 880. 13 (*on* 7. 122); अन्यत्रादृष्टमपीहैव प्रतीतिबलादवश्यं कल्पनीयम् NyāySu.(So.) 12. 6 (*on* i. 2. 2); आ संसाराददृष्टं तदसत्यं न त्वबोधि सा KathāSaSāg. vi. 6. 116; तन्न युक्तमेवमदृष्टेऽपि च वक्तुम् PañcT. 5. 1 (397. 7); अदृष्टमप्यर्थमदृष्टवैभवात्करोति सुप्तिर्जनदर्शनातिथिम् NaiṣC. 1. 39; अपि च प्रत्यन्तवासिनामप्यदृष्टशास्त्रव्यवहाराणां स्वत्वव्यवहारो दृश्यते Mitā. 216. 30 (*on* 2. 114) (BālamBha. ii. 125. 11 अदृष्टेति। अज्ञातेत्यर्थः); एवं च दृष्टप्रमाणेनासिद्धावदृष्टं प्रमाणमाश्रयणीयम्। नान्यथा SmṛtiCan. iii. 119. 4; तेनादृष्टं न हि क्वचित् AnuVyā. 57A. 2 (*on* 3. 4); न च तदर्थत्वेन सर्वज्ञः कल्प्येत। अन्यत्रादृष्टस्य सर्वज्ञत्वस्य कल्पनम् … चेति कल्पनागौरवप्राप्तेः ViṣṇuTaNi. 2A. 1; धरान्तःस्थं तरोर्मूलमुच्छ्रयेणानुमीयते। अदृष्टोऽपि तथा प्राच्यधर्मो लक्षेत संपदा PārśvC. 1. 52; अदृष्टमपि पुरुषोपकारं निवर्तयन्तो नियमाः पुरुषार्था भवन्ति CaturCin. iii(1). 535. 5; यथा समुच्चयोऽदृष्टो नित्यानित्यनिषेधयोः TarkSaṁ.(Ā.) 136. 7; अदृष्टमपि काष्ठादौ चैतन्यं सूक्ष्ममिष्यताम् NyāyKu. 107. 10; ननु प्रमातृविश्रान्तिसारार्थक्रिया प्रत्यभिज्ञानेन विना अदृष्टा सती तस्मिन् दृष्टेति क्व दृष्टम् SarvaDaSaṁ. 8. 133; अदृष्टस्य क्षणिकत्वादेः स्वीकारतो दृष्टस्य स्थिरत्वादेस्त्यागतः NyāySu.(Ja.) 396A. 8 (*on* ii. 2. 7); अदृष्टेषु च विषयेषु नैता बुद्धयः प्रादुर्भवन्ति Upask. 369. 10 (*on* viii. 2. 2); अदृष्टमपि परहृदयं कथं जानासि BhojPra. 67. 22; लोभादथवा कामाद् दृष्टादृष्टौ यतो दोषौ KandaCū. v. 6. 12; पुरोहितं सर्वत्र दृष्टेऽदृष्टे च कार्ये पुरतो निहितं दानसत्कारादिभिरात्मीयं कुर्वीत VīraMi. 353. 19 (*on* 1. 313); उपमानं तु अदृष्टे अदृष्टसदृशे वा न प्रवर्तेत इत्यनाशंक्यमेव MīmāKau. i 5. 7 (*on* i. 3. 1); अथ दृष्ट्वा स देवेशमदृष्टं निगमैरपि Gaṅgāva. 4. 71; अर्थानदृष्टानभिदर्शयन्ती। … खलु वृद्धवाणी Rāgh. 17. 2; **2 B** not experienced in this life, pertaining to the other world ब्रह्मसंपत्तिरदृष्टं फलम् ChāndoUBh. 195. 8 (*on* lii. 18. 6); तदुपासनाच्च शास्त्रदृष्टोऽदृष्टो मोक्षः फलं भविष्यति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 18. 7 (*on* i. 1. 4); अदृष्टं च फलमिष्टापूर्तदत्तकारिणाम् PraśnaUBh. 249. 4 (*on* 1. 15); तस्माद् दृष्टपरित्यागाद्यददृष्टे प्रवर्तनम्। लोकस्य तद्विमूढत्वम् ṢaḍdarSa.(Ha.) 85 (comm. अदृष्टे परलोकसुखादौ); द्वयी च पीडा दृष्टादृष्टा च … इतरस्य तु विध्यतिक्रमजनितेन प्रत्यवायेनामुत्रिकदुःखोत्पादनमदृष्टपीडा ManuBh. ii. 70. 10 (*on* 8. 1); अदृष्टं च सुखं स्वर्गादि TātpaṬ.(Vā.) 8. 12 (*on* i. 1. 1); द्विविधं यागादिफलं दृष्टमदृष्टं च। … अदृष्टं स्वर्गादि Pradi. ii. 185A. 34 (*on* i. 3. 72); अदृष्टे स्वर्गादावपि तद्व्यभिचारोऽनुमीयते SyādvāMañ. 11 (102); ṢaḍdarSa.(Rā.) 164; दृष्टफलेऽर्थज्ञाने संभवत्यदृष्टस्य कल्पयितुमशक्यत्वात् NyāyMāVi. 12. 27 (*on* i. 1. 1); तस्य दृष्टफलदर्शनेनादृष्टस्वर्गादिफलसाधनादौ प्रवृत्तिप्रयोजकत्वात् YatīndraDī. 27. 4; तत्र रोगोत्पत्तिं प्रत्युत्पन्नं कर्म यदनेनैव शरीरेण दृष्टमदृष्टं चोद्दिश्याप्तोपदिष्टानां विहितानां प्रतिषिद्धानामननुष्ठानमनुष्ठानं वा AṣṭāSaṁ. i. 114. 24 (1. 22); **2 Ci** not known before, not experienced before, not felt before तयोरदृष्टकामो(v. l. अदृष्टः कामः)ऽभूच्छृण्वतोः सततं गुणान्। अन्योऽन्यं प्रति कौन्तेय MahāBhā. iii. 50. 16; दृष्टादृष्टांस्तथा भोगान् वाञ्छमाना विवेकिनः MārkP. 66. 34; दृष्टादृष्टेषु भोगेषु विरागभावो वैराग्यम् GītāBh.(S'aṅ.) 376. 6 (*on* 13. 8); दृष्टाभिरदृष्टाभिः क्रूराभिः कृतकवचनमुद्राभिः। धूर्तो मुष्णाति वधूम् KalāVi. 9. 59; **2 Cii** not seen before अदृष्टोऽपृष्टगोत्रादिरज्ञाताचारविद्यकः। … सोऽतिथिरुच्यते BṛParāSm. 4. 199; यथा तु फलवान् स्वप्नो वृद्धजीवक तच्छृणु। अदृष्टमश्रुतानुक्तमकल्पितम-

भाषितम् KāśyaS. 91B. 4; त्रिभुवनेऽप्यदृष्टमश्रुतं च कौतुकरसैकपात्रममुं समर्थ्य प्रसादयामि स्वामिनम् UdaySuKa. 29. 22; अपि श्रुतं दृष्टमदृष्टमीदृशं सुरैः कृतं वक्रतया कुकर्म यत् DaśāvaC. 3. 3; 7. 23; अदृष्टमश्रुतं पूर्वं परानीतमचिन्तितम्। एकान्तस्वादु ⋯ दानं षोडशांशमदादयम् SāliC. 3. 110; **2D** unexpected, unforeseen, not thought of (danger, calamity, death etc.) तस्मादद्दृष्टं त्वां भयमागमिष्यति MahāBhā. i. 3. 8; यत्रादृष्टं भयं ब्रह्म प्रजानां शमयत्युत ⋯ राजा MahāBhā. xii. 75. 2; अदृष्टं मृत्युमापन्नः कस्मात्त्वं नयशास्त्रवित् Rāmā. vi. 23. 14; धुरं त्वयि बिभ्रति क्व नु परिभवो दृष्टादृष्टौ प्रजाः परिचिन्वते AnargheRā. 7. 148; **3A** in connection with which no contamination is known (by any means of knowledge) त्रीणि देवाः पवित्राणि ब्राह्मणानामकल्पयन्। अदृष्टमद्भिर्निर्णिक्तं यच्च वाचा प्रशस्यते BaudhDS. i. 5. 56 (comm. प्रत्यक्षादिभिरनवगतदोषम्); ManuSm. 5. 127; केनापि प्रकारेणादृष्टोपघातहेतुसंसर्गमदृष्टम् ManvaMu. 220. 11 (*on* 5. 127); ViṣṇuSm. 23. 47; VāsiDS. 14. 21; **3B** unapproved (i. e. (rate) not sanctioned by law books, more than 5 percent) नातिसांवत्सरीं वृद्धिं न चादृष्टां पुनर्हरेत् ManuSm. 8. 153; न चादृष्टां विनिर्हरेत्। शास्त्रे या न दृष्टा दशैकादशिकाद्या पञ्चकादधिका न तां गृह्णीयात् ManuBh. ii. 145. 25 (*on* 8. 153); अदृष्टां अनुपचितामित्यर्थः। यावद्वद्धुमिर्मासैर्न संहतीभूता तावन्न ग्राह्या दिवसवृद्धिर्मासवृद्धिः ManuBh. ii. 145. 27 (*on* 8. 153); धर्मशास्त्रेष्वदृष्टां च षट्कं शतमित्येवंभूतां स्वबुद्धिकल्पितां वृद्धिं न गृह्णीयादिति SmṛtiCan. iv. 368. 7; नादृष्टां सांहत्येन दर्शनायोग्यां प्रत्यहग्राह्याम् ManvaVi. 970. 27 (*on* 8. 153); **3C** hardly seen अदृष्टनष्टसूर्येषु मणिकुट्टिमकान्तिषु ⋯ काननेषु ⋯ गोष्ठीकथाभिश्चित्राभिर्मध्याह्नं गमयेत्सुखी AṣṭāHṛ. i. 3. 24 (comm. क्वचित्प्रदेशेऽदृष्ट ईषद्दृष्टः क्वचिदतिघनत्वान्नष्टो न दृश्यते सूर्यो येषु); **3D** not being noticed (remaining out of sight) यद्बलः सामन्तः तद्विशिष्टबलमाश्रयेत। तद्विशिष्टबलाभावे तमेवाश्रितः कोशदण्डभूमीनामन्यतमेनास्योपकर्तुमदृष्टः प्रयतेत ArthŚā. ii. 244. 7 (7. 2); **3E** not referred to, not observed अभिप्लवपक्षाहा एवेति गौतमोऽधिकृतो हि स सत्रेषु भवतीतरश्चादृष्टः LāṭyāŚS. x. 4. 6; **3F** which is not decisive अप्रसिद्धं तु यद्भागमदृष्टमनुपश्यति VākyaP. 2. 93 (comm. अदृष्टमनिश्चितमनुपश्यति); **3G** not opposed (to the sun) रविदृष्टं सितमर्धं कृष्णमदृष्टं यथा तपस्यस्य। कुम्भस्य तथासन्नं रवेरधःस्वस्य चन्द्रस्य BrāhmSphuSi. 7. 2.

अदृष्ट (a-dṛ́ṣṭa, á-dṛṣṭa ŚatBr.) *m.* venomous insect *n.* A fate destiny, luck **B i** unseen cause (in general) **ii** merit and demerit **C i** unseen effect, unknown effect **ii** invisible effect (of a ritual act) **D** unexpected danger or calamity **E** non-perception *m.* name of a particular venomous insect, poisonous worm द्वाविति प्लुषी इति न्य॑दृष्टा॑ अलिप्सत RV. i. 191. 1; मौञ्जा अदृष्टा वैरिणाः सर्वे साकं न्यलिप्सत RV. i. 191. 3; i. 191. 2; दृष्टमदृष्टमतृहमथो कुरूरुमतृहम् AV. ii. 31. 2; दृष्टांश्च घ्नन्नदृष्टांश्च सर्वांश्च प्रमृणन् क्रिमीन् AV. v. 23. 6; vi. 52. 1; [given as meaning of काक, द्विके धृष्टे च काकः स्यात् TrikāŚe. iii. 3. 9 (comm. धृष्टे इत्यत्र क्वचित् अदृष्टे इति पाठः)] *n.* A fate, destiny, luck स्वभावचरणाभ्यासयोगादृष्टोपपादिता। विशिष्टोपहिता चेति प्रतिभां षड्विधां विदुः VākyaP. 2. 154; एत्यदृष्टमवलम्ब्य केवलं व्योमवारिनिधिशेषमंशुमान् RāmC. 2. 33; अदृष्टं बलवन्मूढाः प्रवदन्ति न पण्डिताः DevīBhāP. v. 27. 38; उपायवादिनः प्राहुर्दैवम् ⋯अदृष्टमिति यन्नाम प्रवदन्ति मनीषिणः DevīBhāP. v. 12. 28; अभीष्टमीप्सिते दैवे त्वदृष्टमिति गद्यते ŚabdaRaSaK. 87. 10; अदृष्टं जीवानां सृजति खलु वृष्टिं समुचिताम् Nārāy. x. 62. 3; अदृष्टदृष्टे अपि भागधेयभाग्ये च दैवं भवितव्यता च KośaKaTa. 1. 96; **B i** unseen or unknown cause (in general) अदृष्टाच्च VaiśeSū. vi. 2. 12 (comm. अदृष्टविशेषात् कस्यचित् कस्मिंश्चिदनुरागो द्वेषो वा भवति); तत् (स्वप्नज्ञानम्) तु त्रिविधम्। संस्कारपाटवाद्धातुदोषाददृष्टाच्च PadārthaSaṁ. 184. 1; अदृष्टं नाम परमाणूनां गुणविशेषः क्रियाहेतुः NyāyBh. 237. 12 (*on* iii. 2. 68); अपरे त्वदृष्टं परमाणुगुणं वर्णयन्ति NyāyVār. 448. 6 (*on* iii. 2. 69); अथादृष्टमाद्यस्य कर्मणो निमित्तमित्युच्येत BrahmSūBh.(Śaṅ.) 369. 10 (*on* ii. 2. 12); अदृष्टमीश्वरेच्छा च निमित्तकारणम् BrahmSūBh.(Bhā.) 114. 8 (*on* ii. 2. 12); सहकारिणां मध्येऽदृष्टमप्यनुप्रविष्टम् NyāyMañ. i. 65. 21; i. 84. 2; संस्कारोद्बोधहेतुश्च तत्रादृष्टं प्रकल्प्यते PrakaPañ. 55. 4; प्रत्यभिज्ञाने तु संस्कारापेक्षाश्चक्षुरादयः कारणमित्यवश्यं तत्र तन्त्रोहनीयमिति न कदाचिददृष्टकल्पनेति TattvBi. 32. 1; 28. 6; तद्धेतुरपीन्द्रियव्यापारः प्रयत्नमदृष्टं चात्मसमवेतमपेक्षमाणादात्मेन्द्रियसंनिकर्षात् ĀtmaSi. 15. 2; नन्वदृष्टकारिता सर्वभावानां सृष्टिः कार्यलक्षणा पृथ्वी कामर्थक्रियां पुरुषस्य जनयति येनेयमदृष्टेन क्रियते NyāyKa. 32. 20; सर्वोत्पत्तिमतामदृष्टमुपकरणम् NayaVi. 192. 6 (*on* i. 1. 5); 189. 1 (*on* i. 1. 5); मरीचिकाजलज्ञानेऽपि ⋯ अदृष्टवशाचाम्बुनो ग्रहणाद्यथार्थत्वम् ŚrīBh. 99. 8 (*on* i. 1. 1); सर्वोत्पत्तिमन्निमित्तस्यादृष्टस्याभावात् Kiraṇā. 9. 13; अदृष्टकालयोश्चैव भावात्कार्यं सदा भवेत् AnuVyā. 28A. 11 (*on* 2. 2); अदृष्टं निमित्तकारणम् PrakaVi. 584. 19; भेदे कार्यत्वस्य आवश्यकत्वात् संस्कारादृष्टयोश्च तद्भावस्य इष्टत्वात् TarkSaṁ.(Ā.) 44. 9; 66. 18; न चतुर्थः अदृष्टेश्वरादिभिर्व्यभिचारात् ŚatDū. 126. 8; नात्रादृष्टं नियन्तृ प्रतिनियतगुणारोपकॢप्तेर्गुरुत्वात् TattvMu. 1. 61; एतदन्यत्कारणं निमित्तमीश्वरादृष्टकालादि TattvPrakā. 97B. 11 (*on* ii. 2. 11); 99A. 3 (*on* ii. 2. 12); निमित्तादिकं त्वदृष्टेश्वरादिकमिति Vādā. 76. 8; देशकालादृष्टकर्त्रादि निमित्तकारणम् SarvaDaKau. 25. 8; अवस्थाविशेषोऽदृष्टं च संस्कारोद्बोधकम् TantrRaha. 4. 11; तत्रादृष्टस्य नियामकत्वं तन्मते सिद्धम् AṇuBh. 157. 7 (*on* ii. 3. 51); स्वप्नस्तु अनुभूतपदार्थस्मरणैरदृष्टेन धातुदोषेण च जन्यते Tarkāmṛ. 13. 2; 4. 12; सर्गकाले पुनरीश्वरेच्छामदृष्टं च निमित्तमासाद्य परमाणुषु कर्माण्युत्पद्यन्ते BhāṭṭCin. i. 35. 19 (*on* i. 1. 4); न चादृष्टस्यैव प्रथमवृत्तिं प्रति कारणत्वे प्रलयारम्भमध्यकालयोरपि तदापत्तिरिति वाच्यम् SetuBa. 186. 15; **B ii** merit and demerit (virtue and vice) सर्वात्मगतानामदृष्टानां वृत्तिनिरोधे सति PadārthaSaṁ. 48. 12; सुखदुःखहेतुश्चादृष्टम् Bṛha. 72. 3 (*on* i. 1. 5); आत्मसमवेतादृष्टप्रयत्नहेतु मनसि कर्म BhāvanāVi. 172. 2; पीडाहेतुमदृष्टं च किमर्थं स व्यपेक्षते TattvSaṁ. 160 (comm. यददृष्टं धर्माधर्मात्मकं पीडाहेतुः); प्रतिशरीरम् ⋯ मनोवाक्कायैर्धर्माधर्मलक्षणमदृष्टमुपार्ज्यते BrahmSūBh.(Śaṅ.) 488. 4 (*on* ii. 3. 51); नरकादिदुःखोपभोगनिमित्तमदृष्टं पापमुच्यते ManuBh. i. 188. 25 (*on* 2. 221); ii. 206. 26 (*on* 8. 318); अदृष्टमपि कारणमात्मनो व्यापकत्वात् NyāyMañ. ii. 50. 9; °प्रयत्नादृष्टसंस्काराणां नवानामपि वैशेषिकात्मगुणानामात्ममनःसंयोगेनैवोत्पत्तेः PrakaPañ. 330. 3; धर्माधर्मलक्षणान्यदृष्टानि प्रयोजनम् ĪśvaSi.(Yā.) 72. 21; सर्वात्मगतानामदृष्टानां सर्वैश्वात्मसु समवेतानामदृष्टानाम् Kiraṇā. 91. 18; क्षेत्रज्ञानामेवोपचितपुण्यविशेषाणां शक्तिवैचित्र्यदर्शनेन तेषामेवातिशयितादृष्टसंभावनया च तत्तद्विलक्षणकार्यहेतुत्वसंभवात् ŚrīBh. 143. 10 (*on* i. 1. 3); न ह्यन्यकृतमदृष्टमन्यस्य भवति Aparā. 584. 22 (*on* 1. 335); 1012. 16 (*on* 3. 173); इच्छाद्वेषसुखदुःखादिवैचित्र्यं चादृष्टादेव BrahmSūBh.(Ma.) 39B. 5 (*on* ii. 3. 52); अदृष्टस्य च ईश्वरेच्छानियमितस्य तन्नियामकत्वायोगात् TarkSaṁ.(Ā.) 43. 15; अथास्त्वदृष्टमात्मनो विशेषगुणः SyādvāMañ. 9 (34); यद्यप्यदृष्टं धर्माधर्मसमाख्यातं न नित्यं तथापि प्रलयेऽस्तीत्यङ्गीक्रियते NyāySu.(Ja.) 386B. 7 (*on* ii. 2. 6); 336B. 3 (*on* ii. 2. 6); पौरुषं तपोदानयागादिष्वभिव्यक्तं तेनार्जितमदृष्टमुच्यते DīpKa. 35. 2 (*on* 1. 349); यदि तु निदिध्यासनादियोगसाध्यो धर्मोऽदृष्टमेव तदा विधिरूपः Upask. 6. 10 (*on* i. 1. 2); गुणाः ⋯ बुद्धिः सुखम् ⋯ अदृष्टं शब्द एव च BhāṣāPa. 5; तादृग्भोगसिद्ध्यर्थं यान्यदृष्टान्यर्जितानि ŚivārkaMaDī. i. 154. 34 (*on* i. 1. 3); अन्तःकरणगुणविशेषस्य वादृष्टस्य ⋯ सत्त्वात् SiddhāLeSaṁ. 428. 5; गुणाः ⋯ °संस्कारादृष्टबुद्धिसुखदुःखेच्छाद्वेषयत्ना इति विंशतिः BhāṭṭCin. i. 17. 22 (*on* i. 1. 4); **C i** unseen effect, unknown effect यददृष्टं परिकल्प्येत उच्चारणादेव तद्भवितुमर्हति ŚābaBh. 150. 5 (*on* i. 2. 32); तेषां यददृष्टायाचरणं स सदाचारः BālaKrī. i. 13. 5 (*on* 1. 7); शास्त्रान्तरपरिज्ञानं तु व्यवहारेऽधिक्रियमाणस्यादृष्टाय स्यात् ManuBh. ii. 78. 22 (*on* 8. 9); द्वयोः सिद्धस्य हेतुत्वं नादृष्टायोपदिश्यते ŚlokaVār. 5(2). 134 (250. 9); अपूर्वमिति चेदं स्याददृष्टमिति चोच्यते BṛĀraUBhVā. iv. 4. 233; यद्यपि कृपया परं रक्षतः शास्त्रसिद्धमदृष्टम् ŚrutaPra. iB. 96. 12 (*on* i. 1. 1); अदृष्टायेत्यदृष्टलक्षणाय फलाय Upask. 269. 12 (*on* vi. 2. 2); **C ii** invisible effect (of a ritual act) (*apūrva*) पशुपुरोडाशस्य देवतोद्देशेन यः प्रक्षेपस्तस्यादृष्टादृते नान्यत्प्रयोजनमस्ति TupṬ. 9. 18 (*on* iv. 1. 18); अनेकवेदाध्ययनमदृष्टायैव ManuBh. i. 159. 3 (*on* 2. 165); स्वाध्यायगतकर्मत्वप्रतीतिनिर्वाहाय कर्मगतमदृष्टमवश्यं कल्पनीयम् VivaPraSaṁ. 159. 10; यत्तु यजनादेरदृष्टमेव फलमिति तन्न RājNiRa. 15. 1; तेन तावत् सोमे किंचिददृष्टं जननीयं प्रोक्षणेनेव व्रीहिषु MīmāNyāPra. 196. 7; अध्ययनविधौ तु सा (विद्वत्ता) अदृष्टायैव स्यात् BālamBha. i. 9. 11 (*on* 1. 3); व्रीह्यादौ प्रोक्षणादिना यजमानसमवेतमदृष्टमेवोत्पाद्यते न तु व्रीह्यादौ MaṇiKa. 56. 8; **D** unexpected danger or calamity अदृष्टं वह्नितोयादि दृष्टं स्वपरचक्रजम् AmaK. 1527 = AgniP. 365. 7 = Vaija. 105. 14; अदृष्टं वह्नितोयादेर्दृष्टं स्वपरचक्रजम् AbhidhāCin. 302; NānārthaSaṁ. ii. 48. 20; ParyāŚaRa. 2. 277; अदृष्टं तोयवह्न्यादि दृष्टं स्वपरचक्रजम्। महीभुजामहिभयम् KalpaK. 100. 105; **E** non-perception (of distinction between Puruṣa and Prakṛti) अदर्शनं खल्वदृष्टमित्युच्यते NyāyBh. 236. 15 (*on* iii. 2. 68); NyāyVār. 446. 2 (*on* iii. 2. 69)

अदृष्टऋतु (adṛṣṭa-ṛtu) *adj.* whose menstruation is not observed, who has not attained puberty अदृष्टऋतवस्तथा ⋯। एता गच्छन्ति चेद्दैवान्न कान्तं प्राप्नुवन्ति ताः BrahmVaiP. iii. 28. 11; (नार्यः) बालापत्याश्च गर्भिण्यो ह्यदृष्टऋतवस्तथा। रजस्वला राजसुते नारोहन्ति चितां शुभे BṛNāraP. 7. 65.

अदृष्टकर्तृक (adṛṣṭakartṛ-ka) *adj.* whose author is not seen or known यथादृष्टकर्तृकमपि वाक्यं पुरुषसंस्कारपूर्वकमिति PramāVāSvopVṛ. 9. 29.

अदृष्टकर्मन् (adṛṣṭa-karman) *adj.* who has no practical knowledge शास्त्रविददृष्टकर्मा कर्मसु विषादं गच्छेत् ArthŚā. i. 43. 4 (1. 8); NītiVā. 18. 61; न चाधिगतशास्त्रोऽपि ⋯ अदृष्टकर्मा शस्त्रकर्मणि प्रवर्तेत AṣṭāSaṁ. i. 173. 1 (1. 34); Hastyāyur. 381. 24 (3. 4); कर्मस्वदृष्टकर्मा यच्छास्त्रज्ञोऽपि विमुह्यति Hitopa. 3. 52; राज्यस्यानन्यदृष्टस्य कर्तव्येषु मुमोह सः। अदृष्टकर्मेव भिषग्भैषज्यस्य पदे पदे Rāj-

Ta.(Ka.) 8.859; *n.* action the fruit of which is invisible आगममन्तरेणादृष्टकर्मणां फलविशेषकल्पनायां प्रमाणाभावात् NyāyVārPari. 375.2; आज्यौषधसान्नाय्यानामदृष्टकर्मव्यपदेशो भवति SaṅkarKāBh. 11.12 (*on* i. 1.35); अयं चादृष्टकर्मार्थत्वेन निशायां ग्रहणनिषेधः CaturCin. iii(2). 689.13.

अदृष्टकल्प (adṛṣṭa-kalpa) *adj.* almost imperceptible अदृष्टकल्पेन विहितांशातिरेकेण विधिनियमानुपपत्तेः ManuBh. i. 473.20 (*on* 5.110)

अदृष्टकल्पन (adṛṣṭa-kalpana) *n.* assumption of an unseen (cause or effect) ततः ··· उच्चारणादेव कल्पनीयम्। उभयवादिसिद्धत्वादुच्चारणकर्तव्यतायास्तत्प्रभवत्वाच्चादृष्टकल्पनस्य TantrVā. 57.20 (*on* i. 2.40); 286.17 (*on* ii. 1.10); दृष्टहानमदृष्टकल्पनं च स्पष्टयति TātpaṬ.(U.) 82.18 (*on* 2.154); जगद्वैचित्र्यमेव स्वाभाविकं भविष्यतीत्यपार्थकमदृष्टकल्पनम् TātpaṬ.(U.) 145.22 (*on* 4.104); SāstrDī. 16.4 (*on* i. 2.4); दृष्टेनादृष्टकल्पनं हि युक्तम्, न तु दृष्टहानमित्यर्थः SrutaPra. ii. 299.29 (*on* ii. 2.21); PrakaVi. 75.23.

अदृष्टकल्पना (adṛṣṭa-kalpanā) *f.* assumption of an unseen (cause or effect) ननु संस्कारकल्पनायामप्यदृष्टकल्पना SābaBh. 48.10 (*on* i. 1.5); 155.4 (*on* i. 2.36); HetuBiṬ. 30.1; तुल्यायामदृष्टकल्पनायां कः संस्कारेऽनुरोधः SphoṭSi. 91.1; न हि दृष्टाधिकं किञ्चिदप्रामाण्ये तेन कल्प्यते। अप्रामाण्यनिमित्तेषु परस्यादृष्टकल्पना SlokaVār. 2.153 (91.7); वेदाप्रामाण्यवादिनामेव तु दृष्टहानिरदृष्टकल्पना च Kāśi. i. 141.11 (*on* 2.154); रुद्रशब्दोत्थापितविज्ञानवशेन रोदनसामान्यतोऽदृष्टकल्पना TantrVā. 26.23 (*on* i. 2.10); 12.14 (*on* i. 2.7); 390.19 (*on* ii. 1.12); ṬupṬ. 26.19 (*on* iv. 2.22); स्फोटवादिनस्तु दृष्टहानिः अदृष्टकल्पना च BrahmSūBh.(Saṅ.) 196.19 (*on* i. 3.28); दृष्टानुगुण्येन चादृष्टकल्पना युक्ता न दृष्टबाधेन BālaKrī. i. 196.16 (*on* 1.347); अर्थदश्च दृष्टेनोपकरोति तत्र कुतोऽदृष्टकल्पना ManuBh. i. 133.2 (*on* 2.109); अतिरिक्तसंस्कारकल्पनायां त्वदृष्टकल्पना NyāyMañ. i. 207.15; ii. 75.19; BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 341; प्रत्यभिज्ञाने तु संस्कारापेक्षाश्चक्षुरादयः कारणमित्यवश्यं तत्र तन्त्रोहनीयमिति न कदाचिददृष्टकल्पनेति TattvBi. 32.1; NyāyKuA. i. 39.2; परेषां च स्वागमप्रामाण्यवद् वेदाप्रामाण्यार्थमप्यस्त्येवादृष्टकल्पना NyāyRa. 91.18 (*on* 2.153); SāstrDī. 24.15 (*on* i. 3.2); न खलु संभवत्येव दृष्टकारणेऽदृष्टकल्पना युक्ता NyāyMa. 163.3; सन्तु कल्पनागौरवदृष्टहान्यदृष्टकल्पनाः NyāySu.(Ja.) 169A.13 (*on* i. 2.6); AṇuBh. 45.13 (*on* i. 1.24); भूबीजजलजीवादीनां तत्कारणत्वकल्पनासम्भवाददृष्टकल्पनाया अन्याय्यत्वाच्च VedāntKau. 16.8 (*on* i. 1.3); अदृष्टं श्रवणं प्रति साक्षाद्धेतुत्वं, न च दृष्टे सम्भवत्यदृष्टकल्पना SiddhāTa. 31.22; 45.15; दृष्टे सम्भवत्यदृष्टकल्पनाया अन्याय्यत्वात् TantrRaha. 68.28; अदृष्टकल्पना हि या दृष्टाविरोधिनी लघुभूता च सा प्रमाणम् MīmāKau. i. 6.14 (*on* i. 3.2); एवं चादृष्टकल्पनयैवास्य सार्थक्यकल्पनायां बीजाभावान्नास्यादृष्टार्थत्वमिति भावः BālamBha. ii. 33.28 (*on* 2.24)

अदृष्टकल्पनागौरव (adṛṣṭakalpanā-gaurava) *n.* cumbersome (i.e. unnecessary) assumption of an unseen (cause or effect) यो नास्तीत्यप्रामाण्यं चोदनाया वदति तस्य दृष्टव्याघातोऽदृष्टकल्पनागौरवं च TātpaṬ.(U.) 82.15 (*on* 2.153); Kāśi. i. 26.25 (*on* 1.56); NyāyRa. 754.7 (*on* 6.90); अदृष्टकल्पनागौरवं तु विघ्नध्वंसस्य फलत्वेऽपि मङ्गले पूर्वोत्तराङ्गोपसंहृतये तुल्यमिति दिक् BhāṭṭCin. i. 6.2 (*on* i. 1.1)

अदृष्टकल्पनातुल्यत्व (adṛṣṭakalpanātulya-tva) *n.* similarity in respect of the assumption of an unseen (cause or effect) तेनादृष्टकल्पनातुल्यत्वेन पक्षयोस्तुल्यबलत्वम् TantrVā. 701.4 (*on* iii. 1.8)

अदृष्टकल्पनादोष (adṛṣṭakalpanā-doṣa) *m.* fault regarding the assumption of an unseen (cause or effect) न चादृष्टकल्पनादोषः सुखदुःखहेतुतयादृष्टस्य क्लृप्तत्वात् NayaVi. 106.6 (*on* i. 1.5)

अदृष्टकल्पनानवकाश (adṛṣṭakalpanānavakāśa) *m.* absence of scope for the assumption of an unseen (cause or effect) दृष्टद्वारेणोपपत्तावदृष्टकल्पनानवकाशात् Kiraṇā. 12.9; NyāyKa. 216.9; मिथ्याज्ञाननिवृत्त्या दृष्टद्वारेणैवोपपत्तावदृष्टकल्पनानवकाशात् TattvCin. ii(2). 188.12; दृष्टे कारणे सत्यदृष्टकल्पनानवकाशात् Upask. 244.8 (*on* v. 2.13)

अदृष्टकल्पनानुपपत्ति (adṛṣṭakalpanānupapatti) *f.* impropriety of an unseen (cause or effect) दृष्टे सम्भवत्यदृष्टकल्पनानुपपत्तेर्जीवानुवादेन ब्रह्मता बोध्यते VedāntKa. 162.17 (*on* i. 3.19); 409.20 (*on* iii. 3.14); तच्च तत्त्वप्रतिपत्तिरूपदृष्टफले सम्भवत्यदृष्टकल्पनानुपपत्तेः SrutaPra. ii. 478.20 (*on* iii. 3.17); दृष्टे सत्यदृष्टकल्पनानुपपत्त्या स्वाध्यायसामर्थ्यजन्यं प्रयोजनवद्विज्ञानं फलमिति कल्पयितुं शक्यत्वात् VivaPraSaṁ. 165.19.

अदृष्टकल्पनाप्रसङ्ग (adṛṣṭakalpanā-prasaṅga) *m.* contingency of the assumption of an unseen (cause or effect) प्रेतोपकारकं ह्येतत्र संस्कारकम्। तत्कल्पने ह्यदृष्टकल्पनाप्रसङ्गात् BālaKrī. i. 151.26 (*on* 1.225); ii. 100.16 (*on* 3.238(?244)); दृष्टपरित्यागाददृष्टकल्पनाप्रसङ्गात् NyāySu.(Ja.) 9A.7 (*on* i. 1.1); 24A.12 (*on* i. 1.1); 50A.11 (*on* i. 1.1); स चोपकारोऽदृष्टरूप इति द्विरदृष्टकल्पनाप्रसङ्गः MīmāNyāPra. 265.15.

अदृष्टकल्पनायोग (adṛṣṭakalpanāyoga) *m.* impropriety of the assumption of an unseen (cause or effect) कर्मशेषतयावक्लृप्तस्यात्मनो द्वारभावेसम्भवत्यदृष्टकल्पनायोगात् SrutaPra. iA. 28.24 (*on* i. 1.1); अध्ययनस्य प्रयोजनाकाङ्क्षायां दृष्टे सम्भवत्यदृष्टकल्पनायोगात् SrutaPra. iA. 34.5 (*on* i. 1.1); Nyāyāmṛ. 461B.7; दृष्टद्वारसम्भवे अदृष्टकल्पनायोगात् SiddhāLeSaṁ. 33.4; 375.1; Sivārka-MaDī. i. 61.25 (*on* i. 1.1)

अदृष्टकल्पनालाघव (adṛṣṭakalpanā-lāghava) *n.* economy in the assumption of an unseen (cause or effect) तेनादृष्टकल्पनालाघवार्थं धात्वर्थस्यैव फलसंबन्धः MīmāKau. iii(2). 9.1 (*on* ii. 1.3)

अदृष्टकल्पनावकाश (adṛṣṭakalpanāvakāśa) *m.* scope for the assumption of an unseen (cause or effect) न हि दृष्टे सत्यदृष्टकल्पनावकाशः MānaMe. 227.2.

अदृष्टकल्पनावसर (adṛṣṭakalpanāvasara) *m.* scope for the assumption of an unseen (cause or effect) अदृष्टकल्पनावसराभावात् ··· नादृष्टसाधनत्वं प्रतीयते TantrVā. 383.20 (*on* ii. 1.6); तत्कीर्तनाच्च तत्स्मरणं क्रतूपयोगि दृष्टमेव प्रयोजनं लब्धमिति नादृष्टकल्पनावसरः SāstrDī.111.3 (*on* ii. 1.5)

अदृष्टकल्पनाविशेष (adṛṣṭakalpanāviśeṣa) *m.* non-distinction regarding the assumption of an unseen (cause or effect) अदृष्टकल्पनाविशेषेऽपि दोषसहितेन्द्रियादेरयथार्थज्ञानजनकत्वम् ··· कल्पयति NyāyRaMā. 94.11.

अदृष्टकाम (adṛṣṭa-kāma) *m.* love in absentia तयोरदृष्टकामोऽभूच्छृण्वतोः सततं गुणान्। अन्योन्यं प्रति कौन्तेय स व्यवर्धत हृच्छयः MahāBhā. iii. 50.16.

अदृष्टकाय (adṛṣṭa-kāya) *adj.* whose body is invisible नागस्य तन्तुको हन्ति स्पृशन्नेव बलात्प्रभुः। अदृष्टकायस्य जले तन्तुकस्य यदृच्छया Hastyāyur. 697.20 (4.32)

अदृष्टकारण (adṛṣṭa-kāraṇa) *adj.* having the unseen for its cause मणिगमनं सूच्यभिसर्पणमदृष्टकारणम् VaiśeSū. v. 1.15; *m.* cause of the unseen ऊर्ध्वं तिर्यगधोभागस्तस्यैवादृष्टकारणम्। स्वायंभुवः ··· ब्रह्मणः VāyuP. i. 61.118; MaṇiKa. 60.10 (cf. BrahmāṇḍP. i. 35.142)

अदृष्टकारणक (adṛṣṭakāraṇa-ka) *adj.* having the unseen for its cause अधुनातनं कार्यमदृष्टकारणकं न NyāySu.(Ja.) 288A.12 (*on* ii. 1.4)

अदृष्टकारणकत्व (adṛṣṭakāraṇaka-tva) *n.* the state of having the unseen for its cause एवमपि सर्वस्य यत्नपूर्वकत्वादग्न्याद्यूर्ध्वगमनादेरदृष्टकारणकत्वकल्पनमन्याय्यं प्रसज्येत NyāyKu. 93.7.

अदृष्टकारणत्व (adṛṣṭakāraṇa-tva) *n.* the state of having the unseen for its cause अभ्युपेत्यादृष्टकारणत्वं रागादीनां परिहृतम् TātpaṬ.(Vā.) 518.11 (*on* iii. 1.26); अदृष्टकारणत्वं च समानम् TattvPrakā. 129A.12 (*on* ii. 4.8)

अदृष्टकारणानुमान (adṛṣṭakāraṇānumāna) *n.* inference of the unseen cause किमत्रादृष्टकारणानुमानेन SāstrDī. 70.5 (*on* i. 1.5)

अदृष्टकारित (adṛṣṭa-kārita) *adj.* [*f.* -ā] produced by an unseen cause तेषां पुनर्व्यापदोऽदृष्टकारिताः SuśruS. i. 6.16; तदविशेषेणादृष्टकारितम् VaiśeSū. v. 2.2; v. 2.7; v. 2.13; v. 2.17; PadārthaSaṁ. 309.10; अदृष्टकारिता शरीरोत्पत्तिः NyāyVār. 446.1 (*on* iii. 2.69); व्यवस्था व्यञ्जकानां चेदुच्यतेऽदृष्टकारिता NyāyMañ. i. 207.12; i. 253.16; NyāyKa. 32.19; परमाणूनामाद्यं कर्मादृष्टकारितमित्यभ्युपगम्यते VedāntDī. 102.14 (*on* ii. 2.11); SrīBh. 480.18 (*on* ii. 2.11); NītiMā. 43.22; अथास्त्येव प्रमाणं वह्नेरूर्ध्वज्वलनं वायोस्तिर्यग्गमनं चादृष्टकारितम् SyādvāMañ. 9 (40); Upask. 236.6 (*on* v. 2.2); *n.* fate or destiny दैवमानुषं हि कर्म लोकं यापयति। अदृष्टकारितं दैवम् ArthSā. ii. 231.1 (6.2); BṛSaṁ. 32.2; शिशुरेषः ··· मल्लम् ··· न्यवधीच्चदेष तदृष्टकारितम् SiśuVa. 15.38 (+31) (but comm. दैवविहितम्)

अदृष्टकारिन् (adṛṣṭakār-in) *adj.* who does (himself being) unseen धर्माधर्मौ ··· तस्यैवादृष्टकारिणः (प्रत्येकवेद्यं भवति) BrahmāṇḍP. i. 35.142.

अदृष्टकार्य (adṛṣṭa-kārya) *n.* effect of the unseen (cause) तदपि अदृष्टकार्यमेवाङ्गीकार्यम् NyāySu.(Ja.) 288A.13 (*on* ii. 1.4); न त्वदृष्टकार्यमप्यदृष्टाश्रय एव स्वकार्यमिति BhedaDhi. 75.6.

अदृष्टकार्यतस् (adṛṣṭakārya-tas) *adv.* from invisible results तेनात्रादृष्टकार्यतस्तुल्यत्वमभिप्रेतम् SmṛtiCan. iv. 683.18.

अदृष्टकार्यतुल्यत्व (adṛṣṭakāryatulya-tva) *n.* comparability with unseen effect अथवा तैर्हतैर्यत् पापं तदस्य भवतीत्यघ्नन्नपि हन्तीत्युच्यते। अदृष्टकार्यतुल्यत्वात् ManuBh. ii. 115.13 (*on* 8.98)

अदृष्टकार्यपर्यन्त (adṛṣṭa-kāryaparyanta) *adj.* who has not seen the end of the affair अदृष्टकार्यपर्यन्तास्ततस्ते ··· पर्यतप्यन्त मन्त्रिणः RājTa.

(Ka.) 8. 3145.

अदृष्टकिंचित्कारमुख (adṛṣṭakiñcitkāra-mukha) *n.* agency of doing something which is unseen अहमर्थस्य बोद्धृगतकल्मषापनयने कर्तृत्वं किं स्वरूपेण, उतादृष्टकिंचित्कारमुखेन S'rutaPra. iA. 163. 27 (*on* i. 1. 1)

अदृष्टकुसुम (adṛṣṭa-kusuma) *adj.* flower of which is not seen अपमेघोदयं वर्षमदृष्टकुसुमं फलम् KumāSaṁ. 6. 54.

अदृष्टकृत (adṛṣṭa-kṛta) *adj.* brought about by invisible (destiny), accidental मुनिसुताप्रणयस्मृतिरोधिना तमसा मे मनो वियुक्तमित्यदृष्टकृतं स्मरणमिदम् SaraKaṇṭhā. 375. 18; न च तथा निवेश्यं बध्यमानमदृष्टकृतं विदध्यात् Abhin. Bhā. iii. 36. 12 (*on* 19. 69)

अदृष्टकोरकोद्गति (adṛṣṭa-korakodgati) *adj.* on which the putting forth of buds was not seen अदृष्टकोरकोद्गतिषु सहकारेषु विषादमुद्वहन्ती (स्वनिवासमागमम्) TilaMañ. 301. 16.

अदृष्टक्रियासिद्धि (adṛṣṭakriyā-siddhi) *f.* accomplishment of a miraculous feat नूनं नन्दोश एवासौ भोक्तुं भोगानवातरत्। दृष्टादृष्टक्रियासिद्धिर्न भवेत्तादृगन्यथा RājT.(Ka.) 1. 130.

अदृष्टक्रियोपचितत्व (adṛṣṭakriyopacita-tva) *n.* the state of being fostered by unseen acts अदृष्टक्रियोपचितत्वाद् भृत्यभावस्य AvantiKa. 51. 12.

अदृष्टक्षण (adṛṣṭa-kṣaṇa) *m.* unseen moment आद्ये त्वस्यादृष्टक्षणस्य विशेषापादकत्वं न सिध्यति NyāySu.(Ja.) 392B. 5 (*on* ii. 2. 7)

अदृष्टक्षय (adṛṣṭa-kṣaya) *m.* destruction of the unseen (cause) (i. e. merit or demerit) अनन्तानामात्मनामनन्तेष्वदृष्टेषु क्रमेण परिपच्यमानेषु केचिददृष्टक्षयात् भोगादुपरमन्ते भुज्यन्ते(? भुञ्जते) च केचित् NyāyKa. 51. 16.

अदृष्टखेदाखेद (adṛṣṭa-khedākheda) *adj.* who feels neither sorrow nor lack of sorrow (happiness) अदृष्टखेदाखेदो यः स संतुष्ट इहोच्यते YogVā. ii. 15. 6.

अदृष्टगत (adṛṣṭa-gata) *adj.* found in the 'unseen' (merit and demerit) विपाको नाम कश्चिददृष्टगतो धर्मो न जायते VedāntSā.(Rā.) 171. 3 (*on* ii. 2. 11) = BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 69. 1 (*on* ii. 2. 11)

अदृष्टगवय (adṛṣṭa-gavaya) *adj.* who has not seen a *gavaya* (Gayal) अदृष्टगवयस्यापि प्रसङ्गात् SarvaDaKau. 65. 6.

अदृष्टगुणदोष (adṛṣṭa-guṇadoṣa) *adj.* of unknown merit and demerit अदृष्टगुणदोषाणामधृतानां च कर्मणाम्। नान्तरेण क्रियां तेषां फलमिष्टं प्रवर्तते Rāmā. iii. 62. 16.

अदृष्टगुणान्तरकल्पन (adṛṣṭaguṇāntara-kalpana) *n.* imagining another unseen quality तद्वरमदृष्टगुणान्तरकल्पनात् NyāySiA. 259. 6.

अदृष्टगुणारोपणकर्मन् (adṛṣṭa-guṇāropaṇakarman) *adj.* act of fixing a string to which has not (so far) been seen इदं शिपिविष्टान्यस्माददृष्टगुणारोपणकर्म कार्मुकम् BālRā. 1. 44 (1)

अदृष्टगोचर (adṛṣṭa-gocara) *adj.* not in the range of sight तन्ममापि निरन्तरं ब्रह्मादीनामप्यदृष्टगोचरम् SāmaraU. 259. 6.

अदृष्टगोचरस्थ (adṛṣṭagocara-stha) *adj.* which is not in the range of sight विनाद्भिरसंनिहितास्वप्सु अदृष्टगोचरस्थासु ManuBh. ii. 434. 19 (*on* 11. 201)

अदृष्टगोव्यक्तित्व (adṛṣṭagovyakti-tva) *n.* the nature of one who has not seen an individual cow गोसामान्यज्ञाने सति अदृष्टगोव्यक्तित्वाज्जिज्ञासासंभवात्प्रयोगसंभवः S'rutaPra. iB. 109. 22 (*on* i. 1. 2)

अदृष्टगौडसंदर्भ (adṛṣṭa-gauḍasandarbha) *adj.* by whom composition in the Gauḍī style is not seen अदृष्टगौडसंदर्भस्य वा दर्शनमित्युपेक्षणीयम् Kāvyānu.(He.) 235. 11 (comm.)

अदृष्टग्रहण (adṛṣṭa-grahaṇa) *n.* **A** comprehension of an unseen (object) पूर्वानुभूतग्रहणे मानसस्याप्रमाणता। अदृष्टग्रहणेऽन्धादेरपि स्यादर्थदर्शनम् PramāVār. 3. 239; तस्मान्नादृष्टग्रहणाय दृष्टे प्रमाणान्तरवृत्तिः PramāVārSvopVṛ. 17. 25; **B** assumption of an unseen effect दृष्टार्थत्वे संभवति अदृष्टग्रहणात् गौरवं स्यात् MānaMe. 43. 4; **C** inclusion of the unseen (cause) आदिशब्देनादृष्टग्रहणम् Bhāsk. ii. 176. 17 (*on* ii. 4. 11)

अदृष्टघटितत्व (adṛṣṭaghaṭita-tva) *n.* the state of being associated with an unknown effect (i. e. *apūrva*) आहवनीयादीनां त्वदृष्टघटितत्वात् MīmāKau. ii. 266. 23 (*on* iii. 2. 23)

अदृष्टघात (adṛṣṭa-ghāta) *m.* unseen stroke अदृष्टघातैर्डिम्भानां राक्षसी क्षयमेष्यति BhaviP. 798B. 35 (iv. 132. 28)

अदृष्टचन्द्रलेख (adṛṣṭa-candralekha) *adj.* with the lunar digit not seen तत्कथमयमदृष्टचन्द्रलेखश्चन्द्रालोकः PrasaRā. 6. 14(1)

अदृष्टचर (a-dṛṣṭacara) *adj.* [*f.* -ī, (-ā)] [P. v. 3. 53] **i** not seen or experienced or known before त्रिभावभावनायुक्तैरदृष्टचरमद्भुतम्। ... अतो मन्त्रतनुः प्राप्तो भवन्तं किं करोमि ते AhirbuS. 43. 13; ततः प्रववृते युद्धं देवमानुषसेनयोः। अदृष्टचरमाश्चर्यम् AhirbuS. 50. 102; अदृष्टप(? च)रमीदृक्षमाकारं भुवनागतिम् PadmP.(Ra.) 120. 7; तददृष्टचरमनङ्गमतिशयानं रूपम् VāsaDa. 161. 5; गरीयान् कालः। यदश्रुतचरमपि श्रावयति। अदृष्टचरमपि दर्शयति AnargharRā. 4. 53(4); अदृष्टचरमाजौ स्वं भटः पृष्ठमिवैक्षत HarVi. 43. 56; निगमयेयुरमी ...। इयमसौ रघुनाथवधूरिति स्फुटमदृष्टचरीमपि तां बुधाः RāmC. 7. 48; स एव तावददृष्टचरः कल्पनीयः TātpaṬ.(Vā.) 470. 2 (*on* ii. 2. 57); यद्यपि मुक्तिरदृष्टचरी तथापि सवासनाविद्योच्छेदेनात्मनः स्वरूपावस्थानलक्षणायास्तस्याः श्रुतिसिद्धत्वात् Bhām. 702. 8 (*on* iv. 1. 1); तस्माद् व्यक्ताद् व्यक्तस्य तद्गुणानां चोत्पत्तेः कृतमदृष्टचरेणाव्यक्तेन SāṁkhyaTaKau. 294. 4 (*on* 15); समरसमुत्सुकेन मुनिना यददृष्टचरम् RāmāCam. 6. 60; न पुनरदृष्टचरं समवायमभ्युपगम्य तस्यैष स्वभाव इति कल्पयितुं युक्तम् BrahmSūBh.(Rā) 482. 8 (*on* ii. 2. 12); तत्रादृष्टचरां भेरीमपश्यत् पतितस्थिताम् KathāSaSāg. x. 4. 58; स सिंहोऽत्र वनेऽद्राक्षीददृष्टचरमेकदा। करभं सार्थविभ्रष्टम् KathāSaSāg. x. 4. 146; तावद् गिरिशिखराकारां (v. l. तत्रादृष्टचराम्) भेरीमपश्यत् PañcT. 1. 52(7) (37. 3); युक्तं त्यजन्ति मधुपाः सुमनोविनाशकाले यदेनमवनीरुहम् ... एतत्त्वदृष्टचरम् ... शाखात्वचोऽपि ... त्यजन्ति SubhāRaK. 33. 12; न च गोसादृश्येनोपलक्षयितुं शक्यते अदृष्टचरेण गवयत्वेन गोसादृश्यस्य संबन्धादर्शनात् TārkiRa. 90. 5; यदन्येनादृष्टचरो वराहं कोऽप्यवेदयत्। भूभुजे PārśvC. 3. 652; पातोऽम्भसामयमदृष्टचरस्तवाक्ष्णोः पाताय मे नियतमद्य भवेदसूनाम् SūktiMu. 37. 9; एवं सति ...नरस्यादृष्टचरमविज्ञातकुलनामानमुपलक्षिताचारवेषविशेषं ब्राह्मणपुरुषमुपलभ्याक्षिसन्निपातमात्रेण निर्विचिकित्सा ब्राह्मणत्वबुद्धिरुत्पद्येत CaturCin. III(i). 343. 14; प्रकारद्वयस्य प्रकृतित्वमदृष्टचरम् NyāyMāVi. 566. 20 (*on* x. 5. 24); न तु प्रतिपदार्थस्मृतितत्कालोत्पन्नमनन्तमदृष्टचरमनिर्वचनीयं गौरवात् TattvCin. iv(2). 602. 1; तत्र कारणान्तरं वा अदृष्टचरं कल्प्यम् TattvCin. iv(2). 613 5; न चेदमदृष्टचरमिति मन्तव्यम् SarvaDaSaṁ. 9. 90; स्वप्ने हि ... अदृष्टचरानेव तनयादीन् दृष्टचरतयानुसंधत्ते NyāySu (Ja.) 461A. 8 (*on* iii. 2. 1); तथात्वे नपुंसकस्यापि स्त्रीसंबन्धमात्रेण प्रजोत्पत्तिः स्वीकरणीया स्यात्। एवं कुत्राप्यदृष्टचरी अनुपपन्ना चेति VedāntRaMañ. 1. 1 (12. 4); अजनिष्ट जन्यमनयोर्बलयोरपि नारदेन यददृष्टचरम् Acyutarā. 6. 20; नेयमदृष्टचरी कल्पना AdvaiSi. 395. 10; स्वोपादाननिवर्तकत्वं त्वदृष्टचरम् AdvaiSi. 886. 8; पद्मिनीसंभवः। अदृष्टचरमद्भुतं तव हि रूपमन्तर्दृशा व्यचष्ट Nāray. iii. 9. 5; न च विभक्त्यर्थस्य विशेषणसंक्रान्तिरदृष्टचरी PūrvottaVāNaMā. 143. 7; अतिभीषणाकृतिमदृष्टचरीं परिपश्यति स्म पदातिचमूम् S'ivLī. 17. 10; अदृष्टचरमद्भुतं वपुरमुष्य पश्यन्नपि ... धीवरः। ... आदिशत् S'ivLī. 20. 79; ते ... अदृष्टचरं विशेषमालक्षयन्तो विसिष्मियिरे NilaVi. 37. 3; कामप्यदृष्टचरीं कन्यकामुपलेभिरे NilaVi. 125. 8; 72. 13; कथमदृष्टचरे तस्मिञ्जने भवतः स्नेहानुबन्धः S'ṛṅgāSar. 122(1); अदृष्टचर एवेदृशो व्यापारः RasSa. 75. (1); **ii** god (moving invisibly) तददृष्टचरस्तद्रूपावगमनेन ... परिकल्पितम् AlaṅkāRa. 35. 8.

अदृष्टचरकारणान्तर (adṛṣṭacara-kāraṇāntara) *n.* another cause which was never seen before तदन्यथाकरणेनादृष्टचरकारणान्तरकल्पनानुपपत्तेः NyāyKu. 114. 3.

चदृष्टचरचातुरीचण (adṛṣṭacaracāturī-caṇa) *adj.* famous for cleverness never seen before अदृष्टचरचातुरीचणचरित्रचित्रायितैः सहः प्रणयिभिर्जनैर्विहरमाणयोः कानने। ... भजे व्रजनवीनयूनोर्युगम् StavMā. 83. 27.

अदृष्टचरत्व (adṛṣṭacara-tva) *n.* the state of not having been seen or perceived before तदवस्थाभेदस्य तैः सहादृष्टचरत्वेन बुद्धावसन्निधानादलक्षणा TattvBi. 157. 13; तस्यैवादृष्टचरत्वात् KhaṇḍanKhā. 1306. 8; स्वभ्रान्तिमात्रसिद्धस्यान्यत्रादृष्टचरत्वेन रजतस्य तेनागृहीतसंबन्धत्वात् TattvPradi.(Ci.) 78. 7; तस्य तु कुत्राप्यदृष्टचरत्वात् VedāntRaMañ. 1. 1 (8. 23); न चाभिन्ननिमित्तोपाद(? दा)नरूपस्य क्वाप्यदृष्टचरत्वात् कथं तत्सिद्धिरिति वाच्यम् VedāntRaMañ. 1. 4 (63. 3); व्यवहारस्य व्यहर्तव्योपलम्भनिबन्धनत्वेन तथा अदृष्टचरत्वात् TattvCin. i(2). 696. 4; मनसश्च नित्यशुद्धबुद्धमुक्तस्वभावब्रह्मगोचरसाक्षात्कारकरणत्वस्यादृष्टचरत्वेन शब्दस्य तत्सहकारित्वकल्पनायोगात् S'atDū. 66. 17; तादृशस्य परमकाष्ठां प्राप्तस्य वैराग्यस्यादृष्टचरत्वात् तस्य मार्गस्य दुर्लभतरत्वम् JīvanVi. 143. 11; भवदभिमतस्य क्षणिकत्वस्य क्वचिदप्यदृष्टचरत्वेन दृष्टान्तासिद्धावस्यानुमानस्यानुत्थानात् SarvaDaSaṁ. 3. 24; व्यासज्यवृत्तित्वस्य जातावदृष्टचरत्वात् AdvaiSi. 615. 9; त्यागाद्धोक्तुः स्वत्वं स्वरूपसतो ज्ञानाद्वा। नाद्यः। अदृष्टचरत्वात् VīraMi. (Vyavahāra.) 161. 28.

अदृष्टचरत्वनिरास (adṛṣṭacaratva-nirāsa) *m.* removal of or dispensing with the state of what was not seen before उक्तार्थस्यादृष्टचरत्वनिरासाय दृष्टान्तमाह BālamBha. i. 2. 28 (*on* 1. 1); i. 359. 10 (*on* 1. 109); iii. 121. 15 (*on* 3. 219) = iii. 126. 25 (*on* 3. 229)

अदृष्टचरद्विरद (adṛṣṭacara-dvirada) *adj.* who has not seen an

elephant इहादृष्टचरद्विरदेन पुरुषेण कथमिह चत्वरे गजो नास्तीत्युच्यते S'rutaPra. iB. 14. 18 (*on* i. 1. 1)

अदृष्टचरपार्वणचन्द्र (adṛṣṭacara-pārvaṇacandra) *m.* the full moon never seen hitherto तासामदृष्टचरपार्वणचन्द्रमुक्तनिद्रारविन्दघटनासदृशत्वमापा: । ... °रत्नकोषा: करा: श्रियमथ प्रथयांबभूवु: HarVi. 26. 4.

अदृष्टचरपुरुषाध्यासवत् (adṛṣṭacarapuruṣādhyāsa-vat) *adv.* like the superimposition of a man never seen before स्वप्नेष्वदृष्टचरपुरुषाध्यासवन्मुखसामान्यानुभवसंस्कारमात्रेण दर्पणेषु मुखविशेषाध्यासोपपत्ते: SiddhāLeSaṁ. 280. 4.

अदृष्टचरवह्नि (adṛṣṭacara-vahni) *adj.* who has not seen fire so far न ह्यदृष्टचरवह्नयस्तद्विनाभावितया धूममनुसंदधति ĀgaPrā. 4. 12.

अदृष्टचरविषय (adṛṣṭacara-viṣaya) *m.* unforeseen or unvisited region अदृष्टचरविषयकुतूहलि वा चेत: Kād. 181. 14.

अदृष्टचरविषयकत्व (adṛṣṭacaraviṣayaka-tva) *n.* the nature of having for its object the hitherto unseen or unknown लाघवतर्कसहकृतश्रुत्यादिमूलककल्पनानामदृष्टचरविषयकत्वेऽपि न क्षति: LaCandr. 886. 36.

अदृष्टचरशब्दानेकत्व (adṛṣṭacaraśabdāneka-tva) *n.* manifoldness of sounds not known before अदृष्टचरशब्दानेकत्वकल्पने गौरवं च स्यात् Yukti-Sneha. 137. 8 (*on* i. 1. 6)

अदृष्टचरार्कबिम्ब (adṛṣṭacarārkabimba) *m. n.* solar orb which was never seen before चक्रे रसातलमदृष्टचरार्कबिम्बसंदर्शनाकुलकुतूहलिकाद्रवेयम् Har-Vi. 34. 22.

अदृष्टचरार्थदर्शिन् (adṛṣṭacarārthadarś-in) *adj.* who sees an object never seen before पञ्चमश्चादृष्टचरार्थदर्शी KāvyMī. 64. 16.

अदृष्टचरित (adṛṣṭa-carita) *adj.* whose behaviour was not seen before अपरामस्यैव चेष्टामदृष्टचरितस्य ... तिरोभूय निभालयामि UdaySuKa. 87. 12.

अदृष्टचापसंबन्ध (adṛṣṭa-cāpasambandha) *adj.* (the arrow) whose association with (i. e. fixing to) the bow was invisible (i. e. unnoticed due to agility) शरैस्तस्य विशाल्यारमण: शरान् । अदृष्टचापसंबन्धैरन्तराले न्यवारयत् PadmP.(Ra.) 74. 98.

अदृष्टचिकित्सित (adṛṣṭa-cikitsita) *adj.* treatment of which has not been found भवताप्यदृष्टचिकित्सितेऽस्मिन् व्याधावदृष्टवैभवमन्तरेण भिषगन्तरं नान्वेषणीयम् RasSa. 158 (1)

अदृष्टचेष्ट (adṛṣṭa-ceṣṭa) *adj.* whose movement was not seen तं नागभोगपरिवीतमदृष्टचेष्टमालोक्य तत्प्रियसखा: पशुपा भृशार्ता: BhāgP. x. 16. 10.

अदृष्टचोदित (adṛṣṭa-codita) *adj.* impelled by fate संख्याद्यैरपि पञ्चभि: । युक्तमीशं वदन्तोऽन्ये तदिच्छादृष्टचोदिता: AnuVyā. 24B. 9 (*on* 2. 2)

अदृष्टज (adṛṣṭa-ja) *adj.* resulting from fate जातिशब्दवर्जिते पञ्चम्यन्ते उपपदे जनेर्ड: स्यात् ।... अदृष्टज: SiddhāKau. 501A. 17.

अदृष्टजघना (adṛṣṭa-jaghanā) *adj.* (*f.*) who has not seen the fore-part of the waist जात्यन्धाम् ... स्वयमप्यदृष्टजघनाम् ... कर्तव्यं खलु नैव भो: कुलवधूकारां प्रवेष्टुं मन: DhūrtaViSaṁ. 6. 12.

अदृष्टजन (adṛṣṭa-jana) *m.* invisible person (i. e. god) अदृष्टजननिर्मुक्तैर्दृष्टं सुमनसां चयै: PadmP.(Ra.) 22. 127.

अदृष्टजनक (adṛṣṭa-janaka) *adj.* which produces unseen (fruit of action) एवं च यान्यदृष्टजनकानि जन्यानि च S'ivārkaMaDī. i. 141. 4 (*on* i. 1. 3); न चादृष्टजनकशब्दत्वं वेदत्वम् S'ivārkaMaDī. i. 156. 11 (*on* i. 1. 3); स ह्यदृष्टजनककर्मणां कर्ता S'ivārkaMaDī. ii. 229. 15 (*on* iii. 2. 5); नाप्यदृष्टजनककृत्यजन्यम् ... पक्ष: TattvCin. ii(2). 3. 4.

अदृष्टजनकत्व (adṛṣṭajanaka-tva) *n.* the state of producing unseen (fruit of action) ईश्वरकृतेरदृष्टजनकत्वेन क्षित्यादौ तदभावात् TattvCin. ii(2). 3. 5; स्वपदस्य यद्वस्त्वदृष्टजनकत्वेन गृह्यते तदा तत्परत्वेऽननुगमप्रसङ्गेन व्यवस्थितैकार्थपरत्वे वक्तव्ये S'ivārkaMaDī. i. 141. 11 (*on* i. 1. 3); पुरुष इति सर्वान्वितम् । तेनातिरिक्तस्य शुभाशुभकर्मणामदृष्टजनकत्वं वारितम् VīraMi. 875. 2 (*on* 3. 135); अदृष्टजनकत्वमप्याधारत्वं द्वारीकृत्य वाच्यम् GuruCandr. i. 268. 11.

अदृष्टजनसंसर्ग (adṛṣṭa-janasaṁsarga) *adj.* which has not seen contact of men (i. e. not frequented by men) अदृष्टजनसंसर्गमजाततृणपल्लवम् । अरण्यमिदमासाद्य YogVā. iii. 106. 12.

अदृष्टजनित (adṛṣṭa-janita) *adj.* caused by unseen (fruit of action) अदृष्टजनितं प्रयत्ननिमित्तमपेक्षमाणादात्ममन:संबन्धात् Kiraṇā. 272. 9; ननु जीवस्य विभुत्वानङ्गीकारेऽदृष्टजनितदेशान्तरफलोपलब्धि: कथम् YatīndraDī. 75. 3.

अदृष्टजन्मनिधन (adṛṣṭa-janmanidhana) *adj.* whose birth and death are not seen (known) अदृष्टजन्मनिधना ह्येवं विष्ण्वादयो मता: MatsyaP. 154. 367.

अदृष्टजन्मवेदनीय (adṛṣṭajanma-vedanīya) *adj.* to be experienced in unknown (i. e. future) births जन्मान्तरानुभवनीयोऽदृष्टजन्मवेदनीय: Rāj-Mār. 26. 20; दृष्टजन्मवेदनीयस्य ... अयमेकभविकत्वनियमो न त्वदृष्टजन्मवेदनीयस्य TattvVai. 71. 22 (*on* 2. 13)

अदृष्टजन्य (adṛṣṭa-janya) *n.* arising from the unseen (fruit of action) न च ब्रह्मज्ञानमदृष्टजन्यं, केवलव्यतिरेकाभावात् VivaPraSaṁ. 3. 21; प्रकृतेरदृष्टस्य गुणैरदृष्टजन्यैरिच्छादिभि: कर्ताहमेवेत्यस्य तदर्थत्वात् SiddhāMu. 27. 6 (*on* 49); यागदानादिप्रभवादृष्टजन्यक्षित्यङ्कुराद्युपादानानुप्रवेशसंभवेन S'ivārkaMa-Dī. i. 139. 8 (*on* i. 1. 3); यत्सुखस्य वा दु:खस्य वा जनकं विजातीयं तदेवादृष्टजन्यम् LaCandr. 542. 25.

अदृष्टजन्यत्व (adṛṣṭajanya-tva) *n.* the state of being produced from unseen (fruit of action) ज्ञानस्य कथंचिददृष्टजन्यत्वेऽप्ययं विधिर्भाष्यविरुद्ध: VivaPraSaṁ. 3. 23.

अदृष्टजातीय (adṛṣṭa-jātīya) *adj.* of unseen species (kind) दृष्टजातीयमपेक्ष्यादृष्टजातीयं दु:खेन प्रमीयते KhaṇḍanKhā. 1325. 8; सूक्ष्माकारस्यादृष्टजातीयस्य कथं भावना स्यादिति चेन्न YogSā. 11. 6 (1)

अदृष्टजीर्णलिङ्ग (adṛṣṭa-jīrṇaliṅga) *adj.* in whom symptoms of digestion are not seen अदृष्टजीर्णलिङ्गं च लङ्घयेत्पीतभेषजम् AṣṭāSaṁ. i. 143. 1 (1. 27)

अदृष्टज्ञापक (adṛṣṭa-jñāpaka) *adj.* indicative of (what is) unseen 'यादृशोऽयमसंभवन् तत्साधनसंप्रदायो न' इति न्यायो नादृष्टज्ञापक:, अतत्स्वभाव इत्यपि PramāVāSvopVṛ. 83. 11.

अदृष्टज्योतिष्कार्य (adṛṣṭajyotiṣ-kārya) *n.* activity (caused by) a luminary not visualised अदृष्टज्योतिष्कार्यविषयेऽप्यनुमास्यामहे BṛĀraUBh. 515. 8 (*on* iv. 3. 2)

अदृष्टतत्कार्य (adṛṣṭa-tatkārya) *adj.* who has not seen its effect कार्योत्पादनशक्ते: कारणस्वभावत्वेऽप्यदृष्टतत्कार्यस्य कारणदर्शनेऽप्यप्रतिपन्नतद्भावस्य कार्यदर्शनात्तत्प्रतिपत्तिवत् PramāVāSvopVṛ. 13. 25.

अदृष्टतत्त्व (adṛṣṭa-tattva) *adj.* who has not realised the truth, who has not grasped the reality अदृष्टतत्त्वेन परीक्षकेण स्थितेन चित्रे विषयप्रचारे । चित्तं निषेद्धुं न सुखेन शक्यम् Saund. 14. 48; अदृष्टतत्त्वो विषयोन्मुखेन्द्रिय: श्रयेय न त्वेव गृहान्पृथग्जन: BuddhaC. 9. 78; अदृष्टतत्त्वैर्निरवग्रहै: कृतं कुतार्किकै: शासनमेतदाकुलम् AbhidhK. 8. 41; तस्माददृष्टतत्त्वानाम् ... दर्शनं वचनं चापि नित्यमेवानवस्थितम् VākyaP. 2. 140; इति यो विवदेददृष्टतत्त्व: VarāṅgaC. 24. 50; अदृष्टतत्त्वो लोकस्तु विरोधमभिमन्यते TattvSaṁ. 442; न चादृष्टतत्त्वस्यावधिश्रवणमर्थवत् IṣṭaSi. 74. 22; यतिनिषेधकानि त्वदृष्टतत्त्वाव्रतियतिपराणि बोध्यानि Bālam-Bha. i. 494. 10 (*on* 1. 221)

अदृष्टतद्भेदकल्पन (adṛṣṭatadbheda-kalpana) *n.* assumption of an unseen difference of it (ego) दृष्टात्मभेदपरित्यागायादृष्टतद्भेदकल्पनं लोकोत्तरप्रज्ञस्यैव शोभतेतराम् NyāyKu. 124. 9.

अदृष्टतनु (adṛṣṭa-tanu) *adj.* whose body is not seen अदृष्टतनुभिर्देवैर्दुन्दुभि: सध्वनि: कृत: PadmP.(Ra.) 53. 165.

अदृष्टतस् (adṛṣṭa-tas) *adv.* **i** due to fate अग्नेर्यथा दारुवियोगयोगयोरदृष्टतोऽन्यत्र निमित्तमस्ति BhāgP. x. 1. 51; **ii** because of not being perceptible प्रत्यक्षगम्यमेवास्ति नास्त्यदृष्टमदृष्टत: SarvaSiSaṁ. 2. 2; न च मात्रादिसद्भावस्तस्यात्यन्तमदृष्टत: BṛĀraUBhVā. i. 4. 271; न तद्भानस्य दृष्टत्वाद्दृष्टं वरमदृष्टत: NyāyMāVi. 26. 16 (*on* i. 2. 4)

अदृष्टता (adṛṣṭa-tā) *f.* imperceptibility (of the fruit of action) न च प्रयोजनानवगमाददृष्टतोच्यते Bṛha. 128. 2 (*on* i. 1. 5); एवमपेक्षितार्थविधानाद् दृष्टार्थत्वं स्मृत्यर्थस्य आप्लवनविधाने त्वदृष्टता TātpaṬ.(U.) 22. 12 (*on* 1. 95); यागादयोऽदृष्टतया लौकिकमानस्य गोचरा नैव KandaCū. i. 2. 9.

अदृष्टतापव्यसना (adṛṣṭa-tāpavyasanā) *adj.* (*f.*) who has not experienced the agony of the pangs (of separation) अदृष्टतापव्यसना: स्तनाग्रं प्राणेश्वरे हार इवाधिरूढे ।... तन्व्य: स्तुवन्ति स्म सुधागभस्तिम् S'rīKaC. 11. 73.

अदृष्टतारक (adṛṣṭa-tāraka) *adj.* who cannot see the stars अदृष्टतारको योऽसौ मासमेकं न जीवति S'ivaP. v. 25. 22 (435A. 3)

अदृष्टतूणीर (adṛṣṭa-tūṇīra) *adj.* whose quiver was not seen अदृष्टतूणीरमनुप्लवान्यै: ...। अमंसतैनं स्थिरचक्रचापम् Yādavā. 20. 46 (comm. अनवलोकितनिषङ्गम्, युद्धे पश्चाद्भागस्याप्रदर्शनादिति भाव:)

अदृष्टत्व (adṛṣṭa-tva) *n.* the state of not being seen, known or experienced एतस्य धर्मस्य चतुर्धा भेदमेक आहुरदृष्टत्वात् BaudhDS. ii. 6. 11; सर्वप्रसङ्गस्तु सर्वस्यान्यत्रादृष्टत्वात् Vār. 2 *on* P. i. 1. 60; MahāBh. i. 158. 9 (*on* i. 1. 60); अद्य जातायां गवि प्रथमप्रयोगो न प्राप्नोति तत्रादृष्टत्वात् S'ābaBh. 303. 21 (*on* i. 3. 33); तदात्यन्तपरोक्षत्वाददृष्टत्वाच्च कस्यचित् BrahmāṇḍP. iii. 2. 289; तुल्यजातावदृष्टत्वात्साधयत्यचकोरताम् Kāvyālaṅ.(Bh.) 5. 55; अदृष्टत्वादप्रवृत्ति:

शुक्तिकाशकले समा VibhraVi. 63; न च पूर्वदृष्टत्वात्स्मृतित्वमुपपद्यते S'lokaVār. 4.139 (177.5); नासतोऽदृष्टत्वात् BrahmSū. ii. 2. 26; अदृष्टस्यात्र दृष्टत्वे नादृष्टत्वं भवेदिति SarvaSiSaṁ. 3. 4; स्त्रक्स्थाण्वादावदृष्टत्वादुक्तदोषोऽपि चापतेत् BṛĀraU-BhVā. i. 4. 1100; न च मेय एवाभावः स्वज्ञानहेतुः अभावान्तरेष्वदृष्टत्वादनिदृष्टत्वाच्च IṣṭaSi. 7. 22; अपोहस्यादृष्टत्वात्तन्निबन्धनः सजातीयविजातीयविभागो न संभवति NyāyRa. 584. 23 (*on* 5(13). 71); न त्वदृष्टत्वं नाम सामान्यमस्ति Kiraṇā. 21. 10; भावे भाववदभावेऽभावः स्यादिति चेन्न, तद्वददृष्टत्वात् TarkSaṁ.(Ā.) 14. 13; अभावाद्भावो न जायतेऽदृष्टत्वात् VedāntPāSau. 199. 3 (*on* ii. 2. 26); गुरुत्वम् … अदृष्टत्वे सति पृथिवीजलवृत्ति TarkBhā.(Ke.) 71. 7; ईश्वरप्रीतिकोपयोरेवादृष्टत्वात् NyāySiA. 213. 30; अपूर्वस्यात्यन्तमदृष्टत्वात् … अनेककल्पने गौरवं स्यात् NyāyMāVi. 61. 24 (*on* ii. 1. 1); न तृतीयः, आत्मन्यात्माभावारोपस्य क्वाप्यदृष्टत्वात् Vādā. 79. 7; न चेश्वरप्रसादद्वारा ज्ञानस्य प्रसादहेतुतायाः क्वाप्यदृष्टत्वात् NyāySu.(Ja.) 13A. 10 (*on* i. 1. 1); मृदाद्यभावाद्घटाद्युत्पत्तेरदृष्टत्वात् VedāntKau. 199. 5 (*on* ii. 2. 26); नानुपमर्द्य प्रादुर्भावं वैनाशिका मन्यन्ते। ततश्चासतोऽलीकात् कार्यं स्यात्। तन्न। अदृष्टत्वात् AṇuBh. 135. 6 (*on* ii. 2. 26); वरुणग्रहशब्दितजलोदव्याधिप्रादुर्भावस्यादृष्टत्वेन UpaParā. 17. 9; अदृष्टो द्रष्टेत्यादावदृष्टत्वाश्रुतत्वे रूपादिहीनत्वात् S'ivārkaMaDī. i. 373. 8 (*on* ii. 2. 20); संस्कारतदुद्बोधकयोः सत्त्वे स्मृतेः प्रतिबन्धस्य क्वाप्यदृष्टत्वात् RasGaṅ. 139. 6; अर्थे संज्ञात्वस्यादृष्टत्वात् LaS'abdeS'e. i. 46. 12.

अदृष्टत्वजाति (adṛṣṭatva-jāti) *f.* generic concept of an unseen agency न चतुर्विंशतित्वम्। अदृष्टत्वजात्यपेक्षया धर्माधर्मयोरेकत्वात्। न, अदृष्टत्वजात्यभावात् NyāyKa. 11. 1; तन्मात्राच्च जातिस्वीकारे धर्माधर्मयोः अदृष्टं अदृष्टमित्यनुगतप्रत्ययभाजोः अदृष्टत्वजात्यङ्गीकारापातात् TarkSaṁ.(Ā.) 20. 29.

अदृष्टत्वादि (adṛṣṭatvādi) *adj.* **i** the state of being invisible etc. अदृष्टत्वादयो धर्माः सांख्यस्मृतिकल्पितस्य प्रधानस्याप्युपपद्यन्ते BrahmSūBh.(S'aṅ.) 120. 12 (*on* i. 2. 19); तत्रादृष्टत्वादिव्यपदेशः प्रधानस्यापि संभवति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 161. 9 (*on* i. 3. 12); किं च देवताया विग्रहवत्त्वाददृष्टत्वादिव्यपदेशे(? शो)ऽपि न मुख्य उपपद्यते PrakaVi. 193. 11–12; तथाप्यदृष्टत्वादिधर्मसम्भवमाशङ्क्य पुनर्निरस्यते VedāntKau. 65. 19 (*on* i. 2. 20); प्रणवजीवपक्षयोरदृष्टत्वादिविशेषितद्रष्टृत्वाद्यसंभवात् BrahmSūBh.(S'rī.) i. 423. 9 (*on* i. 3. 11); श्रुतानामदृष्टत्वादीनां सम्भवेऽपि द्रष्टृत्वादीनामात्मश्रुतेर्नियन्तृत्वस्य मुख्यतया तस्मिन्नसम्भवात् S'ivārkaMaDī. 369. 8 (*on* i. 2. 19); कश्चियोगी स स्यात् सर्वान्तःप्रवेशनान्तर्धानशक्तिभ्यां नियन्तृत्वादृष्टत्वादेस्तत्र योगात् GoviBh. 35. 8 (*on* i. 2. 18); **ii** the state of being an unseen cause etc. महाप्रलयकाले … आसीत्तमोमयं सर्वम् … अदृष्टत्वादिरहितं शब्दस्पर्शसमुज्झितम् S'ivaP. ii(1). 6. 6 (43A. 12)

अदृष्टत्वापत्ति (adṛṣṭatvāpatti) *f.* contingency of being invisible अदृष्टसामग्रीजन्यत्वेऽदृष्टत्वापत्तिः TattvCin. ii(2). 11. 12.

अदृष्टत्वावान्तरजातित्व (adṛṣṭatvāvāntarajāti-tva) *n.* the state of being a sub-genus of the genus 'unseen' (cause or effect) परिव्राजकत्वस्य गार्हस्थ्याद्यवस्थायामभावेन जातित्वाभावात् करणचरणत्वयोश्चादृष्टत्वावान्तरजातित्वात् VedāntKa. 351. 13 (*on* iii. 1. 10)

अदृष्टत्वाश्रुतत्वश्रवण (adṛṣṭatvāśrutatva-śravaṇa) *n.* Vedic statement of something being beyond the range of sight and audition अदृष्टत्वाश्रुतत्वश्रवणं चक्षुःश्रोत्रागोचरे तस्मिन् परमेश्वर इवोपपद्यते S'ivārkaMaDī. i. 421. 10 (*on* i. 3. 9).

अदृष्टदर्शन (adṛṣṭa-darśana) *n.* **i** vision of the invisible अथातोऽदृष्टदर्शनानाम् SāmaviBr. iii. 4. 1 (Sāy. अदृष्टाः … यैर्दृश्यन्ते तानि अदृष्टदर्शनानि) [pw.]; **ii** seeing what is not worth seeing लोकश्चायमदृष्टदर्शनदशादृग्वैशसादुद्धृतो S'atTrayī. 574; अदृष्टदर्शनकृता दृग्वैशसादुद्धृतः VakroJī. 60. 1; Subhāṣi. 1017; **iii** seeing the unseen (what was not seen before) सुखं तु देशान्तरे संभवति यत्प्रत्यहमदृष्टदर्शनम् … जायते PuruṣPa. 66. 27; **iv** perception of what is (hitherto) unseen अदृष्टदर्शनस्य चाभेदापबाधने सामर्थ्याभावात् BrahmSi. 54. 18; **v** showing that which has been unseen (unknown) प्रत्यक्षादिप्रमाणानुपलब्धे हि विषये … श्रुतेः प्रामाण्यं न प्रत्यक्षादिविषयेऽदृष्टदर्शनार्थविषयत्वात् प्रामाण्यस्य GītāBh.(S'aṅ.) 560. 12 (*on* 18. 66)

अदृष्टदशरथ (adṛṣṭa-daśaratha) *adj.* who has not seen Daśaratha अदृष्टदशरथादीनां चेदानीन्तनानां दशरथपदादन्येषामपि … केन रूपेण पदार्थोपस्थितिः PadārthaTaNi. 60. 4–61. 4; अदृष्टदशरथत्वादिविशिष्टे शक्तिग्रहाद्यनुरोधेन … आकाशादिपदजन्यायाश्च स्मृतेः स्वीकारात् GuruCandr. ii. 405. 17.

अदृष्टदहनी (adṛṣṭa-dahanī) *adj.* (*f.*) burning invisibly इमां खनाम्योषधिमदृष्टदहनीमहम् AV.(P.) ix. 6. 1.

अदृष्टदुःख (adṛṣṭa-duḥkha) *adj.* [*f.* –ā] who has not seen (i. e. experienced) misery अहमाश्वासयाम्येनाम् …। अदृष्टपूर्वां दुःखस्य (v. l. अदृष्टदुःखां दुःखार्ताम्) MahāBhā. iii. 65. 25; अदृष्टदुःखो धर्मात्मा सर्वभूतप्रियंवदः। मयि जातो दशरथात् Rāmā. ii. 21. 2; ii. 38. 7; ii. 44. 27; ii. 46. 20; अदृष्टदुःखेव सखि प्रयासि मे कुतः प्रियालिङ्गनभङ्गहेतुताम् VikraDeC. 13. 76; मनांसि दुःखैर्न हीनवर्गस्य तथा व्यथन्ते। अदृष्टदुःखान्यतिसौकुमार्याद्यथोत्तमानां व्यसनागमेषु JātaMā. 164. 4 (25. 7)

अदृष्टदुःखत्व (adṛṣṭaduḥkha-tva) *n.* the state of (suffering) misery due to fate श्रीवासुपूज्यशिष्ययोः … मुखाददृष्टदुःखत्वे हेतुं प्राग्जन्मचीर्णं रोहिणीतपः श्रुत्वा ViviTīKa. 65. 7.

अदृष्टदृष्टप्रनष्ट (adṛṣṭa-dṛṣṭa-pranaṣṭa) *adj.* unseen, seen and then lost तत्र … को वा प्रलापः अदृष्टदृष्टप्रनष्टभ्रान्तिभूतेषु भूतेषु GītāBh.(S'aṅ.) 43. 18 (*on* 2. 28)

अदृष्टदृष्टसंस्कारनिचय (adṛṣṭadṛṣṭasaṁskāra-nicaya) *m.* collection of consecrations with unseen and seen (effects) अदृष्टदृष्टसंस्कारनिचयरूपयूपस्यापादानत्वासंभवेन तदाश्रयखादिरादिकाष्ठलक्षणावश्यंभावादधिका च तव षष्ठ्या अपादाने लक्षणा MayūMāli. 366. 19 (*on* iv. 2. 1)

अदृष्टदृष्टि (adṛṣṭa-dṛṣṭi) *adj.* knowledge of which is not grasped अदृष्टदृष्टयोऽन्येन द्रष्ट्रा दृष्टा न हि कचित् PramāVār. 3. 468; *f.* **i** comprehending what has not been comprehended (the four Āryasatyas) अदृष्टदृष्टेर्दृङ्मार्गस्तत्र पञ्चदश क्षणाः AbhidhK. 6. 28; **ii** sight of something unseen (before) न चादर्शने असिद्धे, अदृष्टदृष्टिः सिध्येत् IṣṭaSi. 23. 22.

अदृष्टदेवता (adṛṣṭa-devatā) *f.* unseen deity, invisible goddess न हि … अदृष्टदेवतापरिग्रहार्थत्वमर्थवादमात्रोपयुक्ताद्वाक्यशेषात्कल्पयितुं शक्यम् S'āstrDī. 853. 1 (*on* xii. 1. 12); अदृष्टदेवताक्षिप्तशिलावर्षणसंकुलम्। राजद्वारम् … अभवद्विस्मयावहम् RājTa.(Prā.) 527.

अदृष्टदैवत (adṛṣṭa-daivata) *n.* invisible deity अदृष्टदैवतशुभवचनमिव किञ्चिद्वैतालिकसुभाषितमिदम् HammīMaMa. 1. 26(1)

अदृष्टदोष (adṛṣṭa-doṣa) *adj.* [*f.* –ā] **1** who has not seen any fault स बालभावाददृष्टदोषः संग्राममवतीर्णः कुमारोऽभिमन्युः DūtGha. 8(8); **2** whose fault or defect is not seen, faultless, innocent व्यालहतादृष्टदोषवाक्प्रशस्तानभ्युक्ष्योपयुञ्जीत GautDS. ii. 8. 38; अवादीत्ततस्तां मेदिनीपतिः। अदृष्टदोषे किं कुर्मः RājTa.(Ka.) 4. 95; अनेनाहमदृष्टदोषा विरूपिता Tantrākhyā. 16. 15; PañcT. 1. 55(89) (58. 4); येनायम् … माम् … अदृष्टदोषमपि श्रोत्रियमिव सुरापाने … अतिदुष्करे कर्मणि समादिष्टवान् HarṣaC. 249. 5; कुलस्त्रीणामदृष्टदोषाणां भार्याणां त्यक्तारः ManuBh. i. 310. 8 (*on* 3. 235); न केनापि निष्करुणेनान्विष्टाहमदृष्टदोषा TilaMañ. 272. 17; क्वचिन्मूर्च्छितः कश्मलमुपगतो यथैवेहादृष्टदोषा उपरुद्धाः BhāgP. v. 26. 16; अदृष्टदोषां यः कन्यां विवेकेन विना त्यजेत् BhaviP. 427B. 33 (iii(2). 1. 64); कुलस्त्रीणामदृष्टदोषाणां ये त्यक्तारस्तेषाम्…यो विकिरः स भागः स्यात् ManvaMu. 134. 24 (*on* 3. 245); *m.* **1** unseen defect or sin सत्यपि सोमेनानुच्छिष्टत्वे तत्कृते चादृष्टदोषाभावे…सहभोजनाद् व्यलीकोत्पत्तेः … अनुज्ञावसरो भवति TantrVā. 1058. 7 (*on* iii. 5. 53); अदृष्टदोषशङ्कायाममानं सकलं भवेत् NyāyVi. 2. 402; अदृष्टदोषशङ्कायामन्यत्रापि प्रसज्यते PramāSaṁ. 3. 69; अदृष्टदोषं परिहृत्य शंसतः कलञ्जमास्वाद्य सुखित्वमात्मनः। पुमानबोधोपहतः समीहते SaṅkṣeS'ā. 1. 429 (i. 316. 11); नागरकाणामभावाददृष्टदोषाद्वा यः कश्चिदेक एव चरति JayaMa. 57. 16 (*on* 1. 4); उत्तरत्र च दारग्रहणमदृष्टदोषातिशयदर्शनार्थम् ManuBh. i. 377. 2 (*on* 4. 133); प्रजा हि द्वेषमत्सरादिभिः … अयथावदाचरन्ति … अदृष्टदोषेण बाध्येरन् ManuBh. ii. 70. 13 (*on* 8. 1); ii. 202. 4 (*on* 8. 304); अतस्तासाम् … समानोत्कृष्टजातिपुरुषाभिगमने नादृष्टदोषः Mitā. 315. 4 (*on* 2. 290); यज्ञादयश्चादृष्टदोषस्य निवारकतया बहिरङ्गाः VivaPraSaṁ. 129. 5. **2** fault of saluting the teacher improperly [JainL.]

अदृष्टदोषत्व (adṛṣṭadoṣa-tva) *n.* the state of no blemish being observed अन्याभिः (वेश्याभिः) अदृष्टदोषत्वात्संसृज्यन्त एवेत्यर्थोक्तम् JayaMa. 171. 18 (*on* 2. 9)

अदृष्टदौर्बल्य (adṛṣṭa-daurbalya) *n.* weakness of the invisible (effect) प्रकृतकर्तृनियमस्य प्रयोजनापेक्षावेलायां दृष्टे सति अदृष्टदौर्बल्याद् दृष्ट एव कर्तृणां सामर्थ्यरूपः संस्कारः कल्प्यते TantrVā. 1033. 17 (*on* iii. 4. 56)

अदृष्टद्रव्य (adṛṣṭa-dravya) *n.* element in the form of unseen (merit or demerit) अदृष्टस्य शास्त्रीयफलोपयोगिविपाकः परिणतिविशेषरूपः बुद्ध्यवस्थाविशेषरूपमदृष्टद्रव्यम् S'ivārkaMaDī. ii. 69. 5 (*on* ii. 2. 11)

अदृष्टद्वय (adṛṣṭa-dvaya) *n.* a pair of unseen (causes or effects) तददृष्टद्वयं तस्य, दूरस्थेन च विक्रिया S'lokaVār. 6. 114 (759. 3); इतरथा त्वदृष्टद्वयं कल्प्यमित्युक्तम् S'āstrDī. 107. 5 (*on* ii. 1. 3); तददृष्टद्वयं तज्जन्यकार्यगताल्पाधिककालावस्थानाभिसन्धिमत्परमेश्वरप्रेरणाधीनकर्मानुष्ठानप्रभवम् S'ivārkaMaDī. i. 112. 27 (*on* i. 1. 2); न तावत् 'यागेन सोमम्' इत्यन्वयः … यागस्य सोमार्थत्वापत्तेश्च। न चेष्टापत्तिः अदृष्टद्वयापत्तेः MīmāNyāPra. 196. 4; अतोऽदृष्टद्वयापातान्न यागस्य सोमार्थत्वमिति MīmāNyāPra. 196. 12; 'अग्नये शुचये' इत्यादौ द्वयोरपि … पर-

स्परानपेक्षा तत्रापि … अदृष्टद्वयकल्पनापादकमेदस्यान्याय्यत्वाच्च … परस्परान्वयः MīmāKau. i. 185. 19 (*on* i. 4. 13); इह तु विनियोज्यस्यैकमन्त्रत्वमेवादृष्टद्वयकल्पनामीरया निश्चितम् MayūMāli. 117. 9 (*on* ii. 1. 15)

अदृष्टद्वार् (adṛṣṭa-dvār) *f.* **अदृष्टद्वारा** [Inst.] through unseen (cause or effect, merit or demerit) अदृष्टद्वारा चेदसम्बद्धस्य तदसम्भवाज्जलादिवदङ्कुरे SāṁkhyaPraSū. 6. 61; केवलकर्मणामदृष्टद्वारा कालान्तरभाविफलदातृत्वम् … नोपपद्यते LalitāTriBh. 274. 4 (*on* 9); 320. 11 (*on* 39); सर्वलोकभूतनियन्तृत्वं च जीवस्यादृष्टद्वारा Bhām. 181. 16 (*on* i. 2. 18); यद्येवं सम्प्रदानतयादृष्टद्वाराधिष्ठातृतया वा आत्मनामपि सर्वोत्पत्तिमन्निमित्तकारणत्वमस्ति Kiraṇā. 39. 5; अपूर्वन्तु न तथा … न तु … °अङ्गयागवददृष्टद्वारा TattvCin. i. 30. 5; i. 60. 3; i. 67. 1; ii(2). 3. 1; (आत्मा) स्वप्नदेहमदृष्टद्वारा स्वयं निर्माय स्वेन भासा वासनाजन्यज्ञानेन युक्तः … प्रस्वपिति VedāntKa. 365. 7 (*on* iii. 2. 4); न च समुद्रध्यानवत् आत्मज्ञानस्यादृष्टद्वारा कर्मशेषत्वात् समुद्रवदात्मा न कर्मशेषः इति वाच्यम् S'rutaPra. iA. 28. 22 (*on* i. 1. 1); न पुनः कर्मणोपासनेन वा विहितेनादृष्टद्वारा S'atDū. 53. 13; ध्यानस्य दर्शनोपकारकत्वं किमदृष्टद्वारा उत दृष्टद्वारा S'atDū. 59. 19; 222. 7; (जीवस्य) युगपदखिलभुवनेषु अदृष्टद्वारा तत्कार्यसिद्धये विभुत्वकल्पनमयुक्तम् NyāySiA. 213. 30; 230. 28; अदृष्टद्वारा क्षित्यादेरपि जन्यप्रयत्नजन्यत्वात् Upask. 94. 14 (*on* ii. 1. 19); SarvaDaKau. 21. 7; 134. 5; अदृष्टद्वारा फलसंपादनसंभवात् आवृत्तिरप्रयोजिका AṇuBh. 302. 24 (*on* iv. 1. 1); न हि वाक्यमदृष्टद्वारा भ्रमनिवर्तकम् Nyāyāmṛ. 484A. 7; ननु … अदृष्टद्वारा भोक्तृभ्यो भोगायतननिर्माणं भवतु SāṁkhyPraBh. 160. 29 (*on* 6. 61); YuktiSneha. 27. 15 (*on* i. 1. 2); अदृष्टद्वारा तद्धेतुशब्देऽतिव्याप्तिराह AlaṅkāS'e. 1. 1B (3); S'ivārkaMaDī. i. 380. 22 (*on* i. 2. 22); i. 139. 12 (*on* i. 1. 3); MayūMāli. 59. 15 (*on* ix. 1. 3); अतोऽदृष्टद्वारा मङ्गलस्य … समाप्तिजनकत्वम् BhāṭṭCin. i. 5. 26 (*on* i. 1. 1); बलवदनिष्टाननुबन्धित्वे सति यददृष्टद्वारा फलकरणमदृष्टभिन्नं च स धर्मः BhāṭṭDī. i. 4. 3 (*on* i. 1. 2); अदृष्टद्वारा हि तदाश्रयणेऽपि MīmāKau. iii(2). 285. 10 (*on* ii. 2. 26); यद्यप्यदृष्टद्वारा पाकानुकूलकृतिमतोऽपि न पाकादिकर्तृत्वम् VyutpaVā. 160. 26; अदृष्टद्वारा दृष्टप्रयोजनककर्मप्रतिपादकवाक्यबहुलश्चाथर्वा VīraMi. 12. 26 (*on* 1. 3); अदृष्टद्वारा भूतोत्पत्त्यादिहेतुत्वसंभवाच्च जीवः स्यात् GoviBh. 7. 3 (*on* i. 1. 2)

अदृष्टद्वार (adṛṣṭa-dvāra) *adj.* with the agency of the unseen संभवति च समिदादिक्रियाणां यागविषयत्वमदृष्टद्वारम् । अवघातादीनां तु दृष्टद्वारम् S'āstrDī. 238. 7 (*on* iii. 3. 4)

अदृष्टद्वार (adṛṣṭa-dvāra) *n.* [Inst.] by the agency of the unseen effect कर्तृजन्यतापि तथा, अदृष्टद्वारेण जीवजन्यत्वात् PrakaVi. 41. 15; आज्यावेक्षणव्रीहिप्रोक्षणादिवददृष्टद्वारेणोपपत्तेः TattvPradī.(Ci.) 346. 7; न च जीवानामेवादृष्टद्वारेण कर्तृत्वोपपत्तेरसिद्धसाध्यता NyāyKu. 90. 1; 93. 13; दृष्टद्वारभेदाभावेऽप्यदृष्टद्वारभेदात्सहानुष्ठानसंभवाच्च विकल्पो न NyāyMāVi. 687. 21 (*on* xii. 3. 3); शतयातनासाधनत्वमपि नादृष्टद्वारेण VedāSaṁ. 155. 11; श्रवणमननयोर्निदिध्यासितव्यगुणांशे दृष्टद्वारान्यत्र त्वदृष्टद्वारेण निदिध्यासनाङ्गता Nyāyāmṛ. 623B. 11; 290A. 7; (सत्यासस्य) अन्ये त्वदृष्टद्वारेण श्रवणेऽस्याङ्गतां जगुः VedāntSiSūMañ. 3. 10.

अदृष्टद्वारक (adṛṣṭadvāra-ka) *adj.* having the unseen (result) as the intermediary cause अभ्यङ्गस्य मरणोद्देशेनाक्रियमाणत्वात् अदृष्टद्वारकपदवैयर्थ्यात् YuktiSneha. 27. 17 (*on* i. 1. 2); वैशेषिकादिनयेनादृष्टद्वारकमात्मकारणत्वमभ्युपेत्य तत्संबन्धघटकतयात्मनोऽधिष्ठातृत्वं स्थापितम् SāṁkhyaPraBh. 161. 5 (*on* 6. 61); न तु अदृष्टद्वारकं जीवजन्यत्वादिकम्, तस्य पुरुषयत्नेन विलम्बितं बुद्धिस्थिरीकर्तव्यत्वात् PūrvottaVāNaMā. 233. 3; (भृतकाः … दृष्टार्था अदृष्टार्थाश्च) दृष्टद्वारकोपकारकारित्वेन दृष्टार्थत्वम्, अदृष्टद्वारकोपकारित्वेन चादृष्टार्थत्वं द्रष्टव्यम् VīraMi. (Rājanīti.) 176. 20; अदृष्टद्वारकजन्यकृत्यजन्यानि जन्यानि अदृष्टद्वारकापरोक्षज्ञानचिकीर्षाकृतिमज्जन्यानि जन्यत्वात् S'ivārkaMaDī. i. 142. 26 (*on* i. 1. 3); यदि च तत्र हिंसात्वाभावेऽप्यदृष्टद्वारकमरणानुकूलव्यापारस्याभिचारत्वेन … तत्राधर्मत्वं विभाव्यते । तदा तस्यान्यतररूपेण धर्मत्वेऽपि न क्षतिः BhāṭṭCin. i. 8. 2 (*on* i. 1. 2); अभिचारं अदृष्टद्वारकवैरिमरणसाधनक्रियाम् … परावर्त्य LalitāSaBh. 214. 25–26 (*on* 268)

अदृष्टद्वारकत्व (adṛṣṭadvāraka-tva) *n.* the state or nature of having the unseen (result) as its intermediary cause प्रकृते त्वदृष्टद्वारकत्वात् सकृत्कृतेनैवादृष्टद्वारा फलसंपादनसंभवादावृत्तिरप्रयोजिका AṇuBh. 302. 23 (*on* iv. 1. 1); यागस्यावघातादिवत्संस्कारकत्वायोगेन प्रोक्षणादिवददृष्टद्वारकत्वावश्यम्भावात् MīmāKau. iii(2). 8. 20 (*on* ii. 1. 3); अदृष्टप्रागभावेत्यादिविशेषणस्यादृष्टद्वारकत्वमर्थः S'ivārkaMaDī. i. 141. 26 (*on* i. 1. 3)

अदृष्टद्वारकल्पन (adṛṣṭadvāra-kalpana) *n.* assumption of the unseen (result) as the intermediary cause अङ्गाङ्गिभावस्याद्याप्यनिश्चितत्वात् दृष्टद्वारस्यासिद्धेः अदृष्टद्वारकल्पने गौरवात् S'atDū. 60. 9.

अदृष्टद्वारकल्पना (adṛṣṭadvāra-kalpanā) *f.* assumption of the unseen (result) as the intermediary cause दृष्टद्वारे सम्भवत्यदृष्टद्वारकल्पनायोगात् S'ivārkaMaDī. i. 24. 9 (*on* i. 1. 1); i. 29. 12 (*on* i. 1. 1)

अदृष्टद्वारता (adṛṣṭadvāra-tā) *f.* the state of being achieved through the unseen effect विघ्नध्वंसानुत्पादयोरारब्धनिर्वाहकालावस्थायिनोर्मङ्गलादेवोत्पत्तेर्न तदर्थमदृष्टद्वारता TattvCin. i. 82. 1.

अदृष्टधनागम (adṛṣṭa-dhanāgama) *adj.* whose source of income is not known ये च निराया अदृष्टधनागमा व्ययवन्तश्च भवन्ति … ते चौरशङ्कया ग्राह्याः Aparā. 840 7 (*on* 2. 268)

अदृष्टधामन् (adṛṣṭa-dhāman) *adj.* whose dwelling is invisible नमः … अदृष्टधाम्ने … दधे स्वयंभुवे BhāgP. vi. 4. 23.

अदृष्टधूम (adṛṣṭa-dhūma) *m.* smoke which is not visible अन्यवेश्मस्थिताद्धूमान्नवेश्मान्तरमग्निमत् । प्रमीयते न चादृष्टधूमैरिति हि निश्चितम् TantrVā. 180. 10 (*on* i. 3. 11)

अदृष्टनन्दनवदनत्व (adṛṣṭanandanavadana-tva) *n.* the state of not being able to see the face of the son इन्द्रदत्तश्रेष्ठी … तं जातमुपलभ्य स्वयमदृष्टनन्दनवदनत्वात्तद्बुद्ध्या साध्वनुरुध्य YaśasCam. ii. 340. 10.

अदृष्टनर (adṛṣṭa-nara) *m.* one type of a treaty (*lit.* not contracted in person) अदृष्टनर आदिष्ट आत्मापि स उपग्रहः । … संधयः षोडशेरिताः AgniP. 239. 7; NītiSā. 9. 3; Hitopa. 4. 111; cf. **अदृष्टपुरुष.**

अदृष्टनष्टसूर्य (adṛṣṭanaṣṭa-sūrya) *adj.* where the sun is hardly visible or has disappeared अदृष्टनष्टसूर्येषु मणिकुट्टिमकान्तिषु । … काननेषु … मध्याह्नं गमयेत्सुखी AṣṭāHṛ. i. 3. 24 (comm. तथा क्वचित्प्रदेशेऽदृष्टः ईषद्दृष्टः, क्वचिदतिघनत्वान्नष्टो न दृश्यते सूर्यो येषु)

अदृष्टनाश (adṛṣṭa-nāśa) *m.* destruction of the unseen (cause like merit or demerit) गतिप्रतीत्योः कारणान्याश्रयः तान्यदृष्टतः । अदृष्टनाशादगतिस्तत्संस्कारो न चेतना PramāVār. 2. 263; न चैवम् – ज्ञानोत्तरमनःपरिणामस्याप्युत्पत्तिर्न स्यात् अदृष्टनाशस्य ज्ञानस्वरूपस्य जातत्वात् LaCandr. 256. 2.

अदृष्टनाशनाश्य (adṛṣṭanāśa-nāśya) *adj.* to be destroyed by the disappearance of the unseen (cause) द्वित्वादिकम् … । परमाणुद्व्यणुकादावतीन्द्रिये तु भगवदपेक्षाबुद्धिजन्यमदृष्टनाशनाश्यम् TarkKau. 5. 7; चरमज्ञानस्यादृष्टनाशनाश्यत्वात् Upask. 321. 9 (*on* vii. 2. 8)

अदृष्टनिग्रहस्थाना (adṛṣṭa-nigrahasthānā) *adj.* (*f.*) **i** where the points or defeat (in debate) are not seen or found (गणाधिपः तां पुरीमविशत्) अदृष्टनिग्रहस्थानां प्रौढवादविधामिव । सदाचार्याहितच्छायाम् HarVi. 32. 11; **ii** where the places of imprisonment are not seen, HarVi. 32. 11.

अदृष्टनिचय (adṛṣṭa-nicaya) *m.* store of unseen (merit and demerit) अदृष्टनिचयं भोगेन क्षपयित्वा S'ivārkaMaDī. i. 154. 32 (*on* i. 1. 3)

अदृष्टनिबन्धन (adṛṣṭa-nibandhana) *adj.* [*f.* -ā] based on the unseen (merit and demerit) इत्यादिवचनोपदिष्टसामान्यसुखसाधनादृष्टनिबन्धनैवेयमिहाकृतकर्मणां वृष्टिपश्वादिसम्पदिति NyāyMañ. i. 254. 1; संस्कारोद्बोधश्चादृष्टनिबन्धनः । तस्य सुखदुःखहेतुत्वात् PrakaPañ. 184. 7; अदृष्टनिबन्धनमनःकर्मजः संयोगः PrakaVi. 661. 23; सर्वकार्येषु च दृष्टादृष्टनिबन्धनेषु तं बहिष्कुर्युः Bāla-Krī. ii. 169. 16 (*on* 3. 290)

अदृष्टनिमित्त (adṛṣṭa-nimitta) *adj.* [*f.* -ā] having an unseen cause (merit etc.) उभयथापि नादृष्टनिमित्तमणुषु कर्मावकल्पेत, अदृष्टस्याचेतनत्वात् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 369. 12 (*on* ii. 2. 12); 488. 1 (*on* ii. 3. 51); साप्यनियतफला भवतु । अथ सस्यसंपत्संपाद्यसुखसम्भोगसाधनभूतादृष्टनिमित्ता कारीरीष्टिरयाकृतायामपि कारीर्यामिति मन्यसे NyāyMañ. i. 253. 14.

अदृष्टनिमित्तत्ववत् (adṛṣṭanimittatva-vat) *adv.* as in the case of an unseen causal relationship यद्यपि च रसस्य जीवनपुष्टिबलारोग्येषु निमित्तत्वमनुपदमेव वक्ष्यति तथापि विशेषज्ञशास्त्रैकसमाधिगम्यत्वात् अदृष्टनिमित्तत्ववत् तदुपेक्ष्य तदितरप्रमाणगम्यनिमित्तत्वमिह व्यवच्छेद्यम् Kiraṇā. 170. 20.

अदृष्टनियम (adṛṣṭa-niyama) *m.* specification of the unseen (cause or effect) मनोनियमनिबन्धनश्चादृष्टनियमः TātpaṬ.(Vā.) 582. 22 (*on* iii. 2. 67); मा भूवन्नध्ययनादयः पुमर्थाः मा भूच्च तदाश्रितोऽदृष्टनियमः VedāntKa. 185. 6 (*on* i. 3. 34); अहमिदं फलं प्राप्नवानीति अभिसन्धिरदृष्टोत्पादिका तदनुकूलकृतिरित्येवमादि व्यवस्थितमिति तत एवादृष्टनियमो भविष्यति SiddhāLeSaṁ. 334. 9.

अदृष्टनिरपेक्ष (adṛṣṭa-nirapekṣa) *adj.* [*f.* -ā] independent of the unseen (merit) ततश्चादृष्टनिरपेक्षोत्पत्तिरस्य (स्वप्नज्ञानस्य) च बह्वाकुलयेत् इत्यत आह । सुखेति NyāyVārPari. 524. 16; न हि कुवत्मैना गच्छन्तं प्रति मार्गोपदेष्टा … लौकिकैरदृष्टनिरपेक्षैरुपक्रियते TattvPrakā. 96A. 4 (*on* ii. 2. 6); अज्ञाननिवर्तनेऽप्यदृष्टनिरपेक्षत्वात् … न नियमविधियुक्तः Nyāyāmṛ. 618B. 4; AdvaiSi. 865. 6.

अदृष्टनिरपेक्षत्व (adṛṣṭanirapekṣa-tva) *n.* the state of being independent of the unseen (merit) अदृष्टवत्तस्याप्यदृष्टनिरपेक्षत्वसंभवात् NyāySu.

(Ja.) 288B. 10 (*on* ii. 1. 4)

अदृष्टनिरपेक्षम् (adṛṣṭa-nirapekṣam) *adv.* independently of the unseen (merit) यदि परादृष्टं सृष्ट्युपक्रमे जनिमत्पूर्वादृष्टान्नैवोत्पद्यते। अपि त्वदृष्टनिरपेक्षमेव (जायते) NyāySu.(Ja.) 288B. 9 (*on* ii. 1. 4)

अदृष्टनिर्गम (adṛṣṭa-nirgama) *adj.* outlet of which is unseen तथैकपुरुषं राष्ट्रं बिलं चादृष्टनिर्गमम् BhāgP. vi. 5. 7.

अदृष्टनिर्भय (adṛṣṭa-nirbhaya) *adj.* not afraid of or not caring for the unseen (merit or demerit) को नामादृष्टनिर्भयः सर्वं मिथ्येति कल्पयितुमर्हेत् BrahmSūBh.(Bhā.) 99. 26 (*on* ii. 1. 14)

अदृष्टनिर्वर्तक (adṛṣṭa-nirvartaka) *adj.* producing the unseen (effect) साम ··· तत्पृष्ठमदृष्टनिर्वर्तकम् (*em.* तत्पृष्ठनिवर्तकम्) ṬupT. 214. 16 (*on* ix. 2. 47); cf. S'ābaBh. 1735 F. N. 2.

अदृष्टनिवर्त्य (adṛṣṭa-nivartya) *adj.* fit to be set aside by the unseen (merit or demerit) तद्वदेवादृष्टनिवर्त्यवासनाया अपि वास्तवसत्त्वप्रसङ्गात् S'rutaPra. iA. 52. 22 (*on* i. 1. 1)

अदृष्टनिवृत्ति (adṛṣṭa-nivṛtti) *f.* **i** destruction or disappearance of the unseen (merit and demerit) न ह्यदृष्टनिवृत्तिरप्यदृष्टान्तरसाध्या एकस्याप्यनपवर्गप्रसङ्गादिति Kiraṇā. 10. 12; **ii** unknown destruction (of ignorance) अथ अदृष्टं कर्मणामज्ञाननिवर्तकत्वं कल्प्यमिति चेत् न। ज्ञानेन अज्ञाननिवृत्तौ गम्यमानायामदृष्टनिवृत्तिकल्पनानुपपत्तेः BṛĀraUBh. 389. 1 (*on* iii. 3. 1)

अदृष्टनिश्चय (adṛṣṭa-niścaya) *m.* ascertainment of the unseen (result) कारीरीष्ट्युक्तवृष्टिश्च द्रष्टव्यादृष्टनिर्णये(v. l. °निश्चये) SarvaSiSaṁ. 5. 13.

अदृष्टनिष्ठ (adṛṣṭa-niṣṭha) *adj.* dependent upon the unseen (merit or demerit) नूनं ह्यदृष्टनिष्ठोऽयमदृष्टपरमो जनः। अदृष्टमात्मनस्तत्त्वं यो वेद न स मुह्यति BhāgP. x. 5. 30.

अदृष्टनिष्पत्ति (adṛṣṭa-niṣpatti) *f.* origination of the unseen (effect) स्वर्गाद्यनुपभोगप्रसङ्गश्च प्रदेशवादिनः स्यात्, ब्राह्मणादिशरीरप्रदेशेष्वदृष्टनिष्पत्तेः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 489. 19 (*on* ii. 3. 53); प्रत्यात्मं संयोगभेदेऽपि हेत्वविशेषाददृष्टनिष्पत्तिस्तुल्या स्यात् VedāntKa. 328. 15 (*on* ii. 3. 43)

अदृष्टपदशेखर (adṛṣṭa-padaśekhara) *adj.* whose foot as well as head are not seen (i. e. whose full form is never seen or known) नाल्पपुण्यैरुपास्येत त्वद्रूपं महदद्भुतम्। मया च ब्रह्मणा चैवमदृष्टपदशेखरः SkandP. i(3A). 2. 44; i(3A). 5. 55.

अदृष्टपर (adṛṣṭa-para) *adj.* superior to which is not seen भो भो पश्यत पश्यत। अदृष्टपर (v. l. °वर)मीदृक्षमाकारं भुवनातिगम् (बलदेवस्य) PadmP.(Ra.) 120. 7.

अदृष्टपरचक्रा (adṛṣṭa-paracakrā) *adj.* (*f.*) which has not experienced the attack of the hostile army अदृष्टपरचक्रान्ता (? °क्रां ता)मेकचक्रां पुरीं तदा। भयस्याभिज्ञतां निन्युस्तान्यरिष्टानि सर्वतः PāṇḍaC. 7. 429.

अदृष्टपरम (adṛṣṭa-parama) *adj.* having destiny as the highest control नूनमदृष्टनिष्ठोऽयमदृष्टपरमो जनः BhāgP. x. 5. 30.

अदृष्टपरमार्थत्व (adṛṣṭaparamārtha-tva) *n.* the state of not having known the highest truth अहं ममेत्यसद्रूपमेव चेतः प्रपश्यति। अदृष्टपरमार्थत्वादाशाविवशसंस्थिति YogVā. iii. 67. 15.

अदृष्टपरमेश्वर (adṛṣṭa-parameśvara) *adj.* **i** who has not met the emperor अवकेशीवादृष्टपरमेश्वरो बन्धुमध्यमधिवसन्नपि न मे बहुमतः HarṣaC. 87. 2; **ii** which has not seen (the light of) the sun, HarṣaC. 87. 2.

अदृष्टपरसामर्थ्य (adṛṣṭa-parasāmarthya) *adj.* who has not experienced the strength or power of the enemies अदृष्टपरसामर्थ्यः सदर्पः को भवेन्न हि Hitopa. 3.39.

अदृष्टपरस्पर (adṛṣṭa-paraspara) *adj.* who have not seen or met each other, mutually unknown अभिययौ स हिमाचलम् ···। क्षितिनभःसुरलोकनिवासिभिः कृतनिकेतमदृष्टपरस्परैः Kirātā. 5. 3; अदृष्टपरस्परैः इत्यादौ सोल्लुक् प्राप्तः SiddhāKau. 330A. 2; तिरुवेङ्कटनृपालः समागच्छन् अधिसरणि अदृष्टपरस्परैः ··· प्राणिभिः कृतनिकेतनम् ··· नारायणशिलोच्चयं व्यलोकयत् ĀnandRa. 2. 43(10)

अदृष्टपराक्रम (adṛṣṭa-parākrama) *adj.* whose valour or strength is not seen or known नानुग्रहभृतः कश्चिन्न चादृष्टपराक्रमः MahāBhā. iii. 16. 22; ऊचुर्वाचम् ··· रामम् ··· दृष्टादृष्टपराक्रमम् Rāmā. iii. 19. 12 (Tilaka. अदृष्टपराक्रमांमिति छेदः। संधिरार्षः)

अदृष्टपरिकल्पन (adṛṣṭa-parikalpana) *n.* assumption of the unseen effect तस्मात् प्रकाशनेनैवं मन्त्राणामुपकारिता। उपायनियमादेव त्वदृष्टपरिकल्पनम् S'āstrDī. 16. 5 (*on* i. 2. 4)

अदृष्टपरिकल्पना (adṛṣṭa-parikalpanā) *f.* **i** assumption of an unseen or unknown entity तद्दृष्टहानिरन्येषामदृष्टपरिकल्पना। स्वातन्त्र्यदृष्टेर्भूतानामदृष्टेर्गुणभावतः NyāyVi. 2. 237; न हि दृष्टे दृष्टप्रकारानुपातिनि हेतावदृष्टपरिकल्पनावकाशोऽस्ति SphoṭSi. 30. 5; दृष्टात् कार्योपपत्तौ च नादृष्टपरिकल्पना TattvBi. 8. 5; **ii** assumption of the unseen (merit or consequence) तत्र शक्तितो व्यापारतो वा पूर्वं परं सहायतामुपयद् भिनत्ति, न तु केवलात् फलोपजनः। क्रमविशेषाम्नानसामर्थ्याच्च तत्रादृष्टपरिकल्पना SpoṭSi. 38. 7; लभ्यमाने फले दृष्टे नादृष्टपरिकल्पना S'āstrDī. 6. 5 (*on* i. 1. 1); 16. 2 (*on* i. 2. 4); व्याकरणादीनाम् ··· दृष्टकिञ्चित्कारे सम्भवति तत्प्रवाहेण चादृष्टपरिकल्पनायोगात् पदाद्यवबोधरूपदृष्टकिञ्चित्कार एव स्वीकार्यः S'rutaPra. iA. 35. 17 (*on* i. 1. 1)

अदृष्टपरिग्रह (adṛṣṭa-parigraha) *m.* assistance of an unknown entity (i. e. destiny) मनस्तु ··· प्रयत्नादृष्टपरिग्रहवशादाशुसञ्चारि चेति PadārthSaṁ. 89. 20 = NyāyKa. 93. 21–22; Kiraṇā. 157. 14.

अदृष्टपरिपन्थिन् (adṛṣṭa-paripanthin) *m.* unseen obstacle (or demerit) (यज्ञादीनि) पूर्वाण्यदृष्टपरिपन्थिनिबर्हणानि SaṁkṣeS'ā. 3. 346 (ii. 342. 14)

अदृष्टपरिपाक (adṛṣṭa-paripāka) *m.* fruition of the unseen (agency like merit or demerit) न च य एकं स्मरति तेनापरमपि स्मर्तव्यमिति कश्चिन्नियमहेतुरस्ति ··· अदृष्टपरिपाकोद्बोधितस्य संस्कारस्य तन्नियमेन नियमोपपत्तेः TātpaṬ. (Vā.) 517. 12 (*on* iii. 1. 23); तथा चायमदृष्टपरिपाकवशात् ··· अनिष्टोपायं व्यापारयन्ननिष्टं प्राप्नुयात् Bhām. 493. 16 (*on* ii. 3. 37)

अदृष्टपर्यङ्क (adṛṣṭa-paryaṅka) *adj.* whose couch or stool (in the nether world) is invisible ओं नमो भगवते त्रिविक्रमाय ··· सन्त्रस्तसुरासुरवीक्षितायादृष्टपर्यङ्काय IśānSiPa. i. 36. 17 (23)

अदृष्टपर्यन्त (adṛṣṭa-paryanta) *adj.* whose farthest limit is not seen (सः) अदृष्टपर्यन्तमश्वसैन्यमपश्यत् Kād. 81. 21; धनं चादृष्टपर्यन्तं सूर्यपूजाविधेः फलम् SkandP. i(2). 43. 5.

अदृष्टपर्यन्तता (adṛṣṭaparyanta-tā) *f.* the state of being one whose farthest limit is not seen अदृष्टपर्यन्ततया दृष्टान्तमिव संसारस्य ··· अम्भोनिधिमपश्यन् TilaMañ. 120. 11.

अदृष्टपर्वत (adṛṣṭa-parvata) *adj.* who has not seen a mountain अदृष्टपर्वतः पूर्वं कथं तस्याश्रिशालितामवगच्छेत् MānaMe. 124. 8.

अदृष्टपलित (adṛṣṭa-palita) *adj.* who has not seen one's gray hair (i. e. not old) अदृष्टपलितैरस्मत्पूर्वजैरादृदे व्रतम् PariPar. 1. 102.

अदृष्टपातक (adṛṣṭa-pātaka) *adj.* whose sin is not disclosed सर्वं ग्रामम् ··· विचरेत् भ्राम्येत् जीवनार्थम्। केवलमभिशस्तान् कृतपातकत्वेन प्रसिद्धानदृष्टपातकानपि वर्जयित्वा ManuBh. i. 172. 2 (*on* 2. 185)

अदृष्टपार (adṛṣṭa-pāra) *adj.* **A** who has not found the outer limit i. e. end जननमरणयोरदृष्टपारो न पुरमहं कपिलाह्वयं प्रवेष्टा BuddhaC. 5. 84; **B** whose other end is not seen or is invisible अदृष्टपारगम्भीरम् ···। पश्यन्तो विस्मयापूर्णाः समुद्रं विविधाद्भुतम् PadmP.(Ra.) 8. 508; अदृष्टपारमुद्वृत्तं बलम् ···। रामः ··· दुःखं जयति संयुगे PadmP.(Ra.) 72. 32 प्राप्तवानथ दैत्येन्द्रसिंहद्वारम् ··· अदृष्टपारसंसारप्रतिबिम्बमिवोत्थितम् HarVi. 32. 35; अदृष्टपारे संसारे ··· कर्मपरतन्त्राणां प्राणिनां सर्वमपि सम्भवति TilaMañ. 251. 13; अदृष्टपारतरुसरित्सरोवराढ्यं वैताढ्यभूधरमध्यारोहत् (हरिवाहनः) TilaMañ. 239. 1; निर्गमं देहि देवेश कुक्षेरत्यन्तविस्तरात्। अदृष्टपारात् GaṇeP. ii. 11. 27; लहरीभिरप्यदृष्टपारम् ··· तडागमद्राक्षीत् UdaySuKa. 130. 11; विश्वस्य पारं तमदृष्टपारम् पतिं जनानां शरणं व्रजामि Viṣāpahā. 35; BhikṣāKā. 36. 11; अदृष्टपारमविलङ्घ्यम्। ··· ऐक्षिषि विज्ञानसागरं महताम् VairāS'.(A.) 81; *n.* name of a lake आनन्दकारि दृष्टेरदृष्टपाराभिधानं सरो दृष्टवान् (समरकेतुः) TilaMañ. 205. 3; 243. 14; 250. 20; 337. 12; 350. 20; 394. 9; 404. 20; 408. 16.

अदृष्टपारपर्यन्त (adṛṣṭa-pāraparyanta) *adj.* the farthest end of which is not seen समुलङ्घ्य पुरः प्राप महाब्धिद्गगनान्तरम्। अदृष्टपारपर्यन्तमतिवेगेन धावता। सर्वतो गरुडेनापि कल्पकोटिशतैरपि YogVā. iii. 53. 13; असिन्नाकाशकुहरे ···। अदृष्टपारपर्यन्ते प्रथमं किमभूदिति YogVā. iv. 44. 44.

अदृष्टपारसरस् (adṛṣṭapāra-saras) *n.* the lake Adṛṣṭapāra अदृष्टपारसरस्तीरतटवनमितोऽन्नाजिषम् TilaMañ. 352. 21; अदृष्टपारसरःपरिसरस्थितम्···राज्ञो मेघवाहनस्य तनयम्···कुरु विद्याराधनपरम् TilaMañ. 401. 20; 393. 21; 394. 20; 418. 7.

अदृष्टपार्थिवास्थान (adṛṣṭa-pārthivāsthāna) *adj.* who has never seen a king's assembly अदृष्टपार्थिवास्थानैः शठैरव्यवहारिभिः। ऊचे तैः सान्त्वयन् राजा ··· अप्रियम् RājT.(Ka.) 8. 775.

अदृष्टपालित (adṛṣṭa-pālita) *adj.* protected by the unseen (cause i. e. destiny) त्रिकालदर्शी चादृष्टपालितोऽतिबलान्वितः। दयालुः सततं योगी RājTa. (Prā.) 494.

अदृष्टपीडा (adṛṣṭa-pīḍā) *f.* unseen trouble or suffering (in the next

world) विध्यतिक्रमजनितेन प्रत्यवायेनामुत्रिकदुःखोत्पादनमदृष्टपीडा ManuBh. ii. 70.12 (*on* 8.1)

अदृष्टपुञ्जरूप (adṛṣṭapuñja-rūpa) *adj.* having the form of an aggregate of unseen merits (caused by various sacraments) अग्नेरदृष्टपुञ्जरूपस्य अभ्यन्तरेण प्रत्याम्नायाभावेन पदान्तरप्रक्षेपासम्भवात् BhāṭṭCan. 18.11 (*on* xiii. 2.16)

अदृष्टपुत्रानन (adṛṣṭa-putrānana) *n.* the fact of not seeing a son's face (i. e. childlessness] तासु प्रजानामधिपः प्रजार्थी देवीषु … । अदृष्टपुत्राननवन्ध्यदृष्टिश्चिन्ताहृतात्मैव निनाय कालम् JānaHa. 1.44.

अदृष्टपुत्रास्य (adṛṣṭa-putrāsya) *adj.* who has not seen the face of a son (i. e. childless) त्वं युवादृष्टपुत्रास्यो नाधिकारी तपोविधौ PadmP. vi. 198.37.

अदृष्टपुरुष (adṛṣṭa-puruṣa) *m.* **i** unknown or unseen person अदृष्टपौरुषाणां (v. l. पुरुषाणाम्) च देशान्तरनिवासिनाम् । विना सङ्केतयोगेन न कुर्याद्द्रव्यसङ्गतिम् KulārT. 8.14; उक्तश्च केनाप्यदृष्टपुरुषेण TīrthaKa. 82.26; **ii** treaty in which the principal party is not seen (i. e. involved) एकेनान्यत्र यातव्यं स्वयं दण्डेन वेत्ययम् । अदृष्टपुरुषः सन्धिर्दण्डमुख्यात्मरक्षणः ArthS'ā. ii. 251.4 (7.3); त्वयैकेन मदीयार्थः सम्प्रसाध्यस्त्वसाविति । यत्र शत्रुः पणं कुर्यात् सोऽदृष्टपुरुषः स्मृतः NītiS'ā. 9.15 = Hitop. 4.122; [a treaty concluded by the parties personally (in which no third mediator is seen) MW.] cf. **अदृष्टनर.**

अदृष्टपुरुषव्यवहार (adṛṣṭa-puruṣavyavahāra) *adj.* inexperienced in the behaviour of a grown up person तेषामेको गोपः शलभनामा तत्रैव जातः तत्रैव वर्धमानोऽदृष्टपुरुषव्यवहार एव युवा बभूव PuruṣPa. 90.26.

अदृष्टपुरुषार्थ (adṛṣṭa-puruṣārtha) *m.* unseen or invisible aim of human being अदृष्टपुरुषार्थसिद्धिस्तदधीना ManuBh. i. 207.11 (*on* 3.4); न प्रत्यक्षमस्मदादीनां स्वर्गाद्यदृष्टपुरुषार्थसाधनानि कर्माणि दर्शयितुं प्रभवति NyāyMañ. i. 229.29.

अदृष्टपुष्टि (adṛṣṭa-puṣṭi) *f.* increase of unseen merit नाकं च सत्यलोकान्तमदृष्टपुष्ट्या प्राप्नोति (वेदार्थज्ञः) Aparā. 75.15 (*on* 1.51)

अदृष्टपूजित (a-dṛṣṭapūjita) *adj.* not seen and worshipped अदृष्टपूजितौ तौ (चपलेश्वर - भैरवशिवौ) हि नराणां विघ्नकारकौ SkandP. v(3). 28.142.

अदृष्टपूर्व (adṛṣṭa-pūrva) *adj.* [*f* –ā] **A i** not seen before (as a specific event) **A ii** not known or experienced before **B** who has not seen before **C i** not seen or known before (impossible) **ii** unusual, rare, strange, unnatural **iii** wonderful, unparalleled, excellent **D** not used before (words) **A i** not seen before (as a specific event) यो दद्यात् … अन्नं … श्रान्तायादृष्टपूर्वाय तस्य पुण्यफलं महत् MahāBhā. iii. 12*(4); ईदृग्गुणां नारीम् … अदृष्टपूर्वां पश्यस्व यतो जातोऽसि सूतज MahāBhā. iv. 443*(2); मोचयामास तुरगान्वितुन्नान्कङ्कपत्रिभिः । अदृष्टपूर्वं तद् दृष्ट्वा MahāBhā. vii. 75.2; अथापश्यत्स पीतोदं श्वापदं घ्राणचक्षुषम् । अदृष्टपूर्वमपि तत्सत्त्वं तेन हतं तदा MahāBhā. viii. 49.37; अदृष्टपूर्वा या नार्यो भास्करेणापि वेश्मसु MahāBhā. ix. 28.71; xi. 9.9; अदृष्टपूर्वं पश्यन्त्यो दुःखार्ता भरतस्त्रियः MahāBhā. xi. 16.14; xiii. 62.14; यथा च दीर्घमध्वानं पद्भ्यामेव प्रपद्यते । अदृष्टपूर्वं सहसा तत्त्वदर्शनवर्जितः MahāBhā. xiv. 49.21; लतां वा पुष्पशालिनीम् । अदृष्टपूर्वां पश्यन्ती रामं पप्रच्छ साबला Rāmā. ii. 1180*(10); भूमिभागान् विविधान् …। अदृष्टपूर्वान् पश्यन्तस्तत्र तत्र यशस्विनः Rāmā. ii. 48.3; अदृष्टपूर्वं दृष्ट्वा तं नानारत्नमयं मृगम् । विस्मयं परमं सीता जगाम Rāmā. iii. 40.32; अदृष्टपूर्वा भगवन् कस्यापि … पत्नी Rāmā. vii. 49.3; कुशः … अदृष्टपूर्वां वनितामपश्यत् RaghuVa. 16.4; दृश्यते(? न्ते)ऽदृष्टपूर्वाणि निमित्तान्यशुभानि च BrahmāṇḍP. iii. 6.33; समस्तमपि तच्चक्रं शक्तीनां तत्पराक्रमैः । अदृष्टपूर्वैर्देवेषु विस्मयस्य वशं गतम् BrahmāṇḍP. iii. 26.117; भवति तु सामान्यप्रत्ययोऽदृष्टपूर्वायामपि गोव्यक्तौ S'ābaBh. 303.23 (*on* i. 3.33); कथमदृष्टपूर्वा अश्रुतपूर्वा इयमाश्चर्यपरम्परावृत्तिः KundaMā. 6.25 (2); अदृष्टपूर्वं परमप्रमेयम् AhirbuS. 44.41; तिस्रो वानर्योऽदृष्टपूर्वाः प्रतिवसन्ति स्म PañcT. 4.11(2) (380.1); अदृष्टपूर्वं सत्त्वं दृष्ट्वा PañcT. 4.17 (24) (389.17); अदृष्टपूर्वं कलिकालस्यापरिचितम् … आश्रममपश्यम् Kād. 40.11; अदृष्टपूर्वं लक्ष्म्या महत्त्वे स्थितम् …हर्षमद्राक्षीत् HarṣaC. 113.7; अदृष्टपूर्वाः खल्वमी जनस्थानविभागाः MahāviC. 5.26 (4); न चादृष्टपूर्वस्यादृष्टसदृशस्य चोपमानविषयत्वम् TantrVā. 361.4 (*on* ii. 1.5); अदृष्टपूर्वं न कदाचिदपि दृष्टपूर्वं इदं विश्वरूपं … दृष्ट्वा हृषितः GītāBh.(S'an.) 329.15 (*on* 11.45); पश्येदानीं त्वयादृष्टपूर्वं विरहचारित्रम् ĀścaCū. 7.15 (21); अदृष्टपूर्वौ तौ दृष्ट्वा MahāP. 3.69; अदृष्टपूर्वा अपि खेचरौघैरलंकृताः काञ्चनमेखलाभिः HarVi. 5.71; न च तमोदृष्टिकाले तदाश्रयो गृह्यते स्मर्यते वा अदृष्टपूर्वः IṣṭaSi. 68.15; स सांगतिकशब्देन युक्तः प्रतिषेद्धुं प्रागदृष्टपूर्वोऽपि ManuBh. i. 251.16 (*on* 3.93); परिभ्रमन्नदृष्टपूर्वं गोसदृशं प्राणिनमुपलभमान एवं बुध्यते NyāyMañ. i. 133.5; काकुत्स्थः … अदृष्टपूर्वम् । अद्राक्षीत् … देवारिं दिवमपिधाय निष्पतन्तम् RāmC. 34.1; अयमभिवादनाशिषोर्विधिरदृष्टपूर्वे PārāSū. 35.4; नागरः प्रत्यक्षेणादृष्टपूर्वं पिण्डं पश्यति TātpaṬ.(Vā.) 58.21 (*on* i. 1.1); ततो नगरमालोक्यादृष्टपूर्वं मनोहरम् BṛKathāK. 19.23; भवन्ति ह्रीमानीन्द्रियाण्यदृष्टपूर्वेष्वपि प्रियजनेषु प्रायेण प्रातस्तपनतेजांसीव रागोल्बणवयांसि YaśasCam. i. 156.9; दिवसमणिमदृष्टपूर्वमाराद् द्रष्टुमागतेन पौर्णमासीहिमगभस्तिनेव … अनुगम्यमानः TilaMañ. 68.11; कदाचिददृष्टपूर्वम्…कल्पतरुखण्डमपश्यत् (समरकेतुः) TilaMañ. 213.20; युवराज दृष्टेयमदृष्टपूर्वा मानुषैः…भूमिः TilaMañ. 280.17; युद्धं समभवत् …अदृष्टपूर्वम् SkandP. iii(1). 11.20; ViṣṇuDhaP. iii. 237.17; अदृष्टपूर्वमतिथिमागतं प्राक् समर्चयेत् NaraP. 58.94; अर्थापत्तिरपि न…प्रमाणेनादृष्टपूर्वेषु प्रवर्तते Kāśi. i. 241.22 (*on* 4.89); न तारकादावदृष्टपूर्वं लिङ्गं, दृष्टैरेव कैश्चिद्रूपै रिङ्गनात् Kāśi. ii. 176.23 (*on* 5(3). 213); पर्यङ्कप्रवरे…उपविष्टा वराङ्गना । …अदृष्टपूर्वा सा दृष्टा DevīBhāP. iii. 3.40; अदृष्टपूर्वं युद्धं वै वर्ततेऽद्य सुदारुणम् DevīBhāP. iv. 9.33; बुभुजुस्ते … अदृष्टपूर्वाण्यन्नानि स्वादुमूलफलानि च GaṇeP. i. 78.11; S'ivaP. v. 11.36 (419A. 9); शून्ये ददृशतुर्व्योम महारम्भातिमन्थरम् । अदृष्टपूर्वमन्योन्यम् YogVā. iii. 24.10; वनदेवताभिरदृष्टपूर्वः … बभूव महान् … मृगयासंरम्भः UdaySuKa. 44.6; विलोक्यादृष्टपूर्वाणि पतितानि मुखानि सः RāmāMañ. 390.26; अल्पं ममैतद् दुहितुर्न योग्यं न च क्षणोऽस्ति त्वमदृष्टपूर्वः SamaMā. 3.31; न च भेदानामदृष्टपूर्वाणामन्वयग्रहणमस्ति NyāyRa. 389.10 (*on* 5.133); अधश्च तस्य रुदतीम् …। अदृष्टपूर्वाम् … स्त्रियमैक्षत KathāSaSāg. v. 2.139; अदृष्टपूर्वं विचित्रसंनिवेशं नरेन्द्रभवनमालोक्य BrahmSūBh.(Rā.) 140.6 (*on* i. 1.3); तीर्थेषु … अदृष्टपूर्वेषूदकेषु हस्तिनं … अवगाहयन्ति Hastyāyur. 66.8 (1.9); अदृष्टपूर्वो ददृशे पारिषद्यसमागमः RājTa.(Ka.) 8.902; अदृष्टपूर्वं तं दृष्ट्वा … भोजोऽयमिति मेनिरे RājTa.(Ka.) 8.3166; अदृष्टपूर्वो भावी वोऽपमृत्युर्बाढमन्यथा TriṣaS'aPuC. i. 4.445; वीरसहोदरे किमदृष्टपूर्वासि भ्रातृभुजपराक्रमाणाम् PārthPa. 17.9; बलभरोऽयमदृष्टपूर्वः AlaṅkāRa. 13 (21); गर्दभोऽपि … अदृष्टपूर्वं सत्त्वं दृष्ट्वा … तदेव नगरं जगाम Pañcā. 238.4; अदृष्टपूर्वं पश्य कन्यारत्नम् SamudraMa. 2.2 (2); अदृष्टपूर्वोऽयमिहास्ति दृश्यताम् NyāyKu. 153.8; किंनामायं तरूत्तमः । स प्राहादृष्टपूर्वोऽयं देव नाम न वेद्म्यतः SamarāSaṁ. 7.394; श्रीमज्जयसिंहनरेश्वरः । प्रवेशोत्सवमाधत्तादृष्टपूर्वं सुरैरपि PrabhāC. 168.7; स मन्त्री … नमस्करणायोपगतोऽदृष्टपूर्वमिव तं मुनिं प्रणम्य PrabaCin. 57.7; अदृष्टपूर्व श्रुतपूर्ववृत्तं दृष्ट्वातिमोदं स जगाम भट्टः S'āṅkaDigVi.(Mā.) 7.80; S'aṅkaVi.(Ā.) 19.12; अदृष्टपूर्वोऽयं देवः परमेश्वरः KumāPraPra. 91.33; अदृष्टपूर्वे प्रथमाभिभाषणं कथं विदध्याम् Nalābhyu. 4.36; अदृष्टपूर्वं नो जातु गतं श्रुतिपथं क्वचित् KathāKau. 2.42; अदृष्टपूर्वस्य हरेर्दिदृक्षोत्कण्ठितं मतम् BhaktiRaSi. iii. 2.51; सर्वे जगन्नाथदर्शनतोऽपि … अदृष्टपूर्वाः … प्राणिन उपतिष्ठन्ति CaitCa. 205.16 (9); 237.20 (10); उषा त्वत्पौत्रमेनमनिरुद्धमदृष्टपूर्वं स्वप्नेऽनुभूय … विरहातुराभूत् Nāray. x. 82.2; **A ii** not known or experienced before दृष्टो वादृष्टपूर्वो वा स यज्ञः सार्वकामिकः S'aṅkhaLiSm. 5; जनयन्ति च विस्मयमतिधीरधियामप्यदृष्टपूर्वाः … सृष्ट्यतिशयाः HarṣaC. 40.4; दिवाकरमित्रस्तु मैत्रीमयः प्रकृत्या विशेषतस्तेनापरेणादृष्टपूर्वेण … भूपतेः … प्रश्रयेण चाह्लादितश्चक्षुषि च चेतसि च युगपद्गृहीत् HarṣaC. 318.10; अदृष्टपूर्वे त्वज्ञानम् S'lokaVār. 5.102 (431.7); तच्च यद्यपि तादृशं अदृष्टपूर्वं तथापि … न तदभिधानमपेक्षते TantrVā. 255.4 (*on* i. 3.26); ननु नादृष्टपूर्वेऽर्थे क्वचिद्भवति भावना NyāyMañ. i. 99.27; °वाक्येषु पुनरतिचिरतरतिरोहिताक्षरपरम्परानुसंधानमतिक्लिष्टमदृष्टपूर्वमिति दुर्घटमेतत् NyāyMañ. i. 356.16; तद्देवैर्दिनपतिसंभवस्य भूयः संभूय स्तुतमितरेष्वदृष्टपूर्वम् RāmC. 34.31; न हि शाखाशब्दाददृष्टपूर्वस्यापि चन्द्रस्य प्रत्यक्त्वं प्रतीयते IṣṭaSi. 176.1; यस्यास्मासु … अदृष्टपूर्वा मैत्री च NalaCam. 5.2 (20); असाधारणो ह्यदृष्टपूर्वः क्वचिदपि न संशयं कर्तुमुत्सहते TātpaṬ. (Vā.) 256.20 (*on* i. 1.23); कथं ह्यदृष्टपूर्वा सा सदृशज्ञानगोचरा ĀgaPrā. 5.7; अदृष्टपूर्वमेव बुद्धिमत्कर्तारमुपस्थापयति ĪśvaSi.(Yā.) 79.3; दृष्टं चास्मिन्नदृष्टपूर्वमन्तःकरणमिव तावकीनमकृतपुण्यजनदुष्प्रवेशमिदं देवतायतनम् TilaMañ. 279.16; नेदमदृष्टपूर्वं यदनेकैरपि संबद्धं एकेनैव व्यपदिश्यते Kāśi. i. 233.20 (*on* 4.65); आगमो हि … अदृष्टपूर्वे तद्विरुद्धे च प्रवर्तितुं समर्थः Bhām. 465.13 (*on* ii. 2.38); अभिनवकविविरचितस्य वाक्यस्यादृष्टपूर्वस्याननुभूतचरवाक्यार्थबोधकत्वात् SāṁkhyaTaKau. 184.1 (*on* 5); अदृष्टपूर्वे सम्प्रति प्रत्यक्षे ज्ञानानुत्पत्तिः NyāyRa. 431.14 (*on* 5.102); न चैतस्या वेगलाघवमदृष्टपूर्वमालोचयता व्यग्रेण मया समुपलक्षितः … भूविभागः UdaySuKa. 128.16; तददृष्टपूर्वेषु नामीषु मे प्रत्यभिज्ञानम् PārthPa. 21.3; तिरोहिते नाकिपताकिनां पदैः पदे … अदृष्टपूर्वेव दिनेशसारथेर्दुरुन्नयासीदुदयास्तवर्तिनी NemiNir. 5.34; **B** who has not seen before दृष्ट्वा शुभं लिङ्गं … भवान्यदृष्टपूर्वा हि परिपप्रच्छ शंकरम् SkandP. iv. 67.9; **C i** not seen or known before (an impossible event or fact) अदृष्टपूर्वमस्तीति तृणाग्रे करिणां शतम् । यद्रूपं दृश्यतां यातं तद्रूपं प्राङ् न दृश्यते PramāVār. 2.166; PramāVāBh. 128.11; **C ii** unusual, rare, unused to, strange, unnatural तं (भीषणं रक्षः) समासाद्य … अदृष्टपूर्वं

संत्रासान्यमीलयत लोचने MahāBhā. iii. 12.16; अयमाश्वासयाम्येनां ··· अदृष्टपूर्वा दुःखस्य MahāBhā. iii. 65.25; अदृष्टपूर्वं पश्यामि शिलानामिव सर्पणम् MahāBhā. vii. 78.6; उपारमन्त ते सर्वे ··· अदृष्टपूर्वं पश्यन्तस्तद्युद्धं गुरुशिष्ययोः MahāBhā. vii. 163.23; चरन्त्यदृष्टपूर्वाश्च नानाकारा ह्यनेकशः VāyuP. ii. 8.179; BrahmāṇḍP. ii. 7.153; दृष्ट्वा च तमदृष्टपूर्वममानुषलोकोचिताकारं परस्परं विस्मयो हृदयम् Kād. 80.4; तमदृष्टपूर्वमादरातिशयम् ··· महामुनेरुपलभ्य AvantiKa. 145.14; य एवादृष्टपूर्वस्तस्मिन्समुदाये संप्रति दृश्यते स एवासाधारणतामापादयति TantrVā. 251.1 (*on* i. 3.26); अदृष्टपूर्वम् अद्भुतम् अकस्माद्दृश्यमानम् GītāBh.(S'aṅ.) 44.7 (*on* 2.29); तस्य कालेऽभवत्तेषां क्षणं पुत्रमुखेक्षणम् । अदृष्टपूर्वमायाणां महद्दुत्रासकारणम् MahāP. 3.122; तव चरितमदृष्टपूर्वमिह लोके Kāvyālaṅ.(Ra.) 9.40; दृष्ट्वा च तमदृष्टपूर्वमुपजातकुतूहलो ··· मुहूर्तमराजत TilaMañ. 25.9; सेनापतिरपि ··· अदृष्टपूर्वेण प्रत्युज्जीवनेन जनितविस्मयः TilaMañ. 96.22; 216.11; अदृष्टपूर्वा सर्वस्य जनस्य जनितस्मया (पुष्पवृष्टिः पपात) YogVā. i. 32.21; अथासौ···अदृष्टपूर्वं कुतूहलातिशयमालोक्य UdaySuKa. 16.6; अदृष्टपूर्वः पौराणां किमयं हर्षविप्लवः RāmāMañ. 54.25; अत्रान्तरे समुदभूदकस्मान्नाशसूचकः । अदृष्टपूर्वो भूभर्तुः सदाचारविपर्ययः RājTa.(Ka.) 7.695; अदृष्टपूर्वं संत्रासं तेऽप्यशश्विवदाययुः RājTa.(Ka.) 8.1397; अदृष्टपूर्वासृग्वृष्टिरुत्पातकृदिवाभवत् TriṣaS'aPuC. iv. 1.646; अदृष्टपूर्वमालस्यं किं नृसिंहस्य तेऽधुना TriṣaS'aPuC. iv. 1.892; सिंहः ··· दृष्ट्वा च तमदृष्टपूर्वं ··· भयमुपागतः Pañcā. 94.12; लुब्धकोऽपि ··· अदृष्टपूर्वमिदमिति चिन्तयन् श्लोकमपठत् Pañcā. 128.2; अदृष्टपूर्वं महदेतत्कुतूहलम् SamudraMa. 1.28 (2); 3.7 (1); किमिदमदृष्टपूर्वं दृश्यते PrabaKa. 19.3; अदृष्टपूर्वं भुवि पूतनादेरुदन्तमुत्पातमुदीक्षमाणाः Yādavā. 4.39; उपहारजातम् ··· अपि गगनचरैरदृष्टपूर्वं सममवरोधजनस्य संविभेजे Yādavā. 24.20; अदृष्टपूर्वमस्माभिर्येदेवं दृश्यतेऽधुना । विषं विषधरैः पीतं मूर्च्छिताः पथिकाङ्गनाः S'ārṅgaPa. 3896; अदृष्टपूर्वं आचारः कः KumāDeC(So.) 23.21; RājTa.(S'rī.) 4.481; Subhāṣi. 1729; अदृष्टपूर्वा खलु कान्तिरीदृशी Rāgh. 1.16; **C iii** wonderful, unparalleled, very beautiful, excellent तदप्यदृष्टपूर्वं रूपमिव नृपकुमारस्यास्य दिव्यं देवतायतनमस्याः TilaMañ. 280.6; आनीतया झटिति रूपमदृष्टपूर्वम् । अङ्गेन पुष्पशरभङ्गतरङ्गितेन NavaSāC. 18.48; अदृष्टयैव सुरलोकसंभवाकारविभ्रमधरा मनोहराङ्गी तुरगी UdaySuKa. 124.12; दृष्ट्वा चादृष्टपूर्वं तत्तस्या नेत्रामृतं वपुः KathāSaSāg. vi. 8.99; अहो अदृष्टपूर्वमद्भुतमिदं स्त्रीरूपं प्रजापतेः सर्गे SamudraMa. 2.6 (11); सा ··· जिगाय ··· अदृष्टपूर्वेण जगत्त्रयेऽपि रूपेण रम्भामपि Nalābhyu. 1.26; तव रूपगुणांश्च तत्र गत्वा कथयिष्यामि जगत्यदृष्टपूर्वान् Nalābhyu. 2.19; **D** not used before (words) गृह्णातिशब्दश्च प्रयोजकक्रियायामदृष्टपूर्वः TantrVā. 1009.10 (*on* iii. 4.37)

अदृष्टपूर्वक (adṛṣṭa-pūrvaka) *adj.* never seen before तददृष्टपूर्वकं चरितमवलोकयितुम् ··· गच्छामः ViddhaS'ā. 2.3 (55); धर्मो नानुमानगोचरः, केनचिद्वस्तुना सहादृष्टपूर्वकत्वात् असाधारणवस्तुवत् YuktiSneha. 37.24 (*on* i. 1.4)

अदृष्टपूर्वकल्याण (ardṣṭapūrva-kalyāṇa) *adj.* who has not seen or experienced anything good before अदृष्टपूर्वकल्याणो यथा दृष्ट्वा विधिं नरः । उत्सेकान्मोहमापद्य तत्त्वज्ञानमवाप्तवान् MahāBhā. xiii. App. 10 (462)

अदृष्टपूर्वचेष्ट (adṛṣṭapūrva-ceṣṭa) *adj.* acting in an unprecedented manner दृष्ट्वा च तमदृष्टपूर्वचेष्टम् ··· उत्पन्नविस्मयः ··· अतिचिरं तस्थौ TilaMañ. 185.16.

अदृष्टपूर्वता (adṛṣṭapūrva-tā) *f.* the state of not being seen before कथं सापराधस्येव साध्वसमुपजनयन्ति अप्रश्रयहरालोकान्यदृष्टपूर्वतया तपोवनानि CaṇḍaKau. 2.15(2); एकदा तु ··· कदाप्यदृष्टपूर्वतया निसर्गरमणीयतया च तस्य देशस्य चित्रीकृतहृदयस्तत्र तत्र संचरन् ··· तरुणीकदम्बमालोकयम् Mukundā. 208(10)

अदृष्टपूर्वत्व (adṛṣṭapūrva-tva) *n.* **i** the state of being never cognised before यत्राप्यदृष्टपूर्वत्वं यदभावस्य तत्र च । तदभावमतिर्दृष्टा संबन्धेऽक्षानपेक्षया S'lokaVār. 5(8).33 (485.5); 4.99 (165.1); (धर्मस्य नानुमेयत्वम्) अदृष्टपूर्वत्वाददृष्टसदृशत्वादिति यथासंख्येन हेतुद्वयम् TātpaṬ.(U.) 144.23 (*on* 4.99); **ii** the state of being not seen before (आगतस्य प्रीतिकौतुकजननम्) कौतुकं चादृष्टपूर्वत्वात् JayaMa. 313.15 (*on* 6.1)

अदृष्टपूर्वनिरूपणप्रकार (adṛṣṭapūrva-nirūpaṇaprakāra) *adj.* distinguishing character or distinctive quality that is unseen तत्कथय कीदृगस्य तत्त्वमश्रुतादृष्टपूर्वनिरूपणप्रकारस्य SāhiDa. 93.7 (comm. अश्रुतोऽदृष्टपूर्वश्च निरूपणप्रकारः इतरभेदानुमापको धर्मः)

अदृष्टपूर्वपार्वणचन्द्र (adṛṣṭapūrva-pārvaṇacandra) *m.* full moon not seen before अदृष्टपूर्वपार्वणचन्द्रदर्शनकौतुकेन युगपदुपागताभ्यामुदयास्तसंध्यातपस्तबकाभ्यामिव ··· अधरोष्ठबिम्बाभ्यामधिष्ठितमुखीम् ··· बालिकामपश्यम् TilaMañ. 247.7.

अदृष्टपूर्वप्रकोप (adṛṣṭapūrva-prakopa) *m.* extreme wrath unknown before स्वावयवैरप्यदृष्टपूर्वप्रकोपभीतैरिव कम्पमानैरुपेतः ··· परां भीषणतामयासीत् HarṣaC. 255.19.

अदृष्टपूर्वम् (a-dṛṣṭapūrvam) *adv.* in an unprecedented manner तस्मात्प्रामाणिकलोकयात्रामनुपालयता यथादर्शनं शङ्कनीयम् न त्वदृष्टपूर्वमपि TātpaṬ.(Vā.) 165.22 (*on* i. 1.5)

अदृष्टपूर्वमहिमन् (adṛṣṭapūrva-mahiman) *adj.* possessing excellence never experienced before आमोदोऽयमदृष्टपूर्वमहिमा बध्नाति मे मानसम् RasāSu. 148.22 (2.107)

अदृष्टपूर्वराक्षस (adṛṣṭapūrva-rākṣasa) *m.* demon not seen before सीताया अदृष्टपूर्वराक्षसदर्शनेन सुखदुःखव्यतिकराख्यानाद् विधानम् RasāSu. 219.6 (3.36)

अदृष्टपूर्वरूप (adṛṣṭapūrva-rūpa) *n.* beauty never seen before अदृष्टपूर्वरूपोत्पन्नाकस्मिककौतुकातिरेकास्तमितसमस्तान्यव्यापारैरेकाग्रतया ··· तेनाध्वनीनेन सह ··· सुचिरमासितमासीत् NalaCam. 1.60(4)

अदृष्टपूर्वरूपत्व (adṛṣṭapūrvarūpa-tva) *n.* the state of having a form unseen before ये चान्ये वनचारिणः । अदृष्टपूर्वरूपत्वात्सर्वे ते तव राघव । रूपं दृष्ट्वापसर्पेयुः Rāmā. ii. 660*(3)

अदृष्टपूर्वलोक (adṛṣṭapūrva-loka) *m.* people who have not seen before अदृष्टपूर्वलोकानां मनोनयनहारिभिः (कलशैः स ईशानः स्नपयामास) SkandP. iv. 33.22 (comm. न दृष्टानि पूर्वं यैस्ते)

अदृष्टपूर्ववत् (adṛṣṭapūrva-vat) *adv.* like someone never seen before अदृष्टपूर्ववद् दूरात् पौरैरुत्फुल्ललोचनैः । आलोक्यमानः (विमलवाहनः) TriṣaS'aPuC. ii. 1.245.

अदृष्टपूर्ववधूवररूप (adṛṣṭapūrva-vadhūvararūpa) *n.* beauty of the bride and the bridegroom which is never seen before अदृष्टपूर्ववधूवररूपविस्मयस्मेर इवादृश्यत विभावसुः HarṣaC. 208.7.

अदृष्टपूर्ववाग्युद्ध (adṛṣṭapūrvavāgyuddha) *n.* battle of words (i.e. disputation) never seen before अदृष्टपूर्ववाग्युद्धप्रेक्षायै सकुतूहलः PrabhāC. 96.12.

अदृष्टपूर्वव्यसना (adṛṣṭapūrva-vyasanā) *adj.* (*f.*) who has never seen grief or calamity before (मम मातरम्) अदृष्टपूर्वव्यसनां भूयः संमन्तुमर्हसि Rāmā. ii. 33.18; ii. 52.24.

अदृष्टपूर्वशक्ति (adṛṣṭapūrva-śakti) *adj.* of unknown or never established significatory power द्रव्यदेवतासंबन्धान्यथानुपपत्त्या पूर्वमस्माभिर्यजिः कल्पितो नादृष्टपूर्वशक्त्यालभत्यभिधानेन TantrVā. 607.21 (*on* ii. 3.16)

अदृष्टपूर्वसंरम्भ (adṛṣṭapūrva-saṁrambha) *m.* vehemance or flurry never experienced before अलक्षितो जहाराशु ततस्तामायतेक्षणाम् । अदृष्टपूर्वसंरम्भकम्पमानां मनोजवः BṛKathāMañ. ix. 2.671.

अदृष्टपूर्वसंस्पर्श (adṛṣṭapūrva-saṁsparśa) *m.* touch never experienced before तमालिलिङ्ग सा ··· अदृष्टपूर्वसंस्पर्शकातरम् BṛKathāMañ. 18.161.

अदृष्टपूर्वसंबन्ध (adṛṣṭapūrva-sambandha) *m.* relationship with previously unknown (author of the Vedas) अदृष्टपूर्वसंबन्धः सम्प्रत्यज्ञानहेतुकः । अनुमानविहीनोऽपि सोऽस्तीति परिकल्प्यते TattvSaṁ. 2088.

अदृष्टपूर्वसंभोगा (adṛṣṭapūrva-sambhogā) *adj.* (*f.*) who has not experienced sexual union before अदृष्टपूर्वसंभोगा ··· । नीता प्रौढेन सा तेन रतौ काममपि निर्वृतिम् BṛKathāMañ. ix. 2.1042.

अदृष्टपूर्वसर्ववित् (adṛṣṭapūrva-sarvavid) *adj.* knower of all the things never known before एवमितरेषामप्यदृष्टपूर्वसर्वविद्प्रामाण्येनेति न विशेषः Kāśi. i. 125.13 (*on* 2.116)

अदृष्टपूर्वसौन्दर्या (adṛṣṭapūrva-saundaryā) *adj.* (*f.*) possessing beauty never seen before (कामाक्षी) अदृष्टपूर्वसौन्दर्या परज्योतिर्मयी परा BrahmāṇḍP. iii. 39.6.

अदृष्टपूर्वाकृतिविशेष (adṛṣṭapūrvākṛtiviśeṣa) *m.* particular form never seen before विममर्श चादृष्टपूर्वाकृतिविशेषदर्शनदूरविकसत्तारया दृशा त्रिभुवनातिशायिनीमस्याः शरीरावयवसमुदायचारुतामतिचिरम् TilaMañ. 162.8.

अदृष्टपूर्वापरा (adṛṣṭa-pūrvāparā) *adj.* (*f.*) whose beginning and end are unknown यदृच्छया यादवधर्मपत्नी यामाह धर्मेषु परावरेषु । अदृष्टपूर्वापरयापि वाचा प्रतिश्रुता नूनमभावि तस्याः Yādavā. 2.25 (comm. अदृष्टपूर्वापरया अनालक्षितपूर्वापरकोट्या)

अदृष्टपूर्वाहव (adṛṣṭapūrvāhava) *m.* battle never seen before अदृष्टपूर्वाहवहर्षमाणैः प्रौढैः क्षितीशैः प्रतिपद्यमानम् । पाण्डवेशसप्राङ्गहतिप्रपञ्चम् Raghunā. 10.63.

अदृष्टपूर्विन् (a-dṛṣṭapūrvin) *adj.* who has not seen before बन्धुर्गजस्कन्धगतः परासुरदृष्टपूर्वीव भटेन नुन्नः Rāvaṇā. 16.59; आजन्मादृष्टपूर्वी किं वटकान्

रोरबालवत्। श्रद्धत्तेऽनुमनुवरो मनसा केन नन्वतौ TrisaS'aPuC. i. 2. 857; i. 5. 555; अदृष्टपूर्वां पितरं त्वमायुष्मन्यथा ह्यसि। त्वामप्यदृष्टपूर्व्येव तथा जनयिता तव PariPar. 5. 65.

अदृष्टपृष्ठ (adṛṣṭa-pṛṣṭha) *adj.* whose back is never seen (who is not fleeing) रथाश्च ··· अदृष्टपृष्ठैरिष्टकीर्तिभिर्वीरव्रतानुवर्तिभिः सनाथीकृताः ··· प्रावर्तन्त AvantiKa. 97. 10.

अदृष्टपृष्ठपूर्व (adṛṣṭapṛṣṭha-pūrva) *adj.* having (the word) Adṛṣṭapṛṣṭha before (it) or as (its) first part (= अदृष्टपृष्ठतुल्ल) करिहस्तागतिर्यत्र काचिन्मध्ये यथेप्सिता। ··· अदृष्टपृष्ठपूर्वं तत् तुल्लं सद्भिर्निगद्यते NṛttaSaṁ. 174.

अदृष्टपृष्ठभाग (adṛṣṭa-pṛṣṭhabhāga) *adj.* with its backside not visible अदृष्टपृष्ठभागस्य परिवारावृतस्य च। सांमुख्यं तु विभोः कल्प्यम् PauṣkS. 6. 48.

अदृष्टपौरुष (adṛṣṭa-pauruṣa) *adj.* whose valour is not seen or proved संगतिं वर्जयेत्प्रिये। अदृष्टपौरुषाणां च देशान्तरनिवासिनाम् KulārT. 8. 14.

अदृष्टप्रकर्ष (adṛṣṭa-prakarṣa) *m.* excellence of unseen merit तस्य चादृष्टप्रकर्षवशादपरोक्षतापन्नस्यापि न मनोमात्रनिबन्धनमानसप्रत्यक्षत्वमवकल्पते NyāyKu. 85. 5.

अदृष्टप्रतिकार (adṛṣṭa-pratikāra) *adj.* whose remedy or counterattack is not seen अदृष्टप्रतिकारेण अव्यक्तेनासता सता। कथं शक्यं परं प्राप्तुं धर्मेणारिविकर्शन Rāmā. vi. 70. 23.

अदृष्टप्रतिघातित्व (adṛṣṭapratighāti-tva) *n.* contradiction of which is not observed अन्यायस्त्वविकारेणादृष्टप्रतिघातित्वादविशेषाच्च तेनास्य MīmāSū. ix. iii. 10.

अदृष्टप्रतिमान (adṛṣṭa-pratimāna) *adj.* not having a compeer अदृष्टप्रतिमानं च विमानं रत्ननिर्मितम् TriṣaS'aPuC. iii. 1. 121.

अदृष्टप्रतियोगिन् (adṛṣṭa-pratiyogin) *adj.* not having a counterpositive किं कारणम्। अदृष्टप्रतियोगिनो दृष्टप्रतियोगिनो विशेषाभावात् HetuBiṬ. 215. 5.

अदृष्टप्रतिविधाना (adṛṣṭa-pratividhānā) *adj.* (*f.*) not knowing any counter-measure or remedy दृष्ट्वा च तस्यास्तथाविधां चित्तचेष्टामदृष्टप्रतिविधाना परं विषादमुपगता देवी TilaMañ. 169. 17.

अदृष्टप्रत्यवायहेतु (adṛṣṭa-pratyavāyahetu) *adj.* which is the source of unseen evil शपथस्य चात्र ··· अदृष्टप्रत्यवायहेतोरनुपयोगात् NyāyPari. 264. 5.

अदृष्टप्रभेद (adṛṣṭa-prabheda) *m.* variety of unseen cause अर्थे पूर्वानुभूते सह मितसदृशख्यात्यदृष्टप्रभेदैः संस्कारानुग्रहे या परिणमति मतिः सा स्मृतिः TattvMu. 4. 124.

अदृष्टप्रमत्त (adṛṣṭa-pramatta) *n.* unseen fault आसने शयने याने पानभोजनवस्तुषु। दृष्टादृष्टप्रमत्तेषु प्रहरन्त्यरयोऽरिषु PañcT. 3. 88 (353. 4)

अदृष्टप्रमाण (adṛṣṭa-pramāṇa) *n.* unobserved (i. e. indirect) proof दृष्टादृष्टप्रमाणेनादौ तावदात्मनः परायत्ते द्रव्ये स्वाम्यं साधयतः भागहरणेऽधिकारो भवति SmṛtiCan. iv. 713. 8; iii. 123. 11; (दिव्यस्वरूपस्य) यावद् दृष्टप्रमाणसंभावना तावददृष्टप्रमाणस्यावसराभावात् Subodhi. 11. 25 (*on* 2. 22)

अदृष्टप्रयत्नकल्पन (adṛṣṭaprayatna-kalpana) *n.* assumption of an unseen effort or activity अदृष्टस्य च सर्वकार्यनिमित्तस्य नियामकत्वे किमदृष्टप्रयत्नकल्पनप्रयत्नेन NyāySiA. 230. 15.

अदृष्टप्रयुक्त (adṛṣṭa-prayukta) *adj.* brought about by an unseen (cause) परस्मादृष्टप्रयुक्ताल्लभ्यते स प्रतिग्रहः ManuBh. i. 391. 21 (*on* 4. 186); कार्यं स्यात्कर्तृभावेऽप्यवधिभिरितरैः कालवत् ··· ते चादृष्टप्रयुक्ताः TattvMu. 3. 21.

अदृष्टप्रयोग (adṛṣṭa-prayoga) *adj.* whose usage is not seen भवति साहचर्यं विशेषहेतुरुभयत्र प्रयोगे सति, न पुनः साहचर्यमदृष्टप्रयोगाणां प्रयोगज्ञापकम् ManuBh. i. 420. 21 (*on* 5. 6); नीलोत्पलादिशब्दयोः प्रयोगो दृष्टः···तथा सत्यस्मिन्नदृष्टप्रयोगे प्रथमप्रयोगो न स्यात् NyāyRa. 194. 18 (*on* 4. 197); यः शब्दो लोकेऽत्यन्तमदृष्टप्रयोगः तन्निमित्तोऽर्थो न भवतीत्युच्यते Pradī. vi. 37. 7 (*on* P. vii. 1. 33); *m.* performance having an unseen (effect) पुत्रार्थाः प्रतिपादिताः दृष्टादृष्टप्रयोगाश्चाप्यपुत्रस्य च तद्विधिः ViraMi.(Saṁskāra.) 125. 12; 203. 18.

अदृष्टप्रयोगत्व (adṛṣṭaprayoga-tva) *n.* the state of having unknown usage वितानशब्दश्च वेदविहितत्वेनादृष्टप्रयोगत्वात्र तत्परत्वेन व्याख्येयः Aparā. 891. 16 (*on* 3. 17)

अदृष्टप्रयोजन (adṛṣṭa-prayojana) *n.* unseen purpose दृष्टादृष्टप्रयोजनानां दृष्टाभावे प्रयोजनमभ्युदयाय VaiśeSū. vi. 2. 1; ननु दृष्टप्रयोजनालाभे सति अदृष्टप्रयोजनपरिकल्पनावसरः इह च दृष्टमेव प्रयोजनम् NyāyMañ. ii. 92. 20; Subodhi. 15. 12 (*on* 2. 24); आत्मनिवेदनं कुलतः शीलतो दृष्टादृष्टप्रयोजनेनोपचारविशेषेण च स्वाभिप्रायकथनपूर्वकं तदाश्रयणम् ViraMi.(Āhnika.) 492. 19; यदि कालस्य प्रकरणं स्यात्तदा कथंचिददृष्टप्रयोजनकल्पनेनापि कालार्थता मन्त्राणां स्यात्। न च तदस्तीत्यर्थः MayūMāli. 206. 37 (*on* iii. 1. 13); पेषणस्य ··· अदृष्टप्रयोजनान्तरकल्पनेऽपि न प्रतिप्रसवत्वविघातः BhāṭṭDī. i. 286. 5 (*on* iii. 3. 14); न च तत्र प्रकरणं क्रत्वर्थताबोधकमस्ति, नात्रेति वैषम्यमिति वाच्यम्।···अदृष्टप्रयोजनापेक्षनियमसामर्थ्येन वाङ्गत्वसिद्धेः BālamBha. ii. 125. 27 (*on* 2. 113); *adj.* having an unseen purpose अदृष्टप्रयोजनम्, कीर्तिहेतुत्वात् KāvyālaṅSū.(Vā.) i. 1. 5; आरादुपकारकं द्विविधम्, अदृष्टप्रयोजनं दृष्टादृष्टप्रयोजनं च PrakaPañ. 468. 4; अस्ति तावत् ···आसंसारमनुवर्तमानो दृष्टादृष्टप्रयोजनः ··· शिष्याचार्यक्रमः S'atDū 142. 24; अदृष्टप्रयोजनानि यागदानब्रह्मचर्यादीनि Upask. 268. 9 (*on* vi. 2. 1)

अदृष्टप्रयोजनत्व (adṛṣṭaprayojana-tva) *n.* the state of being an unseen purpose पदग्रहणे पदार्थावधारणादिदृष्टसामर्थ्यानुसारेण दृष्टप्रयोजनत्वात्, न तु स्वर्गोऽदृष्टप्रयोजनत्वात् TantrRaha. 68. 27.

अदृष्टप्रयोजनरहित (adṛṣṭaprayojana-rahita) *adj.* devoid of unseen result अग्निपरिसमूहने परिषेचने च यदुपयुक्तमुदकं तच्छेषेण वृथाकर्माणि अदृष्टप्रयोजनरहितानि पादप्रक्षालनादीनि न कुर्वीत नाचामेच्च ViraMi.(Āhnika.) 71. 4.

अदृष्टप्रवासा (adṛṣṭa-pravāsā) *adj.* (*f.*) who has not seen (i. e. undertaken) any journey किं न पश्यसि माम् ··· अदृष्टप्रवासां वनवासदुःखमनुभवन्तीम् TilaMañ. 332. 11.

अदृष्टप्रवाह (adṛṣṭa-pravāha) *m.* continuous flow of the unseen (merit and demerit) अदृष्टप्रवाहस्य नित्यत्वेन नित्यसर्गप्रसङ्गः BrahmSūBh. (Rā.) 481. 5 (*on* ii. 2. 11)

अदृष्टप्रवृत्ति (adṛṣṭa-pravṛtti) *f.* activity (productive) of unseen result दृष्टादृष्टप्रवृत्त्योश्च न विशेषोऽस्ति कश्चन BṛĀraUBhVā. (Sambandha.) 418; शब्दः श्रोत्रैकगोचरः। दृष्टादृष्टप्रवृत्तीनां हेतुरिष्टो मनीषिभिः TarkSaṁ.(Ā.) 107. 17.

अदृष्टप्रसाद (adṛṣṭa-prasāda) *m.* favour of the unseen agency लक्षणज्ञत्वं लक्ष्यपरिशीलनमदृष्टप्रसादोदितस्वप्रतिभाशालित्वं चानुसर्तव्यमिति संक्षेपः Loc. 146. 25 (*on* 3. 14)

अदृष्टप्रागभाव (adṛṣṭa-prāgabhāva) *m.* antecedent negation of the unseen (merit and demerit) जन्यानि अदृष्टप्रागभावव्याप्यप्रागभावाप्रतियोग्युपादानगोचरापरोक्षज्ञानचिकीर्षाकृतिमज्जन्यानि TattvCin. ii(2). 16. 4; अदृष्टप्रागभावव्याप्यप्रागभावप्रतियोगिभिन्नेति विशेषणं क्रियते S'ivārkaMaDī. i. 140. 30 (*on* i. 1. 3); i. 140. 31 (*on* i. 1. 3)

अदृष्टप्राय (adṛṣṭa-prāya) *adj.* almost not seen दृष्टमदृष्टप्रायं दयितं कृत्वा प्रकाशितस्तनया। हृदयं करेण ताडितमथ मिथ्याव्यञ्जितत्रपया ĀryāSaS'a. 288.

अदृष्टप्रेर्यमाण (adṛṣṭa-preryamāṇa) *adj.* being impelled by the unseen (cause) परमाणवः ··· प्राणिगतसुखदुःखोपभोगसाधनभूतादृष्टप्रेर्यमाणाः परस्परं संयुज्य ··· घटादिकार्यमारभन्ते NyāyMañ. ii. 11. 30.

अदृष्टफल (adṛṣṭa-phala) *adj.* [*f.* -ā] having unseen result (having consequences that are not yet realised) सर्वोऽदृष्टफलानर्थानागमात्प्रतिपद्यते VākyaPa. 1. 142; तस्याददृष्टफलेष्विष्टमनुष्ठानं न युक्तिमत् BhāvanāVi. 21. 2; कर्मैव देव च उपासनानि दृष्टफलानि अदृष्टफलानि च उच्यन्ते BrahmSūBh.(S'aṅ.) 618. 6 (*on* iii. 3. 1); क्रिया हि द्विविधा दृष्टफला अदृष्टफला च KenUBh. 88. 5 (*on* 3. 1); अभिलषितकामधेनौ दुरितद्रुमपावके हि मन्त्रेऽस्मिन्। दृष्टादृष्टफले सति परत्र मन्त्रे कथं सजतु YaśasCam. ii. 390. 26; येऽदृष्टफलाः सन्तोऽलौकिकाः न ते प्रेक्षावद्भिः ··· प्रवर्त्यन्ते इत्यप्रवृत्ताः JayaMa. 12. 7 (*on* 1. 2); दृष्टादृष्टफलं यस्मात्प्रातःस्नानं समाचरेत् SkandP. iv(1). 35. 94; अदृष्टफलेष्वन्यप्रत्ययनियमो नास्ति PrakaVi. 1023. 23; शंकरप्रीतिहेतुत्वाददृष्टफलम् ··· नाट्यम् PuruṣPa. 133. 9; दृष्टादृष्टफला भक्तिः BhaktiRa. 2. 47; संस्कृतस्य दृष्टादृष्टफलेषु कारीरीज्योतिष्टोमादिकर्मसु अधिकारात् ViraMi.(Saṁskāra.) 133. 7; *n.* unseen result, concequence which is not yet realised, result at a future date अप्यदृष्टफलं यस्य रसस्तस्यामृतं सताम्। सोऽयं कल्पतरुर्धीराः उपास्यः YuktiKa. 2. 3; एका तावददृष्टफलमुद्दिश्य प्रवृत्ता NyāySu.(Ja.) 234B. 7 (*on* ii. 1. 1); पुरुषगतं तु प्रत्यवायपरिहाररूपमदृष्टफलं नियमस्य ··· उपस्थितम् MayūMāli. 349. 26 (*on* iv. 1. 2)

अदृष्टफलक (adṛṣṭaphala-ka) *adj.* possessing (i. e. productive of) unseen result एतेनादृष्टफलकश्रौतस्मार्तसर्वकर्मोपसङ्ग्रहः Upask. 270. 3 (*on* vi. 2. 2); तत् किं दृष्टफलकमदृष्टफलकं वा AdvaiSi. 874. 23 (LaCandr. अदृष्टद्वारा साक्षात्काररूपफले हेतुः); तीर्थसद्भावे तृष्णोदकपरोदकाभ्यां स्नानं नादृष्टफलकमित्याह ViraMi.(Āhnika.) 190. 17.

अदृष्टफलकत्व (adṛṣṭaphalaka-tva) *n.* the state of being possessed of (i. e. productive of) unseen merit तस्य चादृष्टफलकत्वेऽपि न दोषः BhāṭṭDī. i. 34. 23 (*on* i. 2. 4)

अदृष्टफलकल्पन (adṛṣṭaphala-kalpana) *n.* assumption of a result in the form of unseen (merit) सक्तुन्यायेनाश्रुतकरणत्वकल्पनमदृष्टफलकल्पनं चान्या-

व्यम् VivaPraSaṁ. 158. 14.

अदृष्टफलकल्पना (adṛṣṭaphala-kalpanā) *f.* assumption of an unseen result अदृष्टफलकल्पनानुपपत्तेः TattvPradī.(Ci.) 348. 5; अदृष्टफलकल्पनाप्रसङ्गाच्च VedāntKa. 412. 17 (*on* iii. 3. 16); अथ विधेयज्ञानस्यारोपितविषयतायामदृष्टफलकल्पना स्यात् VivaPraSaṁ. 155. 21; दृष्टफलस्य संभवे सत्यदृष्टफलकल्पनाया अन्याय्यत्वात् JīvanVi. 146. 9; संभवति दृष्टफलकत्वे अदृष्टफलकल्पनाया अन्याय्यत्वात् SiddhāMu. 1. 14 (*on* 1); दृष्टफलाभावेनादृष्टफलकल्पनायां विंशतिवर्षरूपमर्यादानुक्तावपि संभवादिति पाठः BālamBha. ii. 34. 1 (*on* 2. 24)

अदृष्टफलकामना (adṛṣṭaphala-kāmanā) *f.* desire for an unseen result दृष्टादृष्टफलकामनारहितम् ··· निवृत्तमित्युच्यते ManvaMu. 518. 14 (*on* 12. 89)

अदृष्टफलजनक (adṛṣṭaphala-janaka) *adj.* producing an unseen result ननु प्रजापालनमदृष्टफलजनकं कथं तेनार्जितम् RājNīRa. 31. 9.

अदृष्टफलजनकता (adṛṣṭaphalajanaka-tā) *f.* the nature of producing effects or results which are not visible ततः काव्यं दृष्टादृष्टफलजनकतया बहूपयुक्तम् PratāYaBhū. 6. 3.

अदृष्टफलता (adṛṣṭaphala-tā) *f.* the state of having an unseen result अदृष्टफलता वापि कल्प्याग्निष्टोमवद्भवेत् BṛĀraUBhVā.(Sambandha) 838.

अदृष्टफलत्व (adṛṣṭaphala-tva) *n.* **A i** the state of having an unseen result दृष्टादृष्टफलत्वेन तस्मान्नास्यप्रमाणता TantrVā. 237. 24 (*on* i. 3. 25); तेन देवतापरितोषद्वारेण प्रीतिं ददातीत्यदृष्टफलत्वं दर्शितम् AbhinBhā. iv. 5. 19 (*on* 28. 9); तस्यादृष्टफलत्वायुक्तं सकृदनुष्ठानम् BrahmSuBh.(S'rī.) ii. 425. 1 (*on* iv. 1. 1); न चाग्निष्टोमादिवदनावृत्तिः तस्यादृष्टफलत्वेन सकृदनुष्ठानसम्भवात् TattvPrakā. 200A. 6 (*on* iv. 1. 1); **A ii** the state of having unseen merit as the result अनर्थकानां हुम्फडित्यादिवाक्यानामध्ययनस्य ··· अदृष्टफलत्वम् ··· अभ्युपेयं स्यात् NītiMā. 4. 6; **A iii** the state of (enjoining the rite) having an unseen result विधिवाक्यानि च दृष्टादृष्टफलत्वेन द्विविधानि SarvaMaSaṁ. 9. 13; **B** the state of being an unseen result कर्मफलवन्मोक्षस्यादृष्टफलत्वम् अनित्यत्वं च इत्येवमादयो दोषाः न केनचित्परिहर्तुं शक्याः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 595. 12 (*on* iii. 2. 21); ननु मोक्षस्यादृष्टफलत्वात् कथम् ··· प्रजापरित्यागः PrakaVi. 937. 22.

अदृष्टफलदृष्टि (adṛṣṭaphala-dṛṣṭi) *f.* concept of an unseen result उभयथाप्यदृष्टफलदृष्टिः संदेहबीजम् TattvPrakā. 197B. 9 (*on* iii. 4. 51)

अदृष्टफलप्रद (adṛṣṭaphala-prada) *adj.* [*f.* -ā] bestowing or yielding an unseen result प्रतीकोपासना कार्या दृष्टादृष्टफलप्रदा S'ivaS. 5. 32; पूजा सिद्धिकरी ज्ञेया दृष्टादृष्टफलप्रदा ĪśānS'iPa. i. 8. 1; तद्वस्तु स्थिरमेव स्यात् दृष्टादृष्टफलप्रदम् ĪśānS'iPa. ii. 34. 64; ततो दुर्गामनुं वक्ष्ये दृष्टादृष्टफलप्रदम् S'āraTi. 11. 1; अथ दुर्गामनून् वक्ष्ये दृष्टादृष्टाफलप्रदान् TantrSā.(K.) 97. 6.

अदृष्टफलप्राप्ति (adṛṣṭaphala-prāpti) *f.* attainment of the unseen result (i.e. liberation) अन्त्यप्रत्ययवशाददृष्टफलप्राप्तेः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 785. 15 (*on* iv. 1. 12)

अदृष्टफलभाज् (adṛṣṭaphala-bhāj) *adj.* who acquires an unseen result ईदृशमेतद्विदुषे दानं यत्प्रतिग्रहीताप्यदृष्टफलभाग्भवेत् ManuBh. i. 269. 15 (*on* 3. 133)

अदृष्टफलभोजिन् (adṛṣṭaphalabhoj-in) *adj.* who enjoys or experiences an unseen result अदृष्टफलभोजिनोऽस्य यजमानस्य योऽयमदृष्टरूपः शास्त्रीयः संस्कारः सोऽयं मुख्ये कर्मणि युक्तो नाङ्गेषु NyāyMāVi. 191. 14 (*on* iii. 7. 2)

अदृष्टफलविषयत्व (adṛṣṭaphalaviṣaya-tva) *n.* the state of being what relates to (an act productive of) unseen result न च सकृत्कृतेन कृतः शास्त्रार्थः इति न्यायविरोधः। तस्यादृष्टफलविषयत्वात् GoviBh. 288. 9 (on iv. 1. 1)

अदृष्टफलसंपत्ति (adṛṣṭaphala-sampatti) *f.* acquisition of an unseen result यथा च दृष्टादृष्टफलसंपत्तिः तदपि वक्ष्यामि ManvaMu. 247. 16 (*on* 7. 1)

अदृष्टफलसंपद् (adṛṣṭaphala-sampad) *f.* occurrence of an unseen result (in the form of heaven) नन्वेवं तद्धिविश्रम्भो ह्यदृष्टफलसंपदि BṛĀraUBhVā. i. 4. 1474.

अदृष्टफलसंप्रेप्सु (adṛṣṭaphala-samprepsu) *adj.* who is desirous of attaining an unseen result अदृष्टफलसंप्रेप्सोर्दृष्टकर्मफलत्यजः। रातेर्धनस्य दातुस्तद्ब्रह्मेदं स्यात्परायणम् BṛĀraUBhVā. iii. 9. 158.

अदृष्टफलसंभव (adṛṣṭaphala-sambhava) *m.* possibility of unseen merit as fruit साधुभिर्भाषमाणानां नादृष्टफलसंभवः TantrVā. 221. 12 (*on* i. 3. 18)

अदृष्टफलसिद्धि (adṛṣṭaphala-siddhi) *f.* **i** achievement of an unseen result तस्मात्सर्वप्रयत्नेन अदृष्टफलसिद्धये। विहितं यच्च तत्कार्यम् PauṣkS. 30. 215; विध्यायत्तत्वाददृष्टफलसिद्धेः PrakaVi. 329. 19; **ii** (Astrono.) arriving at an invisible (i. e. unobservable) result (of calculation with reference to an astronomical phenomenon) अदृष्टफलसिध्यर्थं यथार्काद्युक्तितः कुरु। गणितं यद्धि दृष्टार्थं तद्दृष्ट्युद्भवतः सदा SiddhāTaVi. 49. 23; 141. 8; 145. 8.

अदृष्टफलहेतु (adṛṣṭaphala-hetu) *m.* cause of an unseen result यज्ञक्रिया नादृष्टफलहेतुः क्रियात्वान्निष्ठीवनक्रियावत् NyāySu.(Ja.) 386A. 5 (*on* ii. 2. 6)

अदृष्टफलापेक्षा (adṛṣṭaphalāpekṣā) *f.* need for an unseen result विवेकज्ञानस्य···प्रयोजनं दृष्टमेवेति नादृष्टफलापेक्षा NyāyRa. 669. 22 (*on* 5(15). 103)

अदृष्टफलाभाव (adṛṣṭaphalābhāva) *m.* absence of an unseen result न नित्यानां कर्मणामदृष्टफलाभावः कदाचिदपि उपपद्यते GītāBh.(S'aṅ.) 556. 2 (*on* 18. 66)

अदृष्टफलाभिलाषिन् (adṛṣṭaphalābhilāṣ-in) *adj.* who is desirous of an unseen result स्वामिन् ··· दृष्टफलं परित्यज्यादृष्टफलाभिलाषी कथमसि S'aṅkaVi(Ā.) 157. 4.

अदृष्टफलाशासन (adṛṣṭaphalāśāsana) *n.* desire or wish for an unseen result तदा स्वर्गादिष्वपि अदृष्टफलाशासनेन उद्यमो न स्यात् GītāBh.(S'aṅ.) 555. 17 (*on* 18. 66)

अदृष्टफलोदय (adṛṣṭaphalodaya) *m.* rise of the result in the form of unseen merit मुख्यधर्मैवि(? वि)दाप्नोति दृष्टादृष्टफलोदयात्। भोगान्मोक्षं च ĪśānS'iPa. ii. 1. 3.

अदृष्टफलोपयोगित्व (adṛṣṭaphalopayogi-tva) *n.* the state of being useful (in producing) the unseen result उपासनानाम् ··· स्वरूपसन्निधानेनैव चादृष्टफलोपयोगित्वं भविष्यति PrakaVi. 1024. 19.

अदृष्टबन्धन (adṛṣṭa-bandhana) *n.* imperceptible or unseen tie देव्यौ तच्चित्तं ज्ञात्वादृष्टबन्धनैस्तं बबन्धतुः PurāPraSaṁ. 107. 16.

अदृष्टबहिर्भावकल्पना (adṛṣṭabahirbhāva-kalpanā) *f.* assumption of the unseen presence outside (the house) एवं जीवतो देवदत्तस्य गृहेऽदर्शनेनादृष्टबहिर्भावकल्पना BhaṭṭCin. i. 46. 16 (*on* i. 1. 4)

अदृष्टबाधन (adṛṣṭa-bādhana) *n.* annulment which is not seen (i. e. absence of contradiction with the means of valid knowledge) यत्रादृष्टबाधनं प्रमाणविरोधाभावः तत्रैवायं विरोधः प्रवर्तते NyāySu.(Ja.) 643A. 13 (*on* 4. 2)

अदृष्टबाधा (adṛṣṭa-bādhā) *adj.* (*f.*) the annulment of which is not known अदृष्टबाधया ··· समाख्यया बाध इति प्राप्ते TantrVā. 875. 13 (*on* iii. 3. 14)

अदृष्टबाह्यविषय (adṛṣṭa-bāhyaviṣaya) *m.* unseen external object (i. e. object pertaining to the other world) तमात्मानम् ··· अक्रतुः अकामः दृष्टादृष्टबाह्यविषयेभ्य उपरतबुद्धिः ··· पश्यति अयमहमस्मीति KāṭhUBh. 134. 6 (*on* 2. 20)

अदृष्टबीजानुविधान (adṛṣṭa-bījānuvidhāna) *adj.* in which there is an unperceived continuity of the seed अतश्च स्फुटमदृष्टबीजानुविधानस्यापत्यस्य कार्यत्वात् ··· तद्धर्मानुविधायित्वं युक्तमभ्युपगन्तुम् ManuBh. ii. 251. 3 (*on* 9. 35)

अदृष्टबुद्धि (adṛṣṭa-buddhi) *f.* **i** thought or notion of unseen merit अदृष्टबुद्ध्या दीयमानं मन्त्रपूर्वं गृह्णतः प्रतिग्रहो भवति ManuBh. i. 329. 21 (*on* 4. 5); अनाथस्यादृष्टबुद्ध्या वहनादौ नैष कल्प इत्यर्थादुक्तम् HārLa. 82. 21; अतः सन्मर्यादाप्रवृत्तान् दानमानादिभिरभ्यर्चयन्तोऽप्यदृष्टबुद्ध्यैव प्रवर्तन्ते NyāyPari. 385. 23; **ii** thought not known (i. e. secret) (स्त्रियः) दुष्टाचाराः पापरताः असत्याः माययावृताः। अदृष्टबुद्धिबहुलाः प्रायेणेत्यवगम्यताम् MahāBhā. xiii. 286*. 2;

अदृष्टभय (adṛṣṭa-bhaya) *n.* **i** fear from the unknown यत्रादृष्टं भयं (v. l. अदृष्टभयं) ब्रह्म प्रजानां शमयत्युत। दृष्टं च राजा बाहुभ्यां तद्राष्ट्रं सुखमेधते MahāBhā. xii. 75. 2; **ii** fear of the unseen (misery) प्रमाणतो नास्ति निषिद्धकर्मणः फलस्पृहादृष्टभयं विना तव। भ्रमात् ··· प्रवर्तते SaṁkṣeS'ā. 1. 431 (i. 317. 15); **iii** fear of the unseen (demerit or sin) धनी स्वधनरक्षार्थमदृष्टभयाच्च न परद्रव्यापहरणे वर्तते ManuBh. ii. 150. 12 (*on* 8. 179)

अदृष्टभर्तृव्यसन (adṛṣṭa-bhartṛvyasana) *adj.* who has not seen or known the master's miseries आवयोः पिता। अदृष्टभर्तृव्यसनः पूर्वमेवागमद्दिवम् BṛKathaS'loSaṁ. 1. 40.

अदृष्टभार्यात्व (adṛṣṭa-bhāryātva) *n.* invisible status as a wife कान्तारोगिणी भ्रातृमतीत्यादीनाम् ··· अदृष्टभार्यात्वानुपयोगित्वेऽपि ··· न विवाहाङ्गत्वानुपपत्तिः BālamBha. iii. 39. 8 (*on* 3. 16)

अदृष्टभाव (adṛṣṭa-bhāva) *m.* existance of an unseen result पर्यूहणायज्ञनादि न स्यात्स्याद्वात्र पूर्ववत्। न स्याद् दृष्टादृष्टभावादविरोधाच्च तद्भवेत् NyāyMāVi. 513. 2 (*on* x. 2. 33)

अदृष्टभास्करोद्योत (ádṛṣṭa-bhāskarodyota) *adj.* who has not seen the sunlight (किङ्कराः) मुमुक्षुश्च घनं शस्त्रं ···। अदृष्टभास्करोद्योताः परं संघातवर्तिनः PadmP.(Ra.) 53. 193.

अदृष्टभिन्न (adṛṣṭa-bhinna) *adj.* different from the unseen (effect) बलवदनिष्टाननुबन्धित्वे सति यददृष्टद्वारा फलकरणमदृष्टभिन्नं च स धर्म इति यावत् BhāṭṭDī. i. 4. 3 (*on* i. 1. 2)

अदृष्टभूतलम् (adṛṣṭa-bhūtalam) *adv.* in which the ground was not observed तद्वदनाकृष्टदृष्टिप्रसरमचलितपक्ष्ममालमदृष्टभूतलम् ... अस्मै प्रणाममकरवम् Kād. 142. 21.

अदृष्टभेद (adṛṣṭa-bheda) *m.* difference or distinction in the unseen (effect) तस्मादभ्यसितव्यो यागः । प्रत्यभ्यासं चादृष्टभेद इति S'ābaBh. 472. 6 (*on* ii. 2. 2); अदृष्टभेदेऽपि सामान्यैक्यात् TantrRa. 32. 10; अदृष्टभेदोऽपि गुणपरिणाम एव SāṁkhyaTaKau. 359. 1 (*on* 27)) न चादृष्टभेदात्कार्यभेदः NyāySu.(Ja.) 43A. 9 (*on* i. 1. 1); फलतद्भावनाभेदाङ्गीकारे तावत् पक्षद्वयेऽप्यदृष्टभेदः स्पष्ट एव MīmāKau. iii(2). 4. 8 (*on* ii. 1. 1)

अदृष्टभोगभू (adṛṣṭa-bhogabhū) *f.* unseen place of enjoyment इष्टार्थितायामिष्टं वा विमृश्यैतेष्टकारि च । न चाप्यदृष्टमिष्टं चौरपीष्टाऽदृष्टभोगभूः *ācārya* cited by PratyabhiVi. ii. 62. 2 (*on* ii. 2. 7) (Bhāsk. अदृष्टभोगभूः अननुभूतभोगस्थानम् चौरपि इष्टा स्यात्)

अदृष्टमङ्गलवादित्र (adṛṣṭa-maṅgalavāditra) *n.* invisible auspicious musical instrument सूतीगृहे च ... उन्नदितं वियत्यदृष्टमङ्गलवादित्रैः NalaCam. 4. 12(3)

अदृष्टम् (a-dṛṣṭam) *adv.* invisibly गच्छन्न दृश्यते चैतन्मण्डलं सवितुस्तथा । अदृष्टं चलते यस्मात्तस्माद्धे पार्वतीप्रिय BhaviP. 101B. 21 (i. 55. 57)

अदृष्टमण्डल (adṛṣṭa-maṇḍala) *adj.* **i** whose orb is not visible न रात्रौ स्थापयेद्देवम् ... सूर्ये चादृष्टमण्डले ParaS. 19. 5; **ii** not perceiving group (of veins, organs or weapons etc.) अदृष्टमण्डलोऽप्येवं यः कश्चिद्वेत्ति तत्त्वतः । स सिद्धिभाग्भवेत् ParāTri. 251. 6.

अदृष्टमत (adṛṣṭa-mata) *n.* knowledge of the unseen (thing) दृष्टादृष्टमतोपदेशकृतिनः ... भवतः किं वेदितव्यं मया S'ivāL. 35.

अदृष्टमर्याद (adṛṣṭa-maryāda) *adj.* limit of which is not seen, boundless मुखरीचकार दिक्चक्रमक्रमाहतानां दिव्यतूर्याणामदृष्टमर्यादो नादः TilaMañ. 269. 17.

अदृष्टमस्तक (adṛṣṭa-mastaka) *n.* unseen head किमयमदृष्टमस्तके भार आरोप्यते NyāyMañ. i. 208. 10.

अदृष्टमातृक (adṛṣṭamātṛ-ka) *adj.* who has not seen the mother तनयः पुनः । अदृष्टमातृकः सोऽभूत्पुमानिव निरक्षरः PariPar. 1. 119.

अदृष्टमात्र (adṛṣṭa-mātra) *n.* **i** mere non-perception मम त्वदृष्टमात्रेण गमकः सहचारिणः S'lokaVār. 5(7). 40 (460. 4); BālaKrī. i. 18. 23 (*on* 1. 7); **ii** all unseen (merit and demerit) इदानीमभ्युपगम्याप्यदृष्टमात्रं प्रत्यर्थापत्तेः प्रामाण्यम् TātpaṬ.(U.) 145. 23 (*on* 4. 105); YuktiSneha. 37. 29 (*on* i. 1. 4); **iii** mere unseen (cause or effect) न चादृष्टमात्रवैकल्यादिति शङ्कनीयम् PramāMā. 14. 5; TarkSaṁ.(Ā.) 66. 18; CaturCin. iii(1). 535. 8; VivaPraSaṁ. 301. 5; NyāyMāVi. 624. 4 (*on* xi. 1. 6); BhāṭṭCin. ii. 83. 4 (*on* ii. 1. 4); LalitāSaBh. 196. 23 (*on* 234); LaS'abdeS'e. ii. 110. 15; BālamBha. i. 190. 10 (*on* 1. 53)

अदृष्टमानुषप्रचार (adṛṣṭa-mānuṣapracārā) *adj.* (*f.*) who has not seen movement of men तत्राप्यदृष्टमानुषप्रचारा गवाक्षमधिरुह्य ... अद्राक्षम् TilaMañ. 337. 11.

अदृष्टमार्ग (adṛṣṭa-mārga) *adj.* who has not seen (found) the way आग्नेयास्त्रप्रतापप्रतिहतगतयोऽदृष्टमार्गाः समन्तान्नृपालाः BrahmāṇḍP. ii. 48. 21; KuṭṭaMa. 426.

अदृष्टमुखभङ्ग (adṛṣṭa-mukhabhaṅga) *adj.* who cannot see the grimace on the face अदृष्टमुखभङ्गस्य युक्तमन्धस्य याचितुम् । अहो बत महत्कष्टं चक्षुष्मानपि याचते S'ārṅgaPa. 253 = Subhāṣi. 503.

अदृष्टमुखविकार (adṛṣṭa-mukhavikāra) *adj.* [*f.* -ā] the grimace on whose face is not seen अस्ति ... स्वभावे कोपेऽप्यदृष्टमुखविकाराभिः ... कुलप्रसूताभिरलंकृता वधूभिः ... अयोध्येति यथार्थाभिधाना नगरी TilaMañ. 9. 14; इत्यभिधाय नीत्वा च कन्यान्तःपुरप्रवेशं यावदावामदृष्टमुखविकारः प्रकृत्यैव गत्या स्वशिबिरं प्रति प्रस्थितः (कुमारः) TilaMañ. 326. 19.

अदृष्टमुद्गर (adṛṣṭa-mudgara) *m.* unseen mallet यदि तावद्रणादस्माद्यामोऽन्यत्र वयं नृप । अदृष्टमुद्गराघातैर्नूनं हन्यामहे ततः SkandP. vi. 18. 56.

अदृष्टमूर्ति (adṛṣṭa-mūrti) *adj.* whose body is not seen क्रूरान्तस्थः सूर्यश्चन्द्रो वा युगपदेव मरणाय । सौम्यैरदृष्टमूर्तिर्युवतीनां गर्भसहितानाम् Sārā. 8. 35; UdaySuKa. 144. 24; BṛKathāMañ. viii. 1. 72.

अदृष्टमूल (adṛṣṭa-mūla) *adj.* whose base is not seen परप्रत्ययस्यादृष्टमूलस्य न्यायाभासनिमित्तत्वसंभवात् S'āstrDī. 26. 13 (*on* i. 3. 3); *n.* unseen base यथा तु व्याख्यातं उपलब्धमूलैवेयं स्मृतिर्भवतीति नादृष्टमूलकल्पनाप्रसंगः ManuBh. ii. 328. 24 (*on* 10. 1)

अदृष्टयन्त्र (adṛṣṭa-yantra) *adj.* who has never employed a surgical instrument भिषजा ... अदृष्टयन्त्रेण ... न चाविपश्चिता नस्यकर्म प्रदातुमित्येतन्मे विवक्षितम् Hastyāyur. 619. 9 (4. 7)

अदृष्टरजत (adṛṣṭa-rajata) *adv.* who has never seen silver न हि पूर्वमदृष्टरजतस्य शुक्तिसंप्रयोगे रजतमवभासते PañcPā. 7. 3 (*on* i. 1. 1); अन्यथा (? अ)दृष्टरजतस्यापि शुक्तौ रजतभ्रमापत्तेः Bhāsk. ii. 125. 17 (*on* ii. 3. 13)

अदृष्टरजस् (adṛṣṭa-rajas) *adj.* who has not reached puberty कन्यां वोपवासयेददृष्टरजसमादर्शी चायमग्निः श्रेष्ठतम इत्येतेन SāmaViBr. iii. 4. 4; AbhidhāRaMā. 2. 329.

अदृष्टरदहास्य (adṛṣṭa-radahāsya) *n.* laughter in which the teeth are not seen अदृष्टरदहास्यं तु सितम् ParaNā. 522.

अदृष्टरहित (adṛṣṭa-rahita) *adj.* without the unseen effect (merit) तदेवमदृष्टरहिते समिदादिमात्रे सत्यङ्गवत्तैव नास्ति कुत उपकारः S'ābaBh. 2118. 10 (*on* xi. 1. 35)

अदृष्टराजत्व (adṛṣṭarāja-tva) *n.* the state of one who has not seen a king अस्ति राजेति । दूरस्था अदृष्टराजत्वात् (जनपदा न मर्यादामतिवर्तन्ते) JayaMa. 29. 21 (*on* 1. 3)

अदृष्टराजसभ (adṛṣṭa-rājasabha) *adj.* who has not seen the assembly of a king वैतालिककुलकलङ्क । किमदृष्टराजसभोऽपराभूतवादिवृन्दश्च कुमुदचन्द्रः MudriKu. 2. 21 (1)

अदृष्टरूप (adṛṣṭa-rūpa) *adj.* [*f.* -ā] **A i** of an invisible nature वर्मभिर्भवेद्यदि न दैवमदृष्टरूपम् (v. l. अदृश्यमानम्) MudrāRā. 2. 8; दृश्यस्वभावं किमभीष्टमेतद्ब्राह्मण्यमाहोस्विददृष्टरूपम् BhaviP. 81A. 13 (i. 41. 27); पदार्थकार्याणि यानि दृष्टादृष्टरूपाणि S'āstrDī. 646. 6 (*on* x. 1. 1); उपनीयाध्यापनेनादृष्टरूपः कश्चिदतिशयः आचार्ये जन्यते PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 3. 36; दृष्टादृष्टरूपप्रयोजनान्तरमन्तरेण परार्थं स्वानर्थस्य परमकारुणिकैरप्यनभ्युपगमात् S'aṭDū. 123. 12; नाप्यत्रादृष्टरूपामहितविमथनीं शक्तिमङ्गीकरोषि TattvMu. 2. 43; यजमानस्य योऽयमदृष्टरूपः शास्त्रीयः संस्कारः सोऽयं मुख्ये कर्मणि युक्तो नाङ्गेषु NyāyMāVi. 191. 15 (*on* iii. 7. 2); तत्रापि प्रोक्षणादिजन्यः संस्कारोऽदृष्टरूपो यजमान एव SarvaDaKau. 6. 5; न हि भयं विना वाङ्मात्रेण विधर्माणः शक्या निवर्तयितुम्, अदृष्टरूपेषु, पापफलेषु श्रुतिवाक्यमश्रद्दधतां लौकिके वचसि विश्वासादरयोरसद्भावात् DaṇḍaVi. 264. 3; ईश्वरोपाधिमायापरिणामयोरदृष्टरूपयोः प्रसादकोपयोर्मायावयवमनोऽवच्छिन्नत्वात् LaCandr. 401. 42; तार्किकमते तु अदृष्टरूपौ (धर्माधर्मौ) BhāṭṭDī. i. 5. 11 (*on* i. 1. 3); i. 286. 9 (*on* iii. 3. 14); ii. 41. 17 (*on* iii. 7. 2); अदृष्टरूपवेदत्वस्वीकारेऽपि ... सर्वार्थत्वकल्पनानुपपत्तिः MīmāKau. i. 37. 19 (*on* i. 3. 7); i. 49. 10 (*on* i. 3. 7); ii. 28. 12 (*on* ii. 3. 4); ii. 138. 20 (*on* iii. 1. 3); स चावान्तरोपकारः क्वचिददृष्टरूपः यथा प्रोक्षणादिषु MīmāKau. iii. 57. 11 (*on* ii. 1. 6); iii. 66. 5 (*on* ii. 1. 9); iii. 204. 8 (*on* ii. 2. 16); अदृष्टरूपाध्वर्युत्वादिसद्भावे प्रमाणाभावेन MayūMāli. 407. 20 (*on* v. 1. 1); 611. 4 (*on* ix. 2. 10); 659. 4 (*on* x. 2. 1); **A ii** of an invisible form कथं पुनरसत्साधानविधौ तदेकोपायत्वमाहवनीयादीनामदृष्टरूपाणामवगन्तुं शक्यम् S'āstrDī. 164. 11 (*on* ii. 3. 3); प्रकृते च यूपस्यादृष्टरूपस्यालौकिकत्वेन लोकतस्तत्सम्बन्धासिद्धेः MayūMāli. 12. 8 (*on* i. 2. 2); **B** not seen before, not known before अदृष्टरूपास्तास्तेन काम्यरूपा वने स्त्रियः Rāmā. i. 9. 13; अन्धः स्वप्नं पश्यन् दृष्टपूर्वमेव पश्यति न शाकद्वीपादिगतमदृष्टरूपम् BṛĀraUBh. 522. 4 (*on* iv. 3. 6); सर्वो ह्यर्थवादभागः ... आराध्यदेवतायाश्चादृष्टरूपान् गुणान् सहस्रशो वदन् VedāSaṁ. 147. 11; केयं वृत्तिरदृष्टरूपविषमप्रस्थायिनी दृश्यते Subhāṣi. 1359; **C** becoming invisible, having an invisible form तयोश्चक्षूंषि रजसा सुपर्णस्तूर्णमावृणोत् । अदृष्टरूपः MahāBhā. i. 29. 8; (यक्षी) अदृष्टरूपा शनकैः सुदर्शना विमोचयां ग्राहभयाद्बभूव VarāṅgaC. 13. 20; सिद्धयोगेश्वरीपीठे पूजयिष्यन्ति भाविताः । अदृष्टरूपाम् ... पिङ्गलां सर्वसिद्धिदाम् । ... तेषामाविर्भविष्यति SkandP. iv. 14. 72; इन्द्रजालं स्फुटं वेत्ति मायां जानाति वा पुनः । दृष्टोऽप्यदृष्टरूपोऽभूत् PadmP. i. 22. 48; त्वया स चोक्तः कथया जनानामदृष्टरूपः प्रचरिष्यसीति S'ivaP. v. 26. 10 (436B. 3); कस्याप्यदृष्टरूपस्य वाचमश्रौषमम्बरे BṛKathāS'loSaṁ. 27. 99; **D** of the form of the unseen (i. e. merit) कर्मणः स्वयमदृष्टरूपस्य दृष्टसाधनसम्पत्तिमन्तरेण फलजननासमर्थत्वात् JīvanVi. 10. 11; तद्धर्मप्रकारकस्मृतौ तद्धर्मावच्छिन्नसम्बन्धितया गृहीतवस्तुज्ञानस्य हेतुतायामदृष्टरूपोद्बोधकजनितस्मृतौ व्यभिचारवारणाय कार्यतावच्छेदककोटौ कसंकोचस्यावश्यकतया S'aktiVā. 216. 13; पञ्चप्रयाजानामदृष्टरूपकार्यभेदात्समुच्चयः LaCandr. 695. 30; अदृष्टरूपप्रयोजनस्य सिद्धेर्विकल्पः MayūMāli. 878. 8 (*on* xii. 4. 4); **E** of the nature of the unseen excellence यत्तु पिण्डदानेऽनुज्ञावचनं तत्तत्प्रश्नवददृष्टरूपान्नसंस्कारार्थम् CaturCin. iii(1). 1052. 1; *n.* **i** unseen nature अभेदवासनाया दृष्टरूपेणादृष्टरूपेण वा ... वाक्यार्थज्ञानोपकारकत्वम् S'aṭDū. 131. 18; **ii** the

state of having invisible nature शुद्धेश्च दृष्टादृष्टरूपेणाभिषिद्धत्वान्मन्त्रपाठेनादृष्टोत्पत्तेः BālamBha. iii. 207. 9 (*on* iii. 3. 327); [अदृष्टरूपस्य NyāKa. 144. 28 *w. r.* for दृष्टरूपस्य] *m.* one of Rudra's aspects the like of whose form is not to be seen शिरश्च सशिवो बभ्रुरक्षयः शम्भुरेव च। अदृष्टरूपनामानौ तथान्यो रूपवर्धनः AgniP. 86. 6.

अदृष्टरूपऋत्विक्त्व (adṛṣṭarūpa-ṛtviktva) *n.* priest-hood of an unseen nature ऋत्विक्पदस्य ··· अदृष्टरूपऋत्विक्त्वे रूढिमङ्गीकृत्य BhāṭṭDī. ii. 53. 4 (*on* iii. 7. 16); अदृष्टरूपऋत्विक्त्वकल्पनायां गौरवात् BhāṭṭDī. ii. 53. 8 (*on* iii. 7. 16); ii. 199. 19 (*on* v. 3. 11); ii. 312. 21 (*on* vi. 6. 3); iii. 218. 19 (*on* x. 2. 11); x. 242. 13 (*on* x. 2. 31)

अदृष्टरूपत्व (adṛṣṭarūpa-tva) *n.* the state of having an unseen form वेदत्वस्य यूपत्वादिवदृष्टरूपत्वात् MīmāKau i. 37. 12 (*on* i. 3. 7); ऋत्विक्त्वस्यादृष्टरूपत्वे प्रमाणाभावस्य तृतीये साधितत्वात् BhāṭṭDī. iii. 218. 19 (*on* x. 2. 10); न च ··· यूपस्यादृष्टरूपत्वात्तेनैवोदुम्बरत्वस्य नैराकाङ्क्ष्यम् MīmāNyāPra. 220. 5; देवतापरिग्रहस्यादृष्टरूपत्वेऽपि देवतासंस्कारकत्वात् MayūMāli. 853. 28 (*on* xii. 1. 12); चमसाध्वर्युत्वस्याप्यदृष्टरूपत्वाभावेन MayūMāli 324. 20 (*on* iii. 7. 11)

अदृष्टरूपत्वाभिधान (adṛṣṭarūpatvābhidhāna) *n.* statement as being of the nature of the unseen merit स्वयमेव दीक्षाया अदृष्टरूपत्वाभिधानाच्च BhāṭṭDī. ii. 200. 5 (*on* v. 3. 11)

अदृष्टरूपविभवा (adṛṣṭa-rūpavibhavā) *adj.* (*f.*) whose wealth of beauty is not seen (before) किं त्वाश्चर्यमदृष्टरूपविभवाप्याकर्ण्यमाना सती कान्तेत्युन्नतचेतसोऽपि कुरुते नाम्नैव निम्नं मनः NalaCam. 1. 61.

अदृष्टरूपामृतत्व (adṛṣṭarūpāmṛta-tva) *n.* immortality whose nature is not seen अदृष्टरूपामृतत्वाय विहितादुपासनात्साक्षात्कारः ··· जायते VedāntKa. 67. 15.

अदृष्टरूपाविशेष (adṛṣṭarūpāviśeṣa) *m.* non-distinction regarding the nature of the unseen वेदेऽदृष्टरूपाविशेषेऽपि कदाचिद्दर्शनादलौकिकार्थता NayaVi. 17. 1 (*on* i. 1. 1)

अदृष्टरूपिन् (adṛṣṭa-rūpin) *adj.* having an invisible form अदृष्टरूपी हनुमांस्तत्र भ्रमति नित्यशः SkandP. iii(2). 40. 52.

अदृष्टरूपैकार्थत्व (adṛṣṭarūpaikārtha-tva) *n.* the state of having a single purpose of the nature of the unseen effect अनेककल्पनायोगाददृष्टरूपैकार्थत्वं परिकल्प्य MīmāKau. iii. 126. 9 (*on* ii. 1. 48)

अदृष्टलक्षण (adṛṣṭa-lakṣaṇa) *adj.* characterised by unseen merit अदृष्टायेति अदृष्टलक्षणाय फलाय, अदृष्टद्वारा स्वर्गापवर्गलक्षणाय फलाय वा Upask. 269. 12 (*on* vi. 2. 2)

अदृष्टलवणा (adṛṣṭa-lavaṇā) *adj.* (*f.*) who has never even seen salt अदृष्टलवणा भार्या प्रातिवेश्यैर्निमन्त्र्यते Deśopa. 2. 15.

अदृष्टलिङ्ग (adṛṣṭa-liṅga) *adj.* whose mark is not visible or perceptible न च दृष्टानां स्पर्श इत्यदृष्टलिङ्गो वायुः VaiśeSū. ii. 1. 10; सामान्यतोऽदृष्टलिङ्गोऽपि वायुः पक्षधर्मताबलादायात इत्यर्थः Upask. 84. 12 (*on* ii. 1. 10)

अदृष्टलिङ्गत्व (adṛṣṭaliṅga-tva) *n.* the state of being an unobserved mark वायुना सहागृहीतव्याप्तिकत्वाददृष्टलिङ्गत्वमुक्तम् Upask. 85. 2 (*on* ii. 1. 10)

अदृष्टलिपि (adṛṣṭa-lipi) *f.* invisible script विधिरपि पुरुषस्य तस्य भाले लिखितुमदृष्टलिपिं कुतः क्षमेत AmṛUda. 1. 23.

अदृष्टलोकद्वितय (adṛṣṭa-lokadvitaya) *adj.* who has not taken note of the two worlds (this and the next world) जगाम सङ्केतभुवस्तमस्वतीरदृष्टलोकद्वितयोऽसतीजनः RāmC. 18. 19.

अदृष्टलोकपर्यन्त (adṛṣṭa-lokaparyanta) *adj.* who has not seen the limit of the world अदृष्टलोकपर्यन्ता हिंसानृतपरस्विनः PadmP.(Ra.) 123. 28.

अदृष्टवज्र (adṛṣṭa-vajra) *adj.* who has not seen a diamond कतिपयव्यक्तिग्रहणे चादृष्टवज्रस्य ··· व्याप्तेरनिश्चयात् TattvPradī.(Ci.) 245. 11.

अदृष्टवत् (adṛṣṭa-va(n)t) *adj.* [*f.* -tī] **i** connected with or arising from destiny or possessing the unseen (fruit of action) अदृष्टवता पुरुषेणास्याणूनां संबन्ध इति चेत् BrahmSūBh.(Śaṅ.) 369. 17 (*on* ii. 2. 12); न चादृष्टवतात्मना तत्संयोगात् कर्मोत्पत्तिनित्यसर्गप्रसङ्गात् BrahmSūBh.(Bhā.) 114. 21 (*on* ii. 2. 12); अदृष्टवतां जीवात्मनामेव कर्तृत्वोपपत्तेः NyāySu.(Ja.) 109B. 3 (*on* i. 1. 3); तद्व्यापारश्चादृष्टवदात्मसंयोगापेक्षस्ततोऽसौ सर्वगत इति VivaPraSaṁ. 240. 22; **ii** (*pap.*) who has not seen (an object) न चार्थमदृष्टवतस्तत्स्मरणमाकस्मिकमेवोत्पद्यते ŚāstrDī. 40. 3 (*on* i. 1. 4); प्रागदृष्टवती मेने वह्निते सा विलोचने RājTa. (Ka.) 8. 3181; इयं ··· मामदृष्टवतीव गच्छति RasSa. 179. (6)

अदृष्टवत् (adṛṣṭa-vat) *adv.* **i** as though unseen, as if not seen, दृष्टं चादृष्टवत् कृत्वा क्रियामन्यां प्रयोजयन् MahāBhā. vii. 687*(2); दृष्टं त्वदृष्टवत् कुर्यात् ŚukraNī. 3. 316; **ii** like the unseen (fruit of action) न वा तेन गृह्यते तत्समवेतत्वाददृष्टवत् NyāyKuA. i. 108. 2; अदृष्टवत्तस्य विपाकापेक्षत्वाभावेन स्वर्गादेः कालान्तरभावित्वभङ्गप्रसङ्गात् ŚivārkaMaDī. ii. 273. 22 (*on* iii. 2. 37)

अदृष्टवत्ता (adṛṣṭavat-tā) *f.* the state of being possessed of an unseen fruit अदृष्टवत्तया कर्मत्वोपपत्तौ घटादीनामपि तत्कर्मत्वापत्तिः BhāṭṭCin. i. 34. 3 (*on* i. 1. 4)

अदृष्टवदात्मवत् (adṛṣṭavadātma-vat) *adv.* like the self endowed with the unseen fruit (of action) 'वह्निः दाहानुकूलाद्दिघातीन्द्रियधर्मसमवायी दाहजनकत्वात् अदृष्टवदात्मवत्' इत्यनुमानस्य ··· अप्रयोजकत्वात् BhāṭṭCin. i. 33. 13 (*on* i. 1. 4)

अदृष्टवदात्मसंयोग (adṛṣṭavadātma-saṁyoga) *m.* conjunction with the self possessing an unseen fruit (of action) अदृष्टवदात्मसंयोगश्च ज्वलनपवनादिक्रियाकरणत्वेन बोद्धव्यः Kiraṇā. 152. 11; सा (क्रिया) अदृष्टवदात्मसंयोगे रूपादिमत्तायां चेति Kiraṇā. 186. 22; अथादृष्टवदात्मसंयोगादणुषु कर्मोत्पत्तिः BrahmSūBh.(Rā.) 481. 4 (*on* ii. 2. 12); सा (क्रिया) अदृष्टवदात्मसंयोगे (प्रमाणम्) इति चेन्न NyāySu.(Ja.) 371B. 8 (*on* ii. 2. 6); अदृष्टैरदृष्टवदात्मसंयोगैश्चेति यावत् NyāySu.(Ja.) 336B. 3 (*on* ii. 2. 6); उत्पन्नेषु रक्तादिष्वदृष्टवदात्मसंयोगात्परमाणौ द्व्यारम्भणाय क्रिया SarvaDaSaṁ. 10. 118; अदृष्टवदात्मसंयोगादेव सर्गादौ परमाणूनां कर्म Upask. 215. 5 (*on* iv. 2. 7); प्रयत्नवदात्मसंयोगेऽदृष्टवदात्मसंयोगे चाभ्युपगम्यमाने AṇuBh. 132. 14 (*on* ii. 2. 12); ततोऽदृष्टवदात्मसंयोगाद् द्व्यारम्भानुगुणा क्रिया SiddhāMu. 59. 30 (*on* 105); अदृष्टवदात्मसंयोगेन ··· घटादीनामपि तत्कर्मत्वापत्तिः BhāṭṭCin. i. 34. 2 (*on* i. 1. 4)

अदृष्टवध (adṛṣṭa-vadha) *m.* murder in secret नृशंसमदृष्टवधः क्षत्रविनाशश्चेति विशालाक्षः ArthŚā. i. 84. 8 (1. 17)

अदृष्टवर्ण (adṛṣṭa-varṇa) *m.* letter which is not seen अदृष्टवर्णे प्रथमे चोदकः स्यात् प्रदर्शकः ṚPrāti. 10. 10; अदृष्टवर्णे प्रथमे प्रदर्शनं स्मरन्ति ṚPrāti. 11. 14.

अदृष्टवश (adṛṣṭa-vaśa) *m.* **अदृष्टवशेन** (adṛṣṭavaśena) [Inst.] **i** due to the unseen (i. e. merit and demerit) न च तत्रादृष्टवशेन व्यवस्थोत्प्रेक्ष्या NītiMā. 51. 14; **ii** due to the unseen (i. e. merit) नयनरश्मिभिरेकीभूतेऽपि बाह्ये तेजसि यावानेव तस्य भागोऽदृष्टवशेनोपलब्धिहेतुतयोपात्तः तावानेवोपलब्धये प्रभवति PrakaPañ. 130. 12; **अदृष्टवशात्** (adṛṣṭavaśāt) [Abl.] **i** due to the unseen (i. e. merit and demerit) न पुनः पदार्थस्थितिरदृष्टवशाद्विपरिवर्तते NyāyMañ. i. 208. 8; यथा प्रदीपान्निर्गतैरवयवैरदृष्टवशात् ··· अप्रतिघातिप्रभामण्डलमारभ्यते NyāyKa. 9. 6; 32. 18; यदि तु शुभाशुभरूपतया सरणानामदृष्टवशाद् व्यवस्थाक्रमः ĀtmaSi. 14. 17; संवेगो वैराग्यं तस्यापि मृदुमध्यतीव्रता प्राग्भवीयवासनादृष्टवशादेवोदेति TattvVai. 25. 25 (*on* 1. 21); अदृष्टवशादनुद्भूतरूपस्पर्शं हि तत् Bhām. 732. 6 (*on* iv. 2. 9); यदि च मनसो वैभवेऽप्यदृष्टवशात् क्रम उपपाद्येत तदा ··· आश्रयासिद्धिरेव वैभवहेतूनाम् NyāyKuA. i. 150. 2; ii(1). 223. 13; अदृष्टवशाद्बोधितसंस्कारसम्पत्त्या विसदृशसमारोपे च अधिकरणसम्पत्तिर्यथासम्भवमूहनीयेति NyāyKu. 66. 16; अथ तद्भावाविशेषेऽप्यदृष्टवशाद्विवक्षितशरीरोत्पादनानुगुणा नियता एव परमाणव उपसर्पन्ति SyādvāMañ. 9(73); अदृष्टवशाच्च कस्यचिदेव सरणम् NyāySu.(Ja.) 44B. 2 (*on* i. 1. 1); अदृष्टवशादपि तज्जन्मानुभूतेषु ··· यज्ज्ञानमुत्पद्यते Upask. 410. 7 (*on* ix. 2. 7); करका तु अदृष्टवशात्प्रतिबद्धद्रवं जलमेव ŚarvaDaKau. 14. 5; अदृष्टवशादर्थानामनुभूतत्वं च नाध्यवसीयते TantrRaha. 4. 11; अदृष्टवशाच्चेत् SāṁkhyaSū. 1. 30; नन्वेकदेशसम्बन्धेन विषयसंयोगसाम्येऽप्यदृष्टवशादेवोपरागलाभ इति चेत् SāṁkhyaPraBh. 18. 10 (*on* 1. 30); **ii** due to the unseen (i. e. merit) व्यक्तं जगत्यदृष्टवशाद्विशालगुणसम्पद्भिरप्यसुलभाः स्वल्पगुणैरपि सुप्रापाः प्रसिद्धयो भवन्ति TilaMañ. 212. 22; घ्राणसमवेतस्य हि गन्धस्यादृष्टवशात् तादृशो निर्माणभेदो येन सजातीयं चन्दनादिसमवेतं गन्धमभिव्यनक्ति TātpaṬ.(Vā.) 534. 14 (*on* iii. 1. 70); फलं च नाम यददृष्टवशाद्देवताप्रसादादन्यतो वा जायते Loc. 149. 6 (*on* 3. 14); वेदास्तु निःश्वासवदेवादृष्टवशादबुद्धिपूर्वका एव स्वयम्भुवः सकाशात् स्वयं भवन्ति SāṁkhyaPraBh. 126. 30 (*on* 5. 50); **iii** due to destiny or fate यदा तु दृश्यमाने कारणे एषां भङ्गः नादृष्टवशात्, तदा समाधानं कृत्वा पुनरारोपणं कर्तव्यम् VyavaNi. 156. 1.

अदृष्टवशतस् (adṛṣṭavaśa-tas) *adv.* due to the force of the unseen (merit or demerit) प्रजासृष्टिं ब्रह्मा तदनु कुरुतेऽदृष्टवशतः Vidvanmo. 4. 43.

अदृष्टवस्तुसंप्राप्ति (adṛṣṭavastu-samprāpti) *f.* acquisition of a thing not seen (before) अदृष्टवस्तुसंप्राप्तिः केषांचिद्धास्यदाभवत् RājTa.(Ka.) 7. 1573.

अदृष्टवाच् (adṛṣṭa-vāc) *f.* speech from an invisible (source) अत्र जिनबिम्बं तिष्ठतीत्यदृष्टवाचा निश्चित्य PrabaK. 85. 16.

अदृष्टवाचकत्व (adṛṣṭavācaka-tva) *n.* the state of being expressive of the unseen (effect) ऋत्विक्शब्दस्य यूपादिशब्दवददृष्टवाचकत्वावगमात् MayūMāli. 665. 13 (*on* x. 2. 10)

अदृष्टवाणादि (adṛṣṭa-vāṇādi) *adj.* [= अदृष्टबाणादि] one who has

not seen an arrow etc. अदृष्टवाणादिना ··· वा(बा)णादिविषाणित्वानुमानौचित्यापातात् KhaṇḍanKhā. 877. 16.

अदृष्टवादिता (adṛṣṭavādi-tā) *f.* declaration that (something) is not seen [SWTF]

अदृष्टवादिन् (adṛṣṭa-vādin) *adj.* who states that the unseen is the cause, who argues about the unseen (cause) अवश्यं चायं स्वाभाविकपक्षोऽदृष्टवादिनाभ्युपगन्तव्यः TātpaṬ.(U.) 145. 19 (*on* 4. 103); अदृष्टवादिभिश्चापि नादृष्टं दृष्टनुच्यते SarvaSiSaṁ. 2. 2; अतो मूढा नास्तिकाश्च अदृष्टवादिनो जनाः ĀdiP. 3. 17.

अदृष्टवारण (adṛṣṭa-vāraṇa) *n.* warding off of the unseen (effect) परिशोधनोत्तरकालं परिशोधनाभावसत्त्वेन तद्बलात्तदुत्तरमदृष्टवारणाय परिशोधनध्वंसस्य प्रतिबन्धकतायाः कल्पनीयतया भवन्मते गौरवात् VyutpaVā. 172. 12.

अदृष्टवारि (adṛṣṭa-vāri) *adj.* who did not see water धरणोऽथ द्रुमारूढोऽदृष्टवारिर्व्यचिन्तयत् SamarāSaṁ. 6. 95.

अदृष्टविग्रह (adṛṣṭa-vigraha) *adj.* whose body is invisible (i. e. having no corporeal form) महादुन्दुभयो नेदुः ···अदृष्टविग्रहैर्देवैराहताः करपल्लवैः PadmP.(Ra.) 4. 26; 119. 32; (देवाः) अदृष्टविग्रहा हृष्टा वदन्तीदं मुहुर्मुहुः BṛKathāK. 68. 65; 80. 14; अदृष्टविग्रहात् ··· शिवात् ··· समुत्पन्नं ज्ञास्त्रम् YaśasCam. ii. 255. 2 = ii. 276. 24; अदृष्टविग्रहं देवं कथं ज्ञास्यति चिन्मयम् RasRaSa. 1. 55.

अदृष्टविग्रहाद्यभाव (adṛṣṭavigrahādy-abhāva) *m.* absence of the body etc. produced by the unseen cause एवं सत्यं शरीर(? त्वशरीर)मिति त्वदृष्टविग्रहाद्यभावपरम् GoviBh. 319. 14 (*on* iv. 4. 11)

अदृष्टविग्रहेश (adṛṣṭavigraheśa) *m.* Lord whose body is not visible अदृष्टविग्रहेशेन स्वेच्छाक्रीडनका इव । धात्रा विनिर्मितः ··· बाबादमाभिधः RājTa. (Prā.) 420.

अदृष्टविधा (adṛṣṭa-vidhā) *f.* [Inst.] by way of (producing) the unseen effect त्यागांशस्यादृष्टविधया आरादुपकारकत्वम् BhāṭṭDī. ii. 92. 21 (*on* iv. 1. 7); iii. 199. 21 (*on* x. 1. 6); आज्यादीनां स्तोत्रोपकारकत्वमदृष्टविधया न विरुध्यते MīmāKau. i. 179. 8 (*on* i. 4. 3); सक्तूनाम् ··· अदृष्टविधयोपकारकत्वस्य च लौकिकप्रमाणागम्यत्वात् MīmāKau. iii(2). 77. 3 (*on* ii. 1. 12); iii(2). 226. 10 (*on* ii. 2. 19); ii. 144. 5 (*on* iii. 1. 8)

अदृष्टविधान (adṛṣṭa-vidhāna) *adj.* who has not known the method (of administering medical treatment) भिषजा ··· अदृष्टविधानेन ··· न चाविपश्चिता नस्यकर्म प्रदातुमित्येतन्मे विवक्षितम् Hastyāyur. 619. 9 (4. 7)

अदृष्टविपाक (adṛṣṭa-vipāka) *m.* ripening or maturing of the unseen merit or demerit अथादृष्टविपाककादाचित्कत्वात् ··· अन्तःकरणस्य नायं प्रसङ्गः Bhām. 491. 10 (*on* ii. 3. 32); प्रलये सृष्ट्यभावः कस्य कारणस्य वैकल्येनोपपादनीयः । न तावददृष्टविपाकस्य S'ivārkaMaDī. ii. 70. 1 (*on* ii. 2. 11)

अदृष्टविप्रयोग (adṛṣṭa-viprayoga) *adj.* which cannot be dissociated form (the word) अदृष्टविप्रयोगोऽर्थः VākyaPa. 2. 165.

अदृष्टविप्रिय (adṛṣṭa-vipriya) *adj.* [*f.* –ā] **i** wherein no unpleasantness is seen भावसूचितमदृष्टविप्रियं दार्ढ्यभाक्क्षणवियोगकातरम् । ··· तयोः प्रेम KumāSaṁ. 8. 15; **ii** who has experienced no unpleasant things गते च तस्मिन्नदृष्टविप्रिया प्रिया प्रियङ्गुसुन्दरी नाम देवी ··· जम्बुद्वीपमागच्छत् TilaMañ. 407. 10.

अदृष्टविभूति (adṛṣṭa-vibhūti) *adj.* who has not seen or experienced prosperity दधति न जनास्तन्नैराश्याददृष्टविभूतयो यदुचितसुखभ्रंशाद्दुःखं निजच्युतसम्पदः Subhāṣi. 3190.

अदृष्टवियोगदुःख (adṛṣṭa-viyogaduḥkha) *adj.* who has not seen or experienced the grief of separation अदृष्टवियोगदुःखः । ··· कनकवर्षनरेश्वरोऽथ भूमण्डलं ··· शशास KathāSaSāg. ix. 5. 238.

अदृष्टविरह (adṛṣṭa-viraha) *adj.* who has not seen or known separation सः ···कदाचिदप्यदृष्टविरहः ···प्रणयिलोकः ···कां दशामनुभविष्यति TīlaMañ. 348. 5; *m.* absence of unseen (merit) वर्णोच्चारणकरणमिन्द्रियं वाक् । मृगादिष्वदृष्टविरहात् तदभावः YatindraDī. 38. 9.

अदृष्टविरहव्यथ (adṛṣṭa-virahavyatha) *adj.* in which the grief of separation is not experienced अदृष्टविरहव्यथम् ··· धन्यं कस्यापि जीवनम् Hitopa. 1. 112.

अदृष्टविरुद्ध (adṛṣṭa-viruddha) *adj.* **i** not contrary to what is seen or perceived न सुखस्यापि तर्ह्यस्मदादेरदृष्टविरुद्धमनित्यत्वं शक्यं कल्पयितुम् NyāyVār. 89. 18 (*on* i. 1. 22); **ii** contrary to the unseen (benefit or merit) यो हि ··· परलोकसाधनैकप्रवणस्तपोदानादिप्रवृत्तः ··· स कथमिवात्मनो दृष्टादृष्टविरुद्धम् ··· परस्यार्थेऽनृतं ब्रूयात् BālaKrī. i. 226. 5 (*on* 2. 70); निषेधो दृष्टादृष्टविरुद्धक्रियासु ManvaMu. 274. 15 (*on* 7. 154)

अदृष्टविरोध (adṛṣṭa-virodha) *adj.* in which no contradiction is seen को ह्यदृष्टविरोधस्य सम्भवं प्रत्याचक्षीत । तदयं व्यतिरेकः संशयादसाधनम् PramāVāSvopVṛ. 103. 16; *m.* antagonism with the unseen (merit) राजदाराश्च चतुराश्रमगुरुभार्या दृष्टादृष्टविरोधात् (अगम्याः) JayaMa. 70. 8 (*on* 1. 5); 71. 2 (*on* 1. 5)

अदृष्टविरोधित्व (adṛṣṭavirodhi-tva) *n.* the state of being opposed to the unseen (merit) राज्ञश्चतुराश्रमगुरुत्वात् दाराः खण्डितशीला अपि दृष्टादृष्टविरोधात् (v. l. दृष्टादृष्टविरोधित्वात्) अगम्याः JayaMa. 71. 2 (*on* 1. 5)

अदृष्टविरोधिन् (adṛṣṭa-virodhin) *adj.* opposed to the unseen (effect or benefit) अज्ञो वा ··· दृष्टादृष्टविरोधि कर्म कुरुते MahāviC. 3. 35.

अदृष्टविलम्ब (adṛṣṭa-vilamba) *m.* delay of the unseen (cause) न च वैभवेऽप्यदृष्टविलम्बाद्विलम्बः TattvCin. i. 771. 11; ii(2). 88. 6.

अदृष्टविशिष्ट (adṛṣṭa-viśiṣṭa) *adj.* possessed of unseen (merit and demerit) आत्मानश्च संस्कारादृष्टविशिष्टाः (व्यवतिष्ठन्ते) TarkSaṁ.(Ā.) 43. 25.

अदृष्टविशिष्टताभिवर्त्मन् (adṛṣṭaviśiṣṭatābhivartman) *n.* course the peculiarity of which is unknown विष्णवे तामदृष्टविशिष्टताभिवर्त्मस्थितामप्यविदुषे निवेद्य तदुपसर्गापवर्गायास्मत्सर्गान्नियोजयितव्यः YaśasCam. ii. 320. 7.

अदृष्टविशिष्टत्व (adṛṣṭaviśiṣṭa-tva) *n.* the state of being charactерised by the unseen (merit and demerit) अदृष्टविशिष्टत्वेन भाव्यत्वोपपत्तिः MīmāKau. iii(2). 64. 2 (*on* ii. 1. 7)

अदृष्टविशेष (adṛṣṭa-viśeṣa) *adj.* [*f.* –ā] whose specific nature is not seen नैवं वाक्यानि दृश्यविशेषत्वात् । अदृश्यत्वेऽप्यदृष्टविशेषाणां विजातीयत्वोपगमविरोधात् PramāVāSvopVṛ. 10. 6; तेनेयं जन्मादिकालशुद्धिवददृष्टविशेषा शुद्धिर्वेदितव्या ManuBh. i. 84. 1 (*on* 2. 27); *m.* special unseen merit, specific unseen factor, particular unseen factor or principle येऽदृष्टविशेषास्तदपेक्षेभ्यस्तत्संयोगेभ्य आत्माणुसंयोगेभ्यः पवनपरमाणुषु कर्मोत्पत्तौ सत्याम् Kiraṇā. 93. 16; 203. 8; यदि त्वदृष्टविशेषो वा ··· अनुगतं कारणमुच्यते KhaṇḍanKhā. 682. 9; न च सर्वत्रादृष्टविशेषसदसद्भावकारित एव विपाकसिसृक्षादिभेद इति वाच्यम् NyāyKu. 94. 3; किं तु तादृशानुसन्धानेनादृष्टविशेषो भवति NyāySiA. 249. 23; 231. 23; स चादृष्टविशेषो योगाभ्यासतपश्चर्यादिभिर्जायते NyāyPari. 74. 8; Upask. 322. 8 (*on* vii. 2. 8); SiddhāMu. 19. 22 (*on* 40); तज्जातीयस्य ग्रहणेनादृष्टविशेषस्यापि सत्त्वाच्च BhedaDhi. 72. 1; ऋणग्रहणेनाधमर्णनिष्ठः परिशोधननाश्योऽदृष्टविशेषो जन्यते VyutpaVā. 172. 4; एतेनादृष्टविशेषात् भोगव्यवस्थेति सङ्कल्पविशेषाददृष्टव्यवस्थेति प्रत्युक्तम् GoviBh. 158. 9 (*on* ii. 3. 30)

अदृष्टविशेषज (adṛṣṭaviśeṣa-ja) *adj.* produced by a specific unseen factor (as its cause) वामदेवादितुल्यत्वे हि ज्ञानप्रदमदृष्टविशेषजं स्वजन्माप्युक्तं स्यात् VīraMi.(Bhakti.) 158. 8.

अदृष्टविशेषनियम (adṛṣṭaviśeṣa-niyama) *m.* regulation by particular unseen factor अदृष्टविशेषनियमस्तु दृष्टमुपाधिमाश्रित्य भवेत् Kiraṇā 203. 11.

अदृष्टविशेषप्रयोज्य (adṛṣṭaviśeṣa-prayojya) *adj.* caused by particular unseen factors (or force of destiny) मरणम् कस्यचिच्चिरेण कस्यचिच्छीघ्रमदृष्टविशेषप्रयोज्यम् (भवति) VīraMi. 890. 27 (*on* 3. 170)

अदृष्टविशेषरूप (adṛṣṭaviśeṣa-rūpa) *adj.* **i** having a particular unseen form लक्षण्याम् ··· अदृष्टविशेषरूपैराभ्यन्तरैश्च शुभलक्षणैर्युक्ताम् (कन्याम् उद्वहेत्) VīraMi. 108. 4 (*on* 1. 52); **ii** of the nature of particular unseen (force) पौर्वदेहिकं पूर्वदेहोपार्जितमदृष्टविशेषरूपं दैवम् VīraMi. 373. 9 (*on* 1. 349)

अदृष्टविशेषवत् (adṛṣṭaviśeṣa-va(n)t) *adj.* endowed with a specific unseen force or merit अदृष्टविशेषवदात्मसंयोगाद् धेनूपयुक्ततृणादेः क्षीरभाव इति चेन्न S'rutaPra. ii. 284. 30 (*on* ii. 2. 4)

अदृष्टविशेषलब्ध (adṛṣṭaviśeṣa-labdha) *adj.* got due to specific unseen merit मनुष्यदेहपरिमितस्य तस्यादृष्टविशेषलब्धे करिशरीरे च तथा सर्वाङ्गीणसुखदुःखानुपलम्भश्च ··· इति GoviBh. 136. 10 (*on* ii. 2. 34)

अदृष्टविशेषसंपत्ति (adṛṣṭaviśeṣa-sampatti) *f.* accomplishment of the particular unseen force or factor इहादृष्टविशेषसम्पत्तिहेतुत्वं वर्धमानादिप्रयोगस्य AbhinBhā. i. 165. 18 (*on* 4. 252)

अदृष्टविशेषसंबन्ध (adṛṣṭaviśeṣa-sambandha) *m.* association with a particular unseen merit or factor ब्राह्मण्यादिकं देवतादीनामप्यस्ति । तत्खल्वदृष्टविशेषसम्बन्धरूपम् S'rutaPra. ii. 59. 21 (*on* i. 3. 25)

अदृष्टविशेषसहकृत (adṛṣṭaviśeṣa-sahakṛta) *adj.* assisted by a certain unseen power or force अस्ति च योगिप्रत्यक्षमदृष्टविशेषसहकृतान्तःकरणजन्यम् ··· आस्तिकानाम् S'atDū. 72. 12.

अदृष्टविशेषाभिप्राय (adṛṣṭaviśeṣābhiprāya) *m.* intention regarding

a particular unseen force or merit अभ्युपगम्याप्यदृष्टमात्रं प्रत्यर्थापत्तेः प्रामाण्यम् अदृष्टविशेषाभिप्रायेण 'अथातो धर्मजिज्ञासा' इत्युक्तम् TātpaṬ.(U.) 145.23 (*on* 4.105)

अदृष्टविशेषावच्छिन्न (adṛṣṭaviśeṣāvacchinna) *adj.* delimited by a certain unseen power or merit अदृष्टविशेषावच्छिन्नस्थलविशेषस्यैवाश्युत्तरवेद्यादिशब्दाभिधेयत्वात् BhāṭṭDī. iii. 62.8 (*on* ix. 1.8); वेदिर्हि ··· अदृष्टविशेषावच्छिन्नदेशविशेषः, अदृष्टमेव वा BhāṭṭDī. iv. 224.13 (*on* xii. 1.3); iv. 224.17 (*on* xii. 1.3)

अदृष्टविशेषोपनिबद्ध (adṛṣṭaviśeṣopanibaddha) *adj.* accompanied by a certain unseen power or merit अदृष्टविशेषोपनिबद्धभूतविशेषानुपलम्भात् NyāyKuA. i. 142.1.

अदृष्टविशेषोद्बोध (adṛṣṭaviśeṣodbodha) *m.* revival of the unseen merit or force न च तदानीमदृष्टविशेषोद्बोधविलम्बादेव तज्ज्ञानविलम्ब इति वाच्यम् SiddhāMu. 53.26 (*on* 85)

अदृष्टविशेषोपगृहीतत्व (adṛṣṭaviśeṣopagṛhīta-tva) *n.* the state of being taken by a special unseen merit or power शिवत्वजातेरदृष्टविशेषोपगृहीतत्वस्य वानुगतत्वात् TattvCin. iv(2). 524.1.

अदृष्टविशेषोपग्रह (adṛṣṭaviśeṣopagraha) *m.* apprehension of a specific unseen factor तदिदम् ···अदृष्टविशेषोपग्रहानुबद्धं वा ĀtmaTaVi. 858.19 (Nārāyaṇī भोक्तॄणामदृष्टविशेषेण तद्भोगायाचेतनं तत्परमन्त्रं न तु स्वत इत्यर्थः); तद्बुद्धेरनेकविषयत्वेऽप्यदृष्टविशेषोपग्रहो नियामकः Upask. 296.5 (*on* vii. 1.9)

अदृष्टविशेषाभाव (adṛṣṭaviśeṣābhāva) *m.* absence of a specific unseen factor (as its cause) किमदृष्टविशेषाभावादस्मदादिशरीरस्य शुक्रादिपूर्वता NyāyKa. 33.15.

अदृष्टविषय (adṛṣṭa-viṣaya) *adj.* [*f.* -ā] having for its sphere an unseen object, relating to an unseen object अदृष्टविषया चेत्स्यादेतेषां साध्वसाधुता TantrVā. 191.8 (*on* i. 3.18); तच्च तादर्थ्यमदृष्टविषयमिति सर्वैः क्रियते ṬupṬ. 74.15 (*on* v. 3.29); सर्वेषां ज्ञानानामदृष्टविषयाणां हेतुर्निमित्तं वेदः ManuBh. i. 69.11 (*on* 2.7); अदृष्टविषयप्रमाणवाक्यत्वस्य चासिद्धेः NyāyKuA. ii(2). 60.1; अदृष्टविषयां वार्ताम् ···विवृणोति कः RājT.(Ka.) 5.186; निर्मातुं कुशलोऽप्यदृष्टविषये रूपे न जातु क्षमः Subhāṣi. 1469; *m.* non-perceived object यद्यप्यर्थप्रतिपत्त्यव्यभिचारद्वारेण प्रमाणस्याव्यभिचारो गम्यते दृष्टे विषये, तथाप्यदृष्टविषये न तज्जनितप्रतिपत्त्यव्यभिचारेणाव्यभिचारः शब्दस्य प्रमाणस्य शक्यो विज्ञातुम् TātpaṬ.(Vā.) 30.15 (*on* i. 1.1)

अदृष्टविषयचोदना (adṛṣṭaviṣaya-codanā) *f.* injunction relating to an unseen object अदृष्टविषयचोदनाप्रामाण्यात् आत्मकर्तव्यं गौणैः देहेन्द्रियात्मभिः क्रियत एव GītāBhā.(Śaṅ.) 559.17 (*on* 18.66)

अदृष्टविषयद्वार (adṛṣṭaviṣaya-dvāra) *m.* [Inst.] through the medium of an unseen object तद्विषया त्विच्छादृष्टविषयद्वारेणोपकरिष्यति ṬupṬ. 82.15 (*on* vi. 1.1)

अदृष्टविषयवाक्यत्व (adṛṣṭaviṣayavākya-tva) *n.* the state of being a sentence relating to an unseen object वाक्यत्वस्यादृष्टविषयवाक्यत्वस्य च विरुद्धत्वात् NyāyKuA. ii(2). 59.5.

अदृष्टविषयोपयोगिन् (adṛṣṭaviṣayopayogin) *adj.* useful in respect of an unseen object अदृष्टविषयोपयोगिवेदादिप्रमाणप्रामाण्यपरिच्छेदे पारम्पर्येणोपायत्वात् ··· तत्र सार्थकतामवलम्बते NyāyMañ. i. 158.29.

अदृष्टविष्टरम् (adṛṣṭa-viṣṭaram) *adv.* without any seat or bed being seen यद्वपुः ··· पट्टतूलशय्यामभूषयत्। तदा तत्तस्य भूपृष्ठेऽशयिष्टादृष्टविष्टरम् RājTa.(Śrī.) 3.119.

अदृष्टविस्तार (adṛṣṭa-vistāra) *adj.* who has not seen the outside world यस्तत्रैवावरुद्धो न क्वचिद्गच्छति तमेव विशिष्टं मन्यते ··· सोऽदृष्टविस्तार उच्यत उदुम्बरमशक इति Nyās. i. 360.23 (*on* ii. 1.48) = PadMañ. on KāśiVṛ. *on* P. *on* ii. 1.48.

अदृष्टविहित (adṛṣṭa-vihita) *adj.* inflicted invisibly रक्ष रक्ष प्रभो न्यक्षः शुद्धान्तो लेष्टुयष्टिभिः। अदृष्टविहितैः कैश्चित्प्रहारैर्जर्जरीकृतः PrabhāC. 33.25.

अदृष्टवृत्ति (adṛṣṭa-vṛtti) *f.* activity of the unseen (destiny) अदृष्टवृत्तिलाभेन यथा संयोग आत्मनः। क्वचित्स्वस्वामियोगाख्योऽभेदेऽन्यत्रापि स क्रमः VākyaPa. iii. 3.18; रथाधिरूढा अप्रतिमा श्रीवर्धमानप्रतिमा चादृष्टवृत्त्याधिष्ठातृबलेन संचरन्ती ··· श्रीमालपुरमलंचकार PrabaCin. 109.2.

अदृष्टवैकल्य (adṛṣṭa-vaikalya) *n.* deficiency in the unseen (cause) न च तस्यां सत्यामदृष्टवैकल्यादशक्तिःशङ्क्या, दृष्टसामग्र्युपनयार्थत्वात्सामान्यतोऽदृष्टस्य ŚatDū. 223.15; अदृष्टवैकल्ये हि बाह्यसामग्री विकला स्यात् NyāySu.(Ja.) 256B.5 (*on* ii. 1.2)

अदृष्टवैकृत (adṛṣṭa-vaikṛta) *adj.* not showing any change in attitude पितृपैतामहमविसंवादकमदृष्टवैकृतं वश्यं ध्रुवमलोभशीलम् ··· इति मित्रसम्पत् KāmSū. 71.17 (1.5); अदृष्टवैकृतं तादात्म्यककार्यस्य ··· अदृष्टव्यभिचारम् JayaMa. 71.21 (*on* 1.5)

अदृष्टवैगुण्य (adṛṣṭa-vaiguṇya) *n.* defect in the unseen (cause) तत्र न दृष्टवैगुण्यमुपलभामहे। नापि दृष्टसाद्गुण्येऽदृष्टवैगुण्यं संभावनीयम्। तस्यैतावन्मात्रार्थत्वात् NyāyKuA. i. 16.11; एतैश्चादृष्टवैगुण्यं कल्प्यं संस्काररोधिषु। एतेष्वसत्स्वस्मरणात् ज्ञानाभावोऽनुमीयते ŚrutaPra. iB. 20.19 (*on* i. 1.1); न चादृष्टवैगुण्यम्। दृष्टसाद्गुण्ये तदभावात् तस्य तदर्थत्वात् TattvCin. ii(2). 88.4; विवेकादिपूर्वकृततत्त्वादिभिरपि तस्मिन्क्वचिद्विचाराभावस्यादृष्टवैगुण्योपपाद्यत्वात् SiddhāSi. i. 15.18.

अदृष्टवैचित्र्य (adṛṣṭa-vaicitrya) *n.* variety of the unseen (cause) प्रतिशरीरं घ्राणादीनां व्यक्तिभेदेऽपि विषयवैचित्र्यादर्शनात् अदृष्टवैचित्र्यादेवमपि स्यात्। को विरोधः Kiraṇā. 108.11; न चादृष्टवैचित्र्यमेवासंभावितम् ···अनादित्वात् TattvPrakā. 124B.12 (*on* ii. 3.51); अदृष्टवैचित्र्यस्य नियामकत्वाच्च तादृशाः केचिदधिकारिणः संभवन्तीति स्वीकार्यम् GoviBh. 56.5 (*on* i. 3.33)

अदृष्टवैजात्य (adṛṣṭa-vaijātya) *n.* variation of the unseen effect न ह्यनयोः प्रयाजानूयाजवत्समुच्चयः येनादृष्टवैजात्यमावश्यकं स्यात् BhāṭṭDī. iii. 27.23 (*on* ix. 2.14)

अदृष्टवैभव (adṛṣṭa-vaibhava) *n.* power of destiny अदृष्टमप्यर्थमदृष्टवैभवात्करोति सुप्तिर्जनदर्शनातिथिम् NaiṣC. 1.39; भवताप्यदृष्टचिकित्सितेऽस्मिन्व्याधावदृष्टवैभवमन्तरेण भिषगन्तरं नान्वेषणीयमस्ति RasSa. 158(1)

अदृष्टवैलक्षण्य (adṛṣṭa-vailakṣaṇya) *n.* distinctiveness of the unseen (cause) न हि दृष्टकारणवैलक्षण्यमन्तरेणादृष्टवैलक्षण्यमात्रात्कार्यवैलक्षण्यं सिध्यति ŚāstrDī. 116.15 (*on* i. 1.5)

अदृष्टव्य (a-dṛṣṭavya) *adj.* [? अद्रष्टव्य] not fit to be seen तन्नाधीते, तस्माददृष्टव्योऽसौ PrabaK. 110.3.

अदृष्टव्यतिकर (adṛṣṭa-vyatikara) *adj.* who has not seen any calamity सुधो वन्या मग्नाः शिशुरयमदृष्टव्यतिकरः कुरङ्गो हन्तारः सविध इति संतापतरलः SaduktiKa. 257.27.

अदृष्टव्यभिचार (adṛṣṭa-vyabhicāra) *adj.* [*f.* -ā] **i** discrepancy of which is not observed आप्तवादस्याविसंवादसामान्याददृष्टव्यभिचारस्य प्रत्यक्षानुमानागम्येऽप्यर्थे प्रतिपत्तेः PramāVāSvopVṛ. 72.23; अदृष्टव्यभिचारो हेतुरनुमानाङ्गम् NyāyRa. 365.5 (*on* 5(4).59); अदृष्टव्यभिचारा अपि धर्माः व्यभिचारिणो दृष्टाः NyāySu.(Ja.) 354A.7 (*on* ii. 2.6); **ii** without any change being observed अदृष्टवैकृतं तादात्म्यककार्यस्यादिमध्यावसानेष्वदृष्टव्यभिचारम् JayaMa. 71.22 (*on* 1.5); **iii** whose infidelity is not known व्यभिचारस्वभावत्वावधारणाददृष्टव्यभिचारास्वपि स्त्रीत्वेन व्यभिचारोऽनुमास्यते पलाशत्वेनैव वृक्षत्वम् NyāySu.(So.) 12.26 (*on* i. 2.2); 13.8 (*on* i. 2.2)

अदृष्टव्यभिचारता (adṛṣṭavyabhicāra-tā) *f.* the state of not observing a discrepancy अदृष्टव्यभिचारतया ··· स्वतःप्रामाण्यमिति नानवस्था TātpaṬ.(Vā.) 13.9 (*on* i. 1.1)

अदृष्टव्यभिचारत्व (adṛṣṭavyabhicāra-tva) *n.* the state of not observing a discrepancy दृष्टव्यभिचारत्वाच्च शब्दस्य प्रत्यक्षस्य चादृष्टव्यभिचारत्वात् BrahmSi. 39.13.

अदृष्टव्यभिचारवचस् (adṛṣṭavyabhicāra-vacas) *adj.* whose words are not known to be fallible भवितव्यमेवादृष्टव्यभिचारवचसामपि पुरुषाणां वाचि शङ्कया किं यथार्था नेति PramāVāSvopVṛ. 118.16.

अदृष्टव्यभिचारसाध्यत्व (adṛṣṭavyabhicārasādhya-tva) *n.* the state of one the discrepancy of whose probandum is not seen वस्तुगत्या व्यभिचारिसाध्यस्याप्यापाततोऽदृष्टव्यभिचारसाध्यत्वसंभवात् तस्याप्युपाधित्वापत्तेः KhaṇḍanKhā. 707.18; TattvPradī.(Ci.) 242.7.

अदृष्टव्यभिचारित्व (adṛṣṭavyabhicāri-tva) *n.* the state of one in which no discrepancy is observed प्रमाणबाधे सति तददृष्टव्यभिचारित्वं न भवेत् NyāySu.(Ja.) 467B.13 (*on* iii. 2.1)

अदृष्टव्यमुख (adṛṣṭavya-mukha) *adj.* [*f.* -ā] [? अद्रष्टव्यमुख] whose face is not fit to be seen तेनोक्तम् देवाहमदृष्टव्यमुखः, मां वामपादेन हत्वा मुञ्च PurāPraSaṁ. 6.33; तामदृष्टव्यमुखासीरित्युक्त्वा दृष्टा (? ज्येष्ठा)याः सुतं राज्ये निवेश्य ··· नृपो युद्धाय निस्ससार PurāPraSaṁ. 90.5.

अदृष्टव्यवस्था (adṛṣṭa-vyavasthā) *f.* regulation of the unseen (cause) श्रोत्रव्यवस्थापि अदृष्टव्यवस्थयैवोपपद्यते Kiraṇā. 111.11; एतेनादृष्टविशेषात् भोगव्यवस्थेति संकल्पविशेषाददृष्टव्यवस्थेति प्रत्युक्तम् GoviBh. 158.10 (*on* ii. 3.30)

अदृष्टव्याकरण (adṛṣṭa-vyākaraṇa) *adj.* who is innocent of grammar शतकुम्भो नाम पर्वतः। तत्र भवं शातकौम्भं सुवर्णम्। केचिच्चादृष्टव्याकरणा लक्ष्य-

मेव केवलमनुसरन्तः शातकुम्भमित्याहुः GaṇRa. 3.164 (199)

अदृष्टव्यापार (adṛṣṭa-vyāpāra) *m.* function of the unseen (cause) सत्यपि चात्रसंभवे न ह्यभुञ्जन्तस्तृप्यन्ति…तस्मादत्रादृष्टव्यापारः ManuBh. ii. 62.25 (*on* 7.205); यत्र तु दृष्टानुपहारेणादृष्टव्यापारः तत्र तद्वैगुण्यात्कार्यानुदयः NyāyKuA. i. 150.7; रूपवन्तो वायुपरमाणवोऽदृष्टव्यापारवैगुण्याद्रूपवत्कार्यं नारभन्ते इति किं न कल्प्येत NyāyKa. 9.10.

अदृष्टव्यापिन् (adṛṣṭa-vyāpin) *adj.* pervading the unseen (effect) ईश्वरज्ञानादीनां कार्यत्वावच्छिन्नजननार्थं तत्तददृष्टापेक्षायामप्यदृष्टव्यापीश्वरज्ञानजन्यतावच्छेदककार्यत्वावच्छेदकत्वेन तदनवच्छिन्नत्वाभावात् S'ivārkaMaDī. i. 141.31 (*on* i. 1.3)

अदृष्टव्याप्तिका (adṛṣṭa-vyāptikā) *adj.* (*f.*) having an unseen invariable concomitance अदृष्टव्याप्तिकार्थापत्तिरत्यन्तपरोक्षार्थविषयत्वादप्रमाणम् VedāntKa. 468.11 (*on* iii. 3.54)

अदृष्टशक्ति (adṛṣṭa-śakti) *adj.* whose potency is unseen अदृष्टशक्तेर्हेतुत्वे कल्प्यमानेऽपि नेष्यते TattvSaṁ. 524; *f.* unseen potency सत्यपि चास्माकमप्यदृष्टशक्तिगौरवतुल्यत्वे — अर्थशक्तिः प्रमाणवती TantrVā. 701.2 (*on* iii. 1.8)

अदृष्टशक्तिक (adṛṣṭaśakti-ka) *adj.* whose potency is unseen दृष्टशक्तिकस्य प्राशस्त्यपरत्वोपपत्तौ नादृष्टशक्तिकार्थवादापेक्षणं युक्तम् MīmāKau. iii(1). 6.14 (*on* i. 2.1)

अदृष्टशक्तित्व (adṛṣṭaśakti-tva) *n.* the state of being one whose power is unknown घटादावपि न पूर्वदृष्टसामर्थ्या व्यक्तिः कार्या, न चाभिनवा अदृष्टशक्तित्वात् S'arka. 116.3; गुञ्जापुञ्जादावपि तर्हि तदाकारारोपेण दाहाद्यर्थी न प्रवर्तेत, तदाकारस्य सर्वदैवादृष्टशक्तित्वात् PramāMā. 10.3.

अदृष्टशक्तियोग (adṛṣṭaśakti-yoga) *m.* possession of unseen power तत्रादृष्टशक्तियोगो ब्रह्मणो न विरुद्धः VedāntSā.(Rā.) 157.4 (*on* ii. 1.27); BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 39.5 (*on* ii. 1.27)

अदृष्टशतभाग (adṛṣṭa-śatabhāga) *m.* one hundredth part of the unseen thing प्रमाणवन्त्यदृष्टानि कल्प्यन्ते सुबहून्यपि। अदृष्टशतभागोऽपि न कल्प्यो ह्यप्रमाणकः TantrVā. 374.15 (*on* ii. 1.5); BṛĀraUBhVā. ii. 5.76.

अदृष्टशरणान्तर (adṛṣṭa-śaraṇāntara) *adj.* who has not known any other resort इत्युदारगुणैरेभिस्त्वमनन्यत्रभाविभिः। स्वयमेत्य वृतो नूनमदृष्टशरणान्तरैः MahāP. 25.50.

अदृष्टशरीरक (adṛṣṭa-śarīraka) *adj.* with an invisible body झटित्यदृष्टशरीरकेणागत्य हतकेनामुना पुष्पशिलीमुखेन…विध्यमानहृदयं दयावति त्वमेव मां रक्षितुमधीश्वरासि UdaySuKa. 111.26.

अदृष्टशर्मन् (adṛṣṭa-śarman) *adj.* who has never seen happiness तदा च स्वामिनिर्वाणपर्वणा समजायत। अदृष्टशर्मणां शर्म नारकाणामपि क्षणम् TriṣaS'aPuC. ii. 6.618.

अदृष्टशशिन् (adṛṣṭa-śaśin) *adj.* which has not seen the moon जनानाम् … पुनः सुखं च। वर्षास्वदृष्टशशिनामिव कैरवाणाम् RasSa. 186.

अदृष्टशाश्वतपथ (adṛṣṭa-śāśvatapatha) *adj.* who has not seen the path to eternity रामानितम्बस्थलीं मुञ्चेः …। नो चेत् … अदृष्टशाश्वतपथः प्राप्नोषि जन्माटवीम् S'ṛṅgāVaiTa. 39.

अदृष्टशास्त्र (adṛṣṭa-śāstra) *adj.* who has not studied the sciences अन्यस्य…उपास्यत्वं प्रतीयत इति…अदृष्टशास्त्राणामिदं चोद्यम् VedāSaṁ. 136.14.

अदृष्टशास्त्रव्यवहार (adṛṣṭa-śāstravyavahāra) *adj.* who does not know the practice of the sciences अपि च प्रत्यन्तवासिनामप्यदृष्टशास्त्रव्यवहाराणां स्वत्वव्यवहारो दृश्यते, क्रयविक्रयादिदर्शनात् Mitā. 216.30 (*on* 2.114)

अदृष्टशिखरदेश (adṛṣṭa-śikharadeśa) *adj.* whose topmost part is not seen जलधरपटलैरप्यदृष्टशिखरदेशः … शाल्मलीवृक्षः Kād. 23.20.

अदृष्टशिष्टव्यवहार (adṛṣṭa-śiṣṭavyavahāra) *adj.* who is not conversant with the behaviour of the cultured or learned men अनेनाप्यदृष्टशिष्टव्यवहारेण सर्वदा प्राकृतलोकसहवासिना तारकेण … संभावितम् TilaMañ. 150.10.

अदृष्टशुकावलि (adṛṣṭa-śukāvali) *adj.* who has not seen the row of parrots अदृष्टशुकावलिश्च हा क्व पुनस्तां स्वजातिमालोकयिष्यामि … इति … पलायितवान् UdaySuKa. 37.19.

अदृष्टशून्य (adṛṣṭa-śūnya) *adj.* devoid of the unseen (power) अदृष्टशून्यस्य चेश्वरस्य न देवतात्वम् TattvCin. iv(2). 524.2.

अदृष्टशेखरपद (adṛṣṭa-śekharapada) *adj.* (mountain) whose top and foot are not seen (अहमरुणाचलः) अदृष्टशेखरपदः …ताभ्यां वरमभीप्सितम्। प्रादाम् SkandP. i(3A). 4.41.

अदृष्टशोणिता (adṛṣṭa-śoṇitā) *adj.* (*f.*) whose menstrual flow is not seen अदृष्टशोणितां तु मधुकपयस्यासुरदारुभिः सिद्धं पयः पाययेत् AṣṭāSaṁ. i. 214.1 (2.4)

अदृष्टश्मश्रुभेद (adṛṣṭa-śmaśrubheda) *adj.* growth of whose beard is not (yet) visible अदृष्टश्मश्रुभेदेन (तेन) …। वज्रपाणेः कृतं राज्यमदैत्यम् BālRā. 3.20.

अदृष्टश्रुत (a-dṛṣṭaśruta) *adj.* neither seen nor heard यदि पुनरदृष्टश्रुतावेव क्त्वक्तवत् गृहीत्वा निष्ठासंज्ञोच्येत MahāBh. iii. 113.13 (*on* iii. 2.102); तस्माददृष्टश्रुतदूषणं परं भक्त्यैकयेशं भजतात्मलब्धये BhāgP. vii. 7.40.

अदृष्टश्रुतपूर्व (a-dṛṣṭaśrutapūrva) *adj.* neither seen nor heard before [SWTF]

अदृष्टश्रुतिकल्पना (adṛṣṭaśruti-kalpanā) *f.* assumption of an unknown Vedic text अदृष्टश्रुतिकल्पनापेक्षया लोभादेर्दृष्टरूपत्वाच्च MīmāKau. i. 19.23 (*on* i. 3.4)

अदृष्टश्रेष्ठदृष्टि (adṛṣṭa-śreṣṭhadṛṣṭi) *adj.* who has not taken into consideration the views of wise men दैवं संप्रेरयति मामिति दग्धधियां मुखम्। अदृष्टश्रेष्ठदृष्टीनां दृष्ट्वा लक्ष्मीर्निवर्तते YogVā. ii. 5.20 (comm. न दृष्टा श्रेष्ठानाम्… दृष्टिर्यैस्तेषाम्)

अदृष्टसंस्कार (adṛṣṭa-saṁskāra) *m.* potency producing an unknown (result) 'व्रीहीन् प्रोक्षति' इति प्रोक्षणविधेरेव व्रीहीष्वदृष्टसंस्कारावगमः प्रोक्षणविषयादपि BrahmSi. 148.13; उपासनेनोद्गीथादिषूत्पत्तिप्राप्तविकृति(? ती)नामसंभवेनादृष्टसंस्कारस्यैव वक्तव्यत्वात् S'ivārkaMaDī. ii. 359.27 (*on* iii. 3.41); यस्य त्वदृष्टसंस्कारः कार्यं परिस्तरणस्य तदत्रास्ति SmṛtiCan. v. 336.12; अस्ति हि अदृष्टसंस्कारोऽपि उपनयनजन्यः उपनेयस्य सर्वकर्माधिकारार्थः PūrvottaVāNaMā. 287.10; एवमुपनयनस्य अदृष्टसंस्कारद्वारा उपनेयार्थत्वस्य क्लृप्तत्वात् दृष्टसंस्कारद्वारापि तादर्थ्यमेवाभ्युपगन्तुं न्याय्यम् PūrvottaVāNaMā. 288.6; तमुपजीव्यादृष्टसंस्कारमात्रं कल्पनीयम् MayūMāli. 652.21 (*on* x. 1.7)

अदृष्टसंस्कारकत्व (adṛṣṭasaṁskāraka-tva) *n.* the state of producing a potency having an unseen effect संस्कारकत्वरूपे दृष्टाभावेनादृष्टसंस्कारकत्वापत्तिः BhāṭṭCin. ii. 79.22 (*on* ii. 1.2)

अदृष्टसंस्कारकल्पना (adṛṣṭasaṁskāra-kalpanā) *f.* assumption of a potency producing an unseen effect किमत्रादृष्टसंस्कारकल्पनया NyāyRa. 535.11 (*on* 5(11).98)

अदृष्टसंस्कारलक्षण (adṛṣṭasaṁskāra-lakṣaṇa) *adj.* having the characteristic of a potency producing unseen merit सत्रेऽपि तददृष्टसंस्कारलक्षणमृत्विक्त्वं यजमानेषु संपादनीयम् MayūMāli. 665.11 (*on* x. 2.10)

अदृष्टसंस्कारवत् (adṛṣṭasaṁskāra-va(n)t) *adj.* possessed of a potency productive of an unseen merit साङ्गाध्ययनविधिरदृष्टसंस्कारवद्वेदवाक्यजनितप्रमितिमत एवोत्तरविधिष्वधिकारो नान्यस्येति नियममन्तरेणानुपपद्यमानः PrakaVi. 302.25.

अदृष्टसंस्कारार्थ (adṛṣṭasaṁskārārtha) *adj.* meant for a potency productive of an unseen effect कथं पुनर्निवेदनमदृष्टसंस्कारार्थमेव न भवति ManuBh. i. 101.7 (*on* 2.51)

अदृष्टसंस्कारार्थता (adṛṣṭasaṁskārārtha-tā) *f.* the state of being meant for a potency productive of an unseen effect अर्थाभावे हि यूपत्वरूपादृष्टसंस्कारार्थतामादाय खलेवाल्यां निवृत्तिः MayūMāli. 678.10 (*on* x. 2.33)

अदृष्टसंस्कारार्थत्व (adṛṣṭasaṁskārārtha-tva) *n.* the state of being intended for a potency productive of an unseen effect सोमावसेकनिर्हरणार्थत्वानुपपत्तेरदृष्टसंस्कारार्थत्वमेवेत्याशयेन तदुदाहृतम् MayūMāli. 95.26 (*on* ii. 1.1)

अदृष्टसंस्थानभेद (adṛṣṭa-saṁsthānabheda) *m.* variety of forms which is not seen अथ चादृष्टसंस्थानभेदोपप्लवविवेकमपि बुद्ध्या भेदायोगद्वारेण स्वयं प्रतीयते BrahmSi. 26.18.

अदृष्टसंस्पर्शरहित (adṛṣṭasaṁsparśa-rahita) *adj.* devoid of a touch of unseen merit अवघातादिषु दृष्टफलेष्वपि दृष्टो विधिः। सत्यम्। न त्वदृष्टसंस्पर्शरहितः BrahmSi. 153.2.

अदृष्टसंक्षय (adṛṣṭa-saṅkṣaya) *adj.* whose end is not seen, inexhaustible धनं चादृष्टसंक्षयम् BrahmāṇḍP. ii. 28.35; *m.* exhaustion of the unseen (merit and demerit) गुणाः। जायन्तेऽथ प्रलीयन्ते सुषुप्तेऽदृष्टसंक्षयात् PañcDa. 6.90.

अदृष्टसंगति (adṛṣṭa-saṅgati) *adj.* whose relationship is not seen or known नन्वदृष्टसंगतीन्यपि चक्षुरादीनि रूपादि बोधयन्ति NyāyRa. 847.15 (*on* 7.2); YuktiSneha. 150.32 (*on* i. 1.7)

अदृष्टसंगतित्व (adṛṣṭasaṅgati-tva) *n.* the nature of having an unseen or unknown relationship तथा च (भेदः) न लिङ्गगम्योऽपि, अदृष्टसंगतित्वात् BrahmSi. 56.22; अदृष्टसंगतित्वेन पूर्वेषां तुल्यता यदा TattvSaṁ. 2241;

अदृष्टसंगतित्वेन सर्वेषां तुल्यता यतः S'lokaVār. 6. 249 (793. 3); 7. 4 (847. 5); नाप्यनुमानेन। केनचिल्लिङ्गेन सहादृष्टसंगतित्वात् TantrVā. 360. 13 (*on* ii. 1. 5)

अदृष्टसंग्रामरङ्ग (adrṣṭa-saṅgrāmaraṅga) *adj.* who has not seen the battlefield जन्मारभ्यादृष्टसंग्रामरङ्गः ··· अदुद्रुवत् Raghunā. 10. 88.

अदृष्टसत्त्य (adrṣṭa-sattya) *adj.* who does not see the truths [CONZE]

अदृष्टसत्त्याश्रय (adrṣṭasattyāśraya) *adj.* resorted to by one who has not known the truth (i. e. the Ārya Satyas) अदृष्टसत्त्याश्रयो हि तर्कः कश्चिदागमनिश्रितो भवति MaYānaSū. 5. 12 (1. 12)

अदृष्टसदृश (adrṣṭa-sadrśa) *adj.* [*f.* -ī] similar to which is not perceived न चादृष्टपूर्वस्यादृष्टसदृशस्य चोपमानविषयत्वम् TantrVā. 361. 5 (*on* ii. 1. 5); न चादृष्टस्यादृष्टसदृशस्य चोपमानप्रमेयत्वम् TātpaṬ.(U.) 445. 22 (*on* 5(11). 12); उपमानं तु अदृष्टे अदृष्टसदृशे वा न प्रवर्तते MīmāKau. i. 5. 7 (*on* i. 3. 1); अद्यापि त्वां जगति वर्णयितुं न कश्चिच्छक्नोत्यदृष्टसदृशीं च परिग्रहं मे CaurPañ. 38.

अदृष्टसदृशत्व (adrṣṭasadrśa-tva) *n.* similarity (of which) is not seen अदृष्टसदृशत्वाच्च स्वयं चानुपलम्भनात् S'lokaVār. 4. 100 (*on* 165. 3); अदृष्टपूर्वत्वाददृष्टसदृशत्वादिति यथासंख्येन हेतुद्वयम् TātpaṬ.(U.) 144. 23 (*on* 4. 100); धर्मो नोपमीयते अदृष्टसदृशत्वात् Kāśi. i. 245. 8 (*on* 4. 100); तथा नानुमेयोऽपि अदृष्टसदृशत्वात् YuktiSneha. 37. 25 (*on* i. 1. 4)

अदृष्टसदृशद्वय (adrṣṭa-sadrśadvaya) *adj.* who has not seen both the similar (objects) अस्ति चादृष्टसदृशद्वयस्यापि ··· सादृश्यविशिष्टे प्रत्ययः NyāyRa. 447. 21 (*on* 5(6). 45)

अदृष्टसदृशप्रज (adrṣṭa-sadrśapraja) *adj.* who has not seen (obtained) a befitting offspring वध्वां तवैतस्यामदृष्टसदृशप्रजम्। न मामवति ··· मेदिनी RaghuVa. 1. 65.

अदृष्टसद्भावाभाव (adrṣṭa-sadbhāvābhāva) *m.* unperceived presence and absence न चान्वयव्यतिरेकवर्ती वाच्यप्रतीतिमपह्नुत्यादृष्टसद्भावाभावौ शरणत्वेनाश्रितौ मात्सर्यादधिकं किंचित्पुष्णीत इत्यभिप्रायः Loc. 184. 24 (*on* 3. 33)

अदृष्टसंदर्शन (adrṣṭa-sandarśana) *n.* phenomenal cognition अदृष्टसंदर्शनमेवमख्यातिरूपमण्डं मायामलम् ParāTri. 250. 6.

अदृष्टसंदेहप्रकार (adrṣṭa-sandehaprakāra) *m.* unknown variety of the figure of speech called Doubtful अलमदृष्टसंदेहप्रकारकल्पनया SāhiDa. 547. 4.

अदृष्टसंनिकर्ष (adrṣṭa-sannikarṣa) *m.* contact which is not perceived नन्वदृष्टसंनिकर्षकल्पना कुतः क्रियते Upask. 360. 13 (*on* viii. 1. 4)

अदृष्टसप्ति (adrṣṭa-sapti) *adj.* who has not found the horse (सागराः सगरपुत्राः) अदृष्टसप्तयस्तत्र पाताले गन्तुमुद्यताः BrNāraP. 8. 96.

अदृष्टसमवधान (adrṣṭa-samavadhāna) *n.* connection with the unseen effect यथा कारीरीजनितसंस्काराधारपुरुषसंयोगाज्जलमुचामदृष्टसमवधानम् TattvCin. ii(2). 141. 10.

अदृष्टसमवाय (adrṣṭa-samavāya) *m.* inherence of the unseen merit एकशरीरावच्छिन्नात्मप्रदेशेऽदृष्टसमवायात् सुखादिव्यवस्था चायुक्ता S'rutaPra. ii. 386. 15 (*on* ii. 3. 52)

अदृष्टसमविषमभाग (adrṣṭa-samaviṣamabhāga) *adj.* (road) in which even and uneven regions are not seen अदृष्टसमविषमभाग इव ··· अतिक्रान्तः ··· मार्गः NalaCam. 6. 72 (5)

अदृष्टसमुपार्जन (adrṣṭa-samupārjana) *n.* obtainment of unseen merit ननु तान्यदृष्टसमुपार्जनेन करणानि NayaMañ. IV. i. 1. 1.

अदृष्टसंपत्ति (adrṣṭa-sampatti) *f.* accomplishment of unseen merit नाट्यस्य रचनाप्राधान्याद्वैचित्र्येण योजनीयमदृष्टसंपत्तये चेति मन्तव्यम् AbhinBhā. i. 220. 14 (*on* 5. 30)

अदृष्टसंपादकत्व (adrṣṭasampādaka-tva) *n.* accomplishment of unseen merit यदा तु नृत्तस्यादृष्टसम्पादकत्वे प्राधान्यं क्रियते तदा तदनुसारेण गीतकादेराश्रयणम् AbhinBhā. i. 166. 1 (*on* 4. 252)

अदृष्टसंपादन (adrṣṭa-sampādana) *n.* achievement of the unseen merit न तु पूर्वरङ्गवददृष्टसंपादनं विघ्नवारणम् Loc. 150. 13 (*on* 3. 14)

अदृष्टसंबन्ध (adrṣṭa-sambandha) *adj.* of unseen relationship, the relation with which is not seen लिङ्गं चादृष्टसंबन्धं न तेषामनुमापकम् NyāyMañ. i. 147. 26; न हि पुरुषेणादृष्टसंबन्धो दण्डः पुरुषमुपलक्षयति TārkiRa. 90. 7; *m.* connection with the unseen merit अतः स्वाश्रयसंयोगसंबन्धेनैवादृष्टसंबन्धः शुक्रादिषु वक्तव्यः SāṁkhyaPraBh. 161. 2 (*on* 6. 61)

अदृष्टसंभावन (adrṣṭa-sambhāvana) *n.* possibility of an unseen (source) कथंचित्तेनादृष्टसंभावनेऽपि तद्विशेषासिद्धेः TattvPrakā. 55A. 9 (*on* i. 3. 28)

अदृष्टसंभोगा (adrṣṭa-sambhogā) *adj.* (*f.*) who has not experienced sexual union बालामदृष्टसंभोगां मत्वा तां नरवाहनः। धूर्तो युक्तिमुपाश्रित्य प्राह निद्राकुलाक्षरम् BrKathāMañ. ix. 1. 14.

अदृष्टसंमुखाराति (adrṣṭa-sammukhārāti) *adj.* who has not met the foe face to face अदृष्टसंमुखारातेर्मामाप्यल्पतरो रिपुः। ··· प्रयातः कृच्छ्रसाध्यताम् RāmāMañ. 335. 5.

अदृष्टसर्ववृत्तान्त (adrṣṭa-sarvavrttānta) *adj.* who has not observed (i. e. known) all events अदृष्टसर्ववृत्तान्त एव विवेशोज्जयिनीम् Kād. 285. 7.

अदृष्टसव्यपेक्ष (adrṣṭa-savyapekṣa) *adj.* expectant of the unseen merit and demerit अदृष्टसव्यपेक्षादेवात्मनस्तद्विज्ञानं भवति PramāMī. 36. 5 (*on* i. 2. 4)

अदृष्टसहकारिन् (adrṣṭa-sahakārin) *adj.* having the unseen merit as auxiliary केवलपृथिव्यवयवैरदृष्टसहकारिभिर्घटितं घ्राणेन्द्रियम् NyāyMañ. ii. 57. 17; नाप्यदृष्टसहकारिसहितमिन्द्रियमेकत्वविषयम् PramāMī. 36. 4 (*on* i. 2. 4)

अदृष्टसहकृत (adrṣṭa-sahakrta) *adj.* accompanied or helped by the unseen cause अदृष्टसहकृताद्वाक्यादनुभव उत्पद्यते PrakaVi. 964. 16; 964. 21; अदृष्टसहकृतत्वगिन्द्रियेण हि मनोवहनाडीनामुपलम्भेन तद्गोचरप्रयत्नात् TattvCin. ii(2). 30. 15; ii(2). 84. 11; ततस्तैरेव हेतुभिरदृष्टसहकृतैस्तत्तत्कार्योदयसंभवात् NyāyPari. 292. 3.

अदृष्टसाजात्य (adrṣṭa-sājātya) *n.* generic sameness of unseen merit अदृष्टसाजात्येऽपि ··· तन्त्रत्वमेव BhāṭṭDī. iv. 229. 16 (*on* xii. 1. 8)

अदृष्टसाद्गुण्य (adrṣṭa-sādguṇya) *n.* good qualities (perfection) of unseen merit अदृष्टसाद्गुण्ये मुमुक्षुत्वादेव ब्रह्मजिज्ञासोपपत्तौ कर्मविचारानर्थक्यात् SiddhāSi. i. 15. 19.

अदृष्टसाधन (adrṣṭa-sādhana) *n.* supernatural means अदृष्टसाधनमाह नक्षत्रेति JayaMa. 20. 9 (*on* 1. 2); अदृष्टसाधनात्तु वैदिककर्मणः (अत्यन्तदुःखनिवृत्तिः) स्यात् SāṁkhyaPraBh. 9. 2 (*on* 1. 6)

अदृष्टसाधनता (adrṣṭasādhana-tā) *f.* the state of being the means of unseen merit अदृष्टसाधनताबोधकवाक्य उपलक्षणान्तराभावात् MayūMāli. 44. 40 (*on* i. 3. 9)

अदृष्टसाधनत्व (adrṣṭasādhana-tva) *n.* the state of being the means of unseen merit नादृष्टसाधनत्वं प्रतीयते TantrVā. 383. 20 (*on* ii. 1. 6); अदृष्टसाधनत्वस्य हि अष्टकादौ प्रत्यक्षविषयत्वात् MīmāKau. i. 127. 23 (*on* i. 3. 27)

अदृष्टसाधनरूप (adrṣṭasādhana-rūpa) *n.* nature of the means of unseen merit अदृष्टसाधनरूपेणापि भेदादावृत्तिः MayūMāli. 840. 23 (*on* xi. 4. 15)

अदृष्टसाध्य (adrṣṭa-sādhya) *adj.* [*f.* -ā] **i** to be accomplished by unseen (means) ऋत्विक्कार्यं तु कर्मनिर्वृत्तिर्दृष्टैव सा कथमदृष्टसाध्या भविष्यति TantrVā. 1147. 3 (*on* iii. 7. 33); अदृष्टसाध्यस्वर्गादिफलं निबीतवन्न कल्प्यम् MayūMāli. 264. 36-37 (*on* iii. 4. 7); **ii** to be accomplished by unknown means पश्यन्ति ये धर्ममदृष्टसाध्यम् YaśasCam. ii. 252. 23.

अदृष्टसाध्यत्व (adrṣṭasādhya-tva) *n.* the state of being accomplished by unseen (means) अदृष्टसाध्यत्वे मोक्षस्यानित्यताप्रसक्तिः NyāySu.(Ja.) 24A. 12 (*on* i. 1. 1); नियमेन शब्दोपलम्भस्यादृष्टसाध्यत्वे तदनुपलम्भस्य शब्दे सत्यपि संभवेन तदभावानुभवायोगाच्च BhedaDhi. 72. 2.

अदृष्टसापेक्ष (adrṣṭa-sāpekṣa) *adj.* [*f.* -ā] depending on the unseen effect नावरणापनयनं तस्याभिव्यञ्जकं, वायुना शब्दावरणासंभवात् किं त्वदृष्टसापेक्षेण PrakaPañ. 358. 22; द्वयोः परमाण्वोरदृष्टसापेक्षा क्रिया GoviBh. 120. 1 (*on* ii. 2. 10)

अदृष्टसापेक्षत्व (adrṣṭasāpekṣa-tva) *n.* the state of being dependent on the unseen effect वयं तु वदामः-अदृष्टसापेक्षत्वाददोषः PrakaPañ. 130. 11.

अदृष्टसामग्री (adrṣṭa-sāmagrī) *f.* assemblage of unseen means अदृष्टसामग्रीजन्यत्वे अदृष्टत्वापत्तिरिति चेत् TattvCin. ii(2). 11. 11-12; तत्रादृष्टसामग्रीवैचित्र्यमेवानुमेयम् SarvaDaKau. 30. 22.

अदृष्टसामर्थ्य (adrṣṭa-sāmarthya) *n.* **i** unperceived power or efficacy उभयत्राप्यदृष्टसामर्थ्यं कल्पनीयम् TātpaṬ.(U.) 80. 22 (*on* 2. 147); कर्मणोऽदृष्टसामर्थ्यं यज्ज्ञानापनुन्मतम् BrĀraUBhVā. iii. 3. 97; **ii** power of destiny दिङ्मोहेऽदृष्टसामर्थ्याद्दिक्स्वरूपानवग्रहात् PrakaPañ. 58. 1; *adj.* whose power is not seen or observed सकृच्छ्रुतौ च पृथगर्थेष्वदृष्टसामर्थ्यानामर्थवत्ता च न सिध्यति PramāVāSvopVr. 85. 27; क्रमकरणे तु को विरोधो येन ··· अदृष्टसामर्थ्यस्य विभागस्य विभागहेतुत्वमाश्रीयते NyāyKa. 157. 7; न ते प्रेक्षावद्भिरदृष्टसामर्थ्यौषधिवत्प्रवर्त्यन्त इत्यप्रवृत्ताः JayaMa. 12. 8 (*on* 1. 2)

अदृष्टसामर्थ्यत्व (adrṣṭasāmarthya-tva) *n.* the state of one whose power is not seen सर्वे सर्वत्र विनियुज्यते न वा किंचित् क्वचित् अदृष्टसामर्थ्यत्वात् BrahmSi. 54. 11.

अदृष्टसामर्थ्यवैकल्य (adṛṣṭasāmarthya-vaikalya) *n.* deficiency of the power of unseen (fruit) पुस्तकपाठादिलब्धवेदार्थज्ञानस्येव शास्त्रविरोधाददृष्टसामर्थ्यवैकल्यं च S'rutaPra. ii. 77. 30 (*on* i. 3. 33)

अदृष्टसामानाधिकरण्य (adṛṣṭa-sāmānādhikaraṇya) *n.* coexistence with the unseen (effect) स्थैर्याभ्युपगमात्तत्राप्यदृष्टसामानाधिकरण्यमेवास्ति SāṅkhyaPraBh. 18. 28 (*on* 1. 33)

अदृष्टसाम्य (adṛṣṭa-sāmya) *n.* similarity with the unseen (effect) अदृष्टसाम्यप्रतिपादनार्थमिति यद्युच्येत BrahmSūBh.(S'aṅ.) 494. 10 (*on* ii. 4. 1)

अदृष्टसिद्धि (adṛṣṭa-siddhi) *f.* **A** attainment of the unseen (result or fruit) धर्मानकुर्वतः प्रत्यवायेनावश्यमेव भवितव्यं, कुर्वतस्तु न कदाचिददृष्टसिद्धिः ManuBh. ii. 310. 15 (*on* 9. 249); अस्तु तर्ह्यनिर्धारितरूपादृष्टसिद्धिः Kāśi. ii. 246. 17 (*on* 4. 105); पशुना यजेतेत्यादौ पशुनिष्ठताद्दृशैकत्वस्य विवक्षितत्वादनेकपशुकरणकयागात्रादृष्टसिद्धिः VyutpaVā. 16. 3; एकयजमानप्रकाशनेऽप्यदृष्टसिद्धेर्न बहुषूह इत्यर्थः MayūMāli. 595. 2 (*on* ix. 1. 13); **B i** establishment of the unseen thing दृष्टाददृष्टसिद्धिस्तवानुमानवादिन इतरथातिप्रसङ्गात् PrakaVi. 473. 19; **ii** establishment of the unseen (cause or effect) तदिह न निगमादन्यतोऽदृष्टसिद्धिः TattvMu. 5. 77; न च जीवत्सर्वशरीरे पतितं (रेतः) कार्यकरमतस्तत्प्रेरकेश्वरादृष्टसिद्धिः TattvPrakā. 10A. 9 (*on* i. 1. 3); तत्रादृष्टसामग्रीवैचित्र्यमेवानुमेयं कारणवैचित्र्यं विना कार्यवैचित्र्यासंभवात्, अतोऽदृष्टसिद्धिरिति SarvaDaKau. 30. 23.

अदृष्टसिद्ध्यर्थ (adṛṣṭa-siddhyartha) *adj.* which is meant for the attainment of unseen (fruit) नियमः पुनरदृष्टसिद्ध्यर्थस्य वचनमन्तरेण पाक्षिकी प्राप्तिः ManuBh. i. 228. 22 (*on* 3. 45)

अदृष्टसिध्यर्थम् (adṛṣṭasiddhy-artham) *adv.* for the sake of attaining unseen (fruit) हविर्विनाशेऽपि हविरन्तरमुत्पाद्यादृष्टसिद्ध्यर्थम् स्विष्टकृद्यागः कर्तव्यः NyāyRaMā. 146. 3.

अदृष्टसीमन् (adṛṣṭa-sīman) *adj.* the limits of which are not seen धुर्यं मर्यादावतामदृष्टसीम्नां च ··· अम्भोनिधिमपश्यम् TilaMañ. 122. 18.

अदृष्टसुखलेश (adṛṣṭa-sukhaleśa) *adj.* who has not experienced (even) a bit of happiness स्वामिनिर्वाणकल्याणान्निर्वाणो दुःखपावकः। अदृष्टसुखलेशानां नारकाणामपि क्षणम् TriṣaS'aPuC. i. 6. 493.

अदृष्टसुखवाञ्छा (adṛṣṭasukha-vāñchā) *f.* desire for unseen or unknown pleasure स प्राह वञ्चितासि त्वमदृष्टसुखवाञ्छया SamarāSam. 2. 165.

अदृष्टसुखेच्छा (adṛṣṭasukhecchā) *f.* desire for unseen or unknown pleasures हित्वा साक्षाद्भवसुखं तददृष्टसुखेच्छया। तपश्रिकीर्षुस्त्वमसि PariPar. 3. 147.

अदृष्टसुतवक्त्र (adṛṣṭa-sutavaktra) *adj.* who has not seen the face of a son वृथैव चावयोः प्रीतिरदृष्टसुतवक्त्रयोः TriṣaS'aPuC. iii. 3. 30.

अदृष्टसुधाकर (adṛṣṭa-sudhākara) *adj.* during which the moon was not seen सितपक्षस्य प्रतिपद्दिनेऽदृष्टसुधाकरे ··· सोऽगान्नृपतिसंनिधौ RatnaCūKa. 282.

अदृष्टसृष्ट (adṛṣṭa-sṛṣṭa) *adj.* produced by the unseen (cause) तद्यथा कार्यत्वाददृष्टसृष्टमङ्कुरादि मीमांसकः शंसति KhaṇḍanKhā. 1288. 10; विग्रहादिकं खल्वदृष्टसृष्टं तदानीमदृष्टाभावात्तन्न संभवेत् GoviBh. 319. 6 (*on* iv. 4. 10)

अदृष्टसेवक (adṛṣṭa-sevaka) *adj.* whose servants are not seen (i. e. have disappeared) अदृष्टसेवकाः साकं धरायास्तनयैः कृताः PadmP.(Ra.) 91. 37.

अदृष्टसैन्य (adṛṣṭa-sainya) *adj.* losing sight of the army एकदादृष्टसैन्योऽसावनुगच्छन्मृगं रुरुम् BṛNāraP. 9. 11; अदृष्टसैन्य एकाकी पीड्यमानः क्षुधा तृषा BṛNāraP. 21. 59.

अदृष्टसैन्यरजस् (adṛṣṭa-sainyarajas) *adj.* who had not seen the dust raised by the army अदृष्टसैन्यरजसामबाणस्पर्शवेदिनाम्। पश्यन् कीचकमित्राणां स जिह्वाय पलायनम् Yādavā. 22. 82.

अदृष्टस्पर्शवर्जित (adṛṣṭasparśa-varjita) *adj.* devoid of contact with the unseen (effect) अवघातादिविधयो नादृष्टस्पर्शवर्जिताः BrahmSi. 152. 10.

अदृष्टस्पृष्ट (adṛṣṭa-spṛṣṭa) *adj.* in contact with the unseen (merit and demerit) अदृष्टस्पृष्टोऽपि प्रसवितसुषुप्ताविव तदा समस्तो जीवात्मा कलयति न दुःखं न च सुखम् Vidvanmo. 4. 41.

अदृष्टस्मरसंताप (adṛṣṭa-smarasantāpa) *adj.* who has not felt the pangs of love अदृष्टस्मरसंतापः स्वस्थस्त्वं किं न जल्पसि KathāSaSāg. ix. 1. 203.

अदृष्टस्वभावत्व (adṛṣṭasvabhāva-tva) *n.* the state of having unseen nature नापि कार्यकारित्वं, तस्यादृष्टस्वभावत्वात् NyāySu.(Ja.) 109B. 6 (*on* i. 1. 3)

अदृष्टस्वरूप (adṛṣṭa-svarūpa) *adj.* **i** whose nature is not perceived सुधाकाराः प्रसुते भगवति विबुधैरप्यदृष्टस्वरूपाः ··· केशाः ViṣṇuPādāSt. 33. 46; तत्रादृष्टस्वरूपाय श्रुतपूर्वाय वै विभो। स्तुतिमब्रूत BhāgP. viii. 5. 25; **ii** of the form of unseen (effect) अदृष्टार्थत्वे ह्यदृष्टस्वरूपं तस्य फलत्वमुच्चारणे जननसामर्थ्यं च कल्पनीयम् MayūMāli. 16. 14 (*on* i. 2. 4); *n.* nature or form of the unseen लोकोऽदृष्टस्वरूपेण स्वर्गार्थत्वेऽप्यानर्थक्याभावात् ··· तदर्थत्वेऽपि नानर्थक्यमिति भावः MayūMāli. 578. 8 (*on* ix. 1. 3)

अदृष्टस्वरूपत्व (adṛṣṭasvarūpa-tva) *n.* the state of having the nature of the unseen जीवः पर्जन्यवद्दैवशक्तिमानीश्वरः स्मृतः। दैवशब्दोऽदृष्टस्वरूपत्वमाह NyāySu.(Ja.) 329B. 6 (*on* ii. 2. 2)

अदृष्टस्वर्गार्थ (adṛṣṭasvargārtha) *adj.* intended for the unseen heaven दृष्टार्थज्ञानार्थत्वमेव न त्वदृष्टस्वर्गार्थमिति ··· प्रपञ्चितम् MayūMāli. 7. 13 (*on* i. 2. 1)

अदृष्टस्वलक्षण (adṛṣṭa-svalakṣaṇa) *adj.* whose distinguishing nature is not observed कथं पुनरदृष्टस्वलक्षणे संबन्धिदर्शनम् Bṛha. 98. 3 (*on* i. 1. 5); अपरे पुनरदृष्टस्वलक्षणविषयं शक्तिक्रियानुमानं सामान्यतोदृष्टमुदाहरन्ति NyāyMañ. i. 121. 17; अदृष्टस्वलक्षणेऽपि क्रियाशक्त्यादौ सामान्यरूपेण संबन्धग्रहणादेवानुमोत्पत्तेः NayaVi. 128. 10 (*on* i. 1. 5); कथं पुनरदृष्टस्वलक्षणेन संबन्धदर्शनम् Kāśi. iii. 82. 6 (*on* 5(4). 138); अदृष्टस्वलक्षणविषयमप्यनुमानं क्रियादिविषयमस्ति S'āstrDī. 69. 8 (*on* i. 1. 5); नन्वदृष्टस्वलक्षणस्यापि कर्मणः संयोगविभागाभ्यामनुमानात् NyāyRa. 370. 20 (*on* 5(7). 75); अदृष्टस्वलक्षणे तु स्वरूपदर्शनाभावाद्युक्तमेव व्यावर्तकधर्मानुमानम् MānaMe. 243. 2.

अदृष्टस्ववेदन (adṛṣṭa-svavedana) *adj.* who has not experienced his own pain परव्यथां न जानाति यो ह्यदृष्टस्ववेदनः BṛKathāMañ. ix. 1. 701.

अदृष्टहन् (adṛṣṭa-hán) *adj.* slayer of unseen (vermins etc.) उत्पुरस्तात्सूर्य एति विश्वदृष्टो अदृष्टहा ṚV. i. 191. 8; AV. v. 23. 6.

अदृष्टहननी (adṛṣṭa-hananī) *adj.* (*f.*) destroying the invisible insect अदृष्टहननी वीरुद् असि भोज्या विषासहिः AV. (P.) v. 3. 4.

अदृष्टहरण (adṛṣṭa-haraṇa) *n.* taking away without being seen अधर्मैधर्ममूर्तीनामदृष्टहरणं तथा S'ukraNī. 4(5). 241.

अदृष्टहविःसंस्कार (adṛṣṭa-havissaṁskāra) *n.* consecration of an oblation productive of an unseen (effect) न चैवं दृष्टेनैव विधेश्चारितार्थ्याददृष्टहविःसंस्कारे मानाभाव इति वाच्यम् MayūMāli. 362. 13 (*on* iv. 1. 14)

अदृष्टहस्तिजातीय (adṛṣṭa-hastijātīya) *adj.* who has not seen the elephant-species कश्चिचादृष्टहस्तिजातीयो दृष्टतज्जातीयं प्रति ब्रवीति NyāyKu. 153. 7.

अदृष्टहानि (adṛṣṭa-hāni) *f.* loss of unseen (merit) यस्तु ऋणं नोपाकरोति तस्यादृष्टहानिः पुराणे दर्शिता SmṛtiCan. iv. 376. 12; न च पाणिनिसूत्रभेदे पारायणादावदृष्टहानिः LaS'abdeS'e. i. 12. 2.

अदृष्टहारिन् (adṛṣṭa-hārin) *adj.* attractive to him who has not seen it विद्याधरगणेन वारंवारमावेद्यमाननानाविधविशेषानवनितलजुषः पूर्वदृष्टानदृष्टहारिणस्तांस्तान्देशान् TilaMañ. 386. 12.

अदृष्टहास (adṛṣṭa-hāsa) *adj.* in which no smile was seen अदृष्टहासं व्यसनिरोधात्तस्याभवद्वेश्म सशोकमूकम् DarpDa. 2. 14.

अदृष्टहास्य (adṛṣṭa-hāsya) *n.* laughter from an unseen (source) योषितः ··· अदृष्टहास्यमाध्याय क्षपिष्यन्ति बलिं ततः SkandP. vi. 189. 17.

अदृष्टहिमद्युतिबिम्ब (adṛṣṭa-himadyutibimba) *adj.* in which the disc of the moon is not seen अदृष्टहिमद्युतिबिम्बम् ··· नभः।··· अभात् S'iśuVa. 9. 12; Subhāṣi. 1925.

अदृष्टहेतु (adṛṣṭa-hetu) *adj.* having an unseen or unknown cause अदृष्टहेतुरन्योऽप्यविशिष्टः संप्रतीयते PramāVār. 1. 246; अदृष्टहेतवोऽपि हि भावास्तदन्यैः ··· समुन्नीयन्ते PramāVārSvoVṛ. 81. 10; *m.* **1** cause in the form of unseen (merit) अदृष्टहेतूनामपि सर्वसाधारणत्वात्तेनापि न नियमः VedāntSā. (Rā.) 211. 4 (*on* ii. 3. 32); BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 148. 4 (*on* ii. 3. 32); उपह्वानमशेषाणामुत स्यादेकपात्रिणाम्। अदृष्टहेतोराद्यः स्यात् NyāyMāVi. 176. 8 (*on* iii. 5. 17); **2** unseen cause न हि संनिहितहेतुपरित्यागेनादृष्टहेतुशङ्काधियमधिरोहति S'rutaPra. iB. 90. 25 (*on* i. 1. 1); **अदृष्टहेतोः** [Abl.] for the sake of unseen or uncertain result प्रसमीक्ष्य यायान्न नाशयेद् दृष्टमदृष्टहेतोः NītiSā. 16. 14.

अदृष्टहेतुक (adṛṣṭahetu-ka) *adj.* [*f.* -ā] **i** having unseen merit as the cause (रसः) कृत्स्नं शरीरम् ··· यापयति चादृष्टहेतुकेन कर्मणा SuśruS. i. 14. 3; i. 21. 10; अतोऽदृष्टहेतुकमेव स्वप्नादिज्ञानम् Bṛha. 72. 4 (*on* i. 1. 5); अदृष्टहेतुका ··· श्वासप्रश्वासलक्षणा प्रेक्षावतां क्रिया Bhām. 372. 16 (*on* ii. 1. 33); (संयोगः) न चादृष्टहेतुकः स्पर्शः ··· पुरुषाणां कर्तृत्वानभ्युपगमेनादृष्टासंभवात् NītiMā. 44. 14; अदृष्टहेतुकं परमाणुषु तदा हि कर्म जायते VedāntKau. 187. 9 (*on* ii. 2. 12); **ii** whose cause (in the form of the purpose in view) is

not seen न दृष्टः प्रयोजनोद्देशलक्षणो हेतुरस्या इत्यदृष्टहेतुका VedāntKa. 246. 3 (*on* ii. 1. 33); 328. 12 (*on* ii. 3. 43)

अदृष्टहेतुकत्व (adṛṣṭahetuka-tva) *n.* the state of having unseen (merit) as the cause अदृष्टहेतुकत्वस्य विवरणं प्रयोजनानुसन्धानमन्तरेण इति VedāntKa. 246. 4 (*on* ii. 1. 33)

अदृष्टहेतुता (adṛṣṭahetu-tā) *f.* the state of causality of the unseen merit आत्माश्रितादृष्टहेतुतासिद्धावपि शक्तिः कल्प्या NayaVi. 134. 6 (*on* i. 1. 5)

अदृष्टहेतुभूत (adṛṣṭahetu-bhūta) *adj.* having become the cause of unseen (merit) अदृष्टहेतुभूताभिसंध्यादिष्वपि···उपाधियुक्तं ब्रह्मैवेति न कश्चिद्विशेषः VedāntDī. 131. 12 (*on* ii. 3. 51); VedāntSā.(Rā.) 222. 1 (*on* ii. 3. 51); BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 161. 14 (*on* ii. 3. 51)

अदृष्टांश (adṛṣṭāṁśa) *m.* part or portion of the unseen (fruit) शीतवातातुरस्येव नादृष्टांशस्तु हीयते BhaktiRa. 2. 48 (comm. अदृष्टांशः अदृष्टफलभागः)

अदृष्टाकर्षसंधान (a-dṛṣṭākarṣasandhāna) *adj.* whose drawing (of the bowstring) and (fixing the arrow) are not noticed विचिच्छेद स नाराचैः समं शस्त्राणि विद्विषाम् । अदृष्टाकर्षसंधानैश्चक्रीकृतशरासनः PadmP.(Ra.) 24. 114.

अदृष्टाकारा (adṛṣṭākārā) *adj.* (*f.*) sign or indication of whose willingness is not observed नासंस्तुतादृष्टाकारयोर्दूत्यमस्तीत्यौद्दालकिः KāmSū. 280. 23 (5. 4); JayaMa. 281. 3 (*on* 5. 4)

अदृष्टाकारान्तर (adṛṣṭākārāntara) *n.* another unseen form तस्य चैकस्यादृष्टाकारान्तराभावात् । तस्मान्नानवयवमनेकदेशे युगपदाधीयते PramāVāSvopVṛ. 50. 19.

अदृष्टाकृष्ट (adṛṣṭākṛṣṭa) *adj.* drawn near by the unseen (merit) भोगायतनानामपि तत्रत्यैरेव भूतैरदृष्टाकृष्टैरारंभः संभवति S'ivārkaMaDī. ii. 196. 34 (*on* iii. 1. 1)

अदृष्टाग्रह (adṛṣṭāgraha) *m.* insistence on destiny, fatalism चेष्टमानः क्रियाः सर्वाः प्राप्नोति न पुनः स्थितः । दृष्टैवं पौरुषीं शक्तिं को ह्यदृष्टाग्रहे ग्रहः YaśasCam. i. 379. 5.

अदृष्टाजनकत्व (adṛṣṭājanaka-tva) *n.* the state of being the non-producer of the unseen (merit) प्रतिबन्धकमन्त्रपाठस्यानिषिद्धत्वेनाविहितत्वेन चादृष्टाजनकत्वात् TattvCin. ii(2). 113. 12.

अदृष्टातप (adṛṣṭātapa) *adj.* under which the sun's heat is not felt मारुतिः । ददर्श शिंशपावृक्षम् ··· अदृष्टातपम् AdhyāRā. v. 2. 8.

अदृष्टातिशय (adṛṣṭātiśaya) *m.* excellence in the form of unseen (merit) तस्यैवादृष्टातिशयोत्पादनं संस्कारः TantrRa. 34. 5 (*on* iv. 1. 3); Bhāṭṭ-Cin. i. 96. 23 (*on* i. 1. 4)

अदृष्टात्मक (adṛṣṭātma-ka) *adj.* **1** who has not seen or realised the self मिथ्यावादविचारचिन्तनमहो कुर्वन्त्यदृष्टात्मका भ्रान्ता एव Prauḍhā. 13; **2** having unseen merit as its nature तस्य च वायोः स्वभावाद्वा अदृष्टात्मकेश्वरसंकल्पाद्वा स्वारसिकं तिर्यक्प्रसरणम् NyāySiA. 199. 5; वाजपेयादियज्ञाद्यो रसः सारो विकार उत्तमो विश्वनिदानतयादृष्टात्मकः संभृतः VīraMi. 868. 27 (*on* 3. 121); शब्दोच्चारणकार्यमपि यद्यदृष्टात्मकं स्यात् तदा तत्र नियमस्योपयोगः MayūMāli. 44. 1 (*on* i. 3. 9)

अदृष्टात्मतत्त्व (adṛṣṭātmatattva) *adj.* who has not perceived the (ultimate) reality of the self स्यादेतदश्चिरेवैनं ब्रह्मभावाय वक्ष्यति । अदृष्टात्मतत्त्वमपि तच्च नैवोपपद्यते BṛĀraUBhVā. i. 4. 1667.

अदृष्टात्मन् (adṛṣṭātman) *m.* nature of unseen merit (हविर्भोक्त्री) अदृष्टात्मना सूक्ष्मरूपाणि ··· सुनक्ति LalitāTriBh. 308. 4 (*on* 32)

अदृष्टादि (adṛṣṭādi) *adj.* unseen merit etc. निद्रादिदोषोपप्लुतं मनोऽदृष्टादिसमुद्बोधितसंस्कारविशेषसहकार्यनुरूपं मिथ्याविषयं ज्ञानमुत्पादयति PañcPā. 10. 18 (*on* i. 1. 0); अदृष्टादयो धर्माः प्रधानस्यापि संभाव्यन्ते BrahmSūBh.(Bhā.) 44. 22 (*on* i. 2. 19); विवादास्पदीभूतान्यदृष्टादीनि कस्यचित् प्रत्यक्षाणि NyāySā. 6. 16; इदं मया मत्सामर्थ्येन लब्धं नादृष्टादिना GītāBh.(Rā.) 611. 10 (*on* 16. 13); निमित्तकारणं सर्वेषामेवेश्वरेच्छादृष्टादीनि SaptaPa. 190 (55); अदृष्टादेः ··· कारणत्वापातात् KhaṇḍanKhā. 1229. 2; कस्यचित् प्रत्यक्षम् अदृष्टादि TarkSaṁ.(Ā.) 92. 24; 121. 8; अदृष्टादि निमित्तकारणम् TarkBhā.(Ke.) 62. 13; वेदस्याप्तप्रणीतत्वे मूलप्रमाणेन भाव्यम् ।··· न च तत्प्रत्यक्षम् । अदृष्टादौ तदप्रवेशात् TattvPrakā. 55A. 8 (*on* i. 3. 28); आत्ममनःसंयोगनाशादपि (कर्म) संस्कारादृष्टादीनां विनाशे बहु व्याकुलं स्यात् Upask. 344. 13 (*on* vii. 2. 21); अस्मदादेस्त्वदृष्टादिसाक्षात्कारासंभवान्न प्रेरकत्वम् SarvaDaKau. 122. 10; न च प्रकृतिधर्मा एव सन्त्वदृष्टादय इति वाच्यम् YogSā. 71. 8 (4); अदृष्टादौ साधारणकारणेऽतिव्याप्तिवारणाय असाधारणेति पदम् VedāntPari. 244. 2; ब्रह्मज्ञानान्येनादृष्टादिनेत्यर्थः LaCandr. 162. 28.

अदृष्टादिक (adṛṣṭādi-ka) *adj.* unseen merit etc. अदृष्टादिकं चात्र नियामकमध्यत्रसेयम् Kiraṇā. 19. 22; अन्यदप्यदृष्टादिकमपेक्ष्य भवन्ती जिज्ञासा यस्मिन् सति भवत्येव VedāntKa. 26. 17 (*on* i. 1. 1); न हि कुलालादयोऽपि सामग्र्यन्तरभूतमदृष्टादिकम् ··· साक्षात्कुर्वन्ति NyāyPari. 285. 12; अतस्तत्साध्यमदृष्टादिकमपि नास्ति SarvaDaSaṁ. 1. 104; नन्वदृष्टादिकं कस्यचित् प्रत्यक्षं दृष्टम् SarvaDaKau. 97. 13.

अदृष्टादिकारण (adṛṣṭādi-kāraṇa) *n.* cause like unseen force etc. नाभिव्यक्तिसंस्कारोद्बोधिका । किं त्वदृष्टादिकारणवशात्तदुद्बोधे सति प्रथमाभिव्यक्तिरेव प्रत्यभिज्ञानरूपा परिणमते TantrRaha. 24. 16; अदृष्टादिकारणसत्त्वात् LaCandr. 169. 6; चिच्छक्तिः···नादृष्टादिकारणाधीननानापरिणामविशेषवती S'ivārkaMaDī. i. 160. 21 (*on* i. 1. 3)

अदृष्टादिजन्या (adṛṣṭādi-janyā) *adj.* (*f.*) arising from the unseen (merit) etc. प्रलयकाले अदृष्टादिजन्यायाः कार्यावस्थायाः तत्कालसाधकश्रुत्यादिसिद्धत्वात् LaCandr. 161. 27.

अदृष्टादिनिमित्तकारण (adṛṣṭādi-nimittakāraṇa) *n.* instrumental cause in the form of unseen (merit) etc. अन्त्यचकारेण अदृष्टादिनिमित्तकारणसंग्रहः VīraMi. 880. 17 (*on* 3. 148)

अदृष्टादिनियम (adṛṣṭādi-niyama) *m.* constraint of the unseen merit etc. न चादृष्टादिनियमेन वैचित्र्यम् TattvPrakā. 160A. 7 (*on* iii. 2. 35)

अदृष्टादिनिरपेक्ष (adṛṣṭādi-nirapekṣa) *adj.* independent of the unseen merit etc. (आत्ममनोयोगः) तस्यादृष्टादिनिरपेक्षस्याजनकत्वात् TattvCin. ii(2). 180. 9.

अदृष्टादिपरिकर (adṛṣṭādi-parikara) *m.* accessory in the form of unseen merit etc. शत्रूनहं शूरो धीरश्च हनिष्ये । किमत्र ··· अदृष्टादिपरिकरेण GītāBh.(Rā.) 611. 16 (*on* 16. 14)

अदृष्टादिपुरःसर (adṛṣṭādi-puraḥsara) *adj.* led by the unseen merit etc. (परमाणवः) ते च पश्चात् अदृष्टादिपुरःसराः ··· कार्यजातमारभन्ते BrahmSūBh.(S'aṅ.) 364. 14 (*on* ii. 2. 11)

अदृष्टादिरूपकारणाभाव (adṛṣṭādirūpa-kāraṇābhāva) *m.* absence of the cause in the form of unseen merit etc. (ईश्वरे) अदृष्टादिरूपकारणाभावात् न सुखदुःखाद्युत्पत्तिः SiddhāMu. 23. 23 (*on* 47)

अदृष्टादिवत् (adṛṣṭādi-vat) *adv.* like unseen merit etc. ईश्वरो न प्रतीयतेऽव्यक्तत्वभावत्वाददृष्टादिवत् TattvPrakā. 157A. 13 (*on* iii. 2. 23)

अदृष्टादिवश (adṛṣṭādi-vaśa) *m.* **अदृष्टादिवशात्** [Abl.] due to the influence of unseen merit etc. एकवस्त्वनुपातित्वे चित्रा संवित्प्रसज्यते । अदृष्टादिवशाच्चो चेन्न स्याद्वस्त्वनुयायिनी TattvSaṁ. 38; अदृष्टादिवशात् कर्मकारकं विषयः तज्जनितं ज्ञानं विषयि NyāySā. 41. 3; S'atDū. 101. 18; (सुषुप्त्याद्यवस्थासु) अदृष्टादिवशाच्च निःश्वसितादिसिद्धिः NyāySiA. 243. 8; 196. 17; **अदृष्टादिवशेन** [Inst.] due to the influence of unseen merit etc. अदृष्टादिवशेन क्वचिदुद्बोधेऽप्यन्यत्रानुद्बोधोपपत्तेः AdvaiSi. 496. 7.

अदृष्टादिव्यक्ति (adṛṣṭādi-vyakti) *f.* particular instance of unseen merit etc. नो खल्वदृष्टादिव्यक्तीनाम् ··· एकेन प्रमाणेन धर्मत्वेन निश्चयः शक्यः कर्तुम् PrakaVi. 565. 3.

अदृष्टादिव्यतिरिक्त (adṛṣṭādi-vyatirikta) *adj.* different from unseen merit etc. न द्वितीयः, अदृष्टादिव्यतिरिक्तकालासिद्धिप्रसङ्गात् TarkSaṁ.(Ā.) 48. 11-12.

अदृष्टादिव्यावृत्ति (adṛṣṭādi-vyāvṛtti) *f.* exclusion of unseen merit etc. अपरोक्षत्वमदृष्टादिव्यावृत्त्यर्थम् VedāntKa. 278. 25 (*on* ii. 2. 21)

अदृष्टादिसहकारिन् (adṛṣṭādi-sahakārin) *adj.* accessory in the form of unseen merit etc. कारणस्य सदृशकार्यजनकत्वेऽप्यदृष्टादिसहकारिसामर्थ्यात्कदाचिद्विसदृशकार्यजननं भविष्यति NyāySu.(Ja.) 392A. 12 (*on* ii. 2. 7); 391A. 12 (*on* ii. 2. 7)

अदृष्टादिसहकृत (adṛṣṭādi-sahakṛta) *adj.* helped by unseen merit etc. सत्त्वप्रधानं मनः अदृष्टादिसहकृतम् ··· स्वकर्मदेशं सरीसर्ति PrakaVi. 34. 4.

अदृष्टादिसहित (adṛṣṭādi-sahita) *adj.* assisted by unseen merit etc. इमं च मनोरथमहमेव प्राप्स्ये नादृष्टादिसहितः GītāBh.(Rā.) 611. 11 (*on* 16. 13)

अदृष्टादिसाचिव्य (adṛṣṭādi-sācivya) *n.* co-operation of unseen merit etc. आत्ममनसोः संयोगविशेषाददृष्टादिसाचिव्येन संयोगमात्रव्यावृत्तत्वात् स्वापः Kiraṇā. 272. 17.

अदृष्टादिसापेक्षता (adṛṣṭādisāpekṣa-tā) *f.* expectancy of the unseen merit etc. नापि बाधातिरिक्ता निवृत्तिरिष्यते यत्रादृष्टादिसापेक्षता स्यात् S'at-Dū. 222. 21.

अदृष्टादिहेतुका (adṛṣṭādihetu-kā) *adj.* (*f.*) having unseen merit etc. as the cause अदृष्टादिहेतुका जीववैचित्री चेत्सयमर्थनिचयः ··· उपपाद्यते

GoviBh. 142. 5 (*on* ii. 3. 1)

अदृष्टादृश्यसीमन् (adṛṣṭādṛśya-sīman) *adj.* whose limit was not seen (before) and cannot be seen at present and in future अदृष्टादृश्यसीम्नोऽन्तः सूर्यादीन्यखिलान्यपि। न तेजांस्युपकुर्वन्ति स्वसंविद्दिव्यचक्षुषः YogVā. v. 50. 48 (comm. प्राक् केनाप्यदृष्टाः सांप्रतमग्रे च अदृश्या द्रष्टुमशक्याः सीमानोऽवधयो यस्य)

अदृष्टादेश (adṛṣṭādeśa) *m.* explicit indication which is not seen अदृष्टादेशे नित्ये ĀśvaS'S. I. ii. 1. 8.

अदृष्टाद्यनियम (adṛṣṭādy-aniyama) *m.* absence of restriction due to unseen merit etc. अदृष्टाद्यनियमेन न वैशेषिकमतं दूष्यम् VedāntKa. 328. 11 (*on* ii 3. 43)

अदृष्टाद्यभाव (adṛṣṭādy-abhāva) *m.* absence of unssen merit etc. अदृष्टादिकारणसत्त्वादग्रे भाविता यज्जातीयस्य कार्यस्य प्रसक्ता तज्जातीयस्यादृष्टाद्यभावात् ज्ञानप्रयुक्तादभावो न भविष्यतीत्यनेन बोध्यते LaCandr. 169. 7.

अदृष्टाद्याधारता (adṛṣṭādyādhāra-tā) *f.* the state of being the abode or support of unseen merit etc. नाप्यन्तःकरणं मध्यमपरिमाणमात्रं संभवति। प्रलये विनाशेनादृष्टाद्याधारतानुपपत्तेः YogSā. 71. 18 (4)

अदृष्टाद्युपनीत (adṛṣṭādy-upanīta) *adj.* brought about by unseen merit etc. अप्रत्यक्षैस्तदानीमपि अदृष्टाद्युपनीतेः (तैः) तेजोऽवयवैर्ज्वालारम्भः NyāySiA. 199. 29; 200. 5.

अदृष्टाद्वारक (adṛṣṭādvāra-ka) *adj.* not having unseen merit as the intermediate cause न चादृष्टाद्वारकजन्यज्ञानाजन्यत्वं हेतुः TattvCin. ii(2). 61. 2; मरणोद्देशेन कृतोऽदृष्टाद्वारकस्तदनुकूलव्यापारो हिंसा TattvCin. iv (2). 216. 2; अदृष्टद्वारकेति विशेषणं देयं कर्तृत्वनिरुक्तौ SarvaDaKau. 21. 10; अदृष्टद्वारकजन्यकृत्यजन्यानि जन्यानि अदृष्टाद्वारकापरोक्षज्ञानचिकीर्षाकृतिमज्जन्यानि जन्यत्वात् S'ivārkaMaDī. i. 142. 26 (*on* i. 1. 3); अदृष्टाद्वारकोपजीवकत्वनिवेशनात् … न क्षतिः GuruCandr. i. 284. 12; समवेतार्थत्वं चादृष्टाद्वारकसंबन्धेन स्वशक्यार्थस्यापूर्वसाधनीभूतसंबन्धित्वम् BhāṭṭDī. iii. 72. 16 (*on* ix. 1. 12); VyutpaVā. 161. 7.

अदृष्टाद्वारकत्व (adṛṣṭādvāraka-tva) *n.* the state of not having unseen merit as the intermediate cause श्येनवारणायादृष्टाद्वारकत्वेन विशेषणात् SiddhāMu. 78. 3 (*on* 151); न च कृतावदृष्टाद्वारकत्वं विशेषणम् S'ivārkaMaDī. i. 537. 9 (*on* i. 4. 16); श्येनस्यादृष्टाद्वारकत्वघटितहिंसालक्षणानाक्रान्ततया बलवद्दुःखाजनकत्वम् VyutpaVā. 211. 22; 159. 22; हिंसात्ववारणायादृष्टाद्वारकत्वविशेषणं वदन्तो मान्या एव BālamBha. i. 235. 31 (*on* 1. 86)

अदृष्टाधारता (adṛṣṭādhāra-tā) *f.* the state of being the support of unseen merit जीवस्य हि अदृष्टाधारतया निमित्तत्वम् NyāySu.(Ja.) 292B. 12 (*on* ii. 1. 4)

अदृष्टाधिष्ठातृ (adṛṣṭādhiṣṭhātṛ) *adj.* [*f.* -trī] controller of the unseen (effects of actions) किमपि हि तद् वस्तु नास्ति यत्र नैश्वर्यमदृष्टाधिष्ठातुः (v. l. °ष्ठात्र्याः) NītiVā. 1. 48 (comm. अत्राधिष्ठातृशब्देनैके आत्मानं कथयन्ति। अन्ये प्राक्तनं कर्म); न हि कुलालादिर्घटादिकारणानि … साक्षात्कुरुते। कुलालादीनामकर्तृत्वप्रसङ्गात्। अदृष्टाधिष्ठात्रापि केनचिद्भाव्यमिति चेन्न, अधिष्ठातृकृत्याभावात् NyāySu.(Ja.) 109B. 4 (*on* i. 1. 3)

अदृष्टाधिष्ठान (adṛṣṭādhiṣṭhāna) *n.* control of the unseen (effect of actions) अथादृष्टाधिष्ठाने यत्नस्योपयोगः, तन्न, तस्य निष्क्रियत्वात् NyāyKu. 93. 12.

अदृष्टाधिष्ठित (adṛṣṭādhiṣṭhita) *adj.* controlled by the unseen cause (merit or demerit) प्रधानगुणवैषम्यात् सर्गकाले प्रवर्तते। अदृष्टाधिष्ठितात् पूर्वे तस्मात् सदसदात्मकात् BrahmāṇḍP. i. 4. 12.

अदृष्टाधीन (adṛṣṭādhīna) *adj.* dependent upon unseen cause (merit, demerit etc.) कार्यारम्भविरतिरपि भवति अदृष्टाधीनसंसर्गाणां सहकारिणामनवस्थानात् NyāyMañ. i. 210. 2; NyāyKu. 188. 21; अदृष्टाधीनं कर्म परिगणयन्नाह Upask. 229. 6 (*on* v. 1. 15); सर्वमेव हि कार्यजातमदृष्टाधीनम् SiddhāMu. 18. 4 (*on* 38); अदृष्टाधीनानां मनःपरिणामानां देहादिरूपाणां ज्ञानोत्तरमुत्पत्तिसंभवात् LaCandr. 256. 4.

अदृष्टाधीनत्व (adṛṣṭādhīna-tva) *n.* dependence on unseen cause (merit etc.) अदृष्टाधीनत्वात् तत्रापि न स्वत इति चेन्न, अदृष्टे ज्ञानत्वप्रसङ्गात् NyāyKu. 96. 6; न च वाच्यं सदृशकार्योपजननसमर्थमपि कारणं कार्यमुत्पाद्य पश्चाद् वैसादृश्यमुत्पादयतीति। न चातिप्रसङ्गः, अदृष्टाधीनत्वादिति TattvPrakā. 101A. 7 (*on* ii. 2. 20)

अदृष्टाध्वर्युत्व (adṛṣṭādhvaryutva) *n.* invisible status of the Adhvaryu priest न चादृष्टाध्वर्युत्वादिसद्भावे प्रमाणमस्ति वरणविधिर्हि दृष्टार्थतयोपपत्तेर्नादृष्टकल्पनायालम् S'āstrDī. 323. 15 (*on* iii. 7. 9)

अदृष्टानपेक्षत्व (adṛṣṭānapekṣa-tva) *n.* non-dependence on unseen effect (merit etc.) पश्वादिस्वरूपस्य प्रतिग्रहाद्युपायान्तरदर्शनात् अदृष्टानपेक्षत्वात् S'āstrDī. 387. 17 (*on* iv. 3. 12)

अदृष्टानाश (adṛṣṭānāśa) *m.* non-destruction of the unseen effect (merit etc.) न च मुक्ते पुत्रे तददृष्टनाशात् पितरि न स्वर्गः स्यादिति वाच्यम्। अदृष्टस्य फलनाश्यतया पितरि स्वर्गाभावेनादृष्टानाशात् TattvCin. iv(2). 439. 1.

अदृष्टानियम (adṛṣṭāniyama) *m.* absence of restriction of the unseen effect (merit or demerit) अदृष्टानियमात् BrahmSū. ii. 3. 51 (50 in some editions); सर्वगतात्मवादेऽदृष्टमाश्रित्यापि व्यतिकरो दुर्वारोऽदृष्टानियमात् VedāntPāSau. 239. 11 (*on* ii. 3. 50); संकल्पश्रद्धादिष्वप्यदृष्टानियमवदनियम एव VedāntKau. 239. 23 (*on* ii. 3. 51); VedāntSiSūMañ. 2. 66.

अदृष्टानिष्टि (adṛṣṭāniṣṭi) *f.* non-acceptance (*lit.* undesirableness) of unseen effect (merit or demerit) नन्वदृष्टानिष्टौ जगद्वैचित्र्यमाकस्मिकं स्यादिति चेत् – न तद् भद्रम्। स्वभावादेव तदुत्पत्तेः SarvaDaSaṁ. 1. 104.

अदृष्टानुगुण (adṛṣṭānuguṇa) *adj.* in conformity with or according to one's unseen merit or demerit चेतनानामप्यदृष्टानुगुणदेहेन्द्रियसंयोजनमुखेन सुखदुःखज्ञानादिहेतुरीश्वर इत्येतावता तत्प्रेर्यत्वम् S'rutaPra. ii. 181. 17 (*on* i. 4. 28)

अदृष्टानुत्पत्ति (adṛṣṭānutpatti) *f.* non-origination of the unseen effect (merit or demerit) तत्त्वज्ञानात् … दोषानुत्पत्तौ प्रवृत्त्यभावेऽदृष्टानुत्पत्तौ जन्माभावे तादृशदुःखध्वंसो भवति TattvCin. ii(2). 157. 11.

अदृष्टानुत्पादकत्व (adṛṣṭānutpādaka-tva) *n.* the state of not generating any unseen merit श्रवणादौ विध्यभावपक्षे तु संन्यासपूर्वकं कृतस्यापि श्रवणस्यादृष्टानुत्पादकत्वात् प्रतिबन्धके सति तस्य जन्मान्तरीयविद्याहेतुत्वमित्थमेव निर्वाह्यम् SiddhāLeSaṁ. 384. 9.

अदृष्टानुपपन्नार्थ (adṛṣṭānupapannārtha) *m.* unseen and unreasonable (imaginary) object न चैवमश्रुतान्वयकल्पनमयुक्तमिति वाच्यम्, अदृष्टानुपपन्नार्थकल्पनादन्वयमात्रवैपरीत्यकल्पनस्य लघीयस्त्वात् VivaPraSaṁ. 154. 1.

अदृष्टानुमान (adṛṣṭānumāna) *n.* inference of an unseen effect (i. e. merit) एवमल्पीयस्यदृष्टानुमानप्रसङ्गकल्पना भविष्यति S'ābaBh. 373. 2 (*on* ii. 1. 1); भिन्नवाक्यरूपे त्वाश्रीयमाणे भूयसी अदृष्टानुमानकल्पना स्यात् S'ābaBh. 1731. 16 (*on* ix. 2. 40); 449. 11 (*on* ii. 1. 47); 2005. 11 (*on* x. 6. 38)

अदृष्टानुरोध (adṛṣṭānurodha) *m.* [Inst.] in consideration of an unseen effect (merit) अत एव कृष्णलचरौ वैतुष्याभावेनादृष्टानुरोधेन अवघातानुष्ठानम् MīmāKau. iii(2). 66. 18 (*on* ii. 1. 9); ननु अदृष्टानुरोधेन पत्युः किञ्चिद् देहादिकं कल्प्यम् GoviBh. 139. 13 (*on* ii. 2. 40)

अदृष्टानुविद्ध (adṛṣṭānuviddha) *adj.* charged with the unseen effect (merit) तेनावघातेनादृष्टानुविद्धास्तण्डुला निष्पाद्यन्त इति कल्प्यते NyāyRaMā. 121. 24.

अदृष्टानुसार (adṛṣṭānusāra) *m.* [Abl.] in accordance with the unseen principle of merit and demerit आकाशादिभ्यो महाभूतेभ्योऽदृष्टानुसाराल्लाघवादीन् गुणान् … आत्मा संसारं प्रपित्सुः … गृह्णाति BālaKrī. ii. 35. 12 (*on* 3. 66.

अदृष्टानुसारिन् (adṛṣṭānusārin) *adj.* following the unseen merit and demerit मायामयैर्महाभूतैरदृष्टानुसारिपरमेश्वराधिष्ठितैरारभ्यमाणो देहः … अज्ञानाज्जीवसंसृष्टतयैव आरभ्यते PrakaVi. 19. 23; न चादृष्टानुसारीश्वरेच्छा तत्क्रियाहेतुः तस्या नित्यत्वेन नित्यं तत्प्रसङ्गात् GoviBh. 122. 2 (*on* ii. 2. 12)

अदृष्टान्त (a-dṛṣṭānta) *adj.* **i** whose end is not seen अनिश्चयज्ञा धर्माणामदृष्टान्ते परे रताः MahāBhā. xii. 64. 4; अदृष्टान्तमभूद् युद्धमन्यदृष्टान्तवर्जितम् Yādavā. 16. 101; **ii** devoid of an illustration or an example मलयमिव चन्दनशिशिरवनमसत्साधनमिवादृष्टान्तम् … अच्छोदं नाम सरो दृष्टवान् Kād. 124. 4; अदृष्टान्तस्यापि साधनविकलादेः प्रत्यक्षविषयत्वादित्यतिव्याप्तिः NyāyVārPari. 293. 4; **iii** whose other end (side or bank) is not seen, Kād. 124. 4; यस्या (अलकायाः) बाह्यमदृष्टान्तं कल्पपादपकाननम् BṛKathāS'loSaṁ. 5. 24; अद्राक्षम् … अदृष्टान्तं रसातलम् BṛKathāS'loSaṁ. 18. 451; *m.* inappropriate example or analogue इह पुनर्द्वादशोपसत्त्वं नैव संघातधर्म इत्यपदिष्टो हेतुः। तस्माददृष्टान्तो द्रव्यवत् इति S'ābaBh. 1581. 11 (*on* vii. 4. 18); 2018. 21 (*on* x. 6. 75); शालिबीजमदृष्टान्तः NyāyVār. 356. 11 (*on* iii. 1. 4); TantrVā. 987. 1 (*on* iii. 4. 22); ज्योतिःशब्दोऽपि लौकिकेन प्रयोगेण ज्वलन एव रूढः अर्थवादकल्पितेन तु ज्वलनसादृश्येन क्रतौ प्रवृत्त इत्यदृष्टान्तः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 45. 2 (*on* i. 1. 7); 650. 11 (*on* iii. 3. 21); IṣṭaSi. 54. 12; Kāśi. ii. 60. 18 (*on* 5(2). 95); न तावद् यो यः प्रत्यक्षविषयः स सर्वो दृष्टान्तोऽदृष्टान्तस्यापि प्रत्यक्षविषयत्वात् TātpaṬ.(Vā.) 52. 7 (*on* i. 1. 1); ततश्च न साध्यस्य दृष्टान्तः स्यात्। न चेदेवं तथापि वैलक्षण्यात् सुतरामदृष्टान्तः PramāMī. 60. 21 (*on* ii. 1. 29); TarkSaṁ.(Ā.) 99. 16.

अदृष्टान्तक (adṛṣṭānta-ka) *adj.* having no exmple or analogue (for

support) कथं तर्हि हेतोर्व्याप्तिनिश्चयो यद्यदृष्टान्तको हेतुरिति चेत् । नोच्यते हेतुरदृष्टान्तक एव । अपि तु न हेतोः पृथग् दृष्टान्तो नाम । हेत्वन्तर्भूत एव दृष्टान्तः NyāyBiṬ. 234. 7 (*on* 3. 121)

अदृष्टान्तता (adṛṣṭānta-tā) *f.* the state of not being an illustration or an example यत् तूदवसानीयवदिति तत्रापि … क्रियामात्राक्षेपाद् विधित्वमाश्रितमेवेत्यदृष्टान्तता TantrVā. 22. 5 (*on* i. 2. 7); प्रतिदृष्टान्तेन हि तेन मदीयस्यादृष्टान्तता साध्या । स चेन्न दृष्टान्तः मदीयस्यादृष्टान्तता साध्येति व्याहतम् TātpaṬ.(Vā.) 679. 5 (*on* v. 1. 9)

अदृष्टान्तत्व (adṛṣṭānta-tva) *n.* the state of not being an illustration or an example परिव्राजकानां भिक्षाचरणादिवत् उत्पन्नैकत्वप्रत्ययानामपि गृहस्थादीनामग्निहोत्रादिकर्मानिवृत्तिरिति चेत् न, प्रामाण्यचिन्तायां पुरुषप्रवृत्तेरदृष्टान्तत्वात् ChāndoUBh. 126. 7 (*on* ii. 23. 1); प्राणात्ययोपादानं च दृष्टान्तार्थत्वेऽप्यसिद्धत्वाददृष्टान्तत्वाच्छात्रलक्षासिद्धत्वात् विधीयत एव BālaKrī. i. 125. 15 (*on* 1. 178); मदीयस्यादृष्टान्तत्वे साध्ये प्रतिदृष्टान्तेन हि तेन मदीयस्यादृष्टान्तता साध्या TātpaṬ.(Vā.) 679. 4 (*on* v. 1. 9); NyāySu.(So.) 75. 4 (*on* i. 2. 20); GuruCandr. i. 102. 18.

अदृष्टान्तदर्शित (a-dṛṣṭāntadarśita) *adj.* not shown through an illustration or an example तथाप्यत्र नादृष्टान्तदर्शितशक्तिधर्मैः स तस्मिन् धर्मिणि तथाविधो हेतुः स्यात् न वेति NyāyMañ. ii. 142. 17.

अदृष्टान्तम् (a-dṛṣṭāntam) *adv.* without having any example नेदमदृष्टान्तं पक्षीक्रियते यत् क्वचिद् व्यवस्था क्वचित् सङ्कर इति Kāśi. i. 267. 14 (*on* 4. 161)

अदृष्टान्तर (adṛṣṭāntara) *n.* **i** another unseen (merit) तेन गृह्णातौ तत्कृतादहृष्टाददृष्टान्तरमुत्पादयति SābaBh. 518. 4 (*on* ii. 2. 19); सर्वत्रैव चादृष्टकल्पनायां तादृशं कल्पयितव्यं यद् दृष्टं न विरुणद्धि न वादृष्टान्तरमासञ्जयति TantrVā. 74. 15 (*on* i. 3. 2); TattvBi. 28. 6; GuruCandr. ii. 196. 9; BhāṭṭDī. iii. 197. 4 (*on* x. 1. 5); **ii** different unseen (effect) शब्दव्यापारापूर्वादिविप्रिपक्षे कल्प्येतापि काममदृष्टान्तरम् NyāyKu. 94. 5; न च तत्र प्रतिभायाः प्रतिबन्धकमदृष्टान्तरं कल्प्यमिति वाच्यम् RasGaṅ. 10. 9.

अदृष्टान्तरकल्पन (adṛṣṭāntara-kalpana) *n.* assumption of a different unseen (merit) तत्र यदीदं यागान्तरं कल्प्यते ततः प्राप्तं रूपाज्ञानमदृष्टान्तरकल्पनं च TantrVā. 481. 17 (*on* ii. 2. 9)

अदृष्टान्तरकल्पना (adṛṣṭāntara-kalpanā) *f.* **i** assumption of another unseen (merit) तत्रैकापूर्वकल्पनयोपपन्ने नादृष्टान्तरकल्पनाप्रमाणमस्ति TantrVā. 339. 16 (*on* ii. 1. 1); तथापि वैचित्र्यमदृष्टस्य स्वाभाविकम्, अदृष्टान्तरकल्पनायामनवस्थाप्रसङ्गात् TātpaṬ.(U.) 145. 21 (*on* 4. 104); TattvBi. 27. 1; पूजानन्तरमिदं स्नानान्तरं विधीयते वाक्यभेदप्रसङ्गाददृष्टान्तरकल्पनापत्तेश्च TristhaSe. 234. 3; MīmāKau. iii(1). 93. 6 (*on* i. 2. 44); iii(2). 8. 18 (*on* ii. 1. 3); **ii** assumption of another unseen (effect) सर्वगोचरज्ञानेच्छायत्नाधिकरणेश्वराभ्युपगममात्रेण सर्वादृष्टकार्योपपत्तेः कृतमदृष्टान्तरकल्पनया NyāyKu. 94. 7; 'अग्निरग्रे प्रथमो देवतानाम् …' इति मन्त्रेणोक्तरीत्या स्मृतिसंभवाददृष्टान्तरकल्पनानवकाशः स्यात् MayūMāli. 853. 12 (*on* xii. 1. 12)

अदृष्टान्तरफलक (adṛṣṭāntaraphala-ka) *adj.* having another unseen merit as the fruit तनू[न]पातं यजतीत्यादियजिना अदृष्टान्तरफलकस्य यागप्रयोगगतद्वितीयत्वादेः … तत्परत्वायोगात् MīmāKau. iii(2). 149. 16 (*on* ii. 2. 2)

अदृष्टान्तरमात्र (adṛṣṭāntara-mātra) *n.* merely another unknown (cause) अदृष्टान्तरमात्रसाध्यत्वे यत्नविधिवैयर्थ्यप्रसङ्गादिति तर्को दर्शितः Kiraṇā. 221. 11.

अदृष्टान्तरसाध्या (adṛṣṭāntara-sādhyā) *adj.* (*f.*) which is to be established by another unseen (cause) न ह्यदृष्टानिवृत्तिरप्यदृष्टान्तरसाध्या एकस्याप्यनपवर्गप्रसङ्गादिति Kiraṇā. 10. 12.

अदृष्टान्तरापेक्षा (adṛṣṭāntarāpekṣā) *f.* dependence on another unseen (cause) दृष्टादृष्टकारणद्वयजन्यत्वात् सर्वस्य कार्यस्यादृष्टान्तरापेक्षा निषिध्यते तदानीम् ManuBh. i. 24. 16 (*on* 1. 28)

अदृष्टान्तर्भाव (adṛṣṭāntarbhāva) *m.* inclusion in the unseen (merit) ननु स्वर्गभूम्यादिप्रदेशवैशेष्यात् वैचित्र्यं स्यात्, नेत्याह … तत्प्राप्तेरपि … अदृष्टान्तर्भावात् GoviBh. 169. 10 (*on* ii. 3. 51)

अदृष्टान्तर्यामिन् (adṛṣṭāntaryāmin) *m.* unseen and inner controller (soul) 'नान्योऽतोऽस्ति द्रष्टा' इति जीवेनादृष्टान्तर्यामिद्रष्टृवत् अन्तर्यामिणाप्यदृष्टद्रष्ट्रन्तरनिषेधपरः VedāntDī. 36. 17 (*on* i. 2. 19)

अदृष्टान्तसिद्ध (adṛṣṭānta-siddha) *adj.* established without an example or an illustration अदृष्टान्तसिद्धोऽसाधारणः VedāntKa. 13. 11 (*on* i. 1. 1)

अदृष्टान्तानुमान (adṛṣṭāntānumāna) *n.* inference without an example अप्रतीतगवयगवान्तरसामान्यस्यादृष्टान्तानुमानासंभवात् KhaṇḍanKhā. 746. 8.

अदृष्टान्तिका (adṛṣṭāntikā) *adj.* (*f.*) devoid of an example, for which there is no example तदसत् कथमवगन्तव्यम्, येनैवं स्यात् । अनुपलब्धेरेवेति चेत् । तत्र कथमदृष्टान्तिकासत्तासिद्धिः । सदृष्टान्तत्वे वानवस्थाप्रसङ्गः PramāVāSvopVṛ. 69. 20.

अदृष्टान्तीकृत (a-dṛṣṭāntīkṛta) *adj.* which is not cited as an example अदृष्टान्तीकृताद्विपक्षमात्राद्धेत्वभावस्यापकर्षे तु विरोधः साधारण्यं वा NyāyPari. 249. 13.

अदृष्टान्न (adṛṣṭānna) *n.* unseen food, food that cannot be observed पिशाचाः कुम्भपात्रास्ते अदृष्टान्नानि भुञ्जते BrahmāṇḍP. ii. 7. 395.

अदृष्टान्यक्लृप्ति (adṛṣṭānyaklpti) *f.* assumption of something other than the unseen cause किं चादृष्टान्यक्लृप्तिर्ज्वलनपवनयोर्न क्रियायाम् TattvMu. 5. 34 (comm. किं चाग्नेरूर्ध्वज्वलनं वायोस्तिर्यक्पवन(गमन)मित्यत्रादृष्टातिरेकेण गुणान्तरं भवद्भिर्न कल्प्यते)

अदृष्टान्यसामर्थ्य (adṛṣṭānyasāmarthya) *adj.* who has not seen or experienced other's strength अदृष्टान्यसामर्थ्यः को नाम न भवति सदर्पः NītiVā. 30. 47 (MYSORE 1957)

अदृष्टापचार (adṛṣṭāpacāra) *adj.* whose deviant nature is not seen यद्यपि तावदयं पराशब्दो दृष्टापचार उपसर्गश्चानुपसर्गश्चायं तु खलु विशब्दोऽदृष्टापचार उपसर्ग एव MahāBh. i. 279. 11 (*on* i. 3. 19); i. 445 2 (*on* ii. 3. 4); अयं खल्वपशब्दोऽदृष्टापचारो वर्जनार्थ एव MahāBh. i. 447. 3 (*on* ii. 3. 8); i. 496. 4 (*on* ii. 4. 79)

अदृष्टापेक्ष (adṛṣṭāpekṣa) *adj.* dependent on the unseen (merit or demerit) तदनन्तरं भोगिनामदृष्टापेक्षादात्माणुसंयोगादुत्पन्नपाकजेष्वणुषु कर्मोत्पत्तौ तेषां परस्परसंयोगाद् द्व्यणुकादिक्रमेण कार्यद्रव्यमुत्पद्यते PadārthaSaṁ. 107. 2; NyāySu.(Ja.) 371B. 4 (*on* ii. 2. 6); ततः सर्गकाले च वायवीयेष्वणुष्वदृष्टापेक्षं कर्मोत्पद्यते BrahmSūBh.(Śaṅ.) 368. 13 (*on* ii. 2. 12); PrakaPañ. 332. 14; अदृष्टापेक्षात् धर्माधर्मापेक्षात् Kiraṇā. 186. 7; 97. 2.

अदृष्टापेक्षण (adṛṣṭāpekṣaṇa) *n.* dependence on the unseen (merit or demerit) नानपेक्षतया संयोगविभागहेतुत्वं कर्मणः । समवायिकारणेश्वरेच्छादेशकालादृष्टापेक्षणात् TattvPradī.(Ci.) 186. 1.

अदृष्टापेक्षता (adṛṣṭāpekṣa-tā) *f.* dependence on the unseen (merit or demerit) आकस्मिको विशेषश्चेददृष्टे क्वचिदिष्यते । सर्वत्राकस्मिकत्वं स्यान्नादृष्टापेक्षता भवेत् AnuVyā. 59A. 11 (*on* 3. 4)

अदृष्टापेक्षत्व (adṛṣṭāpekṣa-tva) *n.* dependence on the unseen (merit or demerit) न स्वर्गनरकभूम्यादिप्रदेशविशेषाद्वैचित्र्यम् । तत्प्राप्तेरप्यदृष्टापेक्षत्वात् BrahmSūBh.(Ma.) 39B. 7 (*on* ii. 3. 53); न च दृष्टफलस्यामुष्मिकफलत्वमदृष्टापेक्षत्वं चानुपपन्नम् VedāntKa. 506. 17 (*on* iii. 4. 51); GoviBh. 169. 10 (*on* ii. 3. 51)

अदृष्टापेक्षा (adṛṣṭāpekṣā) *f.* **i** expectancy of or dependance on the unseen (merit or demerit) अदृष्टापेक्षायां कल्पनागौरवं तत एव तदुत्पत्तेः ĀtmaTaVi. 872. 7; अदृष्टापेक्षया वैचित्र्यं समर्थयेत् Kiraṇā. 97. 5; 89. 11; **ii** expectancy or need of (getting) an unseen (result) उपासनात्मकस्य तु ज्ञानस्य कर्मणि पुरुषे च दृष्टप्रयोजनाभावात् अदृष्टापेक्षायां श्रुत्यभावेन क्रत्वर्थत्वाभावाद्वाक्यशेषोपनीताभ्युदयनिःश्रेयसफलतया रात्रिसत्रवत्पुरुषार्थत्वमेव NyāyRa. 670. 10 (*on* 5(15). 104); YuktiSneha. 131. 33 (*on* i. 1. 5); **iii** expectancy of or dependence on the unseen merit (as the cause) नन्वेवमपि ब्रह्मज्ञानस्य दृष्टप्रमाणसामग्रीजन्यस्य नादृष्टापेक्षा VivaPraSaṁ. 206. 17.

अदृष्टाभाव (adṛṣṭābhāva) *m.* absence of unseen (merit or demerit) न चोपकारेण तस्य प्रयोजनम् । अदृष्टाभावात् ViṣṇuTaNi. 1B. 11; TattvPrakā. 96A. 5 (*on* ii. 2. 6); विग्रहादिकं खल्वदृष्टसृष्टम् । तदानीमदृष्टाभावान्न संभवेत् GoviBh. 319. 6 (*on* iv. 4. 10)

अदृष्टाभावबुद्धि (adṛṣṭābhāva-buddhi) *f.* belief in the non-existence of the unseen (merit or demerit) नास्तिक्यमदृष्टाभावबुद्धिः DīpKa. 95. 25 (*on* 3. 236)

अदृष्टाभिभव (adṛṣṭābhibhava) *adj.* who has not experienced insult or subjugation अदृष्टाभिभवो मातुरानुकूल्यान्नवो नृपः । परितापं पितुस्तैस्तैर्दुःसंदेशैः सदाकरोत् RājTa.(Ka.) 7. 419.

अदृष्टाभिव्यक्ति (adṛṣṭābhivyakti) *f.* manifestation of the unseen (merit or demerit) करणानां प्रवृत्तिरपि पुरुषस्यादृष्टाभिव्यक्त्यैव भवतीत्यर्थः SāṁkhyaPraBh. 85. 18 (*on* 2. 36)

अदृष्टाभिसंधि (adṛṣṭābhisandhi) *m.* aim of (obtaining) unseen (merit) यद्यपि कृपया परं रक्षतः शास्त्रसिद्धमदृष्टं तथाप्यदृष्टाभिसंधिविरहितस्यैव परदुःखदर्शनानन्तरमवशाश्रुपातादिमत्त्वदर्शनात् … स्वार्थानपेक्षता युक्ता ŚrutaPra.

iB. 96.12 (*on* i. 1.1)

अदृष्टाभेदतस् (adṛṣṭābheda-tas) *adv.* due to the non-difference (i. e. identity) of the unseen (effect) समुच्चयो यवव्रीह्योर्विकल्पो वात्र पूर्ववत्। आद्यो मैत्रं नैरपेक्ष्याददृष्टाभेदतोऽन्तिमः NyāyMāVi. 688.4 (*on* xii. 3.4)

अदृष्टाभ्युपगम (adṛṣṭābhyupagama) *m.* acceptance of the unseen merit तस्मात्सर्वेभ्यश्चोदनाकल्पनैव ज्यायसी । तत्र हि तन्मात्राददृष्टाभ्युपगमः TantrVā. 75.4 (*on* i. 3.2)

अदृष्टार्तव (adṛṣṭārtava) *adj.* (period) in which the menstrual discharge is not seen अदृष्टार्तवोऽप्यस्तीत्येके भाषन्ते SuśruS. iii. 3.6; ऋतुस्तु दृष्टार्तवो द्वादशरात्रं भवति । षोडशरात्रमित्यन्ये ।··· तद्वददृष्टार्तवोऽप्यस्तीत्यपरे AṣṭāSaṁ. i. 198.15 (2.1)

अदृष्टार्थ (adṛṣṭārtha) *adj.* **A** expressive of an unseen thing or object or phenomenon अथ शब्दः ··· दृष्टार्थश्च अदृष्टार्थश्च ··· अदृष्टार्थः पुनः, अस्ति प्रेत्यभावः, अस्ति मोक्ष इति CaraS. iii. 8.38 (1941 Ed.); यस्येह दृश्यतेऽर्थः स दृष्टार्थः । यस्यामुत्र प्रतीयते सोऽदृष्टार्थः NyāyBh. 21.9 (*on* i. 1.8); 118.4 (*on* ii. 1.58); अथादृष्टार्थमेवेदं सूत्रम् Bṛha. 7.12 (*on* i. 1.1); अदृष्टार्थाः किल ग्रन्था दृष्टार्थैर्गारुडादिभिः । अर्थवन्तोऽनुमीयन्ते BṛKathāS'loSaṁ. 21.48; अदृष्टार्थस्य वेदस्य विनापि प्रवृत्तिसामर्थ्यं प्रामाण्यावधारणमाप्तोक्तत्वेन निवेदयिष्यते TātpaṬ.(Vā.) 12.4 (*on* i. 1.1); अदृष्टार्थानां पुनराप्तोक्तत्वेन NyāySā. 29.4; विधिवाक्यमदृष्टार्थमखिलमन्त्रोदाहरणम् NyāyMāVi. 61.19 (*on* ii. 1.1); अदृष्टार्थानामपि ··· प्रामाण्यमनुमातुं शक्यते NyāySu.(Ja.) 108B.13 (*on* i. 1.3); **B i** having an unseen object, referring to an unobserved matter हिताहितेषु चादृष्टार्थसान्दृष्टिकार्थेषु च भावेषु यो विपरीतबुद्धिः ··· स बध्यते BālaKrī. ii. 57.11 (*on* 3.153–154); अदृष्टार्थया दृष्टार्था (स्मृतिः) ··· बाध्यते TantrVā. 879.13 (*on* iii. 3.14); वित्तस्य वित्तेनोपभोगसाधनेन दृष्टार्थेनादृष्टार्थेन च कर्मसाधनेन संपन्ना पूर्णा TaiUBh. 269.15 (*on* 2.8); स्याद् द्युलोकाग्निवज्ज्ञानं यदि विध्यनुरोधिनी । अभिधाश्रुतिरदृष्टार्था सम्यग्ज्ञानं तु दुर्लभम् TaiUBhāVā. 188.21 (2); काव्यं सद् दृष्टादृष्टार्थम् । प्रीतिकीर्तिहेतुत्वात् KāvyālaṅSū. i. 1.5; यद्यक्षादीनां यथार्थत्वनियमो न स्यात् तदा लोकव्यवहारे दृष्टार्थे संभवत्यपि वेदे यथार्थत्वनिश्चयाभावात् अदृष्टार्था प्रवृत्तिर्न स्यात् IṣṭaSi. 44.8; धर्मशब्दः ··· विधिप्रतिषेधयोरदृष्टार्थयोस्तद्विषयायां च क्रियायां दृष्टप्रयोगः ManuBh. i. 4.16 (*on* 1.2); i. 474.8 (*on* 5.110); अदृष्टार्थयोः स्मृत्योरन्योन्यनिरपेक्षत्वे सति विषयव्यवस्थापकन्यायाभावे च सत्यर्थयोर्विकल्पः Aparā. 627.17 (*on* 2.21); शरीरमेव चेदात्मा विश्वलोकप्रवृत्तयः । अदृष्टार्था न सिध्येयुर्विश्ववैचित्र्यमेव च NyāyKu. 115.11; **B ii** having unseen merit as its purpose यथा चादृष्टार्थेषूपदिश्यमानेषु कश्चिद् ब्रूयाद् देवाय धूपो देयः ··· एवं कृते देवस्तुष्यति S'ābaBh. 1291.11 (*on* v. 1.4); प्रवेशः सोऽप्यदृष्टार्थ इति नैवेह सूत्रितः S'lokaVār. 36.8 (1.108); आर्यास्तावद्विशिष्येरन्नदृष्टार्थेषु कर्मसु TantrVā. 149.2 (*on* i. 3.8); 384.4 (*on* ii. 1.7); यथा वेदे त्रियम्बकं यजामह इति ··· अदृष्टार्थो धर्मार्थ एव पाठः Nyās. i. 210.7 (*on* i. 3.1); हस्तिग्रहणमदृष्टार्थम् ManuBh. ii. 87.25 (*on* 8.34); यानि अस्माकं आचार्याणां सुचरितानि ··· तान्येव त्वया उपास्यानि अदृष्टार्थान्यनुष्ठेयानि TaiUBh. 217.5 (*on* 1.11); 269.15 (*on* 2.8); श्रद्धा अदृष्टार्थेषु कर्मसु आस्तिक्यबुद्धिः देवतादिषु च BṛĀraUBh. 178.6 (*on* i. 5.4); मानान्तराच्च कः कुर्याददृष्टार्थाः क्रियाः सुधीः BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 1049; अदृष्टार्थास्तु बहुवित्तव्ययायाससाध्या वैदिका व्यवहारा दत्तजलाञ्जलयः प्रसक्ताः TātpaṬ.(Vā.) 5.10 (*on* i. 1.1); अत्र च न स्नानमदृष्टार्थं विधीयते PrakaPañ. 22.14; (संस्कारः) दृष्टार्थ एवावघातवत् । न तु प्रोक्षणादिवददृष्टार्थः Kāśi. i. 191.15 (*on* 2.264); ii. 25.23 (*on* 5(2). 4.1); NayaVi. 32.6 (*on* i. 1.1); उद्वेष्टितकरणस्वरूपं निरूपयतः प्रयोगश्चैषामदृष्टार्थ एव AbhinBhā. i. 140.15 (*on* 4.176); दृष्टार्थेष्वङ्गेषु लिङ्गस्य विनियोजकत्वं नादृष्टार्थेषु NyāyRaMā. 131.9; NyāyRa. 37.9 (*on* 1.108); तस्माददृष्टार्थमेव स्वाध्यायाध्ययनम् S'āstrDī. 6.3 (*on* i. 1.1); NītiMā. 60.19; Mitā. 7.15 (*on* 1.17); अदृष्टार्था स्मृतिः प्रोक्ता मनुना विनतात्मज BhaviP. 268B.1 (i. 181.29); HārLa. 21.1; SmṛtiCan. vi. 5.19; अदृष्टार्थो दृष्टप्रयोगाश्रयः संस्कारो विधीयते CaturCin. iii(1). 790.11; iii(1). 1123.6; आत्मरक्षणस्य विहितत्वात् तदेव दृष्टं प्रयोजनं तच्चेदन्यथापि संभवति तदा तत्रापि वधोऽदृष्टार्थः स्यात् DaṇḍaVi. 10.3; ArthSaṁ. 68.3; न तु तदुच्चारणमदृष्टार्थम्, संभवति दृष्टफलकत्वेऽदृष्टकल्पनाया अन्याय्यत्वात् ArthSaṁ. 92.4; S'ivārkaMaDī. i. 32.1 (*on* i. 1.1); 'अत्रानन्यभावात्सत्रे ··· न दक्षिणा' इति केचित्, तन्न, अदृष्टार्थाया दक्षिणायाः प्राप्तेः NirṇaSi. 285.12; असति विरोधे अदृष्टार्थानां विकल्पाभावात् VīraMi.(Āhnika.) 45.5; VīraMi. 90.11 (*on* 1.29); शिखाकर्मापि च अदृष्टार्थमेव । संस्कारेषु पाठात् MīmāKau. i. 9.3 (*on* i. 3.2); (सन्निपत्योपकारकम्) तच्च दृष्टार्थमदृष्टार्थं दृष्टादृष्टार्थं च MīmāNyāPra. 230.20; BālamBha. i. 160.21 (*on* 1.30); **C** whose intention is unseen merit अमानिनः सर्वसहा अदृष्टार्था जितेन्द्रियाः । सर्वभूतहिता मैत्रास्तेभ्यो दत्तं महत्फलम् VṛGautaSm. 589.21 (12); **D** poor (*lit.* who has not seen wealth) अदृष्टार्थो रोगी मदनवशगः ··· सवितृसुतलग्नेऽत्यलसवाक् Bṛhajjā. 20.9.

अदृष्टार्थ (adṛṣṭārtha) *m.* **i** unseen merit as purpose अदृष्टार्थाच्छब्दवृत्तिर्लघीयसी S'ābaBh. 2125.11 (*on* xi. 1.49); **ii** thing of the other world अदृष्टार्थे तु 'तपः सेधयति' PrakriKau. ii. 318.4; **iii** object which is not (directly) seen (but is inferred) प्रत्यक्षत उपलब्धार्थो दृष्टार्थः । अनुमानोपलब्धार्थोऽदृष्टार्थः NyāyVār. 64.3 (*on* i. 1.8); वेदमेव त्वदृष्टार्थे प्रमाणं मन्यते मनुः BālaKrī. i. 26.11 (*on* 1.7); अदृष्टार्थे विकल्पस्तु व्यवस्थासंभवे सति BhaviP. 268A.9 (i. 181.19); यदुक्तमदृष्टार्थ एव नास्तीति कुतो जगदीश्वरः कुतस्तरां जगत्कारणत्वमिति TattvPrakā. 96A.1 (*on* ii. 2.6)

अदृष्टार्थक (adṛṣṭārtha-ka) *adj.* having an unseen thing (as its object) अदृष्टार्थकोपासनापरत्वे गौरवम् GuruCandr. iii. 62.11; ii. 231.15; दृष्टार्थकत्वसंभवे अदृष्टार्थकोपासनापरत्वे गौरवम् LaCandr. 599.26; 728.23; अदृष्टार्थकदेवनिर्माल्यगन्धादिधारणानि न निषिद्धानि VīraMi.(Āhnika.) 131.20; 85.25; शब्दतदुपजीविप्रमाणमात्रगम्यार्थकोऽदृष्टार्थकः Nyāyasūtravṛtti. *on* i. 1.8 [ASS]

अदृष्टार्थकत्व (adṛṣṭārthaka-tva) *n.* the state of having an unseen effect as its purpose पूर्वमग्निसमिन्धनरूपदृष्टप्रयोजनसम्भवेनादृष्टार्थकत्वकल्पनायोगात् BhāṭṭCan. 60.18 (*on* xiv. 4.3); न च प्रजारक्षणस्यादृष्टार्थकत्वादिदमुक्तमयुक्तम् RājNīRa. 9.14; तदुच्चारणस्यानन्यगत्यादृष्टार्थकत्वं कल्प्यत इति नानर्थक्यम् ArthSaṁ. 96.2; अदृष्टार्थकत्वकल्पनाया अन्याय्यत्वेनाङ्गत्वे सिद्धे VīraMi. (Āhnika.) 17.11.

अदृष्टार्थकर्मन् (adṛṣṭārtha-karman) *n.* an act the purpose of which is unseen merit शरीरस्थित्यर्थान्नोपभोगप्रधानः नादृष्टार्थकर्मप्रधानः BṛĀraUBh. 169.3 (*on* i. 5.2); NaiṣkaSi. 53.1; अदृष्टार्थकर्माभावबुद्धिः एतत् प्रत्येकमुपपातकम् ManvaMu. 462.30 (*on* 11.66); अन्वाहेति विधीयमानमनुवचनमदृष्टार्थकर्म स्यात् MayūMāli. 713.7 (*on* x. 4.21); 547.2 (*on* vii. 4.1)

अदृष्टार्थकल्पन (adṛṣṭārtha-kalpana) *n.* performing of an act meant for unseen merit रजस्वला च स्त्री रजसि निवृत्ते सति पञ्चमे दिने स्नानेनादृष्टार्थकल्पनयोग्या भवति ManvaMu. 207.22 (*on* 5.66)

अदृष्टार्थकल्पना (adṛṣṭārtha-kalpanā) *f.* assumption of unseen merit याज्यादावपि दृष्टार्थे स्याददृष्टार्थकल्पना TantrVā. 408.2 (*on* ii. 1.23); 681.15 (*on* iii. 1.10); दृष्टेऽर्थावबोधे सम्भवत्यदृष्टार्थकल्पनायोगात् SarvaDaKau. 99.13; LaCandr. 834.39.

अदृष्टार्थगोचर (adṛṣṭārtha-gocara) *adj.* having for its object things not seen or known प्रत्ययाश्च प्रवर्तन्ते प्रशस्तफलसूचकाः । मयि भाववतां पुंसां प्रागदृष्टार्थगोचराः । कम्पः स्वेदोऽश्रुपातश्च··· भवेत् S'ivaP. vii(2). 11.35 (557A.4)

अदृष्टार्थता (adṛṣṭārtha-tā) *f.* the state of having an unseen (effect) as its purpose साधनप्राधान्ये ह्यदृष्टार्थता वचनस्य स्यात् S'ābaBh. 448.5 (*on* ii. 1.46); 7.4 (*on* i. 1.1); शास्त्रादौ सूत्रमध्ययनविधेरदृष्टार्थतामाशङ्क्य दृष्टार्थताप्रतिपादनपरं व्याख्यातं भाष्यकारेण TātpaṬ.(U.) 5.8 (*on* 1.11); यस्य त्वदृष्टार्थता तस्य ··· नियमार्थवत्ता TantrVā. 53.12 (*on* i. 2.32); 383.13 (*on* ii. 1.6); धर्मजिज्ञासापदे तु नालौकिकार्थताशङ्का, अदृष्टार्थतयापि कथंचित्तदुपपत्तेः NayaVi. 9.2 (*on* i. 1.1); वेदमधीत्य स्नायात् ···अदृष्टार्थतापरिहारायैव NyāyRa. 35.18 (*on* 1.104); 31.4 (*on* 1.88); एवमाचारस्यापि वेदविद्भिरदृष्टार्थतयाचर्यमाणस्य प्रामाण्यम् ManuBh. i. 57.23 (*on* 2.6); i. 220.16 (*on* 3.27); i. 336.23 (*on* 4.19); एतत्सूत्रमप्यध्ययनविधेरदृष्टार्थतामाशङ्क्य ··· व्याख्यातम् YuktiSneha. 5.14 (*on* i. 1.1); अवघाताद्याश्रितनियमस्यादृष्टार्थतया विधेयत्वात् GuruCan. ii. 192.14; न च ··· विध्युद्देशांशेऽप्यदृष्टार्थता स्वीकर्तुमुचिता MayūMāli. 6.7 (*on* i. 2.1)

अदृष्टार्थतापत्ति (adṛṣṭārthatāpatti) *f.* contingency of being intended for some unseen (effect) अत्र पूर्वस्यैव कर्मणो वैगुण्यं न तूत्तरस्य ··· अन्यथा एतद्वचनस्यादृष्टार्थतापत्तेः VīraMi.(Paribhāṣā). 74.22; अन्यथा तद्धारणस्यादृष्टार्थतापत्तेः VīraMi. 35.20 (*on* 1.17); 294.16 (*on* 1.228); न ··· स्वाध्यायाध्ययनविधेरदृष्टार्थतापत्तिः MīmāKau. iii. 59.1 (*on* i. 2.33); तथा सत्यदृष्टार्थतापत्तेरित्यन्यदेतत् LalitāSaBh. 218.32 (*on* 283); अन्यथादृष्टार्थतापत्तेः SetuBa. 127.1; अन्यथा क्लीबादिपर्युदासस्यादृष्टार्थतापत्तेः BālamBha. ii. 205.4 (*on* 2.135); ii. 271.3 (*on* 2.147)

अदृष्टार्थत्व (adṛṣṭārtha-tva) *n.* nature of having an unseen fruit or result अलौकिकत्वाददृष्टार्थत्वादप्रवृत्तानां यज्ञादीनाम् ···प्रवर्तनम् ··· धर्मः KāmSū. 12.2 (1.2) (JayaMa. 12.7 अदृष्टार्थत्वादिति । तेषामनन्तरं फलस्यादर्शनात्); न तावद्गौणत्वमदृष्टार्थत्वम् ··· वा युक्तम् TantrVā. 784.9 (*on* iii. 2.19); 52.24 (*on* i. 2.31); 501.19 (*on* ii. 2.16); एवं त्वदृष्टार्थत्वमसामञ्जस्यं च स्यात् BālaKrī. i. 60.10 (*on* 1.51); i. 19.14 (*on* 1.7); संस्कारस्य अदृष्टार्थत्वात् Pradī. iv. 349A.37 (*on* v. 2.94); तदेवं निषेध्यत्वमङ्गीकुर्वता ··· दृष्टार्थस्यादृष्टार्थत्वम् ··· कल्पितम् NyāyRa. 125.8 (*on* 2.264); अतो यूपविशेषणत्वाददृष्टार्थत्वम्

SaṅkarKāBh. 43. 11 (*on* i. 4. 10); 90. 9 (*on* ii. 3. 1); न चैकदेशे दृष्टार्थस्यादृष्टार्थत्वमेकदेशान्तरे युक्तम् NyāySu.(So.) 21. 28 (*on* i. 2. 7); अन्यथा प्रदक्षिणनमस्कारादिवददृष्टार्थत्वमेव स्यान्मीमांसाश्रवणस्य S'atDū. 74. 4; यथापाठं ह्यनुष्ठाने क्लृप्तप्रयोजनबाधोऽदृष्टार्थत्वं च स्यात् ArthSaṁ. 76. 6; अध्ययनविधेरदृष्टार्थत्वदृष्टार्थत्वाभ्याम् SarvaDaSaṁ. 12. 25; यवागूपाकस्य च दृष्टोपयोगाभावाददृष्टार्थत्वं कल्पनीयम् SarvaDaKau. 102. 19; न हि वचनस्य दृष्टार्थत्वे संभवत्यदृष्टार्थत्वं युक्तम् DaṇḍaVi. 9. 23; 101. 2; अन्यदेशोद्भवा अपि द्विजातयो यज्ञार्थत्वाददृष्टार्थत्वाच्चैतान्देशान् … आश्रयेरन् ManvaMu. 38. 3 (*on* 2. 24); आस्यस्पर्शादिकमप्यावर्तते अदृष्टार्थत्वात् VīraMi. 45. 19 (*on* 1. 20); अदृष्टार्थत्वस्य सिद्धान्तेऽनङ्गीकारात् GuruCandr. i. 306. 19; आहवनीयं विनापि तु प्रक्षेपरूपहोमनिष्पत्तेः तस्यादृष्टार्थत्वात् LaCandr. 357. 9; षोडशिग्रहणाभ्यासस्यादृष्टार्थत्वात् BhāṭṭDī. i. 12. 22 (*on* i. 1. 6); न त्वेतावता सर्वत्रैवादृष्टार्थत्वम् BhāṭṭDī. i. 34. 22 (*on* ii. 15. 5); गुरुगमनस्य … नैमित्तिकत्वेनादृष्टार्थत्वमावश्यकम् MīmāKau. i. 9. 17 (*on* i. 3. 2); सति संभवे दृष्टद्वारैवाङ्गानामदृष्टार्थत्वम् LaS'abdeS'e. i. 12. 7.

अदृष्टार्थत्वदोष (adṛṣṭārthatva-doṣa) *m.* fault of being intended for an unseen effect त्रिरभ्यासविधिरपि पञ्चदशत्वसिद्ध्यर्थं इति नादृष्टार्थत्वदोषः MayūMāli. 723. 1 (*on* x. 5. 8)

अदृष्टार्थत्वाभाव (adṛṣṭārthatvābhāva) *m.* absence of being intended for an unseen result or merit न च जिज्ञासादौ विधिः, अदृष्टार्थत्वाभावात् S'atDū. 50. 25; न च प्रयाजशेषत्वलक्षणा . ! अपादानत्वेऽप्यदृष्टार्थत्वाभावात् MīmāKau. ii. 289. 5 (*on* iii. 2. 33); सहत्वस्य तु परिहारमात्रे विधावप्यदृष्टार्थत्वाभावात् BhāṭṭDī. iii. 216. 20 (*on* x. 2. 61); रोगिण्यां तु निषेधस्य दृष्टार्थत्वसंभवेनादृष्टार्थत्वाभावेन … त्रिविधदृष्टाभाव एव BālamBha. i. 190. 7 (*on* 1. 53)

अदृष्टार्थत्वाङ्गीकार (adṛṣṭārthatvāṅgīkāra) *m.* acceptance of being meant for the unseen merit पूर्वपक्षिणा … अध्ययनस्यादृष्टार्थत्वाङ्गीकारात् MīmāKau. iii(1). 30. 15 (*on* i. 2. 8); तस्या अदृष्टार्थत्वाङ्गीकारेण … दानोपपत्तेः BhāṭṭDī. iii. 219. 19 (*on* x. 2. 11); सिद्धान्तिना मन्त्रनियमस्यैवादृष्टार्थत्वाङ्गीकारेण MayūMāli. 15. 17 (*on* i. 2. 4)

अदृष्टार्थत्वाङ्गीकरण (adṛṣṭārthatvāṅgīkaraṇa) *n.* acceptance of being intended for the unseen merit मान्त्रवर्णिकदेवताकल्पकत्वेनोपपत्तेः किमित्यदृष्टार्थत्वाङ्गीकरणम् MīmāKau. iii(2). 96. 8 (*on* ii. 1. 23); ii. 146. 6 (*cn* iii. 1. 10)

अदृष्टार्थत्वाद्यापत्ति (adṛṣṭārthatvādy-āpatti) *f.* contingency of being meant for an unseen result (merit) etc. अवश्यं वृतोऽध्वर्युरन्यान् वृणीते अन्यथाध्वर्युत्वासंभवात् वरणस्यादृष्टार्थत्वाद्यापत्तेश्च BhāṭṭDī. ii. 62. 17 (*on* iii. 8. 1)

अदृष्टार्थत्वापत्ति (adṛṣṭārthatvāpatti) *f.* contingency of being meant for an unseen result or merit उक्तसंयोगविधानस्य अदृष्टार्थत्वापत्तेः … बर्हिःकार्यमुद्दिश्य शरा विधीयन्ते GuruCandr. i. 300. 4; शरमयी भूमिरित्यत्रैव बहुशरसंयोगमात्रस्य बर्हिषि प्राप्तेरुक्तसंयोगविधानस्यादृष्टार्थत्वापत्तेः LaCandr. 369. 20; न त्वेकहायनीत्वेन अदृष्टार्थत्वापत्तेः MīmāKau. ii. 168. 3 (*on* iii. 1. 12); स्वाध्यायोऽध्येतव्य इत्यत्र … स्वर्गार्थत्वमिति चेन्न, अदृष्टार्थत्वापत्तेः BhāṭṭCin. i. 2. 7 (*on* i. 1. 1)

अदृष्टार्थत्वायोग (adṛṣṭārthatvāyoga) *m.* inapplicability of its being intended for an unseen result or merit कार्यार्थत्वे संभवत्यदृष्टार्थत्वायोगात् … शाखावान् यूपः सम्पाद्यः BhāṭṭCan. 29. 13 (*on* xiii. 4. 4); अनुदाहरणं स्विष्टकृत् । कुतः केवलदृष्टार्थत्वेनादृष्टार्थत्वायोगात् TantrRa. 64. 8; सादनस्यादृष्टार्थतापत्तेर्दृष्टार्थत्वे सम्भवति तस्यादृष्टार्थत्वायोगात् VidhiRa. 25 (132. 22)

अदृष्टार्थत्वोपपत्ति (adṛṣṭārthatvopapatti) *f.* propriety of (its) being intended for the unseen result or merit बहिःश्रपणसिद्धस्यैव पुरोडाशस्याज्यस्य गार्हपत्याहवनीययोरिव कपालेष्वधिश्रपणस्यादृष्टार्थत्वोपपत्तेः VidhiRa. 10 (58. 20); अर्थस्य च … तदभिधानस्यादृष्टार्थत्वोपपत्तेः, न मन्त्राणामुच्चारणार्थत्वं कल्पनीयम् MīmāKau. iii(1). 71. 6 (*on* i. 2. 42); एवमपि स्तुतशस्त्रादिगानस्यादृष्टार्थत्वोपपत्तौ कः … आग्रहः S'ivārkaMaDī. i. 455. 21 (*on* i. 3. 25)

अदृष्टार्थत्वकल्पन (adṛṣṭārthatva-kalpana) *n.* assumption of being intended for an unseen result or merit तस्य च दृष्टार्थत्वासंभवे अदृष्टार्थत्वकल्पनस्य फलमुखत्वेन प्रामाणिकत्वान्नानुपपत्तिः MīmāKau. iii(2). 97. 13 (*on* ii. 1. 24)

अदृष्टार्थत्वकल्पना (adṛṣṭārthatva-kalpanā) *f.* assumption of being intended for an unseen result or merit सर्वत्रैव दृश्यमानमप्यर्थं प्रोच्यादृष्टार्थत्वकल्पना युज्यते TantrVā. 407. 21 (*on* ii. 1. 23); अतो विध्यर्थवत्त्वायादृष्टार्थत्वकल्पना YuktiSneha. 5. 22 (*on* i. 1. 1); अध्ययनविधेरेवैकस्य अदृष्टार्थत्वकल्पनोचिता MīmāKau. iii(1). 4. 20 (*on* i. 2. 1); दक्षिणादानस्यादृष्टार्थत्वकल्पना BhāṭṭDī. ii. 48. 22 (*on* iii. 7. 8); iii. 223. 11 (*on* x. 2. 14)

अदृष्टार्थत्वकारण (adṛṣṭārthatva-kāraṇa) *n.* reason of being intended for an unseen result or merit लेपनादि च कर्तव्यम् … इति कातीयवचनमदृष्टार्थत्वकारणात् BṛĀraUBhVā. vi. 3. 19.

अदृष्टार्थत्वप्रसङ्ग (adṛṣṭārthatva-prasaṅga) *m.* contingency of being meant for an unseen effect (merit) न स्वार्थे जातेरनपेक्षितत्वाददृष्टार्थत्वप्रसङ्गात् TantrVā. 278. 19 (*on* i. 3. 26); 1040. 17 (*on* iii. 5. 12); किं सकृदेव गमनम् । न अदृष्टार्थत्वप्रसंगात् BālaKrī i. 72. 4 (*on* 1. 68); न तावदिदं स्नानमद्भिः शरीरक्षालनरूपमदृष्टार्थत्वप्रसङ्गात् ManuBh. i. 160. 6 (*on* 2. 165); दशमुष्टिपरिमितोपादानस्यादृष्टार्थत्वप्रसङ्गात् Bhām. 551. 1 (*on* iii. 2. 7); यद्यपि … शूर्पेण विविनक्तीति विधिभेदः … तद्विधानं न स्वातन्त्र्येणादृष्टार्थत्वप्रसङ्गात् S'āstrDī. 424. 21 (*on* 5. 26); उक्तेषु लेख्यविशेषणेषु यस्य यत्र दृष्टार्थत्वं तत्र तदादरणीयम् । नेतरत् । अदृष्टार्थत्वप्रसङ्गात् VyavaNi. 88. 5; न तावदाद्यम् , लिङ्गशौचस्यादृष्टार्थत्वप्रसङ्गात् SmṛtiCan. ii. 244. 13; नानयोः पयःप्रतिषेधपर्युदासौ, अदृष्टार्थत्वप्रसङ्गात् BhāṭṭDī. iv. 141. 17 (*on* xi. 1. 7)

अदृष्टार्थत्वभय (adṛṣṭārthatva-bhaya) *n.* fear of being intended for unseen result (merit) त्वयाप्यथशब्दस्यार्थविधानमङ्गीकृतमेवादृष्टार्थत्वभयेन TātpaṬ.(U.) 20. 10 (*on* 1. 86); अदृष्टार्थत्वभयादेव यथाप्रकृति हविःसंस्कारार्थमेवावदानान्तरम् MayūMāli. 755. 17 (*on* x. 3. 1)

अदृष्टार्थत्वावश्यकत्व (adṛṣṭārthatvāvaśyaka-tva) *n.* necessity of being intended for the unseen result or merit उभयथाप्यदृष्टार्थत्वावश्यकत्वे … प्रायणीयनिष्कासो विधीयते BhāṭṭDī. iv. 173. 3 (*on* xi. 2. 15); iv. 239. 3 (*on* xii. 1. 18)

अदृष्टार्थत्वावश्यंभाव (adṛṣṭārthatvāvaśyambhāva) *m.* inevitability of being intended for unseen result or merit सत्यपि गुरुप्रीत्यर्थत्वे … एतन्नियमस्यादृष्टार्थत्वावश्यंभावात् MīmāKau. i. 9. 13 (*on* i. 3. 2); iii(1). 96. 6 (*on* i. 2. 46)

अदृष्टार्थत्वापात (adṛṣṭārthatvāpāta) *m.* contingency of being intended for an unseen purpose न ह्यप्र(? प्रा)स्तायां तस्यां पाणिकण्डूयनं संभवति । अदृष्टार्थत्वापातात् S'āstrDī. 821. 14 (*on* xi. 3. 6); पूर्वव्याख्याने … विषमव्यवस्था श्रूयते । सापहृतद्रव्यन्यूनाधिकभावमादाय समर्थनीया अन्यथा अदृष्टार्थत्वापातात् DaṇḍaVi. 91. 7; 237. 15; संहिताग्रन्थस्य … प्रगाणार्थत्वादन्यथादृष्टार्थत्वापातात् MayūMāli. 608. 18 (*on* ix. 2. 8)

अदृष्टार्थत्वावसाय (adṛṣṭārthatvāvasāya) *n.* decision of being meant for the unseen result or merit आधारताजननरूपदृष्टद्वारैवादृष्टार्थत्वावसायात् MīmāKau. iii(2). 204. 6 (*on* ii. 2. 16); तस्य प्रवृत्तत्वेन दृष्टार्थत्वानुपपत्तेरदृष्टार्थत्वावसायात् … दृष्टार्थेन … न प्रसङ्गसिद्धिः BhāṭṭDī. iv. 238. 3 (*on* xii. 1. 18)

अदृष्टार्थदत्त (adṛṣṭārtha-datta) *adj.* what is given for (acquiring) unseen (merit) प्रतिग्रहशब्देनादृष्टार्थदत्तस्वीकारः BālamBha. ii. 128. 28 (*on* 2. 114)

अदृष्टार्थदान (adṛṣṭārtha-dāna) *n.* giving away for unseen (merit) अयं दक्षिणाशब्दः … हिरण्यदानवददृष्टार्थदानोपलक्षणार्थो विज्ञेयः ManuBh. i. 205. 16 (*on* 3. 3); SmṛtiCan. iv. 677. 6; पूर्वं कीर्त्यादिदृष्टार्थदानप्रतिषेधः । अयं त्वदृष्टार्थदानप्रतिषेधः ManvaMu. 452. 10 (*on* 11. 10); BālamBha. ii. 146. 4 (*on* 2. 118–119)

अदृष्टार्थदेवता (adṛṣṭārtha-devatā) *f.* deity whose purpose is unseen merit नादृष्टार्थदेवतासमुच्चयानुरोधेन ग्रहणसमुच्चयो यागावृत्तिर्वा युक्ता समाश्रयितुम् MīmāKau. iii(2). 226. 8 (*on* ii. 2. 19)

अदृष्टार्थधर्म (adṛṣṭārtha-dharma) *m.* **i** prescribed act the purpose of which is production of an unseen merit यत्तु तेषां (म्लेच्छानां) अनभियुक्तत्वात्तत्प्रसिद्धेरनादर इत्युक्तम् तददृष्टार्थधर्माधर्मविषये तेषामभियोगाभावेऽपि … प्रामाण्यस्य सुखोपपादत्वादयुक्तमेव MīmāKau. i. 82. 10 (*on* i. 3. 30); **ii** restrictive feature leading to unseen merit ग्रहणाध्ययनस्य धारणाध्ययनस्य … वादृष्टार्थधर्मविधिवैयर्थ्यात् BhāṭṭDī. iv. 265. 19 (*on* xii. 3. 7)

अदृष्टार्थनिर्मित (adṛṣṭārtha-nirmita) *adj.* created or composed for unseen (result) अदृष्टार्थनिर्मितेषु वेदेषु प्रत्ययिततरनिर्मातृस्मरणमन्तरेण के श्रद्दधीरन् Kāśi. i. 70. 8 (*on* 2. 21); i. 125. 26 (*on* 2. 117)

अदृष्टार्थनिश्चायकत्व (adṛṣṭārthaniścāyaka-tva) *n.* the state of being decisive of an unseen object सत्यमस्त्येवानुमानस्यौपनिषदपदार्थनिश्चायकत्वं श्रुत्यादिसहकारियुक्तस्यैव न तु नियतप्रामाण्यम् । स्वातन्त्र्येणादृष्टार्थनिश्चायकत्वं प्रतिपक्षादिसम्भवात् TattvPrakā. 9B. 12 (*on* i. 1. 3); 10A. 1 (*on* i. 1. 3)

अदृष्टार्थपरिमाण (adṛṣṭārtha-parimāṇa) *n.* measure for unseen merit अतो 'ब्राह्मणसुवर्णापहरणं महापातकम्' इत्यादिप्रयोगेषु कृतपरिमाणस्यैव सुवर्णस्य ग्रहणं युक्तम्, परिमाणकरणस्य दृष्टार्थत्वात् । न ह्यदृष्टार्थपरिमाणस्मरणम् Mitā. 438. 12 (*on* 3. 257)

अदृष्टार्थप्रकार (adṛṣṭārtha-prakāra) *m.* kind of unseen merit जपस्यादृष्टार्थत्वेनादृष्टार्थप्रकारभेदे सति कार्यनानात्वात्समुच्चयः NyāyMāVi. 695. 23

(*on* xii. 4. 1)

अदृष्टार्थप्रकाशन (adṛṣṭārtha-prakāśana) *n.* manifesting or revealing an unseen merit तत्र का कथा अदृष्टार्थप्रकाशनविषयभूते यज्ञपतौ BhāṭṭDī. iii. 82. 15 (*on* ix. 1. 14); iii. 82. 10 (*on* ix. 1. 14)

अदृष्टार्थप्रत्यायन (adṛṣṭārtha-pratyāyana) *n.* conveying an unseen merit तेनादृष्टार्थप्रत्यायननियमप्रतिषेधद्वारम्…ज्ञानमुपपत्स्यते TantrVā. 230. 10 (*on* i. 3. 25)

अदृष्टार्थप्रयोग (adṛṣṭārtha-prayoga) *m.* (ritual) performance meant for unseen merit यत्तु … अदृष्टार्थप्रयोगोत्पत्त्यशास्त्रत्वम् TantrVā. 234. 8 (*on* i. 3. 25)

अदृष्टार्थप्रवाद (adṛṣṭārtha-pravāda) *m.* talk of unseen purpose अदृष्टार्थप्रवादस्तु भण्डशास्त्रेऽपि दृश्यते। न च संप्रत्ययस्तत्र तेनैषान्धपरम्परा PramāVāBh. 99. 12.

अदृष्टार्थप्रवृत्ति (adṛṣṭārtha-pravṛtti) *f.* activity for an unseen merit or purpose अतोऽन्यपक्षेऽपि अदृष्टार्थप्रवृत्तेरविरोधात् प्रतीतिन्यायविरुद्धं बाधकाननुरूपमख्यातिपक्षं मा चीक्लृपः IṣṭaSi. 44. 21.

अदृष्टार्थप्रसक्ति (adṛṣṭārtha-prasakti) *f.* contingency of assuming an unseen purpose or merit अपि च त्वत्पक्षे … वैष्णवीमनूच्येत्यादिवददृष्टार्थप्रसक्तेर्न प्रकाशकता प्रकाश्येनानपेक्षित्वात् TantrVā. 467. 19 (*on* ii. 2. 3)

अदृष्टार्थप्रसङ्ग (adṛṣṭārtha-prasaṅga) *m.* contingency of assuming an unseen purpose or merit न वार्यतेऽनधीतत्वं नानन्तर्यं विधीयते। सामर्थ्यासिद्धयदृष्टार्थप्रसङ्गात् S'lokaVār. 1. 86 (29. 2)

अदृष्टार्थप्रसङ्गित्व (adṛṣṭārthaprasaṅgi-tva) *n.* the state of leading to the contingency of assuming an unseen purpose अदृष्टार्थप्रसङ्गित्वान्न विधिश्चायमिष्यते TantrVā. 112. 9 (*on* i. 3. 4)

अदृष्टार्थप्रसिद्धि (adṛṣṭārtha-prasiddhi) *f.* establishment of unknown or unseen things विधेर्विलसितं चित्रमदृष्टार्थप्रसिद्धिषु MahāP. 7. 150.

अदृष्टार्थफलकत्व (adṛṣṭārthaphalaka-tva) *n.* the nature of possessing (i. e. producing) an unseen thing as a fruit दण्डस्य दृष्टादृष्टार्थफलकत्वम् RājNiRa. 63. 11.

अदृष्टार्थभेद (adṛṣṭārtha-bheda) *m.* difference or manifoldness of unseen merit ऋजुत्वादय आधारे विकल्प्यन्ते न वाग्निमः। एकार्थत्वाददृष्टार्थभेदात्सम्भवतोऽन्तिमः NyāyMāVi. 687. 17 (*on* xii. 3. 3)

अदृष्टार्थम् (adṛṣṭārtham) *adv.* for an unseen result or merit न वा इदं स्नानमदृष्टार्थं विधीयते S'ābaBh. 7. 1 (*on* i. 1. 1); स्मृतिप्राप्तमिदानीं तु मधुमांसाद्यवर्जनम्। प्रतिषेधन्नदृष्टार्थं सूत्रकारो न शोभते S'lokaVār. 1. 107 (36. 6) (comm. अदृष्टार्थत्वेन प्रतिषेधेत्); अनेकवेदाध्ययनमदृष्टार्थं युक्तम् ManuBh. i. 161. 16 (*on* 2. 165); i. 262. 5 (*on* 3. 115); i. 268. 2 (*on* 3. 129); (श्राद्धम् … अन्यगोत्रजो न प्रेरयितव्य. …) येनान्यगोत्रजोऽदृष्टार्थं कारुण्याद्वा प्रवर्तते HārLa. 177. 18; इदमदृष्टार्थं प्रसङ्गादुक्तम् RājNīRa. 41. 4; 75. 15; यच्चादृष्टार्थं अनुग्रहार्थं च दत्तं तदेतत्सप्तविधम् VyavaNi. 291. 13; वेदान्तवाक्यार्थावधारणं नादृष्टार्थमिष्यते S'ivārkaMaDī. i. 60. 33 (*on* i. 1. 1); अदृष्टार्थमप्यवश्यं शूद्रेण ब्राह्मणादिद्विजशुश्रूषा कर्तव्या ManvaMu. 362. 24 (*on* 8. 414); किमदृष्टार्थमेव तदुच्चारणमुत दृष्टार्थमपीत्येवं विचारपरम् LaS'abdeS'e. i. 6. 14; i. 186. 1; यच्चादृष्टार्थमित्येव पाठेऽनुग्रहार्थमित्यस्यैव व्याख्यानं तद् बोध्यम् BālamBha. ii. 287. 22 (*on* 2. 176)

अदृष्टार्थयान (a-dṛṣṭārthayāna) *adj.* follower of the (Great) Vehicle (Mahāyāna) without having the vision of the truth अदृष्टार्थयानश्च यो न दृष्टसत्यो महायानेन निर्याति MaYānaSū. 69. 10 (11. 55)

अदृष्टार्थवास्तुपूजा (adṛṣṭārtha-vāstupūjā) *f.* worship of the house which is meant for some unseen merit अदृष्टार्थवास्तुपूजाया दृष्टार्थगृहकर्मार्थत्वायोगात् … पुरुषार्थता MayūMāli. 464. 11 (*on* vi. 2. 4)

अदृष्टार्थविधान (adṛṣṭārtha-vidhāna) *n.* enjoining that which results in unseen purpose न हि न्यायशास्त्रे युक्तमदृष्टार्थविधानम् NyāyRa. 29. 11 (*on* 1. 85)

अदृष्टार्थविषय (adṛṣṭārtha-viṣaya) *adj.* relating to an unseen object (effect) आत्ममनःसन्निकर्षाद्यददृष्टार्थविषयं विज्ञानम्, तत् शास्त्रं नाम प्रमाणम् PrakaPañ. 229. 3; अदृष्टार्थविषयस्य च चतुर्वर्गस्येहार्थवत्त्वेन प्रयोजनम् TātpaṬ. (Vā.) 30. 22 (*on* i. 1. 1); *m.* unseen object पृथगनुमानस्य कामगामित्वेनादृष्टार्थविषयेऽनपेक्षिततयोक्तबाधकत्वायोगात् TattvPrakā. 21A. 6 (*on* i. 1. 18); अदृष्टार्थविषये म्लेच्छानामनभियोगाद्दौर्बल्यम् MīmāKau. i. 58. 20 (*on* i. 3. 9)

अदृष्टार्थव्यापार (adṛṣṭārtha-vyāpāra) *m.* an action intended for an unseen benefit अदृष्टार्थव्यापारविषयत्वं सिद्धस्वभावस्यापि संभवति अदृष्टार्थव्यापारस्य तदुपकार्यरूपत्वात् MayūMāli. 153. 12 (*on* ii. 2. 11)

अदृष्टार्थसंस्कार (adṛṣṭārtha-saṁskāra) *m.* rite intended for an unseen effect यस्तु विरोधपरिहाराय आप्लवनं स्मृत्यर्थं ब्रूयात् अन्यं वा कथंचिददृष्टार्थसंस्कारम् तस्योत्तरम् 'न चेदम्' इति भाष्येण TātpaṬ.(U.) 21. 22 (*on* 1. 92)

अदृष्टार्थसंबन्ध (adṛṣṭārthasambandha) *adj.* (a word) the relation of which with the meaning has not been known न ह्यदृष्टार्थसंबन्धः शब्दो भवति वाचकः S'lokaVār. 791. 4 (*on* 6. 241); TattvSaṁ. 2234.

अदृष्टार्थाप्ति (adṛṣṭārthāpti) *f.* attainment of an unseen effect प्रमाणं श्रुतिवद्ग्राह्यं कर्मानुष्ठानतत्परैः। दृष्टयोग्यमपि त्यक्तमदृष्टार्थाप्तये क्वचित् SiddhāTaVi. 145. 10.

अदृष्टार्थिता (adṛṣṭārthi-tā) *f.* desire for an unseen purpose तेषामपि …अस्त्येवादृष्टार्थितेति मन्यते S'āstrDī. 448. 14 (*on* vi. 1. 2)

अदृष्टार्थिन् (adṛṣṭārth-in) *adj.* desirous of an unseen merit धर्मकामाः अदृष्टार्थिनः अकामहता इत्येतत् TaiUBh. 218. 1 (*on* 1. 11)

अदृष्टावगति (adṛṣṭāvagati) *f.* knowledge of unseen things (i. e. of things beyond the reach of perception) तद्वददृष्टावगतौ वेदवदन्यो न वेदको हेतुः SvātmaNi. 48.

अदृष्टावयव (adṛṣṭāvayava) *adj.* whose parts are not seen अवयवदर्शनद्वारेणावयविदर्शनाददृष्टावयवस्यावयविनोऽप्रतिपत्तिरिति चेन्न TātpaṬ. (Vā.) 383. 20 (*on* ii. 1. 32)

अदृष्टावरण (adṛṣṭāvaraṇa) *n.* cover in the form of the unseen cause (अनेकात्मकस्य) अभ्युपायेऽपि भेदेन न स्यादनुभवो द्वयोः। अदृष्टावरणात् स्याच्चेन्न नामार्थवशा गतिः PramāVār. 3. 343 (Manorathanandin सुखदुःखवेदनीयेन कर्मणावरणात्)

अदृष्टावरुद्ध (adṛṣṭāvaruddha) *adj.* determined by the unseen (cause) तददृष्टावरुद्धं वा तदप्यन्यत्र किं कृतम् MṛgendraT. i. 12. 17.

अदृष्टावान्तरव्यापार (adṛṣṭāvāntara-vyāpāra) *m.* unseen intermediary function or cause ईश्वरप्रणिधानसिद्धौ दृष्टादृष्टावान्तरव्यापारेण तेषामुपयोगात् TattvVai. 111. 26 (*on* 2. 45)

अदृष्टाविरोधिन् (adṛṣṭāvirodhin) *adj.* unopposed to unseen merit ब्राह्मणहननमदृष्टाविरोधीष्टसाधनं न भवति PrakaVi. 78. 8; न च प्रत्यक्षमिष्टसाधनत्वमिति वाच्यम्, अदृष्टाविरोधिदृष्टप्रयोजनस्य इष्टशब्दार्थत्वात् VivaPraSaṁ. 335. 14.

अदृष्टाश्रय (adṛṣṭāśraya) *adj.* whose substratum is not seen कार्यं समवायिकारणवत् दृष्टमिति अदृष्टाश्रयमपि तज्जातीयकारणकम् NyāyKuA. i. 71. 1; *m.* substratum of the unseen merit अनवबोधरूप आत्मा अदृष्टाश्रयः VedāntKa. 264. 5 (*on* ii. 2. 12)

अदृष्टाश्रयकर्तृ (adṛṣṭāśraya-kartṛ) *m.* agent who is the substratum of the unseen merit अदृष्टाश्रयकर्तृरहितेषु क्षणिकेषु (अणुषु) अभ्युपगम्यमानेषु (निमित्तम्) … न संभवेत् PrakaVi. 520. 17.

अदृष्टाश्रयण (adṛṣṭāśrayaṇa) *n.* resort to the unseen (effect) दृष्टे सत्यदृष्टाश्रयणस्यान्याय्यत्वात् Subodhi. 11. 24 (*on* 2. 22); BālamBha. ii. 29. 10 (*on* 2. 22)

अदृष्टाश्रुत (adṛṣṭāśruta) *adj.* **i** neither seen nor heard (before) किं नोऽदृष्टाश्रुतेनापूर्वेण कल्पितेनेति S'ābaBh. 1531. 17 (*on* vii. 1. 5); (नारदः) दृष्ट्वा तस्याः परं रूपमदृष्टाश्रुतमद्भुतम् PadmP. iv. 71. 34; **ii** which is neither perceived nor taught in the Vedas अदृष्टाश्रुतपरमाण्वादिसमुदायाङ्गीकारात् … दुष्टमिदं मतम् VedāntKau. 193. 6 (*on* ii. 2. 18)

अदृष्टाश्रुतचर (adṛṣṭāśruta-cara) *adj.* who is neither seen nor heard before जिहीते यः कक्षां क्वचिदलमदृष्टाश्रुतचरस्त्रिलोक्यामस्तीति क्षणमपि न संभावनमयीम् UjjvaNīMa. 404. 7.

अदृष्टाश्रुतपूर्वत्व (adṛṣṭāśrutapūrva-tva) *n.* the state of not being seen or heard before अदृष्टाश्रुतपूर्वत्वात्सा नोपेयाय शङ्किता BhāgP. vii. 9. 2.

अदृष्टाश्रुतवस्तुत्व (adṛṣṭāśrutavastu-tva) *n.* the state of being an object which is neither seen nor heard of अदृष्टाश्रुतवस्तुत्वात्सजीवो यत्पुनर्भवः BhāgP. i. 3. 32.

अदृष्टाश्रुतवृत्तान्त (adṛṣṭāśruta-vṛttānta) *adj.* who has not heard or seen the doings or events अदृष्टाश्रुतवृत्तान्ता वराहहरिणादयः। सभागगतिसंपर्के प्रयान्त्येव हि विक्रियाम् TattvSaṁ. 1958 (comm. वृत्तान्तो मैथुनादिसमुदाचारः)

अदृष्टाश्रुतव्यवहार (adṛṣṭāśruta-vyavahāra) *adj.* who has neither seen nor heard of the code of law अदृष्टाश्रुतव्यवहाराः परिपन्थिनः सामिषा न सभ्याः NītiVā. 28. 4 (comm. यैः सभ्यैः स्मृत्युक्तो व्यवहारो दृष्टो न भवति न च श्रुतः)

अदृष्टाश्रुतसंप्राप्ति (adṛṣṭāśruta-samprāpti) *f.* attainment of what is unseen and unheard अदृष्टाश्रुतसंप्राप्तौ अविद अविद भोः पदम् NāṭaLaRaK.

2249.

अदृष्टासंभव (adṛṣṭāsambhava) *m.* impossibility of the unseen (merit or demerit) नित्यनिर्विकाराणां पुरुषाणां कर्तृत्वानभ्युपगमेनादृष्टासंभवात् NītiMā. 44. 15.

अदृष्टासाध्यत्व (adṛṣṭāsādhya-tva) *n.* the state of not being created on account of the unseen न ह्यदृष्टादन्यद्दृष्टमित्युक्ते सत्यदृष्टासाध्यत्वं दृष्टस्य प्रतीयते S'rutaPra. ii. 110. 13 (*on* i. 4. 6)

अदृष्टि (a-dṛṣṭi) *adj.* not noticing, blind to, blind, sightless पराक्षिपन्ति दोषेण स्वेषु दोषेष्वदृष्टयः MahāBhā. vii. 1389*(3); क्लीबे तमोम्भसोरन्धमदृष्टौ वाच्यलिङ्गकः AnekāK. 413; अदृष्टिः स्त्री दृष्टिहीने तु भेद्यवत् NānārthāSaṁ. ii. 58. 139; *f.* **i** blindness, absence of vision अदृष्टिं मन्ददृष्टिं च कफवातप्रदूषिताम् ··· सर्वनेत्रामयान्हन्त्यात्रिफलाद्यं महाघृतम् SiddhYo. 61. 201; शास्त्रदृष्टिरपि प्राज्ञैर्नाश्रिता तरणाय या । साप्यदृष्टिरिवान्ध्याय वासनावेशकारिणी YogVā. vi(2). 24. 21; **ii** non-perception, non-observation सा चातत्कार्यविश्लेषस्तदन्यस्यानुवर्तिनः । अदृष्टेः प्रतिषेधाच्च सङ्केतस्तद्विदर्थिकः PramāVār. 1. 111; 2. 82; सर्वादृष्टिश्च सन्दिग्धा स्वादृष्टिर्व्यभिचारिणी । विन्ध्यादिरन्ध्रदूर्वादिरदृष्टावपि सत्त्वतः TattvSaṁ. 122; 492; 616; TarkBhā.(Mo.) 24. 15; अदृष्टेरर्थरूपस्य प्रमाणान्तरतो गतेः NyāyVi. 2. 31; न पाठधर्माः, सर्वत्रादृष्टेः KāvyālaṅSū. iii. 1. 28; क्रियाप्यर्थस्य कायादेस्तत्तद्देशादिजातता । नान्यादृष्टेः ĪśvaPraSū. i. 2. 9; न च स्वयंदृष्टेः कदाचिदपि अदृष्टिः सम्भवति IṣṭaSi. 4. 4; 6. 15; 16. 14; 250. 16; वक्तव्यं तत्र किं मानमदृष्टौ न त्रिरूपता BṛĀraUBhVā. iv. 3. 779; न चादृष्टेरेव रागादयो निवर्तन्ते NyāyVārPari. 401. 2; सर्वादृष्टेश्च सन्देहात् NyāyKuA. i. 173. 1; i. 165. 8; द्वयं वा परस्परमसम्बद्धं इतरेतरदेशे तदनन्तरदेशे वाऽदृष्टेः साध्यम् Kāśi. iii. 223. 21 (*on* 5 (10). 8); नान्यादृष्ट्या चक्षुष्मतामनुपलम्भः SāṁkhyaPraSū. 1. 156; 3. 20; 5. 129; एवं प्रत्यक्षानुमानाभ्यां तस्या अदृष्टिः PratyabhiVi. i. 113. 5 (*on* i. 2. 9); अज्ञानादर्शना सौम्याक्षिष्वदृष्टिः AnekāK. 177; एकेन तस्य दृष्टेरपरेण चादृष्टेः KhaṇḍanKhā. 1219. 6; आप्तता समतादृष्टिश्रुतिसाम्यबलोद्भवाः । ··· पूर्वपक्षेषु युक्तयः AnuVyā. 17B. 11 (*on* 2. 1); 12B. 5 (*on* 1. 3); आत्माधिष्ठानभ्रमस्यैवादृष्टेस्तस्याधिष्ठानत्वमपि न युज्यते ViṣṇuTaNi. 16B. 6; तत्प्रयुक्ततया लौकिकसत्त्वस्य क्वचिदप्यदृष्टेः NyāyKu. 65. 14; 100. 2; 125. 11; आभासेन समानत्वाददृष्टेरविशेषतः TarkSaṁ.(Ā.) 54. 12; तत्प्रकारोऽन्याध्यासस्यादृष्टेः S'atDū. 166. 25; 201. 13; प्राणादिहेतुतायाः अदृष्टेः NyāySu.(Ja.) 149B. 6 (*on* i. 1. 9); ज्ञानसामग्र्या अर्थकारणत्वस्य क्वचिदप्यदृष्टेः SiddhāLeSaṁ. 193. 6; केवलवेदादनुष्ठानस्येदानीन्तनेष्वदृष्टेरिति भावः MayūMāli. 34. 12 (*on* i. 3. 5); एवं सर्ववस्तूनामदृष्ट्या नाशसंशये MānaMe. 128. 8; **iii** evil or inauspicious eye, malicious or envious look अदृष्टिः स्यादसौम्येऽक्ष्णि AmaK. 436; Vaija. 146. 90; AnekāK. 177; NānārthāSaṁ. ii. 58. 139; S'abdaRa.(Vā.) 364. 6; अदृष्टिरपदृष्टिवत् KośaKaTa. 1. 2031; 1. 5189; शुक्लैलैन्धो राजाराम: शिशुर्मया । अदृष्ट्या द्रक्ष्यते क्षेत्रं शम्भुवर्मा महाशयः ParamāKā. 58. 26.

अदृष्टिकल्पना (adṛṣṭi-kalpanā) *f.* assumption of non-perception अदृष्टिकल्पनायां स्याच्चैतन्यमयोगिनाम् NyāyVi. 2. 205.

अदृष्टिका (adṛṣṭikā) *f.* angry and crooked look अदृष्टिका सरोषवक्रदृष्टिः [PW.]

अदृष्टिकृत् (adṛṣṭi-kṛt) *adj.* causing blindness or loss of vision (शुक्रम्) चलं सिरासक्तमदृष्टिकृच्च । ··· विवर्जनीयम् SuśruS. vi. 5. 6; शुक्लं चिरोत्थितम् ··· अदृष्टिकृच्च । ··· विवर्जनीयम् RugVi. 59. 25.

अदृष्टिगोचर (a-dṛṣṭigocara) *adj.* beyond the range of sight अदृष्टिगोचरं प्रभावमग्र्यं कथमम्ब वर्णये BrahmāṇḍP. iii. 13. 27; स्वामिस्त्वदाज्ञया धेनुं पालयन्वनमास्थितः । कुतोऽप्यागत्य तां सिंहो जघानादृष्टिगोचरः PadmP. iv. 31. 28.

अदृष्टिगोचरम् (a-dṛṣṭigocaram) *adv.* out of the range of sight मङ्गलध्वंसभीतया च प्रियया साश्रुनेत्रया । अदृष्टिगोचरं दृष्टः समित्रो वियदुद्ययौ PadmP.(Ra.) 16. 241.

अदृष्टितस् (adṛṣṭi-tas) *adv.* **i** out of sight or vision (दृष्टः) करोत्यभीक्ष्णं संसृष्टमसंसृष्टश्च भाषते । अदृष्टितो विकुरुते दृष्ट्वा वा नाभिभाषते MahāBhā. xii. 104. 47 (Nila. परोक्षे); **ii** because of non-perception or lack of knowledge भवद्भिः शब्दभेदोऽपि तन्निमित्तो न लभ्यते । न ह्यसाधारणः शब्दो वाचकः प्रागदृष्टितः TattvSaṁ. 961; 671; 2441.

अदृष्टित्वप्रसङ्ग (adṛṣṭitva-prasaṅga) *m.* contingency of absence of knowledge न तावदाद्यः अदृष्टित्वप्रसङ्गात् NyāyVārPari. 400. 13; 402. 7.

अदृष्टिद (adṛṣṭi-da) *adj.* causing blindness पादाभ्यामनुपानद्भ्यां चङ्क्रमणमनारोग्यमनायुष्यमिन्द्रियघ्नमदृष्टिदम् BhāvPra.(Bhā.) 5. 239.

अदृष्टिदान (a-dṛṣṭidāna) *n.* not showing oneself, not granting audience, non-reception अदृष्टिदानं कृतपूर्वनाशनममाननं दुश्चरितानुकीर्तनम् । कथाप्रसङ्गेन च नामविस्मृतिर्विरक्तभावस्य जनस्य लक्षणम् Indische Sprüche 2nd Ed. no. 196.

अदृष्टिपिशाची (adṛṣṭi-piśācī) *f.* female imp in the form of non-perception स्वप्रयुक्तैवादृष्टिपिशाची स्वात्मानमभिधावति TattvPrakā. 150A. 9 (*on* iii. 2. 3)

अदृष्टिपूतना (adṛṣṭi-pūtanā) *f.* name of a female spirit शीतपूतनादृष्टिपूतना AṣṭāHṛ. vi. 3. 2.

अदृष्टिफल (adṛṣṭi-phala) *adj.* having non-perception as its result व्यभिचारिविपक्षेण वैधर्म्यवचनं च यत् । यददृष्टिफलं तच्च तदनुक्तेऽपि गम्यते PramāVār. 1. 17.

अदृष्टिबाधित (adṛṣṭi-bādhita) *adj.* annulled by non-perception अदृष्टिबाधिते हेतौ प्रत्यक्षमपि दुर्लभम् NyāyKuA. i. 165. 9.

अदृष्टिमात्र (adṛṣṭi-mātra) *n.* the mere non-perception विपक्षेऽदृष्टिमात्रेण कार्यसामान्यदर्शनात् । हेतुज्ञानं प्रमाणाभं वचनाद्रागितादिवत् PramāVār. 1. 13; जगत्सदेदृशं चेति न प्रमाणमिहापि वः । न युक्तादृष्टिमात्रेण संवर्तस्यापि नास्तिता TattvSaṁ. 3118.

अदृष्टिविरोध (adṛṣṭi-virodha) *m.* contradiction with non-perception न च कर्तरीश्वरस्यादृष्टिविरोधः BrahmSūBh.(Ma.) 26B. 7 (*on* ii. 1. 26)

अदृष्टिविशेष (adṛṣṭi-viśeṣa) *m.* a particular non-apprehension तेनादृष्टिविशेषोत्थं(? °षोऽयं) कारणव्यापकात्मनाम् । प्रकृत्या दृश्यरूपत्वात् सर्वज्ञस्य न सिध्यति TattvSaṁ. 3277.

अदृष्टिव्यापार (a-dṛṣṭivyāpāra) *m.* absence of the function (i. e. beyond the range) of the eye अदृष्टिव्यापारं गतवति दिनानामधिपतौ ··· तथान्धं संजातम् SūktiMu. 20. 6; S'ārṅgaPa. 898.

अदृष्टिसृष्टित्व (adṛṣṭisṛṣṭi-tva) *n.* the state of not being the effect involving vision दृष्टिसृष्टेरपि दृष्टिसृष्टित्वेन घटादेरदृष्टिसृष्टित्वापत्तिः AdvaiSi. 535. 8.

अदृष्टिसृष्ट्यापात (adṛṣṭisṛṣṭy-āpāta) *m.* contingency of the absence of the effect involving vision घटादेरदृष्टिसृष्ट्यापाताच्च Nyāyāmṛ. 293B. 3.

अदृष्टीकृ (adṛṣṭī-kṛ-) VIII. P. to make invisible वर्षारविरिवाभ्रेण ममादृष्टीकरिष्यति PārśvC. 1. 515.

अदृष्टेच्छापथ (adṛṣṭecchāpatha) *m.* invisible place of one's choice (अञ्जनं नरः) शताभिमन्त्रितं कृत्वा अदृष्टेच्छापथस्थितः । अन्यस्य यदि युञ्जीयात् सोऽपि यायाददर्शनम् JayāS. 28. 123.

अदृष्टेतिकर्तव्यता (adṛṣṭetikartavya-tā) *f.* [w. r. for दृष्टादृष्टेतिकर्तव्यता] NyāyMañ. i. 135. 7 (cf. Mysore Ed. 1969.)

अदृष्टेन्धन (adṛṣṭendhana) *adj.* with unseen fuel सतीन्धने दाहवृत्तेरसत्यभावाददृष्टेन्धनोऽपि दहनो नानिन्धनः PramāVāSvopVṛ. 109. 1.

अदृष्टेश्वर (adṛṣṭeśvara) *m.* unseen god प्रधानस्य कर्तृत्वेन सर्गाद्युपपत्तेरदृष्टेश्वरकल्पनानुपपत्तेः NyāySu.(Ja.) 317A. 11 (*on* ii. 2. 1); 78B. 11 (*on* i. 1. 1)

अदृष्टेष्टवरा (adṛṣṭeṣṭavarā) *adj.* (*f.*) not finding the desired bridegroom अदृष्टेष्टवरा नाद्यमलीढ DvyāśraKā. 9. 155.

अदृष्टेष्टवियोग (adṛṣṭeṣṭa-viyoga) *adj.* who has not experienced separation from a dear person अदृष्टेष्टवियोगस्य तपो मे नान्यदुत्तमम् RāmāMañ. 243. 6.

अदृष्टेष्टविरोधक (a-dṛṣṭeṣṭavirodhaka) *adj.* not incompatible with the truth derived from perception अदृष्टेष्टविरोधकम् । तत्त्वोपदेशकृत् सार्वं शास्त्रं कापथघट्टनम् Nyāyāva. 9.

अदृष्टेष्टविषय (adṛṣṭeṣṭa-viṣaya) *adj.* with an object which is unseen but desired कामान् यः दृष्टादृष्टेष्टविषयान् कामयते MuṇḍUBh. 354. 2 (*on* iii. 2. 2)

अदृष्टैकमूलक (adṛṣṭaikamūla-ka) *adj.* with the unseen (merit) as the only cause संदर्भनिर्णयायालं स ह्यदृष्टैकमूलकः Gaṅgāva. 1. 12.

अदृष्टैकहेतु (adṛṣṭaika-hetu) *m.* cause of the unseen merit alone मन्त्रा उरु प्रथस्वेति किमदृष्टैकहेतवः NyāyMāVi. 26. 13 (*on* i. 2. 4)

अदृष्टैकात्म्यसिद्धि (adṛṣṭaikātmya-siddhi) *f.* establishment of oneness of the soul which is not seen अद्वैतिनोऽपि अदृष्टैकात्म्यसिद्धावविशेषादनन्तात्मसिद्धिप्रसङ्गात् IṣṭaSi. 343. 17.

अदृष्टैक्य (adṛṣṭaikya) *n.* sameness or oneness of the unseen effect तत्र सत्यप्यदृष्टैक्ये न मन्त्रैक्यमिति ध्येयम् MayūMāli. 117. 8 (*on* ii. 1. 15)

अदृष्टोक्त्यर्थम् (adṛṣṭokty-artham) *adv.* for expounding what is unseen नादृष्टोक्त्यर्थं मच्छास्त्रम् IṣṭaSi. 349. 3.

अदृष्टोत्पत्ति (adṛṣṭotpatti) *f.* origination of unseen merit पितृकृतजातेष्ट्या पुत्रे चादृष्टोत्पत्तेः TattvCin. iv. (2). 437. 5; अध्ययनस्याक्षरग्रहणहेतुत्वमन्वयव्यतिरेकसिद्धमिति व्यर्थो विधिरिति चेत् न अवघातादिवददृष्टोत्पत्तये नियमार्थ-

त्वात् VivaPraSaṁ. 176. 4; उच्चारणादेवादृष्टोत्पत्तौ बाधकाभावात् MīmāKau. iii(1). 96. 5 (*on* i. 2. 46)

अदृष्टोत्पत्तिहेतु (adṛṣṭotpatti–hetu) *m.* cause of origination of unseen (effect) अदृष्टोत्पत्तिहेतोरपि सर्वसाधारणत्वात् VedāntDī. 126. 5 (*on* ii. 3. 32)

अदृष्टोत्पत्तिहेतुता (adṛṣṭotpattihetu–tā) *f.* the state of being the cause of origination of unseen (effect) अहं कर्तेति बुद्धेरेव गीतादिष्वदृष्टोत्पत्तिहेतुतयोक्तत्वात् SāṁkhyaPraBh. 65. 7 (*on* 1. 146)

अदृष्टोत्पादक (adṛṣṭotpādaka) *adj.* [*f.* –ikā] producing unseen merit शास्त्रीयाङ्गविधुरं श्रवणं नादृष्टोत्पादकम् SiddhāLeSaṁ. 384. 1; अभिसन्धिरदृष्टोत्पादिका तदनुकूलकृतिः SiddhāLeSaṁ. 334. 8.

अदृष्टोत्पादन (adṛṣṭotpādana) *n.* production of unseen merit समाधिः ··· बन्धनानि ··· अदृष्टोत्पादनाक्षमाणि करोति YogVār. 1. 1.

अदृष्टोदय (adṛṣṭodaya) *m.* rise of unseen (cause) अनुभवतु वादृष्टोदयान्मनुष्यलोकमागतमपि पुनस्त्रिदशलोकस्थितिसमुचितं शोभातिशयम् TilaMañ. 46. 2.

अदृष्टोद्देश्यकत्व (adṛṣṭoddeśyaka–tva) *n.* the state of having for its aim the unseen merit तस्य चादृष्टोद्देश्यकत्वेन गौरवापत्तिः MīmāKau. iii(2). 117. 15 (*on* ii. 1. 42)

अदृष्टोद्बुद्धसंस्कार (adṛṣṭodbuddha–saṁskāra) *m.* impression awakened by unseen (cause) निद्राख्यदोषस्यादृष्टोद्बुद्धसंस्कारस्य च सत्त्वेऽपि तृतीयस्य संप्रयोगस्याभावात् VivaPraSaṁ. 47. 14.

अदृष्टोद्बोधाभाव (adṛṣṭodbodhābhāva) *m.* non-awakening of the unseen (cause) न च तदादृष्टोद्बोधाभावात् कार्याभावः GoviBh. 116. 10 (*on* ii. 2. 4); 122. 2 (*on* ii. 2. 12)

अदृष्टोद्बोधित (adṛṣṭodbodhita) *adj.* awakened by the unseen (cause) तत्रापि बाह्यमेव ··· अदृष्टोद्बोधितसंस्कारवशात् स्मर्यमाणम् ··· सन्निहितदेशकालमिव मन्यते SāstrDī. 58. 2 (*on* i. 1. 5); तत्तदर्थानुभवजनितसंस्काराणामदृष्टोद्बोधितानां साचिव्यात् NyāyKu. 66. 6; अविद्या अदृष्टोद्बोधितनानाविषयसंस्कारसहिता प्रपञ्चाकारेण विवर्तताम् VivaPraSaṁ. 48. 4 = SiddhāLeSaṁ. 294. 8; BhāṭṭCin. i. 20. 25 (*on* i. 1. 4)

अदृष्टोद्भूति (adṛṣṭodbhūti) *f.* manifestation of the unseen (merit or demerit) अदृष्टोद्भूतिवत् समानत्वम् SāṁkhyaPraSū. 6. 65.

अदृष्टोन्नायकत्व (adṛṣṭonnāyaka–tva) *n.* the state of causing the inference of the unseen merit or demerit सुखदुःखयोः ··· अविशेषेण चादृष्टोन्नायकत्वम् Upask. 22. 6 (*on* i. 1. 6)

अदृष्टोपकार (adṛṣṭopakāra) *m.* benefit in the form of unseen (merit) सारूप्यं हि प्रकृत्युपस्थापनद्वारेणोपयुज्यते नादृष्टोपकारनिर्वृत्त्या TantrVā. 1119. 14 (*on* iii. 6. 43); NyāyRaMā. 173. 26; यद्यप्यदृष्टोपकारसंबन्धेन व्यवहिता ··· दुहिता SmṛtiCan. iv. 684. 7; दृष्टोपकारे संभवत्यदृष्टोपकारकल्पनायोगाच्च S'aṭDū. 227. 13; अदृष्टोपकारस्यापि भावनायां कर्मत्वेन अन्वयावश्यंभावे BhāṭṭDī. i. 93. 2 (*on* ii. 1. 5); ii. 93. 18 (*on* iv. 1. 7); अदृष्टोपकारकल्पनसंभवेनातिदेशादवघातोऽस्त्येव LaCandr. 722. 16; 871. 29; *adj.* possessing help productive of unseen merit आहवनीयादीनां तु ··· अदृष्टोपकाराणाम् ··· उपपन्नमुत्पाद्यत्वम् TantrVā. 1147. 8 (*on* iii. 7. 33)

अदृष्टोपकारक (adṛṣṭopakāraka) *adj.* causing benefit in the form of unseen (merit) यद्यपि चादृष्टोपकारकप्रयाजादिव्यापारविषयता यागादिवद्ध्यादेः S'āstrDī. 153. 3 (*on* ii. 2. 11); एवं च दुहितुः स्वसंतानमुखेनादृष्टोपकारकसंबन्धेनासन्नता SmṛtiCan. iv. 683. 21; iv. 684. 3; MayūMāli. 861. 18 (*on* xii. 2. 5)

अदृष्टोपकारकत्व (adṛṣṭopakāraka–tva) *n.* the state of causing benefit in the form of unseen (merit) अदृष्टोपकारकत्वं तु निष्प्रमाणकम् S'rutaPra. ii. 524. 19 (*on* iii. 3. 52)

अदृष्टोपगृहीत (adṛṣṭopagṛhīta) *adj.* assisted by the unseen (cause) सर्गादावदृष्टोपगृहीतभूतभेदान्मीनशरीरोत्पत्तौ TattvCin. ii(2). 84. 10; आकाशस्यैव ··· अदृष्टोपगृहीतस्य घ्राणादिभावोपपत्तौ NyāySū.(Ja.) 258B. 10 (*on* ii. 1. 2); अदृष्टोपगृहीतेनैवालोकभागेनैकीभावात् MānaMe. 12. 1.

अदृष्टोपग्रह (adṛṣṭopagṛha) *m.* assistance or favour by the unseen (cause) एकजातीयादेव परमाणोरदृष्टोपग्रहाच्चतुर्धा कार्याणि जायन्ते NyāyKa. 9. 12; अदृष्टोपग्रहादेव तत्र क्रिया स्यात् Kiraṇā. 134. 18; 156. 5; NyāySu.(Ja.) 258B. 9 (*on* ii. 1. 2)

अदृष्टोपदेश (adṛṣṭopadeśa) *m.* advice from an unseen (source) प्रविष्टश्च कर्णयोः ··· शुकोऽयमादाय गम्यतामित्यदृष्टोपदेश इव क्वणत्काञ्चघण्टावलीनानारवः UdaySuKa. 35. 17.

अदृष्टोपयोग (adṛṣṭopayoga) *m.* usefulness of unseen (merit) प्रतिग्रहादेरेव कादाचित्कतया तत्रैवादृष्टोपयोगसंभवात् MayūMāli. 388. 1 (*on* iv. 3. 12)

अदृष्टोपरति (adṛṣṭoparati) *adj.* whose end is not seen अदृष्टोपरतिं भेदमतोऽयुक्ततरं विदुः VākyaPa. 3 (6). 16.

अदृष्टोपलक्षित (adṛṣṭopalakṣita) *adj.* having an external identifying mark in the form of unseen (merit or demerit) तत्र किं यस्मिन्नात्मप्रदेशेऽदृष्टं तत्प्रदेशे संयोगोऽपेक्ष्यते उत अदृष्टोपलक्षितात्मसंयोगः VivaPraSaṁ. 241. 1.

अदृष्टोपष्टब्ध (adṛṣṭopaṣṭabdha) *adj.* supported by the unseen (merit) प्रलये प्राणिभेदाः संस्कारादृष्टोपष्टब्धाः तिष्ठन्ति TarkSaṁ.(Ā.) 44. 7–8; 41. 28; अपूर्वरूपाद्युत्पत्तौ अदृष्टोपष्टब्धात्माणुसंयोगादणुषु कर्मोत्पत्तौ TarkSaṁ.(Ā.) 62. 7; 66. 15.

अदृष्टोपहित (adṛṣṭopahita) *adj.* delimited by the unseen (merit etc.) एवं तर्हि अदृष्टोपहितस्यात्मन एव सुखादिनिमित्तत्वं द्रष्टव्यम् VivaPraSaṁ. 251. 4.

अदृष्टोपाय (adṛṣṭopāya) *m.* supernatural means अदृष्टोपायेन परपीडा अभिचारः Mitā. 103. 24 (*on* 1. 295); VīraMi. 342. 14 (*on* 1. 295)

अदृष्टोपायत्व (adṛṣṭopāya–tva) *n.* the state of being supernatural means अदृष्टोपायत्वं सिद्धान्तिनैवोक्तमित्याह S'rutaPra. ii. 570. 28 (*on* iv. 1. 1)

अदृष्टोपायापेक्ष (adṛṣṭopāyāpekṣa) *adj.* depending on supernatural means अदृष्टोपायापेक्षेण क्रतुना ··· तद्विहितम् TantrVā. 13. 3 (*on* i. 2. 7); अदृष्टोपायापेक्षत्वात् ··· सर्वकर्मार्थत्वे प्रमाणाभावः MīmāKau. i. 38. 18 (*on* i. 3. 7); अदृष्टार्थाया भावनाया अदृष्टोपायापेक्षत्वात् MīmāKau. iii(2). 275. 17 (*on* ii. 2. 25); अदृष्टोपायापेक्षक्रतुसामर्थ्येन ··· अङ्गत्वसिद्धेः BālamBha. ii. 125. 27 (*on* 2. 114)

अदृष्टोपायापेक्षितत्व (adṛṣṭopāyāpekṣita–tva) *n.* dependence on supernatural means विवक्षितरीत्या प्रधानतदपूर्वजनकस्यैवादृष्टोपायापेक्षितत्वेन तत्रैव प्रोक्षणादीनां योग्यताजनकत्वस्य कल्पनीयत्वात् MīmāKau. iii(2). 57. 7 (*on* ii. 1. 6)

अदृष्टोपार्जन (adṛṣṭopārjana) *n.* securing of the unseen merit अदृष्टोपार्जनं प्रति यस्याङ्गभावः स तत्साधनमित्यर्थः Nyās. i. 457. 23 (*on* ii. 4. 31)

अदृष्टोभयकोटिक (adṛṣṭobhayakoṭika) *adj.* whose both extremities (i. e. the beginning and the end) are not seen दिक्कालाद्यनवच्छिन्नमदृष्टोभयकोटिकम्। एकं ब्रह्मैव हि जगत्स्थितं द्वित्वमुपागतम् YogVā. vi (1). 2. 23.

अदृष्टोल्लास (adṛṣṭollāsa) *m.* manifestation of the unseen (merit and demerit) पुरुषार्थं करणोद्भवोऽप्यदृष्टोल्लासात् SāṁkhyaPraSū. 2. 36.

अदृष्ट्वा (á–dṛṣṭvā) *ger.* **1** not seeing, not having seen or observed पूर्वरूपमदृष्ट्वा ते न यास्यामि कथंचन MahāBhā. iii. 149. 1; (कर्णम्) तमदृष्ट्वा रथोपस्थे निलीनं व्यथितेन्द्रियम् MahāBhā. vii. 114. 56; अदृष्ट्वा तु रथानीके दुर्योधनम् MahāBhā. ix. 24. 36; न हि शर्माधिगच्छामि तमदृष्ट्वा नराधिपम् Rāmā. ii. 1676*(5); अहम् ··· ब्रह्मलोकं न गच्छामि त्वामदृष्ट्वा प्रियातिथिम् Rāmā. iii. 4. 25; अनेनैवं भवन्तमदृष्ट्वैव मनोराज्यं कृतम् PañcT. 2. 80 (258. 15); न हि रूपे अदृष्ट्वा ताभ्यां भेदाभेदौ तद्वतो द्रष्टुं शक्येते IṣṭaSi. 20. 6; पदम् ··· यस्मिन्नदृष्ट्वापि हतद्विपानाम्। विदन्ति मार्गम् ··· केसरिणां किराताः KumāSaṁ. 1. 6; न हि प्रत्यक्षदृष्टं मुहूर्तमदृष्ट्वा पुनरुपलभ्यमानं प्रत्यभिजानन्तो विनष्टं परिकल्पयन्ति S'ābaBh. 89. 1 (*on* i. 1. 20); अर्थपतिस्तु तमदृष्ट्वा तत्कृतमपराधमात्मसंबद्धं मत्वा DaśKuC. 55. 7; एतां स्वयंवरवधूं सदृशीमदृष्ट्वा दीर्घप्रवासम् ··· कथं गतोऽसि VeṇīSaṁ. 6. 519; भ्रान्त्वेव भुवनं सर्वमदृष्ट्वान्यं समाश्रयम् PadmP.(Ra.) 10. 58; 12. 140; 26. 28; 105. 82; अरेरवर्गो भयचकितवपुः क्वाप्यदृष्ट्वैव ··· अगमत् EI. x. 86. 21; (त्वाम्) अदृष्ट्वा तत् खेदं कथमिह सहे शंकर विभो S'ivāL. 23; मण्डलं देवताचक्रम् अपश्यन्नपि ··· त्रिशूलाब्जादिमण्डलमदृष्ट्वापि ParāTri. 251. 13; अदृष्ट्वा रावणालयम् RāmC. 10. 11; अन्विच्छन्ति ··· न हि शशेऽदृष्ट्वा विषाणास्तिताम् SaṁkṣeS'ā. 3. 257 (ii. 298. 21); भुजङ्गास्ते तत्रादृष्ट्वा तदा सुधाम्। जिह्वाभिर्लिलिहुर्दर्भान् SkandP. iii(1). 38. 111; iii(2). 36. 154; शर्वः ··· अदृष्ट्वा धर्मतनयौ ··· जगाम यमुनां स्नातुम् VāmaP. 3. 7; अदृष्ट्वा तत्र तां तस्याः पृष्टवान् परिचारिकाम् BṛKathāS'loSaṁ. 4. 62; 17. 65; अदृष्ट्वार्कं न भोक्तव्यं दिवा BhaviP. 223A. 14 (i. 149. 53); देवाः ··· जनार्दनम् ··· अदृष्ट्वा तं तदा तत्र ज्ञानदृष्ट्या विलोक्य ते। यत्रास्ते भगवान् विष्णुर्जगमुस्तत्र DevīBhāP. i. 5. 11; iv. 12. 50; vi. 20. 23; सा ··· मामदृष्ट्वा बहिर्गेहाभ्यन्तरेऽपश्यदुद्यतम् ĀdiP. 28. 14; अथ रामः समागत्य तामदृष्ट्वा प्रियां रुदन्। बभ्राम BṛDharmaP. i. 19. 56; अदृष्ट्वा तां ततः सीतां दुःखितौ रामलक्ष्मणौ SaurP. 30. 58; ते ··· अदृष्ट्वा परमात्मानं तपश्चेरुः GaṇeP. i. 12. 23; ii. 45. 19; ii. 132. 13; तत्रादृष्ट्वा प्रियां राजा किमेतदतिविह्वलः AdhyāRā. ii. 3. 2; ii. 8. 62; राजा। सप्रत्याशं पृष्ठतोऽवलोक्य [ना]यिकामदृष्ट्वा विदूषकं प्रति EI. viii. 112. 59; अदृष्ट्वा तां नदीं तत्र ··· तुष्टाव परमेश्वरम्। भगीरथः RāmāCam. 1. 84; विनतः कविः ··· जनकजामदृष्ट्वैव समाययौ RāmāMañ. 211. 15; 242. 21; 374. 20; नादृष्ट्वा विहितं मन्ये BṛKathāMañ. i.

2.161; गच्छावस्तामदृष्ट्वा हि न क्षणं स्थातुमुत्सहे KathāSaSāg. vii. 8.23; viii. 6.15; xii. 35.145; अदृष्ट्वा चाप्यसम्पूज्य लिङ्गं नाद्यात् ĪśānS'iP. i. 28.151; दृष्ट्वादृष्ट्वेति श्रूयमाणम् इज्याकालद्वित्वं दर्शयति SaṅkarKāBh. 119.11 (*on* iii. 1.2); ततो जागरिता प्रातरदृष्ट्वा प्रियमन्तिके। दिक्षु चक्षुर्निचिक्षेप भीमभूः PāṇḍaC. 6.513; 7.548; 11.101; कवेः सदर्थरचनाकीर्तिः ···नादृष्ट्वा युगविप्लवम् ···परिक्षीयते SaduktiKa. 327.18; ईश्वरः ··· अदृष्ट्वारुणदेवं च पप्रच्छारामपालकान् PārśvC. 2.468; अररिम् ···अदृष्ट्वा रभसा यान्ती सा PrabhāC. 20.30; काकादिशकुनिशावकः ··· तटमदृष्ट्वैव ··· तदेव कूपस्तम्भादिस्थानमाश्रयते SyādvāMañ. 19 (67); सिद्धराजोऽप्यदृष्ट्वा तं पृष्ठेऽप्रैषीच्च साधनम् KumāDeC. 2.29; KumāDeC.(So.) 10.10; उभौ···सीतामदृष्ट्वा ससंभ्रममितस्ततोऽन्विष्यतः UnmaRā.(Vi.) 25 (5); नामलदेवी पितृगृहमदृष्ट्वा समयज्ञा तस्याश्चरणयोः पपात PurāPraSaṁ. 38.31; रक्षितारमदृष्ट्वान्यमृते भसितभूषणात् S'ilpaRa. i. 7.11; अदृष्ट्वा किमेवं प्रलपसि Jivān. 358.5; अदृष्ट्वा वैदेहीम् ···सः (हनूमान्) Ragh. 12.60; अदृष्ट्वा कस्य यद्रूपं न कर्तुं क्षमते हि तत् S'ukraNī. iv. 7.73; **ii** without having cognised, not having known or understood, not considering अथ यो ह वा अस्माल्लोकात्स्वं लोकमदृष्ट्वा प्रैति। स एनमविदितो न भुनक्ति S'atBr. XIV. iv. 2.28; दग्धं जगत्सत्यनयं ह्यदृष्ट्वा Saund. 16.43; प्रणयगतिमदृष्ट्वा धारिणीसंनिकर्षाद् अहमिव·· उक्तः Mālavikā. 2.5; यमदृष्ट्वा परैरुक्तमदूषणमिदं किल S'lokaVār. 5 (2). 154 (254.9); क्रत्वर्थानि चमसादीन्यदृष्ट्वा पूर्वः पक्षः ṬupṬ. 31.11 (*on* iv. 3.4); अदृष्ट्वा कार्यगाधताम् ··· अवगाहन्ते मन्दा मज्जन्ति चातलम् NīlaVi. 60.15; **iii** without experiencing, not being aquainted with अदृष्ट्वैव तु पूतात्मा विषयेभ्यो निवर्तते MahāBhā. xii. 197.5; स्वस्थः फलस्थो व्यसनान्यदृष्ट्वा वीतस्पृहो धर्ममनुप्रपन्नः Saund. 6.43.

अदेङ् (ad-eṅ) (Gr.) vowels *a*, *e* and *o* called Guṇa (used by CāndraVyā. in place of Guṇa) अतोऽदेङि CāndraVyā. v. 1.101; v. 3.125; vi. 2.1; CāndraVṛ. *on* i. 1.68; cf. P. i. 1.2.

अदेङ्संज्ञा (adeṅ-saññā) *f.* quality, excellence (*lit.* the technical name given to the vowels *a*, *e* and *o* (i. e. *guṇa*) अदेङ्संज्ञाभिरन्यूनां दृष्ट्वा सर्वाङ्गपोत्तमाम्। आदैचोराश्रयन्संज्ञां कामः पीडयते भृशम् RasSa. 169.

अदेय (a-deyá) *adj.* [*f.* -ā] **i** should not be given अश्रद्धयादेयम् TaiĀ. vii. 11.3 (733.3); अश्रद्धया अदेयं न दातव्यम् TaiUBh. 217.13 (*on* 1.11); **ii** ought not to be given, unfit to be given, cannot be given वृणीष्व यत्तेऽभिमतम् ··· तत्ते प्रदास्याम्यपि चेददेयम् MahāBhā. i. 51.15; i. 94.50; नादेयं ब्राह्मणेष्वासीत् तस्मिन् काले MahāBhā. i. 104.17; i. 123.35; अदेया नन्दिनीयं मे MahāBhā. i. 165.17; viii. 68.45; विषाण्यदेयानि सर्वाणि ViṣṇuSm. 13.2; अदेयानि नवान्यानि वस्तुजातानि DakṣaSm. 3.4; अदेयानि न वै दद्यात् BṛParāSm. 6.260; अदेयानां च साधनैः ··· प्रकृतीनां क्षयः ··· उपजायते ArthS'ā. ii. 263.9 (7.5); किमदेयं हि तस्यास्ति तस्मादभ्यर्थनां त्यजेत् PauṣkS. 31.150; अदेयमासीत् त्रयमेव भूपतेः RaghuVa. 3.16; न बोधिसत्व(? त्व)स्य शरीरभोगयोः परेष्वदेयं पुनरस्ति सर्वथा MaYānaSū. 31.13 (8.16); अतिभक्तानां नादेयं विद्यते मम SūrySi. 12.11; प्रदानं च प्रदेयानामदेयानामसङ्ग्रहः ··· इति वृत्तं महीपतेः NītiSā. 14.52; तवादेयं न किंचन SkandP. iv. 16.114; BrahmVaiP. iv. 18.22; अदेयं नास्ति वै यस्य वसु किंचिच्च केशव PadmP. v. 14.58; v. 16.159; v. 35.149; वरं ब्रूहि ··· नादेयो विद्यते तव S'ivaP. ii(1). 15.27 (58B.9); किमदेयमुदाराणाम् KathāSaSāg. iii. 4.203; viii. 3.217; न नाम किंचिद्भवतेऽस्त्यदेयम् DaśāvaC. 5.202; अदेयं किं नाम स्वमपि विजहासोः कुलपतेः KaumuMi. 3.17; किमदेयं महात्मनाम् TrisaS'aPuC. i. 4.535; अदेयमपि यत् प्रादादनर्थिभ्योऽपि पार्थिवः PṛthviVi. 8.23; अथादेयानि सामान्यं याचितं न्यस्तम् Aparā. 404.10 (*on* 1.212); देयमनिषिद्धं दानक्रियायां निर्वर्तकं द्रव्यम्। अदेयं चानिर्वर्तकम् SmṛtiCan. iii. 7.2; iv. 442.6; iv. 444.3; iv. 454.11; अदेयमासीद्यश एव यस्य Surath. 1.68; दानव्यसनिनस्तस्यादेयं किमपि नाभवत् PārśvC. 1.73; शुभे किमदेयमस्माकं भवत्या DhūrtaSa. 79.8; नास्त्यदेयं महात्मनाम् SūktiRa. 170.2 = S'ārṅgaPa. 279; यद्यप्यदेयं ननु देहवद्भिः ··· किमस्त्यदेयं परमार्थविद्भिः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 11.22; अष्टौ अदेयान्याह नारदः VyavaNi. 287.12; 287.8; अखिलविश्वचक्रब्रह्माण्डदातुः किमदेयमस्ति EI. vii. 82.45; तत्र तावददेयस्य स्वरूपमैदानाह VīraMi. (Vyavahāra.) 306.9; अदेयम् ··· अहो ज्ञानं महाधनम् SabhāS'. 12; दद्यापि सा देयमदेयमित्यमुं विभागमेव प्रथमं न बुध्यते Gaṅgāva. 3.51; अदेयं यस्य वै नास्ति S'ukraNī. 1.324; 4(3).311; **iii** not to be produced अदेयं देशं पृच्छति ··· उत्तममस्मै साहसदण्डं कुर्यात् ArthS'ā. ii. 161.3 (4.9); **iv** not to be imparted छेद्यकमदेयमेभ्यो ददतः सुकृतायुषोर्नाशः BrāhmSphuSi. 16.2; **v** not to be repaid (debt) ऋणं देयमदेयं च NāraSm. 46.1; 137.2; अदेयं स्वकृतं द्विगुणादधिकं पितृकृतं च द्यूतादिभागेनेति ManuBh. ii. 77.18 (*on* 8.4); ऋणं देयमदेयं च येन यत्र यथा च यत् AgniP. 252.13; अनेनादेयमृणमुच्यत इति भावः BālamBha. ii. 60.1 (*on* 2.46); **vi** not to be given in marriage (daughter etc.) कन्यारत्नम् ··· प्रदास्यामि न त्वदेयं कदाचन DevīBhāP. ii. 5.31; **vii** not to be given (as an answer) नापीदृशमुत्तरमदेयम् (भवति) VīraMi. 407.6 (*on* 2.7); 424.26 (*on* 2.18)

अदेयत्व (adeya-tva) *n.* the nature of what cannot or need not be given कृत्स्नगोलकाभिप्रायमेव चादेयत्वं भूमेर्विश्वजिति मीमांसकैरुक्तम् ManuBh. ii. 116.13 (*on* 8.99); Mitā. 268.24 (*on* 2.175); एवं चाधेरदेयत्वं पूर्वस्मिन् प्रकरणेऽभिहितम् SmṛtiCan. iv. 447.20; iv. 442.10; Subodhi. 84.5 (*on* 2.175); VīraMi.652.6 (*on* 2.175); प्रणष्टाधिगतस्य परकीयत्वेनादेयत्वाद्देयमित्युपदेशो व्यर्थः BālamBha. ii. 50.1 (*on* 2.33)

अदेयदान (adeya-dāna) *n.* gift of what ought not to be given अदेयदाने प्रतिग्रहे च दण्डमाह VīraMi.(Vyavahāra.) 307.19.

अदेयदायक (adeya-dāyaka) *adj.* donor of what ought not to be given अदेयदायको दण्ड्यः NāraSm. 140.12.

अदेयधन (adeya-dhana) *adj.* to whom wealth should not be given शूद्रायां ब्राह्मणाज्जातो यद्यदेयधनः स्मृतः। केन प्रतिविशेषेण दशमोऽप्यस्य दीयते MahāBhā. xiii. 47.27; *n.* inalienable property एवं दारसुतादिव्यतिरिक्तं देयमुक्त्वा प्रसङ्गाददेयधनग्रहणं च प्रतिग्रहीत्रा प्रकाशमेव कर्तव्यम् Mitā. 269.4 (*on* 2.176)

अदेयप्रकरण (adeya-prakaraṇa) *n.* section on inalienable (things) तस्यादेयप्रकरणपठितेन दक्षवचनेन निषिद्धत्वेन धर्मत्वाभावात् VīraMi.(Āhnika.) 12.11.

अदेयप्रतिग्रहीतृ (adeya-pratigrahītṛ) *adj.* who accepts what ought not to be given अदेयप्रतिग्रहीतुरदत्तप्रतिग्रहीतुश्च दण्डोऽनेन वचनेनोक्तः SmṛtiCan. iv. 443.19.

अदेयप्रदायक (adeya-pradāyaka) *adj.* who gives what ought not to be given अदत्तभोक्ता दण्ड्यः स्यात्तथादेयप्रदायकः BṛhaspaSm. 140.18.

अदेव (á-deva) *adj.* [*f.* -ī, -ā] [Metrically ādeva ṚV. ii. 22.4; viii. 59.2]; **A i** godless, not devoted to the gods भुवद्विश्वमभ्यादेवमोजसा ṚV. ii. 22.4; अभि ष्याम पृतनायूँरदेवान् ṚV. iii. 1.16; न सीमदेव आपदिषं दीर्घायो मर्त्यः ṚV. viii. 70.7; (a-devá) viii. 96.9; विशो अदेवीरभ्याऽऽचरन्तीः ṚV. viii. 96.15; अपादेवं द्वयुमंहो युयोधि नः ṚV. ix. 104.6; ix. 105.6; अदेव इन्द्र युधये चिकेतति ṚV. x. 38.3; vi. 25.9; x. 37.3; (a-devá) यदसावमुतो देवा अदेवः संश्चिकीर्षति। मा तस्याग्निर्हव्यं वांक्षीत् AV. v. 8.3; vi. 6.1; **A ii** impious, evil-working, inimical, hostile भिनत्पुरो न भिदो अदेवीः ṚV. i. 174.8; viii. 11.3; अदेवेन मनसा यो रिषण्यति ṚV. ii. 23.12; iii. 31.19; प्रादेवीर्मायाः सहते दुरेवाः ṚV. v. 2.9 = AV. viii. 3.24; ṚV. (ādeviḥ(?)) vi. 49.15; vii. 98.5; इन्द्रमदेव्यो माया असचन्त PañcBr. xix. 19.1; **B** not belonging to the gods, ungodly आरे अस्मत्कृणुहि दैव्यं भयमारे हेतीरदेवीः ṚV. viii. 61.16; निर्मायरदेवाँ अभृणतयास्यः ṚV. x. 138.4; चतुर्विधा लुपासङ्ख्या देवे(? दैवे)ऽदेवे निकेतने MayaMa. 18.20; cf. MayaMa. 21.83; **C** not having a god, lacking in a god नादेवं देहप्रसादं कुर्यात् (? नादेवौ देवदेहप्रासादौ कुर्यात् Mysore 1957) NītiVā. 25.64; अदेवेनेव चैत्येन (किम्) TrisaS'aPuC. i. 1.309; वासे नास्मिन् पूजादेवा Yādavā. 6.105; **D** not having a god (to be worshipped) (i. e. himself the supreme god) नारायणं देवमदेवमीशमजस्रभावा भजताविवेश्य BhāgP. xii. 12.55; *m.* **i** not a god, false god वृत्रवांसं परि देवीरदेवम् ṚV. iii. 32.6; अदेवो यदभ्यौहिष्ट देवान् ṚV. vi. 17.8; vi. 18.11; vi. 22.11; अदेवस्य शूशुवानस्य मायाः ṚV. x. 111.6; x. 124.2; अत्र ··· देवा अदेवा (भवन्ति) S'atBr. XIV. vii. 1.22; अदेवश्च ह वै स मर्त्यश्च यस्य वीरस्य सतो वीरो वीर्यवान् नाजायते JaimiBr. 1.96; देवान् कुर्युरदेवांश्च कः क्षिण्वंस्तान् समृध्नुयात् ManuSm. 9.315; अद्य देवानदेवान्वः करोमि PadmP.(Ra.) 105.87; अदेवे देवताबुद्धिमत्रते व्रतभावनाम् YaśasCam. ii. 282.20; अदेवी किं तु भवती वरं दातुं कथं क्षमा RājTa.(Ka.) 3.420; अदेवे देवबुद्धिः YogS'ā. 2.3; न देवं नादेवं न शुभगुरुमेवं न कुगुरुम् ··· विलोकन्ते लोका जिनवचनचक्षुर्विरहिताः SindūPra. 17; **ii** other than a god (i. e. a demon etc.) देवादेवैर्भक्तिप्रह्वैः ··· अर्चामुचैर्नीतं वन्द्यं देवम् ··· अर्हन्तम् PadmP.(Ra.) 17.281; देवोऽदेवाङ्घनतः सृजति स्मातिलोलुपान् BhāgP. iii. 20.23; नवप्रकृतयोऽदेवाः पुलस्त्यस्य वदामि वः LiṅgaP. i. 63.55.

अदेवका (adéva-kā) *adj.* (*f.*) not having a deity अनद्धेवैता आहुतयो हूयन्तेऽप्रतिष्ठिता अदेवकाः S'atBr. III. i. 4.10.

अदेवगृह (a-devagṛha) *n.* not a temple of a god, other than a temple of a god कर्तुरन्यस्मिन् कारके मा भूत् ··· अदेवगृहे सत् देवगृहे संपद्यते JaineVyā. 274.23 (*on* iv. 2.55); कारकान्तरसंपत्तौ मा भूत्। अदेवगृहे देवगृहे संपद्यते KāśiVṛ. *on* P. v. 4.50; LaS'abdeS'e. ii. 402.5.

अदेवजुष्टा (a-devajuṣṭā) *adj.* (*f.*) other than what is liked by the gods, other than what is acceptable to the gods असुर्या वै सा वागदेवजुष्टा

AitBr. 9.4 (248); ManuBh. i. 471.14 (*on* 5.108)

अदेवत (a-devata) *adj.* having no deity यदा त्वदेवते होमे देवताविधिरुच्यते TantrVā. 296.13 (*on* i. 4.4)

अदेवता (a-devatā) *f.* **i** other than a deity, non-deity अपि ह्यदेवता देवतावत् स्तूयते Nir. 7.4 (134.13); तत्राग्निरदेवता न त्वसमवेतः S'ābaBh. 1939.2 (*on* x. 4.42) = TantrVā. 399.10 (*on* ii. 1.17); 759.12 (*on* iii. 1.26); 906.20 (*on* iii. 3.41); न चादेवतायै संकल्प्यमाने यागो भवति S'āstrDī. 473.10 (*on* vi. 3.5); Prasā. i. 360.16; **ii** (adeva-tā) the state of being a non-deity, non-godhead तिर्यक्त्वं पुरुषा यान्ति तिर्यञ्चो नरतामपि। देवाश्चादेवतां यान्ति किमिवेह विभो स्थिरम् YogVā. i. 28.19.

अदेवताकत्याग (adevatāka-tyāga) *m.* offering devoid of a deity न हि त्यागमात्रं यागः किं तु देवतोद्देशेन त्याग इत्यदेवताकत्यागे याग एव न स्यात् MayūMāli. 473.10 (*on* vi. 3.5)

अदेवताड (adevatāḍa) *m.* one of the synonyms of fire (*agni*), KalpaK. 378.12.

अदेवतात्वप्रसङ्ग (adevatātva-prasaṅga) *m.* contingency of (something) being a non-deity मासादेरदेवतात्वप्रसङ्गात् VedāntKa. 395.7 (*on* iii. 2.1)

अदेवतानामन् (adevatā-nāman) *n.* name of one who is not a deity यानि देवतानामानि यथाख्यातं तान्याचक्ष्वाथ यान्यदेवतानामानि यथाख्यातं तान्याचक्षाण उपरिष्टाद् विचक्षणं धेहि BaudhS'S. i. 162.9.

अदेवताभूत (adevatā-bhūta) *adj.* being a non-deity अदेवताभूत एव समुदायः संकल्पितः स्यात् TantrVā. 517.21 (*on* ii. 2.19)

अदेवतार्थ (a-devatārtha) *adj.* not meant for a deity न यथा दैवानि कर्माण्यदेवतार्थानि ManuBh. i. 263.5 (*on* 3.117)

अदेवतार्थत्व (adevatārtha-tva) *n.* the state of not being meant for the sake of a deity ततः शेषावयवानामदेवतार्थत्वान्न स्वत्वमपेतं स्यात् TantrVā. 1022.26 (*on* iii. 4.47)

अदेवताविद् (a-devatāvid) *adj.* who does not know the deity (of a *mantra*) मन्त्राणां देवताविद्यः प्रयुङ्क्ते कर्म कर्हिचित्। जुषन्ते देवतास्तस्य हविर्नादेवताविदः BṛDe. 8.131.

अदेवतासंयोग (a-devatāsaṁyoga) *m.* absence of association with a deity अदेवतासंयोगेन चोद्यमानेऽर्थगृहीता देवता SaṅkarKā. (with Devasvāmin's Bh.) ii. 4.3.

अदेवतासञ्चरण (a-devatāsañcaraṇa) *n.* absence of visit or movement of the gods रहस्समेतैः क्षणदाचरेन्द्रैरहस्समे रत्नरुचा निशीथे। ददे बताज्ञाधिसभं समन्तादेवतासंचरणाय यस्याम् RāmC. 17.34.

अदेवतास्तुति (a-devatāstuti) *f.* other than that in praise of the gods पवमाना अदेवतास्तुतयः तानि च्छिद्राणि NidāSū. 37.21 (2.11)

अदेवत्र (á-devatra) *adj.* not devoted to the gods उत त्वा स्त्री शशीयसी पुंसो भवति वस्यसी। अदेवत्रादराधसः ṚV. v. 61.6.

अदेवत्वात्मकत्व (adevatvātmaka-tva) *n.* the state of not having the godhead as its nature अन्यथा धर्मादीनां वक्ष्यमाणलक्षणानामदेवत्वात्मकत्वान्नमस्कारो नोपपद्येत JayaMa. 2.21 (*on* 1.1)

अदेवदत्त (a-devadatta) *m.* not deserving to be called Devadatta, wretched Devadatta आक्रोशे गम्यमाने नञः परमुत्तरपदं संज्ञायां वर्तमानमन्तोदात्तं भवति। अदेवदत्तः KāśiVṛ. (*on* vi. 2.159); Prasā. ii. 780.14; SiddhāKau. 652B. 7.

अदेवदत्तत्व (adevadatta-tva) *n.* the state of being other than Devadatta न ह्यदेवदत्तत्वाज्ञानात् देवदत्तशब्दप्रयोगो देवदत्तशब्दस्य यज्ञदत्तवाच्यित्वे मूलं भवति S'rutaPra. iB. 71.6 (*on* i. 1.1)

अदेवदेह (a-devadeha) *adj.* not possessing the divine body (i. e. having a human body) शुश्रूषिताहे तदहं तमेव पतिं मुदेऽपि व्रतसम्पदेऽपि। विशेषलेशोऽयमदेवदेहमंशागतं तु क्षितिभृत्तयेह NaiṣC. 6.94.

अदेवद्रीची (a-devadrīcī) *adj.* (*f.*) not inclined towards the gods देवी कथंचित्खलु तामदेवद्रीचीं भवन्तीं सितसिक्तसृक्का। आह स NaiṣC. 14.40.

अदेवद्रु (a-devadru) *adj.* having no divine trees भद्रा ··· देवाराममदेवद्रुं मेने निर्वासवं दिवम् S'āliC. 6.64.

अदेवन (a-devana) *n.* absence of gambling धात्रा तु दिष्टस्य वशे किलेदं नादेवनं कितवैरद्य तैर्मे MahāBhā. ii. 52.14; PhiṭSū. 35.

अदेवपितृयजन (adevapitṛ-yajana) *adj.* who does not sacrifice to the gods and manes अपहतोऽररुः पृथिव्या अदेवपितृयजनः BaudhS'S. iii. 230.10.

अदेवपित्र्य (a-devapitrya) *adj.* not offered to the gods and manes अदेवपित्र्यं पललमवत्सागोपयस्त्यजेत् SkandP. iv. 40.10.

अदेवमातृक (a-devamātṛka) *adj.* [*f.* -ā] not depending upon the rain (alone) (i. e. depending upon rivers, canals or wells etc. for irrigation) (*lit.* other than what has the rain-god as foster-mother) अदेवमातृको रम्यः श्वापदैः परिवर्जितः। कच्चिज्जनपदः स्फीतः सुखं वसति राघव Rāmā. ii. 94.39; जनपदं महान्तमल्पप्रमाणं वादेवमातृकं प्रभूतधान्यं धान्यस्यांशं तृतीयं चतुर्थं वा याचेत ArthS'ā. ii. 192.2 (5.2); ii. 227.4 (6.1); MatsyaP. 217.3; अदेवमातृकाः ··· कुरवश्चकासति Kirātā. 1.17; अदेवमातृका चेति शस्यते भूविभूतये NītiS'ā. 4.50; AnargharRā. 6.24; MahāP. 16.157; भवन्तः ··· अदेवमातृकाः सर्वाः पालयिष्यथ वै प्रजाः VṛGautaSm. 577.12 (10); ManuBh. ii. 19.23 (*on* 7.56); ii. 56.5 (*on* 7.212); NītiVā. 19.8; अदेवमातृको भक्तजलो देशः प्रशस्यते AgniP. 221.2; 238.25; NīlaP. 19; ViṣṇuDhaP. ii. 26.3; बृहस्पतिनीतय इवादेवमातृकाः ··· ग्रामाः सन्ति YaśasCam. i. 13.2 (comm. अदेवमातृकाः नदीजलनिष्पन्नसस्योपजीविनः); RājTa.(Ka.) vi. 10.9; SūktiRa. 92.2; अदेवमातृकं वृष्ट्यपेक्षं न भवति नदीबाहुल्यात् VīraMi.(Lakṣaṇa.) 237.15; VīraMi.(Rājanīti.) 198.13.

अदेवयजन (á-devayajana) *adj.* **i** not sacrificing to the god's अपहतोऽररुः पृथिव्या अदेवयजनः TaiS. I. i. 9.2 = BhārS'S. ii. 1.14; **ii** not (appropriate for) offering to the gods तस्यै वा एतस्या एकमेवादेवयजनं यदालब्धायामभ्रो भवति TaiS. III. iv. 3.7 = ĀpaS'S. xix. 17.16.

अदेवयत् (á-devayat) *adj.* not devoted to the gods देवयन्निददेवयन्तमभ्यसत् ṚV. ii. 26.1.

अदेवयु (á-devayu) *adj.* not longing for the gods, godless, impious व्यनिनस्य धनिनः प्रहोषे चिदररुषः। कदा चन प्रजिगतो अदेवयोः ṚV. i. 150.2; अदेवयुम्। अव स्वः सखा दुधुवीत पर्वतः सुघ्नाय दस्युं पर्वतः ṚV. viii. 70.11; य इन्द्र सस्त्यव्रतोऽनुष्वापमदेवयुः ṚV. viii. 97.3; ix. 63.24; अदेवयून्त्समरणे जघन्वान् ṚV. x. 27.3; x. 27.2.

अदेवर (a-devara) *m.* other than husband's brother नादेवरादित्येके GautDS. ii. 9.7.

अदेववाटज (a-devavāṭaja) *adj.* not growing in a garden belonging to a deity, not growing in a garden of a temple अदेववाटजं पुष्पं देवतार्थं तथैव च। आददानः परक्षेत्रान्न दण्डं दातुमर्हति ViṣṇuDhaP. ii. 72.98.

अदेववाटिज (a-devavāṭija) *adj.* not growing in a garden belonging to a deity, not growing in a garden of a temple अदेववाटिजं पुष्पं देवतार्थं तथैव च। आददानः परक्षेत्रान्न दण्डं दातुमर्हति MatsyaP. 227.113.

अदेवसत्त्व (a-devasattva) *adj.* not endowed with divine nature नादेवसत्त्वो विनयेत्कुरूनस्त्रे महाबलान् MahāBhā. i. 121.2; नादेवसत्त्वा नाप्रज्ञाः पुरुषा नात्मदर्शिनः। पितुर्नियोगे तिष्ठन्ति Rāmā. ii. 983*(1)

अदेवांश (a-devāṁśa) *adj.* not endowed with divine element नादेवांशो ददात्यन्नम् DevīBhāP. vi. 10.24.

अदेवात्मन् (a-devātman) *adj.* not being a god परनिरपेक्षतया स्वयंभुवः ··· उपलादिव च की(? कां)चनमदेवात्मनः कारणविशेषोपसर्पणवशात् आविर्भूतम् ··· परमात्मानम् YaśasCam. ii. 374.21.

अदेवानांप्रिय (a-devānāmpriya) *adj.* not a fool (i. e. learned) वाचस्पतीयं जगदे ममादेवानांप्रियैनैष गजस्तथार्ह्यः DvyāśraKā. 6.29.

अदेवासुर (a-devāsura) *adj.* **i** devoid of gods and demons कथमदेवासुरमतारकामयं वा रणमुपेतस्यैतादृशः प्रहारविमर्दसंभवः AvantiKa. 145.19; **ii** (dvandva compound) other than devāsura etc. चार्थानदेवासुरादीन् CāndraVyā. iii. 3.57; वैरेऽदेवासुरादिभ्यः S'ākaṭāVyā. iii. 1.148.

अदेवृघ्नी (á-devṛghnī) *adj.* (*f.*) not a killer of husband's brother अदेवृघ्न्यपतिघ्नीहैधि AV. xiv. 2.18.

अदेश (a-deśa) *m.* **A** an improper place or region (क्रमेर्दीर्घत्वं च) अदेशेऽयं चः पठितः। क्रमेश्च दीर्घत्वम् MahāBh. i. 168.22 (*on* i. 1.63); i. 193.7 (*on* i. 2.1); अदेशे वा वचनं व्यञ्जनस्य ṚPrāti. 14.5; नादेशे नाकाले नाकीर्णे ··· न कुत्सितमन्नमाददीत CaraS. i. 8.20; न नक्तं नादेशे चरेत् CaraS. i. 8.25; स्त्रियं स्पृशेददेशे यः ManuSm. 8.358; अदेशे वा गच्छति प्रकाशे चैत्ये विहारे वा AbhidhKoBh. 244.15 (*on* 4.74); नादेशे नाकाले नापरिपक्वेन्द्रिये न गुणहीने PañcT. 1.25 (24.11); नासन्दिसंस्थिते पात्रे नादेशे च नरेश्वर ViṣṇuP. iii. 11.83; हीनान्नावहसेद्गच्छेन्नादेशे निवसेच्च तैः AgniP. 155.24; कर्मात्मतां चेत्ययमदेशे च पठितः ManuBh. 19.5 (*on* 1.22); अदेशं यत्र ऋणिकगमनं न संभाव्यते तथा एकान्तादि ManvVi. 905.15 (*on* 8.53); **B** (a word meaning) not a country अन्तरदेशे P. viii. 4.24; **C** witness for the place of transaction हीनदेशमदेशं वा निर्दिशति ArthS'ā. ii. 6.3 (3.1); कार्यमदेशेनातिवाहयति ArthS'ā. ii. 161.3 (4.9); मेधातिथिस्तु

'अदेशम्' इति पठित्वा ··· देशशब्देन साक्षिणो व्याख्याय साक्षिनिर्देशकाले असम्भावितसाक्षिणो निर्दिशतीति व्याचख्यौ ViraMi.(Vyavahāra.) 74. 20; [bad place, country held in low esteem (in Smṛtis), Apte]; *adj.* having no parts अदेशस्य परस्य एकदेशसंसारित्वकल्पनायां पर एव संसारीति कल्पितं भवेत् BṛĀra-UBh. 261. 5 (*on* ii. 1. 20); अदेशानां घटादीनां देशास्संबन्धिनो यथा। आकाशस्याप्यदेशस्य देशास्संबन्धिनस्तथा VākyaP. iii. 1. 16.

अदेशका (adeśa-kā) *adj.* having no place (to stay) (सेना) अदेशिका (v. l. अदेशका) महारण्ये ग्रीष्मे शत्रुवशं गता MahāBhā. iv. 42. 22.

अदेशकाल (a-deśakāla) *n.* **i** improper place and time नादेशकाले किञ्चित्स्याद्देशः कालः प्रतीक्ष्यते MahāBhā. iii. 29. 31; अदेशकाले संप्राप्तः सर्वथा शङ्क्यतामयम् Rāmā. vi. 11. 37; अदेशकाले यद्दानमपात्रेभ्यश्च दीयते MahāBhā. vi. 39. 22 (= BhagGi. 17. 22); अदेशकाले ललितं कामयते स्वामी PratiYau. 3. 5 (47); अदेशकाले प्रतिसंनिबद्धम् ··· प्रारब्धमज्ञैर्न हि सिद्धिमेति VarāṅgaC. 28. 65; अदेशकाले यद्दानमपात्रे दानमेव च AgniP. 224. 7; ViṣṇuDhaP. ii. 65. 14; MatsyaP. 220. 13; अदेशकाले योगस्य दर्शनं हि न विद्यते LiṅgP. i. 8. 78; यत्र देशे काले च परस्त्रिया भाषमाणः शिष्टैर्न गर्ह्यते ततोऽन्यो देशः कालश्चादेशकालम् Aparā. 854. 18 (*on* 2. 284); PārśvC. 6. 546; अदेशकाले निर्जननिशीथादौ VīraMi. 733. 8 (*on* 2. 284); **ii** (a word meaning) improper time or place अध्यायिन्यदेशकालात् P. iv. 4. 71; JaineVyā. iii. 3. 188; CāndraVyā. iii. 4. 72; S'ākaṭāVyā. iii. 2. 74; SiddhaHe. vi. 4. 76; सप्तम्यन्तादेशकालादध्यायिन्यर्थे ठक् Prasā. i. 831. 16; *adj.* other than place or time अचित्तादेशकालात् P. iv. 3. 96; CāndraVyā. iii. 3. 64; S'ākaṭāVyā. iii. 2. 74; SiddhaHe. vi. 3. 206; अदेशकालाट्ठण् JaineVyā. iii. 3. 71; अत्र स्वरूपग्रहणं न। अदेशकालादित्यस्य वैयर्थ्यापत्तेः LaS'abdeS'e. ii. 273. 4.

अदेशकालकलित (a-deśakālakalita) *adj.* [*f.* -ā] not delimited by place and time सा शक्तिः परमहामन्त्रमय्यामदेशकालकलितायां संविदि निरूढा तदेवं परमानन्दामृतास्वादमयमदेशकालकलितमनुत्तरं ध्रुवम् ParāTri. 4. 2; विसर्गरूपम् ··· सततोदितम् ParāTri. 35. 10.

अदेशकालगमन (adeśakāla-gamana) *n.* going to an inappropriate place and time अदेशकालगमनमाह्वाने कालयापनम् BhāvPra.(S'ā.) 115. 20 (5)

अदेशकालचर्या (adeśakāla-caryā) *f.* regimen not conducive to the locality and season नादेशकालचर्या CaraS. iii. 3. 36 (1941 Ed.)

अदेशकालज (adeśakāla-ja) *adj.* born at an improper place and time अदेशकालजं क्लिन्नं यत्स्यात्फलमसाधु तत् CaraS. i. 27. 317 (1941 Ed.)

अदेशकालज्ञ (a-deśakālajña) *adj.* ignorant of the appropriate place and time अदेशकालज्ञमनिष्टवेषमेतान्गृहे न प्रतिवासयीत MahāBhā. v. 37. 31; व्यावर्तनकारणानि। अदेशकालज्ञ इत्यसूया KāmSū. 5. 1 (258. 15); धिक्त्वामदेशकालज्ञं यत्प्राप्तोऽसि छलैरपि (v. l) PañcT. 2. 80 (260. 11); अदेशकालार्थ(v. l. अदेशकालज्ञ°)मनायतिक्षमम् PañcT. 3. 54 (311. 27); धिक्त्वामदेशकालज्ञम् BṛKathāMañ. xvi. 1. 432; इङ्गितमूढः पलितो नीचः शुष्काभियोग्यदेशकालज्ञः RatiRaha. 13. 20.

अदेशकालदत्त (adeśakāla-datta) *adj.* employed at an impropar place and time (दिव्यानि) अदेशकालदत्तानि बहिर्वादिकृतानि च BṛhaspaSm. 82. 16.

अदेशकालयोग (adeśakāla-yoga) *adj.* whose meditation is at an improper place and time अदेशकालयोगस्य दर्शनं न तु विद्यते VāyuP. i. 11. 31.

अदेशकालविक्रेतृ (adeśakāla-vikretṛ) *adj.* who sells (something) at an improper place and time विरूपद्रव्याणामदेशकालविक्रेतारम् ··· शङ्केतेति शङ्काभिग्रहः ArthS'ā. ii. 144. 2 (4. 6); i. 351. 2 (2. 36)

अदेशकालविहित (adeśakāla-vihita) *adj.* used at an unsuitable place and time अदेशकालविहितो वेग आवेग उच्यते BhāvPra.(S'ā.) 31. 7(2)

अदेशकालसंख्य (a-deśakālasaṅkhya) *adj.* without taking note of the time due to longitude - correction नित्यं वा शशिनमदेशकालसंख्यं सूर्यं च स्फुटमुदयास्तगं घटीभिः कृत्वा MaBhāsk. 2. 8.

अदेशकालसम्पत्ति (adeśakāla-sampatti) *f.* wealth at an improper place or time अदेशकालसम्पत्तेरभीष्टादेरचिन्तितम् BhāvPra.(S'ā.) 61. 18(3)

अदेशकालसंप्राप्त (adeśakāla-samprāpta) *adj.* arrived at an inopportune place and time अदेशकाले संप्राप्तः (v. l. अदेशकालसंप्राप्तः [PW. Gorr. v. 90. 29]) सर्वथा शङ्क्यतामयम् Rāmā. vi. 11. 37.

अदेशकालसंभाष (adeśakāla-sambhāṣa) *n.* conversation at an improper place and time अदेशकालसंभाषं सहैकासनमेव च। स्त्री निषेधे शतं दद्याद् द्विशतं तु दमं पुमान् YājñaSm. 2. 284; AgniP. 257. 70.

अदेशकालसंभाषण (adeśakāla-sambhāṣaṇa) *n.* conversation at an improper place and time रहोविवक्षया संभाषणमदेशकालसंभाषणम् BālaKrī. i. 294. 6 (*on* 2. 289)

अदेशकालागमन (adeśakālāgamana) *n.* arrival at an improper place and time अदेशकालागमनमपकारो बहिर्मुहुः BhāvPra.(S'ā.) 117. 10(5)

अदेशकालार्थ (a-deśakālārtha) *adj.* having a meaning not proper for the place and time अदेशकालार्थमनायतिक्षमं यदप्रियं लाघवकारि चात्मनः। विचिन्त्य बुद्धया मुहुरप्यवैम्यहं न तद्वचो हालहलं हि तद्विषम् Tantrākhyā. 103. 15; PañcT. 3. 54 (311. 3)

अदेशकालोपहित (adeśakālopahita) *adj.* administered at an improper place and time अदेशकालोपहितानि सात्म्यान्यत्युष्णतीक्ष्णानि यथौषधानि RasRaSa. 30. 107.

अदेशज (adeśa-ja) *adj.* grown at an improper place कर्कशं परिजीर्णं च कृमिजुष्टमदेशजम्। वर्जयेत् पत्रशाकम् SuśruS. i. 46. 297; अकालिकैरदेशजैर्व्यञ्जनैः फलादिभिश्चित्रीयमाणमानसः PrabaCin. 34. 23.

अदेशज्ञ (a-deśajña) *adj.* not acquainted with the region ततोऽनेन योगाचारन्यायेन सुदूरमाकृष्य रक्षसामङ्कमुपनीतस्य विन्ध्यकान्तारेष्वदेशज्ञस्य विचरतः सुकराण्यवस्कन्दनानि स्युः MahāviC. 4. 1(16)

अदेशज्ञानवत् (adeśajñāna-va(n)t) *adj.* having no knowledge of the place अपि च नाम मनुष्या अदेशज्ञानवन्तो नित्यमेव देशज्ञं दैशिकमन्वयुः KāśyaS. 62A. 8.

अदेशत्व (adeśa-tva) *n.* **i** the state of not having the dimension of space यदि तावद्देशविशेषे प्रतिषिद्धः स आत्मनि न युक्तः, अदेशत्वादात्मनः NyāyVār. 339. 16 (*on* iii. 1. 1); देशवतां संयोगानामस्तु समानदेशता न तु परमाणूनामदेशत्वात् TātpaṬ.(Vā.) 651. 16 (*on* iv. 2. 24); न च निरवयवस्य परमात्मनोऽसंसारिणः संसार्येकदेशकल्पना न्याय्या स्वतोऽदेशत्वात्परमात्मनः BṛĀraUBh. 261. 5 (*on* ii. 1. 20); **ii** the state of being different from the substratum नं च स्थाणौ देशविशेषविषयौ संयोगविभागौ संयोगमात्रस्यादेशत्वात् BhāvanāVi. 53. 1.

अदेशभाज् (a-deśabhāj) *adj.* having no place देशः कोऽपि न भासेत यदि तर्ह्यस्त्वदेशभाक्। सर्वदेशप्रक्लृप्त्यैव सर्वगत्वं न तु स्वतः PañcDa. 10. 21.

अदेशभाषा (a-deśabhāṣā) *f.* not the local language (उत्तराभासाः) अदेशभाषयोक्तं चाप्रसिद्धमित्यर्थः SmṛtiCan. iii. 99. 16.

अदेशभाषाभिधान (adeśabhāṣābhidhāna) *n.* experssion of a language not that of the country अदेशभाषाभिधानेन वा यथा···अत्र गृहीतशतस्य पितुर्वचनात् सुवर्णानां शतं गृहीतमिति न जानामीति व्याख्यागम्यत्वम् VyavaNi. 58. 16.

अदेशयुक्त (a-deśayukta) *adj.* not suitable to the place अदेशयुक्तो वेषो हि न शोभां जनयिष्यति NāṭyaS'ā. 21. 73.

अदेशवाचित्व (adeśavāci-tva) *n.* the state of not being expressive of a region तैर्थं इति। ··· अदेशवाचित्वे त्वायस्थानठक् प्राप्तः LaS'abdeS'e. ii. 271. 7.

अदेशवाचिन् (a-deśavācin) *adj.* not expressing a region 'एङ् प्राचां देशे' इति वृद्धसंज्ञकः काश्यादिभिः साहचर्यादित्यदेशवाचिनः च्छ एव भवति PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 1. 73.

अदेशविषय (a-deśaviṣaya) *adj.* not related to a country or place शार्करं मधु। अदेशविषयमिदम् Prasā. i. 890. 19.

अदेशस्थ (adeśa-stha) *adj.* **i** situated in a wrong place अदेशस्थं हि ते स्थानमिति व्याधोऽब्रवीद् द्विजम् MahāBhā. iii. 198. 15; **ii** (a-deśastha) having no local habitation न ह्यरूपिणां धर्माणां स्थानमस्ति। अतीतानागताविज्ञप्त्यरूपिणो हि धर्मा अदेशस्था इति नियमः AbhidhKoBh. 112. 2 (*on* 3. 3); **iii** not staying in (one's own) realm अदेशस्थो हि रिपुणा स्वल्पकेनापि हन्यते। ग्राहोऽल्पीयानपि जले गजेन्द्रमपि कर्षति Hitopa. 4. 48; अदेशस्थो बहुरिपुर्युक्तः कालेन यश्च सः। ··· एतैः सन्धिं न कुर्वीत विगृह्णीयात्तु केवलम् NitiSā. 9. 27; SūktiRa. 134. 4.

अदेशस्पर्श (adeśa-sparśa) *m.* touching at an improper place अदेशस्पर्शस्य ··· यत्र विनैव तत्स्पर्शनं गमनागमनादि संसिध्यति। महाजनसंकुले न दोषः। शरीरावयवोऽपि देशः ManuBh. ii. 220. 11 (*on* 8. 358)

अदेशात्मक (a-deśātmaka) *adj.* not having a spatial dimension एतदेवास्य स्वमसाधारणं लक्षणं यद्देशतोऽननुगमेनादेशात्मकस्य परमार्थत्वम्, कालतोऽननुगमेन च क्षणिकत्वम् TātpaṬ.(Vā.) 17. 24 (*on* i. 1. 1)

अदेशात्मकत्व (adeśātmaka-tva) *n.* the state of not having a spatial dimension विज्ञानवादे विज्ञानातिरिक्तदेशानभ्युपगमादमूर्तत्वाच्च विज्ञानानामदेशात्मकत्वात् Bhām. 442. 21 (*on* ii. 2. 28); विज्ञानानामदेशात्मकत्वेन दूरत्वानुपपत्तेः TātpaṬ.(Vā.) 659. 1 (*on* iv. 2. 33)

अदेशान्तर (a-deśāntara) *n.* not another place, the same place सजातीयकरः शब्दो गुणत्वाच्चेन्द्रियादिवत् । अशब्दारम्भकस्तद्वत्स्याददेशान्तरे तथा S'lokaVār. 6. 103 (756. 8)

अदेशान्तरस्थ (a-deśāntarastha) *adj.* not found at another place (i. e. existing in the same place) गते च तस्मिन् पूर्वोपस्थित इषुमादाय प्रत्यागतो यद्युदकस्थितं मग्नाङ्गमदेशान्तरस्थं च पश्येत्ततः शुद्धिमाप्नुयात् BālaKrī. i. 238. 19 (*on* 2. 113)

अदेशार्थ (a-deśārtha) *adj.* meant for (something) other than a place अदेशार्थोऽयमारम्भः क्षीरपाणमिति Nyās. iii. 1110. 19 (*on* viii. 4. 10); CāndraVyā. iii. 2. 41.

अदेशिक (a-deśika) *adj.* [*f.* –ā] without a guide अदेशिका महारण्ये ग्रीष्मे शत्रुवशं गता । यथा न विभ्रमेत्सेना तथा नीतिर्विधीयताम् MahāBhā. iv. 42. 22; (युध्येत) नान्धमदेशिकमिति ArthS'ā. iii. 38. 7 (8. 5); (वैद्यः) अदैष्टिकः (v. l. अदेशिकः) कृपामुक्तो लुब्धो गुरुविवर्जितः RasRaSa. 7. 27; अदेशिकं स्मृतं ह्यन्धं तन्मूढत्वात्क्रियाक्षमम् NitiSā. 14. 91; अपाथेयमदेशिकम् । मृतः कान्तारमध्वानं कथमेको गमिष्यसि PadmP. iv. 95. 23; तम एव निरालोकममर्यादमदेशिकम् । देवानामप्यविदितम् VāyuP. i. 49. 159; अदेशिके निरालम्बे निमग्नो मकरालये । ... वेतालो विपुलच्छलः BṛKathāMañ. ix. 2. 472.

अदेशिता (a-deśitā) *adj.* (*f.*) not instructed आ(v. l. अ)देशितामप्यवलोक्य मन्दं मन्दं नलस्यैव दिशा चलन्तीम् NaiṣC. 14. 38.

अदेशिन् (adeś-in) *adj.* living in an improper place अदेशिने च यद्दत्तम् ... न चात्मानं तरन्त्येते न दातारम् VṛGautaSm. 509. 3(3)

अदेशोत्तुण्डित (adeśottuṇḍita) *adj.* (with the edge) come out at a wrong place (शल्यम्) अदेशोत्तुण्डितमश्ममुद्गरप्रहारेण विचाल्य यथामार्गमेव AṣṭāSaṁ. i. 182. 18 (1. 37)

अदेशौपयिक (a-deśaupayika) *adj.* which is not a practice of the country देशौपयिकमदेशौपयिकमिति नावगच्छामि । विस्पष्टमभिधीयताम् PādaTā. 20. 1.

अदेश्य (a-deśya) *adj.* **i** who is not present at the spot (of transaction) अदेश्यं यश्च दिशति निर्दिश्यापह्नुते च यः । ...तस्मादर्थात्स हीयते ManuSm. 8. 53; अदेश्यं निर्णयसमयासंभविनं साक्षिणं यो निर्दिशति SmṛtiCan. iii. 108. 19; अदेश्यं यत्र देशेऽधमर्णस्य ऋणग्रहणकाले सर्वदावस्थानं न संभवतीति निर्दिश्य ... अपनयति ManvaMu. 298. 30 (*on* 8. 53); **ii** not belonging to the country उच्चोरस्कानपत्याश्च अदेश्यास्तेऽपि गर्हिताः BṛParāSm. 6. 171; **iii** not to be stated or mentioned संबन्धमात्रेणैव महति वाणौ च विषयभेदानुविधायी प्रत्यय उपजायते तस्माददेश्यमेतत् NyāyVār. 37. 5 (*on* i. 1. 4); 445. 8 (*on* iii. 2. 67); अदेश्यम् अनुपयोगासभ्यत्वादिना निर्देशानर्हम् VīraMi. (Vyavahāra.) 74. 15.

अदेह (a-deha) *adj.* [*f.* –ā] having no body, having a defective body, unembodied एष च त्वां सुतो मातर्दास्यत्वान्मोक्षयिष्यति । यद्येनमपि ... न करिष्यस्यदेहं वा व्यङ्गं वापि तपस्विनम् MahāBhā. i. 14. 19; अदेहे ह्यात्मनि प्राज्ञो ममैतदिति मन्यते ViṣṇuP. vi. 7. 14; (भक्ताः) ह्यदेहाश्च भवन्ति ते । मत्प्रसादात् MatsyaP. 183. 57; देहाभिमानिनो दुःखं नादेहस्य स्वभावतः UpadeSā. 194. 5; (आत्मा) स्वतस्त्वकरणोऽदेहो निर्गुणोऽभेद एव च BṛĀraUBhVā. iii. 7. 37; तमदेहमथो दृष्ट्वा ब्रह्माणमवदच्च सः SkandP. v(1). 4. 23; (परमात्मा) अदेहः स स्पृशत्येतत् BhaviP. 578A. 17 (iii(4). 16. 62); (राम) देहद्वयमदेहस्य तव विश्वं रिरक्षिषोः AdhyāRā. vi. 14. 30; सदेहा वास्त्वदेहा वा मुक्तता विषये न च YogVā. ii. 4. 2; प्राप्ता ज्ञानदशामेतां पशुम्लेच्छादयोऽपि ये । सदेहा वाप्यदेहा वा ते मुक्ता नात्र संशयः YogVā. iii. 118. 22 = S'ārṅgaPa. 4253; (राम) अदेहो देहजैरेभिर्लज्जादिभिरसन्मयैः । किं मूर्ख इव दुर्बुद्धिर्विकल्पैरभिभूयसे YogVā. iii. 122. 40; मुक्तस्य तस्य शरीरपातः स्यादिति कथमदेहः प्रकृतिं पश्येत् SāṁkhyaTaKau. 491. 5 (*on* 67); इयाज्जेतुं यस्य त्रिभुवनमदेहस्य विभवः । स वः कामः कामान् दिशतु SubhāRaK. 14. 9 = SaduktiKa. 65. 26 = Subhāṣi. 82; (कर्ता) अदेहश्चेदसर्वज्ञः शिलाकाष्ठादिवत्सदा AnuVyā. 32B. 1 (*on* 2. 2); अदेहस्य जगत्सर्गे प्रवृत्तिरपि नोचिता VītaRā. 7. 2; अदेहानां सुप्तप्रलीनानां चादर्शनात् NyāySu. (Ja.) 419A. 3 (*on* iii. 2. 11)

अदेहक (adeha-ka) *adj.* having no body अपृथ्व्यादिमयो भाति व्योमाकृतिरदेहकः (स्वात्मभूः) YogVā. iii. 3. 18.

अदेहतस् (adeha-tas) *adv.* because of not having a body अदेहतोऽजरोऽमृत्युरस्वान्तोऽमोहशोकवान् (आत्मा) BṛĀraUBhVā. i. 4. 1379.

अदेहता (adeha-tā) *f.* the state of not having a (complete) body, trunklessness प्राह राहुरदेहताम् । दंष्ट्रांशुपटलस्पर्शपटेनाच्छादयन्निव DaśāvaC. 5. 42.

अदेहत्व (adeha-tva) *n.* the state of having no body or a complete body अण्डविभेदनात् । न करिष्यस्यदेहं वा (v. l. °स्यदेहत्वात्) MahāBhā. i. 14. 19; बुद्धानाममले धातौ नैकता बहुता न च । आकाशवददेहत्वात्पूर्वदेहानुसारतः MaYānaSū. 38. 19 (9. 26); न प्रियाप्रिय इत्युक्तेः नादेहत्वं क्रियाफलम् UpadeSā. 240. 4; अदेहत्वादपि ह्यन्ये ब्रूयुः सर्वज्ञमीश्वरम् AnuVyā. 33A. 6 (*on* 2. 2); 69A. 8 (*on* 4. 2); अदेहत्वे च न सात्मकत्वं शिलावत् NyāySu.(Ja.) 416B. 9 (*on* ii. 2. 10); अदेहत्वम् ... प्राकृतशरीरराहित्यमेव NyāySu.(Ja.) 635A. 3 (*on* 4. 2); पत्युर्जगत्कर्तृत्वसंबन्धो नोपपद्यते अदेहत्वादेव GoviBh. 139. 6 (*on* ii. 2. 38)

अदेहत्ववादिनी (adehatva-vādinī) *adj.* (*f.*) expressing the state of having no body or trunklessness अमानत्वाच्छ्रुतेस्तस्य न चादेहत्ववादिनी (श्रुतिः) AnuVyā. 69A. 8 (*on* 4. 2)

अदेहबन्ध (a-dehabandha) *m.* freedom from bodily confinement मृगैरजर्यं जरसोपदिष्टमदेहबन्धाय पुनर्बबन्ध RaghuVa. 18. 7; गङ्गे । ... मह्यमदेहबन्धाय पयः प्रयच्छ SaduktiKa. 28. 30.

अदेहभेद (a-dehabheda) *m.* absence of a change in the body अदेहभेदेऽप्याक्रान्तचित्रजन्मान्तरौ च तौ । न पित्रोरेव लोकस्याप्युत्सवाय बभूवतुः KathāSaSāg. v. 2. 266.

अदेहमुक्तत्व (adehamukta-tva) *n.* the state of being liberated without the body (i. e. after death) जीवन्मुक्तपदं त्यक्त्वा देहे कालवशीकृते । विशत्यदेहमुक्तत्वम् YogVā. iii. 9. 14 = MahāU. 2. 63.

अदेहमुक्तित्व (adehamukti-tva) *n.* the state of having liberation without the body (i. e. after death) जीवन्मुक्तिपदं त्यक्त्वा स्वदेहे कालसात्कृते । विशत्यदेहमुक्तित्वम् SarvaVeSāSaṁ. 979.

अदेहयोगिन् (adeha-yogin) *adj.* having no connection with the body नादेहयोगिनो दृष्टिरिति तत्कारणं स्वतः AnuVyā. 16A. 7 (*on* 1. 4)

अदेहरागादृष्टि (adeha-rāgādṛṣṭi) *f* non-seeing (i. e. absence) of the desire in one having no body अदेहरागादृष्टेश्च देहाद्रागसमुद्भवः । निमित्तोपगमादिष्टमुपादानं तु वार्यते PramāVār. 2. 187 (comm. अदेहस्य रागादृष्टिः)

अदेहरूप (a-deharūpa) *adj.* not being of the form of the body अदेहरूपे भूतभेदे श्रुतिर्नावकल्पते VedāntKa. 555. 3 (*on* iv. 4. 15)

अदेहवाच् (adeha-vāc) *f.* voice without a bodily source अदेहवाचा यत्प्रोक्तं तत्सर्वम् ... सः (व्यासाय श्रावयामास) SkandP. iii(1). 18. 98.

अदेहस्थ (a-dehastha) *adj.* not existing (*lit.* residing) in the body देहस्थोऽपि न देहस्थो विद्वान् स्वप्नाद्यथोत्थितः । अदेहस्थोऽपि देहस्थो कुमतिः स्वप्नदृग्यथा BhāgP. xi. 11. 8.

अदेहहेतुभेद (adehahetu-bheda) *m.* difference of (the elements which are) the cause and (which are) not of the form of a body श्रुतिर्विदुषो नानाभावमाचक्षमाणा भिन्नशरीरेन्द्रियोपाधिसंबन्धेऽवकल्पते । नादेहहेतुभेदे Bhām. 761. 2 (*on* iv. 4. 15)

अदेहांश (a-dehāṁśa) *m.* not a part of the body अदेहांशार्थः पाठः CāndraVṛ. *on* iii. 3. 17; नाभेर्नभ् चादेहांशात् SiddhaHe. vii. 1. 31.

अदेहित्व (adehi-tva) *n.* the state of not being a possessor of the body अदेहित्वात् ... निषेध्या वर्ष्मणश्रितिः ĀtmaSi. 12. 13.

अदेहिन् (a-dehin) *adj.* [*f.* –inī] **i** having no body मोक्षं योगमथैश्वर्यं सूक्ष्मदेहमदेहिनाम् BrahmāṇḍP. ii. 10. 114; गुणैर्न बध्यतेऽदेही (परमात्मा) BhāgP. xi. 10. 35; वन्देऽहमशीतरश्मिं दत्ते नवं देहमदेहिनां यः Surath. 1. 26; **ii** not coming from a bodily source वाक् कस्यादेहिनी जाता VāmaP. 59. 9.

अदेहोपाधिक (adehopādhi-ka) *adj.* not having the body as the limiting adjunct तथा अन्त्यपरिमाणं मोक्षावस्थावस्थितम् अदेहोपाधिकं नित्यतया पूर्वमपि सत् स्यात् S'rutaPra. ii. 311. 7 (*on* ii. 2. 34); तत्परिमाणस्य ... अदेहोपाधिकस्य नित्यत्वात् S'ivārkaMaDī. ii. 104. 32 (*on* ii. 2. 34)

अदैतेय (a-daiteya) *m.* other than a demon (i. e. god) दैतेयाश्चाप्यदैतेयाः ...। युद्धायैव प्रतिष्ठन्ति HariVaṁ. 11931 (Calcutta Ed.)

अदैत्य (a-daitya) *adj.* **i** devoid of a demon अदैवतमदैत्यं वा लोकं द्रक्ष्यन्ति मानवाः MatsyaP. 139. 13; **ii** other than a demon कृष्णनिष्ठं स्वरूपं स्याददैत्यैः सुगमं जनैः UjjvaNiMa. 403. 3.

अदैत्यरूपिन् (a-daityarūpin) *adj.* not having the form of a demon (i. e. having the form of a god) तदा तदमृतं तस्मै दैत्यायादैत्यरूपिणे । दत्त्वा ... सोमो विष्णवे तन्न्यवेदयत् BrahmP. 106. 29.

अदैत्यैधिन् (a-daityaidhin) *adj.* not supporting the demons अदैत्यैधी (चण्डधामा) SaraKaṇṭhā. 286. 5.

अदैन्य (a-dainya) *n.* absence of wretchedness or misery अदैन्यमनुदीर्णत्वम् ...। एष मार्गो हि मोक्षस्य MahāBhā. xii. 266. 18 = BrahmP. 237. 57; शौर्यं सुदाक्ष्यं व्यसनेष्वदैन्यम् उत्साहसम्पत्स्वतिधीरता च NītiSā. 16. 33; अदैन्यासाङ्गवैराग्यपरीषहकृते कृतः । अत एव यतीशानां केशोत्पाटनसद्विधिः Yaśas-

Cam. ii. 282. 3; येनादैन्यं स्वसैन्यं कथमपि दधता EI. ii. 121. 14; अदैन्यादनतिक्लेशाद् ब्राह्मणो धनमर्जयेत् S'ivaP. i. 13. 64; वृत्तावदैन्यं च किञ्चिदाश्चर्यकारि येषां योगिनामिव वायुराहार: UdaySuKa. 94. 2; सतामदैन्यं वदनस्य शोभा CaturSaṁ. 1. 25; 4. 24; **अदैन्यात्** (a-dainyāt) [Abl.] so as not to produce misery (क्षीरम्) कुर्यादनडुहोऽदैन्याद् दैन्यात् तु नरकं व्रजेत् BṛPārāSm. 5. 75; *adj.* free from wretchedness or misery भिक्षाहारमदैन्यम् ... शंसन्ति योगीश्वरा: S'atTrayī. 290; अदैन्यमव्याकुलमप्रमेयम् ।... मोक्षमुदाहरन्ति VarāṅgaC. 10. 6; नरपते: ... अदैन्यं दानम् NalaCam. 7. 10 (22); अथादैन्य: परिभ्राम्यन्प्रापमेकमहं पुरम् KathāSaSāg. xiv. 4. 78; दिनै: कतिपयै: सैन्यमदैन्य: संन्यवेशयत् (नल:) MalliC. 6. 538.

अदैन्यद (adainya-da) *adj.* causing absence of wretchedness वस्त्राभरणभोज्यादि तेषां सत्पारितोषिकम् । ददावदैन्यदं दानमनादीनवचेतन: PrabhāC. 207. 13.

अदैन्यधन्यमनस् (adainyadhanya-manas) *adj.* whose mind is free from wretchedness and is happy उचितैरेव वचनै: काव्यमायाति चारुताम् । अदैन्यधन्यमनसां वदनं विदुषामिव AuciViCa. 22.

अदैन्यधवल (adainya-dhavala) *adj.* spotless on account of the absence of a miserable condition अभोगसुभगा भूतिरदैन्यधवलं कुलम् । अदर्पविशदा विद्या भवत्युन्नतचेतसाम् DarpDa. 1. 31.

अदैन्यपुण्यमनस् (adainyapuṇya-manas) *adj.* whose mind is free from wretchedness and is meritorious अदैन्यपुण्यमनसां यशस्तेषां विराजते । सेवापङ्ककलङ्कानां यैन पात्रीकृतं शिर: SevyaSev. 10.

अदैन्यभू (adainya-bhū) *f.* place free from wretchedness तत: सर्वर्द्धिसामग्र्या सैन्यमा(? म)न्यमदैन्यभू: । अवन्तिनायक: सज्जयित्वास्याभिमुखोऽचलत् PrabhāC. 154. 34.

अदैन्यभैक्ष (a-dainyabhaikṣa) *n.* alms collected without miserableness चिन्ताशून्यमदैन्यभैक्षमशनम् ... विदां क्रीडा परे ब्रह्मणि ViveCū. 540.

अदैन्यम् (a-dainyam) *adv.* without stinginess सापि सुधाघटमादाय स्वसद्मोपेत्य तेन तन्मृन्मयं सैन्यमदैन्यमभ्युक्षामास PrabaK. 68. 10 = TīrthaKa. 60. 18.

अदैन्यमेदुर (adainya-medura) *adj.* free from wretchedness and comfortable तत्खल्वदैन्यमेदुरमवाप्तोऽसि पदं कवीन्द्राणाम् UdaySuKa. 152. 29.

अदैन्यलभ्या (adainya-labhyā) *adj.* (*f.*) obtainable without miserableness वित्तान्धदुर्मुखनिरीक्षणभीतिभाजां भिक्षा वरं प्रतिनिकेतमदैन्यलभ्या BhikṣāKā. 11. 5.

अदैन्यव्रत (adainya-vrata) *n.* the vow of noble behaviour व्रतमिदमदैन्यव्रतम् ... कियद् वा वक्ष्यामो वटविटप एवास्तु दयिता S'atTrayī. 299.

अदैन्यसुलभा (adainya-sulabhā) *adj.* (*f.*) easily obtained without miserableness प्रतिगृहमदैन्यसुलभे निरीहमातर्दरिद्रकल्पलते ।... भगवति भिक्षे नमस्तुभ्यम् SūktiRa. 200. 28.

अदैन्यार्हा (a-dainyārhā) *adj.* (*f.*) not deserving miserableness ततो दीनामदैन्यार्हां ददर्श धनदानुज: । (जनकात्मजाम्) Rāmā. vi. 22. 10.

अदैन्योदारचेतस् (adainyodāra-cetas) *adj.* with a magnanimous mind free from meanness अदैन्योदारचेतसां विदुषामिव वदनम् AuciViCa. 22 (1)

अदैर्घ्यसूत्र्य (a-dairghyasūtrya) *n.* absence of procrastination सद्गुरो: पादसेवात: ... अदैर्घ्यसूत्र्यमक्षौद्र्यं नात्यगाधाशयात्मता TantrRā. 36. 75 (comm. अदैर्घ्यसूत्र्यम् अचिरक्रियत्वम्)

अदैव (a-daiva) *n.* **i** absence of destiny कस्य वाचा ह्यदैवं स्यात् MahāBhā. xiii. 6. 25 (Nila. अदैवं दैवाभाव:); हनुमति कृतप्रतिज्ञे दैवमदैवं यमोऽप्ययम: S'ārṅgaPa. 3989; **ii** other than a divinity or god अदैवं दैवतं कुर्युर्दैवतं चाप्यदैवतम् MahāBhā. xiii. 33. 16; iii. 62. 14; कोऽस्य शापान्न बिभेति ... । अदैवं दैवतं कुर्यात् दैवं चाप्यपदैवतम् MatsyaP. 185. 31; AgniP. 221. 17; ViṣṇuDhaP. ii. 32. 14; अदैवं दैवतं कुर्यु: ... द्विजा: S'ārṅgaP. 1315; Subhāṣi. 2835; *adj.* **i** which has no place for a divinity or god (in it); not pertaining to a god (श्राद्धम्) अथैकोद्दिष्टम् । अदैवम् GautPiMe. ii. 6. 2; अदैवं भोजयेच्छ्राद्धम् ManuSm. 3. 247 (comm. वैश्वदेवब्राह्मणभोजनरहितम्); दैवपूर्वं तु यत् श्राद्धमदैवं चापि यद्भवेत् LikhiSm. 47; LaHārīSm. 79; सपिण्डीकरणं यस्य कृतं न स्याद्विजन्मन: । अदैवं तस्य देयं स्यात् पिण्डमेकं तु निर्वपेत् BṛParāSm. 7. 138; नित्यश्राद्धमदैवं स्यात् BṛhaspaSm. 331. 38; श्राद्धम् ... अदैवं तद्विजानीयात्पार्वणं पर्वसु स्मृतम् MatsyaP. 16. 6; वर्तमानकालविषयाणि च इन्द्रियाणि अतो अदैवानि तानि ChāndoUBh. 544. 17 (*on* viii. 12. 5); स्तम्भकुम्भलतैर्वं स्यात् ...। द्वारायां तु प्रकर्तव्या दैवेऽदैवे(? देवे)निकेतने MayaMa. 21. 83; cf. 118. 20; (श्राद्धम्) तदानीमदैवं वैश्वदेवरहितं कर्तव्यम् CaturCin. iii(1). 138. 4; द्विंत्रिंशं (? द्वात्रिंशत्)स्यात्कुण्डमानमदैवे तस्य कीर्तितम् BhaviP. 343B. 18 (ii(1). 19. 10); VīraMi. (Āhnika) 431. 11; नान्दीश्राद्धे भिन्नप्रयोगपक्षे मातु: श्राद्धमदैवमिति हेमाद्रि: NirṇaSi. 280. 15; **ii** not favoured by destiny उत्थानं चाप्यदैवस्य ह्यनुत्थानस्य दैवतम् । व्यर्थं भवति सर्वत्र पूर्वं कस्तत्र निश्चय: MahāBhā. x. 2. 6 (Nīla. न दैवं विद्यते यस्य)

अदैवकृत (a-daivakṛta) *adj.* [*f.* -ā] not caused by destiny or luck न ह्यदैवकृतं किंचिन्नराणामिह विद्यते MahāBhā. iii. 62. 14; कार्यारम्भे सहायास्ति दैवादैवकृतेह या SaraKaṇṭhā. 360. 20; 361. 6; 362. 5; *m.* name of a division of the figure of speech *samāhita* (*lit.* not caused by destiny or luck) सोऽयमाकस्मिक: स्वबुद्धिपूर्वकश्च तत्सहकारिकारणत्वाद्दैवकृतश्च समाहितभेद: SaraKaṇṭhā. 363. 5.

अदैवत (a-daivata) *n.* other than a god स जंभो निहत: ... विष्णुना । अशक्नुवत्सु देवेषु परं सोऽहमदैवतम् BrahmāṇḍP. ii. 72. 81; (ब्राह्मणा:) अदैवं दैवतं कुर्यु: कुर्युर्दैवमदैवतम् AgniP. 222. 17; ViṣṇuDhaP. ii. 32. 14; (देवदेव:) स किमस्माभिरदैवतैरनर्च्य: Yādavā. 15. 64; Subhāṣi. 2835; *adj.* **i** devoid of gods अदैवतमदैत्यं वा लोकं द्रक्ष्यन्ति मानवा: MatsyaP. 139. 13; **ii** not devoted to god अतन्त्रज्ञैरदैवतै: । दूषकै: ... न कुर्याद्व्यसंगतिम् KulārT. 8. 8; S'ārṅgaPa. 1521.

अदैवतशेषत्व (adaivataśeṣa-tva) *n.* the state of not being the remaining portion of an oblation offered to a divinity अपूर्वाध्यूष्यदैवतशेषत्वादिडाभक्षे न प्राप्ता S'ābaBh. 2029. 10 (*on* x. 7. 12)

अदैवताहृत (a-daivatāhṛta) *adj.* not partaken by a divinity इदं हि मुक्त्वा शुचि शामिकं सुखं न मे मन: कांक्षति कामजं सुखम् । महार्हमप्यन्नमदैवताहृतं दिवौकसो भुक्तवत: सुधामिव Saund. 18. 44.

अदैवत्य (a-daivatya) *adj.* not related to a god अदैवत्यमिदं श्राद्धं दरिद्राणां सुखावहम् SkandP. vi. 216. 121.

अदैवत्व (adaiva-tva) *n.* the state of being not pertaining to a divinity अदैवत्वादिति देवकर्मशून्यत्वात् Aparā. 85. 6 (*on* 1. 54)

अदैवबाह्य (a-daivabāhya) *adj.* not outside the divine circle, considered (as one) among the gods अहरदोऽस्तु ... पर्व । अदैवबाह्ये त्वयि देव (सति) DvyāśraKā. 16. 69.

अदैवादिक (a-daivādika) *adj.* not belonging to the class of roots *div-* etc. भिद्धातोर्नान्योन्याभावोऽर्थ: ... भिद्यते पट इत्यादिप्रयोगानुपपत्तेश्च, कर्तरि यगात्मनेपदासंभवात् अदैवादिकाच्च न श्यन्संभव: VyutpaVā. 183. 28.

अदैवादिकत्व (adaivādika-tva) *n.* the state of not belonging to the class of roots *div-* etc. अदैवादिकत्वात् खिदे: KāvyālaṅSū. v. 2. 6.

अदैविक (a-daivika) *adj.* **1** not caused by fate or destiny नादैविकमिदं मन्ये यत्र पार्थो धनंजय: । भीमधन्वा महाबाहुरास्ते शान्त इवानल: MahāBhā. iv. 19. 16; **2** (a rite or ritual) not addressed to a deity पार्वणोक्तविधानेन त्रिदैवत्यमदैविकम् । प्रेतमुद्दिश्य कर्तव्यमेकोद्दिष्टं च पार्थिव SkandP. vi. 225. 16.

अदैशिक (a-daiśika) *adj.* **1 A** having no guide, unguided अदैशिको यथा सार्थ: सर्वे पापं समश्नुते MahāBhā. vii. 40*(1); **1 B** having (i. e. believing in or following) no (spiritual) teacher ... न । उपदेष्टु: स्वाभिप्रायप्रकाशनेन संप्रदायसंभवात् । न हि अयमदैशिकानां संभवति PramāVāSvopVṛ. 112. 20; **2** not restricted to a particular region or location, all-pervading तम एव निरालोकममर्यादमदैशिकम् BrahmāṇḍP. i. 19. 167.

अदैशिकम् (a-daiśikam) *adv.* without a guide अविश्रान्तमनालम्बमपाथेयमदैशिकम् । तम:कान्तारमध्वानं कथमेको गमिष्यसि MahāBhā. xii. 316. 34.

अदैष्टिक (a-daiṣṭika) *adj.* [cf. KāśiVṛ. *on* P. iv. 4. 60] not believing in instructions, not lucky अदैष्टिक: कृपामुक्तो लुब्धो गुरुविवर्जित: । कृष्णरेखाकरो वैद्यो दग्धहस्तो विवर्जित: RasRaSa. 7. 27.

अदोअदस् (adó-adas) *adj.* such and such (a thing, person or action) यद्‌दोअदो अभ्यगंछम् ... तस्मादिनमवं दये AV. xvi. 7. 9.

अदोग्धृ (a-dogdhṛ) *adj.* not exacting a reward in return (*lit.* not milking) तत: श्रेयान् स्वकमैकृत् । मुक्तसङ्गस्ततो भूयानदोग्धा धर्ममात्मन: BhāgP. iii. 29. 32 (Padaratnāvalī आत्मन: स्वस्य धर्मं न दोग्धा भवत्प्रसादमन्तरेण कर्मफलमनाकाङ्क्षमाण:)

अदोजनिवस् (ado-janivas) *adj.* produced in that (i. e. growing in the celestial garden and the river Gaṅgā) अभिधानमर्थवददोजनुषोरजनिष्ट भूमिरुहपङ्कजयो: Acyutarā. 5. 19.

अदोत्री (a-dotrī) *adj.* (*f.*) not causing pain or affliction शोकत्रीमदोत्रीं दवितासि किं माम् ... उपालब्ध तं श्रीनवितारमन्या DvyāśraKā. 10. 38.

अदोद्वन्द्व (ado-dvandva) *n.* a pair of these (finger-breadths) तदेकांशकम् । तालं तन्निहिरांशमङ्गुलमदोद्वन्द्वं कलां गोलकं चाहु: TantrSa. 2. 86.

अदोऽन्वय (ado'nvaya) *adj.* having such and such a lineage ब्राह्मणपुत्रः अदोन्वयः ब्रह्मचार्यासिम् UpadeSā. 17. 10.

अदोभू (ado–bhū) *adj.* produced from it (i. e. tree) आकलय्य कलहं मिथो रुषा प्रापयेत्पटुररीन्पराभवम् । व्यञ्जयन् व्यतिहतीरदोभुवा वह्निनेव पवनो वनद्रुमान् Acyutarā. 4. 51.

अदोमद (a–domadá) *adj.* [a + doman + da] giving no trouble, causing no inconvenince, uninjurious तत्ते वि ष्याम्यायुषे वर्चसे बलायादोमदमन्नमद्धि प्रसूतः AV. vi. 63. 1.

अदोमध (a–domadhá) *adj.* [w. r. for *adomada?*] giving no trouble, causing no inconvenience, uninjurious शिवौ तें स्तां व्रीहियवावबलासावदोमधौ AV. viii. 2. 18; = AV. (P.) xvi. 4. 8 (But Sāy. reads *adomadhū* and explains as उपयोगानन्तरं मधुरौ)

अदोमय (ado–máya) *adj.* comprising that (viz. what is beyond perception but subject to inference) स वाऽअयमात्मा । ... सर्वमयस्तद्यदेदंमयोऽदोमय इति S'atBr. XIV. vii. 2. 6; अयम् अदोमयः अद इति परोक्षं कार्येण गृह्यमाणेन निर्दिश्यते BṛĀraUBh. 613. 13 (*on* iv. 4. 5)

अदोमयता (adomaya–tā) *f.* the characteristic of comprising that (which is beyond the range of perception) इदमित्येव यत्साक्षात्किंचित्कर्मोपलक्ष्यते । परोक्षं भावनारूपं तेनादोमयतेष्यते BṛĀraUBhVā. iv. 4. 189.

अदोमयत्व (adomaya–tva) *n.* the characteristic of comprising that (which is beyond the range of perception) अदोमयत्वं लिङ्गं स्याल्लिङ्गेनेदंमयात्मना BṛĀraUBhVā. iv. 4. 193.

अदोमयात्मन् (adomayātman) *m.* the self comprising that (which is beyond the range of perception) इदंमयेन लिङ्गेन संबन्धोऽदोमयात्मनः BṛĀraUBhVā. iv. 4. 190

अदोमूर्धन् (ado–mūrdhan) *m.* head of that (demon) वध्यन्तेऽस्त्रपपुङ्गवाः प्रतिभयाभोगैः प्लवङ्गाधिपैर्वध्यन्ते च वितर्दिकाः प्रतिदिशं कृत्तैरदोमूर्धभिः MahāvīC. 6. 24 (170. 11)

अदोमूला (ado–mūlā) *adj.* (*f.*) rooted in (i. e. depending on) that (the wish – fulfilling cow named *Śabalā*) अदोमूलाः क्रियाः सर्वा मम राजन्न संशयः । ... न दास्ये कामदोहिनीम् Rāmā. i. 52. 24.

अदोरूप (ado–rūpa) *n.* beautiful form अदोरूपम् । ... अदोरूपशब्दो रूपप्रशंसायाम् GaṇRa. 7. 410 (435)

अदोलम् (a–dolam) *adv.* undoubtedly मुदा रतासौ रमणी यता यां स्मरस्यदोऽलं (? °दोलं) कुरुतेन वोढा Kāvyālaṅ.(Ru.) 3. 14.

अदोलातोलचित्त (adolātola–citta) *adj.* having a firm view or mind अदोलातोलचित्तः सोऽप्रमाः कुम्बाश्च लङ्घयन् । ...प्राप नदीं ब्राह्मीमवेदनः Dvyāśraकā. 13. 14.

अदोवचस् (ado–vacas) *n.* his word प्रलपत्वतिभीलुकः पितृव्यो बधिरः स्यास्त्वमदोवचःसु राजन् Rāgh. 15. 62.

अदोवत् (ado–vat) *adv.* like that (cause) अदोवत् कार्यमप्येतत् पूर्णमेवावसीयताम् BṛĀraUBhVā. v. 1. 40.

अदोव्यथा (ado–vyathā) *f.* their sorrow कुण्ठितेषु ... स्मरः कोरकेष्वयुतभेदनादिव । आददे पुनरदोव्यथाकृते हल्लकाम्बुजमुखाञ्छिलीमुखान् Acyutarā. 4. 36 (comm. अमीषाम् ... दुःखनिमित्तम्)

अदोव्यवस्था (ado–vyavasthā) *f.* this arrangement अध्वराख्यं ज्ञातं यदर्थमधिदैवमदोव्यवस्थाः BhāgP. iv. 7. 27 (S'rīdhara, Viśvanātha : अमूर्व्यवस्थाः)

अदोष (a–doṣa) *m.* **1** absence of a ritual defect or sin **2** absence of guilt or blame **3** absence of incongruity **4** absence of calamity or inauspiciousness **5** other than a fault, non-fault **6** absence of a literary defect. **1** absence of ritual defect or sin अन्यतरादोषे व्यासिच्य प्रचरेयुः ĀśvaS'S. I. iii. 10. 25; आज्यस्थालीदोषेऽन्यत् ।... अदोषो वा न वै देवाः कस्माच्चन बीभत्सन्त इति श्रुतेः KātyS'S. xxv. 5. 25; कुमारप्रसवे नाडयामच्छिन्नायां गुड° ... °धान्यप्रतिग्रहेष्वदोषः ManuBh. i. 451. 10 (*on* 5. 62) = SmṛtiCan. i. 51. 7 = vi. 11. 4; जातपुत्रस्य त्वगमनेऽप्यदोषः BālaKrī. i. 82. 21 (*on* 1. 79); i. 21. 21 (*on* 1. 7); न मांसभक्षणे कृते अदोषः अपि तु दोष एव ... कथं नादोष इत्याह यतः प्रवृत्तिरेषा भूतानाम् SyādvāMañ. 23 (64); सत्रे तु यजमानत्वादृत्विजामदोषः ManvaVi. 372. 13 (*on* 3. 151); 234. 13 (*on* 2. 187); जले त्वदोषो गाङ्गविषयः NirṇaSi. 45. 17; **2** absence of guilt or blame (ते मोहवशमापन्नाः) भक्ष्याभक्ष्यं च ... दोषादोषं च नात्यजन् MahāBhā. xii. 59. 20; तत् क्षम्यतामदोषाय त्वत्सुतस्त्वन्निपातितः ViṣṇuP. v. 20. 29; म्लेच्छानामदोषः प्रजां विक्रेतुमाधातुं वा ArthS'ā. ii. 80. 4 (3. 13); i. 27. 6 (3. 4); DhūrtaViSaṁ. 24. 3; अजानानः प्रकाशं यः परद्रव्यं क्रीणीयात्तत्र तस्यादोषः ViṣṇuSm. 5. 164; वेश्याकामिनोऽयमदोषः । अन्यतोऽपि परिहार्यः स्यात् KāmSū. 2. 9 (171. 4); यद्येवमदोषो वा पश्यामि तावद् वारणेन्द्रमेव HarṣaC. 102. 7; स्थानावेशेनेह दोषोऽप्यदोषः Kapphiṇā. 20. 35; बहवः पण्डिताः क्षुद्राः सर्वे मायोपजीविनः । कुर्युर्दोषमदोषं वा उष्ट्रे काकादयो यथा PañcT. 1. 115 (109. 14); सन्त्येव पुरुषा लोके स्त्रीप्रधानाः ...। तेषु तासां प्रयोक्तृत्वाददोष इति गृह्यताम् BhaviP. 34B. 5 (i. 12. 56); दृश्यन्ते न भवादृशेषु पतिषु स्वेषामदोषे दमाः SaraKaṇṭhā. 261. 24 = Kāvyānu. (He.) 249. 6; DaivaVya. 2. 4; अदोषः किमयं ब्रह्मन् दण्डेन श्वा हतस्त्वया RāmāMañ. 480. 9; गुणवर्धितोऽपि बहुधादोषार्जितश्रीहरोयः EI. xiv. 299. 16; PrabhāC. 95. 26; [Abl.] inspite of guiltlessness अदोषान्मर्तुमिच्छसि MahāBhā. xii. 173. 9; अदोषाद्दोषाद्वा त्यजति विपिने तां यदि भवान् Padyāvalī of Rūpagosvāmin 297; [Loc.] inspite of guiltlessness रामात्...न भयं विद्यते मम । अदोषे कुपितः किन्तु तीव्रशोककरः सुहृत् RāmāMañ. 196. 16; SmṛtiCan. iv. 323. 10; [Inst.] inspite of guiltlessness किमित्यदोषेण तिरस्कृता वयम् Kirātā. 14. 11; अदोषेण शुभत्यागी BhaviP. 323A. 10 (iii (1). 5. 47); **3** absence of incongruity (logical defect) लीनवस्तुलब्धातिशयसंबन्धाद्वादोषः SāṁkhyaPraSū. 1. 91; उत्पत्तिवद्वादोषः SāṁkhyaPraSū. 1. 123; अदोषोऽनुपधा VaiśeSū. vi. 2. 4; MahāBh. i. 12. 10 (*on* i. 1. 0); तन्त्वंश्वन्तरविभागाद्विभागः ... अङ्गुल्याकाशविभागाच्छरीराकाशविभागवत् तस्मिन्नेव काले कर्म संयोगं कृत्वा विनश्यतीत्यदोषः PadārthaSaṁ. 154. 4; AbhidhKoBh. 356. 13 (*on* 6. 34); स्वार्थहानमदोषः प्राप्तत्वात् S'ābaBh. 1095. 11 (*on* iii. 7. 33) (comm. त्रिदोषत्वमदोषः); 1123. 13 (*on* iii. 8. 20); 1210. 5 (*on* iv. 1. 23); 1224. 3 (*on* iv. 1. 48); तत्र केनचित् कस्यचिद् ग्रहणमित्यदोषः NyāyBh. 87. 8 (*on* ii. 1. 19); वृक्षोऽयमिति संकेतः क्रियते तत् प्रपद्यते । व्यवहारेऽपि तेनायमदोष इति चेत्तरुः PramāVār. 1. 119; SphoṭSi. 26. 2; अवस्थाभेदेऽपि अभिन्नरूपस्य तथा व्यवस्थानात् कथंचिद् भेदस्यापि भावाददोष इति चेत् HetuBiṬ. 84. 21; 35. 2; अवशिष्टवचनत्वेन सर्वलक्षणविषयत्वाददोषः TātpaṬ. (U.) 28. 9 (*on* 1. 123); तथेष्टत्वाददोषोऽयम् NyāyVi. 2. 174; 2. 47; 2. 61; तद्विशेषविवक्षुत्वाददोषः TaiUBh. 202. 7 (*on* 1. 5); व्यक्तिबहुत्वाभिप्रायेण परिप्रश्न इत्यदोषः ChāndoUBh. 12. 17 (*on* i. 1. 4); अश्वस्य पार्श्वाभ्यामेव सर्वदिशां संबन्धाददोषः BṛĀraUBh. 10. 1 (*on* i. 1. 1); 55. 10 (*on* i. 3. 10); वरप्रदानव्यतिरेकेण प्रश्नकल्पनायामदोषः । एवं प्रश्नव्यतिरेकेणापि प्रधानोपन्यासकल्पनायामदोषः स्यात् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 236. 11 (*on* i. 4. 6); अयमप्यदोषः दृष्टान्तभावादेव BrahmSūBh. (S'aṅ.) 300. 14 (*on* ii. 1. 9); BṛĀraUBhVā. ii. 1. 492; i. 4. 1136; तेनायमदोषः मूर्तयोर्नैकदेशः संभवति ManuBh. i. 80. 14 (*on* 2. 23); ii. 150. 19 (*on* 8. 160); मुख्यार्थाभावेऽप्यदोषः TantrVā. 27. 3 (*on* i. 2. 10); S'arka. 11. 2; अदृष्टसापेक्षत्वाददोषः PrakaPañ. 130. 11; वैधर्म्यस्यावचनमित्यदोषः Kāśi. ii. 70. 5 (*on* 5(2). 121); YogBh. 129. 3 (*on* 3. 13); अनध्याहारेणाप्यदोषः TātpaṬ.(Vā.) 104. 20 (*on* i. 1. 2); व्यावृत्तिभेदादयमदोषः ĀtmaTaVi. 34. 5; SaraKaṇṭhā. 660. 10; लक्ष्यत इति लक्षणं संनिवेश इत्यदोषः AbhinBhā. i. 48. 12 (*on* 2. 2); संबन्धः ... न सूत्रकारेण पृथगुक्त इत्यदोषः S'āstrDī. 5. 1 (*on* i. 1. 1); NyāyRaMā. 130. 1; NyāyMa. 18. 6; बहुलग्रहणान्न्यूनाधिकत्वेऽप्यदोषः Kāvyānu.(He.) 384. 24; स्मृतिहेतू ... अनेन संगृहीतावित्यदोषः PramāMī. 22. 15 (*on* i. 1. 29); 4. 14 (*on* i. 1. 3); NyāyKu. 192. 17; श्रयन्तीति वर्तमानान्तं पठन्ति तथाप्यदोषः SyādvāMañ. 19 (78); सौत्रत्वाददोषः PariVṛ. (Sī.) 90. 10; 5. 7; RaseCin. 8. 16 (80. 23); S'atDū. 52. 28; 112. 26; दोषादोषौ तृतीयेऽप्यवरपरगतौ भक्तिरङ्गानि NyāyPari. 481. 11; NyāyMāVi. 116. 20 (*on* iii. 1. 10); 164. 5 (*on* iii. 4. 16); NyāySu.(Ja.) 14A. 12 (*on* i. 1. 1); 27B. 11 (*on* i. 1. 1); 36B. 6 (*on* i. 1. 1); 229B. 6 (*on* ii. 1. 1); चशब्दाददोषः TattvPrakā. 209B. 9 (*on* iv. 2. 12); 'चादिषु च' इति निघातप्रतिषेधो भविष्यतीत्यदोषः Upask. 109. 14 (*on* ii. 2. 6); 86. 8 (*on* ii. 1. 12); व्यासस्यापि भगवज्ज्ञानांशत्वाददोषः AṇuBh. 56. 3 (*on* i. 2. 6); 77. 2 (*on* i. 3. 8); प्रमितत्वादन्योन्यवृत्तिरदोषः Nyāyāmṛ. 563A. 6; 351B. 9; प्रत्यक्षसूत्रस्यायमदोषः YuktiSneha. 60. 5 (*on* i. 1. 3); AdvaiSi. 48. 1; एतस्मादेव ज्ञापकात् क्विन्नपि भवतीत्यदोषः Prasā. ii. 379. 21; प्रतिषेधसूत्रे नास्त्यचोरानन्तर्याश्रयणमित्यदोषः PāṇiTaVāNaMā. 17. 8; अतो गौरवमपि नागतिकत्वादेवादोषः MīmāKau. i. 233. 26 (*on* i. 4. 9); i. 276. 13 (*on* i. 4. 24); iii(2). 213. 15 (*on* ii. 2. 17); व्यक्तिवादिनामदोषः RasGaṅ. 143. 13; 138. 8; पौरुषेयत्वाददोषः NirṇaSi. 204. 10; MayūMāli. 210. 12 (*on* iii. 2. 1); विभक्त्यन्तप्रतिरूपकनिपाताङ्गीकारेणादोषः LaS'abdeS'e. i. 337. 20; i. 354. 23; [Abl.] inspite of the absence of incongruity अप्रतीकालम्बनान्नयतीति बादरायण उभयथादोषात्तत्क्रतुश्च BrahmSū. iv. 3. 15 (Bhāskara कथं न दोषः); एवं तर्हि तत्त्वग्रहणमनर्थकं संपद्यते नोभयथाप्यदोषादित्येके NyāyVār. 11. 20 (*on* i. 1. 1); GuruCandr. i. 6. 19; VaiyāBhū. 99. 26 (*on* 24); बाधज्ञानेन नाप्रामाण्यग्रह इत्यदोषात् VaiyāSiMañ. 134. 21; LaS'abdeS'e. i. 36. 28; i. 142. 2; i. 248. 7; [Inst.] inspite of absence of incongruity 'उपसर्गे घोः' इत्यादावदोषेणाशब्दसंज्ञेत्यपि व्यर्थमित्युक्तम् LaS'abdeS'e. i. 47. 13; **4** absence of calamity or inauspiciousness अकाले संभवन्त्येते विद्युन्नीहारवृष्टयः ।... दोषाय मङ्गले

नूनमदोषायैव कालजा: NāraS. 29. 94; 53. 7; **5** other than a fault, non-fault, not a fault अन्यद्धि निमित्तमन्यच्च नैमित्तिकमिति दोषनिमित्तत्वाददोषो मोह इति NyāyBh. 244. 8 (*on* iv. 1. 7); NyāyVār. 454. 13 (*on* iv. 1. 7); **6** absence of literary defect वाक्यार्थदोषाणामदोष: कथ्यतेऽधुना SaraKaṇṭhā. 127. 12; 103. 16; तस्य युक्तप्रमाणतादोष°…°पद्मादिलेखाङ्कनायोगेभ्य: प्रसिद्धाङ्गपूर्णतादोष°…°विशिष्टाङ्गयोगाख्या: क्रमेण षड् भेदा: SahṛLī. 184. 5; स्यातामदोषौ श्लेषादौ निहतार्थाप्रयुक्तते SāhiDa. 432. 4; 463. 5; महेन्द्रनीलमणिदर्शनमित्यदोष: RasGaṅ. 616. 3.

[1]**अदोष** (a-doṣa) *adj.* [*f.* -ā] **A i** guiltless, innocent विवाहमैथुननर्मार्तसंयोगेष्वदोषमेकेऽनृतम् GautDS. iii. 5. 29; कच्चिन्नन्दसि … अदोषाणां सर्वेषां रक्षसां वधात् MahāBhā. i. 172. 11; अदोषां च … सुतां बालां कथमुत्स्रष्टुमुत्सहे MahāBhā. i. 1604*(1); iv. 23. 10; जायामदोषामुत संत्यजामि RaghuVa. 14. 34 (comm. साध्वीम्); अदोषाहं यत: शप्ता तस्माच्छापं ददामि ते VāyuP. ii. 45. 30; AgniP. 114. 17; दोषारोपं सदा कर्तुरदोषे … निमज्जयास्य वदनं पूयशोणितकर्दमे SkandP. iv. 8. 65; BṛNāraP. 1. 67; अदोषां तां कथं मुञ्चामि जानकीम् PadmP. (Ra.) 96. 60; BṛKathāMañ. 3. 34; तौ हि कामशराग्निना । संतप्तौ … अदोषौ KathāSaSāg. xii. 8. 193; DaśāvaC. 7. 58; Mānaso. ii. 20. 1244; अबन्ध्यं बन्धनानर्हमदोषं यो दर्पाद् बध्नाति Aparā. 825. 1 (*on* 2. 243); **A ii** not subject to fault (यद्रूपम्) अदोषमकल्मषम् ।… तस्मै … नम: ViṣṇuP. iii. 17. 24; गोविन्दम् … अदोषं नमस्याम: GoviBh. 1. 2 (*on* i. 1. 0); **A iii** free from religious defect सत्त्रिणामपि । सद्य:शौचमदोषाणामूचु: … कलौ BṛParāSm. 8. 11; अथ चेन्मन्त्रविद् युक्त: शारीरै: पङ्क्तिदूषणै: । अदूष्यं (v. l. अदोषं) तं यम: प्राह पङ्क्तिपावन एव स: LikhiSm. 28; LaŚaṅkhaSm. 22; HarṣaC. 64. 1; TattvSaṁ. 2431; **A iv** uncorrupt, reliable, free from moral defect वीरा: शुभा ह्यदोषाश्च (दुर्गे स्थाप्या:) SamarāSū. 45. 46; ĀryāSaŚa. 407; **B i** not defective, pure, good पालाश्य: समिधोऽदोषा: AVPari. 23 (9). 4; काष्ठमदोषम् … व्याददध्यात् ManuBh. ii. 213. 27 (*on* 8. 339); कलमशाल्यन्नमदोषम् KathāSaSāg. xii. 15. 23; पात्राणि … अदोषाभिरद्भि: प्रक्षाल्य CaturCin. iii (1). 1240. 5; ग्राम: … चोरकूपनामास्त्यदोषामलनीरकूप: EI. xxii. 291. 23; अयि राधे … दोषमदोषं तु मे देहि GopāKeCan. 85. 2; **B ii** free from human weaknesses न चानतिवृत्तसत्त्वदोषाणामदोषैरपुनर्भवो धर्मद्वारेषूपदिश्यते CaraS. i. 11. 28; **B iii** not causing religious defect (गुरुणा) नौशिलाफलककुञ्जरप्रासादकटकेषु चक्रवत्सु चादोषं सहासनम् BaudhDS. i. 2. 35; सूतके तु कुलस्यान्नमदोषं मनुरब्रवीत् Mitā. 334. 16 (*on* 3. 17); **C** blameless, faultless मन:प्रदोष: प्रकृतिप्रदुष्ट: …। प्रागेव संदेहगतस्य धर्मे तस्मादुपेक्षैव वरं ह्यदोषा MaYānaSū. 8. 13 (1. 21); अदोषं हि ब्रह्मत्वम् … ते SkandP. iv. 62. 27; अदोषामपि दोषोक्तां पश्यन्ति रचनां खला: PadmP.(Ra.) 1. 37; ManuBh. ii. 270. 27 (*on* 9. 98); अदोषस्य वेदस्य PrakaVi. 140. 19; अदोषेण प्रत्यक्षादिना वा प्रतीतस्य गगनादे: … सत्यत्वम् NyāySu.(Ja.) 217A. 4 (*on* i. 4. 6); ŚivārkaMaDī. i. 458. 20 (*on* i. 3. 25); अतात्त्विकत्वमाचार्यैर्विवेचितत्वाददोषम् GuruCandr. i. 190. 20; i. 240. 18; नादोषा बाध्यते श्रुति: VedāntSiSūMañ. 2. 7; **D** free from literary blemish तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुन: क्वापि KāvyPra. 13. 4; अदोषौ सगुणौ … शब्दार्थौ काव्यम् Kāvyānu. (He.) 19. 2 = PratāYaBhū. 42. 4 = RasGaṅ. 6. 1; अदोषावपि शब्दार्थौ प्रशस्येते न यैर्विना । तानिदानीं ब्रूम: … गुणान् Vāgbhaṭā. 3. 1.

[2]**अदोष** (a-doṣa) *adj.* [*f.* -ā] not belonging to night (वात्स्यायना:) अजडा: कलावन्तोऽदोषास्तारका अपरोपतापिनो भास्वन्त: HarṣaC. 64. 1 (comm. दोषा द्वेषाद्या रात्रिश्च । तारयन्तीति तारका आचार्या नक्षत्राणि च); विधिना विधीयमानं कमलानां बन्धनं त्वदोषाणाम् । द्रष्टुमनलम्भविष्णुर्भानुर्द्वीपान्तरं श्रयति KaumuMi. 4. 19.

अदोषकर्तृ (a-doṣakartṛ) *adj.* who has not committed a fault or sin (i. e. innocent) नार्हथैनमदोषकर्तारं नापितं शूले समारोपयितुम् Tantrākhyā. 16. 23 = PañcT. 1. 55 (59. 5)

अदोषगुणता (adoṣaguṇa-tā) *f.* nature of being neither a fault nor an excellence अनुभयता अदोषगुणता SāhiDa. 448. 4.

अदोषगुणात्मता (adoṣaguṇātma-tā) *f.* nature of being neither a fault nor an excellence, freedom from faults and excellences अनुभयात्मता अदोषगुणात्मता SāhiDa. 455. 4 [JIVĀNANDA Ed.]

अदोषज (a-doṣaja) *adj.* not arising from a defect इन्द्रियाणामृते दृष्टेरिन्द्रियार्थानदोषजान् । नर: पश्यति य: कश्चिदिन्द्रियैर्न स जीवति BhelaS. 106. 13 (5. 7)

अदोषजत्व (adoṣaja-tva) *n.* the nature of not arising from a defect इदमंशस्य सत्यत्वमदोषजत्वम् TantrRaha. 8. 14.

अदोषज्ञ (a-doṣajña) *adj.* [*f.* -ā] not seeing the faults, not finding faults with, ignorant of faults or defects सुखं जीवन्त्यदोषज्ञा: MahāBhā. i. 69. 13; शिशुरेष त्वदोषज्ञ: इति मत्वा दिवाकर: । कार्यं चात्र समायत्तमित्येवं न ददाह स: Rāmā. vii. 35. 30; बालां वा परिचारिकामदोषज्ञाम् … प्रहिणुयात् KāmSū. 286. 4 (5. 4) (JayaMa. अधूर्ताम्); RatiRaha. 13. 99.

अदोषतस् (adoṣa-tas) *adv.* because of absence of fault कर्मणोऽङ्गाङ्गिभावेन स्वप्रधानतयाथवा । संबन्धस्येह संसिद्धेर्ज्ञाने सत्यप्यदोषत: NaiṣkaSi. 15. 3; सोऽयं पदार्थाविव भागलक्षणा युज्येत तत्त्वंपदयोरदोषत: AdhyāRā. vii. 5. 27.

अदोषता (a-doṣatā) *f.* **i** faultlessness, freedom from faults or defects एते दोषा: साधारणत्वान्नान्यतरस्मिन्पक्षे चोदयितव्या भवन्तीत्यदोषतामेवैषां द्रढयति BrahmSūBh.(Śaṅ.) 302. 5 (*on* ii. 1. 10); अरोगतामदोषताम् … अभ्युपैति GaṇePañ. 6; कार्यं प्रध्वंसतोऽन्यद्यत्तदनित्यं क्रियोत्थिते: । घटादिवत्प्रतिज्ञायां विशिष्टत्वाददोषता TaiUBhāVā. 9. 20(1); 26. 2(1); कर्मणोऽङ्गाङ्गिभावेन स्वप्रधानतयाथवा । सम्बन्धस्येह संसिद्धेर्ज्ञाने सत्यप्यदोषत: (v. l. अदोषता) NaiṣkaSi. 15. 3; कश्यप: । सर्वं वृत्तमथोवाच … तेषामारोग्यतां चापि शचीभर्तुरदोषताम् BrahmP. 124. 89; अदोषतामेव सतां विवृण्वते द्विषां मृषादोषकणाधिरोपणा: NaiṣC. 15. 4; नापि स्वानुभूतेषु परीक्षाकाङ्क्षा तस्यादोषतया संशयानवकाशात् Vādā. 125. 1; अथ सङ्गहदोषान्तेऽष्टमलग्नेऽप्यदोषता VīraMi. (Saṁskārā) 130. 8; प्रसादविस्मययोर्मूलं तु शब्दार्थयोरलङ्कारादिपुष्टिरदोषता LalitāSaBh. 16. 25 (*on* 40); **ii** not being a defect or a fault दोषस्यादोषतैव स्यादन्यतो नियमे तथा IṣṭaSi. 283. 22; यत्रोपमानमुत्कृष्टमुपमेयं निकृष्यते । ज्ञेयं तदधिकौपम्यमस्यापि क्वाप्यदोषता SaraKaṇṭhā. 134. 14; जीवपक्षे युक्तिविरोधो दोष एव न त्वदोषतां नेतव्य: TattvPrakā. 91A. 4 (*on* ii. 1. 30); 92B. 8 (*on* ii. 1. 37); कवीनां समयाद्विद्याविरुद्धोऽदोषतां गत: Candrā. 2. 43; अमीषां च क्वचिददोषतापि AlaṁkāŚe. 21. 3(7); अदोषता च गुणता … चानुभयात्मता Sāhi.Da. 448. 3.

अदोषताप्रमाणत्व (adoṣatā-pramāṇatva) *n.* authoritativeness or validity of the absence of a fault इति बृहस्पतिवचनम् आततायिवधस्यादोषताप्रमाणत्वेनोपन्यस्य VīraMi. (Vyavahāra) 18. 22.

अदोषत्व (adoṣa-tva) *n.* **i** the state of being devoid of or free from defects, faultlessness वेदस्य त्वदोषत्वात्स्वशक्त्या सम्यग्धीजनकतैव IṣṭaSi. 44. 18; इन्दुविद्युतोरतिप्रसिद्धत्वाददोषत्वम् SaraKaṇṭhā. 118. 26; शैलेऽनलस्यानुमायां क हस्तवितस्त्यादौ तदंश इत्यनिश्चयवददोषत्वात् KhaṇḍanKhā. 628. 13; अदोषत्वस्य सिद्ध्यर्थं यदभेदे तदन्वय: AnuVyā. 49B. 2 (*on* 3. 3) (comm. विष्णो: अदोषत्वस्य सिद्ध्यर्थम्); नित्यत्वाददोषत्वं ततोऽप्रामाण्याभाव: श्रुते: सिध्यति TattvPrakā. 81A. 9 (*on* ii. 1. 4); साक्षिप्रत्यक्षं चादोषत्वात्परीक्षितम् Nyāyāmṛ. 109B. 5; **ii** the nature of not being a fault or defect अत्र विपूयं … पोगण्डशब्दानां घृणावत्स्मृतिहेतुत्वेऽप्यन्यत्र लक्षितत्वाददोषत्वम् SaraKaṇṭhā. 102. 11; 104. 9; अतिप्रसङ्गेन हि दोषत्वादोषत्वे कल्प्ये PramāLa. 2B. 4; उक्तान्योन्याश्रयत्वस्यादोषत्वेऽपि TarkSaṁ.(Ā.) 2. 4; फलमुखगौरवस्यापि स्वर्गादाविवादोषत्वात् TattvCin. i. 344. 3; भिन्नार्थत्वे त्वदोषत्वात् NyāyPari. 203. 11; विष्णोर्लोकविरोधस्यादोषत्वात् TattvPrakā. 113A. 10 (*on* ii. 3. 13); न द्वितीय: अदोषत्वात् NyāySu.(Ja.) 6B. 2 (*on* i. 1. 1); 7A. 4 (*on* i. 1. 1); 362A. 11 [*on* ii. 2. 6); 466A. 10 (*on* iii. 2. 1); उक्तदोषाणां च क्वचिददोषत्वम् SāhiDa. 430. 4; वेदान्तिमते त्वस्यादोषत्वात् SarvaDaKau. 120. 20; 141. 16; मा भूद्ब्रह्मण्यविद्या । माया तु स्यात् । तस्या लीलोपकरणत्वेनादोषत्वात् Nyāyāmṛ. 350A. 4; बीजाङ्कुरवत् प्रामाणिकत्वेन चास्यादोषत्वादित्यर्थ: SāṁkhyaPraBh. 56. 28 (*on* 1. 122); 83. 32 (*on* 2. 32); 136. 25 (*on* 5. 89); दोषाणामप्यदोषत्वं प्राहु: AlaṅkāŚe. 7. 1; 9. 1; साध्यसिद्ध्युपजीवकस्य व्यभिचारज्ञानस्यादोषत्वात् AdvaiSi. 342. 5; वनसिंहन्यायेन प्राबल्यसिद्धौ परस्परापेक्षणस्यादोषत्वात् SivārkaMaDī. i. 133. 17 (*on* i. 1. 2); i. 141. 11 (*on* i. 1. 3); i. 344. 28 (*on* i. 2. 9); ii. 445. 3 (*on* iv. 1. 16); सहकारिवैकल्येनान्वयव्यभिचारस्यादोषत्वात् SiddhāLeSaṁ. 11. 7; गौरवस्य फलमुखत्वेनादोषत्वात् PūrvottaVāNaMā. 68. 4; श्रुतिसिद्धे तस्यादोषत्वात् SiddhāTa. 48. 16; आनुमानिकतत्कल्पनस्यादोषत्वात् BhāṭṭDī. ii. 103. 11 (*on* iv. 1. 14); यथासंभवमङ्गेषु तत्सम्पादनादरस्योपपत्तेस्तदतिक्रमस्यादोषत्वात् MīmāKau. i. 36. 10 (*on* i. 3. 7); ii. 243. 13 (*on* iii. 2. 12); iii(2). 149. 23 (*on* ii. 2. 2); आश्रयत्वस्य वाच्यत्वे तत्त्वस्यावच्छेदकत्वापत्तौ गौरवमिति चेन्न … व्यापकत्वरूपस्यावच्छेदकत्वस्य शक्तिसिद्धावदोषत्वाच्च VaiyāBhū. 114. 2 (*on* 24); कल्प्यमानन्यासस्य लघुत्वेऽस्यादोषत्वात् LaŚabdeŚe. i. 12. 4; पुरुषार्थप्राप्तौ विलम्बशङ्कया प्रकृत्यभावनिरासेन तस्यादोषत्वात् SetuBa. 3. 19; 12. 1; **iii** (a-doṣatva) absence of faultiness भावान्तराभाववादिनस्तु अदोषत्वात् NyāySiA. 198. 20; स(? सा)पत्नमातुलादावेकशरीरावयवान्वयसत्त्वस्य व्यापकव्यभिचरितत्वेनादोषत्वम् BālamBha. i. 172. 25 (*on* 1. 52)

अदोषत्वप्रसङ्ग (adoṣatva-prasaṅga) *m.* contingency of absence of the nature of a fallacy इतरानैकान्तिकवद्विपक्षगतत्वादिनाप्युद्भावने अदोषत्वप्रसङ्गात् (v. l. for दोषत्वसम्भवात्) KhaṇḍanKhā. 876. 1.

अदोषत्ववचन (adoṣatva-vacana) *n.* statement of being free from defects दोषवचनाभावाददोषत्ववचनाच्च NyāySu.(Ja.) 99A. 12 (*on* i. 1. 2)

अदोषत्वसंभव (adoṣatva-sambhava) *m.* possibility of not being a defect अनुवादाभावेऽपि श्रुतेरद्वैततात्पर्यकत्वेन भ्रमजनकत्वस्यादोषत्वसम्भवात् GuruCandr. ii. 207. 20.

अदोषत्वापात (adoṣatvāpāta) *m.* occurrence of not being a defect कालं प्रति च प्रतिज्ञाहानेरदोषत्वे तद्वदन्यत्राप्यदोषत्वापात: KhaṇḍanKhā. 962. 23; असिद्धयादेरदोषत्वापाताच्च Nyāyāmṛ. 175B. 5; 323B. 5.

अदोषद (a-doṣada) *adj.* which does not bring any misery अदोषद: सोऽपि शुभप्रद: स: VasiS. 32. 110.

अदोषदर्शिता (adoṣadarśi-tā) *f.* the state of noticing no sin तत्र चास्यादोषदर्शितामवेक्ष्य महादोषतां च मद्यपानस्य स महात्मा ··· चिन्तामापेदे JātaMā. 100. 21 (17. 2)

अदोषदर्शिन् (a-doṣadarśin) *adj.* **i** not seeing (i. e. knowing) the bad effect इत्येवमुक्त: स रथप्रणेता निवेदयामास नृपात्मजाय। संरक्ष्यमप्यर्थमदोषदर्शी BuddhaC. 3. 29; **ii** not seeing the defects (of objects of sense) अदोषदर्शिन:। किं हि वञ्चयितव्यं स्याज्जातरागस्य चेतस: BuddhaC. 4. 94.

अदोषदुष्ट (a-doṣaduṣṭa) *adj.* [*f.* -ā] **i** not spoilt by any defect or fault, faultless अप्येष मां कंसपरिग्रहेण दोषास्पदीभूतमदोषदुष्टम्। कर्तावमानोपहतं धिगस्तु तज्जन्म ViṣṇuP. v. 17. 31; शब्दस्य लाक्षणिकवृत्तिरदोषदुष्टा SaṁkṣeS'ā. 1. 204 (i. 160. 14); अदोषदुष्टं पीठं चेदुद्धृत्यान्यत्र विन्यसेत् ĪśānSiPa. ii. 64. 38; **ii** not defective due to bad results क्षत्रस्य नक्षत्रमदोषदुष्टम् ··· पुरोहितेनाभिहितं निशम्य सम्पादयामास विधिं विधिज्ञ: JānaHa. 7. 36.

अदोषदूषित (a-doṣadūṣita) *adj.* not contaminated with vices (i. e. full of virtues) संभवन्ति यददोषदूषिते सार्व सर्वगुणसम्पदस्त्वयि S'iśuVa. 14. 4.

अदोषदृष्टि (adoṣa-dṛṣṭi) *f.* notion or idea that (something) is not a fault प्रव्यक्तमप्येतददोषदृष्ट्या गृहीतमार्येण न यत्तदाग: RāmC. 3. 41.

अदोषनिर्वासितभूषण (adoṣanirvāsita-bhūṣaṇa) *adj.* **i** from which the defectless ornaments were removed तनोषि हारं कियदस्तुण: स्त्रवैरदोषनिर्वासितभूषणे हृदि NaiṣC. 9. 105; **ii** from which the ornaments were removed without their having committed any offence NaiṣC. 9. 105.

अदोषप्रतीत (adoṣa-pratīta) *adj.* **i** known (through knowledge) not arising out of defects अतोऽदोषप्रतीतस्य सत्यत्वं साक्षिणा मतम् AnuVyā. 16B. 9 (*on* 1. 4); **ii** known through faultless means of knowledge, AnuVyā. 16B. 9 (*on* 1. 4) (comm. न विद्यते दोष: कारणं यस्य ज्ञानस्य तेन प्रतीतस्य विषयीकृतस्य अदोषेण दोषरहितेन प्रत्यक्षादिना वा प्रतीतस्य)

अदोषप्रयुक्त (a-doṣaprayukta) *adj.* not impelled by a defect or fault न हि कश्चिददोषप्रयुक्त: स्वार्थे परार्थे वा प्रवर्तमानो दृश्यते BrahmSūBh. (S'aṅ.) 410. 17 (*on* ii. 2. 37)

अदोषप्रसङ्ग (a-doṣaprasaṅga) *m.* absence of the contingency of a fault (sin) श्वादिभक्षणे चादोषप्रसङ्गेन प्रायश्चित्तस्मृतिविरोध इति परिसंख्यैवाश्रिता Mitā. 26. 24 (*on* 1. 81)

अदोषप्रसूत (adoṣa-prasūta) *adj.* not arising from a defect अदोषप्रसूतस्यापि न प्राबल्यदौर्बल्यविभाग: S'atDū. 98. 1.

अदोषभाज् (a-doṣabhāj) *adj.* not committing a fault, not guilty असमर्थस्य भृत्यस्य विसर्ग: स्याददोषवान् (v. l. अदोषभाक्) MahāBhā. xii. 35. 31; योगप्रियां देवीं भजन् ··· अदोषभाक् BṛDharmaP. ii. 6. 91; हिंसने स्वाम्यदोषभाक् YājñaSm. 2. 299.

अदोषम् (a-doṣam) *adv.* faultlessly उत्कन्दकुन्ददलसुन्दरसिन्धुवारसन्दोहसान्द्रमकरन्दमदोषमास्ते Kapphiṇā. 6. 27.

अदोषमहाबोध (adoṣamahā-bodha) *m.* faultless and great consciousness चिद्घनस्य न सन्नासन्स्थीयतां यत्तते पदे। इत्यदोषमहाबोधसारसंग्रहणं कृतम् YogVā. vi(1). 67. 33.

अदोषमूल (a-doṣamūla) *adj.* [*f.* -ā] (knowledge) not caused by a defect or fault अदोषमूला ताद्रूप्येणाप्रतीतौ प्रतीति: स्वरूपभेदलक्षणम् AdvaiSi. 797. 21; अदोषमूलतादात्म्यप्रकारप्रतीत्यभावोक्तौ ···सामग्रीविरहात् AdvaiSi. 798. 6.

अदोषमूलकत्व (adoṣamūlaka-tva) *n.* nature of not being caused by a fault or defect अदोषमूलकत्वोपहितमुक्तज्ञानं भेद: LaCandr. 798. 14.

अदोषमूलताद्रूप्य (adoṣamūla-tādrūpya) *n.* identity not caused by a defect अदोषमूलताद्रूप्येणाप्रतीतौ प्रतीति: स्वरूपभेदलक्षणम् Nyāyāmṛ. 558A. 10.

अदोषमूलत्व (adoṣamūla-tva) *n.* nature of not being caused by a defect अदोषमूलत्वपर्यन्तज्ञानं भेदव्यवहारकारणम् AdvaiSi. 797. 24 = LaCandr. 797. 43; तत्रादोषमूलत्वं फलैकोन्नेयम् AdvaiSi. 798. 1.

अदोषमूलिका (a-doṣamūlikā) *adj.* (*f.*) not having a defect as its cause अदोषमूलिकायास्तस्या (प्रतीते:) अनधिकरणत्वात् LaCandr. 798. 18.

अदोषयत् (a-doṣayat) *adj.* not spoiling, not making faulty अदूषयद्भि: प्रतिभामदूष्यै: सोऽप्यदोषयन्। ···पुम्भिरावृतोऽत्रैतुमिच्छति DvyāśraKā. 9. 25.

अदोषयुक्त (a-doṣayukta) *adj.* free from fault or guilt अथेश (°थापि) मां कंसपरिग्रहेण दोषास्पदीभूतमदोषयुक्तम् ··· धिगस्तु BrahmP. 191. 31.

अदोषरूपत्व (adoṣarūpa-tva) *n.* nature of being a non-defect संसारसंभेदादेश्चादोषरूपत्वस्थापनात् S'atDū. 191. 13.

अदोषल (a-doṣala) *adj.* not causing the disorder (of the bodily humours), not harmful मांसमाजमदोषलम् CaraS. i. 27. 59 (1922 Ed.); AṣṭāHṛ. i. 6. 62; AṣṭāSaṁ. i. 35. 11 (1. 7); मूलकं दोषजननं स्निग्धसिद्धं त्वदोषलम् AṣṭāSaṁ. i. 42. 9 (1. 7); BhojanKu. 201. 17; मांसालाभे मत्स्या अदोषला: RaseCin. 8. 41 (97. 6); जलम् ··· स्याददोषलम् BhojanKu. 178. 9.

अदोषलिङ्ग (a-doṣaliṅga) *n.* absence of symptom of disorder (of the humours) इन्द्रगोपकवर्णं यत्तद्वै प्रकृतिशोणितम्। अदोषलिङ्गं शुद्धं यद्वहेत्तत्प्रतिषेधयेत् Hastyāyur. 455. 29 (3. 10)

अदोषलिङ्गानुरूप (a-doṣaliṅgānurūpa) *adj.* distinct from or not similar to the symptom of the disorder (of the humours) यथोक्तलिङ्गैर्लिङ्गाधिक्यमदोषलिङ्गानुरूपं च किञ्चित् CaraS. ii. 8. 9 (1941 Ed.) (comm. यथोक्तापस्मारलिङ्गेभ्यो लिङ्गाधिक्यं लिङ्गातिरिक्तत्वं तच्चादोषलिङ्गानुरूपं दोषलिङ्गासदृशम्)

अदोषवचन (adoṣa-vacana) *n.* statement of the absence of a flaw अदोषवचनं चाल्पदोषाभिप्रायं प्रायश्चित्तविधानसामर्थ्यात् द्रष्टव्यम् BālaKrī. i. 231. 5 (*on* 2. 85); अदोषवचनाच्चैव नियमेन हरे: श्रुतौ AnuVyā. 4B. 11 (*on* 1. 1) = ViṣṇuTaNi. 18B. 4.

अदोषवत् (a-doṣava(n)t) *adj.* faultless, not blamable असमर्थस्य भृत्यस्य विसर्ग: स्याददोषवान् MahāBhā. xii. 35. 31; अकृतं च कृतात्क्षेत्राद्गौरजाविकमेव च। हिरण्यं धान्यमन्नं च पूर्वं पूर्वमदोषवत् ManuSm. 10. 114; सत्यमेतत् नास्त्यदोषवतां भयमिति MattaVi. 21(5); कार्यातिदेशोऽप्यदोषवानेव Nyās. ii. 683. 4 (*on* vii. 1. 95); क इवैति विपद्गतीह नो प्रतिकूलत्वमदोषवानपि HarVi. 24. 5; (वियुक्तं) नवभिर्बुद्धिदोषैश्च वाक्यं वक्ष्याम्यदोषवत् SkandP. i(2). 45. 62; i(2). 45. 122; वादिनादोषवति साधने प्रयुक्ते PramāMī. 74. 20 (*on* ii. 1. 35); रसातलं यातु यदत्र पौरुषं क्व नीतिरेषा शरणो ह्यदोषवान् PrabhāC. 143. 15; PrabaCin. 37. 19; PurāPraSaṁ. 119. 28.

अदोषवत् (adoṣa-vat) *adv.* like the faultless one मतिमता ध्वनितव्यमदोषवत् Gaṅgāva. 8. 30.

अदोषविभ्रम (a-doṣavibhrama) *m.* absence of perturbation due to the disorder (of the humours) समाग्निधातुत्वमदोषविभ्रम: ··· तदेवमुक्तं व्यवहारजं खलु KalyāKā. 2. 4.

अदोषविलोकना (adoṣa-vilokanā) *adj.* (*f.*) whose sight is not blamable व्यसनवृत्तिरदोषविलोकना कुलवधू: Rāgh. 19. 77.

अदोषवैर्यविषयता (adoṣavairyaviṣaya-tā) *f.* the state of not having enmity and defect as objects श्रीजिनसुन्दरवाचकहृदयगृहेऽदोषवैर्यविषयतया। विनयो गुरुभक्त्या सह विलसति Gurvā. 425.

अदोषव्यासङ्ग (a-doṣavyāsaṅga) *adj.* having no contact with a fault (i. e. faultless) अदोषव्यासङ्गं सततमपि दोषाप्तिमलिनं पयोजं कामाक्ष्या: परिहसति पादाब्जयुगलम् MūkaPañ. 3. 30.

अदोषसंक्षोभजन्मन् (a-doṣasaṅkṣobhajanman) *adj.* not produced by the disorder of the humours अदोषसंक्षोभजन्मना संनिपातेन ··· महानिद्रावेगेन युगपदभिभूयमाने वैरिसैन्ये ··· राजकुमार: ··· समापतन्तं सेनापतिमवलोक्य TilaMañ. 92. 20.

अदोषाकर (a-doṣākara) *adj.* **1** not producing night कोपारातिविधातकोऽपि सकृप: सोमोऽप्यदोषाकर: SubhāRaSaṁ. 918; **2** not the abode of evil (harmless), SubhāRaSaṁ. 918; YātrāPra. 6. 76; *m.* non-moon कुवलयाधीशोऽप्यदोषाकर: ··· सोऽयं माकनृप: ··· विजेजीयते YātrāPra. 6. 76.

अदोषाकरसङ्ग (a-doṣākarasaṅga) *adj.* **i** not attached to one who is a mine of vices अदोषाकरसङ्गोऽपि विनापि मखदूषणम्। सद्भूतिभूषणे(णो) यश्च संप्राप्य(प) जगदीशताम् EI. xii. 313. 60; xii. 277. 62; **ii** without attachment to the moon, EI. xii. 313. 60.

अदोषाकरता (adoṣākara-tā) *f.* **1** nature of not producing night चन्द्रोऽप्यदोषाकरतामुपेतस्सौम्योऽपि भूनन्दनतां प्रयात: EI. v. 57. 15; **2** the state of not being the mine of flaws (flawlessness), EI. v. 57. 15.

अदोषाख्य (adoṣākhya) *adj.* (a city) named Adoṣa अदोषाख्ये पुरे तेन स्थापितस्य महात्मना। दशबाहो: (प्रियत्वम् ··· कथयिष्ये) GaṇeP. ii. 31. 48.

अदोषार्थ (adoṣārtha) *adj.* having for its purpose the removal of

defects समुच्चयस्त्वदोषार्थेषु MimāSū. xii. 3.17 (comm. यानि तु न दोषनिर्घातार्थानि तेषु समुच्चय:)

अदोषावह (a-doṣāvaha) *adj.* not causing blemish, not harmful परंपरयाश्रयत्वं तु भवत इवास्माकमपि संमतमदोषावहं च S'atDū. 203. 9; भिन्नविषयत्वं क्लृप(? ल्प्य)मानमदोषावहमिति भाव: BālamBha. iii. 64. 4 (*on* 3. 20)

अदोषावहत्व (adoṣāvaha-tva) *n.* the state of not causing any defect उपचयापचययो: परिणामविशेषवृत्त्योरदोषावहत्वात् S'ivārkaMaDī. ii. 306. 14 (*on* iii. 3. 12); तन्निरासस्यादोषावहत्वेन अत इत्यादेरसंबद्धत्वात् BālamBha. ii. 266. 26 (*on* 2. 145)

अदोषास्पद (a-doṣāspada) *adj.* not an abode of blemish पूर्वयजमान: ··· अदोषास्पदं मुख्यं प्राणमात्मत्वेनोपगम्य ··· प्रतिपन्न: BṛĀraUBh. 50. 14 (*on* i. 3. 8)

अदोषिन् (a-doṣin) *adj.* not contaminated, not impure विप्रुषो मक्षिकाद्याश्च दुष्टसंगाददोषिण: MārkP. 35. 21; BrahmP. 221. 129.

अदोषोद्भावन (a-doṣodbhāvana) *n.* not pointing out a fault or a defect असाधनाङ्गवचनमदोषोद्भावनं द्वयो: । निग्रहस्थानमन्यत्तु न युक्तमिति नेष्यते NyāyMañ. ii. 191. 21; NyāyVi. 2. 378; TātpaṬ.(Vā.) 697. 7 (*on* v. 2. 1); ĀtmaSi. 55. 18; नाप्यसाधनाङ्गवचनादोषोद्भावने PramāMī. ii. 1. 35.

अदोषोपहता (a-doṣopahatā) *adj.* (*f.*) not tarnished by defects यासावदोषोपहता प्राक्तनाद्यतनसंस्कारपरिपाकप्रौढा प्रतिभा VakroJī. 49. 15.

अदोह (a-doha) *m.* **i** lack of yielding milk तद्व्रतमदोहे KātyS'S. vii. 4. 23 (comm. व्रतदुघाया अदोहे सति व्रीहियवयोरन्यतरेण पत्नीयजमानयोर्भोजनं भवति); घर्मधुग्घ्वाले चादोहे च (अन्यस्या: ··· दोहयेत्) KātyS'S. xxv. 6. 2; **ii** interdiction on milking (स:) धुर्याणां च धुरो मोक्षमदोहं चादिशद् गवाम् RaghuVa. 17. 19 (comm. अदोहं वत्सानां पानार्थं दोहनिवृत्तिम्)

अदोहकाल (a-dohakāla) *m.* time other than that of milking वत्सान् विमुञ्चन्तमदोहकाले ··· (कृष्णं) बन्धुमियेष माता Yādavā. 4. 33.

अदोह्यत्व (adohya-tva) *n.* the state of being one not to be milked स संयतान् मोचयति स्म सर्वान् ··· अवाहकत्वं च धुरंधराणां गवामदोह्यत्वमचीकरच्च VīraBhā. 5. 7.

अदोह्यवाह्य (a-dohyavāhya) *adj.* (a cow and a bull) not to be milked and yoked (respectively) प्रशंसा गोवृषस्य च । अदोह्यवाह्यौ यौ तत्र BṛParāSm. 1. 50.

अदौरात्म्य (a-daurātmya) *adj.* free from evil nature प्रापात्मनीनादथ सौत्वनाच्चादौरात्म्यसद्यौवनिकां तनूजाम् DvyāśraKā. 20. 68 (comm. अविद्यमानं दौरात्म्यं कुरूपत्वनिर्गुणत्वादिना दुष्टं स्वरूपं यस्या: सादौरात्म्या)

अदौर्गत्य (a-daurgatya) *adj.* without misery, devoid of poverty सोऽयं दुर्लभेष्वनुराग: पुंसाम् अज्वरमस्वास्थ्यम्, अदौर्गत्यं दौ:स्थ्यम् NalaCam. 1. 62 (1)

अदौर्बल्य (a-daurbalya) *n.* **i** non-reduction of fat अरुच्चिरछर्दिरदौर्बल्यमलाघवम् । ··· लक्षणान्यविरिक्तानाम् CaraS. i. 16. 7; **ii** absence of weakness क्षामामिति रजस्वलाव्रतेन तेनाप्यदौर्बल्ये अवृष्यलघ्वाहारादिना यत्नत: कृतेन दुर्बलाम् VīraMi. 143. 8 (*on* 1. 80)

अदौवारिक (a-dauvārika) *adj.* having no door keeper (i. e. not watched by a door keeper) अद्वारिके (v. l. in the comm. अदौवारिके) द्वारे को नाम न प्रविशति NītiVā. 24. 29.

अदौष्पुरुष्य (a-dauṣpuruṣya) *adj.* free from wickedness स यांश्चतुष्पथे । अदौष्पुरुष्यनैष्कुल्यै: प्रादुष्प्रेमार्चितो न कै: DvyāśraKā. 3. 93.

अदौहृदम् (a-dauhṛdam) *adv.* without the period of pregnancy (i. e. immediately) सत्स्वर्थना फलमदौहृदमेव सूते BhārCam. 3. 107 (comm. अदौहृदं गर्भधारणं विनैव सद्य एव इत्यर्थ:)

अद्ग (ádga) *m.* **i** node, joint (of a bamboo) वे॒णोर॒द्गा इ॒वा॒भितो॑ऽसंमृद्धा अघा॒यवः॑: AV. i. 27. 3; अन्वग्रमद्गांश्छिनत्ति ĀpaS'S. vii. 2. 9 (Rudradatta अद्गा: शाखाग्रन्थय:); **ii** sacrificial cake गन् गम्यद्यो: । गङ्गा । ··· अद्ग: पुरोडाश: Uṇā. 1. 122; SiddhāKau. 525A. 10; Prasā. ii. 618. 19; अद्गस्तृप्र: पुरोडाशो(? श:) कपालेष्वष्टसु ह्यसौ KośaKaTa. 1. 5603.

अद्ग्रहण (ad-grahaṇa) *n.* mention of *at* (*āgama* in the personal terminations) ननु न चेहाड्ग्रहणमस्ति Nyās. iii. 621. 20 (*on* vii. 1. 6); नन्वड्ग्रहणसामर्थ्यादिज्मात्रस्य न भविष्यति Pradī. vi. 180. 19 (*on* vii. 2. 117)

अद्ड् (adḍ) (Gr.) substitute *ad* for Nom. and Acc. sg. case-suffix अद्(ड्)डतरादिभ्य: पञ्चभ्य: P. vii. 1. 25 cf. अद्ड्डतरादिभ्य इति MahāBh. iii. 250. 5 (*on* vii. 1. 25); [Kātan. ii. 2. 8 (तु:); CāndraVyā. ii. 1. 25 (त्); JaineVyā. v. 1. 22 (दुक्); S'ākaṭāVyā. (दक्); SiddhaHe. i. 4. 58 (द:)]; एभ्य: क्लीबेभ्य: स्वमोरद्डादेश: स्यात् PrakriKau. i. 197. 2; SiddhāKau. 75B. 2; अद्डादेशेनैव नपुंसकत्वाभिव्यक्तौ LaS'abdeS'e. i. 188. 10; i. 299. 21.

अद्दंकि (addaṅki) *n.* name of a city आस्ते ··· देश: ··· श्रीपूंगिनामांकित: । तस्मिन् ··· विभाति नितरामद्दंकिनामा (नाम्नी) पुरी EI. viii. 15. 34.

अद्ध (addha) *m.* name of a disciple of Yājñavalkya याज्ञवल्क्यस्य शिष्यास्ते ··· अद्धबौद्धकौ BrahmāṇḍP. i. 35. 28.

अद्धका (áddhakā) *adv.* immediately यमा॒गतम॒द्धका क्रे॒ष्यन् भ॒वति S'at-Br.(Kā.) IV. iii. 2. 6.

अद्धकि (addhaki) [Imp. 2 P. sg. of *ad*– with *ak*– added before the final] please eat नीतौ च गम्यमानायां तद्युक्तादनुकम्पायुक्ताद् यथाविहितं प्रत्ययो भवति । ··· एहकि । अद्धकि KāśiVṛ. *on* v. 3. 77; JaineVyā. 262. 26 (*on* iv. 1. 133); SiddhāKau. 315B. 4; Prasā. i. 931. 4.

अद्धा (addhā) *f.* [Prakrit for अध्वन्] phenomenal time measured by the motion of the sun अद्धा काल: SthānṬ. 3A. 2; 67A. 10; 91A. 3; दीर्घां बृहतीं अद्धां कालं यावदेक: कोऽपि गर्हते SthānṬ. 44A. 8; cf. **अद्धाकाल.**

अद्धा (addhā́) *adv.* [MAYR. i. 29, 547; iii. 627*l* a *nipāta* in *svarādi gaṇa*, KāśiVṛ. *on* P. i. 1. 37; in *cādigaṇa*, KāśiVṛ. *on* P. i. 4. 57; an *ind.* going with *kriyā* and *dravya* S'ṛṅgāPra. 8. 7; going with *guṇa*, S'ṛṅgāPra. 71. 19]; **i** certainly, for sure, undoubtedly **ii** really, indeed, truly **iii** well, yes (particle of assent or acceptance (in argument, in arthāntaranyāsa etc.) **iv** manifestly, openly, obviously **v** well, properly **vi** quickly, immediately **vii** in this way, thus **viii** therefore, but **i** certainly, for sure, undoubtedly को अ॒द्धा वे॑द॒ क इ॒ह प्र वो॑चत् ṚV. iii. 54. 5 = x. 129. 6; पुन॑र्यै॒तो नकि॑र॒द्धा नु वे॑द ṚV. x. 111. 7; न हि तदद्धा वेद कश्चन KauṣīBr. 27. 1 (129. 16); MānS'S. 124. 3; तौ हत्वा समरे हन्ता त्वामद्धा सहबान्धवम् MahāBhā. viii. 27. 67; अनुमानात्परीक्षेत दर्शनादीनि तत्त्वत: । अद्धा हि विदितं ज्ञानमिन्द्रियाणामतीन्द्रियम् CaraS. v. 4. 4 (1941 Ed.) (comm. अद्धेति अवितथम्); अद्धा श्रियं पालितसंगराय प्रत्यर्पयिष्यति ··· स: RaghuVa. 13. 65 (comm. अद्धा सत्यम्); दृष्ट्वा त्वितथं गतावेतौ शिबिराज: पितामह: । अद्धा दद्याद्दिष्टं ते धनं निष्क्रयमेतयो: JātaMā. 61. 25 (9. 60); आराधितोऽद्धा मनुरप्सरोभिश्चक्रे प्रजा: स्वा: सनिमेषचिह्ना: S'iśuVa. 3. 42; उद्यानयानै रतिहेतुभूतै: कश्चिद्भटेन प्रतिनीयतेऽद्धा VarāṅgaC. 14. 95; (सूचिरोम्णश्चमू:) तयासे ··· अद्धा सभामा HarVi. 43. 146 (comm. अद्धा निश्चितमेव); 46. 51; यो वै ··· गुरुमुद्दिश्य मानव: । न स्नानादि करोत्यद्धा स याति नरकं ध्रुवम् SkandP. ii(4). 36. 8; तयोस्तु संगमे जाते कार्यं नोऽद्धा भविष्यति SkandP. ii(7). 8. 84; iii(1). 1. 37; एकं सुतं तु विक्रीय ··· पालयामि सुतानन्यान् ··· सर्वेषां मारणं नाद्धा युक्तं मम DevīBhāP. vii. 10. 32; मध्ये श्रुतीनां प्रतिवेशिनीनां सरस्वती वासवती मुखे न: । ह्रियेव ताभ्यश्चलतीयमद्धा पथान्न सत्सङ्गगुणेन नद्धा NaiṣC. 3. 65; अद्धा नुन्नाश्वकर्णम् ··· चक्रे स शोकास्पदमरिगहनम् RāghPāṇ.(Ka.) 6. 12; PrakriKau. i. 301. 1; अद्धेति स्फुटावधारणे । आराधितोऽद्धा मनुरप्सरोभि: Prasā. i. 301. 8; यत्कार्यमद्धारभते विना तत्फलं न मुञ्चत्यवनीश्वरोऽयम् VīraBhā. 5. 92; वीरश्रीवीरसिंह: क्षितितिलकलसत्कीर्तिसोमेन साकम् । अद्धा स्पर्धां करिष्यत्ययम् VīraMi. (Āhnika.) 4. 7; मुखाब्जलावण्यमुधासुधाब्धौ समुद्गतो यस्य शशी ललाटम् । अद्धा न चेदायतलोचनाग्रात्पाटल्यसन्ध्या प्रभवेत्कथं वा Raghunā. 7. 3; **ii** really, indeed, truly स॒त्यम॒द्धा नकि॑र॒न्यस्त्वावा॑न् ṚV. i. 52. 13; सो अ॒द्धा दा॒श्व॑ध्व॒रोऽग्ने॒ मर्तः॑ सुभग स प्र॒शंस्यः॑ ṚV. viii. 19. 9; अ॒द्धा दे॑व म॒हाँ अ॑सि ṚV. viii. 101. 11 = VājaS. 33. 39; अ॒द्धा वै तद् य॒दि॒मे लो॒का अ॒द्धो तद् यद् य॒जु: S'atBr. I. ii. 4. 20; यस्य स्यादद्धा न विचिकित्सास्ति ChāndoU. iii. 14. 4; स पूर्ण: खलु वा अद्धा अविकल: संपद्यते यज्ञ: MaiU. 1. 1; को अद्धा अमूमभि चङ्क्रमीति BāṣkaU. 3; 6; 9; यदिदमद्धैव परा: परावतोऽभिपद्यन्ते ĀrṣeU. 5. 3; ऋतम् । अद्धा । सत्यस्य AVPari. 48. 71; अद्धा परमार्थभूतो भगवान् ··· परमेश्वर: ··· विश्वं करोति SanatBh. 216. 13 (*on* 1. 21); क्रुध्यत्यद्धा ययो: स्वां तनुमतिलसतोर्बिम्बितां लक्षयन्ती भर्त्रे ··· इतरवधूशङ्कया शैलकन्या S'ivaKePāSt. 8; मेषं ज्ञात्वा हृतं देवी राजानमिदमब्रवीत् । मेषो हृतो महीपाल केनाप्यद्धा सुतो मम ViṣṇuDhaP. i. 135. 5; BhāgP. iv. 20. 31; नृपात्मजा: । रणाङ्गणे धनूंष्यद्धा स्फारयामासुरुद्धता: PadmP. iv. 51. 11; iv. 22. 54; SāṁkhyaTaKau. 473. 3 (*on* 62); नीलं किंचित् तदानीमरुणमिति न खल्विन्द्रजालादृतेऽद्धा TattvMu. 3. 77; SātvaT. 6. 225; श्यामलसुन्दरसौहृदबद्धा ··· अद्धा । धैर्यमसौ ··· प्राप न मन्दिरकर्मणि राधा StavMā. 244. 18; श्रीमच्छाहसुवंशमण्डनमणेरद्धा शिवस्याधुना किं वक्तव्यम् ··· शौर्यम् ParamāKā. 153. 47; **iii** well !, yes ! a particle of assent or acceptance [used in argument] नाधर्मे ते धीयते पार्थ बुद्धिर्न संरम्भात्कर्म चकर्थ पापम् । अद्धा किं तत्कारणं यस्य हेतो: प्रज्ञाविरुद्धं कर्म चिकीर्षसीदम् MahāBhā. v. 27. 22; बुद्धिर्ज्ञापयतीति चेत् अद्धा, जानीते पुरुषो बुद्धिर्ज्ञापयतीति सत्यमेतत् NyāyBh. 197. 8 (*on* iii. 2. 3); 272. 10 (*on* iv. 1. 49); अथात्मा चेतयते बुद्धिर्ज्ञापयतीति अद्धा बुद्ध्या जानीते पुरुषो न बुद्धि: बुद्धिर्ज्ञापयतीति बुद्धिर्ज्ञानसाधनं भवतीति NyāyVār. 82. 21 (*on* i. 1. 15); स्यादेतत् । अद्धा पूर्वप्रतीतिमात्रमुपयुज्यते आरोपे न तु प्रतीयमानस्य परमार्थसत्त-

Bhām. 9.9 (*on* i. 1.0); 12.18 (*on* i. 1.0); 185.6 (*on* i. 2.21); TattvVai. 117.21 (*on* 2.55); यदि स्त्रैणं देवी यमनिरत देहार्धघटनादवैति त्वामद्धा बत वरद मुग्धा युवतय: Mahimna. 23; अस्माकं तु निसर्गसुन्दर चिराच्चेतो निमग्नं त्वयीत्यद्धानन्दनिधे तथापि तरलं नाद्यापि संतृप्यते NyāyKuA. ii(2). 113.6; तत्, किमिदानीं स्मरणमेव तत्, नो खलु स्मरणग्रहणातिरेकि विज्ञानमस्ति भवताम्। अद्धा स्मरणमेवैतत्तर्करूपत्वात्, तर्कं हि स्मरणमाद्रियामहे NyāyMa. 222.5; 273.8; ननु शूर्पस्तुतावपि लक्षणा स्यान्न हि तेनापि साक्षादन्नं क्रियते। अद्धा। स्तुतिर्ह्यनुवादत्वाद्यथाप्राप्ति लक्षणां सहेत VedāntKa. 133.4 (*on* i. 2.1); पतञ्जलि: कथं योगस्य शासितेति चेत् अद्धा। अत एव ··· भगवता ··· अनुशासनमारब्धं न तु साक्षाच्छासनम् SarvaDaSaṁ. 15.111; 15.532; किं स्मृतिप्रणेतारस्सर्वेऽपि न विप्रलम्भका:। अद्धेति चेत्। अस्य नियमस्य बुद्धादिषु भग्नत्वादित्याह NyāySu.(Ja.) 234A.3 (*on* ii. 1.1); 533B.2 (*on* iii. 3.1); [used in *arthāntaranyāsa* etc.] सिद्धापगे ··· बद्धा न किं नु भवितासि जटाभिरेषामद्धा जडप्रकृतयो न विदन्ति भावि S'aṅkaDigVi.(Mā.) 7.68; दुर्लभलाभोऽप्यद्धा कस्यापि भवत्युपद्रवायैव। राहुरहारयदमृतं समवाप्य निजं शरीरमपि Subhāṣi. 3118; व्यालाधिपं च यतते परिरब्धुमद्धा यो दुर्जनं वशयितुं तनुते मनीषाम् BhāmiVi. 1.90; RasGaṅ. 466.5; **iv** manifestly, openly, obviously इदं नाहमिदं नाहं इत्यद्धा प्रतिपद्यते UpadeSā. 136.1 (comm. आत्मतत्त्वम् ··· अद्धा साक्षात् प्रतिपद्यते नि:संदिग्धं उपलभ्यते); त्वयि मेऽनन्यविषया मति: ··· रतिमुद्वहतादद्धा गङ्गेवौघमुदन्वति BhāgP. i. 8.42; अस्माल्लोकादुपरते मयि ज्ञानं मदाश्रयम्। अर्हत्युद्धव एवाद्धा BhāgP. iii. 4.30; कलिततनुरिवाद्धा मातृवात्सल्यपुञ्ज: ··· व्रजनवयुवराज: काङ्क्षितं मे कृषीष्ट StavMā. 39.20; अन्यस्सर्वोऽपि त्वावान् त्वत्संबन्धी सन् सत्यं अद्धा साक्षात् त्वत्संबन्धं विना तु न कि: न सत्यम् GuruCandr. i. 466.18; **v** well, properly अर्चाचर्चां (v. l. अद्धाचर्चां) चाटुचर्याभिरुच्चै: कृत्वा ··· जिनस्य Kapphiṇā. 20.1; अनंशस्यापि जीवस्य किंचित्सामर्थ्ययोजना। कार्येषु य: करोत्यद्धा नमस्तस्मै स्वयंभुवे AnuVyā. 21B.2 (*on* 2.1); ज्ञायते साक्षिणैवाद्धा मानबाधे न तद्भवेत् AnuVyā. 39A.3 (*on* 3.2); 47B.10 (*on* 3.3); स भोगिनीभि: ··· अरंस्त। कन्दर्पशास्त्रानुगत: प्रवीणैर्वात्स्यायने तच्च निरैक्षताद्धा S'aṅkaDigVi.(Mā.) 10.17; **vi** quickly, immediately (अहे ··· मधुकरि) अद्धा प्रसाधय प्रकीर्णकानि YaśasCam. i. 351.1 (comm. झटिति); **vii** in this way, thus एते दक्षिणभूमिभूमिपतय: प्राच्या उदीच्या इमे राजान: ··· प्रतीच्या अमी। वन्दन्ते ··· त्वामिति द्वा:स्था यस्य वदन्ति संभ्रमभरादद्धा निबद्धाञ्जलि VīraMi. (Paribhāṣā.) 3.6; प्रणिपत्य विधे भवन्तमद्धा विनिबद्धाञ्जलिरेकमेव याचे। जनुरस्तु कुले कृषीवलानामपि गोविन्दपदारविन्दभाजाम् RasGaṅ. 687.5; KaruṇāL. 55; **viii** therefore, but स तं बभाषे शंभुं त्वां बुद्ध्वा व्याजतपोधनम्। अभ्यधामिदमद्धा त्वं न स देवो जगद्गुरु: RājTa.(Ka.) 3.275; [GaṇRa. 34.11 (l. 15) gives the synonyms of अद्धा as स्फुटार्थ (iv), अवधारण (i), मति, अतिशय. Lexicons list the following meanings: *tattva*, AmaK. 2872; S'abdaRa.(Vā.) 4581; KośaKaTa. 2.2975; KalpaK. 459.16; (= ii) *niścaya*, *nirdhāraṇa* AbhidhāRaMā. 5.99; S'eṣaNā. 1743; KośaKaTa. 2.2967; S'abdaRaSaK. 180.3; (=i) *Pratyakṣa*, Vaija. 285.12; KośaKaTa. 2.3182; (=iv)]

अद्धाकाल (addhā-kāla) *m.* (Jain.) phenomenal time to be measured by the motion of the sun, the moon etc. प्रमीयते परिच्छिद्यते येन वर्षशतपल्योपमादि तत्प्रमाणं तदेव काल: प्रमाणकाल:, स च अद्धाकालविशेष एव SthānṬ. 201A.7. यथायुषो निर्वृतिस्तथा य: कालो नारकादिभवेऽवस्थानं स तथेति, अयमप्यद्धाकाल एव SthānṬ. 201A.11.

अद्धाकृता (addhā-kṛtā) *adj.* (*f.*) made quite manifest प्रादुष्कृता मिलितकोकयुगे मुहूर्तमद्धाकृतेव वियता सरसि स्वलक्ष्मीम् (? क्ष्मी:) GaṇRa. 2.98 (141)

अद्धाकृत्य (addhā-kṛtya) *ger.* having made manifest अद्धाकृत्य GaṇRa. 2.98 (141)

अद्धातम (addha-tama) *adj.* most certain, most real, quite manifest द्वौ वा इमौ लोकावद्धातमाविव दृश्येते AitĀ. I. ii. 3.6; अद्धातममनादृत्य प्रमाणं सदसीति ये। बुभुत्सन्ते NaiṣkaSi. 173.3 (comm. निश्चिततमम्)

अद्धातमाम् (addhā-tamām) *adv.* most manifest, safest अग्निर्वै देवानामद्धातमाम्। यं वाऽअद्धातमां मन्येत तमुपधावेत् S'atBr. I. vi. 2.9; इयं ह्येवैषां लोकानामद्धातमाम् S'atBr. VII. iv. 1.8.

अद्धाति (addhāti) *m.* [Debru. p. 639] wise person, knower of truth, sage अथैकं चक्रं यद्गुहा तदद्धातय इद्विदु: ṚV. x. 85.16; अद्धातिर्यस्य पश्यति धूममुद्यन्तमास्यत: AV. vi. 76.2; यामद्धातय इद्विदु: AV. xi. 8.7; अद्धातय: ··· मेधाविन: AVPari. 48.85.

अद्धातु (ad-dhātu) *m.* root *ad-* (to eat) अद्धातौ माधवोऽप्येवमेव LaS'abdeS'e. i. 87.18.

अद्धाद् (addhād) *adj.* [w. r. for **अग्धाद्**] MānS'S. 93.10.

अद्धाद्धामिश्रिता (addhāddhā-miśritā) *adj.* (*f.*) (speech) which mixes up the different periods of time [JainL.]

अद्धानशन (addhānaśana) *n.* fast lasting from one day to six months [JainL.]

अद्धापथसंचरण (addhāpatha-sañcaraṇa) *n.* treading on the path of truth वृद्धा काचिदियमद्धापथसंचरणबद्धादरपरिशुद्धान्त:करणेव ··· समागच्छति RasSa. 98.(4)

अद्धापल्य (addhā-palya) *n.* number got by multiplying by a factor of hundred all pieces of hair of a *uddhārapalya* [JainL.]

अद्धापुरुष (addhā-puruṣa) *m.* a right or true man [PW.] cf. **अनद्धापुरुष.**

अद्धाबोधेय (addhābodheya) *m.* [w. r. for अद्धा:। बौधेयाश्च CaraṇaVyūha. 2, PW. MW.]

अद्धामिश्रिता (addhā-miśritā) *adj.* (*f.*) (speech) which confuses the time of day and night [JainL.]

अद्धायुस् (addhāyus) *n.* (*karman*) which determines a particular period of life अद्धाकाल: तत्प्रधानमायु: कर्मविशेषोऽद्धायु: SthānṬ. 67A.10.

अद्धारपल्य (addhāra-palya) *n.* name of a very high number अद्धारपल्यं च पुनस्तृतीयम् VarāṅgaC. 27.15; cf. **अद्धापल्य.**

अद्धासमय (addhā-samaya) *m.* present moment [JainL.]

अद्धासागरोपम *n.* number got by multiplying *addhāpalya* by crores of crores [JainL.]

अद्धिय (addhiya) *m.* name of a ritualist, son of Satyayajña इति ह स्माहाद्धिय: सात्ययज्ञिर्कद्रुकमस्मै स्वायां जनतायां भवति JaimiBr. 1.320.

अद्धिला (addhilā) *f.* one of the ten varieties of a *prabandha* (in music) अद्धिला दशमी BṛDeśī. 142.5.

अद्धोपकार (addhopakāra) *m.* spontaneous obligation, disinterested help अद्धोपकारश्च दृष्टकारणरहित उपकार: BālaKrī. i. 24.27 (*on* 1.7)

अद्ध्यालोहकर्ण (addhyāloha-kárṇa) *adj.* [PW suggets अद्धा, pw अध्या] (goat) having excessively red ears प्लीहाकर्ण: शुण्ठाकर्णोऽद्ध्यालोहकर्णस्ते त्वाष्ट्रा: VājaS. 24.4.

अद्न (adna) (*Gr.*) substitute (for negative *na*) एकादन्नाद्नौ S̄ākaṭāVyā. ii. 2.62 (comm. एकान्नविंशति:। एकाद्नविंशति:) [Vārāṇasī. 1971] cf. P. vi. 3.76.

[1]अद्भाव (ad-bhāva) *m.* existence of the substitute *ad*(*ḍ*) प्रयोजनं डतरादीनामद्भावे Vār. 5 *on* P. i. 1.27.

[2]अद्भाव (ad-bhāva) *m.* existence of the substitute *at* (in the personal ending of the medial) अद्भावे कृते रुट् न प्राप्नोति Pradī. vi.15.10 (*on* vii. 1.3)

[3]अद्भाव (ad-bhāva) *m.* change into the short vowel *a* इटोऽदित्यद्भावस्तु लिङ्संबन्धीडपेक्षणादन्तरङ्ग: Pradī. iii. 279A.26 (*on* iii. 4.79); नाद्भावनिपातनार्थमिदं वक्तव्यम् PariVṛ.(Sī.) 111.10.

अद्भुत (ádbhuta, adbhutá in ṚV. i. 120.4) *adj.* [*f.* -ā] [Mayr. 1.30, 3.627; Renou EVP. 13.128; Debru. p. 588; Uṇā. 5.1; अद्भुतम् ··· पञ्चविंशतिर्महन्नामानि Nigh. 3.3; Nir. 6.21; इदमपीतरदद्भुतमभूतमिव Nir. 1.6; included in *Kāṣṭhādigaṇa*] **A** extraordinary, supernatural, wonderful (gods, men etc.) **B** mysterious, incomprehensible, miraculous, unknown (objects, actions, intentions etc.) **C** undeceivable, inviolable **A** extraordinary, supernatural, wonderful (gods, men etc.) सदसस्पतिमद्भुतं प्रियमिन्द्रस्य काम्यम्। सनिं मेधामयासिषम् ṚV. i. 18.6; VājaS. 32.13; TaiĀ. x. 1.4 (767.3); ṚV. i. 94.12; शुचि: पावको अद्भुतो मध्वा यज्ञं मिमिक्षति ṚV. i. 142.3; प्रत्नो होता वरेण्य:। सहसस्पुत्रो अद्भुत: ṚV. ii. 7.6; TaiS. IV. i. 9.2; MaiS. ii. 7.7; VājaS. 11.70; ṚV. ii. 26.4; v. 10.2; त्वं हि सत्यो अद्भुतो दाता वाजस्य गोमत: ṚV. v. 23.2; TaiS. I. iii. 14.7; ṚV. vi. 8.3; शुचि: पावक उच्यते सो अद्भुत: ṚV. viii. 13.19; तव वायवृतस्पते त्वष्टुर्जामातरद्भुत। अवांस्या वृणीमहे ṚV. viii. 26.21; गन्धर्व इत्था पदमस्य रक्षति पाति देवानां जनिमान्यद्भुत: ṚV. ix. 83.4; ix. 95.4; शास इत्था महाँ अस्यमित्रखादो अद्भुत: ṚV. x. 152.1; द्यावापृथिवी उर्व१न्तरिक्षं क्षेत्रस्य पत्न्युरुगायोऽद्भुत: AV. ii. 12.1; त्वष्टा तुरीपो अद्भुत इन्द्राग्नी पुष्टिवर्धना VājaS. 21.20; अदृश्योऽहमवर्णोऽहमखण्डोऽहमस्म्यद्भुत: BrahmViU. 1.7; पुरा ··· आस्तां भगिन्यौ ··· अद्भुतेऽनघे MahāBhā. i. 14.5; अपश्यन् ··· नागमद्भुतम् MahāBhā. i. 40.2; i. 26.35; viii. 4.20; ददर्श वानरानीकमद्भुतम् Rāmā. vi. 53.46; विष्णुपत्नीयमद्भुता AhirbuS. 3.26; BrahmāṇḍP. iii. 41.47; देवी ··· भर्तुरद्भुतं गर्भमाजग्राह AvantiKa. 158.11; 161.15; जयति ··· वेदात्मा पुरुषोऽद्भुत: RāmC. 9.17; अद्भुतं दारकद्वयमादाय

भगवान् कौशिकः … सीरध्वजमुपस्थितः AnarghaRā. 3.1(7); अद्भुतम् … वीक्ष्यारान्मृगम् ĀścaCū. 3.12; EI. xi. 192.14; तमद्भुतं बालकम् … शङ्खगदायुधायुधम् । … वसुदेव ऐक्षत BhāgP. x. 3.9; मत्स्यं तमद्भुतं दृष्ट्वा विस्मितः प्राब्रवीन्मनुः । को भवान् ननु वै विष्णुः AgniP. 2.9; Vāgbhaṭā. 4.71; S'ivaP. ii(1). 17.57 (62A. 11); BrahmP. 35.19; BṛDharmaP. i. 56.46; अपुनर्भवमद्भुतम् । …मनस्येवं महादेवम् … चिन्तयेत् LiṅgaP. i. 8.104; i. 14.6; UdaySuKa. 77.30; रूपवत्यद्भुतास्तीति कान्ते त्वाज्यस्त्वया मदः SamaMā. 4.124; SubhāRaK. 16.52; SamudraMa. 1.35; नमामि … मञ्जुश्रियमद्भुतं शुभम् … हरिम् VetāPañ.(Jam.) 2.11; गोकुलाख्यं महत् पदम् … शोभितं शक्तिभिः … अद्भुताभिः समन्ततः BrahmS. 5.9; समये प्रसवस्यैषा सुषुवे सुतमद्भुतम् Samarā-Saṁ. 4.15; PrabhāC. 113.20; कौसल्या सुषुवे पुत्रमद्भुतम् AdhyāRā. i. 3.13; मम कविता … यं नाराधयति सोऽद्भुतः पुरुषः PurusPa. 148 (? 146). 21; MahāN. 3.92; MūkaPañ. 4.16; B mysterious, incomprehensible, miraculous, unknown (objects) अतो॒ विश्वा॒न्यद्भु॑ता चिकि॒त्वाँ अ॒भि प॑श्यति ṚV. i. 25.11; तत्रस्तु॑रीप॒मद्भु॑तं पु॒रु वारं॒ पुरु॒ त्मना॑ । त्वष्टा॒ पोषा॑य॒ वि ष्य॑तु ṚV. i. 142.10; AV. v. 27.10; TaiS. IV. i. 8.3; ṚV. i. 170.1; मि॒त्रो न भू॒दद्भु॑तस्य र॒थीः ṚV. i. 77.3; अर्हत्तहनुरद्भुतं न रजः ṚV. x. 105.7; नवमं पर्व निर्दिष्टमेतदद्भुतमर्थवत् MahāBhā. i. 2.175; (शङ्खम्) तथैकं रौक्ममद्भुतम् MahāBhā. vi. 9.8; ददर्श सा … रणाजिरं नृवीराणामद्भुतं लोमहर्षणम् MahāBhā. xi. 16.4; xiii. 14.27; अद्भुतं लोमहर्षणम् । ददृशुः सर्वभूतानि सागरे सेतुबन्धनम् Rāmā. vi. 15.24; निदर्शनं ते पर्याप्तं जनस्थाने यदद्भुतम् Rāmā. vi. 25.21; विमानं हंससंयुक्तम् … आसीद् वेधसोऽद्भुतम् MārkP. 85.48; प्रासादः … शौद्धोदनेरद्भुतः EI. xx. 43.9; PāraS. 20.56; अस्ति वा कुतश्चिदेवंभूतमद्भुतम् … महाप्रकरणम् MālaMā. 10.186; AnarghaRā. 3.32; किं तदस्ति नाम रमणीयमद्भुतं वा जगति TilaMañ. 219.19; अद्भुतं धनुः KūrmaP. 231.16 (1.21); SkandP. ii(9). 16.42; मध्ये विलावृतो वर्षो भद्रास्यः पूर्वतोऽद्भुतः VāmaP. 13.3; अद्भुता क्षतजसिन्धुः DevīBhāP. iii. 15.7; अद्भुतानि … वक्त्राणि GaṇeP. ii. 11.30; TrisaS'aPuC. i. 4.182; ग्रीवाद्भुतैवावटुशोभितापि NaisC. 7.66; अशरणशरणाभ्यामद्भुताभ्यां पदाभ्याम् … आयाति देवः KrsnaKa. 1.81; SāhiDa. 616.3; तं राज्ञः प्रतिमापट्टमद्भुतम् । अपश्यमहम् BṛKathāMañ. i. 2.157; क्रीडास्थलम् … अद्भुतम् PañcRā.(Nā.) i. 7.39; अविचलं राज्यं प्रशास्त्यद्भुतम् EI. xxiii. 187.3; SātvaT. 2.25; PrabaCin. 63.2; कस्य हृन् न हरतीह हरे मुखपद्मकला तवाद्भुता ChandoMa. 4.6; HammīMaKā. 1.92; रचितोऽप्यद्भुतः पूर्वं ग्रन्थो देवमुखोद्गतः KathāKau. 1.39; HariVi. 5.87; दिव्यरत्नत्रयमद्भुतम् VetāPañ.(Jam.) 110.21; सुन्दरं कमलं भाति लतायामिदमद्भुतम् RasGaṅ. 301.16; अद्भुतं किमपि द्वन्द्वमस्तु तन् मम शर्मणे Gaṅgāva. 1.1; S'ivLī. 10.51; सर्वमद्भुतमज्ञानां जानतां तु न किंचन SubhāS'. 10; (actions, intentions, etc.) अ॒तस्त्वं दृ॑श्याँ अ॒ग्न ए॒तान् प॒ड्भिः प॑श्ये॒रद्भु॑ताँ अ॒र्य एवैः ṚV. iv. 2.12; आदि॑त्या अद्भु॑तैनसः ṚV. viii. 67.7; v. 87.7; उच्चानुदात्तयोर्योगे स्वरितः स्वार उच्यते, ऐक्यं तत् प्रचयः प्रोक्तः सन्निवेशो मिथोऽद्भुतः YājñaS'i. 228; शङ्खी शुश्राव तं तदा … स्थितं कर्मण्यथाद्भुते MahāBhā. iii. 43.12; अद्भुतम् … हस्तलाघवम् MahāBhā. vi. 98.16; अनतिक्रमणीयोऽयं कृतान्तस्याद्भुतो विधिः MahāBhā. vii. 62.3; गदायुद्धम् … अद्भुतम् MahāBhā. ix. 31.28; योगो भवतु मेऽद्भुतः MahāBhā. xiii. 14.59; प्रीतिरुत्पादिताद्भुता Rāmā. v. 32.7; अद्भुतं घोरं युद्धम् Rāmā. vi. 42.9; अद्भुतश्च विचित्रश्च तेषामासीत् समागमः Rāmā. vi. 31.39; वीर्यमद्भुतमेव च Rāmā. vii. 40.14; प्रयाणं बहुदेवमद्भुतम् … तस्य महात्मनः BuddhaC. 8.50; तदद्भुतं संसदि रात्रिवृत्तम् … नृपतिः शशंस RaghuVa. 16.24; तदद्भुतं शैलमिवार्कमण्डले PañcT. 4.10 (379.11); Jānāśra. 1.0(4); यच्चैवं भावि नान्यदतः परमस्ति किंचिदद्भुतम् DaśKuC. 76.9; PadmP.(Ra.) 81.22; वैष्णवं स्तोत्रमद्भुतम् PāraS. 17.452; अद्भुतं च … चरितं निबद्धम् MahāviC. 1.6; 1.40; °कौतुकमद्भुतं प्रमोदमुल्लासयति MālaMā. 2.113; हा हा धिक् परगृहवासदूषणं यद् वैदेह्याः प्रशमितमद्भुतैरुपायैः UttaRāC. 1.40; तेजोऽद्भुतम् AnarghaRā. 4.7; NītlSā. 5.39; ParaS. 25.28; तव तत्त्वमद्भुतम् HarVi. 6.39; RāmC. 35.114; अद्भुतं जन्म यस्याः BālBhā. 2.37; त्रिधा मार्गोऽयमद्भुतः LaksmīT. 2.39; सतां चरितमद्भुतम् EI. x. 21.8; x. 23.20; BhāgP. i. 11.20; अद्भुतः …प्रावृट्कालः VāmaP. 1.15; अस्य नाम … अद्भुतामेकपदे पृथक्कताम् अगादनङ्गस्य NavaSāC. 4.36; यदद्भुतं सितमवत्यीशेन तद् वश्चिरम् EI. iii. 297.3; प्रेमाद्भुतम् DevīBhāP. i. 4.8; अद्भुतमिदं तव दर्शनं वै DevīBhāP. iii. 23.47; अद्भुतस्तस्य वै शोकः BṛDharmaP. i. 25.62; i. 38.69; भाषितमाकर्ण्य … कीरस्य … अद्भुतम् … प्राह … देवी KalkiP. i. 6.12; महत्त्वमद्भुतम् UdaySuKa. 129.18; श्रुत्वा … अद्भुतां कथाम् BṛKathāMañ. ii. 1.138; KalāVi. 4.18; KathāSaSāg. v. 2.157; DaśāvaC. 1.59; अद्भुतमस्त्रकौशलम् VikraDeC. 2.20; 5.46; 6.53; दानमद्भुतम् EI. xiv. 302.43; i. 308.13; अद्भुतम् … यशः EI. i. 356.18; SubhāRaK. 32.5; तन्त्रमद्भुतमहो मनोभुवः S'riKaC. 10.27; VairāS'.(Pa.) 21; भालमत्राद्भुता तव Vāgbhaṭā. 1.25; राज्यकालोऽस्य भूपतेः । …अद्भुतोऽभवत् RājTa.(Ka.) 3.15; 6.295; सर्वास्विह क्रपाद्भुता Vītarā. 10.8; ज्योतिष्काश्च तन्वन्त्युद्योतमद्भुतम् TrisaS'aPuC. i. 1.234; रमणीयकमद्भुतम् TrisaS'aPuC. ii. 1.5; ii. 2.535; तपः सामर्थ्यमद्भुतम् PariPar. 1.69; 12.237; कृतम् … ब्रह्मव्रतमद्भुतम् PāṇḍaC. 1.223; 2.194; अद्भुताः … शम्भोर्दृशः पान्तु वः SaduktiKa. 12.10; अद्भुतं तपः Sutrath. 3.66; परमाणोरणोर्नास्ति महत्त्वेत्यद्भुतं वचः AnuVyā. 26B 3 (on 2.2); सुराः । … चक्रुरुत्सवमद्भुतम् PrabhāC. 6.17; 11.28; 21.18; 36 4; 37.13; अयं दानमहाधर्मः कल्पद्रुम इवाद्भुतः S'āliC. 7.157; 7.93; अद्भुतं क्रीडितकम् … हरेः Yādavā. 11.1; अद्भुतमध्यसितं च धीराणाम् S'ārṅgaPa. 226; श्रुतमद्भुतम् … मतम् S'aṅkaVi.(Ā.) 128.9; KumāCaSaṁ. 5.15; गिरं समुद्गिरन् मुरारिरद्भुताम् … करोतु यः कृतार्थताम् ChandoMa. 2.377; अद्भुतेयं प्रगल्भता HariC. 103; नृत्यमद्भुतम् PālGoKa. 20; अद्भुतं दुर्भिक्षं क्षोभयामास लोकम् RājTa.(Jo.) 412; RatnaCūKa. 247; अद्भुतं समभवत्सकलाशामण्डलं नवयशस्तुहिनाभम् EI. xxi. 281.3; विज्ञानामृतमद्भुतम् PraboSu. 247; VīraBhā. 4.36; अद्भुतः … दानमन्त्रः S'ivLī. 12.8; 17.87; प्रवृत्ते कोऽप्यद्भुतो मारुतः NīlaVi. 90.2; रचना चित्राद्भुतासीत् ParamāKā. 18.130; 13.91; यशःपटोऽयमद्भुतो न ते महीप कञ्चुकः SūktiSu. 42; PadyāTa. 48; युनक्त्युमानन्दनाथो यौवनोल्लासमद्भुतम् NityoNi. 29.3; TantrRā. 13.82; विधातुर्वर्ण्यते केन करकौशलमद्भुतम् VasaTi. 42.19; C undeceivable, inviolable [from *dabh*-?] त्वं रा॑जे॒व सु॑व्र॒तो गिर॒ः सोमा॑ विवे॑शिथ । पु॒ना॒नो व॑ह्ने अद्भुत ṚV. ix. 20.5; ix. 24.6; अधा॑ हि का॒व्या॑ यु॒वं दक्ष॑स्य पू॒र्भिर॑द्भुता । नि केतु॒ना जना॑नां चि॒केथे॑ ṚV. v. 66.4.

अद्भुत (adbhuta) *n.* (*m.* अद्भुतो व्याख्यातः BaudhGS. iii. 6.2; AgniveGS. ii. 5.2 (79.15)); A portent, omen, unusual phenomenon or event portending evil or rarely good B wonder, marvel, miracle, mystery, surprise, strange object C feeling or sentiment of wonder or surprise D i mysterious or esoteric teaching ii transcendental or mystic element E i names of one of the 12 *aṅgas* or divisions of the Buddhist canon ii kind of poetic composition F name of a kind of defect in shampooing or massaging G name of one of the 84 modes of sexual union H i a proportion of the height of a building ii name of a class of buildings A portent, omen, unusual phenomenon or event portending evil or rarely good अथ यदास्य … गजवाजिमुख्याः वाप्रमीया प्रमीयन्त इत्येवमादीनि सर्वाणीन्द्रदेवत्यान्यद्भुतानि प्रायश्चित्तानि भवन्ति ṢadviBr. vi. 3.2; (with कर्मन्) अथातोऽद्भुतानां कर्मणां शान्तिं व्याख्यास्यामः ṢadviBr. vi. 1.1; vi. 4.2; vi. 5.2; vi. 6.2; vi. 7.2; vi. 8.2; vi. 9.2; vi. 10.2; vi. 11.2; अद्भुते यवद्रोणं जुहुयाद्वात आ वातु भेषजमित्येतेन शाम्यति ह SāmaViBr. iii. 5.8; उत्पातेष्वाकालम् । अन्येष्वद्भुतेषु च S'āṅkhāGS. iv. 7.3; v. 5.5; KauśiGS. iii. 9.3; समुपहतेऽद्भुते वा शान्त्यै शर्मी शमुकं शाम्यवाकमश्वत्थप्लक्षन्यग्रोधोदुम्बरं दूर्वां च … सं वः सृजामीति द्वाभ्याम् KāthGS. v. 18.1; MānGS. ii. 15.6; GobhiGS. iii. 3.30; अन्येषु चाद्भुतोत्पातेष्वहोरात्रमनध्यायोऽन्यत्र मानसात् BaudhDS. i. 11.38; अद्भुतानि च दृश्यन्ते AVPari. 50(4).1; अथर्वा सृजते घोरमद्भुतं शमयेत् तथा AVPari. 2(2).2; तस्य प्रयाणे यान्यासन्नद्भुतानि महात्मनः । तानि मे शृणु दिव्यानि दैवान्यौत्पातिकानि च MahāBhā. v. 82.4; ववर्ष चात्र पर्जन्यो मांसशोणितवृष्टिमान् । … तदद्भुतमिवाभवत् MahāBhā. vi. 1.21; iii. 124.7; आकालिकमनध्यायं विद्यात् सर्वाद्भुतेषु च ManuSm. 4.118; अद्भुते तु समुत्पन्ने यदि वृष्टिः शिवा भवेत् । सप्ताहाभ्यन्तरे ज्ञेयमद्भुतं निष्फलं भवेत् MatsyaP. 229.10; 68.36; 93.84; BṛSaṁ. 32.30; अद्भुतानां च शान्तये … प्रायश्चित्तं निगद्यते ĪśānS'iPa. ii. 63.1; अभूतपूर्वं यल्लोकस्य पूर्वं भवति पूर्वं च यदन्यथा भवति तदद्भुतम् । … तच्च द्विविधम् । शुभसूचकमशुभसूचकं च AdbhuSāg. 4 21; 3.14; VasiS. 32.17; CaturCin. iii(2). 762.10; SmṛtiCan. i. 150.4; VīraMi. (Saṁskāra.) 531.3; (with निमित्त) अद्भुतेषु निमित्तेषु मासं नीत्वा शुभे व्रजेत् S'ilpaRa. ii. 1.20; B wonder, marvel, miracle, mystery, surprise, strange object चेतनारहितं काष्ठं यत्नेन निपातितम् । … तत्र किं कृतमद्भुतम् MahāBhā. ii. 38.8; तत्राद्भुतं परं चक्रे कौन्तेयः कृष्णसारथिः MahāBhā. vii. 80.34; तदद्भुतमिवाभवत् MahāBhā. i. 1.77 = iii. 20.11 = vi. 49.29 = xiv. 75.15 = KūrmaP. 246.15 (1.22); MahāBhā. xvi. 8.41; राघवः … समीपे शरभङ्गस्य ददर्श महदद्भुतम् Rāmā. iii. 4.4; vii. 97.17; Vār. 1 on P. vi. 1.147; दर्शयेदद्भुतान्यस्य (= उन्मादार्तस्य) SuśruS. vi. 62.17; CaraS. vi. 9.79 (1941 Ed.); i. 11.37; अद्भुतं खलु वृत्तम् S'āk. 5.30 (15); दोषैरन्यजनाश्रितैरपटवो जाताः स इत्यद्भुतम् S'atTrayī. 851; AmaS'. 34 = SaraKaṇṭhā. 330.23 = SāhiDa. 593.2 = AlaṅkāS'e. 13.0 (75); AlaṅkāSa. 130.8; Tantrākhyā. 116.12; महीक्षिताम् । अद्भुतानि च चत्वारि बलं धर्मः सुखं धनम् VāyuP. i. 57.74; पदे पदे तथा भूमिर्वेन्न शीर्णा तदद्भुतम् ViṣṇuP. v. 20.64; MārkP. 8.128; BrahmāṇḍP. ii. 13.59; किं नाम नालोक्यते जीवद्भिरद्भुतं येन रूपमचिन्तितोपनतमिदं

दृक्पथमुपगतम् HarṣaC. 319. 12; PriyaDa. 2. 7; S'iśuVa. 15. 38; राक्षसकर्म कुर्यादार्या सती कथमहो महदद्भुतं नः MahāviC. 4. 50; खलः खलीकरोत्येव जगदाशु तदद्भुतम् MahāP. 1. 90; अयुगार्चिरर्चिरुग्रं यदीरयति तत्र किमद्भुतं स्यात् HarVi. 16. 4; SaṁkṣeS'ā. 3. 253 (ii. 296. 14); संसर्गेण गुणा अपि भवन्ति दोषास्तदद्भुतं नैव YaśasCam. i. 113. 5; अहो अद्भुतमेतन्मे व्यापृतस्यापि नित्यदा। न ह्येधन्ते प्रजा नूनम् BhāgP. iii. 12. 50; विस्मयोऽद्भुतमाश्चर्यं चित्रम् AgniP. 359. 79; निधेराधारमात्रेण मही ज्वलति सर्वदा। तमेव मानवो भृत्वा ज्वलतीति किमद्भुतम् BṛNāraP. 8. 107; TilaMañ. 205. 14; यदि दहत्यनलोऽत्र किमद्भुतम् KāvyPra. 393. 4 = AlaṅkāRa. 16 (13); अद्भुतं त्वत्प्रभावेण स्वयमेतत् प्रदर्शितम् RāmāMañ. 408. 17; तनोति कुमुदं यशः सदृशमस्य चन्द्रो[ज्]ज्वलं सितं किमथ रञ्जकं भ्रमदनारतं किं स्थिरं सकारणमिदञ्च सत् किमिव नित्यमित्यद्भुतम् EI. xix. 281. 21; S'riKaC. 8. 18; स आनर्च्छ बहून् देशानदर्शीच्चाद्भुतानि सः DvyāśraKā. 9. 90; नो वाद्भुतमुलूकस्य प्रकृत्या क्लिष्टचेतसः। स्वच्छा अपि तमस्त्वेन भासन्ते भास्वतः कराः PrabhāC. 59. 23; ViviTīKa. 72. 5; YudhiVi. 5. 11; ईश्वराः पिशुनाञ् शश्वत् पुष्णन्तीति किमद्भुतम् DṛṣṭāKaS'. 18; एकस्तत्र भिनत्ति मित्रमपरश्चामित्रमित्यद्भुतम् Subhāṣi. 2526; HammīMaKā. 13. 58; शङ्खाद् वीणानिनादोऽयमुदेति महदद्भुतम् Kuval. 80 = RasGaṅ. 581. 20; CaitaCa. 17. 7 (1); अर्थवन्तः प्रशस्यन्ते निन्द्यन्ते तद्विनाकृताः। आगमेष्वपि चेदेवमद्भुतं किं शरीरिषु SabhāS'. 86; S'ivLī. 2. 39; PadyaVe. 564; MadaKeC. 14 (3); **C** feeling or sentiment of wonder or surprise रतिहासशोकाद्भुतान्यदिव्योत्तमप्रकृतिवद् दिव्येष्वपि KāvyPra. 443. 1; Kāvyānu. (He.) 148. 3; यद् भवद्भिरनुभूतमद्भुतं तन्माद्य ... निवेद्यताम् Nalābhyu. 3. 23; **D i** mysterious or esoteric teaching नारदाद्भुतमेतच्च कथनीयं न हि क्वचित् ĀdiP. 9. 36; साध्यजीवाद्यानयनं शृणु वक्ष्यामि तेऽद्भुतम् TantrRā. 13. 82; **D ii** transcendental or mystic element अष्टदलात्मकं पद्मम्। तदुपरि प्रकृष्टविज्ञानधामा शेषः। तदुपरि वाचः परमद्भुतम्। एवं नित्यविभूतिर्निरूपिता YatīndraDī. 55. 14; **E i** name of one of the 12 *aṅgas* or divisions of the Buddhist canon (= अद्भुतधर्म, q. v.) (dealing with miraculous events) इतिवृत्तकं जातकमद्भुतं च SaddhaPuṇ. 30. 8; **E ii** a kind of poetic composition showing apparent verbal identity in spite of the vast difference as regards gender and case लिङ्गविभक्तीनां सति भेदे महत्यपि। दृश्यते शब्दसादृश्यमिदमद्भुतमुच्यते KāvyKaVṛ. 76. 15 (3. 4); **F** name of a kind of defect in shampooing or massaging संवाहनकला द्वेधा ... दोषास्तस्याः प्रतीपं (प्रतीपं?) यल्लोम्नामुद्वर्तनं तथा। निर्मांसपीडितं वाढं केशाकर्षणमद्भुतम्। भ्रष्टप्राप्तममार्गेण प्रघातमतिभुग्नकम् PadmP. (Ra.) 24. 77; **G** name of one of the 84 modes of sexual union वक्ष्ये गौरीप्रियं च कान्दर्पं हास्यमद्भुतमेव च ... एतानि चतुरशीति बन्धानि S'ṛṅgāDī. 3. 25; **H i** one of the five proportions of the measurement of the height (of a building) where the height is twice the breadth पञ्चधोत्सेधम् ... तद् द्विगुणं चाद्भुतं कथितम् MānaSā. 11. 12; विस्तारं (? र) द्विगुणोदयम्।... पञ्चमं चाद्भू(? द्भु)तोत्सेधम् MānaSā. 35. 13; शान्तिकं पौष्टिकं जयदं चाद्भुतमुत्तुङ्गं सार्वकामिकम् MānaSā. 11. 39; MayaMa. 11. 9; 19. 3; S'ilpaRa. i. 16. 9; **H ii** name of a class of buildings (having the height called Adbhuta) द्व्यंशं गलमानं तु वेदांशं शिखरोदयम्। सार्धांशेन शिखामानमद्भुतं सदनं स्मृतम् MānaSā. App. 424A. 8; SamarāSū. 23. 35; शान्तिकं पौष्टिकं चैव जयदं त्वद्भुतं पुनः। सार्वकामिकमित्येवं पञ्चधा सदनं स्मृतम् S'ilpaRa. i. 37. 1.

अद्भुत (adbhuta) *m.* **i** epithet of Viṣṇu **ii** name of several Agnis **iii** name of a particular Indra **iv** name of a Lekha deity **v** name of a Brahmin **vi** name of the poetic sentiment Marvellous **vii** feeling of wonder **viii** name of a part of Sāman; **i** one of the thousand names or epithets of Viṣṇu अनन्तो हुतभुग् भोक्ता ... लोकाधिष्ठानमद्भुतं (v. l. °तः) (केशवस्य ... नाम्नां सहस्रम्) MahāBhā. xiii. 135. 108; **ii** name of several Agnis (sometimes identified with Viśvadeva, Sahita fire, son of Savana or Sahasa or Dahana, father of Kārttikeya, Vivici / Vividhi, Vidūratha and Devāṁśa) अद्भुतस्य प्रिया भार्या तस्याः पुत्रो विदूरथः MahāBhā. iii. 212. 25; शृणु जन्म ... कार्त्तिकेयस्य धीमतः। अद्भुतस्याद्भुतं पुत्रं प्रवक्ष्याम्यमितौजसम् MahāBhā. iii. 213. 2; iii. 212. 28; पुत्रोऽस्य (दहनस्य) सहितो ह्यग्निरद्भुतः स महायशाः।... अद्भुतस्य सुतो वीरो देवांशस्तु महान् स्मृतः MatsyaP. 51. 35; पुत्रश्च सवनस्याग्नेरद्भुतः स महायशाः। विविचिस्त्वद्भुतस्यापि पुत्रोऽग्नेः VāyuP. i. 29. 38; पुत्रश्च सहसस्याग्नेरद्भुतः स महायशाः। विविधिश्चाद्भुतस्यापि पुत्रोऽग्नेः BrahmāṇḍP. i. 12. 41; वैश्वदेवाग्निरद्भुतः Vaija. 11. 27; नाद्भुतो वैश्वदेवाग्नौ NānārthāSaṁ. ii. 51. 56; **iii** name of an Indra or king of gods (said to flourish in the 9th Manvantara under Dakṣa-Sāvarṇi / Meru Sāvarṇi; regarded as the second of the future (out of 7 past and 7 future) Indras) नवमो दक्षसावर्णिर्भविष्यति मुने मनुः।... (देवानाम्) तेषामिन्द्रो महावीर्यो भविष्यत्यद्भुतो द्विज ViṣṇuP. iii. 2. 22; MārkP. 94. 7; (दक्षपुत्रस्य मेरुसावर्णेः मन्वन्तरे) तेषामिन्द्रस्तदा भाव्यो अद्भुतो नाम नामतः VāyuP. ii. 38. 65; BrahmāṇḍP. iii. 1. 61; AgniP. 150. 14; विभुर्मनोजवश्चैव ...। अद्भुतश्च तथा शान्तिः ...। ऋतधामा च देवेन्द्रः... चतुर्दश NīlaP. 572; BṛNāraP. 37. 100; NaraP. 24. 0 (62. 11); इन्द्रस्तु ... बलिर्भाव्यस्ततः परम्। अद्भुतस्त्रिदिवश्चैव BhaviP. 186B. 4 (i. 125. 25); KalpaK. 441. 22; **iv** name of one of the eight Lekha deities मनोजवः प्रघासस्तु ... अद्भुतश्चैव वीर्यवान् ... लेखाः संपरिकीर्तिताः VāyuP. ii. 1. 64; **v** name of a Brahmin वृद्धिस्वा[मिने] द्विरंश[:]। दिवाकर-हरि-अद्भुत-त्वष्ट्र-तोष-नागेभ्यो अंश[:] EI. xix. 247 19; **vi** name of one of the 8 (or 9) *rasas* or sentiments (the sentiment of wonder or marvel) (with or without the word *rasa* in the passages) आर्षं रामायणं काव्यमिदं तावन्मया कृतम्।... करुणाद्भुतशान्तैश्च युक्तं काव्यरसैरपि Rāmā. i. 203 *(16); वीरस्यापि च यत् कर्म सोऽद्भुतः परिकीर्तितः NāṭyaS'ā. 6. 46; अद्भुतो ब्रह्मदैवतः NāṭyaS'ā. 6. 50 = BhāvPra. (S'ā.) 68. 4 (3); स्वरौ ...। षड्जर्षभौ तथा चैव वीररौद्राद्भुतेष्वथ NāṭyaS'ā. 17. 104; 6. 102; 8. 163; 18. 43; AhirbuS. 54. 12; शृङ्गारवीरकरुणाद्भुतहास्यभयानकाः। बीभत्सरौद्रौ च रसाः AmaK. 395; शृङ्गारहास्यकारुण्यवीराद्भुतभयानकाः। रौद्रवी(बी)भत्सशान्ताश्च रसास्तत्र नवोदिताः PadmP. (Ra.) 24. 22; Kāvyāda. 2. 287; S'ṛṅgāTi. (Ru.) 1. 9; 3. 28; स्यादेष विस्मयात्मा रसोऽद्भुतो विस्मयोऽप्यसंभाव्यात् Kāvyālaṅ. (Ru.) 15. 9; अतिलोकैः पदार्थैः स्याद् विस्मयात्मा रसोऽद्भुतः।... हर्षावेगधृतिप्राया भवन्ति व्यभिचारिणः DaśRū. 4. 78; कुर्यान्निर्वहणेऽद्भुतम् DaśRū. 3. 34; 4. 44; AvaLo. 109. 4 (*on* 4. 78); AgniP. 336. 20; 359. 77; ViṣṇuDhaP. iii. 30. 1; SaraKaṇṭhā. 595. 8; वीरस्य पर्यन्तेऽद्भुतः फलमित्यनन्तरं तदुपादानम् AbhinBhā. i. 267. 18 (*on* 6. 15) = Kāvyānu. (He.) 81. 13; AbhinBhā. i. 337. 13 (*on* 6. 83); वीराद्भुतयोः ... न विभावविरोधः Loc. 162. 13 (*on* 3. 19); 172. 13 (*on* 3. 24); रौद्रदीनाद्भुतत्रासबीभत्सकरुणा रसाः। न प्राणिषु प्रयोक्तव्याः SamarāSū. 34. 11; सोऽभवद् रत्नहरिणः ... रसो मूर्त इवाद्भुतः RāmāMañ. 138. 8; Vaija. 142. 77; शृङ्गारवीररौद्राश्च कृता(? करुणा)द्भुतभयानकाः। बीभत्सहास्यसंयुक्ता रसाः स्युः कुकुटाह्वे Mānaso. iv. 7. 1169; iv. 2. 172 (? 372) (2. 186); AbhidhāCin. 595; NāṭyaDa. 169. 19 (121); वीरे रौद्रेऽद्भुते रसे। विनियुक्तः ... षड्जग्रामाभिधो बुधैः (रागः) SaṁgīRa. ii. 27. 5 (ii. 2. 22); i. 96. 15 (i. 3. 59); SaṁgīMa. i. 1. 47; व्याघ्रादयो विभावा भयानकस्येव वीराद्भुतरौद्राणाम् KāvyaPra. 95. 4; दिव्यदर्शनादिविभावो नयनविस्ताराद्यनुभावो हर्षादिव्यभिचारी विस्मयोऽद्भुतः Kāvyānu. (He.) 95. 14; 79. 5; 81. 6; विस्मयात्माद्भुतो ज्ञेयः स चासंभाव्यवस्तुनः। दर्शनाच्छ्रवणाद् वापि Vāgbhaṭā. 5. 25; 5. 3; वर्णानाम् ... मध्यमानां हास्यभयाद्भुतशान्तेषु (परिपोषकत्वम्) AlaṅkāRa. 4 (6); PrasaRā. 4. 14; शृङ्गारादौ चमत्कारदर्शनात् ... मनोविकृतिः ... प्राधान्येन यत्र भासते तत्राद्भुत एव रसः RasTa. 28. 8; 157. 3; अद्भुतः कर्म वीरस्य NāṭaLaRaK. 1865; मध्यमौ वीराद्भुतौ भारतीसात्त्वतीविषयौ पाञ्चालरीतिभाजौ NāṭaLaRaK. 1973; 1957; तर्कौ विबुधश्चिन्ता च रोमाञ्चः स्तम्भवेपथू। स्वेदश्चेत्यद्भुते भावाः BhāvPra. (S'ā.) 33. 22 (2); 55. 11 (3); Ekāva. 3. 1 (87) (96. 7); RasāSu. 86. 16 (1. 287); PratāYaBhū. 221. 6; अद्भुतो विस्मयस्थायिभावो गन्धर्वदैवतः। पीतवर्णो वस्तु लोकातिगमालम्बनं मतम् SāhiDa. 191. 4; कार्यो निर्वहणेऽद्भुतः SāhiDa. 274. 2; 168. 6; BhaktiRaSi. ii. 5. 97; न कश्चिद् (? कंचिद्) द्रष्टि चाद्भुतः AlaṅkāS'e. 20. 30; 20. 1; 20. 25; RasGaṅ. 36. 2; 57. 12; AlaṅkāMañ. 226. 13; **vii** the feeling of wonder हर्षशोकाद्भुतास्तस्मात् सहसान्तः समुत्थिताः BṛKathāMañ. xiii. 1. 97; केचित्पुनर्निपाताः क्रोधाद्भुतशोकादीन् भावान् प्रदीपवत् वक्तृगतानेवाद्योतयन्ति न वाच्यगतान् VyaktiVi. 136. 24; **viii** name of the sixth or penultimate part (in a sevenfold division) of a Sāman (cf. **उपद्रव**) दिश सामानि वै तात ... पञ्चमः परिहारोऽत्र षष्ठमाहुस्तमद्भुतम्। निधनं सप्तमं साम्नां साप्तविध्यमिति स्मृतम् BhaviP. 306A. 20 (i. 211. 23)

अद्भुतक (adbhuta-ka) *n.* wonder प्रतिपत्तयस्तिमिरलुप्तदृशो यदिहोद्भवन्ति न तदद्भुतकम् SaṁkṣeS'ā. 2. 223 (i. 132. 10)

अद्भुतकण्डुर (adbhuta-kaṇḍura) *adj.* unusual itching sensation (कुष्ठानि) प्रदिष्टरूपेऽद्भुतकण्डुराणि KalyāKā. 11. 63.

अद्भुतकथा (adbhuta-kathā) *f.* marvellous tale ग्रेथुरग्र्यमितिहासमथो जग्रन्थुरद्भुतकथाश्चरितैस्ते। मागधाः DvyāśraKā. 8. 49; यदवलोकनेनाद्य ... उपरत इवाद्भुतकथाकर्णनादरः कर्णयोः TilaMañ. 155. 19.

अद्भुतकथाकन्था (adbhutakathā-kanthā) *f.* patched garment of wonderful stories किं ताभिर्विततताभिरद्भुतकथाकन्थाभिरेतावता। वन्द्योऽयं विमुरम्भसां समभवद्रत्नं यतः कौस्तुभः AnyoMuLa. 29.

अद्भुतकनकमय (adbhutakanaka-maya) *adj.* consisting of marvellous gold लोकेशः कर्णराजाद्भुतकनकम[या]त्तावकीनप्रतापाद्ब्रह्माण्डानाम् — जलनिधिरकरोत् SūktiSu. 117.

अद्भुतकर (adbhuta-kara) *adj.* [*f.* -ī] causing astonishment, wonderful सरित्स्रोतस्त्वेवं विपिनगहनैश्चाद्भुतकरं जगत्याश्चर्यं हि प्रथयति महत्कर्म महताम् EI. xxi. 150. 18; शशकलङ्कः …। तदमृतस्य तवेदृशभूतताद्भुतकरी परमूर्धविधूननी NaiṣC. 4. 55; शैलूषी तव कीर्तिरद्भुतकरी … ताराभिस्तरलीकरोति गगनम् SūktiSu. 68.

अद्भुतकर्मकारिन् (adbhutakarmakār-in) *adj.* performing miraculous deeds किमेतदित्यद्भुतकर्मकारी ह्येकः करोत्यप्रतिमं महच्च VarāP. 23. 22.

अद्भुतकर्मकृत् (adbhutakarma-kṛt) *adj.* performing wonderful deeds शरवेश्माकरोत्पार्थस्त्वष्टेवाद्भुतकर्मकृत् MahāBhā. vii. 74. 57; प्रययौ पार्थः रथेनाद्भुतकर्मकृत् MahāBhā. ii. 23. 7; ततो नारायणः श्रीमान्मोक्षयित्वा … ग्राहं चाद्भुतकर्मकृत् VāmaP. 85. 76.

अद्भुतकर्मकौशल (adbhutakarma-kauśala) *n.* skill in wonderful deeds कार्यान्तेऽद्भुतकर्मकौशलकृतावज्ञा विरागस्पृशः… भृत्यास्त्यजन्ति प्रभुम् RājTa. (Ka.) 8. 656.

अद्भुतकर्मचारिन् (adbhutakarmacār-in) *adj.* performing wonderful deeds विष्णुः सदैवाद्भुतकर्मचारी प्रोवाच VāmaP. 93. 9.

अद्भुतकर्मन् (adbhuta-karman) *adj.* performing wonderful deeds, exhibiting wonderful workmanship कौरवान् कारणं कृत्वा कालेनाद्भुतकर्मणा। अहानि युयुधे भीष्मो दशैव परमास्त्रवित् MahāBhā. i. 2. 25; i. 1. 23; ततो लब्धवरा प्रीता …। जगाम सह संसर्गमृषिणाद्भुतकर्मणा MahāBhā. i. 51. 66; ii. 23. 7; iii. 80. 15; iii. 154. 34; सर्वज्ञं त्वां कथं मोह आविशत्स्वर्गवासिनम् । एवमद्भुतकर्माणम् MahāBhā. iii. 178. 29; iii. 43. 27; v. 164. 30; vi. 50. 1; xii. 98*(3); i. 1. 19; xv. 8. 6; ततः प्रध्माप्य तं शङ्खम् । प्रविवेश पुरं कृष्णो बाणस्याद्भुतकर्मणः HariVaṁ. 110. 35; 87. 13; ततो हि यजमानस्य जह्नोरद्भुतकर्मणः। गङ्गा संप्लावयामास यज्ञवाटं महात्मनः Rāmā. i. 934*(1); vi. 66. 33; JayāS. 1. 37; प्रलम्बं निहतं दृष्ट्वा बलेनाद्भुतकर्मणा। प्रहृष्टास्तुष्टुवुर्गोपाः ViṣṇuP. v. 9. 37; VāyuP. i. 1. 72; प्रतिशापश्च दक्षस्य रुद्रादद्भुतकर्मणः BrahmāṇḍP. i. 1. 64; i. 2. 1; MatsyaP. 53. 58; प्रवक्ष्यामो मतं कृत्स्नं व्यासस्याद्भुतकर्मणः MārkP. 4. 42; तेनैवाद्भुतकर्मणा निजमिह क्रीत्वा[यं]सङ्घानिकान्मुक्त्वा चीवरिकां प्रदाय विधिना सामान्यमेकन्तथा EI. xx. 44. 14; SātvaT. 1. 3; वायोः सुतस्यैव कथं प्रभावो निगद्यतामद्भुतकर्मणोऽपि PadmP.(Ra.) 19. 95; 17. 88; 8. 125; श्यामो वटः सोऽयमेतस्याद्भुतकर्मणः। छायामप्यधिवास्तव्यैः परं ज्योतिर्निषेव्यते AnargharRā. 7. 127; स धर्मः पीडितः पूर्वं सोमेनाद्भुतकर्मणा VarāP. 32. 9; 55. 32; अथ क्रोधावृतेनाथ ब्रह्मणाद्भुतकर्मणा। सृष्टस्तु पुरुषो धीमान् VāmaP. 2. 39; 8. 26; 9. 11; ततः प्रादाद्वरं ब्रह्मा व्याघ्रस्याद्भुतकर्मणः VāmaP. 54. 20; हरेरद्भुतकर्मणः । दुर्विभाव्यमिवाभाति कविभिश्चापि चेष्टितम् BhāgP. ii. 4. 8; i. 4. 46; i. 18. 1; मनोजवायाद्भुतकर्मणे गृणे BhāgP. ix. 5. 6; iii. 10. 10; उभौ चाद्भुतकर्माणौ … न वेद्मि BrahmP. 50. 57; नन्दी चाद्भुतकर्मासौ ददौ तेनैकदन्तकः BṛDharmaP. i. 60. 84; i. 59. 18; BhaviP. 549B. 6 (iii(4). 5. 30); 418B. 17 (iii(1). 3. 51); DevīBhāP. iv. 9. 37; iv. 16. 1; KalkiP. ii. 1. 2; PadmP. iv. 39. 36; i. 38. 41; ĀdiP. 7. 50; GaṇeP. ii. 82. 15; YogVā. ii. 3. 26; कुमार इव विद्यानां वृन्देनाद्भुतकर्मणा। यः शशासासुरान् घोरान् EI. xviii. 109. 15; i. 357. 24; अहो न जानीषे रामस्याद्भुतकर्मणः … यशस्त्रैलोक्यविश्रुतम् RāmāMañ. 134. 19; तामष्टमेऽब्दे विप्राय शान्तायाद्भुतकर्मणे प्रददौ … पिता S'aṅkaVi.(Ā.) 9. 10; अहो विधेरचिन्त्यैव गतिरद्भुतकर्मणः KathāSaSāg. xii. 7. 205; vii. 2. 96; KaṁsaVa. 2. 5; KathāKau. 2. 20; चापदानं तु खण्डनेऽद्भुतकर्मणि AnekāK. 508; *n.* wonderful act, miraculous deed दैत्यान्मानुषदेहस्थान्सूदयामास वीर्यवान्। छिन्नं बाहुसहस्रं च बाणस्याद्भुतकर्मणा BrahmāṇḍP. ii. 73. 101; एतस्याद्भुतकर्माणि शृणु मे गदतः सुर GaṇeP. ii. 11. 2; त्वद्विजृम्भितमतोऽद्भुतकर्मस्वप्युदेति न तव स्तुतिबन्धः Stotrā. 11. 4.

अद्भुतकर्मरक्ता (adbhutakarma-raktā) *adj.* (*f.*) fond of miraculous deeds पानीयमे पुष्पवती … प्रच्छन्नपापाद्भुतकर्मरक्ता VasiS. 24. 24.

अद्भुतकल्प (adbhuta-kalpa) *adj.* almost miraculous एतान्यद्भुतकल्पानि दृष्ट्वाहं द्रुतमागता MahāBhā. iii. 73. 17; xii. 160. 63; रथेनाद्भुतकल्पेन सङ्ग्रामे सोऽभ्यवर्तत Rāmā. vii. 28. 7.

अद्भुतकविता (adbhuta-kavitā) *f.* wonderful poetry अद्भुतकवितादर्शनात्कविराजो राजेन्द्रेण नित्यसेवकः कृतः PrabaK. 63. 22.

अद्भुतकान्ति (adbhuta-kānti) *f.* extraordinary lustre सूर्यस्य … सप्तस्वद्भुतकान्तिसौख्यविभवः Sārā. 54. 3; अद्भुतकान्तिपूरम् … आमुद्रिताननमहो मधुरं मुरारेः KṛṣṇaKa. 3. 62.

अद्भुतकामकेलि (adbhuta-kāmakeli) *adj.* consisting of wonderful love-sports आविरासीत् … रङ्गभवनेऽद्भुतकामकेलिः… चरणायुधानामद्भुतसुरतोत्सवः MahāN. 2. 62.

अद्भुतकारक (adbhuta-kāraka) *adj.* producing wonder ततः सिद्धादिचरितं तन्मत्वाद्भुतकारकम् ।… ते वाक्यमब्रुवन् KathāSaSāg. ii. 4. 189.

अद्भुतकारण (adbhuta-kāraṇa) *n.* wonderful cause नमो नमस्तेऽखिलकारणाय निष्कारणायाद्भुतकारणाय BhāgP. viii. 3. 15; भीष्माभिसेचनं पर्व ज्ञेयमद्भुतकारणम् MahāBhā. i. 2. 54; नमो नमस्तेऽद्भुतकारणाय SkandP. ii(1). 20. 81; जीवंजीवकयुग्मानां व्यक्तवाचां समं शुकैः । आलापः सारिकाभिश्च तस्मिन्नद्भुतकारणम् PadmP.(Ra.) 6. 102; संसारविच्छित्तिकरैर्यजद्भिरतोऽवसीयेत चतुर्भुजस्त्वम् परं न जानाति यतो वपुस्ते देवादयोऽप्यद्भुतकारणं तत् VarāP. 73. 26.

अद्भुतकारिन् (adbhutakār-in) *adj.* [*f.* -iṇī] working wonderful deeds कौमारव्रतयुक्ता सावासीदद्भुतकारिणी PadmP.(Ra.) 90. 9; PadmP. iv. 88. 60; इयमत्राद्भुतकारिणि मदपुरुषे नैव वर्णना वितथा YaśasCam. i. 505. 3; वयं रणे निपतिताः पुनः संजीविता हर । मयूरेशाङ्गसंभूतवायुनाऽद्भुतकारिणा GaṇeP. ii. 116. 46; यशःशब्देन लोकप्रसिद्धिहेतुभूतमद्भुतकारि वस्तूच्यते यथा रामस्य सप्ततालव्यथनादि AbhinBhā. i. 41. 7 (*on* 1. 115); भक्तिमदोद्भुतकारी विस्मृतदेहश्चलः प्रकृत्यैव KalāVi. 6. 9; राजन्मे पश्य तपसो बलमद्भुतकारिणः । सशरीरो दिवं गच्छ RāmāMañ. 34. 20; अङ्के तस्मिन्नेतानि प्रत्यक्षजानि स्युः ।… अद्भुतकारिणां दर्शनम् NāṭaLaRaK. 284; यत्रोल्लसत्यद्भुतकारिवाचः स्फुर[न्ति चि]त्ते विदुषां सदा EI. ii. 422. 3.

अद्भुतकार्यकारिन् (adbhutakāryakār-in) *adj.* performing wonderful deeds अशक्तिरस्यास्ति न दिग्जयेषु यस्यानुजोऽहं शिरसा धृताज्ञः । स्थानस्य एवाद्भुतकर्मकारी बिभर्तु रक्षामणिना समत्वम् VikraDeC. 3. 54.

अद्भुतकीर्तन (adbhuta-kīrtana) *n.* narration of a marvellous deed अत्युक्तौ यदि न प्रकुप्यति मृषावादं न चेन्मन्यसे तद्ब्रूमोऽद्भुतकीर्तनेषु रसना केषां न कण्डूयते SubhāRaK. 41. 24 = S'ārṅgaPa. 1246.

अद्भुतकीर्ति (adbhuta-kīrti) *f.* wonderful fame क्ष्मापतिरिन्द्रराजः शास्ता बभूवाद्भुतकीर्तिसूतिस्तद्दत्तलाटेश्वरमण्डलस्य EI. iii. 55. 9.

अद्भुतकीर्तिलाभ (adbhutakīrti-lābha) *m.* obtaining wonderful fame शिरःप्रदानेऽद्भुतकीर्तिलाभस्तवापि लोके S'aṅkaDigVi.(Mā.) 11. 15.

अद्भुतकुतूहला (adbhuta-kutūhalā) *adj.* (*f.*) having extraordinary or unusual curiosity अथ सर्वैः स्तुता देवैर्देव्यद्भुतकुतूहला । उवाच स्वामिनम् S'ivaP. ii(5). 7. 5 (228A. 12)

अद्भुतकृच्चरित्रा (adbhutakṛc-caritrā) *adj.* (*f.*) whose nature works miracles पदोर्नखाली तव रोहिणीयं मुदे न कस्यादद्भुतकृच्चरित्रा GotaSt. 7.

अद्भुतकृत् (adbhuta-kṛt) *adj.* who works wonders गगनगामित्वमिच्छत्यद्भुतकृद् व्रती JayāS. 29. 148; अथाम्बुधौ मन्दरतुल्यशैलैः सेतुर्निबद्धोऽद्भुतकृत्प्लवङ्गैः DaśāvaC. 7. 211.

अद्भुतकृष्ण (adbhuta-kṛṣṇa) *m.* wonderful Kṛṣṇa, Kṛṣṇa who is a wonder कस्ते गुणान् गदितुमद्भुतकृष्ण शक्तः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 7. 30.

अद्भुतकृष्णराज (adbhutakṛṣṇarāja) *m.* name of a king तस्माद्बभूवाद्भुतकृष्णराजो विख्यातकीर्तिः EI. ix. 13. 3.

अद्भुतकृष्णरूप (adbhuta-kṛṣṇarūpa) *n.* wonderful or extraordinary form of Kṛṣṇa चैद्यः … क्षणमद्भुतकृष्णरूपदर्शी … अवतस्थे Yādavā. 15. 126.

अद्भुतकेतुयष्टि (adbhuta-ketuyaṣṭi) *f.* wonderful or extraordinary banner-staff जगज्जिगीषोर्मदनस्य जैत्री पताकयेवाद्भुतकेतुयष्टिः Yādavā. 13. 49.

अद्भुतकेलिभेद (adbhutakeli-bheda) *m.* variety of wonderful sports एवंविधैश्चाद्भुतकेलिभेदैरानन्दमूर्च्छामतुलां व्रजस्य । पदे पदे नूतनयन्नसीमं परात्मरूपिन् पवनेश पायाः Nārāy. x. 71. 10.

अद्भुतकेशवकेलि (adbhuta-keśavakeli) *f.* wonderful sport of Kṛṣṇa श्रीजयदेवभणितमिदमद्भुतकेशवकेलिरहस्यम् GītGo. i. 4. 9.

अद्भुतकौतुक (adbhuta-kautuka) *adj.* wonderfully curious, having an extraordinary curiosity अथ राजगृहस्वामी जगादाद्भुतकौतुकः PādmP. (Ra.) 91. 1.

अद्भुतकौतुकिन् (adbhuta-kautukin) *adj.* curious about a wonderful thing पौरग्रामेयका अपि । तमवेक्षितुमाजग्मुः सर्वोऽप्यद्भुतकौतुकी MalliC. 8. 190.

अद्भुतक्रतु (ádbhuta-kratu) *adj.* possessing wonderful mental power मा कस्याद्भुतक्रतू यक्षं भुजेमा तनूभिः ṚV. v. 70. 4; यज्ञेभिरद्भुतक्रतुं यं कृपा सूदयन्त इत् ṚV. viii. 23. 8.

अद्भुतक्रमपरायण (adbhutakrama-parāyaṇa) *adj.* devoted to him (i. e. Hari) whose steps are wonderful ते वै विदन्त्यतितरन्ति च देवमायाम्…। यद्यद्भुतक्रमपरायणशीलशिक्षास्तिर्यग्जना अपि BhāgP. ii. 7. 46.

अद्भुतक्रिय (adbhuta-kriya) *adj.* who performs wonderful deeds वन्दक्रो नेमिनाथस्य कृष्णोऽभूदद्भूतक्रियः PrdmP.(Ra.) 20. 241.

अद्भुतखड्ग (adbhuta-khaḍga) *m.* wonderful sword खड्गोऽद्भुतखड्गकुपितकृपाणौ … चाटुप्रवाहोऽयम् SaduktiKa. 186. 21.

अद्भुतगति (adbhuta-gati) *adj.* having a wonderful gait अद्भुतगतिः … न कस्य मनसस्तोषाय योषा PadyaVe. 385.

अद्भुतगन्ध (adbhuta-gandha) *adj.* having a wonderful smell [GOLD., MW.]

अद्भुतगरिमकार्मण (adbhutagarima-kārmaṇa) *n.* magic of wonderful greatness साक्षादङ्कृत … अद्भुतगरिमकार्मणविविधकेलिनिर्माणम्। … त्रिपुरवैरिणम् YātrāPra. 3. 63(9)

अद्भुतगर्भधारिणी (adbhutagarbha-dhāriṇī) *adj.* (*f.*) carrying a wonderful foetus बभौ सखीजनैः साद्भुतगर्भधारिणी । उपास्यमाना VikraDeC. 2. 70.

अद्भुतगर्भमाहात्म्य (adbhutagarbha-māhātmya) *n.* greatness of the wonderful foetus देवी … अद्भुतगर्भमाहात्म्यपरिवर्तितस्वभावा AvantiKa. 159. 4.

अद्भुतगात्र (adbhuta-gātra) *n.* wonderful limb कदा पुनस्तव लप्स्ये सुखमङ्गसङ्गजम् । अतिशीतलितानि येन मेऽद्भुतगात्राणि भवन्ति तत्क्षणात् SkandP. iv. 44. 17.

अद्भुतगुण (adbhuta-guṇa) *adj.* [*f.* -ā] having a wonderful quality वंशे तस्य बभूवुरद्भुतगुणा धाराधरित्रीभुजः SubhāRaK. 46. 7; तुभ्यमद्भुतगुणाय … नमः VasaViKā. 10. 65; तत्राद्भुतगुणो वज्रवीर्यनामा नृपोऽभवत् PārśvaC. 3. 5; (Praśasti) 4; काष्ठपुत्रिका मम पितरमद्भुतगुणं वर्णयन्ति PrabaK. 81. 21 = PurāPraSaṁ. 8. 29; ततोऽद्भुतगुणा बाला … प्रबुद्धैवाभवत्तदा KathāKau. 2. 34.

अद्भुतगुणावास (adbhutaguṇāvāsa) *m.* abode of wonderful qualities श्रीमत्केशवमिश्रमद्भुतगुणावासं नियुज्य स्वयं चक्रे … प्रबन्धमनवं माणिक्यचन्द्रो नृपः AlaṅkāŚe. 22. 4(21)

अद्भुतगोपखेलन (adbhuta-gopakhelana) *adj.* engaged in wonderful sports of cowherds प्रणुनाव च … हरिमद्भुतगोपखेलनम् Yādavā. 9. 58.

अद्भुतघोरवीर्य (adbhutaghora-vīrya) *adj.* of wonderful and terrible power तमभ्युपेत्याद्भुतघोरवीर्यं स कुम्भकर्णो युधि वानरेन्द्रम् Rāmā. vi. 55. 50.

अद्भुतचण्डतेजस् (adbhutacaṇḍa-tejas) *adj.* possessed of wonderful and terrible lustre विष्णुः … सुदर्शनेनाद्भुतचण्डतेजाः … हिरण्यनेत्रस्य शिरः … चिच्छेद S'ivaP. ii(2). 42. 45 (270A. 2)

अद्भुतचण्डवीर्य (adbhutacaṇḍa-vīrya) *adj.* possessed of wonderful and terrible valour शृण्वम्बिके … उत्पन्न एषोऽद्भुतचण्डवीर्यः । निमीलिते चक्षुषि मे भवत्या S'ivaP. ii(5). 42. 25 (269A. 13)

अद्भुतचरितोपवर्णन (adbhutacaritopavarṇana) *n.* description of a wonderful or marvellous deed यत्राद्भुतचरितोपवर्णनेन भूतभाविनोर्वस्तुनोः प्रत्यक्षायमाणत्वं भवति स भाविकालङ्कारः PratāYaBhū. 461. 1.

अद्भुतचरित्र (adbhuta-caritra) *n.* wonderful or marvellous deed अद्भुतचरित्रानुदर्शिताधिपत्यप्रलोभान् क्षत्रियकुमारकांस्तृणमिव गणयन्ती सा UdaySuKa. 97. 25; कपीश्वरः … चक्रेऽद्भुतचरित्रं स तत्र विक्रमसंयुतम् S'ivaP. iii. 20. 19 (319B. 4); *adj.* of wonderful course of life or behaviour शतदलम् … धत्तेऽसौ नवशाखी नाद्भुतमद्भुतचरित्रेषु MohaRāPa. 2. 27.

अद्भुतचर्य (adbhuta-carya) *adj.* of wonderful behaviour क्रीडन्नद्भुतचर्यः … त्वम् … जय StavMā. 192. 85.

अद्भुतचारित्र (adbhuta-cāritra) *adj.* (person) of wonderful course of life एवं सोऽद्भुतचारित्रो विक्रमादित्यभूमिपः … ददर्श … द्विजम् KathāSaSāg. xviii. 5. 89.

अद्भुतचारित्रा (adbhuta-cāritrā) *f.* name of the goddess Lalitā अनघाद्भुतचारित्रा LalitāSa. 231; (adbhutacāri-trā) *adj.* (*f.*) one who guards against startling events (foreboding calamity), one who saves from dangerous situations (comm.), LalitāSa. 231; cf. **अद्भुतचारिन्**.

अद्भुतचारिन् (adbhutacār-in) *adj.* startling event (foreboding calamity) अद्भुतेषु भूकम्पादिषूत्पातेषु निमित्तेषु चरन्तीत्यद्भुतचारीणि दुष्टफलानि तेभ्यः त्रायते LalitāSaBh. 194. 16 (*on* 231)

अद्भुतचिन्ता (adbhuta-cintā) *f.* thought about the mystery निर्निद्रस्तयैवाद्भुतचिन्तया RājTa.(Ka.) 2. 98.

अद्भुतचिन्मय (adbhuta-cinmaya) *adj.* consisting of the wonderful consciousness ब्रह्माद्भुतचिन्मयम् … स्मरन् पृथ्वीराजनृपः … लेभे शिवं शाश्वतम् HammīMaKā. 3. 72.

अद्भुतचेष्ट (adbhuta-ceṣṭa) *adj.* of wonderful or astounding acts को वेत्त्यद्भुतचेष्टानां कृत्यं प्राकृतचेतसाम् RājTa.(Ka.) 1. 305.

अद्भुतचेष्टित (adbhuta-ceṣṭita) *adj.* whose acts are wonderful or marvellous शरीरिणः । मनुष्यतां समासाद्य जायन्तेऽद्भुतचेष्टिताः PadmP.(Ra.) 14. 255; शक्तिदेवताम् । विसृज्यावस्थितो वालिः स्वसैन्येऽद्भुतचेष्टितः PadmP.(Ra.) 65. 57; आनर्तयत्यद्भुतचेष्टितोऽसौ ननर्त खेलं नवनीतकाङ्क्षी Yādavā. 4. 27; *n.* wonderful or miraculous act जगौ … नलस्याद्भुतचेष्टितम् BṛKathāMañ. 15. 360; निधिरद्भुतचेष्टितानाम् … त्वं वेधसा विरचितः VikraDeC. 5. 87.

अद्भुतजनितरुष् (adbhutajanita-ruṣ) *f.* anger caused by the wonderful act अद्रिं क्रव्यादवीरः प्रहितमनिलजेनाच्छिनत् मुद्गरेण । लाङ्गूलेनाञ्जनेयोऽद्भुतजनितरुषा मुद्गरं द्राक् चकर्ष MahāN. 9. 36.

अद्भुतजलनिधि (adbhuta-jalanidhi) *f.* ocean of wonders or miracles यदेव तावदाकर्णयितुमावयोरद्भुतजलनिधिमज्जनमन्तःकरणम्, तदेव मञ्जरीसमागमसंविधानम् … कथयतु Mukundā. 207(9)

अद्भुतजव (adbhuta-java) *m.* great or wonderful speed दृष्टो योजनबाहुरद्भुतजवद्वन्द्वाहतैकव्रती AdbhuDa. 1. 19.

अद्भुतजिनधर्म (adbhuta-jinadharma) *m.* wonderful Jain religion अथैकदा त्रिदशविलासिनीजनप्रवर्तिताद्भुतजिनधर्मसंकथा NemiNir. 2. 46.

अद्भुततत्पदोत्सव (adbhuta-tatpadotsava) *m.* wonderful celebration of his (teacher's) feet अचीकरद् योऽद्भुततत्पदोत्सवम् Gurvā. 410.

अद्भुततत्प्रभाव (adbhuta-tatprabhāva) *m.* his great or wonderful power सर्वंस्याद्भुततत्प्रभावमहिमव्याहारमय्यो गिरः KathāSaSāg. xviii. 2. 280.

अद्भुततनु (adbhut-tanu) *adj.* whose body is wonderful क्षेत्रेशमद्भुततनुं प्रणमामि देवम् S'āraTi. 20. 34.

अद्भुततम (adbhuta-tama) *adj.* [*f.* -ā] most wonderful, most miraculous, most extraordinary वर्म भास्वरम् । आबबन्धाद्भुततमं जपन्मन्त्रं यथाविधि MahāBhā. vii. 69. 39; तत्राद्भुततमं द्रौणिर्दर्शयामास विक्रमम् MahāBhā. vii. 131. 113; तदद्भुततमं लोके गङ्गापतनमुत्तमम् Rāmā. i. 42. 10; ब्रूह्येतदद्भुततमं भगवांस्तत्र कारणम् BhāgP. vii. 1. 20; तदद्भुततमं शीलं स्मृत्वा BrahmāṇḍP. iii. 39. 101; तदद्भुततमं वाक्यं श्रुत्वा PadmP. v. 34. 1; PāraS. 1. 23; प्राप्तो मयाद्भुततमो भवतां प्रसादात्संग्राममूर्ध्नि सुरशत्रुजयः प्रमर्दात् VāmaP. 56. 64; सान्द्रानन्दमविन्दताद्भुततमं श्रीशालिदेवः सदा S'ātiC. 3. 155; प्राप्तोऽयं पृथिवीरथोऽद्भुततमः सप्तानिलाश्वैश्चलन् TripuDi. 4. 8; यादृग्भूरिमिरुग्रमद्भुततमैस्तप्तैस्तपोभिर्भवेत् । श्लाघ्यं जन्म EI. i. 356. 21; कथाद्भुततमापि वृथा न यस्य EI. ii. 10. 7; *n.* most wonderful or extraordinary fact or event अयोनिजत्वं कृष्णायाः द्रुपदस्य महाहवे । तदद्भुततमं श्रुत्वा MahāBhā. i. 153. 9; उत्कृष्ट एव तु ग्राहः सोऽर्जुनेन … बभूव नारी … तदद्भुतं महद्दृष्ट्वा (v. l. तदद्भुततमं दृष्ट्वा) MahāBhā. i. 208. 12; देवदुन्दुभयो नेदुर्ववौ च पवनः शिवः । तदद्भुततमं दृष्ट्वा MahāBhā. iii. 75. 16; किमद्भुततरं (v. l. अद्भुततमं) लोके भविताप्यथवाप्यभूत् MahāBhā. vii. 75. 10; अपश्यन्नद्भुततमाकाशमनाकाशं जनार्दनैः । तदद्भुततमं दृष्ट्वा MahāBhā. x. 6. 18; xii. 31. 25; संचचाल वसुंधरा । ततस्तदद्भुततमं श्रुत्वा VāmaP. 6. 72; यदासीदद्भुततमं कन्यारूपस्य मे महत् । वृन्दावने भगवता दर्शितम् ĀdiP. 12. 54; इदमद्भुततमं युवतिसहस्रैर्विलुप्यमानस्य । वृद्धिर्भवति न हानिर्यत्तव सौभाग्यकोषस्य Subhāṣi. 2532.

अद्भुततर (adbhuta-tara) *adj.* [*f.* -ā] more wonderful, more miraculous, more extraordinary संप्राप्य … । ऐश्वर्यमद्भुततरं च समन्तभद्रं रक्षःपतिः परमसंसृतिसौख्यमेतः PadmP.(Ra.) 19. 138; देवराज अयमत्राद्भुततरो विमर्दः MahāvīC. 6. 48(1); दृश्यतामद्भुततरं ममेदं वैष्णवं धनुः RāmāMañ. 49. 1; प्रभावोऽयं किं त्वद्भुततरस्तव । स्थलीकृतं जलं येन भ्रूक्षेपेण RāmāMañ. 314. 3; किमेतदद्भुततरं लङ्कायां भूतमुत्थितम् RāmāMañ. 349. 2; यथा प्राप्तिभ्रंशा धरणिपतिभावस्य विविधाः … तथा दृष्टस्तस्य प्रमयसमयोऽद्भुततरः RājTa.(Ka.) 8. 1472; एतासु केतकि लतासु विकासिनीषु सौभाग्यमद्भुततरं भवती बिभर्ति SūktiMu. 33. 41; अलस्तद्विरां माधुर्यस्य समृद्धिरद्भुततरा नान्यत्र सा वीक्ष्यते S'aṅkaDigVi.(Mā.) 4. 91; S'ārṅgaPa. 1013; दृष्ट्वाद्भुततरं भावं स्वप्ने सत्यफलप्रदे । … भीता सा KathāKau. 2. 44; अद्भुततरमथापि शृण्वताम् …आलोकमानः सागरमथनसंरम्भमानन्द गोविन्दः NīlaVi. 88. 7; श्रीविन्ध्येश्वरशूलिनोऽद्भुततरः स्तम्भावलीशोभितः प्रासादोऽयम् EI. xxiii. 187. 6; [without a noun] more wonderful or extraordinary (fact or event) कुक्षिणा दश मासांश्च गर्भं संधारयन्ति याः । नार्यः … किमद्भुततरं ततः MahāBhā. iii. 196. 9; किमद्भुततरं लोके…यदश्वान् पार्थगोविन्दौ मोचयामासतू रणे MahāBhā. vii. 75. 10; तमद्भुततमं (v. l. तमद्भुततरम्) दृष्ट्वा राक्षसौ … रावणं तमवोचतुः Rāmā. vii. 32. 17; UttaRāC. 7. 8(4)

अद्भुततरम् (adbhuta-taram) *adv.* marvellously सा यावन्ति पदान्यलीकवचनैरालीजनैः पाठिता । तावन्त्येव कृतागसोऽद्भुततरं संलप्य पत्युः पुरः S'ārṅgaPa. 3580.

अद्भुततर्क (adbhuta-tarka) *m.* wonderful argument प्राक्प्रत्यक्पृथिवीभृतोः परिषदि प्रख्यातसंख्यावतामद्भुतायाद्भुततर्ककर्कशतया विच्छिद्य विद्यापदम् AlaṅkāŚe. 5. 2(65)

अद्भुततर्कबोध (adbhuta-tarkabodha) *m.* extraordinary proficiency in logic पश्चादद्भुततर्कबो(बो)धव(ब)लतस्तत्रैव … उपार्ज्य यशः EI. i. 65. 10.

अद्भुतता (adbhuta-tā) *f.* A the state of being wonderful or marvellous [सूत्राभिधर्म-]विनयाः सुगतस्य वाचो बाधा विनाद्भुततया सततं जयन्ति

DharmoPra. 1. 12; **B** the state of being the marvellous sentiment विभावैरनुभावैश्च … । नीतः सदस्यरसत्वं विसयोऽद्भुततां व्रजेत् RasāSu. 197. 3 (2. 242)

अद्भुततुङ्गमूर्ति (adbhuta-tuṅgamūrti) *adj.* having a wonderful tall body अद्भुततुङ्गमूर्तिः … देव समग्रकमैवनविदलनरसिकः … दधासि तत् त्वमृषभगजविलसितम् ChandaśCū. 2. 271(2)

अद्भुततुलाहेमन् (adbhuta-tulāheman) *n.* wonderful weighing (of a person) in gold दृष्ट्वैनं रचयन्तमद्भुततुलाहेम्नः सदा संपतद्यागाज्याहुतितर्पितो व्यचरयत् (व्यरचयन्) मन्ये तुलोपायनम् EI. xxi. 284. 23.

अद्भुततेजस् (adbhuta-tejas) *adj.* of wonderful brilliance or power प्रवक्ष्यामि मतं कृत्स्नं व्यासस्यामिततेजसः (v. l. °स्याद्भुततेजसः) MahāBhā. i. 1. 23; शृणुध्वं संयताः सर्वे विष्णोरद्भुततेजसः । सारभूतमिदं शास्त्रम् JayāS. 1. 40; 13. 11; तस्यासुराः सुराः सर्वे वक्त्रस्याद्भुततेजसः । तेजसा न प्रकाशन्ते दीपः सूर्योदये यथा SkandP. v(1). 2. 40; विश्वानावाहयिष्यामि देवानद्भुततेजसः ViṣṇuDhaP. iii. 103. 6; नृपः … विदूषकाय प्रददौ लक्ष्मीं चाद्भुततेजसे BṛKathāMañ. iii. 1. 250; *n.* marvellous splendour or brilliance सुरासुरास्तस्य सर्वे वक्त्रस्याद्भुततेजसा । … अवर्तन्त विचेतसः PadmP. v. 14. 97; स विक्रमेणाद्भुततेजसा च … विक्रमादित्य इति क्षितीन्दोरवाप … समाख्याम् VikraDeC. 3. 1.

अद्भुततोरण (adbhuta-toraṇa) *adj.* with a wonderful or marvellous arch ओङ्कारेऽद्भुततोरणं जिनगृहम् Gurvā. 200.

अद्भुतत्याग (adbhuta-tyāga) *adj.* of wonderful generosity or liberality वैश्रवणः सकलमद्भुतत्यागः … प्रददौ वित्तं द्विजातिभ्यः KalāVi. 2. 49.

अद्भुतत्यागनिधि (adbhutatyāga-nidhi) *m.* treasure of wonderful liberality (i. e. very generous) अस्याद्भुतत्यागनिधेः पुरस्तात्कल्पद्रुमाद्याः परमाणुकल्पाः VikraDeC. 9. 143.

अद्भुतत्यागशील (adbhuta-tyāgaśila) *adj.* wonderfully bountiful सोऽद्भुतत्यागशीलश्च शृङ्गारी च दिवं गतः EI. ix. 109. 15 = ix. 121. 18.

अद्भुतत्व (adbhuta-tva) *n.* **A** the state of being wonderful, marvellous or surprising अद्भुतत्वं विस्मयहेतुत्वम् PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. vi. 1. 147; अद्भुतत्वं प्रतिक्षणमभिनवत्वम् S'rutaPra. iB. 244. 32 (*on* i. 1. 21); अद्भुतत्वादवाच्यं तदतर्क्यानैयमेव च AnuVyā. 7A. 3 (*on* i. 1. 10); अद्भुतत्वादिति । आश्चर्यतमत्वात् NyāySu.(Ja.) 123B. 1 (*on* i. 1. 5); अद्भुतत्वम् अनतिविलम्बित्वं च प्रतीतम् AupaSūṬ. 41. 5; सत्त्वेऽप्यद्भुतत्वादेव युक्तम् । उक्तं हि अद्भुतत्वादनिर्वाच्यम् Nyāyāmṛ. 206B. 6; कादाचित्कतया अद्भुतत्वं लक्ष्यत इति भावः La-S'abdeS'e. ii. 182. 9; अद्भुतत्वमत्यन्तातथ्यत्वरूपं द्रष्टव्यम् AlaṅkāMañ. 218. 2; **B** the state of being the marvellous sentiment पुलकादिभिरनुभावैर्व्यज्यमानोऽद्भुतत्वमापद्यते RasāSu. 197. 13 (2. 243)

अद्भुतत्वविवक्षा (adbhutatva-vivakṣā) *f.* wish or desire to describe (something as) being wonderful यदि वा नगरविशेषस्थितेरद्भुतत्वविवक्षया यत्र हि नारीणां मुखं चन्द्र इत्युच्यते तदा विरोधाभासः RasGaṅ. 576. 13.

अद्भुतत्वाद्यभिप्राया (adbhutatvādy-abhiprāyā) *adj.* (*f.*) having the intended sense of being wonderful etc. इत्यादिश्रुतिस्तु अद्भुतत्वाद्यभिप्राया Nyāyāmṛ. 537A. 7.

अद्भुतत्वाभिप्राया (adbhutatvābhiprāyā) *adj.* (*f.*) having the implication of wonderfulness or surprise न चेयं श्रुतिरद्भुतत्वाभिप्राया Advai-Si. 785. 4.

अद्भुतदर्पण (adbhuta-darpaṇa) *n.* **1** wonderful mirror पञ्चविंशतितत्त्वानां पुरुषोऽद्भुतदर्पणम् । अध्यात्ममबुधस्येह किमसत्कमैभिर्भवेत् BhāgP. vi. 5. 17; **2** name of a drama इदमेव तदद्भुतदर्पणं नाम (नाटकम्) AdbhuDa. i. 5(27); 10. 31(6); *m.* name of a gem (used as mirror) अथवा अस्ति महाराजलङ्केश्वरस्य श्वशुरेण दानवेन्द्रेण दर्शनोपदीकृतो महामणिरद्भुतदर्पणो नाम AdbhuDa. 1. 22(16); 5. 22(5); 5. 24(1-2); 6. 0(19); 10. 13.

अद्भुतदर्शन (adbhuta-darśana) *adj.* [*f.* -ā] **A** of wonderful appearance दुराधर्षम् … अतीवाद्भुतदर्शनम् । पुत्रं जनय सुश्रोणि MahāBhā. i. 114. 25; पलाशदण्डं सङ्गृह्य वामनोऽद्भुतदर्शनः । … दक्षिणां देहीत्युवाच MahāBhā. ii. App. I. 21. (327); पवित्रभूतां लोकस्य शुभामद्भुतदर्शनाम् (नलिनीं ददर्श) MahāBhā. iii. 151. 3; iii. 23. 50; iii. 40. 7; iii. 112. 6; iii. 113. 1; iii. 186. 65; iii. 217. 1; रूक्षवर्णाश्च जलदा दृश्यन्तेऽद्भुतदर्शनाः MahāBhā. iv. 37. 5; तयोर्द्वे दिवसे युद्धं कुरुपाण्डवसेनयोः । कर्णे सेनापतौ राजन्नभूदद्भुतदर्शनम् MahāBhā. viii. 1. 15; viii. 24. 29; viii. 40. 78; स सन्निपातस्तुमुलो बभूवाद्भुतदर्शनः MahāBhā. ix. 14. 30; ix. 43. 38; प्रकृत्या ह्युपपन्नोऽसि बुद्ध्या चाद्भुतदर्शन MahāBhā. xii. 107. 4; xii. 126. 8; xii. 127. 10; इत्येतन्मे पिता श्रुत्वा सोमादद्भुतदर्शनात् MahāBhā. xiii. 36. 18; तत्र द्रक्ष्यसि काकुत्स्थ यज्ञं चाद्भुतदर्शनम् Rāmā. i. 30. 11; पादपैरन्वितः कपिः । हनुमान्पर्वताकारो बभूवाद्भुतदर्शनः Rāmā. v. 1. 45; vi. 24. 22; मम पुत्रा हतास्तेन ज्येष्ठास्तेऽद्भुतदर्शनाः VāyuP. ii. 34. 115 = BrahmāṇḍP. ii. 71. 211; पुमान् … निशि चाद्भुतदर्शनः NītiSā. 18. 53; देवर्षिः … तं दृष्ट्वा देवतापूज्यं भार्या चाद्भुतदर्शनाम् । प्राह VāmaP. 69. 137; 2 24; 9. 8; 71. 12; चापं चाद्भुतदर्शनम् । मारुतो दत्तवांस्तस्मै DevīBhāP. v. 9. 14; v. 33. 32; दृष्टः स्वप्ने … महेश्वरः … अद्भुतदर्शनः BṛDharmaP. i. 9. 17; i. 60. 69; SaurP. 41. 2; तेजसां निधिः … एनं स्तुवीमोऽद्भुतदर्शनम् BhaviP. 227A. 31 (i. 153. 40); BrahmP. 50. 14; 53. 1; 226. 25; रुरुः … परिभ्रमन्ददर्शैकां कन्यामद्भुतदर्शनाम् KathāSaSāg. ii. 6. 76; अधिगिरं चिरमद्भुतदर्शनैर्बहुपदार्थचयैर्हतमानसा । पदरुजम् … न विवेद विदेहजा Rāgh. 6. 24; AdhyāRā. iv. 9. 28; अथान्यं शृणु देवेशि चक्रमद्भुतदर्शनम् TantrRā. 8. 91; **B** of a wonderful nature प्रेक्षमाणो बहून्भावाञ्जगामाद्भुतदर्शनान् MahāBhā. vii. 57. 22; एतत्संयमनं पुण्यमतीवाद्भुतदर्शनम् MahāBhā. iii. 160. 9; तां श्रुत्वा दिव्यसङ्काशां कथामद्भुतदर्शनाम् Rāmā. vii. 57. 1; vii. 84. 8; vii. 91. 8; गच्छामो यात्रामद्भुतदर्शनाम् BṛKathāS'loSaṁ. 7. 79; *n.* appearance or sight of a wonderful event or portent तदा करोत्यद्भुतदर्शनानि यैर्ज्ञायते राहुरुपैष्यतीति AVPari. 53(1). 2; क्षेपे चाद्भुतदर्शने । एतेष्वेवं गतिं प्राज्ञः … सम्प्रयोजयेत् NāṭyaS'ā. 12. 37; 32. 322; हेमन्ते शोभनाः स्मृताः । हिमपातानिलोत्पातविरूपाद्भुतदर्शनम् VasiS. 45. 134; 45 130; अधीयत … नाद्भुतदर्शने KāśyaS. 59B. 37; दिव्यस्त्रीरूपगन्धर्वविमानाद्भुतदर्शनम् । … शरत्काले शुभाः MatsyaP. 229. 22; अस्याद्भुतदर्शनमेव नः प्रत्ययकारणमासीत् ĀścaCū. 7. 27(4); अनिष्टश्रवणे चैव क्षेपे चाद्भुतदर्शने । …एवंविधेषु कार्येषु गतिं शीघ्रां प्रयोजयेत् ViṣṇuDhaP. iii. 29. 5; नाप्यद्भुतदर्शनादतीतानागतत्वप्रत्यक्षत्वप्रतीतेः काव्यलिङ्गमिदम् AlaṅkāSa. 180. 5; उत्पातोऽद्भुतदर्शनम् Aparā. 963. 11 (*on* 3. 58); भक्त्या च तुष्ट्याद्भुतदर्शनाच्च । … एते गणाः … प्रणामं कुर्वन्ति LiṅgaP. i. 72. 153; निरीक्ष्यमाणे काष्ठे तु बभूवाद्भुतदर्शनम् BrahmP. 50. 24; अक्षतादर्शनात्तत्र सोमस्याद्भुतदर्शनम् BhaviP. 408A. 27 (ii(3). 20. 30); 409B. 36 (ii(3). 20. 85); 410B. 4 (ii(3). 20. 105); 876A. 29 (iv. 188. 2); चित्रेत्ययमद्भुतदर्शने णिचं लभते । चित्रयति SiddhāKau. 427B. 4.

अद्भुतदर्शनीय (adbhuta-darśanīya) *adj.* [*f.* -ā] of wonderful beauty इहागतो जटिलो ब्रह्मचारी … अन्यच्च तस्यातद्भुदर्शनीयं विकूजितं पादयोः सम्प्रभाति MahāBhā. iii. 112. 5; iii. 112. 7; अन्यच्च तस्याद्भुतदर्शनीया विभाति माला कनकप्रभासा MahāBhā. iii. 550*(1); तावृश्यमूकस्य समीपचारी चरन्ददर्शाद्भुतदर्शनीयौ Rāmā. iv. 68*(6)

अद्भुतदिव्यगन्ध (adbhutadivya-gandha) *adj.* possessed of wonderful heavenly fragrance वातैरभाव्यद्भुतदिव्यगन्धैः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 2. 76.

अद्भुतदिव्यमन्दिर (adbhutadivya-mandira) *n.* wonderful divine mansion (सः) ददर्शाद्भुतदिव्यमन्दिरं विचित्ररत्नेन्द्रमयं मनोज्ञम् SkandP. ii(9). 17. 8.

अद्भुतदृष्ट (adbhuta-dṛṣṭa) *adj.* seen in a wonderful manner पादकर्णसमवायत एव प्राकृतैः फणिभिरद्भुतदृष्टाः (ते) Gaṅgāva. 2. 5.

अद्भुतदृष्टि (adbhuta-dṛṣṭi) *adj.* possessed of wonderful look शुद्धवस्त्रा सुमनसस्तथा चाद्भुतदृष्टयः । … प्रविशेयुः समं त्रयः NāṭyaS'ā. 5. 70.

अद्भुतदृष्टित्व (adbhutadṛṣṭi-tva) *n.* the state of having extraordinary vision सूत्रधारस्य गुणः सौमनस्यविसयोगाद्भुतदृष्टित्वरक्षादिभिरा (दिरा) कृतिश्च (स्थापकः प्रविशेत्तत्र) AbhinBhā. i. 247. 21 (*on* 5. 162)

अद्भुतदेवता (adbhuta-devatā) *f.* marvellous or mysterious goddess यस्यैषाद्भुतदेवतेव सततं कीर्तिर्ज्ञैः स्तु(? स्तू)यते EI. xiv. 300. 23.

अद्भुतद्योतसनीड (adbhutadyota-sanīḍa) *adj.* along with its base of wonderful lustre किं कोऽपि … अस्ति यः खलु … अद्भुतद्योतसनीडं वैडूर्यमणिमानयति YaśasCam. ii. 302. 26.

अद्भुतद्वन्द्व (adbhuta-dvandva) *n.* extraordinary or wonderful couple तदद्भुतद्वन्द्वमवेक्ष्य सख्यः प्रापुस्तुलामप्सरसामनूनाम् Yādavā. 13. 13.

अद्भुतधर्म (adbhuta-dharma) *m.* extraordinary or miraculous event अद्भुतधर्मः कतमः । यत्र श्रावकबोधिसत्त्वतथागतानां परमाद्भुताश्चर्यधर्माणां देशना AbhidhSa. 79. 6; ये च गुरुवं बुद्धत्वं पश्यन्ति अद्भुतधर्मैयुक्तम् MaYānaSū. 48. 24 (9. 80); °चतस्रप्रतिसं[विद्]अष्टादशावेणीकाद्भुतधर्मसमन्वागतस्य सर्वसत्त्ववत्सलमहाकारुणिकस्य (बुद्धस्य) EI. i. 240. 6.

अद्भुतधामन् (adbhuta-dhāman) *n.* wonderful abode अलभ्यत प्राक्तनचक्रवर्तिना न जन्म यत्राद्भुतधाम्नि केनचित् VikraDeC. 2. 85; पौषधशालिका :… मन्त्रीन्दुनाकार्यन्ताद्भुतधाम धार्मिकदृशाम् VasaViKā. 14. 7; जातरूपरुचिमुञ्जसुधाम्ना छातरूपकटिमद्भुतधाम्ना । नाकभूजमिव सत्कृतिलब्धम् … तम् … मेने S'aṅkaDigVi.(Mā.) 5. 23; *adj.* possessed of wonderful lustre तस्मिन् सदस्यद्भुतधाम्नि…। रेजे बिडौजा इव दिव्यमूर्तिः आनन्दरङ्गक्षितिपालकोऽसौ Ānand-Ra. 4. 23.

अद्भुतधी (adbhuta-dhī) *adj.* of wonderful intellect मूर्तिमन्तस्त्रयो वेदाः …। सुराः सङ्कल्पकामास्तु यत्राद्भुतधियोऽभवन् SkandP. ii(2). 21. 56.

अद्भुतधैर्य (adbhuta-dhairya) *adj.* of wonderful courage (रामम्) तं दृष्टवान्प्रथममद्भुतधैर्यवीर्यगाम्भीर्यमक्षणविमुक्तसमीपजानिम् RasGaṅ. 342. 13.

अद्भुतनय (adbhuta-naya) *adj.* of wonderful conduct or polity विविक्तासीनमितरे मितरेचितदिङ्मुखाः। परीयुरद्भुतनयं तनयं मातरिश्वनः RāmC. 10. 8; स चमत्कारविस्मयं स्वानन्दवेशपेशलमद्भुतनयं तनयं विलोक्य … वाग्देवता … किञ्चिदपाठीत् CaitaCa. 27. 9 (1)

अद्भुतनाटक (adbhuta-nāṭaka) *n.* marvellous drama केनाप्यद्भुतनाटकेन कमपि श्रीमन्तमानन्दयन् NyāySiA. 224. 23.

अद्भुतनाट्यविद्या (adbhuta-nāṭyavidyā) *f.* marvellous dramaturgy अस्ति …। अपां निधेरद्भुतनाट्यविद्यागुरुश्चकोरीकुलबन्धुरिन्दुः Acyutarā. 1. 5.

अद्भुतनिधि (adbhuta-nidhi) *m.* treasure of wonders विधेरेवाद्भुतनिधेस्त्रैलोक्याश्चर्यकारिणी।… शक्तिर्दृष्टा तव RāmāMañ. 314. 7; DaśāvaC. 7. 214; विचित्रा किमियद्युत्तानमुखी कौम्मी नौरद्भुतनिधौ पयोधौ SamudraMa. 1. 61 (8); NityoNi. 59. 4.

अद्भुतनिरूपण (adbhuta-nirūpaṇa) *n.* explanation of wonders अथाद्भुतनिरूपणम्। तत्र वृद्धगर्गः AdbhuSāg. 4. 17.

अद्भुतनिर्माणपर्याप्ति (adbhutanirmāṇa-paryāpti) *f.* limit of wonderful creation प्रविष्टः सोऽप्यपश्यत्तां तत्र नेत्रोत्सवप्रदाम्। धातुरद्भुतनिर्माणपर्याप्तिमिव रूपिणीम् KathāSaSāg. v. 3. 47.

अद्भुतनिष्पत्ति (adbhuta-niṣpatti) *f.* origination of the marvellous sentiment वीराच्चाद्भुतनिष्पत्तिः स्याद्बीभत्साद्भयानकः AgniP. 338. 8; BhāvPra. (Śā.) 58. 2 (3)

अद्भुतनैपुण (adbhuta-naipuṇa) *adj.* having extraordinary dexterity एतस्यावरस्तर्कनिष्णातोऽद्भुतनैपुणः EI. ii. 13. 28.

अद्भुतपक्षिराज (adbhuta-pakṣirāja) *m.* wonderful king of the birds (i. e. Jaṭāyu) रक्षः पिपेष गगनेऽद्भुतपक्षिराजम् MahāN. 3. 88.

अद्भुतपञ्चक (adbhuta-pañcaka) *n.* five wonderful things विद्युर्वसुधारादि देवाश्चाद्भुतपञ्चकम्। रत्नपीठं महेन्द्रस्तु यत्र तस्थौ जगत्पतिः TriṣaŚaPuC. iii. 5. 68.

अद्भुतपद्म (adbhuta-padma) *n.* wonderful lotus दृष्टा काञ्चनयष्टिरद्य नगरोपान्ते भ्रमन्ती मया तस्यामद्भुतपद्ममेकमनिशं प्रोत्फुल्लमालोकितम् SubhāRaK. 16. 4.

अद्भुतपराक्रम (adbhuta-parākrama) *adj.* of wonderful valour अयं स पुरुषव्याघ्रो रणेऽद्भुतपराक्रमः MahāBhā. i. 63. 7 = ii. App. I. 12 (108); रावणो हि महावीर्यो रणेऽद्भुतपराक्रमः Rāmā. vi. 47. 47; TilaMañ. 266. 16.

अद्भुतपर्याय (adbhuta-paryāya) *m.* synonym of the word *adbhuta* (wonderful) काश्चादयोऽद्भुतपर्यायाः पूजनवचना भवन्ति Nyās. iii. 939. 10 (*on* viii. 1. 67) = LaŚabdeŚe. ii. 1112. 12.

अद्भुतपवन (adbhuta-pavana) *m.* wonderful breeze श्रीखण्डाद्रेरद्भुतपवनैर्मन्दान्दोला … सदृशी वासन्तीयम् ChandoMañ. 2. 196 (comm. अपूर्ववातैः)

अद्भुतपुण्य (adbhuta-puṇya) *m.* name of a poet, ŚārṅgaPa. 3528 (1); 3680 (1); SūktiMu. 78. 6 (1)

अद्भुतपुष्पवत् (adbhutapuṣpa-vat) *adv.* like a flower produced marvellously इह तु विभावादिचर्वणाद्भुतपुष्पवत्तत्कालसारैवोदिता न तु पूर्वापरकालानुबन्धिनी Loc. 58. 10 (*on* 1. 21)

अद्भुतपूर्वक (adbhutapūrva-ka) *adj.* wonderful, marvellous (*lit.* preceded or caused by wonders) नवमं पर्व निर्दिष्टमेतदद्भुतमर्थवत् (v. l. °दद्भुतपूर्वकम्) MahāBhā. i. 2. 176.

अद्भुतपौरुष (adbhuta-pauruṣa) *n.* wonderful prowess or valour यः सीमाद्भुतपौरुषस्य यशसां धाम श्रियामाश्रयः EI. xix. 280. 10; *adj.* endowed with wonderful valour नन्दस्य भवने कोऽपि बालोऽस्त्यद्भुतपौरुषः SāhiDa. 394. 3; BallāC. 52. 20.

अद्भुतप्रकाशनव्यपदेश (adbhutaprakāśana-vyapadeśa) *m.* pretext of revealing or manifesting a miracle तद् भवानद्भुतप्रकाशनव्यपदेशेन तस्य योगिनः स्वयमैहिकेषु विरक्तिमुत्पाद्य नः सन्त्रातुमर्हति MadaKeC. 17 (1)

अद्भुतप्रख्य (adbhuta-prakhya) *adj.* of wonderful fame ततस्तदद्भुतप्रख्यं भूतं परमभास्वरम्। संवर्तयित्वा तत्कमै तत्रैवान्तरधीयत Rāmā. i. 15. 22; vii. 89. 7.

अद्भुतप्रज्ञ (adbhuta-prajña) *adj.* of wonderful intellect कविश्चाद्भुतप्रज्ञः श्रीजयसिंहसूरिः HammīMaMa. 1. 7.

अद्भुतप्रताप (adbhuta-pratāpa) *adj.* of wonderful valour अथाद्भुतप्रतापेन वेष्टयित्वा महाचमूम्। उच्चलेनाहवे बद्धः ससैन्यो मण्डलेश्वरः RājTa. (Ka.) 7. 1321; Rāṣṭrau. 7. 25; जनं गुणैर्भूषयसि त्वमद्भुतप्रताप NemiNir. 7. 23.

अद्भुतप्रतिभट (adbhuta-pratibhaṭa) *adj.* having a wonderful rival अद्भुतप्रतिभटम् … आबभूव तुमुलं युद्धम् ParamāKā. 12. 84.

अद्भुतप्रतिभा (adbhuta-pratibhā) *f.* wonderful genius or inspiration वक्रतां कुरुते विद्धाति कविरित्यद्भुतप्रतिभाप्रसारप्रकाशः VakroJī. 243. 9.

अद्भुतप्रतिभाभू (adbhutapratibhā-bhū) *adj.* who is the source of wonderful genius अयमद्भुतप्रतिभाभूर्भाभूः MudriKu. 5. 6 (9)

अद्भुतप्रभ (adbhuta-prabha) *adj.* having a wonderful light तस्य जन्मभवने प्रबोधिताः … दीपकाः।… असुरद्भुतप्रभाः NemiNir. 4. 23.

अद्भुतप्रयोग (adbhuta-prayoga) *m.* wonderful performance यत्कर्णेऽनुगृहीतोऽसि … श्रीमुनिचन्द्रसूरिभिरद्भुतप्रयोगप्रदानेन MudriKu. 5. 4 (11)

अद्भुतप्रसर (adbhuta-prasara) *m.* spread of the marvellous sentiment अयमद्भुतप्रसरः…सहसैवावरोपित इव तिरोभूततामुपगतः AuciViCa. 16 (159)

अद्भुतप्रसूति (adbhuta-prasūti) *f.* of wonderful birth (लक्ष्मणः) आर्थे सेयमद्भुतभूति (v. l. °प्रसूति) रार्या MahāviC. 1. 20 (2)

अद्भुतप्रस्थिति (adbhuta-prasthiti) *adj.* (a group-dance) having a wonderful circular motion तदद्भुतप्रस्थिति रासचक्रं जवादलक्ष्यान्तरमाबभासे Yādavā. 8. 88 (comm. आश्चर्यभूतभ्रमणम्)

अद्भुतप्रहरण (adbhuta-praharaṇa) *adj.* having a wonderful weapon घ्नन्त्यद्भुतप्रहरणा विपिनेषु केऽपि प्राणेन केचन दृशाथ रसज्ञयान्ये RājTa. (Ka.) 8. 2027.

अद्भुतप्रहारिन् (adbhuta-prahārin) *adj.* giving wonderful blows न तस्थुः समरे केऽपि तेनाद्भुतप्रहारिणा ŚivaP. ii(4). 16. 24 (212B. 10)

अद्भुतप्राप्ति (adbhuta-prāpti) *f.* (Drama.) occurrence of a wonderful event (as one of the 14 *aṅgas* in the *nirvahaṇa-sandhi*) कार्यदृष्ट्यद्भुतप्राप्ती पूर्वभावोपगूहने DaśRū. 1. 53 = BhāvPra. (Śā.) 213. 4 (7); NāṭyaDa. 110. 5; NāṭaLaRaK. 889; उपगूढमद्भुतप्राप्तिः RasāSu. 236. 9 (3. 73); (चतुर्दशनिर्वहणसन्ध्यङ्गानि) उपपन्नेतरप्राप्तिरद्भुतप्राप्तिरुच्यते SāhiSā. 1. 108.

अद्भुतप्राभव (adbhuta-prābhava) *m.* wonderful lordship or power स पाण्डवैः। अद्भुतप्राभवप्राज्ये यौवराज्ये न्ययुज्यत PāṇḍaC. 17. 243.

अद्भुतप्राभृत (adbhuta-prābhṛta) *n.* wonderful present or gift स चाद्भुतप्राभृततोषितः NavaSāC. 13. 27; *adj.* with wonderful present or gift अद्भुतप्राभृतं दूतं राज्यदातुर्व्यसर्जयत् RājTa. (Ka.) 3. 248.

अद्भुतप्रायश्चित्त (adbhuta-prāyaścitta) *n.* expiation for portents अथैतान्यद्भुतप्रायश्चित्तानि भवन्ति BhārGS. 2. 32 (66. 2) = HirGS. i. 17. 5.

अद्भुतफल (adbhuta-phala) *n.* effect of portents अथ ग्रहणनिर्मुक्ताद्भुतफलम्। तत्र वराहसंहितायाम् – परुषपवनाब्दगर्जितविद्युत्परिवेषभूमिकम्पाद्याः सप्ताहान्तर्न शुभा ग्रहणनिवृत्तौ शुभा वृष्टिः AdbhuSāg. 82. 23; 3. 6.

अद्भुतफलकल्प (adbhutaphala-kalpa) *adj.* resembling a wonderful or astonishing result (of magic etc.) वीररसादावपि यथावसरमुद्दीपनप्रशमनाभ्यां विनापि झटित्येवाद्भुतफलकल्पे साध्ये लब्धे प्रकटीचिकीर्षित उपायोपेयभावो न प्रदर्शित एव स्यात् Loc. 150. 24 (*on* 3. 14)

अद्भुतफुल्लन्याय (adbhutaphulla-nyāya) *m.* maxim of the wonderful blooming (of flowers or plants out of season) यदा तु दूतीवचनाद्वा तल्लक्षणाभिज्ञानाद्वोपायान्तराद्वा तानुत्कर्षान् हृदयङ्गमीकरणेनामृशति तदा तत्क्षणमद्भुतफुल्लन्यायेनैव कामपि पूर्णतामभ्येति PratyabhiVi. ii. 314. 12 (*on* iv. 1. 17); Bhāsk. ii. 314. 25 (*on* iv. 4. 17)

अद्भुतबल (adbhuta-bala) *adj.* having wonderful strength भुजव(ब)लमवलोक्य यस्य [मे]नेऽद्भुतवल(? बल)मीमकथा जनैरमिथ्या EI. i. 198. 9.

अद्भुतबाल (adbhuta-bāla) *m.* wonderful child तं ददर्श जनताद्भुतबालम् (श्रीशंकरम्) ŚaṅkaDigVi. (Mā.) 3. 81; स्तनमम्ब दिशेत्युपासजन् भगवन्नद्भुतबाल (कृष्ण) पाहि माम् Nārāy. x. 46. 10.

अद्भुतबाहुवीर्य (adbhuta-bāhuvīrya) *adj.* possessing wonderful strength of arms सखे काम, चक्रेण विष्णोरपि यद् दुरापम् …। तत् साधयेत् पुष्पमयं तदस्त्रमहो भवानद्भुतबाहुवीर्यः PārvPa. 2. 11.

अद्भुतबाहुसत्त्व (adbhuta-bāhusattva) *adj.* possessing wonderful strength of arms जेतुं क्षमः किमयमद्भुतबाहुसत्त्वः सौमित्रिरेव JānaPa. 5. 4.

अद्भुतबाहुसार (adbhuta-bāhusāra) *adj.* having wonderful vitality of arms तदीश्वरः केशमिनायकोऽभूदभूतपूर्वाद्बु(? द्भु)तबाहुसारः EI. xiv. 90. 9.

अद्भुतबुद्धि (adbhuta-buddhi) *adj.* having a wonderful intellect सुतेन पृष्टः सकलं जगाद द्वैपायनस्तत्र पुराणगुह्यम्। अयोनिजेनाद्भुतबुद्धिना वै श्रुतं मया तत्र महाप्रभावम् DevīBhāP. i. 3. 38; *f.* wonderful intellect, astounding talents चकार युद्धं गौरी …। कृत्वा रणे चाद्भुतबुद्धिशौण्डं सेनापतिं वीरकघोरवीर्यम् ŚivaP. ii(5). 45. 39 (275A. 1)

अद्भुतभक्ति (adbhuta-bhakti) *adj.* having wonderful devotion उपास्यमानः सिद्धार्थदेवेनाद्भुतभक्तिना । मासक्षपणमातेने ··· सः PāṇḍaC. 18. 161.

अद्भुतभक्तिरस (adbhutabhakti-rasa) *m.* sentiment of wonderful devotion आत्मोचितैर्विभावाद्यैः स्वाद्यत्वं भक्तचेतसि । सा विस्मयरतिर्नीताद्भुतभक्तिरसो भवेत् BhaktiRaSi. iv. 2. 1.

अद्भुतभङ्गि (adbhuta-bhaṅgi) *adj.* of wonderful charm (भीन्या भङ्गिः) संत्यज पापचरित्रमुदञ्चय सुचरितमालाम् । अद्भुतभङ्गिरियं पुरुषोत्तमसरणिरनिन्द्या ChandaśCū. 2. 319(5); मन्ये पार्वणचन्द्रमध्यशकलेनासूत्रितैषा चिरादङ्गैरद्भुतभङ्गिभिः परिणतव्युत्पत्तिना वेधसा SūktiMu. 49. 20; *f.* the wonderful metre called Bhaṅgi, ChandaśCū. 2. 319(5)

अद्भुतभा (adbhuta-bhā) *adj.* (*f.*) of wonderful brilliance आम्रः प्रवव्राज विमुच्य पत्नीपुत्रादिकानद्भुतभाश्च लक्ष्मीः Gurvā. 350.

अद्भुतभागधेय (adbhuta-bhāgadheya) *adj.* of wonderful fortune, most fortunate तस्मादभूदद्भुतभागधेयः श्रीसाहसीयार्जुननामधेयः Rāṣṭrau. 2. 3.

अद्भुतभारती (adbhuta-bhāratī) *f.* wonderful speech आकर्णयन्नद्भुतभारतीं तां ददर्श राजा पुरतस्तनूजम् Rāṣṭrau. 1. 30.

अद्भुतभाव (adbhuta-bhāva) *m.* **i** marvellous nature तद्दर्शनाद् वीतपरिश्रमः ··· । प्रहृष्टरोमाद्भुतभावशङ्कितः प्रष्टुं पुरस्तं प्रससार बालकम् BhāgP. xii. 9. 26; **ii** wonderful nature स चायं द्वितीयः कार्यकारणभावः ··· अतिदुर्घटकारित्वलक्षणैश्वर्यविजृम्भाभावितात्भुतभावः PratyabhiVi. i. 27. 1 (*on* i. 1. 1); विजृम्भा विलसनं तया भावितः संपादितः अद्भुतभावः आश्चर्यकारित्वं यस्य तादृशः Bhāsk. i. 27. 14 (*on* i. 1. 1); **iii** feeling called marvellous अत्राद्भुतभावस्य मुख्यता दानवीररसो गौणः RasTa. 183. 5.

अद्भुतभासमेत (adbhutabhā-sameta) *adj.* accompanied with marvellous glory ब्रह्मोत्तरं त्रिदशवेशमवाप्य जातस्तत्कल्पलेखयतिरद्भुतमा(? भा)समेतः YaśasCam. ii. 263. 10.

अद्भुतभीमकर्मन् (adbhutabhīma-karman) *adj.* doing wonderful and fearful deeds ततस्तु भीमोऽद्भुतवीर्य(v. l. भीम)कर्मा ··· उत्पाट्य दोर्भ्यां द्रुममेकवीरो निष्पत्रयामास MahāBhā. i. 180. 15.

अद्भुतभीमरूप (adbhutabhīma-rūpa) *adj.* possessing a wonderful and terrifying form अलातकल्पाः करकाखिलोकीमापूरयन्नद्भुतभीमरूपाः Yādavā. 7. 40.

अद्भुतभीमवेग (adbhutabhīma-vega) *adj.* possessing an extraordinary and terrific speed आसीदतामद्भुतभीमवेगौ ··· वेलावने सैन्यमहासमुद्रौ Yādavā. 11. 19.

अद्भुतभुज (adbhuta-bhuja) *m.* wonderful (i. e. strong) arm अद्भुतभुजावलेपतः कृष्णवेणितटमाजगाम सः VikraDeC. 14. 50; सोऽपि तावदद्भुतभुजभुजङ्गराजकृष्णायमानकृपाणवशीकृतश्रीः ···मैत्र्यधुरामधिरूढोऽस्माकम् HammīMaMa. 3. 11(1)

अद्भुतभूमिक (adbhuta-bhūmika) *adj.* having a wonderful ground अकारयन्मन्दिरमिन्दुमौलेरिदम्मठेनाद्भुतभूमिकेन EI. ii. 12. 23.

अद्भुतभूरिसाहस (adbhutabhūri-sāhasa) *adj.* having wonderful and ample courage जगदद्भुतभूरिसाहसः प्रहसन्नुचलति स्म पार्थिवः VikraDeC. 15. 21.

अद्भुतभोग (adbhuta-bhoga) *m.* wonderful (aesthetic) enjoyment सुज्ञानस्याद्भुतभोगस्पन्दाविष्टस्य च मनःकरणं चमत्कार इति AbhinBhā. i. 279. 19–20; (*on* 6. 31); अद्भुतभोगात्मस्पन्दावेशरूपो हि चमत्कारः Kāvyānu. (He.) 75. 7 (comm.)

अद्भुतभोगवत् (adbhutabhoga-va(n)t) *m.* one of the thousand names of Viṣṇu (*lit.* having wonderful enjoyments) अद्भुतभोगवान् । ··· इति ··· विष्णोर्नामसहस्रकम् PañRā.(Nā.) iv. 3. 40 (? 50)

अद्भुतभ्रमि (adbhuta-bhrami) *f.* miraculous whirlpool स किलैवायम् ··· आवभ्रामाद्भुतभ्रमय इव AvantiKa. 164. 16.

अद्भुतभोगिभोग (adbhuta-bhogibhoga) *adj.* **1** who wears the wonderful bodies of the serpents धृतार्धसोमोऽद्भुतभोगिभोगो विभूतिधारी स्व इव प्रपेदे KumāSaṁ. 9. 39; **2** on which the wonderful enjoyment of lovers existed, KumāSaṁ. 9. 39.

अद्भुतम् (adbhutam) *adv.* wonderfully, in a wonderful or strange manner, strangely अद्भुतं चाप्यशङ्कं च नात्युच्चं नीचमेव च । यः पठेच्छास्त्रमित्थं च तस्य शास्त्रासिद्धिर्दृश्यते HāriS. i. 1. 28; तद्वन्शे(°वंशे) ··· देवो नागभट्टः पुरातनमुनेर्मूर्त्तिर्व्वं(°र्ब्बं)भूवाद्भुतम् EI. xviii. 107. 3; आर्द्रचित्तः । भूत्वा तु कूर्मवपुरद्भुतमुद्दधार (पृथिवीम्) SātvaT. 2. 25; धर्माशोकनराधिपस्य समये श्रीधम(? °धर्म)चक्रो जिनो यादृक् तत्नयरक्षितः पुनरयञ्चक्रे ततोऽप्यद्भुतम् । ···तया EI. ix. 325. 26; सुमनोवृष्टिरभूत्तदाद्भुतम् SaṅkaDigVi.(Mā.) 2. 77; इराणतुराणसमुद्भवाः । ··· सुचुक्रुशुरद्भुतमुच्चकैः ParamāKā. 15. 106; मुखात् पीयूषधारेयं निःसरत्यद्भुतं तव AlaṅkāMañ. 127. 5.

अद्भुतमकराकल्प (adbhuta-makarākalpa) *m.* wonderful decoration or ornament resembling a fish सिचयमुदञ्चय हृदयादल्पं विलिखाम्यद्भुतमकराकल्पम् StavaMā. 267. 17.

अद्भुतमणि (adbhuta-maṇi) *m.* wonderful jewel रूपन्यक्कृतकाममद्भुतमणिस्तन्नाभिरामं वपुः TilMañ. 6. 10.

अद्भुतमणिच्छत्र (adbhuta-maṇicchatra) *n.* wonderful bejewelled parasol युक्तं संचरणं तवाद्भुतमणिच्छत्रेण रात्रावपि BhojPra. 46. 26.

अद्भुतमणिमय (adbhutamaṇi-maya) *adj.* adorned with wonderful jewels स्तेयं कृत्वाद्भुतमणिमयैः कञ्चुकैरावृतापि PadyāTa. 77.

अद्भुतमति (adbhuta-mati) *adj.* of astounding intelligence or talent ताभ्यामजायत ··· गङ्गाधरोऽद्भुतमतिः EI. xxi. 164. 17; xxi. 165. 27; *f.* extraordinary intelligence तदद्भुतमतिः पापे न कर्तव्या कदाचन BhaviP. i. 119. 18; अयमद्भुतमतिश्रीसागरः सागरः MudriKu. 5. 6(6); श्रीचन्द्रप्रभसूरिरद्भुतमतिज्योत्स्नानिधानं बभौ PrabhāC. 215. 2.

अद्भुतमतिनिधि (adbhutamati-nidhi) *m.* treasure of marvellous intelligence तातस्यैवाद्भुतमतिनिधेः ··· शिक्षा चेतोऽस्माकं सुरसरिदिव क्षालयामास शुद्धा HammīMaMa. 5. 49.

अद्भुतमद (adbhuta-mada) *adj.* of wonderful (or strange) intoxication यावदेव ललितेक्षणासवैर्माद्यतेऽद्भुतमदैर्न पूरुषः PadmP. i. 22. 41.

अद्भुतमन्दिर (adbhuta-mandira) *n.* type of mansion called Adbhuta सपादांशं स्तूपिकोच्चं कुर्यादद्भुतमन्दिरे S'ilpaRa. i. 37. 10.

अद्भुतमय (adbhuta-maya) *adj.* full of wonders तदद्भुततमं (v. l. अद्भुतमयं) दृष्ट्वा नलो राजाथ भारत । दमयन्त्यां विशङ्कां तां व्यपाकर्षत् MahāBhā. iii. 75. 16; आः कोऽयमद्भुतमयः समयस्तनोति दिक्चक्रमक्रममिलत्तिमिरप्ररोहम् TripuDi. 1. 36; एतत्किञ्चिदुदीयतेऽद्भुतमयं द्रव्यान्तरं किं नु वा SamudraMa. 1. 52.

अद्भुतमहावीर्य (adbhutamahā-vīrya) *adj.* possessing wonderful and great prowess स चाद्भुतमहावीर्यो वज्रसंहननो युवा MahāBhā. i. 62. 11; SkandP. v(2). 71. 3.

अद्भुतमहिमभर (adbhutamahima-bhara) *m.* great amount of astounding greatness वंशेऽस्मिन्नुत्(? द्)बभूवात्(द्)भुतमहिमभरभ्राजितस्याम(? सु)रारेरंशः EI. xviii. 35. 93.

अद्भुतमानसा (adbhuta-mānasā) *adj.* (*f.*) with an astonished mind अहल्याऽपि पुनः पाकं चकाराद्भुतमानसा GaṇeP. ii. 94. 36.

अद्भुतमाहात्म्य (adbhuta-māhātmya) *n.* extraordinary greatness क्षायिकं हि ज्ञानम् ··· प्रकटीकृताद्भुतमाहात्म्यं सर्वगतमेव स्यात् TattvPradī.(A.) 67. 4 (*on* 1. 51)

अद्भुतमीढ्वस् (adbhuta-mīḍhvas) *adj.* wonderful and bountiful दैक्ष्वाकी सुषुवे शूरं ख्यातमद्भुतमीढुषम् (? मीढ्वांसम्) MatsyaP. 46. 1; PadmaP. 5. 13. 108.

अद्भुतमुग्ध (adbhuta-mugdha) *adj.* wonderful and beautiful पपाताद्भुतमुग्धस्य रघुनाथस्य पादयोः RāmC. 35. 112.

अद्भुतमौलिरत्न (adbhuta-mauliratna) *n.* wonderful crest-jewel आसीदद्भुतमौलिरत्नमिलितव्यात्ताननच्छायिकाम् आलोक्यात्मन एव मारसुभटः पर्यस्तधैर्योदयः SubhāRaK. 1. 10.

अद्भुतयुक्त (adbhuta-yukta) *adj.* wonderful, strange (*lit.* possessing wonder) मत्तानेककरालकुम्भिकरटप्रोत्कृष्टवृष्ट्या[द्भु]त[यु]क्तं कर्दममुद्रया क्षितितलम् EI. 1. 149. 8; (अप्सरःसंहतिः) सुमोचाद्भुतयुक्तेषु स्थानेषु कुसुमाञ्जलीः PadmaP.(Ra.) 93. 30.

अद्भुतयुद्धमूर्धन् (adbhuta-yuddhamūrdhan) *m.* wonderful battle-front एकत्राद्भुतयुद्धमूर्धनि धनुःसन्धानधीरः करः EI. xxii. 60. 14.

अद्भुतयौवना (adbhuta-yauvanā) *adj.* (*f.*) with extraordinary youthfulness मन्दा गतिः किमपि चाद्भुतयौवनायाः SāhiDa. 112. 7; षोडशाब्दा भवेद्बाला त्रिंशताद्भुतयौवना BallāC. 70. 14.

अद्भुतयौवनोष्मन् (adbhutayauvanoṣman) *adj.* endowed with warmth of wonderful youth अन्वग्रहीदद्भुतयौवनोष्मा ग्रीष्मानुरूपामुपभोगलक्ष्मीम् VikraDeC. 12. 35.

अद्भुतरचना (adbhuta-racanā) *f.* marvellous formation अनेकाद्भुतरचनायुक्तब्रह्माण्डकोटिरूपस्य स्थितिभङ्गकरणं न लौकिकम् AṇuBh. 10. 6 (*on* i. 1. 2)

अद्भुतरस (adbhuta-rasa) *adj.* **i** possessing the poetic sentiment Marvellous आकर्ण्यतामस्य ··· चरितम् ··· अद्भुतरसम् AvantiKa. 146. 5; वीररौद्राद्भुतरसः शिशिरे भौमवल्लभः । गेयः SaṁgīRa. ii. 28. 20 (2(2). 32); प्रसन्नाद्यवरोहिभ्यां युक्तः षड्जादिमूर्छनः । वीररौद्राद्भुतरसः शांभवः षड्जकौशिकः SaṁgīRa.

ii. 61. 20 (2(2). 67); **ii** of wonderful or marvellous juice आदायातिमनोज्ञमद्भुतरसं किञ्चित्फलं पाणिना BhāvS'. 59; *m.* **i** poetic sentiment called Marvellous राजा … किमप्यद्भुतरसेनावेशित इव विधूय शिरश्चिन्तयांचकार NalaCam. 4. 26 (1); अद्भुतरसस्य विभावा: RasTa. 43. 3; निर्वहणे चास्मिन् संधौ अद्भुतरस: कर्तव्य: NāṭaLaRaK. 915; वीरशृङ्गारयोरेक: प्रधानोऽङ्गी च नाटके । अङ्गमन्येऽद्भुतरस: सन्धौ निर्वहणे भवेत् BhāvPra.(S'ā.) 236. 4(8); विचित्रवस्तुदर्शनादिविभाव: … विस्मयोऽद्भुतरस: (v. l. for अद्भुत:) Ekāva. 3. 1 (137) (99. 10); अत्र मुनिविषयरतिरूपस्य भावस्याद्भुतरसोऽङ्गम् Kuval. 171 (14); अथाद्भुतरस: PadyaVe. 797; **ii** wonderful sentiment धन्यस्य कस्यचन हन्त वशंवदा गौ: । सूते तमद्भुतरसम् S'rīkaC. 2. 28 (comm. अद्भुततरं रसं शृङ्गारादिकम्)

अद्भुतरसध्वनि (adbhutarasa-dhvani) *m.* suggestive poetry consisting in the poetic sentiment called Marvellous परं त्वसौ कथंकारं अद्भुतरसध्वनिव्यपदेशहेतु: RasGaṅ. 52. 15.

अद्भुतरसपरिपोषकता (adbhutarasaparipoṣaka-tā) *f.* the state of causing development of the poetic sentiment called Marvellous नीरसप्रायमप्यत्र निबद्धमद्भुतरसपरिपोषक तयात्यन्तसरसतावहमिति Loc. 176. 24 (*on* 3. 26)

अद्भुतरसप्रोल्लास (adbhutarasa-prollāsa) *m.* brilliant manifestation of the poetic sentiment called Marvellous अद्भुतरसप्रोल्लासलीलास्पृशम् … उपभोगविंशतिमिमां सोमेश्वरो भूपति: … कथितवान् Mānaso. iii. 20. 1820.

अद्भुतरसभार (adbhutarasa-bhāra) *m.* fulness of the sentiment called Marvellous अयमविलोलतयाद्य सनातन कलिताद्भुतरसभारम् । निवसतु … विन्दन्मधुरिमसारम् StavMā. 274. 18.

अद्भुतरसवश (adbhutarasa-vaśa) *m.* influence of the poetic sentiment called Marvellous येयं वीराद्भुतरसवशप्रवृत्तेन … वाक्येन … 'विप्राय' इत्यादिपदविच्छित्ति: सा रसान्तरतिरस्कृतिरित्युच्यते SaraKaṇṭhā. 114. 7; **अद्भुतरसवशात्** (adbhutarasa-vaśāt) [abl.] due to the poetic sentiment called Marvellous अत्र वीराद्भुतरसवशात् 'वदन्त एव' इत्यादि वाक्यान्तरंमध्ये प्रविष्टं गुणाय Kāvyānu.(He.) 179. 6.

अद्भुतरसस्रोतस् (adbhutarasa-srotas) *n.* stream of the poetic sentiment called Marvellous तत्रास्माकमकुण्ठिताद्भुतरसस्रोत:प्लुते रूपके … संपाद्यतामुद्यम: PārthPa. 4.

अद्भुतरसाकुल (adbhutarasākula) *adj.* overwhelmed with the sentiment called Marvellous स्तोम: स: …कपीनामन्योन्यमद्भुतरसाकुलमीक्षमाण: । ऊर्मिप्रणुन्नमणिसंकुलकूलमध्यमध्यास्त RāmC. 25. 43.

अद्भुतरसाख्या (adbhutarasākhyā) *f.* the designation of the Marvellous sentiment स चाद्भुतरसाख्यां तु लभते रस्यते च तै: BhāvPra.(S'ā.) 44. 15(2)

अद्भुतरसानुबन्धिन् (adbhutarasānubandhin) *adj.* causing the sentiment of wonder क एष शुक: … कोऽयमद्भुतरसानुबन्धी … मूर्धन्युद्गम: शिखाया: UdaySuKa. 22. 12.

अद्भुतरसानुभाव (adbhutarasānubhāva) *m.* ensuant of emotion relating to the sentiment called Marvellous अथाद्भुतरसानुभावा: RasTa. 56. 5.

अद्भुतरसावेश (adbhutarasāveśa) *m.* infusion or introduction of the sentiment called Marvellous वत्सराजस्यानङ्गरूपतयापह्नवादनङ्गस्य च प्रत्यक्षस्य पूजाग्रहणस्य लोकोत्तरत्वादद्भुतरसावेश: परिभावना Avalo. 10. 6 (*on* 1. 29); अद्भुतरसावेशतरलितो ब्रुवाण एव नातिदूरमग्रे निषसाद (वसन्तशील:) UdaySuKa. 27. 14; 82. 22; (दमयन्ती) इत्यद्भुतरसावेशस्तिमितेन … चक्षुषा पुन: पुनर्नलमवलोक्य चिन्तयांचकार NalaCam. 7. 35 (17)

अद्भुतरसाश्रय (adbhutarasāśraya) *adj.* based on the sentiment called Marvellous राग: स्यादाम्रपञ्चम: । शार्ङ्गदेवेन गदितो हास्याद्भुतरसाश्रय: SaṃgīRa. ii. 118. 4 (*on* ii. 2. 169)

अद्भुतरसैकभाजन (adbhutarasaikabhājana) *n.* the only container of the sentiment called Marvellous ईदृगेवाद्भुतरसैकभाजनं भवानीभक्तिभासुर: … खल्वयं नक्तञ्चरचक्रवर्ती Dūtāṅg. 47 (1)

अद्भुतराग (adbhuta-rāga) *m.* wonderful attachment रणसंभ्रमलोलभङ्गिषु न्यपतन्नद्भुतरागनिर्भरा: । कबरीषु कुरङ्गचक्षुषामसिलेखासु च वीरदृष्टय: VikraDeC. 15. 4.

अद्भुतराजहंसता (adbhutarājahaṃsa-tā) *f.* **i** the state of being a wonderful royal swan करिमेघघटाश्च पाटयन्नतनोदद्भुतराजहंसताम् VikraDeC. 15. 59; **ii** the state of being a very wonderful noble king, VikraDeC. 15. 59.

अद्भुतरीतिभीषण (adbhutarīti-bhīṣaṇa) *adj.* terrifying in an unusual manner अयमद्भुतरीतिभीषणश्शिशिरस्तूर्यरवो निशम्यते RāmC. 33. 53.

अद्भुतरुच् (adbhuta-ruc) *adj.* of an unusual lustre त्वं दाता वरदस्त्वमद्भुतरुची लोकेश ते ज्योतिषी YaśasCam. ii. 166. 7.

अद्भुतरूप (adbhuta-rūpa) *adj.* [*f.* -ā] **i** of wonderful form or figure ददर्शाद्भुतरूपाणि विमानानि सहस्रश: MahāBhā. iii. 43. 28; सा तानद्भुतरूपान्वै दृष्ट्वा … ग्रहीतुम् … उपचक्रमे MahāBhā. iii. 50. 23; iii. 73. 17; बहून्यद्भुतरूपाणि द्रष्टव्यानीह मातले MahāBhā. v. 96. 25; तत: पाणिग्रहश्चक्रे तयोरद्भुतरूपयो: PadmP.(Ra.) 8. 371; बभूवाद्भुतरूपा च त्रिनेत्रा चन्द्रशेखरा SaurP. 49. 63; दृष्ट्वा चाद्भुतरूपां तां स कामवशग: शठ: KathāSaSāg. iii. 1. 33; ix. 1. 118; वपुषाद्भुतरूपेण(? णा)दृष्टपूर्वेण संयुतम् । विलोक्यानिन्दिता कान्तं बाला KathāKau. 3. 97; **ii** having an unusually strange form तेन त्वद्भुतरूपेण … प्रमृष्टं प्रमदावनम् Rāmā. v. 40. 16; मां पिनष्टि कपिरद्भुतरूप: RāmC. 16. 21; ददर्श तत्राद्भुतरूपमुग्रं बालं सुधर्मा प्रथमा ज्वलन्तम् GaṇeP. i. 5. 25; **iii** of wonderful or marvellous nature or feature तस्मिन्नस्य कस्यचिदपूर्वस्यातिशयस्याद्भुतरूपस्य महिम्न: आरोप: VakroJī. 88. 10; (गङ्गा) अचिन्त्यशक्तिरनघाद्भुतरूपाघहारिणी SkandP. iv. 29. 20; संविग्रहमद्भुतरूपम् … गुरुमद्वैतं यमनियमादियुत: स्मरति S'aṅkaVi.(Ā.) 104. 11; भागानद्भुतरूपान् रासाख्यानन्वभूत्कृष्ण: HariC. 127; **iv** of the form of (the sentiment) called the Marvellous तेन चाद्भुतरूपेण मध्यनिवेशितेन शृङ्गाररौद्रयोर्नैरन्तर्यकृतविशेषपरिहार: Ekāva. 1. 1(27) (10. 2); **v** strange, unusual सिंहोन्नतं चाप्यभिगर्जतोऽस्य शुश्राव लोकोऽद्भुतरूपमग्र्यम् MahāBhā. iii. 18. 6; **vi** of the nature of a strange occurrence, portentious तस्य प्रयाणे यान्यासन्निमित्तानि महात्मनो बहून्यद्भुतरूपाणि MahāBhā. xiv. 52. 4; *n.* marvellous form or beauty इदं च तत्राद्भुतरूपमुत्तमं जगाद विप्रर्षिरतीतमानुषम् MahāBhā. i. 190. 14 = TantrVā. 135. 20 (*on* i. 3. 7); इन्द्र: सहस्रनयनोऽप्यद्भुतरूपं ते परिच्छेत्तुम् RasGaṅ. 180. 5.

अद्भुतरूपकारिन् (adbhutarūpakār-in) *adj.* taking a wonderful or marvellous form युगे युगे वासुदेवो बभूव कल्पे भवत्यद्भुतरूपकारी VarāP. 15. 17.

अद्भुतरूपकीर्ति (adbhutarūpa-kīrti) *adj.* possessing wonderful fame (*lit.* having fame of wonderful nature) आसीत् ततोऽपि जगदद्भुतरूपकीर्ति: तनय: EI. xviii. 132. 9.

अद्भुतरूपत्व (adbhutarūpa-tva) *n.* the state of having wonderful beauty अनयोर्वह्निप्रवेशादीनामद्भुतरूपत्वादीनां चाभिहितानामनुनिर्दिष्टश्चू(? ष्ट चू) र्णादिभिर्नवमनोभवादिभिश्च क्रमेण संबन्धात् AlaṅkāRa. 92 (55)

अद्भुतरूपदर्शन (adbhutarūpa-darśana) *adj.* having a wonderful appearance इतीरिते तस्य सनातन: स्वयं पुरो बभूवाद्भुतरूपदर्शन: VarāP. 8. 50.

अद्भुतरूपधृक् (adbhutarūpa-dhṛk) *adj.* having a wonderful form अद्भुतरूपधृक्शिवनृपेणोच्चैर्भटैरुद्भटै: । छेदीकृत्य गृहस्थलेषु विविधान्नारीनरान्भूरिश: ParamāKā. 4. 29.

अद्भुतरूपधेयश्री (adbhutarūpadheya-śrī) *adj.* (*f.*) having the beauty of a wonderful appearance अद्भुतरूपधेयश्रिया … पुस्तकमूरुपरि न्यस्तम् ViviTīKa. 98. 17.

अद्भुतरूपनिर्माण (adbhutarūpa-nirmāṇa) *n.* creating a wonderfully beautiful form जनार्दन सकलजगद्रूपस्य केयं भवतोऽद्भुतरूपनिर्माणनैपुणे श्लाघा SamudraMa. 2. 0(2)

अद्भुतरूपभाज् (adbhutarūpa-bhāj) *adj.* possessing a wonderful handsomeness यद्येष तपसा क्षीणस्तथाप्यद्भुतरूपभाक् MalliC. 7. 385.

अद्भुतरूपम् (adbhuta-rūpam) *adv.* wonderfully तद्भूमिमासाद्य पुन: पुनश्च समुत्पतत्यद्भुतरूपमुच्चै: MahāBhā. iii. 112. 10.

अद्भुतरूपराशि (adbhutarūpa-rāśi) *m.* store of wonderful beauty शंसु: …क्षणादभूदद्भुतरूपराशिर्नम्रत: कान्तिसुधावदात: DarpaDa. 7. 29.

अद्भुतरूपरेखा (adbhuta-rūparekhā) *adj.* (*f.*) having the limit of wonderful beauty तत: प्रभृत्यद्भुतरूपरेखा सा बालिकाभूत् NavaSāC. 9. 46.

अद्भुतरूपलक्ष्मी (adbhutarūpa-lakṣmī) *adj.* having an excellence of wonderful beauty आकल्पवानद्भुतरूपलक्ष्मीर्नलोऽपि तां राजसभां प्रपेदे Nalābhyu. 5. 9.

अद्भुतरूपलोल (adbhutarūpa-lola) *adj.* greatly covetous of wonderful beauty स्त्रीणां सहस्रम् … अरमयदद्भुतरूपलोल: श्रीहैहय: PadyaVe. 403.

अद्भुतरूपसेव (adbhutarūpa-seva) *adj.* rendering wonderful service, serving wonderfully अस्यानुजो विजयतां जयसिन्ह(? सिंह)देव: सौमित्रिवत्प्रथमजेऽद्भुतरूपसेव: EI. ii. 12. 22.

अद्भुतशब्द (adbhuta-śabda) *m.* wonderful sound शुश्राव लोकोऽद्भुतरूपम् (v. l. अद्भुतशब्दम्) अग्र्यम् MahāBhā. iii. 18. 6.

अद्भुतरूपसंपद् (adbhuta-rūpasampad) *f.* abundance of wonderful beauty तामब्रवीदद्भुतरूपसंपत्संपन्नपूज: क्षणदाचरेन्द्र: DaśāvaC. 7. 53.

अद्भुतरूपिन् (adbhuta-rūpin) *adj.* [*f.* -iṇī] possessing wonderful appearance or form धन्याः स्थ देवाः ··· त्रिलोचनेनाद्भुतरूपिणा च । अनुगृहीताः VarāP. 23. 24; कन्यायोनिं पशुक्रीडां नारीमद्भुतरूपिणीम् । नग्नां तथा रतं नैवा-खेटकं च विलोकयेत् RatnacūKa. 113.

अद्भुतरौद्रम् (adbhutaraudram) *adv.* wonderfully and terribly or violently अनृत्यतेवाद्भुतरौद्रमुच्चकैर्निशाचरेन्द्रं प्रति पश्चिमाशया । प्रदीर्घसंध्यारस-नाग्ररोपितस्फुरत्प्रचण्डद्युतिमण्डलाग्रया RāmC. 18. 4.

अद्भुतलक्षण (adbhuta-lakṣaṇa) *adj.* of a transcendental nature एकमात्रे तु जीवः स्यात् संस्कारोऽद्भुतलक्षणः LakṣmīT. 21. 20; *n.* characteristics of the portent अद्भुतलक्षणम् ··· अभिधाय AdbhuSāg. 3. 5.

अद्भुतलताकन्द (adbhuta-latākanda) *adj.* having a wonderful pericarp तत्साक्षादरविन्दमद्भुतलताकन्दं तु वन्देमहि AnyoMuLa. 28.

अद्भुतलावण्य (adbhuta-lāvaṇya) *n.* wonderful beauty येनैवाद्भुत-लावण्ययुक्तं लोके कृतं वपुः KathāKau. 3. 103.

अद्भुतलिङ्ग (adbhuta-liṅga) *n.* miraculous characteristic एतान्यद्भुत-कल्पानि (v. l. लिङ्गानि) दृष्ट्वाहं द्रुतमागता MahāBhā. iii. 73. 17.

अद्भुतलील (adbhuta-līla) *adj.* whose sports are wonderful हरे-रद्भुतलीलस्य लीलाख्याने न सज्जते PadmP. i. 61. 75; तद्वचः श्रुत्वाद्भुतलीलो महेश्वरः ··· गणानूचे SivaP. ii(4). 14. 11 (209A. 7); असौ बालः ··· अद्भुतलीलः ĀnandRa. 6. 9(7)

अद्भुतवंश (adbhuta-vaṁśa) *adj.* belonging to a wonderful family राज्ञा चाद्भुतवीर्येण (v. l. °वंशेन) ··· । लोड्यमानं महारण्यं तत्यजुश्च महामृगाः MahāBhā. i. 63. 19.

अद्भुतवत् (adbhuta-vat) *adv.* like something wonderful न ते स्वशीलमद्भुतवत् प्रतिभाति DaśKuC. 50. 9; किंच अस्य वक्तापि आश्चर्यः अद्भुतव-देव, अनेकेषु कश्चिदेव भवति KāṭhUBh. 125. 14 (*on* 2. 7); BṛĀraUBh. 152. 8 (*on* i. 4. 15)

अद्भुतवपुस् (adbhuta-vapus) *n.* wonderful or striking body ओं नमः ··· । तुभ्यमद्भुतवपुर्महलीलाक्लिन्नविश्वजनघोरभयायै RāmC. 16. 57.

अद्भुतवर्चस् (adbhuta-varcas) *adj.* of wonderful lustre सुरासुरास्तस्य सर्वे वक्त्रस्याद्भुततेजसा (v. l. अद्भुतवर्चसः) । सर्वशो न प्रकाशन्ते दीपाः सूर्योदये यथा PadmP. v. 14. 97.

अद्भुतवर्णक (adbhutavarṇa-ka) *adj.* having wonderful colours अद्भुतवर्णकानि । ··· चीनांशुदुकूलकानि (उपादाय) MahāBhā. iv. 1035*(1)

अद्भुतवर्णन (adbhuta-varṇana) *n.* description of (the sentiment called) Marvellous अनुभावास्तु वक्ष्यन्ते परत्राद्भुतवर्णने BhāvPra.(Sā.) 61. 22 (3)

अद्भुतवर्णिता (adbhuta-varṇitā) *adj.* (*f.*) wonderfully told भव-न्तोऽपि पठन्त्वेनां कथामद्भुतवर्णिताम् VetāPañ.(Jam.) 2. 21.

अद्भुतवस्तु (adbhuta-vastu) *n.* wonderful or unusual thing अरे तपनवेग, त्वरितमस्याः काञ्चीनृपदुहितुः ··· अद्भुतवस्तुदर्शनेन कुरु सफलमिहयमा-गमनम् TilaMañ. 274. 19; पूर्वप्रजासृज इवाद्भुतवस्तुतत्त्वव्यावर्णनेन कुतुकं जनयन्ति तज्ज्ञाः RājTa.(Ka.) 8. 1611; MahāN. 6. 70.

अद्भुतवाग्मिन् (adbhuta-vāgmin) *adj.* wonderfully eloquent (person) क्व नामाद्भुतवाग्मिविरहदुर्भगे कलियुगे तादृशी ··· भारतीसरित् यां न कलुषयति कुमुदचन्द्रकुञ्जरः MudriKu. 2. 31(3)

अद्भुतवादिन् (adbhuta-vādin) *adj.* speaking wonderful things देशान्तरिणो भवन्त्यद्भुतवादिनः PrabhāC. 59. 14.

अद्भुतवार्ता (adbhuta-vārtā) *f.* wonderful news इदानीं काचिदद्भुत-वार्ता ··· श्रुता BhojPra. 61. 9; Rāgh. 5. 22.

अद्भुतविक्रम (adbhuta-vikrama) *adj.* of wonderful prowess or valour राजा युधिष्ठिरः । विप्रार्थमाराधितवान् सूर्यमद्भुतविक्रमम् MahāBhā. iii. 3. 15; परामृशसि यत्क्रुद्धः खड्गमद्भुतविक्रम MahāBhā. viii. 49. 7; xi. 27. 16; xii. 1. 21; ViṣṇuP. v. 7. 22; PadmP.(Ra.) 9. 157; प्रहस्तमथयांचक्रे योद्धुमद्भुत-विक्रमम् Bhaṭṭi. 14. 88; जलंधरो दृष्ट्वा रुद्रमद्भुतविक्रमम् । चकार मायया गौरीम् SkandP. ii(4). 22. 1; LiṅgaP. ii. 16. 13; GaṇeP. ii. 23. 10; SivaP. ii(5). 43. 28 (271A. 1); RāmāMañ. 41. 25; BhāgP. i. 11. 16; BrahmP. 185. 22; क्ष्मापालचूडामणेस्तस्मादद्भुतविक्रमः ··· कोकल्लनामाभवत् EI. xi. 143. 14; तस्मा-दद्भुतविक्रमादथ जयचंद्राभिधानः पतिर्भूपानामवतीर्ण एषः EI. x. 97. 10; समरकेसरि-क्ष्मापतेः सुतः । ··· अभादद्भुतविक्रमः TriṣaSaPuC. iv. 3. 87; तस्मादद्भुतविक्रमः समभवच्छीलक्ष्मदेवः सुधीः SūktiMu. 0.(Anu) 20; SārṅgaPa. 1085; गम्भीर-द्भुतविक्रमस्य ··· विज्ञातं सकलैर्जनैः ··· माहात्म्यम् ParamāKā. 8. 52.

अद्भुतविक्रान्त (adbhuta-vikrānta) *adj.* of wonderful valour गरुडाधिपतिश्चासौ जातः ख्यातो मरुत्वतः । सुन्दरोऽद्भुतविक्रान्तो महालोचनसंज्ञकः PadmP.(Ra.) 39. 178.

अद्भुतविग्रह (adbhuta-vigraha) *adj.* having a wonderful body कृष्णम् ··· वयसाद्भुतविग्रहम् ··· ध्यायेत् PadmP. iv. 69. 85; SivaP. ii(5). 23. 3 (247B. 2); TantrRā. 20. 46.

अद्भुतविजृम्भित (adbhuta-vijṛmbhita) *n.* display of a miracle किमेतदद्भुतविजृम्भितमिदानीमेव मया स्फटिकशुक्लोऽयमागच्छता दृष्टः कथमियतैव क्षणे हरितमणिनिर्माणनीलतां प्रपन्नः UdaySuKa. 28. 17.

अद्भुतवितान (adbhuta-vitāna) *adj.* of wonderful development or growth (*lit.* stretching out) प्रसुरेष सर्वविदहं कृपणो जगदेतदद्भुतवितानमिति । प्रतिपत्तयः SaṁkṣeSā. 2. 223 (ii. 132. 8)

अद्भुतविधि (adbhuta-vidhi) *adj.* whose working is wonderful चिरं क्षात्रं तेजस्तदिह जयतादद्भुतविधि YaśasCam. i. 167. 13; गतिः शक्या परिच्छेत्तुं न ह्यद्भुतविधेर्विधेः KathāSaSāg. iii. 4. 267.

अद्भुतविभाव (adbhuta-vibhāva) *m.* exciting factor of the sentiment called Marvellous देवकुले च गमनम् । तस्याद्भुतविभावो येन तत्रत्यं सरस-(? सरः सं)निवेशादि न कचित् दृष्टम् AbhinBhā. i. 329. 17 (*on* 6. 74(2); उपवने देवकुलादौ च गमनमद्भुतविभावो येन तत्रत्यं सरःसंनिवेशादि न कचिद् दृष्टम् Kāvyānu.(He.) comm. 95. 19.

अद्भुतविभ्रम (adbhuta-vibhrama) *adj.* possessed of wonderful graces °कटाक्षनिरीक्षणेन ··· भुवनमद्भुतविभ्रमेण श्रीकृष्णचन्द्र शिशिरीकुरु लोचनं मे KṛṣṇaKa. 1. 25; नयनाम्बुजाभ्याम् । आलोकयेदद्भुतविभ्रमाभ्यां काले कदा कारु-णिकः किशोरः KṛṣṇaKa. 1. 45 (comm. अद्भुतो विभ्रमो भूषास्थानविपर्ययो याभ्याम्)

अद्भुतविलास (adbhuta-vilāsa) *m.* wonderful sport ज्ञातुमद्भुतविलास-निधाने प्रेम्णि साम्यमिव जातगरिम्णि । केलिधामनि तयोः शतवारं क्षिप्तवान् मनसि मानमनङ्गः VikraDeC. 11. 72; 5. 23.

अद्भुतविलासविधि (adbhutavilāsa-vidhi) *m.* creator of marvellous manifestations तम् ··· आदित्यमद्भुतविलासविधिं नमामि Mānaso. i. 1. 7.

अद्भुतविषयविवेक (adbhutaviṣaya-viveka) *m.* discrimination of supernatural events (in life) अद्भुतलक्षणमद्भुतविषयविवेकोत्पत्तिहेतुम् । अभि-धाय AdbhuSāg. 3. 5.

अद्भुतविषादवत् (adbhutaviṣāda-va(n)t) *adj.* filled with surprise and dejection ततः स दाहशमनं दापयामास हस्तयोः । तस्याश्चन्दनलेपादि राजा-द्भुतविषादवान् KathāSaSāg. xii. 18. 29.

अद्भुतविस्तर (adbhuta-vistara) *adj.* of wonderful (unusual) length तच्छ्रुत्वा राजसिंहस्य वाक्यमद्भुतविस्तरम् Rāmā. i. 18. 1 = YogVā. i. 7. 1.

अद्भुतविहारतोषित (adbhutavihāra-toṣita) *adj.* pleased or satisfied with extraordinary sports व्रजसद्भिरद्भुतविहारतोषितैः सुरसत्तमैरपि समं स तुष्टुवे Yādavā. 8. 120.

अद्भुतवीक्षित (adbhuta-vīkṣita) *n.* wonderful glance अमृतसिक्त-मिवाङ्गमिदं यदि भवति तन्वि तवाद्भुतवीक्षितैः SubhāRaK. 17. 23.

अद्भुतवीर (adbhuta-vīra) *m.* marvellous hero रिगचक्रेशवीरेण शक्तिः क्षिप्ता च वैरिषु । प्रक्रान्ताद्भुतवीरेण ताजमीरेण सत्वरम् RājTa.(Prā.) 279.

अद्भुतवीरलाभ (adbhutavīra-lābha) *m.* acquisition of a marvellous hero वक्षः ··· रोमाञ्चकञ्चुकितमद्भुतवीरलाभात् सत्यं ब्रवीमि परिरब्धुमिवेच्छति त्वाम् MahāvīC. 2. 38.

अद्भुतवीरगोष्ठी (adbhutavīra-goṣṭhī) *f.* assembly of marvellous heroes तथा रणेष्वद्भुतवीरगोष्ठीभूषायमाणो दशकन्धरोऽपि MahāvīC. 6. 43.

अद्भुतवीर्य (adbhuta-vīrya) *adj.* possessed of miraculous prowess or strength राज्ञा चाद्भुतवीर्येण योधैश्च समरप्रियैः । लोड्यमानं महारण्यं तत्यजुश्च महामृगाः MahāBhā. i. 63. 19; शुश्राव लोकोऽद्भुतरूपमग्र्यम् (v. l. कोऽद्भुत-वीर्यमग्र्यम्) MahāBhā. iii. 18. 6; हरेरद्भुतवीर्यस्य कथा लोकसुमङ्गलाः BhāgP. ii. 8. 2; जयन्त्यद्भुतवीर्यस्य कुटिला: केलयो विभेः RāmāMañ. 347. 12; माधवः प्रथमसूनुजनुर्नारायणोऽपि च तथाद्भुतवीर्यः AlaṅkāMañ. 3. 10.

अद्भुतवीर्यकर्मन् (adbhutavīrya-karman) *adj.* whose deeds or feats are full of miraculous prowess ततस्तु भीमोऽद्भुतवीर्यकर्मा ··· । उत्पाट्य दोर्भ्यां द्रुममेकवीरः MahāBhā. i. 180. 15; गाण्डीवधन्वा ··· प्रादुश्चकारातिमनुष्यकर्म (v. l. चकाराद्भुतवीर्यकर्मा) MahāBhā. iv. App. i. 44(50); इति चरितमिदं महात्मना-मृषिकृतमद्भुतवीर्यकर्मणाम् HariVaṁ. 118. 51; तथेति संपूज्य स पिप्पलादं वाक्यं चकाराद्भुतवीर्यकर्मा MatsyaP. 72. 45; निशम्य तद्गुर्विधानमुत्तमं कृतं मयेनाद्भुत-वीर्यकर्मणा MatsyaP. 130. 27; तथेति संपूज्य स भार्गवं तद्वाक्यं चकाराद्भुतवीर्य-कर्मा PadmP. v. 24. 63.

अद्भुतवीर्यवत् (adbhutavīrya-va(n)t) *adj.* possessing transcendental prowess पुत्रश्च त्वत्समः कामं भवेदद्भुतवीर्यवान् DeviBhāP. ii. 2. 29.

अद्भुतवीर्यसत्त्व (adbhuta-vīryasattva) *adj.* possessed of wonderful prowess and vigour स तत्र प्राकारगतांश्च भूतान्छातन्महानद्भुतवीर्यसत्त्वः। विचचार MatsyaP. 138. 36.

अद्भुतवीर्यौजस् (adbhuta-vīryaujas) *adj.* whose power and vigour are wonderful क्रतुम्। जगाम मनसा सद्य आहरिष्यन् युधिष्ठिरः। भूयस्त्वद्भुतवीर्यौजा धर्ममेवानुपालयन् MahāBhā. ii. 147*(6)

अद्भुतवृत्तकारा (adbhutavṛtta-kārā) *adj.* (*f.*) who performs wonderful feats महेश उवाच। शृण्वम्बिके ह्यद्भुतवृत्तकारे उत्पन्न एषोऽद्भुतचण्डवीर्यः। निमीलिते चक्षुषि मे भवत्या S'ivaP. ii(5). 42. 25 (269A. 13)

अद्भुतवृत्तान्त (adbhuta-vṛttānta) *adj.* containing wonderful accounts पुराणम्। ··· द्वैपायनः ··· शिष्येभ्यः प्रददौ ··· पञ्चभ्यः ··· तेषां पञ्चमं लोमहर्षणम्। सूतमद्भुतवृत्तान्तम् BrahmāṇḍP. i. 1. 14.

अद्भुतवृत्ति (adbhuta-vṛtti) *adj.* having a wonderful nature or disposition अकूटात्मापि तुङ्गत्वमधत्ताद्भुतवृत्ति यः HarVi. 43. 175; तस्येशितुः ··· अद्भुतवृत्तिरेका। त्वमेकैव तिष्ठसि विभोर्जगतो नियन्त्री HarVi. 47. 127.

अद्भुतवेग (adbhuta-vega) *adj.* having a wonderful speed राज्ञा चाद्भुतवीर्येण (v. l. अद्भुतवेगेन) योधैश्च समरप्रियैः MahāBhā. i. 63. 19.

अद्भुतवेदगर्भ (adbhutaveda-garbha) *adj.* whose kernel is supernatural or miraculous knowledge शंकररूपमद्भुतम्। सुविस्तृतं चाद्भुतवेदगर्भं ज्ञानात्मकम् SkandP. i(1). 35. 63.

अद्भुतवेष (adbhuta-veṣa) *adj.* wonderfully or splendidly attired अथ स्वयंवरदिवसेऽद्भुतवेषाः सर्वे राजकुमारा मञ्चेषूपविष्टाः KathāK. 28. 13; *m.* wonderful dress सांयात्रिका वदन्त्येवं कोऽपि देवोऽथ मानवः। आगतोऽद्भुतवेषेण सर्वभूषणभूषितः UttaKuC. 164.

अद्भुतवेषरूपा (adbhuta-veṣarūpā) *adj.* (*f.*) having a wonderful dress and beauty गणाः पुरारेः। आपूपिकीमद्भुतवेषरूपां निन्युर्दिवम् S'ivLī. 21. 102.

अद्भुतवैजयन्तजयिनी (adbhutavaijayanta-jayinī) *adj.* (*f.*) surpassing the wonderful Vaijayanta (the palace of Indra) तेन विहारिका ··· मित्रेभ्योऽद्भुतवैजयन्तजयिनी दत्तेयम् EI. xxi. 99. 11.

अद्भुतवैदग्ध्यसौकुमार्य (adbhuta-vaidagdhysaukumārya) *adj.* possessed of wonderful discernment and refinement प्रातश्चाद्भुतवैदग्ध्यसौकुमार्या अमी इति। तेभ्यस्त्रिभ्योऽपि चङ्गेभ्यो हेमलक्षत्रयं ददौ KathāSaSāg. xii. 15. 46.

अद्भुतवैभव (adbhuta-vaibhava) *adj.* having wonderful riches or glory हर्म्याण्यद्भुतवैभवानि विपणि(? णिः)पण्यैरगण्यैर्घना KaumuMi. 8. 2; अन्त्याक्षरषट्कम् सुन्दरदीधितिः अद्भुतवैभवः KavyaKaVṛ. 16. 6 (1. 3)

अद्भुतशंसिन् (adbhutaśaṁs-in) *adj.* announcing or suggesting a portent शङ्खमुख्यमुखदुन्दुभिनादः ··· अद्भुतशंसी। मानमन्युमदनानि मिथोऽन्तर्भूभुजां सममपप्रथदर्थ्यः Kapphiṇā. 17. 23.

अद्भुतशक्ति (adbhuta-śakti) *adj.* possessing miraculous power or strength साद्भुतशक्तिरस्तु भवतो भूत्यै चिरायाम्बिका YaśasCam. i. 597. 4; दक्षस्य पुत्र्यद्भुतशक्तिरेका BṛDharmaP. i. 37. 77; कुर्वतां यद्विपद्यन्ते फलन्ति यदकुर्वताम्। कर्माण्यद्भुतशक्तेस्तद्दैवस्येव विजृम्भितम् RāmāMañ. 69. 22; नमोऽस्तु सिंहगिरये प्रभवेऽद्भुतशक्तये BallāC. 40. 6; इङ्गिलानपि तिमिङ्गिलतुल्यान् ··· आनिनाय वशमद्भुतशक्तेः प्रांशुहूणनृपतिः किल यस्य ĀnandRa. 6. 29; *f.* wonderful power प्राकृतरीतीर्न हि जगति दधत्यद्भुतशक्तिविभवसमुपेताः NayaMañ. iv. 4. 8.

अद्भुतशक्तियुक्त (adbhutaśakti-yukta) *adj.* endowed with wonderful power आश्वास्य तानद्भुतशक्तियुक्तं न्ययुङ्क्त नक्तंचरचक्रवर्ती। कर्तुं कपीनां सपदि प्रकम्पमकम्पनं नाम निशाचरेन्द्रम् RāmC. 32. 41.

अद्भुतशङ्कर (adbhutaśaṅ-kara) *adj.* who gives wonderful delight or happiness ताश्चापि दृष्ट्वाद्भुतशङ्करं तं सन्तोषवत्यो ददुरुत्तरं स्म S'aṅkaDigVi. (Mā.) 8. 5; *m.* (adbhuta-śaṅkara) marvellous S'aṅkara (a deity) शक्यो न वर्णयितुमद्भुतशङ्करस्त्वम् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 7. 47.

अद्भुतशरज्वाल (adbhutaśara-jvāla) *adj.* having wonderful arrows as flames ततोऽद्भुतशरज्वालो धनुःशब्दानिलो महान् MahāBhā. ix. 13. 12.

अद्भुतशरीर (adbhuta-śarīra) *n.* wonderful body किं नेत्रयोरमृतवर्तिरियं विधातुराद्या किमद्भुतशरीरविधानलेखा LaṭaMe. 2. 18.

अद्भुतशाख्यग्र (adbhutaśākhy-agra) *n.* top of the tree in the form of the sentiment called Marvellous इयमद्भुतशाख्यग्रकेलिकौतुकवानरी Candrā. 2. 5.

अद्भुतशान्ति (adbhuta-śānti) *f.* pacification of evil omens अथातोऽद्भुतशान्तिं व्याख्यास्यामः JaimiGS. 2. 7 (32. 4); अद्भुतशान्त्यादयश्च यजुर्वेदे NyāyMañ. i. 238. 28; चकाराद्भुतशान्तिं सः बालकाभ्युदयेच्छया GaṇeP. ii. 8. 9; ग्रहयुद्धाकृतियोगाद्यादित्याद्यब्दवत्सरक्षाणाम्। अद्भुतशान्तीर्वक्ष्यत्यावर्तैः पञ्चदशभिः सः AdbhuSāg. 3. 10.

अद्भुतशान्तिक (adbhutaśānti-ka) *adj.* the purpose of which is to pacify (the effects of) ill omens गोभिरध्युषिते तस्मिन् हुत्वा चाद्भुतशान्तिकम् ĪśānS'iPa. ii. 35. 42(5).

अद्भुतशालिनी (adbhuta-śālinī) *adj.* (*f.*) resplendent with the element of the miraculous श्रुत्वेति राजतनया कथामद्भुतशालिनीम्। अमन्दानन्दनिस्पन्दशतधौतमुखी बभौ BṛKathāMañ. ii. 2. 132.

अद्भुतशासन (adbhuta-śāsana) *adj.* of wonderful rule भद्रायुः पृथिवीं सर्वां शशासाद्भुतविक्रमः (v. l. अद्भुतशासनः) SkandP. iii(3). 13. 84.

अद्भुतशिखाजाल (adbhutaśikhā-jāla) *n.* mass of wonderful flames सर्वाङ्गेषु हुताशनः। ··· निश्चक्राम। ततोऽद्भुतशिखाजालैरावृताः सर्वतो दिशः SkandP. ii(1). 32. 33.

अद्भुतशिल्पकर्मन् (adbhuta-śilpakarman) *n.* wonderful production of art इयत्तया मुक्तमवैमि नैपुणं प्रजापतेरद्भुतशिल्पकर्मणि NavaSāC. 7. 7.

अद्भुतशिल्पमाया (adbhutaśilpa-māyā) *adj.* (*f.*) endowed with the magic of wonderful art लब्धा सभा मयकृताद्भुतशिल्पमाया BhāgP. i. 15. 8.

अद्भुतशील (adbhuta-śīla) *adj.* [*f.* -ā] of wonderful behaviour गायति भृङ्गघटाद्भुतशीला StavMā. 283. 9; सः ··· गाश्चालयन् अद्भुतशीलः ··· उर्वीं धर्मतः पालयामास ĀnandRa. 1. 45(4)

अद्भुतशूरमण्डल (adbhutaśūra-maṇḍala) *n.* group of wonderful heroes (ज्योतिषि) यस्मिन्नद्भुतशूरमण्डलसमुद्भूतास्त्रिलोकीगृहक्रोडोद्दीपनदीपिकास्तृणलवायन्ते प्रतापोर्मयः HammīMaMa. 1. 1.

अद्भुतशृङ्ग (adbhuta-śṛṅga) *adj.* having a wonderful end or tip तव करकमलवरे नखमद्भुतशृङ्गम् GītGo. i. 1. 4.

अद्भुतशृङ्गारिन् (adbhuta-śṛṅgārin) *adj.* containing (the sentiments of) wonder and love बीभत्सोऽद्भुतशृङ्गारी बीभत्साभास उच्यते BhāvPra.(S'ā.) 133. 1(6)

अद्भुतशोभित (adbhuta-śobhita) *adj.* decorated with wonderful things गतः कैलासशिखरं दैत्येन्द्राहं यदृच्छया। ··· सर्वत्राद्भुतशोभितम् S'ivaP. ii(5). 18. 27 (241A. 13)

अद्भुतश्यामा (adbhuta-śyāmā) *adj.* (*f.*) marvellous and dark अद्भुतश्यामा सा तनुरच्युतस्य S'rīKaC. 1. 45.

अद्भुतश्री (adbhuta-śrī) *adj.* possessing marvellous glory or splendour अद्भुतश्रीर्महेन्द्रः।··· पिप्रिये MahāP. 22. 315; यस्यैश्वर्यं प्रथयति विभोः कर्तुरित्यद्भुतश्रीर्भान्ति लोकस्थितिषु भजते भूयसीन्धर्म्मं(भूयसीं धर्म्मं)कीर्तिः EI. ii. 335. 13; नागाङ्गीमोऽथोदपाद्यद्भुतश्रीः DvyāśraKā. 8. 1; पातु पश्चिमजिनः स वोऽद्भुतश्रीः ChandaśCū. iii. 59. (22); स्वैरं जातप्रचारं सकलमपि जगत्कल्पयन्नद्भुतश्रीः। ··· बन्धुरिन्दीवराणाम् Acyutarā. 8. 72; *f.* supernatural or marvellous glory or splendour सनाथायाद्भुतश्रिया।···अर्हते नमः PariPar. 1. 1; 2. 77; 3. 45.

अद्भुतश्रीक (adbhutaśrī-ka) *adj.* having marvellous splendour, possessing amazing glory तेऽपि त्वामद्भुतश्रीकं दृष्ट्वा म्लास्यन्ति PāṇḍaC. 8. 112.

अद्भुतश्रुतिविस्मित (adbhutaśruti-vismita) *adj.* surprised by marvellous or wonderful musical note यत्सत्यमहमप्यासमद्भुतश्रुतिविस्मितः BṛKathāS'loSaṁ. 24. 47.

अद्भुतसंकथा (adbhuta-saṅkathā) *f.* wonderful story आकर्ण्याद्भुतसंकथास्तव PrabhāC. 89. 3.

अद्भुतसंकाश (adbhuta-saṅkāśa) *adj.* resembling a wonder (i. e. wonderful) तत्र ह्यद्भुतसंकाशो भविता सुमहोत्सवः MahāBhā. i. 175. 6; स तत्र ···गृहम्। ददर्शाद्भुतसंकाशं धनदस्य गृहाद्वरम् MahāBhā. xiii. 20. 34; यज्ञं चाद्भुतसंकाशं तदा शक्रोऽभ्यपूजयत् Rāmā. vii. 86. 19.

अद्भुतसंगत (adbhuta-saṅgata) *adj.* wonderstruck, astonished तावन्नृपः परिप्राप्तः किंचिदद्भुतसंगतः PadmP.(Ra.) 98. 26.

अद्भुतसंगमा (adbhuta-saṅgamā) *adj.* (*f.*) having wonderful association आविवेश मुखे रात्रिः सुखमद्भुतसंगमा PadmP. v. 40. 92.

अद्भुतसंगर (adbhuta-saṅgara) *m.* wonderful or amazing battle त्रय्या[-] चाद्भुतसङ्गरेषु च वसाद् (? रसाद्) रोमोद्गमैर्वर्म्मिणः। वर्म्माणः EI. xii. 39. 8.

अद्भुतसंगरसागर (adbhutasaṅgara-sāgara) *m.* ocean (in the form) of wonderful fight अद्भुतसंगरसागरमन्थनसंभवां कलयन् श्रियम् ··· कुमारपालमहीपते त्वम् ··· पुरुषोत्तमः ChandaśCū. 2. 341 (9)

अद्भुतसंचार (adbhuta-sañcāra) *m.* miraculous power of locomotion ऐश्वर्यौदार्यशौण्डीर्यधैर्यसौन्दर्यवीर्यता(? ताः)। लो(? ल)मेताद्भुतसंचारांश्चतुर्धम्रत-

पूतधीः YaśasCam. ii. 360. 16.

अद्भुतसंजातकृप (adbhuta-sañjātakṛpa) *adj.* in whom a strange (unexpected) pity has arisen इत्यद्भुतसंजातकृपेण नृपेण धनुर्बाणभङ्गमङ्गीकृत्य PrabaCin. 37. 23.

अद्भुतसंज्ञ (adbhuta-sañjña) *adj.* (a sentiment) called Marvellous बीभत्साद्भुतसंज्ञौ चेत्यष्टौ नाट्ये रसाः स्मृताः NāṭyaŚā. 6. 16 = KāvyPra. 98. 6.

अद्भुतसंज्ञक (adbhutasañjña-ka) *adj.* (a sentiment) called Marvellous मङ्गलो मण्ठको ज्ञेयो रसे चाद्भुतसंज्ञके ŚārṅgaPa. 2003.

अद्भुतसत्त्वसिन्धु (adbhuta-sattvasindhu) *m.* **i** wonderful ocean of nobility (i. e. Viṣṇu) अहो महात्मा सुकृती जगत्सु जातस्त्वमेवाद्भुतसत्त्वसिन्धुः DaśāvaC. 5. 197; **ii** (adbhutasattva-sindhu) an ocean (full) of wonderful creatures, DaśāvaC. 5. 197.

अद्भुतसंदर्श (adbhuta-sandarśa) *m.* wonderful or extraordinary sight संभ्रमाद्भुतसंदर्शै मुहुर्मुहुरवेक्षणैः NāṭyaŚā. 12. 71 (p. 181)

अद्भुतसभा (adbhuta-sabhā) *f.* wonderful assembly विचित्रा सा दृष्टा नृपतितनयेनाद्भुतसभा ManoDū. 16.

अद्भुतसमाकार (adbhuta-samākāra) *adj.* having an astonishing form तत्राद्भुतसमाकारः राक्षसः प्रत्यदृश्यत AdhyāRā. iii. 9. 2.

अद्भुतसमारम्भ (adbhuta-samārambha) *adj.* full of astonishing activities बभूव महानद्भुतसमारम्भो मृगयासंरम्भः UdaySuKa. 44. 7.

अद्भुतसमृद्धि (adbhuta-samṛddhi) *adj.* having astonishing abundance किमत्यन्तमद्भुतसमृद्धिना सौन्दर्येण सारेयमित्यात्मनो रूपप्रसिद्ध्यपगमक्षयादपह्नवार्थमपसारिता विद्याधरीभिः UdaySuKa. 106. 5.

अद्भुतसंपद् (adbhuta-sampad) *adj.* having wonderful power अश्मा हेम जलं मुक्ता द्रुमो वह्निः क्षितिर्मणिः । तत्तद्धेतुतया भावा भवन्त्यद्भुतसंपदः YaśasCam. ii. 277. 22.

अद्भुतसंप्राप्ति (adbhuta-samprāpti) *f.* appearence of a wonder or miracle (a *sandhyaṅga* called *Upagūhana*) तद्भवेदुपगूहनं यत्स्यादद्भुतसंप्राप्तिः SāhiDa. 320. 16.

अद्भुतसंभव (adbhuta-sambhava) *adj.* **i** having a wonderful birth or origin भगवन् अद्भुतसंभव एष व्यासः पाराशर्योऽभिवादयते BālBhā. 1. 14 (4); **ii** born of wonder स्तम्भो हर्षभयामर्षविषादाद्भुतसंभवः RasāSu. 89. 7 (1. 302)

अद्भुतसंभावना (adbhuta-sambhāvanā) *f.* consideration as a wonderful thing किं पुनरित्थमद्भुतसंभावनया सुकृती सुदृशा कृतार्थीक्रियते SamudraMa. 2. 3 (5)

अद्भुतसंभ्रम (adbhuta-sambhrama) *m.* wonderful confusion तेऽभिदधुरिहाद्भुतसंभ्रमेण तौ च PrabhāC. 67. 17.

अद्भुतसंमद (adbhuta-sammada) *adj.* one whose ecstasy is marvellous रक्षोनाथागमे भक्तैः पौरैरद्भुतसम्मदैः । अत्यन्तमधिकां कुर्वन् शोभाम् PadmP.(Ra.) 8. 513.

अद्भुतसरसी (adbhuta-sarasī) *f.* a miraculous lake कमलति वदनं यस्याम् … अद्भुतसरसीव सा बाला RasGaṅ. 241. 8.

अद्भुतसर्ववेश (adbhuta-sarvaveśa) *adj.* whose entire dress is wonderful or curious गुहान्तरे … कश्चिन्मुनिरत्र दृष्टः … अद्भुतसर्ववेशः ŚivaP. ii. (5) 44. 41 (272B. 12)

अद्भुतसामर्थ्य (adbhuta-sāmarthya) *n.* wonderful power इत्थमद्भुतसामर्थ्यवर्णनात् तोषितो नृपः PrabhāC. 157. 27.

अद्भुतसाहस (adbhuta-sāhasa) *adj.* performing wonderful feats मुञ्च मुञ्चेति प्रोचुस्तं ते तदाद्भुतसाहसाः DevīBhāP. iv. 20. 73; द्वावप्यनेनाद्भुतसाहसेन द्वाभ्यां भुजाभ्यां बलिना निरस्तौ VikraDeC. 9. 142; 3. 68; *n.* a wonderful feat अद्भुतसाहसैकरसिकः कैर्न श्रुतो रावणः SaraKaṇṭhā. 362. 2; तवाद्भुतसाहसेनाहं परितुष्टोऽस्मि PrabaCin. 3. 7.

अद्भुतसिंह (adbhuta-siṁha) *m.* wonderful lion नमो भगवते तुभ्यम् …हरयेऽद्भुतसिंहाय ब्रह्मणे परमात्मने BhāgP. vii. 10. 10.

अद्भुतसिद्धि (adbhuta-siddhi) *adj.* endowed with miraculous (magical) power त्वं चाद्भुतसिद्धिः श्रूयसे Pañcā. 264. 15; *f.* wonderful achievement विनयादिगुणा लोकेऽप्येवमद्भुतसिद्धये PārśvC. 3. 1032.

अद्भुतसुगन्धवत्त्व (adbhutasugandhavat-tva) *n.* the state of having a wonderful fragrance (देवताप्रसादलक्षणानि वक्ष्यामः) अद्भुतसुगन्धवत्त्वम् PārāSū. 85. 13.

अद्भुतसुन्दर (adbhuta-sundara) *adj.* wonderfully beautiful रूपमद्भुतसुन्दरं ददर्श…विश्वपालकः ŚivaP. ii. (1)8. 28 (46B. 13); सूनुरद्भुतसुन्दरोऽजनि …तवायम् StavMā. 261. 22.

अद्भुतसूति (adbhuta-sūti) *adj.* of miraculous birth आर्यं सेयमद्भुतसूतिरार्या MahāvīC. 1. 20 (2)

अद्भुतसेनान्युद्भव (adbhutasenāny-udbhava) *m.* birth of a wonderful general अद्भुतसेनान्युद्भवो जात इत्यवैत Manmatho. 4. 27 (427. 4)

अद्भुतसोपान (adbhuta-sopāna) *adj.* having a wonderful stair-case तत्रास्ते मन्दिरं परम् । चित्रमद्भुतसोपानं वितानशयनाशनैः । विराजितम् ĀdiP. 13. 81.

अद्भुतसौन्दर्या (adbhuta-saundaryā) *adj.* (*f.*) of wonderful beauty तां दृष्ट्वाद्भुतसौन्दर्याम् … आदिलक्ष्मीमिति ख्याताम् … अस्तौषीत्पूर्णभक्तिमान् BrahmāṇḍP. iii. 39. 20.

अद्भुतसौभाग्य (adbhuta-saubhāgya) *adj.* of wonderful fortune भूपमद्भुतसौभाग्यं श्रीर्बद्धरभसाभजत् RājTa.(Ka.) 3. 126.

अद्भुतसौरभ (adbhuta-saurabha) *n.* wonderful (divine) fragrance घ्रात्वाप्यद्भुतसौरभोरुलहरीः कल्पद्रुमान्नैव यद् वेगाद्धावति … तत्कोऽयमिन्दिन्दिरः SaduktiKa. 246. 3.

अद्भुतस्थान (adbhuta-sthāna) *n.* matter of wonder or surprise आश्चर्यभूत इति । कथमेष निबद्ध इत्यद्भुतस्थानम् Loc. 86. 19 (*on* 2. 17)

अद्भुतस्थिति (adbhuta-sthiti) *adj.* possessing a wonderful state or nature द्वितयात्मतामुपगताद्भुतस्थितिः सकलां प्रबोधयति तां तु तावकी HarVi. 6. 129; तामद्भुतस्थितिमहं सदकैः श्रयामि YaśasCam. ii. 401. 5; गोपिकाभिरपि … बद्ध एत्र यदि मुक्तित्रिधाता । अद्भुतस्थितिरनान्तरबाह्यः सप्तमस्तु समयोऽयमपूर्वः Yādavā. 21. 16.

अद्भुतस्थितिमत् (adbhutasthiti-ma(n)t) *adj.* whose condition or state is wonderful यस्याद्भुतस्थितिमतः सुरकुञ्जरस्य ŚrīKaC. 5. 13.

अद्भुतहेतु (adbhuta-hetu) *adj.* causing wonder (अगस्त्यः) चचाराद्भुतहेतूनि तीर्थान्यायतनानि च BrahmāṇḍP. iii. 5. 4; मुनिः … भवान्तरितं समीक्ष्य पृथ्वीपतेः प्रसभमद्भुतहेतुवृत्तम् MatsyaP. 100. 11; नृणामद्भुतहेतूनां विभवानां समुद्भवम् PadmP.(Ra.) 14. 124.

अद्भुतस्रष्टृ (adbhuta-sraṣṭṛ) *adj.* creator of wonders (said of a poet) त्र(? ब्र)ह्माद्वैतत्रिदामुदाहरणभूरुद्भूतविद्याद्भुतस्रष्टा … (अ)यमवनौ सर्व्वज्ञलीलायते EI. vi. 206. 14.

अद्भुतस्वन (adbhuta-svana) *m.* epithet of Śiva (*lit.* having a wonderful voice), Sārārtha. on TrikāŚe. i. 1. 45.

अद्भुतस्वना (adbhuta-svanā) *adj.* (*f.*) having a wonderful sound अद्भुतस्वनाम् । स त्रिरुल्लालयन् घण्टाम् … अवादयत् TriṣaŚaPuC. i. 2. 341.

अद्भुतस्वपरीणाहसंपद् (adbhutasvapariṇāha-sampad) *f.* wealth of one's wonderful circumference अद्भुतस्वपरीणाहसंपदा मुदितैरिव ।… पनसैरुपशोभितम् (गिरिम्) TriṣaŚaPuC. i. 6. 406.

अद्भुतस्वर (adbhuta-svara) *adj.* of wonderful voice सातिभीताब्रवीत्कोऽसि कूपान्तःस्थोऽद्भुतस्वरः VāmaP. 91. 54.

अद्भुतहर्म्यक (adbhuta-harmyaka) *n.* a type of building called *adbhuta* शिखामानं सपादांशं कुर्यादद्भुतहर्म्यके ŚilpaRa. i. 37. 56.

अद्भुतहर्ष (adbhuta-harṣa) *m.* wonderful joy सर्वेश्वरस्याद्भुतहर्षहेतोर्योगो वियोगोऽपि बभूव यस्मात् HariVi. 4. 47; अद्भुतहर्षगद्गदगिरो गायन्ति यस्य … विस्फूर्जितं गुर्जराः SaraKaṇṭhā. 695. 9.

अद्भुतहर्षवर्ष (adbhutaharṣa-varṣa) *m. n.* shower of wonderful delight तस्यानुजो विजयते … सारस्वतामृतकृताद्भुतहर्षवर्षः EI. viii. 209. 7.

अद्भुता (adbhutā) *f.* **1** name of a particular glance (*dṛṣṭi* or *rasadṛṣṭi*) suitable for the creation of *adbhutarasa* कान्ता भयानका हास्या करुणा चाद्भुता तथा । रौद्री वीरा च बीभत्सा विज्ञेया रसदृष्टयः NāṭyaŚā. 8. 41; या त्वाकुञ्चितपक्ष्माग्रा साश्चर्योद्वृत्ततारका । सौम्या विकसितान्ता च साद्भुता दृष्टिरुच्यते NāṭyaŚā. 8. 51; ViṣṇuDhaP. iii. 25. 1; प्रसन्ना स्निग्धशुक्लांशान्तर्बहिर्गामितारका । ईषत्कुञ्चितपक्ष्माग्राद्भुतापाङ्गविकासिनी । इत्यद्भुता SaṁgīRa. iv. 139. 5 (7. 393); NṛtyaRa. 2. 30; रसभेदादष्टधा रसदृष्टिः । कान्ता हास्या … बीभत्सा अद्भुता चेति RasTa. 166. 8 (8); BhāvPra.(Śā.) 125. 19 (5); Nṛtyā. 426; 440; 442; अन्तर्बहिर्गामिकनीनिकेषन्मीलत्पुटापाङ्गविकाशिनी च । प्रसन्नशुक्लांशविशुद्धघिष्णाद्भुता स्मृता दृष्टिरियं पुराणैः NṛtyaK. i. 3. 30; i. 3. 7; **2** name of one of the eight Nāyikās or Tantric deities in the northern direction ऋद्धिर्लक्ष्मीस्तथा तुष्टिः पुष्टिः कीर्तिर्धनेश्वरी । अद्भुता च मदा चाष्टौ कौबेर्यां नायिकाः ĪśānŚiPa. ii. 55. 82; **3** name of one of the three *gatis* or states of the goddess Tārikā in her gross (*sthūla*) aspect कालपावकतेजोभिः स्थूला स्थूलमयाद्भुता । कथिता गतयस्तिस्रः स्थूलाया मम वासव LakṣmīT. 32. 11.

अद्भुतांशु (adbhutāṁśu) *adj.* having wonderful rays राज्ञाद्भुतांशौ स्वकीयरत्नराशौ तानि संकीर्य … अभाणीत् YaśasCam. ii. 347. 26.

अद्भुताकार (adbhutākāra) *adj.* [*f.* -ā] of wonderful form, size or appearance यो यानैरद्भुताकारैर्हयैर्नागैश्च संवृतः MahāBhā. iii. 28.28; तदद्भुताकारमहं दृष्ट्वा नगरमुत्तमम् MahāBhā. iii. 169.26; vii. 57.31; ix. 57.57 (v.l.); xiii. 14.27 (v.l.); ततस्तानद्भुताकारान् बाणान्नागोपवीतकान् । दृष्ट्वा VāmaP. 7.44; तां देवीमद्भुताकाराम्… । हरेः प्रियाम्…कथं पश्यामि PadmP. iv. 71.98; चौरोऽयमद्भुताकारो धूर्तस्तिष्ठति कानने PadmP. v. 48.54; को भवानद्भुताकारो गजं हन्तुं समागतः BṛDharmaP. i. 60.53; जनाः … ददृशुः … । पक्षिणं चाद्भुताकारम् GaṇeP. ii. 20.33; तावत्तत्र … आगतामद्भुताकारां कुमारीं सिंहवाहनाम् । स ददर्श KathāSaSāg. iv. 2.79; xiv. 2.65; xiv. 4.46; अस्ति … अद्भुताकारैः … सौधैः …संवलिता (अयोध्येति नगरी) TilaMañ. 8.21; 409.3; चक्रे नडवने राज्ञः …वधूः। विहारमद्भुताकारम् RājTa.(Ka.) 3.11; कमपि मणिमद्भुताकारमम्बरतलपरिभ्रष्टोऽयमवलोक्यतामिति महाराजविभीषणाय निवेदयित्रा कथितम् AdbhuDa. 4.3 (7); *m.* wonderful form or size तत्र च … जलदेवतासमूहैरद्भुताकारदर्शनोल्लसिताव-दातच्छविभिः … दृष्टिभिराहन्यमानः स्नानमकरोत् TilaMañ. 206.18; (राजा) महाकायमद्भुताकारभासुरमतिजवं प्लवंगमद्राक्षीत् UdaySuKa. 126.26; दृश्यते तदिनी यस्मिन्नद्भुताकारशालिनी … फल्गुः YātrāPra. 8.55.

अद्भुताकृति (adbhutākṛti) *adj.* A of a marvellous form or body (साधकः) हृदयाम्भोजे — स्फुरद्वह्निशिखामध्ये … चिन्तयेदद्भुताकृतिम् (विभुम्) AhirbuS. 32.63; मेना तं ददर्श मुदा प्रभुम् । अद्भुताकृतिम् SivaP. ii(3). 43.49 (175A.13); आलोक्य पुरुषं भीमं मार्गमध्येऽद्भुताकृतिम् SivaP. ii(5). 13.7 (234B.4); नाम्नेन्दीवरसेनं स नृपश्चक्रेऽद्भुताकृतिम् KathāSaSāg. vii. 8.72; xii. 27.96; इयं साद्भुताकृतिः सीता MahāViC. i. 28(7); भो वयस्य प्रेक्षस्व तावदद्भुताकृतिं तत्रभवतीं पद्मावतीम् TāpaVa. 5.5(7); राजा च सोऽत्र रोगार्तस्तां दृष्ट्वैवाद्भुताकृतिम् । आश्वस्तः … अभूत् KathāSaSāg. vi. 3.163; vi. 8.84; अद्भुताकृतिः … सा । … बाहुमध्यम् … कस्य वा पुनरलंकरिष्यति Nalābhyu. 3.30; **B** of a wonderful nature अद्भुताकृतिमिमामतिमायस्त्वं बिभर्षि करुणामय मायाम् Kirātā. 18.30; महादेव … अद्भुताकृतिलीलस्त्वं तव मायाद्भुता प्रभो SivaP. ii(2). 19.39 (91B.1)

अद्भुताक्रान्त (adbhutākrānta) *adj.* overpowered with wonder ईश्वरं रक्षसां कथम् । जेष्यतीत्यद्भुताक्रान्तो नारदोऽपि ययौ पुनः RāmāMañ. 443.8; गोविन्दस्वामी … । सुखदुःखाद्भुताक्रान्तस्तमामन्त्र्य ततो ययौ KathāSaSāg. v. 2.85.

अद्भुताख्य (adbhutākhya) *adj.* 1 (sentiment or *rasa*) known as marvellous or wonderful नाट्ये च सर्वे रसा आनन्दरूपा अद्भुताख्यः परनिष्ठ एव RasTa. 161.1; इत्यादिभिर्विभावैस्तैरद्भुताख्यो रसो भवेत् BhāvPra.(Sā.) 61.19 (3); वर्णैः षोडशभिः पादः कुन्तलो लघुशेखरे । इष्टार्थदः शौर्यदः स्यादद्भुताख्यरसान्वितः SāṅgaPa. 1985; 2 (type of building) known as *adbhuta* or marvellous अद्भुताख्ये गृहे कुर्याद् द्वितले देवपूजिते SilpaRa. i. 37.23.

अद्भुतागम (adbhutāgama) *m.* wonderful source असुरेन्द्रं महाप्राज्ञं धर्माणामागतागमम् (v.l. अद्भुतागमम्) । बलिः पप्रच्छ … प्रह्रादम् MahāBhā. iii. 29.2

अद्भुताग्ररूप (adbhutāgra-rūpa) *adj.* having a wonderfully excellent form प्रतिभयनिस्वनमद्भुताभरूपम् (v.l. अद्भुताग्ररूपम्) । शकटमवेक्ष्य कृतं ननन्द राजा MahāBhā. vii. 63.33.

अद्भुताङ्ग (adbhutāṅga) *adj.* having marvellous body or limbs किं कार्यमित्येव विचिन्तयित्वा वाराहरूपोऽभवदद्भुताङ्गः (देववरः) SkandP. v(3).19.35; ततश्च प्रमदावृन्दम् … अद्भुताङ्गम् … दृष्ट्वा PadmP. iv. 74.82; प्रियतम मृगमद्भुताङ्गमेतम् … देहि मे MahāN. 3.61.

अद्भुताङ्गच्छाया (adbhutāṅgacchāyā) *f.* wonderful complexion of the body अद्भुताङ्गच्छायास्वरूपतया … घटितेव सुवर्णस(? रो)चिषां दलैः (युवतिराजगाम) UdaySuKa. 67.19.

अद्भुताङ्गुलीयक (adbhutāṅgulīyaka) *n.* marvellous finger-ring दर्शयत्याश्चर्यचूडामणिमद्भुताङ्गुलीयकं च ĀścaCū. 3.9(4)

अद्भुताचिन्त्यैश्वर्य (adbhutācintyaiśvarya) *n.* wonderful and unimaginable sovereignty तर्हीश्वरस्यैवाद्भुताचिन्त्यैश्वर्यवशाद् द्विरूपत्वेन द्वित्वमुपपाद्यताम् NyāySu.(Ja.) 164A.11 (*on* i. 2.3)

अद्भुताज्ञा (adbhutājñā) *f.* remarkable or great command सैन्यनायकाः । हतास्तेऽपि वधे सेयमद्भुताज्ञाप्रगल्भता RāmāMañ. 271.4.

अद्भुततथ्यशौर्य (adbhutatathya-śaurya) *n.* marvellous though false valour अत्युक्तिरद्भुततथ्यशौर्यौदार्यादिवर्णनम् Kuval. 163.

अद्भुततथ्यौदार्य (adbhutatathyaudārya) *n.* wonderful though false generosity हेत्वलंकारस्याप्यद्भुततथ्यौदार्यवर्णनात्मिकयात्युक्त्या सहैकवाचकानुप्रवेशसंकरः Kuval. 171 (372)

अद्भुतातिभूरिखेल (adbhutātibhūri-khela) *adj.* who is wonderfully and excessively playful अद्भुतातिभूरिखेलमित्रसङ्गनीतवेलम् (अम्बुजाक्ष भो भवन्तमाश्रयामि) StavMā. 180.15.

अद्भुतातिशय (adbhutātiśaya) *m.* excellence of the marvellous sentiment मातुश्च … विस्मयगमनेनात्युचितोऽयमद्भुतातिशयः AuciViCa. 16 (152)

अद्भुतातिशयशालिन् (adbhutātiśaya-śālin) *adj.* possessing marvellous excellence वपुरद्भुतातिशयशालि बिभ्रतम् । अभिपश्यतः किल भवन्तम् HarVi. 6.43.

अद्भुतात्मगण (adbhutātmagaṇa) *m.* wonderful attendants of himself समागतो रुद्रः … । अद्भुतात्मगणास्तात मेनागर्वापहारकाः SivaP. ii(3). 43.46 (175A.10)

अद्भुतात्मन् (adbhutātman) *adj.* having a wonderful form तव … वदन्ति । … गुल्फद्वयं खलु महातलमद्भुतात्मन् Nārāy. ii. 6.1.

अद्भुतादभ्रविस्तर (adbhutādabhra-vistara) *adj.* of wonderful and great expanse ततश्च … कौणपः … उत्क्षिप्तवानेकम् … देवतावतारितमिवाद्भुतादभ्रविस्तरं शिलापिण्डम् UdaySuKa. 80.12.

अद्भुतादरता (adbhutādara-tā) *f.* the state of having great regard or respect तौ … स्वकार्यतात्पर्यादद्भुतादरतां गतौ RājTa.(Ka.) 8.2859.

अद्भुतादेश (adbhutādeśa) *m.* marvellous advice द्वि[ज]गणवरस्याद्भुतादेशतुष्टः (विजयादित्यः) EI. v. 125.27.

अद्भुताद्भुत (adbhutādbhuta) *adj.* [*f.* -ā] extremely wonderful वपुर्न ते केवलमद्भुताद्भुतं तथा चरित्रं च विचित्रमेव ते । … यतः प्रविष्टोऽसि मदीयमन्दिरम् Nalābhyu. 4.44; अस्याद्भुताद्भुतमिदं तु सनीरतायां सत्यामपि स्फुरति यज्जडता स्म नैव HammīMaKā. 1.86; तां भक्तिं तव वक्ष्यामि रहस्यामद्भुताद्भुताम् TantrRā. 26.51; *n.* (poetry called) most wonderful अद्यन्तै(? न्तैः) ऋ(? इ)कारान्तैरुकारान्तैः क्षितिपद्धतुल्यैर्विशेषणवेष्टितैः । क्षितै रेफपृष्ठस्थै रेफादिरागरसरवरयमुखशब्दैः अद्भुताद्भुतं काव्यं भवति KāvyKaVṛ. 76.28 (3.4)

अद्भुताद्रि (adbhutādri) *m.* wonderful mountain क्षणदाचरेन्द्रः … । तस्याद्भुताद्रेर्विचचार पद्भ्यां रत्नस्थले DaśāvaC. 7.44.

अद्भुताध्यापक (adbhutādhyāpaka) *m.* wonderful or great teacher पूजनेभ्यः काष्ठादिभ्य उत्तरपदं पूजितमनुदात्तं भवति । … अद्भुताध्यापकः KāśiVṛ. *on* viii. 1.67; [a teacher who gives instructions in books dealing with the marvellous, pw.]

अद्भुतानन्द (adbhutānanda) *m.* wonderful delight अलौकिकी वियं कृष्णरतिः … । वियोगे त्वद्भुतानन्दविवर्तत्वं दधत्यपि । तनोत्येषा प्रगाढार्तिभराभासत्वम् BhaktiRaSi. ii. 5.90.

अद्भुतानन्दद (adbhutānanda-da) *adj.* giving wonderful delight तदेतद्दधुकौत्सीयमद्भुतानन्ददं नृणाम् AlaṅkāMañ. 8.15.

अद्भुतानन्ददत्व (adbhutānandada-tva) *n.* the characteristic of giving wonderful yelight अत्र — अद्भुतानन्ददत्वं साधारणो धर्मः, छप्रत्ययो वाचकः AlaṅkāMañ. 9.6.

अद्भुतानन्ददायिनी (adbhutānanda-dāyinī) *adj.* (*f.*) giving wonderful delight तां देवीमद्भुताकारामद्भुतानन्ददायिनीम् । हरेः प्रियाम् … कथं पश्यामि PadmP. iv. 71.98.

अद्भुतानुग (adbhutānuga) *adj.* with wonderful followers इत्युक्त्वा हर्षिता मेना तं ददर्श मुदा प्रभुम् । अद्भुताकृतिमीशानमद्भुतानुगमद्भुतम् SivaP. ii(3). 43.49 (175A.13)

अद्भुतानुभाव (adbhutānubhāva) *adj.* having wonderful power सापि … कानि कान्यपि कामेनाद्भुतानुभावेनावश्यान्तराणि कार्यमाणा … तस्मिन्नेव शयने सचकितमशयिष्ट DaśKuC. 94.3; *m.* extraordinary prowess अद्भुतानुभावलब्धमहेन्द्रसख्यस्य … वैनतेयस्य विभावनीति नगरम् AvantiKa. 214.7.

अद्भुतान्त (adbhutānta) *adj.* ending with wonder अथ वृत्तस्य कर्तव्यगुणानाह-एकाङ्गिरसमन्याङ्गमद्भुतान्तं रसोर्मिभिः । अलङ्कितम् NāṭyaDa. 32.6(15)

अद्भुतापरसादि (adbhutāparasādi) *adj.* deviant sentiment (*aparasa*) called wonderful etc. एवमन्येऽपि विज्ञेयास्तेऽद्भुतापरसादयः । उत्तमास्तु रसाभासाः कैश्चिद्रसतयोदिताः BhaktiRaSi. iv. 9.23.

अद्भुताब्धि (adbhutābdhi) *m.* ocean of amazement स्वाङ्गेषु रूपोत्थमथाद्भुताब्धिमुद्वेलयन्तीमवलोककानाम् NaiṣC. 10.93.

अद्भुताभरूप (adbhutābha-rūpa) *adj.* having a wonderful appearance अद्भुताभरूपम् … । शकटमवेक्ष्य कृतं ननन्द राजा MahāBhā. vii. 63.33.

अद्भुताभास (adbhutābhāsa) *m.* semblance of the sentiment Marvellous बीभत्सकरुणाश्लेषादद्भुताभास उच्यते BhāvPra.(Sā.) 132.20 (6); दिव्यादिदर्शनेऽस्त्रादिलेपोरस्ताडनादयः । अद्भुतं घ्नन्ति यत्तस्मादद्भुताभास इष्यते BhāvPra.(Sā.) 133.10(6)

अद्भुतामलगीत (adbhutāmala-gīta) *n.* wonderful and pure song अद्भुतामलगीतमोहितबल्लवीकुलम् … भवन्तम् … नौमि माधव StavMā. 218.8.

अद्भुतामृत (adbhutāmṛta) *n.* wonderful nectar अस्तु स्वस्ति शुभोदयाय भवते संदृष्टयूयं वयं जाताः साम्प्रतमद्भुतामृतरसव्यासेकदृप्यद्दृशः KaumuMi. 1.16.

अद्भुतामोद (adbhutāmoda) *adj.* A having a wonderful fragrance कुतस्त्यमद्भुतामोदमिदमित्यभिवर्णिनः । घ्रातुं राजादयो निन्युर्नासाग्रे स्वं स्वमम्बुजम् PariPar. 8.104; B giving wonderful joy येन द्वितयमप्येतत्तत्त्वनिर्मितिलक्षणम् । तद्विदामद्भुतामोदचमत्कारं विधास्यति VakroJī. 1.14; *m.* wonderful fragrance केशोद्भूतैरद्भुतामोदपूरैराशावृन्दं सान्द्रमापूरयन्तीम् । त्वामानम्य···अस्मान्मायी सृजते विश्वमेतत् TripuVePāSt. 22.

अद्भुताय (adbhutāya-) -Ā. [Denom.] to act wonderfully उभयात्मको निरुभयात्मकोऽथवा गहनस्त्वमित्थमलमद्भुतायसे HarVi. 6.50.

अद्भुतायमाना (adbhutāyamānā) *adj.* (*f.*) producing wonder अभ्रमच पौरजानपदेष्वियमद्भुतायमाना वार्ता DaśKuC. 76.4.

अद्भुतार्ण (adbhutārṇa) *adj.* of wonderful complexion यत्किंच लोके भगवन्महस्वदोजःसहस्वद्बलवत्क्षमावत् । श्रीह्रीविभूत्यात्मवदद्भुतार्णं तत्त्वं परम् Bhāg-P. ii. 6.44.

अद्भुतार्थ (adbhutārtha) *adj.* [*f.* -ā] having marvellous things भूतभाषामयीं प्राहुरद्भुतार्थां बृहत्कथाम् Kāvyāda. 1.38; अद्भुतार्थामिमां दिव्यां परमार्थबृहत्कथाम् ··· वक्ष्ये MahāP. 1.115; इत्थं क्रियाश्रममवेक्ष्य तवाद्भुतार्थं शास्त्रप्रपञ्चखुरलीं खलु कः करोतु YaśasCam. i. 600.7; श्रुत्वा ··· अद्भुतार्थां कथां ते । पार्श्वासीनाः ··· प्रीतिमग्र्यामवापुः KathāSaSāg. iii. 4.407; कर्णानुकूलं च वचस्तवैतत्कस्याद्भुतार्थं न मनः करोति DaśāvaC. 5.200; Kāvyānu.(He.) 408.1; *m.* wonderful purpose कस्मैचिदद्भुतार्थाय यतन्ते पुनरुत्तमाः PārśvC. 3.123 = PurāPraSaṁ. 110.7.

अद्भुतार्थचित्र (adbhutārtha-citra) *adj.* striking due to a wonderful sense स तत्र ···। स्तवसत्तममद्भुतार्थचित्रं रचयामास भुजङ्गवृत्तरम्यम् Śaṅka-DigVi.(Mā.) 15.32.

अद्भुतार्थप्राप्ति (adbhutārtha-prāpti) *f.* obtaining of miraculous thing निर्वहणसंधेरङ्गानि चतुर्दश ··· अद्भुतार्थप्राप्तिरूपगूहनम् PratāYaBhū. 113.8.

अद्भुतालम्बन (adbhutālambana) *adj.* on which the sentiment of wonder depends अद्भुतालम्बना भावा मायालीलाविलासिनः BhāvPra.(Śā.) 6.2(1)

अद्भुतालय (adbhutālaya) *m.* abode of wonderful things गच्छंश्च तत्र स द्वीपनिभनक्रेऽद्भुतालये । सत्यव्रतं तं पप्रच्छ कर्णधारतया स्थितम् KathāSaSāg. v. 3.8.

अद्भुतावयवप्रभ (adbhutāvayavaprabha) *adj.* with amazing lustre of limbs सर्वे प्रणेमुर्गिरयो ब्राह्मणाश्च सदाशिवम् । ··· भूषाभूताहियुक्ताङ्गमद्भुतावयवप्रभम् ŚivaP. ii(3). 42.11 (173B.7)

अद्भुतावरण (adbhutāvaraṇa) *n.* wonderful shield खड्गस्य ··· फलकोऽस्त्री फलं फाटं खेटं ढ्वीबे स्फुटं पुनः । अद्भुतावरणे चर्मदके KalpaK. 123.311.

अद्भुतावलोकतस् (adbhutāvaloka-tas) *adv.* due to the sight of strange omens ततोऽद्भुतावलोकतः समेत्य तीव्रशोकतः···समस्तधेनुपालकैर्विलोकितः (त्वम्) StavMā. 188.9.

अद्भुतावह (adbhutāvaha) *adj.* [*f.* -ā] stirring up marvels रणारम्भानुभावेन तावदेवाद्भुतावहः । स्वयं पीठे रणस्वामी भित्त्वा यन्त्रमुपाविशत् RājTa.(Ka.) 3.454; राजपुत्रः स यच्चक्रे न तत्कस्याद्भुतावहम् RājTa.(Ka.) 7.1655; 7.1138; 7.1728; काचिदेव क्षणे तस्मिंश्चेष्टाभूदद्भुतावहा RājTa.(Ka.) 7.551; गतागतानि कुर्वन्त्यो दीप्ता उल्का इवोल्बणाः । प्रेक्षकाणां प्रिया दृष्टीरहरन्नद्भुतावहाः RājTa.(Śrī.) 1(4).24.

अद्भुतावाप्ति (adbhutāvāpti) *f.* attainment of an unforeseen thing अद्भुतावाप्तिरधिका संश्रयः कथ्यते बुधैः SāhiSā. 1.107.

अद्भुताविष्टहृद् (adbhutāviṣṭa-hṛd) *adj.* with wonder-struck or astonished mind इत्यद्भुताविष्टहृदा मयासौ विज्ञाप्यमानो विमुरित्यवादीत् Śaṅka-DigVi.(Mā.) 11.50.

अद्भुतावेश (adbhutāveśa) *m.* induction of the marvellous sentiment, intentness upon something marvellous परिभावोऽद्भुतावेशः DaśRū. 1.29; BhāvPra.(Śā.) 208.16(7)

अद्भुतावेशयोग्या (adbhutāveśa-yogyā) *adj.* (*f.*) capable of inducing the sentiment of wonder राजधानी जगाहे ··· । आश्चर्याणां प्रकृतिरियमित्यद्भुतावेशयोग्याम् ··· अभिख्याम् Yādavā. 11.77 (comm. द्रष्टृणामद्भुतरसावेशसंपादनोचिताम्)

अद्भुताशय (adbhutāśaya) *adj.* of wonderful (i. e. inscrutable) intention द्यो धनूंषि शिरांसि च नमयन्तोऽद्भुताशयाः । ··· न ते धृष्टा ललज्जिरे RājTa.(Ka.) 8.924.

अद्भुताश्रय (adbhutāśraya) *adj.* i having the portent as the base एष एव विधिर्ज्ञेयो वियत्येऽप्यद्भुताश्रये AVPari. 70(3).5; ii based on the sentiment of marvellous or wonder स्तम्भः स्वेदश्च मोहश्च रोमाञ्चो विस्मयस्तथा । आवेगो जडता मूर्च्छा चैवाद्भुते रसे (v. l. चैवाद्भुताश्रयाः) 7.178; लघ्वक्षरप्रायकृतमुपमारूपकाश्रयम् । काव्यं कार्यं तु नाट्यज्ञैर्वीररौद्राद्भुताश्रयम् NāṭyaŚā. 16.114 = BhāvPra.(Śā.) 273.9(9)

अद्भुतास्त्रखुरली (adbhutāstra-khuralī) *f.* practising ground for wonderful weapons अद्भुतास्त्रखुरली कुसुमेषोर्विभ्रमद्विरदबन्धनभूमिः VikraDeC. 11.45.

अद्भुतास्पद (adbhutāspada) *n.* place or object of wonder अथवास्तु तावदिदमद्भुतास्पदं तव चेष्टितम् HarVi. 6.187; देहभागमरैः सभ्यङ् भवत्यत्राद्भुतास्पदे DvyāśraKā. 1.109; अयम् ··· अनागतातीतविदद्भुतास्पदं नृपेभ्यमन्याद्यखिलप्रजार्चितः Gurvā. 307.

अद्भुताहरण (adbhutāharaṇa) *n.* assumption of what is not true (i. e. false), use of fraud (one of the divisions of *garbhasandhi*) अङ्गानि ··· गर्भसंधेः ··· अ(द्ग? भू)ताहरणम् ··· छद्मचेष्टितम् SāhiSā. 1.86.

अद्भुतैकनिकेतन (adbhutaikaniketana) *n.* a typical abode of wonders अर्जुनः ··· तस्मिन्नद्भुतैकनिकेतने । चचार SkandP. ii(1). 30.15.

अद्भुतैकप्रभव (adbhutaikaprabhava) *m.* unique source of wonderful acts इत्यद्भुतैकप्रभवः प्रभावात् प्रसिद्धनेपथ्यविधेर्विधाता । आत्मानम् ··· खड्गे निषक्तप्रतिमं ददर्श KumāSaṁ. 7.36.

अद्भुतैकरसावृत्ति (adbhutaikarasāvṛtti) *f.* repeated appearance of the sentiment of marvellous or wonder यत्सत्यमभितः स्तब्धैरिन्द्रियैरिन्द्रजालवत् । अद्भुतैकरसावृत्तिरन्तर्मीलयतीव माम् AdbhuDa. 4.8.

अद्भुतैकवसति (adbhutaikavasati) *f.* the only abode of wonder (तस्य) विद्वद्वृन्दपनायितस्य विमले कीर्त्यायती क्ष्मापतिः चित्तेऽनुक्षणमद्भुतैकवसतेः निध्याय बद्धादरः ĀnandRa. 2.18.

अद्भुतैणवपुस् (adbhutaiṇavapus) *n.* wonderful body of a deer (यः) जह्रेऽद्भुतैणवपुषाश्रमतोऽपकृष्टो मारीचम् BhāgP. ix. 10.10.

अद्भुतैनस् (ádbhutainas) *adj.* of extraordinary vitality (EVP. 10.40; Geld. with whom sin is not found) अस्ति देवा अंहोरुर्वस्ति रत्नमनागसः । आदित्या अद्भुतैनसः ṚV. viii. 67.7.

अद्भुतैश्वर्य (adbhutaiśvarya) *n.* wonderful prosperity or wealth ज्ञेयास्तेऽद्भुतैश्वर्यभावकाः BhāvPra.(Bhā) i. 5.6; अद्भुतैश्वर्यधुर्योऽपि राष्ट्रं दण्डेन पीडयन् । शमं नेतुमशक्योऽभूत् सः RājTa.(Ka.) 8.2193.

अद्भुतैश्वर्यमहिमन् (adbhutaiśvaryamahiman) *m.* one of the names of Viṣṇu (possesser of wonderful powers) अद्भुतैश्वर्यमहिमा सर्वधर्मप्रवर्तकः । इति ··· विष्णोर्नामसहस्रकम् SātvaT. 6.167.

अद्भुतोति (adbhutoti) *f.* wonderful help तावत्समागतो रुद्रोऽद्भुतोतिकारकः ŚivaP. ii(3). 43.45 (175A.10); *adj.* possessed of wonderful help स्वयं गतस्तत्र गणेशः सार्धम् ··· अद्भुतोतिः ŚivaP. ii(5). 9.42 (231A.7); प्रत्युवाचाद्भुतोतिः स विष्णुं हि विहसन् प्रभुः ŚivaP. iii. 9.24 (305A.15)

अद्भुतोतिकर (adbhutoti-kara) *adj.* providing wonderful help एकस्मिन् समये शम्भुरद्भुतोतिकरः प्रभुः । ददर्श मोहिनीरूपम् ŚivaP. 2 iii. 20.3 (319A.9)

अद्भुतोत्पत्ति (adbhutotpatti) *f.* production of sentiment of wonder वीराच्चैवाद्भुतोत्पत्तिः NāṭyaŚā. 6.44; यस्त्वत्र शृङ्गाराद्द्भुतोत्पत्तेराशङ्का AbhinBhā. i. 298.7 (*on* 6.40)

अद्भुतोत्पात (adbhutotpāta) *m.* wonderful or miraculous portent अन्येषु चाद्भुतोत्पातेषु ĀpaGS. 8.23.9; दृष्ट्वा तानद्भुतोत्पातान् MahāBhā. ix. 67.57; अनिष्टैरद्भुतोत्पातैः परस्योद्वेगमाचरेत् Arthśā. iii. 227.8 (14.2)

अद्भुतोत्सव (adbhutotsava) *m.* wonderful festival न कैर्गजः संघपतिः प्रशस्यते सः ··· अचीकरत् तत्पदमद्भुतोत्सवैः Gurvā. 277.

अद्भुतोत्सेध (adbhutotsedha) *n.* the height known as *adbhuta* (= twice that of the breadth) विस्तारं (र) द्विगुणोदयम् ··· । पञ्चमं चाद्भुतोत्सेधं जन्मादि स्तूपिकान्तकम् MānaSā. 35.13.

अद्भुतोदय (adbhutodaya) *adj.* i with wonderful prosperity गरीयानद्भुतोदयः AvantiKa. 16.11; सुमार्गः ··· स भवत्वद्भुतोदयः RāmāMañ. 351.12; ii giving rise to wonder अयि तावकं चरितमद्भुतोदयं सुरभीकरोति(? षि) सुरलोकनिम्नगे YātrāPra. 7.185.

अद्भुतोदात्त (adbhutodātta) *adj.* wonderfully noble तस्याभूदद्भुतोदात्तः ···संधिमतिर्नाम मन्त्री RājTa.(Ka.) 2.65.

अद्भुतोदाहरण (adbhutodāharaṇa) *n.* wonderful event तत्रभवतो जातमात्रस्य सतः समुद्भ्रान्तदेवासुराण्यद्भुतोदाहरणान्यनुश्रूयन्ते MahāvīC. 5.30(21)

अद्भुतोद्भ्रान्त (adbhutodbhrānta) *adj.* bewildered with wonder अहो नु खल्वनयोः ··· अद्भुतोद्भ्रान्तदेवासुराणि विक्रान्तचरितानि UttaRāC. 6. 0(3)

अद्भुतोद्वेग (adbhutodvega) *m.* astonishing anguish एतदेवाद्भुतोद्वेगचिन्ताविभ्रममानसम् BhaviP. 677A. 32 (iv. 52. 5)

अद्भुतोपकरण (adbhutopakaraṇa) *n.* wonderful means यस्याद्भुतोपकरणावलिरित्थमस्ति SamudraMa. 3. 1.

अद्भुतोपम (adbhutopama) *adj.* [*f.* –ā] resembling a wonder, amazing कथयिष्यामि ··· कथामेताम् । ··· दिव्याम् ··· अद्भुतोपमाम् MahāBhā. iii. 39. 8; इमांस्त्वेवंविधान् भावान् विविधानद्भुतोपमान् । दृष्ट्वा वयं प्रव्यथिताः Rāmā. iv. 50. 3; ततो भेरीमृदङ्गानां पणवानां च निस्वनः । शङ्खवेणुस्वनोन्मिश्रः संबभूवाद्भुतोपमः Rāmā. vi. 34. 12; vi. 78. 21; हरस्तुतिं परां च ते प्रचक्रुरद्भुतोपमाः SkandP. v(1). 30. 16; AdhyāRā. v. 5. 60.

अद्भुतोपमदर्शन (adbhutopama–darśana) *adj.* having an appearance resembling a wonderful thing सर्वरत्नमयं दिव्यमद्भुतोपमदर्शनम् । ··· दैत्यानां पुरम् MahāBhā. iii. 170. 3; अद्भुतोपमदर्शनः । धनानामीश्वरः ··· अर्जुनं द्रष्टुमागतः MahāBhā. iii. 42. 8; अतीव रमणीयं तत् ··· । चक्रे नाव्याश्रमम् ··· अद्भुतोपमदर्शनम् MahāBhā. iii. 111. 3; iii. 194. 15; v. 180. 6.

अद्भुतोपमा (adbhutopamā) *f.* type of simile called Wonderful (later on a variety of *atiśayokti*) यदि किंचिद्भवेत् पद्मं सुभ्रु विभ्रान्तलोचनम् । तत्ते मुखश्रियं धत्तामित्यसावद्भुतोपमा Kāvyāda. 2. 24; त्रैलोक्यासंभवि किमप्यारोप्य प्रतियोगिनि । कविनोपमीयते या प्रथते साद्भुतोपमा AgniP. 343. 16.

अद्भुतोपलम्भ (adbhutopalambha) *m.* attainment of the miraculous thing असादद्भुतोपलम्भान्मया स्मृतिरुपलब्धा S'āk. 7. 25 (3)

अद्भुतोल्कानिपात (adbhutolkā–nipāta) *m.* fall of a miraculous meteor अद्भुतोल्कानिपातव्यापदमिव ··· सकलसत्त्वेषु संवेदयन्तीम् ··· मृगयाटवीमवाप UdaySuKa. 43. 7.

अद्भुतोष्मन् (adbhutoṣman) *adj.* having wonderful warmth अभवन्नद्भुतोष्माणः शीतव्याप्ते जगत्त्रये । कुचोत्सङ्गाः कृशाङ्गीनाम् VikraDeC. 16. 10; SūktiMu. 63. 14.

अद्म (adma) *m.* name of a son of Danu प्रमदोऽद्मश्च कुपथो ह्यश्वग्रीवश्च वीर्यवान् (इति पुत्रा दनोः) BrahmāṇḍP. ii. 6. 10.

अद्मन् (ád–man) *n.* food, meal आ स्वमद्म युवमानो अजरस्तृष्वविष्यन्नतसेषु तिष्ठति ṚV. i. 58. 2; अद्मान्नं भवति Nir. 4. 16 (81. 9)

अद्मनि (admani) *m.* fire अद्मनिरग्निः SiddhāKau. 536A. 1 (Uṇā. 2. 262) सप्तार्चिः शुन्ध्युशुक्राद्य(? द्म)नि ··· °शिखिनश्चित्रभानुः कृशानुः KośaKaTa. 1. 447.

अद्मनिदेश (adma–nideśa) *m.* trough, manger दलितदामदासेरकार्भकभ्रान्तिशङ्कितशकृत्करिखुरक्षुद्यमानाद्मनिदेशपल्लवम् (श्रीशालं नाम गोष्ठम्) Yaśas-Cam. ii. 185. 1 (comm. तृणभक्षणद्रोणी)

अद्मनी (admanī) *f.* food पाहि दुरद्मन्यै VājaS. 2. 20 (Mahīdhara अदनमद्मनी दुष्टा अद्मनी दुरद्मनी दुर्भोजनं ततो मां पाहि, पञ्चम्यर्थे चतुर्थी) KāṭhS. 1. 12.

अद्मर (ad–mara) *adj.* [P. iii. 2. 160; CāndrVyā. i. 2. 106; KāśiVṛ. *on* P. iii. 2. 160; KātanVṛ. *on* iv. 4. 40; JaineVyā. ii. 2. 143] gluttonous, voracious स्याद्भक्षको घस्मरोऽद्मरः AgniP. 366. 5; अद्मरा मेदुरा मीनाः Rāvaṇā. 11. 40; DhātuPra. 2. 1 (76. 5); MugdhaBo. 167. 5 (26. 150); PrakriKau. ii. 592. 2; SiddhāKau. 513B. 6; AmaK. 2065; ParyāRaMā. 1198; AbhidhāRaMā. 2. 195; Vaija. 205. 50; AbhidhāCin. 394; S'abdaRa.(Vā.) 3289; KośaKaTa. 2. 134; KalpaK. 217. 32; ParaNā. 1756.

अद्मश् (a–dmaś) (Gr.) (a letter) other than *m* coming in the place of *d* and other than (a substitute) *aś* (coming in the place of *idam*) ऐस् भिसोऽद्मशः S'ākaṭāVyā. i. 2. 164.

अद्मसद् (adma–sád) *adj.* seated (with others) at a meal or by the sacrificial offering दश राजानः ··· सुदासम् ···न युयुधुः । सत्या नृणामद्मसदामुपस्तुतिः ṚV. vii. 83. 7; धीरो ह्यस्यद्मसद्विप्रो न जागृविः सदा ṚV. viii. 44. 29; *f.* a fly अद्मसत्···ससतो बोधयन्तीः ṚV. i. 124. 4 (Sāy. पाचिका योषित्···अद्मेति गृहनाम ··· तत्र सीदति अद्मसद् जननी); नि पर्वता अद्मसदो न सेदुः ṚV. vi. 30. 3; अद्मसत् ···ससतो बोधयन्ती Nir. 4. 16 (81. 4) (comm. गृहाधिकारे नियुक्ता अन्नसाधिका स्त्री । केचित्तु मक्षिकामन्नसदं मन्यन्ते)

अद्मसद्य (adma–sadya) *n.* [DEBRU. p. 824] sharing sacred feast, commansality अग्निं धीभिर्मनीषिणो मेधिरासो विपश्चितः । अद्मसद्याय हिन्विरे ṚV. viii. 43. 19.

अद्मसद्वन् (admasád–van) *adj.* being a companion at a meal वद्मा हि सूनो अस्यद्मसद्वा चक्रे अग्निर्जनुषाज्मान्नम् ṚV. vi. 4. 4.

अद्मसादिनी (admasād–inī) *adj.* (*f.*) one who sits at a meal अद्मसद् अद्मान्नं भवति । अद्मसादिनीति वा Nir. 4. 16 (81. 9)

अद्मसानिनी (adma–sāninī) *adj.* (*f.*) one who obtains food अद्मसद् ···अद्मसानिनीति वा Nir. 4. 16 (81. 9)

अद्य (adyá) *adv.* [metrical lengthening adyā अद्येति वीति ṚVPrāti. 7. 7; अद्येति करणादिषु ṚVPrāti. 7. 8; 7. 9; VājaPrāti. 3. 114; loss of initial *a* TaiPrāti. 11. 10; AltGr. III. 435, 512; MAYR. 1. 30; P. v. 3. 22; इदमोऽश्भावो निपात्यते द्यश्च प्रत्ययोऽहन्यभिधेये । अस्मिन्नहन्यद्य MahāBh. ii. 407. 18 (*on* v. 3. 22); KātanVṛ. ii. 6. 37; JaineVyā. iv. 1. 88; SiddhaHe. vii. 2. 97; GaṇRa. 1. 11(25); SiddhāKau. 310A. 12; MugdhaBo. 7. 110 (78. 4)] **A i** today, on the present day, on this day यज्ञं देवेषु नः कवे । अद्या कृणुहि ṚV. i. 13. 2; i. 34. 1; त्रिरद्य यज्ञं मधुना मिमिक्षतम् ṚV. i. 34. 3; अद्या दूतं वृणीमहे वसुमग्निम् ṚV. i. 44. 3; अग्नीषोमा यो अद्य वामिदं वचः सपर्यति ṚV. i. 93. 2; इहाद्योषः श्रेष्ठतमा व्युच्छ ṚV. i. 113. 12; i. 123. 13; विशो अद्य मरुतामव ह्वये ṚV. v. 56. 1; जुषस्व नः समिधमग्ने अद्य ṚV. vii. 2. 1; तद्वो अद्य मनामहे ṚV. vii. 66. 12; सानो अद्य समनसो गन्त ṚV. viii. 27. 5; स वो ददर्मिमद्या सुपूतम् ṚV. x. 30. 3; कः स्वित्तदद्य नो ब्रूयात् ṚV. x. 135. 5; वाचस्पतिर्बला तेषां तन्वो अद्य दधातु मे AV. i. 1. 1; अथो यदद्यैषां हृदि तदेषां परि निर्जहि AV. iii. 2. 4; अद्याग्ने अद्य सवितरद्य देवि सरस्वति AV. iv. 4. 6; घृतेन त्वां मनुरद्या समिन्धे AV. vii. 82. 6; यदग्ने अद्य मिथुना शपातः AV. viii. 3. 12; ताभिर्नो अद्य सर्वाभी रुचे जनाय नस्कृधि VājaS. 13. 22; 17. 84; अद्यैव मे अग्न्याधेयस्योपवसथ JaimiBr. 1. 44; वरं तवेहाद्य ददामि भूयः KāṭhU. 1. 16; 4. 13; अद्येति समानाहनि LāṭyāS'S. i. 3. 2; बलं भीम जरासंधे दर्शयाशु तदद्य नः MahāBhā. ii. 22. 4; तेषां नियतोऽद्य कालः BuddhaC. 13. 67; तदद्यास्मिन्नाश्रमपदे वासोऽभिप्रेतोऽस्याः SvapnVā. 1. 5(13); ममाद्य पुरतो भातीत्येवं वस्तु प्रतीयते LakṣmīT. 5. 74; मृतिरद्य युगान्ते वा कुलं नैव परित्यजेत् KulārT. 2. 57; पारणादिनमद्यास्ति तापसस्याग्निशर्मणः SamarāSaṁ. 1. 160; अद्याश्विनी ManvaMu. 237. 20 (*on* 6. 50); किमद्य दुन्दुभिनिर्घोषे कारणं भवेत् S'ṛṅgāSar. 138(1); भृङ्गोऽद्य किं न कुरुते मधुपानमत्तः Hāsyārṇa 1. 5; (with श्वः, नूनम्, अपरम् etc.) विश्रयन्तामृतावृधो द्वारो देवीः ··· । अद्या नूनं च यष्टवे ṚV. i. 13. 6; अन्यदद्य कर्वरमन्यदु श्वः ṚV. vi. 24. 5; स त्वं नो अद्य सुमना उतापरम् ṚV. i. 36. 6; वाममद्य सवितर्वाममु श्वः ṚV. vi. 71. 6; अद्य जीवानि मा श्वः AV. v. 18. 2; नैवाद्य न श्वः स्यात् AV. xi. 4. 21; स एवाद्य स उ श्वः S'atBr. XIV. iv. 3. 34; वरमद्य कपोतः श्वो मयूरात् KāmSū. 19. 7 (1. 2); आधिव्याधिपरीताय अद्य श्वो वा विनाशिने (शरीराय) NītiSā. 3. 9; अद्य श्वः परनिर्वृतिं भजति सा AmaS'. 110; पुंसः शक्तिरियत्यसौ सफलता त्वद्याथवा श्वोऽथवा BhallaS'. 40; अद्य श्वो वा तवैवायं राज्यभारोऽवतिष्ठते PārśvC. 1. 110; **A ii** today (immediate future) यदद्य भागं विभजासि नृभ्यः ṚV. i. 123. 3; अद्या देवाञ्जुष्टतमो हि गम्याः ṚV. i. 163. 13; तं वां रथं वयमद्या हुवेम स्तोमैरश्विना ṚV. i. 180. 10; अग्नेः स्तोमं मनामहे सिध्रमद्य ṚV. v. 13. 2; प्र यज्ञ एत्वानुषगद्या ṚV. v. 22. 2; एतो न्वद्य सुध्यो भवाम ṚV. v. 45. 5; स्वर्वानृधीमहि सधमादस्ते अद्य ṚV. vi. 37. 1; यदद्य देवः सविता सुवाति ṚV. vii. 40. 1; यदद्याश्विनावहं हुवेय ṚV. viii. 9. 13; तदद्य वाचः प्रथमं मसीय ṚV. x. 53. 4; सुदेवो अद्य प्रपतेदनावृत् ṚV. x. 95. 14; यो अद्य सेन्यो वधोऽघायूनामुदीरते AV. i. 20. 2; यो अद्य स्तेन आयति स संपिष्टो अपायति AV. iv. 3. 5; स वा अद्य महद्वदेत् AV. xi. 8. 3; यो अद्य देव सूर्य त्वां च मां चान्तरायति AV. xiii. 1. 58; शुचिं नु स्तोमं नवजातमद्येन्द्राग्नी ··· जुषेथाम् TaiS. I. i. 14. 1; ब्राह्मणमद्य राध्यासम् TaiS. I. iv. 43. 2; अस्कन्नमद्य देवेभ्य आज्यं संभ्रियासम् VājaS. 2. 8; योऽद्य सौम्यो वधोऽघायूनामुदीरते PañcBr. i. 3. 3; प्राह्णे वा अद्याहं पापवसीयसं व्याकरिष्यामि ṢaḍviBr. i. 4. 6; आ ह वा अयं सोऽद्य गमिष्यति GopBr. i. 2. 4; किंस्विद् यमस्य कर्तव्यं यन् मयाद्य करिष्यति KāṭhU. 1. 5; जुष्टामद्य देवेभ्यो वाचं वदिष्यामि S'āṅkhāS'S. i. 4. 5; i. 5. 9; अद्य विप्रसरिष्यन्ति राक्षस्यो हतबान्धवाः Rāmā. iii. 29. 10; अद्य वैवस्वतं देवं पश्येस्त्वं निहतो मया Rāmā. iv. 17. 39; अमृतं प्राप्तुमितोऽद्य मे यियासा BuddhaC. 5. 68; 12. 117; मरणव्याधिशोकानां किमद्य निपतिष्यति VṛS'ātāSm. 65; इदमद्य श्वो वा भविष्यति ArthS'ā. i. 54. 5 (1. 11); यो मे इममुं च संपादयिष्यति तस्याद्य गमिष्यति मे दुहिता KāmSū. 362. 7 (6. 6); यास्यत्यद्य शकुन्तला S'āk. 4. 8; अद्य यदि तं जनमादाय तमालिका नागच्छति VāsaDa. 240. 3; चन्द्रकेतुरद्य द्रष्टव्य इत्यहो सुदिवसः UttaRāC. 4. 22 (11); एवं नौ सुरतं भविष्यति चिरादद्य S'ṛṅgāTi.(Ru.) 1. 138; हनिष्येऽहं च वोऽद्य वै BhaviP. 561B. 37 (iii(4). 10. 44); रम्यां कांचित्कथां ब्रूहि देवाद्य मम नूतनाम् KathāSaSāg. i. 1. 23; तदद्य राज्ञः श्रीकीर्तिवर्मणः पुरस्तादभिनेतव्यं भवता PraboCan. 1. 3 (2. 18); स्वमुखं दर्शयिष्यामि तेषामद्य कथं न्वहम् TriṣaS'aPuC. i. 1. 114; कुमरो रङ्गशालाया मध्यमद्य प्रवेक्ष्यति KaumuMi. 5. 1; यदद्य···लटकमेलकनाम्ना प्रहसनेनास्मान् विनोदय LaṭaMe. 1. 4(1); को नो दाताद्य भोजनम् Dhūrtā. 11; ओं

अद्य धर्मकामः … श्रीविष्णुपूजनं करिष्ये VīraMi. (Pūjā.) 130. 5; **A iii** today (immediate past) आपो अद्यान्वचारिषम् ṚV. i. 23. 23; VājaS. 20. 22; उषो यदद्य भानुना वि द्वारावृणवो दिवः ṚV. i. 48. 15; समिद्धो अद्य राजसि ṚV. i. 188. 1; यदद्य स्थ परावति यदर्वावत्यश्विना ṚV. v. 73. 1 अभूद् भद्रा देवहूतिर्नो अद्य ṚV. x. 18. 3; AV. xii. 2. 22; अद्येदु प्राणीत् ṚV. x. 32. 8; साध्वीमकर्देववीतिं नो अद्य ṚV. x. 53. 3; नाद्य शत्रुं ननु पुरा विवित्से ṚV. x. 54. 2; समिद्धो अद्य मनुषो दुरोणे ṚV. x. 110. 1; AV. v. 12. 1; x. 164. 5; अजैष्माद्यासनामाद्याभूमानागसो वयम् AV. xvi. 6. 1; उपपादितमद्येह चिरकालात्मनोगतम् MahāBhā. iii. 12. 28; जातमिष्टमपत्यं मे त्वमद्यानुपमं भुवि Rāmā. ii. 4. 13; तेऽद्य सर्वे हते रामेऽज्ञानिनोऽनृतवादिनः Rāmā. vi. 38. 2; सोऽद्य प्रियो मे वितथप्रतिज्ञः Saund. 6. 13; मुदितनृपतिसिंहैः सिंहनादः कृतोऽद्य KarṇaBhā. 3; परिवृत्तार्धमुखी मयाद्य दृष्टा Vikramo. 1. 16; अहं हि प्रत्यूषस्येवाद्य वन्दित्वा भगवन्तम् HarṣaC. 321. 18; अद्याहं वसन्तोत्सवे सबहुमानमाहूय … उक्तः Ratnā. 1. 4(2); संरक्षता पन्नगमद्य पुण्यं मयार्जितम् Nāgā. 4. 26; यच्चिरस्याद्य वयं प्रेक्षाधिकारे परिषदा नियुक्ताः स्मः MattaVi. 1. 4; नृपतिनाहमद्य रात्रौ … अभिहितः AvantiKa. 239. 10; विष्णुनाद्यानुगृहीतमिदं भरतकुलम् VeṇīSaṁ. 1. 37; नन्वद्य राक्षसपतेः स्खलितः प्रतापः MahāvīC. 1. 40; दिष्ट्या सुप्रभातमद्य यदयं देवो दृष्टः UttaRāC. 6. 12(7); 1. 7; MālaMā. 4. 28; किं चाहमद्य स्वप्ने हस्तिनमद्राक्षम् BrahmSūBh. (S'aṅ.) 177. 8 (*on* i. 3. 19); अद्याशिषः समृद्धाः परिमुष्टा इष्टदेवता अद्य KuṭṭaMa. 143; अद्य … अन्वयशकुन्तिभिः … आवेदितं शकुन्तराजाय BālRā. 6. 57(7); अनेन चाद्याभिहितम् PañcT. 1. 90(6) (101. 5); YaśasCam. ii. 74. 4; प्रियतमा स्वप्नेऽद्य दृष्टा मया SaraKaṇṭhā. 608. 14; यत्पौरुषोचितमिहाद्य कृतं मया तत् Dūtāṅg. 4; देवाद्यैव मया दृष्टो यादृक् पृष्टो गुरुस्त्वया SamarāSam. 1. 233; अद्य प्रसन्नं कुलदेवताभिः Rāgh. 2. 11; **B i** now, to-day onwards अद्या च मृळय ṚV. i. 25. 19; निर्हस्ताः शत्रवः स्थनेन्द्रो वोऽद्य पराशरीत् AV. vi. 66. 2; निधिं तमद्य को वेद यं देवा अभिरक्षथ AV. x. 7. 23; सनातनमेनमाहुरुताद्य स्यात्पुनर्णवः AV. x. 8. 23; इदं तदद्य नाकस्त्रिषु पात्रेषु रक्षति AV. x. 10. 11; पाहि माद्य दिवः TaiS. I. i. 13. 3; शिवौ भवतमद्य नः TaiS. I. iii. 7. 2; अग्र इममद्य यज्ञं नयताग्रे यज्ञपतिँ सुधातुं यज्ञपतिं देवयुवम् S'atBr. I. i. 3. 7; स त्वं सात्वतमुख्याद्य लब्धसंज्ञो यदृच्छया MahāBhā. iii. 20. 5; न त्वद्य शक्यमस्माभिरेतत्कर्तुमतोऽन्यथा MahāBhā. iii. 126. 22; स्वदोषेणापदं प्राप्य कच्चिन्नाद्य विमुह्यसि MahāBhā. viii. 1. 29; किं नु बन्धुविहीनस्य जीवितेन ममाद्य वै MahāBhā. xi. 1. 11; कृतकृत्यमिवात्मानमद्य मन्ये ParaS. 30. 2; त्वत्पादयोर्निपतितम् … एतच्छिरः प्रथममद्य विमुञ्च रोषम् ŪruBha. 31; न जहाति विपत्तिरद्य नः JānaHa. 4. 19; अद्य इदानीम् GītāBh.(S'aṅ.) 112. 14 (*on* 4. 3); BṛĀraUBh.(S'aṅ.) 206. 4 (*on* i. 5. 23); रुचेयमाराजति यावती रवेरहं महीमद्य भुनज्मि तावतीम् RāmC. 5. 65; तदद्य सरस्वतीहृदयारविन्दमकरन्दबिन्दुसंदोहसुन्दराणां सत्कविवचसामन्तरामोदमनोहरत्वेन VakroJī. 26. 18; राजन् दुधुक्षसि यदि क्षितिधेनुमेनां तेनाद्य वत्समिव लोकमिमं पुषाण S'atTrayī. 58; हा तारुण्य विना त्वयाद्य सकलं पालालभारायते S'atTrayī. 440; तद्भिन्नसेतूनद्याहं शास्मि पश्यत मे बलम् BhāgP. i. 18. 35; यूनामुत्कण्ठयत्यद्य मानसं मकरध्वजः SaraKaṇṭhā. 527. 3; धत्ते तत्साम्यमद्य स्मरहरधरणीसंभवस्यान्ववायः RāghPāṇ.(Ka.) 1. 23; CaturCin. ii(2). 1003. 5; दूरे पतिः कथय किं करणीयमद्य SāhiDa. 64. 12; कष्टा ते सृष्टिचेष्टा बहुतरभवखेदावहा जीवभाजामित्येवं पूर्वमालोचितमजित मया नैवमद्याभिजाने Nārāy. i. 1. 7; **B ii** at present, these days, now-a-days कस्मिन्नद्य जने मित्रो न श्रूयते ṚV. x. 22. 1; आर्द्रं तदद्य सर्वदा समुद्रस्येव स्रोत्याः AV. i. 32. 3; सर्वतोमुखमप्याद्यं कविमद्य AvantiKa. 3. 1; किमद्य यथापूर्वमाहारार्थं न विहरसि PañcT. 3. 93(6) (356. 3); किं च स्वाश्रयसंभृतप्रथिमसु च्छायातपाङ्गेष्वयं लोकः स्तोकरसोऽद्य न क्वचिदपि स्वच्छन्दमानन्दति SubhāRaK. 8. 16; क्षात्रो धर्म इदानीमस्त्यद्याद्यानां कथा कृताः DvyāśraKā. 19. 4; कर्णाटत्वं ध्रुवमुपगतानद्य तानेव हन्तुम् … स पुनरभवत् Caṇḍa-Kau. 1. 4; अद्येश्वराश्वारणगायनानां सदैव कल्पद्रुमवत्फलन्ति Subhāṣi. 2395; **C** immediately, at once अद्या मुरीय यदि यातुधानो अस्मि ṚV. vii. 104. 15; AV. viii. 4. 15; इदं तामद्य त्वद्वयं विषूचीं वि वृहामसि AV. vi. 90. 1; इमं मे अद्य पूरुषं क्लीबमोपशिनं कृधि AV. vi. 138. 1; द्रागाश्लिष्याद्य चुम्बनं देहि S'ṛṅgāMañ.(A.) 5. 8.

²अद्य (–ádya) *n.* [in Vedic as second member of words like *havirádya, annādya*, giving rise to a verbal abstract, DEBRU. p. 828. derived from *havirád, annáda* etc.] eating.

³अद्य (adya) *adj.* [detached from ² *adya* as an alternative to *ādya*] eatable, fit to be eaten हितं परिणामे यत्तदद्यं भूतिमिच्छता MahāBhā. v. 34. 14; यतो मुक्तोऽप्यहमन्नभूतः अद्यः (v. l. आद्यः) स्यामन्नस्य TaiUBh. 298. 17 (*on* 3. 10); किंचिदपि प्राणिभिरद्यं (v. l. आद्यं) सर्वैः अनन्नम् अनद्यं (v. l. अनाद्यं) न भवति ChāndoUBh. 268. 20 (*on* v. 2. 1); अद्यश्च भोग्यो भार्यालक्षणश्च जायते SmṛtiCan. i. 194. 14; SūktiRa. 163. 92; अद्यमदनार्हम् VīraMi.(Rājanīti.) 163. 12; अद्यं भक्तादि comm. *on* SuśruS. i. 46. 494; अद्यम् … भोज्यम् comm. *on* CaraS. vi. 30. 334 (1941 Ed.); अद्यै रागैः फलैश्चूर्णैः, अद्यैः भक्षैः CaturCin. ii(1). 415. 2; अद्येन भक्तादिना ManvaVi. 419. 3 (*on* 3. 233) [read अन्यया for अद्यया JaimiBr. 2. 257]

अद्य खलु (adya khalu) verily today, this very day अद्य खलु … आर्यमिश्राः समादिशन्ति MahāvīC. 1. 1 (1); अद्य खल्वायुष्मतोः कुशलवयोर्द्वादशस्य जन्मसंवत्सरस्य संख्यामङ्गलग्रन्थिरभिवर्धते UttaRāC. 3. 3 (10); 7. 0 (1)

अद्यजन्मन् (adya–janman) *n.* present existence स्वप्नेऽप्यद्यजन्मनि जन्मान्तरे वा … विषयस्यानुभवः VedāntTaSā. 37. 3.

अद्यजात (adya–jāta) *adj.* [*f.* –ā] born this day अद्यजातायां गवि प्रथमप्रयोगो न प्राप्नोति तत्रादृष्टत्वात् S'ābaBh. 303. 20 (*on* i. 3. 33); न हि सामान्यवाची शब्दो विशेषानभिवदति। यदि चाभिवदेदद्यजाते गवि नावकल्पेत S'ābaBh. 2073. 8 (*on* x. 8. 16); तिर्यञ्चोऽपि ह्यद्यजाताः स्वमातरम् … प्रत्यभिजानन्ति S'āstrDī. 42. 4 (*on* i. 1. 4)

अद्यजातवत् (adyajāta–vat) *adv.* like one born this very day अद्यजातवदनन्यवत्सले प्रश्रिताः सुमनसः प्रतस्थिरे Yādavā. 17. 130.

अद्यतन (adya–tana) *adj.* [*f.* –ī, –ā] of today, pertaining to the present day, contemporary क ह्यद्यतनं च श्वस्तनं चाहनी संपत्स्यतः JaimiBr. 2. 381 (7); यश्चाद्यतनः पाको यश्च ह्यस्तनः MahāBhā. iii. 1. 67; श्मशानयात्राद्यतनाहवेषु SuśruS. i. 7. 18 [pw]; ह्यस्तनस्य शब्दस्य विनाशादन्योऽद्यतन इति चेत् S'ābaBh. 88. 7 (*on* i. 1. 20); तल्लिख्यतामद्यतनो दिवसः Tantrākhyā. 2. 10; PañcT. 5. 6 (KOSB.); ह्यस्तनाद्यतनयोर्यो विश्लेषोऽतिभोगकः MaBhāsk. 4. 18; श्वस्तनेऽद्यतनाच्छुद्धे वक्रभोगः प्रकीर्तितः LaBhāsk. 2. 41; एषोऽद्यतनः कालः KāśiVṛ. *on* P. i. 2. 57; देवि अद्यतनमेव दिनं तत् MahāvīC. 7. 8 (9); 5. 46 (288. 4); ह्यस्तनाद्यतनाः सर्वे गोशब्दप्रत्यया इमे TattvSaṁ. 2465; 240; न खल्वियमद्यतनी वः प्रतिष्ठा AnarghRā. 2. 64 (2); आः वत्स कोऽयमद्यतनस्ते दुर्विनयप्ररोहः AnarghRā. 4. 47 (4); तस्याः प्रभृति भीमाया यावदद्यतनीं निशाम् BṛKathāS'loSaṁ. 18. 647; ह्यस्तनाद्यतनाः सर्वे तुल्यार्थाश्चैकबुद्धिवत् S'lokaVār. 5 (17). 139 (724. 8); सदाचारेषु हि दृष्टो धर्मव्यतिक्रमः साहसं च महताम् … बहूनामद्यतनानां च TantrVā. 127. 21 (*on* i. 3. 7); तस्माल्लृडनद्यतनेऽद्यतने च भविष्यति काले भवति ṬupṬ. 196. 18 (*on* ix. 1. 35); अद्यभा(? भ)वोऽद्यतनः KātanVṛ. *on* iii. 1. 16; एकः करुणाहतस्य तात क्षन्तव्योऽद्यतनो ममापराधः RāmC. 14. 88; अद्यतनास्तु व्याचक्षते NyāyMañ. i. 129. 14; अद्यतनानां सर्वेषां मिथुनसंप्रयोगद्वारेण तत्त्वेभ्य उत्पत्तिदर्शनात् ManuBh. i. 25. 6 (*on* 1. 31); यथाद्यतनाः पुरुषा भारतादिकम् … अधीयते PrakaPañ. 248. 8; 306. 11; देव श्रूयतामनवद्यमद्यतनमेव राज्याभिषेकयोग्यमहः NalaCam. 4. 21 (3); 5. 44 (1); सखि निवेदय यथावृत्तमद्यतनमस्मद्वृत्तान्तमस्य महाभागस्य TilaMañ. 279. 21; अद्यतनेन तूपलम्भेनाद्यतनानुपलम्भस्तस्य निवर्तितः NyāyKa. 227. 21; श्वस्तनेनेव सवितुरुदयेनाद्यतनस्य तदुदयस्य … संबन्धः TātpaṬ. (Vā.) 44. 9 (*on* i. 1. 1); अद्य सप्तदशो योगो वियोगोऽद्यतनोऽशुभः SkandP. iv. 88. 47; स वा अद्यतनाद्राजन्परतः पञ्चमेऽहनि BhāgP. i. 13. 56; भाविन्यद्यतने च लुट् AgniP. 357. 4; प्रथममेको गौरुत्पन्नस्तत्सादृश्याद्यतनाः सर्वे शाबलेयादयो गौः इत्युच्यन्ते S'arka. 21. 21; सर्वस्याद्यतनस्य ग्रहीतुर्बहिर्विषयबोधात् Kāśi. ii. 60. 17 (*on* 5 (2). 96); यद्यपि चात्र व्यतिरेको भवति तथापि स पूर्ववासुदेवस्वरूपात् नाद्यतनात् Dhvanyā. 262. 6 (*on* 2. 27); मध्यलयान्वितानामित्यद्यतनानामिष्टत्वात् AbhinBhā. i. 248. 12 (*on* 5. 164); ii. 432. 10 (*on* 18. 50); यद्यप्यद्यतनैः स्रष्टृत्वं नावगम्यते सृष्टयाद्यैस्तु गम्यते इति चेत् NyāyRa. 654. 15 (*on* 5 (10). 58); तदेवाद्यतनस्य विभागस्य बाधकं स्यात् स्वप्नदर्शनस्येव जाग्रद्दर्शनम् Bhām. 347. 11 (*on* ii. 1. 13); तस्मादद्यतनेषु प्रातरादिषूपक्रम्य श्वस्तनेषु प्रातरादिषु समापनीया S'āstrDī. 415. 12 (*on* v. 1. 11); अतोऽद्यतनमेवं वासरमिहैव गमयामि UdaySuKa. 14. 10; 62. 18; किमर्पयामि देवाद्य किमद्यतनमुच्यताम् KathāSaSāg. vii. 1. 46; xii. 5. 115; शरीर एव क्षतसंपदश्च श्वभ्रद्रुमा अद्यतना नराश्च YogVā. i. 27. 38; ii. 5. 12; ii. 6. 18; v. 1. 18; वेद्मि नाद्यतनं तावत् कुतः सौ(? शौ)वस्तिकं पुनः Rāvaṇā. 15. 15; ह्यस्तन्यद्यतनी वर्तमानेवाद्यापि सत्कथा DvyāśraKā. 7. 3; इदमद्यतनानां च भाविनां चानुशासनम् VyaktiVi. 112. 8; इत्याद्यद्यतनस्यापि चरितं तस्य भूपतेः RājTa.(Ka.) 3. 94; 5. 100; वत्स नाद्यतनी ते प्रतिष्ठा MudriKu. 2. 9 (2); भ्रातः किं वक्तव्याद्यतना वृन्दावनलक्ष्मीः GopāKeCan. 110. 24; देवस्याद्यतनेऽपि जन्मनि मनाङ्नास्ति क्वचिद्दुर्जयः PṛthvīVi. 11. 42; यदोदनसूपादिकं ह्यस्तनमद्यतनं वा निजरसं हित्वात्यर्थमम्लीभवति SmṛtiCan. v. 224. 1; यो वक्ता स परिग्राह्यः प्राक्तनोऽद्यतनोऽपि वा NyāyPari. 13. 5; अद्यतनानां प्राग्भवीयाननुसंधानवत्स्यादिति चेन्न S'atDū. 221. 8; 54. 22; 151. 9; आचक्ष्महे बत किमद्यतनीमवस्थां तस्याद्य विन्ध्यशिखरस्य S'ārṅgaPa. 1066; 2758; न बभूव पुरातनेषु तत्सदृशो नाद्यतनेषु विद्यते S'aṅkaDigVi.(Mā.) 4. 71; इत्थं तावद्यतने कृष्णः पार्थे कृतस्थितावद्यतने … निजगाद YudhiVi. 6. 83; यद्येते … अद्य तपः कुर्वन्ति ततः पुण्यमद्यतनं दिनमित्यहमपि

विशेषतस्तपः करोमि KumāPraPra. 92.1; कलिदूषितानामद्यतनानां सर्वसाधनयोगाभावेन कथं श्रेय इति चेत् VedāntRaMañ. 144.18 (4.10); कालान्तरे लिपेर्भेदादुपर्यद्यतनाः पुनः। व्यञ्जनानां लिखन्त्येव रेखामेकारबोधिकाम् RājTa.(Jo.) 1030; मन्मन्त्रिणोऽगदंकारा न सन्त्यद्यतने क्षणे RājTa.(S'rī.) 1(7).112; परमद्यतनो दिनो भ्राता(? तृ)लभ्यः PurāPraSaṁ. 4.19; नास्त्यद्यतनो यस्मिन्भूते काले तस्मिन् वाच्ये धातोर्लेङ् स्यात् PrakriKau. ii. 26.8; नावशिष्टः कविः कश्चित्तेषां योऽद्यतनान्भवेत्। क्षमः शिक्षयितुम् KathāKau. 1.12; ब्राह्मं तेजः क्व ते विप्राः क्वाचारोऽद्यतने युगे RājTa.(Prā.) 159; अद्यतनेष्वङ्कुरादिष्वपि…ज्ञानादिमन्तः योगिनः कर्तारः संभवन्ति S'ivārkaMaDī. i. 147.16 (*on* i. 1.3); ii. 25.30 (*on* ii. 1.16); ii. 376.29 (*on* iii. 3.55); परिदेवने लुडद्यतनेऽपि वाच्यः Prasā. ii. 39.18; ii. 26.17; i. 763.20; अद्यतनस्य पूर्वेद्युस्तनं युद्धमुपमानम् CitraMī. 42.2; अत एवाद्यतनानां भक्त्याद्यभावादुद्धाराद्यर्हज्येष्ठाभावाच्च समभाग एव लोके दृश्यते VīraMi.(Vyavahāra.) 444.3; पुरातनैरद्यतनैश्च पुण्यैः पुत्रत्वभाजः पुरुषोत्तमस्य Raghunā. 6.56; तद्भवेऽद्यतनं त्रिषु KośaKaTa. 1.967; किंचनाद्यतनश्वस्तनयोर्मध्यमार्कयोरसंस्कृतयोरन्तरम् SiddhāTaVi. 19.19; तेनाद्यतने भूतेऽनद्यतने भविष्यति भूतेऽप्यपरोक्षे च न लिट्प्रयोगः VaiyāBhū. 75.10 (*on* 22); न खल्वद्यतनी ह्यस्तनी वा मे पतितसंग्रहप्रवृत्तिः S'ṛṅgāSar. 71 (2); सखे यत्पुनः कालापेक्षितया नाद्यतनीं संतापवल्लीमुन्मूलयिष्यति RasSa. 147.3; अतीताया रात्रेः पश्चार्धेनागामिन्याः पूर्वार्धेन च सहितो दिवसोऽद्यतनः SiddhāKau. 248B.15; अतीतरात्रेरन्त्ययामेनागामिरात्रेराद्ययामेन च सहितो दिवसोऽद्यतन इति लुङ्सूत्रे भाष्यकैयटयोः LaS'abdeS'e. ii. 252.21; *n.* today, present day न नूनमस्त्यद्यतनं नो एव श्वस्तनम् Nir. 1.6 (32.19); न च प्रयोगोऽद्यतनेनापेक्षितो दर्शपूर्णमासशब्दश्रवणात् ṬupṬ. 197.6 (*on* ix. 1.35)

अद्यतनकल्प (adyatana-kalpa) *m.* the present *kalpa* (a period of time) पूर्वापरकल्पा एतद्वेदसंदर्भपाठवन्तः कल्पत्वादद्यतनकल्पवत् NyāyPari. 386.13.

अद्यतनकाल (adyatana-kāla) *m.* present time अद्यतनकालवैश्रवणः खल्वेषः (समुद्रदत्तः) Ubhayābhi. 5.15; अनुपलम्भः उपलम्भप्रागभावः स च वस्तूत्पत्त्यवधिरेक एव न प्राक्तनाद्यतनकालभेदेन भिद्यते NyāyKa. 227.24; प्रतिप्रयोगाश्च … °पूर्वोत्तरकालो न लोकशून्यः कालत्वात् अद्यतनकालवत् NyāyPari. 389.5; BhāṭṭDī. iii. 71.20 (*on* ix. 1.11)

अद्यतनगकार (adyatana-gakāra) *m.* letter *g* (uttered) today प्रत्यभिज्ञाख्यविशेषप्रत्ययबलेन ह्यस्तनाद्यतनगकारयोरेकत्वावगमान्नित्यत्वमाश्रीयते S'āstrDī. 135.4 (*on* i. 1.6)

अद्यतनगन्ध (adyatana-gandha) *m.* trace of today अनद्यतन इति बसनिर्देशाद्यत्राद्यतनगन्धोऽप्यस्ति तत्र लङ् न भवति JaineVyā. 112.3 (*on* ii. 2.92); Nyās. i. 638.12 (*on* iii. 2.112)

अद्यतनघट (adyatana-ghaṭa) *m.* pot of today, today's pot अद्यतनघटस्य श्वस्तनकपालमालयैवानैकान्तिकत्वात् ĀtmaTaVi. 258.16; NyāyRa. 838.18 (*on* 6.22)

अद्यतनजन (adyatana-jana) *m.* people of the present time वृत्यादीनामत्रत्येष्वद्यतनेष्वकार्यंकरत्वं सूचितम् S'rutaPra. iA. 9.16 (*on* i. 1.1)

अद्यतनजन्मन् (adyatana-janman) *n.* present birth अन्ये त्वद्यतनजन्मसमुचितविशिष्टविभावानुप्रवेशस्फुटीभवद्रतिभावानुविद्धे देहे परिस्फुरन्ति AbhinBhā. iii. 154.17 (*on* 22.4); Kāvyānu.(He.) 371.1.

अद्यतनतपनोदय (adyatana-tapanodaya) *m.* today's sunrise न चत एव प्रतिबन्धा अद्यतनतपनोदयेन श्वस्तनतपनोदयानुमाने तादात्म्यतदुत्पत्त्योरन्यतरस्याभावात् Kiraṇā. 299.21.

अद्यतनतार्किक (adyatana-tārkika) *m.* logician of today नैत इच्छन्ति इत्यद्यतनतार्किका विवक्षिताः S'rutaPra. ii. 335.10 (*on* ii. 2.42)

अद्यतनत्व (adyatana-tva) *n.* the state of belonging to the present time यद्यपि चात्र व्यतिरेको भाति तथापि स पूर्ववासुदेवस्वरूपानद्यतनत्वादद्यतनत्वेन भगवतोऽपि प्राप्तश्रीकत्वं नालस्येन … वर्तमानत्वात् Loc. 110.11 (*on* 2.28); ParāTri. 9.7 (comm.)

अद्यतनधी (adyatana-dhī) *f.* knowledge of the present day अज्ञासिषमिति प्राक्तनसंविदोऽद्यतनधिया विषयीक्रियमाणत्वात् ĀtmaSi. 23.8.

अद्यतननिषेध (adyatana-niṣedha) *m.* negation of the present time भूतमात्रस्य विधानात्तस्यैव चाद्यतननिषेधद्वारेणानद्यतनलक्षणविशेषप्रतिपादनेन निषेधात् Pradī. iii. 192A.36 (*on* iii. 2.118)

अद्यतनपरामर्श (adyatana-parāmarśa) *m.* remembrance at the present time विमर्शांशे – अद्यतनपरामर्शाख्ये भागे Bhāsk. i. 158.12 (*on* i. 4.2)

अद्यतनभविष्यत् (adyatana-bhaviṣyat) *adj.* today's future (immediate future) लडादेशशानचः … लृट् शेषे चेति सूत्रेण वाक्यसार्थक्याय चाद्यतनभविष्यत्परत्वम् BhāṭṭCin. i. 88.4 (*on* i. 1.4)

अद्यतनभूत (adyatana-bhūta) *adj.* today's past (immediate past) अनद्यतन इति। अद्यतनभूतविशेषे प्रतिषेधो न भूतसामान्ये Nyās. i. 638.6 (*on* iii. 2.111)

अद्यतनमात्र (adyatana-mātra) *adj.* exclusively of present time अद्यतनानद्यतनसाधारणभविष्यत्कालमात्रवाचिलृटः अद्यतनमात्रकालवाचित्वाभावात् BhāṭṭDī. iii. 71.23 (*on* ix. 1.11)

अद्यतनवत् (adyatana-vat) *adv.* like the tense applicable to the present day अद्यतनवद्वचने हि विधानम् Vār. 2 (*on* P. iii. 3.135); क्रिमर्थमिमौ द्वौ प्रतिषेधावुच्येते नाद्यतनवदित्येवोच्येत MahāBh. ii. 161.4 (*on* iii. 3.135); ii. 161.8 (*on* iii. 3.135)

अद्यतनवाचिन् (adyatana-vācin) *adj.* expressive of the present time अद्यतनवाचिप्रत्ययश्रवणेनानन्तर्यस्याकल्पनीयत्वात् (is it कल्पनीयत्वात् ?) BhāṭṭDī. ii. 207.1 (*on* v. 4.3)

अद्यतनविचार (adyatana-vicāra) *m.* deliberation of the present time or day न खल्वद्यतनविचारस्य दिनान्तरीयविचार्यावगतिहेतुत्वमपि युज्यते SiddhāLeSaṁ. 382.12.

अद्यतनविज्ञान (adyatana-vijñāna) *n.* coguition of today श्वस्तनाद्यतनविज्ञानान्येकसंततौ एकानेकनिमित्तानि मयेति प्रतिसन्धानात् NyāyVār. 421.10 (*on* iii. 2.14)

अद्यतनव्यामिश्र (adyatana-vyāmiśra) *adj.* combined with the present time एवं चाद्य ह्यो वामुक्ष्महीत्यत्राप्यद्यतनव्यामिश्रे (काले) प्राप्नोति Nyās. i. 638.4 (*on* iii. 2.111)

अद्यतनसंसार (adyatana-saṁsāra) *m.* today's worldly existence, today's world नाद्यतनसंसारोपलम्भानुपपत्तिः NyāyMa. 332.2.

अद्यतनसामान्य (adyatana-sāmānya) *n.* present time in general अद्यतनसामान्ये मुहूर्तादेरद्यतनविशेषस्य विद्यमानत्वात् Nyās. i. 638.15 (*on* iii. 2.111)

अद्यतनसुरत (adyatana-surata) *n.* today's intercourse अद्यतनसुरतविह्वलाङ्गं भवदीयम् … जयतु S'ṛṅgāSar. 53.

अद्यतनस्वर (adyatana-svara) *m.* voice of today एवं स्वरविशेषात्पुत्राद्यनुमानेऽपि पूर्वस्वरवदद्यतनस्वरस्य पुत्रस्वरत्वानुमानात् सिद्धो भेदः NyāyPari. 153.11.

अद्यतनस्वामिन् (adyatana-svāmin) *m.* present master न सहेऽद्यतनस्वामिवृत्तियाच्ञाकदर्थना RājTa.(S'rī.) 4.294.

अद्यतनाग्नि (adyatanāgni) *m.* firegod of the present time यजमानो भाविन्या वृत्त्या यदा अग्निरिदानीमग्नये निर्वपति तदा भविष्यदद्यतनाग्न्योस्तुल्यनामता VedāntKa. 174.20 (*on* i. 3.30)

अद्यतनादिकाल (adyatanādi-kāla) *m.* tenses like that of present and so on पूर्वाणि व्याकरणानि अद्यतनादिकालपरिभाषायुक्तानि PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. ii. 4.21.

अद्यतनाध्ययनवत् (adyatanādhyayana-vat) *adv.* like (Vedic) study of the present day विवादाध्यासितं वेदाध्ययनं गुर्वध्यापनपूर्वकं वेदाध्ययनत्वादद्यतनाध्ययनवत् S'āstrDī. 162.18 (*on* i. 1.8)

अद्यतनानद्यतन (adyatanānadyatana) *adj.* present and non-present अस्ति हि अद्यतनानद्यतनसमुदायोऽनद्यतनादन्यः Nyās. ii. 638.5 (*on* iii. 2.111); लुङ्लुटोरद्यतनानद्यतनसाधारण्येन … कर्तृत्वमात्रे शक्त्युपगमात् VīraMi. (Tīrtha.) 62.1–2; कालस्तावदद्यतनानद्यतनभेदेन द्विविधः VaiyāBhū. 75.9 (*on* 22); अद्यतनानद्यतनसाधारणभविष्यत्कालमात्रवाचिलृटः अद्यतनमात्रकालवाचित्वाभावात् BhāṭṭDī. iii. 71.22 (*on* ix. 1.11); एवं चाद्य ह्यो वामुङ्(?)क्ष्महीत्यत्राद्यतनानद्यतनव्यामिश्रणे प्राप्नोति Prasā. ii. 26.19.

अद्यतनानागतकाल (adyatanānāgata-kāla) *m.* time belonging to the present and future श्वः पक्ष्यत्यप्यद्यतनानागतकालावच्छिन्नपाककृत्यभावमादाय न पक्तेति प्रयोगप्रसङ्गेन लुटोऽनद्यतनार्थत्वमावश्यकम् VyutpaVā. 204.23.

अद्यतनानुपलम्भ (adyatanānupalambha) *m.* non-perception at present day अद्यतनेन तूपलम्भेनाद्यतनानुपलम्भस्तस्य निवर्तितः NyāyKa. 227.21.

अद्यतनार्क (adyatanārka) *m.* the sun of today पूर्वस्मिन्कल्पे भाविनस्सवितुरुदयस्याद्यतनार्कस्यैवोदयादष्टौ यामानतिक्रम्यानुमानं न स्यात् Kāśi. iii. 11.15 (*on* 5(4).10)

अद्यतनाहन् (adyatanāhan) *n.* today, present day अहो शुभाशयायतन, अद्यतनाहनि यस्तवादावेवानाये मीनः समापतितः स त्वया न प्रमापयितव्यः YaśasCam. ii. 338.2.

अद्यतनी (adya-tanī) *f.* (Gr.) aorist tense अद्यतन्यां चेति वक्तव्यम् Vār. 2 (*on* ii. 4.3); Vār. 6 (*on* iii. 2.102); Vār. 3 (*on* vi. 4.114); मायोगेऽद्यतनी, मा कार्षीत् KātanVṛ. iii. 1.22; iii. 1.28; iii. 1.14; iii. 2.51; iii. 4.62; iii. 5.29; भूतेऽद्यतन्यां मध्यमस्यैकवचनम् APrāti. 78; अद्यतन्यामिति किम् KāśiVṛ. *on* P. ii. 4.3; *on* P. vi. 4.114; चरणस्यस्थेणोऽद्यतन्यामनुवादे Siddha-

He. iii. 1. 138; iii. 3. 11; iii. 3. 42; iv. 3. 76; iv. 4. 22; भूताभिधानपटुमद्यतनीमवाप्य भीमोद्भवे भवतिभावमिवास्तिधातुः NaiṣC. 11. 117.

अद्यतनीय (adyatanīya) *adj.* of today ब्राह्मणोऽयं छागं त्याज्यतामिति (v. l. अस्य पशोर्भक्षणादद्यतनीयो हिमपातो व्यर्थतां नीयते) PañcT. 3. 57 (314. 2); अद्यतनीयं दिवसं विलम्बस्व कथञ्चन KathāK. 113. 6; [modern, current, now-a-days MW, APTE]

अद्यतनैकदेश (adyatanaikadeśa) *m.* part of what belongs to today तत्र अद्यतनैकदेशस्य सद्भावात् Nyās. i. 638. 10 (*on* iii. 2. 111)

अद्यतस् (adya-tas) *adv.* from this day अद्यतः सर्वगतिदा कल्पाद्या साप्युपागता PadmP. iv. 94 93; अद्यतस्त्वं भव मुने शैवः शिवपरायणः S'ivaP. iii(1). 4. 75 (42A. 10)

अद्यता (adya-tā) *f.* eatability, the state of being eatable अतोऽद्यतानृतान्तत्वं सत्यशब्दार्थं एव हि AnuVyā. 8B. 3 (*on* 1. 1); उपजीव्यत्वलक्षणाद्यता NyāySu.(Ja.) 135A. 5 (*on* i. 1. 6)

¹अद्यत्व (adya-tva) *n.* (Loc.) at the present time, on the present day पुराकल्प एतदासीत्। संस्कारकालोत्तरं ब्राह्मणा व्याकरणं स्माधीयते ⋯ तदद्यत्वे न तथा MahāBh. i. 5. 8 (*on* i. 1. 1); अथ च पुनर्भगवतास्य गोचरस्य द्वादशवर्षाणि परित्यक्तस्याद्यत्वेनापि नागच्छतीति GiMS. iii(2). 186. 15; तदेकारं महच्चक्रमद्यत्वे चिन्त्यते सुरैः AhirbuS. 8. 39; 58. 23; तदद्यत्वेऽपि पुरुषेषु दृश्यत एव Pramā VāSvopVṛ. 82. 18; सर्वदा चैव पुरुषाः प्रायेणानृतवादिनः। यथाद्यत्वे न विस्रम्भस्तथातीतार्थकीर्तने TattvSaṁ. 2793; S'lokaVār. 2. 144 (88. 6); यथाद्यत्वेऽपि कश्चित् प्रकृतार्थविवक्षायां तदर्थवाक्यमुपादित्समानस्तदर्थसरूपं मन्त्रं श्लोकं वान्यदीयं स्मृत्वा स्ववाक्यस्थाने प्रयुङ्क्ते TantrVā. 65. 3 (*on* i. 2. 49); 70. 16 (*on* i. 3. 1); 128. 10 (*on* i. 3. 7); 167. 8 (*on* i. 3. 10); 203. 15 (*on* i. 3. 18); 1002. 19 (*on* iii. 4. 35); अद्यत्वे स्थापयेत्पश्चाद् गत्वा गरुड सन्निधिम्। रथे वा कुञ्जरे याने ध्वजमारोप्य यत्नतः PāraS. 16. 415; यादृशमिदमद्यत्वे नामरूपाभ्यां व्याक्रियमाणं जगत्साध्यक्षं व्याक्रियते। एवमादिसर्गेऽपि BrahmSūBh. (S'aṅ.) 254. 13 (*on* i. 4. 15); 306. 18 (*on* ii. 1. 13); तमात्मानमद्यत्वेऽपि देवा उपासते ChāndoUBh. 545. 14 (*on* viii. 12. 6); 199. 6 (*on* iii. 19. 3); अनेन वर्तन्ते अद्यत्वेऽपि BṛĀraUBh. 71. 14 (*on* i. 5. 2); MahāP. 38. 19; 20. 197; 23. 142; अद्यत्वेऽपि जातिधर्मस्यानुपदिष्टस्य स्वयं प्रतिपत्तिदर्शनात् ManuBh. i. 23. 26 (*on* 1. 29); i. 40. 12 (*on* 1. 81); i. 63. 13 (*on* 2. 6); i. 63. 27 (*on* 2. 6); i. 67. 20 (*on* 2. 6); ii. 273. 23 (*on* 9. 112); ii. 273. 25 (*on* 9. 112); ii. 344. 20 (*on* 10. 44); सम्बन्धस्य वर्तमानस्य चाद्यत्वे दर्शनमुपलभ्यते Kāśi. i. 119. 20 (2. 113); न च तथाविधातिशयवतः कस्यचिदद्यत्वे दर्शनम् Kāśi. i. 218. 16 (*on* 4. 29); ii. 60. 8 (*on* 5(2). 94); अद्यत्वेऽपि हि दृश्यन्ते केचिदागमिकच्छलात् ĀgaPrā. 4. 23; 69. 4; नन्वद्यत्वेऽपि तावत्प्रमातृभेदेन सातिशयं प्रत्यक्षमुपलभ्यते NyāyRa. 80. 15 (*on* 2. 114); 649. 15 (*on* 5(15). 41); अद्यत्वेऽप्यस्मदादिभिः ⋯ समीचीनार्थविषयं शास्त्रं विरच्यते Bhām. 73. 3 (*on* i. 1. 3); अद्यत्वे तु स्वल्पायुष्ट्वात्पूर्वमेव वेदं प्रधानमधीयते Pradī. i. 50B. 12 (*on* i. 1. 0); अद्यत्वे तु श्रुतान्येव रसान्येतानि भूपते। सामग्र्यभावात् कुर्वन्ति यत्प्रत्युत विपर्ययम् KathāSaSāg. vii. 6. 53; अद्यत्वेऽपि केचन गृहस्था महात्मानस्तूपवासपरायणा दृश्यन्ते CaturCin. iii(2). 166. 16; अधार्मिकजनोऽद्यत्वे मा भूदिति वृणोम्यहम् Subhāṣi. 3059; 3285; तस्मादद्यत्वेऽपि शरणागतं तस्मै हन्तुकामाय न प्रयच्छन्ति MayūMāli. 38. 11 (*on* i. 3. 7); तद्बोधकं च व्याकरणमद्यत्वे पाणिनीयमेव VaiyāSiMañ. 80. 13; अस्मिन्काले इत्यर्थे निपातोऽद्यत्वे इति शब्दः BālamBha. i. 236. 20 (*on* 1. 87)

²अद्यत्व (adya-tva) *n.* the state of being eatable (i. e. destroyable) संहार्यत्वरूपमद्यत्वमोदनशब्दस्य गौणवृत्तौ निमित्तम् S'ivārkaMaDī. i. 336. 15 (*on* i. 2. 9)

अद्यत्ववत् (adyatva-vat) *adv.* as at the present day or time बहवः परतन्त्राः स्युः सर्वे ह्यद्यत्ववन्नराः S'lokaVār. 2. 151 (91. 2); अद्यत्ववच्चातीतेऽपि काले विप्रलम्भभूयिष्ठा एव पुरुषाः TātpaṬ.(U.) 80. 13 (*on* 2. 144); अद्यत्ववदेव तु पुरापि बहवः सब्रह्मचर्यादिपरतन्त्रा नरा आसन् Kāśi. i. 140. 19 (*on* 2. 151); अद्यत्ववदेव कालान्तरेऽपि प्रमाणस्वभावो नान्यादृशः NyāyRa. 80. 15 (*on* 2. 113); 88. 20 (*on* 2. 144); 952. 7 (*on* 8. 3); अद्यत्ववदेव सर्वदा परतन्त्रोच्चारणस्यैवाभ्युपगन्तुमुचितत्वात् NyāyPari. 383. 20.

अद्यदिन (adya-dina) *m. n.* today, present day अद्यदिने दीक्षितः साधुः कथं वन्द्यो भवति TātpaVṛ. 304. 27 (*on* 3. 25); सप्तमे दिवसे तेऽद्यदिनान्मृत्युर्भविष्यति PārśvC. 8. 324; बहिरद्यदिनात् तृतीयघस्रे। ⋯ वस्तुनिधानमेष्यतीति PrabhāC. 75. 16; अद्य दिने समस्ता नगरस्थिताः स्त्रियो वनक्रीडां कर्तुं व्रजन्तु SamyaKau. 3. 18; तत्र अद्यदिनात् षोडशमे दिने तव वाटिकामध्ये स्थितस्य द्विप्रहारवेलायां यो द्विजः समभ्येति PurāPraSaṁ. 49. 25; आरभ्याद्यदिनाद्व्यं लग्नं सप्तदशे दिने CampaS'reKa. 57.

अद्यदिनज (adyadina-ja) *adj.* produced today, hodiernal अहो अस्य पशोर्भक्षणादद्यदिनजो हिमपातो व्यर्थतां नीयते Pañcā. 194. 15.

अद्यदिनादिकृत्य (adyadinādi-kṛtya) *adj.* who is entrusted with the duty from this day onwards त्वमेव धर्माधिकृतौ समस्तशरीरिणाम् ⋯ मया नियुक्तोऽद्यदिनादिकृत्यः SkandP. iv. 78. 44 (comm. अद्यदिनमारभ्य)

अद्यदिनावधि (adyadināvadhi) *adv.* from today onwards अस्मिंल्लिङ्गे सदा वीर स्थास्याम्यद्यदिनावधि SkandP. iv. 83. 55.

अद्यदिवस (adya-divasa) *m.* today, the present day तत् (किं बहुना) अद्यदिवसादारभ्यास्माकं भवतां च वैरम् PañcT. 3. 53 (310. 7); यदि त्वमद्यदिवसादारभ्य निवर्तसे PañcT. 3. 45 (299. 12); Pañcā. 186. 18.

अद्यपञ्चमी (adya-pañcamī) *f.* an action or rite in which the phrase 'today (is) the fifth lunar day' is uttered इह द्वितीयेति यस्यां क्रियायां सा इहद्वितीया। शाकटायनस्तु अद्यपञ्चमी ⋯ इत्याह GaṇRa. 2. 123 (164)

अद्यपर्यन्तम् (adya-paryantam) *adv.* till today, uptil now, till this day कपिल° ⋯ °गौतमैस्तच्छिष्यैश्चाद्यपर्यन्तं वेदे सकर्तृकत्वस्मरणस्य प्रतीयमानत्वात् TattvCin. iv(1). 371. 3; कथमद्यपर्यन्तं मम भरणं कृतं भवता PuruṣPa. 77. 13; 78. 10; 170. 26; कपिलकणादादिभिरद्यपर्यन्तं कर्तृस्मरणस्यैव प्रतीयमानत्वात् SiddhāMu. 78. 15 (*on* 151)

अद्यपूर्वम् (adya-pūrvam) *adv.* before this day, till now अद्यपूर्वं महाघोरा राक्षसा न समागताः Rāmā. i. 32. 8 [PW]

अद्यप्रभृति (adya-prabhṛti) *adv.* from today, today onwards अदासी चैव मातेयमद्यप्रभृति चास्तु मे (सुपर्णस्य) MahāBhā. i. 30. 16; ix. 18. 17; अद्यप्रभृति सर्वेषां लोकानामीश्वरो भव Rāmā. v. 22. 20; vi. 49. 23; अद्यप्रभृति देवेन्द्रम् ⋯। क्षत्रिया वाजिमेधेन न यक्ष्यन्ति HariVaṁ. 118. 17; अद्यप्रभृति मद्वचनाल्लङ्केश्वरो भव Abhiṣe. 4. 11 (1); ŪruBha. 1. 44; PañcRā. 2. 9 (3); PratiYau. 1. 5 (18); Avimā. 4. 12 (36); BālC. 3. 16; 4. 12 (6); अद्यप्रभृत्यनावृष्टिर्भविष्यति महीतले MatsyaP. 2. 3; अद्यप्रभृत्यवनताङ्गि तवास्मि दासः KumāSaṁ. 5. 86 = SaraKaṇṭhā. 652. 19; अद्यदिवसादारभ्य (v. l. अद्यप्रभृति) अस्माकं भवतां च वैरम् PañcT. 3. 53 (1) (310. 7 (v. l.)); 1. 63 (10) (76. 4); (भक्तः) यथावदद्यप्रभृति मन्त्राराधनमाचरेत् PauṣkS. 31. 165; JayaS. 29. 135; अद्यप्रभृति विप्र (परशुराम) त्वं मम स्कन्दसमो भव BrahmāṇḍP. ii. 32. 54; अद्यप्रभृति मद्यनिषेवणान्निवृत्तोऽसि MattaVi. 6 (21); सर्वप्राणिवधादेष विरतोऽद्यप्रभृत्यहम् Nāgā. 5. 25; देवश्रृण्यमिवाराध्यमद्यप्रभृति नो गृहम् Kāvyāda. 1. 90 = SaraKaṇṭhā. 132. 11; अहम् (भीमः) अद्यप्रभृति भिन्नो भवद्भ्यः VeṇīSaṁ. 1. 88; 2. 19; 6. 473; अस्यै दास्यमद्यप्रभृत्यभ्युपेतं मया DaśKuC. 45. 8; 50. 15; अद्यप्रभृति यद्गेहे बिम्बं जैनं न विद्यते। मारी भक्षति तत् PadmP.(Ra.) 92. 75; अद्यप्रभृति भुवि नः कल्पयिष्यन्ति ⋯ यज्ञभागान् MahāviC. 7. 16 (305. 1); (लक्ष्मणः) पुरोजन्मा नाद्यप्रभृति मम रामः AnarghaRā. 4. 46 = MahāN. 2. 22; आदत्तामग्निरद्यप्रभृति हुतम् ĀścaCū. 7. 4; 7. 8 (1); तिष्ठन्तु सह्यादिषु भूधरेषु पारेऽब्धि चाद्यप्रभृति स्पशास्ते RāmC. 23. 16; SubhaDha. 5. 4 (8); या प्राक्तनी वृद्धिरियं वाद्यप्रभृति वर्धते ManuBh. ii. 143. 23 (*on* 8. 151); BālBhā. 2. 43 (2); अद्यप्रभृति सर्वमुपकल्पयाक्रियाकल्पम् TilaMañ. 50. 2; सुराधमः (गन्धर्वः) यज्ञभाक् न भवेत्ततः। अद्यप्रभृति PañcaRā.(Nā.) i. 14. 115; KālīViT. 24. 15; अद्यप्रभृति पुत्रि त्वं कुलपूजार्चने रता KulaCūT. 2. 35; कामक्रोधादयः सर्वे मा मे तिष्ठन्तु सर्वथा। अद्यप्रभृति AgniP. 33. 52; BrahmVaiP. i. 6. 29; VāmaP. 36. 38; BṛNāraP. 19. 11; BrahmP. 124. 107; BhaviP. 48A. 6 (i. 19. 22); अद्यप्रभृति ⋯ पुमान् कोऽपि ⋯। वनं च प्रविशेत् ⋯ योषिद्भविष्यति DevīBhāP. i. 12. 22; अद्यप्रभृति पौलस्त्यं(विभीषणं)विगृह्य कुरु यद्धितम् PadmP. iv. 100. 158; अद्यप्रभृति देवेशः स्वामी नोऽस्तु मयूरराट् GaṇeP. ii. 106. 41; अद्यप्रभृति ⋯ प्रभो। ⋯ न किञ्चिद्धि हिंसनीयं मया YogVā. iii. 82. 15; अद्यप्रभृति मे मासमवधिं क्षन्तुमर्हसि CaṇḍaKau. 2. 29; अद्यप्रभृति मे मित्रं भवान् KathāSaSāg. vi. 7. 123; Pañcā. 29. 10; अद्यप्रभृति ते सफलं जन्म SamudraMa. 2. 2 (2); अद्यप्रभृति धात्रीयं धात्रीव ध्यायताम् MalliC. 1. 282; PārśvC. 2. 295; PrabhāC. 4. 8; गृहोपकण्ठेषु च वः श्मशानमद्यप्रभृत्यस्तु S'aṅkaDigVi. (Mā.) 14. 50; UnmaRā.(Vi.) 77; SiṁhāDvā. 90. 8 (8); अद्यप्रभृति जनोक्तिमुदाहरणा प्रववृते HammīMaKā. 10. 75; VetāPañ.(S'i.) 52. 15; त्यज ⋯ मद्यमद्यप्रभृति RājTa.(S'ri.) 1(7). 72; अद्यप्रभृति समाराध्यताम् ⋯वृषभकेतनः YātrāPra. 1. 33 (1); ParamāKā. 48. 91; अद्यप्रभृति विशिष्यावलम्बध्वमम्बिकारमणं शरणम् NīlaVi. 58. 12; KathāK. 17. 10; 44. 1; अद्यप्रभृति ⋯ सफलीकुरुष्व तारुण्यम् S'ṛṅgāSar. 39 (4)

अद्यप्रसूत (adya-prasūta) *adj.* [*f.* -ā] **i** born today यथाहमिति भूतानां प्रतीतिः ⋯। अद्यप्रसूतादारभ्य चाशतान्तात्प्रतीयते BṛBrahmaS. iv. 8. 52; **ii** appearing or arising today गोशब्दबुद्ध्या ह्यस्तन्या गोशब्दोऽयं प्रकाशितः। गोशब्दविषयत्वेन यथैवाद्यप्रसूतया S'lokaVār. 6. 418 (838. 4); TattvSaṁ. 2123.

अद्यप्रातीन (adya-prātīna) *adj.* which is to take place or happen

just this morning परोवरीण॰ ···अद्यप्रातीन॰ ···साप्तपदीनम् S'ākaṭāVyā. iii. 3. 59 (comm. एवमद्यप्रातः अद्यप्रातीनं मरणम् । अद्यप्रातीना गौ अद्यप्रातीनो वियोगः); SiddhaHe. vii. 1. 105 (comm. अद्यप्रातीनो लाभः); मैमो ततः साप्तपदीनमद्य-प्रातीनमेनं नु पुषाण भूत्यै DvyāśraKā. 18. 28; विवाहमङ्गलमप्यद्यप्रातीन तदपि युष्माभिरनुष्ठेयम् KaumuMi. 2. 14 (8); [read प्रातीन for प्राचीन of NS. Ed. PrabhāC. 47. 4]; 137. 10.

अद्यभुजि (adya-bhuji) *f.* an act of eating on this day (i. e. today) अत्र भुजिक्रियायाः कर्तरि द्वे शक्ती व्यवस्थिते । एकाद्यभुजेः साधनभूता, अपरा ह्यहेऽतीते इति भिन्नयोर्द्वयोः कर्तृशक्त्योर्मध्ये वर्तते तद् ह्यहलक्षणः कालः Prasā. i. 458. 12.

अद्यभू (adya-bhū) *adj.* taking place today अन्यः खल्वयमद्यभूतो ज्ञान-स्याकारः Kāśi. ii. 124. 21 (*on* 5(3). 64)

अद्यमान (adyá-māna) *adj.* [*f.* -ā] being eaten or consumed यतीनामद्यमानानां शीर्षाणि परापतन् TaiS. II. iv. 9. 2; अद्यमानाः पीयमानाः आपो न क्षीयन्ते TaiS. VI. iv. 3. 4; तेषामद्यमानानां स्यूमरश्मिर्कृषिरथं प्राविशत् KāṭhS. 8. 5; वैश्योऽद्यमानो न क्षीयते PañcBr. vi. 1. 10; xxi. 2. 2; कुसान्तानि न क्षीयन्तेऽद्यमानानि सर्वदा S'atBr. XIV. iv. 3. 1; मृत्वा पुनर्मृत्युमापद्यन्ते । अद्यमानाः स्वकर्मभिः TaiĀ. i. 8. 6 (59. 1); इमं लोकं वमुच्य त्वमवाङ्मूर्धा पति-ष्यसि । ··· अद्यमानो जन्तुगृध्रैः MahāBhā. xii. 146. 17; अथवा तत्कृतेन पापेन क्रव्याद्भिरपि अद्यमानस्तैरद्यत इत्युच्यते ManuBh. i. 437. 4 (*on* 5. 33); कथमिव अनु-पचरितं तद्भावम् (रेतःसिग्भावम्) अद्यमानान्नानुगतोऽनुशयी प्रतिपद्यते Brahm-SūBh. (S'aṅ.) 557. 13 (*on* iii. 1. 26); प्राणिभिरद्यमानमन्नं प्राणस्येति दर्शनमात्रम् ChāndoUBh. 270. 2 (*on* v. 2. 2); प्राणेनैवाद्यमानं प्राणस्थितिकरं सदन्नं तृप्तिकरं भवति BṛĀraUBh. 61. 7 (*on* i. 3. 18); ततश्च अन्नात् अद्यमानात् वीर्यम् Praśna-UBh. 302. 6 (*on* 6. 4); BṛĀraUBhVā. i. 5. 76; उपसेचनं हि नाम स्वयमद्यमानं सदन्यस्यादनहेतुः S'rīBh. 244. 15 (*on* i. 2. 9); VedāntKa. 151. 23 (*on* i. 3. 8); 494. 19 (*on* iii. 4. 27); GoviBh. 32. 3 (*on* i. 2. 9)

अद्यमानत्व (adyamāna-tva) *n.* the state of being eaten up तस्मात् प्रविभक्तादमूर्तात् यदन्यन्मूर्तरूपं मूर्तिः, सैव रयिः अन्नम् अमूर्तेन तेन अत्ता अद्य-मानत्वात् PraśnaUBh. 241. 10 (*on* 1. 5); कृत्स्नजगत्संहारे मृत्व्यपेक्षाभावेऽप्यत्र मृत्योरद्यमानत्वं व्यष्टिसंहारस्य तद्वारकत्वं चाभिप्रेतम् S'rutaPra. iB. 301. 21 (*on* i. 2. 9)

अद्यमुषित (adya-muṣita) *adj.* which is stolen today तस्माद् द्यूतविधौ त्वयाद्यमुषितो हारः परित्यज्यताम् RasMañ. 97 (comm. अद्य मुषितः)

अद्ययज्ञ (adya-yajña) *m.* the current sacrifice तृतीयस्या विकृतिषु तु यथार्थमूहः सर्वत्र यथा अद्ययज्ञाय इमामूर्जं प्रथमामित्यादि Rudra. *on* ĀpaS'S. iv. 1. 8.

अद्ययावत् (adya-yāvat) *adv.* till today, up to this day, even now, uptil now अनादावद्ययावदभावाद्भविष्यदप्येवम् SāṁkhyaPraSū. 1. 158; न च ततःप्रभृ-तद्भवता सह कथमद्ययावदेतस्य स्नेहानुवृत्तिः Hitopa. 1. 52 (9); न च ततःप्रभृ-त्यद्ययावत् सादृश्यमनुवर्तते NyāyMañ. i. 190. 29; दाक्षिणात्यानामाह्ने(? हि)नैबु-कायनुष्ठानमनाद्ययावदनुवर्तमानमविगीतम् TātpaṬ. (Vā.) 47. 2 (*on* i. 1. 1); तथा सति हि नाद्ययावद् वेदसम्प्रदायोऽनुवर्तेत Kāśi. i. 110. 21 (*on* 2. 101); i. 200. 6 (*on* 2. 286); ध्यानगम्यं चिदाभासं सच्चिदानन्दविग्रहम् । सर्वव्यापी जगद्धेतु-रद्ययावद्विचिन्तितम् GaṇeP. ii. 40. 40; ii. 125. 47; चिरातीता अप्यद्ययावत् ··· कवयः Kāvyānu.(He.) 4. 1; अद्य यावद्गुशमदा यावज्जीवं च दास्यति(सि) प्रीतिं ममेति सन्तुष्टो गुरुर्मां पर्यपाठयत् DvyāśraKā. 13. 48; अश्वापहारादारभ्याद्या-वद्वृत्तमुच्यताम् PārśvC. 6. 1039; एवं सादृश्यपरम्परायद्यावत्प्रवृत्ता NyāyRa. 797. 15 (*on* 6. 265); प्रपत्त्यैकनिष्ठैस्तच्छिष्यप्रशिष्यादिभिर्योग्यैरद्ययावद्यथाशक्ति तदनुष्ठान-दर्शनात् PañcRāRa. 55. 21; 77. 3; मन्वाद्युपदेशेनैवाद्ययावदर्वाचीनपर्यन्तमेतदा-चारानुष्ठानम् MīmāKau. i. 62. 2 (*on* i. 3. 9); एतादृशोऽयं रहस्यार्थोऽत एवाद्ययावद् गुप्तः SetuBa. 271. 29; जन्मप्रभृति अद्ययावत् ज्ञानाज्ञान(कृत ··· पातकानाम्)-निरासार्थं अनुग्रहं कृत्वा प्रायश्चित्तमुपदिशन्तु भवन्तः BālamBha. iii. 210. 27 (*on* 3. 327)

अद्यर्थ (ady-artha) *adj.* having the meaning of the root *ad*- चल्य-द्यर्थात् JaineVyā. i. 2. 84; चल्यर्थेभ्योऽद्यर्थेभ्यश्च ञुभ्यो ण्यन्तेभ्यो मं भवति ।··· अद्यर्थेभ्यः निगारयति । भोजयति । आशयति JaineVyā. 33. 4 (*on* i. 2. 84); i. 2. 122; ii. 4. 59; S'ākaṭāVyā. i. 3. 118; SiddhaHe. v. 1. 12; *m.* meaning 'to eat' सर्वत्राद्यर्थकार्यमदेर्नेष्यते । आदयन्ते देवदत्तेन JaineVyā. 33. 6 (*on* i. 2. 84); Prasā. ii. 326. 16.

अद्यर्थवर्तमान (adyartha-vartamāna) *adj.* having the meaning of the root *ad*- भुजेरद्यर्थवर्तमानाद्दो भवति । भुङ्क्ते । भुञ्जाते । भुञ्जते JaineVyā. 31. 6 (*on* i. 2. 63)

अद्यवत् (adya-vat) *adv.* like this day, as (it occurs) today तस्माद-द्यवदेवात्र सर्गप्रलयकल्पना । समस्तक्षयजन्मभ्यां न सिध्यत्यप्रमाणिका S'lokaVār. 5(15). 113 (673. 1); Kāśi. i. 141. 8 (*on* 2. 154); अद्यवदेव विश्वम्भरादयः ··· न युगपदुदयविलयभागिनः ĀgaPrā. 15. 2; YuktiSneha. 30. 29 (*on* i. 1. 2); अद्यव-देव विश्वम्भरादयः क्रमप्राप्तागन्तुकोपचयापचयैकदेशशालिनः ĪśvaSi. (Yā.) 73. 25.

अद्यस्तोत्रिय (adya-stotriya) *n.* the *stotriya* (*tṛca*) (of a particular *stotra* to be chanted) in today's Soma-sacrifice श्वस्तोत्रियमद्यस्तोत्रियस्यानुरूपं कुर्वन्ति GopBr. ii. 5. 11.

अद्यश्व (adya-śva) *n.* today and tomorrow, the present and the following day अस्या अमुष्या अद्यश्वात् मिथुनादहोरात्राभ्यामेवैनान् निर्भजति Pañc-Br. ix. 4. 18; इन्द्र त्रिधातु शरणमिति संतनयः प्रगाथा भवन्त्यद्यश्वस्यैव संतत्यै JaimiBr. 2. 391; एतद्ध वा अद्यश्वं देवानां यद् गौरिवीतम् JaimiBr. 3. 17.

अद्यश्वस् (adya-śvas) *adv.* today and / or tomorrow, quickly, soon सर्वचर्मार्थश्वोदशैकादशमाशब्दोर्ध्वदेहोर्ध्वेन्दमकृतपूर्वादियस्तद्धिते SaraKaṇṭhā.(Gr.) iii. 2. 4 (comm. अद्य श्वो वा जायते अद्यश्वीना गौः); क्रियापरिच्छेदहेतुः कालः··· तन्निबन्धनश्च लोके अद्यश्वः परश्वः S'ṛṅgāPra. 142. 7; अद्यश्व इति । आसन्नप्रसवा इत्यर्थः BālamBha. i. 224. 23 (*on* 1. 81); अद्यश्वः फणिनां शकुन्तशिशवो दन्ताव-लानां शशाः सिंहानां च सुखेन मूर्धसु पदं धास्यन्ति शालावृकाः BhāmiVi. 1. 70 (comm. अद्य अधुनैव श्वो वा अतिशीघ्रमेवेत्यर्थः)

अद्यश्वीन (adyaśv-īna) *adj.* [*f.* -ā] [*nipātana* in P. v. 2. 13; Jaine-Vyā. 238. 32 (*on* iii. 4. 134); CāndraVyā. iv. 2. 21; SiddhaHe. vii. 1. 105] **i** likely to happen today or tomorrow, imminent केचित्तु विजायते इति नानुवर्तयते । अवष्टब्धमात्रे निपातनमित्याहुः । अद्यश्वीनं मरणम् । अद्यश्वीनो वियोगः KāśiVṛ. *on* P. v. 2. 13; अद्यश्वीनमिदं मन्ये तस्याः प्राणविवर्जनम् PadmP.(Ra.) 81. 69; 29. 64; YaśasCam. ii. 354. 23; प्राणापातध्वंसिताङ्गस्य शत्रोरद्यश्वीनं मृत्यु-मन्यश्चकार Rāvaṇā. 16. 46; PrabhāC. 58. 14; स मेने भवमाश्वीनमद्यश्वीनं जयो-त्सवम् S'āliC. 5. 46 (comm. अद्य श्वो वा भवम्); ह्यद्यश्वीनो गोसमूहः अद्यश्वीनं गोमण्डलमित्यत्रापीष्टत्वात् PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. v. 2. 13; केचित्तु विजायत इति नानुवर्तयन्ति । अद्यश्वीनं मरणम् । आसन्नमित्यर्थः SiddhāKau. 294B. 12–13; Prasā. i. 867. 17–18; **ii** (female) likely to deliver today or tomorrow, *on* the verge of delivering याद्यश्वीना सा स्यादित्याहुः S'āṅkhaS'S. xvi. 22. 25; अद्य वा श्वो वा विजायते । अद्यश्वीना गौः । अद्यश्वीना वडवा KāśiVṛ. *on* P. v. 2. 13; अद्यश्वीनाभिश्च गोभिरशून्यपर्यन्तैः ··· सर्वतः समाकुलैर्गोकुलैरधिष्ठितकक्षोप-कण्ठां नगरसीमामलङ्घयम् TilaMañ. 118. 2; Vaija. 174. 17; अद्यश्वीना तु सा गौः स्याद्यद्य श्वो वा विजायते KośaKaTa. 1. 6776; SiddhāKau. 294B. 12; Prasā. i. 867. 17; **iii** delayed, postponed अकालसहं कार्यमद्यश्वी(? श्वी)नं न कुर्यात NītiVā. 10. 63.

अद्यश्वीनपथा (adyaśvīna-pathā) *f.* the matter of what is happening today or tomorrow (i. e. immediate) तस्य ··· प्राणेषु चाद्यश्वीनपथा कथा YaśasCam. ii. 363. 19.

अद्यश्वीनविनाश (adyaśvīna-vināśa) *adj.* perishing today or to-morrow, perishing immediately अद्यश्वीनविनाशस्य शरीरस्य शरीरिणाम् । सकाम-निर्जरासारं तप एव महाफलम् TriṣaS'aPuC. iv. 7. 377.

अद्यश्वीनसमागम (adyaśvīna-samāgama) *adj.* to be met today or tomorrow जनानां जानतामेतानद्यश्वीनसमागमान् PāṇḍaC. 7. 506.

अद्यसिद्धि (adya-siddhi) *f.* success on the very day, immediate success अथ सिद्धैः (v. l. अद्यसिद्ध्यै) शुभैर्भक्ष्यैर्नैवेद्यं विनिवेदयेत् BhaviP. 689A. 20 (iv. 59. 5)

अद्यसुत्या (adya-sutyā́) *f.* pressing of Soma (in sacrifice) on the very day अथ वयमद्यसुत्यामेव तुभ्यं प्रब्रूमोऽङ्गिरोभ्यश्च S'atBr. III. v. 1. 15; KauṣīBr. 30. 6 (144. 17); इमामेव वयं तुभ्यमद्यसुत्यां प्रब्रूमः JaimiBr. 3. 188; आदित्या अद्यसुत्यां ददृशुः GopBr. ii. 6. 14; अद्यसुत्यामित्यालेखनः ĀpaS'S. xxi. 6. 2; KātyS'S. xii. 6. 26.

अद्यस्तोत्रिय (adya-stotriya) *n.* the *tṛca* which is at the basis of to-day's *stotra* श्वस्तोत्रियमद्यस्तोत्रियस्यानुरूपं कुर्वन्ति GopBr. ii. 5. 11; ii. 5. 15.

अद्यहत (adya-hata) *adj.* killed today देवाद्यहतमृगाणां (v. l. अद्य-हतानां मृगाणाम्) मांसं क्व Hitopa. 2. 79(20)

अद्याग्रेण (adyāgreṇa) *adv.* from now on, henceforth अद्याग्रेण अच्छि-न्नाग्राणि तृणानि भक्षयत Divyāva. 4. 22; 44. 11.

अद्यादि (adyādi) *adj.* (words) beginning with *adya* तच्छतम् । सार्ध-मद्यादिभिः प्लुतैः पादादौ व्यञ्जनोदयम् ṚPrāti. 7. 19.

अद्यादि (adyādi) *adv.* from today, today onwards स्थिरस्त्वमद्यादि दुरात्मदण्डकः सुपालकः पुण्यकृतां च मत्प्रियः SkandP. iv. 32. 51; vi. 129. 63.

अद्यादिविक्रयिन् (adyādivikray-in) *adj.* seller of eatables etc. फला-

चादिविक्रयिण ईशाने च वणिग्जनाः AgniP. 106. 9.

अद्याद्य (adyādya) *adj.* eatable etc. पूर्ववत् पूर्वमद्याद्यैः पदार्थैः परितोषयेत् KulārT. 10. 35.

अद्याद्या (adyádyā) *adv.* [PadaPā. अद्यऽअद्य] on each present day अद्याद्या श्वःश्व इन्द्र त्रास्व परे च नः ṚV. viii. 61. 17.

अद्यापि (adyāpi) **i** even now, even today, even to this date, down to the present time ते उ एवाद्यापि हविर्धाने AitBr. 5. 3 (124); 3. 5 (67); राहुः ... ग्रसत्यद्यापि चैव तौ MahāBhā. i. 17. 8; i. 57. 19; कृताभिषेकैस्तैर्न्यस्ता वल्कलाः पादपेष्विह । अद्यापि न विशुष्यन्ति Rāmā. iii. 70. 22; अद्यापि तन्मे हृदि वर्तते च Saund. 7. 18; 11. 44; अद्यापि हस्तिकरशीकरशीतलाङ्गीं बालाम् ...स्वप्नेषु नित्यमुपलभ्य Avimā. 2. 1; 2. 6(25); किं नु खल्वद्यापि वृत्तान्तं न प्रेषयति स ब्राह्मणः PratiYau. 2. 5(5); अद्यापि स्तनवेपथुं जनयति श्वासः प्रमाणाधिकः S'āk. 1. 29; अद्यापि नोज्झति हरः किल कालकूटम् S'atTrayī. 202; सुप्तोऽस्यद्यापि जीव स्मरसि न चरणस्(?णौ) त्वं कुतो माधवस्य S'atTrayī. 660; किमद्यापि ममोपरि ... विश्वासकारणम् PañcT. 2. 22 (203. 1); 2. 29 (229. 11); 4. 1 (375. 2); न ते संसारेऽस्मिन् भवति सुखदाद्यापि विरतिः VijñāS'. 13; वाल्मीकेरागमनमुदीक्षमाणो नाद्यापि यज्ञदीक्षां प्रविशति महाराजः KundaMā. 2. 1 (143); किमद्यापि निह्नूयते एव विषेः किलैतद्व्यवसितं न लोभस्य MudrāRā. 5. 20 (1); सुचरितपदवीमनुयान्ति यस्य नाद्यापि सत्पुरुषाः EI. xviii. 126. 2; यो वाजीकरणार्थमुज्झति वसून्यद्यापि वैद्यादिषु PādaTā. 8. 4; यत्र ... अद्यापि तद्रागाविद्धनिर्गतपलाशमिवाभाति नवकिसलयमरण्यम् Kād. 21. 16; 21. 10–11; अस्य देहस्य ... दोषानुदाहरन्तो नाद्यापि पारं पश्यन्ति महर्षयः AvantiKa. 42. 14; 70. 20; 209. 18; 211. 16; त्वमद्यापि प्रकृतिविश्रम्भणायोपेक्षितः DaśKuC. 84. 15; न जातु वैनायकमेकमुद्धृतं विषाणमद्यापि पुनः प्ररोहति S'iśuVa. 1. 60; गुरुः खेदं खिन्ने मयि भजति नाद्यापि कुरुषु VeṇīSaṁ. 1. 100 = KāvyPra. 74. 6; यस्याद्यापि हतारातिमन्दिरोद्यानपादपान् । दावव्याजेन दहति प्रकामं कोपपावकः EI. i. 181. 4; नैकोऽपि त्वादृशोऽद्यापि जायमानेषु राजसु Kāvyāda. 2. 47; अद्याप्यनिर्मुक्तमन्दरमन्थनसंस्कारमिवावर्तभ्रान्तिभिः सापस्मारमिव फेनैः ... जलनिधिमपश्यत् VāsaDa. 268. 7; किमद्याप्यसंभावनेयमस्मासु MahāviC. 1. 51(4); 4. 55(5); 5. 39(4); 6. 7(4); कथमद्यापि नोच्छ्वसिति MālaMā. 9. 117; आः कथमद्यापि राक्षसत्रासः UttaRāC. 1. 50(1); 3. 14; 4. 3(2); 7. 17(2); अद्यापि बिभर्ति वटो विशेषणं यदभिसंबन्धात् KuṭṭaMa. 175; 354; तथा हि चरणाक्रान्तिनतमद्यापि यशांसि शाद्वलम् BṛKathāS'loSaṁ. 9. 36; 15. 48; अद्यापि ... सर्वा दिशो धवलयन्ति येषाम् EI. ii. 345. 5; यस्य ... कीर्तिम् ... अद्यापि ... गायन्ति सिद्धस्त्रियः EI. ii. 346. 10; देवि किमद्यापि स्त्रीस्वभावं न मुञ्चसि ĀścaCū. 2. 9(4); अद्यापि यस्य शिरसि श्रियमेति HarVi. 1. 43; अवलोक्य वक्त्रकमलं यस्य शशी ... क्षीयतेऽद्यापि EI. i. 156. 4; नाद्यापि विश्रान्तिमुपैति शब्दः EI. iv. 283. 21; दानविस्मितचित्तेन शिरःकम्पं विधास्यता । भूकम्पः क्रियतेऽद्यापि EI. xix. 176. 16; सखा च मे कौण्डिन्यः कौसीद्याद्याप्यध्वनि मन्दायते SubhaDha. 1. 9(3); 2. 14(34); 5. 11 (19); येनाद्यापि करङ्कदण्डपतनाशङ्की जनस्तिष्ठति AmaS'. 131; शुकादयः ... मन्त्रमिमं पुण्यं जपन्त्यद्यापि पार्वति KulārT. 3. 68; यदेकादशमाधारं बीजं कोणत्रयोद्भवम् । ब्रह्माण्डादिकटाहान्तं जगदद्यापि दृश्यते NityāṢoḍa. 1. 6; अभूद्देवादियः ... जनाः कीर्तिपीयूषसिन्धुं यस्याद्यापि श्रवणपुटकैः ... पिबन्ति NalaCam. 1. 19; 1. 53(5); यस्य च ... कीर्तिपरिवरा ... न च क्वचिदद्यापि बध्नाति स्थितिम् YaśasCam. i. 87. 2; ii. 180. 3; न पुनरेतस्य (साहित्यस्य) ... अद्यापि कश्चिदपि विपश्चिदयमस्य परमार्थ इति मनाङ्मात्रमपि विचारपदवीमवतीर्णः VakroJī. 26. 16; यस्य... कीर्तिमूर्तिर्लोकेऽद्यापि स्थिरा EI. ii. 121. 12; अद्यापि तूर्णममुना स्वभुजार्जितेन हेमाम्बुजेन विरचय्य वतंसमस्याः NavaSāC. 18. 40; अद्यापि देवा इच्छन्ति जन्म भारतभूतले BṛNāraP. 3. 52; येषामद्यापि कीर्तिर्धवलयति ... विश्वम् EI. xxii. 130. 6; ये खलु नाद्यापि संभूतिमनुभवन्ति TattvPradī.(A). 51. 6 (*on* 1. 38); भ्रमरः ... वारणोऽद्याप्यसौ ... निषेव्यत इति भ्रातः क एष ग्रहः BhallaS'. 18; अद्यापि बालो दामोदरः SaraKaṇṭhā. 539. 6; येनाद्यापि च तैः स्मृतेन हरिणैः शष्पं परित्यज्यते KaviKaṇṭhā. 4. 1(8); अद्यापि यस्य चरितानि जनाः ... स्तुवन्ति EI. xxv. 57. 23; अद्यापि ... सीमन्तिनीनां हृदि स्थातुं वाञ्छति मान एषः KāvyPra. 361. 3; अद्यापि ... नृत्यत्पिशाचाङ्गनाः । उद्गायन्ति यशांसि यस्य PraboCan. 1. 5 (3. 12); 3. 19 (59. 11); 4. 1 (65. 13); अद्यापि तां कनकचम्पकदामगौरीम् ... चिन्तयामि CaurPañ. 1; 50; न वैरे वाच्यता राहोर्यस्याद्यापि न शाम्यति । कण्ठे कठिनवैकुण्ठचक्रधारोद्धतव्यथा DaśāvaC. 4. 47; निर्दग्धाः ... दृश्यन्तेऽद्यापि भूतेश्च इव धवलैरस्थिभिः EI. iv. 316. 11; भो लङ्केश्वर दीयतां जनकजा ... नाद्यापि किञ्चिद्गतम् VyaktiVi. 66. 25 = SāhiDa. 189. 6; शङ्के पङ्कजसंभवस्तु भगवानद्यापि बाल्यावधिः ... प्रियां कलयितुं दीर्घं तपस्तप्यते SubhāRaK. 16. 81; मुधा भानोऽद्यापि कुतोऽस्ति दक्षिणदिशः कोणान्तवासी मुनिः EI. i. 310. 25; लोके यस्य पितामहः शुचिमहःपुञ्जं निजं नाटयत्यद्यापि EI. xxii. 61. 20; नृपतेरद्यापि यस्य ... प्रशस्तिं पराम् ... पठन्ति ... नदाः EI. xxii. 60. 10; xxii. 60. 13; xxii. 61. 17; यस्मादद्यापि ... त्यजति न दिशं दक्षिणां प्रेतभर्ता EI. i. 308. 8; i. 309. 20; अथ सकलगुणानामाकरस्तस्य शिष्यो हृदयशिवसमाह्वो यद्यशोऽद्यापि वर्ण्यम् EI. i. 259. 21; यदीयैरद्यापि ... यशोभिः शोभन्ते ... दिशः EI. xii. 8. 11–12; नृपस्त्वां हन्तुमुद्यतः । ... किञ्चिन्नाद्यापि बुध्यसे Mānaso. ii. 18. 990; (ब्रह्मा) अद्यापि विधानवपक्षसङ्गं खलप्लवंगस्य न निर्मिमीते S'rīKaC. 2. 17; नन्दिक्षेत्रे ... अद्यापि यत्र व्यज्यन्ते पूजाचन्दनबिन्दवः RājTa (Ka.) 1. 36; 3. 78; तामद्याप्यरिमन्दिरे कृतपदां लक्ष्मीमुपेक्षामहे PārthPa. 10; 29(18); तदद्यापि हि गार्हस्थ्यतृषो रंस्ये तया सह PariPar. 1. 355; AdbhuSāg. 1. 15; अद्यापि तेन देवाद्याः श्रूयते मन्वते सदा AnuVyā. 49A. 5 (*on* 3. 3); कथमद्यापि हठाहरणखिन्नाम् ... जानकीम् ... पश्यामि PrasaRā. 7. 8(1); नागतो गोपोऽद्यापि वनान्तरात् GopāKeCan. 116. 26; 118. 34; अद्यापि न कोऽपि दूतः समुपैति HammīMaMa. 3. 11(5); कथमद्यापि चिरयति मम प्राणेश्वरी MohaRāPa. 1. 3(2); यत्रैकपलितभ्रान्तिं करोत्यद्यापि जाह्नवी SūktiMu. 2. 2; 2. 76; अद्याप्येतत्सकलमकृथा नार्थिसात् Ekāva. 8. 30(18) (271. 7); (त्वाम्) नाद्यापि पश्यति ... उपनिषदाम् ... सहस्रम् KṛṣṇaKa. 1. 94; अद्याप्य[न्ति]क्रभूरमुष्य ... तेजसामुद्गमैः ... विद्योतते EI. iii. 12. 8; विवृद्धिमेहि महतीमद्यापि SūktiRa. 171. 22 अद्यापि ... तत् पाठ्यमानमास्ते PrabaK. 4. 25; 77. 9; अद्याप्यसौ नागतः JīvanVi. 117. 10; कुमारसचिवैर्नाद्यापि किं मुच्यते SāhiDa. 579. 5; न तव क्लान्तिरद्यापि शान्ता HaṁsaSaṁ. 86; अतः क्रियन्ते जनताभिरेषामद्यापि कण्ठे गुणबन्धनानि Nalābhyu. 1. 23; अद्याप्युज्झति नैव दैवविहितं क्षैण्यं क्षपावल्लभः BhojPra. 6. 21; मालवक्ष्मापोऽद्यापि ... भयेन चकितः स्वप्नेऽपि तं पश्यति EI. xxi. 283. 13; तैः सार्धमद्यापि यः ... वाराणस्यधिवासतामधिगतः EI. xv. 22. 53; मुखत्यद्यापि राहुः Subhāṣi. 51; अद्यापि घासकवलग्रसनानभिज्ञो मन्मार्गवीक्षणपरस्तनयो मदीयः Subhāṣi. 660; गवादीनां पयः ... दधि जायते । क्षीरोदधेस्तु नाद्यापि महतां विकृतिः कुतः Subhāṣi. 854; 1106; 1278; यस्य (चामुण्डराजस्य) प्रतापः प्रसृतः पृथिव्यां बिभेद शङ्के दृषदोऽपि नूनम् । अद्यापि नो चेत् स्फटिकोपलेभ्यो हिरण्यरेताः प्रकटः कुतोऽस्तु HammīMaKā. 2. 23; प्राणाः पान्थ समं त्वयैव चलिताः काद्यापि जन्मैकता MādhavaĀ. 113; अद्यापि लोकैस्तत्सर्वमप्यालोक्यते PurāPraSaṁ. 94. 7; सः ... नाद्यापि प्रत्यवस्थानाद्विरमति KaṁVa. 5. 15 (12); यस्य ... अद्यापि ... धत्ते संततिरुन्नतिम् EI. ii. 57. 5; ताडंकम् ... प्रिया । धत्ते ... अद्यापि EI. viii. 111. 55; अद्यापि क्षीयते नैव श्रीकर्णस्य यशोभरः CampaS'reKa. 41; यदद्यापि वार्तिककारभाष्यकारादयो विवदन्ते MīmāKau. i. 112. 9 (*on* i. 3. 24); मानमपाकरोषि न मनागद्यापि RasGaṅ. 90. 19; 112. 4; मुदा यं गायन्ति ... अद्यापि ... सगरजाः GaṅgāL. 16; किं वा न तदवतीर्णमद्यापि तस्य कर्णपथम् NīlaVi. 32. 17; कराल त्वं वत्स क्व गत इति नाद्यापि विदितः JānaPa. 3. 4; 4. 33; तत् ... अद्यापि सन्धिशाखाङ्कैर्दृश्यते SetuBa. 15. 17; 18. 8; **ii** even at this stage, even by this much (referring to condition or stage) सिद्धे हि चोदनायाः प्रामाण्ये तस्यार्थो निरूपयितुं युक्तम् 'स्वाध्यायोऽध्येतव्यः' इति, तन्नाद्यापि प्रमाणम् TātpaṬ.(U.) 5. 27 (*on* 1. 11); नाद्याप्यभिन्नं वस्तु आगमार्थ इति निश्चितम् IṣṭaSi. 26. 11; ननु नाद्यापि चतुष्ट्वमेवमवतिष्ठते NyāyMañ. i. 59. 18; अद्यापि न हि ते सिद्धा मिथः संकरभागिनः TarkSaṁ.(Ā.) 98. 4; 30. 11; ब्रह्म त्वद्यापि न सिद्धम् – एतादृशं नैतादृशमिति AṇuBh. 111. 18 (*on* i. 4. 17); ननु स धर्मः कीदृशः । न तावदापरोक्ष्यम् । तस्यैव विचारविषयत्वेनाद्याप्यसिद्धेः TantrRaha. 8. 29.

अद्यारभ्य (adyārabhya) from today onwards, since this day अद्यारभ्य निवत्स्यामि मुनिवत् Kāvyālaṅ.(Bh.) 5. 43; अद्यारभ्य तपश्चरणपरायणो भवामि PuruṣPa. 172. 18; 219. 18; अद्यारभ्य यावत्कालेन स्ये(?से)त्स्यति तावत्कालम् ... पुरश्चरणमहं करिष्ये TantrSā.(R.) 41. 16.

अद्यावधि (adyāvadhi) *adv.* till today, hitherto, until now, up to this time अद्यावधि त्वया विप्र ... कथं नाज्ञायि तनयः S'ivaP. ii(1). 17. 44 (61B. 16); अद्यावधि कृतिरेषा BhāṭṭCin. 127. 1 (*on* xvi. 4. 10); अद्यावधि कृतिघ्नास्तु श्रुता दृष्टाश्च सांप्रतम् UttaKuC. 64; तेनाद्यावधि गोकुलेन्द्रतनयः स्वाच्छन्द्यमेवास्तु ते CaitaCa. 263. 11 (10); अद्यावधि न कस्यापि कथितम् SetuBa. 179. 10; 224. 4; **B** from today onwards अद्यावधि एते सर्वे शूद्रवद्ब्राह्मणाः BallāC. 108. 8.

अद्याश्व (adyā-śvá) *n.* today and tomorrow उभे बृहद्रथन्तरे भवतः ... अद्य वाव रथन्तरं श्वो बृहद्द्याश्वादेवैनमन्तरेति TaiS. III. i. 7. 2 (Bhaṭṭabhāskara अद्य च श्वश्च अद्याश्वम् । अच् इति योगविभागात् अच् समासान्तः । अन्येषामपि दृश्यते इति पूर्वपदस्य दीर्घत्वम्)

अद्याहृत (adyāhṛtá) *adj.* brought (here) today पूर्वेद्युराहृतो यज्ञस्य रसो युश्चाद्याहृतस्तमेवैतदुभयं संसृजति S'atBr. III. ix. 3. 29.

अद्यु (á-dyu) *adj.* without lustre अद्युं कृणोत् शंसं निनित्सोः ṚV. vii. 34. 12.

अद्युत् (a-dyút) *adj.* having no light, without light अयं द्योतयदद्युतो व्य१क्तून् ... इन्दुरिन्द्र ṚV. vi. 39. 3.

अद्युतत्तराम् (adyutat-tarām) [3rd Per. sg. aor. of द्युत् to shine

with तराम्] MahāP. 26. 36; RāghPāṇ.(Dha.) 4. 23

अद्युति (a-dyuti) *adj.* having no lustre or brightness अखण्डमण्डलः क्वेन्दुः क्व कान्ताननमद्युति Kāvyālaṅ.(Bh.) 2. 44.

अद्युतित्वा (a-dyutitvā) *ger.* without shining द्योतित्वा शत्रवोऽपरस्मिन् दृष्ट्वा यं युधि नेशुरद्युतित्वा Rāvaṇā. 1. 28.

अद्युस्थ (a-dyustha) *adj.* not in the second member of (द्यु = उत्तरपदं) a compound सस्सेऽद्युस्थस्य JaineVyā. v. 4. 33.

अद्यूत (a-dyūta) *adj.* [*f.* -ā] **i** without gambling यत्र सर्वत आपः प्रस्यन्देरन् सा स्वस्त्ययन्यद्यूता च ĀśvaGS. ii. 7. 11; ii. 7. 9; **ii** other than the (meaning of) gambling अद्यूते दिवः CāndraVyā. vi. 3. 85.

अद्यूत्य (a-dyūtyà) *n.* unfavourable game of dice, game not decided by dice [GELD.] अद्यूत्येऽवसे नि ह्वये वाम् RV. i. 112. 24 (Sāy. अद्यूत्ये द्योतनरहिते प्रकाशनरहिते रात्रेः पश्चिमे यामे); VājaS. 34. 29 (Mahīdhara सन्मार्गागते) VājaS.(K.) xxxiii. 1. 23.

अद्यूनता (adyūna-tā) *f.* lack of fair play अहोऽस्याद्यूनता येन सुप्ते मय्येकको ऽस्त्यसौ KumāDeC. 3. 8.

अद्येव (adyeva) may be today (i. e. uncertain) एवे चानियोगे अद्येव KātanVr̥. *on* i. 2. 6; GaṇRa. 1. 4 (5); PrakriKau. i. 65. 1.

अद्यैव (adyaiva) this very day, just now, immediately तन्मामद्यैव पश्यन्तु पाण्डवाः संशितव्रतम् MahāBhā. xi. 1. 20; अद्यैव कुरु यच्छ्रेयो मा त्वा कालोऽत्यगादयम् MahāBhā. xii. 169. 13; तस्मादद्यैव सहिताः ... देवानेव जिघांसामः Rāmā. vii. 6. 44; तस्मादद्यैव मे श्रेयश्चेतव्यमिति निश्चयः BuddhaC. 6. 22; रागाग्निरद्यैव हि मां दिधक्षुः Saund. 10. 53; नियोगे तु। अद्यैव गच्छ KātanVr̥. *on* i. 2. 6; अशून्या मे रसाद्यैव भवतः पुण्यकर्मणः BrahmāṇḍP. i. 1. 25; अथास्ति प्रत्याशा, अथवा अद्यैव प्राणा मोक्तव्याः PratiYau. 1. 5 (11); अद्यैव वा मरणमस्तु युगान्तरे वा S'atTrayī. 265; नन्वद्यैव ... वो गुणवति गृहे रामभद्रः सुजातः MahāvīC. 3. 47; अद्यैवाहं च्युतो राज्यात्। न मे सम्पाद्यत्याज्ञाम् BrKathāS'loSaṁ. 14. 21; अद्यैव नष्टं कुरूणां बलमिति धार्तराष्ट्रा मेनिरे GītāBh.(Rā.) 36. 1 (*on* 1. 9)

अद्योच्चरित (adyoccarita) *adj.* uttered today अद्योच्चरितेऽपि गकारेऽवश्यं किञ्चिद्रूपं गृह्यते S'āstrDī. 142. 19 (*on* i. 1. 6)

अद्योच्चारित (adyoccārita) *adj.* uttered today ह्यस्तनोच्चारणो वापि गोशब्दोऽद्यापि विद्यते। गोशब्दज्ञानगम्यत्वादद्योच्चारितशब्दवत् TattvSaṁ. 2126.

अद्योढा (adyoḍhā) *adj.* (*f.*) indeed married today अद्य + ओढा = अद्योढा KāśiVr̥. *on* P. vi. 1. 95; ऊट इति किम्? अद्योढा KātanVr̥. *on* iv. 6. 116; आ + ऊढा = ओढा, अद्य + ओढा = अद्योढा PadMañ. *on* iii. 3. 141; अद्य आ ऊढा = अद्योढा इत्यत्र पूर्वमन्तरङ्गत्वाद्गुणे पररूपम् LaS'abdeS'e. ii. 566. 6.

अद्योतक (a-dyotaka) *adj.* not expressing, not indicating [*nt.*]

अद्योत्पन्न (adyotpanna) *adj.* born today, newly born अद्योत्पन्नमिवात्मानमवगच्छामि ŪruBha. 45 (7)

अद्योत्य (a-dyotya) *adj.* not to be suggested or indicated यो हि मन्यतेऽद्योत्ये तस्मिंस्तेन (प्रत्ययेन) भवितव्यम् MahāBh. ii. 13. 5 (*on* iii. 1. 7)

अद्रढिमन् (a-draḍhiman) *m.* non-firmness or weakness तन्न पूर्वहेतुरद्रढिम्ने नाप्युत्तरो द्रढिम्ने तस्मानियमाभ्युपगमेऽधिकाभिमानं दोष एव NyāyMañ. ii. 201. 3.

अद्रव (a-drava) *adj.* not liquid अद्रवं मूर्तिमत्स्वाङ्गम् MahāBh. ii. 222. 9 (*on* iv. 1. 54) = CāndrVr̥. *on* i. 3. 146 = CāndraVr̥. *on* ii. 3. 61 = KāśiVr̥. *on* iv. 1. 54; *on* i. 3. 27 = PrakriKau. i. 365. 3 = SiddhāKau. 126A. 13; स्वाङ्गं स्यादद्रवं मूर्तम् MugdhaBo. 4. 17 (43. 4); सर्वं चाम्लं द्रवमद्रवं च पयसा सह विरुद्धम् CaraS. i. 26. 86 (1922 Ed.) = AṣṭāSaṁ. i. 55. 24 (1. 9); सपाण्डुवर्णं घनमद्रवं च तत्पक्वलिङ्गं शकृदुद्दिशन्ति Hastyāyur. 92. 14 (1. 12); नैकध्यं पयसाश्नीयात् सर्वं चोष्णं द्रवाद्रवम् BhojanKu. 135. 2.

अद्रवत्व (adrava-tva) *n.* the state of not being a liquid, non-liquidification अद्रवत्वादनग्नित्वादभौमत्वादवायुतः। ... वृक्षाणां नास्ति भौतिकम् MahāBhā. xii. 177. 9; सागरश्च क्षयं गच्छेदनलश्चापि शीतताम्। आपोऽद्रवत्वं च Rāmā. vi. 796*(9); AdvaiSi. 792. 12; एवमपि ज्ञानं स्वाङ्गं स्यात् प्राणिस्थत्वादद्रवत्वाच्चेत्यत आह। मूर्तिमदिति Prasā. i. 365. 11; Kālacakra. 5. 119 (nt)

अद्रवपायिन् (a-dravapāyin) *adj.* who does not drink liquid स्थिरतां गतमक्लिन्नमन्नमद्रवपायिनाम्। भवत्याबाधजननमनुपानमतः पिबेत् SuśruS. i. 46. 439.

अद्रवमूर्तिमल्लक्षण (adravamūrtimal-lakṣaṇa) *adj.* having non-liquid condition and material form as the characteristics न चात्राद्रवमूर्तिमल्लक्षणं पारिभाषिकं स्वाङ्गं विवक्षितम् Nyās. i. 224. 23 (*on* i. 3. 20)

अद्रवरूपत्व (adravarūpa-tva) *n.* the state of having a non-liquid form ननु चैवमप्यद्रवरूपत्वात्पिण्डीभिरेकतापन्नायाः सुराया न पानोपपत्तिः ManuBh. i. 360. 20 (*on* 4. 80)

अद्रवरूपवन्मात्रवृत्ति (adravarūpavanmātra-vr̥tti) *adj.* existent only in what is not liquid and what has colour अन्ये तु तेजस्त्वं नाद्रवरूपवन्मात्रवृत्ति ... पृथिवीत्ववत् TattvCin. i. 757. 1 (comm. नाद्रवमात्रवृत्तीत्येवं साध्यं रूपवत्पदं च स्वरूपोत्कीर्तनं न तु साध्यप्रविष्टम्)

अद्रवादिक (adravādi-ka) *adj.* other than liquid etc. नात्राद्रवादिकं स्वाङ्गं विवक्षितम् Prasā. ii. 401. 9.

अद्रवादिलक्षण (adravādi-lakṣaṇa) *adj.* having non-liquid condition etc. as the characteristics स्वमङ्गं स्वाङ्गम्, न तु पारिभाषिकम् अद्रवादिलक्षणम् PadMañ. *on* KāśiVr̥. *on* P. i. 3. 20; स्वाङ्गमद्रवादिलक्षणं पारिभाषिकं गृह्यते Prasā. i. 689. 12.

अद्रविण (a-draviṇa) *adj.* devoid of wealth, poor विमुक्तो व्यवसायेन लभते चेत्समीहितम्। न लोके विरही कश्चिद्भवेदद्रविणोऽपि वा PadmP.(Ra.) 111. 19; विद्वधासि ...। अद्रविणं द्रविणपतिम् KuṭṭaMa. 33.

अद्रव्य (a-dravya) *n.* **1** non-substance विभक्त्यर्थाभिधानेऽद्रव्यस्य लिङ्गसङ्ख्योपचारानुपपत्तिः Vār. 7 *on* iii. 2. 24; (क्रियावत्त्वं गुणवत्त्वं च) उभयमप्येतदद्रव्ये नास्त्येव PadārthSaṁ. 237. 21; 247. 8; किमेतिङ्सङ्ख्यादामन्तावद्रव्ये CāndraVyā. iv. 3. 46; किमेमिङ्झिङ्क्षादामद्रव्ये JaineVyā. iv. 2. 20; अद्रव्यत्वं वाक्येनाङ्गं स्यात् ṬupṬ. 7. 17 (*on* iv. 1. 11); विरोध्यद्रव्यममेदे S'ākaṭāVyā. ii. 1. 94; अद्रव्ये चासजातीये चैतन्ये वासना कुतः Br̥ĀraUBhāVā. ii. 3. 106; गगनगुणत्वे चाद्रव्यतया समवायिकारणत्वाभावेनावयवभावाभावात् TattvBi. 10. 1; कार्ये सूर्यस्य वै नित्यं विनियोगं करोम्यहम्। सबाह्याभ्यन्तरं सर्वं द्रव्याद्रव्यं प्रदर्शये PadmP. ii. 7. 48; विरोधिनामद्रव्याणां न वा द्वन्द्वः स्वैः SiddhaHe. iii. 1. 130; अद्रव्यमेतच्च विविच्यमानम् MahāViSt.(H.) 1. 23 = SyādvāMañ. 23; किमेव्याचाद्रव्ये चतरां चतमाम् MugdhaBo. 7. 51 (72. 6); द्रव्यस्यैव गुणवत्त्वनियमात् न अद्रव्ये तन्मुख्यता TarkSaṁ.(Ā.) 116. 18; 121. 7; 128. 9; अद्रव्यं च स्याद् गुणाश्रयाभावात् TarkBhā.(Ke.) 30. 13; आगन्तुकधर्माश्रयो द्रव्यम्। अतथाभूतमद्रव्यम् NyāyPari. 5. 6; 6. 8; 504. 8; 505. 19; न तावत्सर्वमद्रव्यं स्वाश्रयव्यापि NyāySiA. 190. 25; 241. 4; अद्रव्येऽपि द्रव्यत्वाध्यासंसम्भवात् SiddhāLeSaṁ. 207. 8; प्रकर्षेण मेयं प्रमेयम्। तच्च द्विविधं द्रव्याद्रव्यभेदात् YatīndraDī. 34. 8; 90. 2; LaS'abdeS'e. ii. 137. 10; **2** other than a substance (औषधं पुनश्च द्विविधम्) द्रव्यमद्रव्यं च।... अद्रव्यं पुनरुपवासानिलातपच्छायामन्त्रसान्त्व ... संवाहनादि AṣṭāSaṁ. i. 74. 5 (1. 12); सतां कृच्छ्रेषु पाण्डित्यमद्रव्यं दुःखभेषजम्। न तत्सुखे ... उपयुज्यते RāmāMañ. 161. 7; असागरोत्थं पीयूषमद्रव्यं व्यसनौषधम्। त्वयाहं पायितः PadmP. iv. 96. 2; **3** unsuited or improper person or thing क्रिया हि द्रव्यं विनयति नाद्रव्यम् ArthS'ā. i. 34. 4 (1. 5) = ManuBh. i. 295. 14 (*on* 3. 195); विनेतुरद्रव्यपरिग्रह एव बुद्धिलाघवं प्रकाशयति Mālavikā. 1. 16 (8); अद्रव्यमेत्य भुवि शुद्धनयोऽपि मन्त्री शीर्णाश्रयः पतति कूलजवृक्षवृत्त्या MudrāRā. 7. 14; नाद्रव्ये निहिता काचित्क्रिया फलवती भवेत् Hitopa. 0. 28; द्रव्यं हि क्रियां विनयति नाद्रव्यम् NītiVā. 5. 43; न शास्त्रमद्रव्येषु अर्थवत् KāvyālaṅSū. i. 2. 4; **4** section dealing with non-substance शब्दस्य द्रव्याद्रव्यत्वश्रोत्रगमनशब्दागमनादिविवादमद्रव्ये शमयिष्यामः NyāySiA. 194. 26.

अद्रव्य (a-dravya) *adj.* [*f.* -ā] **1** devoid of wealth, without property अद्रव्यां मृतपत्नीं तु सङ्गृह्णन्नापराध्नुते MatsyaP. 227. 129; किमद्रव्यस्याधिकारो नेति S'ābaBh. 1381. 17 (*on* vi. 1. 39); 1382. 1 (*on* vi. 1. 40); न च जात्या कश्चिदद्रव्यो नाम ṬupṬ. 101. 1 (*on* vi. 1. 40); वीरसूं प्रियवादिनाम्। त्यजन्दाप्यस्तृतीयांशमद्रव्यो भरणं स्त्रियाः YājñaSm. 1. 76; नन्वद्रव्यस्यैव पुत्रो दद्यात् BālaKrī. i. 218. 8 (*on* 2. 47); i. 93. 20 (*on* 1. 99); य एवाद्रव्यः सोऽपि द्रव्यवान्भवति ManuBh. i. 89. 19 (*on* 2. 29); तेषामधिकारो भवत्येवाद्रव्याणाम् PrakaPañ. 483. 8; उताद्रव्योऽपि कर्मार्थेन द्रव्यमर्जयित्वानुतिष्ठन्नधिक्रियते S'āstrDī. 455. 9 (*on* vi. 1. 8); अद्रव्यो द्रव्यहीनः DīpKa. 11. 19 (*on* 1. 76); अद्रव्योऽपि द्रव्यमर्जयित्वा अधिक्रियत एव BhāṭṭDī. ii. 231. 20 (*on* vi. 1. 8); अद्रव्यस्य न क्रतुभिर्द्रव्याक्षेपः इत्यत आह MayūMāli. 455. 14 (*on* vi. 1. 8); **2** devoid of a *rc* (as the basis) अद्रव्यं चापि दृश्यते MīmāSū. vii. 2. 14; अपि चाद्रव्यं साम दृश्यते। द्रव्यशब्दश्छन्दोगैर्ऋक्ष्वाचरितः अद्रव्यम् अनृचमित्यर्थः S'ābaBh. 1546. 11 (*on* vii. 2. 14); **3** not having a substance as the basis or cause यदि रूपादयो न पतन्ति द्रव्ये पतति तिष्ठेयुरिति अद्रव्या रूपादयः स्युः NyāyVār. 238. 19 (*on* ii. 1. 31); अद्रव्यं परमाण्वादि TātpaṬ.(Vā.) 182. 15 (*on* i. 1. 5); नित्यः शब्दः अद्रव्यद्रव्यत्वात् NyāyKuA. i. 105. 5; न ह्यद्रव्यस्य विनाशः सम्भवति परमात्मादिवत् NyāyRa. 769. 14 (*on* 6. 156); न चेदमद्रव्यं रूपिद्रव्यम् Kiraṇā. 17. 18; वैशेषिकाणां हि अद्रव्यं वा द्रव्यम् अनेकद्रव्यं वा द्रव्यम् SyādvāMañ. 8 (29); **4** lacking in an offering material [अद्र] व्यस्य च होमस्य संनिहितद्रव्याकाङ्क्षत्वाच SaṅkaKāBh. 143 8 (*on* iii. 2. 41); **5** without discipline or worth छिनत्त्ये-

वायसं शस्त्रमद्रव्यं विषयं विष(? श)म् RāmāMañ. 131. 13.

अद्रव्यग्राहक (adravya-grāhaka) *adj.* causing perception of the non-substance तदेवं मनःस्पर्शनलोचनानि द्रव्याद्रव्यग्राहकाणि NyāySiA. 195. 8.

अद्रव्यचिन्तना (adravya-cintanā) *f.* enquiry into non-substance तत्रापि सप्रकारद्रव्यचिन्तनादद्रव्यचिन्तनाप्यन्तर्भवति NyāyPari. 510. 15.

अद्रव्यचिन्ता (adravya-cintā) *f.* inquiry about non-substance अथाद्रव्यचिन्ता TattvMu. 5. 2.

अद्रव्यजात (adravya-jāta) *n.* collection of non-substances तत्तद्रव्येषु दृष्टं नियतिमदपृथक्सिद्धमद्रव्यजातं तद्द्विश्वं परस्य TattvMu. 5. 1.

अद्रव्यजाति (adravya-jāti) *f.* category of non-substance प्राणिसदृशग्रहणादद्रव्यजातेर्न भवति । रूपरसगन्धस्पर्शाः CāndraVṛ. *on* ii. 2. 53.

अद्रव्यजातीयत्व (adravyajātīya-tva) *n.* the state of not belonging to the category of substance गुणादयो विवादाधिकरणा न पतन्ति अद्रव्यजातीयत्वाद्गुरुत्ववदिति सिद्धम् TātpaṬ.(Vā.) 394. 7 (*on* ii. 1. 33)

अद्रव्यडम्बर (a-dravyaḍambara) *adj.* free from the pomp of materials or wealth पुण्यतीर्थमनायासं क्रतुरद्रव्यडम्बरः । अशोषणं शरीरस्य क्षमा नाम परं तपः (v. l. तमः) BṛKathāMañ. ix. 1. 530 = SūktiRa. 179. 10.

अद्रव्यता (adravya-tā) *f.* the nature of not being a substance वेदयज्ञशब्दौ तदभिमानिदेवताविशेषपरौ गुणक्रियादेरद्रव्यतया शरीरत्वायोगात् S'rutaPra. iB. 316. 32 (*on* i. 2. 19)

अद्रव्यत्व (adravya-tva) *n.* **A i** the nature of a non-substance अद्रव्यत्वान्न संख्यास्ति तेषु काचिद्विभेदिनी TattvSaṁ. 640; अथ संबन्धः, तत्रापि संयोगस्तावन्नास्त्येव समवायस्याद्रव्यत्वात् TātpaṬ.(U.) 157. 20 (*on* 4. 148); न संयोगस्तावदिन्द्रियस्याभावेन सह, अद्रव्यत्वात् TātpaṬ. (U.) 414. 13 (*on* 5 (8). 18); न च चालनं ध्वजाग्रवत् सुकृतदुष्कृतयोर्मुख्यं संभवति, अद्रव्यत्वात् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 662. 2 (*on* iii. 3. 26); संबन्धो हि सदाशिवस्य शक्त्या सह न ··· शक्तेरद्रव्यत्वात् YaśasCam. ii. 277. 7; स्वर्गशब्दः ··· द्रव्यं तु व्यभिचरत्येवमद्रव्यत्वात्स्वर्गस्य न क्रियाङ्गत्वम् NyāyMañ. i. 304. 27; तर्काश्चात्र ··· अद्रव्यत्वे निर्गुणत्वप्रसङ्गः ĀtmaTaVi. 811. 20; गुणवतोऽप्यद्रव्यत्वे तल्लक्षणव्याघातात् Kiraṇā. 112. 13; NyāyRa. 479. 13 (*on* 5 (8). 18); द्रव्यस्यैव तत्र तत्र तद्भावोपलम्भादद्रव्यत्वाच्चाभावमिथ्याज्ञानयोः NyāyMa. 114. 11; न चाद्रव्यत्वमुपाधिः TattvPradī.(Ci.) 318. 9; न च रूपादेरद्रव्यत्वादुक्तगुणवत्त्वराहित्यमद्रव्यत्वव्यतिरेकः पूर्वोक्तोपाधिसत्त्वात् TarkSaṁ.(Ā.) 4. 21; न च बुद्धेर्नित्यत्वम् ··· अद्रव्यत्वं तस्याः सुवचम् NyāyPari. 503. 25; न तावत्संयोगः दृशेरद्रव्यत्वात् S'atDū. 100. 19; ननु शब्दस्याद्रव्यत्वव्यञ्जकत्वे सिद्धान्तयितुं न शक्यम् NyāySiA. 248. 19; (अधिष्ठातृकृत्यम्) न तावन्नोदनादिकम् अद्रव्यत्वात् NyāySu.(Ja.) 109B. 5 (*on* i. 1. 3); तेषां शब्दात्मकत्वेनांबरगुणत्वे सत्यद्रव्यत्वात् PariVṛ.(Sī.) 38. 18; क्रियाया अद्रव्यत्वेन तद्विशेषणस्याप्यद्रव्यत्वात् Prasā. i. 435. 19; YuktiSneha. 86. 32 (*on* i. 1. 5); MānaMe. 15. 3; **A ii** the nature of not having a substance as its cause अद्रव्यत्वेन नित्यत्वमुक्तम् VaiśeSū. ii. 1. 13; अथाद्रव्यत्वे सतीति विशेष्येत, तथाप्यकारणवत्त्वमेव नित्यतानिमित्तमापद्येत BrahmSūBh.(S'aṅ.) 374. 3 (*on* ii. 2. 15); यतोऽद्रव्यत्वमविद्यमानकारणभूतद्रव्यत्वमुच्यते Bhām. 402. 17 (*on* ii. 2. 15); **B i** the state of not containing sacrificial material अद्रव्यत्वात्तु शेषः स्यात् MīmāSū. iii. 4. 21; ii. 3. 20; अग्निहोत्रादीनां शेषः स्यात् । कस्मात् अद्रव्यत्वात् S'ābaBh. 923. 3 (*on* iii. 4. 21); अद्रव्यत्वात् द्रव्यदेवतासंबन्धराहित्यान्न स्वतन्त्रं कर्म किन्तु क्रतुशेषः VedāntKa. 75. 2 (*on* i. 1. 4); **B ii** the state of not possessing the wealth or share in property द्रव्यवत्त्वात्तु पुंसां स्याद्द्रव्यसंयुक्तम्, क्रयविक्रयाभ्यामद्रव्यत्वं स्त्रीणां, द्रव्यैः समानयोगित्वात् MīmāSū. vi. 1. 10; न ह्यद्रव्यत्वं नियतं जातिवत् ManuBh. i. 89. 19 (*on* 2. 29); i. 337. 20 (*on* 4. 22); अद्रव्यत्वाच्च स्त्रिया द्रव्यत्यागात्मयागानुष्ठानासंभवात् ··· अनधिकारः S'āstrDī. 449. 16 (*on* vi. 1. 3); BālaKrī. i. 58. 21 (*on* 1. 50); BhāṭṭDī. ii. 220. 17 (*on* vi. 1. 2); स्त्रीणामद्रव्यत्वात् ··· इति पूर्वपक्षं कृत्वा सिद्धान्तितम् VīraMi.(Lakṣaṇa.) 15. 7; अद्रव्यत्वे हेतुमाह – भार्येति (भार्या पुत्रश्च दासश्च त्रय एवाधनाः स्मृताः) MayūMāli. 449. 9 (*on* vi. 1. 3)

अद्रव्यत्वपक्ष (adravyatva-pakṣa) *m.* the view of (something) not being a substance अथाद्रव्यत्वपक्ष उच्यते (शब्दस्य) NyāySiA. 250. 13.

अद्रव्यत्वलक्षण (adravyatva-lakṣaṇa) *adj.* characterised by not being a substance नवबाह्यस्य सतोऽद्रव्यत्वलक्षणमन्ययोगं च व्यवच्छिनत्त्येवकारः SarvaDaKau. 7. 14.

अद्रव्यत्वसमर्थन (adravyatva-samarthana) *n.* justification of (something) being a non-substance न च द्रव्याद्रव्यविभागो माभूदिति वाच्यम्, भाष्यकारैरेव सत्त्वरजस्तमसामद्रव्यत्वसमर्थनात् NyāySiA. 242. 16.

अद्रव्यत्वसिद्धि (adravyatva-siddhi) *f.* establishment of (something) being a non-substance सत्त्वादिगुणोक्तनयाच्च शब्दानामद्रव्यत्वसिद्धिः NyāySiA. 248. 18.

अद्रव्यत्वापत्ति (adravyatvāpatti) *f.* contingency of (something) being a non-substance न च प्रकृतिपुरुषसंगतिः अतिरिक्तास्ति कालपदवेदनीयेति वाच्यम्, तस्याः संयोगत्वे तदात्मनोऽस्याद्रव्यत्वापत्तेः TarkSaṁ.(Ā.) 49. 30; न प्रथमे क्षणेऽद्रव्यत्वापत्तिः समवायिकारणं द्रव्यमिति द्रव्यलक्षणयोगात् TarkBhā. (Ke.) 31. 2.

अद्रव्यदेवता (a-dravyadevatā) *adj.* (*f.*) devoid of the oblation-material and deity एताश्चाद्रव्यदेवताश्चोदनाः अभिजिता यजेतेति S'ābaBh. 1593. 23 (*on* viii. 1. 16)

अद्रव्यदेवताक (adravyadevatā-ka) *adj.* devoid of oblation-material and deity अद्रव्यदेवताके केवले नामधेये श्रूयमाणे ब्रूमो ज्योतिष्टोम एव ग्रहाभ्यासविशेषविधानमिति S'ābaBh. 609. 7 (*on* ii. 3. 20)

अद्रव्यदेवतात्मकत्व (adravyadevatātmaka-tva) *n.* the state of not being of the form of oblation-material and deity न ··· वारवन्तीयं यागनिर्वृत्तिसमर्थमद्रव्यदेवतात्मकत्वात् TantrVā. 557. 19 (*on* ii. 2. 27)

अद्रव्यद्रव्य (adravya-dravya) *n.* substance not caused by (another) substance द्विविधं चाद्रव्यद्रव्यं, परममहदाकाशादिकं परमाणुरूपं च PrakaPañ. 148. 11; 332. 6.

अद्रव्यद्रव्यत्व (adravyadravya-tva) *n.* the state of a substance not caused by another substance अद्रव्यद्रव्यत्वात् परमाणावनुपलब्धिः रूपसंस्काराभावाद्वायोरनुपलब्धिरिति NyāyVār. 233. 2 (*on* ii. 1. 331); द्रव्यस्याश्रयभूतद्रव्यान्तरसद्भावे प्रमाणाभावादद्रव्यद्रव्यत्वं निश्चीयते PrakaPañ. 148. 11; 332. 7; आकाशादीनां त्वरूपत्वादद्रव्यद्रव्यत्वाच्चेति वेदितव्यम् (अदर्शनम्) PrakaPañ. 131. 8; नित्यः शब्दोऽद्रव्यद्रव्यत्वात् NyāyKuA. i. 105. 5; वायुपरमाणोर्गुणवत्त्वाद्द्रव्यत्वम् अद्रव्यद्रव्यत्वाच्च नित्यत्वं तथा कालस्यापि Upask. 110. 11 (*on* ii. 2. 7); अद्रव्यद्रव्यत्वम् असमवेतद्रव्यत्वम् NyāyK. 11.

अद्रव्यधर्मत्व (adravyadharma-tva) *n.* the state of the property of a non-substance तस्य (एकत्वस्य) अद्रव्यधर्मत्वाद् असत्त्वभूतत्वात् Pradī. iii. 103A. 17 (*on* iii. 1. 67)

अद्रव्यधर्मन् (adravya-dharman) *adj.* having the character of being poor or devoid of wealth किंधर्मा ? अद्रव्यधर्मेति S'ābaBh. 1382. 13 (*on* vi. 1. 41)

अद्रव्यनिरूपण (adravya-nirūpaṇa) *n.* explanation of a non-substance अद्रव्यनिरूपणे तु तेजोबन्नगुणव्यवस्था समर्थयिष्यते NyāySiA. 201. 8.

अद्रव्यनिष्ठ (a-dravyaniṣṭha) *adj.* not residing in a substance अद्रव्यनिष्ठे सामान्ये नानेकसमवेतता TarkSaṁ.(Ā.) 121. 6.

अद्रव्यपरिग्रह (adravya-parigraha) *m.* choice or acceptance of an unsuitable or improper person विनेतुरद्रव्यपरिग्रह एव बुद्धिलाघवं प्रकाशयति Mālavikā. 1. 16(8)

अद्रव्यप्रकर्ष (adravya-prakarṣa) *m.* intensification of a non-substance किमेत्तिङव्ययघादाम्वद्रव्यप्रकर्षे P. v. 4. 11; सुजन्ताद्विशब्दात्तरसमपौ, अद्रव्यप्रकर्षे आतिशयिकः आम्प्रत्ययः KāśiVṛ. *on* P. viii. 2. 27.

अद्रव्यप्रकर्षत्व (adravyaprakarṣa-tva) *n.* the state of intensification of a non-substance सप्तम्यर्थप्रकर्षे प्रत्ययः, तस्याद्रव्यप्रकर्षत्वादलुक्पक्षे ··· आमुप्रत्ययः PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. vi. 3. 17.

अद्रव्यभाव (adravya-bhāva) *m.* nature of a non-substance (lack of the nature of a substance) अभावश्च न केनचित् संयुज्यते, अद्रव्यभावात् NyāyMañ. i. 46. 16; नित्याया एव बुद्धेः स्वयमभिदधतः केचिदद्रव्यभावम् TattvMu. 5. 64; सहजस्वरूपतया स्थितात् अद्रव्यभावात् प्रच्याव्य Bhāsk. i. 277. 14 (*on* i. 5. 17)

अद्रव्यभूत (a-dravyabhūta) *adj.* not being a substance भेषजमङ्गभेदादपि द्विविधं, द्रव्यभूतमद्रव्यभूतं च । तत्र यदद्रव्यभूतं तदुपायाभिप्लुतम् CaraS. iii. 8. 87 (1941 Ed.) असत्त्वभूतानां सर्वनामप्रयोगासहत्वेनाद्रव्यभूतानां यत् शक्तिरूपम् Bhāsk. i. 274. 6 (*on* i. 5. 17)

अद्रव्यभेद (adravya-bheda) *m.* variety of what is not a substance एकत्वादयस्तत्त्वमुक्ताकलापे अद्रव्यभेदा अस्माभिरुक्ताः NyāySiA. 247. 2.

अद्रव्यरूप (adravya-rūpa) *adj.* [*f.* –ā] of the form of what is not a substance द्रव्याद्रव्यरूपप्रमेयग्राममधिजिगमिषतां न कुदृष्टिबाह्यकल्पितकूटयुक्तिगर्तनिपातः NyāyPari. 508. 13; ब्रह्ममीमांसायां त्वविद्याद्रव्यरूपा पुरुषाश्रिता SāṁkhyaPraBh. 131. 17 (*on* 5. 65)

अद्रव्यवचन (adravya-vacana) *adj.* denoting a non-substance एभ्योऽद्रव्यवचनेभ्यः करणे तृतीयापञ्चम्यौ स्तः PrakriKau. i. 435. 6 = SiddhāKau. 151A. 5.

अद्रव्यवचनता (adravyavacana-tā) *f.* the state of denoting a non-substance स गुणो यदा स्तोकादिशब्दैरभिधीयते तदैषामद्रव्यवचनता Prasā. i. 435. 15.

अद्रव्यवचनत्व (adravyavacana-tva) *n.* expression of a non-substance आख्यातेन क्रियाया विधानादद्रव्यवचनत्वाच्च बलभिदादेः ManuBh. i. 60. 27 (*on* 2. 6)

अद्रव्यवत् (a-dravyava(n)t) *adj.* not residing in the substance (*lit.* not having the substance as its substratum) द्रव्यमाश्रयभूतमस्यास्तीति द्रव्यवत् न द्रव्यवत् अद्रव्यवत् द्रव्यानाश्रितमित्यर्थः Upask. 85. 7 (*on* ii. 1. 11)

अद्रव्यवत्त्व (adravyava(n)t-tva) *n.* the state of what does not reside in a substance अद्रव्यवत्त्वेन द्रव्यम् VaiśeSū. ii. 1. 11.

अद्रव्यवर्ग (adravya-varga) *m.* aggregate of what is not a substance स्वाधारैकायुरेषा परमुपचरिता सेयमद्रव्यवर्गे TattvMu. 5. 41.

अद्रव्यवाचित्व (adravyavāci-tva) *n.* expression of a non-substance प्लक्षशब्दस्पर्शा इत्यत्राद्रव्यवाचित्वात् 'जातिरप्राणिनाम्' इत्यस्याप्रवृत्तौ PadMañ. on KāśiVr. *on* P. ii. 4. 12.

अद्रव्यवाचिन् (a-dravyavācin) *adj.* expressing a non-substance द्रव्यं हि लोकेऽधिकरणमित्युपचर्यते … तथा व्याकरणे विप्रतिषिद्धं चानधिकरणवाचि (P. ii. 4. 13) इत्यद्रव्यवाचीति गम्यते MahāBh. i. 371. 5 (*on* ii. 1. 1); विरोधिनामद्रव्यवाचिनां समाहारे ऐकार्थ्यं वा भवति CāndraVr. *on* ii. 2. 65; अद्रव्यवाचिनां विप्रतिषिद्धार्थानां द्वंद्व एकवत् स्याद्वा PrakriKau. i. 634. 6; SiddhāKau. 205A. 13; अद्रव्यवाचिनां चेद्विरुद्धार्थानामेवेति … न LaSabdeSe. ii. 137. 11; ii. 137. 13.

अद्रव्यविवाद (adravya-vivāda) *m.* dispute over something other than wealth or riches द्विगुणो दण्डस्तु पराजयनिमित्तदण्डापेक्षया । न तु विवादास्पदीभूतद्रव्यापेक्षया । अद्रव्यविवादेष्वव्याप्तेः VīraMi. (Vyavahāra) 77. 11.

अद्रव्यविशेष (adravya-viśeṣa) *m.* variety of what is not a substance (a subdivision of quality or guṇa) अस्मदादिघ्राणग्राह्यविजातीयेतरोऽद्रव्यविशेषो गन्धः YatīndraDī. 94. 9.

अद्रव्यव्यावृत्ति (adravya-vyāvr̥tti) *f.* exclusion of what is not a substance नापि द्रव्यलक्षणमद्रव्यव्यावृत्तये PrakaVi. 507. 4.

अद्रव्यव्युदास (adravya-vyudāsa) *m.* elimination of what is not a substance द्रव्यशब्देनाद्रव्यव्युदासः NyāyVār. 331. 11 (*on* ii. 2. 67); तावेतावसदद्रव्यव्युदासरूपेण प्रवर्तमानौ एकमर्थं ब्रुवाते NyāyVār. 331. 12 (*on* ii. 2. 67)

अद्रव्यशब्दत्व (adravyaśabda-tva) *n.* **1** the state of being devoid of the word (denoting the quality etc.) of the substance अद्रव्यशब्दत्वात् MīmāSū. i. 3. 31; (comm. द्रव्याश्रयस्य गुणस्य यः शब्दोऽद्रव्यशब्दः); **2** the state of having a word denoting the non-substance अपि चाद्रव्यशब्दत्वाद् व्यक्तेरेवाभिधेयता TantrVā. 257. 6 (*on* i. 3. 26); तव त्वद्रव्यशब्दत्वाद्भवेद्भेदो गवाश्ववत् TantrVā. 257. 17 (*on* i. 3. 26)

अद्रव्यसंयोग (a-dravyasaṁyoga) *m.* non-possession of riches, poverty, अनित्योऽद्रव्यसंयोगः SābaBh. 1382. 1 (*on* vi. 1. 40)

अद्रव्यसंस्पर्शिन् (a-dravyasaṁsparśin) *adj.* not touching the substance, unconnected with the substance यथा प्रमाणान्तरादवसीयमानमाधुर्येऽपि द्रव्ये प्रत्यक्षरूप इन्द्रियद्वारस्तिक्तावभासः अद्रव्यसंस्पर्शी नाभासमात्रतयावतिष्ठते BrahmSi. 134. 6.

अद्रव्यसमवेत (adravya-samaveta) *adj.* inherent in other than the substance द्रव्यासमवेतं हि असमवेतमेव स्यादद्रव्यसमवेतं वा Kiraṇā. 16. 4.

अद्रव्यसाध्य (adravya-sādhya) *adj.* to be accomplished without wealth or property यानि चाद्रव्यसाध्यानि संध्योपासनादीनि नित्याग्निहोत्रादीनि ManuBh. i. 532. 9 (*on* 6. 94)

अद्रव्यस्वभाव (adravya-svabhāva) *adj.* of the nature of the non-substance असत्त्वप्रकृतिरिति । अद्रव्यस्वभाव इत्यर्थः Pradī. iv. 63A. 15 (*on* iv. 1. 44)

अद्रव्यात्मक (adravyātmaka) *adj.* of the nature of not consisting of substance (i. e. not having the substance as its cause) न च तस्मिन्विनाशित्वं द्रव्येऽद्रव्यात्मके सति SlokaVār. 22. 156 (769. 6)

अद्रव्यादिधी (adravyādi-dhī) *f.* the notion of non-substance etc. अद्रव्यादिधियो हेतुर्न गुणत्वादि युक्तिमत् TattvSaṁ. 778.

अद्रव्यान्तरत्व (adravyāntara-tva) *n.* the state of not being a different substance (identity of substance) आत्मप्रदेशानामद्रव्यान्तरत्वादेकार्थसमवायस्याविशेषे स्मृतियौगपद्यप्रतिषेधानुपपत्तिः NyāyBh. 212. 12 (iii. 2. 33)

अद्रव्यार्थ (a-dravyārtha) *adj.* expressive of or signifying a non-substance अद्रव्यार्थाश्चादयो निपातसंज्ञाः स्युः PrakriKau. i. 40. 4; Prasā. i. 40. 23; SiddhāKau. 7B. 1.

अद्रव्याश्रित (a-dravyāśrita) *adj.* not having a substance as substratum, not abiding in a substance न हि कार्यं किञ्चिदद्रव्याश्रितमात्मानं लभते PrakaPañ. 327. 7.

अद्रष्टव्य (a-draṣṭavya) *adj.* [*f.* -ā] **i** not fit to be seen तथाप्यमुष्य पापस्य पारङ्कच्छामि न कश्चित् । अद्रष्टव्येष्वहं नूनमद्रष्टव्यशिरोमणिः MalliC. 7. 580; अद्रष्टव्यानि पश्यन्ति शृण्वन्त्यपरवान् बहून् PārśvC. 6. 560; **ii** to look at whom is improper अद्रष्टव्याः खलु परपुरन्ध्रयः MohaRāPa. 3. 44(13)

अद्रष्टव्यत्व (adraṣṭavya-tva) *n.* the state of being unfit to be looked at तेनाद्रष्टव्यत्वाल्लज्जाहेतुदर्शनत्वात्पुरुषलिङ्गं कौपीनम् Pradī. iv. 314A. 13 (*on* v. 2. 20)

अद्रष्टव्यमुख (adraṣṭavya-mukha) *adj.* whose face is unworthy of being looked at अद्रष्टव्यमुखोऽसि त्वं पापापसर सत्वरम् PariPar. 6. 229; रात्रिञ्चर दुराचार … अद्रष्टव्यमुखोऽसीति मया नेत्रे निमीलिते PāṇḍaC. 7. 616; Samarā-Saṁ. 9. 622; PrabaK. 53. 22; अयमद्रष्टव्यमुखोऽस्तीति निष्कासितः Kumā-PraPra. 91. 21.

अद्रष्टव्यशिरोमणि (adraṣṭavya-śiromaṇi) *m.* foremost of those who are unworthy of being seen अद्रष्टव्येष्वहं नूनमद्रष्टव्यशिरोमणिः MalliC. 7. 580.

अद्रष्टुम् (a-draṣṭum) *inf.* not to see, (to avoid the sight of) तदा तस्य महादुःखं सतोऽप्युच्छेत्तुमक्षमः । अद्रष्टुमिव सूर्योऽस्तपर्वतान्तरितोऽभवत् PārśvC. 1. 208.

अद्रष्टृ (a-draṣṭr̥) *adj.* non-perceiver अथ वाद्रष्टाश्रोताबोद्धाकर्ताविज्ञाता भवति ChāndoU. vii. 9. 1) अद्रष्टा चतुर्णामचतुरः । विद्रष्टा चतुर्णां विचतुरः MahāBh. v. 4. 77; यथा चक्षुर्द्रष्टृ न बाह्येन प्रकाशेन विना प्रकाशयतीत्यद्रष्टृ भवति SābaBh. 44. 6 (*on* i. 1. 5)

अद्रष्टृक (adraṣṭr̥-ka) *adj.* [*f.* -ā] without a perceiver or observer कालान्तरे चेद् दृश्यत्वं नश्यद्रष्टृकमिष्यते NaiṣkaSi. 68. 4; अद्रष्टृकं चानुभवमनिद्रं स्वप्नदर्शनम् YogVā. iv. 1. 3; इदानीं नाद्रष्टृका सत्त्ववृत्तिर्ज्ञानम् PrakaVi. 89. 22.

अद्रष्टृत्व (adraṣṭr̥-tva) *n.* the state of being a non-perceiver दुष्टकरणस्य कल्पितत्वेन अद्रष्टृत्वात् GuruCandr. i. 376. 24; Nyāyāmr̥. 151A. 5.

अद्रावक (a-drāvaka) *adj.* not flowing, not liquid यदद्रावकौषधेन तालमोचाफलानि संयोज्य निष्पाद्यते तदद्रावितं रसाख्यम् JayaMa. 36. 11 (*on* 1. 3)

अद्रावित (a-drāvita) *adj.* not liquified पेयं द्विविधम् … द्रावितमद्रावितं च JayaMa. 36. 10 (*on* 1. 3)

अद्रावितस्थान (adrāvita-sthāna) *n.* calm or quiet place असिन्नद्रावितस्थाने गहने पुण्डरीकिणि । प्रफुल्लानोकहच्छन्ने नातिराजति वासरः Rāgh-Pāṇ.(Dha.) 7. 32.

¹अद्रि (á-dri) *m.* [MAYR. 1. 548; DEBRU. p. 859 / अदिशदिभूशुभिभ्यः क्रिन् Uṇā. 4. 65; अत्ति अद्यते वा अद्रिः Prasā. ii. 606. 1; SiddhāKau. 551B. 3] **1 Ai** piece of rock, huge stone **ii** stone for pressing Soma **iii** flint-stone **iv** stone used as a weapon, sling-stone **v** very strong object or hard stuff like a stone **vi** thunderbolt **Bi** mountain, hill, crag, cliff **ii** the mountain Himālaya **iii** mount Kailāsa **C** cloud **2i** name of the grandson of Pr̥thu **ii** epithet of Kr̥ṣṇa **iii** epithet of Siva **iv** name of one of the fifty Rudras **v** name of a chief of evil beings called Piśācas **vi** deity of a Kulaparvata **vii** name used for the enemy or enemies of Indra **3A** number seven **B** word representing the consonants **i** *d* **ii** *th* **4** tree, plant, vegetation **5** the sun **6** name of a measure **7** mountain rat **1Ai** piece of rock, huge stone वाजे अद्रिं मरुतो रंहयन्तः R̥V. i. 85. 5; v. 52. 9; x. 94. 1; MahāBhā. vii. 97. 41; अद्रिमणिहीरकगैरिकादयः पाषाणाः Upask. 218. 10 (*on* iv. 2. 11); वानरेन्द्रगणेश्वरः !… द्रुमैरश्मभिरद्रिभिः । प्रजह्रे च यथान्यायं प्रहारक्रमकोविदः RāmC. 11. 84; **1Aii** stone for pressing Soma तुभ्येदेते बहुला अद्रिदुग्धाः R̥V. i. 54. 9; ता हर्द्री धिषणाया उपस्थे R̥V. i. 109. 3; i. 121. 8; सुषुमा यातमद्रिभिः R̥V. i. 137. 1; i. 139. 10; प्रभृतो मे अद्रिः R̥V. i. 165. 4; ii. 16. 5; युञ्जे अद्रिम् R̥V. iii. 1. 1; iii. 41. 2; हंसा इव कृणुथ श्लोकमद्रिभिः R̥V. iii. 53. 10; iv. 45. 5; दश क्षिपो युञ्जते बाहू अद्रिम् R̥V. v. 43. 4; v. 86. 6; तमु ते गावो नर आपो अद्रिरिन्दुं समह्यन् पीतये समस्मै R̥V. vi. 40. 2; vi. 63. 3; vii. 22. 4; मेजाते अद्री रथ्येव पन्थाम् R̥V. vii. 39. 1; vii. 42. 1; अयं ह यद्वाम् … अद्रिरूर्ध्वो विवक्ति R̥V. vii. 68. 4; viii. 4. 13; viii. 38. 3; सोमपृष्ठासो अद्रयः R̥V. viii. 63. 2; viii. 72. 11; ix. 11. 5; तम् … जामयो हरिं हिन्वन्त्यद्रिभिः R̥V. ix. 26. 5; ix. 34. 3; ix. 51. 1; यस्य ते मद्यं रसं तीव्रं दुहन्त्यद्रिभिः । स पवस्व R̥V. ix. 65. 15; ix. 68. 9; अद्रयस्त्वा बप्सति गोरधि त्वचि R̥V. ix. 79. 4; ix. 87. 8; दुदुहानो अद्रौ ।… सुवनस्य राजा विदद्गातुम् R̥V. ix. 96. 10;

ix. 101. 11; ix. 109. 18; अत्यो न हस्तयतो अद्रिः सोतरि R̥V. x. 76. 2; x. 28. 3; x. 76. 4; ते अद्रयो दशयन्त्रास आशवः R̥V. x. 94. 8; x. 104. 2; अंशूनिव ग्रावाधिषवणे अद्रिर्गव्यन्दुन्दुभेऽधि नृत्य वेदः AV. v. 20. 10; ग्रावाणो वा अद्रयः TaiS. VI. i. 11. 4; अद्रिरसि श्लोककृत् KāṭhS. 1. 5 (3. 4); VājaS. 19. 2; अध्वर्युः पुरस्तादुपकल्पयेत … अद्रीन् AitBr. 35. 6 (887); AitĀ. V. ii. 5. 4; KātyS'S. ix. 1. 5; ix. 4. 21; ननु च भोश्छन्दोगानां सात्यमुग्रिराणायनीया अर्धमेकारमर्धमोकारं चाधीयते ।…अध्वर्यो ओ अद्रिभिः सुतम् MahāBh. i. 22. 22 (*on* S'ivasūtra 3–4); iii. 86. 11 (*on* vi. 1. 115, Vār. 3); **1A iii** flint stone अद्रौ चिदस्मा अन्तर्दुरोणे R̥V. i. 70. 4; यमापो अद्रयो वना गर्भमृतस्य पिप्रति R̥V. vi. 48. 5; अग्निम् …। अद्रेः सूनुमायुमाहुः R̥V. x. 20. 7; **1A iv** stone used as a weapon, sling-stone ग्रावाणो न सूरयः सिन्धुमातर आदर्दिरासो अद्रयो न विश्वहा R̥V. x. 78. 6; i. 51. 3 (according to PW); **1A v** very strong object or hard stuff like a stone (which cannot be split) यदद्रयः पर्वताः साकमाशवः श्लोकं घोषं भरथ R̥V. x. 94. 1; सोमस्य भक्षमवृणीत शक्रो बृहन्नद्रिरभवद्यच्छरीरम् AV. ix. 4. 5; अद्रिरसि वानस्पत्यः TaiS. I. i. 5. 2 = VājaS. 1. 14; S'atBr. I. i. 4. 7; अद्रिरसि वानस्पत्यः इति मुसलमादाय हविष्कृतं त्रिराह्वयति BhārS'S. i. 21. 6; यदद्रयः पर्वता अदरणीयाः सह सोममाशवः क्षिप्रकारिणः Nir. 9. 9 (162. 1); **1A vi** thunderbolt (regarded as being made of stone) शुष्मं इयर्ति प्रभृतो मे अद्रिः VājaS. 33. 78; अद्रिवन् । अद्रिरादृणात्येनेन । अपि वात्तेः स्यात् Nir. 4. 4 (76. 8); **1B i** mountain, hill, crag, cliff सुसेन चिद्रिमदायावहो वस्वाजावद्रिं वावसानस्य नर्तयन् R̥V. i. 51. 3; i. 61. 7; i. 71. 2; वि सिन्धवः समया ससुरद्रिम् R̥V. i. 73. 6; i. 93. 6; विदद्यदी सरमा रुग्णमद्रेः R̥V. iii. 31. 6 = VājaS. 33. 59; R̥V. iv. 1. 14; iv. 18. 6; v. 41. 12; वरुणो अप्स्वग्निं दिवि सूर्यमदधात्सोममद्रौ R̥V. v. 85. 2; TaiS. I. ii. 8. 2 = VājaS. 4. 31; R̥V. vi. 17. 5; vi. 39. 2; vii. 79. 4; दिवा पृथिव्याद्रिभिः सचाभुवा ।… सोमं पिबतमश्विना R̥V. viii. 35. 2; viii. 88. 3; ix. 97. 39; x. 28. 9; यस्य … नान्तरिक्षं नाद्रयः R̥V. x. 89. 6; x. 100. 8; शं रोदसी बृहती शं नो अद्रिः AV. xix. 10. 3; S'atBr. VII. v. 2. 18; (वारणाः) निपेतुस्तुमुले तस्मिंश्छिन्नपक्षा इवाद्रयः MahāBhā. vi. 89. 34; viii. App. I. 41 (4); ix. 19. 24; ततः सः … महोदरः … पपात वज्राभिहतो यथाद्रिः Rāmā. vi. 58. 28; ii. 20. 90; स सुन्दरीं रुक्मदरीमिवाद्रेः । काक्षेण पश्यन् Saund. 4. 41; 16. 35; NāṭyaS'ā. 12. 102; VaikhāDS. ii. 3. 5; (विरतिः) तस्यैषा यदि नास्ति हन्त सुतरां व्यर्थं तदन्वेषणम् … सुरधुनीतीराद्रिकुञ्जादिषु VijñāS'. 52; कपिकुलमुपयाति क्लान्तमद्रेर्निकुञ्जम् R̥tuSam̐. 1. 23; MeghDū. 14; RatiRaha. 5. 3; अद्रौ त्रिककुद् JaineVyā. iv. 2. 147 (285. 26); S'ātāSm. 6. 1; MārkP. 56. 15; 104. 1; देवासुराद्रिद्रुमसागराणाम् … यत्सूक्ष्मगं यद् भुवि यद्वियत्स्थम् VāyuP. i. 3. 12; गुहैकवृक्षाद्रिषु ये वसन्ति ते पूजनीयाः प्रमथा यथावत् YogYā. 6. 21; तेन कारितमत्राद्रावर्थिनेवार्चितार्थिना । प्रेयः प्रियप्रसादानां मातृणां क्षयमक्षयम् EI. xviii. 127. 6; AmaK. 6. 35; 2662; क्रमात्कामन्न द्रिद्रुमपुरविभागांस्तिरयति ।… तमःसङ्घातोऽयम् Ratnā. 3. 7; AvantiKa. 175. 19; तुङ्गत्वमितरा नाद्रौ नेदं सिन्धावगाधता S'iśuVa. 2. 48; PadmP. (Ra.) 8. 87; श्रयति शिखरमद्रेर्नूतनस्तोयवाहः MālaMā. 9. 141 = MahāviC. 5. 42 (141. 10); NītiSā. 19. 44 = S'ukraNī. 4 (7). 263; अद्रिं महेन्द्र इव पक्षिणमम्बरस्थम् … पातयामि ĀścaCū. 4. 10; महिषीणामष्टांशो व्येको वर्गीकृतो वने रमते । पञ्चदशाद्रौ दृष्टास्तृणं चरन्त्यः कियन्त्यस्ताः GaṇiSāSam̐. 3. 62; HarVi. 5. 42; दधते रसभावलास्यशोभां सममेषोऽद्रिरिमा नटस्त्रियश्च Kapphiṇā. 6. 15; 18. 115; RāmC. 2. 62; सः …। स्थितवान्पथि सीतयाच्युतो गहनेऽद्रौ पदिकानुजान्वितः RāghPāṇ. (Dha.) 4. 37; 16. 40; KāvyMī. 68. 4; धराद्रिकुध्राश्च तुल्यार्थाः AbhidhāRaMā. 2. 10; VakroJī. 72. 16; न प्राकारैर्न सारैः करितुरगनरैर्नाद्रिभिस्तुङ्गशृङ्गैः EI. xxii. 123. 10; SubhāRaSam̐. 645; BhāgP. iii. 14. 40; मथ्यमानेऽर्णवे सोऽद्रिरनाधारो ह्यपोऽविशत् AgniP. 3. 7; SkandP. ii(9). 16. 31; अद्रिः पाटलैः केतकैस्तथा ।…अलंकृतः PadmP. ii. 43. 14; GaṇeP. ii. 116. 40; मोहं तस्यापनेष्यामि मारुतोऽद्रेर्घनं यथा YogVā. i. 11. 8; iii. 4. 71; iv. 1. 30; महाम्भोवीचिसंघाता विक्षिप्ताश्चण्डमारुतैः । यत्र यत्रापुरैक्यं ते तत्र तत्राद्रयोऽभवन् SamarāSū. 4. 23; 8. 13; UdaySuKa. 132. 21; महास्त्रैरभवन्देवा दावव्याप्ता इवाद्रयः BṛKathāMañ. 12. 38; KāvyPra. 785. 5; यस्य प्रस्थानकालोत्थितजलधिरवाकारवादित्रशब्दा(ब्दा) वेगान्निर्गच्छदद्रिप्रतिमगजघटाकोटिघंटारवाश्च EI. ii. 237. 14; ĪśānS'iPa. ii. 18. 55; चित्रमन्धोऽद्रिमारोक्ष्यत्ययं यदि जयेद्धि नः DvyāśraKā. 13. 69; 15. 94; Viṣāpahā. 19; EI. iii. 189. 10; EI. iii. 189. 10; Vāgbhaṭā. 4. 31; प्रवर्तिताट्टालकमुद्रमद्रिभिः S'rīKaC. 3. 3; MudriKu. 5. 6 = PurāPraSam̐. 127. 23; ChandaśCū. 2. 291 (3); द्रवेदद्रिः … अपि क्वचित् । तथापि ग्रस्तो रागाद्यैर्नाप्तो भवितुमर्हति Vītarā. 6. 12; PāṇḍaC. 8. 277; TripuDī. 1. 2; धराद्रिवनादीनां वृक्ष आधेयम् KāvyKaVṛ. 112. 13 (4. 1); VasaViKā. 5. 17; 11. 76; उद्धृत्तो नरकादन्यस्तत्रैवाद्रौ शुकोऽभवत् SamarāSam̐. 2. 173; 5. 517; NemiDū. 16; अद्रेर्न वीर विजहाति दरीमरिस्ते Ekāva. 4. 6 (10) (143. 4); SūktiRa. 68. 3; PrabaK. 95. 1; तस्माच्च वेमनृपतेरुदयादिवाद्रेर्जातौ प्रतापवरकांत्ति(ति)निधी कुमारौ EI. xxv. 143. 17; Nalo. 3. 32; भेद्ये सूच्यन्तेन स्थिते तमस्यद्रयोऽपि सूच्यन्ते न YudhiVi. 2. 95; पत्याद्रेरिव क्लु[FN क्लृ]प्तमंगलचतुःशाले परिभ्राजिते कल्याणोत्सवमंडुपे विरचिते विश्वेश्वरोर्व्वीभुजा EI. xix. 171. 92; RājTa. (Jo.) 725; HammīMaKā. 9. 33; अहो नु चित्रं पद्मोत्थैर्बद्धास्तन्तुभिरद्रयः Subhāṣi. 3349; MātaLī. 1. 23; StavMā. 297. 2; तस्याटवी सार्थसुखप्रसादा(दासी)त्तस्याद्रयो राजपथा इवेष्टाः VīraBhā. 5. 150; AlaṅkāS'e. 13. 10; S'ilpaRa. i. 3. 5; RasGaṅ. 695. 17; उच्चैर्भूतः किमेषोऽद्रिर्दृश्यतेऽभ्रंलिहो यतः EI. ii. 66. 24; Gaṅgāva. 8. 13; NīlaVi. 80. 4; शिखरी सानुमानद्रिः KośaKaTa. 1. 2796; नीला अद्रौ बहुबलधृतः…ये नगाः …। तांस्त्वं धुत्वा…तत्फलैरेणवर्गान् कुर्वंस्तृप्तान् PavaDū. (Vā.) 20; Rāgh. 17. 47; गजाद्रिसौधशृङ्गेषु विहारो राजदर्शनम् TantrRā. 5. 82; **1B ii** the mountain Himālaya (देवदारुम्) अथैनमद्रेस्तनया शुशोच सेनान्यमालीढमिवासुरास्त्रैः RaghuVa. 2. 37; CaṇḍīS'. 35; अयाचितारं न हि देवदेवमद्रिः सुतां ग्राहयितुं शशाक KumāSam̐. 1. 52; VyaktiVi. 8. 4; EI. iii. 87. 79; **1B iii** mount Kailāsa हेलोत्क्षिप्ताद्रिवि(बि)भ्यत्तुहिनगिरिसुताश्लेषसन्तोषितेस(श)म् … रावणम् EI. ii. 305. 3; **1B iv** mountain Mandara अयं हि निर्मथ्य सुधाब्धिमद्रिणा पुरा सुरानप्यमृतैरतोषयत् Gaṅgāva. 3. 32; **1C** cloud वीडुं चिदद्रिमभिनत् परायन् जना यदग्निमयजन्त पञ्च TaiS. IV. ii. 2. 3; VājA. 12. 23 (Uvaṭa स एव (अग्निः) मध्यस्थानमारुह्य इन्द्रात्मना वीडुं चित् । दृढमप्यद्रिमदारयितव्यं मेघं वा अभिनत् विदारयति परायन् परा परतो गच्छन्); अद्रिः । ग्रावा । गोत्रः ।… असुरः । कोश इति मेघानाम् Nigh. 1. 10; उत्तराणि मेघनामानि ।… अद्रिरादरयितव्यो भवति ह्यसावुदकार्थमित्यद्रिः Durga *on* Nir. 2. 21 (Bombay 1918 Ed., p. 226); अद्रिस्तु शैले सूर्ये द्रुमेऽम्बुदे NānārthāSam̐. i. 21. 9; **2 i** name of the grandson of king Pṛthu विष्वगश्च पृथोः पुत्रस्तस्मादार्द्र(v. l. °दद्रि)स्तु जज्ञिवान् MahāBhā. iii. 193. 3; **2 ii** epithet of Kṛṣṇa (कृष्ण) कृतवर्मा त्वमेवाद्रिर्वृषगर्भो वृषाकपिः MahāBhā. xii. 43. 10; **2 iii** epithet of S'iva (अष्टोत्तरसहस्रं तु नाम्नां शर्वस्य मे शृणु) अद्रिरद्र्यालयः कर्ता MahāBhā. xiii. 17. 37; S'ivaP. iv. 35. 36 (391B. 9); **2 iv** name of one of the fifty Rudras (in Tantra) स्युरद्रिमीनमेषाख्यलोहिताश्च शिखी तथा । एते रुद्राः S'āraTi. 2. 33; **2 v** name of a chief of evil beings or tribes called Piśācas समजायत । अद्रिकायां च निर्ऋतेरद्रिर्नाम पिशाचराट् BrahmP. 84. 12; **2 vi** name of the presiding deity of each of the Kulaparvatas दिशोऽद्रयो दिक्पतयश्च कन्दरान् वनेचरा गगनचराश्च खं ययुः YogVā. v. 28. 22 (comm. अद्रयः कुलाचलाधिदेवताः); **2 vii** name used for the enemy or enemies of Indra मरुत्वान्मघवास्य तु । द्विषः पाकोऽद्रयो वृत्रः पुलोमा नमुचिर्बलः AbhidhāCin. 174; जम्भपाकपुलोमाद्रिवृत्राश्च नमुचिर्बलः । एते शक्रद्विषः ParaNā. 210; **3A** (a word representing) the number 7 (because the main mountain-ranges are regarded to be seven in number) कृताद्रिवेदाः (=474) SūrySi. 1. 24; 2. 20; MaBhāsk. 3. 65; शैलमद्रिर्भयं भूध्रो नगाचलमुनिर्गिरिः GaṇiSāSam̐. 0. 59; Bhāsv. 1. 2; रुद्ररन्ध्राद्रिबाणाश्च गत्यङ्गुल्यः क्रमात् स्मृताः VāstuVi. 6. 6; Golā. 218. 3 (25. 32); शून्या … मार्गेऽद्रिनागसंज्ञेऽपि पक्षयोरुभयोरपि NāraS. 53. 31; 5. 16; KaraṇaKu. 1. 11 (5); [रु]त्व(F. N. ऋत्व)द्रि[द]शरुद्रे[षु] [च]क[टा]हान् विवर्जयेत् (पदेषु) EI. xiv. 100. 2; शिवघ्नोऽब्दः स्वखाद्रीन्दुलवाढ्यः … तत्र तिथावब्दप्रवेशनम् TājiNī. 1(1). 17 (13. 15); EI. xxv. 193. 38; ज्ञकेन्द्रे … पूजितेऽद्यश्विभूपाः GrahaLā. 1. 8; S'ilpaRa. i. 19. 66; NirṇaSi. 8. 2 = VīraMi. (Samaya.) 143. 3; युगैः क्वद्रिमितैस्तथा SiddhāTaVi. 5. 1; 183. 24; शैलोऽद्रिद्वीपवायुश्च मुनिः सप्त JyotiṣaNi. (Aṅka.) 17; **3B** (Tantra.) a word representing a certain consonant, e. g. **i** *d* अद्रिर्वरुणसंरुद्धो दवाग्वादिनि ठद्वयम् । वागीश्वर्या दशार्णोऽयं मन्त्रः S'āraTi. 7. 65 (comm. अद्रिर्दकारः); दकारः सत्यसंज्ञः स्यादद्रिश्च परमेश्वरि Tantrābhi. (1). 3. 5; दोऽद्रीशः … हरिद्रा पूरमद्रिश्च Tantrābhi. (2). 16. 14; **ii** *th* थो भीषणे भरेऽद्रौ दं पत्न्यां दा दातृदानयोः AnekāTi. 1. 24; **4** tree or plant, vegetation अद्रयो द्रुमशैलार्काः AmaK. 2662 = DharK. 1980 = AnekāK. 679; AnekāSa. 627 = Vaija. 214. 4; अद्रिः कुजस्तरुरनोकह इत्यभिन्नाः AbhidhāRaMā. 2. 22; AnekāSam̐. 2. 382; वृक्षोऽगः … अद्रिर्हरिद्रुर्द्रुमः AbhidhāCin. 1114; ViśvaPra. 132. 83; NānārthSam̐. 7. 61; अद्रिर्गिरिवनस्पत्योः AnekāNā. (Dha.) 11; MediK. 132. 6; NānārthaMa. 1484; विटपी पादपश्चाद्रिः ParaNā. 896; ViśvaLoK. 278. 6; कारस्करो विष्टरोऽद्रिः KośaKaTa. 1. 3015; द्रुर्द्रुमोऽद्रिः KalpaK. 250. 13; S'abdaRaSaK. 251. 3; **5** the sun, AmaK. 2662 = DharK. 1980 = AnekāK. 679 = NānārthaRaMā. 867; अद्रयोऽर्कगिरिद्रुमाः AnekāSa. 627 = Vaija. 214. 4; AbhidhāRaMā. 5. 34; द्युमणिर्हरिदश्वोऽद्रिः Vaija. 18. 11; Hārāva. 11; अरथिखगपतङ्गेनाद्रयः सप्तसप्तिः TrikāS'e. i. 3. 18; AgaNi. 35; ViśvaPra. 132. 83; अद्रिर्द्रुमे गिरावर्के NānārthSam̐. 7. 61; NānārthāSam̐. i. 21. 9; अद्रिः शैलद्रुमार्के ना MediK. 132. 6; AnekāTi. 2. 15; NānārthaMa. 1484; अद्रिः शैले रवौ Anekā. (Pa.) 2609; ViśvaLoK. 278. 6; मिहिरोऽर्कोऽशुमानद्रिः KalpaK. 436. 2; S'abdaRaSaK.

251.3; 6 name of a measure परिमाणविशेष इति शब्दरत्नावली S'abdaKaDru; 7 mountain-rat पर्वतमूषिका S'abdaKaDru. 35; [Lexicons give *adri* as a synonym of अक (?) NānārthaMa. 72; अग Vaija. 270.58; अचल AnekāK. 835; अणु AnekāTi. DharK. 282; अगम Vaija. 270.58; अचल AnekāK. 835; अणु AnekāTi. 2.13; अवि AnekāSa. 626; उपल AnekāTi. 3.37; गोत्र AnekāSaṁ. 2.402; AnekāK. 680; KalpaK. 341.3; चैत्य Vaija. 224.8; जीमूत AnekāSaṁ. 3.254; Vis'vaPra. 66.124; MediK. 65.111; दरत् Vis'vaLoK. 171.26; दर्दुर KośaKaTa. 2.8069; धराधर AnekāSaṁ. 4.260; नग Vaija. 270.58; NāmMā. 8; S'abdaRaSaK. 59.18; पत्रिन् AnekāSaṁ. 2.271; AnekāTi. 2.187; NānārthaMa. 956; पूग NānārthāSaṁ. i. 111.804; भूभृत् MediK. 68.140; KośaKaTa. 2.5532; S'abdaRaSaK. 149.16; भैरव Vaija. 270.60; शिखरिन् Vaija. 270.58 and शृङ्गिन् Vaija. 270.60; Vis'vaPra. 93.104]

²**अद्रि** (adri) (Gr.) morpheme used as a substitute for the final syllable of certain words followed by *añc* in a compound विष्वग्देवयोश्च टेरद्र्यञ्चतौ वप्रत्यये P. vi. 3.92; Kātan. iv. 6.70; अदसोऽद्रेः पृथङ् मुत्वं केचिदिच्छन्ति लत्ववत् MahāBh. iii. 414.18 (*on* vii. 2.80) = PariVṛ. (Sī.) 179.5; JaineVyā. iv. 3.198; वाद्रौ CāndraVyā. vi. 3.113 = SiddhaHe. ii. 1.46; S'ākaṭāVyā. i. 2.45; SaraKaṇṭhā.(Gr.) vii. 3.129; श्रिविष्वग्देवस्य टेरद्र्यञ्चौ कौ MugdhaBo. 26.79 (158.14)

अद्रिक (adri-ka) *n.* bitumen, rock-exudation शिलाजत्वश्मजं शैलं शिलोत्थं च तथाद्रिजम् (v. l. अद्रिकम्) ParyāRaMā. 437; *m.* epithet of S'iva हरस्यामिततेजसः। अष्टोत्तरसहस्रं तु नाम्नां शृणुत सुव्रताः।... वृक्षो नकुलश्चाद्रिकस्तथा LiṅgaP. i. 65.132.

अद्रिकटक (adri-kaṭaka) *m. n.* ridge of a mountain दन्तौ रदाद्रिकटकौ AnekāSa. 625; नितम्बः पश्चिमश्रोणिभागेऽद्रिकटके कटौ Vaija. 242.36; 216.26; 248.18; AnekāK. 290; नितम्बस्तु वधूकट्याः पश्चाद्भागे परे पुनः। श्रोणिमात्रेऽद्रिकटके NānārthāSaṁ. ii. 20.108; NānārthSaṁ. 49.23; MediK. 58.23; NānārthaMa. 1133; S'abdaRa.(Vā.) 4229; 4300; S'abdaRaSaK. 127.12.

अद्रिकठिन (adri-kaṭhina) *adj.* hard like a rock न भिन्नं विविधैः शस्त्रैर्यस्य दैत्येन्द्रपातितैः। शरीरमद्रिकठिनम् ViṣṇuP. i. 15.146.

अद्रिकदली (adri-kadalī) *f.* a species of plantain [PW]

अद्रिकन्दर (adri-kandara) *n.* **i** cave of a mountain जनकोलाहलाध्माता क्रन्दतीवाद्रिकन्दरैः (पुरी) Rāmā. v. 1100*; तृषाकुलं निःसृतमद्रिगह्वरात् (v. l. अद्रिकन्दरात्)...महिषीकुलम् ṚtuSaṁ. 1.21; व्यर्थीकृत्य तु तान् सर्वानायुधान्दैत्यवक्षसि। (गदा) प्रस्फुरन्ती पपातोग्रा महोल्केवाद्रिकन्दरे MatsyaP. 150.74; अवमत्य राजमन्दिरमद्रिकन्दरमिवाशिश्रियम् YaśasCam. ii. 74.7; **ii** valley of a mountain रात्रौ पतितोऽस्म्यद्रिकन्दरे MalliC. 6.254.

अद्रिकन्दरगत (adrikandara-gata) *adj.* found in the cave of a mountain मूको घूक इवाद्रिकन्दरगतः पादैकशेषो वृषः CaitaCa. 8.15 (1)

अद्रिकन्दरगृह (adrikandara-gṛha) *n.* house in the form of the cave of a mountain अद्रिकन्दरगृहेष्वभिसारी सुभ्रुवां जयति कुञ्जविहारी StavMā. 31.31.

अद्रिकन्दरा (adri-kandarā) *f.* cave of a mountain अभ्यर्थमेव शरणमुटजं वाद्रिकन्दराम्। श्रयेत BhāgP. vii. 12.20; सा तेनाशोभि गर्भेण ... सिंहेनेवाद्रिकन्दरा TriṣaS'aPuC. i. 2.251.

अद्रिकन्दरामन्दिर (adrikandarā-mandira) *adj.* whose abode is a mountain cave कण्ठरसितेन रोषयन् ... अद्रिकन्दरामन्दिरमृगेन्द्रवृन्दम् ... आगत्य गगनाग्रदेशात्सरस्यपतदवनतमुखो महावारणः TilaMañ. 353.20.

अद्रिकन्यका (adri-kanyakā) *f.* daughter of the mountain (i. e. Pārvatī) अङ्के जग्राह तम् ... अद्रिकन्यका GaṇeP. ii. 90.14.

अद्रिकन्या (adri-kanyā) *f.* daughter of the mountain (i. e. Pārvatī) यत्र स्वच्छन्दलीलाविहृत्या सह वनान्तेषु विहरन्त्याद्रिकन्यया NavaSāC. 11.62; यत्र स्वच्छन्दलीलाविहरणहरिणी सर्वदैवाद्रिकन्या S'rīKaC. 1.51; न त्वामभ्रन्ति भूपाः समयविषमतां किं त्रवीम्यद्रिकन्ये YātrāPra. 8.3.

अद्रिकन्यादयित (adrikanyā-dayita) *m.* (S'iva) husband of the daughter of the mountain (i. e. Pārvatī) तदद्रिकन्यादयितस्य पूजने जितेन्द्रियः कल्पयति स्म पार्थिवः VikraDeC. 2.48.

अद्रिकम्प (adri-kampa) *m.* shaking of the mountain ततोऽद्रिकम्पत्रस्तसर्वे प्रासादाः शिखरं विना TīrthaKa. 15.25.

अद्रिकर्णी (adrikarṇī) *f.* name of a medicinal plant, *clitoria ternatea lin.* (also called *aparājitā*) त्रिकटुकरजनीचक्रमर्दाद्रिकर्णी ... शमयति सहसा श्लेष्मरोगानशेषान् KalyāKā. 10.12; अश्वक्षुराद्रिकर्णी च कटभी दधिपुष्पिका। गर्दभी RājaNi. 151.9; एरण्डमूलस्य रसेन सूतं तथाद्रिकर्ण्या स्वरसेन मर्दयेत् RasPraSu. 3.53; दधिपुष्पाद्रिकर्णी च KalpaK. 295.418.

अद्रिकल्प (adri-kalpa) *adj.* [*f.* -ā] (almost) similar to or resembling a mountain (i. e. huge as a mountain) रणे निपेतुर्हरयोऽद्रिकल्पाः Rāmā. vi. 60.30; चित्तविषद्रुमं त्वद्भुतमद्रिकल्पम्।... छिन्धि YogVā. v. 50.65; कृष्णा रौद्री वज्रवृक्षेऽद्रिकल्पा ... चामुण्डा स्यात् IśānS'iPa. ii. 12.77; प्राग्गण्डशैलः पुनरद्रिकल्पः पश्चाच्च मेरुः कुलपर्वतोऽभूत् Viṣāpahā. 36.

अद्रिका (adrikā) *f.* **Ai** name of an *apsaras* अद्रिका च तथा साची ... तिलोत्तमा।... नन्वृतुस्तत्र संघशः MahāBhā. i. 114.50; अद्रिका लक्ष्मणा क्षेपा (? मा) ... अप्सरसः ViṣṇuDhaP. ii. 22.67; **Aii** name of an *apsaras* belonging to *mauneya*-group अद्रिका लक्षणा चैव ... गन्धर्वाप्सरसो ह्येता मौनेयाः परिकीर्तिताः VāyuP. ii. 8.6; अद्रिका लक्ष्मणा क्षेमा ... गन्धर्वाप्सरसो ह्येते मौनेयाः परिकीर्तिताः BrahmāṇḍP. ii. 7.7; **B** name of an *apsaras* born as fish to whom Matsyagandhā (i. e. Satyavatī) was born त्वं द्वापरे मत्स्ययोनिजा। अस्यैव राज्ञो दुहिता अद्रिकायां ह्यमावसोः VāyuP. ii. 11.60; भवित्री त्वम् ...। अस्यैव राज्ञो दुहिता ह्यद्रिकायाममावसोः BrahmāṇḍP. ii. 10.68; त्वमपि ...। स्वांशेन मत्स्यदेहायामद्रिकायां जनिष्यसे SkandP. ii(9) 7.25; अद्रिका नाम चाप्सराः DevīBhāP. ii. 1.28; अद्रिका मुनिना शप्ता मत्सी जाता DevīBhāP. ii. 1.40; **C** name of a female monkey, the wife of the monkey Kesarin तत्रासीदुत्तमाङ्गेन वानरी। केसरी नाम तद्भर्ता अद्रिकेति तथापरा। सापि केसरिणो भार्या BrahmP. 84.3; **D** an *abhisārikā* who does not find her lover at the appointed place या संकेतगृहं याता पतिं तत्र न विन्दति। सोक्ताद्रिका KalpaK. 23.31; **E** coriander धान्यकेऽद्रिका ApūNā. 11A.3; **F** raised plateau in the mountain, land on the mountain ऊर्ध्वाधित्यकाद्रिका PañcTaPra. 9.14; **G** name of a river गोदावरी च वेण्णा च कृष्णवेणा तथाद्रिजा (v. l. तथाद्रिका) MahāBhā. xiii. 151.17.

अद्रिकाक (adri-kāka) *m.* wild crow, raven अद्रिकाकः कृष्णवायसः KośaKaTa. 1.4679.

अद्रिकानन (adri-kānana) *n.* mountain-forest मेघानिलेन अमुना एतस्मिन्नद्रिकानने KāvyālaṅSū. ii. 2.8; SaraKaṇṭhā. 19.25; AlaṅkāS'e. 5.2(10); चारणेन परिवर्य समन्तादद्रिकाननदरीः परिपूय KaṁVa. 3.21.

अद्रिकाप्सरस् (adrikāpsaras) *f.* celestial nymph (called) Adrikā अद्रिकाप्सरसा युक्तं विमानेऽधिष्ठितं दिवि HariVaṁ. 255*; सा त्वन्यं पितरं वव्रे ... अमावसुमिति ख्यातम् ... अद्रिकाप्सरसा युक्तं विमानाधिष्ठितं दिवि BrahmāṇḍP. ii. 10.57; तम् ...। अद्रिकाप्सरसा युक्तमच्छोदा समवैक्षत SkandP. ii(9). 7.14.

अद्रिकामत्स्यसंभूता (adrikāmatsya-sambhūtā) *adj.* (*f.*) born of the fish Adrikā (apsaras) अद्रिकायां सुता मत्स्यां सुता जाता ह्यमावसोः। अद्रिकामत्स्यसंभूता गङ्गायाममनु(? मुन)सङ्गमे VāyuP. ii. 11.66; अद्रिकायाः सुता मत्स्या सुता जाता ह्यमावसोः। अद्रिकामत्स्यसंभूता BrahmāṇḍP. ii. 10.74.

अद्रिकील (adrikīla) *m.* name of the mountain Viṣkumbha [APTE]

अद्रिकीला (adri-kīlā) *f.* the earth (*lit.* having mountains as pegs or fixtures), क्ष्मात्रिकीला च जगद्वहा TrikāS'e. ii. 1.1.

अद्रिकुक्षि (adri-kukṣi) *m.* cave or hollow in a mountain अश्ममद्रिकुक्षौ व्यापारितः शूलभृता RaghuVa. 2.38; ममौ मयूरीमदनादमांसलो न मर्दलानां ध्वनिरद्रिकुक्षिषु RāmC. 4.89; ढक्का हताः ... दध्वनुरद्रिकुक्षिषु SaduktiKa. 210.18; ते (प्लवगभटाः) केचिन्महति निलिल्यिरेऽद्रिकुक्षौ Rāgh. 18.54.

अद्रिकुञ्ज (adri-kuñja) *m. n.* bower of creepers on a mountain यथाद्रिकुञ्जेष्वर्कांशुतप्तं विष्यन्दते हिमम्। श्लेष्मा तप्तः स्थिरो देहे स्वेदैर्विष्यन्दते तथा CaraS. vi. 17.73 (1941 Ed.) इत्यद्रिकुञ्जान् ... वनं च। विद्रावयन्ती तमियाय देशमक्षौहिणी RāghPāṇ.(Dha.) 5.49; (सार्थनाथः) एकस्मिन्नद्रिकुञ्जे च संनिवेशं न्यवीविशत् MalliC. 6.298.

अद्रिकुल (adri-kula) *n.* range of mountains निपतन्ममज्ज न गरिष्ठमपि ... बभौ नलशिल्पसंनिमितमद्रिकुलम् RāmC. 26.61.

अद्रिकुल्या (adri-kulyā) *f.* mountain stream पिच्छिलाश्चाद्रिकुल्याः। क्रान्त्वा ... मूर्च्छितं तस्य दारैः RājTa.(Ka.) 1.370.

अद्रिकुहर (adri-kuhara) *n.* cave of a mountain हयैरवरुरोहाद्रिकुहरादाहवोन्मुखम् RājTa.(Ka.) 8.2842.

अद्रिकूट (adri-kūṭa) *m. n.* **i** peak of a mountain पतत्यशङ्कं पशुरद्रिकूटादानीलवल्लीफलवाञ्छयैव YogVā. i. 27.37; शृङ्गं स्वाम्यद्रिकूटयोः AnekāK. 114; अत्युन्नद्रिकूटानि तयोश्च रणदर्दुरैः PāṇḍaC. 8.247; आवृण्वानाः सैकतैरद्रिकूटानभ्यक्रामन्नूर्मयो वारिराशेः S'ivLī. 13.65; किमिदं मार्गनिरोधकमद्रिकूटमिवोन्नतमस्थिकदम्बकं दृश्यते JānaPa. 6.55(7); **ii** multitude or range of mountains ब्रह्माण्डम् ... आसीत् ... भरितदिक्तटमद्रिकूटैः YogVā. iv. 28.26; तव नामानुरक्ता वाग्यस्य पुंसो जगत्पते। अप्यद्रिकूटतुलितं नैनस्तमनुबाधते SkandP. iv. 31.96 = S'ivaP. iii. 9.37 (305B.9); **iii** a kind of palace वर्धमानोऽद्रिकूटश्च ...। इत्येते नामतः प्रोक्ताः प्रासादाः पञ्चविंशतिः SamarāSū. 56.10.

अद्रिकूटनिभ (adrikūṭa-nibha) *adj.* resembling the peak of a mountain अद्रिकूटनिभाट्टालप्रतोलीगोपुरान्वितम् ।···नगरम् प्रविश्य KathāSaSāg. vii. 9. 8.

अद्रिकूटप्रतिम (adrikūṭa-pratima) *adj.* resembling a mountain-peak तमद्रिकूटप्रतिमं महोरगं समापतन्तं नृपतिर्विचारयन् । पुराद्रिनिर्गत्य S'ivLī. 16. 78.

अद्रिकूटसदृश (adrikūṭa-sadṛśa) *adj.* resembling a mountain-peak ददृशुर्निहतं भूमौ राक्षसम् ··· । तमद्रिकूटसदृशम् MahāBhā. i. 152. 9.

अद्रिकूटसमुच्छ्रय (adrikūṭa-samucchraya) *adj.* as high as a mountain-peak अयमस्थिसंचयस्तेषामद्रिकूटसमुच्छ्रयः BṛKathāMañ. ix. 2. 868.

अद्रिकूटाभ (ādrikūṭābha) *adj.* resembling a mountain-peak निपपाताद्रिकूटाभो विह्वलः प्लवगोत्तमः Rāmā. vi. 63. 8.

अद्रिकृतस्थला (adri-kṛtasthalā) *f.* name of a celestial nymph (*apsaras*) नागदन्तां च हेमां च भीमामद्रिकृतस्थलाम् (आह्वये) Rāmā. ii. 2014*(1)

अद्रिकृतस्थली (adri-kṛtasthalī) *f.* name of a celestial nymph (*apsaras*) नागदन्तां च हेमां च भीमामद्रिकृतस्थलाम् (v. l. °स्थलीम्) Rāmā. ii. 2014*(1)

अद्रिकौक्षेयमहीरुह (adrikaukṣeya-mahīruh) *m.* tree in the hollow of a mountain सन्त्वद्रिकौक्षेयमहीरुहः DvyāśraKā. 16. 68.

अद्रिग (adri-ga) *m.* (i) elephant (ii) lion अद्रिगो गजसिंहयोः S'abda-RaSaK. 62. 17.

अद्रिगण (adri-gaṇa) *m.* range of mountains पर्यस्तपादं पतितैः पृथिव्यां वज्राहतैरद्रिगणैरिवान्यैः Yādavā. 20. 67.

अद्रिगत (adri-gata) *adj.* found on a mountain क्षीणस्वामीनि निर्नष्टसेतून्यद्रिगतानि च । ··· धनानि TrisaS'aPuC. iii. 1. 254.

अद्रिगति (adri-gati) *f.* wandering in a mountain region शनावरण्याद्रिगतिश्च नीचैः सङ्गश्च TājiNi. ii. 7. 50.

अद्रिगह्वर (adri-gahvara) *n.* mountain-cave तृषाकुलं निःसृतमद्रिगह्वरादवेक्ष्यमाणं महिषीकुलं जलम् ṚtuSam. 1. 21; इदमुदरदेशासीनमेदुरवराहमद्रिगह्वरम् TilaMañ. 184. 1; उद्वहन् मामद्रिगह्वरात्ततो निर्गत्य तेनैव गिरितटेन TilaMañ. 242. 2; स्वसा सुश्रवसो नागी रमण्याख्याद्रिगह्वरात् ··· आययौ RājTa.(Ka.) 1. 263; निराहारस्य वसतः कन्दर्पस्याद्रिगह्वरे RājTa.(Ka.) 7. 973.

अद्रिगुण (adri-guṇa) *adj.* the number thirty-seven शुक्राशुकेन्द्रगतिरद्रिगुणाः शनेर्द्वे GrahaLā. 1. 15.

अद्रिगुहा (adri-guhā) *f.* cave of a mountain हरिमाराधयामास पुनरद्रिगुहां गतः YogVā. v. 49. 2; अन्यामद्रिगुहामाश्रित्य सुखं वत्स्यामः PañcT. 3. 76 (346. 8) = TantrāKhyā 113. 17; मृगाङ्कमभ्रलेखेवाद्रिगुहेव मृगाधिपम् TrisaS'aPuC. iv. 2. 32; योऽभूदद्रिगुहाद्वारे शीतं तस्याभवद्रूशम् PariPar. 6. 19; समदद्रिगुहामुखस्थितैस्तिमिरैस्तत्तदितः कटाक्षितम् NavaSāC. 12. 29.

अद्रिगोजा (adrigo-jā) *adj.* born of the lustre of the mountain अश्वगोजा अद्रिगोजा धनगोजाः ··· इति तेजो बहुजो शब्दो भवति Nir. 14. 31 (242. 10)

अद्रिगौरव (adri-gaurava) *adj.* heavy like a mountain भुजं ससालं तमपि । ···ऐन्द्रेणास्त्रेण चिच्छेद रामस्तस्याद्रिगौरवम् RāmāMañ. 358. 10.

अद्रिग्रहणगुरु (adrigrahaṇa-guru) *adj.* augmented by the echoes in the mountain (मयूरम्) पश्चाददद्रिग्रहणगुरुभिर्गर्जितैर्नर्तयेथाः MeghDū. 44; NemiDū. 48.

अद्रिघट्ट (adri-ghaṭṭa) *m.* [Skt. from NIA *ghāṭa*] mountain pass अद्रिघट्टान् विशन्भीमसिंहोऽपि परया मुदा HammīMaKā. 9. 145; 11. 19; 11. 20.

अद्रिघट्टक (adrighaṭṭa-ka) *m.* mountain pass अद्रिघट्टकान् हित्वागतं नृपो भीमसिंहं मत्वा तमाह्वयत् HammīMaKā. 9. 151.

अद्रिचक्र (adri-cakra) *n.* circle of mountains भुवः किलोज्जासयदद्रिचक्रं केनेन्द्र उज्जासयितुं नियुक्तः DvyāśraKā. 2. 93.

अद्रिचक्रवाल (adri-cakravāla) *n.* circle of mountains दिशि दिशि ददृशेऽम्बुराशिमध्यात्त्वरितमिवोत्तरदद्रिचक्रवालम् HarVi. 28. 27.

अद्रिचय (adri-caya) *m.* group of mountains स संछिन्नः पपाताद्रिचयो यथा MahāBhā. vii. 74. 29; (पेतुः) वज्रिवज्रप्रमथिता यथैवाद्रिचयास्तथा MahāBhā. viii. 12. 40; तं ब्रह्मास्त्रेण सौमित्रिर्ददाहाद्रिचयोपमम् MahāBhā. iii. 271. 16; पक्षवातेन यस्याद्रिचयश्चूर्णत्वमीयिवान् GaṇeP. ii. 83. 19.

अद्रिचर (adri-cara) *adj.* [*f.* -ī] who roams in the hills अर्च्यायद्रिचरो राजा कपाली च महात्मना(?)त्मानः ĪśānS'iPa. ii. 60. 63; पशुभिरद्रिचरैरुपकल्पिते व्रजनये जनयेम न विप्लवम् Yādavā. 6. 9; औद्रन्धीमातृकः ··· अद्रिचरीं न्यौहत द्विपालीम् DvyāśraKā. 4. 88.

अद्रिचारिन् (adricār-in) *adj.* wandering in the mountains रामः कान्तामद्रिचारी ह्यरोदीत् MahāN. 4. 18.

अद्रिच्छिद् (adri-chid) *adj.* piercer of a mountain (an epithet of Kārttikeya) असितर्तितुगद्रिच्छित् ··· । ···द्विषो जेव्नीयिषीष्ट वः Kāvyālaṅ.(Bh.) 1. 46.

अद्रिच्छिद्र (adri-cchidra) *n.* crevice in a mountain अद्रिच्छिद्रविनिद्ररौद्रफणिनामत्रास्ति कालं कुलम् SamaMā. 8. 129. (+ 3)

अद्रिज (adri-ja) *n.* bitumen (produced from rocks) शिलाजतु तु गैरेयमर्थ्यमश्मजमद्रिजम् Vaija. 42. 16; जत्वद्रिजं गिरिः शैलः प्रोक्तः Rasā. 7. 20; विमलाद्रिजसस्यकम् RasRaSa. 2. 1 = DhanvNi. 288. 25; शिलाजत्वश्मजं शैलशिलोत्थं च तथाद्रिजम् ParyāMu. 4. 11; अश्मजं तु प्रोक्तं धातुजमद्रिजम् DhanvNi. 128. 3; *m.* Yama (god of death) शमने तु स्युः अद्रिजक्षुद्रमुद्रकाः NāmaMālī. 34.

अद्रिजतु (adri-jatu) *n.* bitumen ताप्याद्रिजतुरूप्यायोमलाः CaraS. vi. 16. 78 (1941 Ed.); विडङ्गाद्रिजतुक्षौद्र° AṣṭāHṛ. iv. 19. 48; शिलाजत्वद्रिजतु च शैलनिर्यास इत्यपि BhāvPraNi. 122. 80.

अद्रिजन्मन् (adri-janman) *f.* Pārvatī (born of the mountain Himālaya) धनुस्तदारोपय वत्स सत्वरम् । यदर्चितं सादरमद्रिजन्मनः(? ना) Rāgh. 4. 27.

अद्रिजा (adri-jā́) *adj.* (*m.*) [P. vi. 4. 41] born of a mountain or a rock अ॒ब्जा गो॒जा ऋ॒त॒जा अ॒द्रि॒जा ऋ॒तम् ṚV. iv. 40. 5; TaiS. I. viii. 15. 2; IV. ii. 1. 5; VājaS. 10. 24; 12. 14; अद्रिजा इत्येष वा अद्रिजाः AiBr. 18. 6 (496); अद्रिजा इत्यद्रिजा ह्येषः S'atBr. VI. vii. 3. 11; KāṭhU. 5. 2; MahNirvāT. 5. 197; विटि वति च प्रत्ययेऽनुनासिकान्तस्याङ्गस्याकार आदेशो भवति ··· अद्रिजाः Kāśi. on P. vi. 4. 41; *f.* **i** name of Pārvatī (*lit.* born of the mountain Himālaya) गीर्वाणारेर्ययेच्छामृदुपदमुदितस्याद्रिजा सावताद्वः CaṇḍiS'. 21; त्रिःसप्तनारकं वह्निं नृणां शमयसेऽद्रिजे NilaP. 308; मन्त्रयामास पार्थिवः ··· । मन्त्रिभिः सहितोऽमोघं श्रुत्वा मुशलमद्रिजे SkandP. v(2). 63. 11; स्वेच्छया भगवानीशः क्रीडत्यद्रिजया सह SaurP. 21. 34; प्रणम्योचुर्महेशानं भवान्भर्ताद्रिजा वधूः VāmaP. 52. 65; 57. 58; शम्भोर्वामाङ्गमद्रिजा यावत् KandaCū. vii. 2. 48; आकाशाख्यामखिलजननीमद्रिजामन्तरेण YātrāPra. 1. 77; अद्रिजा रौद्री भूतेशी बीजं प्राथमिकं प्रियम् Tantrābhi. (4). 31. 15; आर्याद्रिजा महादेवी Vaija. 7. 58; AnekāSaṁ. 4. 132; AbhidhāCin. 204; NānārthāSaṁ. ii. 51. 48; AgaNi. 11; ParaNā. 169; AnekāTi. 4. 170; **ii** name of a river गोदावरी च वेण्णा च कृष्णवेण्णा तथाद्रिजा MahāBhā. xiii. 151. 17; शोणो महानदश्चैव नर्मदा सुरथाद्रिजा MārkP. 57. 21; **iii** name of a medicinal plant (known as Pippalī or *Siṁhalī*) अद्रिजा सिंहलस्था च DhanvNi. 85. 24 [PW.]

अद्रिजाचरण (adrijā-caraṇa) *m.* foot of Pārvatī यैः कैलासविलासकाननतटीकङ्केलिपुष्पोद्गमक्रीडाकार्मणमद्रिजाचरणयोस्ते रेणवः पान्तु वः SaduktiKa. 18. 2.

अद्रिजात (adri-jāta) *adj.* born of a monutain त्रिषु पुनरद्रिजाते NānārthāSaṁ. ii. 51. 48; [*m.* **1** a forest conflagration; **2** the 'sun-born' Haṁsa or swan; **3** form **4** the Supreme Being, APTE]

अद्रिजानाथ (adrijā-nātha) *m.* S'iva (lord of Pārvatī) अहमप्यद्रिजानाथं यजामि प्रत्यहं नृप BṛNāraP. 15. 75.

अद्रिजापति (adrijā-pati) *m.* S'iva (husband of Pārvatī) वाराह्यामे महीभ्रे च विष्णावैराद्रिजापतौ AnekāTi. 1. 9.

अद्रिजापुत्र (adrijā-putra) *m.* son of Pārvatī (Gaṇeśa) तीरे दृष्ट्वाद्रिजापुत्रं मत्स्य स्तत्निकटं ययौ GaṇeP. ii. 91. 22.

अद्रिजासुत (adrijā-suta) *m.* son of Pārvatī (Gaṇeśa) प्रातःकालेऽद्रिजासुतः ।··· बहिर्यातः GaṇeP. ii. 91. 14.

अद्रिजित् (adri-jit) *m.* Indra (conqueror of the mountains) हरिचक्रमक्रमत यत्र नाद्रिजित्पविना विनाशयितुमीश्वरो न यम् Surath. 14. 9.

अद्रिजूत (ádri-jūta) *adj.* set in motion by the pressing stones र॒थो॑ ह॒ वा॒मृ॒त॒जा अद्रि॑जूतः॒ परि॒ द्यावा॑पृथि॒वी याति॑ स॒द्यः ṚV. iii. 58. 8.

अद्रिजेशाय (adrijeśāya-) [*denom.*] – Ā. to act or behave like S'iva वृषभगतितया चाद्रिजेशायते यत्पादाम्भोजं स सद्यो भवतु भवभयाभोगभित्केवलीशः JinaS'. 1. 25.

अद्रिजोरसिज (adrijorasija) *m.* breast of Pārvatī अस्त्रं नवं मानसिजं वैरणक्षरेजपङ्कम् ··· अद्रिजोरसिजोचितं ढौकयति स्म कीरः DvyāśraKā. 6. 23.

अद्रिडमर (adri-ḍamara) *m.* mountain-tumult मेखलासु ···। सृज्यते स मुनिभिः क्षणलोलैर्मूलमद्रिडमरस्य तदानीम् RāmC. 16. 18.

अद्रिणी (adriṇī) *f.* name of a river गोदावरी च वेण्णा च कृष्णवेणा तथाद्रिजा (v. l. तथाद्रिणी) MahāBhā. xiii. 151. 17; अद्रिणी त्रिकसा चैव ··· एताः ··· नद्यस्त्वाम् ··· अभिषिञ्चन्तु ViṣṇuDhaP. ii. 22. 182.

अद्रितट (adri-taṭa) *m. n.* slope of a mountain समुत्थितेन त्रिदिवौकसां महाचमूरवेणाद्रितटान्तदारिणा KumāSaṁ. 14.28; श्रुत्वा घनगर्जितमद्रितटे वृक्षान् प्रतिमोटयति द्विरदः NāṭyaS'ā. 15.41; आवां यदैवाद्रितटे निविष्टौ RāmC. 3.21; अथ तेन सा … रक्षिता निपुणमद्रितटसंघट्टमनुवेलं वीक्ष्यमाणेन TilaMañ. 145.2; आरुह्याद्रितटं यथोचितमसौ RāmāCam. 4.48; पर्यस्ताद्रितटाद्विलोक्य RājTa.(Ka.) 1.371; अद्रितटे क्षितिं कल्पयेत् TantrSa. 1.28; S'ilpaRa. i. 9.1; ऐरावतस्याद्रितटद्रढिम्ना कुम्भद्वयेनाहतमप्यभीक्ष्णम् । वक्षो … न मां धिनोति Rāgh. 13.17; द्विजिह्वः सर्पखलयोर्नितम्बोऽद्रितटे कटौ AnekāK. 550; NānārthāSaṁ. i. 28.89.

अद्रितटी (adri-taṭī) *f.* slope of a mountain आलिलिङ्ग … जलदः … अद्रितटीमिव YogVā. iv. 16.16; अपश्यत् … आत्मानम् … भ्रान्तमद्रितटीषु च YogVā. v. 45.14; भिन्दानोऽद्रितटीस्तन्वन् शब्दाद्वैतमयं जगत् PāṇḍaC. 4.301.

अद्रितनय (adri-tanaya) *m.* son of Adri तां जहाराद्रितनयो बलाको नाम राक्षसः MārkP. 69.64.

अद्रितनया (adri-tanayā) *f.* **1** Pārvatī (daughter of the mountain Himālaya) गिरामाहुर्देवीं द्रुहिणगृहिणीमागमविदो हरेः पत्नीं पद्मां हरसहचरीमद्रितनयाम् SaundL. 97; मुक्ताकुण्डलपातेन तवाद्रितनयाप्रिय।… मुक्तिक्षेत्रमिहास्तु वै SkandP. iv. 26.66; एषोऽहमद्रितनयामुखपद्मजन्मा KāvyPra. 358.1; किं त्वेकः पुनरस्ति दूषणकणो यत्रोपयाति भ्रमात् कृष्णं श्रीः शितिकण्ठमद्रितनया नीलाम्बरं रोहिणी SubhāRaK. 32.16; S'ārṅgaPa. 1226; ChandoMañ. 2.353; अद्रितनयादेहेन मिश्रीभवन् … व्यपोहतु वपुः स्थाणोरभद्राणि वः RājTa.(Ka.) 4.1; तं लब्धुमद्रितनयामपहाय कन्या का वा करोति सुकुमारतनुस्तपांसि BhikṣāKā. 19.4; सूक्तिः शीलयते किमद्रितनये मन्दस्मितात्ते मुहुः MūkaPañ. 2.99; **2** name of a metre नजभजभाजभौ लघुगुरू बुधैस्तु गदितेयमद्रितनया ChandoMañ. 2.352.

अद्रितष्टा (adri-taṣṭā) *adj.* (*f.*) divided by seven पूर्वार्धे करणं ववाद्रततिथिर्द्विघ्न्याद्रितष्टा भवेत् GrahaLā. 2.8.

अद्रितस् (adri-tas) *adv.* from the mountain रविः। क्षीरोदस्य समुद्रस्योत्तरतश्चाद्रितश्चरन् BrahmāṇḍP. i. 21.71; वरं पतनमद्रितः … न निर्धनजनस्य … जीवितम् PadyaVe. 758.

अद्रितीर्थ (adri-tīrtha) *n.* name of a sacred place प्रतिष्ठितं महालिङ्गं कस्मिंश्चित्कारणान्तरे। हिमालयेन तत्तीर्थमद्रितीर्थं तदुच्यते BrahmP. 174.26.

अद्रितुङ्ग (adri-tuṅga) *m.* peak of a mountain अवरूढोऽद्रितुङ्गात्स समारूढो महद्यशः RājTa.(Prā.) 457.

अद्रितुल्य (adri-tulya) *adj.* equal to a mountain विरुद्धमेतत्तव देव रूपं सुभाषणं सुस्वनमद्रितुल्यम् VarāP. 9.32.

अद्रिदरी (adri-darī) *f.* cave or valley of a mountain किमिदमद्रिदरीमध्यमधिविशामि UdaySuKa. 60.14; ततस्तमःस्वप्याश्लिष्य स्थितेष्वद्रिदरीप्रियाः। सेवमानेषु भृङ्गेष्वप्यपरं कुमुदाकरम् KathāSaSāg. xii. 17.43.

अद्रिदल (adri-dala) *n.* petal (of a lotus in the form) of a mountain न चेहाद्रिदलश्रेणिमात्रैकानुमितान्तराः। दिशो जर्जरतां याताः YogVā. v. 39.33.

अद्रिदुग्ध (ádri-dugdha) *adj.* pressed with stones तुभ्येदेते बहुला अद्रिदुग्धाः R̥V. i. 54.9; तुभ्यम् … अद्रिदुग्धा मध्वः श्चोतन्ति R̥V. iv. 50.3; तिरो रोम पवते अद्रिदुग्धः। इन्दुः R̥V. ix. 97.11.

अद्रिदुर्ग (adri-durga) *m.* mountain-fort भर्ता ममायमपि राम शरैरभेद्यं प्राप्तो मदीयहृदयच्छलमद्रिदुर्गम् RāmāCam. 4.17.

अद्रिदुर्गपाल (adridurga-pāla) *m.* protector of a mountain-fort मतं सेनापतेर्नैव स्वमतेर्विषयीकृतम्। न चाद्रिदुर्गपालानाम् ParamāKā. 37.11.

अद्रिदुर्गस्वामिन् (adridurga-svāmin) *m.* lord of Adridurga सोऽप्यद्रिदुर्गस्वाम्यस्य प्रथमप्रस्थितौ सुहृत्।… पार्श्वे लिप्सोर्व्यपद्यत RājTa.(Ka.) 8.2484.

अद्रिदुहितृ (adri-duhitr̥) *f.* Pārvatī (daughter of the mountain) कृतोऽद्रिदुहितुः कम्पः कैलासोद्धरणेन वा RāmC. 24.31; दैत्यं दावमिव प्रतापिनमपह्नोतुं कृताङ्गीकृतेः श्रुत्वा शब्दितमेवमद्रिदुहितुः पाथोदपङ्क्तेरिव Surath. 7.75.

अद्रिदूरद (adri-dūrada) *adj.* difficult to be cut asunder like a mountain अरिदारूदारोऽद्रिदूरदः।… अददरत् (स हरिः) S'iśuVa. 19.106.

अद्रिदेश (adri-deśa) *m.* mountainous region गोपुराणां तु तत्पार्श्वे सोपानं लक्षणान्वितम्। अद्रिदेशे समारो(रु)ह्य यत्र तत्रैव कारयेत् MānaSā. 30.59; पुण्यनद्यद्रिदेशे तु लिङ्गसंग्रहणं भवेत् MānaSā. 52.109; मेखला खड्गबन्धेन। काञ्च्यद्रिदेशमौञ्जीषु AnekāK. 829.

अद्रिद्रुमदुर्दिन (adridruma-durdina) *n.* rainy day in the form of trees and mountains (i. e. day having trees and mountains for cloud) तदाशु क्षणमन्दाक्षनिद्रावलनवञ्चनैः। विजिग्ये वालिपुत्रस्य दैत्योऽद्रिद्रुमदुर्दिनम् RāmC. 11.85.

अद्रिद्रुमाकुल (adridrumākula) *adj.* full of mountains and trees निखिलं जगदालेख्यमस्मिन्नद्रिद्रुमाकुलम् SamarāSū. 17.102.

अद्रिद्रोणि (adri-droṇi) *f.* mountain valley, gap between two mountains अद्रिद्रोणीरनपसारमार्गाः शुष्कतृणवंशगुल्माः प्रवेश्य DaśKuC. 137.9; अद्रिद्रोण्यां निवस … सारङ्ग AnyoMuLa. 12; हरिरपि ग्रीष्मेषु माध्यंदिनीमद्रिद्रोणिदरादरार्पितवपुर्वेलामतिक्रामति YaśasCam. i. 70.8; अद्रिद्रोणिकृतस्थानः (एवं नाम्नां सहस्रेण तुष्टाव गिरिजापतिम्) SaurP. 41.46.

अद्रिद्रोणी (adri-droṇī) *f.* **1** mountain-valley, gap between two mountains अद्रिद्रोणीगह्वरगम्भीरगलाग्रश्वभ्रादभ्रभ्रान्तविसारोद्गतगर्जम् Kapphiṇā. 7.28; तापतन्द्रीमद्रिद्रोणीकुटीरे कुहरिणि हरिणारातयो यापयन्ति VakroJī. 81.17; SubhāRaK. 9.13; दार्वाभिसारराजेन त्रस्यता समुपाश्रिताः। अद्रिद्रोण्यो न वाहिन्यस्तत्सेनानादमादधुः RājTa.(Ka.) 5.141; **2** river taking its rise in a mountain [Apte]

अद्रिद्वय (adri-dvaya) *n.* the number fourteen नक्षत्रैः पादुकोच्चं रचयतु जगतीं पङ्क्तिमातङ्गसंख्यैः सप्तत्या कैरवोच्चं त्रितयसहितया कर्णमद्रिद्वयांशैः S'ilpaRa. i. 19.66.

अद्रिधन्वन् (adri-dhanvan) *m.* S'iva (having the mountain Meru for his bow) वासलीलामाम्रेडयन्घटयतां मुदमद्रिधन्वा YātrāPra. 5.76; 9.37; अद्रिधन्वा कपर्द्युग्रस्तमोहा नन्दिवर्धनः KalpaK. 389.84.

अद्रिधातु (adri-dhātu) *m.* mountain mineral रेखा रक्ताद्रिधातुना Mr̥gendraT. ii. 8.39; संनिहिता बर्हगुञ्जाद्रिधातवः UjjvaNīMa. 287.10.

अद्रिधारण (adri-dhāraṇa) *m.* Viṣṇu or Kr̥ṣṇa (who held up the mountain) अद्रिधारणः … इति … विष्णोर्नामसहस्रकम् PañcaRā.(Nā.) iv. 3.81.

अद्रिधृत् (adri-dhr̥t) *m.* Kr̥ṣṇa कृष्णो दामोदरोऽद्रिधृत् Vaija. 5.25.

अद्रिधृतिकर्मठ (adridhr̥ti-karmaṭha) *adj.* eager in the act of bearing the mountain अद्रिधृतिकर्मठाङ्गं तं त्वां भजामि भगवन् Nārāy. v. 21.6.

अद्रिनदी (adri-nadī) *f.* mountain-river सुप्तस्याद्रिनदीनिकुञ्जगहने मत्तः पयोदानिलैः SubhāRaK. 41.61; अन्यदाद्रिनदीतीरास्थिते सार्थे किरातकान् रुदतो वीक्ष्य SamarāSaṁ. 6.61.

अद्रिनन्दिनी (adri-nandinī) *f.* Pārvatī (daughter of the mountain) आगत्य गर्भं तत्याज सुखेनैवाद्रिनन्दिनी VāmaP. 57.17; बद्धाञ्जलिपुटं देवमद्राक्षीदद्रिनन्दिनी SkandP. i(3B). 18.2.

अद्रिनाथ (adri-nātha) *m.* **i** Himālaya, lord of mountains अनर्घ्यमर्घ्येण तमद्रिनाथः स्वर्गौकसामर्चितमर्चयित्वा KumāSaṁ. 1.58; नाहीशो न द्युशाखी न मधु न गगनं नाद्रिनाथो न चन्द्रः Ekāva. 8.50 (304.9); **ii** great mountain यस्य क्रमादपसरन्तिपरिक्रमैकलीलावकाशघटनार्थमिवाद्रिनाथाः HarVi. 1.44; **iii** Mandara अथाद्रिनाथे त्रिगुणानुबद्धम् … मन्थनकार्यसिद्ध्यै DaśāvaC. 2.15;

अद्रिनाथस्वरूप (adrinātha-svarūpa) *m.* S'iva in the form of a phallus identified with the eastorn mountain or in the form of the eastern mountain अद्रिनाथस्वरूपस्य शीतत्वमिव कुर्वती (पार्वती) SkandP. i(3). 12.58.

अद्रिनिकुञ्ज (adri-nikuñja) *m.* thicket or arbour in a mountain गच्छेदद्रिनिकुञ्जमार्यं कुतुकादार्या मयूराकुलम् JānaPa. 6.6; इत्युक्त्वाद्रिनिकुञ्जान्तर्मिथुने तत्र तस्थुषि … विद्याधर आगत्य यातवान् SamarāSaṁ. 2.178; युञ्जन्नद्रिनिकुञ्जकुञ्जरपते निर्धूतमेदभ्रमम् UjjvaNīMa. 461.2.

अद्रिनितम्ब (adri-nitamba) *m.* mountain-slope रम्येष्वद्रिनितम्बेषु काननेषु सरित्सु च। मही … भूषितासीत् PadmP.(Ra.) 32.68; पक्षिमाला च तस्याद्रिनितम्बस्य श्रियं दधौ MahāP. 22.48; मत्तबर्हिरुचिरेऽद्रिनितम्बे का गतिः पथिक कालविलम्बे SuvrTi. 2.15; मेखलाद्रिनितम्बेऽपि TrikāS'e. iii. 3.405; AnekāSaṁ. 3.14; 3.672; MediK. 5.55; ViśvaLoK. 250.54; KośaKaTa. i. 2822; i. 3419; i. 5200; S'abdaRaSaK. 309.1 etc.

अद्रिनिभ (adri-nibha) *adj.* resembling a mountain बालो बलेनाद्रिनिभं गजेन्द्रं दन्तं समाकृष्य जघान शीघ्रम् BālC. 5.2; तदा तदनु येनास्य निकटेऽद्रिनिभं महः YogVā. iii. 2.37.

अद्रिनिरीक्षण (adri-nirīkṣaṇa) *n.* looking closely at a mountain वनप्रदेशाद्रिनिरीक्षणैश्च …कश्चिद्भटस्तां रमयांबभूव VarāṅgaC. 19.36.

अद्रिनिर्झर (adri-nirjhara) *m.* mountain-spring. cascade अहम् … कमप्यद्रिनिर्झरमुषस्युपश्लिष्टवान् AvantiKa. 186.11.

अद्रिनिर्दलन (adri-nirdalana) *n.* breaking of a mountain अद्रिनिर्दलननिर्दयवज्रस्फूर्जथुप्रसरपीवरपूरैः। दुन्दुभिध्वनिभरैर्भृतम् … दिक्कुलमासीत् Kapphiṇā. 17.4.

अद्रिनिलय (adri-nilaya) *adj.* having a mountain as the abode नृत्यद्भक्तमयूरमद्रिनिलयम् … शम्भो वाञ्छति नीलकन्धर सदा त्वां मे मनश्चातकः S'ivāL. 52.

अद्रिनिष्यन्द (adri-niṣyanda) *m.* mountain-stream वृद्धिंगताद्रिनिष्यन्दैर्भूभृतां प्रविभागजा। निम्नगाभूत् SamarāSū. 4.24.

अद्रिप (adri-pa) *m.* lord of mountains (i. e. Sumeru) चतुर्विधवनाभोगपरिष्कृतमिवाद्रिपम् । ··· त्रिजगत्प्रभुं प्रपश्यन् (स्तुतिं कर्तुमारेभे) MahāP. 25. 6.

अद्रिपति (adri-pati) *m.* i lord of mountains, the Himālaya अथाद्रिपतिना दत्तां तनयां नलिनेक्षणाम् । ···उदवोढ स: BrahmāṇḍP. iii. 30. 95; शिलीमुखा न व्यथयांबभूवुः । अभ्युत्थितस्याद्रिपतेर्नितम्बमर्कस्य पादा इव हैमनस्य Kirātā. 17. 12; एतत्पश्याम्यद्रिपतेः शृङ्गम् HarVi. 5. 55; हिमालयस्याद्रिपतेस्तनूजाम् ··· तां त्वं पवित्रां प्रणमस्व राजन् NīlaP. 1388; भवनमिवाद्रिपतेरसावयासीत् YātrāPra. 3. 197; गिरिशोऽद्रिपतौ वाचस्पतिशङ्करयोः पुमान् MedīK. 178. 20; AnekāK. 897; ii lordly mountain येऽपीन्द्रपाणितुलितायुधलूनपक्षास्ते जग्मुरद्रिपतयः S'iśuVa. 5. 31; तावाद्दितैत्यौ ··· वव्रधातेऽश्मसारेण कायेनाद्रिपती इव BhāgP. iii. 17. 16; इरंमदार्चिर्व्यतिषङ्गदीप्तः पाणौ हरेरद्रिपतिश्चकाशे Yādavā. 7. 56.

अद्रिपतिकन्या (adripati-kanyā) *f.* Pārvatī, daughter of the lord of mountains अद्रिपतिकन्यापदपङ्क्तिचिह्नितस्याश्मनः सविधे विधेराननमिव बिलं विवृते DaśKuC. 14. 2.

अद्रिपतीश्वर (adripatīśvara) *adj.* lord of mountains (Malaya) स तोमरं भास्कररश्मिसंनिभम् ···ससर्ज···गुरोः सुताद्रिपतीश्वरो नदन् MahāBhā. viii. 15. 36.

अद्रिपरित्राण (adri-paritrāṇa) *n.* protection of a mountain अत्राचेतनस्य तमसस्तात्त्विकेन रूपेण दिवाकरात्त्रास एव न संभवति, कुत एव तत्प्रयोजितमद्रिपरित्राणम् Kāvyānu.(He.) 201. 12.

अद्रिपरिवर्त (adri-parivarta) *m.* rotation of a mountain आदिदेवः पृष्ठेन कच्छपवपुर्विदधार गोत्रं निद्राक्षणोऽद्रिपरिवर्तकषाणकण्डूः BhāgP. ii. 7. 13.

अद्रिपात (adri-pāta) *m.* i fall from a mountain वाजिनः ··· एकतो जवयत्यद्रिपातभीत्यार्कसारथौ JānaHa. 2. 41; ii fall of a mountain ततो मही प्रचलितसाद्रिकानना तदाद्रिपाताभिहता समन्ततः MatsyaP. 251. 32.

अद्रिपाद (adri-pāda) *m.* foot-hill of a mountain किंचित्कोपकषायितेन मनसा येनाद्रिपादाः कृताः । सोऽयम् ··· सिंहः पांसुभिरेणशावकखुरोन्मुक्तैः समाकीर्यते BhāvVi. 109; पश्यन्पश्यन्विकसितवनानायतानद्रिपादान् ··· सोऽयम् ··· गमयति निशाः BhramDū. 121.

अद्रिपुत्र (adriputra) *m.* [w. r. for **अत्रिपुत्र**] VāmaP. 84. 42.

अद्रिपुत्री (adri-putrī) *f.* daughter of the mountain Himālaya (i. e. Pārvatī) तथाधिरूढो वरदोऽथ वेदिं सहाद्रिपुत्र्या मधुपर्कमश्नन् VāmaP. 53. 46; 54. 78; मौलौ वेगादुदञ्चत्यपि ··· अत्यक्तायाद्रिपुत्र्या त्रिपुरहर जगत्क्लेशहन्त्रे नमस्ते SubhāRaK. 4. 27 = SaduktiKa. 4. 2.

अद्रिपुरावलि (adripurāvali) *f.* row of mountains and cities मनो विलुलिते स्वप्ने हृद्येवाद्रिपुरावलिम् । तनोति चलिताम्भोधिवीचीचयमिवात्मनि YogVā. iii. 110. 44.

अद्रिपूजा (adri-pūjā) *f.* worship of a mountain ततः संघेन तानि पुष्पाणि गृहीत्वाद्रिपूजा कृता PrabaK. 116. 16.

अद्रिपृष्ठ (adri-pṛṣṭha) *n.* tableland of a mountain नार्यः परमाभितप्ताः अन्तर्गृहाद्दारुरुद्धविमानं त्रासेन किंनर्य इवाद्रिपृष्ठम् Saund. 6. 35.

अद्रिपृष्ठव्यवहृति (adripṛṣṭha-vyavahṛti) *f.* activity on the top of a mountain यथा स्वप्ने धराध्वाद्रिपृष्ठव्यवहृतिर्नभः । तदा ह्ययं च त्वं सा च तदिदं च तथा नभः YogVā. vi(2). 62. 29 (comm. सौधादिपृष्ठे शयनादिव्यवहृतिः)

अद्रिप्रतिरव (adri-pratirava) *m.* echo in a mountain तदेव वचनम्··· अद्रिप्रतिरवव्याजाद् व्याजहारेव केसरी TriṣaS'aPuC. iv. 1. 390; आकर्ण्याद्रिप्रतिरवगुरुं वानराः ··· ततमुखरवं तत्र येऽभिद्रवन्ति NemiDū. 58.

अद्रिप्रतीकाश (adri-pratīkāśa) *adj.* resembling a mountain अद्य त्वां भगिनी पाप कृष्यमाणं मया भुवि । द्रक्ष्यत्यद्रिप्रतीकाशम् MahāBhā. i. 141. 11; iv. 445*(2)

अद्रिप्रवर (adri-pravara) *adj.* best of the mountains तस्मै जगादागदवेदसिन्धुप्रवर्तनाद्रिप्रवरोऽत्रिजस्तान् CaraS. vi. 12. 2 (1922 Ed.); त्वयायमद्रिप्रवरः करेणैकेन यद् धृतः ViṣṇuP. v. 12. 10; BrahmP. 188. 33; सः ··· ययौ स्वधिष्ण्यानिलयं पुरद्विषः कैलासमद्रिप्रवरं प्रियं प्रभोः BhāgP. iv. 6. 8.

अद्रिप्रस्थ (adri-prastha) *m.* top of a mountain विलङ्घ्याद्रिप्रस्थम् ··· शुभे नन्दिग्रामे वसतिमकरोत् ··· भरतः Rāgh. 6. 75.

अद्रिप्रस्रवण (adri-prasravaṇa) *m.* mountain-stream सः ··· अद्रिप्रस्रवणोपान्ते नातिदूरेऽभ्युपाविशत् RājTa.(Ka.) 8. 1720.

अद्रिबन्ध (adri-bandha) *adj.* having a barrage of mountains तेनाद्रिबन्धो ववृधे पयोधिस्तुतोष रामो मुमुदे कपीन्द्रः S'ṛṅgāPra. 104. 14.

अद्रिबर्हस् (ádri-barhas) *adj.* firm like a rock येभ्यो॒ मा॒ता मधु॑मत्पिन्व॑ते पयः॑ पी॒यूषं॒ द्यौरदि॑ति॒रद्रि॑बर्हाः R̥V. x. 63. 3; अ॒या धि॒या त॑र॒णिरद्रि॑बर्हाः TaiBr. II. vii. 13. 2.

अद्रिबल (adri-bala) *n.* strength of a mountain किमिदमद्भुतमद्रिबलं न्विति त्वदवलोकिभिराकथि गोपकैः Nāräy. x. 63. 6 (comm. अद्रेर्बलं पक्षरहितस्याप्युड्डयनशक्तिर्नु)

अद्रिबिन्दुक (adribindu-ka) *adj.* having or associated with seven auspicious dots (in astrology) आयुरनन्तमविनाशभोगवान् वित्तरत्नविभुरद्रिबिन्दुके JātaPā. 10. 28.

अद्रिबुद्ध (ádri-buddha) *adj.* cf. **अद्रिबुध्न** TaiS. IV. ii. 10. 1.

अद्रिबुध्न (ádri-budhna) *adj.* rooted in a rock or a mountain अ॒यं नि॒धिः स॑रमे॒ अद्रि॑बुध्नो॒ गोभि॒रश्वे॑भि॒र्वसु॑भि॒र्न्यृ॑ष्टः R̥V. x. 108. 7; शिशुं॑ न॒दीना॒ं हरि॒मद्रि॑बुध्नम॒ग्ने मा हिं॑सीः TaiS. IV. ii. 10. 1 = VājaS. 13. 42; MaiS. ii. 7. 17; S'atBr. VII. v. 2. 18.

अद्रिभक्ता (adri-bhaktā) *adj.* (*f.*) divided by seven तत्कोटिजीवा कृतबाणभक्ता रवेर्विधोर्वेदहताद्रिभक्ता GrahaGa. 50. 18 (8. 31)

अद्रिभर्तृ (adri-bhartṛ) *m.* chief of the mountains किं बिम्बं पद्मबन्धोः ···दृष्ट्वा द्वेष्टुर्वलस्य ··· तर्कयन्तेऽतिमुग्धा वध्वो मूर्धन्यद्रिभर्तुर्यदि जितलपनं वस्त्वदेनस्तृणेढु JinaS. 3. 12.

अद्रिभव (adri-bhava) *adj.* one hundred and seventeen अद्रिभवाः ··· आशुफलजाः स्युरिमे विदोऽङ्काः GrahaLā. 3. 2.

अद्रिभाग (adri-bhāga) *m.* 1 seven parts चतुर्भागीकृते क्षेत्रे भित्तेर्भागेन विस्तरात् । अद्रिभागेन गर्भः स्यात्पिण्डिका पादविस्तरात् AgniP. 104. 2; 2 part of a mountain आधोष्ट प्लवनभरेण सोऽद्रिभागान् Rāgh. 12. 2.

अद्रिभाविन् (adri-bhāvin) *adj.* who has become a mountain अद्रिभावी प्रविभावी भूते भवतः JaineVyā. ii. 1. 107 (100. 26)

अद्रिभित्ति (adri-bhitti) *f.* mountain wall, high region of a mountain जङ्घायामद्रिभित्तौ च खनित्रे ··· टङ्कः TrikāS'e. iii. 3. 24.

अद्रिभिद् (adri-bhíd) *adj.* shatterer of mountains or clouds (epithet of Bṛhaspati) यो अ॑द्रि॒भित् प्र॑थम॒जा ऋ॒तावा॑ ··· आ रोद॑सी वृष॒भो रोर॑वीति R̥V. vi. 73. 1; *m.* name of Indra देवस्याद्रिभिदुत्तमाङ्गमकरीलीढाङ्घ्रिरेणुस्रजः S'rīKaC. 1. 56; स्वमाश्रयम् । ययौ समाप्तसंगीतो रङ्गाचार्य इवाद्रिभित् TriṣaS'aPuC i. 2. 880; ii. 3. 351; iv. 2. 137; नामधेयसमतासखमद्रेरद्रिभिन्मुनिमथाद्रियत द्राक् NaiṣC. 5. 10; प्रभोः ··· मौलौ संतानपुष्पैश्चाबध्नाद्धम्मिल्लमद्रिभित् MalliC. 5. 235; TrikāS'e. i. 1. 56; AnekāSaṁ. 5. 26; KośaKaTa. 2. 4547; KalpaK. 382. 20.

अद्रिभीमा (adri-bhīmā) *adj.* (*f.*) terrible due to a mountain तीर्त्वाद्रिभीमां तटीं यान्ती कस्य न विस्मयाय तरुणी गर्जद्घनायां निशि PadyaVe. 379.

अद्रिभू (adri-bhū) *f.* i Pārvatī (born of the mountain) तदरं वरं वद यदर्थमर्थिता भवताहमित्यभिदधे तमद्रिभूः Surath. 14. 3; क्वाप्यग्निः क्वचिदद्रिभूर्नरशिरःकीर्णा क्वचिन्निम्नगा ··· मम ··· संसारं प्रतिमुच्य यातुरपुनर्योगाय पन्थाः शिवः SaduktiKa. 5. 20; ii mountain-region, SaduktiKa. 5. 20; *m.* (*f.* MW) name of the plant आखुकर्णिलता (*Salvinia cucullata*) [PW]; *adj.* mountain-born, Surath. 14. 3.

अद्रिभूभू (adribhūbhū) *adj.* one hundred and seventeen अद्रिभूभुवः ···क्षितिभुवश्चलाङ्का इमे GrahaLā. 3. 1.

अद्रिभूमि (adri-bhūmi) *adj.* having seven stories, seven-storied (Gopura) विद्याशैरद्रिभूमौ तु करोतु निखिलं क्रमात् S'ilpaRa. i. 41. 53.

अद्रिभेद (adri-bheda) *m.* particular mountain क्रौञ्चः पक्ष्यद्रिभेदयोः TrikāS'e. iii. 3. 74; iii. 3. 147; AnekāSaṁ. 2. 371; 2. 410; 4. 205; ViśvaPra. 46. 38; 57. 12; 102; 206; 128. 38; 136. 143; 161. 149; 182. 3; DharK. 583; 2832; NānārthSaṁ. 54. 22; NānārthaSaṁ. ii. 24. 150; MedīK. 45. 39; 62. 67; 145. 167; 169. 154; NānārthaMa. 1525; S'abdaRa.(Vā.) 3790; ViśvaLoK. 97. 42; 130. 63; 268. 12; 259. 40; 270. 104; 282. 35; 304. 164; 309. 194; 402. 3; KośaKaTa. 1. 5478; 1. 7365; 1. 7697; 1. 8071; S'abdaRaSaK. 50. 5; 101. 4; 134. 5; 272. 14; 412. 10;

अद्रिभेदन (adri-bhedana) *n.* i breaking of a pressing-stone अद्रिभेदने मारुतेन ब्रह्मसाम्ना स्तुवीरन् KātyS'S. xxv. 12. 15; ii breaking of a rock [PW] Spr. 7616.

अद्रिभेदिन् (adribhed-in) *adj.* breaking a mountain संहितानि हि तृणान्यपि सान्द्राण्यद्रिभेदि सलिलं स्खलयन्ति RāmC. (App. II) 40. 70.

अद्रिमण्डली (adri-maṇḍalī) *f.* group or range of mountains ध्वंसन्ते स च वेश्मानि सक्षेत्रे(? से) चाद्रिमण्डली PāṇḍaC. 17. 138.

अद्रिमती (adri-matī) *adj.* (*f.*) with the number seven शरद्दतसङ्ख्यैरेतदर्धाङ्किसङ्ख्यैर्नवयुतशतसङ्ख्यैरद्रिमत्या नवत्या ।··· घटैस्तत्प्रमेदाः TantrSa. 8. 143.

अद्रिमध्य (adri-madhya) *m.n.* interior of a mountain, middle of a

mountain तेषामप्रतिघातित्वशक्तिः साभूद्यया खलु । अद्रिमध्येऽपि निःसङ्गं गमनं रन्ध्रमध्यवत् TriṣaS'aPuC. i. 1. 860.

अद्रिमनु (adri-manu) *adj.* one hundred and forty-seven अद्रिमनवः भद्युवका निरुक्ताः GrahaGa. 157. 3 (17. 1)

अद्रिमन्थन (adri-manthana) *n.* churning with the mountain अचिन्तयित्वा च तदद्रिमन्थनम् । ददौ निवासम् Subhāṣi. 861.

अद्रिमरुत् (adri-marut) *adj.* fifty seven खं गोऽश्विनोऽद्रिमरुतोऽक्षजा नवांशाः ⋯ असृजोऽङ्काः GrahaLā. 3. 7.

अद्रिमस्तक (adri-mastaka) *n.* summit of a mountain, mountain-top एष गजोऽद्रिमस्तकतटे कलभपरिवृतः क्रीडति NāṭyaS'ā. 15. 112; प्रकटीभवता भर्तः त्वां विना कोऽद्रिमस्तके RauhiC. 79.

अद्रिमहाशकुन्त (adri-mahāśakunta) *m.* large bird in the form of a mountain खमनुत्पतन्तः सर्पन्त्यधो निभृतमद्रिमहाशकुन्ताः BālRā. 7. 50.

अद्रिमा (adrimā) *f.* name of a river गोदावरी च वेण्णा च कृष्णवेणा तथाद्रिजा (v. l. तथाद्रिमा) MahāBhā. xiii. 151. 17.

अद्रिमातृ (ádri-mātṛ) *adj.* having the pressing stone as its mother अभि वाजमर्षं ⋯ अद्रिमातरम् ṚV. ix. 86. 3.

अद्रिमार्ग (adri-mārga) *m.* road from or leading to a mountain पट्टमद्रिमार्गपर्यन्तं तिर्यक् चोर्ध्वोर्ध्व(°र्ध्वे) चोक्तवान् MānaSā. 30. 71.

अद्रिमाष (adri-māṣa) *m.* (pl.) a variety of beans, Nighaṇṭu Prakāśa [PW]

अद्रिमी (adrimī) *f.* name of a river गोदावरी च वेण्णा च कृष्णवेणा तथाद्रिजा (v. l. तथाद्रिमी) MahāBhā. xiii. 151. 17.

अद्रिमुखा (adri-mukhā) *adj.* (*f.*) whose mouth is seven (*aṅgulas* in length) पञ्चत्वद्रिमुखा ⋯ सुस्वरा MṛgendraT. ii. 6. 37 (comm. अद्रिसंख्यैः सप्तभिरङ्गुलैः)

अद्रिमुख्य (adri-mukhya) *adj.* chief among the mountains वसध्व-मेवान्तरमद्रिमुख्ययोर्हिमाद्रिकालञ्जरयोः पुलिन्दाः VāmaP. 76. 25.

अद्रिमूर्धन् (adri-mūrdhan) *m.* summit or peak of a mountain पुरा हिरण्मयान्नगान् निरीक्षसेऽद्रिमूर्धनि MahāBhā. xii. 309. 43; स तदा तदृहं दृष्ट्वा ⋯ अद्रिमूर्ध्नि प्रतिष्ठितम् Rāmā. v. 168*(3); किमम्बरे ⋯ किमद्रिमूर्ध्नि क्वचिदुच्छ्रिताश्मनि । न वेद्मि कुत्र प्रतिपाल्य सा तनुम् ⋯ गता RāmC. 4. 34; शैवालावलिरद्रिमूर्धसरिताम् ⋯भवतु प्रीत्यै तव VikraDeC. 13. 88; SūktiMu. 61. 1; अद्रिमूर्धनि । नामेयचैत्यं सोऽपश्यत् DvyāśraKā. 15. 91; PariPar. 2. 581; श्रुत्वा कीचकमद्रिमूर्ध्नि पशवः ⋯ धावन्ति UjjvaNīMa. 243. 2.

अद्रिमृत्तिका (adri-mṛttikā) *f.* soil from a mountain तस्यान्तं सर्वमृत् क्षिपेत् । नद्यद्रिमृत्तिका चैव वल्मीकस्य तु मृत्तिका MānaSā. 12. 5.

अद्रिमृत्सा (adri-mṛtsā) *f.* soil from a mountain स्कन्दविप्रसरजिति तिलराज्यद्रिमृत्साः (पाद्यम्) TantrSa. 8. 69.

अद्रिरजस् (adri-rajas) *n.* dust (or dusty soil) on a mountain प्रथममद्रिरजोऽरुणकेसरा मम पतन्तु ककुप्सु वलीमुखाः RāmC. 7. 43.

अद्रिरन्ध्र (adri-randhra) *n.* hollow or cave of a mountain दैत्याधिपः ⋯ वाक्येन ⋯ आपूरयन्प्रलयमेघ इवाद्रिरन्ध्रभागान् ⋯ इत्यवादीत् RāmC. 7. 43; पटहध्वनिः ⋯ परिपीतप्रतिमोचितोऽद्रिरन्ध्रैः Ragh. 15. 9; 10. 68.

अद्रिराज् (adri-rāj) *m.* A chief of the mountains, very high mountain सः ⋯ व्यरोचत महाद्विपः । संजातरुधिरोत्पीडो धातुचित्र इवाद्रिराट् MahāBhā. vi. 91. 41; घटोत्कचसुतः ⋯ रुरोध द्रौणिम् ⋯ प्रभञ्जनमिवाद्रिराट् MahāBhā. vii. 131. 44; दशास्यो विंशतिभुजः ⋯ दशशीर्ष इवाद्रिराट् ।⋯ शुशुभे राक्षसाधिपः Rāmā. iii. 33. 9; मारुतात्मजः । मेजेऽम्बरं निरालम्बं लम्बपक्ष इवाद्रिराट् Rāmā. v. 79*(2); उशीरबिन्दुश्च गिरिश्चन्द्रप्रस्थस्तथाद्रिराट् MatsyaP. 163. 87; बोधिसत्वस्तु ⋯ चकम्पे परदुःखेन महीकम्पादिवाद्रिराट् JātaMā. 3. 13 (1. 16); हंसपङ्क्तिभिरितस्ततोऽद्रिराट् सम्पद्भिरिव शुक्लचामरैः ⋯ धूयमानरुचिरस्रगम्बरः (राजा व्रजेत्) BṛSaṁ. 44. 24; **Bi** the Himālaya समृद्धिं तां दृष्ट्वा जामातुरद्रिराट् । त्रपया परिभूतोऽभूत् SkandP. iv. 66. 98; ततो मुक्त्वा ⋯ ययौ स्वस्थानमद्रिराट् GaṇeP. ii. 83. 18; उदगद्रिस्त्वद्रिराट् AbhidhāCin. 1027; **Bii** the mountain Droṇa भुजाभ्यां त्वं द्रोणमभ्यावुपाहर ।⋯ स दैत्येन्द्रः ⋯ द्रुतं जगाम यत्रासावास्ते चैवाद्रिराट् S'ivaP. ii(5). 15. 54 (238A. 3)

अद्रिराज (adri-rāja) *m.* A king of the mountains, very high mountain स (= कुम्भकर्णः) आवध्यमानः कवचं रराज संध्याभ्रसंवीत इवाद्रिराजः Rāmā. vi. 53. 24; पाण्ड्योऽयम् ⋯ । आभाति बालातपरक्तसानुः सनिर्झरोद्गार इवाद्रिराजः RaghuVa. 6. 60; KāvyālaṅSū. iv. 2. 3 (7) = AlaṅkāSa. 27. 13 = Kuvala. 171 (262) = SūktiSu. 44; सोऽतितरां बभासे सधातुनिष्यन्द इवाद्रिराजः RaghuVa. 16. 70; तुलनं चाद्रिराजस्य समुद्रस्य च तारणम् । ग्रहणं चानिलस्येव चारुदत्तस्य दूषणम् Mṛcch. 9. 20; स शिलोच्चयमर्बुदं प्राप । गुणपालितो बभाषे विलोक्यतामद्रिराज इति KuṭṭaMa. 239; PadmP. ii. 101. 21; वत्स मामिग्रहं कार्षीः ⋯ स्थूलभद्रः क्षमः कर्तुमद्रिराज इव स्थिरः PariPar. 8. 143; पृथ्वी रथः सारथिरब्जसूतिः शेषेण सज्यं धनुरद्रिराजः । शरश्च शौरिः किल हन्त लक्ष्यं त्रयं पुरामित्यहसत्पुरारिम् MadhuVi. 2. 8; तममिषिषेच ⋯ सिन्धुतोयैः । घन इव पवमानप्रापितैरद्रिराजम् Rāgh. 15. 80; **Bi** mountains like Meru, Mandara, Govardhana etc. (मन्दरं शैलराजं तमाप्रष्टुमुपचक्रमे ।) अद्रिराज महाशैल ⋯ आमन्त्रयामि त्वाम् MahāBhā. iii. 43. 24; अद्रिराजं महाशैलं मेरुम् ⋯ भानुः प्रदक्षिणमवर्तत MahāBhā. iii. 102. 2 = PadmP. v. 19. 146; ताक्ष्यध्वजं क्षीरनिधिर्निरीक्ष्य । प्रक्षेप्तुमभ्युद्यतमद्रिराजम् (मन्दरम्) ⋯ उवाच DaśāvaC. 2. 7; यः ⋯ अनुपठेत् ⋯ पद्याष्टकमचटुलः सुष्ठु गोवर्धनस्य ⋯ करोत्यद्रिराजे स वासम् StavMā. 299. 15; **Bii** the Himālayas रूपकान्तिस्थैर्यगाम्भिर्य्यबुद्धिसम्पद्भिः स्मरशश[ी]ङ्क[ा]द्रि(द्रि)राजोदधित्रिदशगुरुधनेशानतिश यान[:] EI. xi. 82. 14; xi. 178. 69; xiii. 339. 9; दक्षिणसमुद्राददद्रिराजं हिमवन्तं यावत् KāvyMi. 92. 11; हर उवाच ।⋯ सुतां प्रतीच्छामि तवाद्रिराज VāmaP. 53. 44; धर्मः शेषाद्रिराजावहमपि तरलः षोडशः कौतुकार्थी TripuDī. 4. 22; अद्रिराजेऽथ गिरीशः AnekāSaṁ. 3. 713; अद्रिराजस्तु हिमवान् S'abdaRa.(Vā.)811; KośaKaTa. 1. 2799; S'abdaRaSaK. 327. 9.

अद्रिराजकन्या (adrirāja-kanyā) *f.* Pārvatī, daughter of the king of mountains (i. e. of the Himālaya) अद्रिराजकन्यानुकूलरसदिग्धकथाविदग्धम् ⋯ तममराधिभू(? सु)वोऽधिजग्मुः HarVi. 2. 2.

अद्रिराजजा (adrirāja-jā) *f.* Pārvatī, the daughter of the king of mountains (तव पित्रा हिमवता ⋯ रत्नेशः प्रकटीकृतः) अस्मिँल्लिङ्गे मम प्रीतिर्नितरामद्रिराजजे SkandP. iv. 67. 214.

अद्रिराजतनया (adrirāja-tanayā) *f.* Pārvatī, daughter of the king of mountains अद्रिराजतनये तपस्विनः ⋯ ब्रह्म ⋯ गृणन्त्यमी KumāSaṁ. 8. 47; यस्याद्रिराजतनयावदनारविन्दलावण्यकान्तिविजितस्य सलीलमिन्दोः ⋯ अभारि करणे खण्डः HarVi. 1. 42; (बाला: ⋯ ईश्वरम् । तुष्टुवुः) जयाद्रिराजतनयातपःक्रीतार्धदेहक SkandP. iv. 76. 109; KathāSaSāg. xvii. 4. 98; नारायणीति ⋯ त्वामद्रिराजतनये विबुधा वदन्ति S'āraTi. 12. 94; अद्रिराजतनया ⋯ आयान्ती पतिमन्दिरं निजगृहादन्तर्मम द्योतताम् YātrāPra. 1. 2.

अद्रिराजदुहितृ (adrirāja-duhitṛ) *f.* Pārvatī, daughter of the king of the mountains यस्याद्रिराजदुहिताभिमुखी HarVi. 8. 14.

अद्रिराजन् (adri-rājan) *m.* A chief of the mountains, a very high mountain आदित्याः साधिराजानः (v. l. चाद्रिराजानः) ⋯ उदाहृताः MahāBhā. ii. 11. 2; **B** the Himālayas मुनिरप्यद्रिराजानमपृच्छत्कुशलं तदा MatsyaP. 154. 124.

अद्रिराजन्य (adri-rājanya) *m.* king of mountains, the Himālayas पुरुषपरिषदामद्रिराजन्यकन्ये नाहारः YātrāPra. 8. 13.

अद्रिराजप्रतीकाश (adrirāja-pratīkāśa) *adj.* like the chief of the mountains अद्रिराजप्रतीकाशाः सर्वतः प्रस्थिताः महीम् (वानराः) Rāmā. v. 33. 51.

अद्रिराजप्रमाण (adrirāja-pramāṇa) *n.* [Inst.] of the size of the chief of the mountains, like a very high mountain मया बाणेन तीक्ष्णेन मृगो हृदि विदारितः । अद्रिराजप्रमाणेन वालिरूपधरो मृतः MahāVīC. App. (B). 6. 1 (293. 19)

अद्रिराजवत् (adrirāja-vat) *adv.* like the chief of the mountains, like a very high mountain अचलधृतिरद्रिराजवत् मारबलमजयत् Saund. 3. 7.

अद्रिराजसुता (adrirāja-sutā) *f.* river Gaṅgā, the daughter of Himālaya अद्रिराजसुता (गङ्गा) SkandP. iv. 29. 20.

अद्रिराजार्चित (adrirājārcita) *adj.* **i** worshipped by Himālayas यदद्रिराजार्चितमङ्घ्रियुग्मं पुरानुरागश्च ⋯ परा चकासे Surath. 1. 78; **ii** worshipped (or honoured) by the kings, residing in the mountainous region, Surath. 1. 78.

अद्रिराजालय (adrirājālaya) *m.* S'iva (having the chief of mountains i. e. Kailāsa for his residence) अद्रिराजालयः कान्तः परमात्मा जगद्गुरुः ।⋯ एवं नाम्नां सहस्रेण तुष्टाव वृषभध्वजम् LiṅgaP. i. 98. 62.

अद्रिराज्य (adri-rājya) *n.* mountain-kingdom इन्द्रदत्तवरः श्रीमानद्रिराज्येऽभिषेचितः Rāmā. i. 849*.

अद्रिराट्तटी (adrirāṭ-taṭī) *f.* slope of the king of mountains (i. e. Meru) बभौ वेदी तदाक्रान्ता सामरेवाद्रिराट्तटी MahāP. 7. 241.

अद्रिराशि (adri-rāśi) *m.* group of mountains आश्वासयन् प्राणभृतः सुशीतश्रिक्षेप दिक्षु द्रुतमद्रिराशिम् Rāvaṇā. 19. 36.

अद्रिरूढ (adri-rūḍha) *adj.* situated on a mountain वाहनं चाद्रिरूढम् BṛKathāK. 94. 17.

अद्रिरूढा (adri-rūḍhā) *f.* plant *siṁhī* (?) *Solanum xanthocarpum* भार्ङ्गीगोक्षुरकासवैरिबृहतीबिल्वा (ध ? द्रि)रूढाः समास्तेषां क्वाथसमासमानमनले क्षीरं पुनः क्वाथयेत् ĪśānŚiPa. i. 46. 69.

अद्रिरौद्र (adri-raudra) *adj.* fearful like a mountain ददर्दर्डोऽदरिद्रोऽरिरद्रिरौद्रोऽरुरादरी RāghPāṇ.(Dha.) 18. 51 (comm. पर्वतवद्भयानकः)

अद्रिलव (adri-lava) *m.* seven parts त्रिघ्नीन्दुमुक्तिरतुरगाङ्गभक्ता भूभार्कमुक्त्यद्रिलवेन हीना। राहुः कुभामण्डलगः शशाङ्कं शशाङ्कगश्छादयतीनबिम्बम् KaraṇaKu. 4. 8 (20)

अद्रिलीला (adri-līlā) *f.* movement (i. e. rotation) of the mountain (Mandara) त्वामद्रिलीलोचितचारुमूर्ते कृपामपारां स भवान् विधत्ताम् SaṅkaDigVi.(Mā.) 12. 10.

अद्रिवंश (adri-vaṁśa) *m.* family of the mountain Himālaya तेनाद्रिवंशे धृतजन्मलाभां कन्यामुमां योजयितुं प्रवृत्ताः BrahmāṇḍP. iii. 30. 34.

अद्रिवत् (adri-va(n)t) *adj.* **I** possessed of the pressing stones [Voc. Sg. *adrivaḥ*] said of Indra, once of Varuṇa at ṚV. vii. 89. 2 and once of Soma at ṚV. ix. 53. 1; इन्द्र तुभ्यमिदद्रिवोऽनुत्तं वज्रिन् वीर्यम् ṚV. i. 80. 7; i. 10. 7; i. 11. 5; i. 80. 14; i. 121. 10; i. 129. 10; i. 133. 2; i. 133. 6; iii. 37. 11; iii. 41. 1; iv. 32. 5; v. 35. 5; v. 36. 3; v. 38. 3; v. 39. 1; v. 39. 3; vi. 45. 9; vi. 46. 2; vii. 20. 8; vii. 89. 2; viii. 1. 5; viii. 1. 13; viii. 2. 4; viii. 12. 4; इन्द्र त्वमवितेदसीत्था स्तुवतो अद्रिवः ṚV. viii. 13. 26; viii. 15. 40; viii. 21. 7; आ त्वा गोभिरिव व्रजं गीर्भिर्ऋणोम्यद्रिवः ṚV. viii. 24. 6; viii. 24. 11; viii. 36. 6; viii. 45. 11; viii. 46. 2; viii. 46. 11; viii. 50. 10; viii. 61. 4; viii. 62. 11; viii. 64. 1; viii. 68. 11; viii. 76. 8; इन्द्र प्र णो रथमव पश्चाच्चित्सन्तमद्रिवः ṚV. viii. 80. 4; viii. 92. 18; viii. 92. 27; viii. 97. 9; viii. 98. 8; अस्थु रक्षो भिन्दन्तो अद्रिवः ṚV. ix. 53. 1; x. 147. 1; **II** possessing the thunderbolt स त्वं नश्चित्र वज्रहस्त धृष्णुया मह: स्तवानो अद्रिवः VājaS. 27. 38 (Uvaṭa अद्रिसारमयं वज्रं तदस्यास्तीति संबोध्यते); पूर्वस्य यत्ते अद्रिवः सुम्न आ धेहि नो वसो AitĀ. 4. 8; अद्रिवन्। अद्रिरादृणात्येनेन। अपि वात्तेः स्यात् Nir. 4. 4 (76. 8)

अद्रिवत्सा (adri-vatsā) *f.* daughter of the mountain Himālaya अद्रिवत्सासि … शम्भुनोढासि रुद्राणी NīlaP. 304.

अद्रिवन (adri-vana) *n.* mountain and forest नोद्धृतं तिमिरमद्रिवनेभ्यः Kirātā 9. 25 (comm. अद्रयो वनानि च तेभ्यः। तिमिरं नोद्धृतं नोत्सारितम्); RāmC. 25. 12; **II** forest on a mountain पदवापदवापद् अवापद् अवार् अयतोऽद्रिवनं विललाप च सा Nalo. 3. 42 (comm. पर्वतवनम्); तेनुरद्रिवनमध्यमुप्तयोर्मङ्गलानि वनदेवतास्तयोः RāmC. 2. 72.

अद्रिवनावकाश (adrivanāvakāśa) *m.* regions of forests on the mountains प्रयास्यन्त्याराध्यतामद्रिवनावकाशाः Yādavā. 8. 41.

अद्रिवनाश्रय (adrivanāśraya) *adj.* residing in mountains and forests गिरिगोयज्ञशीलाश्च वयमद्रिवनाश्रयाः ViṣṇuP. v. 10. 37 = BrahmP. 187. 50.

अद्रिवपुस् (adri-vapus) *adj.* having the body like mountain स तु जलधरवद्विनद्य नादं जलदनिभाद्रिवपुस्तदा रणस्थः Rāmā. vi. 1960*(2)

अद्रिवर (adri-vara) *m.* great or excellent mountain पुरा सपक्षोऽद्रिवरो यथा नृप। भयं तथा रिपुषु समादधत् MahāBhā. vii. 25. 56; प्लवेयुरप्यद्रिवरा महाम्बुधौ MahāBhā. viii. 1024*(3); ततोऽद्रिवरमागम्य विन्ध्यम् … तीर्थमाससाद सः BrahmP. 227. 95; ययौ … शिवस्याद्रिवरम् … कैलासम् … हरिः ŚivaP. ii(2). 40. 22 (119B. 10)

अद्रिवरप्रकाश (adrivara-prakāśa) *adj.* resembling a great mountain निहत्य नागं तु शरेण तेन वज्रोपमेनाद्रिवराम्बुदाभम् (v. l. अद्रिवरप्रकाशम्) MahāBhā. iv. 60. 12.

अद्रिवराम्बुदाभ (adrivarāmbudābha) *adj.* resembling a great mountain and a cloud निहत्य नागं तु शरेण तेन वज्रोपमेनाद्रिवराम्बुदाभम् MahāBhā. iv. 60. 12.

अद्रिवरोपम (adrivaropama) *adj.* resembling a great mountain तं ब्रह्मास्त्रेण सौमित्रिर्ददाहाद्रिचयोपमम् (v. l. अद्रिवरोपमम्) MahāBhā. iii. 271. 16.

अद्रिवर्ग (adri-varga) *m.* group of mountains समुद्राः। आहो क्षोभं व्रजेयुः … तदानीम् … नाद्रिवर्गः SaduktiKa. 232. 1; गदापतिं जेतुमगाच्च वीरः सेनावृतः शक्र इवाद्रिवर्गम् VīraBhā. 2. 56.

अद्रिवर्गकलश (adrivarga-kalaśa) *m.* fourty-nine pitchers तद्बाह्येऽनुदिशं द्विकं विरचयेत् कोणे चतुष्कं द्विकं तत्राभ्यन्तरतोऽद्रिवर्गकलशे माङ्गल्यकोष्ठानि च TantrSa. 8. 8.

अद्रिवर्णन (adri-varṇana) *n.* description of a mountain अद्रिवर्णनरसवत्ता KāvyMī. 45. 17.

अद्रिवर्ष (adri-varṣa) *n.* shower of mountains आतिथ्यमस्योरुभिरद्रिवर्षैः स्वयं कपीनामधिपेन तेने RāmC. 32. 57.

अद्रिवलन (adri-valana) *n.* rotation of the mountain रत्नार्थिना जलनिधौ मधुसूदनेन क्लेशः किलाद्रिवलनप्रभवोऽनुभूतः SamaMā. 4. 24.

अद्रिवह्नि (adri-vahni) *m.* conflagration on the mountain स्पष्टोऽप्यविस्पष्टवपुःप्रकाशः सर्पन्महाधूम इवाद्रिवह्निः Kirātā. 17. 2.

अद्रिवासरुचि (adrivāsa-ruci) *adj.* having a liking for living on a mountain आदिदेवो यद्यद्रिवासरुचिरेति किरातलीलाम् PṛthvīVi. 4. 2.

अद्रिवाहिनी (adri-vāhinī) *f.* mountain-stream धिड्धाम्बुधर रुद्धसद्गतिर्वर्धिता किमिति तेऽद्रिवाहिनी ŚārṅgaPa. 783.

अद्रिविघट्टन (adri-vighaṭṭana) *n.* striking against the mountain दधुरद्रिविघट्टनेषु ये पतितैर्मूर्धनि निर्झरैरिव। … मदम् VikraDeC. 15. 27.

अद्रिविदारण (adri-vidāraṇa) *n.* breaking a rock or a mountain प्राकारहर्म्याट्टविदारणे (v. l. अद्रिविदारणे) च जयो ध्रुवं नागवतां बलानाम् NītiSā. 16. 12; अकुण्ठितामद्रिविदारणेऽपि। … युधि शम्बरारिः संस्तम्भयामास गुहस्य शक्तिम् Yādavā. 20. 31.

अद्रिविनिःसृता (adri-vinissṛtā) *adj.* (*f.*) flowing from the mountain एकैकस्तिदा देशे नद्यश्चाद्रिविनिःसृताः MārkP. 56. 21.

अद्रिविमर्दखेद (adrivimarda-kheda) *m.* pain due to the friction with the mountain (Mandara) गम्भीरघोषोऽद्रिविमर्दखेदादश्वाकृतिं कर्तुमिवोच्चैःऽब्धिः। उच्चैःश्रवाः शक्रमुपाजगाम KaviKaṇṭhā. 5. 1 (69)

अद्रिविलेपनस्वामिन् (adrivilepanasvāmin) *m.* name of a person, EI. xix. 248. 14.

अद्रिविवर (adri-vivara) *m. n.* cave of a mountain किं चायं चकितैरिवाद्रिविवरैः प्रत्युच्यमानस्वनो निस्वानप्रभवस्तव श्रवणयोः सीमानमाक्रामति PārthPa. 21.

अद्रिविवरोषित (adrivivaroṣita) *adj.* residing in a mountain-cave स तत्र पतितो यथा च गिरिसन्निभः सन्निभः। प्रबोध्य हरिमात्मनाद्रिविवरोषितं रोषितम् KīcaVa. 3. 49.

अद्रिविशेष (adri-viśeṣa) *m.* particular mountain (i. e. Nīla) नील इति अद्रिविशेषः AbhinBhā. ii. 203. 15 (*on* 13. 31)

अद्रिविषम (adri-viṣama) *m.* rugged mountain, rough ground of the mountain ततस्ततोऽद्रिविषमाद्रिशेषमलिनैर्मुखैः। मोघश्रमाः समाजग्मुर्गोलाङ्गूलवलीमुखाः RāmC. 10. 5.

अद्रिवृत्ति (adri-vṛtti) *adj.* having the behaviour of a mountain (i. e. firm) ते द्विजाः …। दशाद्रिवृत्तयस्तस्थुः समुत्कीर्णा इवोपलात् YogVā. iii. 86. 50.

अद्रिशत (adri-śata) *n.* hundred mountains स खल्विदानीं युद्धभूमौ क्षिप्तान्यद्रिशतान्यपास्यति भुजेन ĀścaCū. 7. 13.

अद्रिशय्य (adri-śayya) *m.* name of Śiva (having the mountain for a couch) [PW]

अद्रिशिखर (adri-śikhara) *n.* peak of a mountain स्वप्ने पितरमद्राक्षम् …। पतन्तमद्रिशिखरात्कलुषे गोमये ह्रदे Rāmā. ii. 63. 8; सिंहेनेव गजेन्द्रमद्रिशिखरात्सिंहासनात्पातितम् MudrāRā. 1. 12; वने वाद्रिशिखरे … वसतु वसतेः किं वद फलम् ŚivāL. 12; आत्मानं चाहमद्राक्षम् …। पतन्तमद्रिशिखरात्कलुषे गोमये ह्रदे SkandP. v(2). 80. 15; अक्षिपत्तटशिलाविटङ्कितः पार्थिवः स्वमथ नर्मदाम्भसि। वारिधेः पयसि विश्वदीपकः सायमद्रिशिखरादिवार्यमा NavaSāC. 8. 38; द्रुमाद्रिशिखराणां च कूलानां पततामपि। … चिन्तनम् Hastyāyur. 423. 29 (3. 8); अद्रिशिखरं विमुञ्चन्नेवायमञ्जसा राममाजगाम RāmāCam. 6. 57 (5); अद्रिशिखरादमरजन्मनः कस्यापि वाहनमेवं झम्पामदात् UdaySuKa. 124. 19; कर्तरीस्वस्तिकाकारा कर्तरीस्वस्तिको भवेत्। शाखासु चाद्रिशिखरे वृक्षेषु च नियुज्यते AbhinDa. 189; NānārthMa. 32; NānārthSaṁ. 23. 8.

अद्रिशिखरस्थली (adriśikhara-sthalī) *f.* region or place at the top of a mountain स्वीकरोति … अनोकहच्छायमद्रिशिखरस्थली: RāmC. 2. 21.

अद्रिशिखराकृति (adriśikharākṛti) *adj.* having the shape of the peak of a mountain पृथिव्यां पातयामास शिरोऽद्रिशिखराकृति KūrmaP. 244. 10 (1. 22)

अद्रिशिखरारूढ (adriśikharārūḍha) *adj.* who has climbed the peak of a mountain शशोऽद्रिशिखरारूढो धीमांस्तमवदद्गजम् PañcT. 3. 43. (296. 37) = KathāSaSāg. x. 6. 37.

अद्रिशिखरारोहण (adriśikharārohaṇa) *n.* climbing the peak of a mountain अभिवादनप्रश्नाश्वासनसमादेशनाद्रिशिखरारोहणेष्टदेवतास्मरणानां पूर्वरङ्गपर्यवसायित्वेन SaraKaṇṭhā. 578. 22.

अद्रिशिखरोपम (adriśikharopama) *adj.* resembling the peak of a

mountain रत्नाकरेभ्यः सर्वेभ्यो गणा रत्नोच्चयान् बहून् । राशींश्चक्रुः समानीय यत्राद्रिशिखरोपमान् SkandP. iv. 66. 88.

अद्रिशिरोरूढ (adriśiro-rūḍha) *adj.* ascended to the top of a mountain डामराः ··· । नदन्तोऽद्रिशिरोरूढाः मार्गान् सर्वांश्च तत्यजुः RājTa. (Ka.) 8. 750.

अद्रिशिला (adri-śilā) *f.* mountain-rock भुजदण्डेऽद्रिशिलाविशङ्कटांसे HarVi. 15. 31; स्वल्पाप्युज्जृम्भते यासु न प्रेमसलिलार्द्रता । सुखशाखिप्ररोहस्तु कस्तास्वद्रिशिलास्विव PāṇḍaC. 4. 454; KirātāVyā. 45.

अद्रिशृङ्ग (adri-śṛṅga) *n.* mountain-peak भुजौ । गजात्पतन्तौ युगपद् विरेजतुः यथाद्रिशृङ्गात्पतितौ महोरगौ MahāBhā. viii. 13. 18; viii. 15. 35; viii. 62. 61; प्रजघानाद्रिशृङ्गेण तपनम् ··· गजः Rāmā. vi. 33. 23; स प्रध्वनय्याम्बुदनादि चापं हस्तेन दिङ्नाग इवाद्रिशृङ्गम् Kirātā. 17. 10; अधिरुह्याद्रिशृङ्गाणि DaśKuC. 137. 14; रुद्धोऽसि गिराऽद्र्याद्रिशृङ्गान्मुञ्चन् स्वं मुनिना निशाकरेण RāmC. 14. 68; 27. 55; दृष्ट्वा रविमद्रिशृङ्गात्तापेन तन्वी तनुमुत्ससर्ज DaśāvaC. 7. 67; स्रवत्तोयमिवाद्रिशृङ्गम् Rāvaṇā. 16. 63; अयमिह मुनिसङ्गादद्रिशृङ्गे किरातः क्वचिदपि किमु चक्रे चाक्षुषीं त्र्यक्षसेवाम् KirātāVyā. 40; अधिरोपितः । रथः सबिम्बोऽद्रिशृङ्गे ViviTīKa. 3. 28; तमद्रिशृङ्गे समुदीक्षमाणाः गोपं सतां गोपगणाः प्रणेमुः Yādavā. 7. 2; विवेकमुच्चैस्तरमारुरोह यस्ततोऽद्रिशृङ्गं चरणं ततस्तपः PrabaK. 1. 3; जिनेन्द्रगात्रात्स्म पतन्ति पीठे प्राक् तानि वारीणि ततोऽद्रिशृङ्गे NemiC. 6. 13; अथाद्रिशृङ्गादवतीर्य भूमौ सा तत्र मन्दं सरिदुच्चलन्ती Gaṅgāva. 6. 31; सिंहासनं सिंहमिवाद्रिशृङ्गमधिष्ठितं प्रैक्षत राक्षसेन्द्रम् Rāgh. 9. 2; 18. 10; AnekāS'a, 81; Vaija. 231. 13; AnekāSaṁ. 2. 83; VisvaPra. 36. 9; NānārthaSaṁ. i. 64. 252; DharK. 506; MediK. 35. 8; 150; 226; NānārthaMañ. 461; S'abdaRa.(Vā.) 3778; VisvaLoK. 75. 8; KosaKaTa. 2. 4436; 2. 6200; S'abdaRaSaK. 84. 4; 281. 19.

अद्रिशृङ्गप्रतिम (adriśṛṅga-pratima) *adj.* resembling a mountain-peak तमद्रिशृङ्गप्रतिमं किरीटिनम् ··· वनौकसः प्रेक्ष्य ··· दुद्रुविरे Rāmā. iv. 48. 87.

अद्रिशृङ्गसमदन्त (adriśṛṅgasama-danta) *adj.* whose tusk is similar to a mountain-peak सेना समदं तेन प्रमथ्यमानाद्रिशृङ्गसमदन्तेन (भगदत्तद्विपवरेण) YudhiVi. 7. 61.

अद्रिशृङ्गसमुच्छ्रित (adriśṛṅga-samucchrita) *adj.* tall as a mountain-peak गजेन्द्रमुन्मत्तमद्रिशृङ्गसमुच्छ्रितम् । अधिरूढो नरेन्द्रोऽयम् ViṣṇuP. ii. 16. 7.

अद्रिशृङ्गसमुत्थित (adriśṛṅga-samutthita) *adj.* tall as the peak of a mountain गजेन्द्रमुन्मत्तमद्रिशृङ्गसमुत्थितम् । अधिरूढो नरेन्द्रोऽयम् AgniP. 379. 58.

अद्रिशृङ्गस्थित (adriśṛṅga-sthita) *adj.* standing on the peak of a mountain अपूरयन्महानादबहलाः केऽपि काहलाः । नाहला इव गोशृङ्गाण्यद्रिशृङ्गस्थिताः सुराः TriṣaS'aPuC. i. 2. 509.

अद्रिशृङ्गान्तरस्थ (adriśṛṅgāntara-stha) *adj.* staying on a mountain-peak इभेन्द्राः स्कन्धावारे वारणस्कन्धभाजः । अध्यारोहन्नद्रिशृङ्गान्तरस्थाः शैलानन्यान्सिंहशावा इवारात् Raghunā. 10. 56.

अद्रिशृङ्गाभ (adriśṛṅgābha) *adj.* resembling a mountain-peak अहमप्यद्रिशृङ्गाभं तुङ्गमारुह्य वारणम् । साहाय्यं वः करिष्यामि ViṣṇuP. v. 11. 5 = BrahmP. 188. 5.

अद्रिशृङ्गावतीर्ण (adriśṛṅgāvatīrṇa) *adj.* descending on (i. e. resting on) the peak of a mountain विशांपतिः ··· अद्रिशृङ्गावतीर्णाद्भुतजलधरमिव ···हेमकूटमारुरोह AvantiKa. 99. 16.

अद्रिशोभा (adri-śobhā) *f.* beauty of a mountain सा दुष्प्रधर्षा मनसापि हिंस्रैरित्यद्रिशोभाप्रहितेक्षणेन । ··· अलक्षिताभ्युत्पतनः ··· नृपेण सिंहः RaghuVa. 2. 27.

अद्रिश्रेणी (adri-śreṇī) *f.* range of mountains अद्रिश्रेणीमवति जलधिः SaduktiKa. 304. 7.

अद्रिश्रेणीशेखर (adriśreṇī-śekhara) *m.* crest of the range of mountains अद्रिश्रेणीशेखर पद्याष्टकमेतत्कृष्णाम्भोदप्रेष्ठ पठेद्यस्तव देही StavMā. 296. 11.

अद्रिश्रेष्ठ (adri-śreṣṭha) *m.* the best of the mountains अद्रिश्रेष्ठारुणाद्रीश ··· विचित्ररूपमेतत्ते SkandP. i(3A). 12. 24.

अद्रिषुत (ádri-ṣuta) *adj.* pressed with stones अद्रिषुतास उद्भिदस्तुभ्यम् : सुतासः R̥V. i. 139. 6; अद्रिषुतः ··· पवते सोमं इन्द्र ते R̥V. ix. 72. 4.

अद्रिसंश्रय (adri-saṁśraya) *adj.* residing in the mountains तं डामराश्च ··· अद्रिसंश्रयाः ·- सर्वतः पर्यवारयन् RājTa.(Ka.) 7. 1302.

अद्रिसंहत (ádri-saṁhata) *adj.* crushed by means of stones स्वसारो अद्रिसंहतम् । ··· प्रस्नापयन्ति (सोमम्) R̥V. ix. 99. 6.

अद्रिसंकट (adri-saṅkaṭa) *adj.* full of mountains अस्ति कश्चित्समुद्देशः क्षितेः सिद्धोऽद्रिसंकटः । पारे हिमवतः पुण्ये तपोवनगुणैर्युतः VarāP 214. 23.

अद्रिसंख्य (adri-saṅkhya) *adj.* [*f.* -ā] numbering seven अद्रिसंख्ये (अवकाशे) मर्यादा (स्यात्) TantrSa. 2. 73; प्रदक्षिणाः ··· वेदार्धचन्द्रवह्न्यद्रिसंख्याः स्युः सर्वसिद्धये NityoNi. 57. 16.

अद्रिसङ्घ (adri-saṅgha) *m.* multitude of mountains सङ्घातितमि (v. l. अद्रिसङ्घैरि)वाकाशं जलदैः MahaBhā. i. 22. 3.

अद्रिसङ्घात (adri-saṅghāta) *m.* multitude of mountains (योगी) चूर्णयत्यद्रिसङ्घातम् MālinīT. 13. 37.

अद्रिसदृश (adri-sadṛśa) *adj.* similar to a mountain (i. e. big) (जग्मुः ··· । ते) अश्मभिश्चाद्रिसदृशैर्गण्डशैलैश्च MatsyaP. 177. 10.

अद्रिसन्धि (adri-sandhi) *m.* juncture of mountains सेना रभसेनाद्रिसन्धिगा । व्यद्राव्यत SamarāSaṁ. 1. 149.

अद्रिसन्निभ (adri-sannibha) *adj.* resembling a mountain (i. e. big) गजेन्द्रैरद्रिसन्निभैः (निर्ययू राक्षसव्याघ्राः) Rāmā. vi. 845*(1)

अद्रिसभा (adri-sabhā) *f.* assembly of mountains विलोकनीयाजनि··· । गिरेः परिष्वङ्गपरैव तस्य निवासमालाद्रिसभासमाना VasaViKā. 11. 93.

अद्रिसम (adri-sama) *adj.* like a hill (i. e. big) वायुवेगसमैरश्वैर्जगामाद्रिगंजैः PadmP.(Ra.) 49. 115; साम्बः क्रीडतेऽद्रिसमे गृहे LiṅgaP. i. 51. 28.

अद्रिसमान (adri-samāna) *adj.* like a mountain (i. e. massive) स्तनावद्रिसमानौ ते SāhiDa. 426. 5.

अद्रिसमोपम (adrisamopama) *adj.* equal to a mountain in comparison कुलमद्रिसमोपमम् MālinīT. 19. 69.

अद्रिसरित् (adrī-sarit) *f.* mountain-river केचित् ··· पाट्यन्तेऽद्रिसरित्प्लवैः TriṣaS'aPuC. iii. 4. 104; गृध्रपतिं तटेऽद्रिसरितः संस्कृत्य शास्त्राध्वना JānaPa. 6. 42.

अद्रिसर्प (adri-sarpa) *m.* mountain-serpent वेश्या(v. l. °श्मा°)पहारी अद्रिसर्पः । परजलापहारी शिशुमारः S'aṅkhalikhitadharmasūtra 378; comm. *on* ParāSm. ii(2). 259. 5.

अद्रिसादन (adri-sādana) *n.* arrival at a mountain मेघानामपि भावः सादमेत्यद्रिसादने Yādavā. 6. 65.

अद्रिसानु (adri-sānu) *adj.* (lingering on) the mountain-top इदा हि ते उषो अद्रिसानो गोत्रा गवामङ्गिरसो गृणन्ति R̥V. vi. 65. 5; *m. n.* mountain-peak वृन्दावनम् ··· । गोविन्दवेणुमनु ··· रदनखण्डितबान्धवाद्रिसानवः ··· तद्वनजमतङ्गजोत्तमाः AvantiKa. 81. 4; VikraDeC. 13. 42; तटम् । प्राहुः ··· अद्रिसानुनि NānārthāSaṁ. i. 86. 504; तं तरसानुससार ··· वायुजोऽद्रिसानुससारः YudhiVi. 6. 16; अभ्राली निषसादद्रिसानुषु Subhāṣi. 1720

अद्रिसानुजा (adrisānujā) *f.* *Ficus heterophylla* त्रायन्ती त्रायमाणार्द्रा··· कृतत्राणा बलदेवाद्रिसानुजा KosaKaTa. 1. 3912.

अद्रिसार (adri-sāra) *m.* the best among mountains अद्रिराजं (v. l. °सारं) महाशैलं मेरुम् ··· भानुः प्रदक्षिणमवर्तत MahāBhā. iii. 102. 2; *adj.* as hard as a mountain प्रजघानाद्रिशृङ्गेण (v. l. °सारेण) तपनं मुष्टिना गजः Rāmā. vi. 33. 23; दितिजाः ··· अदरिद्रासिषुरद्रिसारदेहाः HarVi. 15. 10; चन्द्रार्धशेखरशरासनमद्रिसारं मीनध्वजस्य JānaPa. 5. 8; Rāgh. 10. 69; (मल्लाभ्याम्) अद्रिसारकठोराभ्यां कथं योद्धुमिमौ स्थितौ Yādavā. 10. 38 (comm. पर्वतप्रवरकठिनाभ्याम्); *m.* iron अद्रिसारस्त्वयः ··· लोहमायसम् ParyāRaMā. 440.

अद्रिसारमय (adrisāra-maya) *adj.* [*f.* -ī, ā] made of iron अद्रिसारमयत् ··· हृदयं मम । यच्छ्रुत्वा हतं भीष्मं न दीर्यते MahāBhā. vi. 15. 53 (JñanDī. लोहम्); सुबाहुः ··· अद्रिसारमयैर्दृढैः । अविध्यदिषुभिः MahāBhā. vii. 17. 17; गदाम् ··· अद्रिसारमयीं (v. l. °यां) भीमस्तथैवादाय MahāBhā. ix. 52. 21; vi. 58. 33; ix. 31. 35; ix. 56. 30; x. 1. 10.

अद्रिसुता (adri-sutā) *f.* Pārvatī (daughter of the mountain Himālaya) ददौ ··· अद्रिसुता च वल्कम् VāmaP. 57. 103; शशापाद्रिसुता हुताशनम् KumāSaṁ. 9. 16; BṛSaṁ. 4. 30; रक्षत्वद्रिसुता विवादसमये प्रीता ViddhaS'ā. 1. 3 = SaraKaṇṭhā. 325. 11 = SaduktiKa. 18. 22 = SūktiMu. 2. 36; पशुपतिः अद्रिसुतासमागमोत्कः VyaktiVi. 8. 16 = AlaṅkāSar. 157. 6; निरीक्ष्य ··· ईश्वरं सगणमद्रिसुतासहितम् LiṅgaP. i. 72. 99; i. 72. 120; अद्रिसुताविवाहे ववुश्च वाताः BrahmP. 36. 104; UdaySuKa. 144. 6; भक्तानुकम्पिनि जयाद्रिसुते KathāSaSāg. vi. 8. 253; निरगमदद्रिसुतासखः स देवः S'rīkaC. 7. 1; 1. 48; BhārCam. 12. 13; इत्युक्तः शशिमौलिरद्रिसुतया SaduktiKa. 6. 24 = SūktiMu. 2. 8; S'aṅkaDigVi. (Mā.) 9. 52; MaGaṇaSt. 9; त्रसदद्रिसुताद्दृढोपगूहप्रमदाद्वैतपदाधिकारदात्रीम् । वलयाङ्क निधेहि मूर्ध्नि कम्पाम् YātrāPra. 3. 66; सः ··· अद्रिसुताचरणार्चनोपनिषदं कथयन् S'ivLī. 17. 42; 1. 5; 20. 3; (Gaurī the presiding deity of the third lunar day) वह्निर्विधाताद्रिसुता गणेशः (तिथीशाः) VasiS. 12. 3;

(Kāmākṣī) कामाक्षि जय जयाद्रिसुते MūkaPañ. 4. 99.

अद्रिसुताकुमार (adrisutā–kumāra) *m.* son of Pārvatī (Kārtikeya) तारकमिवाद्रिसुताकुमारो जित्वा सुयोधनमसौ BhārCam. 12. 13.

अद्रिसुतासुत (adrisutā–suta) *m.* son of Pārvatī (Gaṇeśa) ववन्दिरे चाद्रिसुतासुतं प्रभुम् ··· देवगणाः LiṅgaP. i. 72. 120.

अद्रिसोपान (adri–sopāna) *n.* flight of steps on a hill अद्रिसोपानपार्श्वे तु न कुर्यात्पार्श्वयो(र्श्वा)द्भिकम् MānaSā. 30. 82; 30. 68.

अद्रिस्थ (adri–stha) *adj.* standing on a mountain समस्थो विषमस्थान् हि ··· योऽभिवीक्षते । जगतीस्थानिवाद्रिस्थः MahāBhā. iii. 226. 17; xii. 17. 19; xii. 147. 11; (खञ्जनकः) महिषोष्ट्र° ··· °शर्कराद्रिस्थः ।··· मरणरुग्भयदः BṛSaṁ. 45. 9.

अद्रिहस्त (adri–hasta) *adj.* wielding a hill (as a weapon) in the hand आसेदुः ··· कपिपतयस्तमद्रिहस्ताः RāmC. 34. 25.

अद्रिहृत् (adri–hṛt) *adj.* divided by seven सप्तांशगुणोनितो हरोऽयं वेदघ्नोऽङ्कहृतो व्यगोर्भुजांशैः । हीनो भवताडितोऽद्रिहृत् (? = हतः) स्याच्छन्नं शीतरुचोऽङ्गुलादिकं वा GrahaLā. 7. 16.

अद्रीन्द्र (adrīndra) *m.* lord of the mountains अद्रीन्द्रकुञ्जचरकुञ्जरगण्डकाषसंक्रान्तदानपयसो वनपादपस्य ।··· निजप्रसूनैर्मम्ले S'iśuVa. 5. 43; अद्रीन्द्रं युवाम् ··· इथः कस्मात् Bhaṭṭi. 6. 93; चेरुर्वज्रगणास्ततः । पिबन्तोऽद्रीन्द्रतिमिरम् YogVā. iii. 49. 9; यद्वस्तु भावनयैव तत् । स्वयं संपन्नयेवाशु करोत्यद्रीन्द्रभासुरम् YogVā. iii. 103. 3; iii. 25. 32; iii. 104. 16; iv. 28. 28; भेत्तारमद्रीन्द्रशिलातटानाम् ।··· रक्षांस्यबध्नंस्तरुषु द्विपौघम् Rāvaṇā. 9. 37; उच्चैरुरद्रीन्द्रकन्दरादारणोल्बणाः । ··· निस्वाननिस्वनाः PāṇḍaC. 4. 406; करेणवः । रेजुरद्रीन्द्रशृङ्गस्थास्तोयदा इव PāṇḍaC. 5. 314; 13. 327; 18. 267; परिवारयांबभूव । अर्यम्णः ··· अंशुधोरण्यद्रीन्द्रावटतटगूढमन्धकारम् AcyutaRā. 11. 2; 11. 5; अद्रीन्द्रकल्पद्विरदातिलक्ष्यैः । बलः समेतः प्रधनेऽहम् Raghunā. 7. 47; 10. 13; दिननाथः प्रातरद्रीन्द्रमौलौ Rāgh. 12. 64; (Himālaya) अद्रीन्द्रमालोक्य मेना संहृष्टमानसम् ।···प्रोवाच SkandP. iv. 66. 34; iv. 63. 4; S'ivPāKeSt. 26; TripuVePāSt. 31; HarVi. 41. 14; VakroPañ. 20; (देवः ··· ससर्ज ··· वीरभद्रम्) सतुषारमिवाद्रीन्द्रं साक्षाज्जङ्गमतां गतम् S'ivaP. vii(1). 19. 32 (522B. 11); vii(1). 23. 4 (527A. 16); vii(2). 28. 24 (579A. 1); S'rīKaC. 5. 54; Raghunā. 1. 4; MūkaPañ. 3. 63; Jīvān. 440. 1; (Meru) मध्ये पृथिव्यामद्रीन्द्रो भास्वान् मेरुः NaraP. 30. 18; अम्भः ··· परां कान्तिमवापाद्रीन्द्रमस्तके MahāP. 13. 132.

अद्रीन्द्रकन्या (adrīndra–kanyā) *f.* Pārvatī (daughter of the mountain Himālaya) अद्रीन्द्रकन्यामृदुदशनपदैर्मुद्रितः ··· दद्यादधरमणिरसौ संपदां संचयं नः S'ivaPāKeSt. 26.

अद्रीन्द्रजा (adrīndra–jā) *f.* Pārvatī (born of the mountain Himālaya) ब्रह्मा भद्रमद्रीन्द्रजानुतम् ।··· अब्रवीत् S'ivaP. vii(1). 23. 4 (527A. 16); vii(2). 28. 4 (579A. 1)

अद्रीन्द्रजापति (adrīndrajā–pati) *m.* S'iva (husband of Pārvatī) संप्राप्य ··· रौद्रस्थानमद्रीन्द्रजापतेः S'ivaP. vii(2). 28. 24 (572A. 1)

अद्रीन्द्रतनया (adrīndra–tanayā) *f.* Pārvatī (daughter of the mountain Himālaya) प्रतीमः ··· तव चरणमद्रीन्द्रतनये MūkaPañ. 3. 63.

अद्रीन्द्रपुत्री (adrīndra–putrī) *f.* Pārvatī (daughter of the mountain Himālaya) द्वैधस्यान्तं व्यधित वपुषोर्यस्तमद्रीन्द्रपुत्र्या साकम् S'rīKaC. 5. 54; Jīvān. 440. 1.

अद्रीन्द्रसुता (adrīndra–sutā) *f.* Pārvatī (daughter of the mountain Himālaya) अद्रीन्द्रसुतया सार्धं रुद्रेण SkandP. iv. 63. 4; परागमद्रीन्द्रसुते तवाङ्घ्रिसरोजयोरम्ब दधामि मूर्ध्ना TripuVePāSt. 31; VakroPañ. 20; अद्रीन्द्रसुता ··· शक्तिं दिशेत् Raghunā. 1. 4.

अद्रीश (adrīśa) *m.* **i** lord of mountains (i. e. Himālaya) अद्रीशोऽद्रिपतौ शिवे DharK. 2584; **ii** S'iva, DharK. 2584.

अद्रीश्वर (adrīśvara) *m.* **i** the Kailāsa mountain (*lit.* lord of the mountains) भर्तुस्ताण्डवडम्बरे विषमितावस्थानमद्रीश्वरं द्राक् काम्यं नयतोः ··· बाह्वोरेष हि शासिता MahāvīC. 5. 55 (281. 8); **ii** the Himālaya mountain सम्बन्धः ··· आसीत् पुरा ··· पाथोधेर्मधुसूदनस्य गिरिशस्याद्रीश्वरस्योज्ज्वलः VīraBhā. 9. 9; यत्कीर्तिप्रकरद्विपस्य ··· आलानमद्रीश्वरः YātrāPra. 2. 94.

अद्रीश्वरात्मजा (adrīśvarātma–jā) *f.* Pārvatī (daughter of the lord of the mountains ब्रह्मा ··· ददर्श ··· भवानीम् ··· अद्रीश्वरात्मजाम् S'ivaP. vii(1). 25. 23 (530B. 9)

अद्रुग्ध (a–drugdha) *adj.* one who has done no harm अद्रुग्धावस्मिंश्च परे च लोके ध्रुवं प्रविष्टौ स्याम शरणं सुखार्तौ ĀgniveGS. i. 5. 4 (33. 4); वर्ततेऽसौ न धर्म्यमद्रुग्धेषु द्रुग्धवत्तन्न साधु MahāBhā. v. 24. 3; अयं भदन्त गर्दभको यक्षः··· अद्रुग्धानां द्रोग्धा GiMs. iii(1). 16. 16.

S. D. 183

अद्रुत (a–druta) *adj.* [*f.* –ā] **A** without scattering अफेनावस्रावमविच्छिन्नमद्रुतमशब्दमबहिर्जानु हृदयंगममुदकं गोकर्णवत् पाणिं कृत्वा ··· त्रिराचम्य VaikhāGS. 1. 2; **Bi** not hurried (speech) (स्वरवृत्तिम्) अद्रुतामविलम्बिताम् ।··· वदेद् धृतवतीं समाम् TaiPrāti. 23. 21; KauhaS'i. 67; अद्रुतामविलम्बिताम् । उच्चारयति कल्याणीं वाचम् Rāmā. iv. App. I. 3 (9); अनूनमव्यस्तमसक्तमद्रुतम् ··· राजसुतोऽब्रवीद्वचः BuddhaC. 7. 12; परः संनिकर्षः संहिता चेदद्रुतायामसंहितम् Vār. 1 (*on* i. 4. 109); MahāBh. i. 354. 18 (*on* i. 4. 109); **Bii** without haste अद्रुतम् ··· इत्थं शक्रध्वजोत्थानम् SamarāSū. 17. 146; **C** different from fluid अद्रुतवृत्तिद्रव्यत्वव्याप्यधर्मत्वात् पटत्ववदिति TattvCin. i. 757. 5; **D** not melted न हि द्रुतसुवर्णमध्ये पार्थिवभागः ··· अद्रुत एवावतिष्ठते PūrvottaVāNaMā. 80. 18; [Lexicons give the following words used in the sense of *adruta* : *śanaiḥ*, AgniP. 360. 32; S'abdaRa.(Vā.) 4603; KalpaK. 460. 22; *dhīra* and *visrabdha*, Vaija. 205. 52]

अद्रुतत्व (adruta–tva) *n.* non-fluidity जलमध्यस्थमषीक्षोदवत्तस्याद्रुतत्वात् SiddhāMu. 20. 27 (*on* 42)

अद्रुतम् (a–drutam) *adv.* slowly, without haste अद्रुतमविलम्बितमविशङ्कितमननुनासिकम् ···पठेत् SuśruS. i. 3. 54; अद्रुतमासिञ्चेत् SuśruS. iv. 40. 25; अद्रुतमविलम्बितं नेत्रमाकर्णिकं प्रवेशयेत् AṣṭāSaṁ. i. 148. 22 (1. 28); अञ्जनं नयेदनल्पम् ··· अद्रुतमविलम्बितम् AṣṭāSaṁ. i. 165. 3 (1. 32)

अद्रुताली (adrutālī) *f.* kind of beat, measure or *tāla* [nt.]

अद्रुति (a–druti) *f.* absence of devotional fervour (*lit.* absence of melting of mind) द्रुतौ सत्यां भवेद् भक्तिरद्रुतौ तु न किंचन BhaktiRa. 2. 57.

अद्रुतोच्चारित (a–drutoccārita) *adj.* not uttered speedily अश्लिष्टस्य प्रतीतयोगस्याद्रुतोच्चारितस्य वाक्यस्य ··· संबन्धो नास्ति TātpaṬ.(Vā.) 711. 20 (*on* v. 2. 10)

अद्रुम (a–druma) *adj.* **i** having no trees अद्रुमं दण्डकावनम् ··· चक्रे वितथमङ्गदः RāmC. 11. 89; **ii** timberless एतदनिष्टकमद्रुम(मलो)हमसुधम् ··· ब्रह्मेश्वरविष्णुल[क्षि]तायतनम् EI. xvii. 17. 1; *m.* other than a tree (अथ नपुंसकम्) अरिष्टमद्रुमपक्षिणोः KalpaK. 470. 79.

अद्रुह् (a–drúh) *adj.* **i** not deceiving, benevolent, reliable, sincere विश्वे देवासो अस्रिध एहिमायासो अद्रुहः ṚV. i. 3. 9; MaiS. iv. 10. 3; ये महो रजसो विदुर्विश्वे देवासो अद्रुहः ṚV. i. 19. 3; AV.(P.) vi. 17. 3; ṚV. i. 159. 2; ii. 1. 14; आ वामुपस्थमद्रुहा देवाः सीदन्तु यज्ञियाः ṚV. ii. 41. 21; MaiS. iii. 8. 7; Nir. 9. 37 (170. 5); रोदसी अद्रुहा ṚV. iii. 56. 1; iii. 22. 4; iv. 56. 2; अद्रुहा देवौ वर्धेते (मित्रावरुणौ) ṚV. v. 68. 4 = SV. II. vi(3). 11. 2; य इन्वति द्रविणानि प्रचेता विश्ववाराणि पुरुवारो अध्रुक् (अग्निः) ṚV. vi. 5. 1; vi. 11. 2; vi. 15. 7; vi. 51. 5; vi. 62. 4; vii. 66. 18; यमादित्यासो अद्रुहः पारं नयथ मर्त्यम् ṚV. viii. 19. 34; वि नो देवासो अद्रुहोऽच्छिद्रं शर्म यच्छत ṚV. viii. 27. 9; viii. 27. 15; viii. 44. 10 = SV. II. vii(2). 13. 1; ṚV. viii. 46. 4 = SV. I. iii(1). 2. 3; ये ··· व्रता रक्षन्ते अद्रुहः ṚV. viii. 67. 13; viii. 97. 12 = SV. II. iii(1). 14. 2; जनाय जुष्टो अद्रुहे वीत्यर्ष ṚV. ix. 9. 2 = SV. II. iii(1). 16. 3; स सप्त ··· नद्यो अजिन्वदद्रुहः ṚV. ix. 9. 4; ix. 73. 7; ix. 100. 1 = SV. I. vi(2). 1. 6; त्वां रिहन्ति मातरः ··· अद्रुहः ··· पवमान ṚV. ix. 100. 7 = SV. II. iii(2). 19. 2; ṚV. ix. 102. 5; x. 61. 14; x. 66. 8; येन सोमादितिः पथा मित्रा वा यन्त्यद्रुहः AV. vi. 7. 1 = AV.(P.) xix. 2. 7; (अग्नयः) जुषन्तां यज्ञमद्रुहः VājaS.(K.) 13. 4 = S'atBr. VII. i. 1. 25; आ वामुपस्थमद्रुहेति ··· परिवत्या परिदधाति KauṣīBr. 9. 4 (42. 12); (á–druh) मरीच्यात्मानो अद्रुहः । देवीर्भुवनसूवरीः TaiĀ. i. 1. 2 (4. 18); MānS'S. 66. 22; स प्रत्यूहच्छिदद्रुहः । सेनानीवाजियुग्मुख्यान् सम्राट् सूनावनामयत् DvyāśraKā. 11. 105; प्रभुरपि जनकानामद्रुहो याचकास्ते MahāvīC. 3. 5; **ii** never deceived, impossible to be deceived निचिरासो अद्रुहः (विश्वे देवाः) ṚV. iii. 9. 4 (Sāy. अद्रोग्धारः)

अद्रुहाण (a–druhāṇa) *adj.* not treacherous [v. l. in SV. for *a–druhvan* ṚV. v. 70. 2] cf. **अद्रुह्वन्**.

अद्रुह्यत् (a–druhyat) *adj.* not harming आधोरणेनाशु विवर्तितोऽसावद्रुह्यता भूपतये प्रसह्य Rāvaṇā. 3. 17.

अद्रुह्वन् (a–druhvan) *adj.* [DEBRU. p. 898] not deceiving, not hostile, reliable ता वां सम्यगद्रुह्वाणेषमश्याम धायसे ṚV. v. 70. 2; SV. II. iii(2). 8. 2.

अद्रूक्ष्ण (á–drūkṣṇa) *adj.* [DEBRU. p. 730; 928] not harsh, soft यत्ते वासः परिधानम् ···। शिवं ते तन्वे३ तत्कृण्मः संस्पर्शेऽद्रूक्ष्णमस्तु ते AV. viii. 2. 16.

अद्रूढमनस् (adrūḍha–manas) *adj.* who is not a cheat at heart द्रुग्धास्निगद्रूढमनः स्निडेषः ··· सान्ध्यविधिं व्यधत्त DvyāśraKā. 2. 55.

अद्रेश्य (a–dreśya) *adj.* [DEBRU. p. 790] invisible (unknowable) यत्तदद्रेश्यमग्राह्यमगोत्रमवर्णम् ··· तदव्ययं यद्भूतयोनिं परिपश्यन्ति धीराः MuṇḍaU.

i. 1. 6; अद्रेश्यं अदृश्यं सर्वेषां बुद्धीन्द्रियाणामगम्यमित्येतत् MuṇḍaUBh. 309. 8 (*on* i. 1. 6); 323. 12 (*on* i. 2. 13); अद्रेश्यमदृश्यं ज्ञानेन्द्रियाविषयः PrakaVi. 197. 17; अद्रेश्यम् ... चक्षुरदृश्यम् ... वा SrutaPra. iB. 323. 30 (*on* i. 2. 22); यद्वा अद्रेश्यम् – ज्ञानेन्द्रियाविषयः SrutaPra. iB. 324. 6 (*on* i. 2. 22); यत्तददृश्यम् (v. l. यत्तदद्रेश्यम्) बुद्धीन्द्रियाविषयः Bhām. 183. 2 (*on* i. 2. 21); TattvPrakā. 37B. 5 (*on* i. 2. 2); अद्रेश्यं अदृश्यम् LaCandr. 239. 19.

अद्रेष्क (adreṣka) *m. Melia sempevirens*, NighPra. [pw]

अद्रोग्धव्य (a-drogdhavya) *adj.* which is not to be injured (हविर्धाने) अद्रोग्धव्ये इति वा Nir. 9. 37 (170. 7)

अद्रोग्धृ (a-drogdhṛ) *adj.* not treacherous (मन्त्रिणः) अद्रोग्धारश्च धर्मेण शत्रोरप्यकृतागसः Rāmā. i. 260*1.

अद्रोघ (a-droghá, á-grogha) *adj.* **I** free from deception, true त्वं देहि सहस्रिणं रयिं नोऽद्रोघेण वचसा सत्यमग्ने ṚV. iii. 14. 6; अद्रोघ सत्यं तव तन्महित्वम् ṚV. iii. 32. 9; अद्रोघो न द्रविता चेतति त्मन्नमर्त्योऽवर्त्र ओषधीषु ṚV. vi. 12. 3; vi. 22. 2; अद्रोघमावदोशतो यविष्ठ्य देवाँ अजस्र वीतये ṚV. viii. 60. 4; **II** undeceived, unharmed by wiles कृणुत धूमं वृषणः सखायोऽद्रोघाविता (*em* अद्रोघा वीता) वाचमच्छ AV. xi. 1. 2.

अद्रोघम् (a-droghám) *adv.* without falsehood ये अद्रोघमनुष्वधं श्रवो मदन्ति यज्ञियाः ṚV. v. 52. 1.

अद्रोघवाच् (ádrogha-vāc) *adj.* whose speech is free from deceit हुवे वः सूनुं सहसो युवानमद्रोघवाचं मतिभिर्यविष्ठम् ṚV. vi. 5. 1; नक्षद्दाभं ततुरिं पर्वतेष्ठामद्रोघवाचं मतिभिः शविष्ठम् ṚV. vi. 22. 2; तमु ष्टुहि यो अन्तः सिन्धौ सूनुः । सत्यस्य युवानमद्रोघवाचं सुशेवम् AV. vi. 1. 2.

अद्रोण (a-droṇa) *adj.* devoid of Droṇa (teacher of the Kauravas and Pāṇḍavas) अदुःशासनमद्रोणम् ... राष्ट्रं भीमः करिष्यति PāṇḍaC. 6. 1006.

अद्रोणिक (a-droṇika) *adj.* not having the shape of a trough कुब्जमद्रोणिकं पृष्ठं रोमशं यदि योषितः । स्वप्नान्तरे सुखं तस्या नास्ति हन्त्यात्पतिं च सा BhaviP. 21B. 7 (i. 5. 38); अद्रोणिकं द्रोणी काष्ठाम्बुवाहिनी तद्रहितशालं न भवति VīraMi. (Lakṣaṇa.) 156. 4.

अद्रोह (a-droha) *m.* **1** (with Dat., Loc., or Gen.) absence of treachery or enmity अद्रोहस्तेभ्यः, न सतानूनप्त्रिणे द्रोग्धव्यमिति श्रुतेः KātySS. viii. 1. 26; एतद्धि त्रितयं श्रेष्ठम् ... । निर्वैरता ... सत्यमद्रोह एव च MahāBhā. xv. 35. 9; प्रतिजानीहि चाद्रोहं ब्राह्मणानां नराधिप MahāBhā. xii. 147. 21; सख्यं च विष्णुना मे स्याद्भूतेष्वद्रोह एव च MahāBhā. iii. 195. 31; ii. 50. 20; iii. 198. 87; xii. 21. 10; अद्रोहः सर्वभूतानामसंकल्पमसंज्ञिता । तन्मां भजन्तु विश्वेश Rāmā. i. 1190*(11); iii. 68. 13; तेजः क्षमा ... अद्रोहो नातिमानिता । भवन्ति संपदं दैवीमभिजातस्य भारत BhagGi. 16. 3; अद्रोहो धर्मस्तमपि भयाज्जह्यात् KāmSū. 303. 7 (5. 6); अद्रोहश्चाप्यलोभश्च ... सनातनस्य धर्मस्य मूलमेतत् BrahmāṇḍP. i. 30. 37; VāyuP. i. 57. 116; अद्रोहानुपवासांश्च ... कुर्याच्च पण्डितः MārkP. 58. 70; अद्रोहं मम भक्तानां भूतानामभयं नृप । इत्येवमादयो ब्रूयान्मद्भक्त्या श्रद्धयान्वितः VṛGautaSm. 635. 24(22); प्राणैरपि हिते वृत्तिरद्रोहो व्याजवर्जनम् । ... एतन्मैत्रीमहाव्रतम् MahāViC. 5. 29 (150. 6); निष्परिग्रहताद्रोहः समता सर्वजन्तुषु । ... एष परिव्राड्धर्म उच्यते NītiSā. 2. 29; अद्रोहे समयं कृत्वा वृत्रमिन्द्रः परावधीत् NītiSā. 9. 54; शिष्यः ... अद्रोहं शीलयन् (भवति) LakṣmīT. 27. 31; अद्रोहः सर्वसत्त्वेषु यज्ञो यस्य दिने दिने YaśasCam. ii. 412. 11; स्त्रीणामद्रोहो मन्त्रिणां व्रतम् RājTa.(Ka.) 2. 48; 7. 8; 8. 3339; SūktiRa. 180. 1; अद्रोहः सर्वभूतेषु वाङ्मनःकायकर्मभिः (धर्मनिरूपणम्) PadmP. i. 31. 168; Subhāṣi. 3047; अद्रोहेणार्जितं द्रव्यं प्रशस्तं धर्मकर्मणि DevīBhāP. iv. 4. 42; i. 19. 4; अद्रोहः शौचानामचापलं व्रतविशेषनियमानाम् KalāVi. 10. 19; अद्रोहो भूतगणे ततस्तु भूतानुकम्पा स्यात् PraboSu. 177; **2**. absence of injury (to others) अद्रोहेणैव भूतानामल्पद्रोहेण वा पुनः । या वृत्तिस्तां समास्थाय विप्रो जीवेदनापदि ManuSm. 4. 2; अद्रोहः परजिघांसाभावः अहिंसनम् GītāBh.(Śaṅ.) 453. 14 (*on* 16. 3); अद्रोहोऽपि अहिंसा भूतानां तत्तत्कालमेवेन फलार्थं एव विहितः Kāśi. i. 137. 21 (*on* 2. 146); तथा सत्यद्रोहेणेत्येतदाहृतं भवति ManuBh. i. 344. 5 (*on* 4. 33); अद्रोहोऽहिंसा ManuBh. i. 381. 11 (*on* 4. 148); अद्रोहः परेष्वनुपरोधः GītāBh.(Rā.) 608. 12 (*on* 16. 3); अद्रोहेण दुःखानुत्पादने ManvaVi. 450. 13 (*on* 4. 2); अद्रोहेणेति । परस्यापीडा शिलोञ्छायाचितादिरद्रोहः ManvaMu. 143. 17 (*on* 4. 2)

अद्रोह (a-droha) *adj.* [*f.* –ā] free from treachery or deceit नारी ... नित्यं भर्तरि चाद्रोहा प्रयता साङ्गतेन वै PauṣkS. 30. 187; अद्रोहः सर्वभूतेषु मैत्रीं कुर्याच्च पण्डितः MārkP. 58. 71; नित्यं भर्तरि चाद्रोहा (नारी) प्रयाता सह तेन वै PāraS. 12. 523; अद्रोहोऽस्तेयकर्मा च ... यः PrajāSm. 1. 39; अचञ्चलं रागविरागवर्ज्यममेयमद्रोहमबाधसंगम् (मोक्षमुदाहरन्ति) VarāṅgaC. 10. 7; नाद्रोहो नित्यशङ्कितः RājTa.(Ka.) 4. 90; 6. 221; यच्चद्रोहोऽसि ... । तत्त्वयाशु विशुद्धयर्थमसिधेनुः समर्प्यताम् RājTa.(Ka.) 7. 1031; 8. 1719.

अद्रोहक (adroha-ka) *adj.* free from treachery, non-treacherous, अध्याप्याः । शक्ताः कृतज्ञाः शुचयोऽद्रोहकाश्चानसूयकाः SkandP. iv. 36. 15.

अद्रोहचेतस् (adroha-cetas) *adj.* having no malicious intentions शिवास्ते सन्तु पन्थानः ... । आगमाश्च तथा पुत्र भवन्त्वद्रोहचेतसः MahāBhā. iii. 292. 11.

अद्रोहतस् (adroha-tas) *adv.* without treachery or deceit येनादिश्यत वेधसा जनिमतामद्रोहतो जीवनम् NīlaVi. 64. 8.

अद्रोहता (adraha-tā) *f.* abstention from doing harm (to others) तत्र या स्थावरजङ्गमानां भूतानां वाङ्मनःकायकर्मभिरद्रोहता सा अहिंसा MāṭhVṛ. 38. 20 (*on* 23)

अद्रोहप्रत्यय (adroha-pratyaya) *m.* assurance about the absence of treachery अद्रोहप्रत्ययं राज्ञो मगधेशमकारयत् KathāSaSāg. iii. 2. 84.

अद्रोहबुद्धि (adroha-buddhi) *adj.* having the mind free from treachery संसारेऽस्मिन् ... । धर्मात्माद्रोहबुद्धिस्तु कश्चिद्भवति कर्हिचित् DevīBhāP. iv. 5. 1.

अद्रोहमध्यग (a-drohamadhyaga) *adj.* not including oneself among the treacherous (people) अद्रोहमध्यगो राजा शाहमेरे प्रसन्नधीः । सक्रोटामातृकं वृद्धयै स्वपुत्रं हैदरं ददौ RājTa.(Jo.) 247.

अद्रोहवती (adroha-vatī) *adj.* (*f.*) not betraying, non-treacherous अद्रोहवत्या बुद्ध्या च पूर्वजन्म स्मरेद्द्विजः SkandP. iii(2). 6. 91; iv. 38. 89.

अद्रोहवृत्ति (adroha-vṛtti) *f.* behaviour without treachery अद्रोहवृत्त्या तस्मात्त्वं द्रक्ष्यस्यस्मान् RājTa.(Ka.) 5. 324.

अद्रोहसंकल्प (adroha-saṅkalpa) *m.* determination not to hurt भूतानि मया न जातु हिंसितव्यानीति अद्रोहसंकल्पं गृहीत्वा NyāyKa. 278. 6.

अद्रोहसमय (adroha-samaya) *m.* a pact of non-injury, friendship अद्रोहे समयं (v. l. अद्रोहसमयं) कृत्वा चिच्छेद नमुचेः शिरः MahāBhā. ii. 50. 20; अद्रोहसमयं कृत्वा वृत्रमिन्द्रः पुरावधीत् SūktiRa. 108. 13; ŚukraNī. 4(7). 247.

अद्रोहार्थित (adrohārthita) *adj.* begged or sought for without treachery अद्रोहार्थिततत्संविपीतकोशोदकोऽपि सन् । लब्ध(? द्)मार्गपतिं सुहभट्टो रोद्धुमचिन्तयत् RājTa.(Jo.) 793.

अद्रोहिता (adrohi-tā) *f.* the state of being devoid of malice सर्वत्राद्रोहिता सताम् TriṣaŚaPuC. i. 1. 766.

अद्रोहिन् (a-drohin) *adj.* not malicious, harmless वाङ्मनःकर्मदण्डैर्भूतानामद्रोही BaudhDS. ii. 6. 25; YājñaSm. 1. 28; (अध्याप्यः) अद्रोही सर्वभूतानाम्, आचार्याद्रोहस्य हितवचनादेव सिद्धत्वात् BālaKrī. i. 45. 16 (*on* 1. 28); नाम्, ... षडध्याप्या द्विजातयः KūrmaP. 540. 9 कृतज्ञश्च तथाद्रोही मेधावी तूपकृन्नरः । ... षडध्याप्या द्विजातयः KūrmaP. 540. 9 (2. 14); PadmP. i. 53. 41; अद्रोही दयावान् Mitā. 9. 26 (*on* 1. 28); अद्रोह्यनपराधी Aparā. 56. 23 (*on* 1. 28); SmṛtiCan. i. 140. 4; अद्रोही द्रोहाभाववान् DīpKa. 5. 10 (*on* 1. 28); अद्रोही परहिंसापराङ्मुखः VīraMi. 82. 70 (*on* 1. 28)

अद्र्यंश (adry-aṁśa) *m.* seven parts पुष्करं कल्पयेत् । अद्र्यंशाहितमेखलावृतपदं शाखातगर्तान्विता ŚilpaRa. ii. 28. 26.

अद्र्यन्त (adry-anta) *m.* foot of a mountain पादा रश्म्यङ्घ्रितुर्यांश ऋगंशाद्र्यन्तपर्वताः AnekāK. 386.

अद्र्यादेश (adry-ādeśa) *m.* (Gr.) the substitute *adri* टेर्‌य्रादेशः स्याद्वप्रत्ययान्तेऽञ्चतौ परे PrakriKau. i. 663. 2; अदसोऽद्र्यादेशस्य अदसोऽसेरिति मुभाव इत्येके PrakriKau. i. 663. 4; Prasā. i. 265. 8, 10; अद्र्यादेशस्याद्यादेशावन्तोदात्तौ निपातनादिति स्पष्टं भाष्ये LaŚabdeŚe. i. 339. 16.

अद्र्यालय (adryālaya) *adj.* Śiva (dwelling in mountains) अद्रिरद्र्यालयः (भगवानिति भक्त्या स्तुतो मया) MahāBhā. xiii. 17. 37; ŚivaP. iv. 35. 36 (391B. 9)

अद्र्युचित (adry-ucita) *adj.* proper for a mountain यो / नलो / भरमितः कदनेषु स्थेमवृत्तिरवहद् भुवि कीर्तिम् । पाण्डुमद्र्युचितसुन्नतिभावं सोऽवलम्ब्य न / कुलप्रभुरस्थात् RāghPāṇ.(Dha.) 10. 18.

अद्र्युत्सङ्ग (adry-utsaṅga) *m.* lap of a mountain नित्योत्सङ्ग (v. l. अद्र्युत्सङ्ग) वसन्भुजङ्गकवलक्लेशादिवेशाचलं प्रालेयप्लवनेच्छयानुसरति श्रीखण्डशैलानिलाः GītGo. i. 4. 11.

अद्र्युदित (adry-udita) *adj.* risen from the (eastern) mountain गवान्ति(? वां नि-)क्रायानपरे । अद्र्युदितारुणधाममस्फुरिते वयमपि समागता रुणधाम YudhiVi. 6. 6.

अद्र्युन्नति (adry-unnati) *f.* height of a mountain ततः सुमित्रोदयहेतुभूतामद्र्युन्नतिं प्राप्तमसूत सूनुम् RāghPāṇ.(Dha.) 3. 29.

अद्र्येक (adry-eka) *nu.* the number 17 पञ्चाद्र्येकं तुलराशौ ... योगभागाः अश्विभादिषु MaBhāsk. 3. 64.

अद्वका (a-dvakā) *adj.* (*f.*) not two अद्वके KāśiVṛ. *on* P. vii. 3. 47; एषाद्वा। अनयोर्नञ्पूर्वयोर्नेत्वम् … अद्वका PrakriKau. i. 332. 5; SiddhāKau. 115B. 2.

अद्वचन (ad-vacana) *n.* mention of *at* आत् इति वर्तमाने अद्वचनं किमर्थम् Prasā. i. 234. 10; LaS'abdeS'e. i. 317. 9.

अद्वन् (ád-van) *adj.* [DEBRU. p. 894] who eats इन्द्रा॑विष्णू ह॒विषो॑ वावृ॒धाना॒ग्रा॑द्वाना॑ … द्रवि॑णं धत्तम॒स्मे ṚV. vi. 69. 6 cf. अग्राद्वन्.

अद्वन्द्व (a-dvandva) *m.* **i** obsence of a *dvandva* compound उपकादिभ्योऽन्यतरस्यामद्वन्द्वे P. ii. 4. 69; MahāBh. i. 494. 2; अद्वन्द्वग्रहणं द्वन्द्वाधिकारनिवृत्त्यर्थम् KāśiVṛ. *on* P. ii. 4. 69; एषामद्वन्द्वे विकल्पः Prasā. i. 729. 10; LaS'abdeS'e. ii. 221. 5; *n.* absence of opposites (likes and dislikes) त्रिकालज्ञत्वमद्वन्द्वं परचित्ताद्यभिज्ञता … एताः … योगधारण सिद्धयः BhāgP. xi. 15. 8; *adj.* [*f.* -ā] **i** peerless तस्य (मेरोः) पृष्ठमुपारुह्य … अनन्तकल्पमुद्विद्धं (v. l. मद्वन्द्वं) सुराः … मन्त्रयितुमारब्धाः MahāBhā. i. 15. 9; अरूपमद्वन्द्वम् … प्रभावमग्र्यं कथमम्ब वर्णये BrahmāṇḍP. iii. 13. 27; (चन्द्रापीडः) असमस्तपदवृत्तिमिवाद्वन्द्वाम् … कन्यकां ददर्श Kād. 131. 14; श्री[श]ङ्करगणस्तस्मादभूद्भूमीश्वरो महान्। यत्पादद्वन्द्वमद्वन्द्वं द्विषद्भिरपि सेवितम् EI. i. 260. 24; VīraMi. 1. 2 (*on* 0. 0); NyāySu.(Ja.) 122A. 5 (*on* i. 1. 5); NīlaVi. 97. 15; **ii** having no copulative compound, Kād. 131. 14; **iii** having no pairs or opposites विद्वानेव परं ब्रह्म आत्मनात्मानमद्वयम्। न बिभेत्येकलोऽद्वन्द्वो भयहेतोरसम्भवात् TaiUBhāVā. 191. 20 (2); तस्माच्छास्त्रेण जिज्ञास्यम् … वासुदेवाख्यमद्वन्द्वं परं ब्रह्माखिलोत्तमम् AnuVyā. 6B. 8 (*on* 1. 1); BṛBrahmaS. ii. 2. 5.

अद्वन्द्वगुण (advandva-guṇa) *m.* quality of non-duality (गिरीशः) उपास्यमानो मुनिभिरद्वन्द्वगुणलक्षणः BrahmāṇḍP. iii. 11. 3.

अद्वन्द्वभक्ति (advandva-bhakti) *adj.* of matchless devotion अद्वन्द्वभक्तिममुमात्मपदारविन्दद्वन्द्वे … मुनीन्द्रः … आत्मीयकोशमखिलं त्रिरपाठयत् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 6. 68.

अद्वन्द्वसुख (advandva-sukha) *n.* peerless happiness दत्त्वास्मै कटकद्वन्द्वमद्वन्द्वसुखमन्दिरम्। ययौ SamarāSaṁ. 5. 93.

अद्वन्द्वहेतु (advandva-hetu) *m.* purpose of attaining the absolute (without dual nature) नाहं वन्दे तव चरणयोर्द्वन्द्वमद्वन्द्वहेतोः MukuMā. 5 = SaduktiKa. 47. 4.

अद्वन्द्वार्थवृत्तित्व (advandvārthavṛtti-tva) *n.* the state of not conveying the meaning of a copulative compound अत्र तच्छब्दाद् द्विवचनं न भवति, वाक्यस्य प्रस्तुतत्वादद्वन्द्वार्थवृत्तित्वात् PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* i. 2. 63.

अद्वय (a-dvaya) *adj.* [*f.* -ā] **i** unique, without duality तद् ब्रह्माद्वयमस्म्यहम् KaivaU. 19; BrahmāṇḍP. ii. 43. 2; PramāVāSvopVṛ. 33. 9; VākyaP. 3 (3). 65; 32. 2 (*on* 1. 8); GauḍKā. 2. 33; अस्ति शिवः … सर्वेशो निर्मलोऽद्वयः KulārT. 1. 7; BrahmSi. 51. 8; S'yāmaDaṇ. 9. 23; TattvSaṁ. 2079; अद्वयं द्वयनिर्भासं सदा चेदवभासते NyāyVi. 2. 50; AparoAnu. 111; ĀtmaBo. 56; परमात्मभावमद्वयमपेक्ष्य देवादयोऽप्यसुराः IśopBh. 8. 19 (*on* 3); UpadeSā. 173. 4; AitUBh. 249. 18 (*on* 1. 0); KāṭhUBh. 158. 9 (*on* 4. 5); ChāndoUBh. 472. 4 (*on* viii. 1. 0); TaiUBh. 279. 13 (*on* 2. 9); DakṣiMuA. 1; PraśnaUBh. 291. 18 (*on* 6. 2); BṛĀraUBh. 7. 17 (*on* i. 1. 1); मोक्षः … परमानन्दोऽद्वयः MuṇḍUBh. 313. 14 (*on* i. 2. 1); SadācāAnu. 22; SarvaVeSāSaṁ. 760; SvātmNi. 2; जानाम्यात्मानमद्वयम् SvātmPra. 2; BālaKrī. ii. 55. 5 (*on* 3. 148); IṣṭaSi. 273. 18; NyāyMañ. i. 343. 8; गुहायामद्वयं ब्रह्म तस्मान्निहितमुच्यते TaiUBhVā. 120. 12 (2); NaiṣkaSi. 85. 3; देवताद्रव्यकर्त्रादि ननु वस्त्वस्तु नाद्वयम् BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 185; i. 4. 945; PañcPra. 47. 5; SphoṭaSi. 62. 4; प्रत्यञ्चमद्वयमशेषविशेषहीनं विक्षिप्य SaṁkṣeS'ā. 1. 21 (i. 27. 9); वदन्ति तत्तत्त्वविदस्तत्त्वं यज्ज्ञानमद्वयम् BhāgP. i. 2. 11; AgniP. 116. 37; SkandP. iii(1). 45. 55; Stotrā. 13. 20; उपनीयाद्वयं ब्रह्म सवासनामविद्यां हिनस्ति Bhām. 102. 1 (*on* i. 1. 4); अद्वयचित्प्रत्यग्ब्रह्मस्वरूपावस्थानलक्षणमात्यन्तिकं कैवल्यम् PañcPra. 23. 8; SāṁkhyaTaKau. 225. 5 (*on* 9); LiṅgaP. i. 8. 107; BṛDharmaP. i. 38. 53; मेने … आत्मानम् … अद्वयम् SaurP. 5. 16; S'ivaP. ii(2). 10. 36 (79B. 3); AdhyāRā. i. 1. 32; सत्यं ब्रह्माहमद्वयम् YogVā. iii. 21. 35; एकं श्रेष्ठाद्वयान्येषु NānārthSaṁ. 19. 1; KhaṇḍanKhā. 137. 13; आह क्षपणको विश्वं सदसद्द्वयमद्वयम् AnuVyā. 31A. 11 (*on* 2. 2); KarmaNi. 3A. 11; इदं सर्वम्…नित्यमद्वयम् GopāKeCan. 147. 9; Aparā. 1. 10 (*on* 0. 0); SaduktiKa. 188. 13; तस्मादद्वयं सत्यं परं ब्रह्मतत्त्वं सर्वशब्दार्थः SarvaDaSaṁ. 13. 250; NyāySu.(Ja.) 411B. 10 (*on* ii. 2. 10); S'aṅkaVi.(Ā.) 17. 3; SarvaDaKau. 109. 14; वस्तु सच्चिदानन्दमद्वयं ब्रह्म VedāntSā.(Sa.) 5. 6; ĪśvaS'. 85; BṛBrahmaS. i. 4. 31; SetuBa. 232. 19; PadyaVe. 444; एकेन हृदयं शीर्षं तावताथोऽद्वयं द्वयात् TantrRā. 7. 4; **ii** other than the two (neither *kuśala* nor *akuśala*) विषयस्योपलब्धिः सा कुशलाकुशलाद्वया Triṁśi. 8; **iii** unparalleled अद्वयदोर्द्वयशालीरुच्विरोद्योतं समातनुते KandaCū. iv. 2. 1; *n.* non-duality उत्पादे च निरोधे च तथतायां गभीरता। ज्ञाने ज्ञेये च चर्यायामद्वयोपायकौशले AbhisaAlaṅ. 4. 59; PratyabhiVi. ii. 113. 8 (*on* ii. 3. 9); YātrāPra. 6. 162; शिवशक्त्योरद्वयमपृथग्भावः S'ivārkaMaDī. ii. 498. 28 (*on* iv. 4. 19); *m.* name of a Buddha श्रीघनाद्वयौ … बुद्धाः स्युः AbhidhāCin. 234; ParaNā. 418.

अद्वयक (advaya-ka) *adj.* devoid of duality (i. e. absolute) अविकारिबोधवपुरद्वयकः (पुरुषः) SaṁkṣeS'ā. 2. 29 (ii. 16. 18)

अद्वयकारण (advaya-kāraṇa) *n.* unique cause कथं भासो भवेदन्यः स्थिते चाद्वयकारणे AparoAnu. 47.

अद्वयगत (advaya-gata) *adj.* related to the unique (Brahman) वाक्यजन्यं विज्ञानमद्वयगतं न ततोऽन्यदन्यत् SaṁkṣeS'ā. 1. 563 (i. 398. 4)

अद्वयचित्तत्त्व (advaya-cittatva) *n.* unique conscious principle अद्वयचित्तत्त्वस्य द्वयरूपस्मर्तृभावग्रहणाद्धेतोः Bhāsk. i. 154. 11 (*on* i. 4. 1)

अद्वयचित्सुखात्मक (advayacitsukhātmaka) *adj.* of the form of non-duality, consciousness and bliss एकः स्वतन्त्रोऽद्वयचित्सुखात्मकः स नः प्रसन्नोऽस्तु पिनाकपाणिः BrahmP. 129. 68.

अद्वयज्ञान (advaya-jñāna) *n.* knowledge of the unique श्रौतमद्वयज्ञानम् … बाधकत्वाभिमतप्रत्यक्षादिस्वरूपोच्छेदकम् LaCandr. 519. 22.

अद्वयज्ञानपक्ष (advayajñāna-pakṣa) *m.* the doctrine that cognition is devoid of duality अद्वयज्ञानपक्षे तु नायं हेतुः प्रसिध्यति TattvSaṁ. 1911.

अद्वयत् (á-dvayat) *adj.* devoid of duplicity मन्थ॑ता नरः क॒विमद्व॑यन्तम् ṚV. iii. 29. 5.

अद्वयतत्त्व (advaya-tattva) *adj.* characterised by a unique form तद्वदद्वयतत्त्वोऽपि तदसंबोधहेतुतः। आत्मा संसारितां यातः BṛĀraUBhVā. ii. 4. 435.

अद्वयता (advaya-tā) *f.* the state of being devoid of duality तस्मादद्वयता शिवा GauḍKā. 3. 33.

अद्वयताभिमान (advayatābhimāna) *m.* pride of uniqueness or secondlessness स्वाखिलतुल्यजेतुः। उद्वेगभागद्वयताभिमानादिहैव वेधा व्यधित द्वितीयम् NaiṣC. 7. 103.

अद्वयताविरोध (advayatā-virodha) *m.* opposition to non-duality चैतन्यनिर्विकृतिताद्वयताविरोधात् SaṁkṣeS'ā. 1. 51 (i. 54. 14)

अद्वयत्व (advaya-tva) *n.* uniqueness ब्रह्म … अद्वयत्वादविषयत्वात् … न केनचिच्छब्देनोच्यते GītāBh.(S'aṅ.) 383. 3 (*on* 13. 12); अकारकाद्वयत्वाभ्यां द्रष्टृत्वं नाक्षरात्मनः BṛĀraUBhVā. iii. 8. 175; कौटस्थ्याददद्वयत्वाच्च पुष्यत्येव शुभाशुभे TaiUBhVā. 193. 2 (2); न हि भवति कदाचित् सद्वयस्याद्वयत्वम् SaṁkṣeS'ā. 1. 166 (i. 135. 15); 1. 96 (i. 88. 9); न हि साधुत्वसंसृष्टस्याद्वयत्वादिसंभवः GuruCandr. ii. 306. 7.

अद्वयत्वतस् (advayatva-tas) *adv.* due to uniqueness द्वयं तु पश्यन्नपि चाद्वयत्वतः UpadeSā. 180. 13; स्वप्नवन्न सुषुप्तोऽतः स्वत एवाद्वयत्वतः TaiUBhVā. 156. 15 (2); विकारहेतुर्न च तेऽद्वयत्वतः AdhyāRā. v. 4. 18.

अद्वयत्वविशेषण (advayatva-viśeṣaṇa) *adj.* characterised by uniqueness प्रत्यग्धीमात्रतः प्रत्यङ्ङद्वयत्वविशेषणः BṛĀraUBh. iv. 3. 1183.

अद्वयत्वोपपत्ति (advayatvopapatti) *f.* reasonableness of non-duality तत्त्वमसीत्यद्वयत्वोपपत्तये SarvaVeSāSaṁ. 699.

अद्वयदर्शिन् (advayadarś-in) *adj.* revealing non-duality नन्वद्वयदर्शि चेद्विज्ञानं कथं भेदप्रथा ĀtmaTaVi. 462. 1.

अद्वयपर (advaya-para) *adj.* given to non-duality श्रुतिराशिरद्वयपरोऽपि परंपरयात्मबोधफलकर्मणि च। प्रसरत्कटाक्षः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 9. 9.

अद्वयपरिपूर्णरूपा (advayaparipūrṇa-rūpā) *adj.* (*f.*) having a unique and complete form इत्येकैवाद्वयपरिपूर्णरूपा संवेदनसत्ताभट्टारिकेयं परा भगवती परमेश्वरी ParāTri. 197. 8.

अद्वयप्रभ (advaya-prabha) *adj.* having a unique lustre अथ कथयत्यध्यायं द्वितीयमेषोऽद्वयप्रभो वीरः KandaCū. iii. 2. 1.

अद्वयबुद्धिहेतु (advayabuddhi-hetu) *m.* cause of the knowledge of non-duality गुर्वादि सर्वमिदमद्वयबुद्धिहेतुः SaṁkṣeS'ā. 1. 338 (i. 251. 6)

अद्वयबोधकता (advayabodhaka-tā) *f.* the state of one explaining the non-dual (principle) नापि विरुद्धविशेषणान्यनपेक्ष्याद्वयबोधकता NayaMañ. III. iii. 6. 12.

अद्वयब्रह्मन् (advaya-brahman) *n.* non-dual Brahman अद्वयब्रह्मणो जगत्सर्गवादिनः समन्वयस्य … अगतार्थत्वमाह VedāntKa. 235. 22 (*on* ii. 1. 13); 372. 19 (*on* iii. 2. 10); 412. 6 (*on* iii. 3. 16)

अद्वयभाग (advaya-bhāga) *m.* part of the nature of non-duality तच्छब्दवाच्यगतमद्वयभागमेकम् SaṁkṣeS'ā. 1.160 (i. 131. 11)

अद्वयभावना (advaya-bhāvanā) *f.* thought of non duality देयादद्वयभावनां स भगवान् देवोऽर्धनारीश्वरः RājTa.(S'rī.) 1 (1).2.

अद्वयमत (advaya-mata) *n.* philosophy of non-duality ख्यापयाद्वयमते परतत्त्वम् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 6.50.

अद्वयमय (advaya-maya) *adj.* [*f.* -ī] consisting of non-duality तेनोक्तं प्रत्यभिज्ञायां तदद्वयमयं जगत् AjaḍaPraSi. 1.27; सैव च सकलप्रमातृसंविदद्वयमयी सततमेव वर्तमानरूपा ParāTri. 4.5.

अद्वयरूप (advaya-rūpa) *adj.* of non-dual nature निर्दोषोऽपि बद्धो अद्वयरूपोऽपि भिन्नः कथ्यते इत्यर्थः TattvPrakā. 154A.8 (*on* iii. 2.13); इहाप्यनृतजडदुःखानात्मद्वैतविरोधिसत्यज्ञानानन्दात्माद्वयरूपब्रह्मैव SarvaDaKau. 142.4.

अद्वयरूपतस् (advayarūpa-tas) *adv.* (different) from the nature of being non-dual ततोऽपि तस्मादद्वयरूपतोऽन्यद्रूपान्तरं कल्पयितुं न शक्यम् Saṁkṣe. S'ā. 3.283 (ii. 311.18)

अद्वयरूपिन् (advaya-rūpin) *adj.* having the nature of non-duality इतीत्युक्तपरामर्शो ब्रह्मणोऽद्वयरूपिणः। साक्षात्तद्बोधहेतुत्वाद्वल्ली ह्युपनिषद्भवेत् TaiU-BhVā. 194.20 (2)

अद्वयलक्षण (advaya-lakṣaṇa) *n.* characteristic feature of non-duality तस्यैव बुद्धत्वस्याद्वयलक्षणे सानुभावे द्वौ श्लोकौ MaYānaSū. 34.1 (9.4); अद्वयलक्षणं पुनर्महामते कतमत्? यदुत च्छायातपवद्दीर्घह्रस्वकृष्णशुक्लवन्महामते द्वयप्रभाविता न पृथक्पृथक् LaṅkāSū. 2.134 (32.25)

अद्वयलक्षण (advaya-lakṣaṇa) *adj.* [*f.* -ā] having the characteristic of non-duality परमं प्रकृष्टं निरतिशयं साम्यं समतामद्वयलक्षणाम् MuṇḍUBh. 346.5 (*on* 3.3); तथेहाप्यनृतजडदुःखानात्मद्वैतविरोधिसत्यज्ञानानन्दानन्ताद्वयलक्षणं ब्रह्मैव ... युक्तमभ्युपगन्तुम् TattvPradī.(Ci.) 390.14.

अद्वयवपुस् (advaya-vapus) *adj.* having a non-dual form (i. e. the Absolute) सच्चित्सुखाद्वयवपुः कथयन्ति केचित् SaṁkṣeS'ā. 1.174 (i. 141.7)

अद्वयवस्तु (advaya-vastu) *n.* entity that is non-dual or unique साक्षाददद्वयवस्तुनस्तव विभोरज्ञानविच्छेदिनः SaṁkṣeS'ā. 1.254 (i. 195.12); 1.293 (i. 220.5); प्रदक्षिणमनन्तस्य प्रमाणोऽद्वयवस्तुनः NirguMāPū. 7.

अद्वयवाद (advaya-vāda) *m.* the doctrine of uniqueness तन्वन्दिशां परिमलाद्वयवाददीक्षाम् S'rīKaC. 7.48; ननु जृम्भित एष तत्र जैत्रो मदनस्याद्वयवादसम्प्रदायः S'rīKaC. 8.11; रामणीयकगुणाद्वयवादं मूर्तमुत्थितममुं परिभाव्य NaiṣC. 5.65.

अद्वयवादिन् (advaya-vādin) *adj.* [*f.* -nī] advocate of the theory of non-duality भवसि भवसाररत्नं तेनाद्वयवादिनासदृशः KuṭṭaMa. 781; एकचित्ततिरद्वयवादिनस्त्रयीपरिचितोऽथ बुधस्त्वम् NaiṣC. 21.87; आपाततो यदिदमद्वयवादिनीनामद्वैतमाकलितमर्थतया श्रुतीनाम् KhaṇḍanKhā. 225.21; सतोऽद्वयवादिना ...अनपेक्षणात् YuktiSneha. 21.12 (*on* i. 1.2); *m.* name of Buddha, AmaK. 27; SāṁkhyaPraBh. 15.10 (*on* 1.20); मारजिदद्वयवादी AbhidhāRaMā. 1.85; Vaija. 5.34; S'abdaRa.(Vā.) 76; KalpaK. 84.144.

अद्वयशब्दवेद्य (advayaśabda-vedya) *adj.* to be known by the expression 'without a second', Absolute यः ... स्वाधारभूतोऽद्वयशब्दवेद्यः। ... पुरुषो बभूव BṛBrahmaS. i. 1.17.

अद्वयशासन (advaya-śāsana) *n.* teaching of non-duality शृणुत संग्रहमद्वयशासने SaṁkṣeS'ā. 1.331 (i. 246.23)

अद्वयशोधित (advaya-śodhita) *adj.* purified with (the knowledge of) non-duality त्वमेव हि वपुःसारं भक्तैरद्वयशोधितम् Stotrā. 1.14.

अद्वयश्रुति (advaya-śruti) *f.* Vedic sentence conveying non-dual entity सैव द्वारद्वयश्रुतेः KhaṇḍanKhā. 166.13; 166.16; स्वाप्नाद्विशेषस्यासिद्धौ प्रपञ्चस्याद्वयश्रुतिः Nyāyāmṛ. 137B.8; 262B.8; तस्या अद्वयश्रुतिबाधकत्वायोग्यत्वप्राप्तौ ... बाध्यते GuruCandr. ii. 240.22; LaCandr. 517.21.

अद्वयस् (á-dvayas) *adj.* free from duplicity, reliable मयोभुरद्विषेण्यः सखा सुशेवो अद्वयाः ṚV. i. 187.3; KāṭhS. 40.8; AitĀ. 4.9; अदितिर्नो दिवा पशुमदितिर्नक्तमद्वयाः ṚV. viii. 18.6.

अद्वयसमाश्रय (advaya-samāśraya) *adj.* having the non-dual (i. e. Absolute) principle as substratum or abode नाज्ञानमद्वयसमाश्रयमेवमिष्टम् SaṁkṣeS'ā. 2.211 (ii. 126.13)

अद्वयसिद्धि (advaya-siddhi) *f.* establishment of the non-dual one यतोऽतोऽद्वयसिद्ध्यर्थं ब्रह्मेत्येतद्विशेष्यते BṛĀraUBhVā. iii. 4.20.

अद्वयस्वभाव (advaya-svabhāva) *m.* non-dual nature आत्मनः तत्त्वभावः विदिताविदिताभ्यामन्योऽद्वयस्वभावः ... प्रसीदति अभिमुखीभवति KāṭhUBh. 177.14 (*on* 6.13); *adj.* of non-dual nature नित्यशुद्धबुद्धमुक्तसत्यपरमानन्दाद्वयस्वभावः परमात्मैव PañcPra. 33.1; 36.5.

अद्वयस्वभावत्व (advayasvabhāva-tva) *n.* the state of being non-dual by nature भूतेन्द्रियादीनां मायामयत्वेन तत्प्रविष्टस्याप्यात्मनस्तच्छून्यत्वेनाद्वयस्वभावत्वमुक्तम् GuruCandr. ii. 430.7.

अद्वयात्मता (advayātma-tā) *f.* the state of being of non-dual nature तथैव ब्रह्मरूपेण प्रतीचोऽप्यद्वयात्मता BṛĀraUBhVā. i. 4.1428.

अद्वयात्मन् (advayātman) *m.* non-dual Self, Absolute Self आदिष्टिरथवादेशो नेति नेत्यद्वयात्मनः BṛĀraUBhVā. ii. 3.175; iii. 5.33; iv. 3.937; स्वातन्त्र्यामुक्तमात्मानं स्वातन्त्र्यादद्वयात्मनः । प्रभुरीशादिसङ्कल्पैर्निर्माय व्यवहारयेत् ĪśvaPraSū. i. 5.16.

अद्वयात्मप्रकाश (advayātmaprakāśa) *m.* non-dual self-illumination अद्वयात्मप्रकाशोऽस्मावनवच्छेदविभ्रमः BrahmSi. 115.8; शब्दौ वर्तेते त्वय्यद्वयात्मप्रकाशे SaṁkṣeS'ā. 1.161 (i. 132.1)

अद्वयात्मप्रमिति (advayātma-pramiti) *f.* knowledge of the form of non duality एवं सत्यद्वयात्मप्रमितिफलमिह द्वैतमूलापनुत्तिः SaṁkṣeS'ā. 4.7 (ii. 361.16)

अद्वयात्मिका (advayātmikā) *adj.* (*f.*) of the nature of non-duality यदि वोक्तात्मयाथात्म्यबोधेनैवाद्वयात्मिकाम्। ब्रह्मप्रज्ञां प्रकुर्वीत BṛĀraUBhVā. iv. 4.845; ब्रह्मविद्या समाप्तेयं ससंन्यासाद्वयात्मिका BṛĀraUBhVā. iv. 4.1304.

अद्वयानन्द (advayānanda) *m.* A bliss having no duality, impartible bliss यः पश्यति जगदीशं स एव मुङ्क्तेऽद्वयानन्दम् PraboSu. 132; अन्तः स चेत् स्थिरः स्यात्लभते हि तदाद्वयानन्दम् PraboSu. 160; यस्मात् निर्विकल्पात् यथोक्तलक्षणात् अद्वयानन्दात् आत्मनः TaiUBh. 279.10 (*on* 2.9); यत्सत्यभूतं निजरूपमाद्यं चिदद्वयानन्दमरूपमक्रियम् ViveCū. 294; 527; 559; **B i** name of the preceptor of the author of SarvaVeSāSaṁ. अथैतोऽप्यद्वयानन्दम् ... वन्दे श्रीगुरुं शिवविग्रहम् SarvaVeS'āSaṁ. (Mysore Ed.) 4; **B ii** name of the teacher of Sadānanda author of Vedāntasāra अर्थतोऽप्यद्वयानन्दानतीतद्वैतभानतः । गुरूनाराध्य वेदान्तसारं वक्ष्ये VedāntSā.(Sa.) 1.3.

अद्वयानन्दचैतन्य (advayānanda-caitanya) *n.* intelligence that is non-dual and bliss प्राणपिण्डकारणाविद्याशबलम् अद्वयानन्दचैतन्यं ब्रह्मशब्दवाच्यम् PañcPra. 18.5; 19.7.

अद्वयानन्दब्रह्मन् (advayānanda-brahman) *n.* Brahman which is non-dual bliss अद्वयानन्दब्रह्म मूढम् PañcPra. 62.5.

अद्वयानन्दरस (advayānanda-rasa) *m.* sentiment of bliss without duality तदा समाधिः सविकल्पवर्जितः। स्वतोऽद्वयानन्दरसानुभावकः ViveCu. 364; तदद्वयानन्दरसानुभूत्या तृप्तः सुखं तिष्ठ सदात्मनिष्ठया ViveCū. 525.

अद्वयानन्दरूप (advayānanda-rūpa) *adj.* of the nature of bliss without duality अद्वयानन्दरूपश्च प्रत्यग्बोधैकलक्षणः PañcDa. 7.76; 10.4.

अद्वयानन्दलक्षण (advayānanda-lakṣaṇa) *adj.* characterised by bliss without duality प्रत्यग्बोधो य आभाति सोऽद्वयानन्दलक्षणः PañcDa. 7.76; VākyaVṛ. 39.

अद्वयानन्दस्वरूप (advayānanda-svarūpa) *n.* nature of bliss without duality नाद्वयानन्दस्वरूपेण ब्रह्मणो ज्ञानाज्ञानाश्रयत्वम् PañcPra. 53.3.

अद्वयाभास (advayābhāsa) *m.* semblance or appearance of non-duality त एव द्वयाभासा वर्तन्ते चर्मकाण्डवत् MaYānaSū. 63.9 (11.33)

अद्वयामृतयति (advayāmṛtayati) *m.* name of a person अद्वयामृतयतेः शिष्यो यतेः श्रद्धया श्रीमद्रुद्रनरेश्वरस्य ... वंशावलिं वर्णये JBBRAS. (old series) x. 54.15 [°पति pw]

अद्वयाम्नाय (advayāmnāya) *m.* scripture preaching non-duality बाधबुद्धिपरम्परा। निवृत्तावद्वयाम्नायैः पार्ष्णिग्राहैर्विजीयते KhaṇḍanKhā. 158.11; GuruCandr. ii. 240.23.

अद्वयार्थ (advayārtha) *m.* non-dual reality अद्वयार्थो हि परमार्थः MaYānaSū. 22.14 (6.1)

अद्वयार्थविभावक (advayārtha-vibhāvaka) *adj.* revealing the non-dual reality ततः सूत्रादिके धर्मे सोऽद्वयार्थविभावके। सूत्रादिनाम्नि बध्नीयाच्चित्तं प्रथमतो यतिः MaYānaSū. 90.16 (14.4)

अद्वयावस्था (advayāvasthā) *f.* state without duality ब्रह्मणो याद्वयावस्था सैव तावदिहोदिता BṛĀraUBhVā. v. 1.38; v. 1.66.

अद्वयाविन् (á-dvayāvin) *adj.* free from double-dealing or duplicity पुत्रस्य पाथः पदमद्वयाविनः ṚV. i. 159.3; मन्द्रं होतारं शुचिमद्वयाविनं दमूनसम ... राय ईमहे ṚV. iii. 2.15; विभिश्रयवानमश्विना नि याथो अद्वयाविनम् ṚV. v. 75.5; मरुतः ... । य ईवतः ... अस्ति गोपाः सो अद्वयावी हवते व उक्थैः ṚV. vii. 56.18.

अद्वयाश्रय (advayāśraya) *adj.* abiding or resorting to the Self without duality (i. e. Absolute) ननु चाद्वयाश्रयतमःस्फुरणं न कथंचिदत्र न हि तत्स्फुरति SaṁkṣeS'ā. 2. 210 (ii. 125. 21)

अद्वयीगुरु (advayī-guru) *m.* teacher of the knowledge devoid of duality जयत्यपूर्वो जगदद्वयीगुरुः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 4. 108.

अद्वयु (á-dvayu) *adj.* free from double-dealing or duplicity, straightforward हृत्सु जानीथ मर्त्यम् । उप द्वयुं चाद्वयुं च वसवः ṚV. viii. 18. 15.

अद्वयैकप्रमात्मन् (advayaikapramātman) *m.* Self which is non-dual and absolute knowledge कुतो भेदावकाशः स्यादद्वयैकप्रमात्मनि BṛĀraUBhVā. iii. 4. 128.

अद्वयैकविषय (advayaikaviṣaya) *m.* object which is only one and non-dual ब्रह्म धर्मि ... । अद्वयैकविषयाच्च ततोऽन्यन्नास्ति मानमिह धर्मिणि किञ्चित् NayaMañ. I. iv. 7. 14.

अद्वयैकात्म्यनिह्नुति (advayaikātmya-nihnuti) *f.* concealment of the oneness of the non-dual Self एवं प्रागात्मसंबोधादद्वयैकात्म्यनिह्नुतिः BṛĀraUBhVā. i. 4. 312.

अद्वयोपभोग्य (advayopabhogya) *adj.* fit to be enjoyed by the non-dual one भगवति नियते ...। जरति विरम निःसहासि संविन्नगरमतः परमद्वयोपभोग्यम् AmṛUda. 3. 29.

अद्वादशाहम् (a-dvādaśāham) *adv.* upto twelve days, till the twelfth day [*m.* not a twelfth day (nt.)] न हैतं कश्चनेशीते(? त) यत्सोऽद्वादशाहं जीवेत् S'āṅkhāS'S. xiv. 22. 21 (Bhāṣya अकारो निपात आङर्थे)

अद्वार् (á-dvār) *f.* not a regular door [Inst.] through an improper entrance, improperly यथापिहितायां द्वार्यद्वारा पुरं प्रपित्सेत् S'atBr. XI. i. 1. 3; अर्थहेतोर्हि कामाद्वाद्वारा बीभत्सयापि वा । आत्मना प्राप्तमैश्वर्यमन्यत्र प्रतिपादितम् MahāBhā. xii. 82. 15; अद्वारा विमतपुरं प्रविश्य ... हनूमान् Rāgh. 12. 58.

अद्वार (á-dvāra) *n.* not a (regular) door, improper entrance तस्मादद्वारेण सदः प्रेक्षमाणं ब्रूयान्मा प्रेक्षथा इति S'atBr. IV. vi. 7. 9; KātyS'S. viii. 4. 26; xxi. 4. 28; अद्वारेण सभां प्रपाद्य ĀpaGS. vii. 18. 1; अद्वारेणाभ्यवस्कन्द्य विविशुर्मार्गधालयम् MahāBhā. ii. 218*(1); iv. 22. 17; पीडितस्य किमद्वारम् MahāBhā. xii. 128. 22; अद्वारे न च तिष्ठामि MahāBhā. xiii. 124. 11; अद्वारेण च नातीयाद् ग्रामं वा वेश्म वावृतम् ManuSm. 4. 73; कर्माभिग्रहस्तु । मुषितवेश्मनः प्रवेशनिष्कसनमद्वारेण ArthSā. ii. 147. 1 (4. 6); नाद्वारेण विशेत्कचित् YājñaSm. 1. 140; न वार्यमाणः प्रविशेन्नाद्वारेण न चासने । स्वयं तिष्ठेत् AṣṭāSaṁ. i. 10. 2 (1. 3); नाद्वारेण विशेद्वेश्म AgniP. 155. 19; अद्वारेण न गन्तव्यं स्ववेश्म SkandP. iii(2). 6. 71; iv. 38. 65; नाद्वारेण पशुगृहे ... प्रविशेत् ViṣṇuDhaP. ii. 89. 25; अद्वारे राजदण्डार्धे प्राचीराः YuktiKa. 35. 16; 36. 14; अद्वारेण सर्वसाधारणद्वारव्यतिरेकेण गुप्तद्वारादिना ManvaVi. 491. 16 (*on* 4. 73); अद्वारेण द्वारतया लोकैरव्यवहियमाणेन ग्रामनगरगृहादिकं न विशेत् (स्नातकः) VīraMi. 224. 26 (*on* 1. 140); *adj.* A having no entrance or gate (á-dvāra?) को ह्यस्य तैर्गृहैरर्थः स्याद्यदस्याद्वारा इव स्युः S'atBr.(Kā.) II. v. 3. 15; अप्रजस्य महाभागा न द्वारं परिचक्षते (v. l. अप्रजस्य किल स्वर्गमद्वारं संप्रचक्षते) MahāBhā. i. 111. 11; सद्वारं वापि चाद्वारं योगकैलासकान्तकम् ĪśānS'iPa. ii. 29. 21; B having no opening कामं यायात् सांपरायेषु कार्येष्वद्वारेषु प्रोज्झ्य शूलानि YogYā. 5. 2; C inaccessible अद्वारं योगिनामपि ... राममाश्रये YuktiSneha. 1. 10 (*on* i. 1. 1)

अद्वारक (advāra-ka) [*f.* -ā, -ikā] without any intervening agency, direct, immediate नित्यासंकुचितज्ञानत्वमद्वारकं धर्मद्वारकं च परमात्मन आकारो भवति S'rutaPra. iB. 114. 2 (*on* i. 1. 3); एषां च व्यष्टिजीवशरीराणामीश्वरं प्रति शरीरत्वं सद्वारकमद्वारकं चेति NyāySiA. 210. 28; इति तु मते दुःखमद्वारकं स्यात् TattvMu. 3. 31; ईश्वरस्य चतुर्मुखपर्यन्ता सृष्टिरद्वारका(v. l. अद्वारिका) Yatīndra-Dī. 49. 5.

अद्वारकगुण (advāraka-guṇa) *m.* directly associated quality स्वरूपगुणान् – अद्वारकगुणान् S'rutaPra. iB. 298. 30 (*on* i. 2. 7); iB. 279. 33 (*on* i. 1. 32)

अद्वारकज्ञान (advāraka-jñāna) *n.* cognition without an intermediary, direct cognition 'ब्रह्मणा विपश्चिता' ... इत्यादिभिः स्वरूपस्य धर्मस्य च ज्ञानत्वावगमात् ज्ञानशब्दासङ्कोचेन, सद्वारकाद्वारकज्ञानाकारत्वसिद्धिः S'rutaPra. iB. 114. 4 (*on* i. 1. 2)

अद्वारकनियमन (advāraka-niyamana) *n.* direct control, governing without any mediator सुषुप्तिमूर्च्छाद्यवस्थासु च स्वाभाविकमीश्वरनियाम्यत्वमेव देहदेहिनोर्दृश्यते । अत इदमद्वारकनियमनं तत्पक्षे न स्यात् NyāySiA. 211. 10.

अद्वारकपरिणामित्व (advārakapariṇāmi-tva) *n.* the state of being subject to direct (*lit.* without an intermediary) transformation किं विवर्ताधिष्ठानत्वं कारणत्वम् उत परिणामित्वम् । तत्रापि किं सद्वारकपरिणामित्वम् उताद्वारकपरिणामित्वम् S'rutaPra. iA. 231. 14 (*on* i. 1. 1)

अद्वारकम् (a-dvārakam) *adv.* without any intermediary, directly सर्वेषां च मन्त्राणां सद्वारकमद्वारकं च परमात्मैव प्रतिपाद्यः NyāyPari. 393. 9.

अद्वारकलय (advāraka-laya) *m.* dissolution without any intermediary, direct dissolution एवमद्वारकलयस्य श्रुतिप्रत्यक्षविरोधात् S'rutaPra. ii. 607. 5 (*on* iv. 2. 15)

अद्वारकविकार (advāraka-vikāra) *m.* change without any intermediary, direct change निर्विकारश्रुतिस्तु अद्वारकविकारनिषेधिका AdvaiSi. 757. 11; Nyāyāmṛ. 501B. 2.

अद्वारकशेषत्व (advārakaśeṣa-tva) *n.* the state of being directly subsidiary यागव्रीह्यादेरद्वारकशेषत्वम् ... मुख्यमेवावगम्यते S'rutaPra. iB. 78. 16 (*on* i. 1. 1)

अद्वारकसृष्ट (advāraka-sṛṣṭa) *adj.* created without any intermediary, directly created परमपुरुषसृष्टैः अद्वारकसृष्टैरित्यर्थः S'rutaPra. ii. 645. 27 (*on* iv. 4. 13)

अद्वारकहेयसंबन्ध (advāraka-heyasambandha) *m.* direct associate of defects अद्वारकहेयसम्बन्धो व्युदस्तः न तु सद्वारक इत्यर्थः S'rutaPra. iB. 104. 23 (*on* i. 1. 2)

अद्वारकान्वय (advārakānvaya) *m.* direct connection इन्द्रात्मनि तस्मिन्सद्वारकाद्वारकान्वयोपपत्तेः S'ivārkaMaDī. i. 285. 33 (*on* i. 1. 29)

अद्वारकावस्था (advārakāvasthā) *f.* immediate state or condition (of Brahman) तत्तदवस्थचिदचिन्नियमनरूपविशेषा एव ब्रह्मणोऽद्वारकावस्थाः S'rutaPra. iB. 78. 15 (*on* i. 1. 1)

अद्वारतस् (advāra-tas) *adv.* by an improper door or exit पीडितस्य किमद्वारमुत्पथो निधृतस्य वा । अद्वारतः प्रद्रवति यदा भवति पीडितः MahāBhā. xii. 128. 22.

अद्वारतुङ्गकुड्य (advāratuṅga-kuḍya) *adj.* (a house) having high and doorless walls अद्वारतुङ्गकुड्ये गृहेऽवरुद्धो यथा व्याघ्रः PraboSu. 75.

अद्वारप्रवेश (advāra-praveśa) *m.* entrance through an improper door आवृतस्य वाटपरिक्षेपादिना ग्रामस्याद्वारप्रवेशप्रतिषेधः ManuBh. i. 357. 18 (*on* 4. 73)

अद्वारासङ्ग (a-dvārāsaṅga) *m.* absence of restriction at the entrance, unrestricted entrance उपस्थानगतः कार्यार्थिनामद्वारासङ्गं कारयेत् ArthS'ā. i. 96. 1 (1. 19)

अद्वारीकृत्य (a-dvārīkṛtya) *ger.* not employing an intermediary अनभिसंहितनरान्तरव्यापारमद्वारीकृत्य मरणसाधनं हिंसा TattvCin. iv(2). 222. 1; ज्ञानमद्वारीकृत्य GuruCandr. i. 108. 13; i. 284. 15; साक्षात् वाक्यार्थस्मृतिमवान्तरवाक्यार्थशाब्दबोधं चाद्वारीकृत्य LaCandr. 673. 13.

अद्वास्स्थानुयायिन् (advāssthānuyāyin) *m.* follower of one who is not a dookeeper द्वास्स्थाद्वास्स्थानुयायिभ्यां स्थानाश्रिष्वपरेष्वपि । सबाह्यान्तरस्थानि ... नाभिव्यञ्ज्यानि PauṣkS. 6. 83.

अद्वि (a-dvi) *adj.* A not reduplicated, having no reduplication भूसुवोऽद्वेस्तिङि CāndraVyā. vi. 2. 29; भूस्वोऽद्वे(? द्वेः) S'ākaṭāVyā. iv. 2. 20; iv. 2. 220; उत औविति व्यञ्जनेऽद्वेः SiddhaHe. iv. 3. 59; रपिदृस्य उतोऽद्वेर् त्रिः MugdhaBo. 9. 11 (104. 13); B other than the reduplicated forms त्रिदचोऽद्वेर्णुण् धौ MugdhaBo. 3. 115 (28. 3); C other than the word *dvi* दोऽद्वेमैः Kātan. ii. 3. 31; अनाम्व्यद्विः प्लुप् SiddhaHe. vi. 4. 141; *m.* negation of reduplication असद्वाधां ह्यवेदद्विश्च CāndraVyā. v. 3. 115.

अद्विगुत्व (advigu-tva) *n.* the state of being a non-*dvigu* compound तत्रानुप्रयोगस्यैकवचनाभावोऽद्विगुत्वात् Vār. 2 *on* P. ii. 4. 1; Nyās. i. 438. 7 (*on* ii. 4. 1); एकवचनं न प्राप्नोति ।... किं कारणम् । अद्विगुत्वात् MahāBh. i. 472. 12 (*on* ii. 4. 1); अनुप्रयोगत एकवचनं न स्यात् ... तस्य अद्विगुत्वात् PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. ii. 4. 1.

अद्विगुरूप (advigu-rūpa) *adj.* of the form of a non-*dvigu* compound इहापि अद्विगुरूपस्तद्धितो द्विगुरूपतया Nyās. i. 884. 8 (*on* iv. 1. 88); अद्विगुरूपस्तद्धितो द्विगुरूपतया यथा बुद्धया विवक्ष्यते सा लक्षणा उपचार एवेति PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. iv. 1. 88.

अद्विज (a-dvija) *m.* other than a twice-born, S'ūdra भावं न चास्याहमनुप्रदातुमलं द्विजो मन्त्रमिवाद्विजाय Rāmā. v. 26. 5; नरदेवोऽसि वेषेण नटवत्कर्मणाद्विजः BhāgP. i. 17. 5; द्विजोऽद्विजो वा यथाविहितस्वाध्यायवानिदं नाम प्राप्नुयात् BālaKrī. i. 55. 24 (*on* 1. 48); अद्विजानां चाध्ययनं याजनं च प्रतिग्रहम् । ब्राह्मणो नैव गृह्णीयात् LaghvāśvaSm. 21. 119; प्रायश्चित्तं मूलतस्त्वद्विजानाम् ĪśānS'iPa. i. 13. 67; अद्विजो दीक्षितो यस्यां मन्त्रैरीशानपूर्वकैः ... प्रोक्षयेत् Īśān-

S'iPa. ii. 3. 121; [a Brahmin who has lost his caste by not keeping the sacred fire, pw]; *adj.* **1** destitute or devoid of twice-borns or Brahmins यद्राष्ट्रं शूद्रभूयिष्ठं नास्तिकाक्रान्तमद्विजम् ManuSm. 8. 22; ManuBh. ii. 82. 17 (*on* 8. 22); यत्र वा धर्मसंकटे तु न द्विजा: प्रमाणीक्रियन्ते तदद्विजम् (राष्ट्रम्) ManuBh. ii. 82. 19 (*on* 8. 22); **2** devoid of teeth शुभाशुभं कृतं कर्म भुञ्जन्ते देवता अपि। अभूत् … पूषकोऽद्विज: NītiMañ. 15.

अद्विजत्व (advija-tva) *n.* the state of being not a twice-born (lacking in *Upanayana* or initiation) यस्य यत्कर्म विहितं तस्य तत्रानधिकार: पतनमिति सूत्रार्थ:। अन्यथा स्त्रीणां न पतितत्वमुच्येताद्विजत्वात् Aparā. 1045. 21 (*on* 3. 227); क्षत्रियवैश्ययोषितां पुनर्नैतत्प्रायश्चित्तम् … द्विजस्यैव प्रायश्चित्तोपदेशात्, स्त्रीणां चाद्विजत्वात् BālaKrī. ii. 113. 16 (*on* 3. 247)

अद्विजद्वेष्टृ (a-dvijadveṣṭṛ) *adj.* not hating a twice-born अनसूयकोऽद्विजद्वेष्टा ManvaVi. 1341. 17 (*on* 10. 128)

अद्विजन्मन् (a-dvijanman) *adj.* not a twice-born नाद्विजन्मन आर्जवं युक्तम् Bhām. 271. 18 (*on* i. 3. 37)

अद्विजभार्या (advija-bhāryā) *f.* wife of one who is not a twice-born अद्विजभार्या विषय: सापि न दुष्टैव पञ्चनरभुक्ता RatiRaha. 13. 6.

अद्विजरूप्यकर्मन् (advijarūpya-karman) *n.* behaviour not traditional with the twice-borns द्विजात्रयन्त्यद्विजरूप्यकर्म … माधव्यहसीतप्रसूनै: DvyāśraKā. 16. 77.

अद्विजाति (a-dvijāti) *adj.* (person) not belonging to the twice-borns तदेतन्न भवेद्राच्यम् … अरुजेभ्योऽद्विजातिभ्य: शुश्रूषा येषु नास्ति च CaraS. vi. 1(4). 37 (1922 Ed.); मन्त्रैरेभिश्च जुहुयात् एभिरेवाद्विजातिषु IśānS'iPa. i. 14. 172; अद्विजातीनामम्बष्ठादीनां शूद्रवदेव प्रश्नविधिं दर्शयति SmṛtiCan. iii. 206. 3; अद्विजातीनपि श्लाघ्यानार्यसंगतिशोभनान्। स्मरत: … वैष्णवान् … चेतो हरति मेऽनघ VīraBhā. 3. 15.

अद्विजातित्व (advijāti-tva) *n.* the state of being one who is not a twice-born द्विजातिकमैहानं तु … अद्विजातित्वात् Bālakrī. i. 52. 24 (*on* 1. 38)

अद्विजातिप्राप्त्यर्थम् (advijātiprāpty-artham) *adv.* for the inclusion of those who are not twice-born द्विजग्रहणं चात्र वाकोवाक्यादावद्विजातिप्राप्त्यर्थम् BālaKrī. 1. 54. 10 (*on* 1. 44)

अद्विजिह्वपरिजन (a-dvijihvaparijana) *adj.* **1** without the retinue of serpents नागेशनिवासमिवाप्यद्विजिह्वपरिजनम् (राजसदनमासादयांबभूव मां वैतालिक:) YaśasCam. i. 346. 4; **2** (advijihva-parijana) having servants who are not backbiting, YaśasCam. i. 346. 4.

अद्विजिह्वाश्रय (a-dvijihvāśraya) *m.* **i** not the abode of the wicked people कुर्वतोऽनन्यसामान्यं स्वगोत्रं निजसौरभात्। अद्विजिह्वाश्रयस्यास्य न तुल्यो मलयद्रुम: VasaViKā. 4. 13; **ii** not the abode of snakes, VasaViKā. 4. 13.

अद्विजोपग (a-dvijopaga) *adj.* not to be enjoyed (*lit.* approached) by Brahmins स्नानदोषात्तु दुर्गन्धं भविष्यत्यद्विजोपगम् KāśyaS. 174B. 17.

अद्वितीय (a-dvitīya) *adj.* [*f.* -ā] **A** without a second देवा वै विजिग्याना अब्रुवन्द्वितीयं करवामहै। माद्वितीया भूमेति JaimiUBr. i. 50. 1; सत्त्वेव सोम्येदमग्र आसीदेकमेवाद्वितीयम् ChāndoU. vi. 2. 2; ततोऽद्वितीयं तं हत्वा दग्धं कृत्वा तु चूर्णवत्। प्रायच्छन्ब्राह्मणायैव MatsyaP. 25. 39; मदमोहगता नारी …। अद्वितीया गता चैव पुनरागमनं भवेत् ParāSm. 10. 32; एकमेवाद्वितीयम् VākyaP. 1(1). 2; अपरिमितपरिवारमप्यद्वितीयम् … राजानमद्राक्षीत् Kād. 9. 22; राजंस्त्वमस्या: पतिरद्वितीयो विराजसे। सर्ववसुंधराया: PadmP.(Ra.) 21. 150; तद्वत्तया व्यपदेशेऽद्वितीयमिति न स्यात् BrahmS'i. 4. 1; परमार्थतोऽनुपाधिकृतं च तत्त्वमेकमेवाद्वितीयमुपादेयम् PraśnaUBh. 297. 18 (*on* 6. 3); 243. 5 (*on* 1. 8); अद्वितीयस्य परमात्मन: न स्वत:कारणत्वम् S'vetāUBh. 63. 15 (*on* 1. 3); 75. 12 (*on* 1. 4); ChāndoUBh. 408. 11 (*on* viii. 16. 3); 156. 8 (*on* iii. 11. 1); 173. 17 (*on* iii. 14. 1); समस्तजगत्सृष्टिनिर्देशेन प्राक्सृष्टेरद्वितीयं स्रष्टारमाचष्टे BrahmSūBh.(S'an.) 251. 13 (*on* i. 4. 14); 330. 7 (*on* ii. 1. 24); 333. 3 (*on* ii. 1. 26); LalitāTriBh. 270. 19 (*on* 8); एकस्याद्वितीयस्य संविद्रूपस्येत्यर्थ: SanatBh. 259. 12 (*on* 2. 37); ब्रह्माभिन्नत्वविज्ञानं भवमोक्षस्य कारणम्। येनाद्वितीयमानन्दं ब्रह्म संपद्यते बुध: ViveCū. 226; S'atS'lo. 60; KālabhaiA. 6; भगवति परमात्मन्यद्वितीये विचित्राद्वयमतिरियमस्तु भ्रान्तिरज्ञानहेतु: SaṁkṣeS'ā. 1. 30 (i. 39. 19); मीमांसितव्यमनयैव सदद्वितीयम् SaṁkṣeS'ā. 1. 58 (i. 60. 5); नन्वविद्या स्वयंज्योतिरात्मानं ढौकते कथम्। कूटस्थमद्वितीयं च सहस्रांशुं यथा तम: IṣṭaSi. 207. 9; 240. 1; नाद्वितीयं विनात्मानं नात्मा नित्यदृशा विना (स्वरूपं लभते) NaiṣkaSi. 152. 4; 149. 5; यदेतदात्यन्तिकमद्वितीयम् … तदेतदुक्तं परमार्थनामकम् KalyāKā. 2. 3; न ततोऽद्वितीयमर्थरूपं नाम किंचिदस्तीति NyāyMañ. ii. 103. 30; यदेकमेवाद्वितीयम् … ब्रह्मतत्त्वं तत् … बद्धमिव लक्ष्यते PrakaPañ. 335. 13; नासावसति प्रकाशभेदे सिध्यति अद्वितीयस्य भेत्तुमशक्यत्वात् Kāśi. ii. 119. 17 (*on* 5(3). 64); ध्यानैकतानमनस: … पश्यन्ति यं कमपि निर्मलमद्वितीयम् NyāyKa. 1. 8; Bhām. 4. 24 (*on* i. 1. 1); उपहासैकसारेऽस्मिन्नेतावति जगत्त्रये। तुभ्यमेवाद्वितीयाय नमो नित्यसुखासिने Stotrā. 2. 18; 5. 17; ब्रह्मैतदद्वितीयं वै गीयते बहुधर्षिभि: BhāgP. xi. 9. 31; xi. 28. 35; VarāP. 120. 12; निर्गुणं नित्यमद्वितीयम् … एवंभूतं परं वस्तु BṛNāraP. 31. 23; ह्यद्वितीय: समः स्थित:। इत्यात्मानं दृढं ज्ञात्वा त्यक्त्वा शोकं कुरु क्रियाम् AdhyāRā. ii. 7. 107; iv. 3. 16; विगाह्यते यद्घनमद्वितीयया NavaSāC. 4. 54; त्वमेव चाद्य: पुरुषोऽद्वितीय: S'ivaP. ii(5). 54. 49 (288A. 9); BṛDharmaP. i. 31. 11; एवं चाद्वितीयमेकं संविद्रूपमक्षरमित्यद्वैतश्रुति: प्रत्यक्षानुगुणैव NyāyRa. 170. 18 (*on* 4. 117); 271. 21 (*on* 5(3). 14); अविद्यावशात् … अद्वितीयं सद्वितीयमिव पश्यति S'āstrDī. 110. 5 (*on* i. 1. 5); 40. 8 (*on* i. 1. 4); VedāSaṁ. 102. 8; S'aṅkaVi.(Ā.) 128. 14; स्वरूपनिश्चयानुरूपमद्वितीयमात्मानं कस्मा उपदिशति इति वक्तव्यम् GītāBh.(Rā.) 65. 2 (*on* 2. 12); सदद्वितीयस्य ब्रह्मण: पश्चात्तनबाधदर्शनेन … ब्रह्मैव परमार्थ: S'rīBh. 55. 12 (*on* i. 1. 1); NyāyMa. 288. 7; EI. i. 235. 18; स्वयमद्वितीय: … प्रष्ट: प्रतिष्ठां परमां निनाय EI. i. 355. 13; अथाद्वितीया तेनाधिकं सुन्दरि भाविताभू: S'rīKaC. 12. 89; NaiṣC. 8. 29; कुलालादिवत् … कर्ता भवेन्न पुनरद्वितीय: Aparā. 975. 9 (*on* 3. 68); नादब्रह्म तदानन्दमद्वितीयमुपास्महे SaṁgiRa. i. 62. 3 (1(3). 1); i. 23. 2 (1(2). 4); अद्वितीयस्यानुभूतिपदलक्ष्यस्य परैरनङ्गीकारात् Tattv-Pradī.(Ci.) 8. 11; 36. 4; ब्रह्मविद्याभिव्यक्तौ केवलोऽद्वितीय: … भवति VedāntKa. 365. 13 (*on* iii. 2. 4); अयि पुरुषोत्तम समुद्धरैतामद्वितीयामशरणां पाणिग्रहणेन योषितम् SamudraMa. 1. 59 (2); अद्वितीयो निर्गुणश्चिद्घातुरात्मेति सिद्धम् Tark-Saṁ.(Ā.) 52. 8; एकमेवाद्वितीयं तत् … सत्यम् SūktiRa. 10. 3; ṢaḍdarSa.(Rā.) 71; परमात्माद्वितीयोऽयं प्रपञ्चस्य मृषात्वत: SarvaVeSāSaṁ. 674; 869; मम चित्तवृत्तेरालम्बनं भवतु दैवतमद्वितीयम् S'atDū. 100. 15; अद्वितीयमनवद्यमसङ्गम् … आमनन्ति शतशो निगमान्ता: S'aṅkaDigVi.(Mā.) 6. 26; प्रत्यग्भजे परममङ्गलमद्वितीयम् VijñāS'. 2; 88; शिव एवाद्वितीय: … परिशिष्टोऽभूत् BrahmSūBh. (S'rī.) i. 566. 5 (*on* i. 4. 27); ii. 19. 3 (*on* ii. 1. 14); EI. vi. 207. 17; ब्रह्म ज्ञानानन्दात्मकमद्वितीयं न तु ज्ञानगुणकमिति Nyāyāmṛ. 498B. 13; 269A. 7; 271A. 5; किमेष दस्रौ न यदद्वितीय: HammīMaKā. 11. 52; किन्तु क्षणिकविज्ञानसंतानमात्रमद्वितीयं तत्त्वमन्यत्सर्वं सांवृतिकम् SāṁkhyaPraBh. 15. 14 (*on* 1. 20); 1. 3 (*on* 1. 1); 70. 2 (*on* 1. 154); अद्वितीया अमी भावा अथवा सद्वितीयका: BhaktiRaSi. ii. 3. 33; प्रस्थानकर्तृणाम् … अद्वितीये परमेश्वरे प्रतिपाद्ये तात्पर्यम् PrasthāBhe. 19. 10; 12. 12; 19. 8; कथमद्वितीये ब्रह्मणि वेदान्तानां समन्वय: SiddhāLeSaṁ. 229. 2; त्वयि प्रसुप्ते पुनरद्वितीये। कालाख्यशक्ति: … प्राबोधयत् त्वाम् Nārāy iii. 8. 8; अद्वितीयमित्यधिष्ठानान्तरनिवारणात् VedāntSā.(Rā.) 7. 5 (*on* i. 1. 2); 21. 3 (*on* i. 1. 2); अद्वितीयं … जगदग्रे … सदेवासीत् VedāntTaSā. 24. 3; तच्च सच्छब्दार्थभूतं कारणमेकमेवाद्वितीयम् VedāntKau. 102. 22 (*on* i. 3. 30); अज्ञाय तत्कार्यबाधे सत्यज्ञानानन्दाखण्डाद्वितीयं वस्तुमात्रमवशिष्यते SiddhāTa. 60. 11; 1. 6; 18. 4; भवन्तं वदन्त्येकमेवाद्वितीयम् YātrāPra. 6. 136; वस्तुत: अखण्डमद्वितीयं चैतन्यम् … साक्षिरूपेणैवावतिष्ठते VīraMi.(Bhakti.) 168. 16; एकोऽद्वितीय एवारमत इत्येकाराम: VīraMi. 836. 8 (*on* 3. 58); ब्रह्मशब्देन च … अद्वितीयं वस्तु जिज्ञासाकर्मत्वेन समर्प्यते SiddhāSi. i. 22. 16; वस्तुगत्या स्वप्रकाशा अद्वितीया … चित् LaCandr. 335. 11; सर्वगाम्यद्वितीयम् … कलयतु सहसा तद्भवान् स्वस्वरूपम् Vidvanmo. 2. 14; कर्माणि … अन्तर्निगीर्यैकमेवाद्वितीयं ब्रह्म तिष्ठति SetuBa. 134. 6; 21. 12; एकाद्वितीया मधुरश्रुति: मनोहरश्रुति: केति प्रश्न: AlaṅkāMañ. 202. 11; अद्वितीयं मुक्तोपसृप्यमहमस्मि विशुद्धतत्त्वम् VedāntSiSūMañ. 4. 24; चिन्मयस्याद्वितीयस्य … उपासकानां कार्यार्थं ब्रह्मणो रूपकल्पना SiddhāBi. 92. 1; 12. 10; 73. 5; 82. 3; ब्रह्मण्यस्त्वद्वितीय: प्रकृतिमुपगत: शास्त्रसंस्काररीत्या ParamāKā. 2. 10; ब्रह्मैकमद्वितीयं स्यान्नाना नेहास्ति किंचन। मायिकं सर्वमज्ञानाद्भाति वेदान्तिनां मतम् S'ukraNī. 4(3). 49; **B** matchless, extraordinary, unique श्रुत्वा रामस्तमर्थं च क्रुद्ध: कालानलोपम:। धनुर्वेदेऽद्वितीयो हि दिव्यास्त्रै: समलंकृत: MahāBhā. xii. 109*(3); हत: स पापो युधि केवलेन युद्धेऽद्वितीयो हरितुल्यरूप: MahāBhā. iii. 586. (2); v. 30. 28; xiii. 14. 125; अद्वितीयं प्रहारेषु क्षुरपर्यन्तमण्डलम्। … चक्रमुग्रम्य Hari-Vaṁ. 38. 41; किं तत्र भवती उर्वशी अद्वितीया रूपेणाद्यमिव विरूपतया Vikramo. 2. 2(20); न ते काचिदन्या समा दृश्यते स्त्री नृलोके विशिष्टा गुणैरद्वितीयै: Nāṭya-S'ā. 15. 73; Kād. 9. 22; भवरातनाम्न: पुत्र: … त्रय्यामङ्गेषु … कवितायां चाद्वितीय: AvantiKa. 14. 2; यश्च द्वितीयं स्वयमद्वितीय: मुख्य: सतां गौणमवाप नाम S'iśu-Va. (colophon) 4; द्वितीया चन्द्रभद्रस्याद्वितीया कनकप्रभा PadmP.(Ra.) 91. 21; भाग्यं यदीयं पुनरद्वितीयं स्यादतं यशश्च त्रितयेऽपि लोके Gurvā. 364; पराक्रमैर्य: प्रथितोऽद्वितीय: श्रीमज्जरासन्ध इव द्वितीय: EI. ii. 345. 1; क्षीरं हि संदीपनमद्वितीयम् KalyāKā. 5. 26; यत्रेच्छा तत्र तत्राप्रतिहतगतिकश्चाद्वितीयं बलं च … आप्नोति KalyāKā. 6. 63; 10. 26; तस्यामुना फलमवापि तनोर्नितम्बबिम्बाग्रचुम्बनसुखार्पितमद्वितीयम् HarVi. 27. 103; सुखेषु यदि वैमुख्यं संभोगे यदि नादर:। अद्वितीयमिदं धात्रा तत्किमर्थं कृतं वपु: RāmāMañ. 251. 14; यथा चोलनृप: सम्राडद्वितीयोऽद्य भूतले SaṁviSi. 82. 14; अस्ति तावदत्रत्या काचिद् गीतसंगीतादिषु कलाकौशलेष्व-

द्वितीया … कन्यका SubhaDha. 1.3(4); जयन्ति भक्तिपीयूषरसासववरोन्मदाः। अद्वितीया अपि सदा त्वद्द्वितीया अपि प्रभो Stotrā. 1.5; भिक्षुं कपालिनमवाससमद्वितीयं पूर्वं करग्रहणमङ्गलतो भवत्याः। शंभुं क एव बुबुधे गिरिराजकन्ये DeviPañ. 4.8; देव्या … विद्या निगदिता परा। हकारार्धपरार्धीयाद्वितीया विश्वभूषिता PadmP. iv. 74.40; कटम् …। मूषाभिरद्वितीयाभिर्लक्ष्मीवासमुदाहृतम् SamarāSū. 19.223; सत्यव्रतमद्वितीयम्। व्याधः प्रणम्य…पप्रच्छ DeviBhāP. iii. 11.30; अन्यां धत्ते तथापि श्रियमतिशयिनीमेष शैलोऽद्वितीयाम् EI. ii. 120.10; वसुदत्तः … अद्वितीयोऽस्य विश्वस्य नयनामृतनिर्झरः KathāSaSāg. iv. 2.90; अन्तर्वत्नीं धनगिरिस्तां ज्ञात्वोचे विशुद्धधीः। एष गर्भोऽद्वितीयस्ते भविता प्रव्रजाम्यहम् PariPar. 12.16; यः … पुष्णाति सेव्यगुणसंपदमद्वितीयाम् S'rīKaC. 5.47; अद्वितीयकनकच्छत्रं धरित्रीतलं कुर्वाणेन न पर्यशेषि किमपि EI. i. 311.29; RājTa.(Ka.) 8.1599; तेषां सञ्जायते विजयमङ्गलमद्वितीयम् TriṣaS'aPuC. ii. 6.701; PṛthvīVi. 5.66; 1.13; प्रायश्चित्तं रचयति न किं सैष मत्खड्गधारातीर्थस्नानैस्त्रिदशसुदृशां कार्मणैरद्वितीयैः HammīMaMa. 4.6; एकाकिनोऽद्वितीया मे द्वितीया त्वं भविष्यसि MalliC. 2.321; अनूनवेगादयमद्वितीयः तुरङ्गमस्ते SūktiMu. 102.2; अद्वितीयमखण्डितम् … दानम्।… अदादयम् S'āliC. 3.110; द्वितीयस्त्वद्वितीयोऽसौ यशसा शिङ्गभूपतिः RasāSu. 4.18 (1.26); तद्विवक्षितनिषेध एव क्रियते यथा नरपतिरद्वितीयः S'atDū. 82.15; श्रुतयश्चोपक्रमादिवशात् … अद्वितीयम् … प्रतिपादयन्त्यो निरवकाशाः प्रतीयन्ते NyāySu.(Ja.) 122B.10 (*on* i. 1.5); 452A.7 (*on* ii. 3.14); 25B.8 (*on* i. 1.1); किं चासि पञ्चशरकार्मुकमद्वितीयमिक्षो BhojPra. 52.15; नरमोहिनी … सा रूपेणाद्वितीया SiṁhāDvā. 90.6(6); रामः स राजाभवदद्वितीयः VīraBhā. 10.7; धत्ते वक्षः कुचसचिवतामद्वितीयं तु वक्त्रम् Kuval. 110(6); तत्त्वे संचिन्त्यमाने स्फुरति तदधुनाप्यद्वितीयं वपुस्ते Nārāy. xii. 98.7; अद्वितीयं रुचात्मानं मत्वा किं चन्द्र हृष्यसि RasGaṅ. 237.2; BhamiVi. App. 9.19; सर्वेषामद्वितीयः … तथापि स्पृहयति तपसे यत्तदाश्चर्यहेतुः VijñāS'. 64; ऊरुद्वयं मुद्गरमद्वितीयं स्मरस्य तच्छम्बरशासनाय PadyaVe. 199; 264; 444; अनङ्गसंगरे तैस्तैरद्वितीयासि विभ्रमैः S'ṛṅgāSar. 112; आद्योऽन्तस्थोऽप्यनन्तं दिशति फलमसावद्वितीयः PadyāTa. 19; 130; **C** having no dual number न विद्यते औ द्विवचनं यस्यां सा अद्वितीयेत्यर्थः SaraKaṇṭhā. 295.4; *m.* one of the thousand epithets of Viṣṇu महाप्रलयविश्वैकोऽद्वितीयोऽखिलदैत्यराट् … इति विष्णोर्नामसहस्रकम् PañcaRā.(Nā.) iv. 3.125.

अद्वितीयक (advitīya-ka) *adj.* [*f.* -ā] which is without a second (i. e. unique) ज्योतिर्ज्ञानं परं ब्रह्म एकमेवाद्वितीयकम् AgniP. 60.23; एवमभ्यासयोगेन कामदेवोऽद्वितीयकः S'ivS. 3.95; त्रैलोक्यस्योपकाराय पोषणायाद्वितीयका। यस्याः शीलम् … सदैव परिकीर्तितम् PadmaP. ii. 12.94; सदेवेदं पूर्वमासीत् एकमेवाद्वितीयकम् BṛBrahmS. iv. 9.36.

अद्वितीयकारणता (advitīyakāraṇa-tā) *adj.* the state of having a cause without a second चिदचित्प्रपञ्चस्याद्वितीयकारणतया हि … औपनिषदतत्त्ववैलक्षण्यं भवद्भिरुक्तम् S'rutaPra. iB. 172.11 (*on* i. 1.4)

अद्वितीयगुणोदार (advitīyaguṇodāra) *adj.* majestic owing to a unique quality अद्वितीयगुणोदारं यस्य …। छत्रं यश इव स्वच्छम् BṛKathāMañ. ii. 1.9.

अद्वितीयचिन्मात्र (advitīyacin-mātra) *n.* mere consciousness which is unique अद्वितीयचिन्मात्रावशेषो मोक्षः इति मतेऽनिष्टं प्रसञ्जयितुम् प्रसङ्गाङ्गव्यतिरेकव्याप्तिमुक्त्वा Nyāyāmṛ. 277A.10; SiddhāTa. 60.7.

अद्वितीयतमोमूर्ति (advitīya-tamomūrti) *m.* one of the epithets of Viṣṇu (having an unparalled dark body) अद्वितीयतमोमूर्तिः। इति … विष्णोर्नामसहस्रकम् PañcRā.(Nā.) iv. 3.90 (? 100)

अद्वितीयतस् (advitīya-tas) *adv.* because of being without a second न वै तस्य भवेन्मोहो न च शोकोऽद्वितीयतः AparoAnu. 54.

अद्वितीयता (advitīya-tā) *f.* **i** uniqueness, matchlessness सद्वितीयोऽपि यो धत्ते सौन्दर्येणाद्वितीयताम् KathāSaSāg. vii. 9.175; **ii** secondlessness, uniqueness एकः सृजसि पास्येक एकः संहरसि प्रजाः। अद्वितीयतयाश्लिष्टः किल त्वमवतिष्ठसे Surath. 3.14; तस्यात्मत्वसिद्ध्यर्थमद्वितीयतामाह VedāntKa. 19.22 (*on* i. 1.1); एवमेव विषयान्तरप्रकाशदोषमोषनिरस्तद्वैतमद्वितीयतया दलितमहाभयमपवर्गसोपानगोचरमसोपानभूतमस्मद्दर्शनम् AmṛUda. 4.66.

अद्वितीयतावधारण (advitīyatāvadhāraṇa) *n.* ascertainment of being without a second न च स्वकार्यापेक्षयेदं वस्त्वेकदेशविषयं सर्वविज्ञानमेवाद्वितीयतावधारणं चेति न्याय्यम् BrahmSūBh.(S'aṅ.) 430.18 (*on* ii. 3.6)

अद्वितीयतासिद्धि (advitīyatā-siddhi) *f.* accomplishment of the unique nature तच्च न दृश्यं तस्य सापेक्षत्वादद्वितीयतासिद्धेः IṣṭaSi. 23.13.

अद्वितीयतोत्कर्ष (advitīyatotkarṣa) *m.* matchless excellence उपमानोपमेययोरन्यतरस्य किंचिद्गुणप्रयुक्तमद्वितीयतोत्कर्षं परिहर्तुं द्वितीयप्रदर्शनेनोल्लास्यमानं सादृश्यमपरं द्विविधम् RasGaṅ. 668.1.

अद्वितीयत्व (advitīya-tva) *n.* **i** the state of not being the second प्रथमविज्ञाने हि सति द्वितीयस्याप्राप्तिः स्यात्। किं कारणम्। अद्वितीयत्वात् MahāBh. iii. 6.8 (*on* vi. 1.3); **ii** the state of being without a second entity कथं नोच्यते, अत्यन्तमात्मन एकत्वमद्वितीयत्वं च ब्रुवता BrahmSūBh.(S'aṅ.) 315.8 (*on* ii. 1.14); अद्वितीयत्वं ब्रह्मणो जीवानामात्मत्वं च श्रूयमाणं विरुद्ध्यत इति चेत् IṣṭaSi. 242.2; 242.9; 207.12; 247.20; आत्मनोऽप्यद्वितीयत्वमात्मत्वादेव सिद्ध्यति NaiṣkSi. 92.3; नेदानीमद्वितीयत्वात्कौटस्थ्यादात्मनः सदा TaiUBhVā. 71.25 (2); प्रत्यक्त्वमद्वितीयत्वं बोधवन्नान्यबन्धनम् BṛĀraUBhVār.(Sambandha.) 908; iii. 4.28; iii. 5.76; ब्रह्माज्ञाने ह्यद्वितीयत्वमेकम् SaṁkṣeS'ā. 1.158 (i. 130.1); तत्राद्वितीयत्वं विवेचनीयम् NītiMā. 6.18; 15.16; SubhāRaK. 15.22; भेदस्य सत्त्वप्राप्तेर्नाद्वितीयत्वं युज्यते ViṣṇuTaNi. 7B.9; ननु परज्योतिर्भावो नाम अद्वितीयत्वम् S'rutaPra. ii. 44.11 (*on* i. 3.18); तस्य चाद्वितीयत्वेन कुतश्चित् व्यावृत्तेः अभावात् TarkSaṁ.(Ā.) 124.11; निर्विशेषस्यापि सद्वितीयत्वमवैशद्यम्। अद्वितीयत्वं तु वैशद्यम् NyāyKu. 125.4; नन्वेकमेवाद्वितीयत्वं ब्रह्मेति श्रुतिः स्फुटतयाद्वितीयत्वं ब्रह्मणो वदति VedāntTaSā. 23.5; कानिचित् सर्वपरित्यागेन तस्यैवोपादानायाद्वितीयत्वेन NyāySu.(Ja.) 124B.8 (*on* i. 1.6); 382B.6 (*on* ii. 2.6); 60B.9 (*on* i. 1.1); स्वप्रकाशत्वाद्वितीयत्वादिविशिष्टव्यवहारे तदपेक्षानियमात् Nyāyāmṛ. 63B.6; 255B.6; अद्वितीयत्वं द्वितीयाभावविशिष्टत्वम् AdvaiSi. 752.3; 752.17; CaitaCa. 155.11 (6); निखिलप्रपञ्चाकारशक्तिविशिष्टस्य शिवस्याद्वितीयत्वात् S'ivārkaMaDī. i. 4.20 (*on* i. 1.0); अद्वितीयत्वादिपरामर्शशून्यस्य वा द्वितीयत्वाद्युपलक्षितस्वरूपज्ञानस्याप्रमात्वेन आशङ्क्यमानत्वात् GuruCandr. ii. 222.4; अद्वितीयत्वाद्युपलक्षणेन व्यावृत्ताधिष्ठानमात्रविषयकं ज्ञानम् LaCandr. 875.33; 524.30; श्र(? श्रु)तिरेव ब्रह्मणोऽद्वितीयत्वं प्रतिपादयन्ती जगतो मिथ्यात्वं प्रतिपादयति Vidanmo. 5.24 (2); **iii** the state of being matchless धत्ते वक्षः कुचसचिवतामद्वितीयत्वमास्यम् SubhāRaK. 15.22 = SaduktiKa. 69.9 = S'ārṅgaPa. 3282.

अद्वितीयत्वकल्पन (advitīyatva-kalpana) *n.* assumption of the state of being without a second तदा चाद्वितीयत्वकल्पनेऽनात्मैवास्ति नात्मेति भवति ViṣṇuTaVi. 15A.8.

अद्वितीयत्वज्ञान (advitīyatva-jñāna) *n.* knowledge of Brahman as being without a second अद्वितीयत्वज्ञानं प्रति तेषां साधनभावो नोपपद्यते NītiMā. 6.11; 24.2.

अद्वितीयत्वतस् (advitīyatva-tas) *adv.* because of the state of being without a second अद्वितीयत्वतश्चास्य नोत्पत्त्यादि प्रसिध्यति BṛĀraUBhVā. iv. 3.1598.

अद्वितीयत्वनिर्देश (advitīyatva-nirdeśa) *m.* mention of the state of being devoid of a second इत्यत्राखिलाश्रये सत्येवाद्वितीयत्वनिर्देशेन विशिष्टस्यैवाद्वितीयत्वं स्फुटतया सिद्धम् VedāntTaSā. 27.1.

अद्वितीयत्वप्रतिज्ञा (advitīyatva-pratijñā) *f.* assertion of the state of being without a second ब्रह्मण्यद्वितीयत्वप्रतिज्ञा न गौणी VedāntKa. 311.17 (*on* ii. 3.8)

अद्वितीयत्वप्रपञ्च (advitīyatva-prapañca) *m.* elaboration of the secondlessness or uniqueness तत्पदलक्ष्यस्याद्वितीयत्वप्रपञ्चार्थं एवायमारम्भः PrakaVi. 794.16.

अद्वितीयत्वप्रयुक्ता (advitīyatva-prayúktā) *adj.* brought about by the state of being without a second अद्वितीयत्वप्रयुक्तामनुपपत्तिमाह VedāntKa. 243.21 (*on* ii. 1.24)

अद्वितीयत्वभङ्ग (advitīyatva-bhaṅga) *m.* loss of the state of being without a second न च तटस्थेन तेन ब्रह्मणोऽद्वितीयत्वभङ्गः NyāySu.(Ja.) 102B.12 (*on* i. 1.2); बह्वीश्वरत्वादीश्वरस्याद्वितीयत्वभङ्गप्रसङ्गः BrahmSuBh.(S'rī.) ii. 496.2 (*on* iv. 4.17)

अद्वितीयत्वभान (advitīyatva-bhāna) *n.* perception of the state of being without a second अखण्डार्थबोधे सामग्र्यभावेनाद्वितीयत्वभानासंभवाच्च GuruCandr. ii. 223.21.

अद्वितीयत्वलक्षण (advitīyatva-lakṣaṇa) *adj.* of the nature of being without a second यथात्म्यशब्देन निष्कृष्टमद्वितीयत्वलक्षणं स्वरूपं विवक्षितम् S'rutaPra. iB. 9.18 (*on* i. 1.1)

अद्वितीयत्ववचन (advitīyatva-vacana) *n.* statement of (the self) being secondless यदपि … मुक्तावात्मनोऽद्वितीयत्ववचनं तदपि न प्रपञ्चस्वरूपनिषेधार्थम् S'āstrDī. 125.21 (*on* i. 1.5)

अद्वितीयत्वविरोध (advitīyatva-virodha) *m.* contradiction of (the nature of Brahman) being without a second तत्त्वज्ञानमपि … अविद्यामपहृत्य स्वयमपि नश्यतीति नाद्वितीयत्वविरोधः S'aṅkaVi.(Ā.) 125.3; तच्च कारणत्वं तटस्थलक्षणत्वेन यद्यपि लक्ष्यात् ब्रह्मणः पृथग्भूतं तथापि तस्य मिथ्यात्वात् न लक्ष्यस्याद्वितीयत्वविरोधः VivaPraSaṁ. 255.10; अद्वितीयत्वविरोधेन संख्याद्यसंभवात् GuruCandr. ii. 267.11.

अद्वितीयत्वविरोधिन् (advitīyatva-virodhin) *adj.* oppossed to the nature of being without a second अद्वितीयत्वविरोधिनः सङ्ख्यादेरभावात् LaCandr. 526. 9.

अद्वितीयत्वश्रुति (advitīyatva-śruti) *f.* Vedic statement of (Brahman) being without a second अद्वितीयत्वश्रुतिगुणतोऽपि सद्वितीयतां न सहते S'rīBh. 21. 2 (*on* i. 1. 1)

अद्वितीयत्वसंशय (advitīyatva-saṁśaya) *m.* doubt in respect of (Brahman) being without a second अद्वितीयत्वसंशयनिवृत्त्या … ऐक्यमनुपपन्नम् LaCandr. 510. 35.

अद्वितीयत्वाङ्गीकार (advitīyatvāṅgīkāra) *m.* acceptance of secondlessness ब्रह्मणोऽद्वितीयत्वाङ्गीकारात् TarkSaṁ.(Ā.) 7. 17.

अद्वितीयत्वादिविशिष्ट (advitīyatvādi-viśiṣṭa) *adj.* qualified by the state of being secondless etc. ब्रह्मण्यप्यद्वितीयत्वादिविशिष्टव्यवहारे … व्यभिचारात् AdvaiSi. 237. 2; 587. 8; अद्वितीयत्वादिविशिष्टे तथा व्यवहारेऽपि Nyāyāmṛ. 356A. 6; अद्वितीयत्वादिविशिष्टब्रह्मण्यवान्तरतात्पर्यस्य स्वीकारः LaCandr. 510. 16.

अद्वितीयत्वाभ्युपगम (advitīyatvābhyupagama) *m.* acceptance of secondlessness शिवस्याद्वितीयत्वाभ्युपगमे द्वैतश्रुतीनां विरोधः S'ivārkaMaDī. i. 4. 19 (*on* i. 1. 0)

अद्वितीयत्वोपपत्ति (advitīyatvopapatti) *f.* justification of the state of being without a second तस्मादाविद्यको भेद इति श्रुतावद्वितीयत्वोपपत्त्येऽभिधीयते न तु व्यसनितया SarvaDaSaṁ. 16. 869.

अद्वितीयत्वोपलक्षितजीव (advitīyatvopalakṣita-jīva) *m.* self characterised by the state of beieg without a second अद्वितीयत्वोपलक्षितजीवस्वरूपप्रमापकत्वेन जीवस्वरूपसाक्षिणो बाध्यत्वासंभवेन च …व्यावहारिकप्रामाण्यासंभवात् LaCandr. 359. 11.

अद्वितीयनिरता (advitīya-niratā) *adj.* (*f.*) devoted to (the Brahman) which is without a second अद्वितीयनिरता सति भेदे मुक्तिरीशसमतैव कथं स्यात् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 6. 74.

अद्वितीयपक्ष (advitīya-pakṣa) *m.* view propounding non-dualism इति युक्तिशतैः स नीलकण्ठः कविरक्षोभयदद्वितीयपक्षम् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 15. 49.

अद्वितीयपदार्थ (advitīya-padārtha) *m.* entity without a second अद्वितीयपदार्थस्य तथा नैवात्मनोऽन्यतः । संभवोऽस्तीति विध्यर्थः BṛĀraUBhVā. iii. 5. 182.

अद्वितीयपरमानन्द (advitīya-paramānanda) *m.* unique highest bliss अद्वितीयपरमानन्द एव ब्रह्म तच्च जीवस्य वास्तवं स्वरूपम् SiddhāBi. 76. 6.

अद्वितीयपरसंविद् (advitīya-parasaṁvid) *f.* highest consciousness without a second अद्वितीयपरसंविदंशकं तत्सदाहमिति मौनमाश्रये SvātmPra. 45.

अद्वितीयपराक्रम (advitīya-parākrama) *adj.* of matchless valour अद्वितीयपराक्रमः । दिव्यं लेभे परं चक्षुः BuddhaC. 14. 7.

अद्वितीयप्रतिपत्तिशेषता (advitīyapratipattiśeṣa-tā) *f.* the state of being subservient to the knowledge of (the absolute) which is without a second सृष्टेरद्वितीयप्रतिपत्तिशेषतया लिङ्गमप्यस्ति PrakaVi. 352. 20.

अद्वितीयप्रहरण (advitīya-praharaṇa) *n.* unique missile अद्वितीयप्रहरणं क्षुरपर्यन्तमण्डलम् (चक्रम्) MatsyaP. 178. 42.

अद्वितीयब्रह्मन् (advitīya-brahman) *n.* the Absolute which is without a second अद्वितीयब्रह्मपरः समन्वयो विषयः PrakaVi. 416. 15; पूर्ववाक्येनाद्वितीयब्रह्मणि प्रमिते तच्छेषिभूतं भूमात्मनोरैक्यं स एव LaCandr. 599. 24.

अद्वितीयब्रह्मतत्त्व (advitīya-brahmatattva) *n.* the Absolute principle which is without a second अद्वितीयब्रह्मतत्त्वं न जानन्ति यथा तथा । भ्रान्ता एव VarāU. 2. 57; अज्ञाते चाद्वितीयब्रह्मतत्त्वे क्रोधादिनिमित्तस्य सत्यत्वभ्रमानपायात्र वासना क्षीयते JīvanVi. 37. 18; अद्वितीयब्रह्मतत्त्वे स्वप्नोऽयमखिलं जगत् PañcDa. 6. 211.

अद्वितीयब्रह्मप्रतिपत्ति (advitīyabrahma-pratipatti) *f.* knowledge of the Absolute which is without a second अन्योन्यवाक्यानां चेतरेतरविरोधपरिहारेणाद्वितीयब्रह्मप्रतिपत्तिसिद्ध्या समन्वयसिद्धयर्थत्वादिह संगतः VedāntKa. 209. 8 (*on* i. 4. 14); अद्वितीयब्रह्मप्रतिपत्त्यनुकूलनिषेधापेक्षितविषयसमर्पकतयान्यथासिद्धेः AdvaiSi. 717. 8.

अद्वितीयब्रह्मप्रतिपादन (advitīyabrahma-pratipādana) *n.* propounding of the Absolute which is without a second न किञ्चिदपि वाक्यमद्वितीयब्रह्मप्रतिपादनेन विरुध्यते VedāntPari. 312. 2; सर्वोपनिषत्सु च प्रपञ्चाकारनिराकरणादद्वितीयब्रह्मप्रतिपादनात् BrahmSūBh.(Bhā.) 169. 6 (*on* iii. 2. 23)

अद्वितीयब्रह्मविजिज्ञापयिषा (advitīyabrahma-vijijñāpayiṣā) *f.* intention to convey the Absolute as being without a second अद्वितीयब्रह्मविजिज्ञापयिषया प्रवृत्तानां सत्यज्ञानादिपदानाम् … तदंश एव संस्कारोद्बोधाच SiddhāBi. 5. 5.

अद्वितीयब्रह्मशेषत्व (advitīyabrahmaśeṣa-tva) *n.* the state of being subsidiary to the secondless absolute न चेयं परिणामश्रुतिः परिणामस्याद्वितीयब्रह्मशेषत्वात् PrakaVi. 456. 21.

अद्वितीयब्रह्मात्मतत्त्वावरक (advitīyabrahmātmatattvāvaraka) *adj.* which conceals the identity of the individual self and the secondless Brahman एतेषां संशयादीनां हेतुरद्वितीयब्रह्मात्मतत्त्वावरकमज्ञानम् JīvanVi. 150. 20.

अद्वितीयब्रह्मात्मत्व (advitīyabrahmātma-tva) *n.* the state of being of the nature of the Absolute without a second मिथ्यात्वोपदेशपूर्वकमद्वितीयब्रह्मात्मत्वेनोपदेशोऽनुपपन्न श्रेत्याशङ्कयाह तस्मिन्नयमिति S'vetāUBh. 91. 16 (*on* 1. 7)

अद्वितीयब्रह्मावस्थानलक्षण (advitīyabrahmāvasthāna-lakṣaṇa) *adj.* having the nature of existence in the Absolute which is without a second अद्वितीयब्रह्मावस्थानलक्षणं मोक्षमभ्युपेत्य NyāySu.(Ja.) 487A. 10 (*on* iii. 2. 1)

अद्वितीयभाग्य (advitīya-bhāgya) *adj.* possessing unique luck श्रीमत्परमानन्दः परमानन्दप्रदः स्वमूर्त्यापि । गुरुरद्वितीयभाग्यो जज्ञे शिष्यो द्वितीयस्तु Gurvā. 270.

अद्वितीयभाव (advitīya-bhāva) *m.* nature of being without a second, unique nature अखण्डे सच्चिदानन्दे … । स्थितेऽद्वितीयभावेऽपि कथं पूजा विधीयते NirguMāPū. 1; धर्मः … अद्वितीयभावेन … अवतिष्ठते ManvaMu. 189. 1 (*on* 4. 239)

अद्वितीयभूमात्मैक्य (advitīyabhūmātmaikya) *n.* unity of the self with the abundant (i. e. Absolute) without a second प्रकृतार्थेति अद्वितीयभूमात्मैक्येत्यर्थः GuruCandr. iii. 63. 17.

अद्वितीयभृति (advitīya-bhṛti) *f.* wages given to the first (*lit.* other than the second) भरभाटकसंवर्गोऽद्वितीयभृतिकृतिविवर्जितश्छेदः GaṇiSāSaṁ. 5. 228.

अद्वितीयम् (a-dvitīyam) *adv.* in a unique manner (आतनोतु) सरस्वती वः कवितावितान्तकुमुद्वतीमन्वहमद्वितीयम् VasaViKā. 1. 1.

अद्वितीयमहिम (advitīya-mahima) *adj.* whose greatness is unparalleled तेनाद्वितीयमहिमो जगत्पूज्योऽस्मि पार्वति PañcaRā.(Nā.) iv. 3. 4.

अद्वितीयमात्र (advitīya-mātra) *adj.* being merely without a second अद्वितीयमात्रस्य व्यभिचारात् Kiraṇā. 329. 4.

अद्वितीयमात्राभेद (advitīyamātrābheda) *m.* identity with the one without a second only अद्वितीयमात्राभेदो वा तद्विशिष्टात्मा वा न तद्विषयः AdvaiSi. 592. 2.

अद्वितीयरूप (advitīya-rūpa) *adj.* whose beauty is matchless अद्वितीयरूपमजनयत्तनयम् (मदिरावती) TilaMañ. 76. 3.

अद्वितीयलक्षण (advitīya-lakṣaṇa) *adj.* characterised by the absence of a second one कथं पुनस्तदर्थोऽद्वितीयलक्षणः प्रत्यगात्मोपाश्रयं सद्वितीयत्वं दुःखित्वं निरन्वयमपनुदति NaiṣkaSi. 153. 3.

अद्वितीयवचन (advitīya-vacana) *n.* statement of the absence of a second एकस्मिन्विज्ञाते सर्वं विज्ञातं भवति तदनन्यत्वात्सर्वस्याद्वितीयवचनाच्च ChāndoUBh. 351. 11 (*on* vi. 2. 4)

अद्वितीयवपुस् (advitīya-vapus) *adj.* **i** of matchless body अद्वितीयवपुः काचिदेत्य कन्या जिनाचेनालयं प्रचक्रमे कर्तुम् MalliC. 8. 433; **ii** whose body consists of secondlessness तस्मै शुद्धसुखाद्वितीयवपुषे शश्वन्नमो विष्णवे NyāyMa. 2. 2.

अद्वितीयवस्तु (advitīya-vastu) *n.* entity which is without a second श्रवणं नाम षड्विधलिङ्गैरशेषवेदान्तानामद्वितीयवस्तुनि तात्पर्यावधारणम् VedāntSā. (Sa.) 28. 4; 29. 4; 29. 8; 29. 13; 30. 15.

अद्वितीयविज्ञानत्वापत्ति (advitīyavijñānatvāpatti) *f.* attainment of the state of knowledge which is without a second प्रतिपन्नं जीवभावं विहायाद्वितीयविज्ञानत्वापत्तिर्मुक्तिरिति विज्ञानवादिनाप्यङ्गीकृतत्वात् NyāySu.(Ja.) 636A. 1. (*on* iv. 2. 1)

अद्वितीयविशेषण (advitīya-viśeṣaṇa) *n.* qualifier ' secondless ' अद्वितीयविशेषणस्य व्यावर्त्यं कथयति PrakaVi. 586. 22.

अद्वितीयवैभव (advitīya-vaibhava) *adj.* possessed of extraordinary splendour, whose greatness is matchless उत्कृष्टया चिच्छक्त्या विशिष्टस्य अत एवाद्वितीयवैभवस्य द्वितीयाश्रयरहितबृहत्त्वस्य चेति 'निम्नोन्नतं भूतल'मित्यादाविव विशेषणद्वयस्यापि विशेषणविशेष्यभावविवक्षया समासः S'ivārkaMaDī. i. 68. 33 (*on* i. 1. 1); भगवन् अद्वितीयवैभव पुरुषोत्तम, कुतो मम प्रतिमदाः AmṛUda. 1. 11(13)

अद्वितीयव्यवहार (advitīya-vyavahāra) *m.* empirical usage as

'secondless' तद्वात्मनोऽप्यद्वितीयव्यवहारे संविदन्तरापेक्षासद्भावादव्यभिचारः Vādā. 37. 4.

अद्वितीयशिवद्वार (advitīyaśiva-dvāra) *n.* door or means to the unrivalled good तदत्यन्तविनिर्मुक्ते(? क्ति) (comm.)रपवर्गश्च कीर्त्यते। अद्वितीयशिवद्वारमतो नैरात्म्यदर्शनम् TattvSaṁ. 3492.

अद्वितीयशुद्धानन्द (advitīyaśuddhānanda) *m.* pure bliss which is without a second (i. e. not different from Brahman) अद्वितीयशुद्धानन्दे प्रमामेव करोति GuruCandr. i. 376. 10.

अद्वितीयशून्यप्रतीति (advitīyaśūnya-pratīti) *f.* knowledge of the void which is without a second विना भेदेन तत्प्रतीतावद्वितीयशून्यप्रतीत्यापत्तेः NyāySu.(Ja.) 406B. 4 (*on* ii. 2. 8)

अद्वितीयश्री (advitīya-śrī) *adj.* possessed of matchless excellence or splendour द्वितीयीको(? ऽ)द्वितीयश्रीर्वाग्भटः प्रतिपद्धटः HammiMaKā. 4. 38.

अद्वितीयश्रुति (advitīya-śruti) *f.* Vedic statement (that the supreme being is) without a second अद्वितीयश्रुतिरधिष्ठात्रन्तरं वारयति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 426. 5 (*on* ii. 3. 5); 841. 10 (*on* iv. 3. 14); GuruCandr. i. 48. 19.

अद्वितीयश्रुतिव्याकोप (advitīyaśruti-vyākopa) *m.* contradiction (*lit.* displeasure) with the Vedic statement of abscence of duality भिन्नस्य सुखस्य तज्ज्ञानस्य च नित्ययोः स्वीकारे अद्वितीयश्रुतिव्याकोपः SarvaDaKau. 137. 12.

अद्वितीयश्रुत्यनुपपत्ति (advitīyaśruty-anupapatti) *f.* impropriety of the Vedic statement about absence of duality अद्वितीयश्रुत्यनुपपत्तेरित्यध्याहारः क्लेशः VedāntKa. 313. 3 (*on* ii. 3. 9); BrahmSūBh.(Bhā.) 132. 3 (*on* ii. 3. 9) अद्वितीयश्रुत्यनुपपत्त्या तन्निरासकमधिकरणान्तरं वर्णयति S'rutaPra. ii. 345. 17 (*on* ii. 3. 9)

अद्वितीयसत्तास्वभाव (advitīyasattā-svabhāva) *m.* nature of the secondless existence (of Brahman) वास्तवमद्वितीयसत्तास्वभावं निश्चित्य ब्रह्मण्यारोपितयोर्जगच्छब्दाभिधेययोर्नामरूपयोर्मिथ्यात्वमवगच्छति JivanVi. 128. 10.

अद्वितीयसाक्षात्कार (advitīya-sākṣātkāra) *m.* realization of the secondless (principle) अद्वैतसिद्धिर्वक्ष्यमाणाद्वितीयसाक्षात्कारः YogSā. 50. 9(2)

अद्वितीयसुषमा (advitīya-suṣamā) *f.* matchless or unique splendour अद्वितीयसुषमापरिपूरिताङ्गी। ··· मन्मुखमुखी सुमुखी PadyaVe. 320.

अद्वितीयसौहृद (advitīya-sauhṛda) *adj.* whose friendship is matchless or unique समरकेतुरित्यधिगतयथार्थनामा द्वितीयमिव हृदयमद्वितीयसौहृदः सुहृत् कुमारस्य TilMañ. 392. 9.

अद्वितीयस्वमात्र (advitīyasva-mātra) *m.* Absolute Self alone अद्वितीयस्वमात्रोऽसौ निरुपादान ईश्वरः SarvaVeSāSaṁ. 331.

अद्वितीयस्वरूप (advitīya-svarūpa) *adj.* [*f.* -ā] possessing a secondless nature तद्ब्रह्माप्यद्वितीयस्वरूपम् SaṁkṣeS'ā. 2. 214 (ii. 127. 21); अद्वितीयस्वरूपा सा देवानां दर्शनं गता DeviBhāP. v. 22. 45; *n.* nature without a second एकपदेनाद्वितीयस्वरूपविधानविरोधात् GuruCandr. ii, 304. 17.

अद्वितीयहृदय (advitīya-hṛdaya) *n.* identical (*lit.* not a second) heart अस्ति च तस्य नरपतिसूनोः ··· शरीरमात्रद्वितीयोऽप्यद्वितीयहृदयम् ·· श्रुतशीलो नाम मन्त्री मित्रं च NalaCam. 4. 16(2)

अद्वितीया (a-dvitīyā) *f.* other than the accusative case-ending यत्वं चेदनेन बाधिष्यते तर्हि योऽच्यद्वितीयायां चेत्यवक्ष्यत Prasā. i. 244. 11.

अद्वितीयातपत्र (a-dvitīyātapatra) *adj.* having no second (royal) umbrella अनेन ··· मुक्तमिदं(चि? चा)द्वितीयातपत्रमत्यायतं भरतेनेव भारतं वर्षम् AvantiKa. 209. 13.

अद्वितीयात्मज्ञान (advitīyātma-jñāna) *n.* knowledge of the self without a second गुरोरद्वितीयात्मज्ञानादेव ब्रह्मात्मज्ञानस्य सकार्यस्य विनष्टत्वात् GitāBh.(Ra.) 68. 3 (*on* 2. 12)

अद्वितीयात्मतत्त्व (advitīyātma-tattva) *n.* true nature of the soul without a second अद्वितीयात्मतत्त्वं हि प्रधानम् ··· प्रमेयम् SiddhāBi. 51. 6; NyāyMa. 306. 3.

अद्वितीयात्मता (advitīyātma-tā) *f.* the state of being the self without a second अद्वितीयात्मतासंभवाशङ्कायाम् ··· तर्क आश्रीयते PrakaVi. 402. 19.

अद्वितीयात्मदर्शिन् (advitīyātma-darśin) *adj.* who realises the self without a second अपरे पुनरद्वितीयात्मदर्शिनः ··· मृत्युर्नास्तीति वर्णयन्ति SanatBh. 178. 1 (*on* 1. 3)

अद्वितीयात्मन् (advitīyātman) *m.* self without a second मानान्तरानधिगतस्य चाद्वितीयात्मनः प्रतिपादनात् PrakaVi. 54. 13; अद्वितीयात्मैव तत्त्वमसीत्यादेरर्थः GuruCandr. i. 457. 25.

अद्वितीयात्मपरत्व (advitīyātmapara-tva) *n.* the state of having the purport of the self without a second आत्मशब्दस्य ··· अद्वितीयात्मपरत्वात् SiddhāLeSaṁ. 16. 1.

अद्वितीयात्मबोधन (advitīyātma-bodhana) *n.* understanding of the self without a second अद्वितीयात्मबोधनादेव उपमा ··· मिथ्यामेदं बोधयति LaCandr. 851. 30.

अद्वितीयात्मविज्ञान (advitīyātma-vijñāna) *n.* knowledge of the self without a second अद्वितीयात्मविज्ञानमविद्याविनिवर्तकम् NitiMā. 6. 4.

अद्वितीयात्मसाक्षात्कार (advitīyātma-sākṣātkāra) *m.* intuitive knowledge of the self without a second तद्वैद्वितीयात्मसाक्षात्काराद्विनष्टमूलाज्ञानतत्कार्यस्य कथं द्वैतदर्शनपूर्वकोपदेशादिव्यवहाराः VedāntTaSā. 7. 4; 9. 5.

अद्वितीयात्मस्वरूप (advitīyātma-svarūpa) *n.* nature of the self without a second अद्वितीयात्मस्वरूपनिश्चये सति अनुवर्तमानेऽपि भेदज्ञाने ··· कस्मा उपदिशतीति वक्तव्यम् GitāBh.(Rā.) 65. 1 (*on* 2. 12)

अद्वितीयानन्द (advitīyānanda) *m.* matchless or unique joy रसस्य ··· अद्वितीयानन्दमयत्वेन विरोधासंभवाच्च RasGaṅ. 58. 7.

अद्वितीयान्तत्व (advitīyānta-tva) *n.* the state of not ending in the accusative case तत्र द्वितीयान्तस्य श्रितादिभिः समासविधानात् ··· समुदायस्याद्वितीयान्तत्वादत्र तत्पुरुषाभावः Pradi. 445B. 13 (*on* ii. 2. 24)

अद्वितीयापत्यप्रसव (advitīyāpatya-prasava) *adj.* who has a single (*lit.* without a second) child तदब्रूत येयमिदमवसेयमद्वितीयापत्यप्रसवाय सचिवाय YaśasCam. ii. 361. 25.

अद्वितीयाभेद (advitīyābheda) *m.* identity with the secondless one अद्वितीयाभेदेन ब्रह्मणो बोधेऽवान्तरवाक्यतात्पर्यम् GuruCandr. ii. 220. 6.

अद्वितीयाम्र (advitīyāmra) *m.* the unique mango tree (called *Ekāmra*) अद्वितीयाम्रमूलासिकालालसम् ··· श्रीगिरीशं भिया भावना गाहते YātrāPra. 3. 93.

अद्वितीयार्थ (advitīyārtha) *m.* object or thing without a second अद्वितीयार्थनिष्ठत्वमात्मप्रत्ययशब्दयोः BṛĀraUBhVā. iii. 5. 171; नान्यत्रेहाद्वितीयार्थात्साक्षादात्मार्थसंभवः BṛĀraUBhVā. iii. 5. 181.

अद्वितीयार्थता (advitīyārtha-tā) *f.* the state of having the meaning 'without a second' अद्वितीयार्थतैवातो द्वितीयार्थनिषेधतः BṛĀraUBhVā. iv. 3. 1802.

अद्वितीयैकसत् (advitīyaika-sat) *n.* existing entity one without a second न चेदं जगदसन्मूलम्। किं तर्हि, अद्वितीयैकसन्मूलम् BrahmSi. iii. 125. 7.

अद्वितीयोद्गम (advitīyodgama) *adj.* which does not grow on any one else मृदूनि भ्रमरश्यामान्यद्वितीयोद्गमानि च। बिसतन्तुतनीयांसि लोमानि स्वामिनस्तनौ TriṣaS'aPuC. i. 2. 729.

अद्वित्व (a-dvitva) *n.* **i** non reduplication, absence of reduplication or doubling उपसर्गात् सुनुसुवसोस्तुस्तुभोऽट्यप्यद्वित्वे।···अद्वित्व इति किम्। अभिसुसूषति SiddhaHe. ii. 3. 39; **ii** absence of the dual number अत्पब्रह्म्यद्वित्वे Kātan. ii. 3. 14; *adj.* other than reduplication पूर्वत्रासिद्धीयमद्वित्वे इति षत्वे कृते द्वित्वम् PrakriKau. ii. 199. 3; PariVṛ.(Ni.) 46. 20.

अद्वित्वनिमित्त (a-dvitvanimitta) *adj.* which is not the cause of reduplication चङि तु ओः पुयण्ज्यपरे इति ज्ञापकात् अद्वित्वनिमित्तेऽपि णौ कृतमभ्यासस्य स्थानिवद्भवतीति ज्ञायते PrakriKau. ii. 295. 5; Prasā. 296. 10.

अद्वित्वप्रसङ्ग (advitva-prasaṅga) *m.* contingency of being devoid of duality क्षणयोः अद्वित्वप्रसङ्गात् TarkSaṁ.(Ā.) 63. 23.

अद्वित्वविवक्षा (a-dvitvavivakṣā) *f.* absence of the desire to state duality नन्विहाद्वित्वविवक्षायां द्विवचनं किमालम्बनम् S'ivārkaMaDī. 254. 29 (*on* i. 1. 21)

अद्वित्वादि (a-dvitvādi) *adj.* other than duality etc. यदा तु यत्राद्वित्वादावर्थे द्वित्वमारोपितं तद्भेदश्चाश्रीयते तदा तद्वचनभेदः PariVṛ.(Si.) 64. 1.

अद्वित्वापात (advitvāpāta) *m.* contingency of non-duality or absence of duality अविरुद्धयोर्घटयोः अद्वित्वापातात् TarkSaṁ.(Ā.) 63. 22.

अद्विदृश् (advi-dṛś) *adj.* having more than two eyes (*lit.* who is not two-eyed) असितसितगद्विच्छित्स्वःक्षितांपतिरद्विदृक् Kāvyālaṅ.(Bh.) 1. 46 = SaraKaṇṭhā. 30. 10.

अद्विधा (a-dvidhā) *adj.* not divided into two, not twofold कृभू इत्येताभ्यां क्त्वाणमौ भवतः ··· धार्थे त्ये अद्विधा द्विधाकृत्य गतः। द्विधा कृत्वा JaineVyā. 143. 13 (*on* ii. 4. 47)

अद्विधाभावम् (advidhā-bhāvam) *adv.* undividedly केऽपि ··· अयन्त मद्वक्षुद्विधाभावमधीशभक्तौ DvyāśraKā. 14. 32 (comm. स्वामिभक्त्यैकचित्तीभूयेत्यर्थः)

अद्विपदा (a-dvipadā) *f.* other than *dvipadā* (a verse of two *pādas* or feet) तौ चेदग्निष्टोमौ यदि वोक्थ्येष्वद्विपदासु स्तुवीरन् माध्यन्दिन एवोर्ध्वमारम्भणीयाभ्य: प्रकृत्या शिल्पानि शंसेयु: ĀśvaS'S. ii(2). 4. 7.

अद्विप्रवृत्ति (a-dvipravṛtti) *adj.* not involving twofold cognitional process (i. e of the same nature) शब्दानुमानयोस्तूपलब्धिरद्विप्रवृत्ति: । यथानुमाने प्रवर्तते तथा शब्देऽपि NyāyBh. 114. 8 (*on* ii. 1. 51)

अद्विप्रवृत्तित्व (advipravṛtti-tva) *n.* the state of having no twofold (cognitional) processe उपलब्धेरद्विप्रवृत्तित्वात् NyāySū. ii. 1. 51; NyāyBh. 115. 5 (*on* ii. 1. 53)

अद्विभूमि (a-dvibhūmi) *adj.* not having two floors कार्य: शैलगुहाकारो द्वि(v. 1 ऽद्वि)भूमिर्नाट्यमण्डप: NāṭyaS'ā. 2. 84 (?86); द्वितीया भूमिरित्यन्ये । ... अद्विभूमिरित्येके । उपाध्यायस्तु वीप्सागर्भं व्याचक्षते AbhinBhā. 64. 13 (*on* 2. 80 (= 84))

अद्वियोनि (a-dviyoni) *adj.* other than a diphthong, not having a twofold origin अपृक्तमेकाक्षरमद्वियोनि यत् तदानुनासिक्यभयात् अतीयते ṚPrāti. 11. 2.

अद्विरवखण्डित (a-dviravakhaṇḍita) *adj.* other than or except that which is twice apportioned नाद्विरवखण्डितस्य होम: प्रतिषिध्यते S'ābaBh. 975. 8 (*on* iii. 4. 39)

अद्विरुक्त (a-dvirukta) *adj.* not uttered twice or repeated अद्विरुक्तं चैतत्प्रयोगवचनमुपसंहरिष्यति S'ābaBh. 1030. 7 (*on* iii. 6. 9); 1025. 11 (*on* iii. 6. 2)

अद्विरुक्तत्व (advirukta-tva) *n.* the state of not being uttered twice or repeated, absence of repetition प्रकृतौ वाद्विरुक्तत्वात् MīmāSū. iii. 6. 2; तव द्विरुक्तत्वादद्विरुक्तत्वाद्वा ममेति सूत्रम् TantrVā. 1072. 6 (*on* iii. 6. 2)

अद्विरुक्तत्वलाभ (adviruktatva-lābha) *m.* obtainment of non-repetition अद्विरुक्तत्वलाभाय ... विधानं युक्तम् VedāntKa. 422. 22 (*on* iii. 3. 15)

अद्विरूपत्व (a-dvirūpatva) *n.* the state of not having two different natures, absence of dual nature वस्तूनामद्विरूपत्वात्पक्षो नाम परमार्थतो नास्त्येव NyāyMañ. i. 102. 32.

अद्विरूपवस्तु (advirūpa-vastu) *n.* an object other than the one appearing in two different forms अद्विरूपवस्त्वनुपलब्धिमाह न चेति S'ruta-Pra. iB. 156. 16 (*on* i. 1. 4)

अद्विर्वचन (a-dvirvacana) *n.* **i** non-repetition अद्विर्वचनं वा श्रुतिसंयोगाविशेषात् MīmāSū. ii. 4. 16; **ii** absence of reduplication पूर्वत्रासिद्धीयमद्विर्वचने PariVṛ.(Si.) 159. 20 (comm. द्विर्वचने कर्तव्ये पूर्वत्रासिद्धमिति न प्रवर्तते)

अद्विर्वचननिमित्त (a-dvirvacananimitta) *adj.* (a vowel) which is not the cause of reduplication जुहति । अत्राद्विर्वचननिमित्तेऽपि यणादेश: कृत: DhātuPra. 3. 1 (85. 10); णेरद्विर्वचननिमित्तत्वात् तन्निमित्तावादेश: आकारश्च न स्थानिवत् स्यात् PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 1. 59.

अद्विर्वचनार्थ (a-dvirvacanārtha) *adj.* not meant for dual number (i. e. only applicable to singular and plural) अद्विर्वचनार्थोऽयमारम्भ: Nyās. i. 62. 13 (*on* i. 1. 12); PadMañ. *on* KāśiVṛ. *on* P. i. 1. 12.

अद्विवर्ष (a-dvivarṣa) *adj.* less than two years old अद्विवर्षे प्रेते मातापित्रोराशौचम् PāraGS. iii. 10. 2; HārLa. 40. 17; VīraMi.(S'uddhi.) 21. 29.

अद्विवर्षत्व (advivarṣa-tva) *n.* the state of not being two years old अद्विवर्षत्वेऽप्यावश्यको दाह: इति प्रतिज्ञानं मोह: HārLa. 46. 7.

अद्विविस्तार (advi-vistāra) *adj.* having the length less than double its width अद्विविस्तारोऽस्य स्यान्नेपथ्यगृहकादि तु(?)। परिच्छेदानुसारेण स्वधिया परिकल्पयेत् SamarāSū. 67. 30.

अद्विषत् (a-dviṣat) *adj.* [*f.* -ntī] not hating (any one), who does not despise (others) युधिष्ठिरम् । अद्विषन्तं कथं द्विष्यात्त्वादृशो भरतर्षभ MahāBhā. ii. 50. 2; द्विषतां च प्रहर्षोऽभूदार्तिश्चाद्विषतामपि MahāBhā. iii. 23. 16; यो द्वेष्टि कंचिदन्येन च द्विष्यते स एव मन्त्रं ब्रूयात् योऽस्मान् द्वेष्टीति उताद्विषन्नद्विष्यमाणश्चापि S'ābaBh. 1517. 3 (*on* vi. 8. 28); अद्विषंश्चायं प्रवर्तमानोऽप्रतिकूलं दु:खहानमधिगच्छति NyāyVār. 90. 14 (*on* i. 1. 22); एनं एवंविदं प्रतिस्पर्धिनो द्विषन्त: अद्विषन्तोऽपि सपत्ना यतो भवन्ति Tai.UBh. 295. 2 (*on* 3. 4); भ्रातृव्या हि द्विविधा भवन्ति द्विषन्त: अद्विषन्तश्च BṛĀraUBh. 273. 7 (*on* ii. 1. 1); (बुद्धिम्) द्विषन्तीमद्विषन्नात्मा (पश्यति) NaiskaSi. 84. 9; द्विषन्तश्चाद्विषन्तश्च म्रियन्ते तस्य शत्रव: TaiUBhVā. 206. 15(3); BṛĀraUBhVā. i. 3. 189; सुखदु:खे असक्तोऽद्विषंश्च भुञ्जानो न सुखं दु:खतयानुमन्यते TātpaṬ.(Vā.) 72. 12 (*on* i. 1. 1); (प्राह) ध्वस्तगर्वोऽद्विषन्नृणाम् । जैनो मुनि: PrabhāC. 78. 23.

अद्विषेण (adviṣeṇa) *m.* name of a seer अद्विषेण: ह्यरूपश्च ... । एकोनविंशदित्येते ऋषयो मन्त्रवादिन: VāyuP. i. 59. 97.

अद्विषेण्य (a-dviṣeṇyá) *adj.* not repugnant, not hostile उप॑ न: पि॒त॒वा च॑र शि॒व: शि॒वाभि॑रू॒तिभि॑: । म॒यो॒भुर॑द्विषे॒ण्य: ṚV. i. 187. 3; वसुं॒ न चि॒त्रम॑हसं गृणीषे वा॒मं शे॒वमति॑थिमद्विषे॒ण्यम् ṚV. x. 122. 1.

अद्विष्ट (a-dviṣṭa) *adj.* **i** not hostile, not malevolent, free from hatred दंष्ट्रान् खड्गान् ... गर्दभान् । एतानद्विष्टान् मद्रेश: ... दृष्ट्वा विस्मयं परमं ययौ MatsyaP. 118. 61; कर्माशयप्रपञ्चमुच्छेत्तुम् ... अद्विष्टोऽपि ... द्विष्ट इव तत्फलं भुङ्क्ते TātpaṬ.(Vā.) 637. 12 (*on* iv. 1. 68); ब्राह्मणजातिरद्विष्ट: ... प्रायेण न हि दृश्यते TriṣaS'aPuC. i. 1. 743; अद्विष्टो हतवान् द्विष: VītaRā. 11. 2 (comm. द्वेषकालुष्यरहित:); **ii** not despised, not condemned अद्विष्टे त्वविरुद्धा प्रवृत्ति: BālaKrī. i. 115. 24 (*on* 1. 155); शिष्टानां संमता: अनुमता अगर्ह्या अद्विष्टा: प्रिया इति यावत् ManuBh. i. 226. 17 (*on* 3. 39)

अद्विष्टमनस्क (adviṣṭa-manaska) *adj.* with a mind without hatred न ह्यद्विष्टमनस्कस्य कर्मैतत्सिद्धिमश्नुते BṛĀraUBhVā. vi. 4. 50.

अद्विष्ठगुण (adviṣṭha-guṇa) *adj.* quality not residing in two (things) आकाश: स्पर्शवद्गुणासमवायिकारणाद्विष्ठगुणयोराश्रय: TattvPradī.(Ci.) 174. 11.

अद्विष्ठता (adviṣṭha-tā) *f.* the state of not being present in two (things) संयोगस्याप्यद्विष्ठताया वक्ष्यमाणत्वात् NyāySu.(Ja.) 355B. 12 (*on* ii. 2. 6)

अद्विष्ठत्व (adviṣṭha-tva) *n.* the state of not being present in two (things) किमिदमेकद्रव्यत्वं किमेकत्वसंख्याविशिष्टद्रव्यसमवेतत्वमुत अद्विष्ठत्वम् Tattv-Pradī.(Ci.) 197. 3; विशेषणविशेष्यभावादे: संबन्धत्वमेव नास्ति अद्विष्ठत्वात् Tattv-Pradī.(Ci.) 206. 5; न ते संबन्धा अद्विष्ठत्वात् NyāySu.(Ja.) 355B. 12 (*on* ii. 2. 6); विषयविषयिभावस्य चाद्विष्ट(? ष्ठ)त्वेन असंबन्धत्वात् Nyāyāmṛ. 188A. 8.

अद्विष्यमाण (a-dviṣyamāṇa) *adj.* not being despised or hated यो द्वेष्टि कंचिदन्येन च द्विष्यते स एव मन्त्रं ब्रूयात् योऽस्मान् द्वेष्टीति उताद्विष्यन्नद्विष्यमाणश्चापीति S'ābaBh. 1517. 3 (*on* vi. 8. 28)

अद्विष्यमाणत्व (adviṣyamāṇa-tva) *n.* the nature of what is not being hated विदुषस्तु तदसंस्पर्शादाभासमात्रं मणिकृपाणदर्पणादिनिबन्धनविशेषवत् । न विपाक: अनभिनन्द्यमानत्वात् अद्विष्यमाणत्वाच्च BrahmSi. 133. 18.

अद्विस् (a-dvis) *adv.* not twice (i. e. only once) संख्यादे: संख्येयादनपत्येऽजादेर्लुगद्वि: CāndraVyā. ii. 4. 11; द्विगोरनपत्ये यस्वरादेर्लुबद्वि: SiddhaHe. vi. 1. 24.

अद्विसंवीक्षण (a-dvisaṁvīkṣaṇa) *adj.* which does not see a second thing अद्विसंवीक्षणं चक्षु: ... अद्य मे किं करिष्यति RasMañ. 129 (न द्वयो: संवीक्षणं यस्य । तदतिरिक्तानवलोकीत्यर्थ:)

अद्विसंस्पर्शन (a-dvisaṁsparśana) *adj.* which does not touch a second thing अद्विसंस्पर्शन: पाणिरद्य मे किं करिष्यति RasMañ. 129 (comm. न द्वयो: संस्पर्शो यस्य तदन्यासंस्पर्शीत्यर्थ:)

अद्विसंमीलन (a-dvisammīlana) *adj.* which does not think any other thing or object अद्विसंमीलनं मन: । ... अद्य मे किं करिष्यति RasMañ. 129 (comm. न द्वयो: संमीलनं यस्य)

अद्विहल् (a-dvihal) *adj.* (a stem) not having two consonants अद्विहलो यदि भवति Nyās. i. 16. 25 (*on* i. 1. 0); अद्विहलो यदि भवति अश्नोतेरेव Prasā. ii. 136. 13.

अद्विहलार्थ (advihalārtha) *adj.* (grammatical operation) meant for (a stem) not having two consonants अद्विहला(? ल)र्थोऽयमारम्भ: Nyās. 872. 18 (*on* vii. 4. 72)

अद्वीप (a-dvīpa) *adj.* without a support (*lit.* without a landing place) (के वीरा: पर्यवारयन्) इष्वस्त्रसागरम् ... अद्वीपम् MahāBhā. vi. 15. 26 (Nīlakaṇṭha अद्वीपं निराश्रयम्); आसीत्केशपरामर्शो मुष्टियुद्धं च दारुणम् । नखैर्दन्तैश्च शूराणामद्वीपे द्वीपमिच्छताम् MahāBhā. vii. 31. 26 (Nīlakaṇṭha निराश्रयम्); [nt.]

अद्वेष (a-dveṣá) *adj.* [*f.* -ā́] not malevolent, devoid of hostility अ॒द्वे॒षो विष्णु॒र्वात॑ ऋभु॒क्षा अच्छा॑ सु॒म्नाय॑ ववृतीय दे॒वान् ṚV. i. 186. 10; अ॒द्वे॒षे द्यावा॑पृथि॒वी हु॑वेम ṚV. v. 45. 12; ṚV. ix. 68. 10 = VājaS. 12. 29; शयान: पर्णसंस्तरे । तुङ्गपर्यङ्कमद्वेषं गङ्गदत्तानिवेशनम् BṛKathāS'loSaṁ. 18. 533; निरहंममताबुद्धिरद्वेष: करुणासम: । लाभालाभे सुखे दु:खे मानामाने समे(? म:) प्रिय: GaṇeP. ii. 146. 15; ततो नीरागमद्वेषममोहं सर्वदर्शिनम् । ध्यायन्नात्मानम् ... । लभते परमात्मत्वम् YogS'ā. 8. 16; *m.* non-hatred, absence of envy or hatred विषयनिष्ठा धर्मा: विषयिधर्मा: । ते च ... इच्छानिच्छे द्वेषाद्वेषौ ... इत्येवमादय: TārkiRa. 293. 13; अद्वेष: कतम: AbhidhSa. 6. 14; अद्वेष: अपि करुणा AbhidhK. 8. 29; मैत्र्यद्वेष: AbhidhK. 8. 29; सम्यग्ज्ञानप्रकृति: शान्त: ...। जन्मजरामरणादित्रासो वैरस्यवासना विषये । सुखदु:खयोरनिच्छाद्वेषाविति तत्र जायन्ते Kāvyālaṅ.(Ru.) 15. 16; यत्र परस्यानभिप्रेतस्य विराग: सक्ताच्चानभिप्रेतात् स

उभयतोऽद्वेषः JayaMa. 361.8 (*on* 6.6); ध्यानमास्तिक्यमद्वेषः ··· । य एवंभूतमाचारमनुतिष्ठन्ति मानवाः BhaviP. 85B.22 (i. 44.13); अनसूयया अद्वेषेण ManvaVi. 568.24 (*on* 4.228); अमायमनहंकारमरागममदं तथा । अमोहकमदम्भं च अद्वेषाक्षोभके तथा । अमात्सर्यमलोभं च दश पुष्पं प्रकीर्तितम् MahNirvāT. 5.148; अद्वेषमाश्रिताः शान्ताः मामेकं पुरुषोत्तमम् । भजन्ति ध्यानयोगेन BṛBrahmaS. i. 7.88.

अद्वेषण (a-dveṣaṇa) *adj.* without hatred ब्राह्मणानभिगम्याक्रोधनोऽद्वेषणः सर्वकर्माणि संन्यसेत् ĀgniVeGS. ii. 7.11 (119.10)

अद्वेषपर (a-dveṣapara) *adj.* not intent on hating देव्यद्वेषपरे तस्मिन्नभिचारविनिर्मितिः । असंभाव्या RājTa.(Jo.) 492.

अद्वेषपेशल (adveṣa-peśala) *adj.* amiable due to absence of hatred अद्वेषपेशलं कुर्यान्मनः कुसुमकोमलम् CāruCaS'. 24.

अद्वेषरागिन् (a-dveṣārāgin) *adj.* free from hatred and passion विद्वद्भिः सेवितः सद्भिः नित्यमद्वेषरागिभिः । हृदयेनाभ्यनुज्ञातो यो धर्मस्तं निबोधत ManuSm. 2.1; अद्वेषरागिभिः अविहितरागद्वेषशून्यैः CaturCin. ii(1). 10.10.

अद्वेषविषय (a-dveṣaviṣaya) *m.* not (being) the object of hatred प्रतिराजादेरपि अद्वेषविषयः ··· दूतो राज्ञः प्रशस्यो भवति ManvaMu. 258.26 (*on* 7.64); VīraMi. (Rājanīti.) 188.18.

अद्वेषस् (a-dveṣás) *adv.* in a friendly manner, without being malevolent यच्चिद्धि ते इत्था भर्गः शशमानः पुरा निदः । अद्वेषो हस्तयोर्दधे ṚV. i. 24.4; अद्वेषो नो मरुतो गातुमेतन ṚV. v. 87.8; अद्वेषो अद्य बर्हिषः स्तरीमणि ग्राव्णां योगे मन्मनः साध ईमहे ṚV. x. 35.9; *adj.* free from malevolence अनवायमनवयवम् । यदन्ये न व्यवेयुः । अद्वेषस इति वा Nir. 6.11 (116.10)

अद्वेषांशिका (a-dveśāṁśikā) *adj.* (*f.*) which forms part of absence of hatred अविहिंसा कतमा । अद्वेषांशिका करुणता AbhidhSa. 7.1.

अद्वेषिन् (a-dveṣin) *adj.* non-hater अद्वेषी वाक्चित्तानुकूलः VaikhāDS. i. 2.7; अद्वेषी सुमुखः ··· नरः ··· स्वर्गतिं प्रतिपद्यते BrahmP. 225.25; स मे भर्ता महादेवः ··· अद्वेषी BṛDharmaP. i. 37.58; जारमद्वेषिणं द्विषम् । न रक्षन्त्वप्रकाशं हि S'ukraNi. 1.298.

अद्वेष्टृ (a-dveṣṭṛ) *adj.* who does not hate अद्वेष्टा सर्वभूतानां मैत्रः करुण एव च BhagGi. 12.13; (यतः) अद्वेष्टापि भवति कश्चिद् भ्रातृव्यः BṛĀraUBh. 50.19 (*on* i. 3.7); अद्वेष्टा यः ··· मुच्यते बन्धनात् GaṇeP. ii. 141.3; शान्तानां समदृष्टीनामद्वेष्टॄणां च जन्तुषु AdhyāRā. ii. 6.54; अद्वेष्टा ··· ब्राह्मणो भवेत् MahNirvāT. 8.114; विधाकवलयासानामद्वेष्टा हृष्टमानसः (वारणः) Hastyāyur. 127.25 (1.17)

अद्वेष्टृत्व (advestṛ-tva) *n.* the state of being a non-hater उत्पन्नात्मप्रबोधस्य त्वद्वेष्टृत्वादयो गुणाः । ··· भवन्ति NaiṣkaSi. 202.7; तदानीम् ··· अद्वेष्टृत्वादयः सद्गुणाश्चालंकारवदनुवर्तन्ते VedāntSā.(Sa.) 33.20.

अद्वेष्ट्रादिसाधन (adveṣṭrādi-sādhana) *adj.* having as means not hating etc. अमानित्वादिनिष्ठो यो यश्चाद्वेष्ट्रादिसाधनः । ज्ञानमुत्पद्यते तस्य NaiṣkaSi. 202.1.

अद्वेष्य (a-dveṣyá) *adj.* [*f.* -ā] **I** not to be hated, (i. e. non-enimical) अद्वेष्यै द्यावापृथिवी हुवे MaiS. ii. 7.9; आयतिसममद्वेष्यं मित्रं कुर्वीत NītiSā. 4.66; परिवारः स्वप्रशंसार्थमद्वेष्याणामपि निन्दा ManvaVi. 776.25 (7.47); **II** free from hateful things अदुःखमद्वेष्यम् ···शिवालयं मोक्षमुदाहरन्ति VarāṅgaC. 10.9.

अद्वेष्यत्व (adveṣya-tva) *n.* the state of being what is not to be hated तदा बन्धस्य ··· अद्वेष्यत्वात् GuruCandr. i. 187.21.

अद्वैत (á-dvaita) *adj.* [*f.* -ā] **I** non-dual सलिल एको द्रष्टाद्वैतो भवति S'atBr. XIV. vii. 1.31; शान्तं शिवमद्वैतं चतुर्थं मन्यन्ते MāṇḍūU. 7; यदद्वैतं परं ब्रह्म सदसद्भाववर्जितम् BrahmāṇḍP. iii. 15.6; अद्वैतं ब्रह्म प्रतिष्ठा आनन्दमयस्य TaiUBh. 252.18 (2.5); यो हि ··· अद्वैतम् आत्मानं पश्यति BṛĀraUBh. 618.18 (*on* iv. 4.6); न हि अहेयानुपादेयाद्वैतात्मावगतौ सत्याम् BrahmSūBh. (S'aṁ.) 34.4 (*on* i. 1.4); अद्वैतं परमानन्दं ब्रह्मैवास्मीति भावयेत् SarvaVeSā-Saṁ. 892; न शक्नोति कामसंदूषिताशयः । द्रष्टुं तत्परमद्वैतम् BṛĀraUBhVā. (Sambandha.) 343; पदसमन्वयः ··· अद्वैतमात्मतत्त्वमवगमयेत् PañcPā. 46.5 (*on* i. 1.1); 71.3 (*on* i. 1.1); अद्वैतमात्मपदमाहुरनन्यमानम् SaṁkṣeS'ā. 1.116 (i. 100.2); 1.162 (i. 132.16); परस्य प्रकृष्टस्याद्वैतस्य परमात्मनो यदपथ्यं संसारकारणं कर्मादि न तदाचरेत् BālaKrī. ii. 28.16 (*on* 3.65); अपृथग्भूतशक्तित्वाद्ब्रह्माद्वैतं तदुच्यते LakṣmīT. 2.11; अद्वैतं भावयात्मानम् KūrmaP. 13.7 (1.1); 333.5 (1.33); नित्यमद्वैतमपरं परं ब्रह्म ··· तमेव ··· विभुम् GaṇeP. ii. 54.53; अद्वैतं कथं द्वैतं वक्तुं शक्नोति BrahmP. 49.16; अद्वैतमेकम्···नानात्मानि प्रपश्यन्ति मायया मोहिता जनाः SaurP. 11.27; अनपावृतमद्वैतं तदनन्तम् LiṅgaP. i. 86.58; निराधारं निराधेयमद्वैतं चैक्यवर्जितम् YogVā. iii. 13.48; अद्वैतम् ··· गोविन्दम् ··· अहं भजामि BrahmSi. 5.42; तस्मात् सर्वेषु कालेषु मामद्वैतमुपाश्रय S'aṅkaVi. (Ā.) 8.19; 17.8; अद्वैतस्य वस्तुनोऽन्यथाग्रहणं नाम द्वैतरूपेण प्रतिभासः JīvānVi. 112.1; सदद्वैतं श्रुतं यत्तत्पञ्चभूतविवेकतः । बोद्धुं शक्यम् PañcDa. 2.1; MahNirvāT. 2.34; तदा ··· द्वैतभानेऽप्यद्वैतं वस्तु भासते VedāntSā.(Sa.) 30.6; संचिन्त्य ··· अद्वैतं भगवद्विग्रहम् BṛBrahmaS. iv. 2.102; आत्मन्यद्वैतेऽप्यनिर्वचनीयानाद्यविद्याकल्पिता अनिर्वचनीया एव SiddhāBi. 18.2; नत्वा ··· अद्वैतमीश्वरं नृहरिम् Daiva. i. 1.1; तामद्वैतां स्वरूपेण Jīvān. 61.4; **II** without a second, peerless, unique अद्वैतः द्रष्टव्यस्य द्वितीयस्याभावात् BṛĀraUBh. 587.2 (*on* iv. 3.32); अद्वैतभटः ··· महणाङ्गणः EI. ix. 324.8; धर्माद्वैतनिधिः ··· महणाङ्गणः EI. ix. 323.6; अद्वैतमनुमिमानः श्रीबाहुबलिनो नयम् ··· स प्राप तक्षशिलापुरीम् TriṣaS'aPuC. i. 5.52; अद्वैतेऽपि स ऐश्वर्ये जातु नोत्सेकमादधे TriṣaS'aPuC. ii. 3.117; i. 3.573; i. 1.120; श्रुतमद्वैतं त्वद्भुजस्तम्भवैभवम् PāṇḍC. 5.374; 9.205; सुसंसर्गस्य माहात्म्यमद्वैतं कथ्यतेऽधुना PārśvC. 3.420; **III** of unitary character, without a difference अद्वैतं सुखदुःखयोरनुगुणं सर्वास्ववस्थासु यत् UttaRāC. 1.39; अद्वैतं दीप्तम् ··· वाक्यं स्वायंभुवं विदुः MahāP. 39.17; अद्वैते हि सुखे प्रियस्य मुदिताधीनाः ··· स्त्रियः VasaViKā. 14.46; सा तदा पतिमद्वैतं ध्यात्वाकाशात्मकं शिवम् S'aṅkaVi.(Ā.) 9.12; योगे भोगेऽपि सक्तानां वस्तुना हृद्गतेन यत् । अद्वैतं तत्परानन्दसाम्राज्यं सुधियो विदुः TārāS'a. 58.

अद्वैत (a-dvaita) *n.* **I I** non-duality, identify (monism) अद्वैतं च तथा द्वैतं द्वैताद्वैतं तथैव च । न द्वैतं नापि चाद्वैतमित्येतत्पारमार्थिकम् DakṣaSm. 7.46; नाद्वैतमात्मनो लिङ्गात्तद्भेदप्रतीतेः SāṁkhyaSū. 5.61; 1.157; नान्यस्याद्वैतसंस्कारसंस्कृतं मानसं तथा ViṣṇuP. ii. 16.16; तत्राज्ञायुक्तमद्वैतं दीप्तं गम्भीरशब्दवत् BrahmāṇḍP. i. 33.23; अद्वैतमेवावगम्यमानमुपायस्य भ्रान्ततामवगमयति TātpaṬ. (U.) 230.14 (*on* 7.159); 298.9 (*on* 8.245); आयातमन्यथाद्वैतमपि चेत्थमयुक्तिमत् NyāyVi. 2.81; किं पारमार्थिकं स्यादद्वैतम् PraśnoRaMāli. 60; SarvaSiSaṁ. 9.35; अद्वैतं भावयेन्नित्यं न द्वैतं गुरुणा सह KulārT. 12.63; 1.108; तथा क्षुधाद्युपघाते विच्छिन्नात्मविज्ञानस्य । क्षणमालोकस्थानीयायां क्षुन्निवृत्तौ पुनर्दृढसंस्कारवशादद्वैत एवावस्थानम् ManuBh. i. 507.16 (*on* 6 32); नाद्वैतं भवितुमलं विना प्रतीचा SaṁkṣeS'ā. 3.305 (ii. 322.25); न चाविशुद्धे द्वैतार्थे शक्यमद्वैतमीक्षितुम् BṛĀraUBhVā. iii. 2.61; कूटस्थबोधतोऽद्वैतं साक्षात्त्वं प्रत्यगात्मनः NaiṣkaSi. 118.4; NyāyMañ. ii. 103.12; i. 202.11; स्यादेतदेवं यद्यद्वैतं कस्यचित्प्रमाणस्य गोचरः PrakaPañ. 336.3; अद्वैतान्न परं तत्त्वम् YaśasCam. ii. 317.8; दग्धेन्द्रियाणां रुचिवशेनाद्वैतेऽपि प्रवर्तितद्वैतः TattvPradī.(Ā.) 105.8 (*on* 1.83); अत्र च ग्राह्यग्राहकयोः संविदन्तर्भावाद्वैतम् NayaVi. 107.5 (*on* i. 1.5); अद्वैते हि विषयविषयिभावो नास्ति Bhām. 118.1 (*on* i. 1.4); 571.10 (*on* iii. 2.37); तस्मादद्वैतमेवाहुर्मुनयः परमार्थतः KūrmaP. 456.5 (2.2); वेदान्तशास्त्रमूर्धन्यमद्वैतं यच्च बोधयेत् SaurP. 40.56; परं वेदान्तिनो नित्यमद्वैतं प्रतिचक्षते S'ivaP. iv. 43.9 (403A.8); अद्वैतं यो न यातोऽसौ कथमद्वैतकर्मभिः युज्यते YogVā. iii. 27.9; तदद्वैतं वन्दे परमशिवशक्त्यात्म निखिलम् ĪśvaPraSū. i. 1.1; ज्ञानस्य ··· नार्थमन्तरेण अनुपपत्तिरिति सिद्ध्यत्यद्वैतम् NyāyRa. 270.15 (*on* 5(3).8); अत्र त्र्यन्तिदन्तीन्द्रा वदन्त्यद्वैतमात्मनाम् ĪśānS'iPa. ii. 1.20; MālinīT. 18.74; एते च त्रिदण्डिव्यपदेशजीविनो द्वैताद्वैतमार्गपरिभ्रष्टाः PraboCan. 2.5 (21.8); अखिलानामन्योन्यमद्वैतमिवाविरासीत् S'rīKaC. 20.13; मायामात्रमिदं द्वैतमद्वैतं परमार्थतः GauḍKā. 1.17; AnuVyā. 17A.5; स चानिर्वाच्यो ··· न चाद्वैतं व्याहन्ति VedāntKa. 227.24 (*on* i. 4.26); संवेदनं संवित् ज्ञानं तस्या अद्वैतम् SyādvāMañ. 16 (314); अद्वैतं पारमार्थिकम् S'aṅkaVi.(Ā.) 234.9; यस्य जीवब्रह्मणोरद्वैतं तत्त्वम् S'atDū. 179.5; अद्वैत एव वेदवाक्यानां तात्पर्यम् SarvaDaSaṁ. 5.274; अद्वैते निर्विघ्ना स्थितिः JīvanVi. 154.11; अद्वैते त्रिपुटी नास्ति भूमानन्दोऽत उच्यते PañcDa. 15.33; कथमद्वैतं श्रुत्यादिना निषिध्यते TattvPrakā. 20B.5 (*on* i. 1.17); 44A.4 (*on* i. 3.7); किं च वेदान्तवादिनां भवतामप्रामाणिकमद्वैतं प्रामाणिकं वा LaṭaMe. 2.17 (6); तस्माद्भेदयितुमशक्यत्वादद्वैतं सिद्धम् SarvaDaKau. 116.21; अद्वैतवाक्येन अद्वैतस्यैव ··· °सत्यत्वसिद्धेः Nyāyāmṛ. 267A.5; 552B.7; भेदप्रमाणमेवैतदद्वैतं साधयत्यलम् BhedaDhi. 118.3; अतो विशिष्टमद्वैतं वर्णेषु प्रणवो मतः BṛBrahmaS. i. 6.39; यद्यप्यद्वैत एव श्रुतिशिखरगिरामागमानां च निष्ठा S'ivārkaMaDī. i. 1.11 (*on* i. 1.1); CaitaCa. 18.8 (1); **I II** absence of difference or separateness, unity, union अद्वैतं सुखदुःखयोः ··· कथमप्येकं हि तत्प्राप्यते UttarāC. 1.39; तदद्वैतं वन्दे परमशिवशक्त्यात्म निखिलम् ĪśvaPraSū. i. 1.1; तस्या एव धियः श्रुत्या सर्वस्याद्वैतं गोचरयन्त्या कथं नाभेदे प्रामाण्यमासादयितव्यम् KhaṇḍanKhā. 150.12; आवयोरङ्गयोः···अद्वैते च । सितं स्फीतं न स्यादन्योन्यवीक्षणम् RasMañ. 67; अद्वैतमित्र सर्वेषामद्भुतानाममन्यत Yādavā. 10.108; त्वम् ··· अद्वैतेनैकं विष्णुमभ्यर्च्य भक्त्या ChandoMañ. 2.125; अद्वैतं गुणसंपदामुपनिषत्केलीविलासावलेः केयम् CaitaCa. 75.9 (3); **अद्वैतेन** (a-dvaitena) [Inst.] without distinction or difference यद्यप्येष भवेद्भर्ता ममार्ये वृत्तवर्जितः । अद्वैध- (v. l. अद्वैतेन [PW])मुपवर्तव्यस्तथाप्येष मया भवेत् Rāmā. ii. 110.3; **I III**

meditation (resulting in non-duality) अमनस्कं तथाद्वैतम् … तुर्या चेत्येकवाचकाः HathPra. 4.4; **2** one of the epithets of Gaṇeśa अमोघसिद्धिरद्वैतम् … इति वैनायकं नाम्नां सहस्रम् GaṇeP. i. 46.70; *m.* **i** one of the epithets of Viṣṇu in his child form अद्वैतः … इति … कथितम् … नाम…विष्णोर्बालकत्वमुपेयुषः PañcaRā.(Nā.) iv. 8.117; **ii** name of a devotee (of Lord Viṣṇu) हन्त भो अद्वैत CaitaCa. 19.7 (1); 21.2 (1); 58.6 (3); 88.2 (3); अद्वैतस्यालयमपि नयाम्येष याहि त्वमेताम् CaitaCa. 109.21 (4); चैतन्यमद्वैतमितीक्षते जनः CaitaCa. 241.10 (10); **iii** name of a teacher (Advaitānanda) [PW]

अद्वैतकत्व (advaitaka-tva) *n.* the state of having non-duality अद्वैतकत्वेन वागविषयत्वात् SiddhāBi. 151.4.

अद्वैतकथा (advaita-kathā) *f.* talk of non-duality स्वैः स्वैर्व्यवस्थितैरूपैः पदार्थानां तु या स्थितिः। सा सत्ता न स्वतन्त्रान्या तत्राद्वैतकथा कथम् Saṁvi-Si. 96.22.

अद्वैतक्षति (advaita-kṣati) *f.* loss of non-duality प्रपञ्चस्यापि बाधान्नाद्वैतक्षतिः AdvaiSi. 222.2; 592.3.

अद्वैतगुणकीर्तन (advaitaguṇa-kīrtana) *n.* statement or mention of the merits of non-duality द्वैतनिन्दया चाद्वैतगुणकीर्तनाद्ब्रह्मैव … प्रतिपाद्यम् Bhām. 314.7 (*on* i 4.19); इदं सर्वं यदयमात्मेत्यन्तमद्वैतगुणकीर्तनम् VedāntKa. 219.1 (*on* i. 4.19)

अद्वैतगुरु (advaita-guru) *m.* teacher of the philosophy of non-duality अद्वैतगुरुमीशानं न ध्यायेत्स तु पातकी S'aṅkaVi.(Ā.) 279.12.

अद्वैतगोचरत्व (advaitagocara-tva) *n.* the state of having non-duality as object कोऽसौ विरोधः द्वैताद्वैतगोचरत्वमिति चेत् S'atDū. 55.25; 70.28.

अद्वैतगोचरशास्त्र (advaitagocara-śāstra) *n.* the Upaniṣadic text referring to non-duality (i. e. Brahman without a second) यच्चाद्वैतगोचरशास्त्रस्य निषेधकान्तरं न दृश्यते S'atDū. 130.29.

अद्वैतघटिता (advaita-ghaṭitā) *adj.* (*f.*) made of an undifferentiated thing (i. e. made of one thing only) नीरैर्नदद्भिरुद्दामसंभवद्भिर्निरन्तरम्। प्लाविता भूस्तदद्वैतघटितेव तदाभवत् PrabhāC. 5.11.

अद्वैतचार (advaita-cāra) *adj.* whose behaviour (i. e. assumed appearance) is common to both men and women (?) शृङ्गाराङ्गारसंतप्तचेतसो वा कस्य दर्शनिनो नेपथ्यमानन्दमुत्थापयेत्।… सेलुकार इवाद्वैतचार° … °सौगतः MudriKu. 3.12 (4)

अद्वैतचारित्र (advaita-cāritra) *n.* unique good conduct ईदृगद्वैतचारित्रपवित्रात्मा बलो मुनिः। हा धिगस्माभिरत्यन्तं भाग्यवन्ध्यैर्न वन्दितः PāṇḍaC. 18.212.

अद्वैतचित्त (advaita-citta) *adj.* having an identical mind ध्रुवनैवं स संप्राप्तः पुरं पुरुषसत्तमः। सुहृदाद्वैतचित्तेन विहितप्रतिभाषणः PadmP.(Ra.) 18.19.

अद्वैतचित्सुख (advaitacit-sukha) *n.* non-dual consciousness as well as bliss) अद्वैतचित्सुखमहाम्बुधिमग्नभावमस्मत्पितामहमशेषगुरुं प्रपद्ये S'ivārkaMa-Dī. i. 1.9 (*on* i. 1.1)

अद्वैतचिन्मात्र (advaita-cinmātra) *adj.* consisting only of a secondless one and only of consciousness अद्वैतचिन्मात्ररूपपरमार्थनिरूपणस्यैव प्रकृतत्वेन प्राधान्येनापरिणाम्युक्तेरनुपयोगात् GuruCandr. ii. 307.22.

अद्वैतचूतप्रसव (advaitacūta-prasava) *m.* blossom of the unique mango tree (called *Ekāmra*) अद्वैतचूतप्रसवासवेषु पदे पदे प्रस्तुतमज्जनाभिः कम्पातरङ्गानिलकन्दलीभिराचान्तघर्माम्बुकणावलीनि … (गतागतानि) YātrāPra. 3.147.

अद्वैतज्ञान (advaita-jñāna) *n.* knowledge of one without a second (i. e. Brahman) तेषामनुत्पाद एवाद्वैतज्ञानस्य प्रसज्यते BrahmSi. 32.9; अद्वैतज्ञानं मनोवृत्तिमात्रम् ChāndoUBh. 9.8 (*on* i. 1.1); S'ivaP. vi. 18.5 (494B.3); ततश्चाद्वैतज्ञानं बाध्यतामेति BrahmSūBh.(Bhā.) 20.21 (*on* i. 1.4); प्रागद्वैतज्ञानात्सद्बुद्धिबोध्यत्वात् BrahmSūBh.(Rā.) 58.3 (*on* i. 1.1); एवमत्राप्यद्वैतज्ञानेन बाधितं भेदज्ञानम् … भवति GītāBh.(Rā.) 64.2 (*on* 2.12); BṛNāraP. 20.32; अवाप्तवान् मनःशुद्धिमद्वैतज्ञानसाधनाम् SkandP. iii(1). 20.51; यत्तदविद्यानिवर्तकं विशदमद्वैतज्ञानमुदेष्यति S'atDū. 62.8; 181.11; 189.18; अद्वैतज्ञानं कथं सत्यं भवेत् SarvaDaKau. 128.4; उद्देश्यविधेयभावस्फूर्तौ न ह्यद्वैतज्ञानमस्ति AṇuBh. 245.18 (*on* iii. 3.37); 245.21 (*on* iii. 3.37); अद्वैतज्ञाने तु श्रुतितात्पर्यभ्रमो दोषः Nyāyāmṛ. 131B.8; 261A.6; एतेन द्वैतज्ञानेनाद्वैतज्ञानस्य बाधो निरस्तः SiddhāBi. 52.3; अद्वैतज्ञानादिभेदाग्रहान्नार्थापत्तिः सर्वभेदविषया GuruCandr. ii. 244.13; ii. 244.15; अद्वैतज्ञानादिभेदं विना यस्यां किञ्चिदनुपपन्नमिति न गृहीतम् सार्थापत्तिः LaCandr. 518.26.

अद्वैतज्ञानद (advaitajñāna-da) *adj.* which bestows the knowledge of the one without a second स्वामितीर्थाभिधे तीर्थे … अद्वैतज्ञानदे पुंसां मुक्तिप्रदायिनि SkandP. ii(1). 12.51; iii(1). 30.63.

अद्वैतज्ञानफलत्व (advaitajñānaphala-tva) *n.* the nature of being the fruit or result of the knowledge of the one without a second अद्वैतज्ञानफलत्वे मोक्षस्य…विचिकित्सागन्धोऽपि नास्ति Bhām. 639.6 (*on* iii. 3.32)

अद्वैतज्ञानवत् (advaitajñāna-va(n)t) *adj.* having the knowledge of the one without a second अद्वैतज्ञानवतोऽपि कर्मेति चेत् ChāndoUBh. 8.16 (*on* i. 1.1); तेषामद्वैतज्ञाने बाधकत्वज्ञानमद्वैतज्ञानवता कारयितुं शक्यते GuruCandr. ii. 250.10.

अद्वैतज्ञानवत् (advaitajñāna-vat) *adv.* as in the case of the knowledge of the one without a second चरमज्ञानस्य … अद्वैतज्ञानवद्व्यावहारिकसतः प्रमात्वसंभवेन Nyāyāmṛ. 260B.7.

अद्वैतज्ञानवत्त्व (advaitajñānavat-tva) *n.* the state of possessing the knowledge of the one without a second स्तोतॄणामद्वैतज्ञानवत्त्वे स्तुत्यनुपपत्तिः S'rutaPra. iA. 240.11 (*on* i. 1.1)

अद्वैतज्ञानविरोध (advaitajñāna-virodha) *m.* contradiction with the knowledge of the one without a second विधीनामद्वैतज्ञानविरोधं दर्शयति VedāntKa. 94.26 (*on* i. 1.4)

अद्वैतज्ञानसिद्धि (advaitajñāna-siddhi) *f.* accomplishment of the knowledge of the one without a second अद्वैतज्ञानसिद्ध्यन्यथानुपपत्त्यापि प्रमाणादिभेदः सत्यो वक्तव्यः PrakaVi. 420.25.

अद्वैतज्ञानस्वभाव (advaitajñāna-svabhāva) *m.* the nature of the knowledge of the one without a second यद्वैतज्ञानस्वभावालोचनयोत्तरपूर्वसुकृतदुष्कृतयोरश्लेषविनाशौ Bhām. 721.21 (*on* iv. 1.15)

अद्वैतज्ञानार्थम् (advaita-jñānārtham) *adv.* for the knowledge of the one without a second न हि सांख्योऽद्वैतज्ञानार्थं प्रधानोपदेशं मन्यते NyāySu. (Ja.) 120A.10 (*on* i. 1.15)

अद्वैतज्ञानावसानत्व (advaitajñānāvasāna-tva) *n.* the state of culminating in the knowledge of the one without a second अद्वैतज्ञानावसानत्वात् शास्त्रशिष्यशासनादिद्वैतभेदस्य BṛĀraUBh. 691.7 (*on* v. 1.1)

अद्वैतज्ञानिन् (advaita-jñānin) *adj.* knower of the one without a second अद्वैतज्ञानिनं प्रति व्यवहारव्याघातः … आपादनीयः GuruCandr. ii. 250.11.

अद्वैतज्ञानोत्तरम् (advaitajñānottaram) *adv.* after the knowledge of the one without a second तव त्वद्वैतज्ञानोत्तरं भेदज्ञानस्य तद्बाधकस्य न स्वीकारः सम्भवति GuruCandr. ii. 240.15.

अद्वैतज्ञानोत्पादक (advaitajñānotpādaka) *adj.* which produces the knowledge of the one without a second अद्वैतज्ञानोत्पादकत्वेदभागस्य … मोक्षफलकत्वेन LalitāTriBh. 352.5 (*on* 58)

अद्वैतज्ञानोदय (advaitajñānodaya) *m.* emergence of the knowledge of the one without a second अद्वैतज्ञानोदयसामर्थ्यादेवानिच्छतोऽप्यहमर्थविनाश इति चेत् S'atDū. 123.5.

अद्वैतज्ञानोपकारक (advaitajñānopakāraka) *adj.* helpful or subservient to the knowledge of the one without a second उपासनानि सत्त्वशुद्धिकरत्वेन … अद्वैतज्ञानोपकारकाणि ChāndoUBh. 9.17 (*on* i. 1.1)

अद्वैततत्त्व (advaita-tattva) *n.* ultimate reality which is one without a second अद्वैततत्त्वसाक्षात्कारो हि अविद्यासमारोपितं प्रपञ्चम् … उपशमयति Bhām. 639.8 (*on* iii. 3.32); 745.13 (*on* iv. 3.7); नमोऽद्वैततत्त्वाय मुक्तिप्रदाय नमो ब्रह्मणे व्यापिने निर्गुणाय MahNirvāT. 3.59 (comm. सजातीयविजातीयस्वगतभेदरहिताय); ध्येयं तेजोऽद्वयम् … अभिन्नरूपमद्वैततत्त्वम् BṛBrahmaS. iii. 2.27; (सा) … न … श्रद्धां दधे निषधराड्मितौ मतानामद्वैततत्त्व इव सत्यतरेऽपि लोकः NaiṣC. 13.36; श्रीमन्नारायण एव चिदचिद्विशिष्टाद्वैततत्त्वम् YatīndraDī. 2.1.

अद्वैततनूज (advaita-tanūja) *m.* son of Advaita गौरो हरिर्नैतयाव्रजेऽद्वैततनूजमेकमधुरं गोपालदासाभिधम् CaitaCa. 254.1(10)

अद्वैतता (advaita-tā) *f.* the state of having no duality अहंवृत्त्योभयं रक्तं तन्नाशेऽद्वैततात्मनः NaiṣkaSi. 77.5; तत्संपर्कात्तत्र चाद्वैततान्या SaṁkṣeS'ā. 1.158 (i. 130.3); वस्तुनोऽद्वैततापत्तेत् IṣṭaSi. 274.7; न विद्यते द्वैतं यस्य तत्त्वस्य तदद्वैतं तस्य भावोऽद्वैतता NyāySu.(Ja.) 635B.12 (*on* iv.2)

अद्वैततात्पर्यक (advaita-tātparyaka) *adj.* having the purport of non-duality अद्वैतबोधकानि सर्वशाखागतानन्तवाक्यानि यच्चद्वैततात्पर्यकानि(?णि) न स्युः GuruCandr. i. 458.5.

अद्वैततात्पर्यकत्व (advaitatātparyaka-tva) *n.* the state of having non-duality as its purport इत्यद्वैतसिद्धौ सर्वाद्वैतश्रुतेः अद्वैततात्पर्यकत्वनिर्णयः AdvaiSi. 526.5; अनुवादाभावेऽपि श्रुतेरद्वैततात्पर्यकत्वेन भ्रमजनकत्वस्यादोषत्वसंभवात् GuruCandr. ii. 207.20.

अद्वैततात्पर्यग्रह (advaitatātparya-graha) *m.* comprehension of the purport of non-duality अद्वैततात्पर्यग्रहस्य च प्रत्यक्षाद्यविरोधेन प्रमारूपतया दोषत्वाभावात् AdvaiSi. 395. 18.

अद्वैततामत (advaitatā-mata) *n.* doctrine of non-duality तस्यापि भङ्गुरत्वादिविशेषमपहाय हि । अद्वैततामतं साक्षादुक्तदोषस्ततो भवेत् AnuVyā. 69A. 11 (*on* 4. 2); न विद्यते द्वैतं यस्य तत्त्वस्य तदद्वैतं तस्य भावोऽद्वैतता । तस्याः मतमद्वैततामतम् NyāySu.(Ja.) 635B. 12 (*on* iv. 2. 11)

अद्वैततासमरस (advaitatā-samarasa) *adj.* having the same joy (i. e identity) with the non-dual consciousness प्रज्ञाघनम् ··· अद्वैततासमरसम् ··· ज्योतिः परं यदमृतं हृदि चाकशीति HarVi. 47. 78.

अद्वैतत्याग (advaita-tyāga) *m.* abandonment of non-duality क्षुधाद्युपहतस्याप्यद्वैतत्यागो विरोधिना भोजनेन तावत्काल एव ManuBh. i. 507. 13 (*on* 6. 32)

अद्वैतत्व (advaita-tva) *n.* non-duality, the state of being unitary निरतिशयानन्दस्वाभाव्यम् अद्वैतत्वं च अधिगन्तव्यम् BrĀraUBh. 513. 8 (*on* iv. 3. 1); 280. 16 (*on* ii. 3. 1); स एष परमानन्दः स्वाभाविकः, अद्वैतत्वात् TaiUBh. 271. 9 (*on* 2. 8); लक्ष्यस्यैव च परमात्मनोऽद्वैतत्वम्, न तु वाच्यस्येति चेत् IṣṭaSi. 174. 18; सम्यग्ज्ञानाज्जीवभेदे प्रसिद्धावद्वैतत्वं ब्रह्मणो न प्रसिध्येत् SaṁkṣeSā. 2. 150 (ii. 93. 9); देवमुपश्लोकयता कथंकारमद्वैतत्वमात्मनो न चोतितम् YaśasCam. i. 458. 8; तस्यैकस्यैवाद्वैतत्वमित्युक्ते समाधिकराहित्यमेवोक्तं स्यात् ViṣṇuTaNi. 14B. 2; यदिदं परमेश्वरस्याद्वैतत्वं च विशेषणमुक्तं न तद्द्वितीयवस्तुराहित्याभिप्रायेण । किं तु परमार्थतः NyāySu.(Ja.) 223A. 10 (*on* i. 4. 6); तदभ्यासस्यैकाग्रतापादनद्वारेणाद्वैतत्वं भजतीत्याह । वीणेत्यादि DīpKa. 85. 31 (*on* 3. 115); सति प्रपञ्चे जीवे वाद्वैतत्वं ब्रह्मणः कुतः SarvaVeSāSaṁ. 731.

अद्वैतत्वविवेकिन् (advaitatva-vivekin) *adj.* who discriminates about non-duality द्वैतस्य प्रतिभानं तु व्यवहारे द्वयोः समम् । समाधौ नेति चेत्तद्वत्स्वाद्वैतत्वविवेकिनः PañcDa. 12. 87.

अद्वैतत्वोपलक्षित (advaitatvopalakṣita) *adj.* marked by non-duality उक्तसत्त्वं च नाद्वैतत्वोपलक्षितब्रह्मणः संभवति LaCandr. 359. 8; 8. 23.

अद्वैतदयित (advaita-dayita) *adj.* 1 loved by (the teacher) Advaita अद्वैतदयितः ··· स चैतन्यः किं मे पुनरपि दृशोर्यास्यति पदम् StavMā. 4. 6; 2 (one) who loves (the teacher) Advaita, StavMā. 4. 6; 3 who is fond of (the Doctrine of) non-duality, StavMā. 4. 6.

अद्वैतदर्शन (advaita-darśana) *n.* doctrine of non-duality अपरेऽद्वैतदर्शनावलम्बिन औपनिषदिकाः TattvSaṁPañ. 123. 1 (*on* 328); अथवाद्वैतदर्शने ··· विवर्तानां भूतमयत्वात् ··· युक्तमेव तन्मयत्वम् ManuBh. i. 11. 4 (*on* 1. 7); अद्वैतदर्शनेनातो नास्ति किंचित्प्रयोजनम् BrĀraUBhVā. iii. 2. 48; iii. 2. 44; iii. 2. 49; सत्ताग्रहणपक्षेऽपि विशेषावगतिः कुतः । सा भाति भेदसृष्टा चेत्सिद्धमद्वैतदर्शनम् NyāyMañ. i. 91. 33; ii. 94. 5; ii. 94. 7; तस्मान्न भेदाभेदौ इति अद्वैतदर्शनेन द्वैतदर्शनस्य बाधः सिद्धः VivaPraSaṁ. 340. 1; अद्वैतदर्शनविदां भुवि सार्वभौमो यात्येषः SaṅkaDigVi.(Mā.) 6. 55; 5. 100; शापं दास्यत्यथाचार्यः ··· सिद्धान्ते जडता तेऽस्तु परमद्वैतदर्शने SaurP. 39. 50; अद्वैतदर्शनं यन्मे याज्ञवल्क्यानुशासनम् JānaPa. 7. 38; *adj.* who feels unity (with Viṣṇu) अतुलां प्रीतिमालेभे विष्णोरद्वैतदर्शनः । ··· असौ SkandP. ii(2). 12. 98.

अद्वैतदर्शित्व (advaitadarśi-tva) *n.* the nature of one who realises non-duality ईशस्य नित्यमद्वैतदर्शित्वात् द्वैते प्रवृत्तिर्ज्ञानं च न स्यात् GuruCandr. i. 406. 14.

अद्वैतदर्शिन् (advaitadarś-in) *adj.* realiser of non-duality अद्वैतदर्शिनां न तथा प्रवर्तनमिति चेन्न S'atDū. 148. 28.

अद्वैतदृष्टि (advaita-dṛṣṭi) *f.* view of non-duality सेयमद्वैतदृष्टिर्दृष्टार्थापि KhaṇḍanKhā. 224. 14.

अद्वैतदेव (advaita-deva) *m.* Lord Advaita अहो साधु समाहितमद्वैतदेवेन CaitaCa. 121. 8(5)

अद्वैतद्रोहिन् (advaita-drohin) *adj.* who hates the doctrine of non-duality अद्वैतद्रोहिणः केचिल्लिङ्गाङ्कितभुजद्वयाः ···समागताः S'aṅkaVi.(Ā.) 21. 11.

अद्वैतधामन् (advaita-dhāman) *n.* abode of non-duality या ते अग्न इत्यनेन मन्त्रेणाग्नौ प्रताप्य ··· । हस्तमग्नौ समारोप्य स्वात्मन्यद्वैतधामनि S'ivaP. vi. 13. 44 (487B. 9)

अद्वैतधी (advaita-dhī) *f.* knowledge of non-duality अद्वैतधियोऽस्मद्बुद्धयः ··· परिनितिष्ठन्ति KhaṇḍanKhā. 156. 18; व्यावहारिकभेदमात्रेणाद्वैतधीबाधकत्वोपपत्तेः Nyāyāmṛ. 261A. 8; तथा सति ··· अद्वैतधियोऽप्यबाधकत्वापत्तेः GuruCandr. i. 108. 3; i. 495. 3.

अद्वैतनमस्कार (advaita-namaskāra) *m.* homage of identity रागाद्युपाधिविकल्परहितपरमसमाधिबलेनात्मन्येवाराध्याराधकभावः पुनरद्वैतनमस्कारो भण्यते TātpaVr.(A.) 6. 18 (*on* 1. 5)

अद्वैतनिन्दा (advaita-nindā) *f.* censure of the doctrine of non-duality अद्वैतनिन्दां कुर्वन्ति ये मूढा दुःखभोगिनः । ते सर्वे नरकं यान्ति S'aṅkaVi.(Ā.) 17. 14; भविष्यन्ति तस्य शिष्या अनेकशः । ··· अद्वैतनिन्दानिरताः SaurP. 39. 66.

अद्वैतनिरत (advaita-nirata) *adj.* devoted to the doctrine of non-duality अद्वैतनिरतो यत्र स देशः पुण्यवर्धनः S'aṅkaVi.(Ā.) 17. 12.

अद्वैतनिर्णय (advaita-nirṇaya) *m.* ascertainment about non-duality निगमादीनां तात्पर्यगोचरो द्वैतनिर्णयः अद्वैतनिर्णयो वा पारमार्थिकः S'aṅkaVi.(Ā.) 20. 5.

अद्वैतनिर्णयवत् (advaitanirṇaya-va(n)t) *adj.* having the definite knowledge of non-duality यथा च तव भेदानिर्णयेऽपि भेदनिर्णयवानिति कल्पना, तथैवाद्वैतानिर्णयेऽपि ममाद्वैतनिर्णयवानिति कल्पना GuruCandr. ii. 354. 17; LaCandr. 541. 38.

अद्वैतनिर्वृत्ता (advaita-nirvṛttā) *adj.* (*f.*) sprung from non-duality आश्रयाम्यद्वैतनिर्वृत्तां निर्वाणकाष्ठाम् AmṛUda. 1. 16 (23)

अद्वैतनिश्चय (advaita-niścaya) *m.* determination of non-duality उपदेष्टुश्चाद्वैतनिश्चयानिश्चययोः कस्मै किमुपदेश्यम् NyāySiA. 228. 12; प्रपञ्चतात्त्विकत्वस्य ··· सन्दिग्धत्वेनाद्वैतनिश्चयासम्भवात् LaCandr. 386. 41; 8. 21.

अद्वैतनिश्चयानिश्चय (advaita-niścayāniścaya) *m.* decision or lack of decision about non-duality उपदेष्टुश्चाद्वैतनिश्चयानिश्चययोः कस्मै किमुपदेश्यम् NyāySiA. 228. 12.

अद्वैतनिषेध (advaita-niṣedha) *m.* refutation of non-duality भाष्ये अद्वैतनिषेधाय श्रुत्यर्थापरिज्ञाननिमित्तप्राप्तेरुक्तत्वात् TattvPrakā. 20B. 6 (*on* i. 1. 17); पूर्वम् अद्वैतनिषेधमुखेन प्रवृत्तम् NyāySu.(Ja.) 637A. 10 (*on* 4. 2)

अद्वैतनिष्कल (advaita-niṣkala) *adj.* unique and without limitations स तं ददर्श मुनीश्वरम् ··· अद्वैतनिष्कलं ब्रह्म चिन्तयन्तम् SkandP. iii (1). 26. 85.

अद्वैतनिष्ठ (advaita-niṣṭha) *adj.* devoted to non-duality न च यत्किञ्चित्प्रवृत्तिशून्यं कञ्चिदद्वैतनिष्ठं पश्यामः S'atDū. 138. 1.

अद्वैतनिष्ठता (advaitaniṣṭha-tā) *f.* the state of being intent on non-duality उपसंहारस्य चाद्वैतनिष्ठता GuruCandr. i. 455. 21.

अद्वैतनिष्ठत्व (advitaniṣṭha-tva) *n.* the state of being intent on non-duality पुरुष एवेदमित्यादिपरामर्शस्याद्वैतनिष्ठत्वात् LaCandr. 828. 40; उपनिषदामद्वैतनिष्ठत्वात् NyāySu.(Ja.) 65A. 6 (*on* i. 1. 1)

अद्वैतपक्ष (advaita-pakṣa) *m.* view of non-duality अद्वैतपक्षो भवता मदीयोऽयं प्रसाध्यते BrĀraUBhVā. iv. 3. 1701; अतः सर्वथा नाद्वैतपक्षः कश्चिदनवद्यः NyāyMañ. ii. 103. 11; यथाचः पक्षस्तद्वद्द्वैतपक्षक्षतिः NyāyMa. 309. 8.

अद्वैतपक्षपात (advaita-pakṣapāta) *m.* desire or liking (shown by) Advaita नवद्वीपे चरणाविर्भावावधि अत्रैवाद्वैतपक्षपातः CaitaCa. 48. 8 (2)

अद्वैतपथ (advaita-patha) *m.* path of non-duality श्रीवास भवानपि अद्वैतपथपतितोऽभूत् CaitaCa. 53. 12 (2)

अद्वैतपर (advaita-para) *adj.* [*f.* -ā] I having firm belief in non-duality निदाघोऽप्युपदेशेन तेनाद्वैतपरोऽभवत् ViṣṇuP. ii. 16. 19; II having non-duality as the purport विरुध्यमानं वचो यदद्वैतपरैर्वचोभिः SaṁkṣeSā. 3. 287 (ii. 313. 12); तत्त्वसाक्षात्कारपरे यावद्वाचो गतमित्यद्वैतपरं घटते NayaVi. 263. 3 (*on* i. 1. 24); उपनिषदश्च ··· अद्वैतपरा एव युज्यन्ते Bhām. 502. 14 (*on* ii. 3. 43); कथमद्वैतपरमागमवाक्यं प्रमाणं भवेत् PramāMā. 19. 7; अद्वैतपराणां वेदान्तवाक्यानां सामञ्जस्यं भवति NītiMā. 27. 3; 32. 18; सृष्टिवाक्यापेक्षितसर्गादिप्रपञ्चनद्वारा पुराणमद्वैतपरम् VedāntKa. 56. 26; कुरुध्वमद्वैतपरान् निबन्धान् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 13. 74; अस्तु तर्हि ··· अद्वैतपरो वेदादिः ··· सर्वस्य मिथ्यात्वे प्रमाणम् NyaySu.(Ja.) 485B. 9 (*on* iii. 2. 1)

अद्वैतपरता (advaitapara-tā) *f.* the state of having non-duality as the purport अद्वैतपरतया युष्माभिरभ्युपेतैः श्रुतिशतैर्विरोधप्रसङ्गात् S'atDū. 178. 20.

अद्वैतपरत्व (advaitapara-tva) *n.* the state of having non-duality as the purport उक्तनिर्वाहगोचरदृष्टान्तमुखेनाद्वैतपरत्वेन परोक्तस्य श्लोकस्यार्थमाह S'rutaPra. iA. 242. 25 (*on* i. 1. 1); न च तेषामद्वैतपरत्वम् NyāyKu. 141. 21; अत्राद्वैतपरत्वे तात्पर्यलिङ्गानुगुणत्वम् ··· उपपादितम् NyāySu.(Ja.) 29A. 7 (*on* i. 1. 1); तत्राद्वैतपरत्वं न सम्यक् प्रत्यपादि SarvaDaKau. 113. 16; दुन्दुभ्यादिवाक्यस्य ··· अद्वैतपरत्वात् GuruCandr. ii. 289. 11; ii. 257. 18; तत्परत्वात् अद्वैतपरत्वात् LaCandr. 384. 24.

अद्वैतपरमार्थता (advaitaparamārtha-tā) *f.* reality of non-duality किमद्वैतपरमार्थताभ्युपगमेन समाहितं भवति KhaṇḍanKhā. 217. 24.

अद्वैतपराक्रम (advaita-parākrama) *adj.* having peerless valour

पत्तिभिः ··· दर्शयद्भिर्नराद्वैतमिवाद्वैतपराक्रमैः TrisaS'aPuC. i. 4. 485.

अद्वैतपरिभावना (advaita-paribhāvanā) *f.* contemplation of non-duality अद्वैतपरिभावनामुवा प्रसङ्गाख्येन ··· गन्तव्याभावादेव नास्ति गतिः Bhām. 734. 7 (*on* iv. 2. 13)

अद्वैतपर्यवसान (advaita-paryavasāna) *n.* termination or culmination in non-duality यच्चाद्वैतपर्यवसानमुक्तम् NyāySu.(Ja.) 382B. 7 (*on* ii. 2. 6)

अद्वैतपान (adaita-pāna) *n.* experience of non-duality अद्वैतपानगन्धविधुरायाः तदभ्याससहितपूजातोऽत्यन्तमपकृष्टत्वात् SetuBa. 316. 27.

अद्वैतपुर (advaita-pura) *n.* name of a city भगवानद्वैतपुरं प्रविष्टः CaitaCa. 120. 13 (5); 124. 22 (5)

अद्वैतप्रकटन (advaita-prakaṭana) *n.* appearance or presence of Advaita यत्राद्वैतप्रकटनमसावुत्सवो मे प्रमोदी CaitaCa. 196. 15 (8)

अद्वैतप्रतिज्ञा (advaita-pratijñā) *f.* proposition of non-duality नित्या जीवात्मानो न विकारा न चाद्वैतप्रतिज्ञाविरोध इति सिद्धम् Bhām. 484. 8 (*on* ii. 3. 17)

अद्वैतप्रतिपत्ति (advaita-pratipatti) *f.* realisation or experience of non-duality प्रमाणादिविभागाद्वैतप्रतिपत्त्योर्विरोधात् BrahmSi. 32. 9; प्राणाद्युपासनानि चान्तःकरणस्य पराग्वृत्तिनिरोधद्वारेणाद्वैतप्रतिपत्तावेवोपयुक्तानि NyāySu. (Ja.) 65A. 9 (*on* i. 1. 1)

अद्वैतप्रतिपादक (advaita-pratipādaka) *adj.* propounding or teaching non-duality तथा चाद्वैतप्रतिपादकश्रुतेरुपपत्तिविरोध इति हृदयम् NyāySu. (Ja.) 28B. 8 (*on* i. 1. 1); 28A. 9 (*on* i. 1. 1); अद्वैतप्रतिपादकशास्त्रविरोधेन प्राण्यङ्गत्वहेतुकाशुचित्वानुमानप्रयोक्तृवदुपहसनीयतामाह LalitāSaBh. 221. 10 (*on* 290); अयमेव स इत्यद्वैतप्रतिपादकत्वात् VedāntKa. 373. 13 (*on* iii. 2. 11)

अद्वैतप्रतिपादन (advaita-pratipādana) *n.* propounding or exposition of non-duality अथ मन्यसे नेदं शास्त्रं सृष्टिप्रतिपादनपरं किं तर्हि अद्वैतप्रतिपादनपरम् BrahmSūBh.(Bhā.) 98. 16 (*on* ii. 1. 14); सन्ति चात्र ··· अद्वैतप्रतिपादनपराः शतशः श्रुतयः Bhām. 557. 17 (*on* iii. 2. 11); 165. 18 (*on* i. 2. 3); LaCandr. 504. 19.

अद्वैतप्रतीति (advaita-pratīti) *f.* cognition of non-duality अद्वैतप्रतीतिमप्रमां मन्यमानस्य तव अप्रमाविषये किं प्रमाणमिति कथं न प्रश्नो व्याहन्येत KhaṇḍanKhā. 142. 14.

अद्वैतप्रमाण (advaita-pramāṇa) *n.* means of cognition of non-duality न च वाच्यम् – सामान्येनाद्वैतप्रमाणसिद्धौ भूतायामपि विशेषतः प्रमाणे प्रश्नः KhaṇḍanKhā. 140. 2; द्वैताद्वैतप्रमाणयोर्व्यावहारिकपारमार्थिकविषयत्वेन व्यवस्थोक्त्ययोगाच्च Nyāyāmṛ. 48A. 5.

अद्वैतप्रमुख (advaita-pramukha) *adj.* among whom Advaita is chief or prominent अद्वैतप्रमुखाः पतन्ति युगपत्सर्वे क्षितौ दण्डवत् CaitaCa. 20. 2 (1)

अद्वैतप्रसङ्ग (advaita-prasaṅga) *m.* contingency of non-duality अन्याभावे चेद्वस्तुनस्सत्त्वम्, अद्वैतप्रसङ्गः IṣṭaSi. 274. 10; परस्पराभावधर्मिणोरेकत्र समवाये नेदं स्वाभाविकं नानात्वं क्वचिदपीत्यद्वैतप्रसङ्गः TātpaṬ.(Vā.) 93. 8 (*on* i. 1. 1)

अद्वैतप्रसङ्गतस् (advaitaprasaṅga-tas) *adv.* **I** due to the contingency of non-duality तत्त्वेऽद्वैतप्रसङ्गतः। एकाभावादसंदेहान्न रूपं वस्तुनो भिदा TattvPradī.(Ci.) 167. 14; **II** on the occasion of (expounding) non-duality एतच्च ब्रह्ममीमांसाभाष्येऽद्वैतप्रसङ्गतो विस्तरेणोपपादितम् SāṁkhyaPraBh. 31. 7 (*on* 1. 61)

अद्वैतप्राप्तप्रतिष्ठ (advaita-prāptapratiṣṭha) *adj.* who has obtained foothold in non-duality अद्वैतप्राप्तप्रतिष्ठा भक्ता हि द्वैतावस्थायां महाद्वैतं पश्यन्ति Bhāsk. ii. 280. 18 (*on* iv. 1. 1)

अद्वैतप्रेमपात्र (advaita-premapātra) *adj.* which is the object of Advaita's love or affection (स्वरूपम्) यदिदमद्वैतप्रेमपात्रम् CaitaCa. 49. 10 (2)

अद्वैतफल (advaita-phala) *n.* fruit (in the form) of non-duality तव ज्ञानेन किमद्वैतफलमस्ति S'aṅkaVi.(Ā.) 157. 3.

अद्वैतबद्धादर (advaita-baddhādara) *adj.* which has respect for non-duality श्रद्धामद्वैतबद्धादरबुधपरिषच्छेमुषीसंनिषण्णाम् (सिक्त्वा ··· जीवयसि) S'aṅkaDigVi.(Mā.) 13. 62.

अद्वैतबन्धु (advaita-bandhu) *m.* very close (*lit.* identical) friend चौलुक्यक्षितिपालवीरधवलस्याद्वैतबन्धुः सुधीस्तेजःपालः EI. viii. 213. 40.

अद्वैतबाधक (advaita-bādhaka) *adj.* annulling non-duality अद्वैतबाधकमभून्मम यद् द्वितीयमद्वैतमस्य बत बाधकमेव जातम् SaṅkṣeS'ā. 4. 56 (ii. 390. 12)

अद्वैतबुद्धि (advaita-buddhi) *f.* knowledge of non-duality अद्वैतबुद्धिरपि भेदधियात्मनि स्यात् SaṁkṣeS'ā. 2. 2 (ii. 2. 5); PrakaVi. 352. 23; अद्वैतबुद्धेः प्रामाण्यं व्यवस्थापयन्तीनामसद्बुद्धीनामेव क्रमेण जायमानत्वात् AdvaiSi. 519. 5; GuruCandr. i. 456. 16; धियमद्वैतबुद्धिं राति ददातीति वा (धीरा) LalitāSaBh. 185. 33 (*on* 220)

अद्वैतबोध (advaita-bodha) *m.* understanding of non-duality अद्वैतबोधे च न वेदान्ताः शक्ता इत्युक्तम् NayaVi. 263. 9 (*on* i. 1. 24); तस्मादद्वैतबोधाय स्थिरो भव परावरे S'aṅkaVi.(Ā.) 233. 7.

अद्वैतबोधक (advaita-bodhaka) *adj.* [*f.* -ikā] which teaches non-duality प्रत्यक्षविरुद्धश्चाद्वैतबोधक आम्नायो न यथाश्रुति युक्तः NayaVi. 223. 8 (*on* i. 1. 5); NyāyMa. 293. 3; नन्वद्वैतबोधिका श्रुतिः सत्या वा मिथ्या वा SarvaDaKau. 128. 2; अद्वैतबोधकानि सर्वशाखागतानन्तवाक्यानि यद्यद्वैततात्पर्यकानि न स्युः GuruCandr. i. 458. 5; ii. 287. 12.

अद्वैतबोधन (advaita-bodhana) *n.* teaching of non-duality बाध्यायाश्चाद्वैतबोधने श्रुतिर्निराबाधा सती तयोरैक्यं बोधयति KhaṇḍanKhā. 150. 9; PañcDa. 6. 222; उपजीव्यप्रमाणाविरुद्धं चाद्वैतबोधनम् TattvPrakā. 118B. 11 (*on* ii. 3. 29)

अद्वैतब्रह्मज्ञान (advaitabrahma-jñāna) *n.* knowledge of the Absolute तान् (दोषान्) अद्वैतब्रह्मज्ञानसाधनमुक्तिरूपेण हरतीति (कलिदोषहरा) LalitāTriBh. 259. 5 (*on* 4)

अद्वैतब्रह्मतत्त्व (advaitabrahma-tattva) *n.* reality as the Absolute अद्वैतब्रह्मतत्त्वस्य प्रतिपत्तिरहेतुका BrahmSi. 135. 10; अद्वैतब्रह्मतत्त्वसाक्षात्कारः ··· तन्मध्यपतितसकलकर्मविरोधी Bhām. 722. 18 (*on* iv. 1. 15)

अद्वैतब्रह्मदर्शिन् (advaitabrahma-darśin) *adj.* who has realized the Absolute विवर्तस्यास्य जगतः सन्मात्रत्वेन दर्शनम्। अपवाद इति प्राहुरद्वैतब्रह्मदर्शिनः SarvaVeSāSaṁ. 680.

अद्वैतब्रह्मन् (advaita-brahman) *n.* Absolute (without a second) अद्वैतब्रह्मभूतश्च जडवल्लोकमाचरत् AgniP. 379. 3; अद्वैतब्रह्मप्रतिपत्त्यन्यथानुपपत्त्यैव प्रमाणादिप्रपञ्चस्य सत्यता वक्तव्या PrakaVi. 422. 23; भूतोत्पत्तिलयशीलनं ह्यद्वैतब्रह्मध्यानोपयोगीति बुद्ध्याद्युत्पत्तिक्रमविचारोऽपि तत्फल एव VedāntKa. 317. 23 (*on* ii. 3. 15); तत्त्वमस्यादिवाक्यादपि नाद्वैतब्रह्मणि जीवैक्यनिश्चयः, अद्वैतब्रह्मणः एवानिश्चयात् GuruCandr. i. 3. 11; iii. 62. 5; अर्थवादो 'येनाश्रुतं श्रुतम्' इत्यादि प्राशस्त्यबोधकं वाक्यं अद्वैतब्रह्माप्तिसाधनश्रवणादौ प्रवर्तकत्वादद्वैतब्रह्मतात्पर्यग्राहकम् GuruCandr. i. 455. 24; अद्वैतब्रह्मरूपाधिष्ठानसाक्षात्कारे जाते तु बलिनि सर्वेभ्यो द्वैतवादिमतेभ्यो बलवति वेदनये वेदान्तदर्शने जयश्रीः जयोत्कर्षकाष्ठा LaCandr. 227. 5; अद्वैतब्रह्मनिश्चयद्वारा ब्रह्मात्मैक्यनिश्चयाधीनाज्ञाननिवृत्त्यर्थकत्वेनोक्तश्रुतिर्नानुवादः LaCandr. 386. 42; 526. 21.

अद्वैतब्रह्मविज्ञान (advaitabrahma-vijñāna) *n.* knowledge of the Absolute अद्वैतब्रह्मविज्ञानं वक्ष्ये यद्भवतोऽगदत् AgniP. 379. 1; SkandP. iii(1). 26. 94.

अद्वैतब्रह्मस्वरूप (advaitabrahma-svarūpa) *n.* the essential nature of the Absolute अद्वैतब्रह्मस्वरूपमप्याविष्कृतपञ्चब्रह्मरूपम् ··· साक्षाच्चकार दाक्षायणीरमणम् NīlaVi. 96. 14.

अद्वैतब्रह्मावस्थान (advaitabrahmāvasthāna) *n.* the state of remaining in the Absolute अद्वैतब्रह्मावस्थानं मोक्षः NyāySu.(Ja.) 486R. 7 (*on* iii. 2. 1)

अद्वैतभक्ति (advaita-bhakti) *f.* undivided devotion पर्वतीयनृपा अपि। प्रतिराजानमद्वैतभक्तिमानितयामिलन् TṛiṣaS'aPuC. i. 5. 188.

अद्वैतभङ्ग (advaita-bhaṅga) *m.* breakdown or loss of non-duallty अद्वैतभङ्गं मत्वाह ··· सकार्याया मायाया अनिर्वचनीयत्वात् नाद्वैतभङ्गः PrakaVi. 91. 25; NyāySiA. 215. 6; उपाधिश्चेत् स्वीक्रियते तर्ह्युपाधिसिद्ध्यैव पुनरद्वैतभङ्ग इत्यर्थः SāṁkhyaPraBh. 157. 9 (*on* 6. 46); Bhāsk. i. 166. 19 (*on* i. 4. 3)

अद्वैतभङ्गप्रसङ्ग (advaitabhaṅga-prasaṅga) *m.* contingency of the loss of non-duality यदुक्तं परैः किं द्वयोस्तादात्म्यमेकस्य वा। नाद्यः। अद्वैतभङ्गप्रसङ्गात्। न द्वितीयः। असंभवात् SarvaDaSaṁ. 16. 893; इयं श्रुतिर्जीवपरयोर्भेदं प्रतिपादयति वा न वा। नाद्यः। अद्वैतभङ्गप्रसङ्गात् MānaMe. 206. 1; Bhāsk. i. 214. 19 (*on* i. 5. 5)

अद्वैतभङ्गापत्ति (advaitabhaṅgāpatti) *f.* contingency of the loss of non-duality चरमवृत्त्युपलक्षितस्याप्यद्वैतभङ्गापत्त्या सिद्धात्ममात्रत्वात् Nyāyāmṛ. 633A. 7.

अद्वैतभाज् (advaita-bhāj) *adj.* who follows (the doctrine) of non-duality केयं लीला व्यरचि भवता योऽयमद्वैतभाजामत्यन्तेष्टस्तमधृत भवानाश्रमं यत्तुरीयम् CaitaCa. 121. 13(5)

अद्वैतभान (advaita-bhāna) *n.* comprehension of non-duality 'यत्र त्वस्य' इति श्रुतिरखण्डब्रह्माद्वैतभाने ब्रह्मविदः प्रापञ्चिकभेदादर्शनं वदति AṇuBh.

27. 12 (*on* i. 1. 11); ततश्च अद्वैतभानसमकालम् ··· विषयान् भुञ्जान: SetuBa. 277. 18; नित्या पूजा त्रिविधा । द्वैतभानसामान्याभावे परा । अद्वैतभानसामान्याभावे त्वपरा SetuBa. 275 8.

अद्वैतभाव (advaita-bhāva) *m.* the state of being without a second भगवन् अवगतेरात्मज्योतिषो नैरन्तर्यभावात्कूटस्थनित्यताद्वैतभावाश्च सर्वप्रत्ययभेदेष्वव्यभिचारात् UpadeSā. 102. 109; किं स्यात्पुन: संसरणस्य बीजमद्वैतभावं समुपेयुषोऽस्य ViveCū. 348; अद्वैतभावस्तत्त्वं स्यात्तत्तु वाचा न गम्यते BṛDharmaP. ii. 1. 12; एवमद्वैतभावेन यद्ब्रह्म परिकीर्तितम् । तस्य पूजाविधानं मे कथयस्व SkandP. vii(1). 106. 1; परमा प्रकृतिर्भगवान्वासुदेव इत्यद्वैतभावेनेश्वरं मन्यन्ते (पाञ्चरात्रा:) Aparā. 11. 20 (*on* 1. 7); परमसुखनिधानं सत्यमद्वैतभावं नमत भजत भक्त्या तं परात्मानमाद्यम् SarvaDaKau. 114. 8; 128. 1.

अद्वैतभावनबल (advaitabhāvana-bala) *n.* strength of the mystic realization of non-duality अद्वैतभावनबलाद्भवति हि सन्मात्रपरिशेषम् ParamāSā. 41.

अद्वैतभावना (advaita-bhāvanā) *f.* contemplation of non-duality परे ब्रह्मणि लय एव पर: पुरुषार्थ: तत्साधनं धनं हि केवलमद्वैतभावनेति सर्वशास्त्रप्रतिपाद्यत्वेन CaitaCa. 4. 21(1); अद्वैतभावनायुक्ते स्थण्डिलेशविधावपि । अभ्यर्च्य चण्डम् AgniP. 97. 61; सृष्ट्यप्ययक्रमौ भूतानामद्वैतभावनोपयोगिनौ निरूपितौ BrahmSūBh.(Bhā.) 133. 19 (*on* ii. 3. 15)

अद्वैतभावस्था (advaitabhāva-sthā) *adj.* (*f.*) based on the thought of non-duality प्रथमाद्वैतभावस्था सर्वप्रचरगोचरा (पूजा) NityāṢoḍa. 275. 4.

अद्वैतभाषा (advaita-bhāṣā) *f.* language (i. e. view-point) of non-duality अद्वैतभाषया चोद्यं नास्ति नापि तदुत्तरम् PañcDa. 2. 39.

अद्वैतभाष्य (advaita-bhāṣya) *n.* explanation of non-duality अद्वैतभाष्यं तव संमतं चेत् सोऽद्य वा ममाग: पुरतो भवाशु S'aṅkaDigVi.(Mā.) 7. 14; अद्वैतभाष्यं कुर्वन् ··· श्रीशङ्करभगवत्पादाचार्य: ··· स्थलविशेषं प्राप S'aṅkaVi.(Ā.) 19. 6; 231. 17.

अद्वैतभ्रातृसौहार्दपक्ष (advaitabhrātṛsauhārda-pakṣa) *m.* view of fraternal affection that is secondless (matchless or unique) अद्वैतभ्रातृसौहार्दपक्षमुद्द्योतयिष्यति TriṣaS'aPuC. i. 5. 110.

अद्वैतमत (advaita-mata) *n.* doctrine of non-dualism (नृपति:) गृहीतपिशितव्रत: पुनर्वेदवैद्याद्वैतमतमोहितमति: ··· मांसभक्षणक्षणं नावाप Yaśas-Cam. ii. 332. 1; कथमद्वैतमतम् ··· सेत्स्यति TarkSaṁ.(Ā.) 141. 17; अद्वैतमते च प्रमाणमेव नास्ति तत्सद्भावे द्वैतप्रसङ्गात् SyādvāMañ. 13(118); तदा तस्य भेदस्य स्वरूपेऽन्तर्भावात्प्रतियोगिनोऽपि स्वरूपतया निमज्जनादद्वैतमतमेव पर्यवस्येत् NyāySu.(Ja.) 381A. 4 (*on* ii. 2. 6); यस्त्वद्वैतमते स्थित्वा भारतीमतनिन्दक: । स याति नरकं घोरम् S'aṅkaVi(Ā.) 249. 9; 90. 2; अन्यथा चतुर्थाध्यायान्ते तादृशप्रक्रियाया हेयत्वमद्वैतमतस्य च ग्राह्यत्वं सूत्रभाष्ययोर्नोच्येत GuruCandr. ii. 311. 22; किंचोक्तवाक्यं बौद्धमतनिराकरणपरं न त्वद्वैतमतनिराकरणपरमद्वैतमतस्य सर्वमतश्रेष्ठतया ··· उक्तत्वात् LaCandr. 226. 5.

अद्वैतमतनिरास (advaitamata-nirāsa) *m.* refutation of non-dualistic doctrine अजलमेव हि रश्मिप्रतप्तमूषरम् । भ्रान्त्या जलात्मनावगतं पश्चाद्बाधकेन यथावस्थितरूपमवगम्यत इत्यलमनेन बालजल्पितेन इत्यद्वैतमतनिरास: S'āstrDī. 111. 3 (*on* i. 1. 5)

अद्वैतमतनिष्ठ (advaitamata-niṣṭha) *adj.* devoted to the doctrine of non-dualism अद्वैतमतनिष्ठानामनुष्ठानमपाकृतम् । ब्रह्मसूत्रार्थवैरूप्यं तेषामथ निरूप्यते S'atDū. 241. 26.

अद्वैतमतपरत्व (advaitamatapara-tva) *n.* the state of having the doctrine of non-dualism for its ultimate import प्रकृतश्रुतेरद्वैतमतपरत्वे नास्त्युच्छित्तिर्येषां तेऽनुच्छित्तयस्तादृशा धर्मा: यस्यासौ GuruCandr. ii. 274. 4.

अद्वैतमतवत् (advaitamata-vat) *adv.* like the doctrine of non-dualism अध्यासादयस्त्वद्वैतमतवद्दृष्या: NyāySiA. 248. 15.

अद्वैतमतोपसंहार (advaitamatopasaṁhāra) *m.* summing up of the doctrine of non-dualism तत: केवलमात्मा प्रकाशते यमाश्रित्याद्वैतमतोपसंहार: ĀtmaTaVi. 936. 2.

अद्वैतमय (advaita-maya) *adj.* comprising of non-duality (identity) विज्ञानमद्वैतमयं तद्भागोऽन्यो मयोदित: ViṣṇuP. i. 22. 48.

अद्वैतमात्रक (advaitamātra-ka) *n.* mere non-duality शान्ताशेषविशेषांशस्तिष्ठेदद्वैतमात्रके SarvaVeSāSaṁ. 962.

अद्वैतमार्ग (advaita-mārga) *m.* path to non-duality ननु शुक्र: शुद्धोऽद्वैतमार्ग: BṛĀraUBh. 629. 15 (*on* iv. 4. 9); एवमेको मार्गोऽस्तु ब्रह्मविदुषामद्वैतमार्गसमारोहणासमर्थानामिति S'aṅkaVi.(Ā.) 265. 16; 237. 6.

अद्वैतमिथ्यात्वोक्ति (advaitamithyātvokti) *f.* statement about the falsity of non-dualism तदनन्यत्वपदेनाद्वैतमिथ्यात्वोक्तेरेवमुपक्रमत्वम् VedāntKa. 236. 12 (*on* ii. 1. 14)

अद्वैतमुद्रा (advaita-mudrā) *f.* posture of the fingers conveying non duality अद्वैतमुद्रामिह दर्शयन्तौ । आराध्य देवौ हरिशंकरौ स: ··· अर्चयति स्म वाग्भि: S'aṅkaDigVi. (Mā.) 12. 8.

अद्वैतमुष् (advaita-muṣ) *adj.* stealer of non-dualism सहसोदयनादय: कवीन्द्रा: परमद्वैतमुषश्चकम्पिरे स्म S'aṅkaDigVi.(Mā.) 15. 72.

अद्वैतमूर्ति (advaita-mūrti) *adj.* whose form is devoid of duality (i. e. is universal) अद्वैतमूर्तेर्विशिखेन शम्भो: ··· अतन्यत ··· एकत्र शीतातपयोर्निवेश: S'rīKaC. 20. 50.

अद्वैतमोक्ष (advaita-mokṣa) *m.* emancipation in the form of non-duality नित्यनिर्दु:खनिरतिशयानन्दस्याद्वैतमोक्षस्य···हेयत्वोक्त्यसंभवश्च त्वन्मते स्फुट: GuruCandr. ii. 275. 5.

अद्वैतयजन (advaita-yajana) *n.* worship of non-duality (a kind of worship) प्रसङ्गादिदमुद्दिष्टमद्वैतयजनं महत् MāliniT. 18. 48.

अद्वैतयाथात्म्य (advaita-yāthātmya) *n.* true nature in the form of non-duality द्वैतस्याद्वैतयाथात्म्यात्क्लृप्तसर्पादितत्त्ववत् BṛĀraUBhVā. i. 4. 1138.

अद्वैतरक्षणकृते (advaitarakṣaṇa-kṛte) *adv.* for the protection of (the doctrine of) non-dualism जाने भवन्तमहम्···अद्वैतरक्षणकृते विहितावतारम् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 7. 104.

अद्वैतरसालनेतृ (advaitarasāla-netṛ) *m.* the deity Ekāmreśvara at S'ivakāñcī आवासमद्वैतरसालनेतु: ··· पुरमभ्ययासीत् YātrāPra. 3. 36.

अद्वैतरूप (advaita-rūpa) *adj.* [*f.* -ā] I non-dual by nature शिवोऽहमद्वैतरूपोऽहम् KāmRāU. 400. 16; ब्रह्मज्ञानाग्निना कर्मबन्धं निर्दहेत् । तत: पवित्रं परमेश्वराख्यमद्वैतरूपम् PaiṅgU. 425. 15 (4. 11); अद्वैतरूपं सत्यं प्रतीम: TātpaṬ.(U.) 229. 14 (*on* 5 (3). 155); त्वाम् ··· मात: प्रत्यगद्वैतरूपां शंसन्ति केचित् TripuVePāSt. 46; ManuBh. i. 507. 3 (*on* 6. 32); S'aṅkaVi.(Ā.) 32. 10; Bhāsk. i. 7. 17 (*on* i. 1. 1); II whose beauty has no second ईदृगद्वैतरूपा त्वं काचिन्नु वटदेवता PāṇḍaC. 6. 651; *n.* [Instr.] in a non-dual form वागर्थौ यावदस्मिश्चिरमनुवसतोऽद्वैतरूपेण लोके EI. vi. 202. 25.

अद्वैतरूपक (advaitarūpa-ka) *adj.* having a non-dual form स्वात्मन्येवाथ संशुद्धं ज्ञानमद्वैतरूपकम् BṛĀraUBhVā. iv. 4. 733.

अद्वैतरूपता (advaitarūpa-tā) *f.* the state of having a non-dual form नश्यतीदं मनस्तद्वद् द्वैतमद्वैतरूपताम् । आपाद्य BṛĀraUBhVā. iv. 4. 724.

अद्वैतरूपत्व (advaitarūpa-tva) *n.* the state of having a non-dual form परमेश्वरो हि प्रमाणादिव्यवहारेऽपि परशक्तिमय एव सर्वथा अद्वैतरूपत्वात ParāTri. 60. 11.

अद्वैतरूपवती (advaitarūpa-vatī) *adj.* (*f.*) possessed of unparalleled beauty नवीनब्रह्मणा निर्मितानां भवतीनामद्वैतरूपवतीनामेकमेव रूपं नासया हीनम् PrabaCin. 9. 22.

अद्वैतरूपविभव (advaitarūpa-vibhava) *adj.* possessing the grandeur of matchless beauty असूत सा सूनुम् ···। अद्वैतरूपविभवम् TriṣaS'aPuC. iv. 7. 76.

अद्वैतरूपिणी (advaita-rūpiṇī) *f.* one of the hundred epithets of the goddess Tārā अद्वैतरूपिणी आद्या ··· शतनाम ··· ताराया: परिकीर्तितम् KālīViT. 12. 2.

अद्वैतरूपिन् (advaita-rūpin) *adj.* [*f.* -iṇī) possessed of non-dual form नित्यायाद्वैतरूपिणे ।··· नारायण नमोऽस्तु ते NārāyUTāU. 82. 4 (2); ब्रह्ममयी ··· केलिरद्वैतरूपिणी GopāKeCan. 146. 19; 146. 28.

अद्वैतलक्षणा (advaita-lakṣaṇā) *adj.* (*f.*) characterised by non-duality प्रतर्दन: ···। देहान्ते मुक्तिमापन्न: परामद्वैतलक्षणाम् SaurP. 39. 63.

अद्वैतलिङ्ग (advaita-liṅga) *n.* probans proving non-duality तद्दर्शनेनाद्वैतलिङ्गशब्दयोरपि तच्छङ्का Nyāyāmṛ. 135B. 7.

अद्वैतवन (advaita-vana) *n.* forest of non-duality अद्वैतवने सदा विचरताच्चेत:कुरङ्ग: सताम् VijñāS'. 102.

अद्वैतवर्त्मन् (advaita-vartman) *n.* way of non-duality स्वयमथ परितस्तारायमद्वैतवर्त्म S'aṅkaDigVi.(Mā.) 15. 174 (1736)

अद्वैतवस्तु (advaita-vastu) *n.* non-dual entity मोहो नाद्वैतवस्तुविषयाश्रयकोऽप्रतीते: SaṁkṣeS'ā. 3. 13 (ii. 157. 7); 2. 211 (ii. 126. 14); विगीतो भेदव्यवहारोऽद्वैतवस्त्ववलम्बन: NītiMā. 16. 5; अद्वैतवस्तुपराणां शास्त्राणां द्वैतनिषेधपरत्वेन बलीयस्त्वम् NītiMā. 17. 14.

अद्वैतवाक्य (advaita-vākya) *n.* sentence which states non-duality अद्वैतवाक्यानां च परमार्थवस्तुविषयत्वम् BrahmSūBh.(Bhā.) 98. 30 (*on* ii. 1. 14); VedāntKau. 139. 19 (*on* i. 4. 20); यदि ··· अद्वैतवाक्यार्थज्ञानोत्पत्तिरिष्यते S'at-Dū. 60. 28; 66. 23; 95. 9; प्रमाणं चेत् नातत्त्वावेदकम्, अद्वैतवाक्यवत् Vādā.

17. 2; अद्वैतवाक्यस्य प्रतीतार्थबाधः किं न स्यात् Nyāyāmṛ. 104A. 8 = AdvaiSi. 359. 4; नाप्यदै(? द्वै)तवाक्यान्तरम् Nyāyāmṛ. 252B. 7; AdvaiSi. 511. 2; अतोऽद्वैतवाक्यानि नाखण्डतापराणि Sāṁkhya PraBh. 70. 24 (*on* 1. 154); BhedaDhi. 51. 5; अद्वैतवाक्यस्य षड्विधतात्पर्यलिङ्गवत्तया बलवत्त्वेन AdvaiSi. 524. 3; अद्वैतवाक्यार्थबाधोक्तिः प्रलाप इति भावः GuruCandr. i. 280. 20; द्वैतवाक्यानामद्वैतवाक्यशेषत्वात् GuruCandr. ii. 262. 14; i. 317. 12; i. 459. 10; ii. 224. 9; ii. 258. 7; वाक्यस्य अद्वैतवाक्यस्थपदस्य LaCandr. 376. 37; 516. 30; GoviBh. 3. 1 (*on* i. 1. 0)

अद्वैतवान्छा (advaita–vāñchā) *f.* longing for non-duality अभेदवृत्तिप्रत्यक्षमाहुरद्वैतवान्छया NyāyMañ. i. 275. 20.

अद्वैतवाटी (advaita–vāṭī) *f.* garden of non-duality अनेन पथैवाद्वैतवाटीमासादयितुं शक्यते CaitaCa. 113. 15 (5)

अद्वैतवाद (advaita–vāda) *m.* **1 Ai** talk of uniqueness or non-duality (of the subject) मदविधात्रद्वैतवादाश्रयस्तन्व्याः ··· मधुमदप्रायो मदः स्फूर्जितः NāgaSa. 13. 26; **1 Aii** talk of uniqueness or non-duality (of the object) सा सा सा सा जगति सकले कोऽयमद्वैतवादः AmaS'. 102 = AlaṅkāSa. 137. 4; **1 B** talk of matchlessness or non-duality सुकृतिनामद्वैतवादास्पदं नैवासीत् ··· हेमाद्रिसूरेः परः CaturCin. i. 4. 1 = iii(2). 5. 5; **1 C** debate on non-duality (equality of status) नाद्वैतवादं कुर्वीत गुरुणा सह ···। अद्वैतं भावयेद् भक्त्या गुरोर्देवस्य चात्मनः YogS'iU. 5. 59; **2** doctrine or theory of non-duality (monism) अंशानुवृत्त्या या वस्त्वनुगमेऽद्वैतवादः BrahmSi. 67. 8; मन्त्रार्थवादोत्थविकल्पमूलमद्वैतवादं परिहृत्य तस्मात्। उपेयतामेष पदार्थभेदः NyāyMañ. ii. 99. 1; ii. 103. 6; NayaVi. 223. 7 (*on* i. 1. 5); प्रलापोऽयमद्वैतवाद इत्युपेक्षणीयः S'āstrDī. 41. 24 (*on* i. 1. 4); बहवोऽद्वैतवादाः S'āstrDī. 110. 6 (*on* i. 1. 5); SiddhāBi. 146. 6; अद्वैतवादे भेदप्रतिभानस्य प्रामाणिकत्वाभावात् TarkSaṁ.(Ā.) 140. 6; प्रपञ्चस्यापि सत्यत्वं स्यात्। अद्वैतवादप्राकारे खण्डिपातात् SyādvāMañ. 13 (72); 13 (9); संग्रहाभिप्रायप्रवृत्ताः सर्वेऽप्यद्वैतवादाः SyādvāMañ. 28 (159); अद्वैतवाद इव प्रकृतिः सर्वकार्योपेतेति वक्तुमशक्यत्वात् S'ivārkaMaDī. i. 10. 10 (*on* i. 1. 1); SiddhāLeSaṁ. 171. 4; वेदान्तिनः ··· अद्वैतवादश्रुतिभिः ··· इत्याहुः BhaṭṭCin. i. 37. 3 (*on* i. 1. 4); **3** praise of singleness यत्कीर्तिः कार्त्तिकेन्दुं परिहसति निजैः श्वेतिमाद्वैतवादैः EI. vi. 235. 52; vi. 120. 79.

अद्वैतवादिन् (advaita–vādin) *adj.* [*f.* –inī] **i** who advocates (the doctrine of) non-duality तत्राद्वैतवादी प्रत्यवतिष्ठते ··· अद्वैतवादी द्वैतवादिनं प्रति प्रयुङ्क्ते TātpaṬ.(U.) 224. 16 (*on* 5 (3). 129); नन्वद्वैतवादिनो यदि भोक्तृभोग्यलक्षणप्रपञ्चसिद्धिः···स्यात् S'vetāUBh. 102. 14 (*on* 1. 9); PramāVāBh. 606. 29; RāmC. (App. 1) 39. 55; भेदकल्पनाबीजमद्वैतवादिनो दुर्घटम् NyāyMañ. ii. 98. 26; ii. 103. 26; Kāśi. i. 250. 7 (*on* 4. 114); BṛĀraUBhVā. v. 1. 62; यः पुनरद्वैतवादिनां प्रपञ्चः TātpaṬ.(Vā.) 87. 13 (*on* i. 1. 1); न जितः स जिनो ज्ञेयोऽद्वैतवादी BhaviP. 437A. 3 (iii (2). 10. 10); BrahmSūBh.(Rā.) 425. 7 (*on* ii. 1. 15); सन्त्यद्वैतवादिनोऽपि प्रमाणानि PramāMī. 40. 17 (*on* i. 2. 9); अद्वैतवादिना गुरुणा शिष्याय ··· अभिहितम् KhaṇḍanKhā. 1105. 11; 164. 9; TattvPradī.(Ci.) 5. 16; TarkSaṁ.(Ā.) 140. 9; उपादानत्वानुपपत्तिरद्वैतवादिन एव S'atDū. 205. 28; 174. 1; NyāyPari. 55. 1; अद्वैतवादिविपरीतमतावलम्बिहस्ताग्रवर्तिवरपुस्तकम् ···पपात S'aṅkaDigVi.(Mā.) 2. 75; ईदृग्बोधे पुमर्थत्वं मतमद्वैतवादिनाम् PañcDa. 13. 48; अद्वैत एव वेदवाक्यानां तात्पर्यम्। इत्यद्वैतवादिनां प्रत्याशा प्रतिक्षिप्ता SarvaDaSaṁ. 5. 274; 7. 96; तद्योऽहमित्याद्या श्रुतिर्नाद्वैतवादिनी NyāySu.(Ja.) 66B. 1 (*on* i. 1. 1); 451A. 1 (*on* ii. 3. 14); खुरोत्खातरजःपुञ्जैर्विश्वमप्येकरूपताम्। नयन्तो वाजिनां व्यूहा रेजिरेऽद्वैतवादिवत् HammīMaKā. 4. 111; YuktiSneha. 40. 32 (*on* i. 1. 4); 50. 27 (*on* i. 1. 5); S'ivārkaMaDī. ii. 61. 19 (*on* ii. 2. 9); SāṁkhyaPraBh. 15. 21 (*on* 1. 20); जितमद्वैतवादिभिः AdvaiSi. 703. 4; SūktiSu. 74; **ii** disputing or doubting about non-dualism ते च द्रव्यास्तिकनयानुपातिनो मीमांसकभेदा अद्वैतवादिनः सांख्याश्च SyādvāMañ. 14. 21; अद्वैतवादिनं प्रति स्वातिरेकविशेषणासिद्धेः AdvaiSi. 518. 14 (GuruCandr. अद्वैते संदिहानम्, अद्वैते विप्रतिपन्नम्); *m.* **i** name of the Buddha अद्वैतवादी ··· शाक्यसिंहः ··· शाक्यो राहुलसूः KośaKaTa. 1. 274; **ii** name of S'aṅkarācārya ब्रह्मीभूतोऽद्वैतवादी शंकराचार्यः KalpaK. 84. 139.

अद्वैतवासना (advaita–vāsanā) *f.* impression of non-duality अवाप्तज्ञानतन्त्रस्य न तस्याद्वैतवासना(? नाम्)। स ऋभुस्तर्कयामास ViṣṇuP. ii. 15. 5; ददृशे ब्राह्मणस्तत्र कामरूपिणम् ···। अद्वैतवासनासिद्धम् VarāP. 5. 42; KhaṇḍanKhā. 224. 16; भूयस्या भेदवासनाया अल्पीयस्याद्वैतवासनया निरासोऽनुपपन्नः S'rutaPra. iA. 52. 19 (*on* i. 1. 1); S'ivārkaMaDī. i. 1. 14 (*on* i. 1. 0)

अद्वैतविक्रम (advaita–vikrama) *adj.* possessed of unparalleled valour अद्वैतविक्रमः ··· विक्रमो नाम भूपतिः PārśvC. 3. 106.

अद्वैतविघात (advaita–vighāta) *m.* impediment to non-duality or monism भात्ररूपयोरानन्दब्रह्मणोर्धर्मधर्मिणोर्भेदादद्वैतविघातः BrahmSi. 4. 21; एवं च प्रमाणोपपत्त्यनुपपत्त्योरद्वैतविघात इत्यप्यनवकाशं चोद्यम् NyāyMa. 154. 10.

अद्वैतविघातकत्व (advaitavighātaka–tva) *n.* the nature of causing impediment to non-duality सत्यकामत्वादीनां भवत्येवाद्वैतविघातकत्वम् VedāntKa. 551. 12 (*on* iv. 4. 5)

अद्वैतविज्ञान (advaita–vijñāna) *n.* knowledge of non-duality कर्त्रादिकारकक्रियाफलभेदविज्ञानस्य निवर्तकत्वमद्वैतविज्ञानम् ChāndoUBh. 9. 12 (*on* 1. 1); अद्वैतविज्ञानविवेकशून्याः ··· स्नात्वात्र यास्यन्त्यमृतं द्विजेन्द्राः SkandP. iii (1). 13. 55; अभूदद्वैतविज्ञानं प्रत्यगात्मैकलक्षणम् SkandP. iii (1). 18. 20; ये पुनरद्वैतविज्ञानादेव ब्रह्मज्ञाननिवृत्तिरिति जल्पन्ति S'atDū. 179. 16.

अद्वैतविज्ञानसुखरूप (advaitavijñānasukha–rūpa) *adj.* of the nature of non-duality, consciousness and happiness तस्मादद्वैतविज्ञानसुखरूपे प्रमाणताम्। ब्रह्मणि प्रतिपद्यन्ते वेदान्ताः PramāMā. 19. 5 (comm. अद्वैतं च तद्विज्ञानसुखरूपं च तत्तस्मिन् ब्रह्मणि)

अद्वैतविद्या (advaita–vidyā) *f.* doctrine of non-duality or monism तत्रैतास्मिन्नद्वैतविद्याप्रकरणे ··· उपासनान्युच्यन्ते ChāndoUBh. 9. 4 (*on* 1. 1); हेरम्बसुतादयः ··· अद्वैतविद्याभ्यासतत्परा बभूवुः S'aṅkaVi.(Ā.) 118. 2; 235. 10; अद्वैतविद्याविहीनाः पशवः LalitāSaBh. 117. 13 (*on* 150)

अद्वैतविद्याकृत् (advaitavidyā–kṛt) *m.* author of the work *Advaitavidyā* अद्वैतविद्याकृतस्तु ··· एवमाहुः SiddhāLeSaṁ. 272. 10.

अद्वैतविद्याचार्य (advaitavidyācārya) *m.* name of a person (*lit.* the teacher of the doctrine of non-duality) अत्राहुरद्वैतविद्याचार्याः SiddhāLeSaṁ. 173. 4; 312. 6; सुखापकर्षमद्वैतविद्याचार्याः प्रचक्षते VedāntSiSūMañ. 1. 98 2. 21.

अद्वैतविद्यापरिपन्थिन् (advaitavidyā–paripanthin) *adj.* who opposes the doctrine of non-duality त्वमायुषानेन ··· कुरुष्वोज्झितभेदबुद्धीनद्वैतविद्यापरिपन्थिनोऽन्यान् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 7. 56.

अद्वैतविद्यासृणि (advaitavidyā–sṛṇi) *f.* goad in the form of the doctrine of non-duality (अयमैक्षत कृष्णमारात्) अद्वैतविद्यासृणितीक्ष्णधारावशीकृताहङ्कृतिकुञ्जरेन्द्रम् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 7. 19.

अद्वैतविद्योपदेशिन् (advaitavidyopadeśin) *adj.* teacher of the doctrine of non-duality अद्वैतविद्योपदेशिनां त्वदाचार्याणामपि मोक्षस्य मिथ्यात्वे स्वयं कथं मोक्षमन्विच्छसि S'atDū. 151. 6.

अद्वैतविधि (advaita–vidhi) *m.* teaching or precept of non-duality अद्वैतविधिनाक्षिप्ता वेदान्ता नेति का मितिः BṛAraUBhVā. (Sambandha.) 568.

अद्वैतविभु (advaita–vibhu) *m.* *Advaita* the supreme नेष्येऽहमद्वैतविभोर्गृहानमुम् CaitaCa. 112. 2(5)

अद्वैतविरोध (advaita–virodha) *m.* contradiction to non-duality अद्वैतविरोधेन प्रत्यवस्थानात्सङ्गतिः VedāntKa. 235. 24 (*on* ii. 1. 13); सम्बन्धो व्यावहारिक एवोक्त इति नाद्वैतविरोधः GuruCandr. ii. 280. 8.

अद्वैतविरोधित्व (advaitavirodhi–tva) *n.* the nature of obstructing non-duality अभावस्य ··· भावादपि विशिष्याद्वैतविरोधित्वाच्च Nyāyāmṛ. 85B. 8.

अद्वैतविषय (advaita–viṣaya) *adj.* [*f.* –ā] having non-duality as its object अद्वैतविषयं ज्ञानम् BrahmSi. 32. 8; अद्वैतविषयं चेदमेकं ब्रह्मेति भण्यते BṛAraUBhVā. i. 4. 1183; अद्वैतविषयैवेयं द्वौ त्रयश्चेति या मतिः BṛAraUBhVā. iv. 3. 1682; न क्वचिच्छ्रूयते परिव्राजकेनैवोपासनान्यद्वैतविषयाणि कर्तव्यानि ManuBh. i. 506. 23 (*on* 6. 32); एतस्य अद्वैतविषयस्य S'rutaPra. iA. 48. 22 (*on* i. 1. 1); *m.* [Loc.] in the case of non-duality इह अद्वैतविषये न बिभेति कुतश्चनेति भयनिमित्तमेव प्रतिषिध्यते TaiUBh. 280. 14 (*on* 2. 9)

अद्वैतविषयकज्ञान (advaitaviṣayaka–jñāna) *n.* knowledge with non-duality as its object सर्वान् प्राकृतजनान् ··· मोहयति अद्वैतविषयकज्ञानविधुरान् कुरुते LalitāSaBh. 146. 21 (*on* 186)

अद्वैतविषयता (advaitaviṣaya–tā) *f.* nature of having non-duality for its object यत्तावदद्वैतविषयताभावे प्रत्यक्षस्याभिहितम् ···इति NyāyMa. 297. 3.

अद्वैतविषयनिर्विकल्प (advaitaviṣaya–nirvikalpa) *n.* indeterminate knowledge relating to non-duality तद्दृष्टान्तेनाद्वैतविषयनिर्विकल्पकस्यापि मिथ्याविषयत्वमनुमेयमिति S'atDū. 191. 15.

अद्वैतवीथी (advaita–vīthī) *f.* path of *advaita* अद्वैतवीथीपथिकैरुपास्याः ··· शठेन केनापि वयं हठेन दासीकृता गोपवधूविटेन CaitaCa. 184. 19(8)

अद्वैतवृत्ति (advaita–vṛtti) *adj.* devoted to the (doctrine of) non-duality परमगुरुः ··· तत्रार्चकादीन्नत्वा अद्वैतवृत्तीन् कृत्वा ··· काञ्चीनगरप्रदेशं प्राविशत् S'aṅkaVi.(Ā.) 251. 6; *f.* attitude towards non-duality अद्वैतवृत्तय एव महापाशुपताम्नायः LalitāSaBh. 50. 9 (*on* 83); 47. 18 (*on* 79)

अद्वैतव्यवस्थापक (advaita–vyavasthāpaka) *adj.* establishing non-duality अद्वैतव्यवस्थापके तन्त्रान्तरे प्रसिद्धत्वात् SivārkaMaDī. i. 97. 15 (*on* i. 1. 1)

अद्वैतव्यवहार (advaita-vyavahāra) *m.* conduct or behaviour based on the doctrine of non-duality अपि च यथाद्वैतव्यवहारस्य (Is it द्वैतव्यवहार ?) पारमार्थिकत्वमपवर्गानुगुण्यं च तथोपरिष्टाद् वक्ष्याम: Bālakrī. ii. 34. 20 (*on* 3. 63)

अद्वैतव्याकोप (advaita-vyākopa) *m.* contradiction (*lit.* anger) of non-duality अनिर्दरूपे प्रातिभासिके यदिदन्त्वं व्यावहारिकसत्त्वं च तद्द्वयं न तावत्सत् अद्वैतव्याकोपात् AdvaiSi. 634. 5.

अद्वैतव्याघात (advaita-vyāghāta) *m.* contradiction with non-duality न चैवमद्वैतव्याघात: PrakaVi. 4. 13; अन्यथाद्वैतेनैव सत्येनाद्वैतव्याघातात् NyāySu.(Ja.) 103B. 8 (*on* i. 1. 2); ज्ञानोपलक्षितत्वस्यापि सत्त्वे अद्वैतव्याघातात् SiddhāTa. 56. 15; उभयथाप्यद्वैतव्याघात: AdvaiSi. 207. 22.

अद्वैतव्याघातक (advaita-vyāghātaka) *adj.* contradicting non-duality कथमद्वैतव्याघातकस्तप्यतापकभाव: VedāntKa. 257. 1 (*on* ii. 2. 10)

अद्वैतव्याघातकत्व (advaitavyāghātaka-tva) *n.* the state of being contradictory to non-duality तच्चाद्वैतव्याघातकत्वान्न सेद्धुं शक्नोति KhaṇḍanKhā. 222. 1.

अद्वैतशास्त्र (advaita-śāstra) *n.* scripture that teaches non-duality अन्यथाद्वैतशास्त्रस्य प्रामाण्योच्छेदप्रसङ्गात् S'atDū. 129. 9; 130. 8; 147. 26; इदानीम् ··· अद्वैतशास्त्रप्रणयनादि व्यर्थं स्यात् Nyāyāmṛ. 295B. 8; पञ्चकोशादेश्च सदसद्विलक्षणताया अद्वैतशास्त्रे व्युत्पादितत्वादिति VaiyāBhū. 254. 18 (vi. 14. 67)

अद्वैतशिवपूजक (advaitaśiva-pūjaka) *adj.* worshipper of S'iva the Absolute नित्यज्ञानानन्दरूपा अद्वैतशिवपूजकास्तिष्ठन्ति SiddhāSāU. 385. 9 (2)

अद्वैतशैववाद (advaitaśaiva-vāda) *m.* non-dualistic S'aivism अद्वैतशैववादोऽयं द्वैतं न सहते S'ivaP. 493A. 9 (vi. 17. 3)

अद्वैतश्रवण (advaita-śravaṇa) *n.* hearing the (text or the doctrine of) non-duality कथं चासावद्वैतश्रवणमहिमनि:शेषितातत्त्वप्रतिभासे मृषाभूते शिष्ये सत्यतां प्रत्येष्यति S'atDū. 143. 7; 181. 3.

अद्वैतश्री (advaita-śrī) *f.* glory of non-duality निगुम्फ: सूक्तीनाम् ··· जयत्यद्वैतश्रीजयबिरुदघण्टाघणघण: S'aṅkaDigVi.(Mā.) 4. 78.

अद्वैतश्रुति (advaita-śruti) *f.* Vedic text on non-duality तदपि चाद्वैतश्रुतिभिरपास्तमिति भाव: Bhām. 129. 8 (*on* i. 1. 5); ननु नाद्वैतश्रुतीनामुक्तार्थे प्रामाण्यं भवति KhaṇḍanKhā. 147. 24; आत्मन एकस्य ज्ञानमपवर्गसाधनमित्यद्वैतश्रुतीनाम् (तात्पर्यम्) ĀtmaTaVi. 823. 19; यत्र हि द्वैतमिव भवति ··· इत्याद्यद्वैतश्रुतय: प्रकुप्येयु: S'rīBh. 429. 13 (*on* ii. 1. 15); सर्वा अप्यद्वैतश्रुतय: ··· न ··· प्रामाण्यं भजन्ते NyāySu.(Ja.) 66B. 6 (*on* i. 1. 1); स्वामित्वार्थतयाद्वैतश्रुतीर्व्याख्याय TattvPrakā. 20B. 1 (*on* i. 1. 17); न च भेदग्राहिभि: प्रमाणैरद्वैतश्रुतेर्जघन्यतेति शङ्क्यम् SarvaDaSaṁ. 16. 835; तस्मान्निरवकाशत्वात्तत्परत्वाच्चाद्वैतश्रुतिर्बलवती BhedaDhi. 58. 9; एवमद्वैतश्रुतीनामप्युत्थाने परस्पराश्रयोऽनुसंधातव्य: MānaMe. 305. 5; अद्वैतश्रुतेरतत्त्वावेदकत्वापाताच्च Nyāyāmṛ. 27A. 9; 42A. 6; न चाद्वैतश्रुतितत्प्रामाण्यादेरपि ··· बाध: शङ्क्य: Nyāyāmṛ. 134B. 8; 159A. 9; 259A. 8; 293A. 6; जाति: सामान्यमेकरूपत्वं तत्रैवाद्वैतश्रुतीनां तात्पर्यात् SāṁkhyaPraBh. 69. 35 (*on* 1. 154); 72. 21 (*on* 1. 157); विरोध: सद्वितीयत्वाभ्युपगमे त्वद्वैतश्रुतीनाम् S'ivārkaMaDī. i. 4. 19 (*on* i. 1. 0); SiddhāLeSaṁ. 245. 11; 234. 2; अद्वैतश्रुतेरपि निरवकाशत्वात् AdvaiSi. 358. 2; अद्वैतश्रुत्यनुमानादिविरुद्धार्थकतयेत्यपि बोध्यम् LaCandr. 424. 29; न चाद्वैतश्रुते: बाध्यत्वं संभवति GuruCandr. i. 274. 20; NītiMā. 16. 2; नन्वद्वैतश्रुत्या ब्रह्मैक्यमेव सत्यम् YatīndraDī. 82. 13; अद्वैतश्रुतीनामेवोपचरितार्थता वक्तव्या LalitāSaBh. 147. 28 (*on* 188); 151. 31 (*on* 193); अद्वैतश्रुतयस्तु पारमार्थिकव्यक्तिरेकैवेत्येवंपरा: SetuBa. 135. 13.

अद्वैतश्रुतिज (advaitaśruti-ja) *adj.* produced from the Vedic statement on non-duality अन्तिमबुद्धेरद्वैतश्रुतिजबुद्धयादितो भेदो न त्वया प्रमित: KhaṇḍanKhā. 175. 13.

अद्वैतश्रुतिजन्य (advaitaśruti-janya) *adj.* produced from the Vedic statement on non-duality विद्या तात्त्विकविषयकमद्वैतश्रुतिजन्यज्ञानम् GuruCandr. i. 281. 3.

अद्वैतश्रुतितुल्य (advaitaśruti-tulya) *adj.* equal to the Vedic statement on non-duality द्वैतप्रत्यक्षं चाद्वैतश्रुतितुल्यद्वैतश्रुतिसंवादि Nyāyāmṛ. 132A. 6.

अद्वैतश्रुतित्व (advaitaśruti-tva) *n.* the state of being the Vedic statement on non-duality न च ··· द्वैतश्रुत्या व्यवहारदशायामद्वैतश्रुतित्वेन गृहीतया मिथ्यात्वसिद्धि: Nyāyāmṛ. 134B. 6.

अद्वैतश्रुतिबाधक (advaitaśruti-bādhaka) *adj.* sublater of the Vedic statement on non-duality प्रत्यक्षमद्वैतश्रुतिबाधकम् KhaṇḍanKhā. 198. 11.

अद्वैतश्रुतिबाधकता (advaitaśrutibādhaka-tā) *f.* the state of sublating the Vedic statement on non-duality अद्वैतश्रुतिबाधकतयास्माभिरुपन्यस्तस्यापि प्रत्यक्षस्य NyāySu.(Ja.) 66A. 6 (*on* i. 1. 1); सा धी: ··· नाद्वैतश्रुतिबाधकतया बुध्यते LaCandr. 516. 42.

अद्वैतश्रुतिबाधकत्व (advaitaśrutibādhaka-tva) *n.* the state of sublating the Vedic statement of non-duality द्वैतप्रत्यक्षस्याद्वैतश्रुतिबाधकत्वखण्डनभङ्ग: Nyāyāmṛ. 266B. 7.

अद्वैतश्रुतिबाधित (advaitaśruti-bādhita) *adj.* annulled by the Vedic statement on non-duality तस्मात्प्रपञ्चसद्भावो नाद्वैतश्रुतिबाधित: ĪśvaSi.(Yā.) 82. 7.

अद्वैतश्रुतिविरुद्ध (advaitaśruti-viruddha) *adj.* contradictory to the Vedic statement on non-duality अद्वैतश्रुतिविरुद्धतात्त्विकसत्त्वविषयकत्वकल्पनायास्तदर्थमयोगात् AdvaiSi. 427. 11; अद्वैतश्रुत्यनुगुणत्वेन अद्वैतश्रुतिविरुद्धविषयकत्वाभावेन LaCandr. 397. 32; सत्त्वप्रत्यक्ष इवाद्वैतश्रुतिविरुद्धार्थकत्वस्य बीजस्याभावात् GuruCandr. i. 375. 11–12.

अद्वैतश्रुतिविरोध (advaitaśruti-virodha) *m.* contradiction with the Vedic statement on non-duality नाद्वैतश्रुतिविरोधो जातिपरत्वात् SāṁkhyaPraSū. 1. 154 = SāṁkhyaPraBh. 31. 12 (*on* 1. 61); अद्वैतश्रुतिविरोधाद् बन्धमोक्षसृष्टिसंहारादिश्रुतयो बाध्यन्ते SāṁkhyaPraBh. 72. 17 (*on* 1. 157); 158. 18 (*on* 6. 51); मुख्यार्थेऽद्वैतश्रुतिविरोधात् TattvPradī.(Ci.) 22. 11; अद्वैतश्रुतिविरोधपरिहाराय ··· विशिष्टैक्यमुच्यते TattvPrakā. 20B. 4 (*on* i. 1. 17); तथा विशेषाभावोऽद्वैतश्रुतिविरोधश्च AṇuBh. 203. 6 (*on* iii. 2. 35); नापि ··· समानयोग्यता, अद्वैतश्रुतिविरोधाविरोधाभ्यां विशेषात् ··· आनन्दस्य ब्रह्मरूपत्वेनाद्वैतश्रुतिविरोधाभावेन तदप्रामाण्यप्रयोजकाभावात् AdvaiSi. 397. 11; अद्वैतश्रुतिविरोधेन तत्त्वावेदनात् प्रच्यावितं प्रत्यक्षम् SiddhāLeSaṁ. 249. 2; ब्रह्मनिष्ठसत्त्वस्याबाध्यत्वेनाद्वैतश्रुतिविरोधाच्च LaCandr. 49. 14; 326. 12; 720. 31; 885. 36; अनाश्यत्वे सत्यत्वापत्ते: अद्वैतश्रुतिविरोधापत्ते: LaCandr. 887. 27; न चाद्वैतश्रुतिविरोध: SetuBa. 135. 20.

अद्वैतश्रुतिविरोधित्व (advaitaśrutivirodhi-tva) *n.* the state of being contradictory to the Vedic statement on non-duality द्वैतप्रत्यक्षस्य ··· संभावितप्रामाण्यतया अद्वैतश्रुतिविरोधित्वाभावात् AdvaiSi. 516. 5.

अद्वैतश्रुतिव्याकोप (advaitaśruti-vyākopa) *m.* contradiction (*lit.* wrath) with the Vedic statement on non-duality न च जीवाद्भिन्ने ब्रह्मण्यद्वैतश्रुतिव्याकोप: VivaPraSaṁ. 303. 22.

अद्वैतश्रुतिसिद्ध (advaitaśruti-siddha) *adj.* established by the Vedic statement on non-duality कश्चैवंवादिनोऽद्वैतश्रुतिसिद्धार्थे विश्वासहेतु: TattvPrakā. 118B. 10 (*on* ii. 3. 29)

अद्वैतश्रुत्यनुगुण (advaitaśruty-anuguṇa) *adj.* in agreement with the Vedic statement on non-duality अद्वैतश्रुत्यनुगुणे संभवति संबन्धे गुणगुणिभावेन संबन्धकल्पना अविदितमीमांसावृत्तान्तस्यैव परं शोभते TattvPradī.(Ci.) 23. 6; अद्वैतश्रुत्यनुगुणत्वेन नाप्रामाण्यशङ्कास्कन्दनम् AdvaiSi. 397. 7.

अद्वैतश्रुत्यनुपपत्ति (advaitaśruty-anupapatti) *f.* unreasonableness of the Vedic statement on non-duality अद्वैतश्रुत्यनुपपत्तिं समाधायाखण्डाद्वैते बाधकान्तरमाह SāṁkhyaPraBh. 72. 6 (*on* 1. 157); शक्त्यादीनां सत्यत्वे अद्वैतश्रुत्यनुपपत्तेर्मिथ्यात्वमेव LaCandr. 752. 39.

अद्वैतश्रुत्यभाव (advaitaśruty-abhāva) *m.* absence of a Vedic statement on non-duality नन्वेवमद्वैतश्रुत्यभावे कथमद्वैतम् ··· निषिध्यते TattvPrakā. 20B. 5 (*on* i. 1. 17)

अद्वैतसंस्कार (advaita-saṁskāra) *m.* impression or reminiscence of non-duality नान्यस्याद्वैतसंस्कारसंस्कृतं मानसं तथा ViṣṇuP. ii. 16. 16; बहुव्यापारतस्तु भेदसात्म्यतां गतस्य कुतोऽद्वैतसंस्कारोत्पत्ति: ManuBh. i. 507. 18 (*on* 6. 32)

अद्वैतसंकोच (advaita-saṅkoca) *m.* restriction on non-duality तत्रापि विना प्रमाणेन अद्वैतसंकोच एव दूषणम् SiddhāTa. 56. 5.

अद्वैतसत्ता (advaita-sattā) *f.* existence of non-duality अद्वैतसत्तामन्तरेण श्रुतिप्रामाण्यसत्ताया: संभवात् NyāySu.(Ja.) 448A. 8 (*on* ii. 3. 14)

अद्वैतसत्यता (advaita-satyatā) *f.* reality of non-duality यद्यारोपणमुभयो: तद्व्यतिरिक्तस्य कस्यचिदभावात्। आरोपणं न शून्ये तस्मादद्वैतसत्यता ग्राह्या SvātmNi. 53.

अद्वैतसत्यत्व (advaita-satyatva) *n.* reality of non-duality अद्वैतसत्यत्वाध्यवसायेन समस्तद्वैतसत्यत्वकल्पकाकारो निवर्तते TattvPradī.(Ci.) 393. 15; SarvaDaKau. 143. 4.

अद्वैतसंदृष्टि (advaita-sandṛṣṭi) *f.* knowledge of non-duality अथ स्वेनैव रूपेण द्वैतमस्तीति भण्यते। अन्वाख्यानं सतामेव सर्गादीनां तथा भवेत्। तथाप्यद्वैतसंदृष्टेर्मृषात्वं स्याद् विरोधत: BṛĀraUBhVā. v. 1. 34.

अद्वैतसन्मात्र (advaitasan-mātra) *n.* mere reality of non-duality घटादिद्वैतनिश्चयस्याप्यद्वैतसन्मात्रांशे अज्ञाते प्रामाण्याभ्युपगमाच्च SiddhāBi. 52. 3; ज्ञानमद्वैतसन्मात्रम् Jīvān. 326. 1 (comm. ज्ञानं तत्त्वज्ञानं नाम। अद्वैतसन्मात्रं अद्वैतसत्तामात्रम्)

अद्वैतसमन्वय (advaita-samanvaya) *m.* unified purport of the (doctrine of) non-duality तस्मात् प्रपञ्चमिथ्यात्वात् परामेदाच्च देहिनः। मानान्तराविरोधेन सिद्धोऽद्वैतसमन्वयः VedāntSiSūMañ. 2. 68.

अद्वैतसमाधि (advaita-samādhi) *m.* deep meditation on non-duality चेतोऽद्वैतसमाधिनीरधिसुधापूरप्लवं गाहते SaduktiKa. 323. 17.

अद्वैतसमाश्रय (advaita-samāśraya) *adj.* based on non-duality जैनमेकं मतं मुक्त्वा द्वैताद्वैतसमाश्रयौ। मार्गौ समाश्रिताः सर्वे YaśasCam. ii. 278. 3.

अद्वैतसंपत्ति (advaita-sampatti) *f.* attainment of non-duality गाढं मिलद्देहार्धद्वयमस्तु तद्भगवतोऽद्वैतसंपत्तये RājTa.(Jo.) 1.

अद्वैतसाक्षात्कार (advaita-sākṣātkāra) *m.* realisation of non-duality सद् ब्रह्माहमित्येवं बोधशीलं यत्कार्यमद्वैतसाक्षात्कार इति यावत् Bhām. 118. 17 (*on* i. 1. 4); 118. 21 (*on* i. 1. 4); एवं न्यायागमाभ्यामद्वैतसाक्षात्कारनिबन्धनो मोक्ष इति सिद्धम् NyāyMa. 352. 5; Mitā. 368. 12 (*on* 3. 61); स्वाम्नेनाद्वैतसाक्षात्कारेणाश्वमेधादिना च तत्फलस्य…सिद्धिः स्यात् Nyāyāmṛ. 174B. 6; VīraMi. 839. 19 (*on* 3. 61–62)

अद्वैतसाधक (advaita-sādhaka) *adj.* establishing non-duality अद्वैतमते च प्रमाणमेव नास्ति। तत्सद्भावे द्वैतप्रसङ्गात्। अद्वैतसाधकस्य प्रमाणस्य द्वितीयस्य सद्भावात् SyādvāMañ. 13 (119)

अद्वैतसाधन (advaita-sādhana) *n.* establishment of non-duality न चागमादेवाद्वैतसाधनम् PrakaPañ. 337. 4 = NyāyMa. 291. 6; PramāMā. 4. 28; रागिणां पुरुषातिरिक्ते वैराग्यायैव श्रुतिभिरद्वैतसाधनात् SāṁkhyaPraBh. 158. 19 (*on* 6. 51)

अद्वैतसाम्राज्य (advaita-sāmrājya) *n.* realm of non-duality नूनमद्वैतसाम्राज्ये श्रुतिरपवर्गमभिषेक्तुमीहते AmṛUda. 1. 10 (3)

अद्वैतसिद्धा (advaita-siddhā) *adj.* (*f.*) established as being without a parallel (मदिराम्) साक्षादलक्ष्मीं जननीमघानाम्। अद्वैतसिद्धां कलिपद्धतिं तां क्रीणीत JātaMā. 103. 24 (17. 24)

अद्वैतसिद्धान्त (advaita-siddhānta) *m.* doctrine of non-duality सिद्धो नः पक्षः अद्वैतसिद्धान्तसिद्धेः Kāśi. ii. 97. 11 (*on* 5(3). 13); परमात्मनो भेदेऽद्वैतसिद्धान्तक्षतिः NyāyKa. 87. 12; NyāyVārPari. 371. 4; न चाद्वैतसिद्धान्तश्रावकाः स्वात्मनां तदनभिज्ञतामनुमन्यन्ते S'atDū. 62. 6; स्वसिद्धान्तसमर्थनाय … सः …। जगाद वेदान्तवचः प्रसिद्धमद्वैतसिद्धान्तमपाकरिष्णुः S'aṅkaDigVi.(Mā.) 8. 75; अद्वैतसिद्धान्ते विषयसंबन्धजन्यवृत्तिवैचित्र्येण व्यङ्ग्ये स्वरूपसुखे भेदव्यवहारवद्विशेष्यांशमादायाभेदेऽपि तत्प्रतीतिर्नापाद्या VaiyāSiMañ. 228. 9.

अद्वैतसिद्धि (advaita-siddhi) *f.* establishment of non-duality एवं सत्त्वभेदप्रतिपादकस्य 'आत्मा वा इदं सर्वम्' इत्येवमादेः आगमस्य नास्ति प्रत्यक्षेण विरोधः। ततश्च सिद्धाद्वैतसिद्धिः TātpaṬ.(U.) 148. 20 (*on* 4. 116); 227. 17 (*on* 5(3). 143); ब्रवीति श्रुतिरेकत्वं ब्रह्मणोऽद्वैतसिद्धये SarvaVeSāSaṁ. 730; यदि तावदद्वैतसिद्धौ प्रमाणमस्ति तर्हि तदेव द्वितीयमिति नाद्वैतम् NyāyMañ. ii. 98. 31; IṣṭaSi. 322. 19; TātpaṬ.(Vā.) 616. 9 (*on* iv. 1. 14); अद्वैतसिद्धौ विशेषविचारः काकदन्तविचारवत् स्यात् KhaṇḍanKhā. 140. 3; उपादानत्वमेव न कुलधर्मतयोक्तं किं तु प्रकृतिविकाराभेदन्यायेनाद्वैतसिद्धये VedāntKa. 51. 18 (*on* i. 1. 2); दिङ्मात्रेण विभानं तु द्वयोरपि समं खलु। द्वैतसिद्धिवदद्वैतसिद्धिस्ते तावता न किम् PañcDa. 6. 243; सर्वस्यापि भेदस्य … मिथ्यात्वे … अद्वैतसिद्धिः S'atDū. 190. 4; प्रमाणमस्ति चेद्वैतापत्तिः। अथ प्रमाणं नास्ति चेत् कथमद्वैतोपलब्धिः (v. l. अद्वैतसिद्धिः) LaṭaMe. 2. 17. (7); SarvaDaKau. 128. 17; अद्वैतद्वैतमिथ्यात्वसिद्धिपूर्वकत्वात् द्वैतमिथ्यात्वमेव प्रथममुपपादनीयम् AdvaiSi. 8. 7; अद्वैतसिद्धिर्वक्ष्यमाणाद्वितीयसाक्षात्कारः कैवल्यनिष्पत्तिर्वा YogSā. 50. 9 (2); बोधनं च अद्वैतविषयममेव तेन यावन्मात्रेणाद्वैतसिद्धिः तावन्मात्रमेव ग्राह्यम् Bhāsk. 248. 21 (*on* i. 5. 12)

अद्वैतसुख (advaita-sukha) *adj.* of unparalled happiness गुणैस्तैश्चानुरूपयोः। तयोर्विलसतोः कालः कोऽप्यद्वैतसुखो ययौ TriṣaS'aPuC. iv. 2. 28; *n.* unique happiness स एवमद्वैतसुखप्रपञ्चे सुधाह्रदे हंस इवावगाढः। आयुः … निर्गमयांबभूव TriṣaS'aPuC. ii. 1. 312.

अद्वैतसौख्य (advaita-saukhya) *n.* peerless or unique happiness भगवन्नन्तरात्मा त्वं मन्येऽहं सर्वदेहिनाम्। तेषामद्वैतसौख्याय यतसे कथमन्यथा TriṣaS'aPuC. ii. 3. 283; अद्वैतसौख्यसदनं सुधीः संतोषमाश्रयेत् TriṣaS'aPuC. iv. 5. 347.

अद्वैतस्थिरता (advaita-sthiratā) *f.* firmness of non-duality अहंविमर्शस्य … अद्वैतस्थिरताकरणाय आत्मधर्मत्वमवधूय Bhāsk. i. 248. 19 (*on* i. 5. 12)

अद्वैतस्पष्टता (advaita-spaṣṭatā) *f.* clarity in stating (or conveying) non-duality परेण … अद्वैतस्पष्टताभ्रमाच्च पूर्वं पुराणवचनान्युपन्यस्य पश्चाद्भगवद्गीतावचनान्युदाहृतानि S'rutaPra. iA. 209. 26 (*on* i. 1. 1)

अद्वैतस्वरूपता (advaitasvarūpa-tā) *f.* the state of being of the form of non-duality हकाररेफेकाराणां व्यस्तत्वदशायां भिन्नभिन्नार्थकानां मेलने ह्रींकारात्मना परिणामे सच्चिदानन्दस्वरूपश्रीत्रिपुरसुन्दर्याः तदर्थत्वेन अद्वैतस्वरूपतया प्रतिभानात् LalitāTriBh. 350. 11 (*on* 57)

अद्वैतहान (advaita-hāna) *n.* abandonment of non-duality (मायाया) अस्या निवृत्तिरदृढस्वभावायाः मायामात्रत्वात् अन्यथास्वभावे दृढं व्यवस्थितायाः कथमन्यथात्वम्? स्वभावाहानात्; शून्यत्वे स्वयं निवृत्तत्वात्। एवं च नाद्वैतहानम् BrahmSi. 10. 1; न च ब्रह्मतत्कार्यातिरिक्तं वस्त्वस्ति अद्वैतहानात् IṣṭaSi. 146. 5; अकर्तृत्वेऽपि भोक्तृत्वपक्षे परिणामितया नित्यत्वाद्यसंगतिः। अभोक्तृत्वेऽपि नानात्वेनावच्छिन्नत्वादनित्यत्वादिप्रसक्तावद्वैतहानाच्च तत्पदार्थसंगतिस्तदवस्थैव Bhām. 62. 19 (*on* i. 1. 1); मिथ्यात्वकोटिमात्रस्यास्माभिराश्रयणे सत्यत्वकोटिप्रयुक्तस्याद्वैतहानदोषस्यानवकाशात् GuruCandr. i. 114. 12.

अद्वैतहानि (advaita-hāni) *f.* loss of non-duality अद्वैतवादिनस्तु तद्व्यतिरिक्तो हेतुः स्वत एवासिद्धः। तत्र साध्यमाने तस्मिन् अद्वैतहानिः TātpaṬ.(U.) 225. 13 (*on* 5 (3). 131); ब्रह्मव्यतिरिक्तस्य…वस्त्वन्तरस्याभावात्। वस्त्वन्तरसद्भावेऽद्वैतहानिः S'vetāUBh. 103. 15 (*on* 1. 9); नावृत्तिर्ब्रह्मणः काचिदन्याभावादनावृतम्। यद्यस्त्यद्वैतहानिः स्यात् ViveCū. 572; IṣṭaSi. 33. 1; अथ प्रमाणं तत्रात्मा प्रमेयत्वं प्रपद्यते। यत्रैतदुभयं तत्र चतुष्टयमपि स्थितम्। अद्वैतहानिरेवं स्यात् MṛgendraT. i. 2. 14; संवेद्यसंवेदनयोरभ्युपगमात् अद्वैतहानिः RājMār. 84. 9; S'āstraDī. 111. 6 (*on* i. 1. 5); न हि ब्रह्मात्मैक्यस्य याथार्थ्यं तत्पक्षे। अद्वैतहानेः स्वरूपातिरेके MāyāKha. 2A. 9; AnuVyā. 40A. 11 (*on* 3. 2); स्वाश्रयदोषस्य परमार्थत्वे ह्यद्वैतहानिप्रसङ्गः S'rutaPra. iB. 4. 20 (*on* i. 1. 1); संवृतेः सत्यत्वेऽद्वैतहानिः NyāySu.(Ja.) 401B. 1 (*on* ii. 2. 8); न … पारमार्थिकत्वं तत्त्वतोऽस्ति। अद्वैतहानेः Nyāyāmṛ. 38B. 8; त्रैकालिकनिषेधस्य तात्त्विकत्वेऽद्वैतहानिः AdvaiSi. 95. 1; आत्मान्यैव अविद्यानिवृत्तिः। सा च न सती। अद्वैतहानेः SiddhāLeSaṁ. 435. 4; न च मिथ्यात्वस्य सत्यत्वे धर्मिणि न तद्वैशिष्ट्यभङ्गः किंत्वद्वैतहाभिः GuruCandr. i. 114. 9; i. 190. 12; ननु कल्पनानिर्मित एव भेद इति नाद्वैतहानिः MānaMe. 206. 3; ननु यद्येवं तर्हि विच्छेदनस्यापि सत्यतया स्थितत्वादद्वैतहानिः Bhāsk. i. 142. 20 (*on* i. 3. 7)

अद्वैताकरण (advaitākaraṇa) *n.* identification (*lit.* making non-dual i. e. one) अद्वैताकरणं(v. l.) निषेधवचनादुत्पन्नबुद्धेरपि तुल्यं तत्त्वमसीति वाक्यजनितप्रत्यक्प्रतीत्या सह SaṁkṣeS'ā. 1. 251 (Nṛsiṁhāśrama आकरणमाकारः)

अद्वैताख्य (advaitākhya) *adj.* called non-duality ननु चित्रगतनिम्नोन्नतविषयचाक्षुषज्ञानस्य विषयगतश्यामादिरेखासंनिवेशविशेषाख्यात् दोषादप्रामाण्यं यथा दृष्टं तथा अत्राप्यद्वैताख्यात् विषयदोषादप्रामाण्यम् VivaPraSaṁ. 297. 11.

अद्वैतागम (advaitāgama) *m.* Vedic text stating non-duality 'मृत्तिकेत्येव सत्यम्' इत्याद्यागमेन … अद्वैतागम एवोपचरितार्थः किं न स्यात् TattvPradī.(Ci.) 44. 4; अद्वैतागमस्य त्वबाध्यार्थविषयानियतकालवस्तुपरिच्छेदकत्वादत्यन्ताबाध्यार्थपरिच्छेदकत्वमविरुद्धम् PrakaVi. 429. 25; 416. 20; नाद्वैतावगमस्य (? नाद्वैतागमस्य) प्रत्यक्षादिविरोधः PrakaVi. 445. 15; 562. 27; अद्वैतागमोऽपि प्रत्यक्षादिविषयस्य द्वैतस्य तत्त्वांशमेव बाधते न व्यवहारसंवादांशम् VivaPraSaṁ. 296. 22; तथा चाद्वैतागमस्य स्वतात्पर्यविषयीभूतार्थबोधकत्वनिर्वाहाय लक्षणाश्रयणेऽपि मुख्यार्थत्वमुपपन्नम् ĀdvaiSi. 376. 8; 398. 2; अद्वैतागमस्य प्रत्यक्षेण एकवाक्यत्वशङ्काभावात् पूर्ववृत्तमपि तदविगणय्य स्वार्थबोधकत्वमप्रतिहतम् SiddhāLeSaṁ. 261. 11.

अद्वैतागमनासीर (advaitāgama-nāsīra) *m.* front of the army in the form of the Vedic text on non-duality अद्वैतागमनासीरे … सेवामेवार्जयत्यर्थापत्तिपत्तिपरम्परा KhaṇḍanKhā. 212. 20.

अद्वैतागमबोद्धृ (advaitāgama-boddhṛ) *adj.* knower of the Vedic text on non-duality सुतः … आचार्यम् …। अद्वैतागमबोद्धारं प्रणम्य प्रार्थयिष्यति SaurP. 39. 41.

अद्वैतागमवत् (advaitāgama-vat) *adv.* like the Vedic text on non-duality अद्वैतागमवत् प्रत्यक्षस्य तत्त्वावेदकत्वाभावात् न धर्मिग्राहकप्रमाणबाधः PrakaVi. 430. 2; 570. 15.

अद्वैतागमवाक्य (advaitāgama-vākya) *n.* Vedic sentence stating non-duality अद्वैतागमवाक्यं तु तत्त्वावेदनलक्षणम्। प्रमाणभावं भजते NyāyMa. 145. 8; PramāMā. 12. 3; 12. 20.

अद्वैतागमविरोध (advaitāgama-virodha) *m.* contradiction with scripture on non-duality (अनुमानम्) तदप्यद्वैतागमविरोधात्कालात्ययापदिष्टमित्युपेक्षणीयम् TattvPradī.(Ci.) 44. 3.

अद्वैताचारनिपुण (advaitācāra-nipuṇa) *m.* one of the thousand nāmes of Viṣṇu (*lit.* expert in preaching the doctrine of non-duality) अद्वैताचारनिपुनो(? णो)ऽद्वैतः परमनायकः (इत्येतत् कथितं देवि सहस्रं नाम … विष्णोर्बालकत्वमुपेयुषः) PāñcaRā.(Nā.) iv. 8. 117.

अद्वैताचारनिरत (advaitācāra-nirata) *adj.* attached to practising the dcctrine of non-duality अद्वैताचारनिरते शिवभक्तिरताय च। … नित्यं देयम् PañcaRā.(Nā.) iv. 8. 169.

अद्वैताचारवादिन् (advaitācāra-vādin) *adj.* expounder of the practice of non-duality ध्यानात्मा साधकेन्द्रो भवति···अद्वैताचारवादी ṢaṭcakraNi. 34.

अद्वैताचार्य (advaitācārya) *m.* **1** the teacher of the doctrine of non-duality (i. e. S'aṅkarācārya) अस्मज्जिह्वाग्रसिंहासनमुपनयतु स्वोक्तिधारामुदारामद्वैताचार्यपादस्तुतिकृतसुकृतोदारता शारदाम्बा S'aṅkaDigVi.(Mā.) 1. 14; अद्वैताचार्यवर्येण तेन प्रेम्णा पृष्टः शङ्करः··· व्याजहार S'aṅkaDigVi.(Mā.) 16. 41; **2** name of a person अद्वैताचार्यवर्यो भगवदनवमं शाम्भवं धाम साक्षात् CaitaCa. 9. 18(1); भगवतः प्रेमपरायणानां प्रधानतमोऽयमद्वैताचार्यः CaitaCa. 46. 13 (2); 53. 21(2).

अद्वैतातिरिक्त (advaitātirikta) *adj.* different from non-duality तस्य (अद्वैतवादिनः) हि नाद्वैतातिरिक्तं तत्त्वमिति मतम् PrakaVi. 573. 15.

अद्वैतात्मज्ञान (advaitātma-jñāna) *n.* knowledge of the Self devoid of duality अविभक्तं विभक्तेषु तज्ज्ञानम् ··· इति अद्वैतात्मज्ञानं सम्यग्दर्शनमित्युक्तं भगवतापि ViṣṇuSaBh. 19. 20 (*on* 10); अद्वैतात्मज्ञानोदये सर्वव्यवहारलोपान्नासौ दर्शयितुं शक्यः IṣṭaSi. 369. 1.

अद्वैतात्मतत्त्व (advaitātma-tattva) *n.* Self devoid of duality as a principle सिद्धवस्तुन्यगृहीतसामर्थ्यस्य शब्दस्य तद्बोधकत्वासंभवात् वेदान्तानामप्यद्वैतात्मतत्त्वबोधकत्वं नास्ति VivaPraSaṁ. 329. 8.

अद्वैतात्मदर्शन (advaitātma-darśana) *n.* realisation of the Self devoid of duality न कर्मसहभावि अद्वैतात्मदर्शनम् ChāndoUBh. 8. 11 (*on* i. 1. 0); अज्ञानहृदयग्रन्थेः निःशेषविलयस्तदा । समाधिनाविकल्पेन यदाद्वैतात्मदर्शनम् ViveCū. 355.

अद्वैतात्मन् (advaitātman) *m.* Self devoid of duality न ह्यहेयानुपादेयाद्वैतात्मावगतौ सत्यां निर्विषयाण्यप्रमातृकाणि च प्रमाणानि भवितुमर्हन्ति BrahmSūBh.(Saṅ.) 34. 4 (*on* i. 1. 4); अद्वैतात्मानवधिकसुखासारकासारहंसी बुद्धेः शुद्धयै भवतु भगवत्पःददिव्योक्तिधारा S'aṅkaDigVi.(Mā.) 4. 94.

अद्वैतात्मपर (advaitātma-para) *adj.* referring to the Self devoid of duality अद्वैतात्मपरवेदान्तश्रवणनियमविधिरयमस्तु SiddhāLeSaṁ. 15. 3; 19. 1; रूपं रूपं मघवानो भवतीत्यादिमन्त्रस्तु ईशस्तुतिपरो न त्वद्वैतात्मपरप्रकृतवाक्यसमानार्थकः GuruCandr. ii. 304. 22.

अद्वैतात्मप्रतिपत्ति (advaitātma-pratipatti) *f.* knowledge of the Self devoid of duality भवतु तावद्वेदान्तगतानां वाक्यानामेवमद्वैतात्मप्रतिपत्तिविधिपरत्वेन समन्वयः BrahmSūBh.(Bhā.) 12. 10 (*on* i. 1. 4)

अद्वैतात्मरूप (advaitātma-rūpa) *adj.* having the form or nature of the Self devoid of duality तत्त्वं चाद्वैतात्मरूपमेवेत्यनेकागमपर्यालोचनतो निरणायि NyāyMa. 289. 9.

अद्वैतात्मविज्ञान (advaitātma-vijñāna) *n.* knowledge of the Self devoid of duality कर्मनिरपेक्षमद्वैतविज्ञानम् ··· वक्तव्यमिति उपनिषदारभ्यते ChāndoUBh. 8. 2 (*on* i. 1. 0); तत्र लौकिके दृष्टार्थभेदे प्रवर्तमानस्य अद्वैतात्मविज्ञानभावनमविरुद्धम् ManuBh. ii. 507. 11 (*on* 6. 32)

अद्वैतात्मविद्या (advaitātma-vidyā) *f.* knowledge of the Self devoid of duality अद्वैतात्मविद्यावशादेवाशेषाविद्यानिवृत्तिर्निःश्रेयसमिति चतुरस्रम् NyāyMa. 289. 10.

अद्वैतात्मविबोध (advaitātma-vibodha) *m.* realisation of the Self devoid of duality मदहर्षप्रभृतिरयं वर्गः ··· । अद्वैतात्मविबोधस्तेन कथं स्पृश्यतां नाम ParamāSā. 72.

अद्वैतात्मविषय (advaitātma-viṣaya) *adj.* the subject of which is the Self devoid of duality तत् ज्ञानं साक्षात् सम्यक् दर्शनम् अद्वैतात्मविषयं सात्त्विकं विद्धि GītāBh.(S'aṅ.) 508. 16 (*on* 18. 20)

अद्वैतात्मसत्य (advaitātma-satya) *n.* truth in the form of the Self devoid of duality अद्वैतात्मसत्याभिसंधस्य अतस्करस्येव···बन्धदाहाभावः ChāndoUBh. 8. 8 (*on* i. 1. 0)

अद्वैतात्मसाक्षात्कार (advaitātma-sākṣātkāra) *m.* realisation of the Self devoid of duality अद्वैतात्मसाक्षात्कार एव मोक्षकारणम् PramāMā. 21. 23.

अद्वैतादि (advaitādi) *adj.* **1** doctrine of non-duality etc. प्रकारावच्छेदविरहनिबन्धनश्च सर्वात्मत्वाद्वैतादिव्यवहारः KhaṇḍanKhā. 98. 20; स्ववचनविरोधादिभिः शून्याद्वैतादिमतभङ्गात् NyāySiA. 249. 12; अनाश्रयस्यैवमादेरनुमानात्मता कथम् । भ्रान्ताश्रयानुमन्तृणां शून्याद्वैतादिवादिनाम् NyāyPari. 333. 5; अद्वैताद्युपलक्षिताखण्डार्थज्ञानं च निर्धारणम् AdvaiSi. 691. 13; **2** (a person named) Advaita and others ततः प्रविशति···विश्वम्भरः परितो विभवश्चाद्वैतादयश्च CaitaCa. 21. 1(1)

अद्वैताद्य (advaitādya) *adj.* beginning with a person named Advaita अद्वैताद्यैरखिलसुहृदां मण्डलैर्मण्ड्यमानः ···नरीनर्ति गौरो यतीन्द्रः CaitaCa. 200. 6(8)

अद्वैताधिक्य (advāitādhikya) *n.* insistence on non-duality ब्रह्मभावात्परब्रह्मण्यद्वैताधिक्ययोगतः । तथा बीभत्सभूमादेः शान्तो ह्युपरसो भवेत् BhaktiRaSi. iv. 9. 4.

अद्वैतानन्द (advaitānanda) *m.* **1 i** secondless bliss, bliss without a second अथेदानीं परीक्षाया अद्वैतानन्दलक्षणम् । उपसंह्रियते TaiUBhāVā. 146. 6; अद्वैतानन्दनिष्ठत्वं वेदान्तानामप्ययुक्तिमत् NyāyMa. 257. 8 (comm. सजातीयविजातीयस्वगतनानात्वशून्यानन्दविषयत्वम्); 161. 3; **1 ii** the secondless one as bliss अद्वैतानन्द एतस्मिन्विश्राम्यन्तु जनाश्चिरम् PañcDa. 13 104; 13. 105; अद्वैतानन्दभरात् किमिदं कोऽहं च कस्त्वाहम् । इति मन्थरतां यातं यदा तदा मूर्च्छितं चेतः PraboSu. 151; GuruCandr. i. 376. 13; **2** name of the author of ब्रह्मविद्याभरण.

अद्वैतानभिसंबन्ध (advaitānabhisambandha) *m.* absence of contact with non-duality द्वैतार्थस्य विशुद्धिश्च कीदृश्यत्र विवक्षिता । अद्वैतानभिसंबन्धो नाशो वा मलशुद्धिवत् BṛĀraUBhVā. iii. 2. 99.

अद्वैतानिपुण (advaitānipuṇa) *adj.* not conversant with non-dualism अविदिताद्वैतयाथात्म्यानाम् अद्वैतानिपुणानाम् S'rutaPra. ii. 238. 24 (*on* ii. 1. 15)

अद्वैतानिर्णय (advaitānirṇaya) *m.* indecision or lack of decision about non-duality यथा च तव भेदानिर्णयेऽपि भेदनिर्णयवानिति कल्पना तथैव अद्वैतानिर्णयेऽपि ममाद्वैतनिर्णयवानिति कल्पना GuruCandr. ii. 354. 17.

अद्वैतानुध्यान (advaitānudhyāna) *n.* constant mediation upon non-duality अत्र चाद्वैतानुध्यानजन्यवासनामन्तरेण तत्प्रत्ययसामग्रीसिद्धेः S'atDū. 131. 23.

अद्वैतानुपपत्ति (advaitānupapatti) *f.* absence of reasonableness for non-duality योऽपि दोषश्चोद्यते कैश्चिदविद्यया किल आत्मनः सद्वितीयत्वात् अद्वैतानुपपत्तिरिति BrahmSūBh.(S'aṅ.) 775. 3 (*on* iv. 1. 3); प्रमाणोपपत्त्यनुपपत्त्योरद्वैतानुपपत्तिरित्यपास्तम् PramāMā. 17. 5.

अद्वैतानुभव (advaitānubhava) *m.* experience of realisation of non-duality नाद्वैतानुभवः क्षतिं वितनुते तस्येति युक्तं वचः SaṁkṣeS'ā. 2. 219 (ii. 130. 6)

अद्वैतानुरागा (advaitānurāgā) *adj.* (*f.*) having undivided attachment मामद्वैतानुरागां मन्यतेऽसौ तृणायेत्येवं दौर्भाग्यदुःखोन्मूलनं चिन्तयन्ती । ··· सिद्धेन्द्रसूनो सेवते राजलक्ष्मीः ChandaśCū. 2. 225(2)

अद्वैतानुसंधानलोप (advaitānusandhāna-lopa) *m.* absence or break of non-dualistic meditation ज्ञानिनः कथमद्वैतानुसंधानलोपाभावः LalitāSaBh. 46. 28 (*on* 78)

अद्वैतान्तर्गता (advaitāntargatā) *adj.* (*f.*) concerning (*lit.* containing) non-duality इत्युक्ते मौनिनं भूयश्चिन्तयानं महीपतिम् । प्रत्युवाचाथ विप्रोऽसावद्वैतान्तर्गतां कथाम् ViṣṇuP. ii. 15. 1.

अद्वैतान्वित (advaitānvita) *adj.* connected with non-dualistic doctrine बहुकालं शैवमतं शापान्तरमद्वैतान्वितं लोकोपकाररूपं कल्पयित्वा तमवादीत् S'aṅkaVi.(Ā.) 265. 20.

अद्वैतापत्ति (advaitāpatti) *f.* contingency of non-duality (i. e. identity) तदन्यथानुपपत्तिगम्या हि बुद्धिः कथमर्थं विनाशयेदिति बलादद्वैतापत्तिरप्रमाणवती TātpaṬ.(U.) 298. 9 (*on* 5(4). 245); कुम्भस्यापि स्तम्भात्मना पर्यवसानादद्वैतापत्तिः TattvPradī.(Ci.) 168. 10; वस्त्वन्तरोपप्लवे चाद्वैतापत्तिः NyāyRa. 663. 17 (*on* 5(15). 85)

अद्वैताभास (advaitābhāsa) *m.* fallacious appearance of non-duality ब्रह्मवाचाद्वैतं चाद्वैताभास एव Bhāsk. i. 320. 8 (*on* i. 6. 5)

अद्वैताभासतापात (advaitābhāsatāpāta) *m.* consequence as fallacious appearance of non-duality अन्यथाद्वैताभासतापातात् Bhāsk. ii. 133. 22 (*on* ii. 3. 14)

अद्वैताभासत्वापात (advaitābhāsatvāpāta) *m.* consequence as fallacious appearance of non-duality अन्यथा अद्वैताभासत्वापातात् Bhāsk. ii. 63. 24 (*on* ii. 2. 7)

अद्वैतामृत (advaitāmṛta) *n.* nectar in the form of non-duality अद्वैतामृतदातृत्वे रुद्रादप्युत्तमोत्तमः S'aṅkaVi.(Ā.) 35. 17; ये वेदान्तसुधोदधिम् ··· निर्मथ्योद्दहरत् ··· अद्वैतामृतम् SiddhāSi. i. 2. 5.

अद्वैतामृतवर्षिन् (advaitāmṛtavarṣ-in) *adj.* which showers nectar in the form of non-duality अद्वैतामृतवर्षिभिः परगुरुव्याहारधाराधरैः ··· दुर्भिक्षम् ··· शान्तम् S'aṅkaDigVi.(Mā.) 15. 172.

अद्वैताम्नाय (advaitāmnāya) *m.* Vedic text purporting non-duality ततोऽस्याद्वैताम्नायैरभेदबोधने तद्द्वारा सर्वाभेदे पर्यवसातव्यम् KhaṇḍanKhā. 174. 6.

अद्वैतार्णव (advaitārṇava) *m.* ocean in the form of non-dualism अद्वैतार्णवपूर्णचन्द्रमभिधापञ्चाटवीभास्करम् ···श्रीशंकरं तं भजे S'aṅkaVi.(Ā.) 12. 1; अद्वैतार्णवपूर्वदिग्भवविभुम् ···। नौमि प्रसिद्धं गुरुम् S'aṅkaVi.(Ā.) 275. 3.

अद्वैतार्थ (advaitārtha) *adj.* [*f.* -ā] the purport or meaning of which is non-duality अन्यथा कर्मविधयो भिन्नपरा वेदान्ता अद्वैतार्था इति विरोधः NayaVi. 263. 4; (*on* i. 1. 24); श्रुतिभिश्चाद्वैतार्थाभिः …अद्वैतं प्रतिपाद्यते Khaṇḍan-Khā. 215. 16; *m.* subject of non-duality अद्वैतार्थेऽप्यनुभवबहिरस्तस्मृतिर्यदि । यथा भानुर्मध्यादिषु समकरः S'aṅkaVi.(Ā.) 231. 13.

अद्वैतार्थकत्व (advaitārthaka-tva) *n.* the state of having non-duality for its meaning श्रुत्यादेरद्वैतार्थकत्वखण्डनपरेणोक्तम् LaCandr. 827. 35.

अद्वैतार्थता (advaitārtha-tā) *f.* the state of having non-duality for its meaning भवेदेतद्यद्येतच्छ्रुतीनामद्वैतार्थता स्यात् TattvPrakā. 20A. 7 (*on* i. 1. 17)

अद्वैतार्थत्व (advaitārtha-tva) *n.* the state of having non-duality for its meaning यदि हि अद्वैतार्थत्वमेव आसाम्, ग्रामपशुस्वर्गाद्यर्थत्वं नास्ति BṛĀraUBh. 372. 13 (*on* iii. 2. 1)

अद्वैतार्थप्रद (advaitārtha-prada) *adj.* which yields the meaning of non-duality अद्वैतार्थप्रदं लोकैरद्वैतार्थानुचिन्तकैः । गुरुकीर्तिप्रदं शास्त्रमुपास्यं भवति ध्रुवम् S'aṅkaVi.(Ā.) 281. 9.

अद्वैतार्थवाक्य (advaitārtha-vākya) *n.* sentence conveying the meaning of non-duality एकवाक्यत्वमेतस्माद्द्वैताद्वैतार्थवाक्ययोः BṛĀraUBhVā. iii. 2. 58.

अद्वैतार्थानुचिन्तक (advaitārthānucintaka) *adj.* who meditates upon the meaning of non-duality अद्वैतार्थप्रदं लोकैरद्वैतार्थानुचिन्तकैः । गुरुकीर्तिप्रदं शास्त्रमुपास्यं भवति ध्रुवम् S'aṅkaVi.(Ā.) 281. 9.

अद्वैतार्थावबोध (advaitārthāvabodha) *m.* enlightenment about the subject of non-duality भाष्यं कृत्वा ब्रह्मसूत्रतात्पर्यार्थविनिर्णयम् । अद्वैतार्थावबोधेन शिष्यान् कृत्वा विवेकिनः S'aṅkaVi.(Ā.) 228. 9.

अद्वैतालय (advaitālaya) *m.* abode of Advaita स खलु मथुरागमनतः प्रत्यावृत्य संप्रत्यद्वैतालये समागतोऽस्तीति श्रुतं तत्कथं दूयसे CaitaCa. 126. 6 (6).

अद्वैतावगति (advaitāvagati) *f.* knowledge of non-duality एवमद्वैतावगतावपि अविद्यावस्थायामुपायोपेयभावः पारमार्थिको भवत्येव TātpaṬ.(U.) 230. 13 (*on* 5(3). 159); विधेयनिषेधो वाक्यार्थभेदः साध्यसाधनादिपदार्थभेदः … अद्वैतावगतौ न भवति VedāntKa. 95. 7 (*on* i. 1. 4); गतिसामान्यमद्वैतावगतिरूपकार्येण सर्वेषां वेदान्तानां समानत्वम् GuruCandr. iii. 454. 11; सर्ववेदान्तवाक्यानामद्वैतावगतिजनकत्वेन समानता LaCandr. 425. 33.

अद्वैतावगम (advaitāvagama) *m.* realisation of non-duality तदपेक्षस्तु तत्पूर्वकोऽनिसर्गजः कस्यचिदेवावगन्तुरद्वैतावगमः BrahmSi. 40. 6.

अद्वैतावबोधक (advaitāvabodhaka) *adj.* which conveys non-duality अतः प्रत्यक्षादिविरुद्धार्थत्वादद्वैतावबोधक आम्नायो न यथाश्रुतो वर्णयितुं न्याय्यः PrakaPañ. 338. 5.

अद्वैतावभास (advaitāvabhāsa) *m.* manifestation of non-duality चैतन्यस्याद्वैतावभासं प्रतिबध्य द्वैतावभासजनकत्वेन चैतन्यं प्रत्यज्ञानस्य दोषत्वेऽपि VivaPraSaṁ. 109. 8.

अद्वैतावस्था (advaitāvasthā) *f.* non-dualistic state शिवशक्त्योरेवाद्वैतावस्थायाः परमेश्वरता Bhāsk. i. 69. 9 (*on* i. 1. 3)

अद्वैतावस्थित (advaitāvasthita) *adj.* resting (culminating) in non-duality अद्वैतावस्थितं ब्रह्म यच्च द्वैते व्यवस्थितम् MārkP. 23. 45; VāmaP. 32. 20.

अद्वैताविरोधिन् (advaitāvirodhin) *adj.* not contradictory to non-duality न च ते (धर्माः) भ्रान्तिसिद्धास्ते येनाद्वैताविरोधिनः SamviSi. 94. 7.

अद्वैताविहन्तृत्व (advaitāvihantṛ-tva) *n.* the state of not being the destroyer of or obstacle for non-duality अभावरूपाणामद्वैताविहन्तृत्वेऽपि … न … तद्धर्मता श्लिष्यते Bhām. 756. 2 (*on* iv. 4. 6)

अद्वैताव्याघात (advaitāvyāghāta) *m.* absence of contradiction with non-duality भावेऽभावानतिरेकस्वीकारादेवाद्वैताव्याघातः KhaṇḍanKhā. 98. 21.

अद्वैताव्याघातकत्व (advaitāvyāghātaka-tva) *n.* the state of not being contradictory to non-duality न च ब्रह्मण्यपि प्रपञ्चभेदाभ्युपगमेऽद्वैतविरोधः, तात्त्विकभेदादेरनभ्युपगमेन वियदादिवदद्वैताव्याघातकत्वात्, प्रपञ्चस्याद्वैते ब्रह्मणि कल्पितत्वाङ्गीकारात् VedāntPari. 261. 8.

अद्वैताव्यासेधकत्व (advaitāvyāsedhaka-tva) *n.* the state of not preventing non-duality अद्वैताव्यासेधकत्वाच्चैवंविधकारणत्वस्य न लक्ष्याव्याप्तिः VedāntKa. 225. 14 (*on* i. 4. 23)

अद्वैतासिद्धि (advaitāsiddhi) *f.* non-establishment of non-duality न च आत्मेत्येवोपासीतेत्यत्राद्वैतस्याप्युपास्यत्वेनोपासनाशेषतयाद्वैतसिद्धिः स्यादिति वाच्यम् AdvaiSi. 727. 2.

अद्वैतिकत्व (advaitika-tva) *n.* the state of being a non-dual (single) entity यावद्यत्किञ्चिद्भेदवदवभासते तत्सर्वमद्वैतिकत्वे प्रविलापयेत् ManuBh. ii, 490. 22 (*on* 12. 118)

अद्वैतिन् (a-dvaitin) *adj.* follower of non-dualistic doctrine अद्वैतिनां पुनः द्वैतस्यापरमार्थत्वात् … शास्त्राद्यानर्थक्यम् GītāBh (S'aṅ.) 364. 9 (*on* 13. 2); अद्वैतिनो ह्यतथ्यवादिनोऽवैदिका भवेयुः वेदहृदयं परमार्थमद्वैतं च बाध्यं स्यात् SanatBh. 206. 10 (*on* 1. 20); प्रतीतिः स्यात्, अद्वैतिनामिवाहमर्थभेदवादिनामात्मनः NyāyKu. 110. 9; 110. 11; तत्र उभयप्रहाणमित्यद्वैतिनः S'atDū. 219. 7; अद्वैतिनामविद्याधीनजीवब्रह्मविभागवदनादेरपीश्वराधीनत्वोपपत्तेः NyāySu. (Ja.) 19A. 3 (*on* i. 1. 1); अद्वैतिभिः … वसिष्ठादीनामपरोक्षज्ञानित्वोक्तेः Nyāyāmṛ. 645B. 6; अद्वैतिनां त्वविद्या न तात्त्विकी SāṁkhyaSūVṛ. 14. 1 (*on* 1. 21)

अद्वैतिभाव (advaiti-bhāva) *m.* the state of being one without a second अतस्त्रिलोकीमहिलोपमायामद्वैतिभावेन विभाति गौरी PadyaVe. 177.

अद्वैतीकरण (advaitī-karaṇa) *n.* identification (*lit.* making non-dual = one) अद्वैतीकरणं निषेधवचनादुत्पन्नबुद्धेरपि SaṁkṣeS'ā. 1. 251 (i. 92. 23); (comm. प्रत्यग्ब्रह्मैक्याकारता)

अद्वैतेन्दु (advaitendu) *m.* the moon in the form of Advaita अद्वैतेन्दोरुदयजनितोल्लाससीमातिशायी … खण्डानन्दैरपि कथमहो भूयसीं पुष्टिमेति CaitaCa. 195. 9 (8)

अद्वैतेश्वर (advaiteśvara) *m.* god identified with the non-dual principle एवं च सति अद्वैतेश्वरस्यापहतपाप्मत्वादिगुणता विपरीतगुणता तु इतरस्य-मिथ्येति व्यवतिष्ठते BrahmSūBh.(S'aṅ.) 774. 10 (*on* iv. 1. 3)

अद्वैतोपदेश (advaitopadeśa) *m.* teaching of non-duality नानात्ववादिन्यस्तु प्रत्यक्षादिसिद्धार्थानुवादित्वादन्यथासिद्धाद्वैतोपदेशपराभिः श्रुतिभिः प्रत्यक्षादय इवाविद्यान्तर्गताः ख्याप्यन्ते S'rīBh. 540. 4 (*on* ii. 3. 42)

अद्वैतोपदेष्टृ (advaitopadeṣṭṛ) *adj.* preaching non-duality अद्वैतोपदेष्टाचार्यो निवृत्ताविद्य उतानिवृत्ताविद्यः S'atDū. 143. 8.

अद्वैतोपयोगिन् (advaitopayogin) *adj.* useful for non-duality देव यद्यपि शान्तिपुरवास एवाद्वैतोपयोगी CaitaCa. 48. 6 (2)

अद्वैतोपरि (advaitopari) *ind.* on non-duality अद्वैतोऽद्वैतोपरि परिवर्तते CaitaCa. 50. 7 (2)

अद्वैतोपलब्धि (advaitopalabdhi) *f.* knowledge of non-duality किंच, वेदान्तवादिनां भवतामप्रामाणिकमद्वैतं प्रामाणिकं वा । प्रमाणमस्ति चेद् द्वैतापत्तिरथ प्रमाणं नास्ति चेत्कथमद्वैतोपलब्धिः LaṭaMe. 2. 17 (7)

अद्वैतोपायन (advaitopāyana) *n.* gift of Advaita अद्वैतोपायनमिदमतिस्वादुभावीति कार्यम् CaitaCa. 238. 5 (10)

अद्वैतोपासनारत (advaitopāsanā-rata) *adj.* interested in meditation on non-duality साक्षाद्भगवतो विष्णोरद्वैतोपासनारतः SkandP. ii(2). 21. 60.

अद्वैध (advaidha) *adj.* **i** not-disunited, undivided, intimate सुग्रीवेण समं तस्य अद्वैधं छिद्रवर्जितम् । अहार्यं सख्यमभवत् Rāmā. vii. 36. 38; ii. 110. 3; **ii** free from duplicity, straightforward पितृपैतामहं नित्यमद्वैध्यं (v. l. अद्वैधम्) हृदयानुगम् । … मित्रं कार्यार्थमिष्यते NītiSā. 4. 68; आयतिक्षममद्वैधं मित्रं कुर्वीत सत्कुलम् AgniP. 238. 34; SūktiRa. 88. 1; तत्राज्ञायुक्तमद्वैधं दीप्तं गम्भीरशब्दवत् । … वाक्यमेतत्स्वयम्भुवः ViṣṇuDhaP. iii. 4. 1; **iii** not divided, not partitioned मालवे भ्रातरावुभौ । विप्रावभूतामद्वैधं तयोः पित्र्यमभूद्धनम् KathāSaSāg. x. 6. 172; *n.* non-separation, close association, unity अद्वैधं यौनसंबन्धादिच्छतस्तत्सुतो मदात् ।… कृतावज्ञोऽतनोत् त्रपाम् RājTa.(Ka.) 8. 1570.

अद्वैधक्षत्रियप्राय (advaidhakṣatriya-prāya) *adj.* similar to that of member of the warrior class who does not harbour duplicity अद्वैधक्षत्रियप्रायो दण्डो दण्डवतां मतः AgniP. 238. 33; cf. NītiSā. 4. 65.

अद्वैधज्ञ (a-dvaidha-jña) *adj.* ignorant of duplicity अद्वैधज्ञः पथि द्वैधे संशयं प्राप्तुमर्हति । बुद्धिद्वैधं वेदितव्यम् MahāBhā. xii. 140. 8.

अद्वैधम् (advaidham) *adv.* without a divided view or opinion अद्वैधमुपवर्तव्यस्तयाप्येष मया भवेत् Rāmā. ii. 110. 3; अद्वैधं द्वैधंकृत्य गतः JaineVyā. 143. 14 (*on* ii. 4. 47)

अद्वैधमानस (advaidha-mānasa) *adj.* with mind not given to duplicity अद्वैधमानसं युक्तम् … न श्रीः सन्त्यजते नित्यम् SūktiRa. 166. 6.

अद्वैध्य (advaidhya) *adj.* **i** not having a separate interest सहवृद्धिक्षयिकत्वादद्वैध्यः क्षत्रप्राय इति दण्डसंपत् ArthS'ā. ii. 228. 3 (6. 1); **ii** free from duplicity, without disagreement पितृपैतामहं नित्यं वश्यमद्वैध्यं महल्लघुसमुत्थमिति मित्रसंपत् ArthS'ā. ii. 228. 4 (6. 1); मित्रभावि भवत्येतन्मित्रमद्वैध्यमापदि ArthS'ā. ii. 297. 8 (7. 9); अद्वैध्यः क्षत्रियप्रायो दण्डो दण्डविदां मतः NītiSā. 4. 65; SūktiRa. 98. 2; आयतिक्षममद्वैध्यं मित्रं कुर्वीत सत्कुलम् (v. l. for अद्वैधं ?) SūktiRa. 88. 1.

अद्वैपदोक्थ्य (advaipadokthya) *adj.* not characterised by the S'āstras of the Hotrakas in which two-quartered verses are to be recited

as the Stotriyas and Anurūpas अद्वैपदोक्थ्यश्चैद्वैषुवतं तृतीयसवनम् ĀśvaŚS. II. iii. 11. 12.

अद्वैराज्य (a-dvairājya) *adj.* having no divided sovereignty, without diarchy अद्वैराज्यं राज्यमाहृत्य दातुं प्रत्यज्ञासीदेककोऽन्यस्तु सीताम् Rāgh. 10. 63.

अद्वैविध्य (a-dvaividhya) *n.* absence of duplicity तत्र परिचारकसंपत् ... अद्वैविध्यं दमो जितक्रोधादि सहिष्णुता चेति KāśyaS. 38B. 12.

अद्वैहायन (a-dvaihāyana) *n.* the state of not being two years old 'न द्विहायनस्य भावः' इत्यादौ पूर्वोक्तज्ञापकान्नञर्थापेक्षत्वेऽपि पूर्वं प्रत्ययः पश्चान्नञ्-समासः ... अद्वैहायनम् इति Pradī. iv. 307A. 25 (*on* v. 1. 121)

अद्वौरिक (a-dvaurika) *adj.* having no gate-keeper अद्वौरिके द्वारे को नाम न प्रविशति NītiVā. 24. 29 [mistake for अदौवारिक cf. Mysore Edition 24. 32]

अद्व्यर्थोपपद (advyarthopapada) *n.* where the subordinate word does not mean 'two' अद्व्यर्थोपपदेऽपीमौ साधू LaŚabdeŚe. ii. 369. 9.

अद्व्यात्मकत्व (advyātmaka-tva) *n.* the state of not being dual by nature अथ वस्तुनोऽद्व्यात्मकत्वाद् व्याप्तिपक्षधर्मताभङ्ग एकत्रावश्यक इति स एव दोषः TattvCin. ii(1). 876. 3.

अद्व्यादि (a-dvyādi) (Gr.) *adj.* other than the word-class starting with *dvi* किंसर्वनामबहुभ्योऽद्व्यादिभ्यः P. v. 3. 2; किंसर्वनामबहुभ्योऽद्व्यादिभ्यः प्रत्ययोत्पत्तिः MahāBh. i. 263. 5 (*on* i. 3. 4); Kātan. ii. 6. 24; CāndraVyā. iv. 3. 7; JaineVyā. iv. 1. 68 (254. 26); ŚākaṭāVyā. iii. 4. 12; iv. 1. 210; SiddhaHe. vii. 2. 89; MugdhaBo. 7. 99 (77. 4)

अद्व्युपसर्ग (a-dvyupasarga) *adj.* not preceded by two (or more) preverbs छादेर्घेऽद्व्युपसर्गस्य P. vi. 4. 96.

अद्व्येकतार्थत्व (advyekatārtha-tva) *n.* the state of not having the meaning of dual or singular तयोरद्व्येकतार्थत्वान्न युवावौ त्वमौ न च SiddhāKau. 92B. 15.